

REPRODUCTION OF EARLIER EDITION OF
DHĀTURATNĀKARA

DHĀTURATNĀKARA

धातुरत्नाकरः

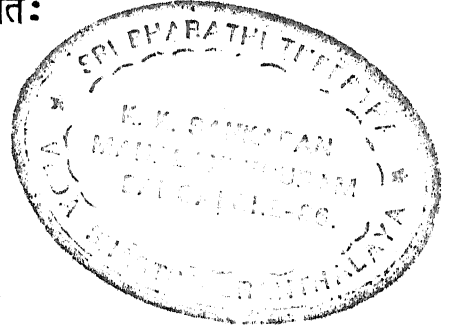
BY

MUNI LĀVANYA VIJAYA SŪRI

मुनिलावण्यविजय सूरिविनिर्मितः

Vol. I
TINANTA

प्रथमो भागः
तिङन्त प्रक्रिया



NAVRANG • नवरंग
1992

This publication has been brought out with financial assistance from Government of India, Ministry of Human Resources Development.

If any defect is found in this book, please return the copy by V.P.P. to the Publisher for exchange free of cost of postage.

DHĀTURATNĀKARA, VOL I

First Published 1867 Saka

Reprint 1992

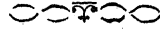
Rs. 820 per set of Vols. 1-7

Published by :
Mrs Nirmal Singal, for
NAVRANG Booksellers & Publishers
RB-7, Inder Puri, New Delhi - 12
Phones : 5722197, 589914

Printed by :
Diamond Printers,
B-74, Phase II, Naraina Industrial Area,
New Delhi - 28

श्रीविजयनेमिसूरिग्रन्थमाला (ग्रन्थरत्न--१.)

श्रीमज्जिनपुद्गवेभ्यो नमः ।



सकलस्वपरसमयपारावारपारीणविद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-

तपोगच्छाधिपति-भट्टारकाचार्यवर्य-जगद्गुरुश्रीमद्विजय-

नेमिसूरिभगवद्भ्यो नमः ॥

श्रीगत्तपोगणगगनाङ्गणगननमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-

कोविदकुलालङ्कार-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजविजय-

नेमिसूरेश्वरचरणारविन्दचञ्चरीकायमाणान्ति-

षण्मुनि लावण्यविजयप्रणीतो



॥ धातुरत्नाकरः ॥

स च

मरुदेशान्तर्गत जोराख्यप्रान्तगतजाबालग्रामवास्तव्य श्रेष्ठि

ताराचन्दजी मोतीजी प्रभृतिद्रव्यसाहाय्येन राजनगर

जैनग्रन्थप्रकाशकसभायाः कार्यवाहकेन

वाडीलाल बापुलाल शाह

इत्यनेन प्राकाश्यं नीतः,

प्रत १०००.

प्रथमावृत्तिः,

मूल्य ३-०-०

१८६७ ना २५ मा एकट

ग्रन्थ रजिस्टर करावी आ ग्रन्थ

छापवा छपाववानो सर्व हक प्रकाशके स्वाधीन राख्यो छे,

राजनगर(अमदावाद) घीकांटावाटिकान्तर्गत जैन एडवोकेट मुद्रणालये
वाडीलाल बापुलाल शाह. इत्यनेन मुद्रितः

॥ अथाकाराद्यनुक्रमसहिताधातुसूची ॥

| | | | | | | | |
|----------------|------|-------|------|-------------|------|---------|------|
| अंश् | १९१८ | अन्द् | ३०८ | आञ्छ | १२३ | इर् | १९७५ |
| अंह | ८५८ | अन्ध् | १६८५ | आप् | १३०७ | इर्भ्य् | ४०१ |
| अंश् | १८०१ | अञ् | ४०७ | आप् | १९७३ | इर्भ्य् | ४०२ |
| अक् | १०२० | अम् | ३९१ | आस् | १११९ | इर्श | १११६ |
| अभ् | ५७० | अम् | ३९२ | इ | | इष् | ५०५ |
| अग् | १०२२ | अम् | १७४८ | इ | ११ | इष् | ८३३ |
| अघ् | १८५३ | अम्ब | ७६४ | इ १०७४-१०७५ | | इह् | ८५७ |
| अङ्क् १८४८-६१० | | अम्भ | ७७६ | इ | ११०४ | उ | |
| अङ्ग | ८३ | अय् | ७९० | इख् | ७४ | उ | ५८९ |
| अङ्ग | १८५२ | अर्क् | १५७८ | इङ्ग | ७५ | उश् | ५६६ |
| अङ्घ | ६३९ | अर्क् | १०४ | इङ्ग | ८७ | उख् | ६३ |
| अज् | १३९ | अर्क् | १९५५ | इज्ज | ६६२ | उङ्ग | ८८ |
| अञ्च | १०५ | अर्ज् | १४२ | इट् | १९६ | उञ् | ११७६ |
| अञ्च | ८९० | अर्ज् | १७३२ | इन्द | ३०९ | उक्छ | १३४४ |
| अञ्च | १७३० | अर्थे | १९३२ | इन्ध | १४९८ | उक्छ | १३४६ |
| अञ्ज | १४८८ | अर्ध् | ३०१ | इन्ध | ४८८ | उज्झ | १३५५ |
| अञ्ज | १७७३ | अर्ध् | १९६२ | इल् | १४०१ | उद् | २१८ |
| अट् | १९४ | अर्ध् | ३५४ | इल् | १७०० | उन्द | १४९१ |
| अट् | ६७४ | अर्ध् | ४७६ | इष् | ११६८ | उञ्ज | १३४८ |
| अट् | १६०४ | अर्ह् | ५६४ | इष् | १४१९ | उभ् | १३५८ |
| अट् | २२७ | अर्ह् | १७६५ | इष् | १५५९ | उम्भ | १३८६ |
| अट् | २५३ | अल् | ९१९ | इ | | उष् | ५२९ |
| अट् | २५७ | अव् | ४८९ | इ | १०७६ | उह् | ५६१ |
| अण् | २५९ | अश् | १३१४ | इ | १२५२ | ऊ | |
| अण्ट | ६८१ | अश् | १५५८ | इश् | ८८२ | ऊन् | १८८९ |
| अत् | २७९ | अव् | ९३१ | इक्ष् | ७६ | ऊय् | ८०० |
| अद् | १०५९ | अस् | ९३२ | इज् | ६६३ | ऊर्ज् | १५८२ |
| अन् | १०८९ | अस् | ११०२ | इह् | १११४ | ऊर्ण् | ११२३ |
| अन् | १२६४ | अस् | १२२१ | इह् | १६३६ | ऊर्ध्व | ७३२ |
| अन्त | २८५ | आ | | इर् | १११५ | ऊव | ४७० |

| | | | | | | | |
|-------|------|------|----------|---------|------|-------|------|
| ऊव् | ५०४ | कख | १०२१ | कलल् | ८१५ | कुह् | १५९७ |
| ऊह् | ८७० | अङ्ख | ६२२ | कश | ४९० | कुट् | १५९८ |
| अ | | कच् | ६४९ | कश | ११२० | कुइ | १४४४ |
| अ | २६ | कङ्ख | ६५० | कष् | ५७ | कुण | १३६६ |
| अ | ११३५ | कट् | १७४ | कस् | ९८१ | कुण | १८७६ |
| अच् | १३४० | कट् | १९८ | कस् | ११२० | कुण्ट | २०१ |
| अङ्ख | १३४२ | कट् | २०० | काङ्क्ष | ५८० | कुण्ट | २२४ |
| अज् | ६६४ | कट् | २१६ | काल | १९१६ | कुण्ड | ६९० |
| अङ्ख | ६६५ | कइ | १३५६ | काश | ८३० | कुण्ड | १६३० |
| अण् | १५०३ | कङ्इ | २५६ | काश | १२७८ | कुत्स | १८१५ |
| अत | २८७ | काण | २७० | काश | ८४५ | कुश् | ११५३ |
| अध् | ११८६ | काण | १०३८ | कास् | ८४५ | कुन्थ | २८८ |
| अध् | १३०६ | काण | १७३७ | कि | ११४३ | कुन्थ | १५४९ |
| अफ् | १३७९ | कण्ट | १९९ | किट | १७७ | कुन्द | १६८४ |
| अफ् | १३७६ | कण्ट | ६७८ | किट् | १९७ | कुप् | ११९१ |
| अम्फ् | १३८० | कण्ट | १९५८ | कित् | २८६ | कुप् | १७९० |
| अव् | १४१८ | कण्ड | २५५ | कित् | ११४३ | कुमार | १९१२ |
| अ | | कण्ड | ६८७ | किल् | १४०० | कुम्ब | ३६८ |
| अ | १५३९ | कण्ड | १६२९ | किल् | १६९७ | कुम्ब | १६७७ |
| प | | कथ् | ७१९ | किण्क् | १८१८ | कुर | १३९१ |
| पज् | १४८ | कञ् | १९०४ | कीट् | १६१३ | कुल | ९८१ |
| पज् | ६५६ | कथ् | १८८१ | कील् | ४२२ | कुश | १२०३ |
| पट् | ६७५ | कख | ३३१ | कु | ५९० | कुष | १५५६ |
| पध् | ७४१ | कम् | ३१५-१००६ | कु | १०८६ | कुस् | १२२० |
| पष् | ८३८ | कव् | १६७ | कु | १४६२ | कुस्म | १८३८ |
| ओ | | कम | ७८९ | कुंश् | १७९३ | कुह् | १९३८ |
| ओख् | ५५ | कम्प | ७५७ | कुंस् | १७९६ | कु | १४६८ |
| ओण् | २७३ | कज् | १४४ | कुक् | ६१९ | कुज् | १५१ |
| ओलण्ड | १६२४ | कर्ण | १८७३ | कुच् | १०० | कूट | १८२१ |
| क | | कर् | १०९ | कुब् | ९६१ | कूट | १८६० |
| कस् | ११२० | कव् | ३५५ | कुब् | १४३१ | कृण | १८०४ |
| कस् | १७९६ | कव् | ४६० | कुज् | १४० | कूर्व | ७३३ |
| कक् | ६१८ | कल् | ८१४ | कुञ् | १०२ | कृल् | ४२३ |
| कक्ख | ६२ | कल | १६९६ | कुट् | १४२६ | कृ | ८८८ |
| | | कल | १९१४ | कुट् | १८०७ | कृ | १२९३ |

વિષયાનુક્રમ.

| | પત્ર | થી | પત્ર |
|------------------|--------|----|------|
| પહેલા ગણના ધાતુઓ | ૧ | — | ૫૬૯ |
| બીજા ગણના „ | ૫૭૦ | — | ૬૨૮ |
| ત્રીજા* „ „ | (૬૧૨ | | ૬૨૮) |
| ચોથા „ „ | ૬૨૯ થી | | ૭૧૧ |
| પાંચમા „ „ | ૭૧૨ | | ૭૩૧ |
| છઠા „ „ | ૭૩૨ | | ૮૧૬ |
| સાતમા „ „ | ૮૧૭ | | ૮૩૬ |
| આઠમા „ „ | ૮૩૬ | | ૮૪૪ |
| નવમા „ „ | ૮૪૫ | | ૮૮૪ |
| દશમા „ „ | ૮૮૫ | | ૧૧૨૫ |

સૌત્રધાતુ અને સેટ્—અનિટ્ કારિકાઓ—અનુબંધકારિકા, અનુસ્વારનિરૂપણ-
 ધાત્વર્થવિશેષનિરૂપણ— અકર્મકત્વાદિનિરૂપણ--દ્વિકર્મકનિરૂ-
 પણ—ગૌણમુખ્યકર્મનિરૂપણ- ધાતૂપસર્ગજન્યભેદપ્રકાશનિરૂપણ,
 વૃત્તગણફલનિરૂપણ--ષોડશનિરૂપણ--ષોડશનિરૂપણ--ધાતુ-
 ત્વનિરૂપણ.

ધાતુઓનો અકારાદિ અનુક્રમ.

ધાતુઓના સંસ્કૃત ગુજરાતી તથા ઇંગ્લીશ અર્થ, ધાતુપાઠ સાથે.

શુદ્ધિપત્રક.

* ત્રીજાગણને બીજાગણના પેટામાં વૈયાકરણોપ ગણેલ છે,

सर्वतन्त्रस्वतंत्र-शासनसम्राट्-सूरिचक्रचक्रवर्ति-जगद्गुरु-

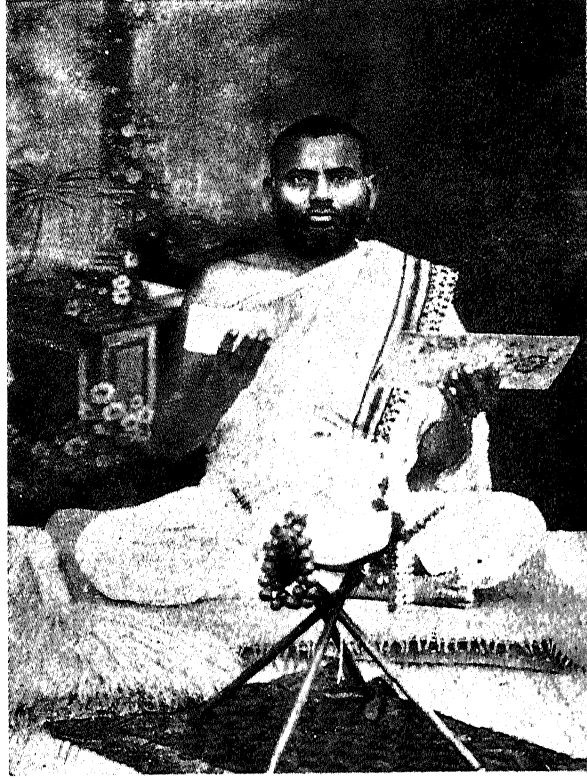
तपोगच्छाधिपति-भट्टारक

आचार्य श्रीविजयनेमिसूरीश्वरः

जन्म सं. १९२९
कार्तिक शु. १

दीक्षा सं. १९३५
वैश्व शु. ७

गणपद सं. १९६०
कार्तिक कृष्ण ७



स्वरिपद सं. १९६३
ज्येष्ठ शु. ५

पन्थासपद सं. १९६०
मागशर शु. ३

धर्मः प्रापि मया यतः शिवफलः कल्पद्रुतुल्योऽनघो
यन्नामस्मृतिरेव मङ्गलकरी सर्वाघसंहारिणी ।
श्रीतीर्थङ्करशासनैकरसिकः सद्ब्रह्मसौभाग्यभृत्
सोऽयं श्रीगुरुनेमिसूरिभगवान् बोधं विधत्तां मम ॥१॥

सर्वतन्त्र-शासनसम्राट्-तपोगच्छाधिपति
आचार्य महाराज श्री विजयनेमिसूरि-विनेयरत्न-



मुनिश्री लावण्यविजयः

तिलकमंजरीनी परागनाम्नी टीका अने धातुरत्नाकर विगेरे ग्रन्थना प्रणेता

जन्म सं. १९५३.

दीक्षा सं. १९७२ अषाढ सुद ५.

शेठ ताराचंदजी मोतीजी, मु. जावाल.



संस्कृत भाषाना सारा अभ्यासी.

બે બોલ.

આ ગ્રન્થ છપાવવામાં પ્રથમ સહાય આપનાર શેઠ તારાચંદજી મોતીજી જેઓનો ફોટો આ સાથે જોડવામાં આવ્યો છે, તેઓ શિરો-હી જિલ્લામાં આવેલા જોરા પરગણાના જાવાલ ગામના રહેવાસી છે, તેઓના ભાગ્યશાળી ધર્મિષ્ઠ કુટુંબમાં પરમ્પરાથી આવા સદ્ગતિના ભાજનરૂપ સત્કાર્યો થતા આવેલા છે. તેઓનું કુટુંબ ધાર્મિક જીવન ચાલું હોઈ બાલવયથીજ ધાર્મિક શિક્ષણના ઉચ્ચ સંસ્કારો પહેલા હોઈ તેઓને ધાર્મિક ગ્રન્થો અને મહાપુરુષોના જીવન ચરિત્રો ભળવાનો ઉત્તમ શોખ હતો, જેથી જાવાલમાં પધારેલા વિદ્વાન્ સુવિદિત મુનિમહારાજાઓ પાસે નિવૃત્તિના ટાઈમમાં ઉપરોક્ત ચરિત્રો અને ગ્રન્થો ભળવાનો સતત ઉદ્યમ કરતા,

જ્યારે સં. ૧૯૮૩ ની સાલમાં પરમપૂજ્ય પરમોપકારી જૈન શાસનનભોમણિ શાસનસમ્રાટ્ અનુપમ વ્યાખ્યાનકલાવિચક્ષણ કરુણાસાગર અનેક ગુણગણવિભૂષિત આચાર્ય મહારાજાધિરાજ શ્રી-માન્ વિજયનેમિસૂરીશ્વરજીમહારાજજી સાહેબના વિદ્વાન્ શિષ્યરત્ન સિદ્ધાન્ત-ન્યાય-વ્યાકરણાદિ ગ્રન્થોમાં સારી વિદ્વત્તાવાળા મુનિરાજ શ્રી લાવણ્યવિજયજી મહારાજ તથા મુનિરાજશ્રી જિતવિજયજી મહારાજનું ચતુર્માસ થયું ત્યારે ઉપરોક્ત શેઠ તારાચંદજી ચતુર્માસમાં ચરિત્ર ગ્રન્થોનો અભ્યાસ કરતા હતા, તે અવસરે તેઓ શ્રી ની સમીપે આ ધાતુરત્નાકર ગ્રન્થ સંપૂર્ણ લખીને તૈયાર કરેલો દૃષ્ટિગોચર થયો. તેઓ સંસ્કૃતના અભ્યાસી હોઈ વિચારતાં જણાયુંકે આ ગ્રન્થ પ્રસિદ્ધિમાં મુકાય તો સંસ્કૃતના અભ્યાસી જૈન યા જૈનેતર દરેકને સંપૂર્ણલાભ દાયક થઈ શકે, જેથી મહારાજશ્રીને પ્રસિદ્ધિમાં મુકવા માટે પોતાની દ્રવ્યવ્યય કરવાની સદિચ્છા પૂર્વક છપાવવા માટે વિનંતિ પૂર્વક આગ્રહ કર્યો, તે પછી ગ્રન્થ પ્રકટ કરવાનો નિશ્ચય થયો. ત્યારે નેમણે આ ગ્રન્થમાં રૂ. ૨૧૦૦ ની મદદ આપી છે. અપૂર્વ પુણ્ય ઉપાર્જન કર્યું છે. ઇટલુજ નહીં પણ જાવાલમાં આ સદ્ગ્રંથસ્થના પિતા-જીઈ શાન્તિનાથજી ભગવાનનું દેવાલય બંધાવી તેમજ આવુજીનો સંઘ કાઢી અચલ લક્ષ્મીનો સદુપયોગ કર્યો છે. અને વાકીના खुदता રૂ. ૧૩૦૦ માટે આ ગ્રન્થમાં સહાયકના નામની યાદી જોડો છે. તેમના તરફથી લઈ સ્વર્ચ કર્યા છે.

લી. જૈનગ્રન્થપ્રકાશક સમા.-અમદાવાદ.

સૂચના.

- ૧ આ ગ્રન્થમાં કલિકાલસર્વજ્ઞ શ્રીમાન્ હેમચંદ્રાચાર્ય વિરચિત ધાતુઓના દશલકાર (વર્તમાના-વિધ્યર્થ (સપ્તમી)-આજ્ઞાર્થ. (પશ્ચમી) હ્યસ્તન. અચતન. પરોક્ષા. આશીર્વાદ. શ્વસ્તની. મવિષ્યન્તી. ક્રિયાતિપત્તિના સંપૂર્ણ રૂપો આપ્યા છે, તથા મતાન્તરના પળ રૂપો આપવામાં આવ્યા છે; પ્રથમ પહેલાગણથી શરૂ કરી ક્રમસર યાવત્ દશગણ સુધી સંપૂર્ણ લગભગ ૨૦૦૦ ધાતુઓના રૂપો આપ્યા છે. તથા સૌત્રધાતુઓ અને સેદ. અનિદ્ કારિકાઓ, અનુબન્ધ કારિકાઓ. આપી છે. તથા અનુસ્વાર નિરૂપણ વિગેરે. વિષયાનુક્રમ મુજબ
- ૨ ત્યારબાદ પ્રેક્ષકોને સરલતા માટે ધાતુનો અકારાદિ. અનુક્રમ આપ્યો છે. કયો ધાતુ કયા પાને છે. તે અકારાદિ અનુક્રમ જોવાથી તુરતજ નીકલી શકે છે.
- ૩ ધાતુઓના સંસ્કૃત ગુજરાતી અર્થ તથા ઇંગ્લીશ અર્થ સવિસ્તર ધાતુપાઠ સાથે આપેલા છે.

श्रीमोज्जिनपुङ्गवैभ्यो नमः
सकलस्वपरसमयपारावारपारीणतीर्थसंरक्षणप्रवणविद्यापीठादिप्रस्थान-
पञ्चकसमाराधक-तपोगच्छाधिपति भट्टारकाचार्यवर्यपरमगुरुश्रीम-
द्विजयनेमिसूरिभगवद्भ्यो नमः

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपराय-
ण-कोविदकुलालङ्कार-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वर-
चरणारविन्दचञ्चरीकायमाणान्तिषण्मुनिलावण्यविजयप्रणीतो



(स्रग्धरा)

लोकालोकावलोकं विलसति विमला केवलार्चिर्यदीया,
देवादेवाधिदेवैररचि च चरणार्चा च नित्यं यदीया ।
गावो नावो नवीना घनभवजलध्रेस्तारणेऽरं यदीया,
आप्ताः प्राप्ताः शिवं ते जिनवरप्रवरा नो नयन्तां शमालिम् ॥१॥
लब्धानेकार्थसार्थो मकरधिमधरीकृत्य यः सत्तयास्ते
उद्यत्कल्लोलमालाऽपि जडपरिणतिर्गाहते यश्च नित्यम् ।
सद्वंशो वारिराशौ सदमृतसरणिं संसृतौ संसृतोऽस्तु
पोतः श्रीनाभिसूतः विलसनवसतिः धीवराणां नराणाम् ॥२॥
भव्यग्रामानुशासी चरणजयकृतौ सिंहकल्पश्च शास्त्र-
विद्यादक्षः प्रदाता प्रतिदिनरजनि क्षेत्रभृद्राज्यभीतेः ।
यो नित्यं दान्तराजैर्विहरति च सदाचारलब्धस्वरूपः
श्रीशान्तिं तं क्षमाभृन्निकर उभयतश्चक्रिणं नन्नमीमि ॥३॥
विस्फूर्जत्स्फीतवाचो नरसुरकुरुहः प्राणिनां वाञ्छितार्थ-
दानेमीनः सदावस्थितिभृत उदरे शान्तिसिन्धोर्विहाय ।

कान्तां भौगीञ्च सर्जीं मदनमदजितस्तीर्थराजः प्रभासः

आधिव्याधिप्रहीणं शमधि विदधतामक्षरस्थानमिज्यम् ॥४॥

(उपजातिः)

जडप्रधानोऽपरभङ्गगोऽपि सपङ्कजातः सगरान्वयोऽपि ।

नीचः प्रकृत्या मृततां गतोऽपि सप्ताम्बुराशिप्रकरः पृथिव्याम् ॥५॥

यच्छत्रसप्तस्फटशालिनागा-धिराजदम्भात्कृतसेवनातः ।

महाशयत्वञ्च जगाम नित्यं पायादपायाज्जिनपः स पार्श्वः ॥६॥ युग्मम् ॥

(शार्दूलविक्रीडितम्)

यस्माद् बोधति चेदकं कुवलयं यस्तारकाल्याञ्चितः

सर्वांशसुखसम्पदुल्लसन्कृन् नित्यं सुधामाश्रयन् ।

यश्चन्द्ररिणाङ्कितः शमनिधिः सद्गुत्तसौभाग्यभूः

वन्देऽज्ञानतमोऽपनोदनकृते वीरं तमोशं सदा ॥७॥

(शिखरिणी)

लसन्ती या नित्यं सरससुमनोमानसमिता

जलौलासी पक्षैः विलसितमरुद्भिः शुचितरैः ।

कलध्वाना दीप्यद् गतिरूपनता मौक्तिकफलैः

सदा जैनी वाणी मुजयति मरालीव नितराम् ॥८॥

(शार्दूलविक्रीडितम्)

पूज्यः श्रीयुतवृद्धिचन्द्र इह स प्रद्योतते पुण्यक-

चाकोरामदवृद्धिचन्द्र इव यश्चन्द्रश्च शान्त्याकरः ।

सिद्धान्तोदधिवृद्धिचन्द्र उपमा-तीतः सतां हृत्सरः-

सम्बिक्कैरवृद्धिचन्द्र उदिते पापातपे वारिदः ॥९॥

सौवर्णाद्रिरिव क्षमाधरवरो मध्यस्थभावं गतो

भक्तिभ्राजितवैबुधाश्रितपदः काष्ठान्तप्रापिस्थितिः ।

जैनेन्द्रागमजातचारुविभवः कल्याणरूपश्च यः

भव्यानां स तनोतु मङ्गलतर्ति श्रीनेमिसूरिप्रभुः ॥१०॥

संसागर्णवपारप्रापणविधौ पोतायमानो नृणा-

मत्युद्भासितभिक्षुभावगरिमा विज्ञाततन्त्रावलिः ।

श्रीमन्नेमिगुरुः प्रभूतकरणः सोऽयं सदानन्दनं

दद्यात्सद्गुणशालिं चामृतपदं लावण्यसम्पन्दिनम् ॥११॥

(स्रग्धरा)

कम्रालङ्काररम्या रुचिरतरपदन्याससौम्या प्रसन्ना

नानाश्लेषातिदक्षा स्वरमधुरतथा कर्णयुग्मापहारी ।

विस्फूर्जत्स्फीतभावा नवरसहृदया चावर्णाभिरामा

कान्तेवासौ नवीना शुवि जयतितरां भारती नेमिस्वरः ॥१२॥

(उपजातिः)

यः सर्वदारोचितचित्तवृत्ति-स्तथाप्यदारोचितचित्तवृत्तिः ।

सिद्धेषु रागान्वितचित्तवृत्तिस्तथापि सिद्धान्तसुचित्तवृत्तिः ॥१३॥

समाश्रितोऽध्यामतया सदापि श्रितः स्फुरद्धामतया तथापि ।

सदर्पणो दर्पणरिक्तकोऽपि सनेमिस्वरिर्जयताज्जगत्याम् ॥१४॥ युग्मम् ॥

(अनुष्टुप्)

वर्णवर्णान्तिमस्वेऽपि निजनामावलम्बिनौ ।

नमौ गुणश्रिया योज्यस्पर्शभावं नयन्ति ये ॥१५॥

तेषां श्रीनेमिस्वरीणां गुरुणां पादसेवया ।

नायान्ति किमु दक्षत्वं मादृशा जडशेखराः ॥१६॥ युग्मम् ॥

लावण्यविजयेनाथ तेषामन्तिषदा मया ।

प्रणुक्तेन कृतः सर्व-धातुरूपदिदृक्षुभिः ॥१७॥

चित्रितश्चित्ररूपैश्च श्रितो हेमादिलक्षणैः ।

चुराद्यन्तगणैर्गुप्तः प्रक्रियाभिः परिष्कृतः ॥१८॥

दधातु धातुरत्नाना-माकरो बहुधातुषम ।

अवित्तचित्तवृत्तिषु मयि च स्मृतिमद्भुताम् ॥१९॥ त्रिभिर्विशेषकम् ॥

इह हि तावन्निजनिर्मितामितकर्ममर्मोपनीतच्युतिप्रसूतिपानीयपरिप्लाविते अस्ताद्यभ-
वनिर्माणनिपुणकषायपातालपरिष्कृते विशिष्टभ्रमिसम्पादनप्रौढप्रतापमोहावर्त्तपल्लविते संख्या-
तीतव्यसनजलचरदुर्ललिते निरन्तरप्रमृत्तराज्ञानानिलेरितसंयोगवियोगादिविचनिकवयोपचिते
आधिव्याधिवह्वानलकरालिते भीमे भवपाशोद्धौ, निमज्जतां दुःखोद्विग्नमनसां सुखैक-
लिप्सूनां तनुभृताम्, तस्मात्सन्तरणैकप्रवणम् उपशमादिसुबन्धनबद्धसम्यग्दर्शनकूपका-

भिरामम् अतुलज्ञानमयकर्णधाराध्यासितप्रशस्तदेशं वरसंवरावृतविवरवारं दुस्तपतपोऽनि-
लाहितपटुतरवेगं महार्धशीलाङ्गरत्नराजिविराजितमतिनिपुणायव्ययपूर्वकप्रवर्तनशीलवाचम्य-
मवणिग्बरविभूषितममन्दानन्दसन्दोहानिधाननिर्वाणपुरप्रापणैकप्रवणं चारित्रमथपवित्रप्रवहण-
मिति सर्वजनसिद्धम् ।

एतच्चारित्रमयपवित्रप्रवहणमपि पदपदार्थज्ञानद्वारोत्पन्नेहोपादेयज्ञानपूर्वकम् । पद-
पदार्थज्ञानमपि नयनिक्षेपादिभिरधिगमोपायैः परमार्थतः, व्यवहारतस्तु प्रकृत्यादिभिः ॥ ताश्च
प्रकृतयः पूर्वाचार्यप्रसिद्धा एव सुखग्रहणस्मरणकार्यसंसिद्धये विशिष्टानुबन्धसम्बन्धक्रमा
अर्थसहिताः प्रस्तूयन्ते । तत्र यद्यपि नामधातुपदभेदाद् “राजा जयति पूर्वाह्नेतरां पच-
तितराम्” इत्यादौ त्रेधात्प्रकृतिस्तथापि नामपदरूपं यत्प्रकृतिद्वयं तस्य धातुमूलत्वाद्
धातुप्रकृतिरेवैका प्रधानम् । तथा ये शब्दानामव्युत्पत्तिपक्षमाश्रयन्ति तेषामपि व्युत्पत्ति-
पक्षानुसारेणैव शब्दस्वरूपनिर्णय इति तत्रापि धातुमूलत्वमबाधितमेव । धातुप्रकृतिश्च द्वे-
धा शुद्धा प्रत्ययान्ता च । शुद्धा “भू” इत्यादि, प्रत्ययान्ता च “गोपाय कामि ऋतीय जु-
गुप्स कण्डूय बोभूय बोभू चोरिः भवि बुभूष” इत्यादिरूपम् । एषा प्रत्ययान्तापि प्रकृतिः
शुद्धमूलैवेति शुद्धैवात्रादावुदाह्रियन्ते ॥

१ भू सत्तायाम् । भू इत्यविभक्तिको निर्देशः सकारान्तरकारान्तभ्रमापाकरणार्थम् न च धातुत्वेन नामत्वाभावात्कथं भूः इति प्रयोगः सम्भवेदिति शङ्क्यम् नायं
धातुरपि तु भवति इत्यादिषु योज्यमानभूधातोरनुकरणं तस्मात्तस्मात्सम्भवति विभक्तिः न च
तर्हि निरुक्तशङ्कोपायान्तरेणापनेया अपि तु सविभक्तिक एव प्रयोगः कर्तव्यः, निर्वि-
भक्तिकप्रयोगस्य शिष्टासम्मतत्वादिति वाच्यम्, यदा अनुकार्यानुकरणयोः स्याद्वादाश्रये-
णाभेदविवक्षा तदार्थत्वाभावान्न भवति नामसंज्ञा इति तत्कल्पे निर्विभक्तिक एव प्रयो-
गः शिष्टसम्मतो यदा च भेदविवक्षा तदा अनुकार्येणार्थेनार्थवत्त्वात् नामसंज्ञा भवत्येव
इति तत्र पक्षे सविभक्तिक एव प्रयोगः शिष्टसम्मतः । प्रस्तुते च प्रथमकल्पादरणात्स-
र्वशङ्का निरस्ता ॥ एवं सर्वत्राप्यूह्यम् । भू इत्येषा प्रकृतिः सत्तायां वर्तते । अभूत् भूत् इत्यादौ
उक्कारस्य प्रयोगित्वदर्शनात् “अप्रयोगीत्” इति इत्संज्ञा न भवति । एवमन्यत्रापि ।
वर्णसमाम्नायक्रमेण स्वरान्तव्यञ्जनान्तधातूपदेशप्रतिज्ञानात् “पां पाने” इत्यादेः प्रथमं

निर्देशे प्राप्तेऽपि वृद्धसमयानुवर्तनार्थं प्रथमस्य पाठः । यदाहुर्वृद्धाः — भ्वादयः धातवः इति मङ्गलार्थमपि यदाह — माङ्गलिकत्वात् प्रथमस्य प्रयोगः? इति, माङ्गलिकत्व-
श्चास्य वृद्धादवसेयम्, एवमदादिगणेष्वपि वृद्धासमयानुवर्तनमदिप्रभृतीनां प्राग्निर्देशे
प्रयोजनमभ्यूह्यम् । ननु सत्तेति कोऽर्थ इति चेदुच्यते-सतो भावः सत्ता अस्तित्वं द्रव्यधर्मो
धात्वर्थसामान्यमिति यावत् । यदाहुः —

सा नित्या सा महानात्मा तामाहुस्त्वतलादयः ।

प्राप्तक्रमा विशेषेषु क्रिया सैवाभिधियते ॥ १ ॥

तां प्रातिपदिकार्थञ्च धात्वर्थं च प्रचक्षते । इति सेति सत्ता । अपिच-धात्वर्थः केवलः
शुद्धो भाव इत्यभिधीयते । तथा यत्रान्यक्रियापदं न श्रूयते तत्रास्तीति भवन्तीपरं
प्रयोक्तव्यमिति । अत्राह—ननु भुवः सत्तावाचित्वे धातुत्वमनुपपन्नम् । क्रियार्थो हि धातुः
क्रिया च स्पन्दनरूपा । सत्ता तु द्रव्यादिषु सत्सदित्यनुवृत्तप्रत्ययाभिधानलिङ्गा स्पन्दनरूपा
न भवति । नैष दोषः यथा “जानाति पश्यति स्मरति श्रद्धते संयुज्यते समवैति वियुज्यते
नश्यति श्वेतते ” इत्यादीनां ज्ञानदर्शनस्मरणश्रद्धानसंयोगसमवायवियोगाविनाशवर्णादयो
द्रव्यगुणा अपरिस्पन्दात्मका अपि आख्यातप्रकृतिवाच्याः सन्तः क्रियाव्यपदेशमर्हन्ति ।
एवं सत्तापि द्रव्यधर्मो धातुवाच्यतामापाद्यमाना क्रियाव्यपदेशं लप्स्यते । मणिमुकुरकृपाणा-
दिज्ञापकवैचित्र्याच्चैकरूपस्यापि मुखादेर्नानात्वोपलब्धेर्धातुवाच्यैव सत्ता क्रियात्वमास्कन्दति
न प्रातिपदिकवाच्येति नाव्यवस्था ॥

किञ्च पाकादिक्रियाणां त्रैकाल्याभिव्यञ्जकत्वमुपलब्धं पचति पश्यति अपाक्षीत्
जानाति ज्ञास्यति अज्ञासीत् इत्यादि । तच्चेहापि भवति भविष्यति अभूदिति धातुवाच्यायां
सत्तायामुपलभ्यमानं क्रियात्वं व्यवस्थापयति । अत एव वृक्ष इत्यादिप्रातिपदिकवाच्याया
सत्ताया न क्रियात्वम् । एवं स्थिते क्रियावाचित्वमात्रमाख्यातुं सत्तोपात्ता ॥ अर्थान्तराण्यपि
अनयोपलक्ष्यन्ते । यदाहुः—

निपाताश्चोपसर्गाश्च धातवश्चेति ते त्रयः ।

अनेकार्थाः स्मृताः सर्वे पाठस्तेषां निदर्शनम् ॥ १ ॥ इति

तथा च भूरयं कचिदस्त्यर्थे वर्तते । यथा बहूनि धनान्यस्य भवन्ति सन्तीत्यर्थः

काप्यभूतप्रादुर्भावे । यथा वचाक्षीरभोजिन्याः श्रुतधरः पुत्रो भवति जायते इत्यर्थः । कचिद-
भूततद्भावाख्ये सम्पद्यर्थे । यथा अशुक्लः शुक्लो भवति सम्पद्यते इत्यर्थः । एवमुपसर्गावशाच्च
धातोरनेकोऽर्थः प्रकाशते । यथा प्रभवतीति स्वाम्यर्थः प्रथमत उपलम्भश्च । पराभवति
परिभवति अभिभवतीति तिरस्कारः । सम्भवतीति जन्मार्थः प्रमाणानतिरेकेण धारणश्च ।
अनुभवतीति संवेदनम् । विभवतीति व्याप्तिः । आभवतीति भागागतिः । उद्भवतीति उद्भेदः ।
प्रतिभवतीति लग्नकत्वमिति अथवार्थान्तरेष्वपि क्रिया सामान्यरूपा सत्ताऽनुवर्तते एवेति
सत्ताया एवोपादानं कृतम् । सत्ताव्यतिरेकीणि ह्यर्थान्तराणि खरविषाणायमानानि स्युः ।
षड्भावविकारा इति वचनाच्च भावः सत्तासामान्यरूपा क्रियेत्यवसीयते । यदाहुः— जायते
अस्ति विपाणिमते वर्धते अपक्षीयते विनश्यतीति षड् भावविकारा इति । अपि च सर्वेऽपि
खलु धातवस्तेन तेनोपाधिना सत्तामेवावच्छिद्यवच्छिद्य विषयीकुर्वन्तीति सा क्रिया सामान्य-
मित्युच्यते । तथा च “ क्रियार्थो धातुः ” इति भुवो धातुत्वमित्यलं पल्लवितेन ।

॥ भू-सत्तायाश्च ॥

वर्तमाना (लट्,) Present.

| | | |
|-------|-------|--------|
| भवति | भवतः. | भवन्ति |
| भवसि | भवथः | भवथ |
| भवामि | भवावः | भवामः |

सप्तमी (विध्यर्थ) (लिङ्) Potential.

| | | |
|--------|---------|--------|
| भवेत् | भवेताम् | भवेयुः |
| भवेः | भवेतम् | भवेत् |
| भवेयम् | भवेव | भवेम |

पञ्चमी (आज्ञार्थ) (लोट्) Imperative.

| | | | |
|-------|--------|--------|--------|
| भवतु | भवतात् | भवताम् | भवन्तु |
| भव | ” | भवतम् | भवत |
| भवानि | | भवाव | भवाम |

(हस्तनी- (लङ्) Imperfect.

| | | |
|-------|---------|-------|
| अभवत् | अभवताम् | अभवन् |
| अभवः | अभवतम् | अभवत |
| अभवम् | अभवाव | अभवाम |

अद्यतनी (लङ्) Aorist

| | | |
|--------|---------|--------|
| अभूत् | अभूताम् | अभूवन् |
| अभूः | अभूतम् | अभूत |
| अभूवम् | अभूव | अभूम |

परोक्षा (लिट्) Perfect.

| | | |
|--------|---------|--------|
| बभूव | बभूवतुः | बभूवुः |
| बभूविथ | बभूवथुः | बभूव |
| बभूव | बभूविथ | बभूविम |

आशीः—(लिङ्) Benedictive.

| | | |
|---------|------------|---------|
| भूयात् | भूयास्ताम् | भूयासुः |
| भूयाः | भूयास्तम् | भूयास्त |
| भूयासम् | भूयास्व | भूयास्म |

भविष्यती (लृट्) I Future.

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| भविता | भवितारौ | भवितारः |
| भवितासि | भवितास्थः | भवितास्थ |
| भवितास्मि | भवितास्वः | भवितास्मः |

भविष्यन्ती (लृट्) II Future.

| | | |
|----------|----------|------------|
| भविष्यति | भविष्यतः | भविष्यन्ति |
| भविष्यसि | भविष्यथः | भविष्यथ |

| भविष्यामि | भविष्यावः | भविष्यामः |
|-----------------------------------|-------------|-----------|
| क्रियातिपत्तिः (लृङ्) Conditional | | |
| अभविष्यत् | अभविष्यताम् | अभविष्यन् |
| अभविष्यः | अभविष्यतम् | अभविष्यत |
| अभविष्यम् | अभविष्याव | अभविष्याम |

॥ अथादन्ताः षडनिटश्च ॥

2 पां-(पा) पाने,

| | | |
|---------------------------|-----------|---------|
| व० पिबति पिबतः | पिबन्ति | |
| पिबसि पिबथः | पिबथ | |
| पिबामि पिबावः | पिबामः | |
| स० पिबेत् पिबेताम् | पिबेयुः | |
| पिबेः पिबेतम् | पिबेत | |
| पिबेयम् पिबेव | पिबेम | |
| प० पिबतु पिबतात् | पिबताम् | पिबन्तु |
| पिब , पिबतम् | पिबत | |
| पिबानि पिबाव | पिबाम | |
| झ० अपिबत् अपिबताम् | अपिबन् | |
| अपिबः अपिबतम् | अपिबत | |
| अपिबम् अपिबाव | अपिबाम | |
| अ० अपात् अपाताम् | अपुः | |
| अपाः अपातम् | अपात | |
| अपाम् अपाव | अपाम | |
| प० पपौ पपतुः | पपुः | |
| पपाथ पपिथ, पपथुः | पप | |
| पपौ पपिव | पपिम | |
| आ० पेयात् पेयास्ताम् | पेयासुः | |
| पेयाः पेयास्तम् | पेयास्त | |
| पेयासम् पेयास्व | पेयास्व | |
| श्व० पाता पातारौ | पातारः | |
| पातासि पातास्थः | पातास्थ | |
| पातास्मि पातास्वः | पातास्मः | |
| भ० पास्यति पास्यतः | पास्यन्ति | |
| पास्यसि पास्यथः | पास्यथ | |
| पास्यामि पास्यावः | पास्यामः | |
| क्रि० अपास्यत् अपास्यताम् | अपास्यन् | |
| अपास्यः अपास्यतम् | अपास्यत | |

| अपास्यम् | अपास्याव | अपास्याम |
|-------------------------------|--------------|-----------|
| 3 घ्रां (घ्रा) गन्धोपादाने, | | |
| व० जिघ्रति जिघ्रतः | जिघ्रन्ति | |
| जिघ्रसि जिघ्रथः | जिघ्रथ | |
| जिघ्रामि जिघ्रावः | जिघ्रामः | |
| स० जिघ्रेत् जिघ्रेताम् | जिघ्रेयुः | |
| जिघ्रेः जिघ्रेतम् | जिघ्रेत | |
| जिघ्रेयम् जिघ्रेव | जिघ्रेम | |
| प० जिघ्रतु जिघ्रतात् | जिघ्रताम् | जिघ्रन्तु |
| जिघ्र , जिघ्रतम् | जिघ्रत | |
| जिघ्रानि , जिघ्राव | जिघ्राम | |
| झ० अजिघ्रत् अजिघ्रताम् | अजिघ्रन् | |
| अजिघ्रः अजिघ्रतम् | अजिघ्रत | |
| अजिघ्रम् अजिघ्राव | अजिघ्राम | |
| अ० अघ्रात् अघ्राताम् | अघुः | |
| अघ्राः अघ्रातम् | अघ्रात | |
| अघ्राम् अघ्राव | अघ्राम | |
| अघ्रासीत् अघ्रासिष्टाम् | अघ्रासिष्टुः | |
| अघ्रासीः अघ्रासिष्टम् | अघ्रासिष्ट | |
| अघ्रासिषम् अघ्रासिष्व | अघ्रासिष्म | |
| प० जघ्रौ जघ्रतुः | जघुः | |
| जघ्राथ जघ्रिथ, जघ्रथुः | जघ्र | |
| जघ्रौ जघ्रिव | जघ्रिम | |
| भा० घ्रेयात् घ्रेयास्ताम् | घ्रेयासुः | |
| घ्रेयाः घ्रेयास्तम् | घ्रेयास्त | |
| घ्रेयासम् घ्रेयास्व | घ्रेयास्म | |
| घ्रायात् घ्रायास्ताम् | घ्रायासुः | |
| घ्रायाः घ्रायास्तम् | घ्रायास्त | |
| घ्रायासम् घ्रायास्व | घ्रायास्म | |
| श्व० घ्राता घ्रातारौ | घ्रातारः | |
| घ्रातामि घ्रातास्थः | घ्रातास्थ | |
| घ्रातास्मि घ्रातास्वः | घ्रातास्मः | |
| भ० घ्रास्यति घ्रास्यतः | घ्रास्यन्ति | |
| घ्रास्यसि घ्रास्यथः | घ्रास्यथ | |
| घ्रास्यामि घ्रास्यावः | घ्रास्यामः | |
| क्रि० अघ्रास्यत् अघ्रास्यताम् | अघ्रास्यन् | |
| अघ्रास्यः अघ्रास्यतम् | अघ्रास्यत | |

अघ्रास्यम् अघ्रास्याव अघ्रास्याम
4 ध्मां (ध्मा)-शब्दाशिसंयोगयोः

शब्दे मुखादिना चाग्निसंयोगे ।

| | | |
|------------------|-----------------|------------|
| व० धमति | धमतः | धमन्ति |
| धमसि | धमथः | धमथ |
| धमामि | धमावः | धमामः |
| स० धमेत् | धमेताम् | धमेयुः |
| धमेः | धमेतम् | धमेत |
| धमेयम् | धमेव | धमेम |
| प० धमतु | धमतात् | धमताम् |
| धम | धमतम् | धमत |
| धमानि | धमाव | धमाम |
| ह्य० अधमत् | अधमताम् | अधमन् |
| अधमः | अधमतम् | अधमत |
| अधमम् | अधमाव | अधमाम |
| अ० अध्मासीत् | अध्मासिष्टम् | अध्मासिषुः |
| अध्मासीः | अध्मासिष्टम् | अध्मासिष्ट |
| अध्मासिषम् | अध्मासिष्व | अध्मासिषम |
| प० दध्मौ | दध्मतुः | दध्मुः |
| दध्माथ | दध्मिथ, दध्मथुः | दध्म |
| दध्मौ | दध्मिव | दध्मिम |
| आ० धमेयात् | धमेयास्ताम् | धमेयासुः |
| धमेयाः | धमेयास्तम् | धमेयास्त |
| धमेयासम् | धमेयास्व | धमेयास्म |
| धमायात् | धमायास्ताम् | धमायासुः |
| धमायाः | धमायास्तम् | धमायास्त |
| धमायासम् | धमायास्व | धमायास्म |
| ध० धमाता | धमातारौ | धमातारः |
| धमातासि | धमातास्थः | धमातास्थ |
| धमातास्मि | धमातास्वः | धमातास्मः |
| भ० धमास्यति | धमास्यतः | धमास्यन्ति |
| धमास्यसि | धमास्यथः | धमास्यथ |
| धमास्यामि | धमास्यावः | धमास्यामः |
| क्रि० अध्मास्यत् | अध्मास्यताम् | अध्मास्यन् |
| अध्मास्यः | अध्मास्यतम् | अध्मास्यत |
| अध्मास्यम् | अध्मास्याव | अध्मास्याम |

5 घ्मां-(घ्मा) गतिनिवृत्तौ

| | | |
|-----------------------------|--------------|-------------|
| व० तिष्ठति | तिष्ठतः | तिष्ठन्ति |
| तिष्ठसि | तिष्ठथः | तिष्ठथ |
| तिष्ठामि | तिष्ठावः | तिष्ठामः |
| स० तिष्ठेत् | तिष्ठेताम् | तिष्ठेयुः |
| तिष्ठेः | तिष्ठेतम् | तिष्ठेत |
| तिष्ठेयम् | तिष्ठेव | तिष्ठेम |
| प० तिष्ठतु | तिष्ठतात् | तिष्ठताम् |
| तिष्ठ | तिष्ठतम् | तिष्ठत |
| तिष्ठानि | तिष्ठाव | तिष्ठाम |
| ह्य० अतिष्ठत् | अतिष्ठताम् | अतिष्ठन् |
| अतिष्ठः | अतिष्ठतम् | अतिष्ठत |
| अतिष्ठम् | अतिष्ठाव | अतिष्ठाम |
| अ० अध्यष्ठात् | अध्यष्ठाताम् | अध्यष्टुः |
| अध्यष्ठाः | अध्यष्ठातम् | अध्यष्ठात |
| अध्यष्ठाम् | अध्यष्ठाव | अध्यष्ठांम |
| अस्थात् | अस्थाताम् | अस्थुः |
| अस्थाः | अस्थातम् | अस्थात |
| अस्थाम् | अस्थाव | अस्थाम |
| प० अक्षितघ्नौ तस्थौ, तस्थुः | तस्थुः | तस्थुः |
| तस्थाय तस्थिथ, तस्थुः | तस्थ | तस्थ |
| तस्थौ | तस्थिव | तस्थिम |
| आ० स्थेयात् | स्थेयास्ताम् | स्थेयासुः |
| स्थेयाः | स्थेयास्तम् | स्थेयास्त |
| स्थेयासम् | स्थेयास्व | स्थेयास्म |
| श्च० स्थाता | स्थातारौ | स्थातारः |
| स्थातासि | स्थातास्थः | स्थातास्थ |
| स्थातास्मि | स्थातास्वः | स्थातास्मः |
| भ० स्थास्यति | स्थास्यतः | स्थास्यन्ति |
| स्थास्यसि | स्थास्यथः | स्थास्यथ |
| स्थास्यामि | स्थास्यावः | स्थास्यामः |
| क्रि० अस्थास्यत् | अस्थास्यताम् | अस्थास्यन् |
| अस्थास्यः | अस्थास्यतम् | अस्थास्यत |
| अस्थास्यम् | अस्थास्याव | अस्थास्याम |

6 म्नां (म्ना) अभ्यासे.

| | | |
|------------------|---------------|-------------|
| व० मनति | मनतः | मनन्ति |
| मनसि | मनथः | मनथ |
| मनामि | मनावः | मनामः |
| स० मनेत् | मनेताम् | मनेयुः |
| मनेः | मनेतम् | मनेत |
| मनेयम् | मनेष | मनेम |
| प० मनतु | मनतात् | मनताम् |
| मन | " | मनतम् |
| मनानि | मनाव | मनाम |
| श० अमनत् | अमनताम् | अमनन् |
| अमनः | अमनतम् | अमनत |
| अमनम् | अमनाव | अमनाम |
| अ० अम्नासीत् | अम्नासिष्टाम् | अम्नासिषुः |
| अम्नासीः | अम्नासिष्टम् | अम्नासिष्ट |
| अम्नासिषम् | अम्नासिष्व | अम्नासिष्म |
| प० मम्मौ | मम्मनुः | मम्नुः |
| मम्मिथ | मम्मिथ | मम्मथुः |
| मम्मौ | मम्मिष | मम्मिम |
| आ० म्नेयात् | म्नेयास्ताम् | म्नेयासुः |
| म्नेयाः | म्नेयास्तम् | म्नेयास्त |
| म्नेयासम् | म्नेयास्व | म्नेयास्म |
| म्नायात् | म्नायास्ताम् | म्नायासुः |
| म्नायाः | म्नायास्तम् | म्नायास्त |
| म्नायासम् | म्नायास्व | म्नायास्म |
| श्व० म्नाता | म्नातारौ | म्नातारः |
| म्नातासि | म्नातास्थः | म्नातास्थ |
| म्नातास्मि | म्नातास्वः | म्नातास्मः |
| भ० म्नास्यति | म्नास्यतः | म्नास्यन्ति |
| म्नास्यसि | म्नास्यथः | म्नास्यथ |
| म्नास्यामि | म्नास्यावः | म्नास्यामः |
| क्रि० अम्नास्यत् | अम्नास्यताम् | अम्नास्यन् |
| अदास्यः | अदास्यतम् | अदास्यत |
| अदास्यम् | अदास्याव | अदास्याम |

अम्नास्यम् अम्नास्याव अम्नास्यामः

7 दां-(दा) दाने

| | | |
|----------------|------------|-----------|
| व० यच्छति | यच्छतः | यच्छन्ति |
| यच्छसि | यच्छथः | यच्छथः |
| यच्छामि | यच्छावः | यच्छामः |
| स० यच्छेत् | यच्छेताम् | यच्छेयुः |
| यच्छेः | यच्छेतम् | यच्छेत |
| यच्छेयम् | यच्छेव | यच्छेम |
| प० यच्छतु | यच्छतात् | यच्छताम् |
| यच्छ | " | यच्छतम् |
| यच्छानि | यच्छाव | यच्छाम |
| द्व० अयच्छत् | अयच्छताम् | अयच्छन् |
| अयच्छः | अयच्छतम् | अयच्छत |
| अयच्छम् | अयच्छाव | अयच्छाम |
| स० अदात् | अदाताम् | अदुः |
| अदाः | अदातम् | अदात |
| अदाम् | अदाव | अदाम |
| प० ददौ | ददतुः | ददुः |
| ददाथ | ददितुः | दद |
| ददौ | ददिव | ददिम |
| आ० देयात् | देयास्ताम् | देयासुः |
| देयाः | देयास्तम् | देयास्त |
| देयासम् | देयास्व | देयास्म |
| श्व० दाता | दातारौ | दातारः |
| दातासि | दातास्थः | दातास्थ |
| दातास्मि | दातास्वः | दातास्मः |
| भ० दास्यति | दास्यतः | दास्यन्ति |
| दास्यसि | दास्यथः | दास्यथ |
| दास्यामि | दास्यावः | दास्यामः |
| क्रि० अदास्यत् | अदास्यताम् | अदास्यन् |
| अदास्यः | अदास्यतम् | अदास्यत |
| अदास्यम् | अदास्याव | अदास्याम |

8 जि-(जि) अभिभवे

| | | |
|----------------|------------|-----------------|
| व० जयति | जयतः | जयन्ति |
| जयसि | जयथः | जयथ |
| जयामि | जयावः | जयामः |
| स० जयेत् | जयेताम् | जयेयुः |
| जयेः | जयेतम् | जयेत |
| जयेयम् | जयेव | जयेम |
| प० जयतु | जयतात् | जयताम् जयन्तु |
| जय | ,, | जयतम् जयत |
| जयानि | जयाव | जयाम |
| झ० अजयत् | अजयताम् | अजयन् |
| अजयः | अजयतम् | अजयत |
| अजयम् | अजयाव | अजयाम |
| अ० अजैषीत् | अजैष्टाम् | अजैषुः |
| अजैषम् | अजैष्टम् | अजैष्ट |
| अजैषीः | अजैष्टव | अजैष्टम |
| प० जिगाय | जिग्यतुः | जिग्युः |
| जिगयिथ | जिगेथ | जिग्यथुः जिग्य |
| जिगाय | जिगय | जिग्यिष जिग्यिम |
| आ० जीयात् | जीयास्ताम् | जीयासुः |
| जीयाः | जीयास्तम् | जीयास्त |
| जीयासम् | जीयास्व | जीयास्म |
| श्व० जेता | जेतारौ | जेतारः |
| जेतासि | जेतास्थः | जेतास्थ |
| जेतास्मि | जेतास्वः | जेतास्मः |
| भ० जेष्यति | जेप्यतः | जेप्यन्ति |
| जेप्यसि | जेप्यथः | जेप्यथ |
| जेप्यामि | जेप्यावः | जेप्यामः |
| क्रि० अजेप्यत् | अजेप्यताम् | अजेप्यन् |
| अजेप्यः | अजेप्यतम् | अजेप्यत |
| अजेप्यम् | अजेप्याव | अजेप्याम |

9 जि-(जि) अभिभवे

| | | |
|------------------|--------------|--------------------|
| व० जयति | जयतः | जयन्ति |
| जयसि | जयथः | जयथ |
| जयामि | जयावः | जयामः |
| स० जयेत् | जयेताम् | जयेयुः |
| जयेः | जयेतम् | जयेत |
| जयेयम् | जयेव | जयेम |
| प० जयतु | जयतात् | जयताम् जयन्तु |
| जय | ,, | जयतम् जयत |
| जयाणि | जयाव | जयाम |
| झ० अजयत् | अजयताम् | अजयन् |
| अजयः | अजयतम् | अजयत |
| अजयम् | अजयाव | अजयाम |
| अ० अजैषीत् | अजैष्टाम् | अजैषुः |
| अजैषीः | अजैष्टम् | अजैष्ट |
| अजैषम् | अजैष्टव | अजैष्टम |
| प० जिज्ञाय | जिज्ञियतुः | जिज्ञियुः |
| जिज्ञयिथ | जिज्ञेथ | जिज्ञियथुः जिज्ञिय |
| जिज्ञाय | जिज्ञय | जिज्ञयिष जिज्ञयिम |
| आ० ज्ञीयात् | ज्ञीयास्ताम् | ज्ञीयासुः |
| ज्ञीयाः | ज्ञीयास्तम् | ज्ञीयास्त |
| ज्ञीयासम् | ज्ञीयास्व | ज्ञीयास्म |
| श्व० ज्ञेता | ज्ञेतारौ | ज्ञेतारः |
| ज्ञेतासि | ज्ञेतास्थः | ज्ञेतास्थ |
| ज्ञेतास्मि | ज्ञेतास्वः | ज्ञेतास्मः |
| भ० ज्ञेप्यति | ज्ञेप्यतः | ज्ञेप्यन्ति |
| ज्ञेप्यसि | ज्ञेप्यथः | ज्ञेप्यथ |
| ज्ञेप्यामि | ज्ञेप्यावः | ज्ञेप्यामः |
| क्रि० अज्ञेप्यत् | अज्ञेप्यताम् | अज्ञेप्यन् |
| अज्ञेप्यः | अज्ञेप्यतम् | अज्ञेप्यत |
| अज्ञेप्यम् | अज्ञेप्याव | अज्ञेप्याम |

10 क्षि-[क्षि] क्षये

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० क्षयति | क्षयतः | क्षयन्ति |
| क्षयसि | क्षयथः | क्षयथ |
| क्षयामि | क्षयावः | क्षयामः |

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| स० क्षयेत् | क्षयेताम् | क्षयेयुः |
| क्षयेः | क्षयेतम् | क्षयेत |
| क्षयेयम् | क्षयेव | क्षयेम |
| प० क्षयतु | क्षयताम् | क्षयन्तु |
| क्षय | क्षयतम् | क्षयत |
| क्षयाणि | क्षयाव | क्षयाम |
| झ० अक्षयत् | अक्षयताम् | अक्षयन् |
| अक्षयः | अक्षयतम् | अक्षयत |
| अक्षयम् | अक्षयाव | अक्षयाम |
| अ० अक्षेपीत् | अक्षेष्टाम् | अक्षेयुः |
| अक्षेपीः | अक्षेष्टम् | अक्षेष्ट |
| अक्षेयम् | अक्षेष्टव | अक्षेष्टम |
| प० चिक्षाय | चिक्षियतुः | चिक्षियुः |
| चिक्षयिथ | चिक्षेथ | चिक्षियथुः |
| चिक्षाय | चिक्षय | चिक्षियिथ |
| आ० क्षीयात् | क्षीयास्ताम् | क्षीयासुः |
| क्षीयाः | क्षीयास्तम् | क्षीयास्त |
| क्षीयासम् | क्षीयास्व | क्षीयास्म |
| श्व० क्षेता | क्षेतारौ | क्षेतारः |
| क्षेतासि | क्षेतास्थः | क्षेतास्थ |
| क्षेतास्मि | क्षेतास्वः | क्षेतास्मः |
| भ० क्षेप्यति | क्षेप्यतः | क्षेप्यन्ति |
| क्षेप्यसि | क्षेप्यथः | क्षेप्यथ |
| क्षेप्यामि | क्षेप्यावः | क्षेप्यामः |
| क्रि० अक्षेप्यत् | अक्षेप्यताम् | अक्षेप्यन् |
| अक्षेप्यः | अक्षेप्यतम् | अक्षेप्यत |
| अक्षेप्यम् | अक्षेप्याव | अक्षेप्याम |

॥ इं (इ) गतौ,

| | | |
|----------|---------|--------|
| व० अयति | अयतः | अयन्ति |
| अयसि | अयथः | अयथ |
| अयामि | अयावः | अयामः |
| स० अयेत् | अयेताम् | अयेयुः |
| अयेः | अयेतम् | अयेत |

| | | |
|--------------|-----------|----------|
| अयेयम् | अयेव | अयेम |
| प० अयतु | अयताम् | अयन्तु |
| अय | अयतम् | अयत |
| अयानि | अयाव | अयाम |
| झ० आयत् | आयताम् | आयन् |
| आयः | आयतम् | आयत |
| आयम् | आयाव | आयाम |
| अ० ऐषीत् | ऐष्टाम् | ऐषुः |
| ऐषीः | ऐष्टम् | ऐष्ट |
| ऐषम् | ऐष्टव | ऐष्टम |
| इयाय | इयतुः | इयुः |
| इययिथ | इयेथ | इयथुः |
| इयाय | इयय | इयिव |
| आ० ईयात् | ईयास्ताम् | ईयासुः |
| ईयाः | ईयास्तम् | ईयास्त |
| ईयासम् | ईयास्व | ईयास्म |
| श्व० एता | एतारौ | एतारः |
| एतासि | एतास्थः | एतास्थ |
| एतास्मि | एतास्वः | एतास्मः |
| भ० एष्यति | एष्यतः | एष्यन्ति |
| एष्यसि | एष्यथः | एष्यथ |
| एष्यामि | एष्यावः | एष्यामः |
| क्रि० ऐष्यत् | ऐष्यताम् | ऐष्यन् |
| ऐष्यः | ऐष्यतम् | ऐष्यत |
| ऐष्यम् | ऐष्याव | ऐष्याम |

12 दुं (दु) गतौ,

| | | |
|----------|---------|--------|
| व० दवति | दवतः | दवन्ति |
| दवसि | दवथः | दवथ |
| दवामि | दवावः | दवामः |
| स० दवेत् | दवेताम् | दवेयुः |
| दवेः | दवेतम् | दवेत |
| दवेयम् | दवेव | दवेम |
| प० दवतु | दवताम् | दवन्तु |

| दव | दवतम् | दवत |
|----------------|------------|-----------|
| दवानि | दवाव | दवाम |
| छ० अदवत् | अदवताम् | अदवन् |
| अदवः | अदवतम् | अदवत |
| अदवम् | अदवाव | अदवाम |
| अ० अदोषीत् | अदोष्टाम् | अदोषुः |
| अदोषीः | अदोष्टम् | अदोष्ट |
| अदोषम् | अदोष्व | अदोष्म |
| ष० दुदाव | दुदुवतुः | दुदुवुः |
| दुदविथ | दुदोथ | दुदुवथुः |
| दुदाव | दुदव | दुदुविव |
| आ० दूयात् | दूयास्ताम् | दूयासुः |
| दूयाः | दूयास्तम् | दूयास्त |
| दूयासम् | दूयास्व | दूयास्म |
| श्व० दोता | दोतारौ | दोतारः |
| दोतासि | दोतास्थः | दोतास्थ |
| दोतास्मि | दोतास्वः | दोतास्मः |
| भ० दोष्यति | दोष्यतः | दोष्यन्ति |
| दोष्यसि | दोष्यथः | दोष्यथ |
| दोष्यामि | दोष्यावः | दोष्यामः |
| क्रि० अदोष्यत् | अदोष्यताम् | अदोष्यन् |
| अदोष्यः | अदोष्यतम् | अदोष्यत |
| अदोष्यम् | अदोष्याव | अदोष्याम |

13 दुं (दु) गतौ,

| | | |
|------------|-----------|----------|
| ब० द्रवति | द्रवतः | द्रवन्ति |
| द्रवसि | द्रवथः | द्रवथ |
| द्रवामि | द्रवावः | द्रवामः |
| स० द्रवेत् | द्रवेताम् | द्रवेयुः |
| द्रवेः | द्रवेतम् | द्रवेत |
| द्रवेयम् | द्रवेव | द्रवेम |
| प० द्रवतु | द्रवतात् | द्रवताम् |
| द्रव | द्रवतम् | द्रवत |

| द्रवाणि | द्रवाव | द्रवाम |
|------------------|--------------|-------------|
| छ० अद्रवत् | अद्रवताम् | अद्रवन् |
| अद्रवः | अद्रवतम् | अद्रवत |
| अद्रवम् | अद्रवाव | अद्रवाम |
| अ० अद्रुवत् | अद्रुवताम् | अद्रुवन् |
| अद्रुवः | अद्रुवतम् | अद्रुवत |
| अद्रुवम् | अद्रुवाव | अद्रुवाम |
| प० द्रुवाव | द्रुवतुः | द्रुवुः |
| द्रुवोथ | द्रुवथुः | द्रुव |
| द्रुवाव | द्रुवः | द्रुव |
| आ० दूयात् | दूयास्ताम् | दूयासुः |
| दूयाः | दूयास्तम् | दूयास्त |
| दूयासम् | दूयास्व | दूयास्म |
| श्व० द्रोता | द्रोतारौ | द्रोतारः |
| द्रोतासि | द्रोतास्थः | द्रोतास्थ |
| द्रोतास्मि | द्रोतास्वः | द्रोतास्मः |
| भ० द्रोष्यति | द्रोष्यतः | द्रोष्यन्ति |
| द्रोष्यसि | द्रोष्यथः | द्रोष्यथ |
| द्रोष्यामि | द्रोष्यावः | द्रोष्यामः |
| क्रि० अद्रोष्यत् | अद्रोष्यताम् | अद्रोष्यन् |
| अद्रोष्यः | अद्रोष्यतम् | अद्रोष्यत |
| अद्रोष्यम् | अद्रोष्याव | अद्रोष्याम |

14 शुं (शु) गतौ,

| | | |
|----------|---------|--------|
| ब० शवति | शवतः | शवन्ति |
| शवसि | शवथः | शवथ |
| शवामि | शवावः | शवामः |
| स० शवेत् | शवेताम् | शवेयुः |
| शवेः | शवेतम् | शवेत |
| शवेयम् | शवेव | शवेम |
| प० शवतु | शवतात् | शवताम् |
| शव | शवतम् | शवत |
| शवानि | शवाव | शवाम |

| | | |
|----------------|------------|-----------|
| झ० अशवत् | अशवताम् | अशवन् |
| अशवः | अशवतम् | अशवत |
| अशवम् | अशवाव | अशवाम |
| अ० अशौषीत् | अशौष्टाम् | अशौषुः |
| अशौषीः | अशौष्टम् | अशौषट् |
| अशौषम् | अशौष्य | अशौष्यम् |
| ष० शुशाव | शुशुवतुः | शुशुवः |
| शुशुविथ | शुशुथ | शुशुवथुः |
| शुशाव | शुशव | शुशुविथ |
| आ० शूयात् | शूयास्ताम् | शूयासुः |
| शूयाः | शूयास्तम् | शूयास्त |
| शूयासम् | शूयास्व | शूयास्म |
| श्र० शोता | शोतारौ | शोतारः |
| शोतासि | शोतास्थः | शोतास्थ |
| शोतास्मि | शोतास्वः | शोतास्मः |
| भ० शोष्यति | शोष्यतः | शोष्यन्ति |
| शोष्यसि | शोष्यथः | शोष्यथ |
| शोष्यामि | शोष्यावः | शोष्यामः |
| क्रि० अशोष्यत् | अशोष्यताम् | अशोष्यन् |
| अशोष्यः | अशोष्यतम् | अशोष्यत |
| अशोष्यम् | अशोष्याव | अशोष्याम |

15 सुं (सु) गतौ,

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० स्रवति | स्रवतः | स्रवन्ति |
| स्रवसि | स्रवथः | स्रवथ |
| स्रवामि | स्रवावः | स्रवामः |
| स० स्रवेत् | स्रवेताम् | स्रवेयुः |
| स्रवेः | स्रवेतम् | स्रवेत |
| स्रवेयम् | स्रवेव | स्रवेम |
| ष० स्रवतु | स्रवतात् | स्रवताम् |
| स्रव | .. | स्रवतम् |
| स्रवाणि | स्रवाव | स्रवाम |
| झ० अस्रवत् | अस्रवताम् | अस्रवन् |
| अस्रवः | अस्रवतम् | अस्रवत |

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| अस्रवम् | अस्रवाव | अस्रवाम |
| अ० अस्रुवत् | अस्रुवताम् | अस्रुवन् |
| अस्रुवः | अस्रुवतम् | अस्रुवत |
| अस्रुवम् | अस्रुवाव | अस्रुवाम |
| प० सुखाव | सुखवतुः | सुखवः |
| सुखोथ | सुखथुः | सुखथ |
| सुखाव | सुखव | सुखव |
| आ० सूयात् | सूयास्ताम् | सूयासुः |
| सूयाः | सूयास्तम् | सूयास्त |
| सूयासम् | सूयास्व | सूयास्म |
| श्र० स्रोता | स्रोतारौ | स्रोतारः |
| स्रोतासि | स्रोतास्थः | स्रोतास्थ |
| स्रोतास्मि | स्रोतास्वः | स्रोतास्मः |
| भ० स्रोष्यति | स्रोष्यतः | स्रोष्यन्ति |
| स्रोष्यसि | स्रोष्यथः | स्रोष्यथ |
| स्रोष्यामि | स्रोष्यावः | स्रोष्यामः |
| क्रि० अस्रोष्यत् | अस्रोष्यताम् | अस्रोष्यन् |
| अस्रोष्यः | अस्रोष्यतम् | अस्रोष्यत |
| अस्रोष्यम् | अस्रोष्याव | अस्रोष्याम |

16 श्रुं स्पर्शे च ।

चकाराद् गतौ गत्यर्थः, कुटादिरयमित्यन्ये ।

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० श्रवति | श्रवतः | श्रवन्ति |
| श्रवसि | श्रवथः | श्रवथ |
| श्रवामि | श्रवावः | श्रवामः |
| भ० श्रवेत् | श्रवेताम् | श्रवेयुः |
| श्रवेः | श्रवेतम् | श्रवेत |
| श्रवेयम् | श्रवेव | श्रवेम |
| प० श्रवतु | श्रवतात् | श्रवताम् |
| श्रव | .. | श्रवतम् |
| श्रवाणि | श्रवाव | श्रवाम |
| झ० अश्रवत् | अश्रवताम् | अश्रवन् |
| अश्रवः | अश्रवतम् | अश्रवत |
| अश्रवम् | अश्रवाव | अश्रवाम |

| | | |
|------------------|--------------------|-------------|
| अ० अघ्रोषीत् | अघ्रोष्टाम् | अघ्रोषुः |
| अघ्रोषीः | अघ्रोष्टम् | अघ्रोष्ट |
| अघ्रोषम् | अघ्रोष्व | अघ्रोषम् |
| प० दुघ्राय | दुघ्रावतुः | दुघ्रुवुः |
| दुघ्रायिथ | दुघ्राय दुघ्रावथुः | दुघ्राव |
| दुघ्राय | दुघ्राव दुघ्राविव | दुघ्राविम |
| धूयात् | धूयास्ताम् | धूयासुः |
| धूयाः | धूयास्तम् | धूयास्त |
| धूयासम् | धूयास्व | धूयास्म |
| ध्र० ध्रोता | ध्रोतारौ | ध्रोतारः |
| ध्रोतासि | ध्रोतास्थः | ध्रोतास्थ |
| ध्रोतास्मि | ध्रोतास्वः | ध्रोतास्मः |
| भ० ध्रोष्यति | ध्रोष्यतः | ध्रोष्यन्ति |
| ध्रोष्यसि | ध्रोष्यथः | ध्रोष्यथ |
| ध्रोष्यामि | ध्रोष्यावः | ध्रोष्यामः |
| क्रि० अघ्रोष्यत् | अघ्रोष्यताम् | अघ्रोष्यन् |
| अघ्रोष्यः | अघ्रोष्यतम् | अघ्रोष्यत |
| अघ्रोष्यम् | अघ्रोष्याव | अघ्रोष्याम |

17 सुं (सु) प्रसवैश्वर्ययोः

| | | |
|------------|-------------|---------------|
| व० सवति | सवतः | सवन्ति |
| सवसि | सवथः | सवथ |
| सवामि | सवावः | सवामः |
| स० सवेत् | सवेताम् | सवेयुः |
| सवेः | सवेतम् | सवेत |
| सवेयम् | सवेव | सवेम |
| प० सवतु | सवतात् | सवताम् सवन्तु |
| सव | | सवतम् सवत |
| सवानि | सवाव | सवाम |
| ह्र० असवत् | असवताम् | असवन् |
| असवः | असवतम् | असवत |
| असवम् | असवाव | असवाम |
| अ० असावीत् | असाविष्टाम् | असाविषुः |
| असावीः | असाविष्टम् | असाविष्ट |

| | | |
|----------------|--------------------------|----------|
| असाविषम् | असाविष्व | असाविषम् |
| क्रियारत्नसः | असौषीत् असौष्टाम् असौषुः | |
| असौषीः | असौष्टम् असौष्ट | |
| असौषम् | असौष्व असौषम् | |
| प० सुसाव | सुसावतुः सुसुवुः | |
| सुसायिथ | सुसाय सुसावथुः सुसुव | |
| सुसाव | सुसाव सुसाविव सुसुविम | |
| आ० सूयात् | सूयास्ताम् सूयासुः | |
| सूयाः | सूयास्तम् सूयास्त | |
| सूयासम् | सूयास्व सूयास्म | |
| श्व० सोता | सोतारौ सोतारः | |
| सोतासि | सोतास्थः सोतास्थ | |
| सोतास्मि | सोतास्वः सोतास्मः | |
| भ० सोष्यति | सोष्यतः सोष्यन्ति | |
| सोष्यसि | सोष्यथः सोष्यथ | |
| सोष्यामि | सोष्यावः सोष्यामः | |
| क्रि० असोष्यत् | असाष्यताम् असोष्यन् | |
| असोष्यः | असोष्यतम् असोष्यत | |
| असोष्यम् | असोष्याव असोष्याम | |

18 स्मृ (स्मृ) चिन्तायाम्

| | | |
|----------------|----------------------------|---------------|
| व० स्मरति | स्मरतः | स्मरन्ति |
| स्मरसि | स्मरथः | स्मरथ |
| स्मरामि | स्मरावः | स्मरामः |
| स० स्मरेत् | स्मरेताम् स्मरेयुः | |
| स्मरेः | स्मरेतम् स्मरेत | |
| स्मरेयम् | स्मरेव स्मरेम | |
| प० स्मरतु | स्मरतात् स्मरताम् स्मरन्तु | |
| स्मर | | स्मरतम् स्मरत |
| स्मराणि | स्मराव स्मराम | |
| ह्र० अस्मरत् | अस्मरताम् अस्मरन् | |
| अस्मरः | अस्मरतम् अस्मरत | |
| अस्मरम् | अस्मराव अस्मराम | |
| अ० अस्मार्षीत् | अस्माष्टाम् अस्माष्टुः | |

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| अस्मार्षीः | अस्मार्ष्टम् | अस्मार्ष्ट |
| अस्मार्षम् | अस्मार्ष्व | अस्मार्ष्म |
| प० सस्माग् | सस्मरतुः | सस्मरुः |
| सस्मर्थ | सस्मरथुः | सस्मर |
| सस्मार, सस्मर | सस्मरिव | सस्मरिम |
| आ० स्मर्यात् | स्मर्यास्ताम् | स्मर्यासुः |
| स्मर्याः | स्मर्यास्तम् | स्मर्यास्त |
| स्मर्यासम् | स्मर्यास्व | स्मर्यास्म |
| श्व० स्मर्ता | स्मर्तारौ | स्मर्तारः |
| स्मर्तासि | स्मर्तास्वः | स्मर्तास्थ |
| स्मर्तास्मि | स्मर्तास्वः | स्मर्तास्मः |
| भ० स्मरिष्यति | स्मरिष्यतः | स्मरिष्यन्ति |
| स्मरिष्यसि | स्मरिष्यथः | स्मरिष्यथ |
| स्मरिष्यामि | स्मरिष्यावः | स्मरिष्यामः |
| क्रि० अस्मरिष्यत् | अस्मरिष्यताम् | अस्मरिष्यन् |
| अस्मरिष्यः | अस्मरिष्यतम् | अस्मरिष्यत |
| अस्मरिष्यम् | अस्मरिष्याव | अस्मरिष्याम |

19 गृं (गृ) सेचने,

| | | |
|--------------|-------------|----------|
| व० गरति | गरतः | गरन्ति |
| गरसि | गरथः | गरथ |
| गरामि | गरावः | गरामः |
| स० गरेत् | गरेताम् | गरेयुः |
| गरेः | गरेतम् | गरेत |
| गरेयम् | गरेव | गरेम |
| प० गरतु | गरतात् | गरताम् |
| गर | गरतम् | गरत |
| गराणि | गराव | गराम |
| ह्य० अगरत् | अगरताम् | अगरन् |
| अगरः | अगरतम् | अगरत |
| अगरम् | अगराव | अगराम |
| अ० अगार्षीत् | अगार्ष्टाम् | अगार्षुः |
| अगार्षीः | अगार्ष्टम् | अगार्ष्ट |
| अगार्षम् | अगार्ष्व | अगार्ष्म |

| | | |
|-----------------|--------------|---------------|
| प० जगार | जग्रतुः | जग्रुः |
| जगर्थ | जग्रथुः | जग्र |
| जगार | जगर | जग्रिव जग्रिम |
| आ० ग्रियात् | ग्रियास्ताम् | ग्रियासुः |
| ग्रियाः | ग्रियास्तम् | ग्रियास्त |
| ग्रियासम् | ग्रियास्व | ग्रियास्म |
| श्व० गर्ता | गर्तारौ | गर्तारः |
| गर्तासि | गर्तास्वः | गर्तास्थ |
| गर्तास्मि | गर्तास्वः | गर्तास्मः |
| भ० गरिष्यति | गरिष्यतः | गरिष्यन्ति |
| गरिष्यसि | गरिष्यथः | गरिष्यथ |
| गरिष्यामि | गरिष्यावः | गरिष्यामः |
| क्रि० अगरिष्यत् | अगरिष्यताम् | अगरिष्यन् |
| अगरिष्यः | अगरिष्यतम् | अगरिष्यत |
| अगरिष्यम् | अगरिष्याव | अगरिष्याम |

20 घृ (घृ) सेचने,

| | | |
|--------------|-------------|----------|
| व० घरति | घरतः | घरन्ति |
| घरसि | घरथः | घरथ |
| घरामि | घरावः | घरामः |
| स० घरेत् | घरेताम् | घरेयुः |
| घरेः | घरेतम् | घरेत |
| घरेयम् | घरेव | घरेम |
| प० घरतु | घरतात् | घरताम् |
| घर | घरतम् | घरत |
| घराणि | घराव | घराम |
| ह्य० अघरत् | अघरताम् | अघरन् |
| अघरः | अघरतम् | अघरत |
| अघरम् | अघराव | अघराम |
| अ० अघार्षीत् | अघार्ष्टाम् | अघार्षुः |
| अघार्षीः | अघार्ष्टम् | अघार्ष्ट |
| अघार्षम् | अघार्ष्व | अघार्ष्म |
| प० जघार | जग्रतुः | जग्रुः |
| जघर्थ | जग्रथुः | जग्र |

| जगार | जवर | जघ्नव | जघ्नम |
|-----------------|--------------|-------------|-------|
| आ० घ्रियात् | घ्रियास्ताम् | घ्रियासुः | |
| घ्रियाः | घ्रियास्तम् | घ्रियास्त | |
| घ्रियासम् | घ्रियास्व | घ्रियास्म | |
| ध्व० घर्त्ता | घर्त्तारौ | घर्त्तारः | |
| घर्त्तासि | घर्त्तास्थः | घर्त्तास्थ | |
| घर्त्तास्मि | घर्त्तास्वः | घर्त्तास्मः | |
| भ० घरिष्यति | घरिष्यतः | घरिष्यन्ति | |
| घरिष्यसि | घरिष्यथः | घरिष्यथ | |
| घरिष्यामि | घरिष्यावः | घरिष्यामः | |
| क्रि० अघरिष्यत् | अघरिष्यताम् | अघरिष्यन् | |
| अघरिष्यः | अघरिष्यतम् | अघरिष्यत | |
| अघरिष्यम् | अघरिष्याव | अघरिष्याम | |

21 औस्वृ—शब्दोपतापयोः

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| व० स्वरति | स्वरतः | स्वरन्ति |
| स्वरसि | स्वरथः | स्वरथ |
| स्वरामि | स्वरावः | स्वरामः |
| स० स्वरेत् | स्वरेताम् | स्वरेयुः |
| स्वरेः | स्वरेतम् | स्वरेत |
| स्वरेयम् | स्वरेव | स्वरेम |
| प० स्वरतु | स्वरतात् | स्वरताम् |
| स्वर | स्वरतम् | स्वरत |
| स्वराणि | स्वराव | स्वराव |
| ह्य० अस्वरत् | अस्वरताम् | अस्वरन् |
| अस्वरः | अस्वरतम् | अस्वरत |
| अस्वरम् | अस्वराव | अस्वराम |
| अ० अस्वारीत् | अस्वारिषाम् | अस्वारिषुः |
| अस्वारीः | अस्वारिषम् | अस्वारिष |
| अस्वारिषम् | अस्वारिष्व | अस्वारिषम |
| अस्वार्षीत् | अस्वार्षाम् | अस्वार्षुः |
| अस्वार्षीः | अस्वार्षम् | अस्वार्ष |
| अस्वार्षम् | अस्वार्ष्व | अस्वार्षम |
| ष० सस्वार | सस्वरतुः | सस्वरः |

| सस्वरिथ | सस्वरथुः | सस्वर |
|---------------|---------------|--------------|
| सस्वार | सस्वर | सस्वरिथ |
| सस्वरिथ | सस्वरिथ | सस्वरिथ |
| आ० स्वर्गात् | स्वर्गास्ताम् | स्वर्गासुः |
| स्वर्गाः | स्वर्गास्तम् | स्वर्गास्त |
| स्वर्गासम् | स्वर्गास्व | स्वर्गास्म |
| ध्व० स्वर्ता | स्वर्तारौ | स्वर्तारः |
| स्वर्तासि | स्वर्तास्थः | स्वर्तास्थ |
| स्वर्तास्मि | स्वर्तास्वः | स्वर्तास्मः |
| स्वरिता | स्वरितारौ | स्वरितारः |
| स्वरितासि | स्वरितास्थः | स्वरितास्थ |
| स्वरितास्मि | स्वरितास्वः | स्वरितास्मः |
| भ० स्वरिष्यति | स्वरिष्यतः | स्वरिष्यन्ति |
| स्वरिष्यसि | स्वरिष्यथः | स्वरिष्यथ |
| स्वरिष्यामि | स्वरिष्यावः | स्वरिष्यामः |

क्रि० अस्वरिष्यत् अस्वरिष्यताम् अस्वरिष्यन्
अस्वरिष्यः अस्वरिष्यतम् अस्वरिष्यत
अस्वरिष्यम् अस्वरिष्याव अस्वरिष्याम

22 दृष्टं (दृष्टु) वरणं स्थगनम् । ११०

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| व० द्ररति | द्ररतः | द्ररन्ति |
| द्ररसि | द्ररथः | द्ररथ |
| द्ररामि | द्ररावः | द्ररामः |
| स० द्ररेत् | द्ररेताम् | द्ररेयुः |
| द्ररेः | द्ररेतम् | द्ररेत |
| द्ररेयम् | द्ररेव | द्ररेम |
| प० द्ररतु | द्ररतात् | द्ररताम् |
| द्रर | द्ररतम् | द्ररत |
| द्रराणि | द्रराव | द्रराम |
| ह्य० अद्ररत् | अद्ररताम् | अद्ररन् |
| अद्ररः | अद्ररतम् | अद्ररत |
| अद्ररम् | अद्रराव | अद्रराम |
| अ० अद्रार्षीत् | अद्रार्षाम् | अद्रार्षुः |
| अद्रार्षीः | अद्रार्षम् | अद्रार्ष |
| अद्रार्षम् | अद्रार्ष्व | अद्रार्षम |

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| प० दक्षार | दक्षरतुः | दक्षरः |
| दक्षर्थ | दक्षरथुः | दक्षर |
| दक्षार | दक्षर | दक्षरिब |
| दक्षरिब | दक्षरिम | |
| आ० द्र्यात् | द्र्यास्ताम् | द्र्यासुः |
| द्र्याः | द्र्यास्तम् | द्र्यास्त |
| द्र्यासम् | द्र्यास्व | द्र्यास्म |
| भ० द्र्ता | द्र्तरौ | द्र्तरः |
| द्र्तासि | द्र्तास्थः | द्र्तास्थ |
| द्र्तास्मि | द्र्तास्वः | द्र्तास्मः |
| भ० द्र्रिष्यति | द्र्रिष्यतः | द्र्रिष्यन्ति |
| द्र्रिष्यसि | द्र्रिष्यथः | द्र्रिष्यथ |
| द्र्रिष्यामि | द्र्रिष्यावः | द्र्रिष्यामः |
| क्रि० अद्र्रिष्यत् | अद्र्रिष्यताम् | अद्र्रिष्यन् |
| अद्र्रिष्यः | अद्र्रिष्यतम् | अद्र्रिष्यत |
| अद्र्रिष्यम् | अद्र्रिष्याव | अद्र्रिष्याम |

23 धृ [धृ] कौटिल्ये,

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| व० ध्वरति | ध्वरतः | ध्वरन्ति |
| ध्वरसि | ध्वरथः | ध्वरथ |
| ध्वरामि | ध्वरावः | ध्वरामः |
| स० ध्वरेत् | ध्वरेताम् | ध्वरेयुः |
| ध्वरेः | ध्वरेतम् | ध्वरेत |
| ध्वरेयम् | ध्वरेव | ध्वरेम |
| प० ध्वरतु | ध्वरतात् | ध्वरताम् |
| ध्वर | „ | ध्वरतम् |
| ध्वराणि | ध्वराव | ध्वराम |
| ह्य० अध्वरत् | अध्वरताम् | अध्वरन् |
| अध्वरः | अध्वरतम् | अध्वरत |
| अध्वरम् | अध्वराव | अध्वराम |
| अ० अध्वार्षीत् | अध्वार्षीम् | अध्वार्षुः |
| अध्वार्षीः | अध्वार्षम् | अध्वार्ष |
| अध्वार्षम् | अध्वार्ष्व | अध्वार्षम् |
| प० दध्वार | दध्वरतुः | दध्वरः |

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| दध्वरिषि | दध्वरथुः | दध्वर |
| दध्वार | दध्वर | दध्वरिब |
| दध्वरिब | दध्वरिम | |
| आ० ध्वर्यात् | ध्वर्यास्ताम् | ध्वर्यासुः |
| ध्वर्याः | ध्वर्यास्तम् | ध्वर्यास्त |
| ध्वर्यासम् | ध्वर्यास्व | ध्वर्यास्म |
| भ० ध्वर्ता | ध्वर्तारौ | ध्वर्तारः |
| ध्वर्तासि | ध्वर्तास्थः | ध्वर्तास्थ |
| ध्वर्तास्मि | ध्वर्तास्वः | ध्वर्तास्मः |
| भ० ध्वरिष्यति | ध्वरिष्यतः | ध्वरिष्यन्ति |
| ध्वरिष्यसि | ध्वरिष्यथः | ध्वरिष्यथ |
| ध्वरिष्यामि | ध्वरिष्यावः | ध्वरिष्यामः |
| क्रि० अध्वरिष्यत् | अध्वरिष्यताम् | अध्वरिष्यन् |
| अध्वरिष्यः | अध्वरिष्यतम् | अध्वरिष्यत |
| अध्वरिष्यम् | अध्वरिष्याव | अध्वरिष्याम |

24 हृवृ [हृवृ] कौटिल्ये,

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| व० ह्वरति | ह्वरतः | ह्वरन्ति |
| ह्वरसि | ह्वरथः | ह्वरथ |
| ह्वरामि | ह्वरावः | ह्वरामः |
| स० ह्वरेत् | ह्वरेताम् | ह्वरेयुः |
| ह्वरेः | ह्वरेतम् | ह्वरेत |
| ह्वरेयम् | ह्वरेव | ह्वरेम |
| प० ह्वरतु | ह्वरतात् | ह्वरताम् |
| ह्वर | „ | ह्वरतम् |
| ह्वराणि | ह्वराव | ह्वराम |
| ह्य० अह्वरत् | अह्वरताम् | अह्वरन् |
| अह्वरः | अह्वरतम् | अह्वरत |
| अह्वरम् | अह्वराव | अह्वराम |
| अ० अह्वार्षीत् | अह्वार्षीम् | अह्वार्षुः |
| अह्वार्षीः | अह्वार्षम् | अह्वार्ष |
| अह्वार्षम् | अह्वार्ष्व | अह्वार्षम् |
| प० जह्वार | जह्वरतुः | जह्वरः |
| जह्वर्थ | जह्वरथुः | जह्वर |
| जह्वार | जह्वर | जह्वरिब |
| जह्वरिब | जह्वरिम | |

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| आ० ह्वयात् | ह्वयास्ताम् | ह्वयासुः |
| ह्वयाः | ह्वयास्तम् | ह्वयास्त |
| ह्वयासम् | ह्वयास्व | ह्वयास्म |
| भ० ह्वर्ता | ह्वर्तारौ | ह्वर्तारः |
| ह्वर्तासि | ह्वर्तास्थः | ह्वर्तास्थ |
| ह्वर्तास्मि | ह्वर्तास्वः | ह्वर्तास्मः |
| भ० ह्वरिष्यति | ह्वरिष्यतः | ह्वरिष्यन्ति |
| ह्वरिष्यसि | ह्वरिष्यथः | ह्वरिष्यथ |
| ह्वरिष्यामि | ह्वरिष्यावः | ह्वरिष्यामः |
| क्रि० अह्वरिष्यत् | अह्वरिष्यताम् | अह्वरिष्यन् |
| अह्वरिष्यः | अह्वरिष्यतम् | अह्वरिष्यत |
| अह्वरिष्यम् | अह्वरिष्याव | अह्वरिष्याम |

25 सृं (सृ) गतौ

| | | |
|--------------|------------|----------|
| १० सरात् | सरतः | सरन्ति |
| सरसि | सरथः | सरथ |
| सराभि | सरावः | सरामः |
| स० सरेत् | सरेताम् | सरेयुः |
| सरेः | सरेतम् | सरेत |
| सरेयम् | सरेव | सरेम |
| प० सरतु | सरतात् | सरताम् |
| सर | ” | सरतम् |
| सराणि | सराव | सराम |
| झ० असरत् | असरताम् | असरन् |
| असरः | असरतम् | असरत |
| असरम् | असराव | असराम |
| अ० असार्षीत् | असार्षताम् | असार्षुः |
| असार्षीः | असार्षतम् | असार्षत |
| असार्षम् | असार्षव | असार्षम |
| असरत् | असरताम् | असरन् |
| असरः | असरतम् | असरत |
| असरम् | असराव | असराम |
| प० ससार | सस्रतुः | सस्रुः |
| सस्रथ | सस्रथुः | सस्र |

| | | | |
|-----------------|----------------|-------------|--------|
| ससार | ससर | सस्रुव | सस्रुम |
| आ० स्त्रियात् | स्त्रियास्ताम् | स्त्रियासुः | |
| स्त्रियाः | स्त्रियास्तम् | स्त्रियास्त | |
| स्त्रियासम् | स्त्रियास्व | स्त्रियास्म | |
| भ० सर्ता | सर्तारौ | सर्तारः | |
| सर्तासि | सर्तास्थः | सर्तास्थ | |
| सर्तास्मि | सर्तास्वः | सर्तास्मः | |
| भ० सरिष्यति | सरिष्यतः | सरिष्यन्ति | |
| सरिष्यसि | सरिष्यथः | सरिष्यथ | |
| सरिष्यामि | सरिष्यावः | सरिष्यामः | |
| क्रि० असरिष्यत् | असरिष्यताम् | असरिष्यन् | |
| असरिष्यः | असरिष्यतम् | असरिष्यत | |
| असरिष्यम् | असरिष्याव | असरिष्याम | |

26 ऋं (ऋ) प्रापणे च ।

चकाराद् गतौ ॥

| | | |
|--------------|------------|----------|
| व० ऋच्छति | ऋच्छतः | ऋच्छन्ति |
| ऋच्छसि | ऋच्छथः | ऋच्छथ |
| ऋच्छामि | ऋच्छावः | ऋच्छामः |
| स० ऋच्छेत् | ऋच्छेताम् | ऋच्छेयुः |
| ऋच्छेः | ऋच्छेतम् | ऋच्छेत |
| ऋच्छेयम् | ऋच्छेव | ऋच्छेम |
| प० ऋच्छतु | ऋच्छतात् | ऋच्छताम् |
| ऋच्छ | ” | ऋच्छतम् |
| ऋच्छानि | ऋच्छाव | ऋच्छाम |
| झ० आर्च्छेत् | आर्च्छताम् | आर्च्छन् |
| आर्च्छः | आर्छतम् | आर्छत |
| आर्छम् | आर्छाव | आर्छाम |
| अ० आरत् | आरताम् | आरन् |
| आरः | आरतम् | आरत |
| आरम् | आराव | आराम |
| आर्षीत् | आर्षताम् | आर्षुः |
| आर्षीः | आर्षतम् | आर्षत |
| आर्षम् | आर्षव | आर्षम |

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| प० आर | आरतुः | आरुः |
| आरिथ | आरथुः | आर |
| आर | आरिष | आरिम् |
| आ० अर्यात् | अर्यास्ताम् | अर्यासुः |
| अर्याः | अर्यास्तम् | अर्यास्त |
| अर्यासम् | अर्यास्व | अर्यास्म |
| श्व० अर्ता | अर्तारौ | अर्तारिः |
| अर्तासि | अर्तास्थः | अर्तास्थ |
| अर्तास्मि | अर्तास्वः | अर्तास्मः |
| भ० अरिष्यति | अरिष्यतः | अरिष्यन्ति |
| अरिष्यसि | अरिष्यथः | अरिष्यथ |
| अरिष्यामि | अरिष्यावः | अरिष्यामः |
| क्रि० आरिष्यत् | आरिष्यताम् | आरिष्यन् |
| आरिष्यः | आरिष्यतम् | आरिष्यत |
| आरिष्यम् | आरिष्याव | आरिष्याम |

अथ ऋकारान्तः सेट् च ।

27 टृ-प्लवनतरणयोः

प्लवनं मज्जनम् । तरणमुल्लङ्घनम् ।

| | | |
|------------|-------------|---------------|
| व० तरति | तरतः | तरन्ति |
| तरसि | तरथः | तरथ |
| तरामि | तरावः | तरामः |
| स० तरेत् | तरेताम् | तरेयुः |
| तरेः | तरेतम् | तरेत |
| तरेयम् | तरेव | तरेम |
| प० तरतु | तरतात् | तरताम् तरन्तु |
| तर | ” | तरतम् तरत |
| तराणि | तराव | तराम |
| अ० अतरत् | अतरताम् | अतरन् |
| अतरः | अतरतम् | अतरत |
| अतरम् | अतराव | अतराम |
| अ० अतारीत् | अतारिष्टाम् | अतारिषुः |

| | | |
|-------------|--------------|--------------|
| अतारीः | अतारिष्टम् | अतारिष्ट |
| अतारिषम् | अतारिष्व | अतारिषम् |
| प० ततार | तेरतुः | तेरुः |
| तेरिथ | तेरथुः | तेर |
| ततार | ततर | तेरिष तेरिम् |
| आ० तीर्यात् | तीर्यास्ताम् | तीर्यासुः |
| तीर्याः | तीर्यास्तम् | तीर्यास्त |
| तीर्यासम् | तीर्यास्व | तीर्यास्म |
| श्व० तरीता | तरीतारौ | तरीतारः |
| तरीतासि | तरीतास्थः | तरीतास्थ |
| तरीतास्मि | तरीतास्वः | तरीतास्मः |
| तरिता | तरितारौ | तरितारः |
| तरितासि | तरितास्थः | तरितास्थ |
| तरितास्मि | तरितास्वः | तरितास्मः |
| भ० तरीष्यति | तरीष्यतः | तरीष्यन्ति |
| तरीष्यसि | तरीष्यथः | तरीष्यथ |
| तरीष्यामि | तरीष्यावः | तरीष्यामः |
| तरिष्यति | तरिष्यतः | तरिष्यन्ति |
| तरिष्यसि | तरिष्यथः | तरिष्यथ |
| तरिष्यामि | तरिष्यावः | तरिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अतरीष्यत् | अतरीष्यताम् | अतरीष्यन् |
| अतरीष्यः | अतरीष्यतम् | अतरीष्यत |
| अतरीष्यम् | अतरीष्याव | अतरीष्याम |
| अतरिष्यत् | अतरिष्यताम् | अतरिष्यन् |
| अतरिष्यः | अतरिष्यतम् | अतरिष्यत |
| अतरिष्यम् | अतरिष्याव | अतरिष्याम |

॥ अथ एकारान्तोऽनिट् च ॥

28 दूधे (धे) पाने,

| | | |
|----------|---------|--------|
| व० धयति | धयतः | धयन्ति |
| धयसि | धयथः | धयथ |
| धयामि | धयावः | धयामः |
| स० धयेत् | धयेताम् | धयेयुः |
| धयेः | धयेतम् | धयेत |

| धयेयम् | धयेव | धयेम |
|------------------------------------|------------|-----------|
| व० धयतु धयतात् धयताम् धयन्तु | | |
| धय | ,, | धयतम् धयत |
| धयानि | धयाव | धयाम |
| ह्य० अधयत् अधयताम् अधयन् | | |
| अधयः | अधयतम् | अधयत |
| अधयम् | अधयाव | अधयाम |
| अ० अदधत् अदधताम् अदधन् | | |
| अदधः | अदधतम् | अदधत |
| अदधम् | अदधाव | अदधाम |
| अधात् अधाताम् अघुः | | |
| अधाः | अधातम् | अधात |
| अधाम् | अधाव | अधाम |
| अधासीत् अधासिष्टम् अधासिषुः | | |
| अधासीः | अधासिष्टम् | अधासिष्ट |
| अधासिषम् | अधासिष्व | अधासिष्म |
| प० दधौ दधतुः दधुः | | |
| दधाथ दधित् दधुः | दध | |
| दधौ | दधिव | दधिम |
| आ० धेयात् धेयास्ताम् धेयासुः | | |
| धेयाः | धेयास्तम् | धेयास्त |
| धेयासम् | धेयास्व | धेयास्म |
| श्व० धाता धातारौ धातारः | | |
| धातासि | धातास्थः | धातास्थ |
| धातास्मि | धातास्वः | धातास्मः |
| भ० दास्यति दास्यतः दास्यन्ति | | |
| दास्यसि | दास्यथः | दास्यथ |
| दास्यामि | दास्यावः | दास्यामः |
| क्रि० अधास्यत् अधास्यताम् अधास्यन् | | |
| अधास्यः | अधास्यतम् | अधास्यत |
| अधास्यम् | अधास्याव | अधास्याम |

इतः परमैदन्ता अनुस्वारेतश्चैकविंशतिः ॥

29 दैवू [दै] शोधने,

| | | |
|------------------------------------|------------|-------------|
| व० दायति दायतः दायन्ति | | |
| दायसि | दायथः | दायथ |
| दायामि | दायावः | दायामः |
| स० दायेत् दायेताम् दायेयुः | | |
| दायेः | दायेतम् | दायेत |
| दायेयम् | दायेव | दायेव |
| प० दायतु दायतात् दायताम् दायन्तु | | |
| दाय | ,, | दायतम् दायत |
| दायानि | दायाव | दायाम |
| ह्य० अदायत् अदायताम् अदायन् | | |
| अदायः | अदायतम् | अदायत |
| अदायम् | अदायाव | अदायाम |
| अ० अदासीत् अदासिष्टम् अदासिषुः | | |
| अदासीः | अदासिष्टम् | अदासिष्ट |
| अदासिषम् | अदासिष्व | अदासिष्म |
| प० ददौ ददतुः ददुः | | |
| ददित् ददाथ ददुः | दद | |
| ददौ | ददिव | ददिम |
| आ० दायात् दायास्ताम् दायासुः | | |
| दायाः | दायास्तम् | दायास्त |
| दायासम् | दायास्व | दायास्म |
| श्व० दाता दातारौ दातारः | | |
| दातासि | दातास्थः | दातास्थ |
| दातास्मि | दातास्वः | दातास्मः |
| भ० दास्यति दास्यतः दास्यन्ति | | |
| दास्यसि | दास्यथः | दास्यथ |
| दास्यामि | दास्यावः | दास्यामः |
| क्रि० अदास्यत् अदास्यताम् अदास्यन् | | |
| अदास्यः | अदास्यतम् | अदास्यत |
| अदास्यम् | अदास्याव | अदास्याम |

30 ध्यै (ध्यै) चिन्तायाम्

| | | |
|------------------------------|---------|--------|
| व० ध्यायति ध्यायतः ध्यायन्ति | | |
| ध्यायसि | ध्यायथः | ध्यायथ |

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ध्यायामि | ध्यायावः | ध्यायामः |
| स० ध्यायेत् | ध्यायेताम् | ध्यायेयुः |
| ध्यायेः | ध्यायेतम् | ध्यायेत |
| ध्यायेयम् | ध्यायेव | ध्यायेम |
| प० ध्यायतु | ध्यायतात् | ध्यायताम् |
| ध्याय | ध्यायतम् | ध्यायत |
| ध्यायानि | ध्यायाव | ध्यायाम |
| झ० अध्यायत् | अध्यायताम् | अध्यायन् |
| अध्यायः | अध्यायतम् | अध्यायत |
| अध्यायम् | अध्यायाव | अध्यायाम |
| अ० अध्यासीत् | अध्यासिष्टम् | अध्यासिषुः |
| अध्यासीः | अध्यासिष्टम् | अध्यासिष्ट |
| अध्यासिषम् | अध्यासिष्व | अध्यासिष्म |
| प० दध्यौ | दध्यतुः | दध्युः |
| दध्याथ | दध्यिथ | दध्यथुः |
| दध्यौ | दध्यिव | दध्यिम |
| आ० ध्येयात् | ध्येयास्ताम् | ध्येयासुः |
| ध्येयाः | ध्येयास्तम् | ध्येयास्त |
| ध्येयासम् | ध्येयास्व | ध्येयास्म |
| ध्यायात् | ध्यायास्ताम् | ध्यायासुः |
| ध्यायाः | ध्यायास्तम् | ध्यायास्त |
| ध्यायासम् | ध्यायास्व | ध्यायास्म |
| श्व० ध्याता | ध्यातारौ | ध्यातारः |
| ध्यातासि | ध्यातास्थः | ध्यातास्थ |
| ध्यातास्मि | ध्यातास्वः | ध्यातास्मः |
| भ० ध्यास्यति | ध्यास्यतः | ध्यास्यन्ति |
| ध्यास्यसि | ध्यास्यथः | ध्यास्यथ |
| ध्यास्यामि | ध्यास्यावः | ध्यास्यामः |
| क्रि० अध्यास्यत् | अध्यास्यताम् | अध्यास्यन् |
| अध्यास्यः | अध्यास्यतम् | अध्यास्यत |
| अध्यास्यम् | अध्यास्याव | अध्यास्याम |

31 ग्लै [ग्लै]

हर्षक्षये, धातुक्षय इत्यर्थः,

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० ग्लायति | ग्लायतः | ग्लायन्ति |
| ग्लायसि | ग्लायथः | ग्लायथ |
| ग्लायामि | ग्लयावः | ग्लायामः |
| स० ग्लायेत् | ग्लायेताम् | ग्लायेयुः |
| ग्लायेः | ग्लायेतम् | ग्लायेत |
| ग्लायेयम् | ग्लायेव | ग्लायेम |
| प० ग्लायतु | ग्लायतात् | ग्लायताम् |
| ग्लाय | ग्लायतम् | ग्लायत |
| ग्लायानि | ग्लयाव | ग्लायाम |
| झ० अग्लायत् | अग्लायताम् | अग्लायन् |
| अग्लायः | अग्लायतम् | अग्लायत |
| अग्लायम् | अग्लयाव | अग्लायाम |
| अ० अग्लासीत् | अग्लासिष्टम् | अग्लासिषुः |
| अग्लासीः | अग्लासिष्टम् | अग्लासिष्ट |
| अग्लासिषम् | अग्लासिष्व | अग्लासिष्म |
| प० जग्लौ | जग्लतुः | जग्लुः |
| जग्लिथ | जग्लथ | जग्लथुः |
| जग्लौ | जग्लिव | जग्लिम |
| आ० ग्लेयात् | ग्लेयास्ताम् | ग्लेयासुः |
| ग्लेयाः | ग्लेयास्तम् | ग्लेयास्त |
| ग्लेयासम् | ग्लेयास्व | ग्लेयास्म |
| ग्लयात् | ग्लयास्ताम् | ग्लयासुः |
| ग्लयाः | ग्लयास्तम् | ग्लयास्त |
| ग्लयासम् | ग्लयास्व | ग्लयास्म |
| श्व० ग्लता | ग्लतारौ | ग्लतारः |
| ग्लतासि | ग्लतास्थः | ग्लतास्थ |
| ग्लतास्मि | ग्लतास्वः | ग्लतास्मः |
| भ० ग्लास्यति | ग्लास्यतः | ग्लास्यन्ति |
| ग्लास्यसि | ग्लास्यथः | ग्लास्यथ |
| ग्लास्यामि | ग्लास्यावः | ग्लास्यामः |
| क्रि० अग्लास्यत् | अग्लास्यताम् | अग्लास्यन् |
| अग्लास्यः | अग्लास्यतम् | अग्लास्यत |
| अग्लास्यम् | अग्लास्याव | अग्लास्याम |

32 म्लै [म्लै]

गात्रविनामे कान्तिक्षये इत्यर्थ ।

| | | |
|------------------|---------------|-------------|
| प० म्लायति | म्लायतः | म्लायन्ति |
| म्लायसि | म्लायथः | म्लायथ |
| म्लायामि | म्लयावः | म्लायामः |
| म्ल० म्लयेत् | म्लयेताम् | म्लयेयुः |
| म्लयेः | म्लयेतम् | म्लयेत |
| म्लयेयम् | म्लयेव | म्लयेम |
| प० म्लायतु | म्लायतात् | म्लायताम् |
| म्लाय | म्लायतम् | म्लायत |
| म्लायानि | म्लयाव | म्लायाम |
| म्ल० अम्लायत् | अम्लायताम् | अम्लायन् |
| अम्लायः | अम्लायतम् | अम्लायत |
| अम्लायम् | अम्लयाव | अम्लायाम |
| अ० अम्लासीत् | अम्लासिष्टाम् | अम्लासिषुः |
| अम्लासीः | अम्लासिष्टम् | अम्लासिष्ट |
| अम्लासिषम् | अम्लासिष्व | अम्लासिष्म |
| प० मम्लौ | मम्लतुः | मम्लुः |
| मम्लिथ | मम्लथ | मम्लथुः |
| मम्लौ | मम्लिष | मम्लिम |
| अ० म्लेयात् | म्लेयास्ताम् | म्लेयासुः |
| म्लेयाः | म्लेयास्तम् | म्लेयास्त |
| म्लेयासम् | म्लेयास्व | म्लेयास्म |
| म्लयात् | म्लयास्ताम् | म्लयासुः |
| म्लयाः | म्लयास्तम् | म्लयास्त |
| म्लयासम् | म्लयास्व | म्लयास्म |
| म्ल० म्लाता | म्लातारौ | म्लातारः |
| म्लातासि | म्लातास्थः | म्लातास्थ |
| म्लातास्मि | म्लातास्वः | म्लातास्मः |
| म्ल० म्लास्यति | म्लास्यतः | म्लास्यन्ति |
| म्लास्यसि | म्लास्यथः | म्लास्यथ |
| म्लास्यामि | म्लास्यावः | म्लास्यामः |
| म्लि० अम्लास्यत् | अम्लास्यताम् | अम्लास्यन् |
| अम्लास्यः | अम्लास्यतम् | अम्लास्यत |
| अम्लास्यम् | अम्लास्याव | अम्लास्याम |

33 द्यै (द्यै) न्यङ्गकरणे,

| | | |
|------------------|---------------|-------------|
| व० द्यायति | द्यायतः | द्यायन्ति |
| द्यायसि | द्यायथः | द्यायथ |
| द्यायामि | द्यायावः | द्यायामः |
| स० द्यायेत् | द्यायेताम् | द्यायेयुः |
| द्यायेः | द्यायेतम् | द्यायेत |
| द्यायेयम् | द्यायेव | द्यायेम |
| प० द्यायतु | द्यायतात् | द्यायताम् |
| द्याय | द्यायतम् | द्यायत |
| द्यायामि | द्यायाव | द्यायाम |
| द्य० अद्यायत् | अद्यायताम् | अद्यायन् |
| अद्यायः | अद्यायतम् | अद्यायत |
| अद्यायम् | अद्यायाव | अद्यायाम |
| अ० अद्यासीत् | अद्यासिष्टाम् | अद्यासिषुः |
| अद्यासीः | अद्यासिष्टम् | अद्यासिष्ट |
| अद्यासिषम् | अद्यासिष्व | अद्यासिष्म |
| प० दद्यौ | दद्यतुः | दद्युः |
| दद्यिथ | दद्याथ | दद्यथुः |
| दद्यौ | दद्यिष | दद्यिम |
| आ० द्येयात् | द्येयास्ताम् | द्येयासुः |
| द्येयाः | द्येयास्तम् | द्येयास्त |
| द्येयासम् | द्येयास्व | द्येयास्म |
| द्यायात् | द्यायास्ताम् | द्यायासुः |
| द्यायाः | द्यायास्तम् | द्यायास्त |
| द्यायासम् | द्यायास्व | द्यायास्म |
| द्य० द्याता | द्यातारौ | द्यातारः |
| द्यातासि | द्यातास्थः | द्यातास्थ |
| द्यातास्मि | द्यातास्वः | द्यातास्मः |
| म० द्यास्यति | द्यास्यतः | द्यास्यन्ति |
| द्यास्यसि | द्यास्यथः | द्यास्यथ |
| द्यास्यामि | द्यास्यावः | द्यास्यामः |
| क्रि० अद्यास्यत् | अद्यास्यताम् | अद्यास्यन् |
| अद्यास्यः | अद्यास्यतम् | अद्यास्यत |
| अद्यास्यम् | अद्यास्याव | अद्यास्याम |

34 द्वे (द्वै) स्वप्ने,

| | | | |
|-------|------------|---------------|-------------|
| व० | द्रायति | द्रायतः | द्रायन्ति |
| | द्रायसि | द्रायथः | द्रायथ |
| | द्रायामि | द्रायावः | द्रायामः |
| स० | द्रायेत् | द्रायेताम् | द्रायेयुः |
| | द्रायेः | द्रायेतम् | द्रायेत |
| | द्रायेयम् | द्रायेव | द्रायेम |
| प० | द्रायतु | द्रायतात् | द्रायताम् |
| | द्राय | द्रायतम् | द्रायन्तु |
| | द्रायाणि | द्रायाव | द्रायाम |
| ह्य० | अद्रायत् | अद्रायताम् | अद्रायन् |
| | अद्रायः | अद्रायतम् | अद्रायत |
| | अद्रायम् | अद्रायाव | अद्रायाम |
| अ० | अद्रासीत् | अद्रासिष्टाम् | अद्रासिषुः |
| | अद्रासीः | अद्रासिष्टम् | अद्रासिष्ट |
| | अद्रासिषम् | अद्रासिष्व | अद्रासिष्म |
| प० | दद्रौ | दद्रतुः | दद्रुः |
| | दद्रिथ | दद्राथ | दद्रथुः |
| | दद्रौ | दद्रिव | दद्रिम |
| आ० | द्रेयात् | द्रेयास्ताम् | द्रेयासुः |
| | द्रेयाः | द्रेयास्तम् | द्रेयास्त |
| | द्रेयासम् | द्रेयास्व | द्रेयास्म |
| | द्रायात् | द्रायास्ताम् | द्रायासुः |
| | द्रायाः | द्रायास्तम् | द्रायास्त |
| | द्रायासम् | द्रायास्व | द्रायास्म |
| श्व० | द्राता | द्रातारौ | द्रातारः |
| | द्रातासि | द्रातास्थः | द्रातास्थ |
| | द्रातास्मि | द्रातास्वः | द्रातास्मः |
| भ० | द्रास्यति | द्रास्यतः | द्रास्यन्ति |
| | द्रास्यसि | द्रास्यथः | द्रास्यथ |
| | द्रास्यामि | द्रास्यावः | द्रास्यामः |
| क्रि० | अद्रास्यत् | अद्रास्यताम् | अद्रास्यन् |
| | अद्रास्यः | अद्रास्यतम् | अद्रास्यत |

अद्रास्यम् अद्रास्याव अद्रास्याम

35 द्वे (द्वै) तृणौ,

| | | | |
|------|------------|---------------|-------------|
| व० | ध्रायति | ध्रायतः | ध्रायन्ति |
| | ध्रायसि | ध्रायथः | ध्रायथ |
| | ध्रायामि | ध्रायावः | ध्रायामः |
| स० | ध्रायेत् | ध्रायेताम् | ध्रायेयुः |
| | ध्रायेः | ध्रायेतम् | ध्रायेत |
| | ध्रायेयम् | ध्रायेव | ध्रायेम |
| प० | ध्रायतु | ध्रायतात् | ध्रायताम् |
| | ध्राय | ध्रायतम् | ध्रायन्तु |
| | ध्रायाणि | ध्रायाव | ध्रायाम |
| ह्य० | अध्रायत् | अध्रायताम् | अध्रायन् |
| | अध्रायः | अध्रायतम् | अध्रायत |
| | अध्रायम् | अध्रायाव | अध्रायाम |
| अ० | अध्रासीत् | अध्रासिष्टाम् | अध्रासिषुः |
| | अध्रासीः | अध्रासिष्टम् | अध्रासिष्ट |
| | अध्रासिषम् | अध्रासिष्व | अध्रासिष्म |
| प० | दधौ | दधतुः | दधुः |
| | दध्रिथ | दध्राथ | दध्रथुः |
| | दधौ | दध्रिव | दध्रिम |
| आ० | ध्रेयात् | ध्रेयास्ताम् | ध्रेयासुः |
| | ध्रेयाः | ध्रेयास्तम् | ध्रेयास्त |
| | ध्रेयासम् | ध्रेयास्व | ध्रेयास्म |
| | ध्रायात् | ध्रायास्ताम् | ध्रायासुः |
| | ध्रायाः | ध्रायास्तम् | ध्रायास्त |
| | ध्रायासम् | ध्रायास्व | ध्रायास्म |
| श्व० | ध्राता | ध्रातारौ | ध्रातारः |
| | ध्रातासि | ध्रातास्थः | ध्रातास्थ |
| | ध्रातास्मि | ध्रातास्वः | ध्रातास्मः |
| भ० | ध्रास्यति | ध्रास्यतः | ध्रास्यन्ति |
| | ध्रास्यसि | ध्रास्यथः | ध्रास्यथ |
| | ध्रास्यामि | ध्रास्यावः | ध्रास्यामः |

क्रि० अध्रास्यत् अध्रास्यताम् अध्रास्यन्
अध्रास्यः अध्रास्यतम् अध्रास्यत
अध्रास्यम् अध्रास्याव अध्रास्याम

36 कै [कै] शब्दे

घ० कायति कायतः कायन्ति
कायसि कायथः कायथ
कायामि कायावः कायामः
स० कायेत् कायेताम् कायेयुः
कायेः कायेतम् कायेत
कायेयम् कायेव कायेम
प० कायतु कायतात् कायताम् कायन्तु
काय , कायतम् कायत
कायानि कायाव कायाम
झ० अकायत् अकायताम् अकायन्
अकायः अकायतम् अकायत
अकायम् अकायाव अकायाम
अ० अकासीत् अकासिष्टाम् अकासिषुः
अकासीः अकासिष्टम् अकासिष्ट
अकासिषम् अकासिष्व अकासिष्म
प० चकौ चकतुः चकुः
चक्रिथ चक्राथ चक्रथुः चक्र
चकौ चक्रिथ चक्रिथ
आ० कायात् कायास्ताम् कायासुः
कायाः कायास्तम् कायास्त
कायासम् कायास्व कायास्स
श्व० काता कातारौ कातारः
कातासि कातास्थः कातास्थ
कातास्मि कातास्वः कातास्मः
भ० कास्यति कास्यतः कास्यन्ति
कास्यसि कास्यथः कास्यथ
कास्यामि कास्यावः कास्यामः
क्रि० अकास्यत् अकास्यताम् अकास्यन्
अकास्यः अकास्यतम् अकास्यत

अकास्यम् अकास्याव अकास्याम

37 गै (गै) शब्दे,

घ० गायति गायतः गायन्ति
गायसि गायथः गायथ
गायामि गायावः गायामः
स० गायेत् गायेताम् गायेयुः
गायेः गायेतम् गायेत
गायेयम् गायेव गायेम
प० गायतु गायतात् गायताम् गायन्तु
गाय , गायतम् गायत
गायानि गायाव गायाम
झ० अगायत् अगायताम् अगायन्
अगायः अगायतम् अगायत
अगायम् अगायाव अगायाम
अ० अगासीत् अगासिष्टाम् अगासिषुः
अगासीः अगासिष्टम् अगासिष्ट
अगासिषम् अगासिष्व अगासिष्म
प० जगौ जगतुः जगुः
जगिथ जगाथ जगथुः जग
जगौ जगिथ जगिथ
आ० गेयात् गेयास्ताम् गेयासुः
गेयाः गेयास्तम् गेयास्त
गेयासम् गेयास्व गेयास्म

श्व० गाता गातारौ गातारः
गातासि गातास्थः गातास्थ
गातास्मि गातास्वः गातास्मः
भ० गास्यति गास्यतः गास्यन्ति
गास्यसि गास्यथः गास्यथ
गास्यामि गास्यावः गास्यामः
क्रि० अगास्यत् अगास्यताम् अगास्यन्
अगास्यः अगास्यतम् अगास्यत
अगास्यम् अगास्याव अगास्याम

38 रै (रै) शब्दे,

ब० रायति रायतः रायन्ति
रायसि रायथः रायथ
रायामि रायावः रायामः

स० रायेत् रायेताम् रायेयुः
रायेः रायेतम् रायेत
रायेयम् रायेव रायेम

प० रायतु रायतात् रायताम् रायन्तु
राय " रायनम् रायत
रायाणि रायाव रायाम

ह्य० अरायत् अरायताम् अरायन्
अरायः अरायतम् अरायत
अरायम् अरायाव अरायाम

अ० अरासीत् अरासिष्टाम् अरासिषुः
अरासीः अरासिष्टम् अरासिष्ट
अरासिषम् अरासिष्व अरासिष्म

प० ररौ ररतुः ररहः
ररिथ रराथ ररथुः रर
ररौ ररिव ररिम

आ० रायात् रायास्ताम् रायासुः
रायाः रायास्तम् रायास्त
रायासम् रायास्व रायास्म

श्व० राता रातारौ रातारः
रातासि रातास्थः रातास्थ
रातास्मि रातास्वः रातास्मः

भ० रास्यति रास्यतः रास्यन्ति
रास्यसि रास्यथः रास्यथ
रास्यामि रास्यावः रास्यामः

क्रि० अरास्यत् अरास्यताम् अरास्यन्
अरास्यः अरास्यतम् अरास्यत
अरास्यम् अरास्याव अरास्याम

39 छ्रै (छ्रै) संघाते च ।

बकारात् शब्दे ॥

ब० ह्रयायति ह्रयायतः ह्रयायन्ति
ह्रयायसि ह्रयायथः ह्रयायथ
ह्रयायामि ह्रयायावः ह्रयायाम

स० ह्रयायेत् ह्रयायेताम् ह्रयायेयुः
ह्रयायेः ह्रयायेतम् ह्रयायेत
ह्रयायेयम् ह्रयायेव ह्रयायेम

प० ह्रयायतु ह्रयायतात् ह्रयायताम् ह्रयायन्तु
ह्रयाय " ह्रयायतम् ह्रयायत
ह्रयायानि ह्रयायाव ह्रयायाम

ह्य० अह्रयायत् अह्रयायताम् अह्रयायन्
अह्रयायः अह्रयायतम् अह्रयायत
अह्रयायम् अह्रयायाव अह्रयायाम

अ० अह्रयासीत् अह्रयासिष्टाम् अह्रयासिषुः
अह्रयासीः अह्रयासिष्टम् अह्रयासिष्ट
अह्रयासिषम् अह्रयासिष्व अह्रयासिष्म

~~प० छ्रौ छ्रतुः छ्रहः
छ्रिथ छ्रथ छ्रथुः छ्र
छ्रौ छ्रिव छ्रिम~~

आ० छ्रयात् छ्रयास्ताम् छ्रयासुः
छ्रयाः छ्रयास्तम् छ्रयास्त
छ्रयासम् छ्रयास्व छ्रयास्म

छ्रयायात् छ्रयायास्ताम् छ्रयायासुः
छ्रयायाः छ्रयायास्तम् छ्रयायास्त
छ्रयायासम् छ्रयायास्व छ्रयायास्म

श्व० छ्रयाता छ्रयातारौ छ्रयातारः
छ्रयातासि छ्रयातास्थः छ्रयातास्थ
छ्रयातास्मि छ्रयातास्वः छ्रयातास्मः

भ० छ्रयास्यति छ्रयास्यतः छ्रयास्यन्ति
छ्रयास्यसि छ्रयास्यथः छ्रयास्यथ
छ्रयास्यामि छ्रयास्यावः छ्रयास्यामः

क्रि० अह्रयास्यत् अह्रयास्यताम् अह्रयास्यन्
अह्रयास्यः अह्रयास्यतम् अह्रयास्यत
अह्रयास्यम् अह्रयास्याव अह्रयास्याम

~~तछ्रौ तछ्रतुः तछ्रहः
तछ्रिथ तछ्रथ तछ्रथुः तछ्र
तछ्रौ तछ्रिव तछ्रिम~~

40 स्तयै (स्त्यै) संघातशब्दयोः ।

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|---------------|
| ब० | स्त्यायति | स्त्यायतः | स्त्यायन्ति |
| | स्त्यायसि | स्त्यायथः | स्त्यायथ |
| | स्त्यायामि | स्त्यायावः | स्त्यायामः |
| स० | स्त्यायेत् | स्त्यायेताम् | स्त्यायेयुः |
| | स्त्यायेः | स्त्यायेतम् | स्त्यायेत |
| | स्त्यायेयम् | स्त्यायेव | स्त्यायेम |
| प० | स्त्यायतु | स्त्यायतात् | स्त्यायताम् |
| | स्त्याय | स्त्यायतम् | स्त्यायत |
| | स्त्यायन्ते | स्त्यायाव | स्त्यायाम |
| झ० | अस्त्यायत् | अस्त्यायताम् | अस्त्यायन् |
| | अस्त्यायः | अस्त्यायतम् | अस्त्यायत |
| | अस्त्यायम् | अस्त्यायाव | अस्त्यायाम |
| अ० | अस्त्यासीत् | अस्त्यासिष्टाम् | अस्त्यासिषुः |
| | अस्त्यासीः | अस्त्यासिष्टम् | अस्त्यासिष्ट |
| | अस्त्यासिषम् | अस्त्यासिष्व | अस्त्यासिष्म |
| प० | तस्त्यौ | तस्त्यतुः | तस्त्युः |
| | तस्त्यथ | तस्त्याथ | तस्त्यथुः |
| | तस्त्यौ | तस्त्यव | तस्त्यम |
| आ० | स्त्येयात् | स्त्येयास्ताम् | स्त्येयासुः |
| | स्त्येयाः | स्त्येयास्तम् | स्त्येयास्त |
| | स्त्येयासम् | स्त्येयास्व | स्त्येयास्म |
| | स्त्यायात् | स्त्यायास्ताम् | स्त्यायासुः |
| | स्त्यायाः | स्त्यायास्तम् | स्त्यायास्त |
| | स्त्यायासम् | स्त्यायास्व | स्त्यायास्म |
| श्व० | स्त्याता | स्त्यातारौ | स्त्यातारः |
| | स्त्यातासि | स्त्यातास्थः | स्त्यातास्थ |
| | स्त्यातास्मि | स्त्यातास्वः | स्त्यातास्मः |
| म० | स्त्यास्यति | स्त्यास्यतः | स्त्यास्यन्ति |
| | स्त्यास्यसि | स्त्यास्यथः | स्त्यास्यथ |
| | स्त्यास्यामि | स्त्यास्यावः | स्त्यास्यामः |
| क्रि० | अस्त्यास्यत् | अस्त्यास्यताम् | अस्त्यास्यन् |
| | अस्त्यास्यः | अस्त्यास्यतम् | अस्त्यास्यत |
| | अस्त्यास्यम् | अस्त्यास्याव | अस्त्यास्याम |

अस्त्यास्यम् अस्त्यास्याव अस्त्यास्याम्

41 खं [खै] खदने

खदनं हिंसा स्थैर्यश्च ॥

| | | | |
|-------|----------|-------------|-----------|
| ब० | खायति | खायतः | खायन्ति |
| | खायसि | खायथः | खायथ |
| | खायामि | खायावः | खायामः |
| स० | खायेत् | खायेताम् | खायेयुः |
| | खायेः | खायेतम् | खायेत |
| | खायेयम् | खायेव | खायेम |
| प० | खायतु | खायतात् | खायताम् |
| | खाय | खायतम् | खायत |
| | खायानि | खायाव | खायाम |
| झ० | अखायत् | अखायताम् | अखायन् |
| | अखायः | अखायतम् | अखायत |
| | अखायम् | अखायाव | अखायाम |
| अ० | अखासीत् | अखासिष्टाम् | अखासिषुः |
| | अखासीः | अखासिष्टम् | अखासिष्ट |
| | अखासिषम् | अखासिष्व | अखासिष्म |
| प० | चखौ | चखतुः | चखुः |
| | चखिथ | चखाथ | चखथुः |
| | चखौ | चखिष | चखिम |
| आ० | खायात् | खायास्ताम् | खायासुः |
| | खायाः | खायास्तम् | खायास्त |
| | खायासम् | खायास्व | खायास्म |
| श्व० | खाता | खातारौ | खातारः |
| | खातासि | खातास्थः | खातास्थ |
| | खातास्मि | खातास्वः | खातास्मः |
| भ० | खास्यति | खास्यतः | खास्यन्ति |
| | खास्यसि | खास्यथः | खास्यथ |
| | खास्यामि | खास्यावः | खास्यामः |
| क्रि० | अखास्यत् | अखास्यताम् | अखास्यन् |
| | अखास्यः | अखास्यतम् | अखास्यत |
| | अखास्यम् | अखास्याव | अखास्याम |

42 क्षै (क्षै) क्षये ।

| | | |
|------------------|---------------|---------------------|
| व० क्षायति | क्षायतः | क्षायन्ति |
| क्षायसि | क्षायथः | क्षायथ |
| क्षायामि | क्षयावः | क्षायामः |
| स० क्षायेत् | क्षायेताम् | क्षायेयुः |
| क्षायेः | क्षायेतम् | क्षायेत |
| क्षायेयम् | क्षायेव | क्षायेम |
| प० क्षायतु | क्षायतात् | क्षायताम् क्षायन्तु |
| क्षाय | क्षायतम् | क्षायत |
| क्षायानि | क्षयाव | क्षायाम |
| झ० अक्षायत् | अक्षायताम् | अक्षायन् |
| अक्षायः | अक्षायतम् | अक्षायत |
| अक्षायम् | अक्षयाव | अक्षायाम |
| अ० अक्षासीत् | अक्षासिष्टाम् | अक्षासिषुः |
| अक्षासीः | अक्षासिष्टम् | अक्षासिष्ट |
| अक्षासिषम् | अक्षासिष्व | अक्षासिष्म |
| प० चक्षौ | चक्षतुः | चक्षुः |
| चक्षिथ | चक्षथः | चक्षथुः चक्ष |
| चक्षौ | चक्षिव | चक्षिम |
| आ० क्षेयात् | क्षेयास्ताम् | क्षेयासुः |
| क्षेयाः | क्षेयास्तम् | क्षेयास्त |
| क्षेयासम् | क्षेयास्व | क्षेयास्म |
| श्व० क्षाता | क्षातारो | क्षातारः |
| क्षातासि | क्षातास्थः | क्षातास्थ |
| क्षातास्मि | क्षातास्वः | क्षातास्मः |
| भ० क्षास्यति | क्षास्यतः | क्षास्यन्ति |
| क्षास्यसि | क्षास्यथः | क्षास्यथ |
| क्षास्यामि | क्षास्यावः | क्षास्यामः |
| क्रि० अक्षास्यत् | अक्षास्यताम् | अक्षास्यन् |
| अक्षास्यः | अक्षास्यतम् | अक्षास्यत |
| अक्षास्यम् | अक्षास्याव | अक्षास्याम |

43 जै (जै) क्षये,

| | | |
|----------|-------|---------|
| व० जायति | जायतः | जायन्ति |
|----------|-------|---------|

| | | |
|----------------|-------------|-----------------|
| जायसि | जायथः | जायथ |
| जायामि | जायावः | जायामः |
| स० जायेत् | जायेताम् | जायेयुः |
| जायेः | जायेतम् | जायेत |
| जायेयम् | जायेव | जायेम |
| प० जायतु | जायतात् | जायताम् जायन्तु |
| जाय | जायतम् | जायत |
| जायानि | जायाव | जायाम |
| झ० अजायत् | अजायताम् | अजायन् |
| अजायः | अजायतम् | अजायत |
| अजायम् | अजायाव | अजायाम |
| अ० अजासीत् | अजासिष्टाम् | अजासिषुः |
| अजासीः | अजासिष्टम् | अजासिष्ट |
| अजासिषम् | अजासिष्व | अजासिष्म |
| प० जजौ | जजतुः | जजुः |
| जजिथ | जजथः | जजथुः जज |
| जजौ | जजिव | जजिम |
| आ० जायात् | जायास्ताम् | जायासुः |
| जायाः | जायास्तम् | जायास्त |
| जायासम् | जायास्व | जायास्म |
| श्व० जाता | जातारो | जातारः |
| जातानि | जातास्थः | जातास्थ |
| जातास्मि | जातास्वः | जातास्मः |
| भ० जास्यति | जास्यतः | जास्यन्ति |
| जास्यसि | जास्यथः | जास्यथ |
| जास्यामि | जास्यावः | जास्यामः |
| क्रि० अजास्यत् | अजास्यताम् | अजास्यन् |
| अजास्यः | अजास्यतम् | अजास्यत |
| अजास्यम् | अजास्याव | अजास्याम |

44 जै (जै) क्षये,

| | | |
|----------|--------|---------|
| व० सायति | सायतः | सायन्ति |
| सायसि | सायथः | सायथ |
| सायामि | सायावः | सायामः |

| | | |
|----------------|-------------|-----------|
| स० सायेत् | सायेताम् | सायेयुः |
| सायेः | सायेतम् | सायेत |
| सायेयम् | सायेव | सायेम |
| प० सायतु | सायतात् | सायताम् |
| साय | सायतम् | सायत |
| सायाणि | सायाव | सायाम |
| झ० असायत् | असायताम् | असायन् |
| असायः | असायतम् | असायत |
| असायम् | असायाव | असायाम |
| अ० असासीत् | असासिष्टाम् | असासिषुः |
| असासीः | असासिष्टम् | असासिष्ट |
| असासिषम् | असासिष्व | असासिषम |
| प० ससौ | ससतुः | ससुः |
| ससिथ | ससाथ | ससथुः |
| ससौ | ससिव | ससिम |
| आ० सेयात् | सेयास्ताम् | सेयासुः |
| सेयाः | सेयास्तम् | सेयास्त |
| सेयासम् | सेयास्व | सेयास्म |
| श्व० साता | सातारौ | सातारः |
| सातासि | सातास्थः | सातास्थ |
| सातास्मि | सातास्वः | सातास्मः |
| भ० सास्यति | सास्यतः | सास्यन्ति |
| सास्यसि | सास्यथः | सास्यथ |
| सास्यामि | सास्यावः | सास्यामः |
| क्रि० असास्यत् | असास्यताम् | असास्यन् |
| असास्यः | असास्यतम् | असास्यत |
| असास्यम् | असास्याव | असास्याम |

45 छै (सै) पाके

| | | |
|----------|---------|--------|
| व० आयति | आयतः | आयन्ति |
| आयसि | आयथः | आयथ |
| आयामि | आयावः | आयामः |
| स० आयेत् | आयेताम् | आयेयुः |
| आयेः | आयेतम् | आयेत |

| | | |
|---------------|--------------|-----------|
| आयेयम् | आयेव | आयेम |
| प० आयतु | आयतात् | आयताम् |
| आय | आयतम् | आयत |
| आयाणि | आयाव | आयाम |
| झ० अआयत् | अआयताम् | अआयन् |
| अआयः | अआयतम् | अआयत |
| अआयम् | अआयाव | अआयाम |
| अ० अआसीत् | अआसिष्टाम् | अआसिषुः |
| अआसीः | अआसिष्टम् | अआसिष्ट |
| अआसिषम् | अआसिष्व | अआसिषम |
| प० सस्रौ | सस्रतुः | सस्रुः |
| सस्रिथ | सस्राथ | सस्रतुः |
| सस्रौ | सस्रिव | सस्रिम |
| आ० स्नेयात् | स्नेयास्ताम् | स्नेयासुः |
| स्नेयाः | स्नेयास्तम् | स्नेयास्त |
| स्नेयासम् | स्नेयास्व | स्नेयास्म |
| आयात् | आयास्ताम् | आयासुः |
| आयाः | आयास्तम् | आयास्त |
| आयासम् | आयास्व | आयास्म |
| श्व० आता | आतारौ | आतारः |
| आतासि | आतास्थः | आतास्थ |
| आतास्मि | आतास्वः | आतास्मः |
| भ० आस्यति | आस्यतः | आस्यन्ति |
| आस्यसि | आस्यथः | आस्यथ |
| आस्यामि | आस्यावः | आस्यामः |
| क्रि० अआस्यत् | अआस्यताम् | अआस्यन् |
| अआस्यः | अआस्यतम् | अआस्यत |
| अआस्यम् | अआस्याव | अआस्याम |

46 श्रै (श्रै) पाके

| | | |
|---------|-------|--------|
| व० आयति | आयतः | आयन्ति |
| आयसि | आयथः | आयथ |
| आयामि | आयावः | आयामः |

| | | | |
|-------|------------|--------------|---------------------|
| स० | श्रायेत् | श्रायेताम् | श्रायेयुः |
| | श्रायेः | श्रायेतम् | श्रायेत |
| | श्रायेयम् | श्रायेव | श्रायेम |
| प० | श्रायतु | श्रायतात् | श्रायताम् श्रायन्तु |
| | श्राय | ” | श्रायतम् श्रायत |
| | श्रायाणि | श्रायाव | श्रायाम |
| ह्य० | अश्रायत् | अश्रायताम् | अश्रायन् |
| | अश्रायः | अश्रायतम् | अश्रायत |
| | अश्रायम् | अश्रायाव | अश्रायाम |
| अ० | अश्रासीत् | अश्रासिष्टम् | अश्रासिषुः |
| | अश्रासीः | अश्रासिष्टम् | अश्रासिष्ट |
| | अश्रासिषम् | अश्रासिष्व | अश्रासिष्म |
| प० | शश्रौ | शश्रतुः | शश्रुः |
| | शश्रिथ | शश्राथ | शश्रथुः |
| | शश्रौ | शश्रिव | शश्रिम |
| आ० | श्रेयात् | श्रेयास्ताम् | श्रेयासुः |
| | श्रेयाः | श्रेयास्तम् | श्रेयास्त |
| | श्रेयासम् | श्रेयास्व | श्रेयास्म |
| | श्रायात् | श्रायास्ताम् | श्रायासुः |
| | श्रायाः | श्रायास्तम् | श्रायास्त |
| | श्रायासम् | श्रायास्व | श्रायास्म |
| प्रव० | श्राता | श्रातारौ | श्रातारः |
| | श्रातासि | श्रातास्थः | श्रातास्थ |
| | श्रातास्मि | श्रातास्वः | श्रातास्मः |
| भ० | श्रास्यति | श्रास्यतः | श्रास्यन्ति |
| | श्रास्यसि | श्रास्यथः | श्रास्यथ |
| | श्रास्यामि | श्रास्यावः | श्रास्यामः |
| क्रि० | अश्रास्यत् | अश्रास्यताम् | अश्रास्यन् |
| | अश्रास्यः | अश्रास्यतम् | अश्रास्यत |
| | अश्रास्यम् | अश्रास्याव | अश्रास्याम |

47 पै [पै] शोषणे,

| | | | |
|----|-------|-------|---------|
| व० | पायति | पायतः | पायन्ति |
| | पायसि | पायथः | पायथ |

| | | | |
|-------|----------|------------|-----------------|
| | पायामि | पायावः | पायामः |
| स० | पायेत् | पायेताम् | पायेयुः |
| | पायेः | पायेतम् | पायेत |
| | पायेयम् | पायेव | पायेम |
| प० | पायतु | पायतात् | पायताम् पायन्तु |
| | पाय | ” | पायतम् पायत |
| | पायानि | पायाव | पायाम |
| ह्य० | अपायत् | अपायताम् | अपायन् |
| | अपायः | अपायतम् | अपायत |
| | अपायम् | अपायाव | अपायाम |
| अ० | अपासीत् | अपासिष्टम् | अपासिषुः |
| | अपासीः | अपासिष्टम् | अपासिष्ट |
| | अपासिषम् | अपासिष्व | अपासिष्म |
| प० | पपौ | पपतुः | पपुः |
| | पपिथ | पपाथ | पपथुः |
| | पपौ | पपिव | पपिम |
| आ० | पेयात् | पेयास्ताम् | पेयासुः |
| | पेयाः | पेयास्तम् | पेयास्त |
| | पेयासम् | पेयास्व | पेयास्म |
| भ्व० | पाता | पातारौ | पातारः |
| | पातासि | पातास्थः | पातास्थ |
| | पातास्मि | पातास्वः | पातास्मः |
| भ० | पास्यति | पास्यतः | पास्यन्ति |
| | पास्यसि | पास्यथः | पास्यथ |
| | पास्यामि | पास्यावः | पास्यामः |
| क्रि० | अपास्यत् | अपास्यताम् | अपास्यन् |
| | अपास्यः | अपास्यतम् | अपास्यत |
| | अपास्यम् | अपास्याव | अपास्याम |

48 ओव (वै) शोषणे,

| | | | |
|----|--------|--------|---------|
| व० | वायति | वायतः | वायन्ति |
| | वायसि | वायथः | वायथ |
| | वायामि | वायावः | वायामः |

| | | |
|----------------|------------|-----------|
| स० वायेत् | वायेताम् | वायेयुः |
| वायेः | वायेतम् | वायेत |
| वायेयम् | वायेव | वायेम |
| प० वायतु | वायतात् | वायताम् |
| वाय | वायतम् | वायत |
| वायानि | वायाव | वायाम |
| झ० अवायत् | अवायताम् | अवायन् |
| अवायः | अवायतम् | अवायत |
| अवायम् | अवायाव | अवायाम |
| अ० अवासीत् | अवासिष्टम् | अवासिषुः |
| अवासीः | अवासिष्टम् | अवासिष्ट |
| अवासिषम् | अवासिष्व | अवासिष्म |
| प० ववौ | ववतुः | ववुः |
| वविथ | ववाथ | ववथुः |
| ववौ | वविष | वविम |
| आ० वायात् | वायास्ताम् | वायासुः |
| वायाः | वायास्तम् | वायास्त |
| वायासम् | वायास्व | वायास्म |
| श्व० वाता | वातारौ | वातारः |
| वातासि | वातास्थः | वातास्थ |
| वातास्मि | वातास्वः | वातास्मः |
| भ० वास्यति | वास्यतः | वास्यन्ति |
| वास्यसि | वास्यथः | वास्यथ |
| वास्यामि | वास्यावः | वास्यामः |
| क्रि० अवास्यत् | अवास्यताम् | अवास्यन् |
| अवास्यः | अवास्यतम् | अवास्यत |
| अवास्यम् | अवास्याव | अवास्याम |

49 णै (स्नै) वेष्टने

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० स्नायति | स्नायतः | स्नायन्ति |
| स्नायसि | स्नायथाः | स्नायथ |
| स्नायामि | स्नायावः | स्नायामः |
| स० स्नायेत् | स्नायेताम् | स्नायेयुः |
| स्नायेः | स्नायेतम् | स्नायेत |

| | | |
|--------------|--------------|-------------|
| स्नायेयाम् | स्नायेव | स्नायेम |
| प० स्नायतु | स्नायतात् | स्नायताम् |
| स्नाय | स्नायतम् | स्नायत |
| स्नायानि | स्नायाव | स्नायाम |
| झ० अस्नायत् | अस्नायताम् | अस्नायन् |
| अस्नायः | अस्नायतम् | अस्नायत |
| अस्नायम् | अस्नायाव | अस्नायाम |
| अ० अस्नासीत् | अस्नासिष्टम् | अस्नासिषुः |
| अस्नासीः | अस्नासिष्टम् | अस्नासिष्ट |
| अस्नासिषम् | अस्नासिष्व | अस्नासिष्म |
| प० सस्नौ | सस्नतुः | सस्नुः |
| सस्निथ | सस्नाथ | सस्नथुः |
| सस्नौ | सस्निव | सस्निम |
| आ० स्नेयात् | स्नेयास्ताम् | स्नेयासुः |
| स्नेयाः | स्नेयास्तम् | स्नेयास्त |
| स्नेयासम् | स्नेयास्व | स्नेयास्म |
| स्नायात् | स्नायास्ताम् | स्नायासुः |
| श्व० स्नाता | स्नातारौ | स्नातारः |
| स्नातासि | स्नातास्थः | स्नातास्थ |
| स्नातास्मि | स्नातास्वः | स्नातास्मः |
| भ० स्नास्यति | स्नास्यतः | स्नास्यन्ति |
| स्नास्यसि | स्नास्यथः | स्नास्यथ |
| स्नास्यामि | स्नास्यावः | स्नास्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अस्नास्यत् | अस्नास्यताम् | अस्नास्यन् |
| अस्नास्यः | अस्नास्यतम् | अस्नास्यत |
| अस्नास्यम् | अस्नास्याव | अस्नास्याम |

। अथ कान्ताः पञ्च सेटश्च ।

50 फक्क [फक्क्] नीचगतौ,

नीचैर्गतिः मन्दगमनमसद्व्यवहारो वा ।

अकारः श्रुतिसुखार्थः । एवं शेषेष्वदन्तेषु, ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० फक्कति | फक्कतः | फक्कन्ति |
| फक्कसि | फक्कथः | फक्कथः |
| फक्कामि | फक्कावः | फक्कामः |
| स० फक्केत् | फक्केताम् | फक्केयुः |
| फक्केः | फक्केतम् | फक्केत |
| फक्केयम् | फक्केव | फक्केम |
| प० फक्कतु | फक्कतात् | फक्कताम् |
| फक्क | फक्कतम् | फक्कत |
| फक्कानि | फक्काव | फक्काम |
| झ० अफक्कत् | अफक्कताम् | अफक्कन् |
| अफक्कः | अफक्कतम् | अफक्कत |
| अफक्कम् | अफक्काव | अफक्काम |
| अ० अफक्कीत् | अफक्किष्टाम् | अफक्किषुः |
| अफक्कीः | अफक्किष्टम् | अफक्किष्ट |
| अफक्किषम् | अफक्किष्व | अफक्किषम |
| प० पफक्क | पफक्कतुः | पफक्कुः |
| पफक्किथ | पफक्कथुः | पफक्क |
| पफक्क | पफक्किव | पफक्किम |
| आ० फक्कयात् | फक्कयास्ताम् | फक्कयासुः |
| फक्कयाः | फक्कयास्तम् | फक्कयास्त |
| फक्कयासम् | फक्कयास्व | फक्कयास्म |
| श्व० फक्किता | फक्कितारौ | फक्कितारः |
| फक्कितासि | फक्कितस्थः | फक्कितस्थ |
| फक्कितास्मि | फक्कितस्वः | फक्कितस्मः |
| भ० फक्किष्यति | फक्किष्यतः | फक्किष्यन्ति |
| फक्किष्यसि | फक्किष्यथः | फक्किष्यथ |
| फक्किष्यामि | फक्किष्यावः | फक्किष्यामः |
| क्रि० अफक्किष्यत् | अफक्किष्यताम् | अफक्किष्यन् |
| अफक्किष्यः | अफक्किष्यतम् | अफक्किष्यत |
| अफक्किष्यम् | अफक्किष्याव | अफक्किष्याम |

51 तक हसने

| | | |
|---------|------|--------|
| व० तकति | तकतः | तकन्ति |
| तकसि | तकथः | तकथ |

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| तकामि | तकावः | तकामः |
| स० तकेत् | तकेताम् | तकेयुः |
| तकेः | तकेतम् | तकेत |
| तकेयम् | तकेव | तकेम |
| प० तकतु | तकतात् | तकताम् |
| तक | तकतम् | तकत |
| तकानि | तकाव | तकाम |
| झ० अतकत् | अतकताम् | अतकन् |
| अतकः | अतकतम् | अतकत |
| अतकम् | अतकाव | अतकाम |
| अ० अताकीत् | अताकिष्टाम् | अताकिषुः |
| अताकीः | अताकिष्टम् | अताकिष्ट |
| अताकिषम् | अताकिष्व | अताकिषम |
| अतकीत् | अतकिष्टाम् | अतकिषुः |
| अतकीः | अतकिष्टम् | अतकिष्ट |
| अतकिषम् | अतकिष्व | अतकिषम |
| प० तताक | तेकतुः | तेकुः |
| तेकिथ | तेकथुः | तेक |
| तताक | ततक | तेकिव |
| आ० तक्यात् | तक्यास्ताम् | तक्यासुः |
| तक्याः | तक्यास्तम् | तक्यास्त |
| तक्यासम् | तक्यास्व | तक्यास्म |
| श्व० तकिता | तकितारौ | तकितारः |
| तकितासि | तकितस्थः | तकितस्थ |
| तकितास्मि | तकितस्वः | तकितस्मः |
| भ० तकिष्यति | तकिष्यतः | तकिष्यन्ति |
| तकिष्यसि | तकिष्यथः | तकिष्यथ |
| तकिष्यामि | तकिष्यावः | तकिष्यामः |
| क्रि० अतकिष्यत् | अतकिष्यताम् | अतकिष्यन् |
| अतकिष्यः | अतकिष्यतम् | अतकिष्यत |
| अतकिष्यम् | अतकिष्याव | अतकिष्याम |

52 तकु [तङ्कू] कृच्छ्रजीवने

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० तङ्कति | तङ्कतः | तङ्कन्ति |
| तङ्कसि | तङ्कथः | तङ्कथ |
| तङ्कामि | तङ्कावः | तङ्कामः |
| स० तङ्केत् | तङ्केताम् | तङ्केयुः |
| तङ्केः | तङ्केतम् | तङ्केत |
| तङ्केयम् | तङ्केव | तङ्केम |
| प० तङ्कतु | तङ्कतात् | तङ्कताम् |
| तङ्क | ” | तङ्कतम् |
| तङ्कानि | तङ्काव | तङ्काम |
| ह्य० अतङ्कत | अतङ्कताम् | अतङ्कन् |
| अतङ्कः | अतङ्कतम् | अतङ्कत |
| अतङ्कम् | अतङ्काव | अतङ्काम |
| अ० अतङ्कीत् | अतङ्किताम् | अतङ्किषुः |
| अतङ्कीः | अतङ्किष्टम् | अतङ्किष्ट |
| अतङ्किषम् | अतङ्किष्व | अतङ्किष्म |
| प० ततङ्क | ततङ्कतुः | ततङ्कुः |
| ततङ्कथ | ततङ्कथुः | ततङ्कः |
| ततङ्क | ततङ्किव | ततङ्किम |
| आ० तङ्क्यात् | तङ्क्यास्ताम् | तङ्क्यासुः |
| तङ्क्याः | तङ्क्यास्तम् | तङ्क्यास्त |
| तङ्क्यासम् | तङ्क्यास्व | तङ्क्यास्म |
| श्व० तङ्किता | तङ्कितारौ | तङ्कितारः |
| तङ्कितासि | तङ्कितास्थः | तङ्कितास्थ |
| तङ्कितास्मि | तङ्कितास्वः | तङ्कितास्मः |
| भ० तङ्किष्यति | तङ्किष्यतः | तङ्किष्यन्ति |
| तङ्किष्यसि | तङ्किष्यथः | तङ्किष्यथ |
| तङ्किष्यामि | तङ्किष्यावः | तङ्किष्यामः |
| क्रि० अतङ्किष्यत् | अतङ्किष्यताम् | अतङ्किष्यन् |
| अतङ्किष्यः | अतङ्किष्यतम् | अतङ्किष्यत |
| अतङ्किष्यम् | अतङ्किष्याव | अतङ्किष्याम |

53 शुक् (शुक्) गतौ,

व० शोकति शोकतः शोकन्ति

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| शोकसि | शोकथः | शोकथ |
| शोकामि | शोकावः | शोकामः |
| स० शोकेत् | शोकेताम् | शोकेयुः |
| शोकेः | शोकेतम् | शोकेत |
| शोकेयम् | शोकेव | शोकेम |
| प० शोकतु | शोकतात् | शोकताम् |
| शोक | ” | शोकतम् |
| शोकानि | शोकाव | शोकाम |
| ह्य० अशोकत् | अशोकताम् | अशोकन् |
| अशोकः | अशोकतम् | अशोकत |
| अशोकम् | अशोकाव | अशोकाम |
| अ० अशोकीत् | अशोकिताम् | अशोकिषुः |
| अशोकीः | अशोकिष्टम् | अशोकिष्ट |
| अशोकिषम् | अशोकिष्व | अशोकिष्म |
| प० शुशोक | शुशुकतुः | शुशुकुः |
| शुशोकिथ | शुशुकथुः | शुशुक |
| शुशोक | शुशुकिव | शुशुकिम |
| आ० शुक्यात् | शुक्यास्ताम् | शुक्यासुः |
| शुक्याः | शुक्यास्तम् | शुक्यास्त |
| शुक्यासम् | शुक्यास्व | शुक्यास्म |
| श्व० शोकिता | शोकितारौ | शोकितारः |
| शोकितासि | शोकितास्थः | शोकितास्थ |
| शोकितास्मि | शोकितास्वः | शोकितास्मः |
| भ० शोकिष्यति | शोकिष्यतः | शोकिष्यन्ति |
| शोकिष्यसि | शोकिष्यथः | शोकिष्यथ |
| शोकिष्यामि | शोकिष्यावः | शोकिष्यामः |
| क्रि० अशोकिष्यत् | अशोकिष्यताम् | अशोकिष्यन् |

अशोकिष्यः अशोकिष्यतम् अशोकिष्यत
अशोकिष्यम् अशोकिष्याव अशोकिष्याम

54 बुक् (बुक्) भाषणे ।

| | | |
|------------|----------|-----------|
| व० बुक्कति | बुक्कतः | बुक्कन्ति |
| बुक्कसि | बुक्कथः | बुक्कथ |
| बुक्कामि | बुक्कावः | बुक्कामः |

स० बुक्केत् बुक्केताम् बुक्केयुः
बुक्केः बुक्केतम् बुक्केत
बुक्केयम् बुक्केय बुक्केम
प० बुक्कतु बुक्कतात् बुक्कताम् बुक्कन्तु
बुक्क बुक्कतम् बुक्कत
बुक्कानि बुक्काव बुक्काम
ह्य० अबुक्कत् अबुक्कताम् अबुक्कन्
अबुक्कः अबुक्कतम् अबुक्कत
अबुक्कम् अबुक्काव अबुक्काम
अ० अबुक्कीत् अबुक्किष्टाम् अबुक्किष्टुः
अबुक्कीः अबुक्किष्टम् अबुक्किष्ट
अबुक्किष्टम् अबुक्किष्टव अबुक्किष्टम्
प० बुबुक्कत् बुबुक्कतुः बुबुक्कतुः
बुबुक्कितु बुबुक्कितुः बुबुक्क
बुबुक्क बुबुक्कितु बुबुक्कितु
आ० बुक्क्यात् बुक्क्यास्ताम् बुक्क्यासुः
बुक्क्याः बुक्क्यास्तम् बुक्क्यास्त
बुक्क्यासम् बुक्क्यास्व बुक्क्यास्म
श्व० बुक्किता बुक्कितारौ बुक्कितारः
बुक्कितासि बुक्कितास्थः बुक्कितास्थ
बुक्कितास्मि बुक्कितास्वः बुक्कितास्मः
भ० बुक्किष्यति बुक्किष्यतः बुक्किष्यन्ति
बुक्किष्यसि बुक्किष्यथः बुक्किष्यथ
बुक्किष्यामि बुक्किष्यावः बुक्किष्यामः
क्रि० अबुक्किष्यत् अबुक्किष्यताम् अबुक्किष्यन्
अबुक्किष्यः अबुक्किष्यतम् अबुक्किष्यन्
अबुक्किष्यम् अबुक्किष्यावः अबुक्किष्यामः
अथ खान्ता द्वाविंशतिः संतश्च ॥

55 ओख शोषणालमर्थयोः

घ० ओखति ओखतः ओखन्ति
ओखसि ओखथः ओखथ
ओखामि ओखावः ओखामः
स० ओखेत् ओखेताम् ओखेयुः
ओखेः ओखेतम् ओखेत

ओखेयम् ओखेव ओखेव
प० ओखतु ओखतात् ओखताम् ओखन्तु
ओख " ओखतम् ओखत
ओखानि ओखाव ओखाम
ह्य० ओखत् ओखताम् ओखन्
ओखः ओखतम् ओखत
ओखम् ओखाव ओखाम
अ० ओखीत् ओखिष्टाम् ओखिष्टुः
ओखीः ओखिष्टम् ओखिष्ट
ओखिष्टम् ओखिष्टव ओखिष्टम्
प० ओखांचकार ओखांचकतुः ओखांचकतुः
ओखांचकथ ओखांचकथुः ओखांचक
ओखांचकार ओखांचक्य ओखांचकम्
ओखांचकर
ओखामास ओखामासतुः ओखामासुः
ओखामासिथ ओखामासथुः ओखामास
ओखामास ओखामासिव ओखामासिम
ओखांवभूव ओखांवभूवतुः ओखांवभूवुः
ओखांवभूविथ ओखांवभूवथुः ओखांवभूव
ओखांवभूव ओखांवभूविथ ओखांवभूविम
आ० ओख्यात् ओख्यास्ताम् ओख्यासुः
ओख्याः ओख्यास्तम् ओख्यास्त
ओख्यासम् ओख्यास्व ओख्यास्म
श्व० ओखिता ओखितारौ ओखितारः
ओखितासि ओखितास्थः ओखितास्थ
ओखितास्मि ओखितास्वः ओखितास्मः
भ० ओखिष्यति ओखिष्यतः ओखिष्यन्ति
ओखिष्यसि ओखिष्यथः ओखिष्यथ
ओखिष्यामि ओखिष्यावः ओखिष्यामः
क्रि० ओखिष्यत् ओखिष्यताम् ओखिष्यन्
ओखिष्यः ओखिष्यतम् ओखिष्यन्
ओखिष्यम् ओखिष्याव ओखिष्याम

56 राख् शोषणालमर्थयोः

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० राखति | राखतः | राखन्ति |
| राखसि | राखथः | राखथ |
| राखामि | राखावः | राखामः |
| स० राखेत् | राखेताम् | राखेयुः |
| राखेः | राखेतम् | राखेत |
| राखेयम् | राखेव | राखेम |
| प० राखतु | राखतात् | राखताम् |
| राख | " | राखतम् |
| राखाणि | राखाव | राखाम |
| ह्य० अराखत् | अराखताम् | अराखन् |
| अराखः | अराखतम् | अराखत |
| अराखम् | अराखाव | अराखाम |
| अ० अराखीत् | अराखिष्टाम् | अराखिषुः |
| अराखीः | अराखिष्टम् | अराखिष्ट |
| अराखिषम् | अराखिष्व | अराखिषम् |
| प० रराख | रराखितुः | रराखुः |
| रराखिथ | रराखिथुः | रराख |
| रराख | रराखिव | रराखिम |
| आ० राख्यात् | राख्यास्ताम् | राख्यासुः |
| राख्याः | राख्यास्तम् | राख्यास्त |
| राख्यासम् | राख्यास्व | राख्यास्म |
| श्व० राखिता | राखितारौ | राखितारः |
| राखितासि | राखितास्थः | राखितास्थ |
| राखितास्मि | राखितास्वः | राखितास्मः |
| भ० राखिष्यति | राखिष्यतः | राखिष्यन्ति |
| राखिष्यसि | राखिष्यथः | राखिष्यथ |
| राखिष्यामि | राखिष्यावः | राखिष्यामः |
| क्रि० अराखिष्यत् | अराखिष्यताम् | अराखिष्यन् |
| अराखिष्यः | अराखिष्यतम् | अराखिष्यत |
| अराखिष्यम् | अराखिष्याव | अराखिष्याम |

57 लाख् (लाख्)

शोषणालमर्थयोः ॥

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० लाखति | लाखतः | लाखन्ति |
| लाखसि | लाखथः | लाखथ |
| लाखामि | लाखावः | लाखामः |
| स० लाखेत् | लाखेताम् | लाखेयुः |
| लाखेः | लाखेतम् | लाखेत |
| लाखेयम् | लाखेव | लाखेम |
| प० लाखतु | लाखतात् | लाखताम् |
| लाख | " | लाखतम् |
| लाखाणि | लाखाव | लाखाम |
| ह्य० अलाखत् | अलाखताम् | अलाखन् |
| अलाखः | अलाखतम् | अलाखत |
| अलाखम् | अलाखाव | अलाखाम |
| अ० अलाखीत् | अलाखिष्टाम् | अलाखिषुः |
| अलाखीः | अलाखिष्टम् | अलाखिष्ट |
| अलाखिषम् | अलाखिष्व | अलाखिषम् |
| प० ललाख | ललाखतुः | ललाखुः |
| ललाखिथ | ललाखिथुः | ललाख |
| ललाख | ललाखिव | ललाखिम |
| आ० लाख्यात् | लाख्यास्ताम् | लाख्यासुः |
| लाख्याः | लाख्यास्तम् | लाख्यास्त |
| लाख्यासम् | लाख्यास्व | लाख्यास्म |
| श्व० लाखिता | लाखितारौ | लाखितारः |
| लाखितासि | लाखितास्थः | लाखितास्थ |
| लाखितास्मि | लाखितास्वः | लाखितास्मः |
| भ० लाखिष्यति | लाखिष्यतः | लाखिष्यन्ति |
| लाखिष्यसि | लाखिष्यथः | लाखिष्यथ |
| लाखिष्यामि | लाखिष्यावः | लाखिष्यामः |
| क्रि० अलाखिष्यत् | अलाखिष्यताम् | अलाखिष्यन् |
| अलाखिष्यः | अलाखिष्यतम् | अलाखिष्यत |
| अलाखिष्यम् | अलाखिष्याव | अलाखिष्याम |

58 द्राख् (द्राख्) शोषणालमर्थयोः,

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० द्राखति | द्राखतः | द्राखन्ति |
| द्राखसि | द्राखथः | द्राखथ |
| द्राखामि | द्राखावः | द्राखामः |
| स० द्राखेत् | द्राखेताम् | द्राखेयुः |
| द्राखेः | द्राखेतम् | द्राखेत |
| द्राखेयम् | द्राखेव | द्राखेम |
| प० द्राखतु | द्राखतात् | द्राखताम् |
| द्राख | ,, | द्राखतम् |
| द्राखाणि | द्राखाव | द्राखाम |
| ह्य० अद्राखत् | अद्राखताम् | अद्राखन् |
| अद्राखः | अद्राखतम् | अद्राखत |
| अद्राखम् | अद्राखाव | अद्राखाम |
| अ० अद्राखीन् | अद्राखिष्टाम् | अद्राखिषुः |
| अद्राखीः | अद्राखिष्टम् | अद्राखिष्ट |
| अद्राखिषम् | अद्राखिष्व | अद्राखिषम् |
| प० दद्राख | द्राखतुः | दद्राखुः |
| दद्राखिथ | दद्राखथुः | दद्राख |
| दद्राख | दद्राखिव | दद्राखिम |
| आ० द्राख्यात् | द्राख्यास्ताम् | द्राख्यासुः |
| द्राख्याः | द्राख्यास्तम् | द्राख्यास्त |
| द्राख्यासम् | द्राख्यास्व | द्राख्यास्म |
| श्व० द्राखिता | द्राखितारौ | द्राखितारः |
| द्राखितासि | द्राखितास्थः | द्राखितास्थ |
| द्राखितास्मि | द्राखितास्वः | द्राखितास्मः |
| भ० द्राखिष्यति | द्राखिष्यतः | द्राखिष्यन्ति |
| द्राखिष्यसि | द्राखिष्यथः | द्राखिष्यथ |
| द्राखिष्यामि | द्राखिष्यावः | द्राखिष्यामः |
| क्रि० अद्राखिष्यत् | अद्राखिष्यताम् | अद्राखिष्यन् |
| अद्राखिष्यः | अद्राखिष्यतम् | अद्राखिष्यत |
| अद्राखिष्यम् | अद्राखिष्याव | अद्राखिष्याम |

59 ध्राख् [ध्राख्] शोषणालमर्थयोः

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० ध्राखनि | ध्राखतः | ध्राखन्ति |
| ध्राखसि | ध्राखथः | ध्राखथ |
| ध्राखामि | ध्राखावः | ध्राखामः |
| स० ध्राखेत् | ध्राखेताम् | ध्राखेयुः |
| ध्राखेः | ध्राखेतम् | ध्राखेत |
| ध्राखेयम् | ध्राखेव | ध्राखेम |
| प० ध्राखतु | ध्राखतात् | ध्राखताम् |
| ध्राख | ,, | ध्राखतम् |
| ध्राखाणि | ध्राखाव | ध्राखाम |
| ह्य० अध्राखत् | अध्राखताम् | अध्राखन् |
| अध्राखः | अध्राखतम् | अध्राखत |
| अध्राखम् | अध्राखाव | अध्राखाम |
| अ० अध्राखीन् | अध्राखिष्टाम् | अध्राखिषुः |
| अध्राखीः | अध्राखिष्टम् | अध्राखिष्ट |
| अध्राखिषम् | अध्राखिष्व | अध्राखिषम् |
| प० दध्राख | दध्राखतुः | दध्राखुः |
| दध्राखिथ | दध्राखथुः | दध्राख |
| दध्राख | दध्राखिव | दध्राखिम |
| आ० ध्राख्यात् | ध्राख्यास्ताम् | ध्राख्यासुः |
| ध्राख्याः | ध्राख्यास्तम् | ध्राख्यास्त |
| ध्राख्यासम् | ध्राख्यास्व | ध्राख्यास्म |
| श्व० ध्राखिता | ध्राखितारौ | ध्राखितारः |
| ध्राखितासि | ध्राखितास्थः | ध्राखितास्थ |
| ध्राखितास्मि | ध्राखितास्वः | ध्राखितास्मः |
| भ० ध्राखिष्यति | ध्राखिष्यतः | ध्राखिष्यन्ति |
| ध्राखिष्यसि | ध्राखिष्यथः | ध्राखिष्यथ |
| ध्राखिष्यामि | ध्राखिष्यावः | ध्राखिष्यामः |
| क्रि० अध्राखिष्यत् | अध्राखिष्यताम् | अध्राखिष्यन् |
| अध्राखिष्यः | अध्राखिष्यतम् | अध्राखिष्यत |
| अध्राखिष्यम् | अध्राखिष्याव | अध्राखिष्याम |

60 शाख (शाख) व्याप्तौ

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० शाखति | शाखतः | शाखन्ति |
| शाखसि | शाखथः | शाखथ |
| शाखामि | शाखावः | शाखामः |
| स० शाखेत् | शाखेताम् | शाखेयुः |
| शाखेः | शाखेतम् | शाखेत |
| शाखेयम् | शाखेव | शाखेम |
| प० शाखतु | शाखतात् | शाखताम् |
| शाख | शाखतम् | शाखत |
| शाखाणि | शाखाव | शाखाम |
| ह्य० अशाखत् | अशाखताम् | अशाखन् |
| अशाखः | अशाखतम् | अशाखत |
| अशाखम् | अशाखाव | अशाखाम |
| अ० अशाखीत् | अशाखिष्टाम् | अशाखिषुः |
| अशाखीः | अशाखिष्टम् | अशाखिष्ट |
| अशाखिषम् | अशाखिष्व | अशाखिषम |
| प० शशाख | शशाखतुः | शशाखुः |
| शशाखिथ | शशाखथुः | शशाख |
| शशाख | शशाखिव | शशाखिम |
| आ० शाख्यात् | शाख्यास्ताम् | शाख्यासुः |
| शाख्याः | शाख्यास्तम् | शाख्यास्त |
| शाख्यासम् | शाख्यास्व | शाख्यास्म |
| श्व० शाखिता | शाखितारौ | शाखितारः |
| शाखितासि | शाखितास्थः | शाखितास्थ |
| शाखितास्मि | शाखितास्मः | शाखितास्वः |
| भ० शाखिष्यति | शाखिष्यतः | शाखिष्यन्ति |
| शाखिष्यसि | शाखिष्यथः | शाखिष्यथ |
| शाखिष्यामि | शाखिष्यावः | शाखिष्यामः |
| क्रि० अशाखिष्यत् | अशाखिष्यताम् | अशाखिष्यन् |
| अशाखिष्यः | अशाखिष्यतम् | अशाखिष्यत |
| अशाखिष्यम् | अशाखिष्याव | अशामिष्याम |

61 श्लाख (श्लाख) व्याप्तौ

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० श्लाखति | श्लाखतः | श्लाखन्ति |
| श्लाखसि | श्लाखथः | श्लाखथ |
| श्लाखामि | श्लाखावः | श्लाखामः |
| स० श्लाखेत् | श्लाखेताम् | श्लाखेयुः |
| श्लाखेः | श्लाखेतम् | श्लाखेत |
| श्लाखेयम् | श्लाखेव | श्लाखेम |
| प० श्लाखतु | श्लाखतात् | श्लाखताम् |
| श्लाख | श्लाखतम् | श्लाखत |
| श्लाखाणि | श्लाखाव | श्लाखाम |
| ह्य० अश्लाखत् | अश्लाखताम् | अश्लाखन् |
| अश्लाखः | अश्लाखतम् | अश्लाखत |
| अश्लाखम् | अश्लाखाव | अश्लाखाम |
| अ० अश्लाखीत् | अश्लाखिष्टाम् | अश्लाखिषुः |
| अश्लाखीः | अश्लाखिष्टम् | अश्लाखिष्ट |
| अश्लाखिषम् | अश्लाखिष्व | अश्लाखिषम |
| प० शश्लाख | शश्लाखतुः | शश्लाखुः |
| शश्लाखिथ | शश्लाखथुः | शश्लाख |
| शश्लाख | शश्लाखिव | शश्लाखिम |
| आ० श्लाख्यात् | श्लाख्यास्ताम् | श्लाख्यासुः |
| श्लाख्याः | श्लाख्यास्तम् | श्लाख्यास्त |
| श्लाख्यासम् | श्लाख्यास्व | श्लाख्यास्म |
| श्व० श्लाखिता | श्लाखितारौ | श्लाखितारः |
| श्लाखितासि | श्लाखितास्थः | श्लाखितास्थ |
| श्लाखितास्मि | श्लाखितास्मः | श्लाखितास्वः |
| भ० श्लाखिष्यति | श्लाखिष्यतः | श्लाखिष्यन्ति |
| श्लाखिष्यसि | श्लाखिष्यथः | श्लाखिष्यथ |
| श्लाखिष्यामि | श्लाखिष्यावः | श्लाखिष्यामः |
| क्रि० अश्लाखिष्यत् | अश्लाखिष्यताम् | अश्लाखिष्यन् |
| अश्लाखिष्यः | अश्लाखिष्यतम् | अश्लाखिष्यत |
| अश्लाखिष्यम् | अश्लाखिष्याव | अश्लाखिष्याम |

62 कक्ख (कक्ख्) हसने

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० कक्खति | कक्खतः | कक्खन्ति |
| कक्खसि | कक्खथः | कक्खथ |
| कक्खामि | कक्खावः | कक्खामः |
| स० कक्खेत् | कक्खेताम् | कक्खेयुः |
| कक्खेः | कक्खेतम् | कक्खेत |
| कक्खेयम् | कक्खेव | कक्खेम |
| प० कक्खतु | कक्खतात् | कक्खताम् कक्खन्तु |
| कक्ख | ,, | कक्खतम् कक्खत |
| कक्खानि | कक्खाव | कक्खाम |
| ह्य० अकक्खत् | अकक्खताम् | अकक्खन् |
| अकक्खः | अकक्खतम् | अकक्खत |
| अकक्खम् | अकक्खाव | अकक्खाम |
| अ० अकक्खीत् | अकक्खिष्टाम् | अकक्खिषुः |
| अकक्खीः | अकक्खिष्टम् | अकक्खिष्ट |
| अकक्खिषम् | अकक्खिष्व | अकक्खिषम् |
| प० चकक्ख | चकक्खतुः | चकक्खुः |
| चकक्खथ | चकक्खथुः | चकक्ख |
| चकक्ख | चकक्खिव | चकक्खिम |
| आ० कक्ख्यात् | कक्ख्यास्ताम् | कक्ख्यासुः |
| कक्ख्याः | कक्ख्यास्तम् | कक्ख्यास्त |
| कक्ख्यासम् | कक्ख्यास्व | कक्ख्यास्म |
| भ्व० कक्खिता | कक्खितारौ | कक्खितारः |
| कक्खितासि | कक्खितास्थः | कक्खितास्थ |
| कक्खितास्मि | कक्खितास्वः | कक्खितास्मः |
| भ० कक्खिष्यति | कक्खिष्यतः | कक्खिष्यन्ति |
| कक्खिष्यसि | कक्खिष्यथः | कक्खिष्यथ |
| कक्खिष्यामि | कक्खिष्यावः | कक्खिष्यामः |
| क्रि० अकक्खिष्यत् | अकक्खिष्यताम् | अकक्खिष्यन् |
| अकक्खिष्यः | अकक्खिष्यतम् | अकक्खिष्यत |
| अकक्खिष्यम् | अकक्खिष्याव | अकक्खिष्याम |

63 उख (उख्) गतौ

| | | |
|----------------|------------|---------------|
| प० ओखति | ओखतः | ओखन्ति |
| ओखसि | ओखथः | ओखथ |
| ओखामि | ओखावः | ओखामः |
| स० ओखेत् | ओखेताम् | ओखेयुः |
| ओखेः | ओखेतम् | ओखेत |
| ओखेयम् | ओखेव | ओखेम |
| प० ओखतु | ओखतात् | ओखताम् ओखन्तु |
| ओख | ,, | ओखतम् ओखत |
| ओखानि | ओखाव | ओखाम |
| ह्य० ओखत् | ओखताम् | ओखन् |
| ओखः | ओखतम् | ओखत |
| ओखम् | ओखाव | ओखाम |
| अ० ओखीत् | ओखिष्टाम् | ओखिषुः |
| ओखीः | ओखिष्टम् | ओखिष्ट |
| ओखिषम् | ओखिष्व | ओखिषम् |
| प० उवोख | ऊखतुः | ऊखुः |
| उवोखिथ | ऊखतु | ऊख |
| उवोख | ऊखिव | ऊखिम |
| आ० उख्यात् | उख्याताम् | उख्यासुः |
| उख्याः | उख्यास्तम् | उख्यास्त |
| उख्यासम् | उख्यास्व | उख्यास्म |
| भ्व० ओखिता | ओखितारौ | ओखितारः |
| ओखितासि | ओखितास्थः | ओखितास्थ |
| ओखितास्मि | ओखितास्वः | ओखितास्मः |
| भ० ओखिष्यति | ओखिष्यतः | ओखिष्यन्ति |
| ओखिष्यसि | ओखिष्यथः | ओखिष्यथ |
| ओखिष्यामि | ओखिष्यावः | ओखिष्यामः |
| क्रि० ओखिष्यत् | ओखिष्यताम् | ओखिष्यन् |
| ओखिष्यः | ओखिष्यतम् | ओखिष्यत |
| ओखिष्यम् | ओखिष्याव | ओखिष्याम |

64 नख (नख्) गतौ

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० नखति | नखतः | नखन्ति |
| नखसि | नखथः | नखथ |
| नखामि | नखावः | नखामः |
| स० नखेत् | नखेताम् | नखेयुः |
| नखेः | नखेतम् | नखेत |
| नखेयम् | नखेव | नखेम |
| प० नखतु | नखतात् | नखताम् |
| नख | ” | नखतम् |
| नखानि | नखाव | नखाम |
| ह्य० अनखत् | अनखताम् | अनखन् |
| अनखः | अनखतम् | अनखत |
| अनखम् | अनखाव | अनखाम |
| अ० अनाखीत् | अनाखिष्टाम् | अनाखिषुः |
| अनाखीः | अनाखिष्टम् | अनाखिष्ट |
| अनाखिषम् | अनाखिष्व | अनाखिषम |
| अनखीत् | अनखिष्टाम् | अनखिषुः |
| अनखीः | अनखिष्टम् | अनखिष्ट |
| अनखिषम् | अनखिष्व | अनखिषम |
| प० ननाख | नेखतुः | नेखुः |
| नेखिथ | नेखथुः | नेख |
| ननाख | ननख | नेखिथ |
| आ० नख्यात् | नख्यास्ताम् | नख्यासुः |
| नख्याः | नख्यास्तम् | नख्यास्त |
| नख्यासम् | नख्यास्व | नख्यास्म |
| श्व० नखिता | नखितारौ | नखितारः |
| नखितासि | नखितास्थः | नखितास्थ |
| नखितास्मि | नखितास्वः | नखितास्मः |
| भ० नखिष्यति | नखिष्यतः | नखिष्यन्ति |
| नखिष्यसि | नखिष्यथः | नखिष्यथ |
| नखिष्यामि | नखिष्यावः | नखिष्यामः |
| क्रि० अनखिष्यत् | अनखिष्यताम् | अनखिष्यन् |
| अनखिष्यः | अनखिष्यतम् | अनखिष्यत |
| अनखिष्यम् | अनखिष्याव | अनखिष्याम |

65 णख (नख्) गतौ,

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० नखति | नखतः | नखन्ति |
| नखसि | नखथः | नखथ |
| नखामि | नखावः | नखामः |
| स० नखेत् | नखेताम् | नखेयुः |
| नखेः | नखेतम् | नखेत |
| नखेयम् | नखेव | नखेम |
| प० नखतु | नखतात् | नखताम् |
| नख | ” | नखतम् |
| नखानि | नखाव | नखाम |
| ह्य० अनखत् | अनखताम् | अनखन् |
| अनखः | अनखतम् | अनखत |
| अनखम् | अनखाव | अनखाम |
| अ० अनाखीत् | अनाखिष्टाम् | अनाखिषुः |
| अनाखीः | अनाखिष्टम् | अनाखिष्ट |
| अनाखिषम् | अनाखिष्व | अनाखिषम |
| अनखीत् | अनखिष्टाम् | अनखिषुः |
| अनखीः | अनखिष्टम् | अनखिष्ट |
| अनखिषम् | अनखिष्व | अनखिषम |
| प० ननाख | नेखतुः | नेखुः |
| नेखिथ | नेखथुः | नेख |
| ननाख | ननख | नेखिथ |
| आ० नख्यात् | नख्यास्ताम् | नख्यासुः |
| नख्याः | नख्यास्तम् | नख्यास्त |
| नख्यासम् | नख्यास्व | नख्यास्म |
| श्व० नखिता | नखितारौ | नखितारः |
| नखितासि | नखितास्थः | नखितास्थ |
| नखितास्मि | नखितास्वः | नखितास्मः |
| भ० नखिष्यति | नखिष्यतः | नखिष्यन्ति |
| नखिष्यसि | नखिष्यथः | नखिष्यथ |
| नखिष्यामि | नखिष्यावः | नखिष्यामः |
| क्रि० अनखिष्यत् | अनखिष्यताम् | अनखिष्यन् |
| अनखिष्यः | अनखिष्यतम् | अनखिष्यत |
| अनखिष्यम् | अनखिष्याव | अनखिष्याम |

66 वख (वख्) गतौ

| | | |
|---------|-------|--------|
| व० वखति | वखतः | वखन्ति |
| वखसि | वखथः | वखथ |
| वखामि | वखावः | वखामः |

| | | |
|----------|---------|--------|
| स० वखेत् | वखेताम् | वखेयुः |
| वखेः | वखेतम् | वखेत |
| वखेयम् | वखेव | वखेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० वखतु | वखतात् | वखताम् | वखन्तु |
| वख | , | वखतम् | वखत |
| वखानि | वखाव | वखाम | |

| | | |
|------------|---------|-------|
| ह्य० अवखत् | अवखताम् | अवखन् |
| अवखः | अवखतम् | अवखत |
| अवखम् | अवखाव | अवखाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अवाखीत् | अवाखिष्टाम् | अवाखिषुः |
| अवाखीः | अवाखिष्टम् | अवाखिष्ट |
| अवाखिषम् | अवाखिष्व | अवाखिषम |
| अवखीत् | अवखिष्टाम् | अवखिषुः |
| अवखीः | अवखिष्टम् | अवखिष्ट |
| अवखिषम् | अवखिष्व | अवखिषम |

| | | |
|--------|--------|-------|
| प० ववख | ववखतुः | ववखुः |
| ववखिथ | ववखथुः | ववख |
| ववखाम | ववखाव | ववखाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० वख्यात् | वख्यास्ताम् | वख्यासुः |
| वख्याः | वख्यास्तम् | वख्यास्त |
| वख्यासम् | वख्यास्व | वख्यास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| भ्व० वखिता | वखितारौ | वखितारः |
| वखितासि | वखितास्थः | वखितास्थ |
| वखितास्मि | वखितास्वः | वखितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० वखिष्यति | वखिष्यतः | वखिष्यन्ति |
| वखिष्यसि | वखिष्यथः | वखिष्यथ |
| वखिष्यामि | वखिष्यावः | वखिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अवखिष्यत् | अवखिष्यताम् | अवखिष्यन् |
| अवखिष्यः | अवखिष्यतम् | अवखिष्यत |
| अवखिष्यम् | अवखिष्याव | अवखिष्याम |

67 मख (मख्) गतौ

| | | |
|---------|-------|--------|
| व० मखति | मखतः | मखन्ति |
| मखसि | मखथः | मखथ |
| मखामि | मखावः | मखामः |

| | | |
|----------|---------|--------|
| स० मखेत् | मखेताम् | मखेयुः |
| मखेः | मखेतम् | मखेत |
| मखेयम् | मखेव | मखेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० मखतु | मखतात् | मखताम् | मखन्तु |
| मख | , | मखतम् | मखत |
| मखानि | मखाव | मखाम | |

| | | |
|------------|---------|-------|
| ह्य० अमखत् | अमखताम् | अमखन् |
| अमखः | अमखतम् | अमखत |
| अमखम् | अमखाव | अमखाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अमाखीत् | अमाखिष्टाम् | अमाखिषुः |
| अमाखीः | अमाखिष्टम् | अमाखिष्ट |
| अमाखिषम् | अमाखिष्व | अमाखिषम |
| अमखीत् | अमखिष्टाम् | अमखिषुः |
| अमखीः | अमखिष्टम् | अमखिष्ट |
| अमखिषम् | अमखिष्व | अमखिषम |

| | | |
|---------|--------|-------------|
| प० ममाख | मेखतुः | मेखुः |
| मेखिथ | मेखथुः | मेख |
| ममाख | ममख | मेखिव मेखिम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० मख्यात् | मख्यास्ताम् | मख्यासुः |
| मख्याः | मख्यास्तम् | मख्यास्त |
| मख्यासम् | मख्यास्व | मख्यास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| भ्व० मखिता | मखितारौ | मखितारः |
| मखितासि | मखितास्थः | मखितास्थ |
| मखितास्मि | मखितास्वः | मखितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० मखिष्यति | मखिष्यतः | मखिष्यन्ति |
| मखिष्यसि | मखिष्यथः | मखिष्यथ |
| मखिष्यामि | मखिष्यावः | मखिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अमखिष्यत् | अमखिष्यताम् | अमखिष्यन् |
| अमखिष्यः | अमखिष्यतम् | अमखिष्यत |
| अमखिष्यम् | अमखिष्याव | अमखिष्याम |

68 रख [रख्] गतौ

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० रखति | रखतः | रखन्ति |
| रखसि | रखथः | रखथ |
| रखामि | रखावः | रखामः |
| स० रखेत् | रखेताम् | रखेयुः |
| रखेः | रखेतम् | रखेत |
| रखेयम् | रखेव | रखेम |
| प० रखातु | रखतात् | रखताम् |
| रख | „ | रखतम् |
| रखाणि | रखाव | रखाम |
| ह्य० अरखत् | अरखताम् | अरखन् |
| अरखः | अरखतम् | अरखत |
| अरखम् | अरखाव | अरखाम |
| अ० अराखीत् | अराखिष्टाम् | अराखिषुः |
| अराखीः | अराखिष्टम् | अराखिष्ट |
| अराखिषम् | अराखिष्व | अराखिष्म |
| अरखीत् | अरखिष्टाम् | अरखिषुः |
| अरखीः | अरखिष्टम् | अरखिष्ट |
| अरखिषम् | अरखिष्व | अरखिष्म |
| प० रराख | रेखतुः | रेखुः |
| रेखिथ | रेखथुः | रेख |
| रराख | ररख | रेखिथ |
| आ० रख्यात् | रख्यास्ताम् | रख्यासुः |
| रख्याः | रख्यास्तम् | रख्यास्त |
| रख्यासम् | रख्यास्व | रख्यास्म |
| श्व० रखिता | रखितारौ | रखितारः |
| रखितासि | रखितास्थः | रखितास्थ |
| रखितास्मि | रखितास्वः | रखितास्मः |
| भ० रखिष्यति | रखिष्यतः | रखिष्यन्ति |
| रखिष्यसि | रखिष्यथः | रखिष्यथ |
| रखिष्यामि | रखिष्यावः | रखिष्यामः |
| क्रि० अरखिष्यत् | अरखिष्यताम् | अरखिष्यन् |
| अरखिष्यः | अरखिष्यतम् | अरखिष्यत |
| अरखिष्यम् | अरखिष्याव | अरखिष्याम |

69 लख (लख्) गतौ

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० लेखति | लखतः | लखन्ति |
| लखसि | लखथः | लखथ |
| लखामि | लखावः | लखामः |
| स० लेखेत् | लेखेताम् | लेखेयुः |
| लेखेः | लेखेतम् | लेखेत |
| लेखेयम् | लेखेव | लेखेम |
| प० लखतु | लखतात् | लखताम् |
| लख | „ | लखतम् |
| लखानि | लखाव | लखाम |
| ह्य० अलखत् | अलखताम् | अलखन् |
| अलखः | अलखतम् | अलखत |
| अलखम् | अलखाव | अलखाम |
| अ० अलाखीत् | अलाखिष्टाम् | अलाखिषुः |
| अलाखीः | अलाखिष्टम् | अलाखिष्ट |
| अलाखिषम् | अलाखिष्व | अलाखिष्म |
| अलखीत् | अलखिष्टाम् | अलखिषुः |
| अलखीः | अलखिष्टम् | अलखिष्ट |
| अलखिषम् | अलखिष्व | अलखिष्म |
| प० ललाखः | लेखतुः | लेखुः |
| लेखिथ | लेखथुः | लेख |
| ललाख | ललख | लेखिथ |
| आ० लख्यात् | लख्यास्ताम् | लख्यासुः |
| लख्याः | लख्यास्तम् | लख्यास्त |
| लख्यासम् | लख्यास्व | लख्यास्म |
| श्व० लखिता | लखितारौ | लखितारः |
| लखितासि | लखितास्थः | लखितास्थ |
| लखितास्मि | लखितास्वः | लखितास्मः |
| भ० लखिष्यति | लखिष्यतः | लखिष्यन्ति |
| लखिष्यसि | लखिष्यथः | लखिष्यथ |
| लखिष्यामि | लखिष्यावः | लखिष्यामः |
| क्रि० अलखिष्यत् | अलखिष्यताम् | अलखिष्यन् |
| अलखिष्यः | अलखिष्यतम् | अलखिष्यत |
| अलखिष्यम् | अलखिष्याव | अलखिष्याम |

70 मरु [मङ्ख] गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० मङ्खति | मङ्खतः | मङ्खन्ति |
| मङ्खसि | मङ्खथः | मङ्खथ |
| मङ्खामि | मङ्खावः | मङ्खामः |
| स० मङ्खेत् | मङ्खेताम् | मङ्खेयुः |
| मङ्खेः | मङ्खेतम् | मङ्खेत |
| मङ्खेयम् | मङ्खेव | मङ्खेम |
| प० मङ्खतु | मङ्खतात् | मङ्खताम् |
| मङ्ख | , | मङ्खतम् |
| मङ्खानि | मङ्खाव | मङ्खाम |
| ह्य० अमङ्खत् | अमङ्खताम् | अमङ्खन् |
| अमङ्खः | अमङ्खतम् | अमङ्खत |
| अमङ्खम् | अमङ्खाव | अमङ्खाम |
| अ० अमङ्खीत् | अमङ्खिष्टाम् | अमङ्खिषुः |
| अमङ्खीः | अमङ्खिष्टम् | अमङ्खिष्ट |
| अमङ्खिषम् | अमङ्खिष्व | अमङ्खिष्व |
| प० ममङ्ख | ममङ्खतुः | ममङ्खुः |
| ममङ्खिथ | ममङ्खथुः | ममङ्ख |
| ममङ्ख | ममङ्खिव | ममङ्खिम |
| आ० मङ्ख्यात् | मङ्ख्यास्तस्म | मङ्ख्यासुः |
| मङ्ख्याः | मङ्ख्यास्तम् | मङ्ख्यास्त |
| मङ्ख्यासम् | मङ्ख्यास्व | मङ्ख्यास्म |
| श्व० मङ्खिता | मङ्खितारौ | मङ्खितारः |
| मङ्खितासि | मङ्खितास्थः | मङ्खितास्थ |
| मङ्खितास्मि | मङ्खितास्वः | मङ्खितास्मः |
| भ० मङ्खिष्यति | मङ्खिष्यतः | मङ्खिष्यन्ति |
| मङ्खिष्यसि | मङ्खिष्यथः | मङ्खिष्यथ |
| मङ्खिष्यामि | मङ्खिष्यावः | मङ्खिष्यामः |
| क्रि० अमङ्खिष्यत् | अमङ्खिष्यताम् | अमङ्खिष्यन् |
| अमङ्खिष्यः | अमङ्खिष्यतम् | अमङ्खिष्यत |
| अमङ्खिष्यम् | अमङ्खिष्याव | अमङ्खिष्याम |

71 ररु (रङ्ख) गतौ

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| व० ररुति | ररुतः | ररुन्ति |
| ररुसि | ररुथः | ररुथ |
| ररुामि | ररुावः | ररुामः |
| स० ररुेत् | ररुेताम् | ररुेयुः |
| ररुेः | ररुेतम् | ररुेत |
| ररुेयम् | ररुेव | ररुेम |
| प० ररुतु | ररुतात् | ररुताम् |
| ररु | , | ररुतम् |
| ररुाणि | ररुाव | ररुाम |
| ह्य० अररुत् | अररुताम् | अररुन् |
| अररुः | अररुतम् | अररुत |
| अररुम् | अररुाव | अररुाम |
| अ० अररुीत् | अररुिष्टाम् | अररुिषुः |
| अररुीः | अररुिष्टम् | अररुिष्ट |
| अररुिषम् | अररुिष्व | अररुिष्व |
| प० रररु | रररुतुः | रररुः |
| रररुिथ | रररुथुः | रररु |
| रररु | रररुिव | रररुिम |
| आ० रररुयात् | रररुयास्ताम् | रररुयासुः |
| रररुयाः | रररुयास्तम् | रररुयास्त |
| रररुयासम् | रररुयास्व | रररुयास्म |
| श्व० रररुिता | रररुितारौ | रररुितारः |
| रररुितासि | रररुितास्थः | रररुितास्थ |
| रररुितास्मि | रररुितास्वः | रररुितास्मः |
| भ० रररुिष्यति | रररुिष्यतः | रररुिष्यन्ति |
| रररुिष्यसि | रररुिष्यथः | रररुिष्यथ |
| रररुिष्यामि | रररुिष्यावः | रररुिष्यामः |
| क्रि० अररुिष्यत् | अररुिष्यताम् | अररुिष्यन् |
| अररुिष्यः | अररुिष्यतम् | अररुिष्यत |
| अररुिष्यम् | अररुिष्याव | अररुिष्याम |

72 लखु (लङ्ख) गतौ

| | | |
|-----------|---------|----------|
| ख० लङ्खति | लङ्खतः | लङ्खन्ति |
| लङ्खसि | लङ्खथः | लङ्खथ |
| लङ्खामि | लङ्खावः | लङ्खामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० लङ्खेत् | लङ्खेताम् | लङ्खेयुः |
| लङ्खेः | लङ्खेतम् | लङ्खेत |
| लङ्खेयम् | लङ्खेयव | लङ्खेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० लङ्खतु | लङ्खतात् | लङ्खताम् | लङ्खन्तु |
| लङ्ख | लङ्खतम् | लङ्खत | |
| लङ्खानि | लङ्खाव | लङ्खाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अलङ्खत् | अलङ्खताम् | अलङ्खन् |
| अलङ्खः | अलङ्खतम् | अलङ्खत |
| अलङ्खम् | अलङ्खाव | अलङ्खाम |

| | | |
|-------------|--------------|------------|
| अ० अलङ्खीत् | अलङ्खिष्याम् | अलङ्खिषुः |
| अलङ्खीः | अलङ्खिष्यतम् | अलङ्खिष्यत |
| अलङ्खिष्यम् | अलङ्खिष्यव | अलङ्खिष्यम |

| | | |
|----------|-----------|---------|
| प० ललङ्ख | ललङ्खतुः | ललङ्खुः |
| ललङ्खिथ | ललङ्खिथुः | ललङ्ख |
| ललङ्ख | ललङ्खिव | ललङ्खिम |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० लङ्ख्यात् | लङ्ख्यास्ताम् | लङ्ख्यासुः |
| लङ्ख्याः | लङ्ख्यास्तम् | लङ्ख्यास्त |
| लङ्ख्यासम् | लङ्ख्यास्व | लङ्ख्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ्व० लङ्खिता | लङ्खितारौ | लङ्खितारः |
| लङ्खितासि | लङ्खितास्थः | लङ्खितास्थ |
| लङ्खितास्मि | लङ्खितास्वः | लङ्खितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० लङ्खिष्यति | लङ्खिष्यतः | लङ्खिष्यन्ति |
| लङ्खिष्यसि | लङ्खिष्यथः | लङ्खिष्यथ |
| लङ्खिष्यामि | लङ्खिष्यावः | लङ्खिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अलङ्खिष्यत् | अलङ्खिष्यताम् | अलङ्खिष्यन् |
| अलङ्खिष्यः | अलङ्खिष्यतम् | अलङ्खिष्यत |
| अलङ्खिष्यम् | अलङ्खिष्याव | अलङ्खिष्याम |

73 रिङ्खु (रिङ्ख) गतौ,

| | | |
|------------|----------|-----------|
| ख० रिङ्खति | रिङ्खतः | रिङ्खन्ति |
| रिङ्खसि | रिङ्खथः | रिङ्खथ |
| रिङ्खामि | रिङ्खावः | रिङ्खामः |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| स० रिङ्खेत् | रिङ्खेताम् | रिङ्खेयुः |
| रिङ्खेः | रिङ्खेतम् | रिङ्खेत |
| रिङ्खेयम् | रिङ्खेयव | रिङ्खेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० रिङ्खतु | रिङ्खतात् | रिङ्खताम् | रिङ्खन्तु |
| रिङ्ख | रिङ्खतम् | रिङ्खत | |
| रिङ्खानि | रिङ्खाव | रिङ्खाम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अरिङ्खत् | अरिङ्खताम् | अरिङ्खन् |
| अरिङ्खः | अरिङ्खतम् | अरिङ्खत |
| अरिङ्खम् | अरिङ्खाव | अरिङ्खाम |

| | | |
|--------------|---------------|-------------|
| अ० अरिङ्खीत् | अरिङ्खिष्याम् | अरिङ्खिषुः |
| अरिङ्खीः | अरिङ्खिष्यतम् | अरिङ्खिष्यत |
| अरिङ्खिष्यम् | अरिङ्खिष्यव | अरिङ्खिष्यम |

| | | |
|------------|-------------|-----------|
| प० रिरिङ्ख | रिरिङ्खतुः | रिरिङ्खुः |
| रिरिङ्खिथ | रिरिङ्खिथुः | रिरिङ्ख |
| रिरिङ्ख | रिरिङ्खिव | रिरिङ्खिम |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० रिङ्ख्यात् | रिङ्ख्यास्ताम् | रिङ्ख्यासुः |
| रिङ्ख्याः | रिङ्ख्यास्तम् | रिङ्ख्यास्त |
| रिङ्ख्यासम् | रिङ्ख्यास्व | रिङ्ख्यास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ्व० रिङ्खिता | रिङ्खितारौ | रिङ्खितारः |
| रिङ्खितासि | रिङ्खितास्थः | रिङ्खितास्थ |
| रिङ्खितास्मि | रिङ्खितास्वः | रिङ्खितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० रिङ्खिष्यति | रिङ्खिष्यतः | रिङ्खिष्यन्ति |
| रिङ्खिष्यसि | रिङ्खिष्यथः | रिङ्खिष्यथ |
| रिङ्खिष्यामि | रिङ्खिष्यावः | रिङ्खिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अरिङ्खिष्यत् | अरिङ्खिष्यताम् | अरिङ्खिष्यन् |
| अरिङ्खिष्यः | अरिङ्खिष्यतम् | अरिङ्खिष्यत |
| अरिङ्खिष्यम् | अरिङ्खिष्याव | अरिङ्खिष्याम |

74 इख [इख्] गतौ

व० पखति पखतः पखन्ति
पखसि पखथः पखथ
पखाभि पखावः पखामः

स० पखेत् पखेताम् पखेयुः
पखेः पखेतम् पखेत
पखेयम् पखेव पखेम

प० पखतु पखतात् पखताम् पखन्तु
पख ,, पखतम् पखत
पखानि पखाव पखाम

झ० पेखत् पेखताम् पेखन्
पेखः पेखतम् पेखत
पेखम् पेखाव पेखाम

अ० पेखीत् पेखिष्टाम् पेखिषुः
पेखीः पेखिष्टम् पेखिष्ट
पेखिषम् पेखिष्व पेखिषम्

प० इयेख इखतुः इखुः
इयेखिथ इखथुः इख
इयेख इखिव इखिम

आ० इख्यात् इख्यास्ताम् इख्यासुः
इख्याः इख्यास्तम् इख्यास्त
इख्यासम् इख्यास्व इख्यास्म

भ्व० पखिता पखितारौ पखितारः
पखितासि पखितास्थः पखितास्थ
पखितास्मि पखितास्वः पखितास्मः

भ० पखिष्यति पखिष्यतः पखिष्यन्ति
पखिष्यसि पखिष्यथः पखिष्यथ
पखिष्यामि पखिष्यावः पखिष्यामः

क्रि० पेखिष्यत् पेखिष्यताम् पेखिष्यन्
पेखिष्यः पेखिष्यतम् पेखिष्यत
पेखिष्यम् पेखिष्याव पेखिष्याम

75 इखु (इख्) गतौ

व० इहति इहतः इहन्ति
इहसि इहथः इहथ
इहामि इहावः इहामः

स० इहेत् इहेताम् इहेयुः
इहेः इहेतम् इहेत
इहेयम् इहेव इहेम

प० इहतु इहतात् इहताम् इहन्तु
इह ,, इहतम् इहत
इहानि इहाव इहाम

झ० पेहत् पेहताम् पेहन्
पेहः पेहतम् पेहत
पेहम् पेहाव पेहाम

अ० पेहीत् पेहिष्टाम् पेहिषुः
पेहीः पेहिष्टम् पेहिष्ट
पेहिषम् पेहिष्व पेहिषम्

प० इहाञ्चकार इहाञ्चक्रुः इहाञ्चक्रुः
इहाञ्चकथ इहाञ्चकथुः इहाञ्चक्र
इहाञ्चकार, चकर इहाञ्चकृव इहाञ्चकृम
इहामास । इहाम्बभूव ।

आ० इह्यात् इह्यास्ताम् इह्यासुः
इह्याः इह्यास्तम् इह्यास्त
इह्यासम् इह्यास्व इह्यास्म

भ्व० इहिता इहितारौ इहितारः
इहितासि इहितास्थः इहितास्थ
इहितास्मि इहितास्वः इहितास्मः

भ० इहिष्यति इहिष्यतः इहिष्यन्ति
इहिष्यसि इहिष्यथः इहिष्यथ
इहिष्यामि इहिष्यावः इहिष्यामः

क्रि० पेहिष्यत् पेहिष्यताम् पेहिष्यन्
पेहिष्यः पेहिष्यतम् पेहिष्यत
पेहिष्यम् पेहिष्याव पेहिष्याम

76 ईक्षु (ईक्ष्) गतौ

य० ईक्षति ईक्षतः ईक्षन्ति
ईक्षसि ईक्षथः ईक्षथ
ईक्षामि ईक्षावः ईक्षामः

स० ईक्षेत् ईक्षेताम् ईक्षेयुः
ईक्षेः ईक्षेतम् ईक्षेत
ईक्षेयम् ईक्षेव ईक्षेम

प० ईक्षतु ईक्षतात् ईक्षताम् ईक्षन्तु
ईक्ष ईक्षतम् ईक्षत
ईक्षानि ईक्षाव ईक्षाम

झ० ऐक्षत् ऐक्षताम् ऐक्षन्
ऐक्षः ऐक्षतम् ऐक्षत
ऐक्षम् ऐक्षाव ऐक्षाम

अ० ऐक्षीत् ऐक्षिष्टम् ऐक्षिषुः
ऐक्षीः ऐक्षिष्टम् ऐक्षिष्ट
ऐक्षिषम् ऐक्षिष्व ऐक्षिषम्

प० ईक्षाश्चकार ईक्षाश्चक्रुः ईक्षाश्चक्रुः
ईक्षाचकथ ईक्षाचक्रुः ईक्षाचक्रुः
ईक्षाञ्चकार, चकर ईक्षाञ्चकृव ईक्षाञ्चकृम
ईक्षामास । ईक्षाम्भव ।

आ० ईक्ष्यात् ईक्ष्यास्ताम् ईक्ष्यासुः
ईक्ष्याः ईक्ष्यास्तम् ईक्ष्यास्त
ईक्ष्यासम् ईक्ष्यास्व ईक्ष्यास्म

श्व० ईक्षिता ईक्षितारौ ईक्षितारः
ईक्षितासि ईक्षितास्थः ईक्षितास्थ
ईक्षितास्मि ईक्षितास्वः ईक्षितास्मः

भ० ईक्षिष्यति ईक्षिष्यतः ईक्षिष्यन्ति
ईक्षिष्यसि ईक्षिष्यथः ईक्षिष्यथ
ईक्षिष्यामि ईक्षिष्यावः ईक्षिष्यामः

क्रि० ऐक्षिष्यत् ऐक्षिष्यताम् ऐक्षिष्यन्
ऐक्षिष्यः ऐक्षिष्यतम् ऐक्षिष्यत
ऐक्षिष्यम् ऐक्षिष्याव ऐक्षिष्याम

॥ अथ गान्ता अष्टादश सेटो वलगवर्जा
उदितश्च ॥

77 वलग (वल्गू) गतौ

व० वलगति वलगतः वलगन्ति
वलगसि वलगथः वलगथ
वलगामि वलगावः वलगामः

स० वलगेत् वलगेताम् वलगेयुः
वलगेः वलगेतम् वलगेत
वलगेयम् वलगेव वलगेम

प० वलगतु वलगतात् वलगताम् वलगन्तु
वलग वलगतम् वलगत
वलगानि वलगाव वलगाम

झ० अवलगत् अवलगताम् अवलगन्
अवलगः अवलगतम् अवलगत
अवलगम् अवलगाव अवलगाम

अ० अवलगीत् अवलिगष्टाम् अवलिगष्टुः
अवलगीः अवलिगष्टम् अवलिगष्ट
अवलिगषम् अवलिगष्व अवलिगषम्

प० ववलग ववलगतुः ववलगुः
ववलिमथ ववलगथुः ववलग
ववलग ववलिगव ववलिगम

आ० वलग्यात् वलग्यास्ताम् वलग्यासुः
वलग्याः वलग्यास्तम् वलग्यास्त
वलग्यासम् वलग्यास्व वलग्यास्म

श्व० वलिगता वलिगितारौ वलिगितारः
वलिगितासि वलिगितास्थः वलिगितास्थ
वलिगितास्मि वलिगितास्वः वलिगितास्मः

भ० वलिगिष्यति वलिगिष्यतः वलिगिष्यन्ति
वलिगिष्यसि वलिगिष्यथः वलिगिष्यथ
वलिगिष्यामि वलिगिष्यावः वलिगिष्यामः

क्रि० अवलिगिष्यत् अवलिगिष्यताम् अवलिगिष्यन्
अवलिगिष्यः अवलिगिष्यतम् अवलिगिष्य
अवलिगिष्यम् अवलिगिष्याव अवलिगिष्याम

78 रङ् (रङ्ग्) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० रङ्गति | रङ्गतः | रङ्गन्ति |
| रङ्गसि | रङ्गथः | रङ्गथ |
| रङ्गामि | रङ्गावः | रङ्गामः |
| स० रङ्गेत् | रङ्गेताम् | रङ्गेयुः |
| रङ्गेः | रङ्गेतम् | रङ्गेत |
| रङ्गेयम् | रङ्गेव | रङ्गेम |
| प० रङ्गतु | रङ्गतात् | रङ्गताम् |
| रङ्ग | ,, | रङ्गतम् |
| रङ्गाणि | रङ्गाव | रङ्गाम |
| ह्य० अरङ्गत् | अरङ्गताम् | अरङ्गन् |
| अरङ्गः | अरङ्गतम् | अरङ्गत |
| अरङ्गम् | अरङ्गाव | अरङ्गाम |
| अ० अरङ्गीत् | अरङ्गिषाम् | अरङ्गिषुः |
| अरङ्गीः | अरङ्गिषम् | अरङ्गिष |
| अरङ्गिषम् | अरङ्गिष्व | अरङ्गिषम |
| प० ररङ्ग | ररङ्गतुः | ररङ्गुः |
| ररङ्गिथ | ररङ्गथुः | ररङ्ग |
| ररङ्ग | ररङ्गिष | ररङ्गिम |
| आ० रङ्ग्यात् | रङ्ग्यास्ताम् | रङ्ग्यासुः |
| रङ्ग्याः | रङ्ग्यास्तम् | रङ्ग्यास्त |
| रङ्ग्यासम् | रङ्ग्यास्व | रङ्ग्यास्म |
| श्व० रङ्गिता | रङ्गितारौ | रङ्गितारः |
| रङ्गितासि | रङ्गितास्थः | रङ्गितास्थ |
| रङ्गितास्मि | रङ्गितास्वः | रङ्गितास्मः |
| भ० रङ्गिष्यति | रङ्गिष्यतः | रङ्गिष्यन्ति |
| रङ्गिष्यसि | रङ्गिष्यथः | रङ्गिष्यथ |
| रङ्गिष्यामि | रङ्गिष्यावः | रङ्गिष्यामः |
| क्रि० अरङ्गिष्यत् | अरङ्गिष्यताम् | अरङ्गिष्यन् |
| अरङ्गिष्यः | अरङ्गिष्यतम् | अरङ्गिष्यत |
| अरङ्गिष्यम् | अरङ्गिष्याव | अरङ्गिष्याम |

79 लङ् (लङ्ग्) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० लङ्गति | लङ्गतः | लङ्गन्ति |
| लङ्गसि | लङ्गथः | लङ्गथ |
| लङ्गामि | लङ्गावः | लङ्गामः |
| स० लङ्गेत् | लङ्गेताम् | लङ्गेयुः |
| लङ्गेः | लङ्गेतम् | लङ्गेत |
| लङ्गेयम् | लङ्गेव | लङ्गेम |
| प० लङ्गतु | लङ्गतात् | लङ्गताम् |
| लङ्ग | ,, | लङ्गतम् |
| लङ्गानि | लङ्गाव | लङ्गाम |
| ह्य० अलङ्गत् | अलङ्गताम् | अलङ्गन् |
| अलङ्गः | अलङ्गतम् | अलङ्गत |
| अलङ्गम् | अलङ्गाव | अलङ्गाम |
| अ० अलङ्गीत् | अलङ्गिषाम् | अलङ्गिषुः |
| अलङ्गीः | अलङ्गिषम् | अलङ्गिष |
| अलङ्गिषम् | अलङ्गिष्व | अलङ्गिषम |
| प० ललङ्ग | ललङ्गतुः | ललङ्गुः |
| ललङ्गिथ | ललङ्गथुः | ललङ्ग |
| ललङ्ग | ललङ्गिष | ललङ्गिम |
| आ० लङ्ग्यात् | लङ्ग्यास्ताम् | लङ्ग्यासुः |
| लङ्ग्याः | लङ्ग्यास्तम् | लङ्ग्यास्त |
| लङ्ग्यासम् | लङ्ग्यास्व | लङ्ग्यास्म |
| श्व० लङ्गिता | लङ्गितारौ | लङ्गितारः |
| लङ्गितासि | लङ्गितास्थः | लङ्गितास्थ |
| लङ्गितास्मि | लङ्गितास्वः | लङ्गितास्मः |
| भ० लङ्गिष्यति | लङ्गिष्यतः | लङ्गिष्यन्ति |
| लङ्गिष्यसि | लङ्गिष्यथः | लङ्गिष्यथ |
| लङ्गिष्यामि | लङ्गिष्यावः | लङ्गिष्यामः |
| क्रि० अलङ्गिष्यत् | अलङ्गिष्यताम् | अलङ्गिष्यन् |
| अलङ्गिष्यः | अलङ्गिष्यतम् | अलङ्गिष्यत |
| अलङ्गिष्यम् | अलङ्गिष्याव | अलङ्गिष्याम |

80 तगु (तङ्गु) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० तङ्गति | तङ्गतः | तङ्गन्ति |
| तङ्गसि | तङ्गथः | तङ्गथ |
| तङ्गामि | तङ्गावः | तङ्गामः |
| स० तङ्गत् | तङ्गेताम् | तङ्गेयुः |
| तङ्गेः | तङ्गेतम् | तङ्गेत |
| तङ्गेयम् | तङ्गेव | तङ्गेम |
| प० तङ्गतु | तङ्गतात् | तङ्गताम् |
| तङ्ग | तङ्गतम् | तङ्गत |
| तङ्गानि | तङ्गाव | तङ्गाम |
| द्य० अतङ्गत् | अतङ्गताम् | अतङ्गन् |
| अतङ्गः | अतङ्गतम् | अतङ्गत |
| अतङ्गम् | अतङ्गाव | अतङ्गाम |
| अ० अतङ्गीत् | अतङ्गिषाम् | अतङ्गिषुः |
| अतङ्गीः | अतङ्गिषम् | अतङ्गिष्ट |
| अतङ्गिषम् | अतङ्गिष्व | अतङ्गिष्म |
| प० ततङ्ग | ततङ्गतुः | ततङ्गुः |
| ततङ्गिथ | ततङ्गथुः | ततङ्ग |
| ततङ्ग | ततङ्गिव | ततङ्गिम |
| आ० तङ्गचात् | तङ्गचास्ताम् | तङ्गचासुः |
| तङ्गचाः | तङ्गचास्तम् | तङ्गचास्त |
| तङ्गचासम् | तङ्गचास्व | तङ्गचास्म |
| श्व० तङ्गिता | तङ्गितारौ | तङ्गितारः |
| तङ्गितासि | तङ्गितास्थः | तङ्गितास्थ |
| तङ्गितास्मि | तङ्गितास्वः | तङ्गितास्मः |
| भ० तङ्गिष्यति | तङ्गिष्यतः | तङ्गिष्यन्ति |
| तङ्गिष्यसि | तङ्गिष्यथः | तङ्गिष्यथ |
| तङ्गिष्यामि | तङ्गिष्यावः | तङ्गिष्यामः |
| क्रि० अतङ्गिष्यत् | अतङ्गिष्यताम् | अतङ्गिष्यन् |
| अतङ्गिष्यः | अतङ्गिष्यतम् | अतङ्गिष्यत |
| अतङ्गिष्यम् | अतङ्गिष्याव | अतङ्गिष्याम |

81 अगु (अङ्गु) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० अङ्गति | अङ्गतः | अङ्गन्ति |
| अङ्गसि | अङ्गथः | अङ्गथ |
| अङ्गामि | अङ्गावः | अङ्गामः |
| स० अङ्गेत् | अङ्गेताम् | अङ्गेयुः |
| अङ्गेः | अङ्गेतम् | अङ्गेत |
| अङ्गेयम् | अङ्गेव | अङ्गेम |
| प० अङ्गतु | अङ्गतात् | अङ्गताम् |
| अङ्ग | अङ्गतम् | अङ्गत |
| अङ्गाणि | अङ्गाव | अङ्गाम |
| द्य० अअङ्गत् | अअङ्गताम् | अअङ्गन् |
| अअङ्गः | अअङ्गतम् | अअङ्गत |
| अअङ्गम् | अअङ्गाव | अअङ्गाम |
| अ० अअङ्गीत् | अअङ्गिषाम् | अअङ्गिषुः |
| अअङ्गीः | अअङ्गिषम् | अअङ्गिष्ट |
| अअङ्गिषम् | अअङ्गिष्व | अअङ्गिष्म |
| प० शअङ्ग | शअङ्गतुः | शअङ्गुः |
| शअङ्गिथ | शअङ्गथुः | शअङ्ग |
| शअङ्ग | शअङ्गिव | शअङ्गिम |
| आ० अङ्गचात् | अङ्गचास्ताम् | अङ्गचासुः |
| अङ्गचाः | अङ्गचास्तम् | अङ्गचास्त |
| अङ्गचासम् | अङ्गचास्व | अङ्गचास्म |
| श्व० अङ्गिता | अङ्गितारौ | अङ्गितारः |
| अङ्गितासि | अङ्गितास्थः | अङ्गितास्थ |
| अङ्गितास्मि | अङ्गितास्वः | अङ्गितास्मः |
| भ० अङ्गिष्यति | अङ्गिष्यतः | अङ्गिष्यन्ति |
| अङ्गिष्यसि | अङ्गिष्यथः | अङ्गिष्यथ |
| अङ्गिष्यामि | अङ्गिष्यावः | अङ्गिष्यामः |
| क्रि० अअङ्गिष्यत् | अअङ्गिष्यताम् | अअङ्गिष्यन् |
| अअङ्गिष्यः | अअङ्गिष्यतम् | अअङ्गिष्यत |
| अअङ्गिष्यम् | अअङ्गिष्याव | अअङ्गिष्याम |

82 श्लु (श्लुङ्) गतौ

| | | |
|----------------------|------------------|-----------------|
| व० श्लुङ्गति | श्लुङ्गतः | श्लुङ्गन्ति |
| श्लुङ्गसि | श्लुङ्गथः | श्लुङ्गथ |
| श्लुङ्गमि | श्लुङ्गावः | श्लुङ्गामः |
| स० श्लुङ्गेत् | श्लुङ्गेताम् | श्लुङ्गेयुः |
| श्लुङ्गः | श्लुङ्गतम् | श्लुङ्गत |
| श्लुङ्ग्यम् | श्लुङ्गेव | श्लुङ्गम् |
| प० श्लुङ्गु | श्लुङ्गतात् | श्लुङ्गताम् |
| श्लुङ्ग | श्लुङ्गतम् | श्लुङ्गत |
| श्लुङ्गानि | श्लुङ्गाव | श्लुङ्गाम |
| ह्य० अश्लुङ्गत् | अश्लुङ्गताम् | अश्लुङ्गन् |
| अश्लुङ्गः | अश्लुङ्गतम् | अश्लुङ्गत |
| अश्लुङ्गम् | अश्लुङ्गाव | अश्लुङ्गाम |
| अ० अश्लुङ्गीत् | अश्लुङ्गिषाम् | अश्लुङ्गीषुः |
| अश्लुङ्गीः | अश्लुङ्गिषम् | अश्लुङ्गिष |
| अश्लुङ्गिषम् | अश्लुङ्गिष्व | अश्लुङ्गिषम् |
| प० शश्लुङ्ग | शश्लुङ्गुः | शश्लुङ्गुः |
| शश्लुङ्गथ | शश्लुङ्गथुः | शश्लुङ्ग |
| शश्लुङ्ग | शश्लुङ्गाव | शश्लुङ्गाम |
| आ० श्लुङ्ग्यात् | श्लुङ्ग्यास्ताम् | श्लुङ्ग्यासुः |
| श्लुङ्ग्याः | श्लुङ्ग्यास्तम् | श्लुङ्ग्यास्त |
| श्लुङ्ग्यासम् | श्लुङ्ग्यास्व | श्लुङ्ग्यास्म |
| श्व० श्लुङ्गिता | श्लुङ्गितारौ | श्लुङ्गितारः |
| श्लुङ्गितासि | श्लुङ्गितास्थः | श्लुङ्गितास्थ |
| श्लुङ्गितास्मि | श्लुङ्गितास्वः | श्लुङ्गितास्मः |
| भ० श्लुङ्गिष्यति | श्लुङ्गिष्यतः | श्लुङ्गिष्यन्ति |
| श्लुङ्गिष्यसि | श्लुङ्गिष्यथः | श्लुङ्गिष्यथ |
| श्लुङ्गिष्यामि | श्लुङ्गिष्यावः | श्लुङ्गिष्यामः |
| क्रि० अश्लुङ्गिष्यत् | अश्लुङ्गिष्यताम् | अश्लुङ्गिष्यन् |
| अश्लुङ्गिष्यः | अश्लुङ्गिष्यतम् | अश्लुङ्गिष्यत |
| अश्लुङ्गिष्यम् | अश्लुङ्गिष्याव | अश्लुङ्गिष्याम |

83 अङ्गु (अङ्गु) गतौ

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| व० अङ्गति | अङ्गतः | अङ्गन्ति |
| अङ्गसि | अङ्गथः | अङ्गथ |
| अङ्गमि | अङ्गावः | अङ्गामः |
| स० अङ्गेत् | अङ्गेताम् | अङ्गेयुः |
| अङ्गः | अङ्गतम् | अङ्गत |
| अङ्ग्यम् | अङ्गेव | अङ्गम् |
| प० अङ्गु | अङ्गतात् | अङ्गताम् |
| अङ्ग | अङ्गतम् | अङ्गत |
| अङ्गानि | अङ्गाव | अङ्गाम |
| ह्य० आङ्गत् | आङ्गताम् | आङ्गन् |
| आङ्गः | आङ्गतम् | आङ्गत |
| आङ्गम् | आङ्गाव | आङ्गाम |
| अ० आङ्गीत् | आङ्गिषाम् | आङ्गीषुः |
| आङ्गीः | आङ्गिषम् | आङ्गिष |
| आङ्गिषम् | आङ्गिष्व | आङ्गिषम् |
| प० आनङ्ग | आनङ्गुः | आनङ्गुः |
| आनङ्गथ | आनङ्गथुः | आनङ्ग |
| आनङ्ग | आनङ्गाव | आनङ्गाम |
| आ० अङ्ग्यात् | अङ्ग्यास्ताम् | अङ्ग्यासुः |
| अङ्ग्याः | अङ्ग्यास्तम् | अङ्ग्यास्त |
| अङ्ग्यासम् | अङ्ग्यास्व | अङ्ग्यास्म |
| श्व० अङ्गिता | अङ्गितारौ | अङ्गितारः |
| अङ्गितासि | अङ्गितास्थः | अङ्गितास्थ |
| अङ्गितास्मि | अङ्गितास्वः | अङ्गितास्मः |
| भ० अङ्गिष्यति | अङ्गिष्यतः | अङ्गिष्यन्ति |
| अङ्गिष्यसि | अङ्गिष्यथः | अङ्गिष्यथ |
| अङ्गिष्यामि | अङ्गिष्यावः | अङ्गिष्यामः |
| क्रि० आङ्गिष्यत् | आङ्गिष्यताम् | आङ्गिष्यन् |
| आङ्गिष्यः | आङ्गिष्यतम् | आङ्गिष्यत |
| आङ्गिष्यम् | आङ्गिष्याव | आङ्गिष्याम |

84 वगु (वङ्ग) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वङ्गति | वङ्गतः | वङ्गन्ति |
| वङ्गसि | वङ्गथः | वङ्गथ |
| वङ्गमि | वङ्गावः | वङ्गामः |
| स० वङ्गेत् | वङ्गेताम् | वङ्गेयुः |
| वङ्गेः | वङ्गेतम् | वङ्गेत |
| वङ्गेयम् | वङ्गेव | वङ्गेव |
| प० वङ्गन्तु | वङ्गन्ताम् | वङ्गन्तु |
| वङ्गन्तु | वङ्गन्तम् | वङ्गन्त |
| वङ्गन्ति | वङ्गाव | वङ्गाम |
| ह्य० अवङ्गत् | अवङ्गताम् | अवङ्गन् |
| अवङ्गः | अवङ्गतम् | अवङ्गत |
| अवङ्गानि | अवङ्गाव | अवङ्गाम |
| अ० अवङ्गीत् | अवङ्गिषाम् | अवङ्गिषुः |
| अवङ्गीः | अवङ्गिष्टम् | अवङ्गिष्ट |
| अवङ्गिषम् | अवङ्गिष्व | अवङ्गिषम् |
| प० ववङ्ग | ववङ्गन्तुः | ववङ्गन्तुः |
| ववङ्गिथ | ववङ्गन्तुः | ववङ्गन्तुः |
| ववङ्ग | ववङ्गिम् | ववङ्गिम् |
| आ० वङ्गचात् | वङ्गचास्ताम् | वङ्गचासुः |
| वङ्गचाः | वङ्गचास्तम् | वङ्गचास्त |
| वङ्गचासम् | वङ्गचास्व | वङ्गचास्म |
| श्व० वङ्गिता | वङ्गितारौ | वङ्गितारः |
| वङ्गितासि | वङ्गितास्थः | वङ्गितास्थ |
| वङ्गितास्मि | वङ्गितास्वः | वङ्गितास्मः |
| भ० वङ्गिष्यति | वङ्गिष्यतः | वङ्गिष्यन्ति |
| वङ्गिष्यसि | वङ्गिष्यथः | वङ्गिष्यथ |
| वङ्गिष्यामि | वङ्गिष्यावः | वङ्गिष्यामः |
| क्रि० अवङ्गिष्यत् | अवङ्गिष्यताम् | अवङ्गिष्यन् |
| अवङ्गिष्यः | अवङ्गिष्यतम् | अवङ्गिष्यत |
| अवङ्गिष्यम् | अवङ्गिष्याव | अवङ्गिष्याम |

85 मगु (मङ्ग) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० मङ्गति | मङ्गतः | मङ्गन्ति |
| मङ्गसि | मङ्गथः | मङ्गथ |
| मङ्गमि | मङ्गावः | मङ्गामः |
| स० मङ्गेत् | मङ्गेताम् | मङ्गेयुः |
| मङ्गेः | मङ्गेतम् | मङ्गेत |
| मङ्गेयम् | मङ्गेव | मङ्गेव |
| प० मङ्गन्तु | मङ्गन्ताम् | मङ्गन्तु |
| मङ्गन्तु | मङ्गन्तम् | मङ्गन्त |
| मङ्गन्ति | मङ्गाव | मङ्गाम |
| ह्य० अमङ्गत् | अमङ्गताम् | अमङ्गन् |
| अमङ्गः | अमङ्गतम् | अमङ्गत |
| अमङ्गानि | अमङ्गाव | अमङ्गाम |
| अ० अमङ्गीत् | अमङ्गिषाम् | अमङ्गिषुः |
| अमङ्गीः | अमङ्गिष्टम् | अमङ्गिष्ट |
| अमङ्गिषम् | अमङ्गिष्व | अमङ्गिषम् |
| प० ममङ्ग | ममङ्गन्तुः | ममङ्गन्तुः |
| ममङ्गिथ | ममङ्गन्तुः | ममङ्गन्तुः |
| ममङ्ग | ममङ्गिम् | ममङ्गिम् |
| आ० मङ्गचात् | मङ्गचास्ताम् | मङ्गचासुः |
| मङ्गचाः | मङ्गचास्तम् | मङ्गचास्त |
| मङ्गचासम् | मङ्गचास्व | मङ्गचास्म |
| श्व० मङ्गिता | मङ्गितारौ | मङ्गितारः |
| मङ्गितासि | मङ्गितास्थः | मङ्गितास्थ |
| मङ्गितास्मि | मङ्गितास्वः | मङ्गितास्मः |
| भ० मङ्गिष्यति | मङ्गिष्यतः | मङ्गिष्यन्ति |
| मङ्गिष्यसि | मङ्गिष्यथः | मङ्गिष्यथ |
| मङ्गिष्यामि | मङ्गिष्यावः | मङ्गिष्यामः |
| क्रि० अमङ्गिष्यत् | अमङ्गिष्यताम् | अमङ्गिष्यन् |
| अमङ्गिष्यः | अमङ्गिष्यतम् | अमङ्गिष्यत |
| अमङ्गिष्यम् | अमङ्गिष्याव | अमङ्गिष्याम |

86 स्वगु (स्वङ्ग) गतौ

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| ष० स्वङ्गति | स्वङ्गतः | स्वङ्गन्ति |
| स्वङ्गसि | स्वङ्गथः | स्वङ्गथ |
| स्वङ्गामि | स्वङ्गावः | स्वङ्गामः |
| स० स्वङ्गेत् | स्वङ्गेताम् | स्वङ्गेयुः |
| स्वङ्गेः | स्वङ्गेतम् | स्वङ्गेत |
| स्वङ्गेयम् | स्वङ्गेव | स्वङ्गेम |

| | | | |
|-------------|------------|------------|------------|
| प० स्वङ्गत् | स्वङ्गतात् | स्वङ्गताम् | स्वङ्गन्तु |
| स्वङ्गः | स्वङ्गतम् | स्वङ्गत | |
| स्वङ्गानि | स्वङ्गाव | स्वङ्गाम | |

| | | |
|--------------|-------------|-----------|
| झ० अस्वङ्गत् | अस्वङ्गताम् | अस्वङ्गन् |
| अस्वङ्गः | अस्वङ्गतम् | अस्वङ्गत |
| अस्वङ्गम् | अस्वङ्गाव | अस्वङ्गाम |

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| अ० अस्वङ्गीत् | अस्वङ्गिषाम् | अस्वङ्गिषुः |
| अस्वङ्गीः | अस्वङ्गिषम् | अस्वङ्गिष |
| अस्वङ्गिषम् | अस्वङ्गिषव | अस्वङ्गिषम |

| | | |
|-------------|-------------|-----------|
| प० सस्वङ्गः | सस्वङ्गत् | सस्वङ्गुः |
| सस्वङ्गिष | सस्वङ्गिषुः | सस्वङ्ग |
| सस्वङ्गम् | सस्वङ्गिव | सस्वङ्गिम |

| | | |
|----------------|-----------------|--------------|
| आ० स्वङ्ग्यात् | स्वङ्ग्यास्ताम् | स्वङ्ग्यासुः |
| स्वङ्ग्याः | स्वङ्ग्यास्तम् | स्वङ्ग्यास्त |
| स्वङ्ग्यासम् | स्वङ्ग्यास्व | स्वङ्ग्यास्म |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ्व० स्वङ्गिता | स्वङ्गितारौ | स्वङ्गितारः |
| स्वङ्गितासि | स्वङ्गितास्थः | स्वङ्गितास्थ |
| स्वङ्गितास्मि | स्वङ्गितास्वः | स्वङ्गितास्मः |

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| भ० स्वङ्गिष्यति | स्वङ्गिष्यतः | स्वङ्गिष्यन्ति |
| स्वङ्गिष्यसि | स्वङ्गिष्यथः | स्वङ्गिष्यथ |
| स्वङ्गिष्यामि | स्वङ्गिष्यावः | स्वङ्गिष्यामः |

| | | |
|-------------------|-----------------|---------------|
| कि० अस्वङ्गिष्यत् | अस्वङ्गिष्यताम् | अस्वङ्गिष्यन् |
| अस्वङ्गिष्यः | अस्वङ्गिष्यतम् | अस्वङ्गिष्यत |
| अस्वङ्गिष्यम् | अस्वङ्गिष्याव | अस्वङ्गिष्याम |

87 इगु (इङ्ग) गतौ

| | | |
|------------|-----------|----------|
| ष० इङ्गति | इङ्गतः | इङ्गन्ति |
| इङ्गसि | इङ्गथः | इङ्गथ |
| इङ्गामि | इङ्गावः | इङ्गामः |
| स० इङ्गेत् | इङ्गेताम् | इङ्गेयुः |
| इङ्गेः | इङ्गेतम् | इङ्गेत |
| इङ्गेयम् | इङ्गेव | इङ्गेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० इङ्गत् | इङ्गतात् | इङ्गताम् | इङ्गन्तु |
| इङ्गः | इङ्गतम् | इङ्गत | |
| इङ्गानि | इङ्गाव | इङ्गाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० ऐङ्गत् | ऐङ्गताम् | ऐङ्गन् |
| ऐङ्गः | ऐङ्गतम् | ऐङ्गत |
| ऐङ्गम् | ऐङ्गाव | ऐङ्गाम |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| अ० ऐङ्गीत् | ऐङ्गिषाम् | ऐङ्गिषुः |
| ऐङ्गीः | ऐङ्गिषम् | ऐङ्गिष |
| ऐङ्गिषम् | ऐङ्गिषव | ऐङ्गिषम |

| | | |
|------------------|----------------|--------------|
| प० इङ्गाश्चकार | इङ्गाश्चक्रतुः | इङ्गाश्चक्रः |
| इङ्गाचकथ | इङ्गाचकथुः | इङ्गाचक्र |
| इङ्गाञ्चकार, चकर | इङ्गाञ्चकृव | इङ्गाञ्चकृम |
| इङ्गामास | इङ्गाम्बभूव | |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० इङ्ग्यात् | इङ्ग्यास्ताम् | इङ्ग्यासुः |
| इङ्ग्याः | इङ्ग्यास्तम् | इङ्ग्यास्त |
| इङ्ग्यासम् | इङ्ग्यास्व | इङ्ग्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ्व० इङ्गिता | इङ्गितारौ | इङ्गितारः |
| इङ्गितासि | इङ्गितास्थः | इङ्गितास्थ |
| इङ्गितास्मि | इङ्गितास्वः | इङ्गितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० इङ्गिष्यति | इङ्गिष्यतः | इङ्गिष्यन्ति |
| इङ्गिष्यसि | इङ्गिष्यथः | इङ्गिष्यथ |
| इङ्गिष्यामि | इङ्गिष्यावः | इङ्गिष्यामः |

| | | |
|----------------|--------------|------------|
| कि० ऐङ्गिष्यत् | ऐङ्गिष्यताम् | ऐङ्गिष्यन् |
| ऐङ्गिष्यः | ऐङ्गिष्यतम् | ऐङ्गिष्यत |
| ऐङ्गिष्यम् | ऐङ्गिष्याव | ऐङ्गिष्याम |

88 उगु (उङ्ग) गतौ

ब० उङ्गति उङ्गतः उङ्गन्ति
उङ्गसि उङ्गथः उङ्गय
उङ्गामि उङ्गावः उङ्गामः

स० उङ्गेत् उङ्गेताम् उङ्गेयुः
उङ्गः उङ्गेतम् उङ्गेत
उङ्गेयम् उङ्गेव उङ्गेम

प० उङ्गत् उङ्गतात् उङ्गताम् उङ्गन्तु
उङ्ग उङ्गतम् उङ्गत
उङ्गानि उङ्गाव उङ्गाम

ह्य० औङ्गत् औङ्गताम् औङ्गन्
औङ्गः औङ्गतम् औङ्गत
औङ्गम् औङ्गाव औङ्गाम

अ० औङ्गीत् औङ्गिताम् औङ्गीयुः
औङ्गीः औङ्गीतम् औङ्गीष्ट
औङ्गीषम् औङ्गीष्व औङ्गीष्म

प० उङ्गाञ्चकार उङ्गाञ्चकतुः उङ्गाञ्चकुः
उङ्गाञ्चकथं उङ्गाञ्चकथुः उङ्गाञ्चक
उङ्गाञ्चकार, चकर उङ्गाञ्चक्य उङ्गाञ्चक्यम्
उङ्गामास । उङ्गाम्भव ।

आ० उङ्गचात् उङ्गचास्ताम् उङ्गचासुः
उङ्गचाः उङ्गचास्तम् उङ्गचास्व
उङ्गचासम् उङ्गचास्व उङ्गचास्म

श्व० उङ्गिता उङ्गितारौ उङ्गितारः
उङ्गितासि उङ्गितास्थः उङ्गितास्थ
उङ्गितास्मि उङ्गितास्वः उङ्गितास्मः

भ० उङ्गिष्यति उङ्गिष्यतः उङ्गिष्यन्ति
उङ्गिष्यसि उङ्गिष्यथः उङ्गिष्यथ
उङ्गिष्यामि उङ्गिष्यावः उङ्गिष्यामः

क्रि० औङ्गिष्यत् औङ्गिष्यताम् औङ्गिष्यन्
औङ्गिष्यः औङ्गिष्यतम् औङ्गिष्यत
औङ्गिष्यम् औङ्गिष्याव औङ्गिष्याम

89 रिगु [रिङ्ग] गतौ

ब० रिङ्गति रिङ्गतः रिङ्गन्ति
रिङ्गसि रिङ्गथः रिङ्गय
रिङ्गामि रिङ्गावः रिङ्गामः

स० रिङ्गेत् रिङ्गेताम् रिङ्गेयुः
रिङ्गेः रिङ्गेतम् रिङ्गेत
रिङ्गेयम् रिङ्गेव रिङ्गेम

प० रिङ्गत् रिङ्गतात् रिङ्गताम् रिङ्गन्तु
रिङ्ग रिङ्गतम् रिङ्गत
रिङ्गानि रिङ्गाव रिङ्गाम

ह्य० अरिङ्गत् अरिङ्गताम् अरिङ्गन्
अरिङ्गः अरिङ्गतम् अरिङ्गत
अरिङ्गम् अरिङ्गाव अरिङ्गाम

अ० अरिङ्गीत् अरिङ्गिताम् अरिङ्गीयुः
अरिङ्गीः अरिङ्गीतम् अरिङ्गीष्ट
अरिङ्गीषम् अरिङ्गीष्व अरिङ्गीष्म

प० रिङ्गि रिङ्गितुः रिङ्गिङ्गुः
रिङ्गिथ रिङ्गिथुः रिङ्गि
रिङ्गि रिङ्गिव रिङ्गिम्

आ० रिङ्ग्यात् रिङ्ग्यास्ताम् रिङ्ग्यासुः
रिङ्ग्याः रिङ्ग्यास्तम् रिङ्ग्यास्व
रिङ्ग्यासम् रिङ्ग्यास्व रिङ्ग्यास्म

श्व० रिङ्गिता रिङ्गितारौ रिङ्गितारः
रिङ्गितासि रिङ्गितास्थः रिङ्गितास्थ
रिङ्गितास्मि रिङ्गितास्वः रिङ्गितास्मः

भ० रिङ्गिष्यति रिङ्गिष्यतः रिङ्गिष्यन्ति
रिङ्गिष्यसि रिङ्गिष्यथः रिङ्गिष्यथ
रिङ्गिष्यामि रिङ्गिष्यावः रिङ्गिष्यामः

क्रि० अरिङ्गिष्यत् अरिङ्गिष्यताम् अरिङ्गिष्यन्
अरिङ्गिष्यः अरिङ्गिष्यतम् अरिङ्गिष्यत
अरिङ्गिष्यम् अरिङ्गिष्याव अरिङ्गिष्याम

90 लिङ्गु (लिङ्ग) गतौ

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० लिङ्गति | लिङ्गतः | लिङ्गन्ति |
| लिङ्गसि | लिङ्गथः | लिङ्गथ |
| लिङ्गामि | लिङ्गावः | लिङ्गामः |
| स० लिङ्गेत् | लिङ्गेताम् | लिङ्गेयुः |
| लिङ्गेः | लिङ्गेतम् | लिङ्गेत |
| लिङ्गेयम् | लिङ्गेव | लिङ्गेम |
| प० लिङ्गतु | लिङ्गतात् | लिङ्गताम् |
| लिङ्ग | " | लिङ्गतम् |
| लिङ्गानि | लिङ्गाव | लिङ्गाम |
| अ० अलिङ्गत् | अलिङ्गताम् | अलिङ्गन् |
| अलिङ्गः | अलिङ्गतम् | अलिङ्गत |
| अलिङ्गम् | अलिङ्गाव | अलिङ्गाम |
| अ० अलिङ्गीत् | अलिङ्गिताम् | अलिङ्गिषुः |
| अलिङ्गीः | अलिङ्गितम् | अलिङ्गित |
| अलिङ्गिषम् | अलिङ्गिष्व | अलिङ्गिषम |
| प० लिलिङ्ग | लिलिङ्गतुः | लिलिङ्गुः |
| लिलिङ्गिथ | लिलिङ्गथुः | लिलिङ्ग |
| लिलिङ्ग | लिलिङ्गाव | लिलिङ्गाम |
| आ० लिङ्ग्यात् | लिङ्ग्यास्ताम् | लिङ्ग्यासुः |
| लिङ्ग्याः | लिङ्ग्यास्तम् | लिङ्ग्यास्त |
| लिङ्ग्यासम् | लिङ्ग्यास्व | लिङ्ग्यास्म |
| भ्व० लिङ्गिता | लिङ्गितारौ | लिङ्गितारः |
| लिङ्गितासि | लिङ्गितास्थः | लिङ्गितास्थ |
| लिङ्गितास्मि | लिङ्गितास्वः | लिङ्गितास्मः |
| भ० लिङ्गिष्यति | लिङ्गिष्यतः | लिङ्गिष्यन्ति |
| लिङ्गिष्यसि | लिङ्गिष्यथः | लिङ्गिष्यथ |
| लिङ्गिष्यामि | लिङ्गिष्यावः | लिङ्गिष्यामः |
| क्रि० अलिङ्गिष्यत् | अलिङ्गिष्यताम् | अलिङ्गिष्यन् |
| अलिङ्गिष्यः | अलिङ्गिष्यतम् | अलिङ्गिष्यत |
| अलिङ्गिष्यम् | अलिङ्गिष्याव | अलिङ्गिष्याम |

91 त्वङ्गु (त्वङ्ग) कम्पने च

चकाराङ्गतौ । स्थिवस्यैव चलनं कम्पनम् ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० त्वङ्गति | त्वङ्गतः | त्वङ्गन्ति |
| त्वङ्गसि | त्वङ्गथः | त्वङ्गथ |
| त्वङ्गामि | त्वङ्गावः | त्वङ्गामः |
| स० त्वङ्गेत् | त्वङ्गेताम् | त्वङ्गेयुः |
| त्वङ्गेः | त्वङ्गेतम् | त्वङ्गेत |
| त्वङ्गेयम् | त्वङ्गेव | त्वङ्गेम |
| प० त्वङ्गतु | त्वङ्गतात् | त्वङ्गताम् |
| त्वङ्ग | " | त्वङ्गतम् |
| त्वङ्गानि | त्वङ्गाव | त्वङ्गाम |
| अ० अत्वङ्गत् | अत्वङ्गताम् | अत्वङ्गन् |
| अत्वङ्गः | अत्वङ्गतम् | अत्वङ्गत |
| अत्वङ्गम् | अत्वङ्गाव | अत्वङ्गाम |
| अ० अत्वङ्गीत् | अत्वङ्गिताम् | अत्वङ्गिषुः |
| अत्वङ्गीः | अत्वङ्गितम् | अत्वङ्गित |
| अत्वङ्गिषम् | अत्वङ्गिष्व | अत्वङ्गिषम |
| प० तत्वङ्ग | तत्वङ्गतुः | तत्वङ्गुः |
| तत्वङ्गिथ | तत्वङ्गथुः | तत्वङ्ग |
| तत्वङ्ग | तत्वङ्गाव | तत्वङ्गाम |
| आ० त्वङ्ग्यात् | त्वङ्ग्यास्ताम् | त्वङ्ग्यासुः |
| त्वङ्ग्याः | त्वङ्ग्यास्तम् | त्वङ्ग्यास्त |
| त्वङ्ग्यासम् | त्वङ्ग्यास्व | त्वङ्ग्यास्म |
| भ्व० त्वङ्गिता | त्वङ्गितारौ | त्वङ्गितारः |
| त्वङ्गितासि | त्वङ्गितास्थः | त्वङ्गितास्थ |
| त्वङ्गितास्मि | त्वङ्गितास्वः | त्वङ्गितास्मः |
| भ० त्वङ्गिष्यति | त्वङ्गिष्यतः | त्वङ्गिष्यन्ति |
| त्वङ्गिष्यसि | त्वङ्गिष्यथः | त्वङ्गिष्यथ |
| त्वङ्गिष्यामि | त्वङ्गिष्यावः | त्वङ्गिष्यामः |
| क्रि० अत्वङ्गिष्यत् | अत्वङ्गिष्यताम् | अत्वङ्गिष्यन् |
| अत्वङ्गिष्यः | अत्वङ्गिष्यतम् | अत्वङ्गिष्यत |
| अत्वङ्गिष्यम् | अत्वङ्गिष्याव | अत्वङ्गिष्याम |

92 युग (युङ्ग्) वर्जने

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० युङ्गति | युङ्गतः | युङ्गन्ति |
| युङ्गसि | युङ्गथः | युङ्गथ |
| युङ्गामि | युङ्गावः | युङ्गामः |
| स० युङ्गेत् | युङ्गेताम् | युङ्गेयुः |
| युङ्गेः | युङ्गेतम् | युङ्गेत |
| युङ्गेयम् | युङ्गेव | युङ्गेव |
| प० युङ्गतु | युङ्गतात् | युङ्गताम् |
| युङ्ग | " | युङ्गतम् |
| युङ्गानि | युङ्गाव | युङ्गाम |
| द्य० अयुङ्गत् | अयुङ्गताम् | अयुङ्गन् |
| अयुङ्गः | अयुङ्गतम् | अयुङ्गत |
| अयुङ्गम् | अयुङ्गाव | अयुङ्गाम |
| अ० अयुङ्गीत् | अयुङ्गिताम् | अयुङ्गिषुः |
| अयुङ्गीः | अयुङ्गितम् | अयुङ्गित |
| अयुङ्गिषम् | अयुङ्गिष्व | अयुङ्गिषम् |
| प० युयुङ्ग | युयुङ्गतुः | युयुङ्गुः |
| युयुङ्गिथ | युयुङ्गथुः | युयुङ्ग |
| युयुङ्ग | युयुङ्गिष्व | युयुङ्गिष्व |
| आ० युङ्ग्यात् | युङ्ग्यास्ताम् | युङ्ग्यासुः |
| युङ्ग्याः | युङ्ग्यास्तम् | युङ्ग्यास्त |
| युङ्ग्यासम् | युङ्ग्यास्व | युङ्ग्यास्म |
| श्व० युङ्गिता | युङ्गितारौ | युङ्गितारः |
| युङ्गितासि | युङ्गितास्थः | युङ्गितास्थ |
| युङ्गितास्मि | युङ्गितास्वः | युङ्गितास्मः |
| भ० युङ्गिष्यति | युङ्गिष्यतः | युङ्गिष्यन्ति |
| युङ्गिष्यसि | युङ्गिष्यथः | युङ्गिष्यथ |
| युङ्गिष्यामि | युङ्गिष्यावः | युङ्गिष्यामः |
| क्रि० अयुङ्गिष्यत् | अयुङ्गिष्यताम् | अयुङ्गिष्यन् |
| अयुङ्गिष्यः | अयुङ्गिष्यतम् | अयुङ्गिष्यत |
| अयुङ्गिष्यम् | अयुङ्गिष्याव | अयुङ्गिष्याम |

93 जुग (जुङ्ग्) वर्जने

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० जुङ्गति | जुङ्गतः | जुङ्गन्ति |
| जुङ्गसि | जुङ्गथः | जुङ्गथ |
| जुङ्गामि | जुङ्गावः | जुङ्गामः |
| स० जुङ्गेत् | जुङ्गेताम् | जुङ्गेयुः |
| जुङ्गेः | जुङ्गेतम् | जुङ्गेत |
| जुङ्गेयम् | जुङ्गेव | जुङ्गेव |
| प० जुङ्गतु | जुङ्गतात् | जुङ्गताम् |
| जुङ्ग | " | जुङ्गतम् |
| जुङ्गानि | जुङ्गाव | जुङ्गाम |
| द्य० अजुङ्गत् | अजुङ्गताम् | अजुङ्गन् |
| अजुङ्गः | अजुङ्गतम् | अजुङ्गत |
| अजुङ्गम् | अजुङ्गाव | अजुङ्गाम |
| अ० अजुङ्गीत् | अजुङ्गिताम् | अजुङ्गिषुः |
| अजुङ्गीः | अजुङ्गितम् | अजुङ्गित |
| अजुङ्गिषम् | अजुङ्गिष्व | अजुङ्गिषम् |
| प० जुजुङ्ग | जुजुङ्गतुः | जुजुङ्गुः |
| जुजुङ्गिथ | जुजुङ्गथुः | जुजुङ्ग |
| जुजुङ्ग | जुजुङ्गिष्व | जुजुङ्गिष्व |
| आ० जुङ्ग्यात् | जुङ्ग्यास्ताम् | जुङ्ग्यासुः |
| जुङ्ग्याः | जुङ्ग्यास्तम् | जुङ्ग्यास्त |
| जुङ्ग्यासम् | जुङ्ग्यास्व | जुङ्ग्यास्म |
| श्व० जुङ्गिता | जुङ्गितारौ | जुङ्गितारः |
| जुङ्गितासि | जुङ्गितास्थः | जुङ्गितास्थ |
| जुङ्गितास्मि | जुङ्गितास्वः | जुङ्गितास्मः |
| भ० जुङ्गिष्यति | जुङ्गिष्यतः | जुङ्गिष्यन्ति |
| जुङ्गिष्यसि | जुङ्गिष्यथः | जुङ्गिष्यथ |
| जुङ्गिष्यामि | जुङ्गिष्यावः | जुङ्गिष्यामः |
| क्रि० अजुङ्गिष्यत् | अजुङ्गिष्यताम् | अजुङ्गिष्यन् |
| अजुङ्गिष्यः | अजुङ्गिष्यतम् | अजुङ्गिष्यत |
| अजुङ्गिष्यम् | अजुङ्गिष्याव | अजुङ्गिष्याम |

94 वुङ् (वुङ्ग्) चर्जने ।

व० वुङ्गति वुङ्गतः वुङ्गन्ति
वुङ्गसि वुङ्गथः वुङ्गथ
वुङ्गामि वुङ्गावः वुङ्गामः

स० वुङ्गेत् वुङ्गेताम् वुङ्गेयुः
वुङ्गेः वुङ्गेतम् वुङ्गेत
वुङ्गेयम् वुङ्गेव वुङ्गेम

प० वुङ्गत् वुङ्गतात् वुङ्गताम् वुङ्गन्तु
वुङ्ग " वुङ्गतम् वुङ्गत
वुङ्गानि वुङ्गाव वुङ्गाम

ह्य० अवुङ्गत् अवुङ्गताम् अवुङ्गन्
अवुङ्गः अवुङ्गतम् अवुङ्गत
अवुङ्गम् अवुङ्गाव अवुङ्गाम

अ० अवुङ्गीत् अवुङ्गीताम् अवुङ्गीषुः
अवुङ्गीः अवुङ्गीतम् अवुङ्गीष्ट
अवुङ्गीषम् अवुङ्गीष्व अवुङ्गीष्म

प० वुवुङ्ग वुवुङ्गितुः वुवुङ्गुः
वुवुङ्गिथ वुवुङ्गथुः वुवुङ्ग
वुवुङ्ग वुवुङ्गिष वुवुङ्गिषम्

आ० वुङ्ग्यात् वुङ्ग्यास्ताम् वुङ्ग्यासुः
वुङ्ग्याः वुङ्ग्यास्तम् वुङ्ग्यास्त
वुङ्ग्यासम् वुङ्ग्यास्व वुङ्ग्यास्म

भ्व० वुङ्गिता वुङ्गितारौ वुङ्गितारः
वुङ्गितासि वुङ्गितास्थः वुङ्गितास्थ
वुङ्गितास्मि वुङ्गितास्वः वुङ्गितास्मः

भ० वुङ्गिष्यति वुङ्गिष्यतः वुङ्गिष्यन्ति
वुङ्गिष्यसि वुङ्गिष्यथः वुङ्गिष्यथ
वुङ्गिष्यामि वुङ्गिष्यावः वुङ्गिष्यामः

क्रि० अवुङ्गिष्यत् अवुङ्गिष्यताम् अवुङ्गिष्यन्
अवुङ्गिष्यः अवुङ्गिष्यतम् अवुङ्गिष्यत
अवुङ्गिष्यम् अवुङ्गिष्याव अवुङ्गिष्याम

॥ अथ घान्ताश्चत्वारः सेटो गग्धवर्जा
उदितश्च ।

95 गग्ध (गग्ध्) हसने

व० गग्धति गग्धतः गग्धन्ति
गग्धसि गग्धथः गग्धथ
गग्धामि गग्धावः गग्धामः

स० गग्धेत् गग्धेताम् गग्धेयुः
गग्धेः गग्धेतम् गग्धेत
गग्धेयम् गग्धेव गग्धेम

प० गग्धत् गग्धतात् गग्धताम् गग्धन्तु
गग्ध " गग्धतम् गग्धत
गग्धानि गग्धाव गग्धाम

ह्य० अगग्धत् अगग्धताम् अगग्धन्
अगग्धः अगग्धतम् अगग्धत
अगग्धम् अगग्धाव अगग्धाम

अ० अगग्धीत् अगग्धीताम् अगग्धीषुः
अगग्धीः अगग्धीतम् अगग्धीष्ट
अगग्धीषम् अगग्धीष्व अगग्धीष्म

प० जगग्ध जगग्धतुः जगग्धुः
जगग्धिथ जगग्धथुः जगग्ध
जगग्ध जगग्धिष्व जगग्धिषम्

आ० गग्ध्यात् गग्ध्यास्ताम् गग्ध्यासुः
गग्ध्याः गग्ध्यास्तम् गग्ध्यास्त
गग्ध्यासम् गग्ध्यास्व गग्ध्यास्म

भ्व० गग्धिता गग्धितारौ गग्धितारः
गग्धितासि गग्धितास्थः गग्धितास्थ
गग्धितास्मि गग्धितास्वः गग्धितास्मः

भ० गग्धिष्यति गग्धिष्यतः गग्धिष्यन्ति
गग्धिष्यसि गग्धिष्यथः गग्धिष्यथ
गग्धिष्यामि गग्धिष्यावः गग्धिष्यामः

क्रि० अगग्धिष्यत् अगग्धिष्यताम्

अगग्धिष्यन् अगग्धिष्यः

अगग्धिष्यतम् अगग्धिष्यत

अगग्धिष्यम् अगग्धिष्याव अगग्धिष्याम

96 दधु (दङ्घ्र) पालने ।

वर्जनेऽपीत्यन्ये ।

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------------|
| व० दङ्घ्रति | दङ्घ्रतः | दङ्घ्रन्ति |
| दङ्घ्रसि | दङ्घ्रथः | दङ्घ्रथ |
| दङ्घ्रामि | दङ्घ्रावः | दङ्घ्रामः |
| स० दङ्घ्रेत् | दङ्घ्रेताम् | दङ्घ्रेयुः |
| दङ्घ्रेः | दङ्घ्रेतम् | दङ्घ्रेत |
| दङ्घ्रेयम् | दङ्घ्रेव | दङ्घ्रेम |
| प० दङ्घ्रतु | दङ्घ्रतात् | दङ्घ्रताम् दङ्घ्रन्तु |
| दङ्घ्र | „ | दङ्घ्रतम् दङ्घ्रत |
| दङ्घ्रानि | दङ्घ्राव | दङ्घ्राम |
| ह्य० अदङ्घ्रत् | अदङ्घ्रताम् | अदङ्घ्रन् |
| अदङ्घ्रः | अदङ्घ्रतम् | अदङ्घ्रत |
| अदङ्घ्रम् | अदङ्घ्राव | अदङ्घ्राम |
| अ० अदङ्घ्रीत् | अदङ्घ्रिष्ठात् | अदङ्घ्रिषु |
| अदङ्घ्रीः | अदङ्घ्रिष्टम् | अदङ्घ्रिष्ट |
| अदङ्घ्रिषम् | अदङ्घ्रिष्व | अदङ्घ्रिष्व |
| प० ददङ्घ्र | ददङ्घ्रतुः | ददङ्घ्रुः |
| ददङ्घ्रिथ | ददङ्घ्रिथुः | ददङ्घ्र |
| ददङ्घ्र | ददङ्घ्रिष | ददङ्घ्रिम |
| आ० दङ्घ्र्यात् | दङ्घ्र्यास्ताम् | दङ्घ्र्यासुः |
| दङ्घ्र्याः | दङ्घ्र्यास्तम् | दङ्घ्र्यास्त |
| दङ्घ्र्यासम् | दङ्घ्र्यास्व | दङ्घ्र्यास्म |
| श्व० दङ्घ्रिता | दङ्घ्रितारौ | दङ्घ्रितारः |
| दङ्घ्रितासि | दङ्घ्रितास्थः | दङ्घ्रितास्थ |
| दङ्घ्रितास्मि | दङ्घ्रितास्वः | दङ्घ्रितास्म |
| भ० दङ्घ्रिष्यति | दङ्घ्रिष्यतः | दङ्घ्रिष्यन्ति |
| दङ्घ्रिष्यसि | दङ्घ्रिष्यथः | दङ्घ्रिष्यथ |
| दङ्घ्रिष्यामि | दङ्घ्रिष्यावः | दङ्घ्रिष्यामः |
| क्रि० अदङ्घ्रिष्यत् | अदङ्घ्रिष्यताम् | अदङ्घ्रिष्यन् |
| अदङ्घ्रिष्यः | अदङ्घ्रिष्यतम् | अदङ्घ्रिष्यत |
| अदङ्घ्रिष्यम् | अदङ्घ्रिष्याव | अदङ्घ्रिष्याम |

97 शिघु (शिङ्घ्र) आघ्राणे

आघ्राणे गन्धोपादानम् ।

| | | |
|----------------------|------------------|-------------------------|
| ष० शिङ्घ्रति | शिङ्घ्रतः | शिङ्घ्रन्ति |
| शिङ्घ्रसि | शिङ्घ्रथः | शिङ्घ्रथ |
| शिङ्घ्रामि | शिङ्घ्रावः | शिङ्घ्रामः |
| स० शिङ्घ्रेत् | शिङ्घ्रेताम् | शिङ्घ्रेयुः |
| शिङ्घ्रेः | शिङ्घ्रेतम् | शिङ्घ्रेत |
| शिङ्घ्रेयम् | शिङ्घ्रेव | शिङ्घ्रेम |
| प० शिङ्घ्रतु | शिङ्घ्रतात् | शिङ्घ्रताम् शिङ्घ्रन्तु |
| शिङ्घ्र | „ | शिङ्घ्रतम् शिङ्घ्रत |
| शिङ्घ्रानि | शिङ्घ्राव | शिङ्घ्राम |
| ह्य० अशिङ्घ्रत् | अशिङ्घ्रताम् | अशिङ्घ्रन् |
| अशिङ्घ्रः | अशिङ्घ्रतम् | अशिङ्घ्रत |
| अशिङ्घ्रम् | अशिङ्घ्राव | अशिङ्घ्राम |
| अ० अशिङ्घ्रीत् | अशिङ्घ्रिष्ठात् | अशिङ्घ्रिषु |
| अशिङ्घ्रीः | अशिङ्घ्रिष्टम् | अशिङ्घ्रिष्ट |
| अशिङ्घ्रिषम् | अशिङ्घ्रिष्व | अशिङ्घ्रिष्व |
| प० शिशिङ्घ्र | शिशिङ्घ्रतुः | शिशिङ्घ्रुः |
| शिशिङ्घ्रिथ | शिशिङ्घ्रिथुः | शिशिङ्घ्र |
| शिशिङ्घ्र | शिशिङ्घ्रिष | शिशिङ्घ्रिम |
| आ० शिङ्घ्र्यात् | शिङ्घ्र्यास्ताम् | शिङ्घ्र्यासुः |
| शिङ्घ्र्याः | शिङ्घ्र्यास्तम् | शिङ्घ्र्यास्त |
| शिङ्घ्र्यासम् | शिङ्घ्र्यास्व | शिङ्घ्र्यास्म |
| श्व० शिङ्घ्रिता | शिङ्घ्रितारौ | शिङ्घ्रितारः |
| शिङ्घ्रितासि | शिङ्घ्रितास्थः | शिङ्घ्रितास्थ |
| शिङ्घ्रितास्मि | शिङ्घ्रितास्वः | शिङ्घ्रितास्म |
| भ० शिङ्घ्रिष्यति | शिङ्घ्रिष्यतः | शिङ्घ्रिष्यन्ति |
| शिङ्घ्रिष्यसि | शिङ्घ्रिष्यथः | शिङ्घ्रिष्यथ |
| शिङ्घ्रिष्यामि | शिङ्घ्रिष्यावः | शिङ्घ्रिष्यामः |
| क्रि० अशिङ्घ्रिष्यत् | अशिङ्घ्रिष्यताम् | अशिङ्घ्रिष्यन् |
| अशिङ्घ्रिष्यः | अशिङ्घ्रिष्यतम् | अशिङ्घ्रिष्यत |
| अशिङ्घ्रिष्यम् | अशिङ्घ्रिष्याव | अशिङ्घ्रिष्याम |

98 लघु [लङ्घ] गंतौ

| | | |
|---------------|---------------|-------------------|
| व० लङ्घति | लङ्घतः | लङ्घन्ति |
| लङ्घसि | लङ्घथः | लङ्घध्व |
| लङ्घामि | लङ्घावः | लङ्घामः |
| स० लङ्घेत् | लङ्घेताम् | लङ्घेयुः |
| लङ्घेः | लङ्घेतम् | लङ्घेत |
| लङ्घेयम् | लङ्घेयव | लङ्घेयम् |
| प० लङ्घतु | लङ्घतात् | लङ्घताम् लङ्घन्तु |
| लङ्घ | ,, | लङ्घतम् लङ्घत |
| लङ्घानि | लङ्घाव | लङ्घाम |
| ह्य० अलङ्घत् | अलङ्घताम् | अलङ्घन् |
| अलङ्घः | अलङ्घतम् | अलङ्घत |
| अलङ्घम् | अलङ्घाव | अलङ्घाम |
| अ० अलङ्घीत् | अलङ्घिषाम् | अलङ्घिषुः |
| अलङ्घीः | अलङ्घिषम् | अलङ्घिष |
| अलङ्घिषम् | अलङ्घिष्व | अलङ्घिषम् |
| प० ललङ्घ | ललङ्घतुः | ललङ्घुः |
| ललङ्घिष | ललङ्घयुः | ललङ्घ |
| ललङ्घ | ललङ्घिव | ललङ्घिम |
| आ० लङ्घ्यात् | लङ्घ्यास्ताम् | लङ्घ्यासुः |
| लङ्घ्याः | लङ्घ्यास्तम् | लङ्घ्यास्त |
| लङ्घ्यासम् | लङ्घ्यास्व | लङ्घ्यास्म |
| श्व० लङ्घिता | लङ्घितारौ | लङ्घितारः |
| लङ्घितासि | लङ्घितास्थः | लङ्घितास्थः |
| लङ्घितास्मि | लङ्घितास्वः | लङ्घितास्मः |
| भ० लङ्घिष्यति | लङ्घिष्यतः | लङ्घिष्यन्ति |
| लङ्घिष्यसि | लङ्घिष्यथः | लङ्घिष्यथ |
| लङ्घिष्यामि | लङ्घिष्यावः | लङ्घिष्यामः |

क्रि० अलङ्घिष्यत् अलङ्घिष्यताम् अलङ्घिष्यन्
अलङ्घिष्यः अलङ्घिष्यतम् अलङ्घिष्यत
अलङ्घिष्यम् अलङ्घिष्याव अलङ्घिष्याम

। अथ चान्ता विंशतिः सेटश्च ॥

99 शुच (शुच्) शोके

| | | |
|--------------|--------------|-----------------|
| व० शोचति | शोचतः | शोचन्ति |
| शोचसि | शोचथः | शोचथ |
| शोचामि | शोचावः | शोचामः |
| स० शोचेत् | शोचेताम् | शोचेयुः |
| शोचेः | शोचेतम् | शोचेत |
| शोचेयम् | शोचेयव | शोचेयम् |
| प० शोचतु | शोचतात् | शोचताम् शोचन्तु |
| शोच | ,, | शोचतम् शोचत |
| शोचानि | शोचाव | शोचाम |
| ह्य० अशोचत् | अशोचताम् | अशोचन् |
| अशोचः | अशोचतम् | अशोचत |
| अशोचम् | अशोचाव | अशोचाम |
| अ० अशोचीत् | अशोचिषाम् | अशोचिषुः |
| अशोचीः | अशोचिषम् | अशोचिष |
| अशोचिषम् | अशोचिष्व | अशोचिषम् |
| प० शुशुच | शुशुचतुः | शुशुचुः |
| शुशुचिथ | शुशुचयुः | शुशुच |
| शुशुच | शुशुचिव | शुशुचिम |
| आ० शुच्यात् | शुच्यास्ताम् | शुच्यासुः |
| शुच्याः | शुच्यास्तम् | शुच्यास्त |
| शुच्यासम् | शुच्यास्व | शुच्यास्म |
| श्व० शोचिता | शोचितारौ | शोचितारः |
| शोचितासि | शोचितास्थः | शोचितास्थः |
| शोचितास्मि | शोचितास्वः | शोचितास्मः |
| भ० शोचिष्यति | शोचिष्यतः | शोचिष्यन्ति |
| शोचिष्यसि | शोचिष्यथः | शोचिष्यथ |
| शोचिष्यामि | शोचिष्यावः | शोचिष्यामः |

क्रि० अशोचिष्यत् अशोचिष्यताम् अशोचिष्यन्
अशोचिष्यः अशोचिष्यतम् अशोचिष्यत
अशोचिष्यम् अशोचिष्याव अशोचिष्याम

100 कुच (कुच्) शब्दे तारे ।

तार उच्च इत्यर्थः ॥

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० कोचति | कोचतः | कोचन्ति |
| कोचसि | कोचथः | कोचथ |
| कोचामि | कोचावः | कोचामः |
| स० कोचेत् | कोचेताम् | कोचेयुः |
| कोचेः | कोचेतम् | कोचेत |
| कोचेयम् | कोचेव | कोचेम |
| प० कोचतु | कोचतात् | कोचताम् कोचन्तु |
| कोच | ,, | कोचतम् कोचेत |
| कोचानि | कोचाव | कोचाम |
| ह्य० अकोचत् | अकोचताम् | अकोचन् |
| अकोचः | अकोचतम् | अकोचत |
| अकोचम् | अकोचाव | अकोचाम |
| अ० अकोचीत् | अकोचिष्टाम् | अकोचिषुः |
| अकोचीः | अकोचिष्टम् | अकोचिष्ट |
| अकोचिषम् | अकोचिष्व | अकोचिष्म |
| प० चुकोच | चुकुचतुः | चुकुचुः |
| चुकोचिथ | चुकुचथुः | चुकुच |
| चुकोच | चुकुचिव | चुकुचिम |
| आ० कुच्यात् | कुच्यास्ताम् | कुच्यासुः |
| कुच्याः | कुच्यास्तम् | कुच्यास्त |
| कुच्यासम् | कुच्यास्व | कुच्यास्म |
| श्व० कोचिता | कोचितारौ | कोचितारः |
| कोचितासि | कोचितास्थः | कोचितास्थ |
| कोचितास्मि | कोचितास्वः | कोचितास्मः |
| भ० कोचिष्यति | कोचिष्यतः | कोचिष्यन्ति |
| कोचिष्यसि | कोचिष्यथः | कोचिष्यथ |
| कोचिष्यामि | कोचिष्यावः | कोचिष्यामः |
| क्रि० अकोचिष्यत् | अकोचिष्यताम् | अकोचिष्यन् |
| अकोचिष्यः | अकोचिष्यतम् | अकोचिष्यत |
| अकोचिष्यम् | अकोचिष्याव | अकोचिष्याम |

101 कुञ्च [कुञ्च्] गतौ

| | | |
|--------------------|----------------|----------------------|
| व० कुञ्चति | कुञ्चतः | कुञ्चन्ति |
| कुञ्चसि | कुञ्चथः | कुञ्चथ |
| कुञ्चामि | कुञ्चावः | कुञ्चामः |
| स० कुञ्चेत् | कुञ्चेताम् | कुञ्चेयुः |
| कुञ्चेः | कुञ्चेतम् | कुञ्चेत |
| कुञ्चेयम् | कुञ्चेव | कुञ्चेम |
| प० कुञ्चतु | कुञ्चतात् | कुञ्चेताम् कुञ्चन्तु |
| कुञ्च | ,, | कुञ्चतम् कुञ्चत |
| कुञ्चानि | | कुञ्चाव कुञ्चाम |
| ह्य० अकुञ्चत् | अकुञ्चताम् | अकुञ्चन् |
| अकुञ्चः | अकुञ्चतम् | अकुञ्चत |
| अकुञ्चम् | अकुञ्चाव | अकुञ्चाम |
| अ० अकुञ्चीत् | अकुञ्चिष्टाम् | अकुञ्चिषुः |
| अकुञ्चीः | अकुञ्चिष्टम् | अकुञ्चिष्ट |
| अकुञ्चिषम् | अकुञ्चिष्व | अकुञ्चिष्म |
| प० चुकुञ्च | चुकुञ्चतुः | चुकुञ्चुः |
| चुकुञ्चिथ | चुकुञ्चथुः | चुकुञ्च |
| चुकुञ्च | चुकुञ्चिव | चुकुञ्चिम |
| आ० कुञ्च्यात् | कुञ्च्यास्ताम् | कुञ्च्यासुः |
| कुञ्च्याः | कुञ्च्यास्तम् | कुञ्च्यास्त |
| कुञ्च्यासम् | कुञ्च्यास्व | कुञ्च्यास्म |
| श्व० कुञ्चिता | कुञ्चितारौ | कुञ्चितारः |
| कुञ्चितासि | कुञ्चितास्थः | कुञ्चितास्थ |
| कुञ्चितास्मि | कुञ्चितास्वः | कुञ्चितास्मः |
| भ० कुञ्चिष्यति | कुञ्चिष्यतः | कुञ्चिष्यन्ति |
| कुञ्चिष्यसि | कुञ्चिष्यथः | कुञ्चिष्यथ |
| कुञ्चिष्यामि | कुञ्चिष्यावः | कुञ्चिष्यामः |
| क्रि० अकुञ्चिष्यत् | अकुञ्चिष्यताम् | अकुञ्चिष्यन् |
| अकुञ्चिष्यः | अकुञ्चिष्यतम् | अकुञ्चिष्यत |
| अकुञ्चिष्यम् | अकुञ्चिष्याव | अकुञ्चिष्याम |

102 कुञ्च (कुञ्च्) च

कौटिल्याल्पीभावयोः । चकारः कुञ्चोऽ-
नुकर्षणार्थः, तेन कुञ्चस्यैयर्थं सिद्धं गते-
रन्यस्य वा कौटिल्ये द्रव्यस्याल्पीभावे ।

व० कुञ्चति कुञ्चतः कुञ्चन्ति
कुञ्चसि कुञ्चथः कुञ्चथ
कुञ्चामि कुञ्चावः कुञ्चामः
स० कुञ्चेत् कुञ्चेताम् कुञ्चेयुः
कुञ्चेः कुञ्चेतम् कुञ्चेत
कुञ्चेयम् कुञ्चेव कुञ्चेम

प० कुञ्चतु कुञ्चतात् कुञ्चताम् कुञ्चन्तु
कुञ्च " कुञ्चतम् कुञ्चत
कुञ्चानि कुञ्चाव कुञ्चाम

ह्य० अकुञ्चत अकुञ्चताम् अकुञ्चन्
अकुञ्चः अकुञ्चतम् अकुञ्चत
अकुञ्चम् अकुञ्चाव अकुञ्चाम

अ० अकुञ्चीत् अकुञ्चिताम् अकुञ्चिषुः
अकुञ्चीः अकुञ्चिषम् अकुञ्चिष्व
अकुञ्चिषम् अकुञ्चिष्व अकुञ्चिषम्

प० चुकुञ्च चुकुञ्चतुः चुकुञ्चुः
चुकुञ्चिथ चुकुञ्चथुः चुकुञ्च
चुकुञ्च चुकुञ्चिष चुकुञ्चिषम्

आ० कुञ्च्यात् कुञ्च्यास्ताम् कुञ्च्यासुः
कुञ्च्याः कुञ्च्यास्तम् कुञ्च्यास्त
कुञ्च्यासम् कुञ्च्यास्व कुञ्च्यास्म

श्व० कुञ्चिता कुञ्चितारौ कुञ्चितारः
कुञ्चितासि कुञ्चितास्थः कुञ्चितास्थ
कुञ्चितास्मि कुञ्चितास्वः कुञ्चितास्मः

भ० कुञ्चिष्यति कुञ्चिष्यतः कुञ्चिष्यन्ति
कुञ्चिष्यसि कुञ्चिष्यथः कुञ्चिष्यथ
कुञ्चिष्यामि कुञ्चिष्यावः कुञ्चिष्यामः

क्रि० अकुञ्चिष्यत अकुञ्चिताम् अकुञ्चिष्यत
अकुञ्चिष्यः अकुञ्चिष्यतम् अकुञ्चिष्यत
अकुञ्चिष्यम् अकुञ्चिष्याव अकुञ्चिष्याम

103 लुञ्च (लुञ्च्) अपनयने ।

अनुपयुक्तापासने

व० लुञ्चति लुञ्चतः लुञ्चन्ति
लुञ्चसि लुञ्चथः लुञ्चथ
लुञ्चामि लुञ्चावः लुञ्चामः

स० लुञ्चेत् लुञ्चेताम् लुञ्चेयुः
लुञ्चेः लुञ्चेतम् लुञ्चेत
लुञ्चेयम् लुञ्चेव लुञ्चेम

प० लुञ्चतु लुञ्चतात् लुञ्चताम् लुञ्चन्तु
लुञ्च " लुञ्चतम् लुञ्चत
लुञ्चानि लुञ्चाव लुञ्चाम

ह्य० अलुञ्चत अलुञ्चताम् अलुञ्चन्
अलुञ्चः अलुञ्चतम् अलुञ्चत
अलुञ्चम् अलुञ्चाव अलुञ्चाम

अ० अलुञ्चीत् अलुञ्चिताम् अलुञ्चिषुः
अलुञ्चीः अलुञ्चिषम् अलुञ्चिष्व
अलुञ्चिषम् अलुञ्चिष्व अलुञ्चिषम्

प० लुलुञ्च लुलुञ्चतुः लुलुञ्चुः
लुलुञ्चिथ लुलुञ्चथुः लुलुञ्च
लुलुञ्च लुलुञ्चिष लुलुञ्चिषम्

आ० लुञ्च्यात् लुञ्च्यास्ताम् लुञ्च्यासुः
लुञ्च्याः लुञ्च्यास्तम् लुञ्च्यास्त
लुञ्च्यासम् लुञ्च्यास्व लुञ्च्यास्म

श्व० लुञ्चिता लुञ्चितारौ लुञ्चितारः
लुञ्चितासि लुञ्चितास्थः लुञ्चितास्थ
लुञ्चितास्मि लुञ्चितास्वः लुञ्चितास्मः

भ० लुञ्चिष्यति लुञ्चिष्यतः लुञ्चिष्यन्ति
लुञ्चिष्यसि लुञ्चिष्यथः लुञ्चिष्यथ
लुञ्चिष्यामि लुञ्चिष्यावः लुञ्चिष्यामः

क्रि० अलुञ्चिष्यत अलुञ्चिष्यताम्
अलुञ्चिष्यन् अलुञ्चिष्यः
अलुञ्चिष्यतम् अलुञ्चिष्यत
अलुञ्चिष्यम् अलुञ्चिष्याव अलुञ्चिष्याम

104 अर्च (अर्च) पूजायाम्

| | | |
|------------------|---------------|-------------------|
| व० अर्चति | अर्चतः | अर्चन्ति |
| अर्चसि | अर्चथः | अर्चथ |
| अर्चामि | अर्चावः | अर्चाम. |
| स० अर्चेत् | अर्चेताम् | अर्चेयुः |
| अर्चेः | अर्चेतम् | अर्चेत |
| अर्चेयम् | अर्चे | अर्चेम |
| प० अर्चतु | अर्चतात् | अर्चताम् अर्चन्तु |
| अर्च | , | अर्चतम् अर्चत |
| अर्चानि | अर्चाव | अर्चाम |
| ह्य० आर्चत् | आर्चताम् | आर्चन् |
| आर्चः | आर्चतम् | आर्चत |
| आर्चम् | आर्चाव | आर्चाम |
| अ० आर्चीत् | आर्चिष्टाम् | आर्चिषुः |
| आर्चीः | आर्चिष्टम् | आर्चिष्ट |
| आर्चिषम् | आर्चिष्व | आर्चिष्व |
| प० आनर्च | आनर्चतुः | आनर्चुः |
| आनर्चिथ | आनर्चथुः | आनर्च |
| आनर्च | आनर्चिष्व | आनर्चिष्व |
| आ० अर्च्यात् | अर्च्यास्ताम् | अर्च्यासुः |
| अर्च्याः | अर्च्यास्तम् | अर्च्यास्त |
| अर्च्यासम् | अर्च्यास्व | अर्च्यास्मः |
| श्व० अर्चिता | अर्चितारौ | अर्चितारः |
| अर्चितासि | अर्चितास्थः | अर्चितास्थ |
| अर्चितास्मि | अर्चितास्वः | अर्चितास्मः |
| भ० अर्चिष्यति | अर्चिष्यतः | अर्चिष्यन्ति |
| अर्चिष्यसि | अर्चिष्यथः | अर्चिष्यथ |
| अर्चिष्यामि | अर्चिष्यावः | अर्चिष्यामः |
| क्रि० आर्चिष्यत् | आर्चिष्यताम् | आर्चिष्यन् |
| आर्चिष्यः | आर्चिष्यतम् | आर्चिष्यत |
| आर्चिष्यम् | आर्चिष्याव | आर्चिष्याम |

105 अञ्चू [अञ्च] गतौ,

| | | |
|------------------|---------------|-------------------|
| व० अञ्चति | अञ्चतः | अञ्चन्ति |
| अञ्चसि | अञ्चथः | अञ्चथ |
| अञ्चामि | अञ्चावः | अञ्चामः |
| स० अञ्चेत् | अञ्चेताम् | अञ्चेयुः |
| अञ्चेः | अञ्चेतम् | अञ्चेत |
| अञ्चेयम् | अञ्चेव | अञ्चेम |
| प० अञ्चतु | अञ्चतात् | अञ्चताम् अञ्चन्तु |
| अञ्च | , | अञ्चतम् अञ्चत |
| अञ्चानि | अञ्चाव | अञ्चाम |
| ह्य० आञ्चत् | आञ्चताम् | आञ्चन् |
| आञ्चः | आञ्चतम् | आञ्चत |
| आञ्चम् | आञ्चाव | आञ्चाम |
| अ० आञ्चीत् | आञ्चिष्टाम् | आञ्चिषुः |
| आञ्चीः | आञ्चिष्टम् | आञ्चिष्ट |
| आञ्चिषम् | आञ्चिष्व | आञ्चिष्व |
| प० आनञ्च | आनञ्चतुः | आनञ्चुः |
| आनञ्चिथ | आनञ्चथुः | आनञ्च |
| आनञ्च | आनञ्चिष्व | आनञ्चिष्व |
| आ० अञ्च्यात् | अञ्च्यास्ताम् | अञ्च्यासुः |
| अञ्च्याः | अञ्च्यास्तम् | अञ्च्यास्त |
| अञ्च्यासम् | अञ्च्यास्व | अञ्च्यास्मः |
| पूजायाम्, | | |
| अञ्च्यात् | अञ्च्यास्ताम् | अञ्च्यासुः |
| अञ्च्याः | अञ्च्यास्तम् | अञ्च्यास्त |
| अञ्च्यासम् | अञ्च्यास्व | अञ्च्यास्म |
| श्व० अञ्चिता | अञ्चितारौ | अञ्चितारः |
| अञ्चितासि | अञ्चितास्थः | अञ्चितास्थ |
| अञ्चितास्मि | अञ्चितास्वः | अञ्चितास्मः |
| भ० अञ्चिष्यति | अञ्चिष्यतः | अञ्चिष्यन्ति |
| अञ्चिष्यसि | अञ्चिष्यथः | अञ्चिष्यथ |
| अञ्चिष्यामि | अञ्चिष्यावः | अञ्चिष्यामः |
| क्रि० अञ्चिष्यत् | अञ्चिष्यताम् | अञ्चिष्यन् |
| अञ्चिष्यः | अञ्चिष्यतम् | अञ्चिष्यत |
| अञ्चिष्यम् | अञ्चिष्याव | अञ्चिष्याम |

106 तञ्च् (तञ्च्) गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वञ्चति | वञ्चतः | वञ्चन्ति |
| वञ्चसि | वञ्चथः | वञ्चथ |
| वञ्चामि | वञ्चावः | वञ्चामः |
| स० वञ्चेत् | वञ्चेताम् | वञ्चेयुः |
| वञ्चेः | वञ्चेतम् | वञ्चेत |
| वञ्चेयम् | वञ्चेव | वञ्चेम |
| प० वञ्चतु | वञ्चतात् | वञ्चताम् |
| वञ्च | वञ्चतम् | वञ्चत |
| वञ्चानि | वञ्चाव | वञ्चाम |
| झ० अवञ्चत् | अवञ्चताम् | अवञ्चन् |
| अवञ्चः | अवञ्चतम् | अवञ्चत |
| अवञ्चम् | कवञ्चाव | अवञ्चाव |
| अ० अवञ्चीत् | अवञ्चिष्टाम् | अवञ्चिषुः |
| अवञ्चीः | अवञ्चिष्टम् | अवञ्चिष्ट |
| अवञ्चिषम् | अवञ्चिष्व | अवञ्चिषम् |
| प० ववञ्च | ववञ्चतुः | ववञ्चुः |
| ववञ्चिथ | ववञ्चिथुः | ववञ्च |
| ववञ्च | ववञ्चिक् | ववञ्चिम |
| आ० वच्यात् | वच्यास्ताम् | वच्यासुः |
| वच्याः | वच्यास्तम् | वच्यास्त |
| वच्यासम् | वच्यास्व | वच्यास्म |
| श्व० वञ्चिता | वञ्चितारौ | वञ्चितारः |
| वञ्चितासि | वञ्चितास्थः | वञ्चितास्थ |
| वञ्चितास्मि | वञ्चितास्वः | वञ्चितास्मः |
| भ० वञ्चिष्यति | वञ्चिष्यतः | वञ्चिष्यन्ति |
| वञ्चिष्यसि | वञ्चिष्यथः | वञ्चिष्यथ |
| वञ्चिष्यामि | वञ्चिष्यावः | वञ्चिष्यामः |
| क्रि० अवञ्चिष्यत् | अवञ्चिष्यताम् | |
| अवञ्चिष्यन् | अवञ्चिष्यः | |
| अवञ्चिष्यतम् | अवञ्चिष्यत | |
| अवञ्चिष्यम् | अवञ्चिष्याव | अवञ्चिष्याम |

107 चञ्च् (चञ्च्) गतौ

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| व० चञ्चति | चञ्चतः | चञ्चन्ति |
| चञ्चसि | चञ्चथः | चञ्चथ |
| चञ्चामि | चञ्चावः | चञ्चामः |
| स० चञ्चेत् | चञ्चेताम् | चञ्चेयुः |
| चञ्चेः | चञ्चेतम् | चञ्चेत |
| चञ्चेयम् | चञ्चेव | चञ्चेम |
| प० चञ्चतु | चञ्चतात् | चञ्चताम् |
| चञ्च | चञ्चतम् | चञ्चत |
| चञ्चानि | चञ्चाव | चञ्चाम |
| झ० अचञ्चत् | अचञ्चताम् | अचञ्चन् |
| अचञ्चः | अचञ्चतम् | अचञ्चत |
| अचञ्चम् | अचञ्चाव | अचञ्चाम |
| अ० अचञ्चीत् | अचञ्चिष्टाम् | अचञ्चिषुः |
| अचञ्चीः | अचञ्चिष्टम् | अचञ्चिष्ट |
| अचञ्चिषम् | अचञ्चिष्व | अचञ्चिषम् |
| प० चचञ्च | चचञ्चतुः | चचञ्चुः |
| चचञ्चिथ | चचञ्चिथुः | चचञ्च |
| चचञ्च | चचञ्चिक् | चचञ्चिम |
| अ० चच्यात् | चच्यास्ताम् | चच्यासुः |
| चच्याः | चच्यास्तम् | चच्यास्त |
| चच्यासम् | चच्यास्व | चच्यास्म |
| श्व० चञ्चिता | चञ्चितारौ | चञ्चितारः |
| चञ्चितासि | चञ्चितास्थः | चञ्चितास्थ |
| चञ्चितास्मि | चञ्चितास्वः | चञ्चितास्मः |
| भ० चञ्चिष्यति | चञ्चिष्यतः | चञ्चिष्यन्ति |
| चञ्चिष्यसि | चञ्चिष्यथः | चञ्चिष्यथ |
| चञ्चिष्यामि | चञ्चिष्यावः | चञ्चिष्यामः |
| अचञ्चिष्यत् | अचञ्चिष्यताम् | अचञ्चिष्यन् |
| अचञ्चिष्यः | अचञ्चिष्यतम् | अचञ्चिष्यत |
| अचञ्चिष्यम् | अचञ्चिष्याव | अचञ्चिष्याम |

108 तञ्च् (तञ्च्) गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० तञ्चति | तञ्चतः | तञ्चन्ति |
| तञ्चसि | तञ्चथः | तञ्चथ |
| तञ्चामि | तञ्चावः | तञ्चामः |
| स० तञ्चेत् | तञ्चेताम् | तञ्चेयुः |
| तञ्चेः | तञ्चेतम् | तञ्चेत |
| तञ्चेयम् | तञ्चेव | तञ्चेम |
| प० तञ्चतु | तञ्चतात् | तञ्चताम् |
| तञ्च | तञ्चतम् | तञ्चत |
| तञ्चानि | तञ्चाव | तञ्चाम |
| झ० अतञ्चत् | अतञ्चताम् | अतञ्चन् |
| अतञ्चः | अतञ्चतम् | अतञ्चत |
| अतञ्चम् | अतञ्चाव | अतञ्चाम |
| अ० अतञ्चीत् | अतञ्चिष्टाम् | अतञ्चिषुः |
| अतञ्चीः | अतञ्चिष्टम् | अतञ्चिष्ट |
| अतञ्चिषम् | अतञ्चिष्व | अतञ्चिष्म |
| प० ततञ्च | ततञ्चतुः | ततञ्चुः |
| ततञ्चथ | ततञ्चथुः | ततञ्च |
| ततञ्च | ततञ्चव | ततञ्चम |
| आ० तच्यात् | तच्यास्ताम् | तच्यासुः |
| तच्याः | तच्यास्तम् | तच्यास्त |
| तच्यासम् | तच्यास्व | तच्यास्म |
| श्च० तञ्चिता | तञ्चितारौ | तञ्चितारः |
| तञ्चितासि | तञ्चितास्थः | तञ्चितास्थ |
| तञ्चितास्मि | तञ्चितास्वः | तञ्चितास्म |
| भ० तञ्चिष्यति | तञ्चिष्यतः | तञ्चिष्यन्ति |
| तञ्चिष्यसि | तञ्चिष्यथः | तञ्चिष्यथ |
| तञ्चिष्यामि | तञ्चिष्यावः | तञ्चिष्यामः |
| क्रि० अतञ्चिष्यत् | अतञ्चिष्यताम् | |
| अतञ्चिष्यन् | अतञ्चिष्यः | |
| अतञ्चिष्यतम् | अतञ्चिष्यत | |
| अतञ्चिष्यम् | अतञ्चिष्याव | अतञ्चिष्याम |

109 त्वञ्च् (त्वञ्च्) गतौ

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० त्वञ्चति | त्वञ्चतः | त्वञ्चन्ति |
| त्वञ्चसि | त्वञ्चथः | त्वञ्चथ |
| त्वञ्चामि | त्वञ्चावः | त्वञ्चामः |
| स० त्वञ्चेत् | त्वञ्चेताम् | त्वञ्चेयुः |
| त्वञ्चेः | त्वञ्चेतम् | त्वञ्चेत |
| त्वञ्चेयम् | त्वञ्चेव | त्वञ्चेम |
| प० त्वञ्चतु | त्वञ्चतात् | त्वञ्चताम् |
| त्वञ्च | त्वञ्चतम् | त्वञ्चत |
| त्वञ्चानि | त्वञ्चाव | त्वञ्चाम |
| झ० अत्वञ्चत् | अत्वञ्चताम् | अत्वञ्चन् |
| अत्वञ्चः | अत्वञ्चतम् | अत्वञ्चत |
| अत्वञ्चम् | अत्वञ्चाव | अत्वञ्चाम |
| अ० अत्वञ्चीत् | अत्वञ्चिष्टाम् | अत्वञ्चिषुः |
| अत्वञ्चीः | अत्वञ्चिष्टम् | अत्वञ्चिष्ट |
| अत्वञ्चिषम् | अत्वञ्चिष्व | अत्वञ्चिष्म |
| प० तत्वञ्च | तत्वञ्चतुः | तत्वञ्चुः |
| तत्वञ्चथ | तत्वञ्चथुः | तत्वञ्च |
| तत्वञ्च | तत्वञ्चव | तत्वञ्चम |
| अ० त्वच्यात् | त्वच्यास्ताम् | त्वच्यासुः |
| त्वच्याः | त्वच्यास्तम् | त्वच्यास्त |
| त्वच्यासम् | त्वच्यास्व | त्वच्यास्म |
| श्च० त्वञ्चिता | त्वञ्चितारौ | त्वञ्चितारः |
| त्वञ्चितासि | त्वञ्चितास्थः | त्वञ्चितास्थ |
| त्वञ्चितास्मि | त्वञ्चितास्वः | त्वञ्चितास्म |
| भ० त्वञ्चिष्यति | त्वञ्चिष्यतः | त्वञ्चिष्यन्ति |
| त्वञ्चिष्यसि | त्वञ्चिष्यथः | त्वञ्चिष्यथ |
| त्वञ्चिष्यामि | त्वञ्चिष्यावः | त्वञ्चिष्यामः |
| अ० अत्वञ्चिष्यत् | अत्वञ्चिष्यताम् | अत्वञ्चिष्यन् |
| अत्वञ्चिष्यः | अत्वञ्चिष्यतम् | अत्वञ्चिष्यत |
| अत्वञ्चिष्यम् | अत्वञ्चिष्याव | अत्वञ्चिष्याम |

110 मञ्चू (मञ्चू) गतौ

व० मञ्चति मञ्चतः मञ्चन्ति
मञ्चसि मञ्चथः मञ्चथ
मञ्चामि मञ्चावः मञ्चामः

स० मञ्चेत् मञ्चेताम् मञ्चेयुः
मञ्चेः मञ्चेतम् मञ्चेत
मञ्चेयम् मञ्चेव मञ्चेम

प० मञ्चतु मञ्चतात् मञ्चताम् मञ्चन्तु
मञ्च , मञ्चतम् मञ्चत
मञ्चानि मञ्चाव मञ्चाम

ह्य० अमञ्चत् अमञ्चताम् अमञ्चन्
अमञ्चः अमञ्चतम् अमञ्चत
अमञ्चम् अमञ्चाव अमञ्चाम

अ० अमञ्चीत् अमञ्चिष्टाम् अमञ्चिषुः
अमञ्चीः अमञ्चिष्टम् अमञ्चिष्ट
अमञ्चिषम् अमञ्चिष्व अमञ्चिष्म

प० ममञ्च ममञ्चतुः ममञ्चुः
ममञ्चिथ ममञ्चथुः ममञ्च
ममञ्च ममञ्चिथ ममञ्चिम

आ० मच्यात् मच्यास्ताम् मच्यासुः
मच्याः मच्यास्तम् मच्यास्त
मच्यासम् मच्यास्व मच्यास्म

श्व० मञ्चिता मञ्चितारौ मञ्चितारः
मञ्चितासि मञ्चितास्थः मञ्चितास्थ
मञ्चितास्मि मञ्चितास्वः मञ्चितास्मः

भ० मञ्चिष्यति मञ्चिष्यतः मञ्चिष्यन्ति
मञ्चिष्यसि मञ्चिष्यथः मञ्चिष्यथ
मञ्चिष्यामि मञ्चिष्यावः मञ्चिष्यामः

क्रि० अमञ्चिष्यत् अमञ्चिष्यताम् अमञ्चिष्यतु
अमञ्चिष्यः अमञ्चिष्यतम् अमञ्चिष्यत
अमञ्चिष्यम् अमञ्चिष्याव अमञ्चिष्याम

111 मुञ्चू मुञ्चू) गतौ

व० मुञ्चति मुञ्चतः मुञ्चन्ति
मुञ्चसि मुञ्चथः मुञ्चथ
मुञ्चामि मुञ्चावः मुञ्चामः

स० मुञ्चेत् मुञ्चेताम् मुञ्चेयुः
मुञ्चेः मुञ्चेतम् मुञ्चेत
मुञ्चेयम् मुञ्चेव मुञ्चेम

प० मुञ्चतु मुञ्चतात् मुञ्चताम् मुञ्चन्तु
मुञ्च , मुञ्चतम् मुञ्चत
मुञ्चानि मुञ्चाव मुञ्चाम

ह्य० अमुञ्चत् अमुञ्चताम् अमुञ्चन्
अमुञ्चः अमुञ्चतम् अमुञ्चत
अमुञ्चम् अमुञ्चाव अमुञ्चाम

अ० अमुञ्चीत् अमुञ्चिष्टाम् अमुञ्चिषुः
अमुञ्चीः अमुञ्चिष्टम् अमुञ्चिष्ट
अमुञ्चिषम् अमुञ्चिष्व अमुञ्चिष्म

प० मुमुञ्च मुमुञ्चतुः मुमुञ्चुः
मुमुञ्चिथ मुमुञ्चथुः मुमुञ्च
मुमुञ्च मुमुञ्चिथ मुमुञ्चिम

आ० मुच्यात् मुच्यास्ताम् मुच्यासुः
मुच्याः मुच्यास्तम् मुच्यास्त
मुच्यासम् मुच्यास्व मुच्यास्म

श्व० मुञ्चिता मुञ्चितारौ मुञ्चितारः
मुञ्चितासि मुञ्चितास्थः मुञ्चितास्थ
मुञ्चितास्मि मुञ्चितास्वः मुञ्चितास्मः

भ० मुञ्चिष्यति मुञ्चिष्यतः मुञ्चिष्यन्ति
मुञ्चिष्यसि मुञ्चिष्यथः मुञ्चिष्यथ
मुञ्चिष्यामि मुञ्चिष्यावः मुञ्चिष्यामः

क्रि० अमुञ्चिष्यत् अमुञ्चिष्यताम् अमुञ्चिष्यतु
अमुञ्चिष्यः अमुञ्चिष्यतम् अमुञ्चिष्यत
अमुञ्चिष्यम् अमुञ्चिष्याव अमुञ्चिष्याम

112 मुञ्चू (मुञ्चू) गतौ

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| १० मुञ्चति | मुञ्चतः | मुञ्चन्ति |
| मुञ्चसि | मुञ्चथः | मुञ्चथ |
| मुञ्चामि | मुञ्चावः | मुञ्चामः |
| स० मुञ्चेत् | मुञ्चेताम् | मुञ्चेयुः |
| मुञ्चेः | मुञ्चेतम् | मुञ्चेत |
| मुञ्चेयम् | मुञ्चेव | मुञ्चेम |
| प० मुञ्चतु | मुञ्चतात् | मुञ्चताम् |
| मुञ्च | " | मुञ्चतम् |
| मुञ्चानि | मुञ्चाव | मुञ्चाम |
| ह्य० अमुञ्चत् | अमुञ्चताम् | अमुञ्चन् |
| अमुञ्चः | अमुञ्चतम् | अमुञ्चत |
| अञ्चम् | अमुञ्चावः | अमुञ्चाम |
| अ० अमुञ्चीत् | अमुञ्चिष्टाम् | अमुञ्चिषुः |
| अमुञ्चीः | अमुञ्चिष्टम् | अमुञ्चिष्ट |
| अमुञ्चिषम् | अमुञ्चिष्व | अमुञ्चिषम् |
| प० मुमुञ्च | मुमुञ्चतुः | मुमुञ्चुः |
| मुमुञ्चिथ | मुमुञ्चथुः | मुमुञ्च |
| मुमुञ्च | मुमुञ्चिव | मुमुञ्चिम |
| आ० मुञ्च्यात् | मुञ्च्यास्ताम् | मुञ्च्यासुः |
| मुञ्च्याः | मुञ्च्यास्तम् | मुञ्च्यास्त |
| मुञ्च्यासम् | मुञ्च्यास्व | मुञ्च्यास्म |
| श्व० मुञ्चिता | मुञ्चितारौ | मुञ्चितारः |
| मुञ्चितासि | मुञ्चितास्थः | मुञ्चितास्थ |
| मुञ्चितास्मि | मुञ्चितास्वः | मुञ्चितास्मः |
| भ० मुञ्चिष्यति | मुञ्चिष्यतः | मुञ्चिष्यन्ति |
| मुञ्चिष्यसि | मुञ्चिष्यथः | मुञ्चिष्यथ |
| मुञ्चिष्यामि | मुञ्चिष्यावः | मुञ्चिष्यामः |
| क्रि० अमुञ्चिष्यत | अमुञ्चिष्यताम् | अमुञ्चिष्यन् |
| अमुञ्चिष्यः | अमुञ्चिष्यतम् | अमुञ्चिष्यत |
| अमुञ्चिष्यम् | अमुञ्चिष्याव | अमुञ्चिष्याम |

113 मुचू [मुचू] गतौ,

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० मुचति | मुचतः | मुचन्ति |
| मुचसि | मुचथः | मुचथ |
| मुचामि | मुचावः | मुचामः |
| स० मुचेत् | मुचेताम् | मुचेयुः |
| मुचेः | मुचेतम् | मुचेत |
| मुचेयम् | मुचेव | मुचेम |
| प० मुचतु | मुचतात् | मुचताम् |
| मुच | " | मुचतम् |
| मुचानि | मुचाव | मुचाम |
| ह्य० अमुचत् | अमुचताम् | अमुचन् |
| अमुचः | अमुचतम् | अमुचत |
| अमुचम् | अमुचाव | अमुचाम |
| अ० अमुचत् | अमुचताम् | अमुचन् |
| अमुचः | अमुचतम् | अमुचत |
| अमुचम् | अमुचाव | अमुचाम |
| अमुचीत् | अमुचिष्टाम् | अमुचिषुः |
| अमुचीः | अमुचिष्टम् | अमुचिष्ट |
| अमुचिषम् | अमुचिष्व | अमुचिषम् |
| प० मुमुच | मुमुचतुः | मुमुचुः |
| मुमुचिथ | मुमुचथुः | मुमुच |
| मुमुच | मुमुचिव | मुमुचिम |
| आ० मुच्यात् | मुच्यास्ताम् | मुच्यासुः |
| मुच्याः | मुच्यास्तम् | मुच्यास्त |
| मुच्यासम् | मुच्यास्व | मुच्यास्म |
| श्व० मुचिता | मुचितारौ | मुचितारः |
| मुचितासि | मुचितास्थः | मुचितास्थ |
| मुचितास्मि | मुचितास्वः | मुचितास्मः |
| भ० मुचिष्यति | मुचिष्यतः | मुचिष्यन्ति |
| मुचिष्यसि | मुचिष्यथः | मुचिष्यथ |
| मुचिष्यामि | मुचिष्यावः | मुचिष्यामः |
| क्रि० अमुचिष्यत् | अमुचिष्यताम् | अमुचिष्यन् |
| अमुचिष्यः | अमुचिष्यतम् | अमुचिष्यत |
| अमुचिष्यम् | अमुचिष्याव | अमुचिष्याम |

114 म्लुच् (म्लुच्) गतौ

| | |
|--|--|
| व० म्लोचति म्लोचतः म्लोचन्ति | |
| म्लोचसि म्लोचथः म्लोचथ | |
| म्लोचामि म्लोचावः म्लोचामः | |
| स० म्लोचेत् म्लोचेताम् म्लोचेयुः | |
| म्लोचेः म्लोचेतम् म्लोचेत | |
| म्लोचेयम् म्लोचेव म्लोचेम | |
| प० म्लोचतु म्लोचतात् म्लोचताम् म्लोचन्तु | |
| म्लोच ,," म्लोचतम् म्लोचत | |
| म्लोचानि म्लोचाव म्लोचाम | |
| ह्य० अम्लोचत् अम्लोचताम् अम्लोचन् | |
| अम्लोचः अम्लोचतम् अम्लोचत | |
| अम्लोचम् अम्लोचाव अम्लोचाम | |
| अ० अम्लोचीत् अम्लोचिष्टम् अम्लोचिषुः | |
| अम्लोचीः अम्लोचिष्टम् अम्लोचिष्ट | |
| अम्लोचिषम् अम्लोचिष्व अम्लोचिषम् | |
| प० मुम्लोच मुम्लुचतुः मुम्लुचुः | |
| मुम्लोचिथ मुम्लुचथुः मुम्लुच | |
| मुम्लोच मुम्लुचिव मुम्लुचिम | |
| आ० म्लुच्यात् म्लुच्यास्ताम् म्लुच्यासुः | |
| म्लुच्याः म्लुच्यास्तम् म्लुच्यासुः | |
| म्लुच्यासम् म्लुच्यास्व म्लुच्यास्म | |
| श्व० म्लोचिता म्लोचितारौ म्लोचितारः | |
| म्लोचितासि म्लोचितास्थः म्लोचितास्थ | |
| म्लोचितास्मि म्लोचितास्वः म्लोचितास्मः | |
| भ० म्लोचिष्यति म्लोचिष्यस्तः म्लोचिष्यन्ति | |
| म्लोचिष्यसि म्लोचिष्यथः म्लोचिष्यथ | |
| म्लोचिष्यामि म्लोचिष्यावः म्लोचिष्यामः | |
| क्रि० अम्लोचिष्यत् अम्लोचिष्यताम् | |
| अम्लोचिष्यन् अम्लोचिष्यः | |
| अम्लोचिष्यतम् अम्लोचिष्यत | |
| अम्लोचिष्यम् अम्लोचिष्याव | |
| अम्लोचिष्याम | |

115 ग्लुञ्च् (ग्लुञ्च्) गतौ

| | |
|--|--|
| व० ग्लुञ्चति ग्लुञ्चतः ग्लुञ्चन्ति | |
| ग्लुञ्चसि ग्लुञ्चथः ग्लुञ्चथ | |
| ग्लुञ्चामि ग्लुञ्चावः ग्लुञ्चामः | |
| स० ग्लुञ्चेत् ग्लुञ्चेताम् ग्लुञ्चेयुः | |
| ग्लुञ्चेः ग्लुञ्चेतम् ग्लुञ्चेत | |
| ग्लुञ्चेयम् ग्लुञ्चेव ग्लुञ्चेम | |
| प० ग्लुञ्चतु ग्लुञ्चतात् ग्लुञ्चताम् ग्लुञ्चन्तु | |
| ग्लुञ्च ,," ग्लुञ्चतम् ग्लुञ्चत | |
| ग्लुञ्चानि ग्लुञ्चाव ग्लुञ्चाम | |
| ह्य० अग्लुञ्चत् अग्लुञ्चताम् अग्लुञ्चन् | |
| अग्लुञ्चः अग्लुञ्चतम् अग्लुञ्चत | |
| अग्लुञ्चम् अग्लुञ्चाव अग्लुञ्चाम | |
| अ० अग्लुचत् अग्लुचताम् अग्लुचन् | |
| अग्लुचः अग्लुचतम् अग्लुचत | |
| अग्लुचम् अग्लुचाव अग्लुचाम | |
| अग्लुञ्चीत् अग्लुञ्चिष्टम् अग्लुञ्चिषुः | |
| अग्लुञ्चीः अग्लुञ्चिष्टम् अग्लुञ्चिष्ट | |
| अग्लुञ्चिषम् अग्लुञ्चिष्व अग्लुञ्चिषम् | |
| प० जुग्लुञ्च जुग्लुञ्चतुः जुग्लुञ्चुः | |
| जुग्लुञ्चिथ जुग्लुञ्चथुः जुग्लुञ्च | |
| जुग्लुञ्च जुग्लुञ्चिव जुग्लुञ्चिम | |
| आ० ग्लुच्यात् ग्लुच्यास्ताम् ग्लुच्यासुः | |
| ग्लुच्याः ग्लुच्यास्तम् ग्लुच्यास्त | |
| ग्लुच्यासम् ग्लुच्यास्व ग्लुच्यास्म | |
| श्व० ग्लुञ्चिता ग्लुञ्चितारौ ग्लुञ्चितारः | |
| ग्लुञ्चितासि ग्लुञ्चितास्थः ग्लुञ्चितास्थ | |
| ग्लुञ्चितास्मि ग्लुञ्चितास्वः ग्लुञ्चितास्मः | |
| भ० ग्लुञ्चिष्यति ग्लुञ्चिष्यस्तः ग्लुञ्चिष्यन्ति | |
| ग्लुञ्चिष्यसि ग्लुञ्चिष्यथः ग्लुञ्चिष्यथ | |
| ग्लुञ्चिष्यामि ग्लुञ्चिष्यावः ग्लुञ्चिष्यामः | |
| क्रि० अग्लुञ्चिष्यत् अग्लुञ्चिष्यताम् | |
| अग्लुञ्चिष्यन् अग्लुञ्चिष्यः | |
| अग्लुञ्चिष्यतम् अग्लुञ्चिष्यत | |
| अग्लुञ्चिष्यम् अग्लुञ्चिष्याव | |
| अग्लुञ्चिष्याम | |

116. षश्च [सश्च] गतौ

| | | |
|--------------------|---------------|--------------|
| व० सश्चति | सश्चतः | सश्चन्ति |
| सश्चसि | सश्चथः | सश्चथ |
| सश्चामि | सश्चावः | सश्चामः |
| स० सश्चेत् | सश्चेताम् | सश्चेयुः |
| सश्चेः | सश्चेतम् | सश्चेत |
| सश्चेयम् | सश्चेव | सश्चेम |
| प० सश्चतु सश्चतात् | सश्चताम् | सश्चन्तु |
| सश्च | „ | सश्चतम् |
| सश्चानि | सश्चाव | सश्चाम |
| झ० असश्चत् | असश्चताम् | असश्चन् |
| असश्चः | असश्चतम् | असश्चत |
| असश्चम् | असश्चाव | असश्चाम |
| अ० असश्चीत् | असश्चिष्टाम् | असश्चिषुः |
| असश्चीः | असश्चिष्टम् | असश्चिष्ट |
| असश्चिषम् | असश्चिष्व | असश्चिष्वम् |
| प० ससश्च | ससश्चतुः | ससश्चुः |
| ससश्चथ | ससश्चथुः | ससश्च |
| ससश्च | ससश्चिव | ससश्चिम |
| आ० सश्च्यात् | सश्च्यास्ताम् | सश्च्यासुः |
| सश्च्याः | सश्च्यास्तम् | सश्च्यास्त |
| सश्च्यासम् | सश्च्यास्व | सश्च्यास्मः |
| श्व० सश्चिता | सश्चितारौ | सश्चिनारः |
| सश्चितासि | सश्चितास्थः | सश्चितास्थ |
| सश्चितास्मि | सश्चितास्वः | सश्चितास्मः |
| भ० सश्चिष्यति | सश्चिष्यतः | सश्चिष्यन्ति |
| सश्चिष्यसि | सश्चिष्यथः | सश्चिष्यथ |
| सश्चिष्यामि | सश्चिष्यावः | सश्चिष्यामः |
| क्रि० असश्चिष्यत् | असश्चिष्यताम् | असश्चिष्यन् |
| असश्चिष्यः | असश्चिष्यतम् | असश्चिष्यत |
| असश्चिष्यम् | असश्चिष्याव | असश्चिष्याम |

117 ग्रुच्-स्तेये

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० ग्रोचति | ग्रोचतः | ग्रोचन्ति |
| ग्रोचसि | ग्रोचथः | ग्रोचथ |
| ग्रोचामि | ग्रोचावः | ग्रोचामः |
| स० ग्रोचेत् | ग्रोचेताम् | ग्रोचेयुः |
| ग्रोचेः | ग्रोचेतम् | ग्रोचेत |
| ग्रोचेयम् | ग्रोचेव | ग्रोचेम |
| प० ग्रोचतु | ग्रोचतात् | ग्रोचताम् |
| ग्रोच | „ | ग्रोचतम् |
| ग्रोचाणि | ग्रोचाव | ग्रोचाम |
| झ० अग्रोचन् | अग्रोचताम् | अग्रोचन् |
| अग्रोचः | अग्रोचतम् | अग्रोचत |
| अग्रोचम् | अग्रोचाव | अग्रोचाम |
| अ० अग्रुचत् | अग्रुचताम् | अग्रुचन् |
| अग्रुचः | अग्रुचतम् | अग्रुचत |
| अग्रुचम् | अग्रुचाव | अग्रुचाम |
| अग्रोचीत् | अग्रोचिष्टाम् | अग्रोचिषुः |
| अग्रोचीः | अग्रोचिष्टम् | अग्रोचिष्ट |
| अग्रोचिषम् | अग्रोचिष्व | अग्रोचिष्वम् |
| प० जुग्रोच | जुग्रुचतुः | जुग्रुचुः |
| जुग्रोचिथ | जुग्रुचथुः | जुग्रुच |
| जुग्रोच | जुग्रुचिव | जुग्रुचिम |
| आ० अग्रुच्यात् | अग्रुच्यास्ताम् | अग्रुच्यासुः |
| अग्रुच्याः | अग्रुच्यास्तम् | अग्रुच्यास्त |
| अग्रुच्यासम् | अग्रुच्यास्व | अग्रुच्यास्मः |
| श्व० अग्रोचिता | अग्रोचितारौ | अग्रोचिनारः |
| अग्रोचितासि | अग्रोचितास्थः | अग्रोचितास्थ |
| अग्रोचितास्मि | अग्रोचितास्वः | अग्रोचितास्मः |
| भ० अग्रोचिष्यति | अग्रोचिष्यतः | अग्रोचिष्यन्ति |
| अग्रोचिष्यसि | अग्रोचिष्यथः | अग्रोचिष्यथ |
| अग्रोचिष्यामि | अग्रोचिष्यावः | अग्रोचिष्यामः |
| क्रि० अग्रोचिष्यत् | अग्रोचिष्यताम् | अग्रोचिष्यन् |
| अग्रोचिष्यः | अग्रोचिष्यतम् | अग्रोचिष्यत |
| अग्रोचिष्यम् | अग्रोचिष्याव | अग्रोचिष्याम |

118 ग्लुच् (ग्लुच) स्तेये

गतावपि केचित् ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------------|
| घ० ग्लोचति | ग्लोचतः | ग्लोचन्ति |
| ग्लोचसि | ग्लोचथः | ग्लोचथ |
| ग्लोचामि | ग्लोचावः | ग्लोचामः |
| स० ग्लोचेत् | ग्लोचेताम् | ग्लोचेयुः |
| ग्लोचेः | ग्लोचेतम् | ग्लोचेत |
| ग्लोचेयम् | ग्लोचेव | ग्लोचेम |
| प० ग्लोचतु | ग्लोचतात् | ग्लोचताम् ग्लोचन्तु |
| ग्लोच | ,, | ग्लोचतम् ग्लोचत |
| ग्लोचानि | ग्लोचाव | ग्लोचाम |
| ह्य० अग्लोचत् | अग्लोचताम् | अग्लोचन् |
| अग्लोचः | अग्लोचतम् | अग्लोचत |
| अग्लोचम् | अग्लोचाव | अग्लोचाम |
| अ० अग्लुचत् | अग्लुचताम् | अग्लुचन् |
| अग्लुचः | अग्लुचतम् | अग्लुचत |
| अग्लुचम् | अग्लुचाव | अग्लुचाम |
| अग्लोचीत् | अग्लोचिशाम् | अग्लोचिषुः |
| अग्लोचीः | अग्लोचिष्टम् | अग्लोचिष्ट |
| अग्लोचिषम् | अग्लोचिष्व | अग्लोचिषम |
| प० जुग्लोच | जुग्लुचतुः | जुग्लुचुः |
| जुग्लोचिथ | जुग्लुचथुः | जुग्लुच |
| जुग्लोच | जुग्लुचिष | जुग्लुचिम |
| आ० ग्लुच्यात् | ग्लुच्यास्ताम् | ग्लुच्यासुः |
| ग्लुच्याः | ग्लुच्यास्तम् | ग्लुच्यास्त |
| ग्लुच्यासम् | ग्लुच्यास्व | ग्लुच्यास्म |
| श्व० ग्लोचिता | ग्लोचितारौ | ग्लोचितारः |
| ग्लोचितासि | ग्लोचितास्थः | ग्लोचितास्थ |
| ग्लोचितास्मि | ग्लोचितास्वः | ग्लोचितास्मः |
| भ० ग्लोचिष्यति | ग्लोचिष्यतः | ग्लोचिष्यन्ति |
| ग्लोचिष्यसि | ग्लोचिष्यथः | ग्लोचिष्यथ |
| ग्लोचिष्यामि | ग्लोचिष्यावः | ग्लोचिष्यामः |
| क्रि० अग्लोचिष्यत | अग्लोचिष्यताम् | |
| अग्लोचिष्यन् | अग्लोचिष्यः | |

अग्लोचिष्यतम् अग्लोचिष्यत
अग्लोचिष्यमग्लोचिष्यावअग्लोचिष्याम
अथ छान्ता एकादश सेटश्च ।

119 म्लेच्छ (म्लेच्छ) स्तेये

| | | |
|---------------------|------------------|-------------------------|
| व० म्लेच्छति | म्लेच्छतः | म्लेच्छन्ति |
| म्लेच्छसि | म्लेच्छथः | म्लेच्छथ |
| म्लेच्छामि | म्लेच्छावः | म्लेच्छामः |
| स० म्लेच्छेत् | म्लेच्छेताम् | म्लेच्छेयुः |
| म्लेच्छेः | म्लेच्छेतम् | म्लेच्छेत |
| म्लेच्छेयम् | म्लेच्छेव | म्लेच्छेम |
| प० म्लेच्छतु | म्लेच्छतात् | म्लेच्छताम् म्लेच्छन्तु |
| म्लेच्छ | ,, | म्लेच्छतम् म्लेच्छत |
| म्लेच्छानि | म्लेच्छाव | म्लेच्छाम |
| ह्य० अम्लेच्छत् | अम्लेच्छताम् | अम्लेच्छन् |
| अम्लेच्छः | अम्लेच्छतम् | अम्लेच्छत |
| अम्लेच्छम् | अम्लेच्छाव | अम्लेच्छाम |
| अ० अम्लेच्छीर् | अम्लेच्छिष्टाम् | अम्लेच्छिषुः |
| अम्लेच्छीः | अम्लेच्छिष्टम् | अम्लेच्छिष्ट |
| अम्लेच्छिषम् | अम्लेच्छिष्व | अम्लेच्छिषम |
| प० मिम्लेच्छ | मिम्लेच्छतुः | मिम्लेच्छुः |
| मिम्लेच्छथ | मिम्लेच्छथुः | मिम्लेच्छ |
| मिम्लेच्छ | मिम्लेच्छिष | मिम्लेच्छिम |
| आ० म्लेच्छ्यात् | म्लेच्छ्यास्ताम् | म्लेच्छ्यासुः |
| म्लेच्छ्याः | म्लेच्छ्यास्तम् | म्लेच्छ्यास्त |
| म्लेच्छ्यासम् | म्लेच्छ्यास्व | म्लेच्छ्यास्म |
| श्व० म्लेच्छिता | म्लेच्छितारौ | म्लेच्छितारः |
| म्लेच्छितासि | म्लेच्छितास्थः | म्लेच्छितास्थ |
| म्लेच्छितास्मि | म्लेच्छितास्वः | म्लेच्छितास्मः |
| भ० म्लेच्छिष्यति | म्लेच्छिष्यतः | म्लेच्छिष्यन्ति |
| म्लेच्छिष्यसि | म्लेच्छिष्यथः | म्लेच्छिष्यथ |
| म्लेच्छिष्यामि | म्लेच्छिष्यावः | म्लेच्छिष्यामः |
| क्रि० अम्लेच्छिष्यत | अम्लेच्छिष्यताम् | |
| अम्लेच्छिष्यन् | अम्लेच्छिष्यः | |
| अम्लेच्छिष्यतम् | अम्लेच्छिष्यत | |
| अम्लेच्छिष्यम् | अम्लेच्छिष्याव | |
| अम्लेच्छिष्याम | | |

120 लछ (लच्छ) लक्षणे

व० लच्छति लच्छतः लच्छन्ति
लच्छसि लच्छथः लच्छथ
लच्छामि लच्छावः लच्छामः

स० लच्छेत् लच्छेताम् लच्छेयुः
लच्छेः लच्छेतम् लच्छेत
लच्छेयम् लच्छेव लच्छेम

प० लच्छतु लच्छतात् लच्छताम् लच्छन्तु
लच्छ , लच्छतम् लच्छत
लच्छानि लच्छाव लच्छाम

झ० अलच्छत् अलच्छताम् अलच्छन्
अलच्छः अलच्छतम् अलच्छत
अलच्छम् अलच्छाव अलच्छाम

अ० अलच्छीत् अलच्छिष्टाम् अलच्छिषुः
अलच्छीः अलच्छिष्टम् अलच्छिष्ट
अलच्छिषम् अलच्छिष्व अलच्छिष्यम्

प० ललच्छ ललच्छतुः ललच्छुः
ललच्छिथ ललच्छथुः ललच्छ
ललच्छ ललच्छिष्व ललच्छिम

आ० लच्छ्यात् लच्छ्यास्ताम् लच्छ्यासुः
लच्छ्याः लच्छ्यास्तम् लच्छ्यास्त
लच्छ्यासम् लच्छ्यास्व लच्छ्यास्म

भ० लच्छिता लच्छितारौ लच्छितारः
लच्छितासि लच्छितास्थः लच्छितास्थ
लच्छितास्मि लच्छितास्वः लच्छितास्मः

भ० लच्छिष्यति लच्छिष्यतः लच्छिष्यन्ति
लच्छिष्यसि लच्छिष्यथः लच्छिष्यथ
लच्छिष्यामि लच्छिष्यावः लच्छिष्यामः

क्रि० अलच्छिष्यत् अलच्छिष्यताम्
अलच्छिष्यन् अलच्छिष्यः
अलच्छिष्यतम् अलच्छिष्यत
अलच्छिष्यम् अलच्छिष्याव
अलच्छिष्याम

121 लाञ्छ (लाञ्छ) लक्षणे

व० लाञ्छति लाञ्छतः लाञ्छन्ति
लाञ्छसि लाञ्छथः लाञ्छथ
लाञ्छामि लाञ्छावः लाञ्छामः

स० लाञ्छेत् लाञ्छेताम् लाञ्छेयुः
लाञ्छेः लाञ्छेतम् लाञ्छेत
लाञ्छेयम् लाञ्छेव लाञ्छेम

प० लाञ्छतु लाञ्छतात् लाञ्छताम् लाञ्छन्तु
लाञ्छ , लाञ्छतम् लाञ्छत
लाञ्छानि लाञ्छाव लाञ्छाम

झ० अलाञ्छत् अलाञ्छताम् अलाञ्छन्
अलाञ्छः अलाञ्छतम् अलाञ्छत
अलाञ्छम् अलाञ्छाव अलाञ्छाम

अ० अलाञ्छीत् अलाञ्छिष्टाम् अलाञ्छिषुः
अलाञ्छीः अलाञ्छिष्टम् अलाञ्छिष्ट
अलाञ्छिषम् अलाञ्छिष्व अलाञ्छिष्यम्

प० ललाञ्छ ललाञ्छतुः ललाञ्छुः
ललाञ्छिथ ललाञ्छथुः ललाञ्छ
ललाञ्छ ललाञ्छिष्व ललाञ्छिम

आ० लाञ्छ्यात् लाञ्छ्यास्ताम् लाञ्छ्यासुः
लाञ्छ्याः लाञ्छ्यास्तम् लाञ्छ्यास्त
लाञ्छ्यासम् लाञ्छ्यास्व लाञ्छ्यास्म

भ० लाञ्छिता लाञ्छितारौ लाञ्छितारः
लाञ्छितासि लाञ्छितास्थः लाञ्छितास्थ
लाञ्छितास्मि लाञ्छितास्वः लाञ्छितास्मः

भ० लाञ्छिष्यति लाञ्छिष्यतः लाञ्छिष्यन्ति
लाञ्छिष्यसि लाञ्छिष्यथः लाञ्छिष्यथ
लाञ्छिष्यामि लाञ्छिष्यावः लाञ्छिष्यामः

क्रि० अलाञ्छिष्यत् अलाञ्छिष्यताम्
अलाञ्छिष्यन् अलाञ्छिष्यः
अलाञ्छिष्यतम् अलाञ्छिष्यत
अलाञ्छिष्यम् अलाञ्छिष्याव
अलाञ्छिष्याम

122 वाञ्छ (वाञ्छ) इच्छायाम्

- व० वाञ्छति वाञ्छतः वाञ्छन्ति
वाञ्छमि वाञ्छथः वाञ्छथ
वाञ्छामि वाञ्छावः वाञ्छामः
- स० वाञ्छेत् वाञ्छेताम् वाञ्छेयुः
वाञ्छेः वाञ्छेतम् वाञ्छेत
वाञ्छेयम् वाञ्छेव वाञ्छेम
- प० वाञ्छतु वाञ्छतात् वाञ्छताम् वाञ्छन्तु
वाञ्छ , वाञ्छतम् वाञ्छत
वाञ्छानि वाञ्छाव वाञ्छाम
- ह्य० अवाञ्छत् अवाञ्छताम् अवाञ्छन्
अवाञ्छः अवाञ्छतम् अवाञ्छत
अवाञ्छम् अवाञ्छाव अवाञ्छाम
- अ० अवाञ्छीत् अवाञ्छिष्टाम् अवाञ्छिषु
अवाञ्छीः अवाञ्छिष्टम् अवाञ्छिष्ट
अवाञ्छिष्टम् अवाञ्छिष्टव अवाञ्छिष्टम्
- प० ववाञ्छ ववाञ्छतुः ववाञ्छुः
ववाञ्छिथ ववाञ्छथुः ववाञ्छ
ववाञ्छ ववाञ्छिव ववाञ्छिम
- आ० वाञ्छयात् वाञ्छयास्ताम् वाञ्छयासुः
वाञ्छयाः वाञ्छयास्तम् वाञ्छयास्त
वाञ्छयासम् वाञ्छयास्व वाञ्छयास्म
- श्व० वाञ्छिता वाञ्छितारौ वाञ्छितारः
वाञ्छितासिवाञ्छितास्थः वाञ्छितास्थ
वाञ्छितास्मिवाञ्छितास्वः वाञ्छितास्मः
- भ० वाञ्छिष्यति वाञ्छिष्यतः वाञ्छिष्यन्ति
वाञ्छिष्यसि वाञ्छिष्यथः वाञ्छिष्यथ
वाञ्छिष्यामि वाञ्छिष्यावः वाञ्छिष्यामः
- क्रि० अवाञ्छिष्यत् अवाञ्छिष्यताम्
अवाञ्छिष्यन् अवाञ्छिष्यः
अवाञ्छिष्यतम् अवाञ्छिष्यत
अवाञ्छिष्यम् अवाञ्छिष्याव अवाञ्छिष्याम

123 आञ्छ (आञ्छ) आयामे

- व० आञ्छति आञ्छतः आञ्छन्ति
आञ्छसि आञ्छथः आञ्छथ
आञ्छामि आञ्छावः आञ्छामः
- स० आञ्छेत् आञ्छेताम् आञ्छेयुः
आञ्छेः आञ्छेतम् आञ्छेत
आञ्छेयम् आञ्छेव आञ्छेम
- प० आञ्छतु आञ्छतात् आञ्छताम् आञ्छन्तु
आञ्छ , आञ्छतम् आञ्छत
आञ्छानि आञ्छाव आञ्छाम
- ह्य० आञ्छत् आञ्छताम् आञ्छन्
आञ्छः आञ्छतम् आञ्छत
आञ्छम् आञ्छाव आञ्छाम
- अ० आञ्छीत् आञ्छिष्टाम् आञ्छिषुः
आञ्छीः आञ्छिष्टम् आञ्छिष्ट
आञ्छिष्टम् आञ्छिष्टव आञ्छिष्टम्
- प० आञ्छ ववाञ्छतुः आञ्छुः
आञ्छिथ आञ्छथुः आञ्छ
आञ्छ आञ्छिव आञ्छिम
- आ० आञ्छयात् आञ्छयास्ताम् आञ्छयासुः
आञ्छयाः आञ्छयास्तम् आञ्छयास्त
आञ्छयासम् आञ्छयास्व आञ्छयास्म
- श्व० आञ्छिता आञ्छितारौ आञ्छितारः
आञ्छितासिआञ्छितास्थः आञ्छितास्थ
आञ्छितास्मिआञ्छितास्वः आञ्छितास्मः
- भ० आञ्छिष्यति आञ्छिष्यतः आञ्छिष्यन्ति
आञ्छिष्यसि आञ्छिष्यथः आञ्छिष्यथ
आञ्छिष्यामि आञ्छिष्यावः आञ्छिष्यामः
- क्रि० आञ्छिष्यत् आञ्छिष्यताम्
आञ्छिष्यन् आञ्छिष्यः
आञ्छिष्यतम् आञ्छिष्यत
आञ्छिष्यम् आञ्छिष्याव
आञ्छिष्याम

124 हीछ (हीच्छ) लजायाम्

व० हीछति हीछतः हीछन्ति
हीछसि हीछथः हीछथ
हीछामि हीछावः हीछामः

स० हीछेत् हीछेताम् हीछेयुः
हीछेः हीछेतम् हीछेत
हीछेयम् हीछेव हीछेम

प० हीछतु हीछतात् हीछताम् हीछन्तु
हीछ " हीछतम् हीछत
हीछामि हीछाव हीछाम

झ० अहीछेत् अहीछेताम् अहीछेयुः
अहीछेः अहीछेतम् अहीछेत
अहीछेयम् अहीछेव अहीछेम

अ० अहीछीत् अहीछिष्टाम् अहीछिष्टुः
अहीछीः अहीछिष्टम् अहीछिष्ट
अहीछिष्टम् अहीछिष्टव अहीछिष्टम्

ग० जिहीछे जिहीछेतुः जिहीछ्युः
जिहीछिथ जिहीछथुः जिहीछथ
जिहीछे जिहीछेव जिहीछेम

आ० हीछेयात् हीछेयास्ताम् हीछेयासुः
हीछेयाः हीछेयास्तम् हीछेयास्त
हीछेयासम् हीछेयास्व हीछेयास्म

श्व० हीछिता हीछितारौ हीछितारः
हीछितासि हीछितास्थः हीछितास्थ
हीछितास्मि हीछितास्वः हीछितास्मः

भ० हीछिष्यति हीछिष्यतः हीछिष्यन्ति
हीछिष्यसि हीछिष्यथः हीछिष्यथ
हीछिष्यामि हीछिष्यावः हीछिष्यामः

क्रि० अहीछिष्यत् अहीछिष्यताम्
अहीछिष्यन् अहीछिष्यः
अहीछिष्यतम् अहीछिष्यत
अहीछिष्यम् अहीछिष्याव
अहीछिष्याम

125 हुछा (हूच्छ) कौटिल्ये

व० हुछति हुछतः हुछन्ति
हुछसि हुछथः हुछथ
हुछामि हुछावः हुछामः

स० हुछेत् हुछेताम् हुछेयुः
हुछेः हुछेतम् हुछेत
हुछेयम् हुछेव हुछेम

प० हुछतु हुछतात् हुछताम् हुछन्तु
हुछ " हुछतम् हुछत
हुछामि हुछाव हुछाम

झ० अहुछेत् अहुछेताम् अहुछेयुः
अहुछेः अहुछेतम् अहुछेत
अहुछेयम् अहुछेव अहुछेम

अ० अहुछीत् अहुछिष्टाम् अहुछिष्टुः
अहुछीः अहुछिष्टम् अहुछिष्ट
अहुछिष्टम् अहुछिष्टव अहुछिष्टम्

ग० जुहुछे जुहुछेतुः जुहुछ्युः
जुहुछिथ जुहुछथुः जुहुछथ
जुहुछे जुहुछेव जुहुछेम

आ० हुछयात् हुछयास्ताम् हुछयासुः
हुछयाः हुछयास्तम् हुछयास्त
हुछयासम् हुछयास्व हुछयास्म

श्व० हुछिता हुछितारौ हुछितारः
हुछितासि हुछितास्थः हुछितास्थ
हुछितास्मि हुछितास्वः हुछितास्मः

भ० हुछिष्यति हुछिष्यतः हुछिष्यन्ति
हुछिष्यसि हुछिष्यथः हुछिष्यथ
हुछिष्यामि हुछिष्यावः हुछिष्यामः

क्रि० अहुछिष्यत् अहुछिष्यताम्
अहुछिष्यन् अहुछिष्यः
अहुछिष्यतम् अहुछिष्यत
अहुछिष्यम् अहुछिष्याव
अहुछिष्याम

126 मूर्छा [मूर्च्छ] मोहसमुच्छाययोः

ब० मूर्छति मूर्छतः मूर्छन्ति
मूर्छसि मूर्छथः मूर्छथ
मूर्छामि मूर्छावः मूर्छामः

स० मूर्छेत् मूर्छेताम् मूर्छेयुः
मूर्छेः मूर्छेतम् मूर्छेत
मूर्छेयम् मूर्छेव मूर्छेम

प० मूर्छतु मूर्छतात् मूर्छताम् मूर्छन्तु
मूर्छ , मूर्छतम् मूर्छत
मूर्छाणि मूर्छाव मूर्छामि

ह्य० अमूर्छत् अमूर्छताम् अमूर्छत्
अमूर्छः अमूर्छतम् अमूर्छत
अमूर्छम् अमूर्छाव अमूर्छामि

अ० अमूर्छति अमूर्छिताम् अमूर्छिषुः
अमूर्छिः अमूर्छितम् अमूर्छित
अमूर्छिषम् अमूर्छिष्व अमूर्छिषम

प० मुमूर्छ मुमूर्छतुः मुमूर्छुः
मुमूर्छिथ मुमूर्छथुः मुमूर्छ
मुमूर्छ मुमूर्छिव मुमूर्छिम

आ० मूर्छयात् मूर्छयास्ताम् मूर्छयासुः
मूर्छयाः मूर्छयास्तम् मूर्छयास्त
मूर्छयासम् मूर्छयास्व मूर्छयास्मि

श्व० मूर्छिता मूर्छितारौ मूर्छितारः
मूर्छितासि मूर्छितास्थः मूर्छितास्थ
मूर्छितास्मि मूर्छितास्वः मूर्छितास्मः

भ० मूर्छिष्यति मूर्छिष्यतः मूर्छिष्यन्ति
मूर्छिष्यसि मूर्छिष्यथः मूर्छिष्यथ
मूर्छिष्यामि मूर्छिष्यावः मूर्छिष्यामः

क्रि० अमूर्छिष्यत् अमूर्छिष्यताम् अमूर्छिष्यन्
अमूर्छिष्यः अमूर्छिष्यतम् अमूर्छिष्यत
अमूर्छिष्यम् अमूर्छिष्याव अमूर्छिष्याम

127 स्फूर्छा (स्फूर्च्छ) विस्मृतौ

ब० स्फूर्छति स्फूर्छतः स्फूर्छन्ति
स्फूर्छसि स्फूर्छथः स्फूर्छथ
स्फूर्छामि स्फूर्छावः स्फूर्छामः

स० स्फूर्छेत् स्फूर्छेताम् स्फूर्छेयुः
स्फूर्छेः स्फूर्छेतम् स्फूर्छेत
स्फूर्छेयम् स्फूर्छेव स्फूर्छेम

प० स्फूर्छतु स्फूर्छतात् स्फूर्छताम् स्फूर्छन्तु
स्फूर्छ , स्फूर्छतम् स्फूर्छत
स्फूर्छाणि स्फूर्छाव स्फूर्छामि

ह्य० अस्फूर्छत् अस्फूर्छताम् अस्फूर्छन्
अस्फूर्छः अस्फूर्छतम् अस्फूर्छत
अस्फूर्छम् अस्फूर्छाव अस्फूर्छामि

अ० अस्फूर्छति अस्फूर्छिताम् अस्फूर्छिषुः
अस्फूर्छिः अस्फूर्छितम् अस्फूर्छित
अस्फूर्छिषम् अस्फूर्छिष्व अस्फूर्छिषम

प० पुस्फूर्छ पुस्फूर्छतुः पुस्फूर्छुः
पुस्फूर्छिथ पुस्फूर्छथुः पुस्फूर्छ
पुस्फूर्छ पुस्फूर्छिव पुस्फूर्छिम

आ० स्फूर्छयात् स्फूर्छयास्ताम् स्फूर्छयासुः
स्फूर्छयाः स्फूर्छयास्तम् स्फूर्छयास्त
स्फूर्छयासम् स्फूर्छयास्व स्फूर्छयास्मि

श्व० स्फूर्छिता स्फूर्छितारौ स्फूर्छितारः
स्फूर्छितासि स्फूर्छितास्थः स्फूर्छितास्थ
स्फूर्छितास्मि स्फूर्छितास्वः स्फूर्छितास्मः

भ० स्फूर्छिष्यति स्फूर्छिष्यतः स्फूर्छिष्यन्ति
स्फूर्छिष्यसि स्फूर्छिष्यथः स्फूर्छिष्यथ
स्फूर्छिष्यामि स्फूर्छिष्यावः स्फूर्छिष्यामः

क्रि० अस्फूर्छिष्यत् अस्फूर्छिष्यताम्
अस्फूर्छिष्यन् अस्फूर्छिष्यः
अस्फूर्छिष्यतम् अस्फूर्छिष्यत
अस्फूर्छिष्यम् अस्फूर्छिष्याव
अस्फूर्छिष्याम

128 स्मृत्ता [स्मृत्] विस्मृतौ

- व० स्मृत्ति स्मृत्तः स्मृन्ति
स्मृत्ति स्मृत्थः स्मृत्थ
स्मृत्तिमि स्मृत्तिवः स्मृत्तिमः
- स० स्मृत्तेत् स्मृत्तेताम् स्मृत्तेयुः
स्मृत्तेः स्मृत्तेतम् स्मृत्तेत
स्मृत्तेयम् स्मृत्तेव स्मृत्तेम
- प० स्मृत्तु स्मृत्तात् स्मृत्ताम् स्मृत्तु
स्मृत्तु „ स्मृत्तम् स्मृत्त
स्मृत्तानि स्मृत्तिव स्मृत्तिम
- झ० अस्मृत्त अस्मृत्ताम् अस्मृत्त न
अस्मृत्तः अस्मृत्तम् अस्मृत्त
अस्मृत्तम् अस्मृत्तिव अस्मृत्तिम
- अ० अस्मृत्ति अस्मृत्तिताम् अस्मृत्तिषुः
अस्मृत्तिः अस्मृत्तिथम् अस्मृत्तिथ
अस्मृत्तिषम् अस्मृत्तिव अस्मृत्तिम
- प० सुस्मृत् सुस्मृत्तुः सुस्मृत्तुः
सुस्मृत्तिथ सुस्मृत्तिथुः सुस्मृत्तिथ
सुस्मृत्तु सुस्मृत्तिव सुस्मृत्तिम
- आ० स्मृत्तिता स्मृत्तिताम् स्मृत्तितासुः
स्मृत्तिताः स्मृत्तितास्तम् स्मृत्तितास्त
स्मृत्तितासम् स्मृत्तितास्व स्मृत्तितास्म
- श्व० स्मृत्तिता स्मृत्तितारौ स्मृत्तिताः
स्मृत्तितासि स्मृत्तितास्थः स्मृत्तितास्थ
स्मृत्तितास्मि स्मृत्तितास्वः स्मृत्तितास्मः
- भ० स्मृत्तिष्यति स्मृत्तिष्यतः स्मृत्तिष्यन्ति
स्मृत्तिष्यसि स्मृत्तिष्यथः स्मृत्तिष्यथ
स्मृत्तिष्यामि स्मृत्तिष्यावः स्मृत्तिष्यामः
- क्रि० अस्मृत्तिष्यत् अस्मृत्तिष्यताम् अस्मृत्तिष्यन्
अस्मृत्तिष्यः अस्मृत्तिष्यतम् अस्मृत्तिष्यत
अस्मृत्तिष्यम् अस्मृत्तिष्याव अस्मृत्तिष्याम

129 युच्छ (युच्छ) प्रमादे

- व० युच्छति युच्छतः युच्छन्ति
युच्छसि युच्छथः युच्छथ
युच्छामि युच्छावः युच्छामः
- स० युच्छेत् युच्छेताम् युच्छेयुः
युच्छेः युच्छेतम् युच्छेत
युच्छेयम् युच्छेव युच्छेम
- प० युच्छतु युच्छतात् युच्छताम् युच्छतु
युच्छ „ युच्छतम् युच्छत
युच्छानि युच्छाव युच्छाम
- झ० अयुच्छत् अयुच्छताम् अयुच्छन्
अयुच्छः अयुच्छतम् अयुच्छत
अयुच्छम् अयुच्छाव अयुच्छाम
- अ० अयुच्छीत् अयुच्छिताम् अयुच्छिषुः
अयुच्छीः अयुच्छिथम् अयुच्छिथ
अयुच्छिषम् अयुच्छिष्व अयुच्छिषम
- प० युयुच्छ युयुच्छतुः युयुच्छुः
युयुच्छिथ युयुच्छथुः युयुच्छ
युयुच्छ युयुच्छिष्व युयुच्छिषम
- आ० युच्छतात् युच्छिताम् युच्छितासुः
युच्छिताः युच्छितास्तम् युच्छितास्त
युच्छितासम् युच्छितास्व युच्छितास्म
- श्व० युच्छिता युच्छितारौ युच्छिताः
युच्छितासि युच्छितास्थः युच्छितास्थ
युच्छितास्मि युच्छितास्वः युच्छितास्मः
- भ० युच्छिष्यति युच्छिष्यतः युच्छिष्यन्ति
युच्छिष्यसि युच्छिष्यथः युच्छिष्यथ
युच्छिष्यामि युच्छिष्यावः युच्छिष्यामः
- क्रि० अयुच्छिष्यत् अयुच्छिष्यताम्
अयुच्छिष्यन् अयुच्छिष्यः
अयुच्छिष्यतम् अयुच्छिष्यत
अयुच्छिष्यम् अयुच्छिष्याव
अयुच्छिष्याम

अथ जान्ताश्चतुश्चत्वारिंशत् त्यज-
षञ्जवर्जाः सेटश्च ॥

130 धृज (धृज्) गतौ,

- व० धर्जति धर्जतः धर्जन्ति
धर्जसि धर्जथः धर्जथ
धर्जामि धर्जावः धर्जामः
स० धर्जेत् धर्जेताम् धर्जेयुः
धर्जेः धर्जेतम् धर्जेत
धर्जेयम् धर्जेव धर्जेम
प० धर्जतु धर्जता धर्जताम् धर्जन्तु
धर्ज धर्जतम् धर्जत
धर्जानि धर्जाव धर्जाम
झ० अधर्जत् अधर्जताम् अधर्जन्
अधर्जः अधर्जतम् अधर्जत
अधर्जम् अधर्जाव अधर्जाम
अ० अधर्जीत् अधर्जिष्टाम् अधर्जिषुः
अधर्जीः अधर्जिष्टम् अधर्जिष्ट
अधर्जिषम् अधर्जिष्व अधर्जिषम
य० दधर्ज दधर्जतुः दधर्जुः
दधर्जथ दधर्जथुः दधर्ज
दधर्ज दधर्जिव दधर्जिम
आ० धृज्यात् धृज्यास्ताम् धृज्यासुः
धृज्याः धृज्यास्तम् धृज्यास्त
धृज्यासम् धृज्यास्व धृज्यास्म
श्व० धर्जिता धर्जितारौ धर्जितारः
धर्जितासि धर्जितास्थः धर्जितास्थ
धर्जितास्मि धर्जितास्वः धर्जितास्मः
भ० धर्जिष्यति धर्जिष्यतः धर्जिष्यन्ति
धर्जिष्यसि धर्जिष्यथः धर्जिष्यथ
धर्जिष्यामि धर्जिष्यावः धर्जिष्यामः
कि० अधर्जिष्यत् अधर्जिष्यताम् अधर्जिष्यन्
अधर्जिष्यः अधर्जिष्यतम् अधर्जिष्यत
अधर्जिष्यम् अधर्जिष्याव अधर्जिष्याम

131 धृज् (धृज्) गतौ,

- व० धृजति धृजतः धृजन्ति
धृजसि धृजथः धृजथ
धृजामि धृजावः धृजामः
स० धृजेत् धृजेताम् धृजेयुः
धृजेः धृजेतम् धृजेत
धृजेयम् धृजेव धृजेम
प० धृजतु धृजतात् धृजताम् धृजन्तु
धृज धृजतम् धृजत
धृजानि धृजाव धृजाम
झ० अधृजत् अधृजताम् अधृजन्
अधृजः अधृजतम् अधृजत
अधृजम् अधृजाव अधृजाम
अ० अधृजीत् अधृजिष्टाम् अधृजिषुः
अधृजीः अधृजिष्टम् अधृजिष्ट
अधृजिषम् अधृजिष्व अधृजिषम
प० दधृज दधृजतुः दधृजुः
दधृजथ दधृजथुः दधृज
दधृज दधृजिव दधृजिम
आ० धृज्यात् धृज्यास्ताम् धृज्यासुः
धृज्याः धृज्यास्तम् धृज्यास्त
धृज्यासम् धृज्यास्व धृज्यास्म
श्व० धृजिता धृजितारौ धृजितारः
धृजितासि धृजितास्थः धृजितास्थ
धृजितास्मि धृजितास्वः धृजितास्मः
भ० धृजिष्यति धृजिष्यतः धृजिष्यन्ति
धृजिष्यसि धृजिष्यथः धृजिष्यथ
धृजिष्यामि धृजिष्यावः धृजिष्यामः
कि० अधृजिष्यत् अधृजिष्यताम् अधृजिष्यन्
अधृजिष्यः अधृजिष्यतम् अधृजिष्यत
अधृजिष्यम् अधृजिष्याव अधृजिष्याम

132 ध्वज (ध्वजू) गतौ,

व० ध्वजति ध्वजतः ध्वजन्ति
 ध्वजसि ध्वजथः ध्वजथ
 ध्वजामि ध्वजावः ध्वजामः

स० ध्वजेत् ध्वजेताम् ध्वजेयुः
 ध्वजेः ध्वजेतम् ध्वजेत
 ध्वजेयम् ध्वजेव ध्वजेम

प० ध्वजतु ध्वजतात् ध्वजताम् ध्वजन्तु
 ध्वज , ध्वजतम् ध्वजत
 ध्वजानि ध्वजाव ध्वजाम

झ० अध्वजते अध्वजताम् अध्वजन्
 अध्वजः अध्वजतम् अध्वजत
 अध्वजम् अध्वजाव अध्वजाम

अ० अध्वजति अध्वजिताम् अध्वजिषुः
 अध्वजतिः अध्वजितम् अध्वजित
 अध्वजिषम् अध्वजिष्व अध्वजिषम्
 अध्वजति अध्वजिताम् अध्वजिषु
 अध्वजतिः अध्वजितम् अध्वजित
 अध्वजिषम् अध्वजिष्व अध्वजिषम्

० दध्वज दध्वजतुः दध्वजुः
 दध्वजिथ दध्वजथुः दध्वज

दध्वज, दध्वज दध्वजि दध्वजिम्

आ० ध्वज्यात् ध्वज्यास्ताम् ध्वज्यासुः
 ध्वज्याः ध्वज्यास्तम् ध्वज्यास्त
 ध्वज्यासम् ध्वज्यास्व ध्वज्यास्म

ध्वजिता ध्वजितारौ ध्वजितारः
 ध्वजितासि ध्वजितास्थः ध्वजितास्थ
 ध्वजितास्मि ध्वजितास्वः ध्वजितास्मः

भ० ध्वजिष्यति ध्वजिष्यतः ध्वजिष्यन्ति
 ध्वजिष्यसि ध्वजिष्यथः ध्वजिष्यथ
 ध्वजिष्यामि ध्वजिष्यावः ध्वजिष्यामः

क्रि० अध्वजिष्यत् अध्वजिष्यताम् अध्वजिष्यन्
 अध्वजिष्यः अध्वजिष्यतम् अध्वजिष्यत
 अध्वजिष्यम् अध्वजिष्याव अध्वजिष्याम

133 ध्वज्जु (ध्वज्ज) गतौ,

व० ध्वज्जति ध्वज्जतः ध्वज्जन्ति
 ध्वज्जसि ध्वज्जथः ध्वज्जथ
 ध्वज्जामि ध्वज्जावः ध्वज्जामः

स० ध्वज्जेत् ध्वज्जेताम् ध्वज्जेयुः
 ध्वज्जेः ध्वज्जेतम् ध्वज्जेत
 ध्वज्जेयम् ध्वज्जेव ध्वज्जेम

प० ध्वज्जतु ध्वज्जतात् ध्वज्जताम् ध्वज्जन्तु
 ध्वज्ज , ध्वज्जतम् ध्वज्जत
 ध्वज्जानि ध्वज्जाव ध्वज्जाम

झ० अध्वज्जत अध्वज्जताम् अध्वज्जन्
 अध्वज्जः अध्वज्जतम् अध्वज्जत
 अध्वज्जम् अध्वज्जाव अध्वज्जाम

अ० अध्वज्जति अध्वज्जिताम् अध्वज्जिषुः
 अध्वज्जतिः अध्वज्जितम् अध्वज्जित
 अध्वज्जिषम् अध्वज्जिष्व अध्वज्जिषम्

प० दध्वज्ज दध्वज्जतुः दध्वज्जुः
 दध्वज्जिथ दध्वज्जथुः दध्वज्ज
 दध्वज्ज दध्वज्जि दध्वज्जिम्

आ० ध्वज्ज्यात् ध्वज्ज्यास्ताम् ध्वज्ज्यासुः
 ध्वज्ज्याः ध्वज्ज्यास्तम् ध्वज्ज्यास्त
 ध्वज्ज्यासम् ध्वज्ज्यास्व ध्वज्ज्यास्म

ध्वज्जिता ध्वज्जितारौ ध्वज्जितारः
 ध्वज्जितासि ध्वज्जितास्थः ध्वज्जितास्थ
 ध्वज्जितास्मि ध्वज्जितास्वः ध्वज्जितास्मः

भ० ध्वज्जिष्यति ध्वज्जिष्यतः ध्वज्जिष्यन्ति
 ध्वज्जिष्यसि ध्वज्जिष्यथः ध्वज्जिष्यथ
 ध्वज्जिष्यामि ध्वज्जिष्यावः ध्वज्जिष्यामः

क्रि० अध्वज्जिष्यत् अध्वज्जिष्यताम् अध्वज्जिष्यन्
 अध्वज्जिष्यः अध्वज्जिष्यतम् अध्वज्जिष्यत
 अध्वज्जिष्यम् अध्वज्जिष्याव अध्वज्जिष्याम

134 ध्रज (ध्रज्) गतौ

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| व० | ध्रजति | ध्रजतः | ध्रजन्ति |
| | ध्रजमि | ध्रजथः | ध्रजथ |
| | ध्रजामि | ध्रजावः | ध्रजामः |
| म० | ध्रजेत् | ध्रजेताम् | ध्रजेयुः |
| | ध्रजेः | ध्रजेतम् | ध्रजेत |
| | ध्रजेयम् | ध्रजेव | ध्रजेम |
| प० | ध्रजतु | ध्रजतान् | ध्रजताम् |
| | ध्रज | ध्रजतम् | ध्रजत |
| | ध्रजानि | ध्रजाव | ध्रजाम |
| ह्य० | अध्रजत् | अध्रजताम् | अध्रजन |
| | अध्रजः | अध्रजतम् | अध्रजत |
| | अध्रजम् | अध्रजाव | अध्रजाम |
| अ० | अध्राजीत् | अध्राजिष्टाम् | अध्राजिषुः |
| | अध्राजीः | अध्राजिष्टम् | अध्राजिष्ट |
| | अध्राजिषम् | अध्राजिष्व | अध्राजिष्व |
| | अध्रजीत् | अध्रजिष्टाम् | अध्रजिषुः |
| | अध्रजीः | अध्रजिष्टम् | अध्रजिष्ट |
| | अध्रजिषम् | अध्रजिष्व | अध्रजिष्व |
| प० | दध्राज | दध्रजतुः | दध्रजुः |
| | दध्रजिथ | दध्रजथुः | दध्रज |
| दध्रज | दध्राज | दध्रजिव | दध्रजिम |
| आ० | ध्रज्यात् | ध्रज्यास्ताम् | ध्रज्यासुः |
| | ध्रज्याः | ध्रज्यास्तम् | ध्रज्यास्त |
| | ध्रज्यासम् | ध्रज्यास्व | ध्रज्यास्म |
| श्व० | ध्रजिता | ध्रजितारौ | ध्रजितारः |
| | ध्रजितासि | ध्रजितास्थः | ध्रजितास्थ |
| | ध्रजितास्मि | ध्रजितास्वः | ध्रजितास्मः |
| भ० | ध्रजिष्यति | ध्रजिष्यतः | ध्रजिष्यन्ति |
| | ध्रजिष्यसि | ध्रजिष्यथः | ध्रजिष्यथ |
| | ध्रजिष्यामि | ध्रजिष्यावः | ध्रजिष्यामः |
| क्रि० | अध्रजिष्यत् | अध्रजिष्यताम् | अध्रजिष्यन् |
| | अध्रजिष्यः | अध्रजिष्यतम् | अध्रजिष्यत |
| | अध्रजिष्यम् | अध्रजिष्याव | अध्रजिष्याम |

135 ध्रज् (ध्रज्) गतौ

| | | | |
|-------|-------------|----------------|--------------|
| व० | ध्रजति | ध्रजतः | ध्रजन्ति |
| | ध्रजमि | ध्रजथः | ध्रजथ |
| | ध्रजामि | ध्रजावः | ध्रजामः |
| म० | ध्रजेत् | ध्रजेताम् | ध्रजेयुः |
| | ध्रजेः | ध्रजेतम् | ध्रजेत |
| | ध्रजेयम् | ध्रजेव | ध्रजेम |
| प० | ध्रजतु | ध्रजतान् | ध्रजताम् |
| | ध्रज | ध्रजतम् | ध्रजत |
| | ध्रजानि | ध्रजाव | ध्रजाम |
| ह्य० | अध्रजत् | अध्रजताम् | अध्रजन |
| | अध्रजः | अध्रजतम् | अध्रजत |
| | अध्रजम् | अध्रजाव | अध्रजाम |
| अ० | अध्रज्जीत् | अध्रज्जिष्टाम् | अध्रज्जिषुः |
| | अध्रज्जीः | अध्रज्जिष्टम् | अध्रज्जिष्ट |
| | अध्रज्जिषम् | अध्रज्जिष्व | अध्रज्जिष्व |
| प० | दध्रज | दध्रजतुः | दध्रजुः |
| | दध्रजिथ | दध्रजथुः | दध्रज |
| | दध्रज | दध्रजिव | दध्रजिम |
| आ० | ध्रज्यात् | ध्रज्यास्ताम् | ध्रज्यासुः |
| | ध्रज्याः | ध्रज्यास्तम् | ध्रज्यास्त |
| | ध्रज्यासम् | ध्रज्यास्व | ध्रज्यास्म |
| श्व० | ध्रजिता | ध्रजितारौ | ध्रजितारः |
| | ध्रजितासि | ध्रजितास्थः | ध्रजितास्थ |
| | ध्रजितास्मि | ध्रजितास्वः | ध्रजितास्मः |
| भ० | ध्रजिष्यति | ध्रजिष्यतः | ध्रजिष्यन्ति |
| | ध्रजिष्यसि | ध्रजिष्यथः | ध्रजिष्यथ |
| | ध्रजिष्यामि | ध्रजिष्यावः | ध्रजिष्यामः |
| क्रि० | अध्रजिष्यत् | अध्रजिष्यताम् | अध्रजिष्यन् |
| | अध्रजिष्यः | अध्रजिष्यतम् | अध्रजिष्यत |
| | अध्रजिष्यम् | अध्रजिष्याव | अध्रजिष्याम |

136 वज (वज) गतौ

| | | |
|----------------------|-------------|---------------|
| व० वजति | वजतः | वजन्ति |
| वजसि | वजथः | वजथ |
| वजामि | वजावः | वजामः |
| स० वजेत् | वजेताम् | वजेयुः |
| वजेः | वजेतम् | वजेत |
| वजेयम् | वजेव | वजेम |
| प० वजतु | वजतात् | वजताम् वजन्तु |
| वज | ,, | वजतम् वजत |
| वजानि | वजाव | वजाम |
| झ० अवजत् | अवजताम् | अवजन् |
| अवजः | अवजतम् | अवजत |
| अवजम् | अवजाव | अवजाम |
| झ० अवजीत् | अवजिष्टाम् | अवजिषुः |
| अवजीः | अवजिष्टम् | अवजिष्ट |
| अवजिषम् | अवजिष्व | अवजिष्म |
| अवजीत् | अवजिष्टाम् | अवजिषुः |
| अवजीः | अवजिष्टम् | अवजिष्ट |
| अवजिषम् | अवजिष्व | अवजिष्म |
| प० ववाज | ववजतुः | ववजुः |
| ववजिथ | ववजथुः | ववज |
| ववजामि | ववजावः | ववजामः |
| आ० वज्यात् | वज्यास्ताम् | वज्यासुः |
| वज्याः | वज्यास्तम् | वज्यास्त |
| वज्यासम् | वज्यास्व | वज्यास्म |
| भ० वजिता वजितारौ | वजितारः | |
| वजितासि वजितास्थः | वजितास्थ | |
| वजितास्मि वजितास्वः | वजितास्मः | |
| भ० वजिष्यति वजिष्यतः | वजिष्यन्ति | |
| वजिष्यसि वजिष्यथः | वजिष्यथ | |
| वजिष्यामि वजिष्यावः | वजिष्यामः | |
| क्रि० अवजिष्यत् | अवजिष्यताम् | अवजिष्यन् |
| अवजिष्यः | अवजिष्यतम् | अवजिष्यत |
| अवजिष्यम् | अवजिष्याव | अवजिष्याम |

137 व्रज (व्रज्) गतौ

| | | |
|--------------------------|---------------|-------------------|
| व० व्रजति | व्रजतः | व्रजन्ति |
| व्रजसि | व्रजथः | व्रजथ |
| व्रजामि | व्रजावः | व्रजामः |
| स० व्रजेत् | व्रजेताम् | व्रजेयुः |
| व्रजेः | व्रजेतम् | व्रजेत |
| व्रजेयम् | व्रजेव | व्रजेम |
| प० व्रजतु | व्रजतात् | व्रजताम् व्रजन्तु |
| व्रज | ,, | व्रजतम् व्रजत |
| व्रजानि | व्रजाव | व्रजाम |
| झ० अव्रजत् | अव्रजताम् | अव्रजन् |
| अव्रजः | अव्रजतम् | अव्रजत |
| अव्रजम् | अव्रजाव | अव्रजाम |
| अ० अव्राजीत् | अव्राजिष्टाम् | अव्राजिषुः |
| अव्राजीः | अव्राजिष्टम् | अव्राजिष्ट |
| अव्राजिषम् | अव्राजिष्व | अव्राजिष्म |
| प० वव्राज | वव्रजतुः | वव्रजुः |
| वव्रजिथ | वव्रजथुः | वव्रज |
| वव्राजामि | वव्रजावः | वव्रजामः |
| आ० व्रज्यात् | व्रज्यास्ताम् | व्रज्यासुः |
| व्रज्याः | व्रज्यास्तम् | व्रज्यास्त |
| व्रज्यासम् | व्रज्यास्व | व्रज्यास्म |
| भ० व्रजिता व्रजितारौ | व्रजितारः | |
| व्रजितासि व्रजितास्थः | व्रजितास्थ | |
| व्रजितास्मि व्रजितास्वः | व्रजितास्मः | |
| भ० व्रजिष्यति व्रजिष्यतः | व्रजिष्यन्ति | |
| व्रजिष्यसि व्रजिष्यथः | व्रजिष्यथ | |
| व्रजिष्यामि व्रजिष्यावः | व्रजिष्यामः | |
| क्रि० अव्रजिष्यत् | अव्रजिष्यताम् | अव्रजिष्यन् |
| अव्रजिष्यः | अव्रजिष्यतम् | अव्रजिष्यत |
| अव्रजिष्यम् | अव्रजिष्याव | अव्रजिष्याम |

138 षज्ज (सज्जू) गतौ.

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० सज्जति | सज्जतः | सज्जन्ति |
| सज्जसि | सज्जथः | सज्जथ |
| सज्जामि | सज्जावः | सज्जामः |
| स० सज्जेत् | सज्जेताम् | सज्जेयुः |
| सज्जेः | सज्जेतम् | सज्जेत |
| सज्जेयम् | सज्जेव | सज्जेम |
| प० सज्जतु | सज्जतात् | सज्जताम् सज्जन्तु |
| सज्ज | ,, | सज्जतम् सज्जत |
| सज्जानि | सज्जाव | सज्जाम |
| ह्य० असज्जत् | असज्जताम् | असज्जन |
| असज्जः | असज्जतम् | असज्जत |
| असज्जम् | असज्जाव | असज्जाम |
| अ० असज्जीत् | असज्जिताम् | असज्जिषुः |
| असज्जीः | असज्जितम् | असज्जित |
| असज्जिषम् | असज्जिष्व | असज्जिषम |
| प० ससज्ज | ससज्जतुः | ससज्जुः |
| ससज्जिथ | ससज्जथुः | ससज्ज |
| ससज्ज | ससज्जिष्व | ससज्जिषम |
| आ० सज्ज्यात् | सज्ज्यास्ताम् | सज्ज्यासुः |
| सज्ज्याः | सज्ज्यास्तम् | सज्ज्यास्त |
| सज्ज्यासम् | सज्ज्यास्व | सज्ज्यास्म |
| श्व० सज्जिता | सज्जितारौ | सज्जितारः |
| सज्जितासि | सज्जितास्थः | सज्जितास्थ |
| सज्जितास्मि | सज्जितास्वः | सज्जितास्मः |
| भ० सज्जिष्यति | सज्जिष्यतः | सज्जिष्यन्ति |
| सज्जिष्यसि | सज्जिष्यथः | सज्जिष्यथ |
| सज्जिष्यामि | सज्जिष्यावः | सज्जिष्यामः |
| क्रि० असज्जिष्यत् | असज्जिष्यताम् | |
| असज्जिष्यन् | असज्जिष्यः | |
| असज्जिष्यतम् | असज्जिष्यत | |
| असज्जिष्यम् | असज्जिष्याव | |
| असज्जिष्याम | | |

139 अज(अज्) क्षेपणे च

चकाराद् गतौ ।

| | | |
|----------------|------------|---------------|
| व० अजति | अजतः | अजन्ति |
| अजसि | अजथः | अजथ |
| अजामि | अजावः | अजामः |
| स० अजेत् | अजेताम् | अजेयुः |
| अजेः | अजेतम् | अजेत |
| अजेयम् | अजेव | अजेम |
| प० अजतु | अजतात् | अजताम् अजन्तु |
| अज | ,, | अजतम् अजत |
| अजानि | अजाव | अजाम |
| ह्य० आजत् | आजताम् | आजन |
| आजः | आजतम् | आजत |
| आजम् | आजाव | आजाम |
| अ० अवैषीत् | अवैषिताम् | अवैषुः |
| अवैषीः | अवैषितम् | अवैषित |
| अवैषम् | अवैषव | अवैषम |
| प० विवाय | विवायतुः | विवायुः |
| विवायिथ | विवायथुः | विवाय |
| विवाय | विवायिष्व | विवायिषम |
| आ० वीयात् | वीयास्ताम् | वीयासुः |
| वीयाः | वीयास्तम् | वीयास्त |
| वीयासम् | वीयास्व | वीयास्म |
| श्व० वेता | वेतारौ | वेतारः |
| वेतासि | वेतास्थः | वेतास्थ |
| वेतास्मि | वेतास्वः | वेतास्मः |
| भ० वेष्यति | वेष्यतः | वेष्यन्ति |
| वेष्यसि | वेष्यथः | वेष्यथ |
| वेष्यामि | वेष्यावः | वेष्यामः |
| क्रि० अवेष्यत् | अवेष्यताम् | अवेष्यन् |
| अवेष्यः | अवेष्यतम् | अवेष्यत |
| अवेष्यम् | अवेष्याव | अवेष्याम |

140 कुज् (कुज्) स्तेये

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० कोजति | कोजतः | कोजन्ति |
| कोजसि | कोजथः | कोजथ |
| कोजामि | कोजावः | कोजामः |
| स० कोजेत् | कोजेताम् | कोजेयुः |
| कोजेः | कोजेतम् | कोजेत |
| कोजेयम् | कोजेव | कोजेम |
| प० कोजतु | कोजतात् | कोजताम् |
| कोज | कोजतम् | कोजत |
| कोजानि | कोजाव | कोजाम |
| ह्य० अकोजत् | अकोजताम् | अकोजन् |
| अकोजः | अकोजतम् | अकोजत |
| अकोजम् | अकोजाव | अकोजाम |
| अ० अकोजीत् | अकोजिष्टाम् | अकोजिषुः |
| अकोजीः | अकोजिष्टम् | अकोजिष्ट |
| अकोजिषम् | अकोजिष्व | अकोजिष्म |
| प० चुकोज | चुकुजतुः | चुकुजुः |
| चुकोजिथ | चुकुजथुः | चुकुज |
| चुकोज | चुकुजिव | चुकुजिम |
| आ० कुज्यात् | कुज्यास्ताम् | कुज्यासुः |
| कुज्याः | कुज्यास्तम् | कुज्यास्त |
| कुज्यासम् | कुज्यास्व | कुज्यास्म |
| श्व० कोजिता | कोजितारौ | कोजितारः |
| कोजितासि | कोजितास्थः | कोजितास्थ |
| कोजितास्मि | कोजितास्वः | कोजितास्मः |
| भ० कोजिष्यति | कोजिष्यतः | कोजिष्यन्ति |
| कोजिष्यसि | कोजिष्यथः | कोजिष्यथ |
| कोजिष्यामि | कोजिष्यावः | कोजिष्यामः |
| क्रि० अकोजिष्यत् | अकोजिष्यताम् | अकोजिष्यन् |
| अकोजिष्यः | अकोजिष्यतम् | अकोजिष्यत |
| अकोजिष्यम् | अकोजिष्याव | अकोजिष्याम |

141 खोज् (खोज्) स्तेये

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० खोजति | खोजतः | खोजन्ति |
| खोजसि | खोजथः | खोजथ |
| खोजामि | खोजावः | खोजामः |
| स० खोजेत् | खोजेताम् | खोजेयुः |
| खोजेः | खोजेतम् | खोजेत |
| खोजेयम् | खोजेव | खोजेम |
| प० खोजतु | खोजतात् | खोजताम् |
| खोज | खोजतम् | खोजत |
| खोजानि | खोजाव | खोजाम |
| ह्य० अखोजत् | अखोजताम् | अखोजन् |
| अखोजः | अखोजतम् | अखोजत |
| अखोजम् | अखोजाव | अखोजाम |
| अ० अखोजीत् | अखोजिष्टाम् | अखोजिषुः |
| अखोजीः | अखोजिष्टम् | अखोजिष्ट |
| अखोजिषम् | अखोजिष्व | अखोजिष्म |
| प० खुकोज | खुकुजतुः | खुकुजुः |
| खुकोजिथ | खुकुजथुः | खुकुज |
| खुकोज | खुकुजिव | खुकुजिम |
| आ० खुज्यात् | खुज्यास्ताम् | खुज्यासुः |
| खुज्याः | खुज्यास्तम् | खुज्यास्त |
| खुज्यासम् | खुज्यास्व | खुज्यास्म |
| श्व० खोजिता | खोजितारौ | खोजितारः |
| खोजितासि | खोजितास्थः | खोजितास्थ |
| खोजितास्मि | खोजितास्वः | खोजितास्मः |
| भ० खोजिष्यति | खोजिष्यतः | खोजिष्यन्ति |
| खोजिष्यसि | खोजिष्यथः | खोजिष्यथ |
| खोजिष्यामि | खोजिष्यावः | खोजिष्यामः |
| क्रि० अखोजिष्यत् | अखोजिष्यताम् | अखोजिष्यन् |
| अखोजिष्यः | अखोजिष्यतम् | अखोजिष्यत |
| अखोजिष्यम् | अखोजिष्याव | अखोजिष्याम |

142 अर्ज (अर्जू) अर्जने

| | | | |
|------|-------------|---------------|-------------------|
| व० | अर्जति | अर्जतः | अर्जन्ति |
| | अर्जसि | अर्जथः | अर्जथ |
| | अर्जामि | अर्जावः | अर्जामः |
| स० | अर्जेत् | अर्जेताम् | अर्जेयुः |
| | अर्जेः | अर्जेतम् | अर्जेत |
| | अर्जेयम् | अर्जेव | अर्जेम |
| प० | अर्जतु | अर्जतात् | अर्जताम् अर्जन्तु |
| | अर्ज | „ | अर्जतम् अर्जत |
| | अर्जानि | अर्जाव | अर्जाम |
| ह्य० | आर्जव् | आर्जताम् | आर्जन् |
| | आर्जः | आर्जतम् | आर्जत |
| | आर्जम् | आर्जाव | आर्जाम |
| अ० | आर्जीत् | आर्जिष्टाम् | आर्जिषुः |
| | आर्जीः | आर्जिष्टम् | आर्जिष्ट |
| | आर्जिषम् | आर्जिष्व | आर्जिषम |
| प० | आनर्ज | आनर्जतुः | आनर्जुः |
| | आनर्जिथ | आनर्जथुः | आनर्ज |
| | आनर्ज | आनर्जिव | आनर्जिम |
| आ० | अर्ज्यात् | अर्ज्यास्ताम् | अर्ज्यासुः |
| | अर्ज्याः | अर्ज्यास्तम् | अर्ज्यास्त |
| | अर्ज्यासम् | अर्ज्यास्व | अर्ज्यास्म |
| श्व० | अर्जिता | अर्जितारौ | अर्जितारः |
| | अर्जितासि | अर्जितास्थः | अर्जितास्थ |
| | अर्जितास्मि | अर्जितास्वः | अर्जितास्मः |
| भ० | अर्जिष्यति | अर्जिष्यतः | अर्जिष्यन्ति |
| | अर्जिष्यसि | अर्जिष्यथः | अर्जिष्यथ |
| | अर्जिष्यामि | अर्जिष्यावः | अर्जिष्यामः |
| कि० | अर्जिष्यत् | अर्जिष्यताम् | |
| | अर्जिष्यन् | अर्जिष्यः | |
| | अर्जिष्यतम् | अर्जिष्यत | |
| | अर्जिष्यम् | अर्जिष्याव | |
| | अर्जिष्याम | | |

143 सर्ज (सर्ज्) सर्जने

| | | | |
|------|-------------|---------------|-------------------|
| व० | सर्जति | सर्जतः | सर्जन्ति |
| | सर्जसि | सर्जथः | सर्जथ |
| | सर्जामि | सर्जावः | सर्जामः |
| स० | सर्जेत् | सर्जेताम् | सर्जेयुः |
| | सर्जेः | सर्जेतम् | सर्जेत |
| | सर्जेयम् | सर्जेव | सर्जेम |
| प० | सर्जतु | सर्जतात् | सर्जताम् सर्जन्तु |
| | सर्ज | „ | सर्जतम् सर्जत |
| | सर्जानि | सर्जाव | सर्जाम |
| ह्य० | असर्जत् | असर्जताम् | असर्जन् |
| | असर्जः | असर्जतम् | असर्जत |
| | असर्जम् | असर्जाव | असर्जाम |
| अ० | असर्जीत् | असर्जिष्टाम् | असर्जिषुः |
| | असर्जीः | असर्जिष्टम् | असर्जिष्ट |
| | असर्जिषम् | असर्जिष्व | असर्जिषम |
| प० | ससर्ज | ससर्जतुः | ससर्जुः |
| | ससर्जिथ | ससर्जथुः | ससर्ज |
| | ससर्ज | ससर्जिव | ससर्जिम |
| आ० | सर्ज्यात् | सर्ज्यास्ताम् | सर्ज्यासुः |
| | सर्ज्याः | सर्ज्यास्तम् | सर्ज्यास्त |
| | सर्ज्यासम् | सर्ज्यास्व | सर्ज्यास्म |
| श्व० | सर्जिता | सर्जितारौ | सर्जितारः |
| | सर्जितासि | सर्जितास्थः | सर्जितास्थ |
| | सर्जितास्मि | सर्जितास्वः | सर्जितास्मः |
| भ० | सर्जिष्यति | सर्जिष्यतः | सर्जिष्यन्ति |
| | सर्जिष्यसि | सर्जिष्यथः | सर्जिष्यथ |
| | सर्जिष्यामि | सर्जिष्यावः | सर्जिष्यामः |
| कि० | असर्जिष्यत् | असर्जिष्यताम् | असर्जिष्यन् |
| | असर्जिष्यः | असर्जिष्यतम् | असर्जिष्यत |
| | असर्जिष्यम् | असर्जिष्याव | असर्जिष्याम |

144 कर्ज (कर्ज) व्यथने

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० कर्जति | कर्जतः | कर्जन्ति |
| कर्जसि | कर्जथः | कर्जथ |
| कर्जामि | कर्जावः | कर्जामः |
| स० कर्जेत् | कर्जेताम् | कर्जेयुः |
| कर्जेः | कर्जेतम् | कर्जेत |
| कर्जेयम् | कर्जेव | कर्जेम |
| प० कर्जतु | कर्जतात् | कर्जताम् |
| कर्ज | कर्जतम् | कर्जत |
| कर्जानि | कर्जाव | कर्जाम |
| ह्य० अकर्जत् | अकर्जताम् | अकर्जन् |
| अकर्जः | अकर्जतम् | अकर्जत |
| अकर्जम् | अकर्जाव | अकर्जाम |
| अ० अकर्जीत् | अकर्जिष्टाम् | अकर्जिषुः |
| अकर्जीः | अकर्जिष्टम् | अकर्जिष्ट |
| अकर्जिषम् | अकर्जिष्व | अकर्जिष्म |
| प० चकर्ज | चकर्जेतुः | चकर्जुः |
| चकर्जिथ | चकर्जथुः | चकर्ज |
| चकर्ज | चकर्जिव | चकर्जिम |
| आ० कर्ज्यात् | कर्ज्यास्ताम् | कर्ज्यासुः |
| कर्ज्याः | कर्ज्यास्तम् | कर्ज्यास्त |
| कर्ज्यासम् | कर्ज्यास्व | कर्ज्यास्म |
| श्व० कर्जिता | कर्जितारौ | कर्जितारः |
| कर्जितासि | कर्जितास्थः | कर्जितास्थ |
| कर्जितास्मि | कर्जितास्वः | कर्जितास्मः |
| भ० कर्जिष्यति | कर्जिष्यतः | कर्जिष्यन्ति |
| कर्जिष्यसि | कर्जिष्यथः | कर्जिष्यथ |
| कर्जिष्यामि | कर्जिष्यावः | कर्जिष्यामः |
| क्रि० अकर्जिष्यत् | अकर्जिष्यताम् | अकर्जिष्यन् |
| अकर्जिष्यः | अकर्जिष्यतम् | अकर्जिष्यत |
| अकर्जिष्यम् | अकर्जिष्याव | अकर्जिष्याम |

145 खर्ज (खर्ज) मार्जने च ।

चकाराद् व्यथने ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० खर्जति | खर्जतः | खर्जन्ति |
| खर्जसि | खर्जथः | खर्जथ |
| खर्जामि | खर्जावः | खर्जामः |
| स० खर्जेत् | खर्जेताम् | खर्जेयुः |
| खर्जेः | खर्जेतम् | खर्जेत |
| खर्जेयम् | अर्जेव | खर्जेम |
| प० खर्जतु | खर्जतात् | खर्जताम् |
| खर्ज | खर्जतम् | खर्जत |
| खर्जानि | खर्जाव | खर्जाम |
| ह्य० अखर्जत् | अखर्जताम् | अखर्जन् |
| अखर्जः | अखर्जतम् | अखर्जत |
| अखर्जम् | अखर्जाव | अखर्जाम |
| अ० अखर्जीत् | अखर्जिष्टाम् | अखर्जिषुः |
| अखर्जीः | अखर्जिष्टम् | अखर्जिष्ट |
| अखर्जिषम् | अखर्जिष्व | अखर्जिष्म |
| प० चखर्ज | चखर्जेतुः | चखर्जुः |
| चखर्जिथ | चखर्जथुः | चखर्ज |
| चखर्ज | चखर्जिव | चखर्जिम |
| आ० खर्ज्यात् | खर्ज्यास्ताम् | खर्ज्यासुः |
| खर्ज्याः | खर्ज्यास्तम् | खर्ज्यास्त |
| खर्ज्यासम् | खर्ज्यास्व | खर्ज्यास्म |
| श्व० खर्जिता | खर्जितारौ | खर्जितारः |
| खर्जितासि | खर्जितास्थः | खर्जितास्थ |
| खर्जितास्मि | खर्जितास्वः | खर्जितास्मः |
| भ० खर्जिष्यति | खर्जिष्यतः | खर्जिष्यन्ति |
| खर्जिष्यसि | खर्जिष्यथः | खर्जिष्यथ |
| खर्जिष्यामि | खर्जिष्यावः | खर्जिष्यामः |
| क्रि० अखर्जिष्यत् | अखर्जिष्यताम् | अखर्जिष्यन् |
| अखर्जिष्यः | अखर्जिष्यतम् | अखर्जिष्यत |
| अखर्जिष्यम् | अखर्जिष्याव | अखर्जिष्याम |

146 खज (खज्)

मन्थे । मन्थो विलोडनम् ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| व० | खजति | खजतः | खजन्ति |
| | खजसि | खजथः | खजथ |
| | खजामि | खजावः | खजामः |
| स० | खजेत् | खजेताम् | खजेयुः |
| | खजेः | खजेतम् | खजेत |
| | खजेयम् | खजेव | खजेम |
| प० | खजतु | खजतात् | खजताम् खजन्तु |
| | खज | , | खजतम् खजत |
| | खजानि | खजाव | खजाम |
| ह्य० | अखजत् | अखजताम् | अखजन |
| | अखजः | अखजतम् | अखजत |
| | अखजम् | अखजाव | अखजाम |
| अ० | अखाजीत् | अखाजिष्टाम् | अखाजिषुः |
| | अखाजीः | अखाजिष्टम् | अखाजिष्ट |
| | अखाजिषम् | अखाजिष्व | अखाजिष्व |
| | अखजीत् | अखजिष्टाम् | अखजिषुः |
| | अखजीः | अखजिष्टम् | अखजिष्ट |
| | अखजिषम् | अखजिष्व | अखजिष्व |
| प० | चखाज | चखजतुः | चखजुः |
| | चखजिथ | चखजथुः | चखज |
| चखज | चखाज | चखजिव | चखजिम |
| आ० | खज्यात् | खज्यास्ताम् | खज्यासुः |
| | खज्याः | खज्यास्तम् | खज्यास्त |
| | खज्यासम् | खज्यास्व | खज्यास्म |
| श्च० | खजिता | खजितारौ | खजितारः |
| | खजितासि | खजितास्थः | खजितास्थ |
| | खजितास्मि | खजितास्वः | खजितास्मः |
| भ० | खजिष्यति | खजिष्यतः | खजिष्यन्ति |
| | खजिष्यसि | खजिष्यथः | खजिष्यथ |
| | खजिष्यामि | खजिष्यावः | खजिष्यामः |
| क्रि० | अखजिष्यत् | अखजिष्यताम् | अखजिष्यन् |
| | अखजिष्यः | अखजिष्यतम् | अखजिष्यत |
| | अखजिष्यम् | अखजिष्याव | अखजिष्याम |

147 खज्ज (खज्ज्) गति वैकल्ये

गतेवैकल्यं विकृतत्वम् ।

| | | | |
|-------|-------------|---------------|-------------------|
| व० | खज्जति | खज्जतः | खज्जन्ति |
| | खज्जसि | खज्जथः | खज्जथ |
| | खज्जामि | खज्जावः | खज्जामः |
| स० | खज्जेत् | खज्जेताम् | खज्जेयुः |
| | खज्जेः | खज्जेतम् | खज्जेत |
| | खज्जेयम् | खज्जेव | खज्जेम |
| प० | खज्जतु | खज्जतात् | खज्जताम् खज्जन्तु |
| | खज्ज | , | खज्जतम् खज्जत |
| | खज्जानि | खज्जाव | खज्जाम |
| ह्य० | अखज्जत् | अखज्जताम् | अखज्जन |
| | अखज्जः | अखज्जतम् | अखज्जत |
| | अखज्जम् | अखज्जाव | अखज्जाम |
| अ० | अखज्जोत् | अखज्जिष्टाम् | अखज्जिषुः |
| | अखज्जोः | अखज्जिष्टम् | अखज्जिष्ट |
| | अखज्जिषम् | अखज्जिष्व | अखज्जिष्व |
| प० | चखज्ज | चखज्जतुः | चखज्जुः |
| | चखज्जिथ | चखज्जथुः | चखज्ज |
| | चखज्ज | चखज्जिव | चखज्जिम |
| आ० | खज्ज्यात् | खज्ज्यास्ताम् | खज्ज्यासुः |
| | खज्ज्याः | खज्ज्यास्तम् | खज्ज्यास्त |
| | खज्ज्यासम् | खज्ज्यास्व | खज्ज्यास्म |
| श्च० | खज्जिता | खज्जितारौ | खज्जितारः |
| | खज्जितासि | खज्जितास्थः | खज्जितास्थ |
| | खज्जितास्मि | खज्जितास्वः | खज्जितास्मः |
| भ० | खज्जिष्यति | खज्जिष्यतः | खज्जिष्यन्ति |
| | खज्जिष्यसि | खज्जिष्यथः | खज्जिष्यथ |
| | खज्जिष्यामि | खज्जिष्यावः | खज्जिष्यामः |
| क्रि० | अखज्जिष्यत् | अखज्जिष्यताम् | अखज्जिष्यन् |
| | अखज्जिष्यः | अखज्जिष्यतम् | अखज्जिष्यत |
| | अखज्जिष्यम् | अखज्जिष्याव | अखज्जिष्याम |

148 एजू (एजू) कम्पने

| | | |
|----------------|--------------|-------------|
| व० एजति | एजतः | एजन्ति |
| एजसि | एजथः | एजथ |
| एजामि | एजावः | एजामः |
| स० एजेत् | एजेताम् | एजेयुः |
| एजेः | एजेतम् | एजेत |
| एजेयम् | एजेव | एजेम |
| प० एजतु | एजतात् | एजताम् |
| एज | „ | एजतम् |
| एजानि | एजाव | एजाम |
| द्व० एजेत् | एजेताम् | एजेन् |
| एजेः | एजेतम् | एजेत |
| एजेम् | एजाव | एजाम |
| अ० एजीत् | एजिष्टाम् | एजिपुः |
| एजीः | एजिष्टम् | एजिष्ट |
| एजिषम् | एजिष्व | एजिषम |
| प० एजाश्चकार | एजाश्चक्रुः | एजाश्चक्रुः |
| एजाश्चकर्थ | एजाश्चक्रथुः | एजाश्चक्र |
| एजाश्चकार, चकर | एजाश्चक्रव | एजाश्चक्रम |
| एजाम्बभूव | एजामास | । |
| आ० एज्यात् | एज्यास्ताम् | एज्यासुः |
| एज्याः | एज्यास्तम् | एज्यास्त |
| एज्यासम् | एज्यास्व | एज्यास्म |
| श्व० एजिता | एजितारौ | एजितारः |
| एजितासि | एजितास्थः | एजितास्थ |
| एजितास्मि | एजितास्वः | एजितास्मः |
| भ० एजिष्यति | एजिष्यतः | एजिष्यन्ति |
| एजिष्यसि | एजिष्यथः | एजिष्यथ |
| एजिष्यामि | एजिष्यावः | एजिष्यामः |
| क्रि० एजिष्यत् | एजिष्यताम् | एजिष्यन् |
| एजिष्यः | एजिष्यतम् | एजिष्यत |
| एजिष्यम् | एजिष्याव | एजिष्याम |

149 द्वोस्फूर्जा (स्फूर्ज्) वज्रनिर्घोषे ।

| | | |
|--------------|-----------|-------------|
| व० स्फूर्जति | स्फूर्जतः | स्फूर्जन्ति |
| स्फूर्जसि | स्फूर्जथः | स्फूर्जथ |

| | | |
|----------------------|------------------|-----------------|
| स्फूर्जामि | स्फूर्जावः | स्फूर्जामः |
| स० स्फूर्जेत् | स्फूर्जेताम् | स्फूर्जेयुः |
| स्फूर्जेः | स्फूर्जेतम् | स्फूर्जेत |
| स्फूर्जेयम् | स्फूर्जेव | स्फूर्जेम |
| प० स्फूर्जतु | स्फूर्जतात् | स्फूर्जताम् |
| स्फूर्ज | „ | स्फूर्जतम् |
| स्फूर्जानि | स्फूर्जाव | स्फूर्जाम |
| द्व० अस्फूर्जत् | अस्फूर्जताम् | अस्फूर्जन् |
| अस्फूर्जः | अस्फूर्जतम् | अस्फूर्जत |
| अस्फूर्जम् | अस्फूर्जाव | अस्फूर्जाम |
| अ० अस्फूर्जीत् | अस्फूर्जिष्टाम् | अस्फूर्जिषुः |
| अस्फूर्जीः | अस्फूर्जिष्टम् | अस्फूर्जिष्ट |
| अस्फूर्जिषम् | अस्फूर्जिष्व | अस्फूर्जिषम |
| प० पुस्फूर्ज | पुस्फूर्जतुः | पुस्फूर्जुः |
| पुस्फूर्जिथ | पुस्फूर्जथुः | पुस्फूर्ज |
| पुस्फूर्ज | पुस्फूर्जिव | पुस्फूर्जिम |
| आ० स्फूर्ज्यात् | स्फूर्ज्यास्ताम् | स्फूर्ज्यासुः |
| स्फूर्ज्याः | स्फूर्ज्यास्तम् | स्फूर्ज्यास्त |
| स्फूर्ज्यासम् | स्फूर्ज्यास्व | स्फूर्ज्यास्म |
| श्व० स्फूर्जिता | स्फूर्जितारौ | स्फूर्जितारः |
| स्फूर्जितासि | स्फूर्जितास्थः | स्फूर्जितास्थ |
| स्फूर्जितास्मि | स्फूर्जितास्वः | स्फूर्जितास्मः |
| भ० स्फूर्जिष्यति | स्फूर्जिष्यतः | स्फूर्जिष्यन्ति |
| स्फूर्जिष्यसि | स्फूर्जिष्यथः | स्फूर्जिष्यथ |
| स्फूर्जिष्यामि | स्फूर्जिष्यावः | स्फूर्जिष्यामः |
| क्रि० अस्फूर्जिष्यत् | अस्फूर्जिष्यताम् | अस्फूर्जिष्यन् |
| अस्फूर्जिष्यः | अस्फूर्जिष्यतम् | अस्फूर्जिष्यत |
| अस्फूर्जिष्यम् | अस्फूर्जिष्याव | अस्फूर्जिष्याम |

भ्वादेर्नामिन इति दीर्घे सिद्ध दीर्घोच्चारणम्,
भ्वादेरिति दीर्घत्वस्यानित्यत्वरूपापनार्थम् ।
तेन कुर्दते कुर्दन इति सिद्धम् ।

150 क्षीज (क्षीज्) अव्यक्ते शब्दे

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० क्षीजति | क्षीजतः | क्षीजन्ति |
| क्षीजसि | क्षीजथः | क्षीजथ |
| क्षीजामि | क्षीजावः | क्षीजामः |
| स० क्षीजेत् | क्षीजेताम् | क्षीजेयुः |
| क्षीजेः | क्षीजेतम् | क्षीजेत |
| क्षीजेयम् | क्षीजेव | क्षीजेम |
| प० क्षीजतु | क्षीजतात् | क्षीजताम् |
| क्षीज | क्षीजतम् | क्षीजत |
| क्षीजानि | क्षीजाव | क्षीजाम |
| ह्य० अक्षीजत् | अक्षीजताम् | अक्षीजन |
| अक्षीजः | अक्षीजतम् | अक्षीजत |
| अक्षीजम् | अक्षीजाव | अक्षीजाम |
| अ० अक्षीजीत् | अक्षीजिष्टाम् | अक्षीजिषुः |
| अक्षीजीः | अक्षीजिष्टम् | अक्षीजिष्ट |
| अक्षीजिषम् | अक्षीजिष्व | अक्षीजिष्म |
| प० चिक्षीज | चिक्षीजतुः | चिक्षीजुः |
| चिक्षीजिथ | चिक्षीजथुः | चिक्षीज |
| चिक्षीज | चिक्षीजिव | चिक्षीजिम |
| आ० क्षीज्यात् | क्षीज्यास्ताम् | क्षीज्यासुः |
| क्षीज्याः | क्षीज्यास्तम् | क्षीज्यास्त |
| क्षीज्यासम् | क्षीज्यास्व | क्षीज्यास्म |
| भ्व० क्षीजिता | क्षीजितारौ | क्षीजितारः |
| क्षीजितासि | क्षीजितास्थः | क्षीजितास्थ |
| क्षीजितास्मि | क्षीजितास्वः | क्षीजितास्मः |
| भ० क्षीजिष्यति | क्षीजिष्यतः | क्षीजिष्यन्ति |
| क्षीजिष्यसि | क्षीजिष्यथः | क्षीजिष्यथ |
| क्षीजिष्यामि | क्षीजिष्यावः | क्षीजिष्यामः |
| क्वि० अक्षीजिष्यत् | अक्षीजिष्यताम् | अक्षीजिष्यन् |
| अक्षीजिष्यः | अक्षीजिष्यतम् | अक्षीजिष्यत |
| अक्षीजिष्यम् | अक्षीजिष्याव | अक्षीजिष्याम |

151 कूज (कूज्) अव्यक्ते शब्दे

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० कूजति | कूजतः | कूजन्ति |
| कूजसि | कूजथः | कूजथ |
| कूजामि | कूजावः | कूजामः |
| स० कूजेत् | कूजेताम् | कूजेयुः |
| कूजेः | कूजेतम् | कूजेत |
| कूजेयम् | कूजेव | कूजेम |
| प० कूजतु | कूजतात् | कूजताम् |
| कूज | कूजतम् | कूजत |
| कूजानि | कूजाव | कूजाम |
| ह्य० अकूजत् | अकूजताम् | अकूजन |
| अकूजः | अकूजतम् | अकूजत |
| अकूजम् | अकूजाव | अकूजाम |
| अ० अकूजीत् | अकूजिष्टाम् | अकूजिषुः |
| अकूजीः | अकूजिष्टम् | अकूजिष्ट |
| अकूजिषम् | अकूजिष्व | अकूजिष्म |
| प० चुकूज | चुकूजतुः | चुकूजुः |
| चुकूजिथ | चुकूजथुः | चुकूज |
| चुकूज | चुकूजिव | चुकूजिम |
| आ० कूज्यात् | कूज्यास्ताम् | कूज्यासुः |
| कूज्याः | कूज्यास्तम् | कूज्यास्त |
| कूज्यासम् | कूज्यास्व | कूज्यास्म |
| भ्व० कूजिता | कूजितारौ | कूजितारः |
| कूजितासि | कूजितास्थः | कूजितास्थ |
| कूजितास्मि | कूजितास्वः | कूजितास्मः |
| भ० कूजिष्यति | कूजिष्यतः | कूजिष्यन्ति |
| कूजिष्यसि | कूजिष्यथः | कूजिष्यथ |
| कूजिष्यामि | कूजिष्यावः | कूजिष्यामः |
| क्वि० अकूजिष्यत् | अकूजिष्यताम् | अकूजिष्यन् |
| अकूजिष्यः | अकूजिष्यतम् | अकूजिष्यत |
| अकूजिष्यम् | अकूजिष्याव | अकूजिष्याम |

152 गुज (गुज्) अव्यक्ते शब्दे

| | | | |
|-------|------------|--------------|-----------------|
| ब० | गोजति | गोजतः | गोजन्ति |
| | गोजसि | गोजथः | गोजथ |
| | गोजामि | गोजावः | गोजामः |
| स० | गोजेत् | गोजेताम् | गोजेयुः |
| | गोजेः | गोजेतम् | गोजेत |
| | गोजेयम् | गोजेव | गोजेम |
| प० | गोजतु | गोजतात् | गोजताम् गोजन्तु |
| | गोज | ” | गोजतम् गोजत |
| | गोजानि | गोजाव | गोजाम |
| झ० | अगोजत् | अगोजताम् | अगोजन् |
| | अगोजः | अगोजतम् | अगोजत |
| | अगोजम् | अगोजाव | अगोजाम |
| अ० | अगोजीत् | अगोजिष्टाम् | अगोजिषुः |
| | अगोजीः | अगोजिष्टम् | अगोजिष्ट |
| | अगोजिषम् | अगोजिष्व | अगोजिषम |
| प० | जुगोज | जुगुजतुः | जुगुजुः |
| | जुगोजिथ | जुगुजथुः | जुगुज |
| | जुगोज | जुगुजिष्व | जुगुजिम |
| आ० | गुज्यात् | गुज्यास्ताम् | गुज्यासुः |
| | गुज्याः | गुज्यास्तम् | गुज्यास्त |
| | गुज्यासम् | गुज्यास्व | गुज्यासम |
| श्व० | गोजिता | गोजितारौ | गोजितारः |
| | गोजितासि | गोजितास्थः | गोजितास्थ |
| | गोजितास्मि | गोजितास्वः | गोजितासमः |
| भ० | गोजिष्यति | गोजिष्यतः | गोजिष्यन्ति |
| | गोजिष्यसि | गोजिष्यथः | गोजिष्यथ |
| | गोजिष्यामि | गोजिष्यावः | गोजिष्यामः |
| क्रि० | अगोजिष्यत् | अगोजिष्यताम् | अगोजिष्यन् |
| | अगोजिष्यः | अगोजिष्यतम् | अगोजिष्यत |
| | अगोजिष्यम् | अगोजिष्याव | अगोजिष्याम |

153 गुज्ज (गुज्ज्) अव्यक्ते शब्दे

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------------|
| ब० | गुज्जति | गुज्जतः | गुज्जन्ति |
| | गुज्जसि | गुज्जथः | गुज्जथ |
| | गुज्जामि | गुज्जावः | गुज्जामः |
| स० | गुज्जेत् | गुज्जेताम् | गुज्जेयुः |
| | गुज्जेः | गुज्जेतम् | गुज्जेत |
| | गुज्जेयम् | गुज्जेव | गुज्जेम |
| प० | गुज्जतु | गुज्जतात् | गुज्जताम् गुज्जन्तु |
| | गुज्ज | ” | गुज्जतम् गुज्जत |
| | गुज्जानि | गुज्जाव | गुज्जाम |
| झ० | अगुज्जत् | अगुज्जताम् | अगुज्जन् |
| | अगुज्जः | अगुज्जतम् | अगुज्जत |
| | अगुज्जम् | अगुज्जाव | अगुज्जाम |
| अ० | अगुज्जीत् | अगुज्जिष्टाम् | अगुज्जिषुः |
| | अगुज्जीः | अगुज्जिष्टम् | अगुज्जिष्ट |
| | अगुज्जिषम् | अगुज्जिष्व | अगुज्जिषम |
| प० | जुगुज्ज | जुगुज्जतुः | जुगुज्जुः |
| | जुगुज्जिथ | जुगुज्जथुः | जुगुज्ज |
| | जुगुज्ज | जुगुज्जिष्व | जुगुज्जिम |
| आ० | गुज्ज्यात् | गुज्ज्यास्ताम् | गुज्ज्यासुः |
| | गुज्ज्याः | गुज्ज्यास्तम् | गुज्ज्यास्त |
| | गुज्ज्यासम् | गुज्ज्यास्व | गुज्ज्यासम |
| श्व० | गुज्जिता | गुज्जितारौ | गुज्जितारः |
| | गुज्जितासि | गुज्जितास्थः | गुज्जितास्थ |
| | गुज्जितास्मि | गुज्जितास्वः | गुज्जितासमः |
| भ० | गुज्जिष्यति | गुज्जिष्यतः | गुज्जिष्यन्ति |
| | गुज्जिष्यसि | गुज्जिष्यथः | गुज्जिष्यथ |
| | गुज्जिष्यामि | गुज्जिष्यावः | गुज्जिष्यामः |
| क्रि० | अगुज्जिष्यत् | अगुज्जिष्यताम् | अगुज्जिष्यन् |
| | अगुज्जिष्यः | अगुज्जिष्यतम् | अगुज्जिष्यत |
| | अगुज्जिष्यम् | अगुज्जिष्याव | अगुज्जिष्याम |

154 लज (लज्) भर्त्सने

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| य० लजति | लजतः | लजन्ति |
| लजसि | लजथः | लजथ |
| लजामि | लजावः | लजामः |
| स० लजेत् | लजेताम् | लजेयुः |
| लजेः | लजेतम् | लजेत |
| लजेयम् | लजेव | लजेम |
| प० लजतु | लजतात् | लजताम् लजन्तु |
| लज | „ | लजतम् लजत |
| लजानि | लजाव | जाम |
| झ० अलजत् | अलजताम् | अलजन् |
| अलजः | अलजतम् | अलजत |
| अलजम् | अलजाव | अलजाम |
| अ० अलाजीत् | अलाजिष्टाम् | अलाजिषुः |
| अलाजीः | अलाजिष्टम् | अलाजिष्ट |
| अलाजिषम् | अलाजिष्व | अलाजिषम |
| अलजीत् | अलजिष्टम् | अलजिषुः |
| अलजीः | अलजिष्टम् | अलजिष्ट |
| अलजिषम् | अलजिष्व | अलजिषम |
| प० ललाज | लेजतुः | लेजुः |
| लेजिथ | लेजथुः | लेज |
| ललाज, ललज | लेजिष | लेजिम |
| आ० लज्यात् | लज्यास्ताम् | लज्यासुः |
| लज्याः | लज्यास्तम् | लज्यास्त |
| लज्यासम् | लज्यास्व | लज्यास्म |
| भ्व० लजिता | लजितारौ | लजितारः |
| लजितासि | लजितास्थः | लजितास्थ |
| लजितास्मि | लजितास्वः | लजितास्मः |
| भ० लजिष्यति | लजिष्यतः | लजिष्यन्ति |
| लजिष्यसि | लजिष्यथः | लजिष्यथ |
| लजिष्यामि | लजिष्यावः | लजिष्यामः |
| क्रि० अलजिष्यत् | अलजिष्यताम् | अलजिष्यन् |
| अलजिष्यतम् | अलजिष्यतम् | अलजिष्यत |
| अलजिष्यम् | अलजिष्याव | अलजिष्याम |

155 लज्जु (लज्ज्) भर्त्सने

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| य० लज्जति | लज्जतः | लज्जन्ति |
| लज्जसि | लज्जथः | लज्जथ |
| लज्जामि | लज्जावः | लज्जामः |
| स० लज्जेत् | लज्जेताम् | लज्जेयुः |
| लज्जेः | लज्जेतम् | लज्जेत |
| लज्जेयम् | लज्जेव | लज्जेम |
| प० लज्जतु | लज्जतात् | लज्जताम् लज्जन्तु |
| लज्ज | „ | लज्जतम् लज्जत |
| लज्जानि | लज्जाव | लज्जाम |
| झ० अलज्जत् | अलज्जताम् | अलज्जन् |
| अलज्जः | अलज्जतम् | अलज्जत |
| अलज्जम् | अलज्जाव | अलज्जाम |
| अ० अलज्जीत् | अलज्जिष्टाम् | अलज्जिषुः |
| अलज्जीः | अलज्जिष्टम् | अलज्जिष्ट |
| अलज्जिषम् | अलज्जिष्व | अलज्जिषम |
| प० ललज्ज | ललज्जतुः | ललज्जुः |
| ललज्जिथ | ललज्जथुः | ललज्ज |
| ललज्ज | ललज्जिष्व | ललज्जिम |
| आ० लज्ज्यात् | लज्ज्यास्ताम् | लज्ज्यासुः |
| लज्ज्याः | लज्ज्यास्तम् | लज्ज्यास्त |
| लज्ज्यासम् | लज्ज्यास्व | लज्ज्यास्म |
| भ्व० लज्जिता | लज्जितारौ | लज्जितारः |
| लज्जितासि | लज्जितास्थः | लज्जितास्थ |
| लज्जितास्मि | लज्जितास्वः | लज्जितास्मः |
| भ० लज्जिष्यति | लज्जिष्यतः | लज्जिष्यन्ति |
| लज्जिष्यसि | लज्जिष्यथः | लज्जिष्यथ |
| लज्जिष्यामि | लज्जिष्यावः | लज्जिष्यामः |
| क्रि० अलज्जिष्यत् | अलज्जिष्यताम् | अलज्जिष्यन् |
| अलज्जिष्यतम् | अलज्जिष्यतम् | अलज्जिष्यत |
| अलज्जिष्यम् | अलज्जिष्याव | अलज्जिष्याम |

156 तर्ज (तर्ज्) भर्त्सने

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० तर्जति | तर्जतः | तर्जन्ति |
| तर्जसि | तर्जथः | तर्जथ |
| तर्जामि | तर्जावः | तर्जामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० तर्जेत् | तर्जेताम् | तर्जेयुः |
| तर्जेः | तर्जेतम् | तर्जेत |
| तर्जेयम् | तर्जेव | तर्जेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० तर्जतु | तर्जतात् | तर्जताम् | तर्जन्तु |
| तर्ज | ,, | तर्जतम् | तर्जत |
| तर्जानि | | तर्जाव | तर्जाम |

| | | |
|--------------|-----------|---------|
| ह्य० अतर्जत् | अतर्जताम् | अतर्जन |
| अतर्जः | अतर्जतम् | अतर्जत |
| अतर्जम् | अतर्जाव | अतर्जाम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| अ० अतर्जीत् | अतर्जिष्टाम् | अतर्जिषुः |
| अतर्जीः | अतर्जिष्टम् | अतर्जिष्ट |
| अतर्जिषम् | अतर्जिष्व | अतर्जिष्म |

| | | |
|----------|-----------|-----------|
| प० ततर्ज | ततर्जतुः | ततर्जुः |
| ततर्जिथ | ततर्जथुः | ततर्ज |
| ततर्ज | ततर्जिष्व | ततर्जिष्व |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० तर्ज्यात् | तर्ज्यास्ताम् | तर्ज्यासुः |
| तर्ज्याः | तर्ज्यास्तम् | तर्ज्यास्त |
| तर्ज्यासम् | तर्ज्यास्व | तर्ज्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| श्व० तर्जिता | तर्जितारौ | तर्जितारः |
| तर्जितासि | तर्जितास्थः | तर्जितास्थ |
| तर्जितास्मि | तर्जितास्वः | तर्जितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० तर्जिष्यति | तर्जिष्यतः | तर्जिष्यन्ति |
| तर्जिष्यसि | तर्जिष्यथः | तर्जिष्यथ |
| तर्जिष्यामि | तर्जिष्यावः | तर्जिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अतर्जिष्यत् | अतर्जिष्यताम् | अतर्जिष्यन् |
| अतर्जिष्यः | अतर्जिष्यतम् | अतर्जिष्यत |
| अतर्जिष्यम् | अतर्जिष्याव | अतर्जिष्याम |

157 लाज (लाज्) भर्त्सने च

चकाराद् भर्त्सने,

| | | |
|----------|--------|---------|
| व० लाजति | लाजतः | लाजन्ति |
| लाजसि | लाजथः | लाजथ |
| लाजामि | लाजावः | लाजामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० लाजेत् | लाजेताम् | लाजेयुः |
| लाजेः | लाजेतम् | लाजेत |
| लाजेयम् | लाजेव | लाजेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० लाजतु | लाजतात् | लाजताम् | लाजन्तु |
| लाज | ,, | लाजतम् | लाजत |
| लाजानि | | लाजाव | लाजाम |

| | | |
|-------------|----------|--------|
| ह्य० अलाजत् | अलाजताम् | अलाजन |
| अलाजः | अलाजतम् | अलाजत |
| अलाजम् | अलाजाव | अलाजाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अलाजीत् | अलाजिष्टाम् | अलाजिषुः |
| अलाजीः | अलाजिष्टम् | अलाजिष्ट |
| अलाजिषम् | अलाजिष्व | अलाजिष्म |

| | | |
|---------|----------|----------|
| प० ललाज | ललाजतुः | ललाजुः |
| ललाजिथ | ललाजथुः | ललाज |
| ललाज | ललाजिष्व | ललाजिष्व |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० लाज्यात् | लाज्यास्ताम् | लाज्यासुः |
| लाज्याः | लाज्यास्तम् | लाज्यास्त |
| लाज्यासम् | लाज्यास्व | लाज्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| श्व० लाजिता | लाजितारौ | लाजितारः |
| लाजितासि | लाजितास्थः | लाजितास्थ |
| लाजितास्मि | लाजितास्वः | लाजितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० लाजिष्यति | लाजिष्यतः | लाजिष्यन्ति |
| लाजिष्यसि | लाजिष्यथः | लाजिष्यथ |
| लाजिष्यामि | लाजिष्यावः | लाजिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अलाजिष्यत् | अलाजिष्यताम् | अलाजिष्यन् |
| अलाजिष्यः | अलाजिष्यतम् | अलाजिष्यत |
| अलाजिष्यम् | अलाजिष्याव | अलाजिष्याम |

158 लाञ्ज (लाञ्ज्) भर्जने च ।

चकाराद्भर्त्सने,

| | | |
|--------------------|----------------|---------------------|
| व० लाञ्जति | लाञ्जतः | लाञ्जन्ति |
| लाञ्जसि | लाञ्जथः | लाञ्जथ |
| लाञ्जामि | लाञ्जावः | लाञ्जामः |
| स० लाञ्जेत् | लाञ्जेताम् | लाञ्जेयुः |
| लाञ्जेः | लाञ्जेतम् | लाञ्जेत |
| लाञ्जेयम् | लाञ्जेव | लाञ्जेम |
| प० लाञ्जतु | लाञ्जतात् | लाञ्जताम् लाञ्जन्तु |
| लाञ्ज | ” | लाञ्जतम् लाञ्जत |
| लाञ्जानि | लाञ्जाव | लाञ्जाम |
| झ० अलाञ्जत् | अलाञ्जताम् | अलाञ्जन् |
| अलाञ्जः | अलाञ्जतम् | अलाञ्जत |
| अलाञ्जम् | अलाञ्जाव | अलाञ्जाम |
| अ० अलाञ्जीत् | अलाञ्जिष्टाम् | अलाञ्जिषुः |
| अलाञ्जीः | अलाञ्जिष्टम् | अलाञ्जिष्ट |
| अलाञ्जिषम् | अलाञ्जिष्व | अलाञ्जिषम |
| प० ललाञ्ज | ललाञ्जतुः | ललाञ्जुः |
| ललाञ्जिथ | ललाञ्जथुः | ललाञ्ज |
| ललाञ्ज | ललाञ्जिव | ललाञ्जिम |
| आ० लाञ्ज्यात् | लाञ्ज्यास्ताम् | लाञ्ज्यासुः |
| लाञ्ज्याः | लाञ्ज्यास्तम् | लाञ्ज्यास्त |
| लाञ्ज्यासम् | लाञ्ज्यास्व | लाञ्ज्यास्म |
| श्व० लाञ्जिता | लाञ्जितारौ | लाञ्जितारः |
| लाञ्जितासि | लाञ्जितास्थः | लाञ्जितास्थ |
| लाञ्जितास्मि | लाञ्जितास्वः | लाञ्जितास्मः |
| भ० लाञ्जिष्यति | लाञ्जिष्यतः | लाञ्जिष्यन्ति |
| लाञ्जिष्यसि | लाञ्जिष्यथः | लाञ्जिष्यथ |
| लाञ्जिष्यामि | लाञ्जिष्यावः | लाञ्जिष्याम |
| क्रि० अलाञ्जिष्यत् | अलाञ्जिष्यताम् | |
| अलाञ्जिष्यन् | आलञ्जिष्यः | |
| अलाञ्जिष्यतम् | आलञ्जिष्यत | |
| अलाञ्जिष्यम् | आलञ्जिष्याव | |
| अलाञ्जिष्याम | | |

159 जज (जज्) युञ्जे

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| व० जजति | जजतः | जजन्ति |
| जजसि | जजथः | जजथ |
| जजामि | जजावः | जजामः |
| स० जजेत् | जजेताम् | जजेयुः |
| जजेः | जजेतम् | जजेत |
| जजेयम् | जजेव | जजेम |
| प० जजतु | जजतात् | जजताम् जजन्तु |
| जज | ” | जजतम् जजत |
| जजानि | जजाव | जजाम |
| झ० अजजत् | अजजताम् | अजजन् |
| अजजः | अजजतम् | अजजत |
| अजजम् | अजजाव | अजजाम |
| अ० अजाजीत् | अजाजिष्टाम् | अजाजिषुः |
| अजाजीः | अजाजिष्टम् | अजाजिष्ट |
| अजाजिषम् | अजाजिष्व | अजाजिषम |
| अजजीत् | अजजिष्टाम् | अजजिषुः |
| अजजीः | अजजिष्टम् | अजजिष्ट |
| अजजिषम् | अजजिष्व | अजजिषम |
| प० जजाज | जेजतुः | जेजुः |
| जेजिथ | जेजथुः | जेज |
| जजाज | जजत | जेजिथ जेजिम् |
| आ० जज्यात् | जज्यास्ताम् | जज्यासुः |
| जज्याः | जज्यास्तम् | जज्यास्त |
| जज्यासम् | जज्यास्व | जज्यास्म |
| श्व० जजिता | जजितारौ | जजितारः |
| जजितासि | जजितास्थः | जजितास्थ |
| जजितास्मि | जजितास्वः | जजितास्मः |
| भ० जजिष्यति | जजिष्यतः | जजिष्यन्ति |
| जजिष्यसि | जजिष्यथः | जजिष्यथ |
| जजिष्यामि | जजिष्यावः | जजिष्यामः |
| क्रि० अजजिष्यत् | अजजिष्यताम् | अजजिष्यन् |
| अजजिष्यः | अजजिष्यतम् | अजजिष्यत |
| अजजिष्यम् | अजजिष्याव | अजजिष्याम |

160 जजु (जञ्जु) युद्धे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० जञ्जति | जञ्जतः | जञ्जन्ति |
| जञ्जसि | जञ्जथः | जञ्जथ |
| जञ्जामि | जञ्जाथः | जञ्जामः |
| स० जञ्जेत् | जञ्जेताम् | जञ्जेयुः |
| जञ्जेः | जञ्जेतम् | जञ्जेत |
| जञ्जेयम् | जञ्जेव | जञ्जेम |
| प० जञ्जतु | जञ्जतात् | जञ्जताम् |
| जञ्ज | „ | जञ्जतम् |
| जञ्जानि | जञ्जाव | जञ्जाम |
| ह्य० अजञ्जत् | अजञ्जताम् | अजञ्जन |
| अजञ्जः | अजञ्जतम् | अजञ्जत |
| अजञ्जम् | अजञ्जाव | अजञ्जाम |
| अ० अजञ्जीत् | अजञ्जिताम् | अजञ्जिषुः |
| अजञ्जीः | अजञ्जितम् | अजञ्जित |
| अजञ्जिषम् | अजञ्जिव | अजञ्जिम |
| प० जजञ्ज | जजञ्जतुः | जजञ्जुः |
| जजञ्जथ | जजञ्जथुः | जजञ्ज |
| जजञ्ज | जजञ्जिव | जजञ्जिम |
| आ० जञ्ज्यात् | जञ्ज्यास्ताम् | जञ्ज्यासुः |
| जञ्ज्याः | जञ्ज्यास्तम् | जञ्ज्यास्त |
| जञ्ज्यासम् | जञ्ज्यास्व | जञ्ज्यास्म |
| श्व० जञ्जिता | जञ्जितारौ | जञ्जितारः |
| जञ्जितासि | जञ्जितास्थः | जञ्जितास्थ |
| जञ्जितास्मि | जञ्जितास्वः | जञ्जितास्मः |
| भ० जञ्जिष्यति | जञ्जिष्यतः | जञ्जिष्यन्ति |
| जञ्जिष्यसि | जञ्जिष्यथः | जञ्जिष्यथ |
| जञ्जिष्यामि | जञ्जिष्याथः | जञ्जिष्यामः |
| क्रि० अजञ्जिष्यत् | अजञ्जिष्यताम् | |
| अजञ्जिष्यन् | अजञ्जिष्यः | |
| अजञ्जिष्यतम् | अजञ्जिष्यत | |
| अजञ्जिष्यम् | अजञ्जिष्याव | |
| अजञ्जिष्याम | | |

161 तुज (तुज) हिंसायाम्

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० तोजेति | तोजतः | तोजन्ति |
| तोजसि | तोजथः | तोजथ |
| तोजामि | तोजाथः | तोजामः |
| स० तोजेत् | तोजेताम् | तोजेयुः |
| तोजेः | तोजेतम् | तोजेत |
| तोजेयम् | तोजेव | तोजेम |
| प० तोजतु | तोजतात् | तोजताम् |
| तोज | „ | तोजतम् |
| तोजानि | तोजाव | तोजाम |
| ह्य० अतोजत् | अतोजताम् | अतोजन |
| अतोजः | अतोजतम् | अतोजत |
| अतोजम् | अतोजाव | अतोजाम |
| अ० अतोजीत् | अतोजिताम् | अतोजिषुः |
| अतोजीः | अतोजितम् | अतोजित |
| अतोजिषम् | अतोजिव | अतोजिम |
| प० तुतोज | तुतुजतुः | तुतुजुः |
| तुतोजिथ | तुतुजथुः | तुतुज |
| तुतोज | तुतुजिव | तुतुजिम |
| आ० तुज्यात् | तुज्यास्ताम् | तुज्यासुः |
| तुज्याः | तुज्यास्तम् | तुज्यास्त |
| तुज्यासम् | तुज्यास्व | तुज्यास्म |
| श्व० तोजिता | तोजितारौ | तोजितारः |
| तोजितासि | तोजितास्थः | तोजितास्थ |
| तोजितास्मि | तोजितास्वः | तोजितास्मः |
| भ० तोजिष्यति | तोजिष्यतः | तोजिष्यन्ति |
| तोजिष्यसि | तोजिष्यथः | तोजिष्यथ |
| तोजिष्यामि | तोजिष्याथः | तोजिष्यामः |
| क्रि० अतोजिष्यत् | अतोजिष्यताम् | अतोजिष्यन् |
| अतोजिष्यः | अतोजिष्यतम् | अतोजिष्यत |
| अतोजिष्यम् | अतोजिष्याव | अतोजिष्याम |

162 तुञ्ज (तुञ्ज्) बलने च ।

चाद् हिंसायाम् । बलनं प्राणनम् ।

| | | | |
|-------|---------------|----------------|---------------|
| व० | तुञ्जति | तुञ्जतः | तुञ्जन्ति |
| | तुञ्जमि | तुञ्जथः | तुञ्जथ |
| | तुञ्जामि | तुञ्जावः | तुञ्जामः |
| स० | तुञ्जेत् | तुञ्जेताम् | तुञ्जेयुः |
| | तुञ्जेः | तुञ्जेतम् | तुञ्जेत |
| | तुञ्जेयम् | तुञ्जेव | तुञ्जेम |
| प० | तुञ्जतु | तुञ्जतात् | तुञ्जताम् |
| | तुञ्ज | तुञ्जतम् | तुञ्जत |
| | तुञ्जानि | तुञ्जाव | तुञ्जाम |
| ह्य० | अतुञ्जत् | अतुञ्जताम् | अतुञ्जन |
| | अतुञ्जः | अतुञ्जतम् | अतुञ्जत |
| | अतुञ्जम् | अतुञ्जाव | अतुञ्जाम |
| अ० | अतुञ्जीत् | अतुञ्जिष्टाम् | अतुञ्जिषुः |
| | अतुञ्जीः | अतुञ्जिष्टम् | अतुञ्जिष्ट |
| | अतुञ्जिषम् | अतुञ्जिष्व | अतुञ्जिष्य |
| प० | तुतुञ्ज | तुतुञ्जतुः | तुतुञ्जुः |
| | तुतुञ्जिय | तुतुञ्जथुः | तुतुञ्ज |
| | तुतुञ्ज | तुतुञ्जिव | तुतुञ्जिम |
| आ० | तुञ्ज्यात् | तुञ्ज्यास्ताम् | तुञ्ज्यासुः |
| | तुञ्ज्याः | तुञ्ज्यास्तम् | तुञ्ज्यास्त |
| | तुञ्ज्यासम् | तुञ्ज्यास्व | तुञ्ज्यास्म |
| श्व० | तुञ्जिता | तुञ्जितारौ | तुञ्जितारः |
| | तुञ्जितासि | तुञ्जितास्थः | तुञ्जितास्थ |
| | तुञ्जितास्मि | तुञ्जितास्वः | तुञ्जितास्मः |
| भ० | तुञ्जिष्यति | तुञ्जिष्यतः | तुञ्जिष्यन्ति |
| | तुञ्जिष्यसि | तुञ्जिष्यथः | तुञ्जिष्यथ |
| | तुञ्जिष्यामि | तुञ्जिष्यावः | तुञ्जिष्यामः |
| क्रि० | अतुञ्जिष्यत् | अतुञ्जिष्यताम् | |
| | अतुञ्जिष्यन् | अतुञ्जिष्यतः | |
| | अतुञ्जिष्यतम् | अतुञ्जिष्यत | |
| | अतुञ्जिष्यम् | अतुञ्जिष्याव | |
| | अतुञ्जिष्याम | | |

163 गर्ज (गर्ज्) शब्दे

| | | | |
|-------|--------------|---------------|--------------|
| व० | गर्जति | गर्जतः | गर्जन्ति |
| | गर्जसि | गर्जथः | गर्जथ |
| | गर्जामि | गर्जावः | गर्जामः |
| स० | गर्जेत् | गर्जेताम् | गर्जेयुः |
| | गर्जेः | गर्जेतम् | गर्जेत |
| | गर्जेयम् | गर्जेव | गर्जेम |
| प० | गर्जतु | गर्जतात् | गर्जताम् |
| | गर्ज | गर्जतम् | गर्जत |
| | गर्जानि | गर्जाव | गर्जाम |
| ह्य० | अगर्जेत् | अगर्जेताम् | अगर्जन |
| | अगर्जः | अगर्जतम् | अगर्जत |
| | अगर्जम् | अगर्जाव | अगर्जाम |
| अ० | अगर्जीत् | अगर्जिष्टाम् | अगर्जिषुः |
| | अगर्जीः | अगर्जिष्टम् | अगर्जिष्ट |
| | अगर्जिषम् | अगर्जिष्व | अगर्जिष्य |
| प० | जगर्ज | जगर्जतुः | जगर्जुः |
| | जगर्जिय | जगर्जथुः | जगर्ज |
| | जगर्ज | जगर्जिव | जगर्जिम |
| आ० | गर्ज्यात् | गर्ज्यास्ताम् | गर्ज्यासुः |
| | गर्ज्याः | गर्ज्यास्तम् | गर्ज्यास्त |
| | गर्ज्यासम् | गर्ज्यास्व | गर्ज्यास्म |
| श्व० | गर्जिता | गर्जितारौ | गर्जितारः |
| | गर्जितासि | गर्जितास्थः | गर्जितास्थ |
| | गर्जितास्मि | गर्जितास्वः | गर्जितास्मः |
| भ० | गर्जिष्यति | गर्जिष्यतः | गर्जिष्यन्ति |
| | गर्जिष्यसि | गर्जिष्यथः | गर्जिष्यथ |
| | गर्जिष्यामि | गर्जिष्यावः | गर्जिष्यामः |
| क्रि० | अगर्जिष्यत् | अगर्जिष्यताम् | |
| | अगर्जिष्यन् | अगर्जिष्यतः | |
| | अगर्जिष्यतम् | अगर्जिष्यत | |
| | अगर्जिष्यम् | अगर्जिष्याव | |
| | अगर्जिष्याम | | |

164 गजु (गज्जु) शब्दे

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० गज्जति | गज्जतः | गज्जन्ति |
| गज्जसि | गज्जथः | गज्जथ |
| गज्जामि | गज्जावः | गज्जामः |
| स० गज्जेत् | गज्जेताम् | गज्जेयुः |
| गज्जेः | गज्जेतम् | गज्जेत |
| गज्जेयम् | गज्जेव | गज्जेम |
| प० गज्जतु | गज्जतात् | गज्जताम् |
| गज्ज | गज्जतम् | गज्जत |
| गज्जानि | गज्जाव | गज्जाम |
| ह्य० अगज्जत् | अगज्जताम् | अगज्जन |
| अगज्जः | अगज्जतम् | अगज्जत |
| अगज्जम् | अगज्जाव | अगज्जाम |
| अ० अगज्जीत् | अगज्जिष्टाम् | अगज्जिषुः |
| अगज्जीः | अगज्जिष्टम् | अगज्जिष्ट |
| अगज्जिषम् | अगज्जिष्व | अगज्जिषम |
| प० जगज्ज | जगज्जतुः | जगज्जुः |
| जगज्जिथ | जगज्जथुः | जगज्ज |
| जगज्ज | जगज्जिव | जगज्जिम |
| आ० गज्ज्यात् | गज्ज्यास्ताम् | गज्ज्यासुः |
| गज्ज्याः | गज्ज्यास्तम् | गज्ज्यास्त |
| गज्ज्यासम् | गज्ज्यास्व | गज्ज्यासम |
| श्व० गज्जिता | गज्जितारौ | गज्जितारः |
| गज्जितासि | गज्जितास्थः | गज्जितास्थ |
| गज्जितास्मि | गज्जितास्वः | गज्जितास्म |
| भ० गज्जिष्यति | गज्जिष्यतः | गज्जिष्यन्ति |
| गज्जिष्यसि | गज्जिष्यथः | गज्जिष्यथ |
| गज्जिष्यामि | गज्जिष्यावः | गज्जिष्यामः |
| क्रि० अगज्जिष्यत् | अगज्जिष्यताम् | अगज्जिष्यन् |
| अगज्जिष्यः | अगज्जिष्यतम् | अगज्जिष्यत |
| अगज्जिष्यम् | अगज्जिष्याव | अगज्जिष्याम |

165 गुज (गुज्जु) शब्दे

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० गुजति | गुजतः | गुजन्ति |
| गुजसि | गुजथः | गुजथ |
| गुजामि | गुजावः | गुजामः |
| स० गुजेत् | गुजेताम् | गुजेयुः |
| गुजेः | गुजेतम् | गुजेत |
| गुजेयम् | गुजेव | गुजेम |
| प० गुजतु | गुजतात् | गुजताम् |
| गुज | गुजतम् | गुजत |
| गुजानि | गुजाव | गुजाम |
| ह्य० अगुजत् | अगुजताम् | अगुजन |
| अगुजः | अगुजतम् | अगुजत |
| अगुजम् | अगुजाव | अगुजाम |
| अ० अगुजीत् | अगुजिष्टाम् | अगुजिषुः |
| अगुजीः | अगुजिष्टम् | अगुजिष्ट |
| अगुजिषम् | अगुजिष्व | अगुजिषम |
| प० जगुज | जगुजतुः | जगुजुः |
| जगुजिथ | जगुजथुः | जगुज |
| जगुज | जगुजिव | जगुजिम |
| आ० गुज्यात् | गुज्यास्ताम् | गुज्यासुः |
| गुज्याः | गुज्यास्तम् | गुज्यास्त |
| गुज्यासम् | गुज्यास्व | गुज्यासम |
| श्व० गुजिता | गुजितारौ | गुजितारः |
| गुजितासि | गुजितास्थः | गुजितास्थ |
| गुजितास्मि | गुजितास्वः | गुजितास्म |
| भ० गुजिष्यति | गुजिष्यतः | गुजिष्यन्ति |
| गुजिष्यसि | गुजिष्यथः | गुजिष्यथ |
| गुजिष्यामि | गुजिष्यावः | गुजिष्यामः |
| क्रि० अगुजिष्यत् | अगुजिष्यताम् | अगुजिष्यन् |
| अगुजिष्यः | अगुजिष्यतम् | अगुजिष्यत |
| अगुजिष्यम् | अगुजिष्याव | अगुजिष्याम |

166 गृज् (गृज्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|---------------|----------------|---------------------|
| व० | गृजति | गृजतः | गृजन्ति |
| | गृजसि | गृजथः | गृजथ |
| | गृजामि | गृजावः | गृजामः |
| स० | गृज्जेत् | गृज्जेताम् | गृज्जेयुः |
| | गृज्जेः | गृज्जेतम् | गृज्जेत |
| | गृज्जेयम् | गृज्जेव | गृज्जेम |
| प० | गृज्जतु | गृज्जतात् | गृज्जताम् गृज्जन्तु |
| | गृज्ज | ” | गृज्जतम् गृज्जत |
| | गृज्जानि | गृज्जाव | गृज्जाम |
| ह्य० | अगृज्जत् | अगृज्जताम् | अगृज्जन् |
| | अगृज्जः | अगृज्जतम् | अगृज्जत |
| | अगृज्जम् | अगृज्जाव | अगृज्जाम |
| अ० | अगृज्जीत् | अगृज्जिष्टाम् | अगृज्जिषुः |
| | अगृज्जीः | अगृज्जिष्टम् | अगृज्जिष्ट |
| | अगृज्जिषम् | अगृज्जिष्व | अगृज्जिषम |
| प० | जगृज्ज | जगृज्जतुः | जगृज्जुः |
| | जगृज्जिथ | जगृज्जथुः | जगृज्ज |
| | जगृज्ज | जगृज्जिव | जगृज्जिम |
| आ० | गृज्ज्यात् | गृज्ज्यास्ताम् | गृज्ज्यासुः |
| | गृज्ज्याः | गृज्ज्यास्तम् | गृज्ज्यास्व |
| | गृज्ज्यासम् | गृज्ज्यास्व | गृज्ज्यास्म |
| श्व० | गृज्जिता | गृज्जितारौ | गृज्जितारः |
| | गृज्जितासि | गृज्जितास्थः | गृज्जितास्थ |
| | गृज्जितास्मि | गृज्जितास्वः | गृज्जितास्मः |
| भ० | गृज्जिष्यति | गृज्जिष्यतः | गृज्जिष्यन्ति |
| | गृज्जिष्यसि | गृज्जिष्यथः | गृज्जिष्यथ |
| | गृज्जिष्यामि | गृज्जिष्यावः | गृज्जिष्यामः |
| क्रि० | अगृज्जिष्यत् | अगृज्जिष्यताम् | |
| | अगृज्जिष्यन् | अगृज्जिष्यः | |
| | अगृज्जिष्यतम् | अगृज्जिष्यत | |
| | अगृज्जिष्यम् | अगृज्जिष्याव | |
| | अगृज्जिष्याम | | |

167 मुज् (मुज्) शब्दे

| | | | |
|-------|------------|--------------|---------------------|
| व० | मुजति | मुजतः | मुजन्ति |
| | मुजसि | मुजथः | मुजथ |
| | मुजामि | मुजावः | मुजामः |
| स० | मुज्जेत् | मुज्जेताम् | मुज्जेयुः |
| | मुज्जेः | मुज्जेतम् | मुज्जेत |
| | मुज्जेयम् | मुज्जेव | मुज्जेम |
| प० | मुज्जतु | मुज्जतात् | मुज्जताम् मुज्जन्तु |
| | मुज्ज | ” | मुज्जतम् मुज्जत |
| | मुज्जानि | मुज्जाव | मुज्जाम |
| ह्य० | अमुजत् | अमुजताम् | अमुजन् |
| | अमुजः | अमुजतम् | अमुजत |
| | अमुजम् | अमुजाव | अमुजाम |
| अ० | अमुजीत् | अमुजिष्टाम् | अमुजिषुः |
| | अमुजीः | अमुजिष्टम् | अमुजिष्ट |
| | अमुजिषम् | अमुजिष्व | अमुजिषम |
| प० | मुमोज | मुमुजतुः | मुमुजुः |
| | मुमोजिथ | मुमुजथुः | मुमुज |
| | मुमोज | मुमुजिव | मुमुजिम |
| आ० | मुज्यात् | मुज्यास्ताम् | मुज्यासुः |
| | मुज्याः | मुज्यास्तम् | मुज्यास्व |
| | मुज्यासम् | मुज्यास्व | मुज्यास्म |
| श्व० | मुजिता | मुजितारौ | मुजितारः |
| | मुजितासि | मुजितास्थः | मुजितास्थ |
| | मुजितास्मि | मुजितास्वः | मुजितास्मः |
| भ० | मुजिष्यति | मुजिष्यतः | मुजिष्यन्ति |
| | मुजिष्यसि | मुजिष्यथः | मुजिष्यथ |
| | मुजिष्यामि | मुजिष्यावः | मुजिष्यामः |
| क्रि० | अमुजिष्यत् | अमुजिष्यताम् | अमुजिष्यन् |
| | अमुजिष्यः | अमुजिष्यतम् | अमुजिष्यत |
| | अमुजिष्यम् | अमुजिष्याव | अमुजिष्याम |

168 मुज्ज (मुञ्ज) शब्दे ।

व० मुञ्जति मुञ्जतः मुञ्जन्ति
मुञ्जसि मुञ्जथः मुञ्जथ
मुञ्जामि मुञ्जावः मुञ्जामः

स० मुञ्जेत् मुञ्जेताम् मुञ्जेयुः
मुञ्जेः मुञ्जेतम् मुञ्जेत
मुञ्जेयम् मुञ्जेव मुञ्जेम

प० मुञ्जतु मुञ्जतात् मुञ्जताम् मुञ्जन्तु
मुञ्ज , मुञ्जतम् मुञ्जत
मुञ्जानि मुञ्जाव मुञ्जाम

ह्य० अमुञ्जत् अमुञ्जताम् अमुञ्जन्
अमुञ्जः अमुञ्जतम् अमुञ्जत
अमुञ्जम् अमुञ्जाव अमुञ्जाम

अ० अमुञ्जीत् अमुञ्जिष्टाम् अमुञ्जिषुः
अमुञ्जीः अमुञ्जिष्टम् अमुञ्जिष्ट
अमुञ्जिषम् अमुञ्जिष्व अमुञ्जिष्म

प० मुमुञ्ज मुमुञ्जतुः मुमुञ्जुः
मुमुञ्जिथ मुमुञ्जथुः मुमुञ्ज
मुमुञ्ज मुमुञ्जिव मुमुञ्जिम

आ० मुञ्ज्यात् मुञ्ज्यास्ताम् मुञ्ज्यासुः
मुञ्ज्याः मुञ्ज्यास्तम् मुञ्ज्यास्त
मुञ्ज्यासम् मुञ्ज्यास्व मुञ्ज्यास्म

श्व० मुञ्जिता मुञ्जितारौ मुञ्जितारः
मुञ्जितासि मुञ्जितास्थः मुञ्जितास्थ
मुञ्जितास्मि मुञ्जितास्वः मुञ्जितास्मः

भ० मुञ्जिष्यति मुञ्जिष्यतः मुञ्जिष्यन्ति
मुञ्जिष्यसि मुञ्जिष्यथः मुञ्जिष्यथ
मुञ्जिष्यामि मुञ्जिष्यावः मुञ्जिष्यामः

क्रि० अमुञ्जिष्यत् अमुञ्जिष्यताम्
अमुञ्जिष्यन् अमुञ्जिष्यः
अमुञ्जिष्यतम् अमुञ्जिष्यत
अमुञ्जिष्यम् अमुञ्जिष्याव
अमुञ्जिष्याम

168-2 मृज (मृज्) शब्दे इति केचित्

व० मर्जति मर्जतः मर्जन्ति
मर्जसि मर्जथः मर्जथ
मर्जामि मर्जावः मर्जामः

स० मर्जेत् मर्जेताम् मर्जेयुः
मर्जेः मर्जेतम् मर्जेत
मर्जेयम् मर्जेव मर्जेम

प० मर्जतु मर्जतात् मर्जताम् मर्जन्तु
मर्ज , मर्जतम् मर्जत
मर्जानि मर्जाव मर्जाम

ह्य० अमर्जत् अमर्जताम् अमर्जन्
अमर्जः अमर्जतम् अमर्जत
अमर्जम् अमर्जाव अमर्जाम

अ० अमर्जीत् अमर्जिष्टाम् अमर्जिषुः
अमर्जीः अमर्जिष्टम् अमर्जिष्ट
अमर्जिषम् अमर्जिष्व अमर्जिष्म

प० ममर्ज ममर्जतुः ममर्जुः
ममर्जिथ ममर्जथुः ममर्ज
ममर्ज ममर्जिव ममर्जिम

आ० मृज्यात् मृज्यास्ताम् मृज्यासुः
मृज्याः मृज्यास्तम् मृज्यास्त
मृज्यासम् मृज्यास्व मृज्यास्म

श्व० मर्जिता मर्जितारौ मर्जितारः
मर्जितासि मर्जितास्थः मर्जितास्थ
मर्जितास्मि मर्जितास्वः मर्जितास्मः

भ० मर्जिष्यति मर्जिष्यतः मर्जिष्यन्ति
मर्जिष्यसि मर्जिष्यथः मर्जिष्यथ
मर्जिष्यामि मर्जिष्यावः मर्जिष्यामः

क्रि० अमर्जिष्यत् अमर्जिष्यताम्
अमर्जिष्यन् अमर्जिष्यः
अमर्जिष्यतम् अमर्जिष्यत
अमर्जिष्यम् अमर्जिष्याव
अमर्जिष्याम

169 मृजु (मृञ्ज्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------------|
| व० | मृञ्जति | मृञ्जतः | मृञ्जन्ति |
| | मृञ्जसि | मृञ्जथः | मृञ्जथ |
| | मृञ्जामि | मृञ्जावः | मृञ्जामः |
| स० | मृञ्जेत् | मृञ्जेताम् | मृञ्जेयुः |
| | मृञ्जेः | मृञ्जेतम् | मृञ्जेत |
| | मृञ्जेयम् | मृञ्जेव | मृञ्जेम |
| प० | मृञ्जतु | मृञ्जतात् | मृञ्जताम् मृञ्जन्तु |
| | मृञ्ज | " | मृञ्जतम् मृञ्जत |
| | मृञ्जानि | मृञ्जाव | मृञ्जाम |
| ह्य० | अमृञ्जत् | अमृञ्जताम् | अमृञ्जन |
| | अमृञ्जः | अमृञ्जतम् | अमृञ्जत |
| | अमृञ्जम् | अमृञ्जाव | अमृञ्जाम |
| अ० | अमृञ्जोत् | अमृञ्जिष्टाम् | अमृञ्जिषुः |
| | अमृञ्जीः | अमृञ्जिष्टम् | अमृञ्जिष्ट |
| | अमृञ्जिषम् | अमृञ्जिष्व | अमृञ्जिष्म |
| प० | ममृञ्ज | ममृञ्जतुः | ममृञ्जुः |
| | ममृञ्जिथ | ममृञ्जथुः | ममृञ्ज |
| | ममृञ्ज | ममृञ्जिव | ममृञ्जिम |
| आ० | मृञ्ज्यात् | मृञ्ज्यास्ताम् | मृञ्ज्यासुः |
| | मृञ्ज्याः | मृञ्ज्यास्तम् | मृञ्ज्यास्त |
| | मृञ्ज्यासम् | मृञ्ज्यास्व | मृञ्ज्यास्म |
| श्व० | मृञ्जिता | मृञ्जितारौ | मृञ्जितारः |
| | मृञ्जितासि | मृञ्जितास्थः | मृञ्जितास्थ |
| | मृञ्जितास्मि | मृञ्जितास्वः | मृञ्जितास्मः |
| भ० | मृञ्जिष्यति | मृञ्जिष्यतः | मृञ्जिष्यन्ति |
| | मृञ्जिष्यसि | मृञ्जिष्यथः | मृञ्जिष्यथ |
| | मृञ्जिष्यामि | मृञ्जिष्यावः | मृञ्जिष्यामः |
| क्रि० | अमृञ्जिष्यत् | अमृञ्जिष्यताम् | अमृञ्जिष्यन् |
| | अमृञ्जिष्यन् | अमृञ्जिष्यः | अमृञ्जिष्यतम् |
| | अमृञ्जिष्यम् | अमृञ्जिष्याव | अमृञ्जिष्याम |

170 मज (मज्ज्) शब्दे

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| व० | मजति | मजतः | मजन्ति |
| | मजसि | मजथः | मजथ |
| | मजामि | मजावः | मजामः |
| स० | मजेत् | मजेताम् | मजेयुः |
| | मजेः | मजेतम् | मजेत |
| | मजेयम् | मजेव | मजेम |
| प० | मजतु | मजतात् | मजताम् मजन्तु |
| | मज | " | मजतम् मजत |
| | मजानि | मजाव | मजाम |
| ह्य० | अमजत् | अमजताम् | अमजन |
| | अमजः | अमजतम् | अमजत |
| | अमजम् | अमजाव | अमजाम |
| अ० | अमाजोत् | अमाजिष्टाम् | अमाजिषुः |
| | अमाजीः | अमाजिष्टम् | अमाजिष्ट |
| | अमाजिषम् | अमाजिष्व | अमाजिष्म |
| | अमजोत् | अमजिष्टाम् | अमजिषुः |
| | अमजीः | अमजिष्टम् | अमजिष्ट |
| | अमजिषम् | अमजिष्व | अमजिष्म |
| प० | ममाज | मेजतुः | मेजुः |
| | मेजिथ | मेजथुः | मेज |
| | ममाज, ममज | मेजिव | मेजिम |
| आ० | मज्यात् | मज्यास्ताम् | मज्यासुः |
| | मज्याः | मज्यास्तम् | मज्यास्त |
| | मज्यासम् | मज्यास्व | मज्यास्म |
| श्व० | मजिता | मजितारौ | मजितारः |
| | मजितासि | मजितास्थः | मजितास्थ |
| | मजितास्मि | मजितास्वः | मजितास्मः |
| भ० | मजिष्यति | मजिष्यतः | मजिष्यन्ति |
| | मजिष्यसि | मजिष्यथः | मजिष्यथ |
| | मजिष्यामि | मजिष्यावः | मजिष्यामः |
| क्रि० | अमजिष्यत् | अमजिष्यताम् | अमजिष्यन् |
| | अमजिष्यन् | अमजिष्यः | अमजिष्यतम् |
| | अमजिष्यम् | अमजिष्याव | अमजिष्याम |

171 गज (गज्) मदने च

चकारात् शब्दे । मदने मदेत्पत्तिः ।

| | | |
|---------|-------|--------|
| व० गजति | गजतः | गजन्ति |
| गजसि | गजथः | गजथ |
| गजामि | गजावः | गजामः |

| | | |
|----------|---------|--------|
| स० गजेत् | गजेताम् | गजेयुः |
| गजेः | गजेतम् | गजेत |
| गजेयम् | गजेव | गजेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० गजतु | गजतात् | गजताम् | गजन्तु |
| गज | , | गजतम् | गजत |
| गजानि | | गजाव | गजाम |

| | | |
|----------|---------|-------|
| झ० अगजत् | अगजताम् | अगजन् |
| अगजः | अगजतम् | अगजत |
| अगजम् | अगजाव | अगजाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अगाजीत् | अगाजिष्टाम् | अगाजिषुः |
| अगाजीः | अगाजिष्टम् | अगाजिष्ट |
| अगाजिषम् | अगाजिष्व | अगाजिषम |

| | | |
|---------|-----------|---------|
| अगजीत् | अगजिष्टम् | अगजिषुः |
| अगजीः | अगजिष्टम् | अगजिष्ट |
| अगजिषम् | अगजिष्व | अगजिषम |

| | | |
|-----------|--------|-------|
| प० जगाज | जगजतुः | जगजुः |
| जगजिथ | जगजथुः | जगज |
| जगाज, जगज | जगजिव | जगजिम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० गज्यात् | गज्यास्ताम् | गज्यासुः |
| गज्याः | गज्यास्तम् | गज्यास्त |
| गज्यासम् | गज्यास्व | गज्यास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| श्व० गजिता | गजितारौ | गजितारः |
| गजितासि | गजितास्थः | गजितास्थ |
| गजितास्मि | गजितास्वः | गजितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० गजिष्यति | गजिष्यतः | गजिष्यन्ति |
| गजिष्यसि | गजिष्यथः | गजिष्यथ |
| गजिष्यामि | गजिष्यावः | गजिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अगजिष्यत् | अगजिष्यताम् | अगजिष्यन् |
| अगजिष्यः | अगजिष्यतम् | अगजिष्यत |
| अगजिष्यम् | अगजिष्याव | अगजिष्याम |

172 त्यजं (त्यज्) हानौ ।

हानिस्त्यागः ।

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० त्यजति | त्यजतः | त्यजन्ति |
| त्यजसि | त्यजथः | त्यजथ |
| त्यजामि | त्यजावः | त्यजामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० त्यजेत् | त्यजेताम् | त्यजेयुः |
| त्यजेः | त्यजेतम् | त्यजेत |
| त्यजेयम् | त्यजेव | त्यजेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० त्यजतु | त्यजतात् | त्यजताम् | त्यजन्तु |
| त्यज | , | त्यजतम् | त्यजत |
| त्यजानि | | त्यजाव | त्यजाम |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अत्यजत् | अत्यजताम् | अत्यजन् |
| अत्यजः | अत्यजतम् | अत्यजत |
| अत्यजम् | अत्यजाव | अत्यजाम |

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| अ० अत्याक्षीत् | अत्याक्ताम् | अत्याक्षुः |
| अत्याक्षीः | अत्याक्तम् | अत्याक्त |
| अत्याक्षम् | अत्याक्ष्व | अत्याक्षम |

| | | |
|--------------|----------|---------|
| प० तत्याज | तत्यजतुः | तत्यजुः |
| तत्यजिथ | तत्यजथुः | तत्यज |
| तत्याज तत्यज | तत्यजिव | तत्यजिम |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० त्यज्यात् | त्यज्यास्ताम् | त्यज्यासुः |
| त्यज्याः | त्यज्यास्तम् | त्यज्यास्त |
| त्यज्यासम् | त्यज्यास्व | त्यज्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| श्व० त्यजिता | त्यजितारौ | त्यजितारः |
| त्यजितासि | त्यजितास्थः | त्यजितास्थ |
| त्यजितास्मि | त्यजितास्वः | त्यजितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० त्यजिष्यति | त्यजिष्यतः | त्यजिष्यन्ति |
| त्यजिष्यसि | त्यजिष्यथः | त्यजिष्यथ |
| त्यजिष्यामि | त्यजिष्यावः | त्यजिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अत्यजिष्यत् | अत्यजिष्यताम् | अत्यजिष्यन् |
| अत्यजिष्यः | अत्यजिष्यतम् | अत्यजिष्यत |
| अत्यजिष्यम् | अत्यजिष्याव | अत्यजिष्याम |

173 षञ्जं (सञ्ज) सङ्गे

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० सजति | सजतः | सजन्ति |
| सजसि | सजथः | सजथ |
| सजामि | सजावः | सजामः |
| स० सजेत् | सजेताम् | सजेयुः |
| सजेः | सजेतम् | सजेत |
| सजेयम् | सजेव | सजेम |
| प० सजतु | सजतात् | सजताम् |
| सज | ” | सजतम् |
| सजानि | सजाव | सजाम |
| ह्य० असजत् | असजताम् | असजन् |
| असजः | असजतम् | असजत |
| असजम् | असजाव | असजाम |
| अ० असाङ्क्षीत् | असाङ्क्षाम् | असाङ्क्षुः |
| असाङ्क्षीः | असाङ्क्षम् | असाङ्क्ष |
| असाङ्क्षम् | असाङ्क्षव | असाङ्क्षम |
| प० ससञ्ज | ससञ्जतुः | ससञ्जुः |
| ससञ्जिथ | ससञ्जथुः | ससञ्ज |
| ससञ्ज | ससञ्जिव | ससञ्जिम |
| आ० सज्यात् | सज्यास्ताम् | सज्यासुः |
| सज्याः | सज्यास्तम् | सज्यास्त |
| सज्यासम् | सज्यास्व | सज्यास्म |
| श्व० सङ्क्ता | सङ्क्तारौ | सङ्क्तारः |
| सङ्क्तासि | सङ्क्तास्थः | सङ्क्तास्थ |
| सङ्क्तास्मि | सङ्क्तास्वः | सङ्क्तास्मः |
| भ० सङ्क्ष्यति | सङ्क्ष्यतः | सङ्क्ष्यन्ति |
| सङ्क्ष्यसि | सङ्क्ष्यथः | सङ्क्ष्यथ |
| सङ्क्ष्यामि | सङ्क्ष्यावः | सङ्क्ष्यामः |
| क्रि० असङ्क्ष्यत् | असङ्क्ष्यताम् | असङ्क्ष्यन् |
| असङ्क्ष्यः | असङ्क्ष्यतम् | असङ्क्ष्यत |
| असङ्क्ष्यम् | असङ्क्ष्याव | असङ्क्ष्याम |

॥ अथ दान्ता अष्टात्रिंशत्सेटश्च ।

174 कटे (कट्) वर्षावरणयोः ।

वृष्टौ आवरणे चेत्यर्थः ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० कटति | कटतः | कटन्ति |
| कटसि | कटथः | कटथ |
| कटामि | कटावः | कटामः |
| स० कटेत् | कटेताम् | कटेयुः |
| कटेः | कटेतम् | कटेत |
| कटेयम् | कटेव | कटेम |
| प० कटतु | कटतात् | कटताम् |
| कट | ” | कटतम् |
| कटानि | कटाव | कटाम |
| ह्य० अकटत् | अकटताम् | अकटन् |
| अकटः | अकटतम् | अकटत |
| अकटम् | अकटाव | अकटाम |
| अ० अकटीत् | अकटिष्ताम् | अकटिषुः |
| अकटीः | अकटिष्टम् | अकटिष्ट |
| अकटिषम् | अकटिष्व | अकटिषम |
| प० चकाट | चकटतुः | चकटुः |
| चकटिथ | चकटथुः | चकट |
| चकाट, चकट | चकटिव | चकटिम |
| आ० कट्यात् | कट्यास्ताम् | कट्यासुः |
| कट्याः | कट्यास्तम् | कट्यास्त |
| कट्यासम् | कट्यास्व | कट्यास्म |
| श्व० कटिता | कटितारौ | कटितारः |
| कटितासि | कटितास्थः | कटितास्थ |
| कटितास्मि | कटितास्वः | कटितास्मः |
| भ० कटिष्यति | कटिष्यतः | कटिष्यन्ति |
| कटिष्यसि | कटिष्यथः | कटिष्यथ |
| कटिष्यामि | कटिष्यावः | कटिष्यामः |
| क्रि० अकटिष्यत् | अकटिष्यताम् | अकटिष्यन् |
| अकटिष्यः | अकटिष्यतम् | अकटिष्यत |
| अकटिष्यम् | अकटिष्याव | अकटिष्याम |

175 शटे (शट्) रुजाविशरण- त्यवसादनेषु ।

| | | | |
|-------|------------|-------------|---------------|
| व० | शटति | शटतः | शटन्ति |
| | शटसि | शटथः | शटथ |
| | शटामि | शटावः | शटामः |
| स० | शटेत् | शटेताम् | शटेयुः |
| | शटेः | शटेतम् | शटेत |
| | शटेयम् | शटेव | शटेम |
| प० | शटतु | शटतात् | शटताम् शटन्तु |
| | शट | ” | शटतम् शटत |
| | शटानि | शटाव | शटाम |
| झ० | अशटत् | अशटताम् | अशटन् |
| | अशटः | अशटतम् | अशटत |
| | अशटम् | अशटाव | अशटाम |
| ञ० | अशाटीत् | अशाटिष्टाम् | अशाटिषुः |
| | अशाटीः | अशाटिष्टम् | अशाटिष्ट |
| | अशाटिषम् | अशाटिष्व | अशाटिष्म |
| | अशटीत् | अशटिष्टाम् | अशटिषुः |
| | अशटीः | अशटिष्टम् | अशटिष्ट |
| | अशटिषम् | अशटिष्व | अशटिष्म |
| प० | शशाट | शेटतुः | शेटुः |
| | शेटिथ | शेटथुः | शेट |
| | शशाट, शशाट | शेटिथ | शेटिम |
| आ० | शट्यात् | शट्यास्ताम् | शट्यासुः |
| | शट्याः | शट्यास्तम् | शट्यास्त |
| | शट्यासम् | शट्यास्व | शट्यास्म |
| भ्व० | शटिता | शटितारौ | शटितारः |
| | शटितासि | शटितास्थः | शटितास्थ |
| | शटितास्मि | शटितास्वः | शटितास्मः |
| भ० | शटिष्यति | शटिष्यतः | शटिष्यन्ति |
| | शटिष्यसि | शटिष्यथः | शटिष्यथ |
| | शटिष्यामि | शटिष्यावः | शटिष्यामः |
| क्रि० | अशटिष्यत् | अशटिष्यताम् | अशटिष्यन् |
| | अशटिष्यः | अशटिष्यतम् | अशटिष्यत |
| | अशटिष्यम् | अशटिष्याव | अशटिष्याम |

176 वट [वट्] वेष्टने

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| व० | वटति | वटतः | वटन्ति |
| | वटसि | वटथः | वटथ |
| | वटामि | वटावः | वटामः |
| स० | वटेत् | वटेताम् | वटेयुः |
| | वटेः | वटेतम् | वटेत |
| | वटेयम् | वटेव | वटेम |
| प० | वटतु | वटतात् | वटताम् वटन्तु |
| | वट | ” | वटतम् वटत |
| | वटानि | वटाव | वटाम |
| झ० | अवटत् | अवटताम् | अवटन् |
| | अवटः | अवटतम् | अवटत |
| | अवटम् | अवटाव | अवटाम |
| ञ० | अवाटीत् | अवाटिष्टाम् | अवाटिषुः |
| | अवाटीः | अवाटिष्टम् | अवाटिष्ट |
| | अवाटिषम् | अवाटिष्व | अवाटिष्म |
| | अवटीत् | अवटिष्टाम् | अवटिषुः |
| | अवटीः | अवटिष्टम् | अवटिष्ट |
| | अवटिषम् | अवटिष्व | अवटिष्म |
| प० | ववाट | ववटतुः | ववटुः |
| | ववटिथ | ववटथुः | ववट |
| | ववाट, ववट | ववटिथ | ववटिम |
| आ० | वट्यात् | वट्यास्ताम् | वट्यासुः |
| | वट्याः | वट्यास्तम् | वट्यास्त |
| | वट्यासम् | वट्यास्व | वट्यास्म |
| भ्व० | वटिता | वटितारौ | वटितारः |
| | वटितासि | वटितास्थः | वटितास्थ |
| | वटितास्मि | वटितास्वः | वटितास्मः |
| भ० | वटिष्यति | वटिष्यतः | वटिष्यन्ति |
| | वटिष्यसि | वटिष्यथः | वटिष्यथ |
| | वटिष्यामि | वटिष्यावः | वटिष्यामः |
| क्रि० | अवटिष्यत् | अवटिष्यताम् | अवटिष्यन् |
| | अवटिष्यः | अवटिष्यतम् | अवटिष्यत |
| | अवटिष्यम् | अवटिष्याव | अवटिष्याम |

177 किट (किट्) उत्रासे

उत्रासो भयोद्गतिस्त्रासनश्च ।

व० केटति केटतः केटन्ति
केटसि केटथः केटथ
केटामि केटावः केटामः

स० केटेत् केटेताम् केटेयुः
केटेः केटेतम् केटेत
केटेयम् केटेव केटेम

प० केटतु केटतात् केटताम् केटन्तु
केट " केटतम् केटत
केटानि केटाव केटाम

झ० अकेटत् अकेटताम् अकेटन्
अकेटः अकेटतम् अकेटत
अकेटम् अकेटाव अकेटाम

अ० अकेटीत् अकेटिष्टाम् अकेटिषुः
अकेटीः अकेटिष्टम् अकेटिष्ट
अकेटिषम् अकेटिष्व अकेटिष्म

प० चिकेट चिकिटतुः चिकिटुः
चिकेटिथ चिकिटथुः चिकिट
चिकेट, चिकिटिव चिकिटिम

आ० किट्यात् किट्यास्ताम् किट्यासुः
किट्याः किट्यास्तम् किट्यास्त
किट्यामम् किट्यास्व किट्यास्म

श्व० केटिता केटितारौ केटितारः
केटितासि केटितास्थः केटितास्थ
केटितास्मि केटितास्वः केटितास्मः

भ० केटिष्यति केटिष्यतः केटिष्यन्ति
केटिष्यसि केटिष्यथः केटिष्यथ
केटिष्यामि केटिष्यावः केटिष्यामः

क्रि० अकेटिष्यत् अकेटिष्यताम् अकेटिष्यन्
अकेटिष्यः अकेटिष्यतम् अकेटिष्यत
अकेटिष्यम् अकेटिष्याव अकेटिष्याम

178 खिट [खिट्] उत्रासे

उत्रासो भयोद्गतिस्त्रासनश्च ।

व० खेटति खेटतः खेटन्ति
खेटसि खेटथः खेटथ
खेटामि खेटावः खेटामः

स० खेटेत् खेटेताम् खेटेयुः
खेटेः खेटेतम् खेटेत
खेटेयम् खेटेव खेटेम

प० खेटतु खेटतात् खेटताम् खेटन्तु
खेट " खेटतम् खेटत
खेटानि खेटाव खेटाम

झ० अखेटत् अखेटताम् अखेटन्
अखेटः अखेटतम् अखेटत
अखेटम् अखेटाव अखेटाम

अ० अखेटीत् अखेटिष्टाम् अखेटिषुः
अखेटीः अखेटिष्टम् अखेटिष्ट
अखेटिषम् अखेटिष्व अखेटिष्म

प० चिखेट चिखिटतुः चिखिटुः
चिखेटिथ चिखिटथुः चिखिट
चिखेट चिखिटिव चिखिटिम

आ० खिट्यात् खिट्यास्ताम् खिट्यासुः
खिट्याः खिट्यास्तम् खिट्यास्त
खिट्यामम् खिट्यास्व खिट्यास्म

श्व० खेटिता खेटितारौ खेटितारः
खेटितासि खेटितास्थः खेटितास्थ
खेटितास्मि खेटितास्वः खेटितास्मः

भ० खेटिष्यति खेटिष्यतः खेटिष्यन्ति
खेटिष्यसि खेटिष्यथः खेटिष्यथ
खेटिष्यामि खेटिष्यावः खेटिष्यामः

क्रि० अखेटिष्यत् अखेटिष्यताम् अखेटिष्यन्
अखेटिष्यः अखेटिष्यतम् अखेटिष्यत
अखेटिष्यम् अखेटिष्याव अखेटिष्याम

179 शिट् [शिट्] अनादरे

| | | | |
|-------|------------|--------------|-----------------|
| व० | शेटति | शेटतः | शेटन्ति |
| | शेटसि | शेटथः | शेटथ |
| | शेटामि | शेटावः | शेटामः |
| स० | शेटेत् | शेटेताम् | शेटेयुः |
| | शेटेः | शेटेतम् | शेटेत |
| | शेटेयम् | शेटेव | शेटेम |
| प० | शेटतु | शेटतात् | शेटताम् शेटन्तु |
| | शेट | ," | शेटतम् शेटत |
| | शेटानि | शेटाव | शेटाम |
| झ० | अशेटत् | अशेटताम् | अशेटन् |
| | अशेटः | अशेटतम् | अशेटत |
| | अशेटम् | अशेटाव | अशेटाम |
| भ० | अशेटीत् | अशेटिष्टाम् | अशेटिषुः |
| | अशेटीः | अशेटिष्टम् | अशेटिष्ट |
| | अशेटिषम् | अशेटिष्व | अशेटिष्म |
| प० | शिशेट | शिशिटुः | शिशिटुः |
| | शिशेटिथ | शिशिटथुः | शिशिट |
| | शिशेट | शिशिटिव | शिशिटिम |
| आ० | शिट्यात् | शिट्यास्ताम् | शिट्यासुः |
| | शिट्याः | शिट्यास्तम् | शिट्यास्त |
| | शिट्यासम् | शिट्यास्व | शिट्यास्म |
| श्व० | शेटिता | शेटितारौ | शेटितारः |
| | शेटितासि | शेटितास्थः | शेटितास्थ |
| | शेटितास्मि | शेटितास्वः | शेटितास्मः |
| भ० | शेटिष्यति | शेटिष्यतः | शेटिष्यन्ति |
| | शेटिष्यसि | शेटिष्यथः | शेटिष्यथ |
| | शेटिष्यामि | शेटिष्यावः | शेटिष्यामः |
| क्रि० | अशेटिष्यत् | अशेटिष्यताम् | अशेटिष्यन् |
| | अशेटिष्यः | अशेटिष्यतम् | अशेटिष्यत |
| | अशेटिष्यम् | अशेटिष्याव | अशेटिष्याम |

180 षिट् (सिट्) अनादरे

| | | | |
|-------|------------|--------------|-----------------|
| व० | सेटति | सेटतः | सेटन्ति |
| | सेटसि | सेटथः | सेटथ |
| | सेटामि | सेटावः | सेटामः |
| स० | सेटेत् | सेटेताम् | सेटेयुः |
| | सेटेः | सेटेतम् | सेटेत |
| | सेटेयम् | सेटेव | सेटेम |
| प० | सेटतु | सेटतात् | सेटताम् सेटन्तु |
| | सेट | ," | सेटतम् सेटत |
| | सेटानि | सेटाव | सेटाम |
| झ० | असेटत् | असेटताम् | असेटन् |
| | असेटः | असेटतम् | असेटत |
| | असेटम् | असेटाव | असेटाम |
| अ० | असेटीत् | असेटिष्टाम् | असेटिषुः |
| | असेटीः | असेटिष्टम् | असेटिष्ट |
| | असेटिषम् | असेटिष्व | असेटिष्म |
| प० | सिषेट | सिषिटुः | सिषिटुः |
| | सिषेटिथ | सिषिटथुः | सिषिट |
| | सिषेट, | सिषिटिव | सिषिटिम |
| आ० | सिट्यात् | सिट्यास्ताम् | सिट्यासुः |
| | सिट्याः | सिट्यास्तम् | सिट्यास्त |
| | सिट्यासम् | सिट्यास्व | सिट्यास्म |
| श्व० | सेटिता | सेटितारौ | सेटितारः |
| | सेटितासि | सेटितास्थः | सेटितास्थ |
| | सेटितास्मि | सेटितास्वः | सेटितास्मः |
| भ० | सेटिष्यति | सेटिष्यतः | सेटिष्यन्ति |
| | सेटिष्यसि | सेटिष्यथः | सेटिष्यथ |
| | सेटिष्यामि | सेटिष्यावः | सेटिष्यामः |
| क्रि० | असेटिष्यत् | असेटिष्यताम् | असेटिष्यन् |
| | असेटिष्यः | असेटिष्यतम् | असेटिष्यत |
| | असेटिष्यम् | असेटिष्याव | असेटिष्याम |

181 जट (जट्) संघाते

| | | |
|---------------|-------------|------------|
| घ० जटति | जटतः | जटन्ति |
| जटसि | जटथः | जटथ |
| जटामि | जटावः | जटामः |
| स० जटेत् | जटेताम् | जटेयुः |
| जटेः | जटेतम् | जटेत |
| जटेयम् | जटेव | जटेम |
| प० जटतु | जटतात् | जटताम् |
| जट | जटतम् | जटत |
| जटानि | जटाव | जटाम |
| ह्य० अजटत् | अजटताम् | अजटन् |
| अजटः | अजटतम् | अजटत |
| अजटम् | अजटाव | अजटाम |
| अ० अजाटीत् | अजाटिष्टाम् | अजाटिषुः |
| अजाटीः | अजाटिष्टम् | अजाटिष्ट |
| अजाटिषम् | अजाटिष्व | अजाटिष्म |
| अजटीत् | अजटिष्टाम् | अजटिषुः |
| अजटीः | अजटिष्टम् | अजटिष्ट |
| अजटिषम् | अजटिष्व | अजटिष्म |
| प० जजाट | जेटतुः | जेटुः |
| जेटिथ | जेटथुः | जेट |
| जजाट, जजट | जेटिव | जेटिम |
| आ० जट्यात् | जट्यास्ताम् | जट्यासुः |
| जट्याः | जट्यास्तम् | जट्यास्त |
| जट्यासम् | जट्यास्व | जट्यास्म |
| श्व० जटिता | जटितारौ | जटितारः |
| जटितासि | जटितास्थः | जटितास्थ |
| जटितास्मि | जटितास्वः | जटितास्मः |
| भ० जटिष्यति | जटिष्यतः | जटिष्यन्ति |
| जटिष्यसि | जटिष्यथः | जटिष्यथ |
| जटिष्यामि | जटिष्यावः | जटिष्यामः |
| कि० अजटिष्यत् | अजटिष्यताम् | अजटिष्यन् |
| अजटिष्यः | अजटिष्यतम् | अजटिष्यत |
| अजटिष्यम् | अजटिष्याव | अजटिष्याम |

182 झट (झट्) संघाते

| | | |
|---------------|-------------|------------|
| घ० झटति | झटतः | झटन्ति |
| झटसि | झटथः | झटथ |
| झटामि | झटावः | झटामः |
| स० झटेत् | झटेताम् | झटेयुः |
| झटेः | झटेतम् | झटेत |
| झटेयम् | झटेव | झटेम |
| प० झटतु | झटतात् | झटताम् |
| झट | झटतम् | झटत |
| झटानि | झटाव | झटाम |
| ह्य० अझटत् | अझटताम् | अझटन् |
| अझटः | अझटतम् | अझटत |
| अझटम् | अझटाव | अझटाम |
| अ० अझाटीत् | अझाटिष्टाम् | अझाटिषुः |
| अझाटीः | अझाटिष्टम् | अझाटिष्ट |
| अझाटिषम् | अझाटिष्व | अझाटिष्म |
| अझटीत् | अझटिष्टाम् | अझटिषुः |
| अझटीः | अझटिष्टम् | अझटिष्ट |
| अझटिषम् | अझटिष्व | अझटिष्म |
| प० जझाट | जझाटतुः | जझाटुः |
| जझाटिथ | जझाटथुः | जझाट |
| जझाट, जझट | जझाटिव | जझाटिम |
| आ झट्यात् | झट्यास्ताम् | झट्यासुः |
| झट्याः | झट्यास्तम् | झट्यास्त |
| झट्यासम् | झट्यास्व | झट्यास्म |
| श्व० झटिता | झटितारौ | झटितारः |
| झटितासि | झटितास्थः | झटितास्थ |
| झटितास्मि | झटितास्वः | झटितास्मः |
| भ० झटिष्यति | झटिष्यतः | झटिष्यन्ति |
| झटिष्यसि | झटिष्यथः | झटिष्यथ |
| झटिष्यामि | झटिष्यावः | झटिष्यामः |
| कि० अझटिष्यत् | अझटिष्यताम् | अझटिष्यन् |
| अझटिष्यः | अझटिष्यतम् | अझटिष्यत |
| अझटिष्यम् | अझटिष्याव | अझटिष्याम |

183 पिट (पिट्) शब्दे च ।

चकारात्संघाते ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| ष० | पेटति | पेटतः | पेटन्ति |
| | पेटसि | पेटथः | पेटथ |
| | पेटामि | पेटावः | पेटामः |
| स० | पेटेत् | पेटेताम् | पेटेयुः |
| | पेटेः | पेटेतम् | पेटेत |
| | पेटेयम् | पेटेव | पेटेम |
| प० | पेटतु | पेटतात् | पेटताम् |
| | पेट | पेटतम् | पेटत |
| | पेटानि | पेटाव | पेटाम |
| झ० | अपेटत् | अपेटताम् | अपेटन् |
| | अपेटः | अपेटतम् | अपेटत |
| | अपेटम् | अपेटाव | अपेटाम |
| अ० | अपेटीत् | अपेटिष्टाम् | अपेटिषुः |
| | अपेटीः | अपेटिष्टम् | अपेटिष्ट |
| | अपेटिष्टम् | अपेटिष्टव | अपेटिष्टम |
| प० | पिपेट | पिपिटतुः | पिपिटुः |
| | पिपेटिथ | पिपिटथुः | पिपिट |
| | पिपेट | पिपिटिव | पिपिटिम |
| आ० | पिट्यात् | पिट्यास्ताम् | पिट्यासुः |
| | पिट्याः | पिट्यास्तम् | पिट्यास्त |
| | पिट्यासम् | पिट्यास्व | पिट्यास्म |
| श्व० | पेटिता | पेटितारौ | पेटितारः |
| | पेटितासि | पेटितास्थः | पेटितास्थ |
| | पेटितास्मि | पेटितास्वः | पेटितास्मः |
| भ० | पेटिष्यति | पेटिष्यतः | पेटिष्यन्ति |
| | पेटिष्यसि | पेटिष्यथः | पेटिष्यथ |
| | पेटिष्यामि | पेटिष्यावः | पेटिष्यामः |
| क्रि० | अपेटिष्यत् | अपेटिष्यताम् | अपेटिष्यन् |
| | अपेटिष्यः | अपेटिष्यतम् | अपेटिष्यत |
| | अपेटिष्यम् | अपेटिष्याव | अपेटिष्याम |

184 भट (भट्) भृतौ ।

भृतिर्वेतनम्, भरणश्च ।

| | | | |
|-------|------------|-------------|------------|
| ष० | भटति | भटतः | भटन्ति |
| | भटसि | भटथः | भटथ |
| | भटामि | भटावः | भटामः |
| स० | भटेत् | भटेताम् | भटेयुः |
| | भटेः | भटेतम् | भटेत |
| | भटेयम् | भटेव | भटेम |
| प० | भटतु | भटतात् | भटताम् |
| | भट | भटतम् | भटत |
| | भटानि | भटाव | भटाम |
| झ० | अभटत् | अभटताम् | अभटन् |
| | अभटः | अभटतम् | अभटत |
| | अभटम् | अभटाव | अभटाम |
| अ० | अभाटीत् | अभाटिष्टाम् | अभाटिषुः |
| | अभाटीः | अभाटिष्टम् | अभाटिष्ट |
| | अभाटिष्टम् | अभाटिष्टव | अभाटिष्टम |
| | अभटीत् | अभटिष्टाम् | अभटिषुः |
| | अभटीः | अभटिष्टम् | अभटिष्ट |
| | अभटिष्टम् | अभटिष्टव | अभटिष्टम |
| प० | वभाट | वभटतुः | वभटुः |
| | वभटिथ | वभटथुः | वभट |
| | वभाट, वभट | वभटिव | वभटिम |
| आ० | भट्यात् | भट्यास्ताम् | भट्यासुः |
| | भट्याः | भट्यास्तम् | भट्यास्त |
| | भट्यासम् | भट्यास्व | भट्यास्म |
| श्व० | भटिता | भटितारौ | भटितारः |
| | भटितासि | भटितास्थः | भटितास्थ |
| | भटितास्मि | भटितास्वः | भटितास्मः |
| भ० | भटिष्यति | भटिष्यतः | भटिष्यन्ति |
| | भटिष्यसि | भटिष्यथः | भटिष्यथ |
| | भटिष्यामि | भटिष्यावः | भटिष्यामः |
| क्रि० | अभटिष्यत् | अभटिष्यताम् | अभटिष्यन् |
| | अभटिष्यः | अभटिष्यतम् | अभटिष्यत |
| | अभटिष्यम् | अभटिष्याव | अभटिष्याम |

185 तट (तट्) उच्छ्राये ।

वृद्धावित्यर्थः ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० तटति | तटतः | तटन्ति |
| तटसि | तटथः | तटथ |
| तटामि | तटावः | तटामः |
| स० तटेत् | तटेताम् | तटेयुः |
| तटेः | तटेतम् | तटेत |
| तटेयम् | तटेव | तटेम |
| प० तटतु | तटनात् | तटताम् |
| तट | तटतम् | तटत |
| तटानि | तटाव | तटाम |
| झ० अतटत् | अतटताम् | अतटन् |
| अतटः | अतट | अतटत |
| अतटम् | अतटाव | अतटाम |
| अ० अताटीत् | अताटिष्टाम् | अताटिषुः |
| अताटीः | अताटिष्टम् | अताटिष्ट |
| अताटिषम् | अताटिष्व | अताटिष्म |
| अतटीत् | अतटिष्टाम् | अतटिषुः |
| अतटीः | अतटिष्टम् | अतटिष्ट |
| अतटिषम् | अतटिष्व | अतटिष्म |
| प० तटाट | तेटतुः | तेटुः |
| तेटिथ | तेटथुः | तेट |
| तटाट, ततट | तेटिथ | तेटिम् |
| आ० तट्यात् | तट्यास्ताम् | तट्यासुः |
| तट्याः | तट्यास्तम् | तट्यास्त |
| तट्यासम् | तट्यास्व | तट्यास्म |
| भ्व० तटिता | तटितारौ | तटितारः |
| तटितासि | तटितास्थः | तटितास्थ |
| तटितास्मि | तटितास्वः | तटितास्मः |
| भ० तटिष्यति | तटिष्यतः | तटिष्यन्ति |
| तटिष्यसि | तटिष्यथः | तटिष्यथ |
| तटिष्यामि | तटिष्यावः | तटिष्यामः |
| क्रि० अतटिष्यत् | अतटिष्यताम् | अतटिष्यन् |
| अतटिष्यः | अतटिष्यतम् | अतटिष्यत |
| अतटिष्यम् | अतटिष्याव | अतटिष्याम |

186 खट (खट्) काङ्क्षे ।

काङ्क्षास्यास्तीत्यभ्रादित्वादः,

काङ्क्षाविशिष्टो धात्वर्थः ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० खटति | खटतः | खटन्ति |
| खटसि | खटथः | खटथ |
| खटामि | खटावः | खटामः |
| स० खटेत् | खटेताम् | खटेयुः |
| खटेः | खटेतम् | खटेत |
| खटेयम् | खटेव | खटेम |
| प० खटतु | खटतात् | खटताम् |
| खट | खटतम् | खटत |
| खटानि | खटाव | खटाम |
| झ० अखटत् | अखटताम् | अखटन् |
| अखटः | अखटतम् | अखटत |
| अखटम् | अखटाव | अखटाम |
| अ० अखाटीत् | अखाटिष्टाम् | अखाटिषुः |
| अखाटीः | अखाटिष्टम् | अखाटिष्ट |
| अखाटिषम् | अखाटिष्व | अखाटिष्म |
| अखटीत् | अखटिष्टाम् | अखटिषुः |
| अखटीः | अखटिष्टम् | अखटिष्ट |
| अखटिषम् | अखटिष्व | अखटिष्म |
| प० चखाट | चखटतुः | चखटुः |
| चखटिथ | चखटथुः | चखट |
| चखाट चखट | चखटिथ | चखटिम् |
| आ० खट्यात् | खट्यास्ताम् | खट्यासुः |
| खट्याः | खट्यास्तम् | खट्यास्त |
| खट्यासम् | खट्यास्व | खट्यास्म |
| भ्व० खटिता | खटितारौ | खटितारः |
| खटितासि | खटितास्थः | खटितास्थ |
| खटितास्मि | खटितास्वः | खटितास्मः |
| भ० खटिष्यति | खटिष्यतः | खटिष्यन्ति |
| खटिष्यसि | खटिष्यथः | खटिष्यथ |
| खटिष्यामि | खटिष्यावः | खटिष्यामः |
| क्रि० अखटिष्यत् | अखटिष्यताम् | अखटिष्यन् |
| अखटिष्यः | अखटिष्यतम् | अखटिष्यत |
| अखटिष्यम् | अखटिष्याव | अखटिष्याम |

187 णट (नट्) नृत्तौ ।

नतावित्यन्ये । हिंसायामित्येके ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० नटति | नटतः | नटन्ति |
| नटसि | नटथः | नटथ |
| नटामि | नटावः | नटामः |
| स० नटेत् | नटेताम् | नटेयुः |
| नटेः | नटेतम् | नटेत |
| नटेयम् | नटेव | नटेम |
| प० नटतु | नटतात् | नटताम् |
| नट | नटतम् | नटत |
| नटानि | नटाव | नटाम |
| द्य० अनटत् | अनटताम् | अनटन् |
| अनटः | अनटतम् | अनटत |
| अनटम् | अनटाव | अनटाम |
| अ० अनाटीत् | अनाटिष्ठात् | अनाटिषुः |
| अनाटीः | अनाटिष्टम् | अनाटिष्ट |
| अनाटिषम् | अनाटिष्व | अनाटिष्म |
| अनटीत् | अनटिष्ठाम् | अनटिषुः |
| अनटीः | अनटिष्टम् | अनटिष्ट |
| अनटिषम् | अनटिष्व | अनटिष्म |
| प० ननाट | नेटतुः | नेटुः |
| नेटिथ | नेटथुः | नेट |
| ननाट | ननट नेटिव | नेटिम |
| आ० नट्यात् | नट्यास्ताम् | नट्यासुः |
| नट्याः | नट्यास्तम् | नट्यास्त |
| नट्यासम् | नट्यास्व | नट्यास्म |
| श्व० नटिता | नटितारौ | नटितारः |
| नटितासि | नटितास्थः | नटितास्थ |
| नटितास्मि | नटितास्वः | नटितास्मः |
| भ० नटिष्यति | नटिष्यतः | नटिष्यन्ति |
| नटिष्यसि | नटिष्यथः | नटिष्यथ |
| नटिष्यामि | नटिष्यावः | नटिष्यामः |
| क्रि० अनटिष्यत् | अनटिष्यताम् | अनटिष्यन् |
| अनटिष्यः | अनटिष्यतम् | अनटिष्यत |
| अनटिष्यम् | अनटिष्याव | अनटिष्याम |

188 हट (हट्) दीप्तौ ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० हटति | हटतः | हटन्ति |
| हटसि | हटथः | हटथ |
| हटामि | हटावः | हटामः |
| स० हटेत् | हटेताम् | हटेयुः |
| हटेः | हटेतम् | हटेत |
| हटेयम् | हटेव | हटेम |
| प० हटतु | हटनात् | हटताम् |
| हट | हटतम् | हटत |
| हटानि | हटाव | हटाम |
| द्य० अहटत् | अहटताम् | अहटन् |
| अहटः | अहटतम् | अहटत |
| अहटम् | अहटाव | अहटाम |
| अ० अहाटीत् | अहाटिष्ठात् | अहाटिषुः |
| अहाटीः | अहाटिष्टम् | अहाटिष्ट |
| अहाटिषम् | अहाटिष्व | अहाटिष्म |
| अहटीत् | अहटिष्ठाम् | अहटिषुः |
| अहटीः | अहटिष्टम् | अहटिष्ट |
| अहटिषम् | अहटिष्व | अहटिष्म |
| प० जहाट | जहटतुः | जहटुः |
| जहटिथ | जहटथुः | जहट |
| जहाट | जहट | जहटिव |
| जहटिम | | |
| आ० हट्यात् | हट्यास्ताम् | हट्यासुः |
| हट्याः | हट्यास्तम् | हट्यास्त |
| हट्यासम् | हट्यास्व | हट्यास्म |
| श्व० हटिता | हटितारौ | हटितारः |
| हटितासि | हटितास्थः | हटितास्थ |
| हटितास्मि | हटितास्वः | हटितास्मः |
| भ० हटिष्यति | हटिष्यतः | हटिष्यन्ति |
| हटिष्यसि | हटिष्यथः | हटिष्यथ |
| हटिष्यामि | हटिष्यावः | हटिष्यामः |
| क्रि० अहटिष्यत् | अहटिष्यताम् | अहटिष्यन् |
| अहटिष्यः | अहटिष्यतम् | अहटिष्यत |
| अहटिष्यम् | अहटिष्याव | अहटिष्याम |

189 षट् [सट्] अवयवे

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| ब० सटति | सटतः | सटन्ति |
| सटसि | सटथः | सटथ |
| सटामि | सटावः | सटामः |
| स० सटेत् | सटेताम् | सटेषुः |
| सटेः | सटेतम् | सटेत |
| सटेष्यम् | सटेव | सटेम |
| प० सटतु | सटतात् | सटताम् |
| सट | सटतम् | सटत |
| सटानि | सटाव | सटाम |
| झ० असटत् | असटताम् | असटन् |
| असटः | असटतम् | असटत |
| असटम् | असटाव | असटाम |
| अ० असाटीत् | असाटिष्टाम् | असाटिषुः |
| असाटीः | असाटिष्टम् | असाटिष्ट |
| असाटिष्यम् | असाटिष्व | असाटिष्म |
| असटीत् | असटिष्टाम् | असटिषुः |
| असटीः | असटिष्टम् | असटिष्ट |
| असटिष्यम् | असटिष्व | असटिष्म |
| प० ससाट | सेटतुः | सेटुः |
| सेटिथ | सेटथुः | सेट |
| ससट,ससाट | सेटिष | सेटिम् |
| आ० सट्यात् | सट्यास्ताम् | सट्यासुः |
| सट्याः | सट्यास्तम् | सट्यास्त |
| सट्यासम् | सट्यास्व | सट्यास्म |
| भ्व० सटिता | सटितारौ | सटितारः |
| सटितासि | सटितास्थः | सटितास्थ |
| सटितास्मि | सटितास्वः | सटितास्मः |
| भ० सटिष्यति | सटिष्यतः | सटिष्यन्ति |
| सटिष्यसि | सटिष्यथः | सटिष्यथ |
| सटिष्यामि | सटिष्यावः | सटिष्यामः |
| क्रि० असटिष्यत् | असटिष्यताम् | असटिष्यन् |
| असटिष्यः | असटिष्यतम् | असटिष्यत |
| असटिष्यम् | असटिष्याव | असटिष्याम |

190 लुट् (लुट्) विलोडने,
विलोडन इत्येके।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० लोटति | लोडतः | लोडन्ति |
| लोडसि | लोडथः | लोडथ |
| लोडामि | लोडावः | लोडामः |
| स० लोटेत् | लोटेताम् | लोटेयुः |
| लोटेः | लोटेतम् | लोटेत |
| लोटेयम् | लोटेव | लोटेम |
| प० लोटतु | लोडतात् | लोडताम् |
| लोड | लोडतम् | लोडत |
| लोडानि | लोडाव | लोडाम |
| झ० अलोडत् | अलोडताम् | अलोडन् |
| अलोडः | अलोडतम् | अलोडत |
| अलोडम् | अलोडाव | अलोडाम |
| अ० अलोटीत् | अलोडिष्टाम् | अलोडिषुः |
| अलोटीः | अलोडिष्टम् | अलोडिष्ट |
| अलोडिष्यम् | अलोडिष्व | अलोडिष्म |
| प० लुलोड | लुलुटतुः | लुलुडः |
| लुलोडिथ | लुलुडथुः | लुलुड |
| लुलोड | लुलुडिष्व | लुलुडिम् |
| आ लुड्यात् | लुड्यास्ताम् | लुड्यासुः |
| लुड्याः | लुड्यास्तम् | लुड्यास्त |
| लुड्यासम् | लुड्यास्व | लुड्यास्म |
| भ्व० लोडिता | लोडितारौ | लोडितारः |
| लोडितासि | लोडितास्थः | लोडितास्थ |
| लोडितास्मि | लोडितास्वः | लोडितास्मः |
| भ० लोटिष्यति | लोडिष्यतः | लोडिष्यन्ति |
| लोडिष्यसि | लोडिष्यथः | लोडिष्यथ |
| लोडिष्यामि | लोडिष्यावः | लोडिष्यामः |
| क्रि० अलोडिष्यत् | अलोडिष्यताम् | अलोडिष्यन् |
| अलोडिष्यः | अलोडिष्यतम् | अलोडिष्यत |
| अलोडिष्यम् | अलोडिष्याव | अलोडिष्याम |

191 चिट (चिट्) प्रैष्यं दासत्वम्

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० चेटति | चेटतः | चेटन्ति |
| चेटसि | चेटथः | चेटथ |
| चेटामि | चेटावः | चेटामः |
| स० चेटेत् | चेटेताम् | चेटेयुः |
| चेटेः | चेटेतम् | चेटेत |
| चेटेयम् | चेटेव | चेटेम |
| प० चेटु | चेटतात् | चेटताम् |
| चेट | चेटतम् | चेटत |
| चेटानि | चेटाव | चेटाम |
| झ० अचेटत् | अचेटताम् | अचेटन् |
| अचेटः | अचेटतम् | अचेटत |
| अचेटम् | अचेटाव | अचेटाम |
| अ० अचेटीत् | अचेटिष्टाम् | अचेटिषुः |
| अचेटीः | अचेटिष्टम् | अचेटिष्ट |
| अचेटिषम् | अचेटिष्व | अचेटिष्म |
| प० चिचेट | चिचिटुः | चिचिटुः |
| चिचेटिथ | चिचिटथुः | चिचिट |
| चिचेट | चिचिटिष्व | चिचिटिम |
| आ चिट्यात् | चिट्यास्ताम् | चिट्यासुः |
| चिट्याः | चिट्यास्तम् | चिट्यास्त |
| चिट्यासम् | चिट्यास्व | चिट्यास्म |
| श्व० चेटिता | चेटितारौ | चेटितारः |
| चेटितासि | चेटितास्थः | चेटितास्थ |
| चेटितास्मि | चेटितास्वः | चेटितास्मः |
| भ० चेटिष्यति | चेटिष्यतः | चेटिष्यन्ति |
| चेटिष्यसि | चेटिष्यथः | चेटिष्यथ |
| चेटिष्यामि | चेटिष्यावः | चेटिष्यामः |
| क्रि० अचेटिष्यत् | अचेटिष्यताम् | अचेटिष्यन् |
| अचेटिष्यः | अचेटिष्यतम् | अचेटिष्यत |
| अचेटिष्यम् | अचेटिष्याव | अचेटिष्याम |

192 चिट [चिट्] शब्दे

आक्रांशे इत्यन्ये ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० वेटति | वेटतः | वेटन्ति |
| वेटसि | वेटथः | वेटथ |
| वेटामि | वेटावः | वेटामः |
| स० वेटेत् | वेटेताम् | वेटेयुः |
| वेटेः | वेटेतम् | वेटेत |
| वेटेयम् | वेटेव | वेटेम |
| प० वेटु | वेटतात् | वेटताम् |
| वेट | वेटतम् | वेटत |
| वेटानि | वेटाव | वेटाम |
| झ० अवेटत् | अवेटताम् | अवेटन् |
| अवेटः | अवेटतम् | अवेटत |
| अवेटम् | अवेटाव | अवेटाम |
| अ० अवेटीत् | अवेटिष्टाम् | अवेटिषुः |
| अवेटीः | अवेटिष्टम् | अवेटिष्ट |
| अवेटिषम् | अवेटिष्व | अवेटिष्म |
| प० विवेट | विविटुः | विविटुः |
| विवेटिथ | विविटथुः | विविट |
| विवेट | विविटिष्व | विविटिम |
| विट्यात् | विट्यास्ताम् | विट्यासुः |
| विट्याः | विट्यास्तम् | विट्यास्त |
| विट्यासम् | विट्यास्व | विट्यास्म |
| श्व० वेटिता | वेटितारौ | वेटितारः |
| वेटितासि | वेटितास्थः | वेटितास्थ |
| वेटितास्मि | वेटितास्वः | वेटितास्मः |
| भ० वेटिष्यति | वेटिष्यतः | वेटिष्यन्ति |
| वेटिष्यसि | वेटिष्यथः | वेटिष्यथ |
| वेटिष्यामि | वेटिष्यावः | वेटिष्यामः |
| क्रि० अवेटिष्यत् | अवेटिष्यताम् | अवेटिष्यन् |
| अवेटिष्यः | अवेटिष्यतम् | अवेटिष्यत |
| अवेटिष्यम् | अवेटिष्याव | अवेटिष्याम |

193 हेट (हेट्) विवाधायाम्

ढान्तोऽयमित्येके ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | हेटति | हेटतः | हेटन्ति |
| | हेटसि | हेटथः | हेटथ |
| | हेटामि | हेटावः | हेटामः |
| स० | हेटेत् | हेटेताम् | हेटेयुः |
| | हेटेः | हेटेतम् | हेटेत |
| | हेटेयम् | हेटेव | हेटेम |
| प० | हेटतु | हेटतात् | हेटताम् |
| | हेट | ” | हेटतम् |
| | हेटानि | हेटाव | हेटाम |
| ह्य० | अहेटत् | अहेटताम् | अहेटन् |
| | अहेटः | अहेटतम् | अहेटत |
| | अहेटम् | अहेटाव | अहेटाम |
| अ० | अहेटीत् | अहेटिष्ताम् | अहेटिषुः |
| | अहेटीः | अहेटिष्टम् | अहेटिष्ट |
| | अहेटिषम् | अहेटिष्व | अहेटिष्म |
| प० | जिहेट | जिहेटुः | जिहेटुः |
| | जिहेटिथ | जिहेटथुः | जिहेट |
| | जिहेट | जिहेटिष | जिहेटिम |
| आ | हेट्यात् | हेट्यास्ताम् | हेट्यासुः |
| | हेट्याः | हेट्यास्तम् | हेट्यास्त |
| | हेट्यासम् | हेट्यास्व | हेट्यास्म |
| भ्व० | हेटिता | हेटितारौ | हेटितारः |
| | हेटितासि | हेटितास्थः | हेटितास्थ |
| | हेटितास्मि | हेटितास्वः | हेटितास्मः |
| भ० | हेटिष्यति | हेटिष्यतः | हेटिष्यन्ति |
| | हेटिष्यसि | हेटिष्यथः | हेटिष्यथ |
| | हेटिष्यामि | हेटिष्यावः | हेटिष्यामः |
| क्रि० | अहेटिष्यत् | अहेटिष्यताम् | अहेटिष्यन् |
| | अहेटिष्यः | अहेटिष्यतम् | अहेटिष्यत |
| | अहेटिष्यम् | अहेटिष्याव | अहेटिष्याम |

194 अट [अट्] गतौ

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| व० | अटति | अटतः | अटन्ति |
| | अटसि | अटथः | अटथ |
| | अटामि | अटावः | अटामः |
| स० | अटेत् | अटेताम् | अटेयुः |
| | अटेः | अटेतम् | अटेत |
| | अटेयम् | अटेव | अटेम |
| प० | अटतु | अटतात् | अटताम् |
| | अट | ” | अटतम् |
| | अटानि | अटाव | अटाम |
| ह्य० | आटत् | आटताम् | आटन् |
| | आटः | आटतम् | आटत |
| | आटम् | आटाव | आटाम |
| अ० | आटीत् | आटिष्ताम् | आटिषुः |
| | आटीः | आटिष्टम् | आटिष्ट |
| | आटिषम् | आटिष्व | आटिष्म |
| प० | आट | आटतुः | आटुः |
| | आटिथ | आटथुः | आट |
| | आट | आटिष | आटिम |
| आ० | अट्यात् | अट्यास्ताम् | अट्यासुः |
| | अट्याः | अट्यास्तम् | अट्यास्त |
| | अट्यासम् | अट्यास्व | अट्यास्म |
| भ्व० | अटिता | अटितारौ | अटितारः |
| | अटितासि | अटितास्थः | अटितास्थ |
| | अटितास्मि | अटितास्वः | अटितास्मः |
| भ० | अटिष्यति | अटिष्यतः | अटिष्यन्ति |
| | अटिष्यसि | अटिष्यथः | अटिष्यथ |
| | अटिष्यामि | अटिष्यावः | अटिष्यामः |
| क्रि० | अटिष्यत् | अटिष्यताम् | अटिष्यन् |
| | अटिष्यः | अटिष्यतम् | अटिष्यत |
| | अटिष्यम् | अटिष्याव | अटिष्याम |

195 पट (पट्) गतौ

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० पटति | पटतः | पटन्ति |
| पटसि | पटथः | पटथ |
| पटामि | पटावः | पटामः |
| स० पटेत् | पटेताम् | पटेयुः |
| पटेः | पटेतम् | पटेत |
| पटेयम् | पटेव | पटेम |
| प० पटतु | पटतात् | पटताम् |
| पट | पटतम् | पटत |
| पटानि | पटाव | पटाम |
| झ० अपटत् | अपटताम् | अपटन् |
| अपटः | अपटतम् | अपटत |
| अपटम् | अपटाव | अपटाम |
| अ० अपाटीत् | अपाटिष्टाम् | अपाटिषुः |
| अपाटीः | अपाटिष्टम् | अपाटिष्ट |
| अपाटिषम् | अपाटिष्व | अपाटिष्म |
| अपटीत् | अपटिष्टम् | अपटिषुः |
| अपटीः | अपटिष्टम् | अपटिष्ट |
| अपटिषम् | अपटिष्व | अपटिष्म |
| प० पपाट | पेटुः | पेटुः |
| पेटिथ | पेटथुः | पेट |
| पपाट,पपट | पेटिव | पेटिम |
| आ० पट्यात् | पट्यास्ताम् | पट्यासुः |
| पट्याः | पट्यास्तम् | पट्यास्त |
| पट्यामम् | पट्यास्व | पट्यास्म |
| श्व० पटिता | पटितारौ | पटितारः |
| पटितासि | पटितास्थः | पटितास्थ |
| पटितास्मि | पटितास्वः | पटितास्मः |
| भ० पटिष्यति | पटिष्यतः | पटिष्यन्ति |
| पटिष्यसि | पटिष्यथः | पटिष्यथ |
| पटिष्यामि | पटिष्यावः | पटिष्यामः |
| क्रि० अपटिष्यत् | अपटिष्यताम् | अपटिष्यन् |
| अपटिष्यः | अपटिष्यतम् | अपटिष्यत |
| अपटिष्यम् | अपटिष्याव | अपटिष्याम |

196 इट [इट्] गतौ

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| व० इटति | इटतः | इटन्ति |
| इटसि | इटथः | इटथ |
| इटामि | इटवः | इटामः |
| स० इटेत् | इटेताम् | इटेयुः |
| इटेः | इटेतम् | इटेत |
| इटेयम् | इटेव | इटेम |
| प० इटतु | इटतात् | इटताम् |
| इट | इटतम् | इटत |
| इटानि | इटव | इटाम |
| झ० ऐटत् | ऐटताम् | ऐटन् |
| ऐटः | ऐटतम् | ऐटत |
| ऐटम् | ऐटाव | ऐटाम |
| अ० ऐटीत् | ऐटिष्टाम् | ऐटिषुः |
| ऐटीः | ऐटिष्टम् | ऐटिष्ट |
| ऐटिषम् | ऐटिष्व | ऐटिष्म |
| प० इयेट | ईटुः | ईटुः |
| इयेटिथ | ईटथुः | ईट |
| इयेट | ईटिव | ईटिम |
| आ० इट्यात् | इट्यास्ताम् | इट्यासुः |
| इट्याः | इट्यास्तम् | इट्यास्त |
| इट्यामम् | इट्यास्व | इट्यास्म |
| श्व० इटिता | इटितारौ | इटितारः |
| इटितासि | इटितास्थः | इटितास्थ |
| इटितास्मि | इटितास्वः | इटितास्मः |
| भ० इटिष्यति | इटिष्यतः | इटिष्यन्ति |
| इटिष्यसि | इटिष्यथः | इटिष्यथ |
| इटिष्यामि | इटिष्यावः | इटिष्यामः |
| क्रि० ऐटिष्यत् | ऐटिष्यताम् | ऐटिष्यन् |
| ऐटिष्यः | ऐटिष्यतम् | ऐटिष्यत |
| ऐटिष्यम् | ऐटिष्याव | ऐटिष्याम |

197 किट (किट्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------|--------------|------------|
| व० | कटति | कटतः | कटन्ति |
| | कटसि | कटथः | कटथ |
| | कटामि | कटावः | कटामः |
| स० | कटेत् | कटेताम् | कटेयुः |
| | कटेः | कटेतम् | कटेत |
| | कटेयम् | कटेव | कटेम |
| प० | कटतु | कटतात् | कटताम् |
| | कट | कटतम् | कटत |
| | कटानि | कटाव | कटाम |
| ह्य० | अकटत् | अकटताम् | अकटन् |
| | अकटः | अकटतम् | अकटत |
| | अकटम् | अकटाव | अकटाम |
| अ० | अकटीत् | अकटिष्ठात् | अकटिषुः |
| | अकटीः | अकटिष्टम् | अकटिष्ट |
| | अकटिषम् | अकटिष्व | अकटिष्म |
| प० | चिकेट | चिकिटुः | चिकिटुः |
| | चिकेटिथ | चिकिटथुः | चिकिट |
| | चिकेट | चिकिटिव | चिकिटिम |
| आ० | किट्यात् | किट्यास्ताम् | किट्यासुः |
| | किट्याः | किट्यास्तम् | किट्यास्त |
| | किट्यासम् | किट्यास्व | किट्यास्म |
| श्व० | कटिता | कटितारौ | कटितारः |
| | कटितासि | कटितास्थः | कटितास्थ |
| | कटितास्मि | कटितास्वः | कटितास्मः |
| भ० | कटिष्यति | कटिष्यतः | कटिष्यन्ति |
| | कटिष्यसि | कटिष्यथः | कटिष्यथ |
| | कटिष्यामि | कटिष्यावः | कटिष्यामः |
| क्रि० | अकटिष्यत् | अकटिष्यताम् | अकटिष्यन् |
| | अकटिष्यः | अकटिष्यतम् | अकटिष्यत |
| | अकटिष्यम् | अकटिष्याव | अकटिष्याम |

198 कट (कट्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| व० | कटति | कटतः | कटन्ति |
| | कटसि | कटथः | कटथ |
| | कटामि | कटावः | कटामः |
| स० | कटेत् | कटेताम् | कटेयुः |
| | कटेः | कटेतम् | कटेत |
| | कटेयम् | कटेव | कटेम |
| प० | कटतु | कटतात् | कटताम् |
| | कट | कटतम् | कटत |
| | कटानि | कटाव | कटाम |
| ह्य० | अकटत् | अकटताम् | अकटन् |
| | अकटः | अकटतम् | अकटत |
| | अकटम् | अकटाव | अकटाम |
| अ० | अकाटीत् | अकाटिष्ठात् | अकाटिषुः |
| | अकाटीः | अकाटिष्टम् | अकाटिष्ट |
| | अकाटिषम् | अकाटिष्व | अकाटिष्म |
| | अकटीत् | अकटिष्ठात् | अकटिषुः |
| | अकटीः | अकटिष्टम् | अकटिष्ट |
| | अकटिषम् | अकटिष्व | अकटिष्म |
| प० | चकाट | चकटतुः | चकटुः |
| | चकटिथ | चकटथुः | चकट |
| | चकाट | चकट | चकटिव |
| | चकटि | चकटि | चकटिम |
| आ० | कट्यात् | कट्यास्ताम् | कट्यासुः |
| | कट्याः | कट्यास्तम् | कट्यास्त |
| | कट्यासम् | कट्यास्व | कट्यास्म |
| श्व० | कटिता | कटितारौ | कटितारः |
| | कटितासि | कटितास्थः | कटितास्थ |
| | कटितास्मि | कटितास्वः | कटितास्मः |
| भ० | कटिष्यति | कटिष्यतः | कटिष्यन्ति |
| | कटिष्यसि | कटिष्यथः | कटिष्यथ |
| | कटिष्यामि | कटिष्यावः | कटिष्यामः |
| क्रि० | अकटिष्यत् | अकटिष्यताम् | अकटिष्यन् |
| | अकटिष्यः | अकटिष्यतम् | अकटिष्यत |
| | अकटिष्यम् | अकटिष्याव | अकटिष्याम |

199 कटु (कण्ट) गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० कण्टति | कण्टतः | कण्टन्ति |
| कण्टसि | कण्टथः | कण्टथ |
| कण्टामि | कण्टावः | कण्टामः |
| स० कण्टेत् | कण्टेताम् | कण्टेयुः |
| कण्टेः | कण्टेतम् | कण्टेत |
| कण्टेयम् | कण्टेव | कण्टेम |
| प० कण्टतु | कण्टतात् | कण्टताम् |
| कण्ट | कण्टतम् | कण्टत |
| कण्टानि | कण्टाव | कण्टाम |
| झ० अकण्टत् | अकण्टताम् | अकण्टन् |
| अकण्टः | अकण्टतम् | अकण्टत |
| अकण्टम् | अकण्टाव | अकण्टाम |
| अ० अकण्टीत् | अकण्टिष्टाम् | अकण्टिषुः |
| अकण्टीः | अकण्टिष्टम् | अकण्टिष्ट |
| अकण्टिषम् | अकण्टिष्व | अकण्टिष्म |
| प० चकण्ट | चकण्टतुः | चकण्टुः |
| चकण्टिथ | चकण्टथुः | चकण्ट |
| चकण्ट | चकण्टव | चकण्टम |
| आ० कण्ट्यात् | कण्ट्यास्ताम् | कण्ट्यासुः |
| कण्ट्याः | कण्ट्यास्तम् | कण्ट्यास्त |
| कण्ट्यासम् | कण्ट्यास्व | कण्ट्यास्म |
| श्व० कण्टिता | कण्टितारौ | कण्टितारः |
| कण्टितासि | कण्टितास्थः | कण्टितास्थ |
| कण्टितास्मि | कण्टितास्वः | कण्टितास्मः |
| भ० कण्टिष्यति | कण्टिष्यतः | कण्टिष्यन्ति |
| कण्टिष्यसि | कण्टिष्यथः | कण्टिष्यथ |
| कण्टिष्यामि | कण्टिष्यावः | कण्टिष्यामः |
| क्रि० अकण्टिष्यत् | अकण्टिष्यताम् | अकण्टिष्यन् |
| अकण्टिष्यः | अकण्टिष्यतम् | अकण्टिष्यत |
| अकण्टिष्यम् | अकण्टिष्याव | अकण्टिष्याम |

200 कैट (कट्) गतौ

एतद्रूपाणि अनुपदोक कट 198 वत् । पुनः
पाठः "कटुः कटुवान्" इत्यत्र ऐदित्करणेन-
क्तयोरिह निषेधार्थः ।

201 कुटु (कुण्ट) । वैकल्ये

दान्तोऽयमित्येके ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० कुण्टति | कुण्टतः | कुण्टन्ति |
| कुण्टसि | कुण्टथः | कुण्टथ |
| कुण्टामि | कुण्टावः | कुण्टामः |
| स० कुण्टेत् | कुण्टेताम् | कुण्टेयुः |
| कुण्टेः | कुण्टेतम् | कुण्टेत |
| कुण्टेयम् | कुण्टेव | कुण्टेम |
| प० कुण्टतु | कुण्टतात् | कुण्टताम् |
| कुण्ट | कुण्टतम् | कुण्टत |
| कुण्टानि | कुण्टाव | कुण्टाम |
| झ० अकुण्टत् | अकुण्टताम् | अकुण्टन् |
| अकुण्टः | अकुण्टतम् | अकुण्टत |
| अकुण्टम् | अकुण्टाव | अकुण्टाम |
| अ० अकुण्टीत् | अकुण्टिष्टाम् | अकुण्टिषुः |
| अकुण्टीः | अकुण्टिष्टम् | अकुण्टिष्ट |
| अकुण्टिषम् | अकुण्टिष्व | अकुण्टिष्म |
| प० चुकुण्ट | चुकुण्टतुः | चुकुण्टुः |
| चुकुण्टिथ | चुकुण्टथुः | चुकुण्ट |
| चुकुण्ट | चुकुण्टव | चुकुण्टम |
| आ० कुण्ट्यात् | कुण्ट्यास्ताम् | कुण्ट्यासुः |
| कुण्ट्याः | कुण्ट्यास्तम् | कुण्ट्यास्त |
| कुण्ट्यासम् | कुण्ट्यास्व | कुण्ट्यास्म |
| श्व० कुण्टिता | कुण्टितारौ | कुण्टितारः |
| कुण्टितासि | कुण्टितास्थः | कुण्टितास्थ |
| कुण्टितास्मि | कुण्टितास्वः | कुण्टितास्मः |
| भ० कुण्टिष्यति | कुण्टिष्यतः | कुण्टिष्यन्ति |
| कुण्टिष्यसि | कुण्टिष्यथः | कुण्टिष्यथ |
| कुण्टिष्यामि | कुण्टिष्यावः | कुण्टिष्यामः |
| क्रि० अकुण्टिष्यत् | अकुण्टिष्यताम् | अकुण्टिष्यन् |
| अकुण्टिष्यः | अकुण्टिष्यतम् | अकुण्टिष्यत |
| अकुण्टिष्यम् | अकुण्टिष्याव | अकुण्टिष्याम |

202 मुट (ट्) प्रमर्दने ।

उदितोऽयमिति कौशिकः ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | मोटति | मोटतः | मोटन्ति |
| | मोटसि | मोटथः | मोटथ |
| | मोटामि | मोटावः | मोटामः |
| स० | मोटेत् | मोटेताम् | मोटेयुः |
| | मोटेः | मोटेतम् | मोटेत |
| | मोटेयम् | मोटेव | मोटेम |
| प० | मोटतु | मोटतात् | मोटताम् |
| | मोट | मोटतम् | मोटत |
| | मोटानि | मोटाव | मोटाम |
| ह्य० | अमोटत् | अमोटताम् | अमोटन् |
| | अमोटः | अमोटतम् | अमोटत |
| | अमोटम् | अमोटाव | अमोटाम |
| अ० | अमोटीत् | अमोटिष्टाम् | अमोटिषुः |
| | अमोटीः | अमोटिष्टम् | अमोटिष्ट |
| | अमोटिषम् | अमोटिष्व | अमोटिष्म |
| प० | मुमोट | मुमुटतुः | मुमुटः |
| | मुमोटिथ | मुमुटथुः | मुमुट |
| | मुमोट | मुमुटिव | मुमुटिम |
| आ० | मुट्यात् | मुट्यास्ताम् | मुट्यासुः |
| | मुट्याः | मुट्यास्तम् | मुट्यास्त |
| | मुट्यामम् | मुट्यास्व | मुट्यास्म |
| श्व० | मोटिता | मोटितारौ | मोटितारः |
| | मोटितासि | मोटितास्थः | मोटितास्थ |
| | मोटितास्मि | मोटितास्वः | मोटितास्मः |
| भ० | मोटिष्यति | मोटिष्यतः | मोटिष्यन्ति |
| | मोटिष्यसि | मोटिष्यथः | मोटिष्यथ |
| | मोटिष्यामि | मोटिष्यावः | मोटिष्यामः |
| क्रि० | अमोटिष्यत् | अमोटिष्यताम् | अमोटिष्यन् |
| | अमोटिष्यः | अमोटिष्यतम् | अमोटिष्यत |
| | अमोटिष्यम् | अमोटिष्याव | अमोटिष्याम |

203 चुट (चुट्) अल्पीभावे ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | चोटति | चोटतः | चोटन्ति |
| | चोटसि | चोटथः | चोटथ |
| | चोटामि | चोटावः | चोटामः |
| स० | चोटेत् | चोटेताम् | चोटेयुः |
| | चोटेः | चोटेतम् | चोटेत |
| | चोटेयम् | चोटेव | चोटेम |
| प० | चोटतु | चोटतात् | चोटताम् |
| | चोट | चोटतम् | चोटत |
| | चोटानि | चोटाव | चोटाम |
| ह्य० | अचोटत् | अचोटताम् | अचोटन् |
| | अचोटः | अचोटतम् | अचोटत |
| | अचोटम् | अचोटाव | अचोटाम |
| अ० | अचोटीत् | अचोटिष्टाम् | अचोटिषुः |
| | अचोटीः | अचोटिष्टम् | अचोटिष्ट |
| | अचोटिषम् | अचोटिष्व | अचोटिष्म |
| प० | चुचोट | चुचुटतुः | चुचुटः |
| | चुचोटिथ | चुचुटथुः | चुचुट |
| | चुचोट | चुचुटिव | चुचुटिम |
| आ० | चुट्यात् | चुट्यास्ताम् | चुट्यासुः |
| | चुट्याः | चुट्यास्तम् | चुट्यास्त |
| | चुट्यामम् | चुट्यास्व | चुट्यास्म |
| श्व० | चोटिता | चोटितारौ | चोटितारः |
| | चोटितासि | चोटितास्थः | चोटितास्थ |
| | चोटितास्मि | चोटितास्वः | चोटितास्मः |
| भ० | चोटिष्यति | चोटिष्यतः | चोटिष्यन्ति |
| | चोटिष्यसि | चोटिष्यथः | चोटिष्यथ |
| | चोटिष्यामि | चोटिष्यावः | चोटिष्यामः |
| क्रि० | अचोटिष्यत् | अचोटिष्यताम् | अचोटिष्यन् |
| | अचोटिष्यः | अचोटिष्यतम् | अचोटिष्यत |
| | अचोटिष्यम् | अचोटिष्याव | अचोटिष्याम |

204 चुटु (चुण्ट) अल्पीभावे ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० चुण्टति | चुण्टतः | चुण्टन्ति |
| चुण्टसि | चुण्टथः | चुण्टथ |
| चुण्टामि | चुण्टावः | चुण्टामः |
| स० चुण्टेत् | चुण्टेताम् | चुण्टेयुः |
| चुण्टेः | चुण्टेतम् | चुण्टेत |
| चुण्टेयम् | चुण्टेव | चुण्टेम |
| प० चुण्टतु | चुण्टतात् | चुण्टताम् |
| चुण्ट | „ | चुण्टतम् |
| चुण्टानि | चुण्टाव | चुण्टाम |
| ह्य० अचुण्टत् | अचुण्टताम् | अचुण्टन् |
| अचुण्टः | अचुण्टतम् | अचुण्टत |
| अचुण्टम् | अचुण्टाव | अचुण्टाम |
| अ० अचुण्टीत् | अचुण्टिताम् | अचुण्टिषुः |
| अचुण्टीः | अचुण्टितम् | अचुण्टित |
| अचुण्टिषम् | अचुण्टिष्व | अचुण्टिषम् |
| प० चुचुण्ट | चुचुण्टतुः | चुचुण्टुः |
| चुचुण्टिथ | चुचुण्टथुः | चुचुण्ट |
| चुचुण्ट | चुचुण्टिव | चुचुण्टिम |
| आ० चुण्ट्यात् | चुण्ट्यास्ताम् | चुण्ट्यासुः |
| चुण्ट्याः | चुण्ट्यास्तम् | चुण्ट्यास्त |
| चुण्ट्यासम् | चुण्ट्यास्व | चुण्ट्यास्म |
| श्व० चुण्टिता | चुण्टितारौ | चुण्टितारः |
| चुण्टितासि | चुण्टितास्थः | चुण्टितास्थ |
| चुण्टितास्मि | चुण्टितास्वः | चुण्टितास्मः |
| भ० चुण्टिष्यति | चुण्टिष्यतः | चुण्टिष्यन्ति |
| चुण्टिष्यसि | चुण्टिष्यथः | चुण्टिष्यथ |
| चुण्टिष्यामि | चुण्टिष्यावः | चुण्टिष्यामः |
| क्रि० अचुण्टिष्यत् | अचुण्टिष्यताम् | अचुण्टिष्यन् |
| अचुण्टिष्यः | अचुण्टिष्यतम् | अचुण्टिष्यत |
| अचुण्टिष्यम् | अचुण्टिष्याव | अचुण्टिष्याम |

205 वटु (वण्ट) विभाजने ।

विभाजनं विभागीकरणम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वण्टति | वण्टतः | वण्टन्ति |
| वण्टसि | वण्टथः | वण्टथ |
| वण्टामि | वण्टावः | वण्टामः |
| स० वण्टेत् | वण्टेताम् | वण्टेयुः |
| वण्टेः | वण्टेतम् | वण्टेत |
| वण्टेयम् | वण्टेव | वण्टेम |
| प० वण्टतु | वण्टतात् | वण्टताम् |
| वण्ट | „ | वण्टतम् |
| वण्टानि | वण्टाव | वण्टाम |
| ह्य० अवण्टत् | अवण्टताम् | अवण्टन् |
| अवण्टः | अवण्टतम् | अवण्टत |
| अवण्टम् | अवण्टाव | अवण्टाम |
| अ० अवण्टीत् | अवण्टिताम् | अवण्टिषुः |
| अवण्टीः | अवण्टितम् | अवण्टित |
| अवण्टिषम् | अवण्टिष्व | अवण्टिषम् |
| प० ववण्ट | ववण्टतुः | ववण्टुः |
| ववण्टिथ | ववण्टथुः | ववण्ट |
| ववण्ट | ववण्टिव | ववण्टिम |
| आ० वण्ट्यात् | वण्ट्यास्ताम् | वण्ट्यासुः |
| वण्ट्याः | वण्ट्यास्तम् | वण्ट्यास्त |
| वण्ट्यासम् | वण्ट्यास्व | वण्ट्यास्म |
| श्व० वण्टिता | वण्टितारौ | वण्टितारः |
| वण्टितासि | वण्टितास्थः | वण्टितास्थ |
| वण्टितास्मि | वण्टितास्वः | वण्टितास्मः |
| भ० वण्टिष्यति | वण्टिष्यतः | वण्टिष्यन्ति |
| वण्टिष्यसि | वण्टिष्यथः | वण्टिष्यथ |
| वण्टिष्यामि | वण्टिष्यावः | वण्टिष्यामः |
| क्रि० अवण्टिष्यत् | अवण्टिष्यताम् | अवण्टिष्यन् |
| अवण्टिष्यः | अवण्टिष्यतम् | अवण्टिष्यत |
| अवण्टिष्यम् | अवण्टिष्याव | अवण्टिष्याम |

206 रुड् [रुण्ड्] स्तेये ।

| | | | |
|--------------|----------------|----------------|---------------------|
| व० | रुण्टति | रुण्टतः | रुण्टन्ति |
| | रुण्टसि | रुण्टथः | रुण्टथ |
| | रुण्टामि | रुण्टावः | रुण्टामः |
| स० | रुण्टेत् | रुण्टेताम् | रुण्टेयुः |
| | रुण्टेः | रुण्टेतम् | रुण्टेत |
| | रुण्टेयम् | रुण्टेव | रुण्टेम |
| प० | रुण्टतु | रुण्टतात् | रुण्टताम् रुण्टन्तु |
| | रुण्ट | रुण्टतम् | रुण्टत |
| | रुण्टानि | रुण्टाव | रुण्टाम |
| झ० | अरुण्टत् | अरुण्टताम् | अरुण्टन् |
| | अरुण्टः | अरुण्टतम् | अरुण्टत |
| | अरुण्टम् | अरुण्टाव | अरुण्टाम |
| अ० | अरुण्टीत् | अरुण्टिष्टाम् | अरुण्टिषुः |
| | अरुण्टीः | अरुण्टिष्टम् | अरुण्टिष्ट |
| | अरुण्टिषम् | अरुण्टिष्व | अरुण्टिष्म |
| प० | रुण्ट | रुण्टतुः | रुण्टुः |
| | रुण्टिथ | रुण्टथुः | रुण्ट |
| | रुण्ट | रुण्टिष | रुण्टिष्म |
| आ० | रुण्ट्यात् | रुण्ट्यास्ताम् | रुण्ट्यासुः |
| | रुण्ट्याः | रुण्ट्यास्तम् | रुण्ट्यास्त |
| | रुण्ट्यासम् | रुण्ट्यास्व | रुण्ट्यास्म |
| श्व० | रुण्टिता | रुण्टितारौ | रुण्टितारः |
| | रुण्टितासि | रुण्टितास्थः | रुण्टितास्थ |
| | रुण्टितास्मि | रुण्टितास्वः | रुण्टितास्मः |
| भ० | रुण्टिष्यति | रुण्टिष्यतः | रुण्टिष्यन्ति |
| | रुण्टिष्यसि | रुण्टिष्यथः | रुण्टिष्यथ |
| | रुण्टिष्यामि | रुण्टिष्यावः | रुण्टिष्यामः |
| अरुण्टिष्यत् | अरुण्टिष्यताम् | अरुण्टिष्यन् | |
| अरुण्टिष्यः | अरुण्टिष्यतम् | अरुण्टिष्यत | |
| अरुण्टिष्यम् | अरुण्टिष्याव | अरुण्टिष्याम | |

207 लुङ् (लुण्ड्) स्तेये ।

| | | | |
|--------------|----------------|----------------|---------------------|
| व० | लुण्टति | लुण्टतः | लुण्टन्ति |
| | लुण्टसि | लुण्टथः | लुण्टथ |
| | लुण्टामि | लुण्टावः | लुण्टामः |
| स० | लुण्टेत् | लुण्टेताम् | लुण्टेयुः |
| | लुण्टेः | लुण्टेतम् | लुण्टेत |
| | लुण्टेयम् | लुण्टेव | लुण्टेम |
| प० | लुण्टतु | लुण्टतात् | लुण्टताम् लुण्टन्तु |
| | लुण्ट | लुण्टतम् | लुण्टत |
| | लुण्टानि | लुण्टाव | लुण्टाम |
| झ० | अलुण्टत् | अलुण्टताम् | अलुण्टन् |
| | अलुण्टः | अलुण्टतम् | अलुण्टत |
| | अलुण्टम् | अलुण्टाव | अलुण्टाम |
| | अलुण्टीत् | अलुण्टिष्टाम् | अलुण्टिषुः |
| | अलुण्टीः | अलुण्टिष्टम् | अलुण्टिष्ट |
| | अलुण्टिषम् | अलुण्टिष्व | अलुण्टिष्म |
| प० | लुण्ट | लुण्टतुः | लुण्टुः |
| | लुण्टिथ | लुण्टथुः | लुण्ट |
| | लुण्ट | लुण्टिष | लुण्टिष्म |
| आ० | लुण्ट्यात् | लुण्ट्यास्ताम् | लुण्ट्यासुः |
| | लुण्ट्याः | लुण्ट्यास्तम् | लुण्ट्यास्त |
| | लुण्ट्यासम् | लुण्ट्यास्व | लुण्ट्यास्म |
| श्व० | लुण्टिता | लुण्टितारौ | लुण्टितारः |
| | लुण्टितासि | लुण्टितास्थः | लुण्टितास्थ |
| | लुण्टितास्मि | लुण्टितास्वः | लुण्टितास्मः |
| भ० | लुण्टिष्यति | लुण्टिष्यतः | लुण्टिष्यन्ति |
| | लुण्टिष्यसि | लुण्टिष्यथः | लुण्टिष्यथ |
| | लुण्टिष्यामि | लुण्टिष्यावः | लुण्टिष्यामः |
| अलुण्टिष्यत् | अलुण्टिष्यताम् | अलुण्टिष्यन् | |
| अलुण्टिष्यः | अलुण्टिष्यतम् | अलुण्टिष्यत | |
| अलुण्टिष्यम् | अलुण्टिष्याव | अलुण्टिष्याम | |

208 स्फट (स्फट्ट) विसरणे

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० स्फटति | स्फटतः | स्फटन्ति |
| स्फटसि | स्फटथः | स्फटथ |
| स्फटामि | स्फटावः | स्फटामः |
| स० स्फटेत् | स्फटेताम् | स्फटेयुः |
| स्फटेः | स्फटेतम् | स्फटेत |
| स्फटेयम् | स्फटेव | स्फटेम |
| प० स्फटतु | स्फटतात् | स्फटताम् स्फटन्तु |
| स्फट | „ | स्फटतम् स्फटत |
| स्फटानि | स्फटाव | स्फटाम |
| ह्य० अस्फटत् | अस्फटताम् | अस्फटन् |
| अस्फटः | अस्फटतम् | अस्फटत |
| अस्फटम् | अस्फटाव | अस्फटाम |
| अ० अस्फाटीत् | अस्फाटिष्टाम् | अस्फाटिषुः |
| अस्फाटीः | अस्फाटिष्टम् | अस्फाटिष्ट |
| अस्फाटिषम् | अस्फाटिष्व | अस्फाटिष्म |
| अस्फाटीत् | अस्फाटिष्टाम् | अस्फाटिषुः |
| अस्फाटीः | अस्फाटिष्टम् | अस्फाटिष्ट |
| अस्फाटिषम् | अस्फाटिष्व | अस्फाटिष्म |
| प० पस्फाट | पस्फटतुः | पस्फट्टुः |
| पस्फटिथ | पस्फटथुः | पस्फट |
| पस्फाट, पस्फट | पस्फटिव | पस्फटिम |
| आ स्फट्यात् | स्फट्यास्ताम् | स्फट्यासुः |
| स्फट्याः | स्फट्यास्तम् | स्फट्यास्त |
| स्फट्यासम् | स्फट्यास्व | स्फट्यास्म |
| श्व० स्फटिता | स्फटितारौ | स्फटितारः |
| स्फटितासि | स्फटितास्थः | स्फटितास्थ |
| स्फटितास्मि | स्फटितास्वः | स्फटितास्मः |
| भ० स्फटिष्यति | स्फटिष्यतः | स्फटिष्यन्ति |
| स्फटिष्यसि | स्फटिष्यथः | स्फटिष्यथ |
| स्फटिष्यामि | स्फटिष्यावः | स्फटिष्यामः |
| क्रि० अस्फटिष्यत् | अस्फटिष्यताम् | अस्फटिष्यन् |
| अस्फटिष्यः | अस्फटिष्यतम् | अस्फटिष्यत |
| अस्फटिष्यम् | अस्फटिष्याव | अस्फटिष्याम |

209 स्फुट्ट [स्फुट्र] विसरणे

| | | |
|--------------------|----------------|---------------------|
| व० स्फोटति | स्फोटतः | स्फोटन्ति |
| स्फोटसि | स्फोटथः | स्फोटथ |
| स्फोटामि | स्फोटावः | स्फोटामः |
| स० स्फोटेत् | स्फोटेताम् | स्फोटेयुः |
| स्फोटेः | स्फोटेतम् | स्फोटेत |
| स्फोटेयम् | स्फोटेव | स्फोटेम |
| प० स्फोटतु | स्फोटतात् | स्फोटताम् स्फोटन्तु |
| स्फोट | „ | स्फोटतम् स्फोटत |
| स्फोटानि | स्फोटाव | स्फोटाम |
| ह्य० अस्फोटत् | अस्फोटताम् | अस्फोटन् |
| अस्फोटः | अस्फोटतम् | अस्फोटत |
| अस्फोटम् | अस्फोटाव | अस्फोटाम |
| अ० अस्फुटत् | अस्फुटताम् | अस्फुटन् |
| अस्फुटः | अस्फुटतम् | अस्फुटत |
| अस्फुटम् | अस्फुटाव | अस्फुटाम |
| अस्फोटीत् | अस्फोटिष्टाम् | अस्फोटिषुः |
| अस्फोटीः | अस्फोटिष्टम् | अस्फोटिष्ट |
| अस्फोटिषम् | अस्फोटिष्व | अस्फोटिष्म |
| प० पुस्फोट | पुस्फुटतुः | पुस्फुट्टुः |
| पुस्फोटिथ | पुस्फुटथुः | पुस्फुट |
| पुस्फोट, पुस्फुट | पुस्फुटिव | पुस्फुटिम |
| आ० स्फुट्यात् | स्फुट्यास्ताम् | स्फुट्यासुः |
| स्फुट्याः | स्फुट्यास्तम् | स्फुट्यास्त |
| स्फुट्यासम् | स्फुट्यास्व | स्फुट्यास्म |
| श्व० स्फोटिता | स्फोटितारौ | स्फोटितारः |
| स्फोटितासि | स्फोटितास्थः | स्फोटितास्थ |
| स्फोटितास्मि | स्फोटितास्वः | स्फोटितास्मः |
| भ० स्फोटिष्यति | स्फोटिष्यतः | स्फोटिष्यन्ति |
| स्फोटिष्यसि | स्फोटिष्यथः | स्फोटिष्यथ |
| स्फोटिष्यामि | स्फोटिष्यावः | स्फोटिष्यामः |
| क्रि० अस्फोटिष्यत् | अस्फोटिष्यताम् | अस्फोटिष्यन् |
| अस्फोटिष्यः | अस्फोटिष्यतम् | अस्फोटिष्यत |
| अस्फोटिष्यम् | अस्फोटिष्याव | अस्फोटिष्याम |

210 लट् (लट्) बाल्ये

बाल्यं बालक्रिया ।

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| ब० लटति | लटतः | लटन्ति |
| लटसि | लटथः | लटथ |
| लटामि | लटावः | लटामः |
| स० लटेत् | लटेताम् | लटेयुः |
| लटेः | लटेतम् | लटेत |
| लटेयम् | लटेव | लटेम |
| प० लटतु | लटतात् | लटताम् लटन्तु |
| लट | „ | लटतम् लटत |
| लटानि | लटाव | लटाम |
| झ० अलटत् | अलटताम् | अलटन् |
| अलटः | अलटतम् | अलटत |
| अलटम् | अलटाव | अलटाम |
| अ० अलाटीत् | अलाटिष्ठाम् | अलाटिषुः |
| अलाटीः | अलाटिष्ठम् | अलाटिष्ठ |
| अलाटिषम् | अलाटिष्व | अलाटिष्म |
| अलटीत् | अलटिष्ठाम् | अलटिषुः |
| अलटीः | अलटिष्ठम् | अलटिष्ठ |
| अलटिषम् | अलटिष्व | अलटिष्म |
| प० ललाट | लेटतुः | लेटुः |
| लेटिथ | लेटथुः | लेट |
| ललाट, ललट | लेटिष्व | लेटिम् |
| अ० लट्यात् | लट्यास्ताम् | लट्यासुः |
| लट्याः | लट्यास्तम् | लट्यास्त |
| लट्यासम् | लट्यास्व | लट्यास्म |
| भ्व० लटिता | लटितारौ | लटितारः |
| लटितासि | लटितास्थः | लटितास्थ |
| लटितास्मि | लटितास्वः | लटितास्मः |
| भ० लटिष्यति | लटिष्यतः | लटिष्यन्ति |
| लटिष्यसि | लटिष्यथः | लटिष्यथ |
| लटिष्यामि | लटिष्यावः | लटिष्यामः |
| क्रि० अलटिष्यत् | अलटिष्यताम् | अलटिष्यन् |
| अलटिष्यः | अलटिष्यतम् | अलटिष्यत |
| अलटिष्यम् | अलटिष्याव | अलटिष्याम |

211 रट् [रट्] परिभाषणे

चकारो लटानुवर्णार्थः । तेन लटेर्थद्वयं सिद्धम् ।

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| ब० रटति | रटतः | रटन्ति |
| रटसि | रटथः | रटथ |
| रटामि | रटावः | रटामः |
| स० रटेत् | रटेताम् | रटेयुः |
| रटेः | रटेतम् | रटेत |
| रटेयम् | रटेव | रटेम |
| प० रटतु | रटतात् | रटताम् रटन्तु |
| रट | „ | रटतम् रटत |
| रटानि | रटाव | रटाम |
| झ० अरटत् | अरटताम् | अरटन् |
| अरटः | अरटतम् | अरटत |
| अरटम् | अरटाव | अरटाम |
| अ० अराटीत् | अराटिष्ठाम् | अराटिषुः |
| अराटीः | अराटिष्ठम् | अराटिष्ठ |
| अराटिषम् | अराटिष्व | अराटिष्म |
| अरटीत् | अरटिष्ठाम् | अरटिषुः |
| अरटीः | अरटिष्ठम् | अरटिष्ठ |
| अरटिषम् | अरटिष्व | अरटिष्म |
| प० रराट | रेटतुः | रेटुः |
| रेटिथ | रेटथुः | रेट |
| रराट, ररट | रेटिष्व | रेटिम् |
| आ० रट्यात् | रट्यास्ताम् | रट्यासुः |
| रट्याः | रट्यास्तम् | रट्यास्त |
| रट्यासम् | रट्यास्व | रट्यास्म |
| भ्व० रटिता | रटितारौ | रटितारः |
| रटितासि | रटितास्थः | रटितास्थ |
| रटितास्मि | रटितास्वः | रटितास्मः |
| भ० रटिष्यति | रटिष्यतः | रटिष्यन्ति |
| रटिष्यसि | रटिष्यथः | रटिष्यथ |
| रटिष्यामि | रटिष्यावः | रटिष्यामः |
| क्रि० अरटिष्यत् | अरटिष्यताम् | अरटिष्यन् |
| अरटिष्यः | अरटिष्यतम् | अरटिष्यत |
| अरटिष्यम् | अरटिष्याव | अरटिष्याम |

॥ अथ ठान्ताः सप्तदश सेटश्च ॥

212 रठ [रट्] परिभाषणे

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| ब० | रठति | रठतः | रठन्ति |
| | रठसि | रठथः | रठथ |
| | रठामि | रठावः | रठामः |
| स० | रठेत् | रठेताम् | रठेयुः |
| | रठेः | रठेतम् | रठेत |
| | रठेयम् | रठेव | रठेम |
| प० | रठतु | रठतात् | रठताम् |
| | रठ | रठतम् | रठत |
| | रठानि | रठाव | रठाम |
| ह्य० | अरठत् | अरठताम् | अरठन् |
| | अरठः | अरठतम् | अरठत |
| | अरठम् | अरठाव | अरठाम |
| अ० | अराठीत् | अराठिष्टाम् | अराठिषुः |
| | अराठीः | अराठिष्टम् | अराठिष्ट |
| | अराठिषम् | अराठिष्व | अराठिष्म |
| | अरठीत् | अरठिष्टाम् | अरठिषुः |
| | अरठीः | अरठिष्टम् | अरठिष्ट |
| | अरठिषम् | अरठिष्व | अरठिष्म |
| प० | रराठ | रेठतुः | रेटुः |
| | रेठिथ | रेठथुः | रेठ |
| | रराठ, ररठ | रेठिव | रेठिम |
| आ० | रठ्यात् | रठ्यास्ताम् | रठ्यासुः |
| | रठ्याः | रठ्यास्तम् | रठ्यास्त |
| | रठ्यासम् | रठ्यास्व | रठ्यास्म |
| श्व० | रठिता | रठितारौ | रठितारः |
| | रठितासि | रठितास्थः | रठितास्थ |
| | रठितास्मि | रठितास्वः | रठितास्मः |
| भ० | रठिष्यति | रठिष्यतः | रठिष्यन्ति |
| | रठिष्यसि | रठिष्यथः | रठिष्यथ |
| | रठिष्यामि | रठिष्यावः | रठिष्यामः |
| क्रि० | अरठिष्यत् | अरठिष्यताम् | अरठिष्यन् |
| | अरठिष्यः | अरठिष्यतम् | अरठिष्यत |
| | अरठिष्यम् | अरठिष्याव | अरठिष्याम |

213 पठ (पठ्) व्यक्तायां वाचि ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| ब० | पठति | पठतः | पठन्ति |
| | पठसि | पठथः | पठथ |
| | पठामि | पठावः | पठामः |
| स० | पठेत् | पठेताम् | पठेयुः |
| | पठेः | पठेतम् | पठेत |
| | पठेयम् | पठेव | पठेम |
| प० | पठतु | पठतात् | पठताम् |
| | पठ | पठतम् | पठत |
| | पठानि | पठाव | पठाम |
| ह्य० | अपठत् | अपठताम् | अपठन् |
| | अपठः | अपठतम् | अपठत |
| | अपठम् | अपठाव | अपठाम |
| अ० | अपाठीत् | अपाठिष्टाम् | अपाठिषुः |
| | अपाठीः | अपाठिष्टम् | अपाठिष्ट |
| | अपाठिषम् | अपाठिष्व | अपाठिष्म |
| | अपठीत् | अपठिष्टाम् | अपठिषुः |
| | अपठीः | अपठिष्टम् | अपठिष्ट |
| | अपठिषम् | अपठिष्व | अपठिष्म |
| प० | पपाठ | पेठतुः | पेटुः |
| | पेठिथ | पेठथुः | पेठ |
| | पपाठ, पपठ | पेठिव | पेठिम |
| अ० | पठ्यात् | पठ्यास्ताम् | पठ्यासुः |
| | पठ्याः | पठ्यास्तम् | पठ्यास्त |
| | पठ्यासम् | पठ्यास्व | पठ्यास्म |
| श्व० | पठिता | पठितारौ | पठितारः |
| | पठितासि | पठितास्थः | पठितास्थ |
| | पठितास्मि | पठितास्वः | पठितास्मः |
| भ० | पठिष्यति | पठिष्यतः | पठिष्यन्ति |
| | पठिष्यसि | पठिष्यथः | पठिष्यथ |
| | पठिष्यामि | पठिष्यावः | पठिष्यामः |
| क्रि० | अपठिष्यत् | अपठिष्यताम् | अपठिष्यन् |
| | अपठिष्यः | अपठिष्यतम् | अपठिष्यत |
| | अपठिष्यम् | अपठिष्याव | अपठिष्याम |

214 वठ (वट्) स्थौल्ये ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| व० | वठति | वठतः | वठन्ति |
| | वठसि | वठथः | वठथ |
| | वठामि | वठावः | वठामः |
| स० | वठेत् | वठेताम् | वठेयुः |
| | वठेः | वठेतम् | वठेत |
| | वठेयम् | वठेव | वठेम |
| प० | वठतु | वठतात् | वठताम् |
| | वठ | „ | वठतम् |
| | वठानि | वठाव | वठाम |
| ह्य० | अवठत् | अवठताम् | अवठन् |
| | अवठः | अवठतम् | अवठत |
| | अवठम् | अवठाव | अवठाम |
| अ० | अवाठीत् | अवाठिष्टाम् | अवाठिषुः |
| | अवाठीः | अवाठिष्टम् | अवाठिष्ट |
| | अवाठिषम् | अवाठिष्व | अवाठिष्म |
| | अवठीत् | अवठिष्टाम् | अवठिषुः |
| | अवठीः | अवठिष्टम् | अवठिष्ट |
| | अवठिषम् | अवठिष्व | अवठिष्म |
| प० | ववाठ | ववठतुः | ववठुः |
| | ववठिथ | ववठथुः | ववठ |
| | ववाठ,ववठ | ववठिव | ववठिम |
| आ० | वठ्यात् | वठ्यास्ताम् | वठ्यासुः |
| | वठ्याः | वठ्यास्तम् | वठ्यास्त |
| | वठ्यासम् | वठ्यास्व | वठ्यास्म |
| श्व० | वठिता | वठितारौ | वठितारः |
| | वठितासि | वठितास्थः | वठितास्थ |
| | वठितास्मि | वठितास्वः | वठितास्मः |
| भ० | वठिष्यति | वठिष्यतः | वठिष्यन्ति |
| | वठिष्यसि | वठिष्यथः | वठिष्यथ |
| | वठिष्यामि | वठिष्यावः | वठिष्यामः |
| क्रि० | अवठिष्यत् | अवठिष्यताम् | अवठिष्यन् |
| | अवठिष्यः | अवठिष्यतम् | अवठिष्यत |
| | अवठिष्यम् | अवठिष्याव | अवठिष्याम |

215 मठ (मट्) मदनिवासयोश्च ।

चकारात्स्थौल्ये,

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| व० | मठति | मठतः | मठन्ति |
| | मठसि | मठथः | मठथ |
| | मठामि | मठावः | मठामः |
| स० | मठेत् | मठेताम् | मठेयुः |
| | मठेः | मठेतम् | मठेत |
| | मठेयम् | मठेव | मठेम |
| प० | मठतु | मठतात् | मठताम् |
| | मठ | „ | मठतम् |
| | मठानि | मठाव | मठाम |
| ह्य० | अमठत् | अमठताम् | अमठन् |
| | अमठः | अमठतम् | अमठत |
| | अमठम् | अमठाव | अमठाम |
| अ० | अमाठीत् | अमाठिष्टाम् | अमाठिषुः |
| | अमाठीः | अमाठिष्टम् | अमाठिष्ट |
| | अमाठिषम् | अमाठिष्व | अमाठिष्म |
| | अमठीत् | अमठिष्टाम् | अमठिषुः |
| | अमठीः | अमठिष्टम् | अमठिष्ट |
| | अमठिषम् | अमठिष्व | अमठिष्म |
| प० | ममाठ | मेठतुः | मेठुः |
| | मेठिथ | मेठथुः | मेठ |
| | ममाठ ममठ | मेठिव | मेठिम |
| आ० | मठ्यात् | मठ्यास्ताम् | मठ्यासुः |
| | मठ्याः | मठ्यास्तम् | मठ्यास्त |
| | मठ्यासम् | मठ्यास्व | मठ्यास्म |
| श्व० | मठिता | मठितारौ | मठितारः |
| | मठितासि | मठितास्थः | मठितास्थ |
| | मठितास्मि | मठितास्वः | मठितास्मः |
| भ० | मठिष्यति | मठिष्यतः | मठिष्यन्ति |
| | मठिष्यसि | मठिष्यथः | मठिष्यथ |
| | मठिष्यामि | मठिष्यावः | मठिष्यामः |
| क्रि० | अमठिष्यत् | अमठिष्यताम् | अमठिष्यन् |
| | अमठिष्यः | अमठिष्यतम् | अमठिष्यत |
| | अमठिष्यम् | अमठिष्याव | अमठिष्याम |

216 कठ (कट्) कृच्छ्रजोवने ।

| | | | |
|-------|------------|-------------|------------|
| व० | कठति | कठतः | कठन्ति |
| | कठसि | कठथः | कठथ |
| | कठामि | कठावः | कठामः |
| स० | कठेत् | कठेताम् | कठेयुः |
| | कठेः | कठेतम् | कठेत |
| | कठेयम् | कठेव | कठेम |
| प० | कठतु | कठतात् | कठताम् |
| | कठ | कठतम् | कठत |
| | कठानि | कठाव | कठाम |
| झ० | अकठत् | अकठताम् | अकठन् |
| | अकठः | अकठतम् | अकठत |
| | अकठम् | अकठाव | अकठाम |
| अ० | अकठीत् | अकठिष्ताम् | अकठिषुः |
| | अकठीः | अकठिष्टम् | अकठिष्ट |
| | अकठिषम् | अकठिष्व | अकठिष्म |
| | अकठीत् | अकठिष्टाम् | अकठिषुः |
| | अकठीः | अकठिष्टम् | अकठिष्ट |
| | अकठिषम् | अकठिष्व | अकठिष्म |
| प० | चकठ | चकठतुः | चकठुः |
| | चकठिथ | चकठथुः | चकठ |
| | चकठ, चकठ | चकठिव | चकठिम |
| आ० | कठ्यात् | कठ्यास्ताम् | कठ्यासुः |
| | कठ्याः | कठ्यास्तम् | कठ्यास्त |
| | कठ्यान्तम् | कठ्यास्व | कठ्यास्म |
| श्व० | कठिता | कठितारौ | कठितारः |
| | कठितासि | कठितास्थः | कठितास्थ |
| | कठितास्मि | कठितास्वः | कठितास्मः |
| भ० | कठिष्यति | कठिष्यतः | कठिष्यन्ति |
| | कठिष्यसि | कठिष्यथः | कठिष्यथ |
| | कठिष्यामि | कठिष्यावः | कठिष्यामः |
| क्रि० | अकठिष्यत् | अकठिष्यताम् | अकठिष्यन् |
| | अकठिष्यः | अकठिष्यतम् | अकठिष्यत |
| | अकठिष्यम् | अकठिष्याव | अकठिष्याम |

217 हठ (हट्) बलात्कारे

प्लवनकीलबन्धनयोरि य-ये ।

| | | | |
|-------|------------|-------------|------------|
| व० | हठति | हठतः | हठन्ति |
| | हठसि | हठथः | हठथ |
| | हठामि | हठावः | हठामः |
| स० | हठेत् | हठेताम् | हठेयुः |
| | हठेः | हठेतम् | हठेत |
| | हठेयम् | हठेव | हठेम |
| प० | हठतु | हठतात् | हठताम् |
| | हठ | हठतम् | हठत |
| | हठानि | हठाव | हठाम |
| झ० | अहठत् | अहठताम् | अहठन् |
| | अहठः | अहठतम् | अहठत |
| | अहठम् | अहठाव | अहठाम |
| अ० | अहठीत् | अहठिष्ताम् | अहठिषुः |
| | अहठीः | अहठिष्टम् | अहठिष्ट |
| | अहठिषम् | अहठिष्व | अहठिष्म |
| | अहठीत् | अहठिष्टाम् | अहठिषुः |
| | अहठीः | अहठिष्टम् | अहठिष्ट |
| | अहठिषम् | अहठिष्व | अहठिष्म |
| प० | जहठ | जहठतुः | जहठुः |
| | जहठिथ | जहठथुः | जहठ |
| | जहठ, जहठ | जहठिव | जहठिम |
| आ० | हठ्यात् | हठ्यास्ताम् | हठ्यासुः |
| | हठ्याः | हठ्यास्तम् | हठ्यास्त |
| | हठ्यान्तम् | हठ्यास्व | हठ्यास्म |
| श्व० | हठिता | हठितारौ | हठितारः |
| | हठितासि | हठितास्थः | हठितास्थ |
| | हठितास्मि | हठितास्वः | हठितास्मः |
| भ० | हठिष्यति | हठिष्यतः | हठिष्यन्ति |
| | हठिष्यसि | हठिष्यथः | हठिष्यथ |
| | हठिष्यामि | हठिष्यावः | हठिष्यामः |
| क्रि० | अहठिष्यत् | अहठिष्यताम् | अहठिष्यन् |
| | अहठिष्यः | अहठिष्यतम् | अहठिष्यत |
| | अहठिष्यम् | अहठिष्याव | अहठिष्याम |

218 उठ [उट्] उपधाते ।

घ० ओठति ओठतः ओठन्ति
ओठसि ओठथः ओठथ
ओठामि ओठावः ओठामः

स० ओठेत् ओठेताम् ओठेयुः
ओठेः ओठेतम् ओठेत
ओठेयम् ओठेव ओठेम

प० ओठतु ओठतात् ओठताम् ओठन्तु
ओठ , ओठतम् ओठत
ओठानि ओठाव ओठाम

झ० औठत् औठताम् औठन्
औठः औठतम् औठत
औठम् औठाव औठाम

अ० औठीत् औठिष्याम् औठिषुः
औठीः औठिष्यम् औठिष्य
औठिष्यम् औठिष्यव औठिष्यम

प० उवोठ ऊठतुः ऊठुः
उवोठिथ ऊठथुः ऊठ
उवोठ, ऊठिव ऊठिम

आ० उठ्यात् उठ्यास्ताम् उठ्यासुः
उठ्याः उठ्यास्तम् उठ्यास्त
उठ्यासम् उठ्यास्व उठ्यास्म

श्व० ओठिता ओठितारौ ओठितारः
ओठितासि ओठितास्थः ओठितास्थ
ओठितास्मि ओठितास्वः ओठितास्मः

भ० ओठिष्यति ओठिष्यतः ओठिष्यन्ति
ओठिष्यसि ओठिष्यथः ओठिष्यथ
ओठिष्यामि ओठिष्यावः ओठिष्यामः

क्रि० औठिष्यत् औठिष्यताम् औठिष्यन्
औठिष्यः औठिष्यतम् औठिष्यत
औठिष्यम् औठिष्याव औठिष्याम

219 रुठ (रुट्) उपधाते ।

घ० रोठति रोठतः रोठन्ति
रोठसि रोठथः रोठथ
रोठामि रोठावः रोठामः

स० रोठेत् रोठेताम् रोठेयुः
रोठेः रोठेतम् रोठेत
रोठेयम् रोठेव रोठेम

प० रोठतु रोठतात् रोठताम् रोठन्तु
रोठ , रोठतम् रोठत
रोठानि रोठाव रोठाम

झ० अरोठत् अरोठताम् अरोठन्
अरोठः अरोठतम् अरोठत
अरोठम् अरोठाव अरोठाम

अ० अरोठीत् अरोठिष्याम् अरोठिषुः
अरोठीः अरोठिष्यम् अरोठिष्य
अरोठिष्यम् अरोठिष्यव अरोठिष्यम

प० रूरोठ रूठतुः रूठुः
रूरोठिथ रूठथुः रूठ
रूरोठ, रूठिव रूठिम

आ० रुठ्यात् रुठ्यास्ताम् रुठ्यासुः
रुठ्याः रुठ्यास्तम् रुठ्यास्त
रुठ्यासम् रुठ्यास्व रुठ्यास्म

श्व० रोठिता रोठितारौ रोठितारः
रोठितासि रोठितास्थः रोठितास्थ
रोठितास्मि रोठितास्वः रोठितास्मः

भ० रोठिष्यति रोठिष्यतः रोठिष्यन्ति
रोठिष्यसि रोठिष्यथः रोठिष्यथ
रोठिष्यामि रोठिष्यावः रोठिष्यामः

क्रि० अरोठिष्यत् अरोठिष्यताम् अरोठिष्यन्
अरोठिष्यः अरोठिष्यतम् अरोठिष्यत
अरोठिष्यम् अरोठिष्याव अरोठिष्याम

220 लुठ (लुट्) उपधाते

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० लोठति | लोठतः | लोठन्ति |
| लोठसि | लोठथः | लोठथ |
| लोठामि | लोठावः | लोठामः |
| स० लोठेत् | लोठेताम् | लोठेयुः |
| लोठेः | लोठेतम् | लोठेत |
| लोठेयम् | लोठेव | लोठेम |
| प० लोठतु | लोठतान् | लोठताम् |
| लोठ | लोठतम् | लोठत |
| लोठानि | लोठाव | लोठाम |
| झ० अलोठत् | अलोठताम् | अलोठन् |
| अलोठः | अलोठतम् | अलोठत |
| अलोठम् | अलोठाव | अलोठाम |
| अ० अलोठीत् | अलोठिष्टाम् | अलोठिषुः |
| अलोठीः | अलोठिष्टम् | अलोठिष्ट |
| अलोठिषम् | अलोठिष्व | अलोठिष्म |
| प० लुलोठ | लुलुठतुः | लुलुठुः |
| लुलोठिथ | लुलुठथुः | लुलुठ |
| लुलोठ | लुलुठिव | लुलुठिम |
| आ० लुठ्यात् | लुठ्यास्ताम् | लुठ्यासुः |
| लुठ्याः | लुठ्यास्तम् | लुठ्यास्त |
| लुठ्यासम् | लुठ्यास्व | लुठ्यास्म |
| श्व० लोठिता | लोठितारौ | लोठितारः |
| लोठितासि | लोठितास्थः | लोठितास्थ |
| लोठितास्मि | लोठितास्वः | लोठितास्मः |
| भ० लोठिष्यति | लोठिष्यतः | लोठिष्यन्ति |
| लोठिष्यसि | लोठिष्यथः | लोठिष्यथ |
| लोठिष्यामि | लोठिष्यावः | लोठिष्यामः |
| क्रि० अलोठिष्यत् | अलोठिष्यताम् | अलोठिष्यन् |
| अलोठिष्यः | अलोठिष्यतम् | अलोठिष्यत |
| अलोठिष्यम् | अलोठिष्याव | अलोठिष्याम |

221 पिठ (पिट्) हिंसासंक्लेशनयोः

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० पेठति | पेठतः | पेठन्ति |
| पेठसि | पेठथः | पेठथ |
| पेठामि | पेठावः | पेठामः |
| स० पेठेत् | पेठेताम् | पेठेयुः |
| पेठेः | पेठेतम् | पेठेत |
| पेठेयम् | पेठेव | पेठेम |
| प० पेठतु | पेठतान् | पेठताम् |
| पेठ | पेठतम् | पेठत |
| पेठानि | पेठाव | पेठाम |
| झ० अपेठत् | अपेठताम् | अपेठन् |
| अपेठः | अपेठतम् | अपेठत |
| अपेठम् | अपेठाव | अपेठाम |
| अ० अपेठीत् | अपेठिष्टाम् | अपेठिषुः |
| अपेठीः | अपेठिष्टम् | अपेठिष्ट |
| अपेठिषम् | अपेठिष्व | अपेठिष्म |
| प० पिपेठ | पिपिठतुः | पिपिठुः |
| पिपेठिथ | पिपिठथुः | पिपिठ |
| पिपेठ | पिपिठिव | पिपिठिम |
| आ० पिठ्यात् | पिठ्यास्ताम् | पिठ्यासुः |
| पिठ्याः | पिठ्यास्तम् | पिठ्यास्त |
| पिठ्यासम् | पिठ्यास्व | पिठ्यास्म |
| श्व० पेठिता | पेठितारौ | पेठितारः |
| पेठितासि | पेठितास्थः | पेठितास्थ |
| पेठितास्मि | पेठितास्वः | पेठितास्मः |
| भ० पेठिष्यति | पेठिष्यतः | पेठिष्यन्ति |
| पेठिष्यसि | पेठिष्यथः | पेठिष्यथ |
| पेठिष्यामि | पेठिष्यावः | पेठिष्यामः |
| क्रि० अपेठिष्यत् | अपेठिष्यताम् | अपेठिष्यन् |
| अपेठिष्यः | अपेठिष्यतम् | अपेठिष्यत |
| अपेठिष्यम् | अपेठिष्याव | अपेठिष्याम |

222 शठ (शट्) कैतवे च ।

चकारादिसासंख्यलेशनयोः ।

| | | | |
|-------|------------|-------------|---------------|
| व० | शठति | शठतः | शठन्ति |
| | शठसि | शठथः | शठथ |
| | शठामि | शठावः | शठामः |
| स० | शठेत् | शठेताम् | शठेयुः |
| | शठेः | शठेतम् | शठेत |
| | शठेयम् | शठेव | शठेम |
| प० | शठतु | शठतात् | शठताम् शठन्तु |
| | शठ | „ | शठतम् शठत |
| | शठानि | शठाव | शठाम |
| झ० | अशठत् | अशठताम् | अशठन् |
| | अशठः | अशठतम् | अशठत |
| | अशठम् | अशठाव | अशठाम |
| अ० | अशठीत् | अशाठिष्टाम् | अशाठिषुः |
| | अशठीः | अशाठिष्टम् | अशाठिष्ट |
| | अशाठिषम् | अशाठिष्व | अशाठिष्म |
| | अशठीत् | अशाठिष्टाम् | अशाठिषुः |
| | अशठीः | अशाठिष्टम् | अशाठिष्ट |
| | अशाठिषम् | अशाठिष्व | अशाठिष्म |
| प० | शशाठ | शेठतुः | शेठुः |
| | शेठिथ | शेठथुः | शेठ |
| | शशाठ, शशाठ | शेठिष | शेठिम |
| अ० | शठ्यात् | शठ्यास्ताम् | शठ्यासुः |
| | शठ्याः | शठ्यास्तम् | शठ्यास्त |
| | शठ्यासम् | शठ्यास्व | शठ्यास्म |
| झ० | शठिता | शठितारौ | शठितारः |
| | शठितासि | शठित | शठितास्थ |
| | शठितास्मि | शठितास्वः | शठितास्मः |
| भ० | शठिष्यति | शठिष्यतः | शठिष्यन्ति |
| | शठिष्यसि | शठिष्यथः | शठिष्यथ |
| | शठिष्यामि | शठिष्यावः | शठिष्यामः |
| क्रि० | अशठिष्यत् | अशठिष्यताम् | अशठिष्यन् |
| | अशठिष्यः | अशठिष्यतम् | अशठिष्यत |
| | अशठिष्यम् | अशठिष्याव | अशठिष्याम |

223 शुठ [शुट्] गतिप्रतिधाते ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-----------------|
| व० | शुठति | शुठतः | शुठन्ति |
| | शुठसि | शुठथः | शुठथ |
| | शुठामि | शुठावः | शुठामः |
| स० | शुठेत् | शुठेताम् | शुठेयुः |
| | शुठेः | शुठेतम् | शुठेत |
| | शुठेयम् | शुठेव | शुठेम |
| प० | शुठतु | शुठतात् | शुठताम् शुठन्तु |
| | शुठ | „ | शुठतम् शुठत |
| | शुठानि | शुठाव | शुठाम |
| झ० | अशुठत् | अशुठताम् | अशुठन् |
| | अशुठः | अशुठतम् | अशुठत |
| | अशुठम् | अशुठाव | अशुठाम |
| अ० | अशुठीत् | अशुठिष्टाम् | अशुठिषुः |
| | अशुठीः | अशुठिष्टम् | अशुठिष्ट |
| | अशुठिषम् | अशुठिष्व | अशुठिष्म |
| प० | शुशुठ | शुशुठतुः | शुशुठुः |
| | शुशुठिथ | शुशुठथुः | शुशुठ |
| | शुशुठ, | शुशुठिष | शुशुठिम |
| आ० | शुठ्यात् | शुठ्यास्ताम् | शुठ्यासुः |
| | शुठ्याः | शुठ्यास्तम् | शुठ्यास्त |
| | शुठ्यासम् | शुठ्यास्व | शुठ्यास्म |
| झ० | शुठिता | शुठितारौ | शुठितारः |
| | शुठितासि | शुठितास्थः | शुठितास्थ |
| | शुठितास्मि | शुठितास्वः | शुठितास्मः |
| भ० | शुठिष्यति | शुठिष्यतः | शुठिष्यन्ति |
| | शुठिष्यसि | शुठिष्यथः | शुठिष्यथ |
| | शुठिष्यामि | शुठिष्यावः | शुठिष्यामः |
| क्रि० | अशुठिष्यत् | अशुठिष्यताम् | अशुठिष्यन् |
| | अशुठिष्यः | अशुठिष्यतम् | अशुठिष्यत |
| | अशुठिष्यम् | अशुठिष्याव | अशुठिष्याम |

224 कुटु (कुण्ट) आलस्ये च ।

चकारादगतिप्रतिपाते ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० कुण्टति | कुण्टतः | कुण्टन्ति |
| कुण्टसि | कुण्टथः | कुण्टथ |
| कुण्टामि | कुण्टावः | कुण्टामः |
| स० कुण्टेत् | कुण्टेताम् | कुण्टेयुः |
| कुण्टेः | कुण्टेतम् | कुण्टेत |
| कुण्टेयम् | कुण्टेव | कुण्टेम |
| प० कुण्टतु | कुण्टतात् | कुण्टताम् |
| कुण्ट | कुण्टतम् | कुण्टत |
| कुण्टानि | कुण्टाव | कुण्टाम |
| ह्य० अकुण्टत् | अकुण्टताम् | अकुण्टन् |
| अकुण्टः | अकुण्टतम् | अकुण्टत |
| अकुण्टम् | अकुण्टाव | अकुण्टाम |
| अ० अकुण्टीत् | अकुण्टिष्टाम् | अकुण्टिषुः |
| अकुण्टीः | अकुण्टिष्टम् | अकुण्टिष्ट |
| अकुण्टिषम् | अकुण्टिष्व | अकुण्टिष्म |
| प० चुकुण्ट | चुकुण्टतुः | चुकुण्टुः |
| चुकुण्टिथ | चुकुण्टथुः | चुकुण्ट |
| चुकुण्ट | चुकुण्टिव | चुकुण्टिम |
| आ कुण्ट्यात् | कुण्ट्यास्ताम् | कुण्ट्यासुः |
| कुण्ट्याः | कुण्ट्यास्तम् | कुण्ट्यास्त |
| कुण्ट्यासम् | कुण्ट्यास्व | कुण्ट्यास्म |
| श्व० कुण्टिता | कुण्टितारौ | कुण्टितारः |
| कुण्टितासि | कुण्टितास्थः | कुण्टितास्थ |
| कुण्टितास्मि | कुण्टितास्वः | कुण्टितास्मः |
| भ० कुण्टिष्यति | कुण्टिष्यतः | कुण्टिष्यन्ति |
| कुण्टिष्यसि | कुण्टिष्यथः | कुण्टिष्यथ |
| कुण्टिष्यामि | कुण्टिष्यावः | कुण्टिष्यामः |
| क्रि० अकुण्टिष्यत् | अकुण्टिष्यताम् | अकुण्टिष्यन् |
| अकुण्टिष्यः | अकुण्टिष्यतम् | अकुण्टिष्यत |
| अकुण्टिष्यम् | अकुण्टिष्याव | अकुण्टिष्याम |

225 लुटु (लुण्ट) आलस्ये

गतिप्रतिपाते च ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० लुण्टति | लुण्टतः | लुण्टन्ति |
| लुण्टसि | लुण्टथः | लुण्टथ |
| लुण्टामि | लुण्टावः | लुण्टामः |
| स० लुण्टेत् | लुण्टेताम् | लुण्टेयुः |
| लुण्टेः | लुण्टेतम् | लुण्टेत |
| लुण्टेयम् | लुण्टेव | लुण्टेम |
| प० लुण्टतु | लुण्टतात् | लुण्टताम् |
| लुण्ट | लुण्टतम् | लुण्टत |
| लुण्टानि | लुण्टाव | लुण्टाम |
| ह्य० अलुण्टत् | अलुण्टताम् | अलुण्टन् |
| अलुण्टः | अलुण्टतम् | अलुण्टत |
| अलुण्टम् | अलुण्टाव | अलुण्टाम |
| अ० अलुण्टीत् | अलुण्टिष्टाम् | अलुण्टिषुः |
| अलुण्टीः | अलुण्टिष्टम् | अलुण्टिष्ट |
| अलुण्टिषम् | अलुण्टिष्व | अलुण्टिष्म |
| प० लुलुण्ट | लुलुण्टतुः | लुलुण्टुः |
| लुलुण्टिथ | लुलुण्टथुः | लुलुण्ट |
| लुलुण्ट | लुलुण्टिव | लुलुण्टिम |
| आ० लुण्ट्यात् | लुण्ट्यास्ताम् | लुण्ट्यासुः |
| लुण्ट्याः | लुण्ट्यास्तम् | लुण्ट्यास्त |
| लुण्ट्यासम् | लुण्ट्यास्व | लुण्ट्यास्म |
| श्व० लुण्टिता | लुण्टितारौ | लुण्टितारः |
| लुण्टितासि | लुण्टितास्थः | लुण्टितास्थ |
| लुण्टितास्मि | लुण्टितास्वः | लुण्टितास्मः |
| भ० लुण्टिष्यति | लुण्टिष्यतः | लुण्टिष्यन्ति |
| लुण्टिष्यसि | लुण्टिष्यथः | लुण्टिष्यथ |
| लुण्टिष्यामि | लुण्टिष्यावः | लुण्टिष्यामः |
| क्रि० अलुण्टिष्यत् | अलुण्टिष्यताम् | अलुण्टिष्यन् |
| अलुण्टिष्यः | अलुण्टिष्यतम् | अलुण्टिष्यत |
| अलुण्टिष्यम् | अलुण्टिष्याव | अलुण्टिष्याम |

226 शुरु (शुण्ड) शोषणे ।

| | | | |
|------|--------------|----------------|---------------------|
| ब० | शुण्टति | शुण्टतः | शुण्टन्ति |
| | शुण्टसि | शुण्टथः | शुण्टथ |
| | शुण्टामि | शुण्टावः | शुण्टामः |
| स० | शुण्डेत् | शुण्डेताम् | शुण्डेयुः |
| | शुण्डेः | शुण्डेतम् | शुण्डेत |
| | शुण्डेयम् | शुण्डेव | शुण्डेम |
| प० | शुण्टतु | शुण्टतात् | शुण्टताम् शुण्टन्तु |
| | शुण्ट | ,, | शुण्टतम् शुण्टत |
| | शुण्टानि | शुण्टाव | शुण्टाम |
| ह्य० | अशुण्टत् | अशुण्टताम् | अशुण्टन् |
| | अशुण्टः | अशुण्टतम् | अशुण्टत |
| | अशुण्टम् | अशुण्टाव | अशुण्टाम |
| | अशुण्टीत् | अशुण्टिष्टाम् | अशुण्टिषुः |
| | अशुण्टीः | अशुण्टिष्टम् | अशुण्टिष्ट |
| | अशुण्टिषम् | अशुण्टिष्व | अशुण्टिष्म |
| प० | शुशुण्ट | शुशुण्टतुः | शुशुण्टुः |
| | शुशुण्टिथ | शुशुण्टथुः | शुशुण्ट |
| | शुशुण्ट | शुशुण्टिव | शुशुण्टिम |
| आ | शुण्ट्यात् | शुण्ट्यास्ताम् | शुण्ट्यासुः |
| | शुण्ट्याः | शुण्ट्यास्तम् | शुण्ट्यास्त |
| | शुण्ट्यासम् | शुण्ट्यास्व | शुण्ट्यास्म |
| श्व० | शुण्टिता | शुण्टितारौ | शुण्टितारः |
| | शुण्टितासि | शुण्टितास्थः | शुण्टितास्थ |
| | शुण्टितास्मि | शुण्टितास्वः | शुण्टितास्मः |
| भ० | शुण्टिष्यति | शुण्टिष्यतः | शुण्टिष्यन्ति |
| | शुण्टिष्यसि | शुण्टिष्यथः | शुण्टिष्यथ |
| | शुण्टिष्यामि | शुण्टिष्यावः | शुण्टिष्यामः |
| कि० | अशुण्टिष्यत् | अशुण्टिष्यताम् | अशुण्टिष्यन् |
| | अशुण्टिष्यः | अशुण्टिष्यतम् | अशुण्टिष्यत |
| | अशुण्टिष्यम् | अशुण्टिष्याव | अशुण्टिष्याम |

227 अठ [अट्] गतौ ।

| | | | |
|------|-----------|-------------|---------------|
| ब० | अठति | अठतः | अठन्ति |
| | अठसि | अठथः | अठथ |
| | अठामि | अठावः | अठामः |
| स० | अठेत् | अठेताम् | अठेयुः |
| | अठेः | अठेतम् | अठेत |
| | अठेयम् | अठेव | अठेम |
| प० | अठतु | अठतात् | अठताम् अठन्तु |
| | अठ | ,, | अठतम् अठत |
| | अठानि | अठाव | अठाम |
| ह्य० | आठत् | आठताम् | आठन् |
| | आठः | आठतम् | आठत |
| | आठम् | आठाव | आठाम |
| अ० | आठीत् | आठिष्टाम् | आठिषुः |
| | आठीः | आठिष्टम् | आठिष्ट |
| | आठिषम् | आठिष्व | आठिष्म |
| प० | आठ | आठतुः | आटुः |
| | आठिथ | आठथुः | आठ |
| | आठ, | आठिव | आठिम |
| आ० | अठ्यात् | अठ्यास्ताम् | अठ्यासुः |
| | अठ्याः | अठ्यास्तम् | अठ्यास्त |
| | अठ्यासम् | अठ्यास्व | अठ्यास्म |
| श्व० | अठिता | अठितारौ | अठितारः |
| | अठितासि | अठितास्थः | अठितास्थ |
| | अठितास्मि | अठितास्वः | अठितास्मः |
| भ० | अठिष्यति | अठिष्यतः | अठिष्यन्ति |
| | अठिष्यसि | अठिष्यथः | अठिष्यथ |
| | अठिष्यामि | अठिष्यावः | अठिष्यामः |
| कि० | आठिष्यत् | आठिष्यताम् | आठिष्यन् |
| | आठिष्यः | आठिष्यतम् | आठिष्यत |
| | आठिष्यम् | आठिष्याव | आठिष्याम |

228 रुट् [रुण्ट्] गतौ ।

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० रुण्टति | रुण्टतः | रुण्टन्ति |
| रुण्टसि | रुण्टथः | रुण्टथ |
| रुण्टामि | रुण्टावः | रुण्टामः |
| स० रुण्टेत् | रुण्टेताम् | रुण्टेयुः |
| रुण्टेः | रुण्टेतम् | रुण्टेत |
| रुण्टेयम् | रुण्टेव | रुण्टेम |
| प० रुण्टतु | रुण्टतात् | रुण्टताम् |
| रुण्ट | रुण्टतम् | रुण्टत |
| रुण्टानि | रुण्टाव | रुण्टाम |
| ह्य० अरुण्टत् | अरुण्टताम् | अरुण्टन् |
| अरुण्टः | अरुण्टतम् | अरुण्टत |
| अरुण्टम् | अरुण्टाव | अरुण्टाम |
| अ० अरुण्टीत् | अरुण्टिष्टाम् | अरुण्टिषुः |
| अरुण्टीः | अरुण्टिष्टम् | अरुण्टिष्ट |
| अरुण्टिषम् | अरुण्टिष्व | अरुण्टिष्म |
| प० हरुण्ट | हरुण्टतुः | हरुण्टुः |
| हरुण्टिथ | हरुण्टथुः | हरुण्ट |
| हरुण्ट, हरुण्टिव | हरुण्टिम | |
| आ० रुण्ट्यात् | रुण्ट्यास्ताम् | रुण्ट्यासुः |
| रुण्ट्याः | रुण्ट्यास्तम् | रुण्ट्यास्त |
| रुण्ट्यासम् | रुण्ट्यास्व | रुण्ट्यास्म |
| श्व० रुण्टिता | रुण्टितारौ | रुण्टितारः |
| रुण्टितासि | रुण्टितास्थः | रुण्टितास्थ |
| रुण्टितास्मि | रुण्टितास्वः | रुण्टितास्मः |
| भ० रुण्टिष्यति | रुण्टिष्यतः | रुण्टिष्यन्ति |
| रुण्टिष्यसि | रुण्टिष्यथः | रुण्टिष्यथ |
| रुण्टिष्यामि | रुण्टिष्यावः | रुण्टिष्यामः |
| अरुण्टिष्यत् | अरुण्टिष्यताम् | अरुण्टिष्यन् |
| अरुण्टिष्यः | अरुण्टिष्यतम् | अरुण्टिष्यत |
| अरुण्टिष्यम् | अरुण्टिष्याव | अरुण्टिष्याम |

॥ अथ डान्तास्त्रिशसेटश्च ॥

229 पुड् (पुण्ड्) प्रमर्दने ।

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० पुण्डति | पुण्डतः | पुण्डन्ति |
| पुण्डसि | पुण्डथः | पुण्डथ |
| पुण्डामि | पुण्डावः | पुण्डामः |
| स० पुण्डेत् | पुण्डेताम् | पुण्डेयुः |
| पुण्डेः | पुण्डेतम् | पुण्डेत |
| पुण्डेयम् | पुण्डेव | पुण्डेम |
| प० पुण्डतु | पुण्डतात् | पुण्डताम् |
| पुण्ड | पुण्डतम् | पुण्डत |
| पुण्डानि | पुण्डाव | पुण्डाम |
| ह्य० अपुण्डत् | अपुण्डताम् | अपुण्डन् |
| अपुण्डः | अपुण्डतम् | अपुण्डत |
| अपुण्डम् | अपुण्डाव | अपुण्डाम |
| अपुण्डीत् | अपुण्डिष्टाम् | अपुण्डिषुः |
| अपुण्डीः | अपुण्डिष्टम् | अपुण्डिष्ट |
| अपुण्डिषम् | अपुण्डिष्व | अपुण्डिष्म |
| प० पुपुण्ड | पुपुण्डतुः | पुपुण्डुः |
| पुपुण्डिथ | पुपुण्डथुः | पुपुण्ड |
| पुपुण्ड | पुपुण्डिव | पुपुण्डिम |
| आ० पुण्ड्यात् | पुण्ड्यास्ताम् | पुण्ड्यासुः |
| पुण्ड्याः | पुण्ड्यास्तम् | पुण्ड्यास्त |
| पुण्ड्यासम् | पुण्ड्यास्व | पुण्ड्यास्म |
| श्व० पुण्डिता | पुण्डितारौ | पुण्डितारः |
| पुण्डितासि | पुण्डितास्थः | पुण्डितास्थ |
| पुण्डितास्मि | पुण्डितास्वः | पुण्डितास्मः |
| भ० पुण्डिष्यति | पुण्डिष्यतः | पुण्डिष्यन्ति |
| पुण्डिष्यसि | पुण्डिष्यथः | पुण्डिष्यथ |
| पुण्डिष्यामि | पुण्डिष्यावः | पुण्डिष्यामः |
| कि० अपुण्डिष्यत् | अपुण्डिष्यताम् | अपुण्डिष्यन् |
| अपुण्डिष्यः | अपुण्डिष्यतम् | अपुण्डिष्यत |
| अपुण्डिष्यम् | अपुण्डिष्याव | अपुण्डिष्याम |

230 मुडु [मुण्ड] खण्डने च ।

चकारात्प्रमर्दने

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ष० मुण्डति | मुण्डतः | मुण्डन्ति |
| मुण्डसि | मुण्डथः | मुण्डथ |
| मुण्डामि | मुण्डावः | मुण्डामः |
| स० मुण्डेत् | मुण्डेताम् | मुण्डेयुः |
| मुण्डेः | मुण्डेतम् | मुण्डेत |
| मुण्डेयम् | मुण्डेव | मुण्डेम |
| प० मुण्डतु | मुण्डतात् | मुण्डताम् |
| मुण्ड | मुण्डतम् | मुण्डत |
| मुण्डानि | मुण्डाव | मुण्डाम |
| झ० अमुण्डत् | अमुण्डताम् | अमुण्डन् |
| अमुण्डः | अमुण्डतम् | अमुण्डत |
| अमुण्डम् | अमुण्डाव | अमुण्डाम |
| अ० अमुण्डीत् | अमुण्डिष्टाम् | अमुण्डिषुः |
| अमुण्डीः | अमुण्डिष्टम् | अमुण्डिष्ट |
| अमुण्डिषम् | अमुण्डिष्व | अमुण्डिष्म |
| प० मुमुण्ड | मुमुण्डतुः | मुमुण्डुः |
| मुमुण्डिथ | मुमुण्डथुः | मुमुण्ड |
| मुमुण्ड, | मुमुण्डिव | मुमुण्डिम |
| आ० मुण्ड्यात् | मुण्ड्यास्ताम् | मुण्ड्यासुः |
| मुण्ड्याः | मुण्ड्यास्तम् | मुण्ड्यास्त |
| मुण्ड्यासम् | मुण्ड्यास्व | मुण्ड्यास्म |
| श्व० मुण्डिता | मुण्डितारौ | मुण्डितारः |
| मुण्डितासि | मुण्डितास्थः | मुण्डितास्थ |
| मुण्डितास्मि | मुण्डितास्वः | मुण्डितास्मः |
| भ० मुण्डिष्यति | मुण्डिष्यतः | मुण्डिष्यन्ति |
| मुण्डिष्यसि | मुण्डिष्यथः | मुण्डिष्यथ |
| मुण्डिष्यामि | मुण्डिष्यावः | मुण्डिष्यामः |
| क्रि० अमुण्डिष्यत् | अमुण्डिष्यताम् | अमुण्डिष्यन् |
| अमुण्डिष्यः | अमुण्डिष्यतम् | अमुण्डिष्यत |
| अमुण्डिष्यम् | अमुण्डिष्याव | अमुण्डिष्याम |

231 मडु (मण्ड) भूषायाम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ष० मण्डति | मण्डतः | मण्डन्ति |
| मण्डसि | मण्डथः | मण्डथ |
| मण्डामि | मण्डावः | मण्डामः |
| स० मण्डेत् | मण्डेताम् | मण्डेयुः |
| मण्डेः | मण्डेतम् | मण्डेत |
| मण्डेयम् | मण्डेव | मण्डेम |
| प० मण्डतु | मण्डतात् | मण्डताम् |
| मण्ड | मण्डतम् | मण्डत |
| मण्डानि | मण्डाव | मण्डाम |
| झ० अमण्डत् | अमण्डताम् | अमण्डन् |
| अमण्डः | अमण्डतम् | अमण्डत |
| अमण्डम् | अमण्डाव | अमण्डाम |
| अ० अमण्डीत् | अमण्डिष्टाम् | अमण्डिषुः |
| अमण्डीः | अमण्डिष्टम् | अमण्डिष्ट |
| अमण्डिषम् | अमण्डिष्व | अमण्डिष्म |
| प० ममण्ड | ममण्डतुः | ममण्डुः |
| ममण्डिथ | ममण्डथुः | ममण्ड |
| ममण्ड | ममण्डिव | ममण्डिम |
| अ० मण्ड्यात् | मण्ड्यास्ताम् | मण्ड्यासुः |
| मण्ड्याः | मण्ड्यास्तम् | मण्ड्यास्त |
| मण्ड्यासम् | मण्ड्यास्व | मण्ड्यास्म |
| श्व० मण्डिता | मण्डितारौ | मण्डितारः |
| मण्डितासि | मण्डितास्थः | मण्डितास्थ |
| मण्डितास्मि | मण्डितास्वः | मण्डितास्मः |
| भ० मण्डिष्यति | मण्डिष्यतः | मण्डिष्यन्ति |
| मण्डिष्यसि | मण्डिष्यथः | मण्डिष्यथ |
| मण्डिष्यामि | मण्डिष्यावः | मण्डिष्यामः |
| क्रि० अमण्डिष्यत् | अमण्डिष्यताम् | अमण्डिष्यन् |
| अमण्डिष्यः | अमण्डिष्यतम् | अमण्डिष्यत |
| अमण्डिष्यम् | अमण्डिष्याव | अमण्डिष्याम |

232 गडु [गण्ड] वदनैकदेशे ।

गण्डगतसंहननक्रियायामित्यर्थः ।

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० गण्डति | गण्डतः | गण्डन्ति |
| गण्डसि | गण्डथः | गण्डथ |
| गण्डामि | गण्डावः | गण्डामः |
| स० गण्डेत् | गण्डेताम् | गण्डेयुः |
| गण्डेः | गण्डेतम् | गण्डेत |
| गण्डेयम् | गण्डेष | गण्डेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० गण्डतु | गण्डतात् | गण्डताम् | गण्डन्तु |
| गण्ड | ” | गण्डतम् | गण्डत |
| गण्डानि | गण्डाव | गण्डाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अगण्डत् | अगण्डताम् | अगण्डन् |
| अगण्डः | अगण्डतम् | अगण्डत |
| अगण्डम् | अगण्डाव | अगण्डाम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| अ० अगण्डीत् | अगण्डीष्टाम् | अगण्डीषुः |
| अगण्डीः | अगण्डीष्टम् | अगण्डीष्ट |
| अगण्डीषम् | अगण्डीष्व | अगण्डीष्म |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० जगण्ड | जगण्डतुः | जगण्डुः |
| जगण्डिथ | जगण्डथुः | जगण्ड |
| जगण्ड | जगण्डिथ | जगण्डिम |

| | | |
|-------------|---------------|------------|
| आ गण्ड्यात् | गण्ड्यास्ताम् | गण्ड्यासुः |
| गण्ड्याः | गण्ड्यास्तम् | गण्ड्यास्त |
| गण्ड्यासम् | गण्ड्यास्व | गण्ड्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| श्व० गण्डिता | गण्डितारौ | गण्डितारः |
| गण्डितासि | गण्डितास्थः | गण्डितास्थ |
| गण्डितास्मि | गण्डितास्वः | गण्डितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० गण्डिष्यति | गण्डिष्यतः | गण्डिष्यन्ति |
| गण्डिष्यसि | गण्डिष्यथः | गण्डिष्यथ |
| गण्डिष्यामि | गण्डिष्यावः | गण्डिष्यामः |

गण्डिष्यत् अगण्डिष्यताम् अगण्डिष्यन्
अगण्डिष्यः अगण्डिष्यतम् अगण्डिष्यत
अगण्डिष्यम् अगण्डिष्याव अगण्डिष्याम

233 शौडृ (शौड्) गर्वे ।

| | | |
|----------|--------|---------|
| व० शौडति | शौडतः | शौडन्ति |
| शौडसि | शौडथः | शौडथ |
| शौडामि | शौडावः | शौडामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० शौडेत् | शौडेताम् | शौडेयुः |
| शौडेः | शौडेतम् | शौडेत |
| शौडेयम् | शौडेव | शौडेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० शौडतु | शौडतात् | शौडताम् | शौडन्तु |
| शौड | ” | शौडतम् | शौडत |
| शौडानि | शौडाव | शौडाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अशौडत् | अशौडताम् | अशौडन् |
| अशौडः | अशौडतम् | अशौडत |
| अशौडम् | अशौडाव | अशौडाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अशौडीत् | अशौडीष्टाम् | अशौडीषुः |
| अशौडीः | अशौडीष्टम् | अशौडीष्ट |
| अशौडीषम् | अशौडीष्व | अशौडीष्म |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० शुशौड | शुशौडतुः | शुशौडुः |
| शुशौडिथ | शुशौडथुः | शुशौड |
| शुशौड | शुशौडिथ | शुशौडिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० शौड्यात् | शौड्यास्ताम् | शौड्यासुः |
| शौड्याः | शौड्यास्तम् | शौड्यास्त |
| शौड्यासम् | शौड्यास्व | शौड्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| श्व० शौडिता | शौडितारौ | शौडितारः |
| शौडितासि | शौडितास्थः | शौडितास्थ |
| शौडितास्मि | शौडितास्वः | शौडितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० शौडिष्यति | शौडिष्यतः | शौडिष्यन्ति |
| शौडिष्यसि | शौडिष्यथः | शौडिष्यथ |
| शौडिष्यामि | शौडिष्यावः | शौडिष्यामः |

क्रि० अशौडिष्यत् अशौडिष्यताम् अशौडिष्यन्
अशौडिष्यः अशौडिष्यतम् अशौडिष्यत
अशौडिष्यम् अशौडिष्याव अशौडिष्याम

234 यौडृ (यौड्) सम्बन्धे ।

सम्बन्धः श्लेषः ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | यौडति | यौडतः | यौडन्ति |
| | यौडसि | यौडथः | यौडथ |
| | यौडामि | यौडावः | यौडामः |
| स० | यौडेत् | यौडेताम् | यौडेरुः |
| | यौडेः | यौडेतम् | यौडेत |
| | यौडेरम् | यौडेव | यौडेम |
| प० | यौडतु | यौडतात् | यौडन्तु |
| | यौड | यौडतम् | यौडत |
| | यौडानि | यौडाव | यौडाम |
| झ० | अयौडत् | अयौडताम् | अयौडन् |
| | अयौडः | अयौडतम् | अयौडत |
| | अयौडम् | अयौडाव | अयौडाम |
| अ० | अयौडीत् | अयौडिष्टाम् | अयौडिषुः |
| | अयौडीः | अयौडिष्टम् | अयौडिष्ट |
| | अयौडिषम् | अयौडिष्व | अयौडिषम |
| प० | युयौड | युयौडतुः | युयौडुः |
| | युयौडिथ | युयौडथुः | युयौड |
| | युयौड | युयौडिव | युयौडिम |
| आ० | यौड्यात् | यौड्यास्ताम् | यौड्यासुः |
| | यौड्याः | यौड्यास्तम् | यौड्यास्त |
| | यौड्यासम् | यौड्यास्व | यौड्यास्म |
| भ्व० | यौडिता | यौडितारौ | यौडितारः |
| | यौडितासि | यौडितास्थः | यौडितास्थ |
| | यौडितास्मि | यौडितास्वः | यौडितास्मः |
| भ० | यौडिष्यति | यौडिष्यतः | यौडिष्यन्ति |
| | यौडिष्यसि | यौडिष्यथः | यौडिष्यथ |
| | यौडिष्यामि | यौडिष्यावः | यौडिष्यामः |
| क्रि० | अयौडिष्यत् | अयौडिष्यताम् | अयौडिष्यन् |
| | अयौडिष्यः | अयौडिष्यतम् | अयौडिष्यत |
| | अयौडिष्यम् | अयौडिष्याव | अयौडिष्याम |

235 मेडृ (मेड्) उन्मादे

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | मेडति | मेडतः | मेडन्ति |
| | मेडसि | मेडथः | मेडथ |
| | मेडामि | मेडावः | मेडामः |
| स० | मेडत् | मेडेताम् | मेडेरुः |
| | मेडेः | मेडेतम् | मेडेत |
| | मेडेरम् | मेडेव | मेडेम |
| प० | मेडतु | मेडतात् | मेडन्तु |
| | मेड | मेडतम् | मेडत |
| | मेडानि | मेडाव | मेडाम |
| झ० | अमेडत् | अमेडताम् | अमेडन् |
| | अमेडः | अमेडतम् | अमेडत |
| | अमेडम् | अमेडाव | अमेडाम |
| अ० | अमेडीत् | अमेडिष्टाम् | अमेडिषुः |
| | अमेडीः | अमेडिष्टम् | अमेडिष्ट |
| | अमेडिषम् | अमेडिष्व | अमेडिषम |
| प० | मिमेड | मिमेडतुः | मिमेडुः |
| | मिमेडिथ | मिमेडथुः | मिमेड |
| | मिमेड | मिमेडिव | मिमेडिम |
| आ० | मेड्यात् | मेड्यास्ताम् | मेड्यासुः |
| | मेड्याः | मेड्यास्तम् | मेड्यास्त |
| | मेड्यासम् | मेड्यास्व | मेड्यास्म |
| भ्व० | मेडिता | मेडितारौ | मेडितारः |
| | मेडितासि | मेडितास्थः | मेडितास्थ |
| | मेडितास्मि | मेडितास्वः | मेडितास्मः |
| भ० | मेडिष्यति | मेडिष्यतः | मेडिष्यन्ति |
| | मेडिष्यसि | मेडिष्यथः | मेडिष्यथ |
| | मेडिष्यामि | मेडिष्यावः | मेडिष्यामः |
| क्रि० | अमेडिष्यत् | अमेडिष्यताम् | अमेडिष्यन् |
| | अमेडिष्यः | अमेडिष्यतम् | अमेडिष्यत |
| | अमेडिष्यम् | अमेडिष्याव | अमेडिष्याम |

236 भ्रू (भ्रू) उन्मादे

| | | |
|-----------|----------|----------|
| व० भ्रूति | भ्रूतः | भ्रून्ति |
| भ्रूति | भ्रूथः | भ्रूथ |
| भ्रूमि | भ्रूवः | भ्रूमः |
| स० भ्रूत् | भ्रूताम् | भ्रूयुः |
| भ्रूः | भ्रूतम् | भ्रूत |
| भ्रूयम् | भ्रूव | भ्रूेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० भ्रूतु | भ्रूतात् | भ्रूताम् | भ्रून्तु |
| भ्रू | , | भ्रूतम् | भ्रूत |
| भ्रूति | | भ्रूव | भ्रूम |

| | | |
|--------------|-----------|---------|
| ह्य० अभ्रूत् | अभ्रूताम् | अभ्रून् |
| अभ्रूः | अभ्रूतम् | अभ्रूत |
| अभ्रूम् | अभ्रूव | अभ्रूम |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| अ० अभ्रूत् | अभ्रूताम् | अभ्रूयुः |
| अभ्रूः | अभ्रूतम् | अभ्रूत |
| अभ्रूम् | अभ्रूव | अभ्रूम |

| | | |
|-----------|---------|---------|
| प० भ्रूत् | भ्रूतुः | भ्रूतुः |
| भ्रूति | भ्रूथुः | भ्रूथ |
| भ्रूति, | भ्रूथि | भ्रूथि |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| आ० भ्रूत् | भ्रूताम् | भ्रूयुः |
| भ्रूः | भ्रूतम् | भ्रूत |
| भ्रूम् | भ्रूव | भ्रूम |

| | | |
|--------|------------|------------|
| भ्रूति | भ्रूतारौ | भ्रूतारः |
| भ्रूति | भ्रूतास्थः | भ्रूतास्थ |
| भ्रूति | भ्रूतास्वः | भ्रूतास्मः |

| | | |
|--------|------------|-------------|
| भ्रूति | भ्रूत्यतः | भ्रूत्यन्ति |
| भ्रूति | भ्रूत्यथः | भ्रूत्यथ |
| भ्रूति | भ्रूत्यावः | भ्रूत्यामः |

| | | |
|--------------|------------|-----------|
| क्रि० भ्रूति | भ्रूत्याम् | भ्रूत्यन् |
| भ्रूति | भ्रूत्यतम् | भ्रूत्यत |
| भ्रूति | भ्रूत्याव | भ्रूत्याम |

237 म्लेड (म्लेड) उन्मादे ।

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| व० म्लेडति | म्लेडतः | म्लेडन्ति |
| म्लेडति | म्लेडथः | म्लेडथ |
| म्लेडामि | म्लेडावः | म्लेडामः |
| स० म्लेडत् | म्लेडताम् | म्लेडयुः |
| म्लेडः | म्लेडतम् | म्लेडत |
| म्लेडयम् | म्लेडव | म्लेडेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० म्लेडतु | म्लेडतात् | म्लेडताम् | म्लेडन्तु |
| म्लेड | , | म्लेडतम् | म्लेडत |
| म्लेडानि | | म्लेडाव | म्लेडाम |

| | | |
|---------------|------------|----------|
| ह्य० अम्लेडत् | अम्लेडताम् | अम्लेडन् |
| अम्लेडः | अम्लेडतम् | अम्लेडत |
| अम्लेडम् | अम्लेडाव | अम्लेडाम |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| अ० अम्लेडत् | अम्लेडताम् | अम्लेडयुः |
| अम्लेडः | अम्लेडतम् | अम्लेडत |
| अम्लेडम् | अम्लेडाव | अम्लेडाम |

| | | |
|------------|----------|----------|
| प० म्लेडत् | म्लेडतुः | म्लेडतुः |
| म्लेडति | म्लेडथुः | म्लेडथ |
| म्लेडति, | म्लेडथि | म्लेडथि |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| आ० म्लेडत् | म्लेडताम् | म्लेडयुः |
| म्लेडः | म्लेडतम् | म्लेडत |
| म्लेडम् | म्लेडाव | म्लेडाम |

| | | |
|---------|-------------|-------------|
| भ्रूति | म्लेडितारौ | म्लेडितारः |
| म्लेडित | म्लेडितस्थः | म्लेडितस्थ |
| म्लेडित | म्लेडितस्वः | म्लेडितस्मः |

| | | |
|-----------|--------------|---------------|
| भ्रूति | म्लेडित्यतः | म्लेडित्यन्ति |
| म्लेडित्य | म्लेडित्यथः | म्लेडित्यथ |
| म्लेडित्य | म्लेडित्यावः | म्लेडित्यामः |

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| क्रि० अम्लेडित्य | अम्लेडित्याम् | अम्लेडित्यन् |
| अम्लेडित्य | अम्लेडित्यतम् | अम्लेडित्यत |
| अम्लेडित्य | अम्लेडित्याव | अम्लेडित्याम |

238 लोट् [लोड्] उन्मादे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० लोटति | लोडतः | लोडन्ति |
| लोडसि | लोडथः | लोडथ |
| लोडामि | लोडावः | लोडामः |
| स० लोडेत् | लोडेताम् | लोडेयुः |
| लोडेः | लोडेताम् | लोडेताम् |
| लोडेयम् | लोडेव | लोडेम |
| प० लोटतु | लोडतात् | लोडताम् |
| लोड | लोडतम् | लोडत |
| लोडानि | लोडाव | लोडाम |
| झ० अलोडत् | अलोडताम् | अलोडन् |
| अलोडः | अलोडतम् | अलोडत |
| अलोडम् | अलोडाव | अलोडाम |
| अ० अलोडीत् | अलोडिष्याम् | अलोडिषुः |
| अलोडीः | अलोडिष्यम् | अलोडिष्य |
| अलोडिषम् | अलोडिष्व | अलोडिषम |
| प० लुलोड | लुलोडतुः | लुलोडः |
| लुलोडिथ | लुलोडथुः | लुलोड |
| लुलोड | लुलोडिथ | लुलोडिम |
| आ० लोड्यात् | लोड्यास्ताम् | लोड्यासुः |
| लोड्याः | लोड्यास्तम् | लोड्यास्त |
| लोड्यासम् | लोड्यास्व | लोड्यासम |
| श्व० लोडिता | लोडितारो | लोडितारः |
| लोडितासि | लोडितास्थः | लोडितास्थ |
| लोडितास्मि | लोडितास्वः | लोडितास्मः |
| भ० लोडिष्यति | लोडिष्यतः | लोडिष्यन्ति |
| लोडिष्यसि | लोडिष्यथः | लोडिष्यथ |
| लोडिष्यामि | लोडिष्यावः | लोडिष्यामः |
| क्रि० अलोडिष्यत् | अलोडिष्यताम् | अलोडिष्यन् |
| अलोडिष्यः | अलोडिष्यतम् | अलोडिष्यत |
| अलोडिष्यम् | अलोडिष्याव | अलोडिष्याम |

239 लौट् (लौड्) उन्मादे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० लौडति | लौडतः | लौडन्ति |
| लौडसि | लौडथः | लौडथ |
| लौडामि | लौडावः | लौडामः |
| स० लौडेत् | लौडेताम् | लौडेयुः |
| लौडेः | लौडेताम् | लौडेताम् |
| लौडेयम् | लौडेव | लौडेम |
| प० लौडतु | लौडतात् | लौडताम् |
| लौड | लौडतम् | लौडत |
| लौडानि | लौडाव | लौडाम |
| झ० अलौडत् | अलौडताम् | अलौडन् |
| अलौडः | अलौडतम् | अलौडत |
| अलौडम् | अलौडाव | अलौडाम |
| अ० अलौडीत् | अलौडिष्याम् | अलौडिषुः |
| अलौडीः | अलौडिष्यम् | अलौडिष्य |
| अलौडिषम् | अलौडिष्व | अलौडिषम |
| प० लुलौड | लुलौडतुः | लुलौडः |
| लुलौडिथ | लुलौडथुः | लुलौड |
| लुलौड | लुलौडिथ | लुलौडिम |
| आ० लौड्यात् | लौड्यास्ताम् | लौड्यासुः |
| लौड्याः | लौड्यास्तम् | लौड्यास्त |
| लौड्यासम् | लौड्यास्व | लौड्यासम |
| श्व० लौडिता | लौडितारो | लौडितारः |
| लौडितासि | लौडितास्थः | लौडितास्थ |
| लौडितास्मि | लौडितास्वः | लौडितास्मः |
| भ० लौडिष्यति | लौडिष्यतः | लौडिष्यन्ति |
| लौडिष्यसि | लौडिष्यथः | लौडिष्यथ |
| लौडिष्यामि | लौडिष्यावः | लौडिष्यामः |
| क्रि० अलौडिष्यत् | अलौडिष्यताम् | अलौडिष्यन् |
| अलौडिष्यः | अलौडिष्यतम् | अलौडिष्यत |
| अलौडिष्यम् | अलौडिष्याव | अलौडिष्याम |

240 रोड् [रोड्] अनादरे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ष० रोडति | रोडतः | रोडन्ति |
| रोडसि | रोडथः | रोडथ |
| रोडामि | रोडावः | रोडामः |
| स० रोडेत् | रोडेताम् | रोडेयुः |
| रोडेः | रोडेतम् | रोडेत |
| रोडेयम् | रोडेव | रोडेम |
| प० रोडतु | रोडतात् | रोडताम् |
| रोड | „ | रोडतम् |
| रोडानि | रोडाव | रोडाम |
| झ० अरोडत् | अरोडताम् | अरोडन् |
| अरोडः | अरोडतम् | अरोडत |
| अरोडम् | अरोडाव | अरोडाम |
| अ० अरोडीत् | अरोडिष्टाम् | अरोडिषुः |
| अरोडीः | अरोडिष्टम् | अरोडिष्ट |
| अरोडिषम् | अरोडिष्व | अरोडिष्म |
| प० रुरोड | रुरोडतुः | रुरोडुः |
| रुरोडिथ | रुरोडथुः | रुरोड |
| रुरोड | रुरोडिव | रुरोडिम |
| आ० रुड्यात् | रुड्यास्ताम् | रुड्यासुः |
| रुड्याः | रुड्यास्तम् | रुड्यास्त |
| रुड्यासम् | रुड्यास्व | रुड्यास्म |
| श्व० रोडिता | रोडितारौ | रोडितारः |
| रोडितासि | रोडितास्थः | रोडितास्थ |
| रोडितास्मि | रोडितास्वः | रोडितास्मः |
| भ० रोडिष्यति | रोडिष्यतः | रोडिष्यन्ति |
| रोडिष्यसि | रोडिष्यथः | रोडिष्यथ |
| रोडिष्यामि | रोडिष्यावः | रोडिष्यामः |
| क्रि० अरोडिष्यत् | अरोडिष्यताम् | अरोडिष्यन् |
| अरोडिष्यः | अरोडिष्यतम् | अरोडिष्यत |
| अरोडिष्यम् | अरोडिष्याव | अरोडिष्याम |

241 रौड् (रौड्) अनादरे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ष० रौडति | रौडतः | रौडन्ति |
| रौडसि | रौडथः | रौडथ |
| रौडामि | रौडावः | रौडामः |
| स० रौडेत् | रौडेताम् | रौडेयुः |
| रौडेः | रौडेतम् | रौडेत |
| रौडेयम् | रौडेव | रौडेम |
| प० रौडतु | रौडतात् | रौडताम् |
| रौड | „ | रौडतम् |
| रौडानि | रौडाव | रौडाम |
| झ० अरौडत् | अरौडताम् | अरौडन् |
| अरौडः | अरौडतम् | अरौडत |
| अरौडम् | अरौडाव | अरौडाम |
| अ० अरौडीत् | अरौडिष्टाम् | अरौडिषुः |
| अरौडीः | अरौडिष्टम् | अरौडिष्ट |
| अरौडिषम् | अरौडिष्व | अरौडिष्म |
| प० रुरौड | रुरौडतुः | रुरौडुः |
| रुरौडिथ | रुरौडथुः | रुरौड |
| रुरौड | रुरौडिव | रुरौडिम |
| आ० रौड्यात् | रौड्यास्ताम् | रौड्यासुः |
| रौड्याः | रौड्यास्तम् | रौड्यास्त |
| रौड्यासम् | रौड्यास्व | रौड्यास्म |
| श्व० रौडिता | रौडितारौ | रौडितारः |
| रौडितासि | रौडितास्थः | रौडितास्थ |
| रौडितास्मि | रौडितास्वः | रौडितास्मः |
| भ० रौडिष्यति | रौडिष्यतः | रौडिष्यन्ति |
| रौडिष्यसि | रौडिष्यथः | रौडिष्यथ |
| रौडिष्यामि | रौडिष्यावः | रौडिष्यामः |
| क्रि० अरौडिष्यत् | अरौडिष्यताम् | अरौडिष्यन् |
| अरौडिष्यः | अरौडिष्यतम् | अरौडिष्यत |
| अरौडिष्यम् | अरौडिष्याव | अरौडिष्याम |

242 तौड् (तौड्) अनादरे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० तौडति | तौडतः | तौडन्ति |
| तौडसि | तौडथः | तौडथ |
| तौडामि | तौडावः | तौडामः |
| स० तौडेत् | तौडेताम् | तौडेयुः |
| तौडेः | तौडेतम् | तौडेत |
| तौडेयम् | तौडेव | तौडेम |
| प० तौडतु | तौडतान् | तौडताम् |
| तौड | तौडतम् | तौडत |
| तौडानि | तौडाव | तौडाम |
| झ० अतौडत् | अतौडताम् | अतौडन् |
| अतौडः | अतौडतम् | अतौडत |
| अतौडम् | अतौडाव | अतौडाम |
| अ० अतौडीत् | अतौडिष्टाम् | अतौडिषुः |
| अतौडीः | अतौडिष्टम् | अतौडिष्ट |
| अतौडिषम् | अतौडिष्व | अतौडिष्म |
| प० तुतौड | तुतौडतुः | तुतौडुः |
| तुतौडिथ | तुतौडथुः | तुतौड |
| तुतौड, | तुतौडिव | तुतौडिम |
| आ० तौड्यात् | तौड्यास्ताम् | तौड्यासुः |
| तौड्याः | तौड्यास्तम् | तौड्यास्त |
| तौड्यासम् | तौड्यास्व | तौड्यास्म |
| श्व० तौडिता | तौडितारौ | तौडितारः |
| तौडितासि | तौडितास्थः | तौडितास्थ |
| तौडितास्मि | तौडितास्वः | तौडितास्मः |
| भ० तौडिष्यति | तौडिष्यतः | तौडिष्यन्ति |
| तौडिष्यसि | तौडिष्यथः | तौडिष्यथ |
| तौडिष्यामि | तौडिष्यावः | तौडिष्यामः |
| क्रि० अतौडिष्यत् | अतौडिष्यताम् | अतौडिष्यन् |
| अतौडिष्यः | अतौडिष्यतम् | अतौडिष्यत |
| अतौडिष्यम् | अतौडिष्याव | अतौडिष्याम |

243 कीड् (कीड्) विहारे

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० कीडति | कीडतः | कीडन्ति |
| कीडसि | कीडथः | कीडथ |
| कीडामि | कीडावः | कीडामः |
| स० कीडेत् | कीडेताम् | कीडेयुः |
| कीडेः | कीडेतम् | कीडेत |
| कीडेयम् | कीडेव | कीडेम |
| प० कीडतु | कीडतान् | कीडताम् |
| कीड | कीडतम् | कीडत |
| कीडानि | कीडाव | कीडाम |
| झ० अकीडत् | अकीडताम् | अकीडन् |
| अकीडः | अकीडतम् | अकीडत |
| अकीडम् | अकीडाव | अकीडाम |
| अ० अकीडीत् | अकीडिष्टाम् | अकीडिषुः |
| अकीडीः | अकीडिष्टम् | अकीडिष्ट |
| अकीडिषम् | अकीडिष्व | अकीडिष्म |
| प० चिकीड | चिकीडतुः | चिकीडुः |
| चिकीडिथ | चिकीडथुः | चिकीड |
| चिकीड, | चिकीडिव | चिकीडिम |
| आ० कीड्यात् | कीड्यास्ताम् | कीड्यासुः |
| कीड्याः | कीड्यास्तम् | कीड्यास्त |
| कीड्यासम् | कीड्यास्व | कीड्यास्म |
| श्व० कीडिता | कीडितारौ | कीडितारः |
| कीडितासि | कीडितास्थः | कीडितास्थ |
| कीडितास्मि | कीडितास्वः | कीडितास्मः |
| भ० कीडिष्यति | कीडिष्यतः | कीडिष्यन्ति |
| कीडिष्यसि | कीडिष्यथः | कीडिष्यथ |
| कीडिष्यामि | कीडिष्यावः | कीडिष्यामः |
| क्रि० अकीडिष्यत् | अकीडिष्यताम् | अकीडिष्यन् |
| अकीडिष्यः | अकीडिष्यतम् | अकीडिष्यत |
| अकीडिष्यम् | अकीडिष्याव | अकीडिष्याम |

धृञ्ना-आ कीड् धातुने बदले कीड् धातु समज्यो. अने रूपोमां बधे ठेकाणे “की” ने बदले “क्री” समज्यो जेमके कीडति

244 तुङ् (तुङ्) तोडने । तोडनं दारणम्

ब० तोडति तोडतः तोडन्ति
तोडसि तोडथः तोडथ
तोडामि तोडावः तोडामः

स० तोडेत् तोडेताम् तोडेयुः
तोडेः तोडेतम् तोडेत्
तोडेयम् तोडेव तोडेम

प० तोडतु तोडतात् तोडताम् तोडन्तु
तोड , तोडतम् तोडत
तोडानि तोडाव तोडाम

झ० अतोडत् अतोडताम् अतोडन्
अतोडः अतोडतम् अतोडत
अतोडम् अतोडाव अतोडाम

अ० अतोडीत् अतोडिष्टाम् अतोडिषुः
अतोडीः अतोडिष्टम् अतोडिष्ट
अतोडिषम् अतोडिष्व अतोडिष्म

प० तुतोड तुतुडतुः तुतुडुः
तुतोडिथ तुतुडथुः तुतुड
तुतोड तुतुडिव तुतुडिम

आ० तुड्यात् तुड्यास्ताम् तुड्यासुः
तुड्याः तुड्यास्तम् तुड्यास्त
तुड्यासम् तुड्यास्व तुड्यास्म

श्व० तोडिता तोडितारौ तोडितारः
तोडितासि तोडितास्थः तोडितास्थ
तोडितास्मि तोडितास्वः तोडितास्मः

भ० तोडिष्यति तोडिष्यतः तोडिष्यन्ति
तोडिष्यसि तोडिष्यथः तोडिष्यथ
तोडिष्यामि तोडिष्यावः तोडिष्यामः

क्रि० अतोडिष्यत् अतोडिष्यताम् अतोडिष्यन्
अतोडिष्यः अतोडिष्यतम् अतोडिष्यत
अतोडिष्यम् अतोडिष्याव अतोडिष्याम

245 तूङ् (तूङ्) तोडने दारणे इत्यर्थः

ब० तूङति तूङतः तूङन्ति
तूङसि तूङथः तूङथ
तूङामि तूङावः तूङामः

स० तूङेत् तूङेताम् तूङेयुः
तूङेः तूङेतम् तूङेत
तूङेयम् तूङेव तूङेम

प० तूङतु तूङतात् तूङताम् तूङन्तु
तूङ , तूङतम् तूङत
तूङानि तूङाव तूङाम

झ० अतूङत् अतूङताम् अतूङन्
अतूङः अतूङतम् अतूङत
अतूङम् अतूङाव अतूङाम

अ० अतूङीत् अतूङिष्टाम् अतूङिषुः
अतूङीः अतूङिष्टम् अतूङिष्ट
अतूङिषम् अतूङिष्व अतूङिष्म

प० तुतूङ तुतूङतुः तुतूङुः
तुतूङिथ तुतूङथुः तुतूङ
तुतूङ तुतूङिव तुतूङिम

आ० तूड्यात् तूड्यास्ताम् तूड्यासुः
तूड्याः तूड्यास्तम् तूड्यास्त
तूड्यासम् तूड्यास्व तूड्यास्म

श्व० तूडिता तूडितारौ तूडितारः
तूडितासि तूडितास्थः तूडितास्थ
तूडितास्मि तूडितास्वः तूडितास्मः

भ० तूडिष्यति तूडिष्यतः तूडिष्यन्ति
तूडिष्यसि तूडिष्यथः तूडिष्यथ
तूडिष्यामि तूडिष्यावः तूडिष्यामः

क्रि० अतूडिष्यत् अतूडिष्यताम् अतूडिष्यन्
अतूडिष्यः अतूडिष्यतम् अतूडिष्यत
अतूडिष्यम् अतूडिष्याव अतूडिष्याम

246 तोड् (तोड्) तोडने दारणेइत्यर्थः ।

ष० तोडति तोडतः तोडन्ति
तोडसि तोडथः तोडथ
तोडामि तोडावः तोडामः

स० तोडेत् तोडेताम् तोडेयुः
तोडेः तोडेताम् तोडेताम्
तोडेयम् तोडेव तोडेव

प० तोडतु तोडताम् तोडताम् तोडन्तु
तोड , तोडतम् तोडत
तोडानि तोडाव तोडाम

झ० अतोडत् अतोडताम् अतोडन्
अतोडः अतोडतम् अतोडत
अतोडम् अतोडाव अतोडाम

अ० अतोडीत् अतोडिष्याम् अतोडिषुः
अतोडीः अतोडिष्यम् अतोडिष्य
अतोडिष्यम् अतोडिष्यव अतोडिष्यम

प० तुतोड तुतोडतुः तुतोडुः
तुतोडिथ तुतोडथुः तुतोड
तुतोड तुतोडिव तुतोडिम

आ० तोड्यात् तोड्यास्ताम् तोड्यासुः
तोड्याः तोड्यास्तम् तोड्यास्त
तोड्यासम् तोड्यास्व तोड्यास्म

भ्व० तोडिता तोडितारौ तोडितारः
तोडितासि तोडितास्थः तोडितास्थ
तोडितास्मि तोडितास्वः तोडितास्मः

भ० तोडिष्यति तोडिष्यतः तोडिष्यन्ति
तोडिष्यसि तोडिष्यथः तोडिष्यथ
तोडिष्यामि तोडिष्यावः तोडिष्यामः

क्रि० अतोडिष्यत् अतोडिष्यताम् अतोडिष्यन्
अतोडिष्यः अतोडिष्यतम् अतोडिष्यत
अतोडिष्यम् अतोडिष्याव अतोडिष्याम

247 हुड् (हुड्) गतौ ।

ष० होडति होडतः होडन्ति
होडसि होडथः होडथ
होडामि होडावः होडामः

स० होडेत् होडेताम् होडेयुः
होडेः होडेताम् होडेताम्
होडेयम् होडेव होडेव

प० होडतु होडताम् होडताम् होडन्तु
होड , होडतम् होडत
होडानि होडाव होडाम

झ० अहोडत् अहोडताम् अहोडन्
अहोडः अहोडतम् अहोडत
अहोडम् अहोडाव अहोडाम

अ० अहोडीत् अहोडिष्याम् अहोडिषुः
अहोडीः अहोडिष्यम् अहोडिष्य
अहोडिष्यम् अहोडिष्यव अहोडिष्यम

प० जुहोड जुहुडतुः जुहुडुः
जुहोडिथ जुहुडथुः जुहुड
जुहोड, जुहुडिव जुहुडिम

आ० हुड्यात् हुड्यास्ताम् हुड्यासुः
हुड्याः हुड्यास्तम् हुड्यास्त
हुड्यासम् हुड्यास्व हुड्यास्म

भ्व० होडिता होडितारौ होडितारः
होडितासि होडितास्थः होडितास्थ
होडितास्मि होडितास्वः होडितास्मः

भ० होडिष्यति होडिष्यतः होडिष्यन्ति
होडिष्यसि होडिष्यथः होडिष्यथ
होडिष्यामि होडिष्यावः होडिष्यामः

क्रि० अहोडिष्यत् अहोडिष्यताम् अहोडिष्यन्
अहोडिष्यः अहोडिष्यतम् अहोडिष्यत
अहोडिष्यम् अहोडिष्याव अहोडिष्याम

248 हृड् (हृद्) गतौ ।

व० हृडति हृडतः हृडन्ति
हृडसि हृडथः हृडथ
हृडामि हृडावः हृडामः

स० हृडेत् हृडेताम् हृडेयुः
हृडेः हृडेतम् हृडेत्
हृडेयम् हृडेव हृडेम

प० हृडतु हृडतान् हृडताम् हृडन्तु
हृड , हृडतम् हृडत
हृडानि हृडाव हृडाम

झ० अहृडत् अहृडताम् अहृडन्
अहृडः अहृडतम् अहृडत
अहृडम् अहृडाव अहृडाम

अ० अहृडीत् अहृडिष्टाम् अहृडिषुः
अहृडीः अहृडिष्टम् अहृडिष्ट
अहृडिषम् अहृडिष्व अहृडिष्म

प० जुहृड जुहृडतुः जुहृडुः
जुहृडिथ जुहृडथुः जुहृड
जुहृड जुहृडिव जुहृडिम

आ० हृड्यात् हृड्यास्ताम् हृड्यासुः
हृड्याः हृड्यास्तम् हृड्यास्त
हृड्यासम् हृड्यास्व हृड्यास्म

श्व० हृडिता हृडितारौ हृडितारः
हृडितासि हृडितास्थः हृडितास्थ
हृडितास्मि हृडितास्वः हृडितास्मः

भ० हृडिष्यति हृडिष्यतः हृडिष्यन्ति
हृडिष्यसि हृडिष्यथः हृडिष्यथ
हृडिष्यामि हृडिष्यावः हृडिष्यामः

क्रि० अहृडिष्यत् अहृडिष्यताम् अहृडिष्यन्
अहृडिष्यः अहृडिष्यतम् अहृडिष्यत
अहृडिष्यम् अहृडिष्याव अहृडिष्याम

249 जृहृड् (जृहृद्) गतौ ।

व० जृहृडति जृहृडतः जृहृडन्ति
जृहृडसि जृहृडथः जृहृडथ
जृहृडामि जृहृडावः जृहृडामः

स० जृहृडेत् जृहृडेताम् जृहृडेयुः
जृहृडेः जृहृडेतम् जृहृडेत्
जृहृडेयम् जृहृडेव जृहृडेम

प० जृहृडतु जृहृडतान् जृहृडताम् जृहृडन्तु
जृहृड , जृहृडतम् जृहृडत
जृहृडानि जृहृडाव जृहृडाम

झ० अजृहृडत् अजृहृडताम् अजृहृडन्
अजृहृडः अजृहृडतम् अजृहृडत
अजृहृडम् अजृहृडाव अजृहृडाम

अ० अजृहृडीत् अजृहृडिष्टाम् अजृहृडिषुः
अजृहृडीः अजृहृडिष्टम् अजृहृडिष्ट
अजृहृडिषम् अजृहृडिष्व अजृहृडिष्म

प० जुजृहृड जुजृहृडतुः जुजृहृडुः
जुजृहृडिथ जुजृहृडथुः जुजृहृड
जुजृहृड, जुजृहृडिव जुजृहृडिम

आ० जृहृड्यात् जृहृड्यास्ताम् जृहृड्यासुः
जृहृड्याः जृहृड्यास्तम् जृहृड्यास्त
जृहृड्यासम् जृहृड्यास्व जृहृड्यास्म

श्व० जृहृडिता जृहृडितारौ जृहृडितारः
जृहृडितासि जृहृडितास्थः जृहृडितास्थ
जृहृडितास्मि जृहृडितास्वः जृहृडितास्मः

भ० जृहृडिष्यति जृहृडिष्यतः जृहृडिष्यन्ति
जृहृडिष्यसि जृहृडिष्यथः जृहृडिष्यथ
जृहृडिष्यामि जृहृडिष्यावः जृहृडिष्यामः

क्रि० अजृहृडिष्यत् अजृहृडिष्यताम् अजृहृडिष्यन्
अजृहृडिष्यः अजृहृडिष्यतम् अजृहृडिष्यत
अजृहृडिष्यम् अजृहृडिष्याव अजृहृडिष्याम

250 हौड् (हौड्) गतौ ।

व० हौडति हौडतः हौडन्ति
हौडसि हौडथः हौडथ
हौडामि हौडावः हौडामः

स० हौडेत् हौडेताम् हौडेयुः
हौडेः हौडेतम् हौडेत
हौडेयम् हौडेव हौडेम

प० हौडतु हौडतात् हौडताम् हौडन्तु
हौड हौडतम् हौडत
हौडानि हौडाव हौडाम

झ० अहौडत् अहौडताम् अहौडन्
अहौडः अहौडतम् अहौडत
अहौडम् अहौडाव अहौडाम

ञ० अहौडीत् अहौडिष्याम् अहौडिषुः
अहौडीः अहौडिष्यम् अहौडिष्य
अहौडिषम् अहौडिष्व अहौडिष्यम्

प० जुहौड जुहौडतुः जुहौडुः
जुहौडिथ जुहौडथुः जुहौड
जुहौड, जुहौडिथ जुहौडिम

आ० हौड्यात् हौड्यास्ताम् हौड्यासुः
हौड्याः हौड्यास्तम् हौड्यास्त
हौड्यासम् हौड्यास्व हौड्यास्म

भ्व० हौडिता हौडितारौ हौडितारः
हौडितासि हौडितास्थः हौडितास्थ
हौडितास्मि हौडितास्वः हौडितास्मः

भ० हौडिष्यति हौडिष्यतः हौडिष्यन्ति
हौडिष्यसि हौडिष्यथः हौडिष्यथ
हौडिष्यामि हौडिष्यावः हौडिष्यामः

क्रि० अहौडिष्यत् अहौडिष्यताम् अहौडिष्यन्
अहौडिष्यः अहौडिष्यतम् अहौडिष्यत
अहौडिष्यम् अहौडिष्याव अहौडिष्याम

251 खोड् [खोड्] प्रतीयाते ।

गतावित्यनुवृत्तेर्गतिविषये प्रतीयाते ।

व० खोडति खोडतः खोडन्ति
खोडसि खोडथः खोडथ
खोडामि खोडावः खोडामः

स० खोडेत् खोडेताम् खोडेयुः
खोडेः खोडेतम् खोडेत
खोडेयम् खोडेव खोडेम

प० खोडतु खोडतात् खोडताम् खोडन्तु
खोड खोडतम् खोडत
खोडानि खोडाव खोडाम

झ० अखोडत् अखोडताम् अखोडन्
अखोडः अखोडतम् अखोडत
अखोडम् अखोडाव अखोडाम

ञ० अखोडीत् अखोडिष्याम् अखोडिषुः
अखोडीः अखोडिष्यम् अखोडिष्य
अखोडिषम् अखोडिष्व अखोडिष्यम्

प० चुखोड चुखोडतुः चुखोडुः
चुखोडिथ चुखोडथुः चुखोड
चुखोड चुखोडिथ चुखोडिम

आ० खोड्यात् खोड्यास्ताम् खोड्यासुः
खोड्याः खोड्यास्तम् खोड्यास्त
खोड्यासम् खोड्यास्व खोड्यास्म

भ्व० खोडिता खोडितारौ खोडितारः
खोडितासि खोडितास्थः खोडितास्थ
खोडितास्मि खोडितास्वः खोडितास्मः

भ० खोडिष्यति खोडिष्यतः खोडिष्यन्ति
खोडिष्यसि खोडिष्यथः खोडिष्यथ
खोडिष्यामि खोडिष्यावः खोडिष्यामः

क्रि० अखोडिष्यत् अखोडिष्यताम् अखोडिष्यन्
अखोडिष्यः अखोडिष्यतम् अखोडिष्यत
अखोडिष्यम् अखोडिष्याव अखोडिष्याम

252 विड (विड्) आक्रोशे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ष० वेडति | वेडतः | वेडन्ति |
| वेडसि | वेडथः | वेडथ |
| वेडामि | वेडावः | वेडामः |
| स० वेडेत् | वेडेताम् | वेडेयुः |
| वेडेः | वेडेतम् | वेडेत |
| वेडेयम् | वेडेव | वेडेम |
| प० वेडतु | वेडतात् | वेडताम् |
| वेड | वेडतम् | वेडत |
| वेडानि | वेडाव | वेडाम |
| झ० अवेडत् | अवेडताम् | अवेडन् |
| अवेडः | अवेडतम् | अवेडत |
| अवेडम् | अवेडाव | अवेडाम |
| अ० अवेडीत् | अवेडिष्टाम् | अवेडिषुः |
| अवेडीः | अवेडिष्टम् | अवेडिष्ट |
| अवेडिषम् | अवेडिष्व | अवेडिष्म |
| प० विवेड | विविडतुः | विविडुः |
| विवेडिथ | विविडथुः | विविड |
| विवेड, | विविडिव | विविडिम |
| आ० विड्यात् | विड्यास्ताम् | विड्यासुः |
| विड्याः | विड्यास्तम् | विड्यास्त |
| विड्यासम् | विड्यास्व | विड्यास्म |
| श्व० वेडिता | वेडितारौ | वेडितारः |
| वेडितासि | वेडितास्थः | वेडितास्थ |
| वेडितास्मि | वेडितास्वः | वेडितास्मः |
| भ० वेडिष्यति | वेडिष्यतः | वेडिष्यन्ति |
| वेडिष्यसि | वेडिष्यथः | वेडिष्यथ |
| वेडिष्यामि | वेडिष्यावः | वेडिष्यामः |
| क्रि० अवेडिष्यत् | अवेडिष्यताम् | अवेडिष्यन् |
| अवेडिष्यः | अवेडिष्यतम् | अवेडिष्यत |
| अवेडिष्यम् | अवेडिष्याव | अवेडिष्याम |

253 अड [अड्] उद्यमे ।

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| ष० अडति | अडतः | अडन्ति |
| अडसि | अडथः | अडथ |
| अडामि | अडावः | अडामः |
| स० अडेत् | अडेताम् | अडेयुः |
| अडेः | अडेतम् | अडेत |
| अडेयम् | अडेव | अडेम |
| प० अडतु | अडतात् | अडताम् |
| अड | अडतम् | अडत |
| अडानि | अडाव | अडाम |
| झ० आडत् | आडताम् | आडन् |
| आडः | आडतम् | आडत |
| आडम् | आडाव | आडाम |
| अ० आडीत् | आडिष्टाम् | आडिषुः |
| आडीः | आडिष्टम् | आडिष्ट |
| आडिषम् | आडिष्व | आडिष्म |
| प० आड | आडतुः | आडुः |
| आडिथ | आडथुः | आड |
| आड | आडिव | आडिम |
| अ० अड्यात् | अड्यास्ताम् | अड्यासुः |
| अड्याः | अड्यास्तम् | अड्यास्त |
| अड्यासम् | अड्यास्व | अड्यास्म |
| श्व० अडिता | अडितारौ | अडितारः |
| अडितासि | अडितास्थः | अडितास्थ |
| अडितास्मि | अडितास्वः | अडितास्मः |
| भ० अडिष्यति | अडिष्यतः | अडिष्यन्ति |
| अडिष्यसि | अडिष्यथः | अडिष्यथ |
| अडिष्यामि | अडिष्यावः | अडिष्यामः |
| क्रि० आडिष्यत् | आडिष्यताम् | आडिष्यन् |
| आडिष्यः | आडिष्यतम् | आडिष्यत |
| आडिष्यम् | आडिष्याव | आडिष्याम |

254 लड (लड्) विलासे ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| घ० लडति | लडतः | लडन्ति |
| लडसि | लडथः | लडथ |
| लडामि | लडावः | लडामः |
| स० लडेत् | लडेताम् | लडेयुः |
| लडेः | लडेतम् | लडेत |
| लडेयम् | लडेव | लडेम |
| प० लडतु | लडनात् | लडताम् |
| लड | ” | लडतम् |
| लडानि | लडाव | लडाम |
| झ० अलडत् | अलडताम् | अलडन् |
| अलडः | अलडतम् | अलडत |
| अलडम् | अलडाव | अलडाम |
| अ० अलाडीत् | अलाडिष्टाम् | अलाडिषुः |
| अलाडीः | अलाडिष्टम् | अलाडिष्ट |
| अलाडिषम् | अलाडिष्व | अलाडिष्म |
| अलडीत् | अलडिष्टाम् | अलडिषुः |
| अलडीः | अलडिष्टम् | अलडिष्ट |
| अलडिषम् | अलडिष्व | अलडिष्म |
| प० ललाड | लेडतुः | लेडुः |
| लेडिथ | लेडथुः | लेड |
| ललाड | ललड | लेडिव |
| लेडिम | | |
| आ० लड्यात् | लड्यास्ताम् | लड्यासुः |
| लड्याः | लड्यास्तम् | लड्यास्त |
| लड्यासम् | लड्यास्व | लड्यास्म |
| भ्व० लडिता | लडितारौ | लडितारः |
| लडितासि | लडितास्थः | लडितास्थ |
| लडितास्मि | लडितास्वः | लडितास्मः |
| भ० लडिष्यति | लडिष्यतः | लडिष्यन्ति |
| लडिष्यसि | लडिष्यथः | लडिष्यथ |
| लडिष्यामि | लडिष्यावः | लडिष्यामः |
| क्रि० अलडिष्यत् | अलडिष्यताम् | अलडिष्यन् |
| अलडिष्यः | अलडिष्यतम् | अलडिष्यत |
| अलडिष्यम् | अलडिष्याव | अलडिष्याम |

254-1 लल (लल्) विलासे ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० ललति | ललतः | ललन्ति |
| ललसि | ललथः | ललथ |
| ललामि | ललावः | ललामः |
| स० ललेत् | ललेताम् | ललेयुः |
| ललेः | ललेतम् | ललेत |
| ललेयम् | ललेव | ललेम |
| प० ललतु | ललतात् | ललताम् |
| लल | ” | ललतम् |
| ललानि | ललाव | ललाम |
| झ० अललत् | अललताम् | अललन् |
| अललः | अललतम् | अललत |
| अललम् | अललाव | अललाम |
| अ० अलालीत् | अलालिष्टाम् | अलालिषुः |
| अलालीः | अलालिष्टम् | अलालिष्ट |
| अलालिषम् | अलालिष्व | अलालिष्म |
| प० ललाल | लेलतुः | लेलुः |
| लेलिथ | लेलथुः | लेल |
| ललाल, ललल | लेलिव | लेलिम |
| आ० लल्यात् | लल्यास्ताम् | लल्यासुः |
| लल्याः | लल्यास्तम् | लल्यास्त |
| लल्यासम् | लल्यास्व | लल्यास्म |
| भ्व० ललिता | ललितारौ | ललितारः |
| ललितासि | ललितास्थः | ललितास्थ |
| ललितास्मि | ललितास्वः | ललितास्मः |
| भ० ललिष्यति | ललिष्यतः | ललिष्यन्ति |
| ललिष्यसि | ललिष्यथः | ललिष्यथ |
| ललिष्यामि | ललिष्यावः | ललिष्यामः |
| क्रि० अललिष्यत् | अललिष्यताम् | अललिष्यन् |
| अललिष्यः | अललिष्यतम् | अललिष्यत |
| अललिष्यम् | अललिष्याव | अललिष्याम |

255 कडु (कण्डू) मदे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० कण्डति | कण्डतः | कण्डन्ति |
| कण्डसि | कण्डथः | कण्डथ |
| कण्डामि | कण्डावः | कण्डामः |
| स० कण्डेत् | कण्डेताम् | कण्डेयुः |
| कण्डेः | कण्डेतम् | कण्डेत |
| कण्डेयम् | कण्डेव | कण्डेम |
| प० कण्डतु | कण्डतान् | कण्डताम् |
| कण्ड | कण्डतम् | कण्डत |
| कण्डानि | कण्डाव | कण्डाम |
| झ० अकण्डत् | अकण्डताम् | अकण्डन् |
| अकण्डः | अकण्डतम् | अकण्डत |
| अकण्डम् | अकण्डाव | अकण्डाम |
| अ० अकण्डीत् | अकण्डिष्टाम् | अकण्डिषुः |
| अकण्डीः | अकण्डिष्टम् | अकण्डिष्ट |
| अकण्डिषम् | अकण्डिष्व | अकण्डिष्म |
| प० चकण्ड | चकण्डतुः | चकण्डुः |
| चकण्डथ | चकण्डथुः | चकण्ड |
| चकण्ड, | चकण्डव | चकण्डिम |
| आ० कण्ड्यात् | कण्ड्यास्ताम् | कण्ड्यासुः |
| कण्ड्याः | कण्ड्यास्तम् | कण्ड्यास्त |
| कण्ड्यासम् | कण्ड्यास्व | कण्ड्यास्म |
| भ० कण्डिता | कण्डितारौ | कण्डितारः |
| कण्डितासि | कण्डितास्थः | कण्डितास्थ |
| कण्डितास्मि | कण्डितास्वः | कण्डितास्मः |
| भ० कण्डिष्यति | कण्डिष्यतः | कण्डिष्यन्ति |
| कण्डिष्यसि | कण्डिष्यथः | कण्डिष्यथ |
| कण्डिष्यामि | कण्डिष्यावः | कण्डिष्यामः |
| क्रि० अकण्डिष्यत् | अकण्डिष्यताम् | अकण्डिष्यन् |
| अकण्डिष्यः | अकण्डिष्यतम् | अकण्डिष्यत |
| अकण्डिष्यम् | अकण्डिष्याव | अकण्डिष्याम |

256 कड्ड (कड्डू) कार्कश्ये ।

दोषान्त्योऽयम्, दकास्यदत्वे कड्ड

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० कड्डति | कड्डतः | कड्डन्ति |
| कड्डसि | कड्डथः | कड्डथ |
| कड्डामि | कड्डावः | कड्डामः |
| स० कड्डेत् | कड्डेताम् | कड्डेयुः |
| कड्डेः | कड्डेतम् | कड्डेत |
| कड्डेयम् | कड्डेव | कड्डेम |
| प० कड्डतु | कड्डतान् | कड्डताम् |
| कड्ड | कड्डतम् | कड्डत |
| कड्डानि | कड्डाव | कड्डाम |
| झ० अकड्डत् | अकड्डताम् | अकड्डन् |
| अकड्डः | अकड्डतम् | अकड्डत |
| अकड्डम् | अकड्डाव | अकड्डाम |
| अ० अकड्डीत् | अकड्डिष्टाम् | अकड्डिषुः |
| अकड्डीः | अकड्डिष्टम् | अकड्डिष्ट |
| अकड्डिषम् | अकड्डिष्व | अकड्डिष्म |
| प० चकड्ड | चकड्डतुः | चकड्डुः |
| चकड्डथ | चकड्डथुः | चकड्ड |
| चकड्ड, | चकड्डव | चकड्डिम |
| आ० कड्ड्यात् | कड्ड्यास्ताम् | कड्ड्यासुः |
| कड्ड्याः | कड्ड्यास्तम् | कड्ड्यास्त |
| कड्ड्यासम् | कड्ड्यास्व | कड्ड्यास्म |
| भ० कड्डिता | कड्डितारौ | कड्डितारः |
| कड्डितासि | कड्डितास्थः | कड्डितास्थ |
| कड्डितास्मि | कड्डितास्वः | कड्डितास्मः |
| भ० कड्डिष्यति | कड्डिष्यतः | कड्डिष्यन्ति |
| कड्डिष्यसि | कड्डिष्यथः | कड्डिष्यथ |
| कड्डिष्यामि | कड्डिष्यावः | कड्डिष्यामः |
| क्रि० अकड्डिष्यत् | अकड्डिष्यताम् | अकड्डिष्यन् |
| अकड्डिष्यः | अकड्डिष्यतम् | अकड्डिष्यत |
| अकड्डिष्यम् | अकड्डिष्याव | अकड्डिष्याम |

257 अड्ड [अड्ड] अभियोगे,

दोषान्त्यः ।

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| व० अड्डति | अड्डतः | अड्डन्ति |
| अड्डसि | अड्डथः | अड्डथ |
| अड्डामि | अड्डावः | अड्डामः |
| स० अड्डेत् | अड्डेताम् | अड्डेयुः |
| अड्डेः | अड्डेतम् | अड्डेत |
| अड्डेयम् | अड्डेव | अड्डेम |
| प० अड्डतु | अड्डतात् | अड्डताम् |
| अड्ड | अड्डतम् | अड्डत |
| अड्डानि | अड्डाव | अड्डाम |
| झ० आड्डत् | आड्डताम् | आड्डन् |
| आड्डः | आड्डतम् | आड्डत |
| आड्डम् | आड्डाव | आड्डाम |
| अ० आड्डीत् | आड्डिष्टाम् | आड्डिषुः |
| आड्डीः | आड्डिष्टम् | आड्डिष्ट |
| आड्डिषम् | आड्डिष्व | आड्डिष्म |
| प० आनड्ड | आनड्डतुः | आनड्डुः |
| आनड्डिथ | आनड्डथुः | आनड्ड |
| आनड्ड | आनड्डिव | आनड्डिम |
| आ० अड्ड्यात् | अड्ड्यास्ताम् | अड्ड्यासुः |
| अड्ड्याः | अड्ड्यास्तम् | अड्ड्यास्त |
| अड्ड्यासम् | अड्ड्यास्व | अड्ड्यास्म |
| भ० अड्डिता | अड्डितारौ | अड्डितारः |
| अड्डितासि | अड्डितास्थः | अड्डितास्थ |
| अड्डितास्मि | अड्डितास्वः | अड्डितास्मः |
| भ० अड्डिष्यति | अड्डिष्यतः | अड्डिष्यन्ति |
| अड्डिष्यसि | अड्डिष्यथः | अड्डिष्यथ |
| अड्डिष्यामि | अड्डिष्यावः | अड्डिष्यामः |
| क्रि० आड्डिष्यत् | आड्डिष्यताम् | आड्डिष्यन् |
| आड्डिष्यः | आड्डिष्यतम् | आड्डिष्यत |
| आड्डिष्यम् | आड्डिष्याव | आड्डिष्याम |

258 चुड्ड (चुड्ड) हावकरणे ।

हावकारणमभिप्रायसूचनम् ॥

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० चुड्डति | चुड्डतः | चुड्डन्ति |
| चुड्डसि | चुड्डथः | चुड्डथ |
| चुड्डामि | चुड्डावः | चुड्डामः |
| स० चुड्डेत् | चुड्डेताम् | चुड्डेयुः |
| चुड्डेः | चुड्डेतम् | चुड्डेत |
| चुड्डेयम् | चुड्डेव | चुड्डेम |
| प० चुड्डतु | चुड्डतात् | चुड्डताम् |
| चुड्ड | चुड्डतम् | चुड्डत |
| चुड्डानि | चुड्डाव | चुड्डाम |
| झ० अचुड्डत् | अचुड्डताम् | अचुड्डन् |
| अचुड्डः | अचुड्डतम् | अचुड्डत |
| अचुड्डम् | अचुड्डाव | अचुड्डाम |
| अचुड्डीत् | अचुड्डिष्टाम् | अचुड्डिषुः |
| अचुड्डीः | अचुड्डिष्टम् | अचुड्डिष्ट |
| अचुड्डिषम् | अचुड्डिष्व | अचुड्डिष्म |
| प० चुचुड्ड | चुचुड्डतुः | चुचुड्डुः |
| चुचुड्डिथ | चुचुड्डथुः | चुचुड्ड |
| चुचुड्ड | चुचुड्डिव | चुचुड्डिम |
| आ० चुड्ड्यात् | चुड्ड्यास्ताम् | चुड्ड्यासुः |
| चुड्ड्याः | चुड्ड्यास्तम् | चुड्ड्यास्त |
| चुड्ड्यासम् | चुड्ड्यास्व | चुड्ड्यास्म |
| भ० चुड्डिता | चुड्डितारौ | चुड्डितारः |
| चुड्डितासि | चुड्डितास्थः | चुड्डितास्थ |
| चुड्डितास्मि | चुड्डितास्वः | चुड्डितास्मः |
| भ० चुड्डिष्यति | चुड्डिष्यतः | चुड्डिष्यन्ति |
| चुड्डिष्यसि | चुड्डिष्यथः | चुड्डिष्यथ |
| चुड्डिष्यामि | चुड्डिष्यावः | चुड्डिष्यामः |
| क्रि० अचुड्डिष्यत् | अचुड्डिष्यताम् | अचुड्डिष्यन् |
| अचुड्डिष्यः | अचुड्डिष्यतम् | अचुड्डिष्यत |
| अचुड्डिष्यम् | अचुड्डिष्याव | अचुड्डिष्याम |

त्रयोऽप्येते दोषान्त्याः, एषां क्वपि, कत्,
अत्, चुत्, ये दोषान्त्या मन्यन्ते तेषां मते,
कद्, अद्, चुद्, इति भवति ॥
॥ अथ णान्ता एकोनविंशतिः सेटश्च ॥

259 अण (अण्) शब्दे, शब्दः शब्दक्रिया ।

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| व० अणति | अणतः | अणन्ति |
| अणसि | अणथः | अणथ |
| अणामि | अणावः | अणामः |
| स० अणेत् | अणेताम् | अणयुः |
| अणेः | अणेतम् | अणेत |
| अणेयम् | अणेष | अणेम |
| प० अणतु | अणतात् | अणताम् |
| अण | अणतम् | अणत |
| अणानि | अणाव | अणाम |
| ह्र० आणत् | आणताम् | आणन् |
| आणः | आणतम् | आणत |
| आणम् | आणाव | आणाम |
| अ० आणीत् | आणिष्टाम् | आणिषुः |
| आणीः | आणिष्टम् | आणिष्ट |
| आणिषम् | आणिष्व | आणिष्म |
| प० आण | आणतुः | आणुः |
| आणिथ | आणथुः | आण |
| आण | आणिष | आणिम |
| आ अण्वात् | अण्वास्ताम् | अण्वासुः |
| अण्वाः | अण्वास्तम् | अण्वास्त |
| अण्वासम् | अण्वास्व | अण्वास्म |
| श्व० अणिता | अणितारौ | अणितारः |
| अणितासि | अणितास्थः | अणितास्थ |
| अणितास्मि | अणितास्वः | अणितास्मः |
| भ० अणिष्यति | अणिष्यतः | अणिष्यन्ति |
| अणिष्यसि | अणिष्यथः | अणिष्यथ |
| अणिष्यामि | अणिष्यावः | अणिष्यामः |
| क्रि० आणिष्यत् | आणिष्यताम् | आणिष्यन् |
| आणिष्यः | आणिष्यतम् | आणिष्यत |
| आणिष्यम् | आणिष्याव | आणिष्याम |

260 रण (रण्) शब्दे,

शब्दक्रियायामित्यर्थः ॥

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० रणति | रणतः | रणन्ति |
| रणसि | रणथः | रणथ |
| रणामि | रणावः | रणामः |
| स० रणेत् | रणेताम् | रणयुः |
| रणेः | रणेतम् | रणेत |
| रणेयम् | रणेष | रणेम |
| प० रणतु | रणतात् | रणताम् |
| रण | रणतम् | रणत |
| रणानि | रणाव | रणाम |
| ह्र० अरणत् | अरणताम् | अरणन् |
| अरणः | अरणतम् | अरणत |
| अरणम् | अरणाव | अरणाम |
| अ० अराणीत् | अराणिष्टाम् | अराणिषुः |
| अराणीः | अराणिष्टम् | अराणिष्ट |
| अराणिषम् | अराणिष्व | अराणिष्म |
| अरणीत् | अरणिष्टाम् | अरणिषुः |
| अरणीः | अरणिष्टम् | अरणिष्ट |
| अरणिषम् | अरणिष्व | अरणिष्म |
| प० रराण | रेणतुः | रेणुः |
| रेणिथ | रेणथुः | रेण |
| रराण | ररण | रेणिष |
| ररेणिम | | |
| आ० रण्यात् | रण्यास्ताम् | रण्यासुः |
| रण्याः | रण्यास्तम् | रण्यास्त |
| रण्यास्म | रण्यास्व | रण्यास्म |
| श्व० रणिता | रणितारौ | रणितारः |
| रणितासि | रणितास्थः | रणितास्थ |
| रणितास्मि | रणितास्वः | रणितास्मः |
| भ० रणिष्यति | रणिष्यतः | रणिष्यन्ति |
| रणिष्यसि | रणिष्यथः | रणिष्यथ |
| रणिष्यामि | रणिष्यावः | रणिष्यामः |
| क्रि० अरणिष्यत् | अरणिष्यताम् | अरणिष्यन् |
| अरणिष्यः | अरणिष्यतम् | अरणिष्यत |
| अरणिष्यम् | अरणिष्याव | अरणिष्याम |

261 वण (वण्) शब्दक्रियायाम् ।

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| व० वणति | वणतः | वणन्ति |
| वणसि | वणथः | वणथ |
| वणामि | वणावः | वणामः |
| स० वणेत् | वणेताम् | वणेत्युः |
| वणेः | वणेतम् | वणेत |
| वणेयम् | वणेष्व | वणेम |
| प० वणतु | वणतात् | वणताम् वणन्तु |
| वण | ” | वणतम् वणत |
| वणानि | वणाव | वणाम |
| ह्य० अवणत् | अवणताम् | अवणन् |
| अवणः | अवणतम् | अवणत |
| अवणम् | अवणाव | अवणाम |
| अ० अवाणीत् | अवाणिष्टाम् | अवाणिषुः |
| अवाणीः | अवाणिष्टम् | अवाणिष्ट |
| अवाणिषम् | अवाणिष्ट्व | अवाणिष्टम् |
| अवणीत् | अवणिष्टाम् | अवणिषुः |
| अवणीः | अवणिष्टम् | अवणिष्ट |
| अवणिषम् | अवणिष्ट्व | अवणिष्टम् |
| प० ववण | ववणतुः | ववणुः |
| ववणित्थ | ववणथुः | ववण |
| ववण, ववण | ववणिव | ववणिम |
| आ० वण्यात् | वण्यास्ताम् | वण्यासुः |
| वण्याः | वण्यास्तम् | वण्यास्त |
| वण्यासम् | वण्यास्व | वण्यास्म |
| भ्व० वणिता | वणितारौ | वणितारः |
| वणितासि | वणितास्थः | वणितास्थ |
| वणितास्मि | वणितास्वः | वणितास्मः |
| भ० वणिष्यति | वणिष्यतः | वणिष्यन्ति |
| वणिष्यसि | वणिष्यथः | वणिष्यथ |
| वणिष्यामि | वणिष्यावः | वणिष्यामः |
| क्रि० अवणिष्यत् | अवणिष्यताम् | अवणिष्यन् |
| अवणिष्यः | अवणिष्यतम् | अवणिष्यत |
| अवणिष्यम् | अवणिष्याव | अवणिष्याम |

262 व्रण (व्रण्) शब्दक्रियायाम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० व्रणति | व्रणतः | व्रणन्ति |
| व्रणसि | व्रणथः | व्रणथ |
| व्रणामि | व्रणावः | व्रणामः |
| स० व्रणेत् | व्रणेताम् | व्रणेत्युः |
| व्रणेः | व्रणेतम् | व्रणेत |
| व्रणेयम् | व्रणेष्व | व्रणेम |
| प० व्रणतु | व्रणतात् | व्रणताम् व्रणन्तु |
| व्रण | ” | व्रणतम् व्रणत |
| व्रणानि | व्रणाव | व्रणाम |
| ह्य० अव्रणत् | अव्रणताम् | अव्रणन् |
| अव्रणः | अव्रणतम् | अव्रणत |
| अव्रणम् | अव्रणाव | अव्रणाम |
| अ० अव्राणीत् | अव्राणिष्टाम् | अव्राणिषुः |
| अव्राणीः | अव्राणिष्टम् | अव्राणिष्ट |
| अव्राणिषम् | अव्राणिष्ट्व | अव्राणिष्टम् |
| अव्रणीत् | अव्रणिष्टाम् | अव्रणिषुः |
| अव्रणीः | अव्रणिष्टम् | अव्रणिष्ट |
| अव्रणिषम् | अव्रणिष्ट्व | अव्रणिष्टम् |
| प० वव्राण | वव्राणतुः | वव्राणुः |
| वव्राणित्थ | वव्राणथुः | वव्राण |
| वव्राण, वव्राण | वव्राणिव | वव्राणिम |
| आ० व्रण्यात् | व्रण्यास्ताम् | व्रण्यासुः |
| व्रण्याः | व्रण्यास्तम् | व्रण्यास्त |
| व्रण्यासम् | व्रण्यास्व | व्रण्यास्म |
| भ्व० व्रणिता | व्रणितारौ | व्रणितारः |
| व्रणितासि | व्रणितास्थः | व्रणितास्थ |
| व्रणितास्मि | व्रणितास्वः | व्रणितास्मः |
| भ० व्रणिष्यति | व्रणिष्यतः | व्रणिष्यन्ति |
| व्रणिष्यसि | व्रणिष्यथः | व्रणिष्यथ |
| व्रणिष्यामि | व्रणिष्यावः | व्रणिष्यामः |
| क्रि० अव्रणिष्यत् | अव्रणिष्यताम् | अव्रणिष्यन् |
| अव्रणिष्यः | अव्रणिष्यतम् | अव्रणिष्यत |
| अव्रणिष्यम् | अव्रणिष्याव | अव्रणिष्याम |

263 वण (वण्) शब्दक्रियायाम् ।

| | | |
|----------|---------|--------|
| व० वणति | वणतः | वणन्ति |
| वणसि | वणथः | वणथ |
| वणामि | वणावः | वणामः |
| स० वणेत् | वणेताम् | वणेतुः |
| वणेः | वणेतम् | वणेत |
| वणेयम् | वणेष | वणेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० वणतु | वणतात् | वणताम् | वणन्तु |
| वण | „ | वणतम् | वणत |
| वणानि | वणाव | वणाम | |

| | | |
|----------|---------|-------|
| झ० अवणत् | अवणताम् | अवणन् |
| अवणः | अवणतम् | अवणत |
| अवणम् | अवणाव | अवणाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अवाणीत् | अवाणिष्टाम् | अवाणिषुः |
| अवाणीः | अवाणिष्टम् | अवाणिष्ट |
| अवाणिषम् | अवाणिष्व | अवाणिषम |
| अवणीत् | अवणिष्टाम् | अवणिषुः |
| अवणीः | अवणिष्टम् | अवणिष्ट |
| अवणिषम् | अवणिष्व | अवणिषम |

| | | |
|----------|--------|-------|
| प० ववाण | वेणतुः | वेणुः |
| वेणिथ | वेणथुः | वेण |
| ववाण,ववण | वेणिष | वेणिम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० वण्यात् | वण्यास्ताम् | वण्यासुः |
| वण्याः | वण्यास्तम् | वण्यास्त |
| वण्यासम् | वण्यास्व | वण्यासम |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| भ्व० वणिता | वणितारौ | वणितारः |
| वणितासि | वणितास्यः | वणितास्य |
| वणितास्मि | वणितास्वः | वणितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० वणिष्यति | वणिष्यतः | वणिष्यन्ति |
| वणिष्यसि | वणिष्यथः | वणिष्यथ |
| वणिष्यामि | वणिष्यावः | वणिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अवणिष्यत् | अवणिष्यताम् | अवणिष्यन् |
| अवणिष्यः | अवणिष्यतम् | अवणिष्यत |
| अवणिष्यम् | अवणिष्याव | अवणिष्याम |

264 भण (भण्) शब्दक्रियायाम् ।

| | | |
|----------|---------|--------|
| व० भणति | भणतः | भणन्ति |
| भणसि | भणथः | भणथ |
| भणामि | भणावः | भणामः |
| स० भणेत् | भणेताम् | भणेतुः |
| भणेः | भणेतम् | भणेत |
| भणेयम् | भणेष | भणेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० भणतु | भणतात् | भणताम् | भणन्तु |
| भण | „ | भणतम् | भणत |
| भणानि | भणाव | भणाम | |

| | | |
|----------|---------|-------|
| झ० अभणत् | अभणताम् | अभणन् |
| अभणः | अभणतम् | अभणत |
| अभणम् | अभणाव | अभणाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अभाणीत् | अभाणिष्टाम् | अभाणिषुः |
| अभाणीः | अभाणिष्टम् | अभाणिष्ट |
| अभाणिषम् | अभाणिष्व | अभाणिषम |
| अभणीत् | अभणिष्टाम् | अभणिषुः |
| अभणीः | अभणिष्टम् | अभणिष्ट |
| अभणिषम् | अभणिष्व | अभणिषम |

| | | |
|----------|--------|-------|
| प० वभाण | वभणतुः | वभणुः |
| वभणिथ | वभणथुः | वभण |
| वभाण,वभण | वभणिष | वभणिम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० भण्यात् | भण्यास्ताम् | भण्यासुः |
| भण्याः | भण्यास्तम् | भण्यास्त |
| भण्यासम् | भण्यास्व | भण्यासम |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| भ्व० भणिता | भणितारौ | भणितारः |
| भणितासि | भणितास्यः | भणितास्य |
| भणितास्मि | भणितास्वः | भणितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० भणिष्यति | भणिष्यतः | भणिष्यन्ति |
| भणिष्यसि | भणिष्यथः | भणिष्यथ |
| भणिष्यामि | भणिष्यावः | भणिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अभणिष्यत् | अभणिष्यताम् | अभणिष्यन् |
| अभणिष्यः | अभणिष्यतम् | अभणिष्यत |
| अभणिष्यम् | अभणिष्याव | अभणिष्याम |

265 अण (अण्) शब्दक्रियायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| ब० | अणति | अणतः | अणन्ति |
| | अणसि | अणथः | अणथ |
| | अणामि | अणावः | अणामः |
| स० | अणेत् | अणेताम् | अणेत्युः |
| | अणेः | अणेतम् | अणेत |
| | अणेत्यम् | अणेष | अणेम |
| प० | अणतु | अणतात् | अणताम् |
| | अण | अणतम् | अणत |
| | अणानि | अणाव | अणाम |
| ह० | अअणत् | अअणताम् | अअणन् |
| | अअणः | अअणतम् | अअणत |
| | अअणम् | अअणाव | अअणाम |
| | अअणीत् | अअणिष्टाम् | अअणिषुः |
| | अअणीः | अअणिष्टम् | अअणिष्ट |
| | अअणिषम् | अअणिष्व | अअणिष्म |
| अ० | अअणीत् | अअणिष्टाम् | अअणिषुः |
| | अअणीः | अअणिष्टम् | अअणिष्ट |
| | अअणिषम् | अअणिष्व | अअणिष्म |
| प० | वअण | वअणतुः | वअणुः |
| | वअणथि | वअणथुः | वअण |
| | वअणा, वअण | वअणिव | वअणिम |
| अ० | अण्यात् | अण्यास्ताम् | अण्यासुः |
| | अण्याः | अण्यास्तम् | अण्यास्त |
| | अण्यासम् | अण्यास्व | अण्यास्म |
| भ० | अणिता | अणितारौ | अणितारः |
| | अणितासि | अणितास्थः | अणितास्थ |
| | अणितास्मि | अणितास्वः | अणितास्मः |
| भ० | अणिष्यति | अणिष्यतः | अणिष्यन्ति |
| | अणिष्यसि | अणिष्यथः | अणिष्यथ |
| | अणिष्यामि | अणिष्यावः | अणिष्यामः |
| क्रि० | अअणिष्यत् | अअणिष्यताम् | अअणिष्यन् |
| | अअणिष्यः | अअणिष्यतम् | अअणिष्यत |
| | अअणिष्यम् | अअणिष्याव | अअणिष्याम |

266 मण (मण्) शब्दक्रियायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| ब० | मणति | मणतः | मणन्ति |
| | मणसि | मणथः | मणथ |
| | मणामि | मणावः | मणामः |
| स० | मणेत् | मणेताम् | मणेत्युः |
| | मणेः | मणेतम् | मणेत |
| | मणेत्यम् | मणेष | मणेम |
| प० | मणतु | मणतात् | मणताम् |
| | मण | मणतम् | मणत |
| | मणानि | मणाव | मणाम |
| ह० | अमणत् | अमणताम् | अमणन् |
| | अमणः | अमणतम् | अमणत |
| | अमणम् | अमणाव | अमणाम |
| अ० | अमणीत् | अमणिष्टाम् | अमणिषुः |
| | अमणीः | अमणिष्टम् | अमणिष्ट |
| | अमणिषम् | अमणिष्व | अमणिष्म |
| | अमणीत् | अमणिष्टाम् | अमणिषुः |
| | अमणीः | अमणिष्टम् | अमणिष्ट |
| | अमणिषम् | अमणिष्व | अमणिष्म |
| प० | ममाण | मेणतुः | मेणुः |
| | मेणिथ | मेणथुः | मेण |
| | ममाण | ममण | मेणिव |
| अ० | मण्यात् | मण्यास्ताम् | मण्यासुः |
| | मण्याः | मण्यास्तम् | मण्यास्त |
| | मण्यासम् | मण्यास्व | मण्यास्म |
| भ० | मणिता | मणितारौ | मणितारः |
| | मणितासि | मणितास्थः | मणितास्थ |
| | मणितास्मि | मणितास्वः | मणितास्मः |
| भ० | मणिष्यति | मणिष्यतः | मणिष्यन्ति |
| | मणिष्यसि | मणिष्यथः | मणिष्यथ |
| | मणिष्यामि | मणिष्यावः | मणिष्यामः |
| क्रि० | अमणिष्यत् | अमणिष्यताम् | अमणिष्यन् |
| | अमणिष्यः | अमणिष्यतम् | अमणिष्यत |
| | अमणिष्यम् | अमणिष्याव | अमणिष्याम |

267 धण (धण्) शब्दक्रियायाम् ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० धणति | धणतः | धणन्ति |
| धणसि | धणथः | धणथ |
| धणामि | धणावः | धणामः |
| स० धणेत् | धणेताम् | धणेतुः |
| धणेः | धणेतम् | धणेत |
| धणेत्यम् | धणेतव | धणेतम |
| प० धणतु | धणतात् | धणताम् |
| धण | ,, | धणतम् |
| धणानि | धणाव | धणाम |
| ह्य० अधणत् | अधणताम् | अधणन् |
| अधणः | अधणतम् | अधणत |
| अधणम् | अधणाव | अधणाम |
| अ० अधाणीत् | अधाणिष्टाम् | अधाणिषुः |
| अधाणीः | अधाणिष्टम् | अधाणिष्ट |
| अधाणिषम् | अधाणिष्व | अधाणिष्म |
| अधणीत् | अधणिष्टाम् | अधणिषुः |
| अधणीः | अधणिष्टम् | अधणिष्ट |
| अधणिषम् | अधणिष्व | अधणिष्म |
| प० दधाण | दधणतुः | दधणुः |
| दधणित्थ | दधणथुः | दधण |
| दधाण | दधण | दधणिव |
| दधणिम | | |
| आ० धण्यात् | धण्यास्ताम् | धण्यासुः |
| धण्याः | धण्यास्तम् | धण्यास्त |
| धण्यासम् | धण्यास्व | धण्यास्म |
| श्व० धणिता | धणितारौ | धणितारः |
| धणितासि | धणितास्थः | धणितास्थ |
| धणितास्मि | धणितास्वः | धणितास्मः |
| भ० धणिष्यति | धणिष्यतः | धणिष्यन्ति |
| धणिष्यसि | धणिष्यथः | धणिष्यथ |
| धणिष्यामि | धणिष्यावः | धणिष्यामः |
| क्रि० अधणिष्यत् | अधणिष्यताम् | अधणिष्यन् |
| अधणिष्यः | अधणिष्यतम् | अधणिष्यत |
| अधणिष्यम् | अधणिष्याव | अधणिष्याम |

268 ध्वण (ध्वण्) शब्दक्रियायाम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० ध्वणति | ध्वणतः | ध्वणन्ति |
| ध्वणसि | ध्वणथः | ध्वणथ |
| ध्वणामि | ध्वणावः | ध्वणामः |
| स० ध्वणेत् | ध्वणेताम् | ध्वणेतुः |
| ध्वणेः | ध्वणेतम् | ध्वणेत |
| ध्वणेत्यम् | ध्वणेतव | ध्वणेतम |
| प० ध्वणतु | ध्वणतात् | ध्वणताम् |
| ध्वण | ,, | ध्वणतम् |
| ध्वणानि | ध्वणाव | ध्वणाम |
| ह्य० अध्वणत् | अध्वणताम् | अध्वणन् |
| अध्वणः | अध्वणतम् | अध्वणत |
| अध्वणम् | अध्वणाव | अध्वणाम |
| अ० अध्वाणीत् | अध्वाणिष्टाम् | अध्वाणिषुः |
| अध्वाणीः | अध्वाणिष्टम् | अध्वाणिष्ट |
| अध्वाणिषम् | अध्वाणिष्व | अध्वाणिष्म |
| अध्वणीत् | अध्वणिष्टाम् | अध्वणिषुः |
| अध्वणीः | अध्वणिष्टम् | अध्वणिष्ट |
| अध्वणिषम् | अध्वणिष्व | अध्वणिष्म |
| प० दध्वाण | दध्वणतुः | दध्वणुः |
| दध्वणित्थ | दध्वणथुः | दध्वण |
| दध्वाण | दध्वण | दध्वणिव |
| दध्वणिम | | |
| आ० ध्वण्यात् | ध्वण्यास्ताम् | ध्वण्यासुः |
| ध्वण्याः | ध्वण्यास्तम् | ध्वण्यास्त |
| ध्वण्यासम् | ध्वण्यास्व | ध्वण्यास्म |
| श्व० ध्वणिता | ध्वणितारौ | ध्वणितारः |
| ध्वणितासि | ध्वणितास्थः | ध्वणितास्थ |
| ध्वणितास्मि | ध्वणितास्वः | ध्वणितास्मः |
| भ० ध्वणिष्यति | ध्वणिष्यतः | ध्वणिष्यन्ति |
| ध्वणिष्यसि | ध्वणिष्यथः | ध्वणिष्यथ |
| ध्वणिष्यामि | ध्वणिष्यावः | ध्वणिष्यामः |
| क्रि० अध्वणिष्यत् | अध्वणिष्यताम् | अध्वणिष्यन् |
| अध्वणिष्यः | अध्वणिष्यतम् | अध्वणिष्यत |
| अध्वणिष्यम् | अध्वणिष्याव | अध्वणिष्याम |

269 ध्रण (ध्रण्) शब्दक्रियायाम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० ध्रणति | ध्रणतः | ध्रणन्ति |
| ध्रणसि | ध्रणथः | ध्रणथ |
| ध्रणामि | ध्रणावः | ध्रणामः |
| स० ध्रणेत् | ध्रणेताम् | ध्रणेतुः |
| ध्रणेः | ध्रणेतम् | ध्रणेत |
| ध्रणेत्यम् | ध्रणेत्य | ध्रणेत्य |
| प० ध्रणतु | ध्रणतात् | ध्रणन्तु |
| ध्रण | ” | ध्रणतम् |
| ध्रणानि | ध्रणाव | ध्रणाम |
| ह्य० अध्रणत् | अध्रणताम् | अध्रणन् |
| अध्रणः | अध्रणतम् | अध्रणत |
| अध्रणम् | अध्रणाव | अध्रणाम |
| अ० अध्रणीत् | अध्रणिष्टाम् | अध्रणिषुः |
| अध्रणीः | अध्रणिष्टम् | अध्रणिष्ट |
| अध्रणिषम् | अध्रणिष्व | अध्रणिषम् |
| अध्रणीत् | अध्रणिष्टाम् | अध्रणिषुः |
| अध्रणीः | अध्रणिष्टम् | अध्रणिष्ट |
| अध्रणिषम् | अध्रणिष्व | अध्रणिषम् |
| प० दध्राण | दध्राणतुः | दध्राणुः |
| दध्राणथि | दध्राणथुः | दध्राण |
| दध्राण, दध्राण | दध्राणिव | दध्राणिम |
| आ० ध्रण्यात् | ध्रण्यास्ताम् | ध्रण्यासुः |
| ध्रण्याः | ध्रण्यास्तम् | ध्रण्यास्त |
| ध्रण्यासम् | ध्रण्यास्व | ध्रण्यास्म |
| श्व० ध्रणिता | ध्रणितारौ | ध्रणितारः |
| ध्रणितासि | ध्रणितास्थः | ध्रणितास्थ |
| ध्रणितास्मि | ध्रणितास्वः | ध्रणितास्मः |
| भ० ध्रणिष्यति | ध्रणिष्यतः | ध्रणिष्यन्ति |
| ध्रणिष्यसि | ध्रणिष्यथः | ध्रणिष्यथ |
| ध्रणिष्यामि | ध्रणिष्यावः | ध्रणिष्यामः |
| क्रि० अध्रणिष्यत् | अध्रणिष्यताम् | अध्रणिष्यन् |
| अध्रणिष्यः | अध्रणिष्यतम् | अध्रणिष्यत |
| अध्रणिष्यम् | अध्रणिष्याव | अध्रणिष्याम |

270 कण (कण्) शब्दक्रियायाम् ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० कणति | कणतः | कणन्ति |
| कणसि | कणथः | कणथ |
| कणामि | कणावः | कणामः |
| स० कणेत् | कणेताम् | कणेतुः |
| कणेः | कणेतम् | कणेत |
| कणेत्यम् | कणेत्य | कणेत्य |
| प० कणतु | कणतात् | कणन्तु |
| कण | ” | कणतम् |
| कणानि | कणाव | कणाम |
| ह्य० अकणत् | अकणताम् | अकणन् |
| अकणः | अकणतम् | अकणत |
| अकणम् | अकणाव | अकणाम |
| अ० अकणीत् | अकणिष्टाम् | अकणिषुः |
| अकणीः | अकणिष्टम् | अकणिष्ट |
| अकणिषम् | अकणिष्व | अकणिषम् |
| अकणीत् | अकणिष्टाम् | अकणिषुः |
| अकणीः | अकणिष्टम् | अकणिष्ट |
| अकणिषम् | अकणिष्व | अकणिषम् |
| प० चकाण | चकणतुः | चकणुः |
| चकणथि | चकणथुः | चकण |
| चकाण, चकण | चकणिव | चकणिम |
| अ० कण्यात् | कण्यास्ताम् | कण्यासुः |
| कण्याः | कण्यास्तम् | कण्यास्त |
| कण्यासम् | कण्यास्व | कण्यास्म |
| श्व० कणिता | कणितारौ | कणितारः |
| कणितासि | कणितास्थः | कणितास्थ |
| कणितास्मि | कणितास्वः | कणितास्मः |
| भ० कणिष्यति | कणिष्यतः | कणिष्यन्ति |
| कणिष्यसि | कणिष्यथः | कणिष्यथ |
| कणिष्यामि | कणिष्यावः | कणिष्यामः |
| क्रि० अकणिष्यत् | अकणिष्यताम् | अकणिष्यन् |
| अकणिष्यः | अकणिष्यतम् | अकणिष्यत |
| अकणिष्यम् | अकणिष्याव | अकणिष्याम |

271 कवण (कवण्) शब्दक्रियायाम् ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| क० कवणति | कवणतः | कवणन्ति |
| कवणसि | कवणथः | कवणथ |
| कवणामि | कवणावः | कवणामः |
| स० कवणेत् | कवणेताम् | कवणेतुः |
| कवणेः | कवणेतम् | कवणेत |
| कवणेत्यम् | कवणेत्य | कवणेत्य |
| प० कवणतु | कवणतात् | कवणताम् |
| कवण | ” | कवणतम् |
| कवणानि | कवणाव | कवणाम |
| झ० अकवणत् | अकवणताम् | अकवणन् |
| अकवणः | अकवणतम् | अकवणत |
| अकवणम् | अकवणाव | अकवणाम |
| अ० अकवाणीत् | अकवाणिष्टाम् | अकवाणिषुः |
| अकवाणीः | अकवाणिष्टम् | अकवाणिष्ट |
| अकवाणिषम् | अकवाणिष्व | अकवाणिषम् |
| अकवणीत् | अकवणिष्टाम् | अकवणिषुः |
| अकवणीः | अकवणिष्टम् | अकवणिष्ट |
| अकवणिषम् | अकवणिष्व | अकवणिषम् |
| प० चकवाण | चकवणतुः | चकवणुः |
| चकवणित्य | चकवणित्युः | चकवण |
| चकवाण, चकवण | चकवणिव | चकवणिम |
| आ० कवण्यात् | कवण्यास्ताम् | कवण्यासुः |
| कवण्याः | कवण्यास्तम् | कवण्यास्त |
| कवण्यासम् | कवण्यास्व | कवण्यास्म |
| श्व० कवणिता | कवणितारौ | कवणितारः |
| कवणितासि | कवणितस्थः | कवणितस्थ |
| कवणितास्मि | कवणितस्वः | कवणितस्मः |
| भ० कवणिष्यति | कवणिष्यतः | कवणिष्यन्ति |
| कवणिष्यसि | कवणिष्यथः | कवणिष्यथ |
| कवणिष्यामि | कवणिष्यावः | कवणिष्यामः |
| क्रि० अकवणिष्यत् | अकवणिष्यताम् | अकवणिष्यन् |
| अकवणिष्यः | अकवणिष्यतम् | अकवणिष्यत |
| अकवणिष्यम् | अकवणिष्याव | अकवणिष्याम |

272 चण (चण्) शब्दक्रियायाम् ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| च० चणति | चणतः | चणन्ति |
| चणसि | चणथः | चणथ |
| चणामि | चणावः | चणामः |
| स० चणेत् | चणेताम् | चणेतुः |
| चणेः | चणेतम् | चणेत |
| चणेत्यम् | चणेत्य | चणेत्य |
| प० चणतु | चणतात् | चणताम् |
| चण | ” | चणतम् |
| चणानि | चणाव | चणाम |
| झ० अचणत् | अचणताम् | अचणन् |
| अचणः | अचणतम् | अचणत |
| अचणम् | अचणाव | अचणाम |
| अ० अचाणीत् | अचाणिष्टाम् | अचाणिषुः |
| अचाणीः | अचाणिष्टम् | अचाणिष्ट |
| अचाणिषम् | अचाणिष्व | अचाणिषम् |
| अचणीत् | अचणिष्टाम् | अचणिषुः |
| अचणीः | अचणिष्टम् | अचणिष्ट |
| अचणिषम् | अचणिष्व | अचणिषम् |
| प० चचाण | चेणतुः | चेणुः |
| चेणित्य | चेणित्युः | चेण |
| चचाण, चचण | चेणिव | चेणिम |
| आ० चण्यात् | चण्यास्ताम् | चण्यासुः |
| चण्याः | चण्यास्तम् | चण्यास्त |
| चण्यासम् | चण्यास्व | चण्यास्म |
| श्व० चणिता | चणितारौ | चणितारः |
| चणितासि | चणितस्थः | चणितस्थ |
| चणितास्मि | चणितस्वः | चणितस्मः |
| भ० चणिष्यति | चणिष्यतः | चणिष्यन्ति |
| चणिष्यसि | चणिष्यथः | चणिष्यथ |
| चणिष्यामि | चणिष्यावः | चणिष्यामः |
| क्रि० अचणिष्यत् | अचणिष्यताम् | अचणिष्यन् |
| अचणिष्यः | अचणिष्यतम् | अचणिष्यत |
| अचणिष्यम् | अचणिष्याव | अचणिष्याम |

273 ओण् (ओण्) अपनयने ।

| | | |
|----------|---------|--------|
| ष० ओणति | ओणतः | ओणन्ति |
| ओणसि | ओणथः | ओणथ |
| ओणामि | ओणावः | ओणामः |
| स० ओणेत् | ओणेताम् | ओणेतुः |
| ओणेः | ओणेतम् | ओणेत |
| ओणेत्यम् | ओणेव | ओणेम |

प० ओणतु ओणतात् ओणताम् ओणन्तु
ओण , ओणतम् ओणत
ओणानि ओणाव ओणाम

झ० ओणत् ओणताम् ओणन्
ओणः ओणतम् ओणत
ओणम् ओणाव ओणाम

अ० ओणीत् ओणिष्टाम् ओणिषुः
ओणीः ओणिष्टम् ओणिष्ट
ओणिषम् ओणिष्व ओणिष्म

प० ओणाञ्चकार ओणाञ्चकतुः ओणाञ्चकृः
ओणाञ्चकर्थ ओणाञ्चकथुः ओणाञ्चक
ओणाञ्चकार, चकर ओणाञ्चकृव ओणाञ्चकृम

आ० ओण्यात् ओण्यास्ताम् ओण्यासुः
ओण्याः ओण्यास्तम् ओण्यास्त
ओण्यासम् ओण्यास्व ओण्यास्म

भ्व० ओणिता ओणितारौ ओणितारः
ओणितासि ओणितास्थः ओणितास्थ
ओणितास्मि ओणितास्वः ओणितास्मः

भ० ओणिष्यति ओणिष्यतः ओणिष्यन्ति
ओणिष्यसि ओणिष्यथः ओणिष्यथ
ओणिष्यामि ओणिष्यावः ओणिष्यामः

क्रि० ओणिष्यत ओणिष्यताम् ओणिष्यन्
ओणिष्यः ओणिष्यतम् ओणिष्यत
ओणिष्यम् ओणिष्याव ओणिष्याम

274 शोण् (शोण्) वर्णगत्योः

| | | |
|-----------|----------|---------|
| व० शोणति | शोणतः | शोणन्ति |
| शोणसि | शोणथः | शोणथ |
| शोणामि | शोणावः | शोणामः |
| स० शोणेत् | शोणेताम् | शोणेतुः |
| शोणेः | शोणेतम् | शोणेत |
| शोणेत्यम् | शोणेव | शोणेम |

प० शोणतु शोणतात् शोणताम् शोणन्तु
शोण , शोणतम् शोणत
शोणानि शोणाव शोणाम

झ० अशोणत् अशोणताम् अशोणन्
अशोणः अशोणतम् अशोणत
अशोणम् अशोणाव अशोणाम

अ० अशोणीत् अशोणिष्टाम् अशोणिषुः
अशोणीः अशोणिष्टम् अशोणिष्ट
अशोणिषम् अशोणिष्व अशोणिष्म

प० शुशोण शुशोणतुः शुशोणुः
शुशोणित्य शुशोणित्युः शुशोण
शुशोण शुशोणिव शुशोणिम

आ० शोण्यात् शोण्यास्ताम् शोण्यासुः
शोण्याः शोण्यास्तम् शोण्यास्त
शोण्यासम् शोण्यास्व शोण्यास्म

भ्व० शोणिता शोणितारौ शोणितारः
शोणितासि शोणितास्थः शोणितास्थ
शोणितास्मि शोणितास्वः शोणितास्मः

भ० शोणिष्यति शोणिष्यतः शोणिष्यन्ति
शोणिष्यसि शोणिष्यथः शोणिष्यथ
शोणिष्यामि शोणिष्यावः शोणिष्यामः

क्रि० अशोणिष्यत अशोणिष्यताम् अशोणिष्यन्
अशोणिष्यः अशोणिष्यतम् अशोणिष्यत
अशोणिष्यम् अशोणिष्याव अशोणिष्याम

275 ओण् (ओण्) संचाते ।

व० ओणति ओणतः ओणन्ति
ओणसि ओणथः ओणथ
ओणामि ओणावः ओणामः

स० ओणेत् ओणेताम् ओणेत्युः
ओणेः ओणेतम् ओणेत
ओणेत्यम् ओणेत्य ओणेत्यम्

प० ओणतु ओणतात् ओणताम् ओणन्तु
ओण , ओणतम् ओणत
ओणानि ओणाव ओणाम

झ० अओणत् अओणताम् अओणन्
अओणः अओणतम् अओणत
अओणम् अओणाव अओणाम

अ० अओणीत् अओणिष्टाम् अओणिषुः
अओणीः अओणिष्टम् अओणिष्ट
अओणिषम् अओणिष्व अओणिष्म

प० शुओण शुओणतुः शुओणुः
शुओणिथ शुओणथुः शुओण
शुओण शुओणिव शुओणिम

आ० ओण्यात् ओण्यास्ताम् ओण्यासुः
ओण्याः ओण्यास्तम् ओण्यास्त
ओण्यासम् ओण्यास्व ओण्यास्म

श्व० ओणिता ओणितारौ ओणितारः
ओणितासि ओणितास्थः ओणितास्थ
ओणितास्मि ओणितास्व ओणितास्मः

भ० ओणिष्यति ओणिष्यतः ओणिष्यन्ति
ओणिष्यसि ओणिष्यथः ओणिष्यथ
ओणिष्यामि ओणिष्यावः ओणिष्यामः

क्रि० अओणिष्यत् अओणिष्यताम् अओणिष्यन्
अओणिष्यः अओणिष्यतम् अओणिष्यत
अओणिष्यम् अओणिष्याव अओणिष्याम

276 ओण् (ओण्) संचाते ।

व० ओणति ओणतः ओणन्ति
ओणसि ओणथः ओणथ
ओणामि ओणावः ओणामः

स० ओणेत् ओणेताम् ओणेत्युः
ओणेः ओणेतम् ओणेत
ओणेत्यम् ओणेत्य ओणेत्यम्

प० ओणतु ओणतात् ओणताम् ओणन्तु
ओण , ओणतम् ओणत
ओणानि ओणाव ओणाम

झ० अओणत् अओणताम् अओणन्
अओणः अओणतम् अओणत
अओणम् अओणाव अओणाम

अ० अओणीत् अओणिष्टाम् अओणिषुः
अओणीः अओणिष्टम् अओणिष्ट
अओणिषम् अओणिष्व अओणिष्म

प० शुओण शुओणतुः शुओणुः
शुओणिथ शुओणथुः शुओण
शुओण शुओणिव शुओणिम

आ० ओण्यात् ओण्यास्ताम् ओण्यासुः
ओण्याः ओण्यास्तम् ओण्यास्त
ओण्यासम् ओण्यास्व ओण्यास्म

श्व० ओणिता ओणितारौ ओणितारः
ओणितासि ओणितस्थः ओणितस्थ
ओणितास्मि ओणितस्थः ओणितस्थः

भ० ओणिष्यति ओणिष्यतः ओणिष्यन्ति
ओणिष्यसि ओणिष्यथः ओणिष्यथ
ओणिष्यामि ओणिष्यावः ओणिष्यामः

क्रि० अओणिष्यत् अओणिष्यताम् अओणिष्यन्
अओणिष्यः अओणिष्यतम् अओणिष्यत
अओणिष्यम् अओणिष्याव अओणिष्याम

277 पैण [पैण] गतिप्रेरणश्लेषणेषु

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० पैणति | पैणतः | पैणन्ति |
| पैणसि | पैणथः | पैणथ |
| पैणामि | पैणावः | पैणामः |
| स० पैणेत् | पैणताम् | पैणेत्युः |
| पैणेः | पैणेतम् | पैणेत |
| पैणेत्यम् | पैणैव | पैणैम |
| प० पैणतु | पैणतात् | पैणताम् |
| पैण | ” | पैणतम् |
| पैणानि | पैणाव | पैणाम |
| ह्य० अपैणत् | अपैणताम् | अपैणन् |
| अपैणः | अपैणतम् | अपैणत |
| अपैणम् | अपैणाव | अपैणाम |
| अ० अपैणीत् | अपैणिष्टाम् | अपैणिषुः |
| अपैणीः | अपैणिष्टम् | अपैणिष्ट |
| अपैणिषम् | अपैणिष्व | अपैणिष्म |
| प० पिपैण | पिपैणतुः | पिपैणुः |
| पिपैणथ | पिपैणथुः | पिपैण |
| पिपैण | पिपैणिव | पिपैणिम |
| आ० पैण्यात् | पैण्यास्ताम् | पैण्यास्तुः |
| पैण्याः | पैण्यास्तम् | पैण्यास्त |
| पैण्यास्तम् | पैण्यास्व | पैण्यास्म |
| श्व० पैणिता | पैणितारौ | पैणितारः |
| पैणितासि | पैणितास्थः | पैणितास्थ |
| पैणितास्मि | पैणितास्वः | पैणितास्मः |
| भ० पैणिष्यति | पैणिष्यतः | पैणिष्यन्ति |
| पैणिष्यसि | पैणिष्यथः | पैणिष्यथ |
| पैणिष्यामि | पैणिष्यावः | पैणिष्यामः |
| क्रि० अपैणिष्यत् | अपैणिष्यताम् | अपैणिष्यन् |
| अपैणिष्यः | अपैणिष्यतम् | अपैणिष्यत |
| अपैणिष्यम् | अपैणिष्याव | अपैणिष्याम |

॥ अथ तान्ताः दश सेट्श्च ॥

278 चितै (चित्) संज्ञाने
संज्ञानं संवित्तिः॥

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० चेतति | चेततः | चेतन्ति |
| चेतसि | चेतथः | चेतथ |
| चेतामि | चेतावः | चेतामः |
| स० चेतैत् | चेतेताम् | चेतेत्युः |
| चेतेः | चेतेतम् | चेतेत |
| चेतेयम् | चेतेव | चेतेम |
| प० चेततु | चेततात् | चेतताम् |
| चेत | ” | चेततम् |
| चेतानि | चेताव | चेताम |
| ह्य० अचेतत् | अचेतताम् | अचेतन् |
| अचेतः | अचेततम् | अचेतत |
| अचेतम् | अचेताव | अचेताम |
| अ० अचेतीत् | अचेतिष्टाम् | अचेतिषुः |
| अचेतीः | अचेतिष्टम् | अचेतिष्ट |
| अचेतिषम् | अचेतिष्व | अचेतिष्म |
| प० चिचेत | चिचिततुः | चिचितुः |
| चिचितिथ | चिचितथुः | चिचित |
| चिचेत | चिचितिव | चिचितिम |
| आ० चित्यात् | चित्यास्ताम् | चित्यास्तुः |
| चित्याः | चित्यास्तम् | चित्यास्त |
| चित्यास्तम् | चित्यास्व | चित्यास्म |
| श्व० चेतिता | चेतितारौ | चेतितारः |
| चेतितासि | चेतितास्थः | चेतितास्थ |
| चेतितास्मि | चेतितास्वः | चेतितास्मः |
| भ० चेतिष्यति | चेतिष्यतः | चेतिष्यन्ति |
| चेतिष्यसि | चेतिष्यथः | चेतिष्यथ |
| चेतिष्यामि | चेतिष्यावः | चेतिष्यामः |
| क्रि० अचेतिष्यत् | अचेतिष्यताम् | अचेतिष्यन् |
| अचेतिष्यः | अचेतिष्यतम् | अचेतिष्यत |
| अचेतिष्यम् | अचेतिष्याव | अचेतिष्याम |

279 अत [अत्] सातत्यगमने ।

सातत्येन गमनं नित्यगतिः ।

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| ष० अतति | अततः | अतन्ति |
| अतसि | अतथः | अतथ |
| अतामि | अतावः | अतामः |
| स० अतेत् | अतेताम् | अतेयुः |
| अतेः | अतेतम् | अतेत |
| अतेयम् | अतेव | अतेम |
| प० अततु | अततात् | अतताम् |
| अत | अततम् | अतत |
| अतानि | अतानि | अताम |
| द्व० आतत् | आतताम् | आतन् |
| आतः | आततम् | आतत |
| आतम् | आताव | आताम |
| अ० आतीत् | आतिष्ठाम् | आतिषुः |
| आतीः | आतिष्टम् | आतिष्ट |
| आतिषम् | आतिष्व | आतिषम |
| प० आत | आततुः | आतुः |
| आतिथ | आतथुः | आत |
| आत | आतिव | आतिम |
| आ० अत्यात् | अत्यास्ताम् | अत्यासुः |
| अत्याः | अत्यास्तम् | अत्यास्त |
| अत्यासम् | अत्यास्व | अत्यास्म |
| श्व० अतिता | अतितारौ | अतितारः |
| अतितासि | अतितास्थः | अतितास्थ |
| अतितास्मि | अतितास्वः | अतितास्मः |
| भ० अतिष्यति | अतिष्यतः | अतिष्यन्ति |
| अतिष्यसि | अतिष्यथः | अतिष्यथ |
| अतिष्यामि | अतिष्यावः | अतिष्यामः |
| क्रि० आतिष्यत् | आतिष्यताम् | आतिष्यन् |
| आतिष्यः | आतिष्यतम् | आतिष्यत |
| आतिष्यम् | आतिष्याव | आतिष्याम |

280 च्युतृ (च्युत्) आसेचने ।

आसेचनमीषसेकः ।

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| ष० च्योतति | च्योततः | च्योतन्ति |
| च्योतसि | च्योतथः | च्योतथ |
| च्योतामि | च्योतावः | च्योतामः |
| स० च्योतेत् | च्योतेताम् | च्योतेयुः |
| च्योतेः | च्योतेतम् | च्योतेत |
| च्योतेयम् | च्योतेष | च्योतेम |
| प० च्योततु | च्योततात् | च्योतताम् |
| च्योत | च्योततम् | च्योतत |
| च्योतानि | च्योताव | च्योताम |
| द्व० अच्योतत | अच्योतताम् | अच्योतन् |
| अच्योतः | अच्योततम् | अच्योतत |
| अच्योतम् | अच्योताव | अच्योताम |
| अ० अच्योतीत् | अच्योतिष्ठाम् | अच्योतिषुः |
| अच्योतीः | अच्योतिष्टम् | अच्योतिष्ट |
| अच्योतिषम् | अच्योतिष्व | अच्योतिषम |
| अच्युतत् | अच्युतताम् | अच्युतन् |
| अच्युतः | अच्युततम् | अच्युतत |
| अच्युतम् | अच्युताव | अच्युताम |
| प० चुच्योत | चुच्युततुः | चुच्युतुः |
| चुच्योतिथ | चुच्युतथुः | चुच्युत |
| चुच्योत | चुच्युतिष | चुच्युतिम |
| आ० चुच्युत् | च्युत्यास्ताम् | च्युत्यासुः |
| च्युत्याः | च्युत्यास्तम् | च्युत्यास्त |
| च्युत्यासम् | च्युत्यास्व | च्युत्यास्म |
| श्व० च्योतिता | च्योतितारौ | च्योतितारः |
| च्योतितासि | च्योतितास्थः | च्योतितास्थ |
| च्योतितास्मि | च्योतितास्वः | च्योतितास्मः |
| भ० च्योतिष्यति | च्योतिष्यतः | च्योतिष्यन्ति |
| च्योतिष्यसि | च्योतिष्यथः | च्योतिष्यथ |
| च्योतिष्यामि | च्योतिष्यावः | च्योतिष्यामः |
| अच्योतिष्यत् | अच्योतिष्यताम् | अच्योतिष्यन् |
| अच्योतिष्यः | अच्योतिष्यतम् | अच्योतिष्यत |
| अच्योतिष्यम् | अच्योतिष्याव | अच्योतिष्याम |

281 चुट् (चुत्) क्षरणे । क्षरणं स्रवणम् ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| च० चोतति | चोततः | चोतन्ति |
| चोतसि | चोतथः | चोतथ |
| चोतामि | चोतावः | चोतामः |
| स० चोतेत् | चोतेताम् | चोतेयुः |
| चोतेः | चोतेतम् | चोतेत |
| चोतेयम् | चोतेव | चोतेम |
| प० चोततु | चोततात् | चोतताम् |
| चोत | चोततम् | चोतत |
| चोतानि | चोताव | चोताम |
| अ० अचोतत् | अचोतताम् | अचोतन् |
| अचोतः | अचोततम् | अचोतत |
| अचोतम् | अचोताव | अचोताम |
| अ० अचुतत् | अचुतताम् | अचुतन् |
| अचुतः | अचुततम् | अचुतत |
| अचुतम् | अचुताव | अचुताम |
| अचोतीत् | अचोतिष्टाम् | अचोतिषुः |
| अचोतीः | अचोतिष्टम् | अचोतिष्ट |
| अचोतिषम् | अचोतिष्व | अचोतिषम |
| प० चुचोत | चुचुततुः | चुचुतुः |
| चुचोतिथ | चुचुतथुः | चुचुत |
| चुचोत | चुचुतिव | चुचुतिम |
| आ० चुत्यात् | चुत्यास्ताम् | चुत्यासुः |
| चुत्याः | चुत्यास्तम् | चुत्यास्त |
| चुत्याम | चुत्याव | चुत्याम |
| अ० चोतिता | चोतितारौ | चोतितारः |
| चोतितासि | चोतितास्थः | चोतितास्थ |
| चोतितास्मि | चोतितास्वः | चोतितास्मः |
| अ० चोतिष्यति | चोतिष्यतः | चोतिष्यन्ति |
| चोतिष्यसि | चोतिष्यथः | चोतिष्यथ |
| चोतिष्यामि | चोतिष्यावः | चोतिष्यामः |
| क्रि० अचोतिष्यत् | अचोतिष्यताम् | अचोतिष्यन् |
| अचोतिष्यः | अचोतिष्यतम् | अचोतिष्यत |
| अचोतिष्यम् | अचोतिष्याव | अचोतिष्याम |

282 स्चुट् (श्चुत्) क्षरणे ।

क्षरणं स्रवणम् ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| च० श्रोतति | श्रोततः | श्रोतन्ति |
| श्रोतसि | श्रोतथः | श्रोतथ |
| श्रोतामि | श्रोतावः | श्रोतामः |
| स० श्रोतेत् | श्रोतेताम् | श्रोतेयुः |
| श्रोतेः | श्रोतेतम् | श्रोतेत |
| श्रोतेयम् | श्रोतेव | श्रोतेम |
| प० श्रोततु | श्रोततात् | श्रोतताम् |
| श्रोत | श्रोततम् | श्रोतत |
| श्रोतानि | श्रोताव | श्रोताम |
| अ० अश्रोतत् | अश्रोतताम् | अश्रोतन् |
| अश्रोतः | अश्रोततम् | अश्रोतत |
| अश्रोतम् | अश्रोताव | अश्रोताम |
| अ० अश्रोतीत् | अश्रोतिष्टाम् | अश्रोतिषुः |
| अश्रोतीः | अश्रोतिष्टम् | अश्रोतिष्ट |
| अश्रोतिषम् | अश्रोतिष्व | अश्रोतिषम |
| अश्चुतत् | अश्चुतताम् | अश्चुतन् |
| अश्चुतः | अश्चुततम् | अश्चुतत |
| अश्चुतम् | अश्चुताव | अश्चुताम |
| प० शुश्चोत | शुश्चुततुः | शुश्चुतुः |
| शुश्चोतिथ | शुश्चुतथुः | शुश्चुत |
| शुश्चोत | शुश्चुतिव | शुश्चुतिम |
| आ० शुश्चात् | शुश्चास्ताम् | शुश्चासुः |
| शुश्चाः | शुश्चास्तम् | शुश्चास्त |
| शुश्चाम | शुश्चाव | शुश्चाम |
| अ० श्रोतिता | श्रोतितारौ | श्रोतितारः |
| श्रोतितासि | श्रोतितास्थः | श्रोतितास्थ |
| श्रोतितास्मि | श्रोतितास्वः | श्रोतितास्मः |
| अ० श्रोतिष्यति | श्रोतिष्यतः | श्रोतिष्यन्ति |
| श्रोतिष्यसि | श्रोतिष्यथः | श्रोतिष्यथ |
| श्रोतिष्यामि | श्रोतिष्यावः | श्रोतिष्यामः |
| क्रि० अश्चोतिष्यत् | अश्चोतिष्यताम् | अश्चोतिष्यन् |
| अश्चोतिष्यः | अश्चोतिष्यतम् | अश्चोतिष्यत |
| अश्चोतिष्यम् | अश्चोतिष्याव | अश्चोतिष्याम |

283 ऋच्युतृ (श्च्युत्) क्षरणे ।

क्षरणं स्रवणम् ।

| | | | |
|------|----------------|------------------|-----------------|
| व० | श्च्योतति | श्च्योततः | श्च्योतन्ति |
| | श्च्योतसि | श्च्योतथः | श्च्योतथ |
| | श्च्योतामि | श्च्योतावः | श्च्योतामः |
| स० | श्च्योतेत् | श्च्योतेताम् | श्च्योतेयुः |
| | श्च्योतेः | श्च्योतेतम् | श्च्योतेत |
| | श्च्योतेयम् | श्च्योतेव | श्च्योतेम |
| प० | श्च्योतनु | श्च्योततात् | श्च्योतताम् |
| | श्च्योत | श्च्योततम् | श्च्योतत |
| | श्च्योतानि | श्च्योताव | श्च्योताम |
| झ० | अश्च्योतत् | अश्च्योतताम् | अश्च्योतन् |
| | अश्च्योतः | अश्च्योततम् | अश्च्योतत |
| | अश्च्योतम् | अश्च्योताव | अश्च्योताम |
| ञ० | अश्च्योतीत् | अश्च्योतिष्टाम् | अश्च्योतिषुः |
| | अश्च्योतीः | अश्च्योतिष्टम् | अश्च्योतिष्ट |
| | अश्च्योतिषम् | अश्च्योतिष्व | अश्च्योतिषम |
| | अश्च्युतत् | अश्च्युतताम् | अश्च्युतन् |
| | अश्च्युतः | अश्च्युततम् | अश्च्युतत |
| | अश्च्युतम् | अश्च्युताव | अश्च्युताम |
| प० | चुश्च्योत | चुश्च्युततुः | चुश्च्युतुः |
| | चुश्च्योतिथ | चुश्च्युतथुः | चुश्च्युत |
| | चुश्च्योत | चुश्च्युतिव | चुश्च्युतिम |
| आ० | श्च्युत्यात् | श्च्युत्यास्ताम् | श्च्युत्यासुः |
| | श्च्युत्याः | श्च्युत्यास्तम् | श्च्युत्यास्त |
| | श्च्युत्यामम् | श्च्युत्यास्व | श्च्युत्यास्म |
| श्व० | श्च्योतिता | श्च्योतितारौ | श्च्योतितारः |
| | श्च्योतितासि | श्च्योतितास्थः | श्च्योतितास्थ |
| | श्च्योतितास्मि | श्च्योतितास्वः | श्च्योतितास्मः |
| भ० | श्च्योतिष्यति | श्च्योतिष्यतः | श्च्योतिष्यन्ति |
| | श्च्योतिष्यसि | श्च्योतिष्यथः | श्च्योतिष्यथ |
| | श्च्योतिष्यामि | श्च्योतिष्यावः | श्च्योतिष्यामः |
| | अश्च्योतिष्यत् | अश्च्योतिष्यताम् | अश्च्योतिष्यन् |
| | अश्च्योतिष्यः | अश्च्योतिष्यतम् | अश्च्योतिष्यत |
| | अश्च्योतिष्यम् | अश्च्योतिष्याव | अश्च्योतिष्याम |

284 जुतृ (जुत्) भासने ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | जोतति | जोततः | जोतन्ति |
| | जोतसि | जोतथः | जोतथ |
| | जोतामि | जोतावः | जोतामः |
| स० | जोतेत् | जोतेताम् | जोतेयुः |
| | जोतेः | जोतेतम् | जोतेत |
| | जोतेयम् | जोतेव | जोतेम |
| प० | जोततु | जोततात् | जोतताम् |
| | जोत | जोततम् | जोतत |
| | जोतानि | जोताव | जोताम |
| झ० | अजोतत् | अजोतताम् | अजोतन् |
| | अजोतः | अजोततम् | अजोतत |
| | अजोतम् | अजोताव | अजोताम |
| ञ० | अजुतत् | अजुतताम् | अजुतन् |
| | अजुतः | अजुततम् | अजुतत |
| | अजुतम् | अजुताव | अजुताम |
| | अजोतीत् | अजोतिष्टाम् | अजोतिषुः |
| | अजोतीः | अजोतिष्टम् | अजोतिष्ट |
| | अजोतिषम् | अजोतिष्व | अजोतिषम |
| प० | जुजोत | जुजुततुः | जुजुतुः |
| | जुजोतिथ | जुजुतथुः | जुजुत |
| | जुजोत | जुजुतिव | जुजुतिम |
| आ० | जुत्यात् | जुत्यास्ताम् | जुत्यासुः |
| | जुत्याः | जुत्यास्तम् | जुत्यास्त |
| | जुत्यामम् | जुत्यास्व | जुत्यास्म |
| श्व० | जोतिता | जोतितारौ | जोतितारः |
| | जोतितासि | जोतितास्थः | जोतितास्थ |
| | जोतितास्मि | जोतितास्वः | जोतितास्मः |
| भ० | जोतिष्यति | जोतिष्यतः | जोतिष्यन्ति |
| | जोतिष्यसि | जोतिष्यथः | जोतिष्यथ |
| | जोतिष्यामि | जोतिष्यावः | जोतिष्यामः |
| क्रि० | अजोतिष्यत् | अजोतिष्यताम् | अजोतिष्यन् |
| | अजोतिष्यः | अजोतिष्यतम् | अजोतिष्यत |
| | अजोतिष्यम् | अजोतिष्याव | अजोतिष्याम |

285 अतु [अन्त] बन्धने ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० अन्तति | अन्ततः | अन्तन्ति |
| अन्तसि | अन्तथः | अन्तथ |
| अन्तामि | अन्तावः | अन्तामः |
| स० अन्तेत् | अन्तेताम् | अन्तेयुः |
| अन्तेः | अन्तेतम् | अन्तेत |
| अन्तेयम् | अन्तेव | अन्तेम |
| प० अन्ततु | अन्ततात् | अन्तताम् |
| अन्त | ” | अन्ततम् |
| अन्तानि | अन्ताव | अन्ताम |
| ह्य० आन्तत् | आन्तताम् | आन्तन् |
| आन्तः | आन्ततम् | आन्तत |
| आन्तम् | आन्ताव | आन्ताम |
| अ० आन्तीत् | आन्तिष्टाम् | आन्तिषुः |
| आन्तीः | आन्तिष्टम् | आन्तिष्ट |
| आन्तिषम् | आन्तिष्व | आन्तिषम |
| प० आनन्त | आनन्ततुः | आनन्तुः |
| आनन्तिथ | आनन्तथुः | आनन्त |
| आनन्त | आनन्तिव | आनन्तिम |
| आ० अन्त्यात् | अन्त्यास्ताम् | अन्त्यासुः |
| अन्त्याः | अन्त्यास्तम् | अन्त्यास्त |
| अन्त्यासम् | अन्त्यास्व | अन्त्यास्म |
| श्व० अन्तिता | अन्तितारौ | अन्तितारः |
| अन्तितासि | अन्तितास्थः | अन्तितास्थ |
| अन्तितास्मि | अन्तितास्वः | अन्तितास्मः |
| भ० अन्तिष्यति | अन्तिष्यतः | अन्तिष्यन्ति |
| अन्तिष्यसि | अन्तिष्यथः | अन्तिष्यथ |
| अन्तिष्यामि | अन्तिष्यावः | अन्तिष्यामः |
| कि० आन्तिष्यत् | आन्तिष्यताम् | आन्तिष्यन् |
| आन्तिष्यः | आन्तिष्यतम् | आन्तिष्यत |
| आन्तिष्यम् | आन्तिष्याव | आन्तिष्याम |

286 कित (कित्) निवासे ।

| | | |
|----------------|--------------|-------------|
| व० केतति | केततः | केतन्ति |
| केतसि | केतथः | केतथ |
| केतामि | केतावः | केतामः |
| स० केतेत् | केतेताम् | केतेयुः |
| केतेः | केतेतम् | केतेत |
| केतेयम् | केतेव | केतेम |
| प० केततु | केततात् | केतताम् |
| केत | ” | केततम् |
| केतानि | केताव | केताम |
| ह्य० अकेतत् | अकेतताम् | अकेतन् |
| अकेतः | अकेततम् | अकेतत |
| अकेतम् | अकेताव | अकेताम |
| अ० अकेतीत् | अकेतिष्टाम् | अकेतिषुः |
| अकेतीः | अकेतिष्टम् | अकेतिष्ट |
| अकेतिषम् | अकेतिष्व | अकेतिषम |
| प० चिकेत | चिकिततुः | चिकितुः |
| चिकेतिथ | चिकितथुः | चिकित |
| चिकेत | चिकेतिव | चिकेतिम |
| आ० कित्यात् | कित्यास्ताम् | कित्यासुः |
| कित्याः | कित्यास्तम् | कित्यास्त |
| कित्यासम् | कित्यास्व | कित्यास्म |
| श्व० केतिता | केतितारौ | केतितारः |
| केतितासि | केतितास्थः | केतितास्थ |
| केतितास्मि | केतितास्वः | केतितास्मः |
| भ० केतिष्यति | केतिष्यतः | केतिष्यन्ति |
| केतिष्यसि | केतिष्यथः | केतिष्यथ |
| केतिष्यामि | केतिष्यावः | केतिष्यामः |
| कि० अकेतिष्यत् | अकेतिष्यताम् | अकेतिष्यन् |
| अकेतिष्यः | अकेतिष्यतम् | अकेतिष्यत |
| अकेतिष्यम् | अकेतिष्याव | अकेतिष्याम |

धातूनामनेकार्थत्वात् कितः संशयप्रतीका-
रेऽपि द्वेयः । निग्रहविनाशौ प्रतीकार-
स्यैव भेदौ ।

286-1 स्वार्थे सनि (चिकित्स्)

- ब० चिकित्सति चिकित्सतः चिकित्सन्ति
चिकित्ससि चिकित्सथः चिकित्सथ
चिकित्सामि चिकित्सावः चिकित्साम
स० चिकित्सेत् चिकित्सेनाम् चिकित्सेयुः
चिकित्सेः चिकित्सेतम् चिकित्सेत
चिकित्सेयम् चिकित्सेव चिकित्सेम
प० चिकित्सतु-तात् चिकित्सताम् चिकित्सन्तु
चिकित्स " चिकित्सतम् चिकित्सत
चिकित्सानि " चिकित्साव चिकित्साम
झ० अचिकित्सत् अचिकित्सताम् अचिकित्सन्
अचिकित्सः अचिकित्सतम् अचिकित्सत
अचिकित्सम् अचिकित्साव अचिकित्साम
अ० अचिकित्सीत् अचिकित्सिष्टम्
अचिकित्सिषुः अचिकित्सीः
अचिकित्सिष्टम् अचिकित्सिष्ट
अचिकित्सिषम् अचिकित्सिष्व अचिकित्सिष्म
प० चिकित्साञ्चकार चिकित्साञ्चक्रतुः
चिकित्साञ्चक्रुः चिकित्साञ्चक्र्य
चिकित्साञ्चक्रथुः चिकित्साञ्चक्र
चिकित्साञ्चकार, चक्र
चिकित्साञ्चकृव चिकित्साञ्चकृम
चिकित्साञ्चभूव । चिकित्सामास
आ० चिकित्स्यात् चिकित्स्यास्ताम्
चिकित्स्यासुः चिकित्स्याः
चिकित्स्यास्तम् चिकित्स्यास्त
चिकित्स्यासम् चिकित्स्यास्व
चिकित्स्यास्म

श्व० चिकित्सिता चिकित्सितारौ
चिकित्सितारः चिकित्सितासि
चिकित्सितास्थः चिकित्सितास्थ
चिकित्सितास्मि चिकित्सितास्वः
चिकित्सितास्मः

भ० चिकित्सिष्यति चिकित्सिष्यतः
चिकित्सिष्यन्ति चिकित्सिष्यसि
चिकित्सिष्यथः चिकित्सिष्यथ
चिकित्सिष्यामि चिकित्सिष्यावः
चिकित्सिष्यामः

क्रि० अचिकित्सिष्यत् अचिकित्सिष्यताम्
अचिकित्सिष्यन् अचिकित्सिष्यः
अचिकित्सिष्यतम् अचिकित्सिष्यत
अचिकित्सिष्यम् अचिकित्सिष्याव
अचिकित्सिष्याम

287 ऋत ऋत्-ऋतीय् घृणागतस्पर्धेषु

- ब० ऋतीयते ऋतीयेते ऋतीयन्ते
ऋतीयसे ऋतीयेथे ऋतीयध्वे
ऋतीये ऋतीयावहे ऋतीयामहे
स० ऋतीयेत ऋतीयेताम् ऋतीयेरन्
ऋतीयेथाः ऋतीयेथाम् ऋतीयेध्वम्
ऋतीयेय ऋतीयेवहि ऋतीयेमहि
प० ऋतीयताम् ऋतीयेताम् ऋतीयन्ताम्
ऋतीयस्व ऋतीयेथाम् ऋतीयेध्वम्
ऋतीये ऋतीयावहे ऋतीयामहे
झ० आर्तीयत आर्तीयेताम् आर्तीयन्त
आर्तीयथाः आर्तीयेथाम् आर्तीयेध्वम्
आर्तीये आर्तीयावहि आर्तीयामहि
अ० आर्तियिष्ट आर्तियिषताम् आर्तियिषत
आर्तियिष्टाः आर्तियिषथाम् आर्तियिष्टवद्वम्
आर्तियिषि आर्तियिष्वहि आर्तियिष्महि (ध्वम्)

आनर्त आनृततुः आनृतुः
आनर्तिथ आनृतथुः आनृत
आनर्त आनृतिव आनृतिम

आ० ऋतीयिषीष्ट ऋतीयिषीयास्ताम्
ऋतीयिषीरन् ऋतीयिषीष्टाः
ऋतीयिषीयास्थाम् ऋतीयिषीद्वम्-ध्वम्
ऋतीयिषीय ऋतीयिषीवहि
ऋतीयिषीमहि

ऋत्यात् ऋत्यास्ताम् ऋत्यासुः
ऋत्याः ऋत्यास्तम् ऋत्यास्त
ऋत्यासम् ऋत्यास्व ऋत्यास्म

श्व० अर्तिता अर्तितारौ अर्तितारः
अर्तितासि अर्तितास्थः अर्तितास्थ
अर्तितास्मि अर्तितास्वः अर्तितास्मः
ऋतीयिता ऋतीयितारौ ऋतीयितारः
ऋतीयितासे ऋतीयितासाथे ऋतीयिताध्वे
ऋतीयिताहे ऋतीयितास्वहे ऋतीयितास्महे

भ० ऋतियिष्यते ऋतियिष्येते ऋतियिष्यन्ते
ऋतियिष्यसे ऋतियिष्येथे ऋतियिष्यध्वे
ऋतियिष्ये ऋतियिष्यावहे ऋतियिष्यामहे

अर्तिष्यति अर्तिष्यतः अर्तिष्यन्ति
अर्तिष्यसि अर्तिष्यथः अर्तिष्यथ
अर्तिष्यामि अर्तिष्यावः अर्तिष्यामः

आर्तीयिष्यत आर्तीयिष्येताम् आर्तीयिष्यन्त
आर्तीयिष्यथाः आर्तीयिष्येथाम् आर्तीयिष्यध्वम्
आर्तीयिष्ये आर्तीयिष्यावहि आर्तीयिष्यामहि

आर्तिष्यत् आर्तिष्यताम् आर्तिष्यन्
आर्तिष्यः आर्तिष्यतम् आर्तिष्यत
आर्तिष्यम् आर्तिष्याव आर्तिष्याम

॥ अथ भ्रान्ताः षट् सेटश्च ॥

288 कुथु(कुन्थ)हिंसासङ्कलेशनयोः
हिंसाप्राण्युपघातः संक्लेशो वाधा ।

व० कुन्थति कुन्थतः कुन्थन्ति
कुन्थसि कुन्थथः कुन्थथ
कुन्थामि कुन्थावः कुन्थामः

स० कुन्थेत् कुन्थेताम् कुन्थेयुः
कुन्थेः कुन्थेतम् कुन्थेत
कुन्थेयम् कुन्थेव कुन्थेम

प० कुन्थतु कुन्थतात् कुन्थताम् कुन्थन्तु
कुन्थ „ कुन्थतम् कुन्थत
कुन्थानि कुन्थाव कुन्थाम

ह्य० अकुन्थत अकुन्थताम् अकुन्थन्
अकुन्थः अकुन्थतम् अकुन्थत
अकुन्थम् अकुन्थाव अकुन्थाम

अ० अकुन्थीत् अकुन्थिषाम् अकुन्थिषुः
अकुन्थीः अकुन्थिषम् अकुन्थिषट्
अकुन्थिषम् अकुन्थिष्व अकुन्थिषम्

प० चुकुन्थ चुकुन्थतुः चुकुन्थु
चुकुन्थिथ चुकुन्थथुः चुकुन्थ
चुकुन्थ चुकुन्थिव चुकुन्थिम

आ० कुन्थ्यात् कुन्थ्यास्ताम् कुन्थ्यासुः
कुन्थ्याः कुन्थ्यास्तम् कुन्थ्यास्त
कुन्थ्यासम् कुन्थ्यास्व कुन्थ्यास्म

श्व० कुन्थिता कुन्थितारौ कुन्थितारः
कुन्थितासि कुन्थितास्थः कुन्थितास्थ
कुन्थितास्मि कुन्थितास्वः कुन्थितास्मः

भ० कुन्थिष्यति कुन्थिष्यतः कुन्थिष्यन्ति
कुन्थिष्यसि कुन्थिष्यथः कुन्थिष्यथ
कुन्थिष्यामि कुन्थिष्यावः कुन्थिष्यामः

क्रि० अकुन्दिष्यत् अकुन्धिष्यताम् अकुन्धिष्यन्
अकुन्धिष्यः अकुन्धिष्यतम् अकुन्धिष्यत
अकुन्धिष्यम् अकुन्धिष्याव अकुन्धिष्याम

२८९ पुथु (पुन्थु) हिंसासंक्लेशनयोः

ष० पुन्थाति पुन्थातः पुन्थान्ति
पुन्थासि पुन्थाथः पुन्थाथ
पुन्थामि पुन्थावः पुन्थामः

स० पुन्थेत् पुन्थेताम् पुन्थेयुः
पुन्थेः पुन्थेतम् पुन्थेत
पुन्थेयम् पुन्थेव पुन्थेम

प० पुन्थातु पुन्थातात् पुन्थाताम् पुन्थान्तु
पुन्थ , पुन्थातम् पुन्थात
पुन्थानि पुन्थाव पुन्थाम

द्य० अपुन्थात् अपुन्थाताम् अपुन्थान्
अपुन्थाः अपुन्थातम् अपुन्थात
अपुन्थाम् अपुन्थाव अपुन्थाम

अ० अपुन्थीत् अपुन्थाष्टाम् अपुन्थाषुः
अपुन्थीः अपुन्थाष्टम् अपुन्थाष्ट
अपुन्थाषम् अपुन्थाष्व अपुन्थाष्म

प० पुपुन्था पुपुन्थातुः पुपुन्थुः
पुपुन्थाथ पुपुन्थाथुः पुपुन्था
पुपुन्था पुपुन्थाव पुपुन्थाम

आ० पुन्थ्यात् पुन्थ्यास्ताम् पुन्थ्यासुः
पुन्थ्याः पुन्थ्यास्तम् पुन्थ्यास्त
पुन्थ्यासम् पुन्थ्यास्व पुन्थ्यास्म

श्व० पुन्थिता पुन्थितारौ पुन्थितारः
पुन्थितासि पुन्थितास्थः पुन्थितास्थ
पुन्थितास्मि पुन्थितास्वः पुन्थितास्मः

भ० पुन्थाष्यति पुन्थाष्यतः पुन्थाष्यन्ति
पुन्थाष्यसि पुन्थाष्यथः पुन्थाष्यथ
पुन्थाष्यामि पुन्थाष्यावः पुन्थाष्यामः

अपुन्थाष्यत् अपुन्थाष्यताम् अपुन्थाष्यन्
अपुन्थाष्यः अपुन्थाष्यतम् अपुन्थाष्यत
अपुन्थाष्यम् अपुन्थाष्याव अपुन्थाष्याम

२९० लुथु (लुन्थु) हिंसासंक्लेशनयोः

ष० लुन्थति लुन्थतः लुन्थन्ति
लुन्थसि लुन्थथः लुन्थथ
लुन्थामि लुन्थावः लुन्थामः

स० लुन्थेत् लुन्थेताम् लुन्थेयुः
लुन्थेः लुन्थेतम् लुन्थेत
लुन्थेयम् लुन्थेव लुन्थेम

प० लुन्थतु लुन्थतात् लुन्थताम् लुन्थन्तु
लुन्थ , लुन्थतम् लुन्थत
लुन्थानि लुन्थाव लुन्थाम

द्य० अलुन्थत् अलुन्थताम् अलुन्थान्
अलुन्थः अलुन्थतम् अलुन्थत
अलुन्थम् अलुन्थाव अलुन्थाम

अ० अलुन्थीत् अलुन्थिष्टाम् अलुन्थिषुः
अलुन्थीः अलुन्थिष्टम् अलुन्थिष्ट
अलुन्थिषम् अलुन्थिष्व अलुन्थिष्म

प० लुलुन्थ लुलुन्थतुः लुलुन्थुः
लुलुन्थथ लुलुन्थथुः लुलुन्थ
लुलुन्थ लुलुन्थाव लुलुन्थाम

आ० लुन्थ्यात् लुन्थ्यास्ताम् लुन्थ्यासुः
लुन्थ्याः लुन्थ्यास्तम् लुन्थ्यास्त
लुन्थ्यासम् लुन्थ्यास्व लुन्थ्यास्म

श्व० लुन्थिता लुन्थितारौ लुन्थितारः
लुन्थितासि लुन्थितास्थः लुन्थितास्थ
लुन्थितास्मि लुन्थितास्वः लुन्थितास्मः

भ० लुन्थाष्यति लुन्थाष्यतः लुन्थाष्यन्ति
लुन्थाष्यसि लुन्थाष्यथः लुन्थाष्यथ
लुन्थाष्यामि लुन्थाष्यावः लुन्थाष्यामः

क्रि० अलुन्थाष्यत् अलुन्थाष्यताम् अलुन्थाष्यन्
अलुन्थाष्यः अलुन्थाष्यतम् अलुन्थाष्यत
अलुन्थाष्यम् अलुन्थाष्याव अलुन्थाष्याम

291 मथु (मन्थ्) हिंसासंक्लेशनयोः

व० मन्थाति मन्थातः मन्थान्ति
मन्थासि मन्थाथः मन्थाथ
मन्थासि मन्थावः मन्थासः

स० मन्थेत् मन्थेताम् मन्थेयुः
मन्थेः मन्थेतम् मन्थेत
मन्थेयम् मन्थेव मन्थेम

प० मन्थातु मन्थातात् मन्थताम् मन्थन्तु
मन्थ , मन्थातम् मन्थात
मन्थानि मन्थाव मन्थास

ह्य० अमन्थात् अमन्थाताम् अमन्थान्
अमन्थाः अमन्थातम् अमन्थात
अमन्थाम् अमन्थाव अमन्थास

अ० अमन्थीत् अमन्थाष्टाम् अमन्थाषुः
अमन्थीः अमन्थाष्टम् अमन्थाष्ट
अमन्थाषम् अमन्थाष्टव अमन्थाष्टम

प० ममन्था ममन्थातुः ममन्थुः
ममन्थिथ ममन्थथुः ममन्था
ममन्था ममन्थिव ममन्थिम

आ० मन्थ्यात् मन्थ्यास्ताम् मन्थ्यासुः
मन्थ्याः मन्थ्यास्तम् मन्थ्यास्त
मन्थ्यासम् मन्थ्यास्व मन्थ्यासम

श्व० मन्थिता मन्थितारौ मन्थितारः
मन्थितासि मन्थितास्थः मन्थितास्थ
मन्थितास्मि मन्थितास्वः मन्थितास्मः

भ० मन्थिष्यति मन्थिष्यतः मन्थिष्यन्ति
मन्थिष्यसि मन्थिष्यथः मन्थिष्यथ
मन्थिष्यामि मन्थिष्यावः मन्थिष्यामः

अमन्थिष्यत् अमन्थिष्यताम् अमन्थिष्यन्
अमन्थिष्यः अमन्थिष्यतम् अमन्थिष्यत
अमन्थिष्यम् अमन्थिष्याव अमन्थिष्याम

292 मन्थ(मन्थ्) हिंसासंक्लेशनयोः

विलोडने केचित् ।

व० मन्थति मन्थतः मन्थन्ति
मन्थसि मन्थथः मन्थथ
मन्थासि मन्थावः मन्थासः

स० मन्थेत् मन्थेताम् मन्थेयुः
मन्थेः मन्थेतम् मन्थेत
मन्थेयम् मन्थेव मन्थेम

प० मन्थतु मन्थतात् मन्थताम् मन्थन्तु
मन्थ , मन्थतम् मन्थत
मन्थानि मन्थाव मन्थास

ह्य० अमन्थत् अमन्थताम् अमन्थान्
अमन्थः अमन्थतम् अमन्थत
अमन्थम् अमन्थाव अमन्थास

अ० अमन्थीत् अमन्थिष्टाम् अमन्थिषुः
अमन्थीः अमन्थिष्टम् अमन्थिष्ट
अमन्थिषम् अमन्थिष्टव अमन्थिष्टम

प० ममन्थ ममन्थतुः ममन्थुः
ममन्थिथ ममन्थथुः ममन्थ
ममन्थ ममन्थिव ममन्थिम

आ० मन्थ्यात् मन्थ्यास्ताम् मन्थ्यासुः
मन्थ्याः मन्थ्यास्तम् मन्थ्यास्त
मन्थ्यासम् मन्थ्यास्व मन्थ्यासम

श्व० मन्थिता मन्थितारौ मन्थितारः
मन्थितासि मन्थितास्थः मन्थितास्थ
मन्थितास्मि मन्थितास्वः मन्थितास्मः

भ० मन्थिष्यति मन्थिष्यतः मन्थिष्यन्ति
मन्थिष्यसि मन्थिष्यथः मन्थिष्यथ
मन्थिष्यामि मन्थिष्यावः मन्थिष्यामः

क्रि० अमन्थिष्यत् अमन्थिष्यताम् अमन्थिष्यन्
अमन्थिष्यः अमन्थिष्यतम् अमन्थिष्यत
अमन्थिष्यम् अमन्थिष्याव अमन्थिष्याम

293 मान्थ (मान्थ) हिंसा-

सङ्कलेशनयोः

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० मान्थति | मान्थतः | मान्थन्ति |
| मान्थसि | मान्थथः | मान्थथ |
| मान्थामि | मान्थावः | मान्थामः |
| स० मान्थेत् | मान्थेताम् | मान्थेयुः |
| मान्थेः | मान्थेतम् | मान्थेत |
| मान्थेयम् | मान्थेव | मान्थेम |
| प० मान्थतु | मान्थताम् | मान्थन्तु |
| मान्थ | मान्थतम् | मान्थत |
| मान्थानि | मान्थाव | मान्थाम |
| ह्य० अमान्थत् | अमान्थताम् | अमान्थन् |
| अमान्थः | अमान्थतम् | अमान्थत |
| अमान्थम् | अमान्थाव | अमान्थाम |
| अ० अमान्थीत् | अमान्थिषाम् | अमान्थिषुः |
| अमान्थीः | अमान्थिषुम् | अमान्थिषु |
| अमान्थिषम् | अमान्थिष्व | अमान्थिषम |
| प० ममान्थ | ममान्थतुः | ममान्थुः |
| ममान्थथ | ममान्थथुः | ममान्थ |
| ममान्थ | ममान्थव | ममान्थम |
| आ० माध्यात् | माध्यास्ताम् | माध्यासुः |
| माध्याः | माध्यास्तम् | माध्यास्त |
| माध्यासम् | माध्यास्व | माध्यासम |
| प्र० मान्थिता | मान्थितारौ | मान्थितारः |
| मान्थितासि | मान्थितास्थः | मान्थितास्थ |
| मान्थितास्मि | मान्थितास्वः | मान्थितास्मः |
| भ० मान्थिष्यति | मान्थिष्यतः | मान्थिष्यन्ति |
| मान्थिष्यसि | मान्थिष्यथः | मान्थिष्यथ |
| मान्थिष्यामि | मान्थिष्यावः | मान्थिष्यामः |
| क्रि० अमान्थिष्यत् | अमान्थिष्यताम् | अमान्थिष्यन् |
| अमान्थिष्यः | अमान्थिष्यतम् | अमान्थिष्यत |
| अमान्थिष्यम् | अमान्थिष्याव | अमान्थिष्याम |

॥ अथ दान्ताः षड्विंशतिः

स्कन्दवर्जाः सेट्थ ॥

294 खाद (खाद्) भक्षणे ।

| | | |
|--------------|--------------|-------------|
| व० खादति | खादतः | खादन्ति |
| खादसि | खादथः | खादथ |
| खादामि | खादावः | खादामः |
| स० खादेत् | खादेताम् | खादेयुः |
| खादेः | खादेतम् | खादेत |
| खादेयम् | खादेव | खादेम |
| प० खादतु | खादताम् | खादन्तु |
| खाद | खादतम् | खादत |
| खादानि | खादाव | खादाम |
| ह्य० अखादत् | अखादताम् | अखादन् |
| अखादः | अखादतम् | अखादत |
| अखादम् | अखादाव | अखादाम |
| अ० अखादीत् | अखादिषाम् | अखादिषुः |
| अखादीः | अखादिषुम् | अखादिषु |
| अखादिषम् | अखादिष्व | अखादिषम |
| प० चखाद | चखादतुः | चखादुः |
| चखादथ | चखादथुः | चखाद |
| चखाद | चखादव | चखादम |
| आ० खाद्यात् | खाद्यास्ताम् | खाद्यासुः |
| खाद्याः | खाद्यास्तम् | खाद्यास्त |
| खाद्यासम् | खाद्यास्व | खाद्यासम |
| प्र० खादिता | खादितारौ | खादितारः |
| खादितासि | खादितास्थः | खादितास्थ |
| खादितास्मि | खादितास्वः | खादितास्मः |
| भ० खादिष्यति | खादिष्यतः | खादिष्यन्ति |
| खादिष्यसि | खादिष्यथः | खादिष्यथ |
| खादिष्यामि | खादिष्यावः | खादिष्यामः |
| अखादिष्यत् | अखादिष्यताम् | अखादिष्यन् |
| अखादिष्यः | अखादिष्यतम् | अखादिष्यत |
| अखादिष्यम् | अखादिष्याव | अखादिष्याम |

295 वद (वद्) स्थैर्ये ।

| | | |
|-----------------|-------------|-------------|
| व० वदति | वदतः | वदन्ति |
| वदसि | वदथः | वदथ |
| वदामि | वदावः | वादमः |
| स० वदेत् | वदेताम् | वदेयुः |
| वदेः | वदेतम् | वदेत |
| वदेयम् | वदेव | वदेम |
| प० वदतु | वदताम् | वदन्तु |
| वद | वदतम् | वदत |
| वदानि | वदाव | वादाम |
| ह्य० अवदत् | अवदताम् | अवदन् |
| अवदः | अवदतम् | अवदत |
| अवदम् | अवदाव | अवदाम |
| अ० अवदीत् | अवदिशाम् | अवदिषुः |
| अवदीः | अवदिष्टम् | अवदिष्ट |
| अवदिषम् | अवदिष्व | अवदिष्म |
| अवादीत् | अवादिशाम् | अवादिषुः |
| अवादीः | अवादिष्टम् | अवादिष्ट |
| अवादिषम् | अवादिष्व | अवादिष्म |
| प० ववाद | वेदतुः | वेदुः |
| वेदिथ | वेदथुः | वेद |
| ववाद-ववद | वेदिव | वेदिम |
| आ० ववात् | ववास्ताम् | ववासुः |
| ववाः | ववास्तम् | ववास्त |
| ववासम् | ववास्व | ववासम् |
| श्व० वदिता | वदितारौ | वदितारः |
| वदितासि | वदितास्थः | वदितास्थ |
| वदितास्मि | वदितास्वः | वदितास्मः |
| भ० वदिष्यति | वदिष्यतः | वदिष्यन्ति |
| वदिष्यसि | वदिष्यथः | वदिष्यथ |
| वदिष्यामि | वदिष्यावः | वदिष्यामः |
| क्रि० अवदिष्यत् | अवदिष्यताम् | अवदिष्यन्तु |
| अवदिष्यः | अवदिष्यतम् | अवदिष्यत |
| अवदिष्यम् | अवदिष्याव | अवदिष्याम |

296 खद (खद्) हिंसायाश्च

चकारात्स्थैर्ये

| | | |
|-----------------|-------------|-------------|
| ख० खदति | खदतः | खदन्ति |
| खदसि | खदथः | खदथ |
| खदामि | खदावः | खदामः |
| स० खदेत् | खदेताम् | खदेयुः |
| खदेः | खदेतम् | खदेत |
| खदेयम् | खदेव | खदेम |
| प० खदतु | खदताम् | खदन्तु |
| खद | खदतम् | खदत |
| खदानि | खदाव | खदाम |
| ह्य० अखदत् | अखदताम् | अखदन् |
| अखदः | अखदतम् | अखदत |
| अखदम् | अखदाव | अखदाम |
| अ० अखादीत् | अखादिशाम् | अखादिषुः |
| अखादीः | अखादिष्टम् | अखादिष्ट |
| अखादिषम् | अखादिष्व | अखादिष्म |
| अखदीत् | अखदिशाम् | अखदिषुः |
| अखदीः | अखदिष्टम् | अखदिष्ट |
| अखदिषम् | अखदिष्व | अखदिष्म |
| प० चखाद | चखदतुः | चखदुः |
| चखदिथ | चखदथुः | चखद |
| चखाद-चखद | चखदिव | चखदिम |
| आ० चखात् | चखास्ताम् | चखासुः |
| चखाः | चखास्तम् | चखास्त |
| चखासम् | चखास्व | चखासम् |
| श्व० खदिता | खदितारौ | खदितारः |
| खदितासि | खदितास्थः | खदितास्थ |
| खदितास्मि | खदितास्वः | खदितास्मः |
| भ० खदिष्यति | खदिष्यतः | खदिष्यन्ति |
| खदिष्यसि | खदिष्यथः | खदिष्यथ |
| खदिष्यामि | खदिष्यावः | खदिष्यामः |
| क्रि० अखदिष्यत् | अखदिष्यताम् | अखदिष्यन्तु |
| अखदिष्यः | अखदिष्यतम् | अखदिष्यत |
| अखदिष्यम् | अखदिष्याव | अखदिष्याम |

297 गद् (गद्) व्यक्तायां वाचि ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| व० | गदति | गदतः | गदन्ति |
| | गदसि | गदथः | गदथ |
| | गदामि | गदावः | गदामः |
| स० | गदेत् | गदेताम् | गदेयुः |
| | गदेः | गदेतम् | गदेत |
| | गदेयम् | गदेव | गदेम |
| प० | गदतु | गदतात् | गदताम् गदन्तु |
| | गद | „ | गदतम् गदत |
| | गदानि | गदाव | गदाम |
| ह्य० | अगदत् | अगदताम् | अगदन् |
| | अगदः | अगदतम् | अगदत |
| | अगदम् | अगदाव | अगदाम |
| अ० | अगादीत् | अगादिष्टाम् | अगादिषुः |
| | अगादीः | अगादिष्टम् | अगादिष्ट |
| | अगादिषम् | अगादिष्व | अगादिष्म |
| | अगदीत् | अगदिष्टाम् | अगदिषुः |
| | अगदीः | अगदिष्टम् | अगदिष्ट |
| | अगदिषम् | अगदिष्व | अगदिष्म |
| प० | जगाद् | जगदतुः | जगदुः |
| | जगदिथ | जगदथुः | जगद |
| | जगाद् | जगद | जगदिव जगदिम |
| आ० | गद्यात् | गद्यास्ताम् | गद्यासुः |
| | गद्याः | गद्यास्तम् | गद्यास्त |
| | गद्यासम् | गद्यास्व | गद्यास्म |
| श्व० | गदिता | गदितारौ | गदितारः |
| | गदितासि | गदितास्थः | गदितास्थ |
| | गदितास्मि | गदितास्वः | गदितास्मः |
| भ० | गदिष्यति | गदिष्यतः | गदिष्यन्ति |
| | गदिष्यसि | गदिष्यथः | गदिष्यथ |
| | गदिष्यामि | गदिष्यावः | गदिष्यामः |
| क्रि० | अगदिष्यत् | अगदिष्यताम् | अगदिष्यन् |
| | अगदिष्यः | अगदिष्यतम् | अगदिष्यत |
| | अगदिष्यम् | अगदिष्याव | अगदिष्याम |

298 रद् (रद्) विलेखने ।

विलेखनमुत्पाटनम् ।

| | | | |
|-------|------------|-------------|---------------|
| व० | रदति | रदतः | रदन्ति |
| | रदसि | रदथः | रदथ |
| | रदामि | रदावः | रदामः |
| स० | रदेत् | रदेताम् | रदेयुः |
| | रदेः | रदेतम् | रदेत |
| | रदेयम् | रदेव | रदेम |
| प० | रदतु | रदतात् | रदताम् रदन्तु |
| | रद | „ | रदतम् रदत |
| | रदानि | रदाव | रदाम |
| ह्य० | अरदत् | अरदताम् | अरदन् |
| | अरदः | अरदतम् | अरदत |
| | अरदम् | अरदाव | अरदाम |
| अ० | अरदीत् | अरदिष्टाम् | अरदिषुः |
| | अरदीः | अरदिष्टम् | अरदिष्ट |
| | अरदिषम् | अरदिष्व | अरदिष्म |
| | अरादीत् | अरादिष्टाम् | अरादिषुः |
| | अरादीः | अरादिष्टम् | अरादिष्ट |
| | अरादिषम् | अरादिष्व | अरादिष्म |
| प० | रराद् | रेदतुः | रेदुः |
| | रेदिथ | रेदथुः | रेद |
| | रराद्-ररद् | रेदिव | रेदिम |
| आ० | रद्यात् | रद्यास्ताम् | रद्यासुः |
| | रद्याः | रद्यास्तम् | रद्यास्त |
| | रद्यासम् | रद्यास्व | रद्यास्म |
| श्व० | रदिता | रदितारौ | रदितारः |
| | रदितासि | रदितास्थः | रदितास्थ |
| | रदितास्मि | रदितास्वः | रदितास्मः |
| भ० | रदिष्यति | रदिष्यतः | रदिष्यन्ति |
| | रदिष्यसि | रदिष्यथः | रदिष्यथ |
| | रदिष्यामि | रदिष्यावः | रदिष्यामः |
| क्रि० | अरदिष्यत् | अरदिष्यताम् | अरदिष्यन् |
| | अरदिष्यः | अरदिष्यतम् | अरदिष्यत |
| | अरदिष्यम् | अरदिष्याव | अरदिष्याम |

299 णद [नद्] अव्यक्ते शब्दे ।

शब्दमात्रे केचित् ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| व० | नदति | नदतः | नदन्ति |
| | नदसि | नदथः | नदथ |
| | नदामि | नदावः | नदामः |
| स० | नदेत् | नदेताम् | नदेयुः |
| | नदेः | नदेतम् | नदेत |
| | नदेयम् | नदेव | नदेम |
| प० | नदतु | नदतात् | नदताम् |
| | नद | नदतम् | नदत |
| | नदानि | नदाव | नदाम |
| द्य० | अनदत् | अनदताम् | अनदन् |
| | अनदः | अनदतम् | अनदत |
| | अनदम् | अनदाव | अनदाम |
| अ० | अनादीत् | अनादिष्टाम् | अनादिषुः |
| | अनादीः | अनादिष्टम् | अनादिष्ट |
| | अनादिषम् | अनादिष्व | अनादिष्म |
| | अनदीत् | अनदिष्टाम् | अनदिषुः |
| | अनदीः | अनदिष्टम् | अनदिष्ट |
| | अनदिषम् | अनदिष्व | अनदिष्म |
| प० | ननाद | नेदतुः | नेदुः |
| | नेदिथ | नेदथुः | नेद |
| | ननाद, ननद | नेदिव | नेदिम |
| आ० | नद्यात् | नद्यास्ताम् | नद्यास्तुः |
| | नद्याः | नद्यास्तम् | नद्यास्त |
| | नद्यासम् | नद्यास्व | नद्यास्म |
| अ० | नदिता | नदितारौ | नदितारः |
| | नदितासि | नदितास्थः | नदितास्थ |
| | नदितास्मि | नदितास्वः | नदितास्मः |
| भ० | नदिष्यति | नदिष्यतः | नदिष्यन्ति |
| | नदिष्यसि | नदिष्यथः | नदिष्यथ |
| | नदिष्यामि | नदिष्यावः | नदिष्यामः |
| क्रि० | अनदिष्यत् | अनदिष्यताम् | अनदिष्यन् |
| | अनदिष्यः | अनदिष्यतम् | अनदिष्यत |
| | अनदिष्यम् | अनदिष्याव | अनदिष्याम |

300 जिक्षिदा (क्षिद्) अव्यक्ते शब्दे,

शब्दमात्रे केचित् ।

| | | | |
|-------|----------------|------------------|-----------------|
| व० | क्ष्वेदति | क्ष्वेदतः | क्ष्वेदन्ति |
| | क्ष्वेदसि | क्ष्वेदथः | क्ष्वेदथ |
| | क्ष्वेदामि | क्ष्वेदावः | क्ष्वेदामः |
| स० | क्ष्वेदेत् | क्ष्वेदेताम् | क्ष्वेदेयुः |
| | क्ष्वेदेः | क्ष्वेदेतम् | क्ष्वेदेत |
| | क्ष्वेदेयम् | क्ष्वेदेव | क्ष्वेदेम |
| प० | क्ष्वेदतु | क्ष्वेदतात् | क्ष्वेदताम् |
| | क्ष्वेद | क्ष्वेदतम् | क्ष्वेदत |
| | क्ष्वेदानि | क्ष्वेदाव | क्ष्वेदाम |
| द्य० | अक्ष्वेदत् | अक्ष्वेदताम् | अक्ष्वेदन् |
| | अक्ष्वेदः | अक्ष्वेदतम् | अक्ष्वेदत |
| | अक्ष्वेदम् | अक्ष्वेदाव | अक्ष्वेदाम |
| अ० | अक्ष्वेदीत् | अक्ष्वेदिष्टाम् | अक्ष्वेदिषुः |
| | अक्ष्वेदीः | अक्ष्वेदिष्टम् | अक्ष्वेदिष्ट |
| | अक्ष्वेदिषम् | अक्ष्वेदिष्व | अक्ष्वेदिष्म |
| प० | चिक्ष्वेद | चिक्ष्वेदतुः | चिक्ष्वेदुः |
| | चिक्ष्वेदिथ | चिक्ष्वेदथुः | चिक्ष्वेद |
| | चिक्ष्वेद | चिक्ष्वेदिव | चिक्ष्वेदिम |
| अ० | क्ष्विद्यात् | क्ष्विद्यास्ताम् | क्ष्विद्यास्तुः |
| | क्ष्विद्याः | क्ष्विद्यास्तम् | क्ष्विद्यास्त |
| | क्ष्विद्यासम् | क्ष्विद्यास्व | क्ष्विद्यास्म |
| अ० | क्ष्वेदिता | क्ष्वेदितारौ | क्ष्वेदितारः |
| | क्ष्वेदितासि | क्ष्वेदितास्थः | क्ष्वेदितास्थ |
| | क्ष्वेदितास्मि | क्ष्वेदितास्वः | क्ष्वेदितास्मः |
| भ० | क्ष्वेदिष्यति | क्ष्वेदिष्यतः | क्ष्वेदिष्यन्ति |
| | क्ष्वेदिष्यसि | क्ष्वेदिष्यथः | क्ष्वेदिष्यथ |
| | क्ष्वेदिष्यामि | क्ष्वेदिष्यावः | क्ष्वेदिष्यामः |
| क्रि० | अक्ष्वेदिष्यत् | अक्ष्वेदिष्यताम् | अक्ष्वेदिष्यन् |
| | अक्ष्वेदिष्यः | अक्ष्वेदिष्यतम् | अक्ष्वेदिष्यत |
| | अक्ष्वेदिष्यम् | अक्ष्वेदिष्याव | अक्ष्वेदिष्याम |

301 अर्द (अर्द्) गतियाचनयोः ।

व० अर्दति अर्दतः अर्दन्ति
अर्दसि अर्दथः अर्दथ
अर्दामि अर्दावः अर्दामः

स० अर्देत् अर्देताम् अर्देयुः
अर्देः अर्देतम् अर्देत
अर्देयम् अर्देव अर्देम

प० अर्दतु अर्दतात् अर्दताम् अर्दन्तु
अर्द , अर्दतम् अर्दत
अर्दन्ति अर्दाव अर्दाम

ह्य० आर्दत् आर्दताम् आर्दन्
आर्दः आर्दतम् आर्दत
आर्दम् आर्दाव आर्दाम

अ० आर्दीत् आर्दिष्टाम् आर्दिषुः
आर्दीः आर्दिष्टम् आर्दिष्ट
आर्दिषम् आर्दिष्व आर्दिष्म

प० आनर्द आनर्दतुः आनर्दुः
आनर्दिथ आनर्दथुः आनर्द
आनर्द आनर्दिष्व आनर्दिम

आ० अर्द्यात् अर्द्यास्ताम् अर्द्यासुः
अर्द्याः अर्द्यास्तम् अर्द्यास्त
अर्द्यामम् अर्द्यास्व अर्द्यास्म

श्व० अर्दिता अर्दितारौ अर्दितारः
अर्दितासि अर्दितास्थः अर्दितास्थ
अर्दितास्मि अर्दितास्वः अर्दितास्मः

भ० अर्दिष्यति अर्दिष्यतः अर्दिष्यन्ति
अर्दिष्यसि अर्दिष्यथः अर्दिष्यथ
अर्दिष्यामि अर्दिष्यावः अर्दिष्यामः

क्रि० आर्दिष्यत् आर्दिष्यताम् आर्दिष्यन्
आर्दिष्यः आर्दिष्यतम् आर्दिष्यत
आर्दिष्यम् आर्दिष्याव आर्दिष्याम

302 नर्द [नर्द्] शब्दे ।

व० नर्दति नर्दतः नर्दन्ति
नर्दसि नर्दथः नर्दथ
नर्दामि नर्दावः नर्दामः

स० नर्देत् नर्देताम् नर्देयुः
नर्देः नर्देतम् नर्देत
नर्देयम् नर्देव नर्देम

प० नर्दतु नर्दतात् नर्दताम् नर्दन्तु
नर्द , नर्दतम् नर्दत
नर्दन्ति नर्दाव नर्दाम

ह्य० अनर्दत् अनर्दताम् अनर्दन्
अनर्दः अनर्दतम् अनर्दत
अनर्दम् अनर्दाव अनर्दाम

अ० अनर्दीत् अनर्दिष्टाम् अनर्दिषुः
अनर्दीः अनर्दिष्टम् अनर्दिष्ट
अनर्दिषम् अनर्दिष्व अनर्दिष्म

प० ननर्द ननर्दतुः ननर्दुः
ननर्दिथ ननर्दथुः ननर्द
ननर्द ननर्दिष्व ननर्दिम

आ० नर्द्यात् नर्द्यास्ताम् नर्द्यासुः
नर्द्याः नर्द्यास्तम् नर्द्यास्त
नर्द्यामम् नर्द्यास्व नर्द्यास्म

श्व० नर्दिता नर्दितारौ नर्दितारः
नर्दितासि नर्दितास्थः नर्दितास्थ
नर्दितास्मि नर्दितास्वः नर्दितास्मः

भ० नर्दिष्यति नर्दिष्यतः नर्दिष्यन्ति
नर्दिष्यसि नर्दिष्यथः नर्दिष्यथ
नर्दिष्यामि नर्दिष्यावः नर्दिष्यामः

क्रि० अनर्दिष्यत् अनर्दिष्यताम् अनर्दिष्यन्
अनर्दिष्यः अनर्दिष्यतम् अनर्दिष्यत
अनर्दिष्यम् अनर्दिष्याव अनर्दिष्याम

303 गर्द् (गर्द्) शब्दे ।

नर्द् (302) वट्टूपाणि । पृथक्पाठस्तु
गोपदेशार्थं तेन प्रणर्देति ।

304 गर्द् (गर्द्) शब्दे ।

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| व० गर्दति | गर्दतः | गर्दन्ति |
| गर्दसि | गर्दथः | गर्दथ |
| गर्दामि | गर्दावः | गर्दामः |
| स० गर्देत् | गर्देताम् | गर्देयुः |
| गर्देः | गर्देतम् | गर्देत |
| गर्देयम् | गर्देव | गर्देम |
| प० गर्देतु | गर्देतात् | गर्देताम् |
| गर्दे | „ | गर्देतम् |
| गर्दनि | गर्दाव | गर्दाम |
| ह्य० अगर्देत् | अगर्देताम् | अगर्देयुः |
| अगर्देः | अगर्देतम् | अगर्देत |
| अगर्देयम् | अगर्देव | अगर्देम |
| अ० अगर्दीत् | अगर्दिष्टाम् | अगर्दिषुः |
| अगर्दीः | अगर्दिष्टम् | अगर्दिष्ट |
| अगर्दिषम् | अगर्दिष्व | अगर्दिष्म |
| प० जगर्दे | जगर्देतुः | जगर्दुः |
| जगर्दिथ | जगर्दथुः | जगर्द |
| जगर्द | जगर्दिष्व | जगर्दिम |
| आ० गर्द्यात् | गर्द्यास्ताम् | गर्द्यासुः |
| गर्द्याः | गर्द्यास्तम् | गर्द्यास्त |
| गर्द्यामम् | गर्द्यास्व | गर्द्यास्म |
| श्व० गर्दिता | गर्दितारौ | गर्दितारः |
| गर्दितासि | गर्दितास्थः | गर्दितास्थ |
| गर्दितास्मि | गर्दितास्वः | गर्दितास्मः |
| भ० गर्दिष्यति | गर्दिष्यतः | गर्दिष्यन्ति |
| गर्दिष्यसि | गर्दिष्यथः | गर्दिष्यथ |
| गर्दिष्यामि | गर्दिष्यावः | गर्दिष्यामः |

क्रि० अगर्दिष्यत अगर्दिष्यताम् अगर्दिष्यन्
अगर्दिष्यः अगर्दिष्यतम् अगर्दिष्यत
अगर्दिष्यम् अगर्दिष्याव अगर्दिष्याम

305 तर्द् [तर्द्] हिंसायाम्

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| व० तर्दति | तर्दतः | तर्दन्ति |
| तर्दसि | तर्दथः | तर्दथ |
| तर्दामि | तर्दावः | तर्दामः |
| स० तर्देत् | तर्देताम् | तर्देयुः |
| तर्देः | तर्देतम् | तर्देत |
| तर्देयम् | तर्देव | तर्देम |
| प० तर्देतु | तर्देतात् | तर्देताम् |
| तर्दे | „ | तर्देतम् |
| तर्दनि | तर्दाव | तर्दाम |
| ह्य० अतर्देत् | अतर्देताम् | अतर्देयुः |
| अतर्देः | अतर्देतम् | अतर्देत |
| अतर्देयम् | अतर्देव | अतर्देम |
| अ० अतर्दीत् | अतर्दिष्टाम् | अतर्दिषुः |
| अतर्दीः | अतर्दिष्टम् | अतर्दिष्ट |
| अतर्दिषम् | अतर्दिष्व | अतर्दिष्म |
| प० ततर्दे | ततर्देतुः | ततर्दुः |
| ततर्दिथ | ततर्दथुः | ततर्द |
| ततर्द | ततर्दिष्व | ततर्दिम |
| आ० तर्द्यात् | तर्द्यास्ताम् | तर्द्यासुः |
| तर्द्याः | तर्द्यास्तम् | तर्द्यास्त |
| तर्द्यामम् | तर्द्यास्व | तर्द्यास्म |
| श्व० तर्दिता | तर्दितारौ | तर्दितारः |
| तर्दितासि | तर्दितास्थः | तर्दितास्थ |
| तर्दितास्मि | तर्दितास्वः | तर्दितास्मः |
| भ० तर्दिष्यति | तर्दिष्यतः | तर्दिष्यन्ति |
| तर्दिष्यसि | तर्दिष्यथः | तर्दिष्यथ |
| तर्दिष्यामि | तर्दिष्यावः | तर्दिष्यामः |
| क्रि० अतर्दिष्यत | अतर्दिष्यताम् | अतर्दिष्यन् |
| अतर्दिष्यः | अतर्दिष्यतम् | अतर्दिष्यत |
| अतर्दिष्यम् | अतर्दिष्याव | अतर्दिष्याम |

306 कर्द (कर्द्) कुत्सिते शब्दे ।

कौशे इत्यर्थः ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० कर्दति | कर्दतः | कर्दन्ति |
| कर्दसि | कर्दथः | कर्दथ |
| कर्दामि | कर्दावः | कर्दामः |
| स० कर्देत् | कर्देताम् | कर्देयुः |
| कर्देः | कर्देतम् | कर्देत |
| कर्देयम् | कर्देव | कर्देम |
| प० कर्दतु | कर्दतात् | कर्दताम् |
| कर्द | कर्दतम् | कर्दत |
| कर्दनि | कर्दाव | कर्दाम |
| ह्य० अकर्दत् | अकर्दताम् | अकर्दन् |
| अकर्दः | अकर्दतम् | अकर्दत |
| अकर्दम् | अकर्दाव | अकर्दाम |
| अ० अकर्दीत् | अकर्दिष्टाम् | अकर्दिषुः |
| अकर्दीः | अकर्दिष्टम् | अकर्दिष्ट |
| अकर्दिषम् | अकर्दिष्व | अकर्दिष्म |
| प० चकर्द | चकर्देतुः | चकर्दुः |
| चकर्दिथ | चकर्दथुः | चकर्द |
| चकर्द | चकर्दिव | चकर्दिम |
| आ० कर्द्यात् | कर्द्यास्ताम् | कर्द्यासुः |
| कर्द्याः | कर्द्यास्तम् | कर्द्यास्त |
| कर्द्यामम् | कर्द्यास्व | कर्द्यास्म |
| श्व० कर्दिता | कर्दितारौ | कर्दितारः |
| कर्दितासि | कर्दितास्थः | कर्दितास्थ |
| कर्दितास्मि | कर्दितास्वः | कर्दितास्मः |
| भ० कर्दिष्यति | कर्दिष्यतः | कर्दिष्यन्ति |
| कर्दिष्यसि | कर्दिष्यथः | कर्दिष्यथ |
| कर्दिष्यामि | कर्दिष्यावः | कर्दिष्यामः |
| क्रि० अकर्दिष्यत् | अकर्दिष्यताम् | अकर्दिष्यन् |
| अकर्दिष्यः | अकर्दिष्यतम् | अकर्दिष्यत |
| अकर्दिष्यम् | अकर्दिष्याव | अकर्दिष्याम |

307 खर्द (खर्द्) दशने ।

दशनमिह दन्दशूककर्तृकं दन्तकर्म स्वभावाच्च धातुः साधनप्रधानप्रयोगसम्वायी ।

पूर्वे तु खर्ददन्दशूके इति पठन्ति व्याचक्षते च दन्दशनशीलो दन्दशूक उच्यतेऽनेन च तद्विषया क्रिया लक्ष्यते क्रियार्थत्वाद्वातोः । दन्दशम इति यङन्तनिर्देशेऽपि तद्विषया क्रिया प्रतीयते । किन्तुसाधननिर्देशः साधनप्रधानप्रयोगसम्वायित्वज्ञापनार्थः ॥

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० खर्दति | खर्दतः | खर्दन्ति |
| खर्दसि | खर्दथः | खर्दथ |
| खर्दामि | खर्दावः | खर्दामः |
| स० खर्देत् | खर्देताम् | खर्देयुः |
| खर्देः | खर्देतम् | खर्देत |
| खर्देयम् | खर्देव | खर्देम |
| प० खर्दतु | खर्दतात् | खर्दताम् |
| खर्द | खर्दतम् | खर्दत |
| खर्दनि | खर्दाव | खर्दाम |
| ह्य० अखर्दत् | अखर्दताम् | अखर्दन् |
| अखर्दः | अखर्दतम् | अखर्दत |
| अखर्दम् | अखर्दाव | अखर्दाम |
| अ० अखर्दीत् | अखर्दिष्टाम् | अखर्दिषुः |
| अखर्दीः | अखर्दिष्टम् | अखर्दिष्ट |
| अखर्दिषम् | अखर्दिष्व | अखर्दिष्म |
| प० चखर्द | चखर्देतुः | चखर्दुः |
| चखर्दिथ | चखर्दथुः | चखर्द |
| चखर्द | चखर्दिव | चखर्दिम |
| आ० खर्द्यात् | खर्द्यास्ताम् | खर्द्यासुः |
| खर्द्याः | खर्द्यास्तम् | खर्द्यास्त |
| खर्द्यामम् | खर्द्यास्व | खर्द्यास्म |
| श्व० खर्दिता | खर्दितारौ | खर्दितारः |
| खर्दितासि | खर्दितास्थः | खर्दितास्थ |
| खर्दितास्मि | खर्दितास्वः | खर्दितास्मः |
| भ० खर्दिष्यति | खर्दिष्यतः | खर्दिष्यन्ति |
| खर्दिष्यसि | खर्दिष्यथः | खर्दिष्यथ |
| खर्दिष्यामि | खर्दिष्यावः | खर्दिष्यामः |
| क्रि० अखर्दिष्यत् | अखर्दिष्यताम् | अखर्दिष्यन् |
| अखर्दिष्यः | अखर्दिष्यतम् | अखर्दिष्यत |
| अखर्दिष्यम् | अखर्दिष्याव | अखर्दिष्याम |

308 अद् (अन्द्) बन्धने ।

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| अ० अन्दति | अन्दतः | अन्दन्ति |
| अन्दसि | अन्दथः | अन्दथ |
| अन्दामि | अन्दावः | अन्दामः |
| स० अन्देत् | अन्देताम् | अन्देयुः |
| अन्देः | अन्देतम् | अन्देत |
| अन्देयम् | अन्देव | अन्देम |
| प० अन्दतु | अन्दतात् | अन्दताम् |
| अन्द | ” | अन्दतम् |
| अन्दानि | अन्दाव | अन्दाम |
| झ० आन्दत् | आन्दताम् | आन्दन् |
| आन्दः | आन्दतम् | आन्दत |
| आन्दम् | आन्दाव | आन्दाम |
| अ० आन्दीत् | आन्दिष्टाम् | आन्दिषुः |
| आन्दीः | आन्दिष्टम् | आन्दिष्ट |
| आन्दिषम् | आन्दिष्व | आन्दिषम |
| प० आनन्द | आनन्दतुः | आनन्दुः |
| आनन्दिथ | आनन्दथुः | आनन्द |
| आनन्द | आनन्दिष्व | आनन्दिम |
| आ० अन्धात् | अन्धास्ताम् | अन्धासुः |
| अन्धाः | अन्धास्तम् | अन्धास्त |
| अन्धासम् | अन्धास्व | अन्धास्म |
| अ० अन्दिता | अन्दितारौ | अन्दिताः |
| अन्दितासि | अन्दितास्थः | अन्दितास्थ |
| अन्दितास्मि | अन्दितास्वः | अन्दितास्मः |
| भ० अन्दिष्यति | अन्दिष्यतः | अन्दिष्यन्ति |
| अन्दिष्यसि | अन्दिष्यथः | अन्दिष्यथ |
| अन्दिष्यामि | अन्दिष्यावः | अन्दिष्यामः |
| आन्दिष्यत् | आन्दिष्यताम् | आन्दिष्यन् |
| आन्दिष्यः | आन्दिष्यतम् | आन्दिष्यत |
| आन्दिष्यम् | आन्दिष्याव | आन्दिष्याम |

309 इद् (इन्द्) परमैश्वर्ये ।

परमैश्वर्यं परमेशनक्रिया ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| अ० इन्दति | इन्दतः | इन्दन्ति |
| इन्दसि | इन्दथः | इन्दथ |
| इन्दामि | इन्दावः | इन्दामः |
| स० इन्देत् | इन्देताम् | इन्देयुः |
| इन्देः | इन्देतम् | इन्देत |
| इन्देयम् | इन्देव | इन्देम |
| प० इन्दतु | इन्दतात् | इन्दताम् |
| इन्द | ” | इन्दतम् |
| इन्दानि | इन्दाव | इन्दाम |
| झ० ऐन्दत् | ऐन्दताम् | ऐन्दन् |
| ऐन्दः | ऐन्दतम् | ऐन्दत |
| ऐन्दम् | ऐन्दाव | ऐन्दाम |
| अ० ऐन्दीत् | ऐन्दिष्टाम् | ऐन्दिषुः |
| ऐन्दीः | ऐन्दिष्टम् | ऐन्दिष्ट |
| ऐन्दिषम् | ऐन्दिष्व | ऐन्दिषम |
| प० इन्दाश्चकार | इन्दाश्चक्रुः | इन्दाश्चक्रुः |
| इन्दाश्चकथः | इन्दाश्चक्रुः | इन्दाश्चक्रुः |
| इन्दाश्चकार, चक्र | इन्दाश्चक्रुव | इन्दाश्चक्रुम |
| इन्दाम्बभूव | इन्दामास | |
| आ० इन्धात् | इन्धास्ताम् | इन्धासुः |
| इन्धाः | इन्धास्तम् | इन्धास्त |
| इन्धासम् | इन्धास्व | इन्धास्म |
| अ० इन्दिता | इन्दितारौ | इन्दिताः |
| इन्दितासि | इन्दितास्थः | इन्दितास्थ |
| इन्दितास्मि | इन्दितास्वः | इन्दितास्मः |
| भ० इन्दिष्यति | इन्दिष्यतः | इन्दिष्यन्ति |
| इन्दिष्यसि | इन्दिष्यथः | इन्दिष्यथ |
| इन्दिष्यामि | इन्दिष्यावः | इन्दिष्यामः |
| कि० ऐन्दिष्यत् | ऐन्दिष्यताम् | ऐन्दिष्यन् |
| ऐन्दिष्यः | ऐन्दिष्यतम् | ऐन्दिष्यत |
| ऐन्दिष्यम् | ऐन्दिष्याव | ऐन्दिष्याम |

310 विद् (विन्द) अवयवे ।

अवयव एकदेशः । अनेन स्वगता क्रिया
लक्ष्यते ।

| | | | |
|------|--------------|----------------|---------------|
| व० | विन्दति | विन्दतः | विन्दन्ति |
| | विन्दसि | विन्दथः | विन्दथ |
| | विन्दामि | विन्दावः | विन्दामः |
| स० | विन्देत् | विन्देताम् | विन्देयुः |
| | विन्देः | विन्देतम् | विन्देत |
| | विन्देयम् | विन्देव | विन्देम |
| प० | विन्दतु | विन्दतात् | विन्दताम् |
| | विन्द | विन्देतम् | विन्दत |
| | विन्दानि | विन्दाव | विन्दाम |
| झ० | अविन्दत् | अविन्दताम् | अविन्दन् |
| | अविन्दः | अविन्दतम् | अविन्दत |
| | अविन्दम् | अविन्दाव | अविन्दाम |
| अ० | अविन्दीत् | अविन्दिष्टाम् | अविन्दिषुः |
| | अविन्दीः | अविन्दिष्टम् | अविन्दिष्ट |
| | अविन्दिषम् | अविन्दिष्व | अविन्दिष्म |
| प० | विविन्द | विविन्दतुः | विविन्दुः |
| | विविन्दिथ | विविन्दथुः | विविन्द |
| | विविन्द | विविन्दिष्व | विविन्दिष्म |
| आ० | विन्धात् | विन्धास्ताम् | विन्धासुः |
| | विन्धाः | विन्धास्तम् | विन्धास्त |
| | विन्धासम् | विन्धास्व | विन्धास्म |
| श्व० | विन्दिता | विन्दितारौ | विन्दितारः |
| | विन्दितासि | विन्दितास्थः | विन्दितास्थ |
| | विन्दितास्मि | विन्दितास्वः | विन्दितास्मः |
| भ० | विन्दिष्यति | विन्दिष्यतः | विन्दिष्यन्ति |
| | विन्दिष्यसि | विन्दिष्यथः | विन्दिष्यथ |
| | विन्दिष्यामि | विन्दिष्यावः | विन्दिष्यामः |
| कि० | अविन्दिष्यत् | अविन्दिष्यताम् | अविन्दिष्यन् |
| | अविन्दिष्यः | अविन्दिष्यतम् | अविन्दिष्यत |
| | अविन्दिष्यम् | अविन्दिष्याव | अविन्दिष्याम |

311 णिद् (निन्द) कुत्सायाम् ।

| | | | |
|------|--------------|----------------|---------------|
| व० | निन्दति | निन्दतः | निन्दन्ति |
| | निन्दसि | निन्दथः | निन्दथ |
| | निन्दामि | निन्दावः | निन्दामः |
| स० | निन्देत् | निन्देताम् | निन्देयुः |
| | निन्देः | निन्देतम् | निन्देत |
| | निन्देयम् | निन्देव | निन्देम |
| प० | निन्दतु | निन्दतात् | निन्दताम् |
| | निन्द | निन्देतम् | निन्दत |
| | निन्दानि | निन्दाव | निन्दाम |
| झ० | अनिन्दत् | अनिन्दताम् | अनिन्दन् |
| | अनिन्दः | अनिन्दतम् | अनिन्दत |
| | अनिन्दम् | अनिन्दाव | अनिन्दाम |
| अ० | अनिन्दीत् | अनिन्दिताम् | अनिन्दिषुः |
| | अनिन्दीः | अनिन्दिष्टम् | अनिन्दिष्ट |
| | अनिन्दिषम् | अनिन्दिष्व | अनिन्दिष्म |
| प० | निनिन्द | निनिन्दतुः | निनिन्दुः |
| | निनिन्दिथ | निनिन्दथुः | निनिन्द |
| | निनिन्द | निनिन्दिष्व | निनिन्दिष्म |
| आ० | निन्धात् | निन्धास्ताम् | निन्धासुः |
| | निन्धाः | निन्धास्तम् | निन्धास्त |
| | निन्धासम् | निन्धास्व | निन्धास्म |
| श्व० | निन्दिता | निन्दितारौ | निन्दितारः |
| | निन्दितासि | निन्दितास्थः | निन्दितास्थ |
| | निन्दितास्मि | निन्दितास्वः | निन्दितास्मः |
| भ० | निन्दिष्यति | निन्दिष्यतः | निन्दिष्यन्ति |
| | निन्दिष्यसि | निन्दिष्यथः | निन्दिष्यथ |
| | निन्दिष्यामि | निन्दिष्यावः | निन्दिष्यामः |
| कि० | अनिन्दिष्यत् | अनिन्दिष्यताम् | अनिन्दिष्यन् |
| | अनिन्दिष्यः | अनिन्दिष्यतम् | अनिन्दिष्यत |
| | अनिन्दिष्यम् | अनिन्दिष्याव | अनिन्दिष्याम |

312 दुष्प्राप् (नन्द) समृद्धौ

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० नन्दति | नन्दतः | नन्दन्ति |
| नन्दसि | नन्दथः | नन्दथ |
| नन्दामि | नन्दावः | नन्दामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० नन्देत् | नन्देताम् | नन्देयुः |
| नन्देः | नन्देतम् | नन्देत |
| नन्देयम् | नन्देय | नन्देय |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० नन्दतु | नन्दतात् | नन्दताम् | नन्दन्तु |
| नन्द | | नन्दतम् | नन्दत |
| नन्दानि | नन्दाव | नन्दाम | |

| | | |
|-----------|-----------|---------|
| झ० अनन्दत | अनन्दताम् | अनन्दन् |
| अनन्दः | अनन्दतम् | अनन्दत |
| अनन्दम् | अनन्दाव | अनन्दाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| ञ० अनन्दीत् | अनन्दिताम् | अनन्दिषु |
| अनन्दीः | अनन्दिताम् | अनन्दिषु |
| अनन्दिषु | अनन्दिषु | अनन्दिषु |

| | | |
|----------|----------|----------|
| प० ननन्द | ननन्दतुः | ननन्दुः |
| ननन्दिथ | ननन्दथुः | ननन्द |
| ननन्द | ननन्दिषु | ननन्दिषु |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० नन्धात् | नन्धास्ताम् | नन्धासुः |
| नन्धाः | नन्धास्तम् | नन्धास्त |
| नन्धासुम् | नन्धासु | नन्धासु |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| अ० नन्दिता | नन्दितारौ | नन्दितारः |
| नन्दितासि | नन्दितास्थः | नन्दितास्थ |
| नन्दितास्मि | नन्दितास्वः | नन्दितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० नन्दिष्यति | नन्दिष्यतः | नन्दिष्यन्ति |
| नन्दिष्यसि | नन्दिष्यथः | नन्दिष्यथ |
| नन्दिष्यामि | नन्दिष्यावः | नन्दिष्यामः |

| | | |
|------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अनन्दिष्यत | अनन्दिष्यताम् | अनन्दिष्यन् |
| अनन्दिष्यः | अनन्दिष्यतम् | अनन्दिष्यत |
| अनन्दिष्यम् | अनन्दिष्याव | अनन्दिष्याम |

313 चन्दु (चन्द) दीप्याह्लादयोः

आह्लाद आह्लादनमानन्दोत्पादनपिन्यर्थः ।

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० चन्दति | चन्दतः | चन्दन्ति |
| चन्दसि | चन्दथः | चन्दथ |
| चन्दामि | चन्दावः | चन्दामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० चन्देत् | चन्देताम् | चन्देयुः |
| चन्देः | चन्देतम् | चन्देत |
| चन्देयम् | चन्देय | चन्देय |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० चन्दतु | चन्दतात् | चन्दताम् | चन्दन्तु |
| चन्द | | चन्दतम् | चन्दत |
| चन्दानि | चन्दाव | चन्दाम | |

| | | |
|-----------|-----------|---------|
| झ० अचन्दत | अचन्दताम् | अचन्दन् |
| अचन्दः | अचन्दतम् | अचन्दत |
| अचन्दम् | अचन्दाव | अचन्दाम |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| ञ० अचन्दीत् | अचन्दिताम् | अचन्दिषुः |
| अचन्दीः | अचन्दिताम् | अचन्दिषु |
| अचन्दिषु | अचन्दिषु | अचन्दिषु |

| | | |
|----------|----------|----------|
| प० चचन्द | चचन्दतुः | चचन्दुः |
| चचन्दिथ | चचन्दथुः | चचन्द |
| चचन्द | चचन्दिषु | चचन्दिषु |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० चन्धात् | चन्धास्ताम् | चन्धासुः |
| चन्धाः | चन्धास्तम् | चन्धास्त |
| चन्धासुम् | चन्धासु | चन्धासु |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| अ० चन्दिता | चन्दितारौ | चन्दितारः |
| चन्दितासि | चन्दितास्थः | चन्दितास्थ |
| चन्दितास्मि | चन्दितास्वः | चन्दितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० चन्दिष्यति | चन्दिष्यतः | चन्दिष्यन्ति |
| चन्दिष्यसि | चन्दिष्यथः | चन्दिष्यथ |
| चन्दिष्यामि | चन्दिष्यावः | चन्दिष्यामः |

| | | |
|------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अचन्दिष्यत | अचन्दिष्यताम् | अचन्दिष्यन् |
| अचन्दिष्यः | अचन्दिष्यतम् | अचन्दिष्यत |
| अचन्दिष्यम् | अचन्दिष्याव | अचन्दिष्याम |

314 व्रदु (व्रन्द्) चेष्टायाम् ।

| | | |
|-------------------------|-----------------|-------------------|
| व० व्रन्दति | व्रन्दतः | व्रन्दन्ति |
| व्रन्दसि | व्रन्दथः | व्रन्दथ |
| व्रन्दामि | व्रन्दावः | व्रन्दामः |
| स० व्रन्देत् | व्रन्देताम् | व्रन्देयुः |
| व्रन्देः | व्रन्देतम् | व्रन्देत |
| व्रन्देयम् | व्रन्देव | व्रन्देम |
| प० व्रन्दतु, व्रन्दतात् | व्रन्दताम् | व्रन्दन्तु |
| व्रन्द | ” | व्रन्दतम् व्रन्दत |
| व्रन्दानि | व्रन्दाव | व्रन्दाम |
| झ० अव्रन्दत् | अव्रन्दताम् | अव्रन्दन् |
| अव्रन्दः | अव्रन्दतम् | अव्रन्दत |
| अव्रन्दम् | अव्रन्दाव | अव्रन्दाम |
| अ० अव्रन्दीत् | अव्रन्दिष्टाम् | अव्रन्दिषुः |
| अव्रन्दीः | अव्रन्दिष्टम् | अव्रन्दिष्ट |
| अव्रन्दिषम् | अव्रन्दिष्व | अव्रन्दिष्म |
| प० तव्रन्द | तव्रन्दतुः | तव्रन्दुः |
| तव्रन्दिथ | तव्रन्दथुः | तव्रन्द |
| तव्रन्द | तव्रन्दिथ | तव्रन्दिम |
| आ० व्रन्धात् | व्रन्धास्ताम् | व्रन्धासुः |
| व्रन्धाः | व्रन्धास्तम् | व्रन्धास्त |
| व्रन्धासम् | व्रन्धास्व | व्रन्धास्म |
| श्व० व्रन्दिता | व्रन्दितारौ | व्रन्दिताः |
| व्रन्दितासि | व्रन्दितास्थः | व्रन्दितास्थ |
| व्रन्दितास्मि | व्रन्दितास्वः | व्रन्दितास्मः |
| भ० व्रन्दिष्यति | व्रन्दिष्यतः | व्रन्दिष्यन्ति |
| व्रन्दिष्यसि | व्रन्दिष्यथः | व्रन्दिष्यथ |
| व्रन्दिष्यामि | व्रन्दिष्यावः | व्रन्दिष्यामः |
| क्रि० अव्रन्दिष्यत् | अव्रन्दिष्यताम् | अव्रन्दिष्यन् |
| अव्रन्दिष्यः | अव्रन्दिष्यतम् | अव्रन्दिष्यत |
| अव्रन्दिष्यम् | अव्रन्दिष्याव | अव्रन्दिष्याम |

315 कदु (कन्द्) रोदनाह्वानयोः ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० कन्दति | कन्दतः | कन्दन्ति |
| कन्दसि | कन्दथः | कन्दथ |
| कन्दामि | कन्दावः | कन्दामः |
| स० कन्देत् | कन्देताम् | कन्देयुः |
| कन्देः | कन्देतम् | कन्देत |
| कन्देयम् | कन्देव | कन्देम |
| प० कन्दतु | कन्दतात् | कन्दताम् |
| कन्द | ” | कन्दतम् कन्दत |
| कन्दानि | कन्दाव | कन्दाम |
| झ० अकन्दत् | अकन्दताम् | अकन्दन् |
| अकन्दः | अकन्दतम् | अकन्दत |
| अकन्दम् | अकन्दाव | अकन्दाम |
| अ० अकन्दीत् | अकन्दिष्टाम् | अकन्दिषुः |
| अकन्दीः | अकन्दिष्टम् | अकन्दिष्ट |
| अकन्दिषम् | अकन्दिष्व | अकन्दिष्म |
| प० चकन्द | चकन्दतुः | चकन्दुः |
| चकन्दिथ | चकन्दथुः | चकन्द |
| चकन्द | चकन्दिथ | चकन्दिम |
| आ० कन्धात् | कन्धास्ताम् | कन्धासुः |
| कन्धाः | कन्धास्तम् | कन्धास्त |
| कन्धासम् | कन्धास्व | कन्धास्म |
| श्व० कन्दिता | कन्दितारौ | कन्दिताः |
| कन्दितासि | कन्दितास्थः | कन्दितास्थ |
| कन्दितास्मि | कन्दितास्वः | कन्दितास्मः |
| भ० कन्दिष्यति | कन्दिष्यतः | कन्दिष्यन्ति |
| कन्दिष्यसि | कन्दिष्यथः | कन्दिष्यथ |
| कन्दिष्यामि | कन्दिष्यावः | कन्दिष्यामः |
| क्रि० अकन्दिष्यत् | अकन्दिष्यताम् | अकन्दिष्यन् |
| अकन्दिष्यः | अकन्दिष्यतम् | अकन्दिष्यत |
| अकन्दिष्यम् | अकन्दिष्याव | अकन्दिष्याम |

316 कृदु (कृन्दु) रोदनाहानयोः ।

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| क० कृन्दति | कृन्दतः | कृन्दन्ति |
| कृन्दसि | कृन्दथः | कृन्दथ |
| कृन्दामि | कृन्दावः | कृन्दामः |
| स० कृन्देत् | कृन्देताम् | कृन्देयुः |
| कृन्देः | कृन्देतम् | कृन्देत |
| कृन्देयम् | कृन्देव | कृन्देम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० कृन्दतु | कृन्दतात् | कृन्दताम् | कृन्दन्तु |
| कृन्द | , | कृन्दतम् | कृन्दत |
| कृन्दानि | कृन्दाव | कृन्दाम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अकृन्दत् | अकृन्दताम् | अकृन्दन् |
| अकृन्दः | अकृन्दतम् | अकृन्दत |
| अकृन्दम् | अकृन्दाव | अकृन्दाम |

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| अ० अकृन्दीत् | अकृन्दिशाम् | अकृन्दिषुः |
| अकृन्दीः | अकृन्दिषम् | अकृन्दिष्ट |
| अकृन्दिषम् | अकृन्दिष्व | अकृन्दिष्म |

| | | |
|-----------|-----------|----------|
| प० चकृन्द | चकृन्दतुः | चकृन्दुः |
| चकृन्दिथ | चकृन्दथुः | चकृन्द |
| चकृन्द | चकृन्दिष | चकृन्दिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० कृन्धात् | कृन्धास्ताम् | कृन्धासुः |
| कृन्धाः | कृन्धास्तम् | कृन्धास्त |
| कृन्धासम् | कृन्धासव | कृन्धास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| श्व० कृन्दिना | कृन्दिनारौ | कृन्दिनारः |
| कृन्दिनासि | कृन्दिनास्थः | कृन्दिनास्थ |
| कृन्दिनास्मि | कृन्दिनास्वः | कृन्दिनास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| म० कृन्दिष्यति | कृन्दिष्यतः | कृन्दिष्यन्ति |
| कृन्दिष्यसि | कृन्दिष्यथः | कृन्दिष्यथ |
| कृन्दिष्यामि | कृन्दिष्यावः | कृन्दिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अकृन्दिष्यत् | अकृन्दिष्यताम् | अकृन्दिष्यन् |
| अकृन्दिष्यः | अकृन्दिष्यतम् | अकृन्दिष्यत |
| अकृन्दिष्यम् | अकृन्दिष्याव | अकृन्दिष्याम |

317 कृलदु (कृलन्दु) रोदनाहानयोः ।

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| क० कृलन्दति | कृलन्दतः | कृलन्दन्ति |
| कृलन्दसि | कृलन्दथः | कृलन्दथ |
| कृलन्दामि | कृलन्दावः | कृलन्दामः |
| स० कृलन्देत् | कृलन्देताम् | कृलन्देयुः |
| कृलन्देः | कृलन्देतम् | कृलन्देत |
| कृलन्देयम् | कृलन्देव | कृलन्देम |

| | | | |
|-------------|------------|------------|------------|
| प० कृलन्दतु | कृलन्दतात् | कृलन्दताम् | कृलन्दन्तु |
| कृलन्द | , | कृलन्दतम् | कृलन्दत |
| कृलन्दानि | कृलन्दाव | कृलन्दाम | |

| | | |
|--------------|-------------|-----------|
| झ० अकृलन्दत् | अकृलन्दताम् | अकृलन्दन् |
| अकृलन्दः | अकृलन्दतम् | अकृलन्दत |
| अकृलन्दम् | अकृलन्दाव | अकृलन्दाम |

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| अ० अकृलन्दीत् | अकृलन्दिशाम् | अकृलन्दिषुः |
| अकृलन्दीः | अकृलन्दिषम् | अकृलन्दिष्ट |
| अकृलन्दिषम् | अकृलन्दिष्व | अकृलन्दिष्म |

| | | |
|------------|------------|-----------|
| प० चकृलन्द | चकृलन्दतुः | चकृलन्दुः |
| चकृलन्दिथ | चकृलन्दथुः | चकृलन्द |
| चकृलन्द | चकृलन्दिष | चकृलन्दिम |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० कृलन्धात् | कृलन्धास्ताम् | कृलन्धासुः |
| कृलन्धाः | कृलन्धास्तम् | कृलन्धास्त |
| कृलन्धासम् | कृलन्धासव | कृलन्धास्म |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| श्व० कृलन्दिना | कृलन्दिनारौ | कृलन्दिनारः |
| कृलन्दिनासि | कृलन्दिनास्थः | कृलन्दिनास्थ |
| कृलन्दिनास्मि | कृलन्दिनास्वः | कृलन्दिनास्मः |

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| म० कृलन्दिष्यति | कृलन्दिष्यतः | कृलन्दिष्यन्ति |
| कृलन्दिष्यसि | कृलन्दिष्यथः | कृलन्दिष्यथ |
| कृलन्दिष्यामि | कृलन्दिष्यावः | कृलन्दिष्यामः |

| | | |
|---------------------|-----------------|---------------|
| क्रि० अकृलन्दिष्यत् | अकृलन्दिष्यताम् | अकृलन्दिष्यन् |
| अकृलन्दिष्यः | अकृलन्दिष्यतम् | अकृलन्दिष्यत |
| अकृलन्दिष्यम् | अकृलन्दिष्याव | अकृलन्दिष्याम |

318 किलदु (किलन्दु) परिदेवने ।

परिदेवनं शोचनम् ।

व० किलन्दति किलन्दतः किलन्दन्ति
किलन्दसि किलन्दथः किलन्दथ
किलन्दामि किलन्दावः किलन्दामः

स० किलन्देत् किलन्देताम् किलन्देयुः
किलन्देः किलन्देतम् किलन्देत
किलन्देयम् किलन्देव किलन्देम

प० किलन्दतु किलन्दतात् किलन्दताम् किलन्दन्तु
किलन्द " किलन्दतम् किलन्दन्त
किलन्दानि किलन्दाव किलन्दाम

ह्य० अकिलन्दत् अकिलन्दताम् अकिलन्दन्
अकिलन्दः अकिलन्दतम् अकिलन्दत
अकिलन्दम् अकिलन्दाव अकिलन्दाम

अ० अकिलन्दीत् अकिलन्दिशम् अकिलन्दिषु
अकिलन्दीः अकिलन्दिषम् अकिलन्दिष्ट
अकिलन्दिषम् अकिलन्दिष्व अकिलन्दिष्म

प० चिकिलन्द चिकिलन्दतुः चिकिलन्दुः
चिकिलन्दिथ चिकिलन्दथुः चिकिलन्द
चिकिलन्द चिकिलन्दिथ चिकिलन्दिम

आ० किलन्धात् किलन्धास्ताम् किलन्धासुः
किलन्धाः किलन्धास्तम् किलन्धास्त
किलन्धासम् किलन्धास्य किलन्धास्म

श्व० किलन्दिता किलन्दितारौ किलन्दितारः
किलन्दितासि किलन्दितास्थः किलन्दितास्थ
किलन्दितास्मि किलन्दितास्वः किलन्दितास्मः

भ० किलन्दिष्यति किलन्दिष्यतः किलन्दिष्यन्ति
किलन्दिष्यसि किलन्दिष्यथः किलन्दिष्यथ
किलन्दिष्यामि किलन्दिष्यावः किलन्दिष्यामः

अकिलन्दिष्यत् अकिलन्दिष्यताम् अकिलन्दिष्यन्
अकिलन्दिष्यः अकिलन्दिष्यतम् अकिलन्दिष्यत
अकिलन्दिष्यम् अकिलन्दिष्याव अकिलन्दिष्याम

319 स्कन्द (स्कन्द) गतिशोषणयोः ।

व० स्कन्दति स्कन्दतः स्कन्दन्ति
स्कन्दसि स्कन्दथः स्कन्दथ
स्कन्दामि स्कन्दावः स्कन्दामः

स० स्कन्देत् स्कन्देताम् स्कन्देयुः
स्कन्देः स्कन्देतम् स्कन्देत
स्कन्देयम् स्कन्देव स्कन्देम

प० स्कन्दतु स्कन्दतात् स्कन्दताम् स्कन्दन्तु
स्कन्द " स्कन्दतम् स्कन्दन्त
स्कन्दानि स्कन्दाव स्कन्दाम

ह्य० अस्कन्दत् अस्कन्दताम् अस्कन्दन्
अस्कन्दः अस्कन्दतम् अस्कन्दत
अस्कन्दम् अस्कन्दाव अस्कन्दाम

अ० अस्कन्दीत् अस्कन्दिशम् अस्कन्दिषु
अस्कन्दीः अस्कन्दिषम् अस्कन्दिष्ट
अस्कन्दिषम् अस्कन्दिष्व अस्कन्दिष्म
अस्कन्दिता अस्कन्दितारौ अस्कन्दितारः
अस्कन्दितासि अस्कन्दितास्थः अस्कन्दितास्थ
अस्कन्दितास्मि अस्कन्दितास्वः अस्कन्दितास्मः

प० चस्कन्द चस्कन्दतुः चस्कन्दुः
चस्कन्दिथ चस्कन्दथुः चस्कन्द
चस्कन्द चस्कन्दिथ चस्कन्दिम

आ० स्कन्धात् स्कन्धास्ताम् स्कन्धासुः
स्कन्धाः स्कन्धास्तम् स्कन्धास्त
स्कन्धासम् स्कन्धास्य स्कन्धास्म

श्व० स्कन्दिता स्कन्दितारौ स्कन्दितारः
स्कन्दितासि स्कन्दितास्थः स्कन्दितास्थ
स्कन्दितास्मि स्कन्दितास्वः स्कन्दितास्मः

भ० स्कन्दिष्यति स्कन्दिष्यतः स्कन्दिष्यन्ति
स्कन्दिष्यसि स्कन्दिष्यथः स्कन्दिष्यथ
स्कन्दिष्यामि स्कन्दिष्यावः स्कन्दिष्यामः

अस्कन्दिष्यत् अस्कन्दिष्यताम् अस्कन्दिष्यन्
अस्कन्दिष्यः अस्कन्दिष्यतम् अस्कन्दिष्यत
अस्कन्दिष्यम् अस्कन्दिष्याव अस्कन्दिष्याम

॥ अथ धान्तास्त्रयः ॥

320 सिधू (सिधु) गत्याम् ।

ब० सेधतिः सेधतः सेधन्ति
सेधसि सेधथः सेधथ
सेधामि सेधावः सेधामः

स० सेधेत् सेधेताम् सेधेयुः
सेधेः सेधेतम् सेधेत
सेधेयम् सेधेव सेधेम

प० सेधतु सेधतात् सेधताम् सेधन्तु
सेध , सेधतम् सेधत
सेधानि सेधावः सेधाम

झ० असेधत् असेधताम् असेधन्
असेधः असेधतम् असेधत
असेधम् असेधावः असेधाम

अ० असेधीत् असेधिष्टम् असेधिषुः
असेधीः असेधिष्टम् असेधिष्ट
असेधिषम् असेधिष्वः असेधिष्म

प० सिषेध सिषिधतुः सिषिधुः
सिषेधित् सिषिधितुः सिषिध
सिषेध सिषिधिवः सिषिधिम

आ० सिध्यात् सिध्यास्ताम् सिध्यास्तुः
सिध्याः सिध्यास्तम् सिध्यास्त
सिध्यासम् सिध्यास्वः सिध्यास्म

प्रव० सेधिता सेधितारौ सेधितारः
सेधितासिसेधितास्थः सेधितास्थ
सेधितास्मि सेधितास्वः सेधितास्मः

भ० सेधिष्यति सेधिष्यतः सेधिष्यन्ति
सेधिष्यसि सेधिष्यथः सेधिष्यथ
सेधिष्यामि सेधिष्यावः सेधिष्यामः

क्रि० असेधिष्यत् असेधिष्यताम् असेधिष्यन्
असेधिष्यः असेधिष्यतम् असेधिष्यत
असेधिष्यम् असेधिष्यावः असेधिष्यामः

321 सिधौ (सिधू) शास्त्रमाङ्गल्ययोः ।

शास्त्रं शास्त्रविषयं शासनम् । माङ्गल्यं मङ्ग-
लविषया क्रिया । अनयोरेवार्थयोरयमौ-
दित् । अर्थान्तरे पुनरुदितपूर्वक एव । अ-
न्यथा तत्पाठोऽनर्थकः स्यात् । अर्थान्तरे-
ऽपि अनेनैव इद्विकल्पस्य सर्वत्रैव सि-
द्धत्वात् ॥

ब० सेधति सेधतः सेधन्ति
सेधसि सेधथः सेधथ
सेधामि सेधावः सेधामः

स० सेधेत् सेधेताम् सेधेयुः
सेधेः सेधेतम् सेधेत
सेधेयम् सेधेव सेधेम

प० सेधतु सेधतात् सेधताम् सेधन्तु
सेध , सेधतम् सेधत
सेधानि सेधावः सेधाम

झ० असेधत् असेधताम् असेधन्
असेधः असेधतम् असेधत
असेधम् असेधावः असेधाम

अ० असेधीत् असेधिष्टम् असेधिषुः
असेधीः असेधिष्टम् असेधिष्ट
असेधिषम् असेधिष्वः असेधिष्म

असैत्सीत् असैद्दाम् असैत्सुः
 असैत्सीः असैद्दम् असैद्द
 असैत्सम् असैत्स्व असैत्स्म

प० सिवेध सिविधतुः सिविधुः
 सिवेधिय सिविधयुः सिविध
 सिवेध सिविधिव सिविधिम

आ० सिध्यात् सिध्यास्ताम् सिध्यासुः
 सिध्याः सिध्यास्तम् सिध्यास्त
 सिध्यासम् सिध्यास्व सिध्यास्म

प्र० सेधिता सेधितारौ सेधितारः
 सेधितासि सेधितास्थः सेधितास्थ
 सेधितास्मि सेधितास्वः सेधितास्मः

सेद्धा सेद्धारौ सेद्धारः
 सेद्धासि सेद्धास्थः सेद्धास्थ
 सेद्धास्मि सेद्धास्वः सेद्धास्मः

भ० सेधिष्यति सेधिष्यतः सेधिष्यन्ति
 सेधिष्यसि सेधिष्यथः सेधिष्यथ
 सेधिष्यामि सेधिष्यावः सेधिष्यामः

सोत्स्यति सोत्स्यतः सोत्स्यन्ति
 सोत्स्यसि सोत्स्यथः सोत्स्यथ
 सोत्स्यामि सोत्स्यावः सोत्स्यामः

क्रि० असेधिष्यत् असेधिष्यताम् असेधिष्यन्
 असेधिष्यः असेधिष्यतम् असेधिष्यत
 असेधिष्यम् असेधिष्याव असेधिष्याम

असोत्स्यत् असोत्स्यताम् असोत्स्यन्
 असोत्स्यः असोत्स्यतम् असोत्स्यत
 असोत्स्यम् असोत्स्याव असोत्स्याम

322 शुन्ध (शुन्धु) शुद्धौ ।

व० शुन्धति शुन्धतः शुन्धन्ति
 शुन्धसि शुन्धथः शुन्धथ
 शुन्धामि शुन्धावः शुन्धामः

स० शुन्धेत् शुन्धेताम् शुन्धेयुः
 शुन्धेः शुन्धेतम् शुन्धेत
 शुन्धेयम् शुन्धेव शुन्धेम

प० शुन्धतु शुन्धताम् शुन्धताम् शुन्धन्तु
 शुन्ध ,, शुन्धतम् शुन्धत
 शुन्धानि शुन्धाव शुन्धाम

झ० अशुन्धत् अशुन्धताम् अशुन्धन्
 अशुन्धः अशुन्धतम् अशुन्धत
 अशुन्धम् अशुन्धाव अशुन्धाम

अ० अशुन्धीत् अशुन्धिष्याम् अशुन्धिषुः
 अशुन्धीः अशुन्धिष्यम् अशुन्धिष्य
 अशुन्धिष्यम् अशुन्धिष्यव अशुन्धिष्यम

प० शुशुन्ध शुशुन्धतुः शुशुन्धुः
 शुन्धिय शुशुन्धयुः शुशुन्ध
 शुशुन्ध शुशुन्धिव शुशुन्धिम

आ० शुध्यात् शुध्यास्ताम् शुध्यासुः
 शुध्याः शुध्यास्तम् शुध्यास्त
 शुध्यासम् शुध्यास्व शुध्यास्म

प्र० शुन्धिता शुन्धितारौ शुन्धितारः
 शुन्धितासि शुन्धितास्थः शुन्धितास्थ
 शुन्धितास्मि शुन्धितास्वः शुन्धितास्मः

भ० शुन्धिष्यति शुन्धिष्यतः शुन्धिष्यन्ति
 शुन्धिष्यसि शुन्धिष्यथः शुन्धिष्यथ
 शुन्धिष्यामि शुन्धिष्यावः शुन्धिष्यामः

क्रि० अशुन्धिष्यत् अशुन्धिष्यताम् अशुन्धिष्यन्
 अशुन्धिष्यः अशुन्धिष्यतम् अशुन्धिष्यत
 अशुन्धिष्यम् अशुन्धिष्याव अशुन्धिष्याम

॥ अथ नान्ता नव सेटश्च ॥

323 स्तन (स्तन्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|---------------|---------------|-------------------|
| व० | स्तनति | स्तनतः | स्तनन्ति |
| | स्तनसि | स्तनथः | स्तनथ |
| | स्तनामि | स्तनावः | स्तनामः |
| स० | स्तनेत् | स्तनेताम् | स्तनेयुः |
| | स्तनेः | स्तनेतम् | स्तनेत |
| | स्तनेयम् | स्तनेव | स्तनेम |
| प० | स्तनतु | स्तनतात् | स्तनताम् स्तनन्तु |
| | स्तन | स्तनतम् | स्तनत |
| | स्तनानि | स्तनाव | स्तनाम |
| झ० | अस्तनत् | अस्तनताम् | अस्तनन् |
| | अस्तनः | अस्तनतम् | अस्तनत |
| | अस्तनम् | अस्तनाव | अस्तनाम |
| अ० | अस्तानीत् | अस्तानिष्टाम् | अस्तानिषुः |
| | अस्तानीः | अस्तानिष्टम् | अस्तानिष्ट |
| | अस्तानिषम् | अस्तानिष्व | अस्तानिष्म |
| | अस्तनीत् | अस्तनिष्टाम् | अस्तनिषुः |
| | अस्तनीः | अस्तनिष्टम् | अस्तनिष्ट |
| | अस्तनिषम् | अस्तनिष्व | अस्तनिष्म |
| प० | तस्तान | तस्तनतुः | तस्तनुः |
| | तस्तनिथ | तस्तनथुः | तस्तन |
| | तस्तान, तस्तन | तस्तनिष | तस्तनिम |
| आ० | स्तन्यात् | स्तन्यास्ताम् | स्तन्यासुः |
| | स्तन्याः | स्तन्यास्तम् | स्तन्यास्त |
| | स्तन्यासम् | स्तन्यास्व | स्तन्यास्म |
| श्च० | स्तनिता | स्तनितारौ | स्तनितारः |
| | स्तनितासि | स्तनितास्थः | स्तनितास्थ |
| | स्तनितास्मि | स्तनितास्वः | स्तनितास्मः |
| भ० | स्तनिष्यति | स्तनिष्यतः | स्तनिष्यन्ति |
| | स्तनिष्यसि | स्तनिष्यथः | स्तनिष्यथ |
| | स्तनिष्यामि | स्तनिष्यावः | स्तनिष्यामः |
| क्रि० | अस्तनिष्यत् | अस्तनिष्यताम् | अस्तनिष्यन् |
| | अस्तनिष्यः | अस्तनिष्यतम् | अस्तनिष्यत |
| | अस्तनिष्यम् | अस्तनिष्याव | अस्तनिष्याम |

324 धन (धन्) शब्दे ।

| | | | |
|------|-----------|-------------|---------------|
| व० | धनति | धनतः | धनन्ति |
| | धनसि | धनथः | धनथ |
| | धनामि | धनावः | धनामः |
| स० | धनेत् | धनेताम् | धनेयुः |
| | धनेः | धनेतम् | धनेत |
| | धनेयम् | धनेव | धनेम |
| प० | धनतु | धनतात् | धनताम् धनन्तु |
| | धन | धनतम् | धनत |
| | धनानि | धनाव | धनाम |
| झ० | अधनत् | अधनताम् | अधनन् |
| | अधनः | अधनतम् | अधनत |
| | अधनम् | अधनाव | अधनाम |
| अ० | अधानीत् | अधानिष्टाम् | अधानिषुः |
| | अधानीः | अधानिष्टम् | अधानिष्ट |
| | अधानिषम् | अधानिष्व | अधानिष्म |
| | अधनीत् | अधनिष्टाम् | अधनिषुः |
| | अधनीः | अधनिष्टम् | अधनिष्ट |
| | अधनिषम् | अधनिष्व | अधनिष्म |
| व० | दधान | दधनतुः | दधनुः |
| | दधनिथ | दधनथुः | दधन |
| | दधान, दधन | दधनिष | दधनिम |
| आ० | धन्यात् | धन्यास्ताम् | धन्यासुः |
| | धन्याः | धन्यास्तम् | धन्यास्त |
| | धन्यामम् | धन्यास्व | धन्यास्म |
| श्च० | धनिता | धनितारौ | धनितारः |
| | धनितासि | धनितास्थः | धनितास्थ |
| | धनितास्मि | धनितास्वः | धनितास्मः |
| भ० | धनिष्यति | धनिष्यतः | धनिष्यन्ति |
| | धनिष्यसि | धनिष्यथः | धनिष्यथ |
| | धनिष्यामि | धनिष्यावः | धनिष्यामः |
| | अधनिष्यत् | अधनिष्यताम् | अधनिष्यन् |
| | अधनिष्यः | अधनिष्यतम् | अधनिष्यत |
| | अधनिष्यम् | अधनिष्याव | अधनिष्याम |

325 ध्वन (ध्वन्) शब्दे

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० ध्वनति | ध्वनतः | ध्वनन्ति |
| ध्वनसि | ध्वनथः | ध्वनथ |
| ध्वनामि | ध्वनावः | ध्वनामः |
| स० ध्वनेत् | ध्वनेताम् | ध्वनेयुः |
| ध्वनेः | ध्वनेतम् | ध्वनेत |
| ध्वनेयम् | ध्वनेष | ध्वनेम |
| प० ध्वनतु | ध्वनतात् | ध्वनताम् ध्वनन्तु |
| ध्वन | ,, | ध्वनतम् ध्वनत |
| ध्वनानि | ध्वनाव | ध्वनाम |
| ह्य० अध्वनत् | अध्वनताम् | अध्वनन् |
| अध्वनः | अध्वनतम् | अध्वनत |
| अध्वनम् | अध्वनाव | अध्वनाम |
| अ० अध्वानीत् | अध्वानिष्टाम् | अध्वानिषुः |
| अध्वानीः | अध्वानिष्टम् | अध्वानिष्ट |
| अध्वानिषम् | अध्वानिष्व | अध्वानिष्म |
| अध्वनीत् | अध्वनिष्टाम् | अध्वनिषुः |
| अध्वनीः | अध्वनिष्टम् | अध्वनिष्ट |
| अध्वनिषम् | अध्वनिष्व | अध्वनिष्म |
| प० दध्वान | दध्वनतुः | दध्वनुः |
| दध्वनिथ | दध्वनथुः | दध्वन |
| दध्वान, दध्वन | दध्वनिष | दध्वनिम |
| आ० ध्वन्यात् | ध्वन्यास्ताम् | ध्वन्यासुः |
| ध्वन्याः | ध्वन्यास्तम् | ध्वन्यास्त |
| ध्वन्यासम् | ध्वन्यास्व | ध्वन्यास्म |
| श्व० ध्वनिता | ध्वनितारौ | ध्वनितारः |
| ध्वनितासि | ध्वनितास्थः | ध्वनितास्थ |
| ध्वनितास्मि | ध्वनितास्वः | ध्वनितास्मः |
| भ० ध्वनिष्यति | ध्वनिष्यतः | ध्वनिष्यन्ति |
| ध्वनिष्यसि | ध्वनिष्यथः | ध्वनिष्यथ |
| ध्वनिष्यामि | ध्वनिष्यावः | ध्वनिष्यामः |
| क्रि० अध्वनिष्यत् | अध्वनिष्यताम् | अध्वनिष्यन् |
| अध्वनिष्यः | अध्वनिष्यतम् | अध्वनिष्यत |
| अध्वनिष्यम् | अध्वनिष्याव | अध्वनिष्याम |

326 चन (चन्) शब्दे ।

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| व० चनति | चनतः | चनन्ति |
| चनसि | चनथः | चनथ |
| चनामि | चनावः | चनामः |
| स० चनेत् | चनेताम् | चनेयुः |
| चनेः | चनेतम् | चनेत |
| चनेयम् | चनेष | चनेम |
| प० चनतु | चनतात् | चनताम् चनन्तु |
| चन | ,, | चनतम् चनत |
| चनानि | चनाव | चनाम |
| ह्य० अचनत् | अचनताम् | अचनन् |
| अचनः | अचनतम् | अचनत |
| अचनम् | अचनाव | अचनाम |
| अ० अचानीत् | अचानिष्टाम् | अचानिषुः |
| अचानीः | अचानिष्टम् | अचानिष्ट |
| अचानिषम् | अचानिष्व | अचानिष्म |
| अचनीत् | अचनिष्टाम् | अचनिषुः |
| अचनीः | अचनिष्टम् | अचनिष्ट |
| अचनिषम् | अचनिष्व | अचनिष्म |
| प० चवान | चेनतुः | चेनुः |
| चेनिथ | चेनथुः | चेन |
| चवान, चवन | चेनिष | चेनिम |
| आ० चन्यात् | चन्यास्ताम् | चन्यासुः |
| चन्याः | चन्यास्तम् | चन्यास्त |
| चन्यासम् | चन्यास्व | चन्यास्म |
| श्व० चनिता | चनितारौ | चनितारः |
| चनितासि | चनितास्थः | चनितास्थ |
| चनितास्मि | चनितास्वः | चनितास्मः |
| भ० चनिष्यति | चनिष्यतः | चनिष्यन्ति |
| चनिष्यसि | चनिष्यथः | चनिष्यथ |
| चनिष्यामि | चनिष्यावः | चनिष्यामः |
| क्रि० अचनिष्यत् | अचनिष्यताम् | अचनिष्यन् |
| अचनिष्यः | अचनिष्यतम् | अचनिष्यत |
| अचनिष्यम् | अचनिष्याव | अचनिष्याम |

327 स्वन (स्वन्) शब्दे

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| ब० स्वनति | स्वनतः | स्वनन्ति |
| स्वनमि | स्वनथः | स्वनथ |
| स्वनामि | स्वनावः | स्वनामः |
| स० स्वनेत् | स्वनेताम् | स्वनेयुः |
| स्वनेः | स्वनेतम् | स्वनेत |
| स्वनेयम् | स्वनेव | स्वनेम |
| प० स्वनतु | स्वनतात् | स्वनताम् स्वनन्तु |
| स्वन | „ | स्वनतम् स्वनत |
| स्वनानि | स्वनाव | स्वनाम |
| ह्य० अस्वनत् | अस्वनताम् | अस्वनन् |
| अस्वनः | अस्वनतम् | अस्वनत |
| अस्वनम् | अस्वनाव | अस्वनाम |
| अ० अस्वानीत् | अस्वानिष्टाम् | अस्वानिषुः |
| अस्वानीः | अस्वानिष्टम् | अस्वानिष्ट |
| अस्वानिषम् | अस्वानिष्व | अस्वानिष्म |
| अस्वानीत् | अस्वनिष्टाम् | अस्वनिषुः |
| अस्वनीः | अस्वनिष्टम् | अस्वनिष्ट |
| अस्वनिषम् | अस्वनिष्व | अस्वनिष्म |
| प० सस्वान | सस्वनतुः | सस्वनुः |
| सस्वनिथ | सस्वनथुः | सस्वन |
| सस्वान, सस्वन | सस्वनिष | सस्वनिम |
| सस्वान | स्वेनतुः | स्वेनुः |
| स्वेनिथ | स्वेनथुः | स्वेन |
| सस्वान, सस्वन | स्वेनिष | स्वेनिम |
| आ० स्वन्यात् | स्वन्यास्ताम् | स्वन्यासुः |
| स्वन्याः | स्वन्यास्तम् | स्वन्यास्त |
| स्वन्यासम् | स्वन्यास्व | स्वन्यास्म |
| श्व० स्वनिता | स्वनितारौ | स्वनितारः |
| स्वनितासि | स्वनितास्थः | स्वनितास्थ |
| स्वनितास्मि | स्वनितास्वः | स्वनितास्मः |
| भ० स्वनिष्यति | स्वनिष्यतः | स्वनिष्यन्ति |
| स्वनिष्यसि | स्वनिष्यथः | स्वनिष्यथ |
| स्वनिष्यामि | स्वनिष्यावः | स्वनिष्यामः |
| क्रि० अस्वनिष्यत् | अस्वनिष्यताम् | अस्वनिष्यन् |

अस्वनिष्यः अस्वनिष्यतम् अस्वनिष्यत
अस्वनिष्यम् अस्वनिष्याव अस्वनिष्याम

328 वन (वन्) शब्दे ।

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| ब० वनति | वनतः | वनन्ति |
| वनसि | वनथः | वनथ |
| वनामि | वनावः | वनामः |
| स० वनेत् | वनेताम् | वनेयुः |
| वनेः | वनेतम् | वनेत |
| वनेयम् | वनेव | वनेम |
| प० वनतु | वनतात् | वनताम् वनन्तु |
| वन | „ | वनतम् वनत |
| वनानि | वनाव | वनाम |
| ह्य० अवनत् | अवनताम् | अवनन् |
| अवनः | अवनतम् | अवनत |
| अवनम् | अवनाव | अवनाम |
| अ० अवानीत् | अवानिष्टाम् | अवानिषुः |
| अवानीः | अवानिष्टम् | अवानिष्ट |
| अवानिषम् | अवानिष्व | अवानिष्म |
| अवानीत् | अवनिष्टाम् | अवनिषुः |
| अवनीः | अवनिष्टम् | अवनिष्ट |
| अवनिषम् | अवनिष्व | अवनिष्म |
| प० ववान | ववनतुः | ववनुः |
| ववनिथ | ववनथुः | ववन |
| ववान, ववन | ववनिष | ववनिम |
| आ० वन्यात् | वन्यास्ताम् | वन्यासुः |
| वन्याः | वन्यास्तम् | वन्यास्त |
| वन्यासम् | वन्यास्व | वन्यास्म |
| श्व० वनिता | वनितारौ | वनितारः |
| वनितासि | वनितास्थः | वनितास्थ |
| वनितास्मि | वनितास्वः | वनितास्मः |
| भ० वनिष्यति | वनिष्यतः | वनिष्यन्ति |
| वनिष्यसि | वनिष्यथः | वनिष्यथ |
| वनिष्यामि | वनिष्यावः | वनिष्यामः |
| क्रि० अवनिष्यत् | अवनिष्यताम् | अवनिष्यन् |
| अवनिष्यः | अवनिष्यतम् | अवनिष्यत |
| अवनिष्यम् | अवनिष्याव | अवनिष्याम |

329 वन (वन्) भक्तौ ।
भक्तिर्भजनम् । अर्थभेदार्थमिह पुनरधोतः
एतद्रूपाणि चानुपदमेवोक्तानि ।

330 वन (सन्) भक्तौ । भक्तिर्भजनम्

व० सनति सनतः सनन्ति
सनसि सनथः सनथ
सनामि सनावः सनामः
स० सनेत् सनेताम् सनेयुः
सनेः सनेतम् सनेत
सनेयम् सनेव सनेम

प० सनतु, सनतात् सनताम् सनन्तु
सन " सनतम् सनत
सनानि सनाव सनाम

झ० असनत् असनताम् असनन्
असनः असनतम् असनत
असनम् असनाव असनाम

झ० असानोत् असानिष्टम् असानिषुः
असानीः असानिष्टम् असानिष्ट
असानिषम् असानिष्व असानिष्म
असनीत् असनिष्टम् असनिषुः
असनीः असनिष्टम् असनिष्ट
असनिषम् असनिष्व असनिष्म

प० ससान सेनतुः सेनुः
सेनिथ सेनथुः सेन
ससान, ससन सेनिव सेनिम

आ० सन्यात् सन्यास्ताम् सन्यासुः
सन्याः सन्यास्तम् सन्यास्त
सन्यासम् सन्यास्व सन्यास्म

अ० सनिता सनितारौ सनितारः
सनितासि सनितास्थः सनितास्थ
सनितास्मि सनितास्वः सनितास्मः

भ० सनिष्यति सनिष्यतः सनिष्यन्ति
सनिष्यसि सनिष्यथः सनिष्यथ
सनिष्यामि सनिष्यावः सनिष्यामः

क्रि० असनिष्यत् असनिष्यताम् असनिष्यन्

असनिष्यः असनिष्यतम् असनिष्यत
असनिष्यम् असनिष्याव असनिष्याम

331 कनै (कन्) दीप्तिगतिकान्तिषु
दीप्तिः प्रकाशः । कान्तिः शोभा ।

व० कनति कनतः कनन्ति
कनसि कनथः कनथ
कनामि कनावः कनामः
स० कनेत् कनेताम् कनेयुः
कनेः कनेतम् कनेत
कनेयम् कनेव कनेम

प० कनतु कनतात् कनताम् कनन्तु
कन " कनतम् कनत
कनानि कनाव कनाम

झ० अकनत् अकनताम् अकनन्
अकनः अकनतम् अकनत
अकनम् अकनाव अकनाम

अ० अकानीत् अकानिष्टाम् अकानिषुः
अकानीः अकानिष्टम् अकानिष्ट
अकानिषम् अकानिष्व अकानिष्म
अकनीन् अकनिष्टम् अकनिषुः
अकनीः अकनिष्टम् अकनिष्ट
अकनिषम् अकनिष्व अकनिष्म

प० चकान चकनतुः चकनुः
चकनिथ चकनथुः चकन
चकान, चकन चकनिव चकनिम

आ० कन्यात् कन्यास्ताम् कन्यासुः
कन्याः कन्यास्तम् कन्यास्त
कन्यासम् कन्यास्व कन्यास्म

अ० कनिता कनितारौ कनितारः
कनितासि कनितास्थः कनितास्थ
कनितास्मि कनितास्वः कनितास्मः

भ० कनिष्यति कनिष्यतः कनिष्यन्ति
कनिष्यसि कनिष्यथः कनिष्यथ
कनिष्यामि कनिष्यावः कनिष्यामः

क्रि० अकनिष्यत् अकनिष्यताम् अकनिष्यन्
अकनिष्यः अकनिष्यतम् अकनिष्यत
अकनिष्यम् अकनिष्याव अकनिष्याम

॥ अथ पान्ताः पञ्चदश गुणौ वेद तपं
सृष्ट्वा अनिदौ शेषाः सेटः ॥

332 गुणौ (गुप्-गोपाय्) रक्षणे ।

ब० गोपायति गोपायतः पायन्ति
गोपायसि गोपायथः गोपायथ
गोपायामि गोपायावः गोपायामः
स० गोपायेत् गोपायेताम् गोपायेयुः
गोपायेः गोपायेतम् गोपायेत
गोपायेयम् गोपायेव गोपायेम

प० गोपायतु गोपायतात् गोपायताम् गोपायन्तु
गोपाय गोपायतम् गोपायत
गोपायानि गोपायाव गोपायाम

झ० अगोपायत् अगोपायताम् अगोपायन्
अगोपायः अगोपायतम् अगोपायत
अगोपायम् अगोपायाव अगोपायाम

अ० अगोपायीत् अगोपायिष्टम् अगोपायिषुः
अगोपायीः अगोपायिष्टम् अगोपायिष्ट
अगोपायिषम् अगोपायिष्व अगोपायिष्म

अगोपीत् अगोपिष्टम् अगोपिषुः

अगोपीः अगोपिष्टम् अगोपिष्ट

अगोपिषम् अगोपिष्व अगोपिष्म

अगौप्सीत् अगौप्ताम् अगौप्सुः

अगौप्सीः अगौप्तम् अगौप्त

अगौप्सम् अगौप्स्व अगौप्स्म

प० गोपायाञ्चकार गोपायाञ्चक्रतुः गोपायाञ्चक्रः

गोपायाञ्चकर्थ गोपायाञ्चक्रथुः गोपायाञ्चक्र

गोपायाञ्चकार, चकर गोपायाञ्चकृव गोपायाञ्चकृम

गोपायाम्बभूव । गोपायामास ।

जुगोप जुगुपतुः जुगुपुः
जुगोपिथ जुगुपथुः जुगुप
जुगोप जुगुपिथ जुगुपिथ

आ० गुप्यात् गुप्यास्ताम् गुप्यासुः
गुप्याः गुप्यास्तम् गुप्यास्त
गुप्यासम् गुप्यास्व गुप्यास्म

गोपाय्यात् गोपाय्यास्ताम् गोपाय्यासुः
गोपाय्याः गोपाय्यास्तम् गोपाय्यास्त
गोपाय्यासम् गोपाय्यास्व गोपाय्यास्म

श्व० गोपिता गोपितारौ गोपितारः
गोपितासि गोपितास्थः गोपितास्थ
गोपितास्मि गोपितास्वः गोपितास्मः

गोपायिता गोपायितारौ गोपायितारः
गोपायितासि गोपायितास्थः गोपायितास्थ
गोपायितास्मि गोपायितास्वः गोपायितास्मः

गोप्ता गोप्तारौ गोप्तारः
गोप्तासि गोप्तास्थः गोप्तास्थ
गोप्तास्मि गोप्तास्वः गोप्तास्मः

भ० गोपिष्यति गोपिष्यतः गोपिष्यन्ति
गोपिष्यसि गोपिष्यथः गोपिष्यथ
गोपिष्यामि गोपिष्यावः गोपिष्यामः

गोपायिष्यति गोपायिष्यतः गोपायिष्यन्ति
गोपायिष्यसि गोपायिष्यथः गोपायिष्यथ
गोपायिष्यामि गोपायिष्यावः गोपायिष्यामः

गोप्स्यति गोप्स्यतः गोप्स्यन्ति
गोप्स्यसि गोप्स्यथः गोप्स्यथ
गोप्स्यामि गोप्स्यावः गोप्स्यामः

क्रि० अगोपिष्यत् अगोपिष्यताम् अगोपिष्यन्
अगोपिष्यः अगोपिष्यतम् अगोपिष्यत
अगोपिष्यम् अगोपिष्याव अगोपिष्याम

अगोपायिष्यत् अगोपायिष्यताम् अगोपायिष्यन्
अगोपायिष्यः अगोपायिष्यतम् अगोपायिष्यत
अगोपायिष्यम् अगोपायिष्याव अगोपायिष्याम

अगोप्स्यत् अगोप्स्यताम् अगोप्स्यन्
अगोप्स्यः अगोप्स्यतम् अगोप्स्यत
अगोप्स्यम् अगोप्स्याव अगोप्स्याम

333 तप (तप्) संतापे ।

ब० तपति तपतः तपन्ति
तपसि तपथः तपथ
तपामि तपावः तपामः

स० तपेत् तपेताम् तपेयुः
तपेः तपेतम् तपेत
तपेयम् तपेव तपेम

प० तपतु तपतात् तपताम् तपन्तु
तप , तपतम् तपत
तपानि तपाव तपाम

झ० अतपत् अतपताम् अतपन्
अतपः अतपतम् अतपत
अतपम् अतपाव अतपाम

अ० अताप्सीत् अताप्ताम् अताप्सुः
अताप्सीः अताप्सम् अताप्त
अताप्सम् अताप्स्व अताप्सम्

प० तताप तपतुः तेषुः
तेपिथ ततप्य तेषुः तेष
तताप ततप तेषिथ तेषिम

आ० तप्यात् तप्यास्ताम् तप्यासुः
तप्याः तप्यास्तम् तप्यास्त
तप्यासम् तप्यास्व तप्यासम्

श्व० तप्ता तप्तारौ तप्तारः

तप्तासि तप्तास्थः तप्तास्थ
तप्तास्मि तप्तास्वः तप्तास्मः

भ० तप्स्यति तप्स्यतः तप्स्यन्ति
तप्स्यसि तप्स्यथः तप्स्यथ
तप्स्यामि तप्स्यावः तप्स्यामः

क्रि० अतप्स्यत् अतप्स्यताम् अतप्स्यन्
अतप्स्यः अतप्स्यतम् अतप्स्यत
अतप्स्यम् अतप्स्याव अतप्स्याम

334 धूप (धूप-धूपाय्) संतापे ।

ब० धूपायति धूपायतः धूपायन्ति
धूपायसि धूपायथः धूपायथ
धूपायामि धूपायावः धूपायामः

स० धूपायेत् धूपायेताम् धूपायेयुः
धूपायेः धूपायेतम् धूपायेत
धूपायेयम् धूपायेव धूपायेम

प० धूपायतु धूपायतात् धूपायताम् धूपायन्तु
धूपाय , धूपायतम् धूपायत
धूपायानि धूपायाव धूपायाव

झ० अधूपायत् अधूपायताम् अधूपायन्
अधूपायः अधूपायतम् अधूपायत
अधूपायम् अधूपायाव अधूपायाम

अ० अधूपायीत् अधूपायिष्टाम् अधूपायिषुः
अधूपायीः अधूपायिष्टम् अधूपायिष्ट
अधूपायिषम् अधूपायिष्व अधूपायिष्म

अधूपीत् अधूपिष्टाम् अधूपिषुः
अधूपीः अधूपिष्टम् अधूपिष्ट
अधूपिषम् अधूपिष्व अधूपिष्म

प० धूपायाञ्चकार धूपायाञ्चक्रतुः धूपायाञ्चक्रुः
धूपायाञ्चकथं धूपायाञ्चक्रथुः धूपायाञ्चक्र
धूपायाञ्चकार, चकर धूपयाञ्चकृव धूपयाञ्चकृम

धूपायाम्बभूव । धूपायामास ।

दुधूप दुधूपतुः दुधूपुः
दुधूपिथ दुधूपथुः दुधूप
दुधूप दुधूपिव दुधूपिम

आ० धूप्यात् धूप्यास्ताम् धूप्यासुः

धूप्याः धूप्यास्तम् धूप्यास्त

धूप्यासम् धूप्यास्व धूप्यास्म

धूपाय्यात् धूपाय्यास्ताम् धूपाय्यासुः

धूपाय्याः धूपाय्यास्तम् धूपाय्यास्त

धूपाय्यासम् धूपाय्यास्व धूपाय्यास्म

श्व० धूपिता धूपितारौ धूपितारः

धूपितासि धूपितास्थः धूपितास्थ

धूपितास्मि धूपितास्वः धूपितास्मः

धूपायिता धूपायितारौ धूपायितारः

धूपायितासि धूपायितास्थः धूपायितास्थ

धूपायितास्मि धूपायितास्वः धूपायितास्मः

भ० धूपिष्यति धूपिष्यतः धूपिष्यन्ति

धूपिष्यसि धूपिष्यथः धूपिष्यथ

धूपिष्यामि धूपिष्यावः धूपिष्यामः

धूपायिष्यति धूपायिष्यतः धूपायिष्यन्ति

धूपायिष्यसि धूपायिष्यथः धूपायिष्यथ

धूपायिष्यामि धूपायिष्यावः धूपायिष्यामः

क्रि० अधूपिष्यत् अधूपिष्यताम् अधूपिष्यन्

अधूपिष्यः अधूपिष्यतम् अधूपिष्यत

अधूपिष्यम् अधूपिष्याव अधूपिष्याम

अधूपायिष्यत् अधूपायिष्यताम् अधूपायिष्यन्

अधूपायिष्यः अधूपायिष्यतम् अधूपायिष्यत

अधूपायिष्यम् अधूपायिष्याव अधूपायिष्याम

335 रप (रप्) व्यक्ते वचने ।

व० रपति रपतः रपन्ति

रपसि रपथः रपथ

रपामि रपावः रपामः

स० रपेत् रपेताम् रपेयुः

रपेः रपेतम् रपेत

रपेयम् रपेव रपेम

प० रपतु रपतात् रपताम् रपन्तु

रप „ रपतम् रपत

रपाणि रपाव रपाम

ह्य० अरपत् अरपताम् अरपन्

अरपः अरपतम् अरपत

अरपम् अरपाव अरपाम

अरापीत् अरापिष्टाम् अरापिषुः

अरापीः अरापिष्टम् अरापिष्ट

अरापिषम् अरापिष्व अरापिष्म

अ० अरपीत् अरपिष्टाम् अरपिषुः

अरपीः अरपिष्टम् अरपिष्ट

अरपिषम् अरपिष्व अरपिष्म

प० रराप रेपतुः रेपुः

रेपिथ रेपथुः रेप

रराप ररप रेपिष रेपिम

आ० रप्यात् रप्यास्ताम् रप्यासुः

रप्याः रप्यास्तम् रप्यास्त

रप्यासम् रप्यास्व रप्यास्म

श्व० रपिता रपितारौ रपितारः

रपितासि रपितास्थः रपितास्थ

रपितास्मि रपितास्वः रपितास्मः

भ० रपिष्यति रपिष्यतः रपिष्यन्ति

रपिष्यसि रपिष्यथः रपिष्यथ

रपिष्यामि रपिष्यावः रपिष्यामः

क्रि० अरपिष्यत् अरपिष्यताम् अरपिष्यन्

अरपिष्यः अरपिष्यतम् अरपिष्यत

अरपिष्यम् अरपिष्याव अरपिष्याम

336 लप (लप्) व्यक्ते वचने ।

| | | |
|---------------|-------------|---------------|
| व० लपति | लपतः | लपन्ति |
| लपसि | लपथः | लपथ |
| लपामि | लपावः | लपामः |
| स० लपेत् | लपेताम् | लपेयुः |
| लपेः | लपेतम् | लपेत |
| लपेयम् | लपेव | लपेम |
| प० लपतु | लपताव् | लपताम् लपन्तु |
| लप | „ | लपतम् लपत |
| लपानि | लपाव | लपाम |
| झ० अलपत् | अलपताम् | अलपन् |
| अलपः | अलपतम् | अलपत |
| अलपम् | अलपाव | अलपाम |
| अ० अलापीत् | अलापिष्टाम् | अलापिषुः |
| अलापीः | अलापिष्टम् | अलापिष्ट |
| अलापिषम् | अलापिष्व | अलापिष्व |
| अलपीर् | अलपिष्टाम् | अलपिषुः |
| अलपीः | अलपिष्टम् | अलपिष्ट |
| अलपिषम् | अलपिष्व | अलपिष्व |
| प० ललाप | लेपतुः | लेपुः |
| लेपिथ | लेपथुः | लेप |
| ललाप, ललप | लेपिव | लेपिम |
| आ० लप्यात् | लप्यास्ताम् | लप्यासुः |
| लप्याः | लप्यास्तम् | लप्यास्त |
| लप्यासम् | लप्यास्व | लप्यास्म |
| श्व० लपिता | लपितारौ | लपितारः |
| लपितासि | लपितास्थः | लपितास्थ |
| लपितास्मि | लपितास्वः | लपितास्मः |
| भ० लपिष्यति | लपिष्यतः | लपिष्यन्ति |
| लपिष्यसि | लपिष्यथः | लपिष्यथ |
| लपिष्यामि | लपिष्यावः | लपिष्यामः |
| कि० अलपिष्यत् | अलपिष्यताम् | अलपिष्यन् |
| अलपिष्यः | अलपिष्यतम् | अलपिष्यत |
| अलपिष्यम् | अलपिष्याव | अलपिष्याम |

337 जल्प (जल्प्) व्यक्ते वचने

| | | |
|----------------|---------------|-------------------|
| व० जल्पति | जल्पतः | जल्पन्ति |
| जल्पसि | जल्पथः | जल्पथ |
| जल्पामि | जल्पावः | जल्पामः |
| स० जल्पेत् | जल्पेताम् | जल्पेयुः |
| जल्पेः | जल्पेतम् | जल्पेत |
| जल्पेयम् | जल्पेव | जल्पेम |
| प० जल्पतु | जल्पताव् | जल्पताम् जल्पन्तु |
| जल्प | „ | जल्पतम् जल्पत |
| जल्पानि | जल्पाव | जल्पाम |
| झ० अजल्पत् | अजल्पताम् | अजल्पन् |
| अजल्पः | अजल्पतम् | अजल्पत |
| अजल्पम् | अजल्पाव | अजल्पाम |
| अ० अजल्पीत् | अजलिपिष्टाम् | अजलिपिषुः |
| अजल्पीः | अजलिपिष्टम् | अजलिपिष्ट |
| अजलिपिषम् | अजलिपिष्व | अजलिपिष्व |
| प० जजल्प | जजल्पतुः | जजल्पुः |
| जजलिपथ | जजल्पथुः | जजल्प |
| जजल्प | जजल्पिव | जजल्पिम |
| श्व० जल्प्यात् | जल्प्यास्ताम् | जल्प्यासुः |
| जल्प्याः | जल्प्यास्तम् | जल्प्यास्त |
| जल्प्यासम् | जल्प्यास्व | जल्प्यास्म |
| श्व० जलिपता | जलिपतारौ | जलिपतारः |
| जलिपतासि | जलिपतास्थः | जलिपतास्थ |
| जलिपतास्मि | जलिपातस्वः | जलिपतास्मः |
| भ० जलिपिष्यति | जलिपिष्यतः | जलिपिष्यन्ति |
| जलिपिष्यसि | जलिपिष्यथः | जलिपिष्यथ |
| जलिपिष्यामि | जलिपिष्यावः | जलिपिष्यामः |
| भ० अजलिपिष्यत् | अजलिपिष्यताम् | अजलिपिष्यन् |
| अजलिपिष्यः | अजलिपिष्यतम् | अजलिपिष्यत |
| अजलिपिष्यम् | अजलिपिष्याव | अजलिपिष्याम |

338 जप् (जप्) मानसे च ।

मनोनिर्वर्त्ये वचने । चात् व्यक्ते वचने ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| व० | जपति | जपतः | जपन्ति |
| | जपसि | जपथः | जपथ |
| | जपामि | जपावः | जपामः |
| स० | जपेत् | जपेताम् | जपेयुः |
| | जपेः | जपेतम् | जपेत |
| | जपेयम् | जपेव | जपेम |
| प० | जपतु | जपतात् | जपताम् जपन्तु |
| | जप | ” | जपतम् जपत |
| | जपानि | जपाव | जपाम |
| ह्य० | अजपत् | अजपताम् | अजपन् |
| | अजपः | अजपतम् | अजपत |
| | अजपम् | अजपाव | अजपाम |
| अ० | अजापीत् | अजापिष्टाम् | अजापिषुः |
| | अजापीः | अजापिष्टम् | अजापिष्ट |
| | अजापिषम् | अजापिष्व | अजापिष्म |
| | अजपीत् | अजपिष्टाम् | अजपिषुः |
| | अजपीः | अजापेष्टम् | अजपिष्ट |
| | अजपिषम् | अजपिष्व | अजपिष्म |
| ५० | जजाप | जेपतुः | जेपुः |
| | जेपिथ | जेपथुः | जेप |
| | जजाप | जजप | जेपिष जेपिम |
| आ० | जप्यात् | जप्यास्ताम् | जप्यासुः |
| | जप्याः | जप्यास्तम् | जप्यास्त |
| | जप्यासम् | जप्यास्व | जप्यास्म |
| श्व० | जपिता | जपितारौ | जपितारः |
| | जपितासि | जपितास्थः | जपितास्थ |
| | जपितास्मि | जपितास्वः | जपितास्मः |
| भ० | जपिष्यति | जपिष्यतः | जपिष्यन्ति |
| | जपिष्यसि | जपिष्यथः | जपिष्यथ |
| | जपिष्यामि | जपिष्यावः | जपिष्यामः |
| क्रि० | अजपिष्यत् | अजपिष्यताम् | अजपिष्यन् |
| | अजपिष्यः | अजपिष्यतम् | अजपिष्यत |
| | अजपिष्यम् | अजपिष्याव | अजपिष्याम |

339 चप् (चप्) सान्त्वने,

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| व० | चपति | चपतः | चपन्ति |
| | चपसि | चपथः | चपथ |
| | चपामि | चपावः | चपामः |
| स० | चपेत् | चपेताम् | चपेयुः |
| | चपेः | चपेतम् | चपेत |
| | चपेयम् | चपेव | चपेम |
| प० | चपतु | चपतात् | चपताम् चपन्तु |
| | चप | ” | चपतम् चपत |
| | चपानि | चपाव | चपाम |
| ह्य० | अचपत् | अचपताम् | अचपन् |
| | अचपः | अचपतम् | अचपत |
| | अचपम् | अचपाव | अचपाम |
| अ० | अचापीत् | अचापिष्टाम् | अचापिषुः |
| | अचापीः | अचापिष्टम् | अचापिष्ट |
| | अचापिषम् | अचापिष्व | अचापिष्म |
| | अचपीत् | अचपिष्टाम् | अचपिषुः |
| | अचपीः | अचपिष्टम् | अचपिष्ट |
| | अचपिषम् | अचपिष्व | अचपिष्म |
| ५० | चचाप | चेपतुः | चेपुः |
| | चेपिथ | चेपथुः | चेप |
| | चचाप | चचप | चेपिष चेपिम |
| आ० | चप्यात् | चप्यास्ताम् | चप्यासुः |
| | चप्याः | चप्यास्तम् | चप्यास्त |
| | चप्यासम् | चप्यास्व | चप्यास्म |
| श्व० | चपिता | चपितारौ | चपितारः |
| | चपितासि | चपितास्थः | चपितास्थ |
| | चपितास्मि | चपितास्वः | चपितास्मः |
| भ० | चपिष्यति | चपिष्यतः | चपिष्यन्ति |
| | चपिष्यसि | चपिष्यथः | चपिष्यथ |
| | चपिष्यामि | चपिष्यावः | चपिष्यामः |
| क्रि० | अचपिष्यत् | अचपिष्यताम् | अचपिष्यन् |
| | अचपिष्यः | अचपिष्यतम् | अचपिष्यत |
| | अचपिष्यम् | अचपिष्याव | अचपिष्याम |

340 वष (सप्) समवाये,

व० सपति सपतः सपन्ति
सपसि सपथः सपथ
सपामि सपावः सपामः

स० सपेत सपेताम् सपेयुः
सपेः सपेतम् सपेत
सपेयम् सपेव सपेम

प० सपतु सपतात् सपताम् सपन्तु
सप " सपतम् सपत
सपानि सपाव सपाम

झ० असपत् असपताम् असपन्
असपः असपतम् असपत
असपम् असपाव असपाम

अ० असापीत् असापिष्टाम् असापिषुः
असापीः असापिष्टम् असापिष्ट
असापिषम् असापिष्व असापिष्म

असपीत् असपिष्टाम् असपिषुः
असपीः असपिष्टम् असपिष्ट
असपिषम् असपिष्व असपिष्म

प० ससाप सेपतुः सेपुः
सेपिथ सेपथुः सेप
ससाप ससप सेपिष सेपिम

आ० सप्यात् सप्यास्ताम् सप्यासुः
सप्याः सप्यास्तम् सप्यास्त
सप्यासम् सप्यास्व सप्यास्म

श्व० सपिता सपितारौ सपितारः
सपितासि सपितास्थः सपितास्थ
सपितास्मि सपितास्वः सपितास्मः

भ० सपिष्यति सपिष्यतः सपिष्यन्ति
सपिष्यसि सपिष्यथः सपिष्यथ
सपिष्यामि सपिष्यावः सपिष्यामः

क्रि० असपिष्यत् असपिष्यताम् असपिष्यन्
असपिष्यः असपिष्यतम् असपिष्यत
असपिष्यम् असपिष्याव असपिष्याम

341 सृष्टु (सृप्) गतौ ।

व० सर्पति सर्पतः सर्पन्ति
सर्पसि सर्पथः सर्पथ
सर्पामि सर्पावः सर्पामः

स० सर्पेत् सर्पेताम् सर्पेयुः
सर्पेः सर्पेतम् सर्पेत
सर्पेयम् सर्पेव सर्पेम

प० सर्पतु सर्पतात् सर्पताम् सर्पन्तु
सर्प " सर्पतम् सर्पत
सर्पानि सर्पाव सर्पाम

झ० असर्पत् असर्पताम् असर्पन्
असर्पः असर्पतम् असर्पत
असर्पम् असर्पाव असर्पाम

अ० असृपत् असृपताम् असृपन्
असृपः असृपतम् असृपत
असृपम् असृपाव असृपाम

प० ससर्प ससृपतुः ससृपुः
ससर्पिथ ससृपथुः ससृप
ससर्प ससृपिव ससृपिम

आ० सृप्यात् सृप्यास्ताम् सृप्यासुः
सृप्याः सृप्यास्तम् सृप्यास्त
सृप्यासम् सृप्यास्व सृप्यास्म

श्व० सप्तां सप्तांरौ सप्तांरः
सप्तांसि सप्तास्थः सप्तास्थ
सप्तांसि सप्तास्वः सप्तास्मः

सप्ता सप्तांरौ सप्तांरः
सप्तांसि सप्तास्थः सप्तास्थ
सप्तांसि सप्तास्वः सप्तास्मः

भ० सप्स्यति सप्स्यति सप्स्यन्ति
सप्स्यसि सप्स्यथः सप्स्यथ
सप्स्यामि सप्स्यावः सप्स्यामः

सप्स्यति सप्स्यतः सप्स्यन्ति
सप्स्यसि सप्स्यथः सप्स्यथ
सप्स्यामि सप्स्यावः सप्स्यामः

क्रि० असप्स्यत् असप्स्यताम् असप्स्यन्
असप्स्यः असप्स्यतम् असप्स्यत
असप्स्यम् असप्स्याव असप्स्याम

असप्स्यत् असप्स्यताम् असप्स्यन्
असप्स्यः असप्स्यतम् असप्स्यत
असप्स्यम् असप्स्याव असप्स्याम

342 चुप (चुप्) मन्दायाम् ।

गतावित्यनुवृत्तेर्भन्दायां गतो ।

ष० चोपति चोपतः चोपन्ति
चोपसि चोपथः चोपथ
चोपामि चोपावः चोपामः

स० चोपेत् चोपेताम् चोपेयुः
चोपेः चोपेतम् चोपेत
चोपेयम् चोपेव चोपेम

प० चोपतु चोपतात् चोपताम् चोपन्तु
चोप " चोपतम् चोपत
चोपानि चोपाव चोपाम

ह्य० अचोपत् अचोपताम् अचोपन्
अचोपः अचोपतम् अचोपत
अचोपम् अचोपाव अचोपाम

अ० अचोपीत् अचोपिष्टाम् अचोपिषुः
अचोपीः अचोपिष्टम् अचोपिष्ट
अचोपिषम् अचोपिष्व अचोपिष्म

प० चुचोप चुचुपतुः चुचुपुः
चुचोपिथ चुचुपथुः चुचुप
चुचोप चुचुपिष चुचुपिम

आ० चुप्यात् चुप्यास्ताम् चुप्यासुः
चुप्याः चुप्यास्तम् चुप्यास्त
चुप्यासम् चुप्यास्व चुप्यास्म

श्व० चोपिता चोपितारौ चोपितारः
चोपितांसि चोपितास्थः चोपितास्थ
चोपितांसि चोपितास्वः चोपितास्मः

भ० चोपिष्यति चोपिष्यतः चोपिष्यन्ति
चोपिष्यसि चोपिष्यथः चोपिष्यथ
चोपिष्यामि चोपिष्यावः चोपिष्यामः

क्रि० अचोपिष्यत् अचोपिष्यताम् अचोपिष्यन्
अचोपिष्यः अचोपिष्यतम् अचोपिष्यत
अचोपिष्यम् अचोपिष्याव अचोपिष्याम

343 तुप (तुप्) हिंसायाम्

ष० तोपति तोपतः तोपन्ति
तोपसि तोपथः तोपथ
तोपामि तोपावः तोपामः

स० तोपेत् तोपेताम् तोपेयुः
तोपेः तोपेताम् तोपेत्
तोपेयम् तोपेव तोपेम

प० तोपतु तोपतात् तोपताम् तोपन्तु
तोप " तोपतम् तोपत
तोपानि तोपाव तोपाम

झ० अतोपत् अतोपताम् अतोपन्
अतोपः अतोपतम् अतोपत्
अतोपम् अतोपाव अतोपाम

अ० अतोपीत् अतोपिष्टाम् अतोपिषुः
अतोपीः अतोपिष्टम् अतोपिष्ट
अतोपिषम् अतोपिष्व अतोपिषम

प० तुतोप तुतुपतुः तुतुपुः
तुतोपिथ तुतुपथुः तुतुप
तुतोप तुतुपिव तुतुपिम

आ० तुप्यात् तुप्यास्ताम् तुप्यासुः
तुप्याः तुप्यास्तम् तुप्यास्त
तुप्यासम् तुप्यास्व तुप्यासम

श्व० तोपिता तोपितारौ तोपितारः
तोपितासि तोपितास्थः तोपितास्थ
तोपितास्मि तोपितास्वः तोपितास्मः

भ० तोपिष्यति तोपिष्यतः तोपिष्यन्ति
तोपिष्यसि तोपिष्यथः तोपिष्यथ
तोपिष्यामि तोपिष्यावः तोपिष्यामः

क्रि० अतोपिष्यत् अतोपिष्यताम् अतोपिष्यन्
अतोपिष्यः अतोपिष्यतम् अतोपिष्यत
अतोपिष्यम् अतोपिष्याव अतोपिष्याम

344 तुम्प (तुम्प) हिंसायाम्

व० तुम्पति तुम्पतः तुम्पन्ति
तुम्पसि तुम्पथः तुम्पथ
तुम्पामि तुम्पावः तुम्पामः

स० तुम्पेत् तुम्पेताम् तुम्पेयुः
तुम्पेः तुम्पेताम् तुम्पेत्
तुम्पेयम् तुम्पेव तुम्पेम

प० तुम्पतु तुम्पतात् तुम्पताम् तुम्पन्तु
तुम्प " तुम्पतम् तुम्पत
तुम्पानि तुम्पाव तुम्पाम

झ० अतुम्पत् अतुम्पताम् अतुम्पन्
अतुम्पः अतुम्पतम् अतुम्पत्
अतुम्पम् अतुम्पाव अतुम्पाम

अ० अतुम्पीत् अतुम्पिष्टाम् अतुम्पिषुः
अतुम्पीः अतुम्पिष्टम् अतुम्पिष्ट
अतुम्पिषम् अतुम्पिष्व अतुम्पिषम

प० तुतुम्प तुतुम्पतुः तुतुम्पुः
तुतुम्पिथ तुतुम्पथुः तुतुम्प
तुतुम्प तुतुम्पिव तुतुम्पिम

आ० तुप्यात् तुप्यास्ताम् तुप्यासुः
तुप्याः तुप्यास्तम् तुप्यास्त
तुप्यासम् तुप्यास्व तुप्यासम

श्व० तुम्पिता तुम्पितारौ तुम्पितारः
तुम्पितासि तुम्पितास्थः तुम्पितास्थ
तुम्पितास्मि तुम्पितास्वः तुम्पितास्मः

भ० तुम्पिष्यति तुम्पिष्यतः तुम्पिष्यन्ति
तुम्पिष्यसि तुम्पिष्यथः तुम्पिष्यथ
तुम्पिष्यामि तुम्पिष्यावः तुम्पिष्यामः

कि० अतुम्पिष्यत् अतुम्पिष्यताम् अतुम्पिष्यन्
अतुम्पिष्यः अतुम्पिष्यतम् अतुम्पिष्यत
अतुम्पिष्यम् अतुम्पिष्याव अतुम्पिष्याम

345 वृप् (वृप्) हिंसायाम् ।

व० व्रोषति व्रोषतः व्रोषन्ति
व्रोषसि व्रोषथः व्रोषथ
व्रोषामि व्रोषावः व्रोषामः

स० व्रोषेत् व्रोषेताम् व्रोषेयुः
व्रोषेः व्रोषेतम् व्रोषेत
व्रोषेयम् व्रोषेव व्रोषेम

प० व्रोषतु व्रोषतात् व्रोषताम् व्रोषन्तु
व्रोष , , व्रोषतम् व्रोषत
व्रोषाणि व्रोषाव व्रोषाम

झ० अव्रोषत् अव्रोषताम् अव्रोषन्
अव्रोषः अव्रोषतम् अव्रोषत
अव्रोषम् अव्रोषाव अव्रोषाम

अ० अव्रोषीत् अव्रोषिष्याम् अव्रोषिषुः
अव्रोषीः अव्रोषिष्यतम् अव्रोषिष्यत
अव्रोषिष्यम् अव्रोषिष्यव अव्रोषिष्यम

प० वृषोप वृषुपतुः वृषुपु
वृषोपिथ वृषुपथुः वृषुप
वृषोप वृषुपिथ वृषुपिम

आ० वृष्यात् वृष्यास्ताम् वृष्यासुः
वृष्याः वृष्यास्तम् वृष्यास्त
वृष्यासम् वृष्यासव वृष्यासम

श्व० व्रोषिता व्रोषितारौ व्रोषितारः
व्रोषितासि व्रोषितास्थः व्रोषितास्थ
व्रोषितास्मि व्रोषितास्वः व्रोषितास्मः

भ० व्रोषिष्यति व्रोषिष्यतः व्रोषिष्यन्ति
व्रोषिष्यसि व्रोषिष्यथः व्रोषिष्यथ
व्रोषिष्यामि व्रोषिष्यावः व्रोषिष्यामः

कि० अव्रोषिष्यत् अव्रोषिष्यताम् अव्रोषिष्यन्
अव्रोषिष्यः अव्रोषिष्यतम् अव्रोषिष्यत
अव्रोषिष्यम् अव्रोषिष्याव अव्रोषिष्याम

346 वृम्प (वृम्प) हिंसायाम्

व० वृम्पति वृम्पतः वृम्पन्ति
वृम्पसि वृम्पथः वृम्पथ
वृम्पामि वृम्पावः वृम्पामः

स० वृम्पेत् वृम्पेताम् वृम्पेयुः
वृम्पेः वृम्पेतम् वृम्पेत
वृम्पेयम् वृम्पेव वृम्पेम

प० वुम्पतु वुम्पतात् वुम्पताम् वुम्पन्तु
 वुम्प , वुम्पतम् वुम्पत
 वुम्पाणि वुम्पाव वुम्पाम
 झ० अवुम्पत् अवुम्पताम् अवुम्पन्
 अवुम्पः अवुम्पतम् अवुम्पत
 अवुम्पम् अवुम्पाव अवुम्पाम

अ० अवुम्पीत् अवुम्पिष्टाम् अवुम्पिषुः
 अवुम्पीः अवुम्पिष्टम् अवुम्पिष्ट
 अवुम्पिषम् अवुम्पिष्व अवुम्पिषम्

प० तुवुम्प तुवुम्पतुः तुवुम्पुः
 तुवुम्पिथ तुवुम्पथुः तुवुम्प
 तुवुम्प तुवुम्पिव तुवुम्पिम

आ० वुप्यात् वुप्यास्ताम् वुप्यासुः
 वुप्याः वुप्यास्तम् वुप्यास्त
 वुप्यासम् वुप्यास्व वुप्यास्म

श्व० वुम्पिता वुम्पितारौ वुम्पितारः
 वुम्पितासि वुम्पितास्थः वुम्पितास्थ
 वुम्पितास्मि वुम्पितास्वः वुम्पितास्मः

भ० वुम्पिष्यति वुम्पिष्यतः वुम्पिष्यन्ति
 वुम्पिष्यसि वुम्पिष्यथः वुम्पिष्यथ
 वुम्पिष्यामि वुम्पिष्यावः वुम्पिष्यामः

क्रि० अवुम्पिष्यत् अवुम्पिष्यताम् अवुम्पिष्यन्
 अवुम्पिष्यः अवुम्पिष्यतम् अवुम्पिष्यत
 अवुम्पिष्यम् अवुम्पिष्याव अवुम्पिष्याम

॥ अथ फान्ताः सप्त सेटश्च ॥

347 तुफ (तुफ्) हिंसायाम्

प० तोफति तोफतः तोफन्वि
 तोफसि तोफथः तोफथ
 तोफामि तोफावः तोफामः

स० तोफेत् तोफेताम् तोफेयुः
 तोफेः तोफेतम् तोफेत
 तोफेयम् तोफेव तोफेम

प० तोफतु तोफतात् तोफताम् तोफन्तु
 तोफ , तोफतम् तोफत
 तोफानि तोफाव तोफाम

झ० अतोफत् अतोफताम् अतोफन्
 अतोफः अतोफतम् अतोफत
 अतोफम् अतोफाव अतोफाम

अ० अतोफीत् अतोफिष्टाम् अतोफिषुः
 अतोफीः अतोफिष्टम् अतोफिष्ट
 अतोफिषम् अतोफिष्व अतोफिषम्

प० तुतोफ तुतुफतुः तुतुफुः
 तुतोफिथ तुतुफथुः तुतुफ
 तुतोफ तुतुफिव तुतुफिम

आ० तुप्यात् तुप्यास्ताम् तुप्यासुः
 तुप्याः तुप्यास्तम् तुप्यास्त
 तुप्यासम् तुप्यास्व तुप्यास्म

श्व० तोफता तोफितारौ तोफितारः
 तोफितासि तोफितास्थः तोफितास्थ
 तोफितास्मि तोफितास्वः तोफितास्मः

भ० तोफिष्यति तोफिष्यतः तोफिष्यन्ति
 तोफिष्यसि तोफिष्यथः तोफिष्यथ
 तोफिष्यामि तोफिष्यावः तोफिष्यामः

क्रि० अतोफिष्यत् अतोफिष्यताम् अतोफिष्यन्
 अतोफिष्यः अतोफिष्यतम् अतोफिष्यत
 अतोफिष्यम् अतोफिष्याव अतोफिष्याम

348 तुम्फ (तुम्फ्) हिंसायाम्

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| प० तुम्फति | तुम्फतः | तुम्फन्ति |
| तुम्फसि | तुम्फथः | तुम्फथ |
| तुम्फामि | तुम्फावः | तुम्फामः |
| स० तुम्फेत् | तुम्फेताम् | तुम्फेयुः |
| तुम्फेः | तुम्फेतम् | तुम्फेत |
| तुम्फेयम् | तुम्फेव | तुम्फेम |
| प० तुम्फतु | तुम्फताम् | तुम्फन्तु |
| तुम्फ | तुम्फतम् | तुम्फत |
| तुम्फाणि | तुम्फाव | तुम्फाम |
| झ० अतुम्फत् | अतुम्फताम् | अतुम्फन् |
| अतुम्फः | अतुम्फतम् | अतुम्फत |
| अतुम्फम् | अतुम्फाव | अतुम्फाम |
| अ० अतुम्फीत् | अतुम्फिष्टात् | अतुम्फिषुः |
| अतुम्फीः | अतुम्फिष्टम् | अतुम्फिष्ट |
| अतुम्फिषम् | अतुम्फिष्व | अतुम्फिष्म |
| प० तुतुम्फ | तुतुम्फतुः | तुतुम्फुः |
| तुतुम्फिथ | तुतुम्फथुः | तुतुम्फ |
| तुतुम्फ | तुतुम्फिष | तुतुम्फिम |
| आ० तुप्फ्यात् | तुप्फ्यास्ताम् | तुप्फ्यासुः |
| तुप्फ्याः | तुप्फ्यास्तम् | तुप्फ्यास्त |
| तुप्फ्यासम् | तुप्फ्यास्व | तुप्फ्यास्म |
| श्व० तुम्फिता | तुम्फितारौ | तुम्फितारः |
| तुम्फितासि | तुम्फितास्थः | तुम्फितास्थ |
| तुम्फितास्मि | तुम्फितास्वः | तुम्फितास्मः |
| भ० तुम्फिष्यति | तुम्फिष्यतः | तुम्फिष्यन्ति |
| तुम्फिष्यसि | तुम्फिष्यथः | तुम्फिष्यथ |
| तुम्फिष्यामि | तुम्फिष्यावः | तुम्फिष्यामः |
| क्रि० अतुम्फिष्यत् | अतुम्फिष्यताम् | अतुम्फिष्यन् |
| अतुम्फिष्यः | अतुम्फिष्यतम् | अतुम्फिष्यत |
| अतुम्फिष्यम् | अतुम्फिष्याव | अतुम्फिष्याम |

349 व्रुफ (व्रुफ्) हिंसायाम्

| | | |
|--------------------|------------------|---------------|
| व० व्रुफति | व्रुफतः | व्रुफन्ति |
| व्रुफसि | व्रुफथः | व्रुफथ |
| व्रुफामि | व्रुफावः | व्रुफामः |
| स० व्रुफेत् | व्रुफेताम् | व्रुफेयुः |
| व्रुफेः | व्रुफेतम् | व्रुफेत |
| व्रुफेयम् | व्रुफेव | व्रुफेम |
| प० व्रुफतु | व्रुफताम् | व्रुफन्तु |
| व्रुफ | व्रुफतम् | व्रुफत |
| व्रुफाणि | व्रुफाव | व्रुफाम |
| झ० अव्रुफत् | अव्रुफताम् | अव्रुफन् |
| अव्रुफः | अव्रुफतम् | अव्रुफत |
| अव्रुफम् | अव्रुफाव | अव्रुफाम |
| अ० अव्रुफीत् | अव्रुफिष्टात् | अव्रुफिषुः |
| अव्रुफीः | अव्रुफिष्टम् | अव्रुफिष्ट |
| अव्रुफिषम् | अव्रुफिष्व | अव्रुफिष्म |
| प० व्रुत्रुफ | व्रुत्रुफतुः | व्रुत्रुफुः |
| व्रुत्रुफिथ | व्रुत्रुफथुः | व्रुत्रुफ |
| व्रुत्रुफ | व्रुत्रुफिष | व्रुत्रुफिम |
| आ० व्रुप्फ्यात् | व्रुप्फ्यास्ताम् | व्रुप्फ्यासुः |
| व्रुप्फ्याः | व्रुप्फ्यास्तम् | व्रुप्फ्यास्त |
| व्रुप्फ्यासम् | व्रुप्फ्यास्व | व्रुप्फ्यास्म |
| श्व० व्रुफिता | व्रुफितारौ | व्रुफितारः |
| व्रुफितासि | व्रुफितास्थः | व्रुफितास्थ |
| व्रुफितास्मि | व्रुफितास्वः | व्रुफितास्मः |
| भ० व्रुफिष्यति | व्रुफिष्यतः | व्रुफिष्यन्ति |
| व्रुफिष्यसि | व्रुफिष्यथः | व्रुफिष्यथ |
| व्रुफिष्यामि | व्रुफिष्यावः | व्रुफिष्यामः |
| क्रि० अव्रुफिष्यत् | अव्रुफिष्यताम् | अव्रुफिष्यन् |
| अव्रुफिष्यः | अव्रुफिष्यतम् | अव्रुफिष्यत |
| अव्रुफिष्यम् | अव्रुफिष्याव | अव्रुफिष्याम |

350 वृम्फ (वृम्फु) हिंसायाम्

प० वृम्फति वृम्फतः वृम्फन्ति
वृम्फसि वृम्फथः वृम्फथ
वृम्फामि वृम्फावः वृम्फामः

स० वृम्फेत् वृम्फेताम् वृम्फेयुः
वृम्फेः वृम्फेतम् वृम्फेत
वृम्फेयम् वृम्फेव वृम्फेम

प० वृम्फतु वृम्फतात् वृम्फताम् वृम्फन्तु
वृम्फ , वृम्फतम् वृम्फत
वृम्फाणि वृम्फाव वृम्फाम

ह्य० अवृम्फत् अवृम्फताम् अवृम्फन्
अवृम्फः अवृम्फतम् अवृम्फत
अवृम्फम् अवृम्फाव अवृम्फाम

अ० अवृम्फीत् अवृम्फिष्टाम् अवृम्फिषुः
अवृम्फीः अवृम्फिष्टम् अवृम्फिष्ट
अवृम्फिषम् अवृम्फिष्व अवृम्फिष्म

प० तुवृम्फ तुवृम्फतुः तुवृम्फुः
तुवृम्फथ तुवृम्फथुः तुवृम्फ
तुवृम्फ तुवृम्फिव तुवृम्फिम

आ० वृम्फ्यात् वृम्फ्यास्ताम् वृम्फ्यासुः
वृम्फ्याः वृम्फ्यास्तम् वृम्फ्यास्त
वृम्फ्यासम् वृम्फ्यास्व वृम्फ्यास्म

श्व० वृम्फिता वृम्फितारौ वृम्फितारः
वृम्फितासि वृम्फितास्थः वृम्फितास्थ
वृम्फितास्मि वृम्फितास्वः वृम्फितास्मः

भ० वृम्फिष्यति वृम्फिष्यतः वृम्फिष्यन्ति
वृम्फिष्यसि वृम्फिष्यथः वृम्फिष्यथ
वृम्फिष्यामि वृम्फिष्यावः वृम्फिष्यामः

क्रि० अवृम्फिष्यत् अवृम्फिष्यताम् अवृम्फिष्यन्
अवृम्फिष्यः अवृम्फिष्यतम् अवृम्फिष्यत
अवृम्फिष्यम् अवृम्फिष्याव अवृम्फिष्याम

आ० वृम्फ्यात् वृम्फ्यास्ताम् वृम्फ्यासुः
वृम्फ्याः वृम्फ्यास्तम् वृम्फ्यास्त
वृम्फ्यासम् वृम्फ्यास्व वृम्फ्यास्म

351 वर्फ (वर्फु) गतौ

व० वर्फति वर्फतः वर्फन्ति
वर्फसि वर्फथः वर्फथ
वर्फामि वर्फावः वर्फामः

स० वर्फेत् वर्फेताम् वर्फेयुः
वर्फेः वर्फेतम् वर्फेत
वर्फेयम् वर्फेव वर्फेम

प० वर्फतु वर्फतात् वर्फताम् वर्फन्तु
वर्फ , वर्फतम् वर्फत
वर्फाणि वर्फाव वर्फाम

ह्य० अवर्फत् अवर्फताम् अवर्फन्
अवर्फः अवर्फतम् अवर्फत
अवर्फम् अवर्फाव अवर्फाम

अ० अवर्फीत् अवर्फिष्टाम् अवर्फिषुः
अवर्फीः अवर्फिष्टम् अवर्फिष्ट
अवर्फिषम् अवर्फिष्व अवर्फिष्म

प० ववर्फ ववर्फतुः ववर्फुः
ववर्फथ ववर्फथुः ववर्फ
ववर्फ ववर्फिव ववर्फिम

आ० ववर्फ्यात् ववर्फ्यास्ताम् ववर्फ्यासुः
ववर्फ्याः ववर्फ्यास्तम् ववर्फ्यास्त
ववर्फ्यासम् ववर्फ्यास्व ववर्फ्यास्म

श्व० ववर्फिता ववर्फितारौ ववर्फितारः
ववर्फितासि ववर्फितास्थः ववर्फितास्थ
ववर्फितास्मि ववर्फितास्वः ववर्फितास्मः

भ० ववर्फिष्यति ववर्फिष्यतः ववर्फिष्यन्ति
ववर्फिष्यसि ववर्फिष्यथः ववर्फिष्यथ
ववर्फिष्यामि ववर्फिष्यावः ववर्फिष्यामः

क्रि० अववर्फिष्यत् अववर्फिष्यताम् अववर्फिष्यन्
अववर्फिष्यः अववर्फिष्यतम् अववर्फिष्यत
अववर्फिष्यम् अववर्फिष्याव अववर्फिष्याम

352 रफ (रक्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| ब० | रफति | रफतः | रफन्ति |
| | रफसि | रफथः | रफथ |
| | रफामि | रफावः | रफामः |
| स० | रफेत् | रफेताम् | रफेयुः |
| | रफेः | रफेतम् | रफेत |
| | रफेयम् | रफेव | रफेम |
| प० | रफतु | रफतात् | रफताम् रफन्तु |
| | रफ | ,, | रफतम् रफत |
| | रफाणि | रफाव | रफाम |
| झ० | अरफत् | अरफताम् | अरफन् |
| | अरफः | अरफतम् | अरफत |
| | अरफम् | अरफाव | अरफाम |
| अ० | अरफीत् | अरफिष्टाम् | अरफिषुः |
| | अरफीः | अरफिष्टम् | अरफिष्ट |
| | अरफिषम् | अरफिष्व | अरफिष्म |
| | अरफीत् | अरफिष्टाम् | अरफिषुः |
| | अरफीः | अरफिष्टम् | अरफिष्ट |
| | अरफिषम् | अरफिष्व | अरफिष्म |
| प० | रराफ | रेफतुः | रेफुः |
| | रेफिथ | रेफथुः | रेफ |
| | रराफ | ररफ | रेफिथ रेफिम |
| आ० | रफ्यात् | रफ्यास्ताम् | रफ्यासुः |
| | रफ्याः | रफ्यास्तम् | रफ्यास्त |
| | रफ्यासम् | रफ्यास्व | रफ्यास्म |
| श्व० | रफिता | रफितारौ | रफितारः |
| | रफितासि | रफितास्थः | रफितास्थ |
| | रफितास्मि | रफितास्वः | रफितास्मः |
| भ० | रफिष्यति | रफिष्यन् | रफिष्यन्ति |
| | रफिष्यसि | रफिष्यथः | रफिष्यथ |
| | रफिष्यामि | रफिष्यावः | रफिष्यामः |
| क्रि० | अरफिष्यत् | अरफिष्यताम् | अरफिष्यन् |
| | अरफिष्यः | अरफिष्यतम् | अरफिष्यत |
| | अरफिष्यम् | अरफिष्याव | अरफिष्याम |

353 रफु (रम्फ) गतौ

| | | | |
|-------|-------------|---------------|-------------------|
| ब० | रम्फति | रम्फतः | रम्फन्ति |
| | रम्फसि | रम्फथः | रम्फथ |
| | रम्फामि | रम्फावः | रम्फामः |
| स० | रम्फेत् | रम्फेताम् | रम्फेयुः |
| | रम्फेः | रम्फेतम् | रम्फेत |
| | रम्फेयम् | रम्फेव | रम्फेम |
| प० | रम्फतु | रम्फतात् | रम्फताम् रम्फन्तु |
| | रम्फ | ,, | रम्फतम् रम्फत |
| | रम्फाणि | रम्फाव | रम्फाम |
| झ० | अरम्फत् | अरम्फताम् | अरम्फन् |
| | अरम्फः | अरम्फतम् | अरम्फत |
| | अरम्फम् | अरम्फाव | अरम्फाम |
| अ० | अरम्फीत् | अरम्फिष्टाम् | अरम्फिषुः |
| | अरम्फीः | अरम्फिष्टम् | अरम्फिष्ट |
| | अरम्फिषम् | अरम्फिष्व | अरम्फिष्म |
| प० | ररम्फ | ररम्फुः | ररम्फुः |
| | ररम्फिथ | ररम्फथुः | ररम्फ |
| | ररम्फ | ररम्फिथ | ररम्फिम |
| आ० | रम्फ्यात् | रम्फ्यास्ताम् | रम्फ्यासुः |
| | रम्फ्याः | रम्फ्यास्तम् | रम्फ्यास्त |
| | रम्फ्यासम् | रम्फ्यास्व | रम्फ्यास्म |
| श्व० | रम्फिता | रम्फितारौ | रम्फितारः |
| | रम्फितासि | रम्फितास्थः | रम्फितास्थ |
| | रम्फितास्मि | रम्फितास्वः | रम्फितास्मः |
| भ० | रम्फिष्यति | रम्फिष्यन् | रम्फिष्यन्ति |
| | रम्फिष्यसि | रम्फिष्यथः | रम्फिष्यथ |
| | रम्फिष्यामि | रम्फिष्यावः | रम्फिष्यामः |
| क्रि० | अरम्फिष्यत् | अरम्फिष्यताम् | अरम्फिष्यन् |
| | अरम्फिष्यः | अरम्फिष्यतम् | अरम्फिष्यत |
| | अरम्फिष्यम् | अरम्फिष्याव | अरम्फिष्याम |

अथ बान्ता अष्टादश सेटश्च

354 अर्ब (अर्बू) गतौ

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| ब० अर्बति | अर्बतः | अर्बन्ति |
| अर्बसि | अर्बथः | अर्बथ |
| अर्बामि | अर्बावः | अर्बामः |
| स० अर्बेत् | अर्बेताम् | अर्बेयुः |
| अर्बेः | अर्बेतम् | अर्बेत |
| अर्बेयम् | अर्बेव | अर्बेम |
| प० अर्बतु | अर्बतात् | अर्बताम् |
| अर्ब | अर्बतम् | अर्बत |
| अर्बाणि | अर्बाव | अर्बाम |
| ह्य० अर्बत् | अर्बताम् | अर्बन् |
| अर्बः | अर्बतम् | अर्बत |
| अर्बम् | अर्बाव | अर्बाम |
| अ० अर्बीत् | अर्बिष्टाम् | अर्बिषुः |
| अर्बीः | अर्बिष्टम् | अर्बिष्ट |
| अर्बिषम् | अर्बिष्व | अर्बिषम |
| प० आनर्ब | आनर्बतुः | आनर्बु |
| आनर्बिथ | आनर्बथुः | आनर्ब |
| आनर्ब | आनर्बिष्व | आनर्बिम |
| आ० अर्ब्यात् | अर्ब्यास्ताम् | अर्ब्यासुः |
| अर्ब्याः | अर्ब्यास्तम् | अर्ब्यास्त |
| अर्ब्यासम् | अर्ब्यास्व | अर्ब्यास्म |
| श्व० अर्बिता | अर्बितारौ | अर्बितारः |
| अर्बितासि | अर्बितास्थः | अर्बितास्थ |
| अर्बितास्मि | अर्बितास्वः | अर्बितास्मः |
| भ० अर्बिष्यति | अर्बिष्यतः | अर्बिष्यन्ति |
| अर्बिष्यसि | अर्बिष्यथः | अर्बिष्यथ |
| अर्बिष्यामि | अर्बिष्यावः | अर्बिष्यामः |
| क्रि० अर्बिष्यत् | अर्बिष्यताम् | अर्बिष्यन् |
| अर्बिष्यः | अर्बिष्यतम् | अर्बिष्यत |
| अर्बिष्यम् | अर्बिष्याव | अर्बिष्याम |

355 कर्व (कर्वू) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० कर्वति | कर्वतः | कर्वन्ति |
| कर्वसि | कर्वथः | कर्वथ |
| कर्वामि | कर्वावः | कर्बामः |
| स० कर्वेत् | कर्वेताम् | कर्वेयुः |
| कर्वेः | कर्वेतम् | कर्वेत |
| कर्वेयम् | कर्वेव | कर्वेम |
| प० कर्वतु | कर्वतात् | कर्वताम् |
| कर्व | कर्वतम् | कर्वत |
| कर्वाणि | कर्वाव | कर्बाम |
| ह्य० अकर्वत् | अकर्वताम् | अकर्वन् |
| अकर्वः | अकर्वतम् | अकर्वत |
| अकर्वम् | अकर्वाव | अकर्बाम |
| अ० अकर्वीत् | अकर्विष्टाम् | अकर्विषुः |
| अकर्वीः | अकर्विष्टम् | अकर्विष्ट |
| अकर्विषम् | अकर्विष्व | अकर्विषम |
| प० चकर्व | चकर्दतुः | चकर्तुः |
| चकर्बिथ | चकर्बथुः | चकर्ब |
| चकर्ब | चकर्बिष्व | चकर्बिम |
| आ० कर्ब्यात् | कर्ब्यास्ताम् | कर्ब्यासुः |
| कर्ब्याः | कर्ब्यास्तम् | कर्ब्यास्त |
| कर्ब्यासम् | कर्ब्यास्व | कर्ब्यास्म |
| श्व० कर्बिता | कर्बितारौ | कर्बितारः |
| कर्बितासि | कर्बितास्थः | कर्बितास्थ |
| कर्बितास्मि | कर्बितास्वः | कर्बितास्मः |
| भ० कर्बिष्यति | कर्बिष्यतः | कर्बिष्यन्ति |
| कर्बिष्यसि | कर्बिष्यथः | कर्बिष्यथ |
| कर्बिष्यामि | कर्बिष्यावः | कर्बिष्यामः |
| क्रि० अकर्बिष्यत् | अकर्बिष्यताम् | अकर्बिष्यन् |
| अकर्बिष्यः | अकर्बिष्यतम् | अकर्बिष्यत |
| अकर्बिष्यम् | अकर्बिष्याव | अकर्बिष्याम |

356 खर्व (खर्व्) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० खर्वति | खर्वतः | खर्वन्ति |
| खर्वसि | खर्वथः | खर्वथ |
| खर्वामि | खर्वावः | खर्वामः |
| स० खर्वेत् | खर्वेताम् | खर्वेयुः |
| खर्वेः | खर्वेतम् | खर्वेत |
| खर्वेयम् | खर्वेव | खर्वेम |
| प० खर्वतु | खर्वतात् | खर्वताम् |
| खर्व | खर्वतम् | खर्वत |
| खर्वाणि | खर्वाव | खर्वाम |
| झ० अखर्वत् | अखर्वताम् | अखर्वन् |
| अखर्वेः | अखर्वेतम् | अखर्वेत |
| अखर्वम् | अखर्वाव | अखर्वाम |
| अ० अखर्वीत् | अखर्विष्टाम् | अखर्विषुः |
| अखर्वीः | अखर्विष्टम् | अखर्विष्ट |
| अखर्विषम् | अखर्विष्व | अखर्विष्म |
| प० चखर्व | चखर्वतुः | चखर्वुः |
| चखर्विथ | चखर्वथुः | चखर्व |
| चखर्व | चखर्विथ | चखर्विम |
| आ० खर्व्यात् | खर्व्यास्ताम् | खर्व्यासुः |
| खर्व्याः | खर्व्यास्तम् | खर्व्यास्त |
| खर्व्यासम् | खर्व्यास्व | खर्व्यास्म |
| भ्व० खर्विता | खर्वितारौ | खर्वितारः |
| खर्वितासि | खर्वितास्थः | खर्वितास्थ |
| खर्वितास्मि | खर्वितास्वः | खर्वितास्मः |
| भ० खर्विष्यति | खर्विष्यतः | खर्विष्यन्ति |
| खर्विष्यसि | खर्विष्यथः | खर्विष्यथ |
| खर्विष्यामि | खर्विष्यावः | खर्विष्यामः |
| क्रि० अखर्विष्यत् | अखर्विष्यताम् | अखर्विष्यन् |
| अखर्विष्यः | अखर्विष्यतम् | अखर्विष्यत |
| अखर्विष्यम् | अखर्विष्याव | अखर्विष्याम |

357 गर्ब (गर्ब्) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० गर्बति | गर्बतः | गर्बन्ति |
| गर्बसि | गर्बथः | गर्बथ |
| गर्बामि | गर्बावः | गर्बामः |
| स० गर्बेत् | गर्बेताम् | गर्बेयुः |
| गर्बेः | गर्बेतम् | गर्बेत |
| गर्बेयम् | गर्बेव | गर्बेम |
| प० गर्बतु | गर्बतात् | गर्बताम् |
| गर्ब | गर्बतम् | गर्बत |
| गर्वाणि | गर्वाव | गर्बाम |
| झ० अगर्बत् | अगर्बताम् | अगर्बन् |
| अगर्बेः | अगर्बेतम् | अगर्बेत |
| अगर्बम् | अगर्बाव | अगर्बाम |
| अ० अगर्बीत् | अगर्बिष्टाम् | अगर्बिषुः |
| अगर्बीः | अगर्बिष्टम् | अगर्बिष्ट |
| अगर्बिषम् | अगर्बिष्व | अगर्बिष्म |
| प० जगर्ब | जगर्बतुः | जगर्बुः |
| जगर्बिथ | जगर्बथुः | जगर्ब |
| जगर्ब | जगर्बिथ | जगर्बिम |
| आ० गर्ब्यात् | गर्ब्यास्ताम् | गर्ब्यासुः |
| गर्ब्याः | गर्ब्यास्तम् | गर्ब्यास्त |
| गर्ब्यासम् | गर्ब्यास्व | गर्ब्यास्म |
| भ्व० गर्बिता | गर्बितारौ | गर्बितारः |
| गर्बितासि | गर्बितास्थः | गर्बितास्थ |
| गर्बितास्मि | गर्बितास्वः | गर्बितास्मः |
| भ० गर्बिष्यति | गर्बिष्यतः | गर्बिष्यन्ति |
| गर्बिष्यसि | गर्बिष्यथः | गर्बिष्यथ |
| गर्बिष्यामि | गर्बिष्यावः | गर्बिष्यामः |
| क्रि० अगर्बिष्यत् | अगर्बिष्यताम् | अगर्बिष्यन् |
| अगर्बिष्यः | अगर्बिष्यतम् | अगर्बिष्यत |
| अगर्बिष्यम् | अगर्बिष्याव | अगर्बिष्याम |

358 चर्व (चर्बु) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० चर्वति | चर्वतः | चर्वन्ति |
| चर्वसि | चर्वथः | चर्वथ |
| चर्वामि | चर्वावः | चर्वामः |
| स० चर्वेत् | चर्वेताम् | चर्वेयुः |
| चर्वेः | चर्वेतम् | चर्वेत |
| चर्वेयम् | चर्वेव | चर्वेम |
| प० चर्वतु | चर्वतात् | चर्वताम् |
| चर्व | चर्वतम् | चर्वत |
| चर्वाणि | चर्वाव | चर्वाम |
| ह्य० अचर्वत् | अचर्वताम् | अचर्वन् |
| अचर्वः | अचर्वतम् | अचर्वत |
| अचर्वम् | अचर्वाव | अचर्वाम |
| अ० अचर्वीत् | अचर्विष्टाम् | अचर्विषुः |
| अचर्वीः | अचर्विष्टम् | अचर्विष्ट |
| अचर्विषम् | अचर्विष्व | अचर्विष्म |
| प० चचर्व | चचर्वतुः | चचर्बुः |
| चचर्विथ | चचर्विथुः | चचर्व |
| चचर्व | चचर्विव | चचर्विम |
| आ० चर्ष्यात् | चर्ष्यास्ताम् | चर्ष्यासुः |
| चर्ष्याः | चर्ष्यास्तम् | चर्ष्यास्त |
| चर्ष्यासम् | चर्ष्यास्व | चर्ष्यास्म |
| श्व० चर्विता | चर्वितारौ | चर्वितारः |
| चर्वितासि | चर्वितास्थः | चर्वितास्थ |
| चर्वितास्मि | चर्वितास्वः | चर्वितास्मः |
| भ० चर्विष्यति | चर्विष्यतः | चर्विष्यन्ति |
| चर्विष्यसि | चर्विष्यथः | चर्विष्यथ |
| चर्विष्यामि | चर्विष्यावः | चर्विष्यामः |
| क्रि० अचर्विष्यत् | अचर्विष्यताम् | अचर्विष्यन् |
| अचर्विष्यः | अचर्विष्यतम् | अचर्विष्यत |
| अचर्विष्यम् | अचर्विष्याव | अचर्विष्याम |

359 तर्ब (तर्बु) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० तर्बति | तर्बतः | तर्बन्ति |
| तर्बसि | तर्बथः | तर्बथ |
| तर्बामि | तर्बावः | तर्बामः |
| स० तर्बेत् | तर्बेताम् | तर्बेयुः |
| तर्बेः | तर्बेतम् | तर्बेत |
| तर्बेयम् | तर्बेव | तर्बेम |
| प० तर्बतु | तर्बतात् | तर्बताम् |
| तर्ब | तर्बतम् | तर्बत |
| तर्बाणि | तर्बाव | तर्बाम |
| ह्य० अतर्बत् | अतर्बताम् | अतर्बन् |
| अतर्बः | अतर्बतम् | अतर्बत |
| अतर्बम् | अतर्बाव | अतर्बाम |
| अ० अतर्बीत् | अतर्बिष्टाम् | अतर्बिषुः |
| अतर्बीः | अतर्बिष्टम् | अतर्बिष्ट |
| अतर्बिषम् | अतर्बिष्व | अतर्बिष्म |
| प० ततर्ब | ततर्बतुः | ततर्बुः |
| ततर्बिथ | ततर्बिथुः | ततर्ब |
| ततर्ब | ततर्बिव | ततर्बिम |
| आ० तर्ष्यात् | तर्ष्यास्ताम् | तर्ष्यासुः |
| तर्ष्याः | तर्ष्यास्तम् | तर्ष्यास्त |
| तर्ष्यासम् | तर्ष्यास्व | तर्ष्यास्म |
| श्व० तर्बिता | तर्बितारौ | तर्बितारः |
| तर्बितासि | तर्बितास्थः | तर्बितास्थ |
| तर्बितास्मि | तर्बितास्वः | तर्बितास्मः |
| भ० तर्बिष्यति | तर्बिष्यतः | तर्बिष्यन्ति |
| तर्बिष्यसि | तर्बिष्यथः | तर्बिष्यथ |
| तर्बिष्यामि | तर्बिष्यावः | तर्बिष्यामः |
| क्रि० अतर्बिष्यत् | अतर्बिष्यताम् | अतर्बिष्यन् |
| अतर्बिष्यः | अतर्बिष्यतम् | अतर्बिष्यत |
| अतर्बिष्यम् | अतर्बिष्याव | अतर्बिष्याम |

360 नर्ब (नर्बु) गतौ ।

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० नर्बति | नर्बतः | नर्बन्ति |
| नर्बसि | नर्बथः | नर्बथ |
| नर्बामि | नर्बावः | नर्बामः |
| स० नर्बेत् | नर्बेताम् | नर्बेयुः |
| नर्बेः | नर्बेतम् | नर्बेत |
| नर्बेयम् | नर्बेव | नर्बेम |

प० नर्बतु नर्बतात् नर्बताम् नर्बन्तु
नर्ब " नर्बेतम् नर्बेत
नर्बाणि नर्बाव नर्बाम

ह्य० अनर्बत् अनर्बताम् अनर्बन्
अनर्बः अनर्बेतम् अनर्बेत
अनर्बम् अनर्बाव अनर्बाम

अ० अनर्बीत् अनर्बिष्टाम् अनर्बिषुः
अनर्बीः अनर्बिष्टम् अनर्बिष्ट
अनर्बिषम् अनर्बिष्व अनर्बिष्व

प० ननर्ब ननर्बतुः ननर्बुः
ननर्बिथ ननर्बथुः ननर्ब
ननर्ब ननर्बिष्व ननर्बिष्व

आ० नर्ब्यात् नर्ब्यास्ताम् नर्ब्यासुः
नर्ब्याः नर्ब्यास्तम् नर्ब्यास्त
नर्ब्यासम् नर्ब्यास्व नर्ब्यास्म

श्व० नर्बिता नर्बितारौ नर्बितारः
नर्बितासि नर्बितास्थः नर्बितास्थ
नर्बितास्मि नर्बितास्वः नर्बितास्मः

भ० नर्बिष्यति नर्बिष्यतः नर्बिष्यन्ति
नर्बिष्यसि नर्बिष्यथः नर्बिष्यथ
नर्बिष्यामि नर्बिष्यावः नर्बिष्यामः

क्रि० अनर्बिष्यत् अनर्बिष्यताम् अनर्बिष्यन्
अनर्बिष्यः अनर्बिष्यतम् अनर्बिष्यत
अनर्बिष्यम् अनर्बिष्याव अनर्बिष्याम

361 पर्व (पर्वु) गतौ ।

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० पर्वति | पर्वतः | पर्वन्ति |
| पर्वसि | पर्वथः | पर्वथ |
| पर्वामि | पर्बावः | पर्वामः |
| स० पर्वेत् | पर्वेताम् | पर्वेयुः |
| पर्वेः | पर्वेतम् | पर्वेत |
| पर्वेयम् | पर्वेव | पर्वेम |

प० पर्वतु पर्वतात् पर्वताम् पर्वन्तु
पर्व " पर्वेतम् पर्वेत
पर्वाणि पर्बाव पर्वाम

ह्य० अपर्वत् अपर्वताम् अपर्वन्
अपर्वः अपर्वेतम् अपर्वेत
अपर्वम् अपर्बाव अपर्वाम

अ० अपर्वीत् अपर्विष्टाम् अपर्विषुः
अपर्वीः अपर्विष्टम् अपर्विष्ट
अपर्विषम् अपर्विष्व अपर्विष्व

प० पपर्व पपर्वतुः पपर्वुः
पपर्विथ पपर्वथुः पपर्व
पपर्व पपर्विष्व पपर्विष्व

आ० पर्व्यात् पर्व्यास्ताम् पर्व्यासुः
पर्व्याः पर्व्यास्तम् पर्व्यास्त
पर्व्यासम् पर्व्यास्व पर्व्यास्म

श्व० पर्विता पर्वितारौ पर्वितारः
पर्वितासि पर्वितास्थः पर्वितास्थ
पर्वितास्मि पर्वितास्वः पर्वितास्मः

भ० पर्विष्यति पर्विष्यतः पर्विष्यन्ति
पर्विष्यसि पर्विष्यथः पर्विष्यथ
पर्विष्यामि पर्विष्यावः पर्विष्यामः

क्रि० अपर्विष्यत् अपर्विष्यताम् अपर्विष्यन्
अपर्विष्यः अपर्विष्यतम् अपर्विष्यत
अपर्विष्यम् अपर्विष्याव अपर्विष्याम

363 शर्ब (शर्बु) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| व० | शर्बति | शर्बतः | शर्बन्ति |
| | शर्बसि | शर्बथः | शर्बथ |
| | शर्बामि | शर्बावः | शर्बामः |
| स० | शर्बेत् | शर्बेताम् | शर्बेयुः |
| | शर्बेः | शर्बेतम् | शर्बेत |
| | शर्बेयम् | शर्बेव | शर्बेम |
| प० | शर्बतु | शर्बतात् | शर्बताम् |
| | शर्ब | ” | शर्बतम् |
| | शर्बाणि | शर्बाव | शर्बाम |
| ह्य० | अशर्बत् | अशर्बताम् | अशर्बन् |
| | अशर्बः | अशर्बतम् | अशर्बत |
| | अशर्बम् | अशर्बाव | अशर्बाम |
| अ० | अशर्बीत् | अशर्बिष्टाम् | अशर्बिषुः |
| | अशर्बीः | अशर्बिष्टम् | अशर्बिष्ट |
| | अशर्बिषम् | अशर्बिष्व | अशर्बिष्म |
| प० | शशर्ब | शशर्बतुः | शशर्बुः |
| | शशर्बिथ | शशर्बथुः | शशर्ब |
| | शशर्ब | शशर्बिष्व | शशर्बिष्म |
| आ० | शशर्बात् | शशर्बास्ताम् | शशर्बासुः |
| | शशर्बाः | शशर्बास्तम् | शशर्बास्त |
| | शशर्बासम् | शशर्बास्व | शशर्बास्म |
| श्व० | शर्बिता | शर्बितारौ | शर्बितारः |
| | शर्बितासि | शर्बितास्थः | शर्बितास्थ |
| | शर्बितास्मि | शर्बितास्वः | शर्बितास्मः |
| भ० | शर्बिष्यति | शर्बिष्यतः | शर्बिष्यन्ति |
| | शर्बिष्यसि | शर्बिष्यथः | शर्बिष्यथ |
| | शर्बिष्यामि | शर्बिष्यावः | शर्बिष्यामः |
| क्रि० | अशर्बिष्यत् | अशर्बिष्यताम् | अशर्बिष्यन् |
| | अशर्बिष्यः | अशर्बिष्यतम् | अशर्बिष्यत |
| | अशर्बिष्यम् | अशर्बिष्याव | अशर्बिष्याम |

362 बर्ब (बर्बु) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| व० | बर्बति | बर्बतः | बर्बन्ति |
| | बर्बसि | बर्बथः | बर्बथ |
| | बर्बामि | बर्बावः | बर्बामः |
| स० | बर्बेत् | बर्बेताम् | बर्बेयुः |
| | बर्बेः | बर्बेतम् | बर्बेत |
| | बर्बेयम् | बर्बेव | बर्बेम |
| प० | बर्बतु | बर्बतात् | बर्बताम् |
| | बर्ब | ” | बर्बतम् |
| | बर्बाणि | बर्बाव | बर्बाम |
| ह्य० | अबर्बत् | अबर्बताम् | अबर्बन् |
| | अबर्बः | अबर्बतम् | अबर्बत |
| | अबर्बम् | अबर्बाव | अबर्बाम |
| अ० | अबर्बीत् | अबर्बिष्टाम् | अबर्बिषुः |
| | अबर्बीः | अबर्बिष्टम् | अबर्बिष्ट |
| | अबर्बिषम् | अबर्बिष्व | अबर्बिष्म |
| प० | बबर्ब | बबर्बतुः | बबर्बुः |
| | बबर्बिथ | बबर्बथुः | बबर्ब |
| | बबर्ब | बबर्बिष्व | बबर्बिष्म |
| आ० | बबर्बात् | बबर्बास्ताम् | बबर्बासुः |
| | बबर्बाः | बबर्बास्तम् | बबर्बास्त |
| | बबर्बासम् | बबर्बास्व | बबर्बास्म |
| श्व० | बर्बिता | बर्बितारौ | बर्बितारः |
| | बर्बितासि | बर्बितास्थः | बर्बितास्थ |
| | बर्बितास्मि | बर्बितास्वः | बर्बितास्मः |
| भ० | बर्बिष्यति | बर्बिष्यतः | बर्बिष्यन्ति |
| | बर्बिष्यसि | बर्बिष्यथः | बर्बिष्यथ |
| | बर्बिष्यामि | बर्बिष्यावः | बर्बिष्यामः |
| क्रि० | अबर्बिष्यत् | अबर्बिष्यताम् | अबर्बिष्यन् |
| | अबर्बिष्यः | अबर्बिष्यतम् | अबर्बिष्यत |
| | अबर्बिष्यम् | अबर्बिष्याव | अबर्बिष्याम |

364 षर्ब (सर्ब) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| व० | सर्बति | सर्बतः | सर्बन्ति |
| | सर्बसि | सर्बथः | सर्बथ |
| | सर्बामि | सर्बावः | सर्बामः |
| स० | सर्बेत् | सर्बेताम् | सर्बेयुः |
| | सर्बेः | सर्बेतम् | सर्बेत |
| | सर्बेयम् | सर्बेव | सर्बेम |
| प० | सर्बतु | सर्बतात् | सर्बताम् |
| | सर्ब | ” | सर्बतम् |
| | सर्बाणि | सर्बाव | सर्बाम |
| ह्य० | असर्बत् | असर्बताम् | असर्बन् |
| | असर्बः | असर्बतम् | असर्बत |
| | असर्बम् | असर्बाव | असर्बाम |
| अ० | असर्बीत् | असर्बिष्टाम् | असर्बिषुः |
| | असर्बीः | असर्बिष्टम् | असर्बिष्ट |
| | असर्बिषम् | असर्बिष्व | असर्बिषम |
| प० | ससर्ब | ससर्बतुः | ससर्बुः |
| | ससर्बिथ | ससर्बथुः | ससर्ब |
| | ससर्ब | ससर्बिष्व | ससर्बिम |
| आ० | सर्ब्यात् | सर्ब्यास्ताम् | सर्ब्यासुः |
| | सर्ब्याः | सर्ब्यास्तम् | सर्ब्यास्त |
| | सर्ब्यासम् | सर्ब्यास्व | सर्ब्यासम |
| श्व० | सर्बिता | सर्बितारौ | सर्बितारः |
| | सर्बितासि | सर्बितास्थः | सर्बितास्थ |
| | सर्बितास्मि | सर्बितास्वः | सर्बितास्मः |
| भ० | सर्बिष्यति | सर्बिष्यतः | सर्बिष्यन्ति |
| | सर्बिष्यसि | सर्बिष्यथः | सर्बिष्यथ |
| | सर्बिष्यामि | सर्बिष्यावः | सर्बिष्यामः |
| क्रि० | असर्बिष्यत् | असर्बिष्यताम् | असर्बिष्यन् |
| | असर्बिष्यः | असर्बिष्यतम् | असर्बिष्यत |
| | असर्बिष्यम् | असर्बिष्याव | असर्बिष्याम |

365 सर्व (सर्ब) गतौ ।

अस्य रूपाणि षर्ब (364) वत् ।

अषोपदेशत्वात् । सिसर्बयिषति
षोपदेशत्वात् सिषर्बयिषति ।

366 रिबु (रिम्ब) गतौ

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| व० | रिम्बति | रिम्बतः | रिम्बन्ति |
| | रिम्बसि | रिम्बथः | रिम्बथ |
| | रिम्बामि | रिम्बावः | रिम्बामः |
| स० | रिम्बेत् | रिम्बेताम् | रिम्बेयुः |
| | रिम्बेः | रिम्बेतम् | रिम्बेत |
| | रिम्बेयम् | रिम्बेव | रिम्बेम |
| प० | रिम्बतु | रिम्बतात् | रिम्बताम् |
| | रिम्ब | ” | रिम्बतम् |
| | रिम्बाणि | रिम्बाव | रिम्बाम |
| ह्य० | अरिम्बत् | अरिम्बताम् | अरिम्बन् |
| | अरिम्बः | अरिम्बतम् | अरिम्बत |
| | अरिम्बम् | अरिम्बाव | अरिम्बाम |
| अ० | अरिम्बीत् | अरिम्बिष्टाम् | अरिम्बिषुः |
| | अरिम्बीः | अरिम्बिष्टम् | अरिम्बिष्ट |
| | अरिम्बिषम् | अरिम्बिष्व | अरिम्बिषम |
| प० | रिरिम्ब | रिरिम्बतुः | रिरिम्बुः |
| | रिरिम्बिथ | रिरिम्बथुः | रिरिम्ब |
| | रिरिम्ब | रिरिम्बिष्व | रिरिम्बिम |
| आ० | रिम्ब्यात् | रिम्ब्यास्ताम् | रिम्ब्यासुः |
| | रिम्ब्याः | रिम्ब्यास्तम् | रिम्ब्यास्त |
| | रिम्ब्यासम् | रिम्ब्यास्व | रिम्ब्यासम |
| श्व० | रिम्बिता | रिम्बितारौ | रिम्बितारः |
| | रिम्बितासि | रिम्बितास्थः | रिम्बितास्थ |
| | रिम्बितास्मि | रिम्बितास्वः | रिम्बितास्मः |
| भ० | रिम्बिष्यति | रिम्बिष्यतः | रिम्बिष्यन्ति |
| | रिम्बिष्यसि | रिम्बिष्यथः | रिम्बिष्यथ |
| | रिम्बिष्यामि | रिम्बिष्यावः | रिम्बिष्यामः |
| क्रि० | अरिम्बिष्यत् | अरिम्बिष्यताम् | अरिम्बिष्यन् |
| | अरिम्बिष्यः | अरिम्बिष्यतम् | अरिम्बिष्यत |
| | अरिम्बिष्यम् | अरिम्बिष्याव | अरिम्बिष्याम |

367 रवु (रम्बु) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० रम्बति | रम्बतः | रम्बन्ति |
| रम्बसि | रम्बथः | रम्बथ |
| रम्बामि | रम्बावः | रम्बामः |
| स० रम्बेत् | रम्बेताम् | रम्बेयुः |
| रम्बेः | रम्बेतम् | रम्बेत |
| रम्बेयम् | रम्बेव | रम्बेम |
| प० रम्बतु | रम्बतात् | रम्बताम् |
| रम्ब | रम्बतम् | रम्बत |
| रम्बान्ति | रम्बाव | रम्बाम |
| ह्य० अरम्बत् | अरम्बताम् | अरम्बन् |
| अरम्बः | अरम्बतम् | अरम्बत |
| अरम्बम् | अरम्बाव | अरम्बाम |
| अ० अरम्बीत् | अरम्बिष्टाम् | अरम्बिषुः |
| अरम्बीः | अरम्बिष्टम् | अरम्बिष्ट |
| अरम्बिषम् | अरम्बिष्व | अरम्बिष्म |
| प० ररम्ब | ररम्बतुः | ररम्बुः |
| ररम्बथ | ररम्बथुः | ररम्ब |
| ररम्ब | ररम्बव | ररम्बम |
| आ० रम्ब्यात् | रम्ब्यास्ताम् | रम्ब्यासुः |
| रम्ब्याः | रम्ब्यास्तम् | रम्ब्यास्त |
| रम्ब्यासम् | रम्ब्यास्व | रम्ब्यास्म |
| श्व० रम्बिता | रम्बितारौ | रम्बितारः |
| रम्बितासि | रम्बितास्थः | रम्बितास्थ |
| रम्बितास्मि | रम्बितास्वः | रम्बितास्मः |
| भ० रम्बिष्यति | रम्बिष्यतः | रम्बिष्यन्ति |
| रम्बिष्यसि | रम्बिष्यथः | रम्बिष्यथ |
| रम्बिष्यामि | रम्बिष्यावः | रम्बिष्यामः |
| क्रि० अरम्बिष्यत् | अरम्बिष्यताम् | अरम्बिष्यन् |
| अरम्बिष्यः | अरम्बिष्यतम् | अरम्बिष्यत |
| अरम्बिष्यम् | अरम्बिष्याव | अरम्बिष्याम |

368 कुवु (कुम्बु) आच्छादने ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० कुम्बति | कुम्बतः | कुम्बन्ति |
| कुम्बसि | कुम्बथः | कुम्बथ |
| कुम्बामि | कुम्बावः | कुम्बामः |
| स० कुम्बेत् | कुम्बेताम् | कुम्बेयुः |
| कुम्बेः | कुम्बेतम् | कुम्बेत |
| कुम्बेयम् | कुम्बेव | कुम्बेम |
| प० कुम्बतु | कुम्बतात् | कुम्बताम् |
| कुम्ब | कुम्बतम् | कुम्बत |
| कुम्बानि | कुम्बाव | कुम्बाम |
| ह्य० अकुम्बत् | अकुम्बताम् | अकुम्बन् |
| अकुम्बः | अकुम्बतम् | अकुम्बत |
| अकुम्बम् | अकुम्बाव | अकुम्बाम |
| अ० अकुम्बीत् | अकुम्बिष्टाम् | अकुम्बिषुः |
| अकुम्बीः | अकुम्बिष्टम् | अकुम्बिष्ट |
| अकुम्बिषम् | अकुम्बिष्व | अकुम्बिष्म |
| प० चुकुम्ब | चुकुम्बतुः | चुकुम्बुः |
| चुकुम्बथ | चुकुम्बथुः | चुकुम्ब |
| चुकुम्ब | चुकुम्बव | चुकुम्बम |
| आ० कुम्ब्यात् | कुम्ब्यास्ताम् | कुम्ब्यासुः |
| कुम्ब्याः | कुम्ब्यास्तम् | कुम्ब्यास्त |
| कुम्ब्यासम् | कुम्ब्यास्व | कुम्ब्यास्म |
| श्व० कुम्बिता | कुम्बितारौ | कुम्बितारः |
| कुम्बितासि | कुम्बितास्थः | कुम्बितास्थ |
| कुम्बितास्मि | कुम्बितास्वः | कुम्बितास्मः |
| भ० कुम्बिष्यति | कुम्बिष्यतः | कुम्बिष्यन्ति |
| कुम्बिष्यसि | कुम्बिष्यथः | कुम्बिष्यथ |
| कुम्बिष्यामि | कुम्बिष्यावः | कुम्बिष्यामः |
| क्रि० अकुम्बिष्यत् | अकुम्बिष्यताम् | अकुम्बिष्यन् |
| अकुम्बिष्यः | अकुम्बिष्यतम् | अकुम्बिष्यत |
| अकुम्बिष्यम् | अकुम्बिष्याव | अकुम्बिष्याम |

369 लुबु (लुम्बु) अर्दने

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० लुम्बति | लुम्बतः | लुम्बन्ति |
| लुम्बसि | लुम्बथः | लुम्बथ |
| लुम्बामि | लुम्बावः | लुम्बामः |
| स० लुम्बेत् | लुम्बेताम् | लुम्बेयुः |
| लुम्बेः | लुम्बेतम् | लुम्बेत |
| लुम्बेयम् | लुम्बेव | लुम्बेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० लुम्बतु | लुम्बतात् | लुम्बताम् | लुम्बन्तु |
| लुम्ब | " | लुम्बतम् | लुम्बत |
| लुम्बानि | | लुम्बाव | लुम्बाम |

| | | |
|---------------|------------|----------|
| ह्य० अलुम्बत् | अलुम्बताम् | अलुम्बन् |
| अलुम्बः | अलुम्बतम् | अलुम्बत |
| अलुम्बम् | अलुम्बाव | अलुम्बाम |

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| अ० अलुम्बीत् | अलुम्बिताम् | अलुम्बिषुः |
| अलुम्बीः | अलुम्बितम् | अलुम्बित |
| अलुम्बिषम् | अलुम्बिष्व | अलुम्बिषम |

| | | |
|------------|------------|-----------|
| प० लुलुम्ब | लुलुम्बतुः | लुलुम्बुः |
| लुलुम्बिथ | लुलुम्बथुः | लुलुम्ब |
| लुलुम्ब | लुलुम्बिथ | लुलुम्बिम |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० लुम्ब्यात् | लुम्ब्यास्ताम् | लुम्ब्यासुः |
| लुम्ब्याः | लुम्ब्यास्तम् | लुम्ब्यास्त |
| लुम्ब्यासम् | लुम्ब्यास्व | लुम्ब्यास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| श्व० लुम्बिता | लुम्बितारौ | लुम्बितारः |
| लुम्बितासि | लुम्बितास्थः | लुम्बितास्थ |
| लुम्बितास्मि | लुम्बितास्वः | लुम्बितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० लुम्बिष्यति | लुम्बिष्यतः | लुम्बिष्यन्ति |
| लुम्बिष्यसि | लुम्बिष्यथः | लुम्बिष्यथ |
| लुम्बिष्यामि | लुम्बिष्यावः | लुम्बिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अलुम्बिष्यत् | अलुम्बिष्यताम् | अलुम्बिष्यन् |
| अलुम्बिष्यः | अलुम्बिष्यतम् | अलुम्बिष्यत |
| अलुम्बिष्यम् | अलुम्बिष्याव | अलुम्बिष्याम |

370 तुबु (तुम्बु) अर्दने

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० तुम्बति | तुम्बतः | तुम्बन्ति |
| तुम्बसि | तुम्बथः | तुम्बथ |
| तुम्बामि | तुम्बावः | तुम्बामः |
| स० तुम्बेत् | तुम्बेताम् | तुम्बेयुः |
| तुम्बेः | तुम्बेतम् | तुम्बेत |
| तुम्बेयम् | तुम्बेव | तुम्बेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० तुम्बतु | तुम्बतात् | तुम्बताम् | तुम्बन्तु |
| तुम्ब | तुम्बतात् | तुम्बतम् | तुम्बत |
| तुम्बानि | | तुम्बाव | तुम्बाम |

| | | |
|---------------|------------|----------|
| ह्य० अतुम्बत् | अतुम्बताम् | अतुम्बन् |
| अतुम्बः | अतुम्बतम् | अतुम्बत |
| अतुम्बम् | अतुम्बाव | अतुम्बाम |

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| अ० अतुम्बीत् | अतुम्बिताम् | अतुम्बिषुः |
| अतुम्बीः | अतुम्बितम् | अतुम्बित |
| अतुम्बिषम् | अतुम्बिष्व | अतुम्बिषम |

| | | |
|------------|------------|-----------|
| प० तुतुम्ब | तुतुम्बतुः | तुतुम्बुः |
| तुतुम्बिथ | तुतुम्बथुः | तुतुम्ब |
| तुतुम्ब | तुतुम्बिथ | तुतुम्बिम |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० तुम्ब्यात् | तुम्ब्यास्ताम् | तुम्ब्यासुः |
| तुम्ब्याः | तुम्ब्यास्तम् | तुम्ब्यास्त |
| तुम्ब्यासम् | तुम्ब्यास्व | तुम्ब्यास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| श्व० तुम्बिता | तुम्बितारौ | तुम्बितारः |
| तुम्बितासि | तुम्बितास्थः | तुम्बितास्थ |
| तुम्बितास्मि | तुम्बितास्वः | तुम्बितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० तुम्बिष्यति | तुम्बिष्यतः | तुम्बिष्यन्ति |
| तुम्बिष्यसि | तुम्बिष्यथः | तुम्बिष्यथ |
| तुम्बिष्यामि | तुम्बिष्यावः | तुम्बिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अतुम्बिष्यत् | अतुम्बिष्यताम् | अतुम्बिष्यन् |
| अतुम्बिष्यः | अतुम्बिष्यतम् | अतुम्बिष्यत |
| अतुम्बिष्यम् | अतुम्बिष्याव | अतुम्बिष्याम |

371 चुबु (चुम्बु) वक्त्रसंयोगे ।

वक्त्रेण सम्बन्धे

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० चुम्बति | चुम्बतः | चुम्बन्ति |
| चुम्बसि | चुम्बथः | चुम्बथ |
| चुम्बामि | चुम्बावः | चुम्बामः |
| स० चुम्बेत् | चुम्बेताम् | चुम्बेयुः |
| चुम्बेः | चुम्बेतम् | चुम्बेत |
| चुम्बेयम् | चुम्बेव | चुम्बेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० चुम्बतु | चुम्बतात् | चुम्बताम् | चुम्बन्तु |
| चुम्ब | „ | चुम्बतम् | चुम्बत |
| चुम्बानि | चुम्बाव | चुम्बाम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अचुम्बत् | अचुम्बताम् | अचुम्बन् |
| अचुम्बः | अचुम्बतम् | अचुम्बत |
| अचुम्बम् | अचुम्बाव | अचुम्बाम |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| अ० अचुम्बीत् | अचुम्बिष्टाम् | अचुम्बिषुः |
| अचुम्बीः | अचुम्बिष्टम् | अचुम्बिष्ट |
| अचुम्बिषम् | अचुम्बिष्व | अचुम्बिष्व |

| | | |
|------------|------------|-----------|
| प० चुचुम्ब | चुचुम्बतुः | चुचुम्बुः |
| चुचुम्बिथ | चुचुम्बथुः | चुचुम्ब |
| चुचुम्ब | चुचुम्बिष | चुचुम्बिम |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० चुम्ब्यात् | चुम्ब्यास्ताम् | चुम्ब्यासुः |
| चुम्ब्याः | चुम्ब्यास्तम् | चुम्ब्यास्त |
| चुम्ब्यासम् | चुम्ब्यास्व | चुम्ब्यास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| श्व० चुम्बिता | चुम्बितारौ | चुम्बितारः |
| चुम्बितासि | चुम्बितास्थः | चुम्बितास्थ |
| चुम्बितास्मि | चुम्बितास्वः | चुम्बितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० चुम्बिष्यति | चुम्बिष्यतः | चुम्बिष्यन्ति |
| चुम्बिष्यसि | चुम्बिष्यथः | चुम्बिष्यथ |
| चुम्बिष्यामि | चुम्बिष्यावः | चुम्बिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अचुम्बिष्यत् | अचुम्बिष्यताम् | अचुम्बिष्यन् |
| अचुम्बिष्यः | अचुम्बिष्यतम् | अचुम्बिष्यत |
| अचुम्बिष्यम् | अचुम्बिष्याव | अचुम्बिष्याम |

॥ अथ भान्ता अष्टौ यभंवर्याः सेटश्च ॥

372 सभू (सम्भू) हिंसायाम् ।

| | | |
|----------|---------|--------|
| व० सभति | सभतः | सभन्ति |
| सभसि | सभथः | सभथ |
| सभामि | सभावः | सभामः |
| स० सभेत् | सभेताम् | सभेयुः |
| सभेः | सभेतम् | सभेत |
| सभेयम् | सभेव | सभेमः |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० सभतु | सभतात् | सभताम् | सभन्तु |
| सभ | „ | सभतम् | सभत |
| सभाणि | सभाव | सभाम | |

| | | |
|----------|---------|-------|
| झ० असभत् | असभताम् | असभन् |
| असभः | असभतम् | असभत |
| असभम् | असभाव | असभाम |

| | | |
|-----------|------------|---------|
| अ० असभीत् | असभिष्टाम् | असभिषुः |
| असभीः | असभिष्टम् | असभिष्ट |
| असभिषम् | असभिष्व | असभिष्व |

| | | |
|--------|--------|-------|
| प० ससभ | ससभतुः | ससभुः |
| ससभिथ | ससभथुः | ससभ |
| ससभ | ससभिष | ससभिम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० सभ्यात् | सभ्यास्ताम् | सभ्यासुः |
| सभ्याः | सभ्यास्तम् | सभ्यास्त |
| सभ्यासम् | सभ्यास्व | सभ्यास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| श्व० सभिता | सभितारौ | सभितारः |
| सभितासि | सभितास्थः | सभितास्थ |
| सभितास्मि | सभितास्वः | सभितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० सभिष्यति | सभिष्यतः | सभिष्यन्ति |
| सभिष्यसि | सभिष्यथः | सभिष्यथ |
| सभिष्यामि | सभिष्यावः | सभिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० असभिष्यत् | असभिष्यताम् | असभिष्यन् |
| असभिष्यः | असभिष्यतम् | असभिष्यत |
| असभिष्यम् | असभिष्याव | असभिष्याम |

373 सृम्भ् (सृम्भ्) हिंसायाम् ।

व० सृम्भति सृम्भतः सृम्भन्ति
सृम्भसि सृम्भथः सृम्भथ
सृम्भामि सृम्भावः सृम्भामः

स० सृम्भेत् सृम्भेताम् सृम्भेयुः
सृम्भेः सृम्भेतम् सृम्भेत
सृम्भेयम् सृम्भेव सृम्भेम

प० सृम्भतु सृम्भतात् सृम्भताम् सृम्भन्तु
सृम्भ " सृम्भतम् सृम्भत
सृम्भाणि सृम्भाव सृम्भाम

झ० असृम्भत् असृम्भताम् असृम्भन्
असृम्भः असृम्भतम् असृम्भत
असृम्भम् असृम्भाव असृम्भाम

अ० असृम्भीत् असृम्भिष्टाम् असृम्भिषुः
असृम्भीः असृम्भिष्टम् असृम्भिष्ट
असृम्भिषम् असृम्भिष्व असृम्भिष्म

प० ससृम्भ ससृम्भतुः ससृम्भुः
ससृम्भथ ससृम्भथुः ससृम्भ
ससृम्भ ससृम्भथ ससृम्भम

आ० सृभ्यात् सृभ्यास्ताम् सृभ्यासुः
सृभ्याः सृभ्यास्तम् सृभ्यास्त
सृभ्यासम् सृभ्यास्व सृभ्यास्म

श्व० सृम्भिता सृम्भितारौ सृम्भितारः
सृम्भितासि सृम्भितास्थः सृम्भितास्थ
सृम्भितास्मि सृम्भितास्वः सृम्भितास्मः

भ० सृम्भिष्यति सृम्भिष्यतः सृम्भिष्यन्ति
सृम्भिष्यसि सृम्भिष्यथः सृम्भिष्यथ
सृम्भिष्यामि सृम्भिष्यावः सृम्भिष्यामः

क्रि० असृम्भिष्यत् असृम्भिष्यताम् असृम्भिष्यन्
असृम्भिष्यः असृम्भिष्यतम् असृम्भिष्यत
असृम्भिष्यम् असृम्भिष्याव असृम्भिष्याम

374 स्त्रिभ् (स्त्रिभ्) हिंसायाम् ।

व० स्त्रेभति स्त्रेभतः स्त्रेभन्ति
स्त्रेभसि स्त्रेभथः स्त्रेभथ
स्त्रेभामि स्त्रेभावः स्त्रेभामः

स० स्त्रेभेत् स्त्रेभेताम् स्त्रेभेयुः
स्त्रेभेः स्त्रेभेतम् स्त्रेभेत
स्त्रेभेयम् स्त्रेभेव स्त्रेभेम

प० स्त्रेभतु स्त्रेभतात् स्त्रेभताम् स्त्रेभन्तु
स्त्रेभ " स्त्रेभतम् स्त्रेभत
स्त्रेभाणि स्त्रेभाव स्त्रेभाम

झ० अस्त्रेभत् अस्त्रेभताम् अस्त्रेभन्
अस्त्रेभः अस्त्रेभतम् अस्त्रेभत
अस्त्रेभम् अस्त्रेभाव अस्त्रेभाम

अ० अस्त्रेभीत् अस्त्रेभिष्टाम् अस्त्रेभिषुः
अस्त्रेभीः अस्त्रेभिष्टम् अस्त्रेभिष्ट
अस्त्रेभिषम् अस्त्रेभिष्व अस्त्रेभिष्म

प० सिस्त्रेभ सिस्त्रिभतुः सिस्त्रिभुः
सिस्त्रेभथ सिस्त्रिभथुः सिस्त्रिभ
सिस्त्रेभ सिस्त्रिभिव सिस्त्रिभिम

आ० स्त्रिभ्यात् स्त्रिभ्यास्ताम् स्त्रिभ्यासुः
स्त्रिभ्याः स्त्रिभ्यास्तम् स्त्रिभ्यास्त
स्त्रिभ्यासम् स्त्रिभ्यास्व स्त्रिभ्यास्म

श्व० स्त्रेभिता स्त्रेभितारौ स्त्रेभितारः
स्त्रेभितासि स्त्रेभितास्थः स्त्रेभितास्थ
स्त्रेभितास्मि स्त्रेभितास्वः स्त्रेभितास्मः

भ० स्त्रेभिष्यति स्त्रेभिष्यतः स्त्रेभिष्यन्ति
स्त्रेभिष्यसि स्त्रेभिष्यथः स्त्रेभिष्यथ
स्त्रेभिष्यामि स्त्रेभिष्यावः स्त्रेभिष्यामः

क्रि० अस्त्रेभिष्यत् अस्त्रेभिष्यताम् अस्त्रेभिष्यन्
अस्त्रेभिष्यः अस्त्रेभिष्यतम् अस्त्रेभिष्यत
अस्त्रेभिष्यम् अस्त्रेभिष्याव अस्त्रेभिष्याम

375 सिम्भू (सिम्भू) हिंसायाम् ।

व० सिम्भति सिम्भतः सिम्भन्ति
सिम्भसि सिम्भथः सिम्भथ
सिम्भमि सिम्भावः सिम्भामः

स० सिम्भेत् सिम्भेताम् सिम्भेयुः
सिम्भेः सिम्भेतम् सिम्भेत
सिम्भेयम् सिम्भेव सिम्भेम

प० सिम्भन्तु सिम्भन्ताम् सिम्भन्तु
सिम्भन्तु सिम्भन्तम् सिम्भन्त
सिम्भानि सिम्भाव सिम्भाम

झ० असिम्भन्तु असिम्भन्ताम् असिम्भन्तु
असिम्भन्तु असिम्भन्तम् असिम्भन्त
असिम्भन्तम् असिम्भाव असिम्भाम

ञ० असिम्भेत् असिम्भेताम् असिम्भेयुः
असिम्भेः असिम्भेतम् असिम्भेत
असिम्भेयम् असिम्भेव असिम्भेम

प० सिषिम्भन्तु सिषिम्भन्ताम् सिषिम्भन्तु
सिषिम्भन्तु सिषिम्भन्तम् सिषिम्भन्त
सिषिम्भानि सिषिम्भाव सिषिम्भाम

आ० सिष्यन्तु सिष्यन्ताम् सिष्यन्तु
सिष्यन्तु सिष्यन्तम् सिष्यन्त
सिष्यन्तम् सिष्यन्तम् सिष्यन्तम्

श्व० सिम्भिता सिम्भितारौ सिम्भितारः
सिम्भितासि सिम्भितास्थः सिम्भितास्थ
सिम्भितास्मि सिम्भितास्वः सिम्भितास्मः

भ० सिम्भिष्यति सिम्भिष्यतः सिम्भिष्यन्ति
सिम्भिष्यति सिम्भिष्यथः सिम्भिष्यथ
सिम्भिष्यामि सिम्भिष्यावः सिम्भिष्यामः

कि० असिम्भिष्यन्तु असिम्भिष्यन्ताम् असिम्भिष्यन्तु
असिम्भिष्यन्तु असिम्भिष्यन्तम् असिम्भिष्यन्त
असिम्भिष्यन्तम् असिम्भिष्याव असिम्भिष्याम

376 भर्भ (भर्भ) हिंसायाम्

व० भर्भति भर्भतः भर्भन्ति
भर्भसि भर्भथः भर्भथ
भर्भमि भर्भावः भर्भामः

स० भर्भेत् भर्भेताम् भर्भेयुः
भर्भेः भर्भेतम् भर्भेत
भर्भेयम् भर्भेव भर्भेम

प० भर्भन्तु भर्भन्ताम् भर्भन्तु
भर्भन्तु भर्भन्तम् भर्भन्त
भर्भानि भर्भाव भर्भाम

झ० अभर्भन्तु अभर्भन्ताम् अभर्भन्तु
अभर्भन्तु अभर्भन्तम् अभर्भन्त
अभर्भन्तम् अभर्भाव अभर्भाम

ञ० अभर्भेत् अभर्भेताम् अभर्भेयुः
अभर्भेः अभर्भेतम् अभर्भेत
अभर्भेयम् अभर्भेव अभर्भेम

प० वभर्भन्तु वभर्भन्ताम् वभर्भन्तु
वभर्भन्तु वभर्भन्तम् वभर्भन्त
वभर्भानि वभर्भाव वभर्भाम

आ० वभर्भन्तु वभर्भन्ताम् वभर्भन्तु
वभर्भन्तु वभर्भन्तम् वभर्भन्त
वभर्भन्तम् वभर्भन्तम् वभर्भन्तम्

श्व० वभर्भिता वभर्भितारौ वभर्भितारः
वभर्भितासि वभर्भितास्थः वभर्भितास्थ
वभर्भितास्मि वभर्भितास्वः वभर्भितास्मः

भ० वभर्भिष्यति वभर्भिष्यतः वभर्भिष्यन्ति
वभर्भिष्यति वभर्भिष्यथः वभर्भिष्यथ
वभर्भिष्यामि वभर्भिष्यावः वभर्भिष्यामः

कि० वभर्भिष्यन्तु वभर्भिष्यन्ताम् वभर्भिष्यन्तु
वभर्भिष्यन्तु वभर्भिष्यन्तम् वभर्भिष्यन्त
वभर्भिष्यन्तम् वभर्भिष्याव वभर्भिष्याम

377 शुम्भ (शुम्भ) भाषणे च ।

चकाराद् हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| व० | शुम्भति | शुम्भतः | शुम्भन्ति |
| | शुम्भसि | शुम्भथः | शुम्भथ |
| | शुम्भामि | शुम्भावः | शुम्भामः |
| स० | शुम्भेत् | शुम्भेताम् | शुम्भेयुः |
| | शुम्भेः | शुम्भेतम् | शुम्भेत |
| | शुम्भेयम् | शुम्भेव | शुम्भेम |
| प० | शुम्भतु | शुम्भतात् | शुम्भताम् |
| | शुम्भ | ” | शुम्भतम् |
| | शुम्भानि | शुम्भाव | शुम्भाम |
| झ० | अशुम्भत | अशुम्भताम् | अशुम्भन् |
| | अशुम्भः | अशुम्भतम् | अशुम्भत |
| | अशुम्भम् | अशुम्भाव | अशुम्भाम |
| अ० | अशुम्भीत | अशुम्भितम् | अशुम्भिषुः |
| | अशुम्भीः | अशुम्भितम् | अशुम्भिष्व |
| | अशुम्भिष्व | अशुम्भिष्व | अशुम्भिष्व |
| प० | शुशुम्भ | शुशुम्भतुः | शुशुम्भुः |
| | शुशुम्भथ | शुशुम्भथुः | शुशुम्भ |
| | शुशुम्भ | शुशुम्भिव | शुशुम्भिम |
| आ० | शुभ्यात् | शुभ्यास्ताम् | शुभ्यासुः |
| | शुभ्याः | शुभ्यास्तम् | शुभ्यास्त |
| | शुभ्यासम् | शुभ्यास्व | शुभ्यास्म |
| भ्व० | शुम्भिता | शुम्भितारौ | शुम्भितारः |
| | शुम्भितासि | शुम्भितास्थः | शुम्भितास्थ |
| | शुम्भितास्मि | शुम्भितास्वः | शुम्भितास्मः |
| भ० | शुम्भिष्यति | शुम्भिष्यतः | शुम्भिष्यन्ति |
| | शुम्भिष्यसि | शुम्भिष्यथः | शुम्भिष्यथ |
| | शुम्भिष्यामि | शुम्भिष्यावः | शुम्भिष्यामः |
| क्रि० | अशुम्भिष्यन् | अशुम्भिष्यताम् | अशुम्भिष्यन् |
| | अशुम्भिष्यः | अशुम्भिष्यतम् | अशुम्भिष्यत |
| | अशुम्भिष्यम् | अशुम्भिष्याव | अशुम्भिष्याम |

378 यभ (यभू) मैथुने ।

मिथुनस्य कर्मणि भावे वा ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| व० | यभति | यभतः | यभन्ति |
| | यभसि | यभथः | यभथ |
| | यभामि | यभावः | यभामः |
| स० | यभेत् | यभेताम् | यभेयुः |
| | यभेः | यभेतम् | यभेत |
| | यभेयम् | यभेव | यभेम |
| प० | यभतु | यभतात् | यभताम् |
| | यभ | ” | यभतम् |
| | यभानि | यभाव | यभाम |
| झ० | अयभत् | अयभताम् | अयभन् |
| | अयभः | अयभतम् | अयभत |
| | अयभम् | अयभाव | अयभाम |
| अ० | अयाप्सीत् | अयाब्धाम् | अयाप्सुः |
| | अयाप्सीः | अयाब्धम् | अयाब्ध |
| | अयाप्सम् | अयाप्स्व | अयाप्स्म |
| प० | ययाभ | येभुः | येभुः |
| | येभिथ | ययब्ध | येभथुः |
| | ययाभ | ययभ | येभिव |
| आ० | यभ्यात् | यभ्यास्ताम् | यभ्यासुः |
| | यभ्याः | यभ्यास्तम् | यभ्यास्त |
| | यभ्यासम् | यभ्यास्व | यभ्यास्म |
| भ्व० | यब्धा | यब्धारौ | यब्धारः |
| | यब्धासि | यब्धास्थः | यब्धास्थ |
| | यब्धास्मि | यब्धास्वः | यब्धास्मः |
| भ० | यप्स्यति | यप्स्यतः | यप्स्यन्ति |
| | यप्स्यसि | यप्स्यथः | यप्स्यथ |
| | यप्स्यामि | यप्स्यावः | यप्स्यामः |
| क्रि० | अयप्स्यत् | अयप्स्यताम् | अयप्स्यन् |
| | अयप्स्यः | अयप्स्यतम् | अयप्स्यत |
| | अयप्स्यम् | अयप्स्याव | अयप्स्याम |

379 जभ (जम्भ) मैथुने ।

मिथुनस्य कर्मणि भावे वा ।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| व० | जम्भति | जम्भतः | जम्भन्ति |
| | जम्भसि | जम्भथः | जम्भथ |
| | जम्भामि | जम्भावः | जम्भामः |
| स० | जम्भेत् | जम्भेताम् | जम्भेयुः |
| | जम्भेः | जम्भेतम् | जम्भेत |
| | जम्भेयम् | जम्भेव | जम्भेम |
| प० | जम्भतु | जम्भतात् | जम्भन्तु |
| | जम्भ | ” | जम्भतम् |
| | जम्भानि | जम्भाव | जम्भाम |
| झ० | अजम्भत् | अजम्भताम् | अजम्भन् |
| | अजम्भः | अजम्भतम् | अजम्भत |
| | अजम्भम् | अजम्भाव | अजम्भाम |
| भ० | अजम्भोत् | अजम्भिष्टाम् | अजम्भिषुः |
| | अजम्भीः | अजम्भिष्टम् | अजम्भिष्ट |
| | अजम्भिषम् | अजम्भिष्व | अजम्भिषम् |
| प० | जजम्भ | जजम्भतुः | जजम्भ्युः |
| | जजम्भिथ | जजम्भथुः | जजम्भ |
| | जजम्भ | जजम्भिव | जजम्भिम |
| आ० | जजम्भात् | जजम्भास्ताम् | जजम्भासुः |
| | जजम्भाः | जजम्भास्तम् | जजम्भास्त |
| | जजम्भासम् | जजम्भास्व | जजम्भास्म |
| अ० | जजम्भिता | जजम्भितारौ | जजम्भितारः |
| | जजम्भितासि | जजम्भितास्थः | जजम्भितास्थ |
| | जजम्भितास्मि | जजम्भितास्वः | जजम्भितास्मः |
| भ० | जजम्भित्यति | जजम्भित्यतः | जजम्भित्यन्ति |
| | जजम्भित्यसि | जजम्भित्यथः | जजम्भित्यथ |
| | जजम्भित्यामि | जजम्भित्यावः | जजम्भित्यामः |
| क्रि० | अजजम्भित्यत् | अजजम्भित्यताम् | अजजम्भित्यन् |
| | अजजम्भित्यः | अजजम्भित्यतम् | अजजम्भित्यत |
| | अजजम्भित्यम् | अजजम्भित्याव | अजजम्भित्याम |

अथ मान्ताः सप्तदश यमुणमंगलवर्जाः सेटश्च

380 चम् [चम्] अदने ।

| | | | |
|----|-------|---------|--------|
| व० | चम्ति | चमतः | चमन्ति |
| | चमसि | चमथः | चमथ |
| | चमामि | चमावः | चमामः |
| स० | चमेत् | चमेताम् | चमेयुः |

चमेः चमेतम् चमेत

चमेयम् चमेव चमेम

प० चमतु चमतात् चमताम् चमन्तु
चम " चमतम् चमत
चमानि चमाव चमाम

झ० अचमत् अचमताम् अचमन्

अचमः अचमतम् अचमत

अचमम् अचमाव अचमाम

आङ्पूर्वस्य तु चतसृषु विभक्तिषु दीर्घत्वम्

व० आचामति आचामतः आचामन्ति

आचामसि आचामथः आचामथ

आचामामि आचामावः आचामामः

स० आचामेत् आचामेताम् आचामेयुः

आचामेः आचामेतम् आचामेत

आचामेयम् आचामेव आचामेम

प० आचामतु आचामतात् आचामताम् आचामन्तु

आचाम " आचामतम् आचामत

आचामानि आचामाव आचामाम

झ० आचामत् आचामताम् आचामन्

आचामः आचामतम् आचामत

आचामम् आचामाव आचामाम

अ० अचमीत् अचमिष्टाम् अचमिषुः

अचमीः अचमिष्टम् अचमिष्ट

अचमिषम् अचमिष्व अचमिषम्

प० चचाम चेमतुः चेमुः

चेमिथ चेमथुः चेम

चचाम, चचम चेमिष चेमिम

आ० चम्यात् चम्यास्ताम् चम्यासुः

चम्याः चम्यास्तम् चम्यास्त

चम्यासम् चम्यास्व चम्यास्म

अ० चमिता चमितारौ चमितारः

चमितासि चमितास्थः चमितास्थ

चमितास्मि चमितास्वः चमितास्मः

भ० चमिष्यति चमिष्यतः चमिष्यन्ति

चमिष्यसि चमिष्यथः चमिष्यथ

चमिष्यामि चमिष्यावः चमिष्यामः

क्रि० अचमिष्यत् अचमिष्यताम् अचमिष्यन्

अचमिष्यः अचमिष्यतम् अचमिष्यत

अचमिष्यम् अचमिष्याव अचमिष्याम

381 छम् (छम्) अदने ।

| | | | |
|-------|-------------|---------------|-----------------|
| व० | छमति | छमतः | छमन्ति |
| | छमसि | छमथः | छमथ |
| | छमामि | छमावः | छमामः |
| स० | छमेत् | छमेताम् | छमेयुः |
| | छमेः | छमेतम् | छमेत |
| | छमेयम् | छमेव | छमेम |
| प० | छमतु | छमतात् | छमताम् |
| | छम | „ | छमतम् |
| | छमानि | छमान | छमाम |
| झ० | अच्छमत | अच्छमताम् | अच्छमन् |
| | अच्छमः | अच्छमतम् | अच्छमत |
| | अच्छमम् | अच्छमाव | अच्छमाम |
| अ० | अच्छमीत् | अच्छमिष्टाम् | अच्छमिषुः |
| | अच्छमीः | अच्छमिष्टम् | अच्छमिष्ट |
| | अच्छमिषम् | अच्छमिष्व | अच्छमिषम |
| प० | चच्छाम | चच्छमतुः | चच्छमुः |
| | चच्छमिथ | चच्छमथुः | चच्छम |
| | चच्छाम | चच्छम | चच्छमिव चच्छमिम |
| आ० | छम्यात् | छम्यास्ताम् | छम्यासुः |
| | छम्याः | छम्यास्तम् | छम्यास्त |
| | छम्यासम् | छम्यास्व | छम्यास्म |
| श्व० | छमिता | छमितारौ | छमितारः |
| | छमितासि | छमितास्थः | छमितास्थ |
| | छमितास्मि | छमितास्वः | छमितास्मः |
| भ० | छमिष्यति | छमिष्यतः | छमिष्यन्ति |
| | छमिष्यसि | छमिष्यथः | छमिष्यथ |
| | छमिष्यामि | छमिष्यावः | छमिष्यामः |
| क्रि० | अच्छमिष्यन् | अच्छमिष्यताम् | अच्छमिष्यन् |
| | अच्छमिष्यः | अच्छमिष्यतम् | अच्छमिष्यत |
| | अच्छमिष्यम् | अच्छमिष्याव | अच्छमिष्याम |

382 जम् [जम्] अदने ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| व० | जमति | जमतः | जमन्ति |
| | जमसि | जमथः | जमथ |
| | जमामि | जमावः | जमामः |
| स० | जमेत् | जमेताम् | जमेयुः |
| | जमेः | जमेतम् | जमेत |
| | जमेयम् | जमेव | जमेम |
| प० | जमतु | जमतात् | जमताम् |
| | जम | „ | जमतम् |
| | जमानि | जमाव | जमाम |
| झ० | अजमत | अजमताम् | अजमन् |
| | अजमः | अजमतम् | अजमत |
| | अजमम् | अजमाव | अजमाम |
| अ० | अजमीत् | अजमिष्टाम् | अजमिषुः |
| | अजमीः | अजमिष्टम् | अजमिष्ट |
| | अजमिषम् | अजमिष्व | अजमिषम |
| प० | जजाम | जेमतुः | जेमुः |
| | जेमिथ | जेमथुः | जेम |
| | जजाम, जजम | जेमिष | जेमिम |
| आ० | जम्यात् | जम्यास्ताम् | जम्यासुः |
| | जम्याः | जम्यास्तम् | जम्यास्त |
| | जम्यासम् | जम्यास्व | जम्यास्म |
| श्व० | जमिता | जमितारौ | जमितारः |
| | जमितासि | जमितास्थः | जमितास्थ |
| | जमितास्मि | जमितास्वः | जमितास्मः |
| भ० | जमिष्यति | जमिष्यतः | जमिष्यन्ति |
| | जमिष्यसि | जमिष्यथः | जमिष्यथ |
| | जमिष्यामि | जमिष्यावः | जमिष्यामः |
| क्रि० | अजमिष्यन् | अजमिष्यताम् | अजमिष्यन् |
| | अजमिष्यः | अजमिष्यतम् | अजमिष्यत |
| | अजमिष्यम् | अजमिष्याव | अजमिष्याम |

383 झम् (झम्) अदने ।

व० झमति झमतः झमन्ति
 झमसि झमथः झमथ
 झमामि झमावः झमामः

स० झमेत् झमेताम् झमेयुः
 झमेः झमेतम् झमेत
 झमेयम् झमेव झमेम

प० झमतु झमतात् झमताम् झमन्तु
 झम , झमतम् झमत
 झमानि झमाव झमाम

झ० अझमत अझमताम् अझमन्
 अझमः अझमतम् अझमत
 अझमम् अझमाव अझमाम

अ० अझमीत् अझमिष्टाम् अझमिषुः
 अझमीः अझमिष्टम् अझमिष्ट
 अझमिषम् अझमिष्व अझमिषम

प० जझाम जझमतुः जझमुः
 जझमिथुः जझमथुः जझम
 जझाम जझम जझमिव जझमिम

आ० झम्यात् झम्यास्ताम् झम्यासुः
 झम्याः झम्यास्तम् झम्यास्त
 झम्यासम् झम्यास्व झम्यास्म

श्व० झमिता झमितारौ झमितारः
 झमितासि झमितास्थः झमितास्थ
 झमितास्मि झमितास्वः झमितास्मः

भ० झमिष्यति झमिष्यतः झमिष्यन्ति
 झमिष्यसि झमिष्यथः झमिष्यथ
 झमिष्यामि झमिष्यावः झमिष्यामः

क्रि० अझमिष्यत् अझमिष्यताम् अझमिष्यन्
 अझमिष्यः अझमिष्यतम् अझमिष्यत
 अझमिष्यम् अझमिष्याव अझमिष्याम

384 जिम् [जिम्] अदने ।

व० जेमति जेमतः जेमन्ति
 जेमसि जेमथः जेमथ
 जेमामि जेमावः जेमामः

स० जेमेत् जेमेताम् जेमेयुः
 जेमेः जेमेतम् जेमेत
 जेमेयम् जेमेव जेमम

प० जेमतु जेमतात् जेमताम् जेमन्तु
 जेम , जेमतम् जेमत
 जेमनि जेमाव जेमाम

झ० अजेमत अजेमताम् अजेमन्
 अजेमः अजेमतम् अजेमत
 अजेमम् अजेमाव अजेमाम

अ० अजेमीत् अजेमिष्टाम् अजेमिषुः
 अजेमीः अजेमिष्टम् अजेमिष्ट
 अजेमिषम् अजेमिष्व अजेमिषम

प० जिजेम जिजमतुः जिजिमुः
 जिजेमिथ जिजिमथुः जिजिम
 जिजेम, जिजिमिव जिजिमिम

आ० जिम्यात् जिम्यास्ताम् जिम्यासुः
 जिम्याः जिम्यास्तम् जिम्यास्त
 जिम्यासम् जिम्यास्व जिम्यास्म

श्व० जेमिता जेमितारौ जेमितारः
 जेमितासि जेमितास्थः जेमितास्थ
 जेमितास्मि जेमितास्वः जेमितास्मः

भ० जेमिष्यति जेमिष्यतः जेमिष्यन्ति
 जेमिष्यसि जेमिष्यथः जेमिष्यथ
 जेमिष्यामि जेमिष्यावः जेमिष्यामः

क्रि० अजेमिष्यत् अजेमिष्यताम् अजेमिष्यन्
 अजेमिष्यः अजेमिष्यतम् अजेमिष्यत
 अजेमिष्यम् अजेमिष्याव अजेमिष्याम

385 कम् [कम्] पादविक्षेपे ।

| | | |
|----------|----------|-----------|
| व० कामति | कामतः | कामन्ति |
| कामसि | कामथः | कामथ |
| कामामि | कामावः | कामामः |
| काम्यति | काम्यतः | काम्यन्ति |
| काम्यसि | काम्यथः | काम्यथ |
| काम्यामि | काम्यावः | काम्यामः |

| | | |
|-----------|------------|-----------|
| स० कामेत् | कामेताम् | कामेयुः |
| कामेः | कामेतम् | कामेत |
| कामेयम् | कामेव | कामेम |
| काम्येत् | काम्येताम् | काम्येयुः |
| काम्येः | काम्येतम् | काम्येत |
| काम्येयम् | काम्येव | काम्येम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० कामतु | कामतात् | कामताम् | कामन्तु |
| काम | ,, | कामतम् | कामत |
| कामाणि | | कामाव | कामाम |

| | | | |
|----------|-----------|-----------|-----------|
| काम्यतु | काम्यतात् | काम्यताम् | काम्यन्तु |
| काम्य | ,, | काम्यतम् | काम्यत |
| काम्याणि | | काम्याव | काम्याम |

| | | |
|-----------|------------|----------|
| इ० अकामत् | अकामताम् | अकामन् |
| अकामः | अकामतम् | अकामत |
| अकामम् | अकामाव | अकामाम |
| अकाम्यत् | अकाम्यताम् | अकाम्यन् |
| अकाम्यः | अकाम्यतम् | अकाम्यत |
| अकाम्यम् | अकाम्याव | अकाम्याम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अकामीत् | अकामिष्टाम् | अकामिषुः |
| अकामीः | अकामिष्टम् | अकामिष्ट |
| अकामिषम् | अकामिष्व | अकामिषम |

| | | |
|-------------|----------|---------|
| प० चकाम | चक्रमतुः | चक्रमुः |
| चक्रमिथ | चक्रमथुः | चक्रम |
| चकाम, चक्रम | चक्रमिष | चक्रमिष |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० क्रम्यात् | क्रम्यास्ताम् | क्रम्यासुः |
| क्रम्याः | क्रम्यास्तम् | क्रम्यास्त |
| क्रम्यास्तम् | क्रम्यास्व | क्रम्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| श्व० क्रमिता | क्रमितारौ | क्रमितारः |
| क्रमितासि | क्रमितास्थः | क्रमितास्थ |
| क्रमितास्मि | क्रमितास्वः | क्रमितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० क्रमिष्यति | क्रमिष्यतः | क्रमिष्यन्ति |
| क्रमिष्यसि | क्रमिष्यथः | क्रमिष्यथ |
| क्रमिष्यामि | क्रमिष्यावः | क्रमिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अक्रमिष्यत् | अक्रमिष्यताम् | अक्रमिष्यन् |
| अक्रमिष्यः | अक्रमिष्यतम् | अक्रमिष्यत |
| अक्रमिष्यम् | अक्रमिष्याव | अक्रमिष्याम |

386 यम् (यम्) उपरमे ।

उपरमो निवृत्तिः ।

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० यच्छति | यच्छतः | यच्छन्ति |
| यच्छसि | यच्छथः | यच्छथ |
| यच्छामि | यच्छावः | यच्छामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० यच्छेत् | यच्छेताम् | यच्छेयुः |
| यच्छेः | यच्छेतम् | यच्छेत |
| यच्छेयम् | यच्छेव | यच्छेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० यच्छतु | यच्छतात् | यच्छताम् | यच्छन्तु |
| यच्छ | ,, | यच्छतम् | यच्छत |
| यच्छानि | | यच्छाव | यच्छाम |

झ० अयच्छत् अयच्छताम् अयच्छन्

अयच्छः अयच्छतम् अयच्छत

अयच्छम् अयच्छाव अयच्छाम

अ० अयंसीत् अयंसीष्टाम् अयंसीषुः

अयंसीः अयंसीष्टम् अयंसीष्ट

अयंसीषम् अयंसीष्व अयंसीष्म

प० ययाम येमतुः येमुः

येमिथ ययन्थ येमथुः येम

ययाम,ययम येमिष येमिम

आ० यम्यात् यम्यास्ताम् यम्यासुः

यम्याः यम्यास्तम् यम्यास्त

यम्यासम् यम्यास्व यम्यास्म

प्र० यन्ता यन्तारौ यन्तारः

यन्तासि यन्तास्थः यन्तास्थ

यन्तास्मि यन्तास्वः यन्तास्मः

भ० यंस्यति यंस्यतः यंस्यन्ति

यंस्यसि यंस्यथः यंस्यथ ०३३

यंस्यामि यंस्यावः यंस्यामः

क्रि० अयंस्यत् अयंस्यताम् अयंस्यन्

अयंस्यः अयंस्यतम् अयंस्यत

अयंस्यम् अयंस्याव अयंस्याम

387 स्यम् (स्यम्) शब्दे ।

ष० स्यमति स्यमतः स्यमन्ति

स्यमसि स्यमथः स्यमथ

स्यमामि स्यमावः स्यमामः

स० स्यमेत् स्यमेताम् स्यमेयुः

स्यमेः स्यमेतम् स्यमेत

स्यमेयम् स्यमेव स्यमेम

प० स्यमतु स्यमतात् स्यमताम् स्यमन्तु

स्यम ,, स्यमतम् स्यमत

स्यमानि स्यमावः स्यमाम

झ० अस्यमत अस्यमताम् अस्यमन्

अस्यमः अस्यमतम् अस्यमत

अस्यमम् अस्यमाव अस्यमाम

अ० अस्यमीत् अस्यमिष्टाम् अस्यमिषुः

अस्यमीः अस्यमिष्टम् अस्यमिष्ट

अस्यमिषम् अन्यमिष्व अस्यमिष्म

प० सस्याम सस्यमतुः सस्यमुः

सस्यमिथ सस्यमथुः सस्यम

सस्याम सस्यम सस्यमिष सस्यमिम

सस्याम स्येमतुः स्येमुः

स्येमिथ स्येमथः स्येम

सस्याम, सस्यम स्येमिष स्येमिम

आ० स्यम्यात् स्यम्यास्ताम् स्यम्यासुः

स्यम्याः स्यम्यास्तम् स्यम्यास्त

स्यम्यासम् स्यम्यास्व स्यम्यास्म

प्र० स्यमिता स्यमितारौ स्यमितारः

स्यमितासि स्यमितास्थः स्यमितास्थ

स्यमितास्मि स्यमितास्वः स्यमितास्मः

भ० स्यमिष्यति स्यमिष्यतः स्यमिष्यन्ति

स्यमिष्यसि स्यमिष्यथः स्यमिष्यथ

स्यमिष्यामि स्यमिष्यावः स्यमिष्यामः

क्रि० अस्यमिष्यत् अस्यमिष्यताम् अस्यमिष्यन्

अस्यमिष्यः अस्यमिष्यतम् अस्यमिष्यत

अस्यमिष्यम् अस्यमिष्याव अस्यमिष्याम

388 णम्(नम्)प्रहृत्वे । नम्रत्वे इत्यर्थः,

| | | |
|----------------|-------------|-----------|
| घ० नमति | नमतः | नमन्ति |
| नमसि | नमथः | नमथ |
| नमामि | नमावः | नमामः |
| स० नमेत् | नमेताम् | नमेयुः |
| नमेः | नमेतम् | नमेत |
| नमेयम् | नमेव | नमेम |
| प० नमतु | नमताम् | नमन्तु |
| नम | ” | नमतम् नमत |
| नमानि | नमाव | नमाम |
| झ० अनमत् | अनमताम् | अनमन् |
| अनमः | अनमतम् | अनमत |
| अनमम् | अनमाव | अनमाम |
| अ० अनंसीत् | अनंसिष्टाम् | अनंसिषुः |
| अनंसीः | अनंसिष्टम् | अनंसिष्ट |
| अनंसिषम् | अनंसिष्व | अनंसिषम |
| प० ननाम | नेमतुः | नेमुः |
| नेमिथ-ननथ | नेमथुः | नेम |
| ननाम, ननम | नेमिष | नेमिम |
| आ० नम्यात् | नम्यास्ताम् | नम्यासुः |
| नम्याः | नम्यास्तम् | नम्यास्त |
| नम्यासम् | नम्यास्व | नम्यास्म |
| श्व० नन्ता | नन्तारौ | नन्तारः |
| नन्तासि | नन्तास्थः | नन्तास्थ |
| नन्तास्मि | नन्तास्वः | नन्तास्मः |
| भ० नंस्यति | नंस्यतः | नंस्यन्ति |
| नंस्यसि | नंस्यथः | नंस्यथ |
| नंस्यामि | नंस्यावः | नंस्यामः |
| क्रि० अनंस्यत् | अनंस्यताम् | अनंस्यन् |
| अनंस्यः | अनंस्यतम् | अनंस्यत |
| अनंस्यम् | अनंस्याव | अनंस्याम |

389 षम् (सम्) वैकल्ये

वैकल्यं कातरत्वम् ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| घ० समति | समतः | समन्ति |
| समसि | समथः | समथ |
| समामि | समावः | समामः |
| स० समेत् | समेताम् | समेयुः |
| समेः | समेतम् | समेत |
| समेयम् | समेव | समेम |
| प० समतु | समताम् | समन्तु |
| सम | ” | समतम् समत |
| समानि | समाव | समाम |
| झ० असमत् | असमताम् | असमन् |
| असमः | असमतम् | असमत |
| असमम् | असमाव | असमाम |
| अ० असमीत् | असमिष्टाम् | असमिषुः |
| असमीः | असमिष्टम् | असमिष्ट |
| असमिषम् | असमिष्व | असमिषम |
| प० ससाम | सेमतुः | सेमुः |
| सेमिथ | सेमथुः | सेम |
| ससाम, ससम | सेमिष | सेमिम |
| आ० सम्यात् | सम्यास्ताम् | सम्यासुः |
| सम्याः | सम्यास्तम् | सम्यास्त |
| सम्यासम् | सम्यास्व | सम्यास्म |
| श्व० समिता | समितारौ | समितारः |
| समितासि | समितास्थः | समितास्थ |
| समितास्मि | समितास्वः | समितास्मः |
| भ० समिष्यति | समिष्यतः | समिष्यन्ति |
| समिष्यसि | समिष्यथः | समिष्यथ |
| समिष्यामि | समिष्यावः | समिष्यामः |
| क्रि० असमिष्यत् | असमिष्यताम् | असमिष्यन् |
| असमिष्यः | असमिष्यतम् | असमिष्यत |
| असमिष्यम् | असमिष्याव | असमिष्याम |

390 छम् (स्तम्) वैकल्ये वैकल्यं कातरत्वम् ।

| | | | |
|-------|--------------|---------------|--------------|
| ब० | स्तमति | स्तमतः | स्तमन्ति |
| | स्तमसि | स्तमथः | स्तमथ |
| | स्तमामि | स्तमावः | स्तमामः |
| स० | स्तमेत् | स्तमेताम् | स्तमेयुः |
| | स्तमेः | स्तमेतम् | स्तमेत |
| | स्तमेयम् | स्तमेव | स्तमेम |
| प० | स्तमतु | स्तमतात् | स्तमताम् |
| | स्तम | ,, | स्तमतम् |
| | स्तमानि | स्तमाव | स्तमाम |
| झ० | अस्तमत् | अस्तमताम् | अस्तमन् |
| | अस्तमः | अस्तमतम् | अस्तमत |
| | अस्तमम् | अस्तमाव | अस्तमाम |
| अ० | अस्तमीत् | अस्तमिष्टाम् | अस्तमिषुः |
| | अस्तमीः | अस्तमिष्टम् | अस्तमिष्ट |
| | अस्तमिषम् | अस्तमिष्व | अस्तमिष्म |
| प० | तस्ताम | तस्तमतुः | तस्तमुः |
| | तस्तमिथ | तस्तमथुः | तस्तम |
| | तस्ताम-तस्तम | तस्तमिव | तस्तमिम |
| आ० | स्तम्यात् | स्तम्यास्ताम् | स्तम्यासुः |
| | स्तम्याः | स्तम्यास्तम् | स्तम्यास्त |
| | स्तम्यासम् | स्तम्यास्व | स्तम्यास्म |
| श्व० | स्तमिता | स्तमितारौ | स्तमितारः |
| | स्तमितासि | स्तमितास्थः | स्तमितास्थ |
| | स्तमितास्मि | स्तमितास्वः | स्तमितास्मः |
| भ० | स्तमिष्यति | स्तमिष्यतः | स्तमिष्यन्ति |
| | स्तमिष्यसि | स्तमिष्यथः | स्तमिष्यथ |
| | स्तमिष्यामि | स्तमिष्यावः | स्तमिष्याम |
| क्रि० | अस्तमिष्यत् | अस्तमिष्यताम् | अस्तमिष्यन् |
| | अस्तमिष्यः | अस्तमिष्यतम् | अस्तमिष्यत |
| | अस्तमिष्यम् | अस्तमिष्याव | अस्तमिष्याम |

391 अम् [अम्] शब्दभक्त्योः । भक्तिर्भजनम् ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| ब० | अमति | अमतः | अमन्ति |
| | अमसि | अमथः | अमथ |
| | अमामि | अमावः | अमामः |
| स० | अमेत् | अमेताम् | अमेयुः |
| | अमेः | अमेतम् | अमेत |
| | अमेयम् | अमेव | अमेम |
| प० | अमतु | अमतात् | अमताम् |
| | अम | ,, | अमतम् |
| | अमानि | अमाव | अमाम |
| झ० | आमत् | आमताम् | आमन् |
| | आमः | आमतम् | आमत |
| | आमम् | आमाव | आमाम |
| अ० | आमीत् | आमिष्टाम् | आमिषुः |
| | आमीः | आमिष्टम् | आमिष्ट |
| | आमिषम् | आमिष्व | आमिष्म |
| प० | आम | आमतुः | आमुः |
| | आमिथ | आमथुः | आम |
| | आम, | आमिव | आमिम |
| आ० | अम्यात् | अम्यास्ताम् | अम्यासुः |
| | अम्याः | अम्यास्तम् | अम्यास्त |
| | अम्यासम् | अम्यास्व | अम्यास्म |
| श्व० | अमिता | अमितारौ | अमितारः |
| | अमितासि | अमितास्थः | अमितास्थ |
| | अमितास्मि | अमितास्वः | अमितास्मः |
| भ० | अमिष्यति | अमिष्यतः | अमिष्यन्ति |
| | अमिष्यसि | अमिष्यथः | अमिष्यथ |
| | अमिष्यामि | अमिष्यावः | अमिष्याम |
| क्रि० | आमिष्यत् | आमिष्यताम् | आमिष्यन् |
| | आमिष्यः | आमिष्यतम् | आमिष्यत |
| | आमिष्यम् | आमिष्याव | आमिष्याम |

392 अम् (अम्) गतौ
अम् (391) वद्रूपाणि । अर्थभेदार्थं
पुनरुपादानम् ।

393 द्रम् (द्रम्) गतौ ।

| | | | |
|-------|--------------|---------------|-------------------|
| व० | द्रमति | द्रमतः | द्रमन्ति |
| | द्रमसि | द्रमथः | द्रमथ |
| | द्रमामि | द्रमावः | द्रमामः |
| स० | द्रमेत् | द्रमेताम् | द्रमेयुः |
| | द्रमेः | द्रमेतम् | द्रमेत |
| | द्रमेयम् | द्रमेव | द्रमेम |
| प० | द्रमतु | द्रमतात् | द्रमताम् द्रमन्तु |
| | द्रम | ” | द्रमतम् द्रमत |
| | द्रमाणि | द्रमाव | द्रमाम |
| झ० | अद्रमत् | अद्रमताम् | अद्रमन् |
| | अद्रमः | अद्रमतम् | अद्रमत |
| | अद्रमम् | अद्रमाव | अद्रमाम |
| अ० | अद्रमीत् | अद्रमिष्टाम् | अद्रमिषुः |
| | अद्रमीः | अद्रमिष्टम् | अद्रमिष्ट |
| | अद्रमिषम् | अद्रमिष्व | अद्रमिष्म |
| प० | दद्राम | दद्रमतुः | दद्रमुः |
| | दद्रमिथ | दद्रमथुः | दद्रम |
| | दद्राम-दद्रम | दद्रमिव | दद्रमिम |
| आ० | द्रम्यात् | द्रम्यास्ताम् | द्रम्यासुः |
| | द्रम्याः | द्रम्यास्तम् | द्रम्यास्त |
| | द्रम्यासम् | द्रम्यास्व | द्रम्यास्म |
| भ्व० | द्रमिता | द्रमितारौ | द्रमितारः |
| | द्रमितासि | द्रमितास्थः | द्रमितास्थ |
| | द्रमितास्मि | द्रमितास्वः | द्रमितास्मः |
| भ० | द्रमिष्यति | द्रमिष्यतः | द्रमिष्यन्ति |
| | द्रमिष्यसि | द्रमिष्यथः | द्रमिष्यथ |
| | द्रमिष्यामि | द्रमिष्यावः | द्रमिष्यामः |
| क्रि० | अद्रमिष्यत् | अद्रमिष्यताम् | अद्रमिष्यन् |
| | अद्रमिष्यः | अद्रमिष्यतम् | अद्रमिष्यत |
| | अद्रमिष्यम् | अद्रमिष्याव | अद्रमिष्याम |

394 हम् (हम्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------|---------------|-------------------|
| व० | हम्मति | हम्मतः | हम्मन्ति |
| | हम्मसि | हम्मथः | हम्मथ |
| | हम्मामि | हम्मावः | हम्मामः |
| स० | हम्मेत् | हम्मेताम् | हम्मेयुः |
| | हम्मेः | हम्मेतम् | हम्मेत |
| | हम्मेयम् | हम्मेव | हम्मेम |
| प० | हम्मत् | हम्मतात् | हम्मताम् हम्मन्तु |
| | हम्म | ” | हम्मतम् हम्मत |
| | हम्मामि | हम्माव | हम्माम |
| झ० | अहम्मत् | अहम्मताम् | अहम्मन् |
| | अहम्मः | अहम्मतम् | अहम्मत |
| | अहम्मम् | अहम्माव | अहम्माम |
| अ० | अहम्मीत् | अहम्मिष्टाम् | अहम्मिषुः |
| | अहम्मीः | अहम्मिष्टम् | अहम्मिष्ट |
| | अहम्मिषम् | अहम्मिष्व | अहम्मिष्म |
| प० | जहम्म | जहम्मत् | जहम्मुः |
| | जहम्मिथ | जहम्मथुः | जहम्म |
| | जहम्म | जहम्मिव | जहम्मिव |
| आ० | हम्म्यात् | हम्म्यास्ताम् | हम्म्यासुः |
| | हम्म्याः | हम्म्यास्तम् | हम्म्यास्त |
| | हम्म्यासम् | हम्म्यास्व | हम्म्यास्म |
| भ्व० | हम्मिता | हम्मितारौ | हम्मितारः |
| | हम्मितासि | हम्मितास्थः | हम्मितास्थ |
| | हम्मितास्मि | हम्मितास्वः | हम्मितास्मः |
| भ० | हम्मिष्यति | हम्मिष्यतः | हम्मिष्यन्ति |
| | हम्मिष्यसि | हम्मिष्यथः | हम्मिष्यथ |
| | हम्मिष्यामि | हम्मिष्यावः | हम्मिष्यामः |
| क्रि० | अहम्मिष्यत् | अहम्मिष्यताम् | अहम्मिष्यन् |
| | अहम्मिष्यः | अहम्मिष्यतम् | अहम्मिष्यत |
| | अहम्मिष्यम् | अहम्मिष्याव | अहम्मिष्याम |

395 मीम् (मीम्) गतौ ।

व० मीमति मीमतः मीमन्ति
मीमसि मीमथः मीमथ
मीमामि मीमावः मीमामः

स० मीमेत् मीमेताम् मीमेयुः
मीमेः मीमेतम् मीमेत
मीमेयम् मीमेव मीमेम

प० मीमतु मीमतात् मीमताम् मीमन्तु
मीम " मीमतम् मीमत
मीमानि मीमाव मीमाम

झ० अमीमत् अमीमताम् अमीमन्
अमीमः अमीमतम् अमीमत
अमीमम् अमीमाव अमीमाम

अ० अमीमीत् अमीमिष्टाम् अमीमिषुः
अमीमीः अमीमिष्टम् अमीमिष्ट
अमीमिषम् अमीमिष्व अमीमिष्व

प० मिमीम मिमीमतुः मिमीमुः
मिमीमिथ मिमीमथुः मिमीम
मिमीम मिमीमिव मिमीमिम

आ० मीम्यात् मीम्यास्ताम् मीम्यासुः
मीम्याः मीम्यास्तम् मीम्यास्त
मीम्यासम् मीम्यास्व मीम्यास्म

श्व० मीमिता मीमितारौ मीमितारः
मीमितासि मीमितास्थः मीमितास्थ
मीमितास्मि मीमितास्वः मीमितास्मः

भ० मीमिष्यति मीमिष्यतः मीमिष्यन्ति
मीमिष्यसि मीमिष्यथः मीमिष्यथ
मीमिष्यामि मीमिष्यावः मीमिष्यामः

क्रि० अमीमिष्यत् अमीमिष्यताम् अमीमिष्यन्
अमीमिष्यः अमीमिष्यतम् अमीमिष्यत
अमीमिष्यम् अमीमिष्याव अमीमिष्याम

396 गच्छ् (गम्) गतौ ।

व० गच्छति गच्छतः गच्छन्ति
गच्छसि गच्छथः गच्छथ
गच्छामि गच्छावः गच्छामः

स० गच्छेत् गच्छेताम् गच्छेयुः
गच्छेः गच्छेतम् गच्छेत
गच्छेयम् गच्छेव गच्छेम

प० गच्छतु गच्छतात् गच्छताम् गच्छन्तु
गच्छ " गच्छतम् गच्छत
गच्छानि गच्छाव गच्छाम

झ० अगच्छत् अगच्छताम् अगच्छन्
अगच्छः अगच्छतम् अगच्छत
अगच्छम् अगच्छाव अगच्छाम

अ० अगमत् अगमताम् अगमन्
अगमः अगमतम् अगमत
अगमम् अगमाव अगमाम

प० जगाम जग्मतुः जग्मुः
जगमिथ जगन्थ जग्मथुः जग्म
जगाम, जगम जग्मिव जग्मिम

आ० गम्यात् गम्यास्ताम् गम्यासुः
गम्याः गम्यास्तम् गम्यास्त
गम्यासम् गम्यास्व गम्यास्म

श्व० गन्ता गन्तारौ गन्तारः
गन्तासि गन्तास्थः गन्तास्थ
गन्तास्मि गन्तास्वः गन्तास्मः

भ० गमिष्यति गमिष्यतः गमिष्यन्ति
गमिष्यसि गमिष्यथः गमिष्यथ
गमिष्यामि गमिष्यावः गमिष्यामः

क्रि० अगमिष्यत् अगमिष्यताम् अगमिष्यन्
अगमिष्यः अगमिष्यतम् अगमिष्यत
अगमिष्यम् अगमिष्याव अगमिष्याम

अथ यान्ता अष्टौ सेटश्च ।

397 ह्य (ह्य्) क्कान्तौ च । चकाराद्गतौ

व० ह्यति ह्यतः ह्यन्ति
ह्यसि ह्यथः ह्यथ
ह्यामि ह्यावः ह्यामः

स० ह्येत् ह्येताम् ह्येयुः
ह्येः ह्येतम् ह्येत
ह्येयम् ह्येव ह्येम

प० ह्यतु ह्यतात् ह्यताम् ह्यन्तु
ह्य " ह्यतम् ह्यत
ह्यानि ह्याव ह्याम

झ० अह्यत् अह्यताम् अह्यन्
अह्यः अह्यतम् अह्यत
अह्यम् अह्याव अह्याम

अ० अह्यीत् अह्यिष्टाम् अह्यिषुः
अह्यीः अह्यिष्टम् अह्यिष्ट
अह्यिषम् अह्यिष्व अह्यिष्म

प० जहाय जहयतुः जहयुः
जहयिथ जहयथुः जहय
जहाय जहय जहयिष्व जहयिष्व

आ० ह्य्यात् ह्य्यास्ताम् ह्य्यासुः
ह्य्याः ह्य्यास्तम् ह्य्यास्त
ह्य्यासम् ह्य्यास्व ह्य्यास्म

श्व० ह्यिता ह्यितारौ ह्यितारः
ह्यितासि ह्यितास्थः ह्यितास्थ
ह्यितास्मि ह्यितास्वः ह्यितास्मः

भ० ह्यिष्यति ह्यिष्यतः ह्यिष्यन्ति
ह्यिष्यसि ह्यिष्यथः ह्यिष्यथ
ह्यिष्यामि ह्यिष्यावः ह्यिष्यामः

क्रि० अह्यिष्यत् अह्यिष्यताम् अह्यिष्यन्
अह्यिष्यः अह्यिष्यतम् अह्यिष्यत
अह्यिष्यम् अह्यिष्याव अह्यिष्याम

398 ह्य (ह्य्) क्कान्तौ च । चकाराद्गतौ

व० ह्यति ह्यतः ह्यन्ति
ह्यसि ह्यथः ह्यथ
ह्यामि ह्यावः ह्यामः

स० ह्येत् ह्येताम् ह्येयुः
ह्येः ह्येतम् ह्येत
ह्येयम् ह्येव ह्येम

प० ह्यतु ह्यतात् ह्यताम् ह्यन्तु
ह्य " ह्यतम् ह्यत
ह्यानि ह्याव ह्याम

झ० अह्यत् अह्यताम् अह्यन्
अह्यः अह्यतम् अह्यत
अह्यम् अह्याव अह्याम

अ० अह्यीत् अह्यिष्टाम् अह्यिषुः
अह्यीः अह्यिष्टम् अह्यिष्ट
अह्यिषम् अह्यिष्व अह्यिष्म

प० जह्यत् जह्यतुः जह्युः
जह्यिथ जह्यथुः जह्य
जह्य जह्यिष्व जह्यिष्व

आ० ह्य्यात् ह्य्यास्ताम् ह्य्यासुः
ह्य्याः ह्य्यास्तम् ह्य्यास्त
ह्य्यासम् ह्य्यास्व ह्य्यास्म
ह्यात् ह्यास्ताम् ह्यासुः
ह्याः ह्यास्तम् ह्यास्त
ह्यासम् ह्यास्व ह्यास्म

श्व० ह्यिता ह्यितारौ ह्यितारः
ह्यितासि ह्यितास्थः ह्यितास्थ
ह्यितास्मि ह्यितास्वः ह्यितास्मः

भ० ह्यिष्यति ह्यिष्यतः ह्यिष्यन्ति
ह्यिष्यसि ह्यिष्यथः ह्यिष्यथ
ह्यिष्यामि ह्यिष्यावः ह्यिष्यामः

क्रि० अह्यिष्यत् अह्यिष्यताम् अह्यिष्यन्
अह्यिष्यः अह्यिष्यतम् अह्यिष्यत
अह्यिष्यम् अह्यिष्याव अह्यिष्याम

399 मव्य (मव्य) बन्धने ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० मव्यति | मव्यतः | मव्यन्ति |
| मव्यसि | मव्यथः | मव्यथ |
| मव्यामि | मव्यावः | मव्यामः |
| स० मव्येत् | मव्येताम् | मव्येयुः |
| मव्येः | मव्येतम् | मव्येत |
| मव्येयम् | मव्येव | मव्येम |
| प० मव्यतु | मव्यतात् | मव्यताम् मव्यन्तु |
| मव्य | ,, | मव्यतम् मव्यत |
| मव्यानि | मव्याव | मव्याम |
| झ० अमव्यत् | अमव्यताम् | अमव्यन् |
| अमव्यः | अमव्यतम् | अमव्यत |
| अमव्यम् | अमव्याव | अमव्याम |
| अ० अमव्यीत् | अमव्यिष्टाम् | अमव्यिषुः |
| अमव्यीः | अमव्यिष्टम् | अमव्यिष्ट |
| अमव्यिषम् | अमव्यिष्व | अमव्यिषम |
| प० ममव्य | ममव्यतुः | ममव्युः |
| ममव्यथ | ममव्यथुः | ममव्य |
| ममव्य | ममव्यिव | ममव्यिम |
| आ० मव्यात् | मव्यास्ताम् | मव्यासुः |
| मव्याः | मव्यास्तम् | मव्यास्त |
| मव्यासम् | मव्यास्व | मव्यास्म |
| श्व० मव्यिता | मव्यितारौ | मव्यितारः |
| मव्यितासि | मव्यितास्थः | मव्यितास्थ |
| मव्यितास्मि | मव्यितास्वः | मव्यितास्मः |
| भ० मव्यिष्यति | मव्यिष्यतः | मव्यिष्यन्ति |
| मव्यिष्यसि | मव्यिष्यथः | मव्यिष्यथ |
| मव्यिष्यामि | मव्यिष्यावः | मव्यिष्याम |
| क्रि० अमव्यिष्यत् | अमव्यिष्यताम् | अमव्यिष्यन् |
| अमव्यिष्यः | अमव्यिष्यतम् | अमव्यिष्यत |
| अमव्यिष्यम् | अमव्यिष्याव | अमव्यिष्याम |

400 सूक्ष्म (सूक्ष्म) ईर्ष्यायाम् ।

ईर्ष्या कामजमसहनम् ।

| | | |
|------------------------|--------------------|---------------------------|
| व० सूक्ष्मति | सूक्ष्मतः | सूक्ष्मन्ति |
| सूक्ष्मसि | सूक्ष्मथः | सूक्ष्मथ |
| सूक्ष्मांमि | सूक्ष्मावः | सूक्ष्मांमः |
| स० सूक्ष्मेत् | सूक्ष्मेताम् | सूक्ष्मेयुः |
| सूक्ष्मेः | सूक्ष्मेतम् | सूक्ष्मेत |
| सूक्ष्मेयम् | सूक्ष्मेव | सूक्ष्मेम |
| प० सूक्ष्मेतु | सूक्ष्मेतात् | सूक्ष्मेताम् सूक्ष्मेन्तु |
| सूक्ष्मे | ,, | सूक्ष्मेतम् सूक्ष्मेत |
| सूक्ष्माणि | सूक्ष्माव | सूक्ष्मांम |
| झ० असूक्ष्मेत् | असूक्ष्मेताम् | असूक्ष्मेन् |
| असूक्ष्मेः | असूक्ष्मेतम् | असूक्ष्मेत |
| असूक्ष्मेयम् | असूक्ष्मेव | असूक्ष्मेम |
| अ० असूक्ष्मीत् | असूक्ष्मिष्टाम् | असूक्ष्मिषुः |
| असूक्ष्मीः | असूक्ष्मिष्टम् | असूक्ष्मिष्ट |
| असूक्ष्मिषम् | असूक्ष्मिष्व | असूक्ष्मिषम |
| प० सुसूक्ष्मे | सुसूक्ष्मेतुः | सुसूक्ष्मेयुः |
| सुसूक्ष्मेथ | सुसूक्ष्मेथुः | सुसूक्ष्मे |
| सुसूक्ष्मे | सुसूक्ष्मेव | सुसूक्ष्मेम |
| आ० सूक्ष्म्यात् | सूक्ष्म्यास्ताम् | सूक्ष्म्यासुः |
| सूक्ष्म्याः | सूक्ष्म्यास्तम् | सूक्ष्म्यास्त |
| सूक्ष्म्यासम् | सूक्ष्म्यास्व | सूक्ष्म्यास्म |
| सूक्ष्म्यात् | सूक्ष्म्यास्ताम् | सूक्ष्म्यासुः |
| सूक्ष्म्याः | सूक्ष्म्यास्तम् | सूक्ष्म्यास्त |
| सूक्ष्म्यासम् | सूक्ष्म्यास्व | सूक्ष्म्यास्म |
| श्व० सूक्ष्म्यिता | सूक्ष्म्यितारौ | सूक्ष्म्यितारः |
| सूक्ष्म्यितासि | सूक्ष्म्यितास्थः | सूक्ष्म्यितास्थ |
| सूक्ष्म्यितास्मि | सूक्ष्म्यितास्वः | सूक्ष्म्यितास्मः |
| भ० सूक्ष्म्यिष्यति | सूक्ष्म्यिष्यतः | सूक्ष्म्यिष्यन्ति |
| सूक्ष्म्यिष्यसि | सूक्ष्म्यिष्यथः | सूक्ष्म्यिष्यथ |
| सूक्ष्म्यिष्यामि | सूक्ष्म्यिष्यावः | सूक्ष्म्यिष्यामः |
| क्रि० असूक्ष्म्यिष्यत् | असूक्ष्म्यिष्यताम् | असूक्ष्म्यिष्यन् |
| असूक्ष्म्यिष्यः | असूक्ष्म्यिष्यतम् | असूक्ष्म्यिष्यत |
| असूक्ष्म्यिष्यम् | असूक्ष्म्यिष्याव | असूक्ष्म्यिष्याम |

401 ईक्ष्य (ईक्ष्य) ईष्यायाम् ।

इं प्यर्षि कामजमसहनम् ।

ख० ईक्ष्यति ईक्ष्यतः ईक्ष्यन्ति
 ईक्ष्यसि ईक्ष्यथः ईक्ष्यथ
 ईक्ष्यामि ईक्ष्यावः ईक्ष्यामः
 स० ईक्ष्येत् ईक्ष्येताम् ईक्ष्येयुः
 ईक्ष्येः ईक्ष्येतम् ईक्ष्येत
 ईक्ष्येयम् ईक्ष्येय ईक्ष्येम
 प० ईक्ष्यतु ईक्ष्यताम् ईक्ष्यताम् ईक्ष्यन्तु
 ईक्ष्य , ईक्ष्यतम् ईक्ष्यत
 ईक्ष्याणि ईक्ष्याव ईक्ष्याम
 झ० पेक्ष्यत् पेक्ष्यताम् पेक्ष्यन्
 पेक्ष्यः पेक्ष्यतम् पेक्ष्यत
 पेक्ष्यम् पेक्ष्याव पेक्ष्याम
 अ० पेक्ष्यात् पेक्ष्यताम् पेक्ष्यपुः
 पेक्ष्याः पेक्ष्यतम् पेक्ष्यत
 पेक्ष्यम् पेक्ष्याव पेक्ष्याम
 प० ईक्ष्याश्चकार ईक्ष्याश्चक्रुः ईक्ष्याश्चक्रुः
 ईक्ष्याश्चकथ ईक्ष्याश्चक्रुः ईक्ष्याश्चक्रुः
 ईक्ष्याश्चकार-चकार ईक्ष्याश्चक्रु ईक्ष्याश्चक्रु
 ईक्ष्याम्बभूव । ईक्ष्यामास ।
 आ० ईक्ष्यात् ईक्ष्यास्ताम् ईक्ष्यासुः
 ईक्ष्याः ईक्ष्यास्तम् ईक्ष्यास्त
 ईक्ष्यासम् ईक्ष्यास्व ईक्ष्यास्म
 ईक्ष्यात् ईक्ष्यास्ताम् ईक्ष्यासुः
 ईक्ष्याः ईक्ष्यास्तम् ईक्ष्यास्त
 ईक्ष्यासम् ईक्ष्यास्व ईक्ष्यास्म
 भ० ईक्ष्यता ईक्ष्यतारौ ईक्ष्यतारः
 ईक्ष्यतासि ईक्ष्यतास्थः ईक्ष्यतास्थ
 ईक्ष्यतास्मि ईक्ष्यतास्वः ईक्ष्यतास्मः
 भ० ईक्ष्य्यति ईक्ष्य्यतः ईक्ष्य्यन्ति
 ईक्ष्य्यसि ईक्ष्य्यथः ईक्ष्य्यथ
 ईक्ष्य्यामि ईक्ष्य्यावः ईक्ष्य्यामः
 क्रि० पेक्ष्य्यत् पेक्ष्य्यताम् पेक्ष्य्यन्
 पेक्ष्य्यः पेक्ष्य्यतम् पेक्ष्य्यत
 पेक्ष्य्यम् पेक्ष्य्याव पेक्ष्य्याम

402 ईर्ष्य (ईर्ष्य) ईर्ष्यायाम् ।

इष्ट्या कामजमसहनम् ।

| | | | |
|-------|---------------------|------------------|-----------------|
| व० | ईर्ष्यति | ईर्ष्यतः | ईर्ष्यन्ति |
| | ईर्ष्यसि | ईर्ष्यथः | ईर्ष्यथ |
| | ईर्ष्यामि | ईर्ष्यावः | ईर्ष्यामः |
| स० | ईर्ष्येत् | ईर्ष्येताम् | ईर्ष्येयुः |
| | ईर्ष्येः | ईर्ष्येतम् | ईर्ष्येत |
| | ईर्ष्येयम् | ईर्ष्येव | ईर्ष्येम |
| प० | ईर्ष्यतु | ईर्ष्यतात् | ईर्ष्यताम् |
| | ईर्ष्यन्तु | ईर्ष्यन्तु | ईर्ष्यन्तु |
| | ईर्ष्य | ईर्ष्यतम् | ईर्ष्यत |
| | ईर्ष्याणि | ईर्ष्याव | ईर्ष्याम |
| झ० | पेर्ष्यत् | पेर्ष्यताम् | पेर्ष्यन् |
| | पेर्ष्यः | पेर्ष्यतम् | पेर्ष्यत |
| | पेर्ष्यम् | पेर्ष्याव | पेर्ष्याम |
| अ० | पेर्ष्यीत् | पेर्ष्यीष्टाम् | पेर्ष्यीषुः |
| | पेर्ष्यीः | पेर्ष्यीष्टम् | पेर्ष्यीष्ट |
| | पेर्ष्यीषम् | पेर्ष्यीष्व | पेर्ष्यीष्म |
| प० | ईर्ष्याश्चकार | ईर्ष्याश्चक्रतुः | ईर्ष्याश्चक्रुः |
| | ईर्ष्याश्चकर्थ | ईर्ष्याश्चक्रथुः | ईर्ष्याश्चक्र |
| | ईर्ष्याश्चकार, चकार | ईर्ष्याश्चकृव | ईर्ष्याश्चकृम |
| | ईर्ष्याम्बभूव | ईर्ष्यामास | |
| आ० | ईर्ष्यात् | ईर्ष्यास्ताम् | ईर्ष्यासुः |
| | ईर्ष्याः | ईर्ष्यास्तम् | ईर्ष्यास्त |
| | ईर्ष्यासम् | ईर्ष्यास्व | ईर्ष्यास्म |
| | ईर्ष्यात् | ईर्ष्यास्ताम् | ईर्ष्यासुः |
| | ईर्ष्याः | ईर्ष्यास्तम् | ईर्ष्यास्त |
| | ईर्ष्यासम् | ईर्ष्यास्व | ईर्ष्यास्म |
| श्च० | ईर्ष्यता | ईर्ष्यतारौ | ईर्ष्यतारः |
| | ईर्ष्यतासि | ईर्ष्यतास्थः | ईर्ष्यतास्थ |
| | ईर्ष्यतास्मि | ईर्ष्यतास्वः | ईर्ष्यतास्मः |
| भ० | ईर्ष्यिष्यति | ईर्ष्यिष्यतः | ईर्ष्यिष्यन्ति |
| | ईर्ष्यिष्यसि | ईर्ष्यिष्यथः | ईर्ष्यिष्यथ |
| | ईर्ष्यिष्यामि | ईर्ष्यिष्यावः | ईर्ष्यिष्याम |
| क्रि० | पेर्ष्यिष्यत् | पेर्ष्यिष्यताम् | पेर्ष्यिष्यन् |
| | पेर्ष्यिष्यः | पेर्ष्यिष्यतम् | पेर्ष्यिष्यत |
| | पेर्ष्यिष्यम् | पेर्ष्यिष्याव | पेर्ष्यिष्याम |

403 शुच्यै (शुच्य) अभिषवे ।

अभिषवी प्रवेण प्रवाणां परिवासनम् ।

ज्ञानमिति चान्द्राः ।

| | | |
|----------------|----------------|---------------------|
| व० शुच्यति | शुच्यतः | शुच्यन्ति |
| शुच्यसि | शुच्यथः | शुच्यथ |
| शुच्यामि | शुच्यावः | शुच्यामः |
| स० शुच्येत् | शुच्येताम् | शुच्येयुः |
| शुच्येः | शुच्येतम् | शुच्येत |
| शुच्येयम् | शुच्येव | शुच्येम |
| प० शुच्यतु | शुच्यतात् | शुच्यताम् शुच्यन्तु |
| शुच्य | " | शुच्यतम् शुच्यत |
| शुच्यानि | शुच्याव | शुच्याम |
| झ० अशुच्यत् | अशुच्यताम् | अशुच्यन् |
| अशुच्यः | अशुच्यतम् | अशुच्यत |
| अशुच्यम् | अशुच्याव | अशुच्याम |
| अ० अशुच्यीत् | अशुच्यिष्टम् | अशुच्यिषुः |
| अशुच्यीः | अशुच्यिष्टम् | अशुच्यिष्ट |
| अशुच्यिषम् | अशुच्यिष्व | अशुच्यिषम् |
| प० शुशुच्य | शुशुच्यतुः | शुशुच्युः |
| शुशुच्यथ | शुशुच्यथुः | शुशुच्य |
| शुशुच्य | शुशुच्यथ | शुशुच्यम |
| आ शुच्य्यात् | शुच्य्यास्ताम् | शुच्य्यासुः |
| शुच्य्याः | शुच्य्यास्तम् | शुच्य्यास्व |
| शुच्य्यासम् | शुच्य्यास्व | शुच्य्यास्म |
| शुच्य्यात् | शुच्य्यास्ताम् | शुच्य्यासुः |
| शुच्य्याः | शुच्य्यास्तम् | शुच्य्यास्व |
| शुच्य्यासम् | शुच्य्यास्व | शुच्य्यास्म |
| श्व० शुच्यता | शुच्यतारौ | शुच्यतारः |
| शुच्यतासि | शुच्यतास्थः | शुच्यतास्थ |
| शुच्यतास्मि | शुच्यतास्वः | शुच्यतास्मः |
| भ० शुच्यिष्यति | शुच्यिष्यतः | शुच्यिष्यन्ति |
| शुच्यिष्यसि | शुच्यिष्यथः | शुच्यिष्यथ |
| शुच्यिष्यामि | शुच्यिष्यावः | शुच्यिष्यामः |
| अशुच्यिष्यत् | अशुच्यिष्यताम् | अशुच्यिष्यन् |
| अशुच्यिष्यः | अशुच्यिष्यतम् | अशुच्यिष्यत |
| अशुच्यिष्यम् | अशुच्यिष्याव | अशुच्यिष्याम |

404 चुच्यै (चुच्य) अभिषवे ।

द्रवेण द्रवाणां परिवासने इत्यर्थः ।

| | | |
|----------------|----------------|---------------------|
| व० चुच्यति | चुच्यतः | चुच्यन्ति |
| चुच्यसि | चुच्यथः | चुच्यथ |
| चुच्यामि | चुच्यावः | चुच्यामः |
| स० चुच्येत् | चुच्येताम् | चुच्येयुः |
| चुच्येः | चुच्येतम् | चुच्येत |
| चुच्येयम् | चुच्येव | चुच्येम |
| प० चुच्यतु | चुच्यतात् | चुच्यताम् चुच्यन्तु |
| चुच्य | " | चुच्यतम् चुच्यत |
| चुच्यानि | चुच्याव | चुच्याम |
| झ० अचुच्यत् | अचुच्यताम् | अचुच्यन् |
| अचुच्यः | अचुच्यतम् | अचुच्यत |
| अचुच्यम् | अचुच्याव | अचुच्याम |
| अ० अचुच्यीत् | अचुच्यिष्टम् | अचुच्यिषुः |
| अचुच्यीः | अचुच्यिष्टम् | अचुच्यिष्ट |
| अचुच्यिषम् | अचुच्यिष्व | अचुच्यिषम् |
| प० चुचुच्य | चुचुच्यतुः | चुचुच्युः |
| चुचुच्यथ | चुचुच्यथुः | चुचुच्य |
| चुचुच्य | चुचुच्यथ | चुचुच्यम |
| आ चुच्यात् | चुच्यास्ताम् | चुच्यासुः |
| चुच्याः | चुच्यास्तम् | चुच्यास्व |
| चुच्यासम् | चुच्यास्व | चुच्यास्म |
| चुच्यात् | चुच्यास्ताम् | चुच्यासुः |
| चुच्याः | चुच्यास्तम् | चुच्यास्व |
| चुच्यासम् | चुच्यास्व | चुच्यास्म |
| श्व० चुच्यता | चुच्यतारौ | चुच्यतारः |
| चुच्यतासि | चुच्यतास्थः | चुच्यतास्थ |
| चुच्यतास्मि | चुच्यतास्वः | चुच्यतास्मः |
| भ० चुच्यिष्यति | चुच्यिष्यतः | चुच्यिष्यन्ति |
| चुच्यिष्यसि | चुच्यिष्यथः | चुच्यिष्यथ |
| चुच्यिष्यामि | चुच्यिष्यावः | चुच्यिष्यामः |
| अचुच्यिष्यत् | अचुच्यिष्यताम् | अचुच्यिष्यन् |
| अचुच्यिष्यः | अचुच्यिष्यतम् | अचुच्यिष्यत |
| अचुच्यिष्यम् | अचुच्यिष्याव | अचुच्यिष्याम |

॥ अथ रान्ता अष्टौ सेट्श्च ॥

405 त्सर (त्सर) छद्मगतौ छद्मपकारे

व० त्सरति त्सरतः त्सरन्ति
त्सरसि त्सरथः त्सरथ
त्सरामि त्सरावः त्सरामः

स० त्सरेत् त्सरेताम् त्सरेयुः
त्सरेः त्सरेतम् त्सरेत
त्सरेयम् त्सरेव त्सरेम

प० त्सरतु त्सरतात् त्सरताम् त्सरन्तु
त्सर , त्सरतम् त्सरत
त्सराणि त्सराव त्सराम

झ० अत्सरत् अत्सरताम् अत्सरन्
अत्सरः अत्सरतम् अत्सरत
अत्सरम् अत्सराव अत्सराम

अ० अत्सरीत् अत्सरिष्टाम् अत्सरिषुः
अत्सरीः अत्सरिष्टम् अत्सरिष्ट
अत्सरिषम् अत्सरिष्व अत्सरिषम्

प० तत्सार तत्सरतुः तत्सरः
तत्सरिथ तत्सरथुः तत्सर
तत्साह तत्सर तत्सरिव तत्सरिम

आ० त्सर्यात् त्सर्यास्ताम् त्सर्यासुः
त्सर्याः त्सर्यास्तम् त्सर्यास्त
त्सर्यासम् त्सर्यास्व त्सर्यास्म

श्व० त्सरिता त्सरितारौ त्सरितारः
त्सरितासि त्सरितास्थः त्सरितास्थ
त्सरितास्मि त्सरितास्वः त्सरितास्मः

भ० त्सरिष्यति त्सरिष्यतः त्सरिष्यन्ति
त्सरिष्यसि त्सरिष्यथः त्सरिष्यथ
त्सरिष्यामि त्सरिष्यावः त्सरिष्यामः

क्रि० अत्सरिष्यत् अत्सरिष्यताम् अत्सरिष्यन्
अत्सरिष्यः अत्सरिष्यतम् अत्सरिष्यत
अत्सरिष्यम् अत्सरिष्याव अत्सरिष्याम

अ० अत्सारीत् अत्सारिष्टाम् अत्सारिषुः
अत्सारीः अत्सारिष्टम् अत्सारिष्ट
अत्सारिषम् अत्सारिष्व अत्सारिषम्

406 कमर (कम्) हृच्छने ।

कौटिल्ये इत्यर्थः ।

व० कमरति कमरतः कमरन्ति
कमरसि कमरथः कमरथ
कमरामि कमरावः कमरामः

स० कम्रेत् कम्रेताम् कम्रेयुः
कम्रेः कम्रेतम् कम्रेत
कम्रेयम् कम्रेव कम्रेम

प० कमरतु कमरतात् कमरताम् कमरन्तु
कमर , कमरतम् कमरत
कमराणि कमराव कमराम

झ० अकमरत् अकमरताम् अकमरन्
अकमरः अकमरतम् अकमरत
अकमरम् अकमराव अकमराम

अ० अकमरीत् अकमरिष्टाम् अकमरिषुः
अकमरीः अकमरिष्टम् अकमरिष्ट
अकमरिषम् अकमरिष्व अकमरिषम्

प० चकमार चकमारतुः चकमरः
चकमरिथ चकमरथुः चकमर
चकमार चकमर चकमरिव चकमरिम

आ० कम्र्यात् कम्र्यास्ताम् कम्र्यासुः
कम्र्याः कम्र्यास्तम् कम्र्यास्त
कम्र्यासम् कम्र्यास्व कम्र्यास्म

श्व० कम्रिता कम्रितारौ कम्रितारः
कम्रितासि कम्रितास्थः कम्रितास्थ
कम्रितास्मि कम्रितास्वः कम्रितास्मः

भ० कम्रिष्यति कम्रिष्यतः कम्रिष्यन्ति
कम्रिष्यसि कम्रिष्यथः कम्रिष्यथ
कम्रिष्यामि कम्रिष्यावः कम्रिष्यामः

क्रि० अकम्रिष्यत् अकम्रिष्यताम् अकम्रिष्यन्
अकम्रिष्यः अकम्रिष्यतम् अकम्रिष्यत
अकम्रिष्यम् अकम्रिष्याव अकम्रिष्याम

अ० अत्सारीत् अत्सारिष्टाम् अत्सारिषुः
अत्सारीः अत्सारिष्टम् अत्सारिष्ट
अत्सारिषम् अत्सारिष्व अत्सारिषम्

अभ्र, वभ्र मभ्र, गतौ ।

407 अभ्र (अभ्र) गतौ ।

व० अभ्रति अभ्रतः अभ्रन्ति
 अभ्रसि अभ्रथः अभ्रथ
 अभ्रामि अभ्रावः अभ्रामः

स० अभ्रेत् अभ्रेताम् अभ्रयुः
 अभ्रेः अभ्रेतम् अभ्रेत
 अभ्रयम् अभ्रेव अभ्रम

प० अभ्रेतु अभ्रेतात् अभ्रेताम् अभ्रेन्तु
 अभ्रे , अभ्रेतम् अभ्रेत
 अभ्राणि अभ्राव अभ्राम

झ० आभ्रेत् आभ्रेताम् आभ्रेन्
 आभ्रेः आभ्रेतम् आभ्रेत
 आभ्रेम् आभ्रेव आभ्रेम

अ० आधीत् आद्रिष्टम् आद्रिषुः
 आधीः आद्रिष्टम् आद्रिष्ट
 आद्रिषम् आद्रिष्व आद्रिष्म

प० आनभ् आनभ्तुः आनभुः
 आनभिथ आनभ्रथुः आनभ्रे
 आनभ् आनभिष्व आनभिष्म

आ० अभ्रेयात् अभ्रेयास्ताम् अभ्रेयासुः
 अभ्रेयाः अभ्रेयास्तम् अभ्रेयास्त
 अभ्रेयासम् अभ्रेयास्व अभ्रेयास्म

श्व० अभ्रिता अभ्रितारौ अभ्रितारः
 अभ्रितासि अभ्रितास्थः अभ्रितास्थ
 अभ्रितास्मि अभ्रितास्वः अभ्रितास्मः

भ० अभ्रिष्यति अभ्रिष्यतः अभ्रिष्यन्ति
 अभ्रिष्यसि अभ्रिष्यथः अभ्रिष्यथ
 अभ्रिष्यामि अभ्रिष्यावः अभ्रिष्यामः

क्रि० आभ्रिष्यत् आभ्रिष्यताम् आभ्रिष्यन्
 आभ्रिष्यः आभ्रिष्यतम् आभ्रिष्यत
 आभ्रिष्यम् आभ्रिष्याव आभ्रिष्याम

408 वभ्र [वभ्र] गतौ ।

व० वभ्रति वभ्रतः वभ्रन्ति
 वभ्रसि वभ्रथः वभ्रथ
 वभ्रामि वभ्रावः वभ्रामः

स० वभ्रेत् वभ्रेताम् वभ्रेयुः
 वभ्रेः वभ्रेतम् वभ्रेत
 वभ्रेयम् वभ्रेव वभ्रेम

प० वभ्रतु वभ्रतात् वभ्रताम् वभ्रन्तु
 वभ्र , वभ्रतम् वभ्रत
 वभ्राणि वभ्राव वभ्राम

झ० अवभ्रत् अवभ्रताम् अवभ्रन्
 अवभ्रः अवभ्रतम् अवभ्रत
 अवभ्रम् अवभ्राव अवभ्राम

अ० अवभ्रीत् अवभ्रिष्टाम् अवभ्रिषुः
 अवभ्रीः अवभ्रिष्टम् अवभ्रिष्ट
 अवभ्रिषम् अवभ्रिष्व अवभ्रिष्म

प० ववभ्र ववभ्रतुः ववभ्रुः
 ववभ्रिथ ववभ्रथुः ववभ्र
 ववभ्र ववभ्रिव ववभ्रिम

आ० वभ्रेयात् वभ्रयास्ताम् वभ्रयासुः
 वभ्रयाः वभ्रयास्तम् वभ्रयास्त
 वभ्रयासम् वभ्रयास्व वभ्रयास्म

श्व० वभ्रिता वभ्रितारौ वभ्रितारः
 वभ्रितासि वभ्रितास्थः वभ्रितास्थ
 वभ्रितास्मि वभ्रितास्वः वभ्रितास्मः

भ० वभ्रिष्यति वभ्रिष्यतः वभ्रिष्यन्ति
 वभ्रिष्यसि वभ्रिष्यथः वभ्रिष्यथ
 वभ्रिष्यामि वभ्रिष्यावः वभ्रिष्यामः

क्रि० अवभ्रिष्यत् अवभ्रिष्यताम् अवभ्रिष्यन्
 अवभ्रिष्यः अवभ्रिष्यतम् अवभ्रिष्यत
 अवभ्रिष्यम् अवभ्रिष्याव अवभ्रिष्याम

409 मभ्र [मभ्र] गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० मभ्रति | मभ्रतः | मभ्रन्ति |
| मभ्रसि | मभ्रथः | मभ्रथ |
| मभ्रामि | मभ्रावः | मभ्रामः |
| स० मभ्रेत् | मभ्रेताम् | मभ्रेयुः |
| मभ्रेः | मभ्रेतम् | मभ्रेत |
| मभ्रेयम् | मभ्रेव | मभ्रेम |
| प० मभ्रतु | मभ्रतात् | मभ्रताम् |
| मभ्र | ” | मभ्रतम् |
| मभ्राणि | मभ्राव | मभ्राम |
| झ० अमभ्रत् | अमभ्रताम् | अमभ्रन् |
| अमभ्रः | अमभ्रतम् | अमभ्रत |
| अमभ्रम् | अमभ्राव | अमभ्राम |
| अ० अमभ्रीत् | अमभ्रिष्टाम् | अमभ्रिषुः |
| अमभ्रीः | अमभ्रिष्टम् | अमभ्रिष्ट |
| अमभ्रिषम् | अमभ्रिष्व | अमभ्रिष्म |
| प० ममभ्र | ममभ्रतुः | ममभ्रुः |
| ममभ्रिथ | ममभ्रैथुः | ममभ्र |
| ममभ्र | ममभ्रिव | ममभ्रिम |
| आ० मभ्रयात् | मभ्रयास्ताम् | मभ्रयासुः |
| मभ्रयाः | मभ्रयास्तम् | मभ्रयास्त |
| मभ्रयाम् | मभ्रयास्व | मभ्रयास्म |
| श्च० मभ्रिता | मभ्रितारौ | मभ्रितारः |
| गभ्रितासि | मभ्रितास्थः | मभ्रितास्थ |
| मभ्रितास्मि | मभ्रितास्वः | मभ्रितास्मः |
| भ० मभ्रिष्यति | मभ्रिष्यतः | मभ्रिष्यन्ति |
| मभ्रिष्यसि | मभ्रिष्यथः | मभ्रिष्यथ |
| मभ्रिष्यामि | मभ्रिष्यावः | मभ्रिष्यामः |
| क्रि० अमभ्रिष्यत् | अमभ्रिष्यताम् | अमभ्रिष्यन् |
| अमभ्रिष्यः | अमभ्रिष्यतम् | अमभ्रिष्यत |
| अमभ्रिष्यम् | अमभ्रिष्याव | अमभ्रिष्याम |

410 चर (चर्) भक्षणे ।

चकाराद्गतौ ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० चरति | चरतः | चरन्ति |
| चरसि | चरथः | चरथ |
| चरामि | चरावः | चरामः |
| स० चरेत् | चरेताम् | चरेयुः |
| चरेः | चरेतम् | चरेत |
| चरेयम् | चरेव | चरेम |
| प० चरतु | चरतात् | चरताम् |
| चर | ” | चरतम् |
| चराणि | चराव | चराम |
| झ० अचरत् | अचरताम् | अचरन् |
| अचरः | अचरतम् | अचरत |
| अचरम् | अचराव | अचराम |
| अ० अचारीत् | अचारिष्टाम् | अचारिषुः |
| अचारीः | अचारिष्टम् | अचारिष्ट |
| अचारिषम् | अचारिष्व | अचारिष्म |
| प० चचार | चेरतुः | चेरुः |
| चेरिथ | चेरथुः | चेर |
| चचार | चचर | चेरिव |
| आ० चर्यात् | चर्यास्ताम् | चर्यासुः |
| चर्याः | चर्यास्तम् | चर्यास्त |
| चर्याम | चर्यास्व | चर्यास्म |
| श्च० चरिता | चरितारौ | चरितारः |
| चरितासि | चरितास्थः | चरितास्थ |
| चरितास्मि | चरितास्वः | चरितास्मः |
| भ० चरिष्यति | चरिष्यतः | चरिष्यन्ति |
| चरिष्यसि | चरिष्यथः | चरिष्यथ |
| चरिष्यामि | चरिष्यावः | चरिष्यामः |
| क्रि० अचरिष्यत् | अचरिष्यताम् | अचरिष्यन् |
| अचरिष्यः | अचरिष्यतम् | अचरिष्यत |
| अचरिष्यम् | अचरिष्याव | अचरिष्याम |

411 धोरृ (धोर) गतेश्चातुर्ये !

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| व० धोरति | धोरतः | धोरन्ति |
| धोरसि | धोरथः | धोरथ |
| धोरामि | धोरावः | धोरामः |
| स० धोरेत् | धोरेताम् | धोरेयुः |
| धोरेः | धोरेतम् | धोरेत |
| धोरेयम् | धोरेव | धोरेम |
| प० धोरतु | धोरतात् | धोरताम् |
| धोर | „ | धोरतम् |
| धोराणि | धोराव | धोराम |
| झ० अधोरत् | अधोरताम् | अधोरन् |
| अधोरः | अधोरतम् | अधोरत |
| अधोरम् | अधोराव | अधोराम |
| अ० अधोरीत् | अधोरिष्टम् | अधोरिषुः |
| अधोरीः | अधोरिष्टम् | अधोरिष्ट |
| अधोरिषम् | अधोरिष्व | अधोरिष्म |
| प० दुधोर | दुधोरतुः | दुधोरः |
| दुधोरिथ | दुधोरथुः | दुधोर |
| दुधोर | दुधोरिव | दुधोरिम |
| आ० धोर्यात् | धोर्यास्ताम् | धोर्यासुः |
| धोर्याः | धोर्यास्तम् | धोर्यास्त |
| धोर्यासम् | धोर्यास्व | धोर्यास्मि |
| श्व० धोरिता | धोरितारौ | धोरितारः |
| धोरितासि | धोरितास्थः | धोरितास्थ |
| धोरितास्मि | धोरितास्वः | धोरितास्मः |
| भ० धोरिष्यति | धोरिष्यतः | धोरिष्यन्ति |
| धोरिष्यसि | धोरिष्यथः | धोरिष्यथ |
| धोरिष्यामि | धोरिष्यावः | धोरिष्यामः |
| क्रि० अधोरिष्यत | अधोरिष्यताम् | अधोरिष्यन् |
| अधोरिष्यः | अधोरिष्यतम् | अधोरिष्यत |
| अधोरिष्यम् | अधोरिष्याव | अधोरिष्याम |

412 खोरृ (खोर) प्रतीघाते ।

गतेश्चातुर्ये !

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| व० खोरति | खोरतः | खोरन्ति |
| खोरसि | खोरथः | खोरथ |
| खोरामि | खोरावः | खोरामः |
| स० खोरेत् | खोरेताम् | खोरेयुः |
| खोरेः | खोरेतम् | खोरेत |
| खोरेयम् | खोरेव | खोरेम |
| प० खोरतु | खोरतात् | खोरताम् |
| खोर | „ | खोरतम् |
| खोराणि | खोराव | खोराम |
| झ० अखोरत् | अखोरताम् | अखोरन् |
| अखोरः | अखोरतम् | अखोरत |
| अखोरम् | अखोराव | अखोराम |
| अ० अखोरीत् | अखोरिष्टम् | अखोरिषुः |
| अखोरीः | अखोरिष्टम् | अखोरिष्ट |
| अखोरिषम् | अखोरिष्व | अखोरिष्म |
| प० चुखोर | चुखोरतुः | चुखोरः |
| चुखोरिथ | चुखोरथुः | चुखोर |
| चुखोर | चुखोरिव | चुखोरिम |
| आ० खोर्यात् | खोर्यास्ताम् | खोर्यासुः |
| खोर्याः | खोर्यास्तम् | खोर्यास्त |
| खोर्यासम् | खोर्यास्व | खोर्यास्मि |
| श्व० खोरिता | खोरितारौ | खोरितारः |
| खोरितासि | खोरितास्थः | खोरितास्थ |
| खोरितास्मि | खोरितास्वः | खोरितास्मः |
| भ० खोरिष्यति | खोरिष्यतः | खोरिष्यन्ति |
| खोरिष्यसि | खोरिष्यथः | खोरिष्यथ |
| खोरिष्यामि | खोरिष्यावः | खोरिष्यामः |
| क्रि० अखोरिष्यत | अखोरिष्यताम् | अखोरिष्यन् |
| अखोरिष्यः | अखोरिष्यतम् | अखोरिष्यत |
| अखोरिष्यम् | अखोरिष्याव | अखोरिष्याम |

413 दल (दल्) विशरणे ।

अथ लान्ताश्चत्वारिंशत्सेटश्च ।

व० दलति दलतः दलन्ति
दलसि दलथः दलथ
दलामि दलावः दलामः

स० दलेत् दलेताम् दलेयुः
दलेः दलेतम् दलेत
दलेयम् दलेव दलेम

प० दलतु दलतात् दलताम् दलन्तु
दल " दलतम् दलत
दलानि दलाव दलाम

झ० अदलत् अदलताम् अदलन्
अदलः अदलतम् अदलत
अदलम् अदलाव अदलाम

अ० अदालीत् अदालिष्टाम् अदालिषुः
अदालीः अदालिष्टम् अदालिष्ट
अदालिषम् अदालिष्व अदालिष्म

प० ददाल देलुः देलुः
देलिथ देलथुः देल
ददाल ददल देलिव देलिम

आ० दल्यात् दल्यास्ताम् दल्यासुः
दल्याः दल्यास्तम् दल्यास्त
दल्यासम् दल्यास्व दल्यास्म

श्व० दलिता दलितारौ दलितारः
दलितासि दलितास्थः दलितास्थ
दलितास्मि दलितास्वः दलितास्मः

भ० दलिष्यति दलिष्यतः दलिष्यन्ति
दलिष्यसि दलिष्यथः दलिष्यथ
दलिष्यामि दलिष्यावः दलिष्यामः

क्रि० अदलिष्यत् अदलिष्यताम् अदलिष्यन्
अदलिष्यः अदलिष्यतम् अदलिष्यत
अदलिष्यम् अदलिष्याव अदलिष्याम

414 त्रिफला (फल्) विशरणे ।

व० फलति फलतः फलन्ति
फलसि फलथः फलथ
फलामि फलावः फलामः

स० फलेत् फलेताम् फलेयुः
फलेः फलेतम् फलेत
फलेयम् फलेव फलेम

प० फलतु फलतात् फलताम् फलन्तु
फल " फलतम् फलत
फलानि फलाव फलाम

झ० अफलत् अफलताम् अफलन्
अफलः अफलतम् अफलत
अफलम् अफलाव अफलाम

अ० अफालीत् अफालिष्टाम् अफालिषुः
अफालीः अफालिष्टम् अफालिष्ट
अफालिषम् अफालिष्व अफालिष्म

प० पफाल फेलुः फेलुः
फेलिथ फेलथुः फेल
पफाल पफल फेलिव फेलिम

आ० फल्यात् फल्यास्ताम् फल्यासुः
फल्याः फल्यास्तम् फल्यास्त
फल्यासम् फल्यास्व फल्यास्म

श्व० फलिता फलितारौ फलितारः
फलितासि फलितास्थः फलितास्थ
फलितास्मि फलितास्वः फलितास्मः

भ० फलिष्यति फलिष्यतः फलिष्यन्ति
फलिष्यसि फलिष्यथः फलिष्यथ
फलिष्यामि फलिष्यावः फलिष्यामः

क्रि० अफलिष्यत् अफलिष्यताम् अफलिष्यन्
अफलिष्यः अफलिष्यतम् अफलिष्यत
अफलिष्यम् अफलिष्याव अफलिष्याम

415 मील (मील्) निमेषणे ।

निमेषणं सङ्कोचः ।

| | | |
|--------------------|----------------|-----------------|
| व० मीलति | मीलतः | मीलन्ति |
| मीलसि | मीलथः | मीलथ |
| मीलामि | मीलावः | मीलामः |
| स० मीलेत् | मीलेताम् | मीलेयुः |
| मीलेः | मीलेतम् | मीलेत |
| मीलेयम् | मीलेव | मीलेम |
| प० मीलतु | मीलतात् | मीलताम् मीलन्तु |
| मील | ,, | मीलतम् मीलत |
| मीलानि | मीलाव | मीलाम |
| ह्य० अमीलत् | अमीलताम् | अमीलन् |
| अमीलः | अमीलतम् | अमीलत |
| अमीलम् | अमीलाव | अमीलाम |
| अ० अमीलीत् | अमीलिशाम् | अमीलिषुः |
| अमीलीः | अमीलिष्टम् | अमीलिष्ट |
| अमीलिषम् | अमीलिष्व | अमीलिष्म |
| प० मिमील | मिमीलतुः | मिमीलुः |
| मिमीलित् | मिमीलितुः | मिमील |
| मिमील | मिमीलिव | मिमीलिम |
| आ० मीलयात् | मील्यास्ताम् | मिल्यासुः |
| मील्याः | मील्यास्तम् | मील्यास्त |
| मील्यासम् | मील्यास्व | मील्यास्म |
| श्व० मीलित्ता | मीलितारौ | मीलितारः |
| मीलित्तासि | मीलित्तास्थः | मीलित्तास्थ |
| मीलित्तास्मि | मीलित्तास्वः | मीलित्तास्मः |
| भ० मील्लिष्यति | मील्लिष्यतः | मील्लिष्यन्ति |
| मील्लिष्यसि | मील्लिष्यथः | मील्लिष्यथ |
| मील्लिष्यामि | मील्लिष्यावः | मील्लिष्यामः |
| क्रि० अमील्लिष्यत् | अमील्लिष्यताम् | अमील्लिष्यन् |
| अमील्लिष्यः | अमील्लिष्यतम् | अमील्लिष्यत |
| अमील्लिष्यम् | अमील्लिष्याव | अमील्लिष्याम |

416 इमील (इमील्) निमेषणे ।

निमेषणं सङ्कोचः ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० इमीलति | इमीलतः | इमीलन्ति |
| इमीलसि | इमीलथः | इमीलथ |
| इमीलामि | इमीलावः | इमीलामः |
| स० इमीलेत् | इमीलेताम् | इमीलेयुः |
| इमीलेः | इमीलेतम् | इमीलेत |
| इमीलेयम् | इमीलेव | इमीलेम |
| प० इमीलतु | इमीलतात् | इमीलताम् इमीलन्तु |
| इमील | ,, | इमीलतम् इमीलत |
| इमीलानि | इमीलाव | इमीलाम |
| ह्य० अइमीलत् | अइमीलताम् | अइमीलन् |
| अइमीलः | अइमीलतम् | अइमीलत |
| अइमीलम् | अइमीलाव | अइमीलाम |
| अ० अइमीलीत् | अइमीलिष्टाम् | अइमीलिषुः |
| अइमीलीः | अइमीलिष्टम् | अइमीलिष्ट |
| अइमीलिषम् | अइमीलिष्व | अइमीलिष्म |
| प० शिइमील | शिइमीलतुः | शिइमीलुः |
| शिइमीलित् | शिइमीलितुः | शिइमील |
| शिइमील | शिइमीलिव | शिइमीलिम |
| आ० इमील्यात् | इमील्यास्ताम् | इमील्यासुः |
| इमील्याः | इमील्यास्तम् | इमील्यास्त |
| इमील्यासम् | इमील्यास्व | इमील्यास्म |
| श्व० इमीलिता | इमीलितारौ | इमीलितारः |
| इमीलितासि | इमीलितास्थः | इमीलितास्थ |
| इमीलितास्मि | इमीलितास्वः | इमीलितास्मः |
| भ० इमीलिष्यति | इमीलिष्यतः | इमीलिष्यन्ति |
| इमीलिष्यसि | इमीलिष्यथः | इमीलिष्यथ |
| इमीलिष्यामि | इमीलिष्यावः | इमीलिष्यामः |
| क्रि० अइमीलिष्यत् | अइमीलिष्यताम् | अइमीलिष्यन् |
| अइमीलिष्यः | अइमीलिष्यतम् | अइमीलिष्यत |
| अइमीलिष्यम् | अइमीलिष्याव | अइमीलिष्याम |

417 स्मील (स्मील) निमेषणे ।

निमेषणं सकोचः ।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| व० | स्मीलति | स्मीलतः | स्मीलन्ति |
| | स्मीलसि | स्मीलयः | स्मीलय |
| | स्मीलामि | स्मीलावः | स्मीलामः |
| स० | स्मीलेत् | स्मीलेताम् | स्मीलेयुः |
| | स्मीलेः | स्मीलेतम् | स्मीलेत |
| | स्मीलेयम् | स्मीलेव | स्मीलेम |
| प० | स्मीलतु | स्मीलतात् | स्मीलताम् |
| | स्मील | ” | स्मीलतम् |
| | स्मीलानि | स्मीलाव | स्मीलाम |
| ह्य० | अस्मीलत् | अस्मीलताम् | अस्मीलन् |
| | अस्मीलः | अस्मीलतम् | अस्मीलत |
| | अस्मीलम् | अस्मीलाव | अस्मीलाम |
| अ० | अस्मीलीत् | अस्मीलिष्टाम् | अस्मीलिषुः |
| | अस्मीलीः | अस्मीलिष्टम् | अस्मीलिष्ट |
| | अस्मीलिषम् | अस्मीलिष्व | अस्मीलिषम |
| प० | सिस्मील | सिस्मीलतुः | सिस्मीलुः |
| | सिस्मीलिथ | सिस्मीलथुः | सिस्मील |
| | सिस्मील | सिस्मीलिष | सिस्मीलिम |
| आ० | स्मील्यात् | स्मील्यास्ताम् | स्मील्यासुः |
| | स्मील्याः | स्मील्यास्तम् | स्मील्यास्त |
| | स्मील्यासम् | स्मील्यास्व | स्मील्यास्म |
| श्व० | स्मीलिता | स्मीलितारौ | स्मीलितारः |
| | स्मीलितासि | स्मीलितास्थः | स्मीलितास्थ |
| | स्मीलितास्मि | स्मीलितास्वः | स्मीलितास्मः |
| भ० | स्मीलिष्यति | स्मीलिष्यतः | स्मीलिष्यन्ति |
| | स्मीलिष्यसि | स्मीलिष्यथः | स्मीलिष्यथ |
| | स्मीलिष्यामि | स्मीलिष्यावः | स्मीलिष्यामः |
| क्रि० | अस्मीलिष्यत् | अस्मीलिष्यताम् | अस्मीलिष्यन् |
| | अस्मीलिष्यत | अस्मीलिष्यम् | अस्मीलिष्यत |
| | अस्मीलिष्याव | अस्मीलिष्याम | |

418 क्षमील (क्षमील) निमेषणे ।

निमेषणं सकोचः ।

| | | | |
|------|---------------|-----------------|----------------|
| व० | क्षमीलति | क्षमीलतः | क्षमीलन्ति |
| | क्षमीलसि | क्षमीलयः | क्षमीलय |
| | क्षमीलामि | क्षमीलावः | क्षमीलामः |
| स० | क्षमीलेत् | क्षमीलेताम् | क्षमीलेयुः |
| | क्षमीलेः | क्षमीलेतम् | क्षमीलेत |
| | क्षमीलेयम् | क्षमीलेव | क्षमीलेम |
| प० | क्षमीलतु | क्षमीलतात् | क्षमीलताम् |
| | क्षमील | ” | क्षमीलतम् |
| | क्षमीलानि | क्षमीलाव | क्षमीलाम |
| ह्य० | अक्षमीलत् | अक्षमीलताम् | अक्षमीलन् |
| | अक्षमीलः | अक्षमीलतम् | अक्षमीलत |
| | अक्षमीलम् | अक्षमीलाव | अक्षमीलाम |
| अ० | अक्षमीलीत् | अक्षमीलिष्टाम् | अक्षमीलिषुः |
| | अक्षमीलीः | अक्षमीलिष्टम् | अक्षमीलिष्ट |
| | अक्षमीलिषम् | अक्षमीलिष्व | अक्षमीलिषम |
| प० | चिक्क्षमील | चिक्क्षमीलतुः | चिक्क्षमीलुः |
| | चिक्क्षमीलिथ | चिक्क्षमीलथुः | चिक्क्षमील |
| | चिक्क्षमील | चिक्क्षमीलिष | चिक्क्षमीलिम |
| आ० | क्षमील्यात् | क्षमील्यास्ताम् | क्षमील्यासुः |
| | क्षमील्याः | क्षमील्यास्तम् | क्षमील्यास्त |
| | क्षमील्यासम् | क्षमील्यास्व | क्षमील्यास्म |
| श्व० | क्षमीलिता | क्षमीलितारौ | क्षमीलितारः |
| | क्षमीलितासि | क्षमीलितास्थः | क्षमीलितास्थ |
| | क्षमीलितास्मि | क्षमीलितास्वः | क्षमीलितास्मः |
| भ० | क्षमीलिष्यति | क्षमीलिष्यतः | क्षमीलिष्यन्ति |
| | क्षमीलिष्यसि | क्षमीलिष्यथः | क्षमीलिष्यथ |
| | क्षमीलिष्यामि | क्षमीलिष्यावः | क्षमीलिष्यामः |
| | अक्षमीलिष्यत | अक्षमीलिष्यताम् | अक्षमीलिष्यन् |
| | अक्षमीलिष्यत | अक्षमीलिष्यम् | अक्षमीलिष्यत |
| | अक्षमीलिष्याव | अक्षमीलिष्याम | |

419 पील (पील्) प्रतिष्ठम्भे ।

प्रतिष्ठम्भो रोपणम् ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० पीलति | पीलतः | पीलन्ति |
| पीलसि | पीलथः | पीलथ |
| पीलामि | पीलावः | पीलामः |
| स० पीलेत् | पीलेताम् | पीलेयुः |
| पीलेः | पीलेतम् | पीलेत |
| पीलेयम् | पीलेव | पीलेम |
| प० पीलतु | पीलतात् | पीलताम् |
| पील | ,, | पीलतम् |
| पीलानि | पीलाव | पीलाम |
| झ० अपीलत् | अपीलताम् | अपीलन् |
| अपीलः | अपीलतम् | अपीलत |
| अपीलम् | अपीलाव | अपीलाम |
| अ० अपीलीत् | अपीलिष्टाम् | अपीलिषुः |
| अपीलोः | अपीलिष्टम् | अपीलिष्ट |
| अपीलिषम् | अपीलिष्व | अपीलिष्म |
| प० पिपील | पिपीलतुः | पिपीलुः |
| पिपीलिथ | पिपीलथुः | पिपील |
| पिपील | पिपीलिष | पिपीलिम |
| आ० पील्यात् | पील्यास्ताम् | पील्यासुः |
| पील्याः | पील्यास्तम् | पील्यास्त |
| पील्यासम् | पील्यास्व | पील्यास्म |
| श्व० पीलिता | पीलितारौ | पीलितारः |
| पीलितासि | पीलितास्थः | पीलितास्थ |
| पीलितास्मि | पीलितास्वः | पीलितास्मः |
| भ० पीलिष्यति | पीलिष्यतः | पीलिष्यन्ति |
| पीलिष्यसि | पीलिष्यथः | पीलिष्यथ |
| पीलिष्यामि | पीलिष्यावः | पीलिष्यामः |
| क्रि० अपीलिष्यत् | अपीलिष्यताम् | अपीलिष्यन् |
| अपीलिष्यः | अपीलिष्यतम् | अपीलिष्यत |
| अपीलिष्यम् | अपीलिष्याव | अपीलिष्याम |

420 नील (नील्) वर्णे ।

वर्णोपलक्षितायां क्रियायामित्यर्थः ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० नीलति | नीलतः | नीलन्ति |
| नीलसि | नीलथः | नीलथ |
| नीलामि | नीलावः | नीलामः |
| स० नीलेत् | नीलेताम् | नीलेयुः |
| नीलेः | नीलेतम् | नीलेत |
| नीलेयम् | नीलेव | नीलेम |
| प० नीलतु | नीलतात् | नीलताम् |
| नील | ,, | नीलतम् |
| नीलानि | नीलाव | नीलाम |
| झ० अनीलत् | अनीलताम् | अनीलन् |
| अनीलः | अनीलतम् | अनीलत |
| अनीलम् | अनीलाव | अनीलाम |
| अ० अनीलीत् | अनीलिष्टाम् | अनीलीषुः |
| अनीलीः | अनीलिष्टम् | अनीलिष्ट |
| अनीलिषम् | अनीलिष्व | अनीलिष्म |
| प० निनील | निनीलतुः | निनीलुः |
| निनीलिथ | निनीलथुः | निनील |
| निनील | निनीलिष | निनीलिम |
| आ० नील्यात् | नील्यास्ताम् | नील्यासुः |
| नील्याः | नील्यास्तम् | नील्यास्त |
| नील्यासम् | नील्यास्व | नील्यास्म |
| श्व० नीलिता | नीलितारौ | नीलितारः |
| नीलितासि | नीलितास्थः | नीलितास्थ |
| नीलितास्मि | नीलितास्वः | नीलितास्मः |
| भ० नीलिष्यति | नीलिष्यतः | नीलिष्यन्ति |
| नीलिष्यसि | नीलिष्यथः | नीलिष्यथ |
| नीलिष्यामि | नीलिष्यावः | नीलिष्यामः |
| क्रि० अनीलिष्यत् | अनीलिष्यताम् | अनीलिष्यन् |
| अनीलिष्यः | अनीलिष्यतम् | अनीलिष्यत |
| अनीलिष्यम् | अनीलिष्याव | अनीलिष्याम |

421 शील (शील्) समाधौ ।

समाधिरैकाग्र्यम् ॥

| | | | |
|-------|------------|--------------|---------------|
| व० | शीलति | शीलतुः | शीलन्ति |
| | शीलसि | शीलथः | शीलथ |
| | शीलामि | शीलावः | शीलामः |
| स० | शीलेत् | शीलेताम् | शीलेयुः |
| | शीलेः | शीलेतम् | शीलेत |
| | शीलेयम् | शीलेव | शीलेम |
| प० | शीलतु | शीलतात् | शीलताम् |
| | शील | ” | शीलतम् |
| | शीलानि | शीलाव | शीलाम |
| झ० | अशीलत् | अशीलताम् | अशीलन् |
| | अशीलः | अशीलतम् | अशीलत |
| | अशीलम् | अशीलाव | अशीलाम |
| अ० | अशीलीत् | अशीलिष्टाम् | अशीलिषुः |
| | अशीलीः | अशीलिष्टम् | अशीलिष्ट |
| | अशीलिषम् | अशीलिष्व | अशीलिष्म |
| प० | शिशील | शिशीलतुः | शिशीलुः |
| | शिशीलथ | शिशीलथुः | शिशील |
| | शिशील | शिशीलिव | शिशीलिम |
| आ० | शील्यात् | शील्यास्ताम् | शील्यासुः |
| | शील्याः | शील्यास्तम् | शील्यास्त |
| | शील्यासम् | शील्यास्व | शील्यास्म |
| भ० | शीलिता | शीलितारौ | शीलितारः |
| | शीलितासि | शीलितास्थः | शीलितास्थ |
| | शीलितास्मि | शीलितास्वः | शीलितास्मः |
| भ० | शीलिष्यति | शीलिष्यतः | शीलिष्यन्ति |
| | शीलिष्यसि | शीलिष्यथः | शीलिष्यथ |
| | शीलिष्यामि | शीलिष्यावः | शीलिष्यामः |
| क्रि० | अशीलिष्यत् | अशीलिष्यताम् | |
| | अशीलिष्यन् | अशीलिष्यः | अशीलिष्यन्तम् |
| | अशीलिष्यत | अशीलिष्यम् | |
| | अशीलिष्याव | अशीलिष्याम | |

422 कील (कील्) बन्धे ।

| | | | |
|----|------------|--------------|-------------|
| व० | कीलति | कीलतः | कीलन्ति |
| | कीलसि | कीलथः | कीलथ |
| | कीलामि | कीलावः | कीलामः |
| स० | कीलेत् | कीलेताम् | कीलेयुः |
| | कीलेः | कीलेतम् | कीलेत |
| | कीलेयम् | कीलेव | कीलेम |
| प० | कीलतु | कीलतात् | कीलताम् |
| | कील | ” | कीलतम् |
| | कीलानि | कीलाव | कीलाम |
| झ० | अकीलत् | अकीलनाम् | अकीलन् |
| | अकीलः | अकीलतम् | अकीलत |
| | अकीलम् | अकीलाव | अकीलाम |
| अ० | अकीलीत् | अकीलिष्टाम् | अकीलिषुः |
| | अकीलीः | अकीलिष्टम् | अकीलिष्ट |
| | अकीलिषम् | अकीलिष्व | अकीलिष्म |
| प० | चिकील | चिकीलतुः | चिकीलुः |
| | चिकीलथ | चिकीलथुः | चिकील |
| | चिकील | चिकीलिव | चिकीलिम |
| आ० | कील्यात् | कील्यास्ताम् | कील्यासुः |
| | कील्याः | कील्यास्तम् | कील्यास्त |
| | कील्यासम् | कील्यास्व | कील्यास्म |
| भ० | कीलिता | कीलितारौ | कीलितारः |
| | कीलितासि | कीलितास्थः | कीलितास्थ |
| | कीलितास्मि | कीलितास्वः | कीलितास्मः |
| भ० | कीलिष्यति | कीलिष्यतः | कीलिष्यन्ति |
| | कीलिष्यसि | कीलिष्यथः | कीलिष्यथ |
| | कीलिष्यामि | कीलिष्यावः | कीलिष्यामः |
| | अकीलिष्यत् | अकीलिष्यताम् | अकीलिष्यन् |
| | अकीलिष्यः | अकीलिष्यतम् | अकीलिष्यत |
| | अकीलिष्यम् | अकीलिष्याव | अकीलिष्याम |

423 कूल [कूल] आवरणे ।

| | | |
|-----------|----------|----------|
| व० कूराति | कूरातः | कूलान्ति |
| कूरासि | कूराथः | कूराथ |
| कूलामि | कूलात्रः | कूलामः |
| स० कूलेत् | कूलेताम् | कूलेयुः |
| कूलेः | कूलेतम् | कूलेत |
| कूलेयम् | कूलेव | कूलेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० कूरातु | कूरातात् | कूराताम् | कूलान्तु |
| कूरा | ,, | कूलतम् | कूलत |
| कूलानि | कूलाव | कूलाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अकूरात् | अकूराताम् | अकूलान् |
| अकूराः | अकूरातम् | अकूलत |
| अकूलाम् | अकूलाव | अकूलाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अकूलीत् | अकूलिष्टाम् | अकूलिषुः |
| अकूलीः | अकूलिष्टम् | अकूलिष्ट |
| अकूलाविम् | अकूलिष्व | अकूलिष्म |

| | | |
|-----------|-----------|---------|
| प० चुकूरा | चुकूरातुः | चुकूलुः |
| चुकूलिथ | चुकूलथुः | चुकूला |
| चुकूरा | चुकूलिव | चुकूलिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० कूल्यात् | कूल्यास्ताम् | कूल्यासुः |
| कूल्याः | कूल्यास्तम् | कूल्यास्त |
| कूल्यासम् | कूल्यास्व | कूल्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| भ्व० कूलिता | कूलितारौ | कूलितारः |
| कूलितासि | कूलितास्थः | कूलितास्थ |
| कूलितास्मि | कूलितास्वः | कूलितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० कूलिष्यति | कूलिष्यतः | कूलिष्यन्ति |
| कूलिष्यसि | कूलिष्यथः | कूलिष्यथ |
| कूलिष्यामि | कूलिष्यावः | कूलिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अकूलिष्यत् | अकूलिष्यताम् | अकूलिष्यन् |
| अकूलिष्यः | अकूलिष्यतम् | अकूलिष्यत |
| अकूलिष्यम् | अकूलिष्याव | अकूलिष्याम |

424 शूल (शूल) रुजायाम् ।

| | | |
|----------|--------|---------|
| व० शूलति | शूलतः | शूलन्ति |
| शूलसि | शूलथः | शूलथ |
| शूलामि | शूलावः | शूलामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० शूलेत् | शूलेताम् | शूलेयुः |
| शूलेः | शूलेतम् | शूलेत |
| शूलेयम् | शूलेव | शूलेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० शूलतु | शूलतात् | शूलताम् | शूलन्तु |
| शूल | ,, | शूलतम् | शूलत |
| शूलानि | शूलाव | शूलाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अशूलत् | अशूलताम् | अशूलन् |
| अशूलः | अशूलतम् | अशूलत |
| अशूलम् | अशूलाव | अशूलाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अशूलीत् | अशूलिष्टाम् | अशूलिषुः |
| अशूलीः | अशूलिष्टम् | अशूलिष्ट |
| अशूलिषम् | अशूलिष्व | अशूलिष्म |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० शुशूल | शुशूलतुः | शुशूलुः |
| शुशूलिथ | शुशूलथुः | शुशूला |
| शुशूल | शुशूलिव | शुशूलिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० शूल्यात् | शूल्यास्ताम् | शूल्यासुः |
| शूल्याः | शूल्यास्तम् | शूल्यास्त |
| शूल्यासम् | शूल्यास्व | शूल्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| भ्व० शूलिता | शूलितारौ | शूलितारः |
| शूलितासि | शूलितास्थः | शूलितास्थ |
| शूलितास्मि | शूलितास्वः | शूलितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० शूलिष्यति | शूलिष्यतः | शूलिष्यन्ति |
| शूलिष्यसि | शूलिष्यथः | शूलिष्यथ |
| शूलिष्यामि | शूलिष्यावः | शूलिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अशूलिष्यत् | अशूलिष्यताम् | अशूलिष्यन् |
| अशूलिष्यः | अशूलिष्यतम् | अशूलिष्यत |
| अशूलिष्यम् | अशूलिष्याव | अशूलिष्याम |

425 तूल (तूल) निष्कर्षे ।

निष्कर्षोऽन्तर्गतस्य बहिर्निःसारणम् ।

व० तूलति तूलतः तूलन्ति
तूलसि तूलथः तूलथ
तूलामि तूलावः तूलामः

स० तूलेतु तूलेताम् तूलेयुः
तूलेः तूलेतम् तूलेत
तूलेयम् तूलेव तूलेम

प० तूलतु तूलतात् तूलताम् तूलन्तु
तूल " तूलतम् तूलत
तूलानि तूलावः तूलाम

झ० अतूलत् अतूलताम् अतूलन्
अतूलः अतूलतम् अतूलत
अतूलम् अतूलाव अतूलाम

अ० अतूलीत् अतूलिष्टाम् अतूलिषुः
अतूलीः अतूलिष्टम् अतूलिष्ट
अतूलिषम् अतूलिष्व अतूलिष्म

प० तुतूल तुतूलतुः तुतूलः
तुतूलिथ तुतूलथुः तुतूल
तुतूल तुतूलिथ तुतूलिम

आ० तूल्यात् तूल्यास्ताम् तूल्यासुः
तूल्याः तूल्यास्तम् तूल्यास्त
तूल्यासम् तूल्यास्व तूल्यास्म

श्व० तूलिता तूलितारौ तूलितारः
तूलितासि तूलितास्थः तूलितास्थ
तूलितास्मि तूलितास्वः तूलितास्मः

भ० तूलिष्यति तूलिष्यतः तूलिष्यन्ति
तूलिष्यसि तूलिष्यथः तूलिष्यथ
तूलिष्यामि तूलिष्यावः तूलिष्यामः

क्रि० अतूलिष्यत् अतूलिष्यताम् अतूलिष्यन्
अतूलिष्यः अतूलिष्यतम् अतूलिष्यत
अतूलिष्यम् अतूलिष्याव अतूलिष्याम

426 पूल (पूल्) संघाते ।

व० पूलति पूलतः पूलन्ति
पूलसि पूलथः पूलथ
पूलामि पूलावः पूलामः

स० पूलेत् पूलेताम् पूलेयुः
पूलेः पूलेतम् पूलेत
पूलेयम् पूलेव पूलेम

प० पूलतु पूलतात् पूलताम् पूलन्तु
पूल " पूलतम् पूलत
पूलानि पूलाव पूलाम

झ० अपूलत् अपूलताम् अपूलन्
अपूलः अपूलतम् अपूलत
अपूलम् अपूलाव अपूलाम

अ० अपूलीत् अपूलिष्टाम् अपूलिषुः
अपूलीः अपूलिष्टम् अपूलिष्ट
अपूलिषम् अपूलिष्व अपूलिष्म

प० पुपूल पुपूलतुः पुपूलः
पुपूलिथ पुपूलथुः पुपूल
पुपूल पुपूलिथ पुपूलिम

आ० पूल्यात् पूल्यास्ताम् पूल्यासुः
पूल्याः पूल्यास्तम् पूल्यास्त
पूल्यासम् पूल्यास्व पूल्यास्म

श्व० पूलिता पूलितारौ पूलितारः
पूलितासि पूलितास्थः पूलितास्थ
पूलितास्मि पूलितास्वः पूलितास्मः

भ० पूलिष्यति पूलिष्यतः पूलिष्यन्ति
पूलिष्यसि पूलिष्यथः पूलिष्यथ
पूलिष्यामि पूलिष्यावः पूलिष्यामः

क्रि० अपूलिष्यत् अपूलिष्यताम् अपूलिष्यन्
अपूलिष्यः अपूलिष्यतम् अपूलिष्यत
अपूलिष्यम् अपूलिष्याव अपूलिष्याम

427 मूल (मूल) प्रतिष्ठायाम् ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० मूलति | मूलतः | मूलन्ति |
| मूलसि | मूलथः | मूलथ |
| मूलामि | मूलावः | मूलामः |
| स० मूलेत् | मूलेताम् | मूलेयुः |
| मूलेः | मूलेतम् | मूलेत |
| मूलेयम् | मूलेव | मूलेम |
| प० मूलतु | मूलतात् | मूलताम् |
| मूल | ” | मूलतम् |
| मूलानि | मूलाव | मूलाम |
| झ० अमूलत् | अमूलताम् | अमूलन् |
| अमूलः | अमूलतम् | अमूलत |
| अमूलम् | अमूलाव | अमूलाम |
| अ० अमूलीत् | अमूलिष्टाम् | अमूलिषुः |
| अमूलीः | अमूलिष्टम् | अमूलिष्ट |
| अमूलिषम् | अमूलिष्व | अमूलिषम् |
| प० मुमूल | मुमूलतुः | मुमूलुः |
| मुमूलिथ | मुमूलथुः | मुमूल |
| मुमूल | मुमूलिष | मुमूलिषम् |
| आ० मूल्यात् | मूल्यास्ताम् | मूल्यासुः |
| मूल्याः | मूल्यास्तम् | मूल्यास्त |
| मूल्यासम् | मूल्यास्व | मूल्यास्म |
| श्व० मूलिता | मूलितारौ | मूलितारः |
| मूलितासि | मूलितास्थः | मूलितास्थ |
| मूलितास्मि | मूलितास्वः | मूलितास्मः |
| भ० मूलिष्यति | मूलिष्यतः | मूलिष्यन्ति |
| मूलिष्यसि | मूलिष्यथः | मूलिष्यथ |
| मूलिष्यामि | मूलिष्यावः | मूलिष्यामः |
| क्रि० अमूलिष्यत् | अमूलिष्यताम् | अमूलिष्यन् |
| अमूलिष्यः | अमूलिष्यतम् | अमूलिष्यत |
| अमूलिष्यम् | अमूलिष्याव | अमूलिष्याम |

428 फल (फल) निष्पत्तौ । विफला (414) वत् ।

429 फुल्ल (फुल्ल) विकसने ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० फुल्लति | फुल्लतः | फुल्लन्ति |
| फुल्लसि | फुल्लथः | फुल्लथ |
| फुल्लामि | फुल्लावः | फुल्लामः |
| स० फुल्लेत् | फुल्लेताम् | फुल्लेयुः |
| फुल्लेः | फुल्लेतम् | फुल्लेत |
| फुल्लेयम् | फुल्लेव | फुल्लेम |
| प० फुल्लतु | फुल्लतात् | फुल्लताम् |
| फुल्ल | ” | फुल्लतम् |
| फुल्लानि | फुल्लाव | फुल्लाम |
| झ० अफुल्लत् | अफुल्लताम् | अफुल्लन् |
| अफुल्लः | अफुल्लतम् | अफुल्लत |
| अफुल्लम् | अफुल्लाव | अफुल्लाम |
| अ० अफुल्लीत् | अफुल्लिष्टाम् | अफुल्लिषुः |
| अफुल्लीः | अफुल्लिष्टम् | अफुल्लिष्ट |
| अफुल्लिषम् | अफुल्लिष्व | अफुल्लिषम् |
| प० पुफुल्ल | पुफुल्लतुः | पुफुल्लुः |
| पुफुल्लिथ | पुफुल्लथुः | पुफुल्ल |
| पुफुल्ल | पुफुल्लिष | पुफुल्लिषम् |
| आ० फुल्ल्यात् | फुल्ल्यास्ताम् | फुल्ल्यासुः |
| फुल्ल्याः | फुल्ल्यास्तम् | फुल्ल्यास्त |
| फुल्ल्यासम् | फुल्ल्यास्व | फुल्ल्यास्म |
| श्व० फुल्लिता | फुल्लितारौ | फुल्लितारः |
| फुल्लितासि | फुल्लितास्थः | फुल्लितास्थ |
| फुल्लितास्मि | फुल्लितास्वः | फुल्लितास्मः |
| भ० फुल्लिष्यति | फुल्लिष्यतः | फुल्लिष्यन्ति |
| फुल्लिष्यसि | फुल्लिष्यथः | फुल्लिष्यथ |
| फुल्लिष्यामि | फुल्लिष्यावः | फुल्लिष्यामः |
| क्रि० अफुल्लिष्यत् | अफुल्लिष्यताम् | अफुल्लिष्यन् |
| अफुल्लिष्यः | अफुल्लिष्यतम् | अफुल्लिष्यत |
| अफुल्लिष्यम् | अफुल्लिष्याव | अफुल्लिष्याम |

430 चुल्ल (चुल्ल) हावकरणे ।

मैथुनेच्छाप्रेरितशरीरविकारो हावकरणम् ।

व० चुल्लति चुल्लतः चुल्लन्ति
चुल्लसि चुल्लथः चुल्लथ
चुल्लामि चुल्लावः चुल्लामः

स० चुल्लेत् चुल्लेताम् चुल्लेयुः
चुल्लोः चुल्लेतम् चुल्लेत
चुल्लेयम् चुल्लेव चुल्लेम

प० चुल्लतु चुल्लतात् चुल्लताम् चुल्लन्तु
चुल्ल ,, चुल्लतम् चुल्लत
चुल्लानि चुल्लाव चुल्लाम

झ० अचुल्लत् अचुल्लताम् अचुल्लन्
अचुल्लः अचुल्लतम् अचुल्लत
अचुल्लम् अचुल्लाव अचुल्लाम

अ० अचुल्लोत् अचुल्लिष्टाम् अचुल्लिष्ठुः
अचुल्लोः अचुल्लिष्टम् अचुल्लिष्ट
अचुल्लिष्ठम् अचुल्लिष्ठव अचुल्लिष्ठम्

प० चुचुल्ल चुचुल्लतुः चुचुल्लुः
चुचुल्लिथ चुचुल्लथुः चुचुल्ल
चुचुल्ल चुचुल्लिव चुचुल्लिम

आ० चुल्ल्यात् चुल्ल्यास्ताम् चुल्ल्यासुः
चुल्ल्याः चुल्ल्यास्तम् चुल्ल्यास्त
चुल्ल्यासम् चुल्ल्यास्व चुल्ल्यास्म

श्व० चुल्लिता चुल्लितारौ चुल्लितारः
चुल्लितानि चुल्लितास्थः चुल्लितास्थ
चुल्लितास्मि चुल्लितास्वः चुल्लितास्म

भ० चुल्लिष्यति चुल्लिष्यतः चुल्लिष्यन्ति
चुल्लिष्यसि चुल्लिष्यथः चुल्लिष्यथ
चुल्लिष्यामि चुल्लिष्यावः चुल्लिष्यामः

क्रि० अचुल्लिष्यत् अचुल्लिष्यताम् अचुल्लिष्यन्
अचुल्लिष्यः अचुल्लिष्यतम् अचुल्लिष्यत
अचुल्लिष्यम् अचुल्लिष्याव अचुल्लिष्याम

431 चिल्ल (चिल्ल) शैथिल्ये च ।

चकाराद्धावकरणे ।

व० चिल्लति चिल्लतः चिल्लन्ति
चिल्लसि चिल्लथः चिल्लथ
चिल्लामि चिल्लावः चिल्लामः

स० चिल्लेत् चिल्लेताम् चिल्लेयुः
चिल्लेः चिल्लेतम् चिल्लेत
चिल्लेयम् चिल्लेव चिल्लेम

प० चिल्लतु चिल्लतात् चिल्लताम् चिल्लन्तु
चिल्ल ,, चिल्लतम् चिल्लत
चिल्लानि चिल्लाव चिल्लाम

झ० अचिल्लत् अचिल्लताम् अचिल्लन्
अचिल्लः अचिल्लतम् अचिल्लत
अचिल्लम् अचिल्लाव अचिल्लाम

अ० अचिल्लीत् अचिल्लिष्टाम् अचिल्लिष्ठुः
अचिल्लीः अचिल्लिष्टम् अचिल्लिष्ट
अचिल्लिष्ठम् अचिल्लिष्ठव अचिल्लिष्ठम्

प० चिचिल्ल चिचिल्लतुः चिचिल्लुः
चिचिल्लिथ चिचिल्लथुः चिचिल्ल
चिचिल्ल चिचिल्लिव चिचिल्लिम

आ० चिल्ल्यात् चिल्ल्यास्ताम् चिल्ल्यासुः
चिल्ल्याः चिल्ल्यास्तम् चिल्ल्यास्त
चिल्ल्यासम् चिल्ल्यास्व चिल्ल्यास्म

श्व० चिल्लिता चिल्लितारौ चिल्लितारः
चिल्लितानि चिल्लितास्थः चिल्लितास्थ
चिल्लितास्मि चिल्लितास्वः चिल्लितास्म

भ० चिल्लिष्यति चिल्लिष्यतः चिल्लिष्यन्ति
चिल्लिष्यसि चिल्लिष्यथः चिल्लिष्यथ
चिल्लिष्यामि चिल्लिष्यावः चिल्लिष्यामः

क्रि० अचिल्लिष्यत् अचिल्लिष्यताम् अचिल्लिष्यन्
अचिल्लिष्यः अचिल्लिष्यतम् अचिल्लिष्यत
अचिल्लिष्यम् अचिल्लिष्याव अचिल्लिष्याम

432 पेलृ (पेलृ) गतौ ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० पेलति | पेलतः | पेलन्ति |
| पेलसि | पेलथः | पेलथ |
| पेलामि | पेलावः | पेलामः |
| स० पेलेत | पेलेताम् | पेलेयुः |
| पेलेः | पेलेतम् | पेलेत |
| पेलेयम् | पेलेव | पेलेम |
| प० पेलतु | पेलतात् | पेलताम् |
| पेल | ” | पेलतम् |
| पेलानि | पेलाव | पेलाम |
| झ० अपेलत् | अपेलताम् | अपेलन् |
| अपेलः | अपेलतम् | अपेलत |
| अपेलम् | अपेलाव | अपेलाम |
| अ० अपेलीत् | अपेलिष्टाम् | अपेलिषुः |
| अपेलीः | अपेलिष्टम् | अपेलिष्ट |
| अपेलिषम् | अपेलिष्व | अपेलिष्म |
| प० पिपेल | पिपेलतुः | पिपेलुः |
| पिपेलिथ | पिपेलथुः | पिपेल |
| पिपेल | पिपेलिव | पिपेलिम |
| आ० पेल्यात् | पेल्यास्ताम् | पेल्यासुः |
| पेल्याः | पेल्यास्तम् | पेल्यास्त |
| पेल्यासम् | पेल्यास्व | पेल्यास्म |
| श्व० पेलिता | पेलितारौ | पेलितारः |
| पेलितासि | पेलितास्थः | पेलितास्थ |
| पेलितास्मि | पेलितास्वः | पेलितास्मः |
| भ० पेलिष्यति | पेलिष्यतः | पेलिष्यन्ति |
| पेलिष्यसि | पेलिष्यथः | पेलिष्यथ |
| पेलिष्यामि | पेलिष्यावः | पेलिष्यामः |
| क्रि० अपेलिष्यत् | अपेलिष्यताम् | अपेलिष्यन् |
| अपेलिष्यः | अपेलिष्यतम् | अपेलिष्यत |
| अपेलिष्यम् | अपेलिष्याव | अपेलिष्याम |

433 फेलृ (फेलृ) गतौ ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० फेलति | फेलतः | फेलन्ति |
| फेलसि | फेलथः | फेलथ |
| फेलामि | फेलावः | फेलामः |
| स० फेलेत् | फेलेताम् | फेलेयुः |
| फेलेः | फेलेतम् | फेलेत |
| फेलेयम् | फेलेव | फेलेम |
| प० फेलतु | फेलतात् | फेलताम् |
| फेल | ” | फेलतम् |
| फेलानि | फेलाव | फेलाम |
| झ० अफेलत् | अफेलताम् | अफेलन् |
| अफेलः | अफेलतम् | अफेलत |
| अफेलम् | अफेलाव | अफेलाम |
| अ० अफेलीत् | अफेलिष्टाम् | अफेलिषुः |
| अफेलीः | अफेलिष्टम् | अफेलिष्ट |
| अफेलिषम् | अफेलिष्व | अफेलिष्म |
| प० पिफेल | पिफेलतुः | पिफेलुः |
| पिफेलिथ | पिफेलथुः | पिफेल |
| पिफेल | पिफेलिव | पिफेलिम |
| आ० फेल्यात् | फेल्यास्ताम् | फेल्यासुः |
| फेल्याः | फेल्यास्तम् | फेल्यास्त |
| फेल्यासम् | फेल्यास्व | फेल्यास्म |
| श्व० फेलिता | फेलितारौ | फेलितारः |
| फेलितासि | फेलितास्थः | फेलितास्थ |
| फेलितास्मि | फेलितास्वः | फेलितास्मः |
| भ० फेलिष्यति | फेलिष्यतः | फेलिष्यन्ति |
| फेलिष्यसि | फेलिष्यथः | फेलिष्यथ |
| फेलिष्यामि | फेलिष्यावः | फेलिष्यामः |
| क्रि० अफेलिष्यत् | अफेलिष्यताम् | अफेलिष्यन् |
| अफेलिष्यः | अफेलिष्यतम् | अफेलिष्यत |
| अफेलिष्यम् | अफेलिष्याव | अफेलिष्याम |

434 शेलृ [शेल्] गतौ

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | शेलति | शेलातः | शेलन्ति |
| | शेलासि | शेलाथः | शेलाथ |
| | शेलामि | शेलावः | शेलामः |
| स० | शेलेत् | शेलेताम् | शेलेयुः |
| | शेलेः | शेलेतम् | शेलेत |
| | शेलेयम् | शेलेव | शेलेम |
| प० | शेलतु | शेलातात् | शेलाताम् |
| | शेला | शेलातम् | शेलात |
| | शेलानि | शेलाव | शेलाम |
| ह्य० | अशेलात् | अशेलाताम् | अशेलान् |
| | अशेलाः | अशेलातम् | अशेलात |
| | अशेलाम् | अशेलाव | अशेलाम |
| अ० | अशेलीत् | अशेलिष्टाम् | अशेलिषुः |
| | अशेलीः | अशेलिष्टम् | अशेलिष्ट |
| | अशेलिषम् | अशेलिष्व | अशेलिष्म |
| प० | शिशेल | शिशेलातुः | शिशेलुः |
| | शिशेलिथ | शिशेलथुः | शिशेल |
| | शिशेल | शिशेलिष | शिशेलिम |
| आ० | शेल्यात् | शेल्यास्ताम् | शेल्यासुः |
| | शेल्याः | शेल्यास्तम् | शेल्यास्त |
| | शेल्यासम् | शेल्यास्व | शेल्यास्म |
| भ्व० | शेलिता | शेलितारौ | शेलितारः |
| | शेलितासि | शेलितास्थः | शेलितास्थ |
| | शेलितास्मि | शेलितास्वः | शेलितास्मः |
| भ० | शेलिष्यति | शेलिष्यतः | शेलिष्यन्ति |
| | शेलिष्यसि | शेलिष्यथः | शेलिष्यथ |
| | शेलिष्यामि | शेलिष्यावः | शेलिष्यामः |
| क्रि० | अशेलिष्यत् | अशेलिष्यताम् | अशेलिष्यन् |
| | अशेलिष्यः | अशेलिष्यतम् | अशेलिष्यत |
| | अशेलिष्यम् | अशेलिष्याव | अशेलिष्याम |

435 षेलृ (सेल्) गतौ

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | सेलति | सेलातः | सेलन्ति |
| | सेलसि | सेलाथः | सेलाथ |
| | सेलामि | सेलावः | सेलामः |
| स० | सेलेत् | सेलेताम् | सेलेयुः |
| | सेलेः | सेलेतम् | सेलेत |
| | सेलेयम् | सेलेव | सेलेम |
| प० | सेलतु | सेलातात् | सेलाताम् |
| | सेल | सेलातम् | सेलात |
| | सेलानि | सेलाव | सेलाम |
| ह्य० | असेलत् | असेलताम् | असेलान् |
| | असेलः | असेलतम् | असेलत |
| | असेलम् | असेलाव | असेलाम |
| अ० | असेलीत् | असेलिष्टाम् | असेलिषुः |
| | असेलीः | असेलिष्टम् | असेलिष्ट |
| | असेलिषम् | असेलिष्व | असेलिष्म |
| प० | सिषेल | सिषेलातुः | सिषेलुः |
| | सिषेलिथ | सिषेलथुः | सिषेल |
| | सिषेल | सिषेलिष | सिषेलिम |
| आ० | सेल्यात् | सेल्यास्ताम् | सेल्यासुः |
| | सेल्याः | सेल्यास्तम् | सेल्यास्त |
| | सेल्यासम् | सेल्यास्व | सेल्यास्म |
| भ्व० | सेलिता | सेलितारौ | सेलितारः |
| | सेलितासि | सेलितास्थः | सेलितास्थ |
| | सेलितास्मि | सेलितास्वः | सेलितास्मः |
| भ० | सेलिष्यति | सेलिष्यतः | सेलिष्यन्ति |
| | सेलिष्यसि | सेलिष्यथः | सेलिष्यथ |
| | सेलिष्यामि | सेलिष्यावः | सेलिष्यामः |
| क्रि० | असेलिष्यत् | असेलिष्यताम् | असेलिष्यन् |
| | असेलिष्यः | असेलिष्यतम् | असेलिष्यत |
| | असेलिष्यम् | असेलिष्याव | असेलिष्याम |

437 वेहृल् (वेहृल्) गतौ ।

| | | |
|------------------|---------------|-------------|
| ष० वेहृति | वेहृतः | वेहृन्ति |
| वेहृसि | वेहृथः | वेहृथ |
| वेहृमि | वेहृवावः | वेहृवामः |
| स० वेहृत | वेहृताम् | वेहृत्युः |
| वेहृः | वेहृतम् | वेहृत |
| वेहृत्यम् | वेहृत्य | वेहृत्य |
| प० वेहृतु | वेहृतात् | वेहृताम् |
| वेहृ | वेहृतम् | वेहृत |
| वेहृनि | वेहृवाव | वेहृवाम |
| झ० अवेहृत | अवेहृताम् | अवेहृत्युः |
| अवेहृः | अवेहृतम् | अवेहृत |
| अवेहृत्यम् | अवेहृत्य | अवेहृत्य |
| अ० अवेहृति | अवेहृतिष्ठाम् | अवेहृतिषुः |
| अवेहृतिः | अवेहृतिष्ठम् | अवेहृतिष्ठ |
| अवेहृतिषम् | अवेहृतिष्व | अवेहृतिष्व |
| आ० वेहृयात् | वेहृयास्ताम् | वेहृयासुः |
| वेहृयाः | वेहृयास्तम् | वेहृयास्त |
| वेहृयासम् | वेहृयास्व | वेहृयास्व |
| प० विवेहृ | विवेहृतुः | विवेहृत्युः |
| विवेहृति | विवेहृत्युः | विवेहृत्युः |
| विवेहृति | विवेहृत्युः | विवेहृत्युः |
| श्व० वेहृता | वेहृतारौ | वेहृतारः |
| वेहृतासि | वेहृतास्थः | वेहृतास्थ |
| वेहृतास्मि | वेहृतास्वः | वेहृतास्मः |
| भ० वेहृष्यति | वेहृष्यतः | वेहृष्यन्ति |
| वेहृष्यसि | वेहृष्यथः | वेहृष्यथ |
| वेहृष्यामि | वेहृष्यावः | वेहृष्यामः |
| क्रि० अवेहृष्यत् | अवेहृष्यताम् | अवेहृष्यन् |
| अवेहृष्यः | अवेहृष्यतम् | अवेहृष्यत |
| अवेहृष्यम् | अवेहृष्याव | अवेहृष्याम |

438 सल (सलृ) गतौ

| | | |
|-------------|-------------|------------|
| ष० सलति | सलतः | सलन्ति |
| सलसि | सलथः | सलथ |
| सलामि | सलावः | सलामः |
| स० सलेत् | सलेताम् | सलेयुः |
| सलेः | सलेतम् | सलेत |
| सलेयम् | सलेव | सलेम |
| प० सलतु | सलतात् | सलताम् |
| सल | सलतम् | सलत |
| सलानि | सलाव | सलाम |
| झ० असलत् | असलताम् | असलन् |
| असलः | असलतम् | असलत |
| असलम् | असलाव | असलाम |
| अ० असालीत् | असालिष्ठाम् | असालिषुः |
| असालीः | असालिष्ठम् | असालिष्ठ |
| असालिषम् | असालिष्व | असालिष्व |
| प० ससाल | सेलतुः | सेलुः |
| सेलिथ | सेलथुः | सेल |
| ससाल | ससल | सेलिष |
| आ० सलयात् | सलयास्ताम् | सलयासुः |
| सलयाः | सलयास्तम् | सलयास्त |
| सलयासम् | सलयास्व | सलयास्व |
| श्व० सलिता | सलितारौ | सलितारः |
| सलितासि | सलितास्थः | सलितास्थ |
| सलितास्मि | सलितास्वः | सलितास्मः |
| भ० सलिष्यति | सलिष्यतः | सलिष्यन्ति |
| सलिष्यसि | सलिष्यथः | सलिष्यथ |
| सलिष्यामि | सलिष्यावः | सलिष्यामः |
| असलिष्यत् | असलिष्यताम् | असलिष्यन् |
| असलिष्यः | असलिष्यतम् | असलिष्यत |
| असलिष्यम् | असलिष्याव | असलिष्याम |

439 तिल (तिल्) गतौ ।

| | | |
|-----------|----------|---------|
| व० तेलति | तेलतः | तेलन्ति |
| तेलसि | तेलथः | तेलथ |
| तेलामि | तेलावः | तेलामः |
| स० तेलेत् | तेलेताम् | तेलेयुः |
| तेलेः | तेलेतम् | तेलेत |
| तेलेयम् | तेलेव | तेलेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० तेलतु | तेलतात् | तेलताम् | तेलन्तु |
| तेल | " | तेलतम् | तेलत |
| तेलानि | तेलाव | तेलाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अतेलत् | अतेलताम् | अतेलन् |
| अतेलः | अतेलतम् | अतेलत |
| अतेलम् | अतेलाव | अतेलाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अतेलीत् | अतेलिष्टाम् | अतेलिषुः |
| अतेलीः | अतेलिष्टम् | अतेलिष्ट |
| अतेलिषम् | अतेलिष्व | अतेलिष्व |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० तितेल | तितिलतुः | तितिलुः |
| तितेलिथ | तितिलथुः | तितिल |
| तितेल | तितिलिष | तितिलिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० तिल्यात् | तिल्यास्ताम् | तिल्यासुः |
| तिल्याः | तिल्यास्तम् | तिल्यास्त |
| तिल्यासम् | तिल्यास्व | तिल्यास्म |

| | | |
|------------|------------|------------|
| भ० तेलिता | तेलितारौ | तेलितारः |
| तेलितासि | तेलितास्थः | तेलितास्थ |
| तेलितास्मि | तेलितास्वः | तेलितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० तेलिष्यति | तेलिष्यतः | तेलिष्यन्ति |
| तेलिष्यसि | तेलिष्यथः | तेलिष्यथ |
| तेलिष्यामि | तेलिष्यावः | तेलिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अतेलिष्यत् | अतेलिष्यताम् | अतेलिष्यन् |
| अतेलिष्यः | अतेलिष्यतम् | अतेलिष्यत |
| अतेलिष्यम् | अतेलिष्याव | अतेलिष्याम |

440 तिल्ल (तिल्ल) गतौ ।

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० तिल्लति | तिल्लतः | तिल्लन्ति |
| तिल्लसि | तिल्लथः | तिल्लथ |
| तिल्लामि | तिल्लावः | तिल्लामः |
| स० तिल्लेत् | तिल्लेताम् | तिल्लेयुः |
| तिल्लेः | तिल्लेतम् | तिल्लेत |
| तिल्लेयम् | तिल्लेव | तिल्लेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० तिल्लतु | तिल्लतात् | तिल्लताम् | तिल्लन्तु |
| तिल्ल | " | तिल्लतम् | तिल्लत |
| तिल्लानि | तिल्लाव | तिल्लाम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अतिल्लत् | अतिल्लताम् | अतिल्लन् |
| अतिल्लः | अतिल्लतम् | अतिल्लत |
| अतिल्लम् | अतिल्लाव | अतिल्लाम |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| अ० अतिल्लीत् | अतिल्लिष्टाम् | अतिल्लिषुः |
| अतिल्लीः | अतिल्लिष्टम् | अतिल्लिष्ट |
| अतिल्लिषम् | अतिल्लिष्व | अतिल्लिष्व |

| | | |
|------------|------------|-----------|
| प० तितिल्ल | तितिल्लतुः | तितिल्लुः |
| तितिल्लिथ | तितिल्लथुः | तितिल्ल |
| तितिल्ल | तितिल्लिष | तितिल्लिम |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० तिल्ल्यात् | तिल्ल्यास्ताम् | तिल्ल्यासुः |
| तिल्ल्याः | तिल्ल्यास्तम् | तिल्ल्यास्त |
| तिल्ल्यासम् | तिल्ल्यास्व | तिल्ल्यास्म |

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| भ० तिल्लिता | तिल्लितारौ | तिल्लितारः |
| तिल्लितासि | तिल्लितास्थः | तिल्लितास्थ |
| तिल्लितास्मि | तिल्लितास्वः | तिल्लितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० तिल्लिष्यति | तिल्लिष्यतः | तिल्लिष्यन्ति |
| तिल्लिष्यसि | तिल्लिष्यथः | तिल्लिष्यथ |
| तिल्लिष्यामि | तिल्लिष्यावः | तिल्लिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अतिल्लिष्यत् | अतिल्लिष्यताम् | अतिल्लिष्यन् |
| अतिल्लिष्यः | अतिल्लिष्यतम् | अतिल्लिष्यत |
| अतिल्लिष्यम् | अतिल्लिष्याव | अतिल्लिष्याम |

441 पल्ल (पल्लू) गतौ ।

व० पल्लति पल्लतः पल्लन्ति
पल्लसि पल्लथः पल्लथ
पल्लामि पल्लावः पल्लामः

स० पल्लोत् पल्लोताम् पल्लोयुः
पल्लोः पल्लोतम् पल्लोत
पल्लोयम् पल्लोव पल्लोम

प० पल्लतु पल्लतात् पल्लताम् पल्लन्तु
पल्ल „ पल्लतम् पल्लत
पल्लानि पल्लाव पल्लाम

ह्य० अपल्लत् अपल्लताम् अपल्लन्
अपल्लः अपल्लतम् अपल्लत
अपल्लम् अपल्लाव अपल्लाम

अ० अपल्लोत् अपल्लिष्टाम् अपल्लिष्टुः
अपल्लोः अपल्लिष्टम् अपल्लिष्ट
अपल्लिष्टम् अपल्लिष्टव अपल्लिष्टम्

० पपल्ल पपल्लतुः पपल्लुः
पपल्लिथ पपल्लथुः पपल्ल
पपल्ल पपल्लिव पपल्लिम

आ० पल्ल्यात् पल्ल्यास्ताम् पल्ल्यासुः
पल्ल्याः पल्ल्यास्तम् पल्ल्यास्त
पल्ल्यासम् पल्ल्यास्व पल्ल्यास्म

श्व० पल्लिता पल्लितारौ पल्लितारः
पल्लितासि पल्लितास्थः पल्लितास्थ
पल्लितास्मि पल्लितास्वः पल्लितास्मः

भ० पल्लिष्यति पल्लिष्यतः पल्लिष्यन्ति
पल्लिष्यसि पल्लिष्यथः पल्लिष्यथ
पल्लिष्यामि पल्लिष्यावः पल्लिष्यामः

क्रि० अपल्लिष्यत् अपल्लिष्यताम् अपल्लिष्यन्
अपल्लिष्यः अपल्लिष्यतम् अपल्लिष्यत
अपल्लिष्यम् अपल्लिष्याव अपल्लिष्याम

442 वेल्ल (वेल्लू) गतौ

व० वेल्लति वेल्लतः वेल्लन्ति
वेल्लसि वेल्लथः वेल्लथ
वेल्लामि वेल्लावः वेल्लामः

स० वेल्लेत् वेल्लेताम् वेल्लेयुः
वेल्लेः वेल्लेतम् वेल्लेत
वेल्लेयम् वेल्लेव वेल्लेम

प० वेल्लतु वेल्लतात् वेल्लताम् वेल्लन्तु
वेल्ल „ वेल्लतम् वेल्लत
वेल्लानि वेल्लाव वेल्लाम

ह्य० अवेल्लत् अवेल्लताम् अवेल्लन्
अवेल्लः अवेल्लतम् अवेल्लत
अवेल्लम् अवेल्लाव अवेल्लाम

अ० अवेल्लोत् अवेल्लिष्टाम् अवेल्लिष्टुः
अवेल्लोः अवेल्लिष्टम् अवेल्लिष्ट
अवेल्लिष्टम् अवेल्लिष्टव अवेल्लिष्टम्

प० विवेल्ल विवेल्लतुः विवेल्लुः
विवेल्लिथ विवेल्लथुः विवेल्ल
विवेल्ल विवेल्लिव विवेल्लिम

आ० वेल्ल्यात् वेल्ल्यास्ताम् वेल्ल्यासुः
वेल्ल्याः वेल्ल्यास्तम् वेल्ल्यास्त
वेल्ल्यासम् वेल्ल्यास्व वेल्ल्यास्म

श्व० वेल्लिता वेल्लितारौ वेल्लितारः
वेल्लितासि वेल्लितास्थः वेल्लितास्थ
वेल्लितास्मि वेल्लितास्वः वेल्लितास्मः

भ० वेल्लिष्यति वेल्लिष्यतः वेल्लिष्यन्ति
वेल्लिष्यसि वेल्लिष्यथः वेल्लिष्यथ
वेल्लिष्यामि वेल्लिष्यावः वेल्लिष्यामः

क्रि० अवेल्लिष्यत् अवेल्लिष्यताम् अवेल्लिष्यन्
अवेल्लिष्यः अवेल्लिष्यतम् अवेल्लिष्यत
अवेल्लिष्यम् अवेल्लिष्याव अवेल्लिष्याम

443 वेल् (वेल्) चलने ।

व० वेळति वेळतः वेळन्ति
 वेळसि वेळथः वेळथ
 वेळामि वेळावः वेळामः

स० वेलेत् वेलेताम् वेलेयुः
 वेलेः वेलेतम् वेलेत
 वेलेयम् वेलेव वेलेम

प० वेळतु वेळतात् वेळताम् वेळन्तु
 वेळ वेळतम् वेळत
 वेळानि वेळाव वेळाम

झ० अवेळत् अवेळताम् अवेळन्
 अवेळः अवेळतम् अवेळत
 अवेळम् अवेळाव अवेळाम

अ० अवेळीत् अवेळिष्टाम् अवेळिषुः
 अवेळीः अवेळिष्टम् अवेळिष्ट
 अवेळिषम् अवेळिष्व अवेळिष्म

प० विवेळ विवेळतुः विवेळुः
 विवेळिथ विवेळथुः विवेळ
 विवेळ विवेळिव विवेळिम

आ० वेल्यात् वेल्यास्ताम् वेल्यासुः
 वेल्याः वेल्यास्तम् वेल्यास्त
 वेल्यासम् वेल्यास्व वेल्यास्म

श्व० वेळिता वेळितारौ वेळितारः
 वेळितासि वेळितास्थः वेळितास्थ
 वेळितास्मि वेळितास्वः वेळितास्मः

भ० वेलिष्यति वेलिष्यतः वेलिष्यन्ति
 वेलिष्यसि वेलिष्यथः वेलिष्यथ
 वेलिष्यामि वेलिष्यावः वेलिष्यामः

क्रि० अवेलिष्यत् अवेलिष्यताम् अवेलिष्यन्
 अवेलिष्यः अवेलिष्यतम् अवेलिष्यत
 अवेलिष्यम् अवेलिष्याव अवेलिष्याम

444 चेलृ [चेलृ] चलने

व० चेलति चेलतः चेलन्ति
 चेलसि चेलथः चेलथ
 चेलामि चेलावः चेलामः

स० चेलेत् चेलेताम् चेलेयुः
 चेलेः चेलेतम् चेलेत
 चेलेयम् चेलेव चेलेम

प० चेलतु चेलतात् चेलताम् चेलन्तु
 चेल चेलतम् चेलत
 चेलानि चेलाव चेलाम

झ० अचेलत् अचेलताम् अचेलन्
 अचेलः अचेलतम् अचेलत
 अचेलम् अचेलाव अचेलाम

अ० अचेलीत् अचेलिष्टाम् अचेलिषुः
 अचेलीः अचेलिष्टम् अचेलिष्ट
 अचेलिषम् अचेलिष्व अचेलिष्म

प० चिचेल चिचेलतुः चिचेलुः
 चिचेलिथ चिचेलथुः चिचेल
 चिचेल चिचेलिव चिचेलिम

आ० चेल्यात् चेल्यास्ताम् चेल्यासुः
 चेल्याः चेल्यास्तम् चेल्यास्त
 चेल्यासम् चेल्यास्व चेल्यास्म

श्व० चेलिता चेलितारौ चेलितारः
 चेलितासि चेलितास्थः चेलितास्थ
 चेलितास्मि चेलितास्वः चेलितास्मः

भ० चेलिष्यति चेलिष्यतः चेलिष्यन्ति
 चेलिष्यसि चेलिष्यथः चेलिष्यथ
 चेलिष्यामि चेलिष्यावः चेलिष्यामः

क्रि० अचेलिष्यत् अचेलिष्यताम् अचेलिष्यन्
 अचेलिष्यः अचेलिष्यतम् अचेलिष्यत
 अचेलिष्यम् अचेलिष्याव अचेलिष्याम

445 केलृ (केलृ) चलने

व० केलति केलतः केलन्ति
केलसि केलथः केलथ
केलामि केलावः केलामः

स० केलेत् केलेताम् केलेयुः
केलेः केलेतम् केलेत
केलेयम् केलेव केलेम

प० केलतु केलतात् केलताम् केलन्तु
केल „ केलतम् केलत
केलानि केलाव केलाम

झ० अकेलत् अकेलनाम् अकेलन्
अकेलः अकेलतम् अकेलत
अकेलम् अकेलाव अकेलाम

१० अकेलीत् अकेलिशम् अकेलिषुः
अकेलीः अकेलिष्टम् अकेलिष्ट
अकेलिषम् अकेलिष्व अकेलिष्म

प० चिकेल चिकेलतुः चिकेलः
चिकेलिथ चिकेलथुः चिकेल
चिकेल चिकेलिव चिकेलाम

भा० केल्यात् केल्यास्ताम् केल्यासुः
केल्याः केल्यास्तम् केल्यास्त
केल्यासम् केल्यास्व केल्यास्म

श्व० केलिता केलितारौ केलितारः
केलितासिकेलितास्थः केलितास्थ
केलितास्मिकेलितास्वः केलितास्मः

भ० केलिष्यतिकेलिष्यतः केलिष्यन्ति
केलिष्यसि केलिष्यथः केलिष्यथ
केलिष्यामिकेलिष्यावः केलिष्यामः

अकेलिष्यत् अकेलिष्यताम् अकेलिष्यन्
अकेलिष्यः अकेलिष्यतम् अकेलिष्यत
अकेलिष्यम् अकेलिष्याव अकेलिष्याम

446 क्वेलृ (क्वेलृ) चलने ।

व० क्वेलति क्वेलतः क्वेलन्ति
क्वेलसि क्वेलथः क्वेलथ
क्वेलामि क्वेलावः क्वेलामः

स० क्वेलेत् क्वेलेताम् क्वेलेयुः
क्वेलेः क्वेलेतम् क्वेलेत
क्वेलेयम् क्वेलेव क्वेलेम

प० क्वेलतु क्वेलतात् क्वेलताम् क्वेलन्तु
क्वेल „ क्वेलतम् क्वेलत
क्वेलानि क्वेलाव क्वेलाम

झ० अक्वेलत् अक्वेलताम् अक्वेलन्
अक्वेलः अक्वेलतम् अक्वेलत
अक्वेलम् अक्वेलाव अक्वेलाम

अ० अक्वेलीत् अक्वेलिष्टम् अक्वेलिषुः
अक्वेलीः अक्वेलिष्टम् अक्वेलिष्ट
अक्वेलिषम् अक्वेलिष्व अक्वेलिष्म

प० चिक्वेल चिक्वेलतुः चिक्वेलः
चिक्वेलिथ चिक्वेलथुः चिक्वेल
चिक्वेल चिक्वेलिथ चिक्वेलिथ

आ० क्वेल्यात् क्वेल्यास्ताम् क्वेल्यासुः
क्वेल्याः क्वेल्यास्तम् क्वेल्यास्त
क्वेल्यासम् क्वेल्यास्व क्वेल्यास्म

श्व० क्वेलिता क्वेलितारौ क्वेलितारः
क्वेलितासि क्वेलितास्थः क्वेलितास्थ
क्वेलितास्मिक्वेलितास्वः क्वेलितास्मः

भ० क्वेलिष्यति क्वेलिष्यतः क्वेलिष्यन्ति
क्वेलिष्यसि क्वेलिष्यथः क्वेलिष्यथ
क्वेलिष्यामिक्वेलिष्यावः क्वेलिष्यामः

क्रि० अक्वेलिष्यत् अक्वेलिष्यताम्
अक्वेलिष्यन् अक्वेलिष्यः अक्वेलिष्यतम्
अक्वेलिष्यत अक्वेलिष्यम्
अक्वेलिष्याव अक्वेलिष्याम

447 खेल (खेल) चलने ।

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० खेलति | खेलतः | खेलन्ति |
| खेलसि | खेलथः | खेलथ |
| खेलामि | खेलावः | खेलामः |
| स० खेलेत् | खेलेताम् | खेलेयुः |
| खेलेः | खेलेतम् | खेलेत |
| खेलेयम् | खेलेव | खेलेम |
| प० खेलतु | खेलतात् | खेलताम् खेलन्तु |
| खेल | „ | खेलतम् खेलत |
| खेलानि | खेलाव | खेलाम |
| झ० अखेलत् | अखेलताम् | अखेलन् |
| अखेलः | अखेलतम् | अखेलत |
| अखेलम् | अखेलाव | अखेलाम |
| अ० अखेलीत् | अखेलिषाम् | अखेलिषुः |
| अखेलीः | अखेलिषम् | अखेलिष |
| अखेलिषम् | अखेलिष्व | अखेलिषम |
| प० चिखेल | चिखेलतुः | चिखेलुः |
| चिखेलिथ | चिखेलथुः | चिखेल |
| चिखेल | चिखेलिव | चिखेलिम |
| आ० खेल्यात् | खेल्यास्ताम् | खेल्यासुः |
| खेल्याः | खेल्यास्तम् | खेल्यास्त |
| खेल्यासम् | खेल्यास्व | खेल्यास्म |
| भ्व० खेलिता | खेलितारौ | खेलितारः |
| खेलितासि | खेलितास्थः | खेलितास्थ |
| खेलितास्मि | खेलितास्वः | खेलितास्मः |
| भ० खेलिष्यति | खेलिष्यतः | खेलिष्यन्ति |
| खेलिष्यसि | खेलिष्यथः | खेलिष्यथ |
| खेलिष्यामि | खेलिष्यावः | खेलिष्यामः |
| क्रि० अखेलिष्यत् | अखेलिष्यताम् | अखेलिष्यन् |
| अखेलिष्यः | अखेलिष्यतम् | अखेलिष्यत |
| अखेलिष्यम् | अखेलिष्याव | अखेलिष्याम |

448 स्खल (स्खल) चलने

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० स्खलति | स्खलतः | स्खलन्ति |
| स्खलसि | स्खलथः | स्खलथ |
| स्खलामि | स्खलावः | स्खलामः |
| स० स्खलेत् | स्खलेताम् | स्खलेयुः |
| स्खलेः | स्खलेतम् | स्खलेत |
| स्खलेयम् | स्खलेव | स्खलेम |
| प० स्खलतु | स्खलतात् | स्खलताम् स्खलन्तु |
| स्खल | „ | स्खलतम् स्खलत |
| स्खलानि | स्खलाव | स्खलाम |
| झ० अस्खलत् | अस्खलताम् | अस्खलन् |
| अस्खलः | अस्खलतम् | अस्खलत |
| अस्खलम् | अस्खलाव | अस्खलाम |
| अ० अस्खालीत् | अस्खालिष्टाम् | अस्खालिषुः |
| अस्खालीः | अस्खालिष्टम् | अस्खालिष्ट |
| अस्खालिषम् | अस्खालिष्व | अस्खालिषम |
| प० चस्खल | चस्खलतुः | चस्खलुः |
| चस्खलिथ | चस्खलथुः | चस्खल |
| चस्खल | चस्खलिव | चस्खलिम |
| आ० स्खल्यात् | स्खल्यास्ताम् | स्खल्यासुः |
| स्खल्याः | स्खल्यास्तम् | स्खल्यास्त |
| स्खल्यासम् | स्खल्यास्व | स्खल्यास्म |
| भ्व० स्खलिता | स्खलितारौ | स्खलितारः |
| स्खलितासि | स्खलितास्थः | स्खलितास्थ |
| स्खलितास्मि | स्खलितास्वः | स्खलितास्मः |
| भ० स्खलिष्यति | स्खलिष्यतः | स्खलिष्यन्ति |
| स्खलिष्यसि | स्खलिष्यथः | स्खलिष्यथ |
| स्खलिष्यामि | स्खलिष्यावः | स्खलिष्यामः |
| क्रि० अस्खलिष्यत् | अस्खलिष्यताम् | अस्खलिष्यन् |
| अस्खलिष्यः | अस्खलिष्यतम् | अस्खलिष्यत |
| अस्खलिष्यम् | अस्खलिष्याव | अस्खलिष्याम |

449 खल (खल्) संचये च ।

चकारचकने ।

घ० खलति खलतः खलन्ति
खलसि खलथः खलथ
खलामि खलावः खलामः

स० खलेत् खलेताम् खलेयुः
खलेः खलेतम् खलेत
खलेयम् खलेव खलेम

प० खलतु खलतात् खलताम् खलन्तु
खल ,, खलतम् खलत
खलानि खलाव खलाम

झ० अखलत् अखलताम् अखलन्
अखलः अखलतम् अखलत
अखलम् अखलाव अखलाम

अ० अखालीत् अखालिष्टाम् अखालिषुः
अखालीः अखालिष्टम् अखालिष्ट
अखालिषम् अखालिष्व अखालिष्म

प० चखाल चखलतुः चखलुः
चखलिथ चखलथुः चखल
चखाल चखल चखलिष चखलिम

आ० खल्यात् खल्यास्ताम् खल्यासुः
खल्याः खल्यास्तम् खल्यास्त
खल्यासम् खल्यास्व खल्यास्म

श्व० खलिता खलितारौ खलितारः
खलितासि खलितास्थः खलितास्थ
खलितास्मि खलितास्वः खलितास्मः

भ० खलिष्यति खलिष्यतः खलिष्यन्ति
खलिष्यसि खलिष्यथः खलिष्यथ
खलिष्यामि खलिष्यावः खलिष्यामः

क्रि० अखलिष्यत् अखलिष्यताम् अखलिष्यन्
अखलिष्यः अखलिष्यतम् अखलिष्यत
अखलिष्यम् अखलिष्याव अखलिष्याम

450 श्वल (श्वल्) आशुगतौ ।

घ० श्वलति श्वलतः श्वलन्ति
श्वलसि श्वलथः श्वलथ
श्वलामि श्वलावः श्वलामः

स० श्वलोत् श्वलोताम् श्वलोयुः
श्वलोः श्वलोतम् श्वलोत
श्वलोयम् श्वलोव श्वलोम

प० श्वलतु श्वलतात् श्वलताम् श्वलन्तु
श्वल ,, श्वलतम् श्वलत
श्वलानि श्वलाव श्वलाम

झ० अश्वलत् अश्वलताम् अश्वलन्
अश्वलः अश्वलतम् अश्वलत
अश्वलम् अश्वलाव अश्वलाम

अ० अश्वालीत् अश्वालिष्टाम् अश्वालिषुः
अश्वालीः अश्वालिष्टम् अश्वालिष्ट
अश्वालिषम् अश्वालिष्व अश्वालिष्म

प० शश्वाल शश्वलतुः शश्वलुः
शश्वलिथ शश्वलथुः शश्वल
शश्वाना शश्वल शश्वलिष शश्वलिम

अ० श्वल्यात् श्वल्यास्ताम् श्वल्यासुः
श्वल्याः श्वल्यास्तम् श्वल्यास्त
श्वल्यासम् श्वल्यास्व श्वल्यास्म

श्व० श्वलिता श्वलितारौ श्वलितारः
श्वलितासि श्वलितास्थः श्वलितास्थ
श्वलितास्मि श्वलितास्वः श्वलितास्मः

भ० श्वलिष्यति श्वलिष्यतः श्वलिष्यन्ति
श्वलिष्यसि श्वलिष्यथः श्वलिष्यथ
श्वलिष्यामि श्वलिष्यावः श्वलिष्यामः

क्रि० अश्वलिष्यत् अश्वलिष्यताम् अश्वलिष्यन्
अश्वलिष्यः अश्वलिष्यतम् अश्वलिष्यत
अश्वलिष्यम् अश्वलिष्याव अश्वलिष्याम

451 श्वल्ल (श्वल्ल) आशुगतौ

व० श्वल्लति श्वल्लतः श्वल्लन्ति
श्वल्लसि श्वल्लथः श्वल्लथ
श्वल्लामि श्वल्लावः श्वल्लामः

स० श्वल्लेत् श्वल्लेताम् श्वल्लेयुः
श्वल्लेः श्वल्लेतम् श्वल्लेत
श्वल्लेयम् श्वल्लेव श्वल्लेम

प० श्वल्लतु श्वल्लतात् श्वल्लताम् श्वल्लन्तु
श्वल्ल " श्वल्लतम् श्वल्लत
श्वल्लानि श्वल्लाव श्वल्लाम

ह्य० अश्वल्लत् अश्वल्लताम् अश्वल्लन्
अश्वल्लः अश्वल्लतम् अश्वल्लत
अश्वल्लम् अश्वल्लाव अश्वल्लाम

भ० अश्वल्लेत् अश्वल्लितम् अश्वल्लितुः
अश्वल्लेः अश्वल्लितम् अश्वल्लित
अश्वल्लितम् अश्वल्लितव अश्वल्लितम्

प० शश्वल्ल शश्वल्लतुः शश्वल्लुः
शश्वल्लथ शश्वल्लथुः शश्वल्ल
शश्वल्ल शश्वल्लव शश्वल्लम्

आ० श्वल्ल्यात् श्वल्ल्यास्ताम् श्वल्ल्यासुः
श्वल्ल्याः श्वल्ल्यास्तम् श्वल्ल्यास्त
श्वल्ल्यासम् श्वल्ल्यास्व श्वल्ल्यास्म

श्व० श्वल्लिता श्वल्लितारौ श्वल्लितार
श्वल्लितासि श्वल्लितास्थः श्वल्लितास्थ
श्वल्लितास्मि श्वल्लितास्वः श्वल्लितास्मः

भ० श्वल्लिष्यति श्वल्लिष्यतः श्वल्लिष्यन्ति
श्वल्लिष्यसि श्वल्लिष्यथः श्वल्लिष्यथ
श्वल्लिष्यामि श्वल्लिष्यावः श्वल्लिष्यामः

क्रि० अश्वल्लिष्यत् अश्वल्लिष्यताम् अश्वल्लिष्यन्
अश्वल्लिष्यः अश्वल्लिष्यतम् अश्वल्लिष्यत
अश्वल्लिष्यम् अश्वल्लिष्याव अश्वल्लिष्याम

452 गल (गल्) अदने ।

धातूनामनेकार्थत्वात्स्रवणेऽपि

व० गलति गलतः गलन्ति
गलसि गलथः गलथ
गलामि गलावः गलामः

स० गलेत् गलेताम् गलेयुः
गलेः गलेतम् गलेत
गलेयम् गलेव गलेम

प० गलतु गलतात् गलताम् गलन्तु
गल " गलतम् गलत
गलानि गलाव गलाम

ह्य० अगलत् अगलताम् अगलन्
अगलः अगलतम् अगलत
अगलम् अगलाव अगलाम

अ० अगलीत् अगलिष्टाम् अगलिष्टुः
अगलीः अगलिष्टम् अगलिष्ट
अगलिष्टम् अगलिष्टव अगलिष्टम्

प० जगल जगलतुः जगलुः
जगलथ जगलथुः जगल
जगल जगल जगलव जगलम्

आ० गल्यात् गल्यास्ताम् गल्यासुः
गल्याः गल्यास्तम् गल्यास्त
गल्यासम् गल्यास्व गल्यास्म

श्व० गलिता गलितारौ गलितारः
गलितासि गलितास्थः गलितास्थ
गलितास्मि गलितास्वः गलितास्मः

भ० गलिष्यति गलिष्यतः गलिष्यन्ति
गलिष्यसि गलिष्यथः गलिष्यथ
गलिष्यामि गलिष्यावः गलिष्यामः

क्रि० अगलिष्यत् अगलिष्यताम् अगलिष्यन्
अगलिष्यः अगलिष्यतम् अगलिष्यत
अगलिष्यम् अगलिष्याव अगलिष्याम

॥ अथ वान्ताः सप्तत्रिंशत्सेटश्च ॥

453 चर्व (चर्व्) अदने ।

भक्षणौ इत्यर्थः

च० चर्वति चर्वतः चर्वन्ति

चर्वसि चर्वथः चर्वथ

चर्वामि चर्वाव चर्वामः

स० चर्वेत् चर्वेताम् चर्वेयुः

चर्वेः चर्वेतम् चर्वेत

चर्वेयम् चर्वेव चर्वेम

प० चर्वतु चर्वतात् चर्वताम् चर्वन्तु

चर्व चर्वतम् चर्वत

चर्वाणि चर्वाव चर्वाम

झ० अचर्वत् अचर्वताम् अचर्वन्

अचर्वः अचर्वतम् अचर्वत

अचर्वम् अचर्वाव अचर्वाम

अ० अचर्वीत् अचर्वीष्टाम् अचर्वीषुः

अचर्वीः अचर्वीष्टम् अचर्वीष्ट

अचर्वीषम् अचर्वीष्व अचर्वीष्म

प० चचर्वत् चचर्वतुः चचर्वुः

चचर्विथ चचर्वथुः चचर्व

चचर्व चचर्विथ चचर्विम

आ० चर्व्यात् चर्व्यास्ताम् चर्व्यासुः

चर्व्याः चर्व्यास्तम् चर्व्यास्त

चर्व्यासम् चर्व्यास्व चर्व्यास्म

श्व० चर्विता चर्वितारौ चर्वितारः

चर्वितासि चर्वितास्थः चर्वितास्थ

चर्वितास्मि चर्वितास्वः चर्वितास्मः

भ० चर्विष्यति चर्विष्यतः चर्विष्यन्ति

चर्विष्यसि चर्विष्यथः चर्विष्यथ

चर्विष्यामि चर्विष्यावः चर्विष्यामः

क्रि० अचर्विष्यत् अचर्विष्यताम् अचर्विष्यन्

अचर्विष्यः अचर्विष्यतम् अचर्विष्यत

अचर्विष्यम् अचर्विष्याव अचर्विष्याम

454 पूर्व [पूर्व] पूरणे

व० पूर्वति पूर्वतः पूर्वन्ति

पूर्वसि पूर्वथः पूर्वथ

पूर्वामि पूर्वावः पूर्वामः

स० पूर्वेत् पूर्वेताम् पूर्वेयुः

पूर्वेः पूर्वेतम् पूर्वेत

पूर्वेयम् पूर्वेव पूर्वेम

प० पूर्वतु पूर्वेतात् पूर्वेताम् पूर्वन्तु

पूर्व पूर्वतम् पूर्वत

पूर्वाणि पूर्वाव पूर्वाम

झ० अपूर्वत् अपूर्वताम् अपूर्वन्

अपूर्वः अपूर्वतम् अपूर्वत

अपूर्वम् अपूर्वाव अपूर्वाम

अ० अपूर्वीत् अपूर्वीष्टाम् अपूर्वीषुः

अपूर्वीः अपूर्वीष्टम् अपूर्वीष्ट

अपूर्वीषम् अपूर्वीष्व अपूर्वीष्म

प० पुपूर्वत् पुपूर्वतुः पुपूर्वुः

पुपूर्विथ पुपूर्वथुः पुपूर्व

पुपूर्व पुपूर्विथ पुपूर्विम

आ० पुर्व्यात् पुर्व्यास्ताम् पुर्व्यासुः

पुर्व्याः पुर्व्यास्तम् पुर्व्यास्त

पुर्व्यासम् पुर्व्यास्व पुर्व्यास्म

श्व० पुर्विता पुर्वितारौ पुर्वितारः

पुर्वितासि पुर्वितास्थः पुर्वितास्थ

पुर्वितास्मि पुर्वितास्वः पुर्वितास्मः

भ० पुर्विष्यति पुर्विष्यतः पुर्विष्यन्ति

पुर्विष्यसि पुर्विष्यथः पुर्विष्यथ

पुर्विष्यामि पुर्विष्यावः पुर्विष्यामः

क्रि० अपूर्विष्यत् अपूर्विष्यताम् अपूर्विष्यन्

अपूर्विष्यः अपूर्विष्यतम् अपूर्विष्यत

अपूर्विष्यम् अपूर्विष्याव अपूर्विष्याम

455 पर्व (पर्व्) पूरणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० पर्वति | पर्वतः | पर्वन्ति |
| पर्वसि | पर्वथः | पर्वथ |
| पर्वामि | पर्वावः | पर्वामः |
| स० पर्वेत् | पर्वताम् | पर्वेयुः |
| पर्वैः | पर्वेतम् | पर्वेत |
| पर्वेयम् | पर्वेव | पर्वेम |
| प० पर्वतु | पर्वतात् | पर्वताम् |
| पर्व | " | पर्वतम् |
| पर्वणि | पर्वाव | पर्वाम |
| झ० अपर्वत् | अपर्वताम् | अपर्वन् |
| अपर्वः | अपर्वतम् | अपर्वत |
| अपर्वम् | अपर्वाव | अपर्वाम |
| अ० अपर्वीत् | अपर्वीष्टाम् | अपर्विषुः |
| अपर्वीः | अपर्वीष्टम् | अपर्विष्ट |
| अपर्विषम् | अपर्विष्व | अपर्विष्म |
| प० पपर्वत् | पपर्वतुः | पपर्वुः |
| पपर्विथ | पपर्वथुः | पपर्व |
| पपर्वे | पपर्विव | पपर्विम |
| आ० पवर्षात् | पवर्षास्ताम् | पवर्षासुः |
| पवर्षाः | पवर्षास्तम् | पवर्षास्त |
| पवर्षासिम् | पवर्षास्व | पवर्षास्म |
| भ० पर्विता | पर्वितारौ | पर्वितारः |
| पर्वितासि | पर्वितास्थः | पर्वितास्थ |
| पर्वितास्मि | पर्वितास्वः | पर्वितास्मः |
| भ० पर्विष्यति | पर्विष्यतः | पर्विष्यन्ति |
| पर्विष्यसि | पर्विष्यथः | पर्विष्यथ |
| पर्विष्यामि | पर्विष्यावः | पर्विष्यामः |
| क्रि० अपर्विष्यत् | अपर्विष्यताम् | अपर्विष्यन् |
| अपर्विष्यः | अपर्विष्यतम् | अपर्विष्यत |
| अपर्विष्यम् | अपर्विष्याव | अपर्विष्याम |

456 मर्व (मर्व्) पूरणे ।

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| व० मर्वति | मर्वतः | मर्वन्ति |
| मर्वसि | मर्वथः | मर्वथ |
| मर्वामि | मर्वावः | मर्वामः |
| स० मर्वेत् | मर्वताम् | मर्वेयुः |
| मर्वैः | मर्वेतम् | मर्वेत |
| मर्वेयम् | मर्वेव | मर्वेम |
| प० मर्वतु | मर्वतात् | मर्वताम् |
| मर्व | " | मर्वतम् |
| मर्वाणि | मर्वाव | मर्वाम |
| झ० अमर्वत् | अमर्वताम् | अमर्वन् |
| अमर्वः | अमर्वतम् | अमर्वत |
| अमर्वम् | अमर्वाव | अमर्वाम |
| अ० अमर्वीत् | अमर्वीष्टाम् | अमर्विषुः |
| अमर्वीः | अमर्वीष्टम् | अमर्विष्ट |
| अमर्विषम् | अमर्विष्व | अमर्विष्म |
| प० ममर्वत् | ममर्वतुः | ममर्वुः |
| ममर्विथ | ममर्वथुः | ममर्व |
| ममर्वे | ममर्विव | ममर्विम |
| आ० मवर्षात् | मवर्षास्ताम् | मवर्षासुः |
| मवर्षाः | मवर्षास्तम् | मवर्षास्त |
| मवर्षासिम् | मवर्षास्व | मवर्षास्म |
| भ० मर्विता | मर्वितारौ | मर्वितारः |
| मर्वितासि | मर्वितास्थः | मर्वितास्थ |
| मर्वितास्मि | मर्वितास्वः | मर्वितास्मः |
| भ० मर्विष्यति | मर्विष्यतः | मर्विष्यन्ति |
| मर्विष्यसि | मर्विष्यथः | मर्विष्यथ |
| मर्विष्यामि | मर्विष्यावः | मर्विष्यामः |
| अमर्विष्यत् | अमर्विष्यताम् | अमर्विष्यन् |
| अमर्विष्यः | अमर्विष्यतम् | अमर्विष्यत |
| अमर्विष्यम् | अमर्विष्याव | अमर्विष्याम |

457 मर्व (मव्) गतौ ।

मर्व (456) बद्रूपाणि ।

अर्थभेदार्थं पुनः पाठः ।

458 धवु (धन्व्) गतौ ।

- व० धन्वति धन्वतः धन्वन्ति
 धन्वसि धन्वथः धन्वथ
 धन्वामि धन्वावः धन्वामः
 स० धन्वोत् धन्वोताम् धन्वोयुः
 धन्वोः धन्वोतम् धन्वेत
 धन्वोयम् धन्वोव धन्वेम
 प० धन्वतु धन्वतात् धन्वताम् धन्वन्तु
 धन्व " धन्वतम् धन्वत
 धन्वानि धन्वाव धन्वाम
 ह्य० अधन्वत् अधन्वताम् अधन्वन्
 अधन्वः अधन्वतम् अधन्वत
 अधन्वम् अधन्वाव अधन्वाम
 अ० अधन्वीत् अधन्विष्टाम् अधन्विषुः
 अधन्वीः अधन्विष्टम् अधन्विष्ट
 अधन्विषम् अधन्विष्व अधन्विष्म
 प० दधन्व दधन्वतुः दधन्वुः
 दधन्विथ दधन्वथुः दधन्व
 दधन्व दधन्विष्व दधन्विष्म
 आ० धन्व्यात् धन्व्यास्ताम् धन्व्यासुः
 धन्व्याः धन्व्यास्तम् धन्व्यास्त
 धन्व्यास्तम् धन्व्यास्व धन्व्यास्म
 श्व० धन्विता धन्वितारौ धन्वितारः
 धन्वितासि धन्वितास्थः धन्वितास्थ
 धन्वितास्मि धन्वितास्वः धन्वितास्मः
 भ० धन्विष्यति धन्विष्यतः धन्विष्यन्ति
 धन्विष्यसि धन्विष्यथः धन्विष्यथ
 धन्विष्यामि धन्विष्यावः धन्विष्यामः
 क्रि० अधन्विष्यत् अधन्विष्यताम् अधन्विष्यन्
 अधन्विष्यः अधन्विष्यतम् अधन्विष्यत
 अधन्विष्यम् अधन्विष्याव अधन्विष्याम

459 शव (शव्) गतौ ।

- व० शवति शवतः शवन्ति
 शवसि शवथः शवथ
 शवामि शवावः शवामः
 स० शवेत् शवेताम् शवेयुः
 शवेः शवेतम् शवेत
 शवेयम् शवेव शवेम
 प० शवतु शवतात् शवताम् शवन्तु
 शव " शवतम् शवत
 शवानि शवाव शवाम
 ह्य० अशवत् अशवताम् अशवन्
 अशवः अशवतम् अशवत
 अशवम् अशवाव अशवाम
 अ० अशावीत् अशाविष्टाम् अशाविषुः
 अशावीः अशाविष्टम् अशाविष्ट
 अशाविषम् अशाविष्व अशाविष्म
 अशवीत् अशविष्टाम् अशविषुः
 अशवीः अशविष्टम् अशविष्ट
 अशविषम् अशविष्व अशविष्म
 प० शशाव शेवतुः शेवुः
 शेविथ शेवथुः शेव
 शशाव-शशव शेविष्व शेविष्म
 आ० शव्यात् शव्यास्ताम् शव्यासुः
 शव्याः शव्यास्तम् शव्यास्त
 शव्यास्तम् शव्यास्व शव्यास्म
 श्व० शविता शवितारौ शवितारः
 शवितासि शवितास्थः शवितास्थ
 शवितास्मि शवितास्वः शवितास्मः
 भ० शविष्यति शविष्यतः शविष्यन्ति
 शविष्यसि शविष्यथः शविष्यथ
 शविष्यामि शविष्यावः शविष्यामः
 क्रि० अशविष्यत् अशविष्यताम् अशविष्यन्
 अशविष्यः अशविष्यतम् अशविष्यत
 अशविष्यम् अशविष्याव अशविष्याम

460 कर्व [कर्व] दर्पे

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० कर्वति | कर्वतः | कर्वन्ति |
| कर्वसि | कर्वथः | कर्वथ |
| कर्वामि | कर्वावः | कर्वामः |
| स० कर्वेत् | कर्वेताम् | कर्वेयुः |
| कर्वेः | कर्वेतम् | कर्वेत |
| कर्वेयम् | कर्वेव | कर्वेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० कर्वतु | कर्वतात् | कर्वताम् | कर्वन्तु |
| कर्व | , | कर्वतम् | कर्वत |
| कर्वाणि | कर्वाव | कर्वाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अकर्वत् | अकर्वताम् | अकर्वन् |
| अकर्वः | अकर्वतम् | अकर्वत |
| अकर्वम् | अकर्वाव | अकर्वाम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| अ० अकर्वीत् | अकर्विष्टाम् | अकर्विषुः |
| अकर्वीः | अकर्विष्टम् | अकर्विष्ट |
| अकर्विषम् | अकर्विष्व | अकर्विष्म |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० चकर्व | चकर्वतुः | चकर्वुः |
| चकर्विथ | चकर्वथुः | चकर्व |
| चकर्व | चकर्विव | चकर्विम |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० कर्व्यात् | कर्व्यास्ताम् | कर्व्यासुः |
| कर्व्याः | कर्व्यास्तम् | कर्व्यास्त |
| कर्व्यासम् | कर्व्यास्व | कर्व्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ्व० कर्विता | कर्वितारौ | कर्वितारः |
| कर्वितासि | कर्वितास्थः | कर्वितास्थ |
| कर्वितास्मि | कर्वितास्वः | कर्वितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० कर्विष्यति | कर्विष्यतः | कर्विष्यन्ति |
| कर्विष्यसि | कर्विष्यथः | कर्विष्यथ |
| कर्विष्यामि | कर्विष्यावः | कर्विष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अकर्विष्यत् | अकर्विष्यताम् | अकर्विष्यन् |
| अकर्विष्यः | अकर्विष्यतम् | अकर्विष्यत |
| अकर्विष्यम् | अकर्विष्याव | अकर्विष्याम |

461 खर्व (खर्व) दर्पे ।

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० खर्वति | खर्वतः | खर्वन्ति |
| खर्वसि | खर्वथः | खर्वथ |
| खर्वामि | खर्वावः | खर्वामः |
| स० खर्वेत् | खर्वेताम् | खर्वेयुः |
| खर्वेः | खर्वेतम् | खर्वेत |
| खर्वेयम् | खर्वेव | खर्वेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० खर्वतु | खर्वतात् | खर्वताम् | खर्वन्तु |
| खर्व | , | खर्वतम् | खर्वत |
| खर्वाणि | खर्वाव | खर्वाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अखर्वत् | अखर्वताम् | अखर्वन् |
| अखर्वः | अखर्वतम् | अखर्वत |
| अखर्वम् | अखर्वाव | अखर्वाम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| अ० अखर्वीत् | अखर्विष्टाम् | अखर्विषुः |
| अखर्वीः | अखर्विष्टम् | अखर्विष्ट |
| अखर्विषम् | अखर्विष्व | अखर्विष्म |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० चखर्व | चखर्वतुः | चखर्वुः |
| चखर्विथ | चखर्वथुः | चखर्व |
| चखर्व | चखर्विव | चखर्विम |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० खर्व्यात् | खर्व्यास्ताम् | खर्व्यासुः |
| खर्व्याः | खर्व्यास्तम् | खर्व्यास्त |
| खर्व्यासम् | खर्व्यास्व | खर्व्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ्व० खर्विता | खर्वितारौ | खर्वितारः |
| खर्वितासि | खर्वितास्थः | खर्वितास्थ |
| खर्वितास्मि | खर्वितास्वः | खर्वितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० खर्विष्यति | खर्विष्यतः | खर्विष्यन्ति |
| खर्विष्यसि | खर्विष्यथः | खर्विष्यथ |
| खर्विष्यामि | खर्विष्यावः | खर्विष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अखर्विष्यत् | अखर्विष्यताम् | अखर्विष्यन् |
| अखर्विष्यः | अखर्विष्यतम् | अखर्विष्यत |
| अखर्विष्यम् | अखर्विष्याव | अखर्विष्याम |

462 गर्व (गर्व) दर्पे ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| घ० गर्वति | गर्वतः | गर्वन्ति |
| गर्वसि | गर्वथः | गर्वथ |
| गर्वामि | गर्वावः | गर्वामः |
| स० गर्वेत् | गर्वेताम् | गर्वेयुः |
| गर्वेः | गर्वेतम् | गर्वेत |
| गर्वेयम् | गर्वेव | गर्वेम |
| प० गर्वतु | गर्वतात् | गर्वताम् गर्वन्तु |
| गर्व | ” | गर्वतम् गर्वत |
| गर्वाणि | गर्वाव | गर्वाम |
| झ० अगर्वत् | अगर्वताम् | अगर्वन् |
| अगर्वः | अगर्वतम् | अगर्वत |
| अगर्वम् | अगर्वाव | अगर्वाम |
| अ० अगर्वीत् | अगर्वीष्टाम् | अगर्वीषुः |
| अगर्वीः | अगर्वीष्टम् | अगर्वीष्ट |
| अगर्वीषम् | अगर्वीष्व | अगर्वीष्म |
| प० जगर्व | जगर्वतुः | जगर्वुः |
| जगर्विथ | जगर्वथुः | जगर्व |
| जगर्व | जगर्विथ | जगर्विम् |
| आ० गव्यात् | गव्यास्ताम् | गव्यासुः |
| गव्याः | गव्यास्तम् | गव्यास्त |
| गव्यासम् | गव्यास्व | गव्यास्म |
| श्व० गर्विता | गर्वितारौ | गर्वितारः |
| गर्वितासि | गर्वितास्थः | गर्वितास्थ |
| गर्वितास्मि | गर्वितास्वः | गर्वितास्मः |
| भ० गर्विष्यति | गर्विष्यतः | गर्विष्यन्ति |
| गर्विष्यसि | गर्विष्यथः | गर्विष्यथ |
| गर्विष्यामि | गर्विष्यावः | गर्विष्यामः |
| क्रि० अगर्विष्यत् | अगर्विष्यताम् | अगर्विष्यन् |
| अगर्विष्यः | अगर्विष्यतम् | अगर्विष्यत |
| अगर्विष्यम् | अगर्विष्याव | अगर्विष्याम |

463 ष्ठीवू (ष्ठीवू) निरसने

| | | |
|--------------------|----------------|---------------------|
| घ० ष्ठीवति | ष्ठीवतः | ष्ठीवन्ति |
| ष्ठीवसि | ष्ठीवथः | ष्ठीवथ |
| ष्ठीवामि | ष्ठीवावः | ष्ठीवामः |
| स० ष्ठीवेत् | ष्ठीवेताम् | ष्ठीवेयुः |
| ष्ठीवेः | ष्ठीवेतम् | ष्ठीवेत |
| ष्ठीवेयम् | ष्ठीवेव | ष्ठीवेम |
| प० ष्ठीवतु | ष्ठीवतात् | ष्ठीवताम् ष्ठीवन्तु |
| ष्ठीव | ” | ष्ठीवतम् ष्ठीवत |
| ष्ठीवानि | ष्ठीवाव | ष्ठीवाम |
| झ० अष्ठीवत् | अष्ठीवताम् | अष्ठीवन् |
| अष्ठीवः | अष्ठीवतम् | अष्ठीवत |
| अष्ठीवम् | अष्ठीवाव | अष्ठीवाम |
| अ० अष्ठीवीत् | अष्ठीविष्टाम् | अष्ठीविषुः |
| अष्ठीवीः | अष्ठीविष्टम् | अष्ठीविष्ट |
| अष्ठीविषम् | अष्ठीविष्व | अष्ठीविष्म |
| प० तिष्ठेव | तिष्ठिवतुः | तिष्ठिवुः |
| तिष्ठेविथ | तिष्ठिवथुः | तिष्ठिव |
| तिष्ठेव | तिष्ठिविथ | तिष्ठिविम् |
| तिष्ठेव | तिष्ठिविथुः | तिष्ठिवुः |
| तिष्ठेविथ | तिष्ठिविथुः | तिष्ठिव |
| तिष्ठेव | तिष्ठिविथ | तिष्ठिविम् |
| आ० ष्ठीव्यात् | ष्ठीव्यास्ताम् | ष्ठीव्यासुः |
| ष्ठीव्याः | ष्ठीव्यास्तम् | ष्ठीव्यास्त |
| ष्ठीव्यासम् | ष्ठीव्यास्व | ष्ठीव्यास्म |
| श्व० ष्ठेविता | ष्ठेवितारौ | ष्ठेवितारः |
| ष्ठेवितासि | ष्ठेवितास्थः | ष्ठेवितास्थ |
| ष्ठेवितास्मि | ष्ठेवितास्वः | ष्ठेवितास्मः |
| भ० ष्ठेविष्यति | ष्ठेविष्यतः | ष्ठेविष्यन्ति |
| ष्ठेविष्यसि | ष्ठेविष्यथः | ष्ठेविष्यथ |
| ष्ठेविष्यामि | ष्ठेविष्यावः | ष्ठेविष्यामः |
| क्रि० अष्ठेविष्यत् | अष्ठेविष्यताम् | अष्ठेविष्यन् |
| अष्ठेविष्यः | अष्ठेविष्यतम् | अष्ठेविष्यत |
| अष्ठेविष्यम् | अष्ठेविष्याव | अष्ठेविष्याम |

464 क्षिब् (क्षिब्) निरसने

व० क्षेवति क्षेवतः क्षेवन्ति
क्षेवसि क्षेवथः क्षेवथ
क्षेवामि क्षेवावः क्षेवामः

स० क्षेवोत् क्षेवताम् क्षेवेयुः
क्षेवोः क्षेवतम् क्षेवेत
क्षेवेयम् क्षेवेव क्षेवेम

प० क्षेवतु क्षेवतात् क्षेवताम् क्षेवन्तु
क्षेव " क्षेवतम् क्षेवत
क्षेवानि क्षेवाव क्षेवाम

क्षेवाणि

ह्य० अक्षेवत् अक्षेवताम् अक्षेवन्
अक्षेवः अक्षेवतम् अक्षेवत
अक्षेवम् अक्षेवाव अक्षेवाम

अ० अक्षेवीत् अक्षेविष्टम् अक्षेविष्टुः
अक्षेवीः अक्षेविष्टम् अक्षेविष्ट
अक्षेविष्टम् अक्षेविष्टव अक्षेविष्टम

प० चिक्षेव चिक्षेवतुः चिक्षेवुः
चिक्षेवथ चिक्षेवथुः चिक्षेव
चिक्षेव चिक्षेविव चिक्षेविजिजीविव

आ० क्षीव्यात् क्षीव्यास्ताम् क्षीव्यासुः
क्षीव्याः क्षीव्यास्तम् क्षीव्यास्त
क्षीव्यासम् क्षीव्यास्व क्षीव्यास्म

श्व० क्षेविता क्षेवितारौ क्षेवितारः
क्षेवितासि क्षेवितास्थः क्षेवितास्थ
क्षेवितास्मि क्षेवितास्वः क्षेवितास्मः

भ० क्षेविष्यति क्षेविष्यतः क्षेविष्यन्ति
क्षेविष्यसि क्षेविष्यथः क्षेविष्यथ
क्षेविष्यामि क्षेविष्यावः क्षेविष्यामः

क्रि० अक्षेविष्यत् अक्षेविष्यताम् अक्षेविष्यन्
अक्षेविष्यः अक्षेविष्यतम् अक्षेविष्यत
अक्षेविष्यम् अक्षेविष्याव अक्षेविष्याम

465 जीव (जीव) प्राणधारणे

व० जीवति जीवतः जीवन्ति
जीवसि जीवथः जीवथ
जीवामि जीवावः जीवामः

स० जीवेत् जीवेताम् जीवेयुः
जीवेः जीवेतम् जीवेत
जीवेयम् जीवेव जीवेम

प० जीवतु जीवतात् जीवताम् जीवन्तु
जीव " जीवतम् जीवत
जीवानि जीवाव जीवाम

ह्य० अजीवत् अजीवताम् अजीवन्
अजीवः अजीवतम् अजीवत
अजीवम् अजीवाव अजीवाम

अ० अजीवीत् अजीविष्टम् अजीविष्टुः
अजीवीः अजीविष्टम् अजीविष्ट
अजीविष्टम् अजीविष्टव अजीविष्टम

प० जिजीव जिजीवतुः जिजीवुः
जिजीवथ जिजीवथुः जिजीव
जिजीव जिजीविव जिजीविम

आ० जीव्यात् जीव्यास्ताम् जीव्यासुः
जीव्याः जीव्यास्तम् जीव्यास्त
जीव्यासम् जीव्यास्व जीव्यास्म

श्व० जीविता जीवितारौ जीवितारः
जीवितासि जीवितास्थः जीवितास्थ
जीवितास्मि जीवितास्वः जीवितास्मः

भ० जीविष्यति जीविष्यतः जीविष्यन्ति
जीविष्यसि जीविष्यथः जीविष्यथ
जीविष्यामि जीविष्यावः जीविष्यामः

क्रि० अजीविष्यत् अजीविष्यताम् अजीविष्यन्
अजीविष्यः अजीविष्यतम् अजीविष्यत
अजीविष्यम् अजीविष्याव अजीविष्याम

466 पीव (पीव्) स्थौल्ये

व० पीवति पीवतः पीवन्ति
पीवसि पीवथः पीवथ
पीवामि पीवावः पीवामः

स० पीवेत् पीवेताम् पीवेयुः
पीवेः पीवेतम् पीवेत
पीवेयम् पीवेव पीवेम

प० पीवतु पीवतात् पीवताम् पीवन्तु
पीव „ पीवतम् पीवत
पीवानि पीवाव पीवाम

ह्य० अपीवत् अपीवताम् अपीवन्
अपीवः अपीवतम् अपीवत
अपीवम् अपीवाव अपीवाम

र० अपीवीत् अपीविष्टाम् अपीविषुः
अपीवीः अपीविष्टम् अपीविष्ट
अपीविषम् अपीविष्व अपीविष्म

आ० पीव्यात् पीव्यास्ताम् पीव्यासुः
पीव्याः पीव्यास्तम् पीव्यास्त
पीव्यासम् पीव्यास्व पीव्यास्म

प० पिपीव पिपीवतुः पिपीवुः
पिपीवथ पिपीवथुः पिपीव
पिपीव पिपीविव पिपीविम

श्व० पीविता पीवितारौ पीवितारः
पीवितासि पीवितास्थः पीवितास्थ
पीवितास्मिन् पीवितास्वः पीवितास्मः

भ० पीविष्यति पीविष्यतः पीविष्यन्ति
पीविष्यसि पीविष्यथः पीविष्यथ
पीविष्यामि पीविष्यावः पीविष्यामः

क्रि० अपीविष्यत् अपीविष्यताम् अपीविष्यन्
अपीविष्यः अपीविष्यतम् अपीविष्यत
अपीविष्यम् अपीविष्याव अपीविष्याम

467 मीव (मीव्) स्थौल्ये

व० मीवति मीवतः मीवन्ति
मीवसि मीवथः मीवथ
मीवामि मीवावः मीवामः

स० मीवेत् मीवेताम् मीवेयुः
मीवेः मीवेतम् मीवेत
मीवेयम् मीवेव मीवेम

प० मीवतु मीवतात् मीवताम् मीवन्तु
मीव „ मीवतम् मीवत
मीवानि मीवाव मीवाम

ह्य० अमीवत् अमीवताम् अमीवन्
अमीवः अमीवतम् अमीवत
अमीवम् अमीवाव अमीवाम

अ० अमीवीत् अमीविष्टाम् अमीविषुः
अमीवीः अमीविष्टम् अमीविष्ट
अमीविषम् अमीविष्व अमीविष्म

प० मिमीव मिमीवतुः मिमीवुः
मिमीवथ मिमीवथुः मिमीव
मिमीव मिमीविव मिमीविम

आ० मीव्यात् मीव्यास्ताम् मीव्यासुः
मीव्याः मीव्यास्तम् मीव्यास्त
मीव्यासम् मीव्यास्व मीव्यास्म

श्व० मीविता मीवितारौ मीवितारः
मीवितासि मीवितास्थः मीवितास्थ
मीवितास्मिन् मीवितास्वः मीवितास्मः

भ० मीविष्यति मीविष्यतः मीविष्यन्ति
मीविष्यसि मीविष्यथः मीविष्यथ
मीविष्यामि मीविष्यावः मीविष्यामः

अमीविष्यत् अमीविष्यताम् अमीविष्यन्
अमीविष्यः अमीविष्यतम् अमीविष्यत
अमीविष्यम् अमीविष्याव अमीविष्याम

468 तीव (तीव्) स्थौल्ये ।

व० तीवति तीवतः तीवन्ति
तीवसि तीवथः तीवथ
तीवामि तीवावः तीवामः

स० तीवेत् तीवेताम् तीवेयुः
तीवेः तीवेतम् तीवेत
तीवेयम् तीवेव तीवेम

प० तीवतु तीवतात् तीवताम् तीवन्तु
तीव , तीवतम् तीवत
तीवानि तीवाव तीवाम

ह्य० अतीवत् अतीवताम् अतीवन्
अतीवः अतीवम् अतीवत
अतीवम् अतीवाव अतीवाम

अ० अतीवीत् अतीविष्टम् अतीविषुः
अतीवीः अतीविष्टम् अतीविष्ट
अतीविषम् अतीविष्व अतीविष्म

प० तितीव तितीवतुः तितीवुः
तितीविथ तितीवथुः तितीव
तितीव तितीविथ तितीविम

आ० तीव्यात् तीव्यास्ताम् तीव्यासुः
तीव्याः तीव्यास्तम् तीव्यास्त
तीव्यासम् तीव्यास्व तीव्यास्म

श्व० तीविता तीवितारौ तीवितारः
तीवितासि तीवितास्थः तीवितास्थ
तीवितास्मि तीवितास्वः तीवितास्मः

भ० तीविष्यति तीविष्यतः तीविष्यन्ति
तीविष्यसि तीविष्यथः तीविष्यथ
तीविष्यामि तीविष्यावः तीविष्यामः

अतीविष्यत् अतीविष्यताम् अतीविष्यन्
अतीविष्यः अतीविष्यतम् अतीविष्यत
अतीविष्यम् अतीविष्याव अतीविष्याम

469 नीव (नीव्) स्थौल्ये ।

व० नीवति नीवतः नीवन्ति
नीवसि नीवथः नीवथ
नीवामि नीवावः नीवामः

स० नीवेत् नीवेताम् नीवेयुः
नीवेः नीवेतम् नीवेत
नीवेयम् नीवेव नीवेम

प० नीवतु नीवतात् नीवताम् नीवन्तु
नीव , नीवतम् नीवत
नीवाणि नीवाव नीवाम

ह्य० अनीवत् अनीवताम् अनीवन्
अनीवः अनीवतम् अनीवत
अनीवम् अनीवाव अनीवाम

अ० अनीवीत् अनीविष्टम् अनीविषुः
अनीवीः अनीविष्टम् अनीविष्ट
अनीविषम् अनीविष्व अनीविष्म

प० निनीव निनीवतुः निनीवुः
निनीविथ निनीवथुः निनीव
निनीव निनीविथ निनीविम

आ० नीव्यात् नीव्यास्ताम् नीव्यासुः
नीव्याः नीव्यास्तम् नीव्यास्त
नीव्यासम् नीव्यास्व नीव्यास्म

श्व० नीविता नीवितारौ नीवितारः
नीवितासि नीवितास्थः नीवितास्थ
नीवितास्मि नीवितास्वः नीवितास्मः

भ० नीविष्यति नीविष्यतः नीविष्यन्ति
नीविष्यसि नीविष्यथः नीविष्यथ
नीविष्यामि नीविष्यावः नीविष्यामः

क्रि० अनीविष्यत् अनीविष्यताम् अनीविष्यन्
अनीविष्यः अनीविष्यतम् अनीविष्यत
अनीविष्यम् अनीविष्याव अनीविष्याम

470 ऊर्वे (ऊर्व्) हिंसायाम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ष० ऊर्वति | ऊर्वतः | ऊर्वन्ति |
| ऊर्वसि | ऊर्वथः | ऊर्वथ |
| ऊर्वामि | ऊर्वावः | ऊर्वामः |
| स० ऊर्वेत् | ऊर्वेताम् | ऊर्वेयुः |
| ऊर्वेः | ऊर्वेतम् | ऊर्वेत |
| ऊर्वेयम् | ऊर्वेव | ऊर्वेम |
| प० ऊर्वतु | ऊर्वतात् | ऊर्वताम् |
| ऊर्व | ऊर्वतम् | ऊर्वत |
| ऊर्वाणि | ऊर्वाव | ऊर्वाम |
| ह्य० और्वत् | और्वताम् | और्वन् |
| और्वः | और्वतम् | और्वत |
| और्वम् | और्वाव | और्वाम |
| अ० और्वीत् | और्विष्टाम् | और्विषुः |
| और्वीः | और्विष्टम् | और्विष्ट |
| और्विषम् | और्विष्व | और्विष्म |
| प० ऊर्वाञ्चकार | ऊर्वाञ्चकतुः | ऊर्वाञ्चकुः |
| ऊर्वाञ्चक्य | ऊर्वाञ्चकथुः | ऊर्वाञ्चक |
| ऊर्वाञ्चकार, चकार | ऊर्वाञ्चकृव | ऊर्वाञ्चकृम |
| ऊर्वाञ्चभूव | ऊर्वामास | |
| आ० ऊर्व्यात् | ऊर्व्यास्ताम् | ऊर्व्यासुः |
| ऊर्व्याः | ऊर्व्यास्तम् | ऊर्व्यास्त |
| ऊर्व्यासम् | ऊर्व्यास्व | ऊर्व्यास्म |
| श्व० ऊर्विता | ऊर्वितारौ | ऊर्वितारः |
| ऊर्वितासि | ऊर्वितास्थः | ऊर्वितास्थ |
| ऊर्वितास्मि | ऊर्वितास्वः | ऊर्वितास्मः |
| भ० ऊर्विष्यति | ऊर्विष्यतः | ऊर्विष्यन्ति |
| ऊर्विष्यसि | ऊर्विष्यथः | ऊर्विष्यथ |
| ऊर्विष्यामि | ऊर्विष्यावः | ऊर्विष्यामः |
| क्रि० और्विष्यत् | और्विष्यताम् | और्विष्यन् |
| और्विष्यः | और्विष्यतम् | और्विष्यत |
| और्विष्यम् | और्विष्याव | और्विष्याम |

471 तुर्वे (तूर्व्) हिंसायाम् ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ष० तुर्वति | तुर्वतः | तुर्वन्ति |
| तुर्वसि | तुर्वथः | तुर्वथ |
| तुर्वामि | तुर्वावः | तुर्वामः |
| स० तुर्वेत् | तुर्वेताम् | तुर्वेयुः |
| तुर्वेः | तुर्वेतम् | तुर्वेत |
| तुर्वेयम् | तुर्वेव | तुर्वेम |
| प० तुर्वतु | तुर्वतात् | तुर्वताम् |
| तुर्व | तुर्वतम् | तुर्वत |
| तुर्वाणि | तुर्वाव | तुर्वाम |
| ह्य० अतूर्वात् | अतूर्वाताम् | अतूर्वान् |
| अतूर्वाः | अतूर्वातम् | अतूर्वात |
| अतूर्वम् | अतूर्वाव | अतूर्वाम |
| अ० अतूर्वीत् | अतूर्विष्टाम् | अतूर्विषुः |
| अतूर्वीः | अतूर्विष्टम् | अतूर्विष्ट |
| अतूर्विषम् | अतूर्विष्व | अतूर्विष्म |
| प० तुतूर्वा | तुतूर्वातुः | तुतूर्वुः |
| तुतूर्विथ | तुतूर्वथुः | तुतूर्व |
| तुतूर्वा | तुतूर्विथ | तुतूर्विम |
| आ० तूर्व्यात् | तूर्व्यास्ताम् | तूर्व्यासुः |
| तूर्व्याः | तूर्व्यास्तम् | तूर्व्यास्त |
| तूर्व्यासम् | तूर्व्यास्व | तूर्व्यास्म |
| श्व० तूर्विता | तूर्वितारौ | तूर्वितारः |
| तूर्वितासि | तूर्वितास्थः | तूर्वितास्थ |
| तूर्वितास्मि | तूर्वितास्वः | तूर्वितास्मः |
| भ० तूर्विष्यति | तूर्विष्यतः | तूर्विष्यन्ति |
| तूर्विष्यसि | तूर्विष्यथः | तूर्विष्यथ |
| तूर्विष्यामि | तूर्विष्यावः | तूर्विष्यामः |
| क्रि० अतूर्विष्यत् | अतूर्विष्यताम् | अतूर्विष्यन् |
| अतूर्विष्यः | अतूर्विष्यतम् | अतूर्विष्यत |
| अतूर्विष्यम् | अतूर्विष्याव | अतूर्विष्याम |

472 थुर्व (थूर्व) हिंसायाम् ।

व० थुर्वति थुर्वतः थुर्वन्ति
थुर्वसि थुर्वथः थुर्वथ
थुर्वामि थुर्वावः थुर्वामः
स० थुर्वेत थुर्वताम् थुर्वेयुः
थुर्वेः थुर्वेतम् थुर्वेत
थुर्वेयम् थुर्वेव थुर्वेम

प० थुर्वतु थुर्वतात् थुर्वताम् थुर्वन्तु
थुर्व " थुर्वतम् थुर्वत
थुर्वाणि थुर्वाव थुर्वाम

झ० अथुर्वत् अथुर्वताम् अथुर्वन्
अथुर्वः अथुर्वतम् अथुर्वत
अथुर्वम् अथुर्वेव अथुर्वेम

अ० अथुर्वति अथुर्विताम् अथुर्विषुः
अथुर्वीः अथुर्वितम् अथुर्वित
अथुर्विषम् अथुर्विष्व अथुर्विष्म

प० तुथुर्व तुथुर्वतुः तुथुर्वुः
तुथुर्विथ तुथुर्वथुः तुथुर्व
तुथुर्व तुथुर्विव तुथुर्विम

आ० थुर्व्यात् थुर्व्यास्ताम् थुर्व्यासुः
थुर्व्याः थुर्व्यास्तम् थुर्व्यास्त
थुर्व्यासम् थुर्व्यास्व थुर्व्यास्म

श्व० थुर्विता थुर्वितारौ थुर्वितारः
थुर्वितासि थुर्वितास्थः थुर्वितास्थ
थुर्वितास्मि थुर्वितास्वः थुर्वितास्मः

भ० थुर्विष्यति थुर्विष्यतः थुर्विष्यन्ति
थुर्विष्यसि थुर्विष्यथः थुर्विष्यथ
थुर्विष्यामि थुर्विष्यावः थुर्विष्यामः

क्रि० अथुर्विष्यत् अथुर्विष्यताम् अथुर्विष्यन्
अथुर्विष्यः अथुर्विष्यतम् अथुर्विष्यत
अथुर्विष्यम् अथुर्विष्याव अथुर्विष्याम

473 दूर्वै (दूर्व) हिंसायाम् ।

व० दूर्वति दूर्वतः दूर्वन्ति
दूर्वसि दूर्वथः दूर्वथ
दूर्वामि दूर्वावः दूर्वामः
स० दूर्वेत् दूर्वेताम् दूर्वेयुः
दूर्वेः दूर्वेतम् दूर्वेत
दूर्वेयम् दूर्वेव दूर्वेम

प० दूर्वतु दूर्वतात् दूर्वताम् दूर्वन्तु
दूर्व " दूर्वतम् दूर्वत
दूर्वाणि दूर्वाव दूर्वाम

झ० अदूर्वत् अदूर्वताम् अदूर्वन्
अदूर्वः अदूर्वतम् अदूर्वत
अदूर्वम् अदूर्वाव अदूर्वाम

अ० अदूर्वति अदूर्विताम् अदूर्विषुः
अदूर्वीः अदूर्वितम् अदूर्वित
अदूर्विषम् अदूर्विष्व अदूर्विष्म

प० दुदूर्व दुदूर्वतुः दुदूर्वुः
दुदूर्विथ दुदूर्वथुः दुदूर्व
दुदूर्व दुदूर्विव दुदूर्विम

आ० दूर्व्यात् दूर्व्यास्ताम् दूर्व्यासुः
दूर्व्याः दूर्व्यास्तम् दूर्व्यास्त
दूर्व्यासम् दूर्व्यास्व दूर्व्यास्म

श्व० दूर्विता दूर्विदारौ दूर्वितारः
दूर्वितासि दूर्वितास्थः दूर्वितास्थ
दूर्वितास्मि दूर्वितास्वः दूर्वितास्मः

भ० दूर्विष्यति दूर्विष्यतः दूर्विष्यन्ति
दूर्विष्यसि दूर्विष्यथः दूर्विष्यथ
दूर्विष्यामि दूर्विष्यावः दूर्विष्यामः

अदूर्विष्यत् अदूर्विष्यताम् अदूर्विष्यन्
अदूर्विष्यः अदूर्विष्यतम् अदूर्विष्यत
अदूर्विष्यम् अदूर्विष्याव अदूर्विष्याम

474 ध्रुवै [ध्रुव] हिंसायाम् ।

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० ध्रुवति | ध्रुवतः | ध्रुवन्ति |
| ध्रुवसि | ध्रुवथः | ध्रुवथ |
| ध्रुवामि | ध्रुवावः | ध्रुवामः |
| स० ध्रुवेत् | ध्रुवेताम् | ध्रुवेयुः |
| ध्रुवेः | ध्रुवेतम् | ध्रुवेत |
| ध्रुवेयम् | ध्रुवेव | ध्रुवेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० ध्रुवतु | ध्रुवतात् | ध्रुवताम् | ध्रुवन्तु |
| ध्रुव | " | ध्रुवतम् | ध्रुवत |
| ध्रुवाणि | ध्रुवाव | ध्रुवाम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अध्रुवत् | अध्रुवताम् | अध्रुवन् |
| अध्रुवः | अध्रुवतम् | अध्रुवत |
| अध्रुवम् | अध्रुवाव | अध्रुवाम |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| अ० अध्रुवीत् | अध्रुविष्टाम् | अध्रुविषुः |
| अध्रुवीः | अध्रुविष्टम् | अध्रुविष्ट |
| अध्रुविषम् | अध्रुविष्व | अध्रुविष्म |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| प० दुध्रुव | दुध्रुवतुः | दुध्रुवः |
| दुध्रुविथ | दुध्रुवथुः | दुध्रुव |
| दुध्रुव | दुध्रुविष्व | दुध्रुविष्म |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० ध्रुव्यात् | ध्रुव्यास्ताम् | ध्रुव्यासुः |
| ध्रुव्याः | ध्रुव्यास्तम् | ध्रुव्यास्त |
| ध्रुव्यासम् | ध्रुव्यास्व | ध्रुव्यास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ्र० ध्रुविता | ध्रुवितारौ | ध्रुवितारः |
| ध्रुवितासि | ध्रुवितास्थः | ध्रुवितास्थ |
| ध्रुवितास्मि | ध्रुवितास्वः | ध्रुवितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० ध्रुविष्यति | ध्रुविष्यतः | ध्रुविष्यन्ति |
| ध्रुविष्यसि | ध्रुविष्यथः | ध्रुविष्यथ |
| ध्रुविष्यामि | ध्रुविष्यावः | ध्रुविष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अध्रुविष्यत् | अध्रुविष्यताम् | अध्रुविष्यन् |
| अध्रुविष्यः | अध्रुविष्यतम् | अध्रुविष्यत |
| अध्रुविष्यम् | अध्रुविष्याव | अध्रुविष्याम |

475 जुवै (जूर्व) हिंसायाम् ।

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० जूर्वति | जूर्वतः | जूर्वन्ति |
| जूर्वसि | जूर्वथः | जूर्वथ |
| जूर्वामि | जूर्वावः | जूर्वामः |
| स० जूर्वेत् | जूर्वेताम् | जूर्वेयुः |
| जूर्वेः | जूर्वेतम् | जूर्वेत |
| जूर्वेयम् | जूर्वेव | जूर्वेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० जूर्वतु | जूर्वतात् | जूर्वताम् | जूर्वन्तु |
| जूर्व | " | जूर्वतम् | जूर्वत |
| जूर्वाणि | जूर्वाव | जूर्वाम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अजूर्वत् | अजूर्वताम् | अजूर्वन् |
| अजूर्वः | अजूर्वतम् | अजूर्वत |
| अजूर्वम् | अजूर्वाव | अजूर्वाम |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| अ० अजूर्वीत् | अजूर्विष्टाम् | अजूर्विषुः |
| अजूर्वीः | अजूर्विष्टम् | अजूर्विष्ट |
| अजूर्विषम् | अजूर्विष्व | अजूर्विष्म |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| प० जुजूर्व | जुजूर्वतुः | जुजूर्वः |
| जुजूर्विथ | जुजूर्वथुः | जुजूर्व |
| जुजूर्व | जुजूर्विष्व | जुजूर्विष्म |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० जूर्व्यात् | जूर्व्यास्ताम् | जूर्व्यासुः |
| जूर्व्याः | जूर्व्यास्तम् | जूर्व्यास्त |
| जूर्व्यासम् | जूर्व्यास्व | जूर्व्यास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ्र० जूर्विता | जूर्वितारौ | जूर्वितारः |
| जूर्वितासि | जूर्वितास्थः | जूर्वितास्थ |
| जूर्वितास्मि | जूर्वितास्वः | जूर्वितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० जूर्विष्यति | जूर्विष्यतः | जूर्विष्यन्ति |
| जूर्विष्यसि | जूर्विष्यथः | जूर्विष्यथ |
| जूर्विष्यामि | जूर्विष्यावः | जूर्विष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अजूर्विष्यत् | अजूर्विष्यताम् | अजूर्विष्यन् |
| अजूर्विष्यः | अजूर्विष्यतम् | अजूर्विष्यत |
| अजूर्विष्यम् | अजूर्विष्याव | अजूर्विष्याम |

476 अर्व (अर्व्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| व० | अर्वति | अर्वतः | अर्वन्ति |
| | अर्वसि | अर्वथः | अर्वथ |
| | अर्वामि | अर्वावः | अर्वामः |
| स० | अर्वेत् | अर्वताम् | अर्वेयुः |
| | अर्वेः | अर्वेतम् | अर्वेत |
| | अर्वेयम् | अर्वेव | अर्वेम |
| प० | अर्वतु | अर्वतात् | अर्वताम् |
| | अर्व | „ | अर्वतम् |
| | अर्वाणि | अर्वाव | अर्वाम |
| झ० | आर्वत् | आर्वताम् | आर्वन् |
| | आर्वेः | आर्वेतम् | आर्वेत |
| | आर्वम् | आर्वाव | आर्वाम |
| अ० | आर्वीत् | आर्विष्टाम् | आर्विषुः |
| | आर्वीः | आर्विष्टम् | आर्विष्ट |
| | आर्विषम् | आर्विष्व | आर्विषम |
| प० | आनर्व | आनर्वतुः | आनर्वुः |
| | आनर्विथ | आनर्वथुः | आनर्व |
| | आनर्व | आनर्विव | आनर्विम |
| आ० | अर्व्यात् | अर्व्यास्ताम् | अर्व्यासुः |
| | अर्व्याः | अर्व्यास्तम् | अर्व्यास्त |
| | अर्व्यासम् | अर्व्यास्व | अर्व्यास्म |
| भ० | अर्विता | अर्वितारौ | अर्वितारः |
| | अर्वितासि | अर्वितास्थः | अर्वितास्थ |
| | अर्वितास्मि | अर्वितास्वः | अर्वितास्मः |
| भ० | अर्विष्यति | अर्विष्यतः | अर्विष्यन्ति |
| | अर्विष्यसि | अर्विष्यथः | अर्विष्यथ |
| | अर्विष्यामि | अर्विष्यावः | अर्विष्यामः |
| क्रि० | आर्विष्यत् | आर्विष्यताम् | आर्विष्यन् |
| | आर्विष्यः | आर्विष्यतम् | आर्विष्यत |
| | आर्विष्यम् | आर्विष्याव | आर्विष्याम |

477 भर्व (भर्व्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|----|-------------|---------------|--------------|
| व० | भर्वति | भर्वतः | भर्वन्ति |
| | भर्वसि | भर्वथः | भर्वथ |
| | भर्वामि | भर्वावः | भर्वामः |
| स० | भर्वेत् | भर्वताम् | भर्वेयुः |
| | भर्वेः | भर्वेतम् | भर्वेत |
| | भर्वेयम् | भर्वेव | भर्वेम |
| प० | भर्वतु | भर्वतात् | भर्वताम् |
| | भर्व | „ | भर्वतम् |
| | भर्वाणि | भर्वाव | भर्वाम |
| झ० | अभर्वत् | अभर्वताम् | अभर्वन् |
| | अभर्वेः | अभर्वेतम् | अभर्वेत |
| | अभर्वम् | अभर्वाव | अभर्वाम |
| अ० | अभर्वीत् | अभर्विष्टाम् | अभर्विषुः |
| | अभर्वीः | अभर्विष्टम् | अभर्विष्ट |
| | अभर्विषम् | अभर्विष्व | अभर्विषम |
| प० | वभर्व | वभर्वतुः | वभर्वुः |
| | वभर्विथ | वभर्वथुः | वभर्व |
| | वभर्व | वभर्विव | वभर्विम |
| आ० | भवर्वात् | भवर्वास्ताम् | भवर्वासुः |
| | भवर्वाः | भवर्वास्तम् | भवर्वास्त |
| | भवर्वासम् | भवर्वास्व | भवर्वास्म |
| भ० | भर्विता | भर्वितारौ | भर्वितारः |
| | भर्वितासि | भर्वितास्थः | भर्वितास्थ |
| | भर्वितास्मि | भर्वितास्वः | भर्वितास्मः |
| भ० | भर्विष्यति | भर्विष्यतः | भर्विष्यन्ति |
| | भर्विष्यसि | भर्विष्यथः | भर्विष्यथ |
| | भर्विष्यामि | भर्विष्यावः | भर्विष्यामः |
| | अभर्विष्यत | अभर्विष्यताम् | अभर्विष्यन् |
| | अभर्विष्यः | अभर्विष्यतम् | अभर्विष्यत |
| | अभर्विष्यम् | अभर्विष्याव | अभर्विष्याम |

478 शर्व (शर्व) हिंसायाम् ।

व० शर्वति शर्वतः शर्वन्ति
शर्वसि शर्वथः शर्वथ
शर्वामि शर्वावः शर्वामः

स० शर्वेत् शर्वताम् शर्वेयुः
शर्वेः शर्वेतम् शर्वेत
शर्वेयम् शर्वेव शर्वेम

प० शर्वतु शर्वतात् शर्वताम् शर्वन्तु
शर्वा शर्वतम् शर्वत
शर्वाणि शर्वाव शर्वाम

ह्य० अशर्वत् अशर्वताम् अशर्वन्
अशर्वः अशर्वतम् अशर्वत
अशर्वम् अशर्वाव अशर्वाम

अ० अशर्वीत् अशर्विष्टाम् अशर्विषुः
अशर्वीः अशर्विष्टम् अशर्विष्ट
अशर्विषम् अशर्विष्व अशर्विष्म

प० शशर्व शशर्वतुः शशर्वुः
शशर्विथ शशर्वथुः शशर्व
शशर्व शशर्विष्व शशर्विष्म

आ० शर्व्यात् शर्व्यास्ताम् शर्व्यासुः
शर्व्याः शर्व्यास्तम् शर्व्यास्त
शर्व्यासम् शर्व्यास्व शर्व्यास्म

श्व० शर्विता शर्वितारौ शर्वितारः
शर्वितासि शर्वितास्थः शर्वितास्थ
शर्वितास्मि शर्वितास्वः शर्वितास्मः

भ० शर्विष्यति शर्विष्यतः शर्विष्यन्ति
शर्विष्यसि शर्विष्यथः शर्विष्यथ
शर्विष्यामि शर्विष्यावः शर्विष्यामः

क्रि० अशर्विष्यत् अशर्विष्यताम् अशर्विष्यन्
अशर्विष्यः अशर्विष्यतम् अशर्विष्यत
अशर्विष्यम् अशर्विष्याव अशर्विष्याम

479 मूर्व (मूर्व) बन्धने ।

व० मूर्वति मूर्वतः मूर्वन्ति
मूर्वसि मूर्वथः मूर्वथ
मूर्वामि मूर्वावः मूर्वामः

स० मूर्वेत् मूर्वेताम् मूर्वेयुः
मूर्वेः मूर्वेतम् मूर्वेत
मूर्वेयम् मूर्वेव मूर्वेम

प० मूर्वतु मूर्वतात् मूर्वताम् मूर्वन्तु
मूर्व " मूर्वतम् मूर्वत
मूर्वाणि मूर्वाव मूर्वाम

ह्य० अमूर्वत् अमूर्वताम् अमूर्वन्
अमूर्वः अमूर्वतम् अमूर्वत
अमूर्वम् अमूर्वाव अमूर्वाम

अ० अमूर्वीत् अमूर्विष्टाम् अमूर्विषुः
अमूर्वीः अमूर्विष्टम् अमूर्विष्ट
अमूर्विषम् अमूर्विष्व अमूर्विष्म

प० मुमूर्व मुमूर्वतुः मुमूर्वुः
मुमूर्विथ मुमूर्वथुः मुमूर्व
मुमूर्व मुमूर्विष्व मुमूर्विष्म

आ० मूर्व्यात् मूर्व्यास्ताम् मूर्व्यासुः
मूर्व्याः मूर्व्यास्तम् मूर्व्यास्त
मूर्व्यासम् मूर्व्यास्व मूर्व्यास्म

श्व० मूर्विता मूर्वितारौ मूर्वितारः
मूर्वितासि मूर्वितास्थः मूर्वितास्थ
मूर्वितास्मि मूर्वितास्वः मूर्वितास्मः

भ० मूर्विष्यति मूर्विष्यतः मूर्विष्यन्ति
मूर्विष्यसि मूर्विष्यथः मूर्विष्यथ
मूर्विष्यामि मूर्विष्यावः मूर्विष्यामः

क्रि० अमूर्विष्यत् अमूर्विष्यताम् अमूर्विष्यन्
अमूर्विष्यः अमूर्विष्यतम् अमूर्विष्यत
अमूर्विष्यम् अमूर्विष्याव अमूर्विष्याम

480 मव (मव्) बन्धने ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| व० | मवति | मवतः | मवन्ति |
| | मवसि | मवथः | मवथ |
| | मवामि | मवावः | मवामः |
| स० | मवेत् | मवेताम् | मवेयुः |
| | मवेः | मवेतम् | मवेत |
| | मवेयम् | मवेव | मवेम |
| प० | मवतु | मवता | मवताम् मवन्तु |
| | मव | ,, | मवतम् मवत |
| | मवानि | मवाव | मवाम |
| प्र० | अमवत् | अमवताम् | अमवन् |
| | अमवः | अमवतम् | अमवत |
| | अमवम् | अमवाव | अमवाम |
| अ० | अमावीत् | अमाविष्टाम् | अमाविषुः |
| | अमावीः | अमाविष्टम् | अमाविष्ट |
| | अमाविषम् | अमाविष्व | अमाविष्म |
| | अमवीत् | अमविष्टाम् | अमविषुः |
| | अमवीः | अमविष्टम् | अमविष्ट |
| | अमविषम् | अमविष्व | अमविष्म |
| प० | ममाव | मेवतुः | मेवुः |
| | मेविथ | मेवथुः | मेव |
| | ममाव | ममव | मेविथ मेविम |
| आ० | मव्यात् | मव्यास्ताम् | मव्यासुः |
| | मव्याः | मव्यास्तम् | मव्यास्व |
| | मव्यासम् | मव्यास्व | मव्यास्म |
| श्व० | मविता | मवितारौ | मवितारः |
| | मवितासि | मवितास्थः | मवितास्थ |
| | मवितास्मि | मवितास्वः | मवितास्मः |
| भ० | मविष्यति | मविष्यतः | मविष्यन्ति |
| | मविष्यसि | मविष्यथः | मविष्यथ |
| | मविष्यामि | मविष्यावः | मविष्यामः |
| क्रि० | अमविष्यत् | अमविष्यताम् | अमविष्यन् |
| | अमविष्यः | अमविष्यतम् | अमविष्यत |
| | अमविष्यम् | अमविष्याव | अमविष्याम |

481 गूर्वे [गूर्व] उच्यते ।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------------|
| व० | गूर्वति | गूर्वतः | गूर्वन्ति |
| | गूर्वसि | गूर्वथः | गूर्वथ |
| | गूर्वामि | गूर्वावः | गूर्वामः |
| स० | गूर्वेत् | गूर्वेताम् | गूर्वेयुः |
| | गूर्वेः | गूर्वेतम् | गूर्वेत |
| | गूर्वेयम् | गूर्वेव | गूर्वेम |
| प० | गूर्वतु | गूर्वता | गूर्वताम् गूर्वन्तु |
| | गूर्व | ,, | गूर्वतम् गूर्वत |
| | गूर्वाणि | गूर्वाव | गूर्वाम |
| छ० | अगूर्वत् | अगूर्वताम् | अगूर्वन् |
| | अगूर्वः | अगूर्वतम् | अगूर्वत |
| | अगूर्वम् | अगूर्वाव | अगूर्वाम |
| अ० | अगूर्वीत् | अगूर्विष्टाम् | अगूर्विषुः |
| | अगूर्वीः | अगूर्विष्टम् | अगूर्विष्ट |
| | अगूर्विषम् | अगूर्विष्व | अगूर्विष्म |
| प० | जुगूर्व | जुगूर्वतुः | जुगूर्वुः |
| | जुगूर्विथ | जुगूर्वथुः | जुगूर्व |
| | जुगूर्व | जुगूर्विथ | जुगूर्विम |
| आ० | गूर्व्यात् | गूर्व्यास्ताम् | गूर्व्यासुः |
| | गूर्व्याः | गूर्व्यास्तम् | गूर्व्यास्व |
| | गूर्व्यासम् | गूर्व्यास्व | गूर्व्यास्म |
| श्व० | गूर्विता | गूर्वितारौ | गूर्वितारः |
| | गूर्वितासि | गूर्वितास्थः | गूर्वितास्थ |
| | गूर्वितास्मि | गूर्वितास्वः | गूर्वितास्मः |
| भ० | गूर्विष्यति | गूर्विष्यतः | गूर्विष्यन्ति |
| | गूर्विष्यसि | गूर्विष्यथः | गूर्विष्यथ |
| | गूर्विष्यामि | गूर्विष्यावः | गूर्विष्यामः |
| क्रि० | अगूर्विष्यत् | अगूर्विष्यताम् | अगूर्विष्यन् |
| | अगूर्विष्यः | अगूर्विष्यतम् | अगूर्विष्यत |
| | अगूर्विष्यम् | अगूर्विष्याव | अगूर्विष्याम |

482 पिबु (पिन्व्) सेचने ।

व० पिन्वति पिन्वतः पिन्वन्ति
पिन्वसि पिन्वथः पिन्वथ
पिन्वामि पिन्वावः पिन्वामः

स० पिन्वोत् पिन्वोताम् पिन्वोयुः
पिन्वोः पिन्वोतम् पिन्वेत
पिन्वोयम् पिन्वोव पिन्वेम

प० पिन्वतु पिन्वतात् पिन्वताम् पिन्वन्तु
पिन्व „ पिन्वतम् पिन्वत
पिन्वानि पिन्वाव पिन्वाम

झ० अपिन्वत् अपिन्वताम् अपिन्वन्
अपिन्वः अपिन्वतम् अपिन्वत
अपिन्वम् अपिन्वाव अपिन्वाम

अ० अपिन्वीत् अपिन्विष्टम् अपिन्विषुः
अपिन्वीः अपिन्विष्टम् अपिन्विष्ट
अपिन्विषम् अपिन्विष्व अपिन्विषम्

प० पिपिन्व पिपिन्वतुः पिपिन्वुः
पिपिन्विथ पिपिन्वथुः पिपिन्व
पिपिन्व पिपिन्विथ पिपिन्विम

आ० पिन्व्यात् पिन्व्यास्ताम् पिन्व्यासुः
पिन्व्याः पिन्व्यास्तम् पिन्व्यास्त
पिन्व्यासम् पिन्व्यास्व पिन्व्यास्म

श्व० पिन्विता पिन्वितारौ पिन्वितारः
पिन्वितासि पिन्वितास्थः पिन्वितास्थ
पिन्वितास्मि पिन्वितास्वः पिन्वितास्मः

भ० पिन्विष्यति पिन्विष्यतः पिन्विष्यन्ति
पिन्विष्यसि पिन्विष्यथः पिन्विष्यथ
पिन्विष्यामि पिन्विष्यावः पिन्विष्यामः

क्रि० अपिन्विष्यत् अपिन्विष्यताम् अपिन्विष्यन्
अपिन्विष्यः अपिन्विष्यतम् अपिन्विष्यत
अपिन्विष्यम् अपिन्विष्याव अपिन्विष्याम

483 मिबु (मिन्व्) सेचने ।

व० मिन्वति मिन्वतः मिन्वन्ति
मिन्वसि मिन्वथः मिन्वथ
मिन्वामि मिन्वावः मिन्वामः

स० मिन्वेत् मिन्वेताम् मिन्वेयुः
मिन्वेः मिन्वेतम् मिन्वेत
मिन्वेयम् मिन्वेव मिन्वेम

प० मिन्वतु मिन्वतात् मिन्वताम् मिन्वन्तु
मिन्व „ मिन्वतम् मिन्वत
मिन्वानि मिन्वाव मिन्वाम

झ० अमिन्वत् अमिन्वताम् अमिन्वन्
अमिन्वः अमिन्वतम् अमिन्वत
अमिन्वम् अमिन्वाव अमिन्वाम

अ० अमिन्वीत् अमिन्विष्टम् अमिन्विषुः
अमिन्वीः अमिन्विष्टम् अमिन्विष्ट
अमिन्विषम् अमिन्विष्व अमिन्विषम्

प० मिमिन्व मिमिन्वतुः मिमिन्वुः
मिमिन्विथ मिमिन्वथुः मिमिन्व
मिमिन्व मिमिन्विथ मिमिन्विम

आ० मिन्व्यात् मिन्व्यास्ताम् मिन्व्यासुः
मिन्व्याः मिन्व्यास्तम् मिन्व्यास्त
मिन्व्यासम् मिन्व्यास्व मिन्व्यास्म

श्व० मिन्विता मिन्वितारौ मिन्वितारः
मिन्वितासि मिन्वितास्थः मिन्वितास्थ
मिन्वितास्मि मिन्वितास्वः मिन्वितास्मः

भ० मिन्विष्यति मिन्विष्यतः मिन्विष्यन्ति
मिन्विष्यसि मिन्विष्यथः मिन्विष्यथ
मिन्विष्यामि मिन्विष्यावः मिन्विष्यामः

क्रि० अमिन्विष्यत् अमिन्विष्यताम् अमिन्विष्यन्
अमिन्विष्यः अमिन्विष्यतम् अमिन्विष्यत
अमिन्विष्यम् अमिन्विष्याव अमिन्विष्याम

484 निवु (निन्व्) सेचने ।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| घ० | निन्वति | निन्वतः | निन्वन्ति |
| | निन्वसि | निन्वथः | निन्वथ |
| | निन्वामि | निन्वावः | निन्वामः |
| स० | निन्वेत् | निन्वेताम् | निन्वेयुः |
| | निन्वेः | निन्वेतम् | निन्वेत |
| | निन्वेयम् | निन्वेव | निन्वेम |
| प० | निन्वतु | निन्वतात् | निन्वताम् |
| | निन्व | ” | निन्वतम् |
| | निन्वानि | निन्वाव | निन्वाम |
| झ० | अनिन्वत् | अनिन्वताम् | अनिन्वन् |
| | अनिन्वः | अनिन्वतम् | अनिन्वत |
| | अनिन्वम् | अनिन्वाव | अनिन्वाम |
| अ० | अनिन्वीत् | अनिन्विष्टाम् | अनिन्विषुः |
| | अनिन्वीः | अनिन्विष्टम् | अनिन्विष्ट |
| | अनिन्विषम् | अनिन्विष्व | अनिन्विषम् |
| प० | निनिन्व | निनिन्वतुः | निनिन्वुः |
| | निनिन्वथ | निनिन्वथुः | निनिन्व |
| | निनिन्व | निनिन्वथ | निनिन्वम |
| आ० | निन्व्यात् | निन्व्यास्ताम् | निन्व्यासुः |
| | निन्व्याः | निन्व्यास्तम् | निन्व्यास्त |
| | निन्व्यासम् | निन्व्यास्व | निन्व्यास्म |
| श्व० | निन्विता | निन्वितारौ | निन्वितारः |
| | निन्वितासि | निन्वितास्थः | निन्वितास्थ |
| | निन्वितास्मि | निन्वितास्वः | निन्वितास्मः |
| भ० | निन्विष्यति | निन्विष्यतः | निन्विष्यन्ति |
| | निन्विष्यसि | निन्विष्यथः | निन्विष्यथ |
| | निन्विष्यामि | निन्विष्यावः | निन्विष्यामः |
| क्रि० | अनिन्विष्यत् | अनिन्विष्यताम् | अनिन्विष्यन् |
| | अनिन्विष्यः | अनिन्विष्यतम् | अनिन्विष्यत |
| | अनिन्विष्यम् | अनिन्विष्याव | अनिन्विष्याम |

485 हिवु (हिन्व्) प्रीणने ।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| घ० | हिन्वति | हिन्वतः | हिन्वन्ति |
| | हिन्वसि | हिन्वथः | हिन्वथ |
| | हिन्वामि | हिन्वावः | हिन्वामः |
| स० | हिन्वेत् | हिन्वेताम् | हिन्वेयुः |
| | हिन्वेः | हिन्वेतम् | हिन्वेत |
| | हिन्वेयम् | हिन्वेव | हिन्वेम |
| प० | हिन्वतु | हिन्वतात् | हिन्वताम् |
| | हिन्व | ” | हिन्वतम् |
| | हिन्वानि | हिन्वाव | हिन्वाम |
| झ० | अहिन्वत् | अहिन्वताम् | अहिन्वन् |
| | अहिन्वः | अहिन्वतम् | अहिन्वत |
| | अहिन्वम् | अहिन्वाव | अहिन्वाम |
| अ० | अहिन्वीत् | अहिन्विष्टाम् | अहिन्विषुः |
| | अहिन्वीः | अहिन्विष्टम् | अहिन्विष्ट |
| | अहिन्विषम् | अहिन्विष्व | अहिन्विषम् |
| प० | जिहिन्व | जिहिन्वतुः | जिहिन्वुः |
| | जिहिन्वथ | जिहिन्वथुः | जिहिन्व |
| | जिहिन्व | जिहिन्वथ | जिहिन्वम |
| आ० | हिन्व्यात् | हिन्व्यास्ताम् | हिन्व्यासुः |
| | हिन्व्याः | हिन्व्यास्तम् | हिन्व्यास्त |
| | हिन्व्यासम् | हिन्व्यास्व | हिन्व्यास्म |
| श्व० | हिन्विता | हिन्वितारौ | हिन्वितारः |
| | हिन्वितासि | हिन्वितास्थः | हिन्वितास्थ |
| | हिन्वितास्मि | हिन्वितास्वः | हिन्वितास्मः |
| भ० | हिन्विष्यति | हिन्विष्यतः | हिन्विष्यन्ति |
| | हिन्विष्यसि | हिन्विष्यथः | हिन्विष्यथ |
| | हिन्विष्यामि | हिन्विष्यावः | हिन्विष्यामः |
| क्रि० | अहिन्विष्यत् | अहिन्विष्यताम् | अहिन्विष्यन् |
| | अहिन्विष्यः | अहिन्विष्यतम् | अहिन्विष्यत |
| | अहिन्विष्यम् | अहिन्विष्याव | अहिन्विष्याम |

486 दिव् (दिन्व्) प्रीणने

व० दिन्वति दिन्वतः दिन्वन्ति
दिन्वसि दिन्वथः दिन्वथ
दिन्वामि दिन्वावः दिन्वामः

स० दिन्वोत् दिन्वोताम् दिन्वोयुः
दिन्वोः दिन्वोतम् दिन्वेत
दिन्वोयम् दिन्वोव दिन्वेम

प० दिन्वतु दिन्वतात् दिन्वताम् दिन्वन्तु
दिन्व " दिन्वतम् दिन्वत
दिन्वानि दिन्वाव दिन्वाम

झ० अदिन्वत् अदिन्वताम् अदिन्वन्
अदिन्वः अदिन्वतम् अदिन्वत
अदिन्वम् अदिन्वाव अदिन्वाम

अ० अदिन्वीत् अदिन्विष्टाम् अदिन्विषुः
अदिन्वीः अदिन्विष्टम् अदिन्विष्ट
अदिन्विषम् अदिन्विषव अदिन्विषम्

प० दिदिन्व दिदिन्वतुः दिदिन्वुः
दिदिन्वथ दिदिन्वथुः दिदिन्व
दिदिन्व दिदिन्वव दिदिन्वम

आ० दिन्व्यात् दिन्व्यास्ताम् दिन्व्यासुः
दिन्व्याः दिन्व्यास्तम् दिन्व्यास्त
दिन्व्यासम् दिन्व्यासव दिन्व्यासम्

अ० दिन्विता दिन्वितारौ दिन्वितारः
दिन्वितासि दिन्वितास्थः दिन्वितास्थ
दिन्वितास्मि दिन्वितास्यः दिन्वितास्मः

भ० दिन्विष्यति दिन्विष्यतः दिन्विष्यन्ति
दिन्विष्यसि दिन्विष्यथः दिन्विष्यथ
दिन्विष्यामि दिन्विष्यावः दिन्विष्यामः

क्रि० अदिन्विष्यत् अदिन्विष्यताम् अदिन्विष्यन्
अदिन्विष्यः अदिन्विष्यतम् अदिन्विष्यत
अदिन्विष्यम् अदिन्विष्याव अदिन्विष्याम

487 जिव् (जिन्व्) प्रीणने ।

व० जिन्वति जिन्वतः जिन्वन्ति
जिन्वसि जिन्वथः जिन्वथ
जिन्वामि जिन्वावः जिन्वामः

स० जिन्वेत् जिन्वेताम् जिन्वेयुः
जिन्वेः जिन्वेतम् जिन्वेत
जिन्वेयम् जिन्वेव जिन्वेम

प० जिन्वतु जिन्वतात् जिन्वताम् जिन्वन्तु
जिन्व " जिन्वतम् जिन्वत
जिन्वानि जिन्वाव जिन्वाम

झ० अजिन्वत् अजिन्वताम् अजिन्वन्
अजिन्वः अजिन्वतम् अजिन्वत
अजिन्वम् अजिन्वाव अजिन्वाम

अ० अजिन्वीत् अजिन्विष्टाम् अजिन्विषुः
अजिन्वीः अजिन्विष्टम् अजिन्विष्ट
अजिन्विषम् अजिन्विषव अजिन्विषम्

प० जिजिन्व जिजिन्वतुः जिजिन्वुः
जिजिन्वथ जिजिन्वथुः जिजिन्व
जिजिन्व जिजिन्वव जिजिन्वम

आ० जिन्व्यात् जिन्व्यास्ताम् जिन्व्यासुः
जिन्व्याः जिन्व्यास्तम् जिन्व्यास्त
जिन्व्यासम् जिन्व्यासव जिन्व्यासम्

अ० जिन्विता जिन्वितारौ जिन्वितारः
जिन्वितासि जिन्वितास्थः जिन्वितास्थ
जिन्वितास्मि जिन्वितास्यः जिन्वितास्मः

भ० जिन्विष्यति जिन्विष्यतः जिन्विष्यन्ति
जिन्विष्यसि जिन्विष्यथः जिन्विष्यथ
जिन्विष्यामि जिन्विष्यावः जिन्विष्यामः

क्रि० अजिन्विष्यत् अजिन्विष्यताम् अजिन्विष्यन्
अजिन्विष्यः अजिन्विष्यतम् अजिन्विष्यत
अजिन्विष्यम् अजिन्विष्याव अजिन्विष्याम

488 इव (इव्) व्यासौ च ।

चकारात्पीणने ।

| | | |
|----------|---------|--------|
| व० इवति | इवतः | इवन्ति |
| इवसि | इवथः | इवथ |
| इवामि | इवावः | इवामः |
| स० इवेत् | इवेताम् | इवेयुः |
| इवेः | इवेतम् | इवेत |
| इवेयम् | इवेव | इवेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० इवतु | इवतात् | इवताम् | इवन्तु |
| इव | „ | इवतम् | इवत |
| इवानि | इवाव | इवाम | |

| | | |
|----------|-----------|--------|
| इ० ऐवत् | ऐवताम् | ऐवन् |
| ऐवः | ऐवतम् | ऐवत |
| ऐवम् | ऐवाव | ऐवाम |
| अ० ऐवीत् | ऐविष्टाम् | ऐविषुः |
| ऐवीः | ऐविष्टम् | ऐविष्ट |
| ऐविषम् | ऐविष्व | ऐविष्व |

| | | |
|----------------|------------|-------------|
| प० इवाञ्चकार | इवाञ्चकतुः | इवाञ्चक्रुः |
| इवाञ्चकथे | इवाञ्चकथुः | इवाञ्चक्र |
| इवाञ्चकार, चकर | इवाञ्चकृव | इवाञ्चकृम |
| इवाञ्चभूम् | इवामास | |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० इव्यात् | इव्यास्ताम् | इव्यासुः |
| इव्याः | इव्यास्तम् | इव्यास्त |
| इव्यासम् | इव्यास्व | इव्यास्म |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| अव० इन्विता | इन्वितारौ | इन्वितारः |
| इन्वितासि | इन्वितास्थः | इन्वितास्थ |
| इन्वितास्मि | इन्वितास्वः | इन्वितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| अ० इन्विष्यति | इन्विष्यतः | इन्विष्यन्ति |
| इन्विष्यसि | इन्विष्यथः | इन्विष्यथ |
| इन्विष्यामि | इन्विष्यावः | इन्विष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० ऐन्विष्यत् | ऐन्विष्यताम् | ऐन्विष्यन् |
| ऐन्विष्यः | ऐन्विष्यतम् | ऐन्विष्यत |
| ऐन्विष्यम् | ऐन्विष्याव | ऐन्विष्याम |

489 अव (अव्) रक्षणगति-

कान्तिप्रीतितृपत्यभगमन प्रवेशश्रवणस्वाभ्यर्थयाचनक्रियेच्छादीप्यवाप्त्यालिङ्गन हिंसादहनभाववृद्धिषु एकोनविंशतावर्थेषु,

| | | |
|----------|---------|--------|
| व० अवति | अवतः | अवन्ति |
| अवसि | अवथः | अवथ |
| अवामि | अवावः | अवामः |
| स० अवेत् | अवेताम् | अवेयुः |
| अवेः | अवेतम् | अवेत |
| अवेयम् | अवेव | अवेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० अवतु | अवतात् | अवताम् | अवन्तु |
| अव | „ | अवतम् | अवत |
| अवानि | अवाव | अवाम | |

| | | |
|---------|--------|------|
| इ० आवत् | आवताम् | आवन् |
| आवः | आवतम् | आवत |
| आवम् | आवाव | आवाम |

| | | |
|----------|-----------|--------|
| अ० आवीत् | आविष्टाम् | आविषुः |
| आवीः | आविष्टम् | आविष्ट |
| आविषम् | आविष्व | आविष्व |

| | | |
|-------|--------|--------|
| प० आव | आवतुः | आवुः |
| आविथ | आवथुः | आव |
| आव | आविष्व | आविष्व |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० अव्यात् | अव्यास्ताम् | अव्यासुः |
| अव्याः | अव्यास्तम् | अव्यास्त |
| अव्यासम् | अव्यास्व | अव्यास्म |

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| अव० अविता | अवितारौ | अवितारः |
| अवितासि | अवितास्थः | अवितास्थ |
| अवितास्मि | अवितास्वः | अवितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| अ० अविष्यति | अविष्यतः | अविष्यन्ति |
| अविष्यसि | अविष्यथः | अविष्यथ |
| अविष्यामि | अविष्यावः | अविष्यामः |

| | | |
|----------------|------------|----------|
| क्रि० आविष्यत् | आविष्यताम् | आविष्यन् |
| आविष्यः | आविष्यतम् | आविष्यत |
| आविष्यम् | आविष्याव | आविष्याम |

॥ अथ शान्ताः सप्त आद्याः पञ्च सेटश्च ॥

490 कश (कश) शब्दे ।

सौत्रोऽयमित्यन्ये ।

| | | |
|-------------|-------------|---------------|
| क० कशति | कशतः | कशन्ति |
| कशसि | कशथः | कशथ |
| कशामि | कशावः | कशामः |
| स० कशेत् | कशेताम् | कशेयुः |
| कशेः | कशेतम् | कशेत |
| कशेयम् | कशेव | कशेम |
| प० कशतु | कशतात् | कशताम् कशन्तु |
| कश | „ | कशतम् कशत |
| कशानि | कशाव | कशाम |
| झ० अकशत् | अकशताम् | अकशन् |
| अकशः | अकशतम् | अकशत |
| अकशम् | अकशाव | अकशाम |
| अ० अकाशीत् | अकाशिष्टाम् | अकाशिषुः |
| अकाशीः | अकाशिष्टम् | अकाशिष्ट |
| अकाशिषम् | अकाशिष्व | अकाशिष्म |
| अकशीत् | अकशिष्टाम् | अकशिषुः |
| अकशीः | अकशिष्टम् | अकशिष्ट |
| अकशिषम् | अकशिष्व | अकशिष्म |
| प० चकाश | चकशतुः | चकशुः |
| चकशित्थ | चकशथुः | चकश |
| चकाश | चकश | चकशिव चकशिम |
| आ० कश्चात् | कश्चास्ताम् | कश्चासुः |
| कश्चाः | कश्चास्तम् | कश्चास्त |
| कश्चासम् | कश्चास्व | कश्चास्म |
| श्व० कशिता | कशितारौ | कशितारः |
| कशितासि | कशितास्थः | कशितास्थ |
| कशितास्मि | कशितास्वः | कशितास्मः |
| भ० कशिष्यति | कशिष्यतः | कशिष्यन्ति |
| कशिष्यसि | कशिष्यथः | कशिष्यथ |
| कशिष्यामि | कशिष्यावः | कशिष्यामः |
| अकशिष्यत् | अकशिष्यताम् | अकशिष्यन् |
| अकशिष्यः | अकशिष्यतम् | अकशिष्यत |
| अकशिष्यम् | अकशिष्याव | अकशिष्याम |

491 मिश (मिश्) रोषे च ।

चकाराच्छब्दे । शब्दने रोषक्रियायां चेत्यर्थः,

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० मेशति | मेशतः | मेशन्ति |
| मेशसि | मेशथः | मेशथ |
| मेशामि | मेशावः | मेशामः |
| स० मेशेत् | मेशेताम् | मेशेयुः |
| मेशेः | मेशेतम् | मेशेत |
| मेशेयम् | मेशेव | मेशेम |
| प० मेशतु | मेशतात् | मेशताम् मेशन्तु |
| मेश | „ | मेशतम् मेशत |
| मेशानि | मेशाव | मेशाम |
| झ० अमेशत् | अमेशताम् | अमेशन् |
| अमेशः | अमेशतम् | अमेशत |
| अमेशम् | अमेशाव | अमेशाम |
| अ० अमेशीत् | अमेशिष्टाम् | अमेशिषुः |
| अमेशीः | अमेशिष्टम् | अमेशिष्ट |
| अमेशिषम् | अमेशिष्व | अमेशिष्म |
| प० मिमेश | मिमिशतुः | मिमिशुः |
| मिमेशित्थ | मिमिशथुः | मिमिश |
| मिमेश | मिमिशिव | मिमिशिम |
| आ० मिश्यात् | मिश्यास्ताम् | मिश्यासुः |
| मिश्याः | मिश्यास्तम् | मिश्यास्त |
| मिश्यासम् | मिश्यास्व | मिश्यास्म |
| श्व० मेशिता | मेशितारौ | मेशितारः |
| मेशितासि | मेशितास्थः | मेशितास्थ |
| मेशितास्मि | मेशितास्वः | मेशितास्मः |
| भ० मेशिष्यति | मेशिष्यतः | मेशिष्यन्ति |
| मेशिष्यसि | मेशिष्यथः | मेशिष्यथ |
| मेशिष्यामि | मेशिष्यावः | मेशिष्यामः |
| क्रि० अमेशिष्यत् | अमेशिष्यताम् | अमेशिष्यन् |
| अमेशिष्यः | अमेशिष्यतम् | अमेशिष्यत |
| अमेशिष्यम् | अमेशिष्याव | अमेशिष्याम |

492 मश (मश्) शब्दने ।

रोषक्रियायाश्च ।

| | | |
|-------------|-------------|------------|
| व० मशति | मशतः | मशन्ति |
| मशसि | मशथः | मशथ |
| मशामि | मशावः | मशामः |
| स० मशेत् | मशेताम् | मशेयुः |
| मशेः | मशेतम् | मशेत |
| मशेयम् | मशेव | मशेम |
| प० मशतु | मशतात् | मशताम् |
| मश | „ | मशतम् |
| मशानि | मशाव | मशाम |
| झ० अमशत् | अमशताम् | अमशन् |
| अमशः | अमशतम् | अमशत |
| अमशम् | अमशाव | अमशाम |
| अ० अमशीत् | अमशिष्टाम् | अमशिष्टुः |
| अमशीः | अमशिष्टम् | अमशिष्ट |
| अमशिषम् | अमशिष्व | अमशिष्व |
| अमाशीत् | अमाशिष्टाम् | अमाशिष्टुः |
| अमाशीः | अमाशिष्टम् | अमाशिष्ट |
| अमाशिषम् | अमाशिष्व | अमाशिष्व |
| प० ममाश | मेशतुः | मेशुः |
| मेशिथ | मेशथुः | मेश |
| ममाश | ममश | मेशिष |
| आ० मश्वात् | मश्वास्ताम् | मश्वासुः |
| मश्वाः | मश्वास्तम् | मश्वास्त |
| मश्वासम् | मश्वास्व | मश्वास्म |
| श्व० मशिता | मशितारौ | मशितारः |
| मशितासि | मशितास्थः | मशितास्थ |
| मशितास्मि | मशितास्वः | मशितास्मः |
| भ० मशिष्यति | मशिष्यतः | मशिष्यन्ति |
| मशिष्यसि | मशिष्यथः | मशिष्यथ |
| मशिष्यामि | मशिष्यावः | मशिष्यामः |
| अमशिष्यत् | अमशिष्यताम् | अमशिष्यन् |
| अमशिष्यः | अमशिष्यतम् | अमशिष्यत |
| अमशिष्यम् | अमशिष्याव | अमशिष्याम |

493 शश (शश्) प्लुतिगतौ,

प्लुतिभिर्गमने उत्प्लुत्यगमने इत्यर्थः ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० शशति | शशतः | शशन्ति |
| शशसि | शशथः | शशथ |
| शशामि | शशावः | शशामः |
| स० शशेत् | शशेताम् | शशेयुः |
| शशेः | शशेतम् | शशेत |
| शशेयम् | शशेव | शशेम |
| प० शशतु | शशतात् | शशताम् |
| शश | „ | शशतम् |
| शशानि | शशाव | शशाम |
| झ० अशशत् | अशशताम् | अशशन् |
| अशशः | अशशतम् | अशशत |
| अशशम् | अशशाव | अशशाम |
| अ० अशाशीत् | अशाशिष्टाम् | अशाशिष्टुः |
| अशाशीः | अशाशिष्टम् | अशाशिष्ट |
| अशाशिषम् | अशाशिष्व | अशाशिष्व |
| अशशीत् | अशशिष्टाम् | अशशिष्टुः |
| अशशीः | अशशिष्टम् | अशशिष्ट |
| अशशिषम् | अशशिष्व | अशशिष्व |
| प० शशाश | शेशतुः | शेशुः |
| शेशिथ | शेशथुः | शेश |
| शशाश | शशश | शेशिष |
| आ० शश्यात् | शश्यास्ताम् | शश्यासुः |
| शश्याः | शश्यास्तम् | शश्यास्त |
| शश्यासम् | शश्यास्व | शश्यास्म |
| श्व० शशिता | शशितारौ | शशितारः |
| शशितासि | शशितास्थः | शशितास्थ |
| शशितास्मि | शशितास्वः | शशितास्मः |
| भ० शशिष्यति | शशिष्यतः | शशिष्यन्ति |
| शशिष्यसि | शशिष्यथः | शशिष्यथ |
| शशिष्यामि | शशिष्यावः | शशिष्यामः |
| क्रि० अशशिष्यत् | अशशिष्यताम् | अशशिष्यन् |
| अशशिष्यः | अशशिष्यतम् | अशशिष्यत |
| अशशिष्यम् | अशशिष्याव | अशशिष्याम |

494 णिशा (निश्) समाधौ,

चित्तवृत्तिनिरोध इत्यर्थः ।

ब० नेशति नेशतः नेशन्ति
 नेशसि नेशथः नेशथ
 नेशामि नेशावः नेशामः

स० नेशेत् नेशेताम् नेशेयुः
 नेशेः नेशेतम् नेशेत
 नेशेयम् नेशेव नेशेम

प० नेशतु नेशतात् नेशताम् नेशन्तु
 नेश , नेशतम् नेशत
 नेशानि नेशाव नेशाम

झ० अनेशत् अनेशताम् अनेशन्
 अनेशः अनेशतम् अनेशत
 अनेशम् अनेशाव अनेशाम

अ० अनेशीत् अनेशिष्टाम् अनेशिषुः
 अनेशीः अनेशिष्टम् अनेशिष्ट
 अनेशिषम् अनेशिष्व अनेशिषम्

प० निनेश निनेशतुः निनेषुः
 निनेशित् निनेशितुः निनेश
 निनेश निनेशित्व निनेशितम्

आ० निश्यात् निश्यास्ताम् निश्यासुः
 निश्याः निश्यास्तम् निश्यास्त
 निश्यासम् निश्यास्व निश्यासम्

श्व० नेशिता नेशितारौ नेशितारः
 नेशितासि नेशितास्थः नेशितास्थ
 नेशितास्मि नेशितास्वः नेशितास्मः

भ० नेशिष्यति नेशिष्यतः नेशिष्यन्ति
 नेशिष्यसि नेशिष्यथः नेशिष्यथ
 नेशिष्यामि नेशिष्यावः नेशिष्यामः

क्रि० अनेशिष्यत् अनेशिष्यताम् अनेशिष्यन्
 अनेशिष्यः अनेशिष्यतम् अनेशिष्यत
 अनेशिष्यम् अनेशिष्याव अनेशिष्याम

495 दृष्ट (दृश्) प्रेक्षणे ।

ब० पश्यति पश्यतः पश्यन्ति
 पश्यसि पश्यथः पश्यथ
 पश्यामि पश्यावः पश्यामः

स० पश्येत् पश्येताम् पश्येयुः
 पश्येः पश्येतम् पश्येत
 पश्येयम् पश्येव पश्येम

प० पश्यतु पश्यतात् पश्यताम् पश्यन्तु
 पश्य , पश्यतम् पश्यत
 पश्यानि पश्याव पश्याम

झ० अपश्यत् अपश्यताम् अपश्यन्
 अपश्यः अपश्यतम् अपश्यत
 अपश्यम् अपश्याव अपश्याम

अ० अदर्शत् अदर्शताम् अदर्शन्
 अदर्शः अदर्शतम् अदर्शत
 अदर्शम् अदर्शाव अदर्शाम

अब्राक्षीत् अब्राष्टाम् अब्राक्षुः
 अब्राक्षीः अब्राष्टम् अब्राष्ट
 अब्राक्षम् अब्राक्ष्व अब्राक्षम्

प० ददृश ददृशतुः ददृशुः
 ददृशित् ददृशितुः ददृशित
 ददृश ददृशित्व ददृशितम्

आ० दृश्यात् दृश्यास्ताम् दृश्यासुः
 दृश्याः दृश्यास्तम् दृश्यास्त
 दृश्यासम् दृश्यास्व दृश्यासम्

श्व० द्रष्टा द्रष्टारौ द्रष्टारः
 द्रष्टासि द्रष्टास्थः द्रष्टास्थ
 द्रष्टास्मि द्रष्टास्वः द्रष्टास्मः

भ० द्रक्ष्यति द्रक्ष्यतः द्रक्ष्यन्ति
 द्रक्ष्यसि द्रक्ष्यथः द्रक्ष्यथ
 द्रक्ष्यामि द्रक्ष्यावः द्रक्ष्यामः

क्रि० अद्रक्ष्यत् अद्रक्ष्यताम् अद्रक्ष्यन्
 अद्रक्ष्यः अद्रक्ष्यतम् अद्रक्ष्यत
 अद्रक्ष्यम् अद्रक्ष्याव अद्रक्ष्याम

496 दंशं (दंश) दशने ।

दशनं दन्तकर्म ।

| | | | |
|-----|-------------|---------------|---------------|
| व० | दशति | दशतः | दशन्ति |
| | दशसि | दशथः | दशथ |
| | दशामि | दशावः | दशामः |
| स० | दशेत् | दशेताम् | दशेयुः |
| | दशेः | दशेतम् | दशेत |
| | दशेयम् | दशेव | दशेम |
| प० | दशतु | दशतात् | दशताम् दशन्तु |
| | दश | „ | दशतम् दशत |
| | दशानि | दशाव | दशाम |
| झ० | अदशत् | अदशताम् | अदशन् |
| | अदशः | अदशतम् | अदशत |
| | अदशम् | अदशाव | अदशाम |
| अ० | अदाङ्क्षोत् | अदांशम् | अदाङ्क्षुः |
| | अदाङ्क्षीः | अदांष्टम् | अदांष्ट |
| | अदाङ्क्षम् | अदाङ्क्षव | अदाङ्क्षम |
| प० | ददंश | ददंशतुः | ददंशुः |
| ५९७ | ददंशति | ददंशथुः | ददंश |
| | ददंश | ददंशिव | ददंशिम |
| आ० | दश्यात् | दश्यास्ताम् | दश्यासुः |
| | दश्याः | दश्यास्तम् | दश्यास्त |
| | दश्यासम् | दश्यास्व | दश्यास्म |
| भ० | दंशा | दंशरौ | दंशारः |
| | दंशसि | दंशस्थः | दंशस्थ |
| | दंशस्मि | दंशस्वः | दंशस्मः |
| भ० | दङ्क्ष्यति | दङ्क्ष्यतः | दङ्क्ष्यन्ति |
| | दङ्क्ष्यसि | दङ्क्ष्यथः | दङ्क्ष्यथ |
| | दङ्क्ष्यामि | दङ्क्ष्यावः | दङ्क्ष्यामः |
| | अदङ्क्ष्यत् | अदङ्क्ष्यताम् | अदङ्क्ष्यन् |
| | अदङ्क्ष्यः | अदङ्क्ष्यतम् | अदङ्क्ष्यत |
| | अदङ्क्ष्यम् | अदङ्क्ष्याव | अदङ्क्ष्याम |
| | अथ घान्ता | एकचत्वारिंशत् | कृषं वर्जः |
| | | सेटश्च । | |

497 घुष्टं (घुष्ट) शब्दे

| | | | |
|-------|------------|--------------|-----------------|
| व० | घोषति | घोषतः | घोषन्ति |
| | घोषसि | घोषथः | घोषथ |
| | घोषामि | घोषावः | घोषामः |
| स० | घोषेत् | घोषेताम् | घोषेयुः |
| | घोषेः | घोषेतम् | घोषेत |
| | घोषेयम् | घोषेव | घोषेम |
| प० | घोषतु | घोषतात् | घोषताम् घोषन्तु |
| | घोष | „ | घोषतम् घोषत |
| | घोषाणि | घोषाव | घोषाम |
| झ० | अघोषत् | अघोषताम् | अघोषन् |
| | अघोषः | अघोषतम् | अघोषत |
| | अघोषम् | अघोषाव | अघोषाम |
| अ० | अघोषीत् | अघोषिष्टाम् | अघोषिषुः |
| | अघोषीः | अघोषिष्टम् | अघोषिष्ट |
| | अघोषिषम् | अघोषिष्व | अघोषिषम |
| | अघुषत् | अघुषताम् | अघुषन् |
| | अघुषः | अघुषतम् | अघुषत |
| | अघुषम् | अघुषाव | अघुषाम |
| प० | जुघोष | जुघुषतुः | जुघुषुः |
| | जुघोषिथ | जुघुषथुः | जुघुष |
| | जुघोष | जुघुषिव | जुघुषिम |
| आ० | घुष्यात् | घुष्यास्ताम् | घुष्यासुः |
| | घुष्याः | घुष्यास्तम् | घुष्यास्त |
| | घुष्यासम् | घुष्यास्व | घुष्यास्म |
| भ० | घोषिता | घोषितारौ | घोषितारः |
| | घोषितासि | घोषितास्थः | घोषितास्थ |
| | घोषितास्मि | घोषितास्वः | घोषितास्मः |
| भ० | घोषिष्यति | घोषिष्यतः | घोषिष्यन्ति |
| | घोषिष्यसि | घोषिष्यथः | घोषिष्यथ |
| | घोषिष्यामि | घोषिष्यावः | घोषिष्यामः |
| क्रि० | अघोषिष्यत् | अघोषिष्यताम् | अघोषिष्यन् |
| | अघोषिष्यः | अघोषिष्यतम् | अघोषिष्यत |
| | अघोषिष्यम् | अघोषिष्याव | अघोषिष्याम |

498 चूष (चूष्) पाने ।

च० चूषति चूषतः चूषन्ति
चूषसि चूषथः चूषथ
चूषामि चूषावः चूषामः

स० चूषेत् चूषेताम् चूषेयुः
चूषेः चूषेतम् चूषेत
चूषेयम् चूषेय चूषेम

प० चूषतु चूषतात् चूषताम् चूषन्तु
चूष " चूषतम् चूषत
चूषाणि चूषाव चूषाम

झ० अचूषत् अचूषताम् अचूषन्
अचूषः अचूषतम् अचूषत
अचूषम् अचूषाव अचूषाम

अ० अचूषीत् अचूषिष्टाम् अचूषिषुः
अचूषीः अचूषिष्टम् अचूषिष्ट
अचूषिषम् अचूषिष्व अचूषिष्म

प० चुचूष चुचूषतुः चुचूषुः
चुचूषिथ चुचूषथुः चुचूष
चुचूष चुचूषिव चुचूषिम

आ० चूष्यात् चूष्यास्ताम् चूष्यासुः
चूष्याः चूष्यास्तम् चूष्यास्त
चूष्यासम् चूष्यास्व चूष्यास्म

श्च० चूषिता चूषितारौ चूषितारः
चूषितासि चूषितास्थः चूषितास्थ
चूषितास्मि चूषितास्वः चूषितास्मः

भ० चूषिष्यति चूषिष्यतः चूषिष्यन्ति
चूषिष्यसि चूषिष्यथः चूषिष्यथ
चूषिष्यामि चूषिष्यावः चूषिष्यामः

क्रि० अचूषिष्यत् अचूषिष्यताम् अचूषिष्यन्
अचूषिष्यः अचूषिष्यतम् अचूषिष्यत
अचूषिष्यम् अचूषिष्याव अचूषिष्याम

499 तुष (तूष्) तुष्टौ ।

च० तुषति तुषतः तुषन्ति
तुषसि तुषथः तुषथ
तुषामि तुषावः तुषामः

स० तुषेत् तुषेताम् तुषेयुः
तुषेः तुषेतम् तुषेत
तुषेयम् तुषेय तुषेम

प० तुषतु तुषतात् तुषताम् तुषन्तु
तुष " तुषतम् तुषत
तुषाणि तुषाव तुषाम

झ० अतुषत् अतुषताम् अतुषन्
अतुषः अतुषतम् अतुषत
अतुषम् अतुषाव अतुषाम

अ० अतुषीत् अतुषिष्टाम् अतुषिषुः
अतुषीः अतुषिष्टम् अतुषिष्ट
अतुषिषम् अतुषिष्व अतुषिष्म

प० तुतुष तुतुषतुः तुतुषुः
तुतुषिथ तुतुषथुः तुतुष
तुतुष तुतुषिव तुतुषिम

आ० तुष्यात् तुष्यास्ताम् तुष्यासुः
तुष्याः तुष्यास्तम् तुष्यास्त
तुष्यासम् तुष्यास्व तुष्यास्म

श्च० तुषिता तुषितारौ तुषितारः
तुषितासि तुषितास्थः तुषितास्थ
तुषितास्मि तुषितास्वः तुषितास्मः

भ० तुषिष्यति तुषिष्यतः तुषिष्यन्ति
तुषिष्यसि तुषिष्यथः तुषिष्यथ
तुषिष्यामि तुषिष्यावः तुषिष्यामः

क्रि० अतुषिष्यत् अतुषिष्यताम् अतुषिष्यन्
अतुषिष्यः अतुषिष्यतम् अतुषिष्यत
अतुषिष्यम् अतुषिष्याव अतुषिष्याम

500 पूष (पूषू) वृद्धौ ।

व० पूषति पूषतः पूषन्ति
पूषसि पूषथः पूषथ
पूषामि पूषावः पूषामः

स० पूषेत् पूषेताम् पूषेयुः
पूषेः पूषेतम् पूषेत
पूषेयम् पूषेव पूषेम

प० पूषतु पूषतात् पूषताम् पूषन्तु
पूष ” पूषतम् पूषत
पूषाणि पूषाव पूषाम

झ० अपूषत अपूषताम् अपूषन्
अपूषः अपूषतम् अपूषत
अपूषम् अपूषाव अपूषाम

अ० अपूषीत् अपूषिष्टाम् अपूषिषुः
अपूषीः अपूषिष्टम् अपूषिष्ट
अपूषिषम् अपूषिष्व अपूषिष्म

प० पुपूष पुपूषतुः पुपूषुः
पुपूषिथ पुपूषथुः पुपूष
पुपूष पुपूषिव पुपूषिम

आ० पूष्यात् पूष्यास्ताम् पूष्यासुः
पूष्याः पूष्यास्तम् पूष्यास्त
पूष्यासम् पूष्यास्व पूष्यास्म

भ० पूषिता पूषितारौ पूषितारः
पूषितासि पूषितास्थः पूषितास्थ
पूषितास्मि पूषितास्वः पूषितास्मः

भ० पूषिष्यति पूषिष्यतः पूषिष्यन्ति
पूषिष्यसि पूषिष्यथः पूषिष्यथ
पूषिष्यामि पूषिष्यावः पूषिष्यामः

कि० अपूषिष्यत् अपूषिष्यताम् अपूषिष्यन्
अपूषिष्यः अपूषिष्यतम् अपूषिष्यत
अपूषिष्यम् अपूषिष्याव अपूषिष्याम

501 लुष (लुष्) स्तेये ।

व० लोषति लोषतः लोषन्ति
लोषसि लोषथः लोषथ
लोषामि लोषावः लोषामः

स० लोषेत् लोषेताम् लोषेयुः
लोषेः लोषेतम् लोषेत
लोषेयम् लोषेव लोषेम

प० लोषतु लोषतात् लोषताम् लोषन्तु
लोष ” लोषतम् लोषत
लोषाणि लोषाव लोषाम

झ० अलोषत् अलोषताम् अलोषन्
अलोषः अलोषतम् अलोषत
अलोषम् अलोषाव अलोषाम

अ० अलोषीत् अलोषिष्टाम् अलोषिषुः
अलोषीः अलोषिष्टम् अलोषिष्ट
अलोषिषम् अलोषिष्व अलोषिष्म

प० लुलोष लुलुषतुः लुलुषुः
लुलोषिथ लुलुषथुः लुलुष
लुलोष लुलुषिव लुलुषिम

आ० लुष्यात् लुष्यास्ताम् लुष्यासुः
लुष्याः लुष्यास्तम् लुष्यास्त
लुष्यासम् लुष्यास्व लुष्यास्म

भ० लोषिता लोषितारौ लोषितारः
लोषितासि लोषितास्थः लोषितास्थ
लोषितास्मि लोषितास्वः लोषितास्मः

भ० लोषिष्यति लोषिष्यतः लोषिष्यन्ति
लोषिष्यसि लोषिष्यथः लोषिष्यथ
लोषिष्यामि लोषिष्यावः लोषिष्यामः

कि० अलोषिष्यत् अलोषिष्यताम् अलोषिष्यन्
अलोषिष्यः अलोषिष्यतम् अलोषिष्यत
अलोषिष्यम् अलोषिष्याव अलोषिष्याम

502 मूष (मूष्) स्तेये ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० मूषति | मूषतः | मूषन्ति |
| मूषसि | मूषथः | मूषथ |
| मूषामि | मूषावः | मूषामः |
| ल० मूषेत् | मूषेताम् | मूषेयुः |
| मूषेः | मूषेतम् | मूषेत |
| मूषेयम् | मूषेव | मूषेम |
| प० मूषतु | मूषतात् | मूषताम् |
| मूष | ” | मूषतम् |
| मूषाणि | मूषाव | मूषाम |
| झ० अमूषते | अमूषताम् | अमूषन् |
| अमूषः | अमूषतम् | अमूषत |
| अमूषम् | अमूषाव | अमूषाम |
| अ० अमूषीत् | अमूषिताम् | अमूषिषुः |
| अमूषीः | अमूषितम् | अमूषित |
| अमूषिषम् | अमूषिष्व | अमूषिष्म |
| ब० मुमूष | मुमूषतुः | मुमूषुः |
| मुमूषिथ | मुमूषथुः | मुमूष |
| मुमूष | मुमूषिव | मुमूषिम |
| आ० मूष्यात् | मूष्यास्ताम् | मूष्यासुः |
| मूष्याः | मूष्यास्तम् | मूष्यास्त |
| मूष्यासम् | मूष्यास्व | मूष्यास्म |
| भ्व० मूषिता | मूषितारौ | मूषितारः |
| मूषितासि | मूषितास्थः | मूषितास्थ |
| मूषितास्मि | मूषितास्वः | मूषितास्मः |
| भ० मूषिष्यति | मूषिष्यतः | मूषिष्यन्ति |
| मूषिष्यसि | मूषिष्यथः | मूषिष्यथ |
| मूषिष्यामि | मूषिष्यावः | मूषिष्यामः |
| क्रि० अमूषिष्यत् | अमूषिष्यताम् | अमूषिष्यन् |
| अमूषिष्यः | अमूषिष्यतम् | अमूषिष्यत |
| अमूषिष्यम् | अमूषिष्याव | अमूषिष्याम |

503 सूष (सूष्) प्रसवे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० सूषति | सूषतः | सूषन्ति |
| सूषसि | सूषथः | सूषथ |
| सूषामि | सूषावः | सूषामः |
| ल० सूषेत् | सूषेताम् | सूषेयुः |
| सूषेः | सूषेतम् | सूषेत |
| सूषेयम् | सूषेव | सूषेम |
| प० सूषतु | सूषतात् | सूषताम् |
| सूष | ” | सूषतम् |
| सूषाणि | सूषाव | सूषाम |
| झ० असूषत | असूषताम् | असूषन् |
| असूषः | असूषतम् | असूषत |
| असूषम् | असूषाव | असूषाम |
| अ० असूषीत् | असूषिताम् | असूषिषुः |
| असूषीः | असूषितम् | असूषित |
| असूषिषम् | असूषिष्व | असूषिष्म |
| प० सुसूष | सुसूषतुः | सुसूषुः |
| सुसूषिथ | सुसूषथुः | सुसूष |
| सुसूष | सुसूषिव | सुसूषिम |
| आ० सूष्यात् | सूष्यास्ताम् | सूष्यासुः |
| सूष्याः | सूष्यास्तम् | सूष्यास्त |
| सूष्यासम् | सूष्यास्व | सूष्यास्म |
| भ्व० सूषिता | सूषितारौ | सूषितारः |
| सूषितासि | सूषितास्थः | सूषितास्थ |
| सूषितास्मि | सूषितास्वः | सूषितास्मः |
| भ० सूषिष्यति | सूषिष्यतः | सूषिष्यन्ति |
| सूषिष्यसि | सूषिष्यथः | सूषिष्यथ |
| सूषिष्यामि | सूषिष्यावः | सूषिष्यामः |
| क्रि० असूषिष्यत् | असूषिष्यताम् | असूषिष्यन् |
| असूषिष्यः | असूषिष्यतम् | असूषिष्यत |
| असूषिष्यम् | असूषिष्याव | असूषिष्याम |

504 ऊष (ऊष्) रुजायाम् ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | ऊषति | ऊषतः | ऊषन्ति |
| | ऊषसि | ऊषथः | ऊषथ |
| | ऊषामि | ऊषावः | ऊषामः |
| स० | ऊषेत् | ऊषेताम् | ऊषेयुः |
| | ऊषेः | ऊषेतम् | ऊषेत |
| | ऊषेयम् | ऊषेव | ऊषेम |
| प० | ऊषतु | ऊषतात् | ऊषताम् |
| | ऊष | ऊषतम् | ऊषत |
| | ऊषाणि | ऊषाव | ऊषाम |
| झ० | औषत् | औषताम् | औषन् |
| | औषः | औषतम् | औषत |
| | औषम् | औषाव | औषाम |
| अ० | औषीत् | औषिष्टाम् | औषिषुः |
| | औषीः | औषिष्टम् | औषिष्ट |
| | औषिषम् | औषिष्व | औषिषम |
| प० | ऊषाञ्चकार | ऊषाञ्चक्रतुः | ऊषाञ्चक्रुः |
| | ऊषाञ्चकथं | ऊषाञ्चकथुः | ऊषाञ्चकथ |
| | ऊषाञ्चकार, चकर | ऊषाञ्चकृष | ऊषाञ्चकृम |
| | ऊषाम्बभूव | ऊषामास | |
| आ० | ऊष्यात् | ऊष्यास्ताम् | ऊष्यासुः |
| | ऊष्याः | ऊष्यास्तम् | ऊष्यास्त |
| | ऊष्यासम् | ऊष्यास्व | ऊष्यासम |
| श्व० | ऊषिता | ऊषितारौ | ऊषितारः |
| | ऊषितासि | ऊषितास्थः | ऊषितास्थ |
| | ऊषितास्मि | ऊषितास्वः | ऊषितास्मः |
| भ० | ऊषिष्यति | ऊषिष्यतः | ऊषिष्यन्ति |
| | ऊषिष्यसि | ऊषिष्यथः | ऊषिष्यथ |
| | ऊषिष्यामि | ऊषिष्यावः | ऊषिष्यामः |
| क्रि० | औषिष्यत् | औषिष्यताम् | औषिष्यन् |
| | औषिष्यः | औषिष्यतम् | औषिष्यत |
| | औषिष्यम् | औषिष्याव | औषिष्याम |

505 इष (इष्) उञ्छे उच्चयने ॥

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | इषति | इषतः | इषन्ति |
| | इषसि | इषथः | इषथ |
| | इषामि | इषावः | इषामः |
| स० | इषेत् | इषेताम् | इषेयुः |
| | इषेः | इषेतम् | इषेत |
| | इषेयम् | इषेव | इषेम |
| प० | इषतु | इषतात् | इषताम् |
| | इष | इषतम् | इषत |
| | इषाणि | इषाव | इषाम |
| झ० | ऐषत् | ऐषताम् | ऐषन् |
| | ऐषः | ऐषतम् | ऐषत |
| | ऐषम् | ऐषाव | ऐषाम |
| अ० | ऐषीत् | ऐषिष्टाम् | ऐषिषुः |
| | ऐषीः | ऐषिष्टम् | ऐषिष्ट |
| | ऐषिषम् | ऐषिष्व | ऐषिषम |
| प० | इषाञ्चकार | इषाञ्चक्रतुः | इषाञ्चक्रुः |
| | इषाञ्चकथं | इषाञ्चकथुः | इषाञ्चकथ |
| | इषाञ्चकार, चकर | इषाञ्चकृष | इषाञ्चकृम |
| | इषाम्बभूव | इषामास | |
| आ० | इष्यात् | इष्यास्ताम् | इष्यासुः |
| | इष्याः | इष्यास्तम् | इष्यास्त |
| | इष्यासम् | इष्यास्व | इष्यासम |
| श्व० | इषिता | इषितारौ | इषितारः |
| | इषितासि | इषितास्थः | इषितास्थ |
| | इषितास्मि | इषितास्वः | इषितास्मः |
| भ० | इषिष्यति | इषिष्यतः | इषिष्यन्ति |
| | इषिष्यसि | इषिष्यथः | इषिष्यथ |
| | इषिष्यामि | इषिष्यावः | इषिष्यामः |
| क्रि० | ऐषिष्यत् | ऐषिष्यताम् | ऐषिष्यन् |
| | ऐषिष्यः | ऐषिष्यतम् | ऐषिष्यत |
| | ऐषिष्यम् | ऐषिष्याव | ऐषिष्याम |

506 कृषं (कृष्) धिलेखने ।

हलोत्कर्षणम् ॥

व० कर्षति कर्षतः कर्षन्ति
कर्षसि कर्षथः कर्षथ
कर्षामि कर्षावः कर्षामः

स० कर्षेत् कर्षेताम् कर्षेयुः
कर्षेः कर्षेतम् कर्षेत
कर्षेयम् कर्षेव कर्षेम

प० कर्षतु कर्षताव कर्षताम् कर्षन्तु
कर्षं कर्षतम् कर्षत
कर्षाणि कर्षाव कर्षाम

झ० अकर्षत् अकर्षताम् अकर्षम्
अकर्षः अकर्षतम् अकर्षत
अकर्षम् अकर्षाव अकर्षाम

अ० अकृक्षत् अकृक्षताम् अकृक्षन्
अकृक्षः अकृक्षतम् अकृक्षत
अकृक्षम् अकृक्षाव अकृक्षाम

अकाक्षीत् अकाक्षताम् अकाक्षुः
अकाक्षीः अकाक्षतम् अकाक्षत
अकाक्षम् अकाक्षाव अकाक्षाम

अकाक्षीत् अकाक्षताम् अकाक्षुः
अकाक्षीः अकाक्षतम् अकाक्षत
अकाक्षम् अकाक्षाव अकाक्षाम

प० चकर्ष चकर्षतुः चकर्षुः
चकर्षथ चकर्षथुः चकर्षथ
चकर्ष चकर्षाव चकर्षाम

आ० कृष्यात् कृष्यास्ताम् कृष्यासुः
कृष्याः कृष्यास्तम् कृष्यास्त
कृष्यासम् कृष्यास्व कृष्यास्म

श्व० कृष्टा कृष्टारौ कृष्टारः
कृष्टासि कृष्टास्थः कृष्टास्थ
कृष्टास्मि कृष्टास्वः कृष्टास्मि

कृष्टा कृष्टारौ कृष्टारः
कृष्टासि कृष्टास्थः कृष्टास्थ
कृष्टास्मि कृष्टास्वः कृष्टास्मि

भ० कर्ष्यति कर्ष्यतः कर्ष्यन्ति
कर्ष्यसि कर्ष्यथः कर्ष्यथ
कर्ष्यामि कर्ष्यावः कर्ष्यामः

कर्ष्यति कर्ष्यतः कर्ष्यन्ति
कर्ष्यसि कर्ष्यथः कर्ष्यथ
कर्ष्यामि कर्ष्यावः कर्ष्यामः

क्रि० अकर्ष्यत् अकर्ष्यताम् अकर्ष्यन्
अकर्ष्यः अकर्ष्यतम् अकर्ष्यत
अकर्ष्यम् अकर्ष्याव अकर्ष्याम

अकर्ष्यत् अकर्ष्यताम् अकर्ष्यन्
अकर्ष्यः अकर्ष्यतम् अकर्ष्यत
अकर्ष्यम् अकर्ष्याव अकर्ष्याम

507 कष (कष्) हिंसायाम् ।

व० कषति कषतः कषन्ति
कषसि कषथः कषथ
कषामि कषावः कषामः

स० कषेत् कषेताम् कषेयुः
कषेः कषेतम् कषेत
कषेयम् कषेव कषेम

प० कषतु कषतात् कषताम् कषन्तु
कष " कषतम् कषत
कषाणि कषाव कषाम

झ० अकषत् अकषताम् अकषन्
अकषः अकषतम् अकषत
अकषम् अकषाव अकषाम

अ० अकाषीत् अकाषिष्टाम् अकाषिषुः
अकाषीः अकाषिष्टम् अकाषिष्ट
अकाषिषम् अकाषिष्व अकाषिष्म

अकषीत् अकषिष्टाम् अकषिषुः
अकषीः अकषिष्टम् अकषिष्ट
अकषिषम् अकषिष्व अकषिष्म

प० चकाष चकषतुः चकषुः
चकषिथ चकषथुः चकष
चकष चकाष चकषिष चकषिम

आ० कष्यात् कष्यास्ताम् कष्यासुः
कष्याः कष्यास्तम् कष्यास्त
कष्यासम् कष्यास्व कष्यास्म

भ्व० कषिता कषितारौ कषितारः
कषितासि कषितास्थः कषितास्थ
कषितास्मि कषितास्वः कषितास्मः

भ० कषिष्यति कषिष्यतः कषिष्यन्ति
कषिष्यसि कषिष्यथः कषिष्यथ
कषिष्यामि कषिष्यावः कषिष्यामः

क्रि० अकषिष्यत् अकषिष्यताम् अकषिष्यन्
अकषिष्यः अकषिष्यतम् अकषिष्यत
अकषिष्यम् अकषिष्याव अकषिष्याम

508 शिष (शिष्) हिंसायाम् ।

व० शेषति शेषतः शेषन्ति
शेषसि शेषथः शेषथ
शेषामि शेषावः शेषामः

स० शेषेत् शेषेताम् शेषेयुः
शेषेः शेषेतम् शेषेत
शेषेयम् शेषेव शेषेम

प० शेषतु शेषतात् शेषताम् शेषन्तु
शेष " शेषतम् शेषत
शेषाणि शेषाव शेषाम

झ० अशेषत् अशेषताम् अशेषन्
अशेषः अशेषतम् अशेषत
अशेषम् अशेषाव अशेषाम

अ० अशेषीत् अशेषिष्टाम् अशेषिषुः
अशेषीः अशेषिष्टम् अशेषिष्ट
अशेषिषम् अशेषिष्व अशेषिष्म

प० शिशेष शिशिषतुः शिशिषुः
शिशेषिथ शिशिषथुः शिशिष
शिशेष शिशिषिष शिशिषिम

आ० शिष्यात् शिष्यास्ताम् शिष्यासुः
शिष्याः शिष्यास्तम् शिष्यास्त
शिष्यासम् शिष्यास्व शिष्यास्म

भ्व० शेषिता शेषितारौ शेषितारः
शेषितासि शेषितास्थः शेषितास्थ
शेषितास्मि शेषितास्वः शेषितास्मः

भ० शेषिष्यति शेषिष्यतः शेषिष्यन्ति
शेषिष्यसि शेषिष्यथः शेषिष्यथ
शेषिष्यामि शेषिष्यावः शेषिष्यामः

क्रि० अशेषिष्यत् अशेषिष्यताम् अशेषिष्यन्
अशेषिष्यः अशेषिष्यतम् अशेषिष्यत
अशेषिष्यम् अशेषिष्याव अशेषिष्याम

509 जष (जप्) हिंसायाम् ।

व० जषति जषतः जषन्ति

जषसि जषथः जषथ

जषामि जषावः जषामः

स० जषेत् जषेताम् जषेयुः

जषेः जषेतम् जषेत

जषेयम् जषेव जषेम

प० जषतु जषतात् जषताम् जषन्तु

जष „ जषतम् जषत

जषाणि जषाव जषाम

झ० अजषत् अजषताम् अजषन्

अजषः अजषतम् अजषत

अजषम् अजषाव अजषाम

अ० अजाषीत् अजाषिष्टाम् अजाषिषुः

अजाषीः अजाषिष्टम् अजाषिष्ट

अजाषिषम् अजाषिष्व अजाषिषम्

अजषीत् अजषिष्टाम् अजषिषुः

अजषीः अजषिष्टम् अजषिष्ट

अजषिषम् अजषिष्व अजषिषम्

प० जजाष जेषतुः जेषुः

जेषिथ जेषथुः जेष

जजाष, जजष जेषिथ जेषिथ

आ० जषयात् जषयास्ताम् जषयासुः

जषयाः जषयास्तम् जषयास्त

जषयासम् जषयास्व जषयास्म

झ्व० जषिता जषितारौ जषितारः

जषितासि जषितास्थः जषितास्थ

जषितास्मि जषितास्वः जषितास्मः

भ० जषिष्यति जषिष्यतः जषिष्यन्ति

जषिष्यसि जषिष्यथः जषिष्यथ

जषिष्यामि जषिष्यावः जषिष्यामः

क्रि० अजषिष्यत् अजषिष्यताम् अजषिष्यन्

अजषिष्यः अजषिष्यतम् अजषिष्यत

अजषिष्यम् अजषिष्याव अजषिष्याम

510 झष (झप्) हिंसायाम् ।

व० झषति झषतः झषन्ति

झषसि झषथः झषथ

झषामि झषावः झषामः

स० झषेत् झषेताम् झषेयुः

झषेः झषेतम् झषेत

झषेयम् झषेव झषेम

प० झषतु झषतात् झषताम् झषन्तु

झष „ झषतम् झषत

झषाणि झषाव झषाम

झा० अझषत् अझषताम् अझषन्

अझषः अझषतम् अझषत

अझषम् अझषाव अझषाम

अ० अझाषीत् अझाषिष्टाम् अझाषिषुः

अझाषीः अझाषिष्टम् अझाषिष्ट

अझाषिषम् अझाषिष्व अझाषिषम्

अझषीत् अझषिष्टाम् अझषिषुः

अझषीः अझषिष्टम् अझषिष्ट

अझषिषम् अझषिष्व अझषिषम्

प० जझाष जझषतुः जझषुः

जझषिथ जझषथुः जझष

जझष जझाष जझषिथ जझषिथ

आ० झष्यात् झष्यास्ताम् झष्यासुः

झष्याः झष्यास्तम् झष्यास्त

झष्यासम् झष्यास्व झष्यास्म

झ्व० झषिता झषितारौ झषितारः

झषितासि झषितास्थः झषितास्थ

झषितास्मि झषितास्वः झषितास्मः

भ० झषिष्यति झषिष्यतः झषिष्यन्ति

झषिष्यसि झषिष्यथः झषिष्यथ

झषिष्यामि झषिष्यावः झषिष्यामः

क्रि० अझषिष्यत् अझषिष्यताम् अझषिष्यन्

अझषिष्यः अझषिष्यतम् अझषिष्यत

अझषिष्यम् अझषिष्याव अझषिष्याम

511 वष (वष्) हिंसायाम् ।

व० वषति वषतः वषन्ति

वषसि वषथः वषथ

वषामि वषावः वषामः

स० वषेत् वषेताम् वषेयुः

वषेः वषेतम् वषेत

वषेयम् वषेव वषेम

प० वषतु वषतात् वषताम् वषन्तु

वष „ वषतम् वषत

वषाणि वषाव वषाम

झ० अवषत् अवषताम् अवषन्

अवषः अवषतम् अवषत

अवषम् अवषाव अवषाम

अ० अवाषीत् अवाषिष्टाम् अवाषिषुः

अवाषीः अवाषिष्टम् अवाषिष्ट

अवाषिषम् अवाषिष्व अवाषिष्म

अवषीत् अवषिष्टाम् अत्रषिषुः

अवषीः अवषिष्टम् अवषिष्ट

अवषिषम् अवषिष्व अवषिष्म

प० ववाष ववषतुः ववषुः

ववषिथ ववषथुः ववष

ववाष, ववष ववषिथ ववषिम

आ० वषशात् वषशास्ताम् वषशासुः

वषशाः वषशास्तम् वषशास्त

वषशासम् वषशास्व वषशास्म

झ० वषिता वषितारौ वषितारः

वषितासि वषितास्थः वषितास्थ

वषितास्मि वषितास्वः वषितास्मः

भ० वषिष्यति वषिष्यतः वषिष्यन्ति

वषिष्यसि वषिष्यथः वषिष्यथ

वषिष्यामि वषिष्यावः वषिष्यामः

क्रि० अवषिष्यत् अवषिष्यताम् अवषिष्यन्

अवषिष्यः अवषिष्यतम् अवषिष्यत

अवषिष्यम् अवषिष्याव अवषिष्याम

512 मष (मष्) हिंसायाम् ।

व० मषति मषतः मषन्ति

मषसि मषथः मषथ

मषामि मषावः मषामः

स० मषेत् मषेताम् मषेयुः

मषेः मषेतम् मषेत

मषेयम् मषेव मषेम

प० मषतु मषतात् मषताम् मषन्तु

मष „ मषतम् मषत

मषाणि मषाव मषाम

झ० अमषत् अमषताम् अमषन्

अमषः अमषतम् अमषत

अमषम् अमषाव अमषाम

अ० अमाषीत् अमाषिष्टाम् अमाषिषुः

अमाषीः अमाषिष्टम् अमाषिष्ट

अमाषिषम् अमाषिष्व अमाषिष्म

अमषीत् अमषिष्टाम् अमषिषुः

अमषीः अमषिष्टम् अमषिष्ट

अमषिषम् अमषिष्व अमषिष्म

प० ममाष मेषतुः मेषुः

मेषिथ मेषथुः मेष

ममाष ममष मेषिव मेषिम

आ० मष्यात् मष्यास्ताम् मष्यासुः

मष्याः मष्यास्तम् मष्यास्त

मष्यासम् मष्यास्व मष्यास्म

झ० मषिता मषितारौ मषितारः

मषितासि मषितास्थः मषितास्थ

मषितास्मि मषितास्वः मषितास्मः

भ० मषिष्यति मषिष्यतः मषिष्यन्ति

मषिष्यसि मषिष्यथः मषिष्यथ

मषिष्यामि मषिष्यावः मषिष्यामः

क्रि० अमषिष्यत् अमषिष्यताम् अमषिष्यन्

अमषिष्यः अमषिष्यतम् अमषिष्यत

अमषिष्यम् अमषिष्याव अमषिष्याम

513 मुष (मुष्) हिंसायाम् ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ष० मोषति | मोषतः | मोषन्ति |
| मोषसि | मोषथः | मोषथ |
| मोषामि | मोषावः | मोषामः |
| स० मोषेत | मोषेताम् | मोषेयुः |
| मोषेः | मोषेतम् | मोषेत |
| मोषेयम् | मोषेव | मोषेम |
| प० मोषतु | मोषतात् | मोषताम् |
| मोष | ” | मोषतम् |
| मोषाणि | मोषाव | मोषाम |
| झ० अमोषत् | अमोषताम् | अमोषन् |
| अमोषाः | अमोषतम् | अमोषत |
| अमोषम् | अमोषाव | अमोषाम |
| अ० अमोषीत् | अमोषिष्टाम् | अमोषिषुः |
| अमोषीः | अमोषिष्टम् | अमोषिष्ट |
| अमोषिषम् | अमोषिष्व | अमोषिष्म |
| प० मुमोष | मुमुषतुः | मुमुषुः |
| मुमोषिथ | मुमुषथुः | मुमुष |
| मुमोष | मुमुषिव | मुमुषिम |
| आ० मुष्यात् | मुष्यास्ताम् | मुष्यासुः |
| मुष्याः | मुष्यास्तम् | मुष्यास्त |
| मुष्यासम् | मुष्यास्व | मुष्यास्म |
| भ्र० मोषिता | मोषितारौ | मोषितारः |
| मोषितासि | मोषितास्थः | मोषितास्थ |
| मोषितास्मि | मोषितास्वः | मोषितास्मः |
| भ० मोषिष्यति | मोषिष्यतः | मोषिष्यन्ति |
| मोषिष्यसि | मोषिष्यथः | मोषिष्यथ |
| मोषिष्यामि | मोषिष्यावः | मोषिष्यामः |
| क्रि० अमोषिष्यत् | अमोषिष्यताम् | अमोषिष्यन् |
| अमोषिष्यः | अमोषिष्यतम् | अमोषिष्यत |
| अमोषिष्यम् | अमोषिष्याव | अमोषिष्याम |

514 रुष (रूष्) हिंसायाम् ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ष० रोषति | रोषतः | रोषन्ति |
| रोषसि | रोषथः | रोषथ |
| रोषामि | रोषावः | रोषामः |
| स० रोषेत् | रोषेताम् | रोषेयुः |
| रोषेः | रोषेतम् | रोषेत |
| रोषेयम् | रोषेव | रोषेम |
| प० रोषतु | रोषतात् | रोषताम् |
| रोष | ” | रोषतम् |
| रोषाणि | रोषाव | रोषाम |
| झ० अरोषत् | अरोषताम् | अरोषन् |
| अरोषः | अरोषतम् | अरोषत |
| अरोषम् | अरोषाव | अरोषाम |
| अ० अरोषीत् | अरोषिष्टाम् | अरोषिषुः |
| अरोषीः | अरोषिष्टम् | अरोषिष्ट |
| अरोषिषम् | अरोषिष्व | अरोषिष्म |
| प० रुरोष | रुरुषतुः | रुरुषुः |
| रुरोषिथ | रुरुषथुः | रुरुष |
| रुरोष | रुरुषिव | रुरुषिम |
| आ० रुष्यात् | रुष्यास्ताम् | रुष्यासुः |
| रुष्याः | रुष्यास्तम् | रुष्यास्त |
| रुष्यासम् | रुष्यास्व | रुष्यास्म |
| भ्र० रोषिता | रोषितारौ | रोषितारः |
| रोषितासि | रोषितास्थः | रोषितास्थ |
| रोषितास्मि | रोषितास्वः | रोषितास्मः |
| रोषटा | रोषटारौ | रोषटारः |
| रोषटासि | रोषटास्थः | रोषटास्थ |
| रोषटास्मि | रोषटास्वः | रोषटास्मः |
| भ० रोषिष्यति | रोषिष्यतः | रोषिष्यन्ति |
| रोषिष्यसि | रोषिष्यथः | रोषिष्यथ |
| रोषिष्यामि | रोषिष्यावः | रोषिष्यामः |
| क्रि० अरोषिष्यत् | अरोषिष्यताम् | अरोषिष्यन् |
| अरोषिष्यः | अरोषिष्यतम् | अरोषिष्यत |
| अरोषिष्यम् | अरोषिष्याव | अरोषिष्याम |

515 रिष (रिष्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | रेषति | रेषतः | रेषन्ति |
| | रेषसि | रेषथः | रेषथ |
| | रेषामि | रेषावः | रेषामः |
| स० | रेषेत् | रेषेताम् | रेषेयुः |
| | रेषेः | रेषेतम् | रेषेत |
| | रेषेयम् | रेषेव | रेषेम |
| प० | रेषतु | रेषतात् | रेषताम् |
| | रेष | ” | रेषतम् |
| | रेषाणि | रेषाव | रेषाम |
| झ० | अरेषत् | अरेषताम् | अरेषन् |
| | अरेषः | अरेषतम् | अरेषत |
| | अरेषम् | अरेषाव | अरेषाम |
| अ० | अरेषीत् | अरेषिष्टाम् | अरेषिषुः |
| | अरेषीः | अरेषिष्टम् | अरेषिष्ट |
| | अरेषिषम् | अरेषिष्व | अरेषिषम |
| प० | रिरेष | रिरेषतुः | रिरेषुः |
| | रिरेषिथ | रिरेषिथुः | रिरेषिथ |
| | रिरेष | रिरेषिष्व | रिरेषिषम |
| आ० | रिष्यात् | रिष्यास्ताम् | रिष्यासुः |
| | रिष्याः | रिष्यास्तम् | रिष्यास्त |
| | रिष्यासम् | रिष्यास्व | रिष्यासम |
| झ० | रेषिता | रेषितारौ | रेषितारः |
| | रेषितासि | रेषितास्यः | रेषितास्य |
| | रेषितास्मि | रेषितास्वः | रेषितास्मः |
| | रेषा | रेषारौ | रेषारः |
| | रेषासि | रेषास्यः | रेषास्य |
| | रेषास्मि | रेषास्वः | रेषास्मः |
| भ० | रेषिष्यति | रेषिष्यतः | रेषिष्यन्ति |
| | रेषिष्यसि | रेषिष्यथः | रेषिष्यथ |
| | रेषिष्यामि | रेषिष्यावः | रेषिष्यामः |
| क्रि० | अरेषिष्यत् | अरेषिष्यताम् | अरेषिष्यन् |
| | अरेषिष्यः | अरेषिष्यतम् | अरेषिष्यत |
| | अरेषिष्यम् | अरेषिष्याव | अरेषिष्याम |

516 यूष (यूष्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | यूषति | यूषतः | यूषन्ति |
| | यूषसि | यूषथः | यूषथ |
| | यूषामि | यूषावः | यूषामः |
| स० | यूषेत् | यूषेताम् | यूषेयुः |
| | यूषेः | यूषेतम् | यूषेत |
| | यूषेयम् | यूषेव | यूषेम |
| प० | यूषतु | यूषतात् | यूषताम् |
| | यूष | ” | यूषतम् |
| | यूषाणि | यूषाव | यूषाम |
| झ० | अयूषत् | अयूषताम् | अयूषन् |
| | अयूषः | अयूषतम् | अयूषत |
| | अयूषम् | अयूषाव | अयूषाम |
| अ० | अयूषीत् | अयूषिष्टाम् | अयूषिषुः |
| | अयूषीः | अयूषिष्टम् | अयूषिष्ट |
| | अयूषिषम् | अयूषिष्व | अयूषिषम |
| प० | युयूष | युयूषतुः | युयूषुः |
| | युयूषिथ | युयूषथुः | युयूषिथ |
| | युयूष | युयूषिष्व | युयूषिषम |
| आ० | यूष्यात् | यूष्यास्ताम् | यूष्यासुः |
| | यूष्याः | यूष्यास्तम् | यूष्यास्त |
| | यूष्यासम् | यूष्यास्व | यूष्यासम |
| झ० | यूषिता | यूषितारौ | यूषितारः |
| | यूषितासि | यूषितास्यः | यूषितास्य |
| | यूषितास्मि | यूषितास्वः | यूषितास्मः |
| भ० | यूषिष्यति | यूषिष्यतः | यूषिष्यन्ति |
| | यूषिष्यसि | यूषिष्यथः | यूषिष्यथ |
| | यूषिष्यामि | यूषिष्यावः | यूषिष्यामः |
| क्रि० | अयूषिष्यत् | अयूषिष्यताम् | अयूषिष्यन् |
| | अयूषिष्यः | अयूषिष्यतम् | अयूषिष्यत |
| | अयूषिष्यम् | अयूषिष्याव | अयूषिष्याम |

518 शष (शष्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| ब० | शषति | शषतः | शषन्ति |
| | शषसि | शषथः | शषथ |
| | शषामि | शषावः | शषामः |
| स० | शषेत् | शषेताम् | शषेयुः |
| | शषेः | शषेतम् | शषेत |
| | शषेयम् | शषेव | शषेम |
| प० | शषतु | शषतात् | शषताम् |
| | शष | ” | शषतम् |
| | शषाणि | शषाव | शषाम |
| झ० | अशषत् | अशषताम् | अशषन् |
| | अशषः | अशषतम् | अशषत |
| | अशषम् | अशषाव | अशषाम |
| ञ० | अशषीत् | अशषिष्टाम् | अशषिषुः |
| | अशषीः | अशषिष्टम् | अशषिष्ट |
| | अशषिषम् | अशषिष्व | अशषिष्व |
| | अशषीत् | अशषिष्टाम् | अशषिषुः |
| | अशषीः | अशषिष्टम् | अशषिष्ट |
| | अशषिषम् | अशषिष्व | अशषिष्व |
| ट० | शशष | शेषतुः | शेषुः |
| | शेषिथ | शेषथुः | शेष |
| | शशष | शशष | शेषिष |
| | | | शेषिम |
| आ० | शष्यात् | शष्यास्ताम् | शष्यासुः |
| | शष्याः | शष्यास्तम् | शष्यास्त |
| | शष्यासम् | शष्यास्व | शष्यास्म |
| इ० | शषिता | शषितारौ | शषितारः |
| | शषितासि | शषितास्थः | शषितास्थ |
| | शषितास्मि | शषितास्वः | शषितास्मः |
| भ० | शषिष्यति | शषिष्यतः | शषिष्यन्ति |
| | शषिष्यसि | शषिष्यथः | शषिष्यथ |
| | शषिष्यामि | शषिष्यावः | शषिष्यामः |
| क्रि० | अशषिष्यत् | अशषिष्यताम् | अशषिष्यन् |
| | अशषिष्यः | अशषिष्यतम् | अशषिष्यत |
| | अशषिष्यम् | अशषिष्याव | अशषिष्याम |

519 चष (चष्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| ब० | चषति | चषतः | चषन्ति |
| | चषसि | चषथः | चषथ |
| | चषामि | चषावः | चषामः |
| स० | चषेत् | चषेताम् | चषेयुः |
| | चषेः | चषेतम् | चषेत |
| | चषेयम् | चषेव | चषेम |
| प० | चषतु | चषतात् | चषताम् |
| | चष | ” | चषतम् |
| | चषाणि | चषाव | चषाम |
| झ० | अचषत् | अचषताम् | अचषन् |
| | अचषः | अचषतम् | अचषत |
| | अचषम् | अचषाव | अचषाम |
| ञ० | अचषीत् | अचषिष्टाम् | अचषिषुः |
| | अचषीः | अचषिष्टम् | अचषिष्ट |
| | अचषिषम् | अचषिष्व | अचषिष्व |
| | अचषीत् | अचषिष्टाम् | अचषिषुः |
| | अचषीः | अचषिष्टम् | अचषिष्ट |
| | अचषिषम् | अचषिष्व | अचषिष्व |
| ट० | चचाष | चेषतुः | चेषुः |
| | चेषिथ | चेषथुः | चेष |
| | चचाष | चचाष | चेषिष |
| | | | चेषिम |
| आ० | चषयात् | चषयास्ताम् | चषयासुः |
| | चषयाः | चषयास्तम् | चषयास्त |
| | चषयासम् | चषयास्व | चषयास्म |
| इ० | चषिता | चषितारौ | चषितारः |
| | चषितासि | चषितास्थः | चषितास्थ |
| | चषितास्मि | चषितास्वः | चषितास्मः |
| भ० | चषिष्यति | चषिष्यतः | चषिष्यन्ति |
| | चषिष्यसि | चषिष्यथः | चषिष्यथ |
| | चषिष्यामि | चषिष्यावः | चषिष्यामः |
| क्रि० | अचषिष्यत् | अचषिष्यताम् | अचषिष्यन् |
| | अचषिष्यः | अचषिष्यतम् | अचषिष्यत |
| | अचषिष्यम् | अचषिष्याव | अचषिष्याम |

517 जूष (जूष्) हिंसायाम् ।

व० जूषति जूषतः जूषन्ति
जूषसि जूषथः जूषथ
जूषामि जूषावः जूषामः

स० जूषेत् जूषेताम् जूषेयुः
जूषेः जूषेतम् जूषेत
जूषेयम् जूषेव जूषेम

प० जूषतु जूषतात् जूषताम् जूषन्तु
जूष ,, जूषतम् जूषत
जूषाणि जूषाव जूषाम

झ० अजूषत् अजूषताम् अजूषन्
अजूषः अजूषतम् अजूषत
अजूषम् अजूषाव अजूषाम

ञ० अजूषीत् अजूषिष्टाम् अजूषिषुः
अजूषीः अजूषिष्टम् अजूषिष्ट
अजूषिषम् अजूषिष्व अजूषिष्म

ण० जुजूष जुजूषतुः जुजूषुः
जुजूषिथ जुजूषथुः जुजूष
जुजूष जुजूषिथ जुजूषिथ

आ० जूष्यात् जूष्यास्ताम् जूष्यासुः
जूष्याः जूष्यास्तम् जूष्यास्त
जूष्यासम् जूष्यास्व जूष्यास्म

भ्र० जूषिता जूषितारौ जूषितारः
जूषितासि जूषितास्थः जूषितास्थ
जूषितास्मि जूषितास्वः जूषितास्मः

भ० जूषिष्यति जूषिष्यतः जूषिष्यन्ति
जूषिष्यसि जूषिष्यथः जूषिष्यथ
जूषिष्यामि जूषिष्यावः जूषिष्यामः

क्रि० अजूषिष्यत् अजूषिष्यताम् अजूषिष्यन्
अजूषिष्यः अजूषिष्यतम् अजूषिष्यत
अजूषिष्यम् अजूषिष्याव अजूषिष्याम

520 वृष (वृष्) संघाते च ।

चकारादिसायाम् ।

व० वर्षति वर्षतः वर्षन्ति
वर्षसि वर्षथः वर्षथ
वर्षामि वर्षावः वर्षामः

स० वर्षेत् वर्षेताम् वर्षेयुः
वर्षेः वर्षेतम् वर्षेत
वर्षेयम् वर्षेव वर्षेम

प० वर्षतु वर्षतात् वर्षताम् वर्षन्तु
वर्ष ,, वर्षतम् वर्षत
वर्षाणि वर्षाव वर्षामि

अवर्षत् अवर्षताम् अवर्षन्
अवर्षः अवर्षतम् अवर्षत
अवर्षम् अवर्षाव अवर्षामि

अवर्षीत् अवर्षिष्टाम् अवर्षिषुः
अवर्षीः अवर्षिष्टम् अवर्षिष्ट
अवर्षिषम् अवर्षिष्व अवर्षिष्म

प० ववर्ष ववर्षतुः ववर्षुः
ववर्षिथ ववर्षथुः ववर्ष
ववर्ष ववर्षिथ ववर्षिथ

आ० वृष्यात् वृष्यास्ताम् वृष्यासुः
वृष्याः वृष्यास्तम् वृष्यास्त
वृष्यासम् वृष्यास्व वृष्यास्म

भ्र० वर्षिता वर्षितारौ वर्षितारः
वर्षितासि वर्षितास्थः वर्षितास्थ
वर्षितास्मि वर्षितास्वः वर्षितास्मः

भ० वर्षिष्यति वर्षिष्यतः वर्षिष्यन्ति
वर्षिष्यसि वर्षिष्यथः वर्षिष्यथ
वर्षिष्यामि वर्षिष्यावः वर्षिष्यामः

क्रि० अवर्षिष्यत् अवर्षिष्यताम् अवर्षिष्यन्
अवर्षिष्यः अवर्षिष्यतम् अवर्षिष्यत
अवर्षिष्यम् अवर्षिष्याव अवर्षिष्याम

521 भष (भष्) भर्त्सने ।

भर्त्सनं कुत्सितशब्दकरणम् ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| व० | भषति | भषतः | भषन्ति |
| | भषसि | भषथः | भषथ |
| | भषामि | भषावः | भषामः |
| स० | भषेत् | भषेताम् | भषेयुः |
| | भषेः | भषेतम् | भषेत |
| | भषेयम् | भषेव | भषेम |
| प० | भषतु | भषतात् | भषताम् |
| | भष | भषतम् | भषत |
| | भषाणि | भषाव | भषाम |
| झ० | अभषत् | अभषताम् | अभषन् |
| | अभषः | अभषतम् | अभषत |
| | अभषम् | अभषाव | अभषाम |
| अ० | अभाषीत् | अभाषिष्टाम् | अभाषिषुः |
| | अभाषीः | अभाषिष्टम् | अभाषिष्ट |
| | अभाषिषम् | अभाषिष्व | अभाषिष्म |
| | अभषीत् | अभषिष्टाम् | अभषिषुः |
| | अभषीः | अभषिष्टम् | अभषिष्ट |
| | अभषिषम् | अभषिष्व | अभषिष्म |
| प० | वभाष | वभषतुः | वभषुः |
| | वभषिथ | वभषथुः | वभष |
| | वभाष, वभष | वभषिष्व | वभषिष्म |
| भा० | भष्यात् | भष्यास्ताम् | भष्यासुः |
| | भष्याः | भष्यास्तम् | भष्यास्त |
| | भष्यासम् | भष्यास्व | भष्यास्म |
| भ्व० | भषिता | भषितारौ | भषितारः |
| | भषितासि | भषितास्थः | भषितास्थ |
| | भषितास्मि | भषितास्वः | भषितास्मः |
| भ० | भषिष्यति | भषिष्यतः | भषिष्यन्ति |
| | भषिष्यसि | भषिष्यथः | भषिष्यथ |
| | भषिष्यामि | भषिष्यावः | भषिष्यामः |
| क्रि० | अभषिष्यत् | अभषिष्यताम् | अभषिष्यन् |
| | अभषिष्यः | अभषिष्यतम् | अभषिष्यत |
| | अभषिष्यम् | अभषिष्याव | अभषिष्याम |

522 जिषू (जिषू) सेवने ।

| | | | |
|-------|------------------|--------------|-------------|
| व० | जेषति | जेषतः | जेषन्ति |
| | जेषसि | जेषथः | जेषथ |
| | जेषामि | जेषावः | जेषामः |
| स० | जेषेत् | जेषेताम् | जेषेयुः |
| | जेषेः | जेषेतम् | जेषेत |
| | जेषेयम् | जेषेव | जेषेम |
| प० | जेषतु | जेषतात् | जेषताम् |
| | जेष | जेषतम् | जेषत |
| | जेषाणि | जेषाव | जेषाम |
| झ० | अजेषत् | अजेषताम् | अजेषन् |
| | अजेषः | अजेषतम् | अजेषत |
| | अजेषम् | अजेषाव | अजेषाम |
| अ० | अजेषीत् | अजेषिष्टाम् | अजेषिषुः |
| | अजेषीः | अजेषिष्टम् | अजेषिष्ट |
| | अजेषिषम् | अजेषिष्व | अजेषिष्म |
| प० | जिजेष | जिजिषतुः | जिजिषुः |
| | जिजेषिथ | जिजिषथुः | जिजिष |
| | जिजेष, जिजिषिष्व | जिजिषिष्म | |
| आ० | जिष्यात् | जिष्यास्ताम् | जिष्यासुः |
| | जिष्याः | जिष्यास्तम् | जिष्यास्त |
| | जिष्यासम् | जिष्यास्व | जिष्यास्म |
| भ्र० | जेषिता | जेषितारौ | जेषितारः |
| | जेषितासि | जेषितास्थः | जेषितास्थ |
| | जेषितास्मि | जेषितास्वः | जेषितास्मः |
| भ० | जेषिष्यति | जेषिष्यतः | जेषिष्यन्ति |
| | जेषिष्यसि | जेषिष्यथः | जेषिष्यथ |
| | जेषिष्यामि | जेषिष्यावः | जेषिष्यामः |
| क्रि० | अजेषिष्यत् | अजेषिष्यताम् | अजेषिष्यन् |
| | अजेषिष्यः | अजेषिष्यतम् | अजेषिष्यत |
| | अजेषिष्यम् | अजेषिष्याव | अजेषिष्याम |

523 विष् (विष्) सेचने ॥

व० वेषति वेषतः वेषन्ति
वेपसि वेषथः वेषथ
वेषामि वेषावः वेषामः

स० वेपेत् वेपेताम् वेपेयुः
वेपेः वेपेतम् वेपेत
वेपेयम् वेपेव वेपेम

प० वेषतु वेषतात् वेषताम् वेषन्तु
वेप , वेषतम् वेषत
वेपाणि वेषाव वेषाम

झ० अवेपत् अवेपताम् अवेपन्
अवेपः अवेपतम् अवेपत
अवेपम् अवेपाव अवेपाम

अ० अवेपीत् अवेपिष्टाम् अवेपिषुः
अवेपीः अवेपिष्टम् अवेपिष्ट
अवेपिषम् अवेपिष्व अवेपिष्म

प० विवेष विविषतुः विविषुः
विवेषिथ विविषिथुः विविष
विवेष विविषिष विविषिषम

आ० विष्यात् विष्यास्ताम् विष्यासुः
विष्याः विष्यास्तम् विष्यास्त
विष्यासम् विष्यास्व विष्यास्म

श्च० वेषिता वेषितारौ वेषितारः
वेषितासि वेषितास्थः वेषितास्थ
वेषितास्मि वेषितास्वः वेषितास्मः

भ० वेषिष्यति वेषिष्यतः वेषिष्यन्ति
वेषिष्यसि वेषिष्यथः वेषिष्यथ
वेषिष्यामि वेषिष्यावः वेषिष्यामः

क्रि० अवेपिष्यत् अवेपिष्यताम् अवेपिष्यन्
अवेपिष्यः अवेपिष्यतम् अवेपिष्यत
अवेपिष्यम् अवेपिष्याव अवेपिष्याम

524 मिष् (मिष्) सेचने ।

व० मेषति मेषतः मेषन्ति
मेषसि मेषथः मेषथ
मेषामि मेषावः मेषामः

स० मेषेत् मेषेताम् मेषेयुः
मेषेः मेषेतम् मेषेत
मेषेयम् मेषेव मेषेम

प० मेषतु मेषतात् मेषताम् मेषन्तु
मेष , मेषतम् मेषत
मेषाणि मेषाव मेषाम

झ० अमेषत् अमेषताम् अमेषन्
अमेषः अमेषतम् अमेषत
अमेषम् अमेषाव अमेषाम

अ० अमेषीत् अमेषिष्टाम् अमेषिषुः
अमेषीः अमेषिष्टम् अमेषिष्ट
अमेषिषम् अमेषिष्व अमेषिष्म

प० मिमेष मिमिषतुः मिमिषुः
मिमेषिथ मिमिषिथुः मिमिष
मिमेष मिमिषिष मिमिषिषम

आ० मिष्यात् मिष्यास्ताम् मिष्यासुः
मिष्याः मिष्यास्तम् मिष्यास्त
मिष्यासम् मिष्यास्व मिष्यास्म

श्च० मेषिता मेषितारौ मेषितारः
मेषितासि मेषितास्थः मेषितास्थ
मेषितास्मि मेषितास्वः मेषितास्मः

भ० मेषिष्यति मेषिष्यतः मेषिष्यन्ति
मेषिष्यसि मेषिष्यथः मेषिष्यथ
मेषिष्यामि मेषिष्यावः मेषिष्यामः

अमेषिष्यत् अमेषिष्यताम् अमेषिष्यन्
अमेषिष्यः अमेषिष्यतम् अमेषिष्यत
अमेषिष्यम् अमेषिष्याव अमेषिष्याम

525 निष् (निष्) सेचने ।

ब० नेषति नेषतः नेषन्ति
नेषसि नेषथः नेषथ
नेषामि नेषावः नेषामः

स० नेषेत नेषेताम् नेषेयुः
नेषेः नेषेतम् नेषेत
नेषेयम् नेषेव नेषेम

प० नेषतु नेषतात् नेषताम् नेषन्तु
नेष " नेषतम् नेषत
नेषाणि नेषाव नेषाम

अनेषत् अनेषताम् अनेषन्
अनेषः अनेषतम् अनेषत
अनेषम् अनेषाव अनेषाम

अनेषीत् अनेषिताम् अनेषिषुः
अनेषीः अनेषितम् अनेषित
अनेषिषम् अनेषिष्व अनेषिषम

निनेष निनिषतुः निनिषुः
नेनेषिथ निनिषथुः निनिष
निनेष निनिषिष निनिषिम

• निषयात् निषयास्ताम् निषयासुः
निषयाः निषयास्तम् निषयास्त
निषयासम् निषयास्व निषयास्म

३० नेषिता नेषितारौ नेषितारः
नेषितासि नेषितास्थः नेषितास्थ
नेषितास्मि नेषितास्वः नेषितास्मः

भ० नेषिष्यति नेषिष्यतः नेषिष्यन्त
नेषिष्यसि नेषिष्यथः नेषिष्यथ
नेषिष्यामि नेषिष्यावः नेषिष्यामः

क्रि० अनेषिष्यत् अनेषिष्यताम् अनेषिष्यन्
अनेषिष्यः अनेषिष्यतम् अनेषिष्यत
अनेषिष्यम् अनेषिष्याव अनेषिष्याम

526 पृष् (पृष्) सेचने ।

ब० पर्षति पर्षतः पर्षन्ति
पर्षसि पर्षथः पर्षथ
पर्षामि पर्षावः पर्षामः

स० पर्षेत पर्षेताम् पर्षेयुः
पर्षेः पर्षेतम् पर्षेत
पर्षेयम् पर्षेव पर्षेम

प० पर्षतु पर्षतात् पर्षताम् पर्षन्तु
पर्ष " पर्षतम् पर्षत
पर्षाणि पर्षाव पर्षाम

ह्य० अपर्षत् अपर्षताम् अपर्षन्
अपर्षः अपर्षतम् अपर्षत
अपर्षम् अपर्षाव अपर्षाम

अ० अपर्षीत् अपर्षिताम् अपर्षिषुः
अपर्षीः अपर्षितम् अपर्षित
अपर्षिषम् अपर्षिष्व अपर्षिषम

प० पपर्व पपृषतुः पपृषुः
पपर्विथ पपृषथुः पपृष
पपर्व पपृषिष्व पपृषिम

आ० पृष्यात् पृष्यास्ताम् पृष्यासुः
पृष्याः पृष्यास्तम् पृष्यास्त
पृष्यासम् पृष्यास्व पृष्यास्म

श्व० पर्षिता पर्षितारौ पर्षितारः
पर्षितासि पर्षितास्थः पर्षितास्थ
पर्षितास्मि पर्षितास्वः पर्षितास्मः

भ० पर्षिष्यति पर्षिष्यतः पर्षिष्यन्ति
पर्षिष्यसि पर्षिष्यथः पर्षिष्यथ
पर्षिष्यामि पर्षिष्यावः पर्षिष्यामः

क्रि० अपर्षिष्यत् अपर्षिष्यताम् अपर्षिष्यन्
अपर्षिष्यः अपर्षिष्यतम् अपर्षिष्यत
अपर्षिष्यम् अपर्षिष्याव अपर्षिष्याम

527 वृष् (वृष्) सेचने ।

व० वर्षति वर्षतः वर्षन्ति
वर्षसि वर्षथः वर्षथ
वर्षामि वर्षावः वर्षामः

स० वर्षेत् वर्षेताम् वर्षेयुः
वर्षेः वर्षेतम् वर्षेत
वर्षेयम् वर्षेव वर्षेम

प० वर्षतु वर्षतात् वर्षताम् वर्षन्तु
वर्ष , वर्षतम् वर्षत
वर्षाणि वर्षाव वर्षामि

अवर्षत् अवर्षताम् अवर्षन्
अवर्षः अवर्षतम् अवर्षत
अवर्षम् अवर्षाव अवर्षामि

अवर्षीत् अवर्षीष्टाम् अवर्षीषुः
अवर्षीः अवर्षीष्टम् अवर्षीष्ट
अवर्षीषम् अवर्षीष्टव अवर्षीष्टम

प० ववर्ष ववर्षतुः ववर्षुः
ववर्षिथ ववर्षथुः ववर्ष
ववर्षा ववर्षाव ववर्षामि

आ० वृष्यात् वृष्यास्ताम् वृष्यासुः
वृष्याः वृष्यास्तम् वृष्यास्त
वृष्यासम् वृष्यास्व वृष्यास्म

वर्षिता वर्षितारौ वर्षितारः
वर्षितासि वर्षितास्थः वर्षितास्थ
वर्षितास्मि वर्षितास्वः वर्षितास्मः

वर्षिष्यति वर्षिष्यतः वर्षिष्यन्ति
वर्षिष्यसि वर्षिष्यथः वर्षिष्यथ
वर्षिष्यामि वर्षिष्यावः वर्षिष्यामः

अवर्षिष्यत् अवर्षिष्यताम् अवर्षिष्यन्
अवर्षिष्यः अवर्षिष्यतम् अवर्षिष्यत
अवर्षिष्यम् अवर्षिष्याव अवर्षिष्याम

528 मृष् (मृष्) सहने च ।

चकारासेचने ॥

व० मर्षति मर्षतः मर्षन्ति
मर्षसि मर्षथः मर्षथ
मर्षामि मर्षावः मर्षामः

स० मर्षेत् मर्षेताम् मर्षेयुः
मर्षेः मर्षेतम् मर्षेत
मर्षेयम् मर्षेव मर्षेम

प० मर्षतु मर्षतात् मर्षताम् मर्षन्तु
मर्ष , मर्षतम् मर्षत
मर्षाणि मर्षाव मर्षामि

झ० अमर्षत् अमर्षताम् अमर्षन्
अमर्षः अमर्षतम् अमर्षत
अमर्षम् अमर्षाव अमर्षामि

अ० अमर्षीत् अमर्षीष्टाम् अमर्षीषुः
अमर्षीः अमर्षीष्टम् अमर्षीष्ट
अमर्षीषम् अमर्षीष्टव अमर्षीष्टम

प० ममर्ष ममर्षतुः ममर्षुः
ममर्षिथ ममर्षथुः ममर्ष
ममर्षा ममर्षाव ममर्षामि

आ० मृष्यात् मृष्यास्ताम् मृष्यासुः
मृष्याः मृष्यास्तम् मृष्यास्त
मृष्यासम् मृष्यास्व मृष्यास्म

श्च० मर्षिता मर्षितारौ मर्षितारः
मर्षितासि मर्षितास्थः मर्षितास्थ
मर्षितास्मि मर्षितास्वः मर्षितास्मः

म० मर्षिष्यति मर्षिष्यतः मर्षिष्यन्ति
मर्षिष्यसि मर्षिष्यथः मर्षिष्यथ
मर्षिष्यामि मर्षिष्यावः मर्षिष्यामः

क्रि० अमर्षिष्यत् अमर्षिष्यताम् अमर्षिष्यन्
अमर्षिष्यः अमर्षिष्यतम् अमर्षिष्यत
अमर्षिष्यम् अमर्षिष्याव अमर्षिष्याम

529 उषू (उषू) दाहे ।

| | | |
|----------------|-------------|---------------|
| व० ओषति | ओषतः | ओषन्ति |
| ओषसि | ओषथः | ओषथ |
| ओषामि | ओषावः | ओषामः |
| स० ओषेत् | ओषेताम् | ओषेयुः |
| ओषेः | ओषेतम् | ओषेत |
| ओषेयम् | ओषेव | ओषेम |
| प० ओषतु | ओषतान् | ओषताम् ओषन्तु |
| ओष | ” | ओषतम् ओषत |
| ओषाणि | ओषाव | ओषाम |
| झ० ओषत् | ओषताम् | ओषन् |
| ओषः | ओषतम् | ओषत |
| ओषम् | ओषाव | ओषाम |
| अ० ओषीत् | ओषिताम् | ओषिषुः |
| ओषीः | ओषिटम् | ओषिट |
| ओषिषम् | ओषिष्व | ओषिष्व |
| प० ओषाञ्चकार | ओषाञ्चक्रुः | ओषाञ्चकुः |
| ओषाञ्चकथं | ओषाञ्चकथुः | ओषाञ्चक |
| ओषाञ्चकार, चकर | ओषाञ्चकृव | ओषाञ्चकृम |
| उषोष | ऊषतुः | ऊषुः |
| उषाणित्थ | ऊषथुः | ऊष |
| उषोष | ऊषिष | ऊषिम |
| आ० उष्यात् | उष्यास्ताम् | उष्यासुः |
| उष्याः | उष्यास्तम् | उष्यास्त |
| उष्यासम् | उष्यास्व | उष्यास्म |
| श्व० ओषिता | ओषितारौ | ओषितारः |
| ओषितासि | ओषितास्थः | ओषितास्थ |
| ओषितास्मि | ओषितास्वः | ओषितास्मः |
| भ० ओषिष्यति | ओषिष्यतः | ओषिष्यन्ति |
| ओषिष्यसि | ओषिष्यथः | ओषिष्यथ |
| ओषिष्यामि | ओषिष्यावः | ओषिष्यामः |
| ओषिष्यत् | ओषिष्यताम् | ओषिष्यन् |
| ओषिष्यः | ओषिष्यतम् | ओषिष्यत |
| ओषिष्यम् | ओषिष्याव | ओषिष्याम |

530 श्रिषू (श्रिष) दाहे ॥

| | | |
|--------------------|----------------|---------------------|
| व० श्रेषति | श्रेषतः | श्रेषन्ति |
| श्रेषसि | श्रेषथः | श्रेषथ |
| श्रेषामि | श्रेषावः | श्रेषामः |
| स० श्रेषेत् | श्रेषेताम् | श्रेषेयुः |
| श्रेषेः | श्रेषेतम् | श्रेषेत |
| श्रेषेयम् | श्रेषेव | श्रेषेम |
| प० श्रेषतु | श्रेषतान् | श्रेषताम् श्रेषन्तु |
| श्रेष | ” | श्रेषतम् श्रेषत |
| श्रेषाणि | श्रेषाव | श्रेषाम |
| झ० अश्रेषत् | अश्रेषताम् | अश्रेषन् |
| अश्रेषः | अश्रेषतम् | अश्रेषत |
| श्रेषम् | अश्रेषाव | अश्रेषाम |
| अ० अश्रेषीत् | अश्रेषिताम् | अश्रेषिषुः |
| अश्रेषीः | अश्रेषिटम् | अश्रेषिट |
| अश्रेषिषम् | अश्रेषिष्व | अश्रेषिष्व |
| प० शिश्रेष | शिश्रेषतुः | शिश्रेषुः |
| शिश्रेषिष | शिश्रेषिषुः | शिश्रेषिष |
| शिश्रेष | शिश्रेषिष | शिश्रेषिषि |
| आ० श्रिष्यात् | श्रिष्यास्ताम् | श्रिष्यासुः |
| श्रिष्याः | श्रिष्यास्तम् | श्रिष्यास्त |
| श्रिष्यासम् | श्रिष्यास्व | श्रिष्यास्म |
| श्व० श्रेषिता | श्रेषितारौ | श्रेषितारः |
| श्रेषितासि | श्रेषितास्थः | श्रेषितास्थ |
| श्रेषितास्मि | श्रेषितास्वः | श्रेषितास्मः |
| भ० श्रेषिष्यति | श्रेषिष्यतः | श्रेषिष्यन्ति |
| श्रेषिष्यसि | श्रेषिष्यथः | श्रेषिष्यथ |
| श्रेषिष्यामि | श्रेषिष्यावः | श्रेषिष्यामः |
| क्रि० अश्रेषिष्यत् | अश्रेषिष्यताम् | अश्रेषिष्यन् |
| अश्रेषिष्यः | अश्रेषिष्यतम् | अश्रेषिष्यत |
| अश्रेषिष्यम् | अश्रेषिष्याव | अश्रेषिष्याम |

531 श्लिष् (श्लिष्) दाहे ।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| व० | श्लेषति | श्लेषतः | श्लेषन्ति |
| | श्लेषसि | श्लेषथः | श्लेषथ |
| | श्लेषामि | श्लेषावः | श्लेषामः |
| स० | श्लेषेत् | श्लेषेताम् | श्लेषेयुः |
| | श्लेषेः | श्लेषेतम् | श्लेषेत |
| | श्लेषेयम् | श्लेषेव | श्लेषेम |
| प० | श्लेषतु | श्लेषतात् | श्लेषताम् |
| | श्लेष | ” | श्लेषतम् |
| | श्लेषाणि | श्लेषाव | श्लेषाम |
| झ० | अश्लेषत् | अश्लेषताम् | अश्लेषन् |
| | अश्लेषः | अश्लेषतम् | अश्लेषत |
| | अश्लेषम् | अश्लेषाव | अश्लेषाम |
| ञ० | अश्लेषीत् | अश्लेषिष्टाम् | अश्लेषिषुः |
| | अश्लेषीः | अश्लेषिष्टम् | अश्लेषिष्ट |
| | अश्लेषिषम् | अश्लेषिष्व | अश्लेषिष्म |
| ट० | शिश्लेष | शिश्लेषतुः | शिश्लेषुः |
| | शिश्लेषिथ | शिश्लेषथुः | शिश्लेष |
| | शिश्लेष | शिश्लेषिथ | शिश्लेषिथि |
| आ० | श्लिष्यात् | श्लिष्यास्ताम् | श्लिष्यासुः |
| | श्लिष्याः | श्लिष्यास्तम् | श्लिष्यास्त |
| | श्लिष्यासम् | श्लिष्यास्व | श्लिष्यास्म |
| भ० | श्लेषिता | श्लेषितारौ | श्लेषितारः |
| | श्लेषितासि | श्लेषितास्थः | श्लेषितास्थ |
| | श्लेषितास्मि | श्लेषितास्वः | श्लेषितास्मः |
| म० | श्लेषिष्यति | श्लेषिष्यतः | श्लेषिष्यन्ति |
| | श्लेषिष्यसि | श्लेषिष्यथः | श्लेषिष्यथ |
| | श्लेषिष्यामि | श्लेषिष्यावः | श्लेषिष्यामः |
| क्रि० | अश्लेषिष्यत् | अश्लेषिष्यताम् | अश्लेषिष्यन् |
| | अश्लेषिष्यः | अश्लेषिष्यतम् | अश्लेषिष्यत |
| | अश्लेषिष्यम् | अश्लेषिष्याव | अश्लेषिष्याम |

532 प्रुष् (प्रुष्) दाहे ।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| व० | प्रोषति | प्रोषतः | प्रोषन्ति |
| | प्रोषसि | प्रोषथः | प्रोषथ |
| | प्रोषामि | प्रोषावः | प्रोषामः |
| स० | प्रोषेत् | प्रोषेताम् | प्रोषेयुः |
| | प्रोषेः | प्रोषेतम् | प्रोषेत |
| | प्रोषेयम् | प्रोषेव | प्रोषेम |
| प० | प्रोषतु | प्रोषतात् | प्रोषताम् |
| | प्रोष | ” | प्रोषतम् |
| | प्रोषाणि | प्रोषाव | प्रोषाम |
| झ० | अप्रोषत् | अप्रोषताम् | अप्रोषन् |
| | अप्रोषः | अप्रोषतम् | अप्रोषत |
| | अप्रोषम् | अप्रोषाव | अप्रोषाम |
| ञ० | अप्रोषीत् | अप्रोषिष्टाम् | अप्रोषिषुः |
| | अप्रोषीः | अप्रोषिष्टम् | अप्रोषिष्ट |
| | अप्रोषिषम् | अप्रोषिष्व | अप्रोषिष्म |
| ट० | पुप्रोष | पुप्रोषतुः | पुप्रोषुः |
| | पुप्रोषिथ | पुप्रोषथुः | पुप्रोष |
| | पुप्रोषा | पुप्रोषिथ | पुप्रोषिथि |
| आ० | प्रुष्यात् | प्रुष्यास्ताम् | प्रुष्यासुः |
| | प्रुष्याः | प्रुष्यास्तम् | प्रुष्यास्त |
| | प्रुष्यासम् | प्रुष्यास्व | प्रुष्यास्म |
| भ० | प्रोषिता | प्रोषितारौ | प्रोषितारः |
| | प्रोषितासि | प्रोषितास्थः | प्रोषितास्थ |
| | प्रोषितास्मि | प्रोषितास्वः | प्रोषितास्मः |
| म० | प्रोषिष्यति | प्रोषिष्यतः | प्रोषिष्यन्ति |
| | प्रोषिष्यसि | प्रोषिष्यथः | प्रोषिष्यथ |
| | प्रोषिष्यामि | प्रोषिष्यावः | प्रोषिष्यामः |
| क्रि० | अप्रोषिष्यत् | अप्रोषिष्यताम् | अप्रोषिष्यन् |
| | अप्रोषिष्यः | अप्रोषिष्यतम् | अप्रोषिष्यत |
| | अप्रोषिष्यम् | अप्रोषिष्याव | अप्रोषिष्याम |

533 प्लुषू (प्लुषू) दाहे ।

ब० प्लोषति प्लोषतः प्लोषन्ति
प्लोषसि प्लोषथः प्लोषथ
प्लोषामि प्लोषावः प्लोषामः

म० प्लोषेत् प्लोषेताम् प्लोषेयुः
प्लोषेः प्लोषेतम् प्लोषेत
प्लोषेयम् प्लोषेव प्लोषेम

प० प्लोषतु प्लोषतात् प्लोषताम् प्लोषन्तु
प्लोष " प्लोषतम् प्लोषत
प्लोषाणि प्लोषाव प्लोषाम

झ० अप्लोषत अप्लोषताम् अप्लोषन्
अप्लोषः अप्लोषतम् अप्लोषत
अप्लोषम् अप्लोषाव अप्लोषाम

अ० अप्लोषीत् अप्लोषीष्टम् अप्लोषिषुः
अप्लोषीः अप्लोषिष्टम् अप्लोषिष्ट
अप्लोषिषम् अप्लोषिष्व अप्लोषिष्म

प० पुप्लोष पुप्लुषतुः पुप्लुषुः
पुप्लोषिथ पुप्लुषथुः पुप्लुष
पुप्लोष पुप्लुषिष पुप्लुषिम

आ० प्लुष्यात् प्लुष्यास्ताम् प्लुष्यासुः
प्लुष्याः प्लुष्यास्तम् प्लुष्यास्त
प्लुष्यासम् प्लुष्यास्व प्लुष्यास्म

श्च० प्लोषिता प्लोषितारौ प्लोषितारः
प्लोषितासि प्लोषितास्थः प्लोषितास्थ
प्लोषितास्मि प्लोषितास्वः प्लोषितास्मः

भ० प्लोषिष्यति प्लोषिष्यतः प्लोषिष्यन्ति
प्लोषिष्यसि प्लोषिष्यथः प्लोषिष्यथ
प्लोषिष्यामि प्लोषिष्यावः प्लोषिष्यामः

अप्लोषिष्यत् अप्लोषिष्यताम् अप्लोषिष्यन्
अप्लोषिष्यः अप्लोषिष्यतम् अप्लोषिष्यत
अप्लोषिष्यम् अप्लोषिष्याव अप्लोषिष्याम

534 घृषू (घृषू) संहर्षे ॥

ब० घर्षति घर्षतः घर्षन्ति
घर्षसि घर्षथः घर्षथ
घर्षामि घर्षावः घर्षामः

स० घर्षेत् घर्षेताम् घर्षेयुः
घर्षेः घर्षेतम् घर्षेत
घर्षेयम् घर्षेव घर्षेम

प० घर्षतु घर्षतात् घर्षताम् घर्षन्तु
घर्ष " घर्षतम् घर्षत
घर्षाणि घर्षाव घर्षाम

झ० अघर्षत् अघर्षताम् अघर्षन्
अघर्षः अघर्षतम् अघर्षत
अघर्षम् अघर्षाव अघर्षाम

अ० अघर्षीत् अघर्षीष्टम् अघर्षिषुः
अघर्षीः अघर्षिष्टम् अघर्षिष्ट
अघर्षिषम् अघर्षिष्व अघर्षिष्म

प० जघर्ष जघृषतुः जघृषुः
जघर्षिथ जघृषथुः जघृष
जघर्ष जघृषिष जघृषिम

आ० घृष्यात् घृष्यास्ताम् घृष्यासुः
घृष्याः घृष्यास्तम् घृष्यास्त
घृष्यासम् घृष्यास्व घृष्यास्म

श्च० घर्षिता घर्षितारौ घर्षितारः
घर्षितासि घर्षितास्थः घर्षितास्थ
घर्षितास्मि घर्षितास्वः घर्षितास्मः

भ० घर्षिष्यति घर्षिष्यतः घर्षिष्यन्ति
घर्षिष्यसि घर्षिष्यथः घर्षिष्यथ
घर्षिष्यामि घर्षिष्यावः घर्षिष्यामः

क्रि० अघर्षिष्यत् अघर्षिष्यताम् अघर्षिष्यन्
अघर्षिष्यः अघर्षिष्यतम् अघर्षिष्यत
अघर्षिष्यम् अघर्षिष्याव अघर्षिष्याम

535 हृष् (हृष्) अलीके ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | हृषति | हृषतः | हृषन्ति |
| | हृषसि | हृषथः | हृषथ |
| | हृषामि | हृषावः | हृषामः |
| स० | हृषेत् | हृषेताम् | हृषेयुः |
| | हृषेः | हृषेतम् | हृषेत |
| | हृषेयम् | हृषेव | हृषेम |
| प० | हृषतु | हृषतात् | हृषताम् |
| | हृष | „ | हृषतम् |
| | हृषाणि | हृषाव | हृषाम |
| झ० | अहृषत् | अहृषताम् | अहृषन् |
| | अहृषः | अहृषतम् | अहृषत |
| | अहृषम् | अहृषाव | अहृषाम |
| अ० | अहृषीत् | अहृषिष्टाम् | अहृषिषुः |
| | अहृषीः | अहृषिष्टम् | अहृषिष्ट |
| | अहृषिषम् | अहृषिष्व | अहृषिषम् |
| प० | जहृष | जहृषतुः | जहृषुः |
| | जहृषिथ | जहृषथुः | जहृष |
| | जहृष | जहृषिव | जहृषिम |
| आ० | हृष्यात् | हृष्यास्ताम् | हृष्यासुः |
| | हृष्याः | हृष्यास्तम् | हृष्यास्त |
| | हृष्यासम् | हृष्यास्व | हृष्यास्म |
| भ्व० | हृषिता | हृषितारौ | हृषितारः |
| | हृषितासि | हृषितास्थः | हृषितास्थ |
| | हृषितास्मि | हृषितास्वः | हृषितास्मः |
| भ० | हृषिष्यति | हृषिष्यतः | हृषिष्यन्ति |
| | हृषिष्यसि | हृषिष्यथः | हृषिष्यथ |
| | हृषिष्यामि | हृषिष्यावः | हृषिष्यामः |
| क्रि० | अहृषिष्यत् | अहृषिष्यताम् | अहृषिष्यन् |
| | अहृषिष्यः | अहृषिष्यतम् | अहृषिष्यत |
| | अहृषिष्यम् | अहृषिष्याव | अहृषिष्याम |

536 पुष (पुष) पृष्टौ ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | पुषति | पुषतः | पुषन्ति |
| | पुषसि | पुषथः | पुषथ |
| | पुषामि | पुषावः | पुषामः |
| स० | पुषेत् | पुषेताम् | पुषेयुः |
| | पुषेः | पुषेतम् | पुषेत |
| | पुषेयम् | पुषेव | पुषेम |
| प० | पुषतु | पुषतात् | पुषताम् |
| | पुष | „ | पुषतम् |
| | पुषाणि | पुषाव | पुषाम |
| झ० | अपुषत् | अपुषताम् | अपुषन् |
| | अपुषः | अपुषतम् | अपुषत |
| | अपुषम् | अपुषाव | अपुषाम |
| अ० | अपुषीत् | अपुषिष्टाम् | अपुषिषुः |
| | अपुषीः | अपुषिष्टम् | अपुषिष्ट |
| | अपुषिषम् | अपुषिष्व | अपुषिषम् |
| प० | पुपुष | पुपुषतुः | पुपुषुः |
| | पुपुषिथ | पुपुषथुः | पुपुष |
| | पुपुष | पुपुषिव | पुपुषिम |
| आ० | पुष्यात् | पुष्यास्ताम् | पुष्यासुः |
| | पुष्याः | पुष्यास्तम् | पुष्यास्त |
| | पुष्यासम् | पुष्यास्व | पुष्यास्म |
| भ्व० | पुषिता | पुषितारौ | पुषितारः |
| | पुषितासि | पुषितास्थः | पुषितास्थ |
| | पुषितास्मि | पुषितास्वः | पुषितास्मः |
| भ० | पुषिष्यति | पुषिष्यतः | पुषिष्यन्ति |
| | पुषिष्यसि | पुषिष्यथः | पुषिष्यथ |
| | पुषिष्यामि | पुषिष्यावः | पुषिष्यामः |
| क्रि० | अपुषिष्यत् | अपुषिष्यताम् | अपुषिष्यन् |
| | अपुषिष्यः | अपुषिष्यतम् | अपुषिष्यत |
| | अपुषिष्यम् | अपुषिष्याव | अपुषिष्याम |

537 भूष (भूष्) अलङ्कारे ।

व० भूषति भूषतः भूषन्ति
भूषसि भूषथः भूषथ
भूषामि भूषावः भूषामः

स० भूषेत् भूषेताम् भूषेयुः
भूषेः भूषेतम् भूषेत
भूषेयम् भूषेव भूषेम

प० भूषतु भूषतात् भूषताम् भूषन्तु
भूष भूषतम् भूषत
भूषाणि भूषाव भूषाम

झ० अभूषत् अभूषताम् अभूषन्
अभूषः अभूषतम् अभूषत
अभूषम् अभूषाव अभूषाम

अ० अभूषीत् अभूषिष्टाम् अभूषिषुः
अभूषीः अभूषिष्टम् अभूषिष्ट
अभूषिषम् अभूषिष्व अभूषिष्म

प० बुभूष बुभूषतुः बुभूषुः
बुभूषिथ बुभूषथुः बुभूष
बुभूष बुभूषिष्व बुभूषिष्म

आ० भूष्यात् भूष्यास्ताम् भूष्यासुः
भूष्याः भूष्यास्तम् भूष्यास्त
भूष्यासम् भूष्यास्व भूष्यास्म

भ्व० भूषिता भूषितारौ भूषितारः
भूषितासि भूषितास्थः भूषितास्थ
भूषितास्मि भूषितास्वः भूषितास्मः

भ० भूषिष्यति भूषिष्यतः भूषिष्यन्ति
भूषिष्यसि भूषिष्यथः भूषिष्यथ
भूषिष्यामि भूषिष्यावः भूषिष्यामः

क्रि० अभूषिष्यत् अभूषिष्यताम् अभूषिष्यन्
अभूषिष्यः अभूषिष्यतम् अभूषिष्यत
अभूषिष्यम् अभूषिष्याव अभूषिष्याम

अथ सान्तास्त्रयोदश धसुं वजाः सेटश्च
538 तसु (तंस्) अलङ्कारे ।

व० तंसति तंसातः तंसन्ति
तंससि तंसथः तंसथ
तंसामि तंसावः तंसामः

स० तंसेत् तंसेताम् तंसेयुः
तंसेः तंसेतम् तंसेत
तंसेयम् तंसेव तंसेम

प० तंसतु तंसातात् तंसाताम् तंसन्तु
तंसा तंसतम् तंसत
तंसानि तंसाव तंसाम

झ० अतंसात् अतंसाताम् अतंसन्
अतंसाः अतंसातम् अतंसात
अतंसम् अतंसाव अतंसाम

अ० अतंसीत् अतंसिष्टाम् अ सिषुः
अतंसीः अतंसिष्टम् अतंसिष्ट
अतंसिषम् अतंसिष्व अतंसिष्म

प० ततंसा ततंसातुः ततंसुः
ततंसिथ ततंसथुः ततंस
ततंस ततंसिष्व ततंसिष्म

आ० तंस्यात् तंस्यास्ताम् तंस्यासुः
तंस्याः तंस्यास्तम् तंस्यास्त
तंस्यासम् तंस्यास्व तंस्यास्म

भ्व० तंसिता तंसितारौ तंसितारः
तंसितासि तंसितास्थः तंसितास्थ
तंसितास्मि तंसितास्वः तंसितास्मः

भ० तंसिष्यति तंसिष्यतः तंसिष्यन्ति
तंसिष्यसि तंसिष्यथः तंसिष्यथ
तंसिष्यामि तंसिष्यावः तंसिष्यामः

क्रि० अतंसिष्यत् अतंसिष्यताम् अतंसिष्यन्
अतंसिष्यः अतंसिष्यतम् अतंसिष्यत
अतंसिष्यम् अतंसिष्याव अतंसिष्याम

539 तुस (तुस) शब्दे

व० नोसति तोसतः तोसन्ति
तोससि तोसथः तोसथ
तोसामि तोसावः तोसामः

स० तोसेत् तोसेताम् तोसेयुः
तोसेः तोसेतम् तोसेत
तोसेयम् तोसेव तोसेम

प० तोसतु तोसतात् तोसताम् तोसन्तु
तोस " तोसतम् तोसत
तोसानि तोसाव तोसाम

झ० अतोसत् अतोसताम् अतोसन्
अतोसः अतोसतम् अतोसत
अतोसम् अतोसाव अतोसाम

अतोसीत् अतोसिष्टाम् अतोसिषुः
अतोसीः अतोसिष्टम् अतोसिष्ट
अतोसिषम् अतोसिष्व अतोसिष्व

प० तुतोस तुतुसतुः तुतुसुः
तुतोसिथ तुतुसथुः तुतुस
तुतोस तुतुसिब तुतुसिब

आ० तुस्यात् तुस्यास्ताम् तुस्यास्तुः
तुस्याः तुस्यास्तम् तुस्यास्त
तुस्यासम् तुस्यास्व तुस्यास्म

भ० तोंसिता तोंसितारौ तोंसितारः
तोंसितासि तोंसितास्थः तोंसितास्थ
तोंसितास्मि तोंसितास्वः तोंसितास्मः

भ० तोसिष्यति तोसिष्यतः तोसिष्यन्ति
तोसिष्यसि तोसिष्यथः तोसिष्यथ
तोसिष्यामि तोसिष्यावः तोसिष्यामः

क्रि० अतोसिष्यत् अतोसिष्यताम् अतोसिष्यन्
अतोसिष्यः अतोसिष्यतम् अतोसिष्यत
अतोसिष्यम् अतोसिष्याव अतोसिष्याम

540 हस (हस) शब्दे ।

व० हसति हसतः हसन्ति
हसमि हसथः हसथ
हसामि हसावः हसामः

स० हसेत् हसेताम् हसेयुः
हसेः हसेतम् हसेत
हसेयम् हसेव हसेम

प० हसतु हसतात् हसताम् हसन्तु
हस " हसतम् हसत
हसानि हसाव हसाम

झ० अहसत् अहसताम् अहसन्
अहसः अहसतम् अहसत
अहसम् अहसाव अहसाम

अ० अहासीत् अहासिष्टाम् अहासिषुः
अहासीः अहासिष्टम् अहासिष्ट
अहासिषम् अहासिष्व अहासिष्व
अहसीत् अहसिष्टाम् अहसिषुः
अहसीः अहसिष्टम् अहसिष्ट
अहसिषम् अहसिष्व अहसिष्व

प० जहास जहसतुः जहसुः
जहसिथ जहसथुः जहस
जहास, जहस जहसिब जहसिब

आ० हस्यात् हस्यास्ताम् हस्यास्तुः
हस्याः हस्यास्तम् हस्यास्त
हस्यासम् हस्यास्व हस्यास्म

भ० हसिता हसितारौ हसितारः
हसितासि हसितास्थः हसितास्थ
हसितास्मि हसितास्वः हसितास्मः

भ० हसिष्यति हसिष्यतः हसिष्यन्ति
हसिष्यसि हसिष्यथः हसिष्यथ
हसिष्यामि हसिष्यावः हसिष्यामः

क्रि० अहसिष्यत् अहसिष्यताम् अहसिष्यन्
अहसिष्यः अहसिष्यतम् अहसिष्यत
अहसिष्यम् अहसिष्याव अहसिष्याम

541 ह्रस्व (ह्रस्व) शब्दे ।

- व० ह्रसति ह्रसतः ह्रसन्ति
 ह्रससि ह्रसथः ह्रसथ
 ह्रसामि ह्रसावः ह्रसामः
- स० ह्रसेत् ह्रसेताम् ह्रसेयुः
 ह्रसेः ह्रसेतम् ह्रसेत
 ह्रसेयम् ह्रसेव ह्रसेम
- प० ह्रसतु ह्रसतात् ह्रसताम् ह्रसन्तु
 ह्रस " ह्रसतम् ह्रसत
 ह्रसानि ह्रसाव ह्रसाम
- झ० अह्रसत् अह्रसताम् अह्रसन्
 अह्रसः अह्रसतम् अह्रसत
 अह्रसम् अह्रसाव अह्रसाम
- अ० अह्रासीत् अह्रासिष्टाम् अह्रासिषुः
 अह्रासीः अह्रासिष्टम् अह्रासिष्ट
 अह्रासिषम् अह्रासिष्व अह्रासिष्म
- अह्रासीत् अह्रासिष्टाम् अह्रासिषुः
 अह्रासीः अह्रासिष्टम् अह्रासिष्ट
 अह्रासिषम् अह्रासिष्व अह्रासिष्म
- प० जह्रास जह्रासतुः जह्रासुः
 जह्रासिथ जह्रासथुः जह्रास
 जह्रास, जह्रास जह्रासिव जह्रासिम
- आ० ह्रस्यात् ह्रस्यास्ताम् ह्रस्यासुः
 ह्रस्याः ह्रस्यास्तम् ह्रस्यास्त
 ह्रस्यासम् ह्रस्यास्व ह्रस्यास्म
- श्व० ह्रसिता ह्रसितारौ ह्रसितारः
 ह्रसितासि ह्रसितास्थः ह्रसितास्थ
 ह्रसितास्मि ह्रसितास्वः ह्रसितास्मः
- भ० ह्रसिष्यति ह्रसिष्यतः ह्रसिष्यन्ति
 ह्रसिष्यसि ह्रसिष्यथः ह्रसिष्यथ
 ह्रसिष्यामि ह्रसिष्यावः ह्रसिष्यामः
- क्रि० अह्रसिष्यत् अह्रसिष्यताम् अह्रसिष्यन्
 अह्रसिष्यः अह्रसिष्यतम् अह्रसिष्यत
 अह्रसिष्यम् अह्रसिष्याव अह्रसिष्याम

542 रस्व (रस्व) शब्दे ।

- व० रसन्ति रसतः रसन्ति
 रससि रसथः रसथ
 रसामि रसावः रसामः
- स० रसेत् रसेताम् रसेयुः
 रसेः रसेतम् रसेत
 रसेयम् रसेव रसेम
- प० रसतु रसतात् रसताम् रसन्तु
 रस " रसतम् रसत
 रसानि रसाव रसाम
- झ० अरसत् अरसताम् अरसन्
 अरसः अरसतम् अरसत
 अरसम् अरसाव अरसाम
- अ० अरासीत् अरासिष्टाम् अरासिषुः
 अरासीः अरासिष्टम् अरासिष्ट
 अरासिषम् अरासिष्व अरासिष्म
- अरसीत् अरसिष्टाम् अरसिषुः
 अरसीः अरसिष्टम् अरसिष्ट
 अरसिषम् अरसिष्व अरसिष्म
- प० ररास रेसतुः रेसुः
 रेसिथ रेसथुः रेस
 ररास, ररास रेसिव रेसिम
- आ० रस्यात् रस्यास्ताम् रस्यासुः
 रस्याः रस्यास्तम् रस्यास्त
 रस्यासम् रस्यास्व रस्यास्म
- श्व० रसिता रसितारौ रसितारः
 रसितासि रसितास्थः रसितास्थ
 रसितास्मि रसितास्वः रसितास्मः
- भ० रसिष्यति रसिष्यतः रसिष्यन्ति
 रसिष्यसि रसिष्यथः रसिष्यथ
 रसिष्यामि रसिष्यावः रसिष्यामः
- क्रि० अरसिष्यत् अरसिष्यताम् अरसिष्यन्
 अरसिष्यः अरसिष्यतम् अरसिष्यत
 अरसिष्यम् अरसिष्याव अरसिष्याम

543 लस (लस्) श्लेषणक्रीडनयोः

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| व० | लसति | लसतः | लसन्ति |
| | लसन्ति | लसथः | लसथ |
| | लसामि | लसावः | लसामः |
| स० | लसेत् | लसेताम् | लसेयुः |
| | लसेः | लसेतम् | लसेत |
| | लसेयम् | लसेव | लसेम |
| प० | लसतु | लसतात् | लसताम् लसन्तु |
| | लस | लसतम् | लसत |
| | लसानि | लसाव | लसाम |
| झ० | अलसत् | अलसताम् | अलसन् |
| | अलसः | अलसतम् | अलसत |
| | अलसम् | अलसाव | अलसाम |
| अ० | अलसीत् | अलसीष्टाम् | अलसीषुः |
| | अलसीः | अलसीष्टम् | अलसीष्ट |
| | अलसीषम् | अलसीष्व | अलसीषम |
| | अलसीत् | अलसीष्टम् | अलसीषुः |
| | अलसीः | अलसीष्टम् | अलसीष्ट |
| | अलसीषम् | अलसीष्व | अलसीषम |
| प० | ललस | लेसतुः | लेसुः |
| | लेसिथ | लेसथुः | लेस |
| | ललस,ललस | लेसिव | लेसिम |
| आ० | लस्यात् | लस्यास्ताम् | लस्यासुः |
| | लस्याः | लस्यास्तम् | लस्यास्त |
| | लस्यासम् | लस्यास्व | लस्यास्म |
| भ्व० | लसिता | लसितारौ | लसितारः |
| | लसितासि | लसितास्थः | लसितास्थ |
| | लसितास्मि | लसितास्वः | लसितास्मः |
| भ० | लसिष्यति | लसिष्यतः | लसिष्यन्ति |
| | लसिष्यसि | लसिष्यथः | लसिष्यथ |
| | लसिष्यामि | लसिष्यावः | लसिष्यामः |
| क्रि० | अलसिष्यत् | अलसिष्यताम् | अलसिष्यन् |
| | अलसिष्यः | अलसिष्यतम् | अलसिष्यत |
| | अलसिष्यम् | अलसिष्याव | अलसिष्याम |

544 घस्लु (घस्) अदने ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| व० | घंसति | घंसतः | घसन्ति |
| | घसन्ति | घंसथः | घंसथ |
| | घसामि | घसावः | घसामः |
| स० | घसेत् | घसेताम् | घसेयुः |
| | घसेः | घसेतम् | घसेत |
| | घसेयम् | घसेव | घसेम |
| प० | घसतु | घसतात् | घसताम् घसन्तु |
| | घस | घसतम् | घसत |
| | घसानि | घसाव | घसाम |
| झ० | अघसत् | अघसताम् | अघसन् |
| | अघसः | अघसतम् | अघसत |
| | अघसम् | अघसाव | अघसाम |
| अ० | अघसीत् | अघसीष्टाम् | अघसीषुः |
| | अघसीः | अघसीष्टम् | अघसीष्ट |
| | अघसीषम् | अघसीष्व | अघसीषम |
| प० | जघास | जघसतुः | जघसुः |
| | जघसिथ | जघसथुः | जघस |
| | जघास | जघस | जघसिथ जघसिम |
| आ० | घस्यात् | घस्यास्ताम् | घस्यासुः |
| | घस्याः | घस्यास्तम् | घस्यास्त |
| | घस्यासम् | घस्यास्व | घस्यास्म |
| भ्व० | घस्ता | घस्तारौ | घस्तारः |
| | घस्तासि | घस्तास्थः | घस्तास्थ |
| | घस्तास्मि | घस्तास्वः | घस्तास्मः |
| भ० | घत्स्यति | घत्स्यतः | घत्स्यन्ति |
| | घत्स्यसि | घत्स्यथः | घत्स्यथ |
| | घत्स्यामि | घत्स्यावः | घत्स्यामः |
| क्रि० | अघत्स्यत् | अघत्स्यताम् | अघत्स्यन् |
| | अघत्स्यः | अघत्स्यतम् | अघत्स्यत |
| | अघत्स्यम् | अघत्स्याव | अघत्स्याम |

545 हसे (हस्) हसने ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| घ० | हसति | हसतः | हसन्ति |
| | हससि | हसथः | हसथ |
| | हसामि | हसावः | हसामः |
| स० | हसेत् | हसेताम् | हसेयुः |
| | हसेः | हसेतम् | हसेत |
| | हसेयम् | हसेव | हसेम |
| प० | हसतु | हसतात् | हसताम् |
| | हस | „ | हसतम् |
| | हसानि | हसाव | हसाम |
| झ० | अहसत् | अहसताम् | अहसन् |
| | अहसः | अहसतम् | अहसत |
| | अहसम् | अहसाव | अहसाम |
| अ० | अहसीत् | अहसिष्टम् | अहसिषुः |
| | अहसीः | अहसिष्टम् | अहसिष्ट |
| | अहसिषम् | अहसिष्व | अहसिष्म |
| प० | जहास | जहसतुः | जहसुः |
| | जहसिथ | जहसथुः | जहस |
| | जहस | जहास | जहसिष्व |
| | | | जहसिम् |
| आ० | हस्यात् | हस्यास्ताम् | हस्यासुः |
| | हस्याः | हस्यास्तम् | हस्यास्त |
| | हस्यासम् | हस्यास्व | हस्यास्म |
| श्व० | हसिता | हसितारौ | हसितारः |
| | हसितासि | हसितास्थः | हसितास्थ |
| | हसितास्मि | हसितास्वः | हसितास्मः |
| भ० | हसिष्यति | हसिष्यतः | हसिष्यन्ति |
| | हसिष्यसि | हसिष्यथः | हसिष्यथ |
| | हसिष्यामि | हसिष्यावः | हसिष्यामः |
| क्रि० | अहसिष्यत् | अहसिष्यताम् | अहसिष्यन् |
| | अहसिष्यः | अहसिष्यतम् | अहसिष्यत |
| | अहसिष्यम् | अहसिष्याव | अहसिष्याम |

546 पिस्र (पिस्र) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| घ० | पेसति | पेसतः | पेसन्ति |
| | पेससि | पेसथः | पेसथ |
| | पेसामि | पेसावः | पेसामः |
| स० | पेसेत् | पेसेताम् | पेसेयुः |
| | पेसेः | पेसेतम् | पेसेत |
| | पेसेयम् | पेसेव | पेसेम |
| प० | पेसतु | पेसतात् | पेसताम् |
| | पेस | „ | पेसतम् |
| | पेसानि | पेसाव | पेसाम |
| झ० | अपेसत् | अपेसताम् | अपेसन् |
| | अपेसः | अपेसतम् | अपेसत |
| | अपेसम् | अपेसाव | अपेसाम |
| अ० | अपेसीत् | अपेसिष्टम् | अपेसिषुः |
| | अपेसीः | अपेसिष्टम् | अपेसिष्ट |
| | अपेसिषम् | अपेसिष्व | अपेसिष्म |
| प० | पिपेस | पिपिसतुः | पिपिसुः |
| | पिपेसिथ | पिपिसथुः | पिपिस |
| | पिपेस | पिपिसिथ | पिपिसिम् |
| आ० | पिस्यात् | पिस्यास्ताम् | पिस्यासुः |
| | पिस्याः | पिस्यास्तम् | पिस्यास्त |
| | पिस्यासम् | पिस्यास्व | पिस्यास्म |
| श्व० | पेसिता | पेसितारौ | पेसितारः |
| | पेसितासि | पेसितास्थः | पेसितास्थ |
| | पेसितास्मि | पेसितास्वः | पेसितास्मः |
| भ० | पेसिष्यति | पेसिष्यतः | पेसिष्यन्ति |
| | पेसिष्यसि | पेसिष्यथः | पेसिष्यथ |
| | पेसिष्यामि | पेसिष्यावः | पेसिष्यामः |
| क्रि० | अपेसिष्यत् | अपेसिष्यताम् | अपेसिष्यन् |
| | अपेसिष्यः | अपेसिष्यतम् | अपेसिष्यत |
| | अपेसिष्यम् | अपेसिष्याव | अपेसिष्याम |

547 पेसृ (पेस्) गतौ

व० पेसति पेसतः पेसन्ति
पेससि पेसथः पेसथ
पेसामि पेसावः पेसामः

स० पेसेत् पेसेताम् पेसेयुः
पेसेः पेसेतम् पेसेत
पेसेयम् पेसेव पेसेम

प० पेसतु पेसतात् पेसताम् पेसन्तु
पेस " पेसतम् पेसत
पेसानि पेसाव पेसाम

झ० अपेसत् अपेसताम् अपेसन्
अपेसः अपेसतम् अपेसत
अपेसम् अपेसाव अपेसाम

अ० अपेसीत् अपेसिष्टाम् अपेसिषुः
अपेसीः अपेसिष्टम् अपेसिष्ट
अपेसिषम् अपेसिष्व अपेसिषम्

प० पिपेस पिपेसतुः पिपेसुः
पिपेसिथ पिपेसथुः पिपेस
पिपेस, पिपेसिव पिपेसिम

आ० पेस्यात् पेस्यास्ताम् पेस्यासुः
पेस्याः पेस्यास्तम् पेस्यास्त
पेस्यासम् पेस्यास्व पेस्यास्म

श्व० पेसिता पेसितारौ पेसितारः
पेसितासि पेसितास्थः पेसितास्थ
पेसितास्मि पेसितास्वः पेसितास्मः

भ० पेसिष्यति पेसिष्यतः पेसिष्यन्ति
पेसिष्यसि पेसिष्यथः पेसिष्यथ
पेसिष्यामि पेसिष्यावः पेसिष्यामः

क्रि० अपेसिष्यत् अपेसिष्यताम् अपेसिष्यन्
अपेसिष्यः अपेसिष्यतम् अपेसिष्यत
अपेसिष्यम् अपेसिष्याव अपेसिष्याम

548 वेसृ (वेस्) गतौ ।

व० वेसति वेसतः वेसन्ति
वेससि वेसथः वेसथ
वेसामि वेसावः वेसामः

स० वेसेत् वेसेताम् वेसेयुः
वेसेः वेसेतम् वेसेत
वेसेयम् वेसेव वेसेम

प० वेसतु वेसतात् वेसताम् वेसन्तु
वेस " वेसतम् वेसत
वेसानि वेसाव वेसाम

झ० अवेसत् अवेसताम् अवेसन्
अवेसः अवेसतम् अवेसत
अवेसम् अवेसाव अवेसाम

अ० अवेसीत् अवेसिष्टाम् अवेसिषुः
अवेसीः अवेसिष्टम् अवेसिष्ट
अवेसिषम् अवेसिष्व अवेसिषम्

प० विवेस विवेसतुः विवेसुः
विवेसिथ विवेसथुः विवेस
विवेस विवेसिव विवेसिम

आ० वेस्यात् वेस्यास्ताम् वेस्यासुः
वेस्याः वेस्यास्तम् वेस्यास्त
वेस्यासम् वेस्यास्व वेस्यास्म

श्व० वेसिता वेसितारौ वेसितारः
वेसितासि वेसितास्थः वेसितास्थ
वेसितास्मि वेसितास्वः वेसितास्मः

भ० वेसिष्यति वेसिष्यतः वेसिष्यन्ति
वेसिष्यसि वेसिष्यथः वेसिष्यथ
वेसिष्यामि वेसिष्यावः वेसिष्यामः

क्रि० अवेसिष्यत् अवेसिष्यताम् अवेसिष्यन्
अवेसिष्यः अवेसिष्यतम् अवेसिष्यत
अवेसिष्यम् अवेसिष्याव अवेसिष्याम

549 शस् (शस्) हिंसायाम् ।

व० शसति शसतः शसन्ति
 शससि शसथः शसथ
 शसामि शसावः शसामः

स० शसेत् शसेताम् शसेयुः
 शसेः शसेतम् शसेत
 शसेयम् शसेव शसेम

प० शसातु शसाताम् शसान्तु
 शस शसतम् शसत
 शसानि शसाव शसाम

अशसत् अशसताम् अशसन्
 अशसः अशसतम् अशसत
 अशसम् अशसाव अशसाम

अशसीत् अशसिताम् अशसिषुः
 अशसीः अशसितम् अशसिष्ट
 अशसिषम् अशसिष्व अशसिषम

प० शशास शशासतुः शशासुः
 शशासिथ शशासथुः शशास
 शशास शशास शशासिथ शशासिम

आ० शस्यात् शस्यास्ताम् शस्यासुः
 शस्याः शस्यास्तम् शस्यास्त
 शस्यासम् शस्यास्व शस्यास्म

श्व० शसिता शसितारौ शसितारः
 शसितासि शसितास्थः शसितास्थ
 शसितास्मि शसितास्वः शसितास्मः

भ० शशिष्यति शशिष्यतः शशिष्यन्ति
 शशिष्यसि शशिष्यथः शशिष्यथ
 शशिष्यामि शशिष्यावः शशिष्यामः

क्रि० अशशिष्यत् अशशिष्यताम् अशशिष्यन्
 अशशिष्यः अशशिष्यतम् अशशिष्यत
 अशशिष्यम् अशशिष्याव अशशिष्याम

550 शंस (शंस) स्तुतौ च ।

चकारादिसायाम्

व० शंसति शंसतः शंसन्ति
 शंससि शंसथः शंसथ
 शंसामि शंसावः शंसामः

स० शंसेत् शंसेताम् शंसेयुः
 शंसेः शंसेतम् शंसेत
 शंसेयम् शंसेव शंसेम

प० शंसातु शंसाताम् शंसान्तु
 शंस शंसतम् शंसत
 शंसानि शंसाव शंसाम

ह्य० अशंसत् अशंसताम् अशंसन्
 अशंसः अशंसतम् अशंसत
 अशंसम् अशंसाव अशंसाम

अ० अशंसीत् अशंसिताम् अशंसिषुः
 अशंसीः अशंसितम् अशंसिष्ट
 अशंसिषम् अशंसिष्व अशंसिषम

प० शशंस शशंसतुः शशंसुः
 शशंसिथ शशंसथुः शशंस
 शशंस शशंसिथ शशंसिम

आ० शस्यात् शस्यास्ताम् शस्यासुः
 शस्याः शस्यास्तम् शस्यास्त
 शस्यासम् शस्यास्व शस्यास्म

श्व० शंसिता शंसितारौ शंसितारः
 शंसितासि शंसितास्थः शंसितास्थ
 शंसितास्मि शंसितास्वः शंसितास्मः

भ० शंसिष्यति शंसिष्यतः शंसिष्यन्ति
 शंसिष्यसि शंसिष्यथः शंसिष्यथ
 शंसिष्यामि शंसिष्यावः शंसिष्यामः

क्रि० अशंसिष्यत् अशंसिष्यताम् अशंसिष्यन्
 अशंसिष्यः अशंसिष्यतम् अशंसिष्यत
 अशंसिष्यम् अशंसिष्याव अशंसिष्याम

551 मिह' (मिह्) सेचने ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-----------------|
| प्र० | मेहति | मेहतः | मेहन्ति |
| | मेहसि | मेहथः | मेहथ |
| | मेहामि | मेहावः | मेहामः |
| स० | मेहेत् | मेहेताम् | मेहेयुः |
| | मेहेः | मेहेतम् | मेहेत |
| | मेहेयम् | मेहेव | मेहेम |
| प० | मेहतु | मेहतात् | मेहताम् मेहन्तु |
| | मेह | मेहतम् | मेहत |
| | मेहानि | मेहाव | मेहाम |
| झ० | अमेहत | अमेहताम् | अमेहन् |
| | अमेहः | अमेहतम् | अमेहत |
| | अमेहम् | अमेहाव | अमेहाम |
| अ० | अमिश्रत् | अमिश्रताम् | अमिश्रन्तः |
| | अमिश्रः | अमिश्रतम् | अमिश्रत |
| | अमिश्रम् | अमिश्राव | अमिश्राम |
| प० | मिमिह | मिमिहतुः | मिमिहुः |
| | मिमिहित्थ | मिमिहित्युः | मिमिह |
| | मिमिह | मिमिहित्व | मिमिहिम |
| आ० | मिह्यात् | मिह्यास्ताम् | मिह्यातुः |
| | मिह्याः | मिह्यास्तम् | मिह्यास्त |
| | मिह्यासम् | मिह्यास्व | ह्यास्म |
| श्व० | मेढा | मेढारौ | मेढारः |
| | मेढासि | मेढास्थः | मेढास्थ |
| | मेढास्मि | मेढास्वः | मेढास्मः |
| भ० | मेक्ष्यति | मेक्ष्यतः | मेक्ष्यन्ति |
| | मेक्ष्यसि | मेक्ष्यथः | मेक्ष्यथ |
| | मेक्ष्यामि | मेक्ष्यावः | मेक्ष्यामः |
| क्रि० | अमेक्ष्यत् | अमेक्ष्यताम् | अमेक्ष्यन् |
| | अमेक्ष्यः | अमेक्ष्यतम् | अमेक्ष्यत |
| | अमेक्ष्यम् | अमेक्ष्याव | अमेक्ष्याम |

552 दहं (दह्) भस्मीकरणे ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| प्र० | दहति | दहतः | दहन्ति |
| | दहसि | दहथः | दहथ |
| | दहामि | दहावः | दहामः |
| म० | दहेत् | दहेताम् | दहेयुः |
| | दहेः | दहेतम् | दहेत |
| | दहेयम् | दहेव | दहेम |
| प० | दहतु | दहतात् | दहताम् दहन्तु |
| | दह | दहतम् | दहत |
| | दहानि | दहाव | दहाम |
| झ० | अदहत | अदहताम् | अदहन् |
| | अदहः | अदहतम् | अदहत |
| | अदहम् | अदहाव | अदहाम |
| आ० | अधाक्षीत् | अधाक्षताम् | अधाक्षन्तः |
| | अधाक्षीः | अधाक्षतम् | अधाक्षत |
| | अधाक्षम् | अधाक्षव | अधाक्षाम |
| प० | ददाह | देहतुः | देहुः |
| | देहित्थ | देदग्ध | देहत्युः देह |
| | ददाह, ददह | देहित्व | देहिम |
| आ० | दद्यात् | दद्यास्ताम् | दद्यातुः |
| | दद्याः | दद्यास्तम् | दद्यास्त |
| | दद्यासम् | दद्यास्व | दद्यास्म |
| श्व० | दग्धा | दग्धारी | दग्धारः |
| | दग्धासि | दग्धास्थः | दग्धास्थ |
| | दग्धास्मि | दग्धास्वः | दग्धास्मः |
| भ० | धक्ष्यति | धक्ष्यतः | धक्ष्यन्ति |
| | धक्ष्यसि | धक्ष्यथः | धक्ष्यथ |
| | धक्ष्यामि | धक्ष्यावः | धक्ष्यामः |
| क्रि० | अधक्ष्यत् | अधक्ष्यताम् | अधक्ष्यन् |
| | अधक्ष्यः | अधक्ष्यतम् | अधक्ष्यत |
| | अधक्ष्यम् | अधक्ष्याव | अधक्ष्याम |

553 चह (चह्) कल्कने ।

कल्कनं शाठ्यम् ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| व० | चहति | चहतः | चहन्ति |
| | चहसि | चहथः | चहथ |
| | चहामि | चहावः | चहामः |
| स० | चहेत् | चहेताम् | चहेयुः |
| | चहेः | चहेतम् | चहेत |
| | चहेयम् | चहेव | चहेम |
| प० | चहतु | चहतात् | चहताम् चहन्तु |
| | चह | ” | चहतम् चहत |
| | चहानि | चहाव | चहाम |
| झ० | अचहत | अचहताम् | अचहन् |
| | अचहः | अचहतम् | अचहत |
| | अचहम् | अचहाव | अचहाम |
| अ० | अचहीत् | अचहिष्याम् | अचहिषुः |
| | अचहीः | अचहिष्टम् | अचहिष्ट |
| | अचहिषम् | अचहिष्व | अचहिष्म |
| प० | चचाह | चेहतुः | चेहुः |
| | चेहिथ | चेहथुः | चेह |
| | चचाह | चचह | चेहिव चेहिम |
| आ० | चह्यात् | चह्यास्ताम् | चह्यासुः |
| | चह्याः | चह्यास्तम् | चह्यास्त |
| | चह्यासम् | चह्यास्व | चह्यास्म |
| श्च० | चहिता | चहितारौ | चहितारः |
| | चहितासि | चहितास्थः | चहितास्थ |
| | चहितास्मि | चहितास्वः | चहितास्मः |
| भ० | चहिष्यति | चहिष्यतः | चहिष्यन्ति |
| | चहिष्यसि | चहिष्यथः | चहिष्यथ |
| | चहिष्यामि | चहिष्यावः | चहिष्यामः |
| क्रि० | अचहिष्यत् | अचहिष्यताम् | अचहिष्यन् |
| | अचहिष्यः | अचहिष्यतम् | अचहिष्यत |
| | अचहिष्यम् | अचहिष्याव | अचहिष्याम |

554 रह (रह्) त्यागे ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|---------------|
| व० | रहति | रहतः | रहन्ति |
| | रहसि | रहथः | रहथ |
| | रहामि | रहावः | रहामः |
| स० | रहेत् | रहेताम् | रहेयुः |
| | रहेः | रहेतम् | रहेत |
| | रहेयम् | रहेव | रहेम |
| प० | रहतु | रहतात् | रहताम् रहन्तु |
| | रह | ” | रहतम् रहत |
| | रहाणि | रहाव | रहाम |
| झ० | अरहत | अरहताम् | अरहन् |
| | अरहः | अरहतम् | अरहत |
| | अरहम् | अरहाव | अरहाम |
| अ० | अरहीत् | अरहिष्याम् | अरहिषुः |
| | अरहीः | अरहिष्टम् | अरहिष्ट |
| | अरहिषम् | अरहिष्व | अरहिष्म |
| प० | रराह | रेहतुः | रेहुः |
| | रेहिथ | रेहथुः | रेह |
| | रराह | ररह | रेहिव रेहिम |
| आ० | रह्यात् | रह्यास्ताम् | रह्यासुः |
| | रह्याः | रह्यास्तम् | रह्यास्त |
| | रह्यासम् | रह्यास्व | रह्यास्म |
| श्च० | रहिता | रहितारौ | रहितारः |
| | रहितासि | रहितास्थः | रहितास्थ |
| | रहितास्मि | रहितास्वः | रहितास्मः |
| भ० | रहिष्यति | रहिष्यतः | रहिष्यन्ति |
| | रहिष्यसि | रहिष्यथः | रहिष्यथ |
| | रहिष्यामि | रहिष्यावः | रहिष्यामः |
| क्रि० | अरहिष्यत् | अरहिष्यताम् | अरहिष्यन् |
| | अरहिष्यः | अरहिष्यतम् | अरहिष्यत |
| | अरहिष्यम् | अरहिष्याव | अरहिष्याम |

555 रहु (रंह) गतौ ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० रंहति | रंहतः | रंहन्ति |
| रंहसि | रंहथः | रंहथ |
| रंहामि | रंहावः | रंहामः |
| स० रंहेत् | रंहेताम् | रंहेयुः |
| रंहेः | रंहेतम् | रंहेत |
| रंहेयम् | रंहेव | रंहेम |
| प० रंहतु | रंहतात् | रंहताम् |
| रंह | रंहतम् | रंहत |
| रंहाणि | रंहाव | रंहाम |
| ह्य० अरंहत् | अरंहताम् | अरंहन् |
| अरंहः | अरंहतम् | अरंहत |
| अरंहम् | अरंहाव | अरंहाम |
| अ० अरंहीत् | अरंहिष्याम् | अरंहिषुः |
| अरंहीः | अरंहिष्यम् | अरंहिष्य |
| अरंहिषम् | अरंहिष्व | अरंहिष्यम |
| प० ररंह | ररंहतुः | ररंहुः |
| ररंहिथ | ररंहथुः | ररंह |
| ररंह | ररंहिव | ररंहिम |
| आ० रंहात् | रंहास्ताम् | रंहासुः |
| रंहाः | रंहास्तम् | रंहास्त |
| रंहासम् | रंहास्व | रंहास्म |
| श्व० रंहिता | रंहितारौ | रंहितारः |
| रंहितासि | रंहितास्थः | रंहितास्थ |
| रंहितास्मि | रंहितास्वः | रंहितास्मः |
| भ० रंहिष्यति | रंहिष्यतः | रंहिष्यन्ति |
| रंहिष्यसि | रंहिष्यथः | रंहिष्यथ |
| रंहिष्यामि | रंहिष्यावः | रंहिष्यामः |
| क्रि० अरंहिष्यत् | अरंहिष्यताम् | अरंहिष्यन् |
| अरंहिष्यः | अरंहिष्यतम् | अरंहिष्यत |
| अरंहिष्यम् | अरंहिष्याव | अरंहिष्याम |

560 वृहृ (वृहृ) शब्दे च ।

चकाराद्वृद्धौ ॥

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वर्हति | वर्हतः | वर्हन्ति |
| वर्हसि | वर्हथः | वर्हथ |
| वर्हामि | वर्हावः | वर्हामः |
| स० वर्हेत् | वर्हेताम् | वर्हेयुः |
| वर्हेः | वर्हेतम् | वर्हेत |
| वर्हेयम् | वर्हेव | वर्हेम |
| प० वर्हतु | वर्हतात् | वर्हताम् |
| वर्ह | वर्हतम् | वर्हत |
| वर्हाणि | वर्हाव | वर्हाम |
| ह्य० अवर्हत् | अवर्हताम् | अवर्हन् |
| अवर्हः | अवर्हतम् | अवर्हत |
| अवर्हम् | अवर्हाव | अवर्हाम |
| अ० अवृहत् | अवृहताम् | अवृहन् |
| अवृहः | अवृहतम् | अवृहत |
| अवृहम् | अवृहाव | अवृहाम |
| अवर्हीत् | अवर्हिष्याम् | अवर्हिषुः |
| अवर्हीः | अवर्हिष्यम् | अवर्हिष्य |
| अवर्हिषम् | अवर्हिष्व | अवर्हिष्यम |
| प० ववर्ह | ववृहतुः | ववृहुः |
| ववर्हथ | ववृहथुः | ववृह |
| ववर्ह | ववृहिव | ववृहिम |
| आ० वृहात् | वृहास्ताम् | वृहासुः |
| वृहाः | वृहास्तम् | वृहास्त |
| वृहासम् | वृहास्व | वृहास्म |
| श्व० वर्हिता | वर्हितारौ | वर्हितारः |
| वर्हितासि | वर्हितास्थः | वर्हितास्थ |
| वर्हितास्मि | वर्हितास्वः | वर्हितास्मः |
| भ० वर्हिष्यति | वर्हिष्यतः | वर्हिष्यन्ति |
| वर्हिष्यसि | वर्हिष्यथः | वर्हिष्यथ |
| वर्हिष्यामि | वर्हिष्यावः | वर्हिष्यामः |
| क्रि० अवर्हिष्यत् | अवर्हिष्यताम् | अवर्हिष्यन् |
| अवर्हिष्यः | अवर्हिष्यतम् | अवर्हिष्यत |
| अवर्हिष्यम् | अवर्हिष्याव | अवर्हिष्याम |

556 दृह (दृह्) वृद्धौ ।

व० दृहति दृहतः दृहन्ति
दृहसि दृहथः दृहथ
दृहामि दृहावः दृहामः

स० दृहेत् दृहेताम् दृहेयुः
दृहेः दृहेतम् दृहेत
दृहेयम् दृहेव दृहेम

प० दृहतु दृहतात् दृहताम् दृहन्तु
दृह " दृहतम् दृहत
दृहाणि दृहाव दृहाम

झ० अदृहत् अदृहताम् अदृहन्
अदृहः अदृहतम् अदृहत
अदृहम् अदृहाव अदृहाम

अ० अदृहीत् अदृहिष्टाम् अदृहिषुः
अदृहीः अदृहिष्टम् अदृहिष्ट
अदृहिषम् अदृहिष्व अदृहिष्म

प० ददृह ददृहतुः ददृहुः
ददृहित्य ददृहत्युः ददृह
ददृह ददृहित्व ददृहिम

आ० दृह्यात् दृह्यास्ताम् दृह्यासुः
दृह्याः दृह्यास्तम् दृह्यास्त
दृह्यासम् दृह्यास्व दृह्यास्म

श्व० दृहिता दृहितारौ दृहितारः
दृहितासि दृहितास्थः दृहितास्थ
दृहितास्मि दृहितास्वः दृहितास्मः

भ० दृहिष्यति दृहिष्यतः दृहिष्यन्ति
दृहिष्यसि दृहिष्यथः दृहिष्यथ
दृहिष्यामि दृहिष्यावः दृहिष्यामः

कि० अदृहिष्यत् अदृहिष्यताम् अदृहिष्यन्
अदृहिष्यः अदृहिष्यतम् अदृहिष्यत
अदृहिष्यम् अदृहिष्याव अदृहिष्याम

557 दृहु (दृह्) वृद्धौ ।

व० दृहति दृहतः दृहन्ति
दृहसि दृहथः दृहथ
दृहामि दृहावः दृहामः

स० दृहेत् दृहेताम् दृहेयुः
दृहेः दृहेतम् दृहेत
दृहेयम् दृहेव दृहेम

प० दृहतु दृहतात् दृहताम् दृहन्तु
दृह " दृहतम् दृहत
दृहाणि दृहाव दृहाम

झ० अदृहत् अदृहताम् अदृहन्
अदृहः अदृहतम् अदृहत
अदृहम् अदृहाव अदृहाम

अ० अदृहीत् अदृहिष्टाम् अदृहिषुः
अदृहीः अदृहिष्टम् अदृहिष्ट
अदृहिषम् अदृहिष्व अदृहिष्म

प० ददृह ददृहतुः ददृहुः
ददृहित्य ददृहत्युः ददृह
ददृह ददृहित्व ददृहिम

आ० दृह्यात् दृह्यास्ताम् दृह्यासुः
दृह्याः दृह्यास्तम् दृह्यास्त
दृह्यासम् दृह्यास्व दृह्यास्म

श्व० दृहिता दृहितारौ दृहितारः
दृहितामि दृहितास्थः दृहितास्थ
दृहितास्मि दृहितास्वः दृहितास्मः

भ० दृहिष्यति दृहिष्यतः दृहिष्यन्ति
दृहिष्यसि दृहिष्यथः दृहिष्यथ
दृहिष्यामि दृहिष्यावः दृहिष्यामः

कि० अदृहिष्यत् अदृहिष्यताम् अदृहिष्यन्
अदृहिष्यः अदृहिष्यतम् अदृहिष्यत
अदृहिष्यम् अदृहिष्याव अदृहिष्याम

558 वृह (वृह) वृद्धौ ।

व० वर्हति वर्हतः वर्हन्ति
वर्हसि वर्हथः वर्हथ
वर्हामि वर्हामः वर्हामः

स० वर्हेत वर्हेताम् वर्हेयुः
वर्हेः वर्हेतम् वर्हेत
वर्हेयम् वर्हेव वर्हेम

प० वर्हतु वर्हताम् वर्हन्तु
वर्हः वर्हन्तु वर्हत
वर्हानि वर्हामि वर्हाम

झ० अवर्हति अवर्हताम् अवर्हन्
अवर्हः अवर्हतम् अवर्हत
अवर्हम् अवर्हामि अवर्हाम

अ० अवर्हति अवर्हिषताम् अवर्हिषुः
अवर्हिः अवर्हिषतम् अवर्हिष
अवर्हिषम् अवर्हिषामि अवर्हिषाम

ण० ववर्हति ववर्हतुः ववर्हन्
ववर्हथ ववर्हथुः ववर्ह
ववर्हामि ववर्हामि ववर्हामि

आ० वृह्यात् वृह्यास्ताम् वृह्यातुः
वृह्याः वृह्यास्तम् वृह्यास्त
वृह्यासम् वृह्यास्व वृह्यास्म

श्व० वर्हिता वर्हितारो वर्हितारः
वर्हितासि वर्हितास्थः वर्हितास्थ
वर्हितास्मि वर्हितास्वः वर्हितास्मः

भ० वर्हिष्यति वर्हिष्यतः वर्हिष्यन्ति
वर्हिष्यसि वर्हिष्यथः वर्हिष्यथ
वर्हिष्यामि वर्हिष्यावः वर्हिष्यामः

क्रि० अवर्हिष्यति अवर्हिष्यताम् अवर्हिष्यन्
अवर्हिष्यः अवर्हिष्यतम् अवर्हिष्यन्त
अवर्हिष्यम् अवर्हिष्याव अवर्हिष्याम

559 वृह (वृह) शब्दे वृद्धौ च ।

व० वृहति वृहतः वृहन्ति
वृहसि वृहथः वृहथ
वृहामि वृहामः वृहामः

स० वृहेत वृहेताम् वृहेयुः
वृहेः वृहेतम् वृहेत
वृहेयम् वृहेव वृहेम

प० वृहतु वृहताम् वृहन्तु
वृहः वृहन्तु वृहत
वृहानि वृहामि वृहाम

झ० अवृहति अवृहताम् अवृहन्
अवृहः अवृहतम् अवृहत
अवृहम् अवृहामि अवृहाम
अवृहीत अवृहिषताम् अवृहिषुः
अवृहीः अवृहिषतम् अवृहिष
अवृहिषम् अवृहिषामि अवृहिषाम

ण० ववृहति ववृहतुः ववृहन्
ववृहथ ववृहथुः ववृह
ववृहामि ववृहामि ववृहामि

आ० वृह्यात् वृह्यास्ताम् वृह्यातुः
वृह्याः वृह्यास्तम् वृह्यास्त
वृह्यासम् वृह्यास्व वृह्यास्म

श्व० वृहिता वृहितारो वृहितारः
वृहितानि वृहितास्थः वृहितास्थ
वृहितास्मि वृहितास्वः वृहितास्मः

भ० वृहिष्यति वृहिष्यतः वृहिष्यन्ति
वृहिष्यसि वृहिष्यथः वृहिष्यथ
वृहिष्यामि वृहिष्यावः वृहिष्यामः

क्रि० अवृहिष्यति अवृहिष्यताम् अवृहिष्यन्
अवृहिष्यः अवृहिष्यतम् अवृहिष्यन्त
अवृहिष्यम् अवृहिष्याव अवृहिष्याम

उहृ, तुहृ, दुहृ, अर्दने ।

561 उहृ (उहृ) अर्दने ।

| | | |
|----------------|-------------|---------------|
| व० ओहति | ओहतः | ओहन्ति |
| ओहसि | ओहथः | ओहथ |
| ओहामि | ओहावः | ओहामः |
| स० ओहेत् | ओहेताम् | ओहेयुः |
| ओहेः | ओहेतम् | ओहेत |
| ओहेयम् | ओहेव | ओहेम |
| प० ओहतु | ओहतात् | ओहताम् ओहन्तु |
| ओह | „ | ओहतम् ओहत |
| ओहानि | ओहाव | ओहाम |
| झ० ओहत् | ओहताम् | ओहन् |
| ओहः | ओहतम् | ओहत |
| ओहम् | ओहाव | ओहाम |
| अ० ओहीत् | ओहिष्याम् | ओहिषुः |
| ओहीः | ओहिष्टम् | ओहिष्ट |
| ओहिषम् | ओहिष्व | ओहिष्म |
| ओहृत् | ओहृताम् | ओहृन् |
| ओहः | ओहतम् | ओहत |
| ओहम् | ओहाव | ओहाम |
| प० उवोह | ऊहतुः | ऊहुः |
| उवोहथ | ऊहथुः | ऊह |
| उवोह | ऊहिव | ऊहिम |
| आ० उह्यात् | उह्यास्ताम् | उह्यासुः |
| उह्याः | उह्यास्तम् | उह्यास्त |
| उह्यासम् | उह्यास्व | उह्यास्म |
| श्व० ओहिता | ओहितारौ | ओहितारः |
| ओहितासि | ओहितास्थः | ओहितास्थ |
| ओहितास्मि | ओहितास्वः | ओहितास्मः |
| भ० ओहिष्यति | ओहिष्यतः | ओहिष्यन्ति |
| ओहिष्यसि | ओहिष्यथः | ओहिष्यथ |
| ओहिष्यामि | ओहिष्यावः | ओहिष्यामः |
| क्रि० ओहिष्यत् | ओहिष्यताम् | ओहिष्यन् |
| ओहिष्यः | ओहिष्यतम् | ओहिष्यत |
| ओहिष्यम् | ओहिष्याव | ओहिष्याम |

562 तुहृ (तुहृ) अर्दने ।

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० तोहति | तोहतः | तोहन्ति |
| तोहसि | तोहथः | तोहथ |
| तोहामि | तोहावः | तोहामः |
| स० तोहेत् | तोहेताम् | तोहेयुः |
| तोहेः | तोहेतम् | तोहेत |
| तोहेयम् | तोहेव | तोहेम |
| प० तोहतु | तोहतात् | तोहताम् तोहन्तु |
| तोह | „ | तोहतम् तोहत |
| तोहानि | तोहाव | तोहाम |
| झ० अतोहत् | अतोहताम् | अतोहन् |
| अतोहः | अतोहतम् | अतोहत |
| अतोहम् | अतोहाव | अतोहाम |
| अ० अतोहीत् | अतोहिष्याम् | अतोहिषुः |
| अतोहीः | अतोहिष्टम् | अतोहिष्ट |
| अतोहिषम् | अतोहिष्व | अतोहिष्म |
| अतुहृत् | अतुहृताम् | अतुहृन् |
| अतुहः | अतुहतम् | अतुहत |
| अतुहम् | अतुहाव | अतुहाम |
| प० तुतोह | तुतुहतुः | तुतुहुः |
| तुतोहथ | तुतुहथुः | तुतुह |
| तुतोह | तुतुहिव | तुतुहिम |
| आ० तुह्यात् | तुह्यास्ताम् | तुह्यासुः |
| तुह्याः | तुह्यास्तम् | तुह्यास्त |
| तुह्यासम् | तुह्यास्व | तुह्यास्म |
| श्व० तोहिता | तोहितारौ | तोहितारः |
| तोहितासि | तोहितास्थः | तोहितास्थ |
| तोहितास्मि | तोहितास्वः | तोहितास्मः |
| भ० तोहिष्यति | तोहिष्यतः | तोहिष्यन्ति |
| तोहिष्यसि | तोहिष्यथः | तोहिष्यथ |
| तोहिष्यामि | तोहिष्यावः | तोहिष्यामः |
| क्रि० अतोहिष्यत् | अतोहिष्यताम् | अतोहिष्यन् |
| अतोहिष्यः | अतोहिष्यतम् | अतोहिष्यत |
| अतोहिष्यम् | अतोहिष्याव | अतोहिष्याम |

563 दुह् (दुह्) अर्दन ।

| | | | |
|-------|--------------|--------------|--------------|
| व० | दोहति | दोहतः | दोहन्ति |
| | दोहसि | दोहथः | दोहथ |
| | दोहामि | दोहावः | दोहामः |
| म० | दोहेत् | दोहेताम् | दोहेयुः |
| | दोहेः | दोहेतम् | दोहेत |
| | दोहेयम् | दोहेव | दोहेम |
| प० | दोहन्तु | दोहन्ताम् | दोहन्तु |
| | दोह | दोहतम् | दोहत |
| | दोहानि | दोहाव | दोहाम |
| झ० | अदोहन् | अदोहताम् | अदोहन् |
| | अदोहः | अदोहतम् | अदोहत |
| | अदोहम् | अदोहाव | अदोहाम |
| ञ० | अदोहीन् | अदोहिषाम् | अदोहिषुः |
| | अदोहीः | अदोहिषम् | अदोहिष |
| | अदोहिषम् | अदोहिष्व | अदोहिषम् |
| | अदुहन् | अदुहताम् | अदुहन् |
| | अदुहः | अदुहतम् | अदुहत |
| | अदुहम् | अदुहाव | अदुहाम |
| ट० | दुदोह | दुदुहन्तुः | दुदुहः |
| | दुदोहथि | दुदुहथुः | दुदुह |
| | दुदोह | दुदुहिव | दुदुहिम |
| आ० | दुद्यान् | दुद्यास्ताम् | दुद्यासुः |
| | दुद्याः | दुद्यास्तम् | दुद्यास्त |
| | दुद्यासम् | दुद्यास्व | दुद्यास्म |
| श्व० | दोहिता | दोहितारो | दोहितारः |
| | दोहितामि | दोहितास्थः | दोहितास्थ |
| | दोहितास्मि | दोहितास्वः | दोहितास्मः |
| भ० | दोहिष्यन्ति | दोहिष्यन्तः | दोहिष्यन्ति |
| | दोहिष्यसि | दोहिष्यथः | दोहिष्यथ |
| | दोहिष्यामि | दोहिष्यावः | दोहिष्यामः |
| क्रि० | अदोहिष्यन्तु | अदोहिष्यताम् | अदोहिष्यन्तु |
| | अदोहिष्यः | अदोहिष्यतम् | अदोहिष्यत |
| | अदोहिष्यम् | अदोहिष्याव | अदोहिष्याम |

564 अर्ह (अर्ह) पूजायाम् ।

| | | | |
|-------|--------------|--------------|--------------|
| व० | अर्हति | अर्हतः | अर्हन्ति |
| | अर्हसि | अर्हथः | अर्हथ |
| | अर्हामि | अर्हावः | अर्हामः |
| स० | अर्हेत् | अर्हेताम् | अर्हेयुः |
| | अर्हेः | अर्हेतम् | अर्हेत |
| | अर्हेयम् | अर्हेव | अर्हेम |
| प० | अर्हन्तु | अर्हन्ताम् | अर्हन्तु |
| | अर्ह | अर्हतम् | अर्हत |
| | अर्हाणि | अर्हाव | अर्हाम |
| झ० | आर्हन्ति | आर्हताम् | आर्हन्ति |
| | आर्हः | आर्हतम् | आर्हत |
| | आर्हम् | आर्हाव | आर्हाम |
| ञ० | आर्हात् | आर्हिषाम् | आर्हिषुः |
| | आर्हाः | आर्हिषम् | आर्हिष |
| | आर्हिषम् | आर्हिष्व | आर्हिषम् |
| प० | आनर्ह | आनर्हन्तुः | आनर्हः |
| | आनर्हथ | आनर्हथुः | आनर्ह |
| | आनर्ह | आनर्हिव | आनर्हिम |
| आ० | अर्हान्ति | अर्हान्ताम् | अर्हान्ति |
| | अर्हान्ति | अर्हान्तम् | अर्हान्त |
| | अर्हान्तम् | अर्हान्स्व | अर्हान्स्म |
| श्व० | अर्हिता | अर्हितारो | अर्हितारः |
| | अर्हिनासि | अर्हितास्थः | अर्हितास्थ |
| | अर्हितास्मि | अर्हितास्वः | अर्हितास्मः |
| भ० | अर्हिष्यन्ति | अर्हिष्यन्तः | अर्हिष्यन्ति |
| | अर्हिष्यसि | अर्हिष्यथः | अर्हिष्यथ |
| | अर्हिष्यामि | अर्हिष्यावः | अर्हिष्यामः |
| क्रि० | आर्हिष्यन्तु | आर्हिष्यताम् | आर्हिष्यन्तु |
| | आर्हिष्यः | आर्हिष्यतम् | आर्हिष्यत |
| | आर्हिष्यम् | आर्हिष्याव | आर्हिष्याम |

565 मह (मह) पूजायाम् ।

ब० महति महतः महन्ति
महसि महथः महथ
महामि महावः महामः

स० महेत् महेताम् महेयुः
महेः महेतम् महेत
महेयम् महेव महेम

प० महतु महतात् महताम् महन्तु
मह महतम् महत
महानि महाव महाम
अमहत् अमहताम् अमहन्
अमहः अमहतम् अमहत
अमहम् अमहाव अमहाम

अ० अमहीत् अमहिष्याम् अमहिषुः
अमहीः अमहिष्यम् अमहिष्ट
अमहिषम् अमहिष्व अमहिष्य

प० ममाह मेहतुः मेहुः
मेहिष मेहयुः मेह
ममाह, ममह मेहिव मेहिम

आ० मद्यात् मद्यास्ताम् मद्यातुः
मद्याः मद्यास्तम् मद्यास्त
मद्यासम् मद्यास्व मद्यास्म

श्व० महिता महितारौ महितारः
महितासि महितास्थः महितास्थ
महितास्मि महितास्वः महितास्मः

भ० महिष्यति महिष्यतः महिष्यन्ति
महिष्यसि महिष्यथः महिष्यथ
महिष्यामि महिष्यावः महिष्यामः

क्रि० अमहिष्यत् अमहिष्यताम् अमहिष्यन्
अमहिष्यः अमहिष्यतम् अमहिष्यत
अमहिष्यम् अमहिष्याव अमहिष्याम

566 उक्ष (उक्ष) सेचने ।

॥ अथ क्षान्ता विंशतिः सेटश्च । क्षान्तानां
षान्तेषु पाठो युक्तो वैचित्र्यार्थं त्विह कृतः ॥

ब० उक्षति उक्षतः उक्षन्ति
उक्षसि उक्षथः उक्षथ
उक्षामि उक्षावः उक्षामः

स० उक्षेत् उक्षेताम् उक्षेयुः
उक्षेः उक्षेतम् उक्षेत
उक्षेयम् उक्षेव उक्षेम

प० उक्षतु उक्षतात् उक्षताम् उक्षन्तु
उक्ष महतम् उक्षत
उक्षाणि उक्षाव उक्षाम

झ० औक्षत् औक्षताम् औक्षन्
औक्षः औक्षतम् औक्षत
औक्षम् औक्षाव औक्षाम

अ० औक्षीत् औक्षिष्याम् औक्षिषुः
औक्षीः औक्षिष्यम् औक्षिष्ट
औक्षिषम् औक्षिष्व औक्षिष्य

प० उक्षाञ्चकार उक्षाञ्चकतुः उक्षाञ्चकुः
उक्षाञ्चकथं उक्षाञ्चकथुः । उक्षाञ्चक
उक्षाञ्चकार उक्षाञ्चकर उक्षाञ्चकृव उक्षाञ्चकृम
उक्षाञ्चभूव । उक्षाञ्चाम

आ० उक्ष्यात् उक्ष्यास्ताम् उक्ष्यातुः
उक्ष्याः उक्ष्यास्तम् उक्ष्यास्त
उक्ष्यासम् उक्ष्यास्व उक्ष्यास्म

श्व० उक्षिता उक्षितारौ उक्षितारः
उक्षितासि उक्षितास्थः उक्षितास्थ
उक्षितास्मि उक्षितास्वः उक्षितास्मः

भ० उक्षिष्यति उक्षिष्यतः उक्षिष्यन्ति
उक्षिष्यसि उक्षिष्यथः उक्षिष्यथ
उक्षिष्यामि उक्षिष्यावः उक्षिष्यामः

क्रि० औक्षिष्यत् औक्षिष्यताम् औक्षिष्यन्
औक्षिष्यः औक्षिष्यतम् औक्षिष्यत
औक्षिष्यम् औक्षिष्याव औक्षिष्याम

567 रक्ष (रक्ष्) पालने ।

ष० रक्षति रक्षतः रक्षन्ति
रक्षमि रक्षथः रक्षथ
रक्षामि रक्षावः रक्षामः

स० रक्षेत् रक्षेताम् रक्षेयुः
रक्षेः रक्षेतम् रक्षेत
रक्षेयम् रक्षेव रक्षेम

प० रक्षतु रक्षतात् रक्षताम् रक्षन्तु
रक्ष " रक्षतम् रक्षत
रक्षाणि रक्षाव रक्षाम

झ० अरक्षत् अरक्षताम् अरक्षन्
अरक्षः अरक्षतम् अरक्षत
अरक्षम् अरक्षाव अरक्षाम

अ० अरक्षीत् अरक्षिष्टाम् अरक्षिषुः
अरक्षीः अरक्षिष्टम् अरक्षिष्ट
अरक्षिषम् अरक्षिष्व अरक्षिषम्

प० ररक्ष ररक्षतुः ररक्षुः
ररक्षिथ ररक्षथुः ररक्ष
ररक्ष ररक्षिष्व ररक्षिम

आ० रक्ष्यात् रक्ष्यास्ताम् रक्ष्यासुः
रक्ष्याः रक्ष्यास्तम् रक्ष्यास्त
रक्ष्यासम् रक्ष्यास्व रक्ष्यास्म

भ्र० रक्षिता रक्षितारौ रक्षितारः
रक्षितासि रक्षितास्थः रक्षितास्थ
रक्षितास्मि रक्षितास्वः रक्षितास्मः

भ० रक्षिष्यति रक्षिष्यतः रक्षिष्यन्ति
रक्षिष्यसि रक्षिष्यथः रक्षिष्यथ
रक्षिष्यामि रक्षिष्यावः रक्षिष्यामः

क्रि० अरक्षिष्यत् अरक्षिष्यताम् अरक्षिष्यन्
अरक्षिष्यः अरक्षिष्यतम् अरक्षिष्यत
अरक्षिष्यम् अरक्षिष्याव अरक्षिष्याम

568 मक्ष (मक्ष्) सङ्घाते ।

व० मक्षति मक्षतः मक्षन्ति
मक्षसि मक्षथः मक्षथ
मक्षामि मक्षावः मक्षामः

स० मक्षेत् मक्षेताम् मक्षेयुः
मक्षेः मक्षेतम् मक्षेत
मक्षेयम् मक्षेव मक्षेम

प० मक्षतु मक्षतात् मक्षताम् मक्षन्तु
मक्ष " मक्षतम् मक्षत
मक्षाणि मक्षाव मक्षाम

झ० अमक्षत् अमक्षताम् अमक्षन्
अमक्षः अमक्षतम् अमक्षत
अमक्षम् अमक्षाव अमक्षाम

अ० अमक्षीत् अमक्षिष्टाम् अमक्षिषुः
अमक्षीः अमक्षिष्टम् अमक्षिष्ट
अमक्षिषम् अमक्षिष्व अमक्षिषम्

प० ममक्ष ममक्षतुः ममक्षुः
ममक्षिथ ममक्षथुः ममक्ष
ममक्ष ममक्षिष्व ममक्षिम

आ० मक्ष्यात् मक्ष्यास्ताम् मक्ष्यासुः
मक्ष्याः मक्ष्यास्तम् मक्ष्यास्त
मक्ष्यासम् मक्ष्यास्व मक्ष्यास्म

भ्र० मक्षिता मक्षितारौ मक्षितारः
मक्षितासि मक्षितास्थः मक्षितास्थ
मक्षितास्मि मक्षितास्वः मक्षितास्मः

भ० मक्षिष्यति मक्षिष्यतः मक्षिष्यन्ति
मक्षिष्यसि मक्षिष्यथः मक्षिष्यथ
मक्षिष्यामि मक्षिष्यावः मक्षिष्यामः

क्रि० अमक्षिष्यत् अमक्षिष्यताम् अमक्षिष्यन्
अमक्षिष्यः अमक्षिष्यतम् अमक्षिष्यत
अमक्षिष्यम् अमक्षिष्याव अमक्षिष्याम

569 मुक्ष (मुक्ष) संघाते ।

व० मुक्षति मुक्षतः मुक्षन्ति
मुक्षसि मुक्षथः मुक्षथ
मुक्षामि मुक्षावः मुक्षामः

म० मुक्षेत् मुक्षेताम् मुक्षेयुः
मुक्षेः मुक्षेतम् मुक्षेत
मुक्षेयम् मुक्षेव मुक्षेम

प० मुक्षतु मुक्षतात् मुक्षताम् मुक्षन्तु
मुक्ष " मुक्षतम् मुक्षत
मुक्षाणि मुक्षाव मुक्षाम

झ० अमुक्षत् अमुक्षताम् अमुक्षन्
अमुक्षः अमुक्षतम् अमुक्षत
अमुक्षम् अमुक्षाव अमुक्षाम

प्र० अमुक्षीत् अमुक्षिताम् अमुक्षिषुः
अमुक्षीः अमुक्षितम् अमुक्षिष्ट
अमुक्षिषम् अमुक्षिष्व अमुक्षिष्म

प० मुमुक्ष मुमुक्षतुः मुमुक्षुः
मुमुक्षिथ मुमुक्षथुः मुमुक्ष
मुमुक्ष मुमुक्षिथ मुमुक्षिम

आ० मुक्ष्यात् मुक्ष्यास्ताम् मुक्ष्यासुः
मुक्ष्याः मुक्ष्यास्तम् मुक्ष्यास्त
मुक्ष्यासम् मुक्ष्यास्व मुक्ष्यास्म

श्व० मुक्षिता मुक्षितारौ मुक्षितारः
मुक्षितासि मुक्षितास्थः मुक्षितास्थ
मुक्षितास्मि मुक्षितास्वः मुक्षितास्मः

भ० मुक्षिष्यति मुक्षिष्यतः मुक्षिष्यन्ति
मुक्षिष्यसि मुक्षिष्यथः मुक्षिष्यथ
मुक्षिष्यामि मुक्षिष्यावः मुक्षिष्यामः

क्रि० अमुक्षिष्यत् अमुक्षिष्यताम् अमुक्षिष्यन्
अमुक्षिष्यः अमुक्षिष्यतम् अमुक्षिष्यत
अमुक्षिष्यम् अमुक्षिष्याव अमुक्षिष्याम

570 अक्षौ व्याप्तौ च ।

चकारात्संघाते ।

व० अक्षति अक्षतः अक्षन्ति
अक्षसि अक्षथः अक्षथ
अक्षामि अक्षावः अक्षामः

व० अक्ष्णोति अक्ष्णुतः अक्ष्णवन्ति
अक्ष्णोषि अक्ष्णुथः अक्ष्णुथ
अक्ष्णोमि अक्ष्णुवः अक्ष्णुमः

स० अक्षेत् अक्षेताम् अक्षेयुः
अक्षेः अक्षेतम् अक्षेत
अक्षेयम् अक्षेव अक्षेम

स० अक्ष्णुयात् अक्ष्णुयाताम् अक्ष्णुयुः
अक्ष्णुयाः अक्ष्णुयातम् अक्ष्णुयात
अक्ष्णुयाम् अक्ष्णुयाव अक्ष्णुयाम

प० अक्षतु अक्षतात् अक्षताम् अक्षन्तु
अक्ष " अक्षतम् अक्षत
अक्षाणि क्षाव अक्षाम

प० अक्ष्णोतु अक्ष्णुतात् अक्ष्णुताम् अक्ष्णुवन्तु
अक्ष्णुहि " अक्ष्णुतम् अक्ष्णुत
अक्ष्णवानि अक्ष्णवाव अक्ष्णवाम
अक्ष्णवानि

झ० आक्षत आक्षताम् आक्षन्
आक्षः आक्षतम् आक्षत
आक्षम् आक्षाव आक्षाम

झ० अक्ष्णोत् अक्ष्णुताम् अक्ष्णुवन्
अक्ष्णोः अक्ष्णुतम् अक्ष्णुत
अक्ष्णवम् अक्ष्णुव अक्ष्णुम

अ० आक्षीत् आक्षिष्टाम् आक्षिषुः
आक्षीः आक्षिष्टम् आक्षिष्ट
आक्षिषम् आक्षिष्व आक्षिष्म

आक्षीत् आष्टम् आक्षुः
आक्षाः आष्टम् आष्ट
आक्षम् आक्ष्व आक्षम्

प० आनक्ष आनक्षतुः आनक्षुः
आनक्षिथ आनक्षथुः आनक्ष
आनक्ष आनक्षिव आनक्षिम

आ० अक्ष्यात् अक्ष्यास्ताम् अक्ष्यासुः
अक्ष्याः अक्ष्यास्तम् अक्ष्यास्त
अक्ष्यासम् अक्ष्यास्व अक्ष्यास्म

श्व० अक्षिता अक्षितारौ अक्षितारः
अक्षितासि अक्षितास्थः अक्षितास्थ
अक्षितास्मि अक्षितास्वः अक्षितास्मः

अष्टा अष्टारौ अष्टारः
अष्टासि अष्टास्थः अष्टास्थ
अष्टास्मि अष्टास्वः अष्टास्मः

भ० अक्षिष्यति अक्षिष्यतः अक्षिष्यन्ति
अक्षिष्यसि अक्षिष्यथः अक्षिष्यथ
अष्टा अक्षिष्यावः अक्षिष्यामः

अक्षिष्यामि

अक्ष्यति अक्ष्यतः अक्ष्यन्ति
अक्ष्यसि अक्ष्यथः अक्ष्यथ
अक्ष्यामि अक्ष्यावः अक्ष्यामः

क्रि० आक्षिष्यत आक्षिष्यताम् आक्षिष्यन्
आक्षिष्यः आक्षिष्यतम् आक्षिष्यत
आक्षिष्यम् आक्षिष्याव आक्षिष्य

आक्ष्यत् आक्ष्यताम् आक्ष्यन्
आक्ष्यः आक्ष्यतम् आक्ष्यत
आक्ष्यम् आक्ष्याव आक्ष्याम

571 तक्षौ (तक्ष्) तनूकरणे !
तनूकरण कार्थ्यम् ।

व० तक्षति तक्षतः तक्षन्ति
तक्षसि तक्षथः तक्षथ
तक्षामि तक्षावः तक्षामः

व० तक्ष्णोति तक्ष्णुतः तक्ष्णुवन्ति
तक्ष्णोषि तक्ष्णुथः तक्ष्णुथ
तक्ष्णोमि तक्ष्णुवः तक्ष्णुमः

स० तक्षेत तक्षेताम् तक्षेयुः
तक्षेः तक्षेतम् तक्षेत
तक्षेयम् तक्षेव तक्षेम

स० तक्ष्णुयात् तक्ष्णुयाताम् तक्ष्णुयुः
तक्ष्णुयाः तक्ष्णुयातम् तक्ष्णुयात
तक्ष्णुयाम तक्ष्णुयाव तक्ष्णुयाम

प० तक्षतु तक्षतात् तक्षताम् तक्षन्तु
तक्ष , तक्षतम् तक्षत
तक्षाणि तक्षाव तक्षाम

प० तक्ष्णोतु तक्ष्णुनात् तक्ष्णुताम् तक्ष्णुवन्तु
तक्ष्णुहि , तक्ष्णुतम् तक्ष्णुत
तक्ष्णवानि तक्ष्णवाव तक्ष्णवाम

ह्य० अतक्षन् अतक्षताम् अतक्षन्
अतक्षः अतक्षतम् अतक्षत
अतक्षम् अतक्षाव अतक्षाम

ह्य० अतक्ष्णोत् अतक्ष्णुताम् अतक्ष्णुवन्
अतक्ष्णोः अतक्ष्णुतम् अतक्ष्णुत
अतक्ष्णवम् अतक्ष्णुव अतक्ष्णुम

अ० अतक्षीत् अतक्षिष्टाम् अतक्षिषुः
अतक्षीः अतक्षिष्टम् अतक्षिष्ट
अतक्षिषम् अतक्षिष्व अतक्षिष्म

अ० अतक्षीत् अतक्षताम् अतक्षुः

अतक्षीः अतक्षम् अतक्ष

अतक्षम् अतक्ष्व अतक्षम्

ष० ततक्ष ततक्षतुः ततक्षुः

ततक्षिथ ततक्षथुः ततक्षा

ततक्षा ततक्षिथ ततक्षिम

आ० तक्ष्यात् तक्ष्यास्ताम् तक्ष्यासुः

तक्ष्याः तक्ष्यास्तम् तक्ष्यास्त

तक्ष्यासम् तक्ष्यास्व तक्ष्यास्म

भ्व० तक्षिता तक्षितारौ तक्षितारः

तक्षितासि तक्षितास्थः तक्षितास्थ

तक्षितास्मि तक्षितास्वः तक्षितास्मः

ख० तष्टा तष्टारौ तष्टारः

तष्टासि तष्टास्थः तष्टास्थ

तष्टास्मि तष्टास्वः तष्टास्मः

श्व० तक्षिष्यति तक्षिष्यतः तक्षिष्यन्ति

तक्षिष्यसि तक्षिष्यथः तक्षिष्यथ

तक्षिष्यामि तक्षिष्यावः तक्षिष्यामः

भ० तक्ष्यति तक्ष्यतः तक्ष्यन्ति

तक्ष्यसि तक्ष्यथः तक्ष्यथ

तक्ष्यामि तक्ष्यावः तक्ष्यामः

क्रि० अतक्षिष्यत् अतक्षिष्यताम् अतक्षिष्यन्

अतक्षिष्यः अतक्षिष्यतम् अतक्षिष्यत

अतक्षिष्यम् अतक्षिष्याव अतक्षिष्याम

क्रि० अतक्ष्यत् अतक्ष्यताम् अतक्ष्यन्

अतक्ष्यः अतक्ष्यतम् अतक्ष्यत

अतक्ष्यम् अतक्ष्याव अतक्ष्याम

572 त्वक्षी (त्वक्ष) तनूकरणे ।

कादर्थ्ये इत्यर्थः ।

ष० त्वक्षति त्वक्षतः त्वक्षन्ति

त्वक्षसि त्वक्षथः त्वक्षथ

त्वक्षामि त्वक्षावः त्वक्षामः

स० त्वक्षेत् त्वक्षेताम् त्वक्षेयुः

त्वक्षेः त्वक्षेतम् त्वक्षेत

त्वक्षेयम् त्वक्षेव त्वक्षेम

प० त्वक्षतु त्वक्षतात् त्वक्षताम् त्वक्षन्तु

त्वक्ष ,, त्वक्षतम् त्वक्षन्

त्वक्षाणि त्वक्षाव त्वक्षाम

ख० अत्वक्षन् अत्वक्षताम् अत्वक्षन्

अत्वक्षः अत्वक्षतम् अत्वक्षन्

अत्वक्षम् अत्वक्षाव अत्वक्षाम

अ० अत्वक्षीन् अत्वक्षिष्टाम् अत्वक्षिषुः

अत्वक्षीः अत्वक्षिष्टम् अत्वक्षिष्ट

अत्वक्षिषम् अत्वक्षिष्व अत्वक्षिषम्

अत्वक्षीत् अत्वक्षाम् अत्वक्षुः

अत्वक्षीः अत्वक्षम् अत्वक्ष

अत्वक्षाम् अत्वक्ष्व अत्वक्षम्

प० तत्वक्ष तत्वक्षतुः तत्वक्षुः

तत्वक्षिथ तत्वक्षथुः तत्वक्षा

तत्वक्षा तत्वक्षिथ तत्वक्षिम

आ० त्वक्ष्यात् त्वक्ष्यास्ताम् त्वक्ष्यासुः

त्वक्ष्याः त्वक्ष्यास्तम् त्वक्ष्यास्त

त्वक्ष्यासम् त्वक्ष्यास्व त्वक्ष्यास्म

भ्व० त्वक्षिता त्वक्षितारौ त्वक्षितारः

त्वक्षितासि त्वक्षितास्थः त्वक्षितास्थ

त्वक्षितास्मि त्वक्षितास्वः त्वक्षितास्मः

त्वष्टा त्वष्टारौ त्वष्टारः

त्वष्टासि त्वष्टास्थः त्वष्टास्थ

त्वष्टास्मि त्वष्टास्वः त्वष्टास्मः

भ० त्वक्षिष्यति त्वक्षिष्यतः त्वक्षिष्यन्ति

त्वक्षिष्यसि त्वक्षिष्यथः त्वक्षिष्यथ

त्वक्षिष्यामि त्वक्षिष्यावः त्वक्षिष्यामः

त्वक्ष्यति त्वक्ष्यतः त्वक्ष्यन्ति

त्वक्ष्यसि त्वक्ष्यथः त्वक्ष्यथ

त्वक्ष्यामि त्वक्ष्यावः त्वक्ष्यामः

क्रि० अत्वक्षिष्यत् अत्वक्षिष्यताम् अत्वक्षिष्यन्

अत्वक्षिष्यः अत्वक्षिष्यतम् अत्वक्षिष्यत

अत्वक्षिष्यम् अत्वक्षिष्याव अत्वक्षिष्याम

अत्वक्ष्यत् अत्वक्ष्यताम् अत्वक्ष्यन्

अत्वक्ष्यः अत्वक्ष्यतम् अत्वक्ष्यत

अत्वक्ष्यम् अत्वक्ष्याव अत्वक्ष्याम

573 निक्ष (निक्ष) चुम्बने ।

चुम्बनं वक्त्रसंयोगः ।

ष० निक्षति निक्षतः निक्षन्ति
निक्षमि निक्षथः निक्षथ
निक्षामि निक्षायः निक्षामः

स० निक्षेत् निक्षेताम् निक्षेयुः
निक्षेः निक्षेतम् निक्षेत
निक्षेयम् निक्षेव निक्षेम

प० निक्षतु निक्षतात् निक्षताम् निक्षन्तु
निक्ष ,, निक्षतम् निक्षत
निक्षाणि निक्षाव निक्षाम

झ० अनिक्षत् अनिक्षताम् अनिक्षन्
अनिक्षः अनिक्षतम् अनिक्षत
अनिक्षम् अनिक्षाव अनिक्षाम

अ० अनिक्षीत् अनिक्षिष्टाम् अनिक्षिषुः
अनिक्षीः अनिक्षिष्टम् अनिक्षिष्ट
अनिक्षिषम् अनिक्षिष्व अनिक्षिष्यम्

प० निनिक्ष निनिक्षतुः निनिक्षुः
निनिक्षथ निनिक्षथुः निनिक्ष
निनिक्षा निनिक्षिव निनिक्षिम

आ० निक्ष्यात् निक्ष्यास्ताम् निक्ष्यासुः
निक्ष्याः निक्ष्यास्तम् निक्ष्यास्त
निक्ष्यासम् निक्ष्यास्व निक्ष्यास्म

श्व० निक्षिता निक्षितारौ निक्षितारः
निक्षितासि निक्षितास्थः निक्षितास्थ
निक्षितास्मि निक्षितास्वः निक्षितास्मः

भ० निक्षिष्यति निक्षिष्यतः निक्षिष्यन्ति
निक्षिष्यसि निक्षिष्यथः निक्षिष्यथ
निक्षिष्यामि निक्षिष्यावः निक्षिष्यामः

क्रि० अनिक्षिष्यत् अनिक्षिष्यताम् अनिक्षिष्यन्
अनिक्षिष्यः अनिक्षिष्यतम् अनिक्षिष्यत
अनिक्षिष्यम् अनिक्षिष्याव अनिक्षिष्याम

574 तृक्ष (तृक्ष) गतौ ।

ष० तृक्षति तृक्षतः तृक्षन्ति
तृक्षसि तृक्षथः तृक्षथ
तृक्षामि तृक्षावः तृक्षामः

स० तृक्षेत् तृक्षेताम् तृक्षेयुः
तृक्षेः तृक्षेतम् तृक्षेत
तृक्षेयम् तृक्षेव तृक्षेम

प० तृक्षतु तृक्षतात् तृक्षताम् तृक्षन्तु
तृक्ष ,, तृक्षतम् तृक्षत
तृक्षाणि तृक्षाव तृक्षाम

झ० अतृक्षत् अतृक्षताम् अतृक्षन्
अतृक्षः अतृक्षतम् अतृक्षत
अतृक्षम् अतृक्षाव अतृक्षाम

आ० अतृक्षीत् अतृक्षिष्टाम् अतृक्षिषुः
अतृक्षीः अतृक्षिष्टम् अतृक्षिष्ट
अतृक्षिषम् अतृक्षिष्व अतृक्षिष्यम्

प० ततृक्ष ततृक्षतुः ततृक्षुः
ततृक्षिथ ततृक्षथुः ततृक्ष
ततृक्षा, ततृक्षिव ततृक्षिम

आ० तृक्ष्यात् तृक्ष्यास्ताम् तृक्ष्यासुः
तृक्ष्याः तृक्ष्यास्तम् तृक्ष्यास्त
तृक्ष्यासम् तृक्ष्यास्व तृक्ष्यास्म

श्व० तृक्षिता तृक्षितारौ तृक्षितारः
तृक्षितासि तृक्षितास्थः तृक्षितास्थ
तृक्षितास्मि तृक्षितास्वः तृक्षितास्मः

भ० तृक्षिष्यति तृक्षिष्यतः तृक्षिष्यन्ति
तृक्षिष्यसि तृक्षिष्यथः तृक्षिष्यथ
तृक्षिष्यामि तृक्षिष्यावः तृक्षिष्यामः

क्रि० अतृक्षिष्यत् अतृक्षिष्यताम् अतृक्षिष्यन्
अतृक्षिष्यः अतृक्षिष्यतम् अतृक्षिष्यत
अतृक्षिष्यम् अतृक्षिष्याव अतृक्षिष्याम

575 स्तृक्ष (स्तृक्ष्) गतौ ।

ब० स्तृक्षति स्तृक्षतः स्तृक्षन्ति
स्तृक्षसि स्तृक्षथः स्तृक्षथ
स्तृक्षामि स्तृक्षावः स्तृक्षामः

स० स्तृक्षेत् स्तृक्षेताम् स्तृक्षेयुः
स्तृक्षेः स्तृक्षेतम् स्तृक्षेत
स्तृक्षेयम् स्तृक्षेव स्तृक्षेम

प० स्तृक्षतु स्तृक्षतात् स्तृक्षताम् स्तृक्षन्तु
स्तृक्ष „ स्तृक्षतम् स्तृक्षत
स्तृक्षाणि स्तृक्षाव स्तृक्षाम

अस्तृक्षत् अस्तृक्षताम् अस्तृक्षन्
अस्तृक्षः अस्तृक्षतम् अस्तृक्षत
अस्तृक्षम् अस्तृक्षाव अस्तृक्षाम

अ० अस्तृक्षीत् अस्तृक्षिष्टाम् अस्तृक्षिषुः
अस्तृक्षीः अस्तृक्षिष्टम् अस्तृक्षिष्ट
अस्तृक्षिषम् अस्तृक्षिष्व अस्तृक्षिष्म

प० तस्तृक्ष तस्तृक्षतुः तस्तृक्षुः
तस्तृक्षिथ तस्तृक्षथुः तस्तृक्ष
तस्तृक्ष तस्तृक्षिव तस्तृक्षिम

आ० स्तृक्ष्यात् स्तृक्ष्यास्ताम् स्तृक्ष्यासुः
स्तृक्ष्याः स्तृक्ष्यास्तम् स्तृक्ष्यास्त
स्तृक्ष्यासम् स्तृक्ष्यास्व स्तृक्ष्यास्म

श्व० स्तृक्षिता स्तृक्षितारौ स्तृक्षितारः
स्तृक्षितासि स्तृक्षितास्थः स्तृक्षितास्थ
स्तृक्षितास्मि स्तृक्षितास्वः स्तृक्षितास्मः

भ० स्तृक्षिष्यति स्तृक्षिष्यतः स्तृक्षिष्यन्ति
स्तृक्षिष्यसि स्तृक्षिष्यथः स्तृक्षिष्यथ
स्तृक्षिष्यामि स्तृक्षिष्यावः स्तृक्षिष्याम

क्रि० अस्तृक्षिष्यत् अस्तृक्षिष्यताम् अस्तृक्षिष्यन्
अस्तृक्षिष्यः अस्तृक्षिष्यतम् अस्तृक्षिष्यत
अस्तृक्षिष्यम् अस्तृक्षिष्याव अस्तृक्षिष्याम

576 णक्ष (नक्ष्) गतौ

ब० नक्षति नक्षतः नक्षन्ति
नक्षसि नक्षथः नक्षथ
नक्षामि नक्षावः नक्षामः

स० नक्षेत् नक्षेताम् नक्षेयुः
नक्षेः नक्षेतम् नक्षेत
नक्षेयम् नक्षेव नक्षेम

प० नक्षतु नक्षतात् नक्षताम् नक्षन्तु
नक्ष „ नक्षतम् नक्षत
नक्षाणि नक्षाव नक्षाम

द्व० अनक्षत् अनक्षताम् अनक्षन्
अनक्षः अनक्षतम् अनक्षत
अनक्षम् अनक्षाव अनक्षाम

अ० अनक्षीत् अनक्षिष्टाम् अनक्षिषुः
अनक्षीः अनक्षिष्टम् अनक्षिष्ट
अनक्षिषम् अनक्षिष्व अनक्षिष्म

प० ननक्ष ननक्षतुः ननक्षुः
ननक्षिथ ननक्षथुः ननक्ष
ननक्ष ननक्षिव ननक्षिम

आ० नक्ष्यात् नक्ष्यास्ताम् नक्ष्यासुः
नक्ष्याः नक्ष्यास्तम् नक्ष्यास्त
नक्ष्यासम् नक्ष्यास्व नक्ष्यास्म

श्व० नक्षिता नक्षितारौ नक्षितारः
नक्षितासि नक्षितास्थः नक्षितास्थ
नक्षितास्मि नक्षितास्वः नक्षितास्मः

भ० नक्षिष्यति नक्षिष्यतः नक्षिष्यन्ति
नक्षिष्यसि नक्षिष्यथः नक्षिष्यथ
नक्षिष्यामि नक्षिष्यावः नक्षिष्याम

क्रि० अनक्षिष्यत् अनक्षिष्यताम् अनक्षिष्यन्
अनक्षिष्यः अनक्षिष्यतम् अनक्षिष्यत
अनक्षिष्यम् अनक्षिष्याव अनक्षिष्याम

577 वक्ष (वक्ष्) रोषे
संघाते इत्येके ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० वक्षति | वक्षतः | वक्षन्ति |
| वक्षसि | वक्षथः | वक्षथ |
| वक्षामि | वक्षावः | वक्षामः |
| स० वक्षेत् | वक्षेताम् | वक्षेयुः |
| वक्षेः | वक्षेतम् | वक्षेत |
| वक्षेयम् | वक्षेव | वक्षेम |
| प० वक्षतु | वक्षतात् | वक्षताम् वक्षन्तु |
| वक्ष | „ | वक्षतम् वक्षत |
| वक्षाणि | वक्षाव | वक्षाम |
| झ० अवक्षत् | अवक्षताम् | अवक्षन् |
| अवक्षः | अवक्षतम् | अवक्षत |
| अवक्षम् | अवक्षाव | अवक्षाम |
| अ० अवक्षीत् | अवक्षिष्टाम् | अवक्षिषुः |
| अवक्षीः | अवक्षिष्टम् | अवक्षिष्ट |
| अवक्षिषम् | अवक्षिष्व | अवक्षिषम |
| प० ववक्ष | ववक्षतुः | ववक्षुः |
| ववक्षिथ | ववक्षथुः | ववक्ष |
| ववक्ष | ववक्षिव | ववक्षिम |
| आ० वक्ष्यात् | वक्ष्यास्ताम् | वक्ष्यासुः |
| वक्ष्याः | वक्ष्यास्तम् | वक्ष्यास्त |
| वक्ष्यासम् | वक्ष्यास्व | वक्ष्यास्म |
| श्व० वक्षिता | वक्षितारौ | वक्षितारः |
| वक्षितासि | वक्षितास्थः | वक्षितास्थ |
| वक्षितास्मि | वक्षितास्वः | वक्षितास्मः |
| भ० वक्षिष्यति | वक्षिष्यतः | वक्षिष्यन्ति |
| वक्षिष्यसि | वक्षिष्यथः | वक्षिष्यथ |
| वक्षिष्यामि | वक्षिष्यावः | वक्षिष्यामः |
| क्रि० अवक्षिष्यत् | अवक्षिष्यताम् | अवक्षिष्यन् |
| अवक्षिष्यः | अवक्षिष्यतम् | अवक्षिष्यत |
| अवक्षिष्यम् | अवक्षिष्याव | अवक्षिष्याम |

578 त्वक्ष (त्वक्ष्) त्वचने
त्वचनं त्वग्रहणं संवरणं वा

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------------|
| व० त्वक्षति | त्वक्षतः | त्वक्षन्ति |
| त्वक्षसि | त्वक्षथः | त्वक्षथ |
| त्वक्षामि | त्वक्षावः | त्वक्षामः |
| स० त्वक्षेत् | त्वक्षेताम् | त्वक्षेयुः |
| त्वक्षेः | त्वक्षेतम् | त्वक्षेत |
| त्वक्षेयम् | त्वक्षेव | त्वक्षेम |
| प० त्वक्षतु | त्वक्षतात् | त्वक्षताम् त्वक्षन्तु |
| त्वक्ष | „ | त्वक्षतम् त्वक्षत |
| त्वक्षाणि | त्वक्षाव | त्वक्षाम |
| झ० अत्वक्षत् | अत्वक्षताम् | अत्वक्षन् |
| अत्वक्षः | अत्वक्षतम् | अत्वक्षत |
| अत्वक्षम् | अत्वक्षाव | अत्वक्षाम |
| अ० अत्वक्षीत् | अत्वक्षिष्टाम् | अत्वक्षिषुः |
| अत्वक्षीः | अत्वक्षिष्टम् | अत्वक्षिष्ट |
| अत्वक्षिषम् | अत्वक्षिष्व | अत्वक्षिषम |
| प० तत्वक्ष | तत्वक्षतुः | तत्वक्षुः |
| तत्वक्षिथ | तत्वक्षथुः | तत्वक्ष |
| तत्वक्ष | तत्वक्षिव | तत्वक्षिम |
| आ० त्वक्ष्यात् | त्वक्ष्यास्ताम् | त्वक्ष्यासुः |
| त्वक्ष्याः | त्वक्ष्यास्तम् | त्वक्ष्यास्त |
| त्वक्ष्यासम् | त्वक्ष्यास्व | त्वक्ष्यास्म |
| श्व० त्वक्षिता | त्वक्षितारौ | त्वक्षितारः |
| त्वक्षितासि | त्वक्षितास्थः | त्वक्षितास्थ |
| त्वक्षितास्मि | त्वक्षितास्वः | त्वक्षितास्मः |
| भ० त्वक्षिष्यति | त्वक्षिष्यतः | त्वक्षिष्यन्ति |
| त्वक्षिष्यसि | त्वक्षिष्यथः | त्वक्षिष्यथ |
| त्वक्षिष्यामि | त्वक्षिष्यावः | त्वक्षिष्यामः |
| क्रि० अत्वक्षिष्यत् | अत्वक्षिष्यताम् | अत्वक्षिष्यन् |
| अत्वक्षिष्यः | अत्वक्षिष्यतम् | अत्वक्षिष्यत |
| अत्वक्षिष्यम् | अत्वक्षिष्याव | अत्वक्षिष्याम |

579 सूक्ष्म (सूक्ष्) अनादरे ।

व० सूक्ष्मति सूक्ष्मतः सूक्ष्मन्ति
सूक्ष्मसि सूक्ष्मथः सूक्ष्मथ
सूक्ष्ममि सूक्ष्मवः सूक्ष्ममः

स० सूक्ष्मेत सूक्ष्मेताम् सूक्ष्मेयुः
सूक्ष्मेः सूक्ष्मेतम् सूक्ष्मेत
सूक्ष्मेयम् सूक्ष्मेव सूक्ष्मेम

प० सूक्ष्मतु सूक्ष्मतात् सूक्ष्मताम् सूक्ष्मन्तु
सूक्ष्म " सूक्ष्मतम् सूक्ष्मत
सूक्ष्माणि सूक्ष्माव सूक्ष्माम

१० असूक्ष्मेत असूक्ष्मेताम् असूक्ष्मेयुः
असूक्ष्मेः असूक्ष्मेतम् असूक्ष्मेत
असूक्ष्मेयम् असूक्ष्मेव असूक्ष्मेम

अ० असूक्ष्मेत असूक्ष्मेष्टाम् असूक्ष्मेष्टुः
असूक्ष्मेः असूक्ष्मेष्टम् असूक्ष्मेष्ट
असूक्ष्मेयम् असूक्ष्मेव असूक्ष्मेम

प० सुसूक्ष्म सुसूक्ष्मतुः सुसूक्ष्मेयुः
सुसूक्ष्मेः सुसूक्ष्मेतम् सुसूक्ष्मेत
सुसूक्ष्मेयम् सुसूक्ष्मेव सुसूक्ष्मेम

आ० सूक्ष्म्यात् सूक्ष्म्यास्ताम् सूक्ष्म्यासुः
सूक्ष्म्याः सूक्ष्म्यास्तम् सूक्ष्म्यास्त
सूक्ष्म्यासम् सूक्ष्म्यास्व सूक्ष्म्यास्म

भ० सूक्ष्मिता सूक्ष्मितारौ सूक्ष्मितारः
सूक्ष्मितासि सूक्ष्मितास्यः सूक्ष्मितास्य
सूक्ष्मितास्मि सूक्ष्मितास्वः सूक्ष्मितास्मः

१० सूक्ष्मिष्यति सूक्ष्मिष्यतः सूक्ष्मिष्यन्ति
सूक्ष्मिष्यसि सूक्ष्मिष्यथः सूक्ष्मिष्यथ
सूक्ष्मिष्यामि सूक्ष्मिष्यावः सूक्ष्मिष्यामः

क्रि० असूक्ष्मिष्यत् असूक्ष्मिष्यताम् असूक्ष्मिष्यन्
असूक्ष्मिष्यः असूक्ष्मिष्यतम् असूक्ष्मिष्यत
असूक्ष्मिष्यम् असूक्ष्मिष्याव असूक्ष्मिष्याम

580 काक्षु (काक्षू) काङ्क्षायाम् ।

व० काङ्क्षति काङ्क्षतः काङ्क्षन्ति
काङ्क्षसि काङ्क्षथः काङ्क्षथ
काङ्क्षामि काङ्क्षवः काङ्क्षामः

स० काङ्क्षेत् काङ्क्षेताम् काङ्क्षेयुः
काङ्क्षेः काङ्क्षेतम् काङ्क्षेत
काङ्क्षेयम् काङ्क्षेव काङ्क्षेम

प० काङ्क्षतुकाङ्क्षतात् काङ्क्षताम्काङ्क्षन्तु
काङ्क्ष " काङ्क्षतम् काङ्क्षत
काङ्क्षाणि काङ्क्षाव काङ्क्षाम

झ० अकाङ्क्षत् अकाङ्क्षताम् अकाङ्क्षन्
अकाङ्क्षः अकाङ्क्षतम् अकाङ्क्षत
अकाङ्क्षाम् अकाङ्क्षाव अकाङ्क्षाम

अ० अकाङ्क्षीत् अकाङ्क्षिष्टाम् अकाङ्क्षिष्टुः
अकाङ्क्षीः अकाङ्क्षिष्टम् अकाङ्क्षिष्ट
अकाङ्क्षिषम् अकाङ्क्षिष्व अकाङ्क्षिषम्

प० चकाङ्क्ष चकाङ्क्षतुः चकाङ्क्षुः
चकाङ्क्षथ चकाङ्क्षथुः चकाङ्क्ष
चकाङ्क्ष चकाङ्क्षिव चकाङ्क्षिम

आ० काङ्क्ष्यात् काङ्क्ष्यास्ताम् काङ्क्ष्यासुः
काङ्क्ष्याः काङ्क्ष्यास्तम् काङ्क्ष्यास्त
काङ्क्ष्यासम् काङ्क्ष्यास्व काङ्क्ष्यास्म

भ० काङ्क्षिता काङ्क्षितारौ काङ्क्षितारः
काङ्क्षितासि काङ्क्षितास्यः काङ्क्षितास्य
काङ्क्षितास्मि काङ्क्षितास्वः काङ्क्षितास्मः

भ० काङ्क्षिष्यति काङ्क्षिष्यतः काङ्क्षिष्यन्ति
काङ्क्षिष्यसि काङ्क्षिष्यथः काङ्क्षिष्यथ
काङ्क्षिष्यामि काङ्क्षिष्यावः काङ्क्षिष्यामः

अकाङ्क्षिष्यत् अकाङ्क्षिष्यताम् अकाङ्क्षिष्यन्
अकाङ्क्षिष्यः अकाङ्क्षिष्यतम् अकाङ्क्षिष्यत
अकाङ्क्षिष्यम् अकाङ्क्षिष्याव अकाङ्क्षिष्याम

581 बाधु (बाहू) काङ्गायाम् ।

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| व० वाङ्क्षति | वाङ्क्षतः | वाङ्क्षित |
| वाङ्क्षसि | वाङ्क्षथः | वाङ्क्षथ |
| वाङ्क्षामि | वाङ्क्षावः | वाङ्क्षामः |
| स० वाङ्क्षेत् | वाङ्क्षेताम् | वाङ्क्षेयुः |
| वाङ्क्षेः | वाङ्क्षेतम् | वाङ्क्षेत |
| वाङ्क्षेयम् | वाङ्क्षेव | वाङ्क्षेम |

प० वाङ्क्षतुवाङ्क्षतात् वाङ्क्षताम् वाङ्क्षन्तु
वाङ्क्ष " वाङ्क्षतम् वाङ्क्षत
वाङ्क्षाणि वाङ्क्षाव वाङ्क्षाम्

४० अवाङ्क्षत् अवाङ्क्षताम् अवाङ्क्षान्
अवाङ्क्षाः अवाङ्क्षतम् अवाङ्क्षत
अवाङ्क्षाम् अवाङ्क्षाथ अवाङ्क्षाम्

अ० अवाङ्क्षीत् अवाङ्क्षिष्टाम् अवाङ्क्षिषुः
अवाङ्क्षीः अवाङ्क्षिष्टम् अवाङ्क्षिष्ट
अवाङ्क्षिष्वम् अवाङ्क्षिष्व अवाङ्क्षिष्वम्

प० ववाङ्क्ष ववाङ्क्षतुः ववाङ्क्षुः
 ववाङ्क्षिथ ववाङ्क्षथुः ववाङ्क्षि
 ववाङ्क्ष ववाङ्क्षिथ ववाङ्क्षिम

आ० वाङ्मयात् वाङ्मयास्ताम् वाङ्मयासुः
वाङ्मयाः वाङ्मयास्तम् वाङ्मयास्त
वाङ्मयासम् वाङ्मयास्व वाङ्मयास्म

ॐ०वाङ्महिता वाङ्महितारौ वाङ्महितारः
वाङ्महितासि वाङ्महितास्यः वाङ्महितास्य
वाङ्महितास्मि वाङ्महितास्मः वाङ्महितास्मः

भ० वाङ्क्षिष्यति वाङ्क्षिष्यतः वाङ्क्षिष्यन्ति
वाङ्क्षिष्यसि वाङ्क्षिष्यथः वाङ्क्षिष्यथ
वाङ्क्षिष्यामि वाङ्क्षिष्याथः वाङ्क्षिष्यामः

अवाङ्क्षिप्यत अवाङ्क्षिप्यताम् अवाङ्क्षिप्यन
अवाङ्क्षिप्यः अवाङ्क्षिप्यतम् अवाङ्क्षिप्यत
अवाङ्क्षिप्यम् अवाङ्क्षिप्याय अवाङ्क्षिप्याम्

582 माक्षु (माक्ष्) काङ्गायाम् ।

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| ब० माङ्क्षति | माङ्क्षतः | माङ्क्षन्ति |
| माङ्क्षति | माङ्क्षथः | माङ्क्षथ |
| माङ्क्षामि | माङ्क्षावः | माङ्क्षामः |

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| स० माङ्क्षेत् | माङ्क्षेताम् | माङ्क्षेयुः |
| माङ्क्षेः | माङ्क्षेतम् | माङ्क्षेत |
| माङ्क्षेयम् | माङ्क्षेय | माङ्क्षेम |

प० माङ्क्षतुमाङ्क्षतात् माङ्क्षताम्माङ्क्षन्तु
माङ्क्ष " माङ्क्षतम् माङ्क्षत
माङ्क्षाणि माङ्क्षाव माङ्क्षाम

द्य० अमाङ्क्षत् अमाङ्क्षताम् अमाङ्क्षन्
 अमाङ्क्षः अमाङ्क्षतम् अमाङ्क्षत
 अमाङ्क्षम् अमाङ्क्षाच्च अमाङ्क्षाम्

अ० अमाङ्क्षीत् अमाङ्क्षिष्टाम् अमाङ्क्षिषुः
अमाङ्क्षीः अमाङ्क्षिष्टम् अमाङ्क्षिष्ट
अमाङ्क्षिषम् अमाङ्क्षिष्व अमाङ्क्षिष्म

प० समाङ्क्ष समाङ्क्षतुः समाङ्क्षुः
 समाङ्क्षिथ समाङ्क्षथुः समाङ्क्ष
 समाङ्क्ष समाङ्क्षिव समाङ्क्षिम

आ० माङ्क्ष्यात् माङ्क्ष्यास्ताम् माङ्क्ष्यासुः
माङ्क्ष्याः माङ्क्ष्यास्तम् माङ्क्ष्यास्त
माङ्क्ष्यासम् माङ्क्ष्यास्व माङ्क्ष्यासम्

ॐ माङ्क्षिता माङ्क्षितारौ माङ्क्षितारः
माङ्क्षितासि माङ्क्षितास्थः माङ्क्षितास्थ
माङ्क्षितास्मि माङ्क्षितास्वः माङ्क्षितास्मः

अ० माङ्क्षिष्यति माङ्क्षिष्यतः माङ्क्षिष्यन्ति
माङ्क्षिष्यसि माङ्क्षिष्यथः माङ्क्षिष्यथ
माङ्क्षिष्यामि माङ्क्षिष्यावः माङ्क्षिष्यामः

अमाङ्क्षिष्यत अमाङ्क्षिष्यताम् अमाङ्क्षिष्यन्
अमाङ्क्षिष्यः अमाङ्क्षिष्यतम् अमाङ्क्षिष्यत
अमाङ्क्षिष्यम् अमाङ्क्षिष्याव अमाङ्क्षिष्याम्

585 ध्वाङ्क्षु (ध्वाङ्क्ष्) घोरवाशिते ।

काङ्क्षयाञ्च ।

व० ध्वाङ्क्षति ध्वाङ्क्षतः ध्वाङ्क्षन्ति
ध्वाङ्क्षसि ध्वाङ्क्षथः ध्वाङ्क्षथ
ध्वाङ्क्षामि ध्वाङ्क्षावः ध्वाङ्क्षामः

स० ध्वाङ्क्षेत् ध्वाङ्क्षेताम् ध्वाङ्क्षेयुः
ध्वाङ्क्षेः ध्वाङ्क्षेतम् ध्वाङ्क्षेत
ध्वाङ्क्षेयम् ध्वाङ्क्षेव ध्वाङ्क्षेम

प० ध्वाङ्क्षतु ध्वाङ्क्षतात् ध्वाङ्क्षताम् ध्वाङ्क्षन्तु

ध्वाङ्क्ष „ ध्वाङ्क्षतम् ध्वाङ्क्षत
ध्वाङ्क्षाणि ध्वाङ्क्षाव ध्वाङ्क्षाम

झ० अध्वाङ्क्षत् अध्वाङ्क्षताम् अध्वाङ्क्षन्
अध्वाङ्क्षः अध्वाङ्क्षतम् अध्वाङ्क्षत
अध्वाङ्क्षम् अध्वाङ्क्षाव अध्वाङ्क्षाम

अ० अध्वाङ्क्षीत् अध्वाङ्क्षिष्याम् अध्वाङ्क्षिषुः
अध्वाङ्क्षीः अध्वाङ्क्षिष्यत् अध्वाङ्क्षिष्य
अध्वाङ्क्षिष्यम् अध्वाङ्क्षिष्यव अध्वाङ्क्षिष्यामः

प० दध्वाङ्क्ष दध्वाङ्क्षतुः दध्वाङ्क्षुः
दध्वाङ्क्षिथ दध्वाङ्क्षथुः दध्वाङ्क्ष
दध्वाङ्क्ष, दध्वाङ्क्षिष दध्वाङ्क्षिम

आ० ध्वाङ्क्ष्यात् ध्वाङ्क्ष्यास्ताम् ध्वाङ्क्ष्यासुः
ध्वाङ्क्ष्याः ध्वाङ्क्ष्यास्तम् ध्वाङ्क्ष्यास्त
ध्वाङ्क्ष्यासम् ध्वाङ्क्ष्यास्व ध्वाङ्क्ष्यास्व

ष्व० ध्वाङ्क्षिता ध्वाङ्क्षितारौ ध्वाङ्क्षितारः
ध्वाङ्क्षितासि ध्वाङ्क्षितास्थः ध्वाङ्क्षितास्थ
ध्वाङ्क्षितास्मि ध्वाङ्क्षितास्वः ध्वाङ्क्षितास्मः

ध्वाङ्क्षिष्यति ध्वाङ्क्षिष्यतः ध्वाङ्क्षिष्यन्ति
ध्वाङ्क्षिष्यसि ध्वाङ्क्षिष्यथः ध्वाङ्क्षिष्यथ
ध्वाङ्क्षिष्यामि ध्वाङ्क्षिष्यावः ध्वाङ्क्षिष्यामः

क्रि० अध्वाङ्क्षिष्यत् अध्वाङ्क्षिष्यताम्
अध्वाङ्क्षिष्यन् अध्वाङ्क्षिष्यः
अध्वाङ्क्षिष्यतम् अध्वाङ्क्षिष्यत
अध्वाङ्क्षिष्यम् अध्वाङ्क्षिष्याव
अध्वाङ्क्षिष्याम

एते निरनुबन्धत्वाच्छेषात्कर्त्तरीति परस्मैपदिनः ।

॥ इति परस्मैपदिनो धातवः ॥

॥ अथात्मनेपदिनः ॥

अथ इङित आत्मनेपदिन आईक्षेर्वर्णस-

माभ्नायक्रमेण वक्ष्यन्ते ।

586 गाङ् (गा) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------|----------------|-----------------|
| व० | गाते | गाते | गाते |
| | गात्से | गात्थे | गात्ध्वे |
| | गात्गे | गात्तवे | गात्तमहे |
| स० | गेत | गेयाताम् | गेरन् |
| | गेथाः | गेयाथाम् | गेध्वम् |
| | गेय | गेवहि | गेमहि |
| प० | गाताम् | गाताम् | गाताम् |
| | गात्स्व | गाथाम् | गाध्वम् |
| | गात्मे | गावहि | गामहि |
| ह्य० | अगात | अगाताम् | अगात |
| | अगाथाः | अगाथाम् | अगाध्वम् |
| | अगे | अगावहि | अगामहि |
| अ० | अगास्त | अगास्ताम् | अगास्त |
| | अगास्थाः | अगास्ताथाम् | अगाध्वम्, ध्वम् |
| | अगासि | अगास्वहि | अगास्महि |
| प० | जगे | जगाते | जगिरे |
| | जगिषे | जगाथे | जगिध्वे |
| | जगे | जगिवहे | जगिमहे |
| आ० | गासीष्ट | गासीयास्ताम् | गासीरन् |
| | गासीष्टाः | गासीयास्ताथाम् | गासीध्वम् |
| | गासीय | गासीयहि | गासीमहि |
| श्व० | गाता | गातारौ | गातारः |
| | गातात्से | गातासाथे | गाताध्वे |
| | गाताहे | गातास्वहे | गातास्महे |
| भ० | गास्यते | गास्येते | गास्यन्ते |
| | गास्यसे | गास्येथे | गास्यध्वे |
| | गास्ये | गास्यावहे | गास्यामहे |
| क्रि० | अगास्यत | अगास्येताम् | अगास्यन्त |
| | अगास्यथाः | अगास्येथाम् | अगास्यध्वम् |
| | अगास्ये | अगास्यावहि | अगास्यामहि |

587 णिम्ङ् (स्मि) इषद्धसने ।

| | | | |
|-------|-------------|------------------|---------------|
| व० | स्मयते | स्मयेते | स्मयन्ते |
| | स्मयसे | स्मयेथे | स्मयध्वे |
| | स्मये | स्मयावहे | स्मयामहे |
| स० | स्मयेत | स्मयेयाताम् | स्मयेरन् |
| | स्मयेथाः | स्मयेयाथाम् | स्मयेध्वम् |
| | स्मयेय | स्मयेवहि | स्मयेमहि |
| प० | स्मयताम् | स्मयेताम् | स्मयन्ताम् |
| | स्मयस्व | स्मयेथाम् | स्मयध्वम् |
| | स्मये | स्मयावहे | स्मयामहे |
| ह्य० | अस्मयत | अस्मयेताम् | अस्मयन्त |
| | अस्मयथाः | अस्मयेथाम् | अस्मयध्वम् |
| | अस्मये | अस्मयावहि | अस्मयामहि |
| अ० | अस्मेष्ट | अस्मेष्टाताम् | अस्मेष्ट |
| | अस्मेष्टाः | अस्मेष्टाथाम् | अस्मेष्टध्वम् |
| | अस्मेष्टि | अस्मेष्टवहि | अस्मेष्टमहि |
| प० | सिष्मिये | सिष्मियाते | सिष्मियिरे |
| | सिष्मियिषे | सिष्मियाथे | सिष्मियिध्वे |
| | सिष्मियिये | सिष्मियिवहे | सिष्मियिमहे |
| आ० | स्मेषीष्ट | स्मेषीयास्ताम् | स्मेषीरन् |
| | स्मेषीष्टाः | स्मेषीयास्ताथाम् | स्मेषीध्वम् |
| | स्मेषीय | स्मेषीवहि | स्मेषीमहि |
| श्व० | स्मेता | स्मेतारौ | स्मेतारः |
| | स्मेतात्से | स्मेतासाथे | स्मेताध्वे |
| | स्मेताहे | स्मेतास्वहे | स्मेतास्महे |
| भ० | स्मोष्यते | स्मोष्येते | स्मोष्यन्ते |
| | स्मोष्यसे | स्मोष्येथे | स्मोष्यध्वे |
| | स्मोष्ये | स्मोष्यावहे | स्मोष्यामहे |
| क्रि० | अस्मोष्यत | अस्मोष्येताम् | अस्मोष्यन्त |
| | अस्मोष्यथाः | अस्मोष्येथाम् | अस्मोष्यध्वम् |
| | अस्मोष्ये | अस्मोष्यावहि | अस्मोष्यामहि |

588 डीङ् (डी) विहायसागतौ ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० डयते | डयेते | डयन्ते |
| डयसे | डयेथे | डयध्वे |
| डये | डयावहे | डयामहे |
| स० डयेत | डयेयाताम् | डयेरन् |
| डयेथाः | डयेयाथाम् | डयेध्वम् |
| डयेय | डयेवहि | डयेमहि |
| प० डयताम् | डयेताम् | डयन्ताम् |
| डयस्व | डयेथाम् | डयध्वम् |
| डये | डयावहे | डयामहे |
| ह्य० अडयत | अडयेताम् | अडयन्त |
| अडयथाः | अडयेथाम् | अडयध्वम् |
| अडये | अडयावहि | अडयामहि |
| अ० अडयिष्ट | अडयिषाताम् | अडयिषत |
| अडयिष्ठाः | अडयिषाथाम् | अडयिद्धवम् |
| | | ह्वम्-ध्वम् |
| अडयिषि | अडयिष्वहि | अडयिष्महि |
| प० डिडये | डिडयाते | डिडिचरे |
| डिडिचये | डिडियाथे | डिडिचद्वे |
| | | डिचध्वे |
| डिडये | डिडिचवहे | डिडिचमहे |
| आ० डयिषीष्ट | डयिषीयास्ताम् | डयिषीरन् |
| डयिषीष्ठाः | डयिषीयास्थाम् | डयिषीह्वम् |
| | | ध्वम् |
| डयिषीय | डयिषीवहि | डयिषीमहि |
| श्व० डयिता | डयितारौ | डयितारः |
| डयितासे | डयितासाथे | डयिताध्वे |
| डयिताहे | डयितास्वहे | डयितास्महे |
| भ० डयिष्यते | डयिष्येते | डयिष्यन्ते |
| डयिष्यसे | डयिष्येथे | डयिष्यध्वे |
| डयिष्ये | डयिष्यावहे | डयिष्यामहे |
| क्रि० अडयिष्यत | अडयिष्येताम् | अडयिष्यन्त |
| अडयिष्यथाः | अडयिष्येथाम् | अडयिष्यध्वम् |
| अडयिष्ये | अडयिष्यावहि | अडयिष्यामहि |

अथ उकारान्ता एकादश अनिटश्च ।

589 उङ् (उ) शब्दे ।

| | | |
|-------------|-------------|--------------|
| ० अवते | अवेते | अवन्ते |
| अवसे | अवेथे | अवध्वे |
| अवे | अवावहे | अवामहे |
| स० अवत | अवेयाताम् | अवरन् |
| अवेथाः | अवेयाथाम् | अवेध्वम् |
| अवेय | अवेवहि | अवेमहि |
| प० अवताम् | अवेताम् | अवन्ताम् |
| अवस्व | अवेथाम् | अवध्वम् |
| अवे | अवावहे | अवामहे |
| ह्य० आवत | आवेताम् | आवन्त |
| आवथाः | आवेथाम् | आवध्वम् |
| आवे | आवावहि | आवामहि |
| अ० औष्ट | औषाताम् | औषत |
| औष्ठाः | औषाथाम् | औद्धवम् |
| | | ह्वम् |
| औषि | औष्वहि | औष्महि |
| प० ऊवे | ऊवाते | ऊविरे |
| ऊविषे | ऊवाथे | ऊविद्वे-ध्वे |
| ऊवे | ऊविषहे | ऊविमहे |
| आ० औषीष्ट | औषीयास्ताम् | औषीरन् |
| औषीष्ठाः | औषीयास्थाम् | औषीह्वम् |
| | | ध्वम् |
| औषीय | औषीवहि | औषीमहि |
| श्व० औता | औतारौ | औतारः |
| औतासे | औतासाथे | औताध्वे |
| औताहे | औतास्वहे | औतास्महे |
| भ० औष्यते | औष्येते | औष्यन्ते |
| औष्यसे | औष्येथे | औष्यध्वे |
| औष्ये | औष्यावहे | औष्यामहे |
| क्रि० औष्यत | औष्येताम् | औष्यन्त |
| औष्यथाः | औष्येथाम् | औष्यध्वम् |
| औष्ये | औष्यावहि | औष्यामहि |

कुङ् (कु) शब्दे ।

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| व० कवते | कवेते | कवन्ते |
| कवसे | कवेथे | कवध्वे |
| कवे | कवावहे | कवामहे |
| स० कवेत | कवेयाताम् | कवेरन् |
| कवेथाः | कवेयाथाम् | कवेध्वम् |
| कवेय | कवेवहि | कवेमहि |
| प० कवताम् | कवेताम् | कवन्ताम् |
| कवस्व | कवेथाम् | कवध्वम् |
| कवे | कवावहे | कवामहे |
| झ० अकवत | अकवेताम् | अकवन्त |
| अकवथाः | अकवेथाम् | अकवध्वम् |
| अकवे | अकवावहि | अकवामहि |
| अ० अकोष्ट | अकोषाताम् | अकोषत |
| अकोष्ठाः | अकोषाथाम् | अकोड्ढ्वम् |
| अकोषि | अकोष्वहि | अकोष्महि |
| प० चुकुवे | चुकुवाते | चुकुविरे |
| चुकुषिषे | चुकुवाथे | चुकुविद्वे |
| चुकुवे | चुकुविष्वहे | चुकुषिमहे |
| आ० कोषीष्ट | कोषीयास्ताम् | कोषीरन् |
| कोषीष्ठाः | कोषीयास्थाम् | कोषीद्वम् |
| कोषीय | कोषीवहि | कोषीमहि |
| श्व० कोता | कोतारौ | कोतारः |
| कोतासे | कोतासाथे | कोताध्वे |
| कोताहे | कोतास्वहे | कोतास्महे |
| भ० कोष्यते | कोष्येते | कोष्यन्ते |
| कोष्यसे | कोष्येथे | कोष्यध्वे |
| कोष्ये | कोष्यावहे | कोष्यामहे |
| क्रि० अकाष्यत | अकोष्येताम् | अकोष्यन्त |
| अकोष्यथाः | अकोष्येथाम् | अकोष्यध्वम् |
| अकोष्ये | अकोष्यावहि | अकोष्यामहि |

गुङ् (गु) शब्दे ।

अव्यक्ते इति केचित् ॥

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| व० गवते | गवेते | गवन्ते |
| गवसे | गवेथे | गवध्वे |
| गवे | गवावहे | गवामहे |
| प० गवेत | गवेयाताम् | गवेरन् |
| गवेथाः | गवेयाथाम् | गवेध्वम् |
| गवेय | गवेवहि | गवेमहि |
| स० गवताम् | गवेताम् | गवन्ताम् |
| गवस्व | गवेथाम् | गवध्वम् |
| गवे | गवावहे | गवामहे |
| झ० अगवत | अगवेताम् | अगवन्त |
| अगवथाः | अगवेथाम् | अगवध्वम् |
| अगवे | अगवावहि | अगवामहि |
| अ० अगोष्ट | अगोषाताम् | अगोषत |
| अगोष्ठाः | अगोषाथाम् | अगोड्ढ्वम् |
| अगोषि | अगोष्वहि | अगोष्महि |
| प० जुगुवे | जुगुवाते | जुगुविरे |
| जुगुषिषे | जुगुवाथे | जुगुविद्वे |
| जुगुवे | जुगुविष्वहे | जुगुषिमहे |
| आ० गोषीष्ट | गोषीयास्ताम् | गोषीरन् |
| गोषीष्ठाः | गोषीयास्थाम् | गोषीद्वम् |
| गोषीय | गोषीवहि | गोषीमहि |
| श्व० गोता | गोतारौ | गोतारः |
| गोतासे | गोतासाथे | गोताध्वे |
| गोताहे | गोतास्वहे | गोतास्महे |
| भ० गोष्यते | गोष्येते | गोष्यन्ते |
| गोष्यसे | गोष्येथे | गोष्यध्वे |
| गोष्ये | गोष्यावहे | गोष्यामहे |
| क्रि० अगोष्यत | अगोष्येताम् | अगोष्यन्त |
| अगोष्यथाः | अगोष्येथाम् | अगोष्यध्वम् |
| अगोष्ये | अगोष्यावहि | अगोष्यामहि |

592 घुङ् (घु) शब्दे ।

| | | |
|---------------|--------------|-------------------|
| घ० घवते | घवेते | घवन्ते |
| घवसे | घवेथे | घवध्वे |
| घवे | घवावहे | घवामहे |
| स० घवेत | घवेयाताम् | घवेरन् |
| घवेथाः | घवेयाथाम् | घवेध्वम् |
| घवेय | घवेवहि | घवेमहि |
| प० घवताम् | घवेताम् | घवन्ताम् |
| घवस्व | घवेथाम् | घवध्वम् |
| घवै | घवावहै | घवामहै |
| झ० अघवत | अघवेताम् | अघवन्त |
| अघवथाः | अघवेथाम् | अघवध्वम् |
| अघवे | अघवावहि | अघवामहि |
| अ० अघोष्ट | अघोषाताम् | अघोषत |
| अघोष्ठाः | अघोषाथाम् | अघोड्वम् |
| अघोषि | अघोष्वहि | अघोष्महि |
| प० जुघुवे | जुघुवाते | जुघुविरे |
| जुघुविषे | जुघुवाथे | जुघुविह्वे-विध्वे |
| जुघुवे | जुघुविषहे | जुघुविमहे |
| आ० घोषीष्ट | घोषीयास्ताम् | घोषीरन् |
| घोषीष्ठाः | घोषीयास्थाम् | घोषीद्वम् |
| घोषीय | घोषीवहि | घोषीमहि |
| श्व० घोता | घोतारौ | घोतारः |
| घोतासे | घोतासाथे | घोताध्वे |
| घोताहे | घोतास्वहे | घोतास्महे |
| भ० घोष्यते | घोष्येते | घोष्यन्ते |
| घोष्यसे | घोष्येथे | घोष्यध्वे |
| घोष्ये | घोष्यावहे | घोष्यामहे |
| क्रि० अघोष्यत | अघोष्येताम् | अघोष्यन्त |
| अघोष्यथाः | अघोष्येथाम् | अघोष्यध्वम् |
| अघोष्ये | अघोष्यावहि | अघोष्यामहि |

593 डुङ् (डु) शब्दे ।

एतत्स्थाने खुङ् इत्येके

| | | |
|---------------|--------------|----------------|
| घ० डवते | डवेते | डवन्ते |
| डवसे | डवेथे | डवध्वे |
| डवे | डवावहे | डवामहे |
| स० डवेत | डवेयाताम् | डवेरन् |
| डवेथाः | डवेयाथाम् | डवेध्वम् |
| डवेय | डवेवहि | डवेमहि |
| प० डवताम् | डवेताम् | डवन्ताम् |
| डवस्व | डवेथाम् | डवध्वम् |
| डवै | डवावहै | डवामहै |
| झ० अडवत | अडवेताम् | अडवन्त |
| अडवथः | अडवेथाम् | अडवध्वम् |
| अडवे | अडवावहि | अडवामहि |
| अ० अडोष्ट | अडोषाताम् | अडोषत |
| अडोष्ठाः | अडोषाथाम् | अडोड्वम् |
| अडोषि | अडोष्वहि | अडोष्महि |
| प० जडुवे | जडुवाते | जडुविरे |
| जडुविषे | जडुवाथे | जडुविह्वे-ध्वे |
| जडुवे | जडुविषहे | जडुविमहे |
| आ० डोषीष्ट | डोषीयास्ताम् | डोषीरन् |
| डोषीष्ठाः | डोषीयास्थाम् | डोषीद्वम् |
| डोषीय | डोषीवहि | डोषीमहि |
| श्व० डोता | डोतारौ | डोतारः |
| डोतासे | डोतासाथे | डोताध्वे |
| डोताहे | डोतास्वहे | डोतास्महे |
| भ० डोष्यते | डोष्येते | डोष्यन्ते |
| डोष्यसे | डोष्येथे | डोष्यध्वे |
| डोष्ये | डोष्यावहे | डोष्यामहे |
| क्रि० अडोष्यत | अडोष्येताम् | अडोष्यन्त |
| अडोष्यथाः | अडोष्येथाम् | अडोष्यध्वम् |
| अडोष्ये | अडोष्यावहि | अडोष्यामहि |

594 च्युङ् (च्यु) गतौ ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० च्यवते | च्यवेते | च्यवन्ते |
| च्यवसे | च्यवेथे | च्यवध्वे |
| च्यवे | च्यवावहे | च्यवामहे |
| स० च्यवेत | च्यवेयाताम् | च्यवेरन् |
| च्यवेथाः | च्यवेयाथाम् | च्यवेध्वम् |
| च्यवेय | च्यवेवहि | च्यवेमहि |
| प० च्यवताम् | च्यवेताम् | च्यवन्ताम् |
| च्यवस्व | च्यवेथाम् | च्यवध्वम् |
| च्यवे | च्यवावहे | च्यवामहे |
| झ० अच्यवत | अच्यवेताम् | अच्यवन्त |
| अच्यवथाः | अच्यवेथाम् | अच्यवध्वम् |
| अच्यवे | अच्यवावहि | अच्यवामहि |
| अ० अच्योष्ट | अच्योषाताम् | अच्योषत |
| अच्योष्टाः | अच्योषाथाम् | अच्योड्ध्वम् |
| | | द्वम् |
| अच्योषि | अच्योष्वहि | अच्योषमहि |
| प० चुच्युवे | चुच्युवाते | चुच्युविरे |
| चुच्युविषे | चुच्युवाथे | चुच्युविद्वे |
| | | विध्वे |
| चुच्युवे | चुच्युविषहे | चुच्युविमहे |
| आ० च्योषीष्ट | च्योषीयास्ताम् | च्योषीरन् |
| च्योषीष्टाः | च्योषीयास्थाम् | च्योषीद्वम् |
| च्योषीय | च्योषीवहि | च्योषीमहि |
| श्च० च्योता | च्योतारी | च्योतारः |
| च्योतासे | च्योतासाथे | च्योताध्वे |
| च्योताहे | च्योतास्वहे | च्योतास्महे |
| भ० च्योष्यते | च्योष्येते | च्योष्यन्ते |
| च्योष्यसे | च्योष्येथे | च्योष्यध्वे |
| च्योष्ये | च्योष्यावहे | च्योष्यामहे |
| क्रि० अच्योष्यत | अच्योष्येताम् | अच्योष्यन्त |
| अच्योष्यथाः | अच्योष्येथाम् | अच्योष्यध्वम् |
| अच्योष्ये | अच्योष्यावहि | अच्योष्यामहि |

595 ज्युङ् (ज्यु) गतौ ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० ज्यवते | ज्यवेते | ज्यवन्ते |
| ज्यवसे | ज्यवेथे | ज्यवध्वे |
| ज्यवे | ज्यवावहे | ज्यवामहे |
| स० ज्यवेत | ज्यवेयाताम् | ज्यवेरन् |
| ज्यवेथाः | ज्यवेयाथाम् | ज्यवेध्वम् |
| ज्यवेय | ज्यवेवहि | ज्यवेमहि |
| प० ज्यवताम् | ज्यवेताम् | ज्यवन्ताम् |
| ज्यवस्व | ज्यवेथाम् | ज्यवध्वम् |
| ज्यवे | ज्यवावहे | ज्यवामहे |
| झ० अज्यवत | अज्यवेताम् | अज्यवन्त |
| अज्यवथाः | अज्यवेथाम् | अज्यवध्वम् |
| अज्यवे | अज्यवावहि | अज्यवामहि |
| अ० अज्योष्ट | अज्योषाताम् | अज्योषत |
| अज्योष्टाः | अज्योषाथाम् | अज्योड्ध्वम् |
| | | द्वम् |
| अज्योषि | अज्योष्वहि | अज्योषमहि |
| प० जुज्युवे | जुज्युवाते | जुज्युविरे |
| जुज्युविषे | जुज्युवाथे | जुज्युविद्वे |
| | | विध्वे |
| जुज्युवे | जुज्युविषहे | जुज्युविमहे |
| आ० ज्योषीष्ट | ज्योषीयास्ताम् | ज्योषीरन् |
| ज्योषीष्टाः | ज्योषीयास्थाम् | ज्योषीद्वम् |
| ज्योषीय | ज्योषीवहि | ज्योषीमहि |
| श्च० ज्योता | ज्योतारी | ज्योतारः |
| ज्योतासे | ज्योतासाथे | ज्योताध्वे |
| ज्योताहे | ज्योतास्वहे | ज्योतास्महे |
| भ० ज्योष्यते | ज्योष्येते | ज्योष्यन्ते |
| ज्योष्यसे | ज्योष्येथे | ज्योष्यध्वे |
| ज्योष्ये | ज्योष्यावहे | ज्योष्यामहे |
| क्रि० अज्योष्यत | अज्योष्येताम् | अज्योष्यन्त |
| अज्योष्यथाः | अज्योष्येथाम् | अज्योष्यध्वम् |
| अज्योष्ये | अज्योष्यावहि | अज्योष्यामहि |

596 जुङ् (जु) गतौ ।

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| व० जवते | जवेते | जवन्ते |
| जवसे | जवेथे | जवध्वे |
| जवे | जवावहे | जवामहे |
| म० जवेत | जवेयाताम् | जवेरन् |
| जवेथाः | जवेयाथाम् | जवेध्वम् |
| जवेय | जवेयहि | जवेमहि |
| प० जवताम् | जवेताम् | जवन्ताम् |
| जवस्व | जवेथाम् | जवध्वम् |
| जवे | जवावहे | जवामहे |
| झ० अजवत | अजवेताम् | अजवन्त |
| अजवथाः | अजवेथाम् | अजवध्वम् |
| अजवे | अजवावहि | अजवामहि |
| अ० अजोष्ट | अजोषाताम् | अजोषत |
| अजोष्ठाः | अजोषाथाम् | अजोड्ध्वम् |
| | | द्वम् |
| अजोषि | अजोष्वहि | अजोष्महि |
| प० जुजुवे | जुजुवाते | जुजुविरे |
| जुजुविषे | जुजुवाथे | जुजुविद्वे |
| | | विध्वे |
| जुजुवे | जुजुविषहे | जुजुविमहे |
| आ० जोषीष्ट | जोषीयास्ताम् | जोषीरन् |
| जोषीष्ठाः | जोषीयास्थाम् | जोषीद्वम् |
| जोषीय | जोषीयहि | जोषीमहि |
| झ० जोता | जोतारौ | जोतारः |
| जोतासे | जोतासाथे | जोताध्वे |
| जोताहे | जोतास्वहे | जोतास्महे |
| भ० जोष्यते | जोष्येते | जोष्यन्ते |
| जोष्यसे | जोष्येथे | जोष्यध्वे |
| जोष्ये | जोष्यावहे | जोष्यामहे |
| क्रि० अजोष्यत | अजोष्येताम् | अजोष्यन्त |
| अजोष्यथाः | अजोष्येथाम् | अजोष्यध्वम् |
| अजोष्ये | अजोष्यावहि | अजोष्यामहि |

597 प्रुङ् (प्रु) गतौ ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० प्रवते | प्रवेते | प्रवन्ते |
| प्रवसे | प्रवेथे | प्रवध्वे |
| प्रवे | प्रवावहे | प्रवामहे |
| प० प्रवेत | प्रवेयाताम् | प्रवेरन् |
| प्रवेथाः | प्रवेयाथाम् | प्रवेध्वम् |
| प्रवेय | प्रवेयहि | प्रवेमहि |
| स० प्रवताम् | प्रवेताम् | प्रवन्ताम् |
| प्रवस्व | प्रवेथाम् | प्रवध्वम् |
| प्रवे | प्रवावहे | प्रवामहे |
| झ० अप्रवत | अप्रवेताम् | अप्रवन्त |
| अप्रवथाः | अप्रवेथाम् | अप्रवध्वम् |
| अप्रवे | अप्रवावहि | अप्रवामहि |
| अ० अप्रोष्ट | अप्रोषाताम् | अप्रोषत |
| अप्रोष्ठाः | अप्रोषाथाम् | अप्रोड्ध्वम् |
| | | द्वम् |
| अप्रोषि | अप्रोष्वहि | अप्रोष्महि |
| प० पुप्रुवे | पुप्रुवाते | पुप्रुविरे |
| पुप्रुविषे | पुप्रुवाथे | पुप्रुविद्वे |
| | | विध्वे |
| पुप्रुवे | पुप्रुविषहे | पुप्रुविमहे |
| आ० प्रोषीष्ट | प्रोषीयास्ताम् | प्रोषीरन् |
| प्रोषीष्ठाः | प्रोषीयास्थाम् | प्रोषीद्वम् |
| प्रोषीय | प्रोषीयहि | प्रोषीमहि |
| भ्व० प्रोता | प्रोतारौ | प्रोतारः |
| प्रोतासे | प्रोतासाथे | प्रोताध्वे |
| प्रोताहे | प्रोतास्वहे | प्रोतास्महे |
| भ० प्रोष्यते | प्रोष्येते | प्रोष्यन्ते |
| प्रोष्यसे | प्रोष्येथे | प्रोष्यध्वे |
| प्रोष्ये | प्रोष्यावहे | प्रोष्यामहे |
| क्रि० अप्रोष्यत | अप्रोष्येताम् | अप्रोष्यन्त |
| अप्रोष्यथाः | अप्रोष्येथाम् | अप्रोष्यध्वम् |
| अप्रोष्ये | अप्रोष्यावहि | अप्रोष्यामहि |

599 रुंइ (रु) रेषणे च ।

| | | | |
|------|-------------|----------------|----------------------|
| त्र० | लघते | लघते | लघन्ते |
| | लघसे | लघेथे | लघध्वे |
| | लघे | लघावहे | लघामहे |
| स० | लघेत | लघेयाताम् | लघेरन् |
| | लघेथाः | लघेयाथाम् | लघेध्वम् |
| | लघेय | लघेवहि | लघेमहि |
| ष० | लघताम् | लघेताम् | लघन्ताम् |
| | लघस्व | लघेथाम् | लघध्वम् |
| | लघै | लघावह | लघामह |
| झ० | अलघत | अलघेताम् | अलघन्त |
| | अलघथाः | अलघेथाम् | अलघध्वम् |
| | अलघे | अलघावहि | अलघामहि |
| अ० | अल्लोष्ट | अल्लोषाताम् | अल्लोषत |
| | अल्लोष्टाः | अल्लोषाथाम् | अल्लोड्ढवम् द्वम् |
| | अल्लोषि | अल्लोष्वहि | अल्लोष्महि |
| प० | पुल्लुवे | पुल्लुजाते | पुल्लुबिरे |
| | पुल्लुबिषे | पुल्लुवाथे | पुल्लुबिह्वे-ध्वे |
| | पुल्लुवे | पुल्लुबिषहे | पुल्लुबिमहे |
| आ० | प्लोषीष्ट | प्लोषीयास्ताम् | प्लोषीरन् |
| | प्लोषीष्टाः | प्लोषीयास्थाम् | प्लोषीद्वम् |
| | प्लोषीय | प्लोषीवहि | प्लोषीमहि |
| झ० | प्लोता | प्लोतारौ | प्लोतारः |
| | प्लोतासे | प्लोतासाथे | प्लोताध्वे |
| | प्लोताहे | प्लोतास्वहे | प्लोतास्महे |
| भ० | प्लोष्यते | प्लोष्येते | प्लोष्यन्ते |
| | प्लोष्यसे | प्लोष्येथे | प्लोष्यध्वे |
| | प्लोष्ये | प्लोष्यावहे | प्लोष्यामहे |
| कि० | अप्लोष्यत | अप्लोष्येताम् | अप्लोष्यन्त |
| | अप्लोष्यथाः | अप्लोष्येथाम् | अप्लोष्यध्वम् |
| | अप्लोष्ये | अप्लोष्यावहि | अप्लोष्यामहि |

चकाराद्गर्तो ॥ रेंपणं हिंसाशब्दः ।

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| घ० रवते | रवेते | रवन्ते |
| रवसे | रवेथे | रवध्वे |
| रवे | रवावहे | रवामहे |
| स० रवेत | रवेयाताम् | रवेरन् |
| रवेथाः | रवेयाथाम् | रवेध्वम् |
| रवेय | रवेवहि | रवेमहि |
| प० रवताम् | रवेताम् | रवन्ताम् |
| रवस्व | रवेथाम् | रवध्वम् |
| रवे | रवावहे | रवामहे |
| झ० अरवत | अरवेताम् | अरवन्त |
| अरवथाः | अरवेथाम् | अरवध्वम् |
| अरवे | अरवावहि | अरवामहि |
| अ० अरोष्ट | अरोषाताम् | अरोषत |
| अरोष्टाः | अरोषाथाम् | अरोद्ध्वम् |
| अरोषि | अरोष्वहि | अरोष्महि |
| प० रुरुवे | रुरुवाते | रुरुषिरे |
| रुरुषिषे | रुरुवाथे | रुरुषिद्वे |
| रुरुवे | रुरुविवहे | रुरुषिमहे |
| आ० रोषीष्ट | रोषीयास्ताम् | रोषीरन् |
| रोषीष्टाः | रोषीयास्थाम् | रोषीद्वम् |
| रोषीय | रोषीवहि | रोषीमहि |
| श्व० रोता | रोतारौ | रोतारः |
| रोतासे | रोतासाथे | रोताध्वे |
| रोताहे | रोतास्वहे | रोतास्महे |
| भ० रोष्यते | रोष्येते | रोष्यन्ते |
| रोष्यसे | रोष्येथे | रोष्यध्वे |
| रोष्ये | रोष्यावहे | रोष्यामहे |
| क्रि० अरोष्यत | अरोष्येताम् | अरोष्यन्त |
| अरोष्यथाः | अरोष्येथाम् | अरोष्यध्वम् |
| अरोष्ये | अरोष्यावहि | अरोष्यामहि |

॥ अथ ऊदन्तौ ह्रीं सेटी च ॥

600 पूङ् (पू) पवने ।

पवनं नीरजीकरणम् ।

| | | | |
|-------|------------|---------------|--------------|
| व० | पवते | पवेते | पवन्ते |
| | पवसे | पवेथे | पवध्वे |
| | पवे | पवावहे | पवामहे |
| स० | पवेत | पवेयाताम् | पवेरन् |
| | पवेथाः | पवेयाथाम् | पवेध्वम् |
| | पवेय | पवेवहि | पवेमहि |
| प० | पवताम् | पवेताम् | पवन्ताम् |
| | पवस्व | पवेथाम् | पवध्वम् |
| | पवे | पवावहे | पवामहे |
| ह्रा० | अपवत | अपवेताम् | अपवन्त |
| | अपवथाः | अपवेथाम् | अपवध्वम् |
| | अपवे | अपवावहि | अपवामहि |
| अ० | अपविष्ट | अपविषाताम् | अपविषत |
| | अपविष्टाः | अपविषाथाम् | अपविद्ध्वम् |
| | अपविषि | अपविष्वहि | अपविमहि |
| प० | पुपुवे | पुपुवाते | पुपुवरे |
| | पुपुविषे | पुपुवाथे | पुपुविद्ध्वे |
| | पुपुवे | पुपुविषहे | पुपुविमहे |
| आ० | पविषीष्ट | पविषीयास्ताम् | पविषीरन् |
| | पविषीष्टाः | पविषीयास्थाम् | पविषीद्ध्वम् |
| | पविषीय | पविषीवहि | पविषीमहि |
| श्व० | पविता | पवितारौ | पवितारः |
| | पवितासे | पवितासाथे | पविताध्वे |
| | पविताहे | पवितास्वहे | पवितास्महे |
| भ० | पविष्यते | पविष्येते | पविष्यन्ते |
| | पविष्यसे | पविष्येथे | पविष्यध्वे |
| | पविष्ये | पविष्यावहे | पविष्यामहे |
| क्रि० | अपविष्यत | अपविष्येताम् | अपविष्यन्त |
| | अपविष्यथाः | अपविष्येथाम् | अपविष्यध्वम् |
| | अपविष्ये | अपविष्यावहि | अपविष्यामहि |

601 मूङ् (मू) वन्धने ।

| | | | |
|-------|------------|---------------|--------------|
| व० | मवते | मवेते | मवन्ते |
| | मवसे | मवेथे | मवध्वे |
| | मवे | मवावहे | मवामहे |
| स० | मवेत | मवेयाताम् | मवेरन् |
| | मवेथाः | मवेयाथाम् | मवेध्वम् |
| | मवेय | मवेवहि | मवेमहि |
| प० | मवताम् | मवेताम् | मवन्ताम् |
| | मवस्व | मवेथाम् | मवध्वम् |
| | मवे | मवावहे | मवामहे |
| ह्रा० | अमवत | अमवेताम् | अमवन्त |
| | अमवथाः | अमवेथाम् | अमवध्वम् |
| | अमवे | अमवावहि | अमवामहि |
| अ० | अमविष्ट | अमविषाताम् | अमविषत |
| | अमविष्टाः | अमविषाथाम् | अमविद्ध्वम् |
| | अमविषि | अमविष्वहि | अमविमहि |
| प० | मुमुवे | मुमुवाते | मुमुवरे |
| | मुमुविषे | मुमुवाथे | मुमुविद्ध्वे |
| | मुमुवे | मुमुविषहे | मुमुविमहे |
| आ० | मविषीष्ट | मविषीयास्ताम् | मविषीरन् |
| | मविषीष्टाः | मविषीयास्थाम् | मविषीद्ध्वम् |
| | मविषीय | मविषीवहि | मविषीमहि |
| श्व० | मविता | मवितारौ | मवितारः |
| | मवितासे | मवितासाथे | मविताध्वे |
| | मविताहे | मवितास्वहे | मवितास्महे |
| भ० | मविष्यते | मविष्येते | मविष्यन्ते |
| | मविष्यसे | मविष्येथे | मविष्यध्वे |
| | मविष्ये | मविष्यावहे | मविष्यामहे |
| क्रि० | अमविष्यत | अमविष्येताम् | अमविष्यन्त |
| | अमविष्यथाः | अमविष्येथाम् | अमविष्यध्वम् |
| | अमविष्ये | अमविष्यावहि | अमविष्यामहि |

602 धृङ् (धृ) अविध्वंसने ।

| | | |
|----------------|--------------|--------------|
| ब० धरते | धरेते | धरन्ते |
| धरसे | धरेथे | धरध्वे |
| धरे | धरावहे | धरामहे |
| स० धरेत | धरेयाताम् | धरेरन् |
| धरेथाः | धरेयाथाम् | धरेध्वम् |
| धरेय | धरेवहि | धरेमहि |
| प० धरताम् | धरेताम् | धरन्ताम् |
| धरस्व | धरेथाम् | धरध्वम् |
| धरे | धरावहे | धरामहे |
| झ० अधरत | अधरेताम् | अधरन्त |
| अधरथाः | अधरेथाम् | अधरध्वम् |
| अधरे | अधरावहि | अधरामहि |
| अ० अधृत | अधृषाताम् | अधृषन्त |
| अधृथाः | अधृषाथाम् | अधृषध्वम् |
| अधृषि | अधृषवहि | अधृषमहि |
| प० दध्रे | दध्राते | दध्रिरे |
| दध्रिषे | दधाथे | दध्रिध्वे |
| दध्रे | दध्रिवहे | दध्रिमहे |
| आ० धृषीष्ट | धृषीयास्ताम् | धृषीरन् |
| धृषीष्टाः | धृषीयास्थाम् | धृषीध्वम् |
| धृषीय | धृषीवहि | धृषीमहि |
| झ० धर्ता | धर्तागे | धर्तारः |
| धर्तासे | धर्तास्थे | धर्ताध्वे |
| धर्ताहे | धर्तास्वहे | धर्तामहे |
| भ० धरिष्यते | धरिष्येते | धरिष्यन्ते |
| धरिष्यसे | धरिष्येथे | धरिष्यध्वे |
| धरिष्ये | धरिष्यावहे | धरिष्यामहे |
| क्रि० अधरिष्यत | अधरिष्येताम् | अधरिष्यन्त |
| अधरिष्यथाः | अधरिष्येथाम् | अधरिष्यध्वम् |
| अधरिष्ये | अधरिष्यावहि | अधरिष्यामहि |

अतः परावेदन्तौ ज्ञानिदौ च ।

603 मेंङ् (मे) प्रतिदाने ।

प्रतिदानं प्रत्यर्पणम् ।

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| ब० मयते | मयेते | मयन्ते |
| मयसे | मयेथे | मयध्वे |
| मये | मयावहे | मयामहे |
| स० मयेत | मयेयाताम् | मयेरन् |
| मयेथाः | मयेयाथाम् | मयेध्वम् |
| मयेय | मयेवहि | मयेमहि |
| प० मयताम् | मयेताम् | मयन्ताम् |
| मयस्व | मयेथाम् | मयध्वम् |
| मये | मयावहे | मयामहे |
| झ० अमयत | अमयेताम् | अमयन्त |
| अमयथाः | अमयेथाम् | अमयध्वम् |
| अमये | अमयावहि | अमयामहि |
| अ० अमास्त | अमासाताम् | अमासन्त |
| अमास्थाः | अमासाथाम् | अमासध्वम् |
| अमासि | अमासवहि | अमासमहि |
| प० ममे | ममाते | ममिरे |
| ममिषे | ममाथे | ममिध्वे |
| ममे | ममिवहे | ममिमहे |
| आ० मासीष्ट | मासीयास्ताम् | मासीरन् |
| मासीष्टाः | मासीयास्थाम् | मासीध्वम् |
| मासीय | मासीवहि | मासीमहि |
| झ० माता | मातारी | मातारः |
| मातासे | मातास्थे | माताध्वे |
| माताहे | मातास्वहे | मातामहे |
| भ० मास्यते | मास्येते | मास्यन्ते |
| मास्यसे | मास्येथे | मास्यध्वे |
| मास्ये | मास्यावहे | मास्यामहे |
| क्रि० अमास्यत | अमास्येताम् | अमास्यन्त |
| अमास्यथाः | अमास्येथाम् | अमास्यध्वम् |
| अमास्ये | अमास्यावहि | अमास्यामहि |

604 देङ् (दे) पालने ।

| व० | दयते | दयेते | दयन्त |
|-------|-----------|--------------|-------------|
| | दयस्ते | दयेथे | दयध्वे |
| | दये | दयावहे | दयामहे |
| स० | दयेत | दयेयाताम् | दयेरन् |
| | दयेथाः | दयेयाथाम् | दयेध्वम् |
| | दयेय | दयेवहि | दयेमहि |
| प० | दयताम् | दयेताम् | दयन्ताम् |
| | दयस्व | दयेथाम् | दयध्वम् |
| | दये | दयावहे | दयामहे |
| लृ० | अदयत | अदयेताम् | अदयन्त |
| | अदयथाः | अदयेथाम् | अदयध्वम् |
| | अदये | अदयावहि | अदयामहि |
| अ० | अदित | अदिषाताम् | अदिषन्त |
| | अदिथाः | अदिषाथाम् | अदिषध्वम् |
| | अदिषि | अदिष्वहि | अदिषमहि |
| प० | दिग्ये | दिग्याते | दिग्यिरे |
| | दिग्यिषे | दिग्याथे | दिग्यिध्वे |
| | दिग्ये | दिग्यिवहे | दिग्यिमहे |
| आ० | दासीष्ट | दासीयास्ताम् | दासीरन् |
| | दासीष्ठाः | दासीयास्थाम् | दासीध्वम् |
| | दासीय | दासीवहि | दासीमहि |
| श्च० | दाता | दातारी | दातारः |
| | दातासे | दातासाथे | दाताध्वे |
| | दाताहे | दातास्वहे | दातास्महे |
| भ० | दास्यत | दास्येते | दास्यन्ते |
| | दास्यसे | दास्येथे | दास्यध्वे |
| | दास्ये | दास्यावहे | दास्यामहे |
| क्रि० | अदास्यत | अदास्येताम् | अदास्यन्त |
| | अदास्यथाः | अदास्येथाम् | अदास्यध्वम् |
| | अदास्ये | अदास्यावहि | अदास्यामहि |

अथ ऐङ्नास्त्रयोऽनिष्ठश्च ।

605 त्रङ् (त्र) पालने ।

| व० | त्रायत | त्रायेते | त्रायन्त |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| | त्रायसे | त्रायेथे | त्रायध्वे |
| | त्राये | त्रायावहे | त्रायामहे |
| स० | त्रायेत | त्रायेयाताम् | त्रायेरन् |
| | त्रायेथाः | त्रायेयाथाम् | त्रायेध्वम् |
| | त्रायेय | त्रायेवहि | त्रायेमहि |
| प० | त्रायताम् | त्रायेताम् | त्रायन्ताम् |
| | त्रायस्व | त्रायेथाम् | त्रायध्वम् |
| | त्राये | त्रायावहे | त्रायामहे |
| लृ० | अत्रायत | अत्रायेताम् | अत्रायन्त |
| | अत्रायथाः | अत्रायेथाम् | अत्रायध्वम् |
| | अत्राये | अत्रायावहि | अत्रायामहि |
| अ० | अत्रास्त | अत्रासाताम् | अत्रासन्त |
| | अत्रास्थाः | अत्रासाथाम् | अत्रासध्वम् |
| | अत्रासि | अत्रासवहि | अत्रासमहि |
| प० | तत्रे | तत्राते | तत्रिरे |
| | तत्रिषे | तत्राथे | तत्रिध्वे |
| | तत्रे | तत्रिवहे | तत्रिमहे |
| आ० | त्रासीष्ट | त्रासीयास्ताम् | त्रासीरन् |
| | त्रासीष्ठाः | त्रासीयास्थाम् | त्रासीध्वम् |
| | त्रासीय | त्रासीवहि | त्रासीमहि |
| श्च० | त्राता | त्रातारी | त्रातारः |
| | त्रातासे | त्रातासाथे | त्राताध्वे |
| | त्राताहे | त्रातास्वहे | त्रातास्महे |
| भ० | त्रास्यत | त्रास्येते | त्रास्यन्ते |
| | त्रास्यसे | त्रास्येथे | त्रास्यध्वे |
| | त्रास्ये | त्रास्यावहे | त्रास्यामहे |
| क्रि० | अत्रास्यत | अत्रास्येताम् | अत्रास्यन्त |
| | अत्रास्यथाः | अत्रास्येथाम् | अत्रास्यध्वम् |
| | अत्रास्ये | अत्रास्यावहि | अत्रास्यामहि |

606 इयैङ् (इयै) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | श्यायते | श्यायेते | श्यायन्ते |
| | श्यायसे | श्यायेथे | श्यायध्वे |
| | श्याये | श्यायावहे | श्यायामहे |
| स० | श्यायेत | श्यायेयाताम् | श्यायेरन् |
| | श्यायेथाः | श्यायेयाथाम् | श्यायेध्वम् |
| | श्यायेय | श्यायेवहि | श्यायेमहि |
| प० | श्यायताम् | श्यायेताम् | श्यायन्ताम् |
| | श्यायस्व | श्यायेथाम् | श्यायध्वम् |
| | श्याये | श्यायावहै | श्यायामहै |
| ह्य० | अश्यायत | अश्यायेताम् | अश्यायन्त |
| | अश्यायथाः | अश्यायेथाम् | अश्यायध्वम् |
| | अश्याये | अश्यायावहि | अश्यायामहि |
| अ० | अश्यास्त | अश्यासाताम् | अश्यासन्त |
| | अश्यास्थाः | अश्यासाथाम् | अश्याध्वम् |
| | | | -ध्वम् |
| | अश्यासि | अश्यास्वहि | अश्यास्महि |
| प० | शश्रये | शश्र्याते | शश्रियरे |
| | शश्रिये | शश्र्याथे | शश्रियध्वे |
| | शश्रये | शश्रियवहे | शश्रियमहे |
| आ० | श्यासीष्ट | श्यासीयास्ताम् | श्यासीरन् |
| | श्यासीष्ठाः | श्यासीयास्थाम् | श्यासीध्वम् |
| | | | -ध्वम् |
| | श्यासीय | श्यासीवहि | श्यासीमहि |
| श्व० | श्याता | श्यातारौ | श्यातारः |
| | श्यातासे | श्यातासाथे | श्याताध्वे |
| | श्याताहे | श्यातास्वहे | श्यातास्महे |
| भ० | श्यास्यते | श्यास्येते | श्यास्यन्ते |
| | श्यास्यसे | श्यास्येथे | श्यास्यध्वे |
| | श्यास्ये | श्यास्यावहे | श्यास्यामहे |
| क्रि० | अश्यास्यत | अश्यास्येताम् | अश्यास्यन्त |
| | अश्यास्यथाः | अश्यास्येथाम् | अश्यास्यध्वम् |
| | अश्यास्ये | अश्यास्यावहि | अश्यास्यामहि |

607 प्यैङ् (प्यै) वृद्धौ ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | प्यायते | प्यायेते | प्यायन्ते |
| | प्यायसे | प्यायेथे | प्यायध्वे |
| | प्याये | प्यायावहे | प्यायामहे |
| स० | प्यायेत | प्यायेयाताम् | प्यायेरन् |
| | प्यायेथाः | प्यायेयाथाम् | प्यायेध्वम् |
| | प्यायेय | प्यायेवहि | प्यायेमहि |
| प० | प्यायताम् | प्यायेताम् | प्यायन्ताम् |
| | प्यायस्व | प्यायेथाम् | प्यायध्वम् |
| | प्याये | प्यायावहै | प्यायामहै |
| ह्य० | अप्यायत | अप्यायेताम् | अप्यायन्त |
| | अप्यायथाः | अप्यायेथाम् | अप्यायध्वम् |
| | अप्याये | अप्यायावहि | अप्यायामहि |
| अ० | अप्यास्त | अप्यासाताम् | अप्यासन्त |
| | अप्यास्थाः | अप्यासाथाम् | अप्याध्वम् |
| | | | -ध्वम् |
| | अप्यासि | अप्यास्वहि | अप्यास्महि |
| प० | पप्ये | पप्याते | पप्यिरे |
| | पप्ये | पप्याथे | पप्यिध्वे |
| | पप्ये | पप्यिवहे | पप्यिमहे |
| आ० | प्यासीष्ट | प्यासीयास्ताम् | प्यासीरन् |
| | प्यासीष्ठाः | प्यासीयास्थाम् | प्यासीध्वम् |
| | प्यासीय | प्यासीवहि | प्यासीमहि |
| श्व० | प्याता | प्यातारौ | प्यातारः |
| | प्यातासे | प्यातासाथे | प्याताध्वे |
| | प्याताहे | प्यातास्वहे | प्यातास्महे |
| भ० | प्यास्यते | प्यास्येते | प्यास्यन्ते |
| | प्यास्यसे | प्यास्येथे | प्यास्यध्वे |
| | प्यास्ये | प्यास्यावहे | प्यास्यामहे |
| क्रि० | अप्यास्यत | अप्यास्येताम् | अप्यास्यन्त |
| | अप्यास्यथाः | अप्यास्येथाम् | अप्यास्यध्वम् |
| | अप्यास्ये | अप्यास्यावहि | अप्यास्यामहि |

अथ एकोन त्रिंशत्कान्ताः सेटश्च ।

608 वङ्कुङ् (वङ्क्) कौटिल्ये ।

| | | |
|--------------|----------------|----------------|
| व० वङ्कते | वङ्कते | वङ्कन्ते |
| वङ्कसे | वङ्कथे | वङ्कध्वे |
| वङ्के | वङ्कावहे | वङ्कामहे |
| स० वङ्कत | वङ्कयाताम् | वङ्केरन् |
| वङ्कथाः | वङ्कयाथाम् | वङ्कध्वम् |
| वङ्कय | वङ्केवहि | वङ्केमहि |
| प० वङ्कताम् | वङ्केताम् | वङ्कन्ताम् |
| वङ्कस्व | वङ्कथाम् | वङ्कध्वम् |
| वङ्कै | वङ्कावहे | वङ्कामहे |
| झ० अवङ्कत | अवङ्केताम् | अवङ्कन्त |
| अवङ्कथाः | अवङ्कथाम् | अवङ्कध्वम् |
| अवङ्के | अवङ्कावहि | अवङ्कामहि |
| अ० अवङ्किष्ट | अवङ्किषाताम् | अवङ्किषत |
| अवङ्किष्ठाः | अवङ्किषाथाम् | अवङ्किषध्वम् |
| अवङ्किष्यते | अवङ्किष्येते | अवङ्किष्यन्ते |
| अवङ्किष्यसे | अवङ्किष्येथे | अवङ्किष्यध्वे |
| अवङ्किष्ये | अवङ्किष्यावहे | अवङ्किष्यामहे |
| अवङ्किष्यत | अवङ्किष्येताम् | अवङ्किष्यन्त |
| अवङ्किष्यथाः | अवङ्किष्येथाम् | अवङ्किष्यध्वम् |
| अवङ्किष्ये | अवङ्किष्यावहि | अवङ्किष्यामहि |

609 मङ्कुङ् (मङ्क्) मण्डने

| | | |
|--------------|----------------|----------------|
| व० मङ्कते | मङ्कते | मङ्कन्ते |
| मङ्कसे | मङ्कथे | मङ्कध्वे |
| मङ्के | मङ्कावहे | मङ्कामहे |
| स० मङ्कत | मङ्कयाताम् | मङ्केरन् |
| मङ्कथाः | मङ्कयाथाम् | मङ्कध्वम् |
| मङ्कय | मङ्केवहि | मङ्केमहि |
| प० मङ्कताम् | मङ्केताम् | मङ्कन्ताम् |
| मङ्कस्व | मङ्कथाम् | मङ्कध्वम् |
| मङ्कै | मङ्कावहे | मङ्कामहे |
| झ० अमङ्कत | अमङ्केताम् | अमङ्कन्त |
| अमङ्कथाः | अमङ्कथाम् | अमङ्कध्वम् |
| अमङ्के | अमङ्कावहि | अमङ्कामहि |
| अ० अमङ्किष्ट | अमङ्किषाताम् | अमङ्किषत |
| अमङ्किष्ठाः | अमङ्किषाथाम् | अमङ्किषध्वम् |
| अमङ्किष्यते | अमङ्किष्येते | अमङ्किष्यन्ते |
| अमङ्किष्यसे | अमङ्किष्येथे | अमङ्किष्यध्वे |
| अमङ्किष्ये | अमङ्किष्यावहे | अमङ्किष्यामहे |
| अमङ्किष्यत | अमङ्किष्येताम् | अमङ्किष्यन्त |
| अमङ्किष्यथाः | अमङ्किष्येथाम् | अमङ्किष्यध्वम् |
| अमङ्किष्ये | अमङ्किष्यावहि | अमङ्किष्यामहि |

610 अङ्क (अङ्क) लक्षणे

लक्षण चिह्नम् ।

| | | |
|--------------|-----------------|---------------|
| ष० अङ्कते | अङ्कते | अङ्कन्ते |
| अङ्कसे | अङ्कथे | अङ्कध्वे |
| अङ्के | अङ्कावहे | अङ्कामहे |
| अङ्कित | अङ्केयाताम् | अङ्केरन् |
| अङ्केयाः | अङ्केयाथाम् | अङ्केध्वम् |
| अङ्केय | अङ्केवहि | अङ्केमहि |
| अङ्कताम् | अङ्केताम् | अङ्कन्ताम् |
| अङ्कस्व | अङ्केथाम् | अङ्कध्वम् |
| अङ्कै | अङ्कावहै | अङ्कामहै |
| आङ्कत | आङ्केताम् | आङ्कन्त |
| आङ्कथाः | आङ्केथाम् | आङ्कध्वम् |
| आङ्के | आङ्कावहि | आङ्कामहि |
| आङ्किष्ट | आङ्किषाताम् | आङ्किषत |
| आङ्किष्ठाः | आङ्किषाथाम् | आङ्किङ्ध्वम् |
| आङ्किषि | आङ्किष्वहि | आङ्किष्महि |
| आनङ्के | आनङ्कते | आनङ्किरे |
| आनङ्किषे | आनङ्कथे | आनङ्किध्वे |
| आनङ्के | आनङ्कावहे | आनङ्कामहे |
| अङ्किषीष्ट | अङ्किषीयास्ताम् | अङ्किषीरन् |
| अङ्किषीष्ठाः | अङ्किषीयास्थाम् | अङ्किषीध्वम् |
| अङ्किषीय | अङ्किषीवहि | अङ्किषीमहि |
| अङ्किता | अङ्कितारौ | अङ्कितारः |
| अङ्कितासे | अङ्कितासाथे | अङ्किताध्वे |
| अङ्किताहे | अङ्कितास्वहे | अङ्कितास्महे |
| अङ्किष्यते | अङ्किष्येते | अङ्किष्यन्ते |
| अङ्किष्यसे | अङ्किष्येथे | अङ्किष्यध्वे |
| अङ्किष्ये | अङ्किष्यावहे | अङ्किष्यामहे |
| आङ्किष्यत | आङ्किष्येताम् | आङ्किष्यन्त |
| आङ्किष्यथाः | आङ्किष्येथाम् | आङ्किष्यध्वम् |
| आङ्किष्ये | आङ्किष्यावहि | आङ्किष्यामहि |

611 शीकृङ् (शीक्) सेचने

| | | |
|---------------|----------------|---------------|
| ष० शीकृते | शीकृते | शीकृन्ते |
| शीकृसे | शीकृथे | शीकृध्वे |
| शीकृ | शीकावहे | शीकृमहे |
| स० शीकृत | शीकृयाताम् | शीकृरन् |
| शीकृथाः | शीकृयाथाम् | शीकृध्वम् |
| शीकृय | शीकृवहि | शीकृमहि |
| ष० शीकृताम् | शीकृताम् | शीकृन्ताम् |
| शीकृस्व | शीकृथाम् | शीकृध्वम् |
| शीकृ | शीकावहै | शीकृमहै |
| अशीकृत | अशीकृताम् | अशीकृन्त |
| अशीकृथाः | अशीकृथाम् | अशीकृध्वम् |
| अशीकृ | अशीकावहि | अशीकृमहि |
| अ० अशीकृष्ट | अशीकृषाताम् | अशीकृषत |
| अशीकृष्ठाः | अशीकृषाथाम् | अशीकृङ्ध्वम् |
| अशीकृषि | अशीकृष्वहि | अशीकृष्महि |
| प० शिशिकृ | शिशिकृते | शिशिकृरे |
| शिशिकृषे | शिशिकृथे | शिशिकृध्वे |
| शिशिकृ | शिशिकृवहे | शिशिकृमहे |
| आ० शिकृषीष्ट | शिकृषीयास्ताम् | शिकृषीरन् |
| शिकृषीष्ठाः | शिकृषीयास्थाम् | शिकृषीध्वम् |
| शिकृषीय | शिकृषीवहि | शिकृषीमहि |
| श्व० शीकृता | शीकृतारौ | शीकृतारः |
| शीकृतासे | शीकृतासाथे | शीकृताध्वे |
| शीकृताहे | शीकृतास्वहे | शीकृतास्महे |
| भ० शीकृष्यते | शीकृष्येते | शीकृष्यन्ते |
| शीकृष्यसे | शीकृष्येथे | शीकृष्यध्वे |
| शीकृष्ये | शीकृष्यावहे | शीकृष्यामहे |
| कि० अशीकृष्यत | अशीकृष्येताम् | अशीकृष्यन्त |
| अशीकृष्यथाः | अशीकृष्येथाम् | अशीकृष्यध्वम् |
| अशीकृष्ये | अशीकृष्यावहि | अशीकृष्यामहि |

612 लोक् (लोक्) दर्शने ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| ष० | लोकते | लोकेते | लोकन्ते |
| | लोकसे | लोकेथे | लोकध्वे |
| | लोके | लोकावहे | लोकामहे |
| रु० | लोकेत | लोकेयाताम् | लोकेरन् |
| | लोकेथाः | लोकेयाथाम् | लोकेध्वम् |
| | लोकेय | लोकेवहि | लोकेमहि |
| प० | लोकताम् | लोकेताम् | लोकन्ताम् |
| | लोकस्व | लोकेथाम् | लोकध्वम् |
| | लोकै | लोकावहै | लोकामहै |
| ह्य० | अलोकत | अलोकेताम् | अलोकन्त |
| | अलोकथाः | अलोकेथाम् | अलोकध्वम् |
| | अलोके | अलोकावहि | अलोकामहि |
| अ० | अलोकिष्ट | अलोकिषाताम् | अलोकिषत |
| | अलोकिष्ठाः | अलोकिषाथाम् | अलोकिषद्भवम् |
| | अलोकिषि | अलोकिष्वहि | अलोकिष्महि |
| प० | लुलोके | लुलोकाते | लुलोकिरे |
| | लुलोकिषे | लुलोकाथे | लुलोकिध्वे |
| | लुलोके | लुलोकिवहे | लुलोकिमहे |
| आ० | लोकिषीष्ट | लोकिषीयास्ताम् | लोकिषीरन् |
| | लोकिषीष्ठाः | लोकिषीयास्थाम् | लोकिषीध्वम् |
| | लोकिषीय | लोकिषीवहि | लोकिषीमहि |
| श्व० | लोकिता | लोकितारौ | लोकितारः |
| | लोकितासे | लोकितासाथे | लोकिताध्वे |
| | लोकिताहे | लोकितास्वहे | लोकितास्महे |
| भ० | लोकिष्यते | लोकिष्येते | लोकिष्यन्ते |
| | लोकिष्यसे | लोकिष्येथे | लोकिष्यध्वे |
| | लोकिष्ये | लोकिष्यावहे | लोकिष्यामहे |
| क्रि० | अलोकिष्यत | अलोकिष्येताम् | अलोकिष्यन्त |
| | अलोकिष्यथाः | अलोकिष्येथाम् | अलोकिष्यध्वम् |
| | अलोकिष्ये | अलोकिष्यावहि | अलोकिष्यामहि |

613 श्लोक् (श्लोक्) सङ्घाते ।

संघातः संहननं संहन्यमानश्च

| | | | |
|---------------|-----------------|------------------|----------------|
| व० | श्लोकते | श्लोकेते | श्लोकन्ते |
| | श्लोकसे | श्लोकेथे | श्लोकध्वे |
| | श्लोके | श्लोकावहे | श्लोकामहे |
| स० | श्लोकेत | श्लोकियाताम् | श्लोकेरन् |
| | श्लोकेथाः | श्लोकियाथाम् | श्लोकध्वम् |
| | श्लोकेय | श्लोकेवहि | श्लोकेमहि |
| प० | श्लोकताम् | श्लोकेताम् | श्लोकन्ताम् |
| | श्लोकस्व | श्लोकेथाम् | श्लोकध्वम् |
| | श्लोकै | श्लोकावहै | श्लोकामहै |
| ह्य० | अश्लोकत | अश्लोकेताम् | अश्लोकन्त |
| | अश्लोकथाः | अश्लोकेथाम् | अश्लोकध्वम् |
| | अश्लोके | अश्लोकावहि | अश्लोकामहि |
| अ० | अश्लोकिष्ट | अश्लोकिषाताम् | अश्लोकिषत |
| | अश्लोकिष्ठाः | अश्लोकिषाथाम् | अश्लोकिषद्भवम् |
| | अश्लोकिषि | अश्लोकिष्वहि | अश्लोकिष्महि |
| प० | शुश्लोके | शुश्लोकाते | शुश्लोकिरे |
| | शुश्लोकिषे | शुश्लोकाथे | शुश्लोकिध्वे |
| | शुश्लोके | शुश्लोकिवहे | शुश्लोकिमहे |
| आ० | श्लोकिषीष्ट | श्लोकिषीयास्ताम् | श्लोकिषीरन् |
| | श्लोकिषीष्ठाः | श्लोकिषीयास्थाम् | श्लोकिषीध्वम् |
| | श्लोकिषीय | श्लोकिषीवहि | श्लोकिषीमहि |
| श्व० | श्लोकिता | श्लोकितारौ | श्लोकितारः |
| | श्लोकितासे | श्लोकितासाथे | श्लोकिताध्वे |
| | श्लोकिताहे | श्लोकितास्वहे | श्लोकितास्महे |
| भ० | श्लोकिष्यते | श्लोकिष्येते | श्लोकिष्यन्ते |
| | श्लोकिष्यसे | श्लोकिष्येथे | श्लोकिष्यध्वे |
| | श्लोकिष्ये | श्लोकिष्यावहे | श्लोकिष्यामहे |
| अश्लोकिष्यत | अश्लोकिष्येताम् | अश्लोकिष्यन्त | |
| अश्लोकिष्यथाः | अश्लोकिष्येथाम् | अश्लोकिष्यध्वम् | |
| अश्लोकिष्ये | अश्लोकिष्यावहि | अश्लोकिष्यामहि | |

614 द्रेकृङ् (द्रेक्) शब्दोत्साहे

शब्दस्योत्साह औद्धत्यं वृद्धिश्च

व० द्रेकते द्रेकेते द्रेकन्ते
 द्रेकसे द्रेकेथे द्रेकध्वे
 द्रेके द्रेकावहे द्रेकामहे

स० द्रेकेत द्रेकेयाताम् द्रेकेरन्
 द्रेकेथाः द्रेकेयाथाम् द्रेकेध्वम्
 द्रेकेय द्रेकेवहि द्रेकेमहि

प० द्रेकताम् द्रेकेताम् द्रेकन्ताम्
 द्रेकस्व द्रेकेथाम् द्रेकध्वम्
 द्रेकै द्रेकावहे द्रेकामहे

ह्य० अद्रेकत अद्रेकेताम् अद्रेकन्त
 अद्रेकथाः अद्रेकेथाम् अद्रेकध्वम्
 अद्रेके अद्रेकावहि अद्रेकामहि

अ० अद्रेकिष्ट अद्रेकिषाताम् अद्रेकिषत
 अद्रेकिष्ठाः अद्रेकिषाथाम् अद्रेकि-
 ङ्ङध्वम्-ध्वम्
 अद्रेकिषि अद्रेकिष्वहि अद्रेकिष्महि

प० दिद्रेके दिद्रेकाते दिद्रेकिरे
 दिद्रेकिषे दिद्रेकाथे दिद्रेकिध्वे
 दिद्रेके दिद्रेकिवहे दिद्रेकिमहे

आ० द्रेकिषीष्ट द्रेकिषीयास्ताम् द्रेकिषीरन्
 द्रेकिषीष्ठाः द्रेकिषीयास्थाम् द्रेकिषीध्वम्
 द्रेकिषीय द्रेकिषीवहि द्रेकिषीमहि

श्व० द्रेकिता द्रेकितारौ द्रेकितारः
 द्रेकितासे द्रेकितासाथे द्रेकिताध्वे
 द्रेकिताहे द्रेकितास्वहे द्रेकितास्महे

भ० द्रेकिष्यते द्रेकिष्येते द्रेकिष्यन्ते
 द्रेकिष्यसे द्रेकिष्येथे द्रेकिष्यध्वे
 द्रेकिष्ये द्रेकिष्यावहे द्रेकिष्यामहे

अद्रेकिष्यत अद्रेकिष्येताम् अद्रेकिष्यन्त
 अद्रेकिष्यथाः अद्रेकिष्येथाम् अद्रेकिष्यध्वम्
 अद्रेकिष्ये अद्रेकिष्यावहि अद्रेकिष्यामहि

615 ध्रेकृङ् (ध्रेक्) शब्दोत्साहे।

शब्दस्योत्साह औद्धत्यं वृद्धिश्च,

व० ध्रेकते ध्रेकेते ध्रेकन्ते
 ध्रेकसे ध्रेकेथे ध्रेकध्वे
 ध्रेके ध्रेकावहे ध्रेकामहे

स० ध्रेकेत ध्रेकेयाताम् ध्रेकेरन्
 ध्रेकेथाः ध्रेकेयाथाम् ध्रेकेध्वम्
 ध्रेकेय ध्रेकेवहि ध्रेकेमहि

प० ध्रेकताम् ध्रेकेताम् ध्रेकन्ताम्
 ध्रेकस्व ध्रेकेथाम् ध्रेकध्वम्
 ध्रेकै ध्रेकावहे ध्रेकामहे

ह्य० अध्रेकत अध्रेकेताम् अ कन्त
 अध्रेकथाः अध्रेकेथाम् अध्रेकध्वम्
 अध्रेके अध्रेकावहि अध्रेकामहि

अ० अध्रेकिष्ट अध्रेकिषाताम् अध्रेकिषत
 अध्रेकिष्ठाः अध्रेकिषाथाम् अध्रेकिङ्ङध्वम्
 ङ्ङध्वम्

अध्रेकिषि अध्रेकिष्वहि अध्रेकिष्महि

प० दिध्रेके दिध्रेकाते दिध्रेकिरे
 दिध्रेकिषे दिध्रेकाथे दिध्रेकिध्वे
 दिध्रेके दिध्रेकिवहे दिध्रेकिमहे

आ० ध्रेकिषीष्ट ध्रेकिषीयास्ताम् ध्रेकिषीरन्
 ध्रेकिषीष्ठाः ध्रेकिषीयास्थाम् ध्रेकिषीध्वम्
 ध्रेकिषीय ध्रेकिषीवहि ध्रेकिषीमहि

श्व० ध्रेकिता ध्रेकितारौ ध्रेकितारः
 ध्रेकितासे ध्रेकितासाथे ध्रेकिताध्वे
 ध्रेकिताहे ध्रेकितास्वहे ध्रेकितास्महे

भ० ध्रेकिष्यते ध्रेकिष्येते ध्रेकिष्यन्ते
 ध्रेकिष्यसे ध्रेकिष्येथे ध्रेकिष्यध्वे
 ध्रेकिष्ये ध्रेकिष्यावहे ध्रेकिष्यामहे

कि० अध्रेकिष्यत अध्रेकिष्येताम् अध्रेकिष्यन्त
 अध्रेकिष्यथाः अध्रेकिष्येथाम् अध्रेकिष्यध्वम्
 अध्रेकिष्ये अध्रेकिष्यावहि अध्रेकिष्यामहि

616 रेकृङ् (रेक्) शङ्कायाम् ।

अत्र शङ्का सन्देहः ।

| | | | |
|-------|-------------|---------------|---------------|
| व० | रेकते | रेकेते | रेकन्ते |
| | रेकसे | रेकेथे | रेकध्वे |
| | रेके | रेकावहे | रेकामहे |
| स० | रेकेत | रेकेयाताम् | रेकेरन् |
| | रेकेथाः | रेकेयाथाम् | रेकेध्वम् |
| | रेकेय | रेकेवहि | रेकेमहि |
| प० | रेकताम् | रेकेताम् | रेकन्ताम् |
| | रेकस्व | रेकेथाम् | रेकध्वम् |
| | रेकं | रेकावहै | रेकामहै |
| ह्य० | अरेकत | अरेकेताम् | अरेकन्त |
| | अरेकेथाः | अरेकेथाम् | अरेकध्वम् |
| | अरेके | अरेकावहि | अरेकामहि |
| अ० | अरेकिष्ट | अरेकिषाताम् | अरेकिषत |
| | अरेकिष्टाः | अरेकिषाथाम् | अरेकिष्टध्वम् |
| | अरेकिषि | अरेकिष्वहि | अरेकिष्महि |
| प० | रिरेके | रिरेकाते | रिरेकिरे |
| | रिरेकिषे | रिरेकाथे | रिरेकिध्वे |
| | रिरेके | रिरेकिवहे | रिरेकिमहे |
| आ० | रेकिषीष्ट | रेकिषीयाताम् | रेकिषीरन् |
| | रेकिषीष्टाः | रेकिषीयाथाम् | रेकिषीध्वम् |
| | रेकिषीय | रेकिषीवहि | रेकिषीमहि |
| श्व० | रेकिता | रेकितारो | रेकितारः |
| | रेकितासे | रेकितासाथे | रेकिताध्वे |
| | रेकिताहे | रेकितास्वहे | रेकितास्महे |
| भ० | रेकिष्यते | रेकिष्येते | रेकिष्यन्ते |
| | रेकिष्यसे | रेकिष्येथे | रेकिष्यध्वे |
| | रेकिष्ये | रेकिष्यावहे | रेकिष्यामहे |
| क्रि० | अरेकिष्यत | अरेकिष्येताम् | अरेकिष्यन्त |
| | अरेकिष्यथाः | अरेकिष्येथाम् | अरेकिष्यध्वम् |
| | अरेकिष्ये | अरेकिष्यावहि | अरेकिष्यामहि |

617 शङ्कुङ् (शङ्क्) शङ्कायाम्

अत्र शङ्का सन्देहः त्रासश्च ।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| व० | शङ्कते | शङ्केते | शङ्कन्ते |
| | शङ्कसे | शङ्केथे | शङ्कध्वे |
| | शङ्के | शङ्कावहे | शङ्कामहे |
| स० | शङ्केत | शङ्केयाताम् | शङ्केरन् |
| | शङ्केथाः | शङ्केयाथाम् | शङ्केध्वम् |
| | शङ्केय | शङ्केवहि | शङ्केमहि |
| प० | शङ्कताम् | शङ्केताम् | शङ्कन्ताम् |
| | शङ्कस्व | शङ्केथाम् | शङ्कध्वम् |
| | शङ्कं | शङ्कावहै | शङ्कामहै |
| ह्य० | अशङ्कत | अशङ्केताम् | अशङ्कन्त |
| | अशङ्कथाः | अशङ्केथाम् | अशङ्कध्वम् |
| | अशङ्के | अशङ्कावहि | अशङ्कामहि |
| अ० | अशङ्किष्ट | अशङ्किषाताम् | अशङ्किषत |
| | अशङ्किष्टाः | अशङ्किषाथाम् | अशङ्किष्टध्वम् |
| | अशङ्किषि | अशङ्किष्वहि | अशङ्किष्महि |
| प० | शशङ्के | शशङ्काते | शशङ्किरे |
| | शशङ्किषे | शशङ्काथे | शशङ्किध्वे |
| | शशङ्के | शशङ्किवहे | शशङ्किमहे |
| आ० | शङ्किषीष्ट | शङ्किषीयाताम् | शङ्किषीरन् |
| | शङ्किषीष्टाः | शङ्किषीयाथाम् | शङ्किषीध्वम् |
| | शङ्किषीय | शङ्किषीवहि | शङ्किषीमहि |
| श्व० | शङ्किता | शङ्कितारो | शङ्कितारः |
| | शङ्कितासे | शङ्कितासाथे | शङ्किताध्वे |
| | शङ्किताहे | शङ्कितास्वहे | शङ्कितास्महे |
| भ० | शङ्किष्यते | शङ्किष्येते | शङ्किष्यन्ते |
| | शङ्किष्यसे | शङ्किष्येथे | शङ्किष्यध्वे |
| | शङ्किष्ये | शङ्किष्यावहे | शङ्किष्यामहे |
| क्रि० | अशङ्किष्यत | अशङ्किष्येताम् | अशङ्किष्यन्त |
| | अशङ्किष्यथाः | अशङ्किष्येथाम् | अशङ्किष्यध्वम् |
| | अशङ्किष्ये | अशङ्किष्यावहि | अशङ्किष्यामहि |

618 ककि (कक्) लौट्ये ।

लौट्यां गर्धश्रापत्यम् ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० ककते | ककेते | ककन्ते |
| ककसे | ककेथे | ककध्वे |
| कके | ककावहे | ककामहे |
| स० ककेत | ककेयाताम् | ककेरन् |
| ककेथाः | ककेयाथाम् | ककेध्वम् |
| ककेय | ककेवहि | ककेमहि |
| प० ककताम् | ककेताम् | ककन्ताम् |
| ककस्व | ककेथाम् | ककध्वम् |
| कके | ककावहै | ककामहै |
| ह्य० अककत | अककेताम् | अककन्त |
| अककथाः | अककेथाम् | अककध्वम् |
| अकके | अककावहि | अककामहि |
| अ० अककिष्ट | अककिषाताम् | अककिषत |
| अककिष्ठाः | अककिषाथाम् | अककिड्ध्वम् |
| अककिषि | अककिष्वहि | अककिष्महि |
| प० चकके | चककाते | चककिरे |
| चककिषे | चककाथे | चककिध्वे |
| चकके | चककिवहे | चककिमहे |
| आ० ककिषीष्ट | ककिषीयास्ताम् | ककिषीरन् |
| ककिषीष्ठाः | ककिषीयास्थाम् | ककिषीध्वम् |
| ककिषीय | ककिषीवहि | ककिषीमहि |
| भ्व० ककिता | ककितारौ | ककितारः |
| ककितासे | ककितासाथे | ककिताध्वे |
| ककिताहे | ककितास्वहे | ककितास्महे |
| भ० ककिष्यते | ककिष्येते | ककिष्यन्ते |
| ककिष्यसे | ककिष्येथे | ककिष्यध्वे |
| ककिष्ये | ककिष्यावहे | ककिष्यामहे |
| क्रि० अककिष्यत | अककिष्येताम् | अककिष्यन्त |
| अककिष्यथाः | अककिष्येथाम् | अककिष्यध्वम् |
| अककिष्ये | अककिष्यावहि | अककिष्यामहि |

619 कुकि (कुक्) आदाने

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० कोकते | कोकेते | कोकन्ते |
| कोकसे | कोकथे | कोकध्वे |
| कोके | कोकावहे | कोकामहे |
| स० कोकेत | कोकेयाताम् | कोकेरन् |
| कोकेथाः | कोकेयाथाम् | कोकेध्वम् |
| कोकेय | कोकेवहि | कोकेमहि |
| प० कोकताम् | कोकेताम् | कोकन्ताम् |
| कोकस्व | कोकेथाम् | कोकध्वम् |
| कोके | कोकावहै | कोकामहै |
| ह्य० अकोकत | अकोकेताम् | अकोकन्त |
| अकोकथाः | अकोकेथाम् | अकोकध्वम् |
| अकोके | अकोकावहि | अकोकामहि |
| अ० अकोकिष्ट | अकोकिषाताम् | अकोकिषत |
| अकोकिष्ठाः | अकोकिषाथाम् | अकोकिड्ध्वम् |
| अकोकिषि | अकोकिष्वहि | अकोकिष्महि |
| प० चुकुक् | चुकुकाते | चुकुकिरे |
| चुकुकिषे | चुकुकाथे | चुकुकिध्वे |
| चुकुके | चुकुकिवहे | चुकुकिमहे |
| आ० कोकिषीष्ट | कोकिषीयाताम् | कोकिषीरन् |
| कोकिषीष्ठाः | कोकिषीयास्थाम् | कोकिषीध्वम् |
| कोकिषीय | कोकिषीवहि | कोकिषीमहि |
| भ्व० कोकिता | कोकितारौ | कोकितारः |
| कोकितासे | कोकितासाथे | कोकिताध्वे |
| कोकिताहे | कोकितास्वहे | कोकितास्महे |
| भ० कोकिष्यते | कोकिष्येते | कोकिष्यन्ते |
| कोकिष्यसे | कोकिष्येथे | कोकिष्यध्वे |
| कोकिष्ये | कोकिष्यावहे | कोकिष्यामहे |
| क्रि० अकोकिष्यत | अकोकिष्येताम् | अकोकिष्यन्त |
| अकोकिष्यथाः | अकोकिष्येथाम् | अकोकिष्यध्वम् |
| अकोकिष्ये | अकोकिष्यावहि | अकोकिष्यामहि |

620 वृकि (वृक्) आदाने ।

| | | | |
|------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | वर्कते | वर्कते | वर्कन्ते |
| | वर्कसे | वर्कथे | वर्कध्वे |
| | वर्के | वर्कावहे | वर्कामहे |
| स० | वर्कत | वर्कयाताम् | वर्करन् |
| | वर्कथाः | वर्कयाथाम् | वर्कध्वम् |
| | वर्केय | वर्कैवहि | वर्कमहि |
| प० | वर्कताम् | वर्कताम् | वर्कन्ताम् |
| | वर्कस्व | वर्कथाम् | वर्कध्वम् |
| | वर्के | वर्कावहे | वर्कामहे |
| ह्य० | अवर्कत | अवर्कताम् | अवर्कन्त |
| | अवर्कथाः | अवर्कथाम् | अवर्कध्वम् |
| | अवर्के | अवर्कावहि | अवर्कामहि |
| अ० | अवर्किष्ट | अवर्किषाताम् | अवर्किषत |
| | अवर्किष्ठाः | अवर्किषाथाम् | अवर्कि- |
| | | | ड्वम्-ध्वम् |
| | अवर्किषि | अवर्किष्वहि | अवर्किष्महि |
| प० | ववृके | ववृकाते | ववृकिरे |
| | ववृकिषे | ववृकाथे | ववृकिध्वे |
| | ववृके | ववृकिवहे | ववृकिमहे |
| आ० | वर्किषीष्ट | वर्किषीयास्ताम् | वर्किषीरन् |
| | वर्किषीष्ठाः | वर्किषीयास्थाम् | वर्किषीध्वम् |
| | वर्किषीय | वर्किषीवहि | वर्किषीमहि |
| श्व० | वर्किता | वर्कितारौ | वर्कितारः |
| | वर्कितासे | वर्कितासाथे | वर्किताध्वे |
| | वर्किताहे | वर्कितास्वहे | वर्कितास्महे |
| भ० | वर्किष्यते | वर्किष्येते | वर्किष्यन्ते |
| | वर्किष्यसे | वर्किष्येथे | वर्किष्यध्वे |
| | वर्किष्ये | वर्किष्यावहे | वर्किष्यामहे |
| | अवर्किष्यत | अवर्किष्येताम् | अवर्किष्यन्त |
| | अवर्किष्यथाः | अवर्किष्येथाम् | अवर्किष्यध्वम् |
| | अवर्किष्ये | अवर्किष्यावहि | अवर्किष्यामहि |

621 चकि (चक्) तृप्तिप्रतीयातयेः

| | | | |
|-------|------------|---------------|--------------|
| व० | चकते | चकते | चकन्ते |
| | चकसे | चकथे | चकध्वे |
| | चके | चकावहे | चकामहे |
| स० | चकेत | चकेयाताम् | चकेरन् |
| | चकेथाः | चकेयाथाम् | चकेध्वम् |
| | चकेय | चकैवहि | चकमहि |
| प० | चकताम् | चकेताम् | चकन्ताम् |
| | चकस्व | चकेथाम् | चकध्वम् |
| | चके | चकावहे | चकामहे |
| ह्य० | अचकत | अचकेताम् | अचकन्त |
| | अचकथाः | अचकेथाम् | अचकध्वम् |
| | अचके | अचकावहि | अचकामहि |
| अ० | अचकिष्ट | अचकिषाताम् | अचकिषत |
| | अचकिष्ठाः | अचकिषाथाम् | अचकिड्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | अचकिषि | अचकिष्वहि | अचकिष्महि |
| प० | चचके | चचकाते | चचकिरे |
| | चचकिषे | चचकाथे | चचकिध्वे |
| | चचके | चचकिवहे | चचकिमहे |
| आ० | चकिषीष्ट | चकिषीयास्ताम् | चकिषीरन् |
| | चकिषीष्ठाः | चकिषीयास्थाम् | चकिषीध्वम् |
| | चकिषीय | चकिषीवहि | चकिषीमहि |
| श्व० | चकिता | चकितारौ | चकितारः |
| | चकितासे | चकितासाथे | चकिताध्वे |
| | चकिताहे | चकितास्वहे | चकितास्महे |
| भ० | चकिष्यते | चकिष्येते | चकिष्यन्ते |
| | चकिष्यसे | चकिष्येथे | चकिष्यध्वे |
| | चकिष्ये | चकिष्यावहे | चकिष्यामहे |
| क्रि० | अचकिष्यत | अचकिष्येताम् | अचकिष्यन्त |
| | अचकिष्यथाः | अचकिष्येथाम् | अचकिष्यध्वम् |
| | अचकिष्ये | अचकिष्यावहि | अचकिष्यामहि |

622 कङ्क (कङ्क) गतौ

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| घ० कङ्कते | कङ्कते | कङ्कन्ते |
| कङ्कसे | कङ्कथे | कङ्कध्वे |
| कङ्कके | कङ्कावहे | कङ्कामहे |
| स० कङ्कत | कङ्कयाताम् | कङ्केरन् |
| कङ्कथाः | कङ्कयाथाम् | कङ्कध्वम् |
| कङ्कये | कङ्कवहि | कङ्कमहि |
| प० कङ्कताम् | कङ्कताम् | कङ्कन्ताम् |
| कङ्कस्व | कङ्कथाम् | कङ्कध्वम् |
| कङ्कै | कङ्कावहे | कङ्कामहे |
| झ० अकङ्कत | अकङ्कताम् | अकङ्कन्त |
| अकङ्कथाः | अकङ्कथाम् | अकङ्कध्वम् |
| अकङ्कके | अकङ्कावहि | अकङ्कामहि |
| अ० अकङ्कित | अकङ्किषाताम् | अकङ्किषत |
| अकङ्किष्ठाः | अकङ्किषाथाम् | अकङ्किषध्वम् |
| अकङ्किषि | अकङ्किष्वहि | अकङ्किषमहि |
| प० चकङ्कके | चकङ्कते | चकङ्करे |
| चकङ्कषे | चकङ्काथे | चकङ्कध्वे |
| चकङ्कके | चकङ्कावहे | चकङ्कामहे |
| आ० कङ्किषीष्ट | कङ्किषीयास्ताम् | कङ्किषीरन् |
| कङ्किषीष्ठाः | कङ्किषीयास्थाम् | कङ्किषीध्वम् |
| कङ्किषीय | कङ्किषीवहि | कङ्किषीमहि |
| श्व० कङ्किता | कङ्कितारौ | कङ्कितारः |
| कङ्कितासे | कङ्कितासाथे | कङ्किताध्वे |
| कङ्किताहे | कङ्कितास्वहे | कङ्कितास्महे |
| भ० कङ्किष्यते | कङ्किष्येते | कङ्किष्यन्ते |
| कङ्किष्यसे | कङ्किष्येथे | कङ्किष्यध्वे |
| कङ्किष्ये | कङ्किष्यावहे | कङ्किष्यामहे |
| क्रि० अकङ्किष्यत | अकङ्किष्येताम् | अकङ्किष्यन्त |
| अकङ्किष्यथाः | अकङ्किष्येथाम् | अकङ्किष्यध्वम् |
| अकङ्किष्ये | अकङ्किष्यावहि | अकङ्किष्यामहि |

623 श्वङ्क (श्वङ्क) गतौ

| | | |
|-----------------|-------------------|------------------|
| घ० श्वङ्कते | श्वङ्कते | श्वङ्कन्ते |
| श्वङ्कसे | श्वङ्कथे | श्वङ्कध्वे |
| श्वङ्कके | श्वङ्कावहे | श्वङ्कामहे |
| स० श्वङ्कत | श्वङ्कयाताम् | श्वङ्केरन् |
| श्वङ्कथाः | श्वङ्कयाथाम् | श्वङ्कध्वम् |
| श्वङ्कये | श्वङ्कवहि | श्वङ्कमहि |
| प० श्वङ्कताम् | श्वङ्कताम् | श्वङ्कन्ताम् |
| श्वङ्कस्व | श्वङ्कथाम् | श्वङ्कध्वम् |
| श्वङ्कै | श्वङ्कावहे | श्वङ्कामहे |
| झ० अश्वङ्कत | अश्वङ्कताम् | अश्वङ्कन्त |
| अश्वङ्कथाः | अश्वङ्कथाम् | अश्वङ्कध्वम् |
| अश्वङ्कके | अश्वङ्कावहि | अश्वङ्कामहि |
| अश्वङ्किषत | अश्वङ्किषाताम् | अश्वङ्किषत |
| अश्वङ्किष्ठाः | अश्वङ्किषाथाम् | अश्वङ्किषध्वम् |
| अश्वङ्किषि | अश्वङ्किष्वहि | अश्वङ्किषमहि |
| प० शश्वङ्कके | शश्वङ्कते | शश्वङ्करे |
| शश्वङ्कषे | शश्वङ्काथे | शश्वङ्कध्वे |
| शश्वङ्कके | शश्वङ्कावहे | शश्वङ्कामहे |
| श्वङ्किषीष्ट | श्वङ्किषीयास्ताम् | श्वङ्किषीरन् |
| श्वङ्किषीष्ठाः | श्वङ्किषीयास्थाम् | श्वङ्किषीध्वम् |
| श्वङ्किषीय | श्वङ्किषीवहि | श्वङ्किषीमहि |
| श्व० श्वङ्किता | श्वङ्कितारौ | श्वङ्कितारः |
| श्वङ्कितासे | श्वङ्कितासाथे | श्वङ्किताध्वे |
| श्वङ्किताहे | श्वङ्कितास्वहे | श्वङ्कितास्महे |
| भ० श्वङ्किष्यते | श्वङ्किष्येते | श्वङ्किष्यन्ते |
| श्वङ्किष्यसे | श्वङ्किष्येथे | श्वङ्किष्यध्वे |
| श्वङ्किष्ये | श्वङ्किष्यावहे | श्वङ्किष्यामहे |
| अश्वङ्किष्यत | अश्वङ्किष्येताम् | अश्वङ्किष्यन्त |
| अश्वङ्किष्यथाः | अश्वङ्किष्येथाम् | अश्वङ्किष्यध्वम् |
| अश्वङ्किष्ये | अश्वङ्किष्यावहि | अश्वङ्किष्यामहि |

624 प्रकुङ् (प्रङ्कु) गतौ

| | | |
|-----------------|-------------------|------------------|
| य० प्रङ्कते | प्रङ्कते | प्रङ्कन्ते |
| प्रङ्कसे | प्रङ्कथे | प्रङ्कध्वे |
| प्रङ्के | प्रङ्कावहे | प्रङ्कामहे |
| स० प्रङ्कते | प्रङ्कयाताम् | प्रङ्करन् |
| प्रङ्कथाः | प्रङ्कयाथाम् | प्रङ्कध्वम् |
| प्रङ्केय | प्रङ्कवहि | प्रङ्कमहि |
| प० प्रङ्कताम् | प्रङ्कताम् | प्रङ्कन्ताम् |
| प्रङ्कस्व | प्रङ्कथाम् | प्रङ्कध्वम् |
| प्रङ्कै | प्रङ्कावहै | प्रङ्कामहै |
| झ० अप्रङ्कत | अप्रङ्कताम् | अप्रङ्कन्त |
| अप्रङ्कथाः | अप्रङ्कथाम् | अप्रङ्कध्वम् |
| अप्रङ्के | अप्रङ्कावहि | अप्रङ्कामहि |
| अ० अप्रङ्किष्ट | अप्रङ्किषाताम् | अप्रङ्किषत |
| अप्रङ्किष्ठाः | अप्रङ्किषाथाम् | अप्रङ्किध्वम् |
| अप्रङ्किषि | अप्रङ्किष्वहि | अप्रङ्किमहि |
| प० तप्रङ्के | तप्रङ्काते | तप्रङ्किरे |
| तप्रङ्किषे | तप्रङ्काथे | तप्रङ्किध्वे |
| तप्रङ्के | तप्रङ्कावहे | तप्रङ्किमहे |
| आ० प्रङ्किषीष्ट | प्रङ्किषीयास्ताम् | प्रङ्किषीरन् |
| प्रङ्किषीष्ठाः | प्रङ्किषीयाथाम् | प्रङ्किषीध्वम् |
| प्रङ्किषीय | प्रङ्किषीवहि | प्रङ्किषीमहि |
| प्र० प्रङ्किता | प्रङ्कितारौ | प्रङ्कितारः |
| प्रङ्कितासे | प्रङ्कितासाथे | प्रङ्किताध्वे |
| प्रङ्किताहे | प्रङ्कितास्वहे | प्रङ्कितास्महे |
| भ० प्रङ्किष्यते | प्रङ्किष्येते | प्रङ्किष्यन्ते |
| प्रङ्किष्यसे | प्रङ्किष्येथे | प्रङ्किष्यध्वे |
| प्रङ्किष्ये | प्रङ्किष्यावहे | प्रङ्किष्यामहे |
| अप्रङ्किष्यत | अप्रङ्किष्येताम् | अप्रङ्किष्यन्त |
| अप्रङ्किष्यथाः | अप्रङ्किष्येथाम् | अप्रङ्किष्यध्वम् |
| अप्रङ्किष्ये | अप्रङ्किष्यावहि | अप्रङ्किष्यामहि |

625 श्रकुङ् (श्रङ्कु) गतौ

| | | |
|------------------|--------------------|------------------|
| य० श्रङ्कते | श्रङ्कते | श्रङ्कन्ते |
| श्रङ्कसे | श्रङ्कथे | श्रङ्कध्वे |
| श्रङ्के | श्रङ्कावहे | श्रङ्कामहे |
| स० श्रङ्कते | श्रङ्कयाताम् | श्रङ्करन् |
| श्रङ्कथाः | श्रङ्कयाथाम् | श्रङ्कध्वम् |
| श्रङ्केय | श्रङ्कवहि | श्रङ्कमहि |
| प० श्रङ्कताम् | श्रङ्कताम् | श्रङ्कन्ताम् |
| श्रङ्कस्व | श्रङ्कथाम् | श्रङ्कध्वम् |
| श्रङ्कै | श्रङ्कावहै | श्रङ्कामहै |
| झ० अश्रङ्कत | अश्रङ्कताम् | अश्रङ्कन्त |
| अश्रङ्कथाः | अश्रङ्कथाम् | अश्रङ्कध्वम् |
| अश्रङ्के | अश्रङ्कावहि | अश्रङ्कामहि |
| अ० अश्रङ्किष्ट | अश्रङ्किषाताम् | अश्रङ्किषत |
| अश्रङ्किष्ठाः | अश्रङ्किषाथाम् | अश्रङ्किध्वम् |
| अश्रङ्किषि | अश्रङ्किष्वहि | अश्रङ्किमहि |
| प० शश्रङ्के | शश्रङ्काते | शश्रङ्किरे |
| शश्रङ्किषे | शश्रङ्काथे | शश्रङ्किध्वे |
| शश्रङ्के | शश्रङ्कावहे | शश्रङ्किमहे |
| आ० शश्रङ्किषीष्ट | शश्रङ्किषीयास्ताम् | शश्रङ्किषीरन् |
| शश्रङ्किषीष्ठाः | शश्रङ्किषीयाथाम् | शश्रङ्किषीध्वम् |
| शश्रङ्किषीय | शश्रङ्किषीवहि | शश्रङ्किषीमहि |
| श्व० शश्रङ्किता | शश्रङ्कितारौ | शश्रङ्कितारः |
| शश्रङ्कितासे | शश्रङ्कितासाथे | शश्रङ्किताध्वे |
| शश्रङ्किताहे | शश्रङ्कितास्वहे | शश्रङ्कितास्महे |
| भ० शश्रङ्किष्यते | शश्रङ्किष्येते | शश्रङ्किष्यन्ते |
| शश्रङ्किष्यसे | शश्रङ्किष्येथे | शश्रङ्किष्यध्वे |
| शश्रङ्किष्ये | शश्रङ्किष्यावहे | शश्रङ्किष्यामहे |
| अश्रङ्किष्यत | अश्रङ्किष्येताम् | अश्रङ्किष्यन्त |
| अश्रङ्किष्यथाः | अश्रङ्किष्येथाम् | अश्रङ्किष्यध्वम् |
| अश्रङ्किष्ये | अश्रङ्किष्यावहि | अश्रङ्किष्यामहि |

626 श्लुक् (श्लुक्) गतौ

| | | | |
|------|------------------|---------------------|--------------------|
| ष० | श्लुक्ते | श्लुक्तेते | श्लुक्कन्ते |
| | श्लुक्से | श्लुक्केथे | श्लुक्कध्वे |
| | श्लुक्के | श्लुक्कावहे | श्लुक्कामहे |
| स० | श्लुक्तेत | श्लुक्केयाताम् | श्लुक्केरन् |
| | श्लुक्केथाः | श्लुक्केयाथाम् | श्लुक्केध्वम् |
| | श्लुक्केय | श्लुक्केवहि | श्लुक्केमहि |
| प० | श्लुक्ताम् | श्लुक्केताम् | श्लुक्कन्ताम् |
| | श्लुक्स्व | श्लुक्केथाम् | श्लुक्कध्वम् |
| | श्लुक्के | श्लुक्कावहे | श्लुक्कामहे |
| झ० | अश्लुक्ते | अश्लुक्केताम् | अश्लुक्कन्त |
| | अश्लुक्केथाः | अश्लुक्केयाथाम् | अश्लुक्केध्वम् |
| | अश्लुक्के | अश्लुक्कावहि | अश्लुक्कामहि |
| अ० | अश्लुक्किष्ट | अश्लुक्किषाताम् | अश्लुक्किषत |
| | अश्लुक्किष्टाः | अश्लुक्किषाथाम् | अश्लुक्किष्टध्वम् |
| | अश्लुक्किषि | अश्लुक्किष्वहि | अश्लुक्किष्महि |
| प० | शश्लुक्के | शश्लुक्काते | शश्लुक्किरे |
| | शश्लुक्किषे | शश्लुक्काथे | शश्लुक्किध्वे |
| | शश्लुक्के | शश्लुक्कावहे | शश्लुक्किमहे |
| आ० | शश्लुक्किषीष्ट | शश्लुक्किषीयास्ताम् | शश्लुक्किषीरन् |
| | शश्लुक्किषीष्टाः | शश्लुक्किषीयास्थाम् | शश्लुक्किषीध्वम् |
| | शश्लुक्किषीय | शश्लुक्किषीवहि | शश्लुक्किषीमहि |
| श्व० | शश्लुक्किता | शश्लुक्कितारौ | शश्लुक्कितारः |
| | शश्लुक्कितासे | शश्लुक्कितासाथे | शश्लुक्किताध्वे |
| | शश्लुक्किताहे | शश्लुक्कितास्वहे | शश्लुक्कितास्महे |
| भ० | शश्लुक्किष्यते | शश्लुक्किष्येते | शश्लुक्किष्यन्ते |
| | शश्लुक्किष्यसे | शश्लुक्किष्येथे | शश्लुक्किष्यध्वे |
| | शश्लुक्किष्ये | शश्लुक्किष्यावहे | शश्लुक्किष्यामहे |
| कि० | अशश्लुक्किष्यत | अशश्लुक्किष्येताम् | अशश्लुक्किष्यन्त |
| | अशश्लुक्किष्यथाः | अशश्लुक्किष्येथाम् | अशश्लुक्किष्यध्वम् |
| | अशश्लुक्किष्ये | अशश्लुक्किष्यावहि | अशश्लुक्किष्यामहि |

627 दौक् (दौक्) गतौ

| | | | |
|---------------|-----------------|--------------------|-----------------|
| ष० | दौक्ते | दौक्तेते | दौक्कन्ते |
| | दौक्से | दौक्केथे | दौक्कध्वे |
| | दौक्के | दौक्कावहे | दौक्कामहे |
| स० | दौक्तेत | दौक्केयाताम् | दौक्केरन् |
| | दौक्केथाः | दौक्केयाथाम् | दौक्केध्वम् |
| | दौक्केय | दौक्केवहि | दौक्केमहि |
| प० | दौक्ताम् | दौक्केताम् | दौक्कन्ताम् |
| | दौक्स्व | दौक्केथाम् | दौक्कध्वम् |
| | दौक्के | दौक्कावहे | दौक्कामहे |
| झ० | अदौक्ते | अदौक्केताम् | अदौक्कन्त |
| | अदौक्केथाः | अदौक्केयाथाम् | अदौक्केध्वम् |
| | अदौक्के | अदौक्कावहि | अदौक्कामहि |
| अ० | अदौक्किष्ट | अदौक्किषाताम् | अदौक्किषत |
| | अदौक्किष्टाः | अदौक्किषाथाम् | अदौक्किष्टध्वम् |
| | अदौक्किषि | अदौक्किष्वहि | अदौक्किष्महि |
| प० | दुदौक्के | दुदौक्काते | दुदौक्किरे |
| | दुदौक्किषे | दुदौक्काथे | दुदौक्किध्वे |
| | दुदौक्के | दुदौक्कावहे | दुदौक्किमहे |
| आ० | दुदौक्किषीष्ट | दुदौक्किषीयास्ताम् | दुदौक्किषीरन् |
| | दुदौक्किषीष्टाः | दुदौक्किषीयास्थाम् | दुदौक्किषीध्वम् |
| | दुदौक्किषीय | दुदौक्किषीवहि | दुदौक्किषीमहि |
| प्र० | दौक्किता | दौक्कितारौ | दौक्कितारः |
| | दौक्कितासे | दौक्कितासाथे | दौक्किताध्वे |
| | दौक्किताहे | दौक्कितास्वहे | दौक्कितास्महे |
| भ० | दौक्किष्यते | दौक्किष्येते | दौक्किष्यन्ते |
| | दौक्किष्यसे | दौक्किष्येथे | दौक्किष्यध्वे |
| | दौक्किष्ये | दौक्किष्यावहे | दौक्किष्यामहे |
| अदौक्किष्यत | अदौक्किष्येताम् | अदौक्किष्यन्त | |
| अदौक्किष्यथाः | अदौक्किष्येथाम् | अदौक्किष्यध्वम् | |
| अदौक्किष्ये | अदौक्किष्यावहि | अदौक्किष्यामहि | |

628 त्रौकृ (त्रौक्) गतौ

ब० त्रौकते त्रौकते त्रौकन्ते
त्रौकसे त्रौकथे त्रौकध्वे
त्रौके त्रौकावहे त्रौकामहे

स० त्रौकेत त्रौकैयाताम् त्रौकेरन्
त्रौकेथाः त्रौकैयाथाम् त्रौकेध्वम्
त्रौकेय त्रौकेवहि त्रौकेमहि

प० त्रौकताम् त्रौकेताम् त्रौकन्ताम्
त्रौकस्व त्रौकेथाम् त्रौकध्वम्
त्रौके त्रौकावहे त्रौकामहे

ब० अत्रौकत अत्रौकेताम् अत्रौकन्त
अत्रौकथाः अत्रौकेथाम् अत्रौकध्वम्
अत्रौके अत्रौकावहि अत्रौकामहि

अ० अत्रौकिष्ट अत्रौकिषाताम् अत्रौकिषत
अत्रौकिष्ठाः अत्रौकिषाथाम् अत्रौकि-

ड्ध्वम्-ध्वम्

अत्रौकिषि अत्रौकिष्वहि अत्रौकिष्महि

प० तुत्रौके तुत्रौकाते तुत्रौकिरे
तुत्रौकिषे तुत्रौकाथे तुत्रौकिध्वे
तुत्रौके तुत्रौकावहे तुत्रौकिमहे

आ० त्रौकिषीष्ट त्रौकिषीयास्ताम् त्रौकिषीरन्
त्रौकिषीष्ठाः त्रौकिषीयास्थाम् त्रौकिषीध्वम्
त्रौकिषीय त्रौकिषीवहि त्रौकिषीमहि

प्र० त्रौकिता त्रौकितारौ त्रौकितारः
त्रौकितासे त्रौकितासाथे त्रौकिताध्वे
त्रौकिताहे त्रौकितास्वहे त्रौकितास्महे

भ० त्रौकिष्यते त्रौकिष्येते त्रौकिष्यन्ते
त्रौकिष्यसे त्रौकिष्येथे त्रौकिष्यध्वे
त्रौकिष्ये त्रौकिष्यावहे त्रौकिष्यामहे

अत्रौकिष्यत अत्रौकिष्येताम् अत्रौकिष्यन्त
अत्रौकिष्यथाः अत्रौकिष्येथाम् अत्रौकिष्यध्वम्
अत्रौकिष्ये अत्रौकिष्यावहि अत्रौकिष्यामहि

829 ष्वक्कि (ष्वक्) गतौ

ब० ष्वक्कते ष्वक्कते ष्वक्कन्ते
ष्वक्कसे ष्वक्कथे ष्वक्कध्वे
ष्वक्के ष्वक्कावहे ष्वक्कामहे

स० ष्वक्कत ष्वक्कैयाताम् ष्वक्केरन्
ष्वक्कथाः ष्वक्कैयाथाम् ष्वक्केध्वम्
ष्वक्कय ष्वक्केवहि ष्वक्केमहि

प० ष्वक्कताम् ष्वक्केताम् ष्वक्कन्ताम्
ष्वक्कथाः ष्वक्केथाम् ष्वक्कध्वम्
ष्वक्के ष्वक्कावहे ष्वक्कामहे

ब० अष्वक्कत अष्वक्कैयाताम् अष्वक्कन्त
अष्वक्कथाः अष्वक्कैयाथाम् अष्वक्कध्वम्
अष्वक्के अष्वक्कावहि अष्वक्कामहि

अ० अष्वक्किष्ट अष्वक्किषाताम् अष्वक्किषत
अष्वक्किष्ठाः अष्वक्किषाथाम् अष्वक्किड्ध्वम्
ध्वम्

अष्वक्किषि अष्वक्किष्वहि अष्वक्किष्महि

प० ष्वक्के ष्वक्कते ष्वक्किरे
ष्वक्किषे ष्वक्कथे ष्वक्किध्वे
ष्वक्के ष्वक्कावहे ष्वक्किमहे

आ० ष्वक्किषीष्ट ष्वक्किषीयास्ताम् ष्वक्किषीरन्
ष्वक्किषीष्ठाः ष्वक्किषीयास्थाम् ष्वक्किषीध्वम्

ष्वक्किषीय ष्वक्किषीवहि ष्वक्किषीमहि
प्र० ष्वक्किता ष्वक्कितारौ ष्वक्कितारः
ष्वक्कितासे ष्वक्कितासाथे ष्वक्किताध्वे
ष्वक्किताहे ष्वक्कितास्वहे ष्वक्कितास्महे

भ० ष्वक्किष्यते ष्वक्किष्येते ष्वक्किष्यन्ते
ष्वक्किष्यसे ष्वक्किष्येथे ष्वक्किष्यध्वे
ष्वक्किष्ये ष्वक्किष्यावहे ष्वक्किष्यामहे
अष्वक्किष्यत अष्वक्किष्येताम् अष्वक्किष्यन्त

अष्वक्किष्यथाः अष्वक्किष्येथाम्
अष्वक्किष्यध्वम् अष्वक्किष्ये
अष्वक्किष्यावहि अष्वक्किष्यामहि

630 वस्कि (वस्क्) गतौ

व० वस्कते वस्केते वस्कन्ते
वस्कसे वस्कथे वस्कध्वे
वस्कै वस्कावहे वस्कामहे

स० वस्केत वस्केयाताम् वस्केरन्
वस्केथाः वस्केयाथाम् वस्केध्वम्
वस्केय वस्केवहि वस्केमहि

प० वस्कताम् वस्केताम् वस्कन्ताम्
वस्कस्व वस्केथाम् वस्कध्वम्
वस्कै वस्कावहे वस्कामहे

झ० अवस्कृत अवस्केताम् अवस्कन्त
अवस्कथाः अवस्केथाम् अवस्कध्वम्
अवस्कै अवस्कावहि अवस्कामहि

अ० अवस्किष्ट अवस्किषाताम् अवस्किषत
अवस्किष्टाः अवस्किषाथाम् अवस्किष्टध्वम्

अवस्किषि अवस्किष्वहि अवस्किष्महि

प० ववस्के ववस्काते ववस्किरे
ववस्किषे ववस्काथे ववस्किध्वे
ववस्कै ववस्किवहे ववस्किमहे

आ० वस्किषीष्ट वस्किषीयास्ताम् वस्किषीरन्
वस्किषीष्टाः वस्किषीयास्थाम् वस्किषीध्वम्

वस्किषीय वस्किषीवहि वस्किषीमहि

इव० वस्किता वस्कितारौ वस्कितारः
वस्कितासे वस्कितासाथे वस्किताध्वे
वस्किताहे वस्कितास्वहे वस्कितास्महे

भ० वस्किष्यते वस्किष्येते वस्किष्यन्ते
वस्किष्यसे वस्किष्येथे वस्किष्यध्वे
वस्किष्ये वस्किष्यावहे वस्किष्यामहे

अवस्किष्यत अवस्किष्येताम् अवस्किष्यन्त

अवस्किष्यथाः अवस्किष्येथाम्

अवस्किष्यध्वम् अवस्किष्ये

अवस्किष्यावहि अवस्किष्यामहि

631 मस्कि (मस्क) गत

व० मस्कते मस्केते मस्कन्ते
मस्कसे मस्कथे मस्कध्वे
मस्कै मस्कावहे मस्कामहे

स० मस्केत मस्क्याताम् मस्केरन्
मस्केथाः मस्क्याथाम् मस्केध्वम्
मस्केय मस्केवहि मस्केमहि

प० मस्कताम् मस्केताम् मस्कन्ताम्
मस्कस्व मस्केथाम् मस्कध्वम्
मस्कै मस्कावहे मस्कामहे

झ० अमस्कृत अमस्केताम् अमस्कन्त
अमस्कथाः अमस्केथाम् अमस्कध्वम्
अमस्कै अमस्कावहि अमस्कामहि

अ० अमस्किष्ट अमस्किषाताम् अमस्किषत
अमस्किष्टाः अमस्किषाथाम् अमस्कि-
ष्टध्वम्

अमस्किषि अमस्किष्वहि अमस्किष्महि

प० ममस्क ममस्काते ममस्किरे
ममस्किषे ममस्काथे ममस्किध्वे
ममस्कै ममस्किवहे ममस्किमहे

आ० मस्किषीष्ट मस्किषीयास्ताम् मस्किषीरन्
मस्किषीष्टाः मस्किषीयास्थाम् मस्किषीध्वम्
मस्किषीय मस्किषीवहि मस्किषीमहि

इव० मस्किता मस्कितारौ मस्कितारः
मस्कितासे मस्कितासाथे मस्किताध्वे
मस्किताहे मस्कितास्वहे मस्कितास्महे

भ० मस्किष्यते मस्किष्येते मस्किष्यन्ते
मस्किष्यसे मस्किष्येथे मस्किष्यध्वे
मस्किष्ये मस्किष्यावहे मस्किष्यामहे

अमस्किष्यत अमस्किष्येताम् अमस्किष्यन्त

अमस्किष्यथाः अमस्किष्येथाम् अमस्किष्यध्वम्

अमस्किष्ये अमस्किष्यावहि अमस्किष्यामहि

632 तिक् (तिक्) गतौ ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० तेकते | तेकेते | तेकन्ते |
| तेकसे | तेकेथे | तेकध्वे |
| तेके | तेकावहे | तेकामहे |
| स० तेकेत | तेकेयाताम् | तेकेरन् |
| तेकेथाः | तेकेयाथाम् | तेकेध्वम् |
| तेकेय | तेकेवहि | तेकेमहि |
| प० तेकताम् | तेकेताम् | तेकन्ताम् |
| तेकस्व | तेकेथाम् | तेकध्वम् |
| तेकै | तेकावहै | तेकामहै |
| झ० अतेकत | अतेकेताम् | अतेकन्त |
| अतेकथाः | अतेकेथाम् | अतेकध्वम् |
| अतेके | अतेकावहि | अतेकामहि |
| अ० अतेकिष्ट | अतेकिषाताम् | अतेकिषत |
| अतेकिष्टाः | अतेकिषाथाम् | अतेकिड्ध्वम् |
| अतेकिषि | अतेकिष्वहि | अतेकिष्महि |
| प० तितिके | तितिकाते | तितिकिरे |
| तितिकिषे | तितिकाथे | तितिकिध्वे |
| तितिके | तितिकिवहे | तितिकिमहे |
| आ० तेकिषीष्ट | तेकिषीयास्ताम् | तेकिषीरन् |
| तेकिषीष्टाः | तेकिषीयास्थाम् | तेकिषीध्वम् |
| तेकिषीय | तेकिषीवहि | तेकिषीमहि |
| श्व० तेकिता | तेकितारौ | तेकितारः |
| तेकितासे | तेकितासाथे | तेकिताध्वे |
| तेकिताहे | तेकितास्वहे | तेकितास्महे |
| भ० तेकिष्यते | तेकिष्येते | तेकिष्यन्ते |
| तेकिष्यसे | तेकिष्येथे | तेकिष्यध्वे |
| तेकिष्ये | तेकिष्यावहे | तेकिष्यामहे |
| क्रि० अतेकिष्यत | अतेकिष्येताम् | अतेकिष्यन्त |
| अतेकिष्यथाः | अतेकिष्येथाम् | अतेकिष्यध्वम् |
| अतेकिष्ये | अतेकिष्यावहि | अतेकिष्यामहि |

633 टिक् (टिक्) गतौ

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० टेकते | टेकेते | टेकन्ते |
| टेकसे | टेकेथे | टेकध्वे |
| टेके | टेकावहे | टेकामहे |
| स० टेकेत | टेकेयाताम् | टेकेरन् |
| टेकेथाः | टेकेयाथाम् | टेकेध्वम् |
| टेकेय | टेकेवहि | टेकेमहि |
| प० टेकताम् | टेकेताम् | टेकन्ताम् |
| टेकस्व | टेकेथाम् | टेकध्वम् |
| टेकै | टेकावहै | टेकामहै |
| झ० अटेकत | अटेकेताम् | अटेकन्त |
| अटेकथाः | अटेकेथाम् | अटेकध्वम् |
| अटेके | अटेकावहि | अटेकामहि |
| अ० अटेकिष्ट | अटेकिषाताम् | अटेकिषत |
| अटेकिष्टाः | अटेकिषाथाम् | अटेकिड्ध्वम् |
| अटेकिषि | अटेकिष्वहि | अटेकिष्महि |
| प० टिटिके | टिटिकाते | टिटिकिरे |
| टिटिकिषे | टिटिकाथे | टिटिकिध्वे |
| टिटिके | टिटिकिवहे | टिटिकिमहे |
| आ० टेकिषीष्ट | टेकिषीयास्ताम् | टेकिषीरन् |
| टेकिषीष्टाः | टेकिषीयास्थाम् | टेकिषीध्वम् |
| टेकिषीय | टेकिषीवहि | टेकिषीमहि |
| श्व० टेकिता | टेकितारौ | टेकितारः |
| टेकितासे | टेकितासाथे | टेकिताध्वे |
| टेकिताहे | टेकितास्वहे | टेकितास्महे |
| भ० टेकिष्यते | टेकिष्येते | टेकिष्यन्ते |
| टेकिष्यसे | टेकिष्येथे | टेकिष्यध्वे |
| टेकिष्ये | टेकिष्यावहे | टेकिष्यामहे |
| क्रि० अटेकिष्यत | अटेकिष्येताम् | अटेकिष्यन्त |
| अटेकिष्यथाः | अटेकिष्येथाम् | अटेकिष्यध्वम् |
| अटेकिष्ये | अटेकिष्यावहि | अटेकिष्यामहि |

634 टीकृङ् (टीक्) गतौ ।

व० टीकते टीकेते टीकन्ते
टीकसे टीकेथे टीकध्वे
टीके टीकावहे टीकामहे

स० टीकेत टीकेयाताम् टीकेरन्
टीकेथाः टीकेयाथाम् टीकेध्वम्
टीकेय टीकेवहि टीकेमहि

प० टीकताम् टीकेताम् टीकन्ताम्
टीकस्व टीकेथाम् टीकध्वम्
टीकै टीकावहै टीकामहै

झ० अटीकत अटीकेताम् अटीकन्त
अटीकथाः अटीकेथाम् अटीकध्वम्
अटीके अटीकावहि अटीकामहि

च० अटीकिष्ट अटीकिषाताम् अटीकिषत
टीकिष्ठाः अटीकिषाथाम् अटीकिङ्घ्वम्
अटीकिषि अटीकिष्वहि अटीकिष्महि

टीकिषि अटीकिष्वहि अटीकिष्महि

टिटीके टिटीकते टिटीकिरे
टिटीकिषे टिटीकथे टिटीकिध्वे
टिटीके टिटीकिवहे टिटीकिमहे

आ० टीकिषीष्ट टीकिषीयास्ताम् टीकिषीरन्
टीकिषीष्ठाः टीकिषीयास्थाम् टीकिषीध्वम्
टीकिषीय टीकिषीवहि टीकिषीमहि

० टीकिता टीकितारौ टीकितारः
टीकितासे टीकितासाथे टीकिताध्वे
टीकिताहे टीकितास्वहे टीकितास्महे

१ टीकिष्यते टीकिष्येते टीकिष्यन्ते
टीकिष्यसे टीकिष्येथे टीकिष्यध्वे
टीकिष्ये टीकिष्यावहे टीकिष्यामहे

अटीकिष्यत अटीकिष्येताम् अटीकिष्यन्त
किष्यथाः अटीकिष्येथाम् अटीकिष्यध्वम्
टीकिष्ये अटीकिष्यावहि अटीकिष्यामहि

636 स्नेकृङ् (स्नेक्) गतौ ।

व० स्नेकते स्नेकेते स्नेकन्ते
स्नेकसे स्नेकेथे स्नेकध्वे
स्नेके स्नेकावहे स्नेकामहे

स० स्नेकेत स्नेकेयाताम् स्नेकेरन्
स्नेकेथाः स्नेकेयाथाम् स्नेकेध्वम्
स्नेकेय स्नेकेवहि स्नेकेमहि

प० स्नेकताम् स्नेकेताम् स्नेकन्ताम्
स्नेकस्व स्नेकेथाम् स्नेकध्वम्
स्नेकै स्नेकावहै स्नेकामहै

झ० अस्नेकत अस्नेकेताम् अस्नेकन्त
अस्नेकथाः अस्नेकेथाम् अस्नेकध्वम्
अस्नेके अस्नेकावहि अस्नेकामहि

अ० अस्नेकिष्ट अस्नेकिषाताम् अस्नेकिषत
अस्नेकिष्ठाः अस्नेकिषाथाम् अस्नेकिङ्घ्वम्
अस्नेकिषि अस्नेकिष्वहि अस्नेकिष्महि

अस्नेकिषि अस्नेकिष्वहि अस्नेकिष्महि

प० सिस्नेके सिस्नेकते सिस्नेकिरे
सिस्नेकिषे सिस्नेकथे सिस्नेकिध्वे
सिस्नेके सिस्नेकिवहे सिस्नेकिमहे

आ० स्नेकिषीष्ट स्नेकिषीयास्ताम् स्नेकिषीरन्
स्नेकिषीष्ठाः स्नेकिषीयास्थाम् स्नेकिषीध्वम्
स्नेकिषीय स्नेकिषीवहि स्नेकिषीमहि

अ० स्नेकिता स्नेकितारौ स्नेकितारः
स्नेकितासे स्नेकितासाथे स्नेकिताध्वे
स्नेकिताहे स्नेकितास्वहे स्नेकितास्महे

भ० स्नेकिष्यते स्नेकिष्येते स्नेकिष्यन्ते
स्नेकिष्यसे स्नेकिष्येथे स्नेकिष्यध्वे
स्नेकिष्ये स्नेकिष्यावहे स्नेकिष्यामहे

कि० अस्नेकिष्यत अस्नेकिष्येताम् अस्नेकिष्यन्त
अस्नेकिष्यथाः अस्नेकिष्येथाम् अस्नेकिष्यध्वम्
अस्नेकिष्ये अस्नेकिष्यावहि अस्नेकिष्यामहि

635 सेकृङ् (सेकृ) गतौ ।

| | | |
|------------|------------|-----------|
| व० सेकते | सेकेते | सेकन्ते |
| सेकसे | सेकेथे | सेकध्वे |
| सेके | सेकावहे | सेकामहे |
| स० सेकेत | सेकेयाताम् | सेकेरन् |
| सेकेयाः | सेकेयाथाम् | सेकेध्वम् |
| सेकेय | सेकेवहि | सेकेमहि |
| प० सेकताम् | सेकेताम् | सेकन्ताम् |
| सेकस्व | सेकेथाम् | सेकध्वम् |
| सेकै | सेकावहे | सेकामहे |

| | | |
|----------|-------------|-----------|
| झ० असेकत | असेकेताम् | असेकन्त |
| असेकथाः | असेकेयाथाम् | असेकध्वम् |
| असेके | असेकावहि | असेकामहि |

अ० असेकिष्ट असेकिषाताम् असेकिषत
असेकिष्ठाः असेकिषाथाम् असेकिड्वम्

असेकिषि असेकिष्वहि असेकिषमहि

| | | |
|-----------|-----------|------------|
| प० सिसोके | सिसोकाते | सिसोकिरे |
| सिक्सोषे | सिसेकाथे | सिसेकिध्वे |
| सिसोके | सिसोकिवहे | सिसोकिमहे |

आ० सेकिषीष्ट सेकिषीयास्ताम् सेकिषीरन्
सेकिषीष्ठाः सेकिषीयास्थाम् सेकिषीध्वम्
सेकिषीय सेकिषीवहि सेकिषीमहि

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| श्व० सेकिता | सेकितारौ | सेकितारः |
| सेकितासे | सेकितासाथे | सेकिताध्वे |
| सेकिताहे | सेकितास्वहे | सेकितास्महे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ० सेकिष्यते | सेकिष्येते | सेकिष्यन्ते |
| सेकिष्यसे | सेकिष्येथे | सेकिष्यध्वे |
| सेकिष्ये | सेकिष्यावहे | सेकिष्यामहे |

कि० असेकिष्यत असेकिष्येताम् असेकिष्यन्त
असेकिष्यथाः असेकिष्येथाम् असेकिष्यध्वम्
असेकिष्ये असेकिष्यावहि असेकिष्यामहि

॥ अथ घान्ता नव सेटश्च ॥

637 रङ्घृङ् (रङ्घृ) गतौ ॥

| | | |
|-------------|---------------|--------------|
| व० रङ्घवते | रङ्घ्वेते | रङ्घन्ते |
| रङ्घवसे | रङ्घ्वेथे | रङ्घध्वे |
| रङ्घ्वे | रङ्घ्यावहे | रङ्घ्यामहे |
| स० रङ्घ्वेत | रङ्घ्वेयाताम् | रङ्घ्वेरन् |
| रङ्घ्वेयाः | रङ्घ्वेयाथाम् | रङ्घ्वेध्वम् |
| रङ्घ्वेय | रङ्घ्वेवहि | रङ्घ्वेमहि |
| प० रङ्घताम् | रङ्घ्वेताम् | रङ्घ्वन्ताम् |
| रङ्घस्व | रङ्घ्वेथाम् | रङ्घध्वम् |
| रङ्घ्वै | रङ्घ्यावहे | रङ्घ्यामहे |

| | | |
|------------|--------------|--------------|
| झ० अरङ्घवत | अरङ्घ्वेताम् | अरङ्घ्वन्त |
| अरङ्घ्वथाः | अरङ्घ्वेथाम् | अरङ्घ्वध्वम् |
| अरङ्घ्वे | अरङ्घ्यावहि | अरङ्घ्यामहि |

अ० अरङ्घ्विष्ट अरङ्घ्विषाताम् अरङ्घ्विषत
अरङ्घ्विष्ठाः अरङ्घ्विषाथाम् अरङ्घ्विड्वम्

अरङ्घ्विषि अरङ्घ्विष्वहि अरङ्घ्विषमहि

| | | |
|-------------|-------------|--------------|
| प० ररङ्घ्वे | ररङ्घ्वाते | ररङ्घ्विरे |
| ररङ्घ्विषे | ररङ्घ्वाथे | ररङ्घ्विध्वे |
| ररङ्घ्वे | ररङ्घ्वावहे | ररङ्घ्विमहे |

रङ्घ्विषीष्ट रङ्घ्विषीयास्ताम् रङ्घ्विषीरन्
रङ्घ्विषीष्ठाः रङ्घ्विषीयास्थाम् रङ्घ्विषी-

ध्वम्
रङ्घ्विषीय रङ्घ्विषीवहि रङ्घ्विषीमहि

श्व० रङ्घिता रङ्घितारौ रङ्घितारः
रङ्घितासे रङ्घितासाथे रङ्घिताध्वे

रङ्घिताहे रङ्घितास्वहे रङ्घितास्महे
भ० रङ्घिष्यते रङ्घिष्येते रङ्घिष्यन्ते

रङ्घिष्यसे रङ्घिष्येथे रङ्घिष्यध्वे
रङ्घिष्ये रङ्घिष्यावहे रङ्घिष्यामहे

अरङ्घिष्यत अरङ्घिष्येताम् अरङ्घिष्यन्त

अरङ्घिष्यथाः अरङ्घिष्येथाम्

अरङ्घिष्यध्वम् अरङ्घिष्ये

अरङ्घिष्ये अरङ्घिष्यावहि अरङ्घिष्यामहि

638 लघुङ् (लङ्घ) गतौ ।

अयं भोजननिवृत्तावपि ।

| | | |
|---------------|-----------------|----------------|
| ष० लङ्घते | लङ्घते | लङ्घन्ते |
| लङ्घसे | लङ्घथे | लङ्घध्वे |
| लङ्घे | लङ्घावहे | लङ्घामहे |
| स० लङ्घेत | लङ्घेयाताम् | लङ्घेरन् |
| लङ्घेथाः | लङ्घेयाथाम् | लङ्घेध्वम् |
| लङ्घेय | लङ्घेयहि | लङ्घेमहि |
| प० लङ्घताम् | लङ्घेताम् | लङ्घन्ताम् |
| लङ्घस्व | लङ्घेथाम् | लङ्घध्वम् |
| लङ्घे | लङ्घावहे | लङ्घामहे |
| झ० अलङ्घत | अलङ्घेताम् | अलङ्घन्त |
| अलङ्घथाः | अलङ्घेथाम् | अलङ्घध्वम् |
| अलङ्घे | अलङ्घावहि | अलङ्घामहि |
| अ० अलङ्घिष्ट | अलङ्घिषाताम् | अलङ्घिषत |
| अलङ्घिष्ठाः | अलङ्घिषाथाम् | अलङ्घिष्वम् |
| अलङ्घिषि | अलङ्घिष्वहि | अलङ्घिषमहि |
| प० ललङ्घे | ललङ्घाते | ललङ्घिरे |
| ललङ्घिषे | ललङ्घाथे | ललङ्घिध्वे |
| ललङ्घे | ललङ्घावहे | ललङ्घिमहे |
| आ० लङ्घिषीष्ट | लङ्घिषीयास्ताम् | लङ्घिषीरन् |
| लङ्घिषीष्ठाः | लङ्घिषीयाथाम् | लङ्घिषीध्वम् |
| लङ्घिषीय | लङ्घिषीयहि | लङ्घिषीमहि |
| भ्व० लङ्घिता | लङ्घितारौ | लङ्घितारः |
| लङ्घितासे | लङ्घितासाथे | लङ्घिताध्वे |
| लङ्घिताहे | लङ्घितावहे | लङ्घितामहे |
| भ० लङ्घिष्यते | लङ्घिष्येते | लङ्घिष्यन्ते |
| लङ्घिष्यसे | लङ्घिष्येथे | लङ्घिष्यध्वे |
| लङ्घिष्ये | लङ्घिष्यावहे | लङ्घिष्यामहे |
| अलङ्घिष्यत | अलङ्घिष्येताम् | अलङ्घिष्यन्त |
| अलङ्घिष्यथाः | अलङ्घिष्येथाम् | अलङ्घिष्यध्वम् |
| अलङ्घिष्ये | अलङ्घिष्यावहि | अलङ्घिष्यामहि |

639 अघुङ् (अङ्घ) गत्याक्षेपे

गतेराक्षेपो वेग आरम्भ उपलम्भो वा ॥

| | | |
|-----------------|-----------------|--------------|
| ष० अङ्घते | अङ्घते | अङ्घन्ते |
| अङ्घसे | अङ्घथे | अङ्घध्वे |
| अङ्घे | अङ्घावहे | अङ्घामहे |
| स० अङ्घेत | अङ्घेयाताम् | अङ्घेरन् |
| अङ्घेथाः | अङ्घेयाथाम् | अङ्घेध्वम् |
| अङ्घेय | अङ्घेयहि | अङ्घेमहि |
| प० अङ्घताम् | अङ्घेताम् | अङ्घन्ताम् |
| अङ्घस्व | अङ्घेथाम् | अङ्घध्वम् |
| अङ्घे | अङ्घावहे | अङ्घामहे |
| झ० आङ्घत | आङ्घेताम् | आङ्घन्त |
| आङ्घथाः | आङ्घेथाम् | आङ्घध्वम् |
| आङ्घे | आङ्घावहि | आङ्घामहि |
| अ० आङ्घिष्ट | आङ्घिषाताम् | आङ्घिषत |
| आङ्घिष्ठाः | आङ्घिषाथाम् | आङ्घिष्वम् |
| आङ्घिषि | आङ्घिष्वहि | आङ्घिषमहि |
| प० आनङ्घे | आनङ्घाते | आनङ्घिरे |
| आनङ्घिषे | आनङ्घाथे | आनङ्घिध्वे |
| आनङ्घे | आनङ्घावहे | आनङ्घिमहे |
| अङ्घिषीष्ट | अङ्घिषीयास्ताम् | अङ्घिषीरन् |
| अङ्घिषीष्ठाः | अङ्घिषीयाथाम् | अङ्घिषीध्वम् |
| अङ्घिषीय | अङ्घिषीयहि | अङ्घिषीमहि |
| भ्व० अङ्घिता | अङ्घितारौ | अङ्घितारः |
| अङ्घितासे | अङ्घितासाथे | अङ्घिताध्वे |
| अङ्घिताहे | अङ्घितावहे | अङ्घितामहे |
| भ० अङ्घिष्यते | अङ्घिष्येते | अङ्घिष्यन्ते |
| अङ्घिष्यसे | अङ्घिष्येथे | अङ्घिष्यध्वे |
| अङ्घिष्ये | अङ्घिष्यावहे | अङ्घिष्यामहे |
| क्रि० आङ्घिष्यत | आङ्घिष्येताम् | आङ्घिष्यन्त |
| आङ्घिष्यथाः | आङ्घिष्येथाम् | |
| आङ्घिष्यध्वम् | आङ्घिष्ये | |
| आङ्घिष्यावहि | आङ्घिष्यामहि | |

640 वङ्घृ (वङ्घृ) गत्याक्षेपे

गतेराक्षेपे वेग आरम्भ उपलम्भो वा

| | | |
|--------------|--------------|---------------|
| ष० वङ्घते | वङ्घेते | वङ्घन्ते |
| वङ्घसे | वङ्घेथे | वङ्घध्वे |
| वङ्घे | वङ्घावहे | वङ्घामहे |
| स० वङ्घेत | वङ्घेयाताम् | वङ्घेरन् |
| वङ्घेथाः | वङ्घेयाथाम् | वङ्घेध्वम् |
| वङ्घेय | वङ्घेयहि | वङ्घेमहि |
| प० वङ्घताम् | वङ्घेताम् | वङ्घन्ताम् |
| वङ्घस्व | वङ्घेथाम् | वङ्घध्वम् |
| वङ्घे | वङ्घावहे | वङ्घामहे |
| झ० अवङ्घत | अवङ्घेताम् | अवङ्घन्त |
| अवङ्घथाः | अवङ्घेथाम् | अवङ्घध्वम् |
| अवङ्घे | अवङ्घावहि | अवङ्घामहि |
| अ० अवङ्घिष्ट | अवङ्घिषाताम् | अवङ्घिषन् |
| अवङ्घिष्ठाः | अवङ्घिषाथाम् | अवङ्घिष्ध्वम् |

अवङ्घिषि अवङ्घिष्वहि अवङ्घिषमहि

| | | |
|--------------|---------------|--------------|
| प० ववङ्घे | ववङ्घाते | ववङ्घिरे |
| ववङ्घिषे | ववङ्घाथे | ववङ्घिध्वे |
| ववङ्घे | ववङ्घावहे | ववङ्घामहे |
| वङ्घिषीष्ट | वङ्घिषीयाताम् | वङ्घिषीरन् |
| वङ्घिषीष्ठाः | वङ्घिषीयाथाम् | वङ्घिषीध्वम् |

| | | |
|---------------|----------------|--------------|
| वङ्घिषीय | वङ्घिषीवहि | वङ्घिषीमहि |
| श्व० वङ्घिता | वङ्घितारौ | वङ्घितारः |
| वङ्घितासे | वङ्घितासाथे | वङ्घिताध्वे |
| वङ्घिताहे | वङ्घितास्वहे | वङ्घितास्महे |
| भ० वङ्घिष्यते | वङ्घिष्येते | वङ्घिष्यन्ते |
| वङ्घिष्यसे | वङ्घिष्येथे | वङ्घिष्यध्वे |
| वङ्घिष्ये | वङ्घिष्यावहे | वङ्घिष्यामहे |
| अवङ्घिष्यत | अवङ्घिष्येताम् | अवङ्घिष्यन्त |

| | |
|----------------|----------------|
| अवङ्घिष्यथाः | अवङ्घिष्येथाम् |
| अवङ्घिष्यध्वम् | अवङ्घिष्ये |
| अवङ्घिष्यावहि | अवङ्घिष्यामहि |

641 मङ्घृ मङ्घृ कैतवे च

कैतवं वञ्चना चकारद्गत्याक्षेपे ।

| | | |
|--------------|--------------|---------------|
| व० मङ्घते | मङ्घेते | मङ्घन्ते |
| मङ्घसे | मङ्घेथे | मङ्घध्वे |
| मङ्घे | मङ्घावहे | मङ्घामहे |
| स० मङ्घेत | मङ्घेयाताम् | मङ्घेरन् |
| मङ्घेथाः | मङ्घेयाथाम् | मङ्घेध्वम् |
| मङ्घेय | मङ्घेयहि | मङ्घेमहि |
| प० मङ्घताम् | मङ्घेताम् | मङ्घन्ताम् |
| मङ्घस्व | मङ्घेथाम् | मङ्घध्वम् |
| मङ्घे | मङ्घावहे | मङ्घामहे |
| झ० अमङ्घत | अमङ्घेताम् | अमङ्घन्त |
| अमङ्घथाः | अमङ्घेथाम् | अमङ्घध्वम् |
| अमङ्घे | अमङ्घावहि | अमङ्घामहि |
| अ० अमङ्घिष्ट | अमङ्घिषाताम् | अमङ्घिषन् |
| अमङ्घिष्ठाः | अमङ्घिषाथाम् | अमङ्घिष्ध्वम् |

अमङ्घिषि अमङ्घिष्वहि अमङ्घिषमहि

| | | |
|--------------|---------------|--------------|
| प० ममङ्घे | ममङ्घाते | ममङ्घिरे |
| ममङ्घिषे | ममङ्घाथे | ममङ्घिध्वे |
| ममङ्घे | ममङ्घावहे | ममङ्घामहे |
| मङ्घिषीष्ट | मङ्घिषीयाताम् | मङ्घिषीरन् |
| मङ्घिषीष्ठाः | मङ्घिषीयाथाम् | मङ्घिषीध्वम् |

| | | |
|---------------|----------------|--------------|
| मङ्घिषीय | मङ्घिषीवहि | मङ्घिषीमहि |
| श्व० मङ्घिता | मङ्घितारौ | मङ्घितारः |
| मङ्घितासे | मङ्घितासाथे | मङ्घिताध्वे |
| मङ्घिताहे | मङ्घितास्वहे | मङ्घितास्महे |
| भ० मङ्घिष्यते | मङ्घिष्येते | मङ्घिष्यन्ते |
| मङ्घिष्यसे | मङ्घिष्येथे | मङ्घिष्यध्वे |
| मङ्घिष्ये | मङ्घिष्यावहे | मङ्घिष्यामहे |
| अमङ्घिष्यत | अमङ्घिष्येताम् | अमङ्घिष्यन्त |

| | |
|----------------|----------------|
| अमङ्घिष्यथाः | अमङ्घिष्येथाम् |
| अमङ्घिष्यध्वम् | अमङ्घिष्ये |
| अमङ्घिष्यावहि | अमङ्घिष्यामहि |

642 राघृङ् (राघृ) सामर्थ्यं

| | | | |
|------|---------------|----------------|--------------|
| व० | राघते | राघते | राघन्ते |
| | राघसे | राघथे | राघध्वे |
| | राघे | राघावहे | राघामहे |
| स० | राघेत | राघेयाताम् | राघेरन् |
| | राघेथाः | राघेयाथाम् | राघेध्वम् |
| | राघेय | राघेवहि | राघेमहि |
| प० | राघताम् | राघेताम् | राघन्ताम् |
| | राघस्व | राघेथाम् | राघध्वम् |
| | राघे | राघावहे | राघामहे |
| झ० | अराघत | अराघताम् | अराघन्त |
| | अराघथाः | अराघेथाम् | अराघध्वम् |
| | अराघे | अराघावहि | अराघामहि |
| अ० | अराघिष्ट | अराघिषाताम् | अराघिषत |
| | अराघिष्ठाः | अराघिषाथाम् | अराघिड्ध्वम् |
| | अराघिषि | अराघिष्वहि | अराघिष्महि |
| प० | रराघे | रराघाते | रराघिरे |
| | रराघिषे | रराघाथे | रराघिध्वे |
| | रराघे | रराघिवहे | रराघिमहे |
| | राघिषीष्ट | राघिषीयास्ताम् | राघिषीरन् |
| | राघिषीष्ठाः | राघिषीयास्थाम् | राघिषीध्वम् |
| | राघिषीय | राघिषीवहि | राघिषीमहि |
| श्व० | राघिता | राघितारौ | राघितारः |
| | राघितासे | राघितासाथे | राघिताध्वे |
| | राघिताहे | राघितास्वहे | राघितास्महे |
| भ० | राघिष्यते | राघिष्येते | राघिष्यन्ते |
| | राघिष्यसे | राघिष्येथे | राघिष्यध्वे |
| | राघिष्ये | राघिष्यावहे | राघिष्यामहे |
| | अराघिष्यत | अराघिष्येताम् | अराघिष्यन्त |
| | अराघिष्यथाः | अराघिष्येथाम् | |
| | अराघिष्यध्वम् | अराघिष्ये | |
| | अराघिष्यावहि | अराघिष्यामहि | |

643 लाघृङ् (लाघृ) सामर्थ्यं

| | | | |
|------|-------------|----------------|---------------|
| व० | लाघते | लाघते | लाघन्ते |
| | लाघसे | लाघथे | लाघध्वे |
| | लाघे | लाघावहे | लाघामहे |
| स० | लाघेत | लाघेयाताम् | लाघेरन् |
| | लाघेथाः | लाघेयाथाम् | लाघेध्वम् |
| | लाघेय | लाघेवहि | लाघेमहि |
| प० | लाघताम् | लाघेताम् | लाघन्ताम् |
| | लाघस्व | लाघेथाम् | लाघध्वम् |
| | लाघे | लाघावहे | लाघामहे |
| झ० | अलाघत | अलाघताम् | अलाघन्त |
| | अलाघथाः | अलाघेथाम् | अलाघध्वम् |
| | अलाघे | अलाघावहि | अलाघामहि |
| अ० | अलाघिष्ट | अलाघिषाताम् | अलाघिषत |
| | अलाघिष्ठाः | अलाघिषाथाम् | अलाघिड्ध्वम् |
| | अलाघिषि | अलाघिष्वहि | अलाघिष्महि |
| प० | ललाघे | ललाघाते | ललाघिरे |
| | ललाघिषे | ललाघाथे | ललाघिध्वे |
| | ललाघे | ललाघिवहे | ललाघिमहे |
| अ० | लाघिषीष्ट | लाघिषीयास्ताम् | लाघिषीरन् |
| | लाघिषीष्ठाः | लाघिषीयास्थाम् | लाघिषीध्वम् |
| | लाघिषीय | लाघिषीवहि | लाघिषीमहि |
| श्व० | लाघिता | लाघितारौ | लाघितारः |
| | लाघितासे | लाघितासाथे | लाघिताध्वे |
| | लाघिताहे | लाघितास्वहे | लाघितास्महे |
| भ० | लाघिष्यते | लाघिष्येते | लाघिष्यन्ते |
| | लाघिष्यसे | लाघिष्येथे | लाघिष्यध्वे |
| | लाघिष्ये | लाघिष्यावहे | लाघिष्यामहे |
| | अलाघिष्यत | अलाघिष्येताम् | अलाघिष्यन्त |
| | अलाघिष्यथाः | अलाघिष्येताम् | अलाघिष्यध्वम् |
| | अलाघिष्ये | अलाघिष्यावहि | अलाघिष्यामहि |

644 दाघृ (दाघ्) आयासे च ।

चकारात्सामर्थ्ये ।

| | | | |
|----|------------|-------------|--------------|
| व० | दाघते | दाघेते | दाघन्ते |
| | दाघसे | दाघेथे | दाघध्वे |
| | दाघे | दाघावहे | दाघामहे |
| स० | दाघेत | दाघेयाताम् | दाघेरन् |
| | दाघेथाः | दाघेयाथाम् | दाघेध्वम् |
| | दाघेय | दाघेवहि | दाघेमहि |
| प० | दाघताम् | दाघेताम् | दाघन्ताम् |
| | दाघस्व | दाघेथाम् | दाघध्वम् |
| | दाघै | दाघावहै | दाघामहै |
| झ० | अदाघत | अदाघेताम् | अदाघन्त |
| | अदाघथाः | अदाघेथाम् | अदाघध्वम् |
| | अदाघे | अदाघावहि | अदाघामहि |
| अ० | अदाघिष्ट | अदाघिषाताम् | अदाघिषत |
| | अदाघिष्ठाः | अदाघिषाथाम् | अदाघिड्ध्वम् |

अदाघिषि अदाघिष्वहि अदाघिष्महि
प० ददाघे ददाघाते ददाघिरे
ददाघिषे ददाघाथे ददाघिध्वे
ददाघे ददाघावहे ददाघामहे
ददाघिषीष्ट ददाघिषीयास्ताम् ददाघिषीरन्
ददाघिषीष्ठाः ददाघिषीयास्थाम् ददाघिषी-

ध्वम्
ददाघिषीय ददाघिषीवहि ददाघिषीमहि
ध्व० ददाघिता ददाघितारौ ददाघितारः
ददाघितासे ददाघितासाथे ददाघिताध्वे
ददाघिताहे ददाघितास्वहे ददाघितास्महे
भ० ददाघिष्यते ददाघिष्येते ददाघिष्यन्ते
ददाघिष्यसे ददाघिष्येथे ददाघिष्यध्वे
ददाघिष्ये ददाघिष्यावहे ददाघिष्यामहे
अददाघिष्यन् अददाघिष्येताम् अददाघिष्यन्त
अददाघिष्यथाः अददाघिष्येथाम्
अददाघिष्यध्वम् अददाघिष्ये
अददाघिष्यावहि अददाघिष्यामहि

645 श्लाघृ (श्लाघ्) कथने ।

कथनमुत्कर्षार्थानाम् ।

| | | | |
|----|--------------|---------------|----------------|
| व० | श्लाघते | श्लाघेते | श्लाघन्ते |
| | श्लाघसे | श्लाघेथे | श्लाघध्वे |
| | श्लाघे | श्लाघावहे | श्लाघामहे |
| स० | श्लाघेत | श्लाघेयाताम् | श्लाघेरन् |
| | श्लाघेथाः | श्लाघेयाथाम् | श्लाघेध्वम् |
| | श्लाघेय | श्लाघेवहि | श्लाघेमहि |
| प० | श्लाघताम् | श्लाघेताम् | श्लाघन्ताम् |
| | श्लाघस्व | श्लाघेथाम् | श्लाघध्वम् |
| | श्लाघै | श्लाघावहै | श्लाघामहै |
| झ० | अश्लाघत | अश्लाघेताम् | अश्लाघन्त |
| | अश्लाघथाः | अश्लाघेथाम् | अश्लाघध्वम् |
| | अश्लाघे | अश्लाघावहि | अश्लाघामहि |
| अ० | अश्लाघिष्ट | अश्लाघिषाताम् | अश्लाघिषत |
| | अश्लाघिष्ठाः | अश्लाघिषाथाम् | अश्लाघिड्ध्वम् |

ध्वम्
अश्लाघिषि अश्लाघिष्वहि अश्लाघिष्महि
प० शश्लाघे शश्लाघाते शश्लाघिरे
शश्लाघिषे शश्लाघाथे शश्लाघिध्वे-
शश्लाघे शश्लाघावहे शश्लाघामहे
अ० शश्लाघिषीष्ट शश्लाघिषीयास्ताम् शश्लाघिषीरन्
शश्लाघिषीष्ठाः शश्लाघिषीयास्थाम् शश्लाघिषी-
ध्वम्-
शश्लाघिषीय शश्लाघिषीवहि शश्लाघिषीमहि
ध्व० शश्लाघिता शश्लाघितारौ शश्लाघितारः
शश्लाघितासे शश्लाघितासाथे शश्लाघिताध्वे
शश्लाघिताहे शश्लाघितास्वहे शश्लाघितास्महे
भ० शश्लाघिष्यते शश्लाघिष्येते शश्लाघिष्यन्ते
शश्लाघिष्यसे शश्लाघिष्येथे शश्लाघिष्यध्वे
शश्लाघिष्ये शश्लाघिष्यावहे शश्लाघिष्यामहे
अशश्लाघिष्यन् अशश्लाघिष्येताम् अशश्लाघिष्यन्त
अशश्लाघिष्यथाः अशश्लाघिष्येथाम् अशश्लाघिष्यध्वम्
अशश्लाघिष्यावहि अशश्लाघिष्यामहि

॥ अथ चान्तास्त्रयोदशं सेदथ ॥

646 लोचृ (लोच) दर्शने ।

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| व० लोचते | लोचते | लोचन्ते |
| लोचसे | लोचथे | लोचध्वे |
| लोचो | लोचावहे | लोचामहे |
| स० लोचोत | लोचोयाताम् | लोचोरन् |
| लोचोथाः | लोचोयाथाम् | लोचोध्वम् |
| लोचोय | लोचोवहि | लोचोमहि |
| प० लोचताम् | लोचोताम् | लोचन्ताम् |
| लोचस्व | लोचोथाम् | लोचिष्वम् |
| लोचै | लोचावहै | लोचामहै |
| १० अलोचत | अलोचोताम् | अलोचन्त |
| अलोचथाः | अलोचोथाम् | अलोचध्वम् |
| अलोचो | अलोचावहि | अलोचामहि |
| १० अलोचिष्ट | अलोचिषाताम् | अलोचिषन्त |
| अलोचिष्ठाः | अलोचिषाथाम् | अलोचिष्वम् |
| अलोचिषि | अलोचिष्वहि | अलोचिषमहि |
| ५० लुलोचो | लुलोचाते | लुलोचिरे |
| लुलोचिषे | लुलोचाथे | लुलोचिध्वे |
| लुलोचो | लुलोचावहे | लुलोचिमहे |
| ०भा० लोचिषीष्ट | लोचिषीयास्ताम् | लोचिषीरन् |
| लोचिषीष्ठाः | लोचिषीयास्थाम् | लोचिषीध्वम् |
| लोचिषीय | लोचिषीवहि | लोचिषीमहि |
| ५० लोचिता | लोचितारौ | लोचितारः |
| लोचितासे | लोचितासाथे | लोचिताध्वे |
| लोचिताहे | लोचितास्वहे | लोचितास्महे |
| १० लोचिष्यते | लोचिष्येते | लोचिष्यन्ते |
| लोचिष्यसे | लोचिष्येथे | लोचिष्यध्वे |
| लोचिष्ये | लोचिष्यावहे | लोचिष्यामहे |
| अलोचिष्यत | अलोचिष्येताम् | अलोचिष्यन्त |
| अलोचिष्यथाः | अलोचिष्येथाम् | अलोचिष्यध्वम् |
| अलोचिष्ये | अलोचिष्यावहि | अलोचिष्यामहि |

647 सचि (सच) सेचने ।

सेचनं सेचनं भजनमिति यावत् ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० सचते | सचेते | सचन्ते |
| सचसे | सचेथे | सचध्वे |
| सचे | सचावहे | सचामहे |
| स० सचेत | सचेयाताम् | सचेरन् |
| सचेथाः | सचेयाथाम् | सचेध्वम् |
| सचेय | सचेवहि | सचेमहि |
| ५० सचताम् | सचताम् | सचन्ताम् |
| सचस्व | सचैथाम् | सचध्वम् |
| सचै | सचावहै | सचामहै |
| १० असचत | असचेताम् | असचन्त |
| असचथाः | असचेथाम् | असचध्वम् |
| असचै | असचावहि | असचामहि |
| अ० असचिष्ट | असचिषाताम् | असचिषन्त |
| असचिष्ठाः | असचिषाथाम् | असचिष्वम् |
| असचिषि | असचिष्वहि | असचिषमहि |
| ५० सेचे | सेचाते | सेचिरे |
| सेचिषे | सेचाथे | सेचिध्वे |
| सेचे | सेचिवहे | सेचिमहे |
| आ० सचिषीष्ट | सचिषीयास्ताम् | सचिषीरन् |
| सचिषीष्ठाः | सचिषीयास्थाम् | सचिषीध्वम् |
| सचिषीय | सचिषीवहि | सचिषीमहि |
| ५० सचिता | सचितारौ | सचितारः |
| सचितासे | सचितासाथे | सचिताध्वे |
| सचिताहे | सचितास्वहे | सचितास्महे |
| १० सचिष्यते | सचिष्येते | सचिष्यन्ते |
| सचिष्यसे | सचिष्येथे | सचिष्यध्वे |
| सचिष्ये | सचिष्यावहे | सचिष्यामहे |
| क्रि० असचिष्यत | असचिष्येताम् | असचिष्यन्त |
| असचिष्यथाः | असचिष्येथाम् | असचिष्यध्वम् |
| असचिष्ये | असचिष्यावहि | असचिष्यामहि |

648 शचि (शच्) व्यक्तायां वाचि

| | | | |
|-------|------------|---------------|--------------|
| ष० | शचते | शचेते | शचान्ते |
| | शचसे | शचोथे | शचध्वे |
| | शचो | शचावहे | शचामहे |
| स० | शचोत | शचोयाताम् | शचोरन् |
| | शचोथाः | शचोयाथाम् | शचोध्वम् |
| | शचोय | शचोवहि | शचोमहि |
| प० | शचताम् | शचोताम् | शचन्ताम् |
| | शचस्व | शचोथाम् | शचध्वम् |
| | शचै | शचावहै | शचामहै |
| ह्य० | अशचत | अशचोताम् | अशचन्त |
| | अशचथाः | अशचोथाम् | अशचध्वम् |
| | अशचो | अशचावहि | अशचामहि |
| अ० | अशचिष्ट | अशचिषाताम् | अशचिषत |
| | अशचिष्टाः | अशचिषाथाम् | अशचिद्ध्वम् |
| | अशचिषि | अशचिष्वहि | अशचिष्महि |
| प० | शचे | शचाते | शचिरे |
| | शचिषे | शचाथे | शचिध्वे |
| | शचे | शचिवहे | शचिमहे |
| आ० | शचिषीष्ट | शचिषीयास्ताम् | शचिषीरन् |
| | शचिषीष्टाः | शचिषीयास्थाम् | शचिषीध्वम् |
| | शचिषीय | शचिषीवहि | शचिषीमहि |
| श्व० | शचिता | शचितारौ | शचितारः |
| | शचितासे | शचितासाथे | शचिताध्वे |
| | शचिताहे | शचितास्वहे | शचितास्महे |
| भ० | शचिष्यते | शचिष्येते | शचिष्यन्ते |
| | शचिष्यसे | शचिष्येथे | शचिष्यध्वे |
| | शचिष्ये | शचिष्यावहे | शचिष्यामहे |
| क्रि० | अशचिष्यत | अशचिष्येताम् | अशचिष्यन्त |
| | अशचिष्यथाः | अशचिष्येथाम् | अशचिष्यध्वम् |
| | अशचिष्ये | अशचिष्यावहि | अशचिष्यामहि |

649 कचि (कच्) बन्धने ।

| | | | |
|-------|------------|---------------|--------------|
| ष० | कचते | कचेते | कचन्ते |
| | कचसे | कचेथे | कचध्वे |
| | कचे | कचावहे | कचामहे |
| स० | कचेत | कचेयाताम् | कचेरन् |
| | कचेथाः | कचेयाथाम् | कचेध्वम् |
| | कचेय | कचेवहि | कचेमहि |
| प० | कचताम् | कचेताम् | कचन्ताम् |
| | कचस्व | कचेथाम् | कचध्वम् |
| | कचै | कचावहै | कचामहै |
| ह्य० | अकचत | अकचेताम् | अकचन्त |
| | अकचथाः | अकचेथाम् | अकचध्वम् |
| | अकचे | अकचावहि | अकचामहि |
| अ० | अकचिष्ट | अकचिषाताम् | अकचिषत |
| | अकचिष्टाः | अकचिषाथाम् | अकचिद्ध्वम् |
| | अकचिषि | अकचिष्वहि | अकचिष्महि |
| प० | कचचे | कचचाते | कचचिरे |
| | कचचिषे | कचचाथे | कचचिध्वे |
| | कचचे | कचचिवहे | कचचिमहे |
| आ० | कचिषीष्ट | कचिषीयास्ताम् | कचिषीरन् |
| | कचिषीष्टाः | कचिषीयास्थाम् | कचिषीध्वम् |
| | कचिषीय | कचिषीवहि | कचिषीमहि |
| श्व० | कचिता | कचितारौ | कचितारः |
| | कचितासे | कचितासाथे | कचिताध्वे |
| | कचिताहे | कचितास्वहे | कचितास्महे |
| भ० | कचिष्यते | कचिष्येते | कचिष्यन्ते |
| | कचिष्यसे | कचिष्येथे | कचिष्यध्वे |
| | कचिष्ये | कचिष्यावहे | कचिष्यामहे |
| क्रि० | अकचिष्यत | अकचिष्येताम् | अकचिष्यन्त |
| | अकचिष्यथाः | अकचिष्येथाम् | अकचिष्यध्वम् |
| | अकचिष्ये | अकचिष्यावहि | अकचिष्यामहि |

650 कञ् (कञ्च) दीप्तौ च ।

चकाराद् बन्धने

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० कञ्चते | कञ्चते | कञ्चन्ते |
| कञ्चसे | कञ्चथे | कञ्चध्वे |
| कञ्चे | कञ्चावहे | कञ्चामहे |
| स० कञ्चेत | कञ्चेयाताम् | कञ्चेरन् |
| कञ्चेथाः | कञ्चेयाथाम् | कञ्चेध्वम् |
| कञ्चेय | कञ्चेवहि | कञ्चेमहि |
| प० कञ्चताम् | कञ्चेताम् | कञ्चन्ताम् |
| कञ्चस्व | कञ्चेथाम् | कञ्चध्वम् |
| कञ्चै | कञ्चावहै | कञ्चामहै |
| झ० अकञ्चत | अकञ्चेताम् | अकञ्चन्त |
| अकञ्चथाः | अकञ्चेथाम् | अकञ्चध्वम् |
| अकञ्चे | अकञ्चावहि | अकञ्चामहि |
| अ० अकञ्चिष्ट | अकञ्चिषाताम् | अकञ्चिषत |
| अकञ्चिष्ठाः | अकञ्चिषाथाम् | अकञ्चिद्ध्वम् |
| | | ध्वम् |
| अकञ्चिषि | अकञ्चिष्वहि | अकञ्चिष्महि |
| प० चकञ्चे | चकञ्चाते | चकञ्चिरे |
| चकञ्चिषे | चकञ्चाथे | चकञ्चिध्वे |
| चकञ्चे | चकञ्चावहे | चकञ्चिमहे |
| आ० कञ्चिषीष्ट | कञ्चिषीयास्ताम् | कञ्चिषीरन् |
| कञ्चिषीष्ठाः | कञ्चिषीयास्थाम् | कञ्चिषीध्वम् |
| कञ्चिषीयकञ्चिषीवहि | कञ्चिषीमहि | कञ्चिषीध्वम् |
| श्व० कञ्चिता | कञ्चितारौ | कञ्चितारः |
| कञ्चितासे | कञ्चितासाथे | कञ्चिताध्वे |
| कञ्चिताहे | कञ्चितास्वहे | कञ्चितास्महे |
| भ० कञ्चिष्यते | कञ्चिष्येते | कञ्चिष्यन्ते |
| कञ्चिष्यसे | कञ्चिष्येथे | कञ्चिष्यध्वे |
| कञ्चिष्ये | कञ्चिष्यावहे | कञ्चिष्यामहे |
| क्र० अकञ्चिष्यत | अकञ्चिष्येताम् | अकञ्चिष्यन्त |
| अकञ्चिष्यथाः | अकञ्चिष्येथाम् | अकञ्चिष्यध्वम् |
| अकञ्चिष्ये | अकञ्चिष्यावहि | अकञ्चिष्यामहि |

651 श्वचि (श्वचू) गतौ ।

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| व० श्वचते | श्वचते | श्वचन्ते |
| श्वचसे | श्वचथे | श्वचध्वे |
| श्वचो | श्वचावहे | श्वचामहे |
| स० श्वचोत | श्वचोयाताम् | श्वचोरन् |
| श्वचोथाः | श्वचोयाथाम् | श्वचोध्वम् |
| श्वचोय | श्वचोवहि | श्वचोमहि |
| प० श्वचताम् | श्वचोताम् | श्वचन्ताम् |
| श्वचस्व | श्वचोथाम् | श्वचध्वम् |
| श्वचै | श्वचावहै | श्वचामहै |
| झ० अश्वचत | अश्वचोताम् | अश्वचन्त |
| अश्वचथाः | अश्वचोथाम् | अश्वचध्वम् |
| अश्वचो | अश्वचावहि | अश्वचामहि |
| अ० अश्वचिष्ट | अश्वचिषाताम् | अश्वचिषत |
| अश्वचिष्ठाः | अश्वचिषाथाम् | अश्वचिद्ध्वम् |
| | | ध्वम् |
| अश्वचिषि | अश्वचिष्वहि | अश्वचिष्महि |
| प० शश्वचे | शश्वचाते | शश्वचिरे |
| शश्वचिषे | शश्वचाथे | शश्वचिध्वे |
| शश्वचे | शश्वचावहे | शश्वचिमहे |
| आ० श्वचिषीष्ट | श्वचिषीयास्ताम् | श्वचिषीरन् |
| श्वचिषीष्ठाः | श्वचिषीयास्थाम् | श्वचिषीध्वम् |
| श्वचिषीय | श्वचिषीवहि | श्वचिषीमहि |
| श्व० श्वचिता | श्वचितारौ | श्वचितारः |
| श्वचितासे | श्वचितासाथे | श्वचिताध्वे |
| श्वचिताहे | श्वचितास्वहे | श्वचितास्महे |
| भ० श्वचिष्यते | श्वचिष्येते | श्वचिष्यन्ते |
| श्वचिष्यसे | श्वचिष्येथे | श्वचिष्यध्वे |
| श्वचिष्ये | श्वचिष्यावहे | श्वचिष्यामहे |
| क्र० अश्वचिष्यत | अश्वचिष्येताम् | अश्वचिष्यन्त |
| अश्वचिष्यथाः | अश्वचिष्येथाम् | अश्वचिष्यध्वम् |
| अश्वचिष्ये | अश्वचिष्यावहि | अश्वचिष्यामहि |

654 मचि (मच्) कल्कने ।

कल्कनं दम्भः शाठ्यं ववथनं च ।

| | | |
|--------------|---------------|--------------|
| ब० मचते | मचेते | मचन्ते |
| मचसे | मचेथे | मचध्वे |
| मचे | मचावहे | मचामहे |
| स० मचेत | मचेयाताम् | मचोरन् |
| मचेथाः | मचेयाथाम् | मचेध्वम् |
| मचेय | मचेवहि | मचेमहि |
| प० मचताम् | मचेताम् | मचन्ताम् |
| मचस्व | मचंथाम् | मचध्वम् |
| मचे | मचावहै | मचामहै |
| झ० अमचत | अमचोताम् | अमचन्त |
| अमचथाः | अमचोथाम् | अमचध्वम् |
| अमचो | अमचावहि | अमचामहि |
| अ० अमचिष्ट | अमचिषाताम् | अमचिषत |
| अमचिष्टाः | अमचिषाथाम् | अमचिद्ध्वम् |
| अमचिषि | अमचिष्वहि | अमचिष्महि |
| प० मेचो | मेचाते | मेचिरे |
| मेचिषे | मेचाथे | मेचिध्वे |
| मेचो | मेचिवहे | मेचिमहे |
| आ० मचिषीष्ट | मचिषीयास्ताम् | मचिषीरन् |
| मचिषीष्टाः | मचिषीयास्थाम् | मचिषीध्वम् |
| मचिषीय | मचिषीवहि | मचिषीमहि |
| ख० मचिता | मचितारौ | मचितारः |
| मचितासे | मचितासाथे | मचिताध्वे |
| मचिताहे | मचितास्वहे | मचितास्महे |
| भ० मचिष्यत | मचिष्येते | मचिष्यन्ते |
| मचिष्यसे | मचिष्येथे | मचिष्यध्वे |
| मचिष्य | मचिष्यावहे | मचिष्यामहे |
| कि० अमचिष्यत | अमचिष्येताम् | अमचिष्यन्त |
| अमचिष्यथाः | अमचिष्येथाम् | अमचिष्यध्वम् |
| अमचिष्ये | अमचिष्यावहि | अमचिष्यामहि |

655 मुञ्चु (मुञ्च्) कल्कने ।

कल्कनं दम्भः शाठ्यं ववथनं च ।

| | | |
|------------------|--------------------|-----------------|
| ब० मुञ्चते | मुञ्चेते | मुञ्चन्ते |
| मुञ्चसे | मुञ्चेथे | मुञ्चध्वे |
| मुञ्चे | मुञ्चावहे | मुञ्चामहे |
| स० मुञ्चेत | मुञ्चेयाताम् | मुञ्चेरन् |
| मुञ्चेथाः | मुञ्चेयाथाम् | मुञ्चेध्वम् |
| मुञ्चेय | मुञ्चेवहि | मुञ्चेमहि |
| प० मुञ्चताम् | मुञ्चेताम् | मुञ्चन्ताम् |
| मुञ्चस्व | मुञ्चेथाम् | मुञ्चध्वम् |
| मुञ्चे | मुञ्चावहै | मुञ्चामहै |
| झ० अमुञ्चत | अमुञ्चेताम् | अमुञ्चन्त |
| अमुञ्चथाः | अमुञ्चेथाम् | अमुञ्चध्वम् |
| अमुञ्चे | अमुञ्चावहि | अमुञ्चामहि |
| अ० अमुञ्चिष्ट | अमुञ्चिषाताम् | अमुञ्चिषत |
| अमुञ्चिष्टाः | अमुञ्चिषाथाम् | अमुञ्चिद्ध्वम् |
| अमुञ्चिषि | अमुञ्चिष्वहि | अमुञ्चिष्महि |
| प० मुमुञ्चे | मुमुञ्चाते | मुमुञ्चिरे |
| मुमुञ्चिषे | मुमुञ्चाथे | मुमुञ्चिध्वे |
| मुमुञ्चे | मुमुञ्चिवहे | मुमुञ्चिमहे |
| आ० मुमुञ्चिषीष्ट | मुमुञ्चिषीयास्ताम् | मुमुञ्चिषीरन् |
| मुमुञ्चिषीष्टाः | मुमुञ्चिषीयास्थाम् | मुमुञ्चिषीध्वम् |
| मुमुञ्चिषीय | मुमुञ्चिषीवहि | मुमुञ्चिषीमहि |
| ख० मुञ्चिता | मुञ्चितारौ | मुञ्चितारः |
| मुञ्चितासे | मुञ्चितासाथे | मुञ्चिताध्वे |
| मुञ्चिताहे | मुञ्चितास्वहे | मुञ्चितास्महे |
| भ० मुञ्चिष्यते | मुञ्चिष्येते | मुञ्चिष्यन्ते |
| मुञ्चिष्यसे | मुञ्चिष्येथे | मुञ्चिष्यध्वे |
| मुञ्चिष्ये | मुञ्चिष्यावहे | मुञ्चिष्यामहे |
| कि० अमुञ्चिष्यत | अमुञ्चिष्येताम् | अमुञ्चिष्यन्त |
| अमुञ्चिष्यथाः | अमुञ्चिष्येथाम् | अमुञ्चिष्यध्वम् |
| अमुञ्चिष्ये | अमुञ्चिष्यावहि | अमुञ्चिष्यामहि |

656 मञ्च (मञ्च्) धारणोच्छ्राय- पूजनेषु च । चकारात्कल्कने ।

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| व० मञ्चते | मञ्चते | मञ्चन्ते |
| मञ्चसे | मञ्चथे | मञ्चध्वे |
| मञ्चे | मञ्चावहे | मञ्चामहे |
| स० मञ्चेत | मञ्चेयाताम् | मञ्चेरन् |
| मञ्चेथाः | मञ्चेयाथाम् | मञ्चेध्वम् |
| मञ्चेय | मञ्चेवहि | मञ्चेमहि |
| प० मञ्चताम् | मञ्चेताम् | मञ्चन्ताम् |
| मञ्चस्व | मञ्चेथाम् | मञ्चध्वम् |
| मञ्चै | मञ्चावहै | मञ्चामहै |
| ह्य० अमञ्चत | अमञ्चेताम् | अमञ्चन्त |
| अमञ्चथाः | अमञ्चेथाम् | अमञ्चध्वम् |
| अमञ्चे | अमञ्चावहि | अमञ्चामहि |
| अ० अमञ्चिष्ट | अमञ्चिषाताम् | अमञ्चिषन्त |
| अमञ्चिष्ठाः | अमञ्चिषाथाम् | अमञ्चिध्वम् |
| | | ध्वम् |
| अमञ्चिषि | अमञ्चिष्वहि | अमञ्चिषमहि |
| प० ममञ्चे | ममञ्चाते | ममञ्चरे |
| ममञ्चिषे | ममञ्चाथे | ममञ्चिध्वे |
| ममञ्चे | ममञ्चावहे | ममञ्चामहे |
| आ० मञ्चिषीष्ट | मञ्चिषीयास्ताम् | मञ्चिषीरन् |
| मञ्चिषीष्ठाः | मञ्चिषीयास्थाम् | मञ्चिषीध्वम् |
| मञ्चिषीय | मञ्चिषीवहि | मञ्चिषीमहि |
| भ्व० मञ्चिता | मञ्चितारौ | मञ्चितारः |
| मञ्चितासे | मञ्चितासाथे | मञ्चिताध्वे |
| मञ्चिताहे | मञ्चितास्वहे | मञ्चितास्महे |
| भ० मञ्चिष्यते | मञ्चिष्येते | मञ्चिष्यन्ते |
| मञ्चिष्यसे | मञ्चिष्येथे | मञ्चिष्यध्वे |
| मञ्चिष्ये | मञ्चिष्यावहे | मञ्चिष्यामहे |
| क्र० अमञ्चिष्यत | अमञ्चिष्येताम् | अमञ्चिष्यन्त |
| अमञ्चिष्यथाः | अमञ्चिष्येथाम् | अमञ्चिष्यध्वम् |
| अमञ्चिष्ये | अमञ्चिष्यावहि | अमञ्चिष्यामहि |

657 पञ्च (पञ्च्) व्यक्तीकरणे ।

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| व० पञ्चते | पञ्चते | पञ्चन्ते |
| पञ्चसे | पञ्चथे | पञ्चध्वे |
| पञ्चो | पञ्चावहे | पञ्चामहे |
| स० पञ्चोत | पञ्चोयाताम् | पञ्चोरन् |
| पञ्चोथाः | पञ्चोयाथाम् | पञ्चोध्वम् |
| पञ्चोय | पञ्चोवहि | पञ्चोमहि |
| प० पञ्चताम् | पञ्चोताम् | पञ्चन्ताम् |
| पञ्चस्व | पञ्चोथाम् | पञ्चध्वम् |
| पञ्चै | पञ्चावहै | पञ्चामहै |
| ह्य० अपञ्चत | अपञ्चोताम् | अपञ्चन्त |
| अपञ्चथाः | अपञ्चोथाम् | अपञ्चध्वम् |
| अपञ्चो | अपञ्चावहि | अपञ्चामहि |
| अ० अपञ्चिष्ट | अपञ्चिषाताम् | अपञ्चिषन्त |
| अपञ्चिष्ठाः | अपञ्चिषाथाम् | अपञ्चिध्वम् |
| | | ध्वम् |
| अपञ्चिषि | अपञ्चिष्वहि | अपञ्चिषमहि |
| प० पपञ्चे | पपञ्चाते | पपञ्चरे |
| पपञ्चिषे | पपञ्चाथे | पपञ्चिध्वे |
| पपञ्चे | पपञ्चावहे | पपञ्चामहे |
| आ० पञ्चिषीष्ट | पञ्चिषीयास्ताम् | पञ्चिषीरन् |
| पञ्चिषीष्ठाः | पञ्चिषीयास्थाम् | पञ्चिषीध्वम् |
| पञ्चिषीय | पञ्चिषीवहि | पञ्चिषीमहि |
| भ्व० पञ्चिता | पञ्चितारौ | पञ्चितारः |
| पञ्चितासे | पञ्चितासाथे | पञ्चिताध्वे |
| पञ्चिताहे | पञ्चितास्वहे | पञ्चितास्महे |
| भ० पञ्चिष्यते | पञ्चिष्येते | पञ्चिष्यन्ते |
| पञ्चिष्यसे | पञ्चिष्येथे | पञ्चिष्यध्वे |
| पञ्चिष्ये | पञ्चिष्यावहे | पञ्चिष्यामहे |
| क्र० अपञ्चिष्यत | अपञ्चिष्येताम् | अपञ्चिष्यन्त |
| अपञ्चिष्यथाः | अपञ्चिष्येथाम् | अपञ्चिष्यध्वम् |
| अपञ्चिष्ये | अपञ्चिष्यावहि | अपञ्चिष्यामहि |

658 ष्टुचि (स्तुच्) प्रसादे ।

| | | | |
|------|----------------|-----------------|-----------------|
| ब० | स्तोचते | स्तोचोते | स्तोचन्ते |
| | स्तोचसे | स्तोचोथे | स्तोचध्वे |
| | स्तोचो | स्तोचावहे | स्तोचामहे |
| स० | स्तोचोत | स्तोचोयाताम् | स्तोचोरन् |
| | स्तोचोथाः | स्तोचोयाथाम् | स्तोचोध्वम् |
| | स्तोचोय | स्तोचोवहि | स्तोचोमहि |
| प० | स्तोचताम् | स्तोचोताम् | स्तोचन्ताम् |
| | स्तोचस्व | स्तोचोथाम् | स्तोचध्वम् |
| | स्तोचो | स्तोचावहे | स्तोचामहे |
| झ० | अस्तोचत | अस्तोचोताम् | अस्तोचन्त |
| | अस्तोचथाः | अस्तोचोथाम् | अस्तोचध्वम् |
| | अस्तोचो | अस्तोचावहि | अस्तोचामहि |
| अ० | अस्तोचिष्ट | अस्तोचिषाताम् | अस्तोचिषन्त |
| | अस्तोचिष्ठाः | अस्तोचिषाथाम् | अस्तोचिद्ध्वम् |
| | अस्तोचिषि | अस्तोचिष्वहि | अस्तोचिषमहि |
| प० | तुष्टुचो | तुष्टुचाते | तुष्टुचिरे |
| | तुष्टुचिषे | तुष्टुचाथे | तुष्टुचिध्वे |
| | तुष्टुचो | तुष्टुचावहे | तुष्टुचिमहे |
| भा० | स्तोचिषीष्ट | स्तोचिषीयाताम् | स्तोचिषीरन् |
| | स्तोचिषीष्ठाः | स्तोचिषीयाथाम् | स्तोचिषीध्वम् |
| | स्तोचिषीय | स्तोचिषीवहि | स्तोचिषीमहि |
| श्व० | स्तोचिता | स्तोचितारौ | स्तोचितारः |
| | स्तोचितासे | स्तोचितासाथे | स्तोचिताध्वे |
| | स्तोचिताहे | स्तोचितास्वहे | स्तोचितास्महे |
| भ० | स्तोचिष्यते | स्तोचिष्येते | स्तोचिष्यन्ते |
| | स्तोचिष्यसे | स्तोचिष्येथे | स्तोचिष्यध्वे |
| | स्तोचिस्तोष्ये | स्तोचिष्यावहे | स्तोचिष्यामहे |
| | अस्तोचिष्यत | अस्तोचिष्येताम् | अस्तोचिष्यन्त |
| | अस्तोचिष्यथाः | अस्तोचिष्येथाम् | अस्तोचिष्यध्वम् |
| | अस्तोचिष्ये | अस्तोचिष्यावहि | अस्तोचिष्यामहि |

अथ जान्ता नव सेरश्च

659 एजृह् (एजू) दीप्ती

| | | | |
|-------|-------------|-------------|--------------|
| ब० | एजते | एजेते | एजन्ते |
| | एजसे | एजेथे | एजध्वे |
| | एजे | एजावहे | एजामहे |
| स० | एजेत | एजेयाताम् | एजेरन् |
| | एजेथाः | एजेयाथाम् | एजेध्वम् |
| | एजेय | एजेवहि | एजेमहि |
| प० | एजताम् | एजेताम् | एजन्ताम् |
| | एजस्व | एजेथाम् | एजध्वम् |
| | एजे | एजावहे | एजामहे |
| झ० | एजेत | एजेताम् | एजन्त |
| | एजेथाः | एजेथाम् | एजध्वम् |
| | एजे | एजावहि | एजामहि |
| अ० | एजिष्ट | एजिषाताम् | एजिषन्त |
| | एजिष्ठाः | एजिषाथाम् | एजिद्ध्वम् |
| | एजिषि | एजिष्वहि | एजिषमहि |
| प० | एजाश्चके | एजाश्चकाते | एजाश्चकिरे |
| | एजाश्चकृषे | एजाश्चकृथे | एजाश्चकृध्वे |
| | एजाश्चके | एजाश्चकृवहे | एजाश्चकृमहे |
| | एजाम्बभूव | एजामास | |
| आ० | एजिषीष्ट | एजिषीयाताम् | एजिषीरन् |
| | एजिषीष्ठाः | एजिषीयाथाम् | एजिषीध्वम् |
| | एजिषीय | एजिषीवहि | एजिषीमहि |
| श्व० | एजिता | एजितारौ | एजितारः |
| | एजितासे | एजितासाथे | एजिताध्वे |
| | एजिताहे | एजितास्वहे | एजितास्महे |
| भ० | एजिष्यते | एजिष्येते | एजिष्यन्ते |
| | एजिष्यसे | एजिष्येथे | एजिष्यध्वे |
| | एजिस्तोष्ये | एजिष्यावहे | एजिष्यामहे |
| क्रि० | एजिष्यत | एजिष्येताम् | एजिष्यन्त |
| | एजिष्यथाः | एजिष्येथाम् | एजिष्यध्वम् |
| | एजिष्ये | एजिष्यावहि | एजिष्यामहि |

660 भेजृ (भेज्) दीप्तौ

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| ष० भेजते | भेजेते | भेजन्ते |
| भेजसे | भेजेथे | भेजध्वे |
| भेजे | भेजावहे | भेजामहे |
| स० भेजेत | भेजेयाताम् | भेजेरन् |
| भेजेथाः | भेजेयाथाम् | भेजेध्वम् |
| भेजेय | भेजेवहि | भेजेमहि |
| प० भेजताम् | भेजेताम् | भेजन्ताम् |
| भेजस्व | भेजेथाम् | भेजध्वम् |
| भेजे | भेजावहे | भेजामहे |
| ह्य० अभेजत | अभेजेताम् | अभेजन्त |
| अभेजथाः | अभेजेथाम् | अभेजध्वम् |
| अभेजे | अभेजावहि | अभेजामहि |
| अ० अभेजिष्ट | अभेजिषाताम् | अभेजिषन्त |
| अभेजिष्ठाः | अभेजिषाथाम् | अभेजिषध्वम् |
| अभेजिषि | अभेजिष्वहि | अभेजिष्महि |
| प० विभेजे | विभेजाते | विभेजेरे |
| विभेजिषे | विभेजाथे | विभेजिष्वे |
| विभेजे | विभेजिष्वहे | विभेजिषमहे |
| आ० भेजिषीष्ट | भेजिषीयाताम् | भेजिषीरन् |
| भेजिषीष्ठाः | भेजिषीयाथाम् | भेजिषीध्वम् |
| भेजिषीय | भेजिषीवहि | भेजिषीमहि |
| भ्व० भेजिता | भेजितारौ | भेजितारः |
| भेजितासे | भेजितासाथे | भेजिताध्वे |
| भेजिताहे | भेजितास्वहे | भेजितास्महे |
| भ० भेजिष्यते | भेजिष्येते | भेजिष्यन्ते |
| भेजिष्यसे | भेजिष्येथे | भेजिष्यध्वे |
| भेजिष्ये | भेजिष्यावहे | भेजिष्यामहे |
| क्रि० अभेजिष्यत | अभेजिष्येताम् | अभेजिष्यन्त |
| अभेजिष्यथाः | अभेजिष्येथाम् | अभेजिष्यध्वम् |
| अभेजिष्ये | अभेजिष्यावहि | अभेजिष्यामहि |

661 भ्राजि (भ्राज्) दीप्तौ ।

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० भ्राजते | भ्राजेते | भ्राजन्ते |
| भ्राजसे | भ्राजेथे | भ्राजध्वे |
| भ्राजे | भ्राजावहे | भ्राजामहे |
| स० भ्राजेत | भ्राजेयाताम् | भ्राजेरन् |
| भ्राजेथाः | भ्राजेयाथाम् | भ्राजेध्वम् |
| भ्राजेय | भ्राजेवहि | भ्राजेमहि |
| प० भ्राजताम् | भ्राजेताम् | भ्राजन्ताम् |
| भ्राजस्व | भ्राजेथाम् | भ्राजध्वम् |
| भ्राजे | भ्राजावहे | भ्राजामहे |
| ह्य० अभ्राजत | अभ्राजेताम् | अभ्राजन्त |
| अभ्राजथाः | अभ्राजेथाम् | अभ्राजध्वम् |
| अभ्राजे | अभ्राजावहि | अभ्राजामहि |
| अ० अभ्राजिष्ट | अभ्राजिषाताम् | अभ्राजिषन्त |
| अभ्राजिष्ठाः | अभ्राजिषाथाम् | अभ्राजिषध्वम् |
| अभ्राजिषि | अभ्राजिष्वहि | अभ्राजिष्महि |
| प० वभ्राजे | वभ्राजाते | वभ्राजिरे |
| वभ्राजिषे | वभ्राजाथे | वभ्राजिष्वे |
| वभ्राजे | वभ्राजिष्वहे | वभ्राजिषमहे |
| आ० भ्राजिषीष्ट | भ्राजिषीयाताम् | भ्राजिषीरन् |
| भ्राजिषीष्ठाः | भ्राजिषीयाथाम् | भ्राजिषीध्वम् |
| भ्राजिषीय | भ्राजिषीवहि | भ्राजिषीमहि |
| भ्व० भ्राजिता | भ्राजितारौ | भ्राजितारः |
| भ्राजितासे | भ्राजितासाथे | भ्राजिताध्वे |
| भ्राजिताहे | भ्राजितास्वहे | भ्राजितास्महे |
| भ० भ्राजिष्यते | भ्राजिष्येते | भ्राजिष्यन्ते |
| भ्राजिष्यसे | भ्राजिष्येथे | भ्राजिष्यध्वे |
| भ्राजिष्ये | भ्राजिष्यावहे | भ्राजिष्यामहे |
| क्रि० अभ्राजिष्यत | अभ्राजिष्येताम् | अभ्राजिष्यन्त |
| अभ्राजिष्यथाः | अभ्राजिष्येथाम् | अभ्राजिष्यध्वम् |
| अभ्राजिष्ये | अभ्राजिष्यावहि | अभ्राजिष्यामहि |

“जृप्तम्-” इत्यत्र राजिसहचरितस्यैव आ-
जेग्रहणादस्य पठ्यद्वित्वाभावविकल्पो न ।

662 इजुह (इज्जु) गतौ ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० इज्जते | इज्जते | इज्जन्ते |
| इज्जसे | इज्जथे | इज्जध्वे |
| इज्जे | इज्जावहे | इज्जामहे |
| स० इज्जत | इज्जताताम् | इज्जेरन् |
| इज्जथाः | इज्जयाथाम् | इज्जेध्वम् |
| इज्जेय | इज्जेवहि | इज्जेमहि |
| प० इज्जताम् | इज्जताम् | इज्जन्ताम् |
| इज्जस्व | इज्जथाम् | इज्जध्वम् |
| इज्जे | इज्जावहे | इज्जामहे |
| झ० पेज्जत | पेज्जताम् | पेज्जन्त |
| पेज्जथाः | पेज्जथाम् | पेज्जध्वम् |
| पेज्जे | पेज्जावहि | पेज्जामहि |
| अ० पेज्जिष्ट | पेज्जिषाताम् | पेज्जिषत |
| पेज्जिष्ठाः | पेज्जिषाथाम् | पेज्जिद्ध्वम् |
| | | ध्वम् |
| पेज्जिषि | पेज्जिष्वहि | पेज्जिष्महि |
| प० इज्जाश्चक्रे | इज्जाञ्चक्राते | इज्जाञ्चक्रिरे |
| इज्जाञ्चकृषे | इज्जाञ्चक्राथे | इज्जाञ्चकृध्वे |
| इज्जाञ्चक्रे | इज्जाञ्चकृवहे | इज्जाञ्चकृमहे |
| इज्जाम्बभूष | | इज्जामास । |
| आ० इज्जिषीष्ट | इज्जिषीयास्ताम् | इज्जिषीरन् |
| इज्जिषीष्ठाः | इज्जिषीयास्थाम् | इज्जिषीध्वम् |
| इज्जिषीय | इज्जिषीवहि | इज्जिषीमहि |
| भ० इज्जिता | इज्जितारौ | इज्जितारः |
| इज्जितासे | इज्जितासाथे | इज्जिताध्वे |
| इज्जिताहे | इज्जितास्वहे | इज्जितास्महे |
| भ० इज्जिष्यते | इज्जिष्येते | इज्जिष्यन्ते |
| इज्जिष्यसे | इज्जिष्येथे | इज्जिष्यध्वे |
| इज्जिष्ये | इज्जिष्यावहे | इज्जिष्यामहे |
| क्रि० पेज्जिष्यत | पेज्जिष्येताम् | पेज्जिष्यन्त |
| पेज्जिष्यथाः | पेज्जिष्येथाम् | पेज्जिष्यध्वम् |
| पेज्जिष्ये | पेज्जिष्यावहि | पेज्जिष्यामहि |

663 ईजि(इजू)कुत्सनेच। चकाराद्गतौ

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० ईजते | ईजते | ईजन्ते |
| ईजसे | ईजेथे | ईजध्वे |
| ईजे | ईजावहे | ईजामहे |
| स० ईजत | ईजेयाताम् | ईजेरन् |
| ईजेथाः | ईजेयाथाम् | ईजेध्वम् |
| ईजेय | ईजेवहि | ईजेमहि |
| प० ईजताम् | ईजेताम् | ईजन्ताम् |
| ईजस्व | ईजेथाम् | ईजध्वम् |
| ईजे | ईजावहे | ईजामहे |
| झ० पेजत | पेजेताम् | पेजन्त |
| पेजथाः | पेजेथाम् | पेजध्वम् |
| पेजे | पेजावहि | पेजामहि |
| अ० पेजिष्ट | पेजिषाताम् | पेजिषत |
| पेजिष्ठाः | पेजिषाथाम् | पेजिद्ध्वम् |
| | | ध्वम् |
| पेजिषि | पेजिष्वहि | पेजिष्महि |
| प० ईजाश्चक्रे | ईजाञ्चक्राते | ईजाञ्चक्रिरे |
| ईजाञ्चकृषे | ईजाञ्चक्राथे | ईजाञ्चकृध्वे |
| ईजाञ्चक्रे | ईजाञ्चकृवहे | ईजाञ्चकृमहे |
| ईजाम्बभूष | | ईजामास । |
| भ० ईजिषीष्ट | ईजिषीयास्ताम् | ईजिषीरन् |
| ईजिषीष्ठाः | ईजिषीयास्थाम् | ईजिषीध्वम् |
| ईजिषीय | ईजिषीवहि | ईजिषीमहि |
| भ० ईजिता | ईजितारौ | ईजितारः |
| ईजितासे | ईजितासाथे | ईजिताध्वे |
| ईजिताहे | ईजितास्वहे | ईजितास्महे |
| भ० ईजिष्यते | ईजिष्येते | ईजिष्यन्ते |
| ईजिष्यसे | ईजिष्येथे | ईजिष्यध्वे |
| ईजिष्ये | ईजिष्यावहे | ईजिष्यामहे |
| क्रि० पेजिष्यत | पेजिष्येताम् | पेजिष्यन्त |
| पेजिष्यथाः | पेजिष्येथाम् | पेजिष्यध्वम् |
| पेजिष्ये | पेजिष्यावहि | पेजिष्यामहि |

664 ऋजि (ऋज्) गतिस्थानाजनो-
र्जनेषु । ऊर्जनं प्राणनम् ।

| | | |
|-----------------|-----------------|---------------|
| व० अर्जते | अर्जेते | अर्जन्ते |
| अर्जसे | अर्जेथे | अर्जध्वे |
| अर्जे | अर्जावहे | अर्जामहे |
| स० अर्जेत | अर्जेयाताम् | अर्जेरन् |
| अर्जेथाः | अर्जेयाथाम् | अर्जेध्वम् |
| अर्जेय | अर्जेवहि | अर्जेमहि |
| प० अर्जताम् | अर्जेताम् | अर्जन्ताम् |
| अर्जस्व | अर्जेथाम् | अर्जध्वम् |
| अर्जे | अर्जावहे | अर्जामहे |
| झ० आर्जत | आर्जेताम् | आर्जन्त |
| आर्जथाः | आर्जेथाम् | आर्जध्वम् |
| आर्जे | आर्जावहि | आर्जामहि |
| अ० आर्जिष्ट | आर्जिषाताम् | आर्जिषत |
| आर्जिष्ठाः | आर्जिषाथाम् | आर्जि- |
| | | ड्ध्वम्-ध्वम् |
| आर्जिषि | आर्जिष्वहि | आर्जिष्महि |
| प० आनृजे | आनृजाते | आनृजिरे |
| आनृजिषे | आनृजाथे | आनृजिध्वे |
| आनृजे | आनृजिवहे | आनृजिमहे |
| आ० अर्जिषीष्ट | अर्जिषीयास्ताम् | अर्जिषीरन् |
| अर्जिषीष्ठाः | अर्जिषीयास्थाम् | अर्जिषीध्वम् |
| अर्जिषीय | अर्जिषीवहि | अर्जिषीमहि |
| अ० अर्जिता | अर्जितारो | अर्जितारः |
| अर्जितासे | अर्जितासाथे | अर्जिताध्वे |
| अर्जिताहे | अर्जितास्वहे | अर्जितास्महे |
| भ० अर्जिष्यते | अर्जिष्येते | अर्जिष्यन्ते |
| अर्जिष्यसे | अर्जिष्येथे | अर्जिष्यध्वे |
| अर्जिष्ये | अर्जिष्यावहे | अर्जिष्यामहे |
| क्रि० अर्जिष्यत | अर्जिष्येताम् | अर्जिष्यन्त |
| अर्जिष्यथाः | अर्जिष्येथाम् | अर्जिष्यध्वम् |
| अर्जिष्ये | अर्जिष्यावहि | अर्जिष्यामहि |

665 ऋजुङ् (ऋज्) भर्जने ।
भर्जनं पाकप्रकारः ।

| | | |
|-----------------|-----------------|---------------------|
| व० ऋज्जते | ऋज्जेते | ऋज्जन्ते |
| ऋज्जसे | ऋज्जेथे | ऋज्जध्वे |
| ऋज्जे | ऋज्जावहे | ऋज्जामहे |
| स० ऋज्जेत | ऋज्जेयाताम् | ऋज्जेरन् |
| ऋज्जेथाः | ऋज्जेयाथाम् | ऋज्जेध्वम् |
| ऋज्जेय | ऋज्जेवहि | ऋज्जेमहि |
| प० ऋज्जताम् | ऋज्जेताम् | ऋज्जन्ताम् |
| ऋज्जस्व | ऋज्जेथाम् | ऋज्जध्वम् |
| ऋज्जे | ऋज्जावहे | ऋज्जामहे |
| झ० भार्जत | भार्जेताम् | भार्जन्त |
| भार्जथाः | भार्जेथाम् | भार्जध्वम् |
| भार्जे | भार्जावहि | भार्जामहि |
| अ० भार्जिष्ट | भार्जिषाताम् | भार्जिषत |
| भार्जिष्ठाः | भार्जिषाथाम् | भार्जिड्ध्वम्-ध्वम् |
| भार्जिषि | भार्जिष्वहि | भार्जिष्महि |
| प० आनृज्जे | आनृज्जाते | आनृज्जिरे |
| आनृज्जिषे | आनृज्जाथे | आनृज्जिध्वे |
| आनृज्जे | आनृज्जिवहे | आनृज्जिमहे |
| आ० ऋज्जिषीष्ट | ऋज्जिषीयास्ताम् | ऋज्जिषीरन् |
| ऋज्जिषीष्ठाः | ऋज्जिषीयास्थाम् | ऋज्जिषीध्वम् |
| ऋज्जिषीय | ऋज्जिषीवहि | ऋज्जिषीमहि |
| अ० ऋज्जिता | ऋज्जितारो | ऋज्जितारः |
| ऋज्जितासे | ऋज्जितासाथे | ऋज्जिताध्वे |
| ऋज्जिताहे | ऋज्जितास्वहे | ऋज्जितास्महे |
| अ० ऋज्जिष्यते | ऋज्जिष्येते | ऋज्जिष्यन्ते |
| ऋज्जिष्यसे | ऋज्जिष्येथे | ऋज्जिष्यध्वे |
| ऋज्जिष्ये | ऋज्जिष्यावहे | ऋज्जिष्यामहे |
| क्रि० आर्जिष्यत | आर्जिष्येताम् | आर्जिष्यन्त |
| आर्जिष्यथाः | आर्जिष्येथाम् | आर्जिष्यध्वम् |
| आर्जिष्ये | आर्जिष्यावहि | आर्जिष्यामहि |

666 भृजैश्च (भृज्) भर्जने ।

भर्जनं पाकप्रकारः ।

ष० भर्जते भर्जेते भर्जन्ते
 भर्जसे भर्जेथे भर्जध्वे
 भर्जे भर्जावहे भर्जामहे
 स० भर्जेत भर्जेयाताम् भर्जेरन्
 भर्जेथाः भर्जेयाथाम् भर्जेध्वम्
 भर्जेय भर्जेवहि भर्जेमहि
 प० भर्जताम् भर्जताम् भर्जन्ताम्
 भर्जस्व भर्जथाम् भर्जध्वम्
 भर्जे भर्जावहे भर्जामहे
 १० अभर्जत अभर्जेताम् अभर्जन्त
 अभर्जथाः अभर्जेथाम् अभर्जध्वम्
 अभर्जे अभर्जावहि अभर्जामहि
 अ० अभर्जिष्ट अभर्जिषाताम् अभर्जिषत
 अभर्जिष्ठाः अभर्जिषाथाम् अभर्जि-
 ष्वम् भवम्
 अभर्जिष अभर्जिष्वहि अभर्जिषमहि
 प० बभृजे बभृजाते बभृजिरे
 बभृजिषे बभृजाथे बभृजिष्वे
 बभृजे बभृजिवहे बभृजिमहे
 ॥० भर्जिषीष्ट भर्जिषीयास्ताम् भर्जिषीरन्
 भर्जिषीष्ठाः भर्जिषीयास्थाम् भर्जिषीध्वम्
 भर्जिषीय भर्जिषीवहि भर्जिषीमहि
 २० भर्जिता भर्जितारौ भर्जितारः
 भर्जितासे भर्जितासाथे भर्जिताध्वे
 भर्जिताहे भर्जितास्वहे भर्जितास्महे
 भ० भर्जिष्यते भर्जिष्येते भर्जिष्यन्ते
 भर्जिष्यसे भर्जिष्येथे भर्जिष्यध्वे
 भर्जिष्ये भर्जिष्यावहे भर्जिष्यामहे
 अभर्जिष्यत अभर्जिष्येताम् अभर्जिष्यन्त
 अभर्जिष्यथाः अभर्जिष्येथाम् अभर्जिष्यध्वम्
 अभर्जिष्ये अभर्जिष्यावहि अभर्जिष्यामहि
 667 तिजि(तिज्-तिनिक्ष्) क्षमानिज्ञानयोः
 निज्ञानं तीक्ष्णीकरणम् । तत्र क्षान्तौ ।

ष० तितिक्षते तितिक्षेते तितिक्षन्ते
 तितिक्षसे तितिक्षेथे तितिक्षध्वे
 तितिक्षे तितिक्षावहे तितिक्षामहे
 स० तितिक्षेत तितिक्षेयाताम् तितिक्षेरन्
 तितिक्षेथाः तितिक्षेयाथाम् तितिक्षेध्वम्
 तितिक्षेय तितिक्षेवहि तितिक्षेमहि
 प० तितिक्षताम् तितिक्षेताम् तितिक्षन्ताम्
 तितिक्षस्व तितिक्षेथाम् तितिक्षध्वम्
 तितिक्षे तितिक्षावहे तितिक्षामहे
 अ० अतितिक्षत अतितिक्षेताम् अतितिक्षन्त
 अतितिक्षथाः अतितिक्षेथाम् अतितिक्षध्वम्
 अतितिक्षे अतितिक्षावहि अतितिक्षामहि
 अ० अतितिक्षिष्ट अतितिक्षिषाताम् अतितिक्षिषत
 अतितिक्षिष्ठाः अतितिक्षिषाथाम् अतितिक्षि-
 ष्वम् भवम्
 अतितिक्षिषि अतितिक्षिष्वहि अतितिक्षिषमहि
 प० तितिक्षाश्चक्रे तितिक्षाश्चक्राते तितिक्षाश्चक्रिरे
 तितिक्षाश्चकृषे तितिक्षाश्चक्राथे तितिक्षाश्चकृध्वे
 तितिक्षाश्चक्रे तितिक्षाश्चकृवहे तितिक्षाश्चकृमहे
 तितिक्षाम्भव । तितिक्षामास ।
 तितिक्षिषीष्ट तितिक्षिषीयास्ताम् तितिक्षिषीरन्
 तितिक्षिषीष्ठाः तितिक्षिषीयास्थाम् तितिक्षिषी-
 ध्वम्
 तितिक्षिषीय तितिक्षिषीवहि तितिक्षिषीमहि
 अ० तितिक्षिता तितिक्षितारौ तितिक्षितारः
 तितिक्षितासे तितिक्षितासाथे तितिक्षिताध्वे
 तितिक्षिताहे तितिक्षितास्वहे तितिक्षितास्महे
 भ० तितिक्षिष्यते तितिक्षिष्येते तितिक्षिष्यन्ते
 तितिक्षिष्यसे तितिक्षिष्येथे तितिक्षिष्यध्वे
 तितिक्षिष्ये तितिक्षिष्यावहे तितिक्षिष्यामहे
 क्रि० अतितिक्षिष्यत अतितिक्षिष्येताम्
 अतितिक्षिष्यन्त अतितिक्षिष्यथाः
 अतितिक्षिष्येथाम् अतितिक्षिष्यध्वम्
 अतितिक्षिष्ये अतितिक्षिष्यावहि
 अतितिक्षिष्यामहि

667-1 तिजि (तिज्) निशाने तु ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० तेजते | तेजेते | तेजन्ते |
| तेजसे | तेजेथे | तेजध्वे |
| तेजे | तेजावहे | तेजामहे |
| स० तेजेत | तेजेयाताम् | तेजेरन |
| तेजेथाः | तेजेयाथाम् | तेजेध्वम् |
| तेजेय | तेजेवहि | तेजेमहि |
| प० तेजाम् | तेजेताम् | तेजन्ताम् |
| तेजस्व | तेजेथाम् | तेजध्वम् |
| तेजे | तेजावहे | तेजामहे |
| झ० अतेजत | अतेजेताम् | अतेजन्त |
| अतेजथाः | अतेजेथाम् | अतेजध्वम् |
| अतेजे | अतेजावहि | अतेजामहि |
| अ० अतेजिष्ट | अतेजिषाताम् | अतेजिषत |
| अतेजिष्ठाः | अतेजिषाथाम् | अतेजिद्ध्वम् |
| | | ध्वम् |
| | अतेजिषि | अतेजिष्वहि |
| | अतेजिषमहि | |
| प० तितिजे | तितिजाते | तितिजिरे |
| तितिजिषे | तितिजाथे | तितिजिध्वे |
| तितिजे | तितिजिवहे | तितिजिमहे |
| आ० तेजिषीष्ट | तेजिषीयास्ताम् | तेजिषीरन |
| तेजिषीष्ठाः | तेजिषीयास्थाम् | तेजिषीध्वम् |
| तेजिषीय | तेजिषीवहि | तेजिषीमहि |
| भ्व० तेजिता | तेजितारौ | तेजितारः |
| तेजितासे | तेजितासाथे | तेजिताध्वे |
| तेजिताहे | तेजितास्वहे | तेजितास्महे |
| भ० तेजिष्यते | तेजिष्येते | तेजिष्यन्ते |
| तेजिष्यसे | तेजिष्येथे | तेजिष्यध्वे |
| तेजिष्ये | तेजिष्यावहे | तेजिष्यामहे |
| क्रि० अतेजिष्यत | अतेजिष्येताम् | अतेजिष्यन्त |
| अतेजिष्यथाः | अतेजिष्येथाम् | अतेजिष्यध्वम् |
| अतेजिष्ये | अतेजिष्यावहि | अतेजिष्यामहि |

अथ दान्ताः सप्त सेटश्च ।

668 घट्टि (घट्ट) चलने ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ब० घट्टते | घट्टेते | घट्टन्ते |
| घट्टसे | घट्टेथे | घट्टध्वे |
| घट्टे | घट्टावहे | घट्टामहे |
| स० घट्टेत | घट्टेयाताम् | घट्टेरन |
| घट्टेथाः | घट्टेयाथाम् | घट्टेध्वम् |
| घट्टेय | घट्टेवहि | घट्टेमहि |
| प० घट्टताम् | घट्टेताम् | घट्टन्ताम् |
| घट्टस्व | घट्टेथाम् | घट्टध्वम् |
| घट्टे | घट्टावहे | घट्टामहे |
| झ० अघट्टत | अघट्टेताम् | अघट्टन्त |
| अघट्टथाः | अघट्टेथाम् | अघट्टध्वम् |
| अघट्टे | अघट्टावहि | अघट्टामहि |
| अ० अघट्टिष्ट | अघट्टिषाताम् | अघट्टिषत |
| अघट्टिष्ठाः | अघट्टिषाथाम् | अघट्टिद्ध्वम् |
| | | ध्वम् |
| | अघट्टिषि | अघट्टिष्वहि |
| | अघट्टिषमहि | |
| प० जघट्टे | जघट्टाते | जघट्टिरे |
| जघट्टिषे | जघट्टाथे | जघट्टिध्वे |
| जघट्टे | जघट्टिवहे | जघट्टिमहे |
| आ० घट्टिषीष्ट | घट्टिषीयास्ताम् | घट्टिषीरन |
| घट्टिषीष्ठाः | घट्टिषीयास्थाम् | घट्टिषीध्वम् |
| घट्टिषीय | घट्टिषीवहि | घट्टिषीमहि |
| भ्व० घट्टिता | घट्टितारौ | घट्टितारः |
| घट्टितासे | घट्टितासाथे | घट्टिताध्वे |
| घट्टिताहे | घट्टितास्वहे | घट्टितास्महे |
| भ० घट्टिष्यते | घट्टिष्येते | घट्टिष्यन्ते |
| घट्टिष्यसे | घट्टिष्येथे | घट्टिष्यध्वे |
| घट्टिष्ये | घट्टिष्यावहे | घट्टिष्यामहे |
| क्रि० अघट्टिष्यत | अघट्टिष्येताम् | अघट्टिष्यन्त |
| अघट्टिष्यथाः | अघट्टिष्येथाम् | अघट्टिष्यध्वम् |
| अघट्टिष्ये | अघट्टिष्यावहि | अघट्टिष्यामहि |

669 स्फुटि (स्फुट्) विकसने ।

| | | |
|--------------------------------|------------------|-----------------|
| व० स्फोटते | स्फोटते | स्फोटन्ते |
| स्फोटसे | स्फोटथे | स्फोटध्वे |
| स्फोटे | स्फोटावहे | स्फोटामहे |
| स० स्फोटत | स्फोटयाताम् | स्फोटरन् |
| स्फोटथाः | स्फोटयाथाम् | स्फोटध्वम् |
| स्फोटय | स्फोटयहि | स्फोटेमहि |
| प० स्फोटताम् | स्फोटताम् | स्फोटन्ताम् |
| स्फोटस्व | स्फोटथाम् | स्फोटध्वम् |
| स्फोटे | स्फोटावहे | स्फोटामहे |
| झ० अस्फोटत | अस्फोटताम् | अस्फोटन्त |
| अस्फोटथाः | अस्फोटथाम् | अस्फोटध्वम् |
| अस्फोटे | अस्फोटावहि | अस्फोटामहि |
| अ० अस्फोटिष्ट | अस्फोटिषाताम् | अस्फोटिषत |
| अस्फोटिष्ठाः | अस्फोटिषाथाम् | अस्फोटिड्ध्वम् |
| अस्फोटिषि | अस्फोटिष्वहि | अस्फोटिष्महि |
| प० पुस्फुटे | पुस्फुटाते | पुस्फुटिरे |
| पुस्फुटिषे | पुस्फुटाथे | पुस्फुटिध्वे |
| पुस्फुटे | पुस्फुटावहे | पुस्फुटिमहे |
| अ० स्फोटिषीष्टस्फोटिषीयास्ताम् | स्फोटिषीरन् | |
| स्फोटिषीष्ठाः | स्फोटिषीयास्थाम् | स्फोटिषीध्वम् |
| स्फोटिषीय | स्फोटिषीवहि | स्फोटिषीमहि |
| झ० स्फोटिता | स्फोटितारौ | स्फोटितारः |
| स्फोटितासे | स्फोटितासाथे | स्फोटिताध्वे |
| स्फोटिताहे | स्फोटितावहे | स्फोटितामहे |
| अ० स्फोटिष्यते | स्फोटिष्येते | स्फोटिष्यन्ते |
| स्फोटिष्यसे | स्फोटिष्येथे | स्फोटिष्यध्वे |
| स्फोटिष्ये | स्फोटिष्यावहे | स्फोटिष्यामहे |
| अस्फोटिष्यत | अस्फोटिष्येताम् | अस्फोटिष्यन्त |
| अस्फोटिष्यथाः | अस्फोटिष्येथाम् | अस्फोटिष्यध्वम् |
| अस्फोटिष्ये | अस्फोटिष्यावहि | अस्फोटिष्यामहि |

670 चेष्टि (चेष्ट्) चेष्टायाम् ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| | चेष्टेहा । | |
| व० चोष्टते | चोष्टते | चोष्टन्ते |
| चोष्टसे | चोष्टथे | चोष्टध्वे |
| चोष्टे | चोष्टावहे | चोष्टामहे |
| स० चोष्टत | चोष्टयाताम् | चोष्टेरन् |
| चोष्टथाः | चोष्टयाथाम् | चोष्टध्वम् |
| चोष्टय | चोष्टयहि | चोष्टेमहि |
| प० चोष्टताम् | चोष्टताम् | चोष्टन्ताम् |
| चोष्टस्व | चोष्टथाम् | चोष्टध्वम् |
| चोष्टे | चोष्टावहे | चोष्टामहे |
| झ० अचोष्टत | अचोष्टताम् | अचोष्टन्त |
| अचोष्टथाः | अचोष्टथाम् | अचोष्टध्वम् |
| अचोष्टे | अचोष्टावहि | अचोष्टामहि |
| अ० अचोष्टिष्ट | अचोष्टिषाताम् | अचोष्टिषत |
| अचोष्टिष्ठाः | अचोष्टिषाथाम् | अचोष्टिड्ध्वम् |
| अचोष्टिषि | अचोष्टिष्वहि | अचोष्टिष्महि |
| प० चिचोष्टे | चिचोष्टाते | चिचोष्टिरे |
| चिचोष्टिषे | चिचोष्टाथे | चिचोष्टिध्वे |
| चिचोष्टे | चिचोष्टावहे | चिचोष्टिमहे |
| आ० चोष्टिषीष्ट | चोष्टिषीयास्ताम् | चोष्टिषीरन् |
| चोष्टिषीष्ठाः | चोष्टिषीयास्थाम् | चोष्टिषीध्वम् |
| चोष्टिषीय | चोष्टिषीवहि | चोष्टिषीमहि |
| झ० चेष्टिता | चेष्टितारौ | चेष्टितारः |
| चेष्टितासे | चेष्टितासाथे | चेष्टिताध्वे |
| चेष्टिताहे | चेष्टितावहे | चेष्टितामहे |
| अ० चेष्टिष्यते | चेष्टिष्येते | चेष्टिष्यन्ते |
| चेष्टिष्यसे | चेष्टिष्येथे | चेष्टिष्यध्वे |
| चेष्टिष्ये | चेष्टिष्यावहे | चेष्टिष्यामहे |
| क्रि० अचेष्टिष्यत | अचेष्टिष्येताम् | अचेष्टिष्यन्त |
| अचेष्टिष्यथाः | अचेष्टिष्येथाम् | अचेष्टिष्यध्वम् |
| अचेष्टिष्ये | अचेष्टिष्यावहि | अचेष्टिष्यामहि |

671 गोष्टि (गोष्) सङ्घाते ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| ४० गोष्टे | गोष्ठे | गोष्ठते |
| गोष्ठसे | गोष्ठे | गोष्ठवे |
| गोष्ठे | गोष्ठिह | गोष्ठिमहि |
| स० गोष्ठत | गोष्ठयाताम् | गोष्ठेरन |
| गोष्ठेथाः | गोष्ठेयाथाम् | गोष्ठेध्वम् |
| गोष्ठेय | गोष्ठेवहि | गोष्ठेमहि |
| ५० गोष्ठताम् | गोष्ठेताम् | गोष्ठन्ताम् |
| गोष्ठस्व | गोष्ठेथाम् | गोष्ठेध्वम् |
| गोष्ठै | गोष्ठिह | गोष्ठिमहि |
| झ० अगोष्ठत | अगोष्ठेताम् | अगोष्ठन्त |
| अगोष्ठेथाः | अगोष्ठेथाम् | अगोष्ठेध्वम् |
| अगोष्ठे | अगोष्ठिह | अगोष्ठिमहि |
| अ० अगोष्ठित | अगोष्ठिताताम् | अगोष्ठित |
| अगोष्ठित्ताः | अगोष्ठिताथाम् | अगोष्ठित्त्वम् |
| अगोष्ठित्वि | अगोष्ठित्विह | अगोष्ठित्विमहि |
| ५० जुगोष्ठे | जुगोष्ठाते | जुगोष्ठिरे |
| जुगोष्ठिसे | जुगोष्ठिथे | जुगोष्ठिध्वे |
| जुगोष्ठे | जुगोष्ठिह | जुगोष्ठिमहि |
| आ० गोष्ठिषीष्ट | गोष्ठिषीयास्ताम् | गोष्ठिषीरन् |
| गोष्ठिषीष्ठाः | गोष्ठिषीयाथाम् | गोष्ठिषीध्वम् |
| गोष्ठिषीष | गोष्ठिषीवहि | गोष्ठिषीमहि |
| २४० गोष्ठिता | गोष्ठितारौ | गोष्ठितारः |
| गोष्ठितासे | गोष्ठितासाथे | गोष्ठिताध्वे |
| गोष्ठिताहे | गोष्ठितास्वहे | गोष्ठितास्महे |
| भ० गोष्ठिष्यते | गोष्ठिष्येते | गोष्ठिष्यन्ते |
| गोष्ठिष्यसे | गोष्ठिष्येथे | गोष्ठिष्यध्वे |
| गोष्ठिष्ये | गोष्ठिष्यावहि | गोष्ठिष्यामहि |
| क्रि० अगोष्ठिष्यत | अगोष्ठिष्येताम् | अगोष्ठिष्यन्त |
| अगोष्ठिष्यथाः | अगोष्ठिष्येथाम् | अगोष्ठिष्यध्वम् |
| अगोष्ठिष्ये | अगोष्ठिष्यावहि | अगोष्ठिष्यामहि |

672 लोष्टि (लोष्) संघाते ।

| | | |
|----------------|------------------|-----------------|
| ४० लोष्टे | लोष्ठे | लोष्ठन्ते |
| लोष्ठसे | लोष्ठे | लोष्ठवे |
| लोष्ठे | लोष्ठावहि | लोष्ठामहि |
| स० लोष्ठत | लोष्ठेयाताम् | लोष्ठेरन् |
| लोष्ठेथाः | लोष्ठेयाथाम् | लोष्ठेध्वम् |
| लोष्ठेय | लोष्ठेवहि | लोष्ठेमहि |
| ५० लोष्ठताम् | लोष्ठेताम् | लोष्ठन्ताम् |
| लोष्ठस्व | लोष्ठेथाम् | लोष्ठेध्वम् |
| लोष्ठै | लोष्ठावहि | लोष्ठामहि |
| झ० अलोष्ठत | अलोष्ठेताम् | अलोष्ठन्त |
| अलोष्ठेथाः | अलोष्ठेथाम् | अलोष्ठेध्वम् |
| अलोष्ठे | अलोष्ठावहि | अलोष्ठामहि |
| अ० अलोष्ठित | अलोष्ठिताताम् | अलोष्ठित |
| अलोष्ठित्ताः | अलोष्ठिताथाम् | अलोष्ठित्त्वम् |
| अलोष्ठित्वि | अलोष्ठित्विह | अलोष्ठित्विमहि |
| ५० लुलोष्ठे | लुलोष्ठाते | लुलोष्ठिरे |
| लुलोष्ठिसे | लुलोष्ठिथे | लुलोष्ठिध्वे |
| लुलोष्ठे | लुलोष्ठिह | लुलोष्ठिमहि |
| आ० लोष्टिषीष्ट | लोष्टिषीयास्ताम् | लोष्टिषीरन् |
| लोष्टिषीष्ठाः | लोष्टिषीयाथाम् | लोष्टिषीध्वम् |
| लोष्टिषीष | लोष्टिषीवहि | लोष्टिषीमहि |
| २४० लोष्टिता | लोष्टितारौ | लोष्टितारः |
| लोष्टितासे | लोष्टितासाथे | लोष्टिताध्वे |
| लोष्टिताहे | लोष्टितास्वहे | लोष्टितास्महे |
| भ० लोष्टिष्यते | लोष्टिष्येते | लोष्टिष्यन्ते |
| लोष्टिष्यसे | लोष्टिष्येथे | लोष्टिष्यध्वे |
| लोष्टिष्ये | लोष्टिष्यावहि | लोष्टिष्यामहि |
| अलोष्टिष्यत | अलोष्टिष्येताम् | अलोष्टिष्यन्त |
| अलोष्टिष्यथाः | अलोष्टिष्येथाम् | अलोष्टिष्यध्वम् |
| अलोष्टिष्ये | अलोष्टिष्यावहि | अलोष्टिष्यामहि |

673 वेष्टि (वेष्ट्) वेष्टने ।

वेष्टनं ग्रन्थनं छोटनं परिहाणिश्च ।

| | | |
|----------------|-----------------|-----------------|
| ष० वेष्टते | वेष्टते | वेष्टन्ते |
| वेष्टसे | वेष्टथे | वेष्टध्वे |
| वेष्टे | वेष्टावहे | वेष्टामहे |
| स० वेष्टेत् | वेष्टेयाताम् | वेष्टेरन् |
| वेष्टेथाः | वेष्टेयाथाम् | वेष्टेध्वम् |
| वेष्टेय | वेष्टेयहि | वेष्टेमहि |
| प० वेष्टताम् | वेष्टताम् | वेष्टन्ताम् |
| वेष्टस्व | वेष्टेथाम् | वेष्टध्वम् |
| वेष्टे | वेष्टावहे | वेष्टामहे |
| झ० अवेष्टत | अवेष्टताम् | अवेष्टन्त |
| अवेष्टथाः | अवेष्टेथाम् | अवेष्टध्वम् |
| अवेष्टे | अवेष्टावहि | अवेष्टामहि |
| अ० अवेष्टिष्यत | अवेष्टिष्यताम् | अवेष्टिष्यन्त |
| अवेष्टिष्यताः | अवेष्टिष्यथाम् | अवेष्टिष्यध्वम् |
| अवेष्टिष्ये | अवेष्टिष्यवहि | अवेष्टिष्यामहि |
| प० विवेष्टे | विवेष्टते | विवेष्टिरे |
| विवेष्टिसे | विवेष्टथे | विवेष्टध्वे |
| विवेष्टे | विवेष्टावहे | विवेष्टामहे |
| आ० वेष्टिषीष्ट | वेष्टिषीस्ताम् | वेष्टिषीरन् |
| वेष्टिषीष्टाः | वेष्टिषीस्थां | वेष्टिषीध्वम् |
| वेष्टिषीय | वेष्टिषीवहि | वेष्टिषीमहि |
| प्र० वेष्टिता | वेष्टितारौ | वेष्टितारः |
| वेष्टितासे | वेष्टितासाथे | वेष्टिताध्वे |
| वेष्टिताहे | वेष्टितास्वहे | वेष्टितास्महे |
| भ० वेष्टिष्यते | वेष्टिष्येते | वेष्टिष्यन्ते |
| वेष्टिष्यसे | वेष्टिष्येथे | वेष्टिष्यध्वे |
| वेष्टिष्ये | वेष्टिष्यावहे | वेष्टिष्यामहे |
| अवेष्टिष्यत | अवेष्टिष्यताम् | अवेष्टिष्यन्त |
| अवेष्टिष्यथाः | अवेष्टिष्येथाम् | अवेष्टिष्यध्वम् |
| अवेष्टिष्ये | अवेष्टिष्यावहि | अवेष्टिष्यामहि |

674 अट्टि (अट्ट्) हिंसाति-

क्रमयोः । अतिक्रम उल्लङ्घनम् ।

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| ष० अट्टते | अट्टते | अट्टन्ते |
| अट्टसे | अट्टथे | अट्टध्वे |
| अट्टे | अट्टावहे | अट्टामहे |
| स० अट्टेत् | अट्टेयाताम् | अट्टेरन् |
| अट्टेथाः | अट्टेयाथाम् | अट्टेध्वम् |
| अट्टेय | अट्टेयहि | अट्टेमहि |
| प० अट्टताम् | अट्टताम् | अट्टन्ताम् |
| अट्टस्व | अट्टेथाम् | अट्टध्वम् |
| अट्टे | अट्टावहे | अट्टामहे |
| झ० आट्टित | आट्टिताम् | आट्टित |
| आट्टिथाः | आट्टेथाम् | आट्टिध्वम् |
| आट्टे | आट्टावहि | आट्टामहि |
| अ० आट्टिष्यत | आट्टिष्यताम् | आट्टिष्यन्त |
| आट्टिष्यताः | आट्टिष्यथाम् | आट्टिष्यध्वम् |
| आट्टिष्ये | आट्टिष्यवहि | आट्टिष्यामहि |
| प० आनट्टे | आनट्टते | आनट्टिरे |
| आनट्टिसे | आनट्टथे | आनट्टिध्वे |
| आनट्टे | आनट्टावहे | आनट्टामहे |
| आ० अट्टिषीष्ट | अट्टिषीस्ताम् | अट्टिषीरन् |
| अट्टिषीष्टाः | अट्टिषीस्थां | अट्टिषीध्वम् |
| अट्टिषीय | अट्टिषीवहि | अट्टिषीमहि |
| भ० अट्टिता | अट्टितारौ | अट्टितारः |
| अट्टितासे | अट्टितासाथे | अट्टिताध्वे |
| अट्टिताहे | अट्टितास्वहे | अट्टितास्महे |
| भ० अट्टिष्यते | अट्टिष्येते | अट्टिष्यन्ते |
| अट्टिष्यसे | अट्टिष्येथे | अट्टिष्यध्वे |
| अट्टिष्ये | अट्टिष्यावहे | अट्टिष्यामहे |
| क्रि० आट्टिष्यत | आट्टिष्यताम् | आट्टिष्यन्त |
| आट्टिष्यथाः | आट्टिष्येथाम् | आट्टिष्यध्वम् |
| आट्टिष्ये | आट्टिष्यावहि | आट्टिष्यामहि |

675 एठि (एट्) विबाधायाम् ।

अथ णान्ताः सप्त सेटश्च ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| ष० एठते | पठेते | पठन्ते |
| एठसे | पठेथे | पठध्वे |
| एठे | पठावहे | पठामहे |
| स० पठेत | पठेयाताम् | पठेरन् |
| पठेथाः | पठेयाथाम् | पठेध्वम् |
| पठेयः | पठेवहि | पठेमहि |
| प० पठताम् | पठेताम् | पठन्ताम् |
| पठस्व | पठेथाम् | पठध्वम् |
| पठे | पठावहे | पठामहे |
| झ० पेटेत | पेटेताम् | पेटन्त |
| पेटेथाः | पेटेथाम् | पेटेध्वम् |
| पेटे | पेटावहि | पेटामहि |
| अ० पेटिष्ट | पेटिषाताम् | पेटिषन्त |
| पेटिष्टाः | पेटिषाथाम् | पेटिष्टध्वम् |
| पेटिषि | पेटिष्वहि | पेटिषमहि |
| प० पठाञ्चक्रे | पठाञ्चक्राते | पठाञ्चक्रिरे |
| पठाञ्चकृषे | पठाञ्चक्राथे | पठाञ्चकृध्वे |
| पठाञ्चक्रे | पठाञ्चकृवहे | पठाञ्चकृमहे |
| पठाम्बभूव | पठामात | |
| आ० पठिषीष्ट | पठिषीयास्ताम् | पठिषीरन् |
| पठिषीष्टाः | पठिषीयास्थाम् | पठिषीध्वम् |
| पठिषीय | पठिषीवहि | पठिषीमहि |
| श्व० पठिता | पठितारौ | पठितारः |
| पठितासे | पठितासाथे | पठिताध्वे |
| पठिताहे | पठितास्वहे | पठितास्महे |
| भ० पठिष्यते | पठिष्येते | पठिष्यन्ते |
| पठिष्यसे | पठिष्येथे | पठिष्यध्वे |
| पठिष्ये | पठिष्यावहे | पठिष्यामहे |
| क्रि० पेटिष्यत | पेटिष्येताम् | पेटिष्यन्त |
| पेटिष्यथाः | पेटिष्येथाम् | पेटिष्यध्वम् |
| पेटिष्ये | पेटिष्यावहि | पेटिष्यामहि |

676 हेठि (हेट्) विबाधायाम् ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ष० हेठते | हेठेते | हेठन्ते |
| हेठसे | हेठेथे | हेठध्वे |
| हेठे | हेठावहे | हेठामहे |
| स० हेठेत | हेठेयाताम् | हेठेरन् |
| हेठेथाः | हेठेयाथाम् | हेठेध्वम् |
| हेठेयः | हेठेवहि | हेठेमहि |
| प० हेठताम् | हेठेताम् | हेठन्ताम् |
| हेठस्व | हेठेथाम् | हेठध्वम् |
| हेठे | हेठावहे | हेठामहे |
| झ० अहेठत | अहेठेताम् | अहेठन्त |
| अहेठथाः | अहेठेथाम् | अहेठध्वम् |
| अहेठे | अहेठावहि | अहेठामहि |
| अ० अहेठिष्ट | अहेठिषाताम् | अहेठिषन्त |
| अहेठिष्टाः | अहेठिषाथाम् | अहेठिष्टध्वम् |
| अहेठिषि | अहेठिष्वहि | अहेठिषमहि |
| प० जिहेठे | जिहेठाते | जिहेठिरे |
| जिहेठिषे | जिहेठाथे | जिहेठिध्वे |
| जिहेठे | जिहेठिवहे | जिहेठिमहे |
| आ० हेठिषीष्ट | हेठिषीयास्ताम् | हेठिषीरन् |
| हेठिषीष्टाः | हेठिषीयास्थाम् | हेठिषीध्वम् |
| हेठिषीय | हेठिषीवहि | हेठिषीमहि |
| श्व० हेठिता | हेठितारौ | हेठितारः |
| हेठितासे | हेठितासाथे | हेठिताध्वे |
| हेठिताहे | हेठितास्वहे | हेठितास्महे |
| भ० हेठिष्यते | हेठिष्येते | हेठिष्यन्ते |
| हेठिष्यसे | हेठिष्येथे | हेठिष्यध्वे |
| हेठिष्ये | हेठिष्यावहे | हेठिष्यामहे |
| क्रि० अहेठिष्यत | अहेठिष्येताम् | अहेठिष्यन्त |
| अहेठिष्यथाः | अहेठिष्येथाम् | अहेठिष्यध्वम् |
| अहेठिष्ये | अहेठिष्यावहि | अहेठिष्यामहि |

677 मटुङ्ग (मण्ट्) शोके ।

शोकोऽत्राध्यानमुत्कण्ठेत्यर्थः ॥

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० मण्टते | मण्टेते | मण्टन्ते |
| मण्टसे | मण्टेथे | मण्टध्वे |
| मण्टे | मण्टावहे | मण्टामहे |
| स० मण्टेत | मण्टेयाताम् | मण्टेरन् |
| मण्टेथाः | मण्टेयाथाम् | मण्टेध्वम् |
| मण्टेय | मण्टेवहि | मण्टेमहि |
| प० मण्टताम् | मण्टेताम् | मण्टन्ताम् |
| मण्टस्व | मण्टेथाम् | मण्टध्वम् |
| मण्टै | मण्टावहै | मण्टामहै |
| झ० अमण्टत | अमण्टेताम् | अमण्टन्त |
| अमण्टथाः | अमण्टेथाम् | अमण्टध्वम् |
| अमण्टे | अमण्टावहि | अमण्टामहि |
| अ० अमण्टिष्ट | अमण्टिषाताम् | अमण्टिषन् |
| अमण्टिष्टाः | अमण्टिषाथाम् | अमण्टिष्टध्वम् |
| अमण्टिषे | अमण्टिषवहि | अमण्टिषमहि |
| प० ममण्टे | ममण्टाते | ममण्टिरे |
| ममण्टिषे | ममण्टाथे | ममण्टिध्वे |
| ममण्टे | ममण्टिवहे | ममण्टिमहे |
| ० मण्टिषीष्ट | मण्टिषीयास्ताम् | मण्टिषीरन् |
| मण्टिषीष्टाः | मण्टिषीयास्थाम् | मण्टिषीध्वम् |
| मण्टिषीय | मण्टिषीवहि | मण्टिषीमहि |
| श्व० मण्टिता | मण्टितारौ | मण्टितारः |
| मण्टितासे | मण्टितासाथे | मण्टिताध्वे |
| मण्टिताहे | मण्टितास्वहे | मण्टितास्महे |
| भ० मण्टिष्यते | मण्टिष्येते | मण्टिष्यन्ते |
| मण्टिष्यसे | मण्टिष्येथे | मण्टिष्यध्वे |
| मण्टिष्ये | मण्टिष्यावहे | मण्टिष्यामहे |
| क्रि० अमण्टिष्यन्त | अमण्टिष्येताम् | अमण्टिष्यन्त |
| अमण्टिष्यथाः | अमण्टिष्येथाम् | अमण्टिष्यध्वम् |
| अमण्टिष्ये | अमण्टिष्यावहि | अमण्टिष्यामहि |

678 कटुङ्ग (कण्ट्) शोके ।

शोकोऽत्राध्यानमुत्कण्ठेत्यर्थः ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० कण्टते | कण्टेते | कण्टन्ते |
| कण्टसे | कण्टेथे | कण्टध्वे |
| कण्टे | कण्टावहे | कण्टामहे |
| स० कण्टेत | कण्टेयाताम् | कण्टेरन् |
| कण्टेथाः | कण्टेयाथाम् | कण्टेध्वम् |
| कण्टेय | कण्टेवहि | कण्टेमहि |
| प० कण्टताम् | कण्टेताम् | कण्टन्ताम् |
| कण्टस्व | कण्टेथाम् | कण्टध्वम् |
| कण्टै | कण्टावहै | कण्टामहै |
| झ० अकण्टत | अकण्टेताम् | अकण्टन्त |
| अकण्टथाः | अकण्टेथाम् | अकण्टध्वम् |
| अकण्टे | अकण्टावहि | अकण्टामहि |
| अ० अकण्टिष्ट | अकण्टिषाताम् | अकण्टिषन् |
| अकण्टिष्टाः | अकण्टिषाथाम् | अकण्टिष्टध्वम् |
| अकण्टिषे | अकण्टिषवहि | अकण्टिषमहि |
| प० चकण्टे | चकण्टाते | चकण्टिरे |
| चकण्टिषे | चकण्टाथे | चकण्टिध्वे |
| चकण्टे | चकण्टिवहे | चकण्टिमहे |
| आ० कण्टिषीष्ट | कण्टिषीयास्ताम् | कण्टिषीरन् |
| कण्टिषीष्टाः | कण्टिषीयास्थाम् | कण्टिषीध्वम् |
| कण्टिषीय | कण्टिषीवहि | कण्टिषीमहि |
| श्व० कण्टिता | कण्टितारौ | कण्टितारः |
| कण्टितासे | कण्टितासाथे | कण्टिताध्वे |
| कण्टिताहे | कण्टितास्वहे | कण्टितास्महे |
| भ० कण्टिष्यते | कण्टिष्येते | कण्टिष्यन्ते |
| कण्टिष्यसे | कण्टिष्येथे | कण्टिष्यध्वे |
| कण्टिष्ये | कण्टिष्यावहे | कण्टिष्यामहे |
| क्रि० अकण्टिष्यन्त | अकण्टिष्येताम् | अकण्टिष्यन्त |
| अकण्टिष्यथाः | अकण्टिष्येथाम् | अकण्टिष्यध्वम् |
| अकण्टिष्ये | अकण्टिष्यावहि | अकण्टिष्यामहि |

679 मुटुङ् (मुण्ट्) पलायने

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० मुण्टते | मुण्टेते | मुण्टन्ते |
| मुण्टसे | मुण्टेथे | मुण्टध्वे |
| मुण्टे | मुण्टावहे | मुण्टामहे |
| स० मुण्टेत | मुण्टेयाताम् | मुण्टेरन् |
| मुण्टेथाः | मुण्टेयाथाम् | मुण्टेध्वम् |
| मुण्टेय | मुण्टेवहि | मुण्टेमहि |
| प० मुण्टताम् | मुण्टताम् | मुण्टन्ताम् |
| मुण्टस्व | मुण्टेथाम् | मुण्टध्वम् |
| मुण्टे | मुण्टावहे | मुण्टामहे |
| झ० अमुण्टत | अमुण्टेताम् | अमुण्टन्त |
| अमुण्टथाः | अमुण्टेथाम् | अमुण्टध्वम् |
| अमुण्टे | अमुण्टावहि | अमुण्टामहि |
| अ० अमुण्टिष्ट | अमुण्टिषाताम् | अमुण्टिषत |
| अमुण्टिष्ठाः | अमुण्टिषाथाम् | अमुण्टिद्ध्वम् |
| अमुण्टिषि | अमुण्टिष्वहि | अमुण्टिष्महि |
| प० मुमुण्टे | मुमुण्टाते | मुमुण्टरे |
| मुमुण्टिषे | मुमुण्टाथे | मुमुण्टिध्वे |
| मुमुण्टे | मुमुण्टिवहे | मुमुण्टिमहे |
| आ० मुण्टिषीष्ट | मुण्टिषीयास्ताम् | मुण्टिषीरन् |
| मुण्टिषीष्ठाः | मुण्टिषीयास्थाम् | मुण्टिषीध्वम् |
| मुण्टिषीय | मुण्टिषीवहि | मुण्टिषीमहि |
| श्व० मुण्टिता | मुण्टितारौ | मुण्टितारः |
| मुण्टितासे | मुण्टितासाथे | मुण्टिताध्वे |
| मुण्टिताहे | मुण्टितास्वहे | मुण्टितास्महे |
| भ० मुण्टिष्यते | मुण्टिष्येते | मुण्टिष्यन्ते |
| मुण्टिष्यसे | मुण्टिष्येथे | मुण्टिष्यध्वे |
| मुण्टिष्ये | मुण्टिष्यावहे | मुण्टिष्यामहे |
| क्रि० अमुण्टिष्यत | अमुण्टिष्येताम् | अमुण्टिष्यन्त |
| अमुण्टिष्यथाः | अमुण्टिष्येथाम् | अमुण्टिष्यध्वम् |
| अमुण्टिष्ये | अमुण्टिष्यावहि | अमुण्टिष्यामहि |

680 वटुङ् (वण्ट्) एकचर्यायाम् ।

एकस्य असहायस्य चर्या गतिस्तस्याम् ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० वण्टते | वण्टेते | वण्टन्ते |
| वण्टसे | वण्टेथे | वण्टध्वे |
| वण्टे | वण्टावहे | वण्टामहे |
| स० वण्टेत | वण्टेयाताम् | वण्टेरन् |
| वण्टेथाः | वण्टेयाथाम् | वण्टेध्वम् |
| वण्टेय | वण्टेवहि | वण्टेमहि |
| प० वण्टताम् | वण्टताम् | वण्टन्ताम् |
| वण्टस्व | वण्टेथाम् | वण्टध्वम् |
| वण्टे | वण्टावहे | वण्टामहे |
| झ० अवण्टत | अवण्टेताम् | अवण्टन्त |
| अवण्टथाः | अवण्टेथाम् | अवण्टध्वम् |
| अवण्टे | अवण्टावहि | अवण्टामहि |
| अ० अवण्टिष्ट | अवण्टिषाताम् | अवण्टिषत |
| अवण्टिष्ठाः | अवण्टिषाथाम् | अवण्टिद्ध्वम् |
| अवण्टिषि | अवण्टिष्वहि | अवण्टिष्महि |
| प० ववण्टे | ववण्टाते | ववण्टरे |
| ववण्टिषे | ववण्टाथे | ववण्टिध्वे |
| ववण्टे | ववण्टिवहे | ववण्टिमहे |
| आ० वण्टिषीष्ट | वण्टिषीयास्ताम् | वण्टिषीरन् |
| वण्टिषीष्ठाः | वण्टिषीयास्थाम् | वण्टिषीध्वम् |
| वण्टिषीय | वण्टिषीवहि | वण्टिषीमहि |
| श्व० वण्टिता | वण्टितारौ | वण्टितारः |
| वण्टितासे | वण्टितासाथे | वण्टिताध्वे |
| वण्टिताहे | वण्टितास्वहे | वण्टितास्महे |
| भ० वण्टिष्यते | वण्टिष्येते | वण्टिष्यन्ते |
| वण्टिष्यसे | वण्टिष्येथे | वण्टिष्यध्वे |
| वण्टिष्ये | वण्टिष्यावहे | वण्टिष्यामहे |
| क्रि० अवण्टिष्यत | अवण्टिष्येताम् | अवण्टिष्यन्त |
| अवण्टिष्यथाः | अवण्टिष्येथाम् | अवण्टिष्यध्वम् |
| अवण्टिष्ये | अवण्टिष्यावहि | अवण्टिष्यामहि |

681 अटुङ् (अण्ट्) गतौ ।

| | | |
|-----------------|-----------------|---------------|
| ब० अण्टते | अण्टेते | अण्टन्ते |
| अण्टसे | अण्टेथे | अण्टध्वे |
| अण्टे | अण्टावहे | अण्टामहे |
| स० अण्टेत | अण्टेयाताम् | अण्टेरन् |
| अण्टेथाः | अण्टेयाथाम् | अण्टेध्वम् |
| अण्टेय | अण्टेवहि | अण्टेमहि |
| प० अण्टताम् | अण्टेताम् | अण्टन्ताम् |
| अण्टस्व | अण्टेथाम् | अण्टध्वम् |
| अण्टै | अण्टावहै | अण्टामहै |
| झ० आण्टत | आण्टेताम् | आण्टन्त |
| आण्टथाः | आण्टेथाम् | आण्टध्वम् |
| आण्टे | आण्टावहि | आण्टामहि |
| अ० आण्टिष्ट | आण्टिष्ठाताम् | आण्टिषत |
| आण्टिष्ठाः | आण्टिष्ठाथाम् | आण्टिड्ढ्वम् |
| आण्टिषि | आण्टिष्वहि | आण्टिष्महि |
| प० आण्टे | आण्टेते | आण्टिरे |
| आण्टिषे | आण्टेथे | आण्टिध्वे |
| आण्टे | आण्टेवहे | आण्टिमहे |
| आ० अण्टिषीष्ट | अण्टिषीयास्ताम् | अण्टिषीरन् |
| अण्टिषीष्ठाः | अण्टिषीयास्थाम् | अण्टिषीध्वम् |
| अण्टिषीय | अण्टिषीवहि | अण्टिषीमहि |
| श्व० अण्टिता | अण्टितारौ | अण्टितारः |
| अण्टितासे | अण्टितासाथे | अण्टिताध्वे |
| अण्टिताहै | अण्टितास्वहे | अण्टितास्महे |
| भ० अण्टिष्यते | अण्टिष्येते | अण्टिष्यन्ते |
| अण्टिष्यसे | अण्टिष्येथे | अण्टिष्यध्वे |
| अण्टिष्ये | अण्टिष्यावहे | अण्टिष्यामहे |
| क्रि० आण्टिष्यत | आण्टिष्येताम् | अण्टिष्यन्त |
| आण्टिष्यथाः | आण्टिष्येथाम् | अण्टिष्यध्वम् |
| आण्टिष्ये | आण्टिष्यावहि | अण्टिष्यामहि |

अथ डान्ता स्त्रीविशतिः सेटश्च ।

682 पण्डुङ् (पण्ड्) गतौ ।

| | | |
|---------------|-----------------|---------------|
| ब० पण्डते | पण्डेते | पण्डन्ते |
| पण्डसे | पण्डेथे | पण्डध्वे |
| पण्डे | पण्डावहे | पण्डामहे |
| स० पण्डेत | पण्डेयाताम् | पण्डेरन् |
| पण्डेथाः | पण्डेयाथाम् | पण्डेध्वम् |
| पण्डेय | पण्डेवहि | पण्डेमहि |
| प० पण्डताम् | पण्डेताम् | पण्डन्ताम् |
| पण्डस्व | पण्डेथाम् | पण्डध्वम् |
| पण्डै | पण्डावहै | पण्डामहै |
| झ० अपण्डत | अपण्डेताम् | अपण्डन्त |
| अपण्डथाः | अपण्डेथाम् | अपण्डध्वम् |
| अपण्डे | अपण्डावहि | अपण्डामहि |
| अ० अपण्डिष्ट | अपण्डिष्ठाताम् | अपण्डिषत |
| अपण्डिष्ठाः | अपण्डिष्ठाथाम् | अपण्डिड्ढ्वम् |
| अपण्डिषि | अपण्डिष्वहि | अपण्डिष्महि |
| प० पण्डे | पण्डेते | पण्डिरे |
| पण्डिषे | पण्डेथे | पण्डिध्वे |
| पण्डे | पण्डेवहे | पण्डिमहे |
| आ० पण्डिषीष्ट | पण्डिषीयास्ताम् | पण्डिषीरन् |
| पण्डिषीष्ठाः | पण्डिषीयास्थाम् | पण्डिषीध्वम् |
| पण्डिषीय | पण्डिषीवहि | पण्डिषीमहि |
| श्व० पण्डिता | पण्डितारौ | पण्डितारः |
| पण्डितासे | पण्डितासाथे | पण्डिताध्वे |
| पण्डिताहै | पण्डितास्वहे | पण्डितास्महे |
| भ० पण्डिष्यते | पण्डिष्येते | पण्डिष्यन्ते |
| पण्डिष्यसे | पण्डिष्येथे | पण्डिष्यध्वे |
| पण्डिष्ये | पण्डिष्यावहे | पण्डिष्यामहे |

क्रि० अपण्डिष्यत अपण्डिष्येताम् अपण्डिष्यन्त
अपण्डिष्यथाः अपण्डिष्येथाम् अपण्डिष्यध्वम्
अपण्डिष्ये अपण्डिष्यावहि अपण्डिष्यामहि

683 हुण्ड् (हुण्ड्) संघाते ।

| | | |
|-----------------|------------------|---------------|
| व० हुण्डते | हुण्डेते | हुण्डन्ते |
| हुण्डसे | हुण्डेथे | हुण्डध्वे |
| हुण्डे | हुण्डावहे | हुण्डामहे |
| स० हुण्डेत | हुण्डेयाताम् | हुण्डेरन् |
| हुण्डेथाः | हुण्डेयाथाम् | हुण्डेध्वम् |
| हुण्डेय | हुण्डेवहि | हुण्डेमहि |
| प० हुण्डताम् | हुण्डेताम् | हुण्डन्ताम् |
| हुण्डस्व | हुण्डेथाम् | हुण्डध्वम् |
| हुण्डै | हुण्डावहे | हुण्डामहे |
| झ० अहुण्डत | अहुण्डेताम् | अहुण्डन्त |
| अहुण्डथाः | अहुण्डेथाम् | अहुण्डध्वम् |
| अहुण्डे | अहुण्डावहि | अहुण्डामहि |
| अ० अहुण्डिष्ट | अहुण्डिषाताम् | अहुण्डिषत |
| अहुण्डिष्टाः | अहुण्डिषाथाम् | अहुण्डिध्वम् |
| अहुण्डिषि | अहुण्डिष्वहि | अहुण्डिषमहि |
| प० जुहुण्डे | जुहुण्डाते | जुहुण्डरे |
| जुहुण्डिषे | जुहुण्डाथे | जुहुण्डिध्वे |
| जुहुण्डे | जुहुण्डिवहे | जुहुण्डिमहे |
| आ० हुण्डिषीष्ट | हुण्डिषीयास्ताम् | हुण्डिषीरन् |
| हुण्डिषीष्टाः | हुण्डिषीयास्थाम् | हुण्डिषीध्वम् |
| हुण्डिषीय | हुण्डिषीवहि | हुण्डिषीमहि |
| भ० हुण्डिता | हुण्डितारौ | हुण्डितारः |
| हुण्डितासे | हुण्डितासाथे | हुण्डिताध्वे |
| हुण्डिताहे | हुण्डितास्वहे | हुण्डितास्महे |
| भ० हुण्डिष्यते | हुण्डिष्येते | हुण्डिष्यन्ते |
| हुण्डिष्यसे | हुण्डिष्येथे | हुण्डिष्यध्वे |
| हुण्डिष्ये | हुण्डिष्यावहे | हुण्डिष्यामहे |
| अहुण्डिष्यत | अहुण्डिष्येताम् | अहुण्डिष्यन्त |
| अहुण्डिष्यथाः | अहुण्डिष्येथाम् | |
| अहुण्डिष्यध्वम् | अहुण्डिष्ये | |
| अहुण्डिष्यावहि | अहुण्डिष्यामहि | |

684 पिण्ड् (पिण्ड्) संघाते ।

| | | |
|----------------|------------------|-----------------|
| व० पिण्डते | पिण्डेते | पिण्डन्ते |
| पिण्डसे | पिण्डेथे | पिण्डध्वे |
| पिण्डे | पिण्डावहे | पिण्डामहे |
| स० पिण्डेत | पिण्डेयाताम् | पिण्डेरन् |
| पिण्डेथाः | पिण्डेयाथाम् | पिण्डेध्वम् |
| पिण्डेय | पिण्डेवहि | पिण्डेमहि |
| प० पिण्डताम् | पिण्डेताम् | पिण्डन्ताम् |
| पिण्डस्व | पिण्डेथाम् | पिण्डध्वम् |
| पिण्डै | पिण्डावहे | पिण्डामहे |
| झ० अपिण्डत | अपिण्डेताम् | अपिण्डन्त |
| अपिण्डथाः | अपिण्डेथाम् | अपिण्डध्वम् |
| अपिण्डे | अपिण्डावहि | अपिण्डामहि |
| अ० अपिण्डिष्ट | अपिण्डिषाताम् | अपिण्डिषत |
| अपिण्डिष्टाः | अपिण्डिषाथाम् | अपिण्डिध्वम् |
| अपिण्डिषि | अपिण्डिष्वहि | अपिण्डिषमहि |
| प० पिपिण्डे | पिपिण्डाते | पिपिण्डरे |
| पिपिण्डिषे | पिपिण्डाथे | पिपिण्डिध्वे |
| पिपिण्डे | पिपिण्डिवहे | पिपिण्डिमहे |
| आ० पिण्डिषीष्ट | पिण्डिषीयास्ताम् | पिण्डिषीरन् |
| पिण्डिषीष्टाः | पिण्डिषीयास्थाम् | पिण्डिषीध्वम् |
| पिण्डिषीय | पिण्डिषीवहि | पिण्डिषीमहि |
| भ० पिण्डिता | पिण्डितारौ | पिण्डितारः |
| पिण्डितासे | पिण्डितासाथे | पिण्डिताध्वे |
| पिण्डिताहे | पिण्डितास्वहे | पिण्डितास्महे |
| भ० पिण्डिष्यते | पिण्डिष्येते | पिण्डिष्यन्ते |
| पिण्डिष्यसे | पिण्डिष्येथे | पिण्डिष्यध्वे |
| पिण्डिष्ये | पिण्डिष्यावहे | पिण्डिष्यामहे |
| अपिण्डिष्यत | अपिण्डिष्येताम् | अपिण्डिष्यन्त |
| अपिण्डिष्यथाः | अपिण्डिष्येथाम् | अपिण्डिष्यध्वम् |
| अपिण्डिष्ये | अपिण्डिष्यावहि | अपिण्डिष्यामहि |

685 शङुक् (शण्ड्) रुजायाञ्च ।

चकारात्संवाते ।

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| ष० शण्डते | शण्डेते | शण्डन्ते |
| शण्डसे | शण्डेथे | शण्डध्वे |
| शण्डे | शण्डावहे | शण्डामहे |
| स० शण्डेत | शण्डेयाताम् | शण्डेरन् |
| शण्डेथाः | शण्डेयाथाम् | शण्डेध्वम् |
| शण्डेय | शण्डेवहि | शण्डेमहि |
| प० शण्डताम् | शण्डेताम् | शण्डन्ताम् |
| शण्डस्व | शण्डेथाम् | शण्डध्वम् |
| शण्डै | शण्डावहे | शण्डामहे |
| झ० अशण्डत | अशण्डेताम् | अशण्डन्त |
| अशण्डथाः | अशण्डेथाम् | अशण्डध्वम् |
| अशण्डे | अशण्डावहि | अशण्डामहि |
| अ० अशण्डिष्ट | अशण्डिषाताम् | अशण्डिषत |
| अशण्डिष्टाः | अशण्डिषाथाम् | अशण्डिषध्वम् |
| | | ध्वम् |
| | अशण्डिषि | अशण्डिष्वहि |
| | | अशण्डिषमहि |
| प० शशण्डे | शशण्डाते | शशण्डिरे |
| शशण्डिषे | शशण्डाथे | शशण्डिध्वे |
| शशण्डे | शशण्डिवहे | शशण्डिमहे |
| आ० शण्डिषीष्ट | शण्डिषीयाताम् | शण्डिषीरन् |
| शण्डिषीष्टाः | शण्डिषीयाथाम् | शण्डिषीध्वम् |
| शण्डिषीय | शण्डिषीवहि | शण्डिषीमहि |
| भ्व० शण्डिता | शण्डितारौ | शण्डितारः |
| शण्डितासे | शण्डितासाथे | शण्डिताध्वे |
| शण्डिताहे | शण्डितास्वहे | शण्डितास्महे |
| भ० शण्डिष्यते | शण्डिष्येते | शण्डिष्यन्ते |
| शण्डिष्यसे | शण्डिष्येथे | शण्डिष्यध्वे |
| शण्डिष्ये | शण्डिष्यावहे | शण्डिष्यामहे |
| क्रिअशण्डिष्यत | अशण्डिष्येताम् | अशण्डिष्यन्त |
| अशण्डिष्यथाः | अशण्डिष्येथाम् | अशण्डिष्यध्वम् |
| अशण्डिष्ये | अशण्डिष्यावहि | अशण्डिष्यामहि |

686 तडुक् (तण्ड्) ताडने ।

| | | |
|----------------|----------------|--------------|
| ष० तण्डते | तण्डेते | तण्डन्ते |
| तण्डसे | तण्डेथे | तण्डध्वे |
| तण्डे | तण्डावहे | तण्डामहे |
| स० तण्डेत | तण्डेयाताम् | तण्डेरन् |
| तण्डेथाः | तण्डेयाथाम् | तण्डेध्वम् |
| तण्डेय | तण्डेवहि | तण्डेमहि |
| प० तण्डताम् | तण्डेताम् | तण्डन्ताम् |
| तण्डस्व | तण्डेथाम् | तण्डध्वम् |
| तण्डै | तण्डावहे | तण्डामहे |
| झ० अतण्डत | अतण्डेताम् | अतण्डन्त |
| अतण्डथाः | अतण्डेथाम् | अतण्डध्वम् |
| अतण्डे | अतण्डावहि | अतण्डामहि |
| अ० अतण्डिष्ट | अतण्डिषाताम् | अतण्डिषत |
| अतण्डिष्टाः | अतण्डिषाथाम् | अतण्डिषध्वम् |
| | | ध्वम् |
| | अतण्डिषि | अतण्डिष्वहि |
| | | अतण्डिषमहि |
| प० ततण्डे | ततण्डाते | ततण्डिरे |
| ततण्डिषे | ततण्डाथे | ततण्डिध्वे |
| ततण्डे | ततण्डिवहे | ततण्डिमहे |
| आ० तण्डिषीष्ट | तण्डिषीयाताम् | तण्डिषीरन् |
| तण्डिषीष्टाः | तण्डिषीयाथाम् | तण्डिषीध्वम् |
| | | ध्वम् |
| | तण्डिषीय | तण्डिषीवहि |
| | | तण्डिषीमहि |
| भ्व० तण्डिता | तण्डितारौ | तण्डितारः |
| तण्डितासे | तण्डितासाथे | तण्डिताध्वे |
| तण्डिताहे | तण्डितास्वहे | तण्डितास्महे |
| भ० तण्डिष्यते | तण्डिष्येते | तण्डिष्यन्ते |
| तण्डिष्यसे | तण्डिष्येथे | तण्डिष्यध्वे |
| तण्डिष्ये | तण्डिष्यावहे | तण्डिष्यामहे |
| अतण्डिष्यत | अतण्डिष्येताम् | अतण्डिष्यन्त |
| अतण्डिष्यथाः | अतण्डिष्येथाम् | |
| अतण्डिष्यध्वम् | अतण्डिष्ये | |
| अतण्डिष्यावहि | अतण्डिष्यामहि | |

687 कण्डू (कण्डू) मदे ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ष० कण्डते | कण्डेते | कण्डन्ते |
| कण्डसे | कण्डेथे | कण्डध्वे |
| कण्डे | कण्डावहे | कण्डामहे |
| स० कण्डेत | कण्डेयाताम् | कण्डेरन् |
| कण्डेथाः | कण्डेयाथाम् | कण्डेध्वम् |
| कण्डेय | कण्डेवहि | कण्डेमहि |
| प० कण्डताम् | कण्डेताम् | कण्डन्ताम् |
| कण्डस्व | कण्डेथाम् | कण्डध्वम् |
| कण्डे | कण्डावहे | कण्डामहे |
| झ० अकण्डत | अकण्डेताम् | अकण्डन्त |
| अकण्डथाः | अकण्डेथाम् | अकण्डध्वम् |
| अकण्डे | अकण्डावहि | अकण्डामहि |
| अ० अकण्डिष्ट | अकण्डिषाताम् | अकण्डिषत |
| अकण्डिष्टाः | अकण्डिषाथाम् | अकण्डिष्टध्वम् |
| अकण्डिषि | अकण्डिष्वहि | अकण्डिषमहि |
| प० चकण्डे | चकण्डाते | चकण्डिरे |
| चकण्डिषे | चकण्डाथे | चकण्डिध्वे |
| चकण्डे | चकण्डिषहे | चकण्डिमहे |
| आ० कण्डिषीष्ट | कण्डिषीयास्ताम् | कण्डिषीरन् |
| कण्डिषीष्टाः | कण्डिषीयास्थाम् | कण्डिषीध्वम् |
| कण्डिषीय | कण्डिषीवहि | कण्डिषीमहि |
| भ्र० कण्डिता | कण्डितारौ | कण्डितारः |
| कण्डितासे | कण्डितासाथे | कण्डिताध्वे |
| कण्डिताहे | कण्डितास्वहे | कण्डितास्महे |
| भ० कण्डिष्यते | कण्डिष्येते | कण्डिष्यन्ते |
| कण्डिष्यसे | कण्डिष्येथे | कण्डिष्यध्वे |
| कण्डिष्ये | कण्डिष्यावहे | कण्डिष्यामहे |
| क्रि० अकण्डिष्यत | अकण्डिष्येताम् | अकण्डिष्यन्त |
| अकण्डिष्यथाः | अकण्डिष्येथाम् | अकण्डिष्यध्वम् |
| अकण्डिष्ये | अकण्डिष्यावहि | अकण्डिष्यामहि |

688 खण्डू (खण्डू) मन्ये ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ष० खण्डते | खण्डेते | खण्डन्ते |
| खण्डसे | खण्डेथे | खण्डध्वे |
| खण्डे | खण्डावहे | खण्डामहे |
| स० खण्डेत | खण्डेयाताम् | खण्डेरन् |
| खण्डेथाः | खण्डेयाथाम् | खण्डेध्वम् |
| खण्डेय | खण्डेवहि | खण्डेमहि |
| प० खण्डताम् | खण्डेताम् | खण्डन्ताम् |
| खण्डस्व | खण्डेथाम् | खण्डध्वम् |
| खण्डे | खण्डावहे | खण्डामहे |
| झ० अखण्डत | अखण्डेताम् | अखण्डन्त |
| अखण्डथाः | अखण्डेथाम् | अखण्डध्वम् |
| अखण्डे | अखण्डावहि | अखण्डामहि |
| अ० अखण्डिष्ट | अखण्डिषाताम् | अखण्डिषत |
| अखण्डिष्टाः | अखण्डिषाथाम् | अखण्डिष्टध्वम् |
| अखण्डिषि | अखण्डिष्वहि | अखण्डिषमहि |
| प० चखण्डे | चखण्डाते | चखण्डिरे |
| चखण्डिषे | चखण्डाथे | चखण्डिध्वे |
| चखण्डे | चखण्डिषहे | चखण्डिमहे |
| आ० खण्डिषीष्ट | खण्डिषीयास्ताम् | खण्डिषीरन् |
| खण्डिषीष्टाः | खण्डिषीयास्थाम् | खण्डिषीध्वम् |
| खण्डिषीय | खण्डिषीवहि | खण्डिषीमहि |
| भ्र० खण्डिता | खण्डितारौ | खण्डितारः |
| खण्डितासे | खण्डितासाथे | खण्डिताध्वे |
| खण्डिताहे | खण्डितास्वहे | खण्डितास्महे |
| भ० खण्डिष्यते | खण्डिष्येते | खण्डिष्यन्ते |
| खण्डिष्यसे | खण्डिष्येथे | खण्डिष्यध्वे |
| खण्डिष्ये | खण्डिष्यावहे | खण्डिष्यामहे |
| क्रि० अखण्डिष्यत | अखण्डिष्येताम् | अखण्डिष्यन्त |
| अखण्डिष्यथाः | अखण्डिष्येथाम् | अखण्डिष्यध्वम् |
| अखण्डिष्ये | अखण्डिष्यावहि | अखण्डिष्यामहि |

689 खुड्ड (खुण्ड) गतिवैकल्ये ।

| | | |
|----------------|------------------|-----------------|
| व० खुण्डते | खुण्डेते | खुण्डन्ते |
| खुण्डसे | खुण्डेथे | खुण्डध्वे |
| खुण्डे | खुण्डावहे | खुण्डामहे |
| स० खुण्डेत | खुण्डेयाताम् | खुण्डेरन् |
| खुण्डेथाः | खुण्डेयाथाम् | खुण्डेध्वम् |
| खुण्डेय | खुण्डेवहि | खुण्डेमहि |
| प० खुण्डताम् | खुण्डेताम् | खुण्डन्ताम् |
| खुण्डस्व | खुण्डेथाम् | खुण्डध्वम् |
| खुण्डै | खुण्डावहै | खुण्डामहै |
| झ० अखुण्डत | अखुण्डेताम् | अखुण्डन्त |
| अखुण्डथाः | अखुण्डेथाम् | अखुण्डध्वम् |
| अखुण्डे | अखुण्डावहि | अखुण्डामहि |
| खुण्डिष्ट | अखुण्डिषाताम् | अखुण्डिषत |
| ण्डिष्टाः | अखुण्डिषाथाम् | अखुण्डिष्टध्वम् |
| अखुण्डिषि | अखुण्डिष्वहि | अखुण्डिषमहि |
| चुखुण्डे | चुखुण्डाते | चुखुण्डिरे |
| चुखुण्डिषे | चुखुण्डाथे | चुखुण्डिध्वे |
| चुखुण्डे | चुखुण्डिवहे | चुखुण्डिमहे |
| आ० खुण्डिषीष्ट | खुण्डिषीयास्ताम् | खुण्डिषीरन् |
| खुण्डिषीष्टाः | खुण्डिषीयास्थाम् | खुण्डिषीध्वम् |
| खुण्डिषीय | खुण्डिषीवहि | खुण्डिषीमहि |
| खुण्डिता | खुण्डितारौ | खुण्डितारः |
| खुण्डितासे | खुण्डितासाथे | खुण्डिताध्वे |
| खुण्डिताहे | खुण्डितास्वहे | खुण्डितास्महे |
| खुण्डिष्यते | खुण्डिष्येते | खुण्डिष्यन्ते |
| खुण्डिष्यसे | खुण्डिष्येथे | खुण्डिष्यध्वे |
| खुण्डिष्ये | खुण्डिष्यावहे | खुण्डिष्यामहे |
| अखुण्डिष्यत | अखुण्डिष्येताम् | अखुण्डिष्यन्त |
| अखुण्डिष्यथाः | अखुण्डिष्येथाम् | अखुण्डिष्यध्वम् |
| अखुण्डिष्ये | अखुण्डिष्यावहि | अखुण्डिष्यामहि |

690 कुड्ड (कुण्ड) दाहे ।

| | | |
|----------------|------------------|-----------------|
| व० कुण्डते | कुण्डेते | कुण्डन्ते |
| कुण्डसे | कुण्डेथे | कुण्डध्वे |
| कुण्डे | कुण्डावहे | कुण्डामहे |
| स० कुण्डेत | कुण्डेयाताम् | कुण्डेरन् |
| कुण्डेथाः | कुण्डेयाथाम् | कुण्डेध्वम् |
| कुण्डेय | कुण्डेवहि | कुण्डेमहि |
| प० कुण्डताम् | कुण्डेताम् | कुण्डन्ताम् |
| कुण्डस्व | कुण्डेथाम् | कुण्डध्वम् |
| कुण्डै | कुण्डावहै | कुण्डामहै |
| झ० अकुण्डत | अकुण्डेताम् | अकुण्डन्त |
| अकुण्डथाः | अकुण्डेथाम् | अकुण्डध्वम् |
| अकुण्डे | अकुण्डावहि | अकुण्डामहि |
| अकुण्डिष्ट | अकुण्डिषाताम् | अकुण्डिषत |
| अकुण्डिष्टाः | अकुण्डिषाथाम् | अकुण्डिष्टध्वम् |
| अकुण्डिषि | अकुण्डिष्वहि | अकुण्डिषमहि |
| प० चुकुण्डे | चुकुण्डाते | चुकुण्डिरे |
| चुकुण्डिषे | चुकुण्डाथे | चुकुण्डिध्वे |
| चुकुण्डे | चुकुण्डिवहे | चुकुण्डिमहे |
| आ० कुण्डिषीष्ट | कुण्डिषीयास्ताम् | कुण्डिषीरन् |
| कुण्डिषीष्टाः | कुण्डिषीयास्थाम् | कुण्डिषीध्वम् |
| कुण्डिषीय | कुण्डिषीवहि | कुण्डिषीमहि |
| श्व० कुण्डिता | कुण्डितारौ | कुण्डितारः |
| कुण्डितासे | कुण्डितासाथे | कुण्डिताध्वे |
| कुण्डिताहे | कुण्डितास्वहे | कुण्डितास्महे |
| भ० कुण्डिष्यते | कुण्डिष्येते | कुण्डिष्यन्ते |
| कुण्डिष्यसे | कुण्डिष्येथे | कुण्डिष्यध्वे |
| कुण्डिष्ये | कुण्डिष्यावहे | कुण्डिष्यामहे |
| अकुण्डिष्यत | अकुण्डिष्येताम् | अकुण्डिष्यन्त |
| अकुण्डिष्यथाः | अकुण्डिष्येथाम् | अकुण्डिष्यध्वम् |
| अकुण्डिष्ये | अकुण्डिष्यावहि | अकुण्डिष्यामहि |

691 वडुङ् (वङ्) वेष्टने ।

विभाजनेऽप्यन्ये । विभाजनं विभागीक-
रणं चर्माभावश्च ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० वण्डते | वण्डेते | वण्डन्ते |
| वण्डसे | वण्डेथे | वण्डध्वे |
| वण्डे | वण्डावहे | वण्डामहे |
| स० वण्डेत | वण्डेयाताम् | वण्डेरन् |
| वण्डेथाः | वण्डेयाथाम् | वण्डेध्वम् |
| वण्डेय | वण्डेयहि | वण्डेमहि |
| प० वण्डताम् | वण्डेताम् | वण्डन्ताम् |
| वण्डस्व | वण्डेथाम् | वण्डध्वम् |
| वण्डे | वण्डावहे | वण्डामहे |
| झ० अवण्डत | अवण्डेताम् | अवण्डन्त |
| अवण्डथाः | अवण्डेथाम् | अवण्डध्वम् |
| अवण्डे | अवण्डावहि | अवण्डामहि |
| अ० अवण्डिष्ट | अवण्डिषाताम् | अवण्डिषत |
| अवण्डिष्टाः | अवण्डिषाथाम् | अवण्डिष्टध्वम् |
| अवण्डिषि | अवण्डिष्वहि | अवण्डिष्महि |
| प० ववण्डे | ववण्डाते | ववण्डरे |
| ववण्डिषे | ववण्डाथे | ववण्डिध्वे |
| ववण्डे | ववण्डिष्वहे | ववण्डिमहे |
| आ० वण्डिषीष्ट | वण्डिषीयास्ताम् | वण्डिषीरन् |
| वण्डिषीष्टाः | वण्डिषीयास्थाम् | वण्डिषीध्वम् |
| वण्डिषीय | वण्डिषीवहि | वण्डिषीमहि |
| भ० वण्डिता | वण्डितारौ | वण्डितारः |
| वण्डितासे | वण्डितासाथे | वण्डिताध्वे |
| वण्डिताहे | वण्डितास्वहे | वण्डितास्महे |
| भ० वण्डिष्यते | वण्डिष्येते | वण्डिष्यन्ते |
| वण्डिष्यसे | वण्डिष्येथे | वण्डिष्यध्वे |
| वण्डिष्ये | वण्डिष्यावहे | वण्डिष्यामहे |
| क्रि० अवण्डिष्यत | अवण्डिष्येताम् | अवण्डिष्यन्त |
| अवण्डिष्यथाः | अवण्डिष्येथाम् | अवण्डिष्यध्वम् |
| अवण्डिष्ये | अवण्डिष्यावहि | अवण्डिष्यामहि |

692 मण्डुङ् (मण्ड्) वेष्टने ।

विभाजनेऽप्यन्ये । विभाजनं विभागीक-
रणं चर्माभावश्च ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० मण्डते | मण्डेते | मण्डन्ते |
| मण्डसे | मण्डेथे | मण्डध्वे |
| मण्डे | मण्डावहे | मण्डामहे |
| स० मण्डेत | मण्डेयाताम् | मण्डेरन् |
| मण्डेथाः | मण्डेयाथाम् | मण्डेध्वम् |
| मण्डेय | मण्डेयहि | मण्डेमहि |
| प० मण्डताम् | मण्डेताम् | मण्डन्ताम् |
| मण्डस्व | मण्डेथाम् | मण्डध्वम् |
| मण्डे | मण्डावहे | मण्डामहे |
| झ० अमण्डत | अमण्डेताम् | अमण्डन्त |
| अमण्डथाः | अमण्डेथाम् | अमण्डध्वम् |
| अमण्डे | अमण्डावहि | अमण्डामहि |
| अ० अमण्डिष्ट | अमण्डिषाताम् | अमण्डिषत |
| अमण्डिष्टाः | अमण्डिषाथाम् | अमण्डिष्टध्वम् |
| अमण्डिषि | अमण्डिष्वहि | अमण्डिष्महि |
| प० ममण्डे | ममण्डाते | ममण्डरे |
| ममण्डिषे | ममण्डाथे | ममण्डिध्वे |
| ममण्डे | ममण्डिष्वहे | ममण्डिमहे |
| आ० मण्डिषीष्ट | मण्डिषीयास्ताम् | मण्डिषीरन् |
| मण्डिषीष्टाः | मण्डिषीयास्थाम् | मण्डिषीध्वम् |
| मण्डिषीय | मण्डिषीवहि | मण्डिषीमहि |
| भ० मण्डिता | मण्डितारौ | मण्डितारः |
| मण्डितासे | मण्डितासाथे | मण्डिताध्वे |
| मण्डिताहे | मण्डितास्वहे | मण्डितास्महे |
| भ० मण्डिष्यते | मण्डिष्येते | मण्डिष्यन्ते |
| मण्डिष्यसे | मण्डिष्येथे | मण्डिष्यध्वे |
| मण्डिष्ये | मण्डिष्यावहे | मण्डिष्यामहे |
| क्रि० अमण्डिष्यत | अमण्डिष्येताम् | अमण्डिष्यन्त |
| अमण्डिष्यथाः | अमण्डिष्येथाम् | अमण्डिष्यध्वम् |
| अमण्डिष्ये | अमण्डिष्यावहि | अमण्डिष्यामहि |

693 भण्डू (भण्डू) परिभाषणे ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० भण्डते | भण्डते | भण्डन्ते |
| भण्डसे | भण्डथे | भण्डध्वे |
| भण्डे | भण्डावहे | भण्डामहे |
| स० भण्डेत | भण्डेयाताम् | भण्डेरन् |
| भण्डेथाः | भण्डेयाताम् | भण्डेध्वम् |
| भण्डेय | भण्डेवहि | भण्डेमहि |
| प० भण्डताम् | भण्डेताम् | भण्डन्ताम् |
| भण्डस्व | भण्डेथाम् | भण्डध्वम् |
| भण्डे | भण्डावहे | भण्डामहे |
| झ० अभण्डत | अभण्डेताम् | अभण्डन्त |
| अभण्डथाः | अभण्डेथाम् | अभण्डध्वम् |
| अभण्डे | अभण्डावहि | अभण्डामहि |
| अ० अभण्डित | अभण्डिताताम् | अभण्डित |
| अभण्डिताः | अभण्डिताताम् | अभण्डित्त्वम् |
| अभण्डिषि | अभण्डिष्वहि | अभण्डिमहि |
| प० वभण्डे | वभण्डाते | वभण्डिरे |
| वभण्डिषे | वभण्डाथे | वभण्डिध्वे |
| वभण्डे | वभण्डावहे | वभण्डिमहे |
| आ० भण्डिषीष्ट | भण्डिषीयास्ताम् | भण्डिषीरन् |
| भण्डिषीष्टाः | भण्डिषीयास्ताम् | भण्डिषीध्वम् |
| भण्डिषीय | भण्डिषीवहि | भण्डिषीमहि |
| भ्व० भण्डिता | भण्डितारौ | भण्डितारः |
| भण्डितासे | भण्डितासाथे | भण्डिताध्वे |
| भण्डिताहे | भण्डितास्वहे | भण्डितास्महे |
| भ० भण्डिष्यते | भण्डिष्येते | भण्डिष्यन्ते |
| भण्डिष्यसे | भण्डिष्येथे | भण्डिष्यध्वे |
| भण्डिष्ये | भण्डिष्यावहे | भण्डिष्यामहे |
| क्रि० अभण्डिष्यत | अभण्डिष्येताम् | अभण्डिष्यन्त |
| अभण्डिष्यथाः | अभण्डिष्येताम् | अभण्डिष्यध्वम् |
| अभण्डिष्ये | अभण्डिष्यावहि | अभण्डिष्यामहि |

694 मुण्डू (मुण्डू) मज्जने ।

मज्जनं शोधनं न्यग्भावश्च ।

| | | |
|---------------------|--------------------|-------------------|
| व० मुण्डते | मुण्डते | मुण्डन्ते |
| मुण्डसे | मुण्डथे | मुण्डध्वे |
| मुण्डे | मुण्डावहे | मुण्डामहे |
| स० मुण्डेत | मुण्डेयाताम् | मुण्डेरन् |
| मुण्डेथाः | मुण्डेयाताम् | मुण्डेध्वम् |
| मुण्डेय | मुण्डेवहि | मुण्डेमहि |
| प० मुण्डताम् | मुण्डेताम् | मुण्डन्ताम् |
| मुण्डस्व | मुण्डेथाम् | मुण्डध्वम् |
| मुण्डे | मुण्डावहे | मुण्डामहे |
| झ० अमुण्डत | अमुण्डेताम् | अमुण्डन्त |
| अमुण्डथाः | अमुण्डेथाम् | अमुण्डध्वम् |
| अमुण्डे | अमुण्डावहि | अमुण्डामहि |
| अ० अमुण्डित | अमुण्डिताताम् | अमुण्डित |
| अमुण्डिताः | अमुण्डिताताम् | अमुण्डित्त्वम् |
| अमुण्डिषि | अमुण्डिष्वहि | अमुण्डिमहि |
| प० मुमुण्डे | मुमुण्डाते | मुमुण्डिरे |
| मुमुण्डिषे | मुमुण्डाथे | मुमुण्डिध्वे |
| मुमुण्डे | मुमुण्डावहे | मुमुण्डिमहे |
| आ० मुमुण्डिषीष्ट | मुमुण्डिषीयास्ताम् | मुमुण्डिषीरन् |
| मुमुण्डिषीष्टाः | मुमुण्डिषीयास्ताम् | मुमुण्डिषीध्वम् |
| मुमुण्डिषीय | मुमुण्डिषीवहि | मुमुण्डिषीमहि |
| भ्वि० मुमुण्डिता | मुमुण्डितारौ | मुमुण्डितारः |
| मुमुण्डितासे | मुमुण्डितासाथे | मुमुण्डिताध्वे |
| मुमुण्डिताहे | मुमुण्डितास्वहे | मुमुण्डितास्महे |
| भ० मुमुण्डिष्यते | मुमुण्डिष्येते | मुमुण्डिष्यन्ते |
| मुमुण्डिष्यसे | मुमुण्डिष्येथे | मुमुण्डिष्यध्वे |
| मुमुण्डिष्ये | मुमुण्डिष्यावहे | मुमुण्डिष्यामहे |
| क्रि० अमुमुण्डिष्यत | अमुमुण्डिष्येताम् | अमुमुण्डिष्यन्त |
| अमुमुण्डिष्यथाः | अमुमुण्डिष्येताम् | अमुमुण्डिष्यध्वम् |
| अमुमुण्डिष्ये | अमुमुण्डिष्यावहि | अमुमुण्डिष्यामहि |

695 तुङ्क् (तुङ्) तोडने ।

तोडनं हिंसा ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० तुण्डते | तुण्डते | तुण्डन्ते |
| तुण्डसे | तुण्डथे | तुण्डध्वे |
| तुण्डे | तुण्डावहे | तुण्डामहे |
| स० तुण्डेत | तुण्डेयाताम् | तुण्डेरन् |
| तुण्डेयाः | तुण्डेयाथाम् | तुण्डेध्वम् |
| तुण्डेय | तुण्डेवहि | तुण्डेमहि |
| प० तुण्डताम् | तुण्डेताम् | तुण्डन्ताम् |
| तुण्डस्व | तुण्डेथाम् | तुण्डध्वम् |
| तुण्डै | तुण्डावहै | तुण्डामहै |
| झ० अतुण्डत | अतुण्डेताम् | अतुण्डन्त |
| अतुण्डथाः | अतुण्डेथाम् | अतुण्डध्वम् |
| अतुण्डे | अतुण्डावहि | अतुण्डामहि |
| अ० अतुण्डिष्ट | अतुण्डिषाताम् | अतुण्डिषन्त |
| अतुण्डिष्ठाः | अतुण्डिषाथाम् | अतुण्डिषध्वम् |
| अतुण्डिषे | अतुण्डिषवहि | अतुण्डिषमहि |
| प० त्तुण्डे | त्तुण्डाते | त्तुण्डिरे |
| त्तुण्डिषे | त्तुण्डाथे | त्तुण्डिध्वे |
| त्तुण्डे | त्तुण्डिवहे | त्तुण्डिमहे |
| आ० तुण्डिषीष्ट | तुण्डिषीयास्ताम् | तुण्डिषीरन् |
| तुण्डिषीष्ठाः | तुण्डिषीयास्थाम् | तुण्डिषीध्वम् |
| तुण्डिषीय | तुण्डिषीवहि | तुण्डिषीमहि |
| भ० तुण्डिता | तुण्डितारौ | तुण्डितारः |
| तुण्डितासे | तुण्डितासाथे | तुण्डिताध्वे |
| तुण्डिताहे | तुण्डितावहै | तुण्डितामहै |
| भ० तुण्डिष्यते | तुण्डिष्येते | तुण्डिष्यन्ते |
| तुण्डिष्यसे | तुण्डिष्येथे | तुण्डिष्यध्वे |
| तुण्डिष्ये | तुण्डिष्यावहे | तुण्डिष्यामहे |
| क्रि० अतुण्डिष्यत | अतुण्डिष्येताम् | अतुण्डिष्यन्त |
| अतुण्डिष्यथाः | अतुण्डिष्येथाम् | अतुण्डिष्यध्वम् |
| अतुण्डिष्ये | अतुण्डिष्यावहि | अतुण्डिष्यामहि |

696 भुङ्क् (भुङ्) बरणे ।

बरणं स्वीकरणम् ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० भुण्डते | भुण्डते | भुण्डन्ते |
| भुण्डसे | भुण्डथे | भुण्डध्वे |
| भुण्डे | भुण्डावहे | भुण्डामहे |
| स० भुण्डेत | भुण्डेयाताम् | भुण्डेरन् |
| भुण्डेयाः | भुण्डेयाथाम् | भुण्डेध्वम् |
| भुण्डेय | भुण्डेवहि | भुण्डेमहि |
| प० भुण्डताम् | भुण्डेताम् | भुण्डन्ताम् |
| भुण्डस्व | भुण्डेथाम् | भुण्डध्वम् |
| भुण्डै | भुण्डावहै | भुण्डामहै |
| झ० अभुण्डत | अभुण्डेताम् | अभुण्डन्त |
| अभुण्डथाः | अभुण्डेथाम् | अभुण्डध्वम् |
| अभुण्डे | अभुण्डावहि | अभुण्डामहि |
| अ० अभुण्डिष्ट | अभुण्डिषाताम् | अभुण्डिषन्त |
| अभुण्डिष्ठाः | अभुण्डिषाथाम् | अभुण्डिषध्वम् |
| अभुण्डिषे | अभुण्डिषवहि | अभुण्डिषमहि |
| प० बभुण्डे | बभुण्डाते | बभुण्डिरे |
| बभुण्डिषे | बभुण्डाथे | बभुण्डिध्वे |
| बभुण्डे | बभुण्डिवहे | बभुण्डिमहे |
| आ० भुण्डिषीष्ट | भुण्डिषीयास्ताम् | भुण्डिषीरन् |
| भुण्डिषीष्ठाः | भुण्डिषीयास्थाम् | भुण्डिषीध्वम् |
| भुण्डिषीय | भुण्डिषीवहि | भुण्डिषीमहि |
| भ० भुण्डिता | भुण्डितारौ | भुण्डितारः |
| भुण्डितासे | भुण्डितासाथे | भुण्डिताध्वे |
| भुण्डिताहे | भुण्डितावहै | भुण्डितामहै |
| भ० भुण्डिष्यते | भुण्डिष्येते | भुण्डिष्यन्ते |
| भुण्डिष्यसे | भुण्डिष्येथे | भुण्डिष्यध्वे |
| भुण्डिष्ये | भुण्डिष्यावहे | भुण्डिष्यामहे |
| क्रि० अभुण्डिष्यत | अभुण्डिष्येताम् | अभुण्डिष्यन्त |
| अभुण्डिष्यथाः | अभुण्डिष्येथाम् | अभुण्डिष्यध्वम् |
| अभुण्डिष्ये | अभुण्डिष्यावहि | अभुण्डिष्यामहि |

698 द्राडृक् (द्राड्) विशरणे ।

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| ष० द्राडते | द्राडेते | द्राडन्ते |
| द्राडसे | द्राडेथे | द्राडध्वे |
| द्राडे | द्राडावहे | द्राडामहे |
| न० द्राडेत् | द्राडेयाताम् | द्राडेरन् |
| द्राडेथाः | द्राडेयाथाम् | द्राडेध्वम् |
| द्राडेय | द्राडेवहि | द्राडेमहि |
| प० द्राडताम् | द्राडेताम् | द्राडन्ताम् |
| द्राडस्व | द्राडेथाम् | द्राडध्वम् |
| द्राडे | द्राडावहे | द्राडामहे |
| झ० अद्राडत | अद्राडेताम् | अद्राडन्त |
| अद्राडथाः | अद्राडेथाम् | अद्राडध्वम् |
| अद्राडे | अद्राडावहि | अद्राडामहि |
| अ० अद्राडिष्ट | अद्राडिषाताम् | अद्राडिषन् |
| अद्राडिष्टाः | अद्राडिषाथाम् | अद्राडिषध्वम् |
| अद्राडिषे | अद्राडिषवहि | अद्राडिषमहि |
| प० दद्राडे | दद्राडाते | दद्राडिरे |
| दद्राडिषे | दद्राडाथे | दद्राडिध्वे |
| दद्राडे | दद्राडिवहे | दद्राडिमहे |
| भा० द्राडिषीष्ट | द्राडिषीयास्ताम् | द्राडिषीरन् |
| द्राडिषीष्टाः | द्राडिषीयास्थाम् | द्राडिषीध्वम् |
| द्राडिषीय | द्राडिषीवहि | द्राडिषीमहि |
| भ० द्राडिता | द्राडितारौ | द्राडितारः |
| द्राडितासे | द्राडितासाथे | द्राडिताध्वे |
| द्राडिताहे | द्राडितास्वहे | द्राडितास्महे |
| भ० द्राडिष्यते | द्राडिष्येते | द्राडिष्यन्ते |
| द्राडिष्यसे | द्राडिष्येथे | द्राडिष्यध्वे |
| द्राडिष्ये | द्राडिष्यावहे | द्राडिष्यामहे |
| क्र० अद्राडिष्यत | अद्राडिष्येताम् | अद्राडिष्यन्त |
| अद्राडिष्यथाः | अद्राडिष्येथाम् | अद्राडिष्यध्वम् |
| अद्राडिष्ये | अद्राडिष्यावहि | अद्राडिष्यामहि |

697 चण्डृक् (चण्ड्) कोपे ।

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| ष० चण्डते | चण्डेते | चण्डन्ते |
| चण्डसे | चण्डेथे | चण्डध्वे |
| चण्डे | चण्डावहे | चण्डामहे |
| स० चण्डेत् | चण्डेयाताम् | चण्डेरन् |
| चण्डेथाः | चण्डेयाथाम् | चण्डेध्वम् |
| चण्डेय | चण्डेवहि | चण्डेमहि |
| प० चण्डताम् | चण्डेताम् | चण्डन्ताम् |
| चण्डस्व | चण्डेथाम् | चण्डध्वम् |
| चण्डे | चण्डावहे | चण्डामहे |
| झ० अचण्डत | अचण्डेताम् | अचण्डन्त |
| अचण्डथाः | अचण्डेथाम् | अचण्डध्वम् |
| अचण्डे | अचण्डावहि | अचण्डामहि |
| अ० अचण्डिष्ट | अचण्डिषाताम् | अचण्डिषन् |
| अचण्डिष्टाः | अचण्डिषाथाम् | अचण्डिषध्वम् |
| अचण्डिषे | अचण्डिषवहि | अचण्डिषमहि |
| प० चचण्डे | चचण्डाते | चचण्डिरे |
| चचण्डिषे | चचण्डाथे | चचण्डिध्वे |
| चचण्डे | चचण्डिवहे | चचण्डिमहे |
| भा० चण्डिषीष्ट | चण्डिषीयास्ताम् | चण्डिषीरन् |
| चण्डिषीष्टाः | चण्डिषीयास्थाम् | चण्डिषीध्वम् |
| चण्डिषीय | चण्डिषीवहि | चण्डिषीमहि |
| भ० चण्डिता | चण्डितारौ | चण्डितारः |
| चण्डितासे | चण्डितासाथे | चण्डिताध्वे |
| चण्डिताहे | चण्डितास्वहे | चण्डितास्महे |
| भ० चण्डिष्यते | चण्डिष्येते | चण्डिष्यन्ते |
| चण्डिष्यसे | चण्डिष्येथे | चण्डिष्यध्वे |
| चण्डिष्ये | चण्डिष्यावहे | चण्डिष्यामहे |
| क्र० अचण्डिष्यत | अचण्डिष्येताम् | अचण्डिष्यन्त |
| अचण्डिष्यथाः | अचण्डिष्येथाम् | अचण्डिष्यध्वम् |
| अचण्डिष्ये | अचण्डिष्यावहि | अचण्डिष्यामहि |

699 घ्राडृक् (घ्राड्) विशरणे ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| घ० घ्राडते | घ्राडेते | घ्राडन्ते |
| घ्राडसे | घ्राडेथे | घ्राडध्वे |
| घ्राडे | घ्राडावहे | घ्राडामहे |
| स० घ्राडेत | घ्राडेयाताम् | घ्राडेरन् |
| घ्राडेथाः | घ्राडेयाथाम् | घ्राडेध्वम् |
| घ्राडेय | घ्राडेवहि | घ्राडेमहि |
| प० घ्राडताम् | घ्राडेताम् | घ्राडन्ताम् |
| घ्राडस्व | घ्राडेथाम् | घ्राडध्वम् |
| घ्राडै | घ्राडावहै | घ्राडामहै |
| झ० अघ्राडत | अघ्राडेताम् | अघ्राडन्त |
| अघ्राडथाः | अघ्राडेथाम् | अघ्राडध्वम् |
| अघ्राडे | अघ्राडावहि | अघ्राडामहि |
| अ० अघ्राडिष्ट | अघ्राडिषाताम् | अघ्राडिषत |
| अघ्राडिष्ठाः | अघ्राडिषाथाम् | अघ्राडिद्ध्वम् |
| अघ्राडिषि | अघ्राडिष्वहि | अघ्राडिष्महि |
| प० दघ्राडे | दघ्राडाते | दघ्राडिरे |
| दघ्राडिषे | दघ्राडाथे | दघ्राडिध्वे |
| दघ्राडे | दघ्राडिवहे | दघ्राडिमहे |
| आ० घ्राडिषीष्ट | घ्राडिषीयास्ताम् | घ्राडिषीरन् |
| घ्राडिषीष्ठाः | घ्राडिषीयास्थाम् | घ्राडिषीध्वम् |
| घ्राडिषीय | घ्राडिषीवहि | घ्राडिषीमहि |
| भ्व० घ्राडिता | घ्राडितारौ | घ्राडितारः |
| घ्राडितासे | घ्राडितासाथे | घ्राडिताध्वे |
| घ्राडिताहे | घ्राडितास्वहे | घ्राडितास्महे |
| भ० घ्राडिष्यते | घ्राडिष्येते | घ्राडिष्यन्ते |
| घ्राडिष्यसे | घ्राडिष्येथे | घ्राडिष्यध्वे |
| घ्राडिष्ये | घ्राडिष्यावहे | घ्राडिष्यामहे |
| क्रि० अघ्राडिष्यत | अघ्राडिष्येताम् | अघ्राडिष्यन्त |
| अघ्राडिष्यथाः | अघ्राडिष्येथाम् | अघ्राडिष्यध्वम् |
| अघ्राडिष्ये | अघ्राडिष्यावहि | अघ्राडिष्यामहि |

700 श्राडृक् (श्राड्) श्लाघायाम् ।

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| श० श्राडत् | श्राडेते | श्राडन्ते |
| श्राडसे | श्राडेथे | श्राडध्वे |
| श्राडे | श्राडावहे | श्राडामहे |
| स० श्राडेत | श्राडेयाताम् | श्राडेरन् |
| श्राडेथाः | श्राडेयाथाम् | श्राडेध्वम् |
| श्राडेय | श्राडेवहि | श्राडेमहि |
| प० श्राडताम् | श्राडेताम् | श्राडन्ताम् |
| श्राडस्व | श्राडेथाम् | श्राडध्वम् |
| श्राडै | श्राडावहै | श्राडामहै |
| झ० अश्राडत | अश्राडेताम् | अश्राडन्त |
| अश्राडथाः | अश्राडेथाम् | अश्राडध्वम् |
| अश्राडे | अश्राडावहि | अश्राडामहि |
| अ० अश्राडिष्ट | अश्राडिषाताम् | अश्राडिषत |
| अश्राडिष्ठाः | अश्राडिषाथाम् | अश्राडिद्ध्वम् |
| अश्राडिषि | अश्राडिष्वहि | अश्राडिष्महि |
| प० शशाडे | शशाडाते | शशाडिरे |
| शशाडिषे | शशाडाथे | शशाडिध्वे |
| शशाडे | शशाडिवहे | शशाडिमहे |
| आ० श्राडिषीष्ट | श्राडिषीयास्ताम् | श्राडिषीरन् |
| श्राडिषीष्ठाः | श्राडिषीयास्थाम् | श्राडिषीध्वम् |
| श्राडिषीय | श्राडिषीवहि | श्राडिषीमहि |
| भ्व० श्राडिता | श्राडितारौ | श्राडितारः |
| श्राडितासे | श्राडितासाथे | श्राडिताध्वे |
| श्राडिताहे | श्राडितास्वहे | श्राडितास्महे |
| भ० श्राडिष्यते | श्राडिष्येते | श्राडिष्यन्ते |
| श्राडिष्यसे | श्राडिष्येथे | श्राडिष्यध्वे |
| श्राडिष्ये | श्राडिष्यावहे | श्राडिष्यामहे |
| क्र० अश्राडिष्यत | अश्राडिष्येताम् | अश्राडिष्यन्त |
| अश्राडिष्यथाः | अश्राडिष्येथाम् | अश्राडिष्यध्वम् |
| अश्राडिष्ये | अश्राडिष्यावहि | अश्राडिष्यामहि |

701 वाडूङ् (वाङ्) आप्लाव्ये ।

आप्लाव्यमाप्लावनम् ।

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| व० वाडते | वाडेते | वाडन्ते |
| वाडसे | वाडेथे | वाडध्वे |
| वाडे | वाडावहे | वाडामहे |
| स० वाडेत | वाडेयाताम् | वाडेरन् |
| वाडेथाः | वाडेयाथाम् | वाडेध्वम् |
| वाडेय | वाडेवहि | वाडेमहि |
| स० वाडताम् | वाडताम् | वाडन्ताम् |
| वाडस्व | वाडेथाम् | वाडध्वम् |
| वाडे | वाडावहे | वाडामहे |
| झ० अवाडत | अवाडेताम् | अवाडन्त |
| अवाडथाः | अवाडेथाम् | अवाडध्वम् |
| अवाडे | अवाडावहि | अवाडामहि |
| अ० अवाडिष्ट | अवाडिषाताम् | अवाडिषन्त |
| अवाडिष्ठाः | अवाडिषाथाम् | अवाडिध्वम् |
| अवाडिषि | अवाडिष्वहि | अवाडिष्महि |
| प० ववाडे | ववाडाते | ववाडिरे |
| ववाडिषे | ववाडाथे | ववाडिध्वे |
| ववाडे | ववाडावहे | ववाडिमहे |
| आ० वाडिषीष्ट | वाडिषीयास्ताम् | वाडिषीरन् |
| वाडिषीष्ठाः | वाडिषीयास्थाम् | वाडिषीध्वम् |
| वाडिषीय | वाडिषीवहि | वाडिषीमहि |
| श्व० वाडिता | वाडितारौ | वाडितारः |
| वाडितासे | वाडितासाथे | वाडिताध्वे |
| वाडिताहे | वाडितास्वहे | वाडितास्महे |
| भ० वाडिष्यते | वाडिष्येते | वाडिष्यन्ते |
| वाडिष्यसे | वाडिष्येथे | वाडिष्यध्वे |
| वाडिष्ये | वाडिष्यावहे | वाडिष्यामहे |
| क्र० अवाडिष्यत | अवाडिष्येताम् | अवाडिष्यन्त |
| अवाडिष्यथाः | अवाडिष्येथाम् | अवाडिष्यध्वम् |
| अवाडिष्ये | अवाडिष्यावहि | अवाडिष्यामहि |

702 हेडूङ् (हेड्) अनादरे ।

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| व० हेडते | हेडेते | हेडन्ते |
| हेडसे | हेडेथे | हेडध्वे |
| हेडे | हेडावहे | हेडामहे |
| स० हेडेत | हेडेयाताम् | हेडेरन् |
| हेडेथाः | हेडेयाथाम् | हेडेध्वम् |
| हेडेय | हेडेवहि | हेडेमहि |
| प० हेडताम् | हेडताम् | हेडन्ताम् |
| हेडस्व | हेडेथाम् | हेडध्वम् |
| हेडे | हेडावहे | हेडामहे |
| झ० अहेडत | अहेडेताम् | अहेडन्त |
| अहेडथाः | अहेडेथाम् | अहेडध्वम् |
| अहेडे | अहेडावहि | अहेडामहि |
| भ० अहेडिष्ट | अहेडिषाताम् | अहेडिषन्त |
| अहेडिष्ठाः | अहेडिषाथाम् | अहेडिध्वम् |
| अहेडिषि | अहेडिष्वहि | अहेडिष्महि |
| प० जिहेडे | जिहेडाते | जिहेडिरे |
| जिहेडिषे | जिहेडाथे | जिहेडिध्वे |
| जिहेडे | जिहेडिवहे | जिहेडिमहे |
| आ० हेडिषीष्ट | हेडिषीयास्ताम् | हेडिषीरन् |
| हेडिषीष्ठाः | हेडिषीयास्थाम् | हेडिषीध्वम् |
| हेडिषीय | हेडिषीवहि | हेडिषीमहि |
| श्व० हेडिता | हेडितारौ | हेडितारः |
| हेडितासे | हेडितासाथे | हेडिताध्वे |
| हेडिताहे | हेडितास्वहे | हेडितास्महे |
| भ० हेडिष्यते | हेडिष्येते | हेडिष्यन्ते |
| हेडिष्यसे | हेडिष्येथे | हेडिष्यध्वे |
| हेडिष्ये | हेडिष्यावहे | हेडिष्यामहे |
| क्र० अहेडिष्यत | अहेडिष्येताम् | अहेडिष्यन्त |
| अहेडिष्यथाः | अहेडिष्येथाम् | अहेडिष्यध्वम् |
| अहेडिष्ये | अहेडिष्यावहि | अहेडिष्यामहि |

703 होङ् (होङ्) अनादरे ।

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| घ० होङते | होङते | होङन्ते |
| होङसे | होङथे | होङध्वे |
| होङे | होङावहे | होङामहे |
| स० होङेत | होङेयाताम् | होङेरन् |
| होङेथाः | होङेयाथाम् | होङेध्वम् |
| होङेय | होङेवहि | होङेमहि |
| प० होङताम् | होङताम् | होङन्ताम् |
| होङस्व | होङेथाम् | होङध्वम् |
| होङै | होङावहै | होङामहै |
| झ० अहोङत | अहोङताम् | अहोङन्त |
| अहोङथाः | अहोङेथाम् | अहोङध्वम् |
| अहोङे | अहोङावहि | अहोङामहि |
| अ० अहोङिष्ट | अहोङिषाताम् | अहोङिषन् |
| अहोङिष्ठाः | अहोङिषाथाम् | अहोङिषध्वम् |
| अहोङिषे | अहोङिषवहि | अहोङिषमहि |
| प० जुहोङे | जुहोङाते | जुहोङिरे |
| जुहोङिषे | जुहोङाथे | जुहोङिध्वे |
| जुहोङे | जुहोङिवहे | जुहोङिमहे |
| आ० होङिषीष्ट | होङिषीयास्ताम् | होङिषीरन् |
| होङिषीष्ठाः | होङिषीयास्थाम् | होङिषीध्वम् |
| होङिषीय | होङिषीवहि | होङिषीमहि |
| भ्व० होङिता | होङितारौ | होङितारः |
| होङितासे | होङितासाथे | होङिताध्वे |
| होङिताहे | होङितास्वहे | होङितास्महे |
| भ० होङिष्यते | होङिष्येते | होङिष्यन्ते |
| होङिष्यसे | होङिष्येथे | होङिष्यध्वे |
| होङिष्ये | होङिष्यावहे | होङिष्यामहे |
| क्र० अहोङिष्यत | अहोङिष्येताम् | अहोङिष्यन्त |
| अहोङिष्यथाः | अहोङिष्येथाम् | अहोङिष्यध्वम् |
| अहोङिष्ये | अहोङिष्यावहि | अहोङिष्यामहि |

704 हिङ् (हिङ्) गतौ च ।

चकारादनादरे ।

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| घ० हिङते | हिङते | हिङन्ते |
| हिङसे | हिङथे | हिङध्वे |
| हिङे | हिङावहे | हिङामहे |
| स० हिङेत | हिङेयाताम् | हिङेरन् |
| हिङेथाः | हिङेयाथाम् | हिङेध्वम् |
| हिङेय | हिङेवहि | हिङेमहि |
| प० हिङताम् | हिङताम् | हिङन्ताम् |
| हिङस्व | हिङेथाम् | हिङध्वम् |
| हिङे | हिङावहै | हिङामहै |
| झ० अहिङत | अहिङताम् | अहिङन्त |
| अहिङथाः | अहिङेथाम् | अहिङध्वम् |
| अहिङे | अहिङावहि | अहिङामहि |
| अ० अहिङिष्ट | अहिङिषाताम् | अहिङिषन् |
| अहिङिष्ठाः | अहिङिषाथाम् | अहिङिषध्वम् |
| अहिङिषे | अहिङिषवहि | अहिङिषमहि |
| प० जिहिङे | जिहिङाते | जिहिङिरे |
| जिहिङिषे | जिहिङाथे | जिहिङिध्वे |
| जिहिङे | जिहिङिवहे | जिहिङिमहे |
| आ० हिङिषीष्ट | हिङिषीयास्ताम् | हिङिषीरन् |
| हिङिषीष्ठाः | हिङिषीयास्थाम् | हिङिषीध्वम् |
| हिङिषीय | हिङिषीवहि | हिङिषीमहि |
| भ्व० हिङिता | हिङितारौ | हिङितारः |
| हिङितासे | हिङितासाथे | हिङिताध्वे |
| हिङिताहे | हिङितास्वहे | हिङितास्महे |
| भ० हिङिष्यते | हिङिष्येते | हिङिष्यन्ते |
| हिङिष्यसे | हिङिष्येथे | हिङिष्यध्वे |
| हिङिष्ये | हिङिष्यावहे | हिङिष्यामहे |
| क्र० अहिङिष्यत | अहिङिष्येताम् | अहिङिष्यन्त |
| अहिङिष्यथाः | अहिङिष्येथाम् | अहिङिष्यध्वम् |
| अहिङिष्ये | अहिङिष्यावहि | अहिङिष्यामहि |

अथ गान्ताःषट् सेदश्च ।

705 घिण्ड (घिण्) ग्रहणे ।

| | | |
|--------------|--------------|-------------|
| घ० घिण्णते | घिण्णते | घिण्णन्ते |
| घिण्णसे | घिण्णथे | घिण्णध्वे |
| घिण्णे | घिण्णावहे | घिण्णामहे |
| स० घिण्णेत | घिण्णेयाताम् | घिण्णेरन् |
| घिण्णथाः | घिण्णेयाथाम् | घिण्णेष्वम् |
| घिण्णय | घिण्णवहि | घिण्णेमहि |
| प० घिण्णताम् | घिण्णताम् | घिण्णन्ताम् |
| घिण्णस्व | घिण्णथाम् | घिण्णध्वम् |
| घिण्णे | घिण्णावहे | घिण्णामहे |

| | | |
|---------------|-----------------|----------------|
| ह्र० अघिण्णत | अघिण्णताम् | अघिण्णन्त |
| अघिण्णथाः | अघिण्णथाम् | अघिण्णध्वम् |
| अघिण्णे | अघिण्णावहि | अघिण्णेमहि |
| अ० अघिण्णिष्ट | अघिण्णिष्ठाताम् | अघिण्णिषत |
| अघिण्णिष्ठाः | अघिण्णिष्ठाथाम् | अघिण्णिष्ट्वम् |

| | | |
|-------------|--------------|-------------|
| अघिण्णिषि | अघिण्णिष्वहि | अघिण्णिषमहि |
| प० जिघिण्णे | जिघिण्णते | जिघिण्णरे |
| जिघिण्णिषे | जिघिण्णथे | जिघिण्णध्वे |
| जिघिण्णे | जिघिण्णावहे | जिघिण्णमहे |

| | | |
|----------------|------------------|---------------|
| आ० घिण्णिषीष्ट | घिण्णिषीयास्ताम् | घिण्णिषीरन् |
| घिण्णिषीष्ठाः | घिण्णिषीयास्थाम् | घिण्णिषीध्वम् |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| घिण्णिषीय | घिण्णिषीवहि | घिण्णिषीमहि |
| श्व० घिण्णिता | घिण्णितारौ | घिण्णितारः |
| घिण्णितासे | घिण्णितासाथे | घिण्णिताध्वे |
| घिण्णिताहे | घिण्णितास्वहे | घिण्णितास्महे |
| भ० घिण्णिग्यते | घिण्णिग्येते | घिण्णिग्यन्ते |
| घिण्णिग्यसे | घिण्णिग्येथे | घिण्णिग्यध्वे |
| घिण्णिग्ये | घिण्णिग्यावहे | घिण्णिग्यामहे |

| | | |
|---------------|-----------------|-----------------|
| अघिण्णिग्यत | अघिण्णिग्येताम् | अघिण्णिग्यन्त |
| अघिण्णिग्यथाः | अघिण्णिग्येथाम् | अघिण्णिग्यध्वम् |
| अघिण्णिग्ये | अघिण्णिग्यावहि | अघिण्णिग्यामहि |

706 घुण्ड (घुण्) ग्रहणे ।

| | | |
|--------------|--------------|-------------|
| घ० घुण्णते | घुण्णते | घुण्णन्ते |
| घुण्णसे | घुण्णथे | घुण्णध्वे |
| घुण्णे | घुण्णावहे | घुण्णामहे |
| स० घुण्णेत | घुण्णेयाताम् | घुण्णेरन् |
| घुण्णथाः | घुण्णेयाथाम् | घुण्णेष्वम् |
| घुण्णय | घुण्णवहि | घुण्णेमहि |
| प० घुण्णताम् | घुण्णताम् | घुण्णन्ताम् |
| घुण्णस्व | घुण्णथाम् | घुण्णध्वम् |
| घुण्णे | घुण्णावहे | घुण्णामहे |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| ह्र० अघुण्णत | अघुण्णताम् | अघुण्णन्त |
| अघुण्णथाः | अघुण्णथाम् | अघुण्णध्वम् |
| अघुण्णे | अघुण्णावहि | अघुण्णेमहि |

| | | |
|---------------|-----------------|----------------|
| अ० अघुण्णिष्ट | अघुण्णिष्ठाताम् | अघुण्णिषत |
| अघुण्णिष्ठाः | अघुण्णिष्ठाथाम् | अघुण्णिष्ट्वम् |

अघुण्णिषि अघुण्णिष्वहि अघुण्णिषमहि

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| प० जुघुण्णे | जुघुण्णते | जुघुण्णरे |
| जुघुण्णिषे | जुघुण्णथे | जुघुण्णध्वे |
| जुघुण्णे | जुघुण्णावहे | जुघुण्णमहे |

| | | |
|------------------|--------------------|-----------------|
| आ० जुघुण्णिषीष्ट | जुघुण्णिषीयास्ताम् | जुघुण्णिषीरन् |
| जुघुण्णिषीष्ठाः | जुघुण्णिषीयास्थाम् | जुघुण्णिषीध्वम् |
| जुघुण्णिषीय | जुघुण्णिषीवहि | जुघुण्णिषीमहि |

| | | |
|---------------|---------------|---------------|
| श्व० घुण्णिता | घुण्णितारौ | घुण्णितारः |
| घुण्णितासे | घुण्णितासाथे | घुण्णिताध्वे |
| घुण्णिताहे | घुण्णितास्वहे | घुण्णितास्महे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० घुण्णिग्यते | घुण्णिग्येते | घुण्णिग्यन्ते |
| घुण्णिग्यसे | घुण्णिग्येथे | घुण्णिग्यध्वे |
| घुण्णिग्ये | घुण्णिग्यावहे | घुण्णिग्यामहे |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| क्रि० अघुण्णिग्यत | अघुण्णिग्येताम् | अघुण्णिग्यन्त |
| अघुण्णिग्यथाः | अघुण्णिग्येथाम् | अघुण्णिग्यध्वम् |
| अघुण्णिग्ये | अघुण्णिग्यावहि | अघुण्णिग्यामहि |

707 घृण् (घृण्) ग्रहणे ।

| | | |
|------------|------------|-----------|
| घ० घृणते | घृणते | घृणन्ते |
| घृणसे | घृणथे | घृणध्वे |
| घृणे | घृणावहे | घृणामहे |
| स० घृणेत | घृणेयाताम् | घृणेरन् |
| घृणेथाः | घृणेयाथाम् | घृणेष्वम् |
| घृणेय | घृणेष्वहि | घृणेमहि |
| प० घृणताम् | घृणताम् | घृणन्ताम् |
| घृणस्व | घृणथाम् | घृणध्वम् |
| घृणे | घृणावहे | घृणामहे |

अ० अघृणत अघृणताम् अघृणन्त
अघृणथाः अघृणथाम् अघृणध्वम्
अघृणे अघृणावहि अघृणामहि

अ० अघृणिष्ट अघृणिषाताम् अघृणिषत
अघृणिष्टाः अघृणिषाथाम् अघृणिष्वम्

अघृणिषि अघृणिष्वहि अघृणिमहि

प० जघृणते जघृणते जघृणिरे
जघृणिषे जघृणिषे जघृणिध्वे
जघृणे जघृणिष्वहे जघृणिमहे

आ० घृणिषीष्ट घृणिषीयाताम् घृणिषीरन्
घृणिषीष्टाः घृणिषीयाथाम् घृणिषीध्वम्
घृणिषीय घृणिषीवहि घृणिषीमहि

श्व० घृणिता घृणितारौ घृणितारः
घृणितासे घृणितासाथे घृणिताध्वे
घृणिताहे घृणितास्वहे घृणितामहे

भ० घृणिष्यते घृणिष्येते घृणिष्यन्ते
घृणिष्यसे घृणिष्येथे घृणिष्यध्वे
घृणिष्ये घृणिष्यावहे घृणिष्यामहे

क्रि० अघृणिष्यत अघृणिष्येताम् अघृणिष्यन्त
अघृणिष्यथाः अघृणिष्येथाम् अघृणिष्यध्वम्
अघृणिष्ये अघृणिष्यावहि अघृणिष्यामहि

708 घुणि (घुण्) भ्रमणे ।

| | | |
|------------|------------|-----------|
| घ० घोणते | घोणते | घोणन्ते |
| घोणसे | घोणथे | घोणध्वे |
| घोणे | घोणावहे | घोणामहे |
| स० घोणेत | घोणेयाताम् | घोणेरन् |
| घोणेथाः | घोणेयाथाम् | घोणेष्वम् |
| घोणेय | घोणेष्वहि | घोणेमहि |
| प० घोणताम् | घोणताम् | घोणन्ताम् |
| घोणस्व | घोणथाम् | घोणध्वम् |
| घोणे | घोणावहे | घोणामहे |

अ० अघोणत अघोणताम् अघोणन्त
अघोणथाः अघोणथाम् अघोणध्वम्
अघोणे अघोणावहि अघोणामहि

अ० अघोणिष्ट अघोणिषाताम् अघोणिषत
अघोणिष्टाः अघोणिषाथाम् अघोणिष्वम्

अघोणिषि अघोणिष्वहि अघोणिमहि

प० जुघुणे जुघुणाते जुघुणिरे
जुघुणिषे जुघुणाथे जुघुणिध्वे
जुघुणे जुघुणिष्वहे जुघुणिमहे

आ० घोणिषीष्ट घोणिषीयाताम् घोणिषीरन्
घोणिषीष्टाः घोणिषीयाथाम् घोणिषीध्वम्

घोणिषीय घोणिषीवहि घोणिषीमहि

श्व० घोणिता घोणितारौ घोणितारः
घोणितासे घोणितासाथे घोणिताध्वे
घोणिताहे घोणितास्वहे घोणितामहे

भ० घोणिष्यते घोणिष्येते घोणिष्यन्ते
घोणिष्यसे घोणिष्येथे घोणिष्यध्वे
घोणिष्ये घोणिष्यावहे घोणिष्यामहे

अघोणिष्यत अघोणिष्येताम् अघोणिष्यन्त
अघोणिष्यथाः अघोणिष्येथाम् अघोणिष्यध्वम्
अघोणिष्ये अघोणिष्यावहि अघोणिष्यामहि

709 घूर्णि (घूर्ण) भ्रमणे ।

| | | |
|---------------|---------------|-----------------|
| घ० घूर्णते | घूर्णते | घूर्णन्ते |
| घूर्णसे | घूर्णथे | घूर्णध्वे |
| घूर्णे | घूर्णावहे | घूर्णामहे |
| स० घूर्णत | घूर्णयाताम् | घूर्णरन् |
| घूर्णथाः | घूर्णयाथाम् | घूर्णध्वम् |
| घूर्णय | घूर्णवहि | घूर्णमहि |
| ० घूर्णताम् | घूर्णताम् | घूर्णन्ताम् |
| घूर्णस्व | घूर्णथाम् | घूर्णध्वम् |
| घूर्णे | घूर्णावहे | घूर्णामहे |
| झ० अघूर्णत | अघूर्णताम् | अघूर्णन्त |
| अघूर्णथाः | अघूर्णयाथाम् | अघूर्णध्वम् |
| अघूर्णे | अघूर्णावहि | अघूर्णामहि |
| ञ० अघूर्णिष्ट | अघूर्णिषाताम् | अघूर्णिषत |
| अघूर्णिष्टाः | अघूर्णिषाथाम् | अघूर्णिष्टध्वम् |

अघूर्णिषि अघूर्णिष्वहि अघूर्णिष्महि

| | | |
|-------------|-------------|--------------|
| घ० जुघूर्णे | जुघूर्णते | जुघूर्णिरे |
| जुघूर्णिषि | जुघूर्णथे | जुघूर्णिध्वे |
| जुघूर्णे | जुघूर्णावहे | जुघूर्णामहे |

आ० घूर्णिषोष्ट घूर्णिषोयास्ताम् घूर्णिषीरन्
घूर्णिषोष्टाः घूर्णिषोयास्थाम् घूर्णिषोध्वम्
घूर्णिषीय घूर्णिषीवहि घूर्णिषीमहि

| | | |
|-------------|---------------|---------------|
| इ० घूर्णिता | घूर्णितारौ | घूर्णितारः |
| घूर्णितासे | घूर्णितासाथे | घूर्णिताध्वे |
| घूर्णिताहे | घूर्णितास्वहे | घूर्णितास्महे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० घूर्णित्यते | घूर्णित्येते | घूर्णित्यन्ते |
| घूर्णित्यसे | घूर्णित्येथे | घूर्णित्यध्वे |
| घूर्णित्ये | घूर्णित्यावहे | घूर्णित्यामहे |

क्रि० अघूर्णित्यत अघूर्णित्येताम् अघूर्णित्यन्त
अघूर्णित्यथाः अघूर्णित्येथाम् अघूर्णित्यध्वम्
अघूर्णित्ये अघूर्णित्यावहि अघूर्णित्यामहि

710 पणि (पण-पणाय)

व्यवहारस्तुत्योः

| | | |
|------------|-----------|----------|
| घ० पणायति | पणायतः | पणायन्ति |
| पणायसि | पणायथः | पणायथ |
| पणायामि | पणायामः | पणायामः |
| स० पणायेत् | पणायेताम् | पणायेयुः |
| पणायेः | पणायेतम् | पणायेत |
| पणायेयम् | पणायेव | पणायेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० पणायतु | पणायतात् | पणायताम् | पणायन्तु |
| पणाय | „ | पणायतम् | पणायत |
| पणायानि | पणायाम | पणायाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अपणायत् | अपणायताम् | अपणायन् |
| अपणायः | अपणायतम् | अपणायत |
| अपणायम् | अपणायाम | अपणायाम |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| अ० अपणायीत् | अपणायिषाम् | अपणायिषुः |
| अपणायीः | अपणायिषम् | अपणायिष |
| अपणायिषम् | अपणायिष्व | अपणायिषम् |

| | | |
|------------|------------|--------------|
| अ० अपणिष्ट | अपणिषाताम् | अपणिषन् |
| अपणिष्टाः | अपणिषाथाम् | अपणिष्टध्वम् |
| | | ध्वम् |

अपणिषि अपणिष्वहि अपणिष्महि

| | |
|------------------------------|-----------------------|
| प० पणायाम्भकारपणायाम्भक्रतुः | पणायाम्भक्रः |
| पणायाम्भकथं | पणायाम्भकथुः |
| पणायाम्भकार, चक्र | पणायाम्भकृपणायाम्भकृम |

पणायाम्भभूव । पणायाम्भ ।

| | | |
|--------|---------|----------|
| पेणे | पेणाते | पेणिरे |
| पेणिषे | पेणाथे | पेणिध्वे |
| पेणे | पेणिवहे | पेणिमहे |

आ० पणाय्यात् पणाय्यास्ताम् पणाय्यासुः
पणाय्याः पणाय्यास्तम् पणाय्यास्त
पणाय्यासम् पणाय्यास्व पणाय्यास्म

आ० पणिषीष्ट पणिषीयास्ताम् पणिषीरन्
पणिषीष्टाः पणिषीयास्ताम् पणिषीध्वम्
पणिषीय पणिषीवहि पणिषीमहि

भ्वा० पणायिता पणायितारौ पणायितारः
पणायितासि पणायितास्थः पणायितास्थ
पणायितास्मि पणायितास्वः पणायितास्मः

भ्वा० पणिता पणितारौ पणितारः
पणितासे पणितासाथे पणिताध्वे
पणिताहे पणितास्वहे पणितास्महे

भ० पणायिष्यति पणायिष्यतः पणायिष्यन्ति
पणायिष्यसि पणायिष्यथः पणायिष्यथ
पणायिष्यामि पणायिष्यावः पणायिष्यामः

भ० पणिष्यते पणिष्येते पणिष्यन्ते
पणिष्यसे पणिष्येथे पणिष्यध्वे
पणिष्ये पणिष्यावहे पणिष्यामहे

अपणायिष्यत् अपणायिष्यताम् अपणायिष्यन्
अपणायिष्यः अपणायिष्यतम् अपणायिष्यत
अपणायिष्यम् अपणायिष्याव अपणायिष्याम

क्रि० अपणिष्यत अपणिष्येताम् अपणितष्यन्त
अपणिष्यथाः अपणितष्येथाम् अपणिष्यध्वम्
अपणिष्ये अपणिष्यावहि अपणिष्यामहि

स्वार्थिकप्रत्ययान्तस्य प्रकृतिवद्ग्रहणा
त्पणिरेवायम् । अनुबन्धस्याश्वि केवले चा-
रिताश्व्यादायप्रत्ययान्तान्नात्मनेपदम् किन्तु
आयान्तस्य इङिच्चाभावात् “ शेषात्- ”
इति परस्मैपदम् । ये तु स्तुत्यार्थदेव पणाराय
मिच्छन्ति तन्मते व्यवहारार्थीच्छव्यप्या
भावे शतस्य पणने इत्यादि

अथ तान्तास्त्रयः सेटश्च

711 यतैङ् (यत्) प्रयत्ने ।

य० यतते यतेते यतन्ते
यतसे यतेथे यतध्वे
यते यतावहे यतामहे

स्त्र० यतेत यतेयाताम् यतेरन्
यतेथाः यतेयाथाम् यतेध्वम्
यतेय यतेवहि यतेमहि

प० यतताम् यतेताम् यतन्ताम्
यतस्व यतेशाम् यतध्वम्
यतै यतावहे यतामहे

ह्य० अयतत अयतेताम् अयन्त
अयतथाः अयतेथाम् अयतध्वम्
अयते अयतावहि अयतामहि

अ० अयतिष्ट अयतिषाताम् अयतिषत
अयतिष्टाः अयतिषाथाम् अयतिड्द्वम्
अयतिषि अयतिष्वहि अयतिष्महि

प० येते येताते येतिरे
येतिषे येनाथे येतिध्वे
येते येतिवहे येतिमहे

आ० यतिषीष्ट यतिषीयास्ताम् यतिषीरन्
यतिषीष्टाः यतिषीयास्ताम् यतिषीध्वम्
यतिषीय यतिषीवहि यतिषीमहि

भ्वा० यतिता यतितारौ यतितारः
यतितासे यतितासाथे यतिताध्वे

यतिताहे यतितास्वहे यतितास्महे

भ० यतिष्यते यतिष्येते यतिष्यन्ते
यतिष्यसे यतिष्येथे यतिष्यध्वे
यतिष्ये यतिष्यावहे यतिष्यामहे

क्रि० अयतिष्यत अयतिष्येताम् अयतिष्यन्त
अयतिष्यथाः अयतिष्येथाम् अयतिष्यध्वम्
अयतिष्ये अयतिष्यावहि अयतिष्यामहि

712 युतृङ् (युत्) भासने ।

| | | | |
|-------|-------------|---------------|---------------|
| व० | योतते | योतेते | योतन्ते |
| | योतसे | योतेथे | योतध्वे |
| | योते | योतावहे | योतामहे |
| स० | योतेत | योतेयाताम् | योतेरन् |
| | योतेथाः | योतेयाथाम् | योतेध्वम् |
| | योतेय | योतेवहि | योतेमहि |
| प० | योतताम् | योतेताम् | योतन्ताम् |
| | योतस्व | योतेथाम् | योतध्वम् |
| | योतै | योतावहे | योतामहे |
| झ० | अयोतत | अयोतेताम् | अयोतन्त |
| | अयोतथाः | अयोतेथाम् | अयोतध्वम् |
| | अयोते | अयोतावहि | अयोतामहि |
| ञ० | अयोतिष्ट | अयोतिषाताम् | अयोतिषत |
| | अयोतिष्ठाः | अयोतिषाथाम् | अयोतिषध्वम् |
| | अयोतिषि | अयोतिष्वहि | अयोतिषमहि |
| प० | युयुते | युयुतारे | युयुतिरे |
| | युयुतिषे | युयुताथे | युयुतिध्वे |
| | युयुते | युयुतिवहे | युयुतिमहे |
| आ० | योतिषीष्ट | योतिषीयाताम् | योतिषीरन् |
| | योतिषीष्ठाः | योतिषीयाथाम् | योतिषीध्वम् |
| | योतिषीय | योतिषीवहि | योतिषीमहि |
| श्व० | योतिता | योतितारो | योतितारः |
| | योतितासे | योतितासाथे | योतिताध्वे |
| | योतिताहे | योतितास्वहे | योतितास्महे |
| भ० | योतिष्यते | योतिष्येते | योतिष्यन्ते |
| | योतिष्यसे | योतिष्येथे | योतिष्यध्वे |
| | योतिष्ये | योतिष्यावहे | योतिष्यामहे |
| क्रि० | अयोतिष्यत | अयोतिष्येताम् | अयोतिष्यन्त |
| | अयोतिष्यथाः | अयोतिष्येथाम् | अयोतिष्यध्वम् |
| | अयोतिष्ये | अयोतिष्यावहि | अयोतिष्यामहि |

713 जुतृङ् [जुत्] भासने ।

| | | | |
|------|-------------|---------------|---------------|
| व० | जोतते | जोतेते | जोतन्ते |
| | जोतसे | जोतेथे | जोतध्वे |
| | जोते | जोतावहे | जोतामहे |
| स० | जोतेत | जोतेयाताम् | जोतेरन् |
| | जोतेथाः | जोतेयाथाम् | जोतेध्वम् |
| | जोतेय | जोतेवहि | जोतेमहि |
| प० | जोतताम् | जोतेताम् | जोतन्ताम् |
| | जोतस्व | जोतेथाम् | जोतध्वम् |
| | जोतै | जोतावहे | जोतामहे |
| झ० | अजोतत | अजोतेताम् | अजोतन्त |
| | अजोतथाः | अजोतेथाम् | अजोतध्वम् |
| | अजोते | अजोतावहि | अजोतामहि |
| ञ० | अजोतिष्ट | अजोतिषाताम् | अजोतिषत |
| | अजोतिष्ठाः | अजोतिषाथाम् | अजोतिषध्वम् |
| | अजोतिषि | अजोतिष्वहि | अजोतिषमहि |
| प० | जुजुते | जुजुताते | जुजुतिरे |
| | जुजुतिषे | जुजुताथे | जुजुतिध्वे |
| | जुजुते | जुजुतिवहे | जुजुतिमहे |
| आ० | जोतिषीष्ट | जोतिषीयाताम् | जोतिषीरन् |
| | जोतिषीष्ठाः | जोतिषीयाथाम् | जोतिषीध्वम् |
| | जोतिषीय | जोतिषीवहि | जोतिषीमहि |
| श्व० | जोनिता | जोनितारो | जोनितारः |
| | जोनितासे | जोनितासाथे | जोनिताध्वे |
| | जोनिताहे | जोनितास्वहे | जोनितास्महे |
| भ० | जोतिष्यते | जोतिष्येते | जोतिष्यन्ते |
| | जोतिष्यसे | जोतिष्येथे | जोतिष्यध्वे |
| | जोतिष्ये | जोतिष्यावहे | जोतिष्यामहे |
| क्र० | अजोतिष्यत | अजोतिष्येताम् | अजोतिष्यन्त |
| | अजोतिष्यथाः | अजोतिष्येथाम् | अजोतिष्यध्वम् |
| | अजोतिष्ये | अजोतिष्यावहि | अजोतिष्यामहि |

अथ थान्ताः षट् सेटश्च

714 विथृङ् (विथृ) याचने ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० वथते | वेथेते | वेथन्ते |
| वेथसे | वेथेथे | वेथध्वे |
| वेथे | वेथावहे | वेथामहे |
| स० वेथेत | वेथेयाताम् | वेथेरन् |
| वेथेथाः | वेथेयाथाम् | वेथेध्वम् |
| वेथेय | वेथेवहि | वेथेमहि |
| प० वेथताम् | वेथेताम् | वेथन्ताम् |
| वेथस्व | वेथेथाम् | वेथध्वम् |
| वेथे | वेथावहे | वेथामहे |
| झ० अवेथत | अवेथेताम् | अवेथन्त |
| अवेथथाः | अवेथेथाम् | अवेथध्वम् |
| अवेथे | अवेथावहि | अवेथामहि |
| अ० अवेथिष्ट | अवेथिषाताम् | अवेथिषत |
| अवेथिष्ठाः | अवेथिषाथाम् | अवेथिड्ढ्वम् |
| अवेथिषि | अवेथिष्वहि | अवेथिष्महि |
| प० विविथे | विविथाते | विविथिरे |
| विविथिषे | विविथाथे | विविथिध्वे |
| विविथे | विविथिवहे | विविथिमहे |
| आ० वेथिषीष्ट | वेथिषीयास्ताम् | वेथिषीरन् |
| वेथिषीष्ठाः | वेथिषीयास्थाम् | वेथिषीध्वम् |
| वेथिषीय | वेथिषीवहि | वेथिषीमहि |
| भ्व० वेथिता | वेथितारौ | वेथितारः |
| वेथितासे | वेथितासाथे | वेथिताध्वे |
| वेथिताहे | वेथितास्वहे | वेथितास्महे |
| भ० वेथिष्यते | वेथिष्येते | वेथिष्यन्ते |
| वेथिष्यसे | वेथिष्येथे | वेथिष्यध्वे |
| वेथिष्ये | वेथिष्यावहे | वेथिष्यामहे |
| क्रि० अवेथिष्यत | अवेथिष्येताम् | अवेथिष्यन्त |
| अवेथिष्यथाः | अवेथिष्येथाम् | अवेथिष्यध्वम् |
| अवेथिष्ये | अवेथिष्यावहि | अवेथिष्यामहि |

715 वेथृङ् [वेथृ] याचने ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० वेथते | वेथेते | वेथन्ते |
| वेथसे | वेथेथे | वेथध्वे |
| वेथे | वेथावहे | वेथामहे |
| स० वेथेत | वेथेयाताम् | वेथेरन् |
| वेथेथाः | वेथेयाथाम् | वेथेध्वम् |
| वेथेय | वेथेवहि | वेथेमहि |
| प० वेथताम् | वेथेताम् | वेथन्ताम् |
| वेथस्व | वेथेथाम् | वेथध्वम् |
| वेथे | वेथावहे | वेथामहे |
| झ० अवेथत | अवेथेताम् | अवेथन्त |
| अवेथथाः | अवेथेथाम् | अवेथध्वम् |
| अवेथे | अवेथावहि | अवेथामहि |
| अ० अवेथिष्ट | अवेथिषाताम् | अवेथिषत |
| अवेथिष्ठाः | अवेथिषाथाम् | अवेथिड्ढ्वम् |
| अवेथिषि | अवेथिष्वहि | अवेथिष्महि |
| प० विवेथे | विवेथाते | विवेथिरे |
| विवेथिषे | विवेथाथे | विवेथिध्वे |
| विवेथे | विवेथिवहे | विवेथिमहे |
| आ० वेथिषीष्ट | वेथिषीयास्ताम् | वेथिषीरन् |
| वेथिषीष्ठाः | वेथिषीयास्थाम् | वेथिषीध्वम् |
| वेथिषीय | वेथिषीवहि | वेथिषीमहि |
| भ्व० वेथिता | वेथितारौ | वेथितारः |
| वेथितासे | वेथितासाथे | वेथिताध्वे |
| वेथिताहे | वेथितास्वहे | वेथितास्महे |
| भ० वेथिष्यते | वेथिष्येते | वेथिष्यन्ते |
| वेथिष्यसे | वेथिष्येथे | वेथिष्यध्वे |
| वेथिष्ये | वेथिष्यावहे | वेथिष्यामहे |
| क्रि० अवेथिष्यत | अवेथिष्येताम् | अवेथिष्यन्त |
| अवेथिष्यथाः | अवेथिष्येथाम् | अवेथिष्यध्वम् |
| अवेथिष्ये | अवेथिष्यावहि | अवेथिष्यामहि |

716 नाथश्च उपतापैश्वर्याशीःषु च । चकाराद् यावने ।

उपताप उपघातः । अत्र याश्चोपतापौ क्रियार्थत्वादर्थौ । ऐश्वर्याशिषौ तु धर्मत्वाद् द्योत्ये । यद्वा गण्डति श्वेतते प्रासादः, घण्टा ध्वनति संयुज्यते अस्ति समवैतीति द्रव्यगुणसंयोगसत्तासमवायानामिव सिद्धानामप्यख्यातवाच्यत्वेन सा-
ध्यतया प्रतीतेरनयोरर्थवत्त्वमप्यस्तु । यदाह—पूर्वापरीभूतं भावमाख्यातेनाचष्टे
“ आशिषि नाथः ” ॥ ३ । ३ । ३६ ॥ इत्याशिष्येवात्मनेपदनियमाद् अर्थान्तरे
परस्मैपदमेव । कथं तर्हि—

एतन्मन्दविपक्वतिन्दुकफलश्यामोदरापाण्डुर—

प्रान्तं हन्त पुलिन्दसुन्दरकरस्पर्शक्षमं लक्ष्यते ।

तत्पत्नीपतिपुत्रिकुञ्जरकुलं जीवाभयाभ्यर्थेना—

हीनं त्वामनुनाथते कुचयुगं पत्राशुकैर्मा पिशाः ॥ १ ॥

अपपाठ एषः अनुनाथति स्तनयुगं पत्राशुकैर्मा पिशा इति त्वभिपुक्ताः ।

तत्राशिषि —

ब० नाथते नाथेते नाथन्ते
नाथसे नाथेथे नाथध्वे
नाथे नाथावहे नाथामहे

स० नाथेत नाथेयाताम् नाथेरन
नाथेथाः नाथेयाथाम् नाथेध्वम्
नाथेय नाथेवहि नाथेमहि

प० नाथताम् नाथेताम् नाथन्ताम्
नाथस्व नाथेशाम् नाथध्वम्
नाथे नाथावहे नाथामहे

झ० अनाथत अनाथेताम् अनाथन्त
अनाथथाः अनाथेथाम् अनाथध्वम्
अनाथे अनाथावहि अनाथामहि

अ० अनाथिष्ट अनाथिषाताम् अनाथिषत
अनाथिष्ठाः अनाथिषाथाम् अनाथिष्ढ्वम्
अनाथिषि अनाथिष्वहि अनाथिषमहि

प० ननाथे ननाथाते ननाथिरे
ननाथिषे ननाथाथे ननाथिध्वे
ननाथे ननाथिषहे ननाथिमहे

आ० नाथिषीष्ट नाथिषीयास्ताम् नाथिषीरन्
नाथिषीष्ठाः नाथिषीयाथाम् नाथिषीध्वम्
नाथिषीय नाथिषीवहि नाथिषीमहि

ख० नाथिता नाथितारौ नाथितारः
नाथितासे नाथितासाथे नाथिताध्वे
नाथिताहे नाथितास्वहे नाथितास्महे

भ० नाथिष्यते नाथिष्येते नाथिष्यन्ते
नाथिष्यसे नाथिष्येथे नाथिष्यध्वे
नाथिष्ये नाथिष्यावहे नाथिष्यामहे

क्रि० अनाथिष्यत अनाथिष्येताम् अनाथिष्यन्त
अनाथिष्यथाः अनाथिष्येथाम् अनाथिष्यध्वम्
अनाथिष्ये अनाथिष्यावहि अनाथिष्यामहि

716-1 आशिषोऽन्यत्र ।

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० नाथति | नाथतः | नाथन्ति |
| नाथसि | नाथथः | नाथथ |
| नाथामि | नाथावः | नाथामः |
| स० नाथेत | नाथेताम् | नाथेयुः |
| नाथेः | नाथेतम् | नाथेत |
| नाथेयम् | नाथेव | नाथेम |
| प० नाथतु | नाथतात् | नाथताम् नाथन्तु |
| नाथः | " नाथतम् | नाथत |
| नाथानि | नाथाव | नाथाम |
| ह्य० अनाथत् | अनाथताम् | अनाथन् |
| अनाथः | अनाथतम् | अनाथत |
| अनाथम् | अनाथाव | अनाथाम |
| अ० अनाथीत् | अनाथिषाम् | अनाथिषुः |
| अनाथीः | अनाथिष्वम् | अनाथिष्व |
| अनाथिषम् | अनाथिष्व | अनाथिष्वम् |
| प० ननाथ | ननाथतुः | ननाथुः |
| ननाथिथ | ननाथथुः | ननाथ |
| ननाथ | ननाथिव | ननाथिम |
| आ० नाथ्यात् | नाथ्यास्ताम् | नाथ्यासुः |
| नाथ्याः | नाथ्यास्तम् | नाथ्यास्त |
| नाथ्यासम् | नाथ्यास्व | नाथ्यास्म |
| भ्व० नाथिता | नाथितारौ | नाथितारः |
| नाथितासि | नाथितास्थः | नाथितास्थ |
| नाथितास्मि | नाथितास्वः | नाथितास्मः |
| भ० नाथिष्यति | नाथिष्यतः | नाथिष्यन्ति |
| नाथिष्यसि | नाथिष्यथः | नाथिष्यथ |
| नाथिष्यामि | नाथिष्यावः | नाथिष्यामः |
| क्रि० अनाथिष्यत् | अनाथिष्यताम् | अनाथिष्यन् |
| अनाथिष्यः | अनाथिष्यतम् | अनाथिष्यत |
| अनाथिष्यम् | अनाथिष्याव | अनाथिष्याम |

717 अथुङ् (अन्थ्) दौथिल्ये

| | | |
|-------------------|------------------|----------------|
| व० अन्थते | अन्थेते | अन्थते |
| अन्थसे | अन्थेथे | अन्थध्वे |
| अन्थे | अन्थावहे | अन्थामहे |
| स० अन्थेत | अन्थेयाताम् | अन्थेरन् |
| अन्थेथाः | अन्थेयाथाम् | अन्थेध्वम् |
| अन्थेय | अन्थेवहि | अन्थेमहि |
| प० अन्थताम् | अन्थेताम् | अन्थन्ताम् |
| अन्थस्व | अन्थेथाम् | अन्थध्वम् |
| अन्थे | अन्थावहे | अन्थामहे |
| ह्य० अअन्थत | अअन्थेताम् | अअन्थन्त |
| अअन्थथाः | अअन्थेथाम् | अअन्थध्वम् |
| अअन्थे | अअन्थावहि | अअन्थामहि |
| अ० अअन्थिष्यत् | अअन्थिषाताम् | अअन्थिषत |
| अअन्थिषठाः | अअन्थिषाथाम् | अअन्थिष्वम् |
| अअन्थिष्व | | |
| अअन्थिषि | अअन्थिष्वहि | अअन्थिषमहि |
| प० शअन्थे | शअन्थाते | शअन्थिरे |
| शअन्थिषे | शअन्थाथे | शअन्थिध्वे |
| शअन्थे | शअन्थिवहे | शअन्थिमहे |
| आ० अअन्थिषोष्ट | अअन्थिषीयास्ताम् | अअन्थिषीरन् |
| अअन्थिषीष्ठाः | अअन्थिषीयाथाम् | अअन्थिषीध्वम् |
| अअन्थिषीय | अअन्थिषीवहि | अअन्थिषीमहि |
| भ्व० अअन्थिता | अअन्थितारौ | अअन्थितारः |
| अअन्थितासे | अअन्थितासाथे | अअन्थिताध्व |
| अअन्थिताहे | अअन्थितास्वहे | अअन्थितास्महे |
| भ० अअन्थिष्यते | अअन्थिष्येते | अअन्थिष्यन्ते |
| अअन्थिष्यसे | अअन्थिष्येथे | अअन्थिष्यध्वे |
| अअन्थिष्ये | अअन्थिष्यावहे | अअन्थिष्यामहे |
| क्रि० अअन्थिष्यत् | अअन्थिष्येताम् | अअन्थिष्यन्त |
| अअन्थिष्यथाः | अअन्थिष्येथाम् | अअन्थिष्यध्वम् |
| अअन्थिष्ये | अअन्थिष्यावहि | अअन्थिष्यामहि |

718 ग्रथुङ्(ग्रन्थ) कौटिल्ये कौटिल्यं

कुसुतिः बन्धश्च ।

| | | |
|-----------------|-------------------|-----------------|
| व० ग्रन्थते | ग्रन्थेते | ग्रन्थते |
| ग्रन्थसे | ग्रन्थेथे | ग्रन्थध्वे |
| ग्रन्थे | ग्रन्थावहे | ग्रन्थामहे |
| स० ग्रन्थेत | ग्रन्थेयाताम् | ग्रन्थेरन् |
| ग्रन्थेथाः | ग्रन्थेयाथाम् | ग्रन्थेध्वम् |
| ग्रन्थेय | ग्रन्थेवहि | ग्रन्थेमहि |
| प० ग्रन्थताम् | ग्रन्थेताम् | ग्रन्थन्ताम् |
| ग्रन्थस्व | ग्रन्थेथाम् | ग्रन्थध्वम् |
| ग्रन्थै | ग्रन्थावहै | ग्रन्थामहै |
| ह्य० अग्रन्थत | अग्रन्थेताम् | अग्रन्थन्त |
| अग्रन्थेथाः | अग्रन्थेथाम् | अग्रन्थध्वम् |
| अग्रन्थे | अग्रन्थावहि | अग्रन्थामहि |
| अ० अग्रन्थिष्ट | अग्रन्थिषाताम् | अग्रन्थिषत |
| अग्रन्थिष्ठाः | अग्रन्थिषाथाम् | अग्रन्थिषुध्वम् |
| | | -ध्वम् |
| | अग्रन्थिषि | अग्रन्थिष्वहि |
| | अग्रन्थिषमहि | |
| प० जग्रन्थे | जग्रन्थाते | जग्रन्थिरे |
| जग्रन्थे | जग्रन्थेथे | जग्रन्थेध्वे |
| जग्रन्थे | जग्रन्थावहे | जग्रन्थेमहे |
| आ० ग्रन्थिषीष्ट | ग्रन्थिषीयास्ताम् | ग्रन्थिषीरन् |
| ग्रन्थिषीष्ठाः | ग्रन्थिषीयास्थाम् | ग्रन्थिषीध्वम् |
| ग्रन्थिषीय | ग्रन्थिषीवहि | ग्रन्थिषीमहि |
| श्व० ग्रन्थिता | ग्रन्थितारौ | ग्रन्थितारः |
| ग्रन्थितासे | ग्रन्थितासाथे | ग्रन्थिताध्वे |
| ग्रन्थिताहे | ग्रन्थितास्वहे | ग्रन्थितास्महे |
| भ० ग्रन्थिष्यते | ग्रन्थिष्येते | ग्रन्थिष्यन्ते |
| ग्रन्थिष्यसे | ग्रन्थिष्येथे | ग्रन्थिष्यध्वे |
| ग्रन्थिष्ये | ग्रन्थिष्यावहे | ग्रन्थिष्यामहे |

क्रि० अग्रन्थिष्यत अग्रन्थिष्येताम् अग्रन्थिष्यन्त
अग्रन्थिष्यथाः अग्रन्थिष्येथाम् अग्रन्थिष्यध्वम्
अग्रन्थिष्ये अग्रन्थिष्यावहि अग्रन्थिष्यामहि

719 कत्थि (कत्थ) श्लाघायाम् ।

श्लाघा गुणारोपः ।

| | | |
|---------------|-----------------|---------------|
| व० कत्थते | कत्थेते | कत्थन्ते |
| कत्थसे | कत्थेथे | कत्थध्वे |
| कत्थे | कत्थावहे | कत्थामहे |
| स० कत्थेत | कत्थेयाताम् | कत्थेरन् |
| कत्थेथाः | कत्थेयाथाम् | कत्थेध्वम् |
| कत्थेय | कत्थेवहि | कत्थेमहि |
| प० कत्थताम् | कत्थेताम् | कत्थन्ताम् |
| कत्थस्व | कत्थेथाम् | कत्थध्वम् |
| कत्थै | कत्थावहै | कत्थामहै |
| ह्य० अकत्थत | अकत्थेताम् | अकत्थन्त |
| अकत्थाः | अकत्थेथाम् | अकत्थध्वम् |
| अकत्थे | अकत्थावहि | अकत्थामहि |
| अ० अकत्थिष्ट | अकत्थिषाताम् | अकत्थिषत |
| अकत्थिष्ठाः | अकत्थिषाथाम् | अकत्थिषुध्वम् |
| | | ध्वम् |
| | अकत्थिषि | अकत्थिष्वहि |
| | अकत्थिषमहि | |
| प० चकत्थे | चकत्थाते | चकत्थिरे |
| चकत्थे | चकत्थेथे | चकत्थेध्वे |
| चकत्थे | चकत्थावहे | चकत्थेमहे |
| आ० कत्थिषीष्ट | कत्थिषीयास्ताम् | कत्थिषीरन् |
| कत्थिषीष्ठाः | कत्थिषीयास्थाम् | कत्थिषीध्वम् |
| कत्थिषीय | कत्थिषीवहि | कत्थिषीमहि |
| श्व० कत्थिता | कत्थितारौ | कत्थितारः |
| कत्थितासे | कत्थितासाथे | कत्थिताध्वे |
| कत्थिताहे | कत्थितास्वहे | कत्थितास्महे |
| भ० कत्थिष्यते | कत्थिष्येते | कत्थिष्यन्ते |
| कत्थिष्यसे | कत्थिष्येथे | कत्थिष्यध्वे |
| कत्थिष्ये | कत्थिष्यावहे | कत्थिष्यामहे |

क्रि० अकत्थिष्यत अकत्थिष्येताम् अकत्थिष्यन्त
अकत्थिष्यथाः अकत्थिष्येथाम् अकत्थिष्यध्वम्
अकत्थिष्ये अकत्थिष्यावहि अकत्थिष्यामहि

अथ दान्ता एकविंशतिर्हर्दिवर्जाः सेटश्च ।

720 स्विदुङ् (स्विन्दु) श्वैत्ये ।

| | | | |
|----|-------------|----------------|---------------|
| व० | स्विन्दते | स्विन्देते | स्विन्दन्ते |
| | स्विन्दसे | स्विन्देथे | स्विन्दध्वे |
| | स्विन्दे | स्विन्दावहे | स्विन्दामहे |
| स० | स्विन्देत | स्विन्देयाताम् | स्विन्देरन् |
| | स्विन्देथाः | स्विन्देयाथाम् | स्विन्देध्वम् |
| | स्विन्देय | स्विन्देवहि | स्विन्देमहि |
| प० | स्विन्दताम् | स्विन्देताम् | स्विन्दन्ताम् |
| | स्विन्दस्व | स्विन्देथाम् | स्विन्दध्वम् |
| | स्विन्दे | स्विन्दावहै | स्विन्दामहै |

झ० अस्विन्दत अस्विन्देताम् अस्विन्दन्त
अस्विन्दथाः अस्विन्देथाम् अस्विन्दध्वम्
अस्विन्दे अस्विन्दावहि अस्विन्दामहि
अ० अस्विन्दिष्ट अस्विन्दिषाताम् अस्विन्दिषत
अस्विन्दिष्ठाः अस्विन्दिषाथाम् अस्विन्दिद्ध्वम्

ह्वम् ध्वम्
अस्विन्दिषि अस्विन्दिष्वहि अस्विन्दिष्महि

प० सिस्विन्दे सिस्विन्दाते सिस्विन्दिरे
सिस्विन्दिषे सिस्विन्दाथे सिस्विन्दिध्वे
सिस्विन्दे सिस्विन्दिवहे सिस्विन्दिमहे

स्विन्दिषीष्ट स्विन्दिषीयास्ताम् स्विन्दिषीरन्
स्विन्दिषीष्ठाः स्विन्दिषीयास्थाम् स्विन्दिषीध्वम्
स्विन्दिषीय स्विन्दिषीवहि स्विन्दिषीमहि

श्व० स्विन्दिता स्विन्दितारौ स्विन्दितारः
स्विन्दितासे स्विन्दितासाथे स्विन्दिताध्वे
स्विन्दिताहे स्विन्दितास्वहे स्विन्दितास्महे

भ० स्विन्दिष्यते स्विन्दिष्येते स्विन्दिष्यन्ते
स्विन्दिष्यसे स्विन्दिष्येथे स्विन्दिष्यध्वे
स्विन्दिष्ये स्विन्दिष्यावहे स्विन्दिष्यामहे

अस्विन्दिष्यत अस्विन्दिष्येताम् अस्विन्दिष्यन्त

अस्विन्दिष्यथाः अस्विन्दिष्येथाम्

अस्विन्दिष्यध्वे अस्विन्दिष्ये

अस्विन्दिष्यावहि अस्विन्दिष्यामहि

721 वदुङ् (वन्दु) स्तुत्यभिवादनयोः ।

स्तुतिः गुणैः प्रशंसा, अभिवादनं पादयोः

प्रणिपातः ॥

| | | | |
|----|--------|----------|----------|
| व० | वन्दते | वन्देते | वन्दन्ते |
| | वन्दसे | वन्देथे | वन्दध्वे |
| | वन्दे | वन्दावहे | वन्दामहे |

स० वन्देत वन्देयाताम् वन्देरन्
वन्देथाः वन्देयाथाम् वन्देध्वम्
वन्देय वन्देवहि वन्देमहि

प० वन्दताम् वन्देताम् वन्दन्ताम्
वन्दस्व वन्देथाम् वन्दध्वम्
वन्दे वन्दावहै वन्दामहै

झ० अवन्दत अवन्देताम् अवन्दन्त
अवन्दथाः अवन्देथाम् अवन्दध्वम्
अवन्दे अवन्दावहि अवन्दामहि

अ० अवन्दिष्ट अवन्दिषाताम् अवन्दिषत
अवन्दिष्ठाः अवन्दिषाथाम् अवन्दिद्ध्वम्
ध्वम्

अवन्दिषि अवन्दिष्वहि अवन्दिष्महि

प० ववन्दे ववन्दाते ववन्दिरे
ववन्दिषे ववन्दाथे ववन्दिध्वे
ववन्दे ववन्दिवहे ववन्दिमहे

आ० ववन्दिषीष्ट ववन्दिषीयास्ताम् ववन्दिषीरन्
ववन्दिषीष्ठाः ववन्दिषीयास्थाम् ववन्दिषीध्वम्
ववन्दिषीय ववन्दिषीवहि ववन्दिषीमहि

श्व० ववन्दिता ववन्दितारौ ववन्दितारः
ववन्दितासे ववन्दितासाथे ववन्दिताध्वे
ववन्दिताहे ववन्दितास्वहे ववन्दितास्महे

भ० ववन्दिष्यते ववन्दिष्येते ववन्दिष्यन्ते
ववन्दिष्यसे ववन्दिष्येथे ववन्दिष्यध्वे
ववन्दिष्ये ववन्दिष्यावहे ववन्दिष्यामहे

क्रि० अवन्दिष्यत अवन्दिष्येताम् अवन्दिष्यन्त

अवन्दिष्यथाः अवन्दिष्येथाम् अवन्दिष्यध्वम्

अवन्दिष्ये अवन्दिष्यावहि अवन्दिष्यामहि

722 भदुङ् (भन्द) सुखकल्याणयोः
सुखं सद्देयकर्मोदयाच्छुभानुभवनम्, कल्याणं
श्रेयः। प्रीतावप्यन्ये । प्रीतिर्मोहनीयविपाकः ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० भन्दते | भन्देते | भन्दते |
| भन्दसे | भन्देथे | भन्दध्वे |
| भन्दे | भन्दावहे | भन्दांमहे |
| स० भन्देत | भन्देयाताम् | भन्देरन् |
| भन्देथाः | भन्देयाथाम् | भन्देध्वम् |
| भन्देय | भन्देवहि | भन्देमहि |
| प० भन्दताम् | भन्देताम् | भन्दताम् |
| भन्दस्व | भन्देथाम् | भन्दध्वम् |
| भन्दै | भन्दावहै | भन्दांमहै |
| ह्य० अभन्दत | अभन्देताम् | अभन्दन्त |
| अभन्देथाः | अभन्देथाम् | अभन्दध्वम् |
| अभन्दे | अभन्दावहि | अभन्दांमहि |
| अ० अभन्दिष्ट | अभन्दिषाताम् | अभन्दिषत |
| अभन्दिष्ठाः | अभन्दिषाथाम् | अभन्दिष्वम् |
| | | -ध्वम् |
| | अभन्दिषि | अभन्दिष्वहि |
| | | अभन्दिषमहि |
| प० वभन्दे | वभन्दाते | वभन्दिरे |
| वभन्दिषे | वभन्दाथे | वभन्दिध्वे |
| वभन्दे | वभन्दिवहे | वभन्दिमहे |
| आ० भन्दिषीष्ट | भन्दिषीयास्ताम् | भन्दिषीरन् |
| भन्दिषीष्ठाः | भन्दिषीयास्थाम् | भन्दिषीध्वम् |
| भन्दिषीय | भन्दिषीवहि | भन्दिषीमहि |
| श्व० भन्दिता | भन्दितारौ | भन्दितारः |
| भन्दितासे | भन्दितासाथे | भन्दिताध्वे |
| भन्दिताहे | भन्दितास्वहे | भन्दितास्महे |
| भ० भन्दिष्यते | भन्दिष्येते | भन्दिष्यन्ते |
| भन्दिष्यसे | भन्दिष्येथे | भन्दिष्यध्वे |
| भन्दिष्ये | भन्दिष्यावहे | भन्दिष्यामहे |
| क्रि० अभन्दिष्यत | अभन्दिष्येताम् | अभन्दिष्यन्त |
| अभन्दिष्यथाः | अभन्दिष्येथाम् | अभन्दिष्यध्वम् |
| अभन्दिष्ये | अभन्दिष्यावहि | अभन्दिष्यामहि |

723 मदुङ् (मन्द) स्तुतिमोदमदस्वनगतिषु
मोदो हर्षः । मदो दर्पः स्वप्नेनालस्यमपि
लक्ष्यते ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० मन्दते | मन्देते | मन्दन्ते |
| मन्दसे | मन्देथे | मन्दध्वे |
| मन्दे | मन्दावहे | मन्दांमहे |
| स० मन्देत | मन्देयाताम् | मन्देरन् |
| मन्देथाः | मन्देयाथाम् | मन्देध्वम् |
| मन्देय | मन्देवहि | मन्देमहि |
| प० मन्दताम् | मन्देताम् | मन्दताम् |
| मन्दस्व | मन्देथाम् | मन्दध्वम् |
| मन्दै | मन्दावहै | मन्दांमहै |
| ह्य० अमन्दत | अमन्देताम् | अमन्दन्त |
| अमन्देथाः | अमन्देथाम् | अमन्दध्वम् |
| अमन्दे | अमन्दावहि | अमन्दांमहि |
| अ० अमन्दिष्ट | अमन्दिषाताम् | अमन्दिषत |
| अमन्दिष्ठाः | अमन्दिषाथाम् | अमन्दिष्वम् |
| | | -ध्वम् |
| | अमन्दिषि | अमन्दिष्वहि |
| | | अमन्दिषमहि |
| प० ममन्दे | ममन्दाते | ममन्दिरे |
| ममन्दिषे | ममन्दाथे | ममन्दिध्वे |
| ममन्दे | ममन्दिवहे | ममन्दिमहे |
| आ० मन्दिषीष्ट | मन्दिषीयास्ताम् | मन्दिषीरन् |
| मन्दिषीष्ठाः | मन्दिषीयास्थाम् | मन्दिषीध्वम् |
| मन्दिषीय | मन्दिषीवहि | मन्दिषीमहि |
| श्व० मन्दिता | मन्दितारौ | मन्दितारः |
| मन्दितासे | मन्दितासाथे | मन्दिताध्वे |
| मन्दिताहे | मन्दितास्वहे | मन्दितास्महे |
| भ० मन्दिष्यते | मन्दिष्येते | मन्दिष्यन्ते |
| मन्दिष्यसे | मन्दिष्येथे | मन्दिष्यध्वे |
| मन्दिष्ये | मन्दिष्यावहे | मन्दिष्यामहे |
| क्रि० अमन्दिष्यत | अमन्दिष्येताम् | अमन्दिष्यन्त |
| अमन्दिष्यथाः | अमन्दिष्येथाम् | अमन्दिष्यध्वम् |
| अमन्दिष्ये | अमन्दिष्यावहि | अमन्दिष्यामहि |

724 स्पन्दुर् (स्पन्द्) किञ्चिच्चलने ।

| | | |
|--------------------|-------------------|----------------|
| व० स्पन्दते | स्पन्देते | स्पन्दन्ते |
| स्पन्दसे | स्पन्देथे | स्पन्दध्वे |
| स्पन्दे | स्पन्दावहे | स्पन्दामहे |
| स० स्पन्देत | स्पन्देयाताम् | स्पन्देरन |
| स्पन्देथा | स्पन्देयाथाम् | स्पन्देध्वम् |
| स्पन्देय | स्पन्देवहि | स्पन्देमहि |
| प० स्पन्दताम् | स्पन्देताम् | स्पन्दन्ताम् |
| स्पन्दस्व | स्पन्देथाम् | स्पन्दध्वम् |
| स्पन्दै | स्पन्दावहै | स्पन्दामहै |
| ह्य० अस्पन्दत | अस्पन्देताम् | अस्पन्दन्त |
| अस्पन्दथाः | अस्पन्देथाम् | अस्पन्दध्वम् |
| अस्पन्दे | अस्पन्दावहि | अस्पन्दामहि |
| अ० अस्पन्दिष्ट | अस्पन्दिषाताम् | अस्पन्दिषत |
| अस्पन्दिष्ठाः | अस्पन्दिषाथाम् | अस्पन्दिध्वम् |
| अस्पन्दिषि | अस्पन्दिष्वहि | अस्पन्दिषमहि |
| प० पस्पन्दे | पस्पन्दाते | पस्पन्दिरे |
| पस्पन्दिषे | पस्पन्दाथे | पस्पन्दिध्वे |
| पस्पन्दे | पस्पन्दिवहे | पस्पन्दिमहे |
| स्पन्दिषीष्ट | स्पन्दिषीयास्ताम् | स्पन्दिषीरन् |
| स्पन्दिषीष्ठाः | स्पन्दिषीयास्थाम् | स्पन्दिषीध्वम् |
| स्पन्दिषीय | स्पन्दिषीवहि | स्पन्दिषीमहि |
| श्व० स्पन्दिता | स्पन्दितारौ | स्पन्दिताः |
| स्पन्दितासे | स्पन्दितासाथे | स्पन्दिताध्वे |
| स्पन्दिताहे | स्पन्दितास्वहे | स्पन्दितास्महे |
| भ० स्पन्दिष्यते | स्पन्दिष्येते | स्पन्दिष्यन्ते |
| स्पन्दिष्यसे | स्पन्दिष्येथे | स्पन्दिष्यध्वे |
| स्पन्दिष्ये | स्पन्दिष्यावहे | स्पन्दिष्यामहे |
| क्रि० अस्पन्दिष्यत | अस्पन्दिष्येताम् | अस्पन्दिष्यन्त |
| अस्पन्दिष्यथाः | अस्पन्दिष्येथाम् | |
| अस्पन्दिष्यध्वं | अस्पन्दिष्ये | |
| अस्पन्दिष्यावहि | अस्पन्दिष्यामहि | |

725 किलदुङ् (किलन्द्) परिदेवने

परिदेवनं शोचनम् ।

| | | |
|--------------------|-------------------|----------------|
| व० किलन्दते | किलन्देते | किलन्दन्ते |
| किलन्दसे | किलन्देथे | किलन्दध्वे |
| किलन्दे | किलन्दावहे | किलन्दामहे |
| स० किलन्देत | किलन्देयाताम् | किलन्देरन |
| किलन्देथाः | किलन्देयाथाम् | किलन्देध्वम् |
| किलन्देय | किलन्देवहि | किलन्देमहि |
| प० किलन्दताम् | किलन्देताम् | किलन्दन्ताम् |
| किलन्दस्व | किलन्देथाम् | किलन्दध्वम् |
| किलन्दै | किलन्दावहै | किलन्दामहै |
| ह्य० अकिलन्दत | अकिलन्देताम् | अकिलन्दन्त |
| अकिलन्दथाः | अकिलन्देथाम् | अकिलन्दध्वम् |
| अकिलन्दे | अकिलन्दावहि | अकिलन्दामहि |
| अकिलन्दिष्ट | अकिलन्दिषाताम् | अकिलन्दिषत |
| अकिलन्दिष्ठाः | अकिलन्दिषाथाम् | अकिलन्दिध्वम् |
| अकिलन्दिषि | अकिलन्दिष्वहि | अकिलन्दिषमहि |
| प० चिकिलन्दे | चिकिलन्दाते | चिकिलन्दरे |
| चिकिलन्दिषे | चिकिलन्दाथे | चिकिलन्दिध्वे |
| चिकिलन्दे | चिकिलन्दिवहे | चिकिलन्दिमहे |
| किलन्दिषीष्ट | किलन्दिषीयास्ताम् | किलन्दिषीरन् |
| किलन्दिषीष्ठाः | किलन्दिषीयास्थाम् | किलन्दिषीध्वम् |
| किलन्दिषीय | किलन्दिषीवहि | किलन्दिषीमहि |
| श्व० किलन्दिता | किलन्दितारौ | किलन्दिताः |
| किलन्दितासे | किलन्दितासाथे | किलन्दिताध्वे |
| किलन्दिताहे | किलन्दितास्वहे | किलन्दितास्महे |
| भ० किलन्दिष्यते | किलन्दिष्येते | किलन्दिष्यन्ते |
| किलन्दिष्यसे | किलन्दिष्येथे | किलन्दिष्यध्वे |
| किलन्दिष्ये | किलन्दिष्यावहे | किलन्दिष्यामहे |
| क्रि० अकिलन्दिष्यत | अकिलन्दिष्येताम् | अकिलन्दिष्यन्त |
| अकिलन्दिष्यथाः | अकिलन्दिष्येथाम् | |
| अकिलन्दिष्यध्वम् | अकिलन्दिष्ये | |
| अकिलन्दिष्यावहि | अकिलन्दिष्यामहि | |

726 मुदि (मुद्) हर्षे ।

अकर्मकोऽयम् ।

| | | | |
|-------------|-----------------|------------------|---------------|
| व० | मोदते | मोदेते | मोदन्ते |
| | मोदसे | मोदेथे | मोदध्वे |
| | मोदे | मोदावहे | मोदामहे |
| स० | मोदेत | मोदेयाताम् | मोदेरन् |
| | मोदेथाः | मोदेयाथाम् | मोदेध्वम् |
| | मोदेय | मोदेवहि | मोदेमहि |
| प० | मोदताम् | मोदेताम् | मोदन्ताम् |
| | मोदस्व | मोदेथाम् | मोदध्वम् |
| | मोदे | मोदावहे | मोदामहे |
| ह्य० | अमोदन् | अमोदेताम् | अमोदन्त |
| | अमोदथाः | अमोदेथाम् | अमोदध्वम् |
| | अमोदे | अमोदावहि | अमोदामहि |
| अ० | अमोदिष्ट | अमोदिषाताम् | अमोदिषन् |
| | अमोदिष्टाः | अमोदिषाथाम् | अमोदिद्ध्वम् |
| | अमोदिषि | अमोदिष्वहि | अमोदिष्महि |
| प० | मुमुदे | मुमुदाते | मुमुदिरे |
| | मुमुदिषे | मुमुदाथे | मुमुदिध्वे |
| | मुमुदे | मुमुदिवहे | मुमुदिमहे |
| आ० | मुमुदिषीष्ट | मुमुदिषीयास्ताम् | मुमुदिषीरन् |
| | मुमुदिषीष्टाः | मुमुदिषीयास्थाम् | मुमुदिषीध्वम् |
| | मुमुदिषीय | मुमुदिषीवहि | मुमुदिषीमहि |
| श्व० | मुमुदिता | मुमुदितारौ | मुमुदितारः |
| | मुमुदितासे | मुमुदितासाथे | मुमुदिताध्वे |
| | मुमुदिताहे | मुमुदितास्वहे | मुमुदितास्महे |
| भ० | मुमुदिष्यते | मुमुदिष्येते | मुमुदिष्यन्ते |
| | मुमुदिष्यसे | मुमुदिष्येथे | मुमुदिष्यध्वे |
| | मुमुदिष्ये | मुमुदिष्यावहे | मुमुदिष्यामहे |
| अमुमुदिष्यत | अमुमुदिष्येताम् | अमुमुदिष्यन्त | |
| | अमुमुदिष्यथाः | अमुमुदिष्येथाम् | |
| | अमुमुदिष्यध्वम् | अमुमुदिष्ये | |
| | अमुमुदिष्यावहि | अमुमुदिष्यामहि | |

727 ददि (दद्) दाने ।

धारणे इति कौशिकः ।

| | | | |
|----------|--------------|----------------|-------------|
| व० | ददते | ददेते | ददन्ते |
| | ददसे | ददेथे | ददध्वे |
| | ददे | ददावहे | ददामहे |
| स० | ददेत | ददेयाताम् | ददेरन् |
| | ददेथाः | ददेयाथाम् | ददेध्वम् |
| | ददेय | ददेवहि | ददेमहि |
| प० | ददताम् | ददेताम् | ददन्ताम् |
| | ददस्व | ददेथाम् | ददध्वम् |
| | ददे | ददावहे | ददामहे |
| ह्य० | अददन् | अददेताम् | अददन्त |
| | अददथाः | अददेथाम् | अददध्वम् |
| | अददे | अददावहि | अददामहि |
| अ० | अददिष्ट | अददिषाताम् | अददिषन् |
| | अददिष्टाः | अददिषाथाम् | अददिद्ध्वम् |
| | अददिषि | अददिष्वहि | अददिष्महि |
| प० | दददे | दददाते | दददिरे |
| | दददिषे | दददाथे | दददिध्वे |
| | दददे | दददिवहे | दददिमहे |
| आ० | दददिषीष्ट | दददिषीयास्ताम् | दददिषीरन् |
| | दददिषीष्टाः | दददिषीयास्थाम् | दददिषीध्वम् |
| | दददिषीय | दददिषीवहि | दददिषीमहि |
| श्व० | ददिता | ददितारौ | ददितारः |
| | ददितासे | ददितासाथे | ददिताध्वे |
| | ददिताहे | ददितास्वहे | ददितास्महे |
| भ० | ददिष्यते | ददिष्येते | ददिष्यन्ते |
| | ददिष्यसे | ददिष्येथे | ददिष्यध्वे |
| | ददिष्ये | ददिष्यावहे | ददिष्यामहे |
| अददिष्यत | अददिष्येताम् | अददिष्यन्त | |
| | अददिष्यथाः | अददिष्येथाम् | |
| | अददिष्यध्वम् | अददिष्ये | |
| | अददिष्यावहि | अददिष्यामहि | |

728 हृदि (हृद्) पुरीषोत्सर्गः ।

| | | |
|-----------------|----------------|--------------------|
| व० हृदते | हृदते | हृदन्ते |
| हृदसे | हृदथे | हृदध्वे |
| हृदे | हृदावहे | हृदामहे |
| स० हृदेत | हृदेयाताम् | हृदेरन् |
| हृदेथाः | हृदेयाथाम् | हृदेध्वम् |
| हृदेय | हृदेवहि | हृदेमहि |
| प० हृदताम् | हृदेताम् | हृदन्ताम् |
| हृदस्य | हृदेथाम् | हृदध्वम् |
| हृदै | हृदावहै | हृदामहै |
| ह्य० अहृदत | अहृदेताम् | अहृदन्त |
| अहृदथाः | अहृदेथाम् | अहृदध्वम् |
| अहृदे | अहृदावहि | अहृदामहि |
| अ० अहृत्त | अहृत्साताम् | अहृत्सन्त |
| अहृत्थाः | अहृत्साथाम् | अहृद्ध्वम्-द्ध्वम् |
| अहृत्सि | अहृत्सवहि | अहृत्समहि |
| प० जहृदे | जहृदाते | जहृदिरे |
| जहृदिवे | जहृदाथे | जहृदिध्वे |
| जहृदे | जहृदिवहे | जहृदिमहे |
| हृत्सीष्ट | हृत्सीयास्ताम् | हृत्सीरन् |
| हृत्सीष्टाः | हृत्सीयास्थाम् | हृत्सीध्वम् |
| हृत्सीय | हृत्सीवहि | हृत्सीमहि |
| श्व० हृत्ता | हृत्तारौ | हृत्तारः |
| हृत्तासे | हृत्तासाथे | हृत्ताध्वे |
| हृत्ताहे | हृत्तास्वहे | हृत्तास्महे |
| भ० हृत्स्यते | हृत्स्येते | हृत्स्यन्ते |
| हृत्स्यसे | हृत्स्येथे | हृत्स्यध्वे |
| हृत्स्ये | हृत्स्यावहे | हृत्स्यामहे |
| क्रि० अहृत्स्यत | अहृत्स्येताम् | अहृत्स्यन्त |
| अहृत्स्यथाः | अहृत्स्येथाम् | अहृत्स्यध्वम् |
| अहृत्स्ये | अहृत्स्यावहि | अहृत्स्यामहि |

729 ष्वदि (ष्वद्) आस्वादाने ।

आस्वादनं जिह्वया लेहः ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० ष्वदते | ष्वदते | ष्वदन्ते |
| ष्वदसे | ष्वदथे | ष्वदध्वे |
| ष्वदे | ष्वदावहे | ष्वदामहे |
| स० ष्वदेत | ष्वदेयाताम् | ष्वदेरन् |
| ष्वदेथाः | ष्वदेयाथाम् | ष्वदेध्वम् |
| ष्वदेय | ष्वदेवहि | ष्वदेमहि |
| प० ष्वदताम् | ष्वदेताम् | ष्वदन्ताम् |
| ष्वदस्य | ष्वदेथाम् | ष्वदध्वम् |
| ष्वदै | ष्वदावहै | ष्वदामहै |
| ह्य० अष्वदत | अष्वदेताम् | अष्वदन्त |
| अष्वदथाः | अष्वदेथाम् | अष्वदध्वम् |
| अष्वदे | अष्वदावहि | अष्वदामहि |
| अष्वदिष्ट | अष्वदिषाताम् | अष्वदिषन्त |
| अष्वदिष्टाः | अष्वदिषाथाम् | अष्वदिध्वम् |
| अष्वदिषि | अष्वदिष्वहि | अष्वदिषमहि |
| प० सष्वदे | सष्वदाते | सष्वदिरे |
| सष्वदिवे | सष्वदाथे | सष्वदिध्वे |
| सष्वदे | सष्वदिवहे | सष्वदिमहे |
| आ० ष्वदिषीष्ट | ष्वदिषीयास्ताम् | ष्वदिषीरन् |
| ष्वदिषीष्टाः | ष्वदिषीयास्थाम् | ष्वदिषीध्वम् |
| ष्वदिषीय | ष्वदिषीवहि | ष्वदिषीमहि |
| श्व० ष्वदिता | ष्वदितारौ | ष्वदितारः |
| ष्वदितासे | ष्वदितासाथे | ष्वदिताध्वे |
| ष्वदिताहे | ष्वदितास्वहे | ष्वदितास्महे |
| भ० ष्वदिष्यते | ष्वदिष्येते | ष्वदिष्यन्ते |
| ष्वदिष्यसे | ष्वदिष्येथे | ष्वदिष्यध्वे |
| ष्वदिष्ये | ष्वदिष्यावहे | ष्वदिष्यामहे |
| क्रि० अष्वदिष्यत | अष्वदिष्येताम् | अष्वदिष्यन्त |
| अष्वदिष्यथाः | अष्वदिष्येथाम् | अष्वदिष्यध्वम् |
| अष्वदिष्ये | अष्वदिष्यावहि | अष्वदिष्यामहि |

730 स्वर्दि (स्वर्द) आस्वादने ।

आस्वादनं जिह्वया लेहः ।

| | | |
|-------------------------------|------------------|------------------|
| व० स्वर्दते | स्वर्दते | स्वर्दन्ते |
| स्वर्दसे | स्वर्दथे | स्वर्दध्वे |
| स्वर्दे | स्वर्दावहे | स्वर्दामहे |
| स० स्वर्दताम् | स्वर्दयाताम् | स्वर्दरन् |
| स्वर्दथाः | स्वर्दयाथाम् | स्वर्दध्वम् |
| स्वर्दथ | स्वर्दवहि | स्वर्दमहि |
| प० स्वर्दताम् | स्वर्दताम् | स्वर्दन्ताम् |
| स्वर्दस्व | स्वर्दथाम् | स्वर्दध्वम् |
| स्वर्दे | स्वर्दावहे | स्वर्दामहे |
| ह्य० अस्वर्दत | अस्वर्दताम् | अस्वर्दन्तः |
| अस्वर्दथाः | अस्वर्दथाम् | अस्वर्दध्वम् |
| अस्वर्दे | अस्वर्दावहि | अस्वर्दामहि |
| अ० अस्वर्दिष्ट | अस्वर्दिषाताम् | अस्वर्दिषत |
| अस्वर्दिष्ठाः | अस्वर्दिषाम् | अस्वर्दिष्वम् |
| अस्वर्दिषि | अस्वर्दिष्वहि | अस्वर्दिषमहि |
| प० सस्वर्द | सस्वर्दते | सस्वर्दिरे |
| सस्वर्दिषे | सस्वर्दथे | सस्वर्दध्वे |
| सस्वर्दे | सस्वर्दावहे | सस्वर्दामहे |
| स्वर्दिषीष्टस्वर्दिषीयास्ताम् | स्वर्दिषीरन् | |
| स्वर्दिषीष्ठाः | स्वर्दिषीयाथाम् | स्वर्दिषीध्वम् |
| स्वर्दिषीय | स्वर्दिषीवहि | स्वर्दिषीमहि |
| श्व० स्वर्दिता | स्वर्दितारौ | स्वर्दितारः |
| स्वर्दितासे | स्वर्दितासाथे | स्वर्दिताध्वे |
| स्वर्दिताहे | स्वर्दितास्वहे | स्वर्दितास्महे |
| भ० स्वर्दिष्यते | स्वर्दिष्येते | स्वर्दिष्यन्ते |
| स्वर्दिष्यसे | स्वर्दिष्येथे | स्वर्दिष्यध्वे |
| स्वर्दिष्ये | स्वर्दिष्यावहे | स्वर्दिष्यामहे |
| क्रि० अस्वर्दिष्यत | अस्वर्दिष्येताम् | अस्वर्दिष्यन्त |
| अस्वर्दिष्यथाः | अस्वर्दिष्येथाम् | अस्वर्दिष्यध्वम् |
| अस्वर्दिष्ये | अस्वर्दिष्यावहि | अस्वर्दिष्यामहि |

स्वादि (स्वाद्) आस्वादनने ।

आस्वादनं जिह्वया लेहः ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० स्वादते | स्वादते | स्वादन्ते |
| स्वादसे | स्वादथे | स्वादध्वे |
| स्वादे | स्वादावहे | स्वादामहे |
| स० स्वादेत | स्वादेयाताम् | स्वादेरन् |
| स्वादेथाः | स्वादेयाथाम् | स्वादेध्वम् |
| स्वादेय | स्वादेवहि | स्वादमहि |
| प० स्वादताम् | स्वादताम् | स्वादन्ताम् |
| स्वादस्व | स्वादथाम् | स्वादध्वम् |
| स्वादै | स्वादावहे | स्वादामहे |
| ह्य० अस्वादत | अस्वादेताम् | अस्वादन्त |
| अस्वादथाः | अस्वादेथाम् | अस्वादध्वम् |
| अस्वादे | अस्वादावहि | अस्वादामहि |
| अस्वादिष्ट | अस्वादिषाताम् | अस्वादिषत |
| अस्वादिष्ठाः | अस्वादिषाथाम् | अस्वादिष्वम् |
| अस्वादिषि | अस्वादिष्वहि | अस्वादिषमहि |
| प० सस्वादे | सस्वादाते | सस्वादरे |
| सस्वादिषे | सस्वादाथे | सस्वादध्वे |
| सस्वादे | सस्वादावहे | सस्वादामहे |
| आ० स्वादिषीष्ट | स्वादिषीयास्ताम् | स्वादिषीरन् |
| स्वादिषीष्ठाः | स्वादिषीयाथाम् | स्वादिषीध्वम् |
| स्वादिषीय | स्वादिषीवहि | स्वादिषीमहि |
| श्व० स्वादिता | स्वादितारौ | स्वादितारः |
| स्वादितासे | स्वादितासाथे | स्वादिताध्वे |
| स्वादिताहे | स्वादितास्वहे | स्वादितास्महे |
| भ० स्वादिष्यते | स्वादिष्येते | स्वादिष्यन्ते |
| स्वादिष्यसे | स्वादिष्येथे | स्वादिष्यध्वे |
| स्वादिष्ये | स्वादिष्यावहे | स्वादिष्यामहे |
| क्रि० अस्वादिष्यत | अस्वादिष्येताम् | अस्वादिष्यन्त |
| अस्वादिष्यथाः | अस्वादिष्येथाम् | अस्वादिष्यध्वम् |
| अस्वादिष्ये | अस्वादिष्यावहि | अस्वादिष्यामहि |

732 उर्दि (ऊर्द्) मानक्रीडयोश्च ।

मानं मितिः ।

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| व० उर्दते | उर्दते | उर्दन्ते |
| उर्दसे | उर्दथे | उर्दध्वे |
| उर्दे | उर्दावहे | उर्दामहे |
| स० उर्देत | उर्देयाताम् | उर्देरन |
| उर्देथाः | उर्देयाथाम् | उर्देध्वम् |
| उर्देय | उर्देवहि | उर्देमहि |
| प० उर्दताम् | उर्दताम् | उर्दन्ताम् |
| उर्दस्व | उर्दथाम् | उर्दध्वम् |
| उर्दे | उर्दावहे | उर्दामहे |
| ह्य० और्दत | और्दताम् | और्दन्त |
| और्दथाः | और्दथाम् | और्दध्वम् |
| और्दे | और्दावहि | और्दामहि |
| अ० और्दिष्ट | और्दिषाताम् | और्दिषत |
| और्दिष्ठाः | और्दिषाथाम् | और्दिष्वध्वम् |
| और्दिषि | और्दिष्वहि | और्दिष्महि |
| प० उर्दाश्चक्रे | उर्दाश्चक्रते | उर्दाश्चक्रिरे |
| उर्दाश्चकृषे | उर्दाश्चक्राथे | उर्दाश्चकृद्वे |
| उर्दाश्चक्रे | उर्दाश्चकृवहे | उर्दाश्चकृमहे |
| उर्दाम्बभूव | उर्दामास | |

उर्दिषीष्ट उर्दिषीयास्ताम् उर्दिषीरन
 उर्दिषीष्ठाः उर्दिषीयास्थाम् उर्दिषीध्वम्
 उर्दिषीय उर्दिषीवहि उर्दिषीमहि
 श्व० उर्दिता उर्दितारौ उर्दितारः
 उर्दितासे उर्दितासाथे उर्दिताध्वे
 उर्दिताहे उर्दितास्वहे उर्दितास्महे
 भ० उर्दिष्यते उर्दिष्येते उर्दिष्यन्ते
 उर्दिष्यसे उर्दिष्येथे उर्दिष्यध्वे
 उर्दिष्ये उर्दिष्यावहे उर्दिष्यामहे
 क्रि० और्दिष्यत और्दिष्येताम् और्दिष्यन्त
 और्दिष्यथाः और्दिष्येथाम् और्दिष्यध्वम्
 और्दिष्ये और्दिष्यावहि और्दिष्यामहि

733 कूर्दि (कूर्द्) क्रीडायाम् ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० कूर्दते | कूर्दते | कूर्दन्ते |
| कूर्दसे | कूर्दथे | कूर्दध्वे |
| कूर्दे | कूर्दावहे | कूर्दामहे |
| स० कूर्देत | कूर्देयाताम् | कूर्देरन |
| कूर्देथाः | कूर्देयाथाम् | कूर्देध्वम् |
| कूर्देय | कूर्देवहि | कूर्देमहि |
| प० कूर्दताम् | कूर्दताम् | कूर्दन्ताम् |
| कूर्दस्व | कूर्दथाम् | कूर्दध्वम् |
| कूर्दे | कूर्दावहे | कूर्दामहे |
| ह्य० अकूर्दत | अकूर्देताम् | अकूर्दन्त |
| अकूर्दथाः | अकूर्देथाम् | अकूर्दध्वम् |
| अकूर्दे | अकूर्दावहि | अकूर्दामहि |
| अकूर्दिष्ट | अकूर्दिषाताम् | अकूर्दिषत |
| अकूर्दिष्ठाः | अकूर्दिषाथाम् | अकूर्दिष्वध्वम् |
| अकूर्दिषि | अकूर्दिष्वहि | अकूर्दिष्महि |
| प० चुकूर्दे | चुकूर्दते | चुकूर्दिरे |
| चुकूर्दिषे | चुकूर्दथे | चुकूर्दिध्वे |
| चुकूर्दे | चुकूर्दावहे | चुकूर्दिमहे |
| आ० कूर्दिषीष्ट | कूर्दिषीयास्ताम् | कूर्दिषीरन |
| कूर्दिषीष्ठाः | कूर्दिषीयास्थाम् | कूर्दिषीध्वम् |
| कूर्दिषीय | कूर्दिषीवहि | कूर्दिषीमहि |
| श्व० कूर्दिता | कूर्दितारौ | कूर्दितारः |
| कूर्दितासे | कूर्दितासाथे | कूर्दिताध्वे |
| कूर्दिताहे | कूर्दितास्वहे | कूर्दितास्महे |
| भ० कूर्दिष्यते | कूर्दिष्येते | कूर्दिष्यन्ते |
| कूर्दिष्यसे | कूर्दिष्येथे | कूर्दिष्यध्वे |
| कूर्दिष्ये | कूर्दिष्यावहे | कूर्दिष्यामहे |
| क्रि० अकूर्दिष्यत | अकूर्दिष्येताम् | अकूर्दिष्यन्त |
| अकूर्दिष्यथाः | अकूर्दिष्येथाम् | |
| अकूर्दिष्यध्वम् | अकूर्दिष्ये | |
| अकूर्दिष्यावहि | अकूर्दिष्यामहि | |

734 गुर्दि (गुर्द्) क्रीडायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|----------------|
| व० | गुर्दते | गुर्दते | गुर्दन्ते |
| | गुर्दसे | गुर्दथे | गुर्दध्वे |
| | गुर्दे | गुर्दावहे | गुर्दामहे |
| स० | गुर्देत | गुर्देयाताम् | गुर्देरन |
| | गुर्देथाः | गुर्देयाथाम् | गुर्देध्वम् |
| | गुर्देय | गुर्देवहि | गुर्देमहि |
| प० | गुर्दताम् | गुर्दताम् | गुर्दन्ताम् |
| | गुर्दस्व | गुर्दथाम् | गुर्दध्वम् |
| | गुर्दे | गुर्दावहे | गुर्दामहे |
| ह्य० | अगुर्दत | अगुर्देताम् | अगुर्दन्त |
| | अगुर्दथाः | अगुर्देथाम् | अगुर्दध्वम् |
| | अगुर्दे | अगुर्दावहि | अगुर्दामहि |
| | गुर्दिष्ट | अगुर्दिषाताम् | अगुर्दिषत |
| | देष्टाः | अगुर्दिषाथाम् | अगुर्दिष्ट्वम् |
| | अगुर्दिषि | अगुर्दिष्वहि | अगुर्दिषमहि |
| १० | जुगुर्दे | जुगुर्दते | जुगुर्दिरे |
| | जुगुर्दिषे | जुगुर्दथे | जुगुर्दिध्वे |
| | जुगुर्दे | जुगुर्दावहे | जुगुर्दामहे |
| ॥० | गुर्दिषीष्ट | गुर्दिषीयास्ताम् | गुर्दिषीरन् |
| | गुर्दिषीष्टाः | गुर्दिषीयास्थाम् | गुर्दिषीध्वम् |
| | गुर्दिषीय | गुर्दिषीवहि | गुर्दिषीमहि |
| श्व० | गुर्दिता | गुर्दितारौ | गुर्दितारः |
| | गुर्दितासे | गुर्दितासाथे | गुर्दिताध्वे |
| | गुर्दिताहे | गुर्दितास्वहे | गुर्दितास्महे |
| भ० | गुर्दिष्यते | गुर्दिष्येते | गुर्दिष्यन्ते |
| | गुर्दिष्यसे | गुर्दिष्येथे | गुर्दिष्यध्वे |
| | गुर्दिष्ये | गुर्दिष्यावहे | गुर्दिष्यामहे |
| क्रि० | अगुर्दिष्यत | अगुर्दिष्येताम् | अगुर्दिष्यन्त |
| | अगुर्दिष्यथाः | अगुर्दिष्येथाम् | |
| | अगुर्दिष्यध्वम् | अगुर्दिष्ये | |
| | अगुर्दिष्यावहि | अगुर्दिष्यामहि | |

735 गुदि (गुद्) क्रीडायाम् ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | गोदते | गोदेते | गोदन्ते |
| | गोदसे | गोदेथे | गोदध्वे |
| | गोदे | गोदावहे | गोदामहे |
| स० | गोदेत | गोदेयाताम् | गोदेरन |
| | गोदेथाः | गोदेयाथाम् | गोदेध्वम् |
| | गोदेय | गोदेवहि | गोदेमहि |
| प० | गोदताम् | गोदताम् | गोदन्ताम् |
| | गोदस्व | गोदेथाम् | गोदध्वम् |
| | गोदे | गोदावहे | गोदामहे |
| ह्य० | अगोदत | अगोदेताम् | अगोदन्त |
| | अगोदथाः | अगोदेथाम् | अगोदध्वम् |
| | अगोदे | अगोदावहि | अगोदामहि |
| | अ० | अगोदिष्ट | अगोदिषाताम् |
| | अगोदिष्टाः | अगोदिषाथाम् | अगोदिष्ट्वम् |
| | अगोदिषि | अगोदिष्वहि | अगोदिषमहि |
| प० | जुगुदे | जुगुदाते | जुगुदिरे |
| | जुगुदिषे | जुगुदाथे | जुगुदिध्वे |
| | जुगुदे | जुगुदावहे | जुगुदामहे |
| आ० | गोदिषीष्ट | गोदिषीयास्ताम् | गोदिषीरन् |
| | गोदिषीष्टाः | गोदिषीयास्थाम् | गोदिषीध्वम् |
| | गोदिषीय | गोदिषीवहि | गोदिषीमहि |
| श्व० | गोदिता | गोदितारौ | गोदितारः |
| | गोदितासे | गोदितासाथे | गोदिताध्वे |
| | गोदिताहे | गोदितास्वहे | गोदितास्महे |
| भ० | गोदिष्यते | गोदिष्येते | गोदिष्यन्ते |
| | गोदिष्यसे | गोदिष्येथे | गोदिष्यध्वे |
| | गोदिष्ये | गोदिष्यावहे | गोदिष्यामहे |
| क्रि० | अगोदिष्यत | अगोदिष्येताम् | अगोदिष्यन्त |
| | अगोदिष्यथाः | अगोदिष्येथाम् | अगोदिष्यध्वम् |
| | अगोदिष्ये | अगोदिष्यावहि | अगोदिष्यामहि |

736 षूदि (सूइ) क्षरणे ।

क्षरणं निरसनम् ।

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| व० सूदते | सूदेते | सूदन्ते |
| सूदसे | सूदेथे | सूदध्वे |
| सूदे | सूदावहे | सूदामहे |
| स० सूदेत | सूदेयाताम् | सूदेरन् |
| सूदेथाः | सूदेयाथाम् | सूदेध्वम् |
| सूदेय | सूदेवहि | सूदेमहि |
| प० सूदताम् | सूदेताम् | सूदन्ताम् |
| सूदस्व | सूदेशाम् | सूदध्वम् |
| सूद्वै | सूदावहै | सूदामहै |
| झ० असूदत | असूदेताम् | असूदन्त |
| असूदथाः | असूदेथाम् | असूदध्वम् |
| असूदे | असूदावहि | असूदामहि |
| अ० असूदिष्ट | असूदिषाताम् | असूदिषन्त |
| असूदिष्ठाः | असूदिषाथाम् | असूदिषध्वम् |
| असूदिषि | असूदिष्वहि | असूदिषमहि |
| प० सुषूदे | सुषूदाते | सुषूदिरे |
| सुषूदिषे | सुषूदाथे | सुषूदिष्वे |
| सुषूदे | सुषूदिष्वहे | सुषूदिमहे |
| आ० सूदिषीष्ट | सूदिषीयाताम् | सूदिषीरन् |
| सूदिषीष्ठाः | सूदिषीयाथाम् | सूदिषीध्वम् |
| सूदिषीय | सूदिषीवहि | सूदिषीमहि |
| श्व० सूदिता | सूदितारौ | सूदितारः |
| सूदितासे | सूदितासाथे | सूदिताध्वे |
| सूदिताहे | सूदितास्वहे | सूदितास्महे |
| भ० सूदिष्यते | सूदिष्येते | सूदिष्यन्ते |
| सूदिष्यसे | सूदिष्येथे | सूदिष्यध्वे |
| सूदिष्ये | सूदिष्यावहे | सूदिष्यामहे |
| क्रि० असूदिष्यत | असूदिष्येताम् | असूदिष्यन्त |
| असूदिष्यथाः | असूदिष्येथाम् | असूदिष्यध्वम् |
| असूदिष्ये | असूदिष्यावहि | असूदिष्यामहि |

737 हादि (हाद्) शब्दे । अव्यक्ते

शब्दे इत्यन्ये । अव्यक्तोऽपरिस्फुटवर्णः

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| व० हावते | हादेते | हादन्ते |
| हादसे | हादेथे | हादध्वे |
| हादे | हादावहे | हादामहे |
| स० हादेत | हादेयाताम् | हादेरन् |
| हादेथाः | हादेयाथाम् | हादेध्वम् |
| हादेय | हादेवहि | हादेमहि |
| प० हादताम् | हादेताम् | हादन्ताम् |
| हादस्व | हादेथाम् | हादध्वम् |
| हाद्वै | हादावहै | हादामहै |
| झ० अहादत | अहादेताम् | अहादन्त |
| अहादथाः | अहादेथाम् | अहादध्वम् |
| अहादे | अहादावहि | अहादामहि |
| अहादिष्ट | अहादिषाताम् | अहादिषन्त |
| अहादिष्ठाः | अहादिषाथाम् | अहादिषध्वम् |
| अहादिषि | अहादिष्वहि | अहादिषमहि |
| प० जहादे | जहादाते | जहादिरे |
| जहादिषे | जहादाथे | जहादिष्वे |
| जहादे | जहादिष्वहे | जहादिमहे |
| आ० हादिषीष्ट | हादिषीयाताम् | हादिषीरन् |
| हादिषीष्ठाः | हादिषीयाथाम् | हादिषीध्वम् |
| हादिषीय | हादिषीवहि | हादिषीमहि |
| श्व० हादिता | हादितारौ | हादितारः |
| हादितासे | हादितासाथे | हादिताध्वे |
| हादिताहे | हादितास्वहे | हादितास्महे |
| भ० हादिष्यते | हादिष्येते | हादिष्यन्ते |
| हादिष्यसे | हादिष्येथे | हादिष्यध्वे |
| हादिष्ये | हादिष्यावहे | हादिष्यामहे |
| क्रि० अहादिष्यत | अहादिष्येताम् | अहादिष्यन्त |
| अहादिष्यथाः | अहादिष्येथाम् | अहादिष्यध्वम् |
| अहादिष्ये | अहादिष्यावहि | अहादिष्यामहि |

ह्लादैश्च (ह्लाद्) सुखे च ।

चकाराच्छब्दे ।

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | ह्लादते | ह्लादते | ह्लादन्ते |
| | ह्लादसे | ह्लादथे | ह्लादध्वे |
| | ह्लादे | ह्लादावहे | ह्लादामहे |
| स० | ह्लादेत | ह्लादेयाताम् | ह्लादेरन |
| | ह्लादेथाः | ह्लादेयाथाम् | ह्लादेध्वम् |
| | ह्लादेय | ह्लादेयहि | ह्लादेमहि |
| प० | ह्लादताम् | ह्लादेनाम् | ह्लादन्ताम् |
| | ह्लादस्व | ह्लादेथाम् | ह्लादध्वम् |
| | ह्लादै | ह्लादावहे | ह्लादामहे |
| झ० | अह्लादत | अह्लादेताम् | अह्लादन्त |
| | अह्लादथाः | अह्लादेथाम् | अह्लादध्वम् |
| | अह्लादे | अह्लादावहि | अह्लादामहि |
| | ह्लादिष्ट | अह्लादिषाताम् | अह्लादिषत |
| | ह्लादिष्ठाः | अह्लादिषाथाम् | अह्लादिष्वम् |
| | अह्लादिषि | अह्लादिष्वहि | अह्लादिष्वमहि |
| प० | जह्लादे | जह्लादाते | जह्लादिरे |
| | जह्लादिषे | जह्लादाथे | जह्लादिध्वे |
| | जह्लादे | जह्लादिषहे | जह्लादिमहे |
| आ० | ह्लादिषीष्ट | ह्लादिषीयास्ताम् | ह्लादिषीरन |
| | ह्लादिषीष्ठाः | ह्लादिषीयास्थाम् | ह्लादिषीध्वम् |
| | ह्लादिषीय | ह्लादिषीवहि | ह्लादिषीमहि |
| श्व० | ह्लादिता | ह्लादितारौ | ह्लादितारः |
| | ह्लादितासे | ह्लादितासाथे | ह्लादिताध्वे |
| | ह्लादिताहे | ह्लादितास्वहे | ह्लादितास्महे |
| भ० | ह्लादिष्यते | ह्लादिष्येते | ह्लादिष्यन्ते |
| | ह्लादिष्यसे | ह्लादिष्येथे | ह्लादिष्यध्वे |
| | ह्लादिष्ये | ह्लादिष्यावहे | ह्लादिष्यामहे |
| क्रि० | अह्लादिष्यत | अह्लादिष्येताम् | अह्लादिष्यन्त |
| | अह्लादिष्यथाः | अह्लादिष्येथाम् | अह्लादिष्यध्वम् |
| | अह्लादिष्ये | अह्लादिष्यावहि | अह्लादिष्यामहि |

739 पर्दि (पद्) कुत्सिते शब्दे ।

पायुध्वनौ वर्तते । अन्ये तु निःशब्दमधो-
घातं पर्वनं मन्वाना अशब्दे इत्याहुः ।

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पर्दते | पर्दते | पर्दन्ते |
| | पर्दसे | पर्दथे | पर्दध्वे |
| | पर्दे | पर्दावहे | पर्दामहे |
| स० | पर्देत | पर्देयाताम् | पर्देरन |
| | पर्देथाः | पर्देयाथाम् | पर्देध्वम् |
| | पर्देय | पर्देयहि | पर्देमहि |
| प० | पर्दताम् | पर्देनाम् | पर्दन्ताम् |
| | पर्दस्व | पर्देथाम् | पर्दध्वम् |
| | पर्दै | पर्दावहे | पर्दामहे |
| झ० | अपर्दत | अपर्देताम् | अपर्दन्त |
| | अपर्दथाः | अपर्देथाम् | अपर्दध्वम् |
| | अपर्दे | अपर्दावहि | अपर्दामहि |
| अ० | अपर्दिष्ट | अपर्दिषाताम् | अपर्दिषत |
| | अपर्दिष्ठाः | अपर्दिषाथाम् | अपर्दिष्वम् |
| | अपर्दिषि | अपर्दिष्वहि | अपर्दिष्वमहि |
| प० | पपर्दे | पपर्दाते | पपर्दिरे |
| | पपर्दिषे | पपर्दाथे | पपर्दिध्वे |
| | पपर्दे | पपर्दिषहे | पपर्दिमहे |
| आ० | पर्दिषीष्ट | पर्दिषीयास्ताम् | पर्दिषीरन |
| | पर्दिषीष्ठाः | पर्दिषीयास्थाम् | पर्दिषीध्वम् |
| | पर्दिषीय | पर्दिषीवहि | पर्दिषीमहि |
| श्व० | पर्दिता | पर्दितारौ | पर्दितारः |
| | पर्दितासे | पर्दितासाथे | पर्दिताध्वे |
| | पर्दिताहे | पर्दितास्वहे | पर्दितास्महे |
| भ० | पर्दिष्यते | पर्दिष्येते | पर्दिष्यन्ते |
| | पर्दिष्यसे | पर्दिष्येथे | पर्दिष्यध्वे |
| | पर्दिष्ये | पर्दिष्यावहे | पर्दिष्यामहे |
| क्रि० | अपर्दिष्यत | अपर्दिष्येताम् | अपर्दिष्यन्त |
| | अपर्दिष्यथाः | अपर्दिष्येथाम् | अपर्दिष्यध्वम् |
| | अपर्दिष्ये | अपर्दिष्यावहि | अपर्दिष्यामहि |

740 स्कुदुङ् (स्कुन्द) आप्रवणे ।

आप्रवणमुत्प्लुत्य गमनमास्कन्दनं वा ।

अ० स्कुन्दते स्कुन्देते स्कुन्दन्ते
स्कुन्दसे स्कुन्देथे स्कुन्दध्वे
स्कुन्दे स्कुन्दावहे स्कुन्दांमहे

स० स्कुन्देत स्कुन्देयाताम् स्कुन्देरन्
स्कुन्देथाः स्कुन्देयाताम् स्कुन्देध्वम्
स्कुन्देय स्कुन्देवहि स्कुन्देमहि

प० स्कुन्देताम् स्कुन्देताम् स्कुन्दन्ताम्
स्कुन्दस्व स्कुन्देथाम् स्कुन्देध्वम्
स्कुन्दे स्कुन्दीवहे स्कुन्दीमहे

झ० अस्कुन्देत अस्कुन्देताम् अस्कुन्दन्त
अस्कुन्देथाः अस्कुन्देथाम् अस्कुन्देध्वम्
अस्कुन्दे अस्कुन्दीवहि अस्कुन्दीमहि

अ० अस्कुन्दिष्ट अस्कुन्दिषाताम् अस्कुन्दिषत
अस्कुन्दिष्ठाः अस्कुन्दिषाताम् अस्कुन्दि-
ड्वम्

अस्कुन्दिषि अस्कुन्दिष्यहि अस्कुन्दिष्यमहि

ण० चुस्कुन्दे चुस्कुन्दाते चुस्कुन्दिरे
चुस्कुन्दिषे चुस्कुन्दाथे चुस्कुन्दिध्वे
चुस्कुन्दे चुस्कुन्दिषहे चुस्कुन्दिमहे

आ स्कुन्दिषीष्ट स्कुन्दिषीयास्ताम् स्कुन्दिषीरन्
स्कुन्दिषीष्ठाः स्कुन्दिषीयास्ताम् स्कुन्दिषीध्वम्
स्कुन्दिषीय स्कुन्दिषीवहि स्कुन्दिषीमहि

प्र० स्कुन्दिता स्कुन्दितारौ स्कुन्दितारः
स्कुन्दितासे स्कुन्दितासाथे स्कुन्दिताध्वे
स्कुन्दिताहे स्कुन्दितास्वहे स्कुन्दितास्महे

भ० स्कुन्दिष्यते स्कुन्दिष्येते स्कुन्दिष्यन्ते
स्कुन्दिष्यसे स्कुन्दिष्येथे स्कुन्दिष्यध्वे
स्कुन्दिष्ये स्कुन्दिष्यावहे स्कुन्दिष्यामहे

अस्कुन्दिष्यत अस्कुन्दिष्येताम् अस्कुन्दिष्यन्त
अस्कुन्दिष्यथाः अस्कुन्दिष्येथाम् अस्कुन्दिष्यध्वम्
अस्कुन्दिष्ये अस्कुन्दिष्यावहि अस्कुन्दिष्यामहि

अथ धान्ताः सप्त सेटश्च

741 एधि (एध्) वृद्धौ ।

अ० एधाते एधेते एधन्ते
एधासे एधेथे एधध्वे
एधे एधावहे एधांमहे

स० एधेत एधेयाताम् एधेरन्
एधेथाः एधेयाताम् एधेध्वम्
एधेय एधेवहि एधेमहि

प० एधाताम् एधेताम् एधन्ताम्
एधास्व एधेथाम् एधध्वम्
एधे एधावहे एधांमहे

झ० एधेत एधेताम् एधन्त
एधेथाः एधेथाम् एधेध्वम्
एधे एधावहि एधांमहि

अ० ऐधिष्ट ऐधिषाताम् ऐधिषत
ऐधिष्ठाः ऐधिषाताम् ऐधिषध्वम्

ऐधिषि ऐधिष्यहि ऐधिष्यमहि

ण० एधाश्चक्रे एधाश्चक्राते एधाश्चक्रिरे
एधाश्चक्रे एधाश्चक्राथे एधाश्चक्रध्वे
एधाश्चक्रे एधाश्चक्रवहे एधाश्चक्रमहे
एधाम्बभूव एधामास

आ० एधिषीष्ट एधिषीयास्ताम् एधिषीरन्
एधिषीष्ठाः एधिषीयास्ताम् एधिषीध्वम्
एधिषीय एधिषीवहि एधिषीमहि

प्र० एधिता एधितारौ एधितारः
एधितासे एधितासाथे एधिताध्वे
एधिताहे एधितास्वहे एधितास्महे

भ० एधिष्यते एधिष्येते एधिष्यन्ते
एधिष्यसे एधिष्येथे एधिष्यध्वे
एधिष्ये एधिष्यावहे एधिष्यामहे

क्रि० ऐधिष्यत ऐधिष्येताम् ऐधिष्यन्त
ऐधिष्यथाः ऐधिष्येथाम् ऐधिष्यध्वम्
ऐधिष्ये ऐधिष्यावहि ऐधिष्यामहि

742 स्पर्द्धि (स्पर्द्ध) सङ्घर्षे ।

संघर्षः पराभिभवेच्छा । कर्मणो धात्वर्थेनो

पसङ्गहादकर्मकः ।

| | | |
|-------------------|---------------------|--------------------|
| व० स्पर्द्धते | स्पर्द्धते | स्पर्द्धते |
| स्पर्द्धसे | स्पर्द्धथे | स्पर्द्धध्वे |
| स्पर्द्धे | स्पर्द्धावहे | स्पर्द्धामहे |
| स० स्पर्द्धेत | स्पर्द्धेयाताम् | स्पर्द्धेरन |
| स्पर्द्धेथाः | स्पर्द्धेयाथाम् | स्पर्द्धेध्वम् |
| स्पर्द्धेय | स्पर्द्धेवहि | स्पर्द्धेमहि |
| प० स्पर्द्धताम् | स्पर्द्धताम् | स्पर्द्धन्ताम् |
| स्पर्द्धस्व | स्पर्द्धेथाम् | स्पर्द्धध्वम् |
| स्पर्द्धे | स्पर्द्धावहे | स्पर्द्धामहे |
| झ० अस्पर्द्धत | अस्पर्द्धेताम् | अस्पर्द्धन्त |
| अस्पर्द्धथाः | अस्पर्द्धेथाम् | अस्पर्द्धध्वम् |
| अस्पर्द्धे | अस्पर्द्धावहि | अस्पर्द्धामहि |
| अ० अस्पर्द्धिष्ट | अस्पर्द्धिषाताम् | अस्पर्द्धिषत |
| अस्पर्द्धिष्ठाः | अस्पर्द्धिषाथाम् | अस्पर्द्धिष्वम् |
| अस्पर्द्धिषि | अस्पर्द्धिष्वहि | अस्पर्द्धिष्वमहि |
| प० पस्पर्द्धे | पस्पर्द्धति | पस्पर्द्धिरे |
| पस्पर्द्धिषे | पस्पर्द्धाथे | पस्पर्द्धिध्वे |
| पस्पर्द्धे | पस्पर्द्धिष्वहे | पस्पर्द्धिमहे |
| आ स्पर्द्धिषीष्ट | स्पर्द्धिषीयास्ताम् | स्पर्द्धिषीरन् |
| स्पर्द्धिषीष्ठाः | स्पर्द्धिषीयास्थाम् | स्पर्द्धिषीध्वम् |
| स्पर्द्धिषीय | स्पर्द्धिषीवहि | स्पर्द्धिषीमहि |
| प्रथ० स्पर्द्धिता | स्पर्द्धितारौ | स्पर्द्धितारः |
| स्पर्द्धितासे | स्पर्द्धितासाथे | स्पर्द्धिताध्वे |
| स्पर्द्धिताहे | स्पर्द्धितास्वहे | स्पर्द्धितास्महे |
| भ० स्पर्द्धिष्यते | स्पर्द्धिष्येते | स्पर्द्धिष्यन्ते |
| स्पर्द्धिष्यसे | स्पर्द्धिष्येथे | स्पर्द्धिष्यध्वे |
| स्पर्द्धिष्ये | स्पर्द्धिष्यावहे | स्पर्द्धिष्यामहे |
| अस्पर्द्धिष्यत | अस्पर्द्धिष्येताम् | अस्पर्द्धिष्यन्त |
| अस्पर्द्धिष्यथाः | अस्पर्द्धिष्येथाम् | अस्पर्द्धिष्यध्वम् |
| अस्पर्द्धिष्ये | अस्पर्द्धिष्यावहि | अस्पर्द्धिष्यामहि |

743 गाधृक् (गाध) प्रतिष्ठालिप्सा-
ग्रन्थेषु ।

प्रतिष्ठास्पष्टम् । ऋधुमिच्छालिप्सा ।

ग्रन्थनं ग्रन्थः । प्रतिष्ठायामकर्मकोऽयं

लिप्साग्रन्थयोः सकर्मकः

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० गाधाते | गाधेते | गाधन्ते |
| गाधासे | गाधेथे | गाधध्वे |
| गाधे | गाधावहे | गाधामहे |
| स० गाधेत | गाधेयाताम् | गाधेरन |
| गाधेथाः | गाधेयाथाम् | गाधेध्वम् |
| गाधेय | गाधेवहि | गाधेमहि |
| प० गाधाताम् | गाधेताम् | गाधन्ताम् |
| गाधस्व | गाधेथाम् | गाधध्वम् |
| गाधे | गाधावहे | गाधामहे |
| झ० अगाधत | अगाधेताम् | अगाधन्त |
| अगाधथाः | अगाधेथाम् | अगाधध्वम् |
| अगाधे | अगाधावहि | अगाधामहि |
| अ० अगाधिष्ट | अगाधिषाताम् | अगाधिषत |
| अगाधिष्ठाः | अगाधिषाथाम् | अगाधिष्वम् |
| अगाधिषि | अगाधिष्वहि | अगाधिष्वमहि |
| प० जगाधे | जगाधाते | जगाधिरे |
| जगाधिषे | जगाधाथे | जगाधिध्वे |
| जगाधे | जगाधिष्वहे | जगाधिमहे |
| आ० गाधिषीष्ट | गाधिषीयास्ताम् | गाधिषीरन् |
| गाधिषीष्ठाः | गाधिषीयास्थाम् | गाधिषीध्वम् |
| गाधिषीय | गाधिषीवहि | गाधिषीमहि |
| प्र० गाधिता | गाधितारौ | गाधितारः |
| गाधितासे | गाधितासाथे | गाधिताध्वे |
| गाधिताहे | गाधितास्वहे | गाधितास्महे |
| भ० गाधिष्यते | गाधिष्येते | गाधिष्यन्त |
| गाधिष्यसे | गाधिष्येथे | गाधिष्यध्वे |
| गाधिष्ये | गाधिष्यावहे | गाधिष्यामहे |
| क्रि० अगाधिष्यत | अगाधिष्येताम् | अगाधिष्यन्त |
| अगाधिष्यथाः | अगाधिष्येथाम् | अगाधिष्यध्वम् |
| अगाधिष्ये | अगाधिष्यावहि | अगाधिष्यामहि |

744 बाधृ (बाध्) रोटने ।

रोटनं प्रतिधातः ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० बाधते | बाधेते | बाधन्ते |
| बाधसे | बाधेथे | बाधध्वे |
| बाधे | बाधावहे | बाधामहे |
| स० बाधेत | बाधेयाताम् | बाधेरन् |
| बाधेथाः | बाधेयाथाम् | बाधेध्वम् |
| बाधेय | बाधेवहि | बाधेमहि |
| प० बाधताम् | बाधेताम् | बाधन्ताम् |
| बाधस्व | बाधेथाम् | बाधध्वम् |
| बाधे | बाधावहे | बाधामहे |
| ह्य० अबाधत | अबाधेताम् | अबाधन्त |
| अबाधथाः | अबाधेथाम् | अबाधध्वम् |
| अबाधे | अबाधावहि | अबाधामहि |
| अ० अबाधिष्ट | अबाधिषाताम् | अबाधिषत |
| अबाधिष्ठाः | अबाधिषाथाम् | अबाधिध्वम् |
| अबाधिषि | अबाधिष्वहि | अबाधिष्महि |
| प० बबाधे | बबाधाते | बबाधिरे |
| बबाधिषे | बबाधाथे | बबाधिध्वे |
| बबाधे | बबाधावहे | बबाधिमहे |
| आ० बाधिषीष्ट | बाधिषीयास्ताम् | बाधिषीरन् |
| बाधिषीष्ठाः | बाधिषीयास्थाम् | बाधिषीध्वम् |
| बाधिषीय | बाधिषीवहि | बाधिषीमहि |
| प्रथ० बाधिता | बाधितारौ | बाधितारः |
| बाधितासे | बाधितासाथे | बाधिताध्वे |
| बाधिताहे | बाधितास्वहे | बाधितास्महे |
| भ० बाधिष्यते | बाधिष्येते | बाधिष्यन्ते |
| बाधिष्यसे | बाधिष्येथे | बाधिष्यध्वे |
| बाधिष्ये | बाधिष्यावहे | बाधिष्यामहे |
| क्रि० अबाधिष्यत | अबाधिष्येताम् | अबाधिष्यन्त |
| अबाधिष्यथाः | अबाधिष्येथाम् | अबाधिष्यध्वम् |
| अबाधिष्ये | अबाधिष्यावहि | अबाधिष्यामहि |

745 दधि [दध्] धारणे ।

दाने इति कौशिकः ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| ब० दधते | दधेते | दधन्ते |
| दधसे | दधेथे | दधध्वे |
| दधे | दधावहे | दधामहे |
| स० दधेत | दधेयाताम् | दधेरन् |
| दधेथाः | दधेयाथाम् | दधेध्वम् |
| दधेय | दधेवहि | दधेमहि |
| प० दधताम् | दधेताम् | दधन्ताम् |
| दधस्व | दधेथाम् | दधध्वम् |
| दधे | दधावहे | दधामहे |
| ह्य० अदधत | अदधेताम् | अदधन्त |
| अदधथाः | अदधेथाम् | अदधध्वम् |
| अदधे | अदधावहि | अदधामहि |
| अ० अदधिष्ट | अदधिषाताम् | अदधिषत |
| अदधिष्ठाः | अदधिषाथाम् | अदधिध्वम् |
| अदधिषि | अदधिष्वहि | अदधिष्महि |
| प० देधे | देधाते | देधिरे |
| देधिषे | देधाथे | देधिध्वे |
| देधे | देधिवहे | देधिमहे |
| आ० दधिषीष्ट | दधिषीयास्ताम् | दधिषीरन् |
| दधिषीष्ठाः | दधिषीयास्थाम् | दधिषीध्वम् |
| दधिषीय | दधिषीवहि | दधिषीमहि |
| प्रथ० दधिता | दधितारौ | दधितारः |
| दधितासे | दधितासाथे | दधिताध्वे |
| दधिताहे | दधितास्वहे | दधितास्महे |
| भ० दधिष्यते | दधिष्येते | दधिष्यन्ते |
| दधिष्यसे | दधिष्येथे | दधिष्यध्वे |
| दधिष्ये | दधिष्यावहे | दधिष्यामहे |
| क्रि० अदधिष्यत | अदधिष्येताम् | अदधिष्यन्त |
| अदधिष्यथाः | अदधिष्येथाम् | अदधिष्यध्वम् |
| अदधिष्ये | अदधिष्यावहि | अदधिष्यामहि |

746 वधि (वधु-बीभत्स) बन्धने ।

तस्माद्वैरूप्ये ।

व० बीभत्सते बीभत्सते बीभत्सन्ते
 बीभत्ससे बीभत्सथे बीभत्सध्वे
 बीभत्से बीभत्सावहेबीभत्सामहे
 स० बीभत्सेत बीभत्सेयाताम् बीभत्सेरन्
 बीभत्सेयाःबीभत्सेयाथाम्बीभत्सेध्वम्
 बीभत्सेय बीभत्सेवहि बीभत्सेमहि
 प० बीभत्सताम्बीभत्सेताम्बीभत्सन्ताम्
 बीभत्सस्व बीभत्सेयाम् बीभत्सध्वम्
 बीभत्सै बीभत्सावहे बीभत्सामहे
 ह्य० बीभत्सत बीभत्सेताम् बीभत्सन्त
 बीभत्सयाःबीभत्सेयाम्बीभत्सध्वम्
 बीभत्से बीभत्सावहि बीभत्सामहि
 बीभत्सिष्टबीभत्सिषाताम्बीभत्सिषत
 बीभत्सिष्टाःबीभत्सिषाथाम्बीभत्सि
 इद्वम्-ध्वम्
 अबीभत्सिषि अबीभत्सिष्वहि
 अबीभत्सिषमहि
 प० बीभत्साश्चक्रे बीभत्साश्चक्राथे
 बीभत्साश्चकिरे बीभत्साश्चकृषे
 बीभत्साश्चक्राथे बीभत्साश्चकृढवे
 बीभत्साश्चक्रे बीभत्साश्चकृवहे
 बीभत्साश्चक्रमहे
 बीभत्साम्बभूव बीभत्सामास
 आ० बीभत्सिषीष्ट बीभत्सिषीयास्ताम्
 बीभत्सिषीरन् बीभत्सिषीष्टाः
 बीभत्सिषीयास्थाम् बीभत्सिषीध्वम्
 बीभत्सिषीयबीभत्सिषीवहि बीभत्सिषीमहि
 प्र० बीभत्सिता बीभत्सितारौबीभत्सितारः
 बीभत्सितासे बीभत्सितासाथेबीभत्सिताध्वे
 बीभत्सिताहेबीभत्सितास्वहेबीभत्सितास्महे
 भ० बीभत्सिष्यतेबीभत्सिष्येतेबीभत्सिष्यन्ते
 बीभत्सिष्यसेबीभत्सिष्येथेबीभत्सिष्यध्वे
 बीभत्सिष्येबीभत्सिष्यावहेबीभत्सिष्यामहे

क्रि० अबीभत्सिष्यत अबीभत्सिष्येताम्
 अबीभत्सिष्यन्त अबीभत्सिष्यथाः
 अबीभत्सिष्येताम् अबीभत्सिष्यध्वम्
 अबीभत्सिष्ये अबीभत्सिष्यावहि
 अबीभत्सिष्यामहि

746-1 वैरूप्यादन्यत्र ।

व० वधते वधेते वधन्ते
 वधसे वधेथे वधध्वे
 वधे वधावहे वधामहे
 स० वधेत वधेयाताम् वधेरन्
 वधेयाः वधेयाथाम् वधेध्वम्
 वधेय वधेवहि वधेमहि
 प० वधताम् वधेताम् वधन्ताम्
 वधस्व वधेथाम् वधध्वम्
 वधै वधावहे वधामहे
 ह्य० अवधत अवधेताम् अवधन्त
 अवधथाः अवधेथाम् अवधध्वम्
 अवधे अवधावहि अवधामहि
 अ० अवधिष्ट अवधिषाताम् अवधिषत
 अवधिष्ठाः अवधिषाथाम् अवधि-
 इद्वम्-ध्वम्
 अवधिषि अवधिष्वहि अवधिषमहि
 प० वेधे वेधाते वेधिरे
 धिषे वेधाथे वेधिध्वे
 वेधे वेधिवहे वेधिमहे
 आ० वधिषीष्ट वधिषीयास्ताम् वधिषीरन्
 वधिषीष्टाः वधिषीयास्थाम् वधिषीध्वम्
 वधिषीय वधिषीवहि वधिषामहि
 प्र० वधिता वधितारौ वधितारः
 वधितासे वधितासाथे वधिताध्वे
 वधिताहे वधितास्वहे वधितास्महे
 भ० वधिष्यते वधिष्येते वधिष्यन्ते
 वधिष्यसे वधिष्येथे वधिष्यध्वे
 वधिष्ये वधिष्यावहे वधिष्यामहे
 क्रि० अवधिष्यत अवधिष्येताम् अवधिष्यन्त
 अवधिष्यथाः अवधिष्येथाम् अवधिष्यध्वम्
 अवधिष्ये अवधिष्यावहि अवधिष्यामहि

747 नाधृङ् [नाधृ] नाधृङ् वत्

उपतापैश्वर्याशीर्याश्चास्वर्थेषु नाधृङ् वदयं वर्तते । लाघवार्थमेवं निर्देशः । वर्णक्रमानुस-
रणात् नैकत्राधीतौ ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० नाधते | नाधेते | नाधन्ते |
| नाधसे | नाधेथे | नाधध्वे |
| नाधे | नाधावहे | नाधामहे |
| स० नाधेत | नाधेयाताम् | नाधेरन् |
| नाधेशाः | नाधेयाथाम् | नाधेध्वम् |
| य | नाधेवहि | नाधेमहि |
| प० नाधताम् | नाधेताम् | नाधन्ताम् |
| नाधस्व | नाधेथाम् | नाधध्वम् |
| नाधे | नाधावहे | नाधामहे |
| झ० अनाधत | अनाधेताम् | अनाधन्त |
| अनाधथाः | अनाधेथाम् | अनाधध्वम् |
| अनाधे | अनाधावहि | अनाधामहि |
| अ० अनाधिष्ट | अनाधिषाताम् | अनाधिषत |
| अनाधिष्ठाः | अनाधिषाथाम् | अनाधिषध्वम् |
| अनाधि | अनाधिष्वहि | अनाधिषमहि |
| प० ननाधे | ननाधाते | ननाधिरे |
| ननाधिषे | ननाधाथे | ननाधिष्वे |
| ननाधे | ननाधिष्वहे | ननाधिष्वहे |
| आ० नाधिषीष्ट | नाधिषीयास्ताम् | नाधिषीरन् |
| नाधिषीष्ठाः | नाधिषीयास्थाम् | नाधिषीध्वम् |
| नाधिषीय | नाधिषीवहि | नाधिषीमहि |
| ध्व० नाधिता | नाधितारौ | नाधितारः |
| नाधितासे | नाधितासाथे | नाधिताध्वे |
| नाधिताहे | नाधितास्वहे | नाधितास्महे |
| भ० नाधिष्यते | नाधिष्येते | नाधिष्यन्ते |
| नाधिष्यसे | नाधिष्येथे | नाधिष्यध्वे |
| नाधिष्ये | नाधिष्यावहे | नाधिष्यामहे |
| क्रि० अनाधिष्यत | अनाधिष्येताम् | अनाधिष्यन्त |
| अनाधिष्यथाः | अनाधिष्येथाम् | अनाधिष्यध्वम् |
| अनाधिष्ये | अनाधिष्यावहि | अनाधिष्यामहि |

अथ नान्ती द्वौ सेटौ च ।

748 पनि (पन्-पनाय्) स्तुनौ ।

| | | |
|----------------|--------------------------|---------------|
| व० पनायति | पनायतः | पनायन्ति |
| पनायसि | पनायथः | पनायथ |
| पनायामि | पनायावः | पनायामः |
| स० पनायेत् | पनायेताम् | पनायेयुः |
| पनायेः | पनायेतम् | पनायेत |
| पनायेयम् | पनायेव | पनायेम |
| प० पनायतु | पनायतात् | पनायताम् |
| पनाय | " | पनायतम् |
| पनायानि | पनायाव | पनायाम |
| झ० अपनायत् | अपनायताम् | अपनायन् |
| अपनायः | अपनायतम् | अपनायत |
| अपनायम् | अपनायाव | अपनायाम |
| अ० अपनायीत् | अपनायिष्टाम् | अपनायिषुः |
| अपनायीः | अपनायिष्टम् | अपनायिष्ट |
| अपनायिषाम् | अपनायिष्व | अपनायिषम् |
| अपनिष्ट | अपनिष्ठाताम् | अपनिष्ठत |
| अपनिष्ठाः | अपनिष्ठाथाम् | अपनिष्ठध्वम् |
| अपनिष्ठि | अपनिष्ठ्वहि | अपनिष्ठमहि |
| प० पनायाञ्चकार | पनायाञ्चकतुः | पनायाञ्चक्रुः |
| पनायाञ्चकर्थ | पनायाञ्चकथुः | पनायाञ्चक |
| पनायाञ्चकार | करपनायोञ्चकृषपनायाञ्चकृम | |
| पनायामास | । | पनायाम्बभूव |
| पेने | पेनाते | पेनिरे |
| पेनिषे | पेनाथे | पेनिध्वे |
| पेने | पेनिष्वहे | पेनिमहे |
| आ० पनाय्यात् | पनाय्यास्ताम् | पनाय्यास्तुः |
| पनाय्यायाः | पनाय्यास्तम् | पनाय्यास्त |
| पनाय्यासम् | पनाय्यास्व | पनाय्यास्म |
| पनिषीष्ट | पनिषीयास्ताम् | पनिषीरन् |
| पनिषीष्ठाः | पनिषीयास्थाम् | पनिषीध्वम् |
| पनिषीय | पनिषीवहि | पनिषीमहि |

श्व० पनायिता पनायितारौ पनायितारः
पनायितासि पनायितास्थः पनायितास्थः
पनायितास्मिपनायितास्वः पनायितास्मः
पनिता पनितारौ पनितारः
पनितासे पनितासाथे पनिताध्वे
पनिताहे पनितास्वहे पनितास्महे

भ० पनायिष्यति पनायिष्यतः पनायिष्यन्ति
पनायिष्यसि पनायिष्यथः पनायिष्यथ
पनायिष्यामिपनायिष्यावः पनायिष्यामः
पनिष्यते पनिष्येते पनिष्यन्ते
पनिष्यसे पनिष्येथे पनिष्यध्वे
पनिष्ये पनिष्यावहे पनिष्यामहे

क्रिअपनायिष्यतअपनायिष्यताम् अपनायिष्यन्
अपनायिष्यः अपनायिष्यतम् अपनायिष्यता
अपनायिष्यम् अपनायिष्याव अपनायिष्याम

अपनिष्यत अपनिष्येताम् अपनिष्यन्त
अपनिष्यथाः अपनिष्येथाम् अपनिष्यध्वम्
अपनिष्ये अपनिष्यावहि अपनिष्यामहि

अत्रायान्तस्येङिःवाभावात् “शेषात्परस्मै”
इति परस्मैपदम्, ये तु स्वार्थिकप्रत्ययान्त-
स्य प्रकृतिवद् ग्रहणाद् यथा यप्रत्ययान्तरूप
प्रकृत्यर्थवाचित्वं तथेदित्वमपीति प्र-
तिपेक्षास्तन्मते “इङितः कर्तरि” इत्या-
त्मनेपदे पनायते इत्यादि । ए प्रणिष्ठा-
नावपि ज्ञेयम्, केवलं नकारस्थाने णकारो
वाच्यः । तन्मते निम्नगतरूपाणि,

पनायते । पनायेत । पनायताम्
अपनायत । अपनायिष्ट । अपनिष्ट ।
पनायाश्चक्रे । पनायास्वभूव
पनायामास । पनायिषीष्ट । पनिषीष्ट ॥
पनायिता । पनिता ॥ पनायिष्यते ।
पनिष्यते ॥ अपनायिष्यत, अपनिष्यत ॥

इत्यादि ॥

749 मानि (मान् मीमांस) विचारे तु

व० मीमांसते मीमांसेते मीमांसन्ते
मीमांससे मीमांसेथे मीमांसध्वे
मीमांसे मीमांसावहे मीमांसामहे
स० मीमांसेत मीमांसेयाताम् मीमांसेरन्
मीमांसेथाः मीमांसेयाथाम् मीमांसेध्वम्
मीमांसेय मीमांसेवहि मीमांसेमहि
प० मीमांसताम् मीमांसेताम् मीमांसन्ताम्
मीमांसस्व मीमांसेथाम् मीमांसध्वम्
मीमांसै मीमांसावहै मीमांसामहै
झ० अमीमांसत अमीमांसेताम् अमीमांसन्त
अमीमांसथाः अमीमांसेथाम् अमीमांसध्वम्
अमीमांसे अमीमांसावहि अमीमांसामहि
अमीमांसिष्ट अमीमांसिषाताम् अमीमांसिषत
अमीमांसिष्ठाः अमीमांसिषाथाम् अमीमांसि-
ष्वम् ध्वम्

अमीमांसिषि अमीमांसिष्वहि अमीमांसिषमहि
प० मीमांसाश्च मीमांसाश्चक्रे मीमांसाश्चकृद्वे
मीमांसाश्चक्रे मीमांसाश्चकृवहे मीमांसाश्चकृमहे
मीमांसास्वभूव । मीमांसामास
मीमांसिषीष्ट मीमांसिषीयास्ताम् मीमांसिषीरन्
मीमांसिषीष्ठाः मीमांसिषीयास्थाम्

मीमांसिषीध्वम्
मीमांसिषीय मीमांसिषीवहि मीमांसिषीमहि
मीमांसिता मीमांसितारौ मीमांसितारः
मीमांसितासे मीमांसितासाथे मीमांसिताध्वे
मीमांसिताहे मीमांसितास्वहे मीमांसितास्महे
भ० मीमांसिष्यते मीमांसिष्येते मीमांसिष्यन्ते
मीमांसिष्यसे मीमांसिष्येथे मीमांसिष्यध्वे
मीमांसिष्ये मीमांसिष्यावहे मीमांसिष्यामहे
अमीमांसिष्यत अमीमांसिष्येताम्
अमीमांसिष्यन्त अमीमांसिष्यथाः
अमीमांसिष्येथाम् अमीमांसिष्यध्वम्
अमीमांसिष्ये अमीमांसिष्यावहि
अमीमांसिष्यामहि

अथ पान्ताश्चतुर्दश सेटश्च ।

750 तिपृङ् (तिप्) क्षरणे ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | तेपते | तेपेते | तेपन्ते |
| | तेपसे | तेपेथे | तेपध्वे |
| | तेपे | तेपावहे | तेपामहे |
| स० | तेपेत | तेपेयाताम् | तेपेरन् |
| | तेपेथाः | तेपेयाथाम् | तेपेध्वम् |
| | तेपेय | तेपेवहि | तेपेमहि |
| प० | तेपताम् | तेपेताम् | तेपन्ताम् |
| | तेपस्व | तेपेथाम् | तेपध्वम् |
| | तेपे | तेपावहे | तेपामहे |
| झ० | अतेपत | अतेपेताम् | अतेपन्त |
| | अतेपथाः | अतेपेथाम् | अतेपध्वम् |
| | अतेपे | अतेपावहि | अतेपामहि |
| अ० | अतेपिष्ट | अतेपिषाताम् | अतेपिषन् |
| | अतेपिष्ठाः | अतेपिषाथाम् | अतेपिध्वम् |
| | अतेपिषि | अतेपिष्वहि | अतेपिषमहि |
| प० | तितिपे | तितिपाते | तितिपिरे |
| | तितिपिसे | तितिपेथे | तितिपिध्वे |
| | तितिपे | तितिपिष्वहे | तितिपिमहे |
| आ० | तेपिषीष्ट | तेपिषीयास्ताम् | तेपिषीरन् |
| | तेपिषीष्ठाः | तेपिषीयास्थाम् | तेपिषीध्वम् |
| | तेपिषीय | तेपिषीवहि | तेपिषीमहि |
| श्च० | तेपिता | तेपितारौ | तेपितारः |
| | तेपितासे | तेपितासाथे | तेपिताध्वे |
| | तेपिताहे | तेपितास्वहे | तेपितास्महे |
| भ० | तेपिष्यते | तेपिष्येते | तेपिष्यन्ते |
| | तेपिष्यसे | तेपिष्येथे | तेपिष्यध्वे |
| | तेपिष्ये | तेपिष्यावहे | तेपिष्यामहे |
| क्रि० | अतेपिष्यत | अतेपिष्येताम् | अतेपिष्यन्त |
| | अतेपिष्यथाः | अतेपिष्येथाम् | अतेपिष्यध्वम् |
| | अतेपिष्ये | अतेपिष्यावहि | अतेपिष्यामहि |

751 षिट्पृङ् (स्तिप्) क्षरणे ।

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | स्तेपते | स्तेपेते | स्तेपन्ते |
| | स्तेपसे | स्तेपेथे | स्तेपध्वे |
| | स्तेपे | स्तेपावहे | स्तेपामहे |
| स० | स्तेपेत | स्तेपेयाताम् | स्तेपेरन् |
| | स्तेपेथाः | स्तेपेयाथाम् | स्तेपेध्वम् |
| | स्तेपेय | स्तेपेवहि | स्तेपेमहि |
| प० | स्तेपताम् | स्तेपेताम् | स्तेपन्ताम् |
| | स्तेपस्व | स्तेपेथाम् | स्तेपध्वम् |
| | स्तेपे | स्तेपावहे | स्तेपामहे |
| झ० | अस्तेपत | अस्तेपेताम् | अस्तेपन्त |
| | अस्तेपथाः | अस्तेपेथाम् | अस्तेपध्वम् |
| | अस्तेपे | अस्तेपावहि | अस्तेपामहि |
| | अस्तेपिष्ट | अस्तेपिषाताम् | अस्तेपिषन् |
| | अस्तेपिष्ठाः | अस्तेपिषाथाम् | अस्तेपिध्वम् |
| | अस्तेपिषि | अस्तेपिष्वहि | अस्तेपिषमहि |
| प० | तिष्ठिपे | तिष्ठिपाते | तिष्ठिपिरे |
| | तिष्ठिपिसे | तिष्ठिपेथे | तिष्ठिपिध्वे |
| | तिष्ठिपे | तिष्ठिपिष्वहे | तिष्ठिपिमहे |
| आ० | स्तेपिषीष्ट | स्तेपिषीयास्ताम् | स्तेपिषीरन् |
| | स्तेपिषीष्ठाः | स्तेपिषीयास्थाम् | स्तेपिषीध्वम् |
| | स्तेपिषीय | स्तेपिषीवहि | स्तेपिषीमहि |
| श्च० | स्तेपिता | स्तेपितारौ | स्तेपितारः |
| | स्तेपितासे | स्तेपितासाथे | स्तेपिताध्वे |
| | स्तेपिताहे | स्तेपितास्वहे | स्तेपितास्महे |
| भ० | स्तेपिष्यते | स्तेपिष्येते | स्तेपिष्यन्ते |
| | स्तेपिष्यसे | स्तेपिष्येथे | स्तेपिष्यध्वे |
| | स्तेपिष्ये | स्तेपिष्यावहे | स्तेपिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तेपिष्यत | अस्तेपिष्येताम् | अस्तेपिष्यन्त |
| | अस्तेपिष्यथाः | अस्तेपिष्येथाम् | अस्तेपिष्यध्वम् |
| | अस्तेपिष्ये | अस्तेपिष्यावहि | अस्तेपिष्यामहि |

752 स्तेपृङ् (स्तेप) क्षरणे ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| ष० स्तेपते | स्तेपेते | स्तेपन्ते |
| स्तेपसे | स्तेपेथे | स्तेपध्वे |
| स्तेपे | स्तेपावहे | स्तेपामहे |
| स० स्तेपेत | स्तेपेयाताम् | स्तेपेरन् |
| स्तेपेथाः | स्तेपेयाथाम् | स्तेपेध्वम् |
| स्तेपेय | स्तेपेवहि | स्तेपेमहि |
| प० स्तेपताम् | स्तेपेताम् | स्तेपन्ताम् |
| स्तेपस्व | स्तेपेथाम् | स्तेपध्वम् |
| स्तेपै | स्तेपावहै | स्तेपामहै |
| झ० अस्तेपत | अस्तेपेताम् | अस्तेपन्त |
| अस्तेपथाः | अस्तेपेथाम् | अस्तेपध्वम् |
| अस्तेपे | अस्तेपावहि | अस्तेपामहि |
| अस्तेपिष्ट | अस्तेपिषाताम् | अस्तेपिषत |
| अस्तेपिष्ठाः | अस्तेपिषाथाम् | अस्तेपिष्वम् |
| अस्तेपिषि | अस्तेपिष्वहि | अस्तेपिष्वमहि |
| प० तिष्ठेपे | तिष्ठेपाते | तिष्ठेपिरे |
| तिष्ठेपिषे | तिष्ठेपाथे | तिष्ठेपिष्वे |
| तिष्ठेपे | तिष्ठेपिष्वहे | तिष्ठेपिमहे |
| आ० स्तेपिषीष्ट | स्तेपिषीयास्ताम् | स्तेपिषीरन् |
| स्तेपिषीष्ठाः | स्तेपिषीयास्थाम् | स्तेपिषीध्वम् |
| स्तेपिषीय | स्तेपिषीवहि | स्तेपिषीमहि |
| श्व० स्तेपिता | स्तेपितारौ | स्तेपितारः |
| स्तेपितासे | स्तेपितासाथे | स्तेपिताध्वे |
| स्तेपिताहे | स्तेपितास्वहे | स्तेपितास्महे |
| भ० स्तेपिष्यते | स्तेपिष्येते | स्तेपिष्यन्ते |
| स्तेपिष्यसे | स्तेपिष्येथे | स्तेपिष्यध्वे |
| स्तेपिष्ये | स्तेपिष्यावहे | स्तेपिष्यामहे |
| क्रि० अस्तेपिष्यत | अस्तेपिष्येताम् | अस्तेपिष्यन्त |
| अस्तेपिष्यथाः | अस्तेपिष्येथाम् | अस्तेपिष्यध्वम् |
| अस्तेपिष्ये | अस्तेपिष्यावहि | अस्तेपिष्यामहि |

753 तेपृङ् (तेप) कम्पने च ।

चकारात्क्षरणे ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ष० तेपते | तेपेते | तेपन्ते |
| तेपसे | तेपेथे | तेपध्वे |
| तेपे | तेपावहे | तेपामहे |
| स० तेपेत | तेपेयाताम् | तेपेरन् |
| तेपेथाः | तेपेयाथाम् | तेपेध्वम् |
| तेपेय | तेपेवहि | तेपेमहि |
| प० तेपताम् | तेपेताम् | तेपन्ताम् |
| तेपस्व | तेपेथाम् | तेपध्वम् |
| तेपै | तेपावहै | तेपामहै |
| झ० अतेपत | अतेपेताम् | अतेपन्त |
| अतेपथाः | अतेपेथाम् | अतेपध्वम् |
| अतेपे | अतेपावहि | अतेपामहि |
| अ० अतेपिष्ट | अतेपिषाताम् | अतेपिषत |
| अतेपिष्ठाः | अतेपिषाथाम् | अतेपिष्वम् |
| अतेपिषि | अतेपिष्वहि | अतेपिष्वमहि |
| प० तितेपे | तितेपाते | तितेपिरे |
| तितेपिषे | तितेपाथे | तितेपिष्वे |
| तितेपे | तितेपिष्वहे | तितेपिमहे |
| आ० तेपिषीष्ट | तेपिषीयास्ताम् | तेपिषीरन् |
| तेपिषीष्ठाः | तेपिषीयास्थाम् | तेपिषीध्वम् |
| तेपिषीय | तेपिषीवहि | तेपिषीमहि |
| श्व० तेपिता | तेपितारौ | तेपितारः |
| तेपितासे | तेपितासाथे | तेपिताध्वे |
| तेपिताहे | तेपितास्वहे | तेपितास्महे |
| भ० तेपिष्यते | तेपिष्येते | तेपिष्यन्ते |
| तेपिष्यसे | तेपिष्येथे | तेपिष्यध्वम् |
| तेपिष्ये | तेपिष्यावहे | तेपिष्यामहे |
| क्रि० अतेपिष्यत | अतेपिष्येताम् | अतेपिष्यन्त |
| अतेपिष्यथाः | अतेपिष्येथाम् | अतेपिष्यध्वम् |
| अतेपिष्ये | अतेपिष्यावहि | अतेपिष्यामहि |

754 डुवेष्ट (वेप्) चलने ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० वेपते | वेपेते | वेपन्ते |
| वेपसे | वेपेथे | वेपध्वे |
| वेपे | वेपावहे | वेपामहे |
| स० वेपेत | वेपेयाताम् | वेपेरन् |
| वेपेथाः | वेपेयाथाम् | वेपेध्वम् |
| वेपेय | वेपेवहि | वेपेमहि |
| प० वेपताम् | वेपेताम् | वेपन्ताम् |
| वेपस्व | वेपेथाम् | वेपध्वम् |
| वेपे | वेपावहे | वेपामहे |
| झ० अवेपत | अवेपेताम् | अवेपन्त |
| अवेपेथाः | अवेपेथाम् | अवेपध्वम् |
| अवेपे | अवेपावहि | अवेपामहि |
| अ० अवेपिष्ट | अवेपिषाताम् | अवेपिषत |
| अवेपिष्ठाः | अवेपिषाथाम् | अवेपिध्वम् |
| अवेपिषि | अवेपिष्वहि | अवेपिषमहि |
| प० विवेपे | विवेपाते | विवेपिरे |
| विवेपिषे | विवेपाथे | विवेपिध्वे |
| विवेपे | विवेपिवहे | विवेपिमहे |
| आ० वेपिषीष्ट | वेपिषीयास्ताम् | वेपिषीरन् |
| वेपिषीष्ठाः | वेपिषीयास्थाम् | वेपिषीध्वम् |
| वेपिषीय | वेपिषीवहि | वेपिषीमहि |
| अ० वेपिता | वेपितारौ | वेपितारः |
| वेपितासे | वेपितासाथे | वेपिताध्वे |
| वेपिताहे | वेपितास्वहे | वेपितास्महे |
| भ० वेपिष्यते | वेपिष्येते | वेपिष्यन्ते |
| वेपिष्यसे | वेपिष्येथे | वेपिष्यध्वे |
| वेपिष्ये | वेपिष्यावहे | वेपिष्यामहे |
| क्रि० अवेपिष्यत | अवेपिष्येताम् | अवेपिष्यन्त |
| अवेपिष्यथाः | अवेपिष्येथाम् | अवेपिष्यध्वम् |
| अवेपिष्ये | अवेपिष्यावहि | अवेपिष्यामहि |

755 केष्ट (केप्) चलने ।

| | | |
|--------------|----------------|---------------|
| ब० केपते | केपेते | केपन्ते |
| केपसे | केपेथे | केपध्वे |
| केपे | केपावहे | केपामहे |
| स० केपेत | केपेयाताम् | केपेरन् |
| केपेथाः | केपेयाथाम् | केपेध्वम् |
| केपेय | केपेवहि | केपेमहि |
| प० केपताम् | केपेताम् | केपन्ताम् |
| केपस्व | केपेथाम् | केपध्वम् |
| केपे | केपावहे | केपामहे |
| झ० अकेपत | अकेपेताम् | अकेपन्त |
| अकेपेथाः | अकेपेथाम् | अकेपध्वम् |
| अकेपे | अकेपावहि | अकेपामहि |
| अ० अकेपिष्ट | अकेपिषाताम् | अकेपिषत |
| अकेपिष्ठाः | अकेपिषाथाम् | अकेपिध्वम् |
| अकेपिषि | अकेपिष्वहि | अकेपिषमहि |
| प० चिकेपे | चिकेपाते | चिकेपिरे |
| चिकेपिषे | चिकेपाथे | चिकेपिध्वे |
| चिकेपे | चिकेपिवहे | चिकेपिमहे |
| आ० कापेषीष्ट | केपिषीयास्ताम् | केपिषीरन् |
| केपिषीष्ठाः | केपिषीयास्थाम् | केपिषीध्वम् |
| केपिषीय | केपिषीवहि | केपिषीमहि |
| अ० केपिता | केपितारौ | केपितारः |
| केपितासे | केपितासाथे | केपिताध्वे |
| केपिताहे | केपितास्वहे | केपितास्महे |
| भ० केपिष्यते | केपिष्येते | केपिष्यन्ते |
| केपिष्यसे | केपिष्येथे | केपिष्यध्वे |
| केपिष्ये | केपिष्यावहे | केपिष्यामहे |
| अ० अकेपिष्यत | अकेपिष्येताम् | अकेपिष्यन्त |
| अकेपिष्यथाः | अकेपिष्येथाम् | अकेपिष्यध्वम् |
| अकेपिष्ये | अकेपिष्यावहि | अकेपिष्यामहि |

756 गेपृङ् (गेप्) चलने ।

| | | |
|---------------|----------------|---------------|
| व० गेपते | गेपेते | गेपन्ते |
| गेपसे | गेपेथे | गेपध्वे |
| गेपे | गेपावहे | गेपामहे |
| स० गेपेत | गेपेयाताम् | गेपेरन् |
| गेपेथाः | गेपेयाथाम् | गेपेध्वम् |
| गेपेय | गेपेवहि | गेपेमहि |
| प० गेपताम् | गेपेताम् | गेपन्ताम् |
| गेपस्व | गेपेथाम् | गेपध्वम् |
| गेपै | गेपावहै | गेपामहै |
| झ० अगेपत | अगेपताम् | अगेपन्त |
| अगेपथाः | अगेपेथाम् | अगेपध्वम् |
| अगेपे | अगेपावहि | अगेपामहि |
| अ० अगेपिष्ट | अगेपिषाताम् | अगेपिषन्त |
| अगेपिष्ठाः | अगेपिषाथाम् | अगेपिषध्वम् |
| अगेपिषि | अगेपिष्वहि | अगेपिषमहि |
| प० जिगेपे | जिगेपाते | जिगेपिरे |
| जिगेपिषे | जिगेपाथे | जिगेपिध्वे |
| जिगेपे | जिगेपिवहे | जिगेपिमहे |
| आ० गेपिषीष्ट | गेपिषीयास्ताम् | गेपिषीरन् |
| गेपिषीष्ठाः | गेपिषीयास्थाम् | गेपिषीध्वम् |
| गेपिषीय | गेपिषीवहि | गेपिषीमहि |
| प्र० गेपिता | गेपितारौ | गेपितारः |
| गेपितासे | गेपितासाथे | गेपिताध्वे |
| गेपिताहे | गेपितास्वहे | गेपितास्महे |
| भ० गेपिष्यते | गेपिष्येते | गेपिष्यन्ते |
| गेपिष्यसे | गेपिष्येथे | गेपिष्यध्वे |
| गेपिष्ये | गेपिष्यावहे | गेपिष्यामहे |
| कि० अगेपिष्यत | अगेपिष्येताम् | अगेपिष्यन्त |
| अगेपिष्यथाः | अगेपिष्येथाम् | अगेपिष्यध्वम् |
| अगेपिष्ये | अगेपिष्यावहि | अगेपिष्यामहि |

757 कपुङ् (कम्प्) चलने ।

| | | |
|---------------|-----------------|----------------|
| व० कम्पते | कम्पेते | कम्पन्ते |
| कम्पसे | कम्पेथे | कम्पध्वे |
| कम्पे | कम्पावहे | कम्पामहे |
| स० कम्पेत | कम्पेयाताम् | कम्पेरन् |
| कम्पेथाः | कम्पेयाथाम् | कम्पेध्वम् |
| कम्पेय | कम्पेवहि | कम्पेमहि |
| प० कम्पताम् | कम्पेताम् | कम्पन्ताम् |
| कम्पस्व | कम्पेथाम् | कम्पध्वम् |
| कम्पै | कम्पावहै | कम्पामहै |
| झ० अकम्पत | अकम्पेताम् | अकम्पन्त |
| अकम्पथाः | अकम्पेथाम् | अकम्पध्वम् |
| अकम्पे | अकम्पावहि | अकम्पामहि |
| अ० अकम्पिष्ट | अकम्पिषाताम् | अकम्पिषन्त |
| अकम्पिष्ठाः | अकम्पिषाथाम् | अकम्पिषध्वम् |
| अकम्पिषि | अकम्पिष्वहि | अकम्पिषमहि |
| प० चकम्पे | चकम्पाते | चकम्पिरे |
| चकम्पिषे | चकम्पाथे | चकम्पिध्वे |
| चकम्पे | चकम्पिवहे | चकम्पिमहे |
| आ० कम्पिषीष्ट | कम्पिषीयास्ताम् | कम्पिषीरन् |
| कम्पिषीष्ठाः | कम्पिषीयास्थाम् | कम्पिषीध्वम् |
| कम्पिषीय | कम्पिषीवहि | कम्पिषीमहि |
| प्र० कम्पिता | कम्पितारौ | कम्पितारः |
| कम्पितासे | कम्पितासाथे | कम्पिताध्वे |
| कम्पिताहे | कम्पितास्वहे | कम्पितास्महे |
| भ० कम्पिष्यते | कम्पिष्येते | कम्पिष्यन्ते |
| कम्पिष्यसे | कम्पिष्येथे | कम्पिष्यध्वे |
| कम्पिष्ये | कम्पिष्यावहे | कम्पिष्यामहे |
| अकम्पिष्यत | अकम्पिष्येताम् | अकम्पिष्यन्त |
| अकम्पिष्यथाः | अकम्पिष्येथाम् | अकम्पिष्यध्वम् |
| अकम्पिष्ये | अकम्पिष्यावहि | अकम्पिष्यामहि |

758 ग्लेपृङ् (ग्लेप्) दैन्येच ।

चकाराच्चलने ।

| | | |
|-------------------|------------------|----------------|
| व० ग्लेपते | ग्लेपेते | ग्लेपन्ते |
| ग्लेपसे | ग्लेपेथे | ग्लेपध्वे |
| ग्लेपे | ग्लेपावहे | ग्लेपामहे |
| स० ग्लेपेत | ग्लेपेयाताम् | ग्लेपेरन् |
| ग्लेपेथाः | ग्लेपेयाथाम् | ग्लेपेध्वम् |
| ग्लेपेय | ग्लेपेवहि | ग्लेपेमहि |
| प० ग्लेपताम् | ग्लेपेताम् | ग्लेपन्ताम् |
| ग्लेपस्व | ग्लेपेथाम् | ग्लेपध्वम् |
| ग्लेपै | ग्लेपावहं | ग्लेपामहं |
| झ० अग्लेपत | अग्लेपेताम् | अ० पन्त |
| अग्लेपथाः | अग्लेपेथाम् | अग्लेपध्वम् |
| अग्लेपे | अग्लेपावहि | अग्लेपामहि |
| अग्लेपिष्ट | अग्लेपिषाताम् | अग्लेपिषत |
| अग्लेपिष्ठाः | अग्लेपिषाथाम् | अग्लेपिड्ध्वम् |
| अग्लेपिषि | अग्लेपिष्वहि | अग्लेपिष्महि |
| प० जिग्लेपे | जिग्लेपाते | जिग्लेपिरे |
| जिग्लेपिषे | जिग्लेपाथे | जिग्लेपिध्वे |
| जिग्लेपे | जिग्लेपिवहे | जिग्लेपिमहे |
| आ० ग्लेपिषीष्ट | ग्लेपिषीयास्ताम् | ग्लेपिषीरन् |
| ग्लेपिषीष्ठाः | ग्लेपिषीयास्थाम् | ग्लेपिषीध्वम् |
| ग्लेपिषीय | ग्लेपिषीवहि | ग्लेपिषीमहि |
| श्व० ग्लेपिता | ग्लेपितारौ | ग्लेपितारः |
| ग्लेपितासे | ग्लेपितासाथे | ग्लेपिताध्वे |
| ग्लेपिताहे | ग्लेपितास्वहे | ग्लेपितास्महे |
| भ० ग्लेपिष्यते | ग्लेपिष्येते | ग्लेपिष्यन्ते |
| ग्लेपिष्यसे | ग्लेपिष्येथे | ग्लेपिष्यध्वे |
| ग्लेपिष्ये | ग्लेपिष्यावहे | ग्लेपिष्यामहे |
| क्रि० अग्लेपिष्यत | अग्लेपिष्येताम् | अग्लेपिष्यन्त |
| अग्लेपिष्यथाः | अग्लेपिष्येथाम् | |
| अग्लेपिष्यध्वम् | अग्लेपिष्ये | |
| अग्लेपिष्यावहि | अग्लेपिष्यामहि | |

759 मेपृङ् (मेप्) गतौ ।

| | | |
|--------------|----------------|--------------|
| व० मेपते | मेपेते | मेपन्ते |
| मेपसे | मेपेथे | मेपध्वे |
| मेपे | मेपावहे | मेपामहे |
| स० मेपेत | मेपेयाताम् | मेपेरन् |
| मेपेथाः | मेपेयाथाम् | मेपेध्वम् |
| मेपेय | मेपेवहि | मेपेमहि |
| प० मेपताम् | मेपेताम् | मेपन्ताम् |
| मेपस्व | मेपेथाम् | मेपध्वम् |
| मेपै | मेपावहं | मेपामहं |
| झ० अमेपत | अमेपेताम् | अमेपन्त |
| अमेपथाः | अमेपेथाम् | अमेपध्वम् |
| अमेपे | अमेपावहि | अमेपामहि |
| अ० अमेपिष्ट | अमेपिषाताम् | अमेपिषत |
| अमेपिष्ठाः | अमेपिषाथाम् | अमेपिड्ध्वम् |
| अमेपिषि | अमेपिष्वहि | अमेपिष्महि |
| प० मिमेपे | मिमेपाते | मिमेपिरे |
| मिमेपिषे | मिमेपाथे | मिमेपिध्वे |
| मिमेपे | मिमेपिवहे | मिमेपिमहे |
| आ० मेपिषीष्ट | मेपिषीयास्ताम् | मेपिषीरन् |
| मेपिषीष्ठाः | मेपिषीयास्थाम् | मेपिषीध्वम् |
| मेपिषीय | मेपिषीवहि | मेपिषीमहि |
| श्व० मेपिता | मेपितारौ | मेपितारः |
| मेपितासे | मेपितासाथे | मेपिताध्वे |
| मेपिताहे | मेपितास्वहे | मेपितास्महे |
| भ० मेपिष्यते | मेपिष्येते | मेपिष्यन्ते |
| मेपिष्यसे | मेपिष्येथे | मेपिष्यध्वे |
| मेपिष्ये | मेपिष्यावहे | मेपिष्यामहे |
| अमेपिष्यत | अमेपिष्येताम् | अमेपिष्यन्त |
| अमेपिष्यथाः | अमेपिष्येथाम् | अमेपिष्यध्वं |
| अमेपिष्ये | अमेपिष्यावहि | अमेपिष्यामहि |

760 रेपृक् (रेप्) गतौ ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० रेपते | रेपेते | रेपन्ते |
| रेपसे | रेपेथे | रेपध्वे |
| रेपे | रेपावहे | रेपामहे |
| स० रेपेत | रेपेयाताम् | रेपेरन |
| रेपेथाः | रेपेयाथाम् | रेपेध्वम् |
| रेपेव | रेपेवहि | रेपेमहि |
| प० रेपताम् | रेपेताम् | रेपन्ताम् |
| रेपस्व | रेपेथाम् | रेपध्वम् |
| रेपै | रेपावहै | रेपामहै |
| झ० अरेपत | अरेपेताम् | अरेपन्त |
| अरेपथाः | अरेपेथाम् | अरेपध्वम् |
| अरेपे | अरेपावहि | अरेपामहि |
| अ० अरेपिष्ट | अरेपिषाताम् | अरेपिषत |
| अरेपिष्ठाः | अरेपिषाथाम् | अरेपिषध्वम् |
| अरेपिषि | अरेपिष्वहि | अरेपिषमहि |
| प० रिरेपे | रिरेपाते | रिरेपिरे |
| रिरेपिषे | रिरेपाथे | रिरेपिष्वे |
| रिरेपे | रिरेपिष्वहे | रिरेपिमहे |
| आ० रेपिषीष्ट | रेपिषीयास्ताम् | रेपिषीरन् |
| रेपिषीष्ठाः | रेपिषीयास्थाम् | रेपिषीध्वम् |
| रेपिषीय | रेपिषीवहि | रेपिषीमहि |
| श्व० रेपिता | रेपितारौ | रेपितारः |
| रेपितासे | रेपितासाथे | रेपिताध्वे |
| रेपिताहे | रेपितास्वहे | रेपितास्महे |
| भ० रेपिष्यते | रेपिष्येते | रेपिष्यन्ते |
| रेपिष्यसे | रेपिष्येथे | रेपिष्यध्वे |
| रेपिष्ये | रेपिष्यावहे | रेपिष्यामहे |
| क्रि० अरेपिष्यत | अरेपिष्येताम् | अरेपिष्यन्त |
| अरेपिष्यथाः | अरेपिष्येथाम् | अरेपिष्यध्वम् |
| अरेपिष्ये | अरेपिष्यावहि | अरेपिष्यामहि |

761 लेपृक् (लेप्) गतौ ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० लेपते | लेपेते | लेपन्ते |
| लेपसे | लेपेथे | लेपध्वे |
| लेपे | लेपावहे | लेपामहे |
| स० लेपेत | लेपेयाताम् | लेपेरन |
| लेपेथाः | लेपेयाथाम् | लेपेध्वम् |
| लेपेय | लेपेवहि | लेपेमहि |
| प० लेपताम् | लेपेताम् | लेपन्ताम् |
| लेपस्व | लेपेथाम् | लेपध्वम् |
| लेपै | लेपावहै | लेपामहै |
| झ० अलेपत | अलेपेताम् | अलेपन्त |
| अलेपथाः | अलेपेथाम् | अलेपध्वम् |
| अलेपे | अलेपावहि | अलेपामहि |
| अलेपिष्ट | अलेपिषाताम् | अलेपिषत |
| अलेपिष्ठाः | अलेपिषाथाम् | अलेपिषध्वम् |
| अलेपिषि | अलेपिष्वहि | अलेपिषमहि |
| प० लिलेपे | लिलेपाते | लिलेपिरे |
| लिलेपिषे | लिलेपाथे | लिलेपिष्वे |
| लिलेपे | लिलेपिष्वहे | लिलेपिमहे |
| आ० लेपिषीष्ट | लेपिषीयास्ताम् | लेपिषीरन् |
| लेपिषीष्ठाः | लेपिषीयास्थाम् | लेपिषीध्वम् |
| लेपिषीय | लेपिषीवहि | लेपिषीमहि |
| श्व० लेपिता | लेपितारौ | लेपितारः |
| लेपितासे | लेपितासाथे | लेपिताध्वे |
| लेपिताहे | लेपितास्वहे | लेपितास्महे |
| भ० लेपिष्यते | लेपिष्येते | लेपिष्यन्ते |
| लेपिष्यसे | लेपिष्येथे | लेपिष्यध्वे |
| लेपिष्ये | लेपिष्यावहे | लेपिष्यामहे |
| क्रि० अलेपिष्यत | अलेपिष्येताम् | अलेपिष्यन्त |
| अलेपिष्यथाः | अलेपिष्येथाम् | अलेपिष्यध्वम् |
| अलेपिष्ये | अलेपिष्यावहि | अलेपिष्यामहि |

762 त्रपौषि (त्रप्) लज्जायाम् ।

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------------|
| व० त्रपते | त्रपेते | त्रपन्ते |
| त्रपसे | | त्रपध्वे |
| त्रपे | त्रपावहे | त्रपामहे |
| स० त्रपेत | त्रपेयाताम् | त्रपेरन |
| त्रपेथाः | त्रपेयाथाम् | त्रपेध्वम् |
| त्रपेय | त्रपेवहि | त्रपेमहि |
| प० त्रपताम् | त्रपेताम् | त्रपन्ताम् |
| त्रपस्व | त्रपेथाम् | त्रपध्वम् |
| त्रपे | त्रपावहे | त्रपामहे |
| ह्य० अत्रपत | अत्रपेताम् | अत्रपन्त |
| अत्रपथाः | अत्रपेथाम् | अत्रपध्वम् |
| अत्रपे | अत्रपावहि | अत्रपामहि |
| अ० अत्रपिष्ट | अत्रपिषाताम् | अत्रपिषत |
| अत्रपिष्ठाः | अत्रपिषाथाम् | अत्रपिद्ध्वम् |
| अत्रपिषि | अत्रपिष्वहि | अत्रपिषमहि |
| अत्रपत | अत्रपसाताम् | अत्रपसत इ० |
| त्रेपे | त्रेपाते | त्रेपिरे |
| त्रेपिषे | त्रेप्से | त्रेपाथे |
| त्रेपिध्वे | | |
| त्रप | त्रेपिषहे | त्रेपिमहे |
| आ० त्रपिषीष्ट | त्रपिषीयास्ताम् | त्रपिषीरन् |
| त्रपिषीष्ठाः | त्रपिषीयास्थाम् | त्रपिषीध्वम् |
| त्रपिषीय | त्रपिषीवहि | त्रपिषीमहि |
| त्रप्सीष्ट | त्रप्सीयास्ताम् | त्रप्सीरन् इत्यादि |
| श्व० त्रपिता | त्रपितारौ | त्रपितारः |
| त्रपितासे | त्रपितासाथे | त्रपिताध्वे |
| त्रपिताहे | त्रपितास्वहे | त्रपितास्महे |
| त्रप्ता | त्रप्तारौ | त्रप्तारः इत्यादि |
| भ त्रपिष्यते | त्रपिष्येते | त्रपिष्यन्ते |
| त्रपिष्यसे | त्रपिष्येथे | त्रपिष्यध्वे |
| त्रपिष्ये | त्रपिष्यावहे | त्रपिष्यामहे |
| त्रप्स्यते | त्रप्स्येते | त्रप्स्यन्ते इत्यादि |
| क्रि अत्रपिष्यत | अत्रपिष्येताम् | अत्रपिष्यन्त |
| अत्रपिष्यथाः | अत्रपिष्येथाम् | अत्रपिष्यध्वम् |
| अत्रपिष्ये | अत्रपिष्यावहि | अत्रपिष्यामहि |
| अत्रप्स्यत | अत्रप्स्येताम् | अत्रप्स्यन्त इत्यादि |

763 गुपि [गुप् जुगुप्स] गोपन कुत्सनयोः ।

| | | |
|---|--------------------|-------------------------|
| अवयवे कृतं लिङ्गं समुदायस्य विशेषकं भवति यं समुदायं सोऽवयवो न व्यभिचरति । न व्यभिचरति च गुपिर्गर्हायां सन्तसमुदायमिति "इङित-" इति आत्मनेपदम् । गर्हायां सति | | |
| व० जुगुप्सते | जुगुप्सेते | जुगुप्सन्ते |
| जुगुप्ससे | जुगुप्सेथे | जुगुप्सध्वे |
| जुगुप्से | जुगुप्सावहे | जुगुप्सामहे |
| स० जुगुप्सेत | जुगुप्सेयाताम् | जुगुप्सेरन |
| जुगुप्सेथाः | जुगुप्सेयाथाम् | जुगुप्सेध्वम् |
| जुगुप्सेय | जुगुप्सेवहि | जुगुप्सेमहि |
| प० जुगुप्सताम् | जुगुप्सेनाम् | जुगुप्सन्ताम् |
| जुगुप्सस्व | जुगुप्सेथाम् | जुगुप्सध्वम् |
| जुगुप्से | जुगुप्सावहे | जुगुप्सामहे |
| ह्य० अजुगुप्सत | अजुगुप्सेताम् | अजुगुप्सन्त |
| अजुगुप्सथाः | अजुगुप्सेथाम् | अजुगुप्सध्वम् |
| अजुगुप्से | अजुगुप्सावहि | अजुगुप्सामहि |
| अजुगुप्सिष्ट | अजुगुप्सिषाताम् | अजुगुप्सिषत |
| अजुगुप्सिष्ठाः | अजुगुप्सिषाथाम् | अजुगुप्सिध्वम् |
| अजुगुप्सिषि | अजुगुप्सिष्वहि | अजुगुप्सिषमहि |
| प० जुगुप्साश्चक्र | जुगुप्साश्चक्राते | जुगुप्साश्चक्रिरे |
| जुगुप्साश्चक्रेषु | जुगुप्साश्चक्राथे | जुगुप्साश्चक्रध्वे |
| जुगुप्साश्चक्रे | जुगुप्साश्चक्रवहे | जुगुप्साश्चक्रमहे |
| जुगुप्सावभूव | | जुगुप्सामास । |
| आ० जुगुप्सिषीष्ट | जुगुप्सिषीयास्ताम् | जुगुप्सिषीरन् |
| जुगुप्सिषीष्ठाः | जुगुप्सिषीयास्थाम् | जुगुप्सिषीध्वम् |
| जुगुप्सिषीय | जुगुप्सिषीवहि | जुगुप्सिषीमहि |
| श्व० जुगुप्सिता | जुगुप्सितारौ | जुगुप्सितारः |
| जुगुप्सितासे | जुगुप्सितासाथे | जुगुप्सिताध्वे |
| जुगुप्सिताहे | जुगुप्सितास्वहे | जुगुप्सितास्महे |
| भ० जुगुप्सिष्यते | जुगुप्सिष्येते | जुगुप्सिष्यन्ते |
| जुगुप्सिष्यसे | जुगुप्सिष्येथे | जुगुप्सिष्यध्वे |
| जुगुप्सिष्ये | जुगुप्सिष्यावहे | जुगुप्सिष्यामहे |
| जुगुप्सिष्ये | जुगुप्सिष्यावहे | जुगुप्सिष्यामहे |
| अजुगुप्सिष्यत | अजुगुप्सिष्येताम् | अजुगुप्सिष्यन्त |
| अजुगुप्सिष्यथाः | अजुगुप्सिष्येथाम् | अजुगुप्सिष्यध्वम् |
| अजुगुप्सिष्ये | अजुगुप्सिष्यावहि | अजुगुप्सिष्यामहि |
| अजुगुप्सिष्यत | अजुगुप्सिष्येताम् | अजुगुप्सिष्यन्त इत्यादि |

गर्हाया अन्यत्र सनोऽभावे अर्थान्तरेऽपि
प्रायेण त्यादयोनाभिधीयन्ते इत्यत्र प्रायो
ग्रहणात् गोपते

॥ अथ बान्ताः षट् सेटश्च ॥

764 अबुङ् (अम्बु) शब्दे ।

ब० अम्बते अम्बेते अम्बन्ते
अम्बसे अम्बेथे अम्बध्वे
अम्बे अम्बावहे अम्बामहे

स० अम्बेत अम्बेयाताम् अम्बेरन्
अम्बेयाः अम्बेयाथाम् अम्बेध्वम्
अम्बेय अम्बेवहि अम्बेमहि

प० अम्बताम् अम्बेताम् अम्बन्ताम्
अम्बस्व अम्बेथाम् अम्बध्वम्
अम्बे अम्बावहे अम्बामहे

ब० अम्बत अम्बेताम् अम्बन्त
अम्बथाः अम्बेथाम् अम्बध्वम्
अम्बे अम्बावहि अम्बामहि

अ० अम्बिष्ट अम्बिषाताम् अम्बिषत
अम्बिष्ठाः अम्बिषाथाम् अम्बि-
डुड्वम् ध्वम्
अम्बिषि अम्बिष्वहि अम्बिषमहि

प० आनम्बे आनम्बाते आनम्बिरे
आनम्बिषे आनम्बाथे आनम्बिध्वे
आनम्बे आनम्बिषहे आनम्बिमहे

आ० अम्बिषीष्ट अम्बिषीयास्ताम् अम्बिषीरन्
अम्बिषीष्ठाः अम्बिषीयास्थाम् अम्बिषीध्वम्
अम्बिषीय अम्बिषीवहि अम्बिषीमहि

स्व० अम्बिता अम्बितारौ अम्बितारः
अम्बितासे अम्बितासाथे अम्बिताध्वे
अम्बिताहे अम्बितास्वहे अम्बितास्महे

भ० अम्बिष्यते अम्बिष्येते अम्बिष्यन्ते
अम्बिष्यसे अम्बिष्येथे अम्बिष्यध्वे
अम्बिष्ये अम्बिष्यावहे अम्बिष्यामहे

क्रि० अम्बिष्यत अम्बिष्येताम् अम्बिष्यन्त
अम्बिष्यथाः अम्बिष्येथाम् अम्बिष्यध्वम्
अम्बिष्ये अम्बिष्यावहि अम्बिष्यामहि

765 रम्बु [रम्ब] शब्दे ।

ब० रम्बते रम्बेते रम्बन्ते
रम्बसे रम्बेथे रम्बध्वे
रम्बे रम्बावहे रम्बामहे

स० रम्बेत रम्बेयाताम् रम्बेरन्
रम्बेयाः रम्बेयाथाम् रम्बेध्वम्
रम्बेय रम्बेवहि रम्बेमहि

प० रम्बताम् रम्बेताम् रम्बन्ताम्
रम्बस्व रम्बेथाम् रम्बध्वम्
रम्बे रम्बावहे रम्बामहे

ब० अरम्बत अरम्बेताम् अरम्बन्त
अरम्बथाः अरम्बेथाम् अरम्बध्वम्
अरम्बे अरम्बावहि अरम्बामहि

अ० अरम्बिष्ट अरम्बिषाताम् अरम्बिषत
अरम्बिष्ठाः अरम्बिषाथाम् अरम्बिडुड्वम्
ध्वम्

अरम्बिषि अरम्बिष्वहि अरम्बिषमहि
प० अरम्बे अरम्बाते अरम्बिरे
अरम्बिषे अरम्बाथे अरम्बिध्वे
अरम्बे अरम्बिषहे अरम्बिमहे

आ० अरम्बिषीष्ट अरम्बिषीयास्ताम् अरम्बिषीरन्
अरम्बिषीष्ठाः अरम्बिषीयास्थाम् अरम्बिषीध्वम्
अरम्बिषीय अरम्बिषीवहि अरम्बिषीमहि

स्व० अरम्बिता अरम्बितारौ अरम्बितारः
अरम्बितासे अरम्बितासाथे अरम्बिताध्वे
अरम्बिताहे अरम्बितास्वहे अरम्बितास्महे

भ० अरम्बिष्यते अरम्बिष्येते अरम्बिष्यन्ते
अरम्बिष्यसे अरम्बिष्येथे अरम्बिष्यध्वे
अरम्बिष्ये अरम्बिष्यावहे अरम्बिष्यामहे

क्रि० अरम्बिष्यत अरम्बिष्येताम् अरम्बिष्यन्त
अरम्बिष्यथाः अरम्बिष्येथाम् अरम्बिष्यध्वम्
अरम्बिष्ये अरम्बिष्यावहि अरम्बिष्यामहि

766 लवृङ् [लम्] अवसंसने च
चकाराच्छब्दे ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० लम्बते | लम्बेते | लम्बन्ते |
| लम्बसे | लम्बेथे | लम्बध्वे |
| लम्बे | लम्बावहे | लम्बामहे |
| स० लम्बेत | लम्बेयाताम् | लम्बेरन् |
| लम्बेथाः | लम्बेयाथाम् | लम्बेध्वम् |
| लम्बेय | लम्बेवहि | लम्बेमहि |
| प० लम्बताम् | लम्बेताम् | लम्बन्ताम् |
| लम्बस्व | लम्बेथाम् | लम्बध्वम् |
| लम्बे | लम्बावहे | लम्बामहे |
| झ० अलम्बत | अलम्बेताम् | अलम्बन्त |
| अलम्बथाः | अलम्बेथाम् | अलम्बध्वम् |
| अलम्बे | अलम्बावहि | अलम्बामहि |
| अ० अलम्बिष्ट | अलम्बिषाताम् | अलम्बिषत |
| अलम्बिष्टाः | अलम्बिषाथाम् | अलम्बिषध्वम् |
| अलम्बिषे | अलम्बिषवहि | अलम्बिषमहि |
| प० ललम्बे | ललम्बते | ललम्बिरे |
| ललम्बिषे | ललम्बाथे | ललम्बिध्वे |
| ललम्बे | ललम्बिषवहे | ललम्बिमहे |
| आ० लम्बिषीष्ट | लम्बिषीयास्ताम् | लम्बिषीरन् |
| लम्बिषीष्टाः | लम्बिषीयास्थाम् | लम्बिषीध्वम् |
| लम्बिषीय | लम्बिषीयहि | लम्बिषीमहि |
| भ्व० लम्बिता | लम्बितारौ | लम्बितारः |
| लम्बितासे | लम्बितासाथे | लम्बिताध्वे |
| लम्बिताहे | लम्बितास्वहे | लम्बितास्महे |
| भ० लम्बिष्यते | लम्बिष्येते | लम्बिष्यन्ते |
| लम्बिष्यसे | लम्बिष्येथे | लम्बिष्यध्वे |
| लम्बिष्ये | लम्बिष्यावहे | लम्बिष्यामहे |
| क्रि० अलम्बिष्यत | अलम्बिष्येताम् | अलम्बिष्यन्त |
| अलम्बिष्यथाः | अलम्बिष्येथाम् | अलम्बिष्यध्वम् |
| अलम्बिष्ये | अलम्बिष्यावहि | अलम्बिष्यामहि |

767 कवृङ् (कव्) वर्णे ।
वर्णे वर्णनं शुबलादिश्च ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० कवते | कवेते | कवन्ते |
| कवसे | कवेथे | कवध्वे |
| कवे | कवावहे | कवामहे |
| स० कवेत | कवेयाताम् | कवेरन् |
| कवेथाः | कवेयाथाम् | कवेध्वम् |
| कवेय | कवेवहि | कवेमहि |
| प० कवताम् | कवेताम् | कवन्ताम् |
| कवस्व | कवेथाम् | कवध्वम् |
| कवे | कवावहे | कवामहे |
| झ० अकवत | अकवेताम् | अकवन्त |
| अकवथाः | अकवेथाम् | अकवध्वम् |
| अकवे | अकवावहि | अकवामहि |
| अ० अकविष्ट | अकविषाताम् | अकविषत |
| अकविष्टाः | अकविषाथाम् | अकविषध्वम् |
| अकविषे | अकविषवहि | अकविषमहि |
| प० चकवे | चकवते | चकविरे |
| चकविषे | चकवाथे | चकविध्वे |
| चकवे | चकविषवहे | चकविमहे |
| आ० कविषीष्ट | कविषीयास्ताम् | कविषीरन् |
| कविषीष्टाः | कविषीयास्थाम् | कविषीध्वम् |
| कविषीय | कविषीयहि | कविषीमहि |
| भ्व० कविता | कवितारौ | कवितारः |
| कवितासे | कवितासाथे | कविताध्वे |
| कविताहे | कवितास्वहे | कवितास्महे |
| भ० कविष्यते | कविष्येते | कविष्यन्ते |
| कविष्यसे | कविष्येथे | कविष्यध्वे |
| कविष्ये | कविष्यावहे | कविष्यामहे |
| क्रि० अकविष्यत | अकविष्येताम् | अकविष्यन्त |
| अकविष्यथाः | अकविष्येथाम् | अकविष्यध्वम् |
| अकविष्ये | अकविष्यावहि | अकविष्यामहि |

768 कलीवृङ् [कलीव्] अघाष्टये

व० कलीवते कलीवेते कलीवन्ते
कलीवसे कलीवेथे कलीवध्वे
कलीवे कलीवावहे कलीवामहे

स० कलीवेत कलीवेयाताम् कलीवेरन्
कलीवेथाः कलीवेयाताम् कलीवेध्वम्
कलीवेय कलीवेवहि कलीवेमहि

प० कलीवताम् कलीवेताम् कलीवन्ताम्
कलीवस्व कलीवेथाम् कलीवध्वम्
कलीवै कलीवावहै कलीवामहै

झ० अकलीवत अकलीवेताम् अकलीवन्त
अकलीवथाः अकलीवेथाम् अकलीवध्वम्
अकलीवे अकलीवावहि अकलीवामहि

अकलीविष्ट अकलीविषाताम् अकलीविषत
अकलीविष्टाः अकलीविषाताम् अकलीविष्टध्वम्
अकलीविष्टमहि

अकलीविषि अकलीविषवहि अकलीविषमहि

प० चिकलीवे चिकलीवाते चिकलीविरे
चिकलीविषे चिकलीवाथे चिकलीविध्वे
चिकलीवे चिकलीवावहे चिकलीविमहे

विषीष्ट कलीविषीयास्ताम् कलीविषीरन्

विषीष्टाः कलीविषीयास्ताम् कलीविषीध्वम्

कलीविषीय कलीविषीवहि कलीविषीमहि

श्व० कलीविता कलीवितारौ कलीवितारः
कलीवितासे कलीवितासाथे कलीविताध्वे
कलीविताहे कलीवितास्वहे कलीवितास्महे

१० कलीविष्यते कलीविष्येते कलीविष्यन्ते
कलीविष्यसे कलीविष्येथे कलीविष्यध्वे
कलीविष्ये कलीविष्यावहे कलीविष्यामहे

अकलीविष्यत अकलीविष्येताम् अकलीविष्यन्त
अकलीविष्यथाः अकलीविष्येथाम् अकलीविष्यध्वम्
अकलीविष्ये अकलीविष्यावहि अकलीविष्यामहि

769 क्षीवृङ् (क्षीव्) मदे ।

व० क्षीवते क्षीवेते क्षीवन्ते
क्षीवसे क्षीवेथे क्षीवध्वे
क्षीवे क्षीवावहे क्षीवामहे

स० क्षीवेत क्षीवेयाताम् क्षीवेरन्
क्षीवेथाः क्षीवेयाताम् क्षीवेध्वम्
क्षीवेय क्षीवेवहि क्षीवेमहि

प० क्षीवताम् क्षीवेताम् क्षीवन्ताम्
क्षीवस्व क्षीवेथाम् क्षीवध्वम्
क्षीवै क्षीवावहै क्षीवामहै

झ० अक्षीवत अक्षीवेताम् अक्षीवन्त
अक्षीवथाः अक्षीवेथाम् अक्षीवध्वम्
अक्षी अक्षीवावहि अक्षीवामहि

अ० अक्षीविष्ट अक्षीविषाताम् अक्षीविषत
अक्षीविष्टाः अक्षीविषाताम् अक्षीवि-

ष्टध्वम्
अक्षीविषि अक्षीविषवहि अक्षीविषमहि

प० चिक्षीवे चिक्षीवाते चिक्षीविरे
चिक्षीविषे चिक्षीवाथे चिक्षीविध्वे
चिक्षीवे चिक्षीवावहे चिक्षीविमहे

आ० क्षीविषीष्ट क्षीविषीयास्ताम् क्षीविषीरन्
क्षीविषीष्टाः क्षीविषीयास्ताम् क्षीविषीध्वम्
क्षीविषीय क्षीविषीवहि क्षीविषीमहि

श्व० क्षीविता क्षीवितारौ क्षीवितारः
क्षीवितासे क्षीवितासाथे क्षीविताध्वे
क्षीविताहे क्षीवितास्वहे क्षीवितास्महे

भ० क्षीविष्यते क्षीविष्येते क्षीविष्यन्ते
क्षीविष्यसे क्षीविष्येथे क्षीविष्यध्वे
क्षीविष्ये क्षीविष्यावहे क्षीविष्यामहे

क्रि० अक्षीविष्यत अक्षीविष्येताम् अक्षीविष्यन्त
अक्षीविष्यथाः अक्षीविष्येथाम् अक्षीविष्यध्वम्
अक्षीविष्ये अक्षीविष्यावहि अक्षीविष्यामहि

एते च कबुद्धादयो यद्यपि दन्त्यौष्ठ्या-
न्ता अपि काव्यादिशब्देषु श्रूयन्ते तथापि
बुद्धौष्ठ्यान्त्यमध्ये पठितत्वाद्द्विमाभिस्त-
थैव पठिताः ॥

अथ भान्ताः सप्तदश रभिं लभिवर्जाः सेरश्च

770 शीभृङ् (शीभृ) कथने ।

| | | |
|----------|---------|---------|
| व० शीभते | शीभेते | शीभन्ते |
| शीभसे | शीभेथे | शीभध्वे |
| शीभे | शीभावहे | शीभामहे |

| | | |
|----------|------------|-----------|
| स० शीभेत | शीभेयाताम् | शीभेरन् |
| शीभेथाः | शीभेयाथाम् | शीभेध्वम् |
| शीभेय | शीभेवहि | शीभेमहि |

| | | |
|------------|----------|-----------|
| प० शीभताम् | शीभेताम् | शीभन्ताम् |
| शीभस्व | शीभेथाम् | शीभध्वम् |
| शीभै | शीभावहे | शीभामहे |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| ह्य० अशीभत | अशीभेताम् | अशीभन्त |
| अशीभथाः | अशीभेथाम् | अशीभध्वम् |
| अशीभे | अशीभावहि | अशीभामहि |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| अ० अशीभिष्ट | अशीभिषाताम् | अशीभिषत |
| अशीभिष्ठाः | अशीभिषाथाम् | अशीभिषध्वम् |
| अशीभिषि | अशीभिषवहि | अशीभिषमहि |

| | | |
|-----------|-----------|------------|
| प० शिशिभा | शिशिभाते | शिशिभिरे |
| शिशिभिषे | शिशिभाथे | शिशिभिध्वे |
| शिशिभे | शिशिभावहे | शिशिभिमहे |

| | | |
|--------------|----------------|-------------|
| आ० शीभिषीष्ट | शीभिषीयास्ताम् | शीभिषोरन् |
| शीभिषीष्ठाः | शीभिषीयास्थाम् | शीभिषीध्वम् |
| शीभिषीय | शीभिषीवहि | शीभिषीमहि |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| श्व० शीभिता | शीभितारौ | शीभितारः |
| शीभितासे | शीभितासाथे | शीभिताध्वे |
| शीभिताहे | शीभितास्वहे | शीभितास्महे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ० शीभिष्यते | शीभिष्येते | शीभिष्यन्ते |
| शीभिष्यसे | शीभिष्येथे | शीभिष्यध्वे |
| शीभिष्ये | शीभिष्यावहे | शीभिष्यामहे |

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| क्रि० अशीभिष्यत | अशीभिष्येताम् | अशीभिष्यन्त |
| अशीभिष्यथाः | अशीभिष्येथाम् | अशीभिष्यध्वम् |
| अशीभिष्ये | अशीभिष्यावहि | अशीभिष्यामहि |

771 वीभृङ् (वीभृ) कथने ।

| | | |
|----------|---------|---------|
| व० वीभते | वीभेते | वीभन्ते |
| वीभसे | वीभेथे | वीभध्वे |
| वीभे | वीभावहे | वीभामहे |

| | | |
|----------|------------|-----------|
| स० वीभेत | वीभेयाताम् | वीभेरन् |
| वीभेथाः | वीभेयाथाम् | वीभेध्वम् |
| वीभेय | वीभेवहि | वीभेमहि |

| | | |
|------------|----------|-----------|
| प० वीभताम् | वीभेताम् | वीभन्ताम् |
| वीभस्व | वीभेथाम् | वीभध्वम् |
| वीभै | वीभावहे | वीभामहे |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| ह्य० अवीभत | अवीभेताम् | अवीभन्त |
| अवीभथाः | अवीभेथाम् | अवीभध्वम् |
| अवीभे | अवीभावहि | अवीभामहि |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| अ० अवीभिष्ट | अवीभिषाताम् | अवीभिषत |
| अवीभिष्ठाः | अवीभिषाथाम् | अवीभिषध्वम् |
| अवीभिषि | अवीभिषवहि | अवीभिषमहि |

| | | |
|-----------|-----------|------------|
| प० विवीभे | विवीभाते | विवीभिरे |
| विवीभिषे | विवीभाथे | विवीभिध्वे |
| विवीभे | विवीभावहे | विवीभिमहे |

| | | |
|--------------|----------------|-------------|
| आ० वीभिषीष्ट | वीभिषीयास्ताम् | वीभिषोरन् |
| वीभिषीष्ठाः | वीभिषीयास्थाम् | वीभिषीध्वम् |
| वीभिषीय | वीभिषीवहि | वीभिषीमहि |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| श्व० वीभिता | वीभितारौ | वीभितारः |
| वीभितासे | वीभितासाथे | वीभिताध्वे |
| वीभिताहे | वीभितास्वहे | वीभितास्महे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ० वीभिष्यते | वीभिष्येते | वीभिष्यन्ते |
| वीभिष्यसे | वीभिष्येथे | वीभिष्यध्वे |
| वीभिष्ये | वीभिष्यावहे | वीभिष्यामहे |

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| क्रि० अवीभिष्यत | अवीभिष्येताम् | अवीभिष्यन्त |
| अवीभिष्यथाः | अवीभिष्येथाम् | अवीभिष्यध्वम् |
| अवीभिष्ये | अवीभिष्यावहि | अवीभिष्यामहि |

772 शलिभ (शल्भ) कथने ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० शल्भते | शल्भते | शल्भन्ते |
| शल्भसे | शल्भथे | शल्भध्वे |
| शल्भे | शल्भावहे | शल्भामहे |
| स० शल्भेत | शल्भेयाताम् | शल्भेरन् |
| शल्भेयाः | शल्भेयाथाम् | शल्भेध्वम् |
| शल्भेय | शल्भेवहि | शल्भेमहि |
| प० शल्भताम् | शल्भेताम् | शल्भन्ताम् |
| शल्भस्व | शल्भेथाम् | शल्भध्वम् |
| शल्भे | शल्भावहे | शल्भामहे |
| अ० अशल्भत | अशल्भेताम् | अशल्भन्त |
| अशल्भथाः | अशल्भेथाम् | अशल्भध्वम् |
| अशल्भे | अशल्भावहि | अशल्भामहि |
| अ० अशलिभष्ट | अशलिभषाताम् | अशलिभषत |
| अशलिभष्टाः | अशलिभषाथाम् | अशलिभड्ध्वम् |
| अशलिभषि | अशलिभष्वहि | अशलिभष्महि |
| प० शशल्भे | शशल्भते | शशलिभरे |
| शशलिभे | शशल्भथे | शशलिभध्वे |
| शशल्भे | शशलिभवहे | शशलिभमहे |
| आ० शलिभषीष्ट | शलिभषीयास्ताम् | शलिभषीरन् |
| शलिभषीष्टाः | शलिभषीयास्थाम् | शलिभषीध्वम् |
| शलिभषीय | शलिभषीवहि | शलिभषीमहि |
| श्रव० शलिभता | शलिभतारौ | शलिभतारः |
| शलिभतासे | शलिभतासाथे | शलिभताध्वे |
| शलिभताहे | शलिभतास्वहे | शलिभतास्महे |
| भ० शलिभस्यते | शलिभस्येते | शलिभस्यन्ते |
| शलिभस्यसे | शलिभस्येथे | शलिभस्यध्वे |
| शलिभस्ये | शलिभस्यावहे | शलिभस्यामहे |
| क्रि० अशलिभस्यत | अशलिभस्येताम् | अशलिभस्यन्त |
| अशलिभस्यथाः | अशलिभस्येथाम् | अशलिभस्यध्वम् |
| अशलिभस्ये | अशलिभस्यावहि | अशलिभस्यामहि |

773 वलिभ (वल्भ) भोजने ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० वल्भते | वल्भते | वल्भन्ते |
| वल्भसे | वल्भथे | वल्भध्वे |
| वल्भे | वल्भावहे | वल्भामहे |
| स० वल्भेत | वल्भेयाताम् | वल्भेरन् |
| वल्भेयाः | वल्भेयाथाम् | वल्भेध्वम् |
| वल्भेय | वल्भेवहि | वल्भेमहि |
| प० वल्भताम् | वल्भेताम् | वल्भन्ताम् |
| वल्भस्व | वल्भेथाम् | वल्भध्वम् |
| वल्भे | वल्भावहे | वल्भामहे |
| ह्य० अवल्भत | अवल्भेताम् | अवल्भन्त |
| अवल्भथाः | अवल्भेथाम् | अवल्भध्वम् |
| अवल्भे | अवल्भावहि | अवल्भामहि |
| अ० अवलिभष्ट | अवलिभषाताम् | अवलिभषत |
| अवलिभष्टाः | अवलिभषाथाम् | अवलिभड्ध्वम् |
| अवलिभषि | अवलिभष्वहि | अवलिभष्महि |
| प० ववल्भे | ववल्भते | ववलिभरे |
| ववलिभे | ववल्भथे | ववलिभध्वे |
| ववल्भे | ववलिभवहे | ववलिभमहे |
| आ० वलिभषीष्ट | वलिभषीयास्ताम् | वलिभषीरन् |
| वलिभषीष्टाः | वलिभषीयास्थाम् | वलिभषीध्वम् |
| वलिभषीय | वलिभषीवहि | वलिभषीमहि |
| श्रव० वलिभता | वलिभतारौ | वलिभतारः |
| वलिभतासे | वलिभतासाथे | वलिभताध्वे |
| वलिभताहे | वलिभतास्वहे | वलिभतास्महे |
| भ० वलिभस्यते | वलिभस्येते | वलिभस्यन्ते |
| वलिभस्यसे | वलिभस्येथे | वलिभस्यध्वे |
| वलिभस्ये | वलिभस्यावहे | वलिभस्यामहे |
| क्रि० अवलिभस्यत | अवलिभस्येताम् | अवलिभस्यन्त |
| अवलिभस्यथाः | अवलिभस्येथाम् | अवलिभस्यध्वम् |
| अवलिभस्ये | अवलिभस्यावहि | अवलिभस्यामहि |

774 गलिम् (गल्म्) धाष्टर्ये ।

| | | |
|----------------|----------------|--------------|
| व० गल्भते | गल्भते | गल्भन्ते |
| गल्भसे | गल्भथे | गल्भध्वे |
| गल्भो | गल्भावहे | गल्भामहे |
| स० गल्भेत | गल्भेयाताम् | गल्भेरन् |
| गल्भेयाः | गल्भेयाथाम् | गल्भेध्वम् |
| गल्भेय | गल्भेवहि | गल्भेमहि |
| प० गल्भताम् | गल्भेताम् | गल्भन्ताम् |
| गल्भस्व | गल्भेथाम् | गल्भध्वम् |
| गल्भै | गल्भावहै | गल्भामहै |
| झ० अगल्भत | अगल्भेताम् | अगल्भन्त |
| अगल्भथाः | अगल्भेथाम् | अगल्भध्वम् |
| अगल्भो | अगल्भावहि | अगल्भामहि |
| अ० अगलिभष्ट | अगलिभषाताम् | अगलिभषत |
| अगलिभष्टाः | अगलिभषाथाम् | अगलिभषध्वम् |
| अगलिभषि | अगलिभषवहि | अगलिभषमहि |
| प० जगल्भो | जगल्भते | जगल्भरे |
| जगल्भिषे | जगल्भथे | जगल्भिध्वे |
| जगल्भो | जगल्भवहे | जगल्भिमहे |
| आ० गलिभषीष्ट | गलिभषीयास्ताम् | गलिभषीरन् |
| गलिभषीष्टाः | गलिभषीयास्थाम् | गलिभषीध्वम् |
| गलिभषीय | गलिभषीवहि | गलिभषीमहि |
| प्र० गलिभता | गलिभतारौ | गलिभतारः |
| गलिभतासे | गलिभतासाथे | गलिभताध्वे |
| गलिभताहे | गलिभतास्वहे | गलिभतास्महे |
| भ० गलिभ्यते | गलिभ्येते | गलिभ्यन्ते |
| गलिभ्यसे | गलिभ्येथे | गलिभ्यध्वे |
| गलिभ्ये | गलिभ्यावहे | गलिभ्यामहे |
| क्रि० अगलिभ्यत | अगलिभ्येताम् | अगलिभ्यन्त |
| अगलिभ्यथाः | अगलिभ्येथाम् | अगलिभ्यध्वम् |
| अगलिभ्ये | अगलिभ्यावहि | अगलिभ्यामहि |

775 रेभृङ् (रेभ्) शब्दे ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० रेभते | रेभते | रेभन्ते |
| रेभसे | रेभेथे | रेभध्वे |
| रेभे | रेभावहे | रेभामहे |
| स० रेभेत | रेभेयाताम् | रेभेरन् |
| रेभेयाः | रेभेयाथाम् | रेभेध्वम् |
| रेभेय | रेभेवहि | रेभेमहि |
| प० रेभताम् | रेभेताम् | रेभन्ताम् |
| रेभस्व | रेभेथाम् | रेभध्वम् |
| रेभै | रेभावहै | रेभामहै |
| झ० अरेभत | अरेभेताम् | अरेभन्त |
| अरेभथाः | अरेभेथाम् | अरेभध्वम् |
| अरेभे | अरेभावहि | अरेभामहि |
| अ० अरेभिष्ट | अरेभिषाताम् | अरेभिषत |
| अरेभिष्टाः | अरेभिषाथाम् | अरेभिषध्वम् |
| अरेभिषि | अरेभिषवहि | अरेभिषमहि |
| प० रिरेभो | रिरेभते | रिरेभिरे |
| रिरेभिषे | रिरेभथे | रिरेभिध्वे |
| रिरेभो | रिरेभवहे | रिरेभिमहे |
| आ० रेभिषीष्ट | रेभिषीयास्ताम् | रेभिषीरन् |
| रेभिषीष्टाः | रेभिषीयास्थाम् | रेभिषीध्वम् |
| रेभिषीय | रेभिषीवहि | रेभिषीमहि |
| प्र० रेभिता | रेभितारौ | रेभितारः |
| रेभितासे | रेभितासाथे | रेभिताध्वे |
| रेभिताहे | रेभितास्वहे | रेभितास्महे |
| भ० रेभिष्यते | रेभिष्येते | रेभिष्यन्ते |
| रेभिष्यसे | रेभिष्येथे | रेभिष्यध्वे |
| रेभिष्ये | रेभिष्यावहे | रेभिष्यामहे |
| क्रि० अरेभिष्यत | अरेभिष्येताम् | अरेभिष्यन्त |
| अरेभिष्यथाः | अरेभिष्येथाम् | अरेभिष्यध्वम् |
| अरेभिष्ये | अरेभिष्यावहि | अरेभिष्यामहि |

776 अभुङ् (अभ्) शब्दे ।

| | | |
|---------------|---------------|-------------|
| व० अभते | अभते | अभन्ते |
| अभसे | अभथे | अभध्वे |
| अभे | अभावहे | अभामहे |
| स० अभेत | अभेयाताम् | अभेरन् |
| अभेथाः | अभेयाथाम् | अभेध्वम् |
| अभेय | अभेवहि | अभेमहि |
| प० अभताम् | अभेताम् | अभन्ताम् |
| अभस्व | अभेथाम् | अभध्वम् |
| अभै | अभावहे | अभामहे |
| झ० अभत | अभेताम् | अभन्त |
| अभथाः | अभेथाम् | अभध्वम् |
| अभे | अभावहि | अभामहि |
| अ० अभिष्ट | अभिषाताम् | अभिषत |
| अभिष्टाः | अभिषाथाम् | अभिध्वम् |
| अभिषि | अभिष्वहि | अभिषमहि |
| प० आनभे | आनभते | आनभरे |
| आनभिषे | आनभथे | आनभध्वे |
| आनभे | आनभवहे | आनभमहे |
| आ० अभिषीष्ट | अभिषीयास्ताम् | अभिषीरन् |
| अभिषीष्टाः | अभिषीयास्थाम् | अभिषीध्वम् |
| अभिषीय | अभिषीवहि | अभिषीमहि |
| प्रव० अभिता | अभितारौ | अभितारः |
| अभितासे | अभितासाथे | अभिताध्वे |
| अभिताहे | अभितास्वहे | अभितास्महे |
| भ० अभिष्यते | अभिष्येते | अभिष्यन्ते |
| अभिष्यसे | अभिष्येथे | अभिष्यध्वे |
| अभिष्ये | अभिष्यावहे | अभिष्यामहे |
| क्रि० अभिष्यत | अभिष्येताम् | अभिष्यन्त |
| अभिष्यथाः | अभिष्येथाम् | अभिष्यध्वम् |
| अभिष्ये | अभिष्यावहि | अभिष्यामहि |

777 रभुङ् (रम्भ्) शब्दे ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० रभते | रभते | रभन्ते |
| रभसे | रभथे | रभध्वे |
| रभे | रभावहे | रभामहे |
| स० रभेत | रभेयाताम् | रभेरन् |
| रभेथाः | रभेयाथाम् | रभेध्वम् |
| रभेय | रभेवहि | रभेमहि |
| प० रभताम् | रभेताम् | रभन्ताम् |
| रभस्व | रभेथाम् | रभध्वम् |
| रभै | रभावहे | रभामहे |
| झ० अरभत | अरभेताम् | अरभन्त |
| अरभथाः | अरभेथाम् | अरभध्वम् |
| अरभे | अरभावहि | अरभामहि |
| अ० अरभिष्ट | अरभिषाताम् | अरभिषत |
| अरभिष्टाः | अरभिषाथाम् | अरभिध्वम् |
| अरभिषि | अरभिष्वहि | अरभिषमहि |
| प० ररभे | ररभते | ररभरे |
| ररभिषे | ररभथे | ररभध्वे |
| ररभे | ररभवहे | ररभमहे |
| आ० ररभिषीष्ट | ररभिषीयास्ताम् | ररभिषीरन् |
| ररभिषीष्टाः | ररभिषीयास्थाम् | ररभिषीध्वम् |
| ररभिषीय | ररभिषीवहि | ररभिषीमहि |
| प्रव० ररभिता | ररभितारौ | ररभितारः |
| ररभितासे | ररभितासाथे | ररभिताध्वे |
| ररभिताहे | ररभितास्वहे | ररभितास्महे |
| भ० ररभिष्यते | ररभिष्येते | ररभिष्यन्ते |
| ररभिष्यसे | ररभिष्येथे | ररभिष्यध्वे |
| ररभिष्ये | ररभिष्यावहे | ररभिष्यामहे |
| क्रि० अररभिष्यत | अररभिष्येताम् | अररभिष्यन्त |
| अररभिष्यथाः | अररभिष्येथाम् | अररभिष्यध्वम् |
| अररभिष्ये | अररभिष्यावहि | अररभिष्यामहि |

778 लभुङ् (लभ्) शब्दे

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| व० लभते | लभेते | लभन्ते |
| लभसे | लभेथे | लभध्वे |
| लभे | लभाषहे | लभामहे |
| स० लभेत | लभेयाताम् | लभेरन् |
| लभेथाः | लभेयाथाम् | लभेध्वम् |
| लभेय | लभेवहि | लभेमहि |
| प० लभताम् | लभेताम् | लभन्ताम् |
| लभस्व | लभेथाम् | लभध्वम् |
| लभे | लभाषहे | लभामहे |
| झ० अलम्भत | अलम्भेताम् | अलम्भन्त |
| अलम्भथाः | अलम्भेथाम् | अलम्भध्वम् |
| अलम्भे | अलम्भाषहि | अलम्भामहि |
| अ० अलम्भिष्ट | अलम्भिषाताम् | अलम्भिषन्त |
| अलम्भिष्ठाः | अलम्भिषाथाम् | अलम्भिषध्वम् |
| अलम्भिषि | अलम्भिष्वहि | अलम्भिषमहि |
| प० ललम्भे | ललम्भाते | ललम्भिरे |
| ललम्भिषे | ललम्भाथे | ललम्भिध्वे |
| ललम्भे | ललम्भाषहे | ललम्भामहे |
| आ० ललम्भिषीष्ट | ललम्भिषीयाताम् | ललम्भिषीरन् |
| ललम्भिषीष्ठाः | ललम्भिषीयाथाम् | ललम्भिषीध्वम् |
| ललम्भिषीय | ललम्भिषीवहि | ललम्भिषीमहि |
| श्व० ललम्भिता | ललम्भितारौ | ललम्भितारः |
| ललम्भितासे | ललम्भितासाथे | ललम्भिताध्वे |
| ललम्भिताहे | ललम्भितास्वहे | ललम्भितास्महे |
| भ० ललम्भिष्यते | ललम्भिष्येते | ललम्भिष्यन्ते |
| ललम्भिष्यसे | ललम्भिष्येथे | ललम्भिष्यध्वे |
| ललम्भिष्ये | ललम्भिष्यावहे | ललम्भिष्यामहे |
| क्रि० अलम्भिष्यत | अलम्भिष्येताम् | अलम्भिष्यन्त |
| अलम्भिष्यथाः | अलम्भिष्येथाम् | अलम्भिष्यध्वम् |
| अलम्भिष्ये | अलम्भिष्यावहि | अलम्भिष्यामहि |

779 छमुङ् (स्तम्भ्) स्तम्भे ।

स्तम्भः क्रियानिरोधः ।

| | | |
|------------------|------------------|------------------|
| व० स्तम्भते | स्तम्भेते | स्तम्भन्ते |
| स्तम्भसे | स्तम्भेथे | स्तम्भध्वे |
| स्तम्भे | स्तम्भाषहे | स्तम्भामहे |
| स० स्तम्भेत | स्तम्भेयाताम् | स्तम्भेरन् |
| स्तम्भेथाः | स्तम्भेयाथाम् | स्तम्भेध्वम् |
| स्तम्भेय | स्तम्भेवहि | स्तम्भेमहि |
| प० स्तम्भताम् | स्तम्भेताम् | स्तम्भन्ताम् |
| स्तम्भस्व | स्तम्भेथाम् | स्तम्भध्वम् |
| स्तम्भे | स्तम्भाषहे | स्तम्भामहे |
| झ० अस्तम्भत | अस्तम्भेताम् | अस्तम्भन्त |
| अस्तम्भथाः | अस्तम्भेथाम् | अस्तम्भध्वम् |
| अस्तम्भे | अस्तम्भाषहि | अस्तम्भामहि |
| अ० अस्तम्भिष्ट | अस्तम्भिषाताम् | अस्तम्भिषन्त |
| अस्तम्भिष्ठाः | अस्तम्भिषाथाम् | अस्तम्भिषध्वम् |
| अस्तम्भिषि | अस्तम्भिष्वहि | अस्तम्भिषमहि |
| प० तस्तम्भे | तस्तम्भाते | तस्तम्भिरे |
| तस्तम्भिषे | तस्तम्भाथे | तस्तम्भिध्वे |
| तस्तम्भे | तस्तम्भाषहे | तस्तम्भामहे |
| आ० तस्तम्भिषीष्ट | तस्तम्भिषीयाताम् | तस्तम्भिषीरन् |
| तस्तम्भिषीष्ठाः | तस्तम्भिषीयाथाम् | तस्तम्भिषीध्वम् |
| तस्तम्भिषीय | तस्तम्भिषीवहि | तस्तम्भिषीमहि |
| श्व० तस्तम्भिता | तस्तम्भितारौ | तस्तम्भितारः |
| तस्तम्भितासे | तस्तम्भितासाथे | तस्तम्भिताध्वे |
| तस्तम्भिताहे | तस्तम्भितास्वहे | तस्तम्भितास्महे |
| भ० तस्तम्भिष्यते | तस्तम्भिष्येते | तस्तम्भिष्यन्ते |
| तस्तम्भिष्यसे | तस्तम्भिष्येथे | तस्तम्भिष्यध्वे |
| तस्तम्भिष्ये | तस्तम्भिष्यावहे | तस्तम्भिष्यामहे |
| अस्तम्भिष्यत | अस्तम्भिष्येताम् | अस्तम्भिष्यन्त |
| अस्तम्भिष्यथाः | अस्तम्भिष्येथाम् | अस्तम्भिष्यध्वम् |
| अस्तम्भिष्ये | अस्तम्भिष्यावहि | अस्तम्भिष्यामहि |

780 स्कमुङ् (स्कम्भ) स्तम्भे ।

स्तम्भः क्रियानिरोधः ।

| | | | |
|------|----------------|------------------|-----------------|
| ब० | स्कम्भते | स्कम्भेते | स्कम्भन्ते |
| | स्कम्भसे | स्कम्भेथे | स्कम्भध्वे |
| | स्कम्भे | स्कम्भावहे | स्कम्भामहे |
| स० | स्कम्भेत | स्कम्भेयाताम् | स्कम्भेरन् |
| | स्कम्भेथाः | स्कम्भेयाथाम् | स्कम्भेध्वम् |
| | स्कम्भेय | स्कम्भेवहि | स्कम्भेमहि |
| प० | स्कम्भताम् | स्कम्भेताम् | स्कम्भन्ताम् |
| | स्कम्भस्व | स्कम्भेथाम् | स्कम्भध्वम् |
| | स्कम्भे | स्कम्भावहे | स्कम्भामहे |
| झ० | अस्कम्भत | अस्कम्भेताम् | अस्कम्भन्त |
| | अस्कम्भथाः | अस्कम्भेथाम् | अस्कम्भध्वम् |
| | अस्कम्भे | अस्कम्भावहि | अस्कम्भामहि |
| अ० | अस्कम्भिषट् | अस्कम्भिषाताम् | अस्कम्भिषन्त |
| | अस्कम्भिषाः | अस्कम्भिषाथाम् | अस्कम्भिषध्वम् |
| | अस्कम्भिषे | अस्कम्भिषवहि | अस्कम्भिषामहि |
| च० | चस्कम्भे | चस्कम्भेते | चस्कम्भन्ते |
| | चस्कम्भसे | चस्कम्भेथे | चस्कम्भध्वे |
| | चस्कम्भे | चस्कम्भावहे | चस्कम्भामहे |
| आ० | स्कम्भिषीष्ट | स्कम्भिषीयाताम् | स्कम्भिषीरन् |
| | स्कम्भिषीष्टाः | स्कम्भिषीयाथाम् | स्कम्भिषीध्वम् |
| | स्कम्भिषीय | स्कम्भिषीवहि | स्कम्भिषीमहि |
| श्व० | स्कम्भिता | स्कम्भितारौ | स्कम्भितारः |
| | स्कम्भितासे | स्कम्भितासाथे | स्कम्भिताध्वे |
| | स्कम्भिताहे | स्कम्भितास्वहे | स्कम्भिताम्भहे |
| भ० | स्कम्भिष्यते | स्कम्भिष्येते | स्कम्भिष्यन्ते |
| | स्कम्भिष्यसे | स्कम्भिष्येथे | स्कम्भिष्यध्वे |
| | स्कम्भिष्ये | स्कम्भिष्यावहे | स्कम्भिष्यामहे |
| | अस्कम्भिष्यत | अस्कम्भिष्येताम् | अस्कम्भिष्यन्त |
| | अस्कम्भिष्यथाः | अस्कम्भिष्येथाम् | अस्कम्भिष्यध्वं |
| | अस्कम्भिष्ये | अस्कम्भिष्यावहि | अस्कम्भिष्यामहि |

781 ष्टुभूङ् (स्तुभ) स्तम्भे ।

स्तम्भः क्रियानिरोधः,

| | | | |
|------|---------------|-----------------|----------------|
| ब० | स्तोभते | स्तोभेते | स्तोभन्ते |
| | स्तोभसे | स्तोभेथे | स्तोभध्वे |
| | स्तोभे | स्तोभावहे | स्तोभामहे |
| स० | स्तोभेत | स्तोभेयाताम् | स्तोभेरन् |
| | स्तोभेथाः | स्तोभेयाथाम् | स्तोभेध्वम् |
| | स्तोभेय | स्तोभेवहि | स्तोभेमहि |
| प० | स्तोभताम् | स्तोभेताम् | स्तोभन्ताम् |
| | स्तोभस्व | स्तोभेथाम् | स्तोभध्वम् |
| | स्तोभे | स्तोभावहे | स्तोभामहे |
| झ० | अस्तोभत | अस्तोभेताम् | अस्तोभन्त |
| | अस्तोभथाः | अस्तोभेथाम् | अस्तोभध्वम् |
| | अस्तोभे | अस्तोभावहि | अस्तोभामहि |
| अ० | अस्तोभिष्ट | अस्तोभिषाताम् | अस्तोभिषन्त |
| | अस्तोभिषाः | अस्तोभिषाथाम् | अस्तोभिषध्वम् |
| | अस्तोभिषे | अस्तोभिषवहि | अस्तोभिषामहि |
| प० | तुष्टुभे | तुष्टुभाते | तुष्टुभिरे |
| | तुष्टुभिषे | तुष्टुभाथे | तुष्टुभिध्वे |
| | तुष्टुभे | तुष्टुभिवहे | तुष्टुभिमहे |
| आ० | स्तोभिषीष्ट | स्तोभिषीयाताम् | स्तोभिषीरन् |
| | स्तोभिषीष्टाः | स्तोभिषीयाथाम् | स्तोभिषीध्वम् |
| | स्तोभिषीय | स्तोभिषीवहि | स्तोभिषीमहि |
| श्व० | स्तोभिता | स्तोभितारौ | स्तोभितारः |
| | स्तोभितासे | स्तोभितासाथे | स्तोभिताध्वे |
| | स्तोभिताहे | स्तोभितास्वहे | स्तोभिताम्भहे |
| भ० | स्तोभिष्यते | स्तोभिष्येते | स्तोभिष्यन्ते |
| | स्तोभिष्यसे | स्तोभिष्येथे | स्तोभिष्यध्वे |
| | स्तोभिष्ये | स्तोभिष्यावहे | स्तोभिष्यामहे |
| | अस्तोभिष्यत | अस्तोभिष्येताम् | अस्तोभिष्यन्त |
| | अस्तोभिष्यथाः | अस्तोभिष्येथाम् | अस्तोभिष्यध्वं |
| | अस्तोभिष्ये | अस्तोभिष्यावहि | अस्तोभिष्यामहि |

783 जमैह (जम्भू) गात्रविनामे ।

| | | |
|-----------|----------|----------|
| ब० जम्भते | जम्भेते | जम्भन्ते |
| जम्भसे | जम्भथे | जम्भध्वे |
| जम्भे | जम्भाषहे | जम्भामहे |

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| न० जम्भेत | जम्भेयाताम् | जम्भेरन् |
| जम्भेथाः | जम्भेयाथाम् | जम्भेध्वम् |
| जम्भेय | जम्भेवहि | जम्भेमहि |

प० जम्भताम् जम्भेताम् जम्भन्ताम्
जम्भस्व जम्भेशाम् जम्भध्वम्
जम्भै जम्भावहै जम्भामहै

छः अजम्भत अजम्भेताम् अजम्भन्त
 अजम्भयाः अजम्भेथाम् अजम्भध्वम्
 अजम्भे अजम्भाथहि अजम्भामहि

अ० अजम्भिष्ट अजम्भिषाताम् अजम्भिषत
अजम्भिष्ठाः अजम्भिषाथाम् अजम्भिड्ढवम्

अजग्मिषि अजग्मिष्वहि अजग्मिष्वमहि

प० जजम्भे जजम्भाते जजम्भिहे
जजम्भिषे जजम्भाथे जजम्भिध्वे
जजम्भे जजम्भिषहे जजम्भिषहे

आ० जम्भिषीष्टजम्भिषीयास्तामजाम्भिषीरन
जम्भिषीष्टाःजम्भिषीयास्थाम् जम्भिषीध्वम्
जम्भिषीय जम्भिषीषहि जम्भिषीमहि

प्र० जम्भिता जम्भितारौ जम्भितारः
जम्भितासे जम्भितासाथे जम्भिताध्वे
जम्भिताहे जम्भितास्वहे जम्भितास्महे

भ० जम्भिष्यते जम्भिष्येते जम्भिष्यन्ते
जम्भिष्यसे जम्भिष्येथे जम्भिष्यध्वे
जम्भिष्ये जम्भिष्यावह 'जान्भिष्यामहे

अजम्भिष्यत अजम्भिष्येताम् अजम्भिष्यन्त
अजम्भिष्यथाः अजम्भिष्येथाम् अजम्भिष्यध्वं
अजम्भिष्ये अजम्भिष्यावहि अजम्भिष्यामहि

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| व० जम्भते | जम्भेते | जम्भन्ते |
| जम्भसे | जम्भेथे | जम्भध्वे |
| जम्भे | जम्भावहे | जम्भामहे |
| स० जम्भेत | जम्भेयाताम् | जम्भेरन् |
| जम्भेथाः | जम्भेयाथाम् | जम्भेध्वम् |
| जम्भेय | जम्भेवहि | जम्भेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० जम्भताम् | जम्भेताम् | जम्भन्ताम् |
| जम्भस्व | जम्भेथाम् | जम्भध्वम् |
| जम्भै | जम्भायहै | जम्भामहै |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| ह्य० अजम्भन | अजम्भेताम | अजम्भस्त |
| अजम्भयाः | अजम्भयाम् | अजम्भध्वम् |
| अजम्भे | अजम्भावहि | अजम्भामहि |

अ० अजम्भिषट् अजम्भिषाताम् अजम्भिषत्
अजम्भिषठाः अजम्भिषाथाम् अजम्भिषद्भ्यम्
-ष्ठम्

अजम्भिषि अजम्भिष्वहि अजम्भिषमहि

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| प० जजम्भे | जजम्भाते | जजम्भरे |
| जजम्भिषे | जजम्भाथे | जजम्भिषे |
| जजम्भे | जजम्भिषहे | जजम्भिषहे |

आ०जम्भिषीष्ट जम्भिषीयास्ताम् जम्भिषीरन्
जम्भिषीष्टाः जम्भिषीयास्थाम् जम्भिषी-
ध्वम्

जम्भिषीय जम्भिषीवहि जम्भिषीमहि

ॐ जम्भिता जम्भितारौ जम्भितारः
जम्भितासे जम्भितासाथे जम्भिताध्वे
जम्भिताहे जम्भितास्वहे जम्भितास्महे

भ० जन्मिष्यते जन्मिष्येते जन्मिष्यन्ते
जन्मिष्यसे जन्मिष्येथे जन्मिष्यथ्वे
जन्मिष्ये जन्मिष्यावहे जन्मिष्यामहे

क्रि० अजम्भिष्यत अजम्भिष्येताम् अजम्भिष्यन्त
अजम्भिष्यथाः अजम्भिष्येथाम् अजम्भिष्यन्तम्
अजम्भिष्ये अजम्भिष्यावहि अजम्भिष्यामहि

184 जृम्भ (जृम्भ) गात्रविनामे ।

| | | |
|------------------------------------|-------------------|------------------|
| घ० जृम्भते | जृम्भते | जृम्भन्ते |
| जृम्भसे | जृम्भेथे | जृम्भध्वे |
| जृम्भे | जृम्भावहे | जृम्भामहे |
| स० जृम्भत | जृम्भेयाताम् | जृम्भेरन् |
| जृम्भेथाः | जृम्भेयाथाम् | जृम्भेध्वम् |
| जृम्भेय | जृम्भेवहि | जृम्भेमहि |
| प० जृम्भताम् | जृम्भेताम् | जृम्भन्ताम् |
| जृम्भस्व | जृम्भेथाम् | जृम्भध्वम् |
| जृम्भै | जृम्भावहे | जृम्भामहे |
| झ० अजृम्भत | अजृम्भेताम् | अजृम्भन्त |
| अजृम्भेथाः | अजृम्भेथाम् | अजृम्भध्वम् |
| अजृम्भे | अजृम्भावहि | अजृम्भामहि |
| अ० अजृम्भिषट् | अजृम्भिषाताम् | अजृम्भिषत |
| अजृम्भिषठाः | अजृम्भिषाथाम् | अजृम्भिषध्वम् |
| —ध्वम् | | |
| अजृम्भिषि अजृम्भिष्वहि अजृम्भिषमहि | | |
| प० जजृम्भे | जजृम्भाते | जजृम्भिरे |
| जजृम्भिषे | जजृम्भेथे | जजृम्भिध्वे |
| जजृम्भे | जजृम्भावहे | जजृम्भिमहे |
| आ० जजृम्भिषीष्ट | जजृम्भिषीयास्ताम् | जजृम्भिषीरन् |
| जजृम्भिषीष्टाः | जजृम्भिषीयास्थाम् | जजृम्भिषीध्वम् |
| जजृम्भिषीय | जजृम्भिषीवहि | जजृम्भिषीमहि |
| श्व० जजृम्भिता | जजृम्भितारौ | जजृम्भितारः |
| जजृम्भितासे | जजृम्भितासाथे | जजृम्भिताध्वे |
| जजृम्भिताहे | जजृम्भितास्वहे | जजृम्भितास्महे |
| भ० जजृम्भिष्यते | जजृम्भिष्येते | जजृम्भिष्यन्ते |
| जजृम्भिष्यसे | जजृम्भिष्येथे | जजृम्भिष्यध्वे |
| जजृम्भिष्ये | जजृम्भिष्यावहे | जजृम्भिष्यामहे |
| क्रि० अजजृम्भिष्यत | अजजृम्भिष्येताम् | अजजृम्भिष्यन्त |
| अजजृम्भिष्यथाः | अजजृम्भिष्येथाम् | अजजृम्भिष्यध्वम् |
| अजजृम्भिष्ये | अजजृम्भिष्यावहि | अजजृम्भिष्यामहि |

585 रभि (रभ) राभस्ये ।

कार्योद्यम इत्यर्थः । प्रायेणाङ्पूर्वः ॥

| | | |
|---------------------------|----------------|--------------|
| घ० आरभते | आरभेते | आरभन्ते |
| आरभसे | आरभेथे | आरभध्वे |
| आरभे | आरभावहे | आरभामहे |
| स० आरभत | आरभेयाताम् | आरभेरन् |
| आरभेथाः | आरभेयाथाम् | आरभेध्वम् |
| आरभेय | आरभेवहि | आरभेमहि |
| प० आरभताम् | आरभेताम् | आरभन्ताम् |
| आरभस्व | आरभेथाम् | आरभध्वम् |
| आरभै | आरभावहे | आरभामहे |
| झ० आरभत | आरभेताम् | आरभन्त |
| आरभेथाः | आरभेथाम् | आरभध्वम् |
| आरभे | आरभावहि | आरभामहि |
| अ० आरब्ध | आरब्धाताम् | आरब्धत |
| आरब्धाः | आरब्धाथाम् | आरब्धध्वम् |
| आरब्धध्वम् | | |
| आरब्धि आरब्ध्वहि आरब्धमहि | | |
| प० आरेभे | आरेभाते | आरेभिरे |
| आरेभिषे | आरेभेथे | आरेभिध्वे |
| आरेभे | आरेभिवहे | आरेभिमहे |
| आ० आरप्सीष्ट | आरप्सीयास्ताम् | आरप्सीरन् |
| आरप्सीष्टाः | आरप्सीयास्थाम् | आरप्सीध्वम् |
| आरप्सीय | आरप्सीवहि | आरप्सीमहि |
| श्व० आरब्धा | आरब्धारौ | आरब्धारः |
| आरब्धासे | आरब्धासाथे | आरब्धाध्वे |
| आरब्धाहे | आरब्धास्वहे | आरब्धास्महे |
| भ० आरप्स्यते | आरप्स्येते | आरप्स्यन्ते |
| आरप्स्यसे | आरप्स्येथे | आरप्स्यध्वे |
| आरप्स्ये | आरप्स्यावहे | आरप्स्यामहे |
| आरप्स्यत | आरप्स्येताम् | आरप्स्यन्त |
| आरप्स्यथाः | आरप्स्येथाम् | आरप्स्यध्वम् |
| आरप्स्ये | आरप्स्यावहि | आरप्स्यामहि |

786 डुलभिष् (लभ्) प्राप्ता ।

| | | |
|--------------|---------------|--------------|
| व० लभते | लभेते | लभन्ते |
| लभसे | लभेथे | लभध्वे |
| लभे | लभावहे | लभामहे |
| स० लभेत | लभेयाताम् | लभेरन् |
| लभेथाः | लभेयाथाम् | लभेध्वम् |
| लभेय | लभेवहि | लभेमहि |
| प० लभताम् | लभेताम् | लभन्ताम् |
| लभस्व | लभेथाम् | लभध्वम् |
| लभै | लभावहे | लभामहे |
| झ० अलभत | अलभेताम् | अलभन्त |
| अलभथाः | अलभेथाम् | अलभध्वम् |
| अलभे | अलभावहि | अलभामहि |
| अ० अलब्ध | अलप्सताम् | अलप्सन्त |
| अलब्धाः | अलप्सथाम् | अलब्ध्वम् |
| | | अलब्ध्वम् |
| अलप्ति | अलप्सवहि | अलप्समहि |
| प० लेभे | लेभाते | लेभिरे |
| लेभिषे | लेभाथे | लेभिध्वे |
| लेभे | लेभिवहे | लेभिमहे |
| आ० लप्सीष्ट | लप्सीयास्ताम् | लप्सीरन् |
| लप्सीष्ठाः | लप्सीयास्थाम् | लप्सीध्वम् |
| लप्सीय | लप्सीवहि | लप्सीमहि |
| श्व० लब्धा | लब्धारा | लब्धारः |
| लब्धासे | लब्धासाथे | लब्धाध्वे |
| लब्धाहे | लब्धास्वहे | लब्धास्महे |
| भ० लप्स्यते | लप्स्येते | लप्स्यन्ते |
| लप्स्यसे | लप्स्येथे | लप्स्यध्वे |
| लप्स्ये | लप्स्यावहे | लप्स्यामहे |
| कि० अलप्स्यत | अलप्स्येताम् | अलप्स्यन्त |
| अलप्स्यथाः | अलप्स्येथाम् | अलप्स्यध्वम् |
| अलप्स्ये | अलप्स्यावहि | अलप्स्यामहि |

॥ अथ मान्तास्त्रयः सेटश्च ॥

787 भामि [भाम्] क्रीडे ।

| | | |
|--------------|----------------|---------------|
| व० भामते | भामेते | भामन्ते |
| भामसे | भामेथे | भामध्वे |
| भामे | भामावहे | भामामहे |
| स० भामेत | भामेयाताम् | भामेरन् |
| भामेथाः | भामेयाथाम् | भामेध्वम् |
| भामेय | भामेवहि | भामेमहि |
| प० भामताम् | भामेताम् | भामन्ताम् |
| भामस्व | भामेथाम् | भामध्वम् |
| भामै | भामावहे | भामामहे |
| झ० अभामत | अभामेताम् | अभामन्त |
| अभामथाः | अभामेथाम् | अभामध्वम् |
| अभामे | अभामावहि | अभामामहि |
| अ० अभामिष्ट | अभामिषाताम् | अभामिषन्त |
| अभामिष्ठाः | अभामिषाथाम् | अभामिषध्वम् |
| | | अभामिषध्वम् |
| अभामिषि | अभामिषवहि | अभामिषमहि |
| व० वभामे | वभामाते | वभामिरे |
| वभामिषे | वभामाथे | वभामिध्वे |
| वभामे | वभामिवहे | वभामिमहे |
| आ० भामिषीष्ट | भामिषीयास्ताम् | भामिषीरन् |
| भामिषीष्ठाः | भामिषीयास्थाम् | भामिषीध्वम् |
| भामिषीय | भामिषीवहि | भामिषीमहि |
| भामिता | भामितारौ | भामितारः |
| भामितासे | भामितासाथे | भामिताध्वे |
| भामिताहे | भामितास्वहे | भामितास्महे |
| भामिष्यते | भामिष्येते | भामिष्यन्ते |
| भामिष्यसे | भामिष्येथे | भामिष्यध्वे |
| भामिष्ये | भामिष्यावहे | भामिष्यामहे |
| अभामिष्यत | अभामिष्येताम् | अभामिष्यन्त |
| अभामिष्यथाः | अभामिष्येथाम् | अभामिष्यध्वम् |
| अभामिष्ये | अभामिष्यावहि | अभामिष्यामहि |

788 क्षमौषि (क्षम्) सहने ।

| | | |
|--------------|--------------|---------------|
| ४० क्षमते | क्षमेते | क्षमन्ते |
| क्षमसे | क्षमेथे | क्षमध्वे |
| क्षमे | क्षमावहे | क्षमामहे |
| स० क्षमेत | क्षमेयाताम् | क्षमेरन् |
| क्षमेथाः | क्षमेयाथाम् | क्षमेध्वम् |
| क्षमेय | क्षमेवहि | क्षमेमहि |
| प० क्षमताम् | क्षमेताम् | क्षमन्ताम् |
| क्षमस्व | क्षमेथाम् | क्षमध्वम् |
| क्षमै | क्षमावहे | क्षमामहे |
| झ० अक्षमत | अक्षमेताम् | अक्षमन्त |
| अक्षमथाः | अक्षमेथाम् | अक्षमध्वम् |
| अक्षमे | अक्षमावहि | अक्षमामहि |
| अ० अक्षमिष्ट | अक्षमिषाताम् | अक्षमिषत |
| अक्षमिष्ठाः | अक्षमिषाथाम् | अक्षमिड्ध्वम् |
| अक्षमिषि | अक्षमिष्वहि | अक्षमिष्महि |
| अक्षंस्त | अक्षंसाताम् | अक्षंसत |
| अक्षंस्थाः | अक्षंसाथाम् | अक्षन्ध्वम् |
| अक्षंसि | अक्षंस्वहि | अक्षंस्महि |
| प० चक्षमे | चक्षमाते | चक्षमिरे |
| चक्षमिषे | चक्षंसे | चक्षमाथे |
| चक्षमे | चक्षमिवहे | चक्षमिमहे |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| आ० क्षमिषीष्ट | क्षमिषीयास्ताम् | क्षमिषीरन् |
| क्षमिषीष्ठाः | क्षमिषीयाथाम् | क्षमिषीध्वम् |
| क्षमिषीय | क्षमिषीवहि | क्षमिषीमहि |
| क्षंसीष्ट | क्षंसीयास्ताम् | क्षंसीरन् |
| क्षंसीष्ठाः | क्षंसीयाथाम् | क्षंसीध्वम् |
| क्षंसीय | क्षंसीवहि | क्षंसीमहि |
| श्व० क्षमिता | क्षमितारो | क्षमितारः |
| क्षमितासे | क्षमितासाथे | क्षमिताध्वे |
| क्षमिताहे | क्षमितास्वहे | क्षमितास्महे |
| क्षन्ता | क्षन्तारो | क्षन्तारः |
| क्षन्तासे | क्षन्तासाथे | क्षन्ताध्वे |
| क्षन्ताहे | क्षन्तास्वहे | क्षन्तास्महे |
| भ० क्षमिष्यते | क्षमिष्येते | क्षमिष्यन्ते |
| क्षमिष्यसे | क्षमिष्येथे | क्षमिष्यध्वे |
| क्षमिष्ये | क्षमिष्यावहे | क्षमिष्यामहे |
| क्षंस्यते | क्षंस्येते | क्षंस्यन्ते |
| क्षंस्यसे | क्षंस्येथे | क्षंस्यध्वे |
| क्षंस्ये | क्षंस्यावहे | क्षंस्यामहे |
| क्रि० अक्षमिष्यत | अक्षमिष्येताम् | अक्षमिष्यन्त |
| अक्षमिष्यथाः | अक्षमिष्येथाम् | अक्षमिष्यध्वम् |
| अक्षमिष्ये | अक्षमिष्यावहि | अक्षमिष्यामहि |
| अक्षंस्यत | अक्षंस्येताम् | अक्षंस्यन्त |
| अक्षंस्यथाः | अक्षंस्येथाम् | अक्षंस्यध्वम् |
| अक्षंस्ये | अक्षंस्यावहि | अक्षंस्यामहि |

789 कम् [कम् काम्य्] कान्तौ ।

कान्तिरभिलाषः ।

व० कामयते कामयेते कामयन्ते
कामयसे कामयेथे कामयध्वे
कामये कामयावहे कामयामहे

स० कामयेत कामयेयाताम् कामयेरन्
कामयेथाः कामयेयाथाम् कामयेध्वम्
कामयेथ कामयेवहि कामयेमहि

ण० कामयताम् कामयेताम् कामयन्ताम्
कामयस्व कामयेथाम् कामयध्वम्
कामयै कामयावहे कामयामहे

ङ० अकामयत अकामयेताम् अकामयन्त
अकामयथाः अकामयेथाम् अकामयध्वम्
अकामये अकामयावहि अकामयामहि

अ० अचीकमत अचीकमेताम् अचीकमन्त
अचीकमथाः अचीकमेथाम् अचीकमध्वम्
अचीकमे अचीकमावहि अचीकमामहि

अचकमत अचकमेताम् अचकमन्त
अचकमथाः अचकमेथाम् अचकमध्वम्
अचकमे अचकमावहि अचकमामहि

प० कामयाञ्चक्र कामयाञ्चक्राते
कामयाञ्चक्रिरे कामयाञ्चक्रुषे
कामयाञ्चक्राथे कामयाञ्चक्रुध्वे
कामयाञ्चक्र कामयाञ्चक्रवहे
कामयाञ्चक्रमहे

कामयाम्बभूव । कामयामास ।

चकमे चकमाते चकमिरे
चकमिषे चकमाथे चकमिध्वे
चकमे चकमिवहे चकमिमहे

आ० कमिषीष्ट कमिषीयास्ताम् कमिषीरन्
कमिषीष्टाः कमिषीयास्थाम् कमिषीध्वम्
कमिषीय कमिषीवहि कमिषीमहि

कामयिषीष्ट कामयिषीयास्ताम् कामयिषीरन्
कामयिषीष्टाः कामयिषीयास्थाम् कामयिषीध्वम्
कामयिषीय कामयिषीवहि कामयिषीमहि

प्र० कामयिता कामयितारौ कामयितारः
कामयितासे कामयितासाथे कामयिताध्वे
कामयिताहे कामयितावहे कामयितामहे

कमिता कमितारौ कमितारः
कमितासे कमितासाथे कमिताध्वे
कमिताहे कमितावहे कमितामहे

भ० कामयिष्यते कामयिष्येते कामयिष्यन्ते
कामयिष्यसे कामयिष्येथे कामयिष्यध्वम्
कामयिष्ये कामयिष्यावहे कामयिष्यामहे

कमिष्यते कमिष्येते कमिष्यन्ते
कमिष्यसे कमिष्येथे कमिष्यध्वम्
कमिष्ये कमिष्यावहे कमिष्यामहे

क्रि० अकामयिष्यत अकामयिष्येताम्
अकामयिष्यन्त अकामयिष्यथाः
अकामयिष्येथाम् अकामयिष्यध्वम्
अकामयिष्ये अकामयिष्यावहि
अकामयिष्यामहि

अकमिष्यत अकमिष्येताम् अकमिष्यन्त
अकमिष्यथाः अकमिष्येथाम् अकमिष्यध्वम्
अकमिष्ये अकमिष्यावहि अकमिष्यामहि

अथ यान्ताः सप्तदश सेदश्च ।

790 अयि (अय्) गतौ ।

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| व० अयते | अयेते | अयन्ते |
| अयसे | अयेथे | अयध्वे |
| अये | अयावहे | अयामहे |
| स० अयेत | अयेयाताम् | अयेरन् |
| अयेथाः | अयेयाथाम् | अयेध्वम् |
| अयेय | अयेवहि | अयेमहि |
| प० अयताम् | अयेताम् | अयन्ताम् |
| अयस्व | अयेथाम् | अयध्वम् |
| अयै | अयावहे | अयामहे |
| झ० आयत | आयेताम् | आयन्त |
| आयथाः | आयेथाम् | आयध्वम् |
| आये | आयावहि | आयामहि |
| अ० आयिष्ट | आयिषाताम् | आयिषत |
| आयिष्ठाः | आयिषाथाम् | आयिद्ध्वम् |
| | | द्वम्—ध्वम् |
| | आयिषि | आयिष्वहि |
| | | आयिष्महि |
| र० अयाञ्चक्रे | अयाञ्चक्राते | अयाञ्चकिरे |
| अयाञ्चकृषे | अयाञ्चक्राथे | अयाञ्चकृद्वे |
| अयाञ्चक्रे | अयाञ्चकृवहे | अयाञ्चकृमहे |
| | अयाञ्चमूव । | अयामास |
| आ० अयिषीष्ट | अयिषीयास्ताम् | अयिषीरन् |
| अयिषीष्ठाः | अयिषीयास्थाम् | अयिषीध्वम् |
| | | द्वम् |
| | अयिषीय | अयिषीवहि |
| | | अयिषीमहि |
| प्रथ० अयिता | अयितारौ | अयितारः |
| अयितासे | अयितासाथे | अयिताध्वे |
| अयिताहे | अयितास्वहे | अयितास्महे |
| भ० अयिष्यते | अयिष्येते | अयिष्यन्ते |
| अयिष्यसे | अयिष्येथे | अयिष्यध्वे |
| अयिष्ये | अयिष्यावहे | अयिष्यामहे |
| क्रि० आयिष्यत | आयिष्येताम् | आयिष्यन्त |
| आयिष्यथाः | आयिष्येथाम् | आयिष्यध्वम् |
| आयिष्ये | आयिष्यावहि | आयिष्यामहि |

791 वयि (वय्) गतौ

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| व० वयते | वयेते | वयन्ते |
| वयसे | वयेथे | वयध्वे |
| वये | वयावहे | वयामहे |
| स० वयेत | वयेयाताम् | वयेरन् |
| वयेथाः | वयेयाथाम् | वयेध्वम् |
| वयेय | वयेवहि | वयेमहि |
| प० वयताम् | वयेताम् | वयन्ताम् |
| वयस्व | वयेथाम् | वयध्वम् |
| वयै | वयावहे | वयामहे |
| झ० अवयत | अवयेताम् | अवयन्त |
| अवयथाः | अवयेथाम् | अवयध्वम् |
| अवये | अवयावहि | अवयामहि |
| अ० अवयिष्ट | अवयिषाताम् | अवयिषत |
| अवयिष्ठाः | अवयिषाथाम् | अवयिद्ध्वम् |
| | | द्वम्—ध्वम् |
| | अवयिषि | अवयिष्वहि |
| | | अवयिष्महि |
| प० ववये | ववयाते | ववयिरे |
| ववयिषे | ववयाथे | ववयिद्वे ध्वे |
| ववये | ववयावहे | ववयिमहे |
| आ० वयिषीष्ट | वयिषीयास्ताम् | वयिषीरन् |
| वयिषीष्ठाः | वयिषीयास्थाम् | वयिषीध्वम् |
| | | वयिषीद्वम् |
| | वयिषीय | वयिषीवहि |
| | | वयिषीमहि |
| अ० वयिता | वयितारौ | वयितारः |
| वयितासे | वयितासाथे | वयिताध्वे |
| वयिताहे | वयितास्वहे | वयितास्महे |
| भ० वयिष्यते | वयिष्येते | वयिष्यन्ते |
| वयिष्यसे | वयिष्येथे | वयिष्यध्वे |
| वयिष्ये | वयिष्यावहे | वयिष्यामहे |
| क्रि० अवयिष्यत | अवयिष्येताम् | अवयिष्यन्त |
| अवयिष्यथाः | अवयिष्येथाम् | अवयिष्यध्वम् |
| अवयिष्ये | अवयिष्यावहि | अवयिष्यामहि |

792 पयि (पय्) गतौ ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० पयते | पयेते | पयन्ते |
| पयसे | पयेथे | पयध्वे |
| पये | पयावहे | पयामहे |
| स० पयेत | पयेयाताम् | पयेरन् |
| पयेथाः | पयेयाथाम् | पयेध्वम् |
| पयेय | पयेवहि | पयेमहि |
| प० पयताम् | पयेताम् | पयन्ताम् |
| पयस्व | पयेशाम् | पयध्वम् |
| पयै | पयावहै | पयामहै |
| झ० अपयत | अपयेताम् | अपयन्त |
| अपयथाः | अपयेथाम् | अपयध्वम् |
| अपये | अपयावहि | अपयामहि |
| अ० अपयिष्ट | अपयिषाताम् | अपयिषत |
| अपयिष्ठाः | अपयिषाथाम् | अपयिषद्भ्वम् |
| अपयिष्वि | अपयिष्वहि | अपयिषमहि |
| प० पेये | पेयाते | पेयिरे |
| पेयिषे | पेयाथे | पेयिध्वे |
| पेये | पेयिवहे | पेयिमहे |
| आ० पयिषीष्ट | पयिषीयास्ताम् | पयिषीरन् |
| पयिषीष्ठाः | पयिषीयास्थाम् | पयिषीध्वम् |
| पयिषीय | पयिषीवहि | पयिषीमहि |
| श्व० पयिता | पयितारौ | पयितारः |
| पयितासे | पयितासाथे | पयिताध्वे |
| पयिताहे | पयितास्वहे | पयितास्महे |
| भ० पयिष्यते | पयिष्येते | पयिष्यन्ते |
| पयिष्यसे | पयिष्येथे | पयिष्यध्वे |
| पयिष्ये | पयिष्यावहे | पयिष्यामहे |
| क्रि० अपयिष्यत | अपयिष्येताम् | अपयिष्यन्त |
| अपयिष्यथाः | अपयिष्येथाम् | अपयिष्यध्वम् |
| अपयिष्ये | अपयिष्यावहि | अपयिष्यामहि |

793 मयि (मय्) गतौ ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० मयते | मयेते | मयन्ते |
| मयसे | मयेथे | मयध्वे |
| मये | मयावहे | मयामहे |
| स० मयेत | मयेयाताम् | मयेरन् |
| मयेथाः | मयेयाथाम् | मयेध्वम् |
| मयेय | मयेवहि | मयेमहि |
| प० मयताम् | मयेताम् | मयन्ताम् |
| मयस्व | मयेथाम् | मयध्वम् |
| मयै | मयावहै | मयामहै |
| झ० अमयत | अमयेताम् | अमयन्त |
| अमयथाः | अमयेथाम् | अमयध्वम् |
| अमये | अमयावहि | अमयामहि |
| अ० अमयिष्ट | अमयिषाताम् | अमयिषत |
| अमयिष्ठाः | अमयिषाथाम् | अमयिषद्भ्वम् |
| अमयिष्वि | अमयिष्वहि | अमयिषमहि |
| प० मेये | मेयाते | मेयिरे |
| मेयिषे | मेयाथे | मेयिध्वे |
| मेये | मेयिवहे | मेयिमहे |
| आ० मयिषीष्ट | मयिषीयास्ताम् | मयिषीरन् |
| मयिषीष्ठाः | मयिषीयास्थाम् | मयिषीध्वम् |
| मयिषीय | मयिषीवहि | मयिषीमहि |
| श्व० मयिता | मयितारौ | मयितारः |
| मयितासे | मयितासाथे | मयिताध्वे |
| मयिताहे | मयितास्वहे | मयितास्महे |
| भ० मयिष्यते | मयिष्येते | मयिष्यन्ते |
| मयिष्यसे | मयिष्येथे | मयिष्यध्वे |
| मयिष्ये | मयिष्यावहे | मयिष्यामहे |
| क्रि० अमयिष्यत | अमयिष्येताम् | अमयिष्यन्त |
| अमयिष्यथाः | अमयिष्येथाम् | अमयिष्यध्वम् |
| अमयिष्ये | अमयिष्यावहि | अमयिष्यामहि |

794 नयि (नय) गतौ ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| ष० नयते | नयेते | नयन्ते |
| नयसे | नयेथे | नयध्वे |
| नये | नयावहे | नयामहे |
| स० नयेत | नयेयाताम् | नयेरन् |
| नयेथाः | नयेयाथाम् | नयेध्वम् |
| नयेय | नयेवहि | नयेमहि |
| प० नयताम् | नयेताम् | नयन्ताम् |
| नयस्व | नयेथाम् | नयध्वम् |
| नये | नयावहे | नयामहे |
| झ० अनयत | अनयेताम् | अनयन्त |
| अनयथाः | अनयेथाम् | अनयध्वम् |
| अनये | अनयावहि | अनयामहि |
| ञ० अनयिष्ट | अनयिषाताम् | अनयिषत |
| यिष्टाः | अनयिषाथाम् | अनयिषद्भूषम् |
| | | दूषम्-ध्वम् |
| वि | अनयिष्वहि | अनयिषमहि |
| नेयाते | नेयिरे | |
| वे नेयाथे | नेयिध्वे-दूषे | |
| नेयिवहे | नेयिमहे | |
| नयिषीष्ट | नयिषीयाताम् | नयिषीरन् |
| येषीष्टाः | नयिषीयाथाम् | नयिषीध्वम् |
| | | ध्वम् |
| यिषीय | नयिषीवहि | नयिषीमहि |
| नयिता | नयितारौ | नयितारः |
| नयितासे | नयितासाथे | नयिताध्वे |
| नयिताहे | नयितास्वहे | नयितास्महे |
| ० नयिष्यते | नयिष्येते | नयिष्यन्ते |
| नयिष्यसे | नयिष्येथे | नयिष्यध्वे |
| नयिष्ये | नयिष्यावहे | नयिष्यामहे |
| क्रि० अनयिष्यत | अनयिष्येताम् | अनयिष्यन्त |
| अनयिष्यथाः | अनयिष्येथाम् | अनयिष्यध्वम् |
| अनयिष्ये | अनयिष्यावहि | अनयिष्यामहि |

795 चयि (चय) गतौ ।

| | | |
|----------------|--------------|--------------|
| ष० चयते | चयेते | चयन्ते |
| चयसे | चयेथे | चयध्वे |
| चये | चयावहे | चयामहे |
| स० चयेत | चयेयाताम् | चयेरन् |
| चयेथाः | चयेयाथाम् | चयेध्वम् |
| चयेय | चयेवहि | चयेमहि |
| प० चयताम् | चयेताम् | चयन्ताम् |
| चयस्व | चयेथाम् | चयध्वम् |
| चये | चयावहे | चयामहे |
| झ० अचयत | अचयेताम् | अचयन्त |
| अचयथाः | अचयेथाम् | अचयध्वम् |
| अचये | अचयावहि | अचयामहि |
| अ० अचयिष्ट | अचयिषाताम् | अचयिषत |
| अचयिष्टाः | अचयिषाथाम् | अचयिषद्भूषम् |
| | | दूषम्-ध्वम् |
| अचयिष्वि | अचयिष्वहि | अचयिषमहि |
| प० चये | चयाते | चयिरे |
| चयिषे | चयाथे | चयिध्वे |
| चये | चयिवहे | चयिमहे |
| आ० चयिषीष्ट | चयिषीयाताम् | चयिषीरन् |
| चयिषीष्टाः | चयिषीयाथाम् | चयिषीध्वम् |
| चयिषीय | चयिषीवहि | चयिषीमहि |
| ञ० चयिता | चयितारौ | चयितारः |
| चयितासे | चयितासाथे | चयिताध्वे |
| चयिताहे | चयितास्वहे | चयितास्महे |
| भ० चयिष्यते | चयिष्येते | चयिष्यन्ते |
| चयिष्यसे | चयिष्येथे | चयिष्यध्वे |
| चयिष्ये | चयिष्यावहे | चयिष्यामहे |
| क्रि० अचयिष्यत | अचयिष्येताम् | अचयिष्यन्त |
| अचयिष्यथाः | अचयिष्येथाम् | अचयिष्यध्वम् |
| अचयिष्ये | अचयिष्यावहि | अचयिष्यामहि |

796 रयि (रय्) गतौ ।

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| व० रयते | रयेते | रयन्ते |
| रयसे | रयेथे | रयध्वे |
| रये | रयावहे | रयामहे |
| स० रयेत | रयेयाताम् | रयेरन् |
| रयेथाः | रयेयाथाम् | रयेध्वम् |
| रयेय | रयेवहि | रयेमहि |
| प० रयताम् | रयेताम् | रयन्ताम् |
| रयस्व | रयेथाम् | रयध्वम् |
| रयै | रयावहे | रयामहे |
| ह्य० अरयन् | अरयेताम् | अरयन्त |
| अरयथाः | अरयेथाम् | अरयध्वम् |
| अरये | अरयावहि | अरयामहि |
| अ० अरयिष्यत | अरयिषाताम् | अरयिषन्त |
| अरयिष्यताः | अरयिषाथाम् | अरयिषध्वम् |
| अरयिष्ये | अरयिष्यवहि | अरयिष्यमहि |
| प० रेये | रेयाते | रेयिरे |
| रेयिषे | रेयाथे | रेयिष्वे-द्वे |
| रेये | रेयिवहे | रेयिमहे |
| आ० रयिषीष्ट | रयिषीयास्ताम् | रयिषीरन् |
| रयिषीष्टाः | रयिषीयास्थाम् | रयिषीध्वम् |
| रयिषीय | रयिषीवहि | रयिषीमहि |
| भ्व० रयिता | रयितारौ | रयितारः |
| रयितासे | रयितासाथे | रयिताध्वे |
| रयिताहे | रयितास्वहे | रयितास्महे |
| भ० रयिष्यते | रयिष्येते | रयिष्यन्ते |
| रयिष्यसे | रयिष्येथे | रयिष्यध्वे |
| रयिष्ये | रयिष्यावहे | रयिष्यामहे |
| क्रि० अरयिष्यन् | अरयिष्येताम् | अरयिष्यन्त |
| अरयिष्यथाः | अरयिष्येथाम् | अरयिष्यध्वम् |
| अरयिष्ये | अरयिष्यावहि | अरयिष्यामहि |

797 तयि (तय्) रक्षणे च, काङ्क्षतौ

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| व० तयते | तयेते | तयन्ते |
| तयसे | तयेथे | तयध्वे |
| तये | तयावहे | तयामहे |
| स० तयेत | तयेयाताम् | तयेरन् |
| तयेथाः | तयेयाथाम् | तयेध्वम् |
| तयेय | तयेवहि | तयेमहि |
| प० तयताम् | तयेताम् | तयन्ताम् |
| तयस्व | तयेथाम् | तयध्वम् |
| तयै | तयावहे | तयामहे |
| ह्य० अतयन्त | अतयेताम् | अतयन्त |
| अतयथाः | अतयेथाम् | अतयध्वम् |
| अतये | अतयावहि | अतयामहि |
| अ० अतयिष्यत | अतयिषाताम् | अतयिषन्त |
| अतयिष्यताः | अतयिषाथाम् | अतयिषध्वम् |
| अतयिष्ये | अतयिष्यवहि | अतयिष्यमहि |
| प० तेये | तेयाते | तेयिरे |
| तेयिषे | तेयाथे | तेयिष्वे |
| तेये | तेयिवहे | तेयिमहे |
| आ० तयिषीष्ट | तयिषीयास्ताम् | तयिषीरन् |
| तयिषीष्टाः | तयिषीयास्थाम् | तयिषीध्वम् |
| तयिषीय | तयिषीवहि | तयिषीमहि |
| भ्व० तयिता | तयितारौ | तयितारः |
| तयितासे | तयितासाथे | तयिताध्वे |
| तयिताहे | तयितास्वहे | तयितास्महे |
| भ० तयिष्यते | तयिष्येते | तयिष्यन्ते |
| तयिष्यसे | तयिष्येथे | तयिष्यध्वे |
| तयिष्ये | तयिष्यावहे | तयिष्यामहे |
| क्रि० अतयिष्यन्त | अतयिष्येताम् | अतयिष्यन्त |
| अतयिष्यथाः | अतयिष्येथाम् | अतयिष्यध्वम् |
| अतयिष्ये | अतयिष्यावहि | अतयिष्यामहि |

द्वे

798 णयि (नयू) रक्षणे च । चाद्रती ।

नयि (794) वत्, पृथक्पाठस्तु प्रणयते

इत्यादौ णत्वार्थः ।

799 दयि(दयू)दानगतिर्हिंसादहनेषु च ।

चकाराद्रक्षणे ।

| | | |
|---------|-----------|----------|
| व० दयते | दयेते | दयन्ते |
| दयसे | दयेथे | दयध्वे |
| दये | दयावहे | दयामहे |
| येत | दयेयाताम् | दयेरन् |
| थाः | दयेयाथाम् | दयेध्वम् |
| य | दयेवहि | दयेमहि |
| ताम् | दयेयाताम् | दयन्ताम् |
| यस्व | दयेयाथाम् | दयध्वम् |
| दये | दयावहे | दयामहे |

० अदयत अदयेताम् अदयन्त

अदयथाः अदयेथाम् अदयध्वम्

अदये अदयावहि अदयामहि

अदयिष्ट अदयिषाताम् अदयिषत

अदयिष्ठाः अदयिषाथाम् अदयिष्ट्वम्

द्वम्—ध्वम्

अदयिषि अदयिष्वहि अदयिषमहि

प० दयाञ्चक्र दयाञ्चक्राते दयाञ्चक्रिरे

दयाञ्चकृषे दयाञ्चक्राथे दयाञ्चकृध्वे

दयाञ्चक्रे दयाञ्चकृवहे दयाञ्चकृमहे

आ० दयिषीष्ट दयिषीयास्ताम् दयिषीरन्

दयिषीष्ठाः दयिषीयास्थाम् दयिषीध्वम्

दयिषीय दयिषीवहि दयिषीमहि

ध्वः दयिता दयितारौ दयितारः

दयितासे दयितासाथे दयिताध्वे

दयिताहे दयितास्वहे दयितास्महे

१० दयिष्यते दयिष्येते दयिष्यन्ते

दयिष्यसे दयिष्येथे दयिष्यध्वे

दयिष्ये दयिष्यावहे दयिष्यामहे

क्रि० अदयिष्यत अदयिष्येताम् अदयिष्यन्त

अदयिष्यथाः अदयिष्येथाम् अदयिष्यध्वम्

अदयिष्ये अदयिष्यावहि अदयिष्यमिमम् महि

800 ऊयैष्ट (ऊयू तन्तु सन्ताने ।

व० ऊयते ऊयेते ऊयन्ते

ऊयसे ऊयेथे ऊयध्वे

ऊये ऊयावहे ऊयामहे

स० ऊयेत ऊयेयाताम् ऊयेरन्

ऊयेथाः ऊयेयाथाम् ऊयेध्वम्

ऊयेय ऊयेवहि ऊयेमहि

प० ऊयताम् ऊयेताम् ऊयन्ताम्

ऊयस्व ऊयेथाम् ऊयध्वम्

ऊये ऊयावहे ऊयामहे

ह्य० औयत औयेताम् औयन्त

औयथाः औयेथाम् औयध्वम्

औये औयावहि औयामहि

अ० औयिष्ट औयिषाताम् औयिषत

औयिष्ठाः औयिषाथाम् औयिष्ट्वम्

द्वम्—ध्वम्

औयिषि औयिष्वहि औयिषमहि

प० ऊयाञ्चक्रे ऊयाञ्चक्राते ऊयाञ्चक्रिरे

ऊयाञ्चकृषे ऊयाञ्चक्राथे ऊयाञ्चकृध्वे

ऊयाञ्चक्रे ऊयाञ्चकृवहे ऊयाञ्चकृमहे

ऊयाञ्चकृष्व । ऊयांमास

आ० ऊयिषीष्ट ऊयिषीयास्ताम् ऊयिषीरन्

ऊयिषीष्ठाः ऊयिषीयास्थाम् ऊयिषीध्वम्

ध्वम्

ध्वः ऊयिता ऊयितारौ ऊयितारः

ऊयितासे ऊयितासाथे ऊयिताध्वे

ऊयिताहे ऊयितास्वहे ऊयितास्महे

४० ऊयिष्यते ऊयिष्येते ऊयिष्यन्ते

ऊयिष्यसे ऊयिष्येथे ऊयिष्यध्वे

ऊयिष्ये ऊयिष्यावहे ऊयिष्यामहे

क्रि० औयिष्यत औयिष्येताम् औयिष्यन्त

औयिष्यथाः औयिष्येथाम् औयिष्यध्वम्

औयिष्ये औयिष्यावहि औयिष्यामहि

801 पूर्यैङ् (पूय) दुर्गन्धविशरणयोः

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| ब० | पूयते | पूयेते | पूयन्ते |
| | पूयसे | पूयेथे | पूयध्वे |
| | पूये | पूयावहे | पूयामहे |
| स० | पूयेत | पूयेयाताम् | पूयेरन् |
| | पूयेथाः | पूयेयाथाम् | पूयेध्वम् |
| | पूयेय | पूयेवहि | पूयेमहि |
| प० | पूयताम् | पूयेताम् | पूयन्ताम् |
| | पूयस्व | पूयेथाम् | पूयध्वम् |
| | पूयै | पूयावहे | पूयामहे |
| ह्य० | अपूयत | अपूयेताम् | अपूयन्त |
| | अपूयथाः | अपूयेथाम् | अपूयध्वम् |
| | अपूये | अपूयावहि | अपूयामहि |
| अ० | अपूयिष्ट | अपूयिषाताम् | अपूयिषत |
| | अपूयिष्ठाः | अपूयिषाथाम् | अपूयिद्ध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | अपूयिषि | अपूयिष्वहि | अपूयिष्महि |
| प० | पुपूये | पुपूयाते | पुपूयिरे |
| | पुपूयिषे | पुपूयाथे | पुपूयिध्वे |
| | पुपूये | पुपूयिवहे | पुपूयिमहे |
| आ० | पूयिषीष्ट | पूयिषीयास्ताम् | पूयिषीरन् |
| दूषम् | पूयिषीष्ठाः | पूयिषीयास्थाम् | पूयिषीध्वम् |
| | पूयिषीय | पूयिषीवहि | पूयिषीमहि |
| श्व० | पूयिता | पूयितारौ | पूयितारः |
| | पूयितासे | पूयितासाथे | पूयिताध्वे |
| | पूयिताहे | पूयितास्वहे | पूयितास्महे |
| भ० | पूयिष्यते | पूयिष्येते | पूयिष्यन्ते |
| | पूयिष्यसे | पूयिष्येथे | पूयिष्यध्वे |
| | पूयिष्ये | पूयिष्यावहे | पूयिष्यामहे |
| क्रि० | अपूयिष्यत | अपूयिष्येताम् | अपूयिष्यन्त |
| | अपूयिष्यथाः | अपूयिष्येथाम् | अपूयिष्यध्वम् |
| | अपूयिष्ये | अपूयिष्यावहि | अपूयिष्यामहि |

802 कनूयैङ् (कनूय) शब्दोन्दनयोः

उन्दनं क्लेदनम् ।

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | कनूयते | कनूयेते | कनूयन्ते |
| | कनूयसे | कनूयेथे | कनूयध्वे |
| | कनूये | कनूयावहे | कनूयामहे |
| स० | कनूयेत | कनूयेयाताम् | कनूयरन् |
| | कनूयेथाः | कनूयेयाथाम् | कनूयेध्वम् |
| | कनूयेय | कनूयेवहि | कनूयेमहि |
| प० | कनूयताम् | कनूयेताम् | कनूयन्ताम् |
| | कनूयस्व | कनूयेथाम् | कनूयध्वम् |
| | कनूयै | कनूयावहे | कनूयामहे |
| ह्य० | अकनूयत | अकनूयेताम् | अकनूयन्त |
| | अकनूयथाः | अकनूयेथाम् | अकनूयध्वम् |
| | अकनूये | अकनूयावहि | अकनूयामहि |
| अ० | अकनूयिष्ट | अकनूयिषाताम् | अकनूयिषत |
| | अकनूयिष्ठाः | अकनूयिषाथाम् | अकनूयिद्ध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | अकनूयिषि | अकनूयिष्वहि | अकनूयिष्महि |
| प० | चुकनूये | चुकनूयाते | चुकनूयिरे |
| | चुकनूयिषे | चुकनूयाथे | चुकनूयिध्वे |
| | चुकनूये | चुकनूयिवहे | चुकनूयिमहे |
| भा० | कनूयिषीष्ट | कनूयिषीयास्ताम् | कनूयिषीरन् |
| दूषम् | कनूयिषीष्ठाः | कनूयिषीयास्थाम् | कनूयिषीध्वम् |
| | कनूयिषीय | कनूयिषीवहि | कनूयिषीमहि |
| | कनूयिता | कनूयितारौ | कनूयितारः |
| | कनूयितासे | कनूयितासाथे | कनूयिताध्वे |
| | कनूयिताहे | कनूयितास्वहे | कनूयितास्महे |
| | कनूयिष्यते | कनूयिष्येते | कनूयिष्यन्ते |
| | कनूयिष्यसे | कनूयिष्येथे | कनूयिष्यध्वे |
| | कनूयिष्ये | कनूयिष्यावहे | कनूयिष्यामहे |
| | अकनूयित | अकनूयिष्येताम् | अकनूयिष्यन्त |
| | अकनूयिष्यथाः | अकनूयिष्येथाम् | अकनूयिष्यध्वम् |
| | अकनूयिष्ये | अकनूयिष्यावहि | अकनूयिष्यामहि |

803 क्षमायैङ् (क्षमाय्) विधूने ।

ध० क्षमायते क्षमायेते क्षमायन्ते ।
क्षमायसे क्षमायेथे क्षमायध्वे ।
क्षमाये क्षमायावहे क्षमायामहे

स० क्षमायेत क्षमायेयाताम् क्षमायेरन्
क्षमायेथाः क्षमायेयाथाम् क्षमायेध्वम्
क्षमायेय क्षमायेवहि क्षमायेमहि

प० क्षमायताम् क्षमायेताम् क्षमायन्ताम्
क्षमायस्व क्षमायेथाम् क्षमायध्वम्
क्षमायै क्षमायावहे क्षमायामहे

अक्षमायत अक्षमायेताम् अक्षमायन्त
अक्षमायथाः अक्षमायेथाम् अक्षमायध्वम्
अक्षमाये अक्षमायावहि अक्षमायामहि

ह्र० अक्षमायिष्ट अक्षमायिषाताम् अक्षमायिषत
अक्षमायिष्ठाः अक्षमायिषाथाम् अक्षमायिष्ट्वम्
अक्षमायिष्यते अक्षमायिष्येते अक्षमायिष्यन्ते

अक्षमायिष्यसे अक्षमायिष्येथे अक्षमायिष्यध्वम्

अक्षमायिष्येक्षमायिष्येवहि अक्षमायिष्येमहि
अक्षमाये अक्षमायेते अक्षमायिरे
अक्षमायिषे अक्षमायिषेथे अक्षमायिष्येध्वम्
अक्षमाये अक्षमायिष्वहे अक्षमायिमहे

भा० क्षमायिषीष्टक्षमायिषीयास्ताम् क्षमायिषीरन्
क्षमायिषीष्ठाः क्षमायिषीयाथाम् क्षमायिषीध्वम्
क्षमायिषीय क्षमायिषीवहि क्षमायिषीमहि

क्षमायिता क्षमायितारौ क्षमायितारः
क्षमायितासे क्षमायितासाथे क्षमायिताध्वे
क्षमायिताहे क्षमायितास्वहे क्षमायितास्महे

क्षमायिष्यते क्षमायिष्येते क्षमायिष्यन्ते
क्षमायिष्यसे क्षमायिष्येथे क्षमायिष्यध्वम्
क्षमायिष्ये क्षमायिष्यावहे क्षमायिष्यामहे

अक्षमायित अक्षमायितेताम् अक्षमायितन्त
अक्षमायितथाः अक्षमायितेथाम् अक्षमायितध्वम्
अक्षमायित्ये अक्षमायित्यावहि अक्षमायित्यामहि

804 स्फायैङ् (स्फाय्) वृद्धौ ।

ध० स्फायते स्फायेते स्फायन्ते
स्फायसे स्फायेथे स्फायध्वे
स्फाये स्फायावहे स्फायामहे

स० स्फायेत स्फायेयाताम् स्फायेरन्
स्फायेथाः स्फायेयाथाम् स्फायेध्वम्
स्फायेय स्फायेवहि स्फायेमहि

प० स्फायताम् स्फायेयाताम् स्फायन्ताम्
स्फायस्व स्फायेयाथाम् स्फायध्वम्
स्फायै स्फायावहे स्फायामहे

ह्र० अस्फायत अस्फायेताम् अस्फायन्त
अस्फायथाः अस्फायेथाम् अस्फायध्वम्
अस्फाये अस्फायावहि अस्फायामहि

अ० अस्फायिष्ट अस्फायिषाताम् अस्फायिषत
अस्फायिष्ठाः अस्फायिषाथाम् अस्फायिष्ट्वम्
अस्फायिष्यते अस्फायिष्येते अस्फायिष्यन्ते

अस्फायिष्यसे अस्फायिष्येथे अस्फायिष्यध्वम्

अस्फायिष्येक्षमायिष्येवहि अस्फायिष्येमहि
अस्फायै अस्फायैते अस्फायिरे
अस्फायिषे अस्फायिषेथे अस्फायिष्येध्वम्
अस्फायै अस्फायिष्वहे अस्फायिमहे

भा० स्फायिषीष्ट स्फायिषीयास्ताम् स्फायिषीरन्
स्फायिषीष्ठाः स्फायिषीयाथाम् स्फायिषीध्वम्
स्फायिषीय स्फायिषीवहि स्फायिषीमहि

अस्फायिता स्फायितारौ स्फायितारः
अस्फायितासे स्फायितासाथे स्फायिताध्वे
अस्फायिताहे स्फायितास्वहे स्फायितास्महे

अस्फायिष्यते स्फायिष्येते स्फायिष्यन्ते
अस्फायिष्यसे स्फायिष्येथे स्फायिष्यध्वम्
अस्फायिष्ये स्फायिष्यावहे स्फायिष्यामहे

अस्फायित अस्फायितेताम् अस्फायितन्त
अस्फायितथाः अस्फायितेथाम् अस्फायितध्वम्
अस्फायित्ये अस्फायित्यावहि अस्फायित्यामहि

805 ओप्यायैङ् (प्याय्) वृद्धौ

| | | | |
|-----|---------------|-----------------|-----------------|
| व० | प्यायते | प्यायेते | प्यायन्ते |
| | प्यायसे | प्यायेथे | प्यायध्वे |
| | प्याये | प्यायावहे | प्यायामहे |
| स० | प्यायेत | प्यायेयाताम् | प्यायेरन् |
| | प्यायेथाः | प्यायेयाथाम् | प्यायेध्वम् |
| | प्यायेय | प्यायेवहि | प्यायेमहि |
| प० | प्यायताम् | प्यायेयाताम् | प्यायन्ताम् |
| | प्यायस्व | प्यायेयाथाम् | प्यायध्वम् |
| | प्याये | प्यायावहे | प्यायामहे |
| झ० | अप्यायत | अप्यायेताम् | अप्यायन्त |
| | अप्यायथाः | अप्यायेथाम् | अप्यायध्वम् |
| | अप्याये | अप्यायावहि | अप्यायामहि |
| अ० | अप्यायिष्ट | अप्यायिषाताम् | अप्यायिषत |
| | अप्यायिष्ठाः | अप्यायिषाथाम् | अप्यायिद्ध्वम् |
| | अप्यायिषि | अप्यायिष्वहि | अप्यायिष्महि |
| ब० | पिप्ये | पिप्याते | पिप्यिरे |
| | पिप्यिषे | पिप्याथे | पिप्यिध्वे |
| | पिप्ये | पिप्यिवहे | पिप्यिमहे |
| भा० | प्यायिषीष्ट | प्यायिषीयाताम् | प्यायिषीरन् |
| | प्यायिषीष्ठाः | प्यायिषीयाथाम् | प्यायिषीध्वम् |
| | प्यायिषीय | प्यायिषीवहि | प्यायिषीमहि |
| | प्यायिता | प्यायितारौ | प्यायितारः |
| | प्यायितासे | प्यायितासाथे | प्यायिताध्वे |
| | प्यायिताहे | प्यायितास्वहे | प्यायितास्महे |
| | प्यायिष्यते | प्यायिष्येते | प्यायिष्यन्ते |
| | प्यायिष्यसे | प्यायिष्येथे | प्यायिष्यध्वे |
| | प्यायिष्ये | प्यायिष्यावहे | प्यायिष्यामहे |
| | अप्यायित | अप्यायिष्येताम् | अप्यायिष्यन्त |
| | अप्यायिष्यथाः | अप्यायिष्येथाम् | अप्यायिष्यध्वम् |
| | अप्यायिष्ये | अप्यायिष्यावहि | अप्यायिष्यामहि |

806 तायैङ् (ताय्) सन्तानपाल-

नयोः । सन्तानप्रबन्धः ॥

| | | | |
|-----|-------------|---------------|---------------|
| व० | तायते | तायेत | तायन्ते |
| | तायसे | तायेथे | तायध्वे |
| | ताये | तायावहे | तायामहे |
| स० | तायेत | तायेयाताम् | तायेरन् |
| | तायेथाः | तायेयाथाम् | तायेध्वम् |
| | तायेय | तायेवहि | तायेमहि |
| प० | तायताम् | तायेयाताम् | तायन्ताम् |
| | तायस्व | तायेयाथाम् | तायध्वम् |
| | ताये | तायावहे | तायामहे |
| झ० | अतायत | अतायेताम् | अतायन्त |
| | अतायथाः | अतायेथाम् | अतायध्वम् |
| | अताये | अतायावहि | अतायामहि |
| अ० | अतायिष्ट | अतायिषाताम् | अतायिषत |
| | अतायिष्ठाः | अतायिषाथाम् | अतायिद्ध्वम् |
| | अतायिषि | अतायिष्वहि | अतायिष्महि |
| प० | तनाये | ततायाते | ततायिरे |
| | ततायिषे | ततायाथे | ततायिध्वे |
| | तताये | ततायिवहे | ततायिमहे |
| भा० | अतायिषीष्ट | तायिषीयाताम् | तायिषीरन् |
| | तायिषीष्ठाः | तायिषीयाथाम् | तायिषीध्वम् |
| | तायिषीय | तायिषीवहि | तायिषीमहि |
| | अतायिता | तायितारौ | तायितारः |
| | तायितासे | तायितासाथे | तायिताध्वे |
| | तायिताहे | तायितास्वहे | तायितास्महे |
| अ० | तायिष्यते | तायिष्येते | तायिष्यन्ते |
| | तायिष्यसे | तायिष्येथे | तायिष्यध्वे |
| | तायिष्ये | तायिष्यावहे | तायिष्यामहे |
| झ० | अतायित | अतायिष्येताम् | अतायिष्यन्त |
| | अतायिष्यथाः | अतायिष्येथाम् | अतायिष्यध्वम् |
| | अतायिष्ये | अतायिष्यावहि | अतायिष्यामहि |

807 वलि (वल) संवरणे ।

अथ लान्ता नव सेटश्च

| | | |
|----------------|---------------|-----------------|
| व० वलते | वेलेते | वलन्ते |
| वलसे | वलेथे | वलध्वे |
| वले | वलावहे | वलामहे |
| स० वलेत | वलेयाताम् | वलेरन् |
| वलेथाः | वलेयाथाम् | वलेध्वम् |
| वलेय | वलेवहि | वलेमहि |
| प० वलताम् | वलेताम् | वलन्ताम् |
| वलस्व | वलेथाम् | वलध्वम् |
| वलै | वलावहै | वलामहै |
| झ० अवलत | अवलेताम् | अवलन्त |
| अवलथाः | अवलेथाम् | अवलध्वम् |
| अवले | अवलावहि | अवलामहि |
| ञ० अवलिष्ट | अवलिषाताम् | अवलिषत |
| अवलिष्टाः | अवलिषाथाम् | अवलिङ्गद्वम् |
| अवलिषि | अवलिष्वहि | अवलिष्महि |
| प० ववले | ववलताते | ववलितरे |
| ववलिते | ववलताथे | ववलित्त्वे ध्वे |
| ववले | ववलितवहे | ववलितमहे |
| आ० वलिषीष्ट | वलिषीयास्ताम् | वलिषीरन् |
| वलिषीष्टाः | वलिषीयास्थाम् | वलिषीद्वम् |
| वलिषीय | वलिषीवहि | वलिषीमहि |
| श्व० वलिता | वलितारौ | वलितारः |
| वलितासे | वलिताराथे | वलिताध्वे |
| वलिताहे | वलितारवहे | वलितारमहे |
| भ० वलिष्यते | वलिष्येते | वलिष्यन्ते |
| वलिष्यसे | वलिष्येथे | वलिष्यध्वे |
| वलिष्ये | वलिष्यावहे | वलिष्यामहे |
| क्रि० अवलिष्यत | अवलिष्येताम् | अवलिष्यन्त |
| अवलिष्यथाः | अवलिष्येथाम् | अवलिष्यध्वम् |
| अवलिष्ये | अवलिष्यावहि | अवलिष्यामहि |

808 वल्लि (वल्ल) संवरणे ।

| | | |
|----------------|---------------|-------------------|
| व० वल्लते | वल्लेते | वल्लन्ते |
| वल्लसे | वल्लेथे | वल्लध्वे |
| वल्ले | वल्लावहे | वल्लामहे |
| स० वल्लेत | वल्लेयाताम् | वल्लेरन् |
| वल्लेथाः | वल्लेयाथाम् | वल्लेध्वम् |
| वल्लेय | वल्लेवहि | वल्लेमहि |
| प० वल्लताम् | वल्लेताम् | वल्लन्ताम् |
| वल्लस्व | वल्लेथाम् | वल्लध्वम् |
| वल्लै | वल्लावहै | वल्लामहै |
| झ० अवल्लत | अवल्लेताम् | अवल्लन्त |
| अवल्लथाः | अवल्लेथाम् | अवल्लध्वम् |
| अवल्ले | अवल्लावहि | अवल्लामहि |
| ञ० अवलिष्ट | अलिष्टाताम् | अवलिषत |
| अवलिष्टाः | अवलिष्टाथाम् | अवलिङ्गद्वम् |
| अवलिषि | अवलिष्वहि | अवलिष्महि |
| प० ववल्ले | ववल्लताते | ववल्लितरे |
| ववल्लिते | ववल्लताथे | ववल्लित्त्वे ध्वे |
| ववल्ले | ववल्लितवहे | ववल्लितमहे |
| आ० वलिषीष्ट | वलिषीयास्ताम् | वलिषीरन् |
| वलिषीष्टाः | वलिषीयास्थाम् | वलिषीद्वम् |
| वलिषीय | वलिषीवहि | वलिषीमहि |
| श्व० वल्लिता | वल्लितारौ | वल्लितारः |
| वल्लितासे | वल्लिताराथे | वल्लिताध्वे |
| वल्लिताहे | वल्लितारवहे | वल्लितारमहे |
| भ० वल्लिष्यते | वल्लिष्येते | वल्लिष्यन्ते |
| वल्लिष्यसे | वल्लिष्येथे | वल्लिष्यध्वे |
| वल्लिष्ये | वल्लिष्यावहे | वल्लिष्यामहे |
| क्रि० अवलिष्यत | अवलिष्येताम् | अवलिष्यन्त |
| अवलिष्यथाः | अवलिष्येथाम् | अवलिष्यध्वम् |
| अवलिष्ये | अवलिष्यावहि | अवलिष्यामहि |

809 शलि (शल्) चलने च ।

चकारात्संवरणे

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| अ० शलते | शलेते | शलन्ते |
| शलसे | शलथे | शलध्वे |
| शले | शलावहे | शलामहे |
| स० शलत | शलेयाताम् | शलेरन् |
| शलथाः | शलेयाथाम् | शलेध्वम् |
| शलेय | शलेवहि | शलेमहि |
| प० शलताम् | शलेताम् | शलन्ताम् |
| शलस्व | शलेथाम् | शलध्वम् |
| शलै | शलावहै | शलामहै |
| झ० अशलत | अशलेताम् | अशलन्त |
| अशलथाः | अशलेथाम् | अशलध्वम् |
| अश | अशलावहि | अशलामहि |
| अ० अशलिष्ट | अशलिषाताम् | अशलिषत |
| अशलिष्टाः | अशलिषाथाम् | अशलिङ्घ्वम् |
| अशलिषि | अशलिष्वहि | अशलिषमहि |
| प० शले | शलाते | शलिरे |
| शलिषे | शलाथे | शलिध्वे |
| शे | शलिष्वहे | शलिमहे |
| आ० शलिषीष्ट | शलिषीयास्ताम् | शलिषीरन् |
| शलिषीष्टाः | शलिषीयास्थाम् | शलिषीध्वम् |
| शलिषीय | शलिषीवहि | शलिषीमहि |
| श्व० शलिता | शलितारौ | शलितारः |
| शलितासे | शलितासाथे | शलिताध्वे |
| शलिताहे | शलितास्वहे | शलितास्महे |
| भ० शलिष्यते | शलिष्येते | शलिष्यन्ते |
| शलिष्यसे | शलिष्येथे | शलिष्यध्वे |
| शलिष्ये | शलिष्यावहे | शलिष्यामहे |
| क्रि० अशलिष्यत | अशलिष्येताम् | अशलिष्यन्त |
| अशलिष्यथाः | अशलिष्येथाम् | अशलिष्यध्वम् |
| अशलिष्ये | अशलिष्यावहि | अशलिष्यामहि |

810 मलि (मल्) धारणे ॥

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० मलते | मलंते | मलन्ते |
| मलसे | मलथे | मलध्वे |
| मले | मलावहे | मलामहे |
| स० मलत | मलेयाताम् | मलेरन् |
| मलथाः | मलेयाथाम् | मलेध्वम् |
| मलेय | मलेवहि | मलेमहि |
| प० मलताम् | मलेताम् | मलन्ताम् |
| मलस्व | मलेथाम् | मलध्वम् |
| मलै | मलावहै | मलामहै |
| झ० अमलत | अमलेताम् | अमलन्त |
| अमलथाः | अमलेथाम् | अमलध्वम् |
| अमले | अमलावहि | अमलामहि |
| अ० अमलिष्ट | अमलिषाताम् | अमलिषत |
| अमलिष्टाः | अमलिषाथाम् | अमलिङ्घ्वम् |
| अमलिषि | अमलिष्वहि | अमलिषमहि |
| प० मेले | मेलाते | मेलिरे |
| मेलिषे | मेलाथे | मेलिध्वे |
| मेले | मेलिवहे | मेलिमहे |
| आ० मलिषीष्ट | मलिषीयास्ताम् | मलिषीरन् |
| मलिषीष्टाः | मलिषीयास्थाम् | मलिषीध्वम् |
| मलिषीय | मलिषीवहि | मलिषीमहि |
| श्व० मलिता | मलितारौ | मलितारः |
| मलितासे | मलितासाथे | मलिताध्वे |
| मलिताहे | मलितास्वहे | मलितास्महे |
| भ० मलिष्यते | मलिष्येते | मलिष्यन्ते |
| मलिष्यसे | मलिष्येथे | मलिष्यध्वे |
| मलिष्ये | मलिष्यावहे | मलिष्यामहे |
| क्रि० अमलिष्यत | अमलिष्येताम् | अमलिष्यन्त |
| अमलिष्यथाः | अमलिष्येथाम् | अमलिष्यध्वम् |
| अमलिष्ये | अमलिष्यावहि | अमलिष्यामहि |

811 मल्लि (मल्ल) धारणे ।

| | | |
|-----------|----------|----------|
| व० मल्लते | मल्लेते | मल्लन्ते |
| मल्लसे | मल्लेथे | मल्लध्वे |
| मल्ले | मल्लावहे | मल्लामहे |

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| स० मल्लेत | मल्लेयाताम् | मल्लेरन् |
| मल्लेयाः | मल्लेयाथाम् | मल्लेध्वम् |
| मल्लेय | मल्लेवहि | मल्लेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० मल्लताम् | मल्लेताम् | मल्लन्ताम् |
| मल्लस्व | मल्लेथाम् | मल्लध्वम् |
| मल्लै | मल्लावहे | मल्लामहे |

| | | |
|-----------|------------|------------|
| झ० अमल्लत | अमल्लेताम् | अमल्लन्त |
| अमल्लथाः | अमल्लेथाम् | अमल्लध्वम् |
| अमल्ले | अमल्लावहि | अमल्लामहि |

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| अ० अमल्लिष्ट | अमल्लिषाताम् | अमल्लिषन्त |
| अमल्लिष्ठाः | अमल्लिषाथाम् | अमल्लिषध्वम् |
| | | द्वम् ध्वम् |

अमल्लिषि अमल्लिष्वहि अमल्लिषमहि

| | | |
|-----------|-------------|-----------------|
| प० ममल्ले | ममल्लताते | ममल्लिरे |
| ममल्लिषे | ममल्लताथे | ममल्लिह्वे-ध्वे |
| ममल्ले | ममल्लिष्वहे | ममल्लिमहे |

| | | |
|---------------|-----------------|--------------|
| आ० मल्लिषीष्ट | मल्लिषीयास्ताम् | मल्लिषीरन् |
| मल्लिषीष्ठाः | मल्लिषीयास्थाम् | मल्लिषीध्वम् |
| | | ध्वम् |

मल्लिषीय मल्लिषीवहि मल्लिषीमहि

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| श्व० मल्लिता | मल्लितारौ | मल्लितारः |
| मल्लितासे | मल्लितासाथे | मल्लिताध्वे |
| मल्लिताहे | मल्लितास्वहे | मल्लितास्महे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ० मल्लिष्यते | मल्लिष्येते | मल्लिष्यन्ते |
| मल्लिष्यसे | मल्लिष्येथे | मल्लिष्यध्वे |
| मल्लिष्ये | मल्लिष्यावहे | मल्लिष्यामहे |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| क्रि० अमल्लिष्यत | अमल्लिष्येताम् | अमल्लिष्यन्त |
| अमल्लिष्यथाः | अमल्लिष्येथाम् | अमल्लिष्यध्वम् |
| अमल्लिष्ये | अमल्लिष्यावहि | अमल्लिष्यामहि |

812 भलि(भल्ल)परिभाषणहिंसाशानेषु

| | | |
|-----------|----------|----------|
| व० भल्लते | भल्लेते | भल्लन्ते |
| भल्लसे | भल्लेथे | भल्लध्वे |
| भल्ले | भल्लावहे | भल्लामहे |

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| स० भल्लेत | भल्लेयाताम् | भल्लेरन् |
| भल्लेयाः | भल्लेयाथाम् | भल्लेध्वम् |
| भल्लेय | भल्लेवहि | भल्लेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० भल्लताम् | भल्लेताम् | भल्लन्ताम् |
| भल्लस्व | भल्लेथाम् | भल्लध्वम् |
| भल्लै | भल्लावहे | भल्लामहे |

| | | |
|-----------|------------|------------|
| झ० अभल्लत | अभल्लेताम् | अभल्लन्त |
| अभल्लथाः | अभल्लेथाम् | अभल्लध्वम् |
| अभल्ले | अभल्लावहि | अभल्लामहि |

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| अ० अभल्लिष्ट | अभल्लिषाताम् | अभल्लिषन्त |
| अभल्लिष्ठाः | अभल्लिषाथाम् | अभल्लिषध्वम् |
| | | द्वम् ध्वम् |

अभल्लिषि अभल्लिष्वहि अभल्लिषमहि

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| प० वभल्ले | वभल्लताते | वभल्लिरे |
| वभल्लिषे | वभल्लताथे | वभल्लिध्वे |
| वभल्ले | वभल्लिष्वहे | वभल्लिमहे |

| | | |
|---------------|-----------------|--------------|
| आ० भल्लिषीष्ट | भल्लिषीयास्ताम् | भल्लिषीरन् |
| भल्लिषीष्ठाः | भल्लिषीयास्थाम् | भल्लिषीध्वम् |
| | | ध्वम् |

भल्लिषीय भल्लिषीवहि भल्लिषीमहि

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| श्व० भल्लिता | भल्लितारौ | भल्लितारः |
| भल्लितासे | भल्लितासाथे | भल्लिताध्वे |
| भल्लिताहे | भल्लितास्वहे | भल्लितास्महे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ० भल्लिष्यते | भल्लिष्येते | भल्लिष्यन्ते |
| भल्लिष्यसे | भल्लिष्येथे | भल्लिष्यध्वे |
| भल्लिष्ये | भल्लिष्यावहे | भल्लिष्यामहे |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| क्रि० अभल्लिष्यत | अभल्लिष्येताम् | अभल्लिष्यन्त |
| अभल्लिष्यथाः | अभल्लिष्येथाम् | अभल्लिष्यध्वम् |
| अभल्लिष्ये | अभल्लिष्यावहि | अभल्लिष्यामहि |

813 भल्लि (भल्ल्) परिभाषणे ।
हिसादानेषु ।

| | | |
|-------------------|-----------------|------------------------|
| ब० भल्लते | भल्लेते | भल्लन्ते |
| भल्लसे | भल्लेथे | भल्लध्वे |
| भल्ले | भल्लावहे | भल्लामहे |
| स० भल्लेत | भल्लेयाताम् | भल्लेरन् |
| भल्लेथाः | भल्लेयाथाम् | भल्लेध्वम् |
| भल्लेय | भल्लेवहि | भल्लेमहि |
| प० भल्लताम् | भल्लेताम् | भल्लन्ताम् |
| भल्लस्व | भल्लेथाम् | भल्लध्वम् |
| भल्लै | भल्लावहै | भल्लामहै |
| झ० अभल्लत | अभल्लेताम् | अभल्लन्त |
| अभल्लथाः | अभल्लेथाम् | अभल्लध्वम् |
| अभल्ले | अभल्लावहि | अभल्लामहि |
| अ० अभल्लिष्ट | अभल्लिषाताम् | अभल्लिषन् |
| अभल्लिष्टाः | अभल्लिषाथाम् | अभल्लिषध्वम् |
| | | द्वम् ध्वम् |
| | अभल्लिषि | अभल्लिष्वहि अभल्लिषमहि |
| प० बभल्ले | बभल्लाते | बभल्लिरे |
| बभल्लिषे | बभल्लाथे | बभल्लिद्वे ध्वे |
| बभल्ले | बभल्लिवहे | बभल्लिमहे |
| आ० भल्लिषीष्ट | भल्लिषीयास्ताम् | भल्लिषीरन् |
| भल्लिषीष्टाः | भल्लिषीयास्थाम् | भल्लिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| | भल्लिषीय | भल्लिषीवहि भल्लिषीमहि |
| भ्व० भल्लिता | भल्लितारौ | भल्लितारः |
| भल्लितासे | भल्लितासाथे | भल्लिताध्वे |
| भल्लिताहे | भल्लितास्वहे | भल्लितास्महे |
| भ० भल्लिष्यते | भल्लिष्येते | भल्लिष्यन्ते |
| भल्लिष्यसे | भल्लिष्येथे | भल्लिष्यध्वे |
| भल्लिष्ये | भल्लिष्यावहे | भल्लिष्यामहे |
| क्रि० अभल्लिष्यन् | अभल्लिष्येताम् | अभल्लिष्यन्त |
| अभल्लिष्यथाः | अभल्लिष्येथाम् | अभल्लिष्यध्वम् |
| अभल्लिष्ये | अभल्लिष्यावहि | अभल्लिष्यामहि |

814 कलि (कल्) शब्दसङ्ख्यानयोः

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| ब० कलते | कलेते | कलन्ते |
| कलसे | कलेथे | कलध्वे |
| कले | कलावहे | कलामहे |
| स० कलेत | कलेयाताम् | कलेरन् |
| कलेथाः | कलेयाथाम् | कलेध्वम् |
| कलेय | कलेवहि | कलेमहि |
| प० कलताम् | कलेताम् | कलन्ताम् |
| कलस्व | कलेथाम् | कलध्वम् |
| कले | कलावहै | कलामहै |
| झ० अकलत | अकलेताम् | अकलन्त |
| अकलथाः | अकलेथाम् | अकलध्वम् |
| अकले | अकलावहि | अकलामहि |
| अ० अकलिष्ट | अकलिषाताम् | अकलिषन् |
| अकलिष्टाः | अकलिषाथाम् | अकलिषध्वम् |
| अकलिषि | अकलिष्वहि | अकलिषमहि |
| | | ध्वम् |
| प० चकले | चकलाते | चकलिरे |
| चकलिषे | चकलाथे | चकलिद्वे ध्वे |
| चकले | चकलिवहे | चकलिमहे |
| आ० कलिषीष्ट | कलिषीयास्ताम् | कलिषीरन् |
| कलिषीष्टाः | कलिषीयास्थाम् | कलिषीद्वम् |
| कलिषीय | कलिषीवहि | कलिषीमहि |
| | | ध्वम् |
| भ्व० कलिता | कलितारौ | कलितारः |
| कलितासे | कलितासाथे | कलिताध्वे |
| कलिताहे | कलितास्वहे | कलितास्महे |
| भ० कलिष्यते | कलिष्येते | कलिष्यन्ते |
| कलिष्यसे | कलिष्येथे | कलिष्यध्वे |
| कलिष्ये | कलिष्यावहे | कलिष्यामहे |
| क्रि० अकलिष्यन् | अकलिष्येताम् | अकलिष्यन्त |
| अकलिष्यथाः | अकलिष्येथाम् | अकलिष्यध्वम् |
| अकलिष्ये | अकलिष्यावहि | अकलिष्यामहि |

815 कल्लि (कल्ल) अशब्दे ।

शब्दस्याभावोऽशब्दं तूष्णींभावः ।

| | | |
|----------------|-----------------|-----------------|
| ब० कल्लते | कल्लेते | कल्लन्ते |
| कल्लसे | कल्लेथे | कल्लध्वे |
| कल्ले | कल्लावहे | कल्लामहे |
| स० कल्लेत | कल्लेयाताम् | कल्लेरन् |
| कल्लेथाः | कल्लेयाथाम् | कल्लेध्वम् |
| कल्लेय | कल्लेयहि | कल्लेमहि |
| ल्लताम् | कल्लेताम् | कल्लन्ताम् |
| ल्लस्व | कल्लेथाम् | कल्लध्वम् |
| ल्लै | कल्लावहै | कल्लामहै |
| कल्लत | अकल्लेताम् | अकल्लन्त |
| अकल्लथाः | अकल्लेथाम् | अकल्लध्वम् |
| अकल्ले | अकल्लावहि | अकल्लामहि |
| अ० अकल्लिषट् | अकल्लिषाताम् | अकल्लिषत |
| अकल्लिषटाः | अकल्लिषाथाम् | अकल्लिषध्वम् |
| अकल्लिषि | अकल्लिष्वहि | अकल्लिषमहि |
| कल्ले | चकल्लाते | चकल्लिरे |
| ल्लिषे | चकल्लाथे | चकल्लिध्वे-ध्वे |
| कल्ले | चकल्लिषहे | चकल्लिमहे |
| ल्लिषीष्ट | कल्लिषीयास्ताम् | कल्लिषीरन् |
| ल्लिषीष्ठाः | कल्लिषीयास्थाम् | कल्लिषीध्वम् |
| कल्लिषीय | कल्लिषीवहि | कल्लिषीमहि |
| ख० कल्लिता | कल्लितारौ | कल्लितारः |
| कल्लितासे | कल्लितासाथे | कल्लिताध्वे |
| कल्लिताहे | कल्लितास्वहे | कल्लितास्महे |
| भ० कल्लिष्यते | कल्लिष्येते | कल्लिष्यन्ते |
| कल्लिष्यसे | कल्लिष्येथे | कल्लिष्यध्वे |
| कल्लिष्ये | कल्लिष्यावहे | कल्लिष्यामहे |
| कि० अकल्लिष्यत | अकल्लिष्येताम् | अकल्लिष्यन्त |
| अकल्लिष्यथाः | अकल्लिष्येथाम् | अकल्लिष्यध्वम् |
| अकल्लिष्ये | अकल्लिष्यावहि | अकल्लिष्यामहि |

अथ वान्ताश्चतुर्दश सेतश्च ।

816 तेवृङ् (तेव्) देवने ।

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| ब० तेवते | तेवेते | तेवन्ते |
| तेवसे | तेवेथे | तेवध्वे |
| तेवे | तेवावहे | तेवामहे |
| स० तेवेत | तेवेयाताम् | तेवेरन् |
| तेवेशाः | तेवेयाथाम् | तेवेध्वम् |
| तेवेश | तेवेवहि | तेवेमहि |
| प० तेवताम् | तेवेताम् | तेवन्ताम् |
| तेवस्व | तेवेशाम् | तेवध्वम् |
| तेवै | तेवावहै | तेवामहै |
| ख० अतेवत | अतेवेताम् | अतेवन्त |
| अतेवथाः | अतेवेशाम् | अतेवध्वम् |
| अतेवे | अतेवावहि | अतेवामहि |
| अ० अतेविष्ट | अतेविषाताम् | अतेविषत |
| अतेविष्ठाः | अतेविषाथाम् | अतेविषध्वम् |
| अतेविषि | अतेविष्वहि | अतेविषमहि |
| प० नितेवे | तितेवाते | तितेविरे |
| तितेविषे | तितेवाथे | तितेविध्वे-ध्वे |
| नितेवे | तितेविषहे | तितेविमहे |
| आ० तेविषीष्ट | तेविषीयास्ताम् | तेविषीरन् |
| तेविषीष्ठाः | तेविषीयास्थाम् | तेविषीध्वम् |
| तेविषीय | तेविषीवहि | तेविषीमहि |
| ख० तेविता | तेविनारौ | तेवितारः |
| तेवितासे | तेविनासाथे | तेविताध्वे |
| तेविताहे | तेवितास्वहे | तेवितास्महे |
| भ० तेविष्यते | तेविष्येते | तेविष्यन्ते |
| तेविष्यसे | तेविष्येथे | तेविष्यध्वे |
| तेविष्ये | तेविष्यावहे | तेविष्यामहे |
| क्रि० अतेविष्यत | अतेविष्येताम् | अतेविष्यन्त |
| अतेविष्यथाः | अतेविष्येथाम् | अतेविष्यध्वम् |
| अतेविष्ये | अतेविष्यावहि | अतेविष्यामहि |

817 देवृङ् (देव्) देवने ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | देवते | देवेते | देवन्ते |
| | देवसे | देवेथे | देवध्वे |
| | देवे | देवावहे | देवामहे |
| स० | देवेत | देवेयाताम् | देवेरन् |
| | देवेथाः | देवेयाथाम् | देवेध्वम् |
| | देवेय | देवेवहि | देवेमहि |
| प० | देवताम् | देवेताम् | देवन्ताम् |
| | देवस्व | देवेथाम् | देवध्वम् |
| | देवे | देवावहे | देवामहे |
| झ० | अदेवत | अदेवेताम् | अदेवन्त |
| | अदेवथाः | अदेवेथाम् | अदेवध्वम् |
| | अदेवे | अदेवावहि | अदेवामहि |
| अ० | अदेविष्ट | अदेविषाताम् | अदेविषन्त |
| | अदेविष्ठाः | अदेविषाथाम् | अदेविद्ध्वम् |
| | अदेविषि | अदेविष्वहि | अदेविमहि |
| | | | ध्वम् |
| प० | दिदेवे | दिदेवाते | दिदेविरे |
| | दिदेविषे | दिदेवाथे | दिदेविध्वे |
| | दिदेवे | दिदेवावहे | दिदेविमहे |
| आ० | दंविषीष्ट | दंविषीयास्ताम् | दंविषीरन् |
| | दंविषीष्ठाः | दंविषीयास्थाम् | दंविषीद्ध्वम् |
| | दंविषीय | दंविषीवहि | दंविषीमहि |
| | | | ध्वम् |
| भ्व० | देविता | देवितारौ | देवितारः |
| | देवितासे | देवितासाथे | देविताध्वे |
| | देविताहे | देवितास्वहे | देवितास्महे |
| भ० | देविष्यते | देविष्येते | देविष्यन्ते |
| | देविष्यसे | देविष्येथे | देविष्यध्वे |
| | देविष्ये | देविष्यावहे | देविष्यामहे |
| क्रि० | अदेविष्यत | अदेविष्येताम् | अदेविष्यन्त |
| | अदेविष्यथाः | अदेविष्येथाम् | अदेविष्यध्वम् |
| | अदेविष्ये | अदेविष्यावहि | अदेविष्यामहि |

818 सेवृङ् (सेव्) सेवने

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | सेवते | सेवेते | सेवन्ते |
| | सेवसे | सेवेथे | सेवध्वे |
| | सेवे | सेवावहे | सेवामहे |
| स० | सेवेत | सेवेयाताम् | सेवेरन् |
| | सेवेथाः | सेवेयाथाम् | सेवेध्वम् |
| | सेवेय | सेवेवहि | सेवेमहि |
| प० | सेवताम् | सेवेताम् | सेवन्ताम् |
| | सेवस्व | सेवेथाम् | सेवध्वम् |
| | सेवे | सेवावहे | सेवामहे |
| झ० | असेवत | असेवेताम् | असेवन्त |
| | असेवथाः | असेवेथाम् | असेवध्वम् |
| | असेवे | असेवावहि | असेवामहि |
| अ० | असेविष्ट | असेविषाताम् | असेविषन्त |
| | असेविष्ठाः | असेविषाथाम् | असेविद्ध्वम् |
| | असेविषि | असेविष्वहि | असेविमहि |
| | | | ध्वम् |
| प० | सिसेवे | सिसेवाते | सिसेविरे |
| | सिसेविषे | सिसेवाथे | सिसेविध्वे |
| | सिसेवे | सिसेवावहे | सिसेविमहे |
| अ० | सेविषीष्ट | सेविषीयास्ताम् | सेविषीरन् |
| | सेविषीष्ठाः | सेविषीयास्थाम् | सेविषीद्ध्वम् |
| | सेविषीय | सेविषीवहि | सेविषीमहि |
| भ्व० | सेविता | सेवितारौ | सेवितारः |
| | सेवितासे | सेवितासाथे | सेविताध्वे |
| | सेविताहे | सेवितास्वहे | सेवितास्महे |
| भ० | सेविष्यते | सेविष्येते | सेविष्यन्ते |
| | सेविष्यसे | सेविष्येथे | सेविष्यध्वे |
| | सेविष्ये | सेविष्यावहे | सेविष्यामहे |
| क्रि० | असेविष्यत | असेविष्येताम् | असेविष्यन्त |
| | असेविष्यथाः | असेविष्येथाम् | असेविष्यध्वम् |
| | असेविष्ये | असेविष्यावहि | असेविष्यामहि |

819 सेवृङ् (सेव्) सेवने

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-----------------|
| व० | सेवते | सेवेते | सेवन्ते |
| | सेवसे | सेवेथे | सेवध्वे |
| | सेवे | सेवावहे | सेवामहे |
| स० | सेवेत | सेवेयाताम् | सेवेरन् |
| | सेवेथाः | सेवेयाथाम् | सेवेध्वम् |
| | सेवेय | सेवेवहि | सेवेमहि |
| प० | सेवताम् | सेवेताम् | सेवन्ताम् |
| | सेवस्व | सेवेथाम् | सेवध्वम् |
| | सेवै | सेवावहै | सेवामहै |
| झ० | असेवत | असेवेताम् | असेवन्त |
| | असेवथाः | असेवेथाम् | असेवध्वम् |
| | असेवे | असेवावहि | असेवामहि |
| ञ० | असेविष्ट | असेविषाताम् | असेविषत |
| | असेविष्टाः | असेविषाथाम् | असेविड्द्वम् |
| | | | द्वम् ध्वम् |
| | असेविषि | असेविष्वहि | असेविष्महि |
| प० | सिसेवे | सिसेवाते | सिसेविरे |
| | सिसेविषे | सिसेवाथे | सिसेविध्वे-द्वे |
| | सिसेवे | सिसेविष्वहे | सिसेविमहे |
| अ० | सेविषीष्ट | सेविषीयास्ताम् | सेविषीरन् |
| | सेविषीष्टाः | सेविषीयास्थाम् | सेविषी- |
| | | | ध्वम्-द्वम् |
| | सेविषीय | सेविषीवहि | सेविषीमहि |
| ख० | सेविता | सेवितारौ | सेवितारः |
| | सेवितासे | सेवितासाथे | सेविताध्वे |
| | सेविताहे | सेवितास्वहे | सेवितास्महे |
| भ० | सेविष्यते | सेविष्येते | सेविष्यन्ते |
| | सेविष्यसे | सेविष्येथे | सेविष्यध्वे |
| | सेविष्ये | सेविष्यावहे | सेविष्यामहे |
| क्रि० | असेविष्यत | असेविष्येताम् | असेविष्यन्त |
| | असेविष्यथाः | असेविष्येथाम् | असेविष्यध्वम् |
| | असेविष्ये | असेविष्यावहि | असेविष्यामहि |

820 केवृङ् (केव्) सेवने ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-----------------|
| व० | केवते | केवेते | केवन्ते |
| | केवसे | केवेथे | केवध्वे |
| | केवे | केवावहे | केवामहे |
| स० | केवेत | केवेयाताम् | केवेरन् |
| | केवेथाः | केवेयाथाम् | केवेध्वम् |
| | केवेय | केवेवहि | केवेमहि |
| प० | केवताम् | केवेताम् | केवन्ताम् |
| | केवस्व | केवेथाम् | केवध्वम् |
| | केवै | केवावहै | केवामहै |
| झ० | अकेवत | अकेवेताम् | अकेवन्त |
| | अकेवथाः | अकेवेथाम् | अकेवध्वम् |
| | अकेवे | अकेवावहि | अकेवामहि |
| ञ० | अकेविष्ट | अकेविषाताम् | अकेविषत |
| | अकेविष्टाः | अकेविषाथाम् | अकेविड्द्वम् |
| | | | द्वम् ध्वम् |
| | अकेविषि | अकेविष्वहि | अकेविष्महि |
| प० | चिकेवे | चिकेवाते | चिकेविरे |
| | चिकेविषे | चिकेवाथे | चिकेविध्वे-द्वे |
| | चिकेवे | चिकेविष्वहे | चिकेविमहे |
| आ० | केविषीष्ट | केविषीयास्ताम् | केविषीरन् |
| | केविषीष्टाः | केविषीयास्थाम् | केविषीध्वम् |
| | | | द्वम् |
| | केविषीय | केविषीवहि | केविषीमहि |
| ख० | केविता | केवितारौ | केवितारः |
| | केवितासे | केवितासाथे | केविताध्वे |
| | केविताहे | केवितास्वहे | केवितास्महे |
| भ० | केविष्यते | केविष्येते | केविष्यन्ते |
| | केविष्यसे | केविष्येथे | केविष्यध्वे |
| | केविष्ये | केविष्यावहे | केविष्यामहे |
| क्रि० | अकेविष्यत | अकेविष्येताम् | अकेविष्यन्त |
| | अकेविष्यथाः | अकेविष्येथाम् | अकेविष्यध्वम् |
| | अकेविष्ये | अकेविष्यावहि | अकेविष्यामहि |

821 खेवृङ् (खेव्) सेवने

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० खेवते | खेवेते | खेवन्ते |
| खेवसे | खेवेथे | खेवध्वे |
| खेवे | खेवावहे | खेवामहे |
| ख० खेवेत | खेवेयाताम् | खेवेरन् |
| खेवेथाः | खेवेयाथाम् | खेवेध्वम् |
| खेवेय | खेवेवहि | खेवेमहि |
| प० खेवताम् | खेवेताम् | खेवन्ताम् |
| खेवस्व | खेवेथाम् | खेवध्वम् |
| खेवे | खेवावहे | खेवामहे |
| ख० अखेवत | अखेवेताम् | अखेवन्त |
| अखेवथाः | अखेवेथाम् | अखेवध्वम् |
| अखेवे | अखेवावहि | अखेवामहि |
| अ० अखेविष्ट | अखेविषाताम् | अखेविषत |
| अखेविष्टाः | अखेविषाथाम् | अखेविध्वम् |
| अखेविषि | अखेविष्वहि | अखेविमहि |
| प० चिखेवे | चिखेवाते | चिखेविरे |
| चिखेविषे | चिखेवाथे | चिखेविध्वे |
| चिखेवे | चिखेवहि | चिखेविमहे |
| अ० खेविषीष्ट | खेविषीयास्ताम् | खेविषीरन् |
| खेविषीष्टाः | खेविषीयास्थाम् | खेविषीध्वम् |
| खेविषीय | खेविषीवहि | खेविषीमहि |
| ख० खेविता | खेवितारौ | खेवितारः |
| खेवितासे | खेवितासाथे | खेविताध्वे |
| खेविताहे | खेवितास्वहे | खेवितास्महे |
| अ० खेविष्यते | खेविष्येते | खेविष्यन्ते |
| खेविष्यसे | खेविष्येथे | खेविष्यध्वे |
| खेविष्ये | खेविष्यावहे | खेविष्यामहे |
| क्रि० अखेविष्यत | अखेविष्येताम् | अखेविष्यन्त |
| अखेविष्यथाः | अखेविष्येथाम् | अखेविष्यध्वम् |
| अखेविष्ये | अखेविष्यावहि | अखेविष्यामहि |

822 गेवृङ् (गेव्) सेवने ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० गेवते | गेवेते | गेवन्ते |
| गेवसे | गेवेथे | गेवध्वे |
| गेवे | गेवावहे | गेवामहे |
| ख० गेवेत | गेवेयाताम् | गेवेरन् |
| गेवेथाः | गेवेयाथाम् | गेवेध्वम् |
| गेवेय | गेवेवहि | गेवेमहि |
| प० गेवताम् | गेवेताम् | गेवन्ताम् |
| गेवस्व | गेवेथाम् | गेवध्वम् |
| गेवे | गेवावहे | गेवामहे |
| ख० अगेवत | अगेवेताम् | अगेवन्त |
| अगेवथाः | अगेवेथाम् | अगेवध्वम् |
| अगेवे | अगेवावहि | अगेवामहि |
| अ० अगेविष्ट | अगेविषाताम् | अगेविषत |
| अगविष्टाः | अगेविषाथाम् | अगेविध्वम् |
| अगेविषि | अगेविष्वहि | अगेविमहि |
| प० जिगेवे | जिगेवाते | जिगेविरे |
| जिगेविषे | जिगेवाथे | जिगेविध्वे |
| जिगेवे | जिगेवहि | जिगेविमहे |
| आ० गेविषीष्ट | गेविषीयास्ताम् | गेविषीरन् |
| गेविषीष्टाः | गेविषीयास्थाम् | गेविषीध्वम् |
| गेविषीय | गेविषीवहि | गेविषीमहि |
| ख० गेविता | गेवितारौ | गेवितारः |
| गेवितासे | गेवितासाथे | गेविताध्वे |
| गेविताहे | गेवितास्वहे | गेवितास्महे |
| अ० गेविष्यते | गेविष्येते | गेविष्यन्ते |
| गेविष्यसे | गेविष्येथे | गेविष्यध्वे |
| गेविष्ये | गेविष्यावहे | गेविष्यामहे |
| क्रि० अगेविष्यत | अगेविष्येताम् | अगेविष्यन्त |
| अगेविष्यथाः | अगेविष्येथाम् | अगेविष्यध्वम् |
| अगेविष्ये | अगेविष्यावहि | अगेविष्यामहि |

823 ग्लेष्टृक् ग्लेष् सेवने

| | | |
|---------------------|--------------------|-------------------|
| ब० ग्लेष्टते | ग्लेष्टेते | ग्लेष्टन्ते |
| ग्लेष्टसे | ग्लेष्टेथे | ग्लेष्टध्वे |
| ग्लेष्टे | ग्लेष्टावहे | ग्लेष्टामहे |
| स० ग्लेष्टत | ग्लेष्टेयाताम् | ग्लेष्टेरन् |
| ग्लेष्टेथाः | ग्लेष्टेयाथाम् | ग्लेष्टध्वम् |
| ग्लेष्टेय | ग्लेष्टेवहि | ग्लेष्टेमहि |
| प० ग्लेष्टताम् | ग्लेष्टेताम् | ग्लेष्टन्ताम् |
| ग्लेष्टस्व | ग्लेष्टेथाम् | ग्लेष्टध्वम् |
| ग्लेष्टे | ग्लेष्टावहे | ग्लेष्टामहे |
| झ० अग्लेष्टत | अग्लेष्टेताम् | अग्लेष्टन्त |
| अग्लेष्टेथाः | अग्लेष्टेथाम् | अग्लेष्टध्वम् |
| अग्लेष्टे | अग्लेष्टावहि | अग्लेष्टेमहि |
| अ० अग्लेष्टिष्ट | अग्लेष्टिषाताम् | अग्लेष्टिषत |
| अग्लेष्टिष्टाः | अग्लेष्टिषाथाम् | अग्लेष्टिड् |
| | द्वम् | द्वम् ध्वम् |
| अग्लेष्टिषि | अग्लेष्टिष्वहि | अग्लेष्टिषमहि |
| प० जिग्लेष्टे | जिग्लेष्टाते | जिग्लेष्टिरे |
| जिग्लेष्टिषे | जिग्लेष्टाथे | जिग्लेष्टिध्वे |
| जिग्लेष्टे | जिग्लेष्टिवहे | जिग्लेष्टिमहे |
| अ० ग्लेष्टिषीष्ट | ग्लेष्टिषीयास्ताम् | ग्लेष्टिषीरन् |
| ग्लेष्टिषीष्टाः | ग्लेष्टिषीयास्थाम् | ग्लेष्टिषी |
| | | ध्वम्-द्वम् |
| ग्लेष्टिषीय | ग्लेष्टिषीवहि | ग्लेष्टिषीमहि |
| श्व० ग्लेष्टिता | ग्लेष्टितारौ | ग्लेष्टितारः |
| ग्लेष्टितासे | ग्लेष्टितासाथे | ग्लेष्टिताध्वे |
| ग्लेष्टिताहे | ग्लेष्टितास्वहे | ग्लेष्टितास्महे |
| भ० ग्लेष्टिष्यते | ग्लेष्टिष्येते | ग्लेष्टिष्यन्ते |
| ग्लेष्टिष्यसे | ग्लेष्टिष्येथे | ग्लेष्टिष्यध्वे |
| ग्लेष्टिष्ये | ग्लेष्टिष्यावहे | ग्लेष्टिष्यामहे |
| क्रि० अग्लेष्टिष्यत | अग्लेष्टिष्येताम् | अग्लेष्टिष्यन्त |
| अग्लेष्टिष्यथाः | अग्लेष्टिष्येथाम् | अग्लेष्टिष्यध्वम् |
| अग्लेष्टिष्ये | अग्लेष्टिष्यावहि | अग्लेष्टिष्यामहि |

824 पेष्टृक् (पेष्) सेवने ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| ब० पेष्टते | पेष्टेते | पेष्टन्ते |
| पेष्टसे | पेष्टेथे | पेष्टध्वे |
| पेष्टे | पेष्टावहे | पेष्टामहे |
| स० पेष्टत | पेष्टेयाताम् | पेष्टेरन् |
| पेष्टेथाः | पेष्टेयाथाम् | पेष्टध्वम् |
| पेष्टेय | पेष्टेवहि | पेष्टेमहि |
| प० पेष्टताम् | पेष्टेताम् | पेष्टन्ताम् |
| पेष्टस्व | पेष्टेथाम् | पेष्टध्वम् |
| पेष्टे | पेष्टावहे | पेष्टामहे |
| झ० अपेष्टत | अपेष्टेताम् | अपेष्टन्त |
| अपेष्टेथाः | अपेष्टेथाम् | अपेष्टध्वम् |
| अपेष्टे | अपेष्टावहि | अपेष्टेमहि |
| अ० अपेष्टिष्ट | अपेष्टिषाताम् | अपेष्टिषत |
| अपेष्टिष्टाः | अपेष्टिषाथाम् | अपेष्टिड् |
| | | द्वम् ध्वम् |
| अपेष्टिषि | अपेष्टिष्वहि | अपेष्टिषमहि |
| प० पिपेष्टे | पिपेष्टाते | पिपेष्टिरे |
| पिपेष्टिषे | पिपेष्टाथे | पिपेष्टिध्वे |
| पिपेष्टे | पिपेष्टिवहे | पिपेष्टिमहे |
| आ० पेष्टिषीष्ट | पेष्टिषीयास्ताम् | पेष्टिषीरन् |
| पेष्टिषीष्टाः | पेष्टिषीयास्थाम् | पेष्टिषीध्वम् |
| | | द्वम् |
| पेष्टिषीय | पेष्टिषीवहि | पेष्टिषीमहि |
| श्व० पेष्टिता | पेष्टितारौ | पेष्टितारः |
| पेष्टितासे | पेष्टितासाथे | पेष्टिताध्वे |
| पेष्टिताहे | पेष्टितास्वहे | पेष्टितास्महे |
| भ० पेष्टिष्यते | पेष्टिष्येते | पेष्टिष्यन्ते |
| पेष्टिष्यसे | पेष्टिष्येथे | पेष्टिष्यध्वे |
| पेष्टिष्ये | पेष्टिष्यावहे | पेष्टिष्यामहे |
| क्रि० अपेष्टिष्यत | अपेष्टिष्येताम् | अपेष्टिष्यन्त |
| अपेष्टिष्यथाः | अपेष्टिष्येथाम् | अपेष्टिष्यध्वम् |
| अपेष्टिष्ये | अपेष्टिष्यावहि | अपेष्टिष्यामहि |

825 प्लेवृङ् (प्लेव्) सेवने ।

व० प्लेवते प्लेवेते प्लेवन्ते
प्लेवसे प्लेवेथे प्लेवध्वे
प्लव प्लेवावह प्लेवामहे

स० प्लेवत प्लेवेयाताम् प्लेवेरन्
प्लेवेथाः प्लेवेयाथाम् प्लेवेध्वम्
प्लेवेय प्लेवेवहि प्लेवेमहि

प० प्लेवताम् प्लेवेताम् प्लेवन्ताम्
प्लेवस्व प्लेवेयाम् प्लेवध्वम्
प्लेवै प्लेवावह प्लेवामहे

अ० अप्लेवत अप्लेवेताम् अप्लेवन्त
अप्लेवथाः अप्लेवेथाम् अप्लेवध्वम्
अप्लेवे अप्लेवावहि अप्लेवामहि

अ० अप्लेविष्ट अप्लेविषाताम् अप्लेविषत
अप्लेविष्टाः अप्लेविषाथाम् अप्लेविद्ध्वम्
द्वम् - ध्वम्
अप्लेविषि अप्लेविष्वहि अप्लेविष्महि

प० पिप्लेवे पिप्लेवाते पिप्लेविरे
पिप्लेविषे पिप्लेवाथे पिप्लेविध्वे
पिप्लेवे पिप्लेविष्वहे पिप्लेविमहे

आ० प्लेविषीष्ट प्लेविषीयास्ताम् प्लेविषीरन्
प्लेविषीष्टाः प्लेविषीयास्थाम् प्लेविषीध्वम्
प्लेविषीय प्लेविषीवहि प्लेविषीमहि

अ० प्लेविता प्लेवितारौ प्लेवितारः
प्लेवितासे प्लेवितासाथे प्लेविताध्वे
प्लेविताहे प्लेवितास्वहे प्लेवितास्महे

भ० प्लेविष्यते प्लेविष्येते प्लेविष्यन्ते
प्लेविष्यसे प्लेविष्येथे प्लेविष्यध्वे
प्लेविष्ये प्लेविष्यावहे प्लेविष्यामहे

क्रि० अप्लेविष्यत अप्लेविष्येताम् अप्लेविष्यन्त
अप्लेविष्यथाः अप्लेविष्येथाम् अप्लेविष्यध्वम्
अप्लेविष्ये अप्लेविष्यावहि अप्लेविष्यामहि

826 मेवृङ् (मेव्) सेवने ।

व० मेवते मेवेते मेवन्त
मेवसे मेवेथे मेवध्वे
मेवे मेवावहे मेवामहे

स० मेवत मेवेयाताम् मेवेरन्
मेवेथाः मेवेयाथाम् मेवेध्वम्
मेवेय मेवेवहि मेवेमहि

प० मेवताम् मेवेताम् मेवन्ताम्
मेवस्व मेवेयाम् मेवध्वम्
मेवे मेवावह मेवामहे

अ० अमेवत अमेवेताम् अमेवन्त
अमेवथाः अमेवेथाम् अमेवध्वम्
अमेवे अमेवावहि अमेवामहि

अ० अमेविष्ट अमेविषाताम् अमेविषत
अमेविष्टाः अमेविषाथाम् अमेविद्ध्वम्
द्वम् - ध्वम्
अमेविषि अमेविष्वहि अमेविष्महि

प० मिमेवे मिमेवाते मिमेविरे
मिमेविषे मिमेवाथे मिमेविध्वे
मिमेवे मिमेविष्वहे मिमेविमहे

आ० मेविषीष्ट मेविषीयास्ताम् मेविषीरन्
मेविषीष्टाः मेविषीयास्थाम् मेविषीध्वम्
मेविषीय मेविषीवहि मेविषीमहि

अ० मेविता मेवितारौ मेवितारः
मेवितासे मेवितासाथे मेविताध्वे
मेविताहे मेवितास्वहे मेवितास्महे

भ० मेविष्यते मेविष्येते मेविष्यन्ते
मेविष्यसे मेविष्येथे मेविष्यध्वे
मेविष्ये मेविष्यावहे मेविष्यामहे

क्रि० अमेविष्यत अमेविष्येताम् अमेविष्यन्त
अमेविष्यथाः अमेविष्येथाम् अमेविष्यध्वम्
अमेविष्ये अमेविष्यावहि अमेविष्यामहि

827 म्लेष्टुङ् (म्लेष्टु) सेबने ।

ब० म्लोषते म्लोषेते म्लोषन्ते
म्लोषसे म्लोषेथे म्लोषध्वे
म्लोषे म्लोषावहे म्लोषामहे

स० म्लोषेत म्लोषेयाताम् म्लोषेरन्
म्लोषेथाः म्लोषेयाथाम् म्लोषेध्वम्
म्लोषेय म्लोषेवहि म्लोषेमहि
म्लोषताम् म्लोषेताम् म्लोषन्ताम्
म्लोषस्व म्लोषेथाम् म्लोषध्वम्
म्लोषे म्लोषावहे म्लोषामहे

अम्लोषत अम्लोषेताम् अम्लोषन्त
अम्लोषेथाः अम्लोषेथाम् अम्लोषध्वम्
अम्लोषे अम्लोषावहि अम्लोषामहि

म्लोषिष्ट अम्लोषिषाताम् अम्लोषिषत
म्लोषिष्टाः अम्लोषिषाथाम् अम्लोषिषध्वम्
म्लोषिषे म्लोषिषेवहि म्लोषिषेमहि

म्लोषे म्लोषेताम् म्लोषेन्ते
म्लोषेथे म्लोषेथाम् म्लोषेध्वम्
म्लोषेय म्लोषेवहि म्लोषेमहि
म्लोषिष्ट म्लोषिषाताम् म्लोषिषत
म्लोषिष्टाः म्लोषिषाथाम् म्लोषिषध्वम्
म्लोषिषे म्लोषिषेवहि म्लोषिषेमहि

म्लोषिषीय म्लोषिषीवहि म्लोषिषीमहि
म्लोषिता म्लोषितारौ म्लोषितारः
म्लोषितासे म्लोषितासाथे म्लोषिताध्वे
म्लोषिताहे म्लोषितास्वहे म्लोषितास्महे

म्लोषिष्यते म्लोषिष्येते म्लोषिष्यन्ते
म्लोषिष्यसे म्लोषिष्येथे म्लोषिष्यध्वे
म्लोषिष्ये म्लोषिष्यावहे म्लोषिष्यामहे

म्लोषिष्यत म्लोषिष्येताम् म्लोषिष्यन्त
म्लोषिष्यथाः म्लोषिष्येथाम् म्लोषिष्यध्वम्
म्लोषिष्ये म्लोषिष्यावहि म्लोषिष्यामहि

828 रेवृङ् (रेवृ) गतौ ।

ब० रेवते रेवेते रेवन्ते
रेवसे रेवेथे रेवध्वे
रेवे रेवावहे रेवामहे

स० रेवेत रेवेयाताम् रेवेरन्
रेवेथाः रेवेयाथाम् रेवेध्वम्
रेवेय रेवेवहि रेवेमहि

रेवताम् रेवेताम् रेवन्ताम्
रेवस्व रेवेथाम् रेवध्वम्
रेवे रेवावहे रेवामहे

अरेवत अरेवेताम् अरेवन्त
अरेवथाः अरेवेथाम् अरेवध्वम्
अरेवे अरेवावहि अरेवामहि

अरेविष्ट अरेविषाताम् अरेविषत
अरेविष्टाः अरेविषाथाम् अरेविषध्वम्
अरेविषे अरेविषेवहि अरेविषेमहि

रिरेवे रिरेवाते रिरेविरे
रिरेविषे रिरेवाथे रिरेविषेवहि
रिरेवे रिरेविषेवहि रिरेविषेमहि

रेविषीय रेविषीवहि रेविषीमहि
रेविषिता रेविषितारौ रेविषितारः
रेविषितासे रेविषितासाथे रेविषिताध्वे
रेविषिताहे रेविषितास्वहे रेविषितास्महे

रेविष्यते रेविष्येते रेविष्यन्ते
रेविष्यसे रेविष्येथे रेविष्यध्वे
रेविष्ये रेविष्यावहि रेविष्यामहि

अरेविष्यत अरेविष्येताम् अरेविष्यन्त
अरेविष्यथाः अरेविष्येथाम् अरेविष्यध्वम्
अरेविष्ये अरेविष्यावहि अरेविष्यामहि

829 पवि (पव्) गतौ ।

प्लुतिगतावित्यन्ये ।

| | | | |
|-------|------------|---------------|---------------|
| ब० | पवते | पवेते | पवन्ते |
| | पवसे | पवेथे | पवध्वे |
| | पवे | पवावहे | पवामहे |
| स० | पवेत | पवेयाताम् | पवेरन् |
| | पवेथाः | पवेयाथाम् | पवेध्वम् |
| | पवेय | पवेवहि | पवेमहि |
| प० | पवताम् | पवेताम् | पवन्ताम् |
| | पवस्व | पवेथाम् | पवध्वम् |
| | पवै | पवावहै | पवामहै |
| झ० | अपवत | अपवेताम् | अपवन्त |
| | अपवथाः | अपवेथाम् | अपवध्वम् |
| | अपवे | अपवावहि | अपवामहि |
| अ० | अपविष्ट | अपविषाताम् | अपविषत |
| | अपविष्टाः | अपविषाथाम् | अपविद्ध्वम् |
| | | | द्वम्-ध्वम् |
| | अपविषि | अपविष्वहि | अपविष्महि |
| प० | पेवे | पेवाते | पेविरे |
| | पेविषे | पेवाथे | पेविध्वे द्वे |
| | पेवे | पेविषहे | पेविमहे |
| भा० | पविषीष्ट | पविषीयास्ताम् | पविषीरन् |
| | पविषीष्टाः | पविषीयास्थाम् | पविषीध्वम् |
| | | | द्वम् |
| | पविषीय | पविषीवहि | पविषीमहि |
| भ्व० | पविता | पवितारौ | पवितारः |
| | पवितासे | पवितासाथे | पविताध्वे |
| | पविताहे | पवितास्वहे | पवितास्महे |
| भ० | पविष्यते | पविष्येते | पविष्यन्ते |
| | पविष्यसे | पविष्येथे | पविष्यध्वे |
| | पविष्ये | पविष्यावहे | पविष्यामहे |
| क्रि० | अपविष्यत | अपविष्येताम् | अपविष्यन्त |
| | अपविष्यथाः | अपविष्येथाम् | अपविष्यध्वम् |
| | अपविष्ये | अपविष्यावहि | अपविष्यामहि |

अथ शान्तौ द्वौ सेटौ च

830 काशङ् (काश्) दीप्तौ ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| ब० | काशते | काशेते | काशन्ते |
| | काशसे | काशेथे | काशध्वे |
| | काशे | काशावहे | काशामहे |
| स० | काशेत | काशेयाताम् | काशेरन् |
| | काशेथाः | काशेयाथाम् | काशेध्वम् |
| | काशेय | काशेवहि | काशेमहि |
| प० | काशताम् | काशेताम् | काशन्ताम् |
| | काशस्व | काशेथाम् | काशध्वम् |
| | काशै | काशावहै | काशामहै |
| झ० | अकाशत | अकाशेताम् | अकाशन्त |
| | अकाशथाः | अकाशेथाम् | अकाशध्वम् |
| | अकाशे | अकाशावहि | अकाशामहि |
| अ० | अकाशिष्ट | अकाशिषाताम् | अकाशिषत |
| | अकाशिष्टाः | अकाशिषाथाम् | अकाशिद्ध्वम् |
| | | | -ध्वम् |
| | अकाशिषि | अकाशिष्वहि | अकाशिष्महि |
| प० | चकाशे | चकाशाते | चकाशिरे |
| | चकाशिषे | चकाशाथे | चकाशिध्वे |
| | चकाशे | चकाशिषहे | चकाशिमहे |
| आ० | काशिषीष्ट | काशिषीयास्ताम् | काशिषीरन् |
| | काशिषीष्टाः | काशिषीयास्थाम् | काशिषीध्वम् |
| | | | |
| | काशिषीय | काशिषीवहि | काशिषीमहि |
| भ्व० | काशिता | काशितारौ | काशितारः |
| | काशितासे | काशितासाथे | काशिताध्वे |
| | काशिताहे | काशितास्वहे | काशितास्महे |
| भ० | काशिष्यते | काशिष्येते | काशिष्यन्ते |
| | काशिष्यसे | काशिष्येथे | काशिष्यध्वे |
| | काशिष्ये | काशिष्यावहे | काशिष्यामहे |
| क्रि० | अकाशिष्यत | अकाशिष्येताम् | अकाशिष्यन्त |
| | अकाशिष्यथाः | अकाशिष्येथाम् | अकाशिष्यध्वम् |
| | अकाशिष्ये | अकाशिष्यावहि | अकाशिष्यामहि |

831 क्लेशि (क्लेशु) विवाधने ।

| | | |
|---------------|---------------|---------------|
| व० क्लेशते | क्लेशते | क्लेशन्ते |
| क्लेशसे | क्लेशेथे | क्लेशध्वे |
| क्लेशे | क्लेशावहे | क्लेशामहे |
| स० क्लेशेत | क्लेशेयाताम् | क्लेशेरन् |
| क्लेशेथाः | क्लेशेयाथाम् | क्लेशेध्वम् |
| क्लेशेय | क्लेशेयहि | क्लेशेमहि |
| प० क्लेशताम् | क्लेशेताम् | क्लेशन्ताम् |
| क्लेशस्व | क्लेशेथाम् | क्लेशध्वम् |
| क्लेशे | क्लेशावहे | क्लेशामहे |
| झ० अक्लेशत | अक्लेशेताम् | अक्लेशन्त |
| अक्लेशेथाः | अक्लेशेथाम् | अक्लेशेध्वम् |
| अक्लेशे | अक्लेशावहि | अक्लेशेमहि |
| अ० अक्लेशिष्ट | अक्लेशिषाताम् | अक्लेशिषत |
| अक्लेशिष्ठाः | अक्लेशिषथाम् | अक्लेशिषध्वम् |

-ध्वम्

अक्लेशिषि अक्लेशिष्वहि अक्लेशिष्महि
 प० चिक्लेशे चिक्लेशाते चिक्लेशिरे
 चिक्लेशिषे चिक्लेशाथे चिक्लेशिध्वे-
 चिक्लेशे चिक्लेशावहे चिक्लेशिमहे
 भा० क्लेशिषीष्टक्लेशिषीयास्ताम् क्लेशिषीरन्
 क्लेशिषीष्ठाः क्लेशिषीयास्थाम् क्लेशिषीध्वम्

क्लेशिषीय क्लेशिषीवहि क्लेशिषीमहि
 ध्व० क्लेशिता क्लेशितारौ क्लेशितारः
 क्लेशितासे क्लेशितासाथे क्लेशिताध्वे
 क्लेशिताहे क्लेशितास्वहे क्लेशितास्महे
 अ० क्लेशिष्यते क्लेशिष्येते क्लेशिष्यन्ते
 क्लेशिष्यसे क्लेशिष्येथे क्लेशिष्यध्वे
 क्लेशिष्ये क्लेशिष्यावहे क्लेशिष्यामहे
 कि० अक्लेशिष्यत अक्लेशिष्येताम् अक्लेशिष्यन्त
 अक्लेशिष्यथाः अक्लेशिष्येथाम् अक्लेशिष्यध्वम्
 अक्लेशिष्ये अक्लेशिष्यावहि अक्लेशिष्यामहि

अथ षान्ता द्वादश सेट्श्च

832 भाषि (भाष्) च व्यक्तायां वाचि

प्रकृतेः परश्चकारः प्रकृतिमनुकर्षति ।
 तेन क्लेशिर्भाषिश्च व्यक्तायां वाचि ।
 क्लेशिरुदाहृत एव । भाषि

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| व० भाषते | भाषते | भाषन्ते |
| भाषसे | भाषेथे | भाषध्वे |
| भाषे | भाषावहे | भाषामहे |
| स० भाषेत | भाषेयाताम् | भाषेरन् |
| भाषेथाः | भाषेयाथाम् | भाषेध्वम् |
| भाषेय | भाषेयहि | भाषेमहि |
| प० भाषताम् | भाषेताम् | भाषन्ताम् |
| भाषस्व | भाषेथाम् | भाषध्वम् |
| भाषे | भाषावहे | भाषामहे |
| झ० अभाषत | अभाषेताम् | अभाषन्त |
| अभाषथाः | अभाषेथाम् | अभाषध्वम् |
| अभाषे | अभाषावहि | अभाषामहि |
| अ० अभाषिष्ट | अभाषिषाताम् | अभाषिषत |
| अभाषिष्ठाः | अभाषिषथाम् | अभाषिषध्वम् |

-ध्वम्

अभाषिषि अभाषिष्वहि अभाषिष्महि
 प० वभाषे वभाषाते वभाषिरे
 वभाषिषे वभाषाथे वभाषिध्वे
 वभाषे वभाषिवहे वभाषिमहे
 भा० भाषिषीष्ट भाषिषीयास्ताम् भाषिषीरन्
 भाषिषीष्ठाः भाषिषीयास्थाम् भाषिषीध्वम्

भाषिषीय भाषिषीवहि भाषिषीमहि
 ध्व० भाषिता भाषितारौ भाषितारः
 भाषितासे भाषितासाथे भाषिताध्वे
 भाषिताहे भाषितास्वहे भाषितास्महे
 अ० भाषिष्यते भाषिष्येते भाषिष्यन्ते
 भाषिष्यसे भाषिष्येथे भाषिष्यध्वे
 भाषिष्ये भाषिष्यावहे भाषिष्यामहे
 कि० अभाषिष्यत अभाषिष्येताम् अभाषिष्यन्त
 अभाषिष्यथाः अभाषिष्येथाम् अभाषिष्यध्वम्
 अभाषिष्ये अभाषिष्यावहि अभाषिष्यामहि

833 ईषि (ईष्) गतिहिंसादर्शनेषु

| | | |
|----------------------|---------------|--------------|
| व० ईषते | ईषेते | ईषन्ते |
| ईषसे | ईषेथे | ईषध्वे |
| ईषे | ईषावहे | ईषामहे |
| स० ईषेत | ईषेयाताम् | ईषेरन् |
| ईषेथाः | ईषेयाथाम् | ईषेध्वम् |
| ईषेय | ईषेवहि | ईषेमहि |
| प० ईषताम् | ईषेताम् | ईषन्ताम् |
| ईषस्व | ईषेथाम् | ईषध्वम् |
| ईषे | ईषावहे | ईषामहे |
| ह्य० ऐषत | ऐषेताम् | ऐषन्त |
| ऐषथाः | ऐषेथाम् | ऐषध्वम् |
| ऐषे | ऐषावहि | ऐषामहि |
| अ० ऐषिष्ट | ऐषिषाताम् | ऐषिषत |
| ऐषिष्टाः | ऐषिषाथाम् | ऐषिड्ध्वम् |
| —ध्वम् | | |
| ऐषिषि | ऐषिष्वहि | ऐषिष्महि |
| ष० ईषाञ्चक्रे | ईषाञ्चक्राते | ईषाञ्चक्रिरे |
| ईषाञ्चकृषे | ईषाञ्चक्राथे | ईषाञ्चकृध्वे |
| ईषाञ्चक्रे | ईषाञ्चकृवहे | ईषाञ्चकृमहे |
| ईषाम्बभूव । ईषामास । | | |
| आ० ईषिषीष्ट | ईषिषीयास्ताम् | ईषिषीरन् |
| ईषिषीष्टाः | ईषिषीयास्थाम् | ईषिषीध्वम् |
| ईषिषीय | ईषिषीवहि | ईषिषीमहि |
| श्व० ईषिता | ईषितारौ | ईषितारः |
| ईषितासे | ईषितासाथे | ईषिताध्वे |
| ईषिताहे | ईषितास्वहे | ईषितास्महे |
| भ० ईषिष्यते | ईषिष्येते | ईषिष्यन्ते |
| ईषिष्यसे | ईषिष्येथे | ईषिष्यध्वे |
| ईषिष्ये | ईषिष्यावहे | ईषिष्यामहे |
| क्रि० ऐषिष्यत | ऐषिष्येताम् | ऐषिष्यन्त |
| ऐषिष्यथाः | ऐषिष्येथाम् | ऐषिष्यध्वम् |
| ऐषिष्ये | ऐषिष्यावहि | ऐषिष्यामहि |

834 गेषृङ् (गेषृ) अन्विच्छायां ।

अन्विच्छान्वेषणम् ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० गेषते | गेषेते | गेषन्ते |
| गेषसे | गेषेथे | गेषध्वे |
| गेषे | गेषावहे | गेषामहे |
| स० गेषेत | गेषेयाताम् | गेषेरन् |
| गेषेथाः | गेषेयाथाम् | गेषेध्वम् |
| गेषेय | गेषेवहि | गेषेमहि |
| प० गेषताम् | गेषेताम् | गेषन्ताम् |
| गेषस्व | गेषेथाम् | गेषध्वम् |
| गेषे | गेषावहे | गेषामहे |
| ह्य० अगेषत | अगेषेताम् | अगेषन्त |
| अगेषथाः | अगेषेथाम् | अगेषध्वम् |
| अगेषे | अगेषावहि | अगेषामहि |
| अ० अगेषिष्ट | अगेषिषाताम् | अगेषिषत |
| अगेषिष्टाः | अगेषिषाथाम् | अगेषिड्ध्वम् |
| —ध्वम् | | |
| अगेषिषि | अगेषिष्वहि | अगेषिष्महि |
| प० जिगेषे | जिगेषाते | जिगेषिरे |
| जिगेषिषे | जिगेषाथे | जिगेषिध्वे |
| जिगेषे | जिगेषिवहे | जिगेषिमहे |
| श्रा० गेषिषीष्ट | गेषिषीयास्ताम् | गेषिषीरन् |
| गेषिषीष्टाः | गेषिषीयास्थाम् | गेषिषीध्वम् |
| गेषिषीय | गेषिषीवहि | गेषिषीमहि |
| श्व० गेषिता | गेषितारौ | गेषितारः |
| गेषितासे | गेषितासाथे | गेषिताध्वे |
| गेषिताहे | गेषितास्वहे | गेषितास्महे |
| भ० गेषिष्यते | गेषिष्येते | गेषिष्यन्ते |
| गेषिष्यसे | गेषिष्येथे | गेषिष्यध्वे |
| गेषिष्ये | गेषिष्यावहे | गेषिष्यामहे |
| क्रि० अगेषिष्यत | अगेषिष्येताम् | अगेषिष्यन्त |
| अगेषिष्यथाः | अगेषिष्येथाम् | अगेषिष्यध्वम् |
| अगेषिष्ये | अगेषिष्यावहि | अगेषिष्यामहि |

835 येष् (येष्) प्रयत्ने ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| ब० | येषते | येषेते | येषन्ते |
| | येषसे | येषेथे | येषध्वे |
| | येषे | येषावहे | येषामहे |
| स० | येषेत | येषेयाताम् | येषेरन् |
| | येषेथाः | येषेयाथाम् | येषेध्वम् |
| | येषेय | येषेवहि | येषेमहि |
| प० | येषताम् | येषेताम् | येषन्ताम् |
| | येषस्व | येषेथाम् | येषध्वम् |
| | येषे | येषावहै | येषामहै |
| ह्य० | अयेषत | अयेषेताम् | अयेषन्त |
| | अयेषथाः | अयेषेथाम् | अयेषध्वम् |
| | अयेषे | अयेषावहि | अयेषामहि |
| अ० | अयेषिष्ट | अयेषिषाताम् | अयेषिषन्त |
| | अयेषिष्ठाः | अयेषिषाथाम् | अयेषिद्ध्वम् |
| | अयेषिषि | अयेषिष्वहि | अयेषिषमहि |
| प० | यियेष्टे | यियेष्टाते | यियेष्टिरे |
| | यियेष्टिषे | यियेष्टाथे | यियेष्टिध्वे |
| | यियेष्टे | यियेष्टिवहे | यियेष्टिमहे |
| आ० | येषिषीष्ट | येषिषीयास्ताम् | येषिषीरन् |
| | येषिषीष्ठाः | येषिषीयास्थाम् | येषिषीध्वम् |
| | येषिषीय | येषिषीवहि | येषिषीमहि |
| श्व० | येषिता | येषितारौ | येषितारः |
| | येषितासे | येषितासाथे | येषिताध्वे |
| | येषिताहे | येषितास्वहे | येषितामहे |
| भ० | येषिष्यते | येषिष्येते | येषिष्यन्ते |
| | येषिष्यसे | येषिष्येथे | येषिष्यध्वे |
| | येषिष्ये | येषिष्यावहे | येषिष्यामहे |
| क्रि० | अयेषिष्यत | अयेषिष्येताम् | अयेषिष्यन्त |
| | अयेषिष्यथाः | अयेषिष्येथाम् | अयेषिष्यध्वम् |
| | अयेषिष्ये | अयेषिष्यावहि | अयेषिष्यामहि |

836 जेष् (जेष्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| ब० | जेषते | जेषेते | जेषन्ते |
| | जेषसे | जेषेथे | जेषध्वे |
| | जेषे | जेषावहे | जेषामहे |
| स० | जेषेत | जेषेयाताम् | जेषेरन् |
| | जेषेथाः | जेषेयाथाम् | जेषेध्वम् |
| | जेषेय | जेषेवहि | जेषेमहि |
| प० | जेषताम् | जेषेताम् | जेषन्ताम् |
| | जेषस्व | जेषेथाम् | जेषध्वम् |
| | जेषे | जेषावहै | जेषामहै |
| ह्य० | अजेषत | अजेषेताम् | अजेषन्त |
| | अजेषथाः | अजेषेथाम् | अजेषध्वम् |
| | अजेषे | अजेषावहि | अजेषामहि |
| अ० | अजेषिष्ट | अजेषिषाताम् | अजेषिषन्त |
| | अजेषिष्ठाः | अजेषिषाथाम् | अजेषिद्ध्वम् |
| | अजेषिषि | अजेषिष्वहि | अजेषिषमहि |
| प० | जिजेष्टे | जिजेष्टाते | जिजेष्टिरे |
| | जिजेष्टिषे | जिजेष्टाथे | जिजेष्टिध्वे |
| | जिजेष्टे | जिजेष्टिवहे | जिजेष्टिमहे |
| आ० | जेषिषीष्ट | जेषिषीयास्ताम् | जेषिषीरन् |
| | जेषिषीष्ठाः | जेषिषीयास्थाम् | जेषिषीध्वम् |
| | जेषिषीय | जेषिषीवहि | जेषिषीमहि |
| श्व० | जेषिता | जेषितारौ | जेषितारः |
| | जेषितासे | जेषितासाथे | जेषिताध्वे |
| | जेषिताहे | जेषितास्वहे | जेषितामहे |
| भ० | जेषिष्यते | जेषिष्येते | जेषिष्यन्ते |
| | जेषिष्यसे | जेषिष्येथे | जेषिष्यध्वे |
| | जेषिष्ये | जेषिष्यावहे | जेषिष्यामहे |
| क्रि० | अजेषिष्यत | अजेषिष्येताम् | अजेषिष्यन्त |
| | अजेषिष्यथाः | अजेषिष्येथाम् | अजेषिष्यध्वम् |
| | अजेषिष्ये | अजेषिष्यावहि | अजेषिष्यामहि |

837 णेष्टृ (नेष्) गतौ

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | नेषते | नेषेते | नेषन्ते |
| | नेषसे | नेषेथे | नेषध्वे |
| | नेषे | नेषावहे | नेषामहे |
| स० | नेषेत | नेषेयाताम् | नेषेरन् |
| | नेषेथाः | नेषेयाथाम् | नेषेध्वम् |
| | नेषेय | नेषेवहि | नेषेमहि |
| प० | नेषताम् | नेषेताम् | नेषन्ताम् |
| | नेषस्व | नेषेथाम् | नेषध्वम् |
| | नेषे | नेषावहै | नेषामहै |
| ह्य० | अनेषत | अनेषेताम् | अनेषन्त |
| | अनेषथाः | अनेषेथाम् | अनेषध्वम् |
| | अनेषे | अनेषावहि | अनेषामहि |
| अ० | अनेषिष्ट | अनेषिषाताम् | अनेषिषन्त |
| | अनेषिष्टाः | अनेषिषाथाम् | अनेषिषध्वम् |
| | | | अनेषिषमहि |
| प० | निनेषे | निनेषाते | निनेषिरे |
| | निनेषिषे | निनेषाथे | निनेषिध्वे |
| | निनेषे | निनेषिवहे | निनेषिमहे |
| आ० | नेषिषीष्ट | नेषिषीयास्ताम् | नेषिषीरन् |
| | नेषिषीष्टाः | नेषिषीयास्थाम् | नेषिषीध्वम् |
| | नेषिषीय | नेषिषीवहि | नेषिषीमहि |
| श्व० | नेषिता | नेषितारौ | नेषितारः |
| | नेषितासे | नेषितासाथे | नेषिताध्वे |
| | नेषिताहे | नेषितास्वहे | नेषितास्महे |
| भ० | नेषिष्यते | नेषिष्येते | नेषिष्यन्ते |
| | नेषिष्यसे | नेषिष्येथे | नेषिष्यध्वे |
| | नेषिष्ये | नेषिष्यावहे | नेषिष्यामहे |
| क्रि० | अनेषिष्यत | अनेषिष्येताम् | अनेषिष्यन्त |
| | अनेषिष्यथाः | अनेषिष्येथाम् | अनेषिष्यध्वम् |
| | अनेषिष्ये | अनेषिष्यावहि | अनेषिष्यामहि |

838 एष्टृ (एष्) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------|---------------|--------------|
| व० | एषते | एषेते | एषन्ते |
| | एषसे | एषेथे | एषध्वे |
| | एषे | एषावहे | एषामहे |
| स० | एषेत | एषेयाताम् | एषेरन् |
| | एषेथाः | एषेयाथाम् | एषेध्वम् |
| | एषेय | एषेवहि | एषेमहि |
| प० | एषताम् | एषेताम् | एषन्ताम् |
| | एषस्व | एषेथाम् | एषध्वम् |
| | एषे | एषावहै | एषामहै |
| ह्य० | एषत | एषेताम् | एषन्त |
| | एषथाः | एषेथाम् | एषध्वम् |
| | एषे | एषावहि | एषामहि |
| अ० | एषिष्ट | एषिषाताम् | एषिषन्त |
| | एषिष्टाः | एषिषाथाम् | एषिषध्वम् |
| | | | एषिषमहि |
| प० | एषाञ्चक्र | एषाञ्चक्राते | एषाञ्चक्रिरे |
| | एषाञ्चकृषे | एषाञ्चक्राथे | एषाञ्चकृध्वे |
| | एषाञ्चक्र | एषाञ्चकृवहे | एषाञ्चक्रमहे |
| आ० | एषिषीष्ट | एषिषीयास्ताम् | एषिषीरन् |
| | एषिषीष्टाः | एषिषीयास्थाम् | एषिषीध्वम् |
| | एषिषीय | एषिषीवहि | एषिषीमहि |
| श्व० | एषिता | एषितारौ | एषितारः |
| | एषितासे | एषितासाथे | एषिताध्वे |
| | एषिताहे | एषितास्वहे | एषितास्महे |
| भ० | एषिष्यते | एषिष्येते | एषिष्यन्ते |
| | एषिष्यसे | एषिष्येथे | एषिष्यध्वे |
| | एषिष्ये | एषिष्यावहे | एषिष्यामहे |
| क्रि० | एषिष्यत | एषिष्येताम् | एषिष्यन्त |
| | एषिष्यथाः | एषिष्येथाम् | एषिष्यध्वम् |
| | एषिष्ये | एषिष्यावहि | एषिष्यामहि |

839 हेष्टङ् (हेष्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | हेषते | हेषते | हेषन्ते |
| | हेषसे | हेषथे | हेषध्वे |
| | हेषे | हेषावहे | हेषामहे |
| स० | हेषेत | हेषेयाताम् | हेषेरन् |
| | हेषेथाः | हेषेयाथाम् | हेषेध्वम् |
| | हेषेय | हेषेवहि | हेषेमहि |
| प० | हेषताम् | हेषेताम् | हेषन्ताम् |
| | हेषस्व | हेषेथाम् | हेषध्वम् |
| | हेषे | हेषावहे | हेषामहे |
| ह्य० | अहेषत | अहेषेताम् | अहेषन्त |
| | अहेषथाः | अहेषेथाम् | अहेषध्वम् |
| | अहेषे | अहेषावहि | अहेषामहि |
| अ० | अहेषिष्ट | अहेषिषाताम् | अहेषिषत |
| | अहेषिष्ठाः | अहेषिषाथाम् | अहेषिड्ढ्वम् |
| | | —ध्वम् | |
| | अहेषिषि | अहेषिष्वहि | अहेषिमहि |
| प० | जिहेषे | जिहेषाते | जिहेषिरे |
| | जिहेषिसे | जिहेषाथे | जिहेषिध्वे |
| | जिहेषे | जिहेषिवहे | जिहेषिमहे |
| आ० | हेषिषीष्ट | हेषिषीयास्ताम् | हेषिषीरन् |
| | हेषिषीष्ठाः | हेषिषीयास्थाम् | हेषिषीध्वम् |
| | हेषिषीय | हेषिषीवहि | हेषिषीमहि |
| श्व० | हेषिता | हेषितारौ | हेषितारः |
| | हेषितासे | हेषितासाथे | हेषिताध्वे |
| | हेषिताहे | हेषितास्वहे | हेषितास्महे |
| भ० | हेषिष्यते | हेषिष्येते | हेषिष्यन्ते |
| | हेषिष्यसे | हेषिष्येथे | हेषिष्यध्वे |
| | हेषिष्ये | हेषिष्यावहे | हेषिष्यामहे |
| क्रि० | अहेषिष्यत | अहेषिष्येताम् | अहेषिष्यन्त |
| | अहेषिष्यथाः | अहेषिष्येथाम् | अहेषिष्यध्वम् |
| | अहेषिष्ये | अहेषिष्यावहि | अहेषिष्यामहि |

840 रेष्टङ् (रेष्) अव्यक्ते शब्दे ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | रेषते | रेषते | रेषन्ते |
| | रेषसे | रेषथे | रेषध्वे |
| | रेषे | रेषावहे | रेषामहे |
| स० | रेषेत | रेषेयाताम् | रेषेरन् |
| | रेषेथाः | रेषेयाथाम् | रेषेध्वम् |
| | रेषेय | रेषेवहि | रेषेमहि |
| प० | रेषताम् | रेषेताम् | रेषन्ताम् |
| | रेषस्व | रेषेथाम् | रेषध्वम् |
| | रेषे | रेषावहे | रेषामहे |
| ह्य० | अरेषत | अरेषेताम् | अरेषन्त |
| | अरेषथाः | अरेषेथाम् | अरेषध्वम् |
| | अरेषे | अरेषावहि | अरेषामहि |
| अ० | अरेषिष्ट | अरेषिषाताम् | अरेषिषत |
| | अरेषिष्ठाः | अरेषिषाथाम् | अरेषिड्ढ्वम् |
| | | —ध्वम् | |
| | अरेषिषि | अरेषिष्वहि | अरेषिमहि |
| प० | रिरेषे | रिरेषाते | रिरेषिरे |
| | रिरेषिसे | रिरेषाथे | रिरेषिध्वे |
| | रिरेषे | रिरेषिवहे | रिरेषिमहे |
| आ० | रेषिषीष्ट | रेषिषीयास्ताम् | रेषिषीरन् |
| | रेषिषीष्ठाः | रेषिषीयास्थाम् | रेषिषीध्वम् |
| | | —ध्वम् | |
| | रेषिषीय | रेषिषीवहि | रेषिषीमहि |
| श्व० | रेषिता | रेषितारौ | रेषितारः |
| | रेषितासे | रेषितासाथे | रेषिताध्वे |
| | रेषिताहे | रेषितास्वहे | रेषितास्महे |
| भ० | रेषिष्यते | रेषिष्येते | रेषिष्यन्ते |
| | रेषिष्यसे | रेषिष्येथे | रेषिष्यध्वे |
| | रेषिष्ये | रेषिष्यावहे | रेषिष्यामहे |
| क्रि० | अरेषिष्यत | अरेषिष्येताम् | अरेषिष्यन्त |
| | अरेषिष्यथाः | अरेषिष्येथाम् | अरेषिष्यध्वम् |
| | अरेषिष्ये | अरेषिष्यावहि | अरेषिष्यामहि |

841 हेष् (हेष्) अव्यक्ते शब्दे ।

| | | | |
|----|---------|------------|-----------|
| व० | हेषते | हेषेते | हेषन्ते |
| | हेषसे | हेषेथे | हेषध्वे |
| | हेषे | हेषावहे | हेषामहे |
| स० | हेषेत् | हेषेयाताम् | हेषेरन् |
| | हेषेथाः | हेषेयाथाम् | हेषेध्वम् |
| | हेषेय | हेषेयहि | हेषेमहि |
| प० | हेषताम् | हेषेताम् | हेषन्ताम् |
| | हेषस्व | हेषेथाम् | हेषध्वम् |
| | हेषे | हेषावहे | हेषामहे |

| | | | |
|----|---------|-----------|-----------|
| झ० | अहेषत | अहेषेताम् | अहेषन्त |
| | अहेषथाः | अहेषेथाम् | अहेषध्वम् |
| | अहेषे | अहेषावहि | अहेषामहि |

| | | | |
|----|------------|-------------|-------------|
| अ० | अहेषिष्ट | अहेषिषाताम् | अहेषिषन्त |
| | अहेषिष्ठाः | अहेषिषाथाम् | अहेषिषध्वम् |
| | अहेषिषे | अहेषिषावहि | अहेषिषामहि |

—ध्वम्

| | | | |
|----|----------|-----------|------------|
| प० | जिहेषे | जिहेषाते | जिहेषिरे |
| | जिहेषिवे | जिहेषाथे | जिहेषिध्वे |
| | जिहेषे | जिहेषावहे | जिहेषामहे |

| | | | |
|----|-------------|--------------|-------------|
| आ० | हेषिषीष्ट | हेषिषीयाताम् | हेषिषीरन् |
| | हेषिषीष्ठाः | हेषिषीयाथाम् | हेषिषीध्वम् |
| | हेषिषीषे | हेषिषीयावहि | हेषिषीमहि |

| | | | |
|----|----------|-------------|-------------|
| इ० | हेषिता | हेषितारौ | हेषितारः |
| | हेषितासे | हेषितासाथे | हेषिताध्वे |
| | हेषिताहे | हेषितास्वहे | हेषितास्महे |

| | | | |
|----|-----------|-------------|-------------|
| भ० | हेषिष्यते | हेषिष्येते | हेषिष्यन्ते |
| | हेषिष्यसे | हेषिष्येथे | हेषिष्यध्वे |
| | हेषिष्ये | हेषिष्यावहे | हेषिष्यामहे |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|---------------|
| क्रि० | अहेषिष्यत | अहेषिष्येताम् | अहेषिष्यन्त |
| | अहेषिष्यथाः | अहेषिष्येथाम् | अहेषिष्यध्वम् |
| | अहेषिष्ये | अहेषिष्यावहि | अहेषिष्यामहि |

842 पर्षि (पर्ष) स्नेहने ।

| | | | |
|----|--------|----------|----------|
| घ० | पर्षते | पर्षेते | पर्षन्ते |
| | पर्षसे | पर्षेथे | पर्षध्वे |
| | पर्षे | पर्षावहे | पर्षामहे |

| | | | |
|----|----------|-------------|------------|
| स० | पर्षेत् | पर्षेयाताम् | पर्षेरन् |
| | पर्षेथाः | पर्षेयाथाम् | पर्षेध्वम् |
| | पर्षेय | पर्षेयहि | पर्षेमहि |

| | | | |
|----|----------|-----------|------------|
| प० | पर्षताम् | पर्षेताम् | पर्षन्ताम् |
| | पर्षस्व | पर्षेथाम् | पर्षध्वम् |
| | पर्षे | पर्षावहे | पर्षामहे |

| | | | |
|----|----------|------------|------------|
| झ० | अपर्षत | अपर्षेताम् | अपर्षन्त |
| | अपर्षथाः | अपर्षेथाम् | अपर्षध्वम् |
| | अपर्षे | अपर्षावहि | अपर्षामहि |

| | | | |
|----|-------------|--------------|--------------|
| अ० | अपर्षिष्ट | अपर्षिषाताम् | अपर्षिषन्त |
| | अपर्षिष्ठाः | अपर्षिषाथाम् | अपर्षिषध्वम् |
| | अपर्षिषे | अपर्षिषावहि | अपर्षिषामहि |

—ध्वम्

| | | | |
|----|---------|----------|-----------|
| प० | पर्षे | पर्षाते | पर्षिरे |
| | पर्षिवे | पर्षाथे | पर्षिध्वे |
| | पर्षे | पर्षावहे | पर्षामहे |

| | | | |
|----|--------------|---------------|--------------|
| आ० | पर्षिषीष्ट | पर्षिषीयाताम् | पर्षिषीरन् |
| | पर्षिषीष्ठाः | पर्षिषीयाथाम् | पर्षिषीध्वम् |
| | पर्षिषीषे | पर्षिषीयावहि | पर्षिषीमहि |

| | | | |
|----|-----------|--------------|--------------|
| भ० | पर्षिता | पर्षितारौ | पर्षितारः |
| | पर्षितासे | पर्षितासाथे | पर्षिताध्वे |
| | पर्षिताहे | पर्षितास्वहे | पर्षितास्महे |

| | | | |
|----|------------|--------------|--------------|
| भ० | पर्षिष्यते | पर्षिष्येते | पर्षिष्यन्ते |
| | पर्षिष्यसे | पर्षिष्येथे | पर्षिष्यध्वे |
| | पर्षिष्ये | पर्षिष्यावहे | पर्षिष्यामहे |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| क्रि० | अपर्षिष्यत | अपर्षिष्येताम् | अपर्षिष्यन्त |
| | अपर्षिष्यथाः | अपर्षिष्येथाम् | अपर्षिष्यध्वम् |
| | अपर्षिष्ये | अपर्षिष्यावहि | अपर्षिष्यामहि |

843 घुषुङ् (घुष्) कान्तीकरणे ।

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ब० घु'षते | घु'षेते | घु'षन्ते |
| घु'षसे | घु'षेथे | घु'षध्वे |
| घु'षे | घु'षावहे | घु'षामहे |
| स० घु'षेत | घु'षेयाताम् | घु'षेरन् |
| घु'षेथा | घु'षेयाथाम् | घु'षेध्वम् |
| घु'षेय | घु'षेवहि | घु'षेमहि |
| प० घु'षताम् | घु'षेताम् | घु'षन्ताम् |
| घु'षस्व | घु'षेथाम् | घु'षध्वम् |
| घु'षे | घु'षावहे | घु'षामहे |
| झ० अघु'षत | अघु'षेताम् | अघु'षन्त |
| अघु'षथाः | अघु'षेथाम् | अघु'षध्वम् |
| अघु'षे | अघु'षावहि | अघु'षामहि |
| अ० अघु'षिष्ट | अघु'षिषाताम् | अघु'षिषत |
| अघु'षिष्टाः | अघु'षिषाथाम् | अघु'षिड्ध्वम् |
| | | —ध्वम् |
| अघु'षिषि | अघु'षिष्वहि | अघु'षिष्महि |
| प० जु'घुषे | जु'घुषाते | जु'घुषिरे |
| जु'घुषिषे | जु'घुषाथे | जु'घुषिध्वे |
| जु'घुष | जु'घुषिवहे | जु'घुषिमहे |
| आ० घु'षिषीष्ट | घु'षिषीयास्ताम् | घु'षिषीरन् |
| 'षिषीष्टाः | घु'षिषीयास्थाम् | घु'षिषीध्वम् |
| घु'षिषीय | घु'षिषीवहि | घु'षिषीमहि |
| श्व० घु'षिता | घु'षितारौ | घु'षितारः |
| घु'षितासे | घु'षितासाथे | घु'षिताध्वे |
| घु'षिताहे | घु'षितास्वहे | घु'षितास्महे |
| भ० घु'षिष्यते | घु'षिष्येते | घु'षिष्यन्ते |
| घु'षिष्यसे | घु'षिष्येथे | घु'षिष्यध्वे |
| घु'षिष्ये | घु'षिष्यावहे | घु'षिष्यामहे |
| क्रि० अघु'षिष्यत | अघु'षिष्येताम् | अघु'षिष्यन्त |
| अघु'षिष्यथाः | अघु'षिष्येथाम् | अघु'षिष्यध्वम् |
| अघु'षिष्ये | अघु'षिष्यावहि | अघु'षिष्यामहि |

अथ सान्तास्त्रयोदश सेट्थ

844 संसूङ् (संस्) प्रमादे ।

प्रमादोऽवलेपः ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० संसते | संसते | संसन्ते |
| संससे | संसेथे | संसध्वे |
| संसे | संसावहे | संसामहे |
| स० संसेत | संसेयाताम् | संसेरन् |
| संसेथाः | संसेयाथाम् | संसेध्वम् |
| संसेय | संसेवहि | संसेमहि |
| प० संसताम् | संसेताम् | संसन्ताम् |
| संसस्व | संसेथाम् | संसध्वम् |
| संसे | संसावहे | संसामहे |
| झ० असंसत | असंसेताम् | असंसन्त |
| असंसथाः | असंसेथाम् | असंसध्वम् |
| असंसे | असंसावहि | असंसामहि |
| अ० असंसिष्ट | असंसिषाताम् | असंसिषत |
| असंसिष्टाः | असंसिषाथाम् | असंसिड्ध्वम् |
| | | ध्वम् |
| असंसिषि | असंसिष्वहि | असंसिष्महि |
| प० ससंसे | ससंसाते | ससंसिरे |
| ससंसिषे | ससंसाथे | ससंसिध्वे |
| ससंसे | ससंसिवहे | ससंसिमहे |
| आ० संसिषीष्ट | संसिषीयास्ताम् | संसिषीरन् |
| संसिषीष्टाः | संसिषीयास्थाम् | संसिषीध्वम् |
| संसिषीय | संसिषीवहि | संसिषीमहि |
| श्व० संसिता | संसितारौ | संसितारः |
| संसितासे | संसितासाथे | संसिताध्वे |
| संसिताहे | संसितास्वहे | संसितास्महे |
| भ० संसिष्यते | संसिष्येते | संसिष्यन्ते |
| संसिष्यसे | संसिष्येथे | संसिष्यध्वे |
| संसिष्ये | संसिष्यावहे | संसिष्यामहे |
| क्रि० असंसिष्यत | असंसिष्येताम् | असंसिष्यन्त |
| असंसिष्यथाः | असंसिष्येथाम् | असंसिष्यध्वम् |
| असंसिष्ये | असंसिष्यावहि | असंसिष्यामहि |

845 कास्मृ (कास्) शब्दकुत्सारयाम्

शब्दस्य कुत्सारोगः ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० कास्ते | कासेते | कासन्ते |
| काससे | कासेथे | कासध्वे |
| कासे | कासावहे | कासामहे |
| स० कासेत | कासेयाताम् | कासेरन् |
| कासेथाः | कासेयाथाम् | कासेध्वम् |
| कासेय | कासेवहि | कासेमहि |
| प० कासताम् | कासेताम् | कासन्ताम् |
| कासस्व | कासेथाम् | कासध्वम् |
| कासै | कासावहै | कासामहै |
| झ० अकासत | अकासेताम् | अकासन्त |
| अकासथाः | अकासेथाम् | अकासध्वम् |
| अकासे | अकासावहि | अकासामहि |
| अ० अकासिष्ट | अकासिषाताम् | अकासिषन्त |
| अकासिष्ठाः | अकासिषाथाम् | अकासिषध्वम् |
| | | अकासिषमहि |
| प० कासाञ्चक्रे | कासाञ्चक्राते | कासाञ्चक्रिरे |
| कासाञ्चकृषे | कासाञ्चक्राथे | कासाञ्चकृध्वे |
| कासाञ्चक्रे | कासाञ्चकृवहे | कासाञ्चकृमहे |
| कासाम्बभूवः । | | कासामास । |
| आ० कासिषीष्ट | कासिषीयास्ताम् | कासिषीरन् |
| कासिषीष्ठाः | कासिषीयास्थाम् | कासिषीध्वम् |
| कासिषीय | कासिषीवहि | कासिषीमहि |
| श्व० कासिता | कासितारौ | कासितार |
| कासितासे | कासितासाथे | कासिताध्वे |
| कासिताहे | कासितास्वहे | कासितास्महे |
| भ० कासिष्यते | कासिष्येते | कासिष्यन्ते |
| कासिष्यसे | कासिष्येथे | कासिष्यध्वे |
| कासिष्ये | कासिष्यावहे | कासिष्यामहे |
| क्रि० अकासिष्यत | अकासिष्येताम् | अकासिष्यन्त |
| अकासिष्यथाः | अकासिष्येथाम् | अकासिष्यध्वम् |
| अकासिष्ये | अकासिष्यावहि | अकासिष्यामहि |

846 भासि (भास्) दीप्तौ ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० भासते | भासेते | भासन्ते |
| भाससे | भासेथे | भासध्वे |
| भासे | भासावहे | भासामहे |
| स० भासेत | भासेयाताम् | भासेरन् |
| भासेथाः | भासेयाथाम् | भासेध्वम् |
| भासेय | भासेवहि | भासेमहि |
| प० भासताम् | भासेताम् | भासन्ताम् |
| भासस्व | भासेथाम् | भासध्वम् |
| भासै | भासावहै | भासामहै |
| झ० अभासत | अभासेताम् | अभासन्त |
| अभासथाः | अभासेथाम् | अभासध्वम् |
| अभासे | अभासावहि | अभासामहि |
| अ० अभासिष्ट | अभासिषाताम् | अभासिषन्त |
| अभासिष्ठाः | अभासिषाथाम् | अभासिषध्वम् |
| | | अभासिषमहि |
| प० वभासे | वभासाते | वभासिरे |
| वभासिषे | वभासाथे | वभासिध्वे |
| वभासे | वभासिषहे | वभासिमहे |
| आ० भासिषीष्ट | भासिषीयास्ताम् | भासिषीरन् |
| भासिषीष्ठाः | भासिषीयास्थाम् | भासिषीध्वम् |
| भासिषीय | भासिषीवहि | भासिषीमहि |
| श्व० भासिता | भासितारौ | भासितारः |
| भासितासे | भासितासाथे | भासिताध्वे |
| भासिताहे | भासितास्वहे | भासितास्महे |
| भ० भासिष्यते | भासिष्येते | भासिष्यन्ते |
| भासिष्यसे | भासिष्येथे | भासिष्यध्वे |
| भासिष्ये | भासिष्यावहे | भासिष्यामहे |
| क्रि० अभासिष्यत | अभासिष्येताम् | अभासिष्यन्त |
| अभासिष्यथाः | अभासिष्येथाम् | अभासिष्यध्वम् |
| अभासिष्ये | अभासिष्यावहि | अभासिष्यामहि |

847 दुभ्रासि (भ्रास्) दीप्तौ ।

व० भ्रासते भ्रासेते भ्रासन्ते
 भ्राससे भ्रासेथे भ्रासध्वे
 भ्रासे भ्रासावहे भ्रासामहे

भ्रास्यते भ्रास्येते भ्रास्यन्ते
 भ्रास्यसे भ्रास्येथे भ्रास्यध्वे
 भ्रास्ये भ्रास्यावहे भ्रास्यामहे

स० भ्रासेत भ्रासेयाताम् भ्रासेरन्
 भ्रासेथाः भ्रासेयाथाम् भ्रासेध्वम्
 भ्रासेय भ्रासेवहि भ्रासेमहि

भ्रास्येत भ्रास्येयाताम् भ्रास्येरन्
 भ्रास्येथाः भ्रास्येयाथाम् भ्रास्येध्वम्
 भ्रास्येय भ्रास्येवहि भ्रास्येमहि

प० भ्रासताम् भ्रासेताम् भ्रासन्ताम्
 भ्रासस्व भ्रासेथाम् भ्रासध्वम्
 भ्रासे भ्रासावहे भ्रासामहे

भ्रास्यताम् भ्रास्येताम् भ्रास्यन्ताम्
 भ्रास्यस्व भ्रास्येथाम् भ्रास्यध्वम्
 भ्रास्ये भ्रास्यावहे भ्रास्यामहे

झ० अभासत अभासेताम् अभासन्त
 अभासथाः अभासेथाम् अभासध्वम्
 अभासे अभासावहि अभासामहि
 अभास्यत अभास्येताम् अभास्यन्त

अभास्यथा अभास्येथाम् अभास्यध्वम्
 अभास्ये अभास्यावहि अभास्यामहि

अ० अभासिष्ट अभासिषाताम् अभासिषत
 अभासिष्ठाः अभासिषाथाम् अभासिषध्वम्
 -ध्वम्

अभासिषि अभासिष्वहि अभासिषमहि

प० वभासे वभासाते वभासिरे
 वभासिषे वभासाथे वभासिध्वे
 वभासे वभासिवहे वभासिमहे

व्रसे व्रसाते व्रसिरे
 व्रसिषे व्रसाथे व्रसिध्वे
 व्रसे व्रसिवहे व्रसिमहे

आ० ब्रासिषीष्ट ब्रासिषीयाताम् ब्रासिषीरन्
 ब्रासिषीष्ठाः ब्रासिषीयाथाम् ब्रासिषीध्वम्
 ब्रासिषीय ब्रासिषीवहि ब्रासिषीमहि

श्व० ब्रासिता ब्रासितारौ ब्रासितारः
 ब्रासितासे ब्रासितासाथे ब्रासिताध्वे
 ब्रासिताहे ब्रासितास्वहे ब्रासितास्महे

भ० ब्रासिष्यते ब्रासिष्येते ब्रासिष्यन्ते
 ब्रासिष्यसे ब्रासिष्येथे ब्रासिष्यध्वे
 ब्रासिष्ये ब्रासिष्यावहे ब्रासिष्यामहे

क्रि० अभ्रासिष्यत अभ्रासिष्येताम् अभ्रासिष्यन्त
 अभ्रासिष्यथाः अभ्रासिष्येथाम् अभ्रासिष्यध्वम्
 अभ्रासिष्ये अभ्रासिष्यावहि अभ्रासिष्यामहि

848 तु भ्लासृष्ट (भ्लासृ) दीप्तौ ।

| | | |
|--------------|----------------|---------------|
| ब० भ्लासते | भ्लासते | भ्लासन्ते |
| भ्लाससे | भ्लास्ये | भ्लासध्वे |
| भ्लासते | भ्लासावहे | भ्लासामहे |
| भ्लास्यते | भ्लास्येते | भ्लास्यन्ते |
| भ्लास्यसे | भ्लास्येथे | भ्लास्यध्वे |
| भ्लास्ये | भ्लास्यावहे | भ्लास्यामहे |
| स० भ्लासेत | भ्लासेयाताम् | भ्लासेरन् |
| भ्लासेथाः | भ्लासेयाथाम् | भ्लासेध्वम् |
| भ्लासेय | भ्लासेवहि | भ्लासेमहि |
| भ्लास्येत | भ्लास्येयाताम् | भ्लास्येरन् |
| भ्लास्येथाः | भ्लास्येयाथाम् | भ्लास्येध्वम् |
| भ्लास्येय | भ्लास्येमहि | भ्लास्येमहि |
| प० भ्लासताम् | भ्लासेताम् | भ्लासन्ताम् |
| भ्लासस्व | भ्लासेथास्व | भ्लासध्वम् |
| भ्लासते | भ्लासावहे | भ्लासामहे |
| भ्लास्यताम् | भ्लास्येताम् | भ्लास्यन्ताम् |
| भ्लास्यस्व | भ्लास्येथाम् | भ्लास्यध्वम् |
| भ्लास्ये | भ्लास्यावहे | भ्लास्यामहे |
| अ० भ्लासत | अभ्लासेताम् | अभ्लासन्त |
| अभ्लासेथाः | अभ्लासेथाम् | अभ्लासध्वम् |
| अभ्लासे | अभ्लासावहि | अभ्लासामहि |
| अभ्लास्यत | अभ्लास्येताम् | अभ्लास्यन्त |

| |
|---|
| अभ्लास्यथाः अभ्लास्येथाम् अभ्लास्यध्वम् |
| अभ्लास्ये अभ्लास्यावहि अभ्लास्यामहि |
| अ० अभ्लासिष्ट अभ्लासिषाताम् अभ्लासिषत |
| अभ्लासिष्टाः अभ्लासिषाथाम् अभ्लासिषध्वम् |
| —अभ्रम् |
| अभ्लासिषि अभ्लासिष्वहि अभ्लासिषमहि |
| प० वभ्लासे वभ्लासाते वभ्लासिरे |
| वभ्लासिषे वभ्लासाथे वभ्लासिध्वे |
| वभ्लासे वभ्लासिवहे वभ्लासिमहे |
| भ्लेसे भ्लेसाते भ्लेसिरे |
| भ्लेसिषे भ्लेसाथे भ्लेसिध्वे |
| भ्लेसे भ्लेसिवहे भ्लेसिमहे |
| आ० भ्लासिषीष्ट भ्लासिषीयास्ताम् भ्लासिषीरन् |
| भ्लासिषीष्टाः भ्लासिषीयाथाम् भ्लासिषीध्वम् |
| भ्लासिषीय भ्लासिषीवहि भ्लासिषीमहि |
| अ० भ्लासिता भ्लासितारौ भ्लासितारः |
| भ्लासितासे भ्लासितासाथे भ्लासिताध्वे |
| भ्लासिताहे भ्लासितावहे भ्लासितामहे |
| अ० भ्लासिष्यते भ्लासिष्येते भ्लासिष्यन्ते |
| भ्लासिष्यसे भ्लासिष्येथे भ्लासिष्यध्वे |
| भ्लासिष्ये भ्लासिष्यावहे भ्लासिष्यामहे |
| अ० भ्लासिष्यत अभ्लासिष्येताम् अभ्लासिष्यन्त |
| अभ्लासिष्यथाः अभ्लासिष्येथाम् |
| अभ्लासिष्यध्वम् अभ्लासिष्ये |
| अभ्लासिष्यावहि अभ्लासिष्यामहि |

849 रासृङ् (रास्) शब्दे ।

| | | |
|----------|---------|---------|
| व० रासते | रासेते | रासन्ते |
| राससे | रासेथे | रासध्वे |
| रासे | रासावहे | रासामहे |

| | | |
|----------|------------|-----------|
| स० रासेत | रासेयाताम् | रासेरन् |
| रासेथाः | रासेयाथाम् | रासेध्वम् |
| रासेय | रासेवहि | रासेमहि |

| | | |
|------------|----------|-----------|
| प० रासताम् | रासेताम् | रासन्ताम् |
| रासस्थ | रासेथाम् | रासध्वम् |
| रासे | रासावहे | रासामहे |

| | | |
|----------|-----------|-----------|
| अ० अरासत | अरासेताम् | अरासन्त |
| अरासथाः | अरासेथाम् | अरासध्वम् |
| अरासे | अरासवहि | अरासमहि |

| | | |
|-------------|-------------|--------------|
| अ० अरासिष्ट | अरासिषाताम् | अरासिषत |
| अरासिष्ठाः | अरासिषाथाम् | अरासिद्ध्वम् |
| | | —ध्वम् |
| अरासिषि | अरासिष्वहि | अरासिमहि |

| | | |
|----------|----------|-----------|
| १० ररासे | ररासाते | ररासिरे |
| ररासिषे | ररासाथे | ररासिध्वे |
| ररासे | ररासिवहे | ररासिमहे |

| | | |
|--------------|----------------|-------------|
| आ० रासिषीष्ट | रासिषीयास्ताम् | रासिषीरन् |
| रासिषीष्ठाः | रासिषीयाथाम् | रासिषीध्वम् |
| रासिषीय | रासिषीवहि | रासिषीमहि |

| | | |
|-----------|-------------|-------------|
| अ० रासिता | रासितारौ | रासितारः |
| रासितासे | रासितासाथे | रासिताध्वे |
| रासिताहे | रासितास्वहे | रासितास्महे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ० रासिष्यते | रासिष्येते | रासिष्यन्ते |
| रासिष्यसे | रासिष्येथे | रासिष्यध्वे |
| रासिष्ये | रासिष्यावहे | रासिष्यामहे |

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| क्रि० अरासिष्यत | अरासिष्येताम् | अरासिष्यन्त |
| अरासिष्यथाः | अरासिष्येथाम् | अरासिष्यध्वम् |
| अरासिष्ये | अरासिष्यावहि | अरासिष्यामहि |

850 नासृङ् (नास्) शब्दे

पाठेधात्वादेरिति नत्वे ।

| | | |
|----------|---------|---------|
| व० नासतः | नासेते | नासन्ते |
| नाससे | नासेथे | नासध्वे |
| नासे | नासावहे | नासामहे |

| | | |
|----------|------------|-----------|
| स० नासेत | नासेयाताम् | नासेरन् |
| नासेथाः | नासेयाथाम् | नासेध्वम् |
| नासेय | नासेवहि | नासेमहि |

| | | |
|------------|----------|-----------|
| प० नासताम् | नासेताम् | नासन्ताम् |
| नासस्थ | नासेथाम् | नासध्वम् |
| नासे | नासावहे | नासामहे |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| ह्य० अनासत | अनासेताम् | अनासन्त |
| अनासथाः | अनासेथाम् | अनासध्वम् |
| अनासे | अनासावहि | अनासामहि |

| | | |
|-------------|-------------|--------------|
| अ० अनासिष्ट | अनासिषाताम् | अनासिषत |
| अनासिष्ठाः | अनासिषाथाम् | अनासिद्ध्वम् |
| | | —ध्वम् |
| अनासिषि | अनासिष्वहि | अनासिमहि |

| | | |
|----------|----------|-----------|
| प० ननासे | ननासाते | ननासिरे |
| ननासिषे | ननासाथे | ननासिध्वे |
| ननासे | ननासिवहे | ननासिमहे |

| | | |
|--------------|----------------|-------------|
| आ० नासिषीष्ट | नासिषीयास्ताम् | नासिषीरन् |
| नासिषीष्ठाः | नासिषीयाथाम् | नासिषीध्वम् |
| नासिषीय | नासिषीवहि | नासिषीमहि |

| | | |
|-----------|-------------|-------------|
| अ० नासिता | नासितारौ | नासितारः |
| नासितासे | नासितासाथे | नासिताध्वे |
| नासिताहे | नासितास्वहे | नासितास्महे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ० नासिष्यते | नासिष्येते | नासिष्यन्ते |
| नासिष्यसे | नासिष्येथे | नासिष्यध्वे |
| नासिष्ये | नासिष्यावहे | नासिष्यामहे |

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| क्रि० अनासिष्यत | अनासिष्येताम् | अनासिष्यन्त |
| अनासिष्यथाः | अनासिष्येथाम् | अनासिष्यध्वम् |
| अनासिष्ये | अनासिष्यावहि | अनासिष्यामहि |

851 णसि (नस्) कौटिल्ये

| | | | |
|-------|------------|---------------|--------------|
| व० | नसते | नसेते | नसन्ते |
| | नससे | नसेथे | नसध्वे |
| | नसे | नसावहे | नसामहे |
| स० | नसेत | नसेयाताम् | नसेरन् |
| | नसेथाः | नसेयाथाम् | नसेध्वम् |
| | नसेय | नसेवहि | नसेमहि |
| प० | नसताम् | नसेताम् | नसन्ताम् |
| | नसस्व | नसेथाम् | नसध्वम् |
| | नस | नसावहे | नसामहे |
| झ० | अनसत | अनसेताम् | अनसन्त |
| | अनसथाः | अनसथाम् | अनसध्वम् |
| | अनसे | अनसावहि | अनसामहि |
| अ० | अनसिष्ट | अनसिषाताम् | अनसिषत |
| | अनसिष्ठाः | अनसिषाथाम् | अनसिद्ध्वम् |
| | | | -ध्वम् |
| | अनसिषि | अनसिष्वहि | अनसिष्महि |
| प० | नेसे | नेसाते | नेसिरे |
| | नेसिषे | नेसाथे | नेसिध्वे |
| | नेसे | नेसिवहे | नेसिमहे |
| आ० | नसिषीष्ट | नसिषीयास्ताम् | नसिषीरन् |
| | नसिषीष्ठाः | नसिषीयास्थाम् | नसिषीध्वम् |
| | नसिषीय | नसिषीवहि | नसिषीमहि |
| श्व० | नसिता | नसितारौ | नसितारः |
| | नसितासे | नसितासाथे | नसिताध्वे |
| | नसिताहे | नसितास्वहे | नसितास्महे |
| भ० | नसिष्यते | नसिष्येते | नसिष्यन्ते |
| | नसिष्यसे | नसिष्येथे | नसिष्यध्वे |
| | नसिष्ये | नसिष्यावहे | नसिष्यामहे |
| क्रि० | अनसिष्यत | अनसिष्येताम् | अनसिष्यन्त |
| | अनसिष्यथाः | अनसिष्येथाम् | अनसिष्यध्वम् |
| | अनसिष्ये | अनसिष्यावहि | अनसिष्यामहि |

852 भ्यसि (भ्यस्) भये ।

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | भ्यसते | भ्यसेते | भ्यसन्ते |
| | भ्यससे | भ्यसेथे | भ्यसध्वे |
| | भ्यसे | भ्यसावहे | भ्यसामहे |
| स० | भ्यसेत | भ्यसेयाताम् | भ्यसेरन् |
| | भ्यसेथाः | भ्यसेयाथाम् | भ्यसेध्वम् |
| | भ्यसेय | भ्यसेवहि | भ्यसेमहि |
| प० | भ्यसताम् | भ्यसेताम् | भ्यसन्ताम् |
| | भ्यसस्व | भ्यसेथाम् | भ्यसध्वम् |
| | भ्यसै | भ्यसावहे | भ्यसामहे |
| झ० | अभ्यसत | अभ्यसेताम् | अभ्यसन्त |
| | अभ्यसथाः | अभ्यसेथाम् | अभ्यसध्वम् |
| | अभ्यसे | अभ्यसावहि | अभ्यसामहि |
| अ० | अभ्यसिष्ट | अभ्यसिषाताम् | अभ्यसिषत |
| | अभ्यसिष्ठाः | अभ्यसिषाथाम् | अभ्यसिद्ध्वम् |
| | | | -ध्वम् |
| | अभ्यसिषि | अभ्यसिष्वहि | अभ्यसिष्महि |
| प० | बभ्यसे | बभ्यसाते | बभ्यसिरे |
| | बभ्यसिषे | बभ्यसाथे | बभ्यसिध्वे |
| | बभ्यसे | बभ्यसिवहे | बभ्यसिमहे |
| आ० | भ्यसिषीष्ट | भ्यसिषीयास्ताम् | भ्यसिषीरन् |
| | भ्यसिषीष्ठाः | भ्यसिषीयास्थाम् | भ्यसिषीध्वम् |
| | भ्यसिषीय | भ्यसिषीवहि | भ्यसिषीमहि |
| श्व० | भ्यसिता | भ्यसितारौ | भ्यसितारः |
| | भ्यसितासे | भ्यसितासाथे | भ्यसिताध्वे |
| | भ्यसिताहे | भ्यसितास्वहे | भ्यसितास्महे |
| भ० | भ्यसिष्यते | भ्यसिष्येते | भ्यसिष्यन्ते |
| | भ्यसिष्यसे | भ्यसिष्येथे | भ्यसिष्यध्वे |
| | भ्यसिष्ये | भ्यसिष्यावहे | भ्यसिष्यामहे |
| क्रि० | अभ्यसिष्यत | अभ्यसिष्येताम् | अभ्यसिष्यन्त |
| | अभ्यसिष्यथाः | अभ्यसिष्येथाम् | अभ्यसिष्यध्वम् |
| | अभ्यसिष्ये | अभ्यसिष्यावहि | अभ्यसिष्यामहि |

853 आङ्गशमुङ् (आशंस) इच्छायाम्

आङ्ग इति आङ्गपर एवायं प्रयुज्यते ना-
न्योपसर्गाच्चादि केवल इति ज्ञापनार्थम्

ब० आशंसते आशंसेते आशंसन्ते
आशंससे आशंसेथे आशंसध्वे
आशंसे आशंसावहे आशंसामहे

स० आशंसेन आशंसेयाताम् आशंसेरन्
आशंसेथाः आशंसेयाताम् आशंसेध्वम्
आशंसेय आशंसेवहि आशंसेमहि

प० आशंसताम् आशंसताम् आशंसन्ताम्
आशंसस्व आशंसेशाम् आशंसध्वम्
आशंसै आशंसावहे आशंसामहे

झ० आशंसत आशंसेनाम् आशंसन्त
आशंसथाः आशंसेयाम् आशंसध्वम्
आशंसे आशंसावहि आशंसामहि

भ० आशंसिष्ट आशंसिषाताम् आशंसिषत
आशंसिष्ठाः आशंसिषथाम् आशंसिद्ध्वम्
-ध्वम्

आशंसिषि आशंसिष्वहि आशंसिषमहि

प० आशंसंसे आशंसंसाते आशंसंसिरे
आशंसंसिषे आशंसंसाथे आशंसंसिध्वे
आशंसंसे आशंसंसिवहे आशंसंसिमहे

आशंसिषीष्ट आशंसिषीयास्ताम् आशंसिषीरन्
आशंसिषीष्ठाः आशंसिषीयास्थाम् आशंसिषी
ध्वम्

आशंसिषीय आशंसिषीवहि आशंसिषीमहि
श्व० आशंसिता आशंसितारौ आशंसितारः
आशंसितासे आशंसितासाथे आशंसिताध्वे

आशंसिताहे आशंसितास्वहे आशंसितास्महे
भ० आशंसिष्यते आशंसिष्येते आशंसिष्यन्ते
आशंसिष्यसे आशंसिष्येथे आशंसिष्यध्वे

आशंसिष्ये आशंसिष्यावहे आशंसिष्यामहे
क्रि० आशंसिष्यत आशंसिष्येताम् आशंसिष्यन्त
आशंसिष्यथाः आशंसिष्येथाम् आशंसिष्यध्वम्

आशंसिष्ये आशंसिष्यावहि आशंसिष्यामहि

854 ग्रसूङ् (ग्रस्) अदने ।

ब० ग्रसते ग्रसेते ग्रसन्ते
ग्रससे ग्रसेथे ग्रसध्वे
ग्रसे ग्रसावहे ग्रसामहे

स० ग्रसेत ग्रसेयाताम् ग्रसेरन्
ग्रसेथाः ग्रसेयाताम् ग्रसेध्वम्
ग्रसेय ग्रसेवहि ग्रसेमहि

प० ग्रसताम् ग्रसेताम् ग्रसन्ताम्
ग्रसस्व ग्रसेथाम् ग्रसध्वम्
ग्रसे ग्रसावहे ग्रसामहे

झ० अग्रसत अग्रसेताम् अग्रसन्त
अग्रसथाः अग्रसेयाम् अग्रसध्वम्
अग्रसे अग्रसावहि अग्रसामहि

अ० अग्रसिष्ट अग्रसिषाताम् अग्रसिषत
अग्रसिष्ठाः अग्रसिषाथाम् अग्रसिद्ध्वम्
ध्वम्

अग्रसिषि अग्रसिष्वहि अग्रसिषमहि
प० जग्रसे जग्रसाते जग्रसिरे
जग्रसिषे जग्रसाथे जग्रसिध्वे

जग्रसे जग्रसावहे जग्रसिमहे
आ० ग्रसिषीष्ट ग्रसिषीयास्ताम् ग्रसिषीरन्
ग्रसिषीष्ठाः ग्रसिषीयास्थाम् ग्रसिषीध्वम्

ग्रसिषीय ग्रसिषीवहि ग्रसिषीमहि
श्व० ग्रसिता ग्रसितारौ ग्रसितारः
ग्रसितासे ग्रसितासाथे ग्रसिताध्वे

ग्रसिताहे ग्रसितास्वहे ग्रसितास्महे
भ० ग्रसिष्यते ग्रसिष्येते ग्रसिष्यन्ते
ग्रसिष्यसे ग्रसिष्येथे ग्रसिष्यध्वे

ग्रसिष्ये ग्रसिष्यावहे ग्रसिष्यामहे
क्रि० अग्रसिष्यन्त अग्रसिष्येताम् अग्रसिष्यन्त
अग्रसिष्यथाः अग्रसिष्येथाम् अग्रसिष्यध्वम्

अग्रसिष्ये अग्रसिष्यावहि अग्रसिष्यामहि

855 गलसृक् (गलस्) सृज्ते

| | | |
|-----------------|---------------|-----------------------|
| ब० गलसते | गलसेते | गलसन्ते |
| गलससे | गलसेथे | गलसध्वे |
| गलसे | गलसावहे | गलसामहे |
| स० गलसेन | गलसेयाताम् | गलसेरन् |
| गलसेथाः | गलसेयाथाम् | गलसेध्वम् |
| गलसेय | गलसेवहि | गलसेमहि |
| प० गलसताम् | गलसेताम् | गलसन्ताम् |
| गलसस्व | गलसेथाम् | गलसध्वम् |
| गलसे | गलसावहे | गलसामहे |
| झ० अगलसन | अगलसेताम् | अगलसन्त |
| अगलसथाः | अगलसेथाम् | अगलसध्वम् |
| अगलसे | अगलसावहि | अगलसामहि |
| अ० अगलसिष्ट | अगलसिषाताम् | अगलसिषत |
| अगलसिष्ठाः | अगलसिषाथाम् | अगलसिद्ध्वम् |
| | | -ध्वम् |
| | अगलसिषि | अगलसिष्वहि अगलसिष्महि |
| प० जगलसे | जगलसाते | जगलसिरे |
| जगलसिषे | जगलसाथे | जगलसिध्वे |
| जगलसे | जगलसावहे | जगलसिमहे |
| भा० गलसिषीष्ट | गलसिषीयाताम् | गलसिषीरन् |
| गलसिषीष्ठाः | गलसिषीयाथाम् | गलसिषीध्वम् |
| गलसिषीय | गलसिषीवहि | गलसिषीमहि |
| भ० गलसिता | गलसितारौ | गलसितारः |
| गलसितासे | गलसितासाथे | गलसिताध्वे |
| गलसिताहे | गलसितास्वहे | गलसितास्महे |
| भ० गलसिष्यते | गलसिष्येते | गलसिष्यन्ते |
| गलसिष्यसे | गलसिष्येथे | गलसिष्यध्वे |
| गलसिष्ये | गलसिष्यावहे | गलसिष्यामहे |
| क्रि० अगलसिष्यत | अगलसिष्येताम् | अगलसिष्यन्त |
| अगलसिष्यथाः | अगलसिष्येथाम् | अगलसिष्यध्वम् |
| अगलसिष्ये | अगलसिष्यावहि | अगलसिष्यामहि |

856 घसृक् (घंस्) करणे ।

| | | |
|-----------------|---------------|-----------------------|
| ब० घंसते | घंसेते | घंसन्ते |
| घंससे | घंसेथे | घंसध्वे |
| घंसे | घंसावहे | घंसामहे |
| स० घंसेत | घंसेयाताम् | घंसेरन् |
| घंसेथाः | घंसेयाथाम् | घंसेध्वम् |
| घंसेय | घंसेवहि | घंसेमहि |
| प० घंसताम् | घंसेताम् | घसन्ताम् |
| घंसस्व | घंसेथाम् | घंसध्वम् |
| घंसे | घंसावहे | घंसामहे |
| झ० अघंसत | अघंसेताम् | अघंसन्त |
| अघंसथाः | अघंसेथाम् | अघंसध्वम् |
| अघंसे | अघंसावहि | अघंसामहि |
| अ० अघंसिष्ट | अघंसिषाताम् | अघंसिषत |
| अघंसिष्ठाः | अघंसिषाथाम् | अघंसिद्ध्वम् |
| | | -ध्वम् |
| | अघंसिषि | अघंसिष्वहि अघंसिष्महि |
| प० जघंसे | जघंसाते | जघंसिरे |
| जघंसिषे | जघंसाथे | जघंसिध्वे |
| जघंसे | जघंसावहे | जघंसिमहे |
| भा० घंसिषीष्ट | घंसिषीयाताम् | घंसिषीरन् |
| घंसिषीष्ठाः | घंसिषीयाथाम् | घंसिषीध्वम् |
| घंसिषीय | घंसिषीवहि | घंसिषीमहि |
| भ० घंसिता | घंसितारौ | घंसितारः |
| घंसितासे | घंसितासाथे | घंसिताध्वे |
| घंसिताहे | घंसितास्वहे | घंसितास्महे |
| भ० घंसिष्यते | घंसिष्येते | घंसिष्यन्ते |
| घंसिष्यसे | घंसिष्येथे | घंसिष्यध्वे |
| घंसिष्ये | घंसिष्यावहे | घंसिष्यामहे |
| क्रि० अघंसिष्यत | अघंसिष्येताम् | अघंसिष्यन्त |
| अघंसिष्यथाः | अघंसिष्येथाम् | अघंसिष्यध्वम् |
| अघंसिष्ये | अघंसिष्यावहि | अघंसिष्यामहि |

अथ हान्ता अष्टादश सेटश्च

857 ईहि (ईह्) चेष्टायाम् ।

| | | |
|----------------|---------------|----------------------|
| व० ईहते | ईहेते | ईहन्ते |
| ईहसे | ईहेथे | ईहध्वे |
| ईहे | ईहावहे | ईहामहे |
| स० ईहेत | ईहेयाताम् | ईहेरन् |
| ईहेथाः | ईहेयाथाम् | ईहेध्वम् |
| ईहेय | ईहेवहि | ईहेमहि |
| प० ईहताम् | ईहेताम् | ईहन्ताम् |
| ईहस्व | ईहेथाम् | ईहध्वम् |
| ईहै | ईहावहै | ईहामहै |
| १० पेहत | पेहेताम् | पेहन्त |
| पेहथाः | पेहेथाम् | पेहध्वम् |
| पेहे | पेहावहि | पेहामहि |
| अ० पेहिष्ट | पेहिषाताम् | पेहिषत |
| पेहिष्ठाः | पेहिषाथाम् | पेहि- |
| | | डध्वम् ध्वम् |
| पेहिषि | पेहिष्वहि | पेहिषमहि |
| प० ईहाश्चके | ईहाश्चकते | ईहाश्चक्रे |
| ईहाश्चकृषे | ईहाश्चक्रथे | ईहाश्चकृध्व |
| ईहाश्चके | ईहाश्चकृवहे | ईहाश्चकृमहे |
| | | ईहाम्बभूव । ईहामास । |
| आ० ईहिषीष्ट | ईहिषीयास्ताम् | ईहिषीरन् |
| ईहिषीष्ठाः | ईहिषीयास्थाम् | ईहिषीध्वम् |
| ईहिषीय | ईहिषीवहि | ईहिषीमहि |
| प्रथ० ईहिता | ईहितारौ | ईहितारः |
| ईहितासे | ईहितासाथे | ईहिताध्वे |
| ईहिताहे | ईहितास्वहे | ईहितास्महे |
| भ० ईहिष्यते | ईहिष्येते | ईहिष्यन्ते |
| ईहिष्यसे | ईहिष्येथे | ईहिष्यध्वे |
| ईहिष्ये | ईहिष्यावहे | ईहिष्यामहे |
| क्रि० पेहिष्यत | पेहिष्येताम् | पेहिष्यन्त |
| पेहिष्यथाः | पेहिष्येथाम् | पेहिष्यध्वम् |
| पेहिष्ये | पेहिष्यावहि | पेहिष्यामहि |

858 अहुङ् (अंह्) गतौ ।

| | | |
|----------------|----------------|--------------|
| व० अंहते | अंहते | अंहन्ते |
| अंहसे | अंहथे | अंहध्वे |
| अंहै | अंहावहे | अंहामहे |
| स० अंहेत | अंहैयाताम् | अंहेरन् |
| अंहैयाः | अंहैयाथाम् | अंहैध्वम् |
| अंहय | अंहैवहि | अंहैमहि |
| प० अंहताम् | अंहैताम् | अंहन्ताम् |
| अंहस्व | अंहैथाम् | अंहध्वम् |
| अंहै | अंहावहै | अंहामहै |
| ह्य० आंहत | आंहैताम् | आंहन्त |
| आंहथाः | आंहैथाम् | आंहध्वम् |
| आंहै | आंहावहि | आंहामहि |
| अ० आंहिष्ट | आंहिषाताम् | आंहिषत |
| द्व० आंहिष्ठाः | आंहिषाथाम् | आंहिडध्वम् |
| | | द्व० ध्वम् |
| आंहिषि | आंहिष्वहि | आंहिषमहि |
| प० आनंहै | आनंहाते | आनंहिरे |
| आनंहिषे | आनंहाथे | आनंहिध्वे |
| आनंहै | आनंहिवहे | आनंहिमहे |
| आ० अंहिषीष्ट | अंहिषीयास्ताम् | अंहिषीरन् |
| अंहिषीष्ठाः | अंहिषीयास्थाम् | अंहिषीध्वम् |
| अंहिषीय | अंहिषीवहि | अंहिषीमहि |
| श्व० अंहिता | अंहितारौ | अंहितारः |
| अंहितासे | अंहितासाथे | अंहिताध्वे |
| अंहिताहे | अंहितास्वहे | अंहितास्महे |
| भ० अंहिष्यते | अंहिष्येते | अंहिष्यन्ते |
| अंहिष्यसे | अंहिष्येथे | अंहिष्यध्वे |
| अंहिष्ये | अंहिष्यावहे | अंहिष्यामहे |
| क्र० अंहिष्यत | अंहिष्येताम् | अंहिष्यन्त |
| अंहिष्यथाः | अंहिष्येथाम् | अंहिष्यध्वम् |
| अंहिष्ये | अंहिष्यावहि | अंहिष्यामहि |

859 प्लेहि (प्लिह्) गतौ ।

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| व० प्लेहते | प्लेहेते | प्लेहन्ते |
| प्लेहसे | प्लेहेथे | प्लेहध्वे |
| प्लेहे | प्लेहावहे | प्लेहामहे |
| स० प्लेहेत | प्लेहेयाताम् | प्लेहेरन् |
| प्लेहेथाः | प्लेहेयाथाम् | प्लेहेध्वम् |
| प्लेहेय | प्लेहेवहि | प्लेहेमहि |
| प० प्लेहताम् | प्लेहेताम् | प्लेहन्ताम् |
| प्लेहस्व | प्लेहेथाम् | प्लेहध्वम् |
| प्लेहै | प्लेहावहै | प्लेहामहै |
| झ० अप्लेहत | अप्लेहेताम् | अप्लेहन्त |
| अप्लेहथाः | अप्लेहेथाम् | अप्लेहध्वम् |
| अप्लेहे | अप्लेहावहि | अप्लेहामहि |
| अ० अप्लेहिष्ट | अप्लेहिषाताम् | अप्लेहिषन्त |
| अप्लेहिष्ठाः | अप्लेहिषाथाम् | अप्लेहिषध्वम् |
| अप्लेहिष्ये | अप्लेहिष्यावहि | अप्लेहिष्यामहि |
| प० पिप्लिहते | पिप्लिहाते | पिप्लिहन्ते |
| पिप्लिहसे | पिप्लिहाथे | पिप्लिहध्वे |
| पिप्लिहे | पिप्लिहवहे | पिप्लिहामहे |
| आ० प्लेहिषीष्ट | प्लेहिषीयास्ताम् | प्लेहिषीरन् |
| प्लेहिषीष्ठाः | प्लेहिषीयास्थाम् | प्लेहिषीध्वम् |
| प्लेहिषीय | प्लेहिषीवहि | प्लेहिषीमहि |
| प्र० प्लहिता | प्लहितारौ | प्लहितारः |
| प्लहितासे | प्लहितासाथे | प्लहिताध्वे |
| प्लहिताहे | प्लहितास्वहे | प्लहितास्महे |
| भ० प्लेहिष्यते | प्लेहिष्येते | प्लेहिष्यन्ते |
| प्लेहिष्यसे | प्लेहिष्येथे | प्लेहिष्यध्वे |
| प्लेहिष्ये | प्लेहिष्यावहे | प्लेहिष्यामहे |
| क्र० अप्लेहिष्यत | अप्लेहिष्येताम् | अप्लेहिष्यन्त |
| अप्लेहिष्यथाः | अप्लेहिष्येथाम् | अप्लेहिष्यध्वम् |
| अप्लेहिष्ये | अप्लेहिष्यावहि | अप्लेहिष्यामहि |

860 गहि (गह्) कुत्सने ।

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| व० गहते | गहेते | गहन्ते |
| गहसे | गहेथे | गहध्वे |
| गहे | गहावहे | गहामहे |
| स० गहेत | गहेयाताम् | गहेरन् |
| गहेथाः | गहेयाथाम् | गहेध्वम् |
| गहेय | गहेवहि | गहेमहि |
| प० गहताम् | गहेताम् | गहन्ताम् |
| गहस्व | गहेथाम् | गहध्वम् |
| गहै | गहावहै | गहामहै |
| झ० अगहत | अगहेताम् | अगहन्त |
| अगहथाः | अगहेथाम् | अगहध्वम् |
| अगहे | अगहावहि | अगहामहि |
| अ० अगहिष्ट | अगहिषाताम् | अगहिषन्त |
| अगहिष्ठाः | अगहिषाथाम् | अगहिषध्वम् |
| अगहिष्ये | अगहिष्यावहि | अगहिष्यामहि |
| प० जगहे | जगहाते | जगहन्ते |
| जगहसे | जगहेथे | जगहध्वे |
| जगहे | जगहावहे | जगहामहे |
| आ० गहिषीष्ट | गहिषीयास्ताम् | गहिषीरन् |
| गहिषीष्ठाः | गहिषीयास्थाम् | गहिषीध्वम् |
| गहिषीय | गहिषीवहि | गहिषीमहि |
| प्र० गहिता | गहितारौ | गहितारः |
| गहितासे | गहितासाथे | गहिताध्वे |
| गहिताहे | गहितास्वहे | गहितास्महे |
| भ० गहिष्यते | गहिष्येते | गहिष्यन्ते |
| गहिष्यसे | गहिष्येथे | गहिष्यध्वे |
| गहिष्ये | गहिष्यावहे | गहिष्यामहे |
| क्र० अगहिष्यत | अगहिष्येताम् | अगहिष्यन्त |
| अगहिष्यथाः | अगहिष्येथाम् | अगहिष्यध्वम् |
| अगहिष्ये | अगहिष्यावहि | अगहिष्यामहि |

861 गलिह (गल्ह) कुत्सने ।

| | | |
|----------------|----------------|--------------|
| व० गल्हते | गल्हते | गल्हन्ते |
| गल्हसे | गल्हथे | गल्हध्वे |
| गल्हे | गल्हावहे | गल्हामहे |
| स० गल्हेत | गल्हेयाताम् | गल्हेरन् |
| गल्हेथाः | गल्हेयाथाम् | गल्हेध्वम् |
| गल्हेय | गल्हेवहि | गल्हेमहि |
| प० गल्हताम् | गल्हेताम् | गल्हन्ताम् |
| गल्हस्व | गल्हेथाम् | गल्हध्वम् |
| गल्है | गल्हावहै | गल्हामहै |
| झ० अगल्हत | अगल्हेताम् | अगल्हन्त |
| अगल्हथाः | अगल्हेथाम् | अगल्हध्वम् |
| अगल्हे | अगल्हावहि | अगल्हामहि |
| ञ० अगलिह्यत | अगलिह्यताम् | अगलिह्यन्त |
| अगलिह्यथाः | अगलिह्यथाम् | अगलिह्यध्वम् |
| अगलिह्ये | अगलिह्यावहि | अगलिह्यामहि |
| ट० गलिहषि | अगलिह्यवहि | अगलिह्यमहि |
| जगल्हे | जगल्हाते | जगल्हरे |
| जगल्हसे | जगल्हथे | जगल्हध्वे |
| जगल्हे | जगल्हावहे | जगल्हामहे |
| आ० गलिहषीष्ट | गलिहषीयास्ताम् | गलिहषीरन् |
| गलिहषीष्टाः | गलिहषीयास्थाम् | गलिहषीध्वम् |
| गलिहषीय | गलिहषीवहि | गलिहषीमहि |
| इ० गलिहता | गलिहतारौ | गलिहतारः |
| गलिहतासे | गलिहतासाथे | गलिहताध्वे |
| गलिहताहे | गलिहतास्वहे | गलिहतास्महे |
| अ० गलिह्यते | गलिह्येते | गलिह्यन्ते |
| गलिह्यसे | गलिह्येथे | गलिह्यध्वे |
| गलिह्ये | गलिह्यावहे | गलिह्यामहे |
| क्रि० अगलिह्यत | अगलिह्येताम् | अगलिह्यन्त |
| अगलिह्यथाः | अगलिह्येथाम् | अगलिह्यध्वम् |
| अगलिह्ये | अगलिह्यावहि | अगलिह्यामहि |

862 वहि (वह्) प्राधान्ये ।

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| व० वहते | वहते | वहन्ते |
| वहसे | वहथे | वहध्वे |
| वहे | वहावहे | वहामहे |
| स० वहेत | वहेयाताम् | वहेरन् |
| वहेथाः | वहेयाथाम् | वहेध्वम् |
| वहेय | वहेवहि | वहेमहि |
| प० वहताम् | वहेताम् | वहन्ताम् |
| वहस्व | वहेथाम् | वहध्वम् |
| वहै | वहावहै | वहामहै |
| झ० अवहत | अवहेताम् | अवहन्त |
| अवहथाः | अवहेथाम् | अवहध्वम् |
| अवहे | अवहावहि | अवहामहि |
| अ० अवहिष्ट | अवहिषाताम् | अवहिषन्त |
| अवहिषाः | अवहिषाथाम् | अवहिषध्वम् |
| अवहिषे | अवहिषवहि | अवहिषमहि |
| प० अवहे | ववहाते | ववहरे |
| ववहसे | ववहथे | ववहध्वे |
| ववहे | ववहावहे | ववहामहे |
| आ० वहिषीष्ट | वहिषीयास्ताम् | वहिषीरन् |
| वहिषीष्टाः | वहिषीयास्थाम् | वहिषीध्वम् |
| वहिषीय | वहिषीवहि | वहिषीमहि |
| इ० वहिता | वहितारौ | वहितारः |
| वहितासे | वहितासाथे | वहिताध्वे |
| वहिताहे | वहितास्वहे | वहितास्महे |
| अ० वह्यते | वह्येते | वह्यन्ते |
| वह्यसे | वह्येथे | वह्यध्वे |
| वह्ये | वह्यावहे | वह्यामहे |
| क्रि० अवह्यत | अवह्येताम् | अवह्यन्त |
| अवह्यथाः | अवह्येथाम् | अवह्यध्वम् |
| अवह्ये | अवह्यावहि | अवह्यामहि |

863 बलिह् (बलिह्) प्राधान्ये ।

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| ब० बलहते | बलहेते | बलहन्ते |
| बलहसे | बलहेथे | बलहध्वं |
| बलहे | बलहावहे | बलहामहे |
| स० बलहेत | बलहेयाताम् | बलहेरन् |
| बलहेथाः | बलहेयाथाम् | बलहेध्वम् |
| बलहेय | बलहेवहि | बलहेमहि |
| प० बलहताम् | बलहेताम् | बलहन्ताम् |
| बलहस्व | बलहेथाम् | बलहध्वम् |
| बलहे | बलहावहे | बलहामहे |
| झ० अबलहत | अबलहेताम् | अबलहन्त |
| अबलहथाः | अबलहेथाम् | अबलहध्वम् |
| अबलहे | अबलहावहि | अबलहामहि |
| अ० अवलिहष्ट | अवलिहषाताम् | अवलिहषत |
| अवलिहष्टाः | अवलिहषाथाम् | अवलिहध्वम् |
| | अवलिहषामहि | अवलिहषमहि |
| प० बबलहे | बबलिहाते | बबलिहरे |
| बबलिहसे | बबलिहाथे | बबलिहध्वं द्वे |
| बबलहे | बबलिहवहे | बबलिहमहे |
| आ० बलिहषीष्ट | बलिहषीयास्ताम् | बलिहषीरन् |
| बलिहषीष्टाः | बलिहषीयाथाम् | बलिहषीध्वम् |
| बलिहषीय | बलिहषीवहि | बलिहषीमहि |
| श्व० बलिहता | बलिहतारौ | बलिहतारः |
| बलिहतासे | बलिहतामाथे | बलिहताध्वे |
| बलिहताहे | बलिहतास्वहे | बलिहतास्महे |
| भ० बलिहस्यते | बलिहस्येते | बलिहस्यन्ते |
| बलिहस्यसे | बलिहस्येथे | बलिहस्यध्वे |
| बलिहस्ये | बलिहस्यावहे | बलिहस्यामहे |
| क्र० अबलिहस्यत | अबलिहस्येताम् | अबलिहस्यन्त |
| अबलिहस्यथाः | अबलिहस्येथाम् | अबलिहस्यध्वम् |
| अबलिहस्ये | अबलिहस्यावहि | अबलिहस्यामहि |

864 बहि (बह्) परिभाषण-
हिंसाच्छादनेषु ।

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| ब० बहते | बहेते | बहन्ते |
| बहसे | बहेथे | बहध्वं |
| बहे | बहावहे | बहामहे |
| स० बहेत | बहेयाताम् | बहेरन् |
| बहेथाः | बहेयाथाम् | बहेध्वम् |
| बहेय | बहेवहि | बहेमहि |
| प० बहताम् | बहेताम् | बहन्ताम् |
| बहस्व | बहेथाम् | बहध्वम् |
| बहे | बहावहे | बहामहे |
| झ० अबहत | अबहेताम् | अबहन्त |
| अबहथाः | अबहेथाम् | अबहध्वम् |
| अबहे | अबहावहि | अबहामहि |
| अ० अबहिष्ट | अबहिषाताम् | अबहिषत |
| अबहिष्टाः | अबहिषाथाम् | अबहिध्वम् |
| | अबहिषामहि | अबहिषमहि |
| प० बबहे | बबहाते | बबहिरे |
| बबहिसे | बबहाथे | बबहिध्वं |
| बबहे | बबहावहे | बबहामहे |
| आ० बहिषीष्ट | बहिषीयास्ताम् | बहिषीरन् |
| बहिषीष्टाः | बहिषीयाथाम् | बहिषीध्वम् |
| बहिषीय | बहिषीवहि | बहिषीमहि |
| श्व० बहिता | बहितारौ | बहितारः |
| बहितासे | बहितामाथे | बहिताध्वे |
| बहिताहे | बहितास्वहे | बहितास्महे |
| भ० बहिस्यते | बहिस्येते | बहिस्यन्ते |
| बहिस्यसे | बहिस्येथे | बहिस्यध्वे |
| बहिस्ये | बहिस्यावहे | बहिस्यामहे |
| क्र० अबहिस्यत | अबहिस्येताम् | अबहिस्यन्त |
| अबहिस्यथाः | अबहिस्येथाम् | अबहिस्यध्वम् |
| अबहिस्ये | अबहिस्यावहि | अबहिस्यामहि |

865 बल्ह (बल्ह) परिभाषण

हिंसाच्छादनेषु ।

| | | |
|-------------|---------------|---------------|
| ब० बल्हते | बल्हते | बल्हन्ते |
| बल्हसे | बल्हथे | बल्हध्वे |
| बल्हे | बल्हावहे | बल्हामहे |
| स० बल्हेत | बल्हेयाताम् | बल्हेरन् |
| बल्हेथाः | बल्हेयाथाम् | बल्हेध्वम् |
| बल्हेय | बल्हेवहि | बल्हेमहि |
| प० बल्हताम् | बल्हेताम् | बल्हन्ताम् |
| बल्हस्व | बल्हेथाम् | बल्हध्वम् |
| बल्है | बल्हावहै | बल्हामहै |
| झ० अबल्हत | अबल्हेताम् | अबल्हन्त |
| अबल्हथाः | अबल्हेथाम् | अबल्हध्वम् |
| अबल्हे | अबल्हावहि | अबल्हामहि |
| अबल्हिष्ट | अबल्हिषाताम् | अबल्हिषन् |
| अबल्हिष्टाः | अबल्हिषाथाम् | अबल्हिषध्वम् |
| अबल्हिषे | अबल्हिषवहि | अबल्हिषमहि |
| अबल्हिष्यते | अबल्हिष्येते | अबल्हिष्यन्ते |
| अबल्हिष्यसे | अबल्हिष्येथे | अबल्हिष्यध्वे |
| अबल्हिष्ये | अबल्हिष्यावहे | अबल्हिष्यामहे |

आ० बल्हिषीष्ट बल्हिषीयास्ताम् बल्हिषीरन्
बल्हिषीष्टाः बल्हिषीयास्थाम् बल्हिषीध्वम्
बल्हिषीय बल्हिषीवहि बल्हिषीमहि

बल्हिता बल्हितारौ बल्हितारः
बल्हितासे बल्हितासाथे बल्हिताध्वे
बल्हिताहे बल्हितास्वहे बल्हितास्महे

अ बल्हिष्यते बल्हिष्येते बल्हिष्यन्ते
बल्हिष्यसे बल्हिष्येथे बल्हिष्यध्वे
बल्हिष्ये बल्हिष्यावहे बल्हिष्यामहे

क्रि० अबल्हिष्यत अबल्हिष्येताम् अबल्हिष्यन्त
अबल्हिष्यथाः अबल्हिष्येथाम् अबल्हिष्यध्वम्
अबल्हिष्ये अबल्हिष्यावहि अबल्हिष्यामहि

866 वेहृङ् (वेहृ) प्रपत्ने ।

| | | |
|----------|---------|---------|
| ब० वेहते | वेहेते | वेहन्ते |
| वेहसे | वेहेथे | वेहध्वे |
| वेहे | वेहावहे | वेहामहे |

स० वेहेत वेहेयाताम् वेहेरन्
वेहेथाः वेहेयाथाम् वेहेध्वम्
वेहेय वेहेवहि वेहेमहि

प० वेहताम् वेहेताम् वेहन्ताम्
वेहस्व वेहेथाम् वेहध्वम्
वेहै वेहावहै वेहामहै

झ० अवेहत अवेहेताम् अवेहन्त
अवेहथाः अवेहेथाम् अवेहध्वम्
अवेहे अवेहावहि अवेहामहि

अ० अवेहिष्ट अवेहिषाताम् अवेहिषन्
अवेहिष्टाः अवेहिषाथाम् अवेहिषध्वम्
अवेहिषे अवेहिषवहि अवेहिषमहि

अवेहिषि अवेहिष्वहि अवेहिषमहि
प० विवेहे विवेहाते विवेहिरे
विवेहिषे विवेहाथे विवेहिध्वे
विवेहे विवेहिवहे विवेहिमहे

आ० वेहिषीष्ट वेहिषीयास्ताम् वेहिषीरन्
वेहिषीष्टाः वेहिषीयास्थाम् वेहिषीध्वम्
वेहिषीय वेहिषीवहि वेहिषीमहि

अ० वेहिता वेहितारौ वेहितारः
वेहितासे वेहितासाथे वेहिताध्वे
वेहिताहे वेहितास्वहे वेहितास्महे

अ० वेहिष्यते वेहिष्येते वेहिष्यन्ते
वेहिष्यसे वेहिष्येथे वेहिष्यध्वे
वेहिष्ये वेहिष्यावहे वेहिष्यामहे

क्रि० अवेहिष्यत अवेहिष्येताम् अवेहिष्यन्त
अवेहिष्यथाः अवेहिष्येथाम् अवेहिष्यध्वम्
अवेहिष्ये अवेहिष्यावहि अवेहिष्यामहि

867 जेहृङ् (जेहृ) प्रयत्ने ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० जेहते | जेहेते | जेहन्ते |
| जेहसे | जेहेथे | जेहध्वे |
| जेहे | जेहावहे | जेहामहे |
| स० जेहेत | जेहेयाताम् | जेहेरन् |
| जेहेथाः | जेहेयाथाम् | जेहेध्वम् |
| जेहेय | जेहेवहि | जेहेमहि |
| प० जेहताम् | जेहेताम् | जेहन्ताम् |
| जेहस्व | जेहेयाम् | जेहध्वम् |
| जेहे | जेहावहे | जेहामहे |
| झ० अजेहत | अजेहेताम् | अजेहन्त |
| अजेहथाः | अजेहेथाम् | अजेहध्वम् |
| अजेहे | अजेहावहि | अजेहामहि |
| अ० अजेहिष्ट | अजेहिषाताम् | अजेहिषन् |
| अजेहिष्ठाः | अजेहिषाथाम् | अजेहिद्ध्वम् |
| | | द्वम्-ध्वम् |
| अजेहिषि | अजेहिष्वहि | अजेहिष्महि |
| प० जिजेहे | जिजेहाते | जिजेहिरे |
| जिजेहिषे | जिजेहाथे | जिजेहिध्वे |
| जिजेहे | जिजेहिवहे | जिजेहिमहे |
| आ० जेहिषीष्ट | जेहिषीयास्ताम् | जेहिषीरन् |
| जेहिषीष्ठाः | जेहिषीयास्थाम् | जेहिषीध्वम् |
| जेहिषीय | जेहिषीवहि | जेहिषीमहि |
| भ्व० जेहिता | जेहितारौ | जेहितारः |
| जेहितासे | जेहितासाथे | जेहिताध्वे |
| जेहिताहे | जेहितास्वहे | जेहितास्महे |
| भ० जेहिष्यते | जेहिष्येते | जेहिष्यन्ते |
| जेहिष्यसे | जेहिष्येथे | जेहिष्यध्वे |
| जेहिष्ये | जेहिष्यावहे | जेहिष्यामहे |
| क्रि० अजेहिष्यत | अजेहिष्येताम् | अजेहिष्यन्त |
| अजेहिष्यथाः | अजेहिष्येथाम् | अजेहिष्यध्वम् |
| अजेहिष्ये | अजेहिष्यावहि | अजेहिष्यामहि |

868 वाहृङ् (वाहृ) प्रयत्ने ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० वाहते | वाहेते | वाहन्ते |
| वाहसे | वाहेथे | वाहध्वे |
| वाहे | वाहावहे | वाहामहे |
| स० वाहेत | वाहेयाताम् | वाहेरन् |
| वाहेथाः | वाहेयाथाम् | वाहेध्वम् |
| वाहेय | वाहेवहि | वाहेमहि |
| प० वाहताम् | वाहेताम् | वाहन्ताम् |
| वाहस्व | वाहेयाम् | वाहध्वम् |
| वाहे | वाहावहे | वाहामहे |
| झ० अवाहत | अवाहेताम् | अवाहन्त |
| अवाहथाः | अवाहेथाम् | अवाहध्वम् |
| अवाहे | अवाहावहि | अवाहामहि |
| अ० अवाहिष्ट | अवाहिषाताम् | अवाहिषन् |
| अवाहिष्ठाः | अवाहिषाथाम् | अवाहिद्ध्वम् |
| | | द्वम्-ध्वम् |
| अवाहिषि | अवाहिष्वहि | अवाहिष्महि |
| प० ववाहे | ववाहाते | ववाहिरे |
| ववाहिषे | ववाहाथे | ववाहिध्वे |
| ववाहे | ववाहिवहे | ववाहिमहे |
| आ० वाहिषीष्ट | वाहिषीयास्ताम् | वाहिषीरन् |
| वाहिषीष्ठाः | वाहिषीयास्थाम् | वाहिषीध्वम् |
| वाहिषीय | वाहिषीवहि | वाहिषीमहि |
| भ्व० वाहिता | वाहितारौ | वाहितारः |
| वाहितासे | वाहितासाथे | वाहिताध्वे |
| वाहिताहे | वाहितास्वहे | वाहितास्महे |
| भ० वाहिष्यते | वाहिष्येते | वाहिष्यन्ते |
| वाहिष्यसे | वाहिष्येथे | वाहिष्यध्वे |
| वाहिष्ये | वाहिष्यावहे | वाहिष्यामहे |
| क्रि० अवाहिष्यत | अवाहिष्येताम् | अवाहिष्यन्त |
| अवाहिष्यथाः | अवाहिष्येथाम् | अवाहिष्यध्वम् |
| अवाहिष्ये | अवाहिष्यावहि | अवाहिष्यामहि |

869 द्राह् (द्राह्) निक्षेपे ।

निद्राक्षेपे इत्येके ।

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| व० द्राहते | द्राहेते | द्राहन्ते |
| द्राहसे | द्राहेथे | द्राहध्वे |
| द्राहे | द्राहावहे | द्राहामहे |
| स० द्राहेत | द्राहेयाताम् | द्राहेरन् |
| द्राहेथाः | द्राहेयाथाम् | द्राहध्वम् |
| द्राहेय | द्राहेवहि | द्राहेमहि |
| प० द्राहताम् | द्राहेताम् | द्राहन्ताम् |
| द्राहस्व | द्राहेथाम् | द्राहध्वम् |
| द्राहै | द्राहावहै | द्राहामहै |
| आ० अद्राहत | अद्राहेताम् | अद्राहन्त |
| अद्राहथाः | अद्राहेथाम् | अद्राहध्वम् |
| अद्राहे | अद्राहावहि | अद्राहामहि |
| अ० अद्राहिष्ट | अद्राहिषाताम् | अद्राहिषत |
| अद्राहिष्ठाः | अद्राहिषाथाम् | अद्राहिषध्वम् |
| अद्राहिषि | अद्राहिष्वहि | अद्राहिषमहि |
| प० दद्राहे | दद्राहाते | दद्राहरे |
| दद्राहिषे | दद्राहाथे | दद्राहिध्वे |
| दद्राहे | दद्राहिवहे | दद्राहमहे |
| आ० द्राहिषीष्ट | द्राहिषीयास्ताम् | द्राहिषीरन् |
| द्राहिषीष्ठाः | द्राहिषीयास्थाम् | द्राहिषीध्वम् |
| द्राहिषीय | द्राहिषीवहि | द्राहिषीमहि |
| श्व० द्राहिता | द्राहितारौ | द्राहितारः |
| द्राहितासे | द्राहितासाथे | द्राहिताध्वे |
| द्राहिताहे | द्राहितास्वहे | द्राहितास्महे |
| भ० द्राहिस्यते | द्राहिस्येते | द्राहिस्यन्ते |
| द्राहिस्यसे | द्राहिस्येथे | द्राहिस्यध्वे |
| द्राहिस्ये | द्राहिस्यावहे | द्राहिस्यामहे |
| क्र० अद्राहिस्यत | अद्राहिस्येताम् | अद्राहिस्यन्त |
| अद्राहिस्यथाः | अद्राहिस्येथाम् | अद्राहिस्यध्वम् |
| अद्राहिस्ये | अद्राहिस्यावहि | अद्राहिस्यामहि |

870 ऊहि (ऊह्) तर्क । तर्क उत्प्रेक्षा

| | | |
|--------------|---------------|--------------|
| व० ऊहते | ऊहेते | ऊहन्ते |
| ऊहसे | ऊहेथे | ऊहध्वे |
| ऊहे | ऊहावहे | ऊहामहे |
| स० ऊहेत | ऊहेयाताम् | ऊहेरन् |
| ऊहेथाः | ऊहेयाथाम् | ऊहध्वम् |
| ऊहेय | ऊहेवहि | ऊहेमहि |
| प० ऊहताम् | ऊहेताम् | ऊहन्ताम् |
| ऊहस्व | ऊहेथाम् | ऊहध्वम् |
| ऊहै | ऊहावहै | ऊहामहै |
| श्व० औहत | औहेताम् | औहन्त |
| औहथाः | औहेथाम् | औहध्वम् |
| औहे | औहावहि | औहामहि |
| अ० औहिष्ट | औहिषाताम् | औहिषत |
| औहिष्ठाः | औहिषाथाम् | औहिषध्वम् |
| औहिषि | औहिष्वहि | औहिषमहि |
| प० ऊहाञ्चके | ऊहाञ्चकाते | ऊहाञ्चक्रे |
| ऊहाञ्चक्रे | ऊहाञ्चकाथे | ऊहाञ्चकृध्वे |
| ऊहाञ्चके | ऊहाञ्चकृवहे | ऊहाञ्चकृमहे |
| ऊहाञ्चभूव | ऊहामास | |
| आ० ऊहिषीष्ट | ऊहिषीयास्ताम् | ऊहिषीरन् |
| ऊहिषीष्ठाः | ऊहिषीयास्थाम् | ऊहिषीध्वम् |
| ऊहिषीय | ऊहिषीवहि | ऊहिषीमहि |
| श्व० ऊहिता | ऊहितारौ | ऊहितारः |
| ऊहितासे | ऊहितासाथे | ऊहिताध्वे |
| ऊहिताहे | ऊहितास्वहे | ऊहितास्महे |
| भ० ऊहिस्यते | ऊहिस्येते | ऊहिस्यन्ते |
| ऊहिस्यसे | ऊहिस्येथे | ऊहिस्यध्वे |
| ऊहिस्ये | ऊहिस्यावहे | ऊहिस्यामहे |
| क्र० औहिस्यत | औहिस्येताम् | औहिस्यन्त |
| औहिस्यथाः | औहिस्येथाम् | औहिस्यध्वम् |
| औहिस्ये | औहिस्यावहि | औहिस्यामहि |

871 गाहौङ् (गाह्) विलोडने ।

विलोडनं परिमलनम् ।

व० गाहते गाहेते गाहन्ते
गाहसे गाहेथे गाहध्वे
गाहे गाहावहे गाहामहे

स० गाहेत गाहेयाताम् गाहेरन्
गाहेथाः गाहेयाथाम् गाहेध्वम्
गाहेय गाहेवहि गाहेमहि

प० गाहताम् गाहेताम् गाहन्ताम्
गाहस्व गाहेथाम् गाहध्वम्
गाहे गाहावहे गाहामहे

अ० अगाहत अगाहेताम् अगाहन्त
अगाहथाः अगाहेथाम् अगाहध्वम्
अगाहे अगाहावहि अगाहामहि

अ० अगाहिष्ट अगाहिषाताम् अगाहिषन्
अगाहिष्ठाः अगाहिषाथाम् अगाहिष्ठ्वम्
दधम्-ध्वम्

अगाहिषि अगाहिष्वहि अगाहिषमहि

अगाढ अघाक्षताम् अघाक्षन्
अगाढाः अघाक्षथाम् अघाक्ष्ठ्वम्
अघादध्वम्

अघाक्षि अघाक्ष्वहि अघाक्षमहि

प० जगाहे जगाहाते जगाहरे
जगाहिषे जगाहाथे जगाहिष्वेद्भवे
जगाहे जगाहिवहे जगाहमहे

आ० गाहिषीष्ट गाहिषीयास्ताम् गाहिषीरन्
गाहिषीष्ठाः गाहिषीयाथाम् गाहिषीध्वम्
गाहिषीय गाहिषीवहि गाहिषीमहि

घाक्षीष्ट घाक्षीयास्ताम् घाक्षीरन्
घाक्षीष्ठाः घाक्षीयाथाम् घाक्षीध्वम्
घाक्षीय घाक्षीवहि घाक्षीमहि

अ० गाहिता गाहितारौ गाहितारः
गाहितासे गाहितासाथे गाहिताध्वे
गाहिताहे गाहितास्वहे गाहितास्महे

गाढा गाढारौ गाढारः
गाढासे गाढासाथे गाढाध्वे
गाढाहे गाढास्वहे गाढास्महे

भ० गाहियते गाहियेते गाहियन्ते
गाहियसे गाहियेथे गाहियध्वे
गाहिये गाहियावहे गाहियामहे

घाक्ष्यते घाक्ष्येते घाक्ष्यन्ते
घाक्ष्यसे घाक्ष्येथे घाक्ष्यध्वे
घाक्ष्ये घाक्ष्यावहे घाक्ष्यामहे

क्रि० अगाहियत अगाहियेताम् अगाहियन्त
अगाहियथाः अगाहियेथाम् अगाहियध्वम्
अगाहिये अगाहियावहि अगाहियामहि

अघाक्ष्यत अघाक्ष्येताम् अघाक्ष्यन्त
अघाक्ष्यथाः अघाक्ष्येथाम् अघाक्ष्यध्वम्
अघाक्ष्ये अघाक्ष्यावहि अघाक्ष्यामहि

872 ग्लहौश् (ग्लह्) ग्रहणे ।

घ० ग्लहते ग्लहेते ग्लहन्ते
ग्लहसे ग्लहेथे ग्लहध्वे
ग्लहे ग्लहावहे ग्लहामहे

स० ग्लहेत ग्लहेयाताम् ग्लहेरन्
ग्लहेथाः ग्लहेयाथाम् ग्लहेध्वम्
ग्लहेय ग्लहेवहि ग्लहेमहि

प० ग्लहताम् ग्लहेताम् ग्लहन्ताम्
ग्लहस्व ग्लहेथाम् ग्लहध्वम्
ग्लहै ग्लहावहै ग्लहामहै

झ० अग्लहत अग्लहेताम् अग्लहन्त
अग्लहथाः अग्लहेथाम् अग्लहध्वम्
अग्लहे अग्लहावहि अग्लहामहि

अ० अग्लहिष्ट अग्लहिषाताम् अग्लहिषत
अग्लहिष्ठाः अग्लहिषाथाम् अग्लहिषद्वम्

ध्वम् ध्वम्

अग्लहिषि अग्लहिष्वहि अग्लहिषमहि

अग्लाढ अग्लक्षाताम् अग्लक्षत

अग्लाढाः अग्लक्षायाम् अग्लग्लद्वम्

द्वम् अग्लाद्वम्

अग्लाद्वम्

अग्लक्षि अग्लक्ष्वहि अग्लक्षमहि

प० जग्लहे जग्लहाते जग्लहिरे

जग्लहिषे जग्लहाथे जग्लहिध्वे द्वे
जग्लहे जग्लहिवहे जग्लहिमहे

आ० ग्लहिषीष्ट ग्लहिषीयास्ताम् ग्लहिषीरन्
ग्लहिषीष्ठाः ग्लहिषीयाथाम् ग्लहिषीध्वम्
ग्लहिषीय ग्लहिषीवहि ग्लहिषीमहि

घलक्षीष्ट घलक्षीयास्ताम् घलक्षीरन्

घलक्षीष्ठाः घलक्षीयाथाम् घलक्षीध्वम्
द्वम्

घलक्षीय घलक्षीवहि घलक्षीमहि

श्व० ग्लहिता ग्लहितारौ ग्लहितारः

ग्लहितासे ग्लहितासाथे ग्लहिताध्वे

ग्लहिताहे ग्लहितास्वहे ग्लहितास्महे

ग्लाढा ग्लाढारौ ग्लाढारः

ग्लाढासे ग्लाढासाथे ग्लाढाध्वे

ग्लाढाहे ग्लाढास्वहे ग्लाढास्महे

भ० ग्लहिष्यते ग्लहिष्येते ग्लहिष्यन्ते

ग्लहिष्यसे ग्लहिष्येथे ग्लहिष्यध्वे

ग्लहिष्ये ग्लहिष्यावहे ग्लहिष्यामहे

घलक्ष्यते घलक्ष्येते घलक्ष्यन्ते

घलक्ष्यसे घलक्ष्येथे घलक्ष्यध्वे

घलक्ष्ये घलक्ष्यावहे घलक्ष्यामहे

क्रि० अग्लहिष्यत अग्लहिष्येताम् अग्लहिष्यन्त

अग्लहिष्यथाः अग्लहिष्येथाम् अग्लहिष्यध्वम्

अग्लहिष्ये अग्लहिष्यावहि अग्लहिष्यामहि

अघलक्ष्यत अघलक्ष्येताम् अघलक्ष्यन्त

अघलक्ष्यथाः अघलक्ष्येथाम् अघलक्ष्यध्वम्

अघलक्ष्ये अघलक्ष्यावहि अघलक्ष्यामहि

873 बहुङ् (बङ्) वृद्धौ

| | | |
|-----------------|----------------|---------------------|
| ब० बंहते | बंहते | बंहन्ते |
| बंहसे | बंहथे | बंहध्वे |
| बंहे | बंहावहे | बंहामहे |
| स० बंहेत | बंहैयाताम् | बंहैरन् |
| बंहैथाः | बंहैयाथाम् | बंहैध्वम् |
| बंहैय | बंहैवहि | बंहैमहि |
| प० बंहताम् | बंहैताम् | बंहन्ताम् |
| बंहस्व | बंहैथाम् | बंहध्वम् |
| बंहै | बंहावहै | बंहामहै |
| ह्य० अबंहत | अबंहताम् | अबंहन्त |
| अबंहथाः | अबंहैथाम् | अबंहध्वम् |
| अबंहै | अबंहैवहि | अबंहैमहि |
| अ० अबंहिष्ट | अबंहिषाताम् | अबंहिषत |
| अबंहिष्ठाः | अबंहिषाथाम् | अबंहि- |
| | | ड्ध्वम्-ड्ध्वम् |
| अबंहिषि | अबंहिष्वहि | अबंहिष्महि |
| प० बबंहे | बबंहते | बबंहिरे |
| बबंहिषे | बबंहैथे | बबंहिध्वे |
| बबंहै | बबंहैवहे | बबंहैमहे |
| आ० बंहिषीष्ट | बंहिषीयास्ताम् | बंहिषीरन् |
| बंहिषीष्ठाः | बंहिषीयास्थाम् | बंहिषीध्वम्-ड्ध्वम् |
| बंहिषीय | बंहिषीवहि | बंहिषीमहि |
| प्रय० बंहिता | बंहितारौ | बंहितारः |
| बंहितासे | बंहितासाथे | बंहिताध्वे |
| बंहिताहे | बंहितास्वहे | बंहितास्महे |
| भ० बंहिष्यते | बंहिष्येते | बंहिष्यन्ते |
| बंहिष्यसे | बंहिष्येथे | बंहिष्यध्वे |
| बंहिष्ये | बंहिष्यावहे | बंहिष्यामहे |
| क्रि० अबंहिष्यत | अबंहिष्येताम् | अबंहिष्यन्त |
| अबंहिष्यथाः | अबंहिष्येथाम् | अबंहिष्यध्वम् |
| अबंहिष्ये | अबंहिष्यावहि | अबंहिष्यामहि |

874 महुङ् (मङ्) वृद्धौ ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------------|
| ब० मंहते | मंहते | मंहन्ते |
| मंहसे | मंहथे | मंहध्वे |
| मंहै | मंहावहे | मंहामहे |
| स० मंहेत | मंहैयाताम् | मंहैरन् |
| मंहैथाः | मंहैयाथाम् | मंहैध्वम् |
| मंहैय | मंहैवहि | मंहैमहि |
| प० मंहताम् | मंहैताम् | मंहन्ताम् |
| मंहस्व | मंहैथाम् | मंहध्वम् |
| मंहै | मंहावहै | मंहामहै |
| ह्य० अमंहत | अमंहताम् | अमंहन्त |
| अमंहथाः | अमंहैथाम् | अमंहध्वम् |
| अमंहै | अमंहैवहि | अमंहैमहि |
| अ० अमंहिष्ट | अमंहिषाताम् | अमंहिषत |
| अमंहिष्ठाः | अमंहिषाथाम् | अमंहिड्ध्वम् |
| | | ड्ध्वम्-ध्वम् |
| अमंहिषि | अमंहिष्वहि | अमंहिष्महि |
| प० ममंहै | ममंहते | ममंहिरे |
| ममंहिषे | ममंहैथे | ममंहिध्वे |
| ममंहै | ममंहैवहे | ममंहैमहे |
| आ० मंहिषीष्ट | मंहिषीयास्ताम् | मंहिषीरन् |
| मंहिषीष्ठाः | मंहिषीयास्थाम् | मंहिषीध्वम्-ड्ध्वम् |
| मंहिषीय | मंहिषीवहि | मंहिषीमहि |
| श्व० मंहिता | मंहितारौ | मंहितारः |
| मंहितासे | मंहितासाथे | मंहिताध्वे |
| मंहिताहे | मंहितास्वहे | मंहितास्महे |
| भ० मंहिष्यते | मंहिष्येते | मंहिष्यन्ते |
| मंहिष्यसे | मंहिष्येथे | मंहिष्यध्वे |
| मंहिष्ये | मंहिष्यावहे | मंहिष्यामहे |
| क्रि० अमंहिष्यत | अमंहिष्येताम् | अमंहिष्यन्त |
| अमंहिष्यथाः | अमंहिष्येथाम् | अमंहिष्यध्वम् |
| अमंहिष्ये | अमंहिष्यावहि | अमंहिष्यामहि |

अथ क्षान्ता अष्टौ सेटश्चैतेषां च षान्तेषु पा-
ठोयुक्तो वैचित्र्यार्थं त्विह कृतः ॥

875 दक्षि [दक्ष] शीघ्रचेच ।

शीघ्रं शीघ्रता । चकाराद्वृद्धौ

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० दक्षते | दक्षते | दक्षन्ते |
| दक्षसे | दक्षथे | दक्षध्वे |
| दक्षे | दक्षावहे | दक्षामहे |
| स० दक्षेत | दक्षेयाताम् | दक्षेरन् |
| दक्षेयाः | दक्षेयाथाम् | दक्षेध्वम् |
| दक्षेय | दक्षेवहि | दक्षेमहि |
| प० दक्षताम् | दक्षताम् | दक्षन्ताम् |
| दक्षस्व | दक्षेथाम् | दक्षध्वम् |
| दक्षे | दक्षावहे | दक्षामहे |
| झ० अदक्षत | अदक्षेताम् | अदक्षन्त |
| अदक्षथाः | अदक्षेथाम् | अदक्षध्वम् |
| अदक्षे | अदक्षावहि | अदक्षामहि |
| अ० अदक्षिष्ट | अदक्षिषाताम् | अदक्षिषत |
| अदक्षिष्टाः | अदक्षिषाथाम् | अदक्षिष्टध्वम् |
| अदक्षिष | अदक्षिष्वहि | अदक्षिषमहि |
| प० ददक्षे | ददक्षते | ददक्षिरे |
| ददक्षिषे | ददक्षेथे | ददक्षिध्वे |
| ददक्षे | ददक्षिवहे | ददक्षिमहे |
| आ० दक्षिषीष्ट | दक्षिषीयास्ताम् | दक्षिषीरन् |
| दक्षिषीष्टाः | दक्षिषीयास्थाम् | दक्षिषीध्वम् |
| दक्षिषीय | दक्षिषीवहि | दक्षिषीमहि |
| प्र० दक्षिता | दक्षितारौ | दक्षितारः |
| दक्षितासे | दक्षितासाथे | दक्षिताध्वे |
| दक्षिताहे | दक्षितास्वहे | दक्षितास्महे |
| भ० दक्षिष्यते | दक्षिष्येते | दक्षिन्ते |
| दक्षिष्यसे | दक्षिष्येथे | दक्षिष्यध्वे |
| दक्षिष्ये | दक्षिष्यावहे | दक्षिष्यामहे |
| क्रि० अदक्षिष्यत | अदक्षिष्येताम् | अदक्षिष्यन्त |
| अदक्षिष्यथाः | अदक्षिष्येथाम् | अदक्षिष्यध्वम् |
| अदक्षिष्ये | अदक्षिष्यावहि | अदक्षिष्यामहि |

876 धुक्षि (धुक्ष) संदीपनक्लेशन-
जीवनेषु ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० धुक्षते | धुक्षते | धुक्षन्ते |
| धुक्षसे | धुक्षथे | धुक्षध्वे |
| धुक्षे | धुक्षावहे | धुक्षामहे |
| स० धुक्षेत | धुक्षेयाताम् | धुक्षेरन् |
| धुक्षेयाः | धुक्षेयाथाम् | धुक्षेध्वम् |
| धुक्षेय | धुक्षेवहि | धुक्षेमहि |
| प० धुक्षताम् | धुक्षताम् | धुक्षन्ताम् |
| धुक्षस्व | धुक्षेथाम् | धुक्षध्वम् |
| धुक्षे | धुक्षावहे | धुक्षामहे |
| अ० अधुक्षत | अधुक्षेताम् | अधुक्षन्त |
| अधुक्षथाः | अधुक्षेथाम् | अधुक्षध्वम् |
| अधुक्षे | अधुक्षावहि | अधुक्षामहि |
| अ० अधुक्षिष्ट | अधुक्षिषाताम् | अधुक्षिषत |
| अधुक्षिष्टाः | अधुक्षिषाथाम् | अधुक्षिष्टध्वम् |
| अधुक्षिषि | अधुक्षिष्वहि | अधुक्षिषमहि |
| प० दुधुक्षे | दुधुक्षते | दुधुक्षिरे |
| दुधुक्षिषे | दुधुक्षेथे | दुधुक्षिध्वे |
| दुधुक्षे | दुधुक्षिवहे | दुधुक्षिमहे |
| आ० धुक्षिषीष्ट | धुक्षिषीयास्ताम् | धुक्षिषीरन् |
| धुक्षिषीष्टाः | धुक्षिषीयास्थाम् | धुक्षिषीध्वम् |
| धुक्षिषीय | धुक्षिषीवहि | धुक्षिषीमहि |
| प्र० धुक्षिता | धुक्षितारौ | धुक्षितारः |
| धुक्षितासे | धुक्षितासाथे | धुक्षिताध्वे |
| धुक्षिताहे | धुक्षितास्वहे | धुक्षितास्महे |
| भ० धुक्षिष्यते | धुक्षिष्येते | धुक्षिष्यन्ते |
| धुक्षिष्यसे | धुक्षिष्येथे | धुक्षिष्यध्वे |
| धुक्षिष्ये | धुक्षिष्यावहे | धुक्षिष्यामहे |
| क्रि० अधुक्षिष्यत | अधुक्षिष्येताम् | अधुक्षिष्यन्त |
| अधुक्षिष्यथाः | अधुक्षिष्येथाम् | अधुक्षिष्यध्वम् |
| अधुक्षिष्ये | अधुक्षिष्यावहि | अधुक्षिष्यामहि |

877 धिसि (धिक्ष्) संदीपन-
क्लेशनजीवनेषु ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० धिक्षते | धिक्षेते | धिक्षन्ते |
| धिक्षसे | धिक्षेथे | धिक्षध्वे |
| धिक्षे | धिक्षावहे | धिक्षामहे |
| स० धिक्षेत | धिक्षेयाताम् | धिक्षेरन् |
| धिक्षेथाः | धिक्षेयाथाम् | धिक्षेध्वम् |
| धिक्षेय | धिक्षेवहि | धिक्षेमहि |
| प० धिक्षताम् | धिक्षेताम् | धिक्षन्ताम् |
| धिक्षस्व | धिक्षेथाम् | धिक्षध्वम् |
| धिक्षै | धिक्षावहै | धिक्षामहै |
| झ० अधिक्षत | अधिक्षेताम् | अधिक्षन्त |
| अधिक्षथाः | अधिक्षेथाम् | अधिक्षध्वम् |
| अधिक्षे | अधिक्षावहि | अधिक्षामहि |
| अ० अधिक्षिष्ट | अधिक्षिषाताम् | अधिक्षिषन्त |
| अधिक्षिष्ठाः | अधिक्षिषाथाम् | अधिक्षिड्ध्वम् |
| अधिक्षिषि | अधिक्षिषवहि | अधिक्षिषमहि |
| प० दिधिक्षे | दिधिक्षाते | दिधिक्षिरे |
| दिधिक्षिषे | दिधिक्षाथे | दिधिक्षिध्वे |
| दिधिक्षे | दिधिक्षिवहे | दिधिक्षिमहे |
| आ० धिक्षिषीष्ट | धिक्षिषीयास्ताम् | धिक्षिषीरन् |
| धिक्षिषीष्ठाः | धिक्षिषीयास्थाम् | धिक्षिषीध्वम् |
| धिक्षिषीय | धिक्षिषीवहि | धिक्षिषीमहि |
| झ० धिक्षिता | धिक्षितारौ | धिक्षितारः |
| धिक्षितासे | धिक्षितासाथे | धिक्षिताध्वे |
| धिक्षिताहे | धिक्षितास्वहे | धिक्षितास्महे |
| भ० धिक्षिष्यते | धिक्षिष्येते | धिक्षिष्यन्ते |
| धिक्षिष्यसे | धिक्षिष्येथे | धिक्षिष्यध्वे |
| धिक्षिष्ये | धिक्षिष्यावहे | धिक्षिष्यामहे |
| क्रि० अधिक्षिष्यत | अधिक्षिष्येताम् | अधिक्षिष्यन्त |
| अधिक्षिष्यथाः | अधिक्षिष्येथाम् | अधिक्षिष्यध्वम् |
| अधिक्षिष्ये | अधिक्षिष्यावहि | अधिक्षिष्यामहि |

878 वृक्षि [वृक्ष्] वरणे ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० वृक्षते | वृक्षेते | वृक्षन्ते |
| वृक्षसे | वृक्षेथे | वृक्षध्वे |
| वृक्षे | वृक्षावहे | वृक्षामहे |
| स० वृक्षेत | वृक्षेयाताम् | वृक्षेरन् |
| वृक्षेथाः | वृक्षेयाथाम् | वृक्षेध्वम् |
| वृक्षेय | वृक्षेवहि | वृक्षेमहि |
| प० वृक्षताम् | वृक्षेताम् | वृक्षन्ताम् |
| वृक्षस्व | वृक्षेथाम् | वृक्षध्वम् |
| वृक्षै | वृक्षावहै | वृक्षामहै |
| झ० अवृक्षत | अवृक्षेताम् | अवृक्षन्त |
| अवृक्षथाः | अवृक्षेथाम् | अवृक्षध्वम् |
| अवृक्षे | अवृक्षावहि | अवृक्षामहि |
| अ० अवृक्षिष्ट | अवृक्षिषाताम् | अवृक्षिषन्त |
| अवृक्षिष्ठाः | अवृक्षिषाथाम् | अवृक्षिड्ध्वम् |
| अवृक्षिषि | अवृक्षिषवहि | अवृक्षिषमहि |
| प० ववृक्षे | ववृक्षाते | ववृक्षिरे |
| ववृक्षिषे | ववृक्षाथे | ववृक्षिध्वे |
| ववृक्षे | ववृक्षिवहे | ववृक्षिमहे |
| आ० वृक्षिषीष्ट | वृक्षिषीयास्ताम् | वृक्षिषीरन् |
| वृक्षिषीष्ठाः | वृक्षिषीयास्थाम् | वृक्षिषीध्वम् |
| वृक्षिषीय | वृक्षिषीवहि | वृक्षिषीमहि |
| झ० वृक्षिता | वृक्षितारौ | वृक्षितारः |
| वृक्षितासे | वृक्षितासाथे | वृक्षिताध्वे |
| वृक्षिताहे | वृक्षितास्वहे | वृक्षितास्महे |
| भ० वृक्षिष्यते | वृक्षिष्येते | वृक्षिष्यन्ते |
| वृक्षिष्यसे | वृक्षिष्येथे | वृक्षिष्यध्वे |
| वृक्षिष्ये | वृक्षिष्यावहे | वृक्षिष्यामहे |
| क्रि० अवृक्षिष्यत | अवृक्षिष्येताम् | अवृक्षिष्यन्त |
| अवृक्षिष्यथाः | अवृक्षिष्येथाम् | अवृक्षिष्यध्वम् |
| अवृक्षिष्ये | अवृक्षिष्यावहि | अवृक्षिष्यामहि |

४७९ शिक्ष [शिक्ष] विद्योपादाने ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० शिक्षते | शिक्षेते | शिक्षन्ते |
| शिक्षसे | शिक्षेथे | शिक्षध्वे |
| शिक्षे | शिक्षावहे | शिक्षामहे |
| स० शिक्षेत | शिक्षेयाताम् | शिक्षेरन् |
| शिक्षेथाः | शिक्षेयाथाम् | शिक्षेध्वम् |
| शिक्षेय | शिक्षेवहि | शिक्षेमहि |
| प० शिक्षताम् | शिक्षेताम् | शिक्षन्ताम् |
| शिक्षस्व | शिक्षथाम् | शिक्षध्वम् |
| शिक्षे | शिक्षावहे | शिक्षामहे |
| झ० अशिक्षत | अशिक्षेताम् | अशिक्षन्त |
| अशिक्षथाः | अशिक्षेथाम् | अशिक्षध्वम् |
| अशिक्षे | अशिक्षावहि | अशिक्षामहि |
| अ० अशिक्षिष्ट | अशिक्षिषाताम् | अशिक्षिषन्त |
| अशिक्षिष्ठाः | अशिक्षिषाथाम् | अशिक्षिषध्वम् |
| अशिक्षिषि | अशिक्षिषवहि | अशिक्षिषमहि |
| प० शिक्षिषे | शिक्षिषाते | शिक्षिषिरे |
| शिक्षिषे | शिक्षिषाथे | शिक्षिषध्वे |
| शिक्षिषे | शिक्षिषवहे | शिक्षिषमहे |
| आ० शिक्षिषीष्ट | शिक्षिषीयास्ताम् | शिक्षिषीरन् |
| शिक्षिषीष्ठाः | शिक्षिषीयास्थाम् | शिक्षिषीध्वम् |
| शिक्षिषीय | शिक्षिषीवहि | शिक्षिषीमहि |
| ध्व० शिक्षिता | शिक्षितारौ | शिक्षितारः |
| शिक्षितासे | शिक्षितासाथे | शिक्षिताध्वे |
| शिक्षिताहे | शिक्षितास्वहे | शिक्षितास्महे |
| भ० शिक्षिष्यते | शिक्षिष्येते | शिक्षिष्यन्ते |
| शिक्षिष्यसे | शिक्षिष्येथे | शिक्षिष्यध्वे |
| शिक्षिष्ये | शिक्षिष्यावहे | शिक्षिष्यामहे |
| क्रि० अशिक्षिष्यत | अशिक्षिष्येताम् | अशिक्षिष्यन्त |
| अशिक्षिष्यथाः | अशिक्षिष्येथाम् | अशिक्षिष्यध्वम् |
| अशिक्षिष्ये | अशिक्षिष्यावहि | अशिक्षिष्यामहि |

४८० भिक्षि (भिक्षू) यात्रायाम् ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० भिक्षते | भिक्षेते | भिक्षन्ते |
| भिक्षसे | भिक्षेथे | भिक्षध्वे |
| भिक्षे | भिक्षावहे | भिक्षामहे |
| स० भिक्षेत | भिक्षेयाताम् | भिक्षेरन् |
| भिक्षेथाः | भिक्षेयाथाम् | भिक्षेध्वम् |
| भिक्षेय | भिक्षेवहि | भिक्षेमहि |
| प० भिक्षताम् | भिक्षेताम् | भिक्षन्ताम् |
| भिक्षस्व | भिक्षेथाम् | भिक्षध्वम् |
| भिक्षे | भिक्षावहे | भिक्षामहे |
| झ० अभिक्षत | अभिक्षेताम् | अभिक्षन्त |
| अभिक्षथाः | अभिक्षेथाम् | अभिक्षध्वम् |
| अभिक्षे | अभिक्षावहि | अभिक्षामहि |
| अ० अभिक्षिष्ट | अभिक्षिषाताम् | अभिक्षिषन्त |
| अभिक्षिष्ठाः | अभिक्षिषाथाम् | अभिक्षिषध्वम् |
| अभिक्षिषि | अभिक्षिषवहि | अभिक्षिषमहि |
| प० विभिक्षे | विभिक्षाते | विभिक्षिरे |
| विभिक्षे | विभिक्षाथे | विभिक्षिध्वे |
| विभिक्षे | विभिक्षवहे | विभिक्षिमहे |
| आ० भिक्षिषीष्ट | भिक्षिषीयास्ताम् | भिक्षिषीरन् |
| भिक्षिषीष्ठाः | भिक्षिषीयास्थाम् | भिक्षिषीध्वम् |
| भिक्षिषीय | भिक्षिषीवहि | भिक्षिषीमहि |
| ध्व० भिक्षिता | भिक्षितारौ | भिक्षितारः |
| भिक्षितासे | भिक्षितासाथे | भिक्षिताध्वे |
| भिक्षिताहे | भिक्षितास्वहे | भिक्षितास्महे |
| भ० भिक्षिष्यते | भिक्षिष्येते | भिक्षिष्यन्ते |
| भिक्षिष्यसे | भिक्षिष्येथे | भिक्षिष्यध्वे |
| भिक्षिष्ये | भिक्षिष्यावहे | भिक्षिष्यामहे |
| क्रि० अभिक्षिष्यत | अभिक्षिष्येताम् | अभिक्षिष्यन्त |
| अभिक्षिष्यथाः | अभिक्षिष्येथाम् | अभिक्षिष्यध्वम् |
| अभिक्षिष्ये | अभिक्षिष्यावहि | अभिक्षिष्यामहि |

881 दीक्षि [दीक्ष] मौण्डयेज्योप-

नयननियमव्रतादेशेषु । मौण्डयं वपनम् ।

इज्यायजनम् । उपनयनं मौञ्जीबन्धः ।

नियमः संयमः । व्रतादेशः संस्कारादेशः ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० दीक्षते | दीक्षते | दीक्षन्ते |
| दीक्षसे | दीक्षेथे | दीक्षध्वे |
| दीक्षे | दीक्षावहे | दीक्षामहे |
| स० दीक्षेत | दीक्षेयाताम् | दीक्षेरन् |
| दीक्षेथाः | दीक्षेयाथाम् | दीक्षेध्वम् |
| दीक्षेय | दीक्षेवहि | दीक्षेमहि |
| प० दीक्षताम् | दीक्षताम् | दीक्षन्ताम् |
| दीक्षस्व | दीक्षेथाम् | दीक्षध्वम् |
| दीक्षै | दीक्षावहै | दीक्षामहै |
| झ० अदीक्षत | अदीक्षेताम् | अदीक्षन्त |
| अदीक्षेथाः | अदीक्षेथाम् | अदीक्षेध्वम् |
| अदीक्षे | अदीक्षावहि | अदीक्षामहि |
| अ० अदीक्षिष्ट | अदीक्षिषाताम् | अदीक्षिषत |
| अदीक्षिष्ठाः | अदीक्षिषाथाम् | अदीक्षिषध्वम् |
| अदीक्षिषि | अदीक्षिषवहि | अदीक्षिषमहि |
| प० दिदीक्षे | दिदीक्षाते | दिदीक्षिरे |
| दिदीक्षिषे | दिदीक्षाथे | दिदीक्षिध्वे |
| दिदीक्षे | दिदीक्षिवहे | दिदीक्षिमहे |
| आ० दीक्षिषीष्ट | दीक्षिषीयास्ताम् | दीक्षिषीरन् |
| दीक्षिषीष्ठाः | दीक्षिषीयास्थाम् | दीक्षिषीध्वम् |
| दीक्षिषीय | दीक्षिषीवहि | दीक्षिषीमहि |
| श्व० दीक्षिता | दीक्षितारौ | दीक्षितारः |
| दीक्षितासे | दीक्षितासाथे | दीक्षिताध्वे |
| दीक्षिताह | दीक्षितास्वहे | दीक्षितास्महे |
| भ० दीक्षिष्यते | दीक्षिष्येते | दीक्षिष्यन्ते |
| दीक्षिष्यसे | दीक्षिष्येथे | दीक्षिष्यध्वे |
| दीक्षिष्ये | दीक्षिष्यावहे | दीक्षिष्यामहे |
| क्रि० अदीक्षिष्यत | अदीक्षिष्येताम् | अदीक्षिष्यन्त |
| अदीक्षिष्यथाः | अदीक्षिष्येथाम् | अदीक्षिष्यध्वम् |
| अदीक्षिष्ये | अदीक्षिष्यावहि | अदीक्षिष्यामहि |

882 इक्षि (ईक्ष्) दर्शने ।

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| व० ईक्षते | ईक्षते | ईक्षन्ते |
| ईक्षसे | ईक्षेथे | ईक्षध्वे |
| ईक्षे | ईक्षावहे | ईक्षामहे |
| स० ईक्षेत | ईक्षेयाताम् | ईक्षेरन् |
| ईक्षेथाः | ईक्षेयाथाम् | ईक्षेध्वम् |
| ईक्षेय | ईक्षेवहि | ईक्षेमहि |
| प० ईक्षताम् | ईक्षताम् | ईक्षन्ताम् |
| ईक्षस्व | ईक्षेथाम् | ईक्षध्वम् |
| ईक्षै | ईक्षावहै | ईक्षामहै |
| अ० ऐक्षत | ऐक्षेताम् | ऐक्षन्त |
| ऐक्षेथाः | ऐक्षेथाम् | ऐक्षेध्वम् |
| ऐक्षे | ऐक्षावहि | ऐक्षामहि |
| अ० ऐक्षिष्ट | ऐक्षिषाताम् | ऐक्षिषत |
| ऐक्षिष्ठाः | ऐक्षिषाथाम् | ऐक्षिषध्वम् |
| ऐक्षिषि | ऐक्षिषवहि | ऐक्षिषमहि |
| ईक्षाञ्चक्रे | ईक्षाञ्चकाते | ईक्षाञ्चकिरे |
| ईक्षाञ्चकृषे | ईक्षाञ्चकाथे | ईक्षाञ्चकृध्वे |
| ईक्षाञ्चक्रे | ईक्षाञ्चकृवहे | ईक्षाञ्चकृमहि |
| आ० ईक्षिषीष्ट | ईक्षिषीयास्ताम् | ईक्षिषीरन् |
| ईक्षिषीष्ठाः | ईक्षिषीयास्थाम् | ईक्षिषीध्वम् |
| ईक्षिषीय | ईक्षिषीवहि | ईक्षिषीमहे |
| श्व० ईक्षिता | ईक्षितारौ | ईक्षितारः |
| ईक्षितासे | ईक्षितासाथे | ईक्षिताध्वे |
| ईक्षिताह | ईक्षितास्वहे | ईक्षितास्महे |
| भ० ईक्षिष्यते | ईक्षिष्येते | ईक्षिष्यन्ते |
| ईक्षिष्यसे | ईक्षिष्येथे | ईक्षिष्यध्वे |
| ईक्षिष्ये | ईक्षिष्यावहे | ईक्षिष्यामहे |
| क्रि० ऐक्षिष्यत | ऐक्षिष्येताम् | ऐक्षिष्यन्त |
| ऐक्षिष्यथाः | ऐक्षिष्येथाम् | ऐक्षिष्यध्वम् |
| ऐक्षिष्ये | ऐक्षिष्यावहि | ऐक्षिष्यामहि |

॥ इति आत्मनेपदिनः ॥

अथोभयपदिनः

भलक्षीपर्यन्ता भलक्ष्मणवर्ग—वर्णक्रमेण ।

883 श्रिम् (श्रि) सेवायाम् ।

गित्वात्फलवति कर्तरि “ ईगितः ” इत्यात्मनेपदेऽन्यत्र वा
 “ शेषात्परस्मै ” इति परस्मैपदमेवं सर्वत्र भावनीयम् ।

| | | | | | |
|---------------|--------------|---------------|--------------------|----------------|--------------|
| व० अयति | अयतः | अयन्ति | प० शिष्याय | शिष्रियतुः | शिष्रियुः |
| अयति | अयथः | अयथ | शिष्रियिथ | शिष्रियथुः | शिष्रिय |
| अयामि | अयावः | अयामः | शिष्याय, शिष्रय | शिष्रियिष | शिष्रियिम |
| १० अयेत् | अयेताम् | अयेयुः | आ० श्रीयात् | श्रीयास्ताम् | श्रीयातुः |
| अयेः | अयेतम् | अयेत | श्रीयाः | श्रीयास्तम् | श्रीयास्त |
| अयेयम् | अयेव | अयेम | श्रीयास्तम् | श्रीयास्व | श्रीयास्म |
| ० अयतु | अयतात् | अयताम् अयन्तु | भ० अयिता | अयितारौ | अयितारः |
| अयः | ” अयतम् | अयत | अयितासि | अयितास्थः | अयितास्थ |
| अयाणि | अयाव | अयाम | अयितास्मि | अयितास्वः | अयितास्मः |
| अ० अश्रयत् | अश्रयताम् | अश्रयन् | अ० अश्रियति | अश्रियतः | अश्रियन्ति |
| अश्रयः | अश्रयतम् | अश्रयत | अश्रियसि | अश्रियथः | अश्रियथ |
| अश्रयम् | अश्रयाव | अश्रयाम | अश्रियामि | अश्रियावः | अश्रियामः |
| अ० अशिष्रियत् | अशिष्रियताम् | अशिष्रियन् | क्रि० अश्रियिष्यत् | अश्रियिष्यताम् | अश्रियिष्यन् |
| अशिष्रियः | अशिष्रियतम् | अशिष्रियत | अश्रियिष्यः | अश्रियिष्यतम् | अश्रियिष्यत |
| अशिष्रियम् | अशिष्रियाव | अशिष्रियाम | अश्रियिष्यम् | अश्रियिष्याव | अश्रियिष्याम |

| | | | |
|-------|------------|---------------|--------------|
| व० | अयते | अयेते | अयन्ते |
| | अयसे | अयेथे | अयध्वे |
| | अये | अयावहे | अयामहे |
| स० | अयेत | अयेयाताम् | अयेरन् |
| | अयेथाः | अयेयाथाम् | अयेध्वम् |
| | अयेय | अयेयहि | अयेमहि |
| प० | अयताम् | अयेताम् | अयन्ताम् |
| | अयस्व | अयेथाम् | अयध्वम् |
| | अये | अयावहे | अयामहे |
| झ० | अअयत | अअयेताम् | अअयन्त |
| | अअयथाः | अअयेथाम् | अअयध्वम् |
| | अअये | अअयावहि | अअयामहि |
| अ० | अशिअयत | अशिअयेताम् | अशिअयन्त |
| | अशिअयथाः | अशिअयेथाम् | अशिअयध्वम् |
| | अशिअये | अशिअयावहि | अशिअयामहि |
| प० | शिअये | शिअयेताम् | शिअयन्त |
| | शिअयेथे | शिअयेथाम् | शिअयेध्वम् |
| | शिअये | शिअयावहि | शिअयामहि |
| आ० | अयिषीष्ट | अयिषीयास्ताम् | अयिषीरन् |
| | अयिषीष्ठाः | अयिषीयास्थाम् | अयिषीध्वम् |
| | अयिषीय | अयिषीवहि | अयिषीमहि |
| भ्व० | अयिता | अयितारौ | अयितारः |
| | अयितासे | अयितासाथे | अयिताध्वे |
| | अयिताहे | अयितास्वहे | अयितास्महे |
| भ० | अयिष्यते | अयिष्येते | अयिष्यन्ते |
| | अयिष्यसे | अयिष्येथे | अयिष्यध्वे |
| | अयिष्ये | अयिष्यावहे | अयिष्यामहे |
| क्रि० | अअयिष्यत | अअयिष्येताम् | अअयिष्यन्त |
| | अअयिष्यथाः | अअयिष्येथाम् | अअयिष्यध्वम् |
| | अअयिष्ये | अअयिष्यावहि | अअयिष्यामहि |

84 णिङ्ग (नी) प्रापणे ।

| | | | |
|-------|----------|------------|-----------|
| व० | नयति | नयतः | नयन्ति |
| | नयसि | नयथः | नयध्वे |
| | नयामि | नयावः | नयामः |
| स० | नयेत् | नयेताम् | नयेयुः |
| | नयेः | नयेतम् | नयेत |
| | नयेयम् | नयेव | नयेम |
| प० | नयतु | नयतात् | नयताम् |
| | नयः | " नयतम् | नयत |
| | नयानि | नयाव | नयाम |
| झ० | अनयत् | अनयताम् | अनयन् |
| | अनयः | अनयतम् | अनयत |
| | अनयम् | अनयाव | अनयाम |
| अ० | अनैषोत् | अनैषाम् | अनैषुः |
| | अनैषीः | अनैषम् | अनैषे |
| | अनैषम् | अनैषव | अनैषम |
| प० | निनाय | निनयतुः | निन्युः |
| | निनयिथ | निनेथ | निन्यथुः |
| | निनाय | निनय | निन्यिव |
| | निनाय | निनय | निन्यिम |
| आ० | नीयात् | नीयास्ताम् | नीयासुः |
| | नीयाः | नीयास्तम् | नीयास्त |
| | नीयासम् | नीयास्व | नीयास्म |
| भ्व० | नेता | नेतारौ | नेतारः |
| | नेतासि | नेतास्थः | नेतास्थ |
| | नेतास्मि | नेतास्वः | नेतास्मः |
| भ० | नेष्यति | नेष्यतः | नेष्यन्ति |
| | नेष्यसि | नेष्यथः | नेष्यध्वे |
| | नेष्यामि | नेष्यावः | नेष्यामः |
| क्रि० | अनेष्यत | अनेष्यताम् | अनेष्यन् |
| | अनेष्यः | अनेष्यतम् | अनेष्यत |
| | अनेष्यम् | अनेष्याव | अनेष्याम |

| | | |
|---------------|--------------|----------------|
| ब० नयते | नयेते | नयन्ते |
| नयसे | नयेथे | नयध्वे |
| नये | नयावहे | नयामहे |
| स० नयेत | नयेयाताम् | नयेरन् |
| नयेथाः | नयेयाथाम् | नयेध्वम् |
| नयेय | नयेवहि | नयेमहि |
| प० नयताम् | नयेताम् | नयन्ताम् |
| नयस्व | नयेथाम् | नयध्वम् |
| नये | नयावहे | नयामहे |
| झ० अनयत | अनयेताम् | अनयन्त |
| अनयथाः | अनयेथाम् | अनयध्वम् |
| अनये | अनयावहि | अनयामहि |
| भ० अनेष्ट | अनेषाताम् | अनेषत |
| अनेष्टाः | अनेषाथाम् | अनेष्ट्वम् |
| | | इष्ट्वम् |
| अनेषि | अनेष्वहि | अनेष्महि |
| प० निन्ये | निन्याते | निन्यरे |
| निन्येथे | निन्याथे | निन्यध्वे ह्वे |
| निन्ये | निन्यवहे | निन्यमहे |
| १० नेषीष्ट | नेषीयास्ताम् | नेषीरन् |
| नेषीष्टाः | नेषीयास्थाम् | नेषीष्ट्वम् |
| नेषीय | नेषीवहि | नेषीमहि |
| भ्व० नेता | नेतारी | नेतारः |
| नेतासे | नेतास्थे | नेताध्वे |
| नेताहे | नेतास्वहे | नेतास्महे |
| भ० नेष्यते | नेष्येते | नेष्यन्ते |
| नेष्यसे | नेष्येथे | नेष्यध्वे |
| नेष्ये | नेष्यावहे | नेष्यामहे |
| क्रि० अनेष्यत | अनेष्येताम् | अनेष्यन्त |
| अनेष्यथाः | अनेष्येथाम् | अनेष्यध्वम् |
| अनेष्ये | अनेष्यावहि | अनेष्यामहि |

अथ ऋदन्ताश्चत्वारोऽनिटश्च

885 हृङ् (हृ) हरणे

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| ब० हरति | हरतः | हरन्ति |
| हरमि | हरथः | हरध्वे |
| हरामि | हरावः | हरामः |
| स० हरेत | हरेनाम् | हरेयुः |
| हरेः | हरेनम् | हरेन |
| हरेयम् | हरेव | हरेम |
| प० हरतु | हरतात् | हरताम् |
| हर | " | हरतम् |
| हराणि | हराव | हराम |
| झ० अहरत् | अहरताम् | अहरन् |
| अहरः | अहरतम् | अहरत |
| अहरम् | अहराव | अहराम |
| अ० अहर्षीत् | अहर्षाम् | अहर्षुः |
| अहर्षीः | अहर्षम् | अहर्ष |
| अहर्षम् | अहर्षव | अहर्षम् |
| प० जहार | जहतुः | जहुः |
| जहर्थ | जहथुः | जह |
| जहार, जहर | जहिव | जहिम |
| आ० ह्रियात् | ह्रियास्ताम् | ह्रियासुः |
| ह्रियाः | ह्रियास्तम् | ह्रियास्त |
| ह्रियासम् | ह्रियास्व | ह्रियास्म |
| भ्व० हर्ता | हर्तारौ | हर्तारः |
| हर्तासि | हर्तास्थः | हर्तास्थ |
| हर्तास्मि | हर्तास्वः | हर्तास्मः |
| भ० हरिष्यति | हरिष्यतः | हरिष्यन्ति |
| हरिष्यसि | हरिष्यथः | हरिष्यध्वे |
| हरिष्यामि | हरिष्यावः | हरिष्यामः |
| क्रि० अहरिष्यत् | अहरिष्यताम् | अहरिष्यन् |
| अहरिष्यः | अहरिष्यतम् | अहरिष्यत |
| अहरिष्यम् | अहरिष्याव | अहरिष्याम |

| | | | |
|------|-----------|--------------|------------|
| य० | हरते | हरेते | हरन्ते |
| | हरसे | हरेथे | हरध्वे |
| | हरे | हरावहे | हरामहे |
| स० | हरेत | हरेयाताम् | हरेरन् |
| | हरेथाः | हरेयाथाम् | हरेध्वम् |
| | हरेय | हरेवहि | हरेमहि |
| प० | हरताम् | हरेताम् | हरन्ताम् |
| | हरस्व | हरेथाम् | हरध्वम् |
| | हरे | हरावहे | हरामहे |
| ह्य० | अहरत | अहरेताम् | अहरन्त |
| | अहरथाः | अहरेथाम् | अहरध्वम् |
| | अहरे | अहरावहि | अहरामहि |
| अ० | अहृत | अहृषाताम् | अहृषत |
| | अहृथाः | अहृषाथाम् | अहृषध्वम् |
| | अहृषि | अहृष्वहि | अहृषमहि |
| प० | जहे | जहाते | जहिरे |
| | जहिषे | जहाथे | जहिध्वे |
| | जहे | जहावहे | जहिमहे |
| | हृषीष्ट | हृषीयास्ताम् | हृषीरन् |
| | हृषीष्टाः | हृषीयास्थाम् | हृषीध्वम् |
| | हृषीय | हृषीवहि | हृषीमहि |
| श्व० | हर्ता | हर्तागै | हर्तारः |
| | हर्तासे | हर्ताज्वाथे | हर्ताध्वे |
| | हर्ताहे | हर्तास्वहे | हर्तामहे |
| भ० | हरिष्यते | हरिष्येते | हरिष्यन्ते |
| | हरिष्यसे | हरिष्येथे | हरिष्यध्वे |
| | हरिष्ये | हरिष्यावहे | हरिष्यामहे |

अहरिष्यत अहरिष्येताम् अहरिष्यन्त
अहरिष्यथाः अहरिष्येथाम् अहरिष्यध्वम्
अहरिष्ये अहरिष्यावहि अहरिष्यामहि

886 भृगु (भृ) भरणे

| | | | |
|------|-----------|--------------|------------|
| य० | भर्गते | भरतः | भरन्ति |
| | भरसि | भरथः | भरथ |
| | भर्गमि | भर्गवः | भर्गमः |
| स० | भरेत् | भरेताम् | भरयुः |
| | भरेः | भरेतम् | भरेत |
| | भरेयम् | भरेव | भरेम |
| प० | भरतु | भरतात् | भरन्तु |
| | भर | " | भरतम् |
| | भराणि | भराव | भराम |
| ह्य० | अभरत् | अभरताम् | अभरन् |
| | अभरः | अभरतम् | अभरत |
| | अभरम् | अभराव | अभराम |
| अ० | अभर्षीत् | अभर्षात् | अभर्षुः |
| | अभर्षीः | अभर्षात् | अभर्षात् |
| | अभर्षम् | अभर्षव | अभर्षम |
| व० | वभार | वभर्तुः | वभ्रः |
| | वभर्थ | वभ्रथुः | वभ्र |
| | वभार, वभर | वभ्रव | वभ्रम |
| आ० | भ्रियात् | भ्रियास्ताम् | भ्रियासुः |
| | भ्रियाः | भ्रियास्तम् | भ्रियास्त |
| | भ्रियाम | भ्रियास्व | भ्रियास्म |
| श्व० | भर्ता | भर्तारौ | भर्तारः |
| | भर्तासि | भर्तास्थः | भर्तास्थ |
| | भर्तास्मि | भर्तास्वः | भर्तास्मः |
| भ० | भरिष्यति | भरिष्यतः | भरिष्यन्ति |
| | भरिष्यसि | भरिष्यथः | भरिष्यथ |
| | भरिष्यामि | भरिष्यावः | भरिष्यामः |

क्रि० अभरिष्यत् अभरिष्यताम् अभरिष्यन्
अभरिष्यः अभरिष्यतम् अभरिष्यत
अभरिष्यम् अभरिष्याव अभरिष्याम

| | | |
|----------------|--------------|--------------|
| व० भरत | भरते | भरन्ते |
| भरसे | भरेथे | भरध्वे |
| भरे | भरावहे | भरामहे |
| स० भरेत | भरेयाताम् | भरेरन् |
| भरेथाः | भरेयाथाम् | भरेध्वम् |
| भरेय | भरेवहि | भरेमहि |
| प० भरताम् | भरेताम् | भरन्ताम् |
| भरस्व | भरेथाम् | भरध्वम् |
| भरै | भरावहै | भरामहै |
| ० अ भरत | अभरेताम् | अभरन्त |
| अभरथाः | अभरेथाम् | अभरध्वम् |
| अभरे | अभरावहि | अभरामहि |
| अभृत | अभृषाताम् | अभृषत |
| अभृथाः | अभृषाथाम् | अभृध्वम् |
| | | इध्वम् |
| अभृषि | अभृष्वहि | अभृषमहि |
| प० वभ्रे | वभ्राते | वभ्रिरे |
| वभृषे | वभ्राथे | वभृध्वे |
| वभ्रे | वभृवहे | वभृमहे |
| ॥० भृषीष्ट | भृषीयास्ताम् | भृषीरन् |
| भृषीष्टाः | भृषीयास्थाम् | भृषीध्वम् |
| भृषीय | भृषीवहि | भृषीमहि |
| भ० भर्ता | भर्तारौ | भर्तारः |
| भर्तासे | भर्तास्थे | भर्ताध्वे |
| भर्ताहे | भर्तास्वहे | भर्तास्महे |
| भ० भरिष्यते | भरिष्येते | भरिष्यन्ते |
| भरिष्यसे | भरिष्येथे | भरिष्यध्वे |
| भरिष्ये | भरिष्यावहे | भरिष्यामहे |
| क्रि० अभरिष्यत | अभरिष्येताम् | अभरिष्यन्त |
| अभरिष्यथाः | अभरिष्येथाम् | अभरिष्यध्वम् |
| अभरिष्ये | अभरिष्यावहि | अभरिष्यामहि |

887 धृग् (धृ) धारणे

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| व० धरति | धरतः | धरन्ति |
| धरसि | धरथः | धरथ |
| धरामि | धरावः | धरामः |
| स० धरेत् | धरेताम् | धरेदुः |
| धरेः | धरेतम् | धरेत |
| धरेयम् | धरेव | धरेम |
| प० धरतु | धरतात् | धरन्तु |
| धर | " | धरतम् |
| धराणि | धराव | धराम |
| झ० अधरत् | अधरताम् | अधरन् |
| अधरः | अधरतम् | अधरत |
| अधरम् | अधराव | अधराम |
| अ० अधाषीत् | अधाषीताम् | अधाषुः |
| अधाषीः | अधाषीतम् | अधाषत् |
| अधाषम् | अधाष्व | अधाषम् |
| प० दधार | दधतुः | दधुः |
| दधर्थ | दधथुः | दध्र |
| दधार, दधर | दध्रिव | दध्रिम |
| आ० ध्रियात् | ध्रियास्ताम् | ध्रियासुः |
| ध्रियाः | ध्रियास्तम् | ध्रियास्त |
| ध्रियासम् | ध्रियास्व | ध्रियास्म |
| ध्व० धर्ता | धर्तारौ | धर्तारः |
| धर्तासि | धर्तास्थः | धर्तास्थ |
| धर्तास्मि | धर्तास्वः | धर्तास्मः |
| भ० धरिष्यति | धरिष्यतः | धरिष्यन्ति |
| धरिष्यसि | धरिष्यथः | धरिष्यथ |
| धरिष्यामि | धरिष्यावः | धरिष्यामः |
| क्रि० अधरिष्यत् | अधरिष्यताम् | अधरिष्यन् |
| अधरिष्यः | अधरिष्यतम् | अधरिष्यत |
| अधरिष्यम् | अधरिष्याव | अधरिष्याम |

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| व० धरते | धरेते | धारन्ते |
| धरसे | धरेथे | धारध्वे |
| धरे | धारावहे | धारामहे |
| स० धरेत | धरेयाताम् | धारेरन् |
| धरेथाः | धरेयाथाम् | धारेध्वम् |
| धरेय | धरेवहि | धरेमहि |
| प० धरताम् | धरेताम् | धारन्ताम् |
| धारस्व | धरेथाम् | धारध्वम् |
| धरे | धारावहे | धारामहे |
| झ० अधरत | अधरेताम् | अधारन्त |
| अधारथाः | अधरेथाम् | अधारध्वम् |
| अधारे | अधारावहि | अधारामहि |
| अ० अधृत | अधृषाताम् | अधृषत |
| अधृथाः | अधृषाथाम् | अधृध्वम् |
| | | इह्वम् |
| अधृषि | अधृष्वहि | अधृषमहि |
| प० दध्रे | दध्राते | दध्रिरे |
| दध्रिषे | दध्राथे | दध्रिध्वे-ध्वे |
| दध्रे | दध्रिवहे | दध्रिमहे |
| आ० धृषीष्ट | धृषीयास्ताम् | धृषीरन् |
| धृषीष्टाः | धृषीयास्थाम् | धृषीध्वम् |
| धृषीय | धृषीवहि | धृषीमहि |
| श्व० धाता | धातारौ | धातारः |
| धातासे | धातास्थे | धाताध्वे |
| धाताहे | धातास्वहे | धातास्महे |
| भ० धारिष्यते | धारिष्येते | धारिष्यन्ते |
| धारिष्यसे | धारिष्येथे | धारिष्यध्वे |
| धारिष्ये | धारिष्यावहे | धारिष्यामहे |
| क्रि० अधारिष्यत | अधारिष्येताम् | अधारिष्यन्त |
| अधारिष्यथाः | अधारिष्येथाम् | अधारिष्यध्वम् |
| अधारिष्ये | अधारिष्यावहि | अधारिष्यामहि |

888 डुकृग् (कृ) करणे ।

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| व० करोति | कुरुतः | कुर्वन्ति |
| करोषि | कुरुथः | कुरुथ |
| करोमि | कुर्वः | कुर्मः |
| स० कुर्यात् | कुर्याताम् | कुर्युः |
| कुर्याः | कुर्यातम् | कुर्यात |
| कुर्याम | कुर्याव | कुर्याम |
| प० करोतु | कुरुतात् | कुरुताम् |
| कुरु | " | कुरुतम् |
| करवाणि | करवाव | करवाम |
| झ० अकरोत् | अकुरुताम् | अकुर्वन् |
| अकरोः | अकुरुतम् | अकुरुत |
| अकरवम् | अकुर्व | अकुर्म |
| अ० अकाशीत् | अकाशीम् | अकाषुः |
| अकाशीः | अकाशम् | अकाष्ट |
| अकाशम् | अकाश्व | अकाशम् |
| प० चकार | चक्रतुः | चक्रुः |
| चकथ | चक्रथुः | चक्र |
| चकार | चकर | चकृष |
| आ० क्रियात् | क्रियास्ताम् | क्रियासुः |
| क्रियाः | क्रियास्तम् | क्रियास्त |
| क्रियासम् | क्रियास्व | क्रियास्म |
| श्व० कर्ता | कर्तारौ | कर्तारः |
| कर्तासि | कर्तास्थः | कर्तास्थ |
| कर्तास्मि | कर्तास्वः | कर्तास्मः |
| भ० करिष्यति | करिष्यतः | करिष्यन्ति |
| करिष्यसि | करिष्यथः | करिष्यथ |
| करिष्यामि | करिष्यावः | करिष्यामः |
| क्रि० अकरिष्यत् | अकरिष्यताम् | अकरिष्यन् |
| अकरिष्यः | अकरिष्यतम् | अकरिष्यत |
| अकरिष्यम् | अकरिष्याव | अकरिष्याम |

| | | |
|----------------|--------------|--------------|
| च० कुरुते | कुर्वाते | कुर्वते |
| कुरुषे | कुर्वाथे | कुरुष्वे |
| कुर्वे | कुर्वहे | कुर्महे |
| च० कुर्वीत | कुर्वीयाताम् | कुर्वीरन् |
| कुर्वीथाः | कुर्वीयाथाम् | कुर्वीष्वम् |
| कुर्वीय | कुर्वीषहि | कुर्वीमहि |
| प० कुरुताम् | कुर्वाताम् | कुर्वताम् |
| कुरुष्व | कुर्वाथाम् | कुरुष्वम् |
| करवै | करवावहे | करवामहे |
| च० अकुरुत | अकुर्वाताम् | अकुर्वत |
| अकुरुथाः | अकुर्वाथाम् | अकुरुष्वम् |
| अकुर्वि | अकुर्वहि | अकुर्महि |
| म० अकृत | अकृषाताम् | अकृषत |
| अकृथाः | अकृषाथाम् | अकृष्वम् |
| | | इदृषम् |
| अकृषि | अकृष्वहि | अकृषमहि |
| प० चक्रे | चक्राते | चक्रिरे |
| चकृषे | चक्राथे | चकृष्वे |
| चक्रे | चकृवहे | चक्रमहे |
| आ० कृषीष्ट | कृषीयास्ताम् | कृषीरन् |
| कृषीष्ठाः | कृषीयास्थाम् | कृषीद्वम् |
| कृषीय | कृषीषहि | कृषीमहि |
| ब० कर्ता | कर्तारौ | कर्तारः |
| कर्तासे | कर्तासाथे | कर्ताध्वे |
| कर्ताहे | कर्तास्वहे | कर्तास्महे |
| म० करिष्यते | करिष्येते | करिष्यन्ते |
| करिष्यसे | करिष्येथे | करिष्यध्वे |
| करिष्ये | करिष्यावहे | करिष्यामहे |
| क्रि० अकरिष्यत | अकरिष्येताम् | अकरिष्यन्त |
| अकरिष्यथाः | अकरिष्येथाम् | अकरिष्यध्वम् |
| अकरिष्ये | अकरिष्यावहि | अकरिष्यामहि |

अथ कान्तः ।

889 हिक्की (हिक्) अव्यक्तं शब्दे ।

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| च० हिक्कति | हिक्कतः | हिक्कन्ति |
| हिक्कसि | हिक्कथः | हिक्कथ |
| हिक्कामि | हिक्कावः | हिक्कामः |
| स० हिक्केत | हिक्केताम् | हिक्केयुः |
| हिक्केः | हिक्केतम् | हिक्केन |
| हिक्केयम् | हिक्केव | हिक्केम |
| प० हिक्कतु | हिक्कतात् | हिक्कताम् |
| हिक्क | हिक्कतम् | हिक्कत |
| हिक्कानि | हिक्काव | हिक्काम |
| द्य० अहिक्कत | अहिक्कताम् | अहिक्कन् |
| अहिक्कः | अहिक्कतम् | अहिक्कत |
| अहिक्कम् | अहिक्काव | अहिक्काम |
| अ० अहिक्कीत् | अहिक्किताम् | अहिक्किषुः |
| अहिक्कीः | अहिक्किष्टम् | अहिक्किष्ट |
| अहिक्किषम् | अहिक्किष्व | अहिक्किषम् |
| प० जिहिक्क | जिहिक्कतुः | जिहिक्कः |
| जिहिक्कथ | जिहिक्कथुः | जिहिक्क |
| जिहिक्क | जिहिक्कव | जिहिक्कम् |
| आ० हिक्कयात् | हिक्कयास्ताम् | हिक्कयासुः |
| हिक्कयाः | हिक्कयास्तम् | हिक्कयास्त |
| हिक्कयासम् | हिक्कयास्व | हिक्कयास्म |
| भ्व० हिक्किता | हिक्कितारौ | हिक्कितार |
| हिक्कितासि | हिक्कितास्थः | हिक्कितास्थ |
| हिक्कितास्मि | हिक्कितास्वः | हिक्कितास्मः |
| भ० हिक्कियति | हिक्कियतः | हिक्कियन्ति |
| हिक्कियसि | हिक्कियथः | हिक्कियथ |
| हिक्कियामि | हिक्कियावः | हिक्कियामः |

अहिक्कियत अहिक्कियताम् अहिक्कियन्
अहिक्कियः अहिक्कियतम् अहिक्कियत
अहिक्कियम् अहिक्कियाव अहिक्कियाम

व० हिक्कते हिक्कते हिक्कन्ते
हिक्कसे हिक्कथे हिक्कध्वे
हिक्के हिक्कावहे हिक्कामहे

स० हिक्कत हिक्केयाताम् हिक्केरन्
हिक्कथाः हिक्केयाथाम् हिक्केध्वम्
हिक्केय हिक्केवहि हिक्केमहि

प० हिक्कताम् हिक्केताम् हिक्कन्ताम्
हिक्कस्व हिक्केथाम् हिक्कध्वम्
हिक्कै हिक्कावहै हिक्कामहै

झ० अहिक्कत अहिक्केताम् अहिक्कन्त
अहिक्कथाः अहिक्केथाम् अहिक्कध्वम्
अहिक्के अहिक्कावहि अहिक्कामहि

अ० अहिक्विक्कत अहिक्विक्कताम् अहिक्विक्कत
अहिक्विक्कताः अहिक्विक्कथाम् अहिक्विक्कध्वम्
अहिक्विक्के अहिक्विक्कावहि अहिक्विक्कामहि

अहिक्विक्कषि अहिक्विक्कष्वहि अहिक्विक्कषमहि

प० जिहिक्वे जिहिक्वीते जिहिक्वीरे
जिहिक्वीषे जिहिक्वीथे जिहिक्वीध्वे
जिहिक्वे जिहिक्वीवहे जिहिक्वीमहे

हिक्कषीष्ट हिक्कषीयास्ताम् हिक्कषीरन्
हिक्कषीष्टाः हिक्कषीयाथाम् हिक्कषीध्वम्
हिक्कषीय हिक्कषीवहि हिक्कषीमहि

श्व० हिक्कता हिक्कितारौ हिक्कितारः
हिक्कतासे हिक्किताथे हिक्किताध्वे
हिक्कताह हिक्कितावहे हिक्कितामहे

भ० हिक्कष्यते हिक्कष्येते हिक्कष्यन्ते
हिक्कष्यसे हिक्कष्येथे हिक्कष्यध्वे
हिक्कष्ये हिक्कष्यावहे हिक्कष्यामहे

अहिक्विक्कष्यत अहिक्विक्कष्यताम् अहिक्विक्कष्यन्त
अहिक्विक्कष्यथाः अहिक्विक्कष्यथाम् अहिक्विक्कष्यध्वम्
अहिक्विक्कष्ये अहिक्विक्कष्यावहि अहिक्विक्कष्यामहि

अथ चान्तास्त्रयस्तत्राद्यौ सेटावन्त्योऽनित्
गतिपूजयोरयं परस्मैपदिषु पठितः ।

स चास्य पाठो गतौ फलवति कर्तरि

890

परस्मैपदार्थः ।

अञ्चृग्(अञ्च्)गतौ च। चकारादव्यक्ते शब्दे

व० अञ्चति अञ्चतः अञ्चन्ति

अञ्चसि अञ्चथः अञ्चथ

अञ्चामि अञ्चाथः अञ्चामः

स० अञ्चेत् अञ्चेताम् अञ्चेयुः

अञ्चेः अञ्चेतम् अञ्चेत

अञ्चेयम् अञ्चेव अञ्चेम

प० अञ्चतु अञ्चतात् अञ्चताम् अञ्चन्तु

अञ्च " अञ्चतम् अञ्चत

अञ्चानि अञ्चाव अञ्चाम

झ० आञ्चत् आञ्चताम् आञ्चन्

आञ्चः आञ्चतम् आञ्चत

आञ्चम् आञ्चाव आञ्चाम

अ० आञ्चीत् आञ्चिष्टाम् आञ्चिषुः

आञ्चीः आञ्चिष्टम् आञ्चिष्ट

आञ्चिषम् आञ्चिष्व आञ्चिषम्

प० आनञ्च आनञ्चतुः आनञ्चुः

आनञ्चथ आनञ्चथुः आनञ्च

आनञ्च आनञ्चव आनञ्चम

आ० अच्यात् अच्यास्ताम् अच्यासुः

अच्याः अच्यास्तम् अच्यास्त

अच्यासम् अच्यास्व अच्यासम्

श्व० अञ्चिता अञ्चितारौ अञ्चितारः

अञ्चितासि अञ्चितास्थः अञ्चितास्थ

अञ्चितास्मि अञ्चितास्वः अञ्चितास्मः

भ० अञ्चिष्यति अञ्चिष्यतः अञ्चिष्यन्ति

अञ्चिष्यसि अञ्चिष्यथः अञ्चिष्यथ

अञ्चिष्यामि अञ्चिष्यावः अञ्चिष्यामः

क्रि० आञ्चिष्यत् आञ्चिष्यताम् आञ्चिष्यन्

आञ्चिष्यः आञ्चिष्यतम् आञ्चिष्यत

आञ्चिष्यम् आञ्चिष्याव आञ्चिष्याम

| | | |
|-----------------|-----------------|---------------|
| व० अञ्चते | अञ्चते | अञ्चन्ते |
| अञ्चसे | अञ्चये | अञ्चध्वे |
| अञ्चे | अञ्चावहे | अञ्चामहे |
| स० अञ्चेत | अञ्चेयाताम् | अञ्चेरन् |
| अञ्चेथाः | अञ्चेयाथाम् | अञ्चध्वम् |
| अञ्चेय | अञ्चेवहि | अञ्चेमहि |
| प० अञ्चताम् | अञ्चेताम् | अञ्चन्ताम् |
| अञ्चस्व | अञ्चेशाम् | अञ्चध्वम् |
| अञ्चै | अञ्चावहे | अञ्चामहे |
| झ० आञ्चत | आञ्चेताम् | आञ्चन्त |
| आञ्चथाः | आञ्चेथाम् | आञ्चध्वम् |
| आञ्चे | आञ्चावहि | आञ्चामहि |
| अ० आञ्चिष्ट | आञ्चिषाताम् | आञ्चिषत |
| आञ्चिष्टाः | आञ्चिषाथाम् | आञ्चिषध्वम् |
| आञ्चिषि | आञ्चिष्वहि | आञ्चिषमहि |
| फ० आनञ्चे | आनञ्चाते | आनञ्चरे |
| आनञ्चये | आनञ्चाथे | आनञ्चध्वे |
| आनञ्चे | आनञ्चावहे | आनञ्चमहे |
| आ० अञ्चिषीष्ट | अञ्चिषीयास्ताम् | अञ्चिषीरन् |
| अञ्चिषीष्टाः | अञ्चिषीयास्थाम् | अञ्चिषीध्वम् |
| अञ्चिषीय | अञ्चिषीवहि | अञ्चिषीमहि |
| श्व० अञ्चिता | अञ्चितारौ | अञ्चितारः |
| अञ्चितासे | अञ्चितास्थे | अञ्चिताध्वे |
| अञ्चिताहे | अञ्चितावहे | अञ्चितामहे |
| भ० अञ्चिष्यते | अञ्चिष्येते | अञ्चिष्यन्ते |
| अञ्चिष्यसे | अञ्चिष्येथे | अञ्चिष्यध्वे |
| अञ्चिष्ये | अञ्चिष्यावहे | अञ्चिष्यामहे |
| क्रि० आञ्चिष्यत | आञ्चिष्येताम् | आञ्चिष्यन्त |
| आञ्चिष्यथाः | आञ्चिष्येथाम् | आञ्चिष्यध्वम् |
| आञ्चिष्ये | आञ्चिष्यावहि | आञ्चिष्यामहि |

89। डुयाचृग् (याच्) याञ्चायाम्

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० याचति | याचतः | याचन्ति |
| याचसि | याचथः | याचथ |
| याचामि | याचावः | याचामः |
| स० याचेत | याचेताम् | याचेयुः |
| याचे. | याचेतम् | याचेन |
| याचेयम् | याचेव | याचेम |
| प० याचतु | याचतात् | याचताम् |
| याच | " | याचतम् |
| याचानि | याचाव | याचाम |
| झ० अयाचत् | अयाचताम् | अयाचन् |
| अयाचः | अयाचतम् | अयाचत |
| अयाचम् | अयाचाव | अयाचाम |
| अ० अयाचीत् | अयाचिष्टाम् | अयाचिषुः |
| अयाचीः | अयाचिष्टम् | अयाचिष्ट |
| अयाचिषम् | अयाचिष्व | अयाचिषम |
| प० ययाच | ययाचतुः | ययाचुः |
| ययाचिथ | ययाचथुः | ययाच |
| ययाच | ययाचिव | ययाचिम |
| आ० याच्यात् | याच्यास्ताम् | याच्यासुः |
| याच्याः | याच्यास्तम् | याच्यास्त |
| याच्यासम् | याच्यास्व | याच्यास्म |
| श्व० याचिता | याचितारौ | याचितारः |
| याचितासि | याचितास्थः | याचितास्थ |
| याचितास्मि | याचितास्वः | याचितास्मः |
| भ० याचिष्यति | याचिष्यतः | याचिष्यन्ति |
| याचिष्यसि | याचिष्यथः | याचिष्यथ |
| याचिष्यामि | याचिष्यावः | याचिष्यामः |
| क्रि० अयाचिष्यत् | अयाचिष्यताम् | अयाचिष्यन् |
| अयाचिष्यः | अयाचिष्यतम् | अयाचिष्यत |
| अयाचिष्यम् | अयाचिष्याव | अयाचिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० याचते | याचते | याचन्ते |
| याचसे | याचोथे | याचध्वे |
| याचे | याचावहे | याचामहे |
| स० याचोत | याचोयाताम् | याचोरन |
| याचोथाः | याचोयाथाम् | याचोध्वम् |
| याचोय | याचोवहि | याचोमहि |
| प० याचताम् | याचेताम् | याचस्ताम् |
| याचस्व | याचोथाम् | याचध्वम् |
| याचै | याचावहै | याचामहै |
| झ० अयाचत | अयाचोताम् | अयाचन्त |
| अयाचथाः | अयाचोथाम् | अयाचध्वम् |
| अयाचो | अयाचावहि | अयाचामहि |
| अ० अयाचिष्ट | अयाचिषाताम् | अयाचिषत |
| अयाचिष्ठाः | अयाचिषाथाम् | अयाचिद्ध्वम् |
| | | अयाचिध्वम् |
| अयाचिषि | अयाचिष्वहि | अयाचिमहि |
| प० ययाचो | ययाचाते | ययाचिरे |
| ययाचिषे | ययाचाथे | ययाचिध्वे |
| ययाचे | ययाचिवहे | ययाचिमहे |
| आ० याचिषीष्ट | याचिषीयास्ताम् | याचिषीरन |
| याचिषीष्ठाः | याचिषीयास्थाम् | याचिषीध्वम् |
| याचिषीय | याचिषीवहि | याचिषीमहि |
| श्च० याचिता | याचितारौ | याचितारः |
| याचितासे | याचितास्थे | याचिताध्वे |
| याचिताहे | याचितास्वहे | याचितास्महे |
| भ० याचिष्यते | याचिष्येते | याचिष्यन्ते |
| याचिष्यसे | याचिष्येथे | याचिष्यध्वे |
| याचिष्ये | याचिष्यावहे | याचिष्यामहे |
| क्रि० अयाचिष्यत | अयाचिष्येताम् | अयाचिष्यन्त |
| अयाचिष्यथाः | अयाचिष्येथाम् | अयाचिष्यध्वम् |
| अयाचिष्ये | अयाचिष्यावहि | अयाचिष्यामहि |

892 डु पर्चीषू (पच्) पाके ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० पचति | पचतः | पचन्ति |
| पचसि | पचथः | पचथ |
| पचामि | पचावः | पचामः |
| स० पचेत् | पचेताम् | पचेयुः |
| पचेः | पचेतम् | पचेत |
| पचेयम् | पचेव | पचेम |
| प० पचतु | पचतात् | पचताम् |
| पच | " | पचतम् |
| पचानि | पचाव | पचाम |
| झ० अपचत् | अपचताम् | अपचन |
| अपचः | अपचतम् | अपचत |
| अपचम् | अपचाव | अपचाम |
| अ० अपाक्षीत् | अपाक्षात् | अपाक्षुः |
| अपाक्षीः | अपाक्षम् | अपाक्ष |
| अपाक्षम् | अपाक्ष्व | अपाक्षम |
| प० पपाच | पेचतुः | पेचुः |
| पेचिथ, पपचथ | पेचथुः | पच |
| पपाच, पपच | पेचिव | पेचिम |
| आ० पच्यात् | पच्यास्ताम् | पच्यासुः |
| पच्याः | पच्यास्तम् | पच्यास्त |
| पच्यासम् | पच्यास्व | पच्यास्म |
| श्च० पक्ता | पक्तारौ | पक्तारः |
| पक्तासि | पक्तास्थः | पक्तास्थ |
| पक्तास्मि | पक्तास्वः | पक्तास्मः |
| भ० पक्ष्यति | पक्ष्यतः | पक्ष्यन्ति |
| पक्ष्यसि | पक्ष्यथः | पक्ष्यथ |
| पक्ष्यामि | पक्ष्यावः | पक्ष्यामः |
| क्रि० अपक्ष्यत् | अपक्ष्यताम् | अपक्ष्यन् |
| अपक्ष्यः | अपक्ष्यतम् | अपक्ष्यत |
| अपक्ष्यम् | अपक्ष्याव | अपक्ष्याम |

| | | |
|----------------|---------------|---------------------|
| व० पचते | पचते | पचन्ते |
| पचसे | पचोथे | पचध्वे |
| पचे | पचावहे | पचामहे |
| स० पचोत | पचोताताम् | पचोरेन |
| पचोथाः | पचोथाताम् | पचध्वम् |
| पचोय | पचेवहि | पचेमहि |
| प० पचताम् | पचेताम् | पचन्ताम् |
| पचस्व | पचोथाम् | पचध्वम् |
| पचै | पचावह | पचामहे |
| झ० अपचत | अपचोताम् | अपचन्त |
| अपचथाः | अपचोथाताम् | अपचध्वम् |
| अपचो | अपचावहि | अपचामहि |
| अ० अपक्त | अपक्षाताम् | अपक्षत |
| अपक्थाः | अपक्षाताम् | अपक्षध्वम्-इहूध्वम् |
| अपक्षि | अपक्षवहि | अपक्षमहि |
| प० पेचो | पेचाते | पेचिरे |
| पेचिषे | पेचाथे | पेचिध्वे |
| पेचे | पेचिवहे | पेचिमहे |
| आ० पक्षीष्ट | पक्षीयास्ताम् | पक्षीरन् |
| पक्षीष्टाः | पक्षीयास्ताम् | पक्षीध्वम् |
| पक्षीय | पक्षीवहि | पक्षीमहि |
| श्व० पक्ता | पक्तारौ | पक्तारः |
| पक्तासे | पक्तासाथे | पक्ताध्वे |
| पक्ताहे | पक्तास्वहे | पक्तास्महे |
| भ० पक्ष्यते | पक्ष्येते | पक्ष्यन्ते |
| पक्ष्यसे | पक्ष्येथे | पक्ष्यध्वे |
| पक्ष्ये | पक्ष्यावहे | पक्ष्यामहे |
| क्रि० अपक्ष्यत | अपक्ष्येताम् | अपक्ष्यन्त |
| अपक्ष्यथाः | अपक्ष्येताम् | अपक्ष्यध्वम् |
| अपक्ष्ये | अपक्ष्यावहि | अपक्ष्यामहि |

अथ जान्ताश्चत्वारस्तत्राद्यौ सेटाव
न्त्यौ त्वनिटौ

893 राजृग् (राज्) दीप्तौ ।

| | | |
|------------------|--------------|---------------|
| व० राजति | राजतः | राजन्ति |
| राजसि | राजथः | राजथ |
| राजामि | राजावः | राजामः |
| स० राजेत् | राजेताम् | राजेतुः |
| राजेः | राजेतम् | राजेत |
| राजेयम् | राजेव | राजेम |
| प० राजतु | राजतात् | राजताम् |
| राज | " | राजतम् |
| राजानि | राजाव | राजाम |
| झ० अराजत् | अराजताम् | अराजन |
| अराजः | अराजतम् | अराजन |
| अराजम् | अराजाव | अराजाम |
| अ० अराजीत | अराजिष्टाम् | अराजिषुः |
| अराजीः | अराजिष्टम् | अराजिष्ट |
| अराजिषम् | अराजिष्व | अराजिष्य |
| प० रराज रेजतुः | रराजतुः | रेजुः |
| रेजिथ-रराजिज | रेजथुः | रराजथुः |
| रराज | रराजिष्व | रेजिष्व |
| रराजिष्व | रराजिष्व | रराजिष्व |
| रराजिष्व | रराजिष्व | रराजिष्व |
| आ० राज्यात् | राज्यास्ताम् | राज्यासुः |
| राज्याः | राज्यास्तम् | राज्यास्त |
| राज्यासम् | राज्यास्व | राज्यास्म |
| श्व० राजिता | राजितारौ | राजितारः |
| राजितासे | राजितासाथे | राजिताध्वे |
| राजिताहे | राजितास्वहे | राजितास्महे |
| भ० राजिष्यति | राजिष्यतः | राजिष्यन्ति |
| राजिष्यसि | राजिष्यथः | राजिष्यथ |
| राजिष्यामि | राजिष्यावः | राजिष्यामः |
| क्रि० अराजिष्यत् | अराजिष्यताम् | अराजिष्यन्त |
| अराजिष्यथाः | अराजिष्यताम् | अराजिष्यध्वम् |
| अराजिष्ये | अराजिष्यावहि | अराजिष्यामहि |

| | | |
|--------------|----------------|--------------|
| व० राजते | राजेते | राजन्ते |
| राजसे | राजेथे | राजध्वे |
| राजे | राजावहे | राजामहे |
| स० राजेत | राजेयाताम् | राजेरन् |
| राजेथाः | राजेयाथाम् | राजेध्वम् |
| राजेय | राजेयहि | राजेमहि |
| प० राजताम् | राजेताम् | राजन्ताम् |
| राजस्व | राजेथाम् | राजध्वम् |
| राजे | राजावहे | राजामहे |
| झ० अराजत | अराजेताम् | अराजन्त |
| अराजथाः | अराजेथाम् | अराजध्वम् |
| अराजे | अराजावहि | अराजामहि |
| अ० अराजिष्ट | अराजिषाताम् | अराजिषत |
| अराजिष्ठाः | अराजिषाथाम् | अराजिड्ध्वम् |
| अराजिषि | अराजिष्वहि | अराजिष्महि |
| प० रेजे | रेजाते | रेजिरे |
| रेजिषे | रेजाथे | रेजिध्वे |
| रेजे | रेजिवहे | रेजिमहे |
| रराजे | रराजाते | रराजिरे |
| रराजिषे | रराजाथे | रराजिध्वे |
| रराजे | रराजिवहे | रराजिमहे |
| आ० राजिषीष्ट | राजिषीयास्ताम् | राजिषीरन् |
| राजिषीष्ठाः | राजिषीयास्थाम् | राजिषीध्वम् |
| राजिषीय | राजिषीयहि | राजिषीमहि |
| भ्व० राजिता | राजितारौ | राजितारः |
| राजितासे | राजितासाथे | राजिताध्वे |
| राजिताहे | राजितास्वहे | राजितास्महे |
| भ० राजिष्यते | राजिष्येते | राजिष्यन्ते |
| राजिष्यसे | राजिष्येथे | राजिष्यध्वे |
| राजिष्ये | राजिष्यवहे | राजिष्यामहे |

कि० अराजिष्यत अराजिष्येताम् अराजिष्यन्त
अराजिष्यथाः अराजिष्येथाम् अराजिष्यध्वम्
अराजिष्ये अराजिष्यावहि अराजिष्यामहि

894 दुभ्राजि (भ्राज्) दीप्तौ ।

अस्यात्मनेपदिनोऽपि पुनरिह पाठो रा-
जसाहचर्यप्रदर्शनार्थः, तेन " ज भ्रम- "

त्यत्र "यजसृज-" इत्यत्र चास्यैव ग्रह-
णान्, पत्वद्वित्वाभावविकल्पः षत्वश्चा-
स्यैव तथा चास्य भ्रेजे, बभ्राजे वाभ्राष्टि
पूर्वस्य तु बभ्राजे वाभ्राक्ति इति, द्विवचनं
तेनास्य भ्राजथुः, पूर्वस्य तु भ्राज इति
रूपम्, ननु पत्वद्वित्वाभावविकल्पने प्र-
योजनं तु भ्रेजे बभ्राजे इति रूपद्वयसि-
द्धिः, सा तु अन्यथापि भविष्यति । वा-
भ्राष्टि वाभ्राक्ति इति रूपद्वयार्थं तु
षत्वमेव विकल्प्यतां किं पुनः पाठेन स-
त्यम् । अस्यात्मनेपदाव्यभिचारोपद-
र्शनद्वाराऽन्येषां यथादर्शनमात्मनेपदा-
नित्यत्वज्ञापनार्थः पाठः पुनः तेन लभते
लभति सेवते सेवति । श्रोतारमुपलभति
न प्रशंसितारम् । " स्वाधीने विभवेऽ-
प्यहो नरपतिं सेवन्ति किं मानिनः " ।
इत्यादयः प्रयोगाः साधव इति—

| | |
|------------------|---------------------|
| व० भ्राजते । | स० भ्राजेत । |
| प० भ्राजताम् । | झ० अभ्राजत । |
| अ० अभ्राजिष्ट । | प० भ्रजे, बभ्राजे । |
| आ० भ्राजिषीष्ट । | भ्व० भ्राजिता । |
| भ० भ्राजिष्यते । | कि० अभ्राजिष्यत । |

895 भजीं (भज्) सेवायाम्

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| ब० भजति | भजतः | भजन्ति |
| भजसि | भजथः | भजथ |
| भजामि | भजावः | भजामः |
| स० भजत् | भजेताम् | भजेयुः |
| भजेः | भजेतम् | भजेत |
| भजेयम् | भजेव | भजेम |
| प० भजतु | भजतात् | भजताम् |
| भज | " | भजतम् |
| भजानि | भजाव | भजाम |
| ब० अभजत् | अभजताम् | अभजन |
| अभजः | अभजतम् | अभजत |
| अभजम् | अभजाव | अभजाम |
| अ० अभक्षीत् | अभाक्ताम् | अभाक्षुः |
| अभाक्षीः | अभाक्तम् | अभाक्त |
| अभाक्षम् | अभाक्षव | अभाक्षम |
| प० वभाज | भोजतुः | भोजुः |
| भोजिथ-वभक्ष | भोजथुः | भोज |
| वभाज, वभज | भोजिथ | भोजिम |
| आ० भज्यात् | भज्यास्ताम् | भज्यासुः |
| भज्याः | भज्यास्तम् | भज्यास्त |
| भज्यासम् | भज्यास्व | भज्यास्म |
| श्व० भक्ता | भक्तारौ | भक्तारः |
| भक्तासि | भक्तास्थः | भक्तास्थ |
| भक्तास्मि | भक्तास्वः | भक्तास्मः |
| भ० भक्ष्यति | भक्ष्यतः | भक्ष्यन्ति |
| भक्ष्यसि | भक्ष्यथः | भक्ष्यथ |
| भक्ष्यामि | भक्ष्यावः | भक्ष्यामः |
| क्रि० अभक्ष्यत् | अभक्ष्यताम् | अभक्ष्यन् |
| अभक्ष्यः | अभक्ष्यतम् | अभक्ष्यत |
| अभक्ष्यम् | अभक्ष्याव | अभक्ष्याम |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| व० भजते | भजते | भजन्ते |
| भजसे | भजथे | भजध्वे |
| भजे | भजावहे | भजामहे |
| स० भजेत | भजेयाताम् | भजेरन् |
| भजेथाः | भजेयाथाम् | भजेध्वम् |
| भजेय | भजेवहि | भजेमहि |
| प० भजताम् | भजेताम् | भजन्ताम् |
| भजस्व | भजेथाम् | भजध्वम् |
| भजै | भजावहै | भजामहै |
| ब० अभजत | अभजेताम् | अभजन्त |
| अभजथाः | अभजेथाम् | अभजध्वम् |
| अभजे | अभजावहि | अभजामहि |
| अ० अभक्त | अभक्षाताम् | अभक्षत |
| अभक्थाः | अभक्षाथाम् | अभ-गुद्वध्वम् |
| अभक्षि | अभक्ष्वहि | अभक्षमहि |
| प० भोजे | भोजाते | भोजिरे |
| भोजिषे | भोजाथे | भोजिध्वे |
| भोजे | भोजिवहे | भोजिमहे |
| आ० भक्षीष्ट | भक्षीयास्ताम् | भक्षीरन् |
| भक्षीष्टाः | भक्षीयास्थाम् | भक्षीध्वम् |
| भक्षीय | भक्षीवहि | भक्षीमहि |
| श्व० भक्ता | भक्तारौ | भक्तारः |
| भक्तासे | भक्ताजाथे | भक्ताध्व |
| भक्ताहे | भक्तास्वहे | भक्तास्महे |
| भ० भक्ष्यते | भक्ष्येते | भक्ष्यन्ते |
| भक्ष्यसे | भक्ष्येये | भक्ष्यध्वे |
| भक्ष्ये | भक्ष्यावहे | भक्ष्यामहे |
| क्रि० अभक्ष्यत | अभक्ष्येताम् | अभक्ष्यन्त |
| अभक्ष्यथाः | अभक्ष्येथाम् | अभक्ष्यध्वम् |
| अभक्ष्ये | अभक्ष्यावहि | अभक्ष्यामहि |

896 रञ्जी (रञ्ज्) रागे

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| ब० रजति | रजतः | रजन्ति |
| रजसि | रजथः | रजथ |
| रजामि | रजावः | रजामः |
| स० रजेत् | रजेताम् | रजेयुः |
| रजेः | रजेतम् | रजेत |
| रजेयम् | रजेव | रजेम |
| प० रजतु | रजतात् | रजताम् |
| रज | ” | रजतम् |
| रजानि | रजाव | रजाम |
| झ० अरजत् | अरजताम् | अरजन |
| अरजः | अरजतम् | अरजत |
| अरजम् | अरजाव | अरजाम |
| अ० अरङ्क्षीत् | अरङ्क्षताम् | अरङ्क्षुः |
| अरङ्क्षीः | अरङ्क्षेत् | अरङ्क्षत |
| अरङ्क्षामि | अरङ्क्ष्यावः | अरङ्क्ष्यामः |
| प० ररञ्ज | ररञ्जतुः | ररञ्जुः |
| ररञ्जिथ-ररङ्क्षथ | ररञ्जथुः | ररञ्ज |
| ररञ्ज | ररञ्जिव | ररञ्जिम |
| आ० रज्यात् | रज्यास्ताम् | रज्यासुः |
| रज्याः | रज्यास्तम् | रज्यास्त |
| रज्यासम् | रज्यास्व | रज्यास्म |
| भ्व० रङ्क्ता | रङ्क्तारी | रङ्क्तारः |
| रङ्क्तासि | रङ्क्तास्थः | रङ्क्तास्थ |
| रङ्क्तास्मि | रङ्क्तास्वः | रङ्क्तास्म |
| भ० रङ्क्षयति | रङ्क्षयतः | रङ्क्षयन्ति |
| रङ्क्षयसि | रङ्क्षयथः | रङ्क्षयथ |
| रङ्क्षयामि | रङ्क्षयावः | रङ्क्षयामः |
| क्रि० अरङ्क्षयत् | अरङ्क्षयताम् | अरङ्क्षयन् |
| अरङ्क्षयः | अरङ्क्षयतम् | अरङ्क्षयत |
| अरङ्क्षयम् | अरङ्क्षयाव | अरङ्क्षयाम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ब० रजते | रजेते | रजन्ते |
| रजसे | रजेथे | रजध्वे |
| रजे | रजावहे | रजामहे |
| स० रजेत् | रजेयाताम् | रजेरन् |
| रजेथाः | रजेयाथाम् | रजेध्वम् |
| रजेय | रजेवहि | रजेमहि |
| प० रजताम् | रजेताम् | रजन्ताम् |
| रजस्व | रजेथाम् | रजध्वम् |
| रजै | रजावहे | रजामहे |
| झ० अरजत | अरजेताम् | अरजन्त |
| अरजथाः | अरजेथाम् | अरजध्वम् |
| अरजे | अरजावहि | अरजामहि |
| अ० अरङ्क्षत् | अरङ्क्षताम् | अरङ्क्षत |
| अरङ्क्षथाः | अरङ्क्षथाम् | अरङ्क्षध्वम् |
| अरङ्क्षि | अरङ्क्षवहि | अरङ्क्षमहि |
| ररञ्जै | ररञ्जाते | ररञ्जिरे |
| ररञ्जिपे | ररञ्जाथे | ररञ्जिध्वे |
| ररञ्जै | ररञ्जिवहे | ररञ्जिमहे |
| आ० रङ्क्षीष्ट | रङ्क्षीयास्ताम् | रङ्क्षीरन् |
| रङ्क्षीष्टाः | रङ्क्षीयास्थाम् | रङ्क्षीध्वम् |
| रङ्क्षीय | रङ्क्षीवहि | रङ्क्षीमहि |
| भ्व० रङ्क्ता | रङ्क्तारी | रङ्क्तारः |
| रङ्क्तासे | रङ्क्तासाथे | रङ्क्ताध्वे |
| रङ्क्ताहे | रङ्क्तास्वहे | रङ्क्तास्महे |
| भ० र | रङ्क्ष्येते | रङ्क्ष्यन्ते |
| रङ्क्ष्यसे | रङ्क्ष्येथे | रङ्क्ष्यध्वे |
| रङ्क्ष्ये | रङ्क्ष्यावहे | रङ्क्ष्यामहे |
| क्रि० अरङ्क्षयत् | अरङ्क्ष्येताम् | अरङ्क्षयन्त |
| अरङ्क्षयथाः | अरङ्क्ष्येथाम् | अरङ्क्ष्यध्वम् |
| अरङ्क्ष्ये | अरङ्क्ष्यावहि | अरङ्क्ष्यामहि |

अथ टान्तः सेट् च
897 रेटृङ् (रेट्) परिभाषण-
याचनयोः

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| ख० | रेटति | रेटतः | रेटन्ति |
| | रेटसि | रेटयः | रेटथ |
| | रेटामि | रेटावः | रेटामः |
| स० | रेटेत् | रेटेताम् | रेट्युः |
| | रेटेः | रेटेतम् | रेटेत |
| | रेटेयम् | रेटेव | रेटेम |
| प० | रेटतु | रेटतात् | रेटताम् |
| | रेट | " | रेटतम् |
| | रेटानि | रेटाव | रेटाम |
| झ० | अरेटत् | अरेटताम् | अरेटन |
| | अरेटः | अरेटतम् | अरेटत |
| | अरेटम् | अरेटाव | अरेटाम |
| अ० | अरेटीत् | अरेटिष्ताम् | अरेटिषुः |
| | अरेटीः | अरेटिष्टम् | अरेटिष्ट |
| | अरेटिषम् | अरेटिष्व | अरेटिष्म |
| प० | रिरेट | रिरेटतुः | रिरेटुः |
| | रिरेटिथ | रिरेट्युः | रिरेट |
| | रिरेट | रिरेटिष | रिरेटिम |
| आ० | रेट्यात् | रेट्यास्ताम् | रेट्यासुः |
| | रेट्याः | रेट्यास्तम् | रेट्यास्त |
| | रेट्यासम् | रेट्यास्व | रेट्यास्म |
| श्व० | रेटिता | रेटितारौ | रेटितारः |
| | रेटितासि | रेटितास्थः | रेटितास्थ |
| | रेटितास्मि | रेटितास्वः | रेटितास्मः |
| भ० | रेटिष्यति | रेटिष्यतः | रेटिष्यन्ति |
| | रेटिष्यसि | रेटिष्यथः | रेटिष्यथ |
| | रेटिष्यामि | रेटिष्यावः | रेटिष्यामः |
| क्रि० | अरेटिष्यत् | अरेटिष्यताम् | अरेटिष्यन् |
| | अरेटिष्यः | अरेटिष्यतम् | अरेटिष्यत |
| | अरेटिष्यम् | अरेटिष्याव | अरेटिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-----------------|
| ख० | रेटते | रेटेते | रेटन्ते |
| | रेटसे | रेटथे | रेटध्वे |
| | रेटे | रेटावहे | रेटामहे |
| स० | रेटत | रेटेयाताम् | रेटेरन |
| | रेटथाः | रेटेयाथाम् | रेटेध्वम् |
| | रेटेय | रेटेवहि | रेटेमहि |
| प० | रेटताम् | रेटेताम् | रेटन्ताम् |
| | रेटस्व | रेटेयाम् | रेटध्वम् |
| | रेटै | रेटावह | रेटामह |
| झ० | अरेटत | अरेटेताम् | अरेटन्त |
| | अरेटथाः | अरेटेथाम् | अरेटध्वम् |
| | अरेटे | अरेटावहि | अरेटामहि |
| अ० | अरेटिष्ट | अरेटिषाताम् | अरेटिषत |
| | अरेटिष्ठाः | अरेटिषाथाम् | अरेटि-ङ्ङुध्वम् |
| | अरेटिषि | अरेटिष्वहि | अरेटिष्महि |
| प० | रिरेटे | रिरेटाते | रिरेटिरे |
| | रिरेटिषे | रिरेटाथे | रिरेटिध्वे |
| | रिरेटे | रिरेटिवहे | रिरेटिमहे |
| आ० | रेटिषीष्ट | रेटिषीयास्ताम् | रेटिषीरन |
| | रेटिषीष्ठाः | रेटिषीयास्थाम् | रेटिषीध्वम् |
| | रेटिषीय | रेटिषीवहि | रेटिषीमहि |
| श्व० | रेटिता | रेटितारौ | रेटितारः |
| | रेटितासे | रेटितात्राथे | रेटिताध्वे |
| | रेटिताहे | रेटितास्वहे | रेटितास्महे |
| भ० | रेटिष्यते | रेटिष्येते | रेटिष्यन्ते |
| | रेटिष्यसे | रेटिष्येथे | रेटिष्यध्वे |
| | रेटिष्ये | रेटिष्यावहे | रेटिष्यामहे |
| क्रि० | अरेटिष्यत | अरेटिष्येताम् | अरेटिष्यन्त |
| | अरेटिष्यथाः | अरेटिष्येथाम् | अरेटिष्यध्वम् |
| | अरेटिष्ये | अरेटिष्यावहि | अरेटिष्यामहि |

अथ णान्तः सेट् च ।

वेण्ण (वेण) गतिज्ञानचि

न्तानि शामनवादित्रग्रहणेषु ।

| | | |
|------------------|---------------|-------------|
| व० वेणति | वेणतः | वेणन्ति |
| वेणसि | वेणथः | वेणथ |
| वेणामि | वेणावः | वेणामः |
| स० वेणेत | वेणेताम् | वेणयुः |
| वेणेः | वेणेतम् | वेणेत |
| वेणेत्यम् | वेणेत्य | वेणेत्य |
| प० वेणतु | वेणतातु | वेणन्तु |
| वेण | वेणतम् | वेणत |
| वेणानि | वेणाव | वेणाम |
| झ० अवेणत् | अवेणताम् | अवेणन् |
| अवेणः | अवेणतम् | अवेणत |
| अवेणम् | अवेणाव | अवेणाम |
| अ० अवेणीन | अवेणिशाम् | अवेणिपुः |
| अवेणीः | अवेणिशम् | अवेणिश |
| अवेणिषम् | अवेणिष्य | अवेणिष्य |
| प० त्रिवेण | त्रिवेणतुः | त्रिवेणुः |
| त्रिवेणित् | त्रिवेणित्युः | त्रिवेण |
| त्रिवेण | त्रिवेणिष्य | त्रिवेणिष्य |
| आ० वेण्यात् | वेण्यास्ताम् | वेण्यासुः |
| वेण्याः | वेण्यास्तम् | वेण्यास्त |
| वेण्यासम् | वेण्यास्व | वेण्यास्व |
| झ० वेणिता | वेणितारी | वेणितारः |
| वेणितामि | वेणितास्थः | वेणितास्थ |
| वेणितास्मि | वेणितास्वः | वेणितास्व |
| झ० वेणिष्यति | वेणिष्यतः | वेणिष्यन्ति |
| वेणिष्यसि | वेणिष्यथः | वेणिष्यथ |
| वेणिष्यामि | वेणिष्यावः | वेणिष्यामः |
| क्रि० अवेणिष्यत् | अवेणिष्यताम् | अवेणिष्यन् |
| अवेणिष्यः | अवेणिष्यतम् | अवेणिष्यत |
| अवेणिष्यम् | अवेणिष्याव | अवेणिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| व० वेणते | वेणते | वेणन्ते |
| वेणसे | वेणथे | वेणथ्वे |
| वेणे | वेणावहे | वेणामहे |
| स० वेणेत | वेण्याताम् | वेणेरन् |
| वेणथाः | वेण्याथाम् | वेणेष्वम् |
| वेणेत्य | वेणेष्वहि | वेणेमहि |
| प० वेणताम् | वेणताम् | वेणस्ताम् |
| वेणस्व | वेणथाम् | वेणष्वम् |
| वेण | वेणावहे | वेणामहे |
| झ० अवेणत | अवेणताम् | अवेणन्त |
| अवेणथाः | अवेणथाम् | अवेणष्वम् |
| अवेणे | अवेणावहि | अवेणामहि |
| अ० अवेणिष्ट | अवेणिषाताम् | अवेणिषत |
| अवेणिष्टाः | अवेणिषाथाम् | अवेणिष्टष्वम् |
| अवेणिषि | अवेणिष्यहि | अवेणिष्यमहि |
| प० त्रिवेणे | त्रिवेणाते | त्रिवेणिरे |
| त्रिवेणिषे | त्रिवेणाथे | त्रिवेणिष्वे |
| त्रिवेणे | त्रिवेणिष्वहे | त्रिवेणिष्वमहे |
| आ० वेणिषीष्ट | वेणिषीयास्ताम् | वेणिषीरन् |
| वेणिषीष्टाः | वेणिषीयास्थाम् | वेणिषीष्टष्वम् |
| वेणिषीय | वेणिषीवहि | वेणिषीमहि |
| झ० वेणिता | वेणितारी | वेणितारः |
| वेणितासे | वेणितासाथे | वेणिताष्वे |
| वेणिताहे | वेणितास्वहे | वेणितास्वमहे |
| झ० वेणिष्यते | वेणिष्यते | वेणिष्यन्ते |
| वेणिष्यसे | वेणिष्येथे | वेणिष्यथ्वे |
| वेणिष्ये | वेणिष्यावहे | वेणिष्यामहे |
| क्रि० अवेणिष्यत | अवेणिष्यताम् | अवेणिष्यन्त |
| अवेणिष्यथाः | अवेणिष्येथाम् | अवेणिष्यष्वम् |
| अवेणिष्ये | अवेणिष्यावहि | अवेणिष्यामहि |

अथ तान्तः सेदं च ।

899 चतेम् (चत्) याचने ।

| | | |
|----------|---------|--------|
| च० चतति | चततः | चतन्ति |
| चतसि | चतथः | चतथ |
| चतामि | चतावः | चतामः |
| स० चतेत् | चतेताम् | चतेयुः |
| चतेः | चतेतम् | चतेत |
| चतेयम् | चतेव | चतेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० चततु | चतताम् | चतताम् | चतन्तु |
| चत | " | चततम् | चतत |
| चतानि | चताव | चताम | |

| | | |
|----------|--------|-------|
| झ० अचतत् | अतताम् | अचतन् |
| अचतः | अचतम् | अचतत |
| अचतम् | अचताव | अचताम |

| | | |
|-----------|-----------|---------|
| अ० अचतीत् | अचतिशम् | अचतिषुः |
| अचतीः | अचतिष्टम् | अचतिष्ट |
| अचतिषम् | अचतिष्व | अचतिष्म |

| | | |
|----------|--------|-------|
| प० चाचात | चेततुः | चेतुः |
| चेतिथ | चेतथुः | चेत |
| चाचात | चाचात | चेतिव |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० चत्यात् | चत्यास्ताम् | चत्यासुः |
| चत्याः | चत्यास्तम् | चत्यास्त |
| चत्यासम् | चत्यास्व | चत्यास्म |

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| भ० चतिता | चतितारौ | चतितारः |
| चतितासि | चतितास्थः | चतितास्थ |
| चतितास्मि | चतितास्वः | चतितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० चतिष्यति | चतिष्यतः | चतिष्यन्ति |
| चतिष्यसि | चतिष्यथः | चतिष्यथ |
| चतिष्यामि | चतिष्यावः | चतिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अचतिष्यत् | अचतिष्यताम् | अचतिष्यन् |
| अचतिष्यः | अचतिष्यतम् | अचतिष्यत |
| अचतिष्यम् | अचतिष्याव | अचतिष्याम |

| | | |
|----------|---------|---------|
| च० चातते | चातेते | चातन्ते |
| चातसे | चातेथे | चातध्वे |
| चाते | चातावहे | चानामहे |

| | | |
|----------|------------|-----------|
| स० चातेत | चातेयाताम् | चातेरन् |
| चातेथाः | चातेयाथाम् | चातेध्वम् |
| चातेय | चातेवहि | चातेमहि |

| | | |
|-----------|---------|----------|
| प० चतताम् | चतेताम् | चतन्ताम् |
| चतस्व | चतेथाम् | चतध्वम् |
| चतै | चतावहे | चतामहे |

| | | |
|---------|----------|----------|
| झ० अचतत | अचतेताम् | अचतन्त |
| अचतथाः | अचतथाम् | अचतध्वम् |
| अचते | अचतावहि | अचतामहि |

| | | |
|------------|------------|-------------|
| अ० अचतिष्ट | अचतिषाताम् | अचतिषत |
| अचतिष्टाः | अचतिषाथाम् | अचितड्ड्वम् |
| अचतिषि | अचतिष्वहि | अचतिष्महि |

| | | |
|---------|---------|----------|
| प० चोते | चोताते | चोतिरे |
| चोतिषे | चोताथे | चोतिध्वे |
| चोते | चोतिवहे | चोतिमहे |

| | | |
|-------------|---------------|--------------|
| आ० चतिषीष्ट | चतिषीयास्ताम् | चतिषीरन् |
| चतिषीष्टाः | चतिषीयास्थाम् | चतिषीर्ध्वम् |
| चतिषीय | चतिषीवहि | चतिषीमहि |

| | | |
|----------|------------|------------|
| भ० चतिता | चतितारौ | चतितारः |
| चतितासे | चतितासाथे | चतिताध्वे |
| चतिताहे | चतितास्वहे | चतितास्महे |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| भ० चतिष्यते | चतिष्येते | चतिष्यन्ते |
| चतिष्यसे | चतिष्येथे | चतिष्यध्वे |
| चतिष्ये | चतिष्यावहे | चतिष्यामहे |

| | | |
|------------------|---------------|---------------|
| क्रि० अचातिष्यत् | अचातिष्यताम् | अचातिष्यन्त |
| अचातिष्यथाः | अचातिष्येथाम् | अचातिष्यध्वम् |
| अचातिष्ये | अचातिष्यावहि | अचातिष्यामहि |

अथ धातुस्नाकरः सिट्श्च
900 प्रोथृग् (प्रोथ्) पर्याप्तौ
पर्याप्तिः पूर्णता ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० प्रोथति | प्रोथतः | प्रोथन्ति |
| प्रोथसि | प्रोथथः | प्रोथथ |
| प्रोथामि | प्रोथावः | प्रोथामः |
| स० प्रोथेत | प्रोथेताम् | प्रोथेयुः |
| प्रोथेः | प्रोथेतम् | प्रोथेत |
| प्रोथेयम् | प्रोथेव | प्रोथेम |
| प० प्रोथतु | प्रोथतात् | प्रोथताम् |
| प्रोथ | प्रोथतम् | प्रोथत |
| प्रोथानि | प्रोथाव | प्रोथाम |
| झ० अप्रोथत् | अप्रोथताम् | अप्रोथन |
| अप्रोथः | अप्रोथतम् | अप्रोथत |
| अप्रोथम् | अप्रोथाव | अप्रोथाम |
| अ० अप्रोथीत् | अप्रोथिष्टाम् | अप्रोथिषुः |
| अप्रोथीः | अप्रोथिष्टम् | अप्रोथिष्ट |
| अप्रोथिषम् | अप्रोथिष्व | अप्रोथिष्व |
| प० पुप्रोथ | पुप्रोथतुः | पुप्रोथुः |
| पुप्रोथिथ | पुप्रोथथुः | पुप्रोथ |
| पुप्रोथ | पुप्रोथिथ | पुप्रोथिम |
| आ० प्रोथ्यात् | प्रोथ्यास्ताम् | प्रोथ्यासुः |
| प्रोथ्याः | प्रोथ्यास्तम् | प्रोथ्यास्त |
| प्रोथ्यासम् | प्रोथ्यास्व | प्रोथ्यास्व |
| भ्व० प्रोथिता | प्रोथितारौ | प्रोथितारः |
| प्रोथितासि | प्रोथितास्थः | प्रोथितास्थ |
| प्रोथितास्मि | प्रोथितास्वः | प्रोथितास्व |
| भ० प्रोथिष्यति | प्रोथिष्यतः | प्रोथिष्यन्ति |
| प्रोथिष्यसि | प्रोथिष्यथः | प्रोथिष्यथ |
| प्रोथिष्यामि | प्रोथिष्यावः | प्रोथिष्यामः |
| क्रि० अप्रोथिष्यत | अप्रोथिष्यताम् | अप्रोथिष्यन्त |
| अप्रोथिष्यः | अप्रोथिष्यतम् | अप्रोथिष्यत |
| अप्रोथिष्यम् | अप्रोथिष्याव | अप्रोथिष्याम |

| | | |
|----------------|------------------|-----------------|
| व० प्रोथते | प्रोथेते | प्रोथन्ते |
| प्रोथसे | प्रोथेथे | प्रोथध्वे |
| प्रोथे | प्रोथावहे | प्रोथामहे |
| स० प्रोथेत | प्रोथेयाताम् | प्रोथेरन् |
| प्रोथेथाः | प्रोथेयाथाम् | प्रोथेध्वम् |
| प्रोथेय | प्रोथेवहि | प्रोथेमहि |
| प० प्रोथताम् | प्रोथेताम् | प्रोथन्ताम् |
| प्रोथस्व | प्रोथेथाम् | प्रोथध्वम् |
| प्रोथे | प्रोथावहे | प्रोथामहे |
| झ० अप्रोथत | अप्रोथेताम् | अप्रोथन्त |
| अप्रोथथाः | अप्रोथेथाम् | अप्रोथध्वम् |
| अप्रोथे | अप्रोथावहि | अप्रोथामहि |
| अ० अप्रोथिष्ट | अप्रोथिषाताम् | अप्रोथिषत |
| अप्रोथिष्टाः | अप्रोथिषाथाम् | अप्रोथिष्त्वम् |
| अप्रोथिषि | अप्रोथिष्वहि | अप्रोथिष्वहि |
| प० पुप्रोथे | पुप्रोथाते | पुप्रोथिरे |
| पुप्रोथिषे | पुप्रोथाथे | पुप्रोथिध्वे |
| पुप्रोथे | पुप्रोथिष्वहे | पुप्रोथिमहे |
| आ० प्रोथिषीष्ट | प्रोथिषीयास्ताम् | प्रोथिषीरन् |
| प्रोथिषीष्टाः | प्रोथिषीयास्थाम् | प्रोथिषीध्वम् |
| प्रोथिषीय | प्रोथिषीवहि | प्रोथिषीमहि |
| भ्व० प्रोथिता | प्रोथितारौ | प्रोथितारः |
| प्रोथितासे | प्रोथितासाथे | प्रोथितास्वे |
| प्रोथिताहे | प्रोथितास्वहे | प्रोथितास्महे |
| भ० प्रोथिष्यते | प्रोथिष्येते | प्रोथिष्यन्ते |
| प्रोथिष्यसे | प्रोथिष्येथे | प्रोथिष्यध्वे |
| प्रोथिष्ये | प्रोथिष्यावहे | प्रोथिष्यामहे |
| अप्रोथिष्यत | अप्रोथिष्येताम् | अप्रोथिष्यन्त |
| अप्रोथिष्यथाः | अप्रोथिष्येथाम् | अप्रोथिष्यध्वम् |
| अप्रोथिष्ये | अप्रोथिष्यावहि | अप्रोथिष्यामहि |

701 मिथृग (मिथ्) मेधाहिसयोः

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| च० मेथति | मेथतः | मेथन्ति |
| मेथसि | मेथथः | मेथथ |
| मेथामि | मेथावः | मेथामः |
| स० मेथेत् | मेथेताम् | मेथेयुः |
| मेथेः | मेथेतम् | मेथेत |
| मेथेयम् | मेथेव | मेथेम |
| मेथतु | मेथतात् | मेथताम् |
| मेथ | " | मेथतम् |
| मेथानि | मेथाव | मेथाम |
| झ० अमेथत् | अमेथतान् | अमेथन् |
| अमेथः | अमेथतम् | अमेथत |
| अमेथम् | अमेथाव | अमेथाम |
| अमेथीत् | अमेथिष्टाम् | अमेथिषुः |
| अमेथीः | अमेथिष्टम् | अमेथिष्ट |
| अमेथिषम् | अमेथिष्व | अमेथिषम |
| प० मिमेथ | मिमिथतुः | मिमिथुः |
| मिमिथिथ | मिमिथथुः | मिमिथ |
| मिमिथ | मिमिथिव | मिमिथिम |
| आ० मिथ्यात् | मिथ्यास्ताम् | मिथ्यासुः |
| मिथ्याः | मिथ्यास्तम् | मिथ्यास्त |
| मिथ्यासम् | मिथ्यास्व | मिथ्यास्म |
| भ्व० मेथिता | मेथितारौ | मेथितारः |
| मेथितासि | मेथितास्थः | मेथितास्थ |
| मेथितास्मि | मेथितास्वः | मेथितास्मः |
| भ० मेथिष्यति | मेथिष्यतः | मेथिष्यन्ति |
| मेथिष्यसि | मेथिष्यथः | मेथिष्यथ |
| मेथिष्यामि | मेथिष्यावः | मेथिष्यामः |
| क्रि० अमेथिष्यत् | अमेथिष्यताम् | अमेथिष्यन् |
| अमेथिष्यः | अमेथिष्यतम् | अमेथिष्यत |
| अमेथिष्यम् | अमेथिष्याव | अमेथिष्याम |

| | | |
|--------------|----------------|---------------|
| व० मेथते | मेथेते | मेथन्ते |
| मेथसे | मेथेथे | मेथध्वे |
| मेथे | मेथावहे | मेथामहे |
| स० मेथेत | मेथियाताम् | मेथेरन् |
| मेथेथाः | मेथेयाथाम् | मेथेध्वम् |
| मेथेय | मेथेवहि | मेथेमहि |
| प० मेथताम् | मेथेताम् | मेथन्ताम् |
| मेथस्व | मेथेथाम् | मेथध्वम् |
| मेथै | मेथावहै | मेथामहै |
| झ० अमेथत | अमेथेताम् | अमेथन्त |
| अमेथथाः | अमेथेथाम् | अमेथध्वम् |
| अमेथे | अमेथावहि | अमेथामहि |
| अ० अमेथिष्ट | अमेथिषाताम् | अमेथिषत |
| अमेथिष्टाः | अमेथिषाथाम् | अमेथिड्ध्वम् |
| अमेथिषि | अमेथिष्वहि | अमेथिषमहि |
| प० मिमिथे | मिमिथाते | मिमिथिरे |
| मिमिथिषे | मिमिथाथे | मिमिथिध्वे |
| मिमिथे | मिमिथिवहे | मिमिथिमहे |
| आ० मेथिषीष्ट | मेथिषीयास्ताम् | मेथिषीरन् |
| मेथिषीष्टाः | मेथिषीयाथाम् | मेथिषीध्वम् |
| मेथिषीय | मेथिषीवहि | मेथिषीमहि |
| भ्व० मेथिता | मेथितारौ | मेथितारः |
| मेथितासे | मेथितासाथे | मेथिताध्वे |
| मेथिताहे | मेथितास्वहे | मेथितास्महे |
| भ० मेथिष्यते | मेथिष्येते | मेथिष्यन्ते |
| मेथिष्यसे | मेथिष्येथे | मेथिष्यध्वे |
| मेथिष्ये | मेथिष्यावहे | मेथिष्यामहे |
| अमेथिष्यत | अमेथिष्येताम् | अमेथिष्यन्त |
| अमेथिष्यथाः | अमेथिष्येथाम् | अमेथिष्यध्वम् |
| अमेथिष्ये | अमेथिष्यावहि | अमेथिष्यामहि |

902 मेथृग (मेथ्) संगमेच ।
चकारान्मेधाहिसयो ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० मेथति | मेथतः | मेथन्ति |
| मेथसि | मेथथः | मेथथ |
| मेथामि | मेथावः | मेथामः |
| स० मेथेत | मेथेताम् | मेथेयुः |
| मेथेः | मेथेतम् | मेथेत |
| मेथेयम् | मेथेव | मेथेम |
| प० मेथतु | मेथतात् | मेथताम् |
| मेथ | " | मेथतम् |
| मेथानि | मेथाव | मेथाम |
| ह्य० अमेथत् | अमेथताम् | अमेथन् |
| अमेथः | अमेथतम् | अमेथत |
| अमेथम् | अमेथाव | अमेथाम |
| अ० अमेथीत् | अमेथिष्ठात् | अमेथिषुः |
| अमेथीः | अमेथिष्टम् | अमेथिष्ट |
| अमेथिषम् | अमेथिष्व | अमेथिष्म |
| प० मिमेथ | मिमेथतुः | मिमेथुः |
| मिमेथिथ | मिमेथथुः | मिमेथ |
| मिमेथ | मिमेथिव | मिमेथिम |
| आ० मेथ्यात् | मेथ्यास्ताम् | मेथ्यासुः |
| मेथ्याः | मेथ्यास्तम् | मेथ्यास्त |
| मेथ्यासम् | मेथ्यास्व | मेथ्यास्म |
| भ्व० मेथिता | मेथितारौ | मेथितारः |
| मेथितासि | मेथितास्थः | मेथितास्थ |
| मेथितास्मि | मेथितास्वः | मेथितास्म |
| भ० मेथिष्यति | मेथिष्यतः | मेथिष्यन्ति |
| मेथिष्यसि | मेथिष्यथः | मेथिष्यथ |
| मेथिष्यामि | मेथिष्यावः | मेथिष्यामः |
| क्रि० अमेथिष्यत् | अमेथिष्यताम् | अमेथिष्यन् |
| अमेथिष्यः | अमेथिष्यतम् | अमेथिष्यत |
| अमेथिष्यम् | अमेथिष्याव | अमेथिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० मेथते | मेथेते | मेथन्ते |
| मेथसे | मेथेथे | मेथध्वे |
| मेथे | मेथावहे | मेथामहे |
| स० मेथेत | मेथेयाताम् | मेथेरन् |
| मेथेथाः | मेथेयाथाम् | मेथेध्वम् |
| मेथेय | मेथेवहि | मेथेमहि |
| प० मेथताम् | मेथेताम् | मेथन्ताम् |
| मेथस्व | मेथेशाम् | मेथध्वम् |
| मेथै | मेथावहै | मेथामहै |
| ह्य० अमेथत | अमेथेताम् | अमेथन्त |
| अमेथथाः | अमेथेथाम् | अमेथध्वम् |
| अमेथे | अमेथावहि | अमेथामहि |
| अ० अमेथिष्ट | अमेथिषाताम् | अमेथिषत |
| अमेथिष्ठाः | अमेथिषाथाम् | अमेथिड्ध्वम् |
| | | ध्वम् |
| अमेथिषि | अमेथिष्वहि | अमेथिष्महि |
| प० मिमेथे | मिमेथते | मिमेथिरे |
| मिमेथिषे | मिमथाथे | मिमेथिध्वे |
| मिमेथे | मिमथिवहे | मिमथिमहे |
| आ० मेथिषीष्ट | मेथिषीयास्ताम् | मेथिषीरन् |
| मेथिषीष्ठाः | मेथिषीयास्थाम् | मेथिषीध्वम् |
| मेथिषीय | मेथिषीवहि | मेथिषीमहि |
| भ्व० मेथिता | मेथितारौ | मेथितारः |
| मेथितासे | मेथिताजाथे | मेथिताध्वे |
| मेथिताहे | मेथितास्वहे | मेथितास्महे |
| भ० मेथिष्यते | मेथिष्येते | मेथिष्यन्ते |
| मेथिष्यसे | मेथिष्येथे | मेथिष्यध्वे |
| मेथिष्ये | मेथिष्यावहे | मेथिष्यामहे |
| क्रि० अमेथिष्यत | अमेथिष्येताम् | अमेथिष्यन्त |
| अमेथिष्यथाः | अमेथिष्येथाम् | अमेथिष्यध्वम् |
| अमेथिष्ये | अमेथिष्यावहि | अमेथिष्यामहि |

अथ दान्ताः षट् सेट्श्च
903 चदेण् (चद्) घाचमे

| | | |
|---------|-------|--------|
| व० चदति | चदतः | चदन्ति |
| चदसि | चदथः | चदथ |
| चदामि | चदावः | चदामः |

| | | |
|----------|---------|--------|
| स० चदेत् | चदेताम् | चदेयुः |
| चदेः | चदेतम् | चदेत |
| चदेयम् | चदेव | चदेम |

| | | |
|----------|--------|--------|
| प० चदेतु | चदतात् | चदन्तु |
| चद " | चदतम् | चदत |
| चदानि | चदाव | चदाम |

| | | |
|-----------|---------|-------|
| झ० अचदेत् | अचदताम् | अचदन |
| अचदः | अचदतम् | अचदत |
| अचदेम् | अचदाव | अचदाम |

| | | |
|-----------|------------|---------|
| अ० अचदीत् | अचदिष्टाम् | अचदिषुः |
| अचदीः | अचदिष्टम् | अचदिष्ट |
| अचदिषम् | अचदिष्व | अचदिष्म |

| | | |
|-----------|--------|-------|
| प० चचाद | चदतुः | चेदुः |
| चेदिथ | चेदथुः | चेद |
| चचाद, चचद | चेदिष | चेदिम |

| | | |
|---------|-----------|--------|
| आ० चचात | चचास्ताम् | चचासुः |
| चचाः | चचास्तम् | चचास्त |
| चचासम् | चचास्व | चचास्म |

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| भ० चदिता | चदितारौ | चदितारः |
| चदितासि | चदितास्थः | चदितास्थ |
| चदितास्मि | चदितास्वः | चदितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० चदिष्यति | चदिष्यतः | चदिष्यन्ति |
| चदिष्यसि | चदिष्यथः | चदिष्यथ |
| चदिष्यामि | चदिष्यावः | चदिष्यामः |

| | | |
|----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अचदिष्यत | अचदिष्यताम् | अचदिष्यन् |
| अचदिष्यः | अचदिष्यतम् | अचदिष्यत |
| अचदिष्यम् | अचदिष्याव | अचदिष्याम |

| | | |
|---------|--------|--------|
| व० चदते | चदेते | चदन्ते |
| चदसे | चदेथे | चदध्वे |
| चदे | चदावहे | चदामहे |

| | | |
|---------|-----------|----------|
| स० चदेत | चदेयाताम् | चदेरन् |
| चदेथाः | चदेयाथाम् | चदेध्वम् |
| चदेय | चदेवहि | चदेमहि |

| | | |
|-----------|---------|----------|
| प० चदताम् | चदेताम् | चदन्ताम् |
| चदस्व | चदेशाम् | चदध्वम् |
| चदे | चदावहे | चदामहे |

| | | |
|---------|----------|----------|
| झ० अचदत | अचदेताम् | अचदन्त |
| अचदथाः | अचदेथाम् | अचदध्वम् |
| अचदे | अचदावहि | अचदामहि |

| | | |
|------------|------------|--------------|
| अ० अचदिष्ट | अचदिषाताम् | अचदिषत |
| अचदिष्टाः | अचदिषाथाम् | अचदिष्टध्वम् |
| | | अचदिष्महि |

| | | |
|--------|-----------|-----------|
| अचदिषि | अचदिष्वहि | अचदिष्महि |
|--------|-----------|-----------|

| | | |
|---------|---------|----------|
| प० चेदे | चेदाते | चेदिरे |
| चेदिषे | चेदाथे | चेदिध्वे |
| चेदे | चेदिवहे | चेदिमहे |

| | | |
|-------------|---------------|------------|
| आ० चदिषीष्ट | चदिषीयास्ताम् | चदिषीरन् |
| चदिषीष्टाः | चदिषीयाथाम् | चदिषीध्वम् |
| चदिषीय | चदिषीवहि | चदिषीमहि |

| | | |
|----------|------------|------------|
| भ० चदिता | चदितारौ | चदितारः |
| चदितासे | चदिनासाथे | चदिताध्वे |
| चदिताहे | चदितास्वहे | चदितास्महे |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| भ० चदिष्यते | चदिष्यन्ते | चदिष्यन्ते |
| चदिष्यसे | चदिष्येथे | चदिष्यध्वे |
| चदिष्ये | चदिष्यावहे | चदिष्यामहे |

| | | |
|----------------|--------------|--------------|
| क्रि० अचदिष्यत | अचदिष्येताम् | अचदिष्यन्त |
| अचदिष्यथाः | अचदिष्येथाम् | अचदिष्यध्वम् |
| अचदिष्ये | अचदिष्यावहि | अचदिष्यामहि |

904 ऊबुन्द्ग (बुन्द्) निशामने ।
निशामनमलोचनम् ।

| | | |
|------------|------------|-----------|
| ब० बुन्दति | बुन्दतः | बुन्दन्ति |
| बुन्दसि | बुन्दथः | बुन्दथ |
| बुन्दामि | बुन्दावः | बुन्दामः |
| स० बुन्देत | बुन्देताम् | बुन्देयुः |
| बुन्देः | बुन्देतम् | बुन्देत |
| बुन्देयम् | बुन्देव | बुन्देम |
| प० बुन्दतु | बुन्दतात् | बुन्दताम् |
| बुन्द | " | बुन्दतम् |
| बुन्दानि | बुन्दाव | बुन्दाम |
| झ० अबुन्दत | अबुन्दताम् | अबुन्दन् |
| अबुन्दः | अबुन्दतम् | अबुन्दत |
| अबुन्दम् | अबुन्दाव | अबुन्दाम |
| अबुदत | अबुदताम् | अबुदन |
| अबुदः | अबुदतम् | अबुदत |
| अबुदम् | अबुदाव | अबुदाम |

| | | |
|----------|-----------|-----------|
| ३३ २ | ३३ २७ | ३३ ३ |
| बुबुन्दथ | बुबुन्दथः | बुबुन्द |
| बुबुन्द | बुबुन्दिव | बुबुन्दिम |

| | | |
|-----------|------------|---------|
| आ० बुचात् | बुचास्ताम् | बुचासुः |
| बुचाः | बुचास्तम् | बुचास्त |
| बुचासम् | बुचास्व | बुचास्म |

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| भ० बुन्दिता | बुन्दितारौ | बुन्दितारः |
| बुन्दितासि | बुन्दितास्थः | बुन्दितास्थ |
| बुन्दितास्मि | बुन्दितास्वः | बुन्दितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० बुन्दिष्यति | बुन्दिष्यतः | बुन्दिष्यन्ति |
| बुन्दिष्यसि | बुन्दिष्यथः | बुन्दिष्यथ |
| बुन्दिष्यामि | बुन्दिष्यावः | बुन्दिष्यामः |

| | | |
|-----------------|----------------|--------------|
| कि० अबुन्दिष्यत | अबुन्दिष्यताम् | अबुन्दिष्यन् |
| अबुन्दिष्यः | अबुन्दिष्यतम् | अबुन्दिष्यत |
| अबुन्दिष्यम् | अबुन्दिष्याव | अबुन्दिष्याम |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| ब० बुन्दते | बुन्देते | बुन्बन्ते |
| बुन्दसे | बुन्देथे | बुन्दध्वे |
| बुन्दे | बुन्दावहे | बुन्दामहे |

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| स० बुन्देत | बुन्देयाताम् | बुन्देरन |
| बुन्देथाः | बुन्देयाथाम् | बुन्देध्वम् |
| बुन्देय | बुन्देवहि | बुन्देमहि |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| प० बुन्दताम् | बुन्देताम् | बुन्दन्ताम् |
| बुन्देस्व | बुन्देथाम् | बुन्देध्वम् |
| बुन्दै | बुन्दावहै | बुन्दामहै |

| | | |
|------------|-------------|--------------|
| झ० अबुन्दत | अबुन्देताम् | अबुन्दन्त |
| अबुन्दथाः | अबुन्देथाम् | अबुन्देध्वम् |
| अबुन्दे | अबुन्दावहि | अबुन्दामहि |

| | | |
|---------------|---------------|------------------|
| अ० अबुन्दिष्ट | अबुन्दिषाताम् | अबुन्दिषत |
| अबुन्दिष्ठाः | अबुन्दिषाथाम् | अबुन्दिष्ठाध्वम् |
| अबुन्दिषि | अबुन्दिष्वहि | अबुन्दिष्महि |

| | | |
|-------------|-------------|--------------|
| प० बुबुन्दे | बुबुन्दाते | बुबुन्दिरे |
| बुबुन्दिषे | बुबुन्दाथे | बुबुन्दिध्वे |
| बुबुन्दे | बुबुन्दिवहे | बुबुन्दिमहे |

| | | |
|----------------|------------------|---------------|
| आ० बुन्दिषीष्ट | बुन्दिषीयास्ताम् | बुन्दिषीरन् |
| बुन्दिषीष्ठाः | बुन्दिषीयाथाम् | बुन्दिषीध्वम् |
| बुन्दिषीय | बुन्दिषीवहि | बुन्दिषीमहि |

| | | |
|-------------|---------------|---------------|
| भ० बुन्दिता | बुन्दितारौ | बुन्दितारः |
| बुन्दितासे | बुन्दितासाथे | बुन्दिताध्वे |
| बुन्दिताहे | बुन्दितास्वहे | बुन्दितास्महे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० बुन्दिष्यते | बुन्दिष्येते | बुन्दिष्यन्ते |
| बुन्दिष्यसे | बुन्दिष्येथे | बुन्दिष्यध्वे |
| बुन्दिष्ये | बुन्दिष्यावहे | बुन्दिष्यामहे |

| | | |
|-----------------|-----------------|-----------------|
| कि० अबुन्दिष्यत | अबुन्दिष्यताम् | अबुन्दिष्यन्त |
| अबुन्दिष्यथाः | अबुन्दिष्येथाम् | अबुन्दिष्यध्वम् |
| अबुन्दिष्ये | अबुन्दिष्यावहि | अबुन्दिष्यामहि |

११५५ णिहण्(निदु)कुत्सासंनिकर्षयोः,

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| ष० नेदति | नेदाः | नेदन्ति |
| नेदसि | नेदथः | नेदथ |
| नेदामि | नेदावः | नेदामः |
| स० नेदेत् | नेदेताम् | नेदेयुः |
| नेदेः | नेदेतम् | नेदेत |
| नेदेयम् | नेदेव | नेदेम |
| प० नेदेतु | नेदेतात् | नेदेताम् |
| नेदु | नेदेतम् | नेदेत |
| नेदानि | नेदाव | नेदाम |
| झ० अनेदेत् | अनेदेताम् | अनेदेयुः |
| अनेदेः | अनेदेतम् | अनेदेत |
| अनेदेयम् | अनेदेव | अनेदेम |
| अ० अनेदीत | अनेदिष्टाम् | अनेदिषुः |
| अनेदीः | अनेदिष्टम् | अनेदिष्ट |
| अनेदिषम् | अनेदिष्व | अनेदिषम |
| प० निनेद | निनिदतुः | निनिदुः |
| निनेदथ | निनिदथुः | निनिद |
| निनेद | निनिदिष | निनिदिम |
| आ० निद्यात | निद्यास्ताम् | निद्यासुः |
| निद्याः | निद्यास्तम् | निद्यास्त |
| निद्यासम् | निद्यास्व | निद्यास्म |
| श्व० नेदिता | नेदितारौ | नेदितारः |
| नेदितासि | नेदितास्थः | नेदितास्थ |
| नेदितास्मि | नेदितास्वः | नेदितास्मः |
| भ० नेदिष्यति | नेदिष्यतः | नेदिष्यन्ति |
| नेदिष्यसि | नेदिष्यथः | नेदिष्यथ |
| नेदिष्यामि | नेदिष्यावः | नेदिष्यामः |
| क्रि० अनेदिष्यत | अनेदिष्यताम् | अनेदिष्यन्त |
| अनेदिष्यः | अनेदिष्यतम् | अनेदिष्यत |
| अनेदिष्यम् | अनेदिष्याव | अनेदिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ष० नेदते | नेदेते | नेदन्ते |
| नेदसे | नेदेथे | नेदध्वे |
| नेदे | नेदावहे | नेदामहे |
| स० नेदेत | नेदेयाताम् | नेदेरन् |
| नेदेथाः | नेदेयाथाम् | नेदेध्वम् |
| नेदेय | नेदेवहि | नेदेमहि |
| प० नेदताम् | नेदेताम् | नेदन्ताम् |
| नेदस्व | नेदेशाम् | नेदध्वम् |
| नेदे | नेदावहे | नेदामहे |
| झ० अनेदत | अनेदेताम् | अनेदन्त |
| अनेदथाः | अनेदेथाम् | अनेदध्वम् |
| अनेदे | अनेदावहि | अनेदामहि |
| अ० अनेदिष्ट | अनेदिषाताम् | अनेदिषत |
| अनेदिष्टाः | अनेदिषाथाम् | अनेदिषध्वम् |
| अनेदिषि | अनेदिष्वहि | अनेदिषमहि |
| निनिदे | निनिदाते | निनिदिरे |
| निनिदिषि | निनिदाथे | निनिदिध्वे |
| निनिदे | निनिदिवहे | निनिदिमहे |
| आ० नेदिषीष्ट | नेदिषीयास्ताम् | नेदिषीरन् |
| नेदिषीष्टाः | नेदिषीयाथाम् | नेदिषीध्वम् |
| नेदिषीय | नेदिषीवहि | नेदिषीमहि |
| श्व० नेदिता | नेदितारौ | नेदितारः |
| नेदितासे | नेदितासाथे | नेदिताध्वे |
| नेदिताहे | नेदितास्वहे | नेदितास्महे |
| भ० नेदिष्यते | नेदिष्यन्ते | नेदिष्यन्ते |
| नेदिष्यसे | नेदिष्येथे | नेदिष्यध्वे |
| नेदिष्ये | नेदिष्यावहे | नेदिष्यामहे |
| क्रि० अनेदिष्यत | अनेदिष्यताम् | अनेदिष्यन्त |
| अनेदिष्यथाः | अनेदिष्येथाम् | अनेदिष्यध्वम् |
| अनेदिष्ये | अनेदिष्यावहि | अनेदिष्यामहि |

906 नेदृग् (नेद्) कुत्मासंनिकर्षयोः ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० नेदति | नेदतः | नेदन्ति |
| नेदसि | नेदथः | नेदथ |
| नेदामि | नेदावः | नेदामः |
| स० नेदेत् | नेदेताम् | नेदेयुः |
| नेदेः | नेदेतम् | नेदेत |
| नेदेयम् | नेदेव | नेदेम |
| प० नेदतु | नेदतात् | नेदन्तु |
| नेद् | नेदतम् | नेदत |
| नेदानि | नेदाव | नेदाम |
| ह्य० अनेदेत् | अनेदेताम् | अनेदेन् |
| अनेदः | अनेदतम् | अनेदत |
| अनेदेम् | अनेदाव | अनेदाम |
| अ० अनेदीत् | अनेदिष्टाम् | अनेदिषुः |
| अनेदीः | अनेदिष्टम् | अनेदिष्ट |
| अनेदिषम् | अनेदिष्व | अनेदिष्म |
| प० निनेद् | निनेदतुः | निनेदुः |
| निनेदिथ | निनेदथुः | निनेद |
| निनेद | निनेदिष | निनेदिम |
| आ० नेद्यात् | नेद्यास्ताम् | नेद्यासुः |
| नेद्याः | नेद्यास्तम् | नेद्यास्त |
| नेद्यासम् | नेद्यास्व | नेद्यास्म |
| श्व० नेदिता | नेदितारौ | नेदितारः |
| नेदितासि | नेदितास्थः | नेदितास्थ |
| नेदितास्मि | नेदितास्वः | नेदितास्मः |
| भ० नेदिष्यति | नेदिष्यतः | नेदिष्यन्ति |
| नेदिष्यसि | नेदिष्यथः | नेदिष्यथ |
| नेदिष्यामि | नेदिष्यावः | नेदिष्यामः |
| क्रि० अनेदिष्यत् | अनेदिष्यताम् | अनेदिष्यन् |
| अनेदिष्यः | अनेदिष्यतम् | अनेदिष्यत |
| अनेदिष्यम् | अनेदिष्याव | अनेदिष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| ब० नेदते | नेदेते | नेदन्ते |
| नेदसे | नेदेथे | नेदध्वे |
| नेदे | नेदावहे | नेदामहे |
| स० नेदेत् | नेदेयाताम् | नेदेरन् |
| नेदेथाः | नेदेयाथाम् | नेदेध्वम् |
| नेदेय | नेदेवहि | नेदेमहि |
| प० नेदताम् | नेदेताम् | नेदन्ताम् |
| नेदस्व | नेदथाम् | नेदध्वम् |
| नेदे | नेदावहे | नेदामहे |
| ह्य० अनेदत् | अनेदेताम् | अनेदन्त |
| अनेदथाः | अनेदेथाम् | अनेदध्वम् |
| अनेदे | अनेदावहि | अनेदामहि |
| अ० अनेदिष्ट | अनेदिषाताम् | अनेदिषत |
| अनेदिष्टाः | अनेदिषाथाम् | अनेदिष्वम् |
| | | अनेदिष्महि |
| प० निनेदे | निनेदाते | निनेदिरे |
| निनेदिषे | निनेदाथे | निनेदिध्वे |
| निनेदे | निनेदिवहे | निनेदिमहे |
| आ० नेदिषीष्ट | नेदिषीयास्ताम् | नेदिषीरन् |
| नेदिषीष्टाः | नेदिषीयाथाम् | नेदिषीध्वम् |
| नेदिषीय | नेदिषीवहि | नेदिषीमहि |
| श्व० नेदिता | नेदितारौ | नेदितारः |
| नेदितासे | नेदितासाथे | नेदिताध्वे |
| नेदिताहे | नेदितास्वहे | नेदितास्महे |
| भ० नेदिष्यते | नेदिष्येते | नेदिष्यन्ते |
| नेदिष्यसे | नेदिष्येथे | नेदिष्यध्वे |
| नेदिष्ये | नेदिष्यावहे | नेदिष्यामहे |
| क्रि० अनेदिष्यत् | अनेदिष्येताम् | अनेदिष्यन्त |
| अनेदिष्यथाः | अनेदिष्येथाम् | अनेदिष्यध्वम् |
| अनेदिष्ये | अनेदिष्यावहि | अनेदिष्यामहि |

९०७ मिदृग् (मिद्) मेधाहिसयोः ।

ब० मेदति मेदतः मेदन्ति
मेदसि मेदथः मेदथ
मेदामि मेदावः मेदामः

स० मेदेत् मेदेताम् मेदेयुः
मेदेः मेदेतम् मेदेत
मेदेयम् मेदेव मेदेम

प० मेदेतु मेदेतात् मेदेताम् मेदन्तु
मेद " मेदेतम् मेदत
मेदानि मेदाव मेदाम

झ० अमेदेत् अमेदेताम् अमेदेन
अमेदेः अमेदेतम् अमेदेत
अमेदेम् अमेदाव अमेदाम

अ० अमेदीत् अमेदिष्टाम् अमेदिषुः
अमेदीः अमेदिष्टम् अमेदिष्ट
अमेदिषम् अमेदिष्व अमेदिष्म

प० मिमेद मिमिदतुः मिमिदुः
मिमिदथ मिमिदथुः मिमिद
मिमिद मिमिदिव मिमिदिम

आ० मिद्यात् मिद्यास्ताम् मिद्यासुः
मिद्याः मिद्यास्तम् मिद्यास्त
मिद्यासम् मिद्यास्व मिद्यास्म

श्व० मेदिता मेदितारौ मेदितारः
मेदितासि मेदितास्थः मेदितास्थ
मेदितास्मि मेदितास्वः मेदितास्मः

भ० मेदिष्यति मेदिष्यतः मेदिष्यन्ति
मेदिष्यसि मेदिष्यथः मेदिष्यथ
मेदिष्यामि मेदिष्यावः मेदिष्यामः

क्रि० अमेदिष्यत् अमेदिष्यताम् अमेदिष्यन्
अमेदिष्यः अमेदिष्यतम् अमेदिष्यत
अमेदिष्यम् अमेदिष्याव अमेदिष्याम

ब० मेदते मेदेते मेदन्ते
मेदसे मेदेथे मेदध्वे
मेदे मेदावहे मेदामहे

स० मेदेत मेदेयाताम् मेदेरन्
मेदेथाः मेदेयाथाम् मेदेध्वम्
मेदेय मेदेवहि मेदेमहि

प० मेदताम् मेदेताम् मेदन्ताम्
मेदस्व मेदेशाम् मेदध्वम्
मेदे मेदावहे मेदामहे

झ० अमेदत अमेदेताम् अमेदन्त
अमेदथाः अमेदेशाम् अमेदध्वम्
अमेदे अमेदावहि अमेदामहि

अ० अमेदिष्ट अमेदिषाताम् अमेदिषत
अमेदिष्ठाः अमेदिषाथाम् अमेदिद्ध्वम्
अमेदिषि अमेदिष्वहि अमेदिष्महि

प० मिमिदे मिमिदाते मिमिदिरे
मिमिदिषे मिमिदाथे मिमिदिध्वे
मिमिदे मिमिदिवहे मिमिदिमहे

आ० मेदिषीष्ट मेदिषीयास्ताम् मेदिषीरन्
मेदिषीष्ठाः मेदिषीयाथाम् मेदिषीध्वम्
मेदिषीय मेदिषीवहि मेदिषीमहि

श्व० मेदिता मेदितारौ मेदितारः
मेदितासे मेदिनासाथे मेदिताध्वे
मेदिताहे मेदितास्वहे मेदितास्महे

भ० मेदिष्यते मेदिष्यन्ते मेदिष्यन्ते
मेदिष्यसे मेदिष्येथे मेदिष्यध्वे
मेदिष्ये मेदिष्यावहे मेदिष्यामहे

क्रि० अमेदिष्यत् अमेदिष्यताम् अमेदिष्यन्त
अमेदिष्यथाः अमेदिष्येथाम् अमेदिष्यध्वम्
अमेदिष्ये अमेदिष्यावहि अमेदिष्यामहि

908 मेदृग् (मेद्) मेधाहिसयोः ।

| | | |
|----------|--------|---------|
| व० मेदति | मेदतः | मेदन्ति |
| मेदसि | मेदथः | मेदथ |
| मेदामि | मेदावः | मेदामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० मेदेत् | मेदेताम् | मेदेयुः |
| मेदेः | मेदेतम् | मेदेत |
| मेदेयम् | मेदेव | मेदेम |

| | | |
|-----------|----------|----------|
| प० मेदेतु | मेदेतात् | मेदेताम् |
| मेद | मेदतम् | मेदत |
| मेदानि | मेदाव | मेदाम |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| झ० अमेदेत् | अमेदेताम् | अमेदेयुः |
| अमेदः | अमेदेतम् | अमेदेत |
| अमेदेयम् | अमेदेव | अमेदेम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अमेदीत् | अमेदिष्टाम् | अमेदिषुः |
| अमेदीः | अमेदिष्टम् | अमेदिष्ट |
| अमेदिषम् | अमेदिष्व | अमेदिष्म |

| | | |
|----------|-----------|-----------|
| प० मिमेद | मिमिदेतुः | मिमिदेयुः |
| मिमिदिथ | मिमिदेथुः | मिमिदे |
| मिमिद | मिमिदिष | मिमिदिम |

| | | |
|-----------|------------|---------|
| आ० मेधात् | मेधास्ताम् | मेधासुः |
| मेधाः | मेधास्तम् | मेधास्त |
| मेधासम् | मेधास्व | मेधास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| श्व० मेदिता | मेदितारौ | मेदितारः |
| मेदितासि | मेदितास्थः | मेदितास्थ |
| मेदितास्मि | मेदितास्वः | मेदितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० मेदिष्यति | मेदिष्यतः | मेदिष्यन्ति |
| मेदिष्यसि | मेदिष्यथः | मेदिष्यथ |
| मेदिष्यामि | मेदिष्यावः | मेदिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अमेदिष्यत् | अमेदिष्यताम् | अमेदिष्यन् |
| अमेदिष्यः | अमेदिष्यतम् | अमेदिष्यत |
| अमेदिष्यम् | अमेदिष्याव | अमेदिष्याम |

| | | |
|----------|---------|---------|
| व० मेदते | मेदेते | मेदन्ते |
| मेदसे | मेदेथे | मेदध्वे |
| मेदे | मेदावहे | मेदामहे |

| | | |
|----------|------------|-----------|
| स० मेदेत | मेदेयाताम् | मेदेरन् |
| मेदेथाः | मेदेयाथाम् | मेदेध्वम् |
| मेदेय | मेदेवहि | मेदेमहि |

| | | |
|------------|----------|-----------|
| प० मेदताम् | मेदेताम् | मेदन्ताम् |
| मेदस्व | मेदेथाम् | मेदध्वम् |
| मेदै | मेदावहे | मेदामहे |

| | | |
|----------|-----------|-----------|
| झ० अमेदत | अमेदेताम् | अमेदन्त |
| अमेदथाः | अमेदेथाम् | अमेदध्वम् |
| अमेदे | अमेदावहि | अमेदामहि |

| | | |
|-------------|-------------|------------|
| अ० अमेदिष्ट | अमेदिषाताम् | अमेदिषत |
| अमेदिष्टाः | अमेदिषाथाम् | अमेदिष्वम् |
| | | ध्वम् |

| | | |
|---------|------------|------------|
| अमेदिषि | अमेदिष्वहि | अमेदिष्महि |
|---------|------------|------------|

| | | |
|-----------|-----------|------------|
| प० मिमेदे | मिमिदाते | मिमिदिरे |
| मिमिदिषे | मिमिदाथे | मिमिदिध्वे |
| मिमिदे | मिमिदिवहे | मिमिदिमहे |

| | | |
|--------------|----------------|-------------|
| आ० मेदिषीष्ट | मेदिषीयास्ताम् | मेदिषीरन् |
| मेदिषीष्टाः | मेदिषीयास्थाम् | मेदिषीध्वम् |
| मेदिषीय | मेदिषीवहि | मेदिषीमहि |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| श्व० मेदिता | मेदितारौ | मेदितारः |
| मेदितासे | मेदितासाथे | मेदिताध्वे |
| मेदिताहे | मेदितास्वहे | मेदितास्महे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ० मेदिष्यते | मेदिष्येते | मेदिष्यन्ते |
| मेदिष्यसे | मेदिष्येथे | मेदिष्यध्वे |
| मेदिष्ये | मेदिष्यावहे | मेदिष्यामहे |

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| क्रि० अमेदिष्यत | अमेदिष्येताम् | अमेदिष्यन्त |
| अमेदिष्यथाः | अमेदिष्येथाम् | अमेदिष्यध्वम् |
| अमेदिष्ये | अमेदिष्यावहि | अमेदिष्यामहि |

अथ धान्ताश्चत्वारः सैटश्च ।

909 मेधृणु (मेधु) संगमे च ।

चकारान्मेधाहिसयोः

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० मेधति | मेधतः | मेधन्ति |
| मेधसि | मेधयः | मेधथ |
| मेधामि | मेधावः | मेधामः |
| स० मेधेत् | मेधेताम् | मेधेयुः |
| मेधेः | मेधेतम् | मेधेत |
| मेधेयम् | मेधेव | मेधेम |
| प० मेधतु | मेधतात् | मेधताम् |
| मेधा | " | मेधतम् |
| मेधानि | मेधाव | मेधाम् |
| झ० अमेधत् | अमेधताम् | अमेधन् |
| अमेधाः | अमेधतम् | अमेधत |
| अमेधम् | अमेधाव | अमेधाम |
| अ० अमेधीत् | अमेधिष्टाम् | अमेधिषुः |
| अमेधीः | अमेधिष्टम् | अमेधिष्ट |
| अमेधिषम् | अमेधिष्व | अमेधिष्म |
| प० मिमेधा | मिमेधतुः | मिमेधुः |
| मिमेधिथ | मिमेधाथुः | मिमेधा |
| मिमेधा | मिमेधिव | मिमेधिम |
| आ० मेध्यात् | मेध्यास्ताम् | मेध्यासुः |
| मेध्याः | मेध्यास्तम् | मेध्यास्त |
| मेध्यासम् | मेध्यास्व | मेध्यास्म |
| श्व० मेधिता | मेधितारौ | मेधितारः |
| मेधितासि | मेधितास्थः | मेधितास्थ |
| मेधितास्मि | मेधितास्वः | मेधितास्मः |
| भ० मेधिष्यति | मेधिष्यतः | मेधिष्यन्ति |
| मेधिष्यसि | मेधिष्यथः | मेधिष्यथ |
| मेधिष्यामि | मेधिष्यावः | धिष्यामः |
| क्रि० अमेधिष्यत् | अमेधिष्यताम् | अमेधिष्यन् |
| अमेधिष्यः | अमेधिष्यतम् | अमेधिष्यत |
| अमेधिष्यम् | अमेधिष्याव | अमेधिष्याम |

| | | |
|--------------|----------------|---------------|
| ब० मेधते | मेधेते | मेधन्ते |
| मेधसे | मेधेथे | मेधध्वे |
| मेधे | मेधावहे | मेधामहे |
| स० मेधेत | मेधेयाताम् | मेधेरन् |
| मेधेथाः | मेधेयाथाम् | मेधेध्वम् |
| मेधेय | मेधेवहि | मेधेमहि |
| प० मेधताम् | मेधेताम् | मेधन्ताम् |
| मेधस्व | मेधेथाम् | मेधध्वम् |
| मेधे | मेधावहे | मेधामहे |
| झ० अमेधत | अमेधेताम् | अमेधन्त |
| अमेधथाः | अमेधेथाम् | अमेधध्वम् |
| अमेधे | अमेधावहि | अमेधामहि |
| अ० अमेधिष्ट | अमेधिषाताम् | अमेधिषत |
| अमेधिष्ठाः | अमेधिषाथाम् | अमेधिड्ध्वम् |
| | | ध्वम् |
| अमेधिषि | अमेधिष्वहि | अमेधिष्महि |
| प० मिमेधे | मिमेधाते | मिमेधिरे |
| मिमेधिषे | मिमेधाथे | मिमेधिध्वे |
| मिमेधे | मिमेधिष्वहे | मिमेधिमहे |
| आ० मेधिषीष्ट | मेधिषीयास्ताम् | मेधिषीरन् |
| मेधिषीष्ठाः | मेधिषीयास्थाम् | मेधिषी- |
| | | ध्वम्- |
| मेधिषीय | मेधिषीवहि | मेधिषीमहि |
| श्व० मेधिता | मेधितारौ | मेधितारः |
| मेधितासे | मेधितासाथे | मेधिताध्वे |
| मेधिताहे | मेधितास्वहे | मेधितास्महे |
| भ० मेधिष्यते | मेधिष्येते | मेधिष्यन्ते |
| मेधिष्यसे | मेधिष्येथे | मेधिष्यध्वे |
| मेधिष्ये | मेधिष्यावहे | मेधिष्यामहे |
| अमेधिष्यत | अमेधिष्येताम् | अमेधिष्यन्त |
| अमेधिष्यथाः | अमेधिष्येथाम् | अमेधिष्यध्वम् |
| अमेधिष्ये | अमेधिष्यावहि | अमेधिष्यामहि |

910 शृधृ (शृधृ) उन्दे । उन्दः
क्लेदनम्

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० शर्धति | शर्धतः | शर्धन्ति |
| शर्धसि | शर्धयः | शर्धथ |
| शर्धामि | शर्धावः | शर्धामः |
| ल० शर्धेत् | शर्धेताम् | शर्धेयुः |
| शर्धेः | शर्धेतम् | शर्धेत |
| शर्धेयम् | शर्धेव | शर्धेम |
| प० शर्धतु | शर्धतात् | शर्धताम् |
| शर्ध | शर्धतम् | शर्धत |
| शर्धानि | शर्धाव | शर्धाम |
| झ० अशर्धत् | अशर्धताम् | अशर्धन् |
| अशर्धाः | अशर्धतम् | अशर्धत |
| अशर्धम् | अशर्धाव | अशर्धाम |
| अ० अशर्धीत् | अशर्धिष्टाम् | अशर्धिषुः |
| अशर्धीः | अशर्धिष्टम् | अशर्धिष्ट |
| अशर्धिषम् | अशर्धिष्व | अशर्धिष्म |
| प० शशर्ध | शशर्धतुः | शशर्धुः |
| शशर्धिय | शशर्धयुः | शशर्ध |
| शशर्ध | शशर्धिव | शशर्धिम |
| आ० शृध्यात् | शृध्यास्ताम् | शृध्यासुः |
| शृध्याः | शृध्यास्तम् | शृध्यास्त |
| शृध्यासम् | शृध्यास्व | शृध्यास्म |
| श्व० शर्धिता | शर्धितारौ | शर्धितारः |
| शर्धितासि | शर्धितास्थः | शर्धितास्थ |
| शर्धितास्मि | शर्धितास्वः | शर्धितास्मः |
| भ० शर्धिष्यति | शर्धिष्यतः | शर्धिष्यन्ति |
| शर्धिष्यसि | शर्धिष्यथः | शर्धिष्यथ |
| शर्धिष्यामि | शर्धिष्यावः | शर्धिष्यामः |
| क्रि० अशर्धिष्यत् | अशर्धिष्यताम् | अशर्धिष्यन् |
| अशर्धिष्यः | अशर्धिष्यतम् | अशर्धिष्यत |
| अशर्धिष्यम् | अशर्धिष्याव | अशर्धिष्याम |

| | | |
|---------------|-----------------|----------------|
| व० शर्धते | शर्धेते | शर्धन्ते |
| शर्धसे | शर्धेथे | शर्धध्वे |
| शर्धे | शर्धावहे | शर्धामहे |
| ल० शर्धेत | शर्धेयाताम् | शर्धेरन् |
| शर्धेथाः | शर्धेयाथाम् | शर्धेध्वम् |
| शर्धेय | शर्धेवहि | शर्धेमहि |
| प० शर्धताम् | शर्धेताम् | शर्धन्ताम् |
| शर्धस्व | शर्धेथाम् | शर्धध्वम् |
| शर्धे | शर्धावहे | शर्धामहे |
| झ० अशर्धत् | अशर्धेताम् | अशर्धन्त |
| अशर्धथाः | अशर्धेथाम् | अशर्धध्वम् |
| अशर्धे | अशर्धावहि | अशर्धामहि |
| अ० अशर्धिष्ट | अशर्धिषाताम् | अशर्धिषत |
| अशर्धिष्टाः | अशर्धिषाथाम् | अशर्धिष्टध्वम् |
| अशर्धिषि | अशर्धिष्वहि | अशर्धिष्महि |
| प० शशृधे | शशृधाते | शशृधिरे |
| शशृधिषे | शशृधाथे | शशृधिध्वे |
| शशृधे | शशृधिवहे | शशृधिमहे |
| आ० शर्धिषीष्ट | शर्धिषीयास्ताम् | शर्धिषीरन् |
| शर्धिषीष्टाः | शर्धिषीयास्थाम् | शर्धिषीध्वम् |
| शर्धिषीय | शर्धिषीवहि | शर्धिषीमहि |
| श्व० शर्धिता | शर्धितारौ | शर्धितारः |
| शर्धितासे | शर्धितासाथे | शर्धिताध्वे |
| शर्धिताहे | शर्धितास्वहे | शर्धितास्महे |
| भ० शर्धिष्यते | शर्धिष्येते | शर्धिष्यन्ते |
| शर्धिष्यसे | शर्धिष्येथे | शर्धिष्यध्वे |
| शर्धिष्ये | शर्धिष्यावहे | शर्धिष्यामहे |
| अशर्धिष्यत् | अशर्धिष्येताम् | अशर्धिष्यन्त |
| अशर्धिष्यथाः | अशर्धिष्येथाम् | अशर्धिष्यध्वम् |
| अशर्धिष्ये | अशर्धिष्यावहि | अशर्धिष्यामहि |

911 मृधू (मृधू) उन्दे । उन्दः
क्लेदनम्

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० मर्धति | मर्धतः | मर्धन्ति |
| मर्धसि | मर्धथः | मर्धथ |
| मर्धामि | मर्धावः | मर्धामः |
| स० मर्धेत् | मर्धेताम् | मर्धेयुः |
| मर्धेः | मर्धेतम् | मर्धेत |
| मर्धेयम् | मर्धेव | मर्धेम |
| मर्धतु | मर्धतात् | मर्धताम् |
| मर्धन्तु | मर्धन्तम् | मर्धन्त |
| मर्धानि | मर्धाव | मर्धाम |
| मर्धत् | मर्धताम् | मर्धन् |
| मर्धः | मर्धतम् | मर्धत |
| मर्धम् | मर्धाव | मर्धाम |
| म० मर्धेत् | मर्धेताम् | मर्धेयुः |
| मर्धेः | मर्धेतम् | मर्धेत |
| मर्धेयम् | मर्धेव | मर्धेम |
| ममर्ध | ममर्धतुः | ममर्धुः |
| ममर्धथ | ममर्धथुः | ममर्ध |
| ममर्ध | ममर्धिव | ममर्धिम |
| म० मृध्यात् | मृध्यास्ताम् | मृध्यासुः |
| मृध्याः | मृध्यास्तम् | मृध्यास्त |
| मृध्यासम् | मृध्यास्व | मृध्यास्म |
| मृ० मर्धिता | मर्धितारौ | मर्धितारः |
| मर्धितासि | मर्धितास्थः | मर्धितास्थ |
| मर्धितास्मि | मर्धितास्वः | मर्धितास्मः |
| म० मर्धिष्यति | मर्धिष्यतः | मर्धिष्यन्ति |
| मर्धिष्यसि | मर्धिष्यथः | मर्धिष्यथ |
| मर्धिष्यामि | मर्धिष्यावः | मर्धिष्यामः |
| क्रि० अमर्धिष्यत् | अमर्धिष्यताम् | अमर्धिष्यन् |
| अमर्धिष्यः | अमर्धिष्यतम् | अमर्धिष्यत |
| अमर्धिष्यम् | अमर्धिष्याव | अमर्धिष्याम |

| | | |
|---------------|-----------------|----------------|
| व० मर्धते | मर्धेते | मर्धन्ते |
| मर्धसे | मर्धेथे | मर्धेध्वे |
| मर्धे | मर्धावहे | मर्धामहे |
| स० मर्धेत | मर्धेयाताम् | मर्धेरन् |
| मर्धेथाः | मर्धेयाथाम् | मर्धेध्वम् |
| मर्धेय | मर्धेवहि | मर्धेमहि |
| प० मर्धताम् | मर्धेताम् | मर्धन्ताम् |
| मर्धस्व | मर्धेथाम् | मर्धेध्वम् |
| मर्धे | मर्धावहे | मर्धामहे |
| मृ० अमर्धत् | अमर्धेताम् | अमर्धन्त |
| अमर्धथाः | अमर्धेथाम् | अमर्धेध्वम् |
| अमर्धे | अमर्धावहि | अमर्धामहि |
| अ० अमर्धिष्ट | अमर्धिषाताम् | अमर्धिषत |
| अमर्धिष्ठाः | अमर्धिषाथाम् | अमर्धिष्वम् |
| अमर्धिषि | अमर्धिष्वहि | अमर्धिषमहि |
| प० ममृधे | ममृधाते | ममृधरे |
| ममृधिषे | ममृधाथे | ममृधिष्वे |
| ममृधे | ममृधिवहे | ममृधिमहे |
| आ० मर्धिषीष्ट | मर्धिषीयास्ताम् | मर्धिषीरन् |
| मर्धिषीष्ठाः | मर्धिषीयाथाम् | मर्धिषीध्वम् |
| मर्धिषीय | मर्धिषीवहि | मर्धिषीमहि |
| मृ० मर्धिता | मर्धितारौ | मर्धितारः |
| मर्धितासे | मर्धितासाथे | मर्धिताध्वे |
| मर्धिताहे | मर्धितास्वहे | मर्धितास्महे |
| म० मर्धिष्यते | मर्धिष्येते | मर्धिष्यन्ते |
| मर्धिष्यसे | मर्धिष्येथे | मर्धिष्यध्वे |
| मर्धिष्ये | मर्धिष्यावहे | मर्धिष्यामहे |
| अमर्धिष्यत | अमर्धिष्येताम् | अमर्धिष्यन्त |
| अमर्धिष्यथाः | अमर्धिष्येथाम् | अमर्धिष्यध्वम् |
| अमर्धिष्ये | अमर्धिष्यावहि | अमर्धिष्यामहि |

११२ बुध् (बुध्) बोधने ।

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| ब० बोधति | बोधतः | बोधन्ति |
| बोधसि | बोधथः | बोधथ |
| बोधामि | बोधावः | बोधामः |
| स० बोधेत् | बोधेताम् | बोधेयुः |
| बोधेः | बोधेतम् | बोधेत |
| बोधेयम् | बोधेव | बोधेम |
| प० बोधतु | बोधतात् | बोधताम् |
| बोध | " | बोधतम् |
| बोधानि | बोधाव | बोधाम |
| अ० अबोधत् | अबोताम् | अबोधन |
| अबोधः | अबोधतम् | अबोधत |
| अबोधम् | अबोधाव | अबोधाम |
| अ० अबोधीत् | अबोधिष्ठात् | अबोधिषुः |
| अबोधीः | अबोधिष्टम् | अबोधिष्ट |
| अबोधिषम् | अबोधिष्व | अबोधिषम् |
| अबुधत् | अबुधताम् | अबुधन इत्यादि । |
| प० बुबोध | बुबोधतुः | बुबोधुः |
| बुबोधिथ | बुबोधथुः | बुबोध |
| बुबोध | बुबोधिव | बुबोधिम |
| आ० बुध्यात् | बुध्यास्ताम् | बुध्यासुः |
| बुध्याः | बुध्यास्तम् | बुध्यास्त |
| बुध्यासम् | बुध्यास्व | बुध्यास्म |
| भ्व० बोधिता | बोधितारौ | बोधितारः |
| बोधितासि | बोधितास्थः | बोधितास्थ |
| बोधितास्मि | बोधितास्वः | बोधितास्महे |
| अ० बोधिष्यति | बोधिष्यतः | बोधिष्यन्ति |
| बोधिष्यासे | बोधिष्यथः | बोधिष्यथ |
| बोधिष्यामि | बोधिष्यावः | बोधिष्यामः |
| क्रि० अबोधिष्यत् | अबोधिष्यताम् | अबोधिष्यन् |
| अबोधिष्यः | अबोधिष्यतम् | अबोधिष्यत |
| अबोधिष्यम् | अबोधिष्याव | अबोधिष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| ब० बोधते | बोधेते | बोधन्ते |
| बोधसे | बोधीथे | बोधध्वे |
| बोधे | बोधावहे | बोधामहे |
| स० बोधेत | बोधेयाताम् | बोधेरन् |
| बोधेथाः | बोधेयाथाम् | बोधेध्वम् |
| बोधीय | बोधेवहि | बोधेमहि |
| प० बोधताम् | बोधेताम् | बोधन्ताम् |
| बोधस्व | बोधेथाम् | बोधध्वम् |
| बोधे | बोधावहे | बोधामहे |
| अ० अबोधत | अबोधेताम् | अबोधान्त |
| अबोधायाः | अबोधेथाम् | अबोधाध्वम् |
| अबोधे | अबोधावहि | अबोधामहि |
| अबोधिष्ट | अबोधिषाताम् | अबोधिषर |
| अबोधिष्ठाः | अबोधिषाथाम् | अबोधिः |
| | | इह्वम् ध्वम् |
| अबोधिषि | अबोधिष्वहि | अबोधिषम् |
| प० बुबुधे | बुबुधाते | बुबुधिरे |
| बुबुधिषे | बुबुधाथे | बुबुधिध्वे |
| बुबुधे | बुबुधिवहे | बुबुधिमहे |
| आ० बोधिषीष्ट | बोधिषीयास्ताम् | बोधिषीरन् |
| बोधिषीष्ठाः | बोधिषीयाथाम् | बोधिषीध्वम् |
| बोधिषीय | बोधिषीवहि | बोधिषीमहि |
| भ्व० बोधिता | बोधितारौ | बोधितारः |
| बोधितासे | बोधितासाथे | बोधिताध्वे |
| बोधिताहे | बोधितास्वहे | बोधितास्महे |
| बोधिष्यते | बोधिष्येते | बोधिष्यन्ते |
| बोधिष्यसे | बोधिष्येथे | बोधिष्यध्वे |
| बोधिष्ये | बोधिष्यावहे | बोधिष्यामहे |
| क्रि० अबोधिष्यत् | अबोधिष्यताम् | अबोधिष्यन्त |
| अबोधिष्यथाः | अबोधिष्येथाम् | अबोधिष्यध्वम् |
| अबोधिष्ये | अबोधिष्यावहि | अबोधिष्यामहि |

। अथ नान्तास्त्रयः सैटश्च ।

913 खन्तु (खन्) अवधारणे ।

| | | |
|----------|---------|--------|
| ख० खनति | खनतः | खनन्ति |
| खनसि | खनथः | खनथ |
| खनामि | खनावः | खनामः |
| ख० खनेत् | खनेताम् | खनेयुः |
| खनेः | खनेतम् | खनेत |
| खनेयम् | खनेव | खनेम |

प० खनतु खनतात् खनताम् खनन्तु
खन खनतम् खनत

खनानि खनाव खनाम

| | | |
|----------|------------|----------|
| ख० अखनत् | अखनताम् | अखनन् |
| अखनः | अखनतम् | अखनत |
| अखनम् | अखनाव | अखनाम |
| अखानीत् | अखानिष्टम् | अखानिषुः |
| अखानीः | अखानिष्टम् | अखानिष्ट |
| अखानिषम् | अखानिष्व | अखानिष्म |

अखनीत् अखनिष्टम् अखनिषुः

अखनीः अखनिष्टम् अखनिष्ट

अखनिषम् अखनिष्व अखनिष्म

प० चखान चखनतुः चखन्तुः

चखनिथ चखनथुः चखन

चखान-चखन चखनिव चखनिम

आ० खन्यात् खन्यास्ताम् खन्यासुः

खन्याः खन्यास्तम् खन्यास्त

खन्यासम् खन्यास्व खन्यास्म

भ० खनिता खनितारौ खनितारः

खनितासि खनितास्थः खनितास्थ

खनितास्मि खनितास्वः खनितास्मः

भ० खनिष्यति खनिष्यतः खनिष्यन्ति

खनिष्यसि खनिष्यथः खनिष्यथ

खनिष्यामि खनिष्यावः खनिष्यामः

क्रि० अखनिष्यत् अखनिष्यताम् अखनिष्यन्

अखनिष्यः अखनिष्यतम् अखनिष्यत

अखनिष्यम् अखनिष्याव अखनिष्याम

| | | |
|---------|--------|--------|
| ख० खनते | खनेते | खनन्ते |
| खनसे | खनेथे | खनध्वे |
| खने | खनावहे | खनामहे |

| | | |
|----------|-----------|----------|
| ख० खनेत् | खनेयाताम् | खनेरन् |
| खनेथाः | खनेयाथाम् | खनेध्वम् |
| खनेय | खनेवहि | खनेमहि |

| | | |
|-----------|---------|----------|
| प० खनताम् | खनेताम् | खनन्ताम् |
| खनस्व | खनेयाम् | खनध्वम् |
| खने | खनावहे | खनामहे |

| | | |
|----------|----------|----------|
| ख० अखनत् | अखनेताम् | अखनन्त |
| अखनथाः | अखनेथाम् | अखनध्वम् |
| अखने | अखनावहि | अखनामहि |

अखनिष्ट अखनिषाताम् अखनिषत

अखनिष्टाः अखनिषाथाम् अखनि-

द्वध्वम् ध्वम्

अखनिषि अखनिष्वहि अखनिष्महि

| | | |
|---------|---------|----------|
| प० चखने | चखनाते | चखिनरे |
| चखिनषे | चखनाथे | चखिनध्वे |
| चखने | चखिनवहे | चखिनमहे |

| | | |
|-------------|---------------|------------|
| आ० खनिषीष्ट | खनिषीयास्ताम् | खनिषीरन् |
| खनिषीष्टाः | खनिषीयास्थाम् | खनिषीध्वम् |
| खनिषीय | खनिषीवहि | खनिषीमहि |

| | | |
|----------|------------|------------|
| भ० खनिता | खनितारौ | खनितारः |
| खनितासे | खनितासाथे | खनिताध्वे |
| खनिताहे | खनितास्वहे | खनितास्महे |

खनिष्यते खनिष्येते खनिष्यन्ते

खनिष्यसे खनिष्येथे खनिष्यध्वे

खनिष्ये खनिष्यावहे खनिष्यामहे

| | | |
|-----------------|--------------|--------------|
| क्रि० अखनिष्यत् | अखनिष्येताम् | अखनिष्यन्त |
| अखनिष्यः | अखनिष्येथाम् | अखनिष्यध्वम् |
| अखनिष्ये | अखनिष्यावहि | अखनिष्यामहि |

914 दानी (दान-दीदाम्) अवखण्डने
आर्जवे ।

ब० दीदांसति दीदांसतः दीदांसन्ति
दीदांससि दीदांसथः दीदांसथ
दीदांसामि दीदांसावः दीदांसामः
स० दीदांसेत दीदांसेताम् दीदांस्युः
दीदांसेः दीदांसेतम् दीदांसेन
दीदांसेयम् दीदांसेव दीदांसेम

प० दीदांसतु दीदांसतात् दीदांसताम् दीदांसन्तु
दीदांस " दीदांसतम् दीदांसत
दीदांसानि दीदांसाव दीदांसाम

झ० अदीदांसत् अदीदांसताम् अदीदांसन्
अदीदांसः अदीदांसतम् अदीदांसत
अदीदांसम् अदीदांसाव अदीदांसाम

अ० अदीदांसीत् अदीदांसिष्टाम् अदीदांसिषुः
अदीदांसीः अदीदांसिष्टम् अदीदांसिष्ट
अदीदांसिषम् अदीदांसिष्व अदीदांसिषम्

ण० दीदांसाश्चकार दीदांसाश्चक्रुः
दीदांसाश्चक्रुः दीदांसाश्चक्रथ
दीदांसाश्चक्रथुः दीदांसाश्चक्र

दीदांसाश्चकार, चक्र दीदांसाश्चक्रुव
दीदांसाश्चक्रुम

दीदांसांश्चक्रुव । दीदांसामास ।
दीदांस्यात् दीदांस्यास्ताम् दीदांस्यासुः
दीदांस्याः दीदांस्यास्तम् दीदांस्यास्त
दीदांस्यासम् दीदांस्यास्व दीदांस्यास्म

भ्व० दीदांसिता दीदांसितारौ दीदांसितारः
दीदांसितासि दीदांसितास्थः दीदांसितास्थ
दीदांसितास्मि दीदांसितास्वः दीदांसितास्मः
दीदांसिष्यति दीदांसिष्यतः दीदांसिष्यन्ति

दीदांसिष्यसि दीदांसिष्यथः दीदांसिष्यथ
दीदांसिष्यामि दीदांसिष्यावः दीदांसिष्यामः

क्रि० अदीदांसिष्यत् अदीदांसिष्यताम्
अदीदांसिष्यन् अदीदांसिष्यः
अदीदांसिष्यतम् अदीदांसिष्यत
अदीदांसिष्यम् अदीदांसिष्याव
अदीदांसिष्याम

ब० दीदांसते दीदांसते दीदांसन्ते
दीदांससे दीदांससे दीदांससे

स० दीदांसेत दीदांसेयाताम् दीदांसेरन्
दीदांसेयाः दीदांसेयाताम् दीदांसेयम्
दीदांसेय दीदांसेयहि दीदांसेमहि

प० दीदांसताम् दीदांसताम् दीदांसन्ताम्
दीदांसस्व दीदांसेशाम् दीदांसध्वम्
दीदांसि दीदांसावहे दीदांसामहे

झ० अदीदांसत अदीदांसताम् अदीदांसन्त
अदीदांसथाः अदीदांसेशाम् अदीदांसध्व
अदीदांसि अदीदांसावहि अदीदांसामहि
अदीदांसिष्ट अदीदांसिषाताम् अदीदांसि

अदीदांसिष्टाः अदीदांसिषायाम् अदीदांसि
इदृशम्-ध्वम्
अदीदांसिषि अदीदांसिष्वहि अदीदांसिष्वहि
दीदांसाश्चक्रे दीदांसाश्चक्राते दीदांसाश्चक्रिरे

दीदांसाश्चक्रुषे दीदांसाश्चक्राथे
दीदांसाश्चक्रुवहे दीदांसाश्चक्रे
दीदांसाश्चक्रुवहे दीदांसाश्चक्रुमहे
दीदांसांश्चक्रुव । दीदांसामास

आ० दीदांसिषीष्ट दीदांसिषीयास्ताम्
दीदांसिषीरन् दीदांसिषीष्टाः
दीदांसिषीयास्थाम् दीदांसिषीध्वम्

दीदांसिषीय दीदांसिषीवहि दीदांसिषीमहि
भ्व० दीदांसिता दीदांसितारौ दीदांसिता
दीदांसितासे दीदांसितासाथे दीदांसितास्महे

दीदांसिताहे दीदांसितास्वहे दीदांसितास्महे
दीदांसिष्यते दीदांसिष्येते दीदांसिष्यन्ते
दीदांसिष्यसे दीदांसिष्येथे दीदांसिष्यध्वे

दीदांसिष्ये दीदांसिष्यावहे दीदांसिष्यामहे
क्रि० अदीदांसिष्यत् अदीदांसिष्यताम्
अदीदांसिष्यन्त अदीदांसिष्यथाः

अदीदांसिष्येशाम् अदीदांसिष्यध्वम्
अदीदांसिष्ये अदीदांसिष्यावहि
अदीदांसिष्यामहि
अर्थान्तरे तु सनोभावे प्रत्ययान्तराण्यपि भवन्ति

915 शानी (शान्-शीशांस्) तेजने निशाने सनि

ब० शीशांसति शीशांसतः शीशांसन्ति
शीशांससि शीशांसथः शीशांसथ
शीशांसामि शीशांसावः शीशांसामः
स० शीशांसेतु शीशांसेताम् शीशांसेयुः
शीशांसेः शीशांसेतम् शीशांसेत
शीशांसेयम् शीशांसेव शीशांसेम
पशीशांसतुशीशांसतात्शीशांसताम्शीशांसन्तु
शीशांस " शीशांसतम् शीशांसत
शीशांसानि शीशांसाव शीशांसाम
अशीशांसत् अशीशांसताम् अशीशांसन
अशीशांसः अशीशांसतम् अशीशांसत
अशीशांसम् अशीशांसाव अशीशांसाम
अशीशांसीत् अशीशांसिष्टाम् अशीशांसिषुः
अशीशांसीः अशीशांसिष्टम् अशीशांसिष्ट
अशीशांसिषम् अशीशांसिष्व अशीशांसिषम्
प० शीशांसाञ्चकार शीशांसाञ्चक्रतुः
शीशांसाञ्चक्रुः शीशांसाञ्चकर्थ
शीशांसाञ्चक्रयुः शीशांसाञ्चक्र
शीशांसाञ्चकार, चक्र शीशांसाञ्चक्रव
शीशांसाञ्चक्रम
शीशांसाञ्चभूव । शीशांसामास ।
शीशांस्यात्शीशांस्यास्ताम्शीशांस्यास्तुः
शीशांस्याः शीशांस्यास्तम् शीशांस्यास्तन
शीशांस्यास्तम्शीशांस्यास्तुःशीशांस्यास्तम्
श्च० शीशांसिताशीशांसितारौशीशांसितारः
शीशांसितासि शीशांसितास्थः शीशांसितास्थ
शीशांसितास्मिशीशांसितास्वः शीशांसितास्मः
शीशांसिष्यतिशीशांसिष्यतःशीशांसिष्यन्ति
शीशांसिष्यसिशीशांसिष्यथःशीशांसिष्यथ
शीशांसिष्यामिशीशांसिष्यावः शीशांसिष्यामः
क्रि० अशीशांसिष्यत् अशीशांसिष्यताम्
अशीशांसिष्यन् अशीशांसिष्यः
अशीशांसिष्यतम् अशीशांसिष्यत
अशीशांसिष्यम् अशीशांसिष्याव
अशीशांसिष्याम

ब० शीशांसते शीशांसेते शीशांसन्ते
शीशांससे शीशांसेथे शीशांसध्वे
शीशांसे शीशांसावहे शीशांसामहे
स० शीशांसेत शीशांसेयाताम् शीशांसेरन्
शीशांसेथाः शीशांसेयाथाम् शीशांसेध्वम्
शीशांसेय शीशांसेवहि शीशांसेमहि
प० शीशांसताम् शीशांसेताम् शीशांसन्ताम्
शीशांसस्व शीशांसेथाम् शीशांसध्वम्
शीशांसे शीशांसावहे शीशांसामहे
श्च० अशीशांसत अशीशांसेताम् अशीशांसन्त
अशीशांसथाः अशीशांसेथाम् अशीशांसध्वम्
अशीशांसे अशीशांसावहि अशीशांसामहि
अशीशांसिष्ट अशीशांसिषाताम् अशीशांसिषत
अशीशांसिष्टाः अशीशांसिषाथाम् अशीशांसि-
ष्वम् अशीशांसिषि अशीशांसिष्वहि अशीशांसिष्वमहि
शीशांसाञ्चके शीशांसाञ्चक्राते शीशांसाञ्चक्रिरे
शीशांसाञ्चकृषे शीशांसाञ्चक्राथे
शीशांसाञ्चकृद्वे शीशांसाञ्चक्रे
शीशांसाञ्चकृवहे शीशांसाञ्चकृमहे
शीशांसाञ्चभूव । शीशांसामास
आ० शीशांसिषीष्ट शीशांसिषीयास्ताम्
शीशांसिषीरन् शीशांसिषीष्टाः
शीशांसिषीयास्थाम् शीशांसिषीध्वम्
शीशांसिषीय शीशांसिषीवहि शीशांसिषीमहि
श्च० शीशांसिताशीशांसितारौशीशांसितारः
शीशांसितासे शीशांसितासाथे शीशांसिताध्वे
शीशांसिताहेशीशांसितास्वहेशीशांसितास्महे
शीशांसिष्यते शीशांसिष्येते शीशांसिष्यन्ते
शीशांसिष्यसे शीशांसिष्येथे शीशांसिष्यध्वे
शीशांसिष्ये शीशांसिष्यावहे शीशांसिष्यामहे
क्रि० अशीशांसिष्यत् अशीशांसिष्यताम्
अशीशांसिष्यन्त अशीशांसिष्यथाः
अशीशांसिष्येथाम् अशीशांसिष्यध्वम्
अशीशांसिष्ये अशीशांसिष्यावहि
अशीशांसिष्यामहि

अथ पान्तोऽनिट् च ।

916 शर्पी (शर्) आक्रोशे ।

आक्रोशो विरुद्धानु ध्यानम् ।

अनेकार्थत्वादुपलभनेऽपि ।

| | | | |
|-------|------------|-------------|------------|
| व० | शपति | शपतः | शपन्ति |
| | शपसि | शपथः | शपथ |
| | शपामि | शपावः | शपामः |
| स० | शपेत् | शपेताम् | शपेयुः |
| | शपेः | शपेतम् | शपेत |
| | शपेयम् | शपेव | शपेम |
| प० | शपतु | शपतात् | शपताम् |
| | शप | शपतम् | शपत |
| | शपानि | शपाव | शपाम |
| झ० | अशपत् | अशपताम् | अशपन् |
| | अशपः | अशपतम् | अशपत |
| | अशपम् | अशपाव | अशपाम |
| अ० | अशाप्सीत् | अशाप्ताम् | अशाप्सुः |
| | अशाप्सीः | अशप्तम् | अशप्त |
| | अशाप्सम् | अशाप्स्व | अशाप्स्म |
| य० | शशाप | शेषतुः | शेषुः |
| | शेषिथ-शशपथ | शेषथु | शेष |
| | शशाप | शशप | शेषि |
| आ० | शप्यात् | शप्यास्ताम् | शप्यासुः |
| | शप्याः | शप्यास्तम् | शप्यास्त |
| | शप्यासम् | शप्यास्व | शप्यास्म |
| श्व० | शप्ता | शप्तारौ | शप्तारः |
| | शप्तासि | शप्तास्थः | शप्तास्थ |
| | शप्तास्मि | शप्तास्वः | शप्तास्मः |
| भ० | शप्स्यति | शप्स्यतः | शप्स्यन्ति |
| | शप्स्यसि | शप्स्यथः | शप्स्यथ |
| | शप्स्यामि | शप्स्यावः | शप्स्यामः |
| क्रि० | अशप्स्यत् | अशप्स्यताम् | अशप्स्यन् |
| | अशप्स्यः | अशप्स्यतम् | अशप्स्यत |
| | अशप्स्यम् | अशप्स्याव | अशप्स्याम |

| | | | |
|------|------------|---------------|--------------|
| व० | शपते | शपेते | शपन्ते |
| | शपसे | शपेथे | शपध्वे |
| | शपे | शपावहे | शपामहे |
| स० | शपेत | शपेयाताम् | शपेरन् |
| | शपेथाः | शपेयाथाम् | शपेध्वम् |
| | शपेय | शपेवहि | शपेमहि |
| प० | शपताम् | शपेताम् | शपन्ताम् |
| | शपस्व | शपेथाम् | शपध्वम् |
| | शपे | शपावहे | शपमहे |
| झ० | अशपत | अशपेताम् | अशप |
| | अशपथाः | अशपेथाम् | अशप |
| | अशपे | अशपावहि | अशपा |
| अ० | अशप्त | अशप्ताताम् | अशप्सत |
| | अशप्ताः | अशप्ताथाम् | अशप्सध्वम् |
| | | | वृध्वम् |
| | अशप्सि | अशप्सवहि | अशप्समहि |
| प० | शेपे | शेपाते | शेपिरे |
| | शेपिषे | शेपाथे | शेपिध्वे |
| | शेपे | शेपिवहे | शेपिमहे |
| आ० | शप्सीष्ट | शप्सीयास्ताम् | शप्सीरन् |
| | शप्सीष्टाः | शप्सीयास्थाम् | शप्सीध्वम् |
| | शप्सीय | शप्सीवहि | शप्सीमहि |
| श्व० | शप्ता | शप्तारौ | शप्तारः |
| | शप्तासे | शप्तासाथे | शप्ताध्वे |
| | शप्ताहे | शप्तास्वहे | शप्तास्महे |
| भ० | शप्स्यते | शप्स्येते | शप्स्यन्ते |
| | शप्स्यसे | शप्स्येथे | शप्स्यध्वे |
| | शप्स्ये | शप्स्यावहे | शप्स्यामहे |
| | अशप्स्यत | अशप्स्येताम् | अशप्स्यन्त |
| | अशप्स्यथाः | अशप्स्येथाम् | अशप्स्यध्वम् |
| | अशप्स्ये | अशप्स्यावहि | अशप्स्यामहि |

अथ यान्तौ सैटौच

917 चायृग् (चाय्) पूजा-
निशामनयोः

| | | |
|-----------|----------|---------|
| व० चायति | चायतः | चायन्ति |
| चायसि | चायथः | चायथ |
| चायामि | चायावः | चायामः |
| स० चायेत् | चायेताम् | चायेयुः |
| चायेः | चायेतम् | चायेत |
| चायेयम् | चायेव | चायेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० चायतु | चायतात् | चायताम् | चायन्तु |
| चाय | " | चायतम् | चायत |
| चायानि | चायाव | चायाम | |

| | | |
|-------------|----------|--------|
| ह्य० अचायत् | अचायताम् | अचायन् |
| अचाय | अचायतम् | अचायत |
| अचायम् | अचायाव | अचायाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अचायीत् | अचायिष्टाम् | अचायिषुः |
| अचायीः | अचायिष्टम् | अचायिष्ट |
| अचायिषम् | अचायिष्व | अचायिषम् |

| | | |
|---------|----------|--------|
| प० चचाय | चचायतुः | चचायुः |
| चचायिथ | चचाय : | चचाय |
| चचाय | चचायिष्व | चचायिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० चाय्यात् | चाय्यास्ताम् | चाय्यासुः |
| चाय्याः | चाय्यास्तम् | चाय्यास्त |
| चाय्यासम् | चाय्यास्व | चाय्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| श्व० चायिता | चायितारौ | चायितारः |
| चायितासि | चायितास्थः | चायितास्थ |
| चायितास्मि | चायितास्वः | चायितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० चायिष्यति | चायिष्यतः | चायिष्यन्ति |
| चायिष्यसि | चायिष्यथः | चायिष्यथ |
| चायिष्यामि | चायिष्यावः | चायिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| क्रि० अचायिष्यत् | अचायिष्यताम् | अचायिष्यन्तु |
| अचायिष्यः | अचायिष्यतम् | अचायिष्यत |
| अचायिष्यम् | अचायिष्याव | अचायिष्याम |

| | | |
|----------|---------|---------|
| व० चायते | चायेते | चायन्ते |
| चायसे | चायेथे | चायध्वे |
| चाये | चायावहे | चायामहे |

| | | |
|----------|------------|-----------|
| स० चायेत | चायेयाताम् | चायेरन् |
| चायेथाः | चायेथाथाम् | चायेध्वम् |
| चायेय | चायेवहि | चायेमहि |

| | | |
|------------|----------|-----------|
| प० चायताम् | चायेताम् | चायन्ताम् |
| चायस्व | चायेथाम् | चायध्वम् |
| चायै | चायावहे | चायमहे |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| ह्य० अचायत | अचायेताम् | अचायन्त |
| अचायथाः | अचायेथाम् | अचायध्वम् |
| अचाये | अचायावहि | अचायामहि |

| | | |
|-------------|-------------|---------------|
| अ० अचायिष्ट | अचायिषाताम् | अचायिषत |
| अचायिष्टाः | अचायिषाथाम् | अचायिष्टध्वम् |
| | | ध्वम् |

| | | |
|---------|------------|-----------|
| अचायिषि | अचायिष्वहि | अचायिषमहि |
|---------|------------|-----------|

| | | |
|----------|----------|----------------|
| प० चचाये | चचायाते | चचायिरे |
| चचायिषे | चचायाथे | चचायिध्वे-द्वे |
| चचाये | चचायिषहे | चचायिमहे |

| | | |
|--------------|----------------|-------------|
| आ० चायिषीष्ट | चायिषीयास्ताम् | चायिषीरन् |
| चायिषीष्टाः | चायिषीयास्थाम् | चायिषीध्वम् |
| | | ध्वम् |

| | | |
|---------|-----------|-----------|
| चायिषीय | चायिषीवहि | चायिषीमहि |
|---------|-----------|-----------|

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| श्व० चायिता | चायितारौ | चायितारः |
| चायितासे | चायितासाथे | चायिताध्वे |
| चायिताहे | चायितास्वहे | चायितास्महे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ० चायिष्यते | चायिष्येते | चायिष्यन्ते |
| चायिष्यसे | चायिष्येथे | चायिष्यध्वे |
| चायिष्ये | चायिष्यावहे | चायिष्यामहे |

| | | |
|-------------|---------------|---------------|
| अचायिष्यत | अचायिष्येताम् | अचायिष्यन्त |
| अचायिष्यथाः | अचायिष्येथाम् | अचायिष्यध्वम् |
| अचायिष्ये | अचायिष्यावहि | अचायिष्यामहि |

918 व्ययी (व्यय्) गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० व्ययति | व्ययतः | व्ययन्ति |
| व्ययसि | व्ययथः | व्ययथ |
| व्ययामि | व्ययावः | व्ययामः |
| स० व्ययेत् | व्ययेताम् | व्ययेयुः |
| व्ययेः | व्ययेतम् | व्ययेत |
| व्ययेयम् | व्ययेव | व्ययेम |
| प० व्ययतु | व्ययतात् | व्ययताम् |
| व्यय | व्ययतम् | व्ययत |
| व्ययानि | व्ययाव | व्ययाम |
| झ० अव्ययत् | अव्ययताम् | अव्ययन् |
| अव्ययः | अव्ययतम् | अव्ययत |
| अव्ययम् | अव्ययाव | अव्ययाम |
| अ० अव्ययीत् | अव्ययिष्ठा | अव्ययिषुः |
| अव्ययीः | अव्ययिष्टम् | अव्ययिष्ट |
| अव्ययिषम् | अव्ययिष्व | अव्ययिष्म |
| प० वव्याय | वव्ययतुः | वव्ययुः |
| वव्ययिथ | वव्ययथुः | वव्यय |
| वव्याय-वव्यय | वव्ययिष | वव्ययिम |
| आ० व्यय्यात् | व्यय्यास्ताम् | व्यय्यासुः |
| व्यय्याः | व्यय्यास्तम् | व्यय्यास्त |
| व्यय्यासम् | व्यय्यास्व | व्यय्यास्म |
| भ्व० व्ययिता | व्ययितारौ | व्ययितारः |
| व्ययितासि | व्ययितास्थः | व्ययितास्थ |
| व्ययितास्मि | व्ययितास्वः | व्ययितास्मः |
| भ० व्ययिष्यति | व्ययिष्यतः | व्ययिष्यन्ति |
| व्ययिष्यसि | व्ययिष्यथः | व्ययिष्यथ |
| व्ययिष्यामि | व्ययिष्यावः | व्ययिष्यामः |
| क्रि० अव्ययिष्यत् | अव्ययिष्यताम् | अव्ययिष्यन् |
| अव्ययिष्यः | अव्ययिष्यतम् | अव्ययिष्यत |
| अव्ययिष्यम् | अव्ययिष्याव | अव्ययिष्याम |

| | | |
|---------------|-----------------|-----------------|
| व० व्ययते | व्ययेते | व्ययन्ते |
| व्ययसे | व्ययेथे | व्ययध्वे |
| व्यये | व्ययावहे | व्ययामहे |
| स० व्ययेत | व्ययेयाताम् | व्ययेरन् |
| व्ययेथाः | व्ययेयाथाम् | व्ययेध्वम् |
| व्ययेय | व्ययेवहि | व्ययेमहि |
| प० व्ययताम् | व्ययेताम् | व्ययन्ताम् |
| व्ययस्व | व्ययेथाम् | व्ययध्वम् |
| व्यये | व्ययावहे | व्ययमहे |
| झ० अव्ययत | अव्ययेताम् | अव्ययन्त |
| अव्ययथाः | अव्ययेथाम् | अव्ययध्वम् |
| अव्यये | अव्ययावहि | अव्ययामहि |
| अ० अव्ययिष्ट | अव्ययिषाताम् | अव्ययिषत |
| अव्ययिष्ठाः | अव्ययिषाथाम् | अव्ययिष्ट्वम् |
| अव्ययिषि | अव्ययिष्वहि | अव्ययिष्महि |
| प० वव्यये | वव्ययाते | वव्ययिरे |
| वव्ययिषे | वव्ययाथे | वव्ययिध्वे-द्वे |
| वव्यये | वव्ययिवहे | वव्ययिमहे |
| आ० व्ययिषीष्ट | व्ययिषीयास्ताम् | व्ययिषीरन् |
| व्ययिषीष्ठाः | व्ययिषीयास्थाम् | व्ययिषीध्वम् |
| व्ययिषीय | व्ययिषीवहि | व्ययिषीमहि |
| भ्व० व्ययिता | व्ययितारौ | व्ययितारः |
| व्ययितासे | व्ययितासाथे | व्ययिताध्वे |
| व्ययिताहे | व्ययितास्वहे | व्ययितास्महे |
| भ० व्ययिष्यते | व्ययिष्येते | व्ययिष्यन्ते |
| व्ययिष्यसे | व्ययिष्येथे | व्ययिष्यध्वे |
| व्ययिष्ये | व्ययिष्यावहे | व्ययिष्यामहे |
| अव्ययिष्यत | अव्ययिष्येताम् | अव्ययिष्यन्त |
| अव्ययिष्यथाः | अव्ययिष्येथाम् | अव्ययिष्यध्वम् |
| अव्ययिष्ये | अव्ययिष्यावहि | अव्ययिष्यामहि |

अथ लान्तः सेद च

919 अली (अल्) भूषणपर्याप्ति-
वारणेषु

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| व० अलति | अलतः | अलन्ति |
| अलसि | अलथः | अलथः |
| अलामि | अलावः | अलामः |
| स० अलेत् | अलेताम् | अलेयुः |
| अलेः | अलेतम् | अलेत |
| अलेयम् | अलेव | अलेम |
| प० अलतु | अलतात् | अलताम् |
| अल | अलतम् | अलत |
| अलानि | अलाव | अलाम |
| झ० आलत् | आलताम् | आलन् |
| आलः | आलतम् | आलत |
| आलम् | आलाव | आलाम |
| अ० आलीत् | आलिष्टाम् | आलिषुः |
| आलीः | आलिष्टम् | आलिष्ट |
| आलिषम् | आलिष्व | आलिषम् |
| प० आल | आलतुः | आलुः |
| आलिथ | आलथुः | आल |
| आल | आलिष | आलिम |
| आ० अल्यात् | अल्यास्ताम् | अल्यासुः |
| अल्याः | अल्यास्तम् | अल्यास्त |
| अल्यासम् | अल्यास्व | अल्यास्म |
| श्व० अलिता | अलितारौ | अलितारः |
| अलितासि | अलितास्थः | अलितास्थ |
| अलितास्मि | अलितास्वः | अलितास्मः |
| भ० अलिष्यति | अलिष्यतः | अलिष्यन्ति |
| अलिष्यसि | अलिष्यथः | अलिष्यथ |
| अलिष्यामि | अलिष्यावः | अलिष्यामः |
| क्रि० आलिष्यत् | आलिष्यताम् | आलिष्यन् |
| आलिष्यः | आलिष्यतम् | आलिष्यत |
| आलिष्यम् | आलिष्याव | आलिष्याम |

| | | |
|---------|-----------|----------|
| व० अलते | अलेते | अलन्ते |
| अलसे | अलेथे | अलध्वे |
| अले | अलावहे | अलामहे |
| स० अलेत | अलेयाताम् | अलेरन् |
| अलेथाः | अलेयाथाम् | अलेध्वम् |
| अलेय | अलेवहि | अलेमहि |

| | | |
|-----------|---------|----------|
| प० अलताम् | अलेताम् | अलन्ताम् |
| अलस्व | अलेथाम् | अलध्वम् |
| अले | अलावहे | अलामहे |

| | | |
|--------|---------|---------|
| झ० आलत | आलेताम् | आलन्त |
| आलथाः | आलेथाम् | आलध्वम् |
| आले | आलावहि | आलामहि |

| | | |
|-----------|-----------|-------------|
| अ० आलिष्ट | आलिषाताम् | आलिषत |
| आलिष्टाः | आलिषाथाम् | आलिष्टध्वम् |

| | | |
|-------|----------|---------|
| आलिषि | आलिष्वहि | आलिषमहि |
|-------|----------|---------|

| | | |
|--------|--------|--------------|
| प० आले | आलाते | आलिरे |
| आलिषे | आलाथे | आलिध्वे-द्वे |
| आले | आलिषहे | आलिमहे |

| | | |
|-------------|---------------|------------|
| आ० अलिषीष्ट | अलिषीयास्ताम् | अलिषीरन् |
| अलिषीष्टाः | अलिषीयास्थाम् | अलिषीध्वम् |

| | | |
|--------|----------|----------|
| अलिषीय | अलिषीवहि | अलिषीमहि |
|--------|----------|----------|

| | | |
|------------|------------|------------|
| श्व० अलिता | अलितारौ | अलितारः |
| अलितासे | अलितासाथे | अलिताध्वे |
| अलिताहे | अलितास्वहे | अलितास्महे |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| भ० अलिष्यते | अलिष्येते | अलिष्यन्ते |
| अलिष्यसे | अलिष्येथे | अलिष्यध्वे |
| अलिष्ये | अलिष्यावहे | अलिष्यामहे |

| | | |
|-----------|-------------|-------------|
| आलिष्यत | आलिष्येताम् | आलिष्यन्त |
| आलिष्यथाः | आलिष्येथाम् | आलिष्यध्वम् |
| आलिष्ये | आलिष्यावहि | आलिष्यामहि |

अथ वान्तौ सेटौ च ।

920 धावू [धाव्] गतिशुद्धयोः

व० धावति धावतः धावन्ति
धावसि धावथः धावथ
धावामि धावावः धावामः

स० धावेत् धावेताम् धावेयुः
धावेः धावेनम् धावेत
धावेयम् धावेव धावेम

प० धावतु धावतात् धावताम् धावन्तु
धाव " धावतम् धावत
धावानि धावाव धावाम

झ० अधावत् अधावताम् अधावन्
अधावः अधावतम् अधावत
अधावम् अधावाव अधावाम

अ० अधावीत् अधाविष्टाम् अधाविषुः
अधावीः अधाविष्टम् अधाविष्ट
अधाविषम् अधाविष्व अधाविष्म

प० दधाव दधावतुः दधावुः
दधावथ दधावथुः दधाव
दधाव, दधाविष्व दधाविम

आ० धाव्यात् धाव्यास्ताम् धाव्यासुः
धाव्याः धाव्यास्तम् धाव्यास्त
धाव्यासम् धाव्यास्व धाव्यासम्

श्व० धाविता धावितारौ धावितारः
धावितासि धावितास्थः धावितास्थ
धावितास्मि धावितास्वः धावितास्मः

भ० धाविष्यति धाविष्यतः धाविष्यन्ति
धाविष्यसि धाविष्यथः धाविष्यथ
धाविष्यामि धाविष्यावः धाविष्यामः

क्रि० अधाविष्यत् अधाविष्यताम् अधाविष्यन्
अधाविष्यः अधाविष्यतम् अधाविष्यत
अधाविष्यम् अधाविष्याव अधाविष्याम

व० धावते धावेते धावन्ते
धावसे धावेथे धावध्वे
धावे धावावहे धावामहे
स० धावेत धावेयाताम् धावेरन
धावेथा धावेयाथाम् धावेध्वम्
धावेय धावेवहि धावेमहि

प० धावताम् धावेताम् धावन्ताम्
धावस्व धावेशाम धावध्वम्
धावै धावावहै धावामहै

झ० अधावत अधावेताम् अधावन्त
अधावथाः अधावेथाम् अधावध्वम्
अधावे अधावावहि अधावामहि

अ० अधाविष्ट अधाविषाताम् अधाविषत
अधाविष्टाः अधाविषाथाम् अधाविड्ध्वम्
द्वम् ध्वम्

अधाविषि अधाविष्वहि अधाविष्महि
प० दधावे दधावाते दधाविरे
दधाविषे दधावाथे दधाविध्वे
दधावे दधाविष्वहे दधाविमहे

आ० धाविषीष्ट धाविषीयास्ताम् धाविषीरन्
धाविषीष्टाः धाविषीयास्थाम् धाविषीध्वम्
द्वम्

धाविषीय धाविषीवहि धाविषीमहि

श्व० धाविता धावितारौ धावितारः
धावितासे धावितासाथे धाविताध्वे
धाविताहे धावितास्वहे धावितास्महे

भ० धाविष्यते धाविष्येते धाविष्यन्ते
धाविष्यसे धाविष्येथे धाविष्यध्वे
धाविष्ये धाविष्यावहे धाविष्यामहे

अधाविष्यत अधाविष्येताम् अधाविष्यन्त
अधाविष्यथाः अधाविष्येथाम् अधाविष्यध्वम्
अधाविष्ये अधाविष्यावहि अधाविष्यामहि

921 चीवृग् (चीव्) क्षणीवत्
क्षणी आदानसंवरणयोर्वक्ष्यते तद्वदयमप्या
दानसंवरणयोरित्यर्थः ।

व० चीवति चीवतः चीवन्ति
चीवसि चीवथः चीवथ
चीवामि चीवावः चीवामः

स० चीवेत् चीवेताम् चीवेयुः
चीवेः चीवेतम् चीवेत
चीवेयम् चीवेव चीवेम

० चीवतु चीवतात् चीवताम् चीवन्तु
चीव " चीवतम् चीवत
चीवानि चीवाव चीवाम

झ० अचीवत् अचीवताम् अचीवन्
अचीवः अचीवतम् अचीवत
अचीवम् अचीवाव अचीवाम

अ० अचीवीत् अचीविष्टम् अचीविषुः
अचीवीः अचीविष्टम् अचीविष्ट
अचीविषम् अचीविष्व अचीविष्म

अचीव चिचीवतुः चिचीवुः
अचिविथ चिचीवथुः चिचीव
, चिचीविष चिचीविम

१ चिचीव्यास्ताम् चिचीव्यासुः
चिचीव्याः चिचीव्यास्तम् चिचीव्यास्त
चिचीव्यासम् चिचीव्यास्व चिचीव्यास्म

श्व० चिचिता चिचितारौ चिचितारः
चिचितासि चिचितास्थः चिचितास्थ
चिचितास्मि चिचितास्वः चिचितास्मः

भ० चिचिष्यति चिचिष्यतः चिचिष्यन्ति
चिचिष्यसि चिचिष्यथः चिचिष्यथ
चिचिष्यामि चिचिष्यावः चिचिष्यामः

कि० अचीविष्यत् अचीविष्यताम् अचीविष्यन्
अचीविष्यः अचीविष्यतम् अचीविष्यत
अचीविष्यम् अचीविष्याव अचीविष्याम

व० चीवते चीवेते चीवन्ते
चीवसे चीवेथे चीवध्वे
चीवे चीवावहे चीवामहे
स० चीवेत चीवेयाताम् चीवेरन्
चीवेयाः चीवेयाथाम् चीवेध्वम्
चीवेय चीवेवहि चीवेमहि

प० चीवताम् चीवेताम् चीवन्ताम्
चीवस्व चीवेश्वम् चीवध्वम्
चीवै चीवावहै चीवामहै

झ० अचीवत अचीवेताम् अचीवन्त
अचीवथाः अचीवेश्वम् अचीवध्वम्
अचीवे अचीवावहि अचीवामहि

अ० अचीविष्ट अचीविषाताम् अचीविषत
अचीविष्ठाः अचीविषायाम् अचीविड्ढ्वम्
अचीविष्व अचीविष्महि

प० चिचीवे चिचीवाते चिचीविरे
चिचीविषे चिचीवाथे चिचीविध्वे
चिचीवे चिचीविषहै चिचीविमहे

आ० चिचिषीष्ट चिचिषीयास्ताम् चिचिषीरन्
चिचिषीष्ठाः चिचिषीयास्थाम् चिचिषीध्वम्
चिचिषीय चिचिषीवहि चिचिषीमहि

व० चिचिता चिचितारौ चिचितारः
चिचितासे चिचितासाथे चिचिताध्वे
चिचिताहे चिचितास्वहै चिचितास्महे

भ० चिचिष्यते चिचिष्येते चिचिष्यन्ते
चिचिष्यसे चिचिष्येथे चिचिष्यध्वे
चिचिष्ये चिचिष्यावहै चिचिष्यामहे

अचीविष्यत अचीविष्येताम् अचीविष्यन्त
अचीविष्यथाः अचीविष्येथाम् अचीविष्यध्वम्
अचीविष्ये अचीविष्यावहि अचीविष्यामहि

अथ शान्तः सेट् च
922 दाशङ् (दाशू) दाने ।

व० दाशति दाशतः दाशन्ति
दाशसि दाशथः दाशथ
दाशामि दाशावः दाशामः

स० दाशेत् दाशेताम् दाशेयुः
दाशेः दाशेतम् दाशेत
दाशेयम् दाशेव दाशेम

प० दाशतु दाशतात् दाशताम् दाशन्तु
दाश " दाशतम् दाशत
दाशानि दाशाव दाशाम

ह्य० अदाशत् अदाशताम् अदाशन्
अदाशः अदाशतम् अदाशत
अदाशम् अदाशाव अदाशाम

अ० अदाशीत् अदाशिष्टम् अदाशिषुः
अदाशीः अदाशिष्टम् अदाशिष्ट
अदाशिषम् अदाशिष्व अदाशिष्म

प० ददाश ददाशतुः ददाशुः
ददाशित ददाशथुः ददाश
ददाश, ददाशिव ददाशिम

आ० दाश्यात् दाश्यास्ताम् दाश्यासुः
दाश्याः दाश्यास्तम् दाश्यास्त
दाश्यासम् दाश्यास्व दाश्यास्म

श्व० दाशिता दाशितारौ दाशितारः
दाशितासि दाशितास्थः दाशितास्थ
दाशितास्मि दाशितास्वः दाशितास्मः

भ० दाशिष्यति दाशिष्यतः दाशिष्यन्ति
दाशिष्यमि दाशिष्यथः दाशिष्यथ
दाशिष्यामि दाशिष्यावः दाशिष्यामः

क्रि० अदाशिष्यत् अदाशिष्यताम् अदाशिष्यन्त
अदाशिष्यः अदाशिष्यतम् अदाशिष्यत
अदाशिष्यम् अदाशिष्याव अदाशिष्याम

व० दाशते दाशेते दाशन्ते
दाशसे दाशेथे दाशध्वे
दाशे दाशावहे दाशामहे
स० दाशेत दाशेयाताम् दाशेरन्
दाशेथाः दाशेयाथाम दाशेध्वम्
दाशेय दाशेवहि दाशेमहि

प दाशताम् दाशेताम् दाशन्ताम्
दाशस्व दाशेथाम दाशध्वम्
दाशे दाशावहे दाशामहे

ह्य० अदाशत अदाशेताम् अदाशन्त
अदाशथाः अदाशेथाम अदाशध्वम्
अदाशे अदाशावहि अदाशामहि

अ० अदाशिष्ट अदाशिषाताम् अदाशिषत
अदाशिष्टाः अदाशिषाथाम अदाशिष्वध्वम्
ध्वम्

अदाशिषि अदाशिष्वहि अदाशिष्महि

प० ददाशे ददाशाते ददाशिरे
ददाशिके ददाशाथे ददाशिध्वे
ददाशे ददाशिवहे ददाशिमहे

अ० दाशिषीष्ट दाशिषीयास्ताम् दाशिषीरन्
दाशिषीष्टाः दाशिषीयास्थाम दाशिषीध्वम्
दाशिषीय दाशिषीवहि दाशिषीमहि

श्व० दाशिता दाशितारौ दाशितारः
दाशितासे दाशितासाथे दाशिताध्वे
दाशिताहे दाशितास्वहे दाशितास्महे

भ० दाशिष्यते दाशिष्येते दाशिष्यन्ते
दाशिष्यसे दाशिष्येथे दाशिष्यध्वे
दाशिष्ये दाशिष्यावहे दाशिष्यामहे

अदाशिष्यत अदाशिष्येताम् अदाशिष्यन्त
अदाशिष्यथाः अदाशिष्येथाम अदाशिष्यध्वम्
अदाशिष्ये अदाशिष्यावहि अदाशिष्यामहि

अथ षान्ता नव त्विर्णीवर्जाः सेटश्च
923 झषि (झषू) आदानसंवरणयोः ।

ब० झषति झषतः झषन्ति
झषसि झषथः झषथ
झषामि झषावः झषामः

स० झषेत् झषेताम् झषेयुः
झषेः झषेतम् झषेत
झषेयम् झषेव झषेम

प० झषतु झषतात् झषताम् झषन्तु
झष झषतम् झषत
झषाणि झषाव झषाम

झ० अझषत् अझषताम् अझषन्
अझषः अझषतम् अझषत
अझषम् अझषाव अझषाम

अ० अझषीत् अझषिषाम

अझषीत् अझषिषाम अझषिषुः
अझषीः अझषिषम् अझषिषि
अझषिषम् अझषिषिष अझषिषिष

जझषिथ जझषथुः जझष
जझष,जझष जझषिव जझषिम

आ० झष्यात् झष्यास्ताम् झष्यासुः
झष्याः झष्यास्तम् झष्यास्त
झष्यासम् झष्यास्व झष्यास्म

झ० झषिता झषितारौ झषितारः
झषितासि झषितास्थः झषितास्थ
झषितास्मि झषितास्वः झषितास्मः

झ० झषिष्यति झषिष्यतः झषिष्यन्ति
झषिष्यसि झषिष्यथः झषिष्यथ
झषिष्यामि झषिष्यावः झषिष्यामः

क्रि० अझषिष्यत् अझषिष्यताम् अझषिष्यन्
अझषिष्यः अझषिष्यतम् अझषिष्यन्
अझषिष्यम् अझषिष्याव अझषिष्याम

ब० झषते झषेते झषन्ते
झषसे झषेथे झषध्वे
झषे झषा०हे झषामहे
स० झषेत झषेयाताम् झषेरन्
झषेथाः झषेयाथाम् झषेध्वम्
झषेय झषेवहि झषेमहि

प० झषताम् झषेताम् झषन्ताम्
झषस्व झषेशाम् झषध्वम्
झषै झषावहे झषामहे

झ० अझषत अझषेताम् अझषन्त
अझषथाः अझषेथाम् अझषध्वम्
अझषे अझषावहि अझषामहि

अ० अझषिष्ट अझषिषाताम् अझषिषत
अझषिष्ठाः अझषिषाथाम् अझषिष्टध्वम्

अझषिषि अझषिष्वहि अझषिषमहि

प० जझषे जझषाते जझषिरे
जझषिवे जझषाथे जझषिध्वे
जझषे जझषिवहे जझषिमहे

आ० झषिषीष्ट झषिषीयास्ताम् झषिषीरन्
झषिषीष्ठाः झषिषीयाथाम् झषिषीध्वम्
झषिषीय झषिषीवहि झषिषीमहि

झ० झषिता झषितारौ झषितारः
झषितासे झषितासाथे झषिताध्वे
झषिताहे झषितास्वहे झषितास्महे

झ० झषिष्यते झषिष्येते झषिष्यन्ते
झषिष्यसे झषिष्येथे झषिष्यध्वे
झषिष्ये झषिष्यावहे झषिष्यामहे

क्रि० अझषिष्यत् अझषिष्यताम् अझषिष्यन्त
अझषिष्यथाः अझषिष्येथाम् अझषिष्यध्वम्
अझषिष्ये अझषिष्यावहि अझषिष्यामहि

924 भेषृग् (भेषृ) भये ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० भेषन्ति | भेषतः | भेषन्ति |
| भेषन्ति | भेषथः | भेषथ |
| भेषामि | भेषावः | भेषामः |
| स० भेषत् | भेषताम् | भेषेयुः |
| भेषः | भेषेत्तम् | भेषेत |
| भेषेयम् | भेषेव | भेषेम |
| प० भेषतु | भेषतात् | भेषन्तु |
| भेष | भेषतम् | भेषत |
| भेषाणि | भेषाव | भेषाम |
| ह्य० अभेषत् | अभेषताम् | अभेषन् |
| अभेषः | अभेषेत्तम् | अभेषेत |
| अभेषम् | अभेषाव | अभेषाम |
| अ० अभेषीत् | अभेषिष्टाम् | अभेषिषुः |
| अभेषीः | अभेषिष्टम् | अभेषिष्ट |
| अभेषिषम् | अभेषिष्व | अभेषिष्व |
| प० विभेष | विभेषतुः | विभेषुः |
| विभेषिथ | विभेषथुः | विभेष |
| विभेष | विभेषिव | विभेषिम |
| आ० भेष्यात् | भेष्यास्ताम् | भेष्यासुः |
| भेष्याः | भेष्यास्तम् | भेष्यास्त |
| भेष्यास्तम् | भेष्यास्व | भेष्यास्म |
| श्व० भेषिता | भेषितारौ | भेषितारः |
| भेषितासि | भेषितास्थः | भेषितास्थ |
| भेषितास्मि | भेषितास्वः | भेषितास्मः |
| भ० भेषिष्यति | भेषिष्यतः | भेषिष्यन्ति |
| भेषिष्यसि | भेषिष्यथः | भेषिष्यथ |
| भेषिष्यामि | भेषिष्यावः | भेषिष्यामः |
| क्रि० अभेषिष्यत् | अभेषिष्यताम् | अभेषिष्यन् |
| अभेषिष्यः | अभेषिष्यतम् | अभेषिष्यत |
| अभेषिष्यम् | अभेषिष्याव | अभेषिष्याम |

| | | |
|--------------|----------------|---------------|
| ष० भेषते | भेषेते | भेषन्ते |
| भेषसे | भेषेथे | भेषेथ्वे |
| भेषे | भेषावहे | भेषामहे |
| स० भेषेत | भेषेयाताम् | भेषेरन् |
| भेषेथाः | भेषेयाथाम् | भेषेध्वम् |
| भेषेय | भेषेवहि | भेषेमहि |
| प० भेषताम् | भेषेताम् | भेषन्ताम् |
| भेषस्व | भेषेथाम् | भेषेध्वम् |
| भेषे | भेषावहे | भेषामहे |
| ह्य० अभेषेत | अभेषेताम् | अभेषन्त |
| अभेषेथाः | अभेषेथाम् | अभेषेध्वम् |
| अभेषे | अभेषावहि | अभेषामहि |
| अ० अभेषिष्ट | अभेषिषाताम् | अभेषिषत |
| अभेषिष्टाः | अभेषिषाथाम् | अभेषिष्ट्वम् |
| अभेषिषि | अभेषिष्वहि | अभेषिष्वमहि |
| प० विभेषे | विभेषाते | विभेषिरे |
| विभेषिषे | विभेषाये | विभेषिष्वे |
| विभेषे | विभेषिवहे | विभेषिमहे |
| आ० भेषिषीष्ट | भेषिषीयास्ताम् | भेषिषीरन् |
| भेषिषीष्टाः | भेषिषीयास्थाम् | भेषिषीध्वम् |
| भेषिषीय | भेषिषीवहि | भेषिषीमहि |
| श्व० भेषिता | भेषितारौ | भेषितारः |
| भेषितासे | भेषितासाथे | भेषिताध्वे |
| भेषिताहे | भेषितास्वहे | भेषितास्महे |
| भ० भेषिष्यते | भेषिष्येते | भेषिष्यन्ते |
| भेषिष्यसे | भेषिष्येथे | भेषिष्येथ्वे |
| भेषिष्ये | भेषिष्यावहे | भेषिष्यामहे |
| अभेषिष्यत् | अभेषिष्येताम् | अभेषिष्यन्त |
| अभेषिष्यथाः | अभेषिष्येथाम् | अभेषिष्यध्वम् |
| अभेषिष्ये | अभेषिष्यावहि | अभेषिष्यामहि |

925 अेषू [अेषू] चलने च ।
चकाराद्भये ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० अेषति | अेषतः | अेषन्ति |
| अेषसि | अेषथः | अेषथ |
| अेषामि | अेषावः | अेषामः |
| स० अेषेत | अेषेताम् | अेषेयुः |
| अेषेः | अेषेतम् | अेषेत |
| अेषेयम् | अेषेव | अेषेम |
| प० अेषतु | अेषतात् | अेषताम् |
| अेष | अेषन्तम् | अेषत |
| अेषणि | अेषाव | अेषाम |
| अअेषत् | अअेषताम् | अअेषन् |
| अअेषः | अअेषतम् | अअेषत |
| अअेषामि | अअेषाव | अअेषाम |
| अ० अअेषीत् | अअेषीताम् | अअेषिषुः |
| अअेषीः | अअेषीतम् | अअेषीष्ट |
| अअेषिषम् | अअेषिष्व | अअेषिषम् |
| प० विअेष | विअेषतुः | विअेषुः |
| विअेषिथ | विअेषथुः | विअेष |
| विअेष, | विअेषिथ | विअेषिम |
| आ० अेष्यात् | अेष्यास्ताम् | अेष्यासुः |
| अेष्याः | अेष्यास्तम् | अेष्यास्त |
| अेष्यालम् | अेष्यास्व | अेष्यास्म |
| प्र० अेषिता | अेषितारौ | अेषितारः |
| अेषितासि | अेषितास्थ | अेषितास्थ |
| अेषितास्मि | अेषितास्व | अेषितास्मः |
| अवि-अ० अेषिष्यति | अेषिष्यतः | अेषिष्यन्ति |
| तास्मि | अेषिष्यसि | अेषिष्यथ |
| | अेषिष्यामि | अेषिष्यावः |
| | | अेषिष्यामः |
| क्रि० अअेषिष्यत् | अअेषिष्यताम् | अअेषिष्यन् |
| अअेषिष्यः | अअेषिष्यतम् | अअेषिष्यत |
| अअेषिष्यम् | अअेषिष्याव | अअेषिष्याम |

| | | |
|------------------|---------------|---------------|
| व० अेषते | अेषेते | अेषन्ते |
| अेषसे | अेषेथे | अेषेध्वे |
| अेषे | अेषावहे | अेषामहे |
| स० अेषेत | अेषेयाताम् | अेषेरन् |
| अेषेथाः | अेषेयाथाम् | अेषेध्वम् |
| अेषेय | अेषेवहि | अेषेमहि |
| प० अेषताम् | अेषेताम् | अेषन्ताम् |
| अेषस्व | अेषेथाम् | अेषेध्वम् |
| अेषै | अेषावहे | अेषामहे |
| झ० अअेषे | अअेषेताम् | अअेषन्त |
| अअेषेथाः | अअेषेथाम् | अअेषेध्वम् |
| अअेषे | अअेषावहि | अअेषामहि |
| अ० अअेषिष्ट | अअेषिषाताम् | अअेषिषत |
| अअेषिष्टाः | अअेषिषाथाम् | अअेषिष्ट्वम् |
| | | अअेषिषि |
| | अअेषिष्वहि | अअेषिषमहि |
| प० विअेषे | विअेषेते | विअेषिरे |
| विअेषिषे | विअेषाथे | विअेषिध्वे |
| विअेषे | विअेषिषहे | विअेषिमहे |
| आ० अअेषिषीष्ट | अअेषिषीयाताम् | अअेषिषीरन् |
| अअेषिषीष्टाः | अअेषिषीयाथाम् | अअेषिषीध्वम् |
| अअेषिषीय | अअेषिषीवहि | अअेषिषीमहि |
| प्र० अअेषिता | अअेषितारौ | अअेषितारः |
| अअेषितासे | अअेषितासाथे | अअेषिताध्वे |
| अअेषिनाहे | अअेषितास्वहे | अअेषितास्महे |
| भ० अअेषिष्यते | अअेषिष्येते | अअेषिष्यन्ते |
| अअेषिष्यसे | अअेषिष्येथे | अअेषिष्यध्वे |
| अअेषिष्ये | अअेषिष्यावहे | अअेषिष्यामहे |
| क्रि० अअेषिष्यत् | अअेषिष्यताम् | अअेषिष्यन्त |
| अअेषिष्यथाः | अअेषिष्येथाम् | अअेषिष्यध्वम् |
| अअेषिष्ये | अअेषिष्यावहि | अअेषिष्यामहि |

926 पषि (पष्) बाधनस्पर्शनयोः

स्पर्शनम् ग्रन्थनम् ॥

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| ब० पषति | पषतः | पषन्ति |
| पषसि | पषथः | पषथ |
| पषामि | पषावः | पषामः |
| स० पषेत् | पषेताम् | पषेयुः |
| पषेः | पषेतम् | पषेत |
| पषेयम् | पषेय | पषेम |
| प० पषतु | पषतात् | पषताम् |
| पष | पषतम् | पषत |
| पषाणि | पषाव | पषाम |
| झ० अपषत् | अपषताम् | अपषन् |
| अपषः | अपषतम् | अपषत |
| अपषम् | अपषाव | अपषाम |
| अ० अपाषीत् | अपाषिष्टात् | अपाषिषुः |
| अपाषीः | अपाषिष्टम् | अपाषिष्ट |
| अपाषिषम् | अपाषिष्व | अपाषिष्व |
| अपषीत् | अपषिष्टात् | अपषिषुः |
| अपषीः | अपषिष्टम् | अपषिष्ट |
| अपषिषम् | अपषिष्व | अपषिष्व |
| प० पपाव | पेषतुः | पेषुः |
| पेषिथ | पेषथुः | पेष |
| पपाव पपव | पेषिथ | पेषिथ |
| आ० पष्यात् | पष्यास्ताम् | पष्यासुः |
| पष्याः | पष्यास्तम् | पष्यास्त |
| पष्यासम् | पष्यास्व | पष्यास्व |
| भ० पषिता | पषितारौ | पषितर |
| पषितासि | पषितास्थः | पषितास्थ |
| पषितास्मि | पषितास्वः | पषितास्वः |
| भ० पषिष्यति | पषिष्यतः | पषिष्यन्ति |
| पषिष्यन्ति | पषिष्यथ | पषिष्यथ |
| पषिष्यामि | पषिष्यावः | पषिष्यामः |
| क्रि० अपषिष्यत् | अपषिष्यताम् | अपषिष्यन् |
| अपषिष्यः | अपषिष्यतम् | अपषिष्यत |
| अपषिष्यम् | अपषिष्याव | अपषिष्याम |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| ब० पषते | पषेते | पषन्ते |
| पषसे | पषेथे | पषेथ्वे |
| पषे | पषावहे | पषामहे |
| स० पषेत | पषेयाताम् | पषेरन् |
| पषेथाः | पषेयाथाम् | पषेथ्वम् |
| पषेय | पषेयहि | पषेमहि |
| प० पषताम् | पषेताम् | पषन्ताम् |
| पषस्व | पषेथाम् | पषेथ्वम् |
| पषे | पषावहे | पषामहे |
| झ० अपषत | अपषेताम् | अपषन्त |
| अपषथाः | अपषेथाम् | अपषेथ्वम् |
| अपषे | अपषावहि | अपषामहि |
| अ० अपषिष्ट | अपषिषाताम् | अपषिषत |
| अपषिष्टाः | अपषिषाथाम् | अपषिष्वम् |
| अपषिषि | अपषिष्वहि | अपषिष्वम् |
| प० पेषे | पेषाते | पेषिरे |
| पेषिषे | पेषाथे | पेषिष्वे |
| पेषे | पेषिष्वहे | पेषिमहे |
| आ० पषिषीष्ट | पषिषीयास्ताम् | पषिषीरन् |
| पषिषीष्टाः | पषिषीयास्थाम् | पषिषीष्वम् |
| पषिषीय | पषिषीष्वहि | पषिषीमहि |
| प्रथ० पषिता | पषितारौ | पषितारः |
| पषितासे | पषितासाथे | पषिताथ्वे |
| पषिताहे | पषितास्वहे | पषितास्महे |
| भ० पषिष्यते | पषिष्येते | पषिष्यन्ते |
| पषिष्यसे | पषिष्येथे | पषिष्येथ्वे |
| पषिष्ये | पषिष्यावहे | पषिष्यामहे |
| क्रि० अपषिष्यत | अपषिष्येताम् | अपषिष्यन्त |
| अपषिष्यथाः | अपषिष्येथाम् | अपषिष्येथ्वम् |
| अपषिष्ये | अपषिष्यावहि | अपषिष्यामहि |

927 लषी (लष्) कान्तौ ।

कान्तिरिच्छा ।

| | | |
|--------------------|-------------|---------------|
| व० लष्यति | लष्यतः | लष्यान्त |
| लष्यसि | लष्यथः | लष्यथ |
| लष्यामि | लष्यावः | लष्यामः |
| स० लष्येत् | लष्येताम् | लष्येयुः |
| लष्येः | लष्येतम् | लष्येत |
| लष्येयम् | लष्येव | लष्येम |
| प० लष्यतु-लष्यतात् | लष्यताम् | लष्यन्तु |
| लष्य | ” लष्यतम् | लष्यत |
| लष्याणि | लष्याव | लष्याम |
| झ० अलष्यत् | अलष्यताम् | अलष्यन् |
| अलष्यः | अलष्यतम् | अलष्यत |
| अलष्यम् | अलष्याव | अलष्याम |
| व० लषति | लषतः | लषन्ति |
| लषसि | लषथः | लषथ |
| लषामि | लषावः | लषामः |
| स० लषेत् | लषेताम् | लषेयुः |
| लषेः | लषेतम् | लषेत |
| लषेयम् | लषेव | लषेम |
| प० लषतु | लषतात् | लषताम् लषन्तु |
| लष | ” लषतम् | लषत |
| लषाणि | लषाव | लषाम |
| झ० अलषत् | अलषताम् | अलषन् |
| अलषः | अलषतम् | अलषत |
| अलषम् | अलषाव | अलषाम |
| अ० अलाषीत् | अलाषीष्टाम् | अलाषिषुः |
| अलाषीः | अलाषीष्टम् | अलाषीष्ट |
| अलाषिषम् | अलाषिष्व | अलाषिष्म |

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| अलषीत् | अलषीष्टाम् | अलषिषुः |
| अलषीः | अलषीष्टम् | अलषीष्ट |
| अलषिषम् | अलषिष्व | अलषिष्म |
| प० ललाष | लेषतुः | लेषुः |
| लेषिथ | लेषथुः | लेष |
| ललाष-ललष | लेषिव | लेषिम |
| आ० लष्यात् | लष्यास्ताम् | लष्यासुः |
| लष्याः | लष्यास्तम् | लष्यास्त |
| लष्यासम् | लष्यास्व | लष्यास्म |
| झ० लषिता | लषितारौ | लषितारः |
| लषितासि | लषितास्थः | लषितास्थ |
| लषितास्मि | लषितास्वः | लषितास्मः |
| भ० लषिष्यति | लषिष्यतः | लषिष्यन्ति |
| लषिष्यसि | लषिष्यथः | लषिष्यथ |
| लषिष्यामि | लषिष्यावः | लषिष्यामः |
| क्रि० अलषिष्यत् | अलषिष्यताम् | अलषिष्यन् |
| अलषिष्यः | अलषिष्यतम् | अलषिष्यत |
| अलषिष्यम् | अलषिष्याव | अलषिष्याम |
| व० लष्यते | लष्येते | लष्यन्ते |
| लष्यसे | लष्येथे | लष्यध्वे |
| लष्ये | लष्यावहे | लष्यामहे |
| स० लष्येत | लष्येयाताम् | लष्येरत् |
| लष्येथाः | लष्येयाथाम् | लष्येध्वम् |
| लष्येय | लष्येवहि | लष्यामहि |
| प० लष्यताम् | लष्येताम् | लष्यन्ताम् |
| लष्यस्व | लष्येथाम् | लष्यध्वम् |
| लष्यै | लष्यावहै | लष्यामहै |
| झ० अलष्यत् | अलष्येताम् | अलष्यन्त |
| अलष्यथाः | अलष्येथाम् | अलष्यध्वम् |
| अलष्ये | अलष्यावहि | अलष्यामहि |

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| ब० लषते | लषेते | लषन्ते |
| लषसे | लषेथे | लषध्वे |
| लषे | लषावहे | लषामहे |
| स० लषेत | लषेयाताम् | लषेरन् |
| लषेथाः | लषेयाथाम् | लषेध्वम् |
| लषेय | लषेवहि | लषेमहि |
| प० लषताम् | लषेताम् | लषन्ताम् |
| लषस्व | लषेथास्व | लषध्वम् |
| लषै | लषावहै | लषामहै |
| झ० अलषत | अलषेताम् | अलषन्त |
| अलषथाः | अलषेथाम् | अलषध्वम् |
| अलषे | अलषावहि | अलषामहि |
| अ० अलषिष्ट | अलषिषाताम् | अलषिषत |
| अलषिष्ठाः | अलषिषाथाम् | अलषिड्ध्वम् |
| अलषिषि | अलषिष्वहि | अलषिष्महि |
| प० लेषे | लेषाते | लेषिरे |
| लेषिषे | लेषाथे | लेषिध्वे |
| लेषे | लेषिवहे | लेषिमहे |
| आ० लषिषीष्ट | लषिषीयास्ताम् | लषिषीरन् |
| लषिषीष्ठाः | लषिषीयास्थाम् | लषिषीध्वम् |
| लषिषीय | लषिषीवहि | लषिषीमहि |
| श्व० लषिता | लषितारौ | लषितारः |
| लषितासे | लषितासाथे | लषिताध्वे |
| लषिताहे | लषितास्वहे | लषितास्महे |
| भ० लषिष्यते | लषिष्येते | लषिष्यन्ते |
| लषिष्यसे | लषिष्येथे | लषिष्यध्वे |
| लषिष्ये | लषिष्यावहे | लषिष्यामहे |
| क्रि० अलषिष्यत | अलषिष्येताम् | अलषिष्यन्त |
| अलषिष्यथाः | अलषिष्येथाम् | अलषिष्यध्वम् |
| अलषिष्ये | अलषिष्यावहि | अलषिष्यामहि |

928 चषी (चष्) भक्षणे ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------------|
| ब० चषति | चषतः | चषन्ति |
| चषसि | चषथः | चषथ |
| चषामि | चषावः | चषामः |
| स० चषेत | चषेताम् | चषेयुः |
| चषेः | चषेतम् | चषेत |
| चषेयम् | चषेय | चषेम |
| प० चषतु | चषतात | चषताम् चषन्तु |
| चष | „ | चषतम् चषत |
| चषाणि | चषाव | चषाम |
| झ० अचषत् | अचषताम् | अचषन् |
| अचषः | अचषतम् | अचषत |
| अचषम् | अचषाव | अचषाम |
| श्र० अचषीत् | अचषिष्टाम् | अचषिषुः |
| अचषीः | अचषिष्टम् | अचषिष्ट |
| अचषिषम् | अचषिष्व | अचषिष्म |
| अचाषीत् | अचाषिष्टाम् | अचाषिषुः इत्यादि |
| प० चचाष | चेषतुः | चेषुः |
| चेषिथ | चेषथुः | चेष |
| चचाष चचष | चेषिथ | चेषिम |
| आ० चष्यात् | चष्यास्ताम् | चष्यासुः |
| चष्याः | चष्यास्तम् | चष्यास्त |
| चष्यासम् | चष्यास्व | चष्यास्म |
| श्व० चषिता | चषितारौ | चषितारः |
| चषितासि | चषितास्थः | चषितास्थ |
| चषितास्मि | चषितास्वः | चषितास्मः |
| भ० चषिष्यति | चषिष्यतः | चषिष्यन्ति |
| चषिष्यसि | चषिष्यथः | चषिष्यथ |
| चषिष्यामि | चषिष्यावः | चषिष्यामः |
| क्रि० अचषिष्यत् | अचषिष्यताम् | अचषिष्यन् |
| अचषिष्यः | अचषिष्यतम् | अचषिष्यत |
| अचषिष्यम् | अचषिष्याव | अचषिष्याम |

| | | |
|-------------|---------------|--------------|
| ब० चषते | चषेते | चषन्ते |
| चषसे | चषेथे | चषध्वे |
| चषे | चषावहे | चषामहे |
| स० चषेत | चषेयाताम् | चषेरन् |
| चषेथाः | चषेयाथाम् | चषेध्वम् |
| चषेय | चषेवहि | चषेमहि |
| प० चषताम् | चषेताम् | चषन्ताम् |
| चषस्य | चषेथाम् | चषध्वम् |
| चषै | चषावहै | चषामहै |
| झ० अचषत | अचषेताम् | अचषन्त |
| अचषथाः | अचषेथाम् | अचषध्वम् |
| अचषे | अचषावहि | अचषामहि |
| अ० अचषिष्ट | अचषिषाताम् | अचषिषत |
| अचषिष्ठाः | अचषिषाथाम् | अचषिडूवम् |
| | | ध्वम् |
| अचषिषि | अचषिष्वहि | अचषिष्महि |
| प० चेषे | चेषाते | चेषिरे |
| चेषिषे | चेषाथे | चेषिध्वे |
| चेषे | चेषिवहे | चेषिमहे |
| आ० चषिषीष्ट | चषिषीयास्ताम् | चषिषीरन् |
| चषिषीष्ठाः | चषिषीयास्थाम् | चषिषीध्वम् |
| चषिषीय | चषिषीवहि | चषिषीमहि |
| भ्व० चषिता | चषितारौ | चषितारः |
| चषितासे | चषितासाथे | चषिताध्वे |
| चषिताहे | चषितास्वहे | चषितास्महे |
| भ० चषिष्यते | चषिष्येते | चषिष्यन्ते |
| चषिष्यसे | चषिष्येथे | चषिष्यध्वे |
| चषिष्ये | चषिष्यावहे | चषिष्यामहे |
| अचषिष्यत | अचषिष्येताम् | अचषिष्यन्त |
| अचषिष्यथाः | अचषिष्येथाम् | अचषिष्यध्वम् |
| अचषिष्ये | अचषिष्यावहि | अचषिष्यामहि |

929 छषी (छप्) हिंसायाम् ।

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| ब० छषति | छषतः | छषन्ति |
| छषसि | छषथः | छषथ |
| छषामि | छषावः | छषामः |
| स० छषेत | छषेताम् | छषेयुः |
| छषेः | छषेतम् | छषेत |
| छषेयम् | छषेव | छषेम |
| प० छषतु | छषतात् | छषताम् |
| छष | ” | छषतम् |
| छषाणि | छषाव | छषाम |
| झ० अछषत् | अछषताम् | अछषन् |
| अछषः | अछषतम् | अछषत |
| अछषम् | अछषाव | अछषाम |
| अ० अछषाषीत् | अछषाषिष्टाम् | अछषाषिषुः |
| अछषाषीः | अछषाषिष्टम् | अछषाषिष्ट |
| अछषाषिषम् | अछषाषिष्व | अछषाषिष्म |
| अछषाषीत् | अछषाषिष्टाम् | अछषाषिषुः |
| अछषाषीः | अछषाषिष्टम् | अछषाषिष्ट |
| अछषाषिषम् | अछषाषिष्व | अछषाषिष्म |
| प० चच्छाष | चच्छषतुः | चच्छषुः |
| चच्छषिथ | चच्छषथुः | चच्छष |
| चच्छाष-चच्छष | चच्छषिथ | चच्छषिथ |
| आ० छष्यात् | छष्यास्ताम् | छष्यासुः |
| छष्याः | छष्यास्तम् | छष्यास्त |
| छष्यासम् | छष्यास्व | छष्यास्म |
| भ्व० छषिता | छषितारौ | छषितारः |
| छषितासि | छषितास्थः | छषितास्थ |
| छषितास्मि | छषितास्वः | छषितास्मः |
| भ० छषिष्यति | छषिष्यतः | छषिष्यन्ति |
| छषिष्यसि | छषिष्यथः | छषिष्यथ |
| छषिष्यामि | छषिष्यावः | छषिष्यामः |
| क्रि० अछषिष्यत् | अछषिष्यताम् | अछषिष्यन् |
| अछषिष्यः | अछषाष्यतम् | अछषिष्यत |
| अछषिष्यम् | अछषिष्याव | अछषिष्याम |

| | | |
|-----------|-----------|----------|
| ब० छषते | छषेते | छषन्ते |
| छषसे | छषेथे | छषध्वे |
| छषे | छषावहे | छषामहे |
| छषेत | छषेयाताम् | छषेरन् |
| छषेथाः | छषेयाम् | छषेध्वम् |
| छषेय | छषेवहि | छषेमहि |
| अ० छषताम् | छषेताम् | छषन्ताम् |
| छषस्व | छषेयाम् | छषेध्वम् |
| छषै | छषावहे | छषामहे |

| | | |
|---------|----------|-----------|
| अ० अछषत | अछषेताम् | अछषन्त |
| अछषथाः | अछषेयाम् | अछषेध्वम् |
| अछषे | अछषावहि | अछषामहि |

| | | |
|------------|------------|------------|
| अ० अछषिषट् | अछषिषाताम् | अछषिषत |
| अछषिषटाः | अछषिषायाम् | अछषिषध्वम् |
| अछषिषे | अछषिषावहि | अछषिषामहि |

| | | |
|---------|---------|----------|
| प० चछषे | चछषाते | चछषिरे |
| चछषिषे | चछषाथे | चछषिध्वे |
| चछषे | चछषावहे | चछषिमहे |

| | | |
|-------------|---------------|------------|
| आ० छषिषीष्ट | छषिषीयास्ताम् | छषिषीरन् |
| छषिषीष्टाः | छषिषीयास्थाम् | छषिषीध्वम् |
| छषिषीय | छषिषीवहि | छषिषीमहि |

| | | |
|-------------|-----------|-----------|
| प्रच० छषिता | छषितारौ | छषितारः |
| छषितासे | छषितासाथे | छषिताध्वे |
| छषिताहे | छषितावहे | छषितामहे |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| भ० छषिष्यते | छषिष्येते | छषिष्यन्ते |
| छषिष्यसे | छषिष्येथे | छषिष्यध्वे |
| छषिष्ये | छषिष्यावहे | छषिष्यामहे |

| | | |
|----------------|--------------|--------------|
| क्रि० अछषिष्यत | अछषिष्येताम् | अछषिष्यन्त |
| अछषिष्यथाः | अछषिष्येयाम् | अछषिष्यध्वम् |
| अछषिष्ये | अछषिष्यावहि | अछषिष्यामहि |

| | | |
|------------|--------------|--------------|
| अछषिष्यन्त | अछषिष्येताम् | अछषिष्यन्त |
| अछषिष्यथाः | अछषिष्येयाम् | अछषिष्यध्वम् |
| अछषिष्ये | अछषिष्यावहि | अछषिष्यामहि |

930 त्विषी (त्विष्) दीप्तौ ।

| | | |
|------------|----------|-----------|
| ब० त्वेषति | त्वेषतः | त्वेषन्ति |
| त्वेषसि | त्वेषथः | त्वेषथ |
| त्वेषामि | त्वेषावः | त्वेषामः |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| स० त्वेषेत् | त्वेषेताम् | त्वेषेयुः |
| त्वेषेः | त्वेषेनम् | त्वेषेत |
| त्वेषेयम् | त्वेषेव | त्वेषेम |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| प० त्वेषतु | त्वेषतात् | त्वेषताम् |
| त्वेष | त्वेषतम् | त्वेषत |
| त्वेषाणि | त्वेषाव | त्वेषाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अत्वेषत् | अत्वेषताम् | अत्वेषन् |
| अत्वेषः | अत्वेषतम् | अत्वेषत |
| अत्वेषम् | अत्वेषाव | अत्वेषाम |

| | | |
|--------------|--------------|------------|
| अ० अत्विक्षत | अत्विक्षताम् | अत्विक्षन् |
| अत्विक्षः | अत्विक्षतम् | अत्विक्षत |
| अत्विक्षम् | अत्विक्षाव | अत्विक्षाम |

| | | |
|------------|------------|-----------|
| प० तित्वेष | तित्वेषतुः | तित्वेषुः |
| तित्वेषिथ | तित्वेषथुः | तित्वेष |
| तित्वेष | तित्वेषिथ | तित्वेषिम |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० त्विष्याते | त्विष्यास्ताम् | त्विष्यासुः |
| त्विष्याः | त्विष्यास्तम् | त्विष्यास्त |
| त्विष्यासम् | त्विष्यास्व | त्विष्यासम् |

| | | |
|--------------|--------------|-------------|
| भ० त्वेष्टा | त्वेष्टारौ | त्वेष्टारः |
| त्वेष्टासि | त्वेष्टास्थः | त्वेष्टास्थ |
| त्वेष्टास्मि | त्वेष्टास्वः | त्वेष्टास्म |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० त्वेक्ष्यति | त्वेक्ष्यतः | त्वेक्ष्यन्ति |
| त्वेक्ष्यसि | त्वेक्ष्यथः | त्वेक्ष्यथ |
| त्वेक्ष्यामि | त्वेक्ष्यावः | त्वेक्ष्यामः |

| | | |
|-------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अत्वेक्ष्यत | अत्वेक्ष्यताम् | अत्वेक्ष्यन् |
| अत्वेक्ष्यः | अत्वेक्ष्यतम् | अत्वेक्ष्यत |
| अत्वेक्ष्यम् | अत्वेक्ष्याव | अत्वेक्ष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० त्वेषते | त्वेषेते | त्वेषन्ते |
| त्वेषसे | त्वेषेथे | त्वेषध्वे |
| त्वेषे | त्वेषावहे | त्वेषामहे |
| स० त्वेषेत | त्वेषयाताम् | त्वेषेरन् |
| त्वेषेथाः | त्वेषेयाथाम् | त्वेषेध्वम् |
| त्वेषेय | त्वेषेयहि | त्वेषेमहि |
| प० त्वेषताम् | त्वेषेताम् | त्वेषन्ताम् |
| त्वेषस्व | त्वेषेथाम् | त्वेषध्वम् |
| त्वेषे | त्वेषावहे | त्वेषामहे |
| आ० अत्वेषत | अत्वेषेताम् | अत्वेषन्त |
| अत्वेषेथाः | अत्वेषेथाम् | अत्वेषध्वम् |
| अत्वेषे | अत्वेषावहि | अत्वेषामहि |
| अ० अत्विक्षत | अत्विक्षताम् | अत्विक्षन्त |
| अत्विक्षेथाः | अत्विक्षेथाम् | अत्विक्षध्वम् |
| अत्विक्षे | अत्विक्षावहि | अत्विक्षामहि |
| प० तित्विषे | तित्विषाते | तित्विषिरे |
| तित्विषिषे | तित्विषाथे | तित्विषिध्वे |
| तित्विषे | तित्विषिषहे | तित्विषिमहे |
| आ० त्विक्षीष्ट | त्विक्षीयास्ताम् | त्विक्षीरन् |
| त्विक्षीष्टाः | त्विक्षीयास्थाम् | त्विक्षीध्वम् |
| त्विक्षीय | त्विक्षीयहि | त्विक्षीमहि |
| श्व० त्वेष्टा | त्वेष्टारौ | त्वेष्टारः |
| त्वेष्टासे | त्वेष्टासाथे | त्वेष्टाध्वे |
| त्वेष्टाहे | त्वेष्टास्वहे | त्वेष्टास्महे |
| भ० त्वेक्ष्यते | त्वेक्ष्येते | त्वेक्ष्यन्ते |
| त्वेक्ष्यसे | त्वेक्ष्येथे | त्वेक्ष्यध्वे |
| त्वेक्ष्ये | त्वेक्ष्यावहे | त्वेक्ष्यामहे |
| क्रि० अत्वेक्ष्यत | अत्वेक्ष्येताम् | अत्वेक्ष्यन्त |
| अत्वेक्ष्येथाः | अत्वेक्ष्येथाम् | अत्वेक्ष्यध्वम् |
| अत्वेक्ष्ये | अत्वेक्ष्यावहि | अत्वेक्ष्यामहि |

931 अषी (अषू) गत्यादानयोश्च चकाराद्दीप्तौ

| | | |
|---------------|-------------|------------|
| व० अषति | अषतः | अषन्ति |
| अषसि | अषथः | अषथ |
| अषामि | अषावः | अषामः |
| स० अषेत | अषेताम् | अषेयुः |
| अषेः | अषेतम् | अषेत |
| अषेयम् | अषेव | अषेम |
| प० अषतु | अषतात् | अषताम् |
| अष | अषतम् | अषत |
| अषाणि | अषाव | अषाम |
| झ० आषत् | आषताम् | आषन् |
| आषः | आषतम् | आषत |
| आषम् | आषाव | आषाम |
| अ० आषीत् | आषिष्टात् | आषिषुः |
| आषीः | आषिष्टम् | आषिष्ट |
| आषिषम् | आषिष्व | आषिषम् |
| प० आष | आषतुः | आषुः |
| आषिथ | आषथुः | आष |
| आष | आषिव | आषिम |
| आ० अष्यात् | अष्यास्ताम् | अष्यासुः |
| अष्याः | अष्यास्तम् | अष्यास्त |
| अष्यासम् | अष्यास्व | अष्यास्म |
| श्व० अषिता | अषितारौ | अषितारः |
| अषितासि | अषितास्थः | अषितास्थ |
| अषितास्मि | अषितास्वः | अषितास्मः |
| भ० अषिष्यति | अषिष्यतः | अषिष्यन्ति |
| अषिष्यसि | अषिष्यथः | अषिष्यथ |
| अषिष्यामि | अषिष्यावः | अषिष्यामः |
| क्रि० आषिष्यत | आषिष्यताम् | आषिष्यन्त |
| आषिष्यः | आषिष्यतम् | आषिष्यत |
| आषिष्यम् | आषिष्याव | आषिष्याम |

| | | | |
|-------|------------|---------------|-------------|
| ब० | अषते | अषेते | अषन्ते |
| | अषसे | अषेथे | अषध्वे |
| | अषे | अषावहे | अषामहे |
| स० | अषेत | अषेयाताम् | अषेरन् |
| | अषेथाः | अषेयाथाम् | अषेध्वम् |
| | अषेय | अषेवहि | अषेमहि |
| प० | अषताम् | अषेताम् | अषन्ताम् |
| | अषस्व | अषेयाम् | अषध्वम् |
| | अषे | अषावहे | अषामहे |
| ह्य० | आषत | आषेताम् | आषन्त |
| | आषथाः | आषेथाम् | आषध्वम् |
| | आषे | आषावहि | आषामहि |
| अ० | आषिष्ट | आषिषाताम् | आषिषन्त |
| | आषिष्टाः | आषिषाथाम् | आषिष्टध्वम् |
| | आषिषि | आषिष्वहि | आषिषमहि |
| प० | आषे | आषाते | आषिरे |
| | आषिषे | आषाथे | आषिध्वे |
| | आषे | आषिवहे | आषिमहे |
| आ० | अषिषीष्ट | अषिषीयास्ताम् | अषिषीरन् |
| | अषिषीष्टाः | अषिषीयाथाम् | अषिषीध्वम् |
| | अषिषीय | अषिषीवहि | अषिषीमहि |
| श्व० | अषिता | अषितारौ | अषितारः |
| | अषितासे | अषितासाथे | अषिताध्वे |
| | अषिताहे | अषितास्वहे | अषितास्महे |
| भ० | अषिष्यते | अषिष्येते | अषिष्यन्ते |
| | अषिष्यसे | अषिष्येथे | अषिष्यध्वे |
| | अषिष्ये | अषिष्यावहे | अषिष्यामहे |
| क्रि० | आषिष्यत | आषिष्येताम् | आषिष्यन्त |
| | आषिष्यथाः | आषिष्येथाम् | आषिष्यध्वम् |
| | आषिष्ये | आषिष्यावहि | आषिष्यामहि |

अथ सान्तौ सेटौ च ।

932 असी (असू) गत्यादानयोश्च
चकाराद्दीप्तौ ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| ब० | असति | असतः | असन्ति |
| | अससि | असथः | असथ |
| | असामि | असावः | असामः |
| स० | असेत् | असेताम् | असेयुः |
| | असेः | असेतम् | असेत |
| | असेयम् | असेव | असेम |
| प० | असन्तु | असताम् | असन्तु |
| | अस | असतम् | असत |
| | असानि | असाव | असाम |
| ह्य० | आसत् | आसताम् | आसन् |
| | आसः | आसतम् | आसत |
| | आसम् | आसाव | आसाम |
| अ० | आसीत् | आसिष्याम् | आसिषु |
| | आसीः | आसिष्टम् | आसिष्ट |
| | आसिष्यम् | आसिष्व | आसिष्य |
| प० | आस | आसतुः | आसुः |
| | आसिष्य | आसथुः | आस |
| | आस | आसिष्व | आसिम |
| आ० | अस्यात् | अस्यास्ताम् | अस्यासुः |
| | अस्याः | अस्यास्तम् | अस्यास्त |
| | अस्यासम् | अस्यास्व | अस्यास्म |
| श्व० | असिता | असितारौ | असितारः |
| | असितासि | असितास्थः | असितास्थ |
| | असितास्थि | असितास्वः | असितास्मः |
| भ | असिष्यति | असिष्यतः | असिष्यन्ति |
| | असिष्यसि | असिष्यथः | असिष्यथ |
| | असिष्यामि | असिष्यावः | असिष्यामः |
| क्रि० | आसिष्यत् | आसिष्यताम् | आसिष्यन् |
| | आसिष्यः | आसिष्यतम् | आसिष्यत |
| | आसिष्यम् | आसिष्याव | आसिष्याम |

| | | |
|---------------|-------------|-------------|
| ब० असते | असेते | असन्ते |
| अससे | असेथे | असध्वे |
| असे | असावहे | असामहे |
| स० असेत | असेयाताम् | असेरन् |
| असेथाः | असेयाथाम् | असेध्वम् |
| असेय | असेवहि | असेमहि |
| प० असन्ताम् | असेताम् | असन्ताम् |
| असन्ध्वम् | असेथाम् | असध्वम् |
| असे | असावहे | असामहे |
| ह्र० आसत | आसेताम् | आसन्त |
| आसथाः | आसेथाम् | आसध्वम् |
| आसे | आसावहि | आसामहि |
| अ० आसिष्ट | आसिषाताम् | आसिषन्त |
| आसिष्टाः | आसिषाथाम् | आसिषध्वम् |
| आसिषि | आसिष्वहि | आसिषमहि |
| प० आसे | आसाते | आसिरे |
| आसिषे | आसाथे | आसिध्वे |
| आसे | आसिष्वहे | आसिमहे |
| आ० असिषीष्ट | असिषीयाताम् | असिषीरन् |
| असिषीष्टाः | असिषीयाथाम् | असिषीध्वम् |
| असिषीय | असिषीवहि | असिषीमहि |
| श्व० असिता | असितारौ | असितारः |
| असितासे | असितासाथे | असिताध्वे |
| असिताहे | असितास्वहे | असितास्महे |
| भ० असिष्यते | असिष्येते | असिष्यन्ते |
| असिष्यसे | असिष्येथे | असिष्यध्वे |
| असिष्ये | असिष्यावहे | असिष्यामहे |
| क्रि० आसिष्यत | आसिष्येताम् | आसिष्यन्त |
| आसिष्यथाः | आसिष्येथाम् | आसिष्यध्वम् |
| आसिष्ये | आसिष्यावहि | आसिष्यामहि |

933 दास्यु (दास्यु) दाने ।

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| ब० दासति | दासतः | दासन्ति |
| दाससि | दासथः | दासथ |
| दासामि | दासावः | दासामः |
| स० दासेत् | दासेताम् | दासेयुः |
| दासेः | दासेतम् | दासेत |
| दासेयम् | दासेव | दासेम |
| प० दासतु | दासताम् | दासन्तु |
| दास | दासतम् | दासत |
| दासानि | दासाव | दासाम |
| ह्र० अदासत् | अदासताम् | अदासन |
| अदासः | अदासतम् | अदासत |
| अदासम् | अदासाव | अदासाम |
| अ० अदासीत् | अदासिष्टाम् | अदासिषु |
| अदासीः | अदासिष्टम् | अदासिष्ट |
| अदासिषम् | अदासिष्व | अदासिषम् |
| प० ददास | ददासतुः | ददासुः |
| ददासिथ | ददासथुः | ददास |
| ददास | ददासिव | ददासिम |
| आ० दास्यात | दास्याताम् | दास्यासुः |
| दास्याः | दास्यास्तम् | दास्यास्त |
| दास्यासम् | दास्यास्व | दास्यास्म |
| श्व० दासिता | दासितारौ | दासितारः |
| दासितासि | दासितास्थः | दासितास्थ |
| दासितास्थि | दासितास्वः | दासितास्मः |
| भ० दासिष्यति | दासिष्यतः | दासिष्यन्ति |
| दासिष्यसि | दासिष्यथः | दासिष्यथ |
| दासिष्यामि | दासिष्यावः | दासिष्यामः |
| क्रि० अदासिष्यत | अदासिष्यताम् | अदासिष्यन्त |
| अदासिष्यः | अदासिष्यतम् | अदासिष्यत |
| अदासिष्यम् | अदासिष्याव | अदासिष्यम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० दासते | दासेते | दासन्ते |
| दाससे | दासेथे | दासध्वे |
| दासे | दासावहे | दासामहे |
| स० दासेत | दासेयाताम् | दासेरन् |
| दासेथाः | दासेयाथाम् | दासेध्वम् |
| दासेय | दासेवहि | दासेमहि |
| प० दासताम् | दासेताम् | दासन्ताम् |
| दासस्व | दासेथाम् | दासध्वम् |
| दासै | दासावहै | दासामहै |
| झ० अदासत | अदासेताम् | अदासन्त |
| अदासथाः | अदासेथाम् | अदासध्वम् |
| अदासे | अदासावहि | अदासामहि |
| अ० अदासिष्ट | अदासिषाताम् | अदासिषन्त |
| अदासिष्ठाः | अदासिषाथाम् | अदासिद्ध्वम् |
| अदासिषि | अदासिष्वहि | अदासिष्महि |
| प० ददासे | ददासाते | ददासिरे |
| ददासिषे | ददासाथे | ददासिध्वे |
| ददासे | ददासिवहे | ददासिमहे |
| आ० दासिषीष्ट | दासिषीयास्ताम् | दासिषीरन् |
| दासिषीष्ठाः | दासिषीयाथाम् | दासिषीध्वम् |
| दासिषीय | दासिषीवहि | दासिषीमहि |
| श्व० दासिता | दासितारौ | दासितारः |
| दासितासे | दासितासाथे | दासिताध्वे |
| दासिताहे | दासितास्वहे | दासितास्महे |
| भ० दासिष्यते | दासिष्येते | दासिष्यन्ते |
| दासिष्यसे | दासिष्येथे | दासिष्यध्वे |
| दासिष्ये | दासिष्यावहे | दासिष्यामहे |
| क्रि० अदासिष्यत | अदासिष्येताम् | अदासिष्यन्त |
| अदासिष्यथाः | अदासिष्येथाम् | अदासिष्यध्वम् |
| अदासिष्ये | अदासिष्यावहि | अदासिष्यामहि |

अथ हान्तौ सेटौ च
934 माहृ (माहृ) माने ।
मानं वर्तनम् ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० माहति | माहतः | माहन्ति |
| माहसि | माहथः | माहथ |
| माहामि | माहावः | माहामः |
| स० माहेत् | माहेताम् | माहेयुः |
| माहेः | माहेतम् | माहेत |
| माहेयम् | माहेव | माहेम |
| प० माहतु | माहतात् | माहताम् |
| माह | माहतम् | माहत |
| माहानि | माहाव | माहाम |
| झ० अमाहत् | अमाहताम् | अमाहन् |
| अमाहः | अमाहतम् | अमाहत |
| अमाहम् | अमाहाव | अमाहाम |
| अ० अमाहीत् | अमाहिष्ताम् | अमाहिषुः |
| अमाहीः | अमाहिष्टम् | अमाहिष्ट |
| अमाहिषम् | अमाहिष्व | अमाहिष्म |
| प० ममाह | ममाहतुः | ममाहुः |
| ममाहित | ममाहथुः | ममाह |
| ममाह | ममाहिव | ममाहिम |
| आ० माह्यात् | माह्यास्ताम् | माह्यासुः |
| माह्याः | माह्यास्तम् | माह्यास्त |
| माह्यासम् | माह्यास्व | माह्यास्म |
| श्व० माहिता | माहितारौ | माहितारः |
| महितासि | माहितास्थः | माहितास्थ |
| माहितास्मि | माहितास्वः | माहितास्मः |
| भ० माहिष्यति | माहिष्यतः | माहिष्यन्ति |
| माहिष्यसि | माहिष्यथः | माहिष्यथ |
| माहिष्यामि | माहिष्यावः | माहिष्यामः |
| क्रि० अमाहिष्यत् | अमाहिष्यताम् | अमाहिष्यन् |
| अमाहिष्यः | अमाहिष्यतम् | अमाहिष्यत |
| अमाहिष्यम् | अमाहिष्याव | अमाहिष्याम |

| | | |
|---------------|---------------|---------------|
| च० माहते | माहेते | माहन्ते |
| माहसे | माहेथे | माहध्वे |
| माहे | माहावहे | माहामहे |
| स० माहेत | माहेयाताम् | माहेरन् |
| माहेथाः | माहेयाथाम् | माहेध्वम् |
| माहेय | माहेवहि | माहेमहि |
| प० माहताम् | माहेताम् | माहन्ताम् |
| माहस्व | माहेयाम् | माहध्वम् |
| माहे | माहावहे | माहामहे |
| झ० अमाहत् | अमाहेताम् | अमाहन्त |
| अमाहथाः | अमाहेथाम् | अमाहध्वम् |
| अमाहे | अमाहावहि | अमाहामहि |
| अ० अमाहिष्ट | अमाहिषाताम् | अमाहिषन् |
| अमाहिष्ठाः | अमाहिषाथाम् | अमाहिध्वम् |
| अमाहिषि | अमाहिष्वहि | अमाहिष्महि |
| प० ममाहे | ममाहाते | ममाहिरे |
| ममाहिषे | ममाहाथे | ममाहिध्वे |
| ममाहे | ममहिषहे | ममाहिमहे |
| आ० माहिषीष्ट | माहिषीयाताम् | माहिषीरन् |
| माहिषीष्ठाः | माहिषीयाथाम् | माहिषीध्वम् |
| माहिषीय | माहिषीवहि | माहिषीमहि |
| इव० माहिता | माहितारौ | माहितारः |
| माहितासे | माहितासाथे | माहिताध्वे |
| माहिताहे | माहितास्वहे | माहितास्महे |
| अ० माहिष्यते | माहिष्येते | माहिष्यन्ते |
| माहिष्यसे | माहिष्येथे | माहिष्यध्वे |
| माहिष्ये | माहिष्यावहे | माहिष्यामहे |
| कि० अमाहिष्यत | अमाहिष्येताम् | अमाहिष्यन्त |
| अमाहिष्यथाः | अमाहिष्येथाम् | अमाहिष्यध्वम् |
| अमाहिष्ये | अमाहिष्यावहि | अमाहिष्यामहि |

935 गुहौगु (गुह) संवरणे ।

| | | |
|------------|---------------|-------------|
| च० गूहति | गूहतः | गूहन्ति |
| गूहसि | गूहथः | गूहथ |
| गूहामि | गूहावः | गूहामः |
| स० गूहेत् | गूहेताम् | गूहेयुः |
| गूहेः | गूहेतम् | गूहेत |
| गूहेयम् | गूहेष्व | गूहेम |
| प० गूहतु | गूहताम् | गूहन्तु |
| गूह | गूहतम् | गूहत |
| गूहानि | गूहाष | गूहाम |
| झ० अगूहत् | अगूहताम् | अगूहन् |
| अगूहः | अगूहतम् | अगूहत |
| अगूहम् | अगूहाव | अगूहाम |
| अ० अगूहीत् | अगूहिष्याम् | अगूहिषुः |
| अ गूहीः | अगूहिष्यन्तम् | अगूहिष्यन्त |
| अगूहिषम् | अगूहिष्व | अगूहिष्यन् |
| अगूक्षत् | अगूक्षताम् | अगूक्षन् |
| अगूक्षः | अगूक्षतम् | अगूक्षन् |
| अगूक्षम् | अगूक्षाम | अगूक्षाम |
| प० जुगूह | जुगूहतुः | जुगूहुः |
| जुगूहथ | जुगूहथुः | जुगूह |
| जुगूह | जुगूहिव | जुगूहिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० गुह्यात् | गुह्यास्ताम् | गुह्यासुः |
| गुह्याः | गुह्यास्तम् | गुह्यास्त |
| गुह्यासम् | गुह्याम्ब | गुह्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| प्र० गृहिता | गृहितारौ | गृहितारः |
| गृहितासि | गृहितास्थः | गृहितास्थ |
| गृहितास्मि | गृहितास्वः | गृहितास्मः |

| | | |
|----------|----------|----------|
| गोढा | गोढारौ | गोढारः |
| गोढासि | गोढास्थः | गोढास्थ |
| गोढास्मि | गोढास्वः | गोढास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| अ० गृहिष्यति | गृहिष्यतः | गृहिष्यन्ति |
| गृहिष्यसि | गृहिष्यथः | गृहिष्यथ |
| गृहिष्यामि | गृहिष्यावः | गृहिष्यामः |

| | | |
|------------|------------|-------------|
| घोक्ष्यति | घोक्ष्यतः | घोक्ष्यन्ति |
| घोक्ष्यसि | घोक्ष्यथः | घोक्ष्यथ |
| घोक्ष्यामि | घोक्ष्यावः | घोक्ष्यामः |

क्रि० अगृहिष्यन् अगृहिष्यताम् अगृहिष्यन्

| | | |
|------------|-------------|------------|
| अगृहिष्यः | अगृहिष्यतम् | अगृहिष्यत |
| अगृहिष्यम् | अगृहिष्याव | अगृहिष्याम |

| | | |
|------------|--------------|------------|
| अघोक्ष्यत् | अघोक्ष्यताम् | अघोक्ष्यन् |
| अघोक्ष्यः | अघोक्ष्यतम् | अघोक्ष्यत |
| अघोक्ष्यम् | अघोक्ष्याव | अघोक्ष्याम |

| | | |
|----------|---------|---------|
| व० गृहते | गृहेते | गृहन्ते |
| गृहसे | गृहेथे | गृहध्वे |
| गृहे | गृहावहे | गृहामहे |

| | | |
|----------|------------|-----------|
| स० गृहेत | गृहेयाताम् | गृहेरन् |
| गृहेथाः | गृहेयाथाम् | गृहेध्वम् |
| गृहेच | गृहेवहि | गृहेमहि |

| | | |
|------------|----------|-----------|
| प० गृहताम् | गृहेताम् | गृहन्ताम् |
| गृहस्व | गृहेथाम् | गृहध्वम् |
| गृहे | गृहावहे | गृहामहे |

| | | |
|----------|-----------|-----------|
| झ० अगृहत | अगृहेताम् | अगृहन्त |
| अगृहयाः | अगृहेथाम् | अगृहध्वम् |
| अगृहे | अगृहावहि | अगृहामहि |

| | | |
|-------------|-------------|------------|
| अ० अगृहिष्ट | अगृहिषाताम् | अगृहिषत |
| अगृहिष्ठाः | अगृहिषाथाम् | अगृहि |
| | ड्वम् | ध्वम् |
| अगृहिषि | अगृहिष्वहि | अगृहिस्महि |

| | | | |
|-------------|------------|-------------|------------|
| अगृह | अघुक्षत | अघुक्षाताम् | अघुक्षन्त |
| अगृहाः | अघुक्षथाः | अघुक्षाथाम् | अघुक्ष्वम् |
| अघुक्षस्वम् | अघुक्षि | अगृहदि | |
| अघुक्षावहि | अघुक्षामहि | | |

| | | |
|-----------|-----------|------------|
| प० जुगुहे | जुगुहाते | जुगुहरे |
| जुगुहिषे | जुगुहाथे | जुगुहिष्वे |
| जुगुहे | जुगुहिवहे | जुगुहिमहे |

| | | |
|--------------|----------------|-------------|
| आ० गृहिषीष्ट | गृहिषीयास्ताम् | गृहिषीरन् |
| गृहिषीष्ठाः | गृहिषीयाथाम् | गृहिषीध्वम् |
| गृहिषीय | गृहिषीवहि | गृहिषीमहि |

| | | | | | |
|--------------------------------|----------------|---------------|-------------------|----------------|---------------|
| घुक्षीष्ट | घुक्षीयास्ताम् | घुक्षीरन् | स० भलक्षेत् | भलक्षेताम् | भलक्षेयुः |
| घुक्षीष्टाः | घुक्षीयास्ताम् | घुक्षीध्वम् | भलक्षेः | भलक्षेतम् | भलक्षेत |
| घुक्षीय | घुक्षीवहि | घुक्षीमहि | भलक्षेयम् | भलक्षेव | भलक्षेम |
| प्र० गृहिता | गृहितारौ | गृहितारः | प० भलक्षतु | भलक्षतात् | भलक्षताम् |
| गृहितासे | गृहितासाथे | गृहिताध्वे | भलक्ष | भलक्षतम् | भलक्षत |
| गृहिताहे | गृहितास्वहे | गृहितास्महे | भलक्षाणि | भलक्षाव | भलक्षाम |
| गोढा | गोढारौ | गोढारः | घ० अभलक्षत | अभलक्षताम् | अभलक्षन् |
| गोढासे | गोढासाथे | गोढाध्वे | अभलक्षः | अभलक्षतम् | अभलक्षत |
| गोढाहे | गोढास्वहे | गोढास्महे | अभलक्षम् | अभलक्षाव | अभलक्षाम |
| भ० गृहिष्यते | गृहिष्येते | गृहिष्यन्ते | अ० अभलक्षीत | अभलक्षिष्टाम् | अभलक्षिषुः |
| गृहिष्यसे | गृहिष्येथे | गृहिष्यध्वे | अभलक्षीः | अभलक्षिष्टम् | अभलक्षिष्ट |
| गृहिष्ये | गृहिष्यावहे | गृहिष्यामहे | अभलक्षिष्वम् | अभलक्षिष्व | अभलक्षिष्व |
| घोक्ष्यते | घोक्ष्येते | घोक्ष्यन्ते | प० वभलक्ष | वभलक्षतुः | वभलक्षुः |
| घोक्ष्यसे | घोक्ष्येथे | घोक्ष्यध्वे | वभलक्षिथ | वभलक्षथुः | वभलक्ष |
| घोक्ष्ये | घोक्ष्यावहे | घोक्ष्यामहे | वभलक्ष | वभलक्षिष्व | वभलक्षिष्व |
| क्रि० अगृहिष्यत | अगृहिष्येताम् | अगृहिष्यन्त | आ० भलक्ष्यात् | भलक्ष्यास्ताम् | भलक्ष्यासुः |
| अगृहिष्यथाः | अगृहिष्येथाम् | अगृहिष्यध्वम् | भलक्ष्याः | भलक्ष्यास्तम् | भलक्ष्यास्त |
| अगृहिष्ये | अगृहिष्यावहि | अगृहिष्यामहि | भलक्ष्यासम् | भलक्ष्यास्व | भलक्ष्यास्म |
| अघोक्ष्यत | अघोक्ष्येताम् | अघोक्ष्यन्त | भ० भलक्षिता | भलक्षितारौ | भलक्षितारः |
| अघोक्ष्यथाः | अघोक्ष्येथाम् | अघोक्ष्यध्वम् | भलक्षितासि | भलक्षितास्थ | भलक्षितास्थ |
| अघोक्ष्ये | अघोक्ष्यावहि | अघोक्ष्यामहि | भलक्षितास्मि | भलक्षितास्व | भलक्षितास्मः |
| १३६ भलक्षी (भलक्ष्) भक्षणे । | | | भ० भलक्षिष्यति | भलक्षिष्यतः | भलक्षिष्यन्ति |
| व० भलक्षति | भलक्षतः | भलक्षन्ति | भलक्षिष्यसि | भलक्षिष्यथः | भलक्षिष्यथ |
| भलक्षसि | भलक्षथः | भलक्षथ | भलक्षिष्यामि | भलक्षिष्यावः | भलक्षिष्यामः |
| भलक्षामि | भलक्षावः | भलक्षामः | क्रि० अभलक्षिष्यत | अभलक्षिष्यताम् | अभलक्षिष्यन् |
| | | | अभलक्षिष्यः | अभलक्षिष्यतम् | अभलक्षिष्यत |
| | | | अभलक्षिष्यम् | अभलक्षिष्याव | अभलक्षिष्याम |

व० भलक्षते भलक्षेते भलक्षन्ते
भलक्षसे भलक्षेथे भलक्षध्वे
भलक्षे भलक्षावहे भलक्षामहे

स० भलक्षेत भलक्षेयाताम् भलक्षेरन्
भलक्षेयाः भलक्षेयाथाम् भलक्षेध्वम्
भलक्षेय भलक्षेवहि भलक्षेमहि

प० भलक्षताम् भलक्षेताम् भलक्षन्ताम्
भलक्षस्व भलक्षेथाम् भलक्षध्वम्
भलक्षे भलक्षावहे भलक्षामहे

झ० अभलक्षत अभलक्षेताम् अभलक्षन्त
अभलक्षथाः अभलक्षेथाम् अभलक्षध्वम्
अभलक्षे अभलक्षावहि अभलक्षामहि

अ० अभलक्षिष्ट अभलक्षिषाताम् अभलक्षिषत
अभलक्षिष्ठाः अभलक्षिषाथाम् अभलक्षिषध्वम्
अभलक्षिषि अभलक्षिषवहि अभलक्षिषमहि

प० वभलक्षे वभलक्षते वभलक्षिरे
वभलक्षिषे वभलक्षिषेथे वभलक्षिषध्वे
वभलक्षे वभलक्षिवहे वभलक्षिमहे

आ० भलक्षिषीष्ट भलक्षिषीयास्ताम् भलक्षिषीरन्
भलक्षिषीष्ठाः भलक्षिषीयाथाम् भलक्षिषीध्वम्
भलक्षिषीय भलक्षिषीवहि भलक्षिषीमहि

भ्र० भलक्षिता भलक्षितारौ भलक्षितारः
भलक्षितासे भलक्षितासाथे भलक्षिताध्वे
भलक्षिताहे भलक्षितास्वहे भलक्षितास्महे

भ० भलक्षिष्यते भलक्षिष्येते भलक्षिष्यन्ते
भलक्षिष्यसे भलक्षिष्येथे भलक्षिष्यध्वे
भलक्षिष्ये भलक्षिष्यावहे भलक्षिष्यामहे

क्रि० अभलक्षिष्यत अभलक्षिष्येताम् अभलक्षिष्यन्त
अभलक्षिष्यथाः अभलक्षिष्येथाम् अभलक्षिष्यध्वम्
अभलक्षिष्ये अभलक्षिष्यावहि अभलक्षिष्यामहि

अथ घृतादयः कृपौरूपर्यन्ता आत्मनेपदि-
नोऽपि वर्णक्रमेण सेटश्च । पूर्वाचार्यानु-
वर्तनेन घृतेः पूर्वं पाठः

937 घृति (घृत्) दीप्तौ ।

घ० घृतते घृतेते घृतन्ते
घृतसे घृतेथे घृतध्वे
घृते घृतावहे घृतामहे

स० घृतेत घृतेयाताम् घृतेरन्
घृतेथाः घृतेयाथाम् घृतेध्वम्
घृतेय घृतेवहि घृतेमहि

प० घृतताम् घृतेताम् घृतन्ताम्
घृतस्व घृतेथाम् घृतध्वम्
घृते घृतावहे घृतामहे

झ० अघृतत अघृतेताम् अघृतन्त
अघृतथाः अघृतेथाम् अघृतध्वम्
अघृते अघृतावहि अघृतामहि

अ० अघोतिष्ट अघोतिषाताम् अघोतिषत
अघोतिष्ठाः अघोतिषाथाम् अघोति-
षध्वम्

अघोतिषि अघोतिषवहि अघोतिषमहि
अघृतत अघृतताम् अघृतन्

अघृतः अघृततम् अघृतत
अघृतम् अघृताव अघृताम

प० दिघृते दिघृताते दिघृतिरे
दिघृतिषे दिघृताथे दिघृतिध्वे
दिघृते दिघृतिवहे दिघृतिमहे

आ० घोतिषीष्ट घोतिषीयास्ताम् घोतिषीरन्
घोतिषीष्ठाः घोतिषीयाथाम् घोतिषीध्वम्
घोतिषीय घोतिषीवहि घोतिषीमहि

भ्र० घोतिता घोतितारौ घोतितारः
घोतितासे घोतितासाथे घोतिताध्वे
घोतिताहे घोतितास्वहे घोतितास्महे

भ० घोतिष्यते घोतिष्येते घोतिष्यन्ते
घोतिष्यसे घोतिष्येथे घोतिष्यध्वे
घोतिष्ये घोतिष्यावहे घोतिष्यामहे

क्रि० अघोतिष्यत अघोतिष्येताम् अघोतिष्यन्त
अघोतिष्यथाः अघोतिष्येथाम् अघोतिष्यध्वम्
अघोतिष्ये अघोतिष्यावहि अघोतिष्यामहि

938 रुचि [रुच] अभिप्रीत्यां च ।
चकाराद्दीप्तौ । अभिप्रीतिरभिलाषः ॥

| | | | |
|------|-------------|----------------|---------------|
| व० | रोचते | रोचते | रोचन्ते |
| | रोचसे | रोचथे | रोचध्वे |
| | रोचं | रोचावहे | रोचामहे |
| स० | रोचेत | रोचेयाताम् | रोचेरन् |
| | रोचेथाः | रोचेयाथाम् | रोचेध्वम् |
| | रोचेय | रोचेवहि | रोचेमहि |
| प० | रोचताम् | रोचेताम् | रोचन्ताम् |
| | रोचस्व | रोचेथाम् | रोचध्वम् |
| | रोचं | रोचावहे | रोचामहे |
| झ० | अरोचत | अरोचेताम् | अरोचन्त |
| | अरोचथाः | अरोचेथाम् | अरोचध्वम् |
| | अरोचे | अरोचावहि | अरोचामहि |
| अ० | अरोचिष्ट | अरोचिषाताम् | अरोचिषत |
| | अरोचिष्ठाः | अरोचिषाथाम् | अरोचिड्ध्वम् |
| | अरोचिषि | अरोचिष्वहि | अरोचिष्महि |
| | अरुचन् | अरुचताम् | अरुचन् |
| | अरुचः | अरुचतम् | अरुचत |
| | अरुचम् | अरुचाव | अरुचाम |
| प० | रुचं | रुचाते | रुचिरे |
| | रुचिषे | रुचाथे | रुचिध्वे |
| | रुचं | रुचिवहे | रुचिमहे |
| आ० | रोचिषोष्ट | रोचिषीयास्ताम् | रोचिषीरन् |
| | रोचिषोष्ठाः | रोचिषीयास्ताम् | रोचिषीध्वम् |
| | रोचिषीय | रोचिषीवहि | रोचिषीमहि |
| श्व० | रोचिता | रोचितारौ | रोचितारः |
| | रोचितासे | रोचितासाथे | रोचिताध्वे |
| | रोचिताहे | रोचितास्वहे | रोचितास्महे |
| भ० | रोचिष्यते | रोचिष्येते | रोचिष्यन्ते |
| | रोचिष्यसे | रोचिष्येथे | रोचिष्यध्वे |
| | रोचिष्ये | रोचिष्यावहे | रोचिष्यामहे |
| | अरोचिष्यत | अरोचिष्येताम् | अरोचिष्यन्त |
| | अरोचिष्यथाः | अरोचिष्येथाम् | अरोचिष्यध्वम् |
| | अरोचिष्ये | अरोचिष्यावहि | अरोचिष्यामहि |

॥ अथ दान्तास्त्रयः ॥

939 घुटि (घुट) परिचर्तने ।

| | | | |
|------|-------------|----------------|---------------|
| व० | घोटते | घोटते | घोटन्ते |
| | घोटसे | घोटथे | घोटध्वे |
| | घोटे | घोटावहे | घोटामहे |
| स० | घोटेत | घोटेयाताम् | घोटेरन् |
| | घोटेथाः | घोटेयाथाम् | घोटेध्वम् |
| | घोटेय | घोटेवहि | घोटेमहि |
| प० | घोटताम् | घोटेताम् | घोटन्ताम् |
| | घोटस्व | घोटेथाम् | घोटध्वम् |
| | घोटै | घोटावहे | घोटामहे |
| झ० | अघोटत | अघोटेताम् | अघोटन्त |
| | अघोटथाः | अघोटेथाम् | अघोटध्वम् |
| | अघोटे | अघोटावहि | अघोटामहि |
| अ० | अघोटिष्ट | अघोटिषाताम् | अघोटिषत |
| | अघोटिष्ठाः | अघोटिषाथाम् | अघोटि- |
| | | | ड्ध्वम् ध्वम् |
| | अघोटिषि | अघोटिष्वहि | अघोटिष्महि |
| | अघुटन् | अघुटताम् | अघुटन् |
| | अघुटः | अघुटतम् | अघुटत |
| | अघुटम् | अघुटाव | अघुटाम |
| प० | जुघुटे | जुघुटाते | जुघुटिरे |
| | जुघुटिषे | जुघुटाथे | जुघुटिध्वे |
| | जुघुटे | जुघुटिवहे | जुघुटिमहे |
| आ० | घोटिषोष्ट | घोटिषीयास्ताम् | घोटिषीरन् |
| | घोटिषोष्ठाः | घोटिषीयास्ताम् | घोटिषीध्वम् |
| | घोटिषीय | घोटिषीवहि | घोटिषीमहि |
| श्व० | घोटिता | घोटितारौ | घोटितारः |
| | घोटितासे | घोटितासाथे | घोटिताध्वे |
| | घोटिताहे | घोटितास्वहे | घोटितास्महे |
| भ० | घोटिष्यते | घोटिष्येते | घोटिष्यन्ते |
| | घोटिष्यसे | घोटिष्येथे | घोटिष्यध्वे |
| | घोटिष्ये | घोटिष्यावहे | घोटिष्यामहे |
| कि० | अघोटिष्यत | अघोटिष्येताम् | अघोटिष्यन्त |
| | अघोटिष्यथाः | अघोटिष्येथाम् | अघोटिष्यध्वम् |
| | अघोटिष्ये | अघोटिष्यावहि | अघोटिष्यामहि |

940 रुटि (रुट्) प्रतीधाते ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| ब० | रोटते | रोटेते | रोटन्ते |
| | रोटसे | रोटेथे | रोटध्वे |
| | रोटे | रोटावहे | रोटामहे |
| स० | रोटेत | रोटेयाताम् | रोटेरन् |
| | रोटेथाः | रोटेयाथाम् | रोटेध्वम् |
| | रोटेय | रोटेवहि | रोटेमहि |
| प० | रोटताम् | रोटेताम् | रोटन्ताम् |
| | रोटस्व | रोटेथाम् | रोटेध्वम् |
| | रोटै | रोटावहै | रोटामहै |
| झ० | अरोटत | अरोटेताम् | अरोटन्त |
| | अरोटथाः | अरोटथाम् | अरोटध्वम् |
| | अरोटे | अरोटावहि | अरोटामहि |
| अ० | अरोटिष्ट | अरोटिषाताम् | अरोटिषत |
| | अरोटिष्ठाः | अरोटिषाथाम् | अरोटि- |
| | | | इद्वम् ध्वम् |
| | अरोटिषि | अरोटिष्वहि | अरोटिषमहि |
| | अरुटत् | अरुटताम् | अरुटन् |
| | अरुटः | अरुटतम् | अरुटत |
| | अरुटम् | अरुटाव | अरुटाम |
| प० | रुटते | रुटताते | रुटिरे |
| | रुटिषे | रुटताथे | रुटिध्वे |
| | रुटते | रुटिवहे | रुटिमहे |
| आ० | रोटिषीष्ट | रोटिषीयास्ताम् | रोटिषीरन् |
| | रोटिषीष्ठाः | रोटिषीयास्थाम् | रोटिषीध्वम् |
| | रोटिषीय | रोटिषीवहि | रोटिषीमहि |
| प्र० | रोटिता | रोटितारौ | रोटितारः |
| | रोटितासे | रोटितासाथे | रोटिताध्वे |
| | रोटिताहे | रोटितास्वहे | रोटितास्महे |
| | रोटिष्यते | रोटिष्येते | रोटिष्यन्ते |
| | रोटिष्यसे | रोटिष्येथे | रोटिष्यध्वे |
| | रोटिष्ये | रोटिष्यावहे | रोटिष्यामहे |
| क्रि० | अरोटिष्यत | अरोटिष्येताम् | अरोटिष्यन्त |
| | अरोटिष्यथाः | अरोटिष्येथाम् | अरोटिष्यध्वम् |
| | अरोटिष्ये | अरोटिष्यावहि | अरोटिष्यामहि |

941 लुटि (लुट्) प्रतिधाते ।

आद्योदिप्तावित्यन्ये ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| ब० | लोटते | लोटेते | लोटन्ते |
| | लोटसे | लोटेथे | लोटध्वे |
| | लोटे | लोटावहे | लोटामहे |
| स० | लोटेत | लोटेयाताम् | लोटेरन् |
| | लोटेथाः | लोटेयाथाम् | लोटेध्वम् |
| | लोटेय | लोटेवहि | लोटेमहि |
| प० | लोटताम् | लोटेताम् | लोटन्ताम् |
| | लोटस्व | लोटेथाम् | लोटेध्वम् |
| | लोटे | लोटावहै | लोटामहै |
| झ० | अलोटत | अलोटेताम् | अलोटन्त |
| | अलोटथाः | अलोटथाम् | अलोटध्वम् |
| | अलोटे | अलोटेवहि | अलोटेमहि |
| अ० | अलोटिष्ट | अलोटिषाताम् | अलोटिषत |
| | अलोटिष्ठाः | अलोटिषाथाम् | अलोटिइद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | अलोटिषि | अलोटिष्वहि | अलोटिषमहि |
| अ० | अलुटत | अलुटताम् | अलुटन् |
| | अलुटः | अलुटतम् | अलुटत |
| | अलुटम् | अलुटाव | अलुटाम |
| प० | लुटते | लुटताते | लुटिरे |
| | लुटिषे | लुटताथे | लुटिध्वे |
| | लुटते | लुटिवहे | लुटिमहे |
| आ० | लोटिषीष्ट | लोटिषीयास्ताम् | लोटिषीरन् |
| | लोटिषीष्ठाः | लोटिषीयास्थाम् | लोटिषीध्वम् |
| | लोटिषीय | लोटिषीवहि | लोटिषीमहि |
| प्र० | लोटिता | लोटितारौ | लोटितारः |
| | लोटितासे | लोटितासाथे | लोटिताध्वे |
| | लोटिताहे | लोटितास्वहे | लोटितास्महे |
| भ | लोटिष्यते | लोटिष्येते | लोटिष्यन्ते |
| | लोटिष्यसे | लोटिष्येथे | लोटिष्यध्वे |
| | लोटिष्ये | लोटिष्यावहे | लोटिष्यामहे |
| क्रि० | अलोटिष्यत | अलोटिष्येताम् | अलोटिष्यन्त |
| | अलोटिष्यथाः | अलोटिष्येथाम् | अलोटिष्यध्वम् |
| | अलोटिष्ये | अलोटिष्यावहि | अलोटिष्यामहि |

॥ अथठान्तः ॥

942 लुठि (लुट्) प्रतिधाते ।

| | | |
|------------|-------------|------------|
| ष० लोठते | लोठेते | लोठन्ते |
| लोठसे | लोठेथे | लोठध्वे |
| लोठे | लोठावहे | लोठामहे |
| स० लोठेत | लोठेयाताम् | लोठेरन् |
| लोठेथाः | लोठेयाथाम् | लोठेध्वम् |
| लोठेय | लोठेवहि | लोठेमहि |
| प० लोठताम् | लोठेताम् | लोठन्ताम् |
| लोठस्व | लोठेथाम् | लोठध्वम् |
| लोठे | लोठावहै | लोठामहै |
| झ० अलोठत | अलोठेताम् | अलोठन्त |
| अलोठथाः | अलोठेथाम् | अलोठध्वम् |
| अलोठे | अलोठावहि | अलोठामहि |
| अलोठिष्ट | अलोठिषाताम् | अलोठिषत |
| लोठिष्ठाः | अलोठिषाथाम् | अलोठिध्वम् |

अलोठिषि अलोठिष्वहि अलोठिष्महि

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| अ० अलुठत | अलुठताम् | अलुठन् |
| अलुठः | अलुठतम् | अलुठत |
| अलुठम् | अलुठाव | अलुठाम |
| प० लुलुठे | लुलुठाते | लुलुठिरे |
| लुलुठिषे | लुलुठाथे | लुलुठिध्वे |
| लुलुठे | लुलुठिवहे | लुलुठिमहे |
| आ० लोठिषीष्ट | लोठिषीयास्ताम् | लोठिषीरन् |
| लोठिषीष्ठाः | लोठिषीयास्थाम् | लोठिषीध्वम् |
| लोठिषीय | लोठिषीवहि | लोठिषीमहि |
| प्र० लोठिता | लोठितारौ | लोठितारः |
| लोठितासे | लोठितासाथे | लोठिताध्वे |
| लोठिताहे | लोठितास्वहे | लोठितास्महे |
| भ० लोठिष्यते | लोठिष्येते | लोठिष्यन्ते |
| लोठिष्यसे | लोठिष्येथे | लोठिष्यध्वे |
| लोठिष्ये | लोठिष्यावहे | लोठिष्यामहे |
| क्रि० अलोठिष्यत | अलोठिष्येताम् | अलोठिष्यन्त |
| अलोठिष्यथाः | अलोठिष्येथाम् | अलोठिष्यध्वम् |
| अलोठिष्ये | अलोठिष्यावहि | अलोठिष्यामहि |

अथ तान्तः ॥

943 श्विताङ् [श्वित्] वर्णे

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| ष० प्रवेतते | प्रवेतेते | प्रवेतन्ते |
| प्रवेतसे | प्रवेतेथे | प्रवेतध्वे |
| प्रवेते | प्रवेतावहे | प्रवेतामहे |
| स० प्रवेतेत | प्रवेतेयाताम् | प्रवेतेरन् |
| प्रवेतेथाः | प्रवेतेयाथाम् | प्रवेतेध्वम् |
| प्रवेतेय | प्रवेतेवहि | प्रवेतेमहि |
| प० प्रवेतताम् | प्रवेतेताम् | प्रवेतन्ताम् |
| प्रवेतस्व | प्रवेतेथाम् | प्रवेतध्वम् |
| प्रवेतै | प्रवेतावहै | प्रवेतामहै |
| झ० अप्रवेतत | अप्रवेतेताम् | अप्रवेतन्त |
| अप्रवेतथाः | अप्रवेतेथाम् | अप्रवेतध्वम् |
| अप्रवेते | अप्रवेतावहि | अप्रवेतामहि |
| अ० अप्रवेतिष्ट | अप्रवेतिषाताम् | अप्रवेतिषत |
| अप्रवेतिष्ठाः | अप्रवेतिषाथाम् | अप्रवेतिध्वम् |

इदृशम् ध्वम्

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| अप्रवेतिषि | अप्रवेतिष्वहि | अप्रवेतिष्महि |
| अश्वितन् | अश्वितताम् | अश्वितन् इत्यादि |
| प० शिश्विते | शिश्विताते | शिश्वितिरे |
| शिश्वितिषे | शिश्विताथे | शिश्वितिध्वे |
| शिश्विते | शिश्वितिवहे | शिश्वितिमहे |
| आ० प्रवेतिषीष्ट | प्रवेतिषीयास्ताम् | प्रवेतिषीरन् |
| प्रवेतिषीष्ठाः | प्रवेतिषीयास्थाम् | प्रवेतिषीध्वम् |
| प्रवेतिषीय | प्रवेतिषीवहि | प्रवेतिषीमहि |
| प्र० प्रवेतिता | प्रवेतितारौ | प्रवेतितारः |
| प्रवेतितासे | प्रवेतितासाथे | प्रवेतिताध्वे |
| प्रवेतिताहे | प्रवेतितास्वहे | प्रवेतितास्महे |
| भ० प्रवेतिष्यते | प्रवेतिष्येते | प्रवेतिष्यन्ते |
| प्रवेतिष्यसे | प्रवेतिष्येथे | प्रवेतिष्यध्वे |
| प्रवेतिष्ये | प्रवेतिष्यावहे | प्रवेतिष्यामहे |
| क्रि० अप्रवेतिष्यत | अप्रवेतिष्येताम् | अप्रवेतिष्यन्त |
| अप्रवेतिष्यथाः | अप्रवेतिष्येथाम् | अप्रवेतिष्यध्वम् |
| अप्रवेतिष्ये | अप्रवेतिष्यावहि | अप्रवेतिष्यामहि |

अथ दान्तास्त्रयः

944 जिमिदाङ् (मिद्) स्नेहने ।

स्नेहनं स्नेहयोगः

| | | |
|-----------------|----------------|--------------------|
| व० मेदते | मेदेते | मेदन्ते |
| मेदसे | मेदथे | मेदध्वे |
| मेदे | मेदावहे | मेदामहे |
| स० मेदेत | मेदेयाताम् | मेदेरन् |
| मेदेथाः | मेदेयाथाम् | मेदेध्वम् |
| मेदेय | मेदेवहि | मेदेमहि |
| प० मेदताम् | मेदेताम् | मेदन्ताम् |
| मेदस्व | मेदथाम् | मेदध्वम् |
| मेदे | मेदावहे | मेदामहे |
| झ० अमेदत | अमेदताम् | अमेदन्त |
| अमेदथाः | अमेदथाम् | अमेदध्वम् |
| अमेदे | अमेदावहि | अमेदामहि |
| अ० अमेदिष्ट | अमेदिषाताम् | अमेदिषत |
| अमेदिष्ठाः | अमेदिषाथाम् | अमेदिद्ध्वम् ध्वम् |
| अमेदिषि | अमेदिष्वहि | अमेदिष्महि |
| अमिदत् | अमिदताम् | अमिदन |
| अमिदः | अमिदतम् | अमिदत |
| अमिदम् | अमिदाव | अमिदाम |
| प० मिमिदे | मिमिदाते | मिमिदिरे |
| मिमिदिषे | मिमिदाथे | मिमिदिध्वे |
| मिमिदे | मिमिदिवहे | मिमिदिमहे |
| आ० मोदिषीष्ट | मोदिषीयास्ताम् | मोदिषीरन् |
| मोदिषीष्ठाः | मोदिषीयास्थाम् | मोदिषीध्वम् |
| मोदिषीय | मोदिषीवहि | मोदिषीमहि |
| भ्व० मोदिता | मोदितारौ | मोदितारः |
| मोदितासे | मोदितासाथे | मोदिताध्वे |
| मोदिताहे | मोदितास्वहे | मोदितास्महे |
| भ० मोदिष्यते | मेदिष्येते | मेदिष्यन्ते |
| मेदिष्यसे | मेदिष्येथे | मेदिष्यध्वे |
| मेदिष्ये | मेदिष्यावहे | मेदिष्यामहे |
| क्रि० अमेदिष्यत | अमेदिष्येताम् | अमेदिष्यन्त |
| अमेदिष्यथाः | अमेदिष्येथाम् | अमेदिष्यध्वम् |
| अमेदिष्ये | अमेदिष्यावहि | अमेदिष्यामहि |

945 त्रिष्विदाङ् (त्रिष्विद्) मोचने च

चकारात्स्नेहने ।

| | | |
|--------------------|----------------------|-------------------------|
| व० त्रिष्वदते | त्रिष्वदेते | त्रिष्वदन्ते |
| त्रिष्वदसे | त्रिष्वदथे | त्रिष्वदध्वे |
| त्रिष्वदे | त्रिष्वदावहे | त्रिष्वदामहे |
| स० त्रिष्वदेत | त्रिष्वदेयाताम् | त्रिष्वदेरन् |
| त्रिष्वदेथाः | त्रिष्वदेयाथाम् | त्रिष्वदेध्वम् |
| त्रिष्वदेय | त्रिष्वदेवहि | त्रिष्वदेयामहि |
| प० त्रिष्वदताम् | त्रिष्वदेताम् | त्रिष्वदन्ताम् |
| त्रिष्वदस्व | त्रिष्वदेथाम् | त्रिष्वदध्वम् |
| त्रिष्वदे | त्रिष्वदावहे | त्रिष्वदामहे |
| झ० अत्रिष्वदत | अत्रिष्वदेताम् | अत्रिष्वदन्त |
| अत्रिष्वदथाः | अत्रिष्वदेथाम् | अत्रिष्वदध्वम् |
| अत्रिष्वदे | अत्रिष्वदावहि | अत्रिष्वदामहि |
| अ० अत्रिष्वदिष्ट | अत्रिष्वदिषाताम् | अत्रिष्वदिषत |
| अत्रिष्वदिष्ठाः | अत्रिष्वदिषाथाम् | अत्रिष्वदिद्ध्वम् ध्वम् |
| अत्रिष्वदिषि | अत्रिष्वदिष्वहि | अत्रिष्वदिष्महि |
| अत्रिष्वदत् | अत्रिष्वदताम् | अत्रिष्वदन इत्यादि |
| प० त्रिष्विष्वदे | त्रिष्विष्वदाते | त्रिष्विष्वदिरे |
| त्रिष्विष्वदिषे | त्रिष्विष्वदाथे | त्रिष्विष्वदिध्वे |
| त्रिष्विष्वदे | त्रिष्विष्वदिवहे | त्रिष्विष्वदिमहे |
| आ० त्रिष्वेदिषीष्ट | त्रिष्वेदिषीयास्ताम् | त्रिष्वेदिषीरन् |
| त्रिष्वेदिषीष्ठाः | त्रिष्वेदिषीयास्थाम् | त्रिष्वेदिषीध्वम् |
| त्रिष्वेदिषीय | त्रिष्वेदिषीवहि | त्रिष्वेदिषीमहि |
| भ्व० त्रिष्वेदिता | त्रिष्वेदितारौ | त्रिष्वेदितारः |
| त्रिष्वेदितासे | त्रिष्वेदितासाथे | त्रिष्वेदिताध्वे |
| त्रिष्वेदिताहे | त्रिष्वेदितास्वहे | त्रिष्वेदितास्महे |
| भ० त्रिष्वेदिष्यते | त्रिष्वेदिष्येते | त्रिष्वेदिष्यन्ते |
| त्रिष्वेदिष्यसे | त्रिष्वेदिष्येथे | त्रिष्वेदिष्यध्वे |
| त्रिष्वेदिष्ये | त्रिष्वेदिष्यावहे | त्रिष्वेदिष्यामहे |
| अत्रिष्वेदिष्यत | अत्रिष्वेदिष्येताम् | अत्रिष्वेदिष्यन्त |
| अत्रिष्वेदिष्यथाः | अत्रिष्वेदिष्येथाम् | अत्रिष्वेदिष्यध्वम् |
| अत्रिष्वेदिष्ये | अत्रिष्वेदिष्यावहि | अत्रिष्वेदिष्यामहि |

946 त्रिष्विदाङ् (स्विद्) मोचने ।

स्नेहने च ।

| | | |
|---------------|---------------|------------------|
| व० स्वेदते | स्वेदेते | स्वेदन्ते |
| स्वेदसे | स्वेदेथे | स्वेदध्वे |
| स्वेदे | स्वेदावहे | स्वेदामहे |
| स० स्वेदेत | स्वेदेयाताम् | स्वेदेरन् |
| स्वेदेथाः | स्वेदेयाथाम् | स्वेदेध्वम् |
| स्वेदेय | स्वेदेवहि | स्वेदेमहि |
| प० स्वेदताम् | स्वेदेताम् | स्वेदन्ताम् |
| स्वेदस्व | स्वेदेथाम् | स्वेदध्वम् |
| स्वेद | स्वेदावहै | स्वेदामहै |
| झ० अस्वेदत | अस्वेदेताम् | अस्वेदन्त |
| अस्वेदथाः | अस्वेदेथाम् | अस्वेदध्वम् |
| अस्वेदे | अस्वेदावहि | अस्वेदामहि |
| अ० अस्वेदिष्ट | अस्वेदिषाताम् | अस्वेदिषत |
| अस्वेदिष्ठाः | अस्वेदिषाथाम् | अस्वेदिषध्वम् |
| अस्वेदिषि | अस्वेदिष्वहि | अस्वेदिषमहि |
| अस्विदत | अस्विदताम् | अस्विदन् इत्यादि |

| | | |
|----------------|------------------|---------------|
| सिष्विद | सिष्विदाते | सिष्विदिरे |
| सिष्विदिषे | सिष्विदिषे | सिष्विदिध्वे |
| सिष्विद | सिष्विदिषहे | सिष्विदिमहे |
| आ० स्वेदिषीष्ट | स्वेदिषीयास्ताम् | स्वेदिषीरन् |
| स्वेदिषीष्ठाः | स्वेदिषीयास्थाम् | स्वेदिषीध्वम् |
| स्वेदिषीय | स्वेदिषीवहि | स्वेदिषीमहि |
| श्व० स्वेदिता | स्वेदितारौ | स्वेदितारः |
| स्वेदितासे | स्वेदितासाथे | स्वेदिताध्वे |
| स्वेदिताहे | स्वेदितास्वहे | स्वेदितास्महे |
| भ० स्वेदिष्यते | स्वेदिष्येते | स्वेदिष्यन्ते |
| स्वेदिष्यसे | स्वेदिष्येथे | स्वेदिष्यध्वे |
| स्वेदिष्ये | स्वेदिष्यावहे | स्वेदिष्यामहे |

अस्वेदिष्यत अस्वेदिष्येताम् अस्वेदिष्यन्त
अस्वेदिष्यथाः अस्वेदिष्येथाम् अस्वेदिष्यध्वम्
अस्वेदिष्ये अस्वेदिष्यावहि अस्वेदिष्यामहि

॥ अथ भान्ताः पञ्च ॥

947 शुभि (शुभ) दीप्तौ ।

| | | |
|-----------------|----------------|------------------|
| व० शोभते | शोभेते | शोभन्ते |
| शोभसे | शोभेथे | शोभध्वे |
| शोभे | शोभावहे | शोभामहे |
| स० शोभेत | शोभेयाताम् | शोभेरन् |
| शोभेथाः | शोभेयाथाम् | शोभेध्वम् |
| शोभेय | शोभेवहि | शोभेमहि |
| प० शोभताम् | शोभेताम् | शोभन्ताम् |
| शोभस्व | शोभेथाम् | शोभध्वम् |
| शोभै | शोभावहै | शोभामहै |
| झ० अशोभत | अशोभेताम् | अशोभन्त |
| अशोभथाः | अशोभेथाम् | अशोभध्वम् |
| अशोभे | अशोभावहि | अशोभामहि |
| अ० अशोभिष्ट | अशोभिषाताम् | अशोभिषत |
| अशोभिष्ठाः | अशोभिषाथाम् | अशोभिषध्वम् |
| अशोभिषि | अशोभिष्वहि | अशोभिषमहि |
| अशुभत | अशुभताम् | अशुभन् । इत्यादि |
| प० शुभुभे | शुशुभाते | शुशुभिरे |
| शुशुभिषे | शुशुभाथे | शुशुभिध्वे |
| शुशुभे | शुशुभिवहे | शुशुभिमहे |
| आ० शोभिषीष्ट | शोभिषीयास्ताम् | शोभिषीरन् |
| शोभिषीष्ठाः | शोभिषीयास्थाम् | शोभिषीध्वम् |
| शोभिषीय | शोभिषीवहि | शोभिषीमहि |
| श्व० शोभिता | शोभितारौ | शोभितारः |
| शोभितासे | शोभितासाथे | शोभिताध्वे |
| शोभिताहे | शोभितास्वहे | शोभितास्महे |
| भ० शोभिष्यते | शोभिष्येते | शोभिष्यन्ते |
| शोभिष्यसे | शोभिष्येथे | शोभिष्यध्वे |
| शोभिष्ये | शोभिष्यावहे | शोभिष्यामहे |
| क्रि० अशोभिष्यत | अशोभिष्येताम् | अशोभिष्यन्त |
| अशोभिष्यथाः | अशोभिष्येथाम् | अशोभिष्यध्वम् |
| अशोभिष्ये | अशोभिष्यावहि | अशोभिष्यामहि |

948 क्षुभि (क्षुभ्) संचलने ।

संचलनं खान्यथात्वम्

| | | | |
|------|---------------|------------------|--------------------|
| व० | क्षोभते | क्षोभेते | क्षोभन्ते |
| | क्षोभसे | क्षोभेथे | क्षोभध्वे |
| | क्षोभे | क्षोभावहे | क्षोभामहे |
| स० | क्षोभेत | क्षोभेयाताम् | क्षोभेरन् |
| | क्षोभेथाः | क्षोभेयाथाम् | क्षोभेध्वम् |
| | क्षोभेय | क्षोभेवहि | क्षोभेमहि |
| प० | क्षोभताम् | क्षोभेताम् | क्षोभन्ताम् |
| | क्षोभस्व | क्षोभेथाम् | क्षोभध्वम् |
| | क्षोभे | क्षोभावहे | क्षोभामहे |
| झ० | अक्षोभत | अक्षोभेताम् | अक्षोभन्त |
| | अक्षोभथाः | अक्षोभेथाम् | अक्षोभध्वम् |
| | अक्षोभे | अक्षोभावहि | अक्षोभामहि |
| अ० | अक्षोभिष्ट | अक्षोभिषाताम् | अक्षोभिषत |
| | अक्षोभिष्टाः | अक्षोभिषाथाम् | अक्षोभिड्वम् |
| | अक्षोभिषि | अक्षोभिष्वहि | अक्षोभिष्महि |
| | अक्षुभत् | अक्षुभताम् | अक्षुभन् इत्यादि । |
| प० | चुक्षुभे | चुक्षुभाते | चुक्षुभिरे |
| | चुक्षुभिषे | चुक्षुभाथे | चुक्षुभिध्वे |
| | चुक्षुभे | चुक्षुभिवहे | चुक्षुभिमहे |
| आ० | क्षोभिषीष्ट | क्षोभिषीयास्ताम् | क्षोभिषीरन् |
| | क्षोभिषीष्टाः | क्षोभिषीयास्थाम् | क्षोभिषीध्वम् |
| | क्षोभिषीय | क्षोभिषीवहि | क्षोभिषीमहि |
| श्व० | क्षोभिता | क्षोभितारौ | क्षोभितारः |
| | क्षोभितासे | क्षोभितासाथे | क्षोभिताध्वे |
| | क्षोभिताहे | क्षोभितास्वहे | क्षोभितास्महे |
| भ० | क्षोभिष्यते | क्षोभिष्येते | क्षोभिष्यन्ते |
| | क्षोभिष्यसे | क्षोभिष्येथे | क्षोभिष्यध्वं |
| | क्षोभिष्ये | क्षोभिष्यावहे | क्षोभिष्यामहे |
| | अक्षोभिष्यत | अक्षोभिष्येताम् | अक्षोभिष्यन्त |
| | अक्षोभिष्यथाः | अक्षोभिष्येथाम् | अक्षोभिष्यध्वम् |
| | अक्षोभिष्ये | अक्षोभिष्यावहि | अक्षोभिष्यामहि |

949 णभि [नभ्] हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|------------|---------------|--------------|
| व० | नभते | नभेते | नभन्ते |
| | नभसे | नभेथे | नभध्वे |
| | नभे | नभावहे | नभामहे |
| स० | नभेत | नभेयाताम् | नभेरन् |
| | नभेथाः | नभेयाथाम् | नभेध्वम् |
| | नभेय | नभेवहि | नभेमहि |
| प० | नभताम् | नभेताम् | नभन्ताम् |
| | नभस्व | नभेथाम् | नभध्वम् |
| | नभे | नभावहे | नभामहे |
| झ० | अनभत | अनभेताम् | अनभन्त |
| | अनभथाः | अनभेथाम् | अनभध्वम् |
| | अनभे | अनभावहि | अनभामहि |
| अ० | अनभिष्ट | अनभिषाताम् | अनभिषत |
| | अनभिष्टाः | अनभिषाथाम् | अनभिड्वम् |
| | अनभिषि | अनभिष्वहि | अनभिष्महि |
| | अनभत् | अनभताम् | अनभन् |
| | अनभः | अनभतम् | अनभत |
| | अनभम् | अनभाव | अनभाम |
| प० | नेभे | नेभाते | नेभिरे |
| | नेभिषे | नेभाथे | नेभिध्वे |
| | नेभे | नेभिवहे | नेभिमहे |
| आ० | नभिषीष्ट | नभिषीयास्ताम् | नभिषीरन् |
| | नभिषीष्टाः | नभिषीयास्थाम् | नभिषीध्वम् |
| | नभिषीय | नभिषीवहि | नभिषीमहि |
| श्व० | नभिता | नभितारौ | नभितारः |
| | नभितासे | नभितासाथे | नभिताध्वे |
| | नभिताहे | नभितास्वहे | नभितास्महे |
| भ० | नभिष्यते | नभिष्येते | नभिष्यन्ते |
| | नभिष्यसे | नभिष्येथे | नभिष्यध्वे |
| | नभिष्ये | नभिष्यावहे | नभिष्यामहे |
| क्रि० | अनभिष्यत | अनभिष्येताम् | अनभिष्यन्त |
| | अनभिष्यथाः | अनभिष्येथाम् | अनभिष्यध्वम् |
| | अनभिष्ये | अनभिष्यावहि | अनभिष्यामहि |

950 तुभि (तुम्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|------------------|
| व० | तोभते | तोभेते | तोभन्ते |
| | तोभसे | तोभेथे | तोभध्वे |
| | तोभे | तोभावहे | तोभामहे |
| स० | तोभेत | तोभेयाताम् | तोभेरन् |
| | तोभेथाः | तोभेयाथाम् | तोभेध्वम् |
| | तोभेय | तोभेवहि | तोभेमहि |
| प० | तोभताम् | तोभेताम् | तोभन्ताम् |
| | तोभस्व | तोभेयाम् | तोभध्वम् |
| | तोभै | तोभावहे | तोभामहे |
| झ० | अतोभत् | अतोभेताम् | अतोभन् |
| | अतोभथाः | अतोभेथाम् | अतोभध्वम् |
| | अतोभे | अतोभावहि | अतोभामहि |
| ञ० | अतोभिष्ट | अतोभिषाताम् | अतोभिषत् |
| | अतोभिष्ठाः | अतोभिषाथाम् | अतोभि- |
| | | | ड्वम् ध्वम् |
| | अतोभिषि | अतोभिष्वहि | अतोभिष्महि |
| | अतुभत् | अतुभताम् | अतुभन् । इत्यादि |
| प० | तुतुभे | तुतुभाते | तुतुभिरे |
| | तुतुभिषे | तुतुभाथे | तुतुभिध्वे |
| | तुतुभे | तुतुभिष्वहे | तुतुभिष्महे |
| आ० | तोभिषीष्ट | तोभिषीयास्ताम् | तोभिषीरन् |
| | तोभिषीष्ठाः | तोभिषीयास्थाम् | तोभिषीध्वम् |
| | तोभिषीय | तोभिषीवहि | तोभिषीमहि |
| भ्व० | तोभिषिता | तोभिषितारौ | तोभिषितारः |
| | तोभिषितासे | तोभिषितासाथे | तोभिषिताध्वे |
| | तोभिषिताहे | तोभिषितास्वहे | तोभिषितास्महे |
| भ० | तोभिष्यते | तोभिष्येते | तोभिष्यन्ते |
| | तोभिष्यसे | तोभिष्येथे | तोभिष्यध्वे |
| | तोभिष्ये | तोभिष्यावहे | तोभिष्यामहे |
| क्रि० | अतोभिष्यत | अतोभिष्येताम् | अतोभिष्यन्त |
| | अतोभिष्यथाः | अतोभिष्येथाम् | अतोभिष्यध्वम् |
| | अतोभिष्ये | अतोभिष्यावहि | अतोभिष्यामहि |

951 सम्भृ (सम्भृ) विश्वासे ।

| | | | |
|------|---------------|------------------|-------------------|
| व० | सम्भते | सम्भेते | सम्भन्ते |
| | सम्भसे | सम्भेथे | सम्भध्वे |
| | सम्भे | सम्भावहे | सम्भामहे |
| स० | सम्भेत | सम्भेयाताम् | सम्भेरन् |
| | सम्भेथाः | सम्भेयाथाम् | सम्भेध्वम् |
| | सम्भेय | सम्भेवहि | सम्भेमहि |
| प० | सम्भताम् | सम्भेताम् | सम्भन्ताम् |
| | सम्भस्व | सम्भेयाम् | सम्भध्वम् |
| | सम्भै | सम्भावहे | सम्भामहे |
| झ० | असम्भत् | असम्भताम् | असम्भन्त |
| | असम्भथाः | असम्भेथाम् | असम्भन्त |
| | असम्भे | असम्भावहि | असम्भामहि |
| ञ० | असम्भिष्ट | असम्भिषाताम् | असम्भिषत् |
| | असम्भिष्ठाः | असम्भिषाथाम् | असम्भिड्व- |
| | | | वम् ध्वम् |
| | असम्भिषि | असम्भिष्वहि | असम्भिष्महि |
| | असम्भत् | असम्भताम् | असम्भन् इत्यादि । |
| प० | ससम्भे | ससम्भाते | ससम्भिरे |
| | ससम्भिषे | ससम्भाथे | ससम्भिध्वे |
| | ससम्भे | ससम्भावहे | ससम्भिष्महे |
| आ० | ससम्भिषीष्ट | ससम्भिषीयास्ताम् | ससम्भिषीरन् |
| | ससम्भिषीष्ठाः | ससम्भिषीयास्थाम् | ससम्भिषीध्वम् |
| | ससम्भिषीय | ससम्भिषीवहि | ससम्भिषीमहि |
| भ्व० | ससम्भिता | ससम्भितारौ | ससम्भितारः |
| | ससम्भितासे | ससम्भितासाथे | ससम्भिताध्वे |
| | ससम्भिताहे | ससम्भितास्वहे | ससम्भितास्महे |
| भ० | ससम्भ्यते | ससम्भ्येते | ससम्भ्यन्ते |
| | ससम्भ्यसे | ससम्भ्येथे | ससम्भ्यध्वे |
| | ससम्भ्ये | ससम्भ्यावहे | ससम्भ्यामहे |
| | असम्भ्यत | असम्भ्येताम् | असम्भ्यन्त |
| | असम्भ्यथाः | असम्भ्येथाम् | असम्भ्यध्वम् |
| | असम्भ्ये | असम्भ्यावहि | असम्भ्यामहि |

॥ अथ शान्ताः ॥

952 अंशू [अंशू] अवसंसने ।

| | | |
|----------------|----------------|-----------------------|
| व० अंशते | अंशते | अंशन्ते |
| अंशसे | अंशये | अंशध्वे |
| अंशे | अंशावहे | अंशामहे |
| स० अंशत | अंशयाताम् | अंशेरन् |
| अंशथाः | अंशयाथाम् | अंशेष्वम् |
| अंशयः | अंशेवहि | अंशेमहि |
| प० अंशताम् | अंशताम् | अंशन्ताम् |
| अंशस्व | अंशयाम् | अंशध्वम् |
| अंशे | अंशावहे | अंशामहे |
| अ० अंशत | अंशेताम् | अंशन्त |
| अंशथाः | अंशेथाम् | अंशेष्वम् |
| अंशे | अंशावहि | अंशेमहि |
| अ० अंशिश्ट | अंशिषाताम् | अंशिषत |
| अंशिष्टाः | अंशिषाथाम् | अंशि- इद्वम् ध्वम् |
| अंशिवि | अंशिष्वहि | अंशिष्वमहि |
| अंशत् | अंशताम् | अंशन् |
| अंशः | अंशतम् | अंशत |
| अंशम् | अंशाव | अंशाम |
| प० वंशते | वंशते | वंशिरे |
| वंशिवे | वंशये | वंशध्वे |
| वंशे | वंशावहे | वंशिमहे |
| आ० अंशिषीष्ट | अंशिषीयास्ताम् | अंशिषीरन् |
| अंशिषीष्टाः | अंशिषीयास्थाम् | अंशिषीध्वम् |
| अंशिषीय | अंशिषीवहि | अंशिषीमहि |
| अ० अंशिता | अंशितारौ | अंशितारः |
| अंशितासे | अंशिनासाथे | अंशिताध्वे |
| अंशिताहे | अंशितास्वहे | अंशितास्महे |
| अंशिष्यते | अंशिष्येते | अंशिष्यन्ते |
| अंशिष्यसे | अंशिष्येथे | अंशिष्यध्वे |
| अंशिष्ये | अंशिष्यावहे | अंशिष्यामहे |
| क्रि० अंशिष्यत | अंशिष्येताम् | अंशिष्यन्त |
| अंशिष्यथाः | अंशिष्येथाम् | अंशिष्यध्वम् |
| अंशिष्ये | अंशिष्यावहि | अंशिष्यामहि |

953 संसृ [संसृ] अवसंसने ।

| | | |
|--------------|----------------|------------------------|
| व० संसते | संसते | संसन्ते |
| संससे | संसये | संसध्वे |
| संसे | संसावहे | संसामहे |
| स० संसेत | संसेयाताम् | संसेरन् |
| संसेथाः | संसेयाथाम् | संसेध्वम् |
| संसेय | संसेवहि | संसेमहि |
| प० संसताम् | संसेताम् | संसन्ताम् |
| संसस्व | संसेथाम् | संसध्वम् |
| संसे | संसावह | संसामहे |
| अ० असंसेत | असंसेताम् | असंसन्त |
| असंसथाः | असंसेथाम् | असंसध्वम् |
| असंसे | असंसावहि | असंसामहि |
| अ० असंसत | असंसताम् | असंसन् |
| असंसः | असंसतम् | असंसत |
| असंसम् | असंसाव | असंसाम |
| असंसिष्ट | असंसिषाताम् | असंसिषत |
| असंसिष्टाः | असंसिषाथाम् | असंसि- इद्वम् ध्वम् |
| असंसिवि | असंसिष्वहि | असंसिष्वमहि |
| प० संसृते | संसृताते | संसृतिरे |
| संसृतिवे | संसृताथे | संसृतिध्वे |
| संसृते | संसृतिवहे | संसृतिमहे |
| आ० संसिषीष्ट | संसिषीयास्ताम् | संसिषीरन् |
| संसिषीष्टाः | संसिषीयास्थाम् | संसिषीध्वम् |
| संसिषीय | संसिषीवहि | संसिषीमहि |
| अ० संसिता | संसितारौ | संसितारः |
| संसितासे | संसितासाथे | संसिताध्वे |
| संसिताहे | संसितास्वहे | संसितास्महे |
| अ० संसिष्यते | संसिष्येते | संसिष्यन्ते |
| संसिष्यसे | संसिष्येथे | संसिष्यध्वे |
| संसिष्ये | संसिष्यावहे | संसिष्यामहे |
| असंसिष्यत | असंसिष्येताम् | असंसिष्यन्त |
| असंसिष्यथाः | असंसिष्येथाम् | असंसिष्यध्वम् |
| असंसिष्ये | असंसिष्यावहि | असंसिष्यामहि |

954 ध्वंस [ध्वंस] गतो च ।

चकाराद्वसंसने ।

| | | |
|----------------|------------------|-----------------|
| व० ध्वंसते | ध्वंसते | ध्वंसन्ते |
| ध्वंससे | ध्वंसये | ध्वंसध्वे |
| ध्वंसे | ध्वंसावहे | ध्वंसामहे |
| स० ध्वंसेत | ध्वंसेयाताम् | ध्वंसेरन् |
| ध्वंसेथाः | ध्वंसेयाथाम् | ध्वंसेध्वम् |
| ध्वंसेय | ध्वंसेवहि | ध्वंसेमहि |
| प० ध्वंसताम् | ध्वंसताम् | ध्वंसन्ताम् |
| ध्वंसस्व | ध्वंसेयाम् | ध्वंसध्वम् |
| ध्वंस | ध्वंसावहे | ध्वंसामहे |
| झ० अध्वंसेत | अध्वंसेताम् | अध्वंसन्त |
| अध्वंसथाः | अध्वंसेथाम् | अध्वंसध्वम् |
| अध्वंसे | अध्वंसावहि | अध्वंसामहि |
| अ० अध्वंसत् | अध्वंसताम् | अध्वंसन् |
| अध्वंसः | अध्वंसतम् | अध्वंसत |
| अध्वंसम् | अध्वंसाव | अध्वंसाम |
| अध्वंसिष्ट | अध्वंसिषाताम् | अध्वंसिषत |
| अध्वंसिष्ठाः | अध्वंसिषाथाम् | अध्वंसि- |
| | | इष्टध्वम् ध्वम् |
| ध्वंसिषि | ध्वंसिष्वहि | ध्वंसिमहि |
| प० दध्वंसे | दध्वंसाते | दध्वंसिरे |
| दध्वंसिषे | दध्वंसाथे | दध्वंसिध्वे |
| दध्वंसे | दध्वंसावहे | दध्वंसिमहे |
| आ० ध्वंसिषीष्ट | ध्वंसिषीयास्ताम् | ध्वंसिषीरन् |
| ध्वंसिषीष्ठाः | ध्वंसिषीयास्थाम् | ध्वंसिषीध्वम् |
| ध्वंसिषीय | ध्वंसिषीवहि | ध्वंसिषीमहि |
| ध्वंसिषीय | ध्वंसिषीवहि | ध्वंसिषीमहि |
| ध्व० ध्वंसिता | ध्वंसितारौ | ध्वंसितारः |
| ध्वंसितासे | ध्वंसितासाथे | ध्वंसिताध्वे |
| ध्वंसिताहे | ध्वंसितास्वहे | ध्वंसितास्महे |
| अ० ध्वंसिष्यते | ध्वंसिष्येते | ध्वंसिष्यन्ते |
| ध्वंसिष्यसे | ध्वंसिष्येथे | ध्वंसिष्यध्वे |
| ध्वंसिष्ये | ध्वंसिष्यावहे | ध्वंसिष्यामहे |
| अध्वंसिष्यत | अध्वंसिष्यताम् | अध्वंसिष्यन्त |
| अध्वंसिष्यथाः | अध्वंसिष्येथाम् | अध्वंसिष्यध्वम् |
| अध्वंसिष्ये | अध्वंसिष्यावहि | अध्वंसिष्यामहि |

अथ घृताद्यन्तर्गणो घृतादिः पञ्चकः

955 घृत [घृत] वर्तने ।

वननं स्थितिः ।

| | | |
|---------------|-----------------|--------------------|
| व० वर्तते | वर्तते | वर्तन्ते |
| वर्तसे | वर्तये | वर्तध्वे |
| वर्ते | वर्तावहे | वर्तामहे |
| स० वर्तेत | वर्तेयाताम् | वर्तेरन् |
| वर्तेथाः | वर्तेयाथाम् | वर्तेध्वम् |
| वर्तेय | वर्तेवहि | वर्तेमहि |
| प० वर्तताम् | वर्तताम् | वर्तन्ताम् |
| वर्तस्व | वर्तेयाम् | वर्तध्वम् |
| वर्त | वर्तावहे | वर्तामहे |
| झ० अवर्तत | अवर्तेताम् | अवर्तन्त |
| अवर्तथाः | अवर्तेथाम् | अवर्तध्वम् |
| अवर्ते | अवर्तावहि | अवर्तामहि |
| अ० अवर्तिष्ट | अवर्तिषाताम् | अवर्तिषत |
| अवर्तिष्ठाः | अवर्तिषाथाम् | अवर्तिध्वम् |
| अवर्तिषि | अवर्तिष्वहि | अवर्तिमहि |
| अ० अवृतत | अवृतताम् | अवृतन् |
| अवृतः | अवृतनम् | अवृतत |
| अवृतम् | अवृताव | अवृताम् |
| प० ववृते | ववृताने | ववृतिरे |
| ववृतिषे | ववृताथे | ववृतिध्वे |
| ववृते | ववृतिहे | ववृतिमहे |
| आ० वर्तिषीष्ट | वर्तिषीयास्ताम् | वर्तिषीरन् |
| वर्तिषीष्ठाः | वर्तिषीयास्थाम् | वर्तिषीध्वम् |
| वर्तिषीय | वर्तिषीवहि | वर्तिषीमहि |
| ध्व० वर्तिता | वर्तितारौ | वर्तितारः |
| वर्तितासे | वर्तितासाथे | वर्तिताध्वे |
| वर्तिताहे | वर्तितास्वहे | वर्तितास्महे |
| अ० वर्तिष्यते | वर्तिष्येते | वर्तिष्यन्ते |
| वर्तिष्यसे | वर्तिष्येथे | वर्तिष्यध्वे |
| वर्तिष्ये | वर्तिष्यावहे | वर्तिष्यामहे |
| वर्त्यति | वर्त्यतः | वर्त्यन्ति इत्यादि |
| अवर्तिष्यत | अवर्तिष्यताम् | अवर्तिष्यन्त |
| अवर्तिष्यथाः | अवर्तिष्येथाम् | अवर्तिष्यध्वम् |
| अवर्तिष्ये | अवर्तिष्यावहि | अवर्तिष्यामहि |
| अवर्त्यत् | अवर्त्यताम् | अवर्त्यन् इत्यादि |

अथ दान्तः ॥

956 स्यन्दौङ् [स्यन्द्] स्रवणे ।

व० स्यन्दते स्यन्देते स्यन्दन्ते
स्यन्दसे स्यन्देथे स्यन्दध्वे
स्यन्दे स्यन्दावहे स्यन्दामहे

स० स्यन्देत स्यन्देयाताम् स्यन्देरन्
स्यन्देथाः स्यन्देयाथाम् स्यन्देध्वम्
स्यन्देय स्यन्देवहि स्यन्देयमहि

प० स्यन्दताम् स्यन्देताम् स्यन्दन्ताम्
स्यन्दस्व स्यन्देथाम् स्यन्दध्वम्
स्यन्दै स्यन्दावहै स्यन्दामहै

झ० अस्यन्दत अस्यन्देताम् अस्यन्दन्त
अस्यन्थाः अस्यन्देथाम् अस्यन्दध्वम्
अस्यन्दे अस्यन्दावहि अस्यन्दामहि

अ० अस्यन्दिष्ट अस्यन्दिषाताम् अस्यन्दिषत
अस्यन्दिष्ठाः अस्यन्दिषाथाम् अस्यन्दिष्ध्वम्
अस्यन्दिषि अस्यन्दिष्वहि अस्यन्दिष्महि

अ० अस्यदत अस्यदताम् अस्यदन
अस्यदः अस्यदतम् अस्यदत
अस्यदम् अस्यदाव अस्यदाम

अस्यन्त अस्यन्तसाताम् अस्यन्तसत
अस्यन्थाः अस्यन्तसाथाम् अस्यन्द्
ध्वम्-न्ध्वम् न्दध्वम्

अस्यन्ति अस्यन्तवहि अस्यन्तमहि

प० सस्यन्दे सस्यन्दाते सस्यन्दिरे
सस्यन्दिषे सस्यन्तसे सस्यन्दाथे सस्यन्दिध्वे
सस्यन्दे सस्यन्दिवहे सस्यन्दिमहे

आ० स्यन्दिषीष्ट स्यन्दिषीयास्ताम् स्यन्दिषीरन्
स्यन्दिषीष्ठाः स्यन्दिषीयास्थाम् स्यन्दिषीध्वम्
स्यन्दिषीय स्यन्दिषीवहि स्यन्दिषीमहि

स्यन्तसीष्ट स्यन्तसीयास्ताम् स्यन्तसीरन्
स्यन्तसीष्ठाः स्यन्तसीयास्थाम् स्यन्तसीध्वम्
स्यन्तसीय स्यन्तसीवहि स्यन्तसीमहि

श्व० स्यन्दिता स्यन्दितारौ स्यन्दितारः
स्यन्दितासे स्यन्दितासाथे स्यन्दिताध्वे
स्यन्दिताहे स्यन्दितास्वहे स्यन्दितास्महे

स्यन्ता स्यन्तारौ स्यन्तारः
स्यन्तासे स्यन्तासाथे स्यन्ताध्वे
स्यन्ताहे स्यन्तास्वहे स्यन्तास्महे

भ० स्यन्दिष्यते स्यन्दिष्येते स्यन्दिष्यन्ते
स्यन्दिष्यसे स्यन्दिष्येथे स्यन्दिष्यध्वे
स्यन्दिष्ये स्यन्दिष्यावहे स्यन्दिष्यामहे

स्यन्तस्यते स्यन्तस्येते स्यन्तस्यन्ते
स्यन्तस्यसे स्यन्तस्येथे स्यन्तस्यध्वे
स्यन्तस्ये स्यन्तस्यावहे स्यन्तस्यामहे

स्यन्तस्यति स्यन्तस्यतः स्यन्तस्यन्ति
स्यन्तस्यसि स्यन्तस्यथः स्यन्तस्यथ
स्यन्तस्यामि स्यन्तस्यावः स्यन्तस्यामः

अस्यन्दिष्यत अस्यन्दिष्येताम् अस्यन्दिष्यन्त
अस्यन्दिष्यथाः अस्यन्दिष्येथाम् अस्यन्दिष्य-
ध्वम्

अस्यन्दिष्ये अस्यन्दिष्यावहि अस्यन्दिष्यामहि

अस्यन्तस्यत अस्यन्तस्येताम् अस्यन्तस्यन्त
अस्यन्तस्यथाः अस्यन्तस्येथाम् अस्यन्तस्यध्वम्
अस्यन्तस्ये अस्यन्तस्यावहि अस्यन्तस्यामहि

अस्यन्तस्यत् अस्यन्तस्यताम् अस्यन्तस्यन्
अस्यन्तस्यः अस्यन्तस्यतम् अस्यन्तस्यत
अस्यन्तस्यम् अस्यन्तस्याव अस्यन्तस्याम

॥ अथ धान्तौ ।

957 वृधूक् [वृध्] वृद्धौ ।

व० वधते वधेते वधन्ते
वधसे वधेथे वधध्वे
वधे वधावहे वधामहे

स० वधेत वधेयाताम् वधेरन्
वधेथाः वधेयाथाम् वधेध्वम्
वधेय वधेवहि वधेमहि

प० वधताम् वधेताम् वधन्ताम्
वधस्व वधेथाम् वधध्वम्
वधे वधावहे वधामहे

आ० अवधत अवधेताम् अवधन्त
अवधेथाः अवधेथाम् अवधध्वम्
अवधे अवधावहि अवधामहि

अ० अवधिष्ट अवधिषाताम् अवधिषत
अवधिष्टाः अवधिषाथाम् अवधि-

अवधिषि अवधिष्वहि अवधिषमहि

अवृधत् अवृधताम् अवृधन्
अवृधाः अवृधातम् अवृधात
अवृधाम् अवृधाव अवृधाम

प० वृधे वृधाते वृधिरे
वृधिषे वृधिषेथे वृधिष्वे
वृधे वृधिष्वहे वृधिषमहे

आ० वधिषीष्ट वधिषीयास्ताम् वधिषीरन्
वधिषीष्टाः वधिषीयास्थाम् वधिषीध्वम्
वधिषीय वधिषीवहि वधिषीमहि

प्रथ० वधिता वधितारौ वधितारः
वधितासे वधितासाथे वधिताध्वे
वधिताहे वधितास्वहे वधितास्महे

भ० वधिष्यते वधिष्येते वधिष्यन्ते
वधिष्यसे वधिष्येथे वधिष्यध्वे
वधिष्ये वधिष्यावहे वधिष्यामहे

भ० वत्स्यति वत्स्यतः वत्स्यन्ति
वत्स्यसि वत्स्यथः वत्स्यथ
वत्स्यामि वत्स्यावः वत्स्यामः

क्रि० अवधिष्यत अवधिष्येताम् अवधिष्यन्त
अवधिष्यथाः अवधिष्येथाम् अवधिष्यध्वम्
अवधिष्ये अवधिष्यावहि अवधिष्यामहि

क्रि० अवत्स्यत् अवत्स्यताम् अवत्स्यन्
अवत्स्यः अवत्स्यतम् अवत्स्यत
अवत्स्यम् अवत्स्याव अवत्स्याम

958 शृधूक् (शृध्) शन्दकुत्सायाम्

शन्दकुत्सा पायुशन्दत्वात् ।

व० शधते शधेते शधन्ते
शधसे शधेथे शधध्वे
शधे शधावहे शधामहे

स० शधेत शधेयाताम् शधेरन्
शधेथाः शधेयाथाम् शधेध्वम्
शधेय शधेवहि शधेमहि

प० शधताम् शधेताम् शधन्ताम्
शधस्व शधेथाम् शधध्वम्
शधे शधावहे शधामहे

अ० अशर्धत अशर्धताम् अशर्धन्त
अशर्धथाः अशर्धथाम् अशर्धध्वम्
अशर्धे अशर्धवहि अशर्धमहि

अ० अशर्धिष्ट अशर्धिषाताम् अशर्धिषत
अशर्धिष्ठाः अशर्धिषाथाम् अशर्धिष्वम्
अशर्धिषि अशर्धिष्वहि अशर्धिषमहि

अ० अशृधत् अशृधताम् अशृधन्
अशृधः अशृधतम् अशृधत
अशृधम् अशृधाव अशृधाम

प० शशृधे शशृधाते शशृधिरे
शशृधिषे शशृधाथे शशृधिष्वे
शशृधे श शिध्वहे शशृधिमहे

आ० शर्धिषीष्ट शर्धिषीयास्ताम् शर्धिषीरन्
शर्धिषीष्ठाः शर्धिषीयास्थाम् शर्धिषीध्वम्
शर्धिषीय शर्धिषीवहि शर्धिषीमहि

प्र० शर्धिता शर्धितारो शर्धितारः
शर्धितासे शर्धितासाथे शर्धिताध्वे
शर्धिताहे शर्धितास्वहे शर्धितास्महे

भ० शर्धिष्यते शर्धिष्येते शर्धिष्यन्ते
शर्धिष्यसे शर्धिष्येथे शर्धिष्यध्वे
शर्धिष्ये शर्धिष्यावहे शर्धिष्यामहे

शत्स्यति शत्स्यतः शत्स्यन्ति
शत्स्यसि शत्स्यथः शत्स्यथ
शत्स्यामि शत्स्यावः शत्स्यामः

क्रि० अशर्धिष्यत अशर्धिष्येताम् अशर्धिष्यन्त
अशर्धिष्यथाः अशर्धिष्यथाम् अशर्धिष्यध्वम्
अशर्धिष्ये अशर्धिष्यावहि अशर्धिष्यामहि

अशत्स्यत् अशत्स्यताम् अशत्स्यन्
अशत्स्यः अशत्स्यतम् अशत्स्यत
अशत्स्यम् अशत्स्याव अशत्स्याम

959 कृपौह (कृप) सामर्थ्ये ।

व० कल्पते कल्पेते कल्पन्ते
कल्पसे कल्पेथे कल्पध्वे
कल्पे कल्पावहे कल्पामहे

स० कल्पेत कल्पेयाताम् कल्परन्
कल्पेथाः कल्पेयाथाम् कल्पेध्वम्
कल्पेय कल्पेवहि कल्पेमहि

प० कल्पताम् कल्पेताम् कल्पन्ताम्
कल्पास्व कल्पेथाम् कल्पध्वम्
कल्पे कल्पावहे कल्पामहे

झ० अकल्पत अकल्पेताम् अकल्पा
अकल्पथाः अकल्पथाम् अकल्प
अकल्पे अकल्पावहि अकल्पाम

अ० अकलिपष्ट अकलिपषाताम् अकलिपषत
अकलिपष्ठाः अकलिपषाथाम् अकलिपष्वम्
अकलिपषि अकलिपष्वहि अकलिपषमहि

अ० अकल्पत अकल्पताम् अकल्पन्त
अकल्पः अकल्पतम् अकल्पत
अकल्पम् अकल्पाव अकल्पाम

अकल्पन्त अकल्पसाताम् अकल्पसत
अकल्पथाः अकल्पसाथाम् अकल्प
अकल्पसि अकल्पस्वहि अकल्पस्महि

प० चकल्पे चकल्पाते चकल्पिरे
चकल्पिषे चकल्पेसे चकल्पाथे चकल्पिध्वे
चकल्पे चकल्पिष्वहे चकल्पिमहे

आ० कलिपषीष्ट कलिपषीयास्ताम् कलिपषीरन्
कलिपषीष्ठाः कलिपषीयास्थाम् कलिपषीध्वम्
कलिपषीय कलिपषीवहि कलिपषीमहि
कल्पसीष्ट कल्पसीयास्ताम् कल्पसीरन्
कल्पसीष्ठाः कल्पसीयास्थाम् कल्पसीध्वम्
कल्पसीय कल्पसीवहि कल्पसीमहि

श्व० कल्पिता कल्पितारौ कल्पितारः
कल्पितासे कल्पितासाथे कल्पिताध्वे
कल्पिताहे कल्पितास्वहे कल्पितास्महे

कल्पा कल्पारौ कल्पारः
कल्पासे कल्पासाथे कल्पाध्वे
कल्पाहे कल्पास्वहे कल्पास्महे

कल्पा कल्पारौ कल्पारः
कल्पासि कल्पास्थः कल्पास्थ
कल्पास्मि कल्पास्वः कल्पास्मः

कल्पिष्यते कल्पिष्येते कल्पिष्यन्ते
कल्पिष्यसे कल्पिष्येथे कल्पिष्यध्वे
कल्पिष्ये कल्पिष्यावहे कल्पिष्यामहे

कल्पस्यते कल्पस्येते कल्पस्यन्ते
कल्पस्यसे कल्पस्येथे कल्पस्यध्वे
कल्पस्ये कल्पस्यावहे कल्पस्यामहे

कल्पस्यति कल्पस्यतः कल्पस्यन्ति
कल्पस्यसि कल्पस्यथः कल्पस्यथ
कल्पस्यामि कल्पस्यावः कल्पस्यामः

कल्पिष्यत अकल्पिष्येताम् अकल्पिष्यन्त
कल्पिष्यथाः अकल्पिष्येथाम अकल्पिष्यध्वम्
अकल्पिष्ये अकल्पिष्यावहि अकल्पिष्यामहि

अकल्पस्यत अकल्पस्येताम् अकल्पस्यन्त
अकल्पस्यथाः अकल्पस्येथाम अकल्पस्यध्वम्
अकल्पस्ये अकल्पस्यावहि अकल्पस्यामहि
अकल्पस्यत् अकल्पस्यताम् अकल्पस्यन्त
अकल्पस्यः अकल्पस्यतम् अकल्पस्यत
अकल्पस्यम् अकल्पस्याव अकल्पस्याम

वृत् वर्तनम् । वृत् घुतादि 23 वृतादि-5
श्चान्तर्गणौ वर्तितौ समाप्तावित्यर्थः । वृधेः
क्वपि वृत् वर्धितौ पूर्णावित्येके ।

अथ ज्वलादयो यजादेः प्राक् षट् 'शट्' शट्
कुशं रुहं रमिं वजाः सेट्श्च ।

वर्णक्रमेण निर्दिश्यन्ते तत्रापि पूर्वाचार्यानु-
रोधेन पूर्वं

960 ज्वल (ज्वल्) दीप्नौ

व० ज्वलति ज्वलतः ज्वलन्ति

ज्वलसि ज्वलथः ज्वलथ

ज्वलामि ज्वलावः ज्वलामः

स० ज्वलेत् ज्वलेताम् ज्वलेयुः

ज्वलेः ज्वलेतम् ज्वलेत

ज्वलेयम् ज्वलेव ज्वलेम

प० ज्वलतु ज्वलतात् ज्वलताम् ज्वलन्तु

ज्वल " ज्वलतम् ज्वलत

ज्वलानि ज्वलाव ज्वलाम

झ० अज्वलत् अज्वलताम् अज्वलन्

अज्वलः अज्वलतम् अज्वलत

अज्वलम् अज्वलाव अज्वलाम

अ० अज्वालीत् अज्वालिष्याम् अज्वालिषुः

अज्वालीः अज्वालिष्यत् अज्वालिष्य

अज्वालिषम् अज्वालिष्व अज्वालिषम

प० जज्वल जज्वलतुः जज्वलः

जज्वलथ जज्वलथुः जज्वल

जज्वल जज्वल जज्वलिष्व जज्वलिषम

आ० ज्वल्यात् ज्वल्यास्ताम् ज्वल्यासुः

ज्वल्याः ज्वल्यास्तम् ज्वल्यास्त

ज्वलणसम् ज्वल्यास्व ज्वल्यास्म

श्व० ज्वलिता ज्वलितारौ ज्वलितारः

ज्वलितामि ज्वलितास्थः ज्वलितास्थ

ज्वलितास्मि ज्वलितास्वः ज्वलितास्मः

भ० ज्वलिष्यति ज्वलिष्यतः ज्वलिष्यन्ति

ज्वलिष्यसि ज्वलिष्यथः ज्वलिष्यथ

ज्वलिष्यामि ज्वलिष्यावः ज्वलिष्याम

क्रि० अज्वलिष्यत् अज्वलिष्यताम् अज्वलिष्यन्

अज्वलिष्यः अज्वलिष्यतम् अज्वलिष्यत

अज्वलिष्यम् अज्वलिष्याव अज्वलिष्याम

॥ अथ चान्तः ॥

961 कुच (कुच) सम्पच्च नकौटिल्यप्रतिष्टम्भविलेखनेषु । सम्पच्चनं मिश्रता । प्रतिष्टम्भो रोधनम् । विलेखनं कर्षणम् । कुच शब्दे तारे इति पठितोऽपि अर्थविशेषेषु ज्वलादिकार्यार्थमिह पुनः पठितः । अस्य रूपाणि च कुच शब्देतारे १०० इतिवज्ज्ञेयानि

॥ अथ तान्तः ॥

962 पल् (पत्) गतौ ।

| | | |
|-------------|-------------|------------|
| व० पतति | पततः | पतन्ति |
| पतसि | पतथः | पतथ |
| पतामि | पतावः | पतामः |
| स० पतेत् | पतेताम् | पतेयुः |
| पतेः | पतेतम् | पतेत |
| पतेयम् | पतेव | पतेम |
| प० पततु | पततात् | पतताम् |
| पत | पततम् | पतत |
| पतानि | पताव | पताम |
| झ० अपतत् | अपतताम् | अपतन् |
| अपतः | अपततम् | अपतत |
| अपतम् | अपताव | अपताम |
| अ० अपत्तत् | अपत्तताम् | अपत्तन् |
| अपत्तः | अपत्ततम् | अपत्तत |
| अपत्तम् | अपत्ताव | अपत्ताम |
| प० पपात | पेततुः | पेतुः |
| पेतिथ | पेतथुः | पेत |
| पपात पपत | पेतिव | पेतिम |
| आ० पत्यात् | पत्यास्ताम् | पत्यासुः |
| पत्याः | पत्यास्तम् | पत्यास्त |
| पत्यासम् | पत्यास्व | पत्यास्म |
| भ्व० पतिता | पतितारौ | पतितारः |
| पतितासि | पतितास्थः | पतितास्थ |
| पतितास्मि | पतितास्वः | पतितास्मः |
| भ० पतिष्यति | पतिष्यतः | पतिष्यन्ति |
| पतिष्यसि | पतिष्यथः | पतिष्यथ |

पतिष्यामि पतिष्यावः पतिष्यामः
क्रि० अपतिष्यत् अपतिष्यताम् अपतिष्यन्
अपतिष्यः अपतिष्यतम् अपतिष्यत
अपतिष्यम् अपतिष्याव अपतिष्याम

॥ अथ धान्तास्त्रयः सेटश्च ॥

963 पथे (पथ) गतौ ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० पथति | पथतः | पथन्ति |
| पथसि | पथथः | पथथ |
| पथामि | पथावः | पथामः |
| स० पथेत् | पथेताम् | पथेयुः |
| पथेः | पथेतम् | पथेत |
| पथेयम् | पथेव | पथेम |
| प० पथतु | पथतात् | पथताम् |
| पथ | पथतम् | पथत |
| पथानि | पथाव | पथाम |
| झ० अपथत् | अपथताम् | अपथन् |
| अपथः | अपथतम् | अपथत |
| अपथम् | अपथाव | अपथाम |
| अ० अपथीत् | अपथिताम् | अपथिषुः |
| अपथीः | अपथितम् | अपथित |
| अपथिषम् | अपथिस्व | अपथिस्म |
| प० पपाथ | पेथतुः | पेथुः |
| पेथिथ | पेथथुः | पेथ |
| पपाथ-पपथ | पेथिव | पेथिम |
| आ० पथ्यात् | पथ्यास्ताम् | पथ्यासुः |
| पथ्याः | पथ्यास्तम् | पथ्यास्त |
| पथ्यासम् | पथ्यास्व | पथ्यास्म |
| भ्व० पथिता | पथितारौ | पथितारः |
| पथितासि | पथितास्थः | पथितास्थ |
| पथितास्मि | पथितास्वः | पथितास्मः |
| भ० पथिष्यति | पथिष्यतः | पथिष्यन्ति |
| पथिष्यसि | पथिष्यथः | पथिष्यथ |
| पथिष्यामि | पथिष्यावः | पथिष्यामः |
| क्रि० अपथिष्यत् | अपथिष्यताम् | अपथिष्यन् |
| अपथिष्यः | अपथिष्यतम् | अपथिष्यत |
| अपथिष्यम् | अपथिष्याव | अपथिष्याम |

964 क्वथे (क्वथ्) निष्पाके ।

| | | |
|-----------|-----------|----------|
| ० क्वथति | क्वथतः | क्वथन्ति |
| क्वथसि | क्वथथः | क्वथथ |
| क्वथामि | क्वथावः | क्वथामः |
| स० क्वथेत | क्वथेताम् | क्वथेयुः |
| क्वथेः | क्वथेतम् | क्वथेत |
| क्वथेयम् | क्वथेष्व | क्वथेम |

क्वथतु क्वथतात् क्वथताम् क्वथन्तु
क्वथ " क्वथतम् क्वथत
क्वथानि क्वथाव क्वथाम

| | | |
|------------|-----------|---------|
| १० अक्वथत् | अक्वथताम् | अक्वथन् |
| अक्वथः | अक्वथतम् | अक्वथत |
| अक्वथम् | अक्वथाव | अक्वथाम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| अ० अक्वथीत् | अक्वथिष्ठात् | अक्वथिषुः |
| अक्वथीः | अक्वथिष्टम् | अक्वथिष्ट |
| अक्वथिषम् | अक्वथिष्व | अक्वथिष्म |

| | | |
|------------|----------|-----------|
| प० चक्वथाथ | चक्वथतुः | चक्वथुः |
| चक्वथिथ | चक्वथथुः | चक्वथ |
| चक्वथाथ | चक्वथथ | चक्वथिष्व |
| | | चक्वथिष्म |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० क्वथ्यात् | क्वथ्यास्ताम् | क्वथ्यासुः |
| क्वथ्याः | क्वथ्यास्तम् | क्वथ्यास्त |
| क्वथ्यासम् | क्वथ्यास्व | क्वथ्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ्व० क्वथिता | क्वथितारौ | क्वथितारः |
| क्वथितासि | क्वथितास्थः | क्वथितास्था |
| क्वथितास्मि | क्वथितास्वः | क्वथितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० क्वथिष्यति | क्वथिष्यतः | क्वथिष्यन्ति |
| क्वथिष्यसि | क्वथिष्यथः | क्वथिष्यथ |
| क्वथिष्यामि | क्वथिष्यावः | क्वथिष्यामः |

क्रि० अक्वथिष्यत् अक्वथिष्यताम् अक्वथिष्यन्
अक्वथिष्यः अक्वथिष्यतम् अक्वथिष्यत
अक्वथिष्यम् अक्वथिष्याव अक्वथिष्याम

965 मथे (मथ्) विलोडने ।

| | | |
|---------|---------|--------|
| ० मथति | मथतः | मथन्ति |
| मथसि | मथथः | मथथ |
| मथामि | मथावः | मथामः |
| स० मथेत | मथेताम् | मथेयुः |
| मथेः | मथेतम् | मथेत |
| मथेयम् | मथेष्व | मथेम |

प० मथतु मथतात् मथताम् मथन्तु
मथ " मथतम् मथत
मथानि मथाव मथाम

| | | |
|----------|---------|-------|
| झ० अमथत् | अमथताम् | अमथन् |
| अमथः | अमथतम् | अमथत |
| अमथम् | अमथाव | अमथाम |

| | | |
|-----------|------------|---------|
| अ० अमथीत् | अमथिष्ठात् | अमथिषुः |
| अमथीः | अमथिष्टम् | अमथिष्ट |
| अमथिषम् | अमथिष्व | अमथिष्म |

| | | |
|-----------|---------|---------|
| प० ममाथ | मेथतुः | मेथुः |
| मेथिथ | मेथथुः | मेथ |
| ममाथ, ममथ | मेथिष्व | मेथिष्म |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० मथ्यात् | मथ्यास्ताम् | मथ्यासुः |
| मथ्याः | मथ्यास्तम् | मथ्यास्त |
| मथ्यासम् | मथ्यास्व | मथ्यास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| भ्व० मथिता | मथितारौ | मथितारः |
| मथितासि | मथितास्थः | मथितास्था |
| मथितास्मि | मथितास्वः | मथितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० मथिष्यति | मथिष्यतः | मथिष्यन्ति |
| मथिष्यसि | मथिष्यथः | मथिष्यथ |
| मथिष्यामि | मथिष्यावः | मथिष्यामः |

क्रि० अमथिष्यत् अमथिष्यताम् अमथिष्यन्
अमथिष्यः अमथिष्यतम् अमथिष्यत
अमथिष्यम् अमथिष्याव अमथिष्याम

॥ अथ दान्तौ ॥

966 षट् (सद्) विशरणगत्यव-

सादनेषु विशरणं शटनम् । अवसादोऽनुत्साहः

व० सीदति सीदतः सीदन्ति

सीदसि सीदथः सीदथ

सीदामि सीदावः सीदामः

स० सीदेत् सीदेताम् सीदेयुः

सीदेः सीदेतम् सीदेत

सीदेयम् सीदेव सीदेम

प० सीदतु सीदतात् सीदताम् सीदन्तु

सीद „ सीदतम् सीदत

सीदन्ति सीदावः सीदाम

झ० असीदत् असीदताम् असीदन्

असीदः असीदतम् असीदत

असीदम् असीदावः असीदाम

अ० असदत् असदताम् असदन्

असदः असदतम् असदत

असदम् असदावः असदाम

प० ससाद् सेदतुः सेदुः

ससाद सेदित् सेदथुः सेद

ससाद-ससाद सेदिव सेदिम

आ० सद्यात् सद्यास्ताम् सद्यासुः

सद्याः सद्यास्तम् सद्यास्त

सद्यासम् सद्यास्वः सद्यास्म

श्व० सत्ता सत्तारौ सत्तारः

सत्तासि सत्तास्थः सत्तास्थ

सत्तास्मि सत्तास्वः सत्तास्मः

भ० सत्स्यति सत्स्यतः सत्स्यन्ति

सत्स्यसि सत्स्यथः सत्स्यथ

सत्स्यामि सत्स्यावः सत्स्यामः

क्रि० असत्स्यत् असत्स्यताम् असत्स्यन्

असत्स्यः असत्स्यतम् असत्स्यत

असत्स्यम् असत्स्यावः असत्स्याम

967 शट् (शद्) शातने ।

शातनं तनूकरणम् ।

व० शीयते शीयेते शीयन्ते

शीयसे शीयेथे शीयध्वे

शीये शीयावहे शीयामहे

स० शीयेत शीयेयाताम् शीयेरन्

शीयेथाः शीयेयाथाम् शीयेध्वम्

शीयेय शीयेवहि शीयेमहि

प० शीयताम् शीयेताम् शीयन्ताम्

शीयस्व शीयथाम् शीयध्वम्

शीये शीयावहे शीयामहे

झ० अशीयत अशीयेताम् अशीयन्त

अशीयथाः अशीयेथाम् अशीयध्वम्

अशीये अशीयावहि अशीयामहि

अ० अशदत् अशदताम् अशदन्

अशदः अशदतम् अशदत

अशदम् अशदावः अशदाम

प० शशाद् शेदतुः शेदुः

शेदित्, शशत्थ शेदथुः शेद

शशाद्, शशद् शेदिव शेदिम

आ० शद्यात् शद्यास्ताम् शद्यासुः

शद्याः शद्यास्तम् शद्यास्त

शद्यासम् शद्यास्वः शद्यास्म

श्व० शत्ता शत्तारौ शत्तारः

शत्तासि शत्तास्थाः शत्तास्था

शत्तास्मि शत्तास्वः शत्तास्मः

भ० शत्स्यति शत्स्यतः शत्स्यन्ति

शत्स्यसि शत्स्यथः शत्स्यथ

शत्स्यामि शत्स्यावः शत्स्यामः

क्रि० अशत्स्यत् अशत्स्यताम् अशत्स्यन्

अशत्स्यः अशत्स्यतम् अशत्स्यत

अशत्स्यम् अशत्स्यावः अशत्स्याम

अथ धान्तः ॥

968 बुध (बुध्) अवगमने ।

अवगमनं ज्ञापनम् । बुध्ं बोधने इत्युभय-
पदेषु पठितोऽपि अवगमने ज्वलादिका
यार्थं पुनः पठ्यते

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| ब० बोधति | बोधतः | बोधन्ति |
| बोधसि | बोधथः | बोधथ |
| बोधामि | बोधावः | बोधामः |
| स० बोधेत | बोधेताम् | बोधेयुः |
| बोधेः | बोधेतम् | बोधेत |
| बोधेयम् | बोधेव | बोधेम |
| प० बोधतु | बोधतात् | बोधताम् बोधन्तु |
| बोधा | " | बोधतम् बोधत |
| बोधानि | बोधाव | बोधाम |
| ब० अबोधत् | अबोधताम् | अबोधन् |
| अबोधाः | अबोधतम् | अबोधत |
| अबोधम् | अबोधाव | अबोधाम |
| अ० अबोधीत् | अबोधिष्टाम् | अबोधिषुः |
| अबोधीः | अबोधिष्टम् | अबोधिष्ट |
| अबोधिषम् | अबोधिष्व | अबोधिष्म |
| प० बुबोध | बुबोधतुः | बुबोधुः |
| बुबोधिथ | बुबोधथुः | बुबोध |
| बुबोध | बुबोधिव | बुबोधिम |
| आ० बुध्यात् | बुध्यास्ताम् | बुध्यासुः |
| बुध्याः | बुध्यास्तम् | बुध्यास्त |
| बुध्यासम् | बुध्यास्व | बुध्यास्म |
| ब० बोधिता | बोधितारौ | बोधितारः |
| बोधितासि | बोधितास्थः | बोधितास्थ |
| बोधितास्मि | बोधितास्वः | बोधितास्मः |
| भ० बोधिष्यति | बोधिष्यतः | बोधिष्यन्ति |
| बोधिष्यसि | बोधिष्यथः | बोधिष्यथ |
| बोधिष्यामि | बोधिष्यावः | बोधिष्यामः |
| क्रि० अबोधिष्यत् | अबोधिष्यताम् | अबोधिष्यन् |
| अबोधिष्यः | अबोधिष्यतम् | अबोधिष्यत |
| अबोधिष्यम् | अबोधिष्याव | अबोधिष्याम |

॥ अथ मान्तौ ॥

969 दुवम् [वम्] उद्गिरणे ।

उद्गिरणं भुक्तस्योर्ध्वगतिः ।

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| व० वमति | वमतः | वमन्ति |
| वमसि | वमथः | वमथ |
| वमामि | वमावः | वमामः |
| स० वमेत् | वमेताम् | वमेयुः |
| वमेः | वमेतम् | वमेत |
| वमेयम् | वमेव | वमेम |
| प० वमतु | वमतात् | वमताम् वमन्तु |
| वम | " | वमतम् वमत |
| वमानि | वमाव | वमाम |
| ब० अवमत् | अवमताम् | अवमन् |
| अवमः | अवमतम् | अवमत |
| अवमम् | अवमाव | अवमाम |
| अ० अवमीत् | अवमिष्टाम् | अवमिषुः |
| अवमीः | अवमिष्टम् | अवमिष्ट |
| अवमिषम् | अवमिष्व | अवमिष्म |
| प० ववाम वेमतुः | ववमतुः वेमुः | ववमुः |
| ववमिथ वेमिथ | ववमथुः वेमथुः | वेम ववम |
| ववाम ववम | ववमिव वेमिव | वेमिव ववमिव |
| आ० वम्यात् | वम्यास्ताम् | वम्यासुः |
| वम्याः | वम्यास्तम् | वम्यास्त |
| वम्यासम् | वम्यास्व | वम्यास्म |
| ब० वमिता | वमितारौ | वमितारः |
| वमितसि | वमितास्थः | वमितास्थ |
| वमितास्मि | वमितास्वः | वमितास्मः |
| भ० वमिष्यति | वमिष्यतः | वमिष्यन्ति |
| वमिष्यसि | वमिष्यथः | वमिष्यथ |
| वमिष्यामि | वमिष्यावः | वमिष्यामः |
| क्रि० अवमिष्यत् | अवमिष्यताम् | अवमिष्यन् |
| अवमिष्यः | अवमिष्यतम् | अवमिष्यत |
| अवमिष्यम् | अवमिष्याव | अवमिष्याम |

970 भ्रम् [भ्रम्] चलने ।

भ्रम्यति भ्रम्यतः भ्रम्यन्ति
भ्रम्यसि भ्रम्यथः भ्रम्यथ
भ्रम्यामि भ्रम्यावः भ्रम्यामः

व० भ्रमति भ्रमतः भ्रमन्ति
भ्रमसि भ्रमथः भ्रमथ
भ्रमामि भ्रमावः भ्रमामः

स० भ्रम्येत् भ्रम्येताम् भ्रम्येयुः
भ्रम्येः भ्रम्येतम् भ्रम्येत
भ्रम्येयम् भ्रम्येव भ्रम्येम

स० भ्रमेत् भ्रमेताम् भ्रमेयुः
भ्रमेः भ्रमेतम् भ्रमेत
भ्रमेयम् भ्रमेव भ्रमेव

प० भ्रम्यतु भ्रम्यतात् भ्रम्यताम् भ्रम्यन्तु
भ्रम्य " भ्रम्यतम् भ्रम्यत
भ्रम्याणि भ्रम्याव भ्रम्याम

प० भ्रमतु भ्रमतात् भ्रमताम् भ्रमन्तु
भ्रम भ्रमतात् भ्रमतम् भ्रमत
भ्रमाणि भ्रमाव भ्रमाम

ह्य० अभ्रम्यत् अभ्रम्यताम् अभ्रम्यन्
अभ्रम्यः अभ्रम्यतम् अभ्रम्यत
अभ्रम्यम् अभ्रम्याव अभ्रम्याम

ह्य० अभ्रमत् अभ्रमताम् अभ्रमन्
अभ्रमः अभ्रमतम् अभ्रमत
अभ्रमम् अभ्रमाव अभ्रमाम

अ० अभ्रमीत् अभ्रमिष्टाम् अभ्रमिषुः
अभ्रमीः अभ्रमिष्टम् अभ्रमिष्ट
अभ्रमिषम् अभ्रमिष्व अभ्रमिष्म

प० वभ्राम व्रमत् व्रमुः
व्रमिथ व्रमथुः व्रम
वभ्राम, वभ्रम व्रमिथ व्रमिम

प० वभ्राम वभ्रमतुः वभ्रमुः
वभ्रमिथ वभ्रमथुः वभ्रम
वभ्राम वभ्रम वभ्रमिथ वभ्रमिम

आ० भ्रम्यात् भ्रम्यास्ताम् भ्रम्यासुः
भ्रम्याः भ्रम्यास्तम् भ्रम्यास्त
भ्रम्यासम् भ्रम्यास्व भ्रम्यास्म

प्रव० भ्रमिता भ्रमितारौ भ्रमितारः
भ्रमितासि भ्रमितास्थः भ्रमितस्य
भ्रमितास्मि भ्रमितास्व भ्रमितास्मः

भ० भ्रमिष्यति भ्रमिष्यतः भ्रमिष्यन्ति
भ्रमिष्यसि भ्रमिष्यथः भ्रमिष्यथ
भ्रमिष्यामि भ्रमिष्यावः भ्रमिष्यामः

क्रि० अभ्रमिष्यत् अभ्रमिष्यताम् अभ्रमिष्यन्
अभ्रमिष्यः अभ्रमिष्यतम् अभ्रमिष्यत
अभ्रमिष्यम् अभ्रमिष्याव अभ्रमिष्याम

॥ अथ रान्तः ॥

971 क्षर [क्षर्] संचलने ।

| | | |
|---|---------------|--------------|
| व० क्षरति | क्षरतः | क्षरन्ति |
| क्षरसि | क्षरथः | क्षरथ |
| क्षरामि | क्षरावः | क्षरामः |
| स० क्षरेत् | क्षरेताम् | क्षरेयुः |
| क्षरेः | क्षरेतम् | क्षरेत |
| क्षरेयम् | क्षरेव | क्षरेम |
| प० क्षरतु | क्षरतात् | क्षरताम् |
| क्षर | क्षरतात् | क्षरतम् |
| क्षराणि | क्षराव | क्षराम |
| झ० अक्षरत् | अक्षरताम् | अक्षरन् |
| अक्षरः | अक्षरतम् | अक्षरत |
| अक्षरम् | अक्षराव | अक्षराम |
| अ० अक्षारीत् | अक्षारिष्टाम् | अक्षारिषुः |
| अक्षारीः | अक्षारिष्टम् | अक्षारिष्ट |
| अक्षारिषम् | अक्षारिष्व | अक्षारिष्म |
| प० चक्षार | चक्षैरतुः | चक्षरुः |
| चक्षरिथ | चक्षरथुः | चक्षर |
| चक्षार, चक्षर | चक्षरिव | चक्षरिम |
| आ० क्षर्यात् | क्षर्यास्ताम् | क्षर्यासुः |
| क्षर्याः | क्षर्यास्तम् | क्षर्यास्त |
| क्षर्यासम् | क्षर्यास्व | क्षर्यास्म |
| अ० क्षरिता | क्षरितारौ | क्षरितारः |
| क्षरितासि | क्षरितास्थः | क्षरितास्थ |
| क्षरितास्मि | क्षरितास्वः | क्षरितास्मः |
| भ० क्षरिष्यति | क्षरिष्यतः | क्षरिष्यन्ति |
| क्षरिष्यासि | क्षरिष्यथः | क्षरिष्यथ |
| क्षरिष्यामि | क्षरिष्यावः | क्षरिष्यामः |
| अक्षरिष्यतु | अक्षरिष्यताम् | अक्षरिष्यन् |
| अक्षरिष्यः | अक्षरिष्यतम् | अक्षरिष्यत |
| अक्षरिष्यम् | अक्षरिष्याव | अक्षरिष्याम |
| सकर्मकश्चायमकर्मकः । क्षरति गौः पयो | | |
| मुञ्चतीत्यर्थः । क्षरति जलं स्रवतीत्यर्थः । | | |

॥ अथ लान्ताश्चतुर्दश ॥

972 चल (चलू) कम्पने ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| चलति | चलतः | चलन्ति |
| चलसि | चलथः | चलथ |
| चलामि | चलावः | चलामः |
| स० चलेत् | चलेताम् | चलेयुः |
| चलेः | चलेतम् | चलेत |
| चलेयम् | चलेव | चलेम |
| प० चलतु | चलतात् | चलताम् |
| चल | " | चलतम् |
| चलानि | चलाव | चलाम |
| झ० अचलत् | अचलताम् | अचलन् |
| अचलः | अचलतम् | अचलत |
| अचलम् | अचलाव | अचलाम |
| अ० अचालीत् | अचालिष्टाम् | अचालिषुः |
| अचालीः | अचालिष्टम् | अचालिष्ट |
| अचालिषम् | अचालिष्व | अचालिष्म |
| प० चचाल | चेलतुः | चेलुः |
| चेलिथ | चेलथुः | चेल |
| चचाल चचल | चेलिष्व | चेलिम |
| आ० चल्यात् | चल्यास्ताम् | चल्यासुः |
| चल्याः | चल्यास्तम् | चल्यास्त |
| चल्यासम् | चल्यास्व | चल्यास्म |
| अ० चलिता | चलितारौ | चलितारः |
| चलितासि | चलितास्थः | चलितास्थ |
| चलितास्मि | चलितास्वः | चलितास्मः |
| भ० चलिष्यति | चलिष्यतः | चलिष्यन्ति |
| चलिष्यसि | चलिष्यथः | चलिष्यथ |
| चलिष्यामि | चलिष्यावः | चलिष्यामः |
| क्रि० अचलिष्यतु | अचलिष्यताम् | अचलिष्यन् |
| अचलिष्यः | अचलिष्यतम् | अचलिष्यत |
| अचलिष्यम् | अचलिष्याव | अचलिष्याम |

973 जल (जल्) घात्ये ।

घात्ये जडत्वमतैक्ष्ण्यमित्यर्थः ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| जलति | जलतः | जलन्ति |
| जलसि | जलथः | जलथ |
| जलामि | जलावः | जलामः |
| स० जलेत् | जलेताम् | जलेयुः |
| जलेः | जलेतम् | जलेत |
| जलेयम् | जलेव | जलेम |
| प० जलतु | जलतात् | जलताम् |
| जल | " | जलतम् |
| जलानि | जलाव | जलाम |
| ह्य० अजलत् | अजलताम् | अजलन् |
| अजलः | अजलतम् | अजलत |
| अजलम् | अजलाव | अजलाम |
| भ० अजालीत् | अजालिष्टाम् | अजालिषुः |
| अजालीः | अजालिष्टम् | अजालिष्ट |
| अजालिषम् | अजालिष्व | अजालिषम |
| प० जजाल | जेलतुः | जेलुः |
| जेलिथ | जेलथुः | जेल |
| जजाल | जजल | जेलिष |
| जेलिम | | |
| आ० जल्यात् | जल्यास्ताम् | जल्यासुः |
| जल्याः | जल्यास्तम् | जल्यास्त |
| जल्यासम् | जल्यास्व | जल्यास्म |
| श्व० जलिता | जलितारौ | जलितारः |
| जलितासि | जलितास्थः | जलितास्थ |
| जलितास्मि | जलितास्वः | जलितास्मः |
| भ० जलिष्यति | जलिष्यतः | जलिष्यन्ति |
| जलिष्यसि | जलिष्यथः | जलिष्यथ |
| जलिष्यामि | जलिष्यावः | जलिष्यामः |
| क्रि० अजलिष्यत् | अजलिष्यताम् | अजलिष्यन् |
| अजलिष्यः | अजलिष्यतम् | अजलिष्यत |
| अजलिष्यम् | अजलिष्याव | अजलिष्याम |

974 टल [टल्] । वैकल्ये

विकलव एव वैकल्यम् ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| ब० टलति | टलतः | टलन्ति |
| टलसि | टलथः | टलथ |
| टलामि | टलावः | टलामः |
| स० टलेत् | टलेताम् | टलेयुः |
| टलेः | टलेतम् | टलेत |
| टलेयम् | टलेव | टलेम |
| प० टलतु | टलतात् | टलताम् |
| टल | टलतात् | टलतम् |
| टलानि | टलाव | टलाम |
| ह्य० अटलत् | अटलताम् | अटलन् |
| अटलः | अटलतम् | अटलत |
| अटलम् | अटलाव | अटलाम |
| अ० अटालीत् | अटालिष्टाम् | अटालिषुः |
| अटालीः | अटालिष्टम् | अटालिष्ट |
| अटालिषम् | अटालिष्व | अटालिषम |
| प० टटाल | टेलतुः | टेलुः |
| टेलिथ | टेलथुः | टेल |
| टटाल, टटल | टेलिष | टेलिम |
| आ० टल्यात् | टल्यास्ताम् | टल्यासुः |
| टल्याः | टल्यास्तम् | टल्यास्त |
| टल्यासम् | टल्यास्व | टल्यास्म |
| श्व० टलिता | टलितारौ | टलितारः |
| टलितासि | टलितास्थः | टलितास्थ |
| टलितास्मि | टलितास्वः | टलितास्मः |
| भ० टलिष्यति | टलिष्यतः | टलिष्यन्ति |
| टलिष्यसि | टलिष्यथः | टलिष्यथ |
| टलिष्यामि | टलिष्यावः | टलिष्यामः |
| क्रि० अटलिष्यत् | अटलिष्यताम् | अटलिष्यन् |
| अटलिष्यः | अटलिष्यतम् | अटलिष्यत |
| अटलिष्यम् | अटलिष्याव | अटलिष्याम |

१७५ दृवल [दृवल] वैकल्ये ।

विकलव एव वैकल्यम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० दृवलति | दृवलतः | दृवलन्ति |
| दृवलसि | दृवलथः | दृवलथ |
| दृवामि | दृवावः | दृवामः |
| स० दृवलेत् | दृवलेताम् | दृवलेयुः |
| दृवलेः | दृवलेतम् | दृवलेत |
| दृवलेयम् | दृवलेव | दृवलेम |
| प० दृवलतु | दृवलतात् | दृवलताम् दृवलन्तु |
| दृवल | दृवलतात् | दृवलतम् दृवलत |
| दृवलानि | दृवाव | दृवाम |
| अ० अदृवलत् | अदृवलताम् | अदृवलन् |
| अदृवलः | अदृवलतम् | अदृवलत |
| अदृवलम् | अदृवाव | अदृवाम |
| अ० अदृवालीत् | अदृवालिष्टाम् | अदृवालिषुः |
| अदृवालीः | अदृवालिष्टम् | अदृवालिष्ट |
| अदृवालिषम् | अदृवालिष्व | अदृवालिष्म |
| प० दृवाल | दृवालुः | दृवालः |
| दृवालथि | दृवालथुः | दृवाल |
| दृवाल, दृवाल | दृवालिव | दृवालम |
| आ० दृवल्यात् | दृवल्यास्ताम् | दृवल्यासुः |
| दृवल्याः | दृवल्यास्तम् | दृवल्यास्त |
| दृवल्यासम् | दृवल्यास्व | दृवल्यास्म |
| प्र० दृवलिता | दृवलितारौ | दृवलितारः |
| दृवलितासि | दृवलितास्थः | दृवलितास्थ |
| दृवलितास्मि | दृवलितास्व | दृवलितास्मः |
| भ० दृवलिष्यति | दृवलिष्यतः | दृवलिष्यन्ति |
| दृवलिष्यसि | दृवलिष्यथः | दृवलिष्यथ |
| दृवलिष्यामि | दृवलिष्यावः | दृवलिष्यामः |
| क्रि० अदृवलिष्यत् | अदृवलिष्यताम् | अदृवलिष्यन् |
| अदृवलिष्यः | अदृवलिष्यतम् | अदृवलिष्यत |
| अदृवलिष्यम् | अदृवलिष्याव | अदृवलिष्याम |

१७६ छल (स्थल) स्थाने ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| स्थलति | स्थलतः | स्थलन्ति |
| स्थलसि | स्थलथः | स्थलथ |
| स्थलामि | स्थलावः | स्थलामः |
| स० स्थलेत् | स्थलेताम् | स्थलेयुः |
| स्थलेः | स्थलेतम् | स्थलेत |
| स्थलेयम् | स्थलेव | स्थलेम |
| प० स्थलतु | स्थलतात् | स्थलताम् स्थलन्तु |
| स्थल | " | स्थलतम् स्थलत |
| स्थलानि | स्थलाव | स्थलाम |
| अ० अस्थलत् | अस्थलताम् | अस्थलन् |
| अस्थलः | अस्थलतम् | अस्थलत |
| अस्थलम् | अस्थलाव | अस्थलाम |
| अ० अस्थालीत् | अस्थालिष्टाम् | अस्थालिषुः |
| अस्थालीः | अस्थालिष्टम् | अस्थालिष्ट |
| अस्थालिषम् | अस्थालिष्व | अस्थालिष्म |
| प० तस्थाल | तस्थालुः | तस्थालः |
| तस्थालिथ | तस्थालथुः | तस्थाल |
| तस्थाल | तस्थल | तस्थलिव तस्थलिम |
| आ० स्थल्यात् | स्थल्यास्ताम् | स्थल्यासुः |
| स्थल्याः | स्थल्यास्तम् | स्थल्यास्त |
| स्थल्यासम् | स्थल्यास्व | स्थल्यास्म |
| प्र० स्थलिता | स्थलितारौ | स्थलितारः |
| स्थलितासि | स्थलितास्थः | स्थलितास्थ |
| स्थलितास्मि | स्थलितास्व | स्थलितास्मः |
| भ० स्थलिष्यति | स्थलिष्यतः | स्थलिष्यन्ति |
| स्थलिष्यसि | स्थलिष्यथः | स्थलिष्यथ |
| स्थलिष्यामि | स्थलिष्यावः | स्थलिष्यामः |
| क्रि० अस्थलिष्यत् | अस्थलिष्यताम् | अस्थलिष्यन् |
| अस्थलिष्यः | अस्थलिष्यतम् | अस्थलिष्यत |
| अस्थलिष्यम् | अस्थलिष्याव | अस्थलिष्याम |

977 हल (हल्) विलेखने ।

विलेखनं कर्षणम् ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० हलति | हलतः | हलन्ति |
| हलसि | हलथः | हलथ |
| हलामि | हलावः | हलामः |
| स० हलेत् | हलेताम् | हलेयुः |
| हलेः | हलेतम् | हलेत |
| हलेयम् | हलेष | हलेम |
| प० हलतु | हलतात् | हलताम् |
| हल | " | हलतम् |
| हलानि | हलाव | हलाम |
| झ० अहलत् | अहलताम् | अहलन् |
| अहलः | अहलतम् | अहलत |
| अहलम् | अहलाव | अहलाम |
| अ० अहलीत् | अहलिष्टाम् | अहलिषुः |
| अहलीः | अहलिष्टम् | अहलिष्ट |
| अहलिषम् | अहलिष्व | अहलिष्म |
| प० जहलत् | जहलतुः | जहलुः |
| जहलित्थ | जहलित्थुः | जहल |
| जहल-जहल | जहलित्व | जहलिम |
| आ० हल्यात् | हल्यास्ताम् | हल्यासुः |
| हल्याः | हल्यास्तम् | हल्यास्त |
| हल्यासम् | हल्यास्व | हल्यास्म |
| ध्व० हलिता | हलितारौ | हलितारः |
| हलितासि | हलितास्थः | हलितास्था |
| हलितास्मि | हलितास्वः | हलितास्मः |
| भ० हलिष्यति | हलिष्यतः | हलिष्यन्ति |
| हलिष्यसि | हलिष्यथः | हलिष्यथ |
| हलिष्यामि | हलिष्यावः | हलिष्यामः |
| क्रि० अहलिष्यत् | अहलिष्यताम् | अहलिष्यन् |
| अहलिष्यः | अहलिष्यतम् | अहलिष्यत |
| अहलिष्यम् | अहलिष्याव | अहलिष्याम |

978 णल (नल्) गन्धे ।

गन्धोदनम् ॥

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० नलति | नलतः | नलन्ति |
| नलसि | नलथः | नलथ |
| नलामि | नलावः | नलामः |
| स० नलेत् | नलेताम् | नलेयुः |
| नलेः | नलेतम् | नलेत |
| नलेयम् | नलेष | नलेम |
| प० नलतु | नलतात् | नलताम् |
| नल | " | नलतम् |
| नलानि | नलाव | नलाम |
| झ० अनलत् | अनलताम् | अनलन् |
| अनलः | अनलतम् | अनलत |
| अनलम् | अनलाव | अनलाम |
| अ० अनालीत् | अनालिष्टाम् | अनालिषुः |
| अनालीः | अनालिष्टम् | अनालिष्ट |
| अनालिषम् | अनालिष्व | अनालिष्म |
| प० ननाल | नेलतुः | नेलुः |
| नेलित्थ | नेलित्थुः | नेल |
| ननाल, ननल | नेलित्व | नेलिम |
| आ० नल्यात् | नल्यास्ताम् | नल्यासुः |
| नल्याः | नल्यास्तम् | नल्यास्त |
| नल्यासम् | नल्यास्व | नल्यास्म |
| ध्व० नलिता | नलितारौ | नलितारः |
| नलितासि | नलितास्थः | नलितास्था |
| नलितास्मि | नलितास्वः | नलितास्मः |
| भ० नलिष्यति | नलिष्यतः | नलिष्यन्ति |
| नलिष्यसि | नलिष्यथः | नलिष्यथ |
| नलिष्यामि | नलिष्यावः | नलिष्यामः |
| क्रि० अनलिष्यत् | अनलिष्यताम् | अनलिष्यन् |
| अनलिष्यः | अनलिष्यतम् | अनलिष्यत |
| अनलिष्यम् | अनलिष्याव | अनलिष्याम |

979 बल (बल्) प्राणनधान्यावरोधयोः

प्राणनं जीवनम् । धान्यं मधुरं ध्यते
यत्रेति धान्यावरोधः कुल्लः ॥

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| ब० बलति | बलतः | बलन्ति |
| बलसि | बलथः | बलथ |
| बलामि | बलावः | बलामः |
| स० बलेत् | बलेताम् | बलेयुः |
| बलेः | बलेतम् | बलेत |
| बलेयम् | बलेव | बलेम |
| प० बलतु | बलतात् | बलताम् बलन्तु |
| बल | " | बलतम् बलत |
| बलानि | बलाव | बलाम |
| झ० अबलत् | अबलताम् | अबलन् |
| अबलः | अबलतम् | अबलत |
| अबलम् | अबलाव | अबलाम |
| अ० अबालीत् | अबालिष्टाम् | अबालिषुः |
| अबालीः | अबालिष्टम् | अबालिष्ट |
| अबालिषम् | अबालिष्व | अबालिष्म |
| प० बवाल | बेलतुः | बेलुः |
| बेलिथ | बेलथुः | बेल |
| बवाल, बवल | बेलिष्व | बेलिम |
| आ० बल्यात् | बल्यास्ताम् | बल्यासुः |
| बल्याः | बल्यास्तम् | बल्यास्त |
| बल्यासम् | बल्यास्व | बल्यास्म |
| भ्व० बलिता | बलितारौ | बलितारः |
| बलितासि | बलितास्थः | बलितास्थ |
| बलितास्मि | बलितास्वः | बलितास्मः |
| भ० बलिष्यति | बलिष्यतः | बलिष्यन्ति |
| बलिष्यसि | बलिष्यथः | बलिष्यथ |
| बलिष्यामि | बलिष्यावः | बलिष्यामः |
| क्रि० अबलिष्यत् | अबलिष्यताम् | अबलिष्यन् |
| अबलिष्यः | अबलिष्यतम् | अबलिष्यत |
| अबलिष्यम् | अबलिष्याव | अबलिष्याम |

980 पुल (पुल्) महत्वे ।

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| ब० पोलति | पोलतः | पोलन्ति |
| पोलसि | पोलथ | पोलथ |
| पोलामि | पोलवः | पोलामः |
| स० पोलेत् | पोलेताम् | पोलेयुः |
| पोलेः | पोलेतम् | पोलेत |
| पोलेयम् | पोलेव | पोलेम |
| प० पोलतु | पोलतात् | पोलताम् पोलन्तु |
| पोल | " | पोलतम् पोलत |
| पोलानि | पोलाव | पोलाम |
| झ० अपोलत् | अपोलताम् | अपोलन् |
| अपोलः | अपोलतम् | अपोलत |
| अपोलम् | अपोलाव | अपोलाम |
| अ० अपोलीत् | अपोलिष्टाम् | अपोलिषुः |
| अपोलीः | अपोलिष्टम् | अपोलिष्ट |
| अपोलिषम् | अपोलिष्व | अपोलिष्म |
| प० पुपोल | पुपुलतुः | पुपुलुः |
| पुपोलिथ | पुपुलथुः | पुपुल |
| पुपोल- | पुपुलिष्व | पुपुलिम |
| आ० पुल्यात् | पुल्यास्ताम् | पुल्यासुः |
| पुल्याः | पुल्यास्तम् | पुल्यास्त |
| पुल्यासम् | पुल्यास्व | पुल्यास्म |
| भ्व० पोलिता | पोलितारौ | पोलितारः |
| पोलितासि | पोलितास्थः | पोलितास्थ |
| पोलितास्मि | पोलितास्वः | पोलितास्मः |
| भ० पोलिष्यति | पोलिष्यतः | पोलिष्यन्ति |
| पोलिष्यसि | पोलिष्यथः | पोलिष्यथ |
| पोलिष्यामि | पोलिष्यावः | पोलिष्यामः |
| क्रि० अपोलिष्यत् | अपोलिष्यताम् | अपोलिष्यन् |
| अपोलिष्यः | अपोलिष्यतम् | अपोलिष्यत |
| अपोलिष्यम् | अपोलिष्याव | अपोलिष्याम |

981 कुल (कुल्) बन्धुसंस्त्यानयोः ।
सस्त्यानं संघातः ।

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| ब० कोलति | कोलतः | कोलन्ति |
| कोलसि | कोलथः | कोलथ |
| कोलामि | कोलावः | कोलामः |
| स० कोलेत | कोलेताम् | कोलेयुः |
| कोलेः | कोलेतम् | कोलेत |
| कोलेयम् | कोलेव | कोलेम |
| प० कोलतु | कोलतात् | कोलताम् कोलन्तु |
| कोल | " | कोलतम् कोलत |
| कोलानि | कोलाव | कोलाम |
| झ० अकोलत् | अकोलताम् | अकोलन् |
| अकोलः | अकोलतम् | अकोलत |
| अकोलम् | अकोलाव | अकोलाम |
| अ० अकोलीत् | अकोलिष्टाम् | अकोलिषुः |
| अकोलीः | अकोलिष्टम् | अकोलिष्ट |
| अकोलिषम् | अकोलिष्व | अकोलिष्म |
| प० चुकोल | चुकुलतुः | चुकुलुः |
| चुकोलिथ | चुकुलथुः | चुकुल |
| चुकोल | चुकुलिब | चुकुलिम |
| आ० कुल्यात् | कुल्यास्ताम् | कुल्यासुः |
| कुल्याः | कुल्यास्तम् | कुल्यास्त |
| कुल्यासम् | कुल्यास्व | कुल्यास्म |
| भ्व० कोलिता | कोलितारौ | कोलितारः |
| कोलितासि | कोलितास्थः | कोलितास्थ |
| कोलितास्मि | कोलितास्वः | कोलितास्मः |
| भ० कोलिष्यति | कोलिष्यतः | कोलिष्यन्ति |
| कोलिष्यसि | कोलिष्यथः | कोलिष्यथ |
| कोलिष्यामि | कोलिष्यावः | कोलिष्यामः |
| क्रि० अकोलिष्यत् | अकोलिष्यताम् | अकोलिष्यन् |
| अकोलिष्यः | अकोलिष्यतम् | अकोलिष्यत |
| अकोलिष्यम् | अकोलिष्याव | अकोलिष्याम |

982 पल (पल्) गतौ ।

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| ब० पलति | पलतः | पलन्ति |
| पलसि | पलथः | पलथ |
| पलामि | पलावः | पलामः |
| स० पलेत् | पलेताम् | पलेयुः |
| पलेः | पलेतम् | पलेत |
| पलेयम् | पलेव | पलेम |
| प० पलतु | पलतात् | पलताम् पलन्तु |
| पल | " | पलतम् पलत |
| पलानि | पलाव | पलाम |
| झ० अपलत् | अपलताम् | अपलन् |
| अपलः | अपलतम् | अपलत |
| अपलम् | अपलाव | अपलाम |
| अ० अपालीत् | अपालिष्टाम् | अपालिषुः |
| अपालीः | अपालिष्टम् | अपालिष्ट |
| अपालिषम् | अपालिष्व | अपालिष्म |
| प० पपाल | पेलतुः | पेलुः |
| पेलिथ | पेलथुः | पेल |
| पपाल-पपल | पेलिब | पेलिम |
| आ० पल्गत् | पल्यास्ताम् | पल्यासुः |
| पल्याः | पल्यास्तम् | पल्यास्त |
| पल्यासम् | पल्यास्व | पल्यास्म |
| भ्व० पलिता | पलितारौ | पलितारः |
| पलितासि | पलितास्थः | पलितास्थ |
| पलितास्मि | पलितास्वः | पलितास्मः |
| भ० पलिष्यति | पलिष्यतः | पलिष्यन्ति |
| पलिष्यसि | पलिष्यथः | पलिष्यथ |
| पलिष्यामि | पलिष्यावः | पलिष्यामः |
| क्रि० अपलिष्यत् | अपलिष्यताम् | अपलिष्यन् |
| अपलिष्यः | अपलिष्यतम् | अपलिष्यत |
| अपलिष्यम् | अपलिष्याव | अपलिष्याम |

983 फल (फल्) गतौ । पूर्वमधीतस्यापी-
ह पाठो गतौ उबलादिकार्याभिः । एतद्रूपाणि
च जिफला विशरणे 414 इति वज्जेयानि

984 शल (शल्) गतौ ।

पूर्वमधीतस्यापीह पाठो गतौ ज्वलादि

कार्यार्थः परस्मैपदार्थश्च ॥

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| ष० शलति | शलतः | शलन्ति |
| शलसि | शलथः | शलथ |
| शलामि | शलावः | शलामः |
| स० शलेत् | शलेताम् | शलेयुः |
| शलेः | शलेतम् | शलेत |
| शलेयम् | शलेव | शलेम |
| प० शलतु | शलतात् | शलताम् |
| शल | " | शलतम् |
| शलानि | शलाव | शलाम |
| झ० अशलत् | अशलताम् | अशलन् |
| अशलः | अशलतम् | अशलत |
| अशलम् | अशलाव | अशलाम |
| अ० अशालीत् | अशालिष्टाम् | अशालिषुः |
| अशालीः | अशालिष्टम् | अशालिष्ट |
| अशालिषम् | अशालिष्व | अशालिषम |
| प० शशाल | शेलतुः | शेलुः |
| शेलिथ | शेलथुः | शेल |
| शशाल-शशाल | शेलिव | शेलिम |
| आ० शल्यात् | शल्यास्ताम् | शल्यासुः |
| शल्याः | शल्यास्तम् | शल्यास्त |
| शल्यासम् | शल्यास्व | शल्यास्म |
| श्व० शलिता | शलितारौ | शलितारः |
| शलितसि | शलितास्थः | शलितास्थ |
| शलितास्मि | शलितास्वः | शलितास्मः |
| भ० शलिष्यति | शलिष्यतः | शलिष्यन्ति |
| शलिष्यसि | शलिष्यथः | शलिष्यथ |
| शलिष्यामि | शलिष्यावः | शलिष्यामः |
| क्रि० अशलिष्यत् | अशलिष्यताम् | अशलिष्यन् |
| अशलिष्यः | अशलिष्यतम् | अशलिष्यत |
| अशलिष्यम् | अशलिष्याव | अशलिष्याम |

985 हुल (हल) हिंसासंवरण-

योश्च चकाराद्गतौ ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ष० होलति | होलतः | होलन्ति |
| होलसि | होलथः | होलथ |
| होलामि | होलावः | होलामः |
| स० होलेत् | होलेताम् | होलेयुः |
| होलेः | होलेतम् | होलेत |
| होलेयम् | होलेव | होलेम |
| प० होलतु | होलतात् | होलताम् |
| होल | " | होलतम् |
| होलानि | होलाव | होलाम |
| झ० अहोलत् | अहोलताम् | अहोलन् |
| अहोलः | अहोलतम् | अहोलत |
| अहोलम् | अहोलाव | अहोलाम |
| अ० अहोलीत् | अहोलिष्टाम् | अहोलिषुः |
| अहोलीः | अहोलिष्टम् | अहोलिष्ट |
| अहोलिषम् | अहोलिष्व | अहोलिषम |
| प० जुहोत् | जुहुलतुः | जुहुलुः |
| जुहोतिथ | जुहुलथुः | जुहुल |
| जुहोत् | जुहुलिव | जुहुलिम |
| आ० हुल्यात् | हुल्यास्ताम् | हुल्यासुः |
| हुल्याः | हुल्यास्तम् | हुल्यास्त |
| हुल्यासम् | हुल्यास्व | हुल्यास्म |
| श्व० होलिता | होलितारौ | होलितारः |
| होलितासि | होलितास्थः | होलितास्थ |
| होलितास्मि | होलितास्वः | होलितास्मः |
| भ० होलिष्यति | होलिष्यतः | होलिष्यन्ति |
| होलिष्यसि | होलिष्यथः | होलिष्यथ |
| होलिष्यामि | होलिष्यावः | होलिष्यामः |
| क्रि० अहोलिष्यत् | अहोलिष्यताम् | अहोलिष्यन् |
| अहोलिष्यः | अहोलिष्यतम् | अहोलिष्यत |
| अहोलिष्यम् | अहोलिष्याव | अहोलिष्याम |

अथ शान्तः ॥

986 कृशं (कश्) आह्वानरोदनयोः ।

| | | |
|----------------|--------------|-------------|
| व० कृशति | कृशतः | कृशन्ति |
| कृशसि | कृशथः | कृशथ |
| कृशामि | कृशावः | कृशामः |
| स० कृशेत् | कृशेताम् | कृशेयुः |
| कृशेः | कृशेतम् | कृशेत |
| कृशेयम् | कृशेव | कृशेम |
| प० कृशतु | कृशतात् | कृशताम् |
| कृश | " | कृशतम् |
| कृशानि | कृशाव | कृशाम |
| ह्य० अकृशत् | अकृशताम् | अकृशन् |
| अकृशः | अकृशतम् | अकृशत |
| अकृशम् | अकृशाव | अकृशाम |
| अ० अकृक्षत् | अकृक्षताम् | अकृक्षन् |
| अकृक्षः | अकृक्षतम् | अकृक्षत |
| अकृक्षम् | अकृक्षाव | अकृक्षाम |
| प० चुकृश | चुकृशतुः | चुकृशुः |
| चुकृशिशथ | चुकृशथुः | चुकृश |
| चुकृश | चुकृशिव | चुकृशिव |
| आ० कृश्यात् | कृश्यास्ताम् | कृश्यासुः |
| कृश्याः | कृश्यास्तम् | कृश्यास्त |
| कृश्यासम् | कृश्यास्व | कृश्यास्म |
| श्र० कृष्टा | कृष्टारौ | कृष्टारः |
| कृष्टासि | कृष्टास्थः | कृष्टास्थ |
| कृष्टास्मि | कृष्टास्वः | कृष्टास्मः |
| भ० कृक्ष्यति | कृक्ष्यतः | कृक्ष्यन्ति |
| कृक्ष्यसि | कृक्ष्यथः | कृक्ष्यथ |
| कृक्ष्यामि | कृक्ष्यावः | कृक्ष्यामः |
| कि० अकृक्ष्यत् | अकृक्ष्यताम् | अकृक्ष्यन् |
| अकृक्ष्यः | अकृक्ष्यतम् | अकृक्ष्यत |
| अकृक्ष्यम् | अकृक्ष्याव | अकृक्ष्याम |

987 कस [कस्] गतौ ।

| | | |
|---------------|-------------|------------|
| व० कसति | कसतः | कसन्ति |
| कससि | कसथः | कसथ |
| कसामि | कसावः | कसामः |
| स० कसेत् | कसेताम् | कसेयुः |
| कसेः | कसेतम् | कसेत |
| कसेयम् | कसेव | कसेम |
| प० कसतु | कसतात् | कसताम् |
| कस | " | कसतम् |
| कसानि | कसाव | कसाम |
| ह्य० अकसत् | अकसताम् | अकसन् |
| अकसः | अकसतम् | अकसत |
| अकसम् | अकसाव | अकसाम |
| अ० अकासीत् | अकासिष्टाम् | अकासिषुः |
| अकासीः | अकासिष्टम् | अकासिष्ट |
| अकासिषम् | अकासिष्व | अकासिष्म |
| अ० अकसीत् | अकसिष्टाम् | अकसिषुः |
| अकसीः | अकसिष्टम् | अकसिष्ट |
| अकसिषम् | अकसिष्व | अकसिष्म |
| प० चकास | चकसतुः | चकसुः |
| चकसिथ | चकसथुः | चकस |
| चकास | चकस | चकसिव |
| चकसिम् | | चकसिम् |
| आ० कस्यात् | कस्यास्ताम् | कस्यासुः |
| कस्याः | कस्यास्तम् | कस्यास्त |
| कस्यासम् | कस्यास्व | कस्यास्म |
| श्र० कसिता | कसितारौ | कसितारः |
| कसितासि | कसितास्थः | कसितास्थ |
| कसितास्मि | कसितास्वः | कसितास्मः |
| भ० कसिष्यति | कसिष्यतः | कसिष्यन्ति |
| कसिष्यसि | कसिष्यथः | कसिष्यथ |
| कसिष्यामि | कसिष्यावः | कसिष्यामः |
| कि० अकसिष्यत् | अकसिष्यताम् | अकसिष्यन् |
| अकसिष्यः | अकसिष्यतम् | अकसिष्यत |
| अकसिष्यम् | अकसिष्याव | अकसिष्याम |

988 रुहं (रुह्) जन्मनि ।

बीजजन्मनीत्यन्ये । भीजजन्माङ्करोत्पत्तिः

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० रोहति | रोहतः | रोहन्ति |
| रोहसि | रोहथः | रोहथ |
| रोहामि | रोहावः | रोहामः |
| स० रोहेत् | रोहेताम् | रोहेयुः |
| रोहेः | रोहेतम् | रोहेत |
| रोहेयम् | रोहेथ | रोहेम |
| ।० रोहतु | रोहतात् | रोहन्तु |
| रोह | " रोहतम् | रोहत |
| रोहाणि | रोहाव | रोहाम |
| झ० अरोहत् | अरोहताम् | अरोहन् |
| अरोहः | अरोहतम् | अरोहत |
| अरोहम् | अरोहाव | अरोहाम |
| अ० अरुक्षत् | अरुक्षताम् | अरुक्षन् |
| अरुक्षः | अरुक्षतम् | अरुक्षत |
| अरुक्षम् | अरुक्षाव | अरुक्षाम |
| प० रुरोह | रुरहतु | रुरहुः |
| रुराहित | रुरहतु | रुरह |
| रुरोह | रुरहित | रुरहिम |
| आ० रुह्यात् | रुह्यास्ताम् | रुह्यासुः |
| रुह्याः | रुह्यास्तम् | रुह्यास्त |
| रुह्यासम् | रुह्यास्व | रुह्यास्म |
| श्व० रोढा | रोढारौ | रोढारः |
| रोढासि | रोढास्थः | रोढास्थ |
| रोढासिम | रोढास्वः | रोढास्मः |
| भ० रोक्ष्यति | रोक्ष्यतः | रोक्ष्यन्ति |
| रोक्ष्यसि | रोक्ष्यथः | रोक्ष्यथ |
| रोक्ष्यामि | रोक्ष्यावः | रोक्ष्यामः |
| क्रि० अरोक्ष्यत् | अरोक्ष्यताम् | अरोक्ष्यन् |
| अरोक्ष्यः | अरोक्ष्यतम् | अरोक्ष्यत |
| अरोक्ष्यम् | अरोक्ष्याव | अरोक्ष्याम |

अथात्मनेपदिनौ

989 रमिं (रम्) क्रीडायाम् ।

| | | |
|----------------|--------------|-------------|
| व० रमतै | रमेते | रमन्ते |
| रमसे | रमेथे | रमध्वे |
| रमे | रमावहे | रमामहे |
| स० रमेत | रमेयाताम् | रमेरन् |
| रमेथाः | रमेयाथाम् | रमेध्वम् |
| रमेय | रमेवहि | रमेमहि |
| प० रमतात् | रमेताम् | रमन्ताम् |
| रमस्व | रमेथाम् | रमध्वम् |
| रमै | रमावहै | रमामहै |
| झ० अरमत | अरमेताम् | अरमन्त |
| अरमथाः | अरमेथाम् | अरमध्वम् |
| अरमे | अरमावहि | अरमामहि |
| अ० अरंस्त | अरंसाताम् | अरंसत |
| अरंस्थाः | अरंसाथाम् | अरन्ध्वम् |
| | | न्द्वम् |
| अरंसि | अरंस्वहि | अरंस्महि |
| प० रेमे | रेमाते | रेमिरे |
| रेमिषे | रेमाथे | रेमिध्वे |
| रेमे | रेमिवहे | रेमिमहे |
| आ० रंसीष्ट | रंसीयास्ताम् | रंसीरन् |
| रंसीष्टाः | रंसीयास्थाम् | रंसीध्वम् |
| रंसीय | रंसीवहि | रंसीमहि |
| श्व० रन्ता | रन्तारौ | रन्तारः |
| रन्तासे | रन्तासाथे | रन्ताध्वे |
| रन्ताहे | रन्तास्वहे | रन्तास्महे |
| भ० रंस्यते | रंस्येते | रंस्यन्ते |
| रंस्यसे | रंस्येथे | रंस्यध्वे |
| रंस्ये | रंस्यावहे | रंस्यामहे |
| क्रि० अरंस्यत् | अरंस्यताम् | अरंस्यन्त |
| अरंस्यथाः | अरंस्येथाम् | अरंस्यध्वम् |
| अरंस्ये | अरंस्यावहि | अरंस्यामहि |

व्याङ्ग्यपरेति परस्मैपदे विरमति

आरमति परिरमति ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-----------------|
| व० | आरमति | आरमतः | आरमन्ति |
| | आरमसि | आरमथः | आरमथ |
| | आरमामि | आरमावः | आरमामः |
| स० | आरमेत् | आरमेताम् | आरमेयुः |
| | आरमेः | आरमेतम् | आरमेत |
| | आरमेयम् | आरमेव | आरमेव |
| प० | आरमतु | आरमतात् | आरमताम् आरमन्तु |
| | आरम | आरमतात् | आरमतम् आरमत |
| | आरमाणि | आरमाव | आरमाम |
| ह्य० | आरमत | आरमताम् | आरमन् |
| | आरम | आरमतम् | आरमत |
| | आरमम् | आरमाव | आरमाम |
| अ० | आरंसीत् | आरंसिष्टाम् | आरंसिषुः |
| | आरंसीः | आरंसिष्टम् | आरंसिष्ट |
| | आरंसिषम् | आरंसिष्व | आरंसिष्व |
| प० | आरराम | आरेमतुः | आरेभुः |
| | आरेमिथ | आररन्थ | आरेमथुः आरेम |
| | आरराम | आररम | आरेमिव आरेमिम |
| आ० | आरम्यात् | आरम्यास्ताम् | आरम्यासुः |
| | आरम्याः | आरम्यास्तम् | आरम्यास्त |
| | आरम्यासम् | आरम्यास्व | आरम्यास्म |
| श्व० | आरन्ता | आरन्तारौ | आरन्तारः |
| | आरन्तासि | आरन्तासथः | आरन्तासथ |
| | आरन्तास्मि | आरन्तास्व | आरन्तास्मः |
| भ० | आरंस्यति | आरंस्यतः | आरंस्यन्ति |
| | आरंस्यसि | आरंस्यथः | आरंस्यथ |
| | आरंस्यामि | आरंस्यावः | आरंस्यामः |
| क्रि० | आरंस्यत् | आरंस्यताम् | आरंस्यन् |
| | आरंस्यः | आरंस्यतम् | आरंस्यत |
| | आरंस्यम् | आरंस्याव | आरंस्याम |

990 षहि[सह] मर्षणे मर्षणं क्षमा ।

| | | | |
|-------|------------|---------------|-----------------|
| व० | सहते | सहेते | सहन्ते |
| | सहसे | सहेथे | सहध्वे |
| | सहे | सहावहे | सहामहे |
| स० | सहेत | सहेयाताम् | सहेरन् |
| | सहेथाः | सहेयाथाम् | सहेध्वम् |
| | सहेय | सहेवहि | सहेमहि |
| प० | सहताम् | सहेताम् | महेन्ताम् |
| | सहस्व | सहेथाम् | सहेध्वम् |
| | सहे | सहावहे | सहामहे |
| ह्य० | असहत् | असहेताम् | असहन्त |
| | असहथाः | असहेथाम् | असहध्वम् |
| | असहे | असहावहि | असहामहि |
| अ० | असहिष्ट | असहिषाताम् | असहिषत |
| | असहिष्टाः | असहिषाथाम् | असहिषध्वम् द्वे |
| | असहिषि | असहिष्वहि | असहिषमहि |
| प० | सेहे | सेहाते | सेहिरे |
| | सेहिषे | सेहाथे | सेहिध्वे द्वे |
| | सेहे | सेहिवहे | सेहिमहे |
| आ० | सहिषीष्ट | सहिषीयास्ताम् | सहिषीरन् |
| | सहिषीष्टाः | सहिषीयास्थाम् | सहिषीध्वम् द्वे |
| | सहिषीय | सहिषीवहि | सहिषीमहि |
| श्व० | सहिता | सहितारौ | सहितारः |
| | सहितासे | सहितासथे | सहिताध्वे |
| | सहिताहे | सहितास्वहे | सहितास्महे |
| श्व० | सोढा | सोढारौ | सोढारः |
| | सोढासे | सोढासथे | सोढाध्वे |
| | सोढाहे | सोढास्वहे | सोढास्महे |
| भ० | सहिष्यते | सहिष्येते | सहिष्यन्ते |
| | सहिष्यसे | सहिष्येथे | सहिष्यथे |
| | सहिष्ये | सहिष्यावहे | सहिष्यामहे |
| क्रि० | असहिष्यत | असहिष्येताम् | असहिष्यन्त |
| | असहिष्यथाः | असहिष्येथाम् | असहिष्यध्वम् |
| | असहिष्ये | असहिष्यावहि | असहिष्यामहि |

अथ यजादयो नव त्रिविधद्वर्जा अनिटश्च
वर्णक्रमेण दृश्यन्ते । तत्रापि पूर्वाचार्यानुरी-
धेनादौ

991 यजीं (यजू) देवपूजासंगतिकरण- दानेषु ।

| | | |
|---------------|-------------|------------|
| व० यजति | यजतः | यजन्ति |
| यजसि | यजथः | यजथ |
| यजामि | यजावः | यजामः |
| स० यजेत | यजेताम् | यजेयुः |
| यजेः | यजेतम् | यजेत |
| यजेयम् | यजेव | यजेम |
| प० यजतु | यजतात् | यजन्तु |
| यज | ” यजतम् | यजत |
| यजानि | यजाव | यजाम |
| झ० अयजत | अयजताम् | अयजन |
| अयजः | अयजतम् | अयजत |
| अयजम् | अयजाव | अयजाम |
| अ० अयाक्षीत् | अयाष्टाम् | अयाक्षुः |
| अयाक्षीः | अयाष्टम् | अयाष्ट |
| अयाक्षम् | अयाक्षव | अयाक्षम |
| प० इयाज | इजतुः | इजुः |
| इयजिथ, इयष्ट | इजथुः | इज |
| इयाज इयज इजिव | | इजिम |
| आ० इज्यात | इज्यास्ताम् | इज्यासुः |
| इज्याः | इज्यास्तम् | इज्यास्त |
| इज्यासम् | इज्यास्व | इज्यास्म |
| श्व० यष्टा | यष्टारौ | यष्टारः |
| यष्टासि | यष्टास्थः | यष्टास्थ |
| यष्टास्मि | यष्टास्वः | यष्टास्मः |
| भ० यक्ष्यति | यक्ष्यतः | यक्ष्यन्ति |
| यक्ष्यसि | यक्ष्यथः | यक्ष्यथ |
| यक्ष्यामि | यक्ष्यावः | यक्ष्यामः |

| | | |
|-----------------|---------------|--------------|
| क्रि० अयक्ष्यत् | अयक्ष्यताम् | अयक्ष्यन् |
| अयक्ष्यः | अयक्ष्यतम् | अयक्ष्यत |
| अयक्ष्यम् | अयक्ष्याव | अयक्ष्याम |
| व० यजते | यजेते | यजन्ते |
| यजसे | यजेथे | यजध्वे |
| यजे | यजावहे | यजामहे |
| स० यजेत | यजेयाताम् | यजेरन् |
| यजेथाः | यजेयाथाम् | यजेध्वम् |
| यजेय | यजेवहि | यजेमहि |
| प० यजताम् | यजेताम् | यजन्ताम् |
| यजस्व | यजेथाम् | यजध्वम् |
| यजै | यजावहै | यजामहै |
| झ० अयजत | अयजेताम् | अयजन्त |
| अयजथाः | अयजेथाम् | अयजध्वम् |
| अयजे | अयजावहि | अयजामहि |
| अ० अयष्ट | अयक्षाताम् | अयक्षत |
| अयष्टाः | अयक्षाथाम् | अयहृद्वम् |
| | | गृह्वम् |
| अयक्षि | अयक्ष्वहि | अयक्षमहि |
| प० ईजे | ईजाते | ईजिरे |
| ईजिषे | ईजाथे | ईजिध्वे |
| ईजे | ईजिवहे | ईजिमहे |
| आ० यक्षीष्ट | यक्षीयास्ताम् | यक्षीरन् |
| यक्षीष्टाः | यक्षीयाथाम् | यक्षीध्वम् |
| यक्षीय | यक्षीवहि | यक्षीमहि |
| श्व० यष्टा | यष्टारौ | यष्टारः |
| यष्टासे | यष्टासाथे | यष्टाध्वे |
| यष्टाहे | यष्टास्वहे | यष्टास्महे |
| भ० यक्ष्यते | यक्ष्येते | यक्ष्यन्ते |
| यक्ष्यसे | यक्ष्येथे | यक्ष्यध्वे |
| यक्ष्ये | यक्ष्यावहे | यक्ष्यामहे |
| क्रि० अयक्ष्यत | अयक्ष्येताम् | अयक्ष्यन्त |
| अयक्ष्यथाः | अयक्ष्येथाम् | अयक्ष्यध्वम् |
| अयक्ष्ये | अयक्ष्यावहि | अयक्ष्यामहि |

॥ अर्धेदन्तास्त्रयः ॥

992 वेङ् (वे) तन्तुसन्ताने

| | | |
|----------------|-------------|-----------|
| व० वयति | वयतः | वयन्ति |
| वयसि | वयथः | वयथ |
| वयामि | वयावः | वयामः |
| स० वयेत् | वयेताम् | वयेयुः |
| वयेः | वयेतम् | वयेत |
| वयेयम् | वयेव | वयेम |
| प० वयतु | वयतात् | वयन्तु |
| वय | वयतम् | वयत |
| वयानि | वयाव | वयाम |
| ह्य० अवयत् | अवयताम् | अवयन् |
| अवयः | अवयतम् | अवयत |
| अवयम् | अवयाव | अवयाम |
| अ० अवासीत् | अवासिष्टाम् | अवासिषुः |
| अवासीः | अवासिष्टम् | अवासिष्ट |
| अवासिषम् | अवासिष्व | अवासिष्म |
| प० उवाय | ऊवयतुः | ऊयुः |
| उवयिथ | ऊयथुः | ऊय |
| उवाय, उवय | ऊयिव | ऊयिव |
| ववौ | ऊवतुः | ऊवुः |
| वविथ, ववोथ | ऊवथुः | ऊव |
| ववौ | ऊविम | ऊविम |
| ववौ | ववतुः | ववुः |
| वविथ-ववाथ | ववथुः | वव |
| ववौ | वविव | वविम |
| आ० ऊयात् | ऊयास्ताम् | ऊयासुः |
| ऊयाः | ऊयास्तम् | ऊयास्त |
| ऊयासम् | ऊयास्व | ऊयास्म |
| श्व० वाता | वातारौ | वातारः |
| वातासि | वातास्थः | वातास्थ |
| वातास्मि | वातास्वः | वातास्मः |
| भ० वास्यति | वास्यतः | वास्यन्ति |
| वास्यसि | वास्यथः | वास्यथ |
| वास्यामि | वास्यावः | वास्यामः |
| क्रि० अवास्यत् | अवास्यताम् | अवास्यन् |
| अवास्यः | अवास्यतम् | अवास्यत |
| अवास्यम् | अवास्याव | अवास्याम |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| व० वयते | वयेते | वयन्ते |
| वयसे | वयेथे | वयध्वे |
| वये | वयावहे | वयामहे |
| स० वयेत | वयेयाताम् | वयेरन् |
| वयेथाः | वयेयाथाम् | वयेध्वम् |
| वयेय | वयेवहि | वयेमहि |
| प० वयताम् | वयेताम् | वयन्ताम् |
| वयस्व | वयेथाम् | वयध्वम् |
| वये | वयावहे | वयामहे |
| ह्य० अवयत | अवयेताम् | अवयन्त |
| अवयथाः | अवयेथाम् | अवयध्वम् |
| अवये | अवयावहि | अवयामहि |
| अ० अवास्त | अवासाताम् | अवास्त |
| अवास्थाः | अवासाथाम् | अवाद्ध्वम् |
| अवास्ति | अवास्वहि | अवास्महि |
| प० ऊये | ऊयाते | ऊयिरे |
| ऊयिषे | ऊयाथे | ऊयिध्वे-द्वे |
| ऊये | ऊयिवहे | ऊयिमहे |
| ववे | ववाते | वविरे |
| वविषे | ववाथे | वविध्वे-द्वे |
| ववे | वविवहे | वविमहे |
| ऊवे | ऊवाते | ऊविरे |
| ऊविषे | ऊवाथे | ऊविध्वे-द्वे |
| ऊवे | ऊविवहे | ऊविमहे |
| आ० वासीष्ट | वासीयास्ताम् | वासीरन् |
| वासीष्ठा | वासीयाथाम् | वासीध्वम् |
| वासीय | वासीवहि | वासीमहि |
| श्व० वाता | वातारौ | वातारः |
| वातासे | वातासाथे | वाताध्वे |
| वाताहे | वातास्वहे | वातास्महे |
| भ० वास्यते | वास्येते | वास्यन्ते |
| वास्यसे | वास्येथे | वास्यध्वे |
| वास्ये | वास्यावहे | वास्यामहे |
| क्रि० अवास्यत | अवास्येताम् | अवास्यन्त |
| अवास्यथाः | अवास्येथाम् | अवास्यध्वम् |
| अवास्ये | अवास्यावहि | अवास्यामहि |

993 व्ये (व्ये) संवरणे ।
संवरणमाच्छादनम् ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० व्ययति | व्ययतः | व्ययन्ति |
| व्ययसि | व्ययथः | व्ययथ |
| व्ययामि | व्ययावः | व्ययामः |
| स० व्ययेत् | व्ययेताम् | व्ययेयुः |
| व्ययेः | व्ययेतम् | व्ययेत |
| व्ययेयम् | व्ययेव | व्ययेम |
| प० व्ययतु | व्ययतात् | व्ययन्तु |
| व्यय | व्ययतम् | व्ययत |
| व्ययानि | व्ययाव | व्ययाम |
| अ० अव्ययत् | अव्ययताम् | अव्ययन् |
| अव्ययः | अव्ययतम् | अव्ययत |
| अव्ययम् | अव्ययाव | अव्ययाम |
| अ० अव्यासीत् | अव्यासिष्टम् | अव्यासिषुः |
| अव्यासीः | अव्यासिष्टम् | अव्यासिष्ट |
| अव्यासिषम् | अव्यासिष्व | अव्यासिष्व |
| प० विव्याय | विव्यातुः | विव्यायुः |
| विव्यायिथ | विव्याथुः | विव्याथ |
| विव्याय-विव्याय | विव्यायव | विव्यायम |
| आ० वीयात् | वीयास्ताम् | वीयासुः |
| वीयाः | वीयास्तम् | वीयास्त |
| वीयासम् | वीयास्व | वीयास्म |
| अ० व्याता | व्यातारौ | व्यातारः |
| व्यातासि | व्यातास्थः | व्यातास्थ |
| व्यातास्मि | व्यातास्वः | व्यातास्मः |
| भ० व्यास्यति | व्यास्यतः | व्यास्यन्ति |
| व्यास्यसि | व्यास्यथः | व्यास्यथ |
| व्यास्यामि | व्यास्यावः | व्यास्यामः |
| क्रि० अव्यास्यत् | अव्यास्यताम् | अव्यास्यन् |
| अव्यास्यः | अव्यास्यतम् | अव्यास्यत |
| अव्यास्यम् | अव्यास्याव | अव्यास्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० व्ययते | व्ययेते | व्ययन्ते |
| व्ययसे | व्ययेथे | व्ययध्वे |
| व्यये | व्ययावहे | व्ययामहे |
| स० व्ययेत | व्ययेयाताम् | व्ययेरन् |
| व्ययेथाः | व्ययेयाथाम् | व्ययेध्वम् |
| व्ययेय | व्ययेवहि | व्ययेमहि |
| प० व्ययताम् | व्ययेताम् | व्ययन्ताम् |
| व्ययस्व | व्ययेथाम् | व्ययध्वम् |
| व्ययै | व्ययावहे | व्ययामहे |
| अ० अव्ययत | अव्ययेताम् | अव्ययन्त |
| अव्ययथाः | अव्ययेथाम् | अव्ययध्वम् |
| अव्यये | अव्ययावहि | अव्ययामहि |
| अ० अव्यास्त | अव्यास्ताताम् | अव्यामत |
| अव्यास्थाः | अव्यासाथाम् | अव्यादध्वम् |
| अव्यासि | अव्यास्वहि | अव्यास्महि |
| प० विव्ये | विव्याते | विव्यिरे |
| विव्यिषे | विव्याथे | विव्यिध्वे |
| विव्ये | विव्यावहे | विव्यिमहे |
| आ० व्यासीष्ट | व्यासीयास्ताम् | व्यासीरन् |
| व्यासीष्ठाः | व्यासीयाथाम् | व्यासीध्वम् |
| व्यासीय | व्यासीवहि | व्यासीमहि |
| अ० व्याता | व्यातारौ | व्यातारः |
| व्यातासे | व्यातासाथे | व्याताध्वे |
| व्याताहे | व्यातास्वहे | व्यातास्महे |
| भ० व्यास्यते | व्यास्येते | व्यास्यन्ते |
| व्यास्यसे | व्यास्येथे | व्यास्यध्वे |
| व्यास्ये | व्यास्यावहे | व्यास्यामहे |
| क्रि० अव्यास्यत | अव्यास्येताम् | अव्यास्यन्त |
| अव्यास्यथाः | अव्यास्येथाम् | अव्यास्यध्वम् |
| अव्यास्ये | अव्यास्यावहि | अव्यास्यामहि |

994 ह्यं हे) स्पर्धाशब्दयोः ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० ह्यति | ह्यतः | ह्यन्ति |
| ह्यसि | ह्यथः | ह्यथ |
| ह्यामि | ह्यावः | ह्यामः |
| स० ह्येत् | ह्येताम् | ह्येयुः |
| ह्येः | ह्येतम् | ह्येत |
| ह्येयम् | ह्येय | ह्येयम् |
| प० ह्यतु | ह्यतात् | ह्यताम् |
| ह्य | ह्यतम् | ह्यत |
| ह्यानि | ह्याव | ह्याम |
| झ० अह्यत् | अह्यताम् | अह्यन् |
| अह्यः | अह्यतम् | अह्यत |
| अह्यम् | अह्याव | अह्याम |
| अ० अह्यत् | अह्यताम् | अह्यन् |
| अह्यः | अह्यतम् | अह्यत |
| अह्यम् | अह्याव | अह्याम |
| प० जुहाव | जुह्वतुः | जुह्वुः |
| जुहोथ-जुह्विथ | जुह्वथुः | जुह्व |
| जुहाव-जुह्व | जुह्विव | जुह्वि म |
| आ० ह्यात | ह्यास्ताम् | ह्यासुः |
| ह्याः | ह्यास्तम् | ह्यास्त |
| ह्यासम् | ह्यास्व | ह्यास्म |
| श्व० ह्वाता | ह्वातारौ | ह्वातारः |
| ह्वातासि | ह्वातास्थः | ह्वातास्थ |
| ह्वातास्मि | ह्वातास्वः | ह्वातास्मः |
| भ० ह्वास्यति | ह्वास्यतः | ह्वास्यन्ति |
| ह्वास्यसि | ह्वास्यथः | ह्वास्यथ |
| ह्वास्यामि | ह्वास्यावः | ह्वास्यामः |
| क्रि० अह्वास्यत् | अह्वास्यताम् | अह्वास्यन् |
| अह्वास्यः | अह्वास्यतम् | अह्वास्यत |
| अह्वास्यम् | अह्वास्याव | अह्वास्याम |

| | | |
|------------------|----------------|-----------------|
| व० ह्यते | ह्येते | ह्यन्ते |
| ह्यसे | ह्येथे | ह्यध्वे |
| ह्ये | ह्यावहे | ह्यामहे |
| स० ह्येत | ह्येयाताम् | ह्येरन् |
| ह्येथाः | ह्येयाथाम् | ह्येध्वम् |
| ह्येय | ह्येयहि | ह्येमहि |
| प० ह्यताम् | ह्येताम् | ह्यन्ताम् |
| ह्यस्व | ह्येथाम् | ह्यध्वम् |
| ह्यै | ह्यावहै | ह्यामहै |
| झ० अह्यत | अह्येताम् | अह्यन्त |
| अह्यथाः | अह्येथाम् | अह्यध्वम् |
| अह्ये | अह्यावहि | अह्यामहि |
| अ० अह्वास्त | अह्वासाताम् | अह्वास्त |
| अह्वास्थाः | अह्वासाथाम् | अह्वाद्वम् |
| | | ध्वम् |
| अह्वासि | अह्वास्वहि | अह्वास्महि |
| अह्वन् | अह्वेताम् | अह्वन्त |
| अह्वथाः | अह्वेथाम् | अह्वध्वम् |
| अह्वे | अह्वावहि | अह्वामहि |
| प० जुहुवे | जुहुवाते | जुहुविरे |
| जुहुविषे | जुहुवाथे | जुहुविध्वे-द्वे |
| जुहुवे | जुहुविषहे | जुहुविमहे |
| आ० ह्वासीष्ट | ह्वासीयास्ताम् | ह्वासीरन् |
| ह्वासीष्टाः | ह्वासीयास्थाम् | ह्वासीध्वम् |
| ह्वासीय | ह्वासीवहि | ह्वासीमहि |
| श्व० ह्वाता | ह्वातारौ | ह्वातारः |
| ह्वातासे | ह्वातासाथे | ह्वाताध्वे |
| ह्वाताहे | ह्वातास्वहे | ह्वातास्महे |
| भ० ह्वास्यते | ह्वास्येते | ह्वास्यन्ते |
| ह्वास्यसे | ह्वास्येथे | ह्वास्यध्वे |
| ह्वास्ये | ह्वास्यावहे | ह्वास्यामहे |
| क्रि० अह्वास्यत् | अह्वास्येताम् | अह्वास्यन्त |
| अह्वास्यथाः | अह्वास्येथाम् | अह्वास्यध्वम् |
| अह्वास्ये | अह्वास्यावहि | अह्वास्यामहि |

अथ पान्तः ॥

९९५ डुवपीं (वप्) बीजसंताने ।

बीजानां संतानः क्षेत्रे विस्तारणम् ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| ब० वपति | वपतः | वपन्ति |
| वपसि | वपथः | वपथ |
| वपामि | वपावः | वपामः |
| स० वपेत् | वपेताम् | वपेयुः |
| वपेः | वपेतम् | वपेत |
| वपेयम् | वपेव | वपेम |
| प० वपतु | वपताम् | वपन्तु |
| वप | वपतम् | वपत |
| वपानि | वपाव | वपाम |
| ह्य० अवपत् | अवपताम् | अवपन् |
| अवपः | अवपतम् | अवपत |
| अवपम् | अपाव | अवपाम |
| अ० अवाप्सीत् | अवाप्ताम् | अवाप्सुः |
| अवाप्सीः | अवाप्तम् | अवाप्त |
| अवाप्साम् | अवाप्स्व | अवाप्सम |
| प० उवाप | ऊपतुः | ऊपुः |
| उवपिथ | उवाथ | ऊपथुः |
| उवाप, उवप | ऊपिव | ऊपिम |
| आ० उप्यात् | उप्यास्ताम् | उप्यासुः |
| उप्याः | उप्यास्तम् | उप्यास्त |
| उप्यासम् | उप्यास्व | उप्यासम |
| श्व० वप्ता | वप्तारौ | वप्तारः |
| वप्तासि | वप्तास्थः | वप्तास्थ |
| वप्तास्मि | वप्तास्वः | वप्तास्मः |
| भ० वप्स्यति | वप्स्यतः | वप्स्यन्ति |
| वप्स्यसि | वप्स्यथः | वप्स्यथ |
| वप्स्यामि | वप्स्यावः | वप्स्यामः |
| क्रि० अवप्स्यत् | अवप्स्यताम् | अवप्स्यन् |
| अवप्स्यः | अवप्स्यतम् | अवप्स्यत |
| अवप्स्यम् | अवप्स्याव | अवप्स्याम |

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| ब० वपते | वपेते | वपन्ते |
| वपसे | वपेथे | वपध्वे |
| वपे | वपावहे | वपामहे |
| स० वपेत | वपेयाताम् | वपेरन् |
| वपेथाः | वपेयाथाम् | वपेध्वम् |
| वपेय | वपेवहि | वपेमहि |
| प० वपताम् | वपेताम् | वपन्ताम् |
| वपस्व | वपेथाम् | वपध्वम् |
| वपै | वपावहे | वपामहे |
| ह्य० अवपत | अवपेताम् | अवपन्त |
| अवपथाः | अवपेथाम् | अवपध्वम् |
| अवपे | अवपावहि | अवपामहि |
| अ० अवप्त | अवप्ताताम् | अवप्सत |
| अवपथाः | अवप्ताथाम् | अवपध्वम् |
| | | ऊध्वम् |
| अवप्सि | अवप्स्वहि | अवप्समहि |
| प० ऊपे | ऊपाते | ऊपिरे |
| ऊपिषे | ऊपाथे | ऊपिध्वे |
| ऊपे | ऊपिवहे | ऊपिमहे |
| आ० वप्सीष्ट | वप्सीयास्ताम् | वप्सीरन् |
| वप्सीष्ठाः | वप्सीयाथाम् | वप्सीध्वम् |
| वप्सीय | वप्सीवहि | वप्सीमहि |
| श्व० वप्ता | वप्तारौ | वप्तारः |
| वप्तासे | वप्तासाथे | वप्ताध्वे |
| वप्ताहे | वप्तास्वहे | वप्तास्महे |
| भ० वप्स्यते | वप्स्येते | वप्स्यन्ते |
| वप्स्यसे | वप्स्येथे | वप्स्यध्वे |
| वप्स्ये | वप्स्यावहे | वप्स्यामहे |
| क्रि० अवप्स्यत | अवप्स्येताम् | अवप्स्यन्त |
| अवप्स्यथाः | अवप्स्येथाम् | अवप्स्यध्वम् |
| अवप्स्ये | अवप्स्यावहि | अवप्स्यामहि |

॥ अथ द्वातः ॥

996 वहीं [वह्] प्रापणे ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० वहति | वहतः | वहन्ति |
| वहसि | वहत्यः | वहत्य |
| वहामि | वहावः | वहामः |
| स० वहेत् | वहेताम् | वहेयुः |
| वहेः | वहेतम् | वहेत |
| वहेयम् | वहेव | वहेम |
| प० वहतु | वहतात् | वहताम् |
| वह | वहतम् | वहत |
| वहानि | वहाव | वहाम |
| झ० अवहत् | अवहताम् | अवहन |
| अवहः | अवहतम् | अवहत |
| अवहम् | अवहाव | अवहाम |
| अ० अवाक्षीत् | अवोढाम् | अवाक्षु |
| अवाक्षीः | अवोढम् | अवोढ |
| अवाक्षम् | अवाक्षव | अवाक्षम |
| प० उवाह | ऊहतुः | ऊहुः |
| उवाहित्य | उवोढ ऊहथुः | ऊह |
| उवाह-उवह | ऊहिव | ऊहिम |
| आ० उह्यात् | उह्यास्ताम् | उह्यासुः |
| उह्याः | उह्यास्तम् | उह्यास्त |
| उह्यासम् | उह्यास्व | उह्यास्म |
| भ्व० वोढा | वोढारौ | वोढारः |
| वोढासि | वोढास्थः | वोढास्थ |
| वोढास्मि | वोढास्वः | वोढास्मः |
| भ० वक्ष्यति | वक्ष्यतः | वक्ष्यन्ति |
| वक्ष्यसि | वक्ष्यथः | वक्ष्यथ |
| वक्ष्यामि | वक्ष्यावः | वक्ष्यामः |
| क्रि० अवक्ष्यत् | अवक्ष्यताम् | अवक्ष्यन् |
| अवक्ष्यः | अवक्ष्यतम् | अवक्ष्यत |
| अवक्ष्यम् | अवक्ष्याव | अवक्ष्याम |

| | | |
|----------------|---------------|--------------------|
| व० वहते | वहेते | वहन्ते |
| वहसे | वहेथे | वहध्वे |
| वहे | वहावहे | वहामहे |
| स० वहेत | वहेयाताम् | वहेरन् |
| वहेथाः | वहेयाथाम् | वहेध्वम् |
| वहेय | वहेवहि | वहेमहि |
| प० वहताम् | वहेताम् | वहन्ताम् |
| वहस्व | वहेथाम् | वहेध्वम् |
| वहै | वहावहै | वहामहै |
| झ० अवहत | अवहेताम् | अवहन्त |
| अवहथाः | अवहेथाम् | अवहध्वम् |
| अवहे | अवहावहि | अवहामहि |
| अ० अवोढ | अवक्षाताम् | अवक्षन्त |
| अवोढाः | अवक्षाथाम् | अवोढ्वम् अवक्ष्मम् |
| अवक्षि | अवक्ष्वहि | अवक्ष्महि |
| प० ऊहे | ऊडाते | ऊहिरे |
| ऊहिषे | ऊहाथे | ऊहिध्वे द्वे |
| ऊहे | ऊहिवहे | ऊहिमहे |
| आ० वक्षीष्ट | वक्षीयास्ताम् | वक्षीरन् |
| वक्षीष्टाः | वक्षीयाथाम् | वक्षीध्वम् |
| वक्षीय | वक्षीवहि | वक्षीमहि |
| भ्व० वोढा | वोढारौ | वोढारः |
| वोढासे | वोढासाथे | वोढाध्व |
| वोढाहे | वोढास्वहे | वोढास्महे |
| भ० वक्ष्यते | वक्ष्येते | वक्ष्यन्ते |
| वक्ष्यसे | वक्ष्येथे | वक्ष्यध्वे |
| वक्ष्ये | वक्ष्यावहे | वक्ष्यामहे |
| क्रि० अवक्ष्यत | अवक्ष्येताम् | अवक्ष्यन्त |
| अवक्ष्यथाः | अवक्ष्येथाम् | अवक्ष्यध्वम् |
| अवक्ष्ये | अवक्ष्यावहि | अवक्ष्यामहि |

॥ अथ परस्मैपदिनस्त्रयः ॥

997 द्वोश्चि (श्वि) गतिवृद्धयोः

| | | | |
|------|--------------------|---------------|---------------|
| व० | प्रवयति | प्रवयतः | प्रवयन्ति |
| | प्रवयसि | प्रवयथः | प्रवयथ |
| | प्रवयामि | प्रवयावः | प्रवयामः |
| स० | प्रवयेत् | प्रवयेताम् | प्रवयेयुः |
| | प्रवयेः | प्रवयेतम् | प्रवयेत |
| | प्रवयेयम् | प्रवयेव | प्रवयेम |
| प० | प्रवयतु | प्रवयतात् | प्रवयताम् |
| | प्रवय | „ | प्रवयतम् |
| | प्रवयानि | प्रवयाव | प्रवयाम |
| झ० | अप्रवयत् | अप्रवयताम् | अप्रवयम् |
| | अप्रवयः | अप्रवयतम् | अप्रवयत |
| | अप्रवयम् | अप्रवयाव | अप्रवयाम |
| अ० | अप्रवर्त्त | अप्रवर्त्ताम् | अप्रवर्त्तु |
| | अप्रवः | अप्रवतम् | अप्रवत |
| | अप्रवम् | अप्रवाव | अप्रवाम |
| | अशिप्रिवयत् | अशिप्रिवयताम् | अशिप्रिवयन् |
| | | | इत्यादि । |
| | अप्रवयीत् | अप्रवयिष्ठात् | अप्रवयिषुः |
| प० | शुशाव | शुशुवतुः | शुशुवुः |
| | शुशुवथि | शुशुवथुः | शुशुव |
| | शुशाव-शुशुव | शुशुविव | शुशुविम |
| | शिप्रिवाय | शिप्रिवयतुः | शिप्रिवयुः |
| | शिप्रिवयिथ | शिप्रिवयथुः | शिप्रिवय |
| | शिप्रिवाय-शिप्रिवय | शिप्रिवयिव | शिप्रिवयिम |
| आ० | शुयात् | शुयास्ताम् | शुयासुः |
| | शुयाः | शुयास्तम् | शुयास्त |
| | शुयासम् | शुयास्व | शुयास्म |
| श्व० | प्रवयिता | प्रवयितारौ | प्रवयितारः |
| | प्रवयितासि | प्रवयितास्थः | प्रवयितास्थ |
| | प्रवयितास्मि | प्रवयितास्वः | प्रवयितास्मः |
| भ० | प्रवयिष्यति | प्रवयिष्यतः | प्रवयिष्यन्ति |
| | प्रवयिष्यसि | प्रवयिष्यथः | प्रवयिष्यथ |
| | प्रवयिष्यामि | प्रवयिष्यावः | प्रवयिष्यामः |

क्रि० अप्रवयिष्यत् अप्रवयिष्यताम् अप्रवयिष्यन्
 अप्रवयिष्यः अप्रवयिष्यतम् अप्रवयिष्यत
 अप्रवयिष्यम् अप्रवयिष्याव अप्रवयिष्याम

998 वद (वद्) व्यक्तायां वाचि,

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| व० | वदति | वदतः | वदन्ति |
| | वदसि | वदथः | वदथ |
| | वदामि | वदावः | वदामः |
| स० | वदेत् | वदेताम् | वदेयुः |
| | वदेः | वदेतम् | वदेत |
| | वदेयम् | वदेव | वदेम |
| प० | वदतु | वदतात् | वदताम् |
| | वद | „ | वदतम् |
| | वदानि | वदाव | वदाम |
| झ० | अवदत् | अवदताम् | अवदन् |
| | अवदः | अवदतम् | अवदत |
| | अवदम् | अवदाव | अवदाम |
| अ० | अवादीत् | अवादिष्ठात् | अवादिषुः |
| | अवादीः | अवादिष्टम् | अवादिष्ट |
| | अवादिषम् | अवादिष्व | अवादिष्म |
| प० | उवाद | ऊदतुः | ऊदुः |
| | उवदिथ | ऊदथुः | ऊद |
| | उवाद-उवद | ऊदिव | ऊदिम |
| आ० | उद्यात् | उद्यास्ताम् | उद्यासुः |
| | उद्याः | उद्यास्तम् | उद्यास्त |
| | उद्यासम् | उद्यास्व | उद्यास्म |
| श्व० | वदिता | वदितारौ | वदितारः |
| | वदितासि | वदितास्थः | वदितास्थ |
| | वदितास्मि | वदितास्वः | वदितास्मः |
| भ० | वदिष्यति | वदिष्यतः | वदिष्यन्ति |
| | वदिष्यसि | वदिष्यथः | वदिष्यथ |
| | वदिष्यामि | वदिष्यावः | वदिष्यामः |
| क्रि० | अवदिष्यत् | अवदिष्यताम् | अवदिष्यन् |
| | अवदिष्यः | अवदिष्यतम् | अवदिष्यत |
| | अवदिष्यम् | अवदिष्याव | अवदिष्याम |

११११ वसं (वस) निवासे ।

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| व० वसति | वसतः | वसन्ति |
| वससि | वसथः | वसथ |
| वसामि | वसावः | वसामः |
| स० वसेत् | वसेताम् | वसेयुः |
| वसेः | वसेतम् | वसेत |
| वसेयम् | वसेथ | वसेम |
| प० वसतु | वसतात् | वसताम् वसन्तु |
| वस | वसतम् | वसत |
| वसानि | वसाव | वसाम |
| अ० अवसत् | अवसताम् | अवसन् |
| अवसः | अवसतम् | अवसत |
| अवसम् | अवसाव | अवसाम |
| अ० अवात्सीत् | अवात्ताम् | अवात्सुः |
| अवात्सीः | अवात्तम् | अवात्त |
| अवात्साम् | अवात्स्व | अवात्स्म |
| प० उवास | उवतुः | उवुः |
| उवस्थ | उवस्थि | उवथुः |
| उवास, उवस | उविच | उविम |
| आ० उष्यात् | उष्यास्ताम् | उष्यासुः |
| उष्याः | उष्यास्तम् | उष्यास्त |
| उष्यासम् | उष्यास्व | उष्यास्म |
| भ्व० वस्ता | वस्तारौ | वस्तारः |
| वस्तासि | वस्तास्थः | वस्तास्थ |
| वस्तास्मि | वस्तास्वः | वस्तास्मः |
| भ० वत्स्यति | वत्स्यतः | वत्स्यन्ति |
| वत्स्यमि | वत्स्यथः | वत्स्यथ |
| वत्स्यामि | वत्स्यावः | वत्स्यामः |
| क्रि० अवत्स्यत् | अवत्स्यताम् | अवत्स्यन् |
| अवत्स्यः | अवत्स्यतम् | अवत्स्यत |
| अवत्स्यम् | अवत्स्याव | अवत्स्याम |

अथ घटादयो वर्णक्रमणाभ्यादिसमाप्तेर्वक्ष्यन्ते । तत्र घटेः पूर्वाचार्यप्रसिद्ध्या पूर्व निर्देशः । घटादित्वफलं तु घटयतीत्यादौ ह्रस्वादिकम् । क्षञ्ज्यादेः स्वरस्यानुपान्त्यत्वेऽपि पाठसामर्थ्याद्विभाषादीर्घा भवत्येव । अक्षञ्जि अक्षञ्जि इह घटादी-

नामनेकार्थत्वेऽपि पठितार्थत्वे च घटादिकार्यविज्ञानम् । तेन उद्घाटयति । कमलोद्घाटनं कुर्वते ये । प्रविघाटयिता सत्पतन्हरिदम्बः कमलाकरानिव । उद्घाटितः कपाटः । श्रापयति स्मारयति दारयति नाटयति फाणयति छादयति प्रमादयति चालयतीत्यादौ चेष्टाद्यर्थाभावे 'घटादेर्ह्रस्वः' इति ह्रस्वो न भवति । विघटयतीति तु अजन्तस्याऽन्तस्य वा "णिज् बहुलं नाम्नः" इति करोत्यर्थे णिजि रूपम् । अन्ये तु ये घटादयोऽन्यत्र पठितास्तेषां योऽर्थ उपात्तस्तत्रैव ह्रस्वादिकार्यं ये तु अत्रैव पठ्यन्ते तेषां सामान्येनानेकार्थत्वादिति ब्रुवते । तन्मते विघटयतीति चेष्टाभावे ह्रस्वः स्यादेव । कमलवनोद्घाटनम् । प्रविघाटयिता समुत्पतन्नित्यादि तु चुरादौ भासार्थस्य घटेणिचि यमिज्ञावहिवर्जितस्य घटादिकार्यनिषेधात् ह्रस्वाभावे रूपमायथा शमिणो णिचि निशामयते चेष्टार्थस्यैव वा घञन्तस्य णिचि । इत्थं च ।

उन्नामिताखिलमहीकन्धरस्य । चौरस्योत्क्राथयतीत्यादि सिद्धम् । संक्रामयतीति तु संक्रामं करोतीति णिचि ।

इह घटादौ केऽप्यत्रैवाधीताः प्रकृत्यादिकार्यभाजो न्धारयश्वप्रत्ययाश्च अन्ये तु स्वस्थानोक्तकार्यभाजः विश्वह्रस्वाद्यर्थमनूयन्ते इति यथायथमुत्प्रेक्ष्यम् ।

अस्यायमभिप्रायः येषां घटादिरूपान्तर्गणादन्यत्र न पाठः अत्रैव घटादिरूपान्तर्गणे पाठस्ते प्रकृतिकार्यभाजः प्रथमगणोऽन्यारयश्वप्रत्ययग्राहिणो भवन्ति । येषाञ्चान्यत्र पाठेऽपि घटादिकार्यार्थमिह पाठस्तेषां मध्येऽपि ये स्वस्थानोक्तातिरिक्तार्थानुबन्धघटिता भवेयुस्ते प्रथमगणोऽन्यारयश्वप्रत्ययग्राहिणस्तदनुबन्धानुरूपकार्यभाजश्च भवन्ति, ये च स्वस्थानोक्तातिरिक्तार्थानुबन्धघटिता न सन्ति ते स्वस्थानोक्तकार्यभाजो भवन्ति घटादिकार्यभाजस्तु सर्वेऽप्यमी भवन्ति ।

1000 घटिष् (घट्) चेष्टायाम् ।

चेष्टेहा ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| ब० घटते | घटते | घटन्ते |
| घटसे | घटये | घटस्वे |
| घटे | घटावहे | घटामहे |
| स० घटेत | घटेयाताम् | घटेरन् |
| घटेथाः | घटेयाथाम् | घटेष्मम् |
| घटेय | घटेवहि | घटेमहि |
| प० घटताम् | घटेताम् | घटन्ताम् |
| घटस्व | घटेथाम् | घटस्मम् |
| घटै | घटावहै | घटामहै |
| झ० अघटत | अघटेताम् | अघटन्त |
| अघटथाः | अघटेथाम् | अघटस्मम् |
| अघटे | अघटावहि | अघटामहि |
| अ० अघटिष | अघटिषाताम् | अघटिषन्त |
| अघटिषाः | अघटिषाथाम् | अघटि- |
| | | ड्ढम् ष्वम् |
| अघटिषि | अघटिष्वहि | अघटिषमहि |
| प० जघटे | जघटाते | जघटिरे |
| जघटिषे | जघटाथे | जघटिष्वे |
| जघट | जघटिषहे | जघटिमहे |
| आ० घटिषीष्ट | घटिषीयास्ताम् | घटिषीरन् |
| घटिषीषाः | घटिषीयास्थाम् | घटिषीष्वम् |
| घटिषीय | घटिषीवाह | घटिषीमहि |
| श्व० घटिता | घटितारौ | घटितारः |
| घटितासे | घटितासाथे | घटितास्वे |
| घटिताहे | घटितास्वहे | घटितास्महे |
| भ० घटिष्यते | घटिष्येते | घटिष्यन्ते |
| घटिष्यसे | घटिष्येथे | घटिष्यस्वे |
| घटिष्ये | घटिष्यावहे | घटिष्यामहे |
| क्रि० अघटिष्यत | अघटिष्येताम् | अघटिष्यन्त |
| अघटिष्यथाः | अघटिष्येथाम् | अघटिष्यस्वम् |
| अघटिष्ये | अघटिष्यावहे | अघटिष्यामहि |

अथ जान्तः ।

1001 क्षजुङ् (क्षज्) गतिदानयोः

| | | |
|---------------|-----------------|-----------------|
| ब० क्षजते | क्षजते | क्षजन्ते |
| क्षजसे | क्षजये | क्षजस्वे |
| क्षजे | क्षजावहे | क्षजामहे |
| स० क्षजेत | क्षजेयाताम् | क्षजेरन् |
| क्षजेथाः | क्षजेयाथाम् | क्षजेष्मम् |
| क्षजेय | क्षजेवहि | क्षजेमहि |
| प० क्षजताम् | क्षजेताम् | क्षजन्ताम् |
| क्षजस्व | क्षजेयाथाम् | क्षजस्वम् |
| क्षजै | क्षजावहै | क्षजामहै |
| झ० अक्षजत | अक्षजेनाम् | अक्षजन्त |
| अक्षजथाः | अक्षजेथाम् | अक्षजस्वम् |
| अक्षजे | अक्षजावहि | अक्षजामहि |
| अ० अक्षजिषट | अक्षजिषाताम् | अक्षजिषन्त |
| अक्षजिषाः | अक्षजिषाथाम् | अक्षजिड्ढ्वम् |
| | | ष्वम् |
| अक्षजिषि | अक्षजिष्वहि | अक्षजिषमहि |
| प० चक्षजे | चक्षजाते | चक्षजिरे |
| चक्षजिषे | चक्षजाथे | चक्षजिष्वे द्वे |
| चक्षजे | चक्षजिष्वहे | चक्षजिमहे |
| आ० क्षजिषीष्ट | क्षजिषीयास्ताम् | क्षजिषीरन् |
| क्षजिषीषाः | क्षजिषीयास्थाम् | क्षजिषीष्वम् |
| क्षजिषीय | क्षजिषीवहि | क्षजिषीमहि |
| श्व० क्षजिता | क्षजितारौ | क्षजितारः |
| क्षजितासे | क्षजितासाथे | क्षजितास्वे |
| क्षजिताहे | क्षजितास्वहे | क्षजितास्महे |
| भ० क्षजिष्यते | क्षजिष्येते | क्षजिष्यन्ते |
| क्षजिष्यसे | क्षजिष्येथे | क्षजिष्यस्वे |
| क्षजिष्ये | क्षजिष्यावहे | क्षजिष्यामहे |
| अक्षजिष्यत | अक्षजिष्येताम् | अक्षजिष्यन्त |
| अक्षजिष्यथाः | अक्षजिष्येथाम् | अक्षजिष्यस्वम् |
| अक्षजिष्ये | अक्षजिष्यावहि | अक्षजिष्यामहि |

अजुण् कृच्छ्रजीवने इतिपठित्यमाणत्वेऽपि
गतिदानयोः घटादिकार्यार्थमात्मनेपदार्थं
णिचूरहितशब्दप्रत्ययार्थञ्चात्र पाठः ।

अथ भान्तौ ॥

1002 व्यथिष् (व्यथ्) भयचलनयोः ।

दुस्वेऽप्यन्ये

| | | |
|--------------|--------------|---------------|
| ख० व्यथते | व्यथेते | व्यथन्ते |
| व्यथसे | व्यथेथे | व्यथध्वे |
| व्यथे | व्यथावहे | व्यथामहे |
| स्त० व्यथेत | व्यथेयाताम् | व्यथेरन् |
| व्यथेथाः | व्यथेयाथाम् | व्यथेध्वम् |
| व्यथेय | व्यथेवहि | व्यथेमहि |
| प० व्यथताम् | व्यथेताम् | व्यथन्ताम् |
| व्यथस्व | व्यथेथाम् | व्यथध्वम् |
| व्यथे | व्यथावहे | व्यथामहे |
| झ० अव्यथत | अव्यथेताम् | अव्यथन्त |
| अव्यथथाः | अव्यथेथाम् | अव्यथध्वम् |
| अव्यथे | अव्यथावहि | अव्यथामहि |
| अ० अव्यथिष्ट | अव्यथिषाताम् | अव्यथिषत |
| अव्यथिष्ठाः | अव्यथिषाथाम् | अव्यथिड्ध्वम् |

अव्यथिषि अव्यथिष्वहि अव्यथिष्महि

| | | |
|------------|------------|-------------|
| प० विव्यथे | विव्यथाते | विव्यथिरे |
| विव्यथिषे | विव्यथाथे | विव्यथिध्वे |
| विव्यथे | विव्यथावहे | विव्यथिमहे |

आ० व्यथिषीष्ट व्यथिषीयास्ताम् व्यथिषीरन्
व्यथिषीष्ठाः व्यथिषीयास्थाम् व्यथिषीध्वम्
व्यथिषीय व्यथिषीवहि व्यथिषीमहि

ख० व्यथिता व्यथितारौ व्यथितारः
व्यथितासे व्यथितासाथे व्यथिताध्वे
व्यथिताहे व्यथितास्वहे व्यथितास्महे

भ० व्यथिष्यते व्यथिष्येते व्यथिष्यन्ते
व्यथिष्यसे व्यथिष्येथे व्यथिष्यध्वे
व्यथिष्ये व्यथिष्यावहे व्यथिष्यामहे

क्रि० अव्यथिष्यत अव्यथिष्येताम् अव्यथिष्यन्त

अव्यथिष्यथाः अव्यथिष्येथाम् अव्यथिष्यध्वम्
अव्यथिष्ये अव्यथिष्यावहि अव्यथिष्यामहि

1003 प्रथिष् (प्रथ्) प्रख्याने ।

प्रख्यानं प्रसिद्धिः ।

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| व० प्रथते | प्रथेते | प्रथन्ते |
| प्रथसे | प्रथेथे | प्रथध्वे |
| प्रथे | प्रथावहे | प्रथामहे |
| प्रथेत | प्रथेयाताम् | प्रथेरन् |
| प्रथेथाः | प्रथेयाथाम् | प्रथेध्वम् |
| प्रथेय | प्रथेवहि | प्रथेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० प्रथताम् | प्रथेताम् | प्रथन्ताम् |
| प्रथस्व | प्रथेथाम् | प्रथध्वम् |
| प्रथे | प्रथावहे | प्रथामहे |

| | | |
|--------------|--------------|---------------|
| झ० अप्रथत | अप्रथेताम् | अप्रथन्त |
| अप्रथथाः | अप्रथेथाम् | अप्रथध्वम् |
| अप्रथे | अप्रथावहि | अप्रथामहि |
| अ० अप्रथिष्ट | अप्रथिषाताम् | अप्रथिषत |
| अप्रथिष्ठाः | अप्रथिषाथाम् | अप्रथिड्ध्वम् |

| | | |
|----------|-------------|-------------|
| अप्रथिषि | अप्रथिष्वहि | अप्रथिष्महि |
| प० प्रथे | प्रथते | प्रथिरे |
| प्रथिषे | प्रथाथे | प्रथिध्वे |
| प्रथे | प्रथिवहे | प्रथिमहे |

आ० प्रथिषीष्ट प्रथिषीयास्ताम् प्रथिषीरन्
प्रथिषीष्ठाः प्रथिषीयास्थाम् प्रथिषीध्वम्
प्रथिषीय प्रथिषीवहि प्रथिषीमहि

ख० प्रथिता प्रथितारौ प्रथितारः
प्रथितासे प्रथितासाथे प्रथिताध्वे
प्रथिताहे प्रथितास्वहे प्रथितास्महे

भ० प्रथिष्यते प्रथिष्येते प्रथिष्यन्ते
प्रथिष्यसे प्रथिष्येथे प्रथिष्यध्वे
प्रथिष्ये प्रथिष्यावहे प्रथिष्यामहे

क्रि० अप्रथिष्यत अप्रथिष्येताम् अप्रथिष्यन्त
अप्रथिष्यथाः अप्रथिष्येथाम् अप्रथिष्यध्वम्
अप्रथिष्ये अप्रथिष्यावहि अप्रथिष्यामहि
प्रथण् प्रख्याने इति पठित्यमाणत्वेऽपि
घटादिकार्यार्थमात्मने पदार्थणिचूरहित
शब्दप्रत्ययार्थं चात्रपाठः ॥

॥ अथ दान्ताः पञ्च ॥

1004 अदिष् (अद्) मर्दने

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| व० अर्दते | अर्दते | अर्दन्ते |
| अर्दसे | अर्दथे | अर्दध्वे |
| अर्दे | अर्दावहे | अर्दामहे |
| स० अर्देत | अर्देयाताम् | अर्देरन् |
| अर्देथाः | अर्देयाथाम् | अर्देध्वम् |
| अर्देय | अर्देवहि | अर्देमहि |
| प० अर्दताम् | अर्देताम् | अर्दन्ताम् |
| अर्दस्व | अर्देथाम् | अर्दध्वम् |
| अर्दे | अर्दावहे | अर्दामहे |
| झ० अअर्दत | अअर्देताम् | अअर्दन्त |
| अअर्देथाः | अअर्देथाम् | अअर्देध्वम् |
| अअर्दे | अअर्दावहि | अअर्दामहि |
| अ० अअर्दिष्ट | अअर्दिषाताम् | अअर्दिषन्त |
| अअर्दिष्टाः | अअर्दिषाथाम् | अअर्दिषध्वम् |
| अअर्दिषि | अअर्दिष्वहि | अअर्दिषमहि |
| प० मअर्दे | मअर्दाते | मअर्दिरे |
| मअर्दिषे | मअर्दाथे | मअर्दिध्वे |
| मअर्दे | मअर्दावहे | मअर्दामहे |
| आ० अअर्दिषीष्ट | अअर्दिषीयाताम् | अअर्दिषीरन् |
| अअर्दिषीष्टाः | अअर्दिषीयाथाम् | अअर्दिषीध्वम् |
| अअर्दिषीय | अअर्दिषीवहि | अअर्दिषीमहि |
| ख० अर्दिता | अर्दितारौ | अर्दितारः |
| अर्दितासे | अर्दितासाथे | अर्दिताध्वे |
| अर्दिताहे | अर्दितास्वहे | अर्दितास्महे |
| भ० अर्दिष्यते | अर्दिष्येते | अर्दिष्यन्ते |
| अर्दिष्यसे | अर्दिष्येथे | अर्दिष्यध्वे |
| अर्दिष्ये | अर्दिष्यावहे | अर्दिष्यामहे |
| क्रि० अअर्दिष्यत | अअर्दिष्येताम् | अअर्दिष्यन्त |
| अअर्दिष्यथाः | अअर्दिष्येथाम् | अअर्दिष्यध्वम् |
| अअर्दिष्ये | अअर्दिष्यावहि | अअर्दिष्यामहि |

1005 स्खदिष् (स्खद्) खदने ।

खदनं विदारणम् ।

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० स्खर्दते | स्खर्दते | स्खर्दन्ते |
| स्खर्दसे | स्खर्दथे | स्खर्दध्वे |
| स्खर्दे | स्खर्दावहे | स्खर्दामहे |
| स० स्खर्देत | स्खर्देयाताम् | स्खर्देरन् |
| स्खर्देथाः | स्खर्देयाथाम् | स्खर्देध्वम् |
| स्खर्देय | स्खर्देवहि | स्खर्देमहि |
| प० स्खर्दताम् | स्खर्देताम् | स्खर्दन्ताम् |
| स्खर्दस्व | स्खर्देथाम् | स्खर्दध्वम् |
| स्खर्दे | स्खर्दावहे | स्खर्दामहे |
| झ० अस्खर्दत | अस्खर्देताम् | अस्खर्दन्त |
| अस्खर्देथाः | अस्खर्देथाम् | अस्खर्देध्वम् |
| अस्खर्दे | अस्खर्दावहि | अस्खर्दामहि |
| अ० अस्खर्दिष्ट | अस्खर्दिषाताम् | अस्खर्दिषन्त |
| अस्खर्दिष्टाः | अस्खर्दिषाथाम् | अस्खर्दिषध्वम् |
| अस्खर्दिषि | अस्खर्दिष्वहि | अस्खर्दिषमहि |
| प० चस्खर्दे | चस्खर्दाते | चस्खर्दिरे |
| चस्खर्दिषे | चस्खर्दाथे | चस्खर्दिध्वे |
| चस्खर्दे | चस्खर्दावहे | चस्खर्दामहे |
| आ० अस्खर्दिषीष्ट | अस्खर्दिषीयाताम् | अस्खर्दिषीरन् |
| अस्खर्दिषीष्टाः | अस्खर्दिषीयाथाम् | अस्खर्दिषीध्वम् |
| अस्खर्दिषीय | अस्खर्दिषीवहि | अस्खर्दिषीमहि |
| ख० स्खर्दिता | स्खर्दितारौ | स्खर्दितारः |
| स्खर्दितासे | स्खर्दितासाथे | स्खर्दिताध्वे |
| स्खर्दिताहे | स्खर्दितास्वहे | स्खर्दितास्महे |
| भ० स्खर्दिष्यते | स्खर्दिष्येते | स्खर्दिष्यन्ते |
| स्खर्दिष्यसे | स्खर्दिष्येथे | स्खर्दिष्यध्वे |
| स्खर्दिष्ये | स्खर्दिष्यावहे | स्खर्दिष्यामहे |
| क्रि० अस्खर्दिष्यत | अस्खर्दिष्येताम् | अस्खर्दिष्यन्त |
| अस्खर्दिष्यथाः | अस्खर्दिष्येथाम् | अस्खर्दिष्यध्वम् |
| अस्खर्दिष्ये | अस्खर्दिष्यावहि | अस्खर्दिष्यामहि |

1006 कदुङ् (कन्द्) वैकल्ये ।

विकलवः कातरस्तस्य भावः कर्म वा वैकल्यम्

| | | |
|-------------|-------------|------------|
| घ० कन्दते | कन्देते | कन्दन्ते |
| कन्दसे | कन्देथे | कन्दध्वे |
| कन्दे | कन्दावहे | कन्दामहे |
| स० कन्दत | कन्देयाताम् | कन्देरन् |
| कन्देथाः | कन्देयाथाम् | कन्देध्वम् |
| कन्देय | कन्देवहि | कन्देमहि |
| प० कन्दताम् | कन्देताम् | कन्दन्ताम् |
| कन्दस्व | कन्देथाम् | कन्दध्वम् |
| कन्दै | कन्दावहै | कन्दामहै |

झ० अकन्दत अकन्दताम् अकन्दन्त
अकन्दथाः अकन्देथाम् अकन्दध्वम्
अकन्दे अकन्दावहि अकन्दामहि

अ० अकन्दिष्ट अकन्दिषाताम् अकन्दिषत
अकन्दिष्टाः अकन्दिषाथाम् अकन्दिङ्ध्वम्

अकन्दिषि अकन्दिष्वहि अकन्दिष्महि

प० चकन्दे चकन्दाते चकन्दिरे
चकन्दिषे चकन्दाथे चकन्दिध्वे
चकन्दे चकन्दिवहे चकन्दिमहे

आ० कन्दिषीष्ट कन्दिषीयास्ताम् कन्दिषीरन्
कन्दिषीष्टाः कन्दिषीयास्थाम् कन्दिषीध्वम्

कन्दिषीय कन्दिषीवहि कन्दिषीमहि

श्व० कन्दिता कन्दितारौ कन्दितारः

कन्दितासे कन्दितासाथे कन्दिताध्वे

कन्दिताहे कन्दितास्वहे कन्दितास्महे

भ० कन्दिष्यते कन्दिष्येते कन्दिष्यन्ते

कन्दिष्यसे कन्दिष्येथे कन्दिष्यध्वे

कन्दिष्ये कन्दिष्यावहे कन्दिष्यामहे

अकन्दिष्यत अकन्दिष्येताम् अकन्दिष्यन्त

अकन्दिष्यथाः अकन्दिष्येथाम् अकन्दिष्यध्वम्

अकन्दिष्ये अकन्दिष्यावहि अकन्दिष्यामहि

कदु रोदनाह्वानयोरिति पठितत्वेऽपि वै-
कल्ये घटादिकार्यार्थमात्मनेपदार्थश्चात्राधीतः

1007 कदुङ् (क्रन्द्) वैकल्ये ।

विकलवः कातरस्तस्य भावः कर्म वा वैकल्यम्

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| घ० क्रन्दते | क्रन्देते | क्रन्दन्ते |
| क्रन्दसे | क्रन्देथे | क्रन्दध्वे |
| क्रन्दे | क्रन्दावहे | क्रन्दामहे |
| स० क्रन्दत | क्रन्देयाताम् | क्रन्देरन् |
| क्रन्देथाः | क्रन्देयाथाम् | क्रन्देध्वम् |
| क्रन्देय | क्रन्देवहि | क्रन्देमहि |
| प० क्रन्दताम् | क्रन्देताम् | क्रन्दन्ताम् |
| क्रन्दस्व | क्रन्देथाम् | क्रन्दध्वम् |
| क्रन्दै | क्रन्दावहै | क्रन्दामहै |

झ० अक्रन्दत अक्रन्दताम् अक्रन्दन्त
अक्रन्दथाः अक्रन्देथाम् अक्रन्दध्वम्

अक्रन्दे अक्रन्दावहि अक्रन्दिमहि

अ० अक्रन्दिष्ट अक्रन्दिषाताम् अक्रन्दिषत

अक्रन्दिष्टाः अक्रन्दिषाथाम् अक्रन्दिङ्ध्वम्

अक्रन्दिषि अक्रन्दिष्वहि अक्रन्दिष्महि

प० चक्रन्दे चक्रन्दाते चक्रन्दिरे

चक्रन्दिषे चक्रन्दाथे चक्रन्दिध्वे

चक्रन्दे चक्रन्दिवहे चक्रन्दिमहे

आ० क्रन्दिषीष्ट क्रन्दिषीयास्ताम् क्रन्दिषीरन्

क्रन्दिषीष्टाः क्रन्दिषीयास्थाम् क्रन्दिषीध्वम्

क्रन्दिषीय क्रन्दिषीवहि क्रन्दिषीमहि

प्रथ० क्रन्दिता क्रन्दितारौ क्रन्दितारः

क्रन्दितासे क्रन्दितासाथे क्रन्दिताध्वे

क्रन्दिताहे क्रन्दितास्वहे क्रन्दितास्महे

भ० क्रन्दिष्यते क्रन्दिष्येते क्रन्दिष्यन्ते

क्रन्दिष्यसे क्रन्दिष्येथे क्रन्दिष्यध्वे

क्रन्दिष्ये क्रन्दिष्यावहे क्रन्दिष्यामहे

क्रि० अक्रन्दिष्यत अक्रन्दिष्येताम् अक्रन्दिष्यन्त

अक्रन्दिष्यथाः अक्रन्दिष्येथाम् अक्रन्दिष्यध्वम्

अक्रन्दिष्ये अक्रन्दिष्यावहि अक्रन्दिष्यामहि

कदु रोदनाह्वानयोरिति पठितत्वेऽपि वैकल्ये
घटादिकार्यार्थमात्मनेपदार्थश्चेद्वाधीतः ।

1008 कलदुह् (कलन्द्) वैकल्ये ।

विकलवः कातरस्तस्य भावः कर्म वा वैकल्यम्

| | | |
|-------------|--------------|-------------|
| व० कलन्दते | कलन्दते | कलन्दन्ते |
| कलन्दसे | कलन्दथे | कलन्दध्वे |
| कलन्दे | कलन्दावहे | कलन्दामहे |
| स० कलन्देत | कलन्देयाताम् | कलन्देरन् |
| कलन्देथाः | कलन्देयाताम् | कलन्देध्वम् |
| कलन्द्य | कलन्देवहि | कलन्देमहि |
| प० कलन्ताम् | कलन्ताम् | कलन्दन्ताम् |
| कलन्दस्व | कलन्द्याम् | कलन्दध्वम् |
| कलन्दै | कलन्दावहे | कलन्दामहे |

आ० अकलन्दत अकलन्देताम् अकलन्दन्त
 अकलन्दथाः अकलन्देताम् अकलन्दध्वम्
 अकलन्दे अकलन्दावहि अकलन्दामहि
 अ० अकलन्दिष्ट अकलन्दिषाताम् अकलन्दिषत
 अकलन्दिष्ठाः अकलन्दिषाताम् अकलन्दिषध्वम्

अकलन्दिषि अकलन्दिष्वहि अकलन्दिषमहि

| | | |
|------------|------------|-------------|
| प० चकलन्दे | चकलन्दाते | चकलन्दिरे |
| चकलन्दिषे | चकलन्दाथे | चकलन्दिध्वे |
| चकलन्द | चकलन्दिवहे | चकलन्दिमहे |

आ० कलन्दिषीष्ट कलन्दिषीयास्ताम् कलन्दिषीरन्
 कलन्दिषीष्ठाः कलन्दिषीयास्ताम् कलन्दिषीध्वम्

कलन्दिषीय कलन्दिषीवहिकलन्दिषीमहि

अ० कलन्दिता कलन्दितारौ कलन्दितारः

कलन्दितासे कलन्दितासाथे कलन्दिताध्वे

कलन्दिताहे कलन्दितास्वहे कलन्दितास्महे

भ० कलन्दिष्यते कलन्दिष्येते कलन्दिष्यन्ते

कलन्दिष्यसे कलन्दिष्येथे कलन्दिष्यध्वे

कलन्दिष्येकलन्दिष्यावहे कलन्दिष्यामहे

अकलन्दिष्यत अकलन्दिष्येताम् अकलन्दिष्यन्त

अकलन्दिष्यथाः अकलन्दिष्येताम् अकलन्दिष्यध्वम्

अकलन्दिष्ये अकलन्दिष्यावहि अकलन्दिष्यामहि

कलदु रोदनाह्वानयोरिति पठितत्वेऽपि वै-

कल्ये घटादिकार्यार्थमात्मनेपदार्थश्चेद्वाधीतः,

अथ पान्तः ॥

1009 कृपि (कृप् , कृपायाम् ।

| | | |
|------------|------------|-----------|
| व० कृपते | कृपेते | कृपन्ते |
| कृपसे | कृपेथे | कृपध्वे |
| कृपे | कृपावहे | कृपामहे |
| स० कृपेत | कृपेयाताम् | कृपेरन् |
| कृपेथाः | कृपेयाताम् | कृपेध्वम् |
| कृपेय | कृपेवहि | कृपेमहि |
| प० कृपताम् | कृपेताम् | कृपन्ताम् |
| कृपस्व | कृपेताम् | कृपध्वम् |
| कृपै | कृपावहे | कृपामहे |

अ० अकृपत अकृपेताम् अकृपन्त

अकृपथाः अकृपेताम् अकृपध्वम्

अकृपे अकृपावहि अकृपामहि

अ० अकृपिष्ट अकृपिषाताम् अकृपिषत

अकृपिष्ठाः अकृपिषाताम् अकृपिषध्वम्

अकृपिषि अकृपिष्वहि अकृपिषमहि

अकृपिषि अकृपिष्वहि अकृपिषमहि

प० चकृपे चकृपाते चकृपिरे

चकृपिषे चकृपाथे चकृपिध्वे

चकृपे चकृपिवहे चकृपिमहे

आ० कृपिषीष्ट कृपिषीयास्ताम् कृपिषीरन्

कृपिषीष्ठाः कृपिषीयास्ताम् कृपिषीध्वम्

कृपिषीय कृपिषीवहि कृपिषीमहि

अ० कृपिता कृपितारौ कृपितारः

कृपितासे कृपितासाथे कृपिताध्वे

कृपिताहे कृपितास्वहे कृपितास्महे

भ० कृपिष्यते कृपिष्येते कृपिष्यन्ते

कृपिष्यसे कृपिष्येथे कृपिष्यध्वे

कृपिष्ये कृपिष्यावहे कृपिष्यामहे

अकृपिष्यत अकृपिष्येताम् अकृपिष्यन्त

अकृपिष्यथाः अकृपिष्येताम् अकृपिष्यध्वम्

अकृपिष्ये अकृपिष्यावहि अकृपिष्यामहि

अथ रान्तः ॥

1010 अित्वरिष् (त्वर्) संभ्रमे ।

संभ्रमोत्रा शुकारिता ।

| | | |
|---------------|----------------|----------------|
| व० त्वरते | त्वरते | त्वरन्ते |
| त्वरसे | त्वरसे | त्वरध्वे |
| त्वरै | त्वरवहे | त्वरामहे |
| स० त्वरेत | त्वरयाताम् | त्वरैरन् |
| त्वरैथाः | त्वरैयाथाम् | त्वरैध्वम् |
| त्वरैय | त्वरैवहि | त्वरैमहि |
| प० त्वरताम् | त्वरैताम् | त्वरन्ताम् |
| त्वरस्व | त्वरैयाथाम् | त्वरैध्वम् |
| त्वरै | त्वरवहे | त्वरामहे |
| झ० अत्वरत | अत्वरैताम् | अत्वरन्त |
| अत्वरैथाः | अत्वरैयाथाम् | अत्वरैध्वम् |
| अत्वरै | अत्वरवहि | अत्वरैमहि |
| अ० अत्वरिष्ट | अत्वरिषाताम् | अत्वरिषत |
| अत्वरिष्टाः | अत्वरिषाथाम् | अत्वरिड्ढ्वम् |
| अत्वरिषि | अत्वरिष्वहि | अत्वरिषमहि |
| प० तत्वरै | तत्वराने | तत्वरिरे |
| तत्वरिषे | तत्वरैथे | तत्वरिध्वे |
| तत्वरै | तत्वरवहे | तत्वरैमहे |
| आ० त्वरिषीष्ट | त्वरिषीयाताम् | त्वरिषीरन् |
| त्वरिषीष्टाः | त्वरिषीयाथाम् | त्वरिषीध्वम् |
| त्वरिषीय | त्वरिषीवहि | त्वरिषीमहि |
| भ्व० त्वरिता | त्वरितारौ | त्वरितारः |
| त्वरितासे | त्वरितासाथे | त्वरिताध्वे |
| त्वरिताहे | त्वरितास्वहे | त्वरितास्महे |
| भ० त्वरिष्यते | त्वरिष्येते | त्वरिष्यन्ते |
| त्वरिष्यसे | त्वरिष्येथे | त्वरिष्यध्वे |
| त्वरिष्ये | त्वरिष्यावहे | त्वरिष्यामहे |
| अत्वरिष्यत | अत्वरिष्येताम् | अत्वरिष्यन्त |
| अत्वरिष्यथाः | अत्वरिष्येथाम् | अत्वरिष्यध्वम् |
| अत्वरिष्ये | अत्वरिष्यावहि | अत्वरिष्यामहि |

॥ अथ सान्तः ॥

1011 प्रसिष् (प्रस) विस्तारे ।

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| व० प्रसते | प्रसते | प्रसन्ते |
| प्रससे | प्रससे | प्रसध्वे |
| प्रसे | प्रसावहे | प्रसामहे |
| प्रसेत | प्रसेयाताम् | प्रसेरन् |
| प्रसेथाः | प्रसेयाथाम् | प्रसेध्वम् |
| प्रसेय | प्रसेवहि | प्रसेमहि |
| प० प्रसताम् | प्रसेताम् | प्रसन्ताम् |
| प्रसस्व | प्रसेथाम् | प्रसध्वम् |
| प्रसे | प्रसावहे | प्रसामहे |
| झ० अप्रसत | अप्रसेताम् | अप्रसन्त |
| अप्रसथाः | अप्रसेथाम् | अप्रसध्वम् |
| अप्रसे | अप्रसावहि | अप्रसामहि |
| अ० अप्रसिष्ट | अप्रसिषाताम् | अप्रसिषत |
| अप्रसिष्टाः | अप्रसिषाथाम् | अप्रसिड्ढ्वम् |
| अप्रसिषि | अप्रसिष्वहि | अप्रसिषमहि |
| प० पप्रसे | पप्रसाते | पप्रसिरे |
| पप्रसिषे | पप्रसाथे | पप्रसिध्वे |
| पप्रसे | पप्रसावहे | पप्रसिमहे |
| आ० प्रसिषीष्ट | प्रसिषीयाताम् | प्रसिषीरन् |
| प्रसिषीष्टाः | प्रसिषीयाथाम् | प्रसिषीध्वम् |
| प्रसिषीय | प्रसिषीवहि | प्रसिषीमहि |
| प्र० प्रसिता | प्रसितारौ | प्रसितारः |
| प्रसितासे | प्रसितासाथे | प्रसिताध्वे |
| प्रसिताहे | प्रसितास्वहे | प्रसितास्महे |
| भ० प्रसिष्यते | प्रसिष्येते | प्रसिष्यन्ते |
| प्रसिष्यसे | प्रसिष्येथे | प्रसिष्यध्वे |
| प्रसिष्ये | प्रसिष्यावहे | प्रसिष्यामहे |
| क्रि० अप्रसिष्यत | अप्रसिष्येताम् | अप्रसिष्यन्त |
| अप्रसिष्यथाः | अप्रसिष्येथाम् | अप्रसिष्यध्वम् |
| अप्रसिष्ये | अप्रसिष्यावहि | अप्रसिष्यामहि |

अथ क्षान्तः ॥

1012 दक्षि (दक्ष) हिंसागत्योः ।

दक्षि शैघ्रश्च च इत्यस्यैवार्थभेदाद् घटादि
कार्यार्थं पुनरिह पाठः । एतद्रूपाणि च दक्षि
शैघ्रश्च च 875 इति वञ्छेयानि ।

अथ परस्मैपदिनः

1013 श्रां (श्रै श्रा) पाके

श्रै पाके इति पठितस्य श्रांक् पाके इति
ठिष्ठ्यमाणस्य चेह घटादिकार्यार्थं पाठः ।
नोऽस्य रूपाणि एकदा श्रै पाके 46
इति घट, एकदा च श्रांक् पाके 1065
इति वञ्छेयानि ।

अथ ऋदन्तः

1014 ऋ [स्मृ] आध्याने ।

आध्यानमुत्कण्ठा । अन्यत्रोक्तस्यार्थविशेषे
घटादिकार्यार्थमिह पाठः । एतद्रूपाणि
च स्मृ चिन्तायाम् 18 इति वञ्छेयानि ।

अथ ऋदन्तौ

1015 दृ भये ।

| | | |
|----------|---------|--------|
| व० ददति | ददतः | ददन्ति |
| ददसि | ददथः | ददथ |
| ददामि | ददावः | ददामः |
| स० ददेत् | ददेताम् | ददेयुः |
| ददेः | ददेतम् | ददेत |
| ददेयम् | ददेव | ददेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० ददतु | ददतात् | ददताम् | ददन्तु |
| दद | ददतम् | ददत | |
| ददाणि | ददाव | ददाम | |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| झ० अददत् | अददताम् | अददन् |
| अददः | अददतम् | अददत |
| अददम् | अददाव | अददाम |
| अ० अददारीत् | अददारिष्टात् | अददारिषुः |
| अददारीः | अददारिष्टम् | अददारिष्ट |
| अददारिषम् | अददारिष्व | अददारिष्म |

प० ददार ददरतुः ददतुः ददरुः ददुः
ददरिथ ददरथुः ददरथुः ददर दद्रे
ददार, ददर ददरिष ददरिष्व ददरिम ददरिम

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० दीर्यात् | दीर्यास्ताम् | दीर्यासुः |
| दीर्याः | दीर्यास्तम् | दीर्यास्त |
| दीर्यासम् | दीर्यास्व | दीर्यास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| प्र० दरीता | दरीतारौ | दरीतारः |
| दरीतासि | दरीतास्थः | दरीतास्थ |
| दरीतास्मि | दरीतास्वः | दरीतास्मः |

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| दरिता | दरितारौ | दरितारः |
| दरितासि | दरितास्थः | दरितास्थ |
| दरितास्मि | दरितास्वः | दरितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० दरीष्यति | दरीष्यतः | दरीष्यन्ति |
| दरीष्यसि | दरीष्यथः | दरीष्यथ |
| दरीष्यामि | दरीष्यावः | दरीष्यामः |
| दरिष्यति | दरिष्यतः | दरिष्यन्ति |
| दरिष्यसि | दरिष्यथः | दरिष्यथ |
| दरिष्यामि | दरिष्यावः | दरिष्यामः |

क्रि० अदरीष्यत् अदरीष्यताम् अदरीष्यन्

अदरीष्यः अदरीष्यतम् अदरीष्यत

अदरीष्यम् अदरीष्याव अदरीष्याम

अदरिष्यत् अदरिष्यताम् अदरिष्यन्

अदरिष्यः अदरिष्यतम् अदरिष्यत

अदरिष्यम् अदरिष्याव अदरिष्याम

दृश् विदारणे इति पठिष्यमाणत्वेऽपि भये

घटादिकार्यांशं शब्दप्रत्यार्थाश्च पाठः ॥

1016 नृ नये । प्रयादेर्घटादिकार्यार्थं

चिरलोऽस्य पाठः । एतद्रूपाणि च नृश्च

नये 1537 इति वद्वत्सेयानि ॥

1017 ष्टक (स्तक्) प्रतीघाते ।

| | | | |
|------|----------------|----------------|---|
| व० | स्तकति | स्तकतः | स्तकन्ति |
| | स्तकसि | स्तकथः | स्तकथ |
| | स्तकामि | स्तकावः | स्तकामः |
| स० | स्तकेत् | स्तकेताम् | स्तकेयुः |
| | स्तकेः | स्तकेतम् | स्तकेत |
| | स्तकेयम् | स्तकेव | स्तकेम |
| प० | स्तकतु | स्तकतात् | स्तकताम् |
| | स्तक | " | स्तकतम् |
| | स्तकानि | स्तकाव | स्तकाम |
| ह्य० | अस्तकत् | अस्तकताम् | अस्तकन् |
| | अस्तकः | अस्तकतम् | अस्तकत |
| | अस्तकम् | अस्तकाव | अस्तकाम |
| अ० | अस्तकिष्ट | अस्तकिष्ठाताम् | अस्तकिषत |
| | अस्तकिष्ठाः | अस्तकिष्ठाताम् | अस्तकिड् |
| | | द्वम् | ध्वम् |
| | अस्तकिषि | अस्तकिष्वहि | अस्तकिष्महि |
| प० | तस्ताक | तस्तकतुः | तस्तकुः |
| | तस्तकिथ | तस्तकथुः | तस्तक |
| | तस्ताक-तस्तक | तस्तकिथ | तस्तकिम |
| अ० | स्तक्यात् | स्तक्यास्ताम् | स्तक्यासुः |
| | स्तक्याः | स्तक्यास्तम् | स्तक्यास्त |
| | स्तक्यासम् | स्तक्यास्य | स्तक्यास्म |
| भ० | स्तकिता | स्तकितारौ | स्तकितारः |
| | स्तकितासि | स्तकितास्थः | स्तकितास्थ |
| | स्तकितास्मि | स्तकितास्वः | स्तकितास्मः |
| भ० | स्तकिष्यति | स्तकिष्यतः | स्तकिष्यन्ति |
| | स्तकिष्यसि | स्तकिष्यथः | स्तकिष्यथ |
| | स्तकिष्यामि | स्तकिष्यावः | स्तकिष्यामः |
| कि० | अस्तकिष्यत् | अस्तकिष्यताम् | अस्तकिष्यन् |
| | अस्तकिष्यः | अस्तकिष्यतम् | अस्तकिष्यत |
| | अस्तकिष्यम् | अस्तकिष्याव | अस्तकिष्याम |
| 1018 | स्तक (स्तक्) | प्रतीघाते । | पतद्रूपा- णि च ष्टक प्रतीघाते । 1 17 इतिवज्ज्ञेया नि उभयपाठस्तु तिष्ठैक विषति तिस्तक विषतीति षत्वविकल्पाथः । |

1019 चक (चक्) तृप्ता च ।

॥ चकारात्मप्रतीघाते ॥

| | | | |
|-------|----------------------|---------------|--|
| व० | चकति | चकतः | चकन्ति |
| | चकसि | चकथः | चकथ |
| | चकामि | चकावः | चकामः |
| स० | चकेत् | चकेताम् | चकेयुः |
| | चकेः | चकेतम् | चकेत |
| | चकेयम् | चकेव | चकेम |
| प० | चकतु | चकतात् | चकताम् |
| | चक | " | चकतम् |
| | चकानि | चकाव | चकाम |
| ह्य० | अचकत् | अचकताम् | अचकन् |
| | अचकः | अचकतम् | अचकत |
| | अचकम् | अचकाव | अचकाम |
| अ० | अचाकोत् | अचाकिष्ठाताम् | अचाकिषुः |
| | अचाकोः | अचाकिष्टम् | अचाकिष्ट |
| | अचाकिषम् | अचाकिष्व | अचाकिषम |
| अ० | अचकीत् | अचकिष्ठाताम् | अचकिषुः |
| | अचकीः | अचकिष्टम् | अचकिष्ट |
| | अचकिषम् | अचकिष्व | अचकिषम |
| प० | चचाक | चेकतुः | चेकुः |
| | चेकिथ | चेकथुः | चेक |
| | चचाक,चचक | चेकिव | चेकि |
| आ० | चक्यात् | चक्यास्ताम् | चक्यासुः |
| | चक्याः | चक्यास्तम् | चक्यास्त |
| | चक्यासम् | चक्यास्य | चक्यास्म |
| प्रव० | चकिता | चकितारौ | चकितारः |
| | चकितासि | चकितास्थः | चकितास्थ |
| | चकितास्मि | चकितास्वः | चकितास्मः |
| भ० | चकिष्यति | चकिष्यतः | चकिष्यन्ति |
| | चकिष्यसि | चकिष्यथः | चकिष्यथ |
| | चकिष्यामि | चकिष्यावः | चकिष्यामः |
| कि० | अचकिष्यत् | अचकिष्यताम् | अचकिष्यन् |
| | अचकिष्यः | अचकिष्यतम् | अचकिष्यत |
| | अचकिष्यम् | अचकिष्याव | अचकिष्याम |
| चकि | तृप्तिप्रतीघातयोरिति | पठितत्वेऽपि | घटादिकार्यार्थं परस्मैपदार्थश्चेह पाठः । |

1020 अक (अक्) कुटिलायां गतौ।

| | | |
|---------|-------|--------|
| व० अकति | अकतः | अकन्ति |
| अकसि | अकथः | अकथ |
| अकामि | अकावः | अकाम |

| | | |
|---------|---------|--------|
| स० अकेत | अकेताम् | अकेयुः |
| अकेः | अकेतम् | अकेत |
| अकेयम् | अकेव | अकेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० अकतु | अकतात् | अकताम् | अकन्तु |
| अक | " | अकतम् | अकत |
| अकानि | अकाव | अकाम | |

| | | |
|---------|--------|------|
| झ० आकत् | आकताम् | आकन् |
| आकः | आकतम् | आकत |
| आकम् | आकाव | आकाम |

| | | |
|----------|----------|--------|
| अ० आकीत् | आकिशम् | आकिषुः |
| आकीः | आकिष्टम् | आकिष्ट |
| आकिषम् | आकिष्व | आकिष्म |

| | | |
|-------|-------|------|
| प० आक | आकतुः | आकुः |
| आकिथ | आकथुः | आक |
| आक | आकिष | आकिम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अक्यात् | अक्यास्ताम् | अक्यासुः |
| अक्याः | अक्यास्तम् | अक्यास्त |
| अक्यासेम् | अक्यास्व | अक्यास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| श्व० ककिता | अकितारौ | अकितारः |
| अकिनासि | अकितास्थः | अकितास्थ |
| अकितास्मि | अकितास्वः | अकितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० अकिष्यति | अकिष्यतः | अकिष्यन्ति |
| अकिष्यसि | अकिष्यथः | अकिष्यथ |
| अकिष्यामि | अकिष्यावः | अकिष्यामः |

| | | |
|--------------|------------|----------|
| कि० आकिष्यत् | आकिष्यताम् | आकिष्यन् |
| आकिष्यः | आकिष्यतम् | आकिष्यत |
| आकिष्यम् | आकिष्याव | आकिष्याम |

॥ अथ खान्तः ॥

1021 कखे (कख्) हसने ॥

| | | |
|---------|-------|--------|
| व० कखति | कखतः | कखन्ति |
| कखसि | कखथः | कखथ |
| कखामि | कखावः | कखामः |

| | | |
|----------|---------|--------|
| स० कखेत् | कखेताम् | कखेयुः |
| कखेः | कखेतम् | कखेत |
| कखेयम् | कखेव | कखेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० कखतु | कखतात् | कखताम् | कखन्तु |
| कख | " | कखतम् | कखत |
| कखानि | कखाव | कखाम | |

| | | |
|----------|---------|-------|
| झ० अकखत् | अकखताम् | अकखन् |
| अकखः | अकखतम् | अकखत |
| अकखम् | अकखाव | अकखाम |

| | | |
|-----------|------------|---------|
| अ० अकखीत् | अकखिष्टाम् | अकखिषुः |
| अकखीः | अकखिष्टम् | अकखिष्ट |
| अकखिषम् | अकखिष्व | अकखिष्म |

| | | |
|-----------|--------|-------|
| प० चकाख | चकखतुः | चकखुः |
| चकखिथ | चकखथुः | चकख |
| चकाख, चकख | चकखिव | चकखिम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० कख्यात् | कख्यास्ताम् | कख्यासुः |
| कख्याः | कख्यास्तम् | कख्यास्त |
| कख्यासेम् | कख्यास्व | कख्यास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| श्व० कखिता | कखितारौ | कखितारः |
| कखितासि | कखितास्थः | कखितास्थ |
| कखितास्मि | कखितास्वः | कखितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० कखिष्यति | कखिष्यतः | कखिष्यन्ति |
| कखिष्यसि | कखिष्यथः | कखिष्यथ |
| कखिष्यामि | कखिष्यावः | कखिष्यामः |

| | | |
|---------------|-------------|-----------|
| कि० अकखिष्यत् | अकखिष्यताम् | अकखिष्यन् |
| अकखिष्यः | अकखिष्यतम् | अकखिष्यत |
| अकखिष्यम् | अकखिष्याव | अकखिष्याम |

॥ अथ गान्ता नव सेटश्च ॥

1022 अग (अग्) अकवत् ।

अक कुटिलायां गतौ पठितोऽयमपि तदर्थं
लाघवार्थं तथा निर्दिश्यते ।

व० अगति अगतः अगन्ति

अगसि अगथः अगथ

अगामि अगावः अगामः

स० अगेत् अगेताम् अगेयुः

अगेः अगेतम् अगेत

अगेयम् अगेव अगेम

प० अगतु अगतात् अगताम् अगन्तु

अग , अगतम् अगत

अगति अगाव अगाम

ह्य० आगत आगताम् आगन्

आगः आगतम् आगत

आगम् आगाव आगाम

अ० आगीत् आगिष्टाम् आगिषुः

आगीः आगिष्टम् आगिष्ट

आगिषम् आगिष्व आगिष्म

प० आग आगतुः आगुः

आगिथ आगथुः आग

आग, आगिष्व आगिम

आ०अग्यात् अग्यास्ताम् अग्यासुः

अग्याः अग्यास्तम् अग्यास्त

अग्यासम् अग्यास्व अग्यास्म

श्व० अगिता अगितारौ अगितारः

अगितासि अगितास्थः अगितास्थ

अगितास्मि अगितास्वः अगितास्मः

भ० अगिष्यति अगिष्यतः अगिष्यन्ति

अगिष्यसि अगिष्यथः अगिष्यथ

अगिष्यामि अगिष्यावः अगिष्यामः

क्रि० आगिष्यत् आगिष्यताम् आगिष्यन्

आगिष्यः आगिष्यताम् आगिष्यत

आगिष्यम् आगिष्याव आगिष्याम

1023 रगे (रग्) शङ्कायाम् ।

व० रगति रगतः रगन्ति

रगसि रगथः रगथ

रगामि रगावः रगामः

स० रगेत् रगेताम् रगेयुः

रगेः रगेतम् रगेत

रगेयम् रगेव रगेम

प० रगतु रगतात् रगताम् रगन्तु

रग , रगतम् रगत

रगाणि रगाव रगाम

ह्य० अरगत् अरगताम् अरगन्

अरगः अरगतम् अरगत

अरगम् अरगाव अरगाम

अ० अरगीत् अरगिष्टाम् अरगिषुः

अरगीः अरगिष्टम् अरगिष्ट

अरगिषम् अरगिष्व अरगिष्म

प० रराग रेगतुः रेगुः

रेगिथ रेगथुः रेग

ररागे, ररग रेगिष्व रेगिम

आ०रग्यात् रग्यास्ताम् रग्यासुः

रग्याः रग्यास्तम् रग्यास्त

रग्यासम् रग्यास्व रग्यास्म

श्व० रगिता रगितारौ रगितारः

रगितासि रगितास्थः रगितास्थ

रगितास्मि रगितास्वः रगितास्मः

भ० रगिष्यति रगिष्यतः रगिष्यन्ति

रगिष्यसि रगिष्यथः रगिष्यथ

रगिष्यामि रगिष्यावः रगिष्यामः

क्रि० अरगिष्यत् अरगिष्यताम् अरगिष्यन्

अरगिष्यः अरगिष्यताम् अरगिष्यत

अरगिष्यम् अरगिष्याव अरगिष्याम

रगण् आस्वादने इति पठिष्यमाणत्वेऽपि

अर्थविशेषे घटादिकार्यार्थे णिञ् रहितः

शब्दप्रत्ययार्थं चेह पाठः ।

1024 लगे (लग्) सङ्गे ।

| | | |
|--|-------------|------------|
| ष० लगति | लगतः | लगन्ति |
| लगसि | लगथः | लगथ |
| लगामि | लगावः | लगामः |
| स० लगेत् | लगेताम् | लगेयुः |
| लगेः | लगेतम् | लगेत |
| लगेयम् | लगेव | लगेम |
| प० लगतु | लगतात् | लगताम् |
| लग | लगतम् | लगत |
| लगानि | लगाव | लगाम |
| झ० अलगत् | अलगताम् | अलगन् |
| अलगः | अलगतम् | अलगत |
| अलगम् | अलगाव | अलगाम |
| अ० अलगीत् | अलगिष्टाम् | अलगिषुः |
| अलगीः | अलगिष्टम् | अलगिष्ट |
| अलगिषम् | अलगिष्व | अलगिषम |
| प० ललाग | लेगतुः | लेगुः |
| लेगिथ | लेगथुः | लेग |
| ललाग, ललग | लेगिष्व | लेगिम |
| आ० लग्यात् | लग्यास्ताम् | लग्यासुः |
| लग्याः | लग्यास्तम् | लग्यास्त |
| लग्यासम् | लग्यास्व | लग्यास्म |
| श्व० लगिता | लगितारौ | लगितारः |
| लगितासि | लगितास्थः | लगितास्थ |
| लगितास्मि | लगितास्वः | लगितास्मः |
| भ० लगिष्यति | लगिष्यतः | लगिष्यन्ति |
| लगिष्यसि | लगिष्यथः | लगिष्यथ |
| लगिष्यामि | लगिष्यावः | लगिष्यामः |
| क्रि० अलगिष्यत् | अलगिष्यताम् | अलगिष्यन् |
| अगिष्यः | अलगिष्यताम् | अलगिष्यत |
| अलगिष्यम् | अलगिष्याव | अलगिष्याम |
| लागण् आस्वादाने इति पठिष्यमाणत्वेऽपि अर्थविशेषे घटादिकार्यार्थे णिच् रद्वितश- ब्दप्रत्ययार्थे चात्र पाठः । | | |

1025 हगे (हग्) संवरणे ।

संवरणमाच्छादनम् ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| ष० हगति | हगतः | हगन्ति |
| हगसि | हगथः | हगथ |
| हगामि | हगावः | हगामः |
| स० हगेत् | हगेताम् | हगेयुः |
| हगेः | हगेतम् | हगेत |
| हगेयम् | हगेव | हगेम |
| प० हगतु | हगतात् | हगताम् |
| हग | हगतम् | हगत |
| हगानि | हगाव | हगाम |
| झ० अहगत् | अहगताम् | अहगन् |
| अहगः | अहगतम् | अहगत |
| अहगम् | अहगाव | अहगाम |
| अ० अहगीत् | अहगिष्टाम् | अहगिषुः |
| अहगीः | अहगिष्टम् | अहगिष्ट |
| अहगिषम् | अहगिष्व | अहगिषम |
| प० जहग | जहगतुः | जहगुः |
| जहगिथ | जहगथुः | जहग |
| जहग, जहग | जहगिष्व | जहगिम |
| आ० हग्यात् | हग्यास्ताम् | हग्यासुः |
| हग्याः | हग्यास्तम् | हग्यास्त |
| हग्यासम् | हग्यास्व | हग्यास्म |
| श्व० हगिता | हगितारौ | हगितारः |
| हगितासि | हगितास्थः | हगितास्थ |
| हगितास्मि | हगितास्वः | हगितास्मः |
| भ० हगिष्यति | हगिष्यतः | हगिष्यन्ति |
| हगिष्यसि | हगिष्यथः | हगिष्यथ |
| हगिष्यामि | हगिष्यावः | हगिष्यामः |
| क्रि० अहगिष्यत् | अहगिष्यताम् | अहगिष्यन् |
| अहगिष्यः | अहगिष्यताम् | अहगिष्यत |
| अहगिष्यम् | अहगिष्याव | अहगिष्याम |

1026 हृगे (हृग्) संवरणे ।

संवरणमाच्छादनम् ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | हृगति | हृगतः | हृगन्ति |
| | हृगसि | हृगथः | हृगथ |
| | हृगामि | हृगावः | हृगामः |
| स० | हृगेत् | हृगेताम् | हृगेयुः |
| | हृगेः | हृगेतम् | हृगेत |
| | हृगेयम् | हृगेव | हृगेम |
| प० | हृगतु | हृगतात् | हृगताम् |
| | हृग | हृगतम् | हृगत |
| | हृगाणि | हृगाव | हृगाम |
| झ० | अहृगत् | अहृगताम् | अहृगन् |
| | अहृगः | अहृगतम् | अहृगत |
| | अहृगम् | अहृगाव | अहृगाम |
| अ० | अहृगीत् | अहृगिष्टाम् | अहृगिषुः |
| | अहृगीः | अहृगिष्टम् | अहृगिष्ट |
| | अहृगिषम् | अहृगिष्व | अहृगिष्म |
| प० | जहृग | जहृगतुः | जहृगुः |
| | जहृगिथ | जहृगथुः | जहृग |
| | जहृग, जहृग | जहृगिष्व | जहृगिम् |
| आ० | हृग्यात् | हृग्यास्ताम् | हृग्यासुः |
| | हृग्याः | हृग्यास्तम् | हृग्यास्त |
| | हृग्यासम् | हृग्यास्व | हृग्यास्म |
| भ्व० | हृगिता | हृगितारौ | हृगितारः |
| | हृगितासि | हृगितास्थः | हृगितास्थ |
| | हृगितास्मि | हृगितास्वः | हृगितास्मः |
| भ० | हृगिष्यति | हृगिष्यतः | हृगिष्यन्ति |
| | हृगिष्यसि | हृगिष्यथः | हृगिष्यथ |
| | हृगिष्यामि | हृगिष्यावः | हृगिष्यामः |
| क्रि० | अहृगिष्यत् | अहृगिष्यताम् | अहृगिष्यन् |
| | अहृगिष्यः | अहृगिष्यतम् | अहृगिष्यत |
| | अहृगिष्यम् | अहृगिष्याव | अहृगिष्याम |

1027 सृगे (सृग्) संवरणे ।

संवरणमाच्छादनम् ।

| | | | |
|-------|-------------|--------------|-------------|
| व० | सृगति | सृगतः | सृगन्ति |
| | सृगसि | सृगथः | सृगथ |
| | सृगामि | सृगावः | सृगामः |
| स० | सृगेत् | सृगेताम् | सृगेयुः |
| | सृगेः | सृगेतम् | सृगेत |
| | सृगेयम् | सृगेव | सृगेम |
| प० | सृगतु | सृगतात् | सृगताम् |
| | सृग | सृगतम् | सृगत |
| | सृगानि | सृगाव | सृगाम |
| झ० | असृगत् | असृगताम् | असृगन् |
| | असृगः | असृगतम् | असृगत |
| | असृगम् | असृगाव | असृगाम |
| अ० | असृगीत् | असृगिष्टाम् | असृगिषुः |
| | असृगीः | असृगिष्टम् | असृगिष्ट |
| | असृगिषम् | असृगिष्व | असृगिष्म |
| प० | सृसाग | सृगतुः | सृगुः |
| | सृगिथ | सृगथुः | सृग |
| | सृसाग, सृसग | सृगिष्व | सृगिम् |
| अ० | सृग्यात् | सृग्यास्ताम् | सृग्यासुः |
| | सृग्याः | सृग्यास्तम् | सृग्यास्त |
| | सृग्यासम् | सृग्यास्व | सृग्यास्म |
| श्व० | सृगिता | सृगितारौ | सृगितारः |
| | सृगितासि | सृगितास्थः | सृगितास्थ |
| | सृगितास्मि | सृगितास्वः | सृगितास्मः |
| भ० | सृगिष्यति | सृगिष्यतः | सृगिष्यन्ति |
| | सृगिष्यसि | सृगिष्यथः | सृगिष्यथ |
| | सृगिष्यामि | सृगिष्यावः | सृगिष्यामः |
| क्रि० | असृगिष्यत् | असृगिष्यताम् | असृगिष्यन् |
| | असृगिष्यः | असृगिष्यतम् | असृगिष्यत |
| | असृगिष्यम् | असृगिष्याव | असृगिष्याम |

1029 छगे (स्थग्) संवरणे ।

संवरणमाच्छादनम् ।

| | | |
|-----------|---------|----------|
| ब० स्थगति | स्थगतः | स्थगन्ति |
| स्थगसि | स्थगथः | स्थगथ |
| स्थगामि | स्थगावः | स्थगामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० स्थगेत् | स्थगेताम् | स्थगेयुः |
| स्थगेः | स्थगेतम् | स्थगेत |
| स्थगेयम् | स्थगेय | स्थगेम |

| | | | |
|---------|----------|----------|----------|
| स्थगतु | स्थगतात् | स्थगताम् | स्थगन्तु |
| स्थग | स्थगतम् | स्थगत | |
| स्थगानि | स्थगाव | स्थगाम | |

| | | |
|-----------|-----------|---------|
| झ० अस्थगत | अस्थगताम् | अस्थगन् |
| अस्थगः | अस्थगतम् | अस्थगत |
| अस्थगम् | अस्थगाव | अस्थगाम |

| | | |
|-------------|-------------|-----------|
| अ० अस्थगीत् | अस्थगिष्ठां | अस्थगिषुः |
| अस्थगीः | अस्थगिष्टम् | अस्थगिष्ट |
| अस्थगिषम् | अस्थगिष्व | अस्थगिष्म |

| | | |
|--------------|-----------|----------|
| प० तस्थग | तस्थगतुः | तस्थगुः |
| तस्थगिथ | तस्थगथुः | तस्थग |
| तस्थग, तस्थग | तस्थगिष्व | तस्थगिम् |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० स्थग्यात् | स्थग्यास्ताम् | स्थग्यासुः |
| स्थग्याः | स्थग्यास्तम् | स्थग्यास्त |
| स्थग्यास्तम् | स्थग्यास्व | स्थग्यास्म |

श्व० स्थगिता स्थगितारौ स्थगितारः
स्थगितासि स्थगितास्थः स्थगितास्थ
स्थगितास्मि स्थगितास्वः स्थगितास्मः
भ० स्थगिष्यति स्थगिष्यतः स्थगिष्यन्ति
स्थगिष्यसि स्थगिष्यथः स्थगिष्यथ
स्थगिष्यामि स्थगिष्यावः स्थगिष्यामः

क्रि० अस्थगिष्यत् अस्थगिष्यताम् अस्थगिष्यन्
अस्थगिष्यः अस्थगिष्यतम् अस्थगिष्यत
अस्थगिष्यम् अस्थगिष्याव अस्थगिष्याम

1030 स्थगे (स्थग्) संवरणे ।

संवरणमाच्छादनम्

एतद्रूपाणि तु छगे संवरणे 1029 इति-
वदवसेयानि, उभयपाठस्तु तिष्ठगयिषति ति-
स्थगयिषतीति पदविकल्पार्थः ।

॥ अथ टान्तास्त्रयः सेटश्च ॥

1031 वट (वट्) परिभाषणे ।

वट वेष्टने इति पठितत्वेऽपि वटण् ग्रन्थे
इति पठिष्यमाणत्वेऽपि अर्थविशेषे घटादि-
कार्यार्थमस्य पाठः । एतद्रूपाणि च वट वे-
ष्टने । 176 इति वज्जेयानि

1032 भट (भट्) परिभाषणे ।

भट भृतौ इति पठितत्वेऽपि
घटादिकार्यार्थमिह पाठः । एतद्रूपाणि च
भट भृतौ 184 इति वदवसेयानि

1033 णट [नट्] नतौ ।

नट् नृतौ इति पठितत्वेऽपि
नटण् अवस्यन्दने इति पठिष्यमाणत्वेऽपि
अर्थविशेषे घटादिकार्यार्थमिह पाठः ।
एतद्रूपाणि च नट नृतौ 187 इति
वज्जेयानि

॥ अथ डान्तास्त्रयः सेटश्च ॥

1034 गड (गड्) सेचने ।

| | | |
|-----------------|-------------|-------------------|
| गडति | गडतः | गडन्ति |
| गडसि | गडथः | गडथ |
| गडामि | गडावः | गडामः |
| स० गडेत् | गडेताम् | गडेयुः |
| गडेः | गडेतम् | गडेत |
| गडेयम् | गडेव | गडेम |
| प० गडतु | गडतात् | गडताम् गडन्तु |
| गड | " | गडतम् गडत |
| गडानि | गडाव | गडाम |
| झ० अगडत् | अगडताम् | अगडन् |
| अगडः | अगडतम् | अगडत |
| अगडम् | अगडाव | अगडाम |
| भ अगाडोत् | अगाडिष्टाम् | अगाडिषुः |
| अगाडीः | अगाडिष्टम् | अगाडिष्ट |
| अगाडिषम् | अगाडिष्व | अगाडिषम |
| अ० अगडीत् | अगडिष्टाम् | अगडिषुः इत्यादि । |
| प० जगाड | जगडतुः | जगडुः |
| जगडिथ | जगडथुः | जगड |
| जगाड | जगड | जगडिव जगडिम |
| आ गड्यात् | गड्यास्ताम् | गड्यासुः |
| गड्याः | गड्यास्तम् | गड्यास्त |
| गड्यासम् | गड्यास्व | गड्यास्म |
| श्व० गडिता | गडितारौ | गडितारः |
| गडितासि | गडितास्थः | गडितास्थ |
| गडितास्मि | गडितास्वः | गडितास्मः |
| भ० गडिष्यति | गडिष्यतः | गडिष्यन्ति |
| गडिष्यसि | गडिष्यथः | गडिष्यथ |
| गडिष्यामि | गडिष्यावः | गडिष्यामः |
| क्रि० अगडिष्यत् | अगडिष्यताम् | अगडिष्यन् |
| अगडिष्यः | अगडिष्यतम् | अगडिष्यत |
| अगडिष्यम् | अगडिष्याव | अगडिष्याम |

डकारस्य लट्त्वे ।

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| ष० गलति | गलतः | गलन्ति |
| गलसि | गलथः | गलथ |
| गलामि | गलावः | गलामः |
| स० गलेत् | गलेताम् | गलेयुः |
| गलेः | गलेतम् | गलेत |
| गलेयम् | गलेव | गलेम |
| प० गलतु | गलतात् | गलताम् गलन्तु |
| गल | " | गलतम् गलत |
| गलानि | गलाव | गलाम |
| झ० अलत् | अगलताम् | अगलन् |
| अगलः | अगलतम् | अगलत |
| अगलम् | अगलाव | अगलाम |
| अ० अगालीत् | अगालिष्टाम् | अगालिषुः |
| अगालीः | अगालिष्टम् | अगालिष्ट |
| अगालिषम् | अगालिष्व | अगालिषम |
| प० जगाल | जगलतुः | जगलुः |
| जगलिथ | जगलथुः | जगल |
| जगाल, जगल | जगलिथ | जगलिम |
| आ० गल्यात् | गल्यास्ताम् | गल्यासुः |
| गल्याः | गल्यास्तम् | गल्यास्त |
| गल्यासम् | गल्यास्व | गल्यास्म |
| श्व० गलिता | गलितारौ | गलितारः |
| गलितासि | गलितास्थः | गलितास्थ |
| गलितास्मि | गलितास्वः | गलितास्मः |
| भ० गलिष्यति | गलिष्यतः | गलिष्यन्ति |
| गलिष्यसि | गलिष्यथः | गलिष्यथ |
| गलिष्यामि | गलिष्यावः | गलिष्यामः |
| क्रि० अगलिष्यत् | अगलिष्यताम् | अगलिष्यन् |
| अगलिष्यः | अगलिष्यतम् | अगलिष्यत |
| अगलिष्यम् | अगलिष्याव | अगलिष्याम |

1035 हेड (हेड्) वेष्टने ।

हेड्ड अनादरे इति पठितत्वेऽपि अर्थ-
विशेषे घटादिकार्यार्थं परस्मैपदा-
र्थश्चात्र पाठः ॥

| | | |
|--------|--------|---------|
| हेडति | हेडतः | हेडन्ति |
| हेडसि | हेडथः | हेडथ |
| हेडामि | हेडावः | हेडामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० हेडेत् | हेडेताम् | हेडेयुः |
| हेडेः | हेडेतम् | हेडेत |
| हेडेयम् | हेडेव | हेडेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० हेडतु | हेडतात् | हेडताम् | हेडन्तु |
| हेड | हेडतम् | हेडत | |
| हेडानि | हेडाव | हेडाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अहेडत् | अहेडताम् | अहेडन् |
| अहेडः | अहेडतम् | अहेडत |
| अहेडम् | अहेडाव | अहेडाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अहेडोत् | अहेडिष्टाम् | अहेडिषुः |
| अहेडीः | अहेडिष्टम् | अहेडिष्ट |
| अहेडिषम् | अहेडिष्व | अहेडिष्म |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० जिहेड | जिहेडतुः | जिहेडुः |
| जिहेडिथ | जिहेडथुः | जिहेड |
| जिहेड | जिहेडिव | जिहेडिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ१ हेड्यात् | हेड्यास्ताम् | हेड्यासुः |
| हेड्याः | हेड्यास्तम् | हेड्यास्म |
| हेड्यासम् | हेड्यास्व | हेड्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| श्व० हेडिता | हेडितारौ | हेडितारः |
| हेडितासि | हेडितास्थः | हेडितास्थ |
| हेडितास्मि | हेडितास्वः | हेडितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० हेडिष्यति | हेडिष्यतः | हेडिष्यन्ति |
| हेडिष्यसि | हेडिष्यथः | हेडिष्यथ |
| हेडिष्यामि | हेडिष्यावः | हेडिष्यामः |

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| क्रि० अहेडिष्यत | अहेडिष्यताम् | अहेडिष्यन् |
| अहेडिष्यः | अहेडिष्यतम् | अहेडिष्यत |
| अहेडिष्यम् | अहेडिष्याव | अहेडिष्याम |

1036 लड (लड्) जिहोन्मथने ।

जिह्वाया उन्मथन जिहोन्मथनम् ।

लडयति जिह्वां कुक्कुरः । लत्वे जिह्वाश-
तान्युल्लयत्यभिक्षणम् । जिहोन्मथनयो-
रित्येके । तन्मते मंग्रहार्थं जिह्वा च जिह्वा-
विषया क्रिवा उन्मथनञ्चेति समाहारः ।
लडयति जिह्वाम् । ललयति दधि । ल-
डण् उपसेवायाम् । लाडयति । लड वि-
लासे इत्यस्यैवार्थविशेषे घटादिकार्यार्थमिह
पाठः । लडयति जिह्वामित्यादिलक्ष्यानुरो-
धात् णिप्रत्यये एव जिहोन्मथनरूपार्थो
भवति तेन जिहोन्मथनार्थस्यास्य रूपाणि
लडयतीत्यादीनि वक्ष्यमाणानि ज्ञेयानि
नतु लडतीत्यादीनि ।

अथ णान्ताः षट् सेटश्च

1037 कण (कण्) गतौ ।

ब० कणति कणतः कणन्ति
कणसि कणथः कणथ
कणामि कणावः कणामः

ख० कणेत् कणेताम् कणेतुः
कणेः कणेतम् कणेत
कणेतम् कणेष्व कणेम

प० कणतु कणतात् कणताम् कणन्तु
कण " कणतम् कणत
कणानि कणाव कणाम

झ० अकणत् अकणताम् अकणन्
अकणः अकणतम् अकणत
अकणम् अकणाव अकणाम

अ० अकणीत् अकणिष्टाम् अकणिषुः
अकणीः अकणिष्टम् अकणिष्ट
अकणिषम् अकणिष्व अकणिष्म

अ० अकणीत् अकणिष्टाम् अकणिषुः
अकणी अकणिष्टम् अकणिष्ट
अकणिषम् अकणिष्व अकणिष्म

प० पफाण केणतुः केणुः
केणथ केणथुः केण
पफाण, पफण केणिव केणिम
पफाण पफणतुः पफणुः
पफणिव पफणथुः पफण
पफाण, पफण पफणिव पफणिम

आ० कण्यात् कण्यास्ताम् कण्यासुः
कण्याः कण्यास्तम् कण्यास्त
कण्यासम् कण्यास्व कण्यास्म

प्रब० कणिता कणितारौ कणितारः
कणितासि कणितास्थः कणितास्थ
कणितास्मि कणितास्वः कणितास्मः

भ० कणिष्यति कणिष्यतः कणिष्यन्ति
कणिष्यसि कणिष्यथः कणिष्यथ
कणिष्यामि कणिष्यावः कणिष्यामः

क्रि० अकणिष्यत् अकणिष्यताम् अकणिष्यन्
अकणिष्यः अकणिष्यतम् अकणिष्यत
अकणिष्यम् अकणिष्याव अकणिष्याम

1038 कण (कण्) गतौ । कण शब्दे
इति पठित त्वेऽपि कणन् निमीलने इति
पठिष्यमाणत्वेऽपि अर्थविशेषे घटादि
कार्यार्थमिह पाठः । अस्य रूपाणि कण
शब्दे 270 इति वज्ज्ञेयानि ।

1039 ण (रण्) गतौ । रण शब्दे इति
पठितोऽपि अर्थ विशेषे घटादिकार्यार्थमिह
पठितः रूपाणि च अस्य रण शब्दे 260
इति वज्ज्ञेयानि

1040 चण् (चण्) हिंसादानयोश्च ।
हिंसायां दाने काराद्रतौ । चण शब्दे
इति पठितोऽपि अर्थविशेषे घटादिकार्या-
र्थमिह पठितः । पतद्रूपाणि चण शब्दे
272 इति वज्ज्ञेयानि ।

1041 शण (शण्) दाने

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| ष० शणति | शणतः | शणन्ति |
| शणसि | शणथः | शणथ |
| शणात्रि | शणावः | शणामः |
| स० शणेत् | शणेताम् | शणेषुः |
| शणेः | शणेतम् | शणेत |
| शणेषम् | शणेष | शणेम |
| प० शणतु | शणतात् | शणताम् |
| शण | " | शणतम् |
| शणानि | शणाव | शणाम |
| झ० अशणत् | अशणताम् | अशणन् |
| अशणः | अशणतम् | अशणत |
| अशणम् | अशणाव | अशणाम |
| अ० अशणीत् | अशणिष्टाम् | अशणिषुः |
| अशणीः | अशणिष्टम् | अशणिष्ट |
| अशणिषम् | अशणिष्व | अशणिष्म |
| अशणीत् | अशणिष्टाम् | अशणिषुः |
| अशणीः | अशणिष्टम् | अशणिष्ट |
| अशणिषम् | अशणिष्व | अशणिष्म |
| प० शशाण | शेषतुः | शेषुः |
| शेषिथ | शेषथुः | शेष |
| शशाणःशशाण | शेषिथ | शेषिम् |
| आ० शण्यात् | शण्यास्ताम् | शण्यासुः |
| शण्याः | शण्यास्तम् | शण्यास्त |
| शण्यासम् | शण्यास्व | शण्यास्म |
| श्व० शणिता | शणितारौ | शणितारः |
| शणितासि | शणितास्थः | शणितास्थ |
| शणितास्मि | शणितास्वः | शणितास्मः |
| भ० शणिष्यति | शणिष्यतः | शणिष्यन्ति |
| शणिष्यसि | शणिष्यथः | शणिष्यथ |
| शणिष्यामि | शणिष्यावः | शणिष्यामः |
| क्रि० अशणिष्यत् | अशणिष्यताम् | अशणिष्यन् |
| अशणिष्यः | अशणिष्यतम् | अशणिष्यत |
| अशणिष्यम् | अशणिष्याव | अशणिष्याम |

1042 श्रण (श्रण्) दाने

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ष० श्रणति | श्रणतः | श्रणन्ति |
| श्रणसि | श्रणथः | श्रणथ |
| श्रणामि | श्रणावः | श्रणामः |
| स० श्रणेत् | श्रणेताम् | श्रणेषुः |
| श्रणेः | श्रणेतम् | श्रणेत |
| श्रणेषम् | श्रणेष | श्रणेम |
| प० श्रणतु | श्रणतात् | श्रणताम् |
| श्रण | " | श्रणतम् |
| श्रणानि | श्रणाव | श्रणाम |
| झ० अश्रणत् | अश्रणताम् | अश्रणन् |
| अश्रणः | अश्रणतम् | अश्रणत |
| अश्रणम् | अश्रणाव | अश्रणाम |
| अ० अश्राणीत् | अश्राणिष्टाम् | अश्राणिषुः |
| अश्राणीः | अश्राणिष्टम् | अश्राणिष्ट |
| अश्राणिषम् | अश्राणिष्व | अश्राणिष्म |
| अश्राणीत् | अश्राणिष्टाम् | अश्राणिषुः |
| अश्राणीः | अश्राणिष्टम् | अश्राणिष्ट |
| अश्राणिषम् | अश्राणिष्व | अश्राणिष्म |
| प० शश्राण | शश्रणतुः | शश्रणुः |
| शश्रणिथ | शश्रणथु | शश्रण |
| शश्राणःशश्राण | शश्रणिथ | शश्रणिम् |
| आ० श्रण्यात् | श्रण्यास्ताम् | श्रण्यासुः |
| श्रण्याः | श्रण्यास्तम् | श्रण्यास्त |
| श्रण्यासम् | श्रण्यास्व | श्रण्यास्म |
| श्व० श्रणिता | श्रणितारौ | श्रणितारः |
| श्रणितासि | श्रणितास्थः | श्रणितास्थ |
| श्रणितास्मि | श्रणितास्वः | श्रणितास्मः |
| भ० श्रणिष्यति | श्रणिष्यतः | श्रणिष्यन्ति |
| श्रणिष्यसि | श्रणिष्यथः | श्रणिष्यथ |
| श्रणिष्यामि | श्रणिष्यावः | श्रणिष्यामः |
| क्रि० अश्रणिष्यत् | अश्रणिष्यताम् | अश्रणिष्यन् |
| अश्रणिष्यः | अश्रणिष्यतम् | अश्रणिष्यत |
| अश्रणिष्यम् | अश्रणिष्याव | अश्रणिष्याम |

॥ अथ थान्ताश्चत्वारः सेटश्च ॥

1043 स्नथ [स्नथ्] हिसार्थः ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------------|
| व० स्नथति | स्नथतः | स्नथन्ति |
| स्नथसि | स्नथथः | स्नथथ |
| स्नथामि | स्नथावः | स्नथामः |
| स० स्नथेत् | स्नथेताम् | स्नथेयुः |
| स्नथेः | स्नथेतम् | स्नथेत |
| स्नथेयम् | स्नथेव | स्नथेम |
| प० स्नथतु | स्नथतात् | स्नथताम् स्नथन्तु |
| स्नथ | " | स्नथतम् स्नथत |
| स्नथानि | स्नथाव | स्नथाम |
| झ० अस्नथत् | अस्नथताम् | अस्नथन् |
| अस्नथः | अस्नथतम् | अस्नथत |
| अस्नथम् | अस्नथाव | अस्नथाम |
| अ० अस्नाथीत् | अस्नाथिष्टाम् | अस्नाथिषुः |
| अस्नाथीः | अस्नाथिष्टम् | अस्नाथिष्ट |
| अस्नाथिषम् | अस्नाथिष्व | अस्नाथिष्व |
| अ० अस्नथीन् | अस्नथिष्टाम् | अस्नथिषुः इत्यादि |
| प० सस्नाथ | सस्नथतुः | सस्नथुः |
| सस्नथिथ | सस्नथथुः | सस्नथ |
| सस्नाथ | सस्नथ | सस्नथिष्व सस्नथिष्व |
| आ० स्नथ्यात् | स्नथ्यास्ताम् | स्नथ्यासुः |
| स्नथ्याः | स्नथ्यास्तम् | स्नथ्यास्त |
| स्नथ्यासम् | स्नथ्यास्व | स्नथ्यास्म |
| भ्व० स्नथिता | स्नथितारौ | स्नथितारः |
| स्नथितासि | स्नथितास्थः | स्नथितास्थ |
| स्नथितास्मि | स्नथितास्वः | स्नथितास्मः |
| भ० स्नथिष्यति | स्नथिष्यतः | स्नथिष्यन्ति |
| स्नथिष्यसि | स्नथिष्यथः | स्नथिष्यथ |
| स्नथिष्यामि | स्नथिष्यावः | स्नथिष्यामः |
| क्रि० अस्नथिष्यत् | अस्नथिष्यताम् | अस्नथिष्यन् |
| अस्नथिष्यः | अस्नथिष्यतम् | अस्नथिष्यत |
| अस्नथिष्यम् | अस्नथिष्याव | अस्नथिष्याम |

1044 कनथ (कनथ्) हिसार्थः ।

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० कनथति | कनथतः | कनथन्ति |
| कनथसि | कनथः | कनथथ |
| कनथामि | कनथावः | कनथामः |
| स० कनथेत् | कनथेताम् | कनथेयुः |
| कनथेः | कनथेतम् | कनथेत |
| कनथेयम् | कनथेव | कनथेम |
| प० कनथतु | कनथतात् | कनथताम् कनथन्तु |
| कनथ | " | कनथतम् कनथत |
| कनथानि | कनथाव | कनथाम |
| झ० अकनथत् | अकनथताम् | अकनथन् |
| अकनथः | अकनथतम् | अकनथत |
| अकनथम् | अकनथाव | अकनथाम |
| अ० अकनाथीत् | अकनाथिष्टाम् | अकनाथिषुः |
| अकनाथीः | अकनाथिष्टम् | अकनाथिष्ट |
| अकनाथिषम् | अकनाथिष्व | अकनाथिष्व |
| अ० अकनथीत् | अकनथिष्टाम् | अकनथिषुः |
| अकनथीः | अकनथिष्टम् | अकनथिष्ट |
| अकनथिषम् | अकनथिष्व | अकनथिष्व |
| प० चकनाथ | चकनथतुः | चकनथुः |
| चकनथिथ | चकनथथुः | चकनथ |
| चकनाथ-चकनथ | चकनथिष्व | चकनथिष्व |
| अ० कनथ्यात् | कनथ्यास्ताम् | कनथ्यासुः |
| कनथ्याः | कनथ्यास्तम् | कनथ्यास्त |
| कनथ्यासम् | कनथ्यास्व | कनथ्यास्म |
| भ्व० कनथिता | कनथितारौ | कनथितारः |
| कनथितासि | कनथितास्थः | कनथितास्थ |
| कनथितास्मि | कनथितास्वः | कनथितास्मः |
| भ० कनथिष्यति | कनथिष्यतः | कनथिष्यन्ति |
| कनथिष्यसि | कनथिष्यथः | कनथिष्यथ |
| कनथिष्यामि | कनथिष्यावः | कनथिष्यामः |
| क्रि० अकनथिष्यत् | अकनथिष्यताम् | अकनथिष्यन् |
| अकनथिष्यः | अकनथिष्यतम् | अकनथिष्यत |
| अकनथिष्यम् | अकनथिष्याव | अकनथिष्याम |

1045 कथ (कथ्) हिंसायाम् ।

| | | |
|----------|---------|--------|
| ब० कथति | कथतः | कथन्ति |
| कथसि | कथथः | कथथ |
| कथामि | कथावः | कथामः |
| स० कथेत् | कथेताम् | कथेयुः |
| कथेः | कथेतम् | कथेत |
| कथेयम् | कथेव | कथेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० कथतु | कथतात् | कथताम् | कथन्तु |
| कथ | " | कथतम् | कथत |
| कथानि | कथाव | कथाम | |

| | | |
|----------|---------|-------|
| झ० अकथत् | अकथताम् | अकथन् |
| अकथः | अकथतम् | अकथत |
| अकथम् | अकथाव | अकथाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| ञ० अकाथीत् | अकाथिष्टाम् | अकाथिषुः |
| अकाथीः | अकाथिष्टम् | अकाथिष्ट |
| अकाथिषम् | अकाथिष्व | अकाथिष्व |

| | | | |
|-----------|------------|---------|---------|
| अ० अकथीत् | अकथिष्टाम् | अकथिषुः | इत्यादि |
|-----------|------------|---------|---------|

| | | |
|-----------|----------|---------|
| प० चक्राथ | चक्रथतुः | चक्रथुः |
| चक्रथिथ | चक्रथथुः | चक्रथ |
| चक्राथ | चक्रथ | चक्रथिथ |
| | चक्रथिथ | चक्रथि |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० कथ्यात् | कथ्यास्ताम् | कथ्यासु |
| कथ्याः | कथ्यास्तम् | कथ्यास्त |
| कथ्यासम् | कथ्यास्व | कथ्यास्म |

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| भ० कथिता | कथितारौ | कथितारः |
| कथितासि | कथितास्थः | कथितास्थ |
| कथितासिम् | कथितास्वः | कथितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० कथिष्यति | कथिष्यतः | कथिष्यन्ति |
| कथिष्यसि | कथिष्यथः | कथिष्यथ |
| कथिष्यामि | कथिष्यावः | कथिष्यामः |

| | | |
|---------------|-------------|-----------|
| कि० अकथिष्यत् | अकथिष्यताम् | अकथिष्यन् |
| अकथिष्यः | अकथिष्यतम् | अकथिष्यत |
| अकथिष्यम् | अकथिष्याव | अकथिष्याम |

कथण् हिंसायामिति पठिष्यमाणन्वेऽपि घ-
टादिकार्यार्थं णिच् रहित शब्दप्रत्ययार्थं चात्रपाठः

1046 कलथ [कल्थ्] हिंसार्थः ।

| | | |
|-----------|----------|---------|
| ब० कलथति | कलथतः | कलथन्ति |
| कलथसि | कलथथः | कलथथ |
| कलथामि | कलथावः | कलथामः |
| स० कलथेत् | कलथेताम् | कलथेयुः |
| कलथेः | कलथेतम् | कलथेत |
| कलथेयम् | कलथेव | कलथेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० कलथतु | कलथतात् | कलथताम् | कलथन्तु |
| कलथ | " | कलथतम् | कलथत |
| कलथानि | कलथाव | कलथाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अकलथत् | अकलथताम् | अकलथन् |
| अकलथः | अकलथतम् | अकलथत |
| अकलथम् | अकलथाव | अकलथाम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| अ० अकलाथीत् | अकलाथिष्टाम् | अकलाथिषुः |
| अकलाथीः | अकलाथिष्टम् | अकलाथिष्ट |
| अकलाथिषम् | अकलाथिष्व | अकलाथिष्व |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अकलथीत् | अकलथिष्टाम् | अकलथिषुः |
| अकलथी | अकलथिष्टम् | अकलथिष्ट |
| अकलथिषम् | अकलथिष्व | अकलथिष्व |

| | | |
|------------|---------|--------|
| प० चकलाथ | चकलथतुः | चकलथुः |
| चकलथिथ | चकलथथुः | चकलथ |
| चकलाथ-चकलथ | चकलथिथ | चक थिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| अ० कलथ्यात् | कलथ्यास्ताम् | कलथ्यासुः |
| कलथ्याः | कलथ्यास्तम् | कलथ्यास्त |
| कलथ्यासम् | कलथ्यास्व | कलथ्यास्म |

| | | |
|------------|------------|------------|
| भ० कलथिता | कलथितारौ | कलथितारः |
| कलथितासि | कलथितास्थः | कलथितास्थ |
| कलथितासिम् | कलथितास्वः | कलथितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० कलथिष्यति | कलथिष्यतः | कलथिष्यन्ति |
| कलथिष्यसि | कलथिष्यथः | कलथिष्यथ |
| कलथिष्यामि | कलथिष्यावः | कलथिष्यामः |

| | | |
|----------------|--------------|------------|
| कि० अकलथिष्यत् | अकलथिष्यताम् | अकलथिष्यन् |
| अकलथिष्यः | अकलथिष्यतम् | अकलथिष्यत |
| अकलथिष्यम् | अकलथिष्याव | अकलथिष्याम |

अथ दान्तौ सेटौ च ।

1047 छद् (छद्) ऊर्जने ।

ऊर्जनं प्राणनं बलनञ्च ।

छदण् संवरणे इति पठित्वेऽपि ण्यूर्जने घटादिकार्यार्थमिह पठितः । छदयत्यग्निः स्वार्थे णिच् । छादयन्तं प्रयुङ्क्ते इति णिगू वा । छदयत्यग्निरित्यादौ लक्ष्या नुरोधात् णिप्रत्यये एव ऊर्जनार्थो भवति तेन ऊर्जनार्थस्यास्य रूपाणि छदयतीत्यादीनि वक्ष्यमाणानि नतु छदतीत्यादीनि ।

1048 मदै [मद्] हर्षग्लपनयोः ।

मदैच् हर्षे इत्थयमनयोरर्थयोर्घटादिकार्यार्थमिह पठितः । एतद्रूपाणि च हर्षार्थे मदैच् हर्षे इति वज्ज्ञेयानि ग्लपनार्थे तु मदतीत्यादीनि ।

1049 छन (स्तन्) शब्दे ।

एतद्रूपाणि च स्तन शब्दे 323 इति वज्ज्ञेयानि षोपदेशत्वात्, तिष्ठनयिषति

1050 स्तन (स्तन्) शब्दे ।

स्तन शब्दे इति पठित्वेऽपि स्तनण् गर्जे इति पठिष्यमाणत्वेऽपि घटादिकार्यार्थमस्य पाठः । एतद्रूपाणि च स्तन शब्दे 323 इति वज्ज्ञेयानि । अषोपदेशत्वात्, तिष्ठनयिषति ।

1051 ध्वन (ध्वन्) शब्दे ।

ध्वन शब्दे इति पठित्वेऽपि ध्वनण् शब्दे इति पठिष्यमाणत्वेऽपि घटादिकार्यार्थमिह पाठः । रूपाणि चाध्वन शब्दे 325 इति वज्ज्ञेयानि ।

1052 स्वन (स्वन्) अवनंसे ।

पूर्वपठितस्यापि घटादिकार्यार्थमिह पाठः । एतद्रूपाणि च स्वन शब्दे 327 इति वज्ज्ञेयानि ।

1053 चन (चन्) हिंसायाम् ।

पूर्वपठितस्यापि घटादिकार्यार्थमर्थविशेषे पाठः । चन शब्दे 326 इति वज्ज्ञेयानि ।

अथ रान्तः सेट् च

1054 ज्वर [ज्वर्) रोगे ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० ज्वरति | ज्वरतः | ज्वरन्ति |
| ज्वरसि | ज्वरथः | ज्वरथ |
| ज्वरामि | ज्वरावः | ज्वरामः |
| स० ज्वरेत् | ज्वरेताम् | ज्वरेयुः |
| ज्वरेः | ज्वरेतम् | ज्वरेत |
| ज्वरेयम् | ज्वरेव | ज्वरेम |
| प० ज्वरतु | ज्वरतात् | ज्वरताम् ज्वरन्तु |
| ज्वर | „ | ज्वरतम् ज्वरत |
| ज्वराणि | ज्वराव | ज्वराम |
| झ० अज्वरत् | अज्वरताम् | अज्वरन् |
| अज्वरः | अज्वरतम् | अज्वरत |
| अज्वरम् | अज्वराव | अज्वराम |
| अ० अज्वारीत् | अज्वारिष्टाम् | अज्वारिषुः |
| अज्वारीः | अज्वारिष्टम् | अज्वारिष्ट |
| अज्वारिषम् | अज्वारिष्व | अज्वारिष्व |
| प० जज्वार | जज्वरतुः | जज्वरुः |
| जज्वरिथ | जज्वरथुः | जज्वर |
| जज्वार, जज्वर | जज्वरिष | जज्वरिम |
| आ० ज्वर्यात् | ज्वर्यास्ताम् | ज्वर्यासुः |
| ज्वर्याः | ज्वर्यास्तम् | ज्वर्यास्त |
| ज्वर्यासम् | ज्वर्याम्ब | ज्वर्यास्म |
| श्व० ज्वरिता | ज्वरितारौ | ज्वरितार |
| ज्वरितासि | ज्वरितास्थः | ज्वरितास्थ |
| ज्वरितास्मि | ज्वरितास्वः | ज्वरितास्मः |
| भ० ज्वरिष्यति | ज्वरिष्यतः | ज्वरिष्यन्ति |
| ज्वरिष्यसि | ज्वरिष्यथः | ज्वरिष्यथा |
| ज्वरिष्यामि | ज्वरिष्यावः | ज्वरिष्यामः |
| क्रि० अज्वरिष्यत् | अज्वरिष्यताम् | अज्वरिष्यन् |
| अज्वरिष्यः | अज्वरिष्यतम् | अज्वरिष्यत |
| अज्वरिष्यम् | अज्वरिष्याव | अज्वरिष्याम |

1055 चल (चल्) कम्पने । चल कम्पने
इति पठित्वेऽपि चलत् विलसने इति
चलण् भृतौ इति च पठिष्यमाणत्वेऽपि

घटादिकायार्थमस्येह पाठः । रूपाणि चास्य
चल कम्पने 972 इति वज्जेयानि ।

1056 हल (हल्) चलने ।

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| व० हलति | हलतः | हलन्ति |
| हलसि | हलथः | हलथ |
| हलामि | हलावः | हलामः |
| स० हलेत् | हलेताम् | हलेयुः |
| हलेः | हलेतम् | हलेत |
| हलेयम् | हलेव | हलेम |
| प० हलतु | हलतात् | हलताम् हलन्तु |
| हल | „ | हलतम् हलत |
| हलानि | हलाव | हलाम |
| झ० अहलत् | अहलताम् | अहलन् |
| अहलः | अहलतम् | अहलत |
| अहलम् | अहलाव | अहलाम |
| अ० अहलीत् | अहलिष्टाम् | अहलिषुः |
| अहलीः | अहलिष्टम् | अहलिष्ट |
| अहलिषम् | अहलिष्व | अहलिष्व |
| प० जहलत् | जहलतुः | जहलुः |
| जहलथि | जहलथुः | जहल |
| जहल-जहल | जहलिष | जहलिम |
| आ० हल्यात् | हल्यास्ताम् | हल्यासुः |
| हल्याः | हल्यास्तम् | हल्यास्त |
| हल्यासम् | हल्यास्व | हल्यास्म |
| श्व० हलिता | हलितारौ | हलितारः |
| हलितासि | हलितास्थः | हलितास्था |
| हलितास्मि | हलितास्वः | हलितास्मः |
| भ० हलिष्यति | हलिष्यतः | हलिष्यन्ति |
| हलिष्यसि | हलिष्यथः | हलिष्यथा |
| हलिष्यामि | हलिष्यावः | हलिष्यामः |
| क्रि० अहलिष्यत् | अहलिष्यताम् | अहलिष्यन् |
| अहलिष्यः | अहलिष्यतम् | अहलिष्यत |
| अहलिष्यम् | अहलिष्याव | अहलिष्याम |

1057 झल (झल्) चलने ।

| | | |
|-----------|------------|----------|
| व० झलति | झलतः | झलन्ति |
| झलसि | झलथः | झलथ |
| झलामि | झलावः | झलामः |
| स० झलेत् | झलेताम् | झलेयुः |
| झलेः | झलेनम् | झलेत |
| झलेयम् | झलेव | झलेम |
| प० झलतु | झलतात् | झलताम् |
| झल | झलतम् | झलत |
| झलानि | झलाव | झलाम |
| झ० अझलत् | अझलताम् | अझलन् |
| अझलः | अझलतम् | अझलत |
| अझलम् | अझलाव | अझलाम |
| अझालीत् | अझालिष्टाम | अझालिषुः |
| अझालीः | अझालिष्टम् | अझालिष्ट |
| अझालिषम् | अझालिष्व | अझालिष्व |
| प० जझाल | जझलतुः | जझलुः |
| जझलिथ | जझलथुः | जझल |
| जझाल, जझल | जझलिष्व | जझलिष्व |

आ० झल्यात् झल्यास्ताम् झल्यासुः
 झल्याः झल्यास्ताम् झल्यास्त
 झल्यासम् झल्यास्व झल्यास्म
 झ० झलिता झलितारौ झलितारः
 झलितासि झलितास्थः झलितास्थ
 झलितास्मि झलितास्वः झलितास्मः
 झ० झलिष्यति झलिष्यतः झलिष्यन्ति
 झलिष्यसि झलिष्यथः झलिष्यथ
 झलिष्यामि झलिष्यावः झलिष्यामः

क्रि० अझलिष्यत् अझलिष्यताम् अझलिष्यन्
 अझलिष्यः अझलिष्यताम् अझलिष्यत
 अझलिष्यम् अझलिष्याव अझलिष्याम

1053 ज्वल (ज्वल्) दीप्तौ च । चकारा-
 च्चलने ज्वलादौ पठितोऽप्यय घटादिका-
 र्यार्थमिहाधीतः । घटद्रूपाणि च ज्वल दीप्तौ
 960 इतिवज्ज्ञेयानि । केचित्तु दलिव-
 लिखलिक्षपित्रपेणामपि घटादित्वमिच्छ-
 न्ति । तन्मते दलयति स्खलयति क्षपयति
 त्रपयतीत्यपि भवति ।

ॐ नमः शिवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीमत्तपोगणगनाङ्गणगणनमणि सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम - तीर्थरक्षण-
 परायण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-सविग्नशास्त्रीय-आचार्य-
 षूडामणिअखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरा-
 मन्दिरेन्दिरायमाणान्तिषम्मुनिलावण्यविजयविरचिते धातु-
 रत्नाकरे औत्सर्गिकशब्दिकरणो निरनुबन्धो श्वादिगणः
 सम्पूर्णतामुपगतः ॥

॥ अथ अदादिः ॥

इहाधिकरणेषु वर्णक्रमेण धातुषु पठितेषु
पूर्वाचार्ये प्रसिद्धबनुसरणेनादेरादावुपन्यासः

1059 अदक् (अद्) भक्षणे ।

| | | |
|----------------|------------|----------------|
| व० अति | अतः | अदन्ति |
| अत्ति | अत्यः | अत्थ |
| अधि | अद्वः | अध्नः |
| स० अघात | अघाताम् | अघुः |
| अघाः | अघातम् | अघात |
| अघाम् | अघाव | अघाम |
| प० अतु | अतात् | अत्ताम् अदन्तु |
| अद्धि | " अत्तम् | अत्त |
| अदानि | अदाव | अदाम |
| प्र० आपत् | आत्ताम् | आदन् |
| आदः | आत्तम् | आत्त |
| आदम् | आद्व | आव |
| अघसत् | अघस्तताम् | अघसन |
| अघसः | अघस्ततम् | अघस्त |
| अघसम् | अघस्ताव | अघसाम |
| ज० जघात | जक्षतुः | जक्षुः |
| जघसिथ | जक्षथुः | जक्ष |
| जघास, जघस | जक्षिव | जक्षिम |
| आद | आदतुः | आदुः |
| आदिथ | आदथुः | आद |
| आद | आदिथ | आदिम |
| आ० अघात | अघास्ताम् | अघासुः |
| अघाः | अघास्तम् | अघास्त |
| अघासम् | अघास्व | अघास्म |
| अत्ता | अत्तारौ | अत्तारः |
| अत्तासि | अत्तास्थः | अत्तास्थ |
| अत्तास्मि | अत्तास्वः | अत्तास्मः |
| अ० अत्स्यति | अत्स्यतः | अत्स्यन्ति |
| अत्स्यसि | अत्स्यथः | अत्स्यथ |
| अत्स्यामि | अत्स्यावः | अत्स्याम |
| क्रि० आत्स्यत् | आत्स्यताम् | आत्स्यन् |
| आत्स्यः | आत्स्यतम् | आत्स्यत |

आत्स्यम् आत्स्याव आत्स्याम

॥ अथादन्ताश्चतुर्दशानिदम् ॥

1060 प्साक् (प्सा) भक्षणे ।

| | | |
|--------------------|----------------|-----------------|
| व० प्साति | प्सातः | प्सान्ति |
| प्सासि | प्साथः | प्साथ |
| प्सामि | प्सावः | प्सामः |
| स० प्सायात् | प्सायाताम् | प्सायुः |
| प्सायाः | प्सायातम् | प्सायान |
| प्सायाम् | प्सायाव | प्सायाम |
| प० प्सातु | प्सातान् | प्साताम् प्सातु |
| प्साहि | " प्सातम् | प्सात |
| प्सानि | प्साव | प्साम |
| प्र० अप्सात | अप्साताम् | अप्सुः अप्सान् |
| अप्साः | अप्सातम् | अप्सात |
| अप्साम् | अप्साव | अप्साम |
| अ० अप्सासीत् | अप्सासिष्टम् | अप्सासिषुः |
| अप्सासीः | अप्सासिष्टम् | अप्सासिष्ट |
| अप्सासिषम् | अप्सासिष्व | अप्सासिष्म |
| प० प्प्सौ | प्प्सतुः | प्प्सुः |
| प्प्सिथ | प्प्साथ | प्प्सथुः प्प्स |
| प्प्सौ | प्प्सिव | प्प्सिम |
| आ० प्सेयात् | प्सेयास्ताम् | प्सेयासुः |
| प्सेयाः | प्सेयास्तम् | प्सेयास्त |
| प्सेयासम् | प्सेयास्व | प्सेयास्म |
| प्सायात् | प्सायास्ताम् | प्सायासुः |
| प्सायाः | प्सायास्तम् | प्सायास्त |
| प्सायासम् | प्सायास्व | प्सायास्म |
| प्र० प्प्साता | प्प्सातारौ | प्प्सातारः |
| प्प्सातासि | प्प्सातास्थः | प्प्सातास्थ |
| प्प्सातास्मि | प्प्सातास्वः | प्प्सातास्मः |
| अ० प्प्सास्यति | प्प्सास्यतः | प्प्सास्यन्ति |
| प्प्सास्यसि | प्प्सास्यथः | प्प्सास्यथ |
| प्प्सास्यामि | प्प्सास्यावः | प्प्सास्यामः |
| क्रि० अप्प्सास्यत् | अप्प्सास्यताम् | अप्प्सास्यन् |
| अप्प्सास्यः | अप्प्सास्यतम् | अप्प्सास्यत |
| अप्प्सास्यम् | अप्प्सास्याव | अप्प्सास्याम |

1061 भाक् (भा) दीप्ती ॥

| | | |
|------------------|---------------|------------|
| ब० भाति | भातः | भान्ति |
| भासि | भाथः | भाथ |
| भामि | भाधः | भामः |
| स० भायात् | भायाताम् | भायुः |
| भायाः | भायातम् | भायात |
| भायाम् | भायाव | भायाम |
| प० भातु | भातात् भाताम् | भान्तु |
| भाहि | भातम् | भाति |
| भानि | भाध | भाम |
| झ० अभात | अभाताम् अभुः | अभात् |
| अभाः | अभातम् | अभात |
| अभाम् | अभाध | अभाम |
| अ० अभासीत् | अभासिष्टाम् | अभासिषुः |
| अभासीः | अभासिष्टम् | अभासिष्ट |
| अभासिषम् | अभासिष्व | अभासिष्म |
| प० बभौ | बभुतुः | बभुः |
| बभिय | बभाथ | बभुः बभ |
| बभौ | बभिव | बभिम |
| भायात् | भायास्ताम् | भायासुः |
| भायाः | भायास्तम् | भायास्त |
| भायासम् | भायास्व | भायास्म |
| प्रव० भाता | भातारौ | भातारः |
| भातासि | भातास्थः | भातास्थ |
| भातास्मि | भातास्वः | भातास्मः |
| भ० भास्यति | भास्यतः | भास्यन्ति |
| भास्यसि | भास्यथः | भास्यथ |
| भास्यामि | भास्यावः | भास्यामः |
| क्रि० अभ्रास्यत् | अभ्रास्यताम् | अभ्रास्यन् |
| अभ्रास्यः | अभ्रास्यतम् | अभ्रास्यत |
| अभ्रास्यम् | अभ्रास्याव | अभ्रास्याम |

1062 याक् (या) प्रापणे ।

| | | |
|----------------|---------------|-----------|
| याति | यातः | यान्ति |
| यासि | याथः | याथ |
| यामि | यावः | यामः |
| स० यायात् | यायाताम् | यायुः |
| यायाः | यायातम् | यायात |
| यायाम् | यायाव | यायाम |
| प० यातु | यातात् याताम् | यान्तु |
| याहि | यातात् यातम् | याति |
| यानि | याव | याम |
| झ० अयात | अयाताम् | अयुः ३ |
| अयाः | अयातम् | अयात |
| अयाम् | अयाव | अयाम |
| अ० अयासीत् | अयासिष्टाम् | अयासिषुः |
| अयासीः | अयासिष्टम् | अयासिष्ट |
| अयासिषम् | अयासिष्व | अयासिष्म |
| प० ययौ | ययतुः | ययुः |
| ययिथ | ययाथ | ययथ |
| ययौ | ययिव | ययिम |
| आ० यायात् | यायास्ताम् | य |
| यायाः | यायास्तम् | याय |
| यायासम् | यायास्व | यायास्म |
| प्रव० याता | यातारौ | यातारः |
| यातासि | यातास्थः | यातास्थ |
| यातास्मि | यातास्वः | यातास्मः |
| भ० यास्यति | यास्यतः | यास्यन्ति |
| यास्यसि | यास्यथः | यास्यथ |
| यास्यामि | यास्यावः | यास्यामः |
| क्रि० अयास्यत् | अयास्यताम् | अयास्यन् |
| अयास्यः | अयास्यतम् | अयास्यत |
| अयास्यम् | अयास्याव | अयास्याम |

1063 वांक् (वा) गतिगन्धनयोः

| | | |
|----------------|-------------|-----------|
| व० वाति | वातः | वान्ति |
| वासि | वाथः | वाथ |
| वामि | वावः | वामः |
| स० वायात् | वायाताम् | वायुः |
| वायाः | वायातम् | वायात |
| वायाम् | वायाव | वायाम |
| प० वातु | वातात् | वाताम् |
| वाहि | वातात् | वातम् |
| वानि | वाव | वाम |
| झ० अवात् | अवाताम् | अवुः |
| अवाः | अवातम् | अवात |
| अवाम् | अवाव | अवाम |
| अ० अवासीत् | अवासिष्टाम् | अवासिषुः |
| अवासीः | अवासिष्टम् | अवासिष्ट |
| अवासिषम् | अवासिष्व | अवासिष्म |
| प० ववौ | ववतुः | ववुः |
| वविथ | ववथ | ववथुः वव |
| ववौ | वविष | वविष |
| आ० वायात् | वायास्ताम् | वायासुः |
| वायाः | वायास्तम् | वायास्त |
| वायासम् | वायास्व | वायास्म |
| श्व० वाता | वातारौ | वातारः |
| वातासि | वातास्थः | वातास्थ |
| वातास्मि | वातास्वः | वातास्मः |
| भ० वास्यति | वास्यतः | वास्यन्ति |
| वास्यसि | वास्यथः | वास्यथ |
| वास्यामि | वास्यावः | वास्यामः |
| क्रि० अवास्यत् | अवास्यताम् | अवास्यन् |
| अवास्यः | अवास्यतम् | अवास्यत |
| अवास्यम् | अवास्याव | अवास्याम |

1064 णांक् (स्ना) शौचे ।

| | | |
|------------------|---------------|-------------------|
| व० स्नाति | स्नातः | स्नान्ति |
| स्नासि | स्नाथः | स्नाथ |
| स्नामि | स्नावः | स्नामः |
| स० स्नायात् | स्नायाताम् | स्नायुः |
| स्नायाः | स्नायातम् | स्नायात |
| स्नायाम् | स्नायाव | स्नायाम |
| प० स्नातु | स्नातात् | स्नाताम् |
| स्नाहि | स्नातात् | स्नातम् |
| स्नानि | स्नाव | स्नाम |
| झ० अस्नात् | अस्नाताम् | अस्नुः |
| अस्नाः | अस्नातम् | अस्नात |
| अस्नाम् | अस्नाव | अस्नाम |
| अ० अस्नासीत् | अस्नासिष्टाम् | अस्नासिषुः |
| अस्नासीः | अस्नासिष्टम् | अस्नासिष्ट |
| अस्नासिषम् | अस्नासिष्व | अस्नासिष्म |
| प० सस्नौ | सस्नतुः | सस्नुः |
| सस्निथ | सस्नाथ | सस्नथुः सस्न |
| सस्नौ | सस्निव | सस्निम |
| आ० स्नेयात् | स्नेयास्ताम् | स्नेयासुः |
| स्नेयाः | स्नेयास्तम् | स्नेयास्त |
| स्नेयासम् | स्नेयास्व | स्नेयास्म |
| आ० स्नायात् | स्नायास्ताम् | स्नायासुः इत्यादि |
| श्व० स्नाता | स्नातारौ | स्नातारः स्नाता |
| स्नातासि | स्नातास्थः | स्नातास्थ |
| स्नातास्मि | स्नातास्वः | स्नातास्मः |
| भ० स्नास्यति | स्नास्यतः | स्नास्यन्ति |
| स्नास्यसि | स्नास्यथः | स्नास्यथ |
| स्नास्यामि | स्नास्यावः | स्नास्यामः |
| क्रि० अस्नास्यत् | अस्नास्यताम् | अस्नास्यन् |
| अस्नास्यः | अस्नास्यतम् | अस्नास्यत |
| अस्नास्यम् | अस्नास्याव | अस्नास्याम |

1065 आंक् (आ) पाके ।

| | | |
|-------------|-------------|----------------|
| व० आति | आतः | आन्ति |
| आसि | आथः | आथ |
| आमि | आवः | आमः |
| स० आयात् | आयाताम् | आयुः |
| आयाः | आयातम् | आयात |
| आयाम् | आयाव | आयाम |
| प० आतु | आतात् आताम् | आन्तु |
| आहि | " आतम् | आत |
| आणि | आव | आम |
| ह्य० अआत | अआताम् अभुः | अआन् |
| अआः | अआतम् | अआत |
| अआम् | अआव | अआम |
| अ० अआसीत् | अआसिष्टाम् | अआसिषुः |
| अआसीः | अआसिष्टम् | अआसिष्ट |
| अआसिषम् | अआसिष्व | अआसिष्य |
| प० शओ | शओतुः | शओः |
| शओथ | शओथ | शओथुः शओ |
| शओ | शओव | शओम |
| आ० अयात् | अयास्ताम् | अयासुः |
| अयाः | अयास्तम् | अयास्त |
| अयासम् | अयास्व | अयास्म |
| आ० अयात् | अयास्ताम् | अयासुः इत्यादि |
| प्रव० आता | आतारौ | आतारः |
| आतासि | आतास्थः | आतास्थ |
| आतास्मि | आतास्वः | आतास्मः |
| भ० आस्यति | आस्यतः | आस्यन्ति |
| आस्यसि | आस्यथः | आस्यथ |
| आस्यामि | आस्यावः | आस्यामः |
| कि० अआस्यत् | अआस्यताम् | अआस्यन् |
| अआस्यः | अआस्यतम् | अआस्यत |
| अआस्यम् | अआस्याव | अआस्याम |

1066 द्रांक् (द्रा) कुत्सितगती

कुत्सिता गतिः पलायनं स्वप्नश्च ।

| | | |
|----------------|-------------------|------------------|
| व० द्राति | द्रातः | द्रान्ति |
| द्रासि | द्राथः | द्राथ |
| द्रामि | द्रावः | द्रामः |
| स० द्रायात् | द्रायाताम् | द्रायुः |
| द्रायाः | द्रायातम् | द्रायात |
| द्रायाम् | द्रायाव | द्रायाम |
| प० द्रातु | द्रातात् द्राताम् | द्रान्तु |
| द्राहि | द्रातात् द्रातम् | द्रात |
| द्राणि | द्राव | द्राम |
| ह्य० अद्रात | अद्राताम् अद्रुः | अद्रान् |
| अद्राः | अद्रातम् | अद्रात |
| अद्राम् | अद्राव | अद्राम |
| अ० अद्रासीत् | अद्रासिष्टाम् | अद्रासिषुः |
| अद्रासीः | अद्रासिष्टम् | अद्रासिष्ट |
| अद्रासिषम् | अद्रासिष्व | अद्रासिष्य |
| प० द्रौ | द्रौतुः | द्रुः |
| द्रौथ | द्रौथ | द्रुथुः द्रुः |
| द्रौ | द्रौव | द्रौम |
| आ० द्रायात् | द्रायास्ताम् | द्रायासुः |
| द्रायाः | द्रायास्तम् | द्रायास्त |
| द्रायासम् | द्रायास्व | द्रायास्म |
| द्रयात् | द्रयास्ताम् | द्रयासुः इत्यादि |
| प्रव० द्राता | द्रातारौ | द्रातारः |
| द्रातामि | द्रातास्थः | द्रातास्थ |
| द्रातास्मि | द्रातास्वः | द्रातास्मः |
| भ० द्रास्यति | द्रास्यतः | द्रास्यन्ति |
| द्रास्यसि | द्रास्यथः | द्रास्यथ |
| द्रास्यामि | द्रास्यावः | द्रास्यामः |
| कि० अद्रास्यत् | अद्रास्यताम् | अद्रास्यन् |
| अद्रास्यः | अद्रास्यतम् | अद्रास्यत |
| अद्रास्यम् | अद्रास्याव | अद्रास्याम |

1067 पाक् (पा) रक्षणे ।

| | | |
|----------------|------------|-----------|
| ब० पाति | पातः | पान्ति |
| पासि | पाथः | पाथ |
| पामि | पावः | पामः |
| स० पायात् | पायाताम् | पायुः |
| पायाः | पायातम् | पायात |
| पायाम् | पायाव | पायाम |
| प० पातु | पातात् | पाताम् |
| पाहि | पातात् | पातम् |
| पानि | पाव | पाम |
| झ० अपात | अपाताम् | अपान् |
| अपाः | अपातम् | अपात |
| अपाम् | अपाव | अपाम |
| अ० अपासीत् | अपासिताम् | अपासिषुः |
| अपासीः | अपासितम् | अपासिट |
| अपासिषम् | अपासिष्व | अपासिष्म |
| प० पपौ | पपतुः | पपुः |
| पपिथ | पपाथ | पपथुः पप |
| पपौ | पपिथ | पपिम |
| आ० पायात् | पायास्ताम् | पायासुः |
| पायाः | पायास्तम् | पायास्त |
| पायासम् | पायास्व | पायास्म |
| झ० पाता | पातारौ | पातारः |
| पातासि | पातास्थः | पातास्थ |
| पातास्मि | पातास्वः | पातास्मः |
| भ० पास्यति | पास्यतः | पास्यन्ति |
| पास्यसि | पास्यथः | पास्यथ |
| पास्यामि | पास्यावः | पास्यामः |
| क्रि० अपास्यत् | अपास्यताम् | अपास्यन् |
| अपास्यः | अपास्यतम् | अपास्यत |
| अपास्यम् | अपास्याव | अपास्याम |

1068 लाक् (ला) आदाने ।

| | | |
|----------------|------------|-----------|
| ब० लाति | लातः | लान्ति |
| लासि | लाथः | लाथ |
| लामि | लावः | लामः |
| स० लायात् | लायाताम् | लायुः |
| लायाः | लायातम् | लायात |
| लायाम् | लायाव | लायाम |
| प० लातु | लातात् | लाताम् |
| लाहि | लातात् | लातम् |
| लानि | लाव | लाम |
| झ० अलात | अलाताम् | अलान् |
| अलाः | अलातम् | अलात |
| अलाम् | अलाव | अलाम |
| अ० अलासीत् | अलासिताम् | अलासिषुः |
| अलासीः | अलासितम् | अलासिट |
| अलासिषम् | अलासिष्व | अलासिष्म |
| प० ललौ | ललतुः | ललुः |
| ललिथ | ललाथ | ललथुः लल |
| ललौ | ललिथ | ललिम |
| आ० लायात् | लायास्ताम् | लायासुः |
| लायाः | लायास्तम् | लायास्त |
| लायासम् | लायास्व | लायास्म |
| झ० लात | लातारौ | लातारः |
| लातामि | लातास्थः | लातास्थ |
| लातास्मि | लातास्वः | लातास्मः |
| भ० लास्यति | लास्यतः | लास्यन्ति |
| लास्यसि | लास्यथः | लास्यथ |
| लास्यामि | लास्यावः | लास्यामः |
| क्रि० अलास्यत् | अलास्यताम् | अलास्यन् |
| अलास्यः | अलास्यतम् | अलास्यत |
| अलास्यम् | अलास्याव | अलास्याम |

1069 राङ्क् (रा) दाने,

| | | |
|----------------|------------|------------|
| व० राति | रातः | रान्ति |
| रासि | राथः | राथ |
| रामि | रावः | रामः |
| स० रायात् | रायाताम् | रायुः |
| रायाः | रायातम् | रायात |
| रायाम् | रायाव | रायाम |
| प० रातु | रातात् | राताम् |
| राहि | राताव | रातम् |
| राणि | राव | राम |
| छ० अरात् | अराताम् | अरुः अरान् |
| अराः | अरातम् | अरात |
| अराम् | अराव | अराम |
| अ० अरासीत् | अरासिष्टम् | अरासिषुः |
| अरासीः | अरासिष्टम् | अरासिष्ट |
| अरासिषम् | अरासिष्व | अरासिष्व |
| प० ररौ | ररतुः | ररुः |
| ररिथ | रराथ | ररथुः |
| ररौ | ररिव | ररिम |
| आ० रायात् | रायास्ताम् | रायासुः |
| रायाः | रायास्तम् | रायास्त |
| रायासम् | रायास्व | रायास्म |
| श्व० राता | रातारौ | रातारः |
| रातासि | रातास्थः | रातास्थ |
| रातास्मिः | रातास्व | रातास्मः |
| भ० रास्यति | रास्यतः | रास्यन्ति |
| रास्यसि | रास्यथः | रास्यथ |
| रास्यमि | रास्यावः | रास्यामः |
| क्रि० अरास्यत् | अरास्यताम् | अरास्यन् |
| अरास्यः | अरास्यतम् | अरास्यत |
| अरास्यम् | अरास्याव | अरास्याम |

1070 दाङ्क् (दा) लवने ।

| | | |
|----------------|------------|------------|
| व० दाति | दातः | दान्ति |
| दासि | दाथः | दाथ |
| दामि | दावः | दामः |
| स० दायात् | दायाताम् | दायुः |
| दायाः | दायातम् | दायात |
| दायाम् | दायाव | दायाम |
| प० दातु | दातान् | दाताम् |
| दाहि | दातान् | दातम् |
| दानि | दाव | दाम |
| छ० अदात् | अदाताम् | अदुः अदान् |
| अदाः | अदातम् | अदात |
| अदाम् | अदाव | अदाम |
| अ० अदासीत् | अदासिष्टम् | अदासीषुः |
| अदासीः | अदासिष्टम् | अदासिष्ट |
| अदासिषम् | अदासिष्व | अदासिष्व |
| प० ददौ | ददतुः | ददुः |
| ददिथ | ददाथ | ददथुः |
| ददौ | ददिव | ददिम |
| आ० दायात् | दायास्ताम् | दायासुः |
| दायाः | दायास्तम् | दायास्त |
| दायासम् | दायास्व | दायास्म |
| श्व० दाता | दातारौ | दातारः |
| दातासि | दातास्थः | दातास्थ |
| दातास्मि | दातास्वः | दातास्मः |
| भ० दास्यति | दास्यतः | दास्यन्ति |
| दास्यसि | दास्यथः | दास्यथ |
| दास्यामि | दास्यावः | दास्यामः |
| क्रि० अदास्यत् | अदास्यताम् | अदास्यन् |
| अदास्यः | अदास्यतम् | अदास्यत |
| अदास्यम् | अदास्याव | अदास्याम |

1071 ख्यांक् (ख्या) प्रथने ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------------|
| ख० ख्याति | ख्यातः | ख्यान्ति |
| ख्यासि | ख्याथः | ख्याथ |
| ख्यामि | ख्यावः | ख्यामः |
| स० ख्यायात् | ख्यायाताम् | ख्यायुः |
| ख्यायाः | ख्यायातम् | ख्यायात |
| ख्यायाम् | ख्यायाव | ख्यायाम |
| प० ख्यातु | ख्यातात् | ख्याताम् |
| ख्याहि | ख्यातम् | ख्यात |
| ख्यानि | ख्याव | ख्याम |
| झ० अख्यात् | अख्याताम् | अख्यान् अख्युः |
| अख्याः | अख्यातम् | अख्यात |
| अख्याम् | अख्याव | अख्याम |
| अ० अख्यत् | अख्यताम् | अख्यन् |
| अख्यः | अख्यतम् | अख्यत |
| अख्यम् | अख्याव | अख्याम |
| प० चख्यौ | चख्यतुः | चख्युः |
| चख्यिथ | चख्याथ | चख्यथु चख्य |
| चख्यौ | चख्यव | चख्यम |
| आ० ख्येयात् | ख्येयास्ताम् | ख्येयामुः |
| ख्येयाः | ख्येयास्तम् | ख्येयास्त |
| ख्येयासम् | ख्येयास्व | ख्येयास्म |
| ख्यायात् | ख्यायास्ताम् | ख्यायासुः इत्यादि |
| प्र० ख्याता | ख्यातारौ | ख्यातारः |
| ख्यातासि | ख्यातास्थाः | ख्यातास्था |
| ख्यातास्मि | ख्यातास्वः | ख्यातास्मः |
| भ० ख्यास्यति | ख्यास्यतः | ख्यास्यन्ति |
| ख्यास्यसि | ख्यास्यथः | ख्यास्यथ |
| ख्यास्यामि | ख्यास्यावः | ख्यास्यामः |
| क्रि० अख्यास्यते | अख्यास्यताम् | अख्यास्यन् |
| अख्यास्यः | अख्यास्यतम् | अख्यास्यत |
| अख्यास्यम् | अख्यास्याव | अख्यास्याम |

1072 प्रांक् (प्रा) पूरणे ।

| | | |
|------------------|---------------|-------------|
| व० प्राति | प्रातः | प्राप्ति |
| प्रासि | प्राथः | प्राथ |
| प्रामि | प्रावः | प्रामः |
| स० प्रायात् | प्रायाताम् | प्रायुः |
| प्रायाः | प्रायातम् | प्रायात |
| प्रायाम् | प्रायाव | प्रायाम |
| प० प्रातु | प्रातात् | प्राताम् |
| प्राहि | प्रातात् | प्रातम् |
| प्राणि | प्राव | प्राम |
| झ० अप्रात् | अप्राताम् | अप्रान् |
| अप्राः | अप्रातम् | अप्रात |
| अप्राम् | अप्राव | अप्राम |
| अ० अप्रासीत् | अप्रासिष्टाम् | अप्रासिषुः |
| अप्रासीः | अप्रासिष्टम् | अप्रासिष्ट |
| अप्रासिषम् | अप्रासिष्व | अप्रासिष्म |
| प० प्रपौ | प्रप्रतुः | प्रप्रुः |
| प्रप्रिथ | प्रप्राथ | प्रप्रथुः |
| प्रपौ | प्रप्रिव | प्रप्रिम |
| आ० प्रेयात् | प्रेयास्ताम् | प्रेयासुः |
| प्रेयाः | प्रेयास्तम् | प्रेयास्त |
| प्रेयासम् | प्रेयास्व | प्रेयास्म |
| आ० प्रायात् | प्रायास्ताम् | प्रायासुः |
| प्रायाः | प्रायास्तम् | प्रायास्त |
| प्रायासम् | प्रायास्व | प्रायास्म |
| प्र० प्राता | प्रातारौ | प्रातारः |
| प्रातासि | प्रातास्थः | प्रातास्थ |
| प्रातास्मि | प्रातास्वः | प्रातास्मः |
| भ० प्रास्यति | प्रास्यतः | प्रास्यन्ति |
| प्रास्यसि | प्रास्यथः | प्रास्यथ |
| प्रास्यामि | प्रास्यावः | प्रास्यामः |
| क्रि० अप्रास्यत् | अप्रास्यताम् | अप्रास्यन् |
| अप्रास्यः | अप्रास्यतम् | अप्रास्यत |
| अप्रास्यम् | अप्रास्याव | अप्रास्याम |

1073 मांकू (मा) माने मानं वर्तनम् ।

| | | |
|----------------|---------------|-----------|
| ब० माति | मातः | मान्ति |
| मासि | माथः | माथ |
| मामि | मावः | मामः |
| स० मायात् | मायाताम् | मायुः |
| मायाः | मायातम् | मायात |
| मायाम् | मायाव | मायाम् |
| प० मातु | मातात् माताम् | मान्तु |
| माहि | " मातम् | मात |
| मानि | माव | माम |
| ह्य० अमात् | अमाताम् | अमात् |
| अमाः | अमातम् | अमात |
| अमाम् | अमाव | अमाम |
| अ० अमासीत् | अमासिष्टाम् | अमासिषुः |
| अमासीः | अमासिष्टम् | अमासिष्ट |
| अमासिषम् | अमासिष्व | अमासिष्व |
| प० ममौ | ममतुः | ममुः |
| ममिथ ममाथ | ममथुः | मम |
| ममौ | ममिव | ममिम |
| आ० मेयात् | मेयास्ताम् | मेयासुः |
| मेयाः | मेयास्तम् | मेयास्त |
| मेयासम् | मेयास्व | मेयास्म |
| श्व० माता | मातारौ | मातारः |
| मातासि | मातास्थः | मातास्थ |
| मातास्मि | मातास्वः | मातास्मः |
| भ० मास्यति | मास्यतः | मास्यन्ति |
| मास्यसि | मास्यथः | मास्यथ |
| मास्यामि | मास्यावः | मास्यामः |
| क्रि० अमास्यत् | अमास्यताम् | अमास्यन् |
| अमास्यः | अमास्यतम् | अमास्यत |
| अमास्यम् | अमास्याव | अमास्याम |

। अध्येन्तावनिटौ च ॥

1074 इंकू (इ) स्मरणे

इङ्किवाधिनेव प्रयुज्येते

| | | | |
|------------------|--------------|--------------|----------|
| ब० अध्येति | अधीतः | अधियन्ति | अधीयन्ति |
| अध्येषि | अधीथः | अधीथ | |
| अध्येमि | अधीवः | अधीमः | |
| स० अधीयात् | अधीयाताम् | अधीयुः | |
| अधीयाः | अधीयातम् | अधीयात् | |
| अधीयाम् | अधीयाव | अधीयाम् | |
| प० अध्येतु | अधीतात् | अधीताम् | अधियन्तु |
| | | | अधीयन्तु |
| अधीहि | अधीतात् | अधीतम् | अधीत |
| अध्ययानि | अध्ययाव | अध्ययाम | |
| ह्य० अध्यैत् | अध्यैताम् | अध्यैयन् | अध्यायन् |
| अध्यैः | अध्यैतम् | अध्यैत | |
| अध्याधम् | अध्यैव | अध्यैम | |
| अ० अध्यगात् | अध्यगाताम् | अध्यगुः | |
| अध्यगाः | अध्यगातम् | अध्यगात् | |
| अध्यगाम् | अध्यगाव | अध्यगाम | |
| प० अधीयाय | अधीयतुः | अधीयुः | |
| अधीयेथ | अधीयथिथ | अधीयथुः | अधी |
| अधीयाय | अधीयय | अधीयिव | अधीयिम |
| आ० अधीयात् | अधीयास्ताम् | अधीयासुः | |
| अधीयाः | अधीयास्तम् | अधीयास्त | |
| अधीयासम् | अधीयास्व | अधीयास्म | |
| श्व० अध्येता | अध्येतारौ | अध्येतारः | |
| अध्येतासि | अध्येतास्थः | अध्येतास्थ | |
| अध्येतास्मि | अध्येतास्वः | अध्येतास्मः | |
| भ० अध्येष्यति | अध्येष्यतः | अध्येष्यन्ति | |
| अध्येष्यसि | अध्येष्यथः | अध्येष्यथ | |
| अध्येष्यामि | अध्येष्यावः | अध्येष्यामः | |
| क्रि० अध्यैष्यत् | अध्यैष्यताम् | अध्यैष्यन् | |
| अध्यैष्यः | अध्यैष्यतम् | अध्यैष्यत | |
| अध्यैष्यम् | अध्यैष्याव | अध्यैष्याम | |

1075 ईष्कृ (इ) गतौ

| | | |
|--------------|-----------|---------|
| ख० पति | इतः | पति |
| पषि | इथः | पथ |
| पमि | इवः | इमः |
| स० इयात् | इयाताम् | इयुः |
| इयाः | इयातम् | इयात |
| इयाम् | इयाव | इयाम |
| प० पतु इतात् | इताम् | पन्तु |
| इहि | इतम् | इत |
| अयानि | अयाव | अयाम |
| झ० ऐत | ऐताम् | आयन् |
| ऐः | ऐतम् | ऐत |
| आयम् | ऐव | ऐम |
| अ० अगात् | अगाताम् | अगुः |
| अगाः | अगातम् | अगात |
| अगाम् | अगाव | अगाम |
| प० इयाय | इयतुः | इयुः |
| इययिथ | इयेथ | इयथुः |
| इयाय | इयय | इयिव |
| इयिम् | | इयिम् |
| आ० ईयात् | ईयास्ताम् | ईयातुः |
| ईयाः | ईयास्तम् | ईयास्त |
| ईयासम् | ईयास्व | ईयास्म |
| प्र० एता | एतारौ | एतारः |
| एतासि | एतास्थः | एतास्थ |
| एतास्मि | एतास्वः | एतास्मः |
| भ० ऐयति | ऐयतः | ऐयन्ति |
| ऐयसि | ऐयथः | ऐयथ |
| ऐयामि | ऐयावः | ऐयामः |
| क्र० ऐयत् | ऐयताम् | ऐयन् |
| ऐयः | ऐयतम् | ऐयत |
| ऐयम् | ऐयाव | ऐयाम |

। अथेदन्तोऽनिट् च ।

1076 वीष्कृ (वी) प्रजनकान्त्यसनखा-
दनेषु च । चकाराद्गती, प्रजनः प्रथमगर्भ-
ग्रहणम् । असनं क्षेपः ।

| | | |
|----------------|------------|----------|
| ख० वेति | वीतः | वियन्ति |
| वेषि | वीथः | वीथ |
| वेषि | वीवः | वीमः |
| स० वीयात् | वीयाताम् | वीयुः |
| वीयाः | वीयातम् | वीयात |
| वीयाम् | वीयाव | वीयाम |
| प० वेतु वीतात् | वीताम् | वियन्तु |
| वीहि " | वीतम् | वीत |
| वयानि | वयाव | वयाम |
| झ० अवेत् | अवीताम् | अवियन् |
| अवेः | अवीतम् | अवीत |
| अवयम् | अवीव | अवीम |
| अ० अवैषीत् | अवैष्टाम् | अवैषुः |
| अवैषीः | अवैष्टम् | अवैष्ट |
| अवैषम् | अवैषव | अवैषम |
| प० विवाय | विव्यतुः | विव्युः |
| विशयिथ | विदेथ | विशयथुः |
| विवाय | विवय | विशियव |
| विशियम् | | विशियम् |
| आ० वीयात् | वीयास्ताम् | वीयातुः |
| वीयाः | वीयास्तम् | वीयास्त |
| वीयासम् | वीयास्व | वीयास्म |
| प्र० वेता | वेतारौ | वेतारः |
| वेतासि | वेतास्थः | वेतास्था |
| वेतास्मि | वेतास्वः | वेतास्मः |
| भ० वेयति | वेयतः | वेयन्ति |
| वेयसि | वेयथः | वेयथ |
| वेयामि | वेयावः | वेयामः |
| क्र० अवेयत् | अवेयताम् | अवेयन् |
| अवेयः | अवेयतम् | अवेयत |
| अवेयम् | अवेयाव | अवेयाम |

1076 चीकृ (ची) ईकृ इति

धातुन्तरप्रश्लेष इति केचित् ।

| | | | |
|------|---------------|-------------|-------------|
| व० | एति | ईतः | इयन्ति |
| | एषि | ईथः | ईथ |
| | एमि | ईवः | ईमः |
| स० | ईयात् | ईयाताम् | ईयुः |
| | ईयाः | ईयाताम् | ईयात |
| | ईयाम् | ईयाव | ईयाम |
| प० | पतु | ईतात् | ईताम् |
| | ईहि | ईतान् | ईतम् |
| | अयानि | अयाव | अयाम |
| ल० | पेत | पेताम् | पेयन् |
| | पेः | पेतम् | पेत |
| | आयम् | पेव | पेम |
| अ० | पेयीत् | पेयताम् | पेषुः |
| | पेयीः | पेयताम् | पेयत |
| | पेयम् | पेयव | पेयम् |
| प० | अयाञ्चकार | अयाञ्चक्रुः | अयाञ्चक्रुः |
| | अयाञ्चकथं | अयाञ्चकथुः | अयाञ्चक्रुः |
| | अयाञ्चकार-धकर | अयाञ्चक्रि | अयाञ्चक्रि |
| | अयाञ्चकृ | अयामास | अयामास |
| आ० | ईयात् | ईयाताम् | ईयासुः |
| | ईयाः | ईयाताम् | ईयासुः |
| | ईयासम् | ईयाव | ईयासम् |
| प्र० | पता | पतारौ | पतारः |
| | पतासि | पतास्थः | पतास्थ |
| | पतास्मि | पतास्वः | पतास्मः |
| भ० | पश्यति | पश्यतः | पश्यन्ति |
| | पश्यसि | पश्यथः | पश्यथ |
| | पश्यामि | पश्यावः | पश्यामः |
| क्र० | पेय्यत् | पेय्यताम् | पेय्यन् |
| | पेय्यः | पेय्यताम् | पेय्यत |
| | पेय्यम् | पेय्याव | पेय्याम |

॥ अथोदन्ता ददा ॥

1077 द्युक् (द्यु) अभिगमने ।

| | | | |
|------|------------|--------------|-------------|
| व० | द्यौति | द्युतः | द्युवन्ति |
| | द्यौषि | द्युथः | द्युथ |
| | द्यौमि | द्युवः | द्युमः |
| स० | द्युयात् | द्युयाताम् | द्युयुः |
| | द्युयाः | द्युयाताम् | द्युयात |
| | द्युयाम् | द्युयाव | द्युयाम |
| प० | द्यौतु | द्युतात् | द्युताम् |
| | द्युहि | द्युतान् | द्युतम् |
| | द्यवानि | द्यवाव | द्यवाम |
| ल० | अद्यौत् | अद्युताम् | अद्युवन् |
| | अद्यौः | अद्युतम् | अद्युत |
| | अद्यवम् | अद्युव | अद्यम |
| भ० | अद्यौषीत् | अद्यौषाम् | अद्यौषुः |
| | अद्यौषीः | अद्यौषताम् | अद्यौषत |
| | अद्यौषम् | अद्यौषव | अद्यौषम् |
| प० | द्युयाव | द्युयवतु | द्युयुः |
| | द्युयविथ | द्युयथ | द्युयवधुः |
| | द्युयाव | द्युयव | द्युयविव |
| आ० | द्युयात् | द्युयाताम् | द्युयासुः |
| | द्युयाः | द्युयाताम् | द्युयासुः |
| | द्युयासम् | द्युयाव | द्युयासम् |
| प्र० | द्यौता | द्यौतारौ | द्यौतारः |
| | द्यौतासि | द्यौतास्थः | द्यौतास्थ |
| | द्यौतास्मि | द्यौतास्वः | द्यौतास्मः |
| भ० | द्यौष्यति | द्यौष्यतः | द्यौष्यन्ति |
| | द्यौष्यसि | द्यौष्यथः | द्यौष्यथ |
| | द्यौष्यामि | द्यौष्यावः | द्यौष्यामः |
| क्र० | अद्यौष्यत् | अद्यौष्यताम् | अद्यौष्यन् |
| | अद्यौष्यः | अद्यौष्यताम् | अद्यौष्यत |
| | अद्यौष्यम् | अद्यौष्याव | अद्यौष्याम |

1078 पुं० (सु) प्रसवैश्वर्ययोः ।

व० सौति सुतः सुवन्ति,
सौषि सुथः सुथ
सौमि सुवः सुमः

स० सुयात् सुयाताम् सुयुः
सुयाः सुयातम् सुयात
सुयाम सुयाव सुयाम

प० सौतु सुतात् सुताम् सुवन्तु
सुहि सुतात् सुतम् सुत
सवानि सवाव सवाम

ह्य० असौत् असुताम् असुवन
असौः असुतम् असुत
असवम् असुव असुम

अ० असाशीत् असाविशम् असाविषुः
असावीः असाविष्टम् असाविष्ट
असाविषम् असाविष्म असाविष्म

प० सुषाव सुषुवत् सुषुवुः
सुषविथ सुषोथ सुषुवथुः सुषुव
सुषाव सुषव सुषुविव सुषुविम

आ० सूयात् सूयास्ताम् सूयासुः
सूयाः सूयास्तम् सूयास्त
सूयासम् सूयास्व सूयास्म

श्व० सोता सोतारौ सोतारः
सोतासि सोतास्थः सोतास्थ
सोतास्मि सोतास्वः सोतास्मः

भ० सोष्यति सोष्यतः सोष्यन्ति
सोष्यसि सोष्यथः सोष्यथ
सोष्यामि सोष्यावः सोष्यामः

क्रि० असोष्यत् असोष्यताम् असोष्य
असोष्यः असोष्यतम् असोष्यत
असोष्यम् असोष्याव असोष्याम

1079 तुं० (तु) वृत्तिहिंसापूरणेषु

व० तवीति तौति तुतः तुवन्ति
तवीषि तौषि तुथः तुथ
तवीमि तौमि तुवः तुमः

स० तुयात् तुयाताम् तुयुः
तुयाः तुयातम् तुयात
तुयाम तुयाव तुयाम

प० तवीतु तौतु तुतात् तुताम् तुवन्तु
तुहि तुतात् तुतम् तुत
तवानि तवाव तवाम

ह्य० अतवीत् अतौत् अतुताम् अतुवन
अतवीः अतौः अतुतम् अतुत
अतवम् अतुव अतुम

अ० अतौपीत् अतौष्टाम् अतौषुः
अतौषीः अतौष्टम् अतौष्ट
अतौषम् अतौष्व अतौष्म

प० तुताव तुतवत् तुतवुः
तुतविथ तुतोथ तुतवथुः तुतव
तुताव तुतव तुतविथ तुतविम

आ० तूयात् तूयास्ताम् तूयासुः
तूयाः तूयास्तम् तूयास्त
तूयासम् तूयास्व तूयास्म

प्र० तोना तोतारौ तोतारः
तोतासि तोतास्थः तोतास्थ
तोतास्मि तोतास्वः तोतास्मः

भ० तोष्यति तोष्यतः तोष्यन्ति
तोष्यसि तोष्यथः तोष्यथ
तोष्यामि तोष्यावः तोष्यामः

क्र० अतोष्यत् अतोष्यताम् अतोष्यन्
अतोष्यः अतोष्यतम् अतोष्यत
अतोष्यम् अतोष्याव अतोष्याम

1080 युक् (यु) मिश्रणे ।

| | | |
|---------|------|---------|
| व० यौति | युतः | युवन्ति |
| यौषि | युथः | युथ |
| यौमि | युषः | युमः |

| | | |
|-----------|----------|-------|
| स० युयात् | युयाताम् | युयुः |
| युयाः | युयातम् | युयान |
| युयाम् | युयाव | युयाम |

| | | | |
|---------|--------|--------|---------|
| प० यौतु | युतात् | युताम् | युवन्तु |
| युहि | युतात् | युतम् | युत |
| यवानि | यवाव | यवाम | |

| | | |
|------------|---------|-------|
| ह्य० अयौत् | अयुताम् | अयुवन |
| अयौः | अयुतम् | अयुत |
| अयवम् | अयुव | अयुम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अयावीत् | अयाविष्टाम् | अयाविषुः |
| अयावीः | अयाविष्टम् | अयाविष्ट |
| अयाविषम् | अयाविष्व | अयाविष्व |

| | | |
|-------------|----------|---------|
| प० युयाव | युयुवतुः | युयुवुः |
| युयविथ | युयुवथुः | युयुव |
| युयाव, युयव | युयुविथ | युयुविम |

| | | |
|-----------|------------|---------|
| आ० यूयात् | यूयास्ताम् | यूयासुः |
| यूयाः | यूयास्तम् | यूयास्त |
| यूयासम् | यूयास्व | यूयास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| भ्र० यविता | यवितारौ | यवितारः |
| यवितासि | यवितास्थः | यवितास्थ |
| यवितास्मि | यवितास्वः | यवितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० यविष्यति | यविष्यतः | यविष्यन्ति |
| यविष्यसि | यविष्यथः | यविष्यथ |
| यविष्यामि | यविष्यावः | यविष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अयविष्यत् | अयविष्यताम् | अयविष्यन् |
| अयविष्यः | अयविष्यतम् | अयविष्यत |
| अयविष्यम् | अयविष्याव | अयविष्याम |

1081 युक् (नु) स्तुतौ ।

| | | |
|---------|------|---------|
| व० नौति | नुतः | नुवन्ति |
| नौषि | नुथः | नुथ |
| नौमि | नुषः | नुमः |

| | | |
|-----------|----------|-------|
| स० नुयात् | नुयाताम् | नुयुः |
| नुयाः | नुयातम् | नुयात |
| नुयाम् | नुयाव | नुयाम |

| | | | |
|---------|--------|--------|---------|
| प० नौतु | नुतात् | नुताम् | नुवन्तु |
| नुहि | नुतात् | नुतम् | नुत |
| नवानि | नवाव | नवाम | |

| | | |
|------------|---------|-------|
| ह्य० अनौत् | अनुताम् | अनुवन |
| अनौः | अनुतम् | अनुत |
| अनवम् | अनुव | अनुम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अनावीत् | अनाविष्टाम् | अनाविषुः |
| अनावीः | अनाविष्टम् | अनाविष्ट |
| अनाविषम् | अनाविष्व | अनाविष्व |

| | | |
|-------------|----------|---------|
| प० नुनाव | नुनुवतुः | नुनुवुः |
| नुनविथ | नुनुवथुः | नुनुव |
| नुनाव, नुनव | नुनुविथ | नुनुविम |

| | | |
|-----------|------------|---------|
| आ० नूयात् | नूयास्ताम् | नूयासुः |
| नूयाः | नूयास्तम् | नूयास्त |
| नूयासम् | नूयास्व | नूयास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| भ्र० नविता | नवितारौ | नवितारः |
| नवितासि | नवितास्थः | नवितास्थ |
| नवितास्मि | नवितास्वः | नवितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० नविष्यति | नविष्यतः | नविष्यन्ति |
| नविष्यसि | नविष्यथः | नविष्यथ |
| नविष्यामि | नविष्यावः | नविष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अनविष्यत् | अनविष्यताम् | अनविष्यन् |
| अनविष्यः | अनविष्यतम् | अनविष्यत |
| अनविष्यम् | अनविष्याव | अनविष्याम |

1083 स्नुक् (स्नु) प्रसवणे ।

प्रसवणं क्षरणम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० स्नौति | स्नुतः | स्नुवन्ति |
| स्नौषि | स्नुथः | स्नुथ |
| स्नौमि | स्नुवः | स्नुमः |
| स० स्नुयात् | स्नुयाताम् | स्नुयुः |
| स्नुयाः | स्नुयातम् | स्नुयात |
| स्नुयाम् | स्नुयाव | स्नुयाम |
| प० स्नौतु | स्नुतात् | स्नुताम् |
| स्नुहि | स्नुतात् | स्नुतम् |
| स्नवानि | स्नवाव | स्नवाम |
| ह्य० अस्नौत् | अस्नुताम् | अस्नुवन् |
| अस्नौः | अस्नुतम् | अस्नुत |
| अस्नवम् | अस्नुव | अस्नुम |
| अस्नावीत् | अस्नाविष्टम् | अस्नाविषुः |
| अस्नावीः | अस्नाविष्टम् | अस्नाविष्ट |
| अस्नाविषम् | अस्नाविष्व | अस्नाविषम् |
| १० सुस्नाव | सुस्नुवतुः | सुस्नुवुः |
| सुस्नविथ | सुस्नुवथुः | सुस्नुव |
| सुस्नाव | सुस्नव | सुस्नुविष |
| आ० स्नूयात् | स्नूयास्ताम् | स्नूयामुः |
| स्नूयाः | स्नूयास्तम् | स्नूयास्त |
| स्नूयासम् | स्नूयास्व | स्नूयास्म |
| अ० स्नविता | स्नवितारौ | स्नवितारः |
| स्नवितासि | स्नवितास्थः | स्नवितास्था |
| स्नवितास्मि | स्नवितास्वः | स्नवितास्मः |
| भ० स्नविष्यति | स्नविष्यतः | स्नविष्यन्ति |
| स्नविष्यसि | स्नविष्यथः | स्नविष्यथ |
| स्नविष्यामि | स्नविष्यावः | स्नविष्यामः |
| क्रि० अस्नविष्यत् | अस्नविष्यताम् | अस्नविष्यन् |
| अस्नविष्यः | अस्नविष्यतम् | अस्नविष्यत |
| अस्नविष्यम् | अस्नविष्याव | अस्नविष्याम |

1082 क्षणक् (क्षु) तेजने ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० क्षणौति | क्षणुतः | क्षणवन्ति |
| क्षणौषि | क्षणुथः | क्षणुथ |
| क्षणौमि | क्षणुवः | क्षणुमः |
| स० क्षणुयात् | क्षणुताम् | क्षणुयुः |
| क्षणुयाः | क्षणुयातम् | क्षणुयात |
| क्षणुयाम् | क्षणुयाव | क्षणुयाम |
| प० क्षणौतु | क्षणुतात् | क्षणुताम् |
| क्षणुहि | क्षणुतात् | क्षणुतम् |
| क्षणवानि | क्षणवाव | क्षणवाम |
| ह्य० अक्षणौत् | अक्षणुताम् | अक्षणवन् |
| अक्षणौः | अक्षणुतम् | अक्षणुत |
| अक्षणवम् | अक्षणुव | अक्षणुम |
| अ० अक्षणावीत् | अक्षणाविष्टम् | अक्षणाविषुः |
| अक्षणावीः | अक्षणाविष्टम् | अक्षणाविष्ट |
| अक्षणाविषम् | अक्षणाविष्व | अक्षणाविषम् |
| प० चुक्षणाव | चुक्षणवतुः | चुक्षणवुः |
| चुक्षणविथ | चुक्षणवथुः | चुक्षणव |
| चुक्षणाव | चुक्षणव | चुक्षणविष |
| आ० क्षणूयात् | क्षणूयास्ताम् | क्षणूयासुः |
| क्षणूयाः | क्षणूयास्तम् | क्षणूयास्त |
| क्षणूयासम् | क्षणूयास्व | क्षणूयास्म |
| अ० क्षणविता | क्षणवितारौ | क्षणवितारः |
| क्षणवितासि | क्षणवितास्थः | क्षणवितास्था |
| क्षणवितास्मि | क्षणवितास्वः | क्षणवितास्मः |
| भ० क्षणविष्यति | क्षणविष्यतः | क्षणविष्यन्ति |
| क्षणविष्यसि | क्षणविष्यथः | क्षणविष्यथ |
| क्षणविष्यामि | क्षणविष्यावः | क्षणविष्यामः |
| क्रि० अक्षणविष्यत् | अक्षणविष्यताम् | अक्षणविष्यन् |
| अक्षणविष्यः | अक्षणविष्यतम् | अक्षणविष्यत |
| अक्षणविष्यम् | अक्षणविष्याव | अक्षणविष्याम |

1084 डक्षृक् (क्षु) शब्दे ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० क्षौति | क्षुतः | क्षुवन्ति |
| क्षौषि | क्षुथः | क्षुथ |
| क्षौमि | क्षुवः | क्षुमः |
| स० क्षुयात् | क्षुयाताम् | क्षुयुः |
| क्षुयाः | क्षुयातम् | क्षुयान |
| क्षुयाम् | क्षुयाव | क्षुयाम |
| प० क्षौतु | क्षुतात् | क्षुताम् |
| क्षुहि | क्षुतात् | क्षुतम् |
| क्षवाणि | क्षवाव | क्षवाम |
| ह्य० अक्षौत् | अक्षुताम् | अक्षुवन |
| अक्षौः | अक्षुतम् | अक्षुत |
| अक्षवम् | अक्षुव | अक्षुम |
| अ० अक्षावीत् | अक्षाविष्टाम् | अक्षाविषुः |
| अक्षावीः | अक्षाविष्टम् | अक्षाविष्ट |
| अक्षाविषम् | अक्षाविष्व | अक्षाविष्म |
| प० चुक्षाव | चुक्षुवतुः | चुक्षुवुः |
| चुक्षविथ | चुक्षुवथुः | चुक्षुव |
| चुक्षाव | चुक्षव | चुक्षुविष्व |
| आ० क्षूयात् | क्षूयास्ताम् | क्षूयासुः |
| क्षूयाः | क्षूयास्तम् | क्षूयास्त |
| क्षूयासम् | क्षूयास्व | क्षूयास्म |
| भ्र० क्ष्विता | क्ष्वितारौ | क्ष्वितारः |
| क्ष्वितासि | क्ष्वितास्थः | क्ष्वितास्थ |
| क्ष्वितास्मि | क्ष्वितास्वः | क्ष्वितास्मः |
| भ० क्ष्विष्यति | क्ष्विष्यतः | क्ष्विष्यन्ति |
| क्ष्विष्यसि | क्ष्विष्यथः | क्ष्विष्यथ |
| क्ष्विष्यामि | क्ष्विष्यावः | क्ष्विष्यामः |
| क्रि० अक्ष्विष्यत् | अक्ष्विष्यताम् | अक्ष्विष्यन् |
| अक्ष्विष्यः | अक्ष्विष्यतम् | अक्ष्विष्यत |
| अक्ष्विष्यम् | अक्ष्विष्याव | अक्ष्विष्याम |

1085 रुक् (रु) शब्दे ।

| | | |
|-------------------|--------------|-------------|
| व० रौति रवीति | रुतः | रुवन्ति |
| रौषि रवीषि | रुथः | रुथ |
| रौमि रवीमि | रुवः | रुमः |
| स० रुयात् | रुयाताम् | रुयुः |
| रुयाः | रुयातम् | रुयान |
| रुयाम् | रुयाव | रुयाम |
| प० रौतु रवीतु | रुतात् | रुताम् |
| रुहि | रुतात् | रुतम् |
| रवाणि | रवान | रवाम |
| ह्य० अरौत् अरवीत् | अरुताम् | अरुवन |
| अरौः अरवी | अरुतम् | अरुत |
| अरवम् | अरुव | अरुम |
| अ० अरावीत् | अराविष्टाम् | अराविषुः |
| अरावीः | अराविष्टम् | अराविष्ट |
| अराविषम् | अराविष्व | अराविष्म |
| प० रूराव | रुरुवतुः | रुरुवुः |
| रुरविथ | रुरुवथुः | रुरुव |
| रूराव | रुरव | रुरुविष्व |
| आ० रूयात् | रूयास्ताम् | रूयासुः |
| रूयाः | रूयास्तम् | रूयास्त |
| रूयासम् | रूयास्व | रूयास्म |
| भ्र० रुविता | रुवितारौ | रुवितारः |
| रुवितासि | रुवितास्थः | रुवितास्थ |
| रुवितास्मि | रुवितास्वः | रुवितास्मः |
| भ० रुविष्यति | रुविष्यतः | रुविष्यन्ति |
| रुविष्यसि | रुविष्यथः | रुविष्यथ |
| रुविष्यामि | रुविष्यावः | रुविष्यामः |
| क्रि० अरुविष्यत् | अरुविष्यताम् | अरुविष्यन् |
| अरुविष्यः | अरुविष्यतम् | अरुविष्यत |
| अरुविष्यम् | अरुविष्याव | अरुविष्याम |

1086 कुंक् (कु) शब्दे ।

| | | |
|----------------|------------|-----------|
| ब० कौति | कुतः | कुवन्ति |
| कौषि | कुथः | कुथ |
| कौमि | कुषः | कुमः |
| स० कृयात् | कृयाताम् | कृयुः |
| कृयाः | कृयातम् | कृयात |
| कृयाम् | कृयाव | कृयाम |
| प० कौतु | कुतात् | कुताम् |
| कुहि | कुतात् | कुतम् |
| कवानि | कवाव | कवाम |
| झ० अकौत | अकुताम् | अकुवन्ः |
| अकौः | अकुतम् | अकुत |
| अकवम् | अकुष | अकुम |
| अ० अकौषीत् | अकौष्टात् | अकौषुः |
| अकौषीः | अकौष्टम् | अकौष |
| अकौषम् | अकौषव | अकौषम |
| प० चुकाव | चुकुषतुः | चुकुवुः |
| चुकोथ | चुकुषिथ | चुकुषथुः |
| चुकाव | चुकव | चुकुषिष |
| आ० कृयात् | कृयास्ताम् | कृयासुः |
| कृयाः | कृयास्तम् | कृयास्त |
| कृयासम् | कृयास्व | कृयास्म |
| श्व० कोता | कोतारौ | कोतारः |
| कोतासि | कोतास्थः | कोतास्थ |
| कोतास्मि | कोतास्वः | कोतास्मः |
| भ० कोष्यति | कोष्यतः | कोष्यन्ति |
| कोष्यसि | कोष्यथः | कोष्यथ |
| कोष्यामि | कोष्यावः | कोष्यामः |
| क्रि० अकोष्यत् | अकोष्यताम् | अकोष्यन् |
| अकोष्यः | अकोष्यतम् | अकोष्यत |
| अकोष्यम् | अकोष्याव | अकोष्याम |

अथान्तर्गणो रुदादिपञ्चकः ॥

1087 रुट्क (रुद्) अश्रुविमोचने ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० रोदिति | रुदितः | रुदन्ति |
| रोदिषि | रुदिथः | रुदिथ |
| रोदिमि | रुदिवः | रुदिमः |
| स० रुधात् | रुधाताम् | रुधुः |
| रुधाः | रुधातम् | रुधात |
| रुधाम | रुधाव | रुधाम |
| प० रोदितु | रुदितात् | रुदिताम् |
| रुदिहि | „ | रुदितम् |
| रोदानि | रोदाव | रोदाम |
| झ० अरोदीत् | अरोदत् | अरुदिताम् |
| अरोदीः | अरोदः | अरुदितम् |
| अरोदम् | अरुदिव | अरुदिम |
| अ० अरुदत् | अरुदताम् | अरुदन् |
| अरुदः | अरुदतम् | अरुदत |
| अरुदम् | अरुदाव | अरुदाम |
| अरोदीत् | अरोदिष्टाम् | अरोदिषुः |
| अरोदीः | अरोदिष्टम् | अरोदिष्ट |
| अरोदिषम् | अरोदिष्व | अरोदिषम |
| प० रुरोद | रुदतुः | रुदुः |
| रुरोदिथ | रुदथुः | रुद |
| रुरोद | रुदिव | रुदिम |
| आ० रुधात् | रुधास्ताम् | रुधासुः |
| रुधाः | रुधास्तम् | रुधास्त |
| रुधासम् | रुधास्व | रुधास्म |
| श्व० रोदिता | रोदितारौ | रोदितारः |
| रोदितासि | रोदितास्थः | रोदिस्थ |
| रोदितास्मि | रोदितास्वः | रोदितास्मः |
| भ० रोदिष्यति | रोदिष्यतः | रोदिष्यन्ति |
| रोदिष्यसि | रोदिष्यथः | रोदिष्यथ |
| रोदिष्यामि | रोदिष्यावः | रोदिष्यामः |
| क्रि० अरोदिष्यत् | अरोदिष्यताम् | अरोदिष्यन् |
| अरोदिष्यः | अरोदिष्यतम् | अरोदिष्यत |
| अरोदिष्यम् | अरोदिष्याव | अरोदिष्याम |

1088 जिप्वपंक् (स्वप्) शये ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० स्वपिति | स्वपितः | स्वपन्ति |
| स्वपिषि | स्वपिथः | स्वपिथ |
| स्वपिमि | स्वपिवः | स्वपिमः |
| स० स्वप्यात् | स्वप्याताम् | स्वप्युः |
| स्वप्याः | स्वप्यातम् | स्वप्यात |
| स्वप्याम् | स्वप्याव | स्वप्याम |
| प० स्वपितु | स्वपितात् | स्वपिताम् |
| स्वपिहि | स्वपितम् | स्वपित |
| स्वपानि | स्वपाव | स्वपाम |
| ह्य० अस्वपत् | अस्वपीत् | अस्वपिताम् |
| अस्वपिः | अस्वपिथः | अस्वपिथ |
| अस्वपिम् | अस्वपिवः | अस्वपिमः |
| अ० अस्वाप्सीत् | अस्वाप्ताम् | अस्वाप्सुः |
| अस्वाप्सीः | अस्वाप्तम् | अस्वाप्त |
| अस्वाप्सम् | अस्वाप्सव | अस्वाप्सम |
| प० सुष्वप | सुष्वपतुः | सुष्वपुः |
| सुष्वपिथः | सुष्वपिथः | सुष्वपिथ |
| सुष्वपिम् | सुष्वपिवः | सुष्वपिमः |
| आ० सुप्यात् | सुप्याताम् | सुप्यातुः |
| सुप्याः | सुप्यातम् | सुप्यात |
| सुप्याम् | सुप्याव | सुप्याम |
| श्व० स्वप्ता | स्वप्तारौ | स्वप्तारः |
| स्वप्तासि | स्वप्तास्थः | स्वप्तास्थ |
| स्वप्तासिम् | स्वप्तास्वः | स्वप्तास्मः |
| भ० स्वप्स्यति | स्वप्स्यतः | स्वप्स्यन्ति |
| स्वप्स्यसि | स्वप्स्यथः | स्वप्स्यथ |
| स्वप्स्यामि | स्वप्स्यावः | स्वप्स्यामः |
| क्रि० अस्वप्स्यत् | अस्वप्स्यताम् | अस्वप्स्यन् |
| अस्वप्स्यः | अस्वप्स्यतम् | अस्वप्स्यत |
| अस्वप्स्यम् | अस्वप्स्याव | अस्वप्स्याम |

1089 अनक् (अन्) प्राणने ।

प्राणनं जीवनम् । वर्णक्रमस्य प्रतिज्ञाना
स्वपः प्रागेव निर्देशे प्राप्तेऽपि लाघवात्
मिह पाठः ।

| | | |
|----------------|------------|------------|
| व० अनिति | अनितः | अनन्ति |
| अनिषि | अनिथः | अनिथ |
| अनिमि | अनिवः | अनिमः |
| स० अन्यात् | अन्याताम् | अन्युः |
| अन्याः | अन्यातम् | अन्यात |
| अन्याम् | अन्याव | अन्याम |
| प० अनितु | अनितात् | अनिताम् |
| अनिहि | अनितात | अनितम् |
| अनानि | अनाव | अनाम |
| ह्य० आनत् | आनीत् | आनिताम् |
| आनः | आनीः | आनितम् |
| आनम् | आनिव | आनिम |
| अ० आनीत् | आनिष्टाम् | आनिषुः |
| आनीः | आनिष्टम् | आनिष्ट |
| आनिषम् | आनिष्व | आनिषम |
| प० आन | आनतुः | आतुः |
| आनिथ | आनथुः | आन |
| आन | आनिव | आनिम |
| आ० अन्यात् | अन्याताम् | अन्यातुः |
| अन्याः | अन्यातम् | अन्यात |
| अन्याम् | अन्याव | अन्याम |
| श्व० अनिता | अनितारौ | अनितारः |
| अनितासि | अनितास्थः | अनितास्थ |
| अनितासिम् | अनितास्वः | अनितास्मः |
| भ० अनिष्यति | अनिष्यतः | अनिष्यन्ति |
| अनिष्यसि | अनिष्यथः | अनिष्यथ |
| अनिष्यामि | अनिष्यावः | अनिष्यामः |
| क्रि० आनिष्यत् | आनिष्यताम् | आनिष्यन् |
| आनिष्यः | आनिष्यतम् | आनिष्यत |
| आनिष्यम् | आनिष्याव | आनिष्याम |

1090 श्वसक् (श्वस्) प्राणने ।

प्राणनं जीवनम् ।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|-------------------|
| व० | श्वसिति | श्वसितः | श्वसन्ति |
| | श्वसिषि | श्वसिथः | श्वसिथ |
| | श्वसिमि | श्वसिष्वः | श्वसिमः |
| स० | श्वस्यात् | श्वस्याताम् | श्वस्युः |
| | श्वस्याः | श्वस्यातम् | श्वस्यात |
| | श्वस्याम् | श्वस्याव | श्वस्याम |
| प० | श्वसितु | श्वसितात् | श्वसिताम् |
| | श्वसिहि | श्वसितात् | श्वसिताम् |
| | श्वसानि | श्वसाव | श्वसाम |
| झ० | अश्वसत् | अश्वसोत् | अश्वसिताम् |
| | अश्वसः | अश्वसोः | अश्वसितम् |
| | अश्वसम् | अश्वसिव | अश्वसिम |
| अ० | अश्वसोत् | अश्वसिष्टाम् | अश्वसिषुः |
| | अश्वसोः | अश्वसिष्टम् | अश्वसिष्ट |
| | अश्वसिषम् | अश्वसिष्व | अश्वसिषम् |
| अ० | अश्वसोत् | अश्वसिष्टाम् | अश्वसिषुः इत्यादि |
| प० | शश्वसत् | शश्वसोत् | शश्वसिताम् |
| | शश्वसः | शश्वसोः | शश्वसितम् |
| | शश्वसम् | शश्वसिव | शश्वसिम |
| आ० | शश्वस्यात् | शश्वस्याताम् | शश्वस्युः |
| | शश्वस्याः | शश्वस्यातम् | शश्वस्यात |
| | शश्वस्याम् | शश्वस्याव | शश्वस्याम |
| श्व० | शश्वसिता | शश्वसितारौ | शश्वसितारः |
| | शश्वसितासि | शश्वसितास्यः | शश्वसितास्य |
| | शश्वसितासिम् | शश्वसितास्यः | शश्वसितास्यम् |
| भ० | शश्वसिष्यति | शश्वसिष्यतः | शश्वसिष्यन्ति |
| | शश्वसिष्यसि | शश्वसिष्यथ | शश्वसिष्यथ |
| | शश्वसिष्यामि | शश्वसिष्यावः | शश्वसिष्यामः |
| क्रि० | अशश्वसिष्यत् | अशश्वसिष्यताम् | अशश्वसिष्यन् |
| | अशश्वसिष्यः | अशश्वसिष्यतम् | अशश्वसिष्यत |
| | अशश्वसिष्यम् | अशश्वसिष्याव | अशश्वसिष्याम |

1091 जक्षक् (जक्ष) भक्षहसनयोः

अयं हृत्पञ्चकस्य पञ्चमो जक्षपञ्चकस्य त्वाथ
इत्युभयकार्यभाक् ।

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| व० | जक्षिति | जक्षितः | जक्षति |
| | जक्षिषि | जक्षिथः | जक्षिथ |
| | जक्षिमि | जक्षिष्वः | जक्षिमः |
| स० | जक्ष्यात् | जक्ष्याताम् | जक्ष्युः |
| | जक्ष्याः | जक्ष्यातम् | जक्ष्यात |
| | जक्ष्याम् | जक्ष्याव | जक्ष्याम |
| प० | जक्षितु | जक्षितात् | जक्षिताम् |
| | जक्षिहि | जक्षितात् | जक्षिताम् |
| | जक्षाणि | जक्षाव | जक्षाम |
| झ० | अजक्षत् | अजक्षोत् | अजक्षिताम् |
| | अजक्षः | अजक्षोः | अजक्षितम् |
| | अजक्षम् | अजक्षिव | अजक्षिम |
| अ० | अजक्षोत् | अजक्षिष्टाम् | अजक्षिषुः |
| | अजक्षोः | अजक्षिष्टम् | अजक्षिष्ट |
| | अजक्षिषम् | अजक्षिष्व | अजक्षिषम् |
| प० | जजक्ष | जजक्षतुः | जजक्षुः |
| | जजक्षिथ | जजक्षथुः | जजक्ष |
| | जजक्ष | जजक्षिष | जजक्षिम |
| आ० | जक्ष्यात् | जक्ष्याताम् | जक्ष्यासुः |
| | जक्ष्याः | जक्ष्यातम् | जक्ष्यास्त |
| | जक्ष्याम् | जक्ष्याव | जक्ष्याम |
| श्व० | जक्षिता | जक्षितारौ | जक्षितारः |
| | जक्षितासि | जक्षितास्यः | जक्षितास्य |
| | जक्षितासिम् | जक्षितास्यः | जक्षितास्यम् |
| भ० | जक्षिष्यति | जक्षिष्यतः | जक्षिष्यन्ति |
| | जक्षिष्यसि | जक्षिष्यथ | जक्षिष्यथ |
| | जक्षिष्यामि | जक्षिष्यावः | जक्षिष्यामः |
| क्रि० | अजक्षिष्यत् | अजक्षिष्यताम् | अजक्षिष्यन् |
| | अजक्षिष्यः | अजक्षिष्यतम् | अजक्षिष्यत |
| | अजक्षिष्यम् | अजक्षिष्याव | अजक्षिष्याम |

1072 दरिद्राक् (दरिद्रा) दुर्गतौ ।

ष० दरिद्राति दरिद्रितः दरिद्रति
 दरिद्रासि दरिद्रिथः दरिद्रिथ
 दरिद्रामि दरिद्रिवः दरिद्रिमः
 स० दरिद्रियात् दरिद्रियाताम् दरिद्रियुः
 दरिद्रियाः दरिद्रियातम् दरिद्रियात
 दरिद्रियाम् दरिद्रियाव दरिद्रियाम्
 प० दरिद्रातु दरिद्रिनात् दरिद्रिनाम् दरिद्रितु
 दरिद्रिहि ,, दरिद्रितम् दरिद्रित
 दरिद्राणि दरिद्राव दरिद्राम्
 झ० अदरिद्रात् अदरिद्रिताम् अदरिद्रिः
 अदरिद्राः अदरिद्रितम् अदरिद्रित
 अदरिद्राम् अदरिद्रिव अदरिद्रिम
 अ० अदरिद्रीत् अदरिद्रिष्टम् अदरिद्रिषुः
 अदरिद्रिः अदरिद्रिष्टम् अदरिद्रिष्ट
 अदरिद्रिषम् अदरिद्रिष्व अदरिद्रिषम्
 अदरिद्रासीत् अदरिद्रासिष्टम् अदरिद्रासिषुः
 इत्यादि
 प० दरिद्राश्चकार दरिद्राश्चक्रुः दरिद्राश्चक्रुः
 दरिद्राश्चकथं दरिद्राश्चकथुः दरिद्राश्चक्रु
 दरिद्राश्चकार, चकर दरिद्राश्चकृव दरिद्राश्चकृम
 दरिद्राम्बभूव । दरिद्रामास ।
 ददरिद्रौ ददरिद्रतुः ददरिद्रः
 ददरिद्रिथ ददरिद्रिथुः ददरिद्रि
 ददरिद्रौ ददरिद्रिव ददरिद्रिम
 भा० दरिद्र्यात् दरिद्र्यास्ताम् दरिद्र्यासुः
 दरिद्र्याः दरिद्र्यास्तम् दरिद्र्यास्त
 दरिद्र्यासम् दरिद्र्यास्व दरिद्र्यास्म
 भव० दरिद्रिता दरिद्रितारौ दरिद्रितारः
 दरिद्रितासि दरिद्रितास्थः दरिद्रितास्थ
 दरिद्रितास्मि दरिद्रितास्वः दरिद्रितास्मः
 भ० दरिद्रिष्यति दरिद्रिष्यतः दरिद्रिष्यन्ति
 दरिद्रिष्यसि दरिद्रिष्यथः दरिद्रिष्यथ
 दरिद्रिष्यामि दरिद्रिष्यावः दरिद्रिष्यामः
 क्रि. अदरिद्रिष्यत् अदरिद्रिष्यताम् अदरिद्रिष्यन्

अदरिद्रिष्यः अदरिद्रिष्यतम् अदरिद्रिष्यत
 अदरिद्रिष्यम् अदरिद्रिष्याव अदरिद्रिष्याम

जागृक् (जागृ) निद्राक्षये

ष० जागृति जागृनः जाग्रति
 जागृषि जागृथः जागृथ
 जागृमि जागृवः जागृमः
 स० जागृयात् जागृयाताम् जागृयुः
 जागृयाः जागृयातम् जागृयात
 जागृयाम् जागृयाव जागृयाम्
 प० जागृत् जागृतात् जागृताम् जाग्रतु
 जागृहि ,, जाग्रतम् जाग्रत
 जागराणि जागराव जागरा
 झ० अजाग. अजागृताम् अजागरुः
 अजागः अजागृतम् अजागृत
 अजागरम् अजागृव अजागृम
 अ० अजागरीत् अजागरिष्टम् अजागरिषुः
 अजागरीः अजागरिष्टम् अजागरिष्ट
 अजागरिषम् अजागरिष्व अजागरिषम्
 प० जजागार जजागरतुः जजागरुः
 जजागरिथ जजागरथुः जजागर
 जजागार, जजागर जजागरिव जजागरिम
 जागरांचकार । जागरामास ।
 जागराम्बभूव ।
 आ० जागर्यात् जागर्यास्ताम् जागर्यासुः
 जागर्याः जागर्यास्तम् जागर्यास्त
 जागर्यासम् जागर्यास्व जागर्यास्म
 श्व० जागरिता जागरितारौ जागरितारः
 जागरितासि जागरितास्थः जागरितास्थ
 जागरितास्मि जागरितास्वः जागरितास्मः
 भ० जागरिष्यति जागरिष्यतः जागरिष्यन्ति
 जागरिष्यसि जागरिष्यथः जागरिष्यथ
 जागरिष्यामि जागरिष्यावः जागरिष्यामः
 अजागरिष्यत् अजागरिष्यताम् अजागरिष्यन्
 अजागरिष्यः अजागरिष्यतम् अजागरिष्यत
 अजागरिष्यम् अजागरिष्याव अजागरिष्याम

1094 चकास् (चकास् , दीप्तौ !

| | | |
|-----------------------------|---------------|---------------|
| व० चकास्ति | चकास्तः | चकासति |
| चकास्मि | चकास्थः | चकास्थ |
| चकास्मि | चकास्थः | चकास्मः |
| स० चकास्यात् | चकास्यानाम् | चकास्युः |
| चकास्याः | चकास्यातम् | चकास्यात |
| चकास्याम् | चकास्याव | चकास्याम |
| प० चकास्तु | चकास्तात् | चकास्ताम् |
| चकास्तु | चकाद्धि | चकाधि |
| चकास्त | चकासानि | चकासाव |
| चकास्त | चकासाम | चकासाम |
| अ० अचकात् | अचकास्ताम् | अचकासुः |
| अचकाः | अचकात् (द्) | अचकास्तम् |
| अचकास्त | अचकामम् | अचकास्व |
| अचकास्म | अचकास्व | अचकास्म |
| अ० अचकासीत् | अचकासिष्टाम् | अचकासिधुः |
| अचकासीः | अचकासिष्टम् | अचकासिष्ट |
| अचकासिषम् | अचकासिष्व | अचकासिषम् |
| चकासाश्चकार | चकासाश्चक्रुः | चकासाश्चक्रुः |
| चकासाश्चकथं | चकासाश्चक्रुः | चकासाश्चक्रुः |
| चकासाश्चकार-करचकासाश्चक्रुः | चकासाश्चक्रुः | चकासाश्चक्रुः |
| आ० चकास्यात् | चकास्यास्ताम् | चकास्यासुः |
| चकास्याः | चकास्यास्तम् | चकास्यास्त |
| चकास्यासम् | चकास्यास्व | चकास्यास्म |
| अ० चकासिता | चकासितारौ | चकासितारः |
| चकासितासि | चकासितास्थः | चकासितास्थ |
| चकासितास्मि | चकासितास्वः | चकासितास्मः |
| अ० चकासिष्यति | चकासिष्यतः | चकासिष्यन्ति |
| चकासिष्यसि | चकासिष्यथः | चकासिष्यथ |
| चकासिष्यामि | चकासिष्यावः | चकासिष्यामः |
| अचकासिष्यत् | अचकासिष्यताम् | अचकासिष्यन् |
| अचकासिष्यः | अचकासिष्यतम् | अचकासिष्यत |
| अचकासिष्यम् | अचकासिष्याव | अचकासिष्याम |

1095 शास् (शास्) अनुशिष्टौ
अनुशिष्टिर्नियोगः ।

| | | |
|-----------|--------|--------|
| व० शास्ति | शिष्टः | शासति |
| शास्मि | शिष्टः | शिष्टः |
| शास्मि | शिष्टः | शिष्टः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| स० शिष्यात् | शिष्याताम् | शिष्युः |
| शिष्याः | शिष्यातम् | शिष्यात |
| शिष्याम् | शिष्याव | शिष्याम |
| प० शास्तु | शिष्टात् | शिष्टाम् |
| शाधि | शिष्टम् | शिष्ट |
| शासानि | शासाव | शासाम |
| अ० अशात् | अशिष्टाम् | अशासुः |
| अशाः, त् | अशिष्टम् | अशिष्ट |
| अशासम् | अशिष्टव | अशिष्टम् |
| अ० अशिषत् | अशिषताम् | अशिषन् |
| अशिषः | अशिषतम् | अशिषत |
| अशिषम् | अशिषाव | अशिषाम |
| प० शशास | शशासतुः | शशासुः |
| शशासिथ | शशासथुः | शशास |
| शशास, त् | शशासिथ | शशासिथ |
| आ० शिष्यात् | शिष्यास्ताम् | शिष्यासुः |
| शिष्याः | शिष्यास्तम् | शिष्यास्त |
| शिष्याम् | शिष्यास्व | शिष्यास्म |
| अ० शसिता | शसितारौ | शसितारः |
| शसितासि | शसितास्थः | शसितास्थ |
| शसितास्मि | शसितास्वः | शसितास्मः |
| अ० शसिष्यति | शसिष्यतः | शसिष्यन्ति |
| शसिष्यसि | शसिष्यथः | शसिष्यथ |
| शसिष्यामि | शसिष्यावः | शसिष्यामः |
| क्रि० अशासिष्यत् | अशासिष्यताम् | अशासिष्यन् |
| अशासिष्यः | अशासिष्यतम् | अशासिष्यत |
| अशासिष्यम् | अशासिष्याव | अशासिष्याम |

अथ चान्तः

1096 वचं (वचं) भाषणे ।

| | | |
|------------|-----------|---------|
| व० वक्ति | वक्तः | वचन्ति |
| वक्षि | वक्ष्यः | वक्ष्य |
| वक्षि | वक्ष्यः | वक्ष्यः |
| स० वच्यात् | वच्याताम् | वच्युः |
| वच्याः | वच्यातम् | वच्यात |
| वच्याम् | वच्याव | वच्याम |

| | | | |
|----------------|-------------|------------|--------|
| प० वक्तु | वक्तात् | वक्ताम् | वचन्तु |
| वक्ति | वक्ता | वक्ताम् | वक्तु |
| वचानि | वचाव | वचाम | |
| ह्य० अवक्,ग् | अवक्ताम् | अवचन् | |
| अवक्,ग् | अवक्तम् | अवक्त | |
| अवचम् | अवच्च | अवचम | |
| अ० अवोचत् | अवोचताम् | अवोचन् | |
| अवोचः | अवोचतम् | अवोचत | |
| अवोचम् | अवोचाव | अवोचाम | |
| प० उवाच | ऊचतुः | ऊचुः | |
| उवाचिथ,उवक्थ | ऊचथुः | ऊच | |
| उवाच उवच | ऊचिव | ऊचिम | |
| आ० उच्यात् | उच्यास्ताम् | उच्यासुः | |
| उच्याः | उच्यास्तम् | उच्यास्त | |
| उच्यासाम् | उच्यास्व | उच्यास्म | |
| श्व० वक्ता | वक्तारौ | वक्तारः | |
| वक्तासि | वक्तास्थः | वक्तास्थ | |
| वक्तास्मि | वक्तास्वः | वक्तास्मः | |
| भ० वक्ष्यति | वक्ष्यतः | वक्ष्यन्ति | |
| वक्ष्यसि | वक्ष्यथः | वक्ष्यथ | |
| वक्ष्यामि | वक्ष्यावः | वक्ष्यामः | |
| क्रि० अवक्ष्यत | अवक्ष्यताम् | अवक्ष्यन् | |
| अवक्ष्यः | अवक्ष्यतम् | अवक्ष्यत | |
| अवक्ष्यम् | अवक्ष्याव | अवक्ष्याम | |

अथ जान्तः

1097 मृजौक् (मृज्) भुडौ ।

| | | | |
|-------------|------------|---------|-----------|
| ष० मर्ष्टि | मृष्टः | मृजन्ति | मार्जन्ति |
| मर्क्षि | मृष्टः | मृष्ट | |
| मर्जिम | मृज्वः | मृज्मः | |
| स० मृज्यात् | मृज्याताम् | मृज्युः | |
| मृज्याः | मृज्यातम् | मृज्यात | |
| मृज्याम् | मृज्याव | मृज्याम | |

| | | | | |
|-----------------|---------------|------------|---------|-----------|
| प० मर्ष्टु | मृष्टात् | मृष्टाम् | मृजन्तु | मार्जन्तु |
| मृष्टि | मृष्ट | मृष्टम् | मृष्ट | |
| मार्जनि | मार्जाम | मार्जाम | | |
| ह्य० अमार्ष्ट-इ | अमृष्टाम् | अमार्जन् | अमृजन् | |
| " | इ | अमृष्टम् | अमृष्ट | |
| अमार्जम् | अमृज्व | अमृज्म | | |
| अ० अमार्क्षीत् | अमार्ष्टाम् | अमार्क्षुः | | |
| अमार्क्षिः | अमार्ष्टम् | अमार्ष्ट | | |
| अमार्क्षम् | अमार्श्व | अमार्क्षम | | |
| अमार्जीत | अमार्जिष्टाम् | अमार्जिषुः | इत्यादि | |

| | | | |
|--------------|--------------|-------------|--|
| प० ममार्ज | ममार्जतुः | ममार्जुः | |
| | ममृजतुः | ममृजुः | |
| ममार्जिथ | ममार्जथुः | ममार्ज | |
| | ममृजथुः | ममृज | |
| ममार्ज | ममार्जिव | ममार्जिम | |
| | ममृजिव | ममृजिम | |
| आ० मृज्यात् | मृज्यास्ताम् | मृज्यासुः | |
| मृज्याः | मृज्यास्तम् | मृज्यास्त | |
| मृज्यासाम् | मृज्यास्व | मृज्यास्म | |
| श्व० मर्ष्टा | मर्ष्टारौ | मर्ष्टारः | |
| मर्ष्टासि | मर्ष्टास्थः | मर्ष्टास्थ | |
| मर्ष्टास्मि | मर्ष्टास्वः | मर्ष्टास्मः | |

मार्जिता मार्जितारौ मार्जितारः इत्यादि

| | | | |
|----------------|--------------|---------------|--|
| भ० मार्क्ष्यति | मार्क्ष्यतः | मार्क्ष्यन्ति | |
| मार्क्ष्यसि | मार्क्ष्यथः | मार्क्ष्यथ | |
| मार्क्ष्यामि | मार्क्ष्यावः | मार्क्ष्यामः | |

मार्जिष्यति मार्जिष्यतःमार्जिष्यन्ति इत्यादि

| | | | |
|--------------------|----------------|--------------|--|
| क्रि० अमार्क्ष्यत् | अमार्क्ष्यताम् | अमार्क्ष्यन् | |
| अमार्क्ष्यः | अमार्क्ष्यतम् | अमार्क्ष्यत | |
| अमार्क्ष्यम् | अमार्क्ष्याव | अमार्क्ष्याम | |
| अमार्जिष्यन् | अमार्जिष्यताम् | | |
| अमार्जिष्यन् | इत्यादि | | |

अथ तान्तः ॥

1098 सस्तुक (संस्तु) स्वप्ने ।

| | | | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|----------|------------|
| व० | संस्ति | संस्ति | संस्तः | संस्तः | संस्तन्ति |
| | संस्मि | संस्मि | संस्थः | संस्थः | संस्थसंस्थ |
| | संस्तिम | संस्त्वः | संस्मः | | |
| स० | संस्त्यात् | संस्त्याताम् | संस्त्युः | | |
| | संस्त्याः | संस्त्यान्म | संस्त्यात | | |
| | संस्त्याम् | संस्त्याव | संस्त्याम | | |
| प० | संस्तु | संस्तुत | संस्तुत | संस्ताम् | संस्तन्तु |
| | संन्धि | द्वि | ॥ | ॥ | संस्तम् |
| | संस्तानि | संस्ताव | संस्ताम | | |
| द्व० | असन | असंस्ताम् | स्ताम् | असंस्तन् | |
| | ॥ | असंस्तम् | असंस्त | | |
| | असंस्तम् | असंस्त्व | असंस्तम् | | |
| १० | असंस्तीत | असंस्तिष्ठाम् | असंस्तिष्ठुः | | |
| | असंस्तीः | असंस्तिष्ठम् | असंस्तिष्ठ | | |
| | असंस्तिष्ठम् | असंस्तिष्ठव | असंस्तिष्ठम् | | |
| प० | ससंस्त | ससंस्तुतः | ससंस्तुः | | |
| | ससंस्तिथ | ससंस्तथुः | ससंस्त | | |
| | ससंस्त | ससंस्तिव | ससंस्तिम | | |
| आ० | संस्त्यात् | संस्त्याताम् | संस्त्यासुः | | |
| | संस्त्याः | संस्त्यान्म | संस्त्याह | | |
| | संस्त्याम् | संस्त्याव | संस्त्याम | | |
| अ० | संस्तिता | संस्तितारौ | संस्तितारः | | |
| | संस्तितासि | संस्तितास्थः | संस्तितास्थ | | |
| | संस्तितास्मि | संस्तितास्वः | संस्तितास्मः | | |
| १० | संस्तित्यति | संस्तित्यतः | संस्तित्यन्ति | | |
| | संस्तित्यसि | संस्तित्यथः | संस्तित्यथ | | |
| | संस्तित्यामि | संस्तित्यावः | संस्तित्यामः | | |
| क्रि० | असंस्तित्यन् | असंस्तित्यताम् | असंस्तित्यन् | | |
| | असंस्तित्यः | असंस्तित्यतम् | असंस्तित्यत | | |
| | असंस्तित्यम् | असंस्तित्याव | असंस्तित्याम | | |

अथ दान्तः ।

1099 विदक् [विद्] ज्ञाने ।

| | | | |
|----|--------|--------|---------|
| व० | वेत्ति | वित्तः | विदन्ति |
| | वेत्ति | वित्थः | वित्थ |
| | वेत्ति | वित्थः | वित्थः |

| | | | |
|----|----------|------------|----------|
| व० | वेत् | विदतुः | विदुः |
| | वेत्थ | विदथुः | विद |
| | वेद | विद्व | विद्व |
| स० | विद्यात् | विद्याताम् | विद्युः |
| | विद्याः | विद्यातम् | विद्यात |
| | विद्याम् | विद्याव | विद्याम |
| प० | वेत्तु | वित्तान् | वित्ताम् |
| | विद्वि | वित्तम् | वित्त |
| | वेदानि | वेदाव | वेदाम |

विदाङ्करोतु विदाङ्कुरुताम् विदाङ्कुरुवन्तु
विदाङ्कुरुतात् इत्यादि

| | | | |
|------|-----------|-------------|----------|
| द्व० | अवेत्-द् | अवित्ताम् | अविदुः |
| | अवेः | अवेत्-द् | अवित्तम् |
| | अवेदम् | अविद्व | अविद्व |
| अ० | अवेदीत् | अवेदिष्टाम् | अवेदिषुः |
| | अवेदीः | अवेदिष्टम् | अवेदिष्ट |
| | अवेदिषम् | अवेदिष्व | अवेदिषम् |
| प० | विदाङ्कार | विदाङ्कतुः | विदाङ्कः |

इत्यादि

| | | | |
|----|---------|-----------|-----------|
| प० | विवेद | विविदतुः | विविदुः |
| | विवेदिथ | विविदथुः | विविद |
| | विवेद | विविदिष्व | विविदिषम् |

| | | | |
|----|-----------|------------|-----------|
| आ० | विद्यात् | विद्याताम् | विद्यासुः |
| | विद्याः | विद्यातम् | विद्यास्त |
| | विद्यासम् | विद्याव | विद्याम |

| | | | |
|-------|------------|------------|------------|
| प्रव० | वेदिता | वेदितारौ | वेदितारः |
| | वेदितासि | वेदितास्थः | वेदितास्थ |
| | वेदितास्मि | वेदितास्वः | वेदितास्मः |

| | | | |
|----|------------|------------|-------------|
| अ० | वेदिष्यति | वेदिष्यतः | वेदिष्यन्ति |
| | वेदिष्यसि | वेदिष्यथः | वेदिष्यथ |
| | वेदिष्यामि | वेदिष्यावः | वेदिष्याम |

| | | | |
|-------|------------|--------------|------------|
| क्रि० | अवेदिष्यत् | अवेदिष्यताम् | अवेदिष्यन् |
| | अवेदिष्यः | अवेदिष्यतम् | अवेदिष्यत |
| | अवेदिष्यम् | अवेदिष्याव | अवेदिष्याम |

अथ नान्तोऽनिट्च ।

1100 हनेक् (हन्) हिंसागत्योः ।

| | | |
|--------------------|-------------|------------|
| व० हन्ति | हतः | घनन्ति |
| हंसि | हथः | हथ |
| हन्मि | हन्वः | हन्मः |
| स० हन्यात् | हन्याताम् | हन्युः |
| हन्याः | हन्यातम् | हन्यात |
| हन्याम् | हन्याव | हन्याम |
| प० हन्तु | हतात् हताम् | घनन्तु |
| जहि | " हतम् | हत |
| हनानि | हनाव | हनाम |
| झ० अहन | अहताम् | अघनन् |
| " | अहतम् | अहत |
| अहनम् | अहन्य | अहन्यम् |
| अ० अवधीत् | अवधिष्टम् | अवधिषुः |
| अवधीः | अवधिष्टम् | अवधिष्ट |
| अवधिषम् | अवधिष्व | अवधिषम् |
| प० जघान- | जघनतुः | जघ्नुः |
| जघनिय जघन्य जघनथुः | | जघन |
| जघान जघन जघनिव | | जघिनम् |
| आ० वध्यात् | वध्यास्ताम् | वध्यासुः |
| वध्याः | वध्यास्तम् | वध्यास्त |
| वध्यासम् | वध्यास्व | वध्यासम् |
| प्र० हन्ता | हन्तारौ | हन्तारः |
| हन्तासि | हन्तास्थः | हन्तास्थ |
| हन्तास्मि | हन्तास्वः | हन्तास्मः |
| भ० हनिष्यति | हनिष्यतः | हनिष्यन्ति |
| हनिष्यसि | हनिष्यथः | हनिष्यथ |
| हनिष्यामि | हनिष्यावः | हनिष्यामः |
| क्रि० अहनिष्यत् | अहनिष्यताम् | अहनिष्यत् |
| अहनिष्यः | अहनिष्यतम् | अहनिष्यत |
| अहनिष्यम् | अहनिष्याव | अहनिष्याम |

अथ शान्तः सेट्च

1101 वशक् (वश्) कान्तिरिच्छा

| | | |
|-----------------|-----------------|------------|
| व० वशि | उष्टः | उशन्ति |
| वक्षि | उष्टः | उष्ट |
| वश्मि | उश्मः | उश्मः |
| स० उश्यात् | उश्याताम् | उश्युः |
| उश्याः | उश्यातम् | उश्यात |
| उश्याम् | उश्याव | उश्याम |
| प० वष्टु | उष्टात् उष्टाम् | उशन्तु |
| उष्टि | " उष्टम् | उष्ट |
| वशानि | वशाव | वशाम |
| झ० अवष्ट इ | औष्टाम् | औशन |
| अवष्ट-इ | औष्टम् | औष्ट |
| अवश्म | औश्म | औश्म |
| अ० अवाशीत् | अवाशिष्टाम् | अवाशिषुः |
| अवाशीः | अवाशिष्टम् | अवाशिष्ट |
| अवाशिषम् | अवाशिष्व | अवाशिषम् |
| अवशीत् | अवशिष्टाम् | अवशिषुः |
| अवशीः | अवशिष्टम् | अवशिष्ट |
| अवशिषम् | अवशिष्व | अवशिषम् |
| प० उवाश | ऊशतुः | ऊशुः |
| उवशिथ | ऊशथुः | ऊश |
| उवाश उवश | ऊशिव | ऊशिम |
| आ० उश्यात् | उश्यास्ताम् | उश्यासुः |
| उश्याः | उश्यास्तम् | उश्यास्त |
| उश्यासम् | उश्यास्व | उश्यासम् |
| प्र० वशिता | वशितारौ | वशितारः |
| वशितासि | वशितास्थः | वशितास्थ |
| वशितास्मि | वशितास्वः | वशितास्मः |
| भ० वशिष्यति | वशिष्यतः | वशिष्यन्ति |
| वशिष्यसि | वशिष्यथः | वशिष्यथ |
| वशिष्यामि | वशिष्यावः | वशिष्यामः |
| क्रि० अवशिष्यत् | अवशिष्यताम् | अवशिष्यन् |
| अवशिष्यः | अवशिष्यतम् | अवशिष्यत |
| अवशिष्यम् | अवशिष्याव | अवशिष्याम |

अथ सान्ता द्वौ सेदौ च
1102 असक् (अस्) भुवि ।
भवनं भूः सत्ता ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० अस्ति | स्तः | सन्ति |
| अस्ति | स्थः | स्थ |
| अस्मि | स्वः | स्मः |
| स० स्यात् | स्याताम् | स्युः |
| स्याः | स्यातम् | स्यात |
| स्याम् | स्याव | स्याम |
| प० अस्तु स्तात् | स्ताम् | सन्तु |
| पधि " | स्तम् | स्त |
| असानि | असाव | असाम |
| ह्य० आसीत् | आस्ताम् | आसन् |
| आसीः | आस्तम् | आस्त |
| आसम् | आस्व | आस्म |
| अ० अभूत् | अभूताम् | अभूवन् |
| अभूः | अभूतम् | अभूत |
| अभूवम् | अभूव | अभूम |
| प० बभूव | बभूवतुः | बभूवुः |
| बभूविथ | बभूवथुः | बभूव |
| बभूव | बभूविथ | बभूविम |
| आ० भूयात् | भूयास्ताम् | भूयासुः |
| भूयाः | भूयास्तम् | भूयास्त |
| भूयासम् | भूयास्व | भूयास्म |
| प्रव० भविता | भवितारौ | भवितारः |
| भवितासि | भवितास्थः | भवितास्थ |
| भवितास्मि | भवितास्वः | भवितास्मः |
| भ० भविष्यति | भविष्यतः | भविष्यन्ति |
| भविष्यसि | भविष्यथः | भविष्यथ |
| भविष्यामि | भविष्यावः | भविष्यामः |
| क्रि० अभविष्यत् | अभविष्यताम् | अभविष्यन् |
| अभविष्यः | अभविष्यतम् | अभविष्यत |
| अभविष्यम् | अभविष्याव | अभविष्याम |

1103 षसक् सस्) स्वप्ने ।

| | | |
|---|-------------|------------|
| व० सस्ति | सस्तः | ससन्ति |
| सस्ति | सस्थः | सस्थ |
| सस्मि | सस्वः | सस्मः |
| स० सस्यात् | सस्याताम् | सस्युः |
| सस्याः | सस्यातम् | सस्यात |
| सस्याम् | सस्याव | सस्याम |
| प० सस्तु सस्तात् | सस्ताम् | ससन्तु |
| सधि, द्वि | सस्तम् | सस्त |
| ससानि | ससाव | ससाम |
| ह्य० असत्, द् | असस्ताम् | अससन् |
| असः, त, द् | असस्तम् | असस्त |
| अससम् | असस्व | असस्म |
| अ० असासीत् | असासिताम् | असासिषुः |
| असासीः | असासितम् | असासिष्ट |
| असासिषम् | असासिष्व | असासिष्म |
| अससीत् | अससिष्टाम् | अससिषुः |
| प० ससास | सेसतुः | सेसुः |
| सेसिथ | सेसथुः | सेस |
| ससास, ससस | सेसिथ | सेसिम |
| आ० संस्यात् | सस्यास्ताम् | सस्योन्तुः |
| सस्याः | सस्यास्तम् | सस्यास्त |
| सस्यासम् | सस्यास्व | सस्यास्म |
| प्रव० ससिता | ससितारौ | ससितारः |
| ससितासि | ससितास्थः | ससितास्थ |
| ससितास्मि | ससितास्वः | ससितास्मः |
| भ० ससिष्यति | ससिष्यतः | ससिष्यन्ति |
| ससिष्यसि | ससिष्यथः | ससिष्यथ |
| ससिष्यामि | ससिष्यावः | ससिष्यामः |
| क्रि० अससिष्यत् | अससिष्यताम् | अससिष्यन् |
| अससिष्यः | अससिष्यतम् | अससिष्यत |
| अससिष्यम् | अससिष्याव | अससिष्याम |
| यङ्लुक् च । सर्वे धातवो यङ्लुबन्ताः | | |
| कित्करणददादौ परस्मैपदिनश्च विज्ञेयाः । | | |
| तेषां रूपाणि च प्रक्रियाप्रकरणे प्रकटिष्यन्ते | | |
| इति अदादौ परस्मैभाषाः ॥ | | |

॥ धातुरत्नाकरे भ्वादिगणः

॥ अथात्मनेपदिनः ॥

1104 इङ्क् (इ) अध्ययने ।

इङ्किोरधिनावश्यभावी योगः । यदाह—

कश्चित्तमनुवर्तते ।

| | | |
|---------------|-----------------|--------------|
| व० अधीते | अधीयाते | अधीयते |
| अधीषे | अधीयाथे | अधीष्वे |
| अधीये | अधीवहे | अधीमहे |
| स० अधीयीत | अधीयीयाताम् | अधीयीरन् |
| अधीयीथाः | अधीयीयाथाम् | अधीयीध्वम् |
| अधीयीय | अधीयीवहि | अधीयीमहि |
| प० अधीताम् | अधीयाताम् | अधीयताम् |
| अधीष्व | अधीयाथाम् | अधीष्वम् |
| अध्ययै | अध्ययावहे | अध्ययामहे |
| ह्य० अध्यैत | अध्यैयाताम् | अध्यैयत |
| अध्यैथाः | अध्यैयाथाम् | अध्यैध्वम् |
| अध्यैयि | अध्यैवहि | अध्यैमहि |
| अ० अध्यगीष्ट | अध्यगीषाताम् | अध्यगीषत |
| अध्यगीष्ठाः | अध्यगीषाथाम् | अध्यगीध्वम् |
| अध्यगीषि | अध्यगीष्वहि | अध्यगीष्महि |
| अ० अध्यैष्ट | अध्यैषाताम् | अध्यैषत |
| अध्यैष्ठाः | अध्यैषाथाम् | अध्यैध्वम् |
| अध्यैषि | अध्यैष्वहि | अध्यैष्महि |
| प अधिजगे | अधिजगाते | अधिजशिरे |
| अधिजगिषे | अधिजगाथे | अधिजगिष्वे |
| अधिजगे | अधिजगिवहे | अधिजगिमहे |
| आ० अध्येषीष्ट | अध्येषीयास्ताम् | अध्येषीरन् |
| अध्येषीष्ठाः | अध्येषीयास्थाम् | अध्येषीध्वम् |
| अध्येषीय | अध्येषीवहि | अध्येषीमहि |
| प्रव० अध्येता | अध्येतारौ | अध्येतारः |
| अध्येतासे | अध्येतामाथे | अध्येताध्वे |
| अध्येताहे | अध्येतास्वहे | अध्येतास्महे |
| भ० अध्यैष्यते | अध्यैष्येते | अध्यैष्यन्ते |
| अध्यैष्यसे | अध्यैष्येथे | अध्यैष्यध्वे |
| अध्यैष्ये | अध्यैष्यावहे | अध्यैष्यामहे |

क्रि० अध्यगीष्यत अध्यगीष्येताम् अध्यगीष्यन्त
अध्यगीष्यथाः अध्यगीष्येथाम् अध्यगीष्यध्वम्
अध्यगीष्ये अध्यगीष्यावहि अध्यगीष्यामहि
क्रि० अध्यैष्यत अध्यैष्येताम् अध्यैष्यन्त इत्यादि

1105 शिङ्क् (शि) स्वप्ने ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| ० शीते | शयाते | शीरते |
| शीषे | शयाथे | शीष्वे |
| शीये | शीवहे | शीमहे |
| स० शयीत | शयीयाताम् | शयीरन् |
| शयीथाः | शयीयाथाम् | शयीध्वम् |
| शयीय | शयीवहि | शयीमहि |
| प० शीताम् | शयाताम् | शीरताम् |
| शीष्व | शयाथाम् | शीष्वम् |
| शीये | शयावहे | शयामहे |
| ह्य० अशीत | अशयाताम् | अशीरत |
| अशीथाः | अशयाथाम् | अशीध्वम् |
| अशयि | अशिवहि | अशिमहि |
| अ० अशयिष्ट | अशयिषाताम् | अशयिषत |
| अशयिष्ठाः | अशयिषाथाम् | अशयिध्वम् |
| अशयिषि | अशयिष्वहि | अशयिष्महि |
| प० शिशाय | शिशयन्तः | शिशयः |
| शिशयिष्य | शिशयिष्युः | शिशय |
| शिशयिष्य | शिशयिष्युः | शिशय |
| शिशयिष्य | शिशयिष्युः | शिशय |
| भ्रा० शयिषीष्ट | शयिषीयास्ताम् | शयिषीरन् |
| शयिषीष्ठाः | शयिषीयास्थाम् | शयिषीध्वम् |
| शयिषीय | शयिषीवहि | शयिषीमहि |
| प्रव० शयिता | शयितारौ | शयितारः |
| शयितासे | शयितासाथे | शयिताध्वे |
| शयिताहे | शयितास्वहे | शयितास्महे |
| भ० शयिष्यते | शयिष्येते | शयिष्यन्ते |
| शयिष्यसे | शयिष्येथे | शयिष्यध्वे |
| शयिष्ये | शयिष्यावहे | शयिष्यामहे |
| क्रि० अशयिष्यत | अशयिष्येताम् | अशयिष्यन्त |
| अशयिष्यथाः | अशयिष्येथाम् | अशयिष्यध्वम् |
| अशयिष्ये | अशयिष्यावहि | अशयिष्यामहि |

दीधीङ् दीप्तिदेवनयोः । वेवीङ्घी-
समानार्थं पतावपि केचिन्पठन्ति । छा-
न्द सन्धात्पेक्षितौ ।

1106 हुनुङ्क् (हुनु) अपनयने ।

अपनयनमपलापः ।

| | | |
|--------------|----------------|-------------|
| व० हुनुते | हुनुवाते | हुनुवते |
| हुनुषे | हुनुवाथे | हुनुध्वे |
| हुनुवे | हुनुवहे | हुनुमहे |
| स० हुनुवीत | हुनुवीयाताम् | हुनुवीरन् |
| हुनुवीथाः | हुनुवीयाथाम् | हुनुवीध्वम् |
| हुनुवीय | हुनुवीवहि | हुनुवीमहि |
| ० हुनुताम् | हुनुवाताम् | हुनुवताम् |
| हुनुष्व | हुनुवाथाम् | हुनुध्वम् |
| ह्वे | ह्वावहै | ह्वामहै |
| झ० अहनुत | अहनुवाताम् | अहनुवत |
| अहनुथाः | अहनुवाथाम् | अहनुध्वम् |
| अहनुवि | अहनुवहि | अहनुमहि |
| अ० अहोष्ट | अहोषाताम् | अहोषत |
| अहोष्टाः | अहोषाथाम् | अहोङ्घ्वम् |
| | | ह्वम् |
| अहोषि | अहोष्वहि | अहोषमहि |
| प० जुहनुवे | जुहनुवाते | जुहनुविरे |
| जुहनुविषे | जुहनुवाथे | जुहनुविध्वे |
| जुहनुवे | जुहनुवहे | जुहनुमिहे |
| आ० ह्रोषीष्ट | ह्रोषीयास्ताम् | ह्रोषीरन् |
| ह्रोषीष्टाः | ह्रोषीयास्थाम् | ह्रोषीध्वम् |
| ह्रोषीय | ह्रोषीवहि | ह्रोषीमहि |
| श्व० ह्रोता | ह्रोतारौ | ह्रोतारः |
| ह्रोतासे | ह्रोतासाथे | ह्रोताध्वे |
| ह्रोताहे | ह्रोतास्वहे | ह्रोतास्महे |

भ० ह्रोष्यते ह्रोष्येते ह्रोष्यन्ते
ह्रोष्यसे ह्रोष्येथे ह्रोष्यध्वे
ह्रोष्ये ह्रोष्यावहे ह्रोष्यामहे

क्रि० अह्रोष्यत अह्रोष्येताम् अह्रोष्यन्त
अह्रोष्यथाः अह्रोष्येथाम् अह्रोष्यध्वम्
अह्रोष्ये अह्रोष्यावहि अह्रोष्यामहि

अतः परमूदन्तः सेट् च

1107 षूङ्क् (सू) प्राणिगर्भविमोचने

| | | |
|-------------|-------------|------------|
| व० सूते | सूवाते | सूवते |
| सूषे | सूवाथे | सूध्वे |
| सूवे | सूवहे | सूमहे |
| स० सुमीत | सुमीयाताम् | सूमीरन् |
| सुमीथाः | सुमीयाथाम् | सुमीध्वम् |
| सुमीय | सुमीवहि | सुमीमहि |
| प० सूताम् | सूवाताम् | सूवताम् |
| सूष्व | सूवाथाम् | सूध्वम् |
| सूषे | सूवावहे | सूवामहे |
| झ० असूत | असूवाताम् | असूवत |
| असूथाः | असूवाथाम् | असूध्वम् |
| असूवि | असूवहि | असूमहि |
| अ० असूविष्ट | असूविषाताम् | असूविषत |
| असूविष्टाः | असूविषाथाम् | असूविध्वम् |
| | | ह्वम् |
| असूविषि | असूविष्वहि | असूविषमहि |
| असूषट् | असूषाताम् | असूषत |
| असूषटाः | असूषाथाम् | असूषध्वम् |
| | | ह्वम् |
| असूषि | असूष्वहि | असूषमहि |
| प० सुषुषे | सुषुवाते | सुषुविरे |
| सुषुविषे | सुषुवाथे | सुषुविध्वे |
| सुषुवे | सुषुवहे | सुषुमिहे |

आ० सविषीष्ट सविषीयास्ताम् सविषीरन्

सविषीष्टाः सविषीयास्याम् सविषी-
द्वम्-ध्वम्

सविषीय सविषीवहि सविषीमहि

सोषीष्ट सोषीयास्ताम् सोषीरन्

सोषीष्टाः सोषीयास्थाम् सोषीद्वम्
ध्वम्

सोषीय सोषीवहि सोषीमहि

व० सविता सवितारौ सवितारः

सवितासे सवितासाथे सविताध्वे

सविताहे सवितास्वहे सवितास्महे

सोता सतारौ सतारः

सोतासे सोतासाथे सोताध्वे

सोताहे सोतास्वहे सोतास्महे

भ० सविष्यते सविष्येते सविष्यन्ते

सविष्यसे सविष्येथे सविष्यध्वे

सविष्ये सविष्यावहे सविष्यामहे

सोष्यते सोष्येते सोष्यन्ते

सोष्यसे सोष्येथे सोष्यध्वे

सोष्ये सोष्यावहे सोष्यामहे

क्रि० असविष्यत असविष्येताम् असविष्यन्त

असविष्यथाः असविष्येथाम् असविष्य-
ध्वम्

असविष्ये असविष्यावहि असविष्यामहि

असोष्यत असोष्येताम् असोष्यन्त

असोष्यथाः असोष्येथाम् असोष्यध्वम्

असोष्ये असोष्यावहि असोष्यामहि

अथ चान्तः सेट्च

1108 पृचैङ् (पृच्) सम्पर्चने

सम्पर्चनं मिश्रणम् ।

व० पृक्ते पृचाते पृचते

पृक्षे पृचाथे पृक्ष्वे

पृचे पृचवहे पृचमहे

स० पृचीत पृचीयाताम् पृचीरन्

पृचीथाः पृचीयाथाम् पृचीध्वम्

पृचीय पृचीवहि पृचीमहि

प० पृक्ताम् पृचाताम् पृचताम्

पृक्ष्व पृचाथाम् पृक्ष्वम्

पृचै पृचावहे पृचामहे

झ० अपृक्त अपृचाताम् अपृचत

अपृक्थाः अपृचाथाम् अपृक्ष्वम्

अपृचि अपृचवहि अपृचमहि

अ० अपर्चिष्ट अपर्चिषाताम् अपर्चिषत

अपर्चिष्टाः अपर्चिषाथाम् अपर्चिङ्द्वम्
ध्वम्

अपर्चिषि अपर्चिषवहि अपर्चिषमहि

प० पपृचे पपृचाते पपृचिरे

पपृचिषे पपृचाथे पपृचिध्वं

पपृचे पपृचिवहे पपृचिमहे

आ० पर्चिषीष्ट पर्चिषीयास्ताम् पर्चिषीरन्

पर्चिषीष्टाः पर्चिषीयास्थाम् पर्चिषी-
ध्वम्

पर्चिषीय पर्चिषीवहि पर्चिषीमहि

झ० पर्चिता पर्चितारौ पर्चितारः

पर्चितासे पर्चितासाथे पर्चिताध्वे

पर्चिताहे पर्चितास्वहे पर्चितास्महे

भ० पर्चिष्यते पर्चिष्येते पर्चिष्यन्ते

पर्चिष्यसे पर्चिष्येथे पर्चिष्यध्वे

पर्चिष्ये पर्चिष्यावहे पर्चिष्यामहे

क्रि० अपर्चिष्यत अपर्चिष्येताम् अपर्चिष्यन्त

अपर्चिष्यथाः अपर्चिष्येथाम् अपर्चिष्यध्वम्

अपर्चिष्ये अपर्चिष्यावहि अपर्चिष्यामहि

अथ जान्ताःपञ्च सेटश्च

1109 पृजुङ्क् (पृज्ज) सम्पचने ।

मिश्रणे इत्यर्थः ।

| | | | |
|------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | पृङ्क्त | पृज्जाते | पृज्जते |
| | पृङ्क्षे | पृज्जाथे | पृङ्गध्वे |
| | पृज्जे | पृज्जवहे | पृज्जमहे |
| स | पृज्जीत | पृज्जीयाताम् | पृज्जीरन् |
| | पृज्जीथा | पृज्जीयाथाम् | पृज्जीध्वम् |
| | पृज्जीथ | पृज्जीवहि | पृज्जीमहि |
| प० | पृङ्क्ताम् | पृज्जाताम् | पृज्जताम् |
| | पृङ्क्ष्व | पृज्जाथाम् | पृङ्गध्वम् |
| | पृज्ज | पृज्जावहे | पृज्जामहे |
| अ० | अपृङ्क्त | अपृज्जाताम् | अपृज्जत |
| | अपृङ्क्ताः | अपृज्जाथाम् | अपृङ्गध्वम् |
| | अपृज्जि | अपृज्जवहि | अपृज्जमहि |
| अ० | अपृज्जिष्ट | अपृज्जिषाताम् | अपृज्जिषन् |
| | अपृज्जिष्ठाः | अपृज्जिषाथाम् | अपृज्जिष्वम् |
| | अपृज्जिषि | अपृज्जिष्वहि | अपृज्जिष्वमहि |
| प० | पपृज्जे | पपृज्जाते | पपृज्जिरे |
| | पपृज्जिषे | पपृज्जाथे | पपृज्जिध्वे |
| | पपृज्जे | पपृज्जिवहे | पपृज्जिमहे |
| आ० | पृज्जिषीष्ट | पृज्जिषीयास्ताम् | पृज्जिषीरन् |
| | पृज्जिषीष्ठाः | पृज्जिषीयास्थाम् | पृज्जिषीध्वम् |
| | पृज्जिषीय | पृज्जिषीवहि | पृज्जिषीमहि |
| प्र० | पृज्जिता | पृज्जितारौ | पृज्जितारः |
| | पृज्जितासे | पृज्जितासाथे | पृज्जिताध्वे |
| | पृज्जिताहे | पृज्जितास्वहे | पृज्जितास्महे |
| भ० | पृज्जिष्यते | पृज्जिष्येते | पृज्जिष्यन्ते |
| | पृज्जिष्यसे | पृज्जिष्येथे | पृज्जिष्यध्वे |
| | पृज्जिष्ये | पृज्जिष्यावहे | पृज्जिष्यामहे |
| कि० | अपृज्जिष्यत | अपृज्जिष्येताम् | अपृज्जिष्यन्त |
| | अपृज्जिष्यथाः | अपृज्जिष्येथाम् | अपृज्जिष्यध्वम् |
| | अपृज्जिष्ये | अपृज्जिष्यावहि | अपृज्जिष्यामहि |

1110 पिजुक् (पिज्ज) सम्पचने ।

मिश्रणे इत्यर्थः ।

| | | | |
|------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | पिङ्क्ते | पिज्जाते | पिज्जते |
| | पिङ्क्षे | पिज्जाथे | पिङ्गध्वे |
| | पिज्जे | पिज्जवहे | पिज्जमहे |
| स० | पिज्जीत | पिज्जीयाताम् | पिज्जीरन् |
| | पिज्जीथाः | पिज्जीयाथाम् | पिज्जीध्वम् |
| | पिज्जीय | पिज्जीवहि | पिज्जीमहि |
| प० | पिङ्क्ताम् | पिज्जाताम् | पिज्जताम् |
| | पिङ्क्ष्व | पिज्जाथाम् | पिङ्गध्वम् |
| | पिज्जे | पिज्जावहे | पिज्जामहे |
| ह्य० | अपिङ्क्त | अपिज्जाताम् | अपिज्जत |
| | अपिङ्क्ताः | अपिज्जाथाम् | अपिङ्गध्वम् |
| | अपिज्जि | अपिज्जवहि | अपिज्जमहि |
| अ० | अपिज्जिष्ट | अपिज्जिषाताम् | अपिज्जिषन् |
| | अपिज्जिष्ठाः | अपिज्जिषाथाम् | अपिज्जिष्वम् |
| | अपिज्जिषि | अपिज्जिष्वहि | अपिज्जिष्वमहि |
| प० | पिपिज्जे | पिपिज्जाते | पिपिज्जिरे |
| | पिपिज्जिषे | पिपिज्जाथे | पिपिज्जिध्वे |
| | पिपिज्जे | पिपिज्जिवहे | पिपिज्जिमहे |
| आ० | पिज्जिषीष्ट | पिज्जिषीयास्ताम् | पिज्जिषीरन् |
| | पिज्जिषीष्ठाः | पिज्जिषीयास्थाम् | पिज्जिषीध्वम् |
| | पिज्जिषीय | पिज्जिषीवहि | पिज्जिषीमहि |
| प्र० | पिज्जिता | पिज्जितारौ | पिज्जितारः |
| | पिज्जितासे | पिज्जितासाथे | पिज्जिताध्वे |
| | पिज्जिताहे | पिज्जितास्वहे | पिज्जितास्महे |
| भ० | पिज्जिष्यते | पिज्जिष्येते | पिज्जिष्यन्ते |
| | पिज्जिष्यसे | पिज्जिष्येथे | पिज्जिष्यध्वे |
| | पिज्जिष्ये | पिज्जिष्यावहे | पिज्जिष्यामहे |
| कि० | अपिज्जिष्यत | अपिज्जिष्येताम् | अपिज्जिष्यन्त |
| | अपिज्जिष्यथाः | अपिज्जिष्येथाम् | अपिज्जिष्यध्वम् |
| | अपिज्जिष्ये | अपिज्जिष्यावहि | अपिज्जिष्यामहि |

1111 वृजैकि (वृज्) वर्जने

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० वृक्ते | वृजाते | वृजते |
| वृक्षे | वृजाथे | वृग्ध्वे |
| वृजे | वृज्वहे | वृज्महे |
| स० वृजीत | वृजीयाताम् | वृजीरन् |
| वृजीथाः | वृजीयाथाम् | वृजीध्वम् |
| वृजीय | वृजीवहि | वृजीमहि |
| प० वृक्ताम् | वृजाताम् | वृजताम् |
| वृक्ष्व | वृजाथाम् | वृग्ध्वम् |
| वृज | वर्जावहे | वर्जामहे |
| ह्य० अवृक्त | अवृजाताम् | अवृजत |
| अवृक्थाः | अवृजाथाम् | अवृग्ध्वम् |
| अवृजि | अवृज्वहि | अवृज्महि |
| अ० अवर्जिष्ट | अवर्जिषाताम् | अवर्जिषत |
| अवर्जिष्ठाः | अवर्जिषाथाम् | अवर्जिङ्- |
| | | द्वम् ध्वम् |
| अवर्जिषि | अवर्जिष्वहि | अवर्जिष्महि |
| प० ववृजे | ववृजाते | ववृजिरे |
| ववृजिषे | ववृजाथे | ववृजिध्वे |
| ववृजे | ववृजिवहे | ववृजिमहे |
| आ० वर्जिषीष्ट | वर्जिषीयास्ताम् | वर्जिषीरन् |
| वर्जिषीष्ठाः | वर्जिषीयास्थाम् | वर्जिषीध्वम् |
| वर्जिषीय | वर्जिषीवहि | वर्जिषीमहि |
| प्रथ० वर्जिता | वर्जितारौ | वर्जितारः |
| वर्जितासे | वर्जितासाथे | वर्जिताध्वे |
| वर्जिताहे | वर्जितास्वहे | वर्जितास्महे |
| भ० वर्जिष्यते | वर्जिष्येते | वर्जिष्यन्ते |
| वर्जिष्यसे | वर्जिष्येथे | वर्जिष्यध्वे |
| वर्जिष्ये | वर्जिष्यावहे | वर्जिष्यामहे |
| क्लि० अवर्जिष्यत | अवर्जिष्येताम् | अवर्जिष्यन्त |
| अवर्जिष्यथाः | अवर्जिष्येथाम् | अवर्जिष्यध्वम् |
| अवर्जिष्ये | अवर्जिष्यावहि | अवर्जिष्यामहि |

1112 णिज्कि (निज्) शुद्धौ ।

| | | |
|----------------|------------------|-----------------|
| व० निङ्क्ते | निङ्जाते | निङ्जते |
| निङ्क्षे | निङ्जाथे | निङ्ग्ध्वे |
| निङ्जे | निङ्ज्वहे | निङ्ज्महे |
| स० निङ्जीत | निङ्जीयाताम् | निङ्जीरन् |
| निङ्जीथाः | निङ्जीयाथाम् | निङ्जीध्वम् |
| निङ्जीय | निङ्जीवहि | निङ्जीमहि |
| प० निङ्क्ताम् | निङ्जाताम् | निङ्जताम् |
| निङ्क्ष्व | निङ्जाथाम् | निङ्ग्ध्वम् |
| निङ्जै | निङ्जावहे | निङ्जामहे |
| ह्य० अनिङ्क्त | अनिङ्जाताम् | अनिङ्जत |
| अनिङ्क्थाः | अनिङ्जाथाम् | अनिङ्ग्ध्वम् |
| अनिङ्जि | अनिङ्ज्वहि | अनिङ्ज्महि |
| अ० अनिङ्जिष्ट | अनिङ्जिषाताम् | अनिङ्जिषत |
| अनिङ्जिष्ठाः | अनिङ्जिषाथाम् | अनिङ्जिध्वम् |
| अनिङ्जिषि | अनिङ्जिष्वहि | अनिङ्जिष्महि |
| प० निनिङ्जे | निनिङ्जाते | निनिङ्जिरे |
| निनिङ्जिषे | निनिङ्जाथे | निनिङ्जिध्वे |
| निनिङ्जे | निनिङ्जिवहे | निनिङ्जिमहे |
| आ० निङ्जिषीष्ट | निङ्जिषीयास्ताम् | निङ्जिषीरन् |
| निङ्जिषीष्ठाः | निङ्जिषीयास्थाम् | निङ्जिषीध्वम् |
| निङ्जिषीय | निङ्जिषीवहि | निङ्जिषीमहि |
| प्रथ० निङ्जिता | निङ्जितारौ | निङ्जितारः |
| निङ्जितासे | निङ्जितासाथे | निङ्जिताध्वे |
| निङ्जिताहे | निङ्जितास्वहे | निङ्जितास्महे |
| भ० निङ्जिष्यते | निङ्जिष्येते | निङ्जिष्यन्ते |
| निङ्जिष्यसे | निङ्जिष्येथे | निङ्जिष्यध्वे |
| निङ्जिष्ये | निङ्जिष्यावहे | निङ्जिष्यामहे |
| अनिङ्जिष्यत | अनिङ्जिष्येताम् | अनिङ्जिष्यन्त |
| अनिङ्जिष्यथाः | अनिङ्जिष्येथाम् | अनिङ्जिष्यध्वम् |
| अनिङ्जिष्ये | अनिङ्जिष्यावहि | अनिङ्जिष्यामहि |

1113 शिञ्जुकि-शिञ्ज् अव्यक्ते शब्दे

| | | |
|-------------------|------------------|----------------|
| ष० शिङ्कते | शिञ्जाते | शिञ्जते |
| शिङ्कथे | शिञ्जाथे | शिञ्जथ्वे |
| शिङ्कजे | शिञ्जवहे | शिञ्जमहे |
| स० शिञ्जोत | शिञ्जीयाताम् | शिञ्जीरन् |
| शिञ्जोथाः | शिञ्जीयाथाम् | शिञ्जीध्वम् |
| शिञ्जीय | शिञ्जोवहि | शिञ्जीमहि |
| प० शिङ्कताम् | शिञ्जाताम् | शिञ्जताम् |
| शिङ्कथ्व | शिञ्जाथाम् | शिङ्कथ्वम् |
| शिञ्जै | शिञ्जावहै | शिञ्जामहै |
| ह्य० अशिङ्कत | अशिञ्जाताम् | अशिञ्जत |
| अशिङ्कथाः | अशिञ्जाथाम् | अशिङ्कथ्वम् |
| अशिञ्जि | अशिञ्जवहि | अशिञ्जमहि |
| अ० अशिञ्जिष्ठ | अशिञ्जिषाताम् | अशिञ्जिषत |
| अशिञ्जिष्ठाः | अशिञ्जिषाथाम् | अशिञ्जिष्ठ्वम् |
| अशिञ्जिषि | अशिञ्जिषवहि | अशिञ्जिष्महि |
| प० शिशिञ्जे | शिशिञ्जाते | शिशिञ्जिरे |
| शिशिञ्जिषे | शिशिञ्जाथे | शिशिञ्जिष्वे |
| शिशिञ्जे | शिशिञ्जवहे | शिशिञ्जिमहे |
| आ० शिञ्जिषीष्ट | शिञ्जिषीयास्ताम् | शिञ्जिषीरन् |
| शिञ्जिषीष्ठाः | शिञ्जिषीयास्थाम् | शिञ्जिषीध्वम् |
| शिञ्जिषीय | शिञ्जिषीवहि | शिञ्जिषीमहि |
| श्व० शिञ्जिता | शिञ्जितारौ | शिञ्जितारः |
| शिञ्जितासे | शिञ्जितासाथे | शिञ्जिताध्वे |
| शिञ्जिताहे | शिञ्जितास्वहे | शिञ्जितास्महे |
| भ० शिञ्जिष्यते | शिञ्जिष्येते | शिञ्जिष्यन्ते |
| शिञ्जिष्यसे | शिञ्जिष्येथे | शिञ्जिष्यध्वे |
| शिञ्जिष्ये | शिञ्जिष्यावहे | शिञ्जिष्यामहे |
| क्रि० अशिञ्जिष्यत | अशिञ्जिष्येताम् | |
| अशिञ्जिष्यन्त | अशिञ्जिष्यथाः | |
| अशिञ्जिष्येथाम् | अशिञ्जिष्यध्वम् | |
| अशिञ्जिष्ये | अशिञ्जिष्यावहि | |
| अशिञ्जिष्यामहि | | |

H अथ डान्तः सेट् च ॥

1114 ईडिक् (ईड्) स्तुतौ ।

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| ष० ईद्वे | ईडाते | ईडते |
| ईडिषे | ईडाथे | ईडिष्वे |
| ईडे | ईडवहे | ईडमहे |
| स० ईडीत | ईडीयाताम् | ईडीरन् |
| ईडीथाः | ईडीयाथाम् | ईडीध्वम् |
| ईडीय | ईडीवहि | ईडीमहि |
| प० ईडाम् | ईडाताम् | ईडताम् |
| ईडिष्व | ईडाथाम् | ईडिष्वम् |
| ईडै | ईडावहे | ईडामहै |
| ह्य० ऐड् | ऐडाताम् | ऐडत |
| ऐड्ठाः | ऐडाथाम् | ऐड्ठवम् |
| ऐडिषि | ऐड्वहि | ऐडमहि |
| अ० ऐडिष्ठ | ऐडिषाताम् | ऐडिषत |
| ऐडिष्ठाः | ऐडिषाथाम् | ऐडिष्ठ्वम् |
| ऐडिषि | ऐडिषवहि | ऐडिष्महि |
| प० ईडाश्चक्रे | ईडाश्चकाते | ईडाश्चकिरे |
| ईडाश्चकृषे | ईडाश्चकाथे | ईडाश्चकृष्वे |
| ईडाश्चक्रे | ईडाश्चकृवहे | ईडाश्चकृमहे |
| ईडाम्बभूव । | ईडामास । | |
| आ० ईडिषीष्ट | ईडिषीयास्ताम् | ईडिषीरन् |
| ईडिषीष्ठाः | ईडिषीयास्थाम् | ईडिषीध्वम् |
| ईडिषीय | ईडिषीवहि | ईडिषीमहि |
| श्व० ईडिता | ईडितारौ | ईडितारः |
| ईडितासे | ईडितासाथे | ईडिताध्वे |
| ईडिताहे | ईडितास्वहे | ईडितास्महे |
| म० ईडिष्यते | ईडिष्येते | ईडिष्यन्ते |
| ईडिष्यसे | ईडिष्येथे | ईडिष्यध्वे |
| ईडिष्ये | ईडिष्यावहे | ईडिष्यामहे |
| क्रि० ऐडिष्यत | ऐडिष्येताम् | ऐडिष्यन्त |
| ऐडिष्येथाः | ऐडिष्येथाम् | ऐडिष्यध्वम् |
| ऐडिष्ये | ऐडिष्यावहि | ऐडिष्यामहि |

अथ रान्तः सेट् च ।

1115 ईरिक् (ईर्) गतिकम्पनयोः ।

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| व० ईर्त्ते | ईराते | ईरते |
| ईर्वे | ईराथे | ईर्वे |
| ईरे | ईरवहे | ईर्महे |
| स० ईरीत | ईरीयाताम् | ईरीरन् |
| ईरीथाः | ईरीयाथाम् | ईरीध्वम् |
| ईरीय | ईरीवहि | ईरीमहि |
| प० ईर्ताम् | ईराताम् | ईरताम् |
| ईर्वम् | ईराथाम् | ईर्वम् |
| ईरे | ईरावहे | ईरामहे |
| झ० ऐर्त्ते | ऐराताम् | ऐरत |
| ऐर्थाः | ऐराथाम् | ऐर्वम् |
| ऐरि | वहि | ऐर्महि |
| अ० ऐरिष्ट | ऐरिषाताम् | ऐरिषत |
| ऐरिष्ठाः | ऐरिषाथाम् | ऐरिड्ढ्वम् |
| | | ढ्वम्-ध्वम् |
| ऐरिषि | ऐरिष्वहि | ऐरिष्महि |
| प० ईराञ्चके | ईराञ्चकाते | ईराञ्चकिरे |
| ईराञ्चकृषे | ईराञ्चकाथे | ईराञ्चकृद्वे |
| ईराञ्चके | ईराञ्चकृवहे | ईराञ्चकृमहे |
| ईराञ्चभूव । | ईरामास | |
| आ ईरिषीष्ट | ईरिषीयास्ताम् | ईरिषीरन् |
| ईरिषीष्ठाः | ईरिषीयास्थाम् | ईरिषीढ्वम् |
| | | ध्वम् |
| ईरिषीय | ईरिषीवहि | ईरिषीमहि |
| श्व० ईरिता | ईरितारौ | ईरितारः |
| ईरितासे | ईरितासाथे | ईरिताध्वे |
| ईरिताहे | ईरितास्वहे | ईरितास्महे |
| भ० ईरिष्यते | ईरिष्येते | ईरिष्यन्ते |
| ईरिष्यसे | ईरिष्येथे | ईरिष्यध्वे |
| ईरिष्ये | ईरिष्यावहे | ईरिष्यामहे |
| क्रि० ऐरिष्यत | ऐरिष्येताम् | ऐरिष्यन्त |
| ऐरिष्यथाः | ऐरिष्येथाम् | ऐरिष्यध्वम् |
| ऐरिष्ये | ऐरिष्यावहि | ऐरिष्यामहि |

अथ शान्तः सेट् च

1116 ईंशिक् (ईश्) एश्वर्ये

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| व० ईंष्टे | ईंशाते | ईंशते |
| ईंशिषे | ईंशाथे | ईंशिध्वे |
| ईंशि | ईंशवहे | ईंश्महे |
| स० ईंशीत | ईंशीयाताम् | ईंशीरन् |
| ईंशीथाः | ईंशीयाथाम् | ईंशीध्वम् |
| ईंशीय | ईंशीवहि | ईंशीमहि |
| प० ईंष्टाम् | ईंशाताम् | ईंशताम् |
| ईंशिध्व | ईंशाथाम् | ईंशिध्वम् |
| ईंशि | ईंशावहे | ईंशामहे |
| झ० ऐंष्ट | ऐंशाताम् | ऐंशत |
| ऐंष्ठाः | ऐंशाथाम् | ऐंश्र्ढ्वम् |
| ऐंशि | ऐंश्वहि | ऐंश्महि |
| अ० ऐंशिष्ट | ऐंशिषाताम् | ऐंशिषन् |
| ऐंशिष्ठाः | ऐंशिषाथाम् | ऐंशिड्ढ्वम् |
| | | ध्वम्-ध्वम् |
| ऐंशिषि | ऐंशिष्वहि | ऐंशिष्महि |
| प० ईंशाञ्चके | ईंशाञ्चकाते | ईंशाञ्चकिरे |
| ईंशाञ्चकृषे | ईंशाञ्चकाथे | ईंशाञ्चकृद्वे |
| ईंशाञ्चके | ईंशाञ्चकृवहे | ईंशाञ्चकृमहे |
| ईंशाञ्चभूव । | ईंशामास | |
| आ० ईंशिषीष्ट | ईंशिषीयास्ताम् | ईंशिषीरन् |
| ईंशिषीष्ठाः | ईंशिषीयास्थाम् | ईंशिषीध्वम् |
| ईंशिषीय | ईंशिषीवहि | ईंशिषीमहि |
| श्व० ईंशिता | ईंशितारौ | ईंशितारः |
| ईंशितासे | ईंशितासाथे | ईंशिताध्वे |
| ईंशिताहे | ईंशितास्वहे | ईंशितास्महे |
| भ० ईंशिष्यते | ईंशिष्येते | ईंशिष्यन्ते |
| ईंशिष्यसे | ईंशिष्येथे | ईंशिष्यध्वे |
| ईंशिष्ये | ईंशिष्यावहे | ईंशिष्यामहे |
| क्रि० ऐंशिष्यत | ऐंशिष्येताम् | ऐंशिष्यन्त |
| ऐंशिष्यथाः | ऐंशिष्येथाम् | ऐंशिष्यध्वम् |
| ऐंशिष्ये | ऐंशिष्यावहि | ऐंशिष्यामहि |

अथ सान्ताः पञ्च सेटश्च ।

1117 वसिकू (वस) आच्छादने ।

| | | |
|--------------|------------------------------|-------------|
| व० वस्ते | वसाते | वसते |
| वस्से | वसाथे | वदध्वे-ध्वे |
| वसे | वस्वहे | वस्महे |
| स० वसीत | वसीयाताम् वसीरन् | |
| वसीथाः | वसीयाथाम् वसीध्वम् | |
| वसीय | वसीवहि वसीमहि | |
| प० वस्ताम् | वसाताम् वसताम् | |
| वस्व | वसाथाम् वदध्वम्-ध्वम् | |
| वसै | वसावहे वसामहे | |
| ह्य० अवस्त | अवसाताम् अवसत | |
| अवस्थाः | अवसाथाम् अवदध्वम्-ध्वम् | |
| अवसि | अवस्वहि अवस्महि | |
| अ० अवसिष्ट | अवसिषाताम् अवसिषत | |
| अवसिष्टाः | अवसिषाथाम् अवसिद्ध्वम्-ध्वम् | |
| अवसिषि | अवसिष्वहि अवसिष्महि | |
| प० ववसे | ववसाते ववसिरे | |
| ववसिषे | ववसाथे ववसिध्वे | |
| ववसे | ववसिवहे ववसिमहे | |
| अ० वसिषीष्ट | वसिषीयास्ताम् वसिषीरन् | |
| वसिषीष्टाः | वसिषीयास्थाम् वसिषीध्वम् | |
| वसिषीय | वसिषीवहि वसिषीमहि | |
| श्व० वसिता | वसितारौ वसितारः | |
| वसितासे | वसितासाथे वसिताध्वे | |
| वसिताहे | वसितास्वहे वसितास्महे | |
| भ० वसिष्यते | वसिष्येते वसिष्यन्ते | |
| वसिष्यसे | वसिष्येथे वसिष्यध्वे | |
| वसिष्ये | वसिष्यावहे वसिष्यामहे | |
| कि० अवसिष्यत | अवसिष्येताम् अवसिष्यन्त | |
| अवसिष्यथाः | अवसिष्येथाम् अवसिष्यध्वम् | |
| अवसिष्ये | अवसिष्यावहि अवसिष्यामहि | |

1118 आङः शासूकि (आ-शास)

इच्छायाम् ।

| | |
|---|--------------------------------|
| आङः इत्याहपूर्व एवायं प्रयोज्यो न केव लोनाप्यन्योपसर्गपूर्व इत्येवमर्थम् | |
| व० आशास्ते | आशासाते आशासते |
| आशास्ते | आशासाथे आशादध्वे-ध्वे |
| आशासे | आशास्वहे आशास्महे |
| स० आशासीत | आशासीयाताम् आशासीरन् |
| आशासीथाः | आशासीयाथाम् आशासीध्वम् |
| आशासीय | आशासीवहि आशासीमहि |
| प० आशास्ताम् | आशासाताम् आशास्ताम् |
| आशास्व | आशासाथाम् आशादध्वम्-ध्वम् |
| आशासे | आशासावहे आशासामहे |
| ह्य० आशास्त | आशासाताम् आशास्त |
| आशास्थाः | आशासाथाम् आशादध्वम्-ध्वम् |
| आशासि | आशास्वहि आशास्महि |
| अ० आशासिष्ट | आशासिषाताम् आशासिषत |
| आशासिष्टाः | आशासिषाथाम् आशासिद्ध्वम्-ध्वम् |
| आशासिषि | आशासिष्वहि आशासिष्महि |
| प० आशासासे | आशासासाते आशासासिरे |
| आशासासिषे | आशासासाथे आशासासिध्वे |
| आशासासे | आशासासावहे आशासासिमहे |
| आ० आशासिषीष्ट | आशासिषीयास्ताम् |
| आशासिषीरन् | आशासिषीष्टाः |
| आशासिषीयास्थाम् | आशासिषीध्वम् |
| आशासिषीय | आशासिषीवहि आशासिषीमहि |
| श्व० आशासिता | आशासितारौ आशासितारः |
| आशासितासे | आशासितासाथे आशासिताध्वे |
| आशासिताहे | आशासितास्वहे आशासितास्महे |
| भ० आशासिष्यते | आशासिष्येते आशासिष्यन्ते |
| आशासिष्यसे | आशासिष्येथे आशासिष्यध्वे |
| आशासिष्ये | आशासिष्यावहे आशासिष्यामहे |
| आशासिष्यत | आशासिष्येताम् आशासिष्यन्त |
| आशासिष्यथाः | आशासिष्येथाम् आशासिष्यध्वम् |
| आशासिष्ये | आशासिष्यावहि आशासिष्यामहि |

1119 आसिक् (आस्) उपवेशने

| | | |
|---------------|---------------|-------------|
| व० आस्त | आसाते | आसते |
| आस्ते | आसाथे | आसध्वे |
| आसे | आसावहे | आसमहे |
| स० आसीत | आसीयाताम् | आसीरम् |
| आसीथाः | आसीयाथाम् | आसीध्वम् |
| आसीय | आसीवहि | आसीमहि |
| प० आस्ताम् | आसाताम् | आसताम् |
| आस्व | आसाथाम् | आसध्वम् |
| आसै | आसावहै | आसामहै |
| झ० आस्त | आसाताम् | आसत |
| आस्थाः | आसाथाम् | आसध्वम् |
| आसि | आसवहि | आसमहि |
| अ० आसिष्ट | आसिषाताम् | आसिषत |
| आसिष्ठाः | आसिषाथाम् | आसिषध्वम् |
| आसिषि | आसिषवहि | आसिषमहि |
| प० आसांचक्रे | आसांचक्राते | आसांचक्रिरे |
| आसांचकृषे | आसांचक्राथे | आसांचकृध्वे |
| आसांचक्रे | आसांचकृवहे | आसांचकृमहे |
| आसाम्बभूव | । | आसामास |
| आ० आसिषीष्ट | आसिषीयास्ताम् | आसिषीरन् |
| आसिषीष्ठाः | आसिषीयास्थाम् | आसिषीध्वम् |
| आसिषीय | आसिषीवहि | आसिषीमहि |
| श्व० आसिता | आसितारौ | आसितारः |
| आसितासे | आसितासाथे | आसिताध्वे |
| आसिताहे | आसितावहे | आसितामहे |
| भ० आसिष्यते | आसिष्येते | आसिष्यन्ते |
| आसिष्यसे | आसिष्येथे | आसिष्यध्वे |
| आसिष्ये | आसिष्यावहे | आसिष्यामहे |
| क्रि० आसिष्यत | आसिष्येताम् | आसिष्यन्त |
| आसिष्यथाः | आसिष्येथाम् | आसिष्यध्वम् |
| आसिष्ये | आसिष्यावहि | आसिष्यामहि |

1120 कसुकि (कंसु) गतिशातनयोः

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० कंस्ते | कंसाते | कंसते |
| कंस्ते | कंसाथे | कंसध्वे |
| कंसे | कंसावहे | कंसमहे |
| स० कंसीत | कंसीयाताम् | कंसारन् |
| कंसीथाः | कंसीयाथाम् | कंसीध्वम् |
| कंसीय | कंसीवहि | कंसीमहि |
| प० कंस्ताम् | कंसाताम् | कंस्ताम् |
| कंस्व | कंसाथाम् | कंसध्वम् |
| कंसै | कंसावहै | कंसामहै |
| झ० अकंस्त | अकंसाताम् | अकंसत |
| अकंस्थाः | अकंसाथाम् | अकंसध्वम् |
| अकंसि | अकंसवहि | अकंसमहि |
| अ० अकंसिष्ट | अकंसिषाताम् | अकंसिषत |
| अकंसिष्ठाः | अकंसिषाथाम् | अकंसिषध्वम् |
| अकंसिषि | अकंसिषवहि | अकंसिषमहि |
| प० चकंसे | चकंसाते | चकंसिरे |
| चकंसिषे | चकंसाथे | चकंसिध्वे |
| चकंसे | चकंसिवहे | चकंसिमहे |
| आ० कंसिषीष्ट | कंसिषीयास्ताम् | कंसिषीरन् |
| कंसिषीष्ठाः | कंसिषीयास्थाम् | कंसिषीध्वम् |
| कंसिषीय | कंसिषीवहि | कंसिषीमहि |
| श्व० कंसिता | कंसितारौ | कंसितारः |
| कंसितासे | कंसितासाथे | कंसिताध्वे |
| कंसिताहे | कंसितावहे | कंसितामहे |
| भ० कंसिष्यते | कंसिष्येते | कंसिष्यन्ते |
| कंसिष्यसे | कंसिष्येथे | कंसिष्यध्वे |
| कंसिष्ये | कंसिष्यावहे | कंसिष्यामहे |
| क्रि० अकंसिष्यत | अकंसिष्येताम् | अकंसिष्यन्त |
| अकंसिष्यथाः | अकंसिष्येथाम् | अकंसिष्यध्वम् |
| अकंसिष्ये | अकंसिष्यावहि | अकंसिष्यामहि |

| अनुदिग्धक्षे (कम्) | | | तालव्यान्तोऽपीति पक्षे (कथ) | | |
|----------------------|--------------|-------------|-------------------------------|--------------|-------------|
| घ० कम्ते | कम्ताने | कम्ताने | घ० कष्टे | कशाते | कशते |
| कम्से | कम्साथे | कम्द्वये | कक्षे | कशाथे | कड्डव्ये |
| | | कम्द्वये | कशे | कशवहे | कशमहे |
| कम्से | कम्स्यहे | कम्समहे | म० कशीत | कशीयाताम | कशीग्न |
| म० कमीत | कमीयाताम | कमीग्न | कशीथाः | कशीयाथाम | कशीध्वम |
| कमीयाः | कमीयाथाम | कमीध्वम | कशीय | कशीवहि | कशीमहि |
| कमीय | कमीवहि | कमीमहि | प० कष्टाम | कशानाम | कशानाम |
| प० कताम | कमाताम | कमताम | कक्ष | कशाथाम | कड्डव्यम |
| कम्स्य | कम्साथाम | कम्द्वयम | कश | कशवहे | कशमहे |
| | | कम्द्वयम | ह्य० अकष्ट | अकशानाम | अकशत |
| कम् | कमावहे | कम्समहे | अकष्टाः | अकशाथाम | अकड्डव्यम |
| अकस्त | अकमाताम | अकस्त | अकशि | अकश्वहि | अकशमहि |
| अकस्थाः | अकमाथाम | अकद्वयम | अ० अकशिष्ट | अकशिषाताम | अकशिषत |
| | | द्वयम | अकशिष्टाः | अकशिषाथाम | अकशिड्डव्यम |
| अकनि | अकस्वहि | अकस्महि | अकशिषि | अकशिष्यहि | अकशिष्यमहि |
| अ० अकशिष्ट | अकशिषाताम | अकशिषत | | | |
| अकशिष्टाः | अकशिषाथाम | अकशिड्डव्यम | | | |
| | | ध्वम | | | |
| अकशिषि | अकशिष्वहि | अकशिष्यमहि | प० चकशे | चकशाते | चकशिरे |
| प० चकसे | चकसाने | चकसिरे | चकशिषे | चकशाथे | चकशिध्वे |
| चकशिषे | चकसाथे | चकसिध्वे | चकशे | चकशिवहे | चकशिमहे |
| चकसे | चकसिवहे | चकसिमहे | अ० कशिषीष्ट | कशिषीयास्ताम | कशिषीग्न |
| अ० कशिषीष्ट | कशिषीयास्ताम | कशिषीग्न | कशिषीष्टाः | कशिषीयास्थाम | कशिषीध्वम |
| कशिषीष्टाः | कशिषीयास्थाम | कशिषी | कशिषीय | कशिषीवहि | कशिषीमहि |
| | | ध्वम | | | |
| कशिषीय | कशिषीवहि | कशिषीमहि | श्व० कशिता | कशितारो | कशितारः |
| श्व० कशिता | कशितारो | कशितारः | कशितासे | कशितासाथे | कशिताध्वे |
| कशितासे | कशितासाथे | कशिताध्वे | कशिताहे | कशितास्वहे | कशितास्महे |
| कशिताहे | कशितास्वहे | कशितास्महे | भ० कशिष्यते | कशिष्येते | कशिष्यन्ते |
| भ० कशिष्यत | कशिष्येते | कशिष्यन्ते | कशिष्यसे | कशिष्येथे | कशिष्यध्वे |
| कशिष्यस | कशिष्येथे | कशिष्यध्वे | कशिष्ये | कशिष्यावहे | कशिष्यामहे |
| कशिष्ये | कशिष्यावहे | कशिष्यामहे | कि० अकशिष्यत | अकशिष्येताम | अकशिष्यन्त |
| कि० अकशिष्यत | अकशिष्येताम | अकशिष्यन्त | अकशिष्यथाः | अकशिष्येथाम | अकशिष्यध्वम |
| अकशिष्यथाः | अकशिष्येथाम | अकशिष्यध्वम | अकशिष्ये | अकशिष्यावहि | अकशिष्यामहि |
| अकशिष्ये | अकशिष्यावहि | अकशिष्यामहि | | | |

1121 णिसुकि (निसु) चुम्बने

| | | |
|-----------|-----------|---------------|
| ब० निसृते | निसृताते | निसृते |
| निसृसे | निसृसाथे | निसृध्वे-ध्वे |
| निसृसे | निसृस्वहे | निसृस्महे |

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| स० निसृतीत | निसृतीयाताम् | निसृतीरन् |
| निसृतीथाः | निसृतीयाथाम् | निसृतीध्वम् |
| निसृतीय | निसृतीवहि | निसृतीमहि |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| प० निसृताम् | निसृताताम् | निसृताम् |
| निसृस्व | निसृसाथाम् | निसृध्वम् |
| निसृसे | निसृसाथहे | निसृसामहे |

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| झ० अनिसृत | अनिसृताताम् | अनिसृत |
| अनिसृथाः | अनिसृसाथाम् | अनिसृध्वम् |
| अनिसृति | अनिसृस्वहि | अनिसृस्महि |

| | | |
|-------------|-------------|---------------|
| अ० अनिसृष्ट | अनिसृषाताम् | अनिसृषत |
| अनिसृष्टाः | अनिसृषाथाम् | अनिसृष्टध्वम् |
| अनिसृषि | अनिसृष्वहि | अनिसृष्महि |

| | | |
|-------------|-------------|--------------|
| प० निनिसृते | निनिसृताते | निनिसृतिरे |
| निनिसृतिषे | निनिसृसाथे | निनिसृतिध्वे |
| निनिसृते | निनिसृस्वहे | निनिसृस्महे |

| | | |
|--------------|--------------|-------------|
| आ० निसिषीष्ट | निसिषीयाताम् | निसिषीरन् |
| निसिषीष्टाः | निसिषीयाथाम् | निसिषीध्वम् |
| निसिषीय | निसिषीवहि | निसिषीमहि |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| भ्व० निसिता | निसितारो | निसितारः |
| निसितासे | निसितासाथे | निसिताध्वे |
| निसिताहे | निसितास्वहे | निसितास्महे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ० निसिष्यते | निसिष्येते | निसिष्यन्ते |
| निसिष्यसे | निसिष्येथे | निसिष्यध्वे |
| निसिष्ये | निसिष्यावहे | निसिष्यामहे |

क्रि० अनिसिष्यत अनिसिष्येताम् अनिसिष्यन्त
अनिसिष्यथा अनिसिष्येथाम् अनिसिष्यध्वम्
अनिसिष्ये अनिसिष्यावहि अनिसिष्यामहि

अथ क्षान्तः सेदूच

1122 चक्षिक् (चक्ष) व्यक्तायां वाचि

| | | |
|-----------|-----------|------------|
| ब० आचष्टे | आचक्षाते | आचक्षते |
| आचक्षे | आचक्षाथे | आचक्ष्ण्वे |
| आचक्षे | आचक्ष्वहे | आचक्ष्महे |

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| स० आचक्षीत | आचक्षीयाताम् | आचक्षीरन् |
| आचक्षीथाः | आचक्षीयाथाम् | आचक्षीध्वम् |
| आचक्षीय | आचक्षीवहि | आचक्षीमहि |

| | | |
|--------------|--------------|-------------|
| प० आचक्षताम् | आचक्षताताम् | आचक्षताम् |
| आचक्ष्व | आचक्ष्वाथाम् | आचक्ष्ण्वम् |
| आचक्षे | आचक्ष्वहे | आचक्ष्महे |

| | | |
|----------|------------|-------------|
| झ० आचष्ट | आचक्षाताम् | आचक्षत |
| आचष्टाः | आचक्षाथाम् | आचक्ष्ण्वम् |
| आचक्षि | आचक्ष्वहि | आचक्ष्महि |

| | | |
|--------------|---------------|-------------------------|
| अ० आकृशासीत् | आकृशासिष्टाम् | आकृशासिषुः |
| आकृशासीः | आकृशासिष्टम् | आकृशासिष्ट |
| आकृशासिषम् | आकृशासिष्व | आकृशासिष्म |
| आकृशासीत् | आकृशासिष्टाम् | आकृशासिषुः |
| आकृशासीः | आकृशासिष्टम् | आकृशासिष्ट |
| आकृशासिषम् | आकृशासिष्व | आकृशासिष्म |
| आकृशास्त | आकृशासाताम् | आकृशास्त |
| आकृशास्थाः | आकृशासाथाम् | आकृशा- दूध्वम्-ध्वम् |
| आकृशासि | आकृशास्वहि | आकृशास्महि |
| आकृशास्त | आकृशासाताम् | आकृशास्त |
| आकृशास्थाः | आकृशासाथाम् | आकृशा- दूध्वम्-ध्वम् |
| आकृशासि | आकृशास्वहि | आकृशास्महि |

| | | | | | |
|-------------|---------------|-------------------|-----------------|-----------------|------------------|
| आख्यत् | आख्यताम् | आख्यन् | आख्येयात् | आख्येयाताम् | आख्येयासुः |
| आख्यः | आख्यतम् | आख्यत | आख्येयाः | आख्येयास्तम् | आख्येयास्त |
| आख्यम् | आख्याव | आख्याम | आख्येयासम् | आख्येयास्व | आख्येयास्म |
| आख्यत | आख्येताम् | आख्यन्त | आख्यायात् | आख्यायास्ताम् | आख्यायासुः १० |
| आख्यथाः | आख्येथाम् | आख्यध्वम् | आकशासीष्ट | आकशासीयास्ताम् | आकशासीरन् |
| आख्ये | आख्येवहि | आख्यामहि | आकशासीष्टाः | आकशासीयास्तम् | आकशासी |
| प० आचक्षौ | आचक्षतुः | आचक्षुः | | | ध्वम् |
| आचक्षिथ | आचक्षथ | आचक्षथुः | आकशासीय | आकशासीवहि | आकशासीमहि |
| | | आचक्ष | आकशासीष्ट | आकशासीयास्ताम् | आकशासीरन् |
| आचक्षौ | आचक्षिव | आचक्षिम | आकशासीष्टाः | आकशासीयास्थाम् | आकशासी |
| आचक्षौ | आचक्षतुः | आचक्षुः | | | ध्वम् |
| आचक्षिथ आ | क्षथ आचक्षथुः | आचक्ष | आकशासीय | आकशासीवहि | आकशासीमहि |
| आचक्षौ | आचक्षिव | आचक्षिम | आख्यासीष्ट | आख्यासीयास्ताम् | आख्यासीरन् |
| आचक्षे | आचक्षते | आचक्षिरे | आख्यासीष्टाः | आख्यासीयास्तम् | आख्यासीध्वम् |
| आचक्षिषे | आचक्षिषे | आचक्षिध्वे | आख्यासीय | आख्यासीवहि | आख्यासीमहि |
| आचक्षे | आचक्षिवहे | आचक्षिमहे | प्र० आकशाता | आकशातारौ | आकशातारः |
| आचक्षे | आचक्षते | आचक्षिरे | आकशातासि | आकशातास्थः | आकशातास्थ |
| आचक्षिषे | आचक्षिषे | आचक्षिध्वे | आकशातास्मि | आकशातास्वः | आकशातास्मः |
| आचक्षे | आचक्षिवहे | आचक्षिमहे | आकशाता | आकशातारौ | आकशातारः इत्यादि |
| आचक्षौ | आचक्षतुः | आचक्षुः | आकशाता | आकशातारौ | आकशातारः इत्यादि |
| आचक्षिथ | आचक्षथ | आचक्षथुः | आकशाता | आकशातारौ | आकशातारः इत्यादि |
| आचक्षौ | आचक्षिव | आचक्षिम | आकशाता | आकशातारौ | आकशातारः इत्यादि |
| आचक्षे | आचक्षते | आचक्षिरे | आकशाता | आकशातारौ | आकशातारः इत्यादि |
| आचक्षिषे | आचक्षिषे | आचक्षिध्वे-द्वे | म० आकशास्यति | आकशास्यतः | आकशास्यन्ति १० |
| आचक्षे | आचक्षिवहे | आचक्षिमहे | आकशास्यति | आकशास्यतः | आकशास्यन्ति १० |
| आचक्षे | आचक्षते | आचक्षिरे इत्यादि | आकशास्यते | आकशास्येते | आकशास्यन्ते १० |
| आ० आकशायात् | आकशायास्ताम् | आकशायासुः | आकशास्यते | आकशास्येते | आकशास्यन्ते १० |
| आकशायाः | आकशायास्तम् | आकशायास्त | आकशास्यते | आकशास्येते | आकशास्यन्ते १० |
| आकशायासम् | आकशायास्व | आकशायास्म | आकशास्यते | आकशास्येते | आकशास्यन्ते १० |
| आकशायात् | आकशायास्ताम् | आकशायासुः | क्रि० आकशास्यत् | आकशास्यताम् | आकशास्यन् १० |
| आकशायाः | आकशायास्तम् | आकशायास्त | आकशास्यत् | आकशास्यताम् | आकशास्यन् १० |
| आकशायासम् | आकशायास्व | आकशायास्म | आकशास्यत् | आकशास्यताम् | आकशास्यन् १० |
| आकशेयात् | आकशेयास्ताम् | आकशेयासुः | आकशास्यत | आकशास्येताम् | आकशास्यन्त १० |
| आकशेयाः | आकशेयास्तम् | आकशेयास्त | आकशास्यत | आकशास्येताम् | आकशास्यन्त १० |
| आकशेयासम् | आकशेयास्व | आकशेयास्म | आकशास्यत | आकशास्येताम् | आकशास्यन्त १० |
| आकशेयात् | आकशेयास्ताम् | आकशेयासुः इत्यादि | | | |

॥ इति अदादौ आत्मनेभाषाः ॥

॥ अथोभयपदिनस्तत्राप्युदन्तौ ॥

1123 ऊर्णुक् (ऊर्णु) आच्छादने ।

व० ऊर्णोति ऊर्णोति ऊर्णुतः ऊर्णुनन्ति

ऊर्णोचि ऊर्णोचि ऊर्णुथः ऊर्णुथ

ऊर्णोमि ऊर्णोमि ऊर्णुवः ऊर्णुमः

स० ऊर्णुयात् ऊर्णुयाताम् ऊर्णुयुः

ऊर्णुयाः ऊर्णुयातम् ऊर्णुयात

ऊर्णुयाम् ऊर्णुयाव ऊर्णुयाम

प० ऊर्णोतु ऊर्णोतु ऊर्णुनात ऊर्णुनात ऊर्णुवन्तु

ऊर्णुहि " ऊर्णुतम् ऊर्णुत

ऊर्णवानि ऊर्णवाव ऊर्णवाम

झ० और्णोत् और्णुताम् और्णुवन्

और्णोः और्णुतम् और्णुत

और्णवम् और्णुव और्णुम

अ० और्णावीत् और्णाविष्टाम् और्णाविषुः

और्णावीः और्णाविष्टम् और्णाविष्ट

और्णाविषम् और्णाविष्व और्णाविष्म

और्णावीत् और्णाविष्टाम् और्णाविषुः इत्यादि

और्णुवीत् और्णुविष्टाम् और्णुविषुः इत्यादि

प० उर्णुनाव उर्णुनवतुः उर्णुनुवुः

उर्णुनुविथ उर्णुनविथ उर्णुनुवथुः उर्णुनुव

उर्णुनाव उर्णुनव उर्णुनुविथ उर्णुनुविम

भा० ऊर्णूयात् ऊर्णूयास्ताम् ऊर्णूयासुः

ऊर्णूयाः ऊर्णूयास्तम् ऊर्णूयास्त

ऊर्णूयासम् ऊर्णूयास्व ऊर्णूयास्म

भ० ऊर्णविता ऊर्णवितारौ ऊर्णवितारः

ऊर्णवितासि ऊर्णवितस्थः ऊर्णवितस्थ

ऊर्णवितास्मि ऊर्णवितस्वः ऊर्णवितास्मः

ऊर्णविता ऊर्णवितारौ ऊर्णवितारः इत्यादि

भ० ऊर्णुविष्यति ऊर्णुविष्यतः ऊर्णुविष्यन्ति

ऊर्णुविष्यसि ऊर्णुविष्यथः ऊर्णुविष्यथ

ऊर्णुविष्यामि ऊर्णुविष्यावः ऊर्णुविष्यामः

ऊर्णविष्यति ऊर्णविष्यतः ऊर्णविष्यन्ति इत्यादि

क्रि० और्णविष्यतु और्णविष्यताम् और्णविष्यन्

और्णविष्यः और्णविष्यतम् और्णविष्यत

और्णविष्यम् और्णविष्याव और्णविष्याम

और्णुविष्यत् और्णुविष्यताम् और्णुविष्यन्

व० ऊर्णुते ऊर्णुवाते ऊर्णुवते

ऊर्णुवे ऊर्णुवाथे ऊर्णुव्वे

ऊर्णुवे ऊर्णुवहे ऊर्णुमहे

स० ऊर्णुवीत् ऊर्णुवीयाताम् ऊर्णुवीरन्

ऊर्णुवीथाः ऊर्णुवीयाताम् ऊर्णुवीध्वम्

ऊर्णुवीय ऊर्णुवीवहि ऊर्णुवीमहि

प० ऊर्णुताम् ऊर्णुवाताम् ऊर्णुवताम्

ऊर्णुव्व ऊर्णुवाथाम् ऊर्णुव्वम्

ऊर्णुवे ऊर्णुवावहे ऊर्णुवामहे

झ० और्णुत और्णुवाताम् और्णुवत

और्णुथाः और्णुवाथाम् और्णुव्वम्

और्णुवि और्णुवहि और्णुमहि

अ० और्णुविष्ट और्णुविषाताम् और्णुविषत

और्णुविष्टाः और्णुविषाथाम् और्णुविष्ट-

द्वम् द्वम् द्वम्

और्णुविषि और्णुविष्वहि और्णुविष्महि

और्णुविष्ट और्णुविषाताम् और्णुविषत इत्यादि

प० ऊर्णुनुवे ऊर्णुनुवाते ऊर्णुनुविरे इत्यादि

भा० ऊर्णुविषीष्ट ऊर्णुविषीयास्ताम् ऊर्णुविषीरन्

इत्यादि

ऊर्णुविषीष्ट ऊर्णुविषीयास्ताम् ऊर्णुविषीरम् इ०

भ० ऊर्णुविता ऊर्णुवितारौ ऊर्णुवितारः इत्यादि

ऊर्णुविता ऊर्णुवितारौ ऊर्णुवितारः इत्यादि

भ० ऊर्णुविष्यते ऊर्णुविष्येते ऊर्णुविष्यन्ते इ०

ऊर्णुविष्यते ऊर्णुविष्येते ऊर्णुविष्यन्ते इ०

क्रि० और्णुविष्यत और्णुविष्यताम् और्णुविष्यन्त

इत्यादि

और्णुविष्यत और्णुविष्यताम् और्णुविष्यन्त इ०

1124 ष्टुङ्क् (स्तु) स्तुतौ

ब० स्तौति स्तवीति स्तुतः स्तुवन्ति
स्तौषि स्तवीषि स्तुथः स्तुथ
स्तौमि स्तवीमि स्तुवः स्तुमः

स० स्तुयात् स्तुयानाम् स्तुयुः
स्तुयाः स्तुयातम् स्तुयात
स्तुयाम् स्तुयाव स्तुयाम

प० स्तवीतु स्तुतान् स्तुनाम् स्तुवन्तु
स्तौतु

स्तुहि स्तुतात् स्तुतम् स्तुतु
स्तवानि स्तवाव स्तवाम

झ० अस्तौत् अस्तुताम् अस्तुवन्
अस्तवीत्

अस्तौः अस्तवीः अस्तुतम् अस्तुत
अस्तवम् अस्तुव अस्तुम

अ० अस्तावीत् अस्ताविष्टाम् अस्ताविषुः
अस्तावीः अस्ताविष्टम् अस्ताविष्ट
अस्ताविषम् अस्ताविष्व अस्ताविष्म

प० तुष्टाव तुष्टवतुः तुष्टुवुः
तुष्टोथ तुष्टुवथुः तुष्टुव
तुष्टाव तुष्टव तुष्टुव तुष्टुम

भा० स्तूयात् स्तूयास्ताम् स्तूयासुः
स्तूयाः स्तूयास्तम् स्तूयास्त
स्तूयासम् स्तूयास्व स्तूयास्म

भ्व० स्तोता स्तोतारौ स्तोतारः
स्तोतासि स्तोतास्थः स्तोतास्थ
स्तोतास्मि स्तोतास्वः स्तोतास्मः

भ० स्तोष्यति स्तोष्यतः स्तोष्यन्ति
स्तोष्यसि स्तोष्यथः स्तोष्यथ
स्तोष्यामि स्तोष्यावः स्तोष्यामः

क्रि० अस्तोष्यत अस्तोष्यताम् अस्तोष्यन्
अस्तोष्यः अस्तोष्यतम् अस्तोष्यत
अस्तोष्यम् अस्तोष्याव अस्तोष्याम

ष० स्तुते स्तुवाते स्तुवते
स्तुषे स्तुवाथे स्तुध्वे
स्तुवे स्तुवहे स्तुमहे

स० स्तुवीत् स्तुवीयाताम् स्तुवीरन्
स्तुवीथाः स्तुवीयाथाम् स्तुवीध्वम्
स्तुवीय स्तुवीवहि स्तुवीमहि

प० स्तुताम् स्तुवाताम् स्तुषताम्
स्तुष्व स्तुवाथाम् स्तुध्वम्
स्तवै स्तवावहे स्तवामहे

झ० अस्तुत अस्तुवाताम् अस्तुवत
अस्तुथाः अस्तुवाथाम् अस्तुध्वम्
अस्तुवि अस्तुवहि अस्तुमहि

अ० अस्तोष्ट अस्तोषाताम् अस्तोषत
अस्तोष्टाः अस्तोषाथाम् अस्तोष्वध्वम्
द्वध्वम्

अस्तोषि अस्तोष्वहि अस्तोषमहि

प० तुष्टुवे तुष्टुवाते तुष्टुविरे
तुष्टुविषे तुष्टुवाथे तुष्टुद्वे
तुष्टुवं तुष्टुवहे तुष्टुमहे

भा० स्तोषीष्ट स्तोषीयास्ताम् स्तोषीरन्
स्तोषीष्टाः स्तोषीयास्थाम् स्तोषीध्वम्
स्तोषीय स्तोषीवहि स्तोषीमहि

भ्व० स्तोता स्तोतारौ स्तोतारः
स्तोतासे स्तोतासाथे स्तोताध्वे
स्तोताहे स्तोतास्वहे स्तोतास्महे

भ० स्तोष्यते स्तोष्येते स्तोष्यन्ते
स्तोष्यसे स्तोष्येथे स्तोष्यध्वे
स्तोष्ये स्तोष्यावहे स्तोष्यामहे

क्रि० अस्तोष्यत अस्तोष्यताम् अस्तोष्यन्त
अस्तोष्यथाः अस्तोष्येथाम् अस्तोष्यध्वम्
अस्तोष्ये अस्तोष्यावहि अस्तोष्यामहि

अथोदन्तोऽनिदूष

1125 ब्रुङ्क् (ब्रू) व्यक्तायां चाचि

| | | |
|---|--|--|
| ब्रवीति आह ब्रूतः आहृतुः ब्रुवन्ति आहुः | | |
| ब्रवीषि आत्य ब्रूथः आहथुः ब्रूथ | | |
| ब्रवीमि ब्रूमः ब्रूमः | | |
| स० ब्रूयात् ब्रूयाताम् ब्रूयुः | | |
| ब्रूयाः ब्रूयातम् ब्रूयात | | |
| ब्रूयाम् ब्रूयाव ब्रूयाम | | |
| प० ब्रूवीतु ब्रूतात् ब्रूताम् ब्रुवन्तु | | |
| ब्रूहि ब्रूतात् ब्रूतम् ब्रूत | | |
| ब्रूवाणि ब्रूवाव ब्रूवाम | | |
| झ० अब्रूवीत् अब्रूताम् अब्रूवन् | | |
| अब्रूवीः अब्रूतम् अब्रूत | | |
| अब्रूवम् अब्रूव अब्रूम | | |
| अब्रूचत् अब्रूचताम् अब्रूचन् | | |
| अब्रूचः अब्रूचतम् अब्रूचत | | |
| अब्रूचम् अब्रूचाव अब्रूचाम | | |
| ऊचाच्च ऊचतुः ऊचुः | | |
| ऊचन्निथ उवक्थ ऊचथुः ऊच | | |
| ऊचाच उवच ऊचिव ऊचिम | | |
| आ० उच्येत् उच्येताम् उच्येत्सुः | | |
| उच्याः उच्येताम् उच्येताम् | | |
| उच्यासम् उच्यास्व उच्यास्म | | |
| प्र० वक्ता वक्तारौ वक्तारः | | |
| वक्तासि वक्तास्थः वक्तास्थ | | |
| वक्तास्मि वक्तास्वः वक्तास्मः | | |
| भ० वक्ष्यति वक्ष्यतः वक्ष्यन्ति | | |
| वक्ष्यसि वक्ष्यथः वक्ष्यथ | | |
| वक्ष्यामि वक्ष्यावः वक्ष्यामः | | |
| कि० अवक्ष्यत् अवक्ष्यताम् अवक्ष्यन् | | |
| अवक्ष्यः अवक्ष्यतम् अवक्ष्यत | | |
| अवक्ष्यम् अवक्ष्याव अवक्ष्याम | | |

| | | |
|------------------------------------|---------------------------------------|-------------------------------------|
| ब० ब्रूते ब्रूषे ब्रूवे | ब्रूवाते ब्रूवाथे ब्रूवहे | ब्रूवते ब्रूध्वे महे |
| स० ब्रूवीत ब्रूवीथाः ब्रूवीय | ब्रूवीयाताम् ब्रूवीयाथाम् ब्रूवीवहि | ब्रूवीरन् ब्रूवीध्वम् ब्रूवीमहि |
| प० ब्रूताम् ब्रूष्व ब्रूव | ब्रूवाताम् ब्रूवाथाम् ब्रूवावहे | ब्रूवताम् ब्रूध्वम् ब्रूवामहे |
| झ० अब्रून् अब्रूथाः अब्रूवि | अब्रूवाताम् अनुब्राथाम् अब्रूवहि | अब्रूवत अब्रूध्वम् अब्रूमहि |
| अ० अब्रूचत अब्रूचथाः अब्रूचे | अब्रूचेताम् अब्रूचेथाम् अब्रूचावहि | अब्रूचन्त अब्रूचध्वम् अब्रूचामहि |
| प० ऊचे ऊचिषे ऊचे | ऊचाते ऊचाथे ऊचिवहे | ऊचिरे ऊचिध्वे ऊचिमहे |
| आ० वक्षीष्ट वक्षीष्टाः वक्षीय | वक्षीयास्ताम् वक्षीयास्थाम् वक्षीवहि | वक्षीरन् वक्षीध्वम् वक्षीमहि |
| प्र० वक्ता वक्तासे वक्ताहि | वक्तारौ वक्तासाथे वक्तास्वहे | वकारः वक्ताध्वे वक्तास्महे |
| भ० वक्ष्यते वक्ष्येते वक्ष्यसे | वक्ष्येते वक्ष्येथे वक्ष्येवहे | वक्ष्यन्ते वक्ष्यध्वे वक्ष्यामहे |
| कि० अवक्ष्यत अवक्ष्येताम् अवक्ष्ये | अवक्ष्येताम् अवक्ष्येथाम् अवक्ष्यावहि | अवक्ष्यन्त अवक्ष्यध्वम् अवक्ष्यामहि |

अथ षान्तोऽनिद्र च

1126 द्विषीकू (द्विष्) अप्रीतौ

| | | |
|------------------------|----------------|-------------------|
| ष० द्वेष्टि | द्विष्टः | द्विषन्ति |
| द्वेक्षि | द्विष्टः | द्विष्ट |
| द्वेष्टिम | द्विष्वः | द्विष्मः |
| स० द्विष्यात् | द्विष्याताम् | द्विष्युः |
| द्विष्याः | द्विष्यातम् | द्विष्यात |
| द्विष्याम् | द्विष्याव | द्विष्याम |
| प० द्वेष्टु द्विष्टान् | द्विष्टाम् | द्विषन्तु |
| द्विष्टुद्वि | द्विष्टात् | द्विष्टम् द्विष्ट |
| द्वेषाणि | द्वेषाव | द्वेषाम |
| अद्वेष्ट्-अद्वेष्ट् | अद्विष्टाम् | अद्विषुः अद्विषन् |
| अद्वेष्ट्-द्वेष्ट् | अद्विष्टम् | अद्विष्ट |
| अद्वेषम् | अद्विष्व | अद्विष्म |
| अ० अद्विषतु | अद्विषताम् | अद्विषन् |
| अद्विषः | अद्विषतम् | अद्विषत |
| अद्विषम् | अद्विषाव | अद्विषाम |
| प० दिद्वेष | दिद्विषतुः | दिद्विषुः |
| दिद्वेषिथ | दिद्विषयुः | दिद्विष |
| दिद्वेष | दिद्विषिव | दिद्विषिम |
| ०द्विष्यात् | द्विष्यास्ताम् | द्विष्यासुः |
| द्विष्याः | द्विष्यास्तम् | द्विष्यास्त |
| दिष्यासम् | दिष्यास्व | दिष्यास्म |
| अ० द्वेष्टा | द्वेष्टारौ | द्वेष्टारः |
| द्वेष्टासि | द्वेष्टास्थः | द्वेष्टास्थ |
| द्वेष्टास्मि | द्वेष्टास्वः | द्वेष्टास्मः |
| अ० द्वेक्ष्यति | द्वेक्ष्यतः | द्वेक्ष्यन्ति |
| द्वेक्ष्यसि | द्वेक्ष्यथः | द्वेक्ष्यथ |
| द्वेक्ष्यामि | द्वेक्ष्यावः | द्वेक्ष्यामः |
| क्रि० अद्वेक्ष्यत | अद्वेक्ष्यताम् | अद्वेक्ष्यन् |
| अद्वेक्ष्यः | अद्वेक्ष्यतम् | अद्वेक्ष्यत |
| अद्वेक्ष्यम् | अद्वेक्ष्याव | अद्वेक्ष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| ष० द्विष्टे | द्विषाते | द्विषते |
| द्विष्टे | द्विषाथे | द्विष्ट्वे |
| द्विषे | द्विष्वहे | द्विष्महे |
| स० द्विषीत | द्विषीयाताम् | द्विषीरन् |
| द्विषीथाः | द्विषीयाथाम् | द्विषीध्वम् |
| द्विषीय | द्विषीवहि | द्विषीमहि |
| प० द्विष्टाम् | द्विषाताम् | द्विषताम् |
| द्विष्व | द्विषाथाम् | द्विष्ट्वम् |
| द्वेषै | द्वेषावहे | द्वेषामहे |
| अ० अद्विष्ट | अद्विषाताम् | अद्विषत |
| अद्विष्टाः | अद्विषाथाम् | अद्विष्ट्वम् |
| अद्विषि | अद्विष्वहि | अद्विष्महि |
| अ० अद्विषत | अद्विषाताम् | अद्विषन्त |
| अद्विषथाः | अद्विषाथाम् | अद्विषध्वम् |
| अद्विषि | अद्विषावहि | अद्विषामहि |
| प० दिद्विषे | दिद्विषाते | दिद्विषिरे |
| दिद्विषिषे | दिद्विषाथे | दिद्विषिध्वे |
| दिद्विषे | दिद्विषिवहे | दिद्विषिमहे |
| आ० द्विशीष्ट | द्विशीयास्ताम् | द्विशीरन् |
| द्विशीष्टाः | द्विशीयास्थाम् | द्विशीध्वम् |
| द्विशीय | द्विशीवहि | द्विशीमहि |
| अ० द्वेष्टा | द्वेष्टारौ | द्वेष्टारः |
| द्वेष्टासे | द्वेष्टासाथे | द्वेष्टाध्वे |
| द्वेष्टाहे | द्वेष्टास्वहे | द्वेष्टास्महे |
| अ० द्वेक्ष्यते | द्वेक्ष्येते | द्वेक्ष्यन्ते |
| द्वेक्ष्यसे | द्वेक्ष्येथे | द्वेक्ष्यध्वे |
| द्वेक्ष्ये | द्वेक्ष्यावहे | द्वेक्ष्यामहे |
| क्रि० अद्वेक्ष्यत | अद्वेक्ष्यताम् | अद्वेक्ष्यन्त |
| अद्वेक्ष्यथाः | अद्वेक्ष्येथाम् | अद्वेक्ष्यध्वम् |
| अद्वेक्ष्ये | अद्वेक्ष्यावहि | अद्वेक्ष्यामहि |

अथ हान्तास्त्रयोऽनिटश्च
1127 दुर्हीक् (दुह) क्षरणे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० दोग्धि | दुग्धः | दुहन्ति |
| धोक्षि | दुग्धः | दुग्ध |
| दोहि | दुहः | दुहः |
| स० दुह्यात् | दुह्याताम् | दुह्युः |
| दुह्याः | दुह्यातम् | दुह्यात |
| दुह्याम् | दुह्याव | दुह्याम |
| प० दोग्धु | दुग्धात् | दुग्धाम् |
| दुग्धि | दुग्धात् | दुग्धम् |
| दोहानि | दोहाव | दोहाम |
| झ० अधोक् गु | अदुग्धाम् | अदुहन |
| " " | अदुग्धम् | अदुग्ध |
| अदोहम् | अदुह | अदुह |
| अ० अधुक्षत् | अधुक्षताम् | अधुक्षन् |
| अधुक्षः | अधुक्षतम् | अधुक्षत |
| अधुक्षम् | अधुक्षाव | अधुक्षाम |
| प० दुदोह | दुदुहत् | दुदुहः |
| दुदोहिथ | दुदुहथुः | दुदुह |
| दुदोह | दुदुहिव | दुदुहिम |
| आ० दुह्यात् | दुह्यास्ताम् | दुह्यासुः |
| दुह्याः | दुह्यास्तम् | दुह्यास्त |
| दुह्यासम् | दुह्यास्व | दुह्यास्म |
| श्व० दोग्धा | दोग्धारौ | दोग्धारः |
| दोग्धासि | दोग्धास्थः | दोग्धास्थ |
| दोग्धास्मि | दोग्धास्वः | दोग्धास्मः |
| भ० धोक्ष्यति | धोक्ष्यतः | धोक्ष्यन्ति |
| धोक्ष्यसि | धोक्ष्यथः | धोक्ष्यथ |
| धोक्ष्यामि | धोक्ष्यावः | धोक्ष्यामः |
| क्रि० अधोक्ष्यत् | अधोक्ष्यताम् | अधोक्ष्यम् |
| अधोक्ष्यः | अधोक्ष्यतम् | अधोक्ष्यत |
| अधोक्ष्यम् | अधोक्ष्यावः | अधोक्ष्यामः |

| | | |
|--------------------------------------|----------------|---------------|
| व० दुग्धे | दुहाते | दुहते |
| धुक्षे | दुहाथे | धुग्ध्वे |
| दुहे | दुहहे | दुहहे |
| स० दुहीत | दुहीयाताम् | दुहीरन् |
| दुहीथाः | दुहीयाथाम् | दुहीध्वम् |
| दुहीथ | दुहीवहि | दुहीमहि |
| प० दुग्धाम् | दुहाताम् | दुहताम् |
| धुक्ष्व | दुहाथाम् | दुग्ध्वम् |
| दोहे | दुहावहे | दोहामहे |
| झ० अदुग्ध | अदुहाताम् | अदुहः |
| अदुग्धाः | अदुहाथाम् | अधुग्ध |
| अदुहि | अदुहहि | अदुह |
| अ० अदुग्ध अधुक्षत अधुक्षाताम् अधुक्ष | | |
| अदुग्धाः अधुक्षाथाम् अधुग्ध्वम् | | |
| अधुक्षथाः अधुक्षध्वम् | | |
| अधुक्षि अदुहहि अधुक्षावहि अधुक्षामहि | | |
| प० दुदुहे | दुहाते | दुदुहिरे |
| दुदुहिषे | दुदुहाथे | दुदुहिद्वे |
| दुदुहे | दुदुहिवहे | दुदुहिमहे |
| आ० धुक्षीष्ट | धुक्षीयास्ताम् | धुक्षीरन् |
| धुक्षीष्टाः | धुक्षीयाथाम् | धुक्षीध्वम् |
| धुक्षीय | धुक्षीवहि | धुक्षीमहि |
| श्व० दोग्धा | दोग्धारौ | दोग्धा |
| दोग्धासे | दोग्धासाथे | दोग्ध |
| दोग्धाहे | दोग्धास्वहे | दोग्धास्म |
| भ० धोक्ष्यते | धोक्ष्येते | धोक्ष्यन्ते |
| धोक्ष्यसे | धोक्ष्येथे | धोक्ष्यध्वे |
| धोक्ष्ये | धोक्ष्यावहे | धोक्ष्यामहे |
| क्रि० अधोक्ष्यत् | अधोक्ष्येताम् | अधोक्ष्यन्त |
| अधोक्ष्यथाः | अधोक्ष्येथाम् | अधोक्ष्यध्वम् |
| अधोक्ष्ये | अधोक्ष्यावहि | अधोक्ष्यामहि |

1128 दिहीक् (दिह) लेपे ।

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| ष० देग्धि | दिग्धः | दिहन्ति |
| धेक्षि | दिग्धः | दिग्ध |
| देहि | दिहः | दिहः |
| स० दिह्यान् | दिह्याताम् | दिह्युः |
| दिह्याः | दिह्यातम् | दिह्यात |
| दिह्याम् | दिह्याव | दिह्याम |
| प० देग्धु | दिग्धात् | दिग्धाम् |
| दिग्धि | दिग्धात् | दिग्धम् |
| देहानि | देहाव | देहाम |
| झ० अधेक् गु | अदिग्धाम् | अदिहन् |
| " " | अदिग्धम् | अदिग्ध |
| अदेहम् | अदिह | अदिह |
| अ० अधिक्षत् | अधिक्षताम् | अधिक्षन् |
| अधिक्षः | अधिक्षतम् | अधिक्षत |
| अधिक्षम् | अधिक्षाव | अधिक्षाम |
| प० दिदेह | दिदिहतु | दिदिहुः |
| दिदेहित | दिदिहथुः | दिदिह |
| दिदेह | दिदिहिव | दिदिहिम |
| आ० दिह्यान् | दिह्यास्ताम् | दिह्यासुः |
| दिह्याः | दिह्यास्तम् | दिह्यास्त |
| दिह्यासम् | दिह्यास्व | दिह्यास्म |
| श्व० देग्धा | देग्धारौ | देग्धारः |
| देग्धासि | देग्धास्थः | देग्धास्थ |
| देग्धास्मि | देग्धास्वः | देग्धास्मः |
| भ० धेक्ष्यति | धेक्ष्यतः | धेक्ष्यन्ति |
| धेक्ष्यसि | धेक्ष्यथः | धेक्ष्यथ |
| धेक्ष्यामि | धेक्ष्यावः | धेक्ष्यामः |
| क्रि० अधेक्ष्यत | अधेक्ष्यताम् | अधेक्ष्यन् |
| अधेक्ष्यः | अधेक्ष्यतम् | अधेक्ष्यत |
| अधेक्ष्यम् | अधेक्ष्याव | अधेक्ष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| त्र० दिग्धे | दिहाते | दिहते |
| धिक्से | दिहाथे | धिग्ध्वे |
| दिहे | दिहहे | धिहहे |
| स० दिहीत | दिहीयाताम् | दिहीरन् |
| दिहीथाः | दिहीयाथाम् | दिहीध्वम् |
| दिहीय | दिहीवहि | दिहीमहि |
| प० दिग्धाम् | दिहाताम् | दिहताम् |
| धिक्ख | दिहाथाम् | धिग्ध्वम् |
| देहै | देहावहै | देहामहै |
| झ० अदिग्ध | अदिहाताम् | अदिहत |
| अदिग्धाः | अदिहाथाम् | अधिग्ध्वम् |
| अदिहि | अदिहहि | अदिहहि |
| अ० अदिग्ध | अधिक्षत | अधिक्षन्त |
| अदिग्धाः | अधिक्षाथाम् | अधिग्ध्वम् |
| अधिक्षथाः | | अधिग्ध्वम् |
| अधिक्षि | अदिहहि | अधिक्षावहि |
| अधिक्खि | अधिक्खि | अधिक्खि |
| प० दिदिहे | दिदिहाते | दिदिहिरे |
| दिदिहिषे | दिदिहाथे | दिदिहिद्वे ध्वे |
| दिदिहे | दिदिहिवहे | दिदिहिमहे |
| आ० धिक्षीष्ट | धिक्षीयास्ताम् | धिक्षीरन् |
| धिक्षीष्टाः | धिक्षीयाथाम् | धिक्षीध्वम् |
| धिक्षीय | धिक्षीवहि | धिक्षीमहि |
| श्व० देग्वा | देग्धारौ | देग्धारः |
| देग्वासे | देग्वासाथे | देग्वाध्वे |
| देग्वाहे | देग्वास्वहे | देग्वास्महे |
| भ० धेक्ष्यते | धेक्ष्येते | धेक्ष्यन्ते |
| धेक्ष्यसे | धेक्ष्येथे | धेक्ष्यध्वे |
| धेक्ष्ये | धेक्ष्यावहे | धेक्ष्यामहे |
| क्रि० अधेक्ष्यत | अधेक्ष्येताम् | अधेक्ष्यन्त |
| अधेक्ष्यथाः | अधेक्ष्येथाम् | अधेक्ष्यध्वम् |
| अधेक्ष्ये | अधेक्ष्यावहि | अधेक्ष्यामहि |

1129 लिहीक् (लिह्) आस्वादाने ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० लेदि | लीदः | लिहन्ति |
| लेक्षि | लीदः | लीद |
| लेक्षि | लिहः | लिहः |
| स० लिह्यात् | लिह्याताम् | लिह्युः |
| लिह्याः | लिह्यातम् | लिह्यात |
| लिह्याम् | लिह्याव | लिह्याम |
| प० लेदु | लीदात | लीदाम् |
| लीदि | " | लीदम् |
| लेहानि | लेहाव | लेहाम |
| झ० अलेङ्-द् | अलीदाम् | अलिहन् |
| " " | अलीदम् | अलीद |
| अलेहम् | अलिह | अलिह |
| अ० अलिक्षत् | अलिक्षताम् | अलिक्षन् |
| अलिक्षः | अलिक्षतम् | अलिक्षत |
| अलिक्षम् | अलिक्षाव | अलिक्षाम |
| प० लिलेह | लिलिहतुः | लिलिहुः |
| लिलेहिथ | लिलिहतुः | लिलिह |
| लिलेह | लिलिहिव | लिलिहिम |
| आ० लिह्यात् | लिह्यास्ताम् | लिह्यासुः |
| लिह्याः | लिह्यास्तम् | लिह्यास्त |
| लिह्यासम् | लिह्यास्व | लिह्यास्म |
| श्व० लेढा | लेढारौ | लेढारः |
| लेढासि | लेढास्थः | लेढास्थ |
| लेढामि | लेढास्वः | लेढास्मः |
| भ० लेक्ष्यति | लेक्ष्यतः | लेक्ष्यन्ति |
| लेक्ष्यसि | लेक्ष्यथः | लेक्ष्यथ |
| लेक्ष्यामि | लेक्ष्यावः | लेक्ष्यामः |
| क्रि० अलेक्ष्यत् | अलेक्ष्यताम् | अलेक्ष्यन् |
| अलेक्ष्यः | अलेक्ष्यतम् | अलेक्ष्यत |
| अलेक्ष्यम् | अलेक्ष्याव | अलेक्ष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० लीढे | लिहाते | लिहते |
| लिक्षे | लिहाथे | लीद्वे |
| लिहे | लिह्वे | लिह्वे |
| स० लिहीत | लिहीयाताम् | लिहीरन् |
| लिहीथाः | लिहीयाथाम् | लिहीध्वम् |
| लिहीय | लिहीवहि | लिहीमहि |
| प० लीदाम् | लिहाताम् | लिहताम् |
| लिह्व | लिहाथाम् | लीद्वम् |
| लेहै | लेहावहे | लेहामहे |
| झ० अलीद | अलिहाताम् | अलिहत |
| अलीदाः | अलिहाथाम् | अलिह्वम् |
| अलिहि | अलिह्वहि | अलिह्वहि |
| अ० अलीद | अलिक्षाताम् | अलिक्षन्त |
| अलिक्षन् | | |
| अलीदाः | अलिक्षायाम् | अलिक्षध्वम् |
| अलिक्षथाः | | अलीङ्-द्वम् |
| अलिक्षि | अलिक्षावहि | अलिक्षामहि |
| | अलिह्वहि | |
| प० लिलिहे | लिलिहाते | लिलिहिरे |
| लिलिहिषे | लिलिहाथे | लिलिहिवे-ध्वे |
| लिलिहे | लिलिहिवहे | लिलिहिमहे |
| आ० लिक्षीष्ट | लिक्षीयास्ताम् | लिक्षीरन् |
| लिक्षीष्टाः | लिक्षीयाथाम् | लिक्षीध्वम् |
| लिक्षीय | लिक्षीवहि | लिक्षीमहि |
| श्व० लेढा | लेढारौ | लेढारः |
| लेढासे | लेढासाथे | लेढाध्वे |
| लेढाहे | लेढास्वहे | लेढास्महे |
| भ० लेक्ष्यते | लेक्ष्येते | लेक्ष्यन्ते |
| लेक्ष्यसे | लेक्ष्येथे | लेक्ष्यध्वे |
| लेक्ष्ये | लेक्ष्यावहे | लेक्ष्यामहे |
| क्रि० अलोक्ष्यत् | अलोक्ष्यताम् | अलोक्ष्यन्त |
| अलोक्ष्यथाः | अलोक्ष्यथाम् | अलोक्ष्यध्वम् |
| अलोक्ष्ये | अलोक्ष्यावहि | अलोक्ष्यामहि |

॥ अथादाद्यन्तर्गणो हादिः ॥

1130 हुक् [हु] दानादनयोः-

दानमत्र हविष्प्रक्षेपः । अर्धं भक्षणं ।

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| व० जुहोति | जुहुतः | जुहति |
| जुहोषि | जुहुथः | जुहुथ |
| जुहोमि | जुहुवः | जुहुमः |
| स० जुहुयात् | जुहुयाताम् | जुहुयुः |
| जुहुयाः | जुहुयातम् | जुहुयात |
| जुहुयाम् | जुहुयाव | जुहुयाम |
| प० जुहोतु | जुहुतात् | जुहुताम् जुहुतु |
| जुहुधि | जुहुनात् | जुहुतम् जुहुत |
| जुह्वानि | जुह्वाम | जुह्वाम |
| झ० अजुहोत | अजुहुताम् | अजुहुवुः |
| अजुहोः | अजुहुतम् | अजुहुत |
| अजुहवम् | अजुहुव | अजुहुम |
| अ० अहोषीत् | अहोष्याम् | अहोषुः |
| अहोषीः | अहोष्यम् | अहोष्य |
| अहोषम् | अहोष्य | अहोष्य |
| प० जुहवाञ्चकार | जुहवाञ्चकतुः | जुहवाञ्चक्रुः |
| जुहवाञ्चकार्य | जुहवाञ्चक्रथुः | जुहवाञ्चक्र |
| जुहवाञ्चकार-चकर | जुहवाञ्चकृव | जुहवाञ्चकृम |
| जुहवावभूव | जुहवामास | |
| जुहाव | जुहुवतुः | जुहुवुः इत्यादि |
| आ० ह्यात् | ह्यास्ताम् | ह्यासुः |
| ह्याः | ह्यास्तम् | ह्यास्त |
| ह्यासम् | ह्यास्व | ह्यास्म |
| भ० होता | होतारौ | होतारः |
| होतासि | होतास्थः | होतास्थ |
| होतास्मि | होतास्वः | होतास्मः |
| भ० होष्यति | होष्यतः | होष्यन्ति |
| होष्यसि | होष्यथः | होष्यथ |
| होष्यामि | होष्यावः | होष्यामः |
| क्रि० अहोष्यत् | अहोष्यताम् | अहोष्यन् |
| अहोष्यः | अहोष्यतम् | अहोष्यत |
| अहोष्यम् | अहोष्याव | अहोष्याम |

अथादन्तोऽनिदृच

1131 ओहांक् (हा) त्यागे ।

| | | |
|----------------|-------------|-------------------|
| व० जहाति | जहितः | जहीतः जहति |
| जहासि | जहितः | जहीथः जहित जहीथ |
| जहामि | जहितः | जहीवः जहितः जहीमः |
| स० जह्यात् | जह्याताम् | जह्युः |
| जह्याः | जह्यातम् | जह्यात |
| जह्याम् | जह्याव | जह्याम |
| प० जहातु | जहितात् | जहिताम् जहतु |
| | जहीतात् | जहीताम् |
| जहाहि | जहिहि | जहितम् जहित |
| | जहीहि | जहीतम् जहीत |
| जहानि | जहाव | जहाम |
| झ० अजहात् | अजहिताम् | अजहीताम् अजहुः |
| अजहाः | अजहितम् | अजहित |
| | अजहीतन् | अजहीत |
| अजहाम् | अजहित | अजहित |
| | अजहीव | अजहीम |
| अ० अहासीत् | अहासिष्टाम् | अहासिषुः |
| अहासीः | अहासिष्टम् | अहासिष्ट |
| अहासिषम् | अहासिष्व | अहासिष्व |
| प० जहौ | जहतुः | जहुः |
| जहित | जहाथ | जहतुः जह |
| जहौ | जहित | जहित |
| आ० हेयात् | हेयास्ताम् | हेयासुः |
| हेयाः | हेयास्तम् | हेयास्त |
| हेयासम् | हेयास्व | हेयास्म |
| भ० हाता | हातारौ | हातारः |
| हातासि | हातास्थः | हातास्थ |
| हातास्मि | हातास्वः | हातास्मः |
| भ० हास्यति | हास्यतः | हास्यन्ति |
| हास्यसि | हास्यथः | हास्यथ |
| हास्यामि | हास्यावः | हास्यामः |
| क्रि० अहास्यत् | अहास्यताम् | अहास्यन् |
| अहास्यः | अहास्यतम् | अहास्यत |
| अहास्यम् | अहास्याव | अहास्याम |

अथेदन्तावनिटौच

1132 जिभीक् (भी) भये ।

ब० विभेति विभीतः विभितः विभ्यति
विभेषि विभिथः विभीथः विभिथ विभीथ
विभेमि विभिषः विभीषः विभीमः विभिमः

स० विभियात् विभियाताम् विभियुः
विभियाः विभियातम् विभियात
विभियाम् विभियाव विभियाम
विभीयात् विभीयाताम् विभीयुः
विभीयाः विभीयातम् विभीयात
विभीयाम् विभीयाव विभीयाम

प० विभेतु विभितात् विभिताम् विभ्यतु
विभीतात् विभीताम्
विभिहि विभितात् विभितम् विभित
विभीहि विभीतात् विभीतम् विभीत
विभयानि विभयाव विभयाम

अविभेत-द् अविभिताम् अविभीताम् अविभयुः
अविभेः अविभितम् अविभित
अविभीतम् अविभीत

अविभयम् अविभिष अविभीष अविभीम अविभीम

अ० अभैषीत् अभैष्टाम् अभैषुः
अभैषीः अभैष्टम् अभैष्ट
अभैषम् अभैष्व अभैष्व

प० विभयाश्चकार विभयाश्चक्रतुः विभयाश्चुः
विभयाश्चकथं विभयाश्चक्रथुः विभयाश्चक्र
विभयाश्चकार, करविभयाश्चकृष विभयाश्चकृम

विभाय विभ्यतुः विभ्युः इत्यादि
आ० भीयात् भीयास्ताम् भीयासुः
भीयाः भीयास्तम् भीयास्त
भीयासम् भीयास्व भीयास्म
प्र० भेता भेतारौ भेतारः
भेतासि भेतास्थः भेतास्थ
भेतास्मि भेतास्वः भेतास्मः
भ० भेष्यति भेष्यतः भेष्यन्ति

भेष्यसि
भेष्यामि

भेष्यथः
भेष्यावः

भेष्यथ
भेष्यामः

क्रि० अभेष्यत्
अभेष्यः
अभेष्यम्

अभेष्यताम्
अभेष्यतम्
अभेष्याव

अभेष्यन्
अभेष्यत
अभेष्याम

1133 हीक् (ही) लज्जायाम्

ब० जिहेति जिहीतः जिह्यति
जिहेषि जिहीथः जिहीथ
जिहेमि जिहीषः जिहीमः

स० जिहीयात् जिहीयाताम् जिहीयुः
जिहीयाः जिहीयातम् जिहीयात
जिहीयम् जिहीयाव जिहीयाम

प० जिहेतु जिहीतात् जिहीताम् जिह्यतु
जिहीहि जिहीतम् जिहीत

जिह्याणि जिह्याव जिह्याम
ह्य अजिहेत् अजिहीताम् अजिह्युः
अजिहेः अजिहीतम् अजिहीत
अजिहयम् अजिहीव अजिहीम

अ० अहैषीत् अहैष्टाम् अहैषुः
अहैषीः अहैष्टम् अहैष्ट
अहैषम् अहैष्व अहैष्व

प० जिह्याश्चकार जिह्याश्चक्रतुः जिह्याश्चक्रुः
जिह्याश्चकथं जिह्याश्चक्रथुः जिह्याश्चक्र
जिह्याश्चकार, करजिह्याश्चकृष जिह्याश्चकृम
जिह्यांश्चभूष । जिह्यामास

जिहाय जिह्यतुः जिह्युः इत्यादि

अ० हीयात् हीयास्ताम् हीयासुः
हीयाः हीयास्तम् हीयास्त
हीयासम् हीयास्व हीयास्म
प्र० हेता हेतारौ हेतारः
हेतासि हेतास्थः हेतास्थ
हेतास्मि हेतास्वः हेतास्मः

भ० हेष्यति हेष्यतः हेष्यन्ति
हेष्यसि हेष्यथः हेष्यथ
हेष्यामि हेष्यावः हेष्यामः
क्रि० अहेष्यत् अहेष्यताम् अहेष्यन्
अहेष्यः अहेष्यतम् अहेष्यत
अहेष्यम् अहेष्याव अहेष्याम

अथ ऋदन्तावनिटौ च

1134 पृंक् (पृ) पालनपूरणयोः

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| व० पिपत्ति | पिपृतः | पिपत्ति |
| पिपर्वि | पिपृथः | पिपृथ |
| पिपमि | पिपृवः | पिपृमः |
| स० पिपृयात् | पिपृयाताम् | पिपृयुः |
| पिपृयाः | पिपृयातम् | पिपृयात |
| पिपृयाम् | पिपृयाव | पिपृयाम |
| प० पिपृत्तु | पिपृतात् | पिपृताम् |
| पिपृहि | पिपृतात् | पिपृतम् |
| पिपराणि | पिपराव | पिपराम |
| झ० अपिपः | अपिपृताम् | अपिपृहः |
| अपिपः | अपिपृतम् | अपिपृत |
| अपिपरम् | अपिपृव | अपिपृम |
| झ० अपापीत् | अपाष्टात् | अपाष्टुः |
| अपापीः | अपाष्टम् | अपाष्ट |
| अपापम् | अपाष्ट्व | अपाष्ट्म |
| प० पपार | पप्रतुः | पप्रः |
| पपर्थ | पप्रथुः | पप्र |
| पपार, पपर | पप्रिव | पप्रिम |
| आ० प्रियात् | प्रियास्ताम् | प्रियास्तुः |
| प्रियाः | प्रियास्तम् | प्रियास्त |
| प्रियासम् | प्रियास्व | प्रियास्म |
| प्र० पत्ता | पत्तारौ | पत्तारः |
| पत्तासि | पत्तास्थः | पत्तास्थ |
| पत्तास्मि | पत्तास्वः | पत्तास्मः |
| भ० परिष्यति | परिष्यतः | परिष्यन्ति |
| परिष्यसि | परिष्यथः | परिष्यथ |
| परिष्यामि | परिष्यावः | परिष्यामः |
| क्रि० अपरिष्यत् | अपरिष्यताम् | अपरिष्यन् |
| अपरिष्यः | अपरिष्यतम् | अपरिष्यत |
| अपरिष्यम् | अपरिष्याव | अपरिष्याम |

ऋदन्तोऽयं सेट् इत्येके (पृ)

| | | |
|-------------|-----------------------------|-------------|
| व० पिपत्ति | पिपृत्तः | पिपृरति |
| पिपर्वि | पिपृर्थः | पिपृर्थ |
| पिपमि | पिपृर्वः | पिपृर्मः |
| स० पिपृयात् | पिपृयाताम् | पिपृयुः |
| पिपृयाः | पिपृयातम् | पिपृयात |
| पिपृयाम् | पिपृयाव | पिपृयाम |
| प० पिपृत्तु | पिपृतात् | पिपृताम् |
| पिपृहि | " | पिपृतात् |
| पिपराणि | पिपराव | पिपराम |
| झ० अपिपः | अपिपृताम् | अपिपृहः |
| अपिपः | अपिपृतम् | अपिपृत |
| अपिपरम् | अपिपृव | अपिपृम |
| अ० अपारीत् | अपारिष्टात् | अपारिष्टुः |
| अपारीः | अपारिष्टम् | अपारिष्ट |
| अपारिषम् | अपारिष्ट्व | अपारिष्ट्म |
| प० पपार | पप्रतुः | पप्रः |
| पपरिथ | पप्रथुः | पप्र |
| पपार, पपर | पप्रिव, पप्रिवपपरिम, पप्रिम | |
| आ० पूर्यात् | पूर्यास्ताम् | पूर्यास्तुः |
| पूर्याः | पूर्यास्तम् | पूर्यास्त |
| पूर्यासम् | पूर्यास्वः | पूर्यास्मः |
| प्र० परिता | परितारौ | परितारः |
| परितासि | परितास्थः | परितास्थ |
| परितास्मि | परितास्वः | परितास्मः |
| परीता | परीतारौ | इत्यादि । |
| भ० परिष्यति | परिष्यतः | परिष्यन्ति |
| परिष्यसि | परिष्यथः | परिष्यथ |
| परिष्यामि | परिष्यावः | परिष्यामः |
| परीष्यति | परीष्यतः | इत्यादि |
| अपरिष्यत् | अपरिष्यताम् | अपरिष्यन् |
| अपरिष्यः | अपरिष्यतम् | अपरिष्यत |
| अपरिष्याम् | अपरिष्यावः | अपरिष्यामः |
| अपरीष्यत् | अपरीष्यताम् | इत्यादि । |

1135 कृक् (कृ) गतौ

| | | |
|--------------------------------------|-------------|-------------|
| व० इयति | इयृतः | इयति |
| इयाँ | इयृथः | इयृथ |
| इयमि | इयृवः | इयृमः |
| स० इययात् | इयृयाताम् | इयृयुः |
| इयृयाः | इयृयातम् | इयृयात |
| इयृयाम् | इयृयाव | इयृयाम |
| प० इयृत् | इयृतात् | इयृताम् |
| इयृहि | इयृतम् | इयृत |
| इयराणि | इयराव | इयराम |
| ह्य० ऐयः | ऐयृताम् | ऐयृहः |
| ऐयः | ऐयृतम् | ऐयृत |
| ऐयरम् | ऐयृव | ऐयृम |
| अ० आरत् | आरताम् | आरन |
| आरः | आरतम् | आरत |
| आरम् | आराव | आराम |
| आर्षीत् | आर्षीम् | आर्षुः |
| आर्षीः | आर्षीम् | आर्षी |
| आर्षम् | आर्ष्व | आर्षम् |
| प० आर | आरतुः | आरुः |
| आरिथ | आरथुः | आर |
| आर | आरिष | आरिम |
| आ० अर्यात् | अर्यास्ताम् | अर्यासुः |
| अर्याः | अर्यास्तम् | अर्यास्त |
| अर्यासम् | अर्यास्व | अर्यास्म |
| प्रव० अर्त्ता | अर्त्तारौ | अर्त्तारः |
| अर्त्तासि | अर्त्तास्थः | अर्त्तास्थ |
| अर्त्तास्मि | अर्त्तास्वः | अर्त्तास्मः |
| भ० अरिष्यति | अरिष्यतः | अरिष्यन्ति |
| अरिष्यसि | अरिष्यथः | अरिष्यथ |
| अरिष्यामि | अरिष्यावः | अरिष्यामः |
| क्रि० आरिष्यत् | आरिष्यताम् | आरिष्यन् |
| आरिष्यः | आरिष्यतम् | आरिष्यत |
| आरिष्यम् | आरिष्याव | आरिष्याम |
| इत्यदाद्यन्तर्गणे ह्यादौ परस्मैभाषाः | | |

॥ अथात्मनेपदिनावा दन्तावनिटौ च ॥

1136 ओहाङ्क् (हा) गतौ ।

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| व० जिहीते | जिहाते | जिहते |
| जिहीषे | जिहाथे | जिहीध्वे |
| जिहे | जिहीवहे | जिहीमहे |
| स० जिहीत | जिहीयाताम् | जिहीरन् |
| जिहीथाः | जिहीयाथाम् | जिहीध्वम् |
| जिहीय | जिहीवहि | जिहीमहि |
| प० जिहीताम् | जिहाताम् | जिहताम् |
| जिहीष्य | जिहाथाम् | जिहीध्वम् |
| जिहे | जिहावहे | जिहामहे |
| ह्य० अजिहीत | अजिहाताम् | अजिहत |
| अजिहीथाः | अजिहाथाम् | अजिहीध्वम् |
| अजिहि | अजिहीवहि | अजिहीमहि |
| अ अहास्त | अहासाताम् | अहासत |
| अहास्थाः | अहासाथाम् | अहाध्वम् |
| अहासि | अहास्वहि | अहास्महि |
| प० जहे | जहाते | जहिरे |
| जहिषे | जहाथे | जहिध्वे ढ्वे |
| जहे | जहिषहे | जहिमहे |
| आ० हासीष्ट | हासीयास्ताम् | हासीरन् |
| हासीष्ठाः | हासीयाथाम् | हासीध्वम् |
| हासीय | हासीवहि | हासीमहि |
| प्रव० हाता | हातारौ | हातारः |
| हातासे | हातासाथे | हाताध्वे |
| हाताहे | हातास्वहे | हातास्महे |
| भ० हास्यते | हास्येते | हास्यन्ते |
| हास्यसे | हास्येथे | हास्यध्वे |
| हास्ये | हास्यावहे | हास्यामहे |
| क्रि० अहास्यत | अहास्येताम् | अहास्यन्त |
| अहास्यथाः | अहास्येथाम् | अहास्यध्वम् |
| अहास्ये | अहास्यावहि | अहास्यामहि |

1137 माङ्क् (मा) मानशब्दयोः

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| व० मिमीते | मिमाते | मिमते |
| मिमीषे | मिमाथे | मिमीध्वे |
| मिमे | मिमीवहे | मिमीमहे |
| स० मिमीत | मिमीयाताम् | मिमीरन् |
| मिमीथाः | मिमीयाथाम् | मिमीध्वम् |
| मिमीय | मिमीवहि | मिमीमहि |
| प० मिमीताम् | मिमाताम् | मिमताम् |
| मिमीष्व | मिमाथाम् | मिमीध्वम् |
| मिमै | मिमावहै | मिमामहै |
| झ० अमिमीत | अमिमाताम् | अमिमत |
| अमिमीथाः | अमिमाथाम् | अमिमीध्वम् |
| अमिमि | अमिमीवहि | अमिमीमहि |
| अ० आमास्त | अमासाताम् | अमास्त |
| अमास्थाः | अमासाथाम् | अमाध्वम् |
| अमासि | अमास्वहि | अमास्महि |
| प० ममे | ममाते | ममिरे |
| ममिषे | ममाथे | ममिध्वे |
| ममे | ममिवहे | ममिमहे |
| आ० मासीष्ट | मासीयास्ताम् | मासीरन् |
| मासीष्टाः | मासीयास्थाम् | मासीध्वम् |
| मासीय | मासीवहि | मासीमहि |
| श्व माता | मातारौ | मातारः |
| मातासे | मातासाथे | माताध्वे |
| माताहे | मातास्वहे | मातास्महे |
| भ० मास्यते | मास्येते | मास्यन्ते |
| मास्यस्ते | मास्येथे | मास्यध्वे |
| मास्ये | मास्यावहे | मास्यामहे |
| क्रि० अमास्यत | अमास्येताम् | अमास्यन्त |
| अमास्यथाः | अमास्येथाम् | अमास्यध्वम् |
| अमास्ये | अमास्यावहि | अमास्यामहि |

अथोभयपदिनः षडनिटश्च तत्रादन्तौ

1138 डुदाङ्क् (दा) दाने

| | | |
|----------------|------------|--------------|
| व० ददाति | दत्तः | ददति |
| ददासि | दत्थः | दत्थ |
| ददामि | दद्वः | दद्वः |
| स० दद्यात् | दद्याताम् | दद्युः |
| दद्याः | दद्यातम् | दद्यात |
| दद्याम् | दद्याव | दद्याम |
| प० ददातु | दत्तात् | दत्ताम् ददतु |
| देहि | दत्तात् | दत्तम् दत्त |
| ददानि | ददाव | ददाम |
| झ० अददात् | अदत्ताम् | अददुः |
| अददाः | अदत्तम् | अदत्त |
| अददाम् | अदद्व | अदद्व |
| अ० अदात् | अदाताम् | अदुः |
| अदाः | अदातम् | अदात |
| अदाम् | अदाव | अदाम |
| प० ददौ | ददतुः | ददुः |
| ददित्थ | ददाथ | ददथुः |
| दद, ददौ | ददिव | ददिम |
| आ० देयात् | देयास्ताम् | देयासुः |
| देयाः | देयास्तम् | देयास्त |
| देयासम् | देयास्व | देयास्म |
| श्व० दाता | दातारौ | दातारः |
| दातासि | दातास्थः | दातास्थ |
| दातास्मि | दातास्वः | दातास्मः |
| भ० दास्यति | दास्यतः | दास्यन्ति |
| दास्यसि | दास्यथः | दास्यथ |
| दास्यामि | दास्यावः | दास्यामः |
| क्रि० अदास्यत् | अदास्यताम् | अदास्यन्त |
| अदास्यः | अदास्यतम् | अदास्यत |
| अदास्यम् | अदास्याव | अदास्याम |

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| व० दत्ते | ददाते | ददते |
| दत्से | ददाथे | ददध्वे |
| ददे | दद्वहे | दद्वहे |
| स० ददीत | ददीयाताम् | ददीरन् |
| ददीथाः | ददीयाथाम् | ददीध्वम् |
| ददीय | ददीवहि | ददीमहि |
| प० दताम् | ददाताम् | ददताम् |
| दत्स्व | ददाथाम् | ददध्वम् |
| ददै | ददावहे | ददामहे |
| झ० अदत्त | अददाताम् | अददत |
| अदत्थाः | अददाथाम् | अददध्वम् |
| अददि | अदद्वहि | अदद्वहि |
| अ० अदित | अदिषाताम् | अदिषत |
| अदिथाः | अदिषाथाम् | अदिद्वध्वम् |
| | | द्वम् |
| अदिषि | अदिष्वहि | अदिष्महि |
| प० ददे | ददाते | ददिरे |
| ददिषे | ददाथे | ददिध्वे |
| ददे | ददिवहे | ददिमहे |
| आ० दासीष्ट | दासीयास्ताम् | दासीरन् |
| दासीष्ठाः | दासीयास्थाम् | दासीध्वम् |
| दासीय | दासीवहि | दासीमहि |
| श्व० दाता | दातारौ | दातारः |
| दातासे | दातासांथे | दाताध्वे |
| दाताहे | दातास्वहे | दातास्महे |
| भ० दास्यते | दास्येते | दास्यन्ते |
| दास्यसे | दास्येथे | दास्यध्वे |
| दास्ये | दास्यावहे | दास्यामहे |
| क्रि० अदास्यत | अदास्येताम् | अदास्यन्त |
| अदास्यथाः | अदास्येथाम् | अदास्यध्वम् |
| अदास्ये | अदास्यावहि | अदास्यामहि |

1139 डुधाङ्क (धा) धारणे च ।
चकाराहाने ।

| | | |
|----------------|------------|-----------|
| व० दधाति | धत्तः | दधति |
| दधासि | धत्थः | दधथ |
| दधामि | दध्वः | दध्मः |
| स० दध्यात् | दध्याताम् | दध्युः |
| दध्याः | दध्यातम् | दध्यात |
| दध्याम् | दध्याव | दध्याम |
| दधातु | धत्तात् | धत्ताम् |
| धेहि | धत्तात् | धत्तम् |
| दधामि | दधाव | दधाम |
| झ० अदधात् | अधत्ताम् | अदधुः |
| अदधाः | अधत्तम् | अधत्त |
| अदधाम् | अदध्व | अदध्म |
| अ० अधात् | अधाताम् | अधुः |
| अधाः | अधातम् | अधात |
| अधाम् | अधाव | अधाम |
| प० दधौ | दधतुः | दधुः |
| दधिथ | दधाथ | दधथुः |
| दधौ | दधिव | दधिम |
| आ० धेयात् | धेयास्ताम् | धेयासुः |
| धेयाः | धेयास्तम् | धेयास्त |
| धेयासम् | धेयास्व | धेयास्म |
| श्व० धाता | धातारौ | धातारः |
| धातासि | धातास्थः | धातास्थ |
| धातास्मि | धातास्वः | धातास्मः |
| भ० धास्यति | धास्यतः | धास्यन्ति |
| धास्यसि | धास्यथः | धास्यथ |
| धास्यामि | धास्यावः | धास्यामः |
| क्रि० अधास्यत् | अधास्यताम् | अधास्यन् |
| अधास्यः | अधास्यतम् | अधास्यत |
| अधास्यम् | अधास्याव | अधास्याम |

| व० दधाते | दधाते | दधाते |
|---------------|--------------|-------------|
| धान्ते | दधाथे | धादध्वे |
| दधे | दधवहे | दधमहे |
| स० दधीत | दधीयाताम् | दधीरन् |
| दधीथाः | दधीयाथाम् | दधीध्वम् |
| दधीथ | दधीवहि | दधीमहि |
| प० धाताम् | दधाताम् | दधाताम् |
| धान्स्व | दधाथाम् | धादध्वम् |
| दधे | दधावहे | दधामहे |
| आ० अधात | अदधाताम् | अदधात |
| अधान्थाः | अदधाथाम् | अधादध्वम् |
| अदधि | अदध्वहि | अदधमहि |
| अ० अधिात | अधिाताम् | अधिात |
| अधिाथाः | अधिाथाम् | अधिाध्वम् |
| अधिाथ | अधिावहि | अधिामहि |
| १० दधे | दधाते | दधिरे |
| दधिधे | दधाथे | दधिध्वे |
| दधे | दधिवहे | दधिमहे |
| आ० धासीष्ट | धासीयास्ताम् | धासीरन् |
| धासीष्टाः | धासीयास्थाम् | धासीध्वम् |
| धासीथ | धासीवहि | धासीमहि |
| प्रव० धाता | धातारौ | धातारः |
| धातासे | धातासाथे | धाताध्वे |
| धाताहे | धातास्वहे | धातास्महे |
| १० धास्यते | धास्येते | धास्यन्ते |
| धास्यसे | धास्येथे | धास्यध्वे |
| धास्ये | धास्यावहे | धास्यामहे |
| क्रि० अधास्यत | अधास्येताम् | अधास्यन्त |
| अधास्यथाः | अधास्येथाम् | अधास्यध्वम् |
| अधास्ये | अधास्यावहि | अधास्यामहि |

अथऋदन्तः ।

1140 दुडुभृ ण्क् (भृ) पोषणे च ।

चकाराद्धारणे ।

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| व० विभर्ति | विभृतः | विभ्रति |
| विभर्वि | विभृथः | विभृथ |
| विभर्मि | विभृवः | विभृमः |
| स० विभृयात् | विभृयाताम् | विभृयुः |
| विभृयाः | विभृयाथाम् | विभृयात |
| विभृयाम् | विभृयाव | विभृयाम |
| प० विभर्तु | विभृतात् | विभृताम् |
| विभ्रतु | विभृहि | विभृतात् |
| विभराणि | विभराव | विभराम |
| आ० विभिः | अविभृताम् | अविभरुः |
| अविभिः | अविभृतम् | अविभृत |
| अविभरम् | अविभृव | अविभृम |
| अ० अभाषीत | अभाषीमि | अभाषुः |
| अभाषीः | अभाषीम् | अभाषी |
| अभाषम् | अभाषव | अभाषम् |
| प० विभराश्चकार | विभराश्चक्रुः | विभराश्चक्रुः |
| | | इत्यादि |
| वभार | वभ्रतुः | वभ्रुः |
| वभर्थ | वभ्रथुः | वभ्र |
| वभर | वभृव | वभृम |
| आ० भ्रियात | भ्रियास्ताम् | भ्रियासुः |
| भ्रियाः | भ्रियास्तम् | भ्रियास्त |
| भ्रियासम् | भ्रियास्व | भ्रियास्म |
| प्रव० भर्ता | भर्तारौ | भर्तारः |
| भर्तासि | भर्तार्यः | भर्तार्य |
| भर्तास्मि | भर्तार्यः | भर्तार्यः |
| भ० भरिष्यति | भरिष्यतः | भरिष्यन्ति |
| भरिष्यसि | भरिष्यथः | भरिष्यथा |
| भरिष्यामि | भरिष्यावः | भरिष्यामः |
| क्रि० अभरिष्यत | अभरिष्यताम् | अभरिष्यन्त |
| अभरिष्यः | अभरिष्यतम् | अभरिष्यत |
| अभरिष्यम् | अभरिष्याव | अभरिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| व० विभृते | विभ्राते | विभ्रते |
| विभृषे | विभ्राथे | विभ्रध्वे |
| विभ्रे | विभ्रवहे | विभ्रमहे |
| स० विभ्रीत | विभ्रीयाताम् | विभ्रीरन् |
| विभ्रीथाः | विभ्रीयाथाम् | विभ्रीध्वम् |
| विभ्रीय | विभ्रीवहि | विभ्रीमहि |
| प० विभृताम् | विभ्राताम् | विभ्रताम् |
| विभृष्व | विभ्राथाम् | विभ्रध्वम् |
| विभ्रै | विभ्रावहे | विभ्रामहे |
| झ० अविभृत | अविभ्राताम् | अविभ्रत |
| अविभृथाः | अविभ्राथाम् | अविभ्रध्वम् |
| अविभ्रि | अविभ्रवहि | अविभ्रमहि |
| अ० अभृत | अभृषाताम् | अभृषत |
| अभृथाः | अभृषाथाम् | अभृषध्वम् |
| | | द्वम् |
| अभृषि | अभृषवहि | अभृषमहि |
| प० विभराश्चक्रे | विभराश्चक्राते | विभराश्चक्रिरे |
| | | इत्यादि |
| वभ्रे | वभ्राते | वभ्रिरे |
| वभृषे | वभ्राथे | वभ्रध्वे |
| वभ्रे | वभ्रवहे | वभ्रमहे |
| आ० भृषीष्ट | भृषीयास्ताम् | भृषीरन् |
| भृषीष्टाः | भृषीयास्ताम् | भृषीध्वम् |
| भृषीय | भृषीवहि | भृषीमहि |
| भ० भर्त्ता | भर्त्तारौ | भर्त्तारः |
| भर्त्तासि | भर्त्तास्थे | भर्त्ताध्वे |
| भर्त्ताहे | भर्त्तास्वहे | भर्त्तास्महे |
| भ० भरिष्यते | भरिष्येते | भरिष्यन्ते |
| भरिष्यसे | भरिष्येथे | भरिष्यध्वे |
| भरिष्ये | भरिष्यावहे | भरिष्यामहे |
| क्रि० अभरिष्यत | अभरिष्येताम् | अभरिष्यन्त |
| अभरिष्यथाः | अभरिष्येथाम् | अभरिष्यध्वम् |
| अभरिष्ये | अभरिष्यावहि | अभरिष्यामहि |

अथ जान्ती
1141 णिजृ की (निजृ) शौचे च
चकारात्पोषणे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० नेनेक्ति | नेनिकतः | नेनिजति |
| नेनेक्षि | नेनिकथः | नेनिकथ |
| नेनेज्मि | नेनिज्वः | नेनिज्मः |
| स० नेनिज्यात् | नेनिज्याताम् | नेनिज्युः |
| नेनिज्याः | नेनिज्यातम् | नेनिज्यात |
| नेनिज्याम् | नेनिज्याव | नेनिज्याम |
| प० नेनेक्तु | नेनिकतात् | नेनिकाम् |
| नेनिजतु | नेनिज्मि | नेनिकम् |
| नेनिक | नेनिजाः | नेनिजाव |
| झ० अनेनेक् | अनेनेग् | अनेनिकाम् |
| अनेनिजुः | अनेनेक् | अनेनेग् |
| अनेनिक | अनेनिजम् | अनेनिज्व |
| अ० अनिजत | अनिजताम् | अनिजन् |
| अनिजः | अनिजतम् | अनिजत |
| अनिजम् | अनिजाव | अनिजाम |
| अ० अनेक्षीत् | अनक्ताम् | अनेक्षुः |
| अनैक्षीः | अनैक्ताम् | अनैक् |
| अनैक्षम् | अनैक्ष्व | अनैक्षम् |
| प० निनेज | निनिजतुः | निनिजुः |
| निनेजिथ | निनिजथुः | निनिज |
| निनेज | निनिजिथ | निनिजिम् |
| आ० निज्यात् | निज्यास्ताम् | निज्यासुः |
| निज्याः | निज्यास्तम् | निज्यास्त |
| निज्यास्म | निज्यास्व | निज्यास्म |
| श्व नेक्ता | नेक्तारौ | नेक्ताः |
| नेक्तासि | नेक्तास्थः | नेक्तास्थ |
| नेक्तास्मि | नेक्तास्वः | नेक्तास्मः |
| भ० नेक्ष्यति | नेक्ष्यतः | नेक्ष्यन्ति |
| नेक्ष्यसि | नेक्ष्यथः | नेक्ष्यथ |
| नेक्ष्यामि | नेक्ष्यावः | नेक्ष्यामः |
| क्रि० अनेक्ष्यत् | अनेक्ष्यताम् | अनेक्ष्यन् |
| अनेक्ष्यः | अनेक्ष्यतम् | अनेक्ष्यत |
| अनेक्ष्यम् | अनेक्ष्याव | अनेक्ष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० नेनिके | नेनिजाते | नेनिजते |
| नेनिके | नेनिजाथे | नेनिग्ध्वे |
| नेनिजे | नेनिजवहे | नेनिजमहे |
| स० नेनिजीत | नेनिजीयाताम् | नेनिजीरन् |
| नेनिजीथाः | नेनिजीयाथाम् | नेनिजीग्ध्वम् |
| नेनिजीय | नेनिजीवहि | नेनिजोमहि |
| प० नेनिकताम् | नेनिजाताम् | नेनिजताम् |
| नेनिक्ष्व | नेनिजाथाम् | नेनिग्ध्वम् |
| नेनिजे | नेनिजावहे | नेनिजामहे |
| अ० अनेनिक | अनेनिजाताम् | अनेनिजत |
| अनेनिकथाः | अनेनिजाथाम् | अनेनिग्ध्वम् |
| अनेनिजि | अनेनिजवहि | अनेनिजमहि |
| अ० अनिक | अनिक्षाताम् | अनिक्षत |
| अनिकथाः | अनिक्षाथाम् | अनिग्ध्वम् |
| | | अनिक्ष्वम् |
| अनिक्षि | अनिक्ष्वहि | अनिक्षमहि |
| प० निनिजे | निनिजाते | निनिजिरे |
| निनिजिषे | निनिजाथे | निनिजिध्वे |
| निनिजे | निनिजवहे | निनिजिमहे |
| आ० निक्षीष्ट | निक्षीयास्ताम् | निक्षीरन् |
| निक्षीष्टाः | निक्षीयास्थाम् | निक्षीध्वम् |
| निक्षीय | निक्षीवहि | निक्षीमहि |
| प्रब० नेकता | नेकतारौ | नेकतारः |
| नेकतासे | नेकतास्थे | नेकताध्वे |
| नेकताहे | नेकतास्वहे | नेकतास्महे |
| अ० नेक्ष्यते | नेक्ष्येते | नेक्ष्यन्ते |
| नेक्ष्यसे | नेक्ष्येथे | नेक्ष्यध्वे |
| नेक्ष्ये | नेक्ष्यावहे | नेक्ष्यामहे |
| क्रि० अनेक्ष्यत | अनेक्ष्येताम् | अनेक्ष्यन्त |
| अनेक्ष्यथाः | अनेक्ष्येथाम् | अनेक्ष्यध्वम् |
| अनेक्ष्ये | अनेक्ष्यावहि | अनेक्ष्यामहि |

1142 वि जूकी (विज्) पृथग्भावे

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| ब० वेवक्ति | वेविकतः | वेविकति |
| वेवक्षि | वेविकथः | वेविकथ |
| वेवजिम | वेविकजः | वेविकजः |
| स० वेविज्यात् | वेविज्याताम् | वेविज्युः |
| वेविज्याः | वेविज्यातम् | वेविज्यात |
| वेविज्याम् | वेविज्याव | वेविज्याम |
| प० वेवेक्तु | वेविकतात् | वेविकताम् |
| वेविग्धि | " | वेविकतम् |
| वेविजानि | वेविजाव | वेविजाम |
| ब० अवेवेक् | अवेवेग् | अवेविकताम् |
| अवेवेक् | अवेवेग् | अवेविकतम् |
| अवेविजम् | अवेविज्व | अवेविजम् |
| अ० अविजत् | अविजताम् | अविजन् |
| अविजः | अविजतम् | अविजत |
| अविजम् | अविजाव | अविजाम |
| अवैक्षीत् | अवैक्ताम् | अवैक्षुः |
| अवैक्षीः | अवैक्तम् | अवैक्त |
| अवैक्षम् | अवैक्ष्व | अवैक्षम् |
| प० विवेज | विविजतुः | विविजुः |
| विवेजिथ | विविजथुः | विविज |
| विवेज | विविजिव | विविजिम |
| आ० विज्यात् | विज्यास्ताम् | विज्यासुः |
| विज्याः | विज्यास्तम् | विज्यास्त |
| विज्यासम् | विज्यास्व | विज्यास्म |
| प्रब० वेक्ता | वेक्तारौ | वेक्तारः |
| वेक्तासि | वेक्तास्थः | वेक्तास्थ |
| वेक्तास्मि | वेक्तास्वः | वेक्तास्मः |
| अ० वेक्ष्यति | वेक्ष्यतः | वेक्ष्यन्ति |
| वेक्ष्यसि | वेक्ष्यथः | वेक्ष्यथ |
| वेक्ष्यामि | वेक्ष्यावः | वेक्ष्यामः |
| क्रि० अवेक्ष्यत | अवेक्ष्यताम् | अवेक्ष्यन् |
| अवेक्ष्यः | अवेक्ष्यतम् | अवेक्ष्यत |
| अवेक्ष्यम् | अवेक्ष्याव | अवेक्ष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | वेविके | वेविजाते | वेविजते |
| | वेविक्षे | वेविजाथे | वेविग्ध्वे |
| | वेविजे | वेविज्वहे | वेविज्महे |
| स० | वेविजीत | वेविजीयाताम् | वेविजीरन् |
| | वेविजीथाः | वेविजीयाथाम् | वेविजीध्वम् |
| | वेविजीय | वेविजीवहि | वेविजीमहि |
| प० | वेविकाम् | वेविजाताम् | वेविजनाम् |
| | वेविक्ष्व | वेविजाथाम् | वेविग्ध्वम् |
| | वेविजे | वेविजावहे | वेविजामहे |
| ह्र० | अवेविक | अवेविजाताम् | अवेविजन् |
| | अवेविकथाः | अवेविजाथाम् | अवेविग्ध्वम् |
| | अवेविजि | अवेविज्वहि | अवेविज्महि |
| अ० | अविक | अविक्षाताम् | अविजन् |
| | अविकथाः | अविक्षाथाम् | अविग्ध्वम् |
| | अविक्षि | अविक्ष्वहि | अविश्महि |
| प० | विविजे | विविजाते | विविजिरे |
| | विविजिषे | विविजाथे | विविजिध्वे |
| | विविजे | विविजिवहे | विविजिमहे |
| आ० | विक्षीष्ट | विक्षीयास्ताम् | विक्षीरन् |
| | विक्षीष्टाः | विक्षीयास्थाम् | विक्षीध्वम् |
| | विक्षीय | विक्षीवहि | विक्षीमहि |
| प्र० | वेक्ता | वेक्तारौ | वेक्ता |
| | वेक्तासे | वेक्तासाथे | वेक्ताध्वे |
| | वेक्ताहे | वेक्तास्वहे | वेक्तास्महे |
| भ० | वेक्ष्यते | वेक्ष्येते | वेक्ष्यन्ते |
| | वेक्ष्यसे | वेक्ष्येथे | वेक्ष्यध्वे |
| | वेक्ष्ये | वेक्ष्यावहे | वेक्ष्यामहे |
| क्रि० | अवेक्ष्यत | अवेक्ष्येताम् | अवेक्ष्यन्त |
| | अवेक्ष्यथाः | अवेक्ष्येथाम् | अवेक्ष्यध्वम् |
| | अवेक्ष्ये | अवेक्ष्यावहि | अवेक्ष्यामहि |

अथ षान्तः ।

1143 विष्लंकी (विष्) व्यासौ ।

| | | | |
|-------|------------|-------------------|-----------------|
| व० | वेविष्ट | वेविष्टः | वेविषति |
| | वेवेक्षि | वेविष्टः | वेविष्ट |
| | वेवेक्षि | वेविष्टः | वेविष्टम् |
| स० | वेविष्यात् | वेविष्यताम् | वेविष्युः |
| | वेविष्याः | वेविष्यताम् | वेविष्यात् |
| | वेविष्याम् | वेविष्याव | वेविष्याम |
| प० | वेवेष्टु | वेविष्टात् | वेविष्टाम् |
| | वेविषतु | वेविष्टिह, ष्टात् | वेविष्टम् |
| | वेविष्ट | वेविषाणि | वेविषाव वेविषाम |
| ह्र० | अवेवेष्ट | अवेवेष्ट | अवेष्टाम् |
| | अवेविषुः | अवेवेष्ट | अवेवेष्टम् |
| | अवेविष्ट | अवेविषम् | अवेविष्टम् |
| अ० | अविषत् | अविषताम् | अविषन् |
| | अविषः | अविषतम् | अविषत |
| | अविषम् | अविषाव | अविषाम |
| प० | विवेष | विविषतुः | विविषुः |
| | विवेपिथे | विविषथुः | विविष |
| | विवेष | विविषिव | विविषिम |
| आ० | विष्यात् | विष्यास्ताम् | विष्यानुः |
| | विष्याः | विष्यास्तम् | विष्यास्त |
| | विष्यासम् | विष्यास्व | विष्यास्म |
| श्व० | वेष्टा | वेष्टारौ | वेष्टारः |
| | वेष्टासि | वेष्टास्थः | वेष्टास्थ |
| | वेष्टास्मि | वेष्टास्वः | वेष्टास्वः |
| भ० | वेक्ष्यति | वेक्ष्यतः | वेक्ष्यन्ति |
| | वेक्ष्यसि | वेक्ष्यस्थः | वेक्ष्यस्थ |
| | वेक्ष्यामि | वेक्ष्यावः | वेक्ष्यामः |
| क्रि० | अवेक्ष्यत | अवेक्ष्यताम् | अवेक्ष्यन् |
| | अवेक्ष्याः | अवेक्ष्यतम् | अवेक्ष्यत |
| | अवेक्ष्यम् | अवेक्ष्याव | अवेक्ष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ष० वेविष्टे | वेविषाते | वेविषते |
| वेविक्षे | वेविषाथे | वेविड्ढवे |
| वेविषे | वेविष्वहे | वेविष्महे |
| स० वेविषीत | वेविषीयाताम् | वेविषीरन् |
| वेविषीथाः | वेविषीयाथाम् | वेविषीध्वम् |
| वेविषीय | वेविषीवहि | वेविषीमहि |
| प० वेविष्टाम् | वेविषाताम् | वेविषताम् |
| वेविश्व | वेविषाथाम् | वेविड्ढ्वम् |
| वेविषे | वेविषावहे | वेविषामहे |
| झ० अवेविष्ट | अवेविषाताम् | अवेविषत |
| अवेविष्टाः | अवेविषाथाम् | अवेविड्ढ्वम् |
| अवेविषि | अवेविष्वहि | अवेविष्महि |
| अ० अविक्षत | अविक्षाताम् | अविक्षन्त |
| अविक्षथाः | अविक्षाथाम् | अविक्षध्वम् |
| अविक्षि | अविक्षावहि | अविक्षामहि |
| प० विविषे | विविषाते | विविषिरे |
| विविषिषे | विविषाथे | विविषिध्वे |
| विविषे | विविषिष्वहे | विविषिमहे |
| आ० विक्षीष्ट | विक्षीयास्ताम् | विक्षीरन् |
| विक्षीष्टाः | विक्षीयास्थाम् | विक्षीध्वम् |
| विक्षीय | विक्षीवहि | विक्षीमहि |
| ख० वेष्टा | वेष्टारौ | वेष्टारः |
| वेष्टासे | वेष्टासाथे | वेष्टाध्वे |
| वेष्टाहे | वेष्टास्वहे | वेष्टास्महे |
| भ० वेक्ष्यते | वेक्ष्येते | वेक्ष्यन्ते |
| वेक्ष्यसे | वेक्ष्येथे | वेक्ष्यध्वे |
| वेक्ष्ये | वेक्ष्यावहे | वेक्ष्यामहे |
| क्रि० अवेक्ष्यत | अवेक्ष्येताम् | अवेक्ष्यन्त |
| अवेक्ष्यथाः | अवेक्ष्येथाम् | अवेक्ष्यध्वम् |
| अवेक्ष्ये | अवेक्ष्यावहि | अवेक्ष्यामहि |

इत्युभयपदिनः । वृत् हादयः । समाप्ता इत्यर्थः । केचित्तु परानपि एकादश धातून्-त्राभिदधति । अलौकित्वालौकोत्तमैरुपेक्षितानामप्येषां विनेयानुग्रहार्थं रूपाणि नाम-ग्राहं दृश्यन्ते

1143-2 घृक् (घृ) क्षरणदीप्तयोः

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| व० जिघर्ति | जिघृतः | जिघ्रति |
| जिघर्षि | जिघृत्यः | जिघृत्य |
| जिघर्मि | जिघृषः | जिघृमः |
| स० जिघृयात् | जिघृयाताम् | जिघृयुः |
| जिघृयाः | जिघृयातम् | जिघृयात |
| जिघृयाम् | जिघृयाव | जिघृयाम |
| प० जिघर्तु | जिघृतात् | जिघृतात् |
| जिघृहि | जिघृतम् | जिघृत |
| जिघराणि | जिघराव | जिघराम |
| झ० अजिघः | अजिघृताम् | अजिघरुः |
| अजिघः | अजिघृतम् | अजिघृत |
| अजिघरम् | अजिघृव | अजिघृम |
| अ० अघाषीत् | अघाष्टाम् | अघाषुः |
| अघाषीः | अघाष्टम् | अघाष्ट |
| अघाषम् | अघाष्व | अघाष्म |
| प० जघार | जघ्रतुः | जघ्रुः |
| जघथ | जघ्रथुः | जघ्र |
| जघार, जघर | जघ्रिव | जघ्रिम |
| भा० घ्रियात् | घ्रियास्ताम् | घ्रियासुः |
| घ्रियाः | घ्रियास्तम् | घ्रियास्त |
| घ्रियासम् | घ्रियास्व | घ्रियास्म |
| ख० घर्ता | घर्तारौ | घर्तारः |
| घर्तासि | घर्तास्थः | घर्तास्थ |
| घर्तास्मि | घर्तास्वः | घर्तास्मः |
| भ० घरिष्यति | घरिष्यतः | घरिष्यन्ति |
| घरिष्यसि | घरिष्यथः | घरिष्यथ |
| घरिष्यामि | घरिष्यावः | घरिष्यामः |
| क्रि० अघरिष्यत् | अघरिष्यताम् | अघरिष्यन् |
| अघरिष्यः | अघरिष्यतम् | अघरिष्यत |
| अघरिष्यम् | अघरिष्याव | अघरिष्याम |

1143-3 हृक् (हृ) प्रसङ्गकरणे

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| व० जिहति | जिहृतः | जिहति |
| जिहृषि | जिहृथः | जिहृथ |
| जिहृमि | जिहृवः | जिहृमः |
| स० जिह्यात् | जिह्याताम् | जिह्युः |
| जिह्याः | जिह्यातम् | जिह्यान् |
| जिह्याम् | जिह्याव | जिह्याम |
| प० जिहृत् | जिहृतात् | जिहृताम् |
| जिहृहि | जिहृतात् | जिहृन्म |
| जिहराणि | जिहराव | जिहराम |
| ह्य० अजिहः | अजिहताम् | अजिहः |
| अजिहः | अजिहृतम् | अजिहृत |
| अजिहरम् | अजिहृव | अजिहृम |
| अ० अहार्षात् | अहार्षात् | अहार्षुः |
| अहार्षाः | अहार्षात् | अहार्षात् |
| अहार्षम् | अहार्षव | अहार्षम् |
| प० जहार | जहृतः | जहुः |
| जहृथ | जहृथुः | जहृथ |
| जहार, जहार | जहिव | जहिम |
| आ० ह्रियात् | ह्रियास्ताम् | ह्रियासुः |
| ह्रियाः | ह्रियास्तम् | ह्रियास्त |
| ह्रियासम् | ह्रियास्व | ह्रियास्म |
| श्र्य० हर्त्ता | हर्त्तारौ | हर्त्तारः |
| हर्त्तासि | हर्त्तास्थः | हर्त्तास्थ |
| हर्त्तास्मि | हर्त्तास्व | हर्त्तास्मः |
| भ० हरिष्यति | हरिष्यतः | हरिष्यन्ति |
| हरिष्यसि | हरिष्यथः | हरिष्यथ |
| हरिष्यामि | हरिष्यावः | हरिष्यामः |
| क्रि० अहरिष्यत् | अहरिष्यताम् | अहरिष्यन् |
| अहरिष्यः | अहरिष्यतम् | अरिष्यम् |
| अहरिष्यम् | अहरिष्याव | अहरिष्याम |

1143-4 संक् (सं) गतौ—

| | | |
|-----------------|----------------|-------------|
| व० ससति | ससृतः | सस्रति |
| ससृषि | ससृथः | ससृथ |
| ससृमि | ससृवः | ससृमः |
| स० ससृयात् | ससृयाताम् | ससृयुः |
| ससृयाः | ससृयातम् | ससृयन् |
| ससृयाम् | ससृयाव | ससृयाम |
| प० ससृत् | ससृतात् | ससृताम् |
| ससृहि | " | ससृतम् |
| ससराणि | ससराव | ससराम |
| ह्य० अससः | अससृताम् | अससः |
| अससः | अससृतम् | अससृत |
| अससरम् | अससृव | अससृम |
| अ० असाषीत् | असाषीत् | असाषुः |
| असाषीः | असाषीत् | असाषीत् |
| असाषम् | असाष्व | असाषम् |
| प० ससार | ससृतुः | ससृः |
| ससृथ | ससृथुः | ससृथ |
| ससार, ससर | ससृव | ससृम |
| आ० स्त्रियात् | स्त्रियास्ताम् | स्त्रियासुः |
| स्त्रियाः | स्त्रियास्तम् | स्त्रियास्त |
| स्त्रियासम् | स्त्रियास्व | स्त्रियास्म |
| श्रव० सर्त्ता | सर्त्तारौ | सर्त्तारः |
| सर्त्तासि | सर्त्तास्थः | सर्त्तास्थ |
| सर्त्तास्मि | सर्त्तास्व | सर्त्तास्मः |
| भ० सरिष्यति | सरिष्यतः | सरिष्यन्ति |
| सरिष्यसि | सरिष्यथः | सरिष्यथ |
| सरिष्यामि | सरिष्यावः | सरिष्यामः |
| क्रि० असरिष्यत् | असरिष्यताम् | असरिष्यन् |
| असरिष्यः | असरिष्यतम् | असरिष्यम् |
| असरिष्यम् | असरिष्याव | असरिष्याम |

1143-5 भस्क् (भस्) भर्त्सनदीप्तयोः

| | | | |
|-------|-----------|-------------------|------------|
| घ० | बभस्ति | बब्धः | बप्सति |
| | बभस्ति | बब्धाः | बब्धा |
| | बभस्मि | बप्स्वः | बप्स्मः |
| स० | बप्स्यात् | बप्स्याताम् | बप्स्युः |
| | बप्स्याः | बप्स्यातम् | बप्स्यात |
| | बप्स्याम् | बप्स्याव | बप्स्याम |
| प० | बभस्तु | बब्धात | बब्धाम् |
| | बब्धुः | बब्धुः | बब्धुः |
| | बभसानि | बभसाव | बभसाम |
| झ० | अबभत् | अबब्धाम् | अबप्सुः |
| | अबभः | अबभत्, द् अबब्धम् | अबब्ध |
| | अबभम् | अबप्स्व | अबप्स्म |
| अ० | अभासीत् | अभासिष्टाम् | अभासिषुः |
| | अभासीः | अभासिष्टम् | अभासिष्ट |
| | अभासिषम् | अभासिष्व | अभासिष्म |
| | अभसीत् | अभसिष्टाम् | अभसिषुः |
| | अभसीः | अभसिष्टम् | अभसिष्ट |
| | अभसिषम् | अभसिष्व | अभसिष्म |
| प० | बभास | बप्सतुः | बप्सुः |
| | बभसिथ | बप्सथुः | बप्स |
| | बभास, बभस | बप्सिथ | बप्सिम |
| आ० | भप्स्यात् | भप्स्याताम् | भप्स्यासुः |
| | भप्स्याः | भप्स्यातम् | भप्स्यास्त |
| | भप्स्याम् | भप्स्याव | भप्स्याम |
| प्र० | भसिता | भसितारौ | भसितारः |
| | भसितासि | भसितास्थः | भसितास्थ |
| | भसितास्मि | भसितास्वः | भसितास्मः |
| भ० | भसिष्यति | भसिष्यतः | भसिष्यन्ति |
| | भसिष्यसि | भसिष्यथः | भसिष्यथ |
| | भसिष्यामि | भसिष्यावः | भसिष्यामः |
| क्रि० | अभसिष्यत् | अभसिष्यताम् | अभसिष्यन् |
| | अभसिष्यः | अभसिष्यतम् | अभसिष्यन् |
| | अभसिष्यम् | अभसिष्याव | अभसिष्याम |

1143-6 किक् (कि) ज्ञाने।

| | | | |
|-------|----------|------------|-----------|
| घ० | चिकेति | चिकितः | चिक्यति |
| | चिकेषि | चिकिथः | चिकिथ |
| | चिकेमि | चिकिवः | चिकिमः |
| स० | चिकिणात् | चिकियाताम् | चिकियुः |
| | चिकियाः | चिकियातम् | चिकियात |
| | चिकियाम् | चिकियाव | चिकियाम |
| प० | चिकेतु | चिकितात् | चिकिताम् |
| | चिकिहि | चिकितात् | चिकितम् |
| | चिकियानि | चिकियाव | चिकियाम |
| झ० | अचिकेत् | अचिकिताम् | अचिक्युः |
| | अचिकेः | अचिकितम् | अचिकित |
| | अचिक्यम् | अचिकिव | अचिकिम |
| अ० | अकैषीत् | अकैष्टाम् | अकैषुः |
| | अकैषीः | अकैष्टम् | अकैष्ट |
| | अकैषम् | अकैष्व | अकैष्म |
| प० | चिकाय | चिक्यतुः | चिक्युः |
| | चिकियिथ | चिकेथ | चिक्यथुः |
| | चिकाय | चिक्य | चिकियिथ |
| आ० | कीयात् | कीयाताम् | कीयासुः |
| | कीयाः | कीयातम् | कीयास्त |
| | कीयासम् | कीयाव | कीयाम |
| झ० | केता | केतारौ | केतारः |
| | केतासि | केतास्थः | केतास्थ |
| | केतास्मि | केतास्वः | केतास्मः |
| भ० | केष्यति | केष्यतः | केष्यन्ति |
| | केष्यसि | केष्यथः | केष्यथ |
| | केष्यामि | केष्यावः | केष्यामः |
| क्रि० | अकेष्यत् | अकेष्यताम् | अकेष्यन् |
| | अकेष्यः | अकेष्यतम् | अकेष्यन् |
| | अकेष्यम् | अकेष्याव | अकेष्याम |

1143-7 कित् (कित्) ज्ञाने

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० चिकेत्ति | चिकित्तः | चिकितति |
| चिकेत्ति | चिकित्थः | चिकित्थ |
| चिकेत्ति | चिकित्वः | चिकित्मः |
| प० चिकित्यात् | चिकित्याताम् | चिकित्युः |
| चिकित्याः | चिकित्यातम् | चिकित्यात |
| चिकित्याम् | चिकित्याव | चिकित्याम |
| स० चिकेत्तु | चिकित्तात् | चिकित्ताम् |
| चिकिद्धि | चिकित्तम् | चिकित्त |
| चिकितानि | चिकिताव | चिकिताम |
| झ० अचिकेत् | अचिकित्ताम् | अचिकितुः |
| अचिकेत् | अचिकित्तम् | अचिकित्त |
| अचिकितम् | अचिकित्व | अचिकित्म |
| अ० अकेतीत् | अकेतिष्टाम् | अकेतिषुः |
| अकेतीः | अकेतिष्टम् | अकेतिष्ट |
| अकेतिषम् | अकेतिष्व | अकेतिष्म |
| प० चिकेत | चिकित्तु | चिकितुः |
| चिकेतिथ | चिकित्थुः | चिकित्थ |
| चिकेत | चिकितिष्व | चिकितिम् |
| आ० कित्यात् | कित्यास्ताम् | कित्यासुः |
| कित्याः | कित्यास्तम् | कित्यास्त |
| कित्यासम् | कित्यास्व | कित्यास्म |
| प्रव० केतिता | केतितारौ | केतितारः |
| केतितासि | केतितास्थः | केतितास्थ |
| केतितास्मि | केतितास्वः | केतितास्मः |
| भ० केतिष्यति | केतिष्यतः | केतिष्यन्ति |
| केतिष्यसि | केतिष्यथः | केतिष्यथ |
| केतिष्यामि | केतिष्यवाः | केतिष्यामः |
| क्रि० अकेतिष्यत् | अकेतिष्यताम् | अकेतिष्यन् |
| अकेतिष्यः | अकेतिष्यतम् | अकेतिष्यत |
| अकेतिष्यम् | अकेतिष्याव | अकेतिष्याम |

1143-8 तुरक् (तुर्) त्वरणे

| | | |
|------------------|-----------------|--------------|
| व० तुतोर्त्ति | तुवर्त्तः | तुतुरति |
| तुतोर्षि | तुवर्त्थः | तुवर्त्थ |
| तुतोर्मि | तुवर्त्वः | तुवर्म् |
| स० तुवर्त्तात् | तुवर्त्ताताम् | तुवर्त्तुः |
| तुवर्त्ताः | तुवर्त्तातम् | तुवर्त्तात |
| तुवर्त्ताम् | तुवर्त्ताव | तुवर्त्ताम |
| प० तुतोर्त्तु | तुवर्त्तात् | तुवर्त्ताम् |
| तुवर्त्ति | तुवर्त्तम् | तुवर्त्त |
| तुतुराणि | तुतुराव | तुतुराम |
| झ० अतुतोः | अतुवर्त्ताम् | अतुतुरुः |
| अतुतोः | अतुवर्त्तम् | अतुवर्त्त |
| अतुतुरम् | अतुवर्त्व | अतुवर्म् |
| अ० अतोरीत् | अतोरिष्टाम् | अतोरिषुः |
| अतोरीः | अतोरिष्टम् | अतोरिष्ट |
| अतोरिषम् | अतोरिष्व | अतोरिष्म |
| प० तुतोर | तुतुरतुः | तुतुरुः |
| तुतोरिथ | तुतुरथुः | तुतुर |
| तुतोर | तुतुरिष्व | तुतुरिम् |
| आ० त्वर्त्तात् | त्वर्त्तास्ताम् | त्वर्त्तासुः |
| त्वर्त्ताः | त्वर्त्तास्तम् | त्वर्त्तास्त |
| त्वर्त्तासम् | त्वर्त्तास्व | त्वर्त्तास्म |
| प्रव० तोरिता | तोरितारौ | तोरितारः |
| तोरितासि | तोरितास्थः | तोरितास्थ |
| तोरितास्मि | तोरितास्वः | तोरितास्मः |
| भ० तोरिष्यति | तोरिष्यतः | तोरिष्यन्ति |
| तोरिष्यसि | तोरिष्यथः | तोरिष्यथ |
| तोरिष्यामि | तोरिष्यावः | तोरिष्यामः |
| क्रि० अतोरिष्यत् | अतोरिष्यताम् | अतोरिष्यन् |
| अतोरिष्यः | अतोरिष्यतम् | अतोरिष्यत |
| अतोरिष्यम् | अतोरिष्याव | अतोरिष्याम |

1143-9 धिष्क् (धिष्) शब्दे ।

| | | |
|------------------------|--------------|-------------|
| व० दिधेष्टि | दिधिष्टः | दिधिषति |
| दिधेक्षि | दिधिष्टः | दिधिष्ठ |
| दिधेष्मि | दिधिवः | दिधिष्मः |
| स० दिधिष्यात् | दिधिष्याताम् | दिधिष्युः |
| दिधिष्याः | दिधिष्यातम् | दिधिष्यात |
| दिधिष्याम् | दिधिष्याव | दिधिष्याम |
| प० दिधेष्टु दिधिष्टात् | दिधिषाम् | दिधिषतु |
| दिधिष्टि दिधिष्टात् | दिधिष्टम् | दिधिष्ट |
| दिधिषाणि | दिधिषाव | दिधिषाम |
| झ० अदिधेष्टु, धेष्टु | अदिधिष्टाम् | अदिधिषुः |
| अदिधेष्टु, धेष्टु | अदिधिष्टम् | अदिधिष्ट |
| अदिधिषम् | अदिधिव | अदिधिष्म |
| अ० अधेषीत् | अधेषिष्टाम् | अधेषिषुः |
| अधेषीः | अधेषिष्टम् | अधेषिष्ट |
| अधेषिषम् | अधेषिव | अधेषिष्म |
| प० दिधेष् | दिधिषतुः | दिधिषुः |
| दिधेष्ति | दिधिषथुः | दिधिष |
| दिधेष् | दिधिषिव | दिधिषिम |
| आ० धिष्यात् | धिष्यास्ताम् | धिष्यासुः |
| धिष्याः | धिष्यास्तम् | धिष्यास्त |
| धिष्यासम् | धिष्यास्व | धिष्यास्म |
| प्र० धेषिता | धेषितारौ | धेषितारः |
| धेषितासि | धेषितास्थः | धेषितास्थ |
| धेषितास्मि | धेषितास्वः | धेषितास्मः |
| भ० धेषिष्यति | धेषिष्यतः | धेषिष्यन्ति |
| धेषिष्यसि | धेषिष्यथः | धेषिष्यथ |
| धेषिष्यामि | धेषिष्यावः | धेषिष्यामः |
| क्रि० अधेषिष्यत् | अधेषिष्यताम् | अधेषिष्यन् |
| अधेषिष्यः | अधेषिष्यतम् | अधेषिष्यत |
| अधेषिष्यम् | अधेषिष्याव | अधेषिष्याम |

1143-10 धनक् (धन्) धान्ये ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० दधन्ति | दधन्तः | दधनति |
| दधंसि | दधन्थः | दधन्थ |
| दधन्मि | दधन्वः | दधन्मः |
| स० दधन्यात् | दधन्याताम् | दधन्युः |
| दधन्याः | दधन्यातम् | दधन्यात |
| दधन्याम् | दधन्याव | दधन्याम |
| प० दधन्तु | दधन्तात् | दधन्ताम् |
| दधन्ति | दधन्तात् | दधन्तम् |
| दधनानि | दधनाव | दधनाम् |
| झ० भदधन | अदधन्ताम् | अदधन्तुः |
| अदधन् | अदधन्तम् | अदधन्त |
| अदधन्म | अदधन्व | अदधन्म |
| अ० अधानीत् | अधानिष्टाम् | अधानिषुः |
| अधानीः | अधानिष्टम् | अधानिष्ट |
| अधानिषम् | अधानिव | अधानिष्म |
| अधनीत् | अधनिष्टाम् | अधनिषुः |
| अधनीः | अधनिष्टम् | अधनिष्ट |
| अधनिषम् | अधनिव | अधनिष्म |
| प० दधान | दधन्तुः | दधन्तुः |
| दधन्ति | दधन्तुः | दधन्तुः |
| दधन्तु | दधान | दधन्तु - |
| आ० धन्यात् | धन्यास्ताम् | धन्यासुः |
| धन्याः | धन्यास्तम् | धन्यास्त |
| धन्यासम् | धन्यास्व | धन्यास्म |
| प्र० धनिता | धनितारौ | धनितारः |
| धनितासि | धनितास्थः | धनितास्थ |
| धनितास्मि | धनितास्वः | धनितास्मः |
| भ० धनिष्यति | धनिष्यतः | धनिष्यन्ति |
| धनिष्यसि | धनिष्यथः | धनिष्यथ |
| धनिष्यामि | धनिष्यावः | धनिष्यामः |
| क्रि० अधनिष्यत् | अधनिष्यताम् | अधनिष्यन् |
| अधनिष्यः | अधनिष्यतम् | अधनिष्यत |
| अधनिष्यम् | अधनिष्याव | अधनिष्याम |

1143-11 जन्क् (जन्) जनने ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० जजन्ति | जजातः | जजज्ञति |
| जजंसि | जजाथः | जजाथ |
| जजन्मि | जजन्वः | जजन्मः |
| स० जजन्यात् | जजन्याताम् | जजन्युः |
| जजन्याः | जजन्यातम् | जजन्यात |
| जजन्याम् | जजन्याव | जजन्याम |
| प० जजन्तु | जजातात् | जजाताम् |
| जज्ञतु जजाहि | जजातात् | जजातम् |
| जजात जजनानि | जजनाव | जजनाम |
| ह्य० अजजन् | अजजाताम् | अजज्ञुः |
| अजजन् | अजजातम् | अजजात |
| अजजनम् | अजजन्य | अजजन्म |
| अ० अजानीत् | अजानिष्टाम् | अजानिषुः |
| अजानीः | अजानिष्टम् | अजानिष्ट |
| अजानिषम् | अजानिष्व | अजानिषम |
| अ० अजनीत् | अजनिष्टाम् | अजनिषुः |
| अजनीः | अजनिष्टम् | अजनिष्ट |
| अजनिषम् | अजनिष्व | अजनिषम |
| प० जजान | जज्ञतुः | जज्ञुः |
| जजन्थि जज्ञथुः | जज्ञ | जज्ञ |
| जजान जजन जज्ञि | जज्ञि | जज्ञिम |
| आ० जन्यात् | जन्यास्ताम् | जन्यासुः |
| जन्याः | जन्यास्तम् | जन्यास्त |
| जन्यासम् | जन्यास्व | जन्यास्म |
| श्व० जनिता | जनितारौ | जनितारः |
| जनितासि | जनितास्थः | जनितास्थ |
| जनितास्मि | जनितास्वः | जनितास्मः |
| भ० जनिष्यति | जनिष्यतः | जनिष्यन्ति |
| जनिष्यसि | जनिष्यथः | जनिष्यथ |
| जनिष्यामि | जनिष्यावः | जनिष्यामः |
| क्रि० अजनिष्यत् | अजनिष्यताम् | अजनिष्यन् |
| अजनिष्यः | अजनिष्यतम् | अजनिष्यन् |
| अजनिष्यम् | अजनिष्याव | अजनिष्याम |

1143-12 गांक् (गा) स्तुतौ ।

| | | |
|----------------|-------------|-----------|
| व० जिगाति | जिगीतः | जिगति |
| जिगासि | जिगीथः | जिगीथ |
| जिगामि | जिगीवः | जिगीमः |
| स० जिगीयात् | जिगीयाताम् | जिगीयुः |
| जिगीयाः | जिगीयातम् | जिगीयात |
| जिगीयाम | जिगीयाव | जिगीयाम |
| प० जिगातु | जिगीतात् | जिगीताम् |
| जिगीहि जिगीतु | जिगीतम् | जिगीत |
| जिगानि | जिगाव | जिगाम |
| ह्य० अजिगात् | अजिगीताम् | अजिगुः |
| अजिगाः | अजिगीतम् | अजिगीत |
| अजिगाम् | अजिगीव | अजिगीम |
| अ० अगासीत् | अगासिष्टान् | अगासिषुः |
| अगासीः | अगासिष्टम् | अगासिष्ट |
| अगासिषम् | अगासिष्व | अगासिषम |
| प० जगौ | जगतुः | जगुः |
| जगिथ | जगाथ | जगथुः जग |
| जगौ | जगिव | जगिम |
| आ० गेयात् | गेयास्ताम् | गेयासुः |
| गेयाः | गेयास्तम् | गेयास्त |
| गेयासम् | गेयास्व | गेयास्म |
| श्व० गाता | गातारौ | गातारः |
| गातासि | गातास्थः | गातास्थ |
| गातास्मि | गातास्वः | गातास्मः |
| भ० गास्यति | गास्यतः | गास्यन्ति |
| गास्यसि | गास्यथः | गास्यथ |
| गास्यामि | गास्यावः | गास्यामः |
| क्रि० अगास्यत् | अगास्यताम् | अगास्यन् |
| अगास्यः | अगास्यतम् | अगास्यन् |
| अगास्यम् | अगास्याव | अगास्याम |

इति ह्यादयः ।

॥ समाप्ता निरानुबन्धा अदादयः ॥

ॐ श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम—तीर्थरक्षण-
 परायण--विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्नशास्त्रीय-आचार्य-
 चूडापणिअखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिसुरीश्वरचरणेन्दिरा-
 मन्दिरेन्दिरायमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचिते धातु-
 रत्नाकरेऽविकरणो किदनबन्धोऽदादिगणः
 सम्पूर्तिमायातः ॥

॥ अथ दिवादिः ॥



अथ इयविकरणा दिवादयो वर्णक्रमेण नि-
 दिश्यन्ते तत्रापि पूर्वाचार्यप्रसिद्धयनुरोधे-
 नादौ जयेच्छा विजिगीषा। पणिर्यवहारः
 कयादिः ।

1144 दिवुच् (दिव्) क्रीडाजये-

च्छापणिद्युतिस्तुतिगतिषु ।

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| ष० दीव्यति | दीव्यतः | दीव्यन्ति |
| दीव्यसि | दीव्यथः | दीव्यथ |
| दीव्यामि | दीव्यावः | दीव्यामः |
| स० दीव्येत् | दीव्येताम् | दीव्येयुः |
| दीव्येः | दीव्येतम् | दीव्येत |
| दीव्येयम् | दीव्येव | दीव्येम |
| प० दीव्यतु | दीव्यतात् | दीव्यताम् |
| दीव्य | दीव्यतात् | दीव्यतम् |
| दीव्यानि | दीव्याव | दीव्याम |
| झ० अदीव्यत् | अदीव्यताम् | अदीव्यन् |
| अदीव्यः | अदीव्यतम् | अदीव्यत |
| अदीव्यम् | अदीव्याव | अदीव्याम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अदेवीत् | अदेविष्टाम् | अदेविषुः |
| अदेवीः | अदेविष्टम् | अदेविष्ट |
| अदेविषम् | अदेविष्व | अदेविषम |
| प० दिदेव | दिदिवतुः | दिदिवुः |
| दिदेविथ | दिदिवथुः | दिदिव |
| दिदेव | दिदिविव | दिदिविम |

| | | |
|--------------|--------------|------------|
| आ० दीव्यात् | दीव्यास्ताम् | दीव्यासुः |
| दीव्याः | दीव्यास्तम् | दीव्यास्त |
| दीव्यासम् | दीव्यास्व | दीव्यास्म |
| प्रव० देविता | देवितारौ | देवितारः |
| देवितासि | देवितास्थः | देवितास्थ |
| देवितास्मि | देवितास्वः | देवितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० देविष्यति | देविष्यतः | देविष्यन्ति |
| देविष्यसि | देविष्यथः | देविष्यथ |
| देविष्यामि | देविष्यावः | देविष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अदेविष्यत् | अदेविष्यताम् | अदेविष्यन् |
| अदेविष्यः | अदेविष्यतम् | अदेविष्यत |
| अदेविष्यम् | अदेविष्याव | अदेविष्याम |

अथ ऋदन्तौ सेटौ च ।

1145 जृष् (जृ) जरसि ।

वयोहानावित्यर्थः ।

व० जीर्यति जीर्यतः जीर्यन्ति
जीर्यसि जीर्यथः जीर्यथ
जीर्यामि जीर्यावः जीर्यामः

स० जीर्येत् जीर्येताम् जीर्येयुः
जीर्येः जीर्येतम् जीर्येत
जीर्येयम् जीर्येव जीर्येम

प० जीर्यतु जीर्यतात जीर्यताम् जीर्यन्तु
जीर्य जीर्यतात जीर्यतम् जीर्यत
जीर्याणि जीर्याव जीर्याम

झ० अजीर्यत् अजीर्यताम् अजीर्यन्
अजीर्यः अजीर्यतम् अजीर्यत
अजीर्यम् अजीर्याव अजीर्याम

अ० अजरत् अजरताम् अजरन्
अजरः अजरतम् अजरत
अजरम् अजराव अजराव

अ० अजारीत् अजारिष्टाम् अजारिषुः
अजारीः अजारिष्टम् अजारिष्ट
अजारिषम् अजारिष्व अजारिष्व

प० जज्जार-जज्जारतुः जेरतु जेरुः जजरुः
जजरिथ जेरिथ जेरथुः जजरथुः जेरजजर

जजार जजर जजरिव जजरिम
जेरिथ जेरिम

आ० जीर्यात् जीर्यास्ताम् जीर्यासुः
जीर्याः जीर्यास्तम् जीर्यास्त
जीर्यासम् जीर्यास्व जीर्यास्म

ञ० जरिता जरितारौ जरितारः

जरितासि जरितास्थः जरितास्थ

जरितास्मि जरितास्वः जरितास्मः

जरीता जरीतारौ जरीतारः

जरीतासि जरीतास्थः जरीतास्थ

जरीतास्मि जरीतास्वः जरीतास्मः

भ० जरिष्यति जरिष्यतः जरिष्यन्ति

जरिष्यसि जरिष्यथः जरिष्यथ

जरिष्यामि जरिष्यावः जरिष्यामः

जरीष्यति जरीष्यतः जरीष्य

जरीष्यसि जरीष्यथः जरीष्यथ

जरीष्यामि जरीष्यावः जरीष्यामः

क्वि० अजरिष्यत् अजरिष्यताम् अजरिष्यन्

अजरिष्यः अजरिष्यतम् अजरिष्यत

अजरिष्यम् अजरिष्याव अजरिष्याम

अजरीष्यत् अजरीष्यताम् अजरीष्यन्

अजरीष्यः अजरीष्यतम् अजरीष्यत

अजरीष्यम् अजरीष्याव अजरीष्याम

1146 झृष् (झृ) जरसि

जरा वयोहानिः ।

व० झीर्यति झीर्यतः झीर्यन्ति

झीर्यसि झीर्यथः झीर्यथ

झीर्यामि झीर्यावः झीर्यामः

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| स० झीयेत् | झीयेताम् | झीयेयुः |
| झीयेः | झीयेतम् | झीयेत |
| झीयेयम् | झीयेव | झीयेम |
| प० झीयतु | झीयतात् | झीयन्तु |
| झीयः | झीयतम् | झीयत |
| झीयाणि | झीयाव | झीयाम |
| झ० अझीयत् | अझीयताम् | अझीयन् |
| अझीयः | अझीयतम् | अझीयत |
| अझीयम् | अझीयाव | अझीयाम |
| अ० अझारीत् | अझारिष्टाम् | अझारिषुः |
| अझारीः | अझारिष्टम् | अझारिष्ट |
| अझारिषम् | अझारिष्व | अझारिषम |
| प० जझार | जझारतुः | जझरुः |
| जझरिथ | जझरथुः | जझर |
| जझर, जझार | जझरिव | जझरिम |
| आ० झीयात् | झीयास्ताम् | झीयासुः |
| झीयाः | झीयास्तम् | झीयास्त |
| झीयासम् | झीयास्व | झीयास्म |
| प्र० झरिता | झरितारौ | झरितारः |
| झरितासि | झरितास्थः | झरितास्थ |
| झरितास्मि | झरितास्वः | झरितास्मः |
| झरीता | झरीतारौ | झरीतारः |
| झरीतासि | झरीतास्थः | झरीतास्थ |
| झरीतास्मि | झरीतास्वः | झरीतास्मः |
| प्र० झरिष्यति | झरिष्यतः | झरिष्यन्ति |
| झरिष्यसि | झरिष्यथः | झरिष्यथ |
| झरिष्यामि | झरिष्यावः | झरिष्यामः |
| झरीष्यति | झरीष्यतः | झरीष्यन्ति |
| झरीष्यसि | झरीष्यथः | झरीष्यथ |
| झरीष्यामि | झरीष्यावः | झरीष्यामः |
| क्र० अझरिष्यत् | अझरिष्यताम् | अझरिष्यन् |
| अझरिष्यः | अझरिष्यतम् | अझरिष्यत |
| अझरिष्यम् | अझरिष्याव | अझरिष्याम |
| अझरीष्यत् | अझरीष्यताम् | अझरीष्यन् |
| अझरीष्यः | अझरीष्यतम् | अझरीष्यत |
| अझरीष्यम् | अझरीष्याव | अझरीष्याम |

अथोदन्ताश्चत्वारोऽनिटश्च ।

॥१४७ शोच् (शो) तक्षणे ।

तनुकरणे इत्यर्थः ।

| | | |
|----------------|-------------|-----------|
| व० इयति | इयतः | इयन्ति |
| इयसि | इयथः | इयथ |
| इयामि | इयावः | इयामः |
| स० इयेत् | इयेताम् | इयेयुः |
| इयेः | इयेतम् | इयेत |
| इयेयम् | इयेव | इयेम |
| प० इयतु | इयतात् | इयन्तु |
| इयः | इयताम् | इयन्तु |
| इयानि | इयाव | इयाम |
| झ० अश्यत् | अश्यताम् | अश्यन् |
| अश्यः | अश्यतम् | अश्यत |
| अश्यम् | अश्याव | अश्याम |
| अ० अशात् | अशाताम् | अशुः |
| अशाः | अशातम् | अशात |
| अशाम् | अशाव | अशाम |
| अ० अशासीत् | अशामिष्टाम् | अशामिषुः |
| अशासीः | अशामिष्टम् | अशामिष्ट |
| अशामिषम् | अशामिष्व | अशामिषम |
| प० शशौ | शशतुः | शशुः |
| शशिथ | शशथ | शशथुः शश |
| शशौ | शशिव | शशिम |
| आ० शयात् | शयास्ताम् | शयासुः |
| शयाः | शयास्तम् | शयास्त |
| शयासम् | शयास्व | शयास्म |
| प्र० शाता | शातारौ | शातारः |
| शातासि | शातास्थः | शातास्थ |
| शातास्मि | शातास्वः | शातास्मः |
| भ० शास्यति | शास्यतः | शास्यन्ति |
| शास्यसि | शास्यथः | शास्यथ |
| शास्यामि | शास्यावः | शास्यामः |
| क्रि० अशास्यत् | अशास्यताम् | अशास्यन् |
| अशास्यः | अशास्यतम् | अशास्यत |
| अशास्यम् | अशास्याव | अशास्याम |

1148 दाच् (दो) छेदने ।

| | | |
|----------------|------------|-----------|
| व० दति | दतः | दन्ति |
| दसि | दथः | दथ |
| दामि | दावः | दामः |
| स० देत | देताम् | देयुः |
| देः | देतम् | देत |
| देयम् | देव | देम |
| प० दतु | दतात् | दन्तु |
| द | दतात् | दत |
| दानि | दाव | दाम |
| द्व० अदत | अदताम् | अदन् |
| अदः | अदतम् | अदत |
| अदम् | अदाव | अदाम् |
| अ० अदात | अदाताम् | अदुः |
| अदाः | अदातम् | अदात |
| अदाम् | अदाव | अदाम |
| प० ददौ | ददतुः | ददुः |
| ददित्थ | ददाथ | ददथुः |
| ददौ | ददिष | ददिम |
| आ० देयात् | देयास्ताम् | देयासुः |
| देयाः | देयास्तम् | देयास्त |
| देयासम् | देयास्व | देयास्म |
| प्रव० दाता | दातारौ | दातारः |
| दातासि | दातास्थः | दातास्थ |
| दातास्मि | दातास्वः | दातास्मः |
| भ० दास्यति | दास्यतः | दास्यन्ति |
| दास्यसि | दास्यथः | दास्यथ |
| दास्यामि | दास्यावः | दास्यामः |
| क्रि० अदास्यत् | अदास्यताम् | अदास्यन् |
| अदास्यः | अदास्यतम् | अदास्यत |
| अदास्यम् | अदास्याव | अदास्याम |

1149 छाच् (छो) छेदने ।

| | | |
|------------------------------------|------------|-----------|
| प्र० छयति | छयतः | छयन्ति |
| छयसि | छयथः | छयथ |
| छयामि | छयावः | छयामः |
| स० छयेत् | छयेताम् | छयेयुः |
| छयेः | छयेतम् | छयेत |
| छयेयम् | छयेव | छयेम |
| प० छयतु | छयतात् | छयन्तु |
| छय | छयतात् | छयत |
| छयानि | छयाव | छयाम |
| अ० अछयत | अछयताम् | अछयन् |
| अछयः | अछयतम् | अछयत |
| अछयम् | अछयाव | अछयाम |
| अ० अच्छात् | अच्छाताम् | अच्छुः |
| अच्छाः | अच्छातम् | अच्छात |
| अच्छाम् | अच्छाव | अच्छाम |
| अच्छासीत् अच्छासिष्टाम् अच्छासिषुः | | |
| अच्छासीत् अच्छासिष्टम् अच्छासिष्ट | | |
| अच्छासिषम् अच्छासिष्व अच्छासिषम् | | |
| प० चच्छौ | चच्छतुः | चच्छुः |
| चच्छित्थ | चच्छाथ | चच्छथुः |
| चच्छौ | चच्छिव | चच्छिम |
| आ० छायात् | छायास्ताम् | छायासुः |
| छायाः | छायास्तम् | छायास्त |
| छायासम् | छायास्व | छायास्म |
| प्रव० छाता | छातारौ | छातारः |
| छातासि | छातास्थः | छातास्थ |
| छातास्मि | छातास्वः | छातास्मः |
| भ० छास्यति | छास्यतः | छास्यन्ति |
| छास्यसि | छास्यथः | छास्यथ |
| छास्यामि | छास्याव | छास्यामः |
| क्रि० अछास्यत् | अछास्यताम् | अछास्यन् |
| अछास्यः | अछास्यतम् | अछास्यत |
| अछास्यम् | अछास्याव | अछास्याम |

1151 ब्रोड (ब्रीड्च्) लज्जायां

| | | | |
|------|----------------|-----------------|-----------------------|
| व० | ब्रीडयति | ब्रीडयतः | ब्रीडयन्ति |
| | ब्रीडयसि | ब्रीडयथः | ब्रीडयथ |
| | ब्रीडयामि | ब्रीडयावः | ब्रीडयामः |
| स० | ब्रीडयेत् | ब्रीडयेताम् | ब्रीडयेयुः |
| | ब्रीडयेः | ब्रीडयेतम् | ब्रीडयेत |
| | ब्रीडयेयम् | ब्रीडयेव | ब्रीडयेम |
| प० | ब्रीडयतु | ब्रीडयतात् | ब्रीडयताम् ब्रीडयन्तु |
| | ब्रीडय | " | ब्रीडयतम् ब्रीडयत |
| | ब्रीडयानि | ब्रीडयाव | ब्रीडयाम |
| ह्य० | अब्रीडयत् | अब्रीडयताम् | अब्रीडयन् |
| | अब्रीडयः | अब्रीडयतम् | अब्रीडयत |
| | अब्रीडयम् | अब्रीडयाव | अब्रीडयाम |
| अ० | अब्रीडीत् | अब्रीडिष्टाम् | अब्रीडिषुः |
| | अब्रीडीः | अब्रीडिष्टम् | अब्रीडिष्ट |
| | अब्रीडिषम् | अब्रीडिष्व | अब्रीडिष्म |
| प० | बिब्रीड | बिब्रीडतुः | बिब्रीडुः |
| | बिब्रीडिथ | बिब्रीडथुः | बिब्रीड |
| | बिब्रीड | बिब्रीडिष | बिब्रीडिम |
| आ० | ब्रीड्यात् | ब्रीड्यास्ताम् | ब्रीड्यासुः |
| | ब्रीड्याः | ब्रीड्यास्तम् | ब्रीड्यास्त |
| | ब्रीड्यासम् | ब्रीड्यास्व | ब्रीड्यास्म |
| ध्व० | ब्रीडिता | ब्रीडितारौ | ब्रीडितारः |
| | ब्रीडितासि | ब्रीडितास्थः | ब्रीडितास्थ |
| | ब्रीडितास्मि | ब्रीडितास्वः | ब्रीडितास्मः |
| भ० | ब्रीडिष्यति | ब्रीडिष्यतः | ब्रीडिष्यन्ति |
| | ब्रीडिष्यसि | ब्रीडिष्यथः | ब्रीडिष्यथ |
| | ब्रीडिष्यामि | ब्रीडिष्यावः | ब्रीडिष्यामः |
| कि० | अब्रीडिष्यत् | अब्रीडिष्यताम् | अब्रीडिष्यन् |
| | अब्रीडिष्यः | अब्रीडिष्यतम् | अब्रीडिष्यत |
| | अब्रीडिष्यम् | अब्रीडिष्याव | अब्रीडिष्याम |
| | अब्रीडिष्यन्ति | अब्रीडिष्यन्तम् | अब्रीडिष्यन्त |

अथतान्तः सेट् च ।

1152 नृतैच् (नृत्) नर्त्तने ।

नर्त्तनं नाट्यम् ।

| | | | |
|-------|---------------|----------------|----------------|
| व० | नृत्यति | नृत्यतः | नृत्यन्ति |
| | नृत्यसि | नृत्यथः | नृत्यथ |
| | नृत्यामि | नृत्यावः | नृत्यामः |
| स० | नृत्येत् | नृत्येताम् | नृत्येयुः |
| | नृत्येः | नृत्येतम् | नृत्येत |
| | नृत्येयम् | नृत्येव | नृत्येम |
| प० | नृत्यतु | नृत्यतात् | नृत्यताम् |
| | नृत्य | नृत्यतात् | नृत्यतम् |
| | नृत्यानि | नृत्याव | नृत्याम |
| झ० | अनृत्यत् | अनृत्यताम् | अनृत्यन्त |
| | अनृत्यः | अनृत्यतम् | अनृत्यत |
| | अनृत्यम् | अनृत्याव | अनृत्याम |
| अ० | अनर्त्तित् | अनर्त्तिष्टाम् | अनर्त्तिषुः |
| | अनर्त्तीः | अनर्त्तिष्टम् | अनर्त्तिष्ट |
| | अनर्त्तिषम् | अनर्त्तिष्व | अनर्त्तिषम |
| प० | ननर्त्त | ननर्त्ततुः | ननर्त्तुः |
| | ननर्त्तिथ | ननर्त्तथुः | ननर्त्त |
| | ननर्त्त | ननर्त्तिव | ननर्त्तिम |
| आ० | नृत्यात् | नृत्यास्ताम् | नृत्यासुः |
| | नृत्याः | नृत्यास्तम् | नृत्यास्त |
| | नृत्यासम् | नृत्यास्व | नृत्यास्म |
| श्व० | नर्त्तिता | नर्त्तितारौ | नर्त्तितारः |
| | नर्त्तितासि | नर्त्तितास्थः | नर्त्तितास्थ |
| | नर्त्तितास्मि | नर्त्तितास्वः | नर्त्तितास्मः |
| भ० | नर्त्स्यति | नर्त्स्यतः | नर्त्स्यन्ति |
| | नर्त्स्यसि | नर्त्स्यथः | नर्त्स्यथ |
| | नर्त्स्यामि | नर्त्स्यावः | नर्त्स्यामः |
| भ० | नर्त्तिष्यति | नर्त्तिष्यतः | नर्त्तिष्यन्ति |
| | नर्त्तिष्यसि | नर्त्तिष्यथः | नर्त्तिष्यथ |
| | नर्त्तिष्यामि | नर्त्तिष्यावः | नर्त्तिष्यामः |
| क्रि० | अनर्त्स्यत् | अनर्त्स्यताम् | अनर्त्स्यन्त |
| | अनर्त्स्यः | अनर्त्स्यतम् | अनर्त्स्यत |
| | अनर्त्स्यम् | अनर्त्स्याव | अनर्त्स्याम |

क्रि० अनर्त्तिष्यत् अनर्त्तिष्यताम् अनर्त्तिष्यन्त
अनर्त्तिष्यः अनर्त्तिष्यतम् अनर्त्तिष्यत
अनर्त्तिष्यम् अनर्त्तिष्याव अनर्त्तिष्याम

अथ थान्तौ सेटौ च

1153 कुथच् (कुथ्) पूतिभावे
पूतिभावो दुर्गन्धः क्लेदः

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | कुथ्यति | कुथ्यतः | कुथ्यन्ति |
| | कुथ्यसि | कुथ्यथः | कुथ्यथ |
| | कुथ्यामि | कुथ्यावः | कुथ्यामः |
| स० | कुथ्येत् | कुथ्येताम् | कुथ्येयुः |
| | कुथ्येः | कुथ्येतम् | कुथ्येत |
| | कुथ्येयम् | कुथ्येव | कुथ्येम |
| प० | कुथ्यतु | कुथ्यतात् | कुथ्यताम् |
| | कुथ्य | " | कुथ्यतम् |
| | कुथ्यानि | कुथ्याव | कुथ्याम |
| झ० | अकुथ्यत् | अकुथ्यताम् | अकुथ्यन्त |
| | अकुथ्यः | अकुथ्यतम् | अकुथ्यत |
| | अकुथ्यम् | अकुथ्याव | अकुथ्याम |
| अ० | अकोथीत् | अकोथिष्टाम् | अकोथिषुः |
| | अकोथीः | अकोथिष्टम् | अकोथिष्ट |
| | अकोथिषम् | अकोथिष्व | अकोथिषम |
| प० | चुकोथ | चुकुथतुः | चुकुथुः |
| | चुकोथिथ | चुकुथथुः | चुकुथ |
| | चुकोथ | चुकुथिव | चुकुथिम |
| आ० | कुथ्यात् | कुथ्यास्ताम् | कुथ्यासुः |
| | कुथ्याः | कुथ्यास्तम् | कुथ्यास्त |
| | कुथ्यासम् | कुथ्यास्व | कुथ्यास्म |
| श्व० | कोथिता | कोथितारौ | कोथितारः |
| | कोथितसि | कोथितास्थः | कोथितास्थ |
| | कोथितास्मि | कोथितास्वः | कोथितास्मः |
| भ० | कोथिष्यति | कोथिष्यतः | कोथिष्यन्ति |
| | कोथिष्यसि | कोथिष्यथः | कोथिष्यथ |
| | कोथिष्यामि | कोथिष्यावः | कोथिष्यामः |
| क्रि० | अकोथिष्यत् | अकोथिष्यताम् | अकोथिष्यन्त |
| | अकोथिष्यः | अकोथिष्यतम् | अकोथिष्यत |
| | अकोथिष्यम् | अकोथिष्याव | अकोथिष्याम |

1154 पुथन् (पुथ्) हिंसायाम्

| | | |
|-------------|----------|-----------|
| घ० पुथ्येति | पुथ्यतः | पुथ्यन्ति |
| पुथ्यसि | पुथ्यथः | पुथ्यथ |
| पुथ्यामि | पुथ्यावः | पुथ्यामः |

| | | |
|------------|------------|-----------|
| स० पुथ्येत | पुथ्येताम् | पुथ्येयुः |
| पुथ्येः | पुथ्येतम् | पुथ्येत |
| पुथ्येयम् | पुथ्येव | पुथ्येय |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० पुथ्यतु | पुथ्यतात् | पुथ्यताम् | पुथ्यन्तु |
| पुथ्यः | ” | पुथ्यतम् | पुथ्यत |
| पुथ्यानि | पुथ्याव | पुथ्याम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अपुथ्यत् | अपुथ्यताम् | अपुथ्यन् |
| अपुथ्यः | अपुथ्यतम् | अपुथ्यत |
| अपुथ्यम् | अपुथ्याव | अपुथ्याम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अपोथीत् | अपोथिष्टात् | अपोथिषुः |
| अपोथीः | अपोथिष्टम् | अपोथिष्ट |
| अपोथिषम् | अपोथिष्व | अपोथिष्म |

| | | |
|----------|-----------|---------|
| प० पुपोथ | पुपुथतुः | पुपुथुः |
| पुपोथिथ | पुपुथथुः | पुपुथ |
| पुपोथ | पुपुथिष्व | पुपुथिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० पुथ्यात् | पुथ्यास्ताम् | पुथ्यासुः |
| पुथ्याः | पुथ्यास्तम् | पुथ्यास्त |
| पुथ्यासम् | पुथ्यास्व | पुथ्यास्म |

| | | |
|------------|------------|------------|
| ख० पोथिता | पोथितारौ | पोथितारः |
| पोथितासि | पोथितास्थः | पोथितास्थ |
| पोथितास्मि | पोथितास्वः | पोथितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० पोथिष्यति | पोथिष्यतः | पोथिष्यन्ति |
| पोथिष्यसि | पोथिष्यथः | पोथिष्यथ |
| पोथिष्यामि | पोथिष्यावः | पोथिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अपोथिष्यत् | अपोथिष्यताम् | अपोथिष्यन् |
| अपोथिष्यः | अपोथिष्यतम् | अपोथिष्यत |
| अपोथिष्यम् | अपोथिष्याव | अपोथिष्याम |

अथ धान्तास्त्रयः ।

1155 गुधन् [गुध्] परिवेष्टने ।

| | | |
|------------|----------|-----------|
| घ० गुध्यति | गुध्यतः | गुध्यन्ति |
| गुध्यसि | गुध्यथः | गुध्यथ |
| गुध्यामि | गुध्यावः | गुध्यामः |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| स० गुध्येत् | गुध्येताम् | गुध्येयुः |
| गुध्येः | गुध्येतम् | गुध्येत |
| गुध्येयम् | गुध्येव | गुध्येय |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० गुध्यतु | गुध्यतात् | गुध्यताम् | गुध्यन्तु |
| गुध्यः | गुध्यतम् | गुध्यत | |
| गुध्यानि | गुध्याव | गुध्याम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अगुध्यत् | अगुध्यताम् | अगुध्यन् |
| अगुध्यः | अगुध्यतम् | अगुध्यत |
| अगुध्यम् | अगुध्याव | अगुध्याम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अगोधीत् | अगोधिष्टात् | अगोधिषुः |
| अगोधीः | अगोधिष्टम् | अगोधिष्ट |
| अगोधिषम् | अगोधिष्व | अगोधिष्म |

| | | |
|----------|-----------|---------|
| प० जुगोध | जुगुधतुः | जुगुधुः |
| जुगोधिथ | जुगुधथुः | जुगुध |
| जुगोध | जुगुधिष्व | जुगुधिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० गुध्यात् | गुध्यास्ताम् | गुध्यासुः |
| गुध्याः | गुध्यास्तम् | गुध्यास्त |
| गुध्यासम् | गुध्यास्व | गुध्यास्म |

| | | |
|------------|------------|------------|
| ख० गोधिता | गोधितारौ | गोधितारः |
| गोधितासि | गोधितास्थः | गोधितास्थ |
| गोधितास्मि | गोधितास्वः | गोधितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० गोधिष्यति | गोधिष्यतः | गोधिष्यन्ति |
| गोधिष्यसि | गोधिष्यथः | गोधिष्यथ |
| गोधिष्यामि | गोधिष्यावः | गोधिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अगोधिष्यत् | अगोधिष्यताम् | अगोधिष्यन् |
| अगोधिष्यः | अगोधिष्यतम् | अगोधिष्यत |
| अगोधिष्यम् | अगोधिष्याव | अगोधिष्याम |

1156 राधंच् (राध्) वृद्धौ

स्थादिषु पठित्यमाणस्याप्यस्येहपाठो वृद्धा-
वेष इयविकरणार्थः ।

| | | |
|----------------|--------------|-------------|
| व० राध्यति | राध्यतः | राध्यन्ति |
| राध्यसि | राध्यथः | राध्यथ |
| राध्यामि | राध्यावः | राध्यामः |
| स० राध्येत् | राध्येताम् | राध्येयुः |
| राध्येः | राध्येतम् | राध्येत |
| राध्येयम् | राध्येव | राध्येम |
| प० राध्यतु | राध्यतात् | राध्यताम् |
| राध्य | राध्यतात् | राध्यतम् |
| राध्यानि | राध्याव | राध्याम |
| ह्य० अराध्यत | अराध्यताम् | अराध्यन् |
| अराध्यः | अराध्यतम् | अराध्यत |
| अराध्यम् | अराध्याव | अराध्याम |
| अ० अरात्सीत् | अराद्धाम् | अरात्सुः |
| अरात्सीः | अराद्धम् | अराद्ध |
| अरात्सम् | अरात्स्व | अरात्सम |
| प० रराध | रराधतुः | रराधुः |
| रराधिय | रराधथुः | रराध |
| रराध | रराधिव | रराधिम |
| आ० राध्यात् | राध्यास्ताम् | राध्यासुः |
| राध्याः | राध्यास्तम् | राध्यास्त |
| राध्यासम् | राध्यास्व | राध्यासम |
| श्व० राद्धा | राद्धारौ | राद्धारः |
| राद्धासि | राद्धास्थः | राद्धास्थ |
| राद्धास्मि | राद्धास्वः | राद्धासमः |
| भ० रात्स्यति | रात्स्यतः | रात्स्यन्ति |
| रात्स्यसि | रात्स्यथः | रात्स्यथ |
| रात्स्यामि | रात्स्यावः | रात्स्यामः |
| क्रि० अरात्स्य | अरात्स्यताम् | अरात्स्यन् |
| अरात्स्यः | अरात्स्यतम् | अरात्स्यत |
| अरात्स्यम् | अरात्स्याव | अरात्स्याम |

1157 व्यधंच् (व्यध् ताडने ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० विध्यति | विध्यतः | विध्यन्ति |
| विध्यसि | विध्यथः | विध्यथ |
| विध्यामि | विध्यावः | विध्यामः |
| स० विध्येत् | विध्येताम् | विध्येयुः |
| विध्येः | विध्येतम् | विध्येत |
| विध्येयम् | विध्येव | विध्येम |
| प० विध्यतु | विध्यतात् | विध्यताम् |
| विध्य | विध्यतात् | विध्यतम् |
| विध्यानि | विध्याव | विध्याम |
| ह्य० अविध्यत् | अविध्यताम् | अविध्यन् |
| अविध्यः | अविध्यतम् | अविध्यत |
| अविध्यम् | अविध्याव | अविध्याम |
| अ० अव्यात्सीत् | अव्याद्धाम् | अव्यात्सुः |
| अव्यात्सीः | अव्याद्धम् | अव्याद्ध |
| अव्यात्सम् | अव्यात्स्व | अव्यात्सम |
| प० विव्याध | विविधतुः | विविधुः |
| विव्यधिथ | विविधथुः | विविध |
| विव्याध, विव्यध | विविधिव | विविधिम |
| आ० विध्यात् | विध्यास्ताम् | विध्यासुः |
| विध्याः | विध्यास्तम् | विध्यास्त |
| विध्यासम् | विध्यास्व | विध्यासम |
| श्व० व्यद्धा | व्यद्धारौ | व्यद्धारः |
| व्यद्धासि | व्यद्धास्थः | व्यद्धास्थ |
| व्यद्धास्मि | व्यद्धास्वः | व्यद्धासमः |
| भ० व्यत्स्यति | व्यत्स्यतः | व्यत्स्यन्ति |
| व्यत्स्यसि | व्यत्स्यथः | व्यत्स्यथ |
| व्यत्स्यामि | व्यत्स्यावः | व्यत्स्यामः |
| क्रि० अव्यत्स्यन् | अव्यत्स्यताम् | अव्यत्स्यन् |
| अव्यत्स्यः | अव्यत्स्यतम् | अव्यत्स्यत |
| अव्यत्स्यम् | अव्यत्स्याव | अव्यत्स्याम |

1158 क्षिपंश्च प्ररणे ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० क्षिप्यति | क्षिप्यतः | क्षिप्यन्ति |
| क्षिप्यसि | क्षिप्यथः | क्षिप्यथ |
| क्षिप्यामि | क्षिप्यावः | क्षिप्यामः |
| स० क्षिप्येत् | क्षिप्येताम् | क्षिप्येयुः |
| क्षिप्येः | क्षिप्येतम् | क्षिप्येत |
| क्षिप्येयम् | क्षिप्येव | क्षिप्येम |
| प० क्षिप्यन्तु | क्षिप्यन्ताम् | क्षिप्यन्तु |
| क्षिप्यन्ति | क्षिप्यन्तम् | क्षिप्यन्त |
| क्षिप्याणि | क्षिप्याव | क्षिप्याम |
| अ० अक्षिप्यत | अक्षिप्यताम् | अक्षिप्यन् |
| अक्षिप्यः | अक्षिप्यतम् | अक्षिप्यत |
| अक्षिप्यम् | अक्षिप्याव | अक्षिप्याम |
| अ० अक्षैप्सीत् | अक्षैप्ताम् | अक्षैप्सुः |
| अक्षैप्सीः | अक्षैप्तम् | अक्षैप्त |
| अक्षैप्सम् | अक्षैप्स्व | अक्षैप्सम |
| प० चिक्षेप | चिक्षिपन्तुः | चिक्षिपुः |
| चिक्षेपिथ | चिक्षिपथुः | चिक्षिप |
| चिक्षेव | चिक्षिपिव | चिक्षिपिम |
| आ० क्षिप्यात् | क्षिप्यास्ताम् | क्षिप्यासुः |
| क्षिप्याः | क्षिप्यास्तम् | क्षिप्यास्त |
| क्षिप्यासम् | क्षिप्यास्व | क्षिप्यास्म |
| प्रब० क्षेप्ता | क्षेप्तारौ | क्षेप्तारः |
| क्षेप्तासि | क्षेप्तास्थः | क्षेप्तास्थ |
| क्षेप्तास्मि | क्षेप्तास्वः | क्षेप्तास्मः |
| भ० क्षेप्स्यति | क्षेप्स्यतः | क्षेप्स्यन्ति |
| क्षेप्स्यसि | क्षेप्स्यथः | क्षेप्स्यथ |
| क्षेप्स्यामि | क्षेप्स्यावः | क्षेप्स्यामः |
| क्रि० अक्षेप्स्यत् | अक्षेप्स्यताम् | अक्षेप्स्यन्तु |
| अक्षेप्स्यः | अक्षेप्स्यतम् | अक्षेप्स्यत |
| अक्षेप्स्यम् | अक्षेप्स्याव | अक्षेप्स्याम |

1159 पुष्पच् (पुष्प) विकसने ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० पुष्प्यति | पुष्प्यतः | पुष्प्यन्ति |
| पुष्प्यसि | पुष्प्यथः | पुष्प्यथ |
| पुष्प्यामि | पुष्प्यावः | पुष्प्यामः |
| स० पुष्प्येत् | पुष्प्येताम् | पुष्प्येयुः |
| पुष्प्येः | पुष्प्येतम् | पुष्प्येत |
| पुष्प्येयम् | पुष्प्येव | पुष्प्येम |
| प० पुष्प्यन्तु | पुष्प्यन्ताम् | पुष्प्यन्तु |
| पुष्प्यन्ति | पुष्प्यन्तम् | पुष्प्यन्त |
| पुष्प्याणि | पुष्प्याव | पुष्प्याम |
| अ० अपुष्प्यत | अपुष्प्यताम् | अपुष्प्यन् |
| अपुष्प्यः | अपुष्प्यतम् | अपुष्प्यत |
| अपुष्प्यम् | अपुष्प्याव | अपुष्प्याम |
| अ० अपुष्पीत् | अपुष्पिताम् | अपुष्पिषुः |
| अपुष्पीः | अपुष्पितम् | अपुष्पित |
| अपुष्पिषम् | अपुष्पिष्व | अपुष्पिषम |
| प० पुपुष्प | पुपुष्पन्तुः | पुपुष्पुः |
| पुपुष्पिथ | पुपुष्पथुः | पुपुष्प |
| पुपुष्प | पुपुष्पिव | पुपुष्पिम |
| आ० पुष्प्यात् | पुष्प्यास्ताम् | पुष्प्यासुः |
| पुष्प्याः | पुष्प्यास्तम् | पुष्प्यास्त |
| पुष्प्यासम् | पुष्प्यास्व | पुष्प्यास्म |
| प्रब० पुष्पिता | पुष्पितारौ | पुष्पितारः |
| पुष्पितासि | पुष्पितास्थः | पुष्पितास्थ |
| पुष्पितास्मि | पुष्पितास्वः | पुष्पितास्मः |
| भ० पुष्पिष्यति | पुष्पिष्यतः | पुष्पिष्यन्ति |
| पुष्पिष्यसि | पुष्पिष्यथः | पुष्पिष्यथ |
| पुष्पिष्यामि | पुष्पिष्यावः | पुष्पिष्यामः |
| क्रि० अपुष्पिष्यत् | अपुष्पिष्यताम् | अपुष्पिष्यन्तु |
| अपुष्पिष्यः | अपुष्पिष्यतम् | अपुष्पिष्यत |
| अपुष्पिष्यम् | अपुष्पिष्याव | अपुष्पिष्याम |

अथ मान्ताश्चत्वारः सेटश्च ।

1160 तिमच् (तिम्) आर्द्रभावे ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | तिम्यति | तिम्यतः | तिम्यन्ति |
| | तिम्यसि | तिम्यथः | तिम्यथ |
| | तिम्यामि | तिम्यावः | तिम्यामः |
| स० | तिम्येत् | तिम्येताम् | तिम्येयुः |
| | तिम्येः | तिम्येतम् | तिम्येत |
| | तिम्येयम् | तिम्येव | तिम्येम |
| प० | तिम्यतु | तिम्यताम् | तिम्यन्तु |
| | तिम्यः | तिम्यतम् | तिम्यत |
| | तिम्यानि | तिम्याव | तिम्याम |
| ह्य० | अतिम्यत् | अतिम्यताम् | अतिम्यन् |
| | अतिम्यः | अतिम्यतम् | अतिम्यत |
| | अतिम्यम् | अतिम्याव | अतिम्याम |
| अ० | अतेमीत् | अतेमिष्टाम् | अतेमिषुः |
| | अतेमीः | अतेमिष्टम् | अतेमिष्ट |
| | अतेमिषम् | अतेमिष्व | अतेमिष्म |
| प० | तितेम | तितिमतुः | तितिमुः |
| | तितेमिथ | तितिमथुः | तितिम |
| | तितेम | तितिमिष | तितिमिम |
| आ० | तिम्यात् | तिम्यास्ताम् | तिम्यासुः |
| | तिम्याः | तिम्यास्तम् | तिम्यास्त |
| | तिम्यासम् | तिम्यास्व | तिम्यास्म |
| प्र० | तेमिता | तेमितारौ | तेमितारः |
| | तेमितासि | तेमितास्थः | तेमितास्थ |
| | तेमितास्मि | तेमितास्वः | तेमितास्म |
| भ० | तेमिष्यति | तेमिष्यतः | तेमिष्यन्ति |
| | तेमिष्यसि | तेमिष्यथः | तेमिष्यथ |
| | तेमिष्यामि | तेमिष्यावः | तेमिष्यामः |
| क्रि० | अतेमिष्यत् | अतेमिष्यताम् | अतेमिष्यन् |
| | अतेमिष्यः | अतेमिष्यतम् | अतेमिष्यत |
| | अतेमिष्यम् | अतेमिष्याव | अतेमिष्याम |

1161 तीमच् (तीम्) आर्द्रभावे ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | तीम्यति | तीम्यतः | तीम्यन्ति |
| | तीम्यसि | तीम्यथः | तीम्यथ |
| | तीम्यामि | तीम्यावः | तीम्यामः |
| स० | तीम्येत् | तीम्येताम् | तीम्येयुः |
| | तीम्येः | तीम्येतम् | तीम्येत |
| | तीम्येयम् | तीम्येव | तीम्येम |
| प० | तीम्यतु | तीम्यताम् | तीम्यन्तु |
| | तीम्यः | तीम्यतम् | तीम्यत |
| | तीम्यानि | तीम्याव | तीम्याम |
| ह्य० | अतीम्यत् | अतीम्यताम् | अतीम्यन् |
| | अतीम्यः | अतीम्यतम् | अतीम्यत |
| | अतीम्यम् | अतीम्याव | अतीम्याम |
| अ० | अतीमीत् | अतीमिष्टाम् | अतीमिषुः |
| | अतीमीः | अतीमिष्टम् | अतीमिष्ट |
| | अतीमिषम् | अतीमिष्व | अतीमिष्म |
| प० | तितीम | तितीमतुः | तितीमुः |
| | तितीमिथ | तितीमथुः | तितीम |
| | तितीम | तितीमिष | तितीमिम |
| आ० | तीम्यात् | तीम्यास्ताम् | तीम्यासुः |
| | तीम्याः | तीम्यास्तम् | तीम्यास्त |
| | तीम्यासम् | तीम्यास्व | तीम्यास्म |
| प्र० | तीमिता | तीमितारौ | तीमितारः |
| | तीमितासि | तीमितास्थः | तीमितास्थ |
| | तीमितास्मि | तीमितास्वः | तीमितास्म |
| भ० | तीमिष्यति | तीमिष्यतः | तीमिष्यन्ति |
| | तीमिष्यसि | तीमिष्यथः | तीमिष्यथ |
| | तीमिष्यामि | तीमिष्यावः | तीमिष्यामः |
| क्रि० | अतीमिष्यत् | अतीमिष्यताम् | अतीमिष्यन् |
| | अतीमिष्यः | अतीमिष्यतम् | अतीमिष्यत |
| | अतीमिष्यम् | अतीमिष्याव | अतीमिष्याम |

1162 छिमच् स्तिम्) आर्द्रभावे

- ष० स्तिम्यति स्तिम्यतः स्तिम्यन्ति
स्तिम्यसि स्तिम्यथः स्तिम्यथ
स्तिम्यामि स्तिम्यावः स्तिम्यामः
- स० स्तिम्येत् स्तिम्येताम् स्तिम्येयुः
स्तिम्येः स्तिम्येतम् स्तिम्येत
स्तिम्येयम् स्तिम्येव स्तिम्येम
- प० स्तिम्यतु स्तिम्यताम् स्तिम्यन्तु
स्तिम्यः स्तिम्यतम् स्तिम्यन्
स्तिम्यानि स्तिम्याव स्तिम्याम
- झ० अस्तिम्यत् अस्तिम्यताम् अस्तिम्यन्
अस्तिम्यः अस्तिम्यतम् अस्तिम्यन्
अस्तिम्यम् अस्तिम्याव अस्तिम्याम
- अ० अस्तेमीत् अस्तेमिष्टाम् अस्तेमिषुः
अस्तेमीः अस्तेमिष्टम् अस्तेमिष्ट
अस्तेमिषम् अस्तेमिष्व अस्तेमिषम
- प० तिष्ठेम तिष्ठेमतुः तिष्ठेयुः
तिष्ठेमिथ तिष्ठेमथुः तिष्ठेम
तिष्ठेम तिष्ठेमिव तिष्ठेमिम
- आ० स्तिम्यात् स्तिम्यास्ताम् स्तिम्यासुः
स्तिम्याः स्तिम्यास्तम् स्तिम्यास्त
स्तिम्यासम् स्तिम्यास्व स्तिम्यासम
- प्र० स्तेमिता स्तेमितारौ स्तेमितारः
स्तेमितासि स्तेमितास्थः स्तेमितास्थ
स्तेमितास्मि स्तेमितास्वः स्तेमितास्मः
- भ० स्तेमिष्यति स्तेमिष्यतः स्तेमिष्यन्ति
स्तेमिष्यसि स्तेमिष्यथः स्तेमिष्यथ
स्तेमिष्यामि स्तेमिष्यावः स्तेमिष्यामः
- क्रि० अस्तेमिष्यत् अस्तेमिष्यताम् अस्तेमिष्यन्
अस्तेमिष्यः अस्तेमिष्यतम् अस्तेमिष्यन्
अस्तेमिष्यम् अस्तेमिष्याव अस्तेमिष्याम

1163 स्तीमच् (स्तीम्) आर्द्रभावे

- ष० स्तीम्यति स्तीम्यतः स्तीम्यन्ति
स्तीम्यसि स्तीम्यथः स्तीम्यथ
स्तीम्यामि स्तीम्यावः स्तीम्यामः
- स० स्तीम्येत् स्तीम्येताम् स्तीम्येयुः
स्तीम्येः स्तीम्येतम् स्तीम्येत
स्तीम्येयम् स्तीम्येव स्तीम्येम
- प० स्तीम्यतु स्तीम्यताम् स्तीम्यन्तु
स्तीम्यः स्तीम्यतम् स्तीम्यन्
स्तीम्यानि स्तीम्याव स्तीम्याम
- झ० अस्तीम्यत् अस्तीम्यताम् अस्तीम्यन्
अस्तीम्यः अस्तीम्यतम् अस्तीम्यन्
अस्तीम्यम् अस्तीम्याव अस्तीम्याम
- अ० अस्तीमीत् अस्तीमिष्टाम् अस्तीमिषुः
अस्तीमीः अस्तीमिष्टम् अस्तीमिष्ट
अस्तीमिषम् अस्तीमिष्व अस्तीमिषम
- प० तिष्टीम तिष्टीमतुः तिष्टीयुः
तिष्टीमिथ तिष्टीमथुः तिष्टीम
तिष्टीम तिष्टीमिव तिष्टीमिम
- आ० स्तीम्यात् स्तीम्यास्ताम् स्तीम्यासुः
स्तीम्याः स्तीम्यास्तम् स्तीम्यास्त
स्तीम्यासम् स्तीम्यास्व स्तीम्यासम
- प्र० स्तीमिता स्तीमितारौ स्तीमितारः
स्तीमितासि स्तीमितास्थः स्तीमितास्थ
स्तीमितास्मि स्तीमितास्वः स्तीमितास्मः
- भ० स्तीमिष्यति स्तीमिष्यतः स्तीमिष्यन्ति
स्तीमिष्यसि स्तीमिष्यथः स्तीमिष्यथ
स्तीमिष्यामि स्तीमिष्यावः स्तीमिष्यामः
- क्रि० अस्तीमिष्यत् अस्तीमिष्यताम् अस्तीमिष्यन्
अस्तीमिष्यः अस्तीमिष्यतम् अस्तीमिष्यन्
अस्तीमिष्यम् अस्तीमिष्याव अस्तीमिष्याम

अथ वान्ता श्रत्वारः सेटश्च

1164 चिवूच (सिव्) उत्तौ डतिर्बानम्
तन्तुसन्ताम इत्यर्थः ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| ब० | सीव्यति | सीव्यतः | सीव्यन्ति |
| | सीव्यसि | सीव्यथः | सीव्यथ |
| | सीव्यामि | सीव्यावः | सीव्यामः |
| स० | सीव्येत् | सीव्येताम् | सीव्येयुः |
| | सीव्येः | सीव्येतम् | सीव्येत |
| | सीव्येयम् | सीव्येव | सीव्येम |
| प० | सीव्यतु | सीव्यतात् | सीव्यताम् |
| | सीव्य | सीव्यतात् | सीव्यतम् |
| | सीव्यानि | सीव्याव | सीव्याम |
| झ० | असीव्यत् | असीव्यताम् | असीव्यन् |
| | असीव्यः | असीव्यतम् | असीव्यत |
| | असीव्यम् | असीव्याव | असीव्याम |
| अ० | असेवीत् | असेविष्टाम् | असेविषुः |
| | असेवीः | असेविष्टम् | असेविष्ट |
| | असेविषम् | असेविष्व | असेविष्म |
| प० | सिषेव | सिषिवतुः | सिषिवुः |
| | सिषेविथ | सिषिवथुः | सिषिव |
| | सिषेव | सिषिविव | सिषिविम |
| आ० | सीव्यात् | सीव्यास्ताम् | सीव्यासुः |
| | सीव्याः | सीव्यास्तम् | सीव्यास्त |
| | सीव्यासम् | सीव्यास्व | सीव्यास्म |
| प्र० | सेविता | सेवितारौ | सेवितारः |
| | सेवितासि | सेवितास्थः | सेवितास्थ |
| | सेवितास्मि | सेवितास्वः | सेवितास्मः |
| भ० | सेविष्यति | सेविष्यतः | सेविष्यन्ति |
| | सेविष्यसि | सेविष्यथः | सेविष्यथ |
| | सेविष्यामि | सेविष्यावः | सेविष्यामः |
| क्रि० | असेविष्यत् | असेविष्यताम् | असेविष्यन् |
| | असेविष्यः | असेविष्यतम् | असेविष्यत |
| | असेविष्यम् | असेविष्याव | असेविष्याम |

1165 श्रिवूच [श्रिव् गतिशोषणयोः।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| ब० | श्रीव्यति | श्रीव्यतः | श्रीव्यन्ति |
| | श्रीव्यसि | श्रीव्यथः | श्रीव्यथ |
| | श्रीव्यामि | श्रीव्यावः | श्रीव्यामः |
| स० | श्रीव्येत् | श्रीव्येताम् | श्रीव्येयुः |
| | श्रीव्येः | श्रीव्येतम् | श्रीव्येत |
| | श्रीव्येयम् | श्रीव्येव | श्रीव्येम |
| प० | श्रीव्यतु | श्रीव्यतात् | श्रीव्यताम् |
| | श्रीव्य | श्रीव्यतात् | श्रीव्यतम् |
| | श्रीव्याणि | श्रीव्याव | श्रीव्याम |
| झ० | अश्रीव्यत् | अश्रीव्यताम् | अश्रीव्यन् |
| | अश्रीव्यः | अश्रीव्यतम् | अश्रीव्यत |
| | अश्रीव्यम् | अश्रीव्याव | अश्रीव्याम |
| अ० | अश्रेवीत् | अश्रेविष्टाम् | अश्रेविषुः |
| | अश्रेवीः | अश्रेविष्टम् | अश्रेविष्ट |
| | अश्रेविषम् | अश्रेविष्व | अश्रेविष्म |
| प० | शिश्रव | शिश्रिवतुः | शिश्रिवुः |
| | शिश्रेविथ | शिश्रिवथुः | शिश्रिव |
| | शिश्रेव | शिश्रिविव | शिश्रिविम |
| आ० | श्रीव्यात् | श्रीव्यास्ताम् | श्रीव्यासुः |
| | श्रीव्याः | श्रीव्यास्तम् | श्रीव्यास्त |
| | श्रीव्यासम् | श्रीव्यास्व | श्रीव्यास्म |
| प्र० | श्रेविता | श्रेवितारौ | श्रेवितारः |
| | श्रेवितासि | श्रेवितास्थः | श्रेवितास्थ |
| | श्रेवितास्मि | श्रेवितास्वः | श्रेवितास्मः |
| भ० | श्रेविष्यति | श्रेविष्यतः | श्रेविष्यन्ति |
| | श्रेविष्यसि | श्रेविष्यथः | श्रेविष्यथ |
| | श्रेविष्यामि | श्रेविष्यावः | श्रेविष्यामः |
| क्रि० | अश्रेविष्यत् | अश्रेविष्यताम् | अश्रेविष्यन् |
| | अश्रेविष्यः | अश्रेविष्यतम् | अश्रेविष्यत |
| | अश्रेविष्यम् | अश्रेविष्याव | अश्रेविष्याम |

॥ ११६६ ष्ठीवृच् (ष्ठीव्) निरसने ।

| | | |
|----------------------|------------------|-------------------------|
| ब० ष्ठीव्यति | ष्ठीव्यतः | ष्ठीव्यन्ति |
| ष्ठीव्यसि | ष्ठीव्यथः | ष्ठीव्यथ |
| ष्ठीव्यामि | ष्ठीव्यावः | ष्ठीव्यामः |
| स० ष्ठीव्येत् | ष्ठीव्येताम् | ष्ठीव्येयुः |
| ष्ठीव्येः | ष्ठीव्येतम् | ष्ठीव्येत |
| ष्ठीव्येयम् | ष्ठीव्येव | ष्ठीव्येम |
| प० ष्ठीव्यतु | ष्ठीव्यतात् | ष्ठीव्यताम् ष्ठीव्यन्तु |
| ष्ठीव्य | ष्ठीव्यतात् | ष्ठीव्यतम् ष्ठीव्यत |
| ष्ठीव्यानि | ष्ठीव्याव | ष्ठीव्याम |
| अ० अष्ठीव्यत् | अष्ठीव्यताम् | अष्ठीव्यन् |
| अष्ठीव्यः | अष्ठीव्यतम् | अष्ठीव्यत |
| अष्ठीव्यम् | अष्ठीव्याव | अष्ठीव्याम |
| अ० अक्षेवीत् | अक्षेविष्टाम् | अक्षेविषुः |
| अक्षेवीः | अक्षेविष्टम् | अक्षेविष्ट |
| अक्षेविषम् | अक्षेविष्व | अक्षेविषम |
| प० रिष्टेव | रिष्टिवतुः | रिष्टिवुः |
| रिष्टेविथ | रिष्टिवथुः | रिष्टिव |
| रिष्टेव | रिष्टिविष्व | रिष्टिविम |
| प० तिष्टेव | तिष्टिवतुः | तिष्टिवुः |
| तिष्टेविथ | तिष्टिवथुः | तिष्टिव |
| तिष्टेव | तिष्टिविष्व | तिष्टिविम |
| अ० ष्ठीव्यात् | ष्ठीव्यास्ताम् | ष्ठीव्यासुः |
| ष्ठीव्याः | ष्ठीव्यास्तम् | ष्ठीव्यास्त |
| ष्ठीव्यासम् | ष्ठीव्यास्व | ष्ठीव्यासम् |
| अ० ष्ठीवेविता | ष्ठीवेवितारौ | ष्ठीवेवितारः |
| ष्ठीवेवितासि | ष्ठीवेवितास्थः | ष्ठीवेवितास्थ |
| ष्ठीवेवितास्मि | ष्ठीवेवितास्वः | ष्ठीवेवितास्मः |
| अ० ष्ठीवेविष्यति | ष्ठीवेविष्यतः | ष्ठीवेविष्यन्ति |
| ष्ठीवेविष्यसि | ष्ठीवेविष्यथः | ष्ठीवेविष्यथ |
| ष्ठीवेविष्यामि | ष्ठीवेविष्यावः | ष्ठीवेविष्यामः |
| क्रि० अष्ठीवेविष्यत् | अष्ठीवेविष्यताम् | अष्ठीवेविष्यन् |
| अष्ठीवेविष्यः | अष्ठीवेविष्यतम् | अष्ठीवेविष्यत |
| अष्ठीवेविष्यम् | अष्ठीवेविष्याव | अष्ठीवेविष्याम |

॥ ११६७ क्षीवृच् (क्षीव्) निरसने

| | | |
|--------------------|----------------|-------------------------|
| ब० क्षीव्यति | क्षीव्यतः | क्षीव्यन्ति |
| क्षीव्यसि | क्षीव्यथः | क्षीव्यथ |
| क्षीव्यामि | क्षीव्यावः | क्षीव्यामः |
| स० क्षीव्येत् | क्षीव्येताम् | क्षीव्येयुः |
| क्षीव्येः | क्षीव्येतम् | क्षीव्येत |
| क्षीव्येयम् | क्षीव्येव | क्षीव्येम |
| प० क्षीव्यतु | क्षीव्यतात् | क्षीव्यताम् क्षीव्यन्तु |
| क्षीव्य | क्षीव्यतात् | क्षीव्यतम् क्षीव्यत |
| क्षीव्याणि | क्षीव्याव | क्षीव्याम |
| अ० अक्षीव्यत् | अक्षीव्यताम् | अक्षीव्यन् |
| अक्षीव्यः | अक्षीव्यतम् | अक्षीव्यत |
| अक्षीव्यम् | अक्षीव्याव | अक्षीव्याम |
| अ० अक्षेवीत् | अक्षेविष्टाम् | अक्षेविषुः |
| अक्षेवीः | अक्षेविष्टम् | अक्षेविष्ट |
| अक्षेविषम् | अक्षेविष्व | अक्षेविषम |
| प० चिक्षेव | चिक्षिवतुः | चिक्षिवुः |
| चिक्षेविथ | चिक्षिवथुः | चिक्षिव |
| चिक्षेव | चिक्षिविष्व | चिक्षिविम |
| अ० क्षीव्यात् | क्षीव्यास्ताम् | क्षीव्यासुः |
| क्षीव्याः | क्षीव्यास्तम् | क्षीव्यास्त |
| क्षीव्यासम् | क्षीव्यास्व | क्षीव्यासम् |
| अ० क्षेविता | क्षेवितारौ | क्षेवितारः |
| क्षेवितासि | क्षेवितास्थः | क्षेवितास्थ |
| क्षेवितास्मि | क्षेवितास्वः | क्षेवितास्मः |
| अ० क्षेविष्यति | क्षेविष्यतः | क्षेविष्यन्ति |
| क्षेविष्यसि | क्षेविष्यथः | क्षेविष्यथ |
| क्षेविष्यामि | क्षेविष्यावः | क्षेविष्यामः |
| क्रि० अक्षेविष्यत् | अक्षेविष्यताम् | अक्षेविष्यन् |
| अक्षेविष्यः | अक्षेविष्यतम् | अक्षेविष्यत |
| अक्षेविष्यम् | अक्षेविष्याव | अक्षेविष्याम |

॥ अथ घान्तः सेट् च ॥

1168 इष्च् (इष्) गतौ

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| घ० इष्यति | इष्यतः | इष्यन्ति |
| इष्यसि | इष्यथः | इष्यथ |
| इष्यामि | इष्यावः | इष्यामः |
| स० इष्येत् | इष्येताम् | इष्येयुः |
| इष्येः | इष्येतम् | इष्येत |
| इष्येयम् | इष्येव | इष्येम |
| प० इष्यतु | इष्यतात् | इष्यताम् |
| इष्य | इष्यतात् | इष्यतम् |
| इष्याणि | इष्याव | इष्याम |
| घ० ऐष्यत् | ऐष्यताम् | ऐष्यन् |
| ऐष्यः | ऐष्यतम् | ऐष्यत |
| ऐष्यम् | ऐष्याव | ऐष्याम |
| अ० ऐषीत् | ऐषिष्टात् | ऐषिषुः |
| ऐषीः | ऐषिष्टम् | ऐषिष्ट |
| ऐषिषम् | ऐषिषव | ऐषिषम |
| प० इषेय | ईष्यतुः | इषुः |
| इषेयिष्य | ईष्युः | ईष |
| इषेय | ईषिव | ईषिम |
| आ० इष्यात् | इष्यास्ताम् | इष्यासुः |
| इष्याः | इष्यास्तम् | इष्यास्त |
| इष्यासम् | इष्यास्व | इष्यासम |
| अ० इषिता | इषितारौ | इषितारः |
| इषितासि | इषितास्थः | इषितास्थ |
| इषितास्मि | इषितास्वः | इषितास्मः |
| अ० इषिष्यति | इषिष्यतः | इषिष्यन्ति |
| इषिष्यसि | इषिष्यथः | इषिष्यथ |
| इषिष्यामि | इषिष्यावः | इषिष्यामः |
| क्रि० ऐषिष्यत् | ऐषिष्यताम् | ऐषिष्यन् |
| ऐषिष्यः | ऐषिष्यतम् | ऐषिष्यत |
| ऐषिष्यम् | ऐषिष्याव | ऐषिष्याम |

॥ अथ सान्ताश्चत्वारः सेट्श्च ॥

1169 णस्सुच् [स्नम्] निरसने ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| घ० स्नस्यति | स्नस्यतः | स्नस्यन्ति |
| स्नस्यसि | स्नस्यथः | स्नस्यथ |
| स्नस्यामि | स्नस्यावः | स्नस्यामः |
| स० स्नस्येत् | स्नस्येताम् | स्नस्येयुः |
| स्नस्येः | स्नस्येतम् | स्नस्येत |
| स्नस्येयम् | स्नस्येव | स्नस्येम |
| प० स्नस्यतु | स्नस्यतात् | स्नस्यताम् |
| स्नस्य | " | स्नस्यतम् |
| स्नस्यानि | स्नस्याव | स्नस्याम |
| घ० अस्नस्यत् | अस्नस्यताम् | अस्नस्यन् |
| अस्नस्यः | अस्नस्यतम् | अस्नस्यत |
| अस्नस्यम् | अस्नस्याव | अस्नस्याम |
| अ० अस्नासीत् | अस्नासिष्टम् | अस्नासिषुः |
| अस्नासीः | अस्नासिष्टम् | अस्नासिष्ट |
| अस्नासिषम् | अस्नासिषव | अस्नासिषम |
| अस्नसीत् | अस्नसिष्टम् | अस्नसिषुः |
| अस्नसीः | अस्नसिष्टम् | अस्नसिष्ट |
| अस्नसिषम् | अस्नसिषव | अस्नसिषम |
| प० सस्नास | सस्नसतुः | सस्नसुः |
| सस्नसिथ | सस्नसथुः | सस्नस |
| सस्नास | सस्नस | सस्नसिषः |
| आ० स्नस्यात् | स्नस्यास्ताम् | स्नस्यासुः |
| स्नस्याः | स्नस्यास्तम् | स्नस्यास्त |
| स्नस्यासम् | स्नस्यास्व | स्नस्यासम |
| अ० स्नसिता | स्नसितारौ | स्नसितारः |
| स्नसितासि | स्नसितास्थः | स्नसितास्थ |
| स्नसितास्मि | स्नसितास्वः | स्नसितास्मः |
| अ० स्नसिष्यति | स्नसिष्यतः | स्नसिष्यन्ति |
| स्नसिष्यसि | स्नसिष्यथः | स्नसिष्यथ |
| स्नसिष्यामि | स्नसिष्यावः | स्नसिष्यामः |
| क्रि० अस्नसिष्यत् | अस्नसिष्यताम् | अस्नसिष्यन् |
| अस्नसिष्यः | अस्नसिष्यतम् | अस्नसिष्यत |
| अस्नसिष्यम् | अस्नसिष्याव | अस्नसिष्याम |

1170 कनसूच (कनम्) हृष्टिदीप्त्योः ।

हृष्टिः कौटिल्यम् ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० कनस्यति | कनस्यतः | कनस्यन्ति |
| कनस्यसि | कनस्यथः | कनस्यथ |
| कनस्यामि | कनस्यावः | कनस्यामः |
| स० कनस्येत् | कनस्येताम् | कनस्येयुः |
| कनस्येः | कनस्येतम् | कनस्येत |
| कनस्येयम् | कनस्येव | कनस्येम |
| प० कनस्यतु | कनस्यतात् | कनस्यताम् |
| कनस्यः | कनस्यतात् | कनस्यतम् |
| कनस्यानि | कनस्याव | कनस्याम |
| द्व० अकनस्यत् | अकनस्यताम् | अकनस्यन् |
| अकनस्यः | अकनस्यतम् | अकनस्यत |
| अकनस्यम् | अकनस्याव | अकनस्याम |
| अ० अकनासीत् | अकनासिष्टाम् | अकनासिषुः |
| अकनासीः | अकनासिष्टम् | अकनासिष्ट |
| अकनासिषम् | अकनासिष्व | अकनासिष्व |
| अ० अकनसीत् | अकनसिष्टाम् | अकनसिषुः |
| अकनसीः | अकनसिष्टम् | अकनसिष्ट |
| अकनसिषम् | अकनसिष्व | अकनसिष्व |
| प० चकनास | चकनसतुः | चकनसुः |
| चकनसिथ | चकनसथुः | चकनस |
| चकनस | चकनास | चकनसिथ |
| चकनसिथ | चकनसिथ | चकनसिथ |
| आ० कनस्यात् | कनस्यास्ताम् | कनस्यासुः |
| कनस्याः | कनस्यास्तम् | कनस्यास्त |
| कनस्यासम् | कनस्याव | कनस्याम |
| प्रव० कनसिता | कनसितारौ | कनसितारः |
| कनसितासि | कनसितास्थः | कनसितास्थ |
| कनसितास्मि | कनसितास्वः | कनसितास्मः |
| भ० कनसिष्यति | कनसिष्यतः | कनसिष्यन्ति |
| कनसिष्यसि | कनसिष्यथः | कनसिष्यथ |
| कनसिष्यामि | कनसिष्यावः | कनसिष्यामः |
| क्रि० अकनसिष्यत् | अकनसिष्यताम् | अकनसिष्यन् |
| अकनसिष्यः | अकनसिष्यतम् | अकनसिष्यत |
| अकनसिष्यम् | अकनसिष्याव | अकनसिष्याम |

1171 प्रसूच (प्रसू) भये

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| व० प्रस्यति | प्रस्यतः | प्रस्यन्ति |
| प्रस्यसि | प्रस्यथः | प्रस्यथ |
| प्रस्यामि | प्रस्यावः | प्रस्यामः |
| प्रसति | प्रसतः | प्रसन्ति |
| प्रससि | प्रसथः | प्रसथ |
| प्रसामि | प्रसावः | प्रसामः |
| स० प्रस्येत् | प्रस्येताम् | प्रस्येयुः |
| प्रस्येः | प्रस्येतम् | प्रस्येत |
| प्रस्येयम् | प्रस्येव | प्रस्येम |
| प्रसेत् | प्रसेताम् | प्रसेयुः |
| प्रसेः | प्रसेतम् | प्रसेत |
| प्रसेयम् | प्रसेव | प्रसेम |
| प० प्रस्यतु | प्रस्यतात् | प्रस्यताम् |
| प्रस्य | , | प्रस्यतम् |
| प्रस्यानि | | प्रस्याव |
| प्रसतु | प्रसतात् | प्रसताम् |
| प्रस | , | प्रसतम् |
| प्रसानि | | प्रसाव |
| द्व० अप्रस्यत् | अप्रस्यताम् | अप्रस्यन् |
| अप्रस्यः | अप्रस्यतम् | अप्रस्यत |
| अप्रस्यम् | अप्रस्याव | अप्रस्याम |
| अप्रसत् | अप्रसताम् | अप्रसन् |
| अप्रसः | अप्रसतम् | अप्रसत |
| अप्रसम् | अप्रसाव | अप्रसाम |

अ० अत्रासीत् अत्रासिष्टम् अत्रासिष्ठुः
अत्रासीः अत्रासिष्टम् अत्रासिष्ट
अत्रासिष्ठम् अत्रासिष्ठ्व अत्रासिष्ठम्
अत्रसीत् अत्रसिष्टम् अत्रसिष्ठुः
अत्रसीः अत्रसिष्टम् अत्रसिष्ठ
अत्रसिष्ठम् अत्रसिष्ठ्व अत्रसिष्ठम्

प० तत्रास त्रेसतुः तत्रसतुः त्रेसुः तत्रसुः
त्रेसिथतत्रसिथ त्रेसथुः तत्रसथुः त्रेस तत्रस
तत्रास, तत्रस त्रेसिथ तत्रसिथ त्रेसिमतत्रसिम

आ० त्रस्यात् त्रस्यास्ताम् त्रस्यासुः
त्रस्याः त्रस्यास्तम् त्रस्यास्त
त्रस्यासम् त्रस्यास्व त्रस्यास्म

भ० त्रसिता त्रसितारौ त्रसितारः
त्रसितासि त्रसितास्थः त्रसितास्थ
त्रसितास्मि त्रसितास्वः त्रसितास्मः

भ० त्रसिष्यति त्रसिष्यतः त्रसिष्यन्ति
त्रसिष्यसि त्रसिष्यथः त्रसिष्यथ
त्रसिष्यामि त्रसिष्यावः त्रसिष्यामः

क्रि० अत्रेसिष्यन् अत्रेसिष्यताम् अत्रेसिष्यन्
अत्रेसिष्यः अत्रेसिष्यतम् अत्रेसिष्यत
अत्रेसिष्यम् अत्रेसिष्याव अत्रेसिष्याम

1172 प्युसन् (प्युम्) दाहे

ब० प्युस्यति प्युस्यतः प्युस्यन्ति
प्युस्यसि प्युस्यथः प्युस्यथ
प्युस्यामि प्युस्यावः प्युस्यामः
स० प्युस्येत् प्युस्येताम् प्युस्येयुः

प्युस्येः प्युस्येतम् प्युस्येत
प्युस्येयम् प्युस्येव प्युस्येम

प० प्युस्यत् प्युस्यतात् प्युस्यताम् प्युस्यन्तु
प्युस्याः ,, प्युस्यतम् प्युस्यत
प्युस्यानि प्युस्याव प्युस्याम

ब० अप्युस्यत् अप्युस्यताम् अप्युस्यन्
अप्युस्यः अप्युस्यतम् अप्युस्यत
अप्युस्यम् अप्युस्याव अप्युस्याम

अ० अप्योसीत् अप्योसिष्टम् अप्योसिष्ठुः
अप्योसीः अप्योसिष्टम् अप्योसिष्ट
अप्योसिष्ठम् अप्योसिष्ठ्व अप्योसिष्ठम्

प० पुप्योस पुप्युसतुः पुप्युसुः
पुप्योसिथ पुप्युसथुः पुप्युस
पुप्योस पुप्युसिथ पुप्युसिम

आ० प्युस्यात् प्युस्यास्ताम् प्युस्यासुः
प्युस्याः प्युस्यास्तम् प्युस्यास्त
प्युस्यासम् प्युस्यास्व प्युस्यास्म

भ० प्योसिता प्योसितारौ प्योसितारः
प्योसितासि प्योसितास्थः प्योसितास्थ
प्योसितास्मि प्योसितास्वः प्योसितास्मः

भ० प्योसिष्यति प्योसिष्यतः प्योसिष्यन्ति
प्योसिष्यसि प्योसिष्यथः प्योसिष्यथ
प्योसिष्यामि प्योसिष्यावः प्योसिष्यामः

क्रि० अप्योसिष्यत् अप्योसिष्यताम् अप्योसिष्यन्
अप्योसिष्यः अप्योसिष्यतम् अप्योसिष्यत
अप्योसिष्यम् अप्योसिष्याव अप्योसिष्याम

अथ हान्तौ सेदौ च ।

1173 षहच् (सह) शक्तौ ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० सद्यति | सद्यतः | सद्यन्ति |
| सद्यसि | सद्यथः | सद्यथ |
| सद्यामि | सद्यावः | सद्यामः |
| स० सद्येत् | सद्येताम् | सद्येयुः |
| सद्येः | सद्येतम् | सद्येत |
| सद्येयम् | सद्येव | सद्येम |
| प० सद्यतु | सद्यतात् | सद्यन्तु |
| सद्यः | सद्यतात् | सद्यतम् |
| सद्यानि | सद्याव | सद्याम |
| द्य० असद्यन् | असद्यताम् | असद्यन् |
| असद्यः | असद्यतम् | असद्यत |
| असद्यम् | असद्याव | असद्याम |
| अ० असदीत् | असदिष्टाम् | असदिषुः |
| असदीः | असदिष्टम् | असदिष्ट |
| असदिषम् | असदिष्व | असदिष्म |
| प० ससाह | सेहतुः | सेहुः |
| सेहित | सेहतुः | सेह |
| ससाह ससह | सेहित | सेहिम |
| आ० सद्यात् | सद्यास्ताम् | सद्यासुः |
| सद्याः | सद्यास्तम् | सद्यास्त |
| सद्यासम् | सद्यास्व | सद्यास्म |
| श्व० सहिता | सहितारौ | सहितारः |
| सहितासि | सहितास्थः | सहितास्थ |
| सहितास्मि | सहितास्वः | सहितास्मः |
| भ० सहिष्यति | सहिष्यतः | सहिष्यन्ति |
| सहिष्यसि | सहिष्यथः | सहिष्यथ |
| सहिष्यामि | सहिष्यावः | सहिष्यामः |
| क्रि० असहिष्यत् | असहिष्यताम् | असहिष्यन् |
| असहिष्यः | असहिष्यतम् | असहिष्यत |
| असहिष्यम् | असहिष्याव | असहिष्याम |

1174 षुहच् (सुहृ) शक्तौ

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० सुद्यति | सुद्यतः | सुद्यन्ति |
| सुद्यसि | सुद्यथः | सुद्यथ |
| सुद्यामि | सुद्यावः | सुद्यामः |
| स० सुद्येत् | सुद्येताम् | सुद्येयुः |
| सुद्येः | सुद्येतम् | सुद्येत |
| सुद्येयम् | सुद्येव | सुद्येम |
| प० सुद्यतु | सुद्यतात् | सुद्यन्तु |
| सुद्यः | सुद्यतात् | सुद्यतम् |
| सुद्यानि | सुद्याव | सुद्याम |
| द्य० असुद्यत् | असुद्यताम् | असुद्यन् |
| असुद्यः | असुद्यतम् | असुद्यत |
| असुद्यम् | असुद्याव | असुद्याम |
| अ० असोदीत् | असोदिष्टाम् | असोदिषुः |
| असोदीः | असोदिष्टम् | असोदिष्ट |
| असोदिषम् | असोदिष्व | असोदिष्म |
| प० सुषोह | सुषुहतुः | सुषुहुः |
| सुषोहित | सुषुहतुः | सुषुह |
| सुषोह | सुषुहित | सुषुहिम |
| आ० सुद्यात् | सुद्यास्ताम् | सुद्यासुः |
| सुद्याः | सुद्यास्तम् | सुद्यास्त |
| सुद्यासम् | सुद्यास्व | सुद्यास्म |
| श्व० सोहिता | सोहितारौ | सोहितारः |
| सोहितासि | सोहितास्थः | सोहितास्थ |
| सोहितास्मि | सोहितास्वः | सोहितास्मः |
| भ० सोहिष्यति | सोहिष्यतः | सोहिष्यन्ति |
| सोहिष्यसि | सोहिष्यथः | सोहिष्यथ |
| सोहिष्यामि | सोहिष्यावः | सोहिष्यामः |
| क्रि० असोहिष्यत् | असोहिष्यताम् | असोहिष्यन् |
| असोहिष्यः | असोहिष्यतम् | असोहिष्यत |
| असोहिष्यम् | असोहिष्याव | असोहिष्याम |

॥ अथ दिवाद्यन्तर्गणः पुषादिः परस्मै-
पद्येव । तत्रापि प्रसिद्धयनुरोधादादौ

1175 पुषञ् (पुष्) पुष्टौ,

अकर्मकोऽयम् ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | पुष्यति | पुष्यतः | पुष्यन्ति |
| | पुष्यसि | पुष्यथः | पुष्यथ |
| | पुष्यामि | पुष्यावः | पुष्यामः |
| स० | पुष्येत् | पुष्येताम् | पुष्येयुः |
| | पुष्येः | पुष्येतम् | पुष्येत |
| | पुष्येयम् | पुष्येव | पुष्येम |
| प० | पुष्यतु | पुष्यतात् | पुष्यताम् |
| | पुष्य | पुष्यतम् | पुष्यत |
| | पुष्याणि | पुष्याव | पुष्याम |
| ह्य० | अपुष्यन् | अपुष्यताम् | अपुष्यन् |
| | अपुष्यः | अपुष्यतम् | अपुष्यत |
| | अपुष्यम् | अपुष्याव | अपुष्याम |
| अ० | अपुषत | अपुषताम् | अपुषन् |
| | अपुषः | अपुषतम् | अपुषत |
| | अपुषम् | अपुषाव | अपुषाम |
| प० | पुषोष | पुषोषतुः | पुषोषुः |
| | पुषोषिथ | पुषोषथुः | पुषोष |
| | पुषोष | पुषोषिव | पुषोषिम |
| आ० | पुष्यात् | पुष्यास्ताम् | पुष्यास्तुः |
| | पुष्याः | पुष्यास्तम् | पुष्यास्त |
| | पुष्यासम् | पुष्यास्व | पुष्यास्म |
| श्व० | पोष्टा | पोष्टारौ | पोष्टारः |
| | पोष्टासि | पोष्टास्थः | पोष्टास्थ |
| | पोष्टास्मि | पोष्टास्वः | पोष्टास्मः |
| भ० | पोक्ष्यति | पोक्ष्यतः | पोक्ष्यन्ति |
| | पोक्ष्यसि | पोक्ष्यथः | पोक्ष्यथ |
| | पोक्ष्यामि | पोक्ष्यावः | पोक्ष्यामः |
| क्रि० | अपोक्ष्यत् | अपोक्ष्यताम् | अपोक्ष्यन् |
| | अपोक्ष्यः | अपोक्ष्यतम् | अपोक्ष्यत |
| | अपोक्ष्यम् | अपोक्ष्याव | अपोक्ष्याम |

अथ चान्तः सेट्च ।

1176 उच्चञ् (उच्) समवाये ।

समवाय ऐक्यम् ।

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| व० | उच्चति | उच्चतः | उच्चन्ति |
| | उच्चसि | उच्चथः | उच्चथ |
| | उच्चामि | उच्चावः | उच्चामः |
| स० | उच्चेत् | उच्चेताम् | उच्चेयुः |
| | उच्चेः | उच्चेतम् | उच्चेत |
| | उच्चेयम् | उच्चेव | उच्चेम |
| प० | उच्चतु | उच्चतात् | उच्चताम् |
| | उच्च | उच्चतम् | उच्चत |
| | उच्चानि | उच्चाव | उच्चाम |
| ह्य० | औच्चत | औच्चताम् | औच्चन् |
| | औच्चः | औच्चतम् | औच्चत |
| | औच्चम् | औच्चाव | औच्चाम |
| अ० | औच्चत | औच्चताम् | औच्चन् |
| | औच्चः | औच्चतम् | औच्चत |
| | औच्चम् | औच्चाव | औच्चाम |
| प० | उच्चोच | उच्चतुः | उच्चुः |
| | उच्चोचिथ | उच्चथुः | उच्च |
| | उच्चोच | उच्चिव | उच्चिम |
| आ० | उच्चात् | उच्चास्ताम् | उच्चास्तुः |
| | उच्चाः | उच्चास्तम् | उच्चास्त |
| | उच्चासम् | उच्चास्व | उच्चास्म |
| प्रव० | ओचिता | ओचितारौ | ओचितारः |
| | ओचितासि | ओचिनास्थः | ओचितास्थ |
| | ओचितास्मि | ओचितास्वः | ओचितास्मः |
| भ० | ओचिष्यति | ओचिष्यतः | ओचिष्यन्ति |
| | ओचिष्यसि | ओचिष्यथः | ओचिष्यथ |
| | ओचिष्यामि | ओचिष्यावः | ओचिष्यामः |
| क्रि० | ओचिष्यत् | ओचिष्यताम् | ओचिष्यन् |
| | ओचिष्यः | ओचिष्यतम् | ओचिष्यत |
| | ओचिष्यम् | ओचिष्याव | ओचिष्याम |

अथ दान्तः सेट्च ।

1177 लुटच् लट्) विलोदने ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| १० लुट्यति | लुट्यतः | लुट्यन्ति |
| लुट्यसि | लुट्यथः | लुट्यथ |
| लुट्यामि | लुट्यावः | लुट्यामः |
| स० लुट्येत् | लुट्येताम् | लुट्येयुः |
| लुट्येः | लुट्येतम् | लुट्येत |
| लुट्येयम् | लुट्येव | लुट्येम |
| प० लुट्यतु | लुट्यतान् | लुट्यन्तु |
| लुट्य | लुट्यतात् | लुट्यतम् |
| लुट्यानि | लुट्याव | लुट्याम |
| अलुट्यत | अलुट्यताम् | अलुट्यन् |
| अलुट्य | अलुट्यतम् | अलुट्यन्त |
| अलुट्यम् | अलुट्याव | अलुट्याम |
| अ० अलुटत् | अलुटताम् | अलुटन् |
| अलुटः | अलुटतम् | अलुटन्त |
| अलुटम् | अलुटाव | अलुटाम |
| प० लुलोट | लुलुटुः | लुलुटुः |
| लुलोटिथ | लुलुट्युः | लुलुट |
| लुलोट | लुलुटिव | लुलुटिम |
| आ० लुट्यार्त्त | लुट्यास्ताम् | लुट्यासुः |
| लुट्याः | लुट्यास्तम् | लुट्यास्त |
| लुट्यासम् | लुट्यास्व | लुट्यास्म |
| प्र० लोटिता | लोडितारौ | लोडितारः |
| लोडितासि | लोडितास्थः | लोडितास्थ |
| लोडितास्मि | लोडितास्वः | लोडितास्मः |
| भ० लोटिष्यति | लोडिष्यतः | लोडिष्यन्ति |
| लोडिष्यसि | लोडिष्यथः | लोडिष्यथ |
| लोडिष्यामि | लोडिष्यावः | लोडिष्यामः |
| क्रि० अलोडिष्यत् | अलोडिष्यताम् | अलोडिष्यन् |
| अलोडिष्यः | अलोडिष्यतम् | अलोडिष्यन्त |
| अलोडिष्यम् | अलोडिष्याव | अलोडिष्याम |

अथ दान्ताश्चत्वारः ।

1178 ण्विदांश्च [स्विद्] गात्रप्रक्षरणे

गात्रप्रक्षरणं घर्मसृतिः ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० स्विद्यति | स्विद्यतः | स्विद्यन्ति |
| स्विद्यसि | स्विद्यथः | स्विद्यथः |
| स्विद्यामि | स्विद्यावः | स्विद्यामः |
| स० स्विद्येत् | स्विद्येताम् | स्विद्येयुः |
| स्विद्येः | स्विद्येतम् | स्विद्येत |
| स्विद्येयम् | स्विद्येव | स्विद्येम |
| प स्विद्यतु | स्विद्यतान् | स्विद्यन्तु |
| स्विद्य | स्विद्यतात् | स्विद्यतम् |
| स्विद्यानि | स्विद्याव | स्विद्याम |
| ह्य० अस्विद्यत् | अस्विद्यताम् | अस्विद्यन् |
| अस्विद्यः | अस्विद्यतम् | अस्विद्यन्त |
| अस्विद्यम् | अस्विद्याव | अस्विद्याम |
| अ० अस्विदत् | अस्विदताम् | अस्विदन् |
| अस्विदः | अस्विदतम् | अस्विदन्त |
| अस्विदम् | अस्विदाव | अस्विदाम |
| प० सिष्वेद | सिष्विदतुः | सिष्विदुः |
| सिष्वेदिथ | सिष्विदथुः | सिष्विद |
| सिष्वेद | सिष्विदिव | सिष्विदिम |
| आ० स्विद्यात् | स्विद्यस्ताम् | स्विद्यासुः |
| स्विद्याः | स्विद्यास्तम् | स्विद्यास्त |
| स्विद्यासम् | स्विद्यास्व | स्विद्यास्म |
| प्र० स्वेत्ता | स्वेत्तारौ | स्वेत्तारः |
| स्वेत्तासि | स्वेत्तास्थः | स्वेत्तास्थ |
| स्वेत्तास्मि | स्वेत्तास्वः | स्वेत्तास्मः |
| भ० स्वेत्स्यति | स्वेत्स्यतः | स्वेत्स्यन्ति |
| स्वेत्स्यसि | स्वेत्स्यथः | स्वेत्स्यथ |
| स्वेत्स्यामि | स्वेत्स्यावः | स्वेत्स्यामः |
| क्रि० अस्वेत्स्यत् | अस्वेत्स्यताम् | अस्वेत्स्यन् |
| अस्वेत्स्यः | अस्वेत्स्यतम् | अस्वेत्स्यन्त |
| अस्वेत्स्यम् | अस्वेत्स्याव | अस्वेत्स्याम |

1179 किलदौच् (किल्द्) आर्द्रभावे ।

| | | |
|--------------|------------|------------|
| व० किलद्यति | किलद्यतः | किलद्यन्ति |
| किलद्यसि | किलद्यथः | किलद्यथ |
| किलद्यामि | किलद्यावः | किलद्याम |
| स० किलद्येत् | किलद्यताम् | किलद्येयुः |
| किलद्येः | किलद्येतम् | किलद्येत |
| किलद्येयम् | किलद्येव | किलद्येम |

प० किलद्यतु किलद्यतात् किलद्यताम् किलद्यन्तु
किलद्य किलद्यतात् किलद्यतम् किलद्यत
किलद्यानि किलद्याव किलद्याम

झ० अकिलद्यत् अकिलद्यताम् अकिलद्यन्
अकिलद्यः अकिलद्यतम् अकिलद्यत
अकिलद्यम् अकिलद्याव अकिलद्याम

अ० अकिलदत् अकिलदताम् अकिलदन्
अकिलदः अकिलदतम् अकिलदत
अकिलदम् अकिलदाव अकिलदाम

प० चिकलेद् चिकिलदतुः चिकिलदुः

चिकिलेदिथ चिकिलदथुः चिकिलद

चिकलेद् चिकिलदचिकिलदिथ चिकिलदिम

आ० किलद्यात् किलद्यास्ताम् किलद्यासुः

किलद्याः किलद्यास्तम् किलद्यास्त

किलद्यासम् किलद्यास्व किलद्यास्म

प्रव० कलेदिता कलेदितारौ कलेदितारः

कलेदितासि कलेदितास्थः कलेदितस्म

कलेदितास्मि कलेदितास्वः कलेदितास्मः

प्रव० कलेत्ता कलेत्तारौ कलेत्तारः

कलेत्तामि कलेत्तास्थः कलेत्तास्थ

कलेत्तास्मि कलेत्तास्वः कलेत्तास्मः

भ० कलेदिष्यति कलेदिष्यतः कलेदिष्यन्ति

कलेदिष्यसि कलेदिष्यथः कलेदिष्यथ

कलेदिष्यामि कलेदिष्यावः कलेदिष्यामः

भ० कलेत्स्यति कलेत्स्यतः कलेत्स्यन्ति

कलेत्स्यसि कलेत्स्यथः कलेत्स्यथ

कलेत्स्यामि कलेत्स्यावः कलेत्स्यामः

क्रि० अकलेदिष्यत् अकलेदिष्यताम् अकलेदिष्यन्

अकलेदिष्यः अकलेदिष्यतम् अकलेदिष्यत
अकलेदिष्याम् अकलेदिष्याव अकलेदिष्याम

क्रि० अकलेत्स्यत् अकलेत्स्यताम् अकलेत्स्यन्

अकलेत्स्यः अकलेत्स्यतम् अकलेत्स्यत

अकलेत्स्यम् अकलेत्स्याव अकलेत्स्या

1180 जिमिदाच् (मिद्) स्नेहने

व० मोद्यति मोद्यतः मोद्यन्ति

मोद्यसि मोद्यथः मोद्यथ

मोद्यामि मोद्यावः मोद्यामः

स० मोद्येत् मोद्यताम् मोद्येयुः

मोद्येः मोद्येतम् मोद्येत

मोद्येयम् मोद्येव मोद्येम

प० मोद्यतु मोद्यतात् मोद्यताम् मोद्यन्तु

मोद्य " मोद्यतम् मोद्यत

मोद्यानि मोद्याव मोद्याम

झ० अमोद्यत् अमोद्यताम् अमोद्यन्

अमोद्यः अमोद्यतम् अमोद्यत

अमोद्यम् अमोद्याव अमोद्याम

अ० अमिदत् अमिदताम् अमिदन्

अमिदः अमिदतम् अमिदत

अमिदम् अमिदाव अमिदाम

प० मिमोद् मिमिदतुः मिमिदुः

मिमोदिथ मिमिदथुः मिमिद

मिमोद् मिमिदिथ मिमिदिम

आ० मिद्यात् मिद्यास्ताम् मिद्यासुः

मिद्याः मिद्यास्तम् मिद्यास्त

मिद्यासम् मिद्यास्व मिद्यास्म

प्रव० मोदिता मोदितारौ मोदितारः

मोदितासि मोदितास्थः मोदितास्थ

मोदितास्मि मोदितास्वः मोदितास्मः

भ० मोदिष्यति मोदिष्यतः मोदिष्यन्ति

मोदिष्यसि मोदिष्यथः मोदिष्यथ

मोदिष्यामि मोदिष्यावः मोदिष्यामः

क्रि० अमोदिष्यत् अमोदिष्यताम् अमोदिष्यन्

अमोदिष्यः अमोदिष्यतम् अमोदिष्यत

अमोदिष्यम् अमोदिष्याव अमोदिष्याम

1181 जिह्विदाच (ह्रिद्) मोचने च चकारात्स्नेहने ।

| | | | |
|-------|----------------|------------------|-----------------|
| व० | ह्रिद्यति | ह्रिद्यतः | ह्रिद्यन्ति |
| | ह्रिद्यसि | ह्रिद्यथः | ह्रिद्यथ |
| | ह्रिद्यामि | ह्रिद्यावः | ह्रिद्यामः |
| स० | ह्रिद्येत् | ह्रिद्येताम् | ह्रिद्येयुः |
| | ह्रिद्येः | ह्रिद्येतम् | ह्रिद्येत |
| | ह्रिद्येयम् | ह्रिद्येव | ह्रिद्येम |
| प० | ह्रिद्यतु | ह्रिद्यताम् | ह्रिद्यन्तु |
| | ह्रिद्य | " | ह्रिद्यतम् |
| | ह्रिद्यानि | ह्रिद्याव | ह्रिद्याम |
| ह्र० | अह्रिद्यत् | अह्रिद्यताम् | अह्रिद्यन् |
| | अह्रिद्यः | अह्रिद्यतम् | अह्रिद्यत |
| | अह्रिद्यम् | अह्रिद्याव | अह्रिद्याम |
| अ० | अह्रिद्यत | अह्रिद्यताम् | अह्रिद्यन् |
| | अह्रिद्यः | अह्रिद्यतम् | अह्रिद्यत |
| | अह्रिद्यम् | अह्रिद्याव | अह्रिद्याम |
| प० | चिह्र्वेद | चिह्र्वेदतुः | चिह्र्विदुः |
| | चिह्र्वेदिथ | चिह्र्विदथुः | चिह्र्विद |
| | चिह्र्वेद् | चिह्र्विदिव | चिह्र्विदिम |
| आ० | ह्रिद्यात् | ह्रिद्यास्ताम् | ह्रिद्यासुः |
| | ह्रिद्याः | ह्रिद्यास्तम् | ह्रिद्यास्त |
| | ह्रिद्यासम् | ह्रिद्यास्व | ह्रिद्यास्म |
| प्रव० | ह्र्वेदिता | ह्र्वेदितारौ | ह्र्वेदितारः |
| | ह्र्वेदितासि | ह्र्वेदितास्थः | ह्र्वेदितास्थ |
| | ह्र्वेदितास्मि | ह्र्वेदितास्वः | ह्र्वेदितास्मः |
| भ० | ह्र्वेदिष्यति | ह्र्वेदिष्यतः | ह्र्वेदिष्यन्ति |
| | ह्र्वेदिष्यमि | ह्र्वेदिष्यथः | ह्र्वेदिष्यथ |
| | ह्र्वेदिष्यामि | ह्र्वेदिष्यावः | ह्र्वेदिष्यामः |
| क्रि० | अह्र्वेदिष्यत् | अह्र्वेदिष्यताम् | अह्र्वेदिष्यन् |
| | अह्र्वेदिष्यः | अह्र्वेदिष्यतम् | अह्र्वेदिष्यत |
| | अह्र्वेदिष्यम् | अह्र्वेदिष्याव | अह्र्वेदिष्याम |

अथ घान्ताः सप्त ।

1182 क्षुधंच् (क्षुध्) वृक्षायाम् ।

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| व० | क्षुध्यति | क्षुध्यतः | क्षुध्यन्ति |
| | क्षुध्यसि | क्षुध्यथः | क्षुध्यथ |
| | क्षुध्यामि | क्षुध्यावः | क्षुध्यामः |
| स० | क्षुध्येत् | क्षुध्येताम् | क्षुध्येयुः |
| | क्षुध्येः | क्षुध्येतम् | क्षुध्येत |
| | क्षुध्येयम् | क्षुध्येव | क्षुध्येम |
| प० | क्षुध्यतु | क्षुध्यताम् | क्षुध्यन्तु |
| | क्षुध्य | " | क्षुध्यतम् |
| | क्षुध्यानि | क्षुध्याव | क्षुध्याम |
| ह्र० | अक्षुध्यत् | अक्षुध्यताम् | अक्षुध्यन् |
| | अक्षुध्यः | अक्षुध्यतम् | अक्षुध्यत |
| | अक्षुध्यम् | अक्षुध्याव | अक्षुध्याम |
| अ० | अक्षुध्यत | अक्षुध्यताम् | अक्षुध्यन् |
| | अक्षुधः | अक्षुधतम् | अक्षुधत |
| | अक्षुधम् | अक्षुधाव | अक्षुधाम |
| प० | वृक्षोद्य | वृक्षुद्यतुः | वृक्षुद्युः |
| | वृक्षोधिथ | वृक्षुद्यथुः | वृक्षुद्य |
| | वृक्षोद्य | वृक्षुधिव | वृक्षुधिम |
| आ० | क्षुध्यात् | क्षुध्यास्ताम् | क्षुध्यासुः |
| | क्षुध्याः | क्षुध्यास्तम् | क्षुध्यास्त |
| | क्षुध्यासम् | क्षुध्यास्व | क्षुध्यास्म |
| प्रव० | क्षोद्धा | क्षोद्धारौ | क्षोद्धारः |
| | क्षोद्धासि | क्षोद्धास्थः | क्षोद्धास्थ |
| | क्षोद्धास्मि | क्षोद्धास्वः | क्षोद्धास्मः |
| भ० | क्षोत्स्यति | क्षोत्स्यतः | क्षोत्स्यन्ति |
| | क्षोत्स्यसि | क्षोत्स्यथः | क्षोत्स्यथ |
| | क्षोत्स्यामि | क्षोत्स्यावः | क्षोत्स्यामः |
| क्रि० | अक्षोत्स्यत् | अक्षोत्स्यताम् | अक्षोत्स्यन् |
| | अक्षोत्स्यः | अक्षोत्स्यतम् | अक्षोत्स्यत |
| | अक्षोत्स्यम् | अक्षोत्स्याव | अक्षोत्स्याम |

1183 शुध्न् (शुध्) शौचे

शौचं नैर्मल्यम्

| | | |
|------------------|--------------|---------------------|
| व० शुध्यति | शुध्यतः | शुध्यन्ति |
| शुध्यसि | शुध्यथः | शुध्यथ |
| शुध्यामि | शुध्यावः | शुध्यामः |
| स० शुध्येत् | शुध्येताम् | शुध्येयुः |
| शुध्येः | शुध्येतम् | शुध्येत |
| शुध्येयम् | शुध्येव | शुध्येम |
| प० शुध्यतु | शुध्यतात् | शुध्यताम् शुध्यन्तु |
| शुध्य | „ | शुध्यतम् शुध्यत |
| शुध्यानि | शुध्याव | शुध्याम |
| झ० अशुध्यत् | अशुध्यताम् | अशुध्यन् |
| अशुध्यः | अशुध्यतम् | अशुध्यत |
| अशुध्यम् | अशुध्याव | अशुध्याम |
| अ० अशुधत् | अशुधताम् | अशुधन् |
| अशुधः | अशुधतम् | अशुधत |
| अशुधम् | अशुधाव | अशुधाम |
| प० शुशोध | शुशुधतुः | शुशुधुः |
| शुशोधिथ | शुशुधथुः | शुशुध |
| शुशोध | शुशुधिव | शुशुधिम |
| आ० शुध्यात् | शुध्यास्ताम् | शुध्यासुः |
| शुध्याः | शुध्यास्तम् | शुध्यास्त |
| शुध्यासम् | शुध्यास्व | शुध्यास्म |
| श्व० शोद्धा | शोद्धारौ | शोद्धारः |
| शोद्धासि | शोद्धास्थः | शोद्धास्थ |
| शोद्धास्मि | शोद्धास्वः | शोद्धास्मः |
| भ० शोत्स्यति | शोत्स्यतः | शोत्स्यन्ति |
| शोत्स्यसि | शोत्स्यथः | शोत्स्यथ |
| शोत्स्यामि | शोत्स्यावः | शोत्स्यामः |
| क्रि० अशोत्स्यत् | अशोत्स्यताम् | अशोत्स्यन् |
| अशोत्स्यः | अशोत्स्यतम् | अशोत्स्यत |
| अशोत्स्यम् | अशोत्स्याव | अशोत्स्याम |

1184 क्रुधन् [क्रुध्] कोपे

| | | |
|--------------------|----------------|-------------------------|
| व० क्रुध्यति | क्रुध्यतः | क्रुध्यन्ति |
| क्रुध्यसि | क्रुध्यथः | क्रुध्यथ |
| क्रुध्यामि | क्रुध्यावः | क्रुध्यामः |
| स० क्रुध्येत् | क्रुध्येताम् | क्रुध्येयुः |
| क्रुध्येः | क्रुध्येतम् | क्रुध्येत |
| क्रुध्येयम् | क्रुध्येव | क्रुध्येम |
| प० क्रुध्यतु | क्रुध्यतात् | क्रुध्यताम् क्रुध्यन्तु |
| क्रुध्य | „ | क्रुध्यतम् क्रुध्यत |
| क्रुध्यानि | क्रुध्याव | क्रुध्याम |
| झ० अक्रुध्यत् | अक्रुध्यताम् | अक्रुध्यन् |
| अक्रुध्यः | अक्रुध्यतम् | अक्रुध्यत |
| अक्रुध्यम् | अक्रुध्याव | अक्रुध्याम |
| अ० अक्रुधत् | अक्रुधताम् | अक्रुधन् |
| अक्रुधः | अक्रुधतम् | अक्रुधत |
| अक्रुधम् | अक्रुधाव | अक्रुधाम |
| प० चुक्रोध | चुक्रुधतु | चुक्रुधुः |
| चुक्रोधिथ | चुक्रुधथुः | चुक्रुध |
| चुक्रोध | चुक्रुधिव | चुक्रुधिम |
| आ० क्रुध्यात् | क्रुध्यास्ताम् | क्रुध्यासुः |
| क्रुध्याः | क्रुध्यास्तम् | क्रुध्यास्त |
| क्रुध्यासम् | क्रुध्यास्व | क्रुध्यास्म |
| श्व० क्रोद्धा | क्रोद्धारौ | क्रोद्धारः |
| क्रोद्धासि | क्रोद्धास्थः | क्रोद्धास्थ |
| क्रोद्धास्मि | क्रोद्धास्वः | क्रोद्धास्मः |
| भ० क्रोत्स्यति | क्रोत्स्यतः | क्रोत्स्यन्ति |
| क्रोत्स्यसि | क्रोत्स्यथः | क्रोत्स्यथ |
| क्रोत्स्यामि | क्रोत्स्यावः | क्रोत्स्यामः |
| क्रि० अक्रोत्स्यत् | अक्रोत्स्यताम् | अक्रोत्स्यन् |
| अक्रोत्स्यः | अक्रोत्स्यतम् | अक्रोत्स्यत |
| अक्रोत्स्यम् | अक्रोत्स्याव | अक्रोत्स्याम |

1185 सिधूच (सिधू , संराद्धौ संराद्धिर्निष्पत्तिः

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| ब० | सिध्यति | सिध्यतः | सिध्यन्ति |
| | सिध्यसि | सिध्यथः | सिध्यथ |
| | सिध्यामि | सिध्यावः | सिध्यामः |
| स० | सिध्येत् | सिध्येताम् | सिध्येयुः |
| | सिध्येः | सिध्येतम् | सिध्येत |
| | सिध्येयम् | सिध्येव | सिध्येम |
| प० | सिध्यत् | सिध्यताम् | सिध्यन्तु |
| | सिध्य | सिध्यतम् | सिध्यत |
| | सिध्यानि | सिध्याव | सिध्याम |
| ह्य० | असिध्यत् | असिध्यताम् | असिध्यन् |
| | असिध्यः | असिध्यतम् | असिध्यत |
| | असिध्यम् | असिध्याव | असिध्याम |
| अ० | असिधत् | असिधताम् | असिधन् |
| | असिधः | असिधतम् | असिधत |
| | असिधम् | असिधाव | असिधाम |
| प० | सिषेध | सिषिधतुः | सिषिधुः |
| | सिषेधिय | सिषिधथुः | सिषिध |
| | सिषेध | सिषिधिव | सिषिधिम |
| आ० | सिध्यात् | सिध्यास्ताम् | सिध्यासुः |
| | सिध्याः | सिध्यास्तम् | सिध्यास्त |
| | सिध्यासम् | सिध्यास्व | सिध्यास्म |
| भ० | सेद्धा | सेद्धारौ | सेद्धारः |
| | सेद्धासि | सेद्धास्थः | सेद्धास्थ |
| | सेद्धास्मि | सेद्धास्वः | सेद्धास्मः |
| भ० | सेत्स्यति | सेत्स्यतः | सेत्स्यन्ति |
| | सेत्स्यसि | सेत्स्यथः | सेत्स्यथ |
| | सेत्स्यामि | सेत्स्यावः | सेत्स्यामः |
| क्रि० | असेत्स्यते | असेत्स्यताम् | असेत्स्यन् |
| | असेत्स्यः | असेत्स्यतम् | असेत्स्यत |
| | असेत्स्यम् | असेत्स्याव | असेत्स्याम |

1186 ऋधूच (ऋधू) वृद्धौ

| | | | |
|-------|-------------|--------------|--------------|
| व० | ऋध्यति | ऋध्यतः | ऋध्यन्ति |
| | ऋध्यसि | ऋध्यथः | ऋध्यथ |
| | ऋध्यामि | ऋध्यावः | ऋध्यामः |
| स० | ऋध्येत् | ऋध्येताम् | ऋध्येयुः |
| | ऋध्येः | ऋध्येतम् | ऋध्येत |
| | ऋध्येयम् | ऋध्येव | ऋध्येम |
| प० | ऋध्यत् | ऋध्यताम् | ऋध्यन्तु |
| | ऋध्य | ऋध्यतम् | ऋध्यत |
| | ऋध्यानि | ऋध्याव | ऋध्याम |
| ह्य० | आर्ध्यत् | आर्ध्यताम् | आर्ध्यन् |
| | आर्ध्यः | आर्ध्यतम् | आर्ध्यत |
| | आर्ध्यम् | आर्ध्याव | आर्ध्याम |
| अ० | आर्धत् | आर्धताम् | आर्धन् |
| | आर्धः | आर्धतम् | आर्धत |
| | आर्धम् | आर्धाव | आर्धाम |
| प० | आनर्ध | आनृधतुः | आनृधुः |
| | आनर्धिय | आनृधथुः | आनृध |
| | आनर्ध | आनृधिव | आनृधिम |
| आ० | ऋध्यात् | ऋध्यास्ताम् | ऋध्यासुः |
| | ऋध्याः | ऋध्यास्तम् | ऋध्यास्त |
| | ऋध्यासम् | ऋध्यास्व | ऋध्यास्म |
| भ० | अर्धिता | अर्धितारौ | अर्धितारः |
| | अर्धितासि | अर्धितास्थः | अर्धितास्थ |
| | अर्धितास्मि | अर्धितास्वः | अर्धितास्मः |
| भ० | अर्धिष्यति | अर्धिष्यतः | अर्धिष्यन्ति |
| | अर्धिष्यसि | अर्धिष्यथः | अर्धिष्यथ |
| | अर्धिष्यामि | अर्धिष्यावः | अर्धिष्यामः |
| क्रि० | आर्धिष्यत् | आर्धिष्यताम् | आर्धिष्यन् |
| | आर्धिष्यः | आर्धिष्यतम् | आर्धिष्यत |
| | आर्धिष्यम् | आर्धिष्याव | आर्धिष्याम |

1187 गृध् (गृध्) अभिकाक्षायाम्

| | | |
|------------------|---------------|---------------------|
| व० गृध्यति | गृध्यतः | गृध्यन्ति |
| गृध्यसि | गृध्यथः | गृध्यथ |
| गृध्यामि | गृध्यावः | गृध्यामः |
| स० गृध्येत | गृध्येताम् | गृध्येयुः |
| गृध्येः | गृध्येतम् | गृध्येत |
| गृध्येयम् | गृध्येव | गृध्येम |
| प० गृध्यतु | गृध्यतात | गृध्यताम् गृध्यन्तु |
| गृध्य | " | गृध्यतम् गृध्यत |
| गृध्यानि | गृध्याव | गृध्याम |
| ह्य० अगृध्यत | अगृध्यताम् | अगृध्यन् |
| अगृध्यः | अगृध्यतम् | अगृध्यत |
| अगृध्यम् | अगृध्याव | अगृध्याम |
| अ० अगृधत | अगृधताम् | अगृधन् |
| अगृधः | अगृधतम् | अगृधत |
| अगृधम् | अगृधाव | अगृधाम |
| प० अगर्ध | जगृधतुः | जगृधुः |
| जगर्धथ | जगृधथुः | जगृध |
| जगर्ध | जगृधिव | जगृधिम |
| आ० गृध्यात् | गृध्यास्ताम् | गृध्यासुः |
| गृध्याः | गृध्यास्तम् | गृध्यास्त |
| गृध्यासम् | गृध्यास्व | गृध्यास्म |
| ध्व० गर्धिता | गर्धितारौ | गर्धितारः |
| गर्धितासि | गर्धितास्थः | गर्धितास्थ |
| गर्धितास्मि | गर्धितास्वः | गर्धितास्मः |
| भ० गर्धिष्यति | गर्धिष्यतः | गर्धिष्यन्ति |
| गर्धिष्यसि | गर्धिष्यथः | गर्धिष्यथ |
| गर्धिष्यामि | गर्धिष्यावः | गर्धिष्यामः |
| क्रि० अगर्धिष्यत | अगर्धिष्यताम् | अगर्धिष्यन् |
| अगर्धिष्यः | अगर्धिष्यतम् | अगर्धिष्यत |
| अगर्धिष्यम् | अगर्धिष्याव | अगर्धिष्याम |

1188 रधोच् (रध्) हिंसासंराद्धयोः
संराद्धिः पाकः ।

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० रध्यति | रध्यतः | रध्यन्ति |
| रध्यसि | रध्यथः | रध्यथ |
| रध्यामि | रध्यावः | रध्यामः |

| | | |
|----------------|-------------|-------------------|
| स० रध्येत | रध्येताम् | रध्येयुः |
| रध्येः | रध्येतम् | रध्येत |
| रध्येयम् | रध्येव | रध्येम |
| प० रध्यतु | रध्यतात | रध्यताम् रध्यन्तु |
| रध्य | " | रध्यतम् रध्यत |
| रध्यानि | रध्याव | रध्याम |
| ह्य० अरध्यत | अरध्यताम् | अरध्यन् |
| अरध्यः | अरध्यतम् | अरध्यत |
| अरध्यम् | अरध्याव | अरध्याम |
| अ० अरधत | अरधताम् | अरधन् |
| अरधः | अरधतम् | अरधत |
| अरधम् | अरधाव | अरधाम |
| प० ररन्ध | ररन्धतुः | ररन्धुः |
| ररन्धथ | ररन्धथुः | ररन्ध |
| ररन्धम् | ररन्धिव | ररन्धिम |
| आ० रध्यात् | रध्यास्ताम् | रध्यासुः |
| रध्याः | रध्यास्तम् | रध्यास्त |
| रध्यासम् | रध्यास्व | रध्यास्म |
| ध्व० रद्धा | रद्धारौ | रद्धारः |
| रद्धासि | रद्धास्थः | रद्धास्थ |
| रद्धास्मि | रद्धास्वः | रद्धास्मः |
| रधिता | रधितारौ | रधितारः |
| रधितासि | रधितास्थः | रधितास्थ |
| रधितास्मि | रधितास्वः | रधितास्मः |
| भ० रधिष्यति | रधिष्यतः | रधिष्यन्ति |
| रधिष्यसि | रधिष्यथः | रधिष्यथ |
| रधिष्यामि | रधिष्यावः | रधिष्यामः |
| रत्स्यति | रत्स्यतः | रत्स्यन्ति |
| रत्स्यसि | रत्स्यथः | रत्स्यथ |
| रत्स्यामि | रत्स्यावः | रत्स्यामः |
| क्रि० अरधिष्यत | अरधिष्यताम् | अरधिष्यन् |
| अरधिष्यः | अरधिष्यतम् | अरधिष्यत |
| अरधिष्यम् | अरधिष्याव | अरधिष्याम |
| अरत्स्यति | अरत्स्यताम् | अरत्स्यन् |
| अरत्स्यः | अरत्स्यतम् | अरत्स्यत |
| अरत्स्यम् | अरत्स्याव | अरत्स्याम |

अथ पान्ता नव सेटश्च
1189 तृपौच (तृप्) प्रीतौ
तृप्तिः सौहित्यम्

| | | | |
|----|--------------|--------------|-----------|
| व | तृप्यति | तृप्यतः | तृप्यन्ति |
| | तृप्यमि | तृप्यथः | तृप्यथ |
| | तृप्यामि | तृप्यावः | तृप्यामः |
| स० | तृप्येत | तृप्येताम् | तृप्येयुः |
| | तृप्येः | तृप्येतम् | तृप्येत |
| | तृप्येयम् | तृप्येयव | तृप्येम |
| प० | तृप्यतु | तृप्यताम् | तृप्यन्तु |
| | तृप्य | तृप्यतम् | तृप्यत |
| | तृप्यामि | तृप्याव | तृप्याम |
| अ० | अतृप्यत् | अतृप्यताम् | अतृप्यन् |
| | अतृप्यः | अतृप्यतम् | अतृप्यत |
| | अतृप्यम् | अतृप्याव | अतृप्याम |
| अ० | अतृपत् | अतृपताम् | अतृपन् |
| | अतृपः | अतृपतम् | अतृपत |
| | अतृपम् | अतृपाव | अतृपाम |
| | अतर्पिन्ति | अतर्पिष्टाम् | अतर्पिषुः |
| | अतर्पीः | अतर्पिष्टम् | अतर्पिष्ट |
| | अतर्पिषम् | अतर्पिष्व | अतर्पिष्म |
| | अत्रापसीत् | अत्रापताम् | अत्रापसुः |
| | अत्रापसीः | अत्रापतम् | अत्रापत |
| | अत्रापसम् | अत्रापस्व | अत्रापस्म |
| | अत्रापसीन्ति | अत्रापसीम् | अत्रापसीः |
| | अत्रापसीः | अत्रापसीम् | अत्रापसी |
| | अत्रापसीम् | अत्रापसीव | अत्रापसीम |
| प० | तत्प | तत्पतुः | तत्पुः |
| | तत्पिथ | तत्पथुः | तत्प |
| | तत्प | तत्पिष | तत्पिष |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| आ० | तृप्यात् | तृप्यास्ताम् | तृप्याः |
| | तृप्याः | तृप्यास्तम् | तृप्यास्त |
| | तृप्यासम् | तृप्यास्व | तृप्यास्म |
| श्व | त्रप्ता | त्रप्तारौ | त्रप्तारः |
| | त्रप्तासि | त्रप्तास्थः | त्रप्तास्थ |
| | त्रप्तास्मि | त्रप्तास्वः | त्रप्तास्मः |
| | तर्प्ता | तर्प्तारौ | तर्प्तारः |
| | तर्प्तासि | तर्प्तास्थः | तर्प्तास्थ |
| | तर्प्तास्मि | तर्प्तास्वः | तर्प्तास्मः |
| | तर्पिता | तर्पितारौ | तर्पितारः |
| | तर्पितासि | तर्पितास्थः | तर्पितास्थः |
| | तर्पितास्मि | तर्पितास्वः | तर्पितास्मः |
| भ० | त्रप्स्यति | त्रप्स्यतः | त्रप्स्यन्ति |
| | त्रप्स्यसि | त्रप्स्यथः | त्रप्स्यथ |
| | त्रप्स्यामि | त्रप्स्यावः | त्रप्स्यामः |
| | तर्प्स्यति | तर्प्स्यतः | तर्प्स्यन्ति |
| | तर्प्स्यसि | तर्प्स्यथः | तर्प्स्यथ |
| | तर्प्स्यामि | तर्प्स्यावः | तर्प्स्यामः |
| | तर्पिष्यति | तर्पिष्यतः | तर्पिष्यन्ति |
| | तर्पिष्यसि | तर्पिष्यथः | तर्पिष्यथ |
| | तर्पिष्यामि | तर्पिष्यावः | तर्पिष्यामः |
| क्रि० | अत्रप्स्यत् | अत्रप्स्यताम् | अत्रप्स्यन् |
| | अत्रप्स्यः | अत्रप्स्यतम् | अत्रप्स्यत |
| | अत्रप्स्यम् | अत्रप्स्याव | अत्रप्स्याम |
| | अतर्प्स्यन् | अतर्प्स्यताम् | अतर्प्स्यन् |
| | अतर्प्स्यः | अतर्प्स्यतम् | अतर्प्स्यत |
| | अतर्प्स्यम् | अतर्प्स्याव | अतर्प्स्याम |
| | अतर्पिष्यत् | अतर्पिष्यताम् | अतर्पिष्यन् |
| | अतर्पिष्यः | अतर्पिष्यतम् | अतर्पिष्यत |
| | अतर्पिष्यम् | अतर्पिष्याव | अतर्पिष्याम |

1190 दृषौच (दृष्) हर्षमोहनयोः

मोहनं गर्धः ।

ष० दृष्यति दृष्यतः दृष्यन्ति
दृष्यसि दृष्यथः दृष्यथ
दृष्यामि दृष्यावः दृष्यामः

स० दृष्येत् दृष्येताम् दृष्येयुः
दृष्येः दृष्येतम् दृष्येत
दृष्येयम् दृष्येव दृष्येम

प० दृष्यतु दृष्यतात् दृष्यताम् दृष्यन्तु
दृष्य , दृष्यतम् दृष्यत
दृष्याणि दृष्याव दृष्याम

झ० अदृष्यत् अदृष्यताम् अदृष्यन्
अदृष्यः अदृष्यतम् अदृष्यत
अदृष्यम् अदृष्याव अदृष्याम

अ० अदृषत् अदृषताम् अदृषन्
अदृषः अदृषतम् अदृषत
अदृषम् अदृषाव अदृषाम

अदृषीत् अदृषीष्टाम् अदृषीषुः
अदृषीः अदृषीष्टम् अदृषीष्ट
अदृषीषम् अदृषीष्व अदृषीषम्

अदृषीत् अदृषीष्टाम् अदृषीषुः
अदृषीः अदृषीष्टम् अदृषीष्ट
अदृषीषम् अदृषीष्व अदृषीषम्

अदृषीत् अदृषीष्टाम् अदृषीषुः
अदृषीः अदृषीष्टम् अदृषीष्ट
अदृषीषम् अदृषीष्व अदृषीषम्

प० ददृष ददृषतुः ददृषुः
ददृषिथ ददृषथुः ददृष
ददृष ददृषिव ददृषिम

आ० दृष्यात् दृष्यास्ताम् दृष्यासुः
दृष्याः दृष्यास्तम् दृष्यास्त
दृष्यासम् दृष्यास्व दृष्यासम्

श्व० दृप्ता दृप्तारौ दृप्तारः
दृप्तासि दृप्तास्थः दृप्तास्थ
दृप्तास्मि दृप्तास्वः दृप्तास्मः
दृप्ता दृप्तारौ दृप्तारः
दृप्तासि दृप्तास्थः दृप्तास्थ
दृप्तास्मि दृप्तास्वः दृप्तास्मः

दृप्ता दृप्तारौ दृप्तारः
दृप्तासि दृप्तास्थः दृप्तास्थ
दृप्तास्मि दृप्तास्वः दृप्तास्मः

भ० दृप्स्यति दृप्स्यतः दृप्स्यन्ति
दृप्स्यसि दृप्स्यथः दृप्स्यथ
दृप्स्यामि दृप्स्यावः दृप्स्यामः
दृप्स्यति दृप्स्यतः दृप्स्यन्ति
दृप्स्यसि दृप्स्यथः दृप्स्यथ
दृप्स्यामि दृप्स्यावः दृप्स्यामः

दृप्स्यति दृप्स्यतः दृप्स्यन्ति
दृप्स्यसि दृप्स्यथः दृप्स्यथ
दृप्स्यामि दृप्स्यावः दृप्स्यामः

क्रि० अदृप्स्यत् अदृप्स्यताम् अदृप्स्यन्
अदृप्स्यः अदृप्स्यतम् अदृप्स्यत
अदृप्स्यम् अदृप्स्याव अदृप्स्याम
अदृप्स्यत् अदृप्स्यताम् अदृप्स्यन्
अदृप्स्यः अदृप्स्यतम् अदृप्स्यत
अदृप्स्यम् अदृप्स्याव अदृप्स्याम
अदृप्स्यत् अदृप्स्यताम् अदृप्स्यन्
अदृप्स्यः अदृप्स्यतम् अदृप्स्यत
अदृप्स्यम् अदृप्स्याव अदृप्स्याम

1191 कुप् (कुप्) कोपे

| | | |
|------------|----------|-----------|
| ब० कुप्यति | कुप्यतः | कुप्यन्ति |
| कुप्यसि | कुप्यथः | कुप्यथ |
| कुप्यामि | कुप्यावः | कुप्यामः |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| स० कुप्येत् | कुप्येताम् | कुप्येयुः |
| कुप्येः | कुप्येतम् | कुप्येत |
| कुप्येयम् | कुप्येव | कुप्येम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० कुप्यतु | कुप्यतात् | कुप्यताम् | कुप्यन्तु |
| कुप्य | कुप्यतम् | कुप्यत | |
| कुप्यानि | कुप्याव | कुप्याम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अकुप्यत् | अकुप्यताम् | अकुप्यन् |
| अकुप्यः | अकुप्यतम् | अकुप्यत |
| अकुप्यम् | अकुप्याव | अकुप्याम |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| अ० अकुपत् | अकुपताम् | अकुपन् |
| अकुपः | अकुपतम् | अकुपत |
| अकुपम् | अकुपाव | अकुपाम |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० चुकोप | चुकुपतुः | चुकुपुः |
| चुकुपिथ | चुकुपथुः | चुकुप |
| चुकोप | चुकुपिव | चुकुपिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० कुप्यात् | कुप्यास्ताम् | कुप्यासुः |
| कुप्याः | कुप्यास्तम् | कुप्यास्त |
| कुप्यासम् | कुप्यास्व | कुप्यास्म |

| | | |
|------------|------------|------------|
| अ० कोपिता | कोपितारौ | कोपितारः |
| कोपितासि | कोपितास्थः | कोपितास्थ |
| कोपितास्मि | कोपितास्वः | कोपितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० कोपिष्यति | कोपिष्यतः | कोपिष्यन्ति |
| कोपिष्यसि | कोपिष्यथः | कोपिष्यथ |
| कोपिष्यामि | कोपिष्यावः | कोपिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अकोपिष्यत् | अकोपिष्यताम् | अकोपिष्यन् |
| अकोपिष्यः | अकोपिष्यतम् | अकोपिष्यत |
| अकोपिष्यम् | अकोपिष्याव | अकोपिष्याम |

1192 गुप् [गुप्] व्याकुलत्वे

| | | |
|------------|----------|-----------|
| ब० गुप्यति | गुप्यतः | गुप्यन्ति |
| गुप्यसि | गुप्यथः | गुप्यथ |
| गुप्यामि | गुप्यावः | गुप्यामः |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| स० गुप्येत् | गुप्येताम् | गुप्येरन् |
| गुप्येः | गुप्येतम् | गुप्येत |
| गुप्येयम् | गुप्येव | गुप्येम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० गुप्यतु | गुप्यतात् | गुप्यताम् | गुप्यन्तु |
| गुप्य | गुप्यतम् | गुप्यत | |
| गुप्यानि | गुप्याव | गुप्याम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अगुप्यत् | अगुप्यताम् | अगुप्यन् |
| अगुप्यः | अगुप्यतम् | अगुप्यत |
| अगुप्यम् | अगुप्याव | अगुप्याम |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| अ० अगुपत् | अगुपताम् | अगुपन् |
| अगुपः | अगुपतम् | अगुपत |
| अगुपम् | अगुपाव | अगुपाम |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० जुगोप | जुगुपतुः | जुगुपुः |
| जुगोपिथ | जुगुपथुः | जुगुप |
| जुगोप | जुगुपिव | जुगुपिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० गुप्यात् | गुप्यास्ताम् | गुप्यासुः |
| गुप्याः | गुप्यास्तम् | गुप्यास्त |
| गुप्यासम् | गुप्यास्व | गुप्यास्म |

| | | |
|------------|------------|------------|
| अ० गोपिता | गोपितारौ | गोपितारः |
| गोपितासि | गोपितास्थः | गोपितास्थ |
| गोपितास्मि | गोपितास्वः | गोपितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० गोपिष्यति | गोपिष्यतः | गोपिष्यन्ति |
| गोपिष्यसि | गोपिष्यथः | गोपिष्यथ |
| गोपिष्यामि | गोपिष्यावः | गोपिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अगोपिष्यत् | अगोपिष्यताम् | अगोपिष्यन् |
| अगोपिष्यः | अगोपिष्यतम् | अगोपिष्यत |
| अगोपिष्यम् | अगोपिष्याव | अगोपिष्याम |

1193 युपच् (युप) विमोहने ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० युप्यति | युप्यतः | युप्यन्ति |
| युप्यसि | युप्यथः | युप्यथ |
| युप्यामि | युप्यावः | युप्यामः |
| स० युप्येत् | युप्येताम् | युप्येयुः |
| युप्येः | युप्येतम् | युप्येत |
| युप्येयम् | युप्येव | युप्येम |
| प० युप्यतु | युप्यतात् | युप्यताम् |
| युप्य | ” | युप्यतम् |
| युप्याति | युप्याव | युप्याम |
| ह्य० अयुप्यत् | अयुप्यताम् | अयुप्यन् |
| अयुप्यः | अयुप्यतम् | अयुप्यत |
| अयुप्यम् | अयुप्याव | अयुप्याम |
| अ० अयुपत् | अयुपताम् | अयुपन् |
| अयुपः | अयुपतम् | अयुपत |
| अयुपम् | अयुपाव | अयुपाम |
| प० युयोप | युयुपतुः | युयुपुः |
| युयोपिथ | युयुपथुः | युयुप |
| युयोप | युयुपिव | युयुपिम |
| आ० युप्यात् | युप्यास्ताम् | युप्यासुः |
| युप्याः | युप्यास्तम् | युप्यास्त |
| युप्यासम् | युप्यास्व | युप्यास्म |
| श्व० योपिता | योपितारौ | योपितारः |
| योपितासि | योपितास्थः | योपितास्थ |
| योपितास्मि | योपितास्वः | योपितास्मः |
| भ० योपिष्यति | योपिष्यतः | योपिष्यन्ति |
| योपिष्यसि | योपिष्यथः | योपिष्यथ |
| योपिष्यामि | योपिष्यावः | योपिष्यामः |
| क्रि० अयोपिष्यत् | अयोपिष्यताम् | अयोपिष्यन् |
| अयोपिष्यः | अयोपिष्यतम् | अयोपिष्यत |
| अयोपिष्यम् | अयोपिष्याव | अयोपिष्याम |

1194 रुपच् (रुप) विमोहने ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० रुप्यति | रुप्यतः | रुप्यन्ति |
| रुप्यसि | रुप्यथः | रुप्यथ |
| रुप्यामि | रुप्यावः | रुप्यामः |
| स० रुप्येत् | रुप्येताम् | रुप्येयुः |
| रुप्येः | रुप्येतम् | रुप्येत |
| रुप्येयम् | रुप्येव | रुप्येम |
| प० रुप्यतु | रुप्यतात् | रुप्यताम् |
| रुप्य | ” | रुप्यतम् |
| रुप्याणि | रुप्याव | रुप्याम |
| ह्य० अरुप्यत् | अरुप्यताम् | अरुप्यन् |
| अरुप्यः | अरुप्यतम् | अरुप्यत |
| अरुप्यम् | अरुप्याव | अरुप्याम |
| अ० अरुपत् | अरुपताम् | अरुपन् |
| अरुपः | अरुपतम् | अरुपत |
| अरुपम् | अरुपाव | अरुपाम |
| प० रुरोप | रुरुपतुः | रुरुपुः |
| रुरोपिथ | रुरुपथुः | रुरुप |
| रुरोप | रुरुपिव | रुरुपिम |
| आ० रुप्यात् | रुप्यास्ताम् | रुप्यासुः |
| रुप्याः | रुप्यास्तम् | रुप्यास्त |
| रुप्यासम् | रुप्यास्व | रुप्यास्म |
| श्व० रोपिता | रोपितारौ | रोपितारः |
| रोपितासि | रोपितास्थः | रोपितास्थ |
| रोपितास्मि | रोपितास्वः | रोपितास्मः |
| भ० रोपिष्यति | रोपिष्यतः | रोपिष्यन्ति |
| रोपिष्यसि | रोपिष्यथः | रोपिष्यथ |
| रोपिष्यामि | रोपिष्यावः | रोपिष्यामः |
| क्रि० अरोपिष्यत् | अरोपिष्यताम् | अरोपिष्यन् |
| अरोपिष्यः | अरोपिष्यतम् | अरोपिष्यत |
| अरोपिष्यम् | अरोपिष्याव | अरोपिष्याम |

1195 लुपच् (लुप्) विमोहने

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० लुप्यति | लुप्यतः | लुप्यन्ति |
| लुप्यसि | लुप्यथः | लुप्यथ |
| लुप्यामि | लुप्यावः | लुप्यामः |
| स० लुप्येत् | लुप्येताम् | लुप्येयुः |
| लुप्येः | लुप्येतम् | लुप्येत |
| लुप्येयम् | लुप्येव | लुप्येम |
| प० लुप्यतु | लुप्यतात् | लुप्यताम् |
| लुप्य | " | लुप्यतम् |
| लुप्यान् | लुप्याव | लुप्याम |
| झ० अलुप्यत् | अलुप्यताम् | अलुप्यन् |
| अलुप्यः | अलुप्यतम् | अलुप्यन् |
| अलुप्यम् | अलुप्याव | अलुप्याम |
| अ० अलुपत् | अलुपताम् | अलुपन् |
| अलुपः | अलुपतम् | अलुपत |
| अलुपम् | अलुपाव | अलुपाम |
| प० लुलोप | लुलुपतुः | लुलुपुः |
| लुलोपिथ | लुलुपथुः | लुलुप |
| लुलोप | लुलुपिव | लुलुपिम |
| आ० लुप्यात् | लुप्यास्ताम् | लुप्यासुः |
| लुप्याः | लुप्यास्तम् | लुप्यास्त |
| लुप्यासम् | लुप्यास्व | लुप्यास्म |
| प्र० लोपिता | लोपितारौ | लोपितारः |
| लोपितासि | लोपितास्थः | लोपितास्थ |
| लोपितास्मि | लोपितास्वः | लोपितास्मः |
| भ० लोपिष्यति | लोपिष्यतः | लोपिष्यन्ति |
| लोपिष्यसि | लोपिष्यथः | लोपिष्यथ |
| लोपिष्यामि | लोपिष्यावः | लोपिष्यामः |
| क्रि० अलोपिष्यत् | अलोपिष्यताम् | अलोपिष्यन् |
| अलोपिष्यः | अलोपिष्यतम् | अलोपिष्यन् |
| अलोपिष्यम् | अलोपिष्याव | अलोपिष्याम |

1196 डिपच् (डिप्) क्षेपे

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० डिप्यति | डिप्यतः | डिप्यन्ति |
| डिप्यसि | डिप्यथः | डिप्यथ |
| डिप्यामि | डिप्यावः | डिप्यामः |
| स० डिप्येत् | डिप्येताम् | डिप्येयुः |
| डिप्येः | डिप्येतम् | डिप्येत |
| डिप्येयम् | डिप्येव | डिप्येम |
| प० डिप्यतु | डिप्यतात् | डिप्यताम् |
| डिप्य | " | डिप्यतम् |
| डिप्यान् | डिप्याव | डिप्याम |
| झ० अडिप्यत् | अडिप्यताम् | अडिप्यन् |
| अडिप्यः | अडिप्यतम् | अडिप्यन् |
| अडिप्यम् | अडिप्याव | अडिप्याम |
| अ० अडिपत् | अडिपताम् | अडिपन् |
| अडिपः | अडिपतम् | अडिपत |
| अडिपम् | अडिपाव | अडिपाम |
| प० डिडेप | डिडिपतुः | डिडिपुः |
| डिडेपिथ | डिडिपथुः | डिडिप |
| डिडेप | डिडिपिव | डिडिपिम |
| आ० डिप्यात् | डिप्यास्ताम् | डिप्यासुः |
| डिप्याः | डिप्यास्तम् | डिप्यास्त |
| डिप्यासम् | डिप्यास्व | डिप्यास्म |
| प्र० डेपिता | डेपितारौ | डेपितारः |
| डेपितासि | डेपितास्थः | डेपितास्थ |
| डेपितास्मि | डेपितास्वः | डेपितास्मः |
| भ० डेपिष्यति | डेपिष्यतः | डेपिष्यन्ति |
| डेपिष्यसि | डेपिष्यथः | डेपिष्यथ |
| डेपिष्यामि | डेपिष्यावः | डेपिष्यामः |
| क्रि० अडेपिष्यत् | अडेपिष्यताम् | अडेपिष्यन् |
| अडेपिष्यः | अडेपिष्यतम् | अडेपिष्यन् |
| अडेपिष्यम् | अडेपिष्याव | अडेपिष्याम |

1197 स्तुपच् (स्तुप्) समुच्छाये ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० स्तुप्यति | स्तुप्यतः | स्तुप्यन्ति |
| स्तुप्यसि | स्तुप्यथः | स्तुप्यथ |
| स्तुप्यामि | स्तुप्यावः | स्तुप्यामः |
| स० स्तुप्येत् | स्तुप्येताम् | स्तुप्येयुः |
| स्तुप्येः | स्तुप्येतम् | स्तुप्येत |
| स्तुप्येयम् | स्तुप्येय | स्तुप्येम |
| प० स्तुप्यतु | स्तुप्यतात् | स्तुप्यताम् |
| स्तुप्य | " | स्तुप्यतम् |
| स्तुप्यानि | स्तुप्याव | स्तुप्याम |
| झ० अस्तुप्यत् | अस्तुप्यताम् | अस्तुप्यन् |
| अस्तुप्यः | अस्तुप्यतम् | अस्तुप्यत |
| अस्तुप्याम् | अस्तुप्याव | अस्तुप्याम |
| भ० अस्तुपत् | अस्तुपताम् | अस्तुपन् |
| अस्तुपः | अस्तुपतम् | अस्तुपत |
| अस्तुपम् | अस्तुपाव | अस्तुपाम |
| प० तुष्टोप | तुष्टुपतुः | तुष्टुपुः |
| तुष्टोपिथ | तुष्टुपथुः | तुष्टुप |
| तुष्टोप | तुष्टुपिथ | तुष्टुपिम |
| आ० स्तुप्यात् | स्तुप्यास्ताम् | स्तुप्यासुः |
| स्तुप्याः | स्तुप्यास्तम् | स्तुप्यास्त |
| स्तुप्यासम् | स्तुप्यास्व | स्तुप्यास्म |
| श्व० स्तोपिता | स्तोपितारौ | स्तोपितारः |
| स्तोपितासि | स्तोपितास्थः | स्तोपितास्थ |
| स्तोपितास्मि | स्तोपितावः | स्तोपितामः |
| भ० स्तोपिष्यति | स्तोपिष्यतः | स्तोपिष्यन्ति |
| स्तोपिष्यसि | स्तोपिष्यथः | स्तोपिष्यथ |
| स्तोपिष्यामि | स्तोपिष्यावः | स्तोपिष्यामः |
| क्रि० अस्तोपिष्यत् | अस्तोपिष्यताम् | अस्तोपिष्यन् |
| अस्तोपिष्यः | अस्तोपिष्यतम् | अस्तोपिष्यत |
| अस्तोपिष्याम् | अस्तोपिष्याव | अस्तोपिष्याम |

अथ भान्ताश्चेत्वारः सेटश्च ।

1198 लुभच् (लुभ्) गार्ध्यं ।

गार्ध्यमभिकाङ्क्षा ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० लुभ्यति | लुभ्यतः | लुभ्यन्ति |
| लुभ्यसि | लुभ्यथः | लुभ्यथ |
| लुभ्यामि | लुभ्यावः | लुभ्यामः |
| स० लुभ्येत् | लुभ्येताम् | लुभ्येयुः |
| लुभ्येः | लुभ्येतम् | लुभ्येत |
| लुभ्येयम् | लुभ्येय | लुभ्येम |
| प० लुभ्यतु | लुभ्यतात् | लुभ्यताम् |
| लुभ्य | " | लुभ्यतम् |
| लुभ्यानि | लुभ्याव | लुभ्याम |
| झ० अलुभ्यत् | अलुभ्यताम् | अलुभ्यन् |
| अलुभ्यः | अलुभ्यतम् | अलुभ्यत |
| अलुभ्यम् | अलुभ्याव | अलुभ्याम |
| भ० अलुभत् | अलुभताम् | अलुभन् |
| अलुभः | अलुभतम् | अलुभत |
| अलुभम् | अलुभाव | अलुभाम |
| प० लुलोभ | लुलुभतुः | लुलुभुः |
| लुलोभिथ | लुलुभथुः | लुलुभ |
| लुलोभ | लुलुभिथ | लुलुभिम |
| भ० लुभ्यात् | लुभ्यास्ताम् | लुभ्यासुः |
| लुभ्याः | लुभ्यास्तम् | लुभ्यास्त |
| भ० लुभ्यासम् | लुभ्यास्व | लुभ्यास्म |
| श्व० लोभिता | लोभितारौ | लोभितारः |
| लोभितासि | लोभितास्थः | लोभितास्थ |
| लोभितास्मि | लोभितावः | लोभितामः |
| श्व० लोब्धा | लोब्धारौ | लोब्धारः |
| लोब्धासि | लोब्धास्थः | लोब्धास्थ |
| लोब्धास्मि | लोब्धावः | लोब्धामः |
| भ० लोभिष्यति | लोभिष्यतः | लोभिष्यन्ति |
| लोभिष्यसि | लोभिष्यथः | लोभिष्यथ |
| लोभिष्यामि | लोभिष्यावः | लोभिष्यामः |
| क्रि० अलोभिष्यत् | अलोभिष्यताम् | अलोभिष्यन् |
| अलोभिष्यः | अलोभिष्यतम् | अलोभिष्यत |
| अलोभिष्याम् | अलोभिष्याव | अलोभिष्याम |

1199 क्षुभच् [क्षुभ्] सञ्चलने

संचलनं रूपान्यथात्वम्

| | | |
|---|----------------|---------------|
| व० क्षुभ्यति | क्षुभ्यतः | क्षुभ्यन्ति |
| क्षुभ्यसि | क्षुभ्यथः | क्षुभ्यथ |
| क्षुभ्यामि | क्षुभ्यावः | क्षुभ्यामः |
| स० क्षुभ्येत | क्षुभ्येताम् | क्षुभ्येयुः |
| क्षुभ्येः | क्षुभ्येतम् | क्षुभ्येत |
| क्षुभ्येयम् | क्षुभ्येव | क्षुभ्येम |
| प० क्षुभ्यतु | क्षुभ्यतात् | क्षुभ्यताम् |
| क्षुभ्य | क्षुभ्यतम् | क्षुभ्यत |
| क्षुभ्याणि | क्षुभ्याव | क्षुभ्याम |
| झ० अक्षुभ्यत | अक्षुभ्यताम् | अक्षुभ्यन् |
| अक्षुभ्यः | अक्षुभ्यतम् | अक्षुभ्यत |
| अक्षुभ्यम् | अक्षुभ्याव | अक्षुभ्याम |
| अ० अक्षुभत | अक्षुभताम् | अक्षुभन् |
| अक्षुभः | अक्षुभतम् | अक्षुभत |
| अक्षुभम् | अक्षुभाव | अक्षुभाम |
| प० चुक्षोभ | चुक्षुभतुः | चुक्षुभुः |
| चुक्षोभिथ | चुक्षुभथुः | चुक्षुभ |
| चुक्षोभ | चुक्षुभिथ | चुक्षुभिम् |
| आ० क्षुभ्यात् | क्षुभ्यास्ताम् | क्षुभ्यासुः |
| क्षुभ्याः | क्षुभ्यास्तम् | क्षुभ्यास्त |
| क्षुभ्यासम् | क्षुभ्यास्व | क्षुभ्यास्म |
| श्व० क्षोभिता | क्षोभितारौ | क्षोभितारः |
| क्षोभितासि | क्षोभितास्थः | क्षोभितास्थ |
| क्षोभितास्मि | क्षोभितास्वः | क्षोभितास्मः |
| भ० क्षोभिष्यति | क्षोभिष्यतः | क्षोभिष्यन्ति |
| क्षोभिष्यसि | क्षोभिष्यथः | क्षोभिष्यथ |
| क्षोभिष्यामि | क्षोभिष्यावः | क्षोभिष्यामः |
| क्रि० अक्षोभिष्यत् | अक्षोभिष्यताम् | अक्षोभिष्यन् |
| अक्षोभिष्यः | अक्षोभिष्यतम् | अक्षोभिष्यत |
| अक्षोभिष्यम् | अक्षोभिष्याव | अक्षोभिष्याम |
| यत्नादिपठितेनवाक्षुभदिति सिद्धं श्यविक- | | |
| रणार्थं तु दिवादावयमवश्यं पठितव्य इति | | |
| पुषादावपि पठति । | | |

1200 णभच् (नभ्) हिंसायाम्

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० नभ्यति | नभ्यतः | नभ्यन्ति |
| नभ्यसि | नभ्यथः | नभ्यथ |
| नभ्यामि | नभ्यावः | नभ्यामः |
| स० नभ्येत् | नभ्येताम् | नभ्येयुः |
| नभ्येः | नभ्येतम् | नभ्येत |
| नभ्येयम् | नभ्येव | नभ्येम |
| प० नभ्यतु | नभ्यतात् | नभ्यताम् |
| नभ्य | नभ्यतम् | नभ्यत |
| नभ्यानि | नभ्याव | नभ्याम |
| झ० अनभ्यत् | अनभ्यताम् | अनभ्यन् |
| अनभ्यः | अनभ्यतम् | अनभ्यत |
| अनभ्यम् | अनभ्याव | अनभ्याम |
| अ० अनभर्त् | अनभताम् | अनभन् |
| अनभः | अनभतम् | अनभत |
| अनभम् | अनभाव | अनभाम |
| प० ननाभ | नेभतुः | नेभुः |
| नेभिथ | नेभथुः | नेभ |
| नभ, ननाभ | नेभिथ | नेभिम् |
| आ० नभ्यात् | नभ्यास्ताम् | नभ्यासुः |
| नभ्याः | नभ्यास्तम् | नभ्यास्त |
| नभ्यासम् | नभ्यास्व | नभ्यास्म |
| श्व० नभिता | नभितारौ | नभितारः |
| नभितासि | नभितास्थः | नभितास्थ |
| नभितास्मि | नभितास्वः | नभितास्मः |
| भ० नभिष्यति | नभिष्यतः | नभिष्यन्ति |
| नभिष्यसि | नभिष्यथः | नभिष्यथ |
| नभिष्यामि | नभिष्यावः | नभिष्यामः |
| क्रि० अनभिष्यत् | अनभिष्यताम् | अनभिष्यन् |
| अनभिष्यः | अनभिष्यतम् | अनभिष्यत |
| अनभिष्यम् | अनभिष्याव | अनभिष्यामः |

1201 तुभ्य (तुभ्) हिंसायाम्

| | | |
|------------|----------|-----------|
| व० तुभ्यति | तुभ्यतः | तुभ्यन्ति |
| तुभ्यसि | तुभ्यथः | तुभ्यथ |
| तुभ्यामि | तुभ्यावः | तुभ्यामः |

| | | |
|------------|------------|-----------|
| स० तुभ्येत | तुभ्येताम् | तुभ्येयुः |
| तुभ्येः | तुभ्येतम् | तुभ्येत |
| तुभ्येयम् | तुभ्येव | तुभ्येम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० तुभ्यतु | तुभ्यतात् | तुभ्यताम् | तुभ्यन्तु |
| तुभ्य | ” | तुभ्यतम् | तुभ्यत |
| तुभ्यानि | तुभ्याव | तुभ्याम | |

| | | |
|--------------|------------|----------|
| ह्य० अतुभ्यत | अतुभ्यताम् | अतुभ्यन् |
| अतुभ्यः | अतुभ्यतम् | अतुभ्यत |
| अतुभ्यम् | अतुभ्याव | अतुभ्याम |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| अ० अतुभत् | अतुभताम् | अतुभन् |
| अतुभः | अतुभतम् | अतुभत |
| अतुभम् | अतुभाव | अतुभाम |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० तुतोभ | तुतुभतुः | तुतुभुः |
| तुतोभिथ | तुतुभथुः | तुतुभ |
| तुतोभ | तुतुभिथ | तुतुभिथ |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० तुभ्यात् | तुभ्यास्ताम् | तुभ्यासुः |
| तुभ्याः | तुभ्यास्तम् | तुभ्यास्त |
| तुभ्यासम् | तुभ्यास्व | तुभ्यासम् |

| | | |
|------------|------------|------------|
| ऋ० तोभिता | तोभितारौ | तोभितारः |
| तोभितासि | तोभितास्थः | तोभितास्थ |
| तोभितास्मि | तोभितास्वः | तोभितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० तोभिष्यति | तोभिष्यतः | तोभिष्यन्ति |
| तोभिष्यसि | तोभिष्यथः | तोभिष्यथ |
| तोभिष्यामि | तोभिष्यावः | तोभिष्यामः |

क्रि० अतोभिष्यत् अतोभिष्यताम् अतोभिष्यन्
अतोभिष्यः अतोभिष्यतम् अतोभिष्यत
अतोभिष्यम् अतोभिष्याव अतोभिष्याम

अथ शान्ताः षट् सेटश्च

1202 नशौच (नश्) अदर्शने

अदर्शनमनुपलब्धिः ।

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० नश्यति | नश्यतः | नश्यन्ति |
| नश्यसि | नश्यथः | नश्यथ |
| नश्यामि | नश्यावः | नश्यामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० नश्येत् | नश्येताम् | नश्येयुः |
| नश्येः | नश्येतम् | नश्येत |
| नश्येयम् | नश्येव | नश्येम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० नश्यतु | नश्यतात् | नश्यताम् | नश्यन्तु |
| नश्य | ” | नश्यतम् | नश्यत |
| नश्यानि | नश्याव | नश्याम | |

| | | |
|--------------|-----------|---------|
| ह्य० अनश्यत् | अनश्यताम् | अनश्यन् |
| अनश्यः | अनश्यतम् | अनश्यत |
| अनश्यम् | अनश्याव | अनश्याम |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| अ० अनेशत् | अनेशताम् | अनेशन् |
| अनेशः | अनेशतम् | अनेशत |
| अनेशम् | अनेशाव | अनेशाम |
| अनशत् | अनशताम् | अनशन् |
| अनशः | अनशतम् | अनशत |
| अनशम् | अनशाव | अनशाम |

| | | |
|-----------|--------|-------|
| प० ननाश | नेशतुः | नेथुः |
| नेशित | नेशथुः | नेश |
| ननाश, ननश | नेशिव | नेशिम |

| | | | | | |
|-----------------------------|---------------|--------------|----------------|----------------|-------------|
| आ० नश्यात् | नश्यास्ताम् | नश्यासुः | कुश्वेः | कुश्वेतम् | कुश्वेत |
| नश्याः | नश्यास्तम् | नश्यास्त | कुश्वेयम् | कुश्वेय | कुश्वेयम् |
| नश्यासम् | नश्यास्व | नश्यास्म | प० कुश्वतु | कुश्वतात् | कुश्वताम् |
| प्रव० नशिता | नशितारौ | नशितारः | कुश्व | कुश्वतम् | कुश्वत |
| नशितासि | नशितास्थः | नशितास्थ | कुश्वानि | कुश्वाय | कुश्वाम |
| नशितास्मि | नशितास्वः | नशितास्मः | प्र० अकुश्वत् | अकुश्वताम् | अकुश्वन् |
| नंष्टा | नंष्टारौ | नंष्टारः | अकुश्वः | अकुश्वतम् | अकुश्वत |
| नंष्टासि | नंष्टास्थः | नंष्टास्थ | अकुश्वम् | अकुश्वाय | अकुश्वाम |
| नंष्टास्मि | नंष्टास्वः | नंष्टास्मः | अ० अकुश्वत् | अकुश्वताम् | अकुश्वन् |
| भ० नशिष्यति | नशिष्यतः | नशिष्यन्ति | अकुश्वः | अकुश्वतम् | अकुश्वत |
| नशिष्यसि | नशिष्यथः | नशिष्यथ | अकुश्वम् | अकुश्वाय | अकुश्वाम |
| नशिष्यामि | नशिष्यावः | नशिष्यामः | प० चुकोश | चुकुशतुः | चुकुशुः |
| नङ्क्ष्यति | नङ्क्ष्यतः | नङ्क्ष्यन्ति | चुकोशित | चुकुशथुः | चुकुश |
| नङ्क्ष्यसि | नङ्क्ष्यथः | नङ्क्ष्यथ | चुकोश | चुकुशिव | चुकुशिम |
| नङ्क्ष्यामि | नङ्क्ष्यावः | नङ्क्ष्यामः | आ० कुश्व्यात् | कुश्व्यास्ताम् | कुश्व्यासुः |
| १० अनशिष्यत् | अनशिष्यताम् | अनशिष्यन् | कुश्व्याः | कुश्व्यास्तम् | कुश्व्यास्त |
| अनशिष्यः | अनशिष्यतम् | अनशिष्यत | कुश्व्यासम् | कुश्व्यास्व | कुश्व्यास्म |
| अनशिष्यम् | अनशिष्याव | अनशिष्याम | प्रव० कोशिता | कोशितारौ | कोशितारः |
| अनङ्क्ष्यत् | अनङ्क्ष्यताम् | अनङ्क्ष्यन् | कोशितासि | कोशितास्थः | कोशितास्थ |
| अनङ्क्ष्यः | अनङ्क्ष्यतम् | अनङ्क्ष्यत | कोशितास्मि | कोशितास्वः | कोशितास्मः |
| अनङ्क्ष्यम् | अनङ्क्ष्याव | अनङ्क्ष्याम | भ० कोशिष्यति | कोशिष्यतः | कोशिष्यन्ति |
| १२०३ कुशच् (कुश्) श्लेषणे | | | कोशिष्यसि | कोशिष्यथः | कोशिष्यथ |
| व० कुश्वति | कुश्वतः | कुश्वन्ति | कोशिष्यामि | कोशिष्यावः | कोशिष्यामः |
| कुश्वसि | कुश्वथः | कुश्वथ | कि० अकोशिष्यत् | अकोशिष्यताम् | अकोशिष्यन् |
| कुश्वामि | कुश्वायः | कुश्वामः | अकोशिष्यः | अकोशिष्यतम् | अकोशिष्यत |
| स० कुश्वेत | कुश्वेताम् | कुश्वेयुः | अकोशिष्यम् | अकोशिष्याव | अकोशिष्याम |

1204 भृशूच् भृशू) अधःपतने

| | | |
|------------|----------|-----------|
| व० भृश्यति | भृश्यतः | भृश्यन्ति |
| भृश्यसि | भृश्यथः | भृश्यथ |
| भृश्यामि | भृश्यावः | भृश्यामः |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| स० भृश्येत् | भृश्येताम् | भृश्येयुः |
| भृश्येः | भृश्येतम् | भृश्येत |
| भृश्येयम् | भृश्येव | भृश्येम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० भृश्यतु | भृश्यतात् | भृश्यताम् | भृश्यन्तु |
| भृश्य | भृश्यतात् | भृश्यतम् | भृश्यत |
| भृश्यानि | भृश्याव | भृश्याम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अभृश्यत् | अभृश्यताम् | अभृश्यन् |
| अभृश्यः | अभृश्यतम् | अभृश्यत |
| अभृश्यम् | अभृश्याव | अभृश्याम |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| अ० अभृशत् | अभृशताम् | अभृशन् |
| अभृशः | अभृशतम् | अभृशत |
| अभृशम् | अभृशाव | अभृशाम |

| | | |
|---------|---------|--------|
| प० बभृश | बभृशतुः | बभृशुः |
| बभृशिश | बभृशथुः | बभृश |
| बभृश | बभृशिव | बभृशिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० भृश्यात् | भृश्यास्ताम् | भृश्यासुः |
| भृश्याः | भृश्यास्तम् | भृश्यास्त |
| भृश्यासम् | भृश्यास्व | भृश्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| प्र० भृशिता | भृशितारौ | भृशितारः |
| भृशितासि | भृशितास्थः | भृशितास्थ |
| भृशितास्मि | भृशितास्वः | भृशितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० भृशिष्यति | भृशिष्यतः | भृशिष्यन्ति |
| भृशिष्यसि | भृशिष्यथः | भृशिष्यथ |
| भृशिष्यामि | भृशिष्यावः | भृशिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अभृशिष्यत् | अभृशिष्यताम् | अभृशिष्यन् |
| अभृशिष्य | अभृशिष्यतम् | अभृशिष्यत |
| अभृशिष्यम् | अभृशिष्याव | अभृशिष्याम |

1205 भ्रंशूच् (भ्रंशू) अधःपतने

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| व० भ्रंश्यति | भ्रंश्यतः | भ्रंश्यन्ति |
| भ्रंश्यसि | भ्रंश्यथः | भ्रंश्यथ |
| भ्रंश्यामि | भ्रंश्यावः | भ्रंश्यामः |

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| स० भ्रंश्येत् | भ्रंश्येताम् | भ्रंश्येयुः |
| भ्रंश्येः | भ्रंश्येतम् | भ्रंश्येत |
| भ्रंश्येयम् | भ्रंश्येव | भ्रंश्येम |

| | | | |
|--------------|-------------|-------------|-------------|
| प० भ्रंश्यतु | भ्रंश्यतात् | भ्रंश्यताम् | भ्रंश्यन्तु |
| भ्रंश्य | भ्रंश्यतात् | भ्रंश्यतम् | भ्रंश्यत |
| भ्रंश्यानि | भ्रंश्याव | भ्रंश्याम | |

| | | |
|---------------|--------------|------------|
| झ० अभ्रंश्यत् | अभ्रंश्यताम् | अभ्रंश्यन् |
| अभ्रंश्यः | अभ्रंश्यतम् | अभ्रंश्यत |
| अभ्रंश्यम् | अभ्रंश्याव | अभ्रंश्याम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| अ० अभ्रंशत् | अभ्रंशताम् | अभ्रंशन् |
| अभ्रंशः | अभ्रंशतम् | अभ्रंशत |
| अभ्रंशम् | अभ्रंशाव | अभ्रंशाम |

| | | |
|-----------|-----------|----------|
| प० बभ्रंश | बभ्रंशतुः | बभ्रंशुः |
| बभ्रंशिश | बभ्रंशथुः | बभ्रंश |
| बभ्रंश | बभ्रंशिव | बभ्रंशिम |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० भ्रंश्यात् | भ्रंश्यास्ताम् | भ्रंश्यासुः |
| भ्रंश्याः | भ्रंश्यास्तम् | भ्रंश्यास्त |
| भ्रंश्यासम् | भ्रंश्यास्व | भ्रंश्यास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| प्र० भ्रंशिता | भ्रंशितारौ | भ्रंशितारः |
| भ्रंशितासि | भ्रंशितास्थः | भ्रंशितार |
| भ्रंशितास्मि | भ्रंशितास्वः | भ्रंशितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० भ्रंशिष्यति | भ्रंशिष्यतः | भ्रंशिष्यन्ति |
| भ्रंशिष्यसि | भ्रंशिष्यथः | भ्रंशिष्यथ |
| भ्रंशिष्यामि | भ्रंशिष्यावः | भ्रंशिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अभ्रंशिष्यत् | अभ्रंशिष्यताम् | अभ्रंशिष्यन् |
| अभ्रंशिष्य | अभ्रंशिष्यतम् | अभ्रंशिष्यत |
| अभ्रंशिष्यम् | अभ्रंशिष्याव | अभ्रंशिष्याम |

1206 वृश्च [वृश्च-वरणे]

| | | |
|------------------|--------------|---------------------|
| व० वृश्यति | वृश्यतः | वृश्यन्ति |
| वृश्यसि | वृश्यथः | वृश्यथ |
| वृश्यामि | वृश्यावः | वृश्यामः |
| स वृश्येत् | वृश्येताम् | वृश्येयुः |
| वृश्येः | वृश्येतम् | वृश्येत |
| वृश्येयम् | वृश्येव | वृश्येम |
| प० वृश्यतु | वृश्यतात् | वृश्यताम् वृश्यन्तु |
| वृश्य | वृश्यतात् | वृश्यतम् वृश्यत |
| वृश्यानि | वृश्याव | वृश्याम |
| झ० अवृश्यत | अवृश्यताम् | अवृश्यन् |
| अवृश्यः | अवृश्यतम् | अवृश्यत |
| अवृश्यम् | अवृश्याव | अवृश्याम |
| अ० अवृशत् | अवृशताम् | अवृशन् |
| अवृशः | अवृशतम् | अवृशत |
| अवृशम् | अवृशाव | अवृशाम |
| प० ववृश | ववृशतुः | ववृशुः |
| ववृशिय | ववृशथुः | ववृश |
| ववृश | ववृशिव | ववृशिम |
| आ० वृश्यात् | वृश्यास्ताम् | वृश्यासुः |
| वृश्याः | वृश्यास्तम् | वृश्यास्त |
| वृश्यासम् | वृश्यास्व | वृश्यास्म |
| प्रव० वृशिता | वृशितारौ | वृशितारः |
| वृशितासि | वृशितास्थः | वृशितास्थ |
| वृशितास्मि | वृशितास्वः | वृशितास्मः |
| भ० वृशिश्यति | वृशिश्यतः | वृशिश्यन्ति |
| वृशिश्यसि | वृशिश्यथः | वृशिश्यथ |
| वृशिश्यामि | वृशिश्यावः | वृशिश्यामः |
| क्रि० अवृशिश्यत् | अवृशिश्यताम् | अवृशिश्यन् |
| अवृशिश्यः | अवृशिश्यतम् | अवृशिश्यत |
| अवृशिश्यम् | अवृशिश्याव | अवृशिश्याम |

1207 कृश्च (कृश्च) तनुत्वे ।

| | | |
|------------------|--------------|---------------------|
| व० कृश्यति | कृश्यतः | कृश्यन्ति |
| कृश्यसि | कृश्यथः | कृश्यथ |
| कृश्यामि | कृश्यावः | कृश्यामः |
| स० कृश्येत् | कृश्येताम् | कृश्येयुः |
| कृश्येः | कृश्येतम् | कृश्येत |
| कृश्येयम् | कृश्येव | कृश्येम |
| प० कृश्यतु | कृश्यतात् | कृश्यताम् कृश्यन्तु |
| कृश्य | कृश्यतात् | कृश्यतम् कृश्यत |
| कृश्यानि | कृश्याव | कृश्याम |
| झ० अकृश्यत | अकृश्यताम् | अकृश्यन् |
| अकृश्यः | अकृश्यतम् | अकृश्यत |
| अकृश्यम् | अकृश्याव | अकृश्याम |
| अ० अकृशत् | अकृशताम् | अकृशन् |
| अकृशः | अकृशतम् | अकृशत |
| अकृशम् | अकृशाव | अकृशाम |
| प० चकृश | चकृशतुः | चकृशुः |
| चकृशिय | चकृशथुः | चकृश |
| चकृश | चकृशिव | चकृशिम |
| आ० कृश्यात् | कृश्यास्ताम् | कृश्यासुः |
| कृश्याः | कृश्यास्तम् | कृश्यास्त |
| कृश्यासम् | कृश्यास्व | कृश्यास्म |
| प्रव० कृशिता | कृशितारौ | कृशितारः |
| कृशितासि | कृशितास्थः | कृशितास्थ |
| कृशितास्मि | कृशितास्वः | कृशितास्मः |
| भ० कृशिश्यति | कृशिश्यतः | कृशिश्यन्ति |
| कृशिश्यसि | कृशिश्यथः | कृशिश्यथ |
| कृशिश्यामि | कृशिश्यावः | कृशिश्यामः |
| क्रि० अकृशिश्यत् | अकृशिश्यताम् | अकृशिश्यन् |
| अकृशिश्यः | अकृशिश्यतम् | अकृशिश्यत |
| अकृशिश्यम् | अकृशिश्याव | अकृशिश्याम |

अथ षान्ता नव

1208 शुषंच् [शुष्] शोषणे

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | शुष्यति | शुष्यतः | शुष्यन्ति |
| | शुष्यसि | शुष्यथः | शुष्यथ |
| | शुष्यामि | शुष्यावः | शुष्यामः |
| स० | शुष्येत् | शुष्येताम् | शुष्येयुः |
| | शुष्येः | शुष्येतम् | शुष्येत |
| | शुष्येयम् | शुष्येव | शुष्येम |
| प० | शुष्यतु | शुष्यतात | शुष्यताम् |
| | शुष्य | शुष्यतम् | शुष्यत |
| | शुष्याणि | शुष्याव | शुष्याम |
| झ० | अशुष्यत् | अशुष्यताम् | अशुष्यन् |
| | अशुष्यः | अशुष्यतम् | अशुष्यत |
| | अशुष्यम् | अशुष्याव | अशुष्याम |
| ञ० | अशुषत् | अशुषताम् | अशुषन् |
| | अशुषः | अशुषतम् | अशुषत |
| | अशुषम् | अशुषाव | अशुषाम |
| प० | शुशोष | शुशुषतुः | शुशुषुः |
| | शुशोषिथ | शुशुषथुः | शुशुष |
| | शुशोष | शुशुषिव | शुशुषिम |
| आ० | शुष्यात् | शुष्यास्ताम् | शुष्यासुः |
| | शुष्याः | शुष्यास्तम् | शुष्यास्त |
| | शुष्यासम् | शुष्यास्व | शुष्यास्म |
| प्रव० | शोषटा | शोषटारौ | शोषटारः |
| | शोषटासि | शोषटास्थः | शोषटास्थ |
| | शोषटास्मि | शोषटास्वः | शोषटास्मः |
| भ० | शोक्ष्यति | शोक्ष्यतः | शोक्ष्यन्ति |
| | शोक्ष्यसि | शोक्ष्यथः | शोक्ष्यथ |
| | शोक्ष्यामि | शोक्ष्यावः | शोक्ष्यामः |
| क्रि० | अशोक्ष्यत् | अशोक्ष्यताम् | अशोक्ष्यन् |
| | अशोक्ष्यः | अशोक्ष्यतम् | अशोक्ष्यत |
| | अशोक्ष्यम् | अशोक्ष्याव | अशोक्ष्याम |

1209 दुषंच् [दुष्] वैकृत्ये

रूपभङ्ग इत्यर्थः

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | दुष्यति | दुष्यतः | दुष्यन्ति |
| | दुष्यसि | दुष्यथः | दुष्यथ |
| | दुष्यामि | दुष्यावः | दुष्यामः |
| स० | दुष्येत् | दुष्येताम् | दुष्येयुः |
| | दुष्येः | दुष्येतम् | दुष्येत |
| | दुष्येयम् | दुष्येव | दुष्येम |
| प० | दुष्यतु | दुष्यतात | दुष्यताम् |
| | दुष्य | दुष्यतम् | दुष्यत |
| | दुष्याणि | दुष्याव | दुष्याम |
| झ० | अदुष्यत् | अदुष्यताम् | अदुष्यन् |
| | अदुष्यः | अदुष्यतम् | अदुष्यत |
| | अदुष्यम् | अदुष्याव | अदुष्याम |
| ञ० | अदुषत् | अदुषताम् | अदुषन् |
| | अदुषः | अदुषतम् | अदुषत |
| | अदुषम् | अदुषाव | अदुषाम |
| प० | दुदोष | दुदुषतुः | दुदुषुः |
| | दुदोषिथ | दुदुषथुः | दुदुष |
| | दुदोष | दुदुषिव | दुदुषिम |
| आ० | दुष्यात् | दुष्यास्ताम् | दुष्यासुः |
| | दुष्याः | दुष्यास्तम् | दुष्यास्त |
| | दुष्यासम् | दुष्यास्व | दुष्यास्म |
| प्रव० | दोषटा | दोषटारौ | दोषटारः |
| | दोषटासि | दोषटास्थः | दोषटास्थ |
| | दोषटास्मि | दोषटास्वः | दोषटास्मः |
| भ० | दोक्ष्यति | दोक्ष्यतः | दोक्ष्यन्ति |
| | दोक्ष्यसि | दोक्ष्यथः | दोक्ष्यथ |
| | दोक्ष्यामि | दोक्ष्यावः | दोक्ष्यामः |
| क्रि० | अदोक्ष्यत् | अदोक्ष्यताम् | अदोक्ष्यन् |
| | अदोक्ष्यः | अदोक्ष्यतम् | अदोक्ष्यत |
| | अदोक्ष्यम् | अदोक्ष्याव | अदोक्ष्याम |

1210 श्लिषंश्च (श्लिष्) आलिङ्गने

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| व० | श्लिष्यति | श्लिष्यतः | श्लिष्यन्ति |
| | श्लिष्यसि | श्लिष्यथः | श्लिष्यथ |
| | श्लिष्यामि | श्लिष्यावः | श्लिष्यामः |
| स० | श्लिष्येत् | श्लिष्येताम् | श्लिष्येयुः |
| | श्लिष्येः | श्लिष्येतम् | श्लिष्येत |
| | श्लिष्येयम् | श्लिष्येव | श्लिष्येम |
| प० | श्लिष्यतु | श्लिष्यताम् | श्लिष्यन्तु |
| | श्लिष्य | श्लिष्यतम् | श्लिष्यत |
| | श्लिष्याणि | श्लिष्याव | श्लिष्याम |
| झ० | अश्लिष्यत् | अश्लिष्यताम् | अश्लिष्यन् |
| | अश्लिष्यः | अश्लिष्यतम् | अश्लिष्यत |
| | अश्लिष्यम् | अश्लिष्याव | अश्लिष्याम |
| अ० | अश्लिष्यत् | अश्लिष्यताम् | अश्लिष्यन् |
| | अश्लिष्यः | अश्लिष्यतम् | अश्लिष्यत |
| | अश्लिष्यम् | अश्लिष्याव | अश्लिष्याम |
| | अश्लिष्यत् | अश्लिष्यताम् | अश्लिष्यन् |
| | अश्लिष्यः | अश्लिष्यतम् | अश्लिष्यत |
| | अश्लिष्यम् | अश्लिष्याव | अश्लिष्याम |
| प० | शिश्लेष | शिश्लेषतुः | शिश्लेषुः |
| | शिश्लेषिथ | शिश्लेषथुः | शिश्लेष |
| | शिश्लेष | शिश्लेषिथ | शिश्लेषिथ |
| आ० | श्लिष्यात् | श्लिष्यास्ताम् | श्लिष्यासुः |
| | श्लिष्याः | श्लिष्यास्तम् | श्लिष्यास्त |
| | श्लिष्यासम् | श्लिष्यास्व | श्लिष्यास्म |
| श्व० | श्लेष्टा | श्लेष्टारौ | श्लेष्टारः |
| | श्लेष्टासि | श्लेष्टास्थः | श्लेष्टास्थ |
| | श्लेष्टास्मि | श्लेष्टास्वः | श्लेष्टास्मः |
| भ० | श्लेक्ष्यति | श्लेक्ष्यतः | श्लेक्ष्यन्ति |
| | श्लेक्ष्यसि | श्लेक्ष्यथः | श्लेक्ष्यथ |
| | श्लेक्ष्यामि | श्लेक्ष्यावः | श्लेक्ष्यामः |
| क्रि० | अश्लेक्ष्यत् | अश्लेक्ष्यताम् | अश्लेक्ष्यन् |
| | अश्लेक्ष्यः | अश्लेक्ष्यतम् | अश्लेक्ष्यत |
| | अश्लेक्ष्यम् | अश्लेक्ष्याव | अश्लेक्ष्याम |

1211 प्लुषूच् (प्लुष्) दाहे

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| व० | प्लुष्यति | प्लुष्यतः | प्लुष्यन्ति |
| | प्लुष्यसि | प्लुष्यथः | प्लुष्यथ |
| | प्लुष्यामि | प्लुष्यावः | प्लुष्यामः |
| स० | प्लुष्येत् | प्लुष्येताम् | प्लुष्येयुः |
| | प्लुष्येः | प्लुष्येतम् | प्लुष्येत |
| | प्लुष्येयम् | प्लुष्येव | प्लुष्येम |
| प० | प्लुष्यतु | प्लुष्यताम् | प्लुष्यन्तु |
| | प्लुष्य | प्लुष्यतम् | प्लुष्यत |
| | प्लुष्याणि | प्लुष्याव | प्लुष्याम |
| झ० | अप्लुष्यत् | अप्लुष्यताम् | अप्लुष्यन् |
| | अप्लुष्यः | अप्लुष्यतम् | अप्लुष्यत |
| | अप्लुष्यम् | अप्लुष्याव | अप्लुष्याम |
| अ० | अप्लुष्यत् | अप्लुष्यताम् | अप्लुष्यन् |
| | अप्लुष्यः | अप्लुष्यतम् | अप्लुष्यत |
| | अप्लुष्यम् | अप्लुष्याव | अप्लुष्याम |
| प० | पुप्लोष | पुप्लुषतुः | पुप्लुषुः |
| | पुप्लोषिथ | पुप्लुषथुः | पुप्लुष |
| | पुप्लोष | पुप्लुषिथ | पुप्लुषिथ |
| आ० | प्लुष्यात् | प्लुष्यताम् | प्लुष्यासुः |
| | प्लुष्याः | प्लुष्यास्तम् | प्लुष्यास्त |
| | प्लुष्यासम् | प्लुष्यास्व | प्लुष्यास्म |
| श्व० | प्लोषिता | प्लोषितारौ | प्लोषितारः |
| | प्लोषितासि | प्लोषितास्थः | प्लोषितास्थ |
| | प्लोषितास्मि | प्लोषितास्वः | प्लोषितास्मः |
| भ० | प्लोषिष्यति | प्लोषिष्यतः | प्लोषिष्यन्ति |
| | प्लोषिष्यसि | प्लोषिष्यथः | प्लोषिष्यथ |
| | प्लोषिष्यामि | प्लोषिष्यावः | प्लोषिष्यामः |
| क्रि० | अप्लोषिष्यत् | अप्लोषिष्यताम् | अप्लोषिष्यन् |
| | अप्लोषिष्यः | अप्लोषिष्यतम् | अप्लोषिष्यत |
| | अप्लोषिष्यम् | अप्लोषिष्याव | अप्लोषिष्याम |

1212 तृष्यच् (तृष्) पिपासायाम्

ष० तृष्यति तृष्यतः तृष्यन्ति
तृष्यसि तृष्यथः तृष्यथ
तृष्यामि तृष्यावः तृष्यामः

स० तृष्येत् तृष्येताम् तृष्येयुः
तृष्येः तृष्येतम् तृष्येत
तृष्येयम् तृष्येव तृष्येम

प० तृष्यतु तृष्यतात् तृष्यताम् तृष्यन्तु
तृष्य तृष्यतात् तृष्यतम् तृष्यत
तृष्याणि तृष्याव तृष्याम

झ० अतृष्यत् अतृष्यताम् अतृष्यन्
अतृष्यः अतृष्यतम् अतृष्यत
अतृष्यम् अतृष्याव अतृष्याम

अ० अतृषत् अतृषताम् अतृषन्
अतृषः अतृषतम् अतृषत
अतृषम् अतृषाव अतृषाम

प० ततृषत् ततृषतुः ततृषुः
ततृषिथ ततृषथुः ततृष
ततृषि ततृषिन् ततृषिम

आ० तृष्यात् तृष्यास्ताम् तृष्यासुः
तृष्याः तृष्यास्ताम् तृष्यास्त
तृष्यासम् तृष्यास्व तृष्यास्म

श्व० तर्षिता तर्षितारौ तर्षितारः
तर्षितासि तर्षितास्थः तर्षितास्थ
तर्षितास्मि तर्षितास्वः तर्षितास्मः

भ० तर्षिष्यति तर्षिष्यतः तर्षिष्यन्ति
तर्षिष्यसि तर्षिष्यथः तर्षिष्यथ
तर्षिष्यामि तर्षिष्यावः तर्षिष्यामः

क्रि० अतर्षिष्यत् अतर्षिष्यताम् अतर्षिष्यन्
अतर्षिष्यः अतर्षिष्यतम् अतर्षिष्यत
अतर्षिष्यम् अतर्षिष्याव अतर्षिष्याम

तृष्यच् (तृष्) तृष्टौ, तृष्टिः प्रीतिः ।

ष० तृष्यति तृष्यतः तृष्यन्ति
तृष्यसि तृष्यथः तृष्यथ
तृष्यामि तृष्यावः तृष्यामः

स० तृष्येत् तृष्येताम् तृष्येयुः
तृष्येः तृष्येतम् तृष्येत
तृष्येयम् तृष्येव तृष्येम

प० तृष्यतु तृष्यतात् तृष्यताम् तृष्यन्तु
तृष्य तृष्यतात् तृष्यतम् तृष्यत
तृष्याणि तृष्याव तृष्याम

झ० अतृष्यत् अतृष्यताम् अतृष्यन्
अतृष्यः अतृष्यतम् अतृष्यत
अतृष्यम् अतृष्याव अतृष्याम

अ० अतृषत् अतृषताम् अतृषन्
अतृषः अतृषतम् अतृषत
अतृषम् अतृषाव अतृषाम

प० तृतोष तृतोषतुः तृतोषुः
तृतोषिथ तृतोषथुः तृतोष
तृतोषि तृतोषिन् तृतोषिम

आ० तृष्यात् तृष्यास्ताम् तृष्यासुः
तृष्याः तृष्यास्ताम् तृष्यास्त
तृष्यासम् तृष्यास्व तृष्यास्म

~~श्व० तर्षिता तर्षितारौ तर्षितारः~~
~~तर्षितासि तर्षितास्थः तर्षितास्थ~~
~~तर्षितास्मि तर्षितास्वः तर्षितास्मः~~

~~भ० तर्षिष्यति तर्षिष्यतः तर्षिष्यन्ति~~
~~तर्षिष्यसि तर्षिष्यथः तर्षिष्यथ~~
~~तर्षिष्यामि तर्षिष्यावः तर्षिष्यामः~~

~~क्रि० अतर्षिष्यत् अतर्षिष्यताम् अतर्षिष्यन्~~
~~अतर्षिष्यः अतर्षिष्यतम् अतर्षिष्यत~~
~~अतर्षिष्यम् अतर्षिष्याव अतर्षिष्याम~~

श्व० तोष्टा तोष्टारौ तोष्टारः इत्यादि

भ० तोक्ष्यति तोक्ष्यतः तोक्ष्यन्ति इत्यादि

क्रि० अतोक्ष्यत् अतोक्ष्यताम् अतोक्ष्यन् इत्यादि

1224 हृषत् (हृष्) तुष्टौ

तुष्टिः प्रीतिः

| | | |
|-------------|--------------|------------|
| १० हृष्यति | हृष्यतः | हृष्यन्ति |
| हृष्यसि | हृष्यथः | हृष्यथ |
| हृष्यामि | हृष्यावः | हृष्यामः |
| स० हृष्येत् | हृष्येताम् | हृष्येयुः |
| हृष्येः | हृष्येतम् | हृष्येत |
| हृष्येयम् | हृष्येव | हृष्येम |
| प० हृष्यतु | हृष्यतात् | हृष्यताम् |
| हृष्य | हृष्यतम् | हृष्यन्तु |
| हृष्याणि | हृष्याव | हृष्याम |
| झ० अहृष्यत् | अहृष्यताम् | अहृष्यन् |
| अहृष्यः | अहृष्यतम् | अहृष्यत |
| अहृष्यम् | अहृष्याव | अहृष्याम |
| अ० अहृषत् | अहृषताम् | अहृषन् |
| अहृषः | अहृषतम् | अहृषत |
| अहृषम् | अहृषाव | अहृषाम |
| प० जहृष | जहृषतुः | जहृषुः |
| जहृषिथ | जहृषथुः | जहृष |
| जहृष | जहृषिष | जहृषिम |
| आ० हृष्यात् | हृष्यास्ताम् | हृष्यासुः |
| हृष्याः | हृष्यास्तम् | हृष्यास्त |
| हृष्यासम् | हृष्यास्व | हृष्यास्म |
| प्र० हृषिता | हृषितारौ | हृषितारः |
| हृषितासि | हृषितास्थः | हृषितास्थ |
| हृषितास्मि | हृषितावः | हृषितास्मः |

भ० हृषिष्यति हृषिष्यतः हृषिष्यन्ति
 हृषिष्यसि हृषिष्यथः हृषिष्यथ
 हृषिष्यामि हृषिष्यावः हृषिष्यामः

क्रि० अहृषिष्यत् अहृषिष्यताम् अहृषिष्यन्
 अहृषिष्यः अहृषिष्यतम् अहृषिष्यत
 अहृषिष्यम् अहृषिष्याव अहृषिष्याम

1215 रुषत् [रुष्] रोषे

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| ४० रुष्यति | रुष्यतः | रुष्यन्ति |
| रुष्यसि | रुष्यथः | रुष्यथ |
| रुष्यामि | रुष्यावः | रुष्यामः |
| स० रुष्येत् | रुष्येताम् | रुष्येयुः |
| रुष्येः | रुष्येतम् | रुष्येत |
| रुष्येयम् | रुष्येव | रुष्येम |
| प० रुष्यतु | रुष्यतात् | रुष्यताम् |
| रुष्य | रुष्यतम् | रुष्यन्तु |
| रुष्याणि | रुष्याव | रुष्याम |
| झ० अरुष्यत् | अरुष्यताम् | अरुष्यन् |
| अरुष्यः | अरुष्यतम् | अरुष्यत |
| अरुष्यम् | अरुष्याव | अरुष्याम |
| अ० अरुषत् | अरुषताम् | अरुषन् |
| अरुषः | अरुषतम् | अरुषत |
| अरुषम् | अरुषाव | अरुषाम |
| प० रुरोष | रुरुषतुः | रुरुषुः |
| रुरोषिथ | रुरुषथुः | रुरुष |
| रुरोष | रुरुषिष | रुरुषिम |
| आ० रुष्यात् | रुष्यास्ताम् | रुष्यासुः |
| रुष्याः | रुष्यास्तम् | रुष्यास्त |
| रुष्यासम् | रुष्यास्व | रुष्यास्म |

| | | | | | |
|-----------------|--------------|-------------|----------------|----------------|-------------|
| प्रब० रोष्टा | रोष्टारौ | रोष्टारः | ब्र० अप्युष्यत | अप्युष्यताम् | अप्युष्यन् |
| रोष्टासि | रोष्टास्थः | रोष्टास्थ | अप्युष्यः | अप्युष्यतम् | अप्युष्यत |
| रोष्टास्मि | रोष्टास्वः | रोष्टास्मः | अप्युष्यम | अप्युष्याव | अप्युष्याम |
| रोषिता | रोषितारौ | रोषितारः | अ० अप्युषते | अप्युषताम् | अप्युषन् |
| रोषितासि | रोषितास्थः | रोषितास्थ | अप्युषः | अप्युषतम् | अप्युषत |
| रोषितास्मि | रोषितास्वः | रोषितास्मः | अप्युषम | अप्युषाव | अप्युषाम |
| भ० रोषिष्यति | रोषिष्यतः | रोषिष्यन्ति | प० पुष्योष | पुष्युषतुः | पुष्युषुः |
| रोषिष्यसि | रोषिष्यथः | रोषिष्यथ | पुष्योषिथ | पुष्युषथुः | पुष्युष |
| रोषिष्यामि | रोषिष्यावः | रोषिष्यामः | पुष्योष | पुष्युषि | पुष्युषि |
| क्रि० अरोषिष्यत | अरोषिष्यताम् | अरोषिष्यन् | आ० प्युष्यात् | प्युष्यास्ताम् | प्युष्यासुः |
| अरोषिष्यः | अरोषिष्यतम् | अरोषिष्यत | प्युष्याः | प्युष्यास्तम् | प्युष्यास्त |
| अरोषिष्यम | अरोषिष्याव | अरोषिष्याम | प्युष्यासम् | प्युष्यास्व | प्युष्यास्म |

1216 प्युषच् [प्युष्] विभागे

| | | | | | |
|---------------|--------------|-------------|----------------|-------------------|----------------|
| ब० प्युष्यति | प्युष्यतः | प्युष्यन्ति | प्रब० प्योषिता | प्योषितारौ | प्योषितारः |
| प्युष्यसि | प्युष्यथः | प्युष्यथ | प्योषितासि | प्योषितास्थः | प्योषितास्थ |
| प्युष्यामि | प्युष्यावः | प्युष्यामः | प्योषितास्मि | प्योषितास्वः | प्योषितास्मः |
| स० प्युष्येत् | प्युष्येताम् | प्युष्येयुः | भ० प्योषिष्यति | प्योषिष्यतः | प्योषिष्यन्ति |
| प्युष्येः | प्युष्येतम् | प्युष्येत | प्योषिष्यसि | प्योषिष्यथः | प्योषिष्यथ |
| प्युष्येयम् | प्युष्येव | प्युष्येम | प्योषिष्यामि | प्योषिष्यावः | प्योषिष्यामः |
| प० प्युष्यतु | प्युष्यतात | प्युष्यताम् | प्युष्यन्तु | क्रि० अप्योषिष्यत | अप्योषिष्यताम् |
| प्युष्य | प्युष्यतम् | प्युष्यत | अप्योषिष्यः | अप्योषिष्यतम् | अप्योषिष्यत |
| प्युष्याणि | प्युष्याव | प्युष्याम | अप्योषिष्यम | अप्योषिष्याव | अप्योषिष्याम |

अथ सान्तास्त्रयोदश सेदश्च ।

1217 प्युसच् (प्युस्) विभागे ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० प्युस्यति | प्युस्यतः | प्युस्यन्ति |
| प्युस्यसि | प्युस्यथः | प्युस्यथ |
| प्युस्यामि | प्युस्यावः | प्युस्यामः |
| स० प्युस्येत् | प्युस्येताम् | प्युस्येयुः |
| प्युस्येः | प्युस्येतम् | प्युस्येत |
| प्युस्येयम् | प्युस्येव | प्युस्येम |
| प० प्युस्यतु | प्युस्यताम् | प्युस्यन्तु |
| प्युस्य | प्युस्यतम् | प्युस्यत |
| प्युस्यानि | प्युस्याव | प्युस्याम |
| अ० अप्युस्यत् | अप्युस्यताम् | अप्युस्यन् |
| अप्युस्यः | अप्युस्यतम् | अप्युस्यत |
| अप्युस्यम् | अप्युस्याव | अप्युस्याम |
| अ० अप्युसत् | अप्युसताम् | अप्युसन् |
| अप्युसः | अप्युसतम् | अप्युसत |
| अप्युसम् | अप्युसाव | अप्युसाम |
| प० पुप्योस | पुप्युसतुः | पुप्युसुः |
| पुप्योसिथ | पुप्युसथुः | पुप्युस |
| पुप्योस | पुप्युसिव | पुप्युसिम |
| आ० प्युस्यात् | प्युस्यास्ताम् | प्युस्यासुः |
| प्युस्याः | प्युस्यास्तम् | प्युस्यास्त |
| प्युस्यासम् | प्युस्यास्व | प्युस्यास्म |
| प्रब० प्योसिता | प्योसितारौ | प्योसितारः |
| प्योसितासि | प्योसितास्थः | प्योसितास्थ |
| प्योसितास्मि | प्योसितास्वः | प्योसितास्मः |
| अ० प्योसिष्यति | प्योसिष्यतः | प्योसिष्यन्ति |
| प्योसिष्यसि | प्योसिष्यथः | प्योसिष्यथ |
| प्योसिष्यामि | प्योसिष्यावः | प्योसिष्यामः |
| क्रि० अप्योसिष्यत् | अप्योसिष्यताम् | अप्योसिष्यन् |
| अप्योसिष्यः | अप्योसिष्यतम् | अप्योसिष्यत |
| अप्योसिष्यम् | अप्योसिष्याव | अप्योसिष्याम |

1218 पुसच् [पुस्] विभागे

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० पुस्यति | पुस्यतः | पुस्यन्ति |
| पुस्यसि | पुस्यथः | पुस्यथ |
| पुस्यामि | पुस्यावः | पुस्यामः |
| स० पुस्येत् | पुस्येताम् | पुस्येयुः |
| पुस्येः | पुस्येतम् | पुस्येत |
| पुस्येयम् | पुस्येव | पुस्येम |
| प० पुस्यतु | पुस्यताम् | पुस्यन्तु |
| पुस्य | पुस्यतम् | पुस्यत |
| पुस्यानि | पुस्याव | पुस्याम |
| अ० अपुस्यत् | अपुस्यताम् | अपुस्यन् |
| अपुस्यः | अपुस्यतम् | अपुस्यत |
| अपुस्यम् | अपुस्याव | अपुस्याम |
| अ० अपुसत् | अपुसताम् | अपुसन् |
| अपुसः | अपुसतम् | अपुसत |
| अपुसम् | अपुसाव | अपुसाम |
| प० पुपोस | पुपुसतुः | पुपुसुः |
| पुपोसिथ | पुपुसथुः | पुपुस |
| पुपोस | पुपुसिव | पुपुसिम |
| आ० पुस्यात् | पुस्यास्ताम् | पुस्यासुः |
| पुस्याः | पुस्यास्तम् | पुस्यास्त |
| पुस्यासम् | पुस्यास्व | पुस्यास्म |
| प्रब० पोसिता | पोसितारौ | पोसितारः |
| पोसितासि | पोसितास्थः | पोसितास्थ |
| पोसितास्मि | पोसितास्वः | पोसितास्मः |
| अ० पोसिष्यति | पोसिष्यतः | पोसिष्यन्ति |
| पोसिष्यसि | पोसिष्यथः | पोसिष्यथ |
| पोसिष्यामि | पोसिष्यावः | पोसिष्यामः |
| क्रि० अपोसिष्यत् | अपोसिष्यताम् | अपोसिष्यन् |
| अपोसिष्यः | अपोसिष्यतम् | अपोसिष्यत |
| अपोसिष्यम् | अपोसिष्याव | अपोसिष्याम |

1219 विसच् (विस्) प्रेरणे

| | | |
|------------------|--------------|---------------------|
| व० विस्यति | विस्यतः | विस्यन्ति |
| विस्यसि | विस्यथः | विस्यथ |
| विस्यामि | विस्यावः | विस्यामः |
| स विस्येत् | विस्येताम् | विस्येयुः |
| विस्येः | विस्येतम् | विस्येत |
| विस्येयम् | विस्येव | विस्येम |
| प० विस्यतु | विस्यतात् | विस्यताम् विस्यन्तु |
| विस्य | विस्यतम् | विस्यत |
| विस्यानि | विस्याव | विस्याम |
| ह्य० अविस्यत् | अविस्यताम् | अविस्यन् |
| अविस्यः | अविस्यतम् | अविस्यत |
| अविस्यम् | अविस्याव | अविस्याम |
| अ० अविसत् | अविसताम् | अविसन् |
| अविसः | अविसतम् | अविसत |
| अविसम् | अविसाव | अविसाम |
| प० विवेस | विविसतुः | विविसुः |
| विवेसिथ | विविसथुः | विविस |
| विवेस | विविसिव | विविसिम |
| आ० विस्याते | विस्यास्ताम् | विस्यासुः |
| विस्याः | विस्यास्तम् | विस्यास्त |
| विस्यासम् | विस्यास्व | विस्यास्म |
| प्रव० वेसिता | वेसितारौ | वेसितारः |
| वेसितासि | वेसितास्थः | वेसितास्थ |
| वेसितास्मि | वेसितास्वः | वेसितास्मः |
| भ० वेसिष्यति | वेसिष्यतः | वेसिष्यन्ति |
| वेसिष्यमि | वेसिष्यथः | वेसिष्यथ |
| वेसिष्यामि | वेसिष्यावः | वेसिष्यामः |
| क्रि० अवेसिष्यत् | अवेसिष्यताम् | अवेसिष्यन् |
| अवेसिष्यः | अवेसिष्यतम् | अवेसिष्यत |
| अवेसिष्यम् | अवेसिष्याव | अवेसिष्याम |

1220 कुसच् (कुस्) श्लेषे

| | | |
|------------------|--------------|---------------------|
| व० कुस्यति | कुस्यतः | कुस्यन्ति |
| कुस्यसि | कुस्यथः | कुस्यथ |
| कुस्यामि | कुस्यावः | कुस्यामः |
| स० कुस्येत् | कुस्येताम् | कुस्येयुः |
| कुस्येः | कुस्येतम् | कुस्येत |
| कुस्येयम् | कुस्येव | कुस्येम |
| प० कुस्यतु | कुस्यतात् | कुस्यताम् कुस्यन्तु |
| कुस्य | कुस्यतम् | कुस्यत |
| कुस्यानि | कुस्याव | कुस्याम |
| ह्य० अकुस्यत् | अकुस्यताम् | अकुस्यन् |
| अकुस्यः | अकुस्यतम् | अकुस्यत |
| अकुस्यम् | अकुस्याव | अकुस्याम |
| अ० अकुसत् | अकुसताम् | अकुसन् |
| अकुसः | अकुसतम् | अकुसत |
| अकुसम् | अकुसाव | अकुसाम |
| प० चुकोस | चुकुसतुः | चुकुसुः |
| चुकोसिथ | चुकुसथुः | चुकुस |
| चुकोस | चुकुसिव | चुकुसिम |
| आ० कुस्यात | कुस्यास्ताम् | कुस्यासुः |
| कुस्याः | कुस्यास्तम् | कुस्यास्त |
| कुस्यासम् | कुस्यास्व | कुस्यास्म |
| प्रव० कोसिता | कोसितारौ | कोसितारः |
| कोसितासि | कोसितास्थः | कोसितास्थ |
| कोसितास्मि | कोसितास्वः | कोसितास्मः |
| भ० कोसिष्यति | कोसिष्यतः | कोसिष्यन्ति |
| कोसिष्यमि | कोसिष्यथः | कोसिष्यथ |
| कोसिष्यामि | कोसिष्यावः | कोसिष्यामः |
| क्रि० अकोसिष्यत् | अकोसिष्यताम् | अकोसिष्यन् |
| अकोसिष्यः | अकोसिष्यतम् | अकोसिष्यत |
| अकोसिष्यम् | अकोसिष्याव | अकोसिष्याम |

1221 असूच (असू) क्षेपणे ।

| | | |
|-------------|-------------|-------------------|
| व० अस्यति | अस्यतः | अस्यन्ति |
| अस्यसि | अस्यथः | अस्यथ |
| अस्यामि | अस्यावः | अस्यामः |
| १० अस्येत् | अस्येताम् | अस्येयुः |
| अस्येः | अस्येतम् | अस्येत |
| अस्येयम् | अस्येव | अस्येम |
| प० अस्यतु | अस्यतात् | अस्यताम् अस्यन्तु |
| अस्य | अस्यतम् | अस्यत |
| अस्यानि | अस्याव | अस्याम |
| ह्य० आस्यत | आस्यताम् | आस्यन् |
| आस्यः | आस्येतम् | आस्येत |
| आस्यम् | आस्याव | आस्याम |
| अ० आस्थत | आस्थताम् | आस्थन् |
| आस्थः | आस्थतम् | आस्थत |
| आस्थम् | आस्थाव | आस्थाम |
| प० आसत | आसतुः | आसुः |
| आसिथ | आसथुः | आस |
| आस | आसिथ | आसिम |
| आ० अस्यात् | अस्यास्ताम् | अस्यासुः |
| अस्याः | अस्यास्तम् | अस्यास्त |
| अस्यासम् | अस्यास्व | अस्यास्म |
| ३३० असिता | असितारौ | असितारः |
| असितासि | असितास्थः | असितास्थ |
| असितास्मि | असितास्वः | असितास्मः |
| भ० असिष्यति | असिष्यतः | असिष्यन्ति |
| असिष्यसि | असिष्यथः | असिष्यथ |
| असिष्यामि | असिष्यावः | असिष्यामः |

क्रि० आसिष्यत आसिष्यताम् आसिष्यन्
 आसिष्यः आसिष्यतम् आसिष्यत
 आसिष्यम् आसिष्याव आसिष्याम
 संपूर्वस्थानुपसर्गस्य च वा इयः ।

1222 यसूच (यस्) प्रयत्ने ।

| | | |
|---------------|-------------|-----------------------|
| व० संयस्यति | संयस्यतः | संयस्यन्ति |
| संयस्यसि | संयस्यथः | संयस्यथ |
| संयस्यामि | संयस्यावः | संयस्यामः |
| संयसति | संयसतः | संयसन्ति |
| संयससि | संयसथः | संयसथ |
| संयसामि | संयसावः | संयसामः |
| स० संयस्येत् | संयस्येताम् | संयस्येयुः |
| संयस्येः | संयस्येतम् | संयस्येत |
| संयस्येयम् | संयस्येव | संयस्येम |
| संयसेत् | संयसेताम् | संयसेयुः |
| संयसेः | संयसेतम् | संयसेत |
| संयसेयम् | संयसेव | संयसेम |
| प० संयस्यतु | संयस्यतात् | संयस्यताम् संयस्यन्तु |
| संयस्य | संयस्यतम् | संयस्यत |
| संयस्यानि | संयस्याव | संयस्याम |
| संयसतु | संयसतात् | संयसताम् संयसन्तु |
| संयस | संयसतम् | संयसत |
| संयसानि | संयसाव | संयसाम |
| ह्य० समयस्यत् | समयस्यताम् | समयस्यन् |
| समयस्यः | समयस्यतम् | समयस्यत |
| समयस्यम् | समयस्याव | समयस्याम |
| समयसत | समयसताम् | समयसन् |
| समयसः | समयसतम् | समयसत |
| समयसम् | समयसाव | समयसाम |

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० यस्यति | यस्यतः | यस्यन्ति |
| यस्यसि | यस्यथः | यस्यथ |
| यस्यामि | यस्यावः | यस्यामः |
| यसति | यसतः | यसन्ति |
| यससि | यसथः | यसथ |
| यसामि | यसावः | यसामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० यस्येत् | यस्येताम् | यस्येयुः |
| यस्येः | यस्येतम् | यस्येत |
| यस्येयम् | यस्येव | यस्येम |
| यसेत् | यसेताम् | यसेयुः |
| यसेः | यसेतम् | यसेत |
| यसेयम् | यसेव | यसेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० यस्यतु | यस्यतान् | यस्यताम् | यस्यन्तु |
| यस्य | यस्यतम् | यस्यत | |
| यस्यानि | यस्याव | यस्याम | |
| यसतु | यसतात् | यसताम् | यसन्तु |
| यस | यसतम् | यसत | |
| यसानि | यसाव | यसाम | |

| | | |
|--------------|-----------|---------|
| ह्य० अयस्यत् | अयस्यताम् | अयस्यन् |
| अयस्यः | अयस्यतम् | अयस्यत |
| अयस्यम् | अयस्याव | अयस्याम |
| अयसत | अयसताम् | अयसन् |
| अयसः | अयसतम् | अयसत |
| अयसम् | अयसाव | अयसाम |

अन्योपसर्गपूर्वस्तु नित्यं

इयभाक् यथा-

| | | |
|--------------|-----------|-------------|
| व० प्रयस्यति | प्रयस्यतः | प्रयस्यन्ति |
| प्रयस्यसि | प्रयस्यथः | प्रयस्यथ |
| प्रस्यामि | प्रस्यावः | प्रस्यामः |

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| स० प्रयस्येत् | प्रयस्येताम् | प्रयस्येयुः |
|---------------|--------------|-------------|

| | | |
|-----------|-------------|-----------|
| प्रयस्येः | प्रयस्येतम् | प्रयस्येत |
|-----------|-------------|-----------|

| | | |
|-------------|-----------|-----------|
| प्रयस्येयम् | प्रयस्येव | प्रयस्येम |
|-------------|-----------|-----------|

| | | | |
|--------------|-------------|-------------|-------------|
| प० प्रयस्यतु | प्रयस्यतान् | प्रयस्यताम् | प्रयस्यन्तु |
|--------------|-------------|-------------|-------------|

| | | |
|---------|------------|----------|
| प्रयस्य | प्रयस्यतम् | प्रयस्यत |
|---------|------------|----------|

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| प्रयस्यानि | प्रयस्याव | प्रयस्याम |
|------------|-----------|-----------|

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| ह्य० प्रायस्यन् | प्रायस्यताम् | प्रायस्यन् |
|-----------------|--------------|------------|

| | | |
|-----------|-------------|-----------|
| प्रायस्यः | प्रायस्यतम् | प्रायस्यत |
|-----------|-------------|-----------|

| | | |
|-----------|------------|------------|
| प्रयस्यम् | प्रयास्याव | प्रयास्याम |
|-----------|------------|------------|

| | | |
|----------|---------|-------|
| अ० अयसत् | अयसताम् | अयसन् |
|----------|---------|-------|

| | | |
|------|--------|------|
| अयसः | अयसतम् | अयसत |
|------|--------|------|

| | | |
|-------|-------|-------|
| अयसम् | अयसाव | अयसाम |
|-------|-------|-------|

| | | |
|---------|--------|-------|
| प० ययास | येसतुः | येसुः |
|---------|--------|-------|

| | | |
|-------|--------|-----|
| येसिथ | येसथुः | येस |
|-------|--------|-----|

| | | |
|----------|-------|-------|
| ययास,ययस | येसिव | येसिम |
|----------|-------|-------|

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० यस्यात् | यस्यास्ताम् | यस्यासुः |
|------------|-------------|----------|

| | | |
|--------|------------|----------|
| यस्याः | यस्यास्तम् | यस्यास्त |
|--------|------------|----------|

| | | |
|----------|----------|----------|
| यस्यासम् | यस्यास्व | यस्यास्म |
|----------|----------|----------|

| | | |
|------------|---------|---------|
| श्व० यसिता | यसितारौ | यसितारः |
|------------|---------|---------|

| | | |
|---------|-----------|----------|
| यसितासि | यसितास्थः | यसितास्थ |
|---------|-----------|----------|

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| यसितास्मि | यसितास्वः | यसितास्मः |
|-----------|-----------|-----------|

| | | |
|-------------|----------|------------|
| भ० यसिष्यति | यसिष्यतः | यसिष्यन्ति |
|-------------|----------|------------|

| | | |
|----------|----------|---------|
| यसिष्यसि | यसिष्यथः | यसिष्यथ |
|----------|----------|---------|

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| यसिष्यामि | यसिष्यावः | यसिष्यामः |
|-----------|-----------|-----------|

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अयसिष्यत् | अयसिष्यताम् | अयसिष्यन् |
|-----------------|-------------|-----------|

| | | |
|----------|------------|----------|
| अयसिष्यः | अयसिष्यतम् | अयसिष्यत |
|----------|------------|----------|

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| अयसिष्याम् | अयसिष्याव | अयसिष्याम |
|------------|-----------|-----------|

1223 जसूच (जस्) मोक्षणे

| | | |
|-----------|---------|----------|
| ब० जस्यति | जस्यतः | जस्यन्ति |
| जस्यसि | जस्यथः | जस्यथ |
| जस्यामि | जस्यावः | जस्यामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० जस्येत् | जस्येताम् | जस्येयुः |
| जस्येः | जस्येतम् | जस्येत |
| जस्येयम् | जस्येव | जस्येम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० जस्यतु | जस्यतात् | जस्यताम् | जस्यन्तु |
| जस्य | जस्यतम् | जस्यत | |
| जस्यानि | जस्याव | जस्याम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अजस्यत् | अजस्यताम् | अजस्यन् |
| अजस्यः | अजस्यतम् | अजस्यत |
| अजस्यम् | अजस्याव | अजस्याम |

| | | |
|----------|---------|-------|
| ञ० अजसव् | अजसताम् | अजसन् |
| अजसः | अजसतम् | अजसत |
| अजसम् | अजसाव | अजसाम |

| | | |
|-----------|--------|-------|
| प० जजास | जेसतुः | जेसुः |
| जेसिथ | जेसथुः | जेस |
| जजास, जजस | जेसिव | जेसिम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० जस्यात् | जस्यास्ताम् | जस्यासुः |
| जस्याः | जस्यास्तम् | जस्यास्त |
| जस्यासम् | जस्यास्व | जस्यास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| प्र० जसिता | जसितारौ | जसितारः |
| जसितामि | जसितास्थः | जसितास्थ |
| जसितास्मि | जसितास्वः | जसितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० जसिष्यति | जसिष्यतः | जसिष्यन्ति |
| जसिष्यसि | जसिष्यथः | जसिष्यथ |
| जसिष्यामि | जसिष्यावः | जसिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अजसिष्यत् | अजसिष्यताम् | अजसिष्यन् |
| अजसिष्यः | अजसिष्यतम् | अजसिष्यत |
| अजसिष्यम् | अजसिष्याव | अजसिष्याम |

1224 तसूच (तस्) उपक्षये

| | | |
|-----------|---------|----------|
| ब० तस्यति | तस्यतः | तस्यन्ति |
| तस्यसि | तस्यथः | तस्यथ |
| तस्यामि | तस्यावः | तस्यामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० तस्येत् | तस्येताम् | तस्येयुः |
| तस्येः | तस्येतम् | तस्येत |
| तस्येयम् | तस्येव | तस्येम |

| | | | |
|-----------|----------|---------|----------|
| प० तस्यतु | तस्यतात् | तस्याम् | तस्यन्तु |
| तस्य | तस्यतात् | तस्यतम् | तस्यत |
| तस्यानि | तस्याव | तस्याम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अतस्यत् | अतस्यताम् | अतस्यन् |
| अतस्यः | अतस्यतम् | अतस्यत |
| अतस्यम् | अतस्याव | अतस्याम |

| | | |
|----------|---------|-------|
| अ० अतसत् | अतसताम् | अतसन् |
| अतसः | अतसतम् | अतसत |
| अतसम् | अतसाव | अतसाम |

| | | |
|-----------|--------|-------|
| प० ततास | तेसतुः | तेसुः |
| तेसिथ | तेसथुः | तेस |
| ततास, ततस | तेसिव | तेसिम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० तस्यात् | तस्यास्ताम् | तस्यासुः |
| तस्याः | तस्यास्तम् | तस्यास्त |
| तस्यासम् | तस्यास्व | तस्यास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| प्र० तसिता | तसितारौ | तसितारः |
| तसितामि | तसितास्थः | तसितास्थ |
| तसितास्मि | तसितास्वः | तसितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० तसिष्यति | तसिष्यतः | तसिष्यन्ति |
| तसिष्यसि | तसिष्यथः | तसिष्यथ |
| तसिष्यामि | तसिष्यावः | तसिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अतसिष्यत् | अतसिष्यताम् | अतसिष्यन् |
| अतसिष्यः | अतसिष्यतम् | अतसिष्यत |
| अतसिष्यम् | अतसिष्याव | अतसिष्याम |

112५ दसृच् (दसृ) उपक्षये

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| घ० दस्यति | दस्यतः | दस्यन्ति |
| दस्यसि | दस्यथः | दस्यथ |
| दस्यामि | दस्यावः | दस्यामः |
| स० दस्येत् | दस्येताम् | दस्येयुः |
| दस्येः | दस्येतम् | दस्येत |
| दस्येयम् | दस्येव | दस्येम |
| प० दस्यतु | दस्यतात् | दस्यन्तु |
| दस्य | दस्यतम् | दस्यत |
| दस्यानि | दस्याव | दस्याम |
| झ० अदस्यत् | अदस्यताम् | अदस्यन् |
| अदस्यः | अदस्यतम् | अदस्यत |
| अदस्यम् | अदस्याव | अदस्याम |
| अ० अदसत् | अदसताम् | अदसन् |
| अदसः | अदसतम् | अदसत |
| अदसम् | अदसाव | अदसाम |
| प० ददास | देसतुः | देसुः |
| देसिथ | देसथुः | देस |
| देसास, ददस | देसिव | देसिम |
| आ० दस्यात् | दस्यास्ताम् | दस्यासुः |
| दस्याः | दस्यास्तम् | दस्यास्त |
| दस्यासम् | दस्यास्व | दस्यास्म |
| अ० दसिता | दसितारौ | दसितारः |
| दसितासि | दसितास्थः | दसितास्थ |
| दसितास्मि | दसितास्वः | दसितास्मः |
| अ० दसिष्यति | दसिष्यतः | दसिष्यन्ति |
| दसिष्यसि | दसिष्यथः | दसिष्यथ |
| दसिष्यामि | दसिष्यावः | दसिष्यामः |
| क्रि० अदसिष्यत् | अदसिष्यताम् | अदसिष्यन् |
| अदसिष्यः | अदसिष्यतम् | अदसिष्यत |
| अदसिष्यम् | अदसिष्याव | अदसिष्याम |

1226 वसृच् (वसृ) स्तम्भे

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० वस्यति | वस्यतः | वस्यन्ति |
| वस्यसि | वस्यथः | वस्यथ |
| वस्यामि | वस्यावः | वस्यामः |
| स० वस्येत् | वस्येताम् | वस्येयुः |
| वस्येः | वस्येतम् | वस्येत |
| वस्येयम् | वस्येव | वस्येम |
| प० वस्यतु | वस्यतात् | वस्यन्तु |
| वस्य | वस्यतम् | वस्यत |
| वस्यानि | वस्याव | वस्याम |
| झ० अवस्यत् | अवस्यताम् | अवस्यन् |
| अवस्यः | अवस्यतम् | अवस्यत |
| अवस्यम् | अवस्याव | अवस्याम |
| अ० अवसत् | अवसताम् | अवसन् |
| अवसः | अवसतम् | अवसत |
| अवसम् | अवसाव | अवसाम |
| प० ववास | ववसतुः | ववसुः |
| ववसिथ | ववसथुः | ववस |
| ववसास, ववास | ववसिव | ववसिम |
| आ० वस्यात् | वस्यास्ताम् | वस्यासुः |
| वस्याः | वस्यास्तम् | वस्यास्त |
| वस्यासम् | वस्यास्व | वस्यास्म |
| अ० वसिता | वसितारौ | वसितारः |
| वसितासि | वसितास्थः | वसितास्थ |
| वसितास्मि | वसितास्वः | वसितास्मः |
| अ० वसिष्यति | वसिष्यतः | वसिष्यन्ति |
| वसिष्यसि | वसिष्यथः | वसिष्यथ |
| वसिष्यामि | वसिष्यावः | वसिष्यामः |
| क्रि० अवसिष्यत् | अवसिष्यताम् | अवसिष्यन् |
| अवसिष्यः | अवसिष्यतम् | अवसिष्यत |
| अवसिष्यम् | अवसिष्याव | अवसिष्याम |

1127 वुसच् (वुस्) उत्सर्ग

उत्सर्गस्त्यागः ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० वुस्यति | वुस्यतः | वुस्यन्ति |
| वुस्यसि | वुस्यथः | वुस्यथ |
| वुस्यामि | वुस्यावः | वुस्यामः |
| स० वुस्येत् | वुस्येताम् | वुस्येयुः |
| वुस्येः | वुस्येतम् | वुस्येत |
| वुस्येयम् | वुस्येव | वुस्येम |
| प० वुस्यतु | वुस्यतात् | वुस्यताम् |
| वुस्य | वुस्यतम् | वुस्यत |
| वुस्यानि | वुस्याव | वुस्याम |
| झ० अवुस्यत् | अवुस्यताम् | अवुस्यन् |
| अवुस्यः | अवुस्यतम् | अवुस्यत |
| अवुस्यम् | अवुस्याव | अवुस्याम |
| अ० अवुसत् | अवुसताम् | अवुसन् |
| अवुसः | अवुसतम् | अवुसत |
| अवुसम् | अवुसाव | अवुसाम |
| प० वुवोस | वुवुसतुः | वुवुसुः |
| वुवोसिथ | वुवुसथुः | वुवुस |
| वुवोस | वुवुसिव | वुवुसिम |
| आ० वुस्यात् | वुस्यास्ताम् | वुस्यासुः |
| वुस्याः | वुस्यास्तम् | वुस्यास्त |
| वुस्यासम् | वुस्यास्व | वुस्यास्म |
| प्रव० वोसिता | वोसितारौ | वोसितारः |
| वोसितासि | वोसितास्थः | वोसितास्थ |
| वोमितास्मि | वोसितास्वः | वोसितास्मः |
| भ० वोसिष्यति | वोसिष्यतः | वोसिष्यन्ति |
| वोसिष्यसि | वोसिष्यथः | वोसिष्यथ |
| वोसिष्यामि | वोसिष्यावः | वोसिष्यामः |
| क्रि० अवोसिष्यत् | अवोसिष्यताम् | अवोसिष्यन् |
| अवोसिष्यः | अवोसिष्यतम् | अवोसिष्यत |
| अवोसिष्यम् | अवोसिष्याव | अवोसिष्याम |

1228 मुसच् (मुस्) खण्डने

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० मुस्यति | मुस्यतः | मुस्यन्ति |
| मुस्यसि | मुस्यथः | मुस्यथ |
| मुस्यामि | मुस्यावः | मुस्यामः |
| स० मुस्येत् | मुस्येताम् | मुस्येयुः |
| मुस्येः | मुस्येतम् | मुस्येत |
| मुस्येयम् | मुस्येव | मुस्येम |
| प० मुस्यतु | मुस्यतात् | मुस्यताम् |
| मुस्य | मुस्यतम् | मुस्यत |
| मुस्यानि | मुस्याव | मुस्याम |
| झ० अमुस्यत् | अमुस्यताम् | अमुस्यन् |
| अमुस्यः | अमुस्यतम् | अमुस्यत |
| अमुस्यम् | अमुस्याव | अमुस्याम |
| अ० अमुसत् | अमुसताम् | अमुसन् |
| अमुसः | अमुसतम् | अमुसत |
| अमुसम् | अमुसाव | अमुसाम |
| प० मुमोस | मुमुसतुः | मुमुसुः |
| मुमोसिथ | मुमुसथुः | मुमुस |
| मुमोस | मुमुसिव | मुमुसिम |
| आ० मुस्यात् | मुस्यास्ताम् | मुस्यासुः |
| मुस्याः | मुस्यास्तम् | मुस्यास्त |
| मुस्यासम् | मुस्यास्व | मुस्यास्म |
| प्रव० मोसिता | मोसितारौ | मोसितारः |
| मोसितासि | मोसितास्थः | मोसितास्थ |
| मोसितास्मि | मोसितास्वः | मोसितास्मः |
| भ० मोसिष्यति | मोसिष्यतः | मोसिष्यन्ति |
| मोसिष्यसि | मोसिष्यथः | मोसिष्यथ |
| मोसिष्यामि | मोसिष्यावः | मोसिष्यामः |
| क्रि० अमोसिष्यत् | अमोसिष्यताम् | अमोसिष्यन् |
| अमोसिष्यः | अमोसिष्यतम् | अमोसिष्यत |
| अमोसिष्यम् | अमोसिष्याव | अमोसिष्याम |

1229 मस्यच् (मस्) परिणामे

परिणामो विकारः ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| ब० मस्यति | मस्यतः | मस्यन्ति |
| मस्यसि | मस्यथः | मस्यथ |
| मस्यामि | मस्यावः | मस्यामः |
| स० मस्येत् | मस्येताम् | मस्येयुः |
| मस्येः | मस्येतम् | मस्येत |
| मस्येयम् | मस्येव | मस्येम |
| प० मस्यतु | मस्यतात् | मस्यताम् |
| मस्य | मस्यतम् | मस्यत |
| मस्यानि | मस्याव | मस्याम |
| झ० अमस्यत् | अमस्यताम् | अमस्यन् |
| अमस्यः | अमस्यतम् | अमस्यत |
| अमस्यम् | अमस्याव | अमस्याम |
| अ० अमसत् | अमसताम् | अमसन् |
| अमसः | अमसतम् | अमसत |
| अमसम् | अमसाव | अमसाम |
| प० ममास | मेसतुः | मेसुः |
| मेसिथ | मेसथुः | मेस |
| ममास,ममस | मेसिथ | मेसिम |
| आ० मस्यात् | मस्यास्ताम् | मस्यासुः |
| मस्याः | मस्यास्तम् | मस्यास्त |
| मस्यासम् | मस्यास्व | मस्यास्म |
| ऋ० मसिता | मसितारौ | मसितारः |
| मसितासि | मसितास्थः | मसितास्थ |
| मसितास्मि | मसितास्वः | मसितास्मः |
| भ० मसिष्यति | मसिष्यतः | मसिष्यन्ति |
| मसिष्यसि | मसिष्यथः | मसिष्यथ |
| मसिष्यामि | मसिष्यावः | मसिष्यामः |
| क्रि० अमसिष्यत् | अमसिष्यताम् | अमसिष्यन् |
| अमसिष्यः | अमसिष्यतम् | अमसिष्यत |
| अमसिष्यम् | अमसिष्याव | अमसिष्याम |

अथ शमादीनां सेटां सप्तकं श्ये दीर्घार्थं
मदैच्पर्यन्तं चाष्टकं घिनणर्थं प्रदर्श्यते ।

तत्र च बहुत्वान्मान्ताः षडादौ ।

1230 शम्यच् (शम्) उपशमे ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| ब० शम्यति | शम्यतः | शम्यन्ति |
| शम्यसि | शम्यथः | शम्यथ |
| शम्यामि | शम्यावः | शम्यामः |
| स० शम्येत् | शम्येताम् | शम्येयुः |
| शम्येः | शम्येतम् | शम्येत |
| शम्येयम् | शम्येव | शम्येम |
| प० शम्यतु | शम्यतात् | शम्यताम् |
| शम्य | शम्यतम् | शम्यत |
| शम्यानि | शम्याव | शम्याम |
| झ० अशम्यत् | अशम्यताम् | अशम्यन् |
| अशम्यः | अशम्यतम् | अशम्यत |
| अशम्यम् | अशम्याव | अशम्याम |
| अ० अशमत | अशमताम् | अशमन् |
| अशमः | अशमतम् | अशमत |
| अशमम् | अशमाव | अशमाम |
| प० शशाम | शेमतुः | शेमुः |
| शेमिथ | शेमथुः | शेम |
| शशाम,शशम | शेमिथ | शेमिम |
| आ० शम्यात् | शम्यास्ताम् | शम्यासुः |
| शम्याः | शम्यास्तम् | शम्यास्त |
| शम्यासम् | शम्यास्व | शम्यास्म |
| ऋ० शमिता | शमितारौ | शमितारः |
| शमितासि | शमितास्थः | शमितास्थ |
| शमितास्मि | शमितास्वः | शमितास्मः |
| भ० शमिष्यति | शमिष्यतः | शमिष्यन्ति |
| शमिष्यसि | शमिष्यथः | शमिष्यथ |
| शमिष्यामि | शमिष्यावः | शमिष्यामः |
| क्रि० अशमिष्यत् | अशमिष्यताम् | अशमिष्यन् |
| अशमिष्यः | अशमिष्यतम् | अशमिष्यत |
| अशमिष्यम् | अशमिष्याव | अशमिष्याम |

1231 दम्बूच (दम्) उपशमे ।

| | | |
|-----------------|-------------|---------------------|
| व० दाम्यति | दाम्यतः | दाम्यन्ति |
| दाम्यसि | दाम्यथः | दाम्यथ |
| दाम्यामि | दाम्यावः | दाम्यामः |
| स० दाम्येत् | दाम्येताम् | दाम्येयुः |
| दाम्येः | दाम्येतम् | दाम्येत |
| दाम्येयम् | दाम्येव | दाम्येम |
| प० दाम्यतु | दाम्यतात् | दाम्यताम् दाम्यन्तु |
| दाम्य | दाम्यतात् | दाम्यतम् दाम्यत |
| दाम्यानि | दाम्याव | दाम्याम |
| झ० अदाम्यत | अदाम्यताम् | अदाम्यन् |
| अदाम्यः | अदाम्यतम् | अदाम्यत |
| अदाम्यम् | अदाम्याव | अदाम्याम |
| अ० अदमत | अदमताम् | अदमन् |
| अदमः | अदमतम् | अदमत |
| अदमम् | अदमाव | अदमाम |
| प० ददाम | देमतुः | देमुः |
| देमिथ | देमथुः | देम |
| ददाम | ददम | देमिष |
| आ० दम्यात् | दम्यास्ताम् | दम्यासुः |
| दम्याः | दम्यास्तम् | दम्यास्त |
| दम्यासम् | दम्यास्व | दम्यास्म |
| श्च० दमिता | दमितारौ | दमितारः |
| दमितासि | दमितास्थः | दमितास्थ |
| दमितास्मि | दमितास्वः | दमितास्मः |
| भ० दमिष्यति | दमिष्यतः | दमिष्यन्ति |
| दमिष्यसि | दमिष्यथः | दमिष्यथ |
| दमिष्यामि | दमिष्यावः | दमिष्यामः |
| क्रि० अदमिष्यत् | अदमिष्यताम् | अदमिष्यन् |
| अदमिष्यः | अदमिष्यतम् | अदमिष्यत |
| अदमिष्यम् | अदमिष्याव | अदमिष्याम |

1232 तम्बूच (तम्) काङ्क्षायाम् ।

| | | |
|-----------------|-------------|---------------------|
| व० ताम्यति | ताम्यतः | ताम्यन्ति |
| ताम्यसि | ताम्यथः | ताम्यथ |
| ताम्यामि | ताम्यावः | ताम्यामः |
| स० ताम्येत् | ताम्येताम् | ताम्येयुः |
| ताम्येः | ताम्येतम् | ताम्येत |
| ताम्येयम् | ताम्येव | ताम्येम |
| प० ताम्यतु | ताम्यतात् | ताम्यताम् ताम्यन्तु |
| ताम्य | " | ताम्यतम् ताम्यत |
| ताम्यानि | ताम्याव | ताम्याम |
| झ० अताम्यत् | अताम्यताम् | अताम्यन् |
| अताम्यः | अताम्यतम् | अताम्यत |
| अताम्यम् | अताम्याव | अताम्याम |
| अ० अतमत | अतमताम् | अतमन् |
| अतमः | अतमतम् | अतमत |
| अतमम् | अतमाव | अतमाम |
| प० तताम् | तेमतुः | तेमुः |
| तेमिथ | तेमथुः | तेम |
| तताम्, ततम् | तेमिष | तेमिष |
| आ० तम्यात् | तम्यास्ताम् | तम्यासुः |
| तम्याः | तम्यास्तम् | तम्यास्त |
| तम्यासम् | तम्यास्व | तम्यास्म |
| श्च० तमिता | तमितारौ | तमितारः |
| तमितासि | तमितास्थः | तमितास्थ |
| तमितास्मि | तमितास्वः | तमितास्मः |
| भ० तमिष्यति | तमिष्यतः | तमिष्यन्ति |
| तमिष्यसि | तमिष्यथः | तमिष्यथ |
| तमिष्यामि | तमिष्यावः | तमिष्यामः |
| क्रि० अतमिष्यत् | अतमिष्यताम् | अतमिष्यन् |
| अतमिष्यः | अतमिष्यतम् | अतमिष्यत |
| अतमिष्यम् | अतमिष्याव | अतमिष्याम |

1233 अस्मूच (अस्) खेदतपसोः ।

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० आस्यति | आस्यतः | आस्यन्ति |
| आस्यसि | आस्यथः | आस्यथ |
| आस्यामि | आस्यावः | आस्यामः |

| | | |
|-----------|-----------|----------|
| स० आस्येत | आस्येतात् | आस्येयुः |
| आस्येः | आस्येतम् | आस्येत |
| आस्येयम् | आस्येव | आस्येम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० आस्यतु | आस्यतात् | आस्यताम् | आस्यन्तु |
| आस्यतात् | आस्यतम् | आस्यत | |
| आस्याणि | आस्याव | आस्याम | |

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| ह्य० अश्राम्यत् | अश्राम्यताम् | अश्राम्यन् |
| अश्राम्यः | अश्राम्यतम् | अश्राम्यत |
| अश्राम्यम् | अश्राम्याव | अश्राम्याम |

| | | |
|-----------|-----------|---------|
| अ० अश्रमत | अश्रमताम् | अश्रमन् |
| अश्रमः | अश्रमतम् | अश्रमत |
| अश्रमम् | अश्रमाव | अश्रमाम |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| प० शश्राम | शश्रमतुः | शश्रमुः |
| शश्रमिथ | शश्रमथुः | शश्रम |
| शश्राम | शश्राम | शश्रमि |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० अश्रम्यात् | अश्रम्यास्ताम् | अश्रम्यासुः |
| अश्रम्याः | अश्रम्यास्तम् | अश्रम्यास्त |
| अश्रम्यासम् | अश्रम्यास्व | अश्रम्यास्म |

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| अश्रमिता | अश्रमितारौ | अश्रमितारः |
| अश्रमितासि | अश्रमितास्थः | अश्रमितास्थ |
| अश्रमितास्मि | अश्रमितास्वः | अश्रमितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| म० अश्रमिष्यति | अश्रमिष्यतः | अश्रमिष्यन्ति |
| अश्रमिष्यसि | अश्रमिष्यथः | अश्रमिष्यथ |
| अश्रमिष्यामि | अश्रमिष्यावः | अश्रमिष्यामः |

क्रि० अश्रमिष्यत अश्रमिष्यताम् अश्रमिष्यन्
अश्रमिष्यः अश्रमिष्यतम् अश्रमिष्यन्
अश्रमिष्यम् अश्रमिष्याव अश्रमिष्याम

1234 अस्मूच (अस्) अनवस्थाने ।

अनवस्थानं देशान्तरगमनं ॥

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० आस्यति | आस्यतः | आस्यन्ति |
| आस्यसि | आस्यथः | आस्यथ |
| आस्यामि | आस्यावः | आस्यामः |

| | | |
|-------|-------|--------|
| असति | असतः | असन्ति |
| अससि | असथः | असथ |
| असामि | असावः | असामः |

| | | |
|-----------|-----------|----------|
| स० आस्येत | आस्येताम् | आस्येयुः |
| आस्येः | आस्येतम् | आस्येत |
| आस्येयम् | आस्येव | आस्येम |

| | | |
|----------|-----------|----------|
| अस्येतु | अस्येताम् | अस्येयुः |
| अस्येः | अस्येतम् | अस्येत |
| अस्येयम् | अस्येव | अस्येम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० आस्यतु | आस्यतात् | आस्यताम् | आस्यन्तु |
| आस्यतात् | आस्यतम् | आस्यत | |
| आस्याणि | आस्याव | आस्याम | |

| | | | |
|-------|--------|--------|--------|
| असतु | असतात् | असताम् | असन्तु |
| अस | असतम् | असत | |
| असाणि | असाव | असाम | |

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| ह्य० अश्राम्यत् | अश्राम्यताम् | अश्राम्यन् |
| अश्राम्यः | अश्राम्यतम् | अश्राम्यत |
| अश्राम्यम् | अश्राम्याव | अश्राम्याम |

| | | |
|---------|-----------|---------|
| अश्रमत | अश्रमताम् | अश्रमन् |
| अश्रमः | अश्रमतम् | अश्रमत |
| अश्रमम् | अश्रमाव | अश्रमाम |

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| म० अभ्रमत | अभ्रमताम् | अभ्रमन् |
| अभ्रमः | अभ्रमतम् | अभ्रमत |
| अभ्रमम् | अभ्रमाव | अभ्रमाम |
| प० वभ्राम | वभ्रमतुः | वभ्रमुः |
| वभ्रमिथ | वभ्रमथुः | वभ्रम |
| वभ्रमिथ | वभ्रमथुः | वभ्रम |
| वभ्राम | वभ्रमिथ | वभ्रमिथ |
| वभ्रम | वभ्रमिथ | वभ्रमिथ |
| आ० अभ्रम्यात् | अभ्रम्यास्ताम् | अभ्रम्यासुः |
| अभ्रम्याः | अभ्रम्यास्तम् | अभ्रम्यास्त |
| अभ्रम्यासम् | अभ्रम्यास्व | अभ्रम्यास्म |
| प्रव० अभ्रमिता | अभ्रमितारौ | अभ्रमितारः |
| अभ्रमितासि | अभ्रमितास्थः | अभ्रमितास्थ |
| अभ्रमितास्मि | अभ्रमितास्वः | अभ्रमितास्मः |
| म० अभ्रमिष्यति | अभ्रमिष्यतः | अभ्रमिष्यन्ति |
| अभ्रमिष्यसि | अभ्रमिष्यथः | अभ्रमिष्यथ |
| अभ्रमिष्यामि | अभ्रमिष्यावः | अभ्रमिष्यामः |
| क्रि० अभ्रमिष्यत् | अभ्रमिष्यताम् | अभ्रमिष्यन् |
| अभ्रमिष्यः | अभ्रमिष्यतम् | अभ्रमिष्यत |
| अभ्रमिष्यम् | अभ्रमिष्याव | अभ्रमिष्याम |

1235 क्षमौच (क्षम्) सहने ।

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| व० क्षाम्यति | क्षाम्यतः | क्षाम्यन्ति |
| क्षाम्यसि | क्षाम्यथः | क्षाम्यथ |
| क्षाम्यामि | क्षाम्यावः | क्षाम्यामः |
| स० क्षाम्येत् | क्षाम्येताम् | क्षाम्येयुः |
| क्षाम्येः | क्षाम्येतम् | क्षाम्येत |
| क्षाम्येयम् | क्षाम्येव | क्षाम्येम |

| | | | |
|-------------------|---------------|--------------|-------------|
| प० क्षाम्यतु | क्षाम्यतात् | क्षाम्यताम् | क्षाम्यन्तु |
| क्षाम्यः | क्षाम्यतात् | क्षाम्यतम् | क्षाम्यत |
| क्षाम्याणि | क्षाम्याव | क्षाम्याम | |
| द्व० अक्षाम्यत् | अक्षाम्यताम् | अक्षाम्यन् | |
| अक्षाम्यः | अक्षाम्यतम् | अक्षाम्यत | |
| अक्षाम्यम् | अक्षाम्याव | अक्षाम्याम | |
| अ० अक्षमत | अक्षमताम् | अक्षमन् | |
| अक्षमः | अक्षमतम् | अक्षमत | |
| अक्षमम् | अक्षमाव | अक्षमाप | |
| प० चक्षाम | चक्षमतुः | चक्षमुः | |
| चक्षमिथ | चक्षमथुः | चक्षम | |
| चक्षाम | चक्षम | चक्षमिथ | चक्षमिथ |
| आ० क्षम्यात् | क्षम्यास्ताम् | क्षम्यासुः | |
| क्षम्याः | क्षम्यास्तम् | क्षम्यास्त | |
| क्षम्यासम् | क्षम्यास्व | क्षम्यास्म | |
| प्रव० क्षमिता | क्षमितारौ | क्षमितारः | |
| क्षमितासि | क्षमितास्थः | क्षमितास्थ | |
| क्षमितास्मि | क्षमितास्वः | क्षमितास्मः | |
| क्षन्ता | क्षन्तारौ | क्षन्तारः | |
| क्षन्तासि | क्षन्तास्थः | क्षन्तास्थ | |
| क्षन्तास्मि | क्षन्तास्वः | क्षन्तास्मः | |
| म० क्षमिष्यति | क्षमिष्यतः | क्षमिष्यन्ति | |
| क्षमिष्यसि | क्षमिष्यथः | क्षमिष्यथ | |
| क्षमिष्यामि | क्षमिष्यावः | क्षमिष्यामः | |
| क्षंस्यति | क्षंस्यतः | क्षंस्यन्ति | |
| क्षंस्यसि | क्षंस्यथः | क्षंस्यथ | |
| क्षंस्यामि | क्षंस्यावः | क्षंस्यामः | |
| क्रि० अक्षमिष्यत् | अक्षमिष्यताम् | अक्षमिष्यन् | |
| अक्षमिष्यः | अक्षमिष्यतम् | अक्षमिष्यत | |
| अक्षमिष्यम् | अक्षमिष्याव | अक्षमिष्याम | |
| अक्षंस्यत् | अक्षंस्यताम् | अक्षंस्यन् | |
| अक्षंस्यः | अक्षंस्यतम् | अक्षंस्यत | |
| अक्षंस्यम् | अक्षंस्याव | अक्षंस्याम | |

अथ दान्तः ।

1236 मदैच् (मद्) हर्षे

| | | | |
|-------|-----------|-------------|------------|
| व० | माद्यति | माद्यतः | माद्यन्ति |
| | माद्यसि | माद्यथः | माद्यथ |
| | माद्यामि | माद्यावः | माद्यामः |
| स० | माद्येत् | माद्येताम् | माद्येयुः |
| | माद्येः | माद्येतम् | माद्येत |
| | माद्येयम् | माद्येव | माद्येम |
| प० | माद्यतु | माद्यतात् | माद्यताम् |
| | माद्य | माद्यतम् | माद्यत |
| | माद्यानि | माद्याव | माद्याम |
| झ० | अमाद्यत | अमाद्यताम् | अमाद्यन् |
| | अमाद्यः | अमाद्यतम् | अमाद्यत |
| | अमाद्यम् | अमाद्याव | अमाद्याम |
| अ० | अमदत | अमदताम् | अमदन् |
| | अमदः | अमदतम् | अमदत |
| | अमदम् | अमदाव | अमदाम |
| प० | मोदतु | मोदतुः | मोदुः |
| | मोदिथ | मोदथुः | मोद |
| | मोदाम | मोदिथ | मोदिम |
| आ० | मद्यात् | मद्यास्ताम् | मद्यासुः |
| | मद्याः | मद्यास्तम् | मद्यास्त |
| | मद्यासम् | मद्यास्व | मद्यास्म |
| भ्र० | मदिता | मदितारौ | मदितारः |
| | मदितासि | मदितास्थः | मदितास्थ |
| | मदितास्मि | मदितास्वः | मदितास्मः |
| भ० | मदिष्यति | मदिष्यतः | मदिष्यन्ति |
| | मदिष्यसि | मदिष्यथः | मदिष्यथ |
| | मदिष्यामि | मदिष्यावः | मदिष्यामः |
| क्रि० | अमदिष्यत् | अमदिष्यताम् | अमदिष्यन् |
| | अमदिष्यः | अमदिष्यतम् | अमदिष्यत |
| | अमदिष्यम् | अमदिष्याव | अमदिष्याम |

1237 कलमूच् (कल्म्) ग्लानौ ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | कलाम्यति | कलाम्यतः | कलाम्यन्ति |
| | कलाम्यसि | कलाम्यथः | कलाम्यथ |
| | कलाम्यामि | कलाम्यावः | कलाम्यामः |
| स० | कलाम्येत् | कलाम्येताम् | कलाम्येयुः |
| | कलाम्येः | कलाम्येतम् | कलाम्येत |
| | कलाम्येयम् | कलाम्येव | कलाम्येम |
| प० | कलाम्यतु | कलाम्यतात् | कलाम्यताम् |
| | कलाम्य | कलाम्यतम् | कलाम्यत |
| | कलाम्यानि | कलाम्याव | कलाम्याम |
| झ० | अकलाम्यत् | अकलाम्यताम् | अकलाम्यन् |
| | अकलाम्यः | अकलाम्यतम् | अकलाम्यत |
| | अकलाम्यम् | अकलाम्याव | अकलाम्याम |
| अ० | अकलमत | अकलमताम् | अकलमन् |
| | अकलमः | अकलमतम् | अकलमत |
| | अकलमम् | अकलमाव | अकलमाम |
| प० | चकलाम | चकलमतुः | चकलमुः |
| | चकलमिथ | चकलमथुः | चकलम |
| | चकलाम | चकलमिथ | चकलमिम |
| आ० | कलम्यात् | कलम्यास्ताम् | कलम्यासुः |
| | कलम्याः | कलम्यास्तम् | कलम्यास्त |
| | कलम्यासम् | कलम्यास्व | कलम्यास्म |
| भ्र० | कलमिता | कलमितारौ | कलमितारः |
| | कलमितासि | कलमितास्थः | कलमितास्थ |
| | कलमितास्मि | कलमितास्वः | कलमितास्मः |
| भ० | कलमिष्यति | कलमिष्यतः | कलमिष्यन्ति |
| | कलमिष्यसि | कलमिष्यथः | कलमिष्यथ |
| | कलमिष्यामि | कलमिष्यावः | कलमिष्यामः |
| क्रि० | अकलमिष्यत् | अकलमिष्यताम् | अकलमिष्यन् |
| | अकलमिष्यः | अकलमिष्यतम् | अकलमिष्यत |
| | अकलमिष्यम् | अकलमिष्याव | अकलमिष्याम |

अथ प्रकृतवर्णक्रमेण हान्त श्रुत्वारः

1238 मुहौच (मुह्) वैचित्ये

वैचित्यमविवेकः

| | | |
|-------------|--------------|------------|
| व० मुहति | मुहतः | मुहन्ति |
| मुहसि | मुहत्यः | मुहत्य |
| मुहामि | मुहावः | मुहामः |
| स० मुहेत् | मुहेताम् | मुहेयुः |
| मुहेः | मुहेतम् | मुहेत |
| मुहेयम् | मुहेव | मुहाम |
| प० मुहतु | मुहतात् | मुहन्तु |
| मुह | ” | मुहतम् |
| मुहानि | मुहाव | मुहाम |
| झ० अमुहत | अमुहताम् | अमुहन् |
| अमुहः | अमुहतम् | अमुहत |
| अमुहम् | अमुहाव | अमुहाम |
| ञ० अमुहत | अमुहताम् | अमुहन् |
| अमुहः | अमुहतम् | अमुहत |
| अमुहम् | अमुहाव | अमुहाम |
| ट० मुमोह | मुमुहतुः | मुमुहुः |
| मुमोहित | मुमुहत्युः | मुमुह |
| मुमोह | मुमुहिव | मुमुहिव |
| आ० मुह्यात् | मुह्यास्ताम् | मुह्यासुः |
| मुह्याः | मुह्यास्तम् | मुह्यास्त |
| मुह्यासम् | मुह्यास्व | मुह्यास्म |
| भ० मोग्धा | मोग्धारौ | मोग्धारः |
| मोग्धासि | मोग्धास्थः | मोग्धास्थ |
| मोग्धास्मि | मोग्धास्वः | मोग्धास्मः |
| मोढा | मोढारौ | मोढारः |
| मोढासि | मोढास्थः | मोढास्थ |
| मोढास्मि | मोढास्वः | मोढास्मः |

मोहिता मोहितारौ मोहितारः
मोहितासि मोहितास्थः मोहितास्थ
मोहितास्मि मोहितास्वः मोहितास्मः

भ० मोहियति मोहियतः मोहियन्ति
मोहियसि मोहियथः मोहियथ
मोहियामि मोहियावः मोहियामः

मोक्षयति मोक्षयतः मोक्षयन्ति
मोक्षयसि मोक्षयथः मोक्षयथ
मोक्षयामि मोक्षयावः मोक्षयामः

क्रि० अमोहियत् अमोहियताम् अमोहियन्
अमोहियः अमोहियतम् अमोहियत
अमोहियम् अमोहियाव अमोहियाम

अमोक्षयत् अमोक्षयताम् अमोक्षयन्
अमोक्षयः अमोक्षयतम् अमोक्षयत
अमोक्षयम् अमोक्षयाव अमोक्षयाम

1239 द्रुहौच (द्रुह्) जिघांसायाम्

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० द्रुहति | द्रुहतः | द्रुहन्ति |
| द्रुहसि | द्रुहत्यः | द्रुहत्य |
| द्रुहामि | द्रुहावः | द्रुहामः |
| स० द्रुहेत् | द्रुहेताम् | द्रुहेयुः |
| द्रुहेः | द्रुहेतम् | द्रुहेत |
| द्रुहेयम् | द्रुहेव | द्रुहेयम् |
| प० द्रुहतु | द्रुहतात् | द्रुहन्तु |
| द्रुह | ” | द्रुहतम् |
| द्रुहानि | द्रुहाव | द्रुहाम |
| झ० अद्रुहत | अद्रुहताम् | अद्रुहन् |
| अद्रुहः | अद्रुहतम् | अद्रुहत |
| अद्रुहम् | अद्रुहाव | अद्रुहाम |
| अ० अद्रुहत | अद्रुहताम् | अद्रुहन् |
| अद्रुहः | अद्रुहतम् | अद्रुहत |
| अद्रुहम् | अद्रुहाव | अद्रुहाम |

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| प० द्रुहोह | द्रुहहतुः | द्रुहहः |
| द्रुहोहिथ | द्रुहहथुः | द्रुहह |
| द्रुहोह | द्रुहहिव | द्रुहहिम |
| आ० द्रुह्यात् | द्रुह्यास्ताम् | द्रुह्यासुः |
| द्रुह्याः | द्रुह्यास्तम् | द्रुह्यास्त |
| द्रुह्यासम् | द्रुह्यास्व | द्रुह्यास्म |
| श्व० द्रोग्धा | द्रोग्धारौ | द्रोग्धारः |
| द्रोग्धासि | द्रोग्धास्थः | द्रोग्धास्थ |
| द्रोग्धास्मि | द्रोग्धास्वः | द्रोग्धास्म |
| द्रोढा | द्रोढारौ | द्रोढारः |
| द्रोढासि | द्रोढास्थः | द्रोढास्थ |
| द्रोढास्मि | द्रोढास्वः | द्रोढास्म |
| द्रोहिता | द्रोहितारौ | द्रोहितारः |
| द्रोहितासि | द्रोहितास्थः | द्रोहितास्थ |
| द्रोहितास्मि | द्रोहितास्वः | द्रोहितास्म |
| भ० द्रोहिष्यति | द्रोहिष्यतः | द्रोहिष्यन्ति |
| द्रोहिष्यसि | द्रोहिष्यथः | द्रोहिष्यथ |
| द्रोहिष्यामि | द्रोहिष्यावः | द्रोहिष्यामः |
| द्रोक्ष्यति | द्रोक्ष्यतः | द्रोक्ष्यन्ति |
| द्रोक्ष्यसि | द्रोक्ष्यथः | द्रोक्ष्यथ |
| द्रोक्ष्यामि | द्रोक्ष्यावः | द्रोक्ष्यामः |
| क्रि० अद्रोहिष्यत | अद्रोहिष्यताम् | अद्रोहिष्यन् |
| अद्रोहिष्यः | अद्रोहिष्यतम् | अद्रोहिष्यत |
| अद्रोहिष्यम् | अद्रोहिष्याव | अद्रोहिष्याम |
| अद्रोक्ष्यत | अद्रोक्ष्यताम् | अद्रोक्ष्यन् |
| अद्रोक्ष्यः | अद्रोक्ष्यतम् | अद्रोक्ष्यत |
| अद्रोक्ष्यम् | अद्रोक्ष्याव | अद्रोक्ष्याम |

1240 णुहौच (स्नुह) उद्विरणे ।

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| च० स्नुहति | स्नुहतः | स्नुहन्ति |
| स्नुहसि | स्नुहथः | स्नुहथ |
| स्नुहामि | स्नुहावः | स्नुहामः |
| स० स्नुह्येत् | स्नुह्येताम् | स्नुह्येयुः |
| स्नुह्यः | स्नुह्येतम् | स्नुह्येत |
| स्नुह्येयम् | स्नुह्येव | स्नुह्येम |

| | | | |
|----------------|----------------|---------------|-------------|
| प० स्नुह्यतु | स्नुह्यतात | स्नुह्यताम् | स्नुह्यन्तु |
| स्नुह्य | स्नुह्यतम् | स्नुह्यत | |
| स्नुह्यानि | स्नुह्याव | स्नुह्याम | |
| ह्य० अस्नुह्यत | अस्नुह्यताम् | अस्नुह्यन् | |
| अस्नुह्यः | अस्नुह्यतम् | अस्नुह्यत | |
| अस्नुह्यम् | अस्नुह्याव | अस्नुह्याम | |
| अ० अस्नुह्यत | अस्नुह्यताम् | अस्नुह्यन् | |
| अस्नुह्यः | अस्नुह्यतम् | अस्नुह्यत | |
| अस्नुह्यम् | अस्नुह्याव | अस्नुह्याम | |
| प० सुष्णोह | सुष्णोहतुः | सुष्णोहः | |
| सुष्णोहिथ | सुष्णोहथुः | सुष्णोह | |
| सुष्णोह | सुष्णोहिव | सुष्णोहिम | |
| आ० स्नुह्यात् | स्नुह्यास्ताम् | स्नुह्यासुः | |
| स्नुह्याः | स्नुह्यास्तम् | स्नुह्यास्त | |
| स्नुह्यासम् | स्नुह्यास्व | स्नुह्यास्म | |
| श्व० स्नोग्धा | स्नोग्धारौ | स्नोग्धारः | |
| स्नोग्धासि | स्नोग्धास्थः | स्नोग्धास्थ | |
| स्नोग्धास्मि | स्नोग्धास्वः | स्नोग्धास्म | |
| स्नोढा | स्नोढारौ | स्नोढारः | |
| स्नोढासि | स्नोढास्थः | स्नोढास्थ | |
| स्नोढास्मि | स्नोढास्वः | स्नोढास्म | |
| स्नोहिता | स्नोहितारौ | स्नोहितारः | |
| स्नोहितासि | स्नोहितास्थः | स्नोहितास्थ | |
| स्नोहितास्मि | स्नोहितास्वः | स्नोहितास्म | |
| भ० स्नोहिष्यति | स्नोहिष्यतः | स्नोहिष्यन्ति | |
| स्नोहिष्यसि | स्नोहिष्यथः | स्नोहिष्यथ | |
| स्नोहिष्यामि | स्नोहिष्यावः | स्नोहिष्यामः | |
| स्नोक्ष्यति | स्नोक्ष्यतः | स्नोक्ष्यन्ति | |
| स्नोक्ष्यसि | स्नोक्ष्यथः | स्नोक्ष्यथ | |
| स्नोक्ष्यामि | स्नोक्ष्यावः | स्नोक्ष्यामः | |

क्रि० अस्नोहिष्यत अस्नोहिष्यताम् अस्नोहिष्यन्
अस्नोहिष्यः अस्नोहिष्यतम् अस्नोहिष्यत
अस्नोहिष्यम् अस्नोहिष्याव अस्नोहिष्याम
स्नोक्ष्यत अस्नोक्ष्यताम् अस्नोक्ष्य
अस्नोक्ष्यः अस्नोक्ष्यतम् अस्नोक्ष्यत
अस्नोक्ष्यम् अस्नोक्ष्याव अस्नोक्ष्याम

124। णिगहौच (स्निह) प्रीतौ ।

| | | |
|----------------|----------------|-------------------------|
| ब० स्निह्यति | स्निह्यतः | स्निह्यन्ति |
| स्निह्यसि | स्निह्यथः | स्निह्यथ |
| स्निह्यामि | स्निह्यावः | स्निह्यामः |
| स० स्निह्येत् | स्निह्येताम् | स्निह्येयुः |
| स्निह्ये | स्निह्येतम् | स्निह्येत |
| स्निह्येयम् | स्निह्येव | स्निह्येम |
| प० स्निह्यतु | स्निह्यतात् | स्निह्यताम् स्निह्यन्तु |
| स्निह्य | स्निह्यतम् | स्निह्यन् |
| स्निह्यानि | स्निह्याव | स्निह्याम |
| ब० अस्निह्यत् | अस्निह्यताम् | अस्निह्यन् |
| अस्निह्यः | अस्निह्यतम् | अस्निह्यन् |
| अस्निह्याम | अस्निह्याव | अस्निह्याम |
| अ० अस्निह्यत् | अस्निह्यताम् | अस्निह्यन् |
| अस्निह्यः | अस्निह्यतम् | अस्निह्यन् |
| अस्निह्याम | अस्निह्याव | अस्निह्याम |
| प० सिष्णेह | सिष्णेहतुः | सिष्णिहुः |
| सिष्णेहिथ | सिष्णिह्युः | सिष्णिह |
| सिष्णेह | सिष्णिहिथ | सिष्णिहिम |
| आ० स्निह्यात् | स्निह्यास्ताम् | स्निह्यासुः |
| स्निह्याः | स्निह्यास्तम् | स्निह्या स्त |
| स्निह्यासम् | स्निह्यास्व | स्निह्यास्म |
| ब० स्नेग्धा | स्नेग्धारौ | स्नेग्धारः |
| स्नेग्धासि | स्नेग्धास्थः | स्नेग्धास्थ |
| स्नेग्धास्मि | स्नेग्धास्वः | स्नेग्धास्मः |
| स्नेढा | स्नेढारौ | स्नेढारः |
| स्नेढासि | स्नेढास्थः | स्नेढास्थ |
| स्नेढास्मि | स्नेढास्वः | स्नेढास्मः |
| स्नेहिता | स्नेहितारौ | स्नेहितारः |
| स्नेहितासि | स्नेहितास्थः | स्नेहितास्थः |
| स्नेहितास्मि | स्नेहितास्वः | स्नेहितास्मः |
| भ० स्नेहिष्यति | स्नेहिष्यतः | स्नेहिष्यन्ति |
| स्नेहिष्यसि | स्नेहिष्यथः | स्नेहिष्यथ |
| स्नेहिष्यामि | स्नेहिष्यावः | स्नेहिष्यामः |

स्नेक्ष्यति स्नेक्ष्यतः स्नेक्ष्यन्ति
 स्नेक्ष्यसि स्नेक्ष्यथः स्नेक्ष्यथ
 स्नेक्ष्यामि स्नेक्ष्यावः स्नेक्ष्यामः
 क्रि. अस्नेहिष्यत् अस्नेहिष्यताम् अस्नेहिष्यन्
 अस्नेहिष्यः अस्नेहिष्यतम् अस्नेहिष्यन्
 अस्नेहिष्यम् अस्नेहिष्यावः अस्नेहिष्याम
 अस्नेक्ष्यत् अस्नेक्ष्यताम् अस्नेक्ष्यन्
 अस्नेक्ष्यः अस्नेक्ष्यतम् अस्नेक्ष्यन्
 अस्नेक्ष्यम् अस्नेक्ष्यावः अस्नेक्ष्याम

केचित्तु शम् दम् तम् भ्रम् भ्रम् क्षमौ मदै
 अस् यस् जस् दस् वस् प्युष प्युस पुस प्लुष
 विस कुस कुश वुस मुस मस लुट उच
 भृश भृश वृश कृश जितृष हृष रुष डिप
 ष्टूप कुप गुप रुप लुप लुभ णभ तुभ
 किलदौ जिमिदा जिष्विदा ऋधृगध्वनां
 पुष्यादित्वं नेच्छन्ति । तन्मने पुषाद्यङभावे
 सिचि —

अ० अशमीत् अशमिष्टाम् अशमिषुः
 अशमीः अशमिष्टम् अशमिष्ट
 अशमिषम् अशमिष्व अशमिषम्
 अदमीत् अदमिष्टाम् अदमिषुः
 अदमीः अदमिष्टम् अदमिष्ट
 अदमिषम् अदमिष्व अदमिषम्
 अतमीत् अतमिष्टाम् अतमिषुः
 अतमीः अतमिष्टम् अतमिष्ट
 अतमिषम् अतमिष्व अतमिषम्
 अश्रमीत् अश्रमिष्टाम् अश्रमिषुः
 अश्रमीः अश्रमिष्टम् अश्रमिष्ट
 अश्रमिषम् अश्रमिष्व अश्रमिषम्
 अश्रमीत् अश्रमिष्टाम् अश्रमिषुः
 अश्रमीः अश्रमिष्टम् अश्रमिष्ट
 अश्रमिषम् अश्रमिष्व अश्रमिषम्
 अक्षमीत् अक्षमिष्टाम् अक्षमिषुः

अक्षमीः अक्षमिष्टम् अक्षमिष्ट
 अक्षमिषम् अक्षमिष्व अक्षमिष्म
 अक्षांसीत् अक्षांस्ताम् अक्षांसुः
 अक्षांसीः अक्षांस्तम् अक्षांस्त
 अक्षांसम् अक्षांस्व अक्षांस्म
 अमादीत् अमादिष्टाम् अमादिषुः
 अमादीः अमादिष्टम् अमादिष्ट
 अमादिषम् अमादिष्व अमादिष्म
 अमदीत् अमदिष्टाम् अमदिषुः
 अमदीः अमदिष्टम् अमदिष्ट
 अमदिषम् अमदिष्व अमदिष्म
 आसीत् आसिष्टाम् आसिषुः
 आसीः आसिष्टम् आसिष्ट
 आसिषम् आसिष्व आसिष्म
 अयासीत् अयासिष्टाम् अयासिषुः
 अयासीः अयासिष्टम् अयासिष्ट
 अयासिषम् अयासिष्व अयासिष्म
 अयसीत् अयसिष्टाम् अयसिषुः
 अयसीः अयसिष्टम् अयसिष्ट
 अयसिषम् अयसिष्व अयसिष्म
 अजासीत् अजासिष्टाम् अजासिषुः
 अजासीः अजासिष्टम् अजासिष्ट
 अजासिषम् अजासिष्व अजासिष्म
 अजसीत् अजसिष्टाम् अजसिषुः
 अजसीः अजसिष्टम् अजसिष्ट
 अजसिषम् अजसिष्व अजसिष्म
 अदासीत् अदासिष्टाम् अदासिषुः
 अदासीः अदासिष्टम् अदासिष्ट
 अदासिषम् अदासिष्व अदासिष्म
 अदसीत् अदसिष्टाम् अदसिषुः
 अदसीः अदसिष्टम् अदसिष्ट
 अदसिषम् अदसिष्व अदसिष्म
 अवासीत् अवासिष्टाम् अवासिषुः
 अवासीः अवासिष्टम् अवासिष्ट
 अवासिषम् अवासिष्व अवासिष्म

अवसीत् अवसिष्टाम् अवसिषुः
 अवसीः अवसिष्टम् अवसिष्ट
 अवसिषम् अवसिष्व अवसिष्म
 अप्योषीत् अप्योषिष्टाम् अप्योषिषुः
 अप्योषीः अप्योषिष्टम् अप्योषिष्ट
 अप्योषिषम् अप्योषिष्व अप्योषिष्म
 अप्योसीत् अप्योसिष्टाम् अप्योसिषुः
 अप्योसीः अप्योसिष्टम् अप्योसिष्ट
 अप्योसिषम् अप्योसिष्व अप्योसिष्म
 अपोसीत् अपोसिष्टाम् अपोसिषुः
 अपोसीः अपोसिष्टम् अपोसिष्ट
 अपोसिषम् अपोसिष्व अपोसिष्म
 अल्लोसीत् अल्लोसिष्टाम् अल्लोसिषुः
 अल्लोसीः अल्लोसिष्टम् अल्लोसिष्ट
 अल्लोसिषम् अल्लोसिष्व अल्लोसिष्म
 अवेसीत् अवेसिष्टाम् अवेसिषुः
 अवेसीः अवेसिष्टम् अवेसिष्ट
 अवेसिषम् अवेसिष्व अवेसिष्म
 अकोसीत् अकोसिष्टाम् अकोसिषुः
 अकोसीः अकोसिष्टम् अकोसिष्ट
 अकोसिषम् अकोसिष्व अकोसिष्म
 अकोशीत् अकोशिष्टाम् अकोशिषुः
 अकोशीः अकोशिष्टम् अकोशिष्ट
 अकोशिषम् अकोशिष्व अकोशिष्म
 अ० अवोसीत् अवोसिष्टाम् अवोसिषुः
 अवोसीः अवोसिष्टम् अवोसिष्ट
 अवोसिषम् अवोसिष्व अवोसिष्म
 अमोसीत् अमोसिष्टाम् अमोसिषुः
 अमोसीः अमोसिष्टम् अमोसिष्ट
 अमोसिषम् अमोसिष्व अमोसिष्म
 अमासीत् अमासिष्टाम् अमासिषुः
 अमासीः अमासिष्टम् अमासिष्ट
 अमासिषम् अमासिष्व अमासिष्म
 अमसीत् अमसिष्टाम् अमसिषुः
 अमसीः अमसिष्टम् अमसिष्ट

| | | |
|------------|---------------|------------|
| अमसिषम् | अमसिष्व | अमसिषम् |
| अलोदीत् | अलोदिष्टाम् | अलोदिषुः |
| अलोदीः | अलोदिष्टम् | अलोदिष्ट |
| अलोदिषम् | अलोदिष्व | अलोदिषम् |
| औचीत् | औचिष्टाम् | औचिषुः |
| औचीः | औचिष्टम् | औचिष्ट |
| औचिषम् | औचिष्व | औचिषम् |
| अभशीत् | अभशिष्टाम् | अभशिषुः |
| अभशीः | अभशिष्टम् | अभशिष्ट |
| अभशिषम् | अभशिष्व | अभशिषम् |
| अभ्रशीत् | अभ्रशिष्टाम् | अभ्रशिषुः |
| अभ्रशीः | अभ्रशिष्टम् | अभ्रशिष्ट |
| अभ्रशिषम् | अभ्रशिष्व | अभ्रशिषम् |
| अवशीत् | अवशिष्टाम् | अवशिषुः |
| अवशीः | अवशिष्टम् | अवशिष्ट |
| अवशिषम् | अवशिष्व | अवशिषम् |
| अकशीत् | अकशिष्टाम् | अकशिषुः |
| अकशीः | अकशिष्टम् | अकशिष्ट |
| अकशिषम् | अकशिष्व | अकशिषम् |
| अतर्षीत् | अतर्षिष्टाम् | अतर्षिषुः |
| अतर्षीः | अतर्षिष्टम् | अतर्षिष्ट |
| अतर्षिषम् | अतर्षिष्व | अतर्षिषम् |
| अहर्षीत् | अहर्षिष्टाम् | अहर्षिषुः |
| अहर्षीः | अहर्षिष्टम् | अहर्षिष्ट |
| अहर्षिषम् | अहर्षिष्व | अहर्षिषम् |
| अरोषीत् | अरोषिष्टाम् | अरोषिषुः |
| अरोषीः | अरोषिष्टम् | अरोषिष्ट |
| अरोषिषम् | अरोषिष्व | अरोषिषम् |
| अदेपीत् | अदेपिष्टाम् | अदेपिषुः |
| अदेपीः | अदेपिष्टम् | अदेपिष्ट |
| अदेपिषम् | अदेपिष्व | अदेपिषम् |
| अस्तृपीत् | अस्तृपिष्टाम् | अस्तृपिषुः |
| अस्तृपीः | अस्तृपिष्टम् | अस्तृपिष्ट |
| अस्तृपिषम् | अस्तृपिष्व | अस्तृपिषम् |
| अडेपीत् | अडेपिष्टाम् | अडेपिषुः |
| अडेपीः | अडेपिष्टम् | अडेपिष्ट |
| अडेपिषम् | अडेपिष्व | अडेपिषम् |

| | | |
|-------------|---------------|------------|
| अकोपीत् | अकोपिष्टाम् | अकोपिषुः |
| अकोपीः | अकोपिष्टम् | अकोपिष्ट |
| अकोपिषम् | अकोपिष्व | अकोपिषम् |
| अगोपीत् | अगोपिष्टाम् | अगोपिषुः |
| अगोपीः | अगोपिष्टम् | अगोपिष्ट |
| अगोपिषम् | अगोपिष्व | अगोपिषम् |
| अयोपीत् | अयोपिष्टाम् | अयोपिषुः |
| अयोपीः | अयोपिष्टम् | अयोपिष्ट |
| अयोपिषम् | अयोपिष्व | अयोपिषम् |
| अरोपीत् | अरोपिष्टाम् | अरोपिषुः |
| अरोपीः | अरोपिष्टम् | अरोपिष्ट |
| अरोपिषम् | अरोपिष्व | अरोपिषम् |
| अलोपीत् | अलोपिष्टाम् | अलोपिषुः |
| अलोपीः | अलोपिष्टम् | अलोपिष्ट |
| अलोपिषम् | अलोपिष्व | अलोपिषम् |
| अलोभीत् | अलोभिष्टाम् | अलोभिषुः |
| अलोभीः | अलोभिष्टम् | अलोभिष्ट |
| अलोभिषम् | अलोभिष्व | अलोभिषम् |
| अनाभीत् | अनाभिष्टाम् | अनाभिषुः |
| अनाभीः | अनाभिष्टम् | अनाभिष्ट |
| अनाभिषम् | अनाभिष्व | अनाभिषम् |
| अनभीत् | अनभिष्टाम् | अनभिषुः |
| अनभीः | अनभिष्टम् | अनभिष्ट |
| अनभिषम् | अनभिष्व | अनभिषम् |
| अतोभीत् | अतोभिष्टाम् | अतोभिषुः |
| अतोभीः | अतोभिष्टम् | अतोभिष्ट |
| अतोभिषम् | अतोभिष्व | अतोभिषम् |
| अक्लेदीत् | अक्लेदिष्टाम् | अक्लेदिषुः |
| अक्लेदीः | अक्लेदिष्टम् | अक्लेदिष्ट |
| अक्लेदिषम् | अक्लेदिष्व | अक्लेदिषम् |
| अक्लौत्सीत् | अक्लौताम् | अक्लौत्सुः |
| अक्लौत्सीः | अक्लौतम् | अक्लौत्त |
| अक्लौत्सम् | अक्लौत्स्व | अक्लौत्सम् |
| अमोदीत् | अमोदिष्टाम् | अमोदिषुः |
| अमोदीः | अमोदिष्टम् | अमोदिष्ट |
| अमोदिषम् | अमोदिष्व | अमोदिषम् |

| | | |
|--------------|-----------------|--------------|
| अक्ष्वेदीत् | अक्ष्वेदिष्टाम् | अक्ष्वेदिषुः |
| अक्ष्वेदीः | अक्ष्वेदिष्टम् | अक्ष्वेदिष्ट |
| अक्ष्वेदिषम् | अक्ष्वेदिष्व | अक्ष्वेदिषम् |
| अधीत् | अधिष्टाम् | अधिषुः |
| अधीः | अधिष्टम् | अधिष्ट |
| अधिषम् | अधिष्व | अधिषम् |
| अगधीत् | अगधिष्टाम् | अगधिषुः |
| अगधीः | अगधिष्टम् | अगधिष्ट |
| अगधिषम् | अगधिष्व | अगधिषम् |

वृत् पुषादिः । पुषादिर्दिवाद्यन्तर्गणे वर्तितः
सम्पूर्णं इत्यर्थः ।

अथात्मनेपदिषु मृयत्यादिर्नवकः कयोस्तस्य
नन्वार्थं प्रदर्शयेत् । तत्र लाघवार्थमादावृ-
दन्तौ सेतौ च ।

1241 षूडौच् (सू) प्राणिप्रसवे ।

| | | | |
|----|-----------|------------|--------------|
| व० | सूयते | सूयेते | सूयन्ते |
| | सूयसे | सूयेथे | सूयध्वे |
| | सूये | सूयावहे | सूयामहे |
| स० | सूयेत | सूयेताम् | सूयेरन् |
| | सूयेथाः | सूयेथाम् | सूयेध्वम् |
| | सूयेय | सूयेयहि | सूयेमहि |
| प० | सूयताम् | सूयेताम् | सूयन्ताम् |
| | सूयस्व | सूयेथाम् | सूयध्वम् |
| | सूयै | सूयावहे | सूयामहे |
| झ० | असूयत | असूयेताम् | असूयन्त |
| | असूयथाः | असूयेथाम् | असूयध्वम् |
| | असूये | असूयावहि | असूयामहि |
| अ० | असविष्ट | असविषाताम् | असविषत |
| | असविष्टाः | असविषाथाम् | असविषध्वम् |
| | | | इद्वम्-ध्वम् |
| | असविषि | असविष्वहि | असविषमहि |

| | | |
|-----------|-------------|--------------|
| असोष्ट | असोषाताम् | असोषत |
| असोष्टाः | असोषाथाम् | असोषध्वम् |
| | | इद्वम्-ध्वम् |
| असोषि | असोष्वहि | असोषमहि |
| प० सुषुवे | सुषुवाते | सुषुविरे |
| सुषुविषे | सुषुवाथे | सुषुविद्वहे |
| | | विध्वे |
| सुषुवे | सुषुविष्वहे | सुषुविमहे |

आ०सविषीष्टं सविषीयास्ताम् सविषीरन्
सविषीष्टाः सविषीयास्थाम् सविषीद्वम् ध्वम्
सविषीय सविषीवहि सविषीमहि

सोषीष्ट सोषीयास्ताम् सोषीरन्
सोषीष्टाः सोषीयास्थाम् सोषीद्वम्

सोषीय सोषीवहि सोषीमहि

प्रव०सविता सवितागौ सवितागः
सवितासो सवितासाथे सविताध्वे
सविताहे सवितास्वहे सवितास्महे
सोता सोतारौ सोतागः
सोतासे सोतासाथे सोताध्वे
सोताहे सोतास्वहे सोतास्महे

भ० सविष्यते सविष्येते सविष्यन्ते
सविष्यसे सविष्येथे सविष्यध्वे
सविष्ये सविष्यावहे सविष्यामहे
सोष्यते सोष्येते सोष्यन्ते
सोष्यसे सोष्येथे सोष्यध्वे
सोष्ये सोष्यावहे सोष्यामहे

क्रि० असविष्यत असविष्येताम् असविष्यन्त
असविष्यथाः असविष्येथाम् असविष्यध्वम्
असविष्ये असविष्यावहि असविष्यामहि
असोष्यत असोष्येताम् असोष्यन्त
असोष्यथाः असोष्येथाम् असोष्यध्वम्
असोष्ये असोष्यावहि असोष्यामहि

1243 दूङ्च् (दू) परितापे ।

खेदे इत्यर्थः ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| ष० दूयते | दूयेते | दूयन्ते |
| दूयसे | दूयेथे | दूयध्वे |
| दूये | दूयावहे | दूयामहे |
| स० दूयेत | दूयेयाताम् | दूयेरन् |
| दूयेथाः | दूयेयाथाम् | दूयेध्वम् |
| दूयेय | दूयेवहि | दूयेमहि |
| प० दूयताम् | दूयेताम् | दूयन्ताम् |
| दूयस्व | दूयेथाम् | दूयध्वम् |
| दूयै | दूयावहै | दूयामहै |
| झ० अदूयत | अदूयेताम् | अदूयन्त |
| अदूयथाः | अदूयेथाम् | अदूयध्वम् |
| अदूये | अदूयावहि | अदूयामहि |
| अ० अद्विष्ट | अद्विषाताम् | अद्विषत |
| अद्विष्टाः | अद्विषाथाम् | अद्विष्वम् |
| अद्विषि | अद्विषहि | अद्विषमहि |
| प० दुदुवे | दुदुवाते | दुदुविरे |
| दुदुविषे | दुदुवाथे | दुदुविध्वे |
| दुदुवे | दुदुविवहे | दुदुविमहे |
| आ० दविषीष्ट | दविषीयास्ताम् | दविषीरन् |
| दविषीष्टाः | दविषीयास्थाम् | दविषीध्वम् |
| दविषीय | दविषीवहि | दविषीमहि |
| प्र० दविता | दवितारौ | दवितारः |
| दवितासे | दवितासाथे | दविताध्वे |
| दविताहे | दवितास्वहे | दवितास्महे |
| भ० दविष्यते | दविष्येते | दविष्यन्ते |
| दविष्यसे | दविष्येथे | दविष्यध्वे |
| दविष्ये | दविष्यावहे | दविष्यामहे |
| क्रि० अदविष्यत | अदविष्येताम् | अदविष्यन्त |
| अदविष्यथाः | अदविष्येथाम् | अदविष्यध्वम् |
| अदविष्ये | अदविष्यावहि | अदविष्यामहि |

अथेदन्ताः सप्त डीडोऽन्येऽनितश्च

1244 दीङ्च् (दी) क्षये ।

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| ष० दीयते | दीयेते | दीयन्ते |
| दीयसे | दीयेथे | दीयध्वे |
| दीये | दीयावहे | दीयामहे |
| स० दीयेत | दीयेयाताम् | दीयेरन् |
| दीयेथाः | दीयेथाम् | दीयेध्वम् |
| दीयेय | दीयेवहि | दीयेमहि |
| प० दीयताम् | दीयेताम् | दीयन्ताम् |
| दीयस्व | दीयेयाथाम् | दीयध्वम् |
| दीयै | दीयावहै | दीयामहै |
| झ० अदीयत | अदीयेताम् | अदीयन्त |
| अदीयथाः | अदीयेथाम् | अदीयध्वम् |
| अदीये | अदीयावहि | अदीयामहि |
| अ० अदास्त | अदासाताम् | अदासत |
| अदास्थाः | अदासाथाम् | अदाध्वम् |
| अदासि | अदास्वहि | अदास्महि |
| प० दिदीये | दिदीयाते | दिदीयिरे |
| दिदीयि | दिदीयाथे | दिदीयिध्वे |
| दिदीये | दिदीयिवहे | दिदीयिमहे |
| आ० दासीष्ट | दासीयास्ताम् | दासीरन् |
| दासीष्टाः | दासीयास्थाम् | दासीध्वम् |
| दासीय | दासीवहि | दासीमहि |
| प्र० दाता | दातारौ | दातारः |
| दातासे | दातासाथे | दाताध्वे |
| दाताहे | दातास्वहे | दातास्महे |
| भ० दास्यते | दास्येते | दास्यन्ते |
| दास्यसे | दास्येथे | दास्यध्वे |
| दास्ये | दास्यावहे | दास्यामहे |
| क्रि० अदास्यत | अदास्येताम् | अदास्यन्त |
| अदास्यथाः | अदास्येथाम् | अदास्यध्वम् |
| अदास्ये | अदास्यावहि | अदास्यामहि |

1245 धीङ्च् (धी) अनादरे ।

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| व० धीयते | धीयेते | धीयन्ते |
| धीयसे | धीयेथे | धीयध्वे |
| धीये | धीयावहे | धीयामहे |
| स० धीयेत | धीयेयाताम् | धीयेरन् |
| धीयेथाः | धीयेयाथाम् | धीयेध्वम् |
| धीयेय | धीयेवहि | धीयेमहि |
| प० धीयताम् | धीयेताम् | धीयन्ताम् |
| धीयस्व | धीयेथाम् | धीयध्वम् |
| धीये | धीयावहे | धीयामहे |
| झ० अधीयत | अधीयेताम् | अधीयन्त |
| अधीयथाः | अधीयेथाम् | अधीयध्वम् |
| अधीये | अधीयावहि | अधीयामहि |
| अ० अधेष्ट | अधेषाताम् | अधेषत |
| अधेष्टाः | अधेषाथाम् | अधेड्वम् |
| | | द्वम् |
| अधेष्टि | अधेष्ट्वहि | अधेष्टमहि |
| प० दिध्ये | दिध्याते | दिध्यरे |
| दिध्यवे | दिध्याथे | दिध्यध्वे |
| | | ध्यद्वे |
| दिध्ये | दिध्यवहे | दिध्यमहे |
| आ० धेषीष्ट | धेषीयास्ताम् | धेषीरन् |
| धेषीष्टाः | धेषीयास्थाम् | धेषीध्वम् |
| धेषीय | धेषीवहि | धेषीमहि |
| श्व० धेता | धेतारौ | धेतारः |
| धेतासे | धेतासाथे | धेताध्वे |
| धेताहे | धेतास्वहे | धेतास्महे |
| भ० धेयते | धेयेते | धेयन्ते |
| धेयसे | धेयेथे | धेयध्वे |
| धेये | धेयावहे | धेयामहे |
| क्रि० अधेयत | अधेयेताम् | अधेयन्त |
| अधेयथाः | अधेयेथाम् | अधेयध्वम् |
| अधेये | अधेयावहि | अधेयामहि |

1246 मीङ्च् (मी) हिंसायाम् ।

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| व० मीयते | मीयेते | मीयन्ते |
| मीयसे | मीयेथे | मीयध्वे |
| मीये | मीयावहे | मीयामहे |
| स० मीयेत | मीयेयाताम् | मीयेरन् |
| मीयेथाः | मीयेयाथाम् | मीयेध्वम् |
| मीयेय | मीयेवहि | मीयेमहि |
| प० मीयताम् | मीयेताम् | मीयन्ताम् |
| मीयस्व | मीयेथाम् | मीयध्वम् |
| मीये | मीयावहे | मीयामहे |
| झ० अमीयत | अमीयेताम् | अमीयन्त |
| अमीयथाः | अमीयेथाम् | अमीयध्वम् |
| अमीये | अमीयावहि | अमीयामहि |
| अ० अमोष्ट | अमोषाताम् | अमोषत |
| अमोष्टाः | अमोषाथाम् | अमोड्वम् |
| | | द्वम् |
| अमोषि | अमोष्वहि | अमोषमहि |
| प० मिम्ये | मिम्याते | मिम्यरे |
| मिम्यवे | मिम्याथे | मिम्यध्वे |
| | | ध्ये |
| मिम्ये | मिम्यवहे | मिम्यमहे |
| आ० मोषीष्ट | मोषीयास्ताम् | मोषीरन् |
| मोषीष्टाः | मोषीयास्थाम् | मोषीध्वम् |
| मोषीय | मोषीवहि | मोषीमहि |
| श्व० मोता | मोतारौ | मोतारः |
| मोतासे | मोतासाथे | मोताध्वे |
| मोताहे | मोतास्वहे | मोतास्महे |
| भ० मोयते | मोयेते | मोयन्ते |
| मोयसे | मोयेथे | मोयध्वे |
| मोये | मोयावहे | मोयामहे |
| क्रि० अमोयत | अमोयेताम् | अमोयन्त |
| अमोयथाः | अमोयेथाम् | अमोयध्वम् |
| अमोये | अमोयावहि | अमोयामहि |

1247 रीङ्च् (री) स्रवणे ।

| | | | |
|-------|-----------|--------------|-----------------|
| व० | रीयते | रीयेते | रीयन्ते |
| | रीयसे | रीयेथे | रीयध्वे |
| | रीये | रीयावहे | रीयामहे |
| स० | रीयेत | रीयेयाताम् | रीयेरन् |
| | रीयेथाः | रीयेयाथाम् | रीयेध्वम् |
| | रीयेय | रीयेवहि | रीयेमहि |
| प० | रीयताम् | रीयेताम् | रीयन्ताम् |
| | रीयस्व | रीयेथाम् | रीयध्वम् |
| | रीये | रीयावहे | रीयामहे |
| झ० | अरीयत | अरीयेताम् | अरीयन्त |
| | अरीयथाः | अरीयेथाम् | अरीयध्वम् |
| | अरीये | अरीयावहि | अरीयामहि |
| अ | अरेष्ट | अरेषाताम् | अरेषन्त |
| | अरेष्टाः | अरेषाथाम् | अरेड्ढवम् |
| | | | द्वम् |
| | अरेषि | अरेष्वहि | अरेषमहि |
| प० | रिष्ये | रिष्यति | रिष्यिरे |
| | रिष्यिषे | रिष्यिथ | रिष्यिद्वे ध्वे |
| | रिष्ये | रिष्यिवहे | रिष्यिमहे |
| र० | रेषीष्ट | रेषीयास्ताम् | रेषीरन् |
| | रेषीष्टाः | रेषीयास्ताम् | रेषीद्वम् |
| | रेषीय | रेषीवहि | रेषीमहि |
| | रेता | रेतारौ | रेतारः |
| | रेतासे | रेतासाथे | रेताध्वे |
| | रेताहे | रेतास्वहे | रेतामहे |
| रि० | रेष्यते | रेष्येते | रेष्यन्ते |
| | रेष्यसे | रेष्येथे | रेष्यध्वे |
| | रेष्ये | रेष्यावहे | रेष्यामहे |
| क्रि० | अरेष्यत | अरेष्येताम् | अरेष्यन्त |
| | अरेष्यथाः | अरेष्येथाम् | अरेष्यध्वम् |
| | अरेष्ये | अरेष्यावहि | अरेष्यामहि |

1248 लीङ्च् (ली) स्रवणे ।

| | | | |
|----|-------|---------|---------|
| र० | लीयते | लीयेते | लीयन्ते |
| | लीयसे | लीयेथे | लीयध्वे |
| | लीय | लीयावहे | लीयामहे |

| | | | |
|-------|-----------|--------------|-----------------|
| स० | लीयेत | लीयेयाताम् | लीयेरन् |
| | लीयेथाः | लीयेयाथाम् | लीयेध्वम् |
| | लीयेय | लीयेवहि | लीयेमहि |
| प० | लीयताम् | लीयेताम् | लीयन्ताम् |
| | लीयस्व | लीयेथाम् | लीयध्वम् |
| | लीये | लीयावहे | लीयामहे |
| झ० | अलीयत | अलीयेताम् | अलीयन्त |
| | अलीयथाः | अलीयेथाम् | अलीयध्वम् |
| | अलीये | अलीयावहि | अलीयामहि |
| अ० | अलास्त | अलासाताम् | अलासन्त |
| | अलास्थाः | अलासाथाम् | अलाड्ढवम् |
| | | | ध्वम् |
| | अलासि | अलास्वहि | अलासमहि |
| प० | अलेष्ट | अलेषाताम् | अलेषन्त |
| | अलेष्टाः | अलेषाथाम् | अलेड्ढवम् |
| | | | द्वम् |
| | अलेषि | अलेष्वहि | अलेषमहि |
| आ० | लिल्ये | लिल्याते | लिल्यिरे |
| | लिल्यिषे | लिल्यिथे | लिल्यिद्वे ध्वे |
| | लिल्ये | लिल्यिवहे | लिल्यिमहे |
| प्र० | लेषीष्ट | लेषीयास्ताम् | लेषीरन् |
| | लेषीष्टाः | लेषीयास्ताम् | लेषीद्वम् |
| | लेषीय | लेषीवहि | लेषीमहि |
| | लासीष्ट | लासीयास्ताम् | लासीरन् |
| | लासीष्टाः | लासीयास्ताम् | लासीद्वम् |
| | लासीय | लासीवहि | लासीमहि |
| भ० | लेष्यते | लेष्येते | लेष्यन्ते |
| | लेष्यसे | लेष्येथे | लेष्यध्वे |
| | लेष्ये | लेष्यावहे | लेष्यामहे |
| | लास्यते | लास्येते | लास्यन्ते |
| | लास्यसे | लास्येथे | लास्यध्वे |
| | लास्ये | लास्यावहे | लास्यामहे |
| क्रि० | अलेष्यत | अलेष्येताम् | अलेष्यन्त |
| | अलेष्यथाः | अलेष्येथाम् | अलेष्यध्वम् |
| | अलेष | अलेष्यावहि | अलेष्यामहि |
| | अलास्यत | अलास्येताम् | अलास्यन्त इ० |

1249 डीङ्च् (डी) गतौ

विहायसा गतावित्त्वे

| | | |
|----------------|---------------|------------------|
| व० डीयते | डीयेते | डीयन्ते |
| डीयसे | डीयेथे | डीयध्वे |
| डीये | डीयावहे | डीयामहे |
| स० डीयेत | डीयेयाताम् | डीयेरन् |
| डीयेथाः | डीयेयाथाम् | डीयेध्वम् |
| डीयेय | डीयेवहि | डीयेमहि |
| प० डीयताम् | डीयेताम् | डीयन्ताम् |
| डीयस्व | डीयेथाम् | डीयध्वम् |
| डीयै | डीयावहे | डीयामहे |
| झ० अडीयत | अडीयेताम् | अडीयन्त |
| अडीयथाः | अडीयेथाम् | अडीयध्वम् |
| अडीये | अडीयावहि | अडीयामहि |
| अ० अडयिष्ट | अडयिषाताम् | अडयिषत |
| अडयिष्ठाः | अडयिषाथाम् | अडयिड्वम् |
| | | द्वम् ध्वम् |
| अडयिषि | अडयिष्वहि | अडयिष्महि |
| प० डिङ्ये | डिङ्याते | डिङ्यरे |
| डिङ्यसे | डिङ्याथे | डिङ्यध्वे |
| डिङ्ये | डिङ्यावहे | डिङ्यमहे |
| आ० डयिषीष्ट | डयिषीयास्ताम् | डयिषीरन् |
| डयिषीष्ठाः | डयिषीयास्थाम् | डयिषीद्वम् ध्वम् |
| डयिषीय | डयिषीवहि | डयिषीमहि |
| प्र० डयिता | डयितारौ | डयितारः |
| डयितासे | डयितासाथे | डयिताध्वे |
| डयिताहे | डयितास्वहे | डयितास्महे |
| भ० डयिष्यते | डयिष्येते | डयिष्यन्ते |
| डयिष्यसे | डयिष्येथे | डयिष्यध्वे |
| डयिष्ये | डयिष्यावहे | डयिष्यामहे |
| क्रि० अडयिष्यत | अडयिष्येताम् | अडयिष्यन्त |
| अडयिष्यथाः | अडयिष्येथाम् | अडयिष्यध्वम् |
| अडयिष्ये | अडयिष्यावहि | अडयिष्यामहि |

1250 व्रीङ्च् (व्री) वरणे

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० व्रीयते | व्रीयेते | व्रीयन्ते |
| व्रीयसे | व्रीयेथे | व्रीयध्वे |
| व्रीये | व्रीयावहे | व्रीयामहे |
| स० व्रीयेत | व्रीयेयानाम् | व्रीयेरन् |
| व्रीयेथाः | व्रीयेयाथाम् | व्रीयेध्वम् |
| व्रीयेय | व्रीयेवहि | व्रीयेमहि |
| प० व्रीयताम् | व्रीयेताम् | व्रीयन्ताम् |
| व्रीयस्व | व्रीयेथाम् | व्रीयध्वम् |
| व्रीयै | व्रीयावहे | व्रीयामहे |
| झ० अव्रीयत | अव्रीयेताम् | अव्रीयन्त |
| अव्रीयथाः | अव्रीयेथाम् | अव्रीयध्वम् |
| अव्रीये | अव्रीयावहि | अव्रीयामहि |
| अ० अव्रेष्ट | अव्रेषाताम् | अव्रेषत |
| अव्रेष्टाः | अव्रेषाथाम् | अव्रेड्वम् |
| | | द्वम् |
| अव्रेषि | अव्रेष्वहि | अव्रेष्महि |
| प० विव्रिये | विव्रियाते | विव्रियरे |
| विव्रियसे | विव्रियाथे | विव्रियध्वे |
| विव्रिये | विव्रियावहे | विव्रियमहे |
| आ० व्रेषीष्ट | व्रेषीयास्ताम् | व्रेषीरन् |
| व्रेषीष्ठाः | व्रेषीयास्ताम् | व्रेषीद्वम् |
| व्रेषीय | व्रेषीवहि | व्रेषीमहि |
| प्र० व्रेता | व्रेतारौ | व्रेतारः |
| व्रेतासे | व्रेतासाथे | व्रेताध्वे |
| व्रेताहे | व्रेतास्वहे | व्रेतास्महे |
| भ० व्रेष्यते | व्रेष्येते | व्रेष्यन्ते |
| व्रेष्यसे | व्रेष्येथे | व्रेष्यध्वे |
| व्रेष्ये | व्रेष्यावहे | व्रेष्यामहे |
| क्रि० अव्रेष्यत | अव्रेष्येताम् | अव्रेष्यन्त |
| अव्रेष्यथाः | अव्रेष्येथाम् | अव्रेष्यध्वम् |
| अव्रेष्ये | अव्रेष्यावहि | अव्रेष्यामहि |

वृत् स्वादिः । लुप्त्यादिर्दिवाद्यन्तर्गणो नवको वर्तितः सम्पूर्ण इत्यर्थः ।

अथे दन्तास्त्रयोऽनिरुध

1251 पीङ्गच् [पी] पाने

| | | |
|-----------------|----------------|-------------------|
| व० पीयते | पीयेते | पीयन्ते |
| पीयसे | पीयेथे | पीयध्वे |
| पीये | पीयावहे | पीयामहे |
| स० पीयेत | पीयेयाताम् | पीयेरन् |
| पीयेथाः | पीयेयाथाम् | पीयेध्वम् |
| पीयेय | पीयेवहि | पीयेमहि |
| प० पीयताम् | पीयेताम् | पीयन्ताम् |
| पीयस्व | पीयेथाम् | पीयध्वम् |
| पीये | पीयावहे | पीयामहे |
| झ० अपीयत | अपीयेताम् | अपीयन्त |
| अपीयथाः | अपीयेथाम् | अपीयध्वम् |
| अपीये | अपीयावहि | अपीयामहि |
| अ० अपेष्ट | अपेष्टाताम् | अपेष्टत |
| अपेष्टाः | अपेष्टाथाम् | अपेष्ट्वम् |
| | | द्व्वम् |
| अपेष्टि | अपेष्ट्वहि | अपेष्टमहि |
| प० पिप्ये | पिप्याते | पिप्यरे |
| पिप्यिषे | पिप्याथे | पिप्यिद्व्वे ध्वे |
| पिप्ये | पिप्यिवहे | पिप्यिमहे |
| आ० पेष्ठीष्ट | पेष्ठीयास्ताम् | पेष्ठीरन् |
| पेष्ठीष्टाः | पेष्ठीयास्थाम् | पेष्ठीद्व्वम् |
| | | ध्वम् |
| पेष्ठीय | पेष्ठीवहि | पेष्ठीमहि |
| श्व० पेता | पेतारौ | पेतारः |
| पेतासे | पेतासाथे | पेताध्वे |
| पेताहे | पेतास्वहे | पेतास्महे |
| भ० पेष्ट्यते | पेष्ट्येते | पेष्ट्यन्ते |
| पेष्ट्यसे | पेष्ट्येथे | पेष्ट्यध्वे |
| पेष्ट्ये | पेष्ट्यावहे | पेष्ट्यामहे |
| क्रि० अपेष्ट्यत | अपेष्ट्येताम् | अपेष्ट्यन्त |
| अपेष्ट्यथाः | अपेष्ट्येथाम् | अपेष्ट्यध्वम् |
| अपेष्ट्ये | अपेष्ट्यावहि | अपेष्ट्यामहि |

1252 ईङ्गच् (इ) गतौ ।

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| व० ईयते | ईयेते | ईयन्ते |
| ईयसे | ईयेथे | ईयध्वे |
| ईये | ईयावहे | ईयामहे |
| स० ईयेत | ईयेयाताम् | ईयेरन् |
| ईयेथाः | ईयेयाथाम् | ईयेध्वम् |
| ईयेय | ईयेवहि | ईयेमहि |
| प० ईयताम् | ईयेताम् | ईयन्ताम् |
| ईयस्व | ईयेथाम् | ईयध्वम् |
| ईये | ईयावहे | ईयामहे |
| झ० ऐयत | ऐयेताम् | ऐयन्त |
| ऐयथाः | ऐयेथाम् | ऐयध्वम् |
| ऐये | ऐयावहि | ऐयामहि |
| अ० ऐष्ट | ऐष्टाताम् | ऐष्टत |
| ऐष्टाः | ऐष्टाथाम् | ऐष्टद्व्वम् |
| | | द्व्वम् |
| ऐष्टि | ऐष्ट्वहि | ऐष्टमहि |
| प० अयाञ्चके | अयाञ्चकाते | अयाञ्चक्रे |
| अयाञ्चकृषे | अयाञ्चकाथे | अयाञ्चकृध्वे |
| अयाञ्चके | अयाञ्चकृवहे | अयाञ्चकृमहे |
| अयावभूष | अयामास | इत्यादि |
| आ० एष्ठीष्ट | एष्ठीयास्ताम् | एष्ठीरन् |
| एष्ठीष्टाः | एष्ठीयास्थाम् | एष्ठीद्व्वम् |
| एष्ठीय | एष्ठीवहि | एष्ठीमहि |
| श्व० एता | एतारौ | एतारः |
| एतासे | एतासाथे | एताध्वे |
| एताहे | एतास्वहे | एतास्महे |
| भ० एष्ट्यते | एष्ट्येते | एष्ट्यन्ते |
| एष्ट्यसे | एष्ट्येथे | एष्ट्यध्वे |
| एष्ट्ये | एष्ट्यावहे | एष्ट्यामहे |
| क्रि० ऐष्ट्यत | ऐष्ट्येताम् | ऐष्ट्यन्त |
| ऐष्ट्यथाः | ऐष्ट्येथाम् | ऐष्ट्यध्वम् |
| ऐष्ट्ये | ऐष्ट्यावहि | ऐष्ट्यामहि |

समाधिश्चित्तवृत्तिनिरोधः ।

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | युज्यते | युज्येते | युज्यन्ते |
| | युज्यसे | युज्येथे | युज्यध्वे |
| | युज्ये | युज्यावहे | युज्यामहे |
| स० | युज्येत | युज्येयाताम् | युज्येरन |
| | युज्येथाः | युज्येयाथाम् | युज्येध्वम् |
| | युज्येय | युज्येवहि | युज्येमहि |
| प० | युज्यताम् | युज्येताम् | युज्यन्ताम् |
| | युज्यस्व | युज्येथाम् | युज्यध्वम् |
| | युज्यै | युज्यावहै | युज्यामहै |
| ह्य० | अयुज्यत | अयुज्येताम् | अयुज्यन्त |
| | अयुज्यथाः | अयुज्येथाम् | अयुज्यध्वम् |
| | अयुज्ये | अयुज्यावहि | अयुज्यामहि |
| अ० | अयुक्त | अयुक्ताताम् | अयुक्षत |
| | अयुक्थाः | अयुक्ताथाम् | अयुग्ध्वम् |
| | | | अयुग्ध्वम् |
| | अयुक्षि | अयुक्ष्वहि | अयुक्ष्महि |
| ष० | युयुजे | युयुजाते | युयुजिरे |
| | युयुजिषे | युयुजाथे | युयुजिध्वे |
| | युयुजे | युयुजिवहे | युयुजिमहे |
| आ० | युक्षीष्ट | युक्षीयास्ताम् | युक्षीरन |
| | युक्षीष्ठाः | युक्षीयास्थाम् | युक्षीध्वम् |
| | युक्षीय | युक्षीवहि | युक्षीमहि |
| प्र० | योक्ता | योकारौ | योकारः |
| | योक्तासे | योक्तासाथे | योक्ताध्वे |
| | योक्ताहे | योक्तास्वहे | योक्तास्महे |
| भ० | योक्ष्यते | योक्ष्येते | योक्ष्यन्ते |
| | योक्ष्यसे | योक्ष्येथे | योक्ष्यध्वे |
| | योक्ष्ये | योक्ष्यावहे | योक्ष्यामहे |
| क्रि० | अयोक्ष्यत | अयोक्ष्येताम् | अयोक्ष्यन्त |
| | अयोक्ष्यथाः | अयोक्ष्येथाम् | अयोक्ष्यध्वम् |
| | अयोक्ष्ये | अयोक्ष्यावहि | अयोक्ष्यामहि |

1255 सृजिन् (सृज्) विसर्गः ।

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| ब० सृज्यते | सृज्येते | सृज्यन्ते |
| सृज्यसे | सृज्येथे | सृज्यध्वे |
| सृज्ये | सृज्यावहे | सृज्यामहे |
| स० सृज्येत | सृज्येयाताम् | सृज्येरन् |
| सृज्येथाः | सृज्येयाथाम् | सृज्येध्वम् |
| सृज्येय | सृज्येवहि | सृज्येमहि |
| प० सृज्यताम् | सृज्येताम् | सृज्यन्ताम् |
| सृज्यस्व | सृज्येथाम् | सृज्यध्वम् |
| सृज्यै | सृज्यावहै | सृज्यामहै |
| ह्य० असृज्यत | असृज्येताम् | असृज्यन्त |
| असृज्यथाः | असृज्येथाम् | असृज्यध्वम् |
| असृज्ये | असृज्यावहि | असृज्यामहि |
| आ० असृष्ट | असृक्षाताम् | असृक्षत |
| असृष्टाः | असृक्षाथाम् | असृङ्ध्वम् |
| | | रङ्ध्वम् |
| असृक्षि | असृक्षवहि | असृक्षमहि |
| प० ससृजे | ससृजाते | ससृजिरे |
| ससृजिषे | ससृजाथे | ससृजिध्वे |
| ससृजे | ससृजिवहे | ससृजिमहे |
| आ० सृक्षीष्ट | सृक्षीयास्ताम् | सृक्षीरन् |
| सृक्षीष्टाः | सृक्षीयास्थाम् | सृक्षीध्वम् |
| सृक्षीय | सृक्षीवहि | सृक्षीमहि |
| श्व० स्रष्टा | स्रष्टारौ | स्रष्टारः |
| स्रष्टासे | स्रष्टासाथे | स्रष्टाध्वे |
| स्रष्टाहे | स्रष्टास्वहे | स्रष्टास्महे |
| भ० स्रक्ष्यते | स्रक्ष्येते | स्रक्ष्यन्ते |
| स्रक्ष्यसे | स्रक्ष्येथे | स्रक्ष्यध्वे |
| स्रक्ष्ये | स्रक्ष्यावहे | स्रक्ष्यामहे |
| क्रि० अस्रक्ष्यत | अस्रक्ष्येताम् | अस्रक्ष्यन्त |
| अस्रक्ष्यथाः | अस्रक्ष्येथाम् | अस्रक्ष्यध्वम् |
| अस्रक्ष्ये | अस्रक्ष्यावहे | अस्रक्ष्यामहे |

अथ तान्तः सेट्च

1256 वृत्तूचि (वृत्) वरणे

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| ब० वृत्त्यते | वृत्त्येते | वृत्त्यन्ते |
| वृत्त्यसे | वृत्त्येथे | वृत्त्यध्वे |
| वृत्त्ये | वृत्त्यावहे | वृत्त्यामहे |
| स० वृत्त्येत | वृत्त्येयाताम् | वृत्त्येरन् |
| वृत्त्येथाः | वृत्त्येयाथाम् | वृत्त्येध्वम् |
| वृत्त्येय | वृत्त्येवहि | वृत्त्येमहि |
| प० वृत्त्यताम् | वृत्त्येताम् | वृत्त्यन्ताम् |
| वृत्त्यस्व | वृत्त्येथाम् | वृत्त्यध्वम् |
| वृत्त्यै | वृत्त्यावहै | वृत्त्यामहै |
| ह्य० अवृत्त्यत | अवृत्त्येताम् | अवृत्त्यन्त |
| अवृत्त्यथाः | अवृत्त्येथाम् | अवृत्त्यध्वम् |
| अवृत्त्ये | अवृत्त्यावहि | अवृत्त्यामहि |
| अ० अवर्त्तिष्ट | अवर्त्तिषाताम् | अवर्त्तिषत |
| अवर्त्तिष्टाः | अवर्त्तिषाथाम् | अवर्त्तिङ्ध्वम् |
| | | ध्वम् |
| अवर्त्तिषि | अवर्त्तिषवहि | अवर्त्तिष्महि |
| प० ववृते | ववृताते | ववृतिरे |
| ववृतिषे | ववृताथे | ववृतिध्वे |
| ववृते | ववृतिवहे | ववृतिमहे |
| आ० वर्त्तिषीष्ट | वर्त्तिषीयास्ताम् | वर्त्तिषीरन् |
| वर्त्तिषीष्टाः | वर्त्तिषीयास्थाम् | वर्त्तिषीध्वम् |
| वर्त्तिषीय | वर्त्तिषीवहि | वर्त्तिषीमहि |
| श्व० वर्त्तिता | वर्त्तितारौ | वर्त्तितारः |
| वर्त्तितासे | वर्त्तितासाथे | वर्त्तिताध्वे |
| वर्त्तिताहे | वर्त्तितास्वहे | वर्त्तितास्महे |
| भ० वर्त्तिष्यते | वर्त्तिष्येते | वर्त्तिष्यन्ते |
| वर्त्तिष्यसे | वर्त्तिष्येथे | वर्त्तिष्यध्वे |
| वर्त्तिष्ये | वर्त्तिष्यावहे | वर्त्तिष्यामहे |
| क्रि० अवर्त्तिष्यत | अवर्त्तिष्येताम् | अवर्त्तिष्यन्त |
| अवर्त्तिष्यथाः | अवर्त्तिष्येथाम् | अवर्त्तिष्यध्वम् |
| अवर्त्तिष्ये | अवर्त्तिष्यावहि | अवर्त्तिष्यामहि |

वावृत् इति केचित्तन्मते ।

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| व० वावृत्यते | वावृत्येते | वावृत्यन्ते |
| वावृत्यसे | वावृत्येथे | वावृत्यध्वे |
| वावृत्ये | वावृत्यावहे | वावृत्यामहे |
| स० वावृत्येत | वावृत्येयाताम् | वावृत्येरन् |
| वावृत्येथाः | वावृत्येयाथाम् | वावृत्येध्वम् |
| वावृत्येय | वावृत्येवहि | वावृत्येमहि |
| प० वावृत्यताम् | वावृत्येताम् | वावृत्यन्ताम् |
| वावृत्यस्व | वावृत्येथाम् | वावृत्यध्वम् |
| वावृत्यै | वावृत्यावहै | वावृत्यामहै |

ह्य अवावृत्यत अवावृत्येताम् अवावृत्यन्त
अवावृत्यथाः अवावृत्येथाम् अवावृत्यध्वम्
अवावृत्ये अवावृत्यावहि अवावृत्यामहि

अ० अवावृत्तिष्ठ अवावृत्तिषाताम् अवावृत्तिषत
अवावृत्तिष्ठाः अवावृत्तिषाथाम् अवावृत्ति-
द्वध्वम् ध्वम्

अवावृत्तिषि अवावृत्तिष्वहि अवावृत्तिषमहि
प० वावृताश्चक्रे वावृताश्चक्राते वावृताश्चक्रिरे
वावृताश्चकृषे वावृताश्चक्राथे वावृताश्चकृद्वे
वावृताश्चक्रे वावृताश्चकृवहे वावृताश्चकृमहे

वावृतांश्चक्रे वावृतामास इत्यादि
आ० वावृत्तिषीष्ट वावृत्तिषीयास्ताम् वावृत्तिषीरन्
वावृत्तिषीष्ठाः वावृत्तिषीयास्थाम् वावृत्तिषीध्वम्
वावृत्तिषीय वावृत्तिषीवहि वावृत्तिषीमहि
श्व० वावृत्तिषा वावृत्तिषारौ वावृत्तिषारः

वावृत्तिषासे वावृत्तिषासाथे वावृत्तिषाध्वे
वावृत्तिषाहे वावृत्तिषावहे वावृत्तिषास्महे

भ० वावृत्तिष्यते वावृत्तिष्येते वावृत्तिष्यन्ते
वावृत्तिष्यसे वावृत्तिष्येथे वावृत्तिष्यध्वे
वावृत्तिष्ये वावृत्तिष्यावहे वावृत्तिष्यामहे

अवावृत्तिष्यत अवावृत्तिष्येताम् अवावृत्तिष्यन्त
अवावृत्तिष्यथाः अवावृत्तिष्येथाम् अवावृत्तिष्य-
ध्वम्

अवावृत्तिष्ये अवावृत्तिष्यावहि अवावृत्तिष्यामहि

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| प० वावृताश्चक्रे | वावृताश्चक्राते | वावृताश्चक्रिरे |
| वावृताश्चकृषे | वावृताश्चक्राथे | वावृताश्चकृद्वे |
| वावृताश्चक्रे | वावृताश्चकृवहे | वावृताश्चकृमहे |
| वावृताश्चक्रे | वावृताश्चक्रे | |

॥ अथ दान्तास्त्रयोऽनिटश्च ॥

1257 पदिच् (पद्) गतौ ।

गतिर्यानि ज्ञानश्च ।

| | | |
|-------------|-------------|------------|
| व० पद्यते | पद्यते | पद्यन्ते |
| पद्यसे | पद्येथे | पद्यध्वे |
| पद्ये | पद्यावहे | पद्यामहे |
| स० पद्येत | पद्येयाताम् | पद्येरन् |
| पद्येथाः | पद्येयाथाम् | पद्येध्वम् |
| पद्येय | पद्येवहि | पद्येमहि |
| प० पद्यताम् | पद्येताम् | पद्यन्ताम् |
| पद्यस्व | पद्येथाम् | पद्यध्वम् |
| पद्यै | पद्यावहै | पद्यामहै |

ह्य० अपद्यत अपद्येताम् अपद्यन्त
अपद्यथाः अपद्येथाम् अपद्यध्वम्
अपद्ये अपद्यावहि अपद्यामहि

अ० अपादि अपत्साताम् अपत्सत
अपत्थाः अपत्साथाम् अपद्ध्वम्
द्वध्वम्

अपत्ति अपत्स्वहि अपत्स्महि

प० पेदे पेदाते पेदिरे
पेदिषे पेदाथे पेदिध्वे
पेदे पेदिवहे पेदिमहे

आ० पत्सीष्ट पत्सीयास्ताम् पत्सीरन्
पत्सीष्ठाः पत्सीयास्थाम् पत्सीध्वम्
पत्सीय पत्सीवहि पत्सीमहि

श्व० पत्ता पत्तारौ पत्तारः
पत्तासे पत्तासाथे पत्ताध्वे
पत्ताहे पत्तास्वहे पत्तास्महे

भ० पत्स्यते पत्स्येते पत्स्यन्ते
पत्स्यसे पत्स्येथे पत्स्यध्वे
पत्स्ये पत्स्यावहे पत्स्यामहे

क्रि० अपत्स्यत अपत्स्येताम् अपत्स्यन्त
अपत्स्यथाः अपत्स्येथाम् अपत्स्यध्वम्
अपत्स्ये अपत्स्यावहि अपत्स्यामहि

1259 खिदिच् (खिद्) दैन्ये

६० स्विद्यते स्विद्येते स्विद्यन्ते

| | | | |
|-------|-------------|----------------|--------------|
| ध० | खिद्यते | खिद्येते | खिद्यन्ते |
| | खिद्यसे | खिद्येथे | खिद्यध्वे |
| | खिद्ये | खिद्यावहे | खिद्यामहे |
| स० | खिद्येत | खिद्येयाताम् | खिद्येरन् |
| | खिद्येथाः | खिद्येयाथाम् | खिद्येध्वम् |
| | खिद्येय | खिद्येयहि | खिद्येमहि |
| प० | खिद्यताम् | खिद्येताम् | खिद्यन्ताम् |
| | खिद्यस्व | खिद्येथाम् | खिद्यध्वम् |
| | खिद्ये | खिद्यावहे | खिद्यामहे |
| ह्य० | अखिद्यत | अखिद्येताम् | अखिद्यन्त |
| | अखिद्यथाः | अखिद्येथाम् | अखिद्यध्वम् |
| | अखिद्ये | अखिद्यावहि | अखिद्यामहि |
| अ० | अखित्त | अखित्साताम् | अखित्सत |
| | अखित्थाः | अखित्साथाम् | अखिदध्वम् |
| | | | दूदध्वम् |
| | अखित्सि | अखित्सवहि | अखित्समहि |
| प० | चिखिदे | चिखिदाते | चिखिदिरे |
| | चिखिदिषे | चिखिदिथे | चिखिदिध्वे |
| | चिखिदे | चिखिदिवहे | चिखिदिमहे |
| आ० | खित्सीष्ट | खित्सीयास्ताम् | खित्सीरन् |
| | खित्सीष्ठाः | खित्सीयास्थाम् | खित्सीध्वम् |
| | खित्सीय | खित्सीवहि | खित्सीमहि |
| प्रथ० | खेत्ता | खेत्तारौ | खेत्तारः |
| | खेत्तासे | खेत्तासाथे | खेत्ताध्वे |
| | खेत्ताहे | खेत्तास्वहे | खेत्तास्महे |
| भ० | खेतस्यते | खेतस्येते | खेतस्यन्ते |
| | खेतस्यसे | खेतस्येथे | खेतस्यध्वे |
| | खेतस्ये | खेतस्यावहे | खेतस्यामहे |
| क्रि० | अखेतस्यत | अखेतस्येताम् | अखेतस्यन्त |
| | अखेतस्यथाः | अखेतस्येथाम् | अखेतस्यध्वम् |
| | अखेतस्ये | अखेतस्यावहि | अखेतस्यामहि |

अथ धान्तास्त्रयोऽनिद्व्य
1260 युधिच् (युध्) सम्प्रहारे
सम्प्रहारो हननम्

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० युध्यते | युध्येते | युध्यन्ते |
| युध्यसे | युध्येथे | युध्यध्वे |
| युध्ये | युध्यावहे | युध्यामहे |
| स० युध्येत | युध्येयाताम् | युध्येरन् |
| युध्येथाः | युध्येयाथाम् | युध्येध्वम् |
| युध्येय | युध्येवहि | युध्येमहि |
| प० युध्यताम् | युध्येताम् | युध्यन्ताम् |
| युध्यस्व | युध्येथाम् | युध्यध्वम् |
| युध्ये | युध्यावहे | युध्यामहे |
| झ० अयुध्यत | अयुध्येताम् | अयुध्यन्त |
| अयुध्यथाः | अयुध्येथाम् | अयुध्यध्वम् |
| अयुध्ये | अयुध्यावहि | अयुध्यामहि |
| अ० अयुद्ध | अयुत्साताम् | अयुत्सत |
| अयुद्धाः | अयुत्साथाम् | अयुद्ध्वम् |
| | | दुद्ध्वम् |
| अयुत्सि | अयुत्स्वहि | अयुत्स्महि |
| प० युयुधे | युयुधाते | युयुधिरे |
| युयुधिषे | युयुधाथे | युयुधिध्वे |
| युयुधे | युयुधिवहे | युयुधिमहे |
| आ० युत्सीष्ट | युत्सीयास्ताम् | युत्सीरन् |
| युत्सीष्ठाः | युत्सीयास्थाम् | युत्सीध्वम् |
| युत्सीय | युत्सीवहि | युत्सीमहि |
| श्व० योद्धा | योद्धारौ | योद्धारः |
| योद्धासे | योद्धासाथे | योद्धाध्वे |
| योद्धाहे | योद्धास्वहे | योद्धास्महे |
| भ० योत्स्यते | योत्स्येते | योत्स्यन्ते |
| योत्स्यसे | योत्स्येथे | योत्स्यध्वे |
| योत्स्ये | योत्स्यावहे | योत्स्यामहे |
| क्रि० अयोत्स्यत | अयोत्स्येताम् | अयोत्स्यन्त |
| अयोत्स्यथाः | अयोत्स्येथाम् | अयोत्स्यध्वम् |
| अयोत्स्ये | अयोत्स्यावहि | अयोत्स्यामहि |

1261 अनोरुधिच् (अनु-रुध्) कामे।

काम इच्छा अनुपूर्वो रुधिः कामे दिवादिः

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० अनुरुध्यते | अनुरुध्येते | अनुरुध्यन्ते |
| अनुरुध्यसे | अनुरुध्येथे | अनुरुध्यध्वे |
| अनुरुध्ये | अनुरुध्यावहे | अनुरुध्यामहे |
| स० अनुरुध्येत | अनुरुध्येयाताम् | अनुरुध्येरन् |
| अनुरुध्येथाः | अनुरुध्येयाथाम् | अनुरुध्येध्वम् |
| अनुरुध्ये | अनुरुध्येवहि | अनुरुध्येमहि |
| प० अनुरुध्यताम् | अनुरुध्येताम् | अनुरुध्यन्ताम् |
| अनुरुध्यस्व | अनुरुध्येथाम् | अनुरुध्यध्वम् |
| अनुरुध्ये | अनुरुध्यावहे | अनुरुध्यामहे |
| झ० अन्वरुध्यत | अन्वरुध्येताम् | अन्वरुध्यन्त |
| अन्वरुध्यथाः | अन्वरुध्येथाम् | अन्वरुध्यध्वम् |
| अन्वरुध्ये | अन्वरुध्यावहि | अन्वरुध्यामहि |
| अ० अन्वरुद्ध | अन्वरुत्साताम् | अन्वरुत्सत |
| अन्वरुद्धाः | अन्वरुत्साथाम् | अन्वरुद्ध्वम् |
| | | दुद्ध्वम् |
| अन्वरुत्सि | अन्वरुत्स्वहि | अन्वरुत्स्महि |
| प० अनुरुधे | अनुरुधाते | अनुरुधिरे |
| अनुरुधिषे | अनुरुधाथे | अनुरुधिध्वे |
| अनुरुधे | अनुरुधिवहे | अनुरुधिमहे |
| आ० अनुरुत्सीष्ट | अनुरुत्सीयास्ताम् | अनुरुत्सीरन् |
| अनुरुत्सीष्ठाः | अनुरुत्सीयास्थाम् | अनुरुत्सीध्वम् |
| अनुरुत्सीय | अनुरुत्सीवहि | अनुरुत्सीमहि |
| श्व० अनुरोद्धा | अनुरोद्धारौ | अनुरोद्धारः |
| अनुरोद्धासे | अनुरोद्धासाथे | अनुरोद्धाध्वे |
| अनुरोद्धाहे | अनुरोद्धास्वहे | अनुरोद्धास्महे |
| भ० अनुरोत्स्यते | अनुरोत्स्येते | अनुरोत्स्यन्ते |
| अनुरोत्स्यसे | अनुरोत्स्येथे | अनुरोत्स्यध्वे |
| अनुरोत्स्ये | अनुरोत्स्यावहे | अनुरोत्स्यामहे |
| क्रि० अन्वरोत्स्यत | अन्वरोत्स्येताम् | अन्वरोत्स्यन्त |
| अन्वरोत्स्यथाः | अन्वरोत्स्येथाम् | अन्वरोत्स्यध्वम् |
| अन्वरोत्स्ये | अन्वरोत्स्यावहि | अन्वरोत्स्यामहि |

1262 बुधिच् (बुध्) ज्ञाने ।

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| ब० बुध्यते | बुध्येते | बुध्यन्ते |
| बुध्यसे | बुध्येथे | बुध्यध्वे |
| बुध्ये | बुध्यावहे | बुध्यामहे |
| स० बुध्येत | बुध्येताताम् | बुध्येरन् |
| बुध्येथाः | बुध्येयाथाम् | बुध्येध्वम् |
| बुध्येय | बुध्येवहि | बुध्येमहि |
| प० बुध्यताम् | बुध्येताम् | बुध्यन्ताम् |
| बुध्यस्व | बुध्येथाम् | बुध्यध्वम् |
| बुध्यौ | बुध्यावहे | बुध्यामहे |
| झ० अबुध्यत | अबुध्येताम् | अबुध्यन्त |
| अबुध्यथाः | अबुध्येथाम् | अबुध्यध्वम् |
| अबुध्ये | अबुध्यावहि | अबुध्यामहि |
| अ० अबुद्ध, अबोधि | अभुत्साताम् | अभुत्सत |
| अबुद्धाः | अभुत्साथाम् | अभुद्ध्वम् |
| | | द्द्वम् |
| अभुत्सि | अभुत्स्वहि | अभुत्समहि |
| प० बुबुधे | बुबुधाते | बुबुधिरे |
| बुबुधिषे | बुबुधाथे | बुबुधिध्वे |
| बुबुधे | बुबुधिवहे | बुबुधिमहे |
| आ० भुत्सीष्ट | भुत्सीयास्ताम् | भुत्सीरन् |
| भुत्सीष्ठाः | भुत्सीयास्थाम् | भुत्सीध्वम् |
| भुत्सीय | भुत्सीवहि | भुत्सीमहि |
| प्रब० बोद्धा | बोद्धारौ | बोद्धारः |
| बोद्धासे | बोद्धासाथे | बोद्धाध्वे |
| बोद्धाहे | बोद्धास्वहे | बोद्धास्महे |
| भ० भोत्स्यते | भोत्स्येते | भोत्स्यन्ते |
| भोत्स्यसे | भोत्स्येथे | भोत्स्यध्वे |
| भोत्स्ये | भोत्स्यावहे | भोत्स्यामहे |
| क्रि० अभोत्स्यतं | अभोत्स्येताम् | अभोत्स्यन्त |
| अभोत्स्यथाः | अभोत्स्येथाम् | अभोत्स्यध्वम् |
| अभोत्स्ये | अभोत्स्यावहि | अभोत्स्यामहि |

1263 मनिच् (मन्) ज्ञाने ।

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| ब० मन्यते | मन्येते | मन्यन्ते |
| मन्यसे | मन्येथे | मन्यध्वे |
| मन्ये | मन्यावहे | मन्यामहे |
| स० मन्येत | मन्येयाताम् | मन्येरन् |
| मन्येथाः | मन्येयाथाम् | मन्येध्वम् |
| मन्येय | मन्येवहि | मन्येमहि |
| प० मन्यताम् | मन्येताम् | मन्यन्ताम् |
| मन्यस्व | मन्येथाम् | मन्यध्वम् |
| मन्यै | मन्यावहे | मन्यामहे |
| झ० अमन्यत | अमन्येताम् | अमन्यन्त |
| अमन्यथाः | अमन्येथाम् | अमन्यध्वम् |
| अमन्ये | अमन्यावहि | अमन्यामहि |
| अ० अमंस्त | अमंसाताम् | अमंस्त |
| अमंस्थाः | अमंसाथाम् | अमन्दध्वम् |
| | | न्ध्वम् |
| अमंसि | अमंस्वहि | अमंस्महि |
| प० मोने | मोनाते | मोतिरे |
| मोनिषे | मोनाथे | मोनिध्वे |
| मोने | मोनिवहे | मोनिप्रहे |
| आ० मंसीष्ट | मंसीयास्ताम् | मंसीरन् |
| मंसीष्ठाः | मंसीयास्थाम् | मंसीध्वम् |
| मंसीय | मंसीवहि | मंसीमहि |
| प्रब० मन्ता | मन्तारौ | मन्तारः |
| मन्तासे | मन्तासाथे | मन्ताध्वे |
| मन्ताहे | मन्तास्वहे | मन्तास्महे |
| भ० मंस्यते | मंस्येते | मंस्यन्ते |
| मंस्यसे | मंस्येथे | मंस्यध्वे |
| मंस्ये | मंस्यावहे | मंस्यामहे |
| क्रि० अमंस्यत | अमंस्येताम् | अमंस्यन्त |
| अमंस्यथाः | अमंस्येथाम् | अमंस्यध्वम् |
| अमंस्ये | अमंस्यावहि | अमंस्यामहि |

1264 अनिच् (अन्) प्राणने ।

| | | | |
|-------|------------|---------------|------------------|
| व | अन्यते | अन्येते | अन्यन्ते |
| | अन्यसे | अन्येथे | अन्यध्वे |
| | अन्ये | अन्यावहे | अन्यामहे |
| स० | अन्येत | अन्येयाताम् | अन्येरन् |
| | अन्येथाः | अन्येयाथाम् | अन्येध्वम् |
| | अन्येय | अन्येवहि | अन्येमहि |
| प० | अन्यताम् | अन्येताम् | अन्यन्ताम् |
| | अन्यस्व | अन्येथाम् | अन्यध्वम् |
| | अन्ये | अन्यावहे | अन्यामहे |
| ह्य० | अन्यत | अन्येताम् | अन्यन्त- |
| | अन्यथाः | अन्येथाम् | अन्यध्वम् |
| | अन्ये | अन्यावहि | अन्यामहि |
| अ० | आनिष्ट | आनिषाताम् | आनिषत |
| | आनिष्ठाः | आनिषाथाम् | आनिड्ध्वम्—ध्वम् |
| | आनिषि | आनिष्वहि | आनिष्महि |
| प० | आने | आनाते | आनिरे |
| | आनिषे | आनाथे | आनिध्वे |
| | आने | आनिषहे | आनिमहे |
| आ० | अनिषीष्ट | अनिषीयास्ताम् | अनिषीरन् |
| | अनिषीष्ठाः | अनिषीयास्थाम् | अनिषीध्वम् |
| | अनिषीय | अनिषीवहि | अनिषीमहि |
| श्व० | अनिता | अनितारौ | अनितारः |
| | अनितासे | अनितासाथे | अनिताध्वे |
| | अनिताहे | अनितास्वहे | अनितास्महे |
| भ० | अनिष्यते | अनिष्येते | अनिष्यन्ते |
| | अनिष्यसे | अनिष्येथे | अनिष्यध्वे |
| | अनिष्ये | अनिष्यावहे | अनिष्यामहे |
| क्रि० | अनिष्यत | अनिष्येताम् | अनिष्यन्त |
| | अनिष्यथाः | अनिष्येथाम् | अनिष्यध्वम् |
| | अनिष्ये | अनिष्यावहि | अनिष्यामहि |

1265 जनैचि (जन्) प्रादुर्भावे

प्रादुर्भाव उत्पत्तिः ।

| | | | |
|-------|------------|---------------|-------------------|
| व० | जायते | जायेते | जायन्ते |
| | जायसे | जायेथे | जायध्वे |
| | जाये | जायावहे | जायामहे |
| स० | जायेत | जायेयाताम् | जायेरन् |
| | जायेथाः | जायेयाथाम् | जायेध्वम् |
| | जायेय | जायेवहि | जायेमहि |
| प० | जायताम् | जायेताम् | जायन्ताम् |
| | जायस्व | जायेथाम् | जायध्वम् |
| | जाये | जायावहे | जायामहे |
| ह्य० | अजायत | अजायेताम् | अजायन्त |
| | अजायथाः | अजायेथाम् | अजायध्वम् |
| | अजाये | अजायावहि | अजायमाहि |
| अ० | अजनिष्ट | अजनिषाताम् | अजनिषत |
| | अजनिष्ठाः | अजनिषाथाम् | अजनिड्ध्वम्—ध्वम् |
| | अजनिषि | अजनिष्वहि | अजनिष्महि |
| प० | जज्ञे | जज्ञाते | जज्ञिरे |
| | जज्ञिषे | जज्ञाथे | जज्ञिध्वे |
| | जज्ञे | जज्ञिवहे | जज्ञिमहे |
| आ० | जनिषीष्ट | जनिषीयास्ताम् | जनिषीरन् |
| | जनिषीष्ठाः | जनिषीयास्थाम् | जनिषीध्वम् |
| | जनिषीय | जनिषीवहि | जनिषीमहि |
| श्व० | जनिता | जनितारौ | जनितारः |
| | जनितासे | जनितसाथे | जनिताध्वे |
| | जनिताहे | जनितस्वहे | जनितास्महे |
| भ० | जनिष्यते | जनिष्येते | जनिष्यन्ते |
| | जनिष्यसे | जनिष्येथे | जनिष्यध्वे |
| | जनिष्ये | जनिष्यावहे | जनिष्यामहे |
| क्रि० | अजनिष्यत | अजनिष्येताम् | अजनिष्यन्त |
| | अजनिष्यथाः | अजनिष्येथाम् | अजनिष्यध्वम् |
| | अजनिष्ये | अजनिष्यावहि | अजनिष्यामहि |

अथ पान्ती

1266 दीर्घेचि (दीर्) दीर्षी ।

| | | |
|-----------------|------------------|---------------|
| व० दीर्ष्यते | दीर्ष्येते | दीर्ष्यन्ते |
| दीर्ष्यसे | दीर्ष्येथे | दीर्ष्यध्वे |
| दीर्ष्ये | दीर्ष्यावहे | दीर्ष्यामहे |
| स० दीर्ष्येत | दीर्ष्येयाताम् | दीर्ष्येरन् |
| दीर्ष्येथाः | दीर्ष्येयाथाम् | दीर्ष्येध्वम् |
| दीर्ष्येय | दीर्ष्येवहि | दीर्ष्येमहि |
| प० दीर्ष्यताम् | दीर्ष्येताम् | दीर्ष्यन्ताम् |
| दीर्ष्यस्व | दीर्ष्येथाम् | दीर्ष्यध्वम् |
| दीर्ष्यै | दीर्ष्यावहे | दीर्ष्यामहे |
| ह्य० अदीर्ष्यत | अदीर्ष्येताम् | अदीर्ष्यन्त |
| अदीर्ष्यथाः | अदीर्ष्येथाम् | अदीर्ष्यध्वम् |
| अदीर्ष्ये | अदीर्ष्यावहि | अदीर्ष्यामहि |
| अ० अदीर्षिष्ट | अदीर्षिषाताम् | अदीर्षिषत |
| अदीर्षिष्ठाः | अदीर्षिषाथाम् | अदीर्षिषध्वम् |
| अदीर्षिषि | अदीर्षिषवहि | अदीर्षिमहि |
| प० दिदीर्षे | दिदीर्षाते | दिदीर्षिरे |
| दिदीर्षिषे | दिदीर्षाथे | दिदीर्षिष्वे |
| दिदीर्षे | दिदीर्षिवहे | दिदीर्षिमहे |
| आ० दीर्षिषीष्ट | दीर्षिषीयास्ताम् | दीर्षिषीरन् |
| दीर्षिषीष्ठाः | दीर्षिषीयास्थाम् | दीर्षिषीध्वम् |
| दीर्षिषीय | दीर्षिषीवहि | दीर्षिषीमहि |
| श्व० दीर्षिता | दीर्षितारौ | दीर्षितारः |
| दीर्षितासे | दीर्षितासाथे | दीर्षिताध्वे |
| दीर्षिताहे | दीर्षितास्वहे | दीर्षितामहे |
| भ० दीर्ष्यते | दीर्ष्येते | दीर्ष्यन्ते |
| दीर्ष्यसे | दीर्ष्येथे | दीर्ष्यध्वे |
| दीर्ष्ये | दीर्ष्यावहे | दीर्ष्यामहे |
| क्रि० अदीर्ष्यत | अदीर्ष्येताम् | अदीर्ष्यन्त |
| अदीर्ष्यथाः | अदीर्ष्येथाम् | अदीर्ष्यध्वम् |
| अदीर्ष्ये | अदीर्ष्यावहि | अदीर्ष्यामहि |

1267 तर्पिन् (तर्प्) ऐश्वर्ये वा ।

तर्पे धूप संतापे इत्यस्यैवैश्वर्येऽर्थे दिवा-
दित्वमात्मनेपदं वा विधीयते पक्षे ऐ-
श्वर्ये ऽपि भ्वादिन्वात् प्रतपति ।

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० तर्प्यते | तर्प्येते | तर्प्यन्ते |
| तर्प्यसे | तर्प्येथे | तर्प्यध्वे |
| तर्प्ये | तर्प्यावहे | तर्प्यामहे |
| स० तर्प्येत | तर्प्येयाताम् | तर्प्येरन् |
| तर्प्येथाः | तर्प्येयाथाम् | तर्प्येध्वम् |
| तर्प्येय | तर्प्येवहि | तर्प्येमहि |
| प० तर्प्यताम् | तर्प्येताम् | तर्प्यन्ताम् |
| तर्प्यस्व | तर्प्येथाम् | तर्प्यध्वम् |
| तर्प्यै | तर्प्यावहे | तर्प्यामहे |
| ह्य० अतर्प्यत | अतर्प्येताम् | अतर्प्यन्त |
| अतर्प्यथाः | अतर्प्येथाम् | अतर्प्यध्वम् |
| अतर्प्ये | अतर्प्यावहि | अतर्प्यामहि |
| अ० अतप्त | अतप्साताम् | अतप्सत |
| अतप्थाः | अतप्साथाम् | अतप्सध्वम् |
| अतप्सि | अतप्सवहि | अतप्समहि |
| प० तेपे | तेपाते | तेपिरे |
| तेपिषे | तेपाथे | तेपिष्वे |
| तेपे | तेपिवहे | तेपिमहे |
| आ० तप्सीष्ट | तप्सीयास्ताम् | तप्सीरन् |
| तप्सीष्ठाः | तप्सीयास्थाम् | तप्सीध्वम् |
| तप्सीय | तप्सीवहि | तप्सीमहि |
| श्व० तप्ता | तप्तारौ | तप्तारः |
| तप्तासे | तप्तासाथे | तप्ताध्वे |
| तप्ताहे | तप्तास्वहे | तप्तामहे |
| भ० तप्स्यते | तप्स्येते | तप्स्यन्ते |
| तप्स्यसे | तप्स्येथे | तप्स्यध्वे |
| तप्स्ये | तप्स्यावहे | तप्स्यामहे |
| क्रि० अतप्स्यत | अतप्स्येताम् | अतप्स्यन्त |
| अतप्स्यथाः | अतप्स्येथाम् | अतप्स्यध्वम् |
| अतप्स्ये | अतप्स्यावहि | अतप्स्यामहि |

अथ रान्ता अष्टौ सेटश्च ।

1268 पूरैचि (पुर) आप्यायनेः ।

वृद्धावित्यर्थः

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| ब० पूर्यते | पूर्यते | पूर्यन्ते |
| पूर्यसे | पूर्यथे | पूर्यध्वे |
| पूर्ये | पूर्यावहे | पूर्यामहे |
| स० पूर्यत | पूर्ययाताम् | पूर्येरन् |
| पूर्यथाः | पूर्ययाथाम् | पूर्यध्वम् |
| पूर्येय | पूर्येवहि | पूर्येमहि |
| प० पूर्यताम् | पूर्यताम् | पूर्यन्ताम् |
| पूर्यस्व | पूर्यथाम् | पूर्यध्वम् |
| पूर्ये | पूर्यावहे | पूर्यामहे |
| ह्य० अपूर्यन् | अपूर्यताम् | अपूर्यन्त |
| अपूर्यथाः | अपूर्यथाम् | अपूर्यध्वम् |
| अपूर्ये | अपूर्यावहि | अपूर्यामहि |
| अ० अपूरि | अपूरिष्ट | अपूरिषाताम् |
| अपूरिषाताम् | अपूरिषत | अपूरिषन्त |
| अपूरिषाः | अपूरिषाथाम् | अपूरिषध्वम् |
| अपूरिषे | अपूरिषेवहि | अपूरिषेमहि |
| अपूरिष्यते | अपूरिष्येते | अपूरिष्यन्ते |
| अपूरिष्यसे | अपूरिष्यथे | अपूरिष्यध्वे |
| अपूरिष्ये | अपूरिष्यावहे | अपूरिष्यामहे |
| क्रि० अपूरिष्यत | अपूरिष्येताम् | अपूरिष्यन्त |
| अपूरिष्यथाः | अपूरिष्येथाम् | अपूरिष्यध्वम् |
| अपूरिष्ये | अपूरिष्यावहि | अपूरिष्यामहि |

1271 घूरैच् [घूर] भतौ ।

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० घूर्यते | घूर्यते | घूर्यन्ते |
| घूर्यसे | घूर्यथे | घूर्यध्वे |
| घूर्ये | घूर्यावहे | घूर्यामहे |
| स० घूर्यत | घूर्ययाताम् | घूर्येरन् |
| घूर्यथाः | घूर्ययाथाम् | घूर्यध्वम् |
| घूर्येय | घूर्येवहि | घूर्येमहि |
| प० घूर्यताम् | घूर्यताम् | घूर्यन्ताम् |
| घूर्यस्व | घूर्यथाम् | घूर्यध्वम् |
| घूर्ये | घूर्यावहे | घूर्यामहे |
| ह्य० अघूर्यन्त | अघूर्यताम् | अघूर्यन्त |
| अघूर्यथाः | अघूर्यथाम् | अघूर्यध्वम् |
| अघूर्ये | अघूर्यावहि | अघूर्यामहि |
| अ० अघूरिष्ट | अघूरिषाताम् | अघूरिषत |
| अघूरिषाताम् | अघूरिषत | अघूरिषन्त |
| अघूरिषाः | अघूरिषाथाम् | अघूरिषध्वम् |
| अघूरिषे | अघूरिषेवहि | अघूरिषेमहि |
| प० जूधूरे | जूधूराते | जूधूरिरे |
| जूधूरिषे | जूधूराथे | जूधूरिध्वे |
| जूधूरे | जूधूरिवहे | जूधूरिमहे |
| आ० घूरिषीष्ट | घूरिषीयास्ताम् | घूरिषीरन् |
| घूरिषीषाताम् | घूरिषीषत | घूरिषीषन्त |
| घूरिषीषाः | घूरिषीषाथाम् | घूरिषीषध्वम् |
| घूरिषीषे | घूरिषीषेवहि | घूरिषीषेमहि |
| अ० घूरिता | घूरितारौ | घूरितारः |
| घूरितासे | घूरितासाथे | घूरिताध्वे |
| घूरिताहे | घूरितास्वहे | घूरितास्महे |
| अ० घूरिष्यते | घूरिष्येते | घूरिष्यन्ते |
| घूरिष्यसे | घूरिष्यथे | घूरिष्यध्वे |
| घूरिष्ये | घूरिष्यावहे | घूरिष्यामहे |
| क्रि० अघूरिष्यत | अघूरिष्येताम् | अघूरिष्यन्त |
| अघूरिष्यथाः | अघूरिष्येथाम् | अघूरिष्यध्वम् |
| अघूरिष्ये | अघूरिष्यावहि | अघूरिष्यामहि |

1270 गूरैचि (गूर गतौ ।

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| ब० गूर्यते | गूर्येते | गूर्यन्ते |
| गूर्यसे | गूर्येथे | गूर्यध्वे |
| गूर्ये | गूर्यावहे | गूर्यामहे |
| स० गूर्येत | गूर्येयाताम् | गूर्येरन् |
| गूर्येथाः | गूर्येयाथाम् | गूर्येध्वम् |
| गूर्येय | गूर्येवहि | गूर्येमहि |
| प० गूर्यताम् | गूर्येताम् | गूर्यन्ताम् |
| गूर्यस्व | गूर्येथाम् | गूर्यध्वम् |
| गूर्ये | गूर्यावहे | गूर्यामहे |
| ह्य० अगूर्यत | अगूर्येताम् | अगूर्यन्त |
| अगूर्यथाः | अगूर्येथाम् | अगूर्यध्वम् |
| अगूर्ये | अगूर्यावहि | अगूर्यामहि |
| अ० अगूरिष्ट | अगूरिषाताम् | अगूरिषत |
| अगूरिष्ठाः | अगूरिषाथाम् | अगूरिड्ढ्वम् |
| | | द्वम् ध्वम् |
| अगूरिषि | अगूरिष्वहि | अगूरिष्महि |
| प० जुगूरे | जुगूराते | जुगूरिरे |
| जुगूरिषे | जुगूराथे | जुगूरिद्वे-ध्वे |
| जुगूरे | जुगूरिवहे | जुगूरिमहे |
| आ० गूरिषीष्ट | गूरिषीयास्ताम् | गूरिषीरन् |
| गूरिषीष्ठाः | गूरिषीयास्थाम् | गूरिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| गूरिषीय | गूरिषीवहि | गूरिषीमहि |
| प्रव० गूरिता | गूरितारौ | गूरितारः |
| गूरितासे | गूरितासाथे | गूरिताध्वे |
| गूरिताहे | गूरितास्वहे | गूरितास्महे |
| भ० गूरिष्यते | गूरिष्येते | गूरिष्यन्ते |
| गूरिष्यसे | गूरिष्येथे | गूरिष्यध्वे |
| गूरिष्ये | गूरिष्यावहे | गूरिष्यामहे |
| क्रि० अगूरिष्यत | अगूरिष्येताम् | अगूरिष्यन्त |
| अगूरिष्यथाः | अगूरिष्येथाम् | अगूरिष्यध्वम् |
| अगूरिष्ये | अगूरिष्यावहि | अगूरिष्यामहि |

1271 शूरैचि (शूर) स्तम्भे ।

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| ब० शूर्यते | शूर्येते | शूर्यन्ते |
| शूर्यसे | शूर्येथे | शूर्यध्वे |
| शूर्ये | शूर्यावहे | शूर्यामहे |
| स० शूर्येत | शूर्येयाताम् | शूर्येरन् |
| शूर्येथाः | शूर्येयाथाम् | शूर्येध्वम् |
| शूर्येय | शूर्येवहि | शूर्येमहि |
| प० शूर्यताम् | शूर्येताम् | शूर्यन्ताम् |
| शूर्यस्व | शूर्येथाम् | शूर्यध्वम् |
| शूर्ये | शूर्यावहे | शूर्यामहे |
| ह्य० अशूर्यत | अशूर्येताम् | अशूर्यन्त |
| अशूर्यथाः | अशूर्येथाम् | अशूर्यध्वम् |
| अशूर्ये | अशूर्यावहि | अशूर्यामहि |
| अ० अशूरिष्ट | अशूरिषाताम् | अशूरिषत |
| अशूरिष्ठाः | अशूरिषाथाम् | अशूरिड्ढ्वम् |
| | | द्वम् ध्वम् |
| अशूरिषि | अशूरिष्वहि | अशूरिष्महि |
| प० शुशूरे | शुशूराते | शुशूरिरे |
| शुशूरिषे | शुशूराथे | शुशूरिद्वे-ध्वे |
| शुशूरे | शुशूरिवहे | शुशूरिमहे |
| आ० शूरिषीष्ट | शूरिषीयास्ताम् | शूरिषीरन् |
| शूरिषीष्ठाः | शूरिषीयास्थाम् | शूरिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| शूरिषीय | शूरिषीवहि | शूरिषीमहि |
| प्रव० शूरिता | शूरितारौ | शूरितारः |
| शूरितासे | शूरितासाथे | शूरिताध्वे |
| शूरिताहे | शूरितास्वहे | शूरितास्महे |
| भ० शूरिष्यते | शूरिष्येते | शूरिष्यन्ते |
| शूरिष्यसे | शूरिष्येथे | शूरिष्यध्वे |
| शूरिष्ये | शूरिष्यावहे | शूरिष्यामहे |
| क्रि० अशूरिष्यत | अशूरिष्येताम् | अशूरिष्यन्त |
| अशूरिष्यथाः | अशूरिष्येथाम् | अशूरिष्यध्वम् |
| अशूरिष्ये | अशूरिष्यावहि | अशूरिष्यामहि |
| शूरितासे | शूरितासाथे | शूरिताध्वे |

1272 जूरैषि (जूर) जरायाम् ।

जरा वयोहानिः ।

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| व० जूर्यते | येते | र्यन्ते |
| जूर्यसे | जूर्यथे | जूर्यध्वे |
| जूर्ये | जूर्यावहे | जूर्यामहे |
| स० जूर्येत | जूर्येयाताम् | जूर्येरन् |
| जूर्येथाः | जूर्येयाथाम् | जूर्येध्वम् |
| जूर्येय | जूर्येवहि | जूर्येमहि |
| प० जूर्यताम् | जूर्येताम् | जूर्यन्ताम् |
| जूर्यस्व | जूर्येथाम् | जूर्यध्वम् |
| जूर्ये | जूर्यावहे | जूर्यामहे |
| ह्य० अजूर्यत | अजूर्येताम् | अजूर्यन्त |
| अजूर्यथाः | अजूर्येथाम् | अजूर्यध्वम् |
| अजूर्ये | अजूर्यावहि | अजूर्यामहि |
| अ० अजूरिष्ट | अजूरिषाताम् | अजूरिषत |
| अजूरिष्टाः | अजूरिषाथाम् | अजूरिष्टध्वम् |
| अजूरिषि | अजूरिष्वहि | अजूरिषमहि |
| प० जुजुरे | जुजूराते | जुजूरिरे |
| जुजूरिषे | जुजूराथे | जुजूरिध्वे-ध्वे |
| जुजूरे | जुजूरिवहे | जुजूरिमहे |
| आ० जूरिषीष्ट | जूरिषीयास्ताम् | जूरिषीरन् |
| जूरिषीष्टाः | जूरिषीयास्थाम् | जूरिषीध्वम् |
| जूरिषीय | जूरिषीवहि | जूरिषीमहि |
| प्रव० जूरिता | जूरितारौ | जूरितारः |
| जूरितासे | जूरितासाथे | जूरिताध्वे |
| रिताहे | रितास्वहे | जूरितास्महे |
| भ० जूरिष्यते | जूरिष्येते | जूरिष्यन्ते |
| जूरिष्यसे | जूरिष्येथे | जूरिष्यध्वे |
| जूरिष्ये | रिष्यावहे | जूरिष्यामहे |
| क्रि० अजूरिष्यत | अजूरिष्येताम् | अजूरिष्यन्त |
| अजूरिष्यथाः | अजूरिष्येथाम् | अजूरिष्यध्वम् |
| अजूरिष्ये | अजूरिष्यावहि | अजूरिष्यामहि |

1273 धूरैश्च (धूर) गतौ

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| व० धूर्यते | धूर्येते | धूर्यन्ते |
| धूर्यसे | धूर्येथे | धूर्यध्वे |
| धूर्ये | धूर्यावहे | धूर्यामहे |
| स० धूर्येत | धूर्येयाताम् | धूर्येरन् |
| धूर्येथाः | धूर्येयाथाम् | धूर्येध्वम् |
| धूर्येय | धूर्येवहि | धूर्येमहि |
| प० धूर्यताम् | धूर्येताम् | धूर्यन्ताम् |
| धूर्यस्व | धूर्येथाम् | धूर्यध्वम् |
| धूर्ये | धूर्यावहे | धूर्यामहे |
| ह्य० अधूर्यत | अधूर्येताम् | अधूर्यन्त |
| अधूर्यथाः | अधूर्येथाम् | अधूर्यध्वम् |
| अधूर्ये | अधूर्यावहि | अधूर्यामहि |
| अ० अधूरिष्ट | अधूरिषाताम् | अधूरिषत |
| अधूरिष्टाः | अधूरिषाथाम् | अधूरिष्टध्वम् |
| अधूरिषि | अधूरिष्वहि | अधूरिषमहि |
| प० दुधूरे | दुधूराते | दुधूरिरे |
| दुधूरिषे | दुधूराथे | दुधूरिध्वे-ध्वे |
| दुधूरे | दुधूरिवहे | दुधूरिमहे |
| आ० धूरिषीष्ट | धूरिषीयास्ताम् | धूरिषीरन् |
| धूरिषीष्टाः | धूरिषीयास्थाम् | धूरिषीध्वम् |
| धूरिषीय | धूरिषीवहि | धूरिषीमहि |
| प्रव० धूरिता | धूरितारौ | धूरितारः |
| धूरितासे | धूरितासाथे | धूरिताध्वे |
| धूरिताहे | धूरितास्वहे | धूरितास्महे |
| भ० धूरिष्यते | धूरिष्येते | धूरिष्यन्ते |
| धूरिष्यसे | धूरिष्येथे | धूरिष्यध्वे |
| धूरिष्ये | धूरिष्यावहे | धूरिष्यामहे |
| क्रि० अधूरिष्यत | अधूरिष्येताम् | अधूरिष्यन्त |
| अधूरिष्यथाः | अधूरिष्येथाम् | अधूरिष्यध्वम् |
| अधूरिष्ये | अधूरिष्यावहि | अधूरिष्यामहि |

1274 तूरैचि (तूर) त्वरायाम् ।

| | | |
|---|----------------|-----------------|
| व० तूर्यते | तूर्यते | तूर्यन्ते |
| तूर्यसे | तूर्यथे | तूर्यध्वे |
| तूर्ये | तूर्यावहे | तूर्यामहे |
| स० तूर्ये त | तूर्येयाताम् | तूर्येरन् |
| तूर्येथाः | तूर्येयाथाम् | तूर्येध्वम् |
| तूर्येय | तूर्येवहि | तूर्येमहि |
| प० तूर्यताम् | तूर्येताम् | तूर्यन्ताम् |
| तूर्यस्व | तूर्येथाम् | तूर्यध्वम् |
| तूर्ये | तूर्यावहे | तूर्यामहे |
| ह्य० अतूर्यत | अतूर्येताम् | अतूर्यन्त |
| अतूर्यथाः | अतूर्येथाम् | अतूर्यध्वम् |
| अतूर्ये | अतूर्यावहि | अतूर्यामहि |
| अ० अतूरिष्ट | अतूरिषाताम् | अतूरिषत |
| अतूरिष्टाः | अतूरिषाथाम् | अतूरिड्ढ्वम् |
| | | ध्वम्-ध्वम् |
| अतूरिषि | अतूरिष्वहि | अतूरिष्महि |
| प० तुतूरे | तुतूराते | तुतूरिरे |
| तुतूरिषे | तुतूराथे | तुतूरिध्वे-ध्वे |
| तुतूरे | तुतूरिवहे | तुतूरिमहे |
| आ० तूरिषीष्ट | तूरिषीयास्ताम् | तूरिषीरन् |
| तूरिषीष्टाः | तूरिषीयास्थाम् | तूरिषीड्ढ्वम् |
| | | ध्वम् |
| तूरिषीय | तूरिषीवहि | तूरिषीमहि |
| प्र० तूरिता | तूरितारौ | तूरितारः |
| तूरितासे | तूरितासाथे | तूरिताध्वे |
| तूरिताहे | तूरितास्वहे | तूरितास्महे |
| भ० तूरिष्यते | तूरिष्येते | तूरिष्यन्ते |
| तूरिष्यसे | तूरिष्येथे | तूरिष्यध्वे |
| तूरिष्ये | तूरिष्यावहे | तूरिष्यामहे |
| क्रि० अतूरिष्यत | अतूरिष्येताम् | अतूरिष्यन्त |
| अतूरिष्यथाः | अतूरिष्येथाम् | अतूरिष्यध्वम् |
| अतूरिष्यो | अतूरिष्यावहि | अतूरिष्यामहि |
| परादयो हिंसायाश्च । घूरादयः षडपि | | |
| हिंसायां चकाराद्यथापथमुक्तेषु जरादिषु । | | |

तान्येवोदाहरणानि ।

1275 चूरैचि (चूर) दाहे

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| व० चूर्यते | चूर्यते | चूर्यन्ते |
| चूर्यसे | चूर्यथे | चूर्यध्वे |
| चूर्ये | चूर्यावहे | चूर्यामहे |
| स० चूर्ये त | चूर्येयाताम् | चूर्येरन् |
| चूर्येथाः | चूर्येयाथाम् | चूर्येध्वम् |
| चूर्येय | चूर्येवहि | चूर्येमहि |
| प० चूर्यताम् | चूर्येताम् | चूर्यन्ताम् |
| चूर्यस्व | चूर्येथाम् | चूर्यध्वम् |
| चूर्ये | चूर्यावहे | चूर्यामहे |
| ह्य० अचूर्यत | अचूर्येताम् | अचूर्यन्त |
| अचूर्यथाः | अचूर्येथाम् | अचूर्यध्वम् |
| अचूर्ये | अचूर्यावहि | अचूर्यामहि |
| अ० अचूरिष्ट | अचूरिषाताम् | अचूरिषत |
| अचूरिष्टाः | अचूरिषाथाम् | अचूरिड्ढ्वम् |
| | | ध्वम्-ध्वम् |
| अचूरिषि | अचूरिष्वहि | अचूरिष्महि |
| प० चुचूरे | चुचूराते | चुचूरिरे |
| चुचूरिषे | चुचूराथे | चुचूरिध्वे-ध्वे |
| चुचूरे | चुचूरिवहे | चुचूरिमहे |
| आ० चूरिषीष्ट | चूरिषीयास्ताम् | चूरिषीरन् |
| चूरिषीष्टाः | चूरिषीयास्थाम् | चूरिषीड्ढ्वम् |
| | | ध्वम् |
| चूरिषीय | चूरिषीवहि | चूरिषीमहि |
| प्र० चूरिता | चूरितारौ | चूरितारः |
| चूरितासे | चूरितासाथे | चूरिताध्वे |
| चूरिताहे | चूरितास्वहे | चूरितास्महे |
| भ० चूरिष्यते | चूरिष्येते | चूरिष्यन्ते |
| चूरिष्यसे | चूरिष्येथे | चूरिष्यध्वे |
| चूरिष्ये | चूरिष्यावहे | चूरिष्यामहे |
| क्रि० अचूरिष्यत | अचूरिष्येताम् | अचूरिष्यन्त |
| अचूरिष्यथाः | अचूरिष्येथाम् | अचूरिष्यध्वम् |
| अचूरिष्यो | अचूरिष्यावहि | अचूरिष्यामहि |
| अचूरिष्ये | अचूरिष्यावहि | अचूरिष्यामहि |

अथ शान्ताश्चत्वारो लिङिन् वजाः

सैटश्च

1276 किलिङिच् (किलिश्) उपतापे

व० किलिङ्यते किलिङ्येते किलिङ्यन्ते
किलिङ्यसे किलिङ्येथे किलिङ्यध्वे
किलिङ्ये किलिङ्यावहे किलिङ्यामहे
स० किलिङ्येत किलिङ्येयाताम् किलिङ्येरन्
किलिङ्येथाः किलिङ्येयाताम् किलिङ्येध्वम्
किलिङ्येय किलिङ्येवहि किलिङ्येमहि
प० किलिङ्यताम् किलिङ्येताम् किलिङ्यन्ताम्
किलिङ्यस्व किलिङ्येथाम् किलिङ्यध्वम्
किलिङ्यै किलिङ्यावहे किलिङ्यामहे
ह्य० अकिलिङ्यत अकिलिङ्येताम् अकिलिङ्यन्त
अकिलिङ्यथाः अकिलिङ्येथाम् अकिलिङ्यध्वम्
अकिलिङ्ये अकिलिङ्यावहि अकिलिङ्यामहि
अ० अकलेशिष्ट अकलेशिषाताम् अकलेशिषत
अकलेशिष्ठाः अकलेशिषाताम् अकलेशिष्ठा-
द्वम्-ध्वम्

अकलेशिषि अकलेशिष्वहि अकलेशिष्महि
ष० चिकिलिङ्ये चिकिलिङ्येते चिकिलिङ्यन्ते
चिकिलिङ्यसे चिकिलिङ्येथे चिकिलिङ्यध्वे
चिकिलिङ्ये चिकिलिङ्यावहे चिकिलिङ्यामहे
आ० कलेशिषोऽकलेशिषीयाताम् अकलेशिषीरन्
कलेशिषीष्ठाः कलेशिषीयाताम् अकलेशिषीध्वम्
कलेशिषीय कलेशिषीवहि कलेशिषीमहि

प्रव० कलेशिता कलेशितारौ कलेशितारः
कलेशितासे कलेशितासाथे कलेशिताध्वे
कलेशिताहे कलेशितास्वहे कलेशितास्महे
भ० कलेशिष्यते कलेशिष्येते कलेशिष्यन्ते
कलेशिष्यसे कलेशिष्येथे कलेशिष्यध्वे
कलेशिष्ये कलेशिष्यावहे कलेशिष्यामहे
अकलेशिष्यत अकलेशिष्येताम् अकलेशिष्यन्त
अकलेशिष्यथाः अकलेशिष्येथाम् अकलेशिष्य-
ध्वम्

अकलेशिष्ये अकलेशिष्यावहि अकलेशिष्यामहि

1277 लिङिश्च (लिङ्) अल्पत्वे ।

व० लिङ्यते लिङ्येते लिङ्यन्ते
लिङ्यसे लिङ्येथे लिङ्यध्वे
लिङ्ये लिङ्यावहे लिङ्यामहे
स० लिङ्येत लिङ्येयाताम् लिङ्येरन्
लिङ्येथाः लिङ्येयाताम् लिङ्येध्वम्
लिङ्येय लिङ्येवहि लिङ्येमहि
प० लिङ्यताम् लिङ्येताम् लिङ्यन्ताम्
लिङ्यस्व लिङ्येथाम् लिङ्यध्वम्
लिङ्यै लिङ्यावहे लिङ्यामहे
ह्य० अलिङ्यत अलिङ्येताम् अलिङ्यन्त
अलिङ्यथाः अलिङ्येथाम् अलिङ्यध्वम्
अलिङ्ये अलिङ्यावहि अलिङ्यामहि

अ० अलिङ्यत अलिङ्येताम् अलिङ्यन्त
अलिङ्यथाः अलिङ्येथाम् अलिङ्यध्वम्
अलिङ्ये अलिङ्यावहि अलिङ्यामहि

प० लिलिङ्ये लिलिङ्येते लिलिङ्यन्ते
लिलिङ्यसे लिलिङ्येथे लिलिङ्यध्वे
लिलिङ्ये लिलिङ्यावहे लिलिङ्यामहे

आ० लिङ्क्षीष्ट लिङ्क्षीयाताम् लिङ्क्षीरन्
लिङ्क्षीष्ठाः लिङ्क्षीयाताम् लिङ्क्षीध्वम्
लिङ्क्षीय लिङ्क्षीवहि लिङ्क्षीमहि

प्रव० लेश लेशरौ लेशारः
लेशसे लेशसाथे लेशाध्वे
लेशहे लेशास्वहे लेशास्महे

भ० लेक्ष्यते लेक्ष्येते लेक्ष्यन्ते
लेक्ष्यसे लेक्ष्येथे लेक्ष्यध्वे
लेक्ष्ये लेक्ष्यावहे लेक्ष्यामहे

क्रि० अलेक्ष्यत अलेक्ष्येताम् अलेक्ष्यन्त
अलेक्ष्यथाः अलेक्ष्येथाम् अलेक्ष्यध्वम्
अलेक्ष्ये अलेक्ष्यावहि अलेक्ष्यामहि

1278 काश्चि (काश्) दीप्तौ

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | काश्यते | काश्येते | काश्यन्ते |
| | काश्यसे | काश्येथे | काश्यध्वे |
| | काश्ये | काश्यावहे | काश्यामहे |
| स० | काश्येत | काश्येयाताम् | काश्येरन् |
| | काश्येथाः | काश्येयाथाम् | काश्येध्वम् |
| | काश्येय | काश्येवहि | काश्येमहि |
| प० | काश्यताम् | काश्येताम् | काश्यन्ताम् |
| | काश्यस्व | काश्येथाम् | काश्यध्वम् |
| | काश्यै | काश्यावहै | काश्यामहै |
| झ० | अकाश्यत | अकाश्येताम् | अकाश्यन्त |
| | अकाश्यथाः | अकाश्येथाम् | अकाश्यध्वम् |
| | अकाश्ये | अकाश्यावहि | अकाश्यामहि |
| अ० | अकाशिष्ट | अकाशिषाताम् | अकाशिषत |
| | अकाशिष्टाः | अकाशिषाथाम् | अकाशिङ्- |
| | | | ध्वम्, ध्वम् |
| | अकाशिषि | अकाशिष्वहि | अकाशिष्महि |
| प० | चकाशे | चकाशाते | चकाशिरे |
| | चकाशिषे | चकाशाथे | चकाशिध्वे |
| | चकाशे | चकाशिवहे | चकाशिमहे |
| आ० | काशिषीष्ट | काशिषीयास्ताम् | काशिषीरन् |
| | काशिषीष्टाः | काशिषीयास्थाम् | काशिषी- |
| | | | ध्वम् |
| | काशिषीय | काशिषीवहि | काशिषीमहि |
| प्र० | काशिता | काशितारौ | काशितारः |
| | काशितासे | काशितासाथे | काशिताध्वे |
| | काशिताहे | काशितास्वहे | काशितास्महे |
| भ० | काशिष्यते | काशिष्येते | काशिष्यन्ते |
| | काशिष्यसे | काशिष्येथे | काशिष्यध्वे |
| | काशिष्ये | काशिष्यावहे | काशिष्यामहे |
| क्रि० | अकाशिष्यत | अकाशिष्येताम् | अकाशिष्यन्त |
| | अकाशिष्यथाः | अकाशिष्येथाम् | अकाशिष्यध्वम् |
| | अकाशिष्ये | अकाशिष्यावहि | अकाशिष्यामहि |

1279 वाश्चि (वाश्) शब्दे

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | वाश्यते | वाश्येते | वाश्यन्ते |
| | वाश्यसे | वाश्येथे | वाश्यध्वे |
| | वाश्ये | वाश्यावहे | वाश्यामहे |
| स० | वाश्येत | वाश्येयाताम् | वाश्येरन् |
| | वाश्येथाः | वाश्येयाथाम् | वाश्येध्वम् |
| | वाश्येय | वाश्येवहि | वाश्येमहि |
| ष० | वाश्यताम् | वाश्येताम् | वाश्यन्ताम् |
| | वाश्यस्व | वाश्येथाम् | वाश्यध्वम् |
| | वाश्यै | वाश्यावहै | वाश्यामहै |
| झ० | अवाश्यत | अवाश्येताम् | अवाश्यन्त |
| | अवाश्यथाः | अवाश्येथाम् | अवाश्यध्वम् |
| | अवाश्ये | अवाश्यावहि | अवाश्यामहि |
| अ० | अवाशिष्ट | अवाशिषाताम् | अवाशिषत |
| | अवाशिष्टाः | अवाशिषाथाम् | अवाशिङ्- |
| | | | ध्वम्, ध्वम् |
| | अवाशिषि | अवाशिष्वहि | अवाशिष्महि |
| प० | ववाशे | ववाशाते | ववाशिरे |
| | ववाशिषे | ववाशाथे | ववाशिध्वे |
| | ववाशे | ववाशिवहे | ववाशिमहे |
| आ० | वाशिषीष्ट | वाशिषीयास्ताम् | वाशिषीरन् |
| | वाशिषीष्टाः | वाशिषीयास्थाम् | वाशिषी- |
| | | | ध्वम् |
| | वाशिषीय | वाशिषीवहि | वाशिषीमहि |
| प्र० | वाशिता | वाशितारौ | वाशितारः |
| | वाशितासे | वाशितासाथे | वाशिताध्वे |
| | वाशिताहे | वाशितास्वहे | वाशितास्महे |
| भ० | वाशिष्यते | वाशिष्येताम् | वाशिष्यन्ते |
| | वाशिष्यसे | वाशिष्येथे | वाशिष्यध्वे |
| | वाशिष्ये | वाशिष्यावहे | वाशिष्यामहे |
| क्रि० | अवाशिष्यत | अवाशिष्येताम् | अवाशिष्यन्त |
| | अवाशिष्यथाः | अवाशिष्येथाम् | अवाशिष्यध्वम् |
| | अवाशिष्ये | अवाशिष्यावहि | अवाशिष्यामहि |

॥ इत्यात्मनेपदिनः ॥

अथोभयपदिषु कान्तोऽनिद्वच
1280 शकीञ्च (शक्) मर्षणे
मर्षणं क्षमा

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| श० शक्यते | शक्येते | शक्यन्ते |
| शक्यसे | शक्येथे | शक्यध्वे |
| शक्ये | शक्यावहे | शक्यामहे |
| स० शक्येत | शक्येयाताम् | शक्येरन् |
| शक्येथाः | शक्येयाथाम् | शक्येध्वम् |
| शक्येय | शक्येवहि | शक्येमहि |
| प० शक्यताम् | शक्येताम् | शक्यन्ताम् |
| शक्यस्व | शक्येथाम् | शक्यध्वम् |
| शक्ये | शक्यावहे | शक्यामहे |
| ह्य० अशक्यत | अशक्येताम् | अशक्यन्त |
| अशक्यथाः | अशक्येथाम् | अशक्यध्वम् |
| अशक्ये | अशक्यावहि | अशक्यामहि |
| अ० अशक्त | अशक्ताताम् | अशक्षत |
| अशक्याः | अशक्ताथाम् | अशक्षध्वम् |
| अशक्षि | अशक्षवहि | अशक्षमहि |
| प० शेके | शेकाते | शेकिरे |
| शेकिषे | शेकाथे | शेकिध्वे |
| शेके | शेकिवहे | शेकिमहे |
| आ० शक्षीष्ट | शक्षीयास्ताम् | शक्षीरन् |
| शक्षीष्टाः | शक्षीयास्थाम् | शक्षीध्वम् |
| शक्षीय | शक्षीवहि | शक्षीमहि |
| प्रब० शक्ता | शक्तारौ | शक्तारः |
| शक्तासे | शक्तासाथे | शक्ताध्वं |
| शक्ताहे | शक्तास्वहे | शक्तास्महे |
| भ० शक्ष्यते | शक्ष्येते | शक्ष्यन्ते |
| शक्ष्यसे | शक्ष्येथे | शक्ष्यध्वे |
| शक्ष्ये | शक्ष्यावहे | शक्ष्यामहे |
| क्रि० अशक्ष्यत | अशक्ष्येताम् | अशक्ष्यन्त |
| अशक्ष्यथाः | अशक्ष्येथाम् | अशक्ष्यध्वम् |
| अशक्ष्ये | अशक्ष्यावहि | अशक्ष्यामहि |

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० शक्यति | शक्यतः | शक्यन्ति |
| शक्यसि | शक्यथः | शक्यथ |
| शक्यामि | शक्यावः | शक्यामः |
| स० शक्येत् | शक्येताम् | शक्येयुः |
| शक्येः | शक्येतम् | शक्येत |
| शक्येयम् | शक्येव | शक्येम |
| प० शक्यतु | शक्यतात् | शक्यताम् |
| शक्य | „ | शक्यतम् |
| शक्यानि | शक्याव | शक्याम |
| ह्य० अशक्यत् | अशक्यताम् | अशक्यन् |
| अशक्यः | अशक्यतम् | अशक्यत |
| अशक्यम् | अशक्याव | अशक्याम |
| अ० अशाक्षीत् | अशाक्ताम् | अशाक्षुः |
| अशाक्षीः | अशाक्तम् | अशाक्त |
| अशाक्षम् | अशाक्ष्व | अशाक्ष्म |
| प० शशाक | शेकुतुः | शेकुः |
| शेकिथ | शशकथ | शेकुथुः |
| शशाक | शशक | शेकिव |
| आ० शक्यात् | शक्यास्ताम् | शक्यासुः |
| शक्याः | शक्यास्तम् | शक्यास्त |
| शक्यासम् | शक्यास्व | शक्यास्म |
| प्रब० शक्ता | शक्तारौ | शक्तारः |
| शक्तासि | शक्तास्थः | शक्तास्थ |
| शक्तास्मि | शक्तास्वः | शक्तास्मः |
| भ० शक्ष्यति | शक्ष्यतः | शक्ष्यन्ति |
| शक्ष्यसि | शक्ष्यथः | शक्ष्यथ |
| शक्ष्यामि | शक्ष्यावः | शक्ष्यामः |
| क्रि० अशक्ष्यत् | अशक्ष्यताम् | अशक्ष्यन् |
| अशक्ष्यः | अशक्ष्यतम् | अशक्ष्यत |
| अशक्ष्यम् | अशक्ष्याव | अशक्ष्याम |

अथ चान्तः सेद्वच ।

1281 शुचृगैच (शुच्) पूतिभावे ।

पूतिभावः क्लेदः ।

व० शुच्यते शुच्येते शुच्यन्ते
 शुच्यसे शुच्येथे शुच्यध्वे
 शुच्ये शुच्यावहे शुच्यामहे
 स० शुच्येत शुच्येताम् शुच्येरन्
 शुच्येथाः शुच्येथाथाम् शुच्येष्वम्
 शुच्येय शुच्येष्वहि शुच्येमहि
 प० शुच्यताम् शुच्यताम् शुच्यन्ताम्
 शुच्यस्व शुच्येथाम् शुच्यध्वम्
 शुच्यै शुच्यावहे शुच्यामहे
 झ० अशुच्येत अशुच्येताम् अशुच्येरन्
 अशुच्येथाः अशुच्येथाथाम् अशुच्येष्वम्
 अशुच्ये अशुच्यावहि अशुच्यामहि
 अ० अशोचिष्ट अशोचिष्ठाताम् अशोचिष्वन्
 अशोचिष्ठाः अशोचिष्ठाथाम् अशोचि-
 ष्वम्
 अशोचिषि अशोचिष्वहि अशोचिष्वमहि
 प० शशुचे शशुचाते शशुचिरे
 शशुचिषे शशुचाथे शशुचिध्वे
 शशुचो शशुचिवहे शशुचिमहे
 आ० शोचिषीष्ट शोचिषीयास्ताम् शोचिषीरन्
 शोचिषीष्ठाः शोचिषीयास्थाम् शोचिषीध्वम्
 शोचिषीय शोचिषीवहि शोचिषीमहि
 प्रव० शोचिता शोचितारौ शोचितारः
 शोचितासे शोचितासाथे शोचिताध्वे
 शोचिताहे शोचितास्वहे शोचितास्महे
 भ० शोचिष्यते शोचिष्येते शोचिष्यन्ते
 शोचिष्यसे शोचिष्येथे शोचिष्यध्वे
 शोचिष्ये शोचिष्यावहे शोचिष्यामहे
 क्रि० अशोचिष्यत अशोचिष्येताम् अशोचिष्यन्त
 अशोचिष्यथाः अशोचिष्येथाम् अशोचिष्यध्वम्
 अशोचिष्ये अशोचिष्यावहि अशोचिष्यामहि

व० शुच्यति शुच्यतः शुच्यतः
 शुच्यसि शुच्यथः शुच्यथ
 शुच्यामि शुच्यावः शुच्यामः

स० शुच्येत शुच्येताम् शुच्येयुः
 शुच्येः शुच्येतम् शुच्येत
 शुच्येयम् शुच्येव शुच्येम

प० शुच्यतु शुच्यतात् शुच्यताम् शुच्यन्तु
 शुच्य शुच्यतात् शुच्यतम् शुच्यत
 शुच्यानि शुच्याव शुच्याम

झ० अशुच्यत अशुच्यताम् अशुच्यन्
 अशुच्यः अशुच्यतम् अशुच्यत
 अशुच्यम् अशुच्याव अशुच्याम

अ० अशोचीत् अशोचिष्टाम् अशोचिषुः
 अशोचीः अशोचिष्टम् अशोचिष्ट
 अशोचिषम् अशोचिष्व अशोचिष्वम्

अशुचत् अशुचताम् अशुचन्
 अशुचः अशुचतम् अशुचत
 अशुचम् अशुचाव अशुचाम

प० शुशोच शुशुचतुः शुशुचुः
 शुशोचिथ शुशुचथुः शुशुच
 शुशोच शुशुचिव शुशुचिम

आ० शुच्यात् शुच्यास्ताम् शुच्यास्तुः
 शुच्याः शुच्यास्तम् शुच्यास्त
 शुच्यासम् शुच्यास्व शुच्यास्म

प्रव० शोचिता शोचितारौ शोचितारः
 शोचितासि शोचितास्थः शोचितास्थ
 शोचितास्मि शोचितास्वः शोचितास्म

भ० शोचिष्यति शोचिष्यतः शोचिष्यति
 शोचिष्यसि शोचिष्यथः शोचिष्यथ
 शोचिष्यामि शोचिष्यावः शोचिष्यामः

क्रि० अशोचिष्यत अशोचिष्यताम् अशोचिष्यन्
 अशोचिष्यः अशोचिष्यन्तम् अशोचिष्यत
 अशोचिष्यम् अशोचिष्याव अशोचिष्याम

अथ जान्तोऽनिद्र च

1.282 रञ्जिन् (रञ्ज) रागे

| | | |
|------------------|------------------|----------------|
| ख० रज्यते | रज्येते | रज्यन्ते |
| रज्यसे | रज्येथे | रज्यध्वे |
| रज्ये | रज्यावहे | रज्यामहे |
| स० रज्येत | रज्येयताम् | रज्येरन् |
| रज्येथाः | रज्येयाथाम् | रज्येध्वम् |
| रज्येय | रज्येवहि | रज्येमहि |
| प० रज्यताम् | रज्येताम् | रज्यन्ताम् |
| रज्यन्त | रज्येयाम् | रज्येध्वम् |
| रज्ये | रज्यावहे | रज्यामहे |
| झ० अरज्येत | अरज्येताम् | अरज्यन्त |
| अरज्येथाः | अरज्येथाम् | अरज्यध्वम् |
| अरज्ये | अरज्यावहि | अरज्यामहि |
| अ० अरङ्कत | अरङ्कताताम् | अरङ्कत |
| अरङ्कथाः | अरङ्कथाताम् | अरङ्कध्वम् |
| अरङ्कक्षि | अरङ्कक्ष्वहि | अरङ्कक्षमहि |
| प० अरञ्जते | अरञ्जाते | अरञ्जिरे |
| अरञ्जिषे | अरञ्जाथे | अरञ्जिध्वे |
| अरञ्जते | अरञ्जिवहे | अरञ्जिमहे |
| आ० अरङ्क्षीष्ट | अरङ्क्षीयास्ताम् | अरङ्क्षीरन् |
| अरङ्क्षीष्ठाः | अरङ्क्षीयास्थाम् | अरङ्क्षीध्वम् |
| अरङ्क्षीय | अरङ्क्षीवहि | अरङ्क्षीमहि |
| अ० अरङ्क्ता | अरङ्क्तारौ | अरङ्क्ताः |
| अरङ्क्तासे | अरङ्क्तास्थे | अरङ्क्ताध्वे |
| अरङ्क्ताहे | अरङ्क्तास्वहे | अरङ्क्तास्महे |
| अ० अरङ्क्ष्यते | अरङ्क्ष्येते | अरङ्क्ष्यन्ते |
| अरङ्क्ष्यसे | अरङ्क्ष्येथे | अरङ्क्ष्यध्वे |
| अरङ्क्ष्ये | अरङ्क्ष्यावहे | अरङ्क्ष्यामहे |
| क्रि० अरङ्क्ष्यत | अरङ्क्ष्येताम् | अरङ्क्ष्यन्त |
| अरङ्क्ष्यथाः | अरङ्क्ष्येथाम् | अरङ्क्ष्यध्वम् |
| अरङ्क्ष्ये | अरङ्क्ष्यावहि | अरङ्क्ष्यामहि |

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| घ० रज्यति | रज्यतः | रज्यन्ति |
| रज्यसि | रज्यथः | रज्यथ |
| रज्यामि | रज्यावः | रज्यामः |
| स० रज्येत् | रज्येताम् | रज्येयुः |
| रज्यैः | रज्येतम् | रज्येत |
| रज्येयम् | रज्येव | रज्येम |
| प० रज्यतु | रज्यताम् | रज्यन्तु |
| रज्य | रज्यतम् | रज्यत |
| रज्यानि | रज्याव | रज्याम |
| ह्य० अरज्यत् | अरज्यताम् | अरज्यन्तु |
| अरज्यैः | अरज्येतम् | अरज्येत |
| अरज्येयम् | अरज्येव | अरज्येम |
| अ० अराङ्क्षीत् | अराङ्क्षताम् | अराङ्क्षुः |
| अराङ्क्षीः | अराङ्क्षम् | अराङ्क्ष |
| अराङ्क्षम् | अराङ्क्षव | अराङ्क्षम |
| प० ररञ्ज | ररञ्जतुः | ररञ्जुः |
| ररञ्जिथ | ररञ्जथः | ररञ्जथुः |
| ररञ्ज | ररञ्जिव | ररञ्जिम |
| आ० रज्यान् | रज्यास्ताम् | रज्यासुः |
| रज्याः | रज्यास्तम् | रज्यास्त |
| रज्यासम् | रज्यास्व | रज्यास्म |
| प्रथ० रङ्क्ता | रङ्क्तागौ | रङ्क्तारः |
| रङ्क्तासि | रङ्क्तास्थः | रङ्क्तास्थ |
| रङ्क्तासिम् | रङ्क्तास्वः | रङ्क्तास्मः |
| भ० रङ्क्ष्यति | रङ्क्ष्यतः | रङ्क्ष्यन्ति |
| रङ्क्ष्यसि | रङ्क्ष्यथः | रङ्क्ष्यथ |
| रङ्क्ष्यामि | रङ्क्ष्यावः | रङ्क्ष्यामः |
| क्रि० अरङ्क्ष्यत् | अरङ्क्ष्यताम् | अरङ्क्ष्यन्तु |
| अरङ्क्ष्यैः | अरङ्क्ष्येतम् | अरङ्क्ष्येत |
| अरङ्क्ष्येयम् | अरङ्क्ष्येव | अरङ्क्ष्येम |

अथ पान्तोऽनिट् च

1283 शपींचु (शप् अक्रोशे ।

| | | |
|-------------|---------------|--------------|
| च० शप्यते | शप्येते | शप्यन्ते |
| शप्यसे | शप्येथे | शप्यध्वे |
| शप्ये | शप्यावहे | शप्यामहे |
| स० शप्येत | शप्येयानाम् | शप्येरन् |
| शप्येथाः | शप्येयाथाम् | शप्येध्वम् |
| शप्येय | शप्येयहि | शप्येमहि |
| प० शप्यताम् | शप्येताम् | शप्यन्ताम् |
| शप्यस्व | शप्येथाम् | शप्यध्वम् |
| शप्ये | शप्यावहे | शप्यामहे |
| झ० अशप्यत | अशप्येताम् | अशप्यन्त |
| अशप्यथाः | अशप्येथाम् | अशप्यध्वम् |
| अशप्ये | अशप्यावहि | अशप्यामहि |
| अ० अशप्त | अशप्ताताम् | अशप्सत |
| अशप्याः | अशप्ताथाम् | अशप्ध्वम् |
| अशप्ति | अशप्सवहि | अशप्समहि |
| प० शेपे | शेपाते | शेपिरे |
| शेपिषे | शेपाथे | शेपिध्वे |
| शेपे | शेपिवहे | शेपिमहे |
| आ० शप्सीष्ट | शप्सीयास्ताम् | शप्सीरन् |
| शप्सीष्टाः | शप्सीयास्थाम् | शप्सीध्वम् |
| शप्सीय | शप्सीवहि | शप्सीमहि |
| । | शप्तारौ | शप्तारः |
| ।।से | शप्तासाथे | शप्ताध्वे |
| ।।।हे | शप्तास्वहे | शप्तामहे |
| शप्स्यते | शप्स्येते | शप्स्यन्ते |
| शप्स्यसे | शप्स्येथे | शप्स्यध्वे |
| शप्स्ये | शप्स्यावहे | शप्स्यामहे |
| अशप्स्यत | अशप्स्येताम् | अशप्स्यन्त |
| अशप्स्यथाः | अशप्स्येथाम् | अशप्स्यध्वम् |
| अशप्स्ये | अशप्स्यावहि | अशप्स्यामहि |

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० शप्यति | शप्यतः | शप्यन्ति |
| शप्यसि | शप्यथः | शप्यथ |
| शप्यामि | शप्यावः | शप्यामः |
| स० शप्येत् | शप्येताम् | शप्येयुः |
| शप्येः | शप्येतम् | शप्येत |
| शप्येयम् | शप्येव | शप्येम |
| प० शप्यतु | शप्यतात् | शप्यताम् |
| शप्य | ” | शप्यतम् |
| शप्यानि | शप्याव | शप्याम |
| झ० अशप्यत | अशप्यताम् | अशप्यन् |
| अशप्यः | अशप्यतम् | अशप्यत |
| अशप्यम् | अशप्याव | अशप्याम |
| अ० अशाप्सीत् | अशाप्ताम् | अशाप्सुः |
| अशाप्सीः | अशाप्तम् | अशाप्त |
| अशाप्सम् | अशाप्स्व | अशाप्सम |
| प० शशाप | शेषतुः | शेषुः |
| शेषिथ | शशप्य | शेषथुः |
| शशाप | शशप | शेषिव |
| आ० शप्यात् | शप्यास्ताम् | शप्यास्तुः |
| शप्याः | शप्यास्तम् | शप्यास्त |
| शप्यासम् | शप्यास्व | शप्यास्म |
| प्रव० शप्ता | शप्तारौ | शप्तारः |
| शप्तासि | शप्तास्यः | शप्तास्थ |
| शप्तास्मि | शप्तास्वः | शप्तास्मः |
| भ० शप्स्यति | शप्स्यतः | शप्स्यन्ति |
| शप्स्यसि | शप्स्यथः | शप्स्यथ |
| शप्स्यामि | शप्स्यावः | शप्स्यामः |
| क्रि० अशप्स्यत् | अशप्स्यताम् | अशप्स्यन् |
| अशप्स्यः | अशप्स्यतम् | अशप्स्यत |
| अशप्स्यम् | अशप्स्याव | अशप्स्याम |

अथ वान्तः सेट् च
1284 मृषींच (मृषू) तितिक्षायाम्
॥ तितिक्षा क्षमा ॥

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० मृष्यते | मृष्येते | मृष्यन्ते |
| मृष्यसे | मृष्येथे | मृष्यध्वे |
| मृष्ये | मृष्यावहे | मृष्यामहे |
| स० मृष्येत | मृष्येयाताम् | मृष्येरन् |
| मृष्येथाः | मृष्येयाथाम् | मृष्येध्वम् |
| मृष्येय | मृष्येवहि | मृष्येमहि |
| प० मृष्यताम् | मृष्येताम् | मृष्यन्ताम् |
| मृष्यस्व | मृष्येयाथाम् | मृष्यध्वम् |
| मृष्यै | मृष्यावहे | मृष्यामहे |
| झ० अमृष्यत | अमृष्येताम् | अमृष्यन्त |
| अमृष्यथाः | अमृष्येथाम् | अमृष्यध्वम् |
| अमृष्ये | अमृष्येवहि | अमृष्येमहि |
| अ० अमृषिष्ट | अमृषिषाताम् | अमृषिषत |
| अमृषिष्ठाः | अमृषिषाथाम् | अमृषिष्वम् |
| अमृषिषि | अमृषिष्वहि | अमृषिषमहि |
| प० ममृषे | ममृषाते | ममृषिरे |
| ममृषिषे | ममृषाथे | ममृषिध्वे |
| ममृषे | ममृषिवहे | ममृषिमहे |
| आ० मृषिषीष्ट | मृषिषीयास्ताम् | मृषिषीरन् |
| मृषिषीष्ठाः | मृषिषीयास्थाम् | मृषिषीध्वम् |
| मृषिषीय | मृषिषीवहि | मृषिषीमहि |
| श्व० मृषिता | मृषितारौ | मृषितारः |
| मृषितासे | मृषितासाथे | मृषिताध्वे |
| मृषिताहे | मृषितास्वहे | मृषितामहे |
| भ० मृषिष्यते | मृषिष्येते | मृषिष्यन्ते |
| मृषिष्यसे | मृषिष्येथे | मृषिष्यध्वे |
| मृषिष्ये | मृषिष्यावहे | मृषिष्यामहे |
| क्रि० अमृषिष्यत | अमृषिष्येताम् | अमृषिष्यन्त |
| अमृषिष्यथाः | अमृषिष्येथाम् | अमृषिष्यध्वम् |
| अमृषिष्ये | अमृषिष्यावहि | अमृषिष्यामहि |

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० मृष्यति | मृष्यतः | मृष्यन्ति |
| मृष्यसि | मृष्यथः | मृष्यथ |
| मृष्यामि | मृष्यावः | मृष्यामः |
| स० मृष्येत् | मृष्येताम् | मृष्येयुः |
| मृष्येः | मृष्येतम् | मृष्येत |
| मृष्येयम् | मृष्येव | मृष्येम |
| प० मृष्यतु | मृष्यताम् | मृष्यन्तु |
| मृष्य | मृष्यतम् | मृष्यत |
| मृष्याणि | मृष्याव | मृष्याम |
| झ० अमृष्यत् | अमृष्यताम् | अमृष्यन् |
| अमृष्यः | अमृष्यतम् | अमृष्यत |
| अमृष्यम् | अमृष्याम | अमृष्याम |
| अ० अमृषीत् | अमृषिष्ठात् | अमृषिषुः |
| अमृषीः | अमृषिष्टम् | अमृषिष्ट |
| अमृषिषम् | अमृषिष्व | अमृषिषम् |
| प० ममृष | ममृषतुः | ममृषुः |
| ममृषिथ | ममृषथुः | ममृष |
| ममृष | ममृषिव | ममृषिम |
| आ० मृष्यात् | मृष्यास्ताम् | मृष्यासुः |
| मृष्याः | मृष्यास्तम् | मृष्यास्त |
| मृष्यासम् | मृष्यास्व | मृष्यास्म |
| श्व० मृषिता | मृषितारौ | मृषितारः |
| मृषितासि | मृषितास्थः | मृषितास्थ |
| मृषितास्मि | मृषितास्वः | मृषितास्मः |
| भ० मृषिष्यति | मृषिष्यतः | मृषिष्यन्ति |
| मृषिष्यसि | मृषिष्यथः | मृषिष्यथ |
| मृषिष्यामि | मृषिष्यावः | मृषिष्यामः |
| क्रि० अमृषिष्यत् | अमृषिष्यताम् | अमृषिष्यन् |
| अमृषिष्यः | अमृषिष्यतम् | अमृषिष्यत |
| अमृषिष्यम् | अमृषिष्याव | अमृषिष्याम |

अथ हान्तौऽनिट् च ।

1285 णहीच् (नट्) बन्धने ।

| | | |
|--------------|--------------|------------|
| य० नटते | नट्येते | नट्यन्ते |
| नट्यसे | नट्येथे | नट्यध्वे |
| नट्ये | नट्यावहे | नट्यामहे |
| स० नटेत | नट्येताताम् | नट्येरन् |
| नट्येथाः | नट्येथाथाम् | नट्येध्वम् |
| नट्येय | नट्येवहि | नट्येमहि |
| प० नट्यताम् | नट्येताम् | नट्यन्ताम् |
| नट्यस्व | नट्येथाम् | नट्यध्वम् |
| नट्य | नट्यावहे | नट्यामहे |
| झ० अनट्यत | अनट्येताम् | अनट्यन्त |
| अनट्यथाः | अनट्येथाम् | अनट्यध्वम् |
| अनट्ये | अनट्यावहि | अनट्यामहि |
| अ० अनट्य | अनट्येताताम् | अनट्येत |
| अनट्याः | अनट्येताथाम् | अनट्यध्वम् |
| अनट्ये | अनट्येवहि | अनट्येमहि |
| प० नेहे | नेहाते | नेहिरे |
| नेहिषे | नेहाथे | नेहिध्वे |
| नेहे | नेहिषहे | नेहिमहे |
| आ० नट्येष्ट | नट्येताताम् | नट्येरन् |
| नट्येष्टाः | नट्येताथाम् | नट्येध्वम् |
| नट्येय | नट्येवहि | नट्येमहि |
| श्च० नट्या | नट्यारौ | नट्यारः |
| नट्यासे | नट्यासाथे | नट्याध्वे |
| नट्याहे | नट्यासवहे | नट्यासमहे |
| प० नट्यते | नट्येते | नट्यन्ते |
| नट्यसे | नट्येथे | नट्यध्वे |
| नट्ये | नट्यावहे | नट्यामहे |
| क्रि० अनट्यत | अनट्येताम् | अनट्यन्त |
| अनट्यथाः | अनट्येथाम् | अनट्यध्वम् |
| अनट्ये | अनट्यावहि | अनट्यामहि |

| | | |
|--------------|-------------|-----------|
| व० नटति | नटतः | नटन्ति |
| नटसि | नटथः | नटथ |
| नट्यामि | नट्यावः | नट्यामः |
| स० नटेत | नट्येताम् | नट्येयुः |
| नट्ये | नट्येतम् | नट्येत |
| नट्येयम् | नट्येय | नट्येम |
| प० नट्यतु | नट्यतात् | नट्यताम् |
| नट्य | नट्यतम् | नट्यत |
| नट्यानि | नट्याय | नट्याम |
| झ० अनट्यत | अनट्यताम् | अनट्यन्त |
| अनट्याः | अनट्यतम् | अनट्यत |
| अनट्याम् | अनट्याव | अनट्याम |
| अ० अनाट्यत | अनाट्याम् | अनाट्युः |
| अनाट्यसीः | अनाट्यम् | अनाट्य |
| अनाट्यसम् | अनाट्यस्व | अनाट्यम् |
| प० ननाह | नेहतुः | नेहुः |
| नेहिथ | ननह | नेहथुः |
| ननाह | ननह | नेहिथ |
| आ० नट्यात् | नट्यास्ताम् | नट्यासुः |
| नट्याः | नट्यास्तम् | नट्यास्त |
| नट्यासम् | नट्यास्व | नट्यासम् |
| श्च० नट्या | नट्यारौ | नट्यारः |
| नट्यासि | नट्यास्थः | नट्यास्थ |
| नट्यास्मि | नट्यास्वः | नट्यास्मः |
| भ० नट्यति | नट्यतः | नट्यन्ति |
| नट्यसि | नट्यथः | नट्यथ |
| नट्यामि | नट्यावः | नट्यामः |
| क्रि० अनट्यत | अनट्यताम् | अनट्यन्त |
| अनट्यः | अनट्यतम् | अनट्यत |
| अनट्यम् | अनट्याव | अनट्याम |

॥ इति उभयतो भाषा ॥

॥ इति दिवाद्यश्रितो धातवः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीमत्तपोगणगणनाङ्गणगणनमणि सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम — तीर्थरक्षण-
परायण--विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-सविग्नशास्त्रीय-आचार्य-
चूडामणि--अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिसुरीश्वरचरणेन्दिरा-
मन्दिरेन्दिरायमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचिते धातु-
रत्नाकरे श्यविकरणश्चिदिवादिगणः सम्पूर्णः ॥

अथ स्वादयो वर्णक्रमेण निर्दिश्यन्ते । तत्रापि प्रसिद्ध्यनुरोधेनादौ

1286 पुंगद् (सु) अभिषवे । अभिषवः क्लेदनं सन्धनाख्यं पीडनं
मन्थनं वा । स्नानमिति चान्द्राः ।

ब० सुनोति सुनुतः सुन्वन्ति
सुनोषि सुनुथः सुनुथ
सुनोमि सुनुवः सुन्वः सुनुमः सुन्मः

स० सुनुयात् सुनुयाताम् सुनुयुः
सुनुयाः सुनुयातम् सुनुयात
सुनुयाम् सुनुयाव सुनुयाम

प सुनोतु सुनुतात् सुनुताम् सुन्वन्तु
सुनु ,, सुनुतम् सुनुत
सुनुवानि सुनुवाव सुनुवाम

झ० असुनोत् असुनुताम् असुन्वन्
असुनोः असुनुतम् असुनुत
असुनुवम् असुनुव, न्व असुनुम, न्म

अ० असावीत् असाविशम् असाविषुः
असावीः असाविष्टम् असाविष्ट
असाविषम् असाविष्व असाविष्म

प० सुषाव सुषुवतुः सुषुवुः
सुषोथ सुषविथ सुषुवथुः सुषुव
सुषाव सुषव सुषुविष्व सुषुविम

आ० सूयात् सूयास्ताम् सूयासुः
सूयाः सूयास्तम् सूयास्त
सूयासम् सूयास्व सूयास्म

श्व० सोता सोतारौ सोतारः
सोतासि सोतास्थः सोतास्थ
सोतास्मि सोतास्वः सोतास्मः

भ० सोष्यति सोष्यतः सोष्यन्ति
सोष्यसि सोष्यथः सोष्यथ
सोष्यामि सोष्यावः सोष्यामः

कि० असोष्यत् असोष्यताम् असोष्यन्
असोष्यः असोष्यतम् असोष्यत
असोष्यम् असोष्याव असोष्याम

| | | |
|---------------|----------------------|-----------------|
| व० सुनुते | सुन्वाते | सुन्वते |
| सुनुषे | सुन्वाथे | सुनुध्वे |
| सुन्वे | सुनुवहे सुन्वहे | सुनुमहे सुन्महे |
| स० सुन्वीत | सुन्वीयाताम् | सुन्वीरन् |
| सुन्वीथाः | सुन्वीयाथाम् | सुन्वीध्वम् |
| सुन्वीय | सुन्वीवहि | सुन्वीमहि |
| प० सुनुताम् | सुन्वाताम् | सुन्वताम् |
| सुनुष्व | सुन्वाथाम् | सुनुध्वम् |
| सुनवे | सुनवावहे | सुनवामहे |
| झ० असुनुत | असुन्वाताम् | असुन्वत |
| असुनुथ | असुन्वाथाम् | असुनुध्वम् |
| असुन्वि | असुनुवहि-न्वहि | असुनुमहि-न्महि |
| अ० असोष्ट | असोषाताम् | असोषत |
| असोष्टाः | असोषाथाम् | असोष्ट्वम् |
| | | द्वम् |
| असोषि | असोष्वहि | असोषमहि |
| प० सुपुवे | सुपुवाते | सुपुविरे |
| सुपुविषे | सुपुवाथे | सुपुविद्वे-ध्वे |
| सुपुवे | सुपुविवहे | सुपुविमहे |
| आ० सोषीष्ट | सोषीयास्ताम् | सोषीरन् |
| सोषीष्टाः | सोषीयास्थाम् | सोषीद्वम् |
| सोषीय | सोषीवहि | सोषीमहि |
| ख० सोता | सोतारौ | सोतारः |
| सोतासे | सोतासाथे | सोताध्वे |
| सोताहे | सोतास्वहे | सोतास्महे |
| भ० सोष्यते | सोष्येते | सोष्यन्ते |
| सोष्यसे | सोष्येथे | सोष्यध्वे |
| सोष्ये | सोष्यावहे | सोष्यामहे |
| क्रि० असोष्यत | असोष्येताम् | असोष्यन्त |
| असोष्यथाः | असोष्येथाम् | असोष्यध्वम् |
| असोष्ये | असोष्यावहि | असोष्यामहि |
| दिस्वं | स्वादित्वज्ञापनार्थं | सर्वत्र ज्ञेयम् |

अथेदन्ताश्चत्वारोऽनिटश्च

1287 षिगट् (सि) बन्धने

| | | |
|----------------|-------------|-------------|
| व० सिनोति | सिनुतः | सिन्वन्ति |
| सिनोषि | सिनुथः | सिनुथ |
| सिनोमि | सिनुवः-न्वः | सिनुमः-न्मः |
| स० सिनुयात् | सिनुयाताम् | सिनुयुः |
| सिनुयाः | सिनुयातम् | सिनुयात |
| सिनुयाम् | सिनुयाव | सिनुयाम |
| प० सिनोतु | सिनुतात् | सिनुताम् |
| सिनु | ” | सिनुतम् |
| सिनवानि | सिनवाव | सिनवाम |
| झ० असिनोत् | असिनुताम् | असिन्वन् |
| असिनोः | असिनुतम् | असिनुत |
| असिनवम् | असिनुव-न्व | असिनुम-न्म |
| अ० असौषीत् | असौष्टाम् | असौषुः |
| असौषीः | असौष्टम् | असौष्ट |
| असौषम् | असौष्व | असौषम् |
| प० सिषाय | सिष्यतुः | सिष्युः |
| सिषयिथ | सिषेथ | सिष्यथुः |
| सिषाय, सिषय | सिष्यिष | सिष्यिम |
| आ० सीयात् | सियास्ताम् | सियासुः |
| सीयाः | सियास्तम् | सियास्त |
| सीयासम् | सियास्व | सियास्म |
| ख० सेता | सेतारौ | सेतारः |
| सेतामि | सेतास्थः | सेतास्थ |
| सेतास्मि | सेतास्वः | सेतास्मः |
| भ० सेष्यति | सेष्यतः | सेष्यन्ति |
| सेष्यसि | सेष्यथः | सेष्यथ |
| सेष्यामि | सेष्यावः | सेष्यामः |
| क्रि० असेष्यत् | असेष्यताम् | असेष्यन् |
| असेष्यः | असेष्यतम् | असेष्यत |
| असेष्यम् | असेष्याव | असेष्याम |

व० सिनुते सिन्वाते सिन्वते
सिनुषे सिन्वाथे सिनुध्वे
सिन्वे सिनुवहे-न्वहे सिनुमहे-न्महे

स० सिन्वीत सिन्वीयाताम् सिन्वीरन्
सिन्वीथाः सिन्वीयाथाम् सिन्वीध्वम्
सिन्वीय सिन्वीवहि सिन्वीमहि

प० सिनुताम् सिन्वाताम् सिन्वताम्
सिनुष्व सिन्वाथाम् सिनुध्वम्
सिनवै सिनवावहे सिनवामहे

ह्य० असिनुत असिन्वाताम् असिन्वत
असिनुथाः असिन्वाथाम् असिनुध्वम्
असिन्वि असिनुवहि-न्वहि असिनुमहि
न्महि

अ० असेष्ट असेषाताम् असेषत
असेष्टाः असेषाथाम् असेष्टवद्वम्-वम्
असेषि असेष्वहि असेषमहि

प० सिष्ये सिष्याते सिष्यरे
सिष्यिषे सिष्याथे सिष्यध्वे-द्वे
सिष्ये सिष्यवहे सिष्यमहे

आ० सेषीष्ट सेषीयास्ताम् सेषीरन्
सेषीष्टाः सेषीयास्थाम् सेषीद्वम्
सेषीय सेषीवहि सेषीमहि

प्रव० सेता सेतारौ सेतारः
सेतासे सेतासाथे सेताध्वे
सेताहे सेतास्वहे सेतास्महे

भ० सेष्यते सेष्येते सेष्यन्ते
सेष्यसे सेष्येथे सेष्यध्वे
सेष्ये सेष्यावहे सेष्यामहे

क्रि० असेष्यत असेष्येताम् असेष्यन्त
असेष्यथाः असेष्येथाम् असेष्यध्वम्
असेष्ये असेष्यावहि असेष्यामहि

1288 शिगृह (शि) निशाने

निशानं तनूकरणम्

व० शिनुते शिन्वाते शिन्वते
शिनुषे शिन्वाथे शिनुध्वे
शिन्वे शिनुवहे-न्वहे शिनुमहे-न्महे

स० शिन्वीत शिन्वीयाताम् शिन्वीरन्
शिन्वीथाः शिन्वीयाथाम् शिन्वीध्वम्
शिन्वीय शिन्वीवहि शिन्वीमहि

प० शिनुताम् शिन्वाताम् शिन्वताम्
शिनुष्व शिन्वाथाम् शिनुध्वम्
शिनवै शिनवावहे शिनवामहे

ह्य० अशिनुत अशिन्वाताम् अशिन्वत
अशिनुथाः अशिन्वाथाम् अशिनुध्वम्
अशिन्वि अशिनुवहि-न्वहि अशिनुमहि

अ० अशेष्ट अशेषाताम् अशेषत
अशेष्टाः अशेषाथाम् अशेष्टवद्वम्
अशेषि अशेष्वहि अशेषमहि

प० शिश्ये शिष्याते शिष्यरे
शिष्यिषे शिष्याथे शिष्यध्वे-द्वे
शिष्ये शिष्यवहि शिष्यमहि

आ० शेषीष्ट शेषीयास्ताम् शेषीरन्
शेषीष्टाः शेषीयास्थाम् शेषीद्वम्
शेषीय शेषीवहि शेषीमहि

प्रव० शेता शेतारौ शेतारः
शेतासे शेतासाथे शेताध्वे
शेत हे शेतास्वहे शेतास्महे

भ० शेष्यते शेष्येते शेष्यन्ते
शेष्यसे शेष्येथे शेष्यध्वे
शेष्ये शेष्यावहे शेष्यामहे

क्रि० अशेष्यत अशेष्येताम् अशेष्यन्त
अशेष्यथाः अशेष्येथाम् अशेष्यध्वम्
अशेष्ये अशेष्यावहि अशेष्यामहि

व० शिनोति शिनुतः शिन्वन्ति
 शिनोषि शिनुथः शिनुथ
 शिनोमिशिनुवः शिन्वः शिनुमः शिन्मः

स० शिनुयात् शिनुयाताम् शिनुयुः
 शिनुयाः शिनुयातम् शिनुयात्
 शिनुयाम् शिनुयाव शिनुयाम्

प० शिनोतु शिनुतात् शिनुताम् शिन्वन्तु
 शिनु शिनुतात् शिनुतम् शिनुत
 शिनवानि शिनवाव शिनवाम्

झ० अशिनोत अशिनुताम् अशिन्वन्
 अशिनोः अशिनुतम् अशिनुत अशिनवम्
 अशिनुव अशिन्व अशिनुम अशिन्म

अ० अशैषीत् अशैष्याम् अशैषुः
 अशैषीः अशैष्यम् अशैष्य
 अशैषम् अशैष्व अशैषम्

प० शिशाय शिश्युः शिश्युः
 शिशयिथ शिशेथ शिश्युः शिश्य
 शिशाय शिशय शिश्यव शिश्यम्

आ० शीयात् शीयास्ताम् शीयास्तुः
 शीयाः शीयास्तम् शीयास्त
 शीयासम् शीयास्व शीयास्म

श्व० शेता शेतारी शेतारः
 शेतासि शेतास्थः शेतास्थ
 शेतास्मि शेतास्वः शेतास्मः

भ० शेष्यति शेष्यतः शेष्यन्ति
 शेष्यसि शेष्यथः शेष्यथ
 शेष्यामि शेष्यावः शेष्यामः

क्रि० अशेष्यत् अशेष्यताम् अशेष्यन्
 अशेष्यः अशेष्यतम् अशेष्यत
 अशेष्यम् अशेष्याव अशेष्याम्

1289 डुमिंगट्ट (मि) प्रक्षेपणे ।

व० मिनोति मिनुतः मिन्वन्ति
 मिनोषि मिनुथः मिनुथ मिनोमि
 मिनुवः मिन्थः मिनुमः मिन्मः

स० मिनुयात् मिनुयाताम् मिनुयुः
 मिनुयाः मिनुयातम् मिनुयात्
 मिनुयाम् मिनुयाव मिनुयाम्

प० मिनोतु मिनुतात् मिनुताम् मिन्वन्तु
 मिनु मिनुतात् मिनुतम् मिनुत
 मिनवानि मिनवाव मिनवाम्

झ० अमिनोत अमिनुताम् अमिन्वन्
 अमिनोः अमिनुतम् अमिनुत अमिनवम्
 अमिनुव अमिन्व अमिनुम अमिन्म

अ० अमासीत् अमासिष्टाम् अमासिषुः
 अमासीः अमासिष्टम् अमासिष्ट
 अमासिषम् अमासिष्व अमासिषम्

प० ममो मिम्यतुः मिम्युः
 मिमेमिथ मिमाथ मिम्यथुः मिम्य
 ममो मिम्यिव मिम्यिम

आ० मीयात् मीयास्ताम् मीयास्तुः
 मीयाः मीयास्तम् मीयास्त
 मीयासम् मीयास्व मीयास्म

श्व० माता मातारी मातारः
 मातासि मातास्थः मातास्थ
 मातास्मि मातास्वः मातास्मः

भ० मास्यति मास्यतः मास्यन्ति
 मास्यसि मास्यथः मास्यथ
 मास्यामि मास्यावः मास्यामः

क्रि० अमास्यत् अमास्यताम् अमास्यन्
 अमास्यः अमास्यतम् अमास्यत
 अमास्यम् अमास्याव अमास्याम्

व० मिनुते मिन्वाते मिन्वते
मिनुषे मिन्वाथे मिनुध्वे
मिन्वे मिनुवहे-न्वहे मिनुमहे-न्महे

स० मिन्वीत मिन्वीयाताम् मिन्वीरन्
मिन्वीथाः मिन्वीयाथाम् मिन्वीध्वम्
मिन्वीय मिन्वीवहि मिन्वीमहि

प० मिनुताम् मिन्वाताम् मिन्वताम्
मिनुष्व मिन्वाथाम् मिनुध्वम्
मिनवै मिनवावहे मिनवामहे

छा० अमिनुत अमिन्वाताम् अमिन्वत
अमिनुथाः अमिन्वाथाम् अमिनुध्वम्
अमिन्वि अमिनुवहि-न्वहि अमिनुमहि-न्महि

अ० अमास्त अमास्ताताम् अमास्त
अमास्थाः अमास्ताथाम् अमादध्वम्-ध्वम्
अमासि अमास्वहि अमास्महि

प० मिम्ये मिम्याते मिम्यरे
मिम्यसे मिम्याथे मिम्यद्वे-ध्वे
मिम्ये मिम्यवहे मिम्यमहे

आ० मासीष्ट मासीयास्ताम् मासीरन्
मासीष्टाः मासीयास्थाम् मासीध्वम्
मासीय मासीवहि मासीमहि

२३० माता मातारौ माताः
मातासे मातासाथे माताध्वे
माताहे मातास्वहे मातास्महे

भ० मास्यते मास्येते मास्यन्ते
मास्यसे मास्येथे मास्यध्वे
मास्ये मास्यावहे मास्यामहे

क्रि० अमास्यत अमास्येताम् अमास्यन्त
अमास्यथाः अमास्येथाम् अमास्यध्वम्
अमास्ये अमास्यावहि अमास्यामहि

1290 चिगृह (चि) चयने

व० चिनोति चिनुतः चिन्वन्ति
चिनोषि चिनुयः चिनुथ
चिनोमि चिनुवः-न्वः चिनुमः-न्मः

स० चिनुयात् चिनुयाताम् चिनुयुः
चिनुयाः चिनुयातम् चिनुयात
चिनुयाम् चिनुयाव चिनुयाम

प० चिनोतु चिनुतात् चिनुताम् चिन्वन्तु
चिनु चिनुतम् चिनुत
चित्तवन्ति चित्तवाव चित्तवाम

छा० अचिनोत् अचिनुताम् अचिन्वन्
अचिनोः अचिनुतम् अचिनुत
अचिनवम् अचिनुव-न्व अचिनुम-न्म

अ० अचैषीत् अचैष्टाम् अचैषुः
अचैषीः अचैष्टम् अचैष्ट
अचैषम् अचैष्व अचैषाम्

प० चिचाय चिच्यतुः चिच्युः
चिचयिथ चिचैथ चिच्यथुः चिच्य
चिचाय चिचय चिचिय चिचियम्
चिकाय चिक्यतुः चिक्युः
चिकयिथ चिकैथ चिक्यथुः चिक्य
चिकाय, चिकय चिकिय चिकियम्

आ० चीयात् चीयास्ताम् चीयासुः
चीयाः चीयास्तम् चीयास्त
चीयासम् चीयास्व चीयास्म

२३० चेता चेतारी चेतारः
चेतामि चेतस्थः चेतस्थ
चेतास्मि चेतस्थः चेतस्थः

भ० चेद्यति चेद्यतः चेद्यन्ति
चेद्यमि चेद्यथः चेद्यथ
चेद्यामि चेद्यावः चेद्यामः

क्रि० अचेद्यत् अचेद्यताम् अचेद्यन्
अचेद्यः अचेद्यतम् अचेद्यत
अचेद्यम् अचेद्याव अचेद्याम

1305 साधंद् साधु संसिद्धौ ।

संसिद्धिः फल निष्पत्तिः । सोपदेशोऽयमित्ये
के. तन्मतेऽपि नात्र विशेषः, अपि तु सि-
षाधयिषतीत्यत्र ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० साधनोति | साधुतः | साधुवन्ति |
| साधनोषि | साधुथः | साधुथ |
| साधनोमि | साधुवः | साधुमः |
| स० साधुयात् | साधुयाताम् | साधुयुः |
| साधुयाः | साधुयातम् | साधुयात |
| साधुयाम् | साधुयाव | साधुयाम |
| प० साधनोतु | साधुतात् | साधुताम् |
| साधुनन्तु | साधुतम् | साधुत |
| साधनवानि | साधनवाव | साधनवाम |
| झ० असाधनोत | असाधुताम् | असाधुवन |
| असाधनोः | असाधुतम् | असाधुत |
| असाधनवम् | असाधुव | असाधुम |
| अ० असात्सीत् | असाद्धाम | असात्सुः |
| असात्सीः | असाद्धम् | असाद्ध |
| असात्सम् | असात्स्व | असात्स्म |
| प० ससाध | ससाधतुः | ससाधुः |
| ससाधिय | ससाधयुः | ससाध |
| ससाध | ससाधिव | ससाधिम |
| आ० साध्यात् | साध्यास्ताम् | साध्यासुः |
| साध्याः | साध्यास्तम् | साध्यास्त |
| साध्यासम् | साध्यास्व | साध्यास्म |
| भ्व० साद्धा | साद्धारौ | साद्धारः |
| साद्धासि | साद्धास्थः | साद्धास्थ |
| साद्धास्मि | साद्धास्वः | साद्धास्मः |
| भ० सात्स्यति | सात्स्यतः | सात्स्यन्ति |
| सात्स्यसि | सात्स्यथः | सात्स्यथ |
| सात्स्यामि | सात्स्यावः | सात्स्यामः |
| क्रि० असात्स्यत् | असात्स्यताम् | असात्स्यन् |
| असात्स्यः | असात्स्यतम् | असात्स्यत |
| असात्स्यम् | असात्स्याव | असात्स्याम |

1306 ऋधूट् (ऋधु) वृद्धौ ।

| | | |
|----------------|-------------|-------------|
| व० ऋधनोति | ऋधुतः | ऋधुवन्ति |
| ऋधनोषि | ऋधुथः | ऋधुथ |
| ऋधनोमि | ऋधुवः | ऋधुमः |
| स० ऋधुयात् | ऋधुयाताम् | ऋधुयुः |
| ऋधुयाः | ऋधुयातम् | ऋधुयात |
| ऋधुयाम् | ऋधुयाव | ऋधुयाम |
| प० ऋधनोतु | ऋधुतात् | ऋधुताम् |
| ऋधुनन्तु | ऋधुतम् | ऋधुत |
| ऋधनवानि | ऋधनवाव | ऋधनवाम |
| झ० आर्धनोत | आर्धुताम् | आर्धुवन |
| आर्धनोः | आर्धुतम् | आर्धुत |
| आर्धनवम् | आर्धुव | आर्धुम |
| आ० आर्धीत् | आर्धिष्टाम् | आर्धिषुः |
| आर्धीः | आर्धिष्टम् | आर्धिष्ट |
| आर्धिषम् | आर्धिष्व | आर्धिष्म |
| प० आनर्ध | आनृधतुः | आनृधुः |
| आनर्धिय | आनृधयुः | आनृध |
| आनर्ध | आनृधिव | आनृधिम |
| आ० ऋध्यात् | ऋध्यास्ताम् | ऋध्यासुः |
| ऋध्याः | ऋध्यास्तम् | ऋध्यास्त |
| ऋध्यासम् | ऋध्यास्व | ऋध्यास्म |
| भ्व० अर्धिता | अर्धितारौ | अर्धितारः |
| अर्धितासि | अर्धितास्थः | अर्धितास्थ |
| अर्धितास्मि | अर्धितास्वः | अर्धितास्मः |
| भ० अधिष्यति | अधिष्यतः | अधिष्यन्ति |
| अधिष्यसि | अधिष्यथः | अधिष्यथ |
| अधिष्यामि | अधिष्यावः | अधिष्यामः |
| क्रि० अधिष्यत् | अधिष्यताम् | अधिष्यन् |
| अधिष्यः | अधिष्यतम् | अधिष्यत |
| अधिष्यम् | अधिष्याव | अधिष्याम |

अथ पान्तौ

1307 आप्लंद् (आप्) व्याप्तौ

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| व० आप्नोति | आप्नुतः | आप्नुवन्ति |
| आप्नोषि | आप्नुथः | आप्नुथ |
| आप्नोमि | आप्नुवः | आप्नुमः |
| स० आप्नूयात् | आप्नुयाताम् | आप्नुयुः |
| आप्नुयाः | आप्नुयातम् | आप्नुयात |
| आप्नुयाम् | आप्नुयाव | आप्नुयाम |
| प० आप्नोतु | आप्नुतात् | आप्नुताम् |
| आप्नुहि | „ | आप्नुतम् |
| आप्नुवन्ति | आप्नुवाव | आप्नुवाम |
| झ० आप्नोत | आप्नुताम् | आप्नुवन् |
| आप्नोः | आप्नुतम् | आप्नुत |
| आप्नुवम् | आप्नुव | आप्नुम |
| अ० आपत् | आपताम् | आपन् |
| आपः | आपतम् | आपत |
| आपम् | आपाव | आपाम |
| प० आप | आपतुः | आपुः |
| आपिथ | आपथुः | आप |
| आप | आपिथ | आपिम |
| आ० आप्यात् | आप्यास्ताम् | आप्यासुः |
| आप्याः | आप्यास्तम् | आप्यास्त |
| आप्यासम् | आप्यास्व | आप्यास्म |
| प्रव० आप्ता | आप्तारौ | आप्तारः |
| आप्तासि | आप्तास्थः | आप्तास्थ |
| आप्तास्मि | आप्तास्वः | आप्तास्मः |
| भ० आप्स्यति | आप्स्यतः | आप्स्यन्ति |
| आप्स्यसि | आप्स्यथः | आप्स्यथ |
| आप्स्यामि | आप्स्यावः | आप्स्यामः |
| क्रि० आप्स्यत् | आप्स्यताम् | आप्स्यन् |
| आप्स्यः | आप्स्यतम् | आप्स्यत |
| आप्स्यम् | आप्स्याव | आप्स्याम |

1308 तृप्द् (तृप्) प्रीणने

क्षुभ्नादित्वाण्णात्वाभावः

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० तृप्नोति | तृप्नुतः | तृप्नुवन्ति |
| तृप्नोषि | तृप्नुथः | तृप्नुथ |
| तृप्नोमि | तृप्नुवः | तृप्नुमः |
| स० तृप्नुयात् | तृप्नुयाताम् | तृप्नुयुः |
| तृप्नुयाः | तृप्नुयातम् | तृप्नुयात |
| तृप्नुयाम् | तृप्नुयाव | तृप्नुयाम |
| प० तृप्नोतु | तृप्नुतात् | तृप्नुताम् |
| तृप्नुहि | „ | तृप्नुतम् |
| तृप्नुवन्ति | तृप्नुवाव | तृप्नुवाम |
| झ० अतृप्नोत | अतृप्नुताम् | अतृप्नुवन् |
| अतृप्नोः | अतृप्नुतम् | अतृप्नुत |
| अतृप्नुवम् | अतृप्नुव | अतृप्नुम |
| अ० अतर्पीति | अतर्पिष्टाम् | अतर्पिषुः |
| अतर्पीः | अतर्पिष्टम् | अतर्पिष्ट |
| अतर्पिषम् | अतर्पिष्व | अतर्पिषम |
| प० ततर्प | तर्पेत्तुः | तर्पुः |
| ततर्पिथ | तर्पथुः | तर्प |
| ततर्प | तर्पिथ | तर्पिम |
| आ० तृप्यात् | तृप्यास्ताम् | तृप्यासुः |
| तृप्याः | तृप्यास्तम् | तृप्यास्त |
| तृप्यासम् | तृप्यास्व | तृप्यास्म |
| प्र० तर्पिता | तर्पितारौ | तर्पितारः |
| तर्पितासि | तर्पितास्थः | तर्पितास्थ |
| तर्पितास्मि | तर्पितास्वः | तर्पितास्मः |
| भ० तर्पिष्यति | तर्पिष्यतः | तर्पिष्यन्ति |
| तर्पिष्यसि | तर्पिष्यथः | तर्पिष्यथ |
| तर्पिष्यामि | तर्पिष्यावः | तर्पिष्यामः |
| क्रि० अतर्पिष्यत् | अतर्पिष्यताम् | अतर्पिष्यन् |
| अतर्पिष्यः | अतर्पिष्यतम् | अतर्पिष्यत |
| अतर्पिष्यम् | अतर्पिष्याव | अतर्पिष्याम |

अथ ऋदन्तास्त्रयो वृग्वर्जा अनिटश्च ।

1292 स्तृगृह् (स्तृ) आच्छादने ।

व० स्तृणोति स्तृणुतः स्तृण्वन्ति
स्तृणोषि स्तृणुथः स्तृणुथ
स्तृणोमि स्तृणुवः स्तृण्वः स्तृणुमः स्तृण्वमः

स० स्तृणुयात् स्तृणुयाताम् स्तृणुयुः
स्तृणुयाः स्तृणुयातम् स्तृणुयात
स्तृणुयाम् स्तृणुयाथ स्तृणुयाम्

प० स्तृणोतु स्तृणुतात् स्तृणुताम् स्तृण्वन्तु
स्तृणु स्तृणुतात् स्तृणुतम् स्तृणुत
स्तृणवानि स्तृणवाव स्तृणवाम्

स्तृणुषि अस्तृणोत् अस्तृणोताम् अस्तृण्वन्
अस्तृणोः अस्तृणुतम् अस्तृणुत
अस्तृण्वम् अस्तृणुव पव अस्तृणुम-पम

अ० अस्तावीत् अस्ताव्याम् अस्तावुः
अस्तावीः अस्ताव्याम् अस्ताव्या
अस्ताव्याम् अस्ताव्याम् अस्ताव्याम्

प० तस्तार तस्तारुः तस्तारुः
तस्तार्थ तस्तार्थुः तस्तार्थ
तस्तार तस्तार तस्तारिष तस्तारिम

आ० स्तयति स्तयिस्ताम् स्तयिसुः
स्तयिः स्तयिस्ताम् स्तयिस्त
स्तयिस्ताम् स्तयिस्व स्तयिस्म
प्र० स्तर्ता स्तर्तारौ स्तर्तारिः
स्तर्तासि स्तर्तास्थः स्तर्तास्थ
स्तर्तास्मि स्तर्तास्वः स्तर्तास्मि

भ० स्तरिष्यति स्तरिष्यतः स्तरिष्यन्ति
स्तरिष्यसि स्तरिष्यथः स्तरिष्यथ
स्तरिष्यामि स्तरिष्याथः स्तरिष्यामः

क्रि० अस्तरिष्यत अस्तरिष्यताम् अस्तरिष्यन्त
अस्तरिष्यः अस्तरिष्यतम् अस्तरिष्यत
अस्तरिष्यम् अस्तरिष्याव अस्तरिष्याम

व० स्तृणुते स्तृणवाते स्तृण्वते
स्तृणुषे स्तृणवाथे स्तृणुध्वे
स्तृण्वे स्तृणुवहे-पवहे स्तृणुमहे-पमहे

स० स्तृण्वीत स्तृण्वीयाताम् स्तृण्वीरन्
स्तृण्वीथाः स्तृण्वीयाताम् स्तृण्वीध्वम्
स्तृण्वीय स्तृण्वीवहि स्तृण्वीमहि

प० स्तृणुताम् स्तृणवाताम् स्तृण्वताम्
स्तृणुष्व स्तृणवाथाम् स्तृणुध्वम्
स्तृण्वै स्तृणववहै स्तृणवामहै

झ० अस्तृणुत अस्तृणवाताम् अस्तृण्वत
अस्तृणुथाः अस्तृणवाथाम् अस्तृणुध्वम्
अस्तृण्वि अस्तृण्वहि पवहि अस्तृणुपहि-पमहि

अ० अस्तृण अस्तृणाताम् अस्तृणत
अस्तृथाः अस्तृणाथाम् अस्तृणुध्वम्
द्वम्

अस्तृषि अस्तृष्वहि अस्तृषमहि
अस्तारिषट् अस्तारिषाताम् अस्तारिषन्
अस्तारिषटाः अस्तारिषाथाम् अस्तारिष-

द्वम्-द्वम्-ध्वम्

अस्तरिषि अस्तरिष्वहि अस्तरिषमहि

प० तस्तरे तस्तराते तस्तरिरे
तस्तरिषे तस्तराथे तस्तरिद्वे-ध्वे
तस्त्रारे तस्त्रारिवहे तस्त्रारिमहे

आ० स्तृषीष्ट स्तृषीयास्ताम् स्तृषीरन्
स्तृषीष्टाः स्तृषीयास्थाम् स्तृषीध्वम्
स्तृषीय स्तृषीवहि स्तृषीमहि
स्तरिषीष्ट स्तरिषीयास्ताम् स्तरिषीरन्

स्तरिषीष्टाः स्तरिषीयास्थाम् स्तरिषीध्वम्
स्तरिषीय स्तरिषीवहि स्तरिषीमहि
प्र० स्तर्ता स्तर्तारौ स्तर्तारिः

स्तर्तासे स्तर्ताजाथे स्तर्ताध्वे
स्तर्ताहे स्तर्तास्वहे स्तर्तामहे

भ० स्तरिष्यते स्तरिष्येते स्तरिष्यन्ते
स्तरिष्यसे स्तरिष्येथे स्तरिष्यध्वे
स्तरिष्ये स्तरिष्यावहे स्तरिष्यामहे

क्रि० अस्तरिष्यत अस्तरिष्यताम् अस्तरिष्यन्त
अस्तरिष्यथाः अस्तरिष्येथाम् अस्तरिष्यध्वम्
अस्तरिष्ये अस्तरिष्यावहि अस्तरिष्यामहि

तस्तरे तस्तरिषे तस्तरिमहे

1293 कृद् (कृ) हिंसायाम्

व० कृणोति कृणुतः कृण्वन्ति
कृणोषि कृणुथः कृणुथ
कृणोमि कृणुवः एवः कृणुमः एमः

स० कृणुयात् कृणुयाताम् कृणुयुः
कृणुयाः कृणुयातम् कृणुयात
कृणुयाम् कृणुयाव कृणुयाम

प० कृणोतु कृणुतात कृणुताम् कृण्वन्तु
कृणु " कृणुतम् कृणुत
कृणवानि कृणवाव कृणवाम

ह्य० अकृणोत् अकृणुताम् अकृण्वन्
अकृणोः अकृणुतम् अकृणुत
अकृणवम् अकृणुव-एव अकृणुम-एम

अ० अकार्षीत् अकाष्टात् अकार्षुः
अकार्षाः अकाष्टम् अकाष्ट
अकार्षम् अकाष्ट्व अकाष्टम्

ए० चकार चक्रतुः चक्रुः
चकर्थ चक्रथुः चक्र
चकार, चकर चक्रव चक्रम

आ० क्रियात् क्रियास्ताम् क्रियासुः
क्रियाः क्रियास्तम् क्रियास्त
क्रियासम् क्रियास्व क्रियास्म

प्र० कर्ता कर्तारौ कर्तारः
कर्तासि कर्तास्थः कर्तास्थ
कर्तास्मि कर्तास्वः कर्तास्मः

भ० करिष्यति करिष्यतः करिष्यन्ति
करिष्यसि करिष्यथः करिष्यथ
करिष्यामि करिष्यावः करिष्यामः

क्रि० अकरिष्यत् अकरिष्यताम् अकरिष्यन्
अकरिष्यः अकरिष्यतम् अकरिष्यत
अकरिष्यम् अकरिष्याव अकरिष्याम

व० कृणुते कृणुते कृणुते
कृणुषे कृणुषथे कृणुष्वे
कृणुवे कृणुवहे एवहे कृणुमहे एमहे

स० कृण्वीत् कृण्वीयाताम् कृण्वीरन्
कृण्वीथाः कृण्वीयाथाम् कृण्वीध्वम्
कृण्वीय कृण्वीवहि कृण्वीमहि

प० कृणुताम् कृणुताम् कृणुताम्
कृणुष्व कृणुष्वथाम् कृणुष्वम्
कृणुवै कृणुवावहै कृणुवामहै

ह्य० अकृणुत् अकृणुताम् अकृण्वत्
अकृणुथाः अकृणुष्वथाम् अकृणुष्वम्
अकृण्वि अकृणुवहि, एवहि अकृणुमहि, एमहि

अ० अकृत अकृताताम् अकृषत्
अकृथाः अकृषथाम् अकृद्भ्वम्, ढ्वम्
अकृषि अकृष्वहि अकृषमहि

प० चक्रे चक्राते चक्रिरे
चक्रुषे चक्रुथे चक्रुवै
चक्रे चक्रुव चक्रमहे

आ० कृषीष्ट कृषीयास्ताम् कृषीरन्
कृषीष्टाः कृषीयास्थाम् कृषीद्भ्वम्
कृषीय कृषीवहि कृषीमहि

ध्व० कर्ता कर्तारौ कर्तारः
कर्तासि कर्तास्थे कर्ताध्वे
कर्ताहे कर्ताध्वहे कर्तास्महे

भ० करिष्यते करिष्येते करिष्यन्ते
करिष्यसे करिष्येथे करिष्यध्वे
करिष्ये करिष्यावहे करिष्यामहे

क्रि० अकरिष्यत् अकरिष्यताम् अकरिष्यन्त
अकरिष्यथाः अकरिष्येथाम् अकरिष्यध्वम्
अकरिष्ये अकरिष्यावहि अकरिष्यामहि

1294 वृग् (वृ) वरणे ।

व० वृणोति वृणुतः वृण्वन्ति
वृणोषि वृणुथः वृणुथ
वृणोमि वृणुयः, ण्वः वृणुमः, णमः

स० वृणुयात् वृणुयाताम् वृणुयुः
वृणुयाः वृणुयानम् वृणुयात
वृणुयाम वृणुयाव वृणुयाम

प० वृणोतु वृणुतात् वृणुताम् वृण्वन्तु
वृणु " वृणुतम् वृणुत
वृण्वानि वृणवाव वृण्वाम

झ० अवृणोत अवृणुताम् अवृण्वन्
अवृणोः अवृणुतम् अवृणुत
अवृणवम् अवृणुव, ण्व अवृणुम णम

अ० अवारीत् अवारिषाम् अवारिषुः
अवारीः अवारिषम् अवारिषट्
अवारिषम् अवारिषव अवारिषम्

प० वव्रार वव्रनुः वव्रः
वव्ररिथ वव्रथुः वव्र
वव्रार वव्रर वव्रथ वव्रम्

आ० व्रियात् व्रियास्ताम् व्रियासुः
व्रियाः व्रियास्तम् व्रियास्त
व्रियासम् व्रियास्व व्रियास्म

ख० व्रिता व्रितारौ व्रितारः
व्रितासि व्रितास्यः व्रितास्य
व्रितास्मि व्रितास्वः व्रितास्मः
वरीता वरीतारौ वरीतारः इत्यादि

भ० व्रिष्यति व्रिष्यतः व्रिष्यन्ति
व्रिष्यसि व्रिष्यथः व्रिष्यथ
व्रिष्यामि व्रिष्यावः व्रिष्यामः
वरीष्यति वरीष्यतः वरीष्यन्ति इ०

क्रि० अव्रिष्यत् अव्रिष्यताम् अव्रिष्यन्
अव्रिष्यः अव्रिष्यतम् अव्रिष्यत
अव्रिष्यम् अव्रिष्याव अव्रिष्याम
अवरीष्यत् अवरीष्यताम् अवरीष्यन् इ०

व० वृणुते वृण्वान्ते वृण्वन्ते
वृणुषे वृणुषाथे वृणुष्वे
वृण्वे वृणुवहे-ण्वहे वृणुमहे-णमहे
स० वृण्वीत् वृण्वीयाताम् वृण्वीरन्
वृण्वीथाः वृण्वीयाथाम् वृण्वीध्वम्
वृण्वीय वृण्वीवहि वृण्वीमहि

प० वृणुताम् वृण्वानाम् वृण्वताम्
वृणुष्य वृणुष्याथाम् वृणुष्वम्
वृण्वे वृणुषावहे वृणुषामहे

झ० अवृणुत अवृणुवाताम् अवृणुवत
अवृणुथाः अवृणुवाथाम् अवृणुध्वम्
अवृण्वि अवृणुवहि-ण्वहि अवृणुमहि-णमहि

अ० अवृणुत अवृणुताम् अवृणुत
अवृथाः अवृथाथाम् अवृड्ढवम् ढ्वम्
अवृषि अवृष्वहि अवृष्महि
अवरिषट् अवरिषाताम् अवरिषन् इत्यादि
अवरीषट् अवरीषाताम् अवरीषन् इत्यादि

प० वव्रे वव्राते वव्रिरे
ववृषे वव्राथे ववृढ्वे
वव्रे ववृवहे ववृमहे

आ० वरिषीष्ट वरिषीयास्ताम् वरिषीरन्
वरिषीष्टाः वरिषीय स्ताम् वरिषीढ्वम् ध्वम्
वरिषीय वरिषीवहि वरिषीमहि

वृषीष्ट वृषीयास्ताम् वृषीरन् इत्यादि

ख० वरिता वरितारौ वरितारः

वरितासे वरितासाथे वरिताध्वे
वरिताहे वरितास्वहे वरितास्महे
वरीता वरीतारौ वरीतारः इत्यादि

भ० वरिष्यते वरिष्येते वरिष्यन्ते
वरिष्यसे वरिष्येथे वरिष्यध्वे
वरिष्ये वरिष्यावहे वरिष्यामहे
वरीष्यते वरीष्येते वरीष्यन्ते इत्यादि

क्रि० अव्रिष्यत् अव्रिष्यताम् अव्रिष्यन्
अव्रिष्यथाः अव्रिष्येथाम् अव्रिष्यध्वम्
अव्रिष्यो अव्रिष्यावहि अव्रिष्यामहि
अव्रिष्यत् अव्रिष्येताम् अव्रिष्यन्त इत्यादि

॥ इत्युभयपदिनः ॥

अथ परस्मैपदिविदन्ताऽनिट् च ।

1295 हिट् (हि) गतिवृद्धयोः ।

| | | | |
|-------|-------------|-------------|-------------|
| व० | हिनोति | हिनुतः | हिन्वन्ति |
| | हिनोषि | हिनुथः | हिनुथ |
| | हिनोमि | हिनुवः-न्वः | हिनुमः-न्मः |
| स० | हिनुयात् | हिनुयाताम् | हिनुयुः |
| | हिनुयाः | हिनुयातम् | हिनुयात |
| | हिनुयाम् | हिनुयाव | हिनुयाम |
| प० | हिनुतु | हिनुतात | हिनुताम् |
| | हिनु | हिनुतम् | हिनुत |
| | हिनवानि | हिनवाव | हिनवाम |
| झ० | अहिनोत् | अहिनुताम् | अहिन्वन् |
| | अहिनोः | अहिनुतम् | अहिनुत |
| | अहिनवम् | अहिनुव-न्व | अहिनुम-न्म |
| अ० | अहैषोत् | अहैष्टाम् | अहैषुः |
| | अहैषीः | अहैष्टम् | अहैष्ट |
| | अहैषम् | अहैष्व | अहैषम |
| प० | जिघाय | जिघ्यतुः | जिघ्युः |
| | जिघयिथ | जिघेथ | जिघ्यथुः |
| | जिघाय, जिघय | जिघ्यिव | जिघ्यिम |
| आ० | हीयात् | हीयास्ताम् | हीयासुः |
| | हीयाः | हीयास्तम् | हीयास्त |
| | हीयासम् | हीयास्व | हीयास्म |
| प्रव० | हेता | हेतारौ | हेतारः |
| | हेतासि | हेतास्थः | हेतास्थ |
| | हेतास्मि | हेतास्वः | हेतास्मः |
| भ० | हेष्यति | हेष्यतः | हेष्यन्ति |
| | हेष्यसि | हेष्यथः | हेष्यथ |
| | हेष्यामि | हेष्यावः | हेष्यामः |
| क्रि० | अहेष्यत | अहेष्यताम् | अहेष्यन् |
| | अहेष्यः | अहेष्यतम् | अहेष्यत |
| | अहेष्यम् | अहेष्याव | अहेष्याम |

अथोदन्ताव निटौ च ।

1296 श्रुट् [श्रु] श्रवणे ।

गताचित्यन्ये ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | शृणोति | शृणुतः | शृण्वन्ति |
| | शृणोषि | शृणुथः | शृणुथ |
| | शृणोमि | शृणुवः-ण्वः | शृणुमः-णमः |
| स० | शृणुयात् | शृणुयाताम् | शृणुयुः |
| | शृणुयाः | शृणुयातम् | शृणुयात |
| | शृणुयाम् | शृणुयाव | शृणुयाम |
| प० | शृणोतु | शृणुतात | शृणुताम् |
| | शृणु | शृणुतम् | शृणुत |
| | शृणवानि | शृणवाव | शृणवाम |
| झ० | अशृणोत् | अशृणुताम् | अशृण्वन् |
| | अशृणोः | अशृणुतम् | अशृणुत |
| | अशृणवम् | अशृणुव-ण्व | अशृणुम-णम |
| अ० | अश्रौषीत् | अश्रौष्टाम् | अश्रौषुः |
| | अश्रौषीः | अश्रौष्टम् | अश्रौष्ट |
| | अश्रौषम् | अश्रौष्व | अश्रौषम |
| प० | शृश्रव | शृश्रवतुः | शृश्रुवुः |
| | शृश्रोथ | शृश्रवथुः | शृश्रुव |
| | शृश्राव | शृश्रव | शृश्रुव |
| आ० | श्रूयात् | श्रूयास्ताम् | श्रूयासुः |
| | श्रूयाः | श्रूयास्तम् | श्रूयास्त |
| | श्रूयासम् | श्रूयास्व | श्रूयास्म |
| प्रव० | श्रोता | श्रोतारौ | श्रोतारः |
| | श्रोतासि | श्रोतास्थः | श्रोतास्थ |
| | श्रोतास्मि | श्रोतास्वः | श्रोतास्मः |
| भ० | श्रोष्यति | श्रोष्यतः | श्रोष्यन्ति |
| | श्रोष्यसि | श्रोष्यथः | श्रोष्यथ |
| | श्रोष्यामि | श्रोष्यावः | श्रोष्यामः |
| क्रि० | अश्रोष्यत | अश्रोष्यताम् | अश्रोष्यन् |
| | अश्रोष्यः | अश्रोष्यतम् | अश्रोष्यत |
| | अश्रोष्यम् | अश्रोष्याव | अश्रोष्याम |

1297 दुहुंइ (दु) उपतापे

| | | | |
|-------|---------------|-------------|-------------|
| व० | दुनोति | दुनुतः | दुन्वन्ति |
| | दुनोषि | दुनुथः | दुनुथ |
| | दुनोमि | दुनुवः-न्वः | दुनुवः-न्मः |
| स० | दुनुयात् | दुनुयाताम् | दुनुयुः |
| | दुनुयाः | दुनुयातम् | दुनुत |
| | दुनुयाम् | दुनुयाव | दुनुयाम |
| प० | दुनोतु | दुनुतात् | दुनुताम् |
| | दुनु | " | दुनुतम् |
| | दुनुवानि | दुनुवाव | दुनुवाम |
| झ० | अदुनोत् | अदुनुताम् | अदुन्वन |
| | अदुनोः | अदुनुतम् | अदुनुत |
| | अदुनवम् | अदुनुव-न्व | अदुनुम-न्म |
| अ० | अदौषीत् | अदौषाम् | अदौषुः |
| | अदौषीः | अदौषम् | अदौष |
| | अदौषम् | अदौषव | अदौषम |
| प० | दुदाव | दुदुवुः | दुदुवुः |
| | दुदुविथ-दुदुथ | दुदुवथुः | दुदुव |
| | दुदावदुदव | दुदुविथ | दुदुविम |
| आ० | दूयात् | दूयास्ताम् | दूयासुः |
| | दूयाः | दूयास्तम् | दूयास्त |
| | दूयासम् | दूयास्व | दूयास्म |
| श्व० | दोता | दोतारी | दोतारः |
| | दोतासि | दोतास्थः | दोतास्थ |
| | दोतास्मि | दोतास्वः | दोतास्मः |
| भ० | दोष्यति | दोष्यतः | दोष्यन्ति |
| | दोष्यसि | दोष्यथः | दोष्यथ |
| | दोष्यामि | दोष्यावः | दोष्यामः |
| क्रि० | अदोष्यत् | अदोष्यताम् | अदोष्यन् |
| | अदोष्यः | अदोष्यतम् | अदोष्यत |
| | अदोष्यम् | अदोष्याव | अदोष्यम |

अथ ऋदन्तावनिदौ च ।

1298 पृंइ (पृ) प्रीतौ ।

| | | | |
|-------|-----------|--------------|-------------|
| व० | पृणोति | पृणुतः | पृण्वन्ति |
| | पृणाषि | पृणुथः | पृणुथ |
| | पृणोमि | पृणुवः-न्वः | पृणुमः-न्मः |
| स० | पृणुयात् | पृणुयाताम् | पृणुयुः |
| | पृणुयाः | पृणुयातम् | पृणुयत |
| | पृणुयम् | पृणुयाव | पृणुयाम |
| प० | पृणोतु | पृणुतात् | पृणुताम् |
| | पृणु | " | पृणुतम् |
| | पृणुवानि | पृणुवाव | पृणुवाम |
| झ० | अपृणोत् | अपृणुताम् | अपृण्वन् |
| | अपृणोः | अपृणुतम् | अपृणुत |
| | अपृणवम् | अपृणुव-न्व | अपृणुम-न्म |
| अ० | अपाषीत् | अपाषाताम् | अपाषुः |
| | अपाषीः | अपाषातम् | अपाष |
| | अपाषम् | अपाषव | अपाषम |
| प० | पषार | पषतुः | पषुः |
| | पषर्थ | पषथुः | पष |
| | पषार, पषर | पषिव | पषिम |
| आ० | प्रियात् | प्रियास्ताम् | प्रियासुः |
| | प्रियाः | प्रियास्तम् | प्रियास्त |
| | प्रियासम् | प्रियास्व | प्रियास्म |
| श्व० | पती | पतीरी | पतीरः |
| | पतीसि | पतीस्थः | पतीस्थ |
| | पतीस्मि | पतीस्वः | पतीस्मः |
| भ० | परिष्यति | परिष्यतः | परिष्यन्ति |
| | परिष्यसि | परिष्यथः | परिष्यथ |
| | परिष्यामि | परिष्यावः | परिष्यामः |
| क्रि० | अपरिष्यत् | अपरिष्यताम् | अपरिष्यन् |
| | अपरिष्यः | अपरिष्यतम् | अपरिष्यत |
| | अपरिष्यम् | अपरिष्याव | अपरिष्याम |

1299 स्मृ [स्मृ] पालने च ।

चकारात्प्रीतौ । जीवनेऽप्यन्ये ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० स्मृणोति | स्मृणुतः | स्मृण्वन्ति |
| स्मृणोषि | स्मृणुथः | स्मृणुथ |
| स्मृणोमि | स्मृणुवः | स्मृणुमः |
| स्मृणुमः | स्मृणुवः | स्मृणुमः |
| स० स्मृणुयात् | स्मृणुयाताम् | स्मृणुयुः |
| स्मृणुयाः | स्मृणुयातम् | स्मृणुयात |
| स्मृणुयाम् | स्मृणुयाव | स्मृणुयाम |
| प० स्मृणोतु | स्मृणुतात् | स्मृणुताम् |
| स्मृणुतु | स्मृणुतात् | स्मृणुतम् |
| स्मृणुषा | स्मृणुषाव | स्मृणुषाम |
| अ० अस्मृणोत् | अस्मृणुताम् | अस्मृणुवन् |
| अस्मृणोः | अस्मृणुतम् | अस्मृणुत |
| अस्मृणुवम् | अस्मृणुव-ण्व | अस्मृणुम-ण्व |
| अ० अस्माधीत् | अस्माष्टां | अस्माधुः |
| अस्माधीः | अस्माष्टम् | अस्माष्ट |
| अस्माधम् | अस्माध्व | अस्माध्व |
| प० सस्मार | सस्मारतुः | सस्मारुः |
| सस्मर्थ | सस्मरथुः | सस्मर |
| सस्मार | सस्मर | सस्मरिष्व |
| सस्मरिष्व | सस्मरिष्व | सस्मरिष्व |
| आ० स्मर्यात् | स्मर्यास्ताम् | स्मर्यासुः |
| स्मर्याः | स्मर्यास्तम् | स्मर्यास्त |
| स्मर्यासम् | स्मर्यास्व | स्मर्यास्म |
| प्र० स्मर्ता | स्मर्तारौ | स्मर्तारः |
| स्मर्तासि | स्मर्तास्थः | स्मर्तास्थ |
| स्मर्तास्मि | स्मर्तास्वः | स्मर्तास्मः |
| अ० स्मरिष्यति | स्मरिष्यतः | स्मरिष्यन्ति |
| स्मरिष्यसि | स्मरिष्यथः | स्मरिष्यथ |
| स्मरिष्यामि | स्मरिष्यावः | स्मरिष्यामः |
| क्रि० अस्मरिष्यत् | अस्मरिष्यताम् | अस्मरिष्यन् |
| अस्मरिष्यः | अस्मरिष्यतम् | अस्मरिष्यत |
| अस्मरिष्यम् | अस्मरिष्याव | अस्मरिष्याम |

अथ कान्तैः ।

1300 शक्लंद् (शक्ल) शक्तौ ।

| | | |
|-----------------|------------------------------|--|
| व० शक्नोति | शक्नुतः | शक्नुवन्ति |
| शक्नोषि | शक्नुथः | शक्नुथ |
| शक्नोमि | शक्नुवः | शक्नुमः |
| स० शक्नुयात् | शक्नुयाताम् | शक्नुयुः |
| शक्नुयाः | शक्नुयातम् | शक्नुयात |
| शक्नुयाम् | शक्नुयाव | शक्नुयाम |
| प० शक्नोमि | शक्नुतात् | शक्नुताम् |
| शक्नुहि | शक्नुतात् | शक्नुतम् |
| शक्नुषाति | शक्नुषाव | शक्नुषाम |
| अ० अशक्नोत् | अशक्नुताम् | अशक्नुवन् |
| अशक्नोः | अशक्नुतम् | अशक्नुत |
| अशक्नुवम् | अशक्नुव | अशक्नुम |
| अ० अशक्त | अशक्ताम् | अशक्न |
| अशक्तः | अशक्तम् | अशक्त |
| अशक्तम् | अशक्ताव | अशक्ताम |
| प० शशाक | शेकतुः | शेकुः |
| शेकिथ | शशकथ | शेकुथ |
| शशाक | शशक | शेकिव |
| शेकिम | शेकिम | शेकिम |
| आ० शक्यात् | शक्यास्ताम् | शक्यासुः |
| शक्याः | शक्यास्तम् | शक्यास्त |
| शक्यासम् | शक्यास्व | शक्यास्म |
| प्र० शक्ता | शक्तारौ | शक्तारः |
| शक्तासि | शक्तास्थः | शक्तास्थ |
| शक्तास्मि | शक्तास्वः | शक्तास्मः |
| अ० शक्ष्यति | शक्ष्यतः | शक्ष्यन्ति |
| शक्ष्यसि | शक्ष्यथः | शक्ष्यथ |
| शक्ष्यामि | शक्ष्यावः | शक्ष्यामः |
| क्रि० अशक्ष्यत् | अशक्ष्यताम् | अशक्ष्यन् |
| अशक्ष्यः | अशक्ष्यतम् | अशक्ष्यत |
| अशक्ष्यम् | अशक्ष्याव | अशक्ष्याम |
| ये तु शक्ष्यते | पुषादित्वं प्रतिपन्नास्तेषां | पुषादित्वादेवाङि सिद्धे लृदिष्वमात्मने |
| पदेऽप्यङ्गम् । | तेन क्रियाव्यतिहार इत्या | त्मनेपदेऽङि व्यत्यशक्त - |

1301 तिकट् (तिक्) हिंसायाम् ।

आस्कन्दने ऽपीत्येके ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | तिकनोति | तिकनुतः | तिकनुवन्ति |
| | तिकनोषि | तिकनुथः | तिकनुथ |
| | तिकनोमि | तिकनुवः | तिकनुमः |
| स० | तिकनुयात् | तिकनुयाताम् | तिकनुयुः |
| | तिकनुयाः | तिकनुयातम् | तिकनुयात |
| | तिकनुयाम् | तिकनुयाव | तिकनुयाम |
| प० | तिकनोतु | तिकनुतात् | तिकनुताम् |
| | तिकनुहि | तिकनुतात् | तिकनुतम् |
| | तिकनवानि | तिकनवाव | तिकनवाम |
| ह्य० | अतिकनोत् | अतिकनुताम् | अतिकनुवन् |
| | अतिकनोः | अतिकनुतम् | अतिकनुत |
| | अतिकनवम् | अतिकनुव | अतिकनुम |
| अ० | अतेकीत् | अतेकिष्टाम् | अतेकिषुः |
| | अतेकीः | अतेकिष्टम् | अतेकिष्ट |
| | अतेकिषम् | अतेकिष्व | अतेकिष्म |
| प० | नितेक | नितिकितुः | नितिकुः |
| | नितेकिथ | नितिकिथुः | नितिक |
| | नितेक | नितिकिव | नितिकिम |
| आ० | निक्यात् | निक्यास्ताम् | निक्यासुः |
| | निक्याः | निक्यास्तम् | निक्यास्त |
| | निक्यासम् | निक्यास्व | निक्यास्म |
| प्रव० | तेकिता | तेकितारौ | तेकितारः |
| | तेकितासि | तेकितास्थः | तेकितास्थ |
| | तेकितास्मि | तेकितास्वः | तेकितास्मः |
| भ० | तेकिष्यति | तेकिष्यतः | तेकिष्यन्ति |
| | तेकिष्यसि | तेकिष्यथः | तेकिष्यथ |
| | तेकिष्यामि | तेकिष्यावः | तेकिष्यामः |
| क्रि० | अतेकिष्यत् | अतेकिष्यताम् | अतेकिष्यन् |
| | अतेकिष्यः | अतेकिष्यतम् | अतेकिष्यत |
| | अतेकिष्यम् | अतेकिष्याव | अतेकिष्याम |

अथ गान्तः सेट् च ।

1302 तिगट् (तिग्) हिंसायाम् ।

आस्कन्दनेऽपि केचित् ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | तिग्नोति | तिग्नतः | तिग्नवन्ति |
| | तिग्नोषि | तिग्नथः | तिग्नथ |
| | तिग्नोमि | तिग्नवः | तिग्नमः |
| स० | तिग्नयात् | तिग्नयाताम् | तिग्नयुः |
| | तिग्नयाः | तिग्नयातम् | तिग्नयात |
| | तिग्नयाम् | तिग्नयाव | तिग्नयाम |
| प० | तिग्नोतु | तिग्नतात् | तिग्नताम् |
| | तिग्नहि | तिग्नतात् | तिग्नतम् |
| | तिग्नवानि | तिग्नवाव | तिग्नवाम |
| ह्य० | अतिग्नोत् | अतिग्नताम् | अतिग्नवन् |
| | अतिग्नोः | अतिग्नतम् | अतिग्नत |
| | अतिग्नवम् | अतिग्नव | अतिग्नम |
| अ० | अतेगीत् | अतेगिष्टाम् | अतेगिषुः |
| | अतेगीः | अतेगिष्टम् | अतेगिष्ट |
| | अतेगिषम् | अतेगिष्व | अतेगिष्म |
| प० | तितेग | तितिगतुः | तितिगुः |
| | तितेगिथ | तितिगथुः | नितिग |
| | तितेग | तितिगिव | तितिगिम |
| आ० | तिग्यात् | तिग्यास्ताम् | तिग्यासुः |
| | तिग्याः | तिग्यास्तम् | तिग्यास्त |
| | तिग्यासम् | तिग्यास्व | तिग्यास्म |
| प्रव० | तेगिता | तेगितारौ | तेगितारः |
| | तेगितासि | तेगितास्थः | तेगितास्थ |
| | तेगितास्मि | तेगितास्वः | तेगितास्मः |
| भ० | तेगिष्यति | तेगिष्यतः | तेगिष्यन्ति |
| | तेगिष्यसि | तेगिष्यथः | तेगिष्यथ |
| | तेगिष्यामि | तेगिष्यावः | तेगिष्यामः |
| क्रि० | अतेगिष्यत् | अतेगिष्यताम् | अतेगिष्यन् |
| | अतेगिष्यः | अतेगिष्यतम् | अतेगिष्यत |
| | अतेगिष्यम् | अतेगिष्याव | अतेगिष्याम |

अथ धान्तः सेट् च ॥

1303 षघट् (सघ्) हिंसायाम् ।

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| ष० सघ्नोति | सघ्नतः | सघ्नवन्ति |
| सघ्नोषि | सघ्नथः | सघ्नथ |
| सघ्नोमि | सघ्नवः | सघ्नमः |
| स० सघ्नयात् | सघ्नयाताम् | सघ्नयुः |
| सघ्नयाः | सघ्नयातम् | सघ्नत |
| सघ्नयाम् | सघ्नयाव | सघ्नयाव |
| प० सघ्नोतु | सघ्नतात् | सघ्नताम् |
| सघ्नोहि | सघ्नतम् | सघ्नत |
| सघ्नवानि | सघ्नवाव | सघ्नवाम |
| झ० असघ्नोत | असघ्नताम् | असघ्नवन् |
| असघ्नोः | असघ्नतम् | असघ्नत |
| असघ्नवम् | असघ्नव | असघ्नम |
| अ० असाधीत् | असाधिष्टाम् | असाधिषुः |
| असाधीः | असाधिष्टम् | असाधिष्ट |
| असाधिषम् | असाधिष्व | असाधिषम् |
| असघोत् | असघिष्टाम् | असघिषुः इ० |
| प० ससाध | सेधतुः | सेधुः |
| सेधित् | सेधथुः | सेध |
| ससाध,ससव | सेधिव | सेधिम |
| आ० सध्यात् | सध्यास्ताम् | सध्यासुः |
| सध्याः | सध्यास्तम् | सध्यास्त |
| सध्यासम् | सध्यास्व | सध्यास्म |
| झ० सधिता | सधितारौ | सधितारः |
| सधितासि | सधितास्थः | सधितास्थ |
| सधितास्मि | सधितास्वः | सधितास्मः |
| भ० सधिष्यति | सधिष्यतः | सधिष्यन्ति |
| सधिष्यसि | सधिष्यथः | सधिष्यथ |
| सधिष्यामि | सधिष्यः | सधिष्यामः |
| क्रि० असधिष्यत् | असधिष्यताम् | असधिष्यन् |
| असधिष्य | असधिष्यतम् | असधिष्यत |
| असधिष्यम् | असधिष्याव | असधिष्याम |

अथ धान्तास्त्रयः ।

1304 राधट् [राध्] संसिद्धौ

संसिद्धिः फलनिष्पत्तिः ।

| | | |
|---------------------------------------|--------------|-------------|
| ष० राध्नोति | राध्नतः | राध्नवन्ति |
| राध्नोषि | राध्नथः | राध्नथ |
| राध्नोमि | राध्नवः | राध्नमः |
| स० राध्नयात् | राध्नयाताम् | राध्नयुः |
| राध्नयाः | राध्नयातम् | राध्नयात |
| राध्नयाम् | राध्नयाव | राध्नयाम |
| प० राध्नोतु | राध्नतात् | राध्नताम् |
| राध्नोहि | राध्नतम् | राध्नत |
| राध्नवानि | राध्नवाव | राध्नवाम |
| झ० अराध्नोत | अराध्नताम् | अराध्नवन् |
| अराध्नोः | अराध्नतम् | अराध्नत |
| अराध्नवम् | अराध्नव | अराध्नम |
| अ० अरात्सीत् | अराद्धाम् | अरात्सुः |
| अरात्सीः | अराद्धम् | अराद्ध |
| अरात्सम् | अरात्स्व | अरात्स्म |
| प० रराध | राधतुः | रराधुः |
| रराधित् | राधथुः | रराध |
| रराधिव | रराधिव | रराधिम |
| हिंसार्थन्वि, अपरराध अपरेधतुः अपरेधुः | | |
| अपरेधित् अपरेधथुः अपरेध | | |
| अपरराध अपरेधिव अपरेधि. | | |
| आ० राध्यात् | राध्यास्ताम् | राध्यासुः |
| राध्याः | राध्यास्तम् | राध्यास्त |
| राध्यासम् | राध्यास्व | राध्यास्म |
| झ० राद्धा | राद्धारौ | राद्धारः |
| राद्धासि | राद्धास्थः | राद्धास्थ |
| राद्धास्मि | राद्धास्वः | राद्धास्मः |
| भ० रात्स्यति | रात्स्यतः | रात्स्यन्ति |
| रात्स्यसि | रात्स्यथः | रात्स्यथ |
| रात्स्यामि | रात्स्यावः | रात्स्यामः |
| क्रि० अरात्स्यत् | अरात्स्यताम् | अरात्स्यन् |
| अरात्स्य | अरात्स्यतम् | अरात्स्यत |
| अरात्स्यम् | अरात्स्याव | अरात्स्याम |

1305 साधं ह साधू संसिद्धौ ।

संतिद्विः फल निष्पत्तिः । लोपदेशोऽयमित्ये
के. तन्मतेऽपि नात्र विशेषः, अपि तु सि-
बाधशिषतीत्यत्र ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० साधनोति | साधनुतः | स धनुवन्ति |
| साधनोषि | साधनुथः | साधनुथ |
| साधनोमि | साधनुवः | साधनुमः |
| स० साधुयात् | साधुयाताम् | साधुयुः |
| साधुयाः | साधुयातम् | साधुयात |
| साधुयाम् | साधुयाव | साधुयाम |
| प० साधनोतु | साधनुतात् | साधनुताम् |
| साधनुहि | साधनुतम् | साधनुत |
| साधनवानि | साधनवाव | साधनवाम |
| ह्य० असाधनोत | असाधनुताम् | असाधनुवन् |
| असाधनोः | असाधनुतम् | असाधनुत |
| असाधनवम् | असाधनुव | असाधनुम |
| अ० असात्सीत् | असात्ताम् | असात्सुः |
| असात्सीः | असात्ताम् | असात्ताम् |
| असात्सम् | असात्स्व | असात्स्म |
| प० ससाध | ससाधतुः | ससाधुः |
| ससाधिथ | ससाधथुः | ससाध |
| ससाध | ससाधिव | ससाधिम |
| आ० साध्यात् | साध्यास्ताम् | साध्यासुः |
| साध्याः | साध्यास्तम् | साध्यास्त |
| साध्यासम् | साध्यास्व | साध्यास्म |
| श्व० साद्धा | साद्धारौ | साद्धारः |
| साद्धासि | साद्धास्थः | साद्धास्थ |
| साद्धास्मि | साद्धास्वः | साद्धास्मः |
| भ० सात्स्यति | सात्स्यतः | सात्स्यन्ति |
| सात्स्यसि | सात्स्यथः | सात्स्यथ |
| सात्स्यामि | सात्स्यावः | सात्स्यामः |
| क्रि० असात्स्यत् | असात्स्यताम् | असात्स्यन् |
| असात्स्यः | असात्स्यतम् | असात्स्यत |
| असात्स्यम् | असात्स्याव | असात्स्याम |

1306 ऋधूट् (ऋधू) वृद्धौ ।

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| व० ऋधनोति | ऋधनुतः | ऋधनुवन्ति |
| ऋधनोषि | ऋधनुथः | ऋधनुथ |
| ऋधनोमि | ऋधनुवः | ऋधनुमः |
| स० ऋधुयात् | ऋधुयाताम् | ऋधुयुः |
| ऋधुयाः | ऋधुयातम् | ऋधुयात |
| ऋधुयाम् | ऋधुयाव | ऋधुयाम |
| प० ऋधनोतु | ऋधनुतात् | ऋधनुताम् |
| ऋधनुहि | ऋधनुतम् | ऋधनुत |
| ऋधनवानि | ऋधनवाव | ऋधनवाम |
| ह्य० आधनोत | आधनुताम् | आधनुवन् |
| आधनोः | आधनुतम् | आधनुत |
| आधनवम् | आधनुव | आधनुम |
| आ० आधीत् | आधिष्टाम् | आधिषुः |
| आधीः | आधिष्टम् | आधिष्ट |
| आधिषम् | आधिष्व | आधिष्म |
| प० आनर्ध | आनृधनुः | आनृधुः |
| आनर्धिय | आनृधथुः | आनृध |
| आनर्ध | आनृधिव | आनृधिम |
| आ० ऋध्यात् | ऋध्यास्ताम् | ऋध्यासुः |
| ऋध्याः | ऋध्यास्तम् | ऋध्यास्त |
| ऋध्यासम् | ऋध्यास्व | ऋध्यास्म |
| श्व० अधिता | अधितारौ | अधितारः |
| अधितासि | अधितास्थः | अधितास्थ |
| अधितास्मि | अधितास्वः | अधितास्मः |
| भ० अधिष्यति | अधिष्यतः | अधिष्यन्ति |
| अधिष्यसि | अधिष्यथः | अधिष्यथ |
| अधिष्यामि | अधिष्यावः | अधिष्यामः |
| क्रि० अधिष्यत् | अधिष्यताम् | अधिष्यन् |
| अधिष्यः | अधिष्यतम् | अधिष्यत |
| अधिष्यम् | अधिष्याव | अधिष्याम |

अथ पान्तौ

1307 आप्लृह (आप्लृ) व्याप्तौ

| | | |
|----------------|-------------|----------------------|
| व० आप्लोति | आप्लुतः | आप्लुवन्ति |
| आप्लोषि | आप्लुथः | आप्लुथ |
| आप्लोमि | आप्लुवः | आप्लुमः |
| स० आप्लुयात् | आप्लुयाताम् | आप्लुयुः |
| आप्लुयाः | आप्लुयातम् | आप्लुयात |
| आप्लुयाम् | आप्लुयाव | आप्लुयाम |
| प० आप्लोतु | आप्लुतात् | आप्लुताम् आप्लुवन्तु |
| आप्लुहि | „ | आप्लुतम् आप्लुत |
| आप्लुवन्ति | आप्लुवाव | आप्लुवाम |
| ह्य० आप्लोत | आप्लुताम् | आप्लुवन् |
| आप्लोः | आप्लुतम् | आप्लुत |
| आप्लुवम् | आप्लुव | आप्लुम |
| अ० आपत् | आपताम् | आपन् |
| आपः | आपतम् | आपत |
| आपम् | आपाव | आपाम |
| प० आप | आपुः | आपुः |
| आपिथ | आपथुः | आप |
| आप | आपिथ | आपिथ |
| आ० आप्यात् | आप्यास्ताम् | आप्यासुः |
| आप्याः | आप्यास्तम् | आप्यास्त |
| आप्यासम् | आप्यास्व | आप्यास्म |
| प्रव० आप्ता | आप्तारौ | आप्तारः |
| आप्तासि | आप्तास्थः | आप्तास्थ |
| आप्तास्मि | आप्तास्वः | आप्तास्मः |
| भ० आप्स्यति | आप्स्यतः | आप्स्यन्ति |
| आप्स्यसि | आप्स्यथः | आप्स्यथ |
| आप्स्यामि | आप्स्यावः | आप्स्यामः |
| क्रि० आप्स्यत् | आप्स्यताम् | आप्स्यन् |
| आप्स्यः | आप्स्यतम् | आप्स्यत |
| आप्स्यम् | आप्स्याव | आप्स्याम |

1308 तृप् (तृप्) प्रीणने

श्रुत्नादिवाष्णत्वाभावः

| | | |
|-------------------|---------------|------------------------|
| व० तृप्नोति | तृप्नुतः | तृप्नुवन्ति |
| तृप्नोषि | तृप्नुथः | तृप्नुथ |
| तृप्नोमि | तृप्नुवः | तृप्नुमः |
| स० तृप्नुयात् | तृप्नुयाताम् | तृप्नुयुः |
| तृप्नुयाः | तृप्नुयातम् | तृप्नुयात |
| तृप्नुयाम् | तृप्नुयाव | तृप्नुयाम |
| प० तृप्नोतु | तृप्नुतात् | तृप्नुताम् तृप्नुवन्तु |
| तृप्नुहि | „ | तृप्नुतम् तृप्नुत |
| तृप्नुवन्ति | तृप्नुवाव | तृप्नुवाम |
| ह्य० अतृप्नोत | अतृप्नुताम् | अतृप्नुवन् |
| अतृप्नोः | अतृप्नुतम् | अतृप्नुत |
| अतृप्नुवम् | अतृप्नुव | अतृप्नुम |
| अ० अतर्पीति | अतर्पिष्टाम् | अतर्पिषुः |
| अतर्पीः | अतर्पिष्टम् | अतर्पिष्ट |
| अतर्पिषम् | अतर्पिष्व | अतर्पिषम |
| प० ततर्प | तर्पेत्तुः | तर्पुः |
| ततर्पिथ | तर्पथुः | तर्प |
| ततर्प | तर्पिथ | तर्पिथ |
| आ० तृप्यात् | तृप्यास्ताम् | तृप्यासुः |
| तृप्याः | तृप्यास्तम् | तृप्यास्त |
| तृप्यासम् | तृप्यास्व | तृप्यास्म |
| प्र० तर्पिता | तर्पितारौ | तर्पितारः |
| तर्पितासि | तर्पितास्थः | तर्पितास्थ |
| तर्पितास्मि | तर्पितास्वः | तर्पितास्मः |
| भ० तर्पिष्यति | तर्पिष्यतः | तर्पिष्यन्ति |
| तर्पिष्यसि | तर्पिष्यथः | तर्पिष्यथ |
| तर्पिष्यामि | तर्पिष्यावः | तर्पिष्यामः |
| क्रि० अतर्पिष्यत् | अतर्पिष्यताम् | अतर्पिष्यन् |
| अतर्पिष्यः | अतर्पिष्यतम् | अतर्पिष्यत |
| अतर्पिष्यम् | अतर्पिष्याव | अतर्पिष्याम |

अथ भाःतः सेट् च

1309 दम्भुद् (दम्भ्) दम्भे

व० दम्भोति दम्भुतः दम्भुवन्ति
दम्भोषि दम्भुथः दम्भुथ
दम्भोमि दम्भुवः दम्भुमः

स० दम्भुयात् दम्भुयाताम् दम्भुयुः
दम्भुयाः दम्भुयातम् दम्भुयात
दम्भुयाम् दम्भुयाव दम्भुयाम

प० दम्भोतु दम्भुतात् दम्भुताम् दम्भुवन्तु
दम्भुहि दम्भुतात् दम्भुतम् दम्भुत
दम्भुवानि दम्भुवाव दम्भुवाम

ह्य० अदम्भोत् अदम्भुताम् अदम्भुवन
अदम्भोः अदम्भुतम् अदम्भुत
अदम्भवम् अदम्भुव अदम्भुम

अ० अदम्भीत् अदम्भिष्टाम् अदम्भिषुः
अदम्भीः अदम्भिष्टम् अदम्भिष्ट
अदम्भिषम् अदम्भिष्व अदम्भिषम

प० ददम्भ देभुतः देभुः
देभिथ ददम्भिथ देभुथः देभ
ददम्भ देभिष्व देभिषम

आ० दम्भ्यात् दम्भ्यास्ताम् दम्भ्यासुः
दम्भ्याः दम्भ्यास्तम् दम्भ्यास्त
दम्भ्यासम् दम्भ्यास्व दम्भ्यासम

श्व० दम्भिता दम्भितारो दम्भितारः
दम्भितासि दम्भितास्थः दम्भितास्थ
दम्भितास्मि दम्भितास्वः दम्भितास्मः

भ० दम्भिष्यति दम्भिष्यतः दम्भिष्यन्ति
दम्भिष्यसि दम्भिष्यथः दम्भिष्यथ
दम्भिष्यामि दम्भिष्यावः दम्भिष्यामः

क्रि० अदम्भिष्यत् अदम्भिष्यताम् अदम्भिष्यन्
अदम्भिष्यः अदम्भिष्यतम् अदम्भिष्यत
अदम्भिष्यम् अदम्भिष्याव अदम्भिष्याम

अथ वान्तौ सेटौ च

1310 कृवुद् (कृन्व्) हिंसाकरणयोः

व० कृणोति कृणुतः कृण्वन्ति
कृणोषि कृणुथः कृणुथ
कृणोमि कृणुवः कृणुमः णमः

स० कृणुयात् कृणुयाताम् कृणुयुः
कृणुयाः कृणुयातम् कृणुयात
कृणुयाम् कृणुयाव कृणुयाम

प० कृणोति कृणुतात् कृणुताम् कृण्वन्तु
कृणु कृणुतात् कृणुतम् कृणुत
कृणवानि कृणवाव कृणवाम

ह्य० अकृणोत् अकृणुताम् अकृण्वन्
अकृणोः अकृणुतम् अकृणुत
अकृणवम् अकृणुव-ण्व अकृणुम-णम

अ० अकृण्वीत् अकृण्विष्टाम् अकृण्विषुः
अकृण्वीः अकृण्विष्टम् अकृण्विष्ट
अकृण्विषम् अकृण्विष्व अकृण्विषम

प० चकृण्व चकृण्वतुः चकृणुः
चकृण्वथ चकृण्वथुः चकृण्व
चकृण्व चकृण्वव चकृण्वम

आ० कृण्व्यात् कृण्व्यास्ताम् कृण्व्यासुः
कृण्व्याः कृण्व्य स्तम् कृण्व्यास्त
कृण्व्यासम् कृण्व्यास्व कृण्व्यासम

श्व० कृण्विता कृण्वितारो कृण्वितारः
कृण्वितासि कृण्वितास्थः कृण्वितास्थ
कृण्वितास्मि कृण्वितास्वः कृण्वितास्मः

भ० कृण्विष्यति कृण्विष्यतः कृण्विष्यन्ति
कृण्विष्यसि कृण्विष्यथः कृण्विष्यथ
कृण्विष्यामि कृण्विष्यावः कृण्विष्यामः

क्रि० अकृण्विष्यत् अकृण्विष्यताम् अकृण्विष्यन्
अकृण्विष्यः अकृण्विष्यतम् अकृण्विष्यत
अकृण्विष्यम् अकृण्विष्याव अकृण्विष्याम

1311 धिबुह् (धिन्व्) गतौ ।
प्रीणनेऽप्यन्ये ।

| | | | |
|-------|-----------------------|----------------|--------------------|
| व० | धिनोति | धिनुतः | धिन्वति |
| | धिनोषि | धिनुथः | धिनुथ |
| | धिनोमि | धिनुवः | धिनुमः |
| स० | धिनुयात् | धिनुयाताम् | धिनुयुः |
| | धिनुयाः | धिनुयातम् | धिनुयात |
| | धिनुयाम् | धिनुयाव | धिनुयाम |
| प० | धिनोतु | धिनुतात् | धिनुवन्तु |
| | धिनु | धिनुतात | धिनुतम् |
| | धिनवानि | धिनवाव | धिनवाम |
| ह्य० | अधिनोतु | अधिनुताम् | अधिन्वन्तु |
| | अधिनोः | अधिनुतम् | अधिनुत |
| | अधिनवम् | अधिनुवन्व | अधिनुमन्म |
| अ० | अधिन्वीत् | अधिन्विष्टाम् | अधिन्विषुः |
| | अधिन्वीः | अधिन्विष्टम् | अधिन्विष्ट |
| | अधिन्विषम् | अधिन्विष्व | अधिन्विषम |
| प० | दिधिन्व | दिधिन्वतुः | दिधिन्वुः |
| | दिधिन्विथ | दिधिन्वथुः | दिधिन्व |
| | दिधिन्व | दिधिन्विष्व | दिधिन्विषम |
| आ० | धिन्व्यात् | धिन्व्यास्ताम् | धिन्व्यासुः |
| | धिन्व्याः | धिन्व्यास्तम् | धिन्व्यास्त |
| | धिन्व्यासम् | धिन्व्यास्व | धिन्व्यासम |
| ध्व० | धिन्विता | धिन्वितारौ | धिन्वितारः |
| | धिन्वितासि | धिन्वितास्थ | धिन्वितास्थ |
| | धिन्वितास्मि | धिन्वितास्वः | धिन्वितास्मः |
| भ० | धिन्विष्यति | धिन्विष्यतः | धिन्विष्यन्ति |
| | धिन्विष्यसि | धिन्विष्यथः | धिन्विष्यथ |
| | धिन्विष्यामि | धिन्विष्यावः | धिन्विष्यामः |
| क्रि० | अधिन्विष्यतु | अधिन्विष्यताम् | अधिन्विष्यन्तु |
| | अधिन्विष्यः | अधिन्विष्यतम् | अधिन्विष्यत |
| | अधिन्विष्यम् | अधिन्विष्याव | अधिन्विष्याम |
| | येऽन्यैरिहाष्टौ पठिता | अङ्ग्याप्तौ | दध घातने |
| | ऋक्षि चिरि | जिरि दास | हु हिंसायामित्यु |
| | बाह्ताश्च | अङ्गोति | दघ्नोति ऋक्षोति के |
| | चित्तु ऋक्षि | छिन्दन्ति | कृणोति क्षिणोति |

चिरिणोति जिरिणोति इति ते लौकिका
इत्यस्माभिरुपेक्षिताः ।

अथ षान्तः सेट् च ।

1312 जिधृवाट् प्रागल्भ्ये ।

| | | | |
|-------|-------------|---------------|---------------|
| व० | धृष्णोति | धृष्णुतः | धृष्णुवन्ति |
| | धृष्णोषि | धृष्णुथः | धृष्णुथ |
| | धृष्णोमि | धृष्णुवः | धृष्णुमः |
| स० | धृष्णयात् | धृष्णयाताम् | धृष्णयुः |
| | धृष्णयाः | धृष्णयातम् | धृष्णयात |
| | धृष्णयाम् | धृष्णयाव | धृष्णयाम |
| प० | धृष्णोतु | धृष्णुतात् | धृष्णुताम् |
| | धृष्णुहि | धृष्णुतात | धृष्णुतम् |
| | धृष्णवानि | धृष्णवाव | धृष्णवाम |
| ह्य० | अधृष्णोतु | अधृष्णुताम् | अधृष्णुवन्तु |
| | अधृष्णोः | अधृष्णुतम् | अधृष्णुत |
| | अधृष्णवम् | अधृष्णुव | अधृष्णुम |
| अ० | अधर्षीत् | अधर्षिष्टाम् | अधर्षिषुः |
| | अधर्षीः | अधर्षिष्टम् | अधर्षिष्ट |
| | अधर्षिषम् | अधर्षिष्व | अधर्षिषम |
| प० | दधर्ष | दधृषतुः | दधृषुः |
| | दधर्षिथ | दधृषथुः | दधृष |
| | दधर्ष | दधृषिष्व | दधृषिम |
| आ० | धृष्यात् | धृष्यास्ताम् | धृष्यासुः |
| | धृष्याः | धृष्यास्तम् | धृष्यास्त |
| | धृष्यासम् | धृष्यास्व | धृष्यासम |
| ध्व० | धर्षिता | धर्षितारौ | धर्षितारः |
| | धर्षितासि | धर्षितास्थः | धर्षितास्थ |
| | धर्षितास्मि | धर्षितास्वः | धर्षितास्मः |
| भ० | धर्षिष्यति | धर्षिष्यतः | धर्षिष्यन्ति |
| | धर्षिष्यसि | धर्षिष्यथः | धर्षिष्यथ |
| | धर्षिष्यामि | धर्षिष्यावः | धर्षिष्यामः |
| क्रि० | अधर्षिष्यतु | अधर्षिष्यताम् | अधर्षिष्यन्तु |
| | अधर्षिष्यः | अधर्षिष्यतम् | अधर्षिष्यत |
| | अधर्षिष्यम् | अधर्षिष्याव | अधर्षिष्याम |

॥ इति परस्मैपदिनः ॥

॥ अथात्मनेपदिनौ सेदौ च ॥

1313 त्रिघिहू(स्तिघू)आस्कन्दने 28

घ० स्तिघुते स्तिघुवाते स्तिघुवते
 स्तिघुषे स्तिघुवाथे स्तिघुध्वे
 स्तिघुवे स्तिघुवहे स्तिघुमहे

स० स्तिघुवीतस्तिघुवीयाताम् स्तिघुवीरन्
 स्तिघुवीथाःस्तिघुवीयाथाम् स्तिघुवीध्वम्
 स्तिघुवीय स्तिघुवीवहि स्तिघुवीमहि

प० स्तिघुताम् स्तिघुवाताम् स्तिघुवताम्
 स्तिघुष्व स्तिघुवाथाम् स्तिघुध्वम्
 स्तिघुवै स्तिघुवावहे स्तिघुवामहे

ह्य० अस्तिघुन अस्तिघुवाताम् अस्तिघुवत
 अस्तिघुथाः अस्तिघुवाथाम् अस्तिघुध्वम्
 अस्तिघुवि अस्तिघुवहि अस्तिघुमहि

अ० अस्तेघिष्ट अस्तेघिषाताम् अस्तेघिषत
 अस्तेघिष्ठाः अस्तेघिषाथाम् अस्तेघि-
 ष्वम् ध्वम्
 अस्तेघिषि अस्तेघिष्वहि अस्तेघिषमहि

प० तिघिने तिघिवाते तिघिचिरे
 तिघिषे तिघिवाथे तिघिध्वे
 तिघिवे तिघिवहे तिघिमहे

आ० स्तेघिषीष्ट स्तेघिषीयास्ताम् स्तेघिषीरन्
 स्तेघिषीष्ठाः स्तेघिषीयाथाम् स्तेघिषीध्वम्
 स्तेघिषीय स्तेघिषीवहि स्तेघिषीमहि

भ्व० स्तेघिता स्तेघितारौ स्तेघितारः
 स्तेघितासे स्तेघितासाथे स्तेघिताध्वे
 स्तेघिताहे स्तेघितावहे स्तेघितामहे

भ० स्तेघिष्यते स्तेघिष्येते स्तेघिष्यन्ते
 स्तेघिष्यसे स्तेघिष्येथे स्तेघिष्यध्वे
 स्तेघिष्ये स्तेघिष्यावहे स्तेघिष्यामहे

क्रि० अस्तेघिष्यत अस्तेघिष्येताम् अस्तेघिष्यन्त
 अस्तेघिष्यथाः अस्तेघिष्येथाम् अस्तेघिष्यध्वम्
 अस्तेघिष्ये अस्तेघिष्यावहि अस्तेघिष्यामहि

1314 अशीटि (अशू) व्याप्ती

संघातेऽन्ये

व० अशुते अशुवाते अशुवते
 अशुषे अशुवाथे अशुध्वे
 अशुवे अशुवहे अशुमहे

स० अशुवीत अशुवीयाताम् अशुवीरन्
 अशुवीथाः अशुवीयाथाम् अशुवीध्वम्
 अशुवीय अशुवीवहि अशुवीमहि

प० अशुताम् अशुवाताम् अशुवताम्
 अशुष्व अशुवाथाम् अशुध्वम्
 अशुवै अशुवावहे अशुवामहे

ह्य० आशुन आशुवाताम् आशुवत
 आशुथाः आशुवाथाम् आशुध्वम्
 आशुवि आशुवहि आशुमहि

अ० आशिष्ट आशिषाताम् आशिषत
 आशिष्ठाः आशिषाथाम् आशिषध्वम्
 आशिषि आशिष्वहि आशिषमहि

आष्ट आक्षाताम् आक्षत इत्यादि

प० आनशे आनशाते आनशिरे
 आनशिषे आनशाथे आनशिध्वे
 आनशे आनशिवहे आनशिमहे

आ० अशिषीष्ट अशिषीयास्ताम् अशिषीरन्
 अशिषीष्ठाः अशिषीयाथाम् अशिषीध्वम्
 अशिषीय अशिषीवहि अशिषीमहि

अक्षीष्ट अक्षीयास्ताम् अक्षीरन् इत्यादि

प्र० अष्टा अष्टारौ अष्टारः
 अष्टासे अष्टासाथे अष्टाध्वे
 अष्टाहे अष्टावहे अष्टामहे

अशिता अशितारौ अशितारः इत्यादि

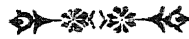
भ० अशिष्यते अशिष्येते अशिष्यन्ते
 अशिष्यसे अशिष्येथे अशिष्यध्वे
 अशिष्ये अशिष्यावहे अशिष्यामहे
 अक्ष्यते अक्ष्येते अक्ष्यन्ते इत्यादि

क्रि० आशिष्यत आशिष्येताम् आशिष्यन्त
 आशिष्यथाः आशिष्येथाम् आशिष्यध्वम्
 आशिष्ये आशिष्यावहि आशिष्यामहि
 आक्ष्यत आक्ष्येताम् आक्ष्यन्त इत्यादि

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम—तीर्थरक्षण-
परायण--विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक संविग्नशास्त्रीय-आचार्य-
चूडामणि--अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्द्रि-
मन्दिरेन्द्रिन्दिरायमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचिते धातु-
रत्नाकरे टिप्पणादिगणश्रुविकरणः सम्पूणः ॥

॥ अथ तुदादयस्तितो वर्णक्रमेण प्रदर्श्यन्ते ।

तत्र प्रसिद्ध्यनुरोधेनादौ ॥



1315 तुदीत (तुद्) व्यथने 1

| | | | | | |
|--------------|-----------|----------|------------------|--------------|-------------|
| प्र० तुदति | तुदतः | तुदन्ति | प० तुतोद | तुतुदतुः | तुतुदः |
| तुदसि | तुदथः | तुदथ | तुतोदिथ | तुतुदथुः | तुतुद |
| तुदामि | तुदाथः | तुदामः | तुतोद | तुतुदिथ | तुतुदिम |
| स० तुदेत | तुदेताम् | तुदेयुः | आ० तुद्यात् | तुद्यास्ताम् | तुद्यासुः |
| तुदेः | तुदेतम् | तुदेत | तुद्याः | तुद्यास्तम् | तुद्यास्त |
| तुदेयम् | तुदेव | तुदेम | तुद्यामम् | तुद्यास्व | तुद्यास्म |
| प० तुदतु | तुदतात् | तुदताम् | प्रव० तोत्ता | तोत्तारौ | तोत्तारः |
| तुद | तुदतम् | तुदत | तोत्तासि | तोत्तास्थः | तोत्तास्थ |
| तुदानि | तुदाव | तुदाम | तोत्तास्मि | तोत्तास्वः | तोत्तास्मः |
| ह्य० अतुदत | अतुदताम् | अतुदन् | भ० तोत्स्यति | तोत्स्यतः | तोत्स्यन्ति |
| अतुदः | अतुदतम् | अतुदत | तोत्स्यसि | तोत्स्यथः | तोत्स्यथ |
| अतुदम् | अतुदाव | अतुदाम | तोत्स्यामि | तोत्स्यावः | तोत्स्यामः |
| अ० अतौत्सीत् | अतौत्ताम् | अतौत्सुः | क्रि० अतोत्स्यत् | अतोत्स्यताम् | अतोत्स्यन् |
| अतौत्सीः | अतौत्तम् | अतौत्त | अतोत्स्यः | अतोत्स्यतम् | अतोत्स्यन् |
| अतौत्सम् | अतौत्स्व | अतौत्स्म | अतोत्स्यम् | अतोत्स्याव | अतोत्स्याम |

| | | |
|-------------------------------|-----------------|---------------|
| ब० तुदते | तुदेते | तुदन्ते |
| तुदसे | तुदेथे | तुदध्वे |
| तुदे | तुदावहे | तुदामहे |
| स० तुदेत | तुदेयानाम् | तुदेरन् |
| तुदेथाः | तुदेयानाम् | तुदेध्वम् |
| तुदेय | तुदेवहि | तुदेमहि |
| प० तुदताम् | तुदेताम् | तुदन्ताम् |
| तुदस्व | तुदेथाम् | तुदध्वम् |
| तुदै | तुदावहै | तुदामहै |
| ह्य० अतुदत | अतुदेताम् | अतुदन्त |
| अतुदथाः | अतुदेथाम् | अतुदध्वम् |
| अतुदे | अतुदावहि | अतुदामहि |
| अ० अतुत्त | अतुत्तानाम् | अतुत्सन्त |
| अतुत्थाः | अतुत्तानाम् | अतुत्तध्वम् |
| अतुत्ति | अतुत्स्वहि | अतुत्समहि |
| प० तुतुदे | तुतुदाते | तुतुदिरे |
| तुतुदिवे | तुतुदाथे | तुतुदिध्वे |
| तुतुदे | तुतुदिवहे | तुतुदिमहे |
| आ० तुत्सीष्ट | तुत्सीयास्ताम् | तुत्सीरन् |
| तुत्सीष्टाः | तुत्सीयान्ताम् | तुत्सीध्वम् |
| तुत्सीय | तुत्सीवहि | तुत्सीमहि |
| ता | तोत्तारौ | तोत्तारः |
| तासे | तोत्तासाथे | तोत्ताध्वे |
| तोत्ताहे | तोत्तास्वहे | तोत्तास्महे |
| तोत्स्यते | तोत्स्येते | तोत्स्यन्ते |
| तोत्स्यसे | तोत्स्येथे | तोत्स्यध्वे |
| तोत्स्ये | तोत्स्यावहे | तोत्स्यामहे |
| क्रि० अतोत्स्यन्त | अतोत्स्येनाम् | अतोत्स्यन्त |
| अतोत्स्यथाः | अतोत्स्येथाम् | अतोत्स्यध्वम् |
| अतोत्स्ये | अतोत्स्यावहि | अतोत्स्यामहि |
| तिक्त्वं तुदादित्वज्ञापनार्थं | सर्वत्र ज्ञेयम् | |
| अथ जान्तोऽनिद् च । | | |

1316 भ्रस्जीत् (भ्रस्ज्) पाके 2

| | | |
|-----------------|----------------|----------------------|
| ब० भृज्जति | भृज्जतः | भृज्जन्ति |
| भृज्जसि | भृज्जथः | भृज्जथ |
| भृज्जामि | भृज्जावः | भृज्जामः |
| स० भृज्जेत | भृज्जेताम् | भृज्जेयुः |
| भृज्जेः | भृज्जेतम् | भृज्जेत |
| भृज्जेयम् | भृज्जेव | भृज्जेम |
| प० भृज्जतु | भृज्जतात् | भृज्जताम् |
| भृज्ज | भृज्जतम् | भृज्जत |
| भृज्जानि | भृज्जाव | भृज्जाम |
| ह्य० अभृज्जत | अभृज्जताम् | अभृज्जन् |
| अभृज्जः | अभृज्जतम् | अभृज्जत |
| अभृज्जम् | अभृज्जाव | अभृज्जाम |
| अ० अभ्राक्षीत् | अभ्राष्टाम् | अभ्राक्षुः |
| अभ्राक्षीः | अभ्राष्टम् | अभ्राष्ट |
| अभ्राक्षम् | अभ्राक्ष्व | अभ्राक्षम् |
| अभ्राक्षीन् | अभ्राष्टाम् | अभ्राक्षुः इत्यादि |
| प० वभ्रज्ज | वभ्रज्जतः | वभ्रज्जतुः |
| वभ्रज्जिथ | वभ्रज्जथ | वभ्रज्जथुः |
| वभ्रज्ज | वभ्रज्जिव | वभ्रज्जिम |
| वभ्रज्ज | वभ्रज्जितु | वभ्रज्ज |
| वभ्रज्ज | वभ्रज्जितु | वभ्रज्ज |
| वभ्रज्ज | वभ्रज्जितु | वभ्रज्ज |
| आ० भृज्ज्यात् | भृज्ज्यास्ताम् | भृज्ज्यासुः |
| भृज्ज्याः | भृज्ज्यास्तम् | भृज्ज्यास्त |
| भृज्ज्यासम् | भृज्ज्यास्व | भृज्ज्यास्म |
| प्रब० भ्रष्टा | भ्रष्टारौ | भ्रष्टारः |
| भ्रष्टासि | भ्रष्टास्थः | भ्रष्टास्थ |
| भ्रष्टास्मि | भ्रष्टास्वः | भ्रष्टास्मः |
| भ्रष्टा | भ्रष्टारौ | भ्रष्टारः इत्यादि |
| भ० भक्ष्यति | भक्ष्यतः | भक्ष्यन्ति |
| भक्ष्यसि | भक्ष्यथः | भक्ष्यथ |
| भक्ष्यामि | भक्ष्यावः | भक्ष्यामः |
| भ्रक्ष्यति | भ्रक्ष्यतः | भ्रक्ष्यन्ति इत्यादि |
| क्रि० अभक्ष्यत् | अभक्ष्यताम् | अभक्ष्यन् |
| अभक्ष्यः | अभक्ष्यतम् | अभक्ष्यत |
| अभक्ष्यम् | अभक्ष्याव | अभक्ष्याम |
| अभ्रक्ष्यत | अभ्रक्ष्यताम् | अभ्रक्ष्यन् इत्यादि |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० क्षिपते | क्षिपेते | क्षिपन्ते |
| क्षिपसे | क्षिपेथे | क्षिपध्वे |
| क्षिपे | क्षिपावहे | क्षिपामहे |
| स० क्षिपेत | क्षिपेयाताम् | क्षिपेरन् |
| क्षिपेथाः | क्षिपेयाथाम् | क्षिपेध्वम् |
| क्षिपेय | क्षिपेवहि | क्षिपेमहि |
| प० क्षिपताम् | क्षिपेताम् | क्षिपन्ताम् |
| क्षिपस्व | क्षिपेथाम् | क्षिपध्वम् |
| क्षिपै | क्षिपावहै | क्षिपामहै |
| ह्य० अक्षिपत | अक्षिपेताम् | अक्षिपन्त |
| अक्षिपथाः | अक्षिपेथाम् | अक्षिपध्वम् |
| अक्षिपे | अक्षिपावहि | अक्षिपामहि |
| अ० अक्षिप्त | अक्षिप्ताताम् | अक्षिप्सन्त |
| अक्षिप्थाः | अक्षिप्ताथाम् | अक्षिप्ध्वम् |
| | | अक्षिप्सन्त |
| अक्षिप्ति | अक्षिप्सवहि | अक्षिप्समहि |
| प० चिक्षिपे | चिक्षिपाते | चिक्षिपिरे |
| चिक्षिपिषे | चिक्षिपाथे | चिक्षिपिध्वे |
| चिक्षिपे | चिक्षिपिवहे | चिक्षिपिमहे |
| आ० क्षिप्सीष्ट | क्षिप्सीयास्ताम् | क्षिप्सीन् |
| क्षिप्सीष्टाः | क्षिप्सीयास्थाम् | क्षिप्सीध्वम् |
| क्षिप्सीय | क्षिप्सीवहि | क्षिप्सीमहि |
| प्रव० क्षेप्ता | क्षेतारी | क्षेतारः |
| क्षेप्तासे | क्षेप्तासाथे | क्षेप्ताध्वे |
| क्षेप्ताहे | क्षेप्तावहे | क्षेप्तामहे |
| भ० क्षेप्स्यते | क्षेप्स्येते | क्षेप्स्यन्ते |
| क्षेप्स्यसे | क्षेप्स्येथे | क्षेप्स्यध्वे |
| क्षेप्स्ये | क्षेप्स्यावहे | क्षेप्स्यामहे |
| क्रि० अक्षेप्स्यन् | अक्षेप्स्येताम् | अक्षेप्स्यन्त |
| अक्षेप्स्यथाः | अक्षेप्स्येथाम् | अक्षेप्स्यध्वम् |
| अक्षेप्स्ये | अक्षेप्स्यावहि | अक्षेप्स्यामहि |

अथ शान्तोऽनिद्र च ॥

1318 दिशीत् [दिशु] अतिसर्जने ।

अतिसर्जनं त्यागः ।

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| व० दिशति | दिशतः | दिशन्ति |
| दिशसि | दिशथः | दिशथ |
| दिशामि | दिशावः | दिशामः |
| स० दिशेत् | दिशेताम् | दिशेयुः |
| दिशेः | दिशेतम् | दिशेत |
| दिशेयम् | दिशेव | दिशेम |
| प० दिशतु | दिशतात | दिशताम् |
| दिश | ” | दिशतम् |
| दिशानि | दिशाव | दिशाम |
| ह्य० अदिशत् | अदिशताम् | अदिशन् |
| अदिशः | अदिशतम् | अदिशत |
| अदिशम् | अदिशाव | अदिशाम |
| अ० अदिक्षत् | अदिक्षताम् | अदिक्षन् |
| अदिक्षः | अदिक्षतम् | अदिक्षत |
| अदिक्षम् | अदिक्षाव | अदिक्षाम |
| प० दिदेश | दिदिशतुः | दिदिशुः |
| दिदेशिथ | दिदिशथुः | दिदिश |
| दिदेश | दिदिशिथ | दिदिशिम |
| आ० दिश्यात् | दिश्यास्ताम् | दिश्यासुः |
| दिश्याः | दिश्यास्तम् | दिश्यास्त |
| दिश्यासम् | दिश्यास्व | दिश्यास्म |
| प्रव० देश | देशरौ | देशारः |
| देशसि | देशस्थः | देशस्थ |
| देशस्मि | देशस्वः | देशस्मः |
| भ० दक्ष्यति | दक्ष्यतः | दक्ष्यन्ति |
| दक्ष्यसि | दक्ष्यथः | दक्ष्यथ |
| दक्ष्यामि | दक्ष्यावः | दक्ष्यामः |
| क्रि० अदक्ष्यत् | अदक्ष्यताम् | अदक्ष्यन् |
| अदक्ष्यः | अदक्ष्यतम् | अदक्ष्यत |
| अदक्ष्यम् | अदक्ष्याव | अदक्ष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० दिशते | दिशते | दिशन्ते |
| दिशसे | दिशेथे | दिशध्वे |
| दिशे | दिशावहे | दिशामहे |
| स० दिशेत | दिशेयाताम् | दिशेरन् |
| दिशेथाः | दिशेयाथाम् | दिशेध्वम् |
| दिशेय | दिशेवहि | दिशेमहि |
| प० दिशताम् | दिशेताम् | दिशन्ताम् |
| दिशस्व | दिशेथाम् | दिशध्वम् |
| दिशे | दिशावहे | दिशामहे |
| अ० अदिशत | अदिशेताम् | अदिशन्त |
| अदिशथाः | अदिशेथाम् | अदिशध्वम् |
| अदिशे | अदिशावहि | अदिशामहि |
| अ० अदिक्षत | अदिक्षाताम् | अदिक्षन्त |
| अदिक्षथाः | अदिक्षाथाम् | अदिक्षध्वम् |
| अदिक्षे | अदिक्षावहि | अदिक्षामहि |
| प० दिदिशे | दिदिशाते | दिदिशिरे |
| दिदिशिषे | दिदिशाथे | दिदिशिध्वे |
| दिदिशे | दिदिशिषहे | दिदिशिमहे |
| आ० दिक्षीष्ट | दिक्षीयास्ताम् | दिक्षीरन् |
| दिक्षीष्टाः | दिक्षीयास्थाम् | दिक्षीध्वम् |
| दिक्षीय | दिक्षीवहि | दिक्षीमहि |
| प्र० देष्टा | देष्टारौ | देष्टारः |
| देष्टासे | देष्टासाथे | देष्टाध्वे |
| देष्टाहे | देष्टास्वहे | देष्टास्महे |
| भ० देख्यते | देख्येते | देख्यन्ते |
| देख्यसे | देख्येथे | देख्यध्वे |
| देख्ये | देख्यावहे | देख्यामहे |
| क्रि० अदेक्ष्यत | अदेक्ष्येताम् | अदेक्ष्यन्त |
| अदेक्ष्यथाः | अदेक्ष्येथाम् | अदेक्ष्यध्वम् |
| अदेक्ष्ये | अदेक्ष्यावहि | अदेक्ष्यामहि |

अथ षान्तोऽनिट् च ।

1319 कृषीत् [कृष्] विलेखने । 5

| | | |
|----------------------|------------------------|------------------------------|
| व० कृषति | कृषतः | कृषन्ति |
| कृषसि | कृषथः | कृषध्वे |
| कृषामि | कृषावः | कृषामः |
| स० कृषेत् | कृषेताम् | कृषेयुः |
| कृषेः | कृषेतम् | कृषेत |
| कृषेयम् | कृषेय | कृषेम |
| प० कृषतु | कृषतात् | कृषताम् |
| कृष | कृषतम् | कृषत |
| कृषाणि | कृषाव | कृषाम |
| अ० अकृषत | अकृषताम् | अकृषन् |
| अकृषः | अकृषतम् | अकृषत |
| अकृषम | अकृषाव | अकृषाम |
| अ० अक्राक्षीत् | अक्राष्टाम् | अक्राक्षुः |
| अक्राक्षीः | अक्राष्टम् | अक्राष्ट |
| अक्राषम् | अक्राष्व | अक्राषम् |
| अक्राक्षीत् | अक्राष्टाम् | अक्राक्षुः इ० |
| अकृक्षत् | अकृक्षताम् | अकृक्षन् इत्यादि |
| प० चकृष | चकृषतुः | चकृषुः |
| चकृषिथ | चकृषथुः | चकृष |
| चकृष | चकृषिव | चकृषिम |
| आ० कृष्यात् | कृष्यास्ताम् | कृष्यासुः |
| कृष्याः | कृष्यास्तम् | कृष्यास्त |
| कृष्यामम् | कृष्यास्व | कृष्यास्म |
| प्र० कष्टा | कष्टारौ | कष्टारः |
| कष्टासि | कष्टास्थः | कष्टास्थ |
| कष्टास्मि | कष्टास्वः | कष्टास्मः |
| कष्टा | कष्टारौ | कष्टारः इ० |
| भ० कक्ष्यति | कक्ष्यतः | कक्ष्यन्ति |
| कक्ष्यसि | कक्ष्यथः | कक्ष्यध्वे |
| कक्ष्यामि | कक्ष्यावः | कक्ष्यामः |
| कक्ष्यति | कक्ष्यतः | कक्ष्यन्ति इत्यादि |
| क्रि० अकक्ष्यत् | अकक्ष्यताम् | अकक्ष्यन् |
| अकक्ष्यः | अकक्ष्यतम् | अकक्ष्यत |
| अकक्ष्यम् | अकक्ष्याव | अकक्ष्याम |
| अकक्ष्यन् | अकक्ष्यताम् | अकक्ष्यन् इत्यादि |
| अकक्ष्यत् | अकक्ष्यताम् | अकक्ष्यन् इत्यादि० |

॥ मुानश्रालावण्यावजयावरांचते ॥

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------------|
| व० कृषते | कृषेते | कृषन्ते |
| कृषसे | कृषेथे | कृषध्वे |
| कृषे | कृषावहे | कृषामहे |
| स० कृषेत | कृषेयाताम् | कृषेरन् |
| कृषेयाः | कृषेयाथाम् | कृषेध्वम् |
| कृषेय | कृषेयहि | कृषेमहि |
| प० कृषताम् | कृषेताम् | कृषन्ताम् |
| कृषस्व | कृषेथाम् | कृषध्वम् |
| कृषे | कृषावहे | कृषामहे |
| झ० अकृषत | अकृषेताम् | अकृषन्त |
| अकृषथाः | अकृषेथाम् | अकृषध्वम् |
| अकृषे | अकृषावहि | अकृषामहि |
| अ० अकृष्ट | अकृष्टाताम् | अकृष्टन्त |
| अकृष्टाः | अकृष्टाथाम् | अकृष्टध्वम् |
| अकृष्टि | अकृष्ट्वहि | अकृष्टमहि |
| अकृष्टत | अकृष्टाताम् | अकृष्टन्त इत्यादि |
| प० चकृषे | चकृषाते | चकृषिरे |
| चकृषिषे | चकृषाथे | चकृषिध्वे |
| चकृषे | चकृषावहे | चकृषिमहे |
| आ० कृक्षीष्ट | कृक्षीयास्ताम् | कृक्षीरन् |
| कृक्षीष्टाः | कृक्षीयाथाम् | कृक्षीध्वम् |
| कृक्षीय | कृक्षीयहि | कृक्षीमहि |
| ख० कृष्टा | कृष्टारौ | कृष्टारः |
| कृष्टासे | कृष्टासाथे | कृष्टाध्वे |
| कृष्टाहे | कृष्टास्वहे | कृष्टास्महे |
| कृष्टी | कृष्टारौ | कृष्टारः इत्यादि |
| भ० कृक्ष्यते | कृक्ष्येते | कृक्ष्यन्ते |
| कृक्ष्यसे | कृक्ष्येथे | कृक्ष्यध्वे |
| कृक्ष्ये | कृक्ष्यावहे | कृक्ष्यामहे |
| कृक्ष्यते | कृक्ष्येते | कृक्ष्यन्ते इत्यादि । |
| क्रि० अकृक्ष्यत | अकृक्ष्येताम् | अकृक्ष्यन्त |
| अकृक्ष्यथाः | अकृक्ष्येथाम् | अकृक्ष्यध्वम् |
| अकृक्ष्ये | अकृक्ष्यावहि | अकृक्ष्यामहि |
| अकृक्ष्यत | अकृक्ष्येताम् | अकृक्ष्यन्त इत्यादि |

अथ मुचादयोऽऽटौ, तत्राद्याः पञ्चानिट उभ-
यपदिनश्च तत्र त्रयः परस्मैपदिनः खिद्वजोः
सेटश्च । तत्र चान्तौ

1320 मुचलृन्ती (मुच्) मोक्षणे 6

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० मुञ्चति | मुञ्चतः | मुञ्चन्ति |
| मुञ्चसि | मुञ्चथः | मुञ्चथ |
| मुञ्चामि | मुञ्चावः | मुञ्चामः |
| स० मुञ्चेत् | मुञ्चेताम् | मुञ्चेयुः |
| मुञ्चेः | मुञ्चेतम् | मुञ्चेत |
| मुञ्चेयम् | मुञ्चेव | मुञ्चेम |
| प० मुञ्चतु | मुञ्चतात् | मुञ्चताम् |
| मुञ्च | ” | मुञ्चतम् |
| मुञ्चानि | मुञ्चाव | मुञ्चाम |
| झ० अमुञ्चत् | अमुञ्चताम् | अमुञ्चन् |
| अमुञ्चः | अमुञ्चतम् | अमुञ्चत |
| अमुञ्चम् | अमुञ्चाव | अमुञ्चाम |
| अ० अमुचत् | अमुचताम् | अमुचन् |
| अमुचः | अमुचतम् | अमुचत |
| अमुचम् | अमुचाव | अमुचाम |
| प० मुमोच | मुमुचतुः | मुमुचुः |
| मुमोचिथ | मुमुचथुः | मुमुच |
| मुमोच | मुमुचिथ | मुमुचिम |
| आ० मुच्यात् | मुच्यास्ताम् | मुच्यासुः |
| मुच्याः | मुच्यास्तम् | मुच्यास्त |
| मुच्यासम् | मुच्यास्व | मुच्यास्म |
| ख० मोक्ता | मोक्तारौ | मोक्तारः |
| मोक्तसि | मोक्तास्थः | मोक्तास्थ |
| मोक्तास्मि | मोक्तास्वः | मोक्तास्मः |
| भ० मोक्ष्यति | मोक्ष्यतः | मोक्ष्यन्ति |
| मोक्ष्यसि | मोक्ष्यथः | मोक्ष्यथ |
| मोक्ष्यामि | मोक्ष्यावः | मोक्ष्यामः |
| क्रि० अमोक्ष्यत् | अमोक्ष्यताम् | अमोक्ष्यन् |
| अमोक्ष्यः | अमोक्ष्यतम् | अमोक्ष्यत |
| अमोक्ष्यम् | अमोक्ष्याव | अमोक्ष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० मुञ्चते | मुञ्चते | मुञ्चन्ते |
| मुञ्चसे | मुञ्चथे | मुञ्चध्वे |
| मुञ्चे | मुञ्चावहे | मुञ्चामहे |
| म० मुञ्चेत | मुञ्चेयाताम् | मुञ्चेरन् |
| मुञ्चेथाः | मुञ्चेयाथाम् | मुञ्चेध्वम् |
| मुञ्चेय | मुञ्चेवहि | मुञ्चेमहि |
| प० मुञ्चताम् | मुञ्चताम् | मुञ्चन्ताम् |
| मुञ्चन्व | मुञ्चेथाम् | मुञ्चध्वम् |
| मुञ्चै | मुञ्चावहै | मुञ्चामहै |
| झ० अमुञ्चत | अमुञ्चेताम् | अमुञ्चन्त |
| अमुञ्चथाः | अमुञ्चेथाम् | अमुञ्चध्वम् |
| अमुञ्चे | अमुञ्चावहि | अमुञ्चामहि |
| अ० अमुक्त | अमुक्ताताम् | अमुक्षत |
| अमुक्थः | अमुक्ताथाम् | अमुङ्क्ष्वम् |
| | | गृध्वम् |
| अमुक्षि | अमुक्षन्हि | अमुक्षमहि |
| प० मुमुचे | मुमुचाते | मुमुचिरे |
| मुमुचिषे | मुमुचाथे | मुमुचिध्वे |
| मुमुचे | मुमुचिवहे | मुमुचिमहे |
| आ० मुक्षीष्ट | मुक्षीयास्ताम् | मुक्षीरन् |
| मुक्षीष्टाः | मुक्षीयास्थाम् | मुक्षीध्वम् |
| मुक्षीय | मुक्षीवहि | मुक्षीमहि |
| प्र० मोक्ता | मोक्तारौ | मोक्तारः |
| मोक्तासे | मोक्तास्थौ | मोक्ताध्वे |
| मोक्ताहे | मोक्तास्वहे | मोक्तास्महे |
| भ० मोक्ष्यते | मोक्ष्येते | मोक्ष्यन्ते |
| मोक्ष्यसे | मोक्ष्येथो | मोक्ष्यध्वे |
| मोक्ष्ये | मोक्ष्यावहे | मोक्ष्यामहे |
| क्रि० अमोक्ष्यत | अमोक्ष्येताम् | अमोक्ष्यन्त |
| अमोक्ष्यथाः | अमोक्ष्येथाम् | अमोक्ष्यध्वम् |
| अमोक्ष्ये | अमोक्ष्यावहि | अमोक्ष्यामहि |

1321 पिचीत् (सिच्) क्षरणे 7

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० सिञ्चति | सिञ्चतः | सिञ्चन्ति |
| सिञ्चसि | सिञ्चथः | सिञ्चथ |
| सिञ्चामि | सिञ्चावः | सिञ्चामः |
| स० सिञ्चेत् | सिञ्चेताम् | सिञ्चेयुः |
| सिञ्चेः | सिञ्चेतम् | सिञ्चेत |
| सिञ्चेयम् | सिञ्चेव | सिञ्चेम |
| प० सिञ्चतु | सिञ्चतात् | सिञ्चताम् |
| सिञ्च | सिञ्चतम् | सिञ्चत |
| सिञ्चानि | सिञ्चाव | सिञ्चाम |
| झ० असिञ्चत | असिञ्चताम् | असिञ्चन् |
| असिञ्चः | असिञ्चतम् | असिञ्चत |
| असिञ्चम् | असिञ्चाव | असिञ्चाम |
| अ० असिचत् | असिचताम् | असिचन् |
| असिचः | असिचतम् | असिचत |
| असिचम् | असिचाव | असिचाम |
| प० सिषेच | सिषिचतुः | सिषिचुः |
| सिषेचिथ | सिषिचथुः | सिषिच |
| सिषेच | सिषिचिव | सिषिचिम |
| आ० सिच्यात् | सिच्यास्ताम् | सिच्यासुः |
| सिच्याः | सिच्यास्तम् | सिच्यास्त |
| सिच्यासम् | सिच्यास्व | सिच्यास्म |
| प्र० सेक्ता | सेक्तागौ | सेक्ताः |
| सेक्तासि | सेक्तास्थः | सेक्तास्थ |
| सेक्तास्मि | सेक्तास्वः | सेक्तास्मः |
| भ० सेक्ष्यति | सेक्ष्यतः | सेक्ष्यन्ति |
| सेक्ष्यसि | सेक्ष्यथः | सेक्ष्यथ |
| सेक्ष्यामि | सेक्ष्यावः | सेक्ष्यामः |
| क्रि० असेक्ष्यत् | असेक्ष्यताम् | असेक्ष्यन् |
| असेक्ष्यः | असेक्ष्यतम् | असेक्ष्यत |
| असेक्ष्यम् | असेक्ष्याव | असेक्ष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-------------------|
| व० | सिञ्चते | सिञ्चते | सिञ्चन्ते |
| | सिञ्चसे | सिञ्चथे | सिञ्चध्वे |
| | सिञ्चे | सिञ्चावहे | सिञ्चामहे |
| स० | सिञ्चेत | सिञ्चेयाताम् | सिञ्चेरन् |
| | सिञ्चेथाः | सिञ्चेयाथाम् | सिञ्चेध्वम् |
| | सिञ्चोय | सिञ्चोवहि | सिञ्चोमहि |
| प० | सिञ्चताम् | सिञ्चेताम् | सिञ्चन्ताम् |
| | सिञ्चस्व | सिञ्चेथाम् | सिञ्चध्वम् |
| | सिञ्चै | सिञ्चावहै | सिञ्चामहै |
| झ० | असिञ्चत | असिञ्चोताम् | असिञ्चन्त |
| | असिञ्चथाः | असिञ्चोथाम् | असिञ्चध्वम् |
| | असिञ्चो | असिञ्चावहि | असिञ्चामहि |
| अ० | असिञ्चत | असिञ्चोताम् | असिञ्चन्त |
| | असिञ्चथाः | असिञ्चोथाम् | असिञ्चध्वम् |
| | असिञ्चो | असिञ्चावहि | असिञ्चामहि |
| | असिञ्च | असिञ्चाताम् | असिञ्चन्त इत्यादि |
| प० | सिषिचो | सिषिचाते | सिषिचिरे |
| | सिषिचिषे | सिषिचाथे | सिषिचिध्वे |
| | सिषिचो | सिषिचिवहे | सिषिचिमहे |
| आ० | सिक्षीष्ट | सिक्षीयास्ताम् | सिक्षीरन् |
| | सिक्षीष्ठाः | सिक्षीयास्थाम् | सिक्षीध्वम् |
| | सिक्षीय | सिक्षीवहि | सिक्षीमहि |
| प्र० | सेक्ता | सेक्तागौ | सेक्ताः |
| | सेक्तासे | सेक्तासाथे | सेक्ताध्वे |
| | सेक्ताहे | सेक्तास्वहे | सेक्तास्महे |
| भ० | सेक्ष्यते | सेक्ष्येते | सेक्ष्यन्त |
| | सेक्ष्यसे | सेक्ष्येथे | सेक्ष्यध्वे |
| | सेक्ष्ये | सेक्ष्यावहे | सेक्ष्यामहे |
| क्रि० | असेक्ष्यत | असेक्ष्येताम् | असेक्ष्यन्त |
| | असेक्ष्यथाः | असेक्ष्येथाम् | असेक्ष्यध्वम् |
| | असेक्ष्ये | असेक्ष्यावहि | असेक्ष्यामहि |

अथ दान्तः

1322 विदुर्लंती (विद्) लामे । 8

| | | | |
|---------|-------------|---------------|---------------|
| व० | विन्दति | विन्दतः | विन्दन्ति |
| | विन्दसि | विन्दथः | विन्दथ |
| | विन्दाभि | विन्दावः | विन्दामः |
| स० | विन्देत् | विन्देताम् | विन्देयुः |
| | विन्देः | विन्देतम् | विन्दंत |
| | विन्देयम् | विन्देव | विन्देम |
| प० | विन्दतु | विन्दतात् | विन्दताम् |
| | विन्द | विन्दतात् | विन्दतम् |
| | विन्दानि | विन्दाव | विन्दाम |
| झ० | अविन्दत् | अविन्दताम् | अविन्दन् |
| | अविन्दः | अविन्दतम् | अविन्दत |
| | अविन्दम् | अविन्दाव | अविन्दाम |
| अ० | अविदतु | अविदताम् | अविदन् |
| | अविदः | अविदतम् | अविदत |
| | अविदम् | अविदाव | अविदाम |
| प० | विवेद | विविदतुः | विविदुः |
| | विवेदिथ | विविदथुः | विविद |
| | विवेद | विविदिष | विविदिम् |
| आ० | विद्यात् | विद्यास्ताम् | विद्यासुः |
| | विद्याः | विद्यास्तम् | विद्यास्त |
| | विद्यासम् | विद्यास्व | विद्याम् |
| प्र० | वेत्ता | वेत्तारौ | वेत्तारः |
| | वेत्तासि | वेत्तास्थः | वेत्तास्थ |
| | वेत्तास्मि | वेत्तास्वः | वेत्तास्मः |
| भ० | वेत्स्यति | वेत्स्यतः | वेत्स्यन्ति |
| | वेत्स्यसि | वेत्स्यथः | वेत्स्यथ |
| | वेत्स्यामि | वेत्स्यावः | वेत्स्यामः |
| क्रि० | अवेत्स्यत् | अवेत्स्यताम् | अवेत्स्यन् |
| | अवेत्स्यः | अवेत्स्यतम् | अवेत्स्यत |
| | अवेत्स्यम् | अवेत्स्याव | अवेत्स्याम |
| वेत्तेः | किदिति | परोक्ष्या वां | दिन्दतेरप्ये- |
| | के । तन्मते | विदाश्चकार | विवेद- |

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| व० विन्दते | विन्देते | विन्दन्ते |
| विन्दसे | विन्देथे | विन्दध्वे |
| विन्दे | विन्दावहे | विन्दामहे |
| स० विन्देत | विन्देयाताम् | विन्दे |
| विन्देथाः | विन्देयाथाम् | विन्देध्वम् |
| विन्देय | विन्देवहि | विन्देमहि |
| प० विन्दताम् | विन्देताम् | विन्दताम् |
| विन्दस्व | विन्दथाम् | विन्दध्वम् |
| विन्दे | विन्दावहे | विन्दामहे |
| झ० अविन्दत | अविन्देताम् | अविन्दन्त |
| अविन्देथाः | अविन्देथाम् | अविन्देध्वम् |
| अविन्दे | अविन्दावहि | अविन्दामहि |
| अ० अविन्त | अविन्ताताम् | अविन्त |
| अविन्थाः | अविन्ताथाम् | अविन्दध्वम् |
| अविन्त | अविन्तवहि | अविन्तमहि |
| प० विविन्दे | विविन्दाते | विविन्दिरे |
| विविन्दिषे | विविन्दिथे | विविन्दिध्वे |
| विविन्दे | विविन्दिवहे | विविन्दिमहे |
| आ० विन्सीष्ट | विन्सीयास्ताम् | विन्सीरन् |
| विन्सीष्टाः | विन्सीयास्थाम् | विन्सीध्वम् |
| विन्सीय | विन्सीयहि | विन्सीमहि |
| श्च० वेत्ता | वेत्तारौ | वेत्तारः |
| वेत्तासे | वेत्तासाथे | वेत्ताध्वे |
| वेत्ताहे | वेत्तास्वहे | वेत्तास्महे |
| भ० वेत्स्यन्ते | वेत्स्येते | वेत्स्यन्ते |
| वेत्स्यसे | वेत्स्येथे | वेत्स्यध्वे |
| वेत्स्ये | वेत्स्यावहे | वेत्स्यामहे |
| कि० अवेत्स्यत | अवेत्स्येताम् | अवेत्स्यन्त |
| अवेत्स्यथाः | अवेत्स्येथाम् | अवेत्स्यध्वम् |
| अवेत्स्ये | अवेत्स्यावहि | अवेत्स्यामहि |

अथ पान्ती ।

1323 लुप्लृती (लृप्) छेदने । 9

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| व० लुम्पति | लुम्पतः | लुम्पन्ति |
| लुम्पसि | लुम्पथः | लुम्पथ |
| लुम्पामि | लुम्पावः | लुम्पामः |
| स० लुम्पेत | लुम्पेताम् | लुम्पेयुः |
| लुम्पेः | लुम्पेतम् | लुम्पेन |
| लुम्पेयम् | लुम्पेव | लुम्पेम |
| प० लुम्पतु | लुम्पतात् | लुम्पताम् |
| लुम्प | लुम्पतम् | लुम्पत |
| लुम्पानि | लुम्पाव | लुम्पाम |
| झ० अलुम्पत | अलुम्पताम् | अलुम्पन् |
| अलुम्पः | अलुम्पतम् | अलुम्पत |
| अलुम्पम् | अलुम्पाव | अलुम्पाम |
| अ० अलुपत | अलुपताम् | अलुपन् |
| अलुपः | अलुपतम् | अलुपत |
| अलुपम् | अलुपाव | अलुपाम |
| प० लुलोप | लुलुपतुः | लुलुपुः |
| लुलोपिथ | लुलुपथुः | लुलुप |
| लुलोप | लुलुपिब | लुलुपिम |
| आ० लुप्यात् | लुप्यास्ताम् | लुप्यासुः |
| लुप्याः | लुप्यास्तम् | लुप्यास्त |
| लुप्यासम् | लुप्यास्व | लुप्यास्म |
| श्च० लोप्ता | लोप्तारौ | लोप्तारः |
| लोप्तासि | लोप्तास्थः | लोप्तास्थ |
| लोप्तास्मि | लोप्तास्वः | लोप्तास्मः |
| भ० लोप्स्यति | लोप्स्यतः | लोप्स्यन्ति |
| लोप्स्यसि | लोप्स्यथः | लोप्स्यथ |
| लोप्स्यामि | लोप्स्यावः | लोप्स्यामः |
| कि० अलोप्स्यत | अलोप्स्यताम् | अलोप्स्यन् |
| अलोप्स्यः | अलोप्स्यतम् | अलोप्स्यत |
| अलोप्स्यम् | अलोप्स्याव | अलोप्स्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० लुम्पते | लुम्पते | लुम्पन्ते |
| लुम्पसे | लुम्पथे | लुम्पध्वे |
| लुम्पो | लुम्पावहे | लुम्पामहे |
| स० लुम्पेत | लुम्पेयाताम् | लुम्पेरन् |
| लुम्पेयाः | लुम्पेयाथाम् | लुम्पेध्वम् |
| लुम्पेय | लुम्पेवहि | लुम्पेमहि |
| प० लुम्पताम् | लुम्पेताम् | लुम्पन्ताम् |
| लुम्पस्व | लुम्पेथाम् | लुम्पध्वम् |
| लुम्पै | लुम्पावहै | लुम्पामहै |
| झ० अलुम्पत | अलुम्पेताम् | अलुम्पन्त |
| अलुम्पथाः | अलुम्पेथाम् | अलुम्पध्वम् |
| अलुम्पो | अलुम्पावहि | अलुम्पामहि |
| अ० अलुप्त | अलुप्ताताम् | अलुप्तत |
| अलुप्ताः | अलुप्ताथाम् | अलुप्तध्वम् |
| | | बृत्ध्वम् |
| अलुप्ति | अलुप्त्वहि | अलुप्समहि |
| प० लुलुपे | लुलुपाते | लुलुपिरे |
| लुलुपिषे | लुलुपाथे | लुलुपिध्वे |
| लुलुपे | लुलुपिषहे | लुलुपिमहे |
| आ० लुप्सीष्ट | लुप्सीयास्ताम् | लुप्सीरन् |
| लुप्सीष्ठाः | लुप्सीयास्थाम् | लुप्सीध्वम् |
| लुप्सीय | लुप्सीवहि | लुप्सीमहि |
| प्रव० लोप्ता | लोप्तारौ | लोप्तारः |
| लोप्तासे | लोप्तास्थे | लोप्ताध्वे |
| लोप्ताहे | लोप्तास्वहे | लोप्तास्महे |
| भ० लोप्स्यते | लोप्स्येते | लोप्स्यन्ते |
| लोप्स्यसे | लोप्स्येथ | लोप्स्यध्वे |
| लोप्स्ये | लोप्स्यावहे | लोप्स्यमहे |
| क्रि० अलोप्स्यत | अलोप्स्येताम् | अलोप्स्यन्त |
| अलोप्स्यथाः | अलोप्स्येथाम् | अलोप्स्यध्वम् |
| अलोप्स्ये | अलोप्स्यावहि | अलोप्स्यामहि |

1324 लिपीत् (लिप्) उपदेहे

उपदेहो वृद्धिः 10

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० लिम्पति | लिम्पतः | लिम्पन्ति |
| लिम्पासि | लिम्पथः | लिम्पथ |
| लिम्पामि | लिम्पावः | लिम्पामः |
| स० लिम्पेत् | लिम्पेताम् | लिम्पेयुः |
| लिम्पेः | लिम्पेतम् | लिम्पेत |
| लिम्पेयम् | लिम्पेव | लिम्पेम |
| प० लिम्पतु | लिम्पतात् | लिम्पताम् |
| लिम्प | लिम्पतात् | लिम्पतम् |
| लिम्पानि | लिम्पाव | लिम्पाम |
| झ० अलिम्पत | अलिम्पताम् | अलिम्पन् |
| अलिम्पः | अलिम्पतम् | अलिम्पत |
| अलिम्पम् | अलिम्पाव | अलिम्पाम |
| अ० अलिपत् | अलिपताम् | अलिपन् |
| अलिपः | अलिपतम् | अलिपत |
| अलिपम् | अलिपाव | अलिपाम |
| प० लिलेप | लिलिपतुः | लिलिपुः |
| लिलेपिथ | लिलिपथुः | लिलिप |
| लिलेप | लिलिपिष | लिलिपिम |
| आ० लिप्यात् | लिप्यास्ताम् | लिप्यासुः |
| लिप्याः | लिप्यास्तम् | लिप्यास्त |
| लिप्यासम् | लिप्यास्व | लिप्यास्म |
| प्रव० लेप्ता | लेप्तारौ | लेप्तारः |
| लेप्तासि | लेप्तास्थः | लेप्तास्थ |
| लेप्तास्मि | लेप्तास्वः | लेप्तास्मः |
| भ० लेप्स्यति | लेप्स्यतः | लेप्स्यन्ति |
| लेप्स्यसि | लेप्स्यथः | लेप्स्यथ |
| लेप्स्यामि | लेप्स्यावः | लेप्स्यामः |
| क्रि० अलेप्स्यत् | अलेप्स्यताम् | अलेप्स्यन् |
| अलेप्स्यः | अलेप्स्यतम् | अलेप्स्यत |
| अलेप्स्यम् | अलेप्स्याव | अलेप्स्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० लिम्पते | लिम्पेते | लिम्पन्ते |
| लिम्पसे | लिम्पेथे | लिम्पध्वे |
| लिम्पो | लिम्पावहे | लिम्पामहे |
| स० लिम्पेत | लिम्पेयाताम् | लिम्पेरन् |
| लिम्पेथाः | लिम्पेयाथाम् | लिम्पेध्वम् |
| लिम्पेय | लिम्पेवहि | लिम्पेमहि |
| प० लिम्पताम् | लिम्पेताम् | लिम्पन्ताम् |
| लिम्पस्व | लिम्पेथाम् | लिम्पध्वम् |
| लिम्पै | लिम्पावहे | लिम्पामहे |
| झ० अलिम्पत | अलिम्पेताम् | अलिम्पन्त |
| अलिम्पथाः | अलिम्पेथाम् | अलिम्पध्वम् |
| अलिम्पे | अलिम्पावहि | अलिम्पामहि |
| अ० अलिपत | अलिपेताम् | अलिपन्त |
| अलिपथाः | अलिपेथाम् | अलिपध्वम् |
| अलिपे | अलिपावहि | अलिपामहि |
| अलिप्त | अलिप्ताताम् | अलिप्तत इ० |
| प० लिलिपे | लिलिपते | लिलिपिरे |
| लिलिपिषे | लिलिपाथे | लिलिपिध्वे |
| लिलिपे | लिलिपिष्वहे | लिलिपिमहे |
| आ० लिप्सीष्ट | लिप्सीयास्थाम् | लिप्सीरन् |
| लिप्सीष्ठाः | लिप्सीयास्थाम् | लिप्सीध्वम् |
| लिप्सीय | लिप्सीवहि | लिप्सीमहि |
| श्च० लेप्ता | लेप्तारौ | लेप्तारः |
| लेप्तासे | लेप्तासाथे | लेप्ताध्वे |
| लेप्ताहे | लेप्तास्वहे | लेप्तास्महे |
| भ० लेप्स्यते | लेप्स्येने | लेप्स्यन्ते |
| लेप्स्यसे | लेप्स्येथे | लेप्स्यध्वे |
| लेप्स्ये | लेप्स्यावहे | लेप्स्यामहे |
| क्रि० अलेप्स्यत | अलेप्स्येताम् | अलेप्स्यन्त |
| अलेप्स्यथाः | अलेप्स्येथाम् | अलेप्स्यध्वम् |
| अलेप्स्ये | अलेप्स्यावहि | अलेप्स्यामहि |

॥ इत्युभयतो भाषाः ॥

अथ परस्मैपदिषु तान्तः ।

1325 कृतेत् (कृत) छेदने । ॥

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------------|
| य० कृन्तति | कृन्ततः | कृन्तन्ति |
| कृन्तसि | कृन्तथः | कृन्तथ |
| कृन्तामि | कृन्तावः | कृन्तामः |
| स० कृन्तेत् | कृन्तेताम् | कृन्तेयुः |
| कृन्तेः | कृन्तेतम् | कृन्तेत |
| कृन्तेयम् | कृन्तेव | कृन्तेम |
| प० कृन्ततु | कृन्ततात् | कृन्तताम् |
| कृन्त | ” | कृन्ततम् |
| कृन्तानि | कृन्ताव | कृन्ताम |
| झ० अकृन्तत् | अकृन्तताम् | अकृन्तन |
| अकृन्तः | अकृन्ततम् | अकृन्तत |
| अकृन्तम् | अकृन्ताव | अकृन्ताम |
| अ० अकर्त्तीत् | अकर्त्तिष्ठात् | अकर्त्तिषुः |
| अकर्त्तीः | अकर्त्तिष्टम् | अकर्त्तिष्ट |
| अकर्त्तिषम् | अकर्त्तिष्व | अकर्त्तिष्म |
| प० चकृत् | चकृततुः | चकृतुः |
| चकर्थ | चकृतथुः | चकृत |
| चकर्त् | चकृतिव | चकृतिम |
| आ० कृत्यात् | कृत्यास्ताम् | कृत्यासुः |
| कृत्याः | कृत्यास्तम् | कृत्यास्त |
| कृत्यासम् | कृत्यास्व | कृत्यास्म |
| श्च० कर्त्तिता | कर्त्तितारौ | कर्त्तितारः |
| कर्त्तितासि | कर्त्तितास्थः | कर्त्तितास्थ |
| कर्त्तितास्मि | कर्त्तितास्वः | कर्त्तितास्मः |
| भ० कर्त्तिष्यति | कर्त्तिष्यतः | कर्त्तिष्यन्ति |
| कर्त्तिष्यसि | कर्त्तिष्यथः | कर्त्तिष्यथ |
| कर्त्तिष्यामि | कर्त्तिष्यावः | कर्त्तिष्यामः |
| कर्त्त्यति | कर्त्त्यतः | कर्त्त्यन्ति इत्यादि |
| क्रि० अकर्त्तिष्यत् | अकर्त्तिष्यताम् | अकर्त्तिष्यन् |
| अकर्त्तिष्यः | अकर्त्तिष्यतम् | अकर्त्तिष्यत |
| अकर्त्तिष्यम् | अकर्त्तिष्याव | अकर्त्तिष्याम |
| अकर्त्त्यत् | अकर्त्त्यताम् | अकर्त्त्यन् इ० |

अथ दान्तः ।

1326 खिदन्त (खिद्) परिघाते ।

परितापे केचित् । 12

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ख० खिन्दति | खिन्दतः | खिन्दन्ति |
| खिन्दसि | खिन्दथः | खिन्दथ |
| खिन्दामि | खिन्दावः | खिन्दामः |
| स० खिन्देत् | खिन्देताम् | खिन्देयुः |
| खिन्देः | खिन्देतम् | खिन्देत |
| खिन्देयम् | खिन्देव | खिन्देम |
| प० खिन्दतु | खिन्दतात | खिन्दताम् |
| खिन्द | खिन्दतम् | खिन्दन्तु |
| खिन्दानि | खिन्दाव | खिन्दाम |
| झ० अखिन्दत | अखिन्दताम् | अखिन्दन् |
| अखिन्दः | अखिन्दतम् | अखिन्दत |
| अखिन्दम् | अखिन्दाव | अखिन्दाव |
| अ० अखैत्सीत् | अखैत्ताम् | अखैत्सुः |
| अखैत्सीः | अखैतम् | अखैत |
| अखैत्सम् | अखैत्स्व | अखैत्स्म |
| प० चिखेद | चिखिदतुः | चिखिदुः |
| चिखेद्विथ | चिखिदथुः | चिखिद्वि |
| चिखेद | चिखिद्विथ | चिखिद्विथ |
| आ० खिद्यात् | खिद्यास्ताम् | खिद्यासुः |
| खिद्याः | खिद्यास्तम् | खिद्यास्त |
| खिद्यासम् | खिद्यास्व | खिद्यास्म |
| प्र० खेत्ता | खेत्तारौ | खेत्तारः |
| खेत्तासि | खेत्तास्थः | खेत्तास्थ |
| खेत्तास्मि | खेत्तास्वः | खेत्तास्म |
| भ० खेत्स्यति | खेत्स्यतः | खेत्स्यन्ति |
| खेत्स्यसि | खेत्स्यथः | खेत्स्यथ |
| खेत्स्यामि | खेत्स्यावः | खेत्स्यामः |
| क्रि० अखेत्स्यत् | अखेत्स्यताम् | अखेत्स्यन् |
| अखेत्स्यः | अखेत्स्यतम् | अखेत्स्यत |
| अखेत्स्यम् | अखेत्स्याव | अखेत्स्याम |

अथ शान्तः

1327 पिशत् (पिशृ) अक्षयवे । 13

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० पिशति | पिशतः | पिशन्ति |
| पिशसि | पिशथः | पिशथ |
| पिशामि | पिशावः | पिशामः |
| स० पिशेत् | पिशेताम् | पिशेयुः |
| पिशेः | पिशेतम् | पिशेत |
| पिशेयम् | पिशेव | पिशेम |
| प० पिशतु | पिशतात | पिशताम् |
| पिश | पिशतम् | पिशन्तु |
| पिशानि | पिशाव | पिशाम |
| झ० अपिशन् | अपिशनाम् | अपिशन् |
| अपिशः | अपिशतम् | अपिशत |
| अपिशम् | अपिशाव | अपिशाम |
| अ० अपेशीत् | अपेशीष्टम् | अपेशिषुः |
| अपेशीः | अपेशिष्टम् | अपेशिष्ट |
| अपेशिषम् | अपेशिष्व | अपेशिष्म |
| प० पिपेश | पिपिशतुः | पिपिशुः |
| पिपेशिथ | पिपिशथुः | पिपिश |
| पिपेश | पिपिशिथ | पिपिशिथ |
| आ० पिश्यात् | पिश्यास्ताम् | पिश्यासुः |
| पिश्याः | पिश्यास्तम् | पिश्यास्त |
| पिश्यासम् | पिश्यास्व | पिश्यास्म |
| प्र० पेशिता | पेशितारौ | पेशितारः |
| पेशितासि | पेशितास्थः | पेशितास्थ |
| पेशितास्मि | पेशितास्वः | पेशितास्मः |
| भ० पेशिष्यति | पेशिष्यतः | पेशिष्यन्ति |
| पेशिष्यसि | पेशिष्यथः | पेशिष्यथ |
| पेशिष्यामि | पेशिष्यावः | पेशिष्यामः |
| क्रि० अपेशिष्यत् | अपेशिष्यताम् | अपेशिष्यन् |
| अपेशिष्यः | अपेशिष्यतम् | अपेशिष्यत |
| अपेशिष्यम् | अपेशिष्याव | अपेशिष्याम |

॥ शृत् मुचादिः ॥

मुचादिस्तुदाद्यन्तर्गणोऽष्टकः सम्पूर्णः ।

अथ प्रकृतवर्णक्रमेणेदन्ताश्चत्वारोऽनितश्च

1328 रिंत (रि) गतौ 14

| | | | |
|-------|----------|------------|-----------|
| व० | रियति | रियतः | रियन्ति |
| | रियसि | रियथः | रियथ |
| | रियामि | रियावः | रियामः |
| स० | रियेत | रियेताम् | रियेयुः |
| | रियेः | रियेतम् | रियेत |
| | रियेयम् | रियेव | रियेम |
| प० | रियतु | रियतात् | रियताम् |
| | रिय | रियतम् | रियत |
| | रियाक्ति | रियाव | रियाम |
| झ० | अरियत | अरियताम् | अरियन् |
| | अरियः | अरियतम् | अरियत |
| | अरियम् | अरियाव | अरियाम |
| अ० | अरैषीत् | अरैष्टाम् | अरैषुः |
| | अरैषीः | अरैष्टम् | अरैष्ट |
| | अरैषम् | अरैष्व | अरैषम |
| प० | रिराय | रिर्यतुः | रिर्युः |
| | रिरयिथ | रिर्येथ | रिर्यथुः |
| | रिराय | रिरय | रिरियव |
| आ० | रीयात् | रीयास्ताम् | रीयासुः |
| | रीयाः | रीयास्तम् | रीयास्त |
| | रीयासम् | रीयास्व | रीयास्म |
| प्रव० | रेता | रेतारौ | रेतारः |
| | रेतासि | रेतास्थः | रेतास्थ |
| | रेतास्मि | रेतास्वः | रेतास्मः |
| भ० | रेष्यति | रेष्यतः | रेष्यन्ति |
| | रेष्यसि | रेष्यथः | रेष्यथ |
| | रेष्यामि | रेष्यावः | रेष्यामः |
| क्रि० | अरेष्यत | अरेष्यताम् | अरेष्यन् |
| | अरेष्यः | अरेष्यतम् | अरेष्यत |
| | अरेष्यम् | अरेष्याव | अरेष्याम |

योऽनेकस्वरस्येति यत्वस्य बहिरङ्गत्वे नान्त-

रङ्गे भ्वादेर्नामिन इति दीर्घकृतव्योऽ

सङ्गत्वाद्दीर्घाभावे रिर्यतुः

1329 पिंत (पि) गतौ 15

| | | | |
|-------|----------|------------|-----------|
| व० | पियति | पियतः | पियन्ति |
| | पियसि | पियथः | पियथ |
| | पियामि | पियावः | पियामः |
| स० | पियेत | पियेताम् | पियेयुः |
| | पियेः | पियेतम् | पियेत |
| | पियेयम् | पियेव | पियेम |
| प० | पियतु | पियतात् | पियताम् |
| | पिय | पियतम् | पियत |
| | पियानि | पियाव | पियाम |
| झ० | अपियत् | अपियताम् | अपियन् |
| | अपियः | अपियतम् | अपियत |
| | अपियम् | अपियाव | अपियाम |
| अ० | अपैषीत् | अपैष्टाम् | अपैषुः |
| | अपैषीः | अपैष्टम् | अपैष्ट |
| | अपैषम् | अपैष्व | अपैषम |
| प० | पिपाय | पिप्यतुः | पिप्युः |
| | पिपयिथ | पिप्येथ | पिप्यथुः |
| | पिपाय | पिपय | पिपियव |
| आ० | पीयात् | पीयास्ताम् | पीयासुः |
| | पीयाः | पीयास्तम् | पीयास्त |
| | पीयासम् | पीयास्व | पीयास्म |
| प्रव० | पेता | पेतारौ | पेतारः |
| | पेतासि | पेतास्थः | पेतास्थ |
| | पेतास्मि | पेतास्वः | पेतास्मः |
| भ० | पेष्यति | पेष्यतः | पेष्यन्ति |
| | पेष्यसि | पेष्यथः | पेष्यथ |
| | पेष्यामि | पेष्यावः | पेष्यामः |
| क्रि० | अपेष्यत् | अपेष्यताम् | अपेष्यन् |
| | अपेष्यः | अपेष्यतम् | अपेष्यत |
| | अपेष्यम् | अपेष्याव | अपेष्याम |

1330 धित् (धि) धारणे 16

| | | |
|----------------|------------|-----------|
| व० धियति | धियतः | धियन्ति |
| धियसि | धियथः | धियथ |
| धियामि | धियावः | धियामः |
| स० धियेत् | धियेताम् | धियेयुः |
| धियेः | धियेतम् | धियेत |
| धियेयम् | धियेष | धियेम |
| प० धियतु | धियतात् | धियताम् |
| धिय | „ | धियतम् |
| धियानि | धियाव | धियाम |
| झ० अधियत् | अधियताम् | अधियन् |
| अधियः | अधियतम् | अधियत |
| अधियम् | अधियाव | अधियाम |
| अ० अधौषीत् | अधौष्टाम् | अधौषुः |
| अधौषीः | अधौष्टम् | अधौष्ट |
| अधौषम् | अधौष्व | अधौषम् |
| प० दिधाय | दिध्यतुः | दिध्युः |
| दिधयिथ, धेथ | दिध्यथुः | दिध्य |
| दिधाय, धय | दिध्यिव | दिध्यिम |
| आ० धीयात् | धीयास्ताम् | धीयासुः |
| धीयाः | धीयास्तम् | धीयास्त |
| धीयासम् | धीयास्व | धीयास्म |
| ध्व० धेता | धेतारौ | धेतारः |
| धेतासि | धेतास्थः | धेतास्थ |
| धेतास्मि | धेतास्वः | धेतास्मः |
| भ० धेय्यति | धेय्यतः | धेय्यन्ति |
| धेय्यसि | धेय्यथः | धेय्यथ |
| धेय्यामि | धेय्यावः | धेय्यामः |
| क्रि० अधेय्यत् | अधेय्यताम् | अधेय्यन् |
| अधेय्यः | अधेय्यतम् | अधेय्यत |
| अधेय्यम् | अधेय्याव | अधेय्याम |

1331 क्षित् (क्षि) निवासगत्योः । 17

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० क्षियति | क्षियतः | क्षियन्ति |
| क्षियसि | क्षियथः | क्षियथ |
| क्षियामि | क्षियावः | क्षियामः |
| स० क्षियेत् | क्षियेताम् | क्षियेयुः |
| क्षियेः | क्षियेतम् | क्षियेत |
| क्षियेयम् | क्षियेष | क्षियेम |
| प० क्षियतु | क्षियतात् | क्षियताम् |
| क्षिय | „ | क्षियतम् |
| क्षियाणि | क्षियाव | क्षियाम |
| झ० अक्षियत् | अक्षियताम् | अक्षियन् |
| अक्षियः | अक्षियतम् | अक्षियत |
| अक्षियम् | अक्षियाव | अक्षियाम |
| अ० अक्षौषीत् | अक्षौष्टाम् | अक्षौषुः |
| अक्षौषीः | अक्षौष्टम् | अक्षौष्ट |
| अक्षौषम् | अक्षौष्व | अक्षौषम् |
| प० चिक्षाय | चिक्षियतुः | चिक्षियुः |
| चिक्षयिथ क्षेथ | चिक्षियथुः | चिक्षिय |
| चिक्षाय, क्षय | चिक्षियिव | चिक्षियिम |
| आ० क्षीयात् | क्षीयास्ताम् | क्षीयासुः |
| क्षीयाः | क्षीयास्तम् | क्षीयास्त |
| क्षीयासम् | क्षीयास्व | क्षीयास्म |
| ध्व० क्षेता | क्षेतारौ | क्षेतारः |
| क्षेतासि | क्षेतास्थः | क्षेतास्थ |
| क्षेतास्मि | क्षेतास्वः | क्षेतास्मः |
| भ० क्षेय्यति | क्षेय्यतः | क्षेय्यन्ति |
| क्षेय्यसि | क्षेय्यथः | क्षेय्यथ |
| क्षेय्यामि | क्षेय्यावः | क्षेय्यामः |
| क्रि० अक्षेय्यत् | अक्षेय्यताम् | अक्षेय्यन् |
| अक्षेय्यः | अक्षेय्यतम् | अक्षेय्यत |
| अक्षेय्यम् | अक्षेय्याव | अक्षेय्याम |

अथोदन्तः सेट् च ।

1332 षूत् (सू) प्रेरणे । 18

| | | |
|-----------------|-------------|-----------------|
| व० सुषति | सुषतः | सुषन्ति |
| सुषन्ति | सुषथः | सुषथ |
| सुषामि | सुषावः | सुषामः |
| स० सुवेत् | सुवेताम् | सुवेयुः |
| सुवेः | सुवेतम् | सुवेत |
| सुवेयम् | सुवेव | सुवेम |
| प० सुवतु | सुवतात् | सुवताम् सुवन्तु |
| सुवतु | सुवतात् | सुवतम् सुवत |
| सुवानि | सुवाव | सुवाम |
| ह्य० असुवत | असुवताम् | असुवन |
| असुवः | असुवतम् | असुवत |
| असुवम् | असुवाव | असुवाम |
| अ० असावीत् | असाविष्टाम् | असाविषुः |
| असावीः | असाविष्टम् | असाविष्ट |
| असाविषम् | असाविष्व | असाविष्म |
| प० सुषाव | सुषवतुः | सुषवुः |
| सुषविथ | सुषवथुः | सुषव |
| सुषाव | सुषव | सुषविष्व सुषविम |
| आ० सूयात् | सूयास्ताम् | सूयासुः |
| सूयाः | सूयास्तम् | सूयास्त |
| सूयासम् | सूयास्व | सूयास्म |
| श्व० सविता | सवितारौ | सवितारः |
| सवितामि | सवितास्थः | सवितास्थ |
| सवितास्मि | सवितास्वः | सवितास्मः |
| भ० सविष्यति | सविष्यतः | सविष्यन्ति |
| सविष्यसि | सविष्यथः | सविष्यथ |
| सविष्यामि | सविष्यावः | सविष्यामः |
| क्रि० असविष्यत् | असविष्यताम् | असविष्यन् |
| असविष्यः | असविष्यतम् | असविष्यत |
| असविष्यम् | असविष्याव | असविष्याम |

अथ ऋदन्तोऽनिट् च ।

1333 षूत् (षू) प्राणत्यागे 19

| | | |
|-----------------|--------------|----------------|
| व० म्रियते | म्रियेते | म्रियन्ते |
| म्रियसे | म्रियेथे | म्रियथ्ये |
| म्रिये | म्रियावहे | म्रियामहे |
| स० म्रियेत | म्रियेयाताम् | म्रियेरन् |
| म्रियेथाः | म्रियेयाथाम् | म्रियेध्वम् |
| म्रियेय | म्रियेवहि | म्रियेमहि |
| प० म्रियताम् | म्रियेताम् | म्रियन्ताम् |
| म्रियस्व | म्रियेथाम् | म्रियध्वम् |
| म्रियै | म्रियावहै | म्रियामहै |
| ह्य० अम्रियत | अम्रियेताम् | अम्रियन्त |
| अम्रियथाः | अम्रियेथाम् | अम्रियध्वम् |
| अम्रिये | अम्रियावहि | अम्रियामहि |
| अ० अमृत | अमृषाताम् | अमृषत |
| अमृथाः | अमृषाथाम् | अमृद्वम् द्वम् |
| अमृषि | अमृष्वहि | अमृषमहि |
| प० ममार | मम्रतुः | मम्रुः |
| ममर्थ | मम्रथुः | मम्र |
| ममार, ममर | मम्रिव | मम्रिम |
| आ० मृषीष्ट | मृषीयास्ताम् | मृषीरन् |
| मृषीष्टाः | मृषीयाथाम् | मृषीद्वम् |
| मृषीय | मृषीवहि | मृषीमहि |
| श्व० मर्ता | मर्तारौ | मर्तारः |
| मर्तासि | मर्तास्थः | मर्तास्थ |
| मर्तास्मि | मर्तास्वः | मर्तास्मः |
| भ० मरिष्यति | मरिष्यतः | मरिष्यन्ति |
| मरिष्यसि | मरिष्यथः | मरिष्यथ |
| मरिष्यामि | मरिष्यावः | मरिष्यामः |
| क्रि० अमरिष्यत् | अमरिष्यताम् | अमरिष्यन् |
| अमरिष्यः | अमरिष्यतम् | अमरिष्यत |
| अमरिष्यम् | अमरिष्याव | अमरिष्याम |

अथ कृदन्तौ सेटौ च ।

1334 कृत् (कृ) निक्षेपे । 20

| | | |
|--------------|--------------|------------|
| व० किरति | किरतः | किरन्ति |
| किरसि | किरथः | किरथ |
| किरामि | किरावः | किरामः |
| स० किरेत | किरेताम् | किरेयुः |
| किरेः | किरेतम् | किरेत |
| किरेयम् | किरेव | किरेम |
| प० किरतु | किरतात् | किरताम् |
| किर | किरतम् | किरन्तु |
| किराणि | किराव | किराम |
| ह्य० अकिरत् | अकिरताम् | अकिरन् |
| अकिरः | अकिरतम् | अकिरत |
| अकिरम् | अकिराव | अकिराम |
| अ० अकारीत् | अकारिष्टाम् | अकारिषुः |
| अकारीः | अकारिष्टम् | अकारिष्ट |
| अकारिषम् | अकारिष्व | अकारिष्म |
| च० चकार | चकरतुः | चकरुः |
| चकरिथ | चकरथुः | चकर |
| चकार | चकर | चकरिथ |
| चकरिम् | चकरिथ | चकरिथ |
| आ० कीर्यात् | कीर्यास्ताम् | कीर्यासुः |
| कीर्याः | कीर्यास्तम् | कीर्यास्त |
| कीर्यासम् | कीर्यास्व | कीर्यास्म |
| प्रव० करिता | करितारौ | करितारः |
| करितासि | करितास्थः | करितास्थ |
| करितास्मि | करितास्वः | करितास्मः |
| करीता | करीतारौ | करीतारः |
| करीतासि | करीतास्थः | करीतास्थ |
| करीतास्मि | करीतास्वः | करीतास्मः |
| अ० करिष्यति | करिष्यतः | करिष्यन्ति |
| करिष्यसि | करिष्यथः | करिष्यथ |
| करिष्यामि | करिष्यावः | करिष्यामः |
| करीष्यति | करीष्यतः | करीष्यन्ति |
| अ० अकरिष्यत् | अकरिष्यताम् | अकरिष्यन् |
| अकरिष्यः | अकरिष्यतम् | अकरिष्यत |
| अकरिष्यम् | अकरिष्याव | अकरिष्याम |
| अकरीष्यत् | अकरीष्यताम् | अकरीष्यन् |

1335 गृत् (गृ) निगरणे

निगरणं भोजनम् 21

| | | |
|-------------|-------------|----------|
| व० गिरति | गिरतः | गिरन्ति |
| गिरसि | गिरथः | गिरथ |
| गिरामि | गिरावः | गिरामः |
| गिलति | गिलतः | गिलन्ति |
| गिलसि | गिलथः | गिलथ |
| गिलाभि | गिलावः | गिरामः |
| स० गिरेत् | गिरेताम् | गिरेयुः |
| गिरेः | गिरेतम् | गिरेत |
| गिरेयम् | गिरेव | गिरेम |
| गिलेत् | गिलेताम् | गिलेयुः |
| गिलेः | गिलेतम् | गिलेत |
| गिलेयम् | गिलेव | गिलेम |
| प० गिरतु | गिरतात् | गिरताम् |
| गिर | गिरतात् | गिरतम् |
| गिराणि | गिराव | गिराम |
| गिलतु | गिलतात् | गिलताम् |
| गिल | गिलतात् | गिलतम् |
| गिलानि | गिलाव | गिराम |
| ह्य० अगिरत् | अगिरताम् | अगिरन् |
| अगिरः | अगिरतम् | अगिरत |
| अगिरम् | अगिराव | अगिराम |
| अगिलत् | अगिलताम् | अगिलन् |
| अगिलः | अगिलतम् | अगिलत |
| अगिलम् | अगिलाव | अगिराम |
| अ० अगारीत् | अगारिष्टाम् | अगारिषुः |
| अगारीः | अगारिष्टम् | अगारिष्ट |
| अगारिषम् | अगारिष्व | अगारिष्म |
| अगालीत् | अगालिष्टाम् | अगालिषुः |
| अगालीः | अगालिष्टम् | अगालिष्ट |
| अगालिषम् | अगालिष्व | अगालिष्म |

अथ लान्तः सेट्च
1336 लिखत् (लिख्) अक्षर

विन्यासे २२

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० लिखति | लिखतः | लिखन्ति |
| लिखसि | लिखथः | लिखथ |
| लिखामि | लिखावः | लिखामः |
| स० लिखेत् | लिखेताम् | लिखेयुः |
| लिखेः | लिखेतम् | लिखेत |
| लिखेयम् | लिखेव | लिखेम |
| प० लिखतु | लिखतात् | लिखताम् |
| लिख | ” | लिखतम् |
| लिखानि | लिखाव | लिखाम |
| ब० अलिखत् | अलिखताम् | अलिखन् |
| अलिखः | अलिखतम् | अलिखत |
| अलिखम् | अलिखाव | अलिखाम |
| अ० अलेखीत् | अलेखिष्टाम् | अलेखिषुः |
| अलेखीः | अलेखिष्टम् | अलेखिष्ट |
| अलेखिषम् | अलेखिष्व | अलेखिषम् |
| प० लि | लिलिखतुः | लिलिखुः |
| लिलेखिथ | लिलिखथुः | लिलिख |
| लिलेख | लिलिखिव | लिलिखिम |
| आ० लिख्यात् | लिख्यास्ताम् | लिख्यासुः |
| लिख्याः | लिख्यास्तम् | लिख्यास्त |
| लिख्यासम् | लिख्यास्व | लिख्यासम् |
| प्र० लेखिता | लेखितारौ | लेखितारः |
| लेखितासि | लेखितास्थः | लेखितास्थ |
| लेखितास्मि | लेखितास्वः | लेखितास्मः |
| भ० लेखिष्यति | लेखिष्यतः | लेखिष्यन्ति |
| लेखिष्यसि | लेखिष्यथः | लेखिष्यथ |
| लेखिष्यामि | लेखिष्यावः | लेखिष्यामः |
| क्रि० अलेखिष्यत् | अलेखिष्यताम् | अलेखिष्यन् |
| अलेखिष्यः | अलेखिष्यतम् | अलेखिष्यत |
| अलेखिष्यम् | अलेखिष्याव | अलेखिष्या |

अथ चान्तः पञ्च सेटश्च ।

1337 जर्च (जर्च) परिभाषणे तर्ज-
नेऽपीत्येके । 23

ब० जर्चति जर्चतः जर्चन्ति
जर्चसि जर्चथः जर्चथ
जर्चामि जर्चावः जर्चामः

ख० जर्चेत् जर्चेताम् जर्चेयुः
जर्चेः जर्चेतम् जर्चेत
जर्चेयम् जर्चेव जर्चेम

प० जर्चतु जर्चतात् जर्चताम् जर्चन्तु
जर्च " जर्चतम् जर्चत
जर्चानि जर्चाव जर्चाम

झ० अजर्चत् अजर्चताम् अजर्चन्
अजर्चः अजर्चतम् अजर्चत
अजर्चम् अजर्चाव अजर्चाम

ञ० अजर्चीत् अजर्चिष्टाम् अजर्चिषुः
अजर्चीः अजर्चिष्टम् अजर्चिष्ट
अजर्चिषम् अजर्चिष्व अजर्चिष्म

ट० जजर्च जजर्चतुः जजर्चुः
जजर्चिथ जजर्चथुः जजर्च
जजर्च जजर्चिष्व जजर्चिम

आ० जर्च्यात् जर्च्यास्ताम् जर्च्यासुः
जर्च्याः जर्च्यास्तम् जर्च्यास्त
जर्च्यासम् जर्च्यास्व जर्च्यास्म

इ० जर्चिता जर्चितारौ जर्चितारः
जर्चितासि जर्चितास्थः जर्चितास्थ
जर्चितास्मि जर्चितास्वः जर्चितास्मः

भ० जर्चिष्यति जर्चिष्यतः जर्चिष्यन्ति
जर्चिष्यसि जर्चिष्यथः जर्चिष्यथ
जर्चिष्यामि जर्चिष्यावः जर्चिष्यामः

क्रि० अजर्चिष्यत् अजर्चिष्यताम् अजर्चिष्यन्
अजर्चिष्यः अजर्चिष्यतम् अजर्चिष्यत
अजर्चिष्यम् अजर्चिष्याव अजर्चिष्याम

1338 झर्च (झर्च) परिभाषणे तर्ज-
नेऽपीत्येके । 24

ब० झर्चति झर्चतः झर्चन्ति
झर्चसि झर्चथः झर्चथ
झर्चामि झर्चावः झर्चामः

ख० झर्चेत् झर्चेताम् झर्चेयुः
झर्चेः झर्चेतम् झर्चेत
झर्चेयम् झर्चेव झर्चेम

प० झर्चतु झर्चतात् झर्चताम् झर्चन्तु
झर्च " झर्चतम् झर्चत
झर्चानि झर्चाव झर्चाम

झ० अझर्चत् अझर्चताम् अझर्चन्
अझर्चः अझर्चतम् अझर्चत
अझर्चम् अझर्चाव अझर्चाम

अ० अझर्चीत् अझर्चिष्टाम् अझर्चिषुः
अझर्चीः अझर्चिष्टम् अझर्चिष्ट
अझर्चिषम् अझर्चिष्व अझर्चिष्म

प० जझर्च जझर्चतुः जझर्चुः
जझर्चिथ जझर्चथुः जझर्च
जझर्च जझर्चिष्व जझर्चिम

आ० झर्च्यात् झर्च्यास्ताम् झर्च्यासुः
झर्च्याः झर्च्यास्तम् झर्च्यास्त
झर्च्यासम् झर्च्यास्व झर्च्यास्म

इ० झर्चिता झर्चितारौ झर्चितारः
झर्चितासि झर्चितास्थः झर्चितास्थ
झर्चितास्मि झर्चितास्वः झर्चितास्मः

भ० झर्चिष्यति झर्चिष्यतः झर्चिष्यन्ति
झर्चिष्यसि झर्चिष्यथः झर्चिष्यथ
झर्चिष्यामि झर्चिष्यावः झर्चिष्यामः

क्रि० अझर्चिष्यत् अझर्चिष्यताम् अझर्चिष्यन्
अझर्चिष्यः अझर्चिष्यतम् अझर्चिष्यत
अझर्चिष्यम् अझर्चिष्याव अझर्चिष्याम

1339 त्वचत् (त्वच्) संवरणे

संवरणमाच्छादनम् 25

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० त्वचति | त्वचतः | त्वचन्ति |
| त्वचसि | त्वचथः | त्वचथ |
| त्वचामि | त्वचावः | त्वचामः |
| स० त्वचेत् | त्वचेताम् | त्वचेयुः |
| त्वचेः | त्वचेतम् | त्वचेत |
| त्वचेयम् | त्वचेव | त्वचेम |
| प० त्वचतु | त्वचतात् | त्वचताम् त्वचन्तु |
| त्वच | त्वचतम् | त्वचत |
| त्वचानि | त्वचाव | त्वचाम |
| ह्य० अत्वचत् | अत्वचताम् | अत्वचन् |
| अत्वचः | अत्वचतम् | अत्वचत |
| अत्वचम् | अत्वचाव | अत्वचाम |
| अ० अत्वचीत् | अत्वचिष्टाम् | अत्वचिषुः |
| अत्वचीः | अत्वचिष्टम् | अत्वचिष्ट |
| अत्वचिषम् | अत्वचिष्व | अत्वचिषम |
| अत्वाचीत् | अत्वाचिष्टाम् | अत्वाचिषुः इ० |
| प० तत्वाच | तत्त्वचतुः | तत्त्वचुः |
| तत्त्वचिथ | तत्त्वचथुः | तत्त्वच |
| तत्त्वच, तत्वाच | तत्त्वचिव | तत्त्वचिम |
| आ० त्वच्यात् | त्वच्यास्ताम् | त्वच्यासुः |
| त्वच्याः | त्वच्यास्तम् | त्वच्यास्त |
| त्वच्यासम् | त्वच्यास्व | त्वच्यास्म |
| प्रव० त्वचिता | त्वचितारौ | त्वचितारः |
| त्वचितासि | त्वचितास्थः | त्वचितास्थ |
| त्वचितास्मि | त्वचितास्वः | त्वचितास्मः |
| भ० त्वचिष्यति | त्वचिष्यतः | त्वचिष्यन्ति |
| त्वचिष्यसि | त्वचिष्यथः | त्वचिष्यथ |
| त्वचिष्यामि | त्वचिष्यावः | त्वचिष्यामः |
| क्रि० अत्वचिष्यत् | अत्वचिष्यताम् | अत्वचिष्यन् |
| अत्वचिष्यः | अत्वचिष्यतम् | अत्वचिष्यत |
| अत्वचिष्यम् | अत्वचिष्याव | अत्वचिष्याम |

1340 ऋचत् (ऋच्) स्तुतौ 26

| | | |
|------------------|--------------|---------------|
| व० ऋचति | ऋचतः | ऋचन्ति |
| ऋचसि | ऋचथः | ऋचथ |
| ऋचामि | ऋचावः | ऋचामः |
| स० ऋचेत् | ऋचेताम् | ऋचेयुः |
| ऋचेः | ऋचेतम् | ऋचेत |
| ऋचेयम् | ऋचेव | ऋचेम |
| प० ऋचतु | ऋचतात् | ऋचताम् ऋचन्तु |
| ऋच | ऋचतम् | ऋचत |
| ऋचानि | ऋचाव | ऋचाम |
| ह्य० आर्चत् | आर्चताम् | आर्चन् |
| आर्चः | आर्चतम् | आर्चत |
| आर्चम् | आर्चाव | आर्चाम |
| अ० आर्चत् | आर्चिष्टाम् | आर्चिषुः |
| आर्चः | आर्चिष्टम् | आर्चिष्ट |
| आर्चिषम् | आर्चिष्व | आर्चिषम |
| प० आनर्च | आनृचतुः | आनृचुः |
| आनर्चिथ | आनृचथुः | आनृच |
| आनर्च | आनृचिव | आनृचिम |
| आ० ऋच्यात् | ऋच्यास्ताम् | ऋच्यासुः |
| ऋच्याः | ऋच्यास्तम् | ऋच्यास्त |
| ऋच्यासम् | ऋच्यास्व | ऋच्यास्मः |
| प्रव० अर्चिता | अर्चितारौ | अर्चितारः |
| अर्चितासि | अर्चितास्थः | अर्चितास्थ |
| अर्चितास्मि | अर्चितास्वः | अर्चितास्मः |
| भ० अर्चिष्यति | अर्चिष्यतः | अर्चिष्यन्ति |
| अर्चिष्यसि | अर्चिष्यथः | अर्चिष्यथ |
| अर्चिष्यामि | अर्चिष्यावः | अर्चिष्यामः |
| क्रि० आर्चिष्यत् | आर्चिष्यताम् | आर्चिष्यन् |
| आर्चिष्यः | आर्चिष्यतम् | आर्चिष्यत |
| आर्चिष्यम् | आर्चिष्याव | आर्चिष्याम |

1341 औप्रश्चीत् (प्रश्-प्रश्च) छेदने 27

| | | |
|---------------|----------------|---------------------|
| ब० वृश्चति | वृश्चतः | वृश्चन्ति |
| वृश्चसि | वृश्चथः | वृश्चथ |
| वृश्चामि | वृश्चावः | वृश्चामः |
| स० वृश्चेत् | वृश्चेताम् | वृश्चेयुः |
| वृश्चेः | वृश्चेतम् | वृश्चेत |
| वृश्चेयम् | वृश्चेव | वृश्चेम |
| प० वृश्चतु | वृश्चतात् | वृश्चताम् वृश्चन्तु |
| वृश्च | ” | वृश्चतम् वृश्चत |
| वृश्चानि | वृश्चाव | वृश्चाम |
| झ० अवृश्चन् | अवृश्चताम् | अवृश्चन् |
| अवृश्चः | अवृश्चतम् | अवृश्चत |
| अवृश्चम् | अवृश्चाव | अवृश्चाम |
| अ० अत्रश्चीत् | अत्रश्चित्ताम् | अत्रश्चितुः |

प० अत्राक्षीत् अत्राक्षताम् अत्राक्षुः इत्यादि

| | | |
|-------------------|-----------------|-------------------|
| वत्रश्चित्थ | वत्रश्चित्युः | वत्रश्च |
| वत्रश्च | वत्रश्चित्थ | वत्रश्चित्म |
| आ० वृश्च्यात् | वृश्च्यास्ताम् | वृश्च्यायुः |
| वृश्च्याः | वृश्च्यास्तम् | वृश्च्यास्त |
| वृश्च्यासम् | वृश्च्यास्व | वृश्च्यास्म |
| प्र० व्रश्चिता | व्रश्चितारौ | व्रश्चितारः |
| व्रश्चितसि | व्रश्चितस्थः | व्रश्चितस्थः |
| व्रश्चितस्मि | व्रश्चितस्वः | व्रश्चितस्मः |
| व्रष्टा | व्रष्टारौ | व्रष्टारः इत्यादि |
| भ० व्रश्चिष्यति | व्रश्चिष्यतः | व्रश्चिष्यन्ति |
| व्रश्चिष्यसि | व्रश्चिष्यथः | व्रश्चिष्यथ |
| व्रश्चिष्यामि | व्रश्चिष्यावः | व्रश्चिष्यामः |
| व्रक्ष्यति | व्रक्ष्यतः | व्रक्ष्यन्ति इ० |
| क्रि० अव्रक्ष्यत् | अव्रक्ष्यताम् | अव्रक्ष्यन् |
| अव्रक्ष्यः | अव्रक्ष्यतम् | अव्रक्ष्यत |
| अव्रक्ष्याम् | अव्रक्ष्याव | अव्रक्ष्याम |
| अव्रश्चिष्यत् | अव्रश्चिष्यताम् | अव्रश्चिष्यन् |
| | | इत्यादि । |

अथ छान्ताः षट् प्रच्छवर्जाः सेरश्च ।

1342 ऋच्छत् (ऋच्छ) इन्द्रियप्रलय-
मूर्तिभावयोः । इन्द्रियाणां प्रलये मोहे
मूर्तिभावे च । 28

| | | |
|-----------------|---------------|-------------------|
| ब० ऋच्छति | ऋच्छतः | ऋच्छन्ति |
| ऋच्छसि | ऋच्छथः | ऋच्छथ |
| ऋच्छामि | ऋच्छावः | ऋच्छामः |
| स० ऋच्छेत् | ऋच्छेताम् | ऋच्छेयुः |
| ऋच्छेः | ऋच्छेतम् | ऋच्छेत |
| ऋच्छेयम् | ऋच्छेव | ऋच्छेम |
| प० ऋच्छतु | ऋच्छतात् | ऋच्छताम् ऋच्छन्तु |
| ऋच्छ | ” | ऋच्छतम् ऋच्छत |
| ऋच्छानि | ऋच्छाव | ऋच्छाम |
| ऋच्छत् | ऋच्छताम् | ऋच्छन् |
| ऋच्छः | ऋच्छतम् | ऋच्छत |
| ऋच्छम् | ऋच्छाव | ऋच्छाम |
| ऋच्छीत् | ऋच्छीष्टाम | ऋच्छीषुः |
| ऋच्छीः | ऋच्छीष्टम् | ऋच्छीष्ट |
| ऋच्छीषम् | ऋच्छीष्व | ऋच्छीष्म |
| प० आनच्छत् | आनच्छतुः | आनच्छुः |
| आनच्छिथ | आनच्छिषुः | आनच्छ |
| आनच्छ | आनच्छिष्व | आनच्छिम् |
| आ० ऋच्छयात् | ऋच्छयास्ताम् | ऋच्छयायुः |
| ऋच्छयाः | ऋच्छयास्तम् | ऋच्छयास्त |
| ऋच्छयासम् | ऋच्छयास्व | ऋच्छयास्म |
| प्र० ऋच्छिता | ऋच्छितारौ | ऋच्छितारः |
| ऋच्छितासि | ऋच्छितास्थः | ऋच्छितास्थः |
| ऋच्छितास्मि | ऋच्छितास्वः | ऋच्छितास्मः |
| ऋच्छिता | ऋच्छिताम् | ऋच्छिताम् |
| भ० ऋच्छिष्यति | ऋच्छिष्यतः | ऋच्छिष्यन्ति |
| ऋच्छिष्यसि | ऋच्छिष्यथः | ऋच्छिष्यथ |
| ऋच्छिष्यामि | ऋच्छिष्यावः | ऋच्छिष्यामः |
| ऋक्ष्यति | ऋक्ष्यतः | ऋक्ष्यन्ति इ० |
| क्रि० अऋक्ष्यत् | अऋक्ष्यताम् | अऋक्ष्यन् |
| अऋक्ष्यः | अऋक्ष्यतम् | अऋक्ष्यत |
| अऋक्ष्याम् | अऋक्ष्याव | अऋक्ष्याम |
| अऋक्षिष्यत् | अऋक्षिष्यताम् | अऋक्षिष्यन् |
| | | इत्यादि । |

1345 मिच्छत् (मिच्छ) उत्क्लेशो उत्क्लेशो बाधनम् 31

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------------|
| ब० | मिच्छति | मिच्छतः | मिच्छन्ति |
| | मिच्छसि | मिच्छथः | मिच्छथ |
| | मिच्छामि | मिच्छावः | मिच्छामः |
| म० | मिच्छेत् | मिच्छेताम् | मिच्छेयुः |
| | मिच्छेः | मिच्छेतम् | मिच्छेत |
| | मिच्छेयम् | मिच्छेव | मिच्छेम |
| प० | मिच्छतु | मिच्छतात् | मिच्छताम् मिच्छन्तु |
| | मिच्छ | ” | मिच्छतम् मिच्छत |
| | मिच्छामि | मिच्छाव | मिच्छाम |
| झ० | अमिच्छत् | अमिच्छताम् | अमिच्छन् |
| | अमिच्छः | अमिच्छतम् | अमिच्छत |
| | अमिच्छम् | अमिच्छाव | अमिच्छाम |
| अ० | अमिच्छोत् | अमिच्छिष्टाम् | अमिच्छिषुः |
| | अमिच्छोः | अमिच्छिष्टम् | अमिच्छिष्ट |
| | अमिच्छिषम् | अमिच्छिष्व | अमिच्छिषम |
| प० | मिमिच्छ | मिमिच्छतुः | मिमिच्छुः |
| | मिमिच्छिथ | मिमिच्छथुः | मिमिच्छ |
| | मिमिच्छ | मिमिच्छिव | मिमिच्छिम |
| आ० | मिच्छयात् | मिच्छयास्ताम् | मिच्छया सु |
| | मिच्छयाः | मिच्छयास्तम् | मिच्छयास्त |
| | मिच्छयासम् | मिच्छयास्व | मिच्छयास्म |
| प्रब० | मिच्छिता | मिच्छितारो | मिच्छितारः |
| | मिच्छितासि | मिच्छितास्थः | मिच्छितास्थ |
| | मिच्छितास्मि | मिच्छितास्वः | मिच्छितास्मः |
| भ० | मिच्छिष्यति | मिच्छिष्यतः | मिच्छिष्यन्ति |
| | मिच्छिष्यमि | मिच्छिष्यथः | मिच्छिष्यथ |
| | मिच्छिष्यामि | मिच्छिष्यावः | मिच्छिष्यामः |
| | अमिच्छिष्यत् | अमिच्छिष्यताम् | अमिच्छिष्यन् |
| | अमिच्छिष्यः | अमिच्छिष्यतम् | अमिच्छिष्यत |
| | अमिच्छिष्यम् | अमिच्छिष्याव | अमिच्छिष्याम |

1346 उच्छत् (उच्छ) उच्छे उच्छ उच्चयः 32

| | | | |
|-------|----------------|----------------|-------------------|
| ब० | उच्छति | उच्छतः | उच्छन्ति |
| | उच्छसि | उच्छथः | उच्छथ |
| | उच्छामि | उच्छावः | उच्छामः |
| स० | उच्छेत् | उच्छेताम् | उच्छेयुः |
| | उच्छेः | उच्छेतम् | उच्छेत |
| | उच्छेयम् | उच्छेव | उच्छेम |
| प० | उच्छतु | उच्छतात् | उच्छताम् उच्छन्तु |
| | उच्छ | ” | उच्छतम् उच्छत |
| | उच्छामि | उच्छाव | उच्छाम |
| झ० | औच्छत् | औच्छताम् | औच्छन् |
| | औच्छः | औच्छतम् | औच्छत |
| | औच्छम् | औच्छाव | औच्छाम |
| अ० | औच्छोत् | औच्छिष्टाम् | औच्छिषुः |
| | औच्छोः | औच्छिष्टम् | औच्छिष्ट |
| | औच्छिषम् | औच्छिष्व | औच्छिषम |
| प० | उच्छाश्चकार | उच्छाश्चक्रतुः | उच्छाश्चक्रुः |
| | उच्छाश्चकथ | उच्छाश्चक्रथुः | उच्छाश्चक्र |
| | उच्छाश्चकार-कर | उच्छाश्चक्रव | उच्छाश्चक्रम |
| | उच्छाश्चभूव | उच्छाश्चमास | |
| आ० | उच्छयात् | उच्छयास्ताम् | उच्छया सु |
| | उच्छयाः | उच्छयास्तम् | उच्छयास्त |
| | उच्छयासम् | उच्छयास्व | उच्छयास्म |
| प्रब० | उच्छिता | उच्छितारो | उच्छितारः |
| | उच्छितासि | उच्छितास्थः | उच्छितास्थ |
| | उच्छितास्मि | उच्छितास्वः | उच्छितास्मः |
| भ० | उच्छिष्यति | उच्छिष्यतः | उच्छिष्यन्ति |
| | उच्छिष्यसि | उच्छिष्यथः | उच्छिष्यथ |
| | उच्छिष्यामि | उच्छिष्यावः | उच्छिष्यामः |
| क्रि० | औच्छिष्यत् | औच्छिष्यताम् | औच्छिष्यन् |
| | औच्छिष्यः | औच्छिष्यतम् | औच्छिष्यत |
| | औच्छिष्यम् | औच्छिष्याव | औच्छिष्याम |

1347 प्रच्छत् (प्रच्छ) जीप्सायाम्

जीप्सा जिज्ञासा 33

| | | | |
|----|-----------|------------|-----------|
| ब० | पृच्छति | पृच्छतः | पृच्छन्ति |
| | पृच्छसि | पृच्छथः | पृच्छथ |
| | पृच्छामि | पृच्छावः | पृच्छामः |
| स० | पृच्छेत् | पृच्छेताम् | पृच्छेयुः |
| | च्छेः | पृच्छेतम् | पृच्छेत |
| | पृच्छेयम् | पृच्छेव | पृच्छेम |

| | | | | |
|----|----------|-----------|-----------|-----------|
| प० | पृच्छतु | पृच्छतात् | पृच्छताम् | पृच्छन्तु |
| | पृच्छ | " | पृच्छतम् | पृच्छत |
| | पृच्छानि | पृच्छाव | पृच्छाम | |

| | | | |
|------|----------|------------|----------|
| ह्य० | अपृच्छत् | अपृच्छताम् | अपृच्छन् |
| | अपृच्छः | अपृच्छतम् | अपृच्छत |
| | अपृच्छम् | अपृच्छाव | अपृच्छाम |

| | | | |
|----|-------------|-------------|------------|
| अ० | अप्राक्षीत् | अप्राष्टाम् | अप्राक्षुः |
| | अप्राक्षीः | अप्राष्टम् | अप्राष्ट |
| | अप्राक्षम् | अप्राक्ष्व | अप्राक्षम |

| | | | |
|----|-----------|------------|-----------|
| प० | पप्रच्छ | पप्रच्छतुः | पप्रच्छुः |
| | पप्रच्छिथ | पप्रच्छथुः | पप्रच्छ |
| | पप्रच्छ | पप्रच्छिव | पप्रच्छिम |

| | | | |
|----|-------------|----------------|-------------|
| आ० | पृच्छ्यात् | पृच्छ्यास्ताम् | पृच्छ्यासुः |
| | पृच्छ्याः | पृच्छ्यास्तम् | पृच्छ्यास्त |
| | पृच्छ्यासम् | पृच्छ्यास्व | पृच्छ्यास्म |

| | | | |
|------|-------------|-------------|-------------|
| प्र० | प्रष्टा | प्रष्टारौ | प्रष्टारः |
| | प्रष्टासि | प्रष्टास्थः | प्रष्टास्थ |
| | प्रष्टास्मि | प्रष्टास्वः | प्रष्टास्मः |

| | | | |
|----|-------------|-------------|--------------|
| भ० | प्रक्ष्यति | प्रक्ष्यतः | प्रक्ष्यन्ति |
| | प्रक्ष्यसि | प्रक्ष्यथः | प्रक्ष्यथ |
| | प्रक्ष्यामि | प्रक्ष्यावः | प्रक्ष्यामः |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|-------------|
| क्रि० | अप्रक्ष्यत् | अप्रक्ष्यताम् | अप्रक्ष्यन् |
| | अप्रक्ष्यः | अप्रक्ष्यतम् | अप्रक्ष्यत |
| | अप्रक्ष्यम् | अप्रक्ष्याव | अप्रक्ष्याम |

अथ जान्ताः षट्

1348 उञ्जत् (उञ्ज) आर्जवे 34

| | | | |
|----|----------|-----------|----------|
| ब० | उञ्जति | उञ्जतः | उञ्जन्ति |
| | उञ्जसि | उञ्जथः | उञ्जथ |
| | उञ्जामि | उञ्जावः | उञ्जामः |
| स० | उञ्जेत् | उञ्जेताम् | उञ्जेयुः |
| | उञ्जेः | उञ्जेतम् | उञ्जेत |
| | उञ्जेयम् | उञ्जेव | उञ्जेम |

| | | | | |
|----|---------|----------|----------|----------|
| प० | उञ्जतु | उञ्जतात् | उञ्जताम् | उञ्जन्तु |
| | उञ्ज | " | उञ्जतम् | उञ्जत |
| | उञ्जानि | उञ्जाव | उञ्जाम | |

| | | | |
|------|--------|----------|--------|
| ह्य० | औञ्जत् | औञ्जताम् | औञ्जन् |
| | औञ्जः | औञ्जतम् | औञ्जत |
| | औञ्जम् | औञ्जाव | औञ्जाम |

| | | | |
|----|----------|-------------|----------|
| अ० | औञ्जोत् | औञ्जिष्टाम् | औञ्जिषुः |
| | औञ्जोः | औञ्जिष्टम् | औञ्जिष्ट |
| | औञ्जिषम् | औञ्जिष्व | औञ्जिषम |

| | | | |
|----|----------------|---------------|-------------|
| प० | उञ्जाश्चकार | उञ्जाश्चक्रुः | उञ्जाश्च : |
| | उञ्जाश्चकथ | उञ्जाश्चकथुः | उञ्जाश्चक |
| | उञ्जाश्चकार-कर | उञ्जाश्चकृव | उञ्जाश्चकृम |
| | उञ्जाम्वभूव | उञ्जामास | |

| | | | |
|----|------------|---------------|------------|
| आ० | उञ्ज्यात् | उञ्ज्यास्ताम् | उञ्ज्यासुः |
| | उञ्ज्याः | उञ्ज्यास्तम् | उञ्ज्यास्त |
| | उञ्ज्यासम् | उञ्ज्यास्व | उञ्ज्यास्म |

| | | | |
|------|-------------|-------------|-------------|
| प्र० | उञ्जिता | उञ्जितारौ | उञ्जितारः |
| | उञ्जितासि | उञ्जितास्थः | उञ्जितास्थ |
| | उञ्जितास्मि | उञ्जितास्वः | उञ्जितास्मः |

| | | | |
|----|-------------|-------------|--------------|
| भ० | उञ्जिष्यति | उञ्जिष्यतः | उञ्जिष्यन्ति |
| | उञ्जिष्यसि | उञ्जिष्यथः | उञ्जिष्यथ |
| | उञ्जिष्यामि | उञ्जिष्यावः | उञ्जिष्यामः |

| | | | |
|-------|------------|--------------|------------|
| क्रि० | औञ्जिष्यत् | औञ्जिष्यताम् | औञ्जिष्यन् |
| | औञ्जिष्यः | औञ्जिष्यतम् | औञ्जिष्यत |
| | औञ्जिष्यम् | औञ्जिष्याव | औञ्जिष्याम |

1349 सृजन्तु (सृज्) विसर्गे । 35

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० सृजति | सृजनः | सृजन्ति |
| सृजसि | सृजथः | सृजथ |
| सृजामि | सृजावः | सृजामः |
| स० सृजेत् | सृजेताम् | सृजेयुः |
| सृजेः | सृजेतम् | सृजेत |
| सृजेयम् | सृजेथ | सृजेम |
| प० सृजतु | सृजतात् | सृजताम् |
| सृज | सृजतम् | सृजत |
| सृजानि | सृजाव | सृजाम |
| झ० असृजत् | असृजताम् | असृजन |
| असृजः | असृजतम् | असृजत |
| असृजम् | असृजाव | असृजाम |
| अ० अस्त्राक्षीत् | अस्त्राष्टाम् | अस्त्राक्षुः |
| अस्त्राक्षीः | अस्त्राष्टम् | अस्त्राष्ट |
| अस्त्राक्षम् | अस्त्राक्षव | अस्त्राक्षम |
| प० ससृज | ससृजतुः | ससृजुः |
| ससृजिथ, ससृजिष्ठ | ससृजथुः | ससृज |
| ससृज | ससृजिव | ससृजिम |
| आ० सृज्यात् | सृज्यास्ताम् | सृज्यासुः |
| सृज्याः | सृज्यास्तम् | सृज्यास्त |
| सृज्यासम् | सृज्यास्व | सृज्यास्म |
| प्रव० स्रष्टा | स्रष्टारौ | स्रष्टारः |
| स्रष्टासि | स्रष्टास्थः | स्रष्टास्थ |
| स्रष्टास्मि | स्रष्टास्वः | स्रष्टास्मः |
| भ० स्रक्ष्यति | स्रक्ष्यतः | स्रक्ष्यन्ति |
| स्रक्ष्यसि | स्रक्ष्यथः | स्रक्ष्यथ |
| स्रक्ष्यामि | स्रक्ष्यावः | स्रक्ष्यामः |
| क्रि० अस्रक्ष्यत् | अस्रक्ष्यताम् | अस्रक्ष्यन् |
| अस्रक्ष्यः | अस्रक्ष्यतम् | अस्रक्ष्यत |
| अस्रक्ष्यम् | अस्रक्ष्याव | अस्रक्ष्याम |

1350 रुजोत् (रुज्) भङ्गे । 36

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० रुजति | रुजतः | रुजन्ति |
| रुजसि | रुजथः | रुजथ |
| रुजामि | रुजावः | रुजामः |
| स० रुजेत् | रुजेताम् | रुजेयुः |
| रुजेः | रुजेतम् | रुजेत |
| रुजेयम् | रुजेथ | रुजेम |
| प० रुजतु | रुजतात् | रुजताम् |
| रुज | रुजतम् | रुजत |
| रुजानि | रुजाव | रुजाम |
| झ० अरुजत् | अरुजताम् | अरुजन |
| अरुजः | अरुजतम् | अरुजत |
| अरुजम् | अरुजाव | अरुजाम |
| अ० अरौक्षीत् | अरौक्षाम् | अरौक्षुः |
| अरौक्षीः | अरौक्षम् | अरौक्ष |
| अरौक्षम् | अरौक्षव | अरौक्षम |
| प० रुरोज | रुरोजतुः | रुरोजुः |
| रुरोजिथ | रुरोजथुः | रुरोज |
| रुरोज | रुरोजिव | रुरोजिम |
| आ० रुज्यात् | रुज्यास्ताम् | रुज्यासुः |
| रुज्याः | रुज्यास्तम् | रुज्यास्त |
| रुज्यासम् | रुज्यास्व | रुज्यास्म |
| प्रव० रौका | रौकारौ | रौकारः |
| रौकासि | रौकास्थः | रौकास्थ |
| रौकास्मि | रौकास्वः | रौकास्मः |
| भ० रोक्ष्यति | रोक्ष्यतः | रोक्ष्यन्ति |
| रोक्ष्यसि | रोक्ष्यथः | रोक्ष्यथ |
| रोक्ष्यामि | रोक्ष्यावः | रोक्ष्यामः |
| क्रि० अरोक्ष्यत् | अरोक्ष्यताम् | अरोक्ष्यन् |
| अरोक्ष्यः | अरोक्ष्यतम् | अरोक्ष्यत |
| अरोक्ष्यम् | अरोक्ष्याव | अरोक्ष्याम |

1351 भुजोत् (भुज) कौटिल्ये । 37

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| व० भुजति | भुजतः | भुजन्ति |
| भुजसि | भुजथः | भुजथ |
| भुजामि | भुजावः | भुजामः |
| स० भुजेत् | भुजेताम् | भुजेयुः |
| भुजेः | भुजेतम् | भुजेत |
| भुजेयम् | भुजेव | भुजेम |
| प० भुजतु | भुजतात् | भुजताम् |
| भुज | भुजतम् | भुजत |
| भुजानि | भुजाव | भुजाम |
| अ० अभुजत | अभुजताम् | अभुजन |
| अभुजः | अभुजतम् | अभुजत |
| अभुजम् | अभुजाव | अभुजाम |
| अ० अभौक्षीत् | अभौक्षाम् | अभौक्षुः |
| अभौक्षीः | अभौक्षम् | अभौक्ष |
| अभौक्षम् | अभौक्षव | अभौक्षम |
| प० वुभोज | वुभोजतुः | वुभुजुः |
| वुभोजिथ | वुभुजथुः | वुभुज |
| वुभोज | वुभुजिव | वुभुजिम |
| आ० भुज्यात | भुज्यास्ताम् | भुज्यासुः |
| भुज्याः | भुज्यास्तम् | भुज्यास्त |
| भुज्यासम् | भुज्यास्व | भुज्यासम |
| अ० भोक्ता | भोक्तारौ | भोक्तारः |
| भोक्तसि | भोक्तास्थः | भोक्तास्थ |
| भोक्तास्मि | भोक्तास्व | भोक्तासमः |
| भ० भोक्ष्यति | भोक्ष्यतः | भोक्ष्यन्ति |
| भोक्ष्यसि | भोक्ष्यथः | भोक्ष्यथ |
| भोक्ष्यामि | भोक्ष्यावः | भोक्ष्यामः |
| क्रि० अभोक्ष्यत | अभोक्ष्यताम् | अभोक्ष्यन् |
| अभोक्ष्यः | अभोक्ष्यतम् | अभोक्ष्यत |
| अभोक्ष्यम् | अभोक्ष्याव | अभोक्ष्याम |

1352 दुमस्जोत् (मरज-मज्ज) शुद्धौ

शुद्ध्या स्नानं वृद्धनं च लक्ष्यते । 38

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० मज्जति | मज्जतः | मज्जन्ति |
| मज्जसि | मज्जथः | मज्जथ |
| मज्जामि | मज्जावः | मज्जामः |
| स० मज्जेत् | मज्जेताम् | मज्जेयुः |
| मज्जेः | मज्जेतम् | मज्जेत |
| मज्जेयम् | मज्जेव | मज्जेम |
| प० मज्जतु | मज्जतात् | मज्जताम् |
| मज्ज | मज्जतम् | मज्जत |
| मज्जानि | मज्जाव | मज्जाम |
| अ० अमज्जत् | अमज्जताम् | अमज्जन |
| अमज्जः | अमज्जतम् | अमज्जत |
| अमज्जम् | अमज्जाव | अमज्जाम |
| अ० अमाङ्क्षीत् | अमाङ्क्षाम् | अमाङ्क्षुः |
| अमाङ्क्षीः | अमाङ्क्षम् | अमाङ्क्ष |
| अमाङ्क्षम् | अमाङ्क्षव | अमाङ्क्षम |
| प० ममज्ज | ममज्जतुः | ममज्जुः |
| ममज्जिथ, इक्ष्य | ममज्जथुः | ममज्ज |
| ममज्ज | ममज्जिव | ममज्जिम |
| आ० मज्ज्यात | मज्ज्यास्ताम् | मज्ज्यासुः |
| मज्ज्याः | मज्ज्यास्तम् | मज्ज्यास्त |
| मज्ज्यासम् | मज्ज्यास्व | मज्ज्यासम |
| अ० मङ्क्ता | मङ्क्तारौ | मङ्क्तारः |
| मङ्क्तसि | मङ्क्तास्थः | मङ्क्तास्थ |
| मङ्क्तास्मि | मङ्क्तास्व | मङ्क्तासमः |
| भ० मङ्क्ष्यति | मङ्क्ष्यतः | मङ्क्ष्यन्ति |
| मङ्क्ष्यसि | मङ्क्ष्यथः | मङ्क्ष्यथ |
| मङ्क्ष्यामि | मङ्क्ष्यावः | मङ्क्ष्यामः |
| क्रि० अमङ्क्ष्यत् | अमङ्क्ष्यताम् | अमङ्क्ष्यन् |
| अमङ्क्ष्यः | अमङ्क्ष्यतम् | अमङ्क्ष्यत |
| अमङ्क्ष्यम् | अमङ्क्ष्याव | अमङ्क्ष्याम |

353 जर्जत् (जर्ज) परिभाषणे । 39

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| १० जर्जति | जर्जतः | जर्जन्ति |
| जर्जसि | जर्जथः | जर्जथ |
| जर्जामि | जर्जावः | जर्जामः |
| स० जर्जेत् | जर्जेताम् | जर्जेयुः |
| जर्जेः | जर्जेतम् | जर्जेत |
| जर्जेयम् | जर्जेव | जर्जेम |
| प० जर्जतु | जर्जतात् | जर्जताम् |
| जर्ज | जर्जतम् | जर्जत |
| जर्जानि | जर्जाव | जर्जाम |
| ह्य० अजर्जत् | अजर्जताम् | अजर्जन् |
| अजर्जः | अजर्जतम् | अजर्जत |
| अजर्जम | अजर्जाव | अजर्जाम |
| अ० अजर्जति | अजर्जिताम् | अजर्जिषुः |
| अजर्जीः | अजर्जितम् | अजर्जित |
| अजर्जिषम् | अजर्जिव | अजर्जिम |
| प० जर्जर्ज | जर्जर्जतुः | जर्जर्जुः |
| जर्जर्जथ | जर्जर्जथुः | जर्जर्ज |
| जर्जर्ज | अजर्जिव | जर्जर्जिम |
| आ० जर्ज्यात् | जर्ज्यास्ताम् | जर्ज्यासुः |
| जर्ज्याः | जर्ज्यास्तम् | जर्ज्यास्त |
| जर्ज्यासम् | जर्ज्यास्व | जर्ज्यास्म |
| श्व० जर्जिता | जर्जितारौ | जर्जितारः |
| जर्जितासि | जर्जितास्थः | जर्जितास्थ |
| जर्जितास्मि | जर्जितास्वः | जर्जितास्मः |
| भ० जर्जिष्यति | जर्जिष्यतः | जर्जिष्यन्ति |
| जर्जिष्यसि | जर्जिष्यथः | जर्जिष्यथ |
| जर्जिष्यामि | जर्जिष्यावः | जर्जिष्यामः |
| क्रि० अजर्जिष्यत् | अजर्जिष्यताम् | अजर्जिष्यन् |
| अजर्जिष्यः | अजर्जिष्यतम् | अजर्जिष्यत |
| अजर्जिष्यम् | अजर्जिष्याव | अजर्जिष्याम |

1354 शर्श (शर्श) परिभाषणे । 40

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| १० शर्शति | शर्शतः | शर्शन्ति |
| शर्शसि | शर्शथः | शर्शथ |
| शर्शामि | शर्शावः | शर्शामः |
| स० शर्शेत् | शर्शेताम् | शर्शेयुः |
| शर्शेः | शर्शेतम् | शर्शेत |
| शर्शेयम् | शर्शेव | शर्शेम |
| प० शर्शतु | शर्शतात् | शर्शताम् |
| शर्श | शर्शतम् | शर्शत |
| शर्शानि | शर्शाव | शर्शाम |
| ह्य० अशर्शत् | अशर्शताम् | अशर्शन् |
| अशर्शः | अशर्शतम् | अशर्शत |
| अशर्शम | अशर्शाव | अशर्शाम |
| अ० अशर्शति | अशर्शिताम् | अशर्शिषुः |
| अशर्शीः | अशर्शितम् | अशर्शित |
| अशर्शिषम् | अशर्शिव | अशर्शिम |
| प० शर्शर्श | शर्शर्शतुः | शर्शर्शुः |
| शर्शर्शथ | शर्शर्शथुः | शर्शर्श |
| शर्शर्श | अशर्शिव | शर्शर्शिम |
| आ० शर्श्यात् | शर्श्यास्ताम् | शर्श्यासुः |
| शर्श्याः | शर्श्यास्तम् | शर्श्यास्त |
| शर्श्यासम् | शर्श्यास्व | शर्श्यास्म |
| श्व० शर्शिता | शर्शितारौ | शर्शितारः |
| शर्शितासि | शर्शितास्थः | शर्शितास्थ |
| शर्शितास्मि | शर्शितास्वः | शर्शितास्मः |
| भ० शर्शिष्यति | शर्शिष्यतः | शर्शिष्यन्ति |
| शर्शिष्यसि | शर्शिष्यथः | शर्शिष्यथ |
| शर्शिष्यामि | शर्शिष्यावः | शर्शिष्यामः |
| क्रि० अशर्शिष्यत् | अशर्शिष्यताम् | अशर्शिष्यन् |
| अशर्शिष्यः | अशर्शिष्यतम् | अशर्शिष्यत |
| अशर्शिष्यम् | अशर्शिष्याव | अशर्शिष्याम |

1355 उज्झत् (उज्झ्) उत्सर्ग 41

| | | |
|------------------|---------------|-------------------|
| ब० उज्झति | उज्झतः | उज्झन्ति |
| उज्झसि | उज्झथः | उज्झथ |
| उज्झामि | उज्झावः | उज्झामः |
| स० उज्झेत् | उज्जेताम् | उज्जेयुः |
| उज्झेः | उज्जेतम् | उज्जेत |
| उज्जेयम् | उज्जेव | उज्जेम |
| प० उज्झतु | उज्झतात् | उज्झताम् उज्झन्तु |
| उज्झ | „ | उज्झतम् उज्झत |
| उज्झानि | उज्झाव | उज्झाम |
| झ० औज्झत् | औज्झताम् | औज्झन् |
| औज्झः | औज्झतम् | औज्झत |
| औज्झम् | औज्झाव | औज्झाम |
| आ० औज्झीत् | औज्झिषाम् | औज्झिषुः |
| औज्झीः | औज्झिष्यम् | औज्झिष्य |
| औज्झिषम् | औज्झिष्यव | औज्झिष्याम |
| प० उज्झाश्चकार | उज्झाश्चक्रुः | उज्झाश्चक्रः |
| उज्झाश्चकथ | उज्झाश्चकथुः | उज्झाश्चक |
| उज्झाश्चकार, कर | उज्झाश्चकृष | उज्झाश्चकृम |
| उज्झाम्बभूव । | उज्झामास | |
| आ० उज्झ्यात् | उज्झ्यास्ताम् | उज्झ्यासुः |
| उज्झ्याः | उज्झ्यास्तम् | उज्झ्यास्त |
| उज्झ्यासम् | उज्झ्यास्व | उज्झ्यास्म |
| प्र० उज्झिता | उज्झितारौ | उज्झितारः |
| उज्झितासि | उज्झितास्थः | उज्झितास्थ |
| उज्झितास्मि | उज्झितास्वः | उज्झितास्मः |
| भ० उज्झिष्यति | उज्झिष्यतः | उज्झिष्यन्ति |
| उज्झिष्यसि | उज्झिष्यथः | उज्झिष्यथ |
| उज्झिष्यामि | उज्झिष्यावः | उज्झिष्यामः |
| क्रि० औज्झिष्यत् | औज्झिष्यताम् | औज्झिष्यन् |
| औज्झिष्यः | औज्झिष्यतम् | औज्झिष्यत |
| औज्झिष्यम् | औज्झिष्याव | औज्झिष्याम |

अथ डाः ताश्चत्वारः सेटश्च

1356 जुडत् (जुड्) गती । 42

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| ब० जुडति | जुडतः | जुडन्ति |
| जुडसि | जुडथः | जुडथ |
| जुडामि | जुडावः | जुडामः |
| स० जुडेत् | जुडेताम् | जुडेयुः |
| जुडेः | जुडेतम् | जुडेत |
| जुडेयम् | जुडेव | जुडेम |
| प० जुडतु | जुडतात् | जुडताम् जुडन्तु |
| जुड | „ | जुडतम् जुडत |
| जुडानि | जुडाव | जुडाम |
| झ० अजुडत् | अजुडताम् | अजुडन् |
| अजुडः | अजुडतम् | अजुडत |
| अजुडम् | अजुडाव | अजुडाम |
| अ० अजोडीत् | अजोडिषाम् | अजोडिषुः |
| अजोडीः | अजोडिष्यम् | अजोडिष्य |
| अजोडिषम् | अजोडिष्यव | अजोडिष्याम |
| प० जुजोड | जुजुडतुः | जुजुडः |
| जुजोडिथ | जुजुडथुः | जुजुड |
| जुजोड | जुजुडिव | जुजुडिम |
| आ० जुड्यात् | जुड्यास्ताम् | जुड्यासुः |
| जुड्याः | जुड्यास्तम् | जुड्यास्त |
| जुड्यासम् | जुड्यास्व | जुड्यास्म |
| प्र० जोडिता | जोडितारौ | जोडितारः |
| जोडितासि | जोडितास्थः | जोडितास्थ |
| जोडितास्मि | जोडितास्वः | जोडितास्मः |
| भ० जोडिष्यति | जोडिष्यतः | जोडिष्यन्ति |
| जोडिष्यसि | जोडिष्यथः | जोडिष्यथ |
| जोडिष्यामि | जोडिष्यावः | जोडिष्यामः |
| क्रि० अजोडिष्यत् | अजोडिष्यताम् | अजोडिष्यन् |
| अजोडिष्यः | अजोडिष्यतम् | अजोडिष्यत |
| अजोडिष्यम् | अजोडिष्याव | अजोडिष्याम |

1359 कडत् (कड्) मदे । भक्षणेऽपीत्येके 45

| | | |
|-----------------|-------------|------------------|
| व० कडति | कडतः | कडन्ति |
| कडसि | कडथः | कडथ |
| कडामि | कडावः | कडामः |
| कडेत् | कडेताम् | कडेयुः |
| कडेः | कडेताम् | कडेता |
| कडेयम् | कडेव | कडेम |
| प० कडतु | कडतात् | कडन्तु |
| कड | कडतम् | कडत |
| कडानि | कडाव | कडाम |
| ह्य० अकडत् | अकडताम् | अकडन् |
| अकडः | अकडताम् | अकडता |
| अकडम् | अकडाव | अकडाम |
| अ० अकडीत् | अकडिष्टाम् | अकडिषुः |
| अकडीः | अकडिष्टम् | अकडिष्ट |
| अकडिषम् | अकडिष्व | अकडिषम |
| अकाडीत् | अकाडिष्टाम् | अकाडिषुः इत्यादि |
| प० चकाड | चकडतुः | चकडुः |
| चकडिथ | चकडथुः | चकड |
| चकाड, चकड | चकडिथ | चकडिथ |
| आ० कड्यात् | कड्यास्ताम् | कड्यासुः |
| कड्याः | कड्यास्तम् | कड्यास्त |
| कड्यासम् | कड्यास्व | कड्यास्म |
| श्व० कडिता | कडितारौ | कडितारः |
| कडितासि | कडितास्थः | कडितास्थ |
| कडितास्मि | कडितास्वः | कडितास्मः |
| भ० कडिष्यति | कडिष्यतः | कडिष्यन्ति |
| कडिष्यसि | कडिष्यथः | कडिष्यथ |
| कडिष्यामि | कडिष्यावः | कडिष्यामः |
| क्रि० अकडिष्यत् | अकडिष्यताम् | अकडिष्यन् |
| अकडिष्यः | अकडिष्यताम् | अकडिष्यता |
| अकडिष्यम् | अकडिष्याव | अकडिष्याम |

अथ णान्ता नव सेट्थ ।

1360 पृणत् (पृण्) प्रीणने 46

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० पृणति | पृणतः | पृणन्ति |
| पृणसि | पृणथः | पृणथ |
| पृणामि | पृणावः | पृणामः |
| स० पृणेत् | पृणताम् | पृणयुः |
| पृणेः | पृणताम् | पृणता |
| पृणयम् | पृणव | पृणम |
| प० पृणतु | पृणतात् | पृणन्तु |
| पृण | पृणतम् | पृणत |
| पृणानि | पृणाव | पृणाम |
| ह्य० अपृणत् | अपृणताम् | अपृणन् |
| अपृणः | अपृणताम् | अपृणता |
| अपृणम् | अपृणाव | अपृणाम |
| अ० अपर्णीत् | अपर्णिष्टाम् | अपर्णिषुः |
| अपर्णीः | अपर्णिष्टम् | अपर्णिष्ट |
| अपर्णिषम् | अपर्णिष्व | अपर्णिषम |
| प० पपर्ण | पपृणतुः | पपृणुः |
| पपर्णिथ | पपृणथुः | पपृण |
| पपर्ण | पपृणिथ | पपृणिथ |
| आ० पृण्यात् | पृण्यास्ताम् | पृण्यासुः |
| पृण्याः | पृण्यास्तम् | पृण्यास्त |
| पृण्यासम् | पृण्यास्व | पृण्यास्म |
| श्व० पर्णिता | पर्णितारौ | पर्णितारः |
| पर्णितासि | पर्णितास्थः | पर्णितास्थ |
| पर्णितास्मि | पर्णितास्वः | पर्णितास्मः |
| भ० पर्णिष्यति | पर्णिष्यतः | पर्णिष्यन्ति |
| पर्णिष्यसि | पर्णिष्यथः | पर्णिष्यथ |
| पर्णिष्यामि | पर्णिष्यावः | पर्णिष्यामः |
| क्रि० अपर्णिष्यत् | अपर्णिष्यताम् | अपर्णिष्यन् |
| अपर्णिष्यः | अपर्णिष्यताम् | अपर्णिष्यता |
| अपर्णिष्यम् | अपर्णिष्याव | अपर्णिष्याम |

1357 पृडत् (पृड्) सुखने 43

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| ष० पृडति | पृडतः | पृडन्ति |
| पृडसि | पृडथः | पृडथ |
| पृडामि | पृडावः | पृडामः |
| स० पृडेत् | पृडेताम् | पृडेयुः |
| पृडेः | पृडेताम् | पृडेता |
| पृडेयम् | पृडेव | पृडेय |
| प० पृडतु | पृडतात् | पृडताम् |
| पृड | " | पृडतम् |
| पृडानि | पृडाव | पृडाम |
| झ० अपृडत् | अपृडताम् | अपृडन् |
| अपृडः | अपृडतम् | अपृडत |
| अपृडम् | अपृडाव | अपृडाम |
| अ० अपर्डीत् | अपर्डिष्टाम् | अपर्डिषुः |
| अपर्डीः | अपर्डिष्टम् | अपर्डिष्ट |
| अपर्डिषम् | अपर्डिष्व | अपर्डिषम |
| प० पपड् | पपडतुः | पपडुः |
| पपडिथ | पपडथुः | पपड |
| पपड | पपडिथ | पपडिथ |
| आ० पृड्यात् | पृड्यास्ताम् | पृड्यासुः |
| पृड्याः | पृड्यास्तम् | पृड्यास्त |
| पृड्यासम् | पृड्यास्व | पृड्यास्म |
| प्र० पडिता | पडितारौ | पडितारः |
| पडितासि | पडितास्थः | पडितास्थ |
| पडितास्मि | पडितास्वः | पडितास्मः |
| भ० पडिष्यति | पडिष्यतः | पडिष्यन्ति |
| पडिष्यसि | पडिष्यथः | पडिष्यथ |
| पडिष्यामि | पडिष्यावः | पडिष्यामः |
| क्रि० अपडिष्यत् | अपडिष्यताम् | अपडिष्यन् |
| अपडिष्यः | अपडिष्यतम् | अपडिष्यत |
| अपडिष्यम् | अपडिष्याव | अपडिष्याम |

135० मृडत् (मृड्) सुखने 44

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| ष० मृडति | मृडतः | मृडन्ति |
| मृडसि | मृडथः | मृडथ |
| मृडामि | मृडावः | मृडामः |
| मृडेत् | मृडेताम् | मृडेयुः |
| मृडेः | मृडेताम् | मृडेता |
| मृडेयम् | मृडेव | मृडेय |
| प० मृडतु | मृडतात् | मृडताम् |
| मृड | " | मृडतम् |
| मृडानि | मृडाव | मृडाम |
| झ० अमृडत् | अमृडताम् | अमृडन् |
| अमृडः | अमृडतम् | अमृडत |
| अमृडम् | अमृडाव | अमृडाम |
| अ० अमर्डीत् | अमर्डिष्टाम् | अमर्डिषुः |
| अमर्डीः | अमर्डिष्टम् | अमर्डिष्ट |
| अमर्डिषम् | अमर्डिष्व | अमर्डिषम |
| प० ममड् | ममडतुः | ममडुः |
| ममडिथ | ममडथुः | ममड |
| ममड | ममडिथ | ममडिथ |
| आ० मृड्यात् | मृड्यास्ताम् | मृड्यासुः |
| मृड्याः | मृड्यास्तम् | मृड्यास्त |
| मृड्यासम् | मृड्यास्व | मृड्यास्म |
| प्र० मडिता | मडितारौ | मडितारः |
| मडितासि | मडितास्थः | मडितास्थ |
| मडितास्मि | मडितास्वः | मडितास्मः |
| भ० मडिष्यति | मडिष्यतः | मडिष्यन्ति |
| मडिष्यसि | मडिष्यथः | मडिष्यथ |
| मडिष्यामि | मडिष्यावः | मडिष्यामः |
| क्रि० अमर्डिष्यत् | अमर्डिष्यताम् | अमर्डिष्यन् |
| अमर्डिष्यः | अमर्डिष्यतम् | अमर्डिष्यत |
| अमर्डिष्यम् | अमर्डिष्याव | अमर्डिष्याम |

1361 तुणत् (तुण्) कोटिल्ये 37

| | | |
|----------------|--------------|-----------|
| व० तुणति | तुणतः | तुणन्ति |
| तुणसि | तुणथः | तुणथ |
| तुणामि | तुणावः | तुणामः |
| स० तुणेत् | तुणेताम् | तुणेतुः |
| तुणेः | तुणेतम् | तुणेत |
| तुणेतम् | तुणेव | तुणेम |
| प० तुणतु | तुणतात् | तुणताम् |
| तुण | तुणतात् | तुणतम् |
| तुणानि | तुणाव | तुणाम |
| झ० अतुणत् | अतुणताम् | अतुणन् |
| अतुणः | अतुणतम् | अतुणत |
| अतुणम् | अतुणाव | अतुणाम |
| अ० अतोणीत् | अतोणिष्टाम् | अतोणिषुः |
| अतोणिः | अतोणिष्टम् | अतोणिष्ट |
| अतोणिषम् | अतोणिष्व | अतोणिष्व |
| प० तुतोण | तुतुणतुः | तुतुणुः |
| तुतोणिथ | तुतुणथुः | तुतुण |
| तुतोण | तुतुणिष्व | तुतुणिम |
| आ० तुण्यात् | तुण्यास्ताम् | तुण्यासुः |
| तुण्याः | तुण्यास्तम् | तुण्यास्त |
| तुण्यासम् | तुण्यास्व | तुण्यास्म |
| श्व० तोणिता | तोणितारौ | तोणितारः |
| तोणितासि | तोणितास्थः | तोणितास्थ |
| तोणितास्मि | तोणितास्वः | तोणितास्म |
| भ० तोणियति | तोणियतः | तोणियन्ति |
| तोणियसि | तोणियथः | तोणियथ |
| तोणियामि | तोणियावः | तोणियामः |
| क्रि० अतोणियत् | अतोणियताम् | अतोणियन् |
| अतोणियः | अतोणियतम् | अतोणियत |
| अतोणियम् | अतोणियाव | अतोणियाम |

1362 मृणत् हिंसायाम् (मृण्) 38

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| व० मृणति | मृणतः | मृणन्ति |
| मृणसि | मृणथः | मृणथ |
| मृणामि | मृणावः | मृणामः |
| स० मृणेत | मृणेताम् | मृणेतुः |
| मृणेः | मृणेतम् | मृणेत |
| मृणेतम् | मृणेव | मृणेम |
| प० मृणतु | मृणतात् | मृणताम् |
| मृण | मृणतात् | मृणतम् |
| मृणानि | मृणाव | मृणाम |
| झ० अमृणत् | अमृणताम् | अमृणन् |
| अमृणः | अमृणतम् | अमृणत |
| अमृणम् | अमृणाव | अमृणाम |
| अ० अमर्णात् | अमर्णिष्टाम् | अमर्णिषुः |
| अमर्णीः | अमर्णिष्टम् | अमर्णिष्ट |
| अमर्णिषम् | अमर्णिष्व | अमर्णिष्व |
| प० ममर्ण | ममृणतुः | ममृणुः |
| ममर्णिथ | ममृणथुः | ममृण |
| ममर्ण | ममृणिष्व | ममृणिम |
| आ० मृण्यात् | मृण्यास्ताम् | मृण्यासुः |
| मृण्याः | मृण्यास्तम् | मृण्यास्त |
| मृण्यासम् | मृण्यास्व | मृण्यास्म |
| श्व० मर्णिता | मर्णितारौ | मर्णितारः |
| मर्णितासि | मर्णितास्थः | मर्णितास्थ |
| मर्णितास्मि | मर्णितास्वः | मर्णितास्म |
| भ० मर्णियति | मर्णियतः | मर्णियन्ति |
| मर्णियसि | मर्णियथः | मर्णियथ |
| मर्णियामि | मर्णियावः | मर्णियामः |
| क्रि० अमर्णियत् | अमर्णियताम् | अमर्णियन् |
| अमर्णियः | अमर्णियतम् | अमर्णियत |
| अमर्णियम् | अमर्णियाव | अमर्णियाम |

1363 द्रुणत् (द्रुण्) गति-
कौटिल्ययोश्च

चकारादिसायाम् । 49

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० द्रुणति | द्रुणतः | द्रुणन्ति |
| द्रुणसि | द्रुणथः | द्रुणथ |
| द्रुणामि | द्रुणावः | द्रुणामः |
| स० द्रुणेत् | द्रुणेताम् | द्रुणेतुः |
| द्रुणेः | द्रुणेतम् | द्रुणेत |
| द्रुणेतम् | द्रुणेष्व | द्रुणेषु |
| प० द्रुणतु | द्रुणतात् | द्रुणताम् |
| द्रुण | द्रुणतम् | द्रुणत |
| द्रुणानि | द्रुणाव | द्रुणाम |
| ह्य० अद्रुणत् | अद्रुणताम् | अद्रुणन् |
| अद्रुणः | अद्रुणतम् | अद्रुणत |
| अद्रुणम् | अद्रुणाव | अद्रुणाम |
| अ० अद्रोणीत् | अद्रोणिष्टाम् | अद्रोणिषुः |
| अद्रोणीः | अद्रोणिष्टम् | अद्रोणिष्ट |
| अद्रोणिषम् | अद्रोणिष्व | अद्रोणिषु |
| प० द्रुद्रोण | द्रुद्रुणतुः | द्रुद्रुणुः |
| द्रुद्रोणिथ | द्रुद्रुणथुः | द्रुद्रुण |
| द्रुद्रोण | द्रुद्रुणिष्व | द्रुद्रुणिषु |
| आ० द्रुण्यात् | द्रुण्यास्ताम् | द्रुण्यासुः |
| द्रुण्याः | द्रुण्यास्तम् | द्रुण्यास्त |
| द्रुण्यासम् | द्रुण्यास्व | द्रुण्यासु |
| प्र० द्रोणिता | द्रोणितारौ | द्रोणितारः |
| द्रोणितासि | द्रोणितास्थः | द्रोणितास्थ |
| द्रोणितास्मि | द्रोणितास्वः | द्रोणितासुः |
| भ० द्रोणिष्यति | द्रोणिष्यतः | द्रोणिष्यन्ति |
| द्रोणिष्यसि | द्रोणिष्यथः | द्रोणिष्यथ |
| द्रोणिष्यामि | द्रोणिष्यावः | द्रोणिष्यामः |
| क्रि० अद्रोणिष्यत | अद्रोणिष्यताम् | अद्रोणिष्यन् |
| अद्रोणिष्यः | अद्रोणिष्यतम् | अद्रोणिष्यत |
| अद्रोणिष्यम् | अद्रोणिष्याव | अद्रोणिष्याम |

1364 पुणत् (पुण्) शुभे
शुभं शुभविषया क्रिया 50

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| व० पुणति | पुणतः | पुणन्ति |
| पुणसि | पुणथः | पुणथ |
| पुणामि | पुणावः | पुणामः |
| स० पुणेत् | पुणेताम् | पुणेतुः |
| पुणेः | पुणेतम् | पुणेत |
| पुणेतम् | पुणेष्व | पुणेषु |
| प० पुणतु | पुणतात् | पुणताम् |
| पुण | पुणतम् | पुणत |
| पुणानि | पुणाव | पुणाम |
| ह्य० अपुणत् | अपुणताम् | अपुणन् |
| अपुणः | अपुणतम् | अपुणत |
| अपुणम् | अपुणाव | अपुणाम |
| अ० अपोणीत् | अपोणिष्टाम् | अपोणिषुः |
| अपोणीः | अपोणिष्टम् | अपोणिष्ट |
| अपोणिषम् | अपोणिष्व | अपोणिषु |
| प० पुपोण | पुपुणतुः | पुपुणुः |
| पुपोणिथ | पुपुणथुः | पुपुण |
| पुपोण | पुपुणिष्व | पुपुणिषु |
| आ० पुण्यात् | पुण्यास्ताम् | पुण्यासुः |
| पुण्याः | पुण्यास्तम् | पुण्यास्त |
| पुण्यासम् | पुण्यास्व | पुण्यासु |
| प्र० पोणिता | पोणितारौ | पोणितारः |
| पोणितासि | पोणितास्थः | पोणितास्थ |
| पोणितास्मि | पोणितास्वः | पोणितासुः |
| भ० पोणिष्यति | पोणिष्यतः | पोणिष्यन्ति |
| पोणिष्यसि | पोणिष्यथः | पोणिष्यथ |
| पोणिष्यामि | पोणिष्यावः | पोणिष्यामः |
| क्रि० अपोणिष्यत | अपोणिष्यताम् | अपोणिष्यन् |
| अपोणिष्यः | अपोणिष्यतम् | अपोणिष्यत |
| अपोणिष्यम् | अपोणिष्याव | अपोणिष्याम |

1365 मुणत् (मुण्) प्रतिज्ञाने 51

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० मुणति | मुणतः | मुणन्ति |
| मुणसि | मुणथः | मुणथ |
| मुणामि | मुणावः | मुणामः |
| स० मुणेत् | मुणेताम् | मुणेतुः |
| मुणेः | मुणेतम् | मुणेत |
| मुणेत्यम् | मुणेश्व | मुणेत |
| प० मुणतु | मुणतात् | मुणताम् मुणन्तु |
| मुण | ,, | मुणतम् मुणत |
| मुणानि | मुणाव | मुणाम |
| झ० अमुणत् | अमुणताम् | अमुणन् |
| अमुणः | अमुणतम् | अमुणत |
| अमुणम् | अमुणाव | अमुणाम |
| अ० अमोणीत् | अमोणिष्टाम् | अमोणिषुः |
| अमोणीः | अमोणिष्टम् | अमोणिष्ट |
| अमोणिषम् | अमोणिष्व | अमोणिष्म |
| प० मुमोण | मुमुणतुः | मुमुणुः |
| मुमोणिथ | मुमुणथुः | मुमुण |
| मुमोण | मुमुणिष्व | मुमुणिम |
| आ० मुण्यात् | मुण्यास्ताम् | मुण्यासुः |
| मुण्याः | मुण्यास्तम् | मुण्यास्त |
| मुण्यासम् | मुण्यास्व | मुण्यास्म |
| प्र० मोणिता | मोणितारौ | मोणितारः |
| मोणितासि | मोणितास्थः | मोणितास्थ |
| मोणितास्मि | मोणितास्वः | मोणितास्मः |
| भ० मोणिष्यति | मोणिष्यतः | मोणिष्यन्ति |
| मोणिष्यसि | मोणिष्यथः | मोणिष्यथ |
| मोणिष्यामि | मोणिष्यावः | मोणिष्यामः |
| क्रि० अमोणिष्यत् | अमोणिष्यताम् | अमोणिष्यन् |
| अमोणिष्यः | अमोणिष्यतम् | अमोणिष्यत |
| अमोणिष्यम् | अमोणिष्याव | अमोणिष्याम |

1366 कुणत् (कुण्) शब्दो-

पकरणयोः 52

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० कुणति | कुणतः | कुणन्ति |
| कुणसि | कुणथः | कुणथ |
| कुणामि | कुणावः | कुणामः |
| स० कुणेत् | कुणेताम् | कुणेतुः |
| कुणेः | कुणेतम् | कुणेत |
| कुणेत्यम् | कुणेश्व | कुणेत |
| प० कुणतु | कुणतात् | कुणताम् कुणन्तु |
| कुण | ,, | कुणतम् कुणत |
| कुणानि | कुणाव | कुणाम |
| झ० अकुणत् | अकुणताम् | अकुणन् |
| अकुणः | अकुणतम् | अकुणत |
| अकुणम् | अकुणाव | अकुणाम |
| अ० अकोणीत् | अकोणिष्टाम् | अकोणिषुः |
| अकोणीः | अकोणिष्टम् | अकोणिष्ट |
| अकोणिषम् | अकोणिष्व | अकोणिष्म |
| प० चुकोण | चुकुणतुः | चुकुणुः |
| चुकोणिथ | चुकुणथुः | चुकुण |
| चुकोण | चुकुणिष्व | चुकुणिम |
| आ० कुण्यात् | कुण्यास्ताम् | कुण्यासुः |
| कुण्याः | कुण्यास्तम् | कुण्यास्त |
| कुण्यासम् | कुण्यास्व | कुण्यास्म |
| प्र० कोणिता | कोणितारौ | कोणितारः |
| कोणितासि | कोणितास्थः | कोणितास्थ |
| कोणितास्मि | कोणितास्वः | कोणितास्मः |
| भ० कोणिष्यति | कोणिष्यतः | कोणिष्यन्ति |
| कोणिष्यसि | कोणिष्यथः | कोणिष्यथ |
| कोणिष्यामि | कोणिष्यावः | कोणिष्यामः |
| क्रि० अकोणिष्यत् | अकोणिष्यताम् | अकोणिष्यन् |
| अकोणिष्यः | अकोणिष्यतम् | अकोणिष्यत |
| अकोणिष्यम् | अकोणिष्याव | अकोणिष्याम |

1367 घुणत् (घुण्) भ्रमणे । 53

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० घुणति | घुणतः | घुणन्ति |
| घुणसि | घुणथः | घुणथ |
| घुणामि | घुणावः | घुणाम |
| स० घुणेत् | घुणेताम् | घुणेतुः |
| घुणेः | घुणेतम् | घुणेत |
| घुणेत्यम् | घुणेव | घुणेत |
| प० घुणतु | घुणतात् | घुणताम् |
| घुण | घुणतात् | घुणतम् |
| घुणानि | घुणाव | घुणाम |
| झ० अघुणत् | अघुणताम् | अघुणन् |
| अघुणः | अघुणतम् | अघुणत |
| अघुणम् | अघुणाव | अघुणाम |
| अ० अघोणीत् | अघोणिष्टाम् | अघोणिषुः |
| अघोणीः | अघोणिष्टम् | अघोणिष्ट |
| अघोणिषम् | अघोणिष्व | अघोणिष्म |
| प० जुघोण | जुघुणतुः | जुघुणुः |
| जुघोणिथ | जुघुणथुः | जुघुण |
| जुघोण | जुघुणिव | जुघुणिम |
| प० घुण्यात् | घुण्यास्ताम् | घुण्यासुः |
| घुण्याः | घुण्यास्तम् | घुण्यास्त |
| घुण्यासम् | घुण्यास्व | घुण्यास्म |
| झ० घोणिता | घोणितारौ | घोणितारः |
| घोणितासि | घोणितास्थः | घोणितास्थ |
| घोणितास्मि | घोणितास्वः | घोणितास्मः |
| झ० घोणिस्यति | घोणिस्यतः | घोणिस्यन्ति |
| घोणिस्यसि | घोणिस्यथः | घोणिस्यथ |
| घोणिस्यामि | घोणिस्यावः | घोणिस्यामः |
| क्रि० अघोणिस्यत् | अघोणिस्यताम् | अघोणिस्यन् |
| अघोणिस्यः | अघोणिस्यतम् | अघोणिस्यत |
| अघोणिस्यम् | अघोणिस्याव | अघोणिस्याम |

1368 घूर्णत् (घूर्ण्) भ्रमणे 54

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० घूर्णति | घूर्णतः | घूर्णन्ति |
| घूर्णसि | घूर्णथः | घूर्णथ |
| घूर्णामि | घूर्णावः | घूर्णामः |
| स० घूर्णेत् | घूर्णेताम् | घूर्णेतुः |
| घूर्णेः | घूर्णेतम् | घूर्णेत |
| घूर्णेत्यम् | घूर्णेव | घूर्णेत |
| प० घूर्णतु | घूर्णतात् | घूर्णताम् |
| घूर्ण | घूर्णतात् | घूर्णतम् |
| घूर्णानि | घूर्णाव | घूर्णाम |
| झ० अघूर्णत् | अघूर्णताम् | अघूर्णन् |
| अघूर्णः | अघूर्णतम् | अघूर्णत |
| अघूर्णम् | अघूर्णाव | अघूर्णाम |
| अ० अघूर्णीत् | अघूर्णिष्टाम् | अघूर्णिषुः |
| अघूर्णीः | अघूर्णिष्टम् | अघूर्णिष्ट |
| अघूर्णिषम् | अघूर्णिष्व | अघूर्णिष्म |
| प० जुघूर्ण | जुघूर्णतुः | जुघूर्णुः |
| जुघूर्णिथ | जुघूर्णथुः | जुघूर्ण |
| जुघूर्ण | जुघूर्णिव | जुघूर्णिम |
| आ० घूर्ण्यात् | घूर्ण्यास्ताम् | घूर्ण्यासुः |
| घूर्ण्याः | घूर्ण्यास्तम् | घूर्ण्यास्त |
| घूर्ण्यासम् | घूर्ण्यास्व | घूर्ण्यास्म |
| झ० घूर्णिता | घूर्णितारौ | घूर्णितारः |
| घूर्णितासि | घूर्णितास्थः | घूर्णितास्थ |
| घूर्णितास्मि | घूर्णितास्वः | घूर्णितास्मः |
| झ० घूर्णिस्यति | घूर्णिस्यतः | घूर्णिस्यन्ति |
| घूर्णिस्यसि | घूर्णिस्यथः | घूर्णिस्यथ |
| घूर्णिस्यामि | घूर्णिस्यावः | घूर्णिस्यामः |
| क्रि० अघूर्णिस्यत् | अघूर्णिस्यताम् | अघूर्णिस्यन् |
| अघूर्णिस्यः | अघूर्णिस्यतम् | अघूर्णिस्यत |
| अघूर्णिस्यम् | अघूर्णिस्याव | अघूर्णिस्याम |

अथ तान्तः सिद्ध 55

1369 चृतैत् (चृत) हिंसाग्रन्थयोः

| | | |
|-------------------|---------------|----------------------|
| ब० चृतति | चृततः | चृतन्ति |
| चृतसि | चृतथः | चृतथ |
| चृतामि | चृतावः | चृतामः |
| म० चृतेत् | चृतेताम् | चृतेयुः |
| चृतेः | चृतेतम् | चृतेत |
| चृतेयम् | चृतेव | चृतेम |
| प० चृततु | चृततात | चृतताम् |
| चृत | ” | चृततम् |
| चृतानि | चृताव | चृताम |
| झ० अचृतत् | अचृतताम् | अचृतन् |
| अचृतः | अचृततम् | अचृतत |
| अचृतम् | अचृताव | अचृताम |
| अ० अचर्ति | अचर्तिष्टाम् | अचर्तिषुः |
| अचर्तीः | अचर्तिष्टम् | अचर्तिष्ट |
| अचर्तिषम् | अचर्तिष्व | अचर्तिष्म |
| प० चचर्त् | चचर्ततुः | चचर्तुः |
| चचर्तिथ | चचर्तथुः | चचर्त |
| चचर्त् | चचर्तिष | चचर्तिम |
| आ० चृत्यात् | चृत्यास्ताम् | चृत्यासुः |
| चृत्याः | चृत्यास्तम् | चृत्यास्त |
| चृत्यासम् | चृत्यास्व | चृत्यास्म |
| प्र० चर्तिता | चर्तितारौ | चर्तितारः |
| चर्तितासि | चर्तितास्थः | चर्तितास्थ |
| चर्तितास्मि | चर्तितास्वः | चर्तितास्मः |
| भ० चर्तिष्यति | चर्तिष्यतः | चर्तिष्यन्ति |
| चर्तिष्यसि | चर्तिष्यथः | चर्तिष्यथ |
| चर्तिष्यामि | चर्तिष्यावः | चर्तिष्यामः |
| चर्त्स्यति | चर्त्स्यतः | चर्त्स्यन्ति इत्यादि |
| क्रि० अचर्तिष्यत् | अचर्तिष्यताम् | अचर्तिष्यन् |
| अचर्तिष्यः | अचर्तिष्यतम् | अचर्तिष्यत |
| अचर्तिष्यम् | अचर्तिष्याव | अचर्तिष्याम |
| अचर्त्स्यत् | अचर्त्स्यताम् | अचर्त्स्यन् इ० |

अथ दान्तावनिटौ च

1370 पुदंत् (नुद्) प्रेरणे 56

अयमुभयपदीति पाणिनीयाः ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० नुदति | नुदनः | नुदन्ति |
| नुदसि | नुदथः | नुदथ |
| नुदामि | नुदावः | नुदामः |
| स० नुदेत् | नुदेताम् | नुदेयुः |
| नुदेः | नुदेतम् | नुदेत |
| नुदेयम् | नुदेव | नुदेम |
| प० नुदतु | नुदतात | नुदताम् |
| नुद | ” | नुदतम् |
| नुदानि | नुदाव | नुदाम |
| झ० अनुदत् | अनुदताम् | अनुदन् |
| अनुदः | अनुदतम् | अनुदत |
| अनुदम् | अनुदाव | अनुदाम |
| अ० अनौत्सीत् | अनौत्ताम् | अनौत्सुः |
| अनौत्सीः | अनौत्तम् | अनौत्त |
| अनौत्सम् | अनौत्स्व | अनौत्स्म |
| प० नुनोद् | नुनुदतुः | नुनुदुः |
| नुनोदिथ | नुनुदथुः | नुनुद |
| नुनोद् | नुनुदिष | नुनुदिम |
| आ० नुद्यात् | नुद्यास्ताम् | नुद्यासुः |
| नुद्याः | नुद्यास्तम् | नुद्यास्त |
| नुद्यासम् | नुद्यास्व | नुद्यास्म |
| प्र० नोत्ता | नोत्तारौ | नोत्तारः |
| नोत्तासि | नोत्तास्थः | नोत्तास्थ |
| नोत्तास्मि | नोत्तास्वः | नोत्तास्मः |
| भ० नात्स्यति | नात्स्यतः | नात्स्यन्ति |
| नात्स्यसि | नात्स्यथः | नात्स्यथ |
| नात्स्यामि | नात्स्यावः | नात्स्यामः |
| क्रि० अनोत्स्यत् | अनोत्स्यताम् | अनोत्स्यन् |
| अनोत्स्यः | अनोत्स्यतम् | अनोत्स्यत |
| अनोत्स्यम् | अनोत्स्याव | अनोत्स्याम |

1371 षड्लृत् (सद्) अवसादने 57

| | | | |
|-------|--------------|-------------|------------|
| ब० | सीदति | सीदतः | सीदन्ति |
| | सीदसि | सीदथः | सीदथ |
| | सीदामि | सीदावः | सीदामः |
| स० | सीदेत् | सीदेताम् | सीदेयुः |
| | सीदेः | सीदेतम् | सीदेत |
| | सीदेयम् | सीदेव | सीदेम |
| प० | सीदतु | सीदतात् | सीदताम् |
| | सीद | „ | सीदतम् |
| | सीदानि | सीदाव | सीदाम |
| ह्य० | असीदत् | असीदताम् | असीदन् |
| | असीदः | असीदतम् | असीदन |
| | असीदम् | असीदाव | असीदाम |
| अ० | असदत् | असदताम् | असदन् |
| | असदः | असदतम् | असदा |
| | असदम् | असदाव | असदाम |
| प० | ससाद | सेदतुः | सेदुः |
| | सेदिथ, ससत्थ | सेदथुः | सेद |
| | ससाद, ससद | सेदिथ | सेदिम |
| आ० | सद्यात् | सद्यास्ताम् | सद्यासुः |
| | सद्याः | सद्यास्तम् | सद्यास्त |
| | सद्यामम् | सद्यास्व | सद्यास्म |
| श्व० | सत्ता | सत्तारौ | सत्तारः |
| | सत्तासि | सत्तास्थः | सत्तास्थ |
| | सत्तास्मि | सत्तास्वः | सत्तास्मः |
| भ० | सत्स्यति | सत्स्यतः | सत्स्यन्ति |
| | सत्स्यसि | सत्स्यथः | सत्स्यथ |
| | सत्स्यामि | सत्स्यावः | सत्स्यामः |
| क्रि० | असत्स्यत् | असत्स्यताम् | असत्स्यन् |
| | असत्स्यः | असत्स्यतम् | असत्स्यत |
| | असत्स्यम् | असत्स्याव | असत्स्याम |

ज्वालादिपठितेनैव सिद्धे इहास्य पाठोऽव
र्णादश्न इति वान्तादेशार्थः सीदती सीद-
न्ती स्त्री कुले वा । ज्वालादिपाठोऽपि णवि-
कल्पार्थः सदः सादः । शड्लृत् शातने

इति तु न पठितव्य एव शित्यात्मनेपदि-
त्वेन शतुरभावेऽन्तादेशविकल्पाप्राप्तेः ।
अशददित्यादेस्तु तेनैव सिद्धेः ॥

अथ धान्तः सेदृच

1372 विधत् (विध्) विधाने 58

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| ब० | विधति | विधतः | विधन्ति |
| | विधसि | विधथः | विधथ |
| | विधामि | विधावः | विधामः |
| स० | विधेत् | विधेताम् | विधेयुः |
| | विधेः | विधेतम् | विधेत |
| | विधेयम् | विधेव | विधेम |
| प० | विधतु | विधतात् | विधताम् |
| | विध | „ | विधतम् |
| | विधानि | विधाव | विधाम |
| ह्य० | अविधत् | अविधताम् | अविधन् |
| | अविधः | अविधतम् | अविधत |
| | अविधम् | अविधाव | अविधाम |
| अ० | अवेधोत् | अवेधिष्याम् | अवेधिषुः |
| | अवेधीः | अवेधिष्यम् | अवेधिष्य |
| | अवेधिषम् | अवेधिष्व | अवेधिष्यम |
| प० | विवेध | विविधतुः | विविधुः |
| | विवेधिथ | विविधथुः | विविध |
| | विवेध | विविधिथ | विविधिम |
| आ० | विध्यात् | विध्यास्ताम् | विध्यासुः |
| | विध्याः | विध्यास्तम् | विध्यास्त |
| | विध्यामम् | विध्यास्व | विध्यास्म |
| श्व० | वेधिता | वेधितारौ | वेधितारः |
| | वेधितासि | वेधितास्थः | वेधितास्थ |
| | वेधितास्मि | वेधितास्वः | वेधितास्मः |
| भ० | वेधिष्यति | वेधिष्यतः | वेधिष्यन्ति |
| | वेधिष्यसि | वेधिष्यथः | वेधिष्यथ |
| | वेधिष्यामि | वेधिष्यावः | वेधिष्यामः |
| क्रि० | अवेधिष्यत् | अवेधिष्यताम् | अवेधिष्यन् |
| | अवेधिष्यः | अवेधिष्यतम् | अवेधिष्यत |
| | अवेधिष्यम् | अवेधिष्याव | अवेधिष्याम |

अथ नान्तौ सेटौ च ।

1373 जुनत् (जुन्) गतौ । 59

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० जुनति | जुनतः | जुनन्ति |
| जुनसि | जुनथः | जुनथ |
| जुनामि | जुनावः | जुनामः |
| स० जुनेत् | जुनेताम् | जुनेयुः |
| जुनेः | जुनेतम् | जुनेत |
| जुनेयम् | जुनेव | जुनेम |
| प० जुनतु | जुनताम् | जुनन्तु |
| जुन | ” | जुनतम् |
| जुनानि | जुनाव | जुनाम |
| झ० अजुनत् | अजुनताम् | अजुनन् |
| अजुनः | अजुनतम् | अजुनत |
| अजुनम् | अजुनाव | अजुनाम |
| अ० अजोनीत् | अजोनिष्टाम् | अजोनिषुः |
| अजोनीः | अजोनिष्टम् | अजोनिष्ट |
| अजोनिषम् | अजोनिष्व | अजोनिष्म |
| प० जुजोन | जुजुनतुः | जुजुनः |
| जुजोनिथ | जुजुनथुः | जुजुन |
| जुजोन | जुजुनिव | जुजुनिम |
| आ० जुन्यात् | जुन्यास्ताम् | जुन्यासुः |
| जुन्याः | जुन्यास्तम् | जुन्यास्त |
| जुन्यासम् | जुन्यास्व | जुन्यास्म |
| श्च० जोनिता | जोनितारौ | जोनितारः |
| जोनितासि | जोनितास्थः | जोनितास्थ |
| जोनितास्मि | जोनितास्वः | जोनितास्मः |
| भ० जोनिष्यति | जोनिष्यतः | जोनिष्यन्ति |
| जोनिष्यसि | जोनिष्यथः | जोनिष्यथ |
| जोनिष्यामि | जोनिष्यावः | जोनिष्यामः |
| क्रि० अजोनिष्यत् | अजोनिष्यताम् | अजोनिष्यन् |
| अजोनिष्यः | अजोनिष्यतम् | अजोनिष्यत |
| अजोनिष्यम् | अजोनिष्याव | अजोनिष्याम |

1374 शुनत् (शुन्) गतौ । 60

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० शुनति | शुनतः | शुनन्ति |
| शुनसि | शुनथः | शुनथ |
| शुनामि | शुनावः | शुनामः |
| स० शुनेत् | शुनेताम् | शुनेयुः |
| शुनेः | शुनेतम् | शुनेत |
| शुनेयम् | शुनेव | शुनेम |
| प० शुनतु | शुनताम् | शुनन्तु |
| शुन | ” | शुनतम् |
| शुनानि | शुनाव | शुनाम |
| झ० अशुनत् | अशुनताम् | अशुनन् |
| अशुनः | अशुनतम् | अशुनत |
| अशुनम् | अशुनाव | अशुनाम |
| अ० अशोनीत् | अशोनिष्टाम् | अशोनिषुः |
| अशोनीः | अशोनिष्टम् | अशोनिष्ट |
| अशोनिषम् | अशोनिष्व | अशोनिष्म |
| प० शुशोन | शुशुनतुः | शुशुनः |
| शुशोनिथ | शुशुनथुः | शुशुन |
| शुशोन | शुशुनिव | शुशुनिम |
| आ० शुन्यात् | शुन्यास्ताम् | शुन्यासुः |
| शुन्याः | शुन्यास्तम् | शुन्यास्त |
| शुन्यासम् | शुन्यास्व | शुन्यास्म |
| श्च० शोनिता | शोनितारौ | शोनितारः |
| शोनितासि | शोनितास्थः | शोनितास्थ |
| शोनितास्मि | शोनितास्वः | शोनितास्मः |
| भ० शोनिष्यति | शोनिष्यतः | शोनिष्यन्ति |
| शोनिष्यसि | शोनिष्यथः | शोनिष्यथ |
| शोनिष्यामि | शोनिष्यावः | शोनिष्यामः |
| क्रि० अशोनिष्यत् | अशोनिष्यताम् | अशोनिष्यन् |
| अशोनिष्यः | अशोनिष्यतम् | अशोनिष्यत |
| अशोनिष्यम् | अशोनिष्याव | अशोनिष्याम |

अथ पान्तोऽनिदृश्च

1375 छुपंत (छुप्) स्पर्श 61

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० छुपति | छुपतः | छुपन्ति |
| छुपसि | छुपथः | छुपथ |
| छुपामि | छुपावः | छुपामः |
| स० छुपेत् | छुपेताम् | छुपेयुः |
| छुपेः | छुपेतम् | छुपेत |
| छुपेयम् | छुपेव | छुपेम |
| प० छुपतु | छुपतात् | छुपताम् |
| छुपन्तु | छुपतम् | छुपत |
| छुपानि | छुपाव | छुपाम |
| ह्य० अछुपत | अछुपताम् | अछुपन् |
| अछुपः | अछुपतम् | अछुपत |
| अछुपम् | अछुपाव | अछुपाम |
| अ० अछोप्सीत् | अछोप्ताम् | अछोप्सुः |
| अछोप्सीः | अछोप्सुः | अछोप्सुः |
| अछोप्सम् | अछोप्सव | अछोप्सम |
| प० चुच्छोप | चुच्छुपतुः | चुच्छुपुः |
| चुच्छोपिथ | चुच्छुपथुः | चुच्छुप |
| चुच्छोप | चुच्छुपिव | चुच्छुपिम |
| आ० छुप्यात् | छुप्यास्ताम् | छुप्यासुः |
| छुप्याः | छुप्यास्तम् | छुप्यास्त |
| छुप्यासम् | छुप्यास्व | छुप्यासम |
| श्रव० छोप्ता | छोप्तारौ | छोप्तारः |
| छोप्तासि | छोप्तास्थः | छोप्तास्थ |
| छोप्तास्मि | छोप्तास्वः | छोप्तास्मः |
| भ० छोप्स्यति | छोप्स्यतः | छोप्स्यन्ति |
| छोप्स्यसि | छोप्स्यथः | छोप्स्यथ |
| छोप्स्यामि | छोप्स्यावः | छोप्स्यामः |
| क्रि० अछोप्स्यत् | अछोप्स्यताम् | अछोप्स्यन् |
| अछोप्स्यः | अछोप्स्यतम् | अछोप्स्यत |
| अछोप्स्यम् | अछोप्स्याव | अछोप्स्याम |

अथ फान्ता नव सेटश्च

1376 रिफत् (रिफ्) कथनयुद्ध
हिंसादानेषु 62

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० रिफति | रिफतः | रिफन्ति |
| रिफसि | रिफथः | रिफथ |
| रिफामि | रिफावः | रिफामः |
| स० रिफेत् | रिफेताम् | रिफेयुः |
| रिफेः | रिफेतम् | रिफेत |
| रिफेयम् | रिफेव | रिफेम |
| प० रिफतु | रिफतात् | रिफताम् |
| रिफन्तु | रिफतम् | रिफत |
| रिफानि | रिफाव | रिफाम |
| ह्य० अरिफत् | अरिफताम् | अरिफन् |
| अरिफः | अरिफतम् | अरिफत |
| अरिफम् | अरिफाव | अरिफाम |
| अ० अरेफीत् | अरेफिताम् | अरेफितुः |
| अरेफीः | अरेफितम् | अरेफित |
| अरेफियम् | अरेफिव | अरेफिम |
| प० रिरेफ | रिरेफतुः | रिरेफुः |
| रिरेफिथ | रिरेफथुः | रिरेफ |
| रिरेफ | रिरेफिव | रिरेफिम |
| आ० रिफ्यात् | रिफ्यास्ताम् | रिफ्यासुः |
| रिफ्याः | रिफ्यास्तम् | रिफ्यास्त |
| रिफ्यासम् | रिफ्यास्व | रिफ्यासम |
| श्रव० रेफिता | रेफितारौ | रेफितारः |
| रेफितासि | रेफितास्थः | रेफितास्थ |
| रेफितास्मि | रेफितास्वः | रेफितास्मः |
| भ० रेफिष्यति | रेफिष्यतः | रेफिष्यन्ति |
| रेफिष्यसि | रेफिष्यथः | रेफिष्यथ |
| रेफिष्यामि | रेफिष्यावः | रेफिष्यामः |
| क्रि० अरेफिष्यत् | अरेफिष्यताम् | अरेफिष्यन् |
| अरेफिष्यः | अरेफिष्यतम् | अरेफिष्यत |
| अरेफिष्यम् | अरेफिष्याव | अरेफिष्याम |

1376-2 ऋफत् (ऋफू) पक्षे

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| ब० ऋफति | ऋफतः | ऋफन्ति |
| ऋफसि | ऋफथः | ऋफथ |
| ऋफामि | ऋफावः | ऋफामः |
| स० ऋफेत् | ऋफेताम् | ऋफेयुः |
| ऋफेः | ऋफेतम् | ऋफेत |
| ऋफेयम् | ऋफेव | ऋफेम |
| प० ऋफतु | ऋफतात् | ऋफन्तु |
| ऋफ | ऋफतम् | ऋफत |
| ऋफाणि | ऋफाव | ऋफाम |
| ब० आर्फत् | आर्फताम् | आर्फन् |
| आर्फः | आर्फतम् | आर्फत |
| आर्फम् | आर्फाव | आर्फाम |
| अ० आर्फित् | आर्फिष्टाम् | आर्फिषुः |
| आर्फीः | आर्फिष्टम् | आर्फिष्ट |
| आर्फिषम् | आर्फिष्व | आर्फिषम |
| प० आनर्फ | आनर्फथुः | आनर्फुः |
| आनर्फिथ | आनर्फथुः | आनर्फ |
| आनर्फ | आनर्फिष्व | आनर्फिम |
| आ० ऋफ्यात् | ऋफ्यास्ताम् | ऋफ्यासुः |
| ऋफ्याः | ऋफ्यास्तम् | ऋफ्यास्त |
| ऋफ्यासम् | ऋफ्यास्व | ऋफ्यास्म |
| ब० अर्फिता | अर्फितारौ | अर्फितारः |
| अर्फितासि | अर्फितास्थः | अर्फितास्थ |
| अर्फितास्मि | अर्फितास्वः | अर्फितास्मः |
| भ० अर्फिष्यति | अर्फिष्यतः | अर्फिष्यन्ति |
| अर्फिष्यसि | अर्फिष्यथः | अर्फिष्यथ |
| अर्फिष्यामि | अर्फिष्यावः | अर्फिष्यामः |
| क्रि० आर्फिष्यत् | आर्फिष्यताम् | आर्फिष्यन् |
| आर्फिष्यः | आर्फिष्यतम् | आर्फिष्यत |
| आर्फिष्यम् | आर्फिष्याव | आर्फिष्याम |

अथ फान्ता नव सेटश्च

1377 तृफत् (तृफू) तृप्तौ 63

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० तृफति | तृफतः | तृफन्ति |
| तृफसि | तृफथः | तृफथ |
| तृफामि | तृफावः | तृफामः |
| स० तृफेत् | तृफेताम् | तृफेयुः |
| तृफेः | तृफेतम् | तृफेत |
| तृफेयम् | तृफेव | तृफेम |
| प० तृफतु | तृफतात् | तृफन्तु |
| तृफ | तृफतम् | तृफत |
| तृफाणि | तृफाव | तृफाम |
| ब० अतृफत् | अतृफताम् | अतृफन् |
| अतृफः | अतृफतम् | अतृफत |
| अतृफम् | अतृफाव | अतृफाम |
| अ० अतृफीत् | अतृफिष्टाम् | अतृफिषुः |
| अतृफीः | अतृफिष्टम् | अतृफिष्ट |
| अतृफिषम् | अतृफिष्व | अतृफिषम |
| प० ततर्फ | ततर्फतुः | ततर्फुः |
| ततर्फिथ | ततर्फथुः | ततर्फ |
| ततर्फ | ततर्फाव | ततर्फिम |
| आ० तृफ्यात् | तृफ्यास्ताम् | तृफ्यासुः |
| तृफ्याः | तृफ्यास्तम् | तृफ्यास्त |
| तृफ्यासम् | तृफ्यास्व | तृफ्यास्म |
| ब० तर्फिता | तर्फितारौ | तर्फितारः |
| तर्फितासि | तर्फितास्थः | तर्फितास्थ |
| तर्फितास्मि | तर्फितास्वः | तर्फितास्मः |
| भ० तर्फिष्यति | तर्फिष्यतः | तर्फिष्यन्ति |
| तर्फिष्यसि | तर्फिष्यथः | तर्फिष्यथ |
| तर्फिष्यामि | तर्फिष्यावः | तर्फिष्यामः |
| क्रि० अतर्फिष्यत् | अतर्फिष्यताम् | अतर्फिष्यन् |
| अतर्फिष्यः | अतर्फिष्यतम् | अतर्फिष्यत |
| अतर्फिष्यम् | अतर्फिष्याव | अतर्फिष्याम |

1378 तृप्फत् (तृप्फ्) तृप्तौ 64

| | | | |
|-------|----------------|---------------|-------------|
| व० | तृफति | तृफतः | तृफन्ति |
| | तृफसि | तृफथः | तृफथ |
| | तृफामि | तृफावः | तृफामः |
| स० | तृफेत् | तृफेताम् | तृफेयुः |
| | तृफेः | तृफेतम् | तृफेत |
| | तृफेयम् | तृफेव | तृफेम |
| प० | तृफतु | तृफतात् | तृफताम् |
| | तृफ | ” | तृफतम् |
| | तृफाणि | तृफाव | तृफाम |
| झ० | अतृफत् | अतृफताम् | अतृफन् |
| | अतृफः | अतृफतम् | अतृफत |
| | अतृफम् | अतृफाव | अतृफाम |
| अ० | अतृफ्णीत् | अतृफ्णिष्टाम् | अतृफ्णिषुः |
| | अतृफ्णीः | अतृफ्णिष्टम् | अतृफ्णिष्ट |
| | अतृफ्णिषम् | अतृफ्णिष्व | अतृफ्णिषम |
| प० | ततृफत् | ततृफतुः | ततृफुः |
| | ततृफिथ | ततृफिथुः | ततृफिथ |
| | ततृफि | ततृफिष्व | ततृफिषम |
| आ० | तृफ्यात् | तृफ्यास्ताम् | तृफ्यासुः |
| | तृफ्याः | तृफ्यास्तम् | तृफ्यास्त |
| | तृफ्यासम् | तृफ्यास्व | तृफ्यास्म |
| प्रव० | तृफिता | तृफितारौ | तृफितारः |
| | तृफितासि | तृफितास्थः | तृफितास्थ |
| | तृफितास्मि | तृफितास्वः | तृफितास्मः |
| भ० | तृफिष्यति | तृफिष्यतः | तृफिष्यन्ति |
| | तृफिष्यसि | तृफिष्यथः | तृफिष्यथ |
| | तृफिष्यामि | तृफिष्यावः | तृफिष्यामः |
| कि० | अतृफिष्यत् | अतृफिष्यताम् | अतृफिष्यन् |
| | अतृफिष्यः | अतृफिष्यतम् | अतृफिष्यत |
| | अतृफिष्यम् | अतृफिष्याव | अतृफिष्याम |
| | पास्ताविमाविति | केचिन् | शेनलुके |
| | नेच्छास्ति च ॥ | | |

1379 ऋफत् (ऋफ्) हिंसायाम् 65

| | | | |
|-------|-------------|--------------|--------------|
| व० | ऋफति | ऋफतः | ऋफन्ति |
| | ऋफसि | ऋफथः | ऋफथ |
| | ऋफामि | ऋफावः | ऋफामः |
| स० | ऋफेत् | ऋफेताम् | ऋफेयुः |
| | ऋफेः | ऋफेतम् | ऋफेत |
| | ऋफेयम् | ऋफेव | ऋफेम |
| प० | ऋफतु | ऋफतात् | ऋफताम् |
| | ऋफ | ” | ऋफतम् |
| | ऋफाणि | ऋफाव | ऋफाम |
| झ० | आर्फत् | आर्फताम् | आर्फन् |
| | आर्फः | आर्फतम् | आर्फत |
| | आर्फम् | आर्फाव | आर्फाम |
| अ० | आर्फीत् | आर्फिष्टाम् | आर्फिषुः |
| | आर्फीः | आर्फिष्टम् | आर्फिष्ट |
| | आर्फिषम् | आर्फिष्व | आर्फिषम |
| प० | आनर्फत् | आनर्फतुः | आनर्फुः |
| | आनर्फिथ | आनर्फथुः | आनर्फिथ |
| | आनर्फि | आनर्फिष्व | आनर्फिषम |
| आ० | ऋफ्यात् | ऋफ्यास्ताम् | ऋफ्यासुः |
| | ऋफ्याः | ऋफ्यास्तम् | ऋफ्यास्त |
| | ऋफ्यासम् | ऋफ्यास्व | ऋफ्यास्म |
| प्रव० | अर्फिता | अर्फितारौ | अर्फितारः |
| | अर्फितासि | अर्फितास्थः | अर्फितास्थ |
| | अर्फितास्मि | अर्फितास्वः | अर्फितास्मः |
| भ० | अर्फिष्यति | अर्फिष्यतः | अर्फिष्यन्ति |
| | अर्फिष्यसि | अर्फिष्यथः | अर्फिष्यथ |
| | अर्फिष्यामि | अर्फिष्यावः | अर्फिष्यामः |
| कि० | अर्फिष्यत् | अर्फिष्यताम् | अर्फिष्यन् |
| | अर्फिष्यः | अर्फिष्यतम् | अर्फिष्यत |
| | अर्फिष्यम् | अर्फिष्याव | अर्फिष्याम |

1380 ऋफत् (ऋफ्) हिंसायाम् 69

| | | |
|---------|-------|--------|
| व० ऋफति | ऋफतः | ऋफन्ति |
| ऋफसि | ऋफथः | ऋफथ |
| ऋफामि | ऋफावः | ऋफामः |

| | | |
|----------|---------|--------|
| स० ऋफेत् | ऋफेताम् | ऋफेयुः |
| ऋफेः | ऋफेतम् | ऋफेत |
| ऋफेयम् | ऋफेव | ऋफेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० ऋफतु | ऋफतात् | ऋफताम् | ऋफन्तु |
| ऋफ | ,, | ऋफतम् | ऋफत |
| ऋफान्ति | ऋफाव | ऋफाम | |

| | | |
|-------------|----------|--------|
| ह्य० अर्फत् | अर्फताम् | अर्फन् |
| अर्फः | अर्फतम् | अर्फत |
| अर्फम् | अर्फाव | अर्फाम |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| अ० आर्फित् | आर्फिताम् | आर्फिषुः |
| आर्फीः | आर्फितम् | आर्फित |
| आर्फिषम् | आर्फिष्व | आर्फिषम |

| | | |
|------------|------------|------------|
| प० आनुर्फ | आनुर्फतुः | आनुर्फुः |
| आनुर्फिष्व | आनुर्फिष्व | आनुर्फिष्व |
| आनुर्फिष्व | आनुर्फिष्व | आनुर्फिष्व |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० ऋफ्यात् | ऋफ्यास्ताम् | ऋफ्यासुः |
| ऋफ्याः | ऋफ्यास्तम् | ऋफ्यास्त |
| ऋफ्यासम् | ऋफ्यास्व | ऋफ्यास्म |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| १० ऋम्फिता | ऋम्फितारौ | ऋम्फितारः |
| ऋम्फितासि | ऋम्फितास्थः | ऋम्फितास्थ |
| ऋम्फितास्मि | ऋम्फितास्वः | ऋम्फितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० ऋम्फिष्यति | ऋम्फिष्यतः | ऋम्फिष्यन्ति |
| ऋम्फिष्यसि | ऋम्फिष्यथः | ऋम्फिष्यथ |
| ऋम्फिष्यामि | ऋम्फिष्यावः | ऋम्फिष्यामः |

| | | |
|---------------|--------------|------------|
| कि आम्फिष्यत् | आम्फिष्यताम् | आम्फिष्यन् |
| आम्फिष्यः | आम्फिष्यतम् | आम्फिष्यत |
| आम्फिष्यम् | आम्फिष्याव | आम्फिष्याम |

अनात् इत्यात्वे नै च आनुर्फ

गल्लुकं नेच्छन्त्येके रिफ इति वैचित्
प० ऋम्फायाञ्चकार ऋम्फायाञ्चकतुः ऋम्फायाञ्चकुः
ऋम्फायाञ्चकथं ऋम्फायाञ्चकथुः ऋम्फायाञ्चक
ऋम्फायाञ्चकार-चकर ऋम्फायाञ्चकव ऋम्फायाञ्चकम्

1381 दृफत् (दृफ्) उत्कलेषो 67

| | | |
|----------|--------|---------|
| व० दृफति | दृफतः | दृफन्ति |
| दृफसि | दृफथः | दृफथ |
| दृफामि | दृफावः | दृफामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० दृफेत् | दृफेताम् | दृफेयुः |
| दृफेः | दृफेतम् | दृफेत |
| दृफेयम् | दृफेव | दृफेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० दृफतु | दृफतात् | दृफताम् | दृफन्तु |
| दृफ | ,, | दृफतम् | दृफत |
| दृफान्ति | दृफाव | दृफाम | |

| | | |
|-------------|----------|--------|
| ह्य० अदृफत् | अदृफताम् | अदृफन् |
| अदृफः | अदृफतम् | अदृफत |
| अदृफम् | अदृफाव | अदृफाम |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| अ० अदफीत् | अदफिताम् | अदफिषुः |
| अदफीः | अदफितम् | अदफित |
| अदफिषम् | अदफिष्व | अदफिषम |

| | | |
|----------|-----------|-----------|
| प० ददर्फ | ददर्फुः | ददर्फुः |
| ददर्फिथ | ददर्फथुः | ददर्फ |
| ददर्फ | ददर्फिष्व | ददर्फिष्व |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० दृफ्यात् | दृफ्यास्ताम् | दृफ्यासुः |
| दृफ्याः | दृफ्यास्तम् | दृफ्यास्त |
| दृफ्यासम् | दृफ्यास्व | दृफ्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| श्व० दर्फिता | दर्फितारौ | दर्फितारः |
| दर्फितासि | दर्फितास्थः | दर्फितास्थ |
| दर्फितास्मि | दर्फितास्वः | दर्फितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० दर्फिष्यति | दर्फिष्यतः | दर्फिष्यन्ति |
| दर्फिष्यसि | दर्फिष्यथः | दर्फिष्यथ |
| दर्फिष्यामि | दर्फिष्यावः | दर्फिष्यामः |

| | | |
|----------------|---------------|-------------|
| कि अदर्फिष्यत् | अदर्फिष्यताम् | अदर्फिष्यन् |
| अदर्फिष्यः | अदर्फिष्यतम् | अदर्फिष्यत |
| अदर्फिष्यम् | अदर्फिष्याव | अदर्फिष्याम |

1382 दृम्फत् (दृम्फ्) उत्कलेशो 68

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० दृफति | दृफतः | दृफन्ति |
| दृफसि | दृफथः | दृफथ |
| दृफामि | दृफावः | दृफामः |
| स० दृफेत् | दृफेताम् | दृफेयुः |
| दृफेः | दृफेतम् | दृफेत |
| दृफेयम् | दृफेव | दृफेम |
| प० दृफतु | दृफतात् | दृफताम् |
| दृफ | „ | दृफतम् |
| दृफाणि | दृफाव | दृफाम |
| ह्य० अदृफत् | अदृफताम् | अदृफत् |
| अदृफः | अदृफतम् | अदृफत |
| अदृफम् | अदृफाव | अदृफाम |
| अ० अदृम्फीत् | अदृम्फिताम् | अदृम्फिषुः |
| अदृम्फीः | अदृम्फितम् | अदृम्फित |
| अदृम्फिषम् | अदृम्फिष्व | अदृम्फिषम |
| प० ददृम्फ | ददृम्फतुः | ददृम्फुः |
| ददृम्फिथ | ददृम्फिथुः | ददृम्फ |
| ददृम्फ | ददृम्फिष्व | ददृम्फिम |
| आ० दृफ्यात् | दृफ्यास्ताम् | दृफ्यासुः |
| दृफ्या | दृफ्यास्तम् | दृफ्यास्त |
| दृफ्यासम् | दृफ्यास्व | दृफ्यास्म |
| श्व० दृम्फिता | दृम्फितारौ | दृम्फितारः |
| दृम्फितासि | दृम्फितास्थः | दृम्फितास्थ |
| दृम्फितास्मि | दृम्फितास्वः | दृम्फितास्मः |
| भ० दृम्फिष्यति | दृम्फिष्यतः | दृम्फिष्यन्ति |
| दृम्फिष्यसि | दृम्फिष्यथः | दृम्फिष्यथ |
| दृम्फिष्यामि | दृम्फिष्यावः | दृम्फिष्यामः |
| क्रि० अदृम्फिष्यत् | अदृम्फिष्यताम् | अदृम्फिष्यन् |
| अदृम्फिष्यः | अदृम्फिष्यतम् | अदृम्फिष्यत |
| अदृम्फिष्यम् | अदृम्फिष्याव | अदृम्फिष्याम |

1383 गुम्फत् (गुम्फ्) ग्रन्थने 69

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० गुम्फति | गुम्फतः | गुम्फन्ति |
| गुम्फसि | गुम्फथः | गुम्फथ |
| गुम्फामि | गुम्फावः | गुम्फामः |
| स० गुम्फेत् | गुम्फेताम् | गुम्फेयुः |
| गुम्फेः | गुम्फेतम् | गुम्फेत |
| गुम्फेयम् | गुम्फेव | गुम्फेम |
| प० गुम्फतु | गुम्फतात् | गुम्फताम् |
| गुम्फ | „ | गुम्फतम् |
| गुम्फाणि | गुम्फाव | गुम्फाम |
| ह्य० अगुम्फत् | अगुम्फताम् | अगुम्फत् |
| अगुम्फः | अगुम्फतम् | अगुम्फत |
| अगुम्फम् | अगुम्फाव | अगुम्फाम |
| अ० अगोफीत् | अगोफिताम् | अगोफिषुः |
| अगोफीः | अगोफितम् | अगोफित |
| अगोफिषम् | अगोफिष्व | अगोफिषम |
| प० जुगोफ | जुगुफतुः | जुगुफुः |
| जुगोफिथ | जुगुफिथुः | जुगुफ |
| जुगोफ | जुगुफिष्व | जुगुफिम |
| आ० गुफ्यात् | गुफ्यास्ताम् | गुफ्यासुः |
| गुफ्या | गुफ्यास्तम् | गुफ्यास्त |
| गुफ्यासम् | गुफ्यास्व | गुफ्यास्म |
| श्व० गोफिता | गोफितारौ | गोफितारः |
| गोफितासि | गोफितास्थः | गोफितास्थ |
| गोफितास्मि | गोफितास्वः | गोफितास्मः |
| भ० गोफिष्यति | गोफिष्यतः | गोफिष्यन्ति |
| गोफिष्यसि | गोफिष्यथः | गोफिष्यथ |
| गोफिष्यामि | गोफिष्यावः | गोफिष्यामः |
| क्रि० अगोफिष्यत् | अगोफिष्यताम् | अगोफिष्यन् |
| अगोफिष्यः | अगोफिष्यतम् | अगोफिष्यत |
| अगोफिष्यम् | अगोफिष्याव | अगोफिष्याम |

1384 गुम्फत् (गुम्फ्) ग्रन्थने 70

| | | |
|----------|--------|---------|
| व० गुफति | गुफतः | गुफन्ति |
| गुफसि | गुफथः | गुफथ |
| गुफामि | गुफावः | गुफामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० गुफेत् | गुफेताम् | गुफेयुः |
| गुफेः | गुफेतम् | गुफेत |
| गुफेयम् | गुफेव | गुफेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० गुफतु | गुफतात् | गुफताम् | गुफन्तु |
| गुफ | , | गुफतम् | गुफत |
| गुफानि | गुफाव | गुफाम | |

| | | |
|-------------|----------|--------|
| ह्य० अगुफत् | अगुफताम् | अगुफन् |
| अगुफः | अगुफतम् | अगुफत |
| अगुफम् | अगुफाव | अगुफाम |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| अ० अगुम्फीत् | अगुम्फिष्टाम् | अगुम्फिषुः |
| अगुम्फीः | अगुम्फिष्टम् | अगुम्फिष्ट |
| अगुम्फिषम् | अगुम्फिष्व | अगुम्फिषम |

| | | |
|------------|------------|-----------|
| प० जुगुम्फ | जुगुम्फतुः | जुगुम्फुः |
| जुगुम्फिथ | जुगुम्फथुः | जुगुम्फ |
| जुगुम्फ | जुगुम्फिव | जुगुम्फिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० गुफ्यात् | गुफ्यास्ताम् | गुफ्यासुः |
| गुफ्याः | गुफ्यास्तम् | गुफ्यास्त |
| गुफ्यासम् | गुफ्यास्व | गुफ्यास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| श्व० गुम्फिता | गुम्फितारौ | गुम्फितारः |
| गुम्फितासि | गुम्फितास्थः | गुम्फितास्थ |
| गुम्फितास्मि | गुम्फितास्वः | गुम्फितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० गुम्फिष्यति | गुम्फिष्यतः | गुम्फिष्यन्ति |
| गुम्फिष्यसि | गुम्फिष्यथः | गुम्फिष्यथ |
| गुम्फिष्यामि | गुम्फिष्यावः | गुम्फिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अगुम्फिष्यत् | अगुम्फिष्यताम् | अगुम्फिष्यन् |
| अगुम्फिष्यः | अगुम्फिष्यतम् | अगुम्फिष्यत |
| अगुम्फिष्यम् | अगुम्फिष्याव | अगुम्फिष्याम |

अथ भान्ताः षट् सेटश्च

1385 उभत् (उभ्) पूरणे 71

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० उम्भति | उम्भतः | उम्भन्ति |
| उम्भसि | उम्भथः | उम्भथ |
| उम्भामि | उम्भावः | उम्भामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० उम्भेत् | उम्भेताम् | उम्भेयुः |
| उम्भेः | उम्भेतम् | उम्भेत |
| उम्भेयम् | उम्भेव | उम्भेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० उम्भतु | उम्भतात् | उम्भताम् | उम्भन्तु |
| उम्भ | , | उम्भतम् | उम्भत |
| उम्भानि | उम्भाव | उम्भाम | |

| | | |
|-------------|----------|--------|
| ह्य० औम्भत् | औम्भताम् | औम्भन् |
| औम्भः | औम्भतम् | औम्भत |
| औम्भम् | औम्भाव | औम्भाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० औम्भीत् | औम्भिष्टाम् | औम्भिषुः |
| औम्भीः | औम्भिष्टम् | औम्भिष्ट |
| औम्भिषम् | औम्भिष्व | औम्भिषम |

| | | |
|---------|-------|------|
| प० उवोभ | उभतुः | उभुः |
| उवोभिथ | उभथुः | उभ |
| उवोभ | उभिव | उभिम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० उभ्यात् | उभ्यास्ताम् | उभ्यासुः |
| उभ्याः | उभ्यास्तम् | उभ्यास्त |
| उभ्यासम् | उभ्यास्व | उभ्यास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| श्व० ओभिता | ओभितारौ | ओभितारः |
| ओभितासि | ओभितास्थः | ओभितास्थ |
| ओभितास्मि | ओभितास्वः | ओभितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० ओभिष्यति | ओभिष्यतः | ओभिष्यन्ति |
| ओभिष्यसि | ओभिष्यथः | ओभिष्यथ |
| ओभिष्यामि | ओभिष्यावः | ओभिष्यामः |

| | | |
|----------------|------------|----------|
| क्रि० औभिष्यत् | औभिष्यताम् | औभिष्यन् |
| औभिष्यः | औभिष्यतम् | औभिष्यत |
| औभिष्यम् | औभिष्याव | औभिष्याम |

1386 उभत् (उभ्) पूरणे 72

| | | |
|------------------------|------------------------|---------------|
| व० उभति | उभतः | उभन्ति |
| उभसि | उभथः | उभथ |
| उभामि | उभावः | उभामः |
| स० उभेत् | उभेताम् | उभेयुः |
| उभेः | उभेतम् | उभेत |
| उभेयम् | उभेव | उभेम |
| प० उभतु | उभतात् | उभताम् उभन्तु |
| उभ | " | उभतम् उभत |
| उभानि | उभाव | उभाम |
| ह्य० औभत् | औभताम् | औभन् |
| औभः | औभतम् | औभत |
| औभम् | औभाव | औभाम |
| अ० औम्भीत् | औम्भिष्टाम् | औम्भिषुः |
| औम्भीः | औम्भिष्टम् | औम्भिष्ट |
| औम्भिषम् | औम्भिष्व | औम्भिषम |
| प० उम्भाञ्चकार | उम्भाञ्चकतुः | उम्भाञ्चकः |
| उम्भाञ्चकर्थ | उम्भाञ्चकथुः | उम्भाञ्चक |
| उम्भाञ्चकार, कर | उम्भाञ्चकृवउम्भाञ्चकृम | |
| उम्भाम्बभूव । उम्भामास | | |
| आ० उभ्यात् | उभ्यास्ताम् | उभ्यासुः |
| उभ्याः | उभ्यास्तम् | उभ्यास्त |
| उभ्यासम् | उभ्यास्व | उभ्यासम |
| प्रव० उम्भिता | उम्भितारौ | उम्भितारः |
| उम्भितासि | उम्भितास्थः | उम्भितास्थ |
| उम्भितास्मि | उम्भितास्वः | उम्भितास्मः |
| भ० उम्भिष्यति | उम्भिष्यतः | उम्भिष्यन्ति |
| उम्भिष्यसि | उम्भिष्यथः | उम्भिष्यथ |
| उम्भिष्यामि | उम्भिष्यावः | उम्भिष्यामः |
| क्रि० औम्भिष्यत् | औम्भिष्यताम् | औम्भिष्यन् |
| औम्भिष्यः | औम्भिष्यतम् | औम्भिष्यत |
| औम्भिष्यम् | औम्भिष्याव | औम्भिष्याम |

1387 शुभत् (शुभ्) शोभार्थ 73

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० शुभति | शुभतः | शुभन्ति |
| शुभसि | शुभथः | शुभथ |
| शुभामि | शुभावः | शुभामः |
| स० शुभेत् | शुभेताम् | शुभेयुः |
| शुभेः | शुभेतम् | शुभेत |
| शुभेयम् | शुभेव | शुभेम |
| स० शुभतु | शुभतात् | शुभताम् शुभन्तु |
| शुभ | " | शुभतम् शुभत |
| शुभानि | शुभाव | शुभाम |
| ह्य० अशुभत् | अशुभताम् | अशुभन् |
| अशुभः | अशुभतम् | अशुभत |
| अशुभम् | अशुभाव | अशुभाम |
| अ० अशोभीत् | अशोभिष्टाम् | अशोभिषुः |
| अशोभीः | अशोभिष्टम् | अशोभिष्ट |
| अशोभिषम् | अशोभिष्व | अशोभिषम |
| प० शुशोभ | शुशुभतुः | शुशुभुः |
| शुशोभिय | शुशुभयुः | शुशुभ |
| शुशोभ | शुशुभिव | शुशुभिम |
| आ० शुभ्यात् | शुभ्यास्ताम् | शुभ्यासुः |
| शुभ्याः | शुभ्यास्तम् | शुभ्यास्त |
| शुभ्यासम् | शुभ्यास्व | शुभ्यासम |
| प्रव० शोभिता | शोभितारौ | शोभितारः |
| शोभितासि | शोभितास्थः | शोभितास्थ |
| शोभितास्मि | शोभितास्वः | शोभितास्मः |
| भ० शोभिष्यति | शोभिष्यतः | शोभिष्यन्ति |
| शोभिष्यसि | शोभिष्यथः | शोभिष्यथ |
| शोभिष्यामि | शोभिष्यावः | शोभिष्यामः |
| क्रि० अशोभिष्यत् | अशोभिष्यताम् | अशोभिष्यन् |
| अशोभिष्यः | अशोभिष्यतम् | अशोभिष्यत |
| अशोभिष्यम् | अशोभिष्याव | अशोभिष्याम |

1388 शुभत् (शुम्भ) शोभार्थे 74

| | | |
|--------------------|----------------|-----------------|
| व० शुभति | शुभतः | शुभन्ति |
| शुभसि | शुभथः | शुभथ |
| शुभामि | शुभावः | शुभामः |
| स० शुभेत् | शुभेताम् | शुभेयुः |
| शुभेः | शुभेतम् | शुभेत |
| शुभेयम् | शुभेव | शुभेम |
| स० शुभतु | शुभतात् | शुभताम् शुभन्तु |
| शुभ | शुभतम् | शुभत |
| शुभानि | शुभाव | शुभाम |
| ह्य० अशुभत् | अशुभताम् | अशुभन् |
| अशुभः | अशुभतम् | अशुभत |
| अशुभम् | अशुभाव | अशुभाम |
| अ० अशुम्भीत् | अशुम्भीताम् | अशुम्भीषुः |
| अशुम्भीः | अशुम्भीतम् | अशुम्भीष्ट |
| अशुम्भीषम् | अशुम्भीष्व | अशुम्भीष्म |
| प० शुशुम्भ | शुशुम्भतुः | शुशुम्भुः |
| शुशुम्भिथ | शुशुम्भथुः | शुशुम्भ |
| शुशुम्भ | शुशुम्भिव | शुशुम्भिभ |
| आ० शुभ्यात् | शुभ्यास्ताम् | शुभ्यासुः |
| शुभ्याः | शुभ्यास्तम् | शुभ्यास्त |
| शुभ्यासम् | शुभ्यास्व | शुभ्यास्म |
| श्व० शुम्भिता | शुम्भितारौ | शुम्भितारः |
| शुम्भितासि | शुम्भितास्थः | शुम्भितास्थ |
| शुम्भितास्मि | शुम्भितास्वः | शुम्भितास्मः |
| भ० शुम्भिष्यति | शुम्भिष्यतः | शुम्भिष्यन्ति |
| शुम्भिष्यसि | शुम्भिष्यथः | शुम्भिष्यथ |
| शुम्भिष्यामि | शुम्भिष्यावः | शुम्भिष्याम |
| क्रि० अशुम्भिष्यत् | अशुम्भिष्यताम् | अशुम्भिष्यन् |
| अशुम्भिष्यः | अशुम्भिष्यतम् | अशुम्भिष्यत |
| अशुम्भिष्यम् | अशुम्भिष्याव | अशुम्भिष्याम |

1389 दृभत् (दृभ) ग्रन्थने 75

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० दृभति | दृभतः | दृभन्ति |
| दृभसि | दृभथः | दृभथ |
| दृभामि | दृभावः | दृभामः |
| स० दृभेत् | दृभेताम् | दृभेयुः |
| दृभेः | दृभेतम् | दृभेत |
| दृभेयम् | दृभेव | दृभेम |
| प० दृभतु | दृभतात् | दृभताम् दृभन्तु |
| दृभ | दृभतम् | दृभत |
| दृभाणि | दृभाव | दृभाम |
| ह्य० अदृभत् | अदृभताम् | अदृभन् |
| अदृभः | अदृभतम् | अदृभत |
| अदृभम् | अदृभाव | अदृभाम |
| अ० अदृभीत् | अदृभीताम् | अदृभीषुः |
| अदृभीः | अदृभीतम् | अदृभीष्ट |
| अदृभीषम् | अदृभीष्व | अदृभीष्म |
| प० ददृभ | ददृभतुः | ददृभुः |
| ददृभिथ | ददृभथुः | ददृभ |
| ददृभ | ददृभिव | ददृभिभ |
| आ० दृभ्यात् | दृभ्यास्ताम् | दृभ्यासुः |
| दृभ्याः | दृभ्यास्तम् | दृभ्यास्त |
| दृभ्यासम् | दृभ्यास्व | दृभ्यास्म |
| श्व० दृभिता | दृभितारौ | दृभितारः |
| दृभितासि | दृभितास्थः | दृभितास्थ |
| दृभितास्मि | दृभितास्वः | दृभितास्मः |
| भ० दृभिष्यति | दृभिष्यतः | दृभिष्यन्ति |
| दृभिष्यसि | दृभिष्यथः | दृभिष्यथ |
| दृभिष्यामि | दृभिष्यावः | दृभिष्यामः |
| क्रि० अदृभिष्यत् | अदृभिष्यताम् | अदृभिष्यन् |
| अदृभिष्यः | अदृभिष्यतम् | अदृभिष्यत |
| अदृभिष्यम् | अदृभिष्याव | अदृभिष्याम |

1390 लुभत् (लुभ) विमोहने 76

विमोहने व्याकुलीकरणम्,

| | | |
|------------------|--------------|------------------|
| व० लुभति | लुभतः | लुभन्ति |
| लुभति | लुभथः | लुभथ |
| लुभामि | लुभावः | लुभामः |
| स० लुभेत् | लुभेताम् | लुभेयुः |
| लुभेः | लुभेतम् | लुभेत |
| लुभेयम् | लुभेव | लुभेम |
| प० लुभतु | लुभतात् | लुभताम् लुभन्तु |
| लुभ | ” | लुभतम् लुभत |
| लुभानि | लुभाव | लुभाम |
| ह्य० अलुभत् | अलुभताम् | अलुभन् |
| अलुभः | अलुभतम् | अलुभत |
| अलुभम् | अलुभाव | अलुभाम |
| अ० अलोभीत् | अलोभिष्टाम् | अलोभिषुः |
| अलोभीः | अलोभिष्टम् | अलोभिष्ट |
| अलोभिषम् | अलोभिष्व | अलोभिषम् |
| प० लुलोभ | लुलुभतुः | लुलुभुः |
| लुलोभिथ | लुलुभथुः | लुलुभ |
| लुलोभ | लुलुभिव | लुलुभिम |
| आ० लुभ्यात् | लुभ्यास्ताम् | लुभ्यासुः |
| लुभ्याः | लुभ्यास्तम् | लुभ्यास्त |
| लुभ्यासम् | लुभ्यास्व | लुभ्यासम् |
| श्व० लोभिता | लोभितारौ | लोभितारः |
| लोभितासि | लोभितास्थः | लोभितास्थ |
| लोभितास्मि | लोभितास्वः | लोभितास्मः |
| लोब्धा | लोब्धारौ | लोब्धारः इत्यादि |
| भ० लोभिष्यति | लोभिष्यतः | लोभिष्यन्ति |
| लोभिष्यमि | लोभिष्यथः | लोभिष्यथ |
| लोभिष्यामि | लोभिष्यावः | लोभिष्यामः |
| क्रि० अलोभिष्यत् | अलोभिष्यताम् | अलोभिष्यन् |
| अलोभिष्यः | अलोभिष्यतम् | अलोभिष्यत |
| अलोभिष्यम् | अलोभिष्याव | अलोभिष्याम |

अथ रान्ता अष्टौ सेटश्च
1391 कुरत् (कुर) शब्दे 77

| | | |
|---|--------------|-----------------|
| व० कुरति | कुरतः | कुरन्ति |
| कुरसि | कुरथः | कुरथ |
| कुरामि | कुरावः | कुरामः |
| स० कुरेत् | कुरेताम् | कुरेयुः |
| कुरेः | कुरेतम् | कुरेत |
| कुरेयम् | कुरेव | कुरेम |
| प० कुरतु | कुरतात् | कुरताम् कुरन्तु |
| कुर | ” | कुरतम् कुरत |
| कुराणि | कुराव | कुराम |
| ह्य० अकुरत् | अकुरताम् | अकुरन् |
| अकुरः | अकुरतम् | अकुरत |
| अकुरम् | अकुराव | अकुराम |
| अ० अकोरीत् | अकोरिष्टाम् | अकोरिषुः |
| अकोरीः | अकोरिष्टम् | अकोरिष्ट |
| अकोरिषम् | अकोरिष्व | अकोरिषम् |
| प० चुकोर | चुकुरतुः | चुकुरः |
| चुकोरिथ | चुकुरथुः | चुकुर |
| चुकोर | चुकुरिव | चुकुरिम |
| आ कुर्यात् | कुर्यास्ताम् | कुर्यासुः |
| कुर्याः | कुर्यास्तम् | कुर्यास्त |
| कुर्यासम् | कुर्यास्व | कुर्यासम् |
| श्व० कोरिता | कोरितारौ | कोरितारः |
| कोरितासि | कोरितास्थः | कोरितास्थ |
| कोरितास्मि | कोरितास्वः | कोरितास्मः |
| भ० कोरिष्यति | कोरिष्यतः | कोरिष्यन्ति |
| कोरिष्यमि | कोरिष्यथः | कोरिष्यथ |
| कोरिष्यामि | कोरिष्यावः | कोरिष्यामः |
| क्रि० अकोरिष्यत् | अकोरिष्यताम् | अकोरिष्यन् |
| अकोरिष्यः | अकोरिष्यतम् | अकोरिष्यत |
| अकोरिष्यम् | अकोरिष्याव | अकोरिष्याम |
| कुरुच्छुर इत्यत्र कृण पव प्रहणाद् भवाद् रिति दीर्घं कुर्यते आशिषि कुर्यात् । अस्यापि न दीर्घ इत्येके कुर्यात् । | | |

1392 क्षुरत् (क्षुर) विखनने 78

ब० क्षुरति क्षुरतः क्षुरन्ति
क्षुरसि क्षुरथः क्षुरथ
क्षुरामि क्षुरावः क्षुरामः

स० क्षुरेत् क्षुरेताम् क्षुरेयुः
क्षुरेः क्षुरेतम् क्षुरेन
क्षुरेयम् क्षुरेव क्षुरेम

प० क्षुरतु क्षुरतात् क्षुरताम् क्षुरन्तु
क्षुर क्षुरतम् क्षुरत
क्षुराणि क्षुराव क्षुराम

झ० अक्षुरत् अक्षुरताम् अक्षुरन्
अक्षुरः अक्षुरतम् अक्षुरत
अक्षुरम् अक्षुराव अक्षुराम

अ० अक्षोरीत् अक्षोरिष्टम् अक्षोरिषुः
अक्षोरीः अक्षोरिष्टम् अक्षोरिष्ट
अक्षोरिषम् अक्षोरिष्व अक्षोरिष्म

प० चुक्षोर चुक्षुरतः चुक्षुरुः
चुक्षोरिथ चुक्षुरथः चुक्षुर
चुक्षोर चुक्षुरिष चुक्षुरिम

आ० क्षूयात् क्षूयास्ताम् क्षूयास्तुः
क्षूयाः क्षूयास्तम् क्षूयास्त
क्षूयासम् क्षूयास्व क्षूयास्म

श्व० क्षोरिता क्षोरितारौ क्षोरितारः
क्षोरितासि क्षोरितास्थः क्षोरितास्थ
क्षोरितास्मि क्षोरितास्वः क्षोरितास्मः

भ० क्षोरिष्यति क्षोरिष्यतः क्षोरिष्यन्ति
क्षोरिष्यसि क्षोरिष्यथः क्षोरिष्यथ
क्षोरिष्यामि क्षोरिष्यावः क्षोरिष्यामः

क्लि० अक्षोरिष्यत् अक्षोरिष्यताम् अक्षोरिष्यन्
अक्षोरिष्यः अक्षोरिष्यतम् अक्षोरिष्यत
अक्षोरिष्यम् अक्षोरिष्याव अक्षोरिष्याम

1393 खुरत् (खुर) छेदने च 79

छेदनं विलोखनम् । चकाराद् । विखनने

ब० खुरति खुरतः खुरन्ति
खुरसि खुरथः खुरथ
खुरामि खुरावः खुरामः

स० खुरेत् खुरेताम् खुरेयुः
खुरेः खुरेतम् खुरेत
खुरेयम् खुरेव खुरेम

प० खुरतु खुरतात् खुरताम् खुरन्तु
खुर खुरतात् खुरतम् खुरत
खुराणि खुराव खुराम

झ० अखुरत् अखुरताम् अखुरन्
अखुरः अखुरतम् अखुरत
अखुरम् अखुराव अखुराम

अ० अखोरीत् अखोरिष्टम् अखोरिषुः
अखोरीः अखोरिष्टम् अखोरिष्ट
अखोरिषम् अखोरिष्व अखोरिष्म

प० चुखोर चुखुरतः चुखुरुः
चुखोरिथ चुखुरथः चुखुर
चुखोर चुखुरिष चुखुरिम

आ० खूयात् खूयास्ताम् खूयास्तुः
खूयाः खूयास्तम् खूयास्त
खूयासम् खूयास्व खूयास्म

श्व० खोरिता खोरितारौ खोरितारः
खोरितासि खोरितास्थः खोरितास्थ
खोरितास्मि खोरितास्वः खोरितास्मः

भ० खोरिष्यति खोरिष्यतः खोरिष्यन्ति
खोरिष्यसि खोरिष्यथः खोरिष्यथ
खोरिष्यामि खोरिष्यावः खोरिष्यामः

क्लि० अखोरिष्यत् अखोरिष्यताम् अखोरिष्यन्
अखोरिष्यः अखोरिष्यतम् अखोरिष्यत
अखोरिष्यम् अखोरिष्याव अखोरिष्याम

1394 घुरत् (घुर) भीमार्थ-

शब्दयोः 80

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| घ० घुरति | घुरतः | घुरन्ति |
| घुरसि | घुरथः | घुरथ |
| घुरामि | घुरावः | घुरामः |
| स० घुरेत् | घुरेताम् | घुरेयुः |
| घुरेः | घुरेतम् | घुरेत |
| घुरेयम् | घुरेव | घुरेम |
| प० घुरतु | घुरताम् | घुरन्तु |
| घुर | घुरतम् | घुरत |
| घुराणि | घुराव | घुराम |
| अ० अघुरत् | अघुरताम् | अघुरन् |
| अघुरः | अघुरतम् | अघुरत |
| अघुरम् | अघुराव | अघुराम |
| अ० अघोरीत् | अघोरिष्टाम् | अघोरिषुः |
| अघोरीः | अघोरिष्टम् | अघोरिष्ट |
| अघोरिषम् | अघोरिष्व | अघोरिषम् |
| प० जुघोर | जुघुरतुः | जुघुरुः |
| जुघोरिथ | जुघुरथुः | जुघुर |
| जुघोर | जुघुरिष्व | जुघुरिम |
| आ० घूर्यात् | घूर्यास्ताम् | घूर्यासुः |
| घूर्याः | घूर्यास्तम् | घूर्यास्त |
| घूर्यासम् | घूर्यास्व | घूर्यास्म |
| श्व० घोरिता | घोरितारौ | घोरितारः |
| घोरितासि | घोरितास्थः | घोरितास्थ |
| घोरितास्मि | घोरितास्वः | घोरितास्मः |
| भ० घोरिष्यति | घोरिष्यतः | घोरिष्यन्ति |
| घोरिष्यसि | घोरिष्यथः | घोरिष्यथ |
| घोरिष्यामि | घोरिष्यावः | घोरिष्यामः |
| क्रि० अघोरिष्यत् | अघोरिष्यताम् | अघोरिष्यन् |
| अघोरिष्यः | अघोरिष्यतम् | अघोरिष्यत |
| अघोरिष्यम् | अघोरिष्याव | अघोरिष्याम |

1395 पुरत् (पुर) अग्रगमने 81

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| घ० पुरति | पुरतः | पुरन्ति |
| पुरसि | पुरथः | पुरथ |
| पुरामि | पुरावः | पुरामः |
| स० पुरेत् | पुरेताम् | पुरेयुः |
| पुरेः | पुरेतम् | पुरेत |
| पुरेयम् | पुरेव | पुरेम |
| प० पुरतु | पुरताम् | पुरन्तु |
| पुर | पुरतम् | पुरत |
| पुराणि | पुराव | पुराम |
| अ० अपुरत् | अपुरताम् | अपुरन् |
| अपुरः | अपुरतम् | अपुरत |
| अपुरम् | अपुराव | अपुराम |
| अ० अपोरीत् | अपोरिष्टाम् | अपोरिषुः |
| अपोरीः | अपोरिष्टम् | अपोरिष्ट |
| अपोरिषम् | अपोरिष्व | अपोरिषम् |
| प० पुपोर | पुपुरतुः | पुपुः |
| पुपोरिथ | पुपुथुः | पुपुर |
| पुपोर | पुपुरिष्व | पुपुरिम |
| आ० पूर्यात् | पूर्यास्ताम् | पूर्यासुः |
| पूर्याः | पूर्यास्ताम् | पूर्यास्त |
| पूर्यासम् | पूर्यास्व | पूर्यास्म |
| श्व० पोरिता | पोरितारौ | पोरितारः |
| पोरितासि | पोरितास्थः | पोरितास्थ |
| पोरितास्मि | पोरितास्वः | पोरितास्मः |
| भ० पोरिष्यति | पोरिष्यतः | पोरिष्यन्ति |
| पोरिष्यसि | पोरिष्यथः | पोरिष्यथ |
| पोरिष्यामि | पोरिष्यावः | पोरिष्यामः |
| क्रि० अपोरिष्यत् | अपोरिष्यताम् | अपोरिष्यन् |
| अपोरिष्यः | अपोरिष्यतम् | अपोरिष्यत |
| अपोरिष्यम् | अपोरिष्याव | अपोरिष्याम |

1396 मुरत् (मुर) संवेष्टने । 82

व० मुरति मुरतः मुरन्ति
मुरसि मुरथः मुरथ
मुरामि मुरावः मुरामः

स० मुरेत मुरेताम् मुरेयुः
मुरेः मुरेतम् मुरेत
मुरेयम् मुरेव मुरेम

प० मुरतु मुरताम् मुरताम् मुरन्तु
मुर , मुरतम् मुरत
मुराणि मुराव मुराम

ह्य० अमुरत् अमुरताम् अमुरन्
अमुरः अमुरतम् अमुरत
अमुरान् अमुराव अमुराम

अ० अमोरीत् अमोरिष्टाम् अमोरिषुः
अमोरीः अमोरिष्टम् अमोरिष्ट
अमोरिषम् अमोरिष्व अमोरिष्व

प० मुमोर मुमुरतुः मुमुरुः
मुमोरिथ मुमुरथुः मुमुर
मुमोर मुमुरिष्व मुमुरिम

आ० मूयात् मूयास्ताम् मूयांसुः
मूयाः मूयास्तम् मूयास्त
मूयांसम् मूयांस्व मूयांसम्

प्र० मोरिता मोरितारौ मोरितारः
मोरितासि मोरितास्थः मोरितास्थ
मोरितास्मि मोरितास्वः मोरितास्मः

भ० मोरिष्यति मोरिष्यतः मोरिष्यन्ति
मोरिष्यसि मोरिष्यथः मोरिष्यथ
मोरिष्यामि मोरिष्यावः मोरिष्यामः

क्रि० अमोरिष्यत् अमोरिष्यताम् अमोरिष्यन्
अमोरिष्यः अमोरिष्यतम् अमोरिष्यत
अमोरिष्यम् अमोरिष्याव अमोरिष्याम

1397 सुरत् (सुर) ऐश्वर्यदीप्तयोः 83

व० सुरति सुरतः सुरन्ति
सुरसि सुरथः सुरथ
सुरामि सुरावः सुरामः

स० सुरेत सुरेताम् सुरेयुः
सुरेः सुरेतम् सुरेत
सुरेयम् सुरेव सुरेम

प० सुरतु सुरतात् सुरताम् सुरन्तु
सुर , सुरतम् सुरत
सुराणि सुराव सुराम

ह्य० असुरत् असुरताम् असुरन्
असुरः असुरतम् असुरत
असुरम् असुराव असुराम

अ० असोरीत् असोरिष्टाम् असोरिषुः
असोरीः असोरिष्टम् असोरिष्ट
असोरिषम् असोरिष्व असोरिष्व

प० सुसोर सुसुरतुः सुसुरुः
सुसोरिथ सुसुरथुः सुसुर
सुसोर सुसुरिष्व सुसुरिम

आ० सूर्यात् सूर्यास्ताम् सूर्यांसुः
सूर्याः सूर्यास्तम् सूर्यास्त
सूर्यांसम् सूर्यांस्व सूर्यांसम्

प्र० सौरिता सौरितारौ सौरितारः
सौरितासि सौरितास्थः सौरितास्थ
सौरितास्मि सौरितास्वः सौरितास्मः

भ० सौरिष्यति सौरिष्यतः सौरिष्यन्ति
सौरिष्यसि सौरिष्यथः सौरिष्यथ
सौरिष्यामि सौरिष्यावः सौरिष्यामः

क्रि० असौरिष्यत् असौरिष्यताम् असौरिष्यन्
असौरिष्यः असौरिष्यतम् असौरिष्यत
असौरिष्यम् असौरिष्याव असौरिष्याम

षोपदेशोऽयमिति केचित्.

1398 स्फरत् (स्फर्) स्फुरणे

चलने इत्यके 84

| | | |
|-----------------|---------------|-------------------|
| व० स्फरति | स्फरतः | स्फरन्ति |
| स्फरसि | स्फरथः | स्फरथ |
| स्फरामि | स्फरावः | स्फरामः |
| स० स्फरेत् | स्फरेताम् | स्फरेयुः |
| स्फरेः | स्फरेतम् | स्फरेत |
| स्फरेयम् | स्फरेव | स्फरेम |
| प० स्फरतु | स्फरतात् | स्फरताम् स्फरन्तु |
| स्फर | स्फरतम् | स्फरत |
| स्फराणि | स्फराव | स्फराम |
| झ० अस्फरत् | अस्फरताम् | अस्फरन् |
| अस्फरः | अस्फरतम् | अस्फरत |
| अस्फरम् | अस्फराव | अस्फराम |
| अ० अस्फारीत् | अस्फारिष्टाम् | अस्फारिषुः |
| अस्फारीः | अस्फारिष्टम् | अस्फारिष्ट |
| अस्फारिषम् | अस्फारिष्व | अस्फारिषम |
| प० पस्फार | पस्फरतुः | पस्फरुः |
| पस्फरिथ | पस्फरथुः | पस्फर |
| पस्फार, पस्फर | पस्फरिव | पस्फरिम |
| आ० स्फर्यात् | स्फर्यास्ताम् | स्फर्यासुः |
| स्फर्याः | स्फर्यास्तम् | स्फर्यास्त |
| स्फर्यासम् | स्फर्यास्व | स्फर्यास्म |
| श्व० स्फरिता | स्फरितारौ | स्फरितारः |
| स्फरितासि | स्फरितास्थः | स्फरितास्थ |
| स्फरितास्मि | स्फरितास्वः | स्फरितास्मः |
| भ० स्फरिष्यति | स्फरिष्यतः | स्फरिष्यन्ति |
| स्फरिष्यसि | स्फरिष्यथः | स्फरिष्यथ |
| स्फरिष्यामि | स्फरिष्यावः | स्फरिष्यामः |
| कि० अस्फरिष्यत् | अस्फरिष्यताम् | अस्फरिष्यन् |
| अस्फरिष्यः | अस्फरिष्यतम् | अस्फरिष्यत |
| अस्फरिष्यम् | अस्फरिष्याव | अस्फरिष्याम |

अथ लान्तास्त्रयोदश सेटश्च

1399 स्फलत् (स्फल्) स्फुरणे 85

| | | |
|-----------------|---------------|-------------------|
| व० स्फलति | स्फलनः | स्फलन्ति |
| स्फलसि | स्फलथः | स्फलथ |
| स्फलामि | स्फलावः | स्फलामः |
| स० स्फलेत् | स्फलेताम् | स्फलेयुः |
| स्फलेः | स्फलेतम् | स्फलेत |
| स्फलेयम् | स्फलेव | स्फलेम |
| प० स्फलतु | स्फलतात् | स्फलताम् स्फलन्तु |
| स्फल | स्फलतम् | स्फलत |
| स्फलानि | स्फलाव | स्फलाम |
| झ० अस्फलत् | अस्फलताम् | अस्फलन् |
| अस्फलः | अस्फलतम् | अस्फलत |
| अस्फलम् | अस्फलाव | अस्फलाम |
| अ० अस्फालीत् | अस्फालिष्टाम् | अस्फालिषुः |
| अस्फालीः | अस्फालिष्टम् | अस्फालिष्ट |
| अस्फालिषम् | अस्फालिष्व | अस्फालिषम |
| प० पस्फाल | पस्फरतुः | पस्फरुः |
| पस्फलिथ | पस्फरथुः | पस्फर |
| पस्फाल, पस्फर | पस्फरिव | पस्फरिम |
| आ० स्फल्यात् | स्फल्यास्ताम् | स्फल्यासुः |
| स्फल्याः | स्फल्यास्तम् | स्फल्यास्त |
| स्फल्यासम् | स्फल्यास्व | स्फल्यास्म |
| श्व० स्फलिता | स्फलितारौ | स्फलितारः |
| स्फलितासि | स्फलितास्थः | स्फलितास्थ |
| स्फलितास्मि | स्फलितास्वः | स्फलितास्मः |
| भ० स्फलिष्यति | स्फलिष्यतः | स्फलिष्यन्ति |
| स्फलिष्यसि | स्फलिष्यथः | स्फलिष्यथ |
| स्फलिष्यामि | स्फलिष्यावः | स्फलिष्यामः |
| कि० अस्फलिष्यत् | अस्फलिष्यताम् | अस्फलिष्यन् |
| अस्फलिष्यः | अस्फलिष्यतम् | अस्फलिष्यत |
| अस्फलिष्यम् | अस्फलिष्याव | अस्फलिष्याम |

1400 किलत् (किल्) खैत्प-

क्रीडनयेः 86

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० किलति | किलतः | किलन्ति |
| किलसि | किलथः | किलथ |
| किलामि | किलावः | किलामः |
| स० किलेत् | किलेताम् | किलेयुः |
| किलेः | किलेतम् | किलेत |
| किलेयम् | किलेव | किलेम |
| प० किलतु | किलतात् | किलताम् |
| किल | किलतम् | किलत |
| किलानि | किलाव | किलाम |
| झ० अकिलत् | अकिलताम् | अकिलन् |
| अकिलः | अकिलतम् | अकिलत |
| अकिलम् | अकिलाव | अकिलाम |
| अ० अकेलीत् | अकेलिष्टाम् | अकेलिषुः |
| अकेलीः | अकेलिष्टम् | अकेलिष्ट |
| अकेलिषम् | अकेलिष्व | अकेलिष्म |
| प० चिकेल | चिकिलतुः | चिकिलुः |
| चिकेलिथ | चिकिलथुः | चिकिल |
| चिकेल | चिकिलिव | चिकिलिम |
| आ० किल्यात् | किल्यास्ताम् | किल्यासुः |
| किल्याः | किल्यास्तम् | किल्यास्त |
| किल्यासम् | किल्यास्व | किल्यास्म |
| प्र० केलिता | केलितारौ | केलितारः |
| केलितासि | केलितास्थः | केलितास्थ |
| केलितास्मि | केलितास्वः | केलितास्मः |
| भ० केलिष्यति | केलिष्यतः | केलिष्यन्ति |
| केलिष्यसि | केलिष्यथः | केलिष्यथ |
| केलिष्यामि | केलिष्यावः | केलिष्यामः |
| क्रि० अकेलिष्यत् | अकेलिष्यताम् | अकेलिष्यन् |
| अकेलिष्यः | अकेलिष्यतम् | अकेलिष्यत |
| अकेलिष्यम् | अकेलिष्याव | अकेलिष्याम |

1401 इलत् (इल्) गतिस्व-

पक्षेपणेषु 87

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० इलति | इलतः | इलन्ति |
| इलसि | इलथः | इलथ |
| इलामि | इलावः | इलामः |
| स० इलेत् | इलेताम् | इलेयुः |
| इलेः | इलेतम् | इलेत |
| इलेयम् | इलेव | इलेम |
| प० इलतु | इलतात् | इलताम् |
| इल | इलतम् | इलत |
| इलानि | इलाव | इलाम |
| झ० ऐलत् | ऐलताम् | ऐलन् |
| ऐलः | ऐलतम् | ऐलत |
| ऐलम् | ऐलाव | ऐलाम |
| अ० ऐलीत् | ऐलिष्टाम् | ऐलिषुः |
| ऐलीः | ऐलिष्टम् | ऐलिष्ट |
| ऐलिषम् | ऐलिष्व | ऐलिष्म |
| प० इयेल | ईलतुः | ईलुः |
| इयेलिथ | ईलथुः | ईल |
| इयेल | ईलिव | ईलिम |
| आ० इल्यात् | इल्यास्ताम् | इल्यासुः |
| इल्याः | इल्यास्तम् | इल्यास्त |
| इल्यासम् | इल्यास्व | इल्यास्म |
| प्र० पलिता | पलितारौ | पलितारः |
| पलितासि | पलितास्थः | पलितास्थ |
| पलितास्मि | पलितास्वः | पलितास्मः |
| भ० पलिष्यति | पलिष्यतः | पलिष्यन्ति |
| पलिष्यसि | पलिष्यथः | पलिष्यथ |
| पलिष्यामि | पलिष्यावः | पलिष्यामः |
| क्रि० पेलिष्यत् | पेलिष्यताम् | पेलिष्यन् |
| पेलिष्यः | पेलिष्यतम् | पेलिष्यत |
| पेलिष्यम् | पेलिष्याव | पेलिष्याम |

1402 हिलत् (हिल्) हावकरणे 88

घ० हिलति हिलतः हिलन्ति
हिलसि हिलथः हिलथ
हिलामि हिलावः हिलामः

स० हिलेत् हिलेताम् हिलेयुः
हिलेः हिलेतम् हिलेत
हिलेयम् हिलेव हिलेम

प० हिलतु हिलतात् हिलताम् हिलन्तु
हिल हिलतम् हिलत
हिलानि हिलाव हिलाम

ह्य० अहिलत् अहिलताम् अहिलन्
अहिलः अहिलतम् अहिलत
अहिलम् अहिलाव अहिलाम

अ० अहेलीत् अहेलिष्टाम् अहेलिषुः
अहेलीः अहेलिष्टम् अहेलिष्ट
अहेलिषम् अहेलिष्व अहेलिष्म

प० जिहेल जिहिलात् जिहिलुः
जिहेलिथ जिहिलथुः जिहिल
जिहेल जिहिलिव जिहिलिम

आ० हिल्यात् हिल्यास्ताम् हिल्यासुः
हिल्याः हिल्यास्तम् हिल्यास्त
हिल्यासम् हिल्यास्व हिल्यास्म

श्व० हेलिता हेलितारौ हेलितारः
हेलितासि हेलितास्थः हेलितास्थ
हेलितास्मि हेलितास्वः हेलितास्मः

भ० हेलिष्यति हेलिष्यतः हेलिष्यन्ति
हेलिष्यसि हेलिष्यथः हेलिष्यथ
हेलिष्यामि हेलिष्यावः हेलिष्यामः

क्रि० अहेलिष्यत् अहेलिष्यताम् अहेलिष्यन्
अहेलिष्यः अहेलिष्यतम् अहेलिष्यत
अहेलिष्यम् अहेलिष्यावः अहेलिष्यामः

1403 शिलत् (शिल्) उञ्जे 89

घ० शिलति शिलतः शिलन्ति
शिलसि शिलथः शिलथ
शिलामि शिलावः शिलामः

स० शिलेत् शिलेताम् शिलेयुः
शिलेः शिलेतम् शिलेत
शिलेयम् शिलेव शिलेम

प० शिलतु शिलतात् शिलताम् शिलन्तु
शिल शिलतात् शिलतम् शिलत
शिलानि शिलाव शिलाम

ह्य० अशिलत् अशिलताम् अशिलन्
अशिलः अशिलतम् अशिलत
अशिलम् अशिलाव अशिलाम

अ० अशेलीत् अशेलिष्टाम् अशेलिषुः
अशेलीः अशेलिष्टम् अशेलिष्ट
अशेलिषम् अशेलिष्व अशेलिष्म

प० शिशेल शिशिलात् शिशिलुः
शिशेलिथ शिशिलथुः शिशिल
शिशेल शिशिलिव शिशिलिम

आ० शिल्यात् शिल्यास्ताम् शिल्यासुः
शिल्याः शिल्यास्तम् शिल्यास्त
शिल्यासम् शिल्यास्व शिल्यास्म

श्व० शेलिता शेलितारौ शेलितारः
शेलितासि शेलितास्थः शेलितास्थ
शेलितास्मि शेलितास्वः शेलितास्मः

भ० शेलिष्यति शेलिष्यतः शेलिष्यन्ति
शेलिष्यसि शेलिष्यथः शेलिष्यथ
शेलिष्यामि शेलिष्यावः शेलिष्यामः

क्रि० अशेलिष्यत् अशेलिष्यताम् अशेलिष्यन्
अशेलिष्यः अशेलिष्यतम् अशेलिष्यत
अशेलिष्यम् अशेलिष्यावः अशेलिष्यामः

1404 सिलत् (सिल्) उञ्छे 90

षिलत् इति केचित्, तन्मते परोक्षार्थां
विशेषः, सिषेल, इत्यादि ॥

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | सिलति | सिलतः | सिलन्ति |
| | सिलसि | सिलथः | सिलथ |
| | सिलामि | सिलावः | सिलामः |
| स० | सिलेत् | सिलेताम् | सिलेयुः |
| | सिलेः | सिलेतम् | सिलेत |
| | सिलेयम् | सिलेव | सिलेम |
| प० | सिलतु | सिलतात् | सिलताम् |
| | सिल | सिलतम् | सिलत |
| | सिलानि | सिलाव | सिलाम |
| झ० | असिलत् | असिलताम् | असिलन् |
| | असिलः | असिलतम् | असिलत |
| | असिलम् | असिलाव | असिलाम |
| अ० | असेलीत् | असेलिष्टम् | असेलिषुः |
| | असेलीः | असेलिष्टम् | असेलिष्ट |
| | असेलिषम् | असेलिष्व | असेलिषम |
| प० | सिसेत् | सिसिदतुः | सिसिलुः |
| | सिसेलिथ | सिसिलथुः | सिसिल |
| | सिसेल | सिसिलिव | सिसिलिम |
| आ० | सिल्यात् | सिल्यास्ताम् | सिल्यासुः |
| | सिल्याः | सिल्यास्तम् | सिल्यास्त |
| | सिल्यासम् | सिल्यास्व | सिल्यास्म |
| प्र० | सेलिता | सेलितारौ | सेलितारः |
| | सेलितासि | सेलितास्थः | सेलितास्थ |
| | सेलितास्मि | सेलितास्वः | सेलितास्मः |
| भ० | सेलिष्यति | सेलिष्यतः | सेलिष्यन्ति |
| | सेलिष्यसि | सेलिष्यथः | सेलिष्यथ |
| | सेलिष्यामि | सेलिष्यावः | सेलिष्यामः |
| क्रि० | असेलिष्यत् | असेलिष्यताम् | असेलिष्यन् |
| | असेलिष्यः | असेलिष्यतम् | असेलिष्यत |
| | असेलिष्यम् | असेलिष्याव | असेलिष्याम |

1405 तिलत् (तिऌ) स्नेहने 91

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| व० | तिलति | तिलतः | तिलन्ति |
| | तिलसि | तिलथः | तिलथ |
| | तिलामि | तिलावः | तिलामः |
| स० | तिलेत् | तिलेताम् | तिलेयुः |
| | तिलेः | तिलेतम् | तिलेत |
| | तिलेयम् | तिलेव | तिलेम |
| प० | तिलतु | तिलतात् | तिलताम् |
| | तिल | तिलतम् | तिलत |
| | तिलानि | तिलाव | तिलाम |
| झ० | अतिलत् | अतिलताम् | अतिलन् |
| | अतिलः | अतिलतम् | अतिलत |
| | अतिलम् | अतिलाव | अतिलाम |
| अ० | अतेलीत् | अतेलिष्टम् | अतेलिषुः |
| | अतेलीः | अतेलिष्टम् | अतेलिष्ट |
| | अतेलिषम् | अतेलिष्व | अतेलिषम |
| प० | तितेल | तितिलतुः | तितिलुः |
| | तितेलिथ | तितिलथुः | तितिल |
| | तितेल | तितिलिव | तितिलिम |
| आ० | तिल्यात् | तिल्यास्ताम् | तिल्यासुः |
| | तिल्याः | तिल्यास्तम् | तिल्यास्त |
| | तिल्यासम् | तिल्यास्व | तिल्यास्म |
| प्र० | तेलिता | तेलितारौ | तेलितारः |
| | तेलितासि | तेलितास्थः | तेलितास्थ |
| | तेलितास्मि | तेलितास्वः | तेलितास्मः |
| भ० | तेलिष्यति | तेलिष्यतः | तेलिष्यन्ति |
| | तेलिष्यसि | तेलिष्यथः | तेलिष्यथ |
| | तेलिष्यामि | तेलिष्यावः | तेलिष्यामः |
| क्रि० | अतेलिष्यत् | अतेलिष्यताम् | अतेलिष्यन् |
| | अतेलिष्यः | अतेलिष्यतम् | अतेलिष्यत |
| | अतेलिष्यम् | अतेलिष्याव | अतेलिष्याम |

1406 चलत् (चल्) विलसने 92

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० चलति | चलतः | चलन्ति |
| चलसि | चलथः | चलथ |
| चलामि | चलावः | चलामः |
| स० चलेत् | चलेताम् | चलेयुः |
| चलेः | चलेतम् | चलेत |
| चलेयम् | चलेव | चलेम |
| प० चलतु | चलतात् | चलताम् |
| चल | ” | चलतम् |
| चलानि | चलाव | चलाम |
| ह्य० अचलत् | अचलताम् | अचलन् |
| अचलः | अचलतम् | अचलत |
| अचलम् | अचलाव | अचलाम |
| अ० अचालीत् | अचालिष्टाम् | अचालिषुः |
| अचालाः | अचालिष्टम् | अचालिष्ट |
| अचालिषम् | अचालिष्व | अचालिष्म |
| प० चचाल | चेलतुः | चेलुः |
| चेलिथ | चेलथुः | चेल |
| चचाल, चचल | चेलिष्व | चेलिम |
| आ० चल्यात् | चल्यास्ताम् | चल्यासुः |
| चल्याः | चल्यास्तम् | चल्यास्त |
| चल्यासम् | चल्यास्व | चल्यास्म |
| श्व० चलिता | चलितारौ | चलितारः |
| चलितासि | चलितास्थः | चलितास्थ |
| चलितास्मि | चलितास्वः | चलितास्मः |
| भ० चलिष्यति | चलिष्यतः | चलिष्यन्ति |
| चलिष्यसि | चलिष्यथः | चलिष्यथ |
| चलिष्यामि | चलिष्यावः | चलिष्यामः |
| क्रि० अचलिष्यत् | अचलिष्यताम् | अचलिष्यन् |
| अचलिष्यः | अचलिष्यतम् | अचलिष्यत |
| अचलिष्यम् | अचलिष्याव | अचलिष्याम |

1407 चिलत् (चिल्) वसने 93

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० चिलति | चिलतः | चिलन्ति |
| चिलसि | चिलथः | चिलथ |
| चिलामि | चिलावः | चिलामः |
| स० चिलेत् | चिलेताम् | चिलेयुः |
| चिलेः | चिलेतम् | चिलेत |
| चिलेयम् | चिलेव | चिलेम |
| प० चिलतु | चिलतात् | चिलताम् |
| चिल | ” | चिलतम् |
| चिलानि | चिलाव | चिलाम |
| ह्य० अचिलत् | अचिलताम् | अचिलन् |
| अचिलः | अचिलतम् | अचिलत |
| अचिलम् | अचिलाव | अचिलाम |
| अ० अचेलीत् | अचेलिष्टाम् | अचेलिषुः |
| अचेलीः | अचेलिष्टम् | अचेलिष्ट |
| अचेलिषम् | अचेलिष्व | अचेलिष्म |
| प० चिचेल | चिचिलतुः | चिचिलुः |
| चिचेलिथ | चिचिलथुः | चिचिल |
| चिचेल | चिचिलिष्व | चिचिलिम |
| आ० चिल्यात् | चिल्यास्ताम् | चिल्यासुः |
| चिल्याः | चिल्यास्तम् | चिल्यास्त |
| चिल्यासम् | चिल्यास्व | चिल्यास्म |
| श्व० चेलिता | चेलितारौ | चेलितारः |
| चेलितासि | चेलितास्थः | चेलितास्थ |
| चेलितास्मि | चेलितास्वः | चेलितास्मः |
| भ० चेलिष्यति | चेलिष्यतः | चेलिष्यन्ति |
| चेलिष्यसि | चेलिष्यथः | चेलिष्यथ |
| चेलिष्यामि | चेलिष्यावः | चेलिष्यामः |
| क्रि० अचेलिष्यत् | अचेलिष्यताम् | अचेलिष्यन् |
| अचेलिष्यः | अचेलिष्यतम् | अचेलिष्यत |
| अचेलिष्यम् | अचेलिष्याव | अचेलिष्याम |

1408 विलत् (विल्) वरणे 94

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० विलति | विलतः | विलन्ति |
| विलसि | विलथः | विलथ |
| विलामि | विलावः | विलामः |
| स० विलेत् | विलेताम् | विलेयुः |
| विलेः | विलेतम् | विलेत |
| विलेयम् | विलेय | विलेम |
| प० विलतु | विलतात् | विलताम् |
| विल | विलतम् | विलत |
| विलानि | विलाव | विलाम |
| झ० अविलत् | अविलताम् | अविलन् |
| अविलः | अविलतम् | अविलत |
| अविलम् | अविलाव | अविलाम |
| अ० अवेलीत् | अवेलिष्टाम् | अवेलिषुः |
| अवेलीः | अवेलिष्टम् | अवेलिष्ट |
| अवेलिषम् | अवेलिष्व | अवेलिष्म |
| प० विवेल | विविलतुः | विविलुः |
| विवेलिथ | विविलथुः | विविल |
| विवेल | विविलिथ | विविलिम |
| आ० विल्यात् | विल्यास्ताम् | विल्यासुः |
| विल्याः | विल्यास्तम् | विल्यास्त |
| विल्यासम् | विल्यास्व | विल्यास्म |
| प्रथ० वेलिता | वेलितारौ | वेलितारः |
| वेलितासि | वेलितास्थः | वेलितास्थ |
| वेलितास्मि | वेलितास्वः | वेलितास्मः |
| भ० वेलिष्यति | वेलिष्यतः | वेलिष्यन्ति |
| वेलिष्यसि | वेलिष्यथः | वेलिष्यथ |
| वेलिष्यामि | वेलिष्यावः | वेलिष्यामः |
| क्रि० अवेलिष्यत् | अवेलिष्यताम् | अवेलिष्यन् |
| अवेलिष्यः | अवेलिष्यतम् | अवेलिष्यत |
| अवेलिष्यम् | अवेलिष्याव | अवेलिष्याम |

1409 विलत् (विल्) भेदने 95

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० विलति | विलतः | विलन्ति |
| विलसि | विलथः | विलथ |
| विलामि | विलावः | विलामः |
| स० विलेत् | विलेताम् | विलेयुः |
| विलेः | विलेतम् | विलेत |
| विलेयम् | विलेय | विलेम |
| प० विलतु | विलतात् | विलताम् |
| विल | विलतम् | विलत |
| विलानि | विलाव | विलाम |
| झ० अविलत् | अविलताम् | अविलन् |
| अविलः | अविलतम् | अविलत |
| अविलम् | अविलाव | अविलाम |
| अ० अवेलीत् | अवेलिष्टाम् | अवेलिषुः |
| अवेलीः | अवेलिष्टम् | अवेलिष्ट |
| अवेलिषम् | अवेलिष्व | अवेलिष्म |
| प० विवेल | विविलतुः | विविलुः |
| विवेलिथ | विविलथुः | विविल |
| विवेल | विविलिथ | विविलिम |
| आ० विल्यात् | विल्यास्ताम् | विल्यासुः |
| विल्याः | विल्यास्तम् | विल्यास्त |
| विल्यासम् | विल्यास्व | विल्यास्म |
| प्रथ० वेलिता | वेलितारौ | वेलितारः |
| वेलितासि | वेलितास्थः | वेलितास्थ |
| वेलितास्मि | वेलितास्वः | वेलितास्मः |
| भ० वेलिष्यति | वेलिष्यतः | वेलिष्यन्ति |
| वेलिष्यसि | वेलिष्यथः | वेलिष्यथ |
| वेलिष्यामि | वेलिष्यावः | वेलिष्यामः |
| क्रि० अवेलिष्यत् | अवेलिष्यताम् | अवेलिष्यन् |
| अवेलिष्यः | अवेलिष्यतम् | अवेलिष्यत |
| अवेलिष्यम् | अवेलिष्याव | अवेलिष्याम |

1410 गिलत् (निल्) गहने । 96

घ० निलति निलतः निलन्ति
निलसि निलथः निलथ
निलामि निलावः निलामः

स० निलेत् निलेताम् निलेयुः
निलेः निलेतम् निलेत
निलेयम् निलेव निलेम

प० निलतु निलतात् निलताम् निलन्तु
निल , निलतम् निलत
निलानि निलाव निलाम

घ० अनिलत् अनिलताम् अनिलन्
अनिलः अनिलतम् अनिलत
अनिलम् अनिलाव अनिलाम

अ० अनेलीत् अनेलिष्टाम् अनेलिषुः
अनेलीः अनेलिष्टम् अनेलिष्ट
अनेलिषम् अनेलिष्व अनेलिषम्

प० निनेल निनिलतुः निनिलुः
निनेलिथ निनिलथुः निनिल
निनेल निनिलिष निनिलिम

आ० निल्यात् निल्यास्ताम् निल्यासुः
निल्याः निल्यास्तम् निल्यास्त
निल्यासम् निल्यास्व निल्यासम्

श्व० नेलिता नेलितारौ नेलितारः
नेलितासि नेलितास्थः नेलितास्थ
नेलितास्मि नेलितास्वः नेलितास्मः

भ० नेलिष्यति नेलिष्यतः नेलिष्यन्ति
नेलिष्यसि नेलिष्यथः नेलिष्यथ
नेलिष्यामि नेलिष्यावः नेलिष्यामः

क्रि० अनेलिष्यत् अनेलिष्यताम् अनेलिष्यन्
अनेलिष्यः अनेलिष्यतम् अनेलिष्यत
अनेलिष्यम् अनेलिष्याव अनेलिष्याम

1411 मिलत् (मिल) इलेषणे 97

घ० मिलनि मिलतः मिलन्ति
मिलसि मिलथः मिलथ
मिलामि मिलावः मिलामः

स० मिलेत् मिलेताम् मिलेयुः
मिलेः मिलेतम् मिलेत
मिलेयम् मिलेव मिलेम

प० मिलतु मिलतात् मिलताम् मिलन्तु
मिल मिलतात् मिलतम् मिलत
मिलानि मिलाव मिलाम

घ० अमिलत् अमिलताम् अमिलन्
अमिलः अमिलतम् अमिलत
अमिलम् अमिलाव अमिलाम

अ० अमेलीत् अमेलिष्टाम् अमेलिषुः
अमेलीः अमेलिष्टम् अमेलिष्ट
अमेलिषम् अमेलिष्व अमेलिषम्

प० मिमेल मिमिलतुः मिमिलुः
मिमेलिथ मिमिलथुः मिमिल
मिमेल मिमिलिष मिमिलिम

आ० मिल्यात् मिल्यास्ताम् मिल्यासुः
मिल्याः मिल्यास्तम् मिल्यास्त
मिल्यासम् मिल्यास्व मिल्यासम्

श्व० मेलिता मेलितारौ मेलितारः
मेलितासि मेलितास्थः मेलितास्थ
मेलितास्मि मेलितास्वः मेलितास्मः

भ० मेलिष्यति मेलिष्यतः मेलिष्यन्ति
मेलिष्यसि मेलिष्यथः मेलिष्यथ
मेलिष्यामि मेलिष्यावः मेलिष्यामः

क्रि० अमेलिष्यत् अमेलिष्यताम् अमेलिष्यन्
अमेलिष्यः अमेलिष्यतम् अमेलिष्यत
अमेलिष्यम् अमेलिष्याव अमेलिष्याम

अथ शान्ताः षड्निष्ठश्च

1412 स्पृशत् (स्पृश) स्पर्श 98

ष० स्पृशति स्पृशतः स्पृशन्ति
स्पृशसि स्पृशथः स्पृशथ
स्पृशामि स्पृशावः स्पृशामः

स० स्पृशेत् स्पृशेताम् स्पृशेयुः
स्पृशेः स्पृशेतम् स्पृशेत
स्पृशेयम् स्पृशेव स्पृशेम

प० स्पृशतु स्पृशतात् स्पृशताम् स्पृशन्तु
स्पृशतु स्पृशतम् स्पृशत
स्पृशानि स्पृशाव स्पृशाम

झ० अस्पृशत् अस्पृशताम् अस्पृशन्
अस्पृशः अस्पृशतम् अस्पृशत
अस्पृशाम अस्पृशाव अस्पृशाम
अस्पृशक्षीत् अस्पृशक्षताम् अस्पृशक्षुः इ०

अ० अस्प्राक्षीत् अस्प्राक्षताम् अस्प्राक्षुः
अस्प्राक्षीः अस्प्राक्षतम् अस्प्राक्षत

अस्प्राक्षम् अस्प्राक्षताम् अस्प्राक्षन्
अस्पृक्षन् अस्पृक्षताम् अस्पृक्षन् इत्यादि

प० पस्पृशत् पस्पृशतुः पस्पृशुः
पस्पृशसि पस्पृशथुः पस्पृशथ
पस्पृशामि पस्पृशाव पस्पृशाम

आ० स्पृश्यात् स्पृश्यास्ताम् स्पृश्यासुः
स्पृश्याः स्पृश्यास्तम् स्पृश्यास्त
स्पृश्यासम् स्पृश्यास्व स्पृश्यास्म

प्र० स्पृश्यात् स्पृश्यास्ताम् स्पृश्यासुः
स्पृश्याः स्पृश्यास्तम् स्पृश्यास्त
स्पृश्यासम् स्पृश्यास्व स्पृश्यास्म

भ० स्पृक्षति स्पृक्षतः स्पृक्षन्ति
स्पृक्षसि स्पृक्षथः स्पृक्षथ
स्पृक्षामि स्पृक्षावः स्पृक्षामः
स्पृक्ष्यति स्पृक्ष्यतः स्पृक्ष्यन्ति इ०

अस्प्राक्षम् अस्प्राक्षताम् अस्प्राक्षन्

क्रि० अरोक्ष्यत् अरोक्ष्यताम् अरोक्ष्यन्
अरोक्ष्यः अरोक्ष्यतम् अरोक्ष्यत
अरोक्ष्यम् अरोक्ष्याव अरोक्ष्याम
अरोक्ष्यति अरोक्ष्यतः अरोक्ष्यन्ति इ०

1413 रुशत् (रुश) हिंसायाम् 99

ष० रुशति रुशतः रुशन्ति
रुशसि रुशथः रुशथ
रुशामि रुशावः रुशामः

स० रुशेत् रुशेताम् रुशेयुः
रुशेः रुशेतम् रुशेत
रुशेयम् रुशेव रुशेम

प० रुशतु रुशतात् रुशताम् रुशन्तु
रुशतु रुशतम् रुशत
रुशानि रुशाव रुशाम

झ० अरुशत् अरुशताम् अरुशन्
अरुशः अरुशतम् अरुशत
अरुशाम अरुशाव अरुशाम

अ० अरुक्षत् अरुक्षताम् अरुक्षन्
अरुक्षः अरुक्षतम् अरुक्षत
अरुक्षाम अरुक्षाव अरुक्षाम

प० रुरोश रुरोशतुः रुरोशुः
रुरोशसि रुरोशथुः रुरोशथ
रुरोशामि रुरोशाव रुरोशाम

आ० रुश्यात् रुश्यास्ताम् रुश्यासुः
रुश्याः रुश्यास्तम् रुश्यास्त
रुश्यासम् रुश्यास्व रुश्यास्म

प्र० रोश्यात् रोश्यास्ताम् रोश्यासुः
रोश्याः रोश्यास्तम् रोश्यास्त
रोश्यासम् रोश्यास्व रोश्यास्म

भ० रोक्ष्यति रोक्ष्यतः रोक्ष्यन्ति
रोक्ष्यसि रोक्ष्यथः रोक्ष्यथ
रोक्ष्यामि रोक्ष्यावः रोक्ष्यामः

क्रि० अरोक्ष्यत् अरोक्ष्यताम् अरोक्ष्यन्
अरोक्ष्यः अरोक्ष्यतम् अरोक्ष्यत
अरोक्ष्यम् अरोक्ष्याव अरोक्ष्याम

1414 रिशत् (रिश्) रिशत्-

हिंसायाम् 100

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० रिशति | रिशतः | रिशन्ति |
| रिशसि | रिशथः | रिशथ |
| रिशामि | रिशवः | रिशामः |
| स० रिशेत् | रिशेताम् | रिशेयुः |
| रिशेः | रिशेतम् | रिशेत |
| रिशेयम् | रिशेव | रिशेम |
| प० रिशतु | रिशतात् | रिशताम् रिशन्तु |
| रिश रिशतात् | रिशतम् | रिशत |
| रिशानि | रिशाय | रिशाम |
| ह्य० अरिशत् | अरिशताम् | अरिशन् |
| अरिशः | अरिशतम् | अरिशत |
| अरिशम् | अरिशव | अरिशाम |
| अ० अरिक्षत् | अरिक्षताम् | अरिक्षन् |
| अरिक्षः | अरिक्षतम् | अरिक्षत |
| अरिक्षम् | अरिक्षाय | अरिक्षाम |
| प० रिरेश | रिरिशतुः | रिरिशुः |
| रिरेशिथ | रिरिशथुः | रिरिश |
| रिरेश | रिरिशिव | रिरिशिम |
| आ० रिश्यात् | रिश्यास्ताम् | रिश्यासुः |
| रिश्याः | रिश्यास्तम् | रिश्यास्त |
| रिश्यासम् | रिश्यास्व | रिश्यासम् |
| श्व० रेष्टा | रेष्टारी | रेष्टारः |
| रेष्टसि | रेष्टस्थः | रेष्टस्थ |
| रेष्टास्मि | रेष्टास्वः | रेष्टास्मः |
| भ० रेक्ष्यति | रेक्ष्यतः | रेक्ष्यन्ति |
| रेक्ष्यसि | रेक्ष्यथः | रेक्ष्यथ |
| रेक्ष्यामि | रेक्ष्यावः | रेक्ष्यामः |
| क्रि० अरेक्ष्यत् | अरेक्ष्यताम् | अरेक्ष्यन् |
| अरेक्ष्यः | अरेक्ष्यतम् | अरेक्ष्यत |
| अरेक्ष्यम् | अरेक्ष्याव | अरेक्ष्याम |

1415 विशत् (विश्) प्रवेक्षाने 101

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० विशति | विशतः | विशन्ति |
| विशसि | विशथः | विशथ |
| विशामि | विशवः | विशामः |
| स० विशेत् | विशेताम् | विशेयुः |
| विशेः | विशेतम् | विशेत |
| विशेयम् | विशेव | विशेम |
| प० विशतु | विशतात् | विशताम् विशन्तु |
| विश विशतात् | विशतम् | विशत |
| विशानि | विशाय | विशाम |
| ह्य० अविशत् | अविशताम् | अविशन् |
| अविशः | अविशतम् | अविशत |
| अविशम् | अविशाय | अविशाम |
| अ० अविक्षत् | अविक्षताम् | अविक्षन् |
| अविक्षः | अविक्षतम् | अविक्षत |
| अविक्षम् | अविक्षाय | अविक्षाम |
| प० विवेश | विविशतुः | विविशुः |
| विवेशिथ | विविशथुः | विविश |
| विवेश | विविशिव | विविशिम |
| आ० विश्यात् | विश्यास्ताम् | विश्यासुः |
| विश्याः | विश्यास्तम् | विश्यास्त |
| विश्यासम् | विश्यास्व | विश्यासम् |
| प्रव वेष्टा | वेष्टारी | वेष्टारः |
| वेष्टसि | वेष्टस्थः | वेष्टस्थ |
| वेष्टास्मि | वेष्टास्वः | वेष्टास्मः |
| भ० वेक्ष्यति | वेक्ष्यतः | वेक्ष्यन्ति |
| वेक्ष्यसि | वेक्ष्यथः | वेक्ष्यथ |
| वेक्ष्यामि | वेक्ष्यावः | वेक्ष्यामः |
| क्रि० अवेक्ष्यत् | अवेक्ष्यताम् | अवेक्ष्यन् |
| अवेक्ष्यः | अवेक्ष्यतम् | अवेक्ष्यत |
| अवेक्ष्यम् | अवेक्ष्याव | अवेक्ष्याम |

1416 मृशन्त (मृश्) आमर्शने ।

आमर्शनं स्पर्शः । 102

| | | |
|-------------------|---------------|-----------------|
| ष० मृशति | मृशतः | मृशन्ति |
| मृशसि | मृशथः | मृशथ |
| मृशामि | मृशावः | मृशामः |
| स० मृशेत् | मृशेताम् | मृशेयुः |
| मृशेः | मृशेतम् | मृशेत |
| मृशेयम् | मृशेव | मृशेम |
| प० मृशतु | मृशतात् | मृशताम् |
| मृश | मृशतम् | मृशत |
| मृशानि | मृशाव | मृशाम |
| झ० अमृशत् | अमृशताम् | अमृशन् |
| अमृशः | अमृशतम् | अमृशन् |
| अमृशम् | अमृशाव | अमृशाम |
| अ० अम्राक्षीत् | अम्राष्टाम् | अम्राक्षुः |
| अम्राक्षीः | अम्राष्टम् | अम्राष्ट |
| अम्राक्षम् | अम्राक्षव | अम्राक्षम |
| अमार्क्षीत् | अमार्ष्टाम् | अमार्क्षुः इ० |
| अमृक्षत् | अमृक्षताम् | अमृक्षन् इ० |
| प० ममर्श | ममृशतुः | ममृष्टुः |
| ममर्शथ | ममृशथुः | ममृश |
| ममर्श | ममृशिव | ममृशिम |
| आ० मृश्यात् | मृश्यास्ताम् | मृश्यासुः |
| मृश्याः | मृश्यास्तम् | मृश्यास्त |
| मृश्यासम् | मृश्यास्व | मृश्यास्म |
| प्र० मर्ष्टा | मर्ष्टारौ | मर्ष्टारः |
| मर्ष्टासि | मर्ष्टास्थः | मर्ष्टास्थ |
| मर्ष्टास्मि | मर्ष्टास्वः | मर्ष्टास्मः |
| मर्ष्टा | मर्ष्टारौ | मर्ष्टारः इ० |
| भ० मर्क्ष्यति | मर्क्ष्यतः | मर्क्ष्यन्ति |
| मर्क्ष्यसि | मर्क्ष्यथः | मर्क्ष्यथ |
| मर्क्ष्यामि | मर्क्ष्यावः | मर्क्ष्यामः |
| मर्क्ष्यति | मर्क्ष्यतः | मर्क्ष्यन्ति इ० |
| क्रि० अमर्क्ष्यत् | अमर्क्ष्यताम् | अमर्क्ष्यन् |
| अमर्क्ष्यः | अमर्क्ष्यतम् | अमर्क्ष्यत |

अमर्क्ष्यम् अमर्क्ष्याव अमर्क्ष्याम
अमर्क्ष्यत अमर्क्ष्यताम् अमर्क्ष्यन् इ०

1417 लिशन्त (लिश्) गतौ 103

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० लिशति | लिशतः | लिशन्ति |
| लिशसि | लिशथः | लिशथ |
| लिशामि | लिशावः | लिशामः |
| स० लिशेत् | लिशेताम् | लिशेयुः |
| लिशेः | लिशेतम् | लिशेत |
| लिशेयम् | लिशेव | लिशेम |
| प० लिशतु | लिशतात् | लिशताम् |
| लिश | लिशतम् | लिशत |
| लिशानि | लिशाव | लिशाम |
| झ० अलिशत् | अलिशताम् | अलिशन् |
| अलिशः | अलिशतम् | अलिशन् |
| अलिशम् | अलिशाव | अलिशाम |
| अ० अलिक्षत् | अलिक्षताम् | अलिक्षन् |
| अलिक्षः | अलिक्षतम् | अलिक्षन् |
| अलिक्षम् | अलिक्षाव | अलिक्षाम |
| प० लिलेश | लिलिशतुः | लिलिशुः |
| लिलेशिथ | लिलिशथुः | लिलिश |
| लिलेश | लिलिशिव | लिलिशिम |
| आ० लिश्यात् | लिश्यास्ताम् | लिश्यासुः |
| लिश्याः | लिश्यास्तम् | लिश्यास्त |
| लिश्यासम् | लिश्यास्व | लिश्यास्म |
| प्र० लेष्टा | लेष्टारौ | लेष्टारः |
| लेष्टासि | लेष्टास्थः | लेष्टास्थ |
| लेष्टास्मि | लेष्टास्वः | लेष्टास्मः |
| लेष्टा | लेष्टारौ | लेष्टारः इ० |
| भ० लेक्ष्यति | लेक्ष्यतः | लेक्ष्यन्ति |
| लेक्ष्यसि | लेक्ष्यथः | लेक्ष्यथ |
| लेक्ष्यामि | लेक्ष्यावः | लेक्ष्यामः |
| क्रि० अलोक्ष्यत् | अलोक्ष्यताम् | अलोक्ष्यन् |
| अलोक्ष्यः | अलोक्ष्यतम् | अलोक्ष्यत |
| अलोक्ष्यम् | अलोक्ष्याव | अलोक्ष्याम |



अम्राक्षम्

अम्राक्ष

अम्राक्षम्

अथ षान्तास्त्रयः सेटश्च

1418 ऋषेत् (ऋष्) गतौ 104

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| ष० ऋषति | ऋषतः | ऋषन्ति |
| ऋषसि | ऋषथः | ऋषश्च |
| ऋषामि | ऋषावः | ऋषामः |
| स० ऋषेत् | ऋषेताम् | ऋषेयुः |
| ऋषेः | ऋषेतम् | ऋषेत |
| ऋषेयम् | ऋषेव | ऋषेम |
| प० ऋषतु | ऋषतात् | ऋषताम् |
| ऋष | ” | ऋषतम् |
| ऋषाणि | ऋषाव | ऋषाम |
| झ० आर्षत् | आर्षताम् | आर्षन् |
| आर्षः | आर्षतम् | आर्षत |
| आर्षम् | आर्षाव | आर्षाम |
| अ० आर्षीत् | आर्षिष्टाम् | आर्षिषुः |
| आर्षीः | आर्षिष्टम् | आर्षिष्ट |
| आर्षिषम् | आर्षिष्व | आर्षिषम |
| प० आनर्ष | आनृषतुः | आनृषुः |
| आनर्षिथ | आनृषथुः | आनृष |
| आनर्ष | आनृषिव | आनृषिम |
| आ० ऋष्यात् | ऋष्यास्तम् | ऋष्यासुः |
| ऋष्याः | ऋष्यास्तम् | ऋष्यास्त |
| ऋष्यासम् | ऋष्यास्व | ऋष्यास्म |
| प्रव अर्षिता | अर्षितारौ | अर्षितारः |
| अर्षितासि | अर्षितास्थः | अर्षितास्थ |
| अर्षितास्मि | अर्षितास्वः | अर्षितास्मः |
| भ० अर्षिष्यति | अर्षिष्यतः | अर्षिष्यन्ति |
| अर्षिष्यसि | अर्षिष्यथः | अर्षिष्यथ |
| अर्षिष्यामि | अर्षिष्यावः | अर्षिष्यामः |
| क्रि० अर्षिष्यत् | अर्षिष्यताम् | अर्षिष्यन् |
| अर्षिष्यः | अर्षिष्यतम् | अर्षिष्यत |
| अर्षिष्यम् | अर्षिष्याव | अर्षिष्याम |

1419 इषत् (इष्) इच्छायाम् 105

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| ष० इच्छति | इच्छतः | इच्छन्ति |
| इच्छसि | इच्छथः | इच्छथ |
| इच्छामि | इच्छावः | इच्छामः |
| स० इच्छेत् | इच्छेताम् | इच्छेयुः |
| इच्छेः | इच्छेतम् | इच्छेत |
| इच्छेयम् | इच्छेव | इच्छेम |
| प० इच्छतु | इच्छतात् | इच्छताम् |
| इच्छ | इच्छतात् | इच्छतम् |
| इच्छानि | इच्छाव | इच्छाम |
| झ० ऐच्छत् | ऐच्छताम् | ऐच्छन् |
| ऐच्छः | ऐच्छतम् | ऐच्छत |
| ऐच्छम् | ऐच्छाव | ऐच्छाम |
| अ० ऐषीत् | ऐषिष्टाम् | ऐषिषुः |
| ऐषीः | ऐषिष्टम् | ऐषिष्ट |
| ऐषिषम् | ऐषिष्व | ऐषिषम |
| प० इयेष | ईषतुः | ईषुः |
| इयेषिथ | ईषथुः | ईष |
| इयेष | ईषिव | ईषिम |
| आ० इष्यात् | इष्यास्ताम् | इष्यासुः |
| इष्याः | इष्यास्तम् | इष्यास्त |
| इष्यासम् | इष्यास्व | इष्यास्म |
| प्रव पष्टा | पष्टारौ | पष्टारः |
| पष्टासि | पष्टास्थः | पष्टास्थ |
| पष्टास्मि | पष्टास्वः | पष्टास्मः |
| पषिता | पषितारौ | पषितारः |
| भ० पषिष्यति | पषिष्यतः | पषिष्यन्ति |
| पषिष्यसि | पषिष्यथः | पषिष्यथ |
| पषिष्यामि | पषिष्यावः | पषिष्यामः |
| क्रि० पेषिष्यत् | पेषिष्यताम् | पेषिष्यन् |
| पेषिष्यः | पेषिष्यतम् | पेषिष्यत |
| पेषिष्यम् | पेषिष्याव | पेषिष्याम |

1420 मिषत् (मिष्) स्पचीयाम् 106

| | | |
|-----------|----------|---------|
| च० मिषति | मिषतः | मिषन्ति |
| मिषसि | मिषथः | मिषथ |
| मिषामि | मिषावः | मिषामः |
| स० मिषेत् | मिषेताम् | मिषेयुः |
| मिषेः | मिषेतम् | मिषेत |
| मिषेयम् | मिषेव | मिषेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० मिषतु | मिषतात् | मिषताम् | मिषन्तु |
| मिष | " | मिषतम् | मिषत |
| मिषाणि | मिषाव | मिषाम | |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| झ० अमिषत् | अमिषताम् | अमिषन् |
| अमिषः | अमिषतम् | अमिषन्त |
| अमिषम् | अमिषाव | अमिषाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अमेषीत् | अमेषिष्टाम् | अमेषिषुः |
| अमेषीः | अमेषिष्टम् | अमेषिष्ट |
| अमेषिषम् | अमेषिष्व | अमेषिषम |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० मिमेष | मिमिषतुः | मिमिषुः |
| मिमेषिथ | मिमिषथुः | मिमिष |
| मिमेष | मिमिषिव | मिमिषिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० मिष्यात् | मिष्यास्ताम् | मिष्यासुः |
| मिष्याः | मिष्यास्तम् | मिष्यास्त |
| मिष्यासम् | मिष्यास्व | मिष्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| प्र० मेषिता | मेषितारौ | मेषितारः |
| मेषितासि | मेषितास्थः | मेषितास्थ |
| मेषितास्मि | मेषितास्वः | मेषितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० मेषिष्यति | मेषिष्यतः | मेषिष्यन्ति |
| मेषिष्यसि | मेषिष्यथः | मेषिष्यथ |
| मेषिष्यामि | मेषिष्यावः | मेषिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अमेषिष्यत् | अमेषिष्यताम् | अमेषिष्यन् |
| अमेषिष्यः | अमेषिष्यतम् | अमेषिष्यत |
| अमेषिष्यम् | अमेषिष्याव | अमेषिष्याम |

1421 वृहौत् (वृह्) उच्यमे

उच्यम उद्धरणम् 107

अथ हान्ताः पञ्च सेटश्च

| | | |
|-----------|----------|---------|
| च० वृहति | वृहतः | वृहन्ति |
| वृहसि | वृहथः | वृहथ |
| वृहामि | वृहावः | वृहामः |
| स० वृहेत् | वृहेताम् | वृहेयुः |
| वृहेः | वृहेतम् | वृहेत |
| वृहेयम् | वृहेव | वृहेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० वृहतु | वृहतात् | वृहताम् | वृहन्तु |
| वृह | " | वृहतम् | वृहत |
| वृहाणि | वृहाव | वृहाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अवृहत् | अवृहताम् | अवृहन |
| अवृहः | अवृहतम् | अवृहन |
| अवृहम् | अवृहाव | अवृहाम |

| | | |
|-------------|--------------|-------------------|
| अ० अवृक्षत् | अवृक्षताम् | अवृक्षन् |
| अवृक्षः | अवृक्षतम् | अवृक्षत |
| अवृक्षम् | अवृक्षाव | अवृक्षाम |
| अवर्हीत् | अवर्हिष्टाम् | अवर्हिषुः इत्यादि |

| | | |
|----------|-----------|--------|
| प० ववर्ह | ववृहत्तुः | ववृहुः |
| ववर्हिथ | ववृहथुः | ववृह |
| ववर्ह | ववृहिव | ववृहिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० वृद्यात् | वृद्यास्ताम् | वृद्यासुः |
| वृद्याः | वृद्यास्तम् | वृद्यास्त |
| वृद्यासम् | वृद्यास्व | वृद्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-----------------|
| प्र० वर्हिता | वर्हितारौ | वर्हितारः |
| वर्हितामि | वर्हितास्थः | वर्हितास्थ |
| वर्हितास्मि | वर्हितास्वः | वर्हितास्मः |
| वर्हा | वर्हारौ | वर्हारः इत्यादि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० वक्ष्यति | वक्ष्यतः | वक्ष्यन्ति |
| वक्ष्यसि | वक्ष्यथः | वक्ष्यथ |
| वक्ष्यामि | वक्ष्यावः | वक्ष्यामः |

| | | |
|------------|------------|----------------------|
| वर्हिष्यति | वर्हिष्यतः | वर्हिष्यन्ति इत्यादि |
|------------|------------|----------------------|

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| क्रि० अवक्ष्यत् | अवक्ष्यताम् | अवक्ष्यन् |
| अवक्ष्यः | अवक्ष्यतम् | अवक्ष्यत |
| अवक्ष्यम् | अवक्ष्याव | अवक्ष्याम |
| अवर्हिष्यत् | अवर्हिष्यताम् | अवर्हिष्यन् इ० |

1422 तृहौत् (तृह) हिंसायाम् 108

| | | |
|------------------|--------------|---------------------|
| च० तृहति | तृहतः | तृहन्ति |
| तृहसि | तृहथः | तृहथ |
| तृहामि | तृहावः | तृहामः |
| स० तृहेत् | तृहेताम् | तृहेयुः |
| तृहेः | तृहेतम् | तृहेत |
| तृहेयत् | तृहेष्व | तृहेम |
| प० तृहतु | तृहतात् | तृहताम् |
| तृह | तृहतम् | तृहत |
| तृहाणि | तृहाव | तृहाम |
| झ० अतृहत | अतृहताम् | अतृहन |
| अतृहः | अतृहतम् | अतृहत |
| अतृहम् | अतृहाव | अतृहाम |
| अ० अतृहीत् | अतृहिष्याम् | अतृहिषुः |
| अतृहीः | अतृहिष्यम् | अतृहिष्य |
| अतृहिषम् | अतृहिष्व | अतृहिषम |
| अतृक्षत् | अतृक्षताम् | अतृक्षन् इत्यादि |
| प० ततृह | ततृहतुः | ततृहुः |
| ततृहथि | ततृहथुः | ततृह |
| ततृह | ततृहिव | ततृहिम |
| आ० तृह्यात् | तृह्यास्ताम् | तृह्यासुः |
| तृह्याः | तृह्यास्तम् | तृह्यास्त |
| तृह्यासम् | तृह्यास्व | तृह्यास्म |
| प्र० तृहिता | तृहितारौ | तृहितारः |
| तृहितासि | तृहितास्थः | तृहितास्थ |
| तृहितास्मि | तृहितास्वः | तृहितास्मः |
| तृहि | तृहिरौ | तृहिरः इत्यादि |
| भ० तृहिष्यति | तृहिष्यतः | तृहिष्यन्ति |
| तृहिष्यसि | तृहिष्यथः | तृहिष्यथ |
| तृहिष्यामि | तृहिष्यावः | तृहिष्यामः |
| तृक्ष्यति | तृक्ष्यतः | तृक्ष्यन्ति इत्यादि |
| क्रि० अतृहिष्यत् | अतृहिष्यताम् | अतृहिष्यन् |
| अतृहिष्य | अतृहिष्यतम् | अतृहिष्यत |
| अतृहिष्यम् | अतृहिष्याव | अतृहिष्याम |
| अतृक्ष्यत् | अतृक्ष्यताम् | अतृक्ष्यन् इत्यादि |

1423 तृहौत् (तृह) हिंसायाम् 109

| | | |
|------------------|--------------|---------------------|
| च० तृहति | तृहतः | तृहन्ति |
| तृहसि | तृहथः | तृहथ |
| तृहामि | तृहावः | तृहामः |
| स० तृहेत् | तृहेताम् | तृहेयुः |
| तृहेः | तृहेतम् | तृहेत |
| तृहेयम् | तृहेष्व | तृहेम |
| प० तृहतु | तृहतात् | तृहताम् |
| तृह | तृहतम् | तृहत |
| तृहाणि | तृहाव | तृहाम |
| झ० अतृहत | अतृहताम् | अतृहन |
| अतृहः | अतृहतम् | अतृहत |
| अतृहम् | अतृहाव | अतृहाम |
| अ० अतृहीत् | अतृहिष्याम् | अतृहिषुः |
| अतृहीः | अतृहिष्यम् | अतृहिष्य |
| अतृहिषम् | अतृहिष्व | अतृहिषम |
| अतृक्षत् | अतृक्षताम् | अतृक्षन् इत्यादि |
| प० ततृह | ततृहतुः | ततृहुः |
| ततृहथि | ततृहथुः | ततृह |
| ततृह | ततृहिव | ततृहिम |
| आ० तृह्यात् | तृह्यास्ताम् | तृह्यासुः |
| तृह्याः | तृह्यास्तम् | तृह्यास्त |
| तृह्यासम् | तृह्यास्व | तृह्यास्म |
| प्र० तृहिता | तृहितारौ | तृहितारः |
| तृहितासि | तृहितास्थः | तृहितास्थ |
| तृहितास्मि | तृहितास्वः | तृहितास्मः |
| तृहि | तृहिरौ | तृहिरः इत्यादि |
| भ० तृहिष्यति | तृहिष्यतः | तृहिष्यन्ति |
| तृहिष्यसि | तृहिष्यथः | तृहिष्यथ |
| तृहिष्यामि | तृहिष्यावः | तृहिष्यामः |
| तृक्ष्यति | तृक्ष्यतः | तृक्ष्यन्ति इत्यादि |
| क्रि० अतृहिष्यत् | अतृहिष्यताम् | अतृहिष्यन् |
| अतृहिष्यः | अतृहिष्यतम् | अतृहिष्यत |
| अतृहिष्यम् | अतृहिष्याव | अतृहिष्याम |
| अतृक्ष्यत् | अतृक्ष्यताम् | अतृक्ष्यन् इत्यादि |

1424 स्तुहौत् (स्तुह) हिंसायाम् 110

| | | |
|--------------------|----------------|-----------------------|
| अ० स्तुहति | स्तुहतः | स्तुहन्ति |
| स्तुहसि | स्तुहथः | स्तुहथ |
| स्तुहामि | स्तुहावः | स्तुहामः |
| स० स्तुहेत् | स्तुहेताम् | स्तुहेयुः |
| स्तुहेः | स्तुहेतम् | स्तुहेत |
| स्तुहेयम् | स्तुहेव | स्तुहेम |
| प० स्तुहतु | स्तुहतात् | स्तुहताम् |
| स्तुह | स्तुहतम् | स्तुहत |
| स्तुहाणि | स्तुहाव | स्तुहाम |
| झ० अस्तुहत | अस्तुहताम् | अस्तुहन |
| अस्तुहः | अस्तुहतम् | अस्तुहत |
| अस्तुहम् | अस्तुहाव | अस्तुहाम |
| अ० अस्तुहीत् | अस्तुहिंष्टाम् | अस्तुहिंषुः |
| अस्तुहीः | अस्तुहिंष्टम् | अस्तुहिंष्ट |
| अस्तुहिंषम् | अस्तुहिंषव | अस्तुहिंषम |
| अस्तुक्षत् | अस्तुक्षताम् | अस्तुक्षन् इत्यादि |
| प० तस्तुह | तस्तुहतुः | तस्तुहुः |
| तस्तुहथ | तस्तुहथुः | तस्तुह |
| तस्तुह | तस्तुहिव | तस्तुहिम |
| आ० स्तुह्यात् | स्तुह्यास्ताम् | स्तुह्यासुः |
| स्तुह्याः | स्तुह्यास्तम् | स्तुह्यास्त |
| स्तुह्यासम् | स्तुह्यास्व | स्तुह्यास्म |
| प्रथ० स्तुहिता | स्तुहितारौ | स्तुहितारः |
| स्तुहितासि | स्तुहितास्थः | स्तुहितास्थ |
| स्तुहितास्मि | स्तुहितास्वः | स्तुहितास्मः |
| स्तुह्या | स्तुहारौ | स्तुहारः इत्यादि |
| भ० स्तुहिष्यति | स्तुहिष्यतः | स्तुहिष्यन्ति |
| स्तुहिष्यसि | स्तुहिष्यथः | स्तुहिष्यथ |
| स्तुहिष्यामि | स्तुहिष्यावः | स्तुहिष्यामः |
| स्तुक्ष्यति | स्तुक्ष्यतः | स्तुक्ष्यन्ति इत्यादि |
| क्रि० अस्तुहिष्यत् | अस्तुहिष्यताम् | अस्तुहिष्यन् |
| अस्तुहिष्यः | अस्तुहिष्यतम् | अस्तुहिष्यत |
| अस्तुहिष्यम् | अस्तुहिष्याव | अस्तुहिष्याम |
| अस्तुक्ष्यत् | अस्तुक्ष्यताम् | अस्तुक्ष्यन् |

1425 स्तुंहौत् (स्तुह) हिंसायाम् 111

| | | |
|---------------------|------------------|---------------------|
| व० स्तुंहति | स्तुंहतः | स्तुंहन्ति |
| स्तुंहसि | स्तुंहथः | स्तुंहथ |
| स्तुंहामि | स्तुंहावः | स्तुंहामः |
| स० स्तुंहेत् | स्तुंहेताम् | स्तुंहेयुः |
| स्तुंहेः | स्तुंहेतम् | स्तुंहेत |
| स्तुंहेयम् | स्तुंहेव | स्तुंहेम |
| प० स्तुंहतु | स्तुंहतात् | स्तुंहताम् |
| स्तुंह | स्तुंहतम् | स्तुंहत |
| स्तुंहाणि | स्तुंहाव | स्तुंहाम |
| झ० अस्तुंहत् | अस्तुंहताम् | अस्तुंहन् |
| अस्तुंहः | अस्तुंहतम् | अस्तुंहत |
| अस्तुंहम् | अस्तुंहाव | अस्तुंहाम |
| अ० अस्तुंहीत् | अस्तुंहिंष्टाम् | अस्तुंहिंषुः |
| अस्तुंहीः | अस्तुंहिंष्टम् | अस्तुंहिंष्ट |
| अस्तुंहिषम् | अस्तुंहिषव | अस्तुंहिषम |
| अस्ताङ्क्षीत् | अस्तार्ण्डाम् | अस्ताङ्क्षुः इ |
| प० तस्तुंह | तस्तुंहतुः | तस्तुंहुः |
| तस्तुंहथ | तस्तुंहथुः | तस्तुंह |
| तस्तुंह | तस्तुंहिव | तस्तुंहिम |
| आ० स्तुंह्यात् | स्तुंह्यास्ताम् | स्तुंह्यासुः |
| स्तुंह्याः | स्तुंह्यास्तम् | स्तुंह्यास्त |
| स्तुंह्यासम् | स्तुंह्यास्व | स्तुंह्यास्म |
| प्रथ० स्तुंहिता | स्तुंहितारौ | स्तुंहितारः |
| स्तुंहितासि | स्तुंहितास्थः | स्तुंहितास्थ |
| स्तुंहितास्मि | स्तुंहितास्वः | स्तुंहितास्मः |
| स्तुंण्डा | स्तुंण्डारौ | स्तुंण्डारः इत्यादि |
| भ० स्तुंहिष्यति | स्तुंहिष्यतः | स्तुंहिष्यन्ति |
| स्तुंहिष्यसि | स्तुंहिष्यथः | स्तुंहिष्यथ |
| स्तुंहिष्यामि | स्तुंहिष्यावः | स्तुंहिष्यामः |
| स्तुङ्क्ष्यति | स्तुङ्क्ष्यतः | स्तुङ्क्ष्यन्ति इ० |
| क्रि० अस्तुंहिष्यत् | अस्तुंहिष्यताम् | अस्तुंहिष्यन् |
| अस्तुंहिष्यः | अस्तुंहिष्यतम् | अस्तुंहिष्यत |
| अस्तुंहिष्यम् | अस्तुंहिष्याव | अस्तुंहिष्याम |
| अस्तुङ्क्ष्यत् | अस्तुङ्क्ष्यताम् | अस्तुङ्क्ष्यन् |

अथ तुदाद्यन्तगणः कुटादिस्तत्र पसिद्धय-

तन्त्री नुरोधेनादौ ।

1426 कुट् (कुट्) कौटिल्ये । 112

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० कुटति | कुटतः | कुटन्ति |
| कुटसि | कुटथः | कुटथ |
| कुटामि | कुटावः | कुटामः |
| स० कुटेत् | कुटेताम् | कुटेयुः |
| कुटेः | कुटेतम् | कुटेत |
| कुटेयम् | कुटेव | कुटेम |
| प० कुटतु | कुटतात् | कुटताम् |
| कुट | कुटतात् | कुटतम् |
| कुटानि | कुटाव | कुटाम |
| ब० अकुटत | अकुटताम् | अकुटन |
| अकुटः | अकुटताम् | अकुटत |
| अकुटम् | अकुटाव | अकुटाम |
| अ० अकुटीत | अकुटिषाम् | अकुटिषुः |
| अकुटीः | अकुटिषम् | अकुटिष |
| अकुटिषम् | अकुटिष्व | अकुटिषम् |
| प० चुकोट | चुकुटतुः | चुकुटुः |
| चुकुटिथ | चुकुटथुः | चुकुट |
| चुकुट | चुकोट | चुकुटिष |
| चुकुटिम | | |
| अ० कुट्यात् | कुट्यास्ताम् | कुट्यासुः |
| कुट्याः | कुट्यास्तम् | कुट्यास्त |
| कुट्यासम् | कुट्यास्व | कुट्यास्म |
| ब० कुटिता | कुटितारौ | कुटितारः |
| कुटितासि | कुटितास्थः | कुटितास्थ |
| कुटितास्मि | कुटितास्वः | कुटितास्मः |
| अ० कुटिष्यति | कुटिष्यतः | कुटिष्यन्ति |
| कुटिष्यसि | कुटिष्यथः | कुटिष्यथ |
| कुटिष्यामि | कुटिष्यावः | कुटिष्यामः |
| क्रि० अकुटिष्यत् | अकुटिष्यताम् | अकुटिष्यन् |
| अकुटिष्यः | अकुटिष्यतम् | अकुटिष्यत |
| अकुटिष्यम् | अकुटिष्याव | अकुटिष्याम |

1427 गुन् (गु) परिषोत्सर्गे 133

| | | |
|----------------|------------|-----------|
| ब० गुञ्चति | गुञ्चतः | गुञ्चन्ति |
| गुञ्चसि | गुञ्चथः | गुञ्चथ |
| गुञ्चामि | गुञ्चावः | गुञ्चामः |
| स० गुवेत् | गुवेतात् | गुवेयुः |
| गुवेः | गुवेतम् | गुवेत |
| गुवेयम् | गुवेव | गुवेम |
| प० गुवतु | गुवतत् | गुवताम् |
| गुव | गुवतात् | गुवतम् |
| गुवानि | गुवाव | गुवाम |
| ब० अगुवत | अगुवताम् | अगुवन |
| अगुवः | अगुवतम् | अगुवत |
| अगुवम् | अगुवाव | अगुवाम |
| अ० अगुषीत् | अगुताम् | अगुषुः |
| अगुषीः | अगुतम् | अगुत |
| अगुषम् | अगुव | अगुवम् |
| प० जुगाव | जुगुवतुः | जुगुवः |
| जुगुविथ | जुगुथ | जुगुवथुः |
| जुगुव | जुगाव | जुगुविष |
| जुगुविम | | |
| आ० गूयान् | गूयास्ताम् | गूयासुः |
| गूयाः | गूयास्तम् | गूयास्त |
| गूयासम् | गूयास्व | गूयास्म |
| ब० गुता | गुतारौ | गुतारः |
| गुतानि | गुतास्थः | गुतास्थ |
| गुतास्मि | गुतास्वः | गुतास्मः |
| अ० गुष्यति | गुष्यतः | गुष्यन्ति |
| गुष्यसि | गुष्यथः | गुष्यथ |
| गुष्यामि | गुष्यावः | गुष्यामः |
| क्रि० अगुष्यत् | अगुष्यताम् | अगुष्यन् |
| अगुष्यः | अगुष्यतम् | अगुष्यत |
| अगुष्यम् | अगुष्याव | अगुष्याम |
| अगुषीत् | अगुष्याम् | अगुषुः |
| अगुषीः | अगुष्यम् | अगुष्य |

1428 ध्रुत् (ध्रु) गतिस्थैर्ययोः 114

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० ध्रुवति | ध्रुवतः | ध्रुवन्ति |
| ध्रुवसि | ध्रुवथः | ध्रुवथ |
| ध्रुवामि | ध्रुवावः | ध्रुवामः |
| स० ध्रुवेत् | ध्रुवेताम् | ध्रुवेयुः |
| ध्रुवेः | ध्रुवेतम् | ध्रुवेत |
| ध्रुवेयम् | ध्रुवेव | ध्रुवेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० ध्रुवतु | ध्रुवतात् | ध्रुवताम् | ध्रुवन्तु |
| ध्रुव | , | ध्रुवतम् | ध्रुवत |
| ध्रुवानि | | ध्रुवाव | ध्रुवाम |

| | | |
|----------|------------|----------|
| अध्रुवत् | अध्रुवताम् | अध्रुवन् |
| अध्रुवः | अध्रुवतम् | अध्रुवत |
| अध्रुवम् | अध्रुवाव | अध्रुवाम |

| | | |
|----------|---------------|----------|
| अध्रुवती | अध्रुविष्टाम् | अध्रुवुः |
| अध्रुवीः | अध्रुवतम् | अध्रुवत |
| अध्रुवम् | अध्रुव | अध्रुवम् |

| | | |
|------------------|------------|-----------|
| प० दुध्राव | दुध्रुवतुः | दुध्रुवुः |
| दुध्रुविथ | दुध्रुवथुः | दुध्रुव |
| दुध्राव, दुध्रुव | दुध्रुविथ | दुध्रुविम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० ध्रूयात् | ध्रूयास्ताम् | ध्रूयासुः |
| ध्रूयाः | ध्रूयास्तम् | ध्रूयास्त |
| ध्रूयासम् | ध्रूयास्व | ध्रूयास्म |

| | | |
|--------------|------------|------------|
| ध्रु० ध्रुता | ध्रुतारौ | ध्रुतारः |
| ध्रुतासि | ध्रुतास्थः | ध्रुतास्थ |
| ध्रुतास्मि | ध्रुतास्वः | ध्रुतास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० ध्रुष्यति | ध्रुष्यतः | ध्रुष्यन्ति |
| ध्रुष्यसि | ध्रुष्यथः | ध्रुष्यथ |
| ध्रुष्यामि | ध्रुष्यावः | ध्रुष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अध्रुष्यत् | अध्रुष्यताम् | अध्रुष्यन् |
| अध्रुष्यः | अध्रुष्यतम् | अध्रुष्यत |
| अध्रुष्यम् | अध्रुष्याव | अध्रुष्याम |

1429 नूत् (नू) स्तवने 115

| | | |
|----------|--------|---------|
| व० नूवति | नूवतः | नूवन्ति |
| नूवसि | नूवथः | नूवथ |
| नूवामि | नूवावः | नूवामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० नूवेत् | नूवेताम् | नूवेयुः |
| नूवेः | नूवेतम् | नूवेत |
| नूवेयम् | नूवेव | नूवेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० नूवतु | नूवतात् | नूवताम् | नूवन्तु |
| नूव | , | नूवतम् | नूवत |
| नूवानि | | नूवाव | नूवाम |

| | | |
|------------|----------|--------|
| नू० अनुवत् | अनुवताम् | अनुवन् |
| अनुवः | अनुवतम् | अनुवत |
| अनुवम् | अनुवाव | अनुवाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अनुवीत् | अनुविष्टाम् | अनुविषुः |
| अनुवीः | अनुविष्टम् | अनुविष्ट |
| अनुविषम् | अनुविष्व | अनुविष्म |

| | | |
|-------------|----------|---------|
| प० नूनाव | नूनुवतुः | नूनुवुः |
| नूनुविथ | नूनुवथुः | नूनुव |
| नूनाव नूनुव | नूनुविथ | नूनुविम |

| | | |
|-----------|------------|---------|
| आ० नूयात् | नूयास्ताम् | नूयासुः |
| नूयाः | नूयास्तम् | नूयास्त |
| नूयासम् | नूयास्व | नूयास्म |

| | | |
|--------------|------------|------------|
| ध्रु० नूविता | नूवितारौ | नूवितारः |
| नूवितासि | नूवितास्थः | नूवितास्थ |
| नूवितास्मि | नूवितास्वः | नूवितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० नूविष्यति | नूविष्यतः | नूविष्यन्ति |
| नूविष्यसि | नूविष्यथः | नूविष्यथ |
| नूविष्यामि | नूविष्यावः | नूविष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अनुविष्यत् | अनुविष्यताम् | अनुविष्यन् |
| अनुविष्यः | अनुविष्यतम् | अनुविष्यत |
| अनुविष्यम् | अनुविष्याव | अनुविष्याम |

नूनुविथ

1430 धूत् (धू) विभूतने 116

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० धुवति | धुवतः | धुवन्ति |
| धुवसि | धुवथः | धुवथ |
| धुवामि | धुवावः | धुवामः |
| स० धुवेत् | धुवेताम् | धुवेयुः |
| धुवेः | धुवेतम् | धुवेत |
| धुवेयम् | धुवेव | धुवेम |
| प० धुवतु | धुवतात् | धुवताम् |
| धुव | धुवतात् | धुवतम् |
| धुवानि | धुवाव | धुवाम |
| झ० अधुवत | अधुवताम् | अधुवन |
| अधुवः | अधुवतम् | अधुवत |
| अधुवम् | अधुवाव | अधुवाम |
| अ० अधुवीत् | अधुविष्टाम् | अधुविषुः |
| अधुवीः | अधुविष्टम् | अधुविष्ट |
| अधुविषम् | अधुविष्व | अधुविष्म |
| प० दुधव | दुधवतुः | दुधुवुः |
| दुधुविथ | दुधुवथुः | दुधुव |
| दुधव | दुधुव | दुधुविथ |
| आ० धूयात् | धूयास्ताम् | धूयासुः |
| धूयाः | धूयास्तम् | धूयास्त |
| धूयासम् | धूयास्व | धूयास्म |
| प्र० धुविता | धुवितारौ | धुवितारः |
| धुवितामि | धुवितास्थः | धुवितास्थ |
| धुवितास्मि | धुवितास्वः | धुवितास्मः |
| भ० धुविष्यति | धुविष्यतः | धुविष्यन्ति |
| धुविष्यसि | धुविष्यथः | धुविष्यथ |
| धुविष्यामि | धुविष्यावः | धुविष्यामः |
| क्रि० अधुविष्यत् | अधुविष्यताम् | अधुविष्यन् |
| अधुविष्यः | अधुविष्यतम् | अधुविष्यत |
| अधुविष्यम् | अधुविष्याव | अधुविष्याम |

1431 कुचत् (कुच्) संकोचने 117

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० कुचति | कुचतः | कुचन्ति |
| कुचसि | कुचथः | कुचथ |
| कुचामि | कुचावः | कुचामः |
| स० कुचेत् | कुचेताम् | कुचेयुः |
| कुचेः | कुचेतम् | कुचेत |
| कुचेयम् | कुचेव | कुचेम |
| प० कुचतु | कुचतात् | कुचताम् |
| कुच | कुचतात् | कुचतम् |
| कुचानि | कुचाव | कुचाम |
| झ० अकुचत् | अकुचताम् | अकुचन् |
| अकुचः | अकुचतम् | अकुचत |
| अकुचम् | अकुचाव | अकुचाम |
| अ० अकुचीत् | अकुचिष्टाम् | अकुचिषुः |
| अकुचीः | अकुचिष्टम् | अकुचिष्ट |
| अकुचिषम् | अकुचिष्व | अकुचिष्म |
| प० चुकोच | चुकुचतुः | चुकुचुः |
| चुकोचिथ | चुकुचथुः | चुकुच |
| चुकोच | चुकुच | चुकुचिथ |
| आ० कुच्यात् | कुच्यास्ताम् | कुच्यासुः |
| कुच्याः | कुच्यास्तम् | कुच्यास्त |
| कुच्यासम् | कुच्यास्व | कुच्यास्म |
| प्र० कुचिता | कुचितारौ | कुचितारः |
| कुचितामि | कुचितास्थः | कुचितास्थ |
| कुचितास्मि | कुचितास्वः | कुचितास्मः |
| भ० कुचिष्यति | कुचिष्यतः | कुचिष्यन्ति |
| कुचिष्यसि | कुचिष्यथः | कुचिष्यथ |
| कुचिष्यामि | कुचिष्यावः | कुचिष्यामः |
| क्रि० अकुचिष्यत् | अकुचिष्यताम् | अकुचिष्यन् |
| अकुचिष्यः | अकुचिष्यतम् | अकुचिष्यत |
| अकुचिष्यम् | अकुचिष्याव | अकुचिष्याम |

1432 व्यचत् (व्यच) व्याजीकरणे ॥ १४८

| | | | |
|-------|------------|-----------------|-------------|
| ब० | विचति | विचतः | विचन्ति |
| | विचसि | विचथः | विचथ |
| | विचामि | विचावः | विचामः |
| स० | विचेत् | विचेताम् | विच्युः |
| | विचैः | विचेतम् | विचेत |
| | विचेयम् | विचेव | विचेम |
| प० | विचतु | विचतात् | विचताम् |
| | विच | विचतम् | विचत |
| | विचानि | विचाव | विचाम |
| झ० | अविचत | अविचताम् | अविचन् |
| | अविचः | अविचतम् | अविचत |
| | अविचम् | अविचाव | अविचाम |
| अ० | अविचीत् | अविचिष्टाम् | अविचिषुः |
| | अविचीः | अविचिष्टम् | अविचिष्ट |
| | अविचिषम् | अविचिष्व | अविचिषम |
| ए० | विच्याच | विचिचतुः | विचिचुः |
| | विचिचिथ | विचिचथुः | विचिच |
| | विच्याव | विचिच विचिचिष्व | विचिचिम |
| आ० | विच्यात् | विच्यास्ताम् | विच्यासुः |
| | विच्याः | विच्यास्तम् | विच्यास्त |
| | विच्यासम् | विच्यास्व | विच्यासम |
| इव० | विचिता | विचितारौ | विचितारः |
| | विचितासि | विचितास्थः | विचितास्थ |
| | विचितास्मि | विचितास्वः | विचितास्मः |
| अ० | विचिष्यति | विचिष्यतः | विचिष्यन्ति |
| | विचिष्यसि | विचिष्यथः | विचिष्यथ |
| | विचिष्यामि | विचिष्यावः | विचिष्यामः |
| क्रि० | अविचिष्यत् | अविचिष्यताम् | अविचिष्यन् |
| | अविचिष्यः | अविचिष्यतम् | अविचिष्यत |
| | अविचिष्यम् | अविचिष्याव | अविचिष्याम |

अथ गान्तः सेट् च

1433 गुजत् (गुज्) शब्दे ॥ १४९

| | | | |
|-------|-----------------------|--------------|-------------|
| ब० | गुजति | गुजतः | गुजन्ति |
| | गुजसि | गुजथः | गुजथ |
| | गुजामि | गुजावः | गुजामः |
| स० | गुजेत् | गुजेताम् | गुजेयुः |
| | गुजेः | गुजेतम् | गुजेत |
| | गुजेयम् | गुजेव | गुजेम |
| प० | गुजतु | गुजतात् | गुजताम् |
| | गुज | गुजतम् | गुजत |
| | गुजानि | गुजाव | गुजाम |
| झ० | अगुजत् | अगुजताम् | अगुजन् |
| | अगुजः | अगुजतम् | अगुजत |
| | अगुजम् | अगुजाव | अगुजाम |
| अ० | अगुजीत् | अगुजिष्टाम् | अगुजिषुः |
| | अगुजीः | अगुजिष्टम् | अगुजिष्ट |
| | अगुजिषम् | अगुजिष्व | अगुजिषम |
| ए० | जुगोज | जुगुजतुः | जुगुजुः |
| | जुगुजिथ | जुगुजथुः | जुगुज |
| | जुगोज जुगुज जुगुजिष्व | | जुगुजिम |
| आ० | गुज्यात् | गुज्यास्ताम् | गुज्यासुः |
| | गुज्याः | गुज्यास्तम् | गुज्यास्त |
| | गुज्यासम् | गुज्यास्व | गुज्यासम |
| इव० | गुजिता | गुजितारौ | गुजितारः |
| | गुजितासि | गुजितास्थः | गुजितास्थ |
| | गुजितास्मि | गुजितास्वः | गुजितस्मः |
| अ० | गुजिष्यति | गुजिष्यतः | गुजिष्यन्ति |
| | गुजिष्यसि | गुजिष्यथः | गुजिष्यथ |
| | गुजिष्यामि | गुजिष्यावः | गुजिष्यामः |
| क्रि० | अगुजिष्यत् | अगुजिष्यताम् | अगुजिष्यन् |
| | अगुजिष्यः | अगुजिष्यतम् | अगुजिष्यत |
| | अगुजिष्यम् | अगुजिष्याव | अगुजिष्याम |

अथ दान्ता अष्टौ सेटश्च

1434 घुट् (घुट्) प्रतिघाते ।

गुडत् इति केचित् । 120

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० घुटति | घुटतः | घुटन्ति |
| घुटसि | घुटथः | घुटथ |
| घुटामि | घुटावः | घुटामः |
| स० घुटेत् | घुटेताम् | घुटेयुः |
| घुटेः | घुटेतम् | घुटेत |
| घुटेयम् | घुटेव | घुटेम |
| प० घुटतु | घुटतात् | घुटताम् |
| घुट | „ | घुटतम् |
| घुटानि | घुटाव | घुटाम |
| झ० अघुटत् | अघुटताम् | अघुटन् |
| अघुटः | अघुटतम् | अघुटत |
| अघुटम् | अघुटाव | अघुटाम |
| अ० अघुटीत् | अघुटिष्टाम् | अघुटिषुः |
| अघुटीः | अघुटिष्टम् | अघुटिष्ट |
| अघुटिषम् | अघुटिष्व | अघुटिष्म |
| प० जुघोट | जुघुटतुः | जुघुटुः |
| जुघुटिथ | जुघुटथुः | जुघुट |
| जुघोट जुघुट | जुघुटिव | जुघुटिम |
| आ० घुट्यात् | घुट्यास्ताम् | घुट्यासुः |
| घुट्याः | घुट्यास्तम् | घुट्यास्त |
| घुट्यासम् | घुट्यास्व | घुट्यास्म |
| प्र० घुटिता | घुटितारौ | घुटितारः |
| घुटितासि | घुटितास्थः | घुटितास्थ |
| घुटितास्मि | घुटितास्वः | घुटितास्मः |
| भ० घुटिष्यति | घुटिष्यतः | घुटिष्यन्ति |
| घुटिष्यसि | घुटिष्यथः | घुटिष्यथ |
| घुटिष्यामि | घुटिष्यावः | घुटिष्यामः |
| क्रि० अघुटिष्यत् | अघुटिष्यताम् | अघुटिष्यन् |
| अघुटिष्यः | अघुटिष्यतम् | अघुटिष्यत |
| अघुटिष्यम् | अघुटिष्याव | अघुटिष्याम |

1435 चुटत् (चुट्) वेदने 121

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० चुटति | चुटतः | चुटन्ति |
| चुटसि | चुटथः | चुटथ |
| चुटामि | चुटावः | चुटामः |
| स० चुटेत् | चुटेताम् | चुटेयुः |
| चुटेः | चुटेतम् | चुटेत |
| चुटेयम् | चुटेव | चुटेम |
| प० चुटतु | चुटतात् | चुटताम् |
| चुट | „ | चुटतम् |
| चुटानि | चुटाव | चुटाम |
| झ० अचुटत् | अचुटताम् | अचुटन् |
| अचुटः | अचुटतम् | अचुटत |
| अचुटम् | अचुटाव | अचुटाम |
| अ० अचुटीत् | अचुटिष्टाम् | अचुटिषुः |
| अचुटीः | अचुटिष्टम् | अचुटिष्ट |
| अचुटिषम् | अचुटिष्व | अचुटिष्म |
| प० चुचोट | चुचुटतुः | चुचुटुः |
| चुचुटिथ | चुचुटथुः | चुचुट |
| चुचोट चुचुट | चुचुटिव | चुचुटिम |
| आ० चुट्यात् | चुट्यास्ताम् | चुट्यासुः |
| चुट्याः | चुट्यास्तम् | चुट्यास्त |
| चुट्यासम् | चुट्यास्व | चुट्यास्म |
| प्र० चुटिता | चुटितारौ | चुटितारः |
| चुटितासि | चुटितास्थः | चुटितास्थ |
| चुटितास्मि | चुटितास्वः | चुटितास्मः |
| भ० चुटिष्यति | चुटिष्यतः | चुटिष्यन्ति |
| चुटिष्यसि | चुटिष्यथः | चुटिष्यथ |
| चुटिष्यामि | चुटिष्यावः | चुटिष्यामः |
| क्रि० अचुटिष्यत् | अचुटिष्यताम् | अचुटिष्यन् |
| अचुटिष्यः | अचुटिष्यतम् | अचुटिष्यत |
| अचुटिष्यम् | अचुटिष्याव | अचुटिष्याम |

1436 छुट् (छुट्) छेदने 122

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| ष० छुटति | छुटतः | छुटन्ति |
| छुटसि | छुटथः | छुटथ |
| छुटमि | छुटावः | छुटामः |
| स० छुटेत् | छुटेताम् | छुटेयुः |
| छुटेः | छुटेतम् | छुटेत |
| छुटेयम् | छुटेव | छुटेम |
| प० छुटतु | छुटतात् | छुटताम् |
| छुट | छुटतात् | छुटतम् |
| छुटानि | छुटाव | छुटाम |
| झ० अछुटत् | अछुटताम् | अछुटन् |
| अछुटः | अछुटतम् | अछुटत |
| अछुटम् | अछुटाव | अछुटाम |
| अ० अछुटीत् | अछुटिताम् | अछुटिषुः |
| अछुटीः | अछुटिषम् | अछुटिष |
| अछुटिषम् | अछुटिष्व | अछुटिषम |
| प० चुच्छोट | चुच्छुटतुः | चुच्छुटुः |
| चुच्छुटिष | चुच्छुटयुः | चुच्छुट |
| चुच्छोट | चुच्छुट | चुच्छुटिष |
| छुट्यात् | छुट्यास्ताम् | छुट्यासुः |
| छुट्याः | छुट्यास्तम् | छुट्यास्त |
| छुट्यामम् | छुट्यास्व | छुट्यास्म |
| अ० छुटिता | छुटितारो | छुटितारः |
| छुटितासि | छुटितास्यः | छुटितास्य |
| छुटितामि | छुटितास्वः | छुटितास्मः |
| छुटिष्यति | छुटिष्यतः | छुटिष्यन्ति |
| छुटिष्यसि | छुटिष्यथः | छुटिष्यथ |
| छुटिष्यामि | छुटिष्यावः | छुटिष्यामः |
| अछुटिष्यत् | अछुटिष्यताम् | अछुटिष्यन् |
| अछुटिष्यः | अछुटिष्यतम् | अछुटिष्यत |
| अछुटिष्यम् | अछुटिष्याव | अछुटिष्याम |

1437 छुट् (छुट्) छेदने 123

| | | |
|----------------|--------------|--------------------|
| ष० छुटति | छुटतः | छुटन्ति |
| छुटसि | छुटथः | छुटथ |
| छुटमि | छुटावः | छुटामः |
| छुटयति | छुटयतः | छुटयन्ति इत्यादि |
| स० छुटेत् | छुटेताम् | छुटेयुः |
| छुटेः | छुटेतम् | छुटेत |
| छुटेयम् | छुटेव | छुटेम |
| छुट्येत् | छुट्येताम् | छुट्येयुः इत्यादि० |
| प० छुटतु | छुटतात् | छुटताम् |
| छुट | छुटतात् | छुटतम् |
| छुटानि | छुटाव | छुटाम |
| छुटयतु | छुटयतात् | छुटयताम् |
| छुटयन्तु | | १० |
| झ० अछुट् | अछुटताम् | अछुटन् |
| अछुटः | अछुटतम् | अछुटत |
| अछुटम् | अछुटाव | अछुटाम |
| अछुटयत् | अछुटयताम् | अछुटयन् इत्यादि |
| अ० अछुटीत् | अछुटिताम् | अछुटिषुः |
| अछुटीः | अछुटिषम् | अछुटिष |
| अछुटिषम् | अछुटिष्व | अछुटिषम |
| प० तुत्रोट | तुत्रुटुः | तुत्रुटुः |
| तुत्रुटिष | तुत्रुटयुः | तुत्रुट |
| तुत्रोट | तुत्रुट | तुत्रुटिष |
| आ० तुट्यात् | तुट्यास्ताम् | तुट्यासुः |
| तुट्याः | तुट्यास्तम् | तुट्यास्त |
| तुट्यामम् | तुट्यास्व | तुट्यास्म |
| अ० तुटिता | तुटितारो | तुटितारः |
| तुटितासि | तुटितास्यः | तुटितास्य |
| तुटितामि | तुटितास्वः | तुटितास्मः |
| तुटिष्यति | तुटिष्यतः | तुटिष्यन्ति |
| तुटिष्यसि | तुटिष्यथः | तुटिष्यथ |
| तुटिष्यामि | तुटिष्यावः | तुटिष्यामः |
| कि० अतुटिष्यत् | अतुटिष्यताम् | अतुटिष्यन् |
| अतुटिष्यः | अतुटिष्यतम् | अतुटिष्यत |
| अतुटिष्यम् | अतुटिष्याव | अतुटिष्याम |

1438 तुट् (तुट्) कलहकर्मणि 124

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० तुटति | तुटतः | तुटन्ति |
| तुटसि | तुटथः | तुटथ |
| तुटामि | तुटावः | तुटामः |
| स० तुटेत् | तुटेताम् | तुटेयुः |
| तुटेः | तुटेतम् | तुटेत |
| तुटेयम् | तुटेव | तुटेम |
| प० तुटतु | तुटतात् | तुटताम् तुटन्तु |
| तुट | „ | तुटतम् तुटत |
| तुटानि | तुटाव | तुटाम |
| ह्य० अतुटत् | अतुटताम् | अतुटन् |
| अतुटः | अतुटतम् | अतुटत |
| अतुटम् | अतुटाव | अतुटाम |
| अ० अतुटीत् | अतुटिष्टाम् | अतुटिषुः |
| अतुटीः | अतुटिष्टम् | अतुटिष्ट |
| अतुटिषम् | अतुटिष्व | अतुटिषम |
| प० तुटोऽ | तुटुत्तुः | तुटुदुः |
| तुटुत्थि | तुटुत्थुः | तुटुत् |
| तुटोऽ | तुटुत्थि | तुटुत्थि |
| आ० तुट्यात् | तुट्यास्ताम् | तुट्यासुः |
| तुट्याः | तुट्यास्तम् | तुट्यास्त |
| तुट्यासम् | तुट्यास्व | तुट्यास्म |
| श्व० तुटिता | तुटितारौ | तुटितारः |
| तुटितासि | तुटितास्थः | तुटितास्थ |
| तुटितास्मि | तुटितास्वः | तुटितास्मः |
| भ० तुटिष्यति | तुटिष्यतः | तुटिष्यन्ति |
| तुटिष्यसि | तुटिष्यथः | तुटिष्यथ |
| तुटिष्यामि | तुटिष्यावः | तुटिष्यामः |
| क्रि० अतुटिष्यत् | अतुटिष्यताम् | अतुटिष्यन् |
| अतुटिष्यः | अतुटिष्यतम् | अतुटिष्यत |
| अतुटिष्यम् | अतुटिष्याव | अतुटिष्याम |

1439 मुट् (मुट्) आक्षेप-

प्रमर्दनयोः । 125

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| व० मुटति | मुटतः | मुटन्ति |
| मुटसि | मुटथः | मुटथ |
| मुटामि | मुटावः | मुटामः |
| स० मुटेत् | मुटेताम् | मुटेयुः |
| मुटेः | मुटेतम् | मुटेत |
| मुटेयम् | मुटेव | मुटेम |
| प० मुटतु | मुटतात् | मुटताम् मुटन्तु |
| मुट | „ | मुटतम् मुटत |
| मुटानि | मुटाव | मुटाम |
| ह्य० अमुटत् | अमुटताम् | अमुटन् |
| अमुटः | अमुटतम् | अमुटत |
| अमुटम् | अमुटाव | अमुटाम |
| अ० अमुटीत् | अमुटिष्टाम् | अमुटिषुः |
| अमुटीः | अमुटिष्टम् | अमुटिष्ट |
| अमुटिषम् | अमुटिष्व | अमुटिषम |
| प० मुमोऽ | मुमुटुत्तुः | मुमुटुदुः |
| मुमुटुत्थि | मुमुटुत्थुः | मुमुटुत् |
| मुमोऽ | मुमुटुत्थि | मुमुटुत्थि |
| आ० मुट्यात् | मुट्यास्ताम् | मुट्यासुः |
| मुट्याः | मुट्यास्तम् | मुट्यास्त |
| मुट्यासम् | मुट्यास्व | मुट्यास्म |
| श्व० मुटिता | मुटितारौ | मुटितारः |
| मुटितासि | मुटितास्थः | मुटितास्थ |
| मुटितास्मि | मुटितास्वः | मुटितास्मः |
| भ० मुटिष्यति | मुटिष्यतः | मुटिष्यन्ति |
| मुटिष्यसि | मुटिष्यथः | मुटिष्यथ |
| मुटिष्यामि | मुटिष्यावः | मुटिष्यामः |
| क्रि० अमुटिष्यत् | अमुटिष्यताम् | अमुटिष्यन् |
| अमुटिष्यः | अमुटिष्यतम् | अमुटिष्यत |
| अमुटिष्यम् | अमुटिष्याव | अमुटिष्याम |

1440 स्फुटत् (स्फुट्) विकसने 126

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० स्फुटति | स्फुटतः | स्फुटन्ति |
| स्फुटसि | स्फुटथः | स्फुटथ |
| स्फुटामि | स्फुटावः | स्फुटामः |
| स० स्फुटेत् | स्फुटेताम् | स्फुटेयुः |
| स्फुटेः | स्फुटेतम् | स्फुटेत |
| स्फुटेयम् | स्फुटेव | स्फुटेम |
| प० स्फुटतु | स्फुटतात् | स्फुटताम् |
| स्फुट | स्फुटतम् | स्फुटत |
| स्फुटानि | स्फुटाव | स्फुटाम |
| झ० अस्फुटत् | अस्फुटताम् | अस्फुटन् |
| अस्फुटः | अस्फुटतम् | अस्फुटत |
| अस्फुटम् | अस्फुटाव | अस्फुटाम |
| अ० अस्फुटीत् | अस्फुटिष्टाम् | अस्फुटिषुः |
| अस्फुटीः | अस्फुटिष्टम् | अस्फुटिष्ट |
| अस्फुटिषम् | अस्फुटिष्व | अस्फुटिषम |
| प० पुस्फोट | पुस्फुटतुः | पुस्फुटुः |
| पुस्फुटिथ | पुस्फुटथुः | पुस्फुट |
| पुस्फोट | पुस्फुट | पुस्फुटिव |
| आ० स्फुट्यात् | स्फुट्यास्ताम् | स्फुट्यासु |
| स्फुट्याः | स्फुट्यास्तम् | स्फुट्यास्त |
| स्फुट्यासम् | स्फुट्यास्व | स्फुट्यास्म |
| प्र० स्फुटिता | स्फुटितारौ | स्फुटितारः |
| स्फुटितासि | स्फुट स्थः | स्फुटितास्थ |
| स्फुटितास्मि | स्फुटितास्वः | स्फुटितास्मः |
| भ० स्फुटिष्यति | स्फुटिष्यतः | स्फुटिष्यन्ति |
| स्फुटिष्यसि | स्फुटिष्यथः | स्फुटिष्यथ |
| स्फुटिष्यामि | स्फुटिष्यावः | स्फुटिष्यामः |
| क्लि० अस्फुटिष्यत् | अस्फुटिष्यताम् | अस्फुटिष्यन् |
| अस्फुटिष्यः | अस्फुटिष्यतम् | अस्फुटिष्यत |
| अस्फुटिष्यम् | अस्फुटिष्याव | अस्फुटिष्याम |

1441 पुटत् (पुट्) संश्लेषणे 127

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० पुटति | पुटतः | पुटन्ति |
| पुटसि | पुटथः | पुटथ |
| पुटामि | पुटावः | पुटामः |
| स० पुटेत् | पुटेताम् | पुटेयुः |
| पुटेः | पुटेतम् | पुटेत |
| पुटेयम् | पुटेव | पुटेम |
| प० पुटतु | पुटतात् | पुटताम् |
| पुट | पुटतम् | पुटत |
| पुटानि | पुटाव | पुटाम |
| झ० अपुटत् | अपुटताम् | अपुटन् |
| अपुटः | अपुटतम् | अपुटत |
| अपुटम् | अपुटाव | अपुटाम |
| अ० अपुटीत् | अपुटिष्टाम् | अपुटिषुः |
| अपुटीः | अपुटिष्टम् | अपुटिष्ट |
| अपुटिषम् | अपुटिष्व | अपुटिषम |
| प० पुपोट | पुपुटतुः | पुपुटुः |
| पुपुटिथ | पुपुटथुः | पुपुट |
| पुपोट | पुपुट | पुपुटिव |
| आ० पुट्यात् | पुट्यास्ताम् | पुट्यासु |
| पुट्याः | पुट्यास्तम् | पुट्यास्त |
| पुट्यासम् | पुट्यास्व | पुट्यास्म |
| प्र० पुटिता | पुटितारौ | पुटितारः |
| पुटितासि | पुटितास्थः | पुटितास्थ |
| पुटितास्मि | पुटितास्वः | पुटितास्मः |
| भ० पुटिष्यति | पुटिष्यतः | पुटिष्यन्ति |
| पुटिष्यसि | पुटिष्यथः | पुटिष्यथ |
| पुटिष्यामि | पुटिष्यावः | पुटिष्यामः |
| क्लि० अपुटिष्यत् | अपुटिष्यताम् | अपुटिष्यन् |
| अपुटिष्यः | अपुटिष्यतम् | अपुटिष्यत |
| अपुटिष्यम् | अपुटिष्याव | अपुटिष्याम |

1442 लुठत्- (लुट् संश्लेषणे 128

डान्तोऽयमित्यन्ये

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० लुठति | लुठन्तः | लुठन्ति |
| लुठसि | लुठथः | लुठथ |
| लुठामि | लुठावः | लुठामः |
| स० लुठेत् | लुठेताम् | लुठेयुः |
| लुठेः | लुठेतम् | लुठेत |
| लुठेयम् | लुठेव | लुठेम |
| प० लुठतु | लुठतात् | लुठताम् |
| लुठ | लुठतम् | लुठत |
| लुठानि | लुठाव | लुठाम |
| झ० अलुठत् | अलुठताम् | अलुठन्त |
| अलुठः | अलुठतम् | अलुठत |
| अ लुठ | अलुठाव | अलुठाम |
| अलुठञ्च० अलुठीत् | अलुठिषाम् | अलुठिषुः |
| अलुठाः | अलुठिषम् | अलुठिष |
| अलुठिषम् | अलुठिषव | अलुठिषम |
| प० लुलोठ | लुलुठतुः | लुलुठतुः |
| लुलुठिथ | लुलुठयुः | लुलुठ |
| लुलोठ लुलुठ | लुलुठिष | लुलुठिम |
| भा० लुठ्यात् | लुठ्यास्ताम् | लुठ्यासुः |
| लुठ्याः | लुठ्यास्तम् | लुठ्यास्त |
| लुठ्यासम् | लुठ्यास्व | लुठ्यास्म |
| भ० लुठिता | लुठितारो | लुठितारः |
| लुठितासि | लुठितास्थः | लुठितास्थ |
| लुठितास्मि | लुठितास्वः | लुठितास्मः |
| भ० लुठिष्यति | लुठिष्यतः | लुठिष्यन्ति |
| लुठिष्यसि | लुठिष्यथः | लुठिष्यथ |
| लुठिष्यामि | लुठिष्यावः | लुठिष्यामः |
| क्रि० अलुठिष्यत् | अलुठिष्यताम् | अलुठिष्यन्त |
| अलुठिष्यः | अलुठिष्यतम् | अलुठिष्यत |
| अलुठिष्यम् | अलुठिष्याव | अलुठिष्याम |

अथ डान्ता श्रुतुर्दश सेटश्च

1443 कृडत् (कृड्) वसने 129

वसने भक्षणम् । वनत्वे इति केचित्
वनत्वं सान्प्रता ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० कृडति | कृडन्तः | कृडन्ति |
| कृडसि | कृडथः | कृडथ |
| कृडामि | कृडावः | कृडामः |
| स० कृडेत् | कृडेताम् | कृडेयुः |
| कृडेः | कृडेतम् | कृडेत |
| कृडेयम् | कृडेव | कृडेम |
| प० कृडतु | कृडतात् | कृडताम् |
| कृड | कृडतम् | कृडत |
| कृडानि | कृडाव | कृडाम |
| झ० अकृडत् | अकृडताम् | अकृडन्त |
| अकृडः | अकृडतम् | अकृडत |
| अकृडम् | अकृडाव | अकृडाम |
| भ० अकृडोत् | अकृडिषाम् | अकृडिषुः |
| अकृडाः | अकृडिषम् | अकृडिष |
| अकृडिषम् | अकृडिषव | अकृडिषम |
| लुलुङ्क० चकड् | चकडतुः | चकडुः |
| चकडिथ | चकडयुः | चकड |
| चकड् चकड | चकडिष | चकडिम |
| भा० कृड्यात् | कृड्यास्ताम् | कृड्यासुः |
| कृड्याः | कृड्यास्तम् | कृड्यास्त |
| कृड्यासम् | कृड्यास्व | कृड्यास्म |
| प्रव० कृडितु | कृडितारो | कृडितारः |
| कृडितानि | कृडितास्थः | कृडितास्थ |
| कृडितानि | कृडितास्वः | कृडितास्मः |
| भ० कृडिष्यति | कृडिष्यतः | कृडिष्यन्ति |
| कृडिष्यसि | कृडिष्यथः | कृडिष्यथ |
| कृडिष्यामि | कृडिष्यावः | कृडिष्यामः |
| क्रि० अकृडिष्यत् | अकृडिष्यताम् | अकृडिष्यन्त |
| अकृडिष्यः | अकृडिष्यतम् | अकृडिष्यत |
| अकृडिष्यम् | अकृडिष्याव | अकृडिष्याम |

1444 कुडत् (कुड्) बाल्ये च ।

चकाराद् घसने 130

| | | |
|-----------------------|--------------|-------------|
| व० कुडति | कुडतः | कुडन्ति |
| कुडसि | कुडथः | कुडथ |
| कुडामि | कुडावः | कुडामः |
| स० कुडेत् | कुडेताम् | कुडेयुः |
| कुडेः | कुडेतम् | कुडेत |
| कुडेयम् | कुडेव | कुडेम |
| प० कुडतु कुडतात् | कुडताम् | कुडन्तु |
| कुड | कुडतम् | कुडत |
| कुडानि | कुडाव | कुडाम |
| झ० अकुडत् | अकुडताम् | अकुडन् |
| अकुडः | अकुडथम् | अकुडथ |
| अकुडम् | अकुडाव | अकुडाम |
| अ० अकुडोत् | अकुडिष्टाम् | अकुडिषुः |
| अकुडीः | अकुडिष्टम् | अकुडिष्ट |
| अकुडिषम् | अकुडिष्व | अकुडिषम |
| प० चुकोड चुकुडतुः | चकुडुः | |
| चुकुडिथ चुकुडथुः | चकुड | |
| चुकोड चुकुड चुकुडिष्व | चुकुडिम | |
| आ० कुड्यात् | कुड्यास्ताम् | कुड्यासुः |
| कुड्याः | कुड्यास्तम् | कुड्यास्त |
| कुड्यासम् | कुड्यास्व | कुड्यास्म |
| प्र० कुडिता | कुडितारौ | कुडितारः |
| कुडितासि | कुडितास्थः | कुडितास्थ |
| कुडितास्मि | कुडितास्वः | कुडितास्मः |
| भ० कुडिष्यति | कुडिष्यतः | कुडिष्यन्ति |
| कुडिष्यसि | कुडिष्यथः | कुडिष्यथ |
| कुडिष्यामि | कुडिष्यावः | कुडिष्यामः |
| क्रि० अकुडिष्यत् | अकुडिष्यताम् | अकुडिष्यन् |
| अकुडिष्यः | अकुडिष्यतम् | अकुडिष्यत |
| अकुडिष्यम् | अकुडिष्याव | अकुडिष्याम |

1445 गुडत् (गुड्) रक्षायाम् 131

| | | |
|-----------------------|--------------|-------------|
| व० गुडति | गुडतः | गुडन्ति |
| गुडसि | गुडथः | गुडथ |
| गुडामि | गुडावः | गुडामः |
| स० गुडेत् | गुडेताम् | गुडेयुः |
| गुडेः | गुडेतम् | गुडेत |
| गुडेयम् | गुडेव | गुडेम |
| प० गुडतु गुडतात् | गुडताम् | गुडन्तु |
| गुड | गुडतम् | गुडत |
| गुडानि | गुडाव | गुडाम |
| झ० अगुडत् | अगुडताम् | अगुडन् |
| अगुडः | अगुडथम् | अगुडथ |
| अगुडम् | अगुडाव | अगुडाम |
| अ० अगुडोत् | अगुडिष्टाम् | अगुडिषुः |
| अगुडीः | अगुडिष्टम् | अगुडिष्ट |
| अगुडिषम् | अगुडिष्व | अगुडिषम |
| प० जुगोड जुगुडतुः | जुगुडुः | |
| जुगुडिथ जुगुडथुः | जुगुड | |
| जुगुड जुगोड जुगुडिष्व | जुगुडिम | |
| आ० गुड्यात् | गुड्यास्ताम् | गुड्यासुः |
| गुड्याः | गुड्यास्तम् | गुड्यास्त |
| गुड्यासम् | गुड्यास्व | गुड्यास्म |
| प्र० गुडिता | गुडितारौ | गुडितारः |
| गुडितासि | गुडितास्थः | गुडितास्थ |
| गुडितास्मि | गुडितास्वः | गुडितास्मः |
| भ० डिष्यति | गुडिष्यतः | गुडिष्यन्ति |
| गुडिष्यसि | गुडिष्यथः | गुडिष्यथ |
| गुडिष्यामि | गुडिष्यावः | गुडिष्यामः |
| क्रि० अगुडिष्यत् | अगुडिष्यताम् | अगुडिष्यन् |
| अगुडिष्यः | अगुडिष्यतम् | अगुडिष्यत |
| अगुडिष्यम् | अगुडिष्याव | अगुडिष्याम |

1446 जुडत् (जुड्) बन्धे 132

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ष० जुडति | जुडतः | जुडन्ति |
| जुडसि | जुडथः | जुडथ |
| जुडामि | जुडावः | जुडामः |
| स० जुडेत् | जुडेताम् | जुडेयुः |
| जुडेः | जुडेतम् | जुडेत् |
| जुडेयम् | जुडेव | जुडेम |
| प० जुडतु | जुडतात् | जुडताम् |
| जुड | जुडतात् | जुडतम् |
| जुडानि | जुडाव | जुडाम |
| झ० अजुडत् | अजुडताम् | अजुडन् |
| अजुडः | अजुडतम् | अजुडत् |
| अजुडम् | अजुडाव | अजुडाम |
| अ० अजुडीत् | अजुडिशाम् | अजुडिषुः |
| अजुडीः | अजुडिष्टम् | अजुडिष्ट |
| अजुडिषम् | अजुडिष्व | अजुडिष्म |
| प० जुजोड | जुजुडतुः | जुजुडः |
| जुजुडिथ | जुजुडथुः | जुजुड |
| जुजोड | जुजुड | जुजुडिष्व |
| जुजुडिम | | |
| आ० जुड्यात् | जुड्यास्ताम् | जुड्यासुः |
| जुड्याः | जुड्यास्तम् | जुड्यास्त |
| जुड्यासम् | जुड्यास्व | जुड्यास्म |
| प्र० जुडिता | जुडितारौ | जुडितारः |
| जुडितासि | जुडितास्थः | जुडितास्थ |
| जुडितास्मि | जुडितास्वः | जुडितास्मः |
| भ० जुडिष्यति | जुडिष्यतः | जुडिष्यन्ति |
| जुडिष्यसि | जुडिष्यथः | जुडिष्यथ |
| जुडिष्यामि | जुडिष्यावः | जुडिष्यामः |
| क्रि० अजुडिष्यत् | अजुडिष्यताम् | अजुडिष्यन् |
| अजुडिष्यः | अजुडिष्यतम् | अजुडिष्यत् |
| अजुडिष्यम् | अजुडिष्याव | अजुडिष्याम |

1442 तुडत् (तुड्) तोडने ।

तोडने भेदः । 133

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ष० तुडति | तुडतः | तुडन्ति |
| तुडसि | तुडथः | तुडथ |
| तुडामि | तुडावः | तुडामः |
| स० तुडेत् | तुडेताम् | तुडेयुः |
| तुडेः | तुडेतम् | तुडेत् |
| तुडेयम् | तुडेव | तुडेम |
| प० तुडतु | तुडतात् | तुडताम् |
| तुड | तुडतात् | तुडतम् |
| तुडानि | तुडाव | तुडाम |
| झ० अतुडत् | अतुडताम् | अतुडन् |
| अतुडः | अतुडतम् | अतुडत् |
| अतुडम् | अतुडाव | अतुडाम |
| अ० अतुडीत् | अतुडिशाम् | अतुडिषुः |
| अतुडीः | अतुडिष्टम् | अतुडिष्ट |
| अतुडिषम् | अतुडिष्व | अतुडिष्म |
| प० तुतोड | तुतुडतुः | तुतुडः |
| तुतुडिथ | तुतुडथुः | तुतुड |
| तुतुड | तुतुडिष्व | तुतुडिष्म |
| आ० तुड्यात् | तुड्यास्ताम् | तुड्यासुः |
| तुड्याः | तुड्यास्तम् | तुड्यास्त |
| तुड्यासम् | तुड्यास्व | तुड्यास्म |
| प्र० तुडिता | तुडितारौ | तुडितारः |
| तुडितासि | तुडितास्थः | तुडितास्थ |
| तुडितास्मि | तुडितास्वः | तुडितास्मः |
| भ० तुडिष्यति | तुडिष्यतः | तुडिष्यन्ति |
| तुडिष्यसि | तुडिष्यथः | तुडिष्यथ |
| तुडिष्यामि | तुडिष्यावः | तुडिष्यामः |
| क्रि० अतुडिष्यत् | अतुडिष्यताम् | अतुडिष्यन् |
| अतुडिष्यः | अतुडिष्यतम् | अतुडिष्यत् |
| अतुडिष्यम् | अतुडिष्याव | अतुडिष्याम |

1448 लुडत् (लुइ) संवरणे 134

| | | |
|-----------|----------|---------|
| घ० लुडति | लुडतः | लुडन्ति |
| लुडसि | लुडथः | लुडथ |
| लुडामि | लुडावः | लुडामः |
| स० लुडेत् | लुडेताम् | लुडेयुः |
| लुडेः | लुडेतम् | लुडेत् |
| लुडेयम् | लुडेव | लुडेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० लुडतु | लुडतात् | लुडताम् | लुडन्तु |
| लुड | " | लुडतम् | लुडन् |
| लुडानि | लुडाव | लुडाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अलुडत् | अलुडताम् | अलुडन् |
| अलुडः | अलुडतम् | अलुडन् |
| अलुडम् | अलुडाव | अलुडाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अलुडोत् | अलुडिष्टाम् | अलुडिषुः |
| अलुडीः | अलुडिष्टम् | अलुडिष्ट |
| अलुडिषम् | अलुडिष्व | अलुडिषम |

| | | |
|-------------|----------|---------|
| प० लुलोड | लुलुडतुः | लुलुडः |
| लुलुडिथ | लुलुडथुः | लुलुड |
| लुलुड लुलोड | लुलुडिष | लुलुडिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० लुड्यात् | लुड्यास्ताम् | लुड्यासुः |
| लुड्याः | लुड्यास्तम् | लुड्यास्त |
| लुड्यासम् | लुड्यास्व | लुड्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| प्र० लुडिता | लुडितारौ | लुडितारः |
| लुडितासि | लुडितास्थः | लुडितास्थ |
| लुडितास्मि | लुडितास्वः | लुडितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० लुडिष्यति | लुडिष्यतः | लुडिष्यन्ति |
| लुडिष्यसि | लुडिष्यथः | लुडिष्यथ |
| लुडिष्यामि | लुडिष्यावः | लुडिष्यामः |

| | | |
|----------------|--------------|------------|
| कि० अलुडिष्यत् | अलुडिष्यताम् | अलुडिष्यन् |
| अलुडिष्यः | अलुडिष्यतम् | अलुडिष्यन् |
| अलुडिष्यम् | अलुडिष्याव | अलुडिष्याम |

1449 थुडत् (थुइ) संवरणे 135

| | | |
|-----------|----------|---------|
| घ० थुडति | थुडतः | थुडन्ति |
| थुडसि | थुडथः | थुडथ |
| थुडामि | थुडावः | थुडामः |
| स० थुडेत् | थुडेताम् | थुडेयुः |
| थुडेः | थुडेतम् | थुडेत् |
| थुडेयम् | थुडेव | थुडेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० थुडतु | थुडतात् | थुडताम् | थुडन्तु |
| थुड | " | थुडतम् | थुडन् |
| थुडानि | थुडाव | थुडाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अथुडत् | अथुडताम् | अथुडन् |
| अथुडः | अथुडतम् | अथुडन् |
| अथुडम् | अथुडाव | अथुडाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अथुडोत् | अथुडिष्टाम् | अथुडिषुः |
| अथुडीः | अथुडिष्टम् | अथुडिष्ट |
| अथुडिषम् | अथुडिष्व | अथुडिषम |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० तुथोड | तुथुडतुः | तुथुडः |
| तुथुडिथ | तुथुडथुः | तुथुड |
| तुथोड | तुथुड | तुथुडिष |
| | | तुथुडिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० थुड्यात् | थुड्यास्ताम् | थुड्यासुः |
| थुड्याः | थुड्यास्तम् | थुड्यास्त |
| थुड्यासम् | थुड्यास्व | थुड्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| प्र० थुडिता | थुडितारौ | थुडितारः |
| थुडितासि | थुडितास्थः | थुडितास्थ |
| थुडितास्मि | थुडितास्वः | थुडितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० थुडिष्यति | थुडिष्यतः | थुडिष्यन्ति |
| थुडिष्यसि | थुडिष्यथः | थुडिष्यथ |
| थुडिष्यामि | थुडिष्यावः | थुडिष्यामः |

| | | |
|----------------|--------------|------------|
| कि० अथुडिष्यत् | अथुडिष्यताम् | अथुडिष्यन् |
| अथुडिष्यः | अथुडिष्यतम् | अथुडिष्यन् |
| अथुडिष्यम् | अथुडिष्याव | अथुडिष्याम |

1450 स्थुडत् (स्थुड्) संवरणे । 136

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| घ० स्थुडति | स्थुडतः | स्थुडन्ति |
| स्थुडसि | स्थुडथः | स्थुडथ |
| स्थुडामि | स्थुडावः | स्थुडामः |
| स० स्थुडेत् | स्थुडेताम् | स्थुडेयुः |
| स्थुडेः | स्थुडेताम् | स्थुडेताम् |
| स्थुडेयम् | स्थुडेव | स्थुडेयम् |
| प० स्थुडतु | स्थुडतात् | स्थुडताम् |
| स्थुड | स्थुडतम् | स्थुडतम् |
| स्थुडानि | स्थुडाव | स्थुडाम |
| झ० अस्थुडत् | अस्थुडताम् | अस्थुडन् |
| अस्थुडः | अस्थुडतम् | अस्थुडतम् |
| अस्थुडम् | अस्थुडाव | अस्थुडाम |
| अ० अस्थुडोत् | अस्थुडिषाम् | अस्थुडिषुः |
| अस्थुडोः | अस्थुडिषाम् | अस्थुडिषुः |
| अस्थुडिषम् | अस्थुडिषव | अस्थुडिषम् |
| प० तुस्थुड | तुस्थुडतुः | तुस्थुड |
| तुस्थुडिथ | तुस्थुडथुः | तुस्थुड |
| तुस्थुड | तुस्थुडिथ | तुस्थुडिथ |
| आ० स्थुड्यात् | स्थुड्यास्ताम् | स्थुड्यासुः |
| स्थुड्याः | स्थुड्यास्तम् | स्थुड्यास्तम् |
| स्थुड्यासम् | स्थुड्यास्व | स्थुड्यास्म |
| श्व० स्थुडिता | स्थुडितारौ | स्थुडितारः |
| स्थुडितासि | स्थुडितास्थः | स्थुडितास्थ |
| स्थुडितास्मि | स्थुडितास्वः | स्थुडितास्मः |
| भ० स्थुडिष्यति | स्थुडिष्यतः | स्थुडिष्यन्ति |
| स्थुडिष्यसि | स्थुडिष्यथः | स्थुडिष्यथ |
| स्थुडिष्यामि | स्थुडिष्यावः | स्थुडिष्यामः |
| क्रि० अस्थुडिष्यत् | अस्थुडिष्यताम् | अस्थुडिष्यन् |
| अस्थुडिष्यः | अस्थुडिष्यतम् | अस्थुडिष्यतम् |
| अस्थुडिष्यम् | अस्थुडिष्याव | अस्थुडिष्याम |

1451 वुडत् (वुड्) उत्सर्गे च । 137

च आरासंवरणे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० वुडति | वुडतः | वुडन्ति |
| वुडसि | वुडथः | वुडथ |
| वुडामि | वुडावः | वुडामः |
| स० वुडेत् | वुडेताम् | वुडेयुः |
| वुडेः | वुडेताम् | वुडेताम् |
| वुडेयम् | वुडेव | वुडेयम् |
| प० वुडतु | वुडतात् | वुडताम् |
| वुड | वुडतम् | वुडतम् |
| वुडानि | वुडाव | वुडाम |
| ह्य० अवुडत् | अवुडताम् | अवुडन् |
| अवुडः | अवुडतम् | अवुडतम् |
| अवुडम् | अवुडाव | अवुडाम |
| अ० अवुडोत् | अवुडिषाम् | अवुडिषुः |
| अवुडोः | अवुडिषाम् | अवुडिषुः |
| अवुडिषम् | अवुडिषव | अवुडिषम् |
| प० वुवोड | वुवुडतुः | वुवुड |
| वुवुडिथ | वुवुडथुः | वुवुड |
| वुवोड | वुवुड | वुवुडिथ |
| आवुड्यात् | वुड्यास्ताम् | वुड्यासुः |
| वुड्याः | वुड्यास्तम् | वुड्यास्तम् |
| वुड्यासम् | वुड्यास्व | वुड्यास्म |
| श्व० वुडिता | वुडितारौ | वुडितारः |
| वुडितासि | वुडितास्थः | वुडितास्थ |
| वुडितास्मि | वुडितास्वः | वुडितास्मः |
| भ० वुडिष्यति | वुडिष्यतः | वुडिष्यन्ति |
| वुडिष्यसि | वुडिष्यथः | वुडिष्यथ |
| वुडिष्यामि | वुडिष्यावः | वुडिष्यामः |
| क्रि० अवुडिष्यत् | अवुडिष्यताम् | अवुडिष्यन् |
| अवुडिष्यः | अवुडिष्यतम् | अवुडिष्यतम् |
| अवुडिष्यम् | अवुडिष्याव | अवुडिष्याम |

1452 वृडत् (वृड्) संघाते 138

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ष० वृडति | वृडतः | वृडन्ति |
| वृडसि | वृडथः | वृडथ |
| वृडामि | वृडावः | वृडामः |
| स० वृडेत् | वृडेताम् | वृडेयुः |
| वृडेः | वृडंतम् | वृडंत |
| वृडेयम् | वृडेव | वृडेम |
| प० वृडतु | वृडतात् | वृडताम् |
| वृड | ” | वृडतम् |
| वृडानि | वृडाव | वृडाम |
| झ० अवृडत् | अवृडताम् | अवृडन् |
| अवृडः | अवृडतम् | अवृडत |
| अवृडम् | अवृडाव | अवृडाम |
| अ० अवृडीत् | अवृडिष्टाम् | अवृडिषुः |
| अवृडीः | अवृडिष्टम् | अवृडिष्ट |
| अवृडिषम् | अवृडिष्व | अवृडिषम |
| प० वृषोड | वृषुडतुः | वृषुडः |
| वृषुडिथ | वृषुडथुः | वृषुड |
| वृषुड वृषोड | वृषुडिथ | वृषुडिम |
| आ० वृड्यात् | वृड्यास्ताम् | वृड्यासुः |
| वृड्याः | वृड्यास्तम् | वृड्यास्त |
| वृड्यासम् | वृड्यास्व | वृड्यास्म |
| भ० वृडिता | वृडितारौ | वृडितारः |
| वृडितासि | वृडितास्थः | वृडितास्थ |
| वृडितास्मि | वृडितास्वः | वृडितास्मः |
| भ० वृडिष्यति | वृडिष्यतः | वृडिष्यन्ति |
| वृडिष्यसि | वृडिष्यथः | वृडिष्यथ |
| वृडिष्यामि | वृडिष्यावः | वृडिष्यामः |
| क्रि० अवृडिष्यत् | अवृडिष्यताम् | अवृडिष्यन् |
| अवृडिष्यः | अवृडिष्यतम् | अवृडिष्यत |
| अवृडिष्यम् | अवृडिष्याव | अवृडिष्याम |

1453 भृडत् (भृड्) संघाते 139

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ष० भृडति | भृडतः | भृडन्ति |
| भृडसि | भृडथः | भृडथ |
| भृडामि | भृडावः | भृडामः |
| स० भृडेत् | भृडेताम् | भृडेयुः |
| भृडेः | भृडंतम् | भृडंत |
| भृडेयम् | भृडेव | भृडेम |
| प० भृडतु | भृडतात् | भृडताम् |
| भृड | ” | भृडतम् |
| भृडानि | भृडाव | भृडाम |
| झ० अभृडत् | अभृडताम् | अभृडन् |
| अभृडः | अभृडतम् | अभृडत |
| अभृडम् | अभृडाव | अभृडाम |
| अ० अभृडीत् | अभृडिष्टाम् | अभृडिषुः |
| अभृडीः | अभृडिष्टम् | अभृडिष्ट |
| अभृडिषम् | अभृडिष्व | अभृडिषम |
| प० भृषोड | भृषुडतुः | भृषुडः |
| भृषुडिथ | भृषुडथुः | भृषुड |
| भृषुड भृषोड | भृषुडिथ | भृषुडिम |
| आ० भृड्यात् | भृड्यास्ताम् | भृड्यासुः |
| भृड्याः | भृड्यास्तम् | भृड्यास्त |
| भृड्यासम् | भृड्यास्व | भृड्यास्म |
| भ० भृडिता | भृडितारौ | भृडितारः |
| भृडितासि | भृडितास्थः | भृडितास्थ |
| भृडितास्मि | भृडितास्वः | भृडितास्मः |
| भ० भृडिष्यति | भृडिष्यतः | भृडिष्यन्ति |
| भृडिष्यसि | भृडिष्यथः | भृडिष्यथ |
| भृडिष्यामि | भृडिष्यावः | भृडिष्यामः |
| क्रि० अभृडिष्यत् | अभृडिष्यताम् | अभृडिष्यन् |
| अभृडिष्यः | अभृडिष्यतम् | अभृडिष्यत |
| अभृडिष्यम् | अभृडिष्याव | अभृडिष्याम |

1454 वुडत् (वुड्) निमज्जने । 140

| | | |
|-----------|----------|---------|
| व० वुडति | वुडतः | वुडन्ति |
| वुडसि | वुडथः | वुडथ |
| वुडामि | वुडावः | वुडामः |
| स० वुडेत् | वुडेताम् | वुडेयुः |
| वुडेः | वुडेतम् | वुडेत |
| वुडेयम् | वुडेव | वुडेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० वुडत् | वुडतात् | वुडताम् | वुडन्तु |
| वुड | वुडतम् | वुडत | |
| वुडानि | वुडाव | वुडाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अवुडत् | अवुडताम् | अवुडन् |
| अवुडः | अवुडतम् | अवुडत |
| अवुडम् | अवुडाव | अवुडाम |

| | | |
|------------|------------|----------|
| अ० अवुडीत् | अवुडिशाम् | अवुडिषुः |
| अवुडीः | अवुडिष्टम् | अवुडिष्ट |
| अवुडिषम् | अवुडिष्व | अवुडिषम |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० वुडोड | वुवुडत् | वुवुडः |
| वुवुडिथ | वुवुडथुः | वुवुड |
| वुवुड | वुवुडिष | वुवुडिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० वुड्यात् | वुड्यास्ताम् | वुड्यासुः |
| वुड्याः | वुड्यास्तम् | वुड्यास्त |
| वुड्यासम् | वुड्यास्व | वुड्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| भ्व० वुडिता | वुडितारौ | वुडितारः |
| वुडितासि | वुडितास्थः | वुडितास्थ |
| वुडितास्मि | वुडितास्वः | वुडितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० वुडिष्यति | वुडिष्यतः | वुडिष्यन्ति |
| वुडिष्यसि | वुडिष्यथः | वुडिष्यथ |
| वुडिष्यामि | वुडिष्यावः | वुडिष्यामः |

- क्रि० अवुडिष्यत् अवुडिष्यताम् अवुडिष्यन्
अवुडिष्यः अवुडिष्यतम् अवुडिष्यत
अवुडिष्यम् अवुडिष्याव अवुडिष्याम

1455 हुडत् (हुड्) निमज्जने 141

| | | |
|-----------|----------|---------|
| व० हुडति | हुडतः | हुडन्ति |
| हुडसि | हुडथः | हुडथ |
| हुडामि | हुडावः | हुडामः |
| स० हुडेत् | हुडेताम् | हुडेयुः |
| हुडेः | हुडेतम् | हुडेत |
| हुडेयम् | हुडेव | हुडेम |

| | | | |
|----------|----------|----------|---------|
| प० हुडत् | हुडेतात् | हुडेताम् | हुडन्तु |
| हुड | हुडतम् | हुडत | |
| हुडानि | हुडाव | हुडाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अहुडत् | अहुडताम् | अहुडन् |
| अहुडः | अहुडतम् | अहुडत |
| अहुडम् | अहुडाव | अहुडाम |

| | | |
|------------|------------|----------|
| अ० अहुडीत् | अहुडिशाम् | अहुडिषुः |
| अहुडीः | अहुडिष्टम् | अहुडिष्ट |
| अहुडिषम् | अहुडिष्व | अहुडिषम |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० जुहोड | जुहुडत् | जुहुडः |
| जुहुडिथ | जुहुडथुः | जुहुड |
| जुहुड | जुहुडिष | जुहुडिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० हुड्यात् | हुड्यास्ताम् | हुड्यासुः |
| हुड्याः | हुड्यास्तम् | हुड्यास्त |
| हुड्यासम् | हुड्यास्व | हुड्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| भ्व० हुडिता | हुडितारौ | हुडितारः |
| हुडितासि | हुडितास्थः | हुडितास्थ |
| हुडितास्मि | हुडितास्वः | हुडितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० हुडिष्यति | हुडिष्यतः | हुडिष्यन्ति |
| हुडिष्यसि | हुडिष्यथः | हुडिष्यथ |
| हुडिष्यामि | हुडिष्यावः | हुडिष्यामः |

- क्रि० अहुडिष्यत् अहुडिष्यताम् अहुडिष्यन्
अहुडिष्यः अहुडिष्यतम् अहुडिष्यत
अहुडिष्यम् अहुडिष्याव अहुडिष्याम

1456 वुडत् (वुड्) निमज्जने 142

| | | |
|----------|--------|---------|
| व० वुडति | वुडतः | वुडन्ति |
| वुडसि | वुडथः | वुडथ |
| वुडामि | वुडावः | वुडामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० वुडेत् | वुडेताम् | वुडेयुः |
| वुडेः | वुडेतम् | वुडेत् |
| वुडेयम् | वुडेव | वुडेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० वुडतु | वुडतात् | वुडताम् | वुडन्तु |
| वुड | " | वुडतम् | वुडन् |
| वुडानि | वुडाव | वुडाम | |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| झ० अवुडत् | अवुडताम् | अवुडन् |
| अवुडसि | अवुडथः | अवुडथ |
| अवुडामि | अवुडावः | अवुडामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| अ० अवुडोत् | अवुडिषाम् | अवुडिषुः |
| अवुडोः | अवुडिषम् | अवुडिष |
| अवुडिषम् | अवुडिषव | अवुडिषम |

| | | |
|------------|------------|----------|
| प० त्रुडोड | त्रुडोडतुः | त्रुडोडः |
| त्रुडिथ | त्रुडिथुः | त्रुडिथ |
| त्रुडिथ | त्रुडिथ | त्रुडिथ |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० वुड्यात् | वुड्यास्ताम् | वुड्यासुः |
| वुड्याः | वुड्यास्तम् | वुड्यास्त |
| वुड्यासि | वुड्यासव | वुड्यासम् |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| प्र० वुडिता | वुडितारौ | वुडितारः |
| वुडितासि | वुडितास्थः | वुडितास्थ |
| वुडितासि | वुडितासवः | वुडितासम् |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० वुडिष्यति | वुडिष्यतः | वुडिष्यन्ति |
| वुडिष्यसि | वुडिष्यथः | वुडिष्यथ |
| वुडिष्यामि | वुडिष्यावः | वुडिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अवुडिष्यत् | अवुडिष्यताम् | अवुडिष्यन् |
| अवुडिष्यः | अवुडिष्यतम् | अवुडिष्यत् |
| अवुडिष्यम् | अवुडिष्याव | अवुडिष्याम |

| | | |
|--------|---------|-------|
| अवुडः | अवुडतम् | अवुडत |
| अवुडम् | | |

॥ अथ गान्तः सेट् च ॥

1457 चुणत् (चुण्) छेदने 143

| | | |
|----------|--------|---------|
| व० चुणति | चुणतः | चुणन्ति |
| चुणसि | चुणथः | चुणथ |
| चुणामि | चुणावः | चुणामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० चुणेत् | चुणेताम् | चुणेयुः |
| चुणेः | चुणेतम् | चुणेत |
| चुणायम् | चुणैव | चुणैम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० चुणतु | चुणतात् | चुणताम् | चुणन्तु |
| चुण | चुणतात् | चुणतम् | चुणन् |
| चुणानि | चुणाव | चुणाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अचुणत् | अचुणताम् | अचुणन् |
| अचुणः | अचुणतम् | अचुणत् |
| अचुणम् | अचुणाव | अचुणाम |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| अ० अचुणीत् | अचुणिषाम् | अचुणिषुः |
| अचुणिः | अचुणिषम् | अचुणिष |
| अचुणिषम् | अचुणिषव | अचुणिषम |

| | | |
|----------|----------|---------|
| प० चुचोण | चुचुणतुः | चुचुणः |
| चुचुणिथ | चुचुणथुः | चुचुण |
| चुचोण | चुचुण | चुचुणिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० चुण्यात् | चुण्यास्ताम् | चुण्यासुः |
| चुण्याः | चुण्यास्तम् | चुण्यास्त |
| चुण्यासि | चुण्यासव | चुण्यासम् |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| प्र० चुणिता | चुणितारौ | चुणितारः |
| चुणितासि | चुणितस्थः | चुणितस्थ |
| चुणितासि | चुणितस्थवः | चुणितस्थम् |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० चुणिष्यति | चुणिष्यतः | चुणिष्यन्ति |
| चुणिष्यसि | चुणिष्यथः | चुणिष्यथ |
| चुणिष्यामि | चुणिष्यावः | चुणिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अचुणिष्यत् | अचुणिष्यताम् | अचुणिष्यन् |
| अचुणिष्यः | अचुणिष्यतम् | अचुणिष्यत् |
| अचुणिष्यम् | अचुणिष्याव | अचुणिष्याम |

अथ पान्तः सेदश्च

1458 डिपत् (डीप्) क्षेपे 144

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| अ० डिपति | डिपतः | डिपन्ति |
| डिपसि | डिपथः | डिपथ |
| डिपामि | डिपावः | डिपामः |
| स० डिपेत | डिपेताम् | डिपेयुः |
| डिपेः | डिपेतम् | डिपेत |
| डिपेयम् | डिपेव | डिपेम |
| प० डिपतु | डिपतात् | डिपताम् |
| डिप | डिपतम् | डिपत |
| डिपानि | डिपाव | डिपाम |
| अ० अडिपत् | अडिपताम् | अडिपन् |
| अडिपः | अडिपतम् | अडिपत |
| अडिपम् | अडिपाव | अडिपाम |
| अ० अडिपीत् | अडिपिष्टाम् | अडिपिषुः |
| अडिपीः | अडिपिष्टम् | अडिपिष्ट |
| अडिपिषम् | अडिपिष्व | अडिपिष्म |
| प० डिडिप | डिडिपतुः | डिडिपुः |
| डिडिपिथ | डिडिपथुः | डिडिप |
| डिडिप | डिडिपिष्व | डिडिपिष्म |
| आ० डिप्यात् | डिप्यास्ताम् | डिप्यासुः |
| डिप्याः | डिप्यास्तम् | डिप्यास्त |
| डिप्यासम् | डिप्यास्व | डिप्यास्म |
| अ० डिपिता | डिपितारौ | डिपितारः |
| डिपितासि | डिपितास्थः | डिपितास्थ |
| डिपितास्मि | डिपितास्वः | डिपितास्म |
| अ० डिपिष्यति | डिपिष्यतः | डिपिष्यन्ति |
| डिपिष्यसि | डिपिष्यथः | डिपिष्यथ |
| डिपिष्यामि | डिपिष्यावः | डिपिष्यामः |
| क्रि० अडिपिष्यत् | अडिपिष्यताम् | अडिपिष्यन् |
| अडिपिष्यः | अडिपिष्यतम् | अडिपिष्यत |
| अडिपिष्यम् | अडिपिष्याव | अडिपिष्याम |

1459 छुरत् (छुर) छेदने 145

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| अ० छुरन्ति | छुरतः | छुरन्ति |
| छुरसि | छुरथः | छुरथ |
| छुरामि | छुरावः | छुरामः |
| स० छुरेत | छुरेताम् | छुरेयुः |
| छुरेः | छुरेतम् | छुरेत |
| छुरेयम् | छुरेव | छुरेम |
| प० छुरतु | छुरतात् | छुरताम् |
| छुर | छुरतम् | छुरत |
| छुराणि | छुराव | छुराम |
| अ० अछुरेत् | अछुरताम् | अछुरन् |
| अछुरः | अछुरतम् | अछुरत |
| अछुरम् | अछुराव | अछुराम |
| अ० अछुरीत् | अछुरिष्टाम् | अछुरिषुः |
| अछुरीः | अछुरिष्टम् | अछुरिष्ट |
| अछुरिषम् | अछुरिष्व | अछुरिष्म |
| प० चुच्छोर | चुच्छुरतुः | चुच्छुरुः |
| चुच्छुरिथ | चुच्छुरथुः | चुच्छुर |
| चुच्छुर | चुच्छुरिष्व | चुच्छुरिष्म |
| आ० छुर्यात् | छुर्यास्ताम् | छुर्यासुः |
| छुर्याः | छुर्यास्तम् | छुर्यास्त |
| छुर्यासम् | छुर्यास्व | छुर्यास्म |
| अ० छुरिता | छुरितारौ | छुरितारः |
| छुरितासि | छुरितास्थः | छुरितास्थ |
| छुरितास्मि | छुरितास्वः | छुरितास्म |
| अ० छुरिष्यति | छुरिष्यतः | छुरिष्यन्ति |
| छुरिष्यसि | छुरिष्यथः | छुरिष्यथ |
| छुरिष्यामि | छुरिष्यावः | छुरिष्यामः |
| क्रि० अछुरिष्यत् | अछुरिष्यताम् | अछुरिष्यन् |
| अछुरिष्यः | अछुरिष्यतम् | अछुरिष्यत |
| अछुरिष्यम् | अछुरिष्याव | अछुरिष्याम |

1460 स्फुरत् (स्फुर्) स्फुरणे 146

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------------|
| व० | स्फुरति | स्फुरतः | स्फुरन्ति |
| | स्फुरति | स्फुरथः | स्फुरथ |
| | स्फुरामि | स्फुरावः | स्फुरामः |
| स० | स्फुरेत् | स्फुरेताम् | स्फुरेयुः |
| | स्फुरेः | स्फुरेतम् | स्फुरेत |
| | स्फुरेयम् | स्फुरेव | स्फुरेम |
| प० | स्फुरतु | स्फुरतात् | स्फुरताम् स्फुरन्तु |
| | स्फुर | स्फुरतम् | स्फुरत |
| | स्फुराणि | स्फुराव | स्फुराम |
| झ० | अस्फुरत् | अस्फुरताम् | अस्फुरन् |
| | अस्फुरः | अस्फुरतम् | अस्फुरत |
| | अस्फुरम् | अस्फुराव | अस्फुराम |
| अ० | अस्फुरीत् | अस्फुरिष्टाम् | अस्फुरिषुः |
| | अस्फुरीः | अस्फुरिष्टम् | अस्फुरिष्ट |
| | अस्फुरिषम् | अस्फुरिष्व | अस्फुरिष्व |
| प० | पुस्फोर | पुस्फुरतुः | पुस्फुरः |
| | पुस्फुरिथ | पुस्फुरथुः | पुस्फुर |
| | पुस्फोर, पुस्फुर | पुस्फुरिष्व | पुस्फुरिष्व |
| आ० | स्फूर्यात् | स्फूर्यास्ताम् | स्फूर्यासुः |
| | स्फूर्याः | स्फूर्यास्तम् | स्फूर्यास्त |
| | स्फूर्यासम् | स्फूर्यास्व | स्फूर्यास्म |
| प्र० | स्फुरिता | स्फुरितारौ | स्फुरितारः |
| | स्फुरितासि | स्फुरितास्थः | स्फुरितास्थ |
| | स्फुरितास्मि | स्फुरितास्वः | स्फुरितास्मः |
| भ० | स्फुरिष्यति | स्फुरिष्यतः | स्फुरिष्यन्ति |
| | स्फुरिष्यसि | स्फुरिष्यथः | स्फुरिष्यथ |
| | स्फुरिष्यामि | स्फुरिष्यावः | स्फुरिष्यामः |
| क्रि० | अस्फुरिष्यत् | अस्फुरिष्यताम् | अस्फुरिष्यन् |
| | अस्फुरिष्यः | अस्फुरिष्यतम् | अस्फुरिष्यत |
| | अस्फुरिष्यम् | अस्फुरिष्याव | अस्फुरिष्याम |

॥ अथ लान्तः सेटश्च ॥

1461 स्फुलत् (स्फुल्) संचये च 147

चकारात्स्फुरणे । चलने केचित् ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------------|
| व० | स्फुलति | स्फुलतः | स्फुलन्ति |
| | स्फुलसि | स्फुलथः | स्फुलथ |
| | स्फुलामि | स्फुलावः | स्फुलामः |
| स० | स्फुलेत् | स्फुलेताम् | स्फुलेयुः |
| | स्फुलेः | स्फुलेतम् | स्फुलेत |
| | स्फुलेयम् | स्फुलेव | स्फुलेम |
| प० | स्फुलतु | स्फुलतात् | स्फुलताम् स्फुलन्तु |
| | स्फुल | स्फुलतम् | स्फुलत |
| | स्फुलानि | स्फुलाव | स्फुलाम |
| झ० | अस्फुलत् | अस्फुलताम् | अस्फुलन् |
| | अस्फुलः | अस्फुलतम् | अस्फुलत |
| | अस्फुलम् | अस्फुलाव | अस्फुलाम |
| अ० | अस्फुलीत् | अस्फुलिष्टाम् | अस्फुलिषुः |
| | अस्फुलीः | अस्फुलिष्टम् | अस्फुलिष्ट |
| | अस्फुलिषम् | अस्फुलिष्व | अस्फुलिष्व |
| प० | पुस्फुल | पुस्फुलतुः | पुस्फुलः |
| | पुस्फुलिथ | पुस्फुलथुः | पुस्फुल |
| | पुस्फुल, पुस्फुल | पुस्फुलिष्व | पुस्फुलिष्व |
| आ० | स्फुल्यात् | स्फुल्यास्ताम् | स्फुल्यासुः |
| | स्फुल्याः | स्फुल्यास्तम् | स्फुल्यास्त |
| | स्फुल्यासम् | स्फुल्यास्व | स्फुल्यास्म |
| प्र० | स्फुलिता | स्फुलितारौ | स्फुलितारः |
| | स्फुलितासि | स्फुलितास्थः | स्फुलितास्थ |
| | स्फुलितास्मि | स्फुलितास्वः | स्फुलितास्मः |
| भ० | स्फुलिष्यति | स्फुलिष्यतः | स्फुलिष्यन्ति |
| | स्फुलिष्यसि | स्फुलिष्यथः | स्फुलिष्यथ |
| | स्फुलिष्यामि | स्फुलिष्यावः | स्फुलिष्यामः |
| क्रि० | अस्फुलिष्यत् | अस्फुलिष्यताम् | अस्फुलिष्यन् |
| | अस्फुलिष्यः | अस्फुलिष्यतम् | अस्फुलिष्यत |
| | अस्फुलिष्यम् | अस्फुलिष्याव | अस्फुलिष्याम |

अथात्मनेपदिषूदन्तोऽनिट् च
1462 कुङ्क्षत् (कु) शब्दे । 148

| | | |
|---------------|--------------|------------------|
| व० कुषते | कुषेते | कुषन्ते |
| कुषसे | कुषेथे | कुषध्वे |
| कुषे | कुषावहे | कुषामहे |
| स० कुवेत | कुवेयाताम् | कुवेरन् |
| कुवेथाः | कुवेयाथाम् | कुवेध्वम् |
| कुवेय | कुवेवहि | कुवेमहि |
| प० कुषताम् | कुषेताम् | कुषन्ताम् |
| कुषस्व | कुषेथाम् | कुषध्वम् |
| कुषे | कुषावहे | कुषामहे |
| झ० अकुषत | अकुषेताम् | अकुषन्त |
| अकुषथाः | अकुषेथाम् | अकुषध्वम् |
| अकुषे | अकुषावहि | अकुषामहि |
| अ० अकुत | अकुषाताम् | अकुषत |
| अकुथाः | अकुषाथाम् | अकुड्ढ्वम्-द्वम् |
| अकुषि | अकुषवहि | अकुषमहि |
| प० चुकुवे | चुकुषाते | चुकुषिरे |
| चुकुषिवे | चुकुषाथे | चुकुषिद्वे-ध्वे |
| चुकुवे | चुकुषिवहे | चुकुषिमहे |
| आ० कुषीष्ट | कुषीयास्ताम् | कुषीरन् |
| कुषीष्टाः | कुषीयास्थाम् | कुषीद्वम् |
| कुषीय | कुषीवहि | कुषीमहि |
| प्र० कृता | कृतागै | कृतारः |
| कृतासे | कृतासाथे | कृताध्वे |
| कृताहे | कृतास्वहे | कृतास्महे |
| भ० कृष्यते | कृष्येते | कृष्यन्ते |
| कृष्यसे | कृष्येथे | कृष्यध्वे |
| कृष्ये | कृष्यावहे | कृष्यामहे |
| क्रि० अकृष्यत | अकृष्येताम् | अकृष्यन्त |
| अकृष्यथाः | अकृष्येथाम् | अकृष्यध्वम् |
| अकृष्ये | अकृष्यावहि | अकृष्यामहि |

अथोदन्तः सेट् च

1463 कुङ्क्षत् (कृ) शब्दे 149

| | | |
|-----------------|----------------|--------------------------|
| व० कुवते | कुवेते | कुवन्ते |
| कुवसे | कुवेथे | कुवध्वे |
| कुवे | कुवावहे | कुवामहे |
| स० कुवेत | कुवेयाताम् | कुवेरन् |
| कुवेथाः | कुवेयाथाम् | कुवेध्वम् |
| कुवेय | कुवेवहि | कुवेमहि |
| प० कुवताम् | कुवेताम् | कुवन्ताम् |
| कुवस्व | कुवेथाम् | कुवध्वम् |
| कुवे | कुवावहे | कुवामहे |
| झ० अकुवत | अकुवेताम् | अकुवन्त |
| अकुवथाः | अकुवेथाम् | अकुवध्वम् |
| अकुवे | अकुवावहि | अकुवामहि |
| अ० अकुविष्ट | अकुविषाताम् | अकुविषत |
| अकुविष्टाः | अकुविषाथाम् | अकुविड्ढ्वम्-द्वम्-ध्वम् |
| अकुविषि | अकुविषवहि | अकुविषमहि |
| प० चुकुवे | चुकुषाते | चुकुषिरे |
| चुकुषिवे | चुकुषाथे | चुकुषिद्वे-ध्वे |
| चुकुवे | चुकुषिवहे | चुकुषिमहे |
| आ० कुविषीष्ट | कुविषीयास्ताम् | कुविषीरन् |
| कुविषीष्टाः | कुविषीयास्थाम् | कुविषी-द्वम्-ध्वम् |
| कुविषीय | कुविषीवहि | कुविषीमहि |
| प्र० कृविता | कृवितारौ | कृवितारः |
| कृवितासे | कृवितासाथे | कृविताध्वे |
| कृविताहे | कृवितास्वहे | कृवितास्महे |
| भ० कृविष्यते | कृविष्येते | कृविष्यन्ते |
| कृविष्यसे | कृविष्येथे | कृविष्यध्वे |
| कृविष्ये | कृविष्यावहे | कृविष्यामहे |
| क्रि० अकृविष्यत | अकृविष्येताम् | अकृविष्यन्त |
| अकृविष्यथाः | अकृविष्येथाम् | अकृविष्यध्वम् |
| अकृविष्ये | अकृविष्यावहि | अकृविष्यामहि |

अथ रान्तः सेट् च । 150

1464 गुरैति (गुर) उद्यमे

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० गुरते | गुरेते | गुरन्ते |
| गुरसे | गुरेथे | गुरध्वे |
| गुरे | गुरावहे | गुरामहे |
| स० गुरेत | गुरेयाताम् | गुरेरन् |
| गुरेशाः | गुरेयाथाम् | गुरेध्वम् |
| गुरेय | गुरेवहि | गुरेमहि |
| प० गुरताम् | गुरेताम् | गुरन्ताम् |
| गुरस्व | गुरेथाम् | गुरध्वम् |
| गुरै | गुरावहै | गुरामहै |
| झ० अगुरत | अगुरेताम् | अगुरन्त |
| अगुरथाः | अगुरेथाम् | अगुरध्वम् |
| अगुरे | अगुरावहि | अगुरामहि |
| अ० अगुरिष्ट | अगुरिषाताम् | अगुरिषत |
| अगुरिष्टाः | अगुरिषाथाम् | अगुरिद्ध्वम् |
| अगुरिषि | अगुरिष्वहि | अगुरिष्महि |
| प० जुगुरे | जुगुराते | जुगुरिरे |
| जुगुरिषे | जुगुराथे | जुगुरिध्वे |
| जुगुरे | जुगुरिवहे | जुगुरिमहे |
| आ० गुरिषीष्ट | गुरिषीयास्ताम् | गुरिषीरन् |
| गुरिषीष्टाः | गुरिषीयास्थाम् | गुरिषीद्ध्वम् |
| गुरिषीय | गुरिषीवहि | गुरिषीमहि |
| श्व० गुरिता | गुरितारौ | गुरितारः |
| गुरितासे | गुरितासाथे | गुरिताध्वे |
| गुरिताहे | गुरितास्वहे | गुरितास्महे |
| भ० गुरिष्यते | गुरिष्येते | गुरिष्यन्ते |
| गुरिष्यसे | गुरिष्येथे | गुरिष्यध्वे |
| गुरिष्ये | गुरिष्यावहे | गुरिष्यामहे |
| क्रि० अगुरिष्यत | अगुरिष्येताम् | अगुरिष्यन्त |
| अगुरिष्यथाः | अगुरिष्येथाम् | अगुरिष्यध्वम् |
| अगुरिष्ये | अगुरिष्यावहि | अगुरिष्यामहि |

वृत्तुयादिः । कुयदिस्तुदाद्यन्तर्गणो वर्तितः

सम्पूर्ण इत्यर्थः ।

अथ प्रकृतवर्णक्रमेण ऋदन्तास्त्रयोऽनितश्च 151

1465 पृङ्क्त् (पृ) व्यायामे

प्रायेणायं व्याहृपूर्वाः व्यायाम ऊद्योगः ।

| | | |
|----------------|--------------|--------------|
| व० प्रियते | प्रियेते | प्रियन्ते |
| प्रियसे | प्रियेथे | प्रियध्वे |
| प्रिये | प्रियावहे | प्रियामहे |
| स० प्रियेत | प्रियेयाताम् | प्रियेरन् |
| प्रियेथाः | प्रियेयाथाम् | प्रियेध्वम् |
| प्रियेय | प्रियेवहि | प्रियेमहि |
| प० प्रियताम् | प्रियेताम् | प्रियन्ताम् |
| प्रियस्व | प्रियेथाम् | प्रियध्वम् |
| प्रियै | प्रियावहै | प्रियामहै |
| झ० अप्रियत | अप्रियेताम् | अप्रियन्त |
| अप्रियथा | अप्रियेथाम् | अप्रियध्वम् |
| अप्रिये | अप्रियावहि | अप्रियामहि |
| अ० अपृत् | अपृषाताम् | अपृषत |
| अपृथाः | अपृषाथाम् | अपृद्ध्वम् |
| अपृषि | अपृष्वहि | अपृष्महि |
| प० पप्रे | पप्राते | पप्रिरे |
| पप्रिषे | पप्राथे | पप्रिध्वे |
| पप्रे | पप्रिवहे | पप्रिमहे |
| आ० पृषीष्ट | पृषीयास्ताम् | पृषीरन् |
| पृषाः | पृषीयास्तम् | पृषीद्ध्वम् |
| पृषीय | पृषीवहि | पृषीमहि |
| श्व० पतां | पतारौ | पतारः |
| पतांसे | पतासाथे | पताध्वे |
| पतांहे | पतास्वहे | पतास्महे |
| भ० परिष्यते | परिष्येते | परिष्यन्ते |
| परिष्यसे | परिष्येथे | परिष्यध्वे |
| परिष्ये | परिष्यावहे | परिष्यामहे |
| क्रि० अपरिष्यत | अपरिष्येताम् | अपरिष्यन्त |
| अपरिष्यथाः | अपरिष्येथाम् | अपरिष्यध्वम् |
| अपरिष्ये | अपरिष्यावहि | अपरिष्यामहि |

1466 दृङ् (दृ) आदरे 152

| | | |
|--|--------------|--------------|
| व० प्रियते | प्रियेते | प्रियन्ते |
| प्रियसे | प्रियेथे | प्रियध्वे |
| प्रिये | प्रियावहे | प्रियामहे |
| स० प्रियेत | प्रियेयाताम् | प्रियेरन् |
| प्रियेथाः | प्रियेयाथाम् | प्रियेध्वम् |
| प्रियेय | प्रियेवहि | प्रियेमहि |
| प० प्रियताम् | प्रियेताम् | प्रियन्ताम् |
| प्रियस्व | प्रियेथम् | प्रियध्वम् |
| प्रियै | प्रियावहै | प्रियामहै |
| झ० अप्रियत | अप्रियेताम् | अप्रियन्त |
| अप्रियथाः | अप्रियेथाम् | अप्रियध्वम् |
| अप्रिये | अप्रियावहि | अप्रियामहि |
| अ० अदृत | अदृषाताम् | अदृषत |
| अदृषथाः | अदृषाथाम् | अदृषद्भ्वम् |
| | | अदृषद्भ्वम् |
| अदृषि | अदृष्वहि | अदृषमहि |
| प० दद्रे दद्राते दद्रिरे दद्रिषे दद्राथे | | |
| | दद्रिद्वे | दद्रिध्वे |
| दद्रे | दद्रिवहे | दद्रिमहे |
| आ० दृषीष्ट | दृषीयास्ताम् | दृषीरन् |
| दृषीष्टाः | दृषीयास्थाम् | दृषीद्भ्वम् |
| दृषीय | दृषीवहि | दृषीमहि |
| श्च० दर्ता | दर्तारौ | दर्तारः |
| दर्तासे | दर्तासाथे | दर्ताध्वे |
| दर्ताहे | दर्तास्वहे | दर्तास्महे |
| भ० दरिष्यते | दरिष्येते | दरिष्यन्ते |
| दरिष्यसे | दरिष्येथे | दरिष्यध्वे |
| दरिष्ये | दरिष्यावहे | दरिष्यामहे |
| क्रि० अदरिष्यत | अदरिष्येताम् | अदरिष्यन्त |
| अदरिष्यथाः | अदरिष्येथाम् | अदरिष्यध्वम् |
| अदरिष्ये | अदरिष्यावहि | अदरिष्यामहि |

1467 धृङ् (धृ) स्थाने ।

॥ धारणेन्ये ॥ 153

| | | |
|--|--------------|--------------|
| व० ध्रियते | ध्रियेते | ध्रियन्ते |
| ध्रियसे | ध्रियेथे | ध्रियध्वे |
| ध्रिये | ध्रियावहे | ध्रियामहे |
| स० ध्रियेत | ध्रियेयाताम् | ध्रियेरन् |
| ध्रियेथाः | ध्रियेयाथाम् | ध्रियेध्वम् |
| ध्रियेय | ध्रियेवहि | ध्रियेमहि |
| प० ध्रियताम् | ध्रियेताम् | ध्रियन्ताम् |
| ध्रियस्व | ध्रियेथाम् | ध्रियध्वम् |
| ध्रियै | ध्रियावहै | ध्रियामहै |
| झ० अध्रियत | अध्रियेताम् | अध्रियन्त |
| अध्रियथाः | अध्रियेथाम् | अध्रियध्वम् |
| अध्रिये | अध्रियावहि | अध्रियामहि |
| अ० अधृत | अधृषाताम् | अधृषत |
| अधृषथाः | अधृषाथाम् | अधृषद्भ्वम् |
| | | द्वयम् |
| अधृषि | अधृष्वहि | अधृषमहि |
| प० दध्रे दद्राते दद्रिरे दद्रिषे दद्राथे | | |
| | दद्रिद्वे | दद्रिध्वे |
| दध्रे | दद्रिवहे | दद्रिमहे |
| आ० धृषीष्ट | धृषीयास्ताम् | धृषीरन् |
| धृषीष्टाः | धृषीयास्थाम् | धृषीद्भ्वम् |
| धृषीय | धृषीवहि | धृषीमहि |
| श्च० धर्ता | धर्तारौ | धर्तारः |
| धर्तासे | धर्तासाथे | धर्ताध्वे |
| धर्ताहे | धर्तास्वहे | धर्तास्महे |
| भ० धरिष्यते | धरिष्येते | धरिष्यन्ते |
| धरिष्यसे | धरिष्येथे | धरिष्यध्वे |
| धरिष्ये | धरिष्यावहे | धरिष्यामहे |
| क्रि० अधरिष्यत | अधरिष्येताम् | अधरिष्यन्त |
| अधरिष्यथाः | अधरिष्येथाम् | अधरिष्यध्वम् |
| अधरिष्ये | अधरिष्यावहि | अधरिष्यामहि |

॥ अथ जान्ताश्चत्वारः ॥

1468 ओविजैति (विज्) भवच्च-

लनयोः । प्रायेणाद्यमुत्पूर्वः । 154

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | विजते | विजते | विजते |
| | विजसे | विजथे | विजध्वे |
| | विजे | विजावहे | विजामहे |
| स० | विजेत | विजेयाताम् | विजेरन् |
| | विजेथाः | विजेयाताम् | विजेध्वम् |
| | विजेय | विजेवहि | विजेमहि |
| प० | विजताम् | विजेताम् | विजन्ताम् |
| | विजस्व | विजेथाम् | विजध्वम् |
| | विज | विजावहे | विजामहे |
| झ० | अविजत | अविजेताम् | अविजन्त |
| | अविजथाः | अविजेथाम् | अविजध्वम् |
| | अविजे | अविजावहि | अविजामहि |
| अ० | अविजिष्ट | अविजिषाताम् | अविजिषत |
| | अविजिष्टाः | अविजिषाताम् | अविजिड्द्वम् |
| | अविजिषि | अविजिष्वहि | अविजिषमहि |
| प० | विविजे | विविजाते | विविजिरे |
| | विविजिषे | विविजाथे | विविजिध्वे |
| | विविजे | विविजिष्वहे | विविजिमहे |
| भा० | विजिषीष्ट | विजिषीयास्ताम् | विजिषीरन् |
| | विजिषीष्टाः | विजिषीयास्ताम् | विजिषीध्वम् |
| | विजिषीय | विजिषीष्वहि | विजिषीमहि |
| प्र० | विजिता | विजितारौ | विजितारः |
| | विजितासे | विजितासाथे | विजिताध्वे |
| | विजिताहे | विजितास्वहे | विजितास्महे |
| भ | विजिष्यते | विजिष्येते | विजिष्यन्ते |
| | विजिष्यसे | विजिष्येथे | विजिष्यध्वे |
| | विजिष्ये | विजिष्यावहे | विजिष्यामहे |
| क्रि० | अविजिष्यत | अविजिष्येताम् | अविजिष्यन्त |
| | अविजिष्यथाः | अविजिष्येताम् | अविजिष्यध्वम् |
| | अविजिष्ये | अविजिष्यावहि | अविजिष्यामहि |

1469 ओलजैर् (लज्) व्रीडे 155

| | | | |
|-------|------------|---------------|--------------|
| व० | लजते | लजते | लजन्ते |
| | लजसे | लजथे | लजध्वे |
| | लजे | लजावहे | लजामहे |
| स० | लजेत | लजेयाताम् | लजेरन् |
| | लजेथाः | लजेयाताम् | लजेध्वम् |
| | लजेय | लजेवहि | लजेमहि |
| प० | लजताम् | लजेताम् | लजन्ताम् |
| | लजस्व | लजेथाम् | लजध्वम् |
| | लज | लजावहे | लजामहे |
| झ० | अलजत | अलजेताम् | अलजन्त |
| | अलजथाः | अलजेथाम् | अलजध्वम् |
| | अलजे | अलजावहि | अलजामहि |
| अ० | अलजिष्ट | अलजिषाताम् | अलजिषत |
| | अलजिष्टाः | अलजिषाताम् | अलजिड्द्वम् |
| | अलजिषि | अलजिष्वहि | अलजिषमहि |
| प० | लेजे | लेजाते | लेजिरे |
| | लेजिषे | लेजाथे | लेजिध्वे |
| | लेजे | लेजिष्वहे | लेजिमहे |
| आ | लजिषीष्ट | लजिषीयास्ताम् | लजिषीरन् |
| | लजिषीष्टाः | लजिषीयास्ताम् | लजिषीध्वम् |
| | लजिषीय | लजिषीष्वहि | लजिषीमहि |
| प्र० | लजिता | लजितारौ | लजितारः |
| | लजितासे | लजितासाथे | लजिताध्वे |
| | लजिताहे | लजितास्वहे | लजितास्महे |
| भ० | लजिष्यते | लजिष्येते | लजिष्यन्ते |
| | लजिष्यसे | लजिष्येथे | लजिष्यध्वे |
| | लजिष्ये | लजिष्यावहे | लजिष्यामहे |
| क्रि० | अलजिष्यत | अलजिष्येताम् | अलजिष्यन्त |
| | अलजिष्यथाः | अलजिष्येताम् | अलजिष्यध्वम् |
| | अलजिष्ये | अलजिष्यावहि | अलजिष्यामहि |

भवादीयुक्तपाठोऽपि प्रसिद्धश्च नुगोधादिह पठित

1470 ओलस्ने (लज्ज) व्रीहे 156

| | | |
|--------------------|-------------------------|----------------|
| ष० लज्जने | लज्जते | लज्जन्ते |
| लज्जसे | लज्जथे | लज्जध्वे |
| लज्जे | लज्जावहे | लज्जामहे |
| स० लज्जेत | लज्जेयाताम् | लज्जेरन् |
| लज्जेथाः | लज्जेयाथाम् | लज्जेध्वम् |
| लज्जेय | लज्जेवहि | लज्जेमहि |
| प० लज्जताम् | लज्जताम् | लज्जन्ताम् |
| लज्जस्व | लज्जेथाम् | लज्जध्वम् |
| लज्जे | लज्जावहे | लज्जामहे |
| ह्य० अलज्जत | अलज्जेताम् | अलज्जन्त |
| अलज्जथाः | अलज्जेथाम् | अलज्जध्वम् |
| अलज्जे | अलज्जावहि | अलज्जामहि |
| अ० अलज्जिष्ट | अलज्जिषाताम् | अलज्जिषत |
| अलज्जिष्ठाः | अलज्जिषाथाम् | अलज्जिषध्वम् |
| अलज्जिषि | अलज्जिषवहि | अलज्जिषमहि |
| प० ललज्जे | ललज्जाते | ललज्जिरे |
| ललज्जिषे | ललज्जिषथे | ललज्जिषध्वे |
| ललज्जे | ललज्जिषवहे | ललज्जिमहे |
| आ० लज्जिषीष्ट | लज्जिषयास्ताम् | लज्जिषीरन् |
| लज्जिषीष्ठाः | लज्जिषीयाथाम् | लज्जिषीध्वम् |
| लज्जिषीय | लज्जिषीवहि | लज्जिषीमहि |
| भ्व० लज्जिता | लज्जितारौ | लज्जितारः |
| लज्जितासे | लज्जितासाथे | लज्जिताध्वे |
| लज्जिताहे | लज्जितावहे | लज्जितामहे |
| भ० लज्जिष्यते | लज्जिष्येते | लज्जिष्यन्ते |
| लज्जिष्यसे | लज्जिष्येथे | लज्जिष्यध्वे |
| लज्जिष्ये | लज्जिष्यावहे | लज्जिष्यामहे |
| क्रि० अलज्जिष्यत | अलज्जिष्येताम् | अलज्जिष्यन्त |
| अलज्जिष्यथाः | अलज्जिष्येथाम् | अलज्जिष्यध्वम् |
| अलज्जिष्ये | अलज्जिष्यावहि | अलज्जिष्यामहि |
| भ्वा० द्यौकपाठाऽपि | प्रसिद्धचतुरोधादिहपठितः | |

1471 षजिन् (स्वज्ज) सङ्गे 157

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| ष० स्वजते | स्वजते | स्वजन्ते |
| स्वजसे | स्वजथे | स्वजध्वे |
| स्वजे | स्वजावहे | स्वजामहे |
| स० स्वजेत | स्वजेयाताम् | स्वजेरन् |
| स्वजेथाः | स्वजेयाथाम् | स्वजेध्वम् |
| स्वजेय | स्वजेवहि | स्वजेमहि |
| प० स्वजताम् | स्वजताम् | स्वजन्ताम् |
| स्वजस्व | स्वजेथाम् | स्वजध्वम् |
| स्वजे | स्वजावहे | स्वजामहे |
| ह्य० अस्वजत | अस्वजेताम् | अस्वजन्त |
| अस्वजथाः | अस्वजेथाम् | अस्वजध्वम् |
| अस्वजे | अस्वजावहि | अस्वजामहि |
| अ० अस्वजिष्ट | अस्वजिषाताम् | अस्वजिषत |
| अस्वजिष्ठाः | अस्वजिषाथाम् | अस्वजिषध्वम् |
| अस्वजिषि | अस्वजिषवहि | अस्वजिषमहि |
| प० सस्वजे | सस्वजाते | सस्वजिरे |
| सस्वजिषे | सस्वजिषथे | सस्वजिषध्वे |
| सस्वजे | सस्वजिषवहे | सस्वजिमहे |
| सस्वज्जे | सस्वज्जाते | सस्वज्जिरे |
| अ० स्वङ्क्षीष्ट | स्वङ्क्षीयास्ताम् | स्वङ्क्षीरन् |
| स्वङ्क्षीष्ठाः | स्वङ्क्षीयाथाम् | स्वङ्क्षीध्वम् |
| स्वङ्क्षीय | स्वङ्क्षीवहि | स्वङ्क्षीमहि |
| प्रव० स्वङ्क्ता | स्वङ्क्तारौ | स्वङ्क्तारः |
| स्वङ्क्तासे | स्वङ्क्तासाथे | स्वङ्क्ताध्वे |
| स्वङ्क्ताहे | स्वङ्क्तावहि | स्वङ्क्तामहि |
| भ० स्वङ्क्ष्यते | स्वङ्क्ष्येते | स्वङ्क्ष्यन्ते |
| स्वङ्क्ष्यसे | स्वङ्क्ष्येथे | स्वङ्क्ष्यध्वे |
| स्वङ्क्ष्ये | स्वङ्क्ष्यावहे | स्वङ्क्ष्यामहे |
| क्रि० अस्वङ्क्ष्यत | अस्वङ्क्ष्येताम् | अस्वङ्क्ष्यन्त |
| अस्वङ्क्ष्यथाः | अस्वङ्क्ष्येथाम् | अस्वङ्क्ष्यध्वम् |
| अस्वङ्क्ष्ये | अस्वङ्क्ष्यावहि | अस्वङ्क्ष्यामहि |

1472 जुषेति (जुष) प्रीतिसेवनयोः

अथ घान्तः सेट् च 158

| | | |
|-------------|-------------|--------------|
| व० जुषते | जुषेते | जुषन्ते |
| जुषसे | जुषेथे | जुषध्वे |
| जुषे | जुषावहे | जुषामहे |
| स० जुषेत | जुषेयाताम् | जुषेरन् |
| जुषेयाः | जुषेयाथाम् | जुषेध्वम् |
| जुषेय | जुषेवहि | जुषेमहि |
| प० जुषताम् | जुषेताम् | जुषन्ताम् |
| जुषन्व | जुषेथाम् | जुषध्वम् |
| जुषे | जुषावहे | जुषामहे |
| झ० अजुषत | अजुषेताम् | अजुषन्त |
| अजुषथाः | अजुषेथाम् | अजुषध्वम् |
| अजुषे | अजुषावहि | अजुषामहि |
| अ० अजोषिष्ट | अजोषिषाताम् | अजोषिषत |
| अजोषिष्टाः | अजोषिषाथाम् | अजोषिष्ध्वम् |
| | | अजोषिषामहि |

| | | |
|---------------|----------------|---------------|
| अजोषिषि | अजोषिष्वहि | अजोषिषमहि |
| प० जुजुषे | जुजुषाते | जुजुषिरे |
| जुजुषिषे | जुजुषाथे | जुजुषिध्वे |
| जुजुषे | जुजुषिवहे | जुजुषिमहे |
| आ० जोषिषीष्ट | जोषिषीयास्ताम् | जोषिषीरन् |
| जोषिषीष्टाः | जोषिषीयास्थाम् | जोषिषीध्वम् |
| जोषिषीय | जोषिषीवहि | जोषिषीमहि |
| झ० जोषिता | जोषितारौ | जोषितारः |
| जोषितासे | जोषितासाथे | जोषिताध्वे |
| जोषिताहे | जोषितास्वहे | जोषितास्महे |
| भ० जोषिष्यते | जोषिष्येते | जोषिष्यन्ते |
| जोषिष्यसे | जोषिष्येथे | जोषिष्यध्वे |
| जोषिष्ये | जोषिष्यावहे | जोषिष्यामहे |
| कि० अजोषिष्यत | अजोषिष्येताम् | अजोषिष्यन्त |
| अजोषिष्यथाः | अजोषिष्येथाम् | अजोषिष्यध्वम् |
| अजोषिष्ये | अजोषिष्यावहि | अजोषिष्यामहि |

॥ इति आत्मनेभाषाः । इति तुदाद्यस्तितो घातयः ॥

ॐ श्रीमत्तपोगणगङ्गाङ्गणगङ्गनामणि सार्वसार्वभौम - तीर्थरक्षण
 परायण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्नशास्त्रीय-आचार्य-
 चूडामणि-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिसूरीभरचरणेन्द्रा-
 मन्दिरेन्द्रिन्द्रायमाणान्तिषन्मुनिठावण्यविजयविरचिते धातु-
 रत्नाकरे तिरुल्लविकरणस्तुदादिगणः सम्पूर्णः ॥

॥ अथ रुधादयः शनविकरणा वर्णक्र-
मेण प्रदर्शयन्ते ॥

1473 रुधृपी (रुध्) आवरणे ।

आवरणं व्यापित्वम् । पित्वं रुधादित्व-
ज्ञापनार्थम् ।

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| च० रुध्नि | रुन्धः | रुन्धन्ति |
| रुन्धति | रुन्धः | रुन्ध |
| रुन्धिम | रुन्ध्वः | रुन्धमः |
| स्व० रुन्ध्यात् | रुन्ध्याताम् | रुन्ध्युः |
| रुन्ध्याः | रुन्ध्यातम् | रुन्ध्यात |
| रुन्ध्याम् | रुन्ध्याव | रुन्ध्याम |
| प० रुन्धन्तु | रुन्धात् | रुन्धाम् |
| रुन्धन्तु | रुन्धात् | रुन्धम् |
| रुन्धानि | रुन्धाव | रुन्धाम |
| अ० अरुणत्-णद् | अरुन्धाम् | अरुन्धन् |
| अरुणः | अरुणत-णद् | अरुन्धम् |
| अरुणधम् | अरुन्ध्व | अरुन्धम |
| अ० अरुधत् | अरुधताम् | अरुधन् |
| अरुधः | अरुधतम् | अरुधत |
| अरुधम् | अरुधाव | अरुधाम |
| अरौत्सीत् | अरौद्धाम् | अरौत्सुः इ० |
| प० हरोध | रुधत्तुः | रुधुः |
| रुधधित् | रुधधुः | रुध |
| रुधधित् | रुधधिव | रुधधिम |
| आ० रुध्यात् | रुध्यास्ताम् | रुध्यासुः |
| रुध्याः | रुध्यास्तम् | रुध्यास्त |
| रुध्यासम् | रुध्यास्व | रुध्यास्म |
| स्व० रोद्धा | रोद्धारी | रोद्धारः |
| रोद्धाति | रोद्धास्थः | रोद्धास्थ |
| रोद्धास्मि | रोद्धास्वः | रोद्धास्मः |
| अ० रोत्स्यति | रोत्स्यतः | रोत्स्यन्ति |
| रोत्स्यति | रोत्स्यथः | रोत्स्यथ |
| रोत्स्यामि | रोत्स्यावः | रोत्स्यामः |

| | | |
|------------------|-------------------------------|---------------|
| क्रि० अरोत्स्यत् | अरोत्स्यताम् | अरोत्स्यन् |
| अरोत्स्यः | अरोत्स्यतम् | अरोत्स्यत |
| अरोत्स्यम् | अरोत्स्याव | अरोत्स्याम |
| व० रुन्धे | रुन्धाते | रुन्धाते |
| रुन्धे | रुन्धाते | रुन्ध्वे |
| रुन्धे | रुन्ध्वहे | रुन्धमहे |
| स० रुन्धीत | रुन्धीयाताम् | रुन्धीरन् |
| रुन्धीयाः | रुन्धीयाथाम् | रुन्धीध्वम् |
| रुन्धीय | रुन्धीवहि | रुन्धीमहि |
| प० रुन्धाम् | रुन्धाताम् | रुन्धताम् |
| रुन्ध्व | रुन्धाथम् | रुन्ध्वम् |
| रुन्धे | रुन्धावहे | रुन्धामहे |
| ह्य० अरुन्ध | अरुन्धाताम् | अरुन्धन् |
| अरुन्धाः | अरुन्धाथाम् | अरुन्ध्वम् |
| अरुन्धा | अरुन्ध्वहि | अरुन्धमहि |
| अ० अरुद्ध | अरुत्साताम् | अरुत्सन् |
| अरुद्धाः | अरुत्साथाम् | अरुत्स्वम् |
| अरुद्धि | अरुत्सवहि | अरुत्समहि |
| प० रुद्धे | रुद्धाते | रुद्धिरे |
| रुद्धिवे | रुद्धाथे | रुद्धिवे |
| रुद्धे | रुद्धिवहे | रुद्धिमहे |
| आ० रुत्सीष्ट | रुत्सीयास्ताम् | रुत्सीरन् |
| रुत्सीष्टाः | रुत्सीयाथाम् | रुत्सीध्वम् |
| रुत्सीय | रुत्सीवहि | रुत्सीमहि |
| श्व० रोद्धा | रोद्धारः | रोद्धारः |
| रोद्धाते | रोद्धासाथे | रोद्धाध्वे |
| रोद्धाहे | रोद्धास्वहे | रोद्धास्महे |
| भ० रोत्स्यते | रोत्स्येते | रोत्स्यन्ते |
| रोत्स्यसे | रोत्स्येथे | रोत्स्यध्वे |
| रोत्स्ये | रोत्स्यावहे | रोत्स्यामहे |
| क्रि० अरोत्स्यत् | अरोत्स्यताम् | अरोत्स्यन् |
| अरोत्स्यथः | अरोत्स्येथाम् | अरोत्स्यध्वम् |
| अरोत्स्ये | अरोत्स्यावहि | अरोत्स्यामहि |
| म्नामिति | बहुवचनान्नवापवादे ने रुन्धे । | |

अथ चान्तावनिटौ च
1474 रिचृपी (रिच्) विरेचने 2
विरेचन निःसारणम् ॥

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० रिणक्ति | रिङ्कः | रिश्चन्ति |
| रिणक्ति | रिङ्कथः | रिङ्कथ |
| रिणक्तिम | रिङ्कचः | रिङ्कचमः |
| स० रिङ्क्यात् | रिङ्क्याताम् | रिङ्क्युः |
| रिङ्क्याः | रिङ्क्यातम् | रिङ्क्यात |
| रिङ्क्याम् | रिङ्क्याव | रिङ्क्याम |
| प० रिणक्तु | रिङ्कात् | रिङ्काम |
| रिङ्गिध रिङ्कात् | रिङ्कम् | रिङ्क |
| रिणचानि | रिणचाव | रिणचाम |
| छ० अरिणक् | अरिणम् | अरिङ्काम |
| अरिणक् | अरिणम् | अरिङ्कम् |
| अरिणचम् | अरिङ्कच | अरिङ्कम |
| अ० अरिचत् | अरिचताम् | अरिचन |
| अरिचः | अरिचतम् | अरिचत |
| अरिचम् | अरिचाव | अरिचाम |
| प० रिरेच | रिरिचतुः | रिरिचुः |
| रिरेचिथ | रिरिचथुः | रिरिच |
| रिरेच | रिरिचिध | रिरिचिम |
| आ० रिच्यात् | रिच्यास्ताम् | रिच्यास्तुः |
| रिच्याः | रिच्यास्तम् | रिच्यास्त |
| रिच्यासम् | रिच्यास्व | रिच्यास्म |
| प्रव० रेक्ता | रेक्तारौ | रेक्ताः |
| रेक्तासि | रेक्तास्थः | रेक्तास्थ |
| रेक्तास्मि | रेक्तास्वः | रेक्तास्मः |
| भ० रेक्ष्यति | रेक्ष्यतः | रेक्ष्यन्ति |
| रेक्ष्यसि | रेक्ष्यथः | रेक्ष्यथ |
| रेक्ष्यामि | रेक्ष्यावः | रेक्ष्यामः |
| क्रि० अरेक्ष्यत | अरेक्ष्यताम् | अरेक्ष्यन् |
| अरेक्ष्यः | अरेक्ष्यतम् | अरेक्ष्यत |
| अरेक्ष्यम् | अरेक्ष्याव | अरेक्ष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० रिङ्कते | रिश्चाते | रिश्चते |
| रिङ्कथे | रिश्चाथे | रिङ्कथे |
| रिङ्कचे | रिङ्कचहे | रिङ्कचहे |
| स० रिश्चीत | रिश्चीयाताम् | रिश्चीरन् |
| रिश्चीथाः | रिश्चीयाथाम् | रिश्चीध्वम् |
| रिश्चीय | रिश्चीवहि | रिश्चीमहि |
| प० रिङ्कताम् | रिश्चाताम् | रिश्चताम् |
| रिङ्कथ | रिश्चाथाम् | रिङ्कथम् |
| रिणचे | रिणचावहे | रिणचामहे |
| छ० अरिङ्कत | अरिश्चाताम् | अरिश्चत |
| अरिङ्कथाः | अरिश्चाथाम् | अरिङ्कध्वम् |
| अरिश्चि | अरिङ्कचहि | अरिङ्कमहि |
| अ० अरिक्त | अरिश्चाताम् | अरिश्चत |
| अरिक्थाः | अरिश्चाथाम् | अरिङ्कध्वम् |
| अरिक्थि | अरिश्चहि | अरिश्चमहि |
| प० रिरिचे | रिरिचाते | रिरिचिरे |
| रिरिचिधे | रिरिचाथे | रिरिचिध्वे |
| रिरिचे | रिरिचिबहे | रिरिचिमहे |
| आ रिक्षीष्ट | रिक्षीयास्ताम् | रिक्षीरन् |
| रिक्षीष्टाः | रिक्षीयास्थाम् | रिक्षीध्वम् |
| रिक्षीय | रिक्षीवहि | रिक्षीमहि |
| प्रव० रेक्ता | रेक्तारौ | रेक्ताः |
| रेक्तासे | रेक्तासाथे | रेक्ताध्वम् |
| रेक्ताहे | रेक्तास्वहे | रेक्तास्महे |
| भ० रेक्ष्यते | रेक्ष्येते | रेक्ष्यन्ते |
| रेक्ष्यसे | रेक्ष्येथे | रेक्ष्यध्वे |
| रेक्ष्ये | रेक्ष्यावहे | रेक्ष्यामहे |
| क्रि० अरेक्ष्यत | अरेक्ष्येताम् | अरेक्ष्यन्त |
| अरेक्ष्यथाः | अरेक्ष्येथाम् | अरेक्ष्यध्वम् |
| अरेक्ष्ये | अरेक्ष्यावहि | अरेक्ष्यामहि |

व० विद्वत्ते विश्वतं विश्वते

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| ब० विद्वत्ते | विज्ञातं | विज्ञते |
| विद्वत्से | विज्ञाये | विद्वद्भवे |
| विद्वत्से | विद्वत्त्वहे | विद्वत्त्वहे |

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| स० विज्ञीत | विज्ञीयाताम् | विज्ञीरन् |
| विज्ञीथाः | विज्ञीयाताम् | विज्ञीष्वन् |
| विज्ञीय | विज्ञीयहि | विज्ञीमहि |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| प० विङ्काम् | विज्ञाताम् | विज्ञताम् |
| विङ्क्ष्व | विज्ञाताम् | विङ्ग्वम् |
| विनचै | विनचावहै | विनचामहै |

द्व० अविज्ञात अविज्ञाताम् अविज्ञात
 अविज्ञातयाः अविज्ञाताम् अविज्ञातम्
 अविज्ञात अविज्ञातम् अविज्ञातम्

अ० अविक्त अविज्ञाताम् अविज्ञत
अविक्षयाः अविश्वाशाम् अविगृह्यम् अविगृह्यम्
अविधि अविक्षयहि अविक्षमहि

प० विविचे विविचाते विविचिरे
 विविचिसे विविचाथे विविचिध्वे
 विविचे विविचिषहे विविचिमहे

आ०विद्भीष्ट विद्भीयास्ताम् विद्भीरन्
विद्भीष्टाः विद्भीयास्थाम् विद्भीध्वम्
विद्भीय विद्भीवहि विद्भीमहि

| | | |
|-------------|-----------|-----------|
| प्रश्न-वेका | वेकारौ | वेकायः |
| वेकासे | वेकासाथे | वेकाध्वे |
| वेकाहे | वेकास्थहे | वेकास्थहे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| अ० वेक्ष्यते | वेक्ष्येते | वेक्ष्यन्ते |
| वेक्ष्यसे | वेक्ष्यथे | वेक्ष्यध्वे |
| वेक्ष्ये | वेक्ष्याथहे | वेक्ष्यामहे |

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| क्रि० अवेक्ष्यत | अवेक्ष्येताम् | अवेक्ष्यन्त |
| अवेक्ष्यथाः | अवेक्ष्येथाम् | अवेक्ष्यथ्वम् |
| अवेक्ष्ये | अवेक्ष्यावहि | अवेक्ष्यामहि |

अथ जान्तोऽनिह च
1476 युज्मी (युज) योगे । 4

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० युनक्ति | युङ्क्तः | युञ्जन्ति |
| युनक्षि | युङ्क्थः | युङ्क्थ |
| युनज्मि | युञ्ज्वः | युञ्जमः |
| स० युञ्ज्यात् | युञ्ज्याताम् | युञ्ज्युः |
| युञ्ज्याः | युञ्ज्याताम् | युञ्ज्यात |
| युञ्ज्या | युञ्ज्याव | युञ्ज्य म |
| प० युनक्तु | युङ्क्तात् | युङ्क्ताम् |
| युनक्ति | युङ्क्तात् | युङ्क्ताम् |
| युनजानि | युनजाव | युनजाम |
| ह्य० अयुनक् | अयुनग् | अयुङ्क्ताम् |
| अयुनक् | अयुनग् | अयुङ्क्ताम् |
| अयुनजम् | अयुञ्ज्व | अयुञ्जम |
| अ० अयुजर् | अयुजताम् | अयुजन |
| अयुजः | अयुजताम् | अयुजन |
| अयुजम् | अयुजाव | अयुजाम |
| अयौक्षीत् | अयौक्षीत् | अयौक्षीः इ० |
| प० युयोज | युयुजतुः | युयुजुः |
| युयोजिथ | युयुजथुः | युयुज |
| युयोज | युयुजिव | युयुजिम |
| आ० युज्यात् | युज्यास्ताम् | युज्यासुः |
| युज्याः | युज्यास्ताम् | युज्यास्त |
| युज्यामम् | युज्यास्व | युज्यास्म |
| श्व० योक्ता | योक्तारौ | योक्तारः |
| योक्तासि | योक्तास्थः | योक्तास्थ |
| योक्तास्मि | योक्तास्वः | योक्तास्मः |
| अ योक्ष्यति | योक्ष्यतः | योक्ष्यन्ति |
| योक्ष्यसि | योक्ष्यथः | योक्ष्यथ |
| योक्ष्यामि | योक्ष्यावः | योक्ष्यामः |
| क्रि० अयोक्ष्यत् | अयोक्ष्यताम् | अयोक्ष्यन् |
| अयोक्ष्यः | अयोक्ष्यताम् | अयोक्ष्यन् |
| अयोक्ष्यम् | अयोक्ष्याव | अयोक्ष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० युङ्क्ते | युञ्जाते | युञ्जते |
| युङ्क्षे | युञ्जाथे | युङ्गध्वे |
| युञ्जे | युञ्ज्वहे | युञ्जमहे |
| म० युञ्जीत | युञ्जीयाताम् | युञ्जीरन् |
| युञ्जीथाः | युञ्जीयाताम् | युञ्जीध्वम् |
| युञ्जीय | युञ्जीवहि | युञ्जीमहि |
| प० युङ्क्ताम् | युञ्जाताम् | युञ्जताम् |
| युङ्क्ष्व | युञ्जाथाम | युङ्गध्वम् |
| युनजे | युनजावहे | युनजामहे |
| ह्य० अयुङ्क्त | अयुञ्जाताम् | अयुञ्जत |
| अयुङ्क्ताः | अयुञ्जाताम् | अयुङ्गध्वम् |
| अयुञ्जि | अयुञ्ज्वहि | अयुञ्जमहि |
| अ० अयुक्त | अयुञ्जाताम् | अयुञ्जत |
| अयुङ्क्ताः | अयुञ्जाताम् | अयुङ्गध्वम् |
| अयुक्षि | अयुक्ष्वहि | अयुक्षमहि |
| प० युयुजे | युयुजाते | युयुजिरे |
| युयुजिषे | युयुजाथे | युयुजिध्वे |
| युयुजे | युयुजिवहे | युयुजिमहे |
| आ० युक्षीष्ट | युक्षीयास्ताम् | युक्षीरन् |
| युक्षीष्ठाः | युक्षीयाताम् | युक्षीध्वम् |
| युक्षीय | युक्षीवहि | युक्षीमहि |
| प्र० योक्ता | योक्तारौ | योक्तारः |
| योक्तासे | योक्तासाथे | योक्ताध्वे |
| योक्ताहे | योक्तास्वहे | योक्तास्महे |
| म० योक्ष्यते | योक्ष्येते | योक्ष्यन्ते |
| योक्ष्यसे | योक्ष्येथे | योक्ष्यध्वे |
| योक्ष्ये | योक्ष्यावहे | योक्ष्यामहे |
| क्रि० अयोक्ष्यत | अयोक्ष्येताम् | अयोक्ष्यन्त |
| अयोक्ष्यथाः | अयोक्ष्येताम् | अयोक्ष्यन्तम् |
| अयोक्ष्ये | अयोक्ष्यावहि | अयोक्ष्यामहि |

1477 भिदूँपी (भिद्) विदारणे 5

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ष० भिनत्ति | भिन्तः | भिन्दन्ति |
| भिनत्सि | भिन्त्यः | भिन्त्य |
| भिनन्ति | भिन्द्वः | भिन्दमः |
| स० भिन्धात् | भिन्धाताम् | भिन्धुः |
| भिन्धाः | भिन्धातम् | भिन्धात |
| भिन्धाम | भिन्धाव | भिन्धाम |
| प० भिनत्तु | भिन्तात् | भिन्ताम् |
| भिन्दि | भिन्तात् | भिन्तम् |
| भिन्दानि | भिन्दाव | भिन्दाम |
| अभिनत्-नद् | अभिन्ताम् | अभिन्दन् |
| अभिनत् नद् अभिनः | अभिन्तम् | अभिन्त |
| अभिन्दम् | अभिन्द्व | अभिन्दम |
| अ० अभिदत् | अभिदताम् | अभिदन् |
| अभिदः | अभिदतम् | अभिदत |
| अभिदम् | अभिदाव | अभिदाम |
| अभैत्सीत् | अभैत्ताम् | अभैत्सुः इ० |
| प० विभेद | विभिदतु | विभिदुः |
| विभेदिथ | विभिदथुः | विभिद |
| विभेद | विभिदिव | विभिदिम |
| आ० भिधात् | भिधास्ताम् | भिधासुः |
| भिधाः | भिधास्तम् | भिधास्त |
| भिधासम् | भिधास्व | भिधासम |
| श्व० भेत्ता | भेत्तारौ | भेत्तारः |
| भेत्तासि | भेत्तारथः | भेत्तारथ |
| भेत्तास्मि | भेत्तास्वः | भेत्तास्मः |
| भ० भेत्स्यति | भेत्स्यतः | भेत्स्यन्ति |
| भेत्स्यसि | भेत्स्यथः | भेत्स्यथ |
| भेत्स्यामि | भेत्स्यावः | भेत्स्यामः |
| क्रि० अभेत्स्यत् | अभेत्स्यताम् | अभेत्स्यन् |
| अभेत्स्यः | अभेत्स्यतम् | अभेत्स्यत |
| अभेत्स्यम् | अभेत्स्याव | अभेत्स्याम |

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० भिन्ते | भिन्दाते | भिन्दते |
| भिन्से | भिन्दाथे | भिन्द्वे |
| भिन्दे | भिन्द्वहे | भिन्दमहे |
| स० भिन्दीत | भिन्दीयाताम् | भिन्दीरन् |
| भिन्दीथाः | भिन्दीयाथाम् | भिन्दीध्वम् |
| भिन्दीय | भिन्दीवहि | भिन्दीमहि |
| प० भिन्ताम् | भिन्दाताम् | भिन्दताम् |
| भिन्स्व | भिन्दाथाम् | भिन्द्वम् |
| भिन्दै | भिन्दावहे | भिन्दामहे |
| ह्य० अभिन्त | अभिन्दाताम् | अभिन्दत |
| अभिन्थाः | अभिन्दाथाम् | अभिन्द्वम् |
| अभिन्दि | अभिन्द्वहि | अभिन्दिमहि |
| अ० अभित्त | अभिन्ताताम् | अभित्तत |
| अभित्थाः | अभिन्ताथाम् | अभिद्वम् |
| | | अभिद्वम् |
| अभिन्ति | अभिन्त्वहि | अभिन्तिमहि |
| प० विभिदे | विभिदाते | विभिदिरे |
| विभिदिवे | विभिदाथे | विभिदिध्वे |
| विभिदे | विभिदिवहे | विभिदिमहे |
| आ० भित्सीष्ट | भित्सीयास्ताम् | भित्सीरन् |
| भित्सीष्टाः | भित्सीयास्थाम् | भित्सीध्वम् |
| भित्सीय | भित्सीवहि | भित्सीमहि |
| श्व० भेत्ता | भेत्तारौ | भेत्तारः |
| भेत्तासे | भेत्तासाथे | भेत्ताध्वे |
| भेत्ताहे | भेत्तास्वहे | भेत्तास्महे |
| भ० भेत्स्यते | भेत्स्येते | भेत्स्यन्ते |
| भेत्स्यसे | भेत्स्येथे | भेत्स्यध्वे |
| भेत्स्ये | भेत्स्यावहे | भेत्स्यामहे |
| क्रि० अभेत्स्यत् | अभेत्स्येताम् | अभेत्स्यन्त |
| अभेत्स्यथाः | अभेत्स्येथाम् | अभेत्स्यध्वम् |
| अभेत्स्ये | अभेत्स्यावहि | अभेत्स्यामहि |

1478 छिदृषी (छिद्) द्वैधीकरणे 16

अद्वैतस्य पृथक्त्वे

व० छिनत्ति छिन्तः छिन्दन्ति

छिनत्सि छिन्त्यः छिन्त्य

छिनद्मि छिन्मः छिन्मः

स० छिन्धात् छिन्धाताम् छिन्धुः

छिन्धाः छिन्धातम् छिन्धात

छिन्धाम् छिन्धाव छिन्धाम

प० छिन्तु छिन्तात् छिन्तामछिन्दन्तु

छिन्दि छिन्तात् छिन्तम् छिन्त

छिन्तानि छिन्ताव छिन्ताम

झ० अछिन्नत्-नद् अछिन्ताम् अछिन्नन्

अछिन्नः अछिन्नत्-नद् अछिन्तम् अछिन्न

अछिन्नम् अछिन्नम् अछिन्ना

ञ० अछिदत् अछिदताम् अछिदन्

अछिदः अछिदतम् अछिदन्

अछिदम् अछिदाव अछिदाम

अच्छेत्सु अच्छेत्ताम् अच्छेत्सु इ०

प० चिच्छेद चिच्छेदतुः चिच्छेदुः

चिच्छेदथ चिच्छेदथुः चिच्छेद

चिच्छेद चिच्छेदथ चिच्छेदिम

आ० छिधात् छिधाताम् छिधातुः

छिधाः छिधातम् छिधात

छिधाम् छिधाव छिधाम

प्र० छेत्ता छेत्तारौ छेत्तारः

छेत्तासि छेत्तास्यः छेत्तास्य

छेत्तामि छेत्तावः छेत्तामः

भ० छेत्स्यति छेत्स्यतः छेत्स्यन्ति

छेत्स्यसि छेत्स्यथः छेत्स्यथ

छेत्स्यामि छेत्स्यावः छेत्स्यामः

क्रि० अछेत्स्यत् अछेत्स्यताम् अछेत्स्यन्

अछेत्स्यः अछेत्स्यतम् अछेत्स्यत

अछेत्स्यम् अछेत्स्याव अछेत्स्याम

व० छिन्ते छिन्दाते छिन्दते

छिन्ते छिन्दाथे छिन्दुध्वे

छिन्दे छिन्दवहे छिन्दमहे

स० छिन्दीत छिन्दीयाताम् छिन्दीरन्

छिन्दीथाः छिन्दीयाताम् छिन्दीध्वम्

छिन्दीय छिन्दीवहि छिन्दीमहि

प० छिन्ताम् छिन्दाताम् छिन्दाताम्

छिन्तस्व छिन्दाताम् छिन्दुध्वम्

छिन्दे छिन्दावहे छिन्तामहे

झ० अछिन्नत् अछिन्दाताम् अछिन्दन्

अछिन्तथाः अछिन्दाताम् अछिन्दुध्वम्

अछिन्दि अछिन्दवहि अछिन्दमहि

अ० अछिन्नत् अछिन्ताताम् अछिन्नत्

अछिन्तथाः अछिन्ताताम् अछिन्दुध्वम्

अछिन्दुध्वम्

अछिन्नत् अछिन्नवहि अछिन्नमहि

प० चिच्छेदे चिच्छेदाते चिच्छेदिरे

चिच्छेदिवे चिच्छेदाथे चिच्छेदिध्वे

चिच्छेदे चिच्छेदिवहे चिच्छेदिमहे

आ० छिन्सीत् छिन्सीयाताम् छिन्सीरन्

छिन्सीथाः छिन्सीयाताम् छिन्सीध्वम्

छिन्सीय छिन्सीवहि छिन्सीमहि

प्र० छेत्ता छेत्तारौ छेत्तारः

छेत्तासे छेत्तासाथे छेत्ताध्वे

छेत्ताहे छेत्तावहे छेत्तामहे

भ० छेत्स्यते छेत्स्येते छेत्स्यन्ते

छेत्स्यसे छेत्स्येथे छेत्स्यध्वे

छेत्स्ये छेत्स्यावहे छेत्स्यामहे

क्रि० अछेत्स्यत् अछेत्स्येताम् अछेत्स्यन्त

अछेत्स्यथाः अछेत्स्येताम् अछेत्स्यध्वम्

अछेत्स्ये अछेत्स्यावहि अछेत्स्यामहि

1479 क्षुब्धी (क्षुब्ध) संपेधे 7

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० क्षुणत्ति | क्षुण्तः | क्षुण्दन्ति |
| क्षुणत्ति | क्षुण्थः | क्षुण्थ |
| क्षुणत्ति | क्षुण्द्रः | क्षुण्द्रः |
| स० क्षुण्वात् | क्षुण्वाताम् | क्षुण्वः |
| क्षुण्वाः | क्षुण्वातम् | क्षुण्वात |
| क्षुण्वाम् | क्षुण्वाव | क्षुण्वाम |
| प० क्षुण्त्तु | क्षुण्त्तात् | क्षुण्त्ताम् |
| क्षुण्त्ति | क्षुण्त्तात् | क्षुण्त्तम् |
| क्षुण्दानि | क्षुण्दाव | क्षुण्दाम |
| क्ष० अक्षुणत्-णद् | अक्षुण्ताम् | अक्षुण्दन् |
| अक्षुणः | अक्षुणत्-णद् | अक्षुण्त्तम् |
| अक्षुण्दम् | अक्षुण्द्र | अक्षुण्द्र |
| अ० अक्षुदत् | अक्षुदताम् | अक्षुदन् |
| अक्षुदः | अक्षुदतम् | अक्षुदत |
| अक्षुदम् | अक्षुदाव | अक्षुदाम |
| अक्षौत्सीत् | अक्षौत्ताम् | अक्षौत्सुः १० |
| प० चुक्षुद | चुक्षुदतुः | चुक्षुदः |
| चुक्षुदिथ | चुक्षुदथुः | चुक्षुद |
| चुक्षुद | चुक्षुदिव | चुक्षुदिम |
| आ० क्षुवात् | क्षुवास्ताम् | क्षुवासुः |
| क्षुवाः | क्षुवास्तम् | क्षुवास्त |
| क्षुवास्तम् | क्षुवास्व | क्षुवास्म |
| क्ष० क्षोत्ता | क्षोत्तारो | क्षोत्तारः |
| क्षोत्तासि | क्षोत्तास्थः | क्षोत्तास्थ |
| क्षोत्तास्मि | क्षोत्तास्वः | क्षोत्तास्मः |
| अ० क्षोत्स्यति | क्षोत्स्यतः | क्षोत्स्यन्ति |
| क्षोत्स्यसि | क्षोत्स्यथः | क्षोत्स्यथ |
| क्षोत्स्यामि | क्षोत्स्यावः | क्षोत्स्यामः |
| क्रि० अक्षोत्स्यत् | अक्षोत्स्यताम् | अक्षोत्स्यन् |
| अक्षोत्स्यः | अक्षोत्स्यतम् | अक्षोत्स्यत |
| अक्षोत्स्यम् | अक्षोत्स्याव | अक्षोत्स्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० क्षुन्ते | क्षुन्ताते | क्षुन्दते |
| क्षुन्ते | क्षुन्दाथे | क्षुन्ध्वे |
| क्षुन्ते | क्षुन्दवहे | क्षुन्महे |
| स० क्षुन्दीत् | क्षुन्दीयाताम् | क्षुन्दीरन् |
| क्षुन्दीथाः | क्षुन्दीयाथाम् | क्षुन्दीध्वम् |
| क्षुन्दीय | क्षुन्दीवहि | क्षुन्दीमहि |
| प० क्षुन्ताम् | क्षुन्दाताम् | क्षुन्दताम् |
| क्षुन्स्व | क्षुन्दाथाम् | क्षुन्ध्वम् |
| क्षुण्दै | क्षुण्दावहे | क्षुण्दामहे |
| क्ष० अक्षुन्त | अक्षुन्ताताम् | अक्षुन्दत |
| अक्षुन्थाः | अक्षुन्दाथाम् | अक्षुन्ध्वम् |
| अक्षुन्दि | अक्षुन्दवहि | अक्षुन्महि |
| अ० अक्षुत्त | अक्षुत्ताताम् | अक्षुत्तत |
| अक्षुत्थाः | अक्षुत्ताथाम् | अक्षुत्ध्वम् |
| अक्षुत्ति | अक्षुत्त्वहि | अक्षुत्महि |
| प० चुक्षुदे | चुक्षुदाते | चुक्षुदरे |
| चुक्षुदिषे | चुक्षुदाथे | चुक्षुदिध्वे |
| चुक्षुदे | चुक्षुदिवहे | चुक्षुदिमहे |
| आ० क्षुत्सीष्ट | क्षुत्सीयास्ताम् | क्षुत्सीरन् |
| क्षुत्सीष्ठाः | क्षुत्सीयास्याम् | क्षुत्सीध्वम् |
| क्षुत्सीय | क्षुत्सीवहि | क्षुत्सीमहि |
| क्ष० क्षोत्ता | क्षोत्तारो | क्षोत्तारः |
| क्षोत्तासे | क्षोत्तासाथे | क्षोत्ताध्वे |
| क्षोत्ताहे | क्षोत्तास्वहे | क्षोत्तास्महे |
| अ० क्षोत्स्यते | क्षोत्स्येते | क्षोत्स्यन्ते |
| क्षोत्स्यसे | क्षोत्स्येथे | क्षोत्स्यध्वे |
| क्षोत्स्ये | क्षोत्स्यावहे | क्षोत्स्यामहे |
| क्रि० अक्षोत्स्यत् | अक्षोत्स्यताम् | अक्षोत्स्यन्त |
| अक्षोत्स्यथाः | अक्षोत्स्येथाम् | अक्षोत्स्यध्वम् |
| अक्षोत्स्ये | अक्षोत्स्यावहि | अक्षोत्स्यामहि |

1480 ऊहृदपी (हृद्) दीसि देवनयोः

वमनेऽपीत्यन्ये । 8

| | | | |
|-------|------------|--------------|----------------|
| व० | हृणन्ति | हृन्तः | हृन्दन्ति |
| | हृणत्ति | हृन्त्यः | हृन्त्य |
| | हृणन्ति | हृन्वः | हृन्वाः |
| स० | हृन्धात् | हृन्धाताम् | हृन्धुः |
| | हृन्धाः | हृन्धातम् | हृन्धात |
| | हृन्धाम् | हृन्धाव | हृन्धाम |
| प० | हृणत्तु | हृन्तात् | हृन्ताम् |
| | हृन्ति | हृन्तात् | हृन्तम् |
| | हृणदन्ति | हृणदाव | हृणदाम |
| झ० | अहृणत्-णद् | अहृणत्ताम् | अहृणन्तम् |
| | अहृणत्-णद् | अहृणः | अहृणन्तम्-न्त |
| | अहृणदम् | अहृण्द्व | अहृण्वा |
| अ० | अहृदत् | अहृदताम् | अहृदम् |
| | अहृदः | अहृदतम् | अहृदत |
| | अहृदम् | अहृदाव | अहृदाम |
| | अहृदीत | अहृदिष्टाम | अहृदिषुः ३० |
| प० | चहृद | चहृदतुः | चहृदुः |
| | चहृदिष | चहृदुः | चहृद |
| | चहृद | चहृदिष | चहृदिम |
| आ० | हृद्यात् | हृद्यास्ताम् | हृद्यासुः |
| | हृद्याः | हृद्यास्तम् | हृद्यास्त |
| | हृद्यासम् | हृद्यास्व | हृद्यास्म |
| प्र० | हृदिता | हृदितारौ | हृदितारः |
| | हृदितासि | हृदितास्थः | हृदितास्थ |
| | हृदितास्मि | हृदितास्वः | हृदितास्मः |
| भ० | हृदिष्यति | हृदिष्यतः | हृदिष्यन्ति |
| | हृदिष्यसि | हृदिष्यथः | हृदिष्यथ |
| | हृदिष्यामि | हृदिष्यावः | हृदिष्यामः |
| | हृत्स्यति | हृत्स्यतः | हृत्स्यन्ति ३० |
| क्रि० | अहृदिष्यत् | अहृदिष्यताम् | अहृदिष्यन् |
| | अहृदिष्यः | अहृदिष्यतम् | अहृदिष्यत |
| | अहृदिष्यम् | अहृदिष्याव | अहृदिष्याम |

अहृत्स्यते अहृत्स्यताम् अहृत्स्यन् ३०

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-----------------|
| व० | हृन्ते | हृन्ताते | हृन्ते |
| | हृन्ते | हृन्ताथे | हृन्तध्वे |
| | हृन्ते | हृन्तध्वे | हृन्तध्वे |
| स० | हृन्दीत | हृन्दीयाताम् | हृन्दीरन् |
| | हृन्दीथाः | हृन्दीयाथाम् | हृन्दीध्वम् |
| | हृन्दीष | हृन्दीवहि | हृन्दीमहि |
| प० | हृन्ताम् | हृन्ताताम् | हृन्ताताम् |
| | हृन्तस्व | हृन्ताथाम् | हृन्तध्वम् |
| | हृणदे | हृणदावहे | हृणदामहे |
| झ० | अहृन्त | अहृन्ताताम् | अहृन्त |
| | अहृन्थाः | अहृन्ताथाम् | अहृन्तध्वम् |
| | अहृन्दि | अहृन्द्वहि | अहृन्महि |
| अ० | अहृदिष्ट | अहृदिषाताम् | अहृदिषत |
| | अहृदिष्टाः | अहृदिषाथाम् | अहृदिष्वम् |
| | अहृदिषि | अहृदिष्वहि | अहृदिष्वमहि |
| प० | चहृदे | चहृदाते | चहृदिरे |
| | चहृदिषे | चहृदाथे | चहृदिध्वे |
| | चहृदे | चहृदिध्वे | चहृदिमहे |
| आ० | हृदिषीष्ट | हृदिषीयास्ताम् | हृदिषीरन् |
| | हृदिषीष्टाः | हृदिषीयास्थाम् | हृदिषीध्वम् |
| | हृदिषीय | हृदिषीवहि | हृदिषीमहि |
| प्र० | हृदिता | हृदितारौ | हृदितारः |
| | हृदितासे | हृदितासाथे | हृदिताध्वे |
| | हृदिताहे | हृदितास्वहे | हृदितास्महे |
| भ० | हृदिष्यते | हृदिष्येते | हृदिष्यन्ते |
| | हृदिष्यसे | हृदिष्येथे | हृदिष्यध्वे |
| | हृदिष्ये | हृदिष्यावहे | हृदिष्यामहे |
| | हृत्स्यते | हृत्स्येते | हृत्स्यन्ते ३० |
| क्रि० | अहृदिष्यत् | अहृदिष्यताम् | अहृदिष्यन् |
| | अहृदिष्यथाः | अहृदिष्येथाम् | अहृदिष्यध्वम् |
| | अहृदिष्ये | अहृदिष्यावहि | अहृदिष्यामहि |
| | अहृत्स्यते | अहृत्स्येते | अहृत्स्यन्ते ३० |

148। अतृष्टी (तृद्) त्रिंशानादरयोः 9

| | | |
|-----------------|---------------|--------------------|
| ब० तृणति | तृणतः | तृणन्ति |
| तृणत्ति | तृणन्थः | तृणन्थ |
| तृणन्ति | तृणन्थः | तृणन्थः |
| स० तृण्वात् | तृण्वाताम् | तृण्वातुः |
| तृण्वाः | तृण्वातम् | तृण्वात |
| तृण्वाम् | तृण्वाव | तृण्वाम |
| प० तृणत्तु | तृणत्तात् | तृणत्ताम् |
| तृण्ति | तृण्त्तु | तृण्त्तु |
| तृण्दानि | तृण्दाव | तृण्दाम |
| अ० अतृणत् | अतृणत्ताम् | अतृणन्त |
| अतृणत्, णः | अतृणत्तम् | अतृणन्त |
| अतृणदम् | अतृण्दव | अतृण्द |
| अ० अतृदत् | अतृदताम् | अतृदन् |
| अतृदः | अतृदतम् | अतृदत |
| अतृदम् | अतृदाव | अतृदाम |
| अतृदीत् | अतृदिष्टाम् | अतृदिष्टुः इत्यादि |
| प० ततृदत् | ततृदत्तुः | ततृदुः |
| ततृदित्थ | ततृदित्थुः | ततृद |
| ततृद | ततृदिव | ततृदिम |
| आ० तृद्यात् | तृद्यास्ताम् | तृद्यासुः |
| तृद्याः | तृद्यास्तम् | तृद्यास्त |
| तृद्यासम् | तृद्यास्व | तृद्यास्म |
| प्र० तदिता | तदितागौ | तदितारः |
| तदितासि | तदितास्थः | तदितास्थ |
| तदितास्मि | तदितास्वः | तदितास्मः |
| भ० तदिष्यति | तदिष्यतः | तदिष्यन्ति |
| तदिष्यसि | तदिष्यथः | तदिष्यथ |
| तदिष्यामि | तदिष्याव | तदिष्यामः |
| तत्स्यन्ति | तत्स्यन्तः | तत्स्यन्ति इत्यादि |
| क्रि० अतदिष्यत् | अतदिष्यताम् | अतदिष्यन्त |
| अतदिष्यः | अतदिष्यतम् | अतदिष्यत |
| अतदिष्यम् | अतदिष्याव | अतदिष्याम |
| अतत्स्यन्तु | अतत्स्यन्ताम् | अतत्स्यन्त इ० |

| | | |
|----------------|---------------|--------------------|
| ब० तृन्ते | तृन्ते | तृन्ते |
| तृन्ते | तृन्ते | तृन्ते |
| तृन्ते | तृन्ते | तृन्ते |
| स० तृन्दीत् | तृन्दीयाताम् | तृन्दीरन् |
| तृन्दीथाः | तृन्दीयाशाम् | तृन्दीध्वम् |
| तृन्दीष्टु | तृन्दीवहि | तृन्दीमहि |
| प० तृन्ताम् | तृन्ताताम् | तृन्ताताम् |
| तृन्तस्व | तृन्ताशाम् | तृन्तध्वम् |
| तृन्तदे | तृन्तावहि | तृन्तामहि |
| अ० अतृन्त | अतृन्ताताम् | अतृन्त |
| अतृन्ताः | अतृन्ताशाम् | अतृन्तध्वम् |
| अतृन्दि | अतृन्दवहि | अतृन्दमहि |
| अ० अतदिष्ट | अतदिषाताम् | अतदिषत |
| अतदिष्टाः | अतदिषाशाम् | अतदिषध्वम् |
| अतदिषि | अतदिष्वहि | अतदिषमहि |
| प० ततृदे | ततृदाते | ततृदिरे |
| ततृदिषे | ततृदाथे | ततृदिध्वे |
| ततृदे | ततृदिष्वहे | ततृदिमहे |
| आ० तदिषीष्ट | तदिषीयास्ताम् | तदिषीरन् |
| तदिषीष्टाः | तदिषीयाशाम् | तदिषीध्वम् |
| तदिषीय | तदिषीवहि | तदिषीमहि |
| प्र० तदिता | तदितागौ | तदितारः |
| तदितासे | तदितासाथे | तदिताध्वे |
| तदिताहे | तदितास्वहे | तदितास्महे |
| भ० तदिष्यते | तदिष्यत | तदिष्यन्ते |
| तदिष्यसे | तदिष्यथे | तदिष्यध्वे |
| तदिष्ये | तदिष्यावहे | तदिष्यामहे |
| तत्स्यन्ते | तत्स्यन्ते | तत्स्यन्ते इत्यादि |
| क्रि० अतदिष्यत | अतदिष्यताम् | अतदिष्यन्त |
| अतदिष्यथाः | अतदिष्यथाशाम् | अतदिष्यध्वम् |
| अतदिष्ये | अतदिष्यावहि | अतदिष्यामहि |
| अतत्स्यन्ते | अतत्स्यन्ताम् | अतत्स्यन्त इत्यादि |

॥ इति उभयतो भाषाः ॥

अथ परस्मैपदेषु चान्तास्त्रयः सेटश्च

1482 वृचैप् (वृच्) सम्पर्के । 0

| | | |
|---------------|--------------|-----------|
| व० वृणक्ति | वृङ्कतः | वृञ्चन्ति |
| वृणक्षि | वृङ्कथः | वृङ्कथ |
| वृणक्तिम | वृङ्कथः | वृङ्कथः |
| स० वृङ्क्यात् | वृङ्क्याताम् | वृङ्क्युः |
| वृङ्क्याः | वृङ्क्याताम् | वृङ्क्यात |
| वृङ्क्याम् | वृङ्क्याव | वृङ्क्याम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० वृणक्तु | वृङ्कतात् | वृङ्कताम् | वृञ्चन्तु |
| वृङ्गिधि | वृङ्कतात् | वृङ्कतम् | वृङ्कत |
| वृणचानि | वृणचाव | वृणचाम | |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| झ० अवृणक्तु | अवृङ्कताम् | अवृञ्चन्तु |
| अवृणक्तु | अवृङ्कतम् | अवृङ्कत |
| अवृणक्तम् | अवृङ्कथ | अवृङ्कथः |

| | | |
|-------------|-----------|-----------|
| अ० अवर्चिषि | अवर्चिषि | अवर्चिषुः |
| अवर्चिः | अवर्चिषम् | अवर्चिष |
| अवर्चिषम् | अवर्चिषव | अवर्चिषाम |

| | | |
|--------|---------|-------|
| प० पपच | पपचतुः | पपचुः |
| पपचिष | पपचिषुः | पपच |
| पपच | पपचिष | पपचिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| प० पृच्यात् | पृच्यास्ताम् | पृच्यासुः |
| पृच्याः | पृच्यास्ताम् | पृच्यास्त |
| पृच्याम् | पृच्यास्व | पृच्यास्म |

| | | |
|-------------|----------|------------|
| प्रव० पचिता | पचितारौ | पचितारः |
| पचितालि | पचितारथः | पचितारथ |
| पचितालिम | पचितारथः | पचितारथः |
| अ० पचिष्यति | पचिष्यतः | पचिष्यन्ति |
| पचिष्यति | पचिष्यथः | पचिष्यथ |
| पचिष्यामि | पचिष्याव | पचिष्याम |

| | | |
|-----------------|-------------|-------------|
| क्रि० अपचिष्यतु | अपचिष्यताम् | अपचिष्यन्तु |
| अपचिष्यः | अपचिष्यतम् | अपचिष्यत |
| अपचिष्यम् | अपचिष्याव | अपचिष्याम |

1483 वृचैप् (वृच्) वरणे । 11

जान्तोऽयमित्यन्ये । जान्तोऽपि वर्जनार्थ इत्यपरे ।

| | | |
|------------|---------|-----------|
| व० वृणक्ति | वृङ्कतः | वृञ्चन्ति |
| वृणक्षि | वृङ्कथः | वृङ्कथ |
| वृणक्तिम | वृङ्कथः | वृङ्कथः |

| | | |
|---------------|--------------|-----------|
| स० वृङ्क्यात् | वृङ्क्याताम् | वृङ्क्युः |
| वृङ्क्याः | वृङ्क्याताम् | वृङ्क्यात |
| वृङ्क्याम् | वृङ्क्याव | वृङ्क्याम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० वृणक्तु | वृङ्कतात् | वृङ्कताम् | वृञ्चन्तु |
| वृङ्गिधि | वृङ्कतात् | वृङ्कतम् | वृङ्कत |
| वृणचानि | वृणचाव | वृणचाम | |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| झ० अवृणक्तु | अवृङ्कताम् | अवृञ्चन्तु |
| अवृणक्तु | अवृङ्कतम् | अवृङ्कत |
| अवृणक्तम् | अवृङ्कथ | अवृङ्कथः |

| | | |
|-------------|-----------|-----------|
| अ० अवर्चिषि | अवर्चिषि | अवर्चिषुः |
| अवर्चिः | अवर्चिषम् | अवर्चिष |
| अवर्चिषम् | अवर्चिषव | अवर्चिषाम |

| | | |
|-------|--------|------|
| प० वच | वचतुः | वचुः |
| वचिष | वचिषुः | वच |
| वच | वचिष | वचिम |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० वृच्यात् | वृच्यास्ताम् | वृच्यासुः |
| वृच्याः | वृच्यास्ताम् | वृच्यास्त |
| वृच्याम् | वृच्यास्व | वृच्यास्म |

| | | |
|-------------|----------|----------|
| प्रव० वचिता | वचितारौ | वचितारः |
| वचितालि | वचितारथः | वचितारथ |
| वचितालिम | वचितारथः | वचितारथः |

| | | |
|-------------|----------|------------|
| अ० वचिष्यति | वचिष्यतः | वचिष्यन्ति |
| वचिष्यति | वचिष्यथः | वचिष्यथ |
| वचिष्यामि | वचिष्याव | वचिष्याम |

| | | |
|-----------------|-------------|-------------|
| क्रि० अवचिष्यतु | अवचिष्यताम् | अवचिष्यन्तु |
| अवचिष्यः | अवचिष्यतम् | अवचिष्यत |
| अवचिष्यम् | अवचिष्याव | अवचिष्याम |

1484 तञ्च् (तञ्च) संकोचने । 12

| | | |
|-----------------|---------------|--------------|
| ध० तनक्ति | तङ्कः | तञ्चन्ति |
| तनक्षि | तङ्कथः | तङ्कथ |
| तनजिम | तङ्कवः | तङ्कमः |
| स० तञ्च्यात् | तञ्च्याताम् | तञ्च्युः |
| तञ्च्याः | तञ्च्यातम् | तञ्च्यात |
| तञ्च्याम् | तञ्च्याव | तञ्च्याम |
| प० तनक्तु | तङ्क्तात् | तङ्क्ताम् |
| तङ्ग्धि | तङ्क्तात् | तङ्कम् |
| तनजानि | तनजाव | तनजाम |
| झ० अतनक् | अतनग् | अतङ्कताम् |
| अतनक् | अतनग् | अतङ्कतम् |
| अतनजम् | अतञ्चव | अतञ्चम |
| अ० अतञ्जीत् | अतञ्जिषाम् | अतञ्जिषुः |
| अतञ्जीः | अतञ्जिषम् | अतञ्जिष |
| अतञ्जिषम् | अतञ्जिषव | अतञ्जिषम |
| प० ततञ्च | ततञ्चतुः | ततञ्चुः |
| ततञ्चिथ | ततञ्चथुः | ततञ्च |
| ततञ्च | ततञ्चिथ | ततञ्चिम |
| आ० तञ्च्यात् | तञ्च्यास्ताम् | तञ्च्यासुः |
| तञ्च्याः | तञ्च्यास्तम् | तञ्च्यास्त |
| तञ्च्यासम् | तञ्च्यासव | तञ्च्यासम |
| प्र० तञ्चित्ता | तञ्चित्तारौ | तञ्चित्तारः |
| तञ्चित्तासि | तञ्चित्तास्थः | तञ्चित्तास्थ |
| तञ्चित्तास्मि | तञ्चित्तास्वः | तञ्चित्तास्म |
| भ० तञ्चिष्यति | तञ्चिष्यतः | तञ्चिष्यन्ति |
| तञ्चिष्यसि | तञ्चिष्यथः | तञ्चिष्यथ |
| तञ्चिष्यामि | तञ्चिष्यावः | तञ्चिष्यामः |
| कि० अतञ्चिष्यत् | अतञ्चिष्यताम् | अतञ्चिष्यन् |
| अतञ्चिष्यः | अतञ्चिष्यतम् | अतञ्चिष्यत |
| अतञ्चिष्यम् | अतञ्चिष्याव | अतञ्चिष्याम |

अथ जान्ताः पञ्च

1485 तञ्जौप् (तञ्ज) संकोचने । 13

| | | |
|-----------------|---------------|--------------|
| ध० तनक्ति | तङ्कः | तञ्जन्ति |
| तनक्षि | तङ्कथः | तङ्कथ |
| तनजिम | तङ्कवः | तङ्कमः |
| स० तञ्ज्यात् | तञ्ज्याताम् | तञ्ज्युः |
| तञ्ज्याः | तञ्ज्यातम् | तञ्ज्यात |
| तञ्ज्याम् | तञ्ज्याव | तञ्ज्याम |
| प० तनक्तु | तङ्क्तात् | तङ्क्ताम् |
| तङ्ग्धि | तङ्क्तात् | तङ्कम् |
| तनजानि | तनजाव | तनजाम |
| झ० अतनक् | अतनग् | अतङ्कताम् |
| अतनक् | अतनग् | अतङ्कतम् |
| अतनजम् | अतञ्चव | अतञ्चम |
| अ० अतञ्जीत् | अतञ्जिषाम् | अतञ्जिषुः |
| अतञ्जीः | अतञ्जिषम् | अतञ्जिष |
| अतञ्जिषम् | अतञ्जिषव | अतञ्जिषम |
| अताङ्क्षीत् | अताङ्क्षताम् | अताङ्क्षुः |
| प० ततञ्ज | ततञ्जतुः | ततञ्जुः |
| ततञ्जिथ | ततञ्जथुः | ततञ्ज |
| ततञ्ज | ततञ्जिथ | ततञ्जिम |
| आ० तञ्ज्यात् | तञ्ज्यास्ताम् | तञ्ज्यासुः |
| तञ्ज्याः | तञ्ज्यास्तम् | तञ्ज्यास्त |
| तञ्ज्यासम् | तञ्ज्यासव | तञ्ज्यासम |
| प्र० तञ्जिता | तञ्जितारौ | तञ्जितारः |
| तञ्जितासि | तञ्जितास्थः | तञ्जितास्थ |
| तञ्जितास्मि | तञ्जितास्वः | तञ्जितास्म |
| तङ्कता | तङ्कतारौ | तङ्कतारः |
| भ० तञ्जिष्यति | तञ्जिष्यतः | तञ्जिष्यन्ति |
| तञ्जिष्यसि | तञ्जिष्यथः | तञ्जिष्यथ |
| तञ्जिष्यामि | तञ्जिष्यावः | तञ्जिष्यामः |
| तङ्क्ष्यति | तङ्क्ष्यतः | तङ्क्ष्यन्ति |
| कि० अतञ्जिष्यत् | अतञ्जिष्यताम् | अतञ्जिष्यन् |
| अतञ्जिष्यः | अतञ्जिष्यतम् | अतञ्जिष्यत |
| अतञ्जिष्यम् | अतञ्जिष्याव | अतञ्जिष्याम |
| अतङ्क्ष्यत् | अतङ्क्ष्यताम् | अतङ्क्ष्यन् |

1486 भञ्जैप् (भञ्) आमर्दने 14

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० भनक्ति | भङ्कतः | भञ्जन्ति |
| भनक्षि | भङ्कथः | भङ्कथ |
| भनज्मि | भञ्जवः | भञ्जमः |
| स० भञ्ज्यात् | भञ्ज्याताम् | भञ्ज्युः |
| भञ्ज्याः | भञ्ज्याताम् | भञ्ज्यात |
| भञ्ज्याम् | भञ्ज्याव | भञ्ज्याम |
| प० भनक्तु | भङ्कतात् | भङ्कताम् भञ्जन्तु |
| भङ्गिध | भङ्कतात् | भङ्कतम् भङ्क |
| भनजानि | भनजाव | भनजाम |
| ह० अभैक् | अभैग् | अभङ्कताम् अभञ्जन् |
| अभक् | अभग् | अभङ्कतम् अभङ्क |
| अभनजम् | अभञ्जव | अभञ्जम |
| अ० अभाङ्क्षीत् | अभाङ्कताम् | अभाङ्क्षुः |
| अभाङ्क्षीः | अभाङ्कतम् | अभाङ्क |
| अभाङ्क्षम् | अभाङ्क्षव | अभाङ्क्षम |
| प० वभञ्ज | वभञ्जतुः | वभञ्जुः |
| वभञ्जिथ | वभङ्कथ | वभञ्जथुः वभञ्ज |
| वभञ्ज | वभञ्जिव | वभञ्जिम |
| आ० भञ्ज्यात् | भञ्ज्यास्ताम् | भञ्ज्यासुः |
| भञ्ज्याः | भञ्ज्यास्तम् | भञ्ज्यास्त |
| भञ्ज्यासम् | भञ्ज्यास्व | भञ्ज्यास्म |
| श्व० भङ्कता | भङ्कतारौ | भङ्कतारः |
| भङ्कतासि | भङ्कतास्थः | भङ्कतास्थ |
| भङ्कतास्मि | भङ्कतास्वः | भङ्कतास्मः |
| भ० भङ्क्ष्यति | भङ्क्ष्यतः | भङ्क्ष्यन्ति |
| भङ्क्ष्यसि | भङ्क्ष्यथः | भङ्क्ष्यथ |
| भङ्क्ष्यामि | भङ्क्ष्यावः | भङ्क्ष्यामः |
| क्रि० अभङ्क्ष्यत् | अभङ्क्ष्यताम् | अभङ्क्ष्यन् |
| अभङ्क्ष्यः | अभङ्क्ष्यतम् | अभङ्क्ष्यत |
| अभङ्क्ष्यम् | अभङ्क्ष्याव | अभङ्क्ष्याम |

1487 भुजंप् (भुञ्) पालनाभ्यवहारयोः

अभ्यवहारो भोजनम् । तत्र पालने 15

| | | |
|------------------|----------------|---------------------|
| व० भुनक्ति | भुङ्कतः | भुञ्जन्ति |
| भुनक्षि | भुङ्कथः | भुङ्कथ |
| भुनज्मि | भुञ्जवः | भुञ्जमः |
| स० भुञ्ज्यात् | भुञ्ज्याताम् | भुञ्ज्युः |
| भुञ्ज्याः | भुञ्ज्याताम् | भुञ्ज्यात |
| भुञ्ज्याम् | भुञ्ज्याव | भुञ्ज्याम |
| प० भुनक्तु | भुङ्कतात् | भुङ्कताम् भुञ्जन्तु |
| भुङ्गिध | भुङ्कतात् | भुङ्कतम् भुङ्कत |
| भुनजानि | भुनजाव | भुनजाम |
| ह० अभुनक्ताम् | अभुङ्कताम् | अभुञ्जन् |
| अभुनक्ताम् | अभुङ्कतम् | अभुङ्कत |
| अभुनजम् | अभुञ्जव | अभुञ्जम |
| अ० अभौक्षीत् | अभौकताम् | अभौक्षुः |
| अभौक्षीः | अभौकतम् | अभौकत |
| अभौक्षम् | अभौक्षव | अभौक्षम |
| प० वुभोज | वुभुजतुः | वुभुजुः |
| वुभोजिथ | वुङ्कथुः | वुभुज |
| वुभोज | वुभुजिव | वुभुजिम |
| आ० भुञ्ज्यात् | भुञ्ज्यास्ताम् | भुञ्ज्यासुः |
| भुञ्ज्याः | भुञ्ज्यास्तम् | भुञ्ज्यास्त |
| भुञ्ज्यासम् | भुञ्ज्यास्व | भुञ्ज्यास्म |
| श्व० भोक्ता | भोक्तारौ | भोक्तारः |
| भोक्तासि | भोक्तास्थः | भोक्तास्थ |
| भोक्तास्मि | भोक्तास्वः | भोक्तास्मः |
| भ० भोक्ष्यति | भोक्ष्यतः | भोक्ष्यन्ति |
| भोक्ष्यसि | भोक्ष्यथः | भोक्ष्यथ |
| भोक्ष्यामि | भोक्ष्यावः | भोक्ष्यामः |
| क्रि० अभोक्ष्यत् | अभोक्ष्यताम् | अभोक्ष्यन् |
| अभोक्ष्यः | अभोक्ष्यतम् | अभोक्ष्यत |
| अभोक्ष्यम् | अभोक्ष्याव | अभोक्ष्याम |

प्राणादन्यत्र भुनज इत्यात्मने पदे

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० भुङ्क्ते | भुञ्जाते | भुञ्जते |
| भुङ्क्षे | भुञ्जाथे | भुङ्गध्वे |
| भुञ्जे | भुञ्ज्वहे | भुञ्जमहे |
| स० भुञ्जीत | भुञ्जीयाताम् | भुञ्जीरन् |
| भुञ्जीथाः | भुञ्जीयाथाम् | भुञ्जीध्वम् |
| भुञ्जीय | भुञ्जीवहि | भुञ्जीमहि |
| प० भुङ्क्ताम् | भुञ्जाताम् | भुञ्जताम् |
| भुङ्क्ष्व | भुञ्जाथाम् | भुङ्गध्वम् |
| भुनज | भुनजावहे | भुनजामहे |
| ह्य० अभुङ्क्त | अभुञ्जाताम् | अभुञ्जत |
| अभुङ्क्थाः | अभुञ्जाथाम् | अभुङ्गध्वम् |
| अभुञ्जि | अभुञ्ज्वहि | अभुञ्जमहि |
| अ० अभुक्त | अभुक्ताताम् | अभुक्षन् |
| अभुक्थाः | अभुक्ताथाम् | अभुङ्गध्वम् |
| अभुक्षि | अभुक्ष्वहि | अभुक्षमहि |
| प० वृभुजे | वृभुजाते | वृभुजिरे |
| वृभुजिवे | वृभुजाथे | वृभुजिध्वे |
| वृभुजे | वृभुजिवहे | वृभुजिमहे |
| आ० भुक्षीष्ट | भुक्षीयास्ताम् | भुक्षीरन् |
| भुक्षीष्टाः | भुक्षीयास्थाम् | भुक्षीध्वम् |
| भुक्षीय | भुक्षीवहि | भुक्षीमहि |
| प्र० भोक्ता | भोक्तारो | भोक्तारः |
| भोक्तासे | भोक्तासाथे | भोक्ताध्वे |
| भोक्ताहे | भोक्तास्वहे | भोक्तास्महे |
| भ० भोक्ष्यते | भोक्ष्येते | भोक्ष्यन्ते |
| भोक्ष्यसे | भोक्ष्येथे | भोक्ष्यध्वे |
| भोक्ष्ये | भोक्ष्यावहे | भोक्ष्यामहे |
| क्रि० अभोक्ष्यत | अभोक्ष्येताम् | अभोक्ष्यन्त |
| अभोक्ष्यथाः | अभोक्ष्येथाम् | अभोक्ष्यध्वम् |
| अभोक्ष्ये | अभोक्ष्यावहि | अभोक्ष्यामहि |

1488 अञ्जौ (अञ्ज) व्यक्ति-

प्रक्षणाकान्तिगतिषु ।

व्यक्तिः प्रकटता, प्रक्षणं वृतादिसेकः ।

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| वः अनक्ति | अङ्क्तः | अञ्जन्ति |
| अनक्षि | अङ्क्थः | अङ्क्थ |
| अनञ्जि | अञ्ज्वः | अञ्जम् |
| स० अञ्ज्यात् | अञ्ज्याताम् | अञ्ज्युः |
| अञ्ज्याः | अञ्ज्यातम् | अञ्ज्यात |
| अञ्ज्याम् | अञ्ज्याव | अञ्ज्याम |
| प० अनक्तु | अङ्क्तात् | अङ्क्ताम् |
| अङ्ग्धि | अङ्क्तात् | अङ्क्तम् |
| अनजानि | अनजाव | अनजाम |
| ह्य० आनक् | आनग् | आङ्क्ताम् |
| आनक् | आनग् | आङ्क्ताम् |
| आनजम् | आञ्ज्व | आञ्जम् |
| अ० आञ्जीत् | आञ्जिषाम् | आञ्जिषुः |
| आञ्जीः | आञ्जिषम् | आञ्जिष |
| आञ्जिषम् | आञ्जिष्व | आञ्जिषम् |
| प० आनञ्ज | आनञ्जतुः | आनञ्जुः |
| आनञ्जिथ | आनञ्जथुः | आनञ्ज |
| आनञ्ज | आनञ्जिष्व | आनञ्जिष |
| आ० अञ्यात् | अञ्यास्ताम् | अञ्यसुः |
| अञ्याः | अञ्यास्तम् | अञ्यास्त |
| अञ्यासम् | अञ्यास्व | अञ्यास्म |
| प्र० अञ्जिता | अञ्जितारो | अञ्जितारः |
| अञ्जितासि | अञ्जितास्थः | अञ्जितास्थ |
| अञ्जितास्मि | अञ्जितास्वः | अञ्जितास्मः |
| अङ्क्ता | अङ्क्तारो | अङ्क्तारः |
| अ० अञ्जिष्यति | अञ्जिष्यतः | अञ्जिष्यन्ति |
| अञ्जिष्यसि | अञ्जिष्यथः | अञ्जिष्यथ |
| अञ्जिष्यामि | अञ्जिष्यावः | अञ्जिष्यामः |
| अङ्क्ष्यति | अङ्क्ष्यतः | अङ्क्ष्यन्ति |
| क्रि० आञ्जिष्यत् | आञ्जिष्यताम् | आञ्जिष्यन् |
| आञ्जिष्यः | आञ्जिष्यतम् | आञ्जिष्यत |
| आञ्जिष्यम् | आञ्जिष्याव | आञ्जिष्याम |
| आङ्क्ष्यत् | आङ्क्ष्यताम् | आङ्क्ष्यन् |

1489 ओविज्ज् भयचलनयोः 17

ब० विनक्ति विङ्कतः विङ्कन्ति
 विनक्षि विङ्कथः विङ्कथ
 विनज्मि विङ्कवः विङ्कमः

स० विङ्ज्यात् विङ्ज्याताम् विङ्ज्युः
 विङ्ज्याः विङ्ज्यातम् विङ्ज्यात
 विङ्ज्याम् विङ्ज्याव विङ्ज्याम

प० विनक्तु विङ्क्तात् विङ्क्ताम् विङ्जन्तु
 विङ्ग्धि विङ्क्तात् विङ्कम् विङ्क
 विनजानि विनजाव विनजाम

ह्य० अविनक् अविनग् अविङ्क्ताम् अविङ्जन्
 अविनक् अविनग् अविङ्कम् अविङ्क
 अविनजम् अविङ्कव अविङ्कम

अ० अविजोत् अविजिष्टाम् अविजिषुः
 अविजीः अविजिष्टम् अविजिष्ट
 अविजिषम् अविजिष्व अविजिषम

प० विवेज विविजतुः विविजुः
 विविजिथ विविजथुः विविज
 विवेज विविजिव विविजिम

आ० विज्यात् विज्यास्ताम् विज्यासुः
 विज्याः विज्यास्तम् विज्यास्त
 विज्यासम् विज्यास्व विज्यासम

इ० विजिता विजितारौ विजितारः
 विजितासि विजितास्थः विजितास्थ
 विजितास्मि विजितास्वः विजितास्मः

भ० विजिष्यति विजिष्यतः विजिष्यन्ति
 विजिष्यसि विजिष्यथः विजिष्यथ
 विजिष्यामि विजिष्यावः विजिष्यामः

क्रि० अविजिष्यन् अविजिष्यताम् अविजिष्यन्
 अविजिष्यः अविजिष्यतम् अविजिष्यत
 अविजिष्यम् अविजिष्याव अविजिष्याम

अथ तान्तः सेट् च

1480 कृतैर् (कृत्) वेष्टने 18

ब० कृणस्ति कृन्तः कृन्तन्ति
 कृणस्ति कृन्तयः कृन्तथ
 कृणस्मि कृन्तवः कृन्तमः

स० कृन्त्यात् कृन्त्याताम् कृन्त्युः
 कृन्त्याः कृन्त्यातम् कृन्त्यात
 कृन्त्याम् कृन्त्याव कृन्त्याम

प० कृणतु कृन्तात् कृन्ताम् कृन्तन्तु
 कृन्दि कृन्तात् कृन्तम् कृन्त
 कृणतानि कृणताव कृणताम

ह्य० अकृणत्-णद् अकृन्ताम् अकृन्तन्
 अकृणत्-णद् अकृन्तम् अकृन्त
 अकृणतम् अकृन्तव अकृन्तम

अ० अकर्त्तात् अकर्त्तिष्टाम् अकर्त्तिषुः
 अकर्त्ताः अकर्त्तिष्टम् अकर्त्तिष्ट
 अकर्त्तिषम् अकर्त्तिष्व अकर्त्तिषम

प० चकर्त् चकृतुः चकृतुः
 चकर्त्तिथ चकृतथुः चकृत
 चकर्त् चकृतिव चकृतिम

आ० कृत्यात् कृत्यास्ताम् कृत्यासुः
 कृत्याः कृत्यास्तम् कृत्यास्त
 कृत्यासम् कृत्यास्व कृत्यासम

श्व० कर्त्तिता कर्त्तितारौ कर्त्तितारः
 कर्त्तितासि कर्त्तितस्थः कर्त्तितस्थ
 कर्त्तितास्मि कर्त्तितस्वः कर्त्तितस्मः

भ० कर्त्तिष्यति कर्त्तिष्यतः कर्त्तिष्यन्ति
 कर्त्तिष्यसि कर्त्तिष्यथः कर्त्तिष्यथ
 कर्त्तिष्यामि कर्त्तिष्यावः कर्त्तिष्यामः

क्रि० अकर्त्तिष्यत् अकर्त्तिष्यताम् अकर्त्तिष्यन्
 अकर्त्तिष्यः अकर्त्तिष्यतम् अकर्त्तिष्यत
 अकर्त्तिष्यम् अकर्त्तिष्याव अकर्त्तिष्याम
 अकर्त्त्यत् अकर्त्त्यताम् अकर्त्त्यन् इ०

अथ दान्तः सेट् च

1491 उन्दैप् (उन्द्) क्लेदने 19

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | उनत्ति | उन्तः | उन्दन्ति |
| | उनत्सि | उन्थः | उन्थ |
| | उनन्नि | उन्धः | उन्धम् |
| स० | उन्धात् | उन्धाताम् | उन्धुः |
| | उन्धाः | उन्धातम् | उन्धात |
| | उन्धाम् | उन्धाव | उन्धाम |
| प० | उनत्तु | उन्तात् | उन्ताम् |
| | उन्द्धि | उन्तात् | उन्तम् |
| | उनदानि | उनदाव | उनदाम |
| ह्य० | औनत्-नद् | औन्ताम् | औन्दन् |
| | औनत्, नद्, नः | औन्तम् | औन्त |
| | औन्दम् | औन्ध | औन्धम् |
| अ० | औन्दीत् | औन्दिष्टाम् | औन्दिषुः |
| | औन्दीः | औन्दिष्टम् | औन्दिष्ट |
| | औन्दिषम् | औन्दिष्व | औन्दिष्व |
| प० | उन्दाश्चकार | उन्दाश्चक्रुः | उन्दाश्चक्रुः |
| | उन्दाश्चकथं | उन्दाश्चक्रुः | उन्दाश्चक्रुः |
| | उन्दाश्चकार, कर | उन्दाश्चक्रुव | उन्दाश्चक्रुम |
| | उन्दाश्चभूष | । | उन्दाश्चास |
| आ० | उद्यात् | उद्यास्ताम् | उद्यासुः |
| | उद्याः | उद्यास्तम् | उद्यास्त |
| | उद्यासम् | उद्यास्व | उद्यास्म |
| भ्व० | उन्दिता | उन्दितारौ | उन्दिताः |
| | उन्दितासि | उन्दितास्थः | उन्दितास्थ |
| | उन्दितास्मि | उन्दितास्वः | उन्दितास्मः |
| भ० | उन्दिष्यति | उन्दिष्यतः | उन्दिष्यन्ति |
| | उन्दिष्यसि | उन्दिष्यथः | उन्दिष्यथ |
| | उन्दिष्यामि | उन्दिष्यावः | उन्दिष्यामः |
| क्रि० | औन्दिष्यत् | औन्दिष्यताम् | औन्दिष्यन् |
| | औन्दिष्यः | औन्दिष्यतम् | औन्दिष्यत |
| | औन्दिष्यम् | औन्दिष्याव | औन्दिष्याम |

अथ षान्तावनिटौ च

1492 शिष्टलृप् (शिष्) विशेषणे 20

विशेषणं गुणान्तरोत्पादनम् ।

| | | | |
|-------|---------------|--------------|-------------|
| व० | शिनष्टि | शिष्टः | शिषन्ति |
| | शिनक्षि | शिष्टः | शिष्ट |
| | शिनष्मि | शिष्टः | शिष्टम् |
| स० | शिष्यात् | शिष्याताम् | शिष्युः |
| | शिष्याः | शिष्यातम् | शिष्यात |
| | शिष्याम् | शिष्याव | शिष्याम |
| प० | शिनष्टु | शिष्टात् | शिष्टाम् |
| | शिष्टद्धि, णि | शिष्टम् | शिष्ट |
| | शिनषाणि | शिनषाव | शिनषाम |
| ह्य० | अशिनद्, नद् | अशिष्टाम् | अशिषन् |
| | अशिनद्, नद् | अशिष्टम् | अशिष्ट |
| | अशिनषम् | अशिष्व | अशिष्व |
| अ० | अशिषत् | अशिषताम् | अशिषन् |
| | अशिषः | अशिषतम् | अशिषत |
| | अशिषम् | अशिषाव | अशिषाम |
| प० | शिषोष | शिषिषत् | शिषिषुः |
| | शिषोषिथ | शिषिषथुः | शिषिष |
| | शिषोष | शिषिषिव | शिषिषिम |
| आ० | शिष्यात् | शिष्यास्ताम् | शिष्यासुः |
| | शिष्याः | शिष्यास्तम् | शिष्यास्त |
| | शिष्यासम् | शिष्यास्व | शिष्यास्म |
| भ्व० | शेष्टा | शेष्टारौ | शेष्टारः |
| | शेष्टासि | शेष्टास्थः | शेष्टास्थ |
| | शेष्टास्मि | शेष्टास्वः | शेष्टास्मः |
| भ० | शेक्ष्यति | शेक्ष्यतः | शेक्ष्यन्ति |
| | शेक्ष्यसि | शेक्ष्यथः | शेक्ष्यथ |
| | शेक्ष्यामि | शेक्ष्यावः | शेक्ष्यामः |
| क्रि० | अशेक्ष्यत् | अशेक्ष्यताम् | अशेक्ष्यन् |
| | अशेक्ष्यः | अशेक्ष्यतम् | अशेक्ष्यत |
| | अशेक्ष्यम् | अशेक्ष्याव | अशेक्ष्याम |

1493 पिष्टलृप् (पिष्ट) संचूर्णने 21

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ष० पिनष्टि | पिष्टः | पिषन्ति |
| पिनश्चि | पिष्टः | पिष्ट |
| पिनष्टिमे | पिष्टेवः | पिष्टमः |
| स० पिष्यात् | पिष्याताम् | पिष्युः |
| पिष्याः | पिष्यातम् | पिष्यात |
| पिष्याम | पिष्याव | पिष्याम |
| प० पिनष्टु | पिष्टात् | पिषन्तु |
| पिष्टुः | पिष्टात् | पिष्टम् |
| पिष्टम | पिष्टम् | पिष्ट |
| पिनषाणि | पिनषाव | पिनषाम |
| अ० अपिषत् | अपिषताम् | अपिषन् |
| अपिषः | अपिषतम् | अपिषत |
| अपिषम् | अपिषाव | अपिषाम |
| प० पिपेष | पिपिषतुः | पिपिषुः |
| पिपेषिथ | पिपिषथुः | पिपिष |
| पिपेषि | पिपिषिव | पिपिषिम |
| आ० पिष्यात् | पिष्यास्ताम् | पिष्यासुः |
| पिष्याः | पिष्यास्तम् | पिष्यास्त |
| पिष्याम | पिष्यास्व | पिष्याम |
| प्र० पेष्टा | पेष्टारौ | पेष्टारः |
| पेष्टासि | पेष्टास्थः | पेष्टास्था |
| पेष्टास्मि | पेष्टास्वः | पेष्टास्मः |
| भ० पेक्ष्यति | पेक्ष्यतः | पेक्ष्यन्ति |
| पेक्ष्यन्ति | पेक्ष्यतः | पेक्ष्यथा |
| पेक्ष्यामि | पेक्ष्यावः | पेक्ष्यामः |
| क्रि० अपेक्ष्यत् | अपेक्ष्यताम् | अपेक्ष्यन् |
| अपेक्ष्यः | अपेक्ष्यतम् | अपेक्ष्यत |
| अपेक्ष्यम् | अपेक्ष्याव | अपेक्ष्याम |

अष्टः सान्तः सेद च

1494 हिंसृप् (हिंसृ) हिंसायाम् 22

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० हिनस्ति | हिंस्रः | हिंसन्ति |
| हिनस्ति | हिंस्रः | हिंस्र |
| हिनस्मि | हिंस्रः | हिंस्रमः |
| स० हिंस्यात् | हिंस्याताम् | हिंस्युः |
| हिंस्याः | हिंस्यातम् | हिंस्यात |
| हिंस्याम | हिंस्याव | हिंस्याम |
| प० हिनस्तु | हिंस्तात् | हिंसन्तु |
| हिंस्रुः | हिंस्तात् | हिंस्रम् |
| हिंस्रम | हिंस्रम् | हिंस्र |
| अ० अहिंसत् | अहिंस्ताम् | अहिंसन् |
| अहिंसः | अहिंसतम् | अहिंसत |
| अहिंसम् | अहिंसाव | अहिंसाम |
| अ० अहिंसीत् | अहिंसिताम् | अहिंसिषुः |
| अहिंसीः | अहिंसितम् | अहिंसित |
| अहिंसिषम् | अहिंसिष्व | अहिंसिषम |
| प० जिहिंस | जिहिंसतुः | जिहिंसुः |
| जिहिंसिथ | जिहिंसथुः | जिहिंस |
| जिहिंसि | जिहिंसिव | जिहिंसिम |
| आ० हिंस्यात् | हिंस्यास्ताम् | हिंस्यासुः |
| हिंस्याः | हिंस्यास्तम् | हिंस्यास्त |
| हिंस्याम | हिंस्यास्व | हिंस्याम |
| प्र० हिंसिता | हिंसितारौ | हिंसितारः |
| हिंसितासि | हिंसितास्थः | हिंसितास्था |
| हिंसितास्मि | हिंसितास्वः | हिंसितास्मः |
| भ० हिंसिष्यति | हिंसिष्यतः | हिंसिष्यन्ति |
| हिंसिष्यन्ति | हिंसिष्यतः | हिंसिष्यथा |
| हिंसिष्यामि | हिंसिष्यावः | हिंसिष्यामः |
| क्रि० अहिंसिष्यत् | अहिंसिष्यताम् | अहिंसिष्यन् |
| अहिंसिष्यः | अहिंसिष्यतम् | अहिंसिष्यत |
| अहिंसिष्यम् | अहिंसिष्याव | अहिंसिष्याम |

॥ अथ हान्तः सेट् च ॥

1495 तृहप् (तृह्) हिंसायाम् 23

| | | | |
|-------|--------------|---------------|------------------|
| व० | तृणेहि | तृण्डः | तृहन्ति |
| | तृणेशि | तृण्डः | तृण्ड |
| | तृणेशि | तृहः | तृहः |
| स० | तृह्यात् | तृह्यास्ताम् | तृह्युः |
| | तृह्याः | तृह्यातम् | तृह्यात |
| | तृह्याम् | तृह्याव | तृह्याम |
| प० | तृणेडु | तृण्डात् | तृण्डाम् तृहन्तु |
| | तृण्ड | ,, | तृण्डम् तृण्ड |
| | तृणहानि | तृणहाव | तृणहाम |
| झ० | अतृणेड्-णेड् | अतृण्डाम् | अतृहन् |
| | अतृणेड्-,, | अतृण्डम् | अतृण्ड |
| | अतृण्डम् | अतृह | अतृह |
| अ० | अतर्हि | अतर्हिष्टाम् | अतर्हिषुः |
| | अतर्हिः | अतर्हिष्टम् | अतर्हिष्ट |
| | अतर्हिषम् | अतर्हिष्य | अतर्हिष्यम् |
| प० | ततर्ह | ततर्हत्तुः | ततर्हुः |
| | ततर्हिथ | ततर्हथुः | ततर्ह |
| | ततर्ह | ततर्हिथ | ततर्हिम |
| आ० | तृह्यात् | तृह्यास्ताम् | तृह्यासुः |
| | तृह्याः | तृह्यास्तम् | तृह्यास्त |
| | तृह्यासम् | तृह्यास्व | तृह्यास्म |
| श्व० | तर्हिता | तर्हितारौ | तर्हितारः |
| | तर्हितासि | तर्हितास्थः | तर्हितास्थ |
| | तर्हितास्मि | तर्हितास्व | तर्हितास्मः |
| भ० | तर्हिष्यति | तर्हिष्यतः | तर्हिष्यन्ति |
| | तर्हिष्यसि | तर्हिष्यथः | तर्हिष्यथ |
| | तर्हिष्यामि | तर्हिष्यावः | तर्हिष्यामः |
| क्रि० | अतर्हिष्यत् | अतर्हिष्यताम् | अतर्हिष्यन् |
| | अतर्हिष्यः | अतर्हिष्यतम् | अतर्हिष्यत |
| | अतर्हिष्यम् | अतर्हिष्याव | अतर्हिष्याम |

॥ इति परस्मैपदिनः ॥

॥ अथात्मनेपदिषु झन्तावनिटौ च ॥

1496 खिदिप् (खिद्) दैन्ये । 24

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | खिन्ते | खिन्दाते | खिन्दते |
| | खिन्तसे | खिन्दाथे | खिन्ध्वे |
| | खिन्दे | खिन्द्रहे | खिन्महे |
| स० | खिन्दीत | खिन्दीयाताम् | खिन्दीरन् |
| | खिन्दीथाः | खिन्दीयाथाम् | खिन्दीध्वम् |
| | खिन्दीय | खिन्दीवहि | खिन्दीमहि |
| प० | खिन्ताम् | खिन्दाताम् | खिन्दताम् |
| | खिन्स्व | खिन्दाथाम् | खिन्ध्वम् |
| | खिनदै | खिनदावहे | खिनदामहे |
| झ० | अखिन्त | अखिन्दाताम् | अखिन्दत |
| | अखिन्थाः | अखिन्दाथाम् | अखिन्ध्वम् |
| | अखिन्दि | अखिन्द्वाहि | अखिन्महि |
| अ० | अखित्त | अखित्ताताम् | अखित्सव |
| | अखित्थाः | अखित्ताथाम् | अखिध्वम् |
| | | | द्वध्वम् |
| | अखित्सि | अखिन्स्वाहि | अखित्समहि |
| प० | चिखिदे | चिखिदाते | चिखिदिरे |
| | चिखिदिषे | चिखिदाथे | चिखिदिध्वे |
| | चिखिदे | चिखिदिवाहे | चिखिदिमहे |
| आ | खित्सीष्ट | खित्सीयास्ताम् | खित्सोरन् |
| | खित्सीष्टाः | खित्सीयाथाम् | खित्सीध्वम् |
| | खित्सीय | खित्सीवहि | खित्सीमहि |
| श्व० | खेत्ता | खेतारौ | खेतारः |
| | खेत्तासे | खेत्तासाथे | खेत्ताध्वे |
| | खेत्ताहे | खेत्तास्वहे | खेत्तास्महे |
| भ० | खेत्स्यते | खेत्स्येते | खेत्स्यन्ते |
| | खेत्स्यसे | खेत्स्येथे | खेत्स्यध्वे |
| | खेत्स्ये | खेत्स्यावहे | खेत्स्यामहे |
| क्रि० | अखेत्स्यत | अखेत्स्येताम् | अखेत्स्यन्त |
| | अखेत्स्यथाः | अखेत्स्येथाम् | अखेत्स्यध्वम् |
| | अखेत्स्ये | अखेत्स्यावहि | अखेत्स्यामहि |

1497 विदिप् (विद्) विचारणे 25

| | | |
|--------------|----------------|----------------------|
| व० विन्ते | विन्दाते | विन्दते |
| विन्तसे | विन्दाथे | विन्दध्वे |
| विन्दे | विन्द्वहे | विन्दमहे |
| स० विन्दीत | विन्दीयाताम् | विन्दीरन् |
| विन्दीथाः | विन्दीयाथाम् | विन्दीध्वम् |
| विन्दीय | विन्दीवहि | विन्दीमहि |
| प० विन्ताम् | विन्दाताम् | विन्दताम् |
| विन्तस्व | विन्दाथाम् | विन्दध्वम् |
| विन्द | विन्दावहे | विन्दामहे |
| झ० अविन्त | अविन्दाताम् | अविन्दत |
| अविन्थाः | अविन्दाथाम् | अविन्दध्वम् |
| अविन्दि | अविन्द्वहि | अविन्दमहि |
| अ० अविन्त | अविन्ताताम् | अविन्तत |
| अविन्थाः | अविन्ताथाम् | अविन्दध्वम्-द्वध्वम् |
| अविन्ति | अविन्तवहि | अविन्तमहि |
| प० विविदे | विविदाते | विविदिरे |
| विविदिषे | विविदाथे | विविदिध्वे |
| विविदे | विविद्वहे | विविदिमहे |
| आ० वित्सीष्ट | वित्सीयास्ताम् | वित्सीरन् |
| वित्सीषाः | वित्सीयास्ताम् | वित्सीध्वम् |
| वित्सीय | वित्सीवहि | वित्सीमहि |
| श्व० वेत्ता | वेत्तारो | वेत्तारः |
| वेत्तासे | वेत्तासाथे | वेत्ताध्वे |
| वेत्ताहे | वेत्तास्वहे | वेत्तास्महे |
| भ० वेत्स्यते | वेत्स्येते | वेत्स्यन्ते |
| वेत्स्यसे | वेत्स्येथे | वेत्स्यध्वे |
| वेत्स्ये | वेत्स्यावहे | वेत्स्यामहे |
| अवेत्स्यत | अवेत्स्येताम् | अवेत्स्यन्त |
| अवेत्स्यथाः | अवेत्स्येथाम् | अवेत्स्यध्वम् |
| अवेत्स्ये | अवेत्स्यावहि | अवेत्स्यामहि |

॥ अथ धान्तः सेह च ॥

1498 विङ्भैपि (इन्ध) दीप्तौ 26

| | | |
|--|-----------------|----------------|
| व० इन्धे | इन्धाते | इन्धते |
| इन्तसे | इन्धाथे | इन्धध्वे |
| इन्धे | इन्ध्वहे | इन्धमहे |
| स० इन्धीत | इन्धीयाताम् | इन्धीरन् |
| इन्धीथाः | इन्धीयाथाम् | इन्धीध्वम् |
| इन्धीय | इन्धीवहि | इन्धीमहि |
| प० इन्धाम् | इन्धाताम् | इन्धताम् |
| इन्तस्व | इन्धाथाम् | इन्धध्वम् |
| इन्धै | इन्धावहे | इन्धामहे |
| झ० ऐन्ध | ऐन्धाताम् | ऐन्धत |
| ऐन्धाः | ऐन्धाथाम् | ऐन्धध्वम् |
| ऐन्धि | ऐन्ध्वहि | ऐन्धमहि |
| अ० ऐन्धिष्ट | ऐन्धिषाताम् | ऐन्धिषत |
| ऐन्धिष्ठाः | ऐन्धिषाथाम् | ऐन्धिषध्वम् |
| ऐन्धिषि | ऐन्धिष्वहि | ऐन्धिषमहि |
| प० इन्धाश्चके | इन्धाश्चकाते | इन्धाश्चकिरे |
| इन्धाश्चकृषे | इन्धाश्चकाथे | इन्धाश्चकृध्वे |
| इन्धाश्चके | इन्धाश्चकृवहे | इन्धयाश्चकृमहे |
| इन्धाम्बभूव । | इन्धामास | |
| सम्पूर्वकस्य तु वा-समिन्धांचके समिन्धांचकाते | | |
| समिन्धांचकिरे इत्यादि । | | |
| समिन्धाम्बभूव । समिन्धामास | | |
| आ० इन्धिषीष्ट | इन्धिषीयास्ताम् | इन्धिषीरन् |
| इन्धिषीष्ठाः | इन्धिषीयास्ताम् | इन्धिषीध्वम् |
| इन्धिषीय | इन्धिषीवहि | इन्धिषीमहि |
| प्रव० इन्धिता | इन्धितारो | इन्धितारः |
| इन्धितासे | इन्धितासाथे | इन्धिताध्वे |
| इन्धिताहे | इन्धितास्वहे | इन्धितास्महे |
| भ० इन्धिष्यते | इन्धिष्येते | इन्धिष्यन्ते |
| इन्धिष्यसे | इन्धिष्येथे | इन्धिष्यध्वे |
| इन्धिष्ये | इन्धिष्यावहे | इन्धिष्यामहे |
| क्रि० ऐन्धिष्यत | ऐन्धिष्येताम् | ऐन्धिष्यन्त |
| ऐन्धिष्यथाः | ऐन्धिष्येथाम् | ऐन्धिष्यध्वम् |
| ऐन्धिष्ये | ऐन्धिष्यावहि | ऐन्धिष्यामहि |
| ॥ इति आत्मनेभाषाः ॥ | | |

ॐ मत्तपोगगनाङ्गणगगनमणि सार्वसार्वज्ञशासनसावेभौम — तीर्थरक्षण -
 परायण -- विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक - सविग्नशाखीय - आचार्य -
 षूडामणि -- अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिपूरीश्वरचरणेन्दिरा -
 मन्दिरेन्दिरायमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचिते धातु -
 रत्नाकरे प्रतिकरणः गिट्ट्यादिगणः सम्पूर्णः ॥

॥ अथ तनादय उविकरणा वर्णक्रमेण प्रदर्श्यन्ते ।
 तत्रोभयपदिष्वादौ नान्ताः सप्त सेटश्च ॥

1499 तनूयी (तन्) बिस्तारे
 । यिष्वं तनादित्वज्ञापनार्थम् ।

त० तनोति तनुतः तन्वस्ति
 तनोषि तनुथः तनुथ
 तनोमि तन्वः तनुवः तन्मः तनुमः

स० तनुयात् तनुयाताम् तनुयुः
 तनुयाः तनुयातम् तनुयात
 तनुयाम् तनुयाव तनुयाम

प० तनोतु तनुतात् तनुताम् तन्वन्तु
 तनु तनुतात् तनुतम् तनुत
 तनवानि तनवाव तनवाम

अ० अतनोत् अतनुताम् अतन्वन्
 अतनोः अतनुतम् अतनुत
 अतनवम् अतन्व अतन्म
 अतनुव अतनुम

अ० अतानीत् अतानिष्टम् अतानिषुः
 अतानीः अतानिष्टम् अतानिष्ट
 अतानिषम् अतानिष्व अतानिषम्

अतनीत् अतनिष्टम् अतनिषुः
 अतनीः अतनिष्टम् अतनिष्ट
 अतनिषम् अतनिष्व अतनिषम्

प० तनान तेनतुः तेनुः
 तेनिथ तेनथुः तेन
 तनान तनन तेनिव तेनिम

आ० तन्यात् तन्यास्ताम् तन्यासुः
 तन्याः तन्यास्तम् तन्यास्त
 तन्यासम् तन्यास्व तन्याम्

ध्व० तनिता तनितारौ तनितारः
 तनितासि तनितास्थः तनितास्थ
 तनितास्मि तनितास्वः तनितास्मः

भ० तनिष्यति तनिष्यतः तनिष्यन्ति
 तनिष्यमि तनिष्यथः तनिष्यथ
 तनिष्यामि तनिष्यावः तनिष्यामः

क्रि० अतनिष्यत् अतनिष्यताम् अतनिष्यन्
 अतनिष्यः अतनिष्यतम् अतनिष्यत
 अतनिष्यम् अतनिष्याव अतनिष्याम

व० तनुते तन्वाते तन्वते
तनुषे तन्वाथे तनुध्वे
तन्वे तन्वहे तनुवहे तन्महे तनुमहे

स० तन्वीत तन्वीयानाम् तन्वीरन्
तन्वीथाः तन्वीयाथाम् तन्वीध्वम्
तन्वीय तन्वीवहि तन्वीमहि

प० तनुताम् तन्वाताम् तन्वताम्
तनुष्व तन्वाथाम् तनुध्वम्
तनवै तनवावहे तनवामहे

झ० अतनुत अतन्वाताम् अतन्वत
अतनुथाः अतन्वाथाम् अतनुध्वम्
अतन्वि अतन्वहि अतन्महि
अतनुवहि अतनुमहि

अ० अतत अतनिष्ट अतनिषाताम् अतनिषत
अतथाः अतनिष्ठाः अतनिषाताम्
अतनिड्डूवम् अतनिध्वम्
अतनिषि अतनिष्वहि अतनिष्महि

प० तेने तेनाते तेनिरे
तेनिषे तेनाथे तेनिध्वे
तेने तेनिवहे तेनिमहे

आ० तनिषीष्ट तनिषीयास्ताम् तनिषीरन्
तनिषीष्ठाः तनिषीयास्थाम् तनिषीध्वम्
तनिषीय तनिषीवहि तनिषीमहि

ध्व० तनिता तनितारौ तनितारः
तनितासे तनितासाथे तनिताध्वे
तनिताहे तनितास्वहे तनितास्महे

भ० तनिष्यते तनिष्येते तनिष्यन्ते
तनिष्यसे तनिष्येथे तनिष्यध्वे
तनिष्ये तनिष्यावहे तनिष्यामहे

क्रि० अतनिष्यत अतनिष्येताम् अतनिष्यन्त
अतनिष्यथाः अतनिष्येथाम् अतनिष्यध्वम्
अतनिष्ये अतनिष्यावहि अतनिष्यामहि

1500 षण्णयी (सन्) दाने । 2

व० सनोति सनुतः सन्वन्ति
सनोषि सनुथः सनुथ
सनोमि सन्वः सनुवः सन्मः सनुमः

स० सनुयात् सनुयाताम् सनुयुः
सनुयाः सनुयातम् सनुयात
सनुयाम् सनुयाव सनुयाम

प० सनोतु सनुतात् सनुताम् सन्वन्त
सनु सनुतात् सनुतम् सनुत
सनवानि सनवाव सनवाम

झ० असनोत् असनुताम् असन्वन्
असनोः असनुतम् असनुत
असनवम् असन्व असन्म
असनुव असनुम

अ० असानीत् असानिष्टाम् असानिषुः
असानीः असानिष्टम् असानिष्ट
असानिषम् असानिष्व असानिष्म
असनोत् असनिष्टाम् असनिषुः इ०

प० ससान सेनतुः सेनुः
सेनिथ सेनथुः सेन
ससान ससन सेनिष सेनिम

आ० सन्यात् सन्यास्ताम् सन्यासुः
सन्याः सन्यास्तम् सन्यास्त
सन्यासम् सन्यास्व सन्यास्म

ध्व० सनिता सनितारौ सनितारः
सनितासि सनितास्थ सनितास्थ
सनितास्मि सनितास्वः सनितास्मः

भ० सनिष्यति सनिष्यतः सनिष्यन्ति
सनिष्यसि सनिष्यथः सनिष्यथ
सनिष्यामि सनिष्यावः सनिष्यामः

क्रि० असनिष्यत असनिष्यताम् असनिष्यन्
असनिष्यः असनिष्यतम् असनिष्यत
असनिष्यम् असनिष्याव असनिष्याम

ब० सनुते सन्वाते सन्वते
 सनुषे सन्वाथे सनुष्वे
 सन्वे सनुवहे सन्वहे सनुमहे सन्महे
 स० सन्धीत सन्धीयाताम् सन्धीरन्
 सन्धीथाः सन्धीयाथाम् सन्धीष्वम्
 सन्धीय सन्धीषहि सन्धीमहि
 प० सनुताम् सन्वाताम् सन्वताम्
 सनुष्व सन्वाथाम् सनुष्वम्
 सनवे सनवाधहै सनवामहै
 झ० असनुत असन्वाताम् असन्वत
 असनुथाः असन्वाथाम् असनुष्वम्
 असन्धि असन्धि असनुषहि
 असन्धि असनुमहि असन्महि
 असात असत असनिष्ट असनिषताम् असनिषात
 असथाः असाथाः असनिष्ठाः असनिषाथाम्
 असनिषि असनिष्वहि असनिष्महि
 प० सेने सेनाते सेनिरे
 सेनिषे सेनाथे सेनिष्वे
 सेने सेनिषहे सेनिमहे
 आ० सनिषीष्ट सनिषीयाताम् सनिषीरन्
 सनिषीष्ठाः सनिषीयाताम् सनिषीष्वम्
 सनिषीय सनिषीषहि सनिषीमहि
 प्र० सनिता सनितारौ सनितारः
 सनितासे सनितासाथे सनिताध्वे
 सनिताहे सनितास्वहे सनितास्महे
 भ० सनिष्यते सनिष्येते सनिष्यन्ते
 सनिष्यसे सनिष्येथे सनिष्यध्वे
 सनिष्ये सनिष्यावहे सनिष्यामहे
 क्रि० असनिष्यत असनिष्येताम् असनिष्यन्त
 असनिष्यथाः असनिष्येथाम् असनिष्यध्वम्
 असनिष्ये असनिष्यावहि असनिष्यामहि

1501 क्षणूयी (क्षण्) द्विसायाम् 3

ब० क्षणोति क्षणुतः क्षणवन्ति
 क्षणोषि क्षणुथः क्षणुथ
 क्षणोमि क्षणुवः क्षणवः क्षणुमः क्षणमः
 स० क्षणुयात् क्षणुयाताम् क्षणुयुः
 क्षणुयाः क्षणुयातम् क्षणुयात
 क्षणुयाम् क्षणुयाव क्षणुयाम
 प० क्षणोतु क्षणुतात् क्षणुताम् क्षणवन्तु
 क्षणु क्षणुतात् क्षणुतम् क्षणुत
 क्षणवानि क्षणवाव क्षणवाम
 झ० अक्षणोत् अक्षणुताम् अक्षणवन्
 अक्षणोः अक्षणुनम् अक्षणुन
 अक्षणवम् अक्षणुव अक्षणव अक्षणुम अक्षणम
 अ० अक्षणीत् अक्षणिताम् अक्षणिषुः
 अक्षणीः अक्षणिष्टम् अक्षणिष्ट
 अक्षणिषम् अक्षणिष्व अक्षणिषम्
 प० चक्षाण चक्षाणुतः चक्षाणुः
 चक्षाणिथ चक्षाणुथः चक्षाण
 चक्षाण चक्षाण चक्षाणिष चक्षाणिम
 आ० क्षणुयात् क्षणुयाताम् क्षणुयासुः
 क्षणुयाः क्षणुयातम् क्षणुयात
 क्षणुयासम् क्षणुयाव क्षणुयाम
 प्र० क्षणिता क्षणितारौ क्षणितारः
 क्षणितासि क्षणितास्थः क्षणितास्थ
 क्षणितास्मि क्षणितास्वः क्षणितास्मः
 भ० क्षणिष्यति क्षणिष्यतः क्षणिष्यन्ति
 क्षणिष्यसि क्षणिष्यथः क्षणिष्यथ
 क्षणिष्यामि क्षणिष्यावः क्षणिष्यामः
 क्रि० अक्षणिष्यत् अक्षणिष्यताम् अक्षणिष्यन्
 अक्षणिष्यः अक्षणिष्यतम् अक्षणिष्यत
 अक्षणिष्यम् अक्षणिष्याव अक्षणिष्याम

व० क्षणुते क्षणवाते क्षणवते
 क्षणवे क्षणवथे क्षणव्वे क्षणवे
 क्षणवहे क्षणवहे क्षणमहे क्षणवहे
 स० क्षणोत क्षणोयाताम् क्षणोवरत्न
 क्षणोथाः क्षणोयाथाम् क्षणोवधम्
 क्षणोय क्षणोवहि क्षणोमहि
 प० क्षणताम् क्षणताम् क्षणताम्
 क्षणव क्षणवथाम् क्षणवम्
 क्षणवे क्षणववहे क्षणवमहे
 झ० अक्षणुत अक्षणवाताम् अक्षणवत
 अक्षणुथाः अक्षणवाथाम् अक्षणवधम्
 अक्षणव अक्षणवहि अक्षणवहि
 अक्षणमहि अक्षणमहि
 अ० अक्षत अक्षणिष्ट अक्षणिष्टाताम्
 अक्षणिषत् अक्षथाः अक्षणिष्टाः
 अक्षणिषाथाम् अक्षणिध्वम् अक्षणिडुह्वम्
 अक्षणिषि अक्षणिष्वहि अक्षणिष्महि
 प० चक्षणे चक्षणाते चक्षणिरे
 चक्षणिषे चक्षणाथे चक्षणिवे
 चक्षणे चक्षणिवहे चक्षणिमहे
 आ० क्षणिषीष्ट क्षणिषीयास्ताम् क्षणिषीरत्न
 क्षणिषीष्टाः क्षणिषीयास्थाम् क्षणिषीध्वम्
 क्षणिषीय क्षणिषीवहि क्षणिषीमहि
 श्व० क्षणिता क्षणितारौ क्षणितारः
 क्षणितासे क्षणितासाथे क्षणिताध्वे
 क्षणिताहे क्षणितावहे क्षणितास्महे
 भ० क्षणिष्यते क्षणिष्येते क्षणिष्यन्ते
 क्षणिष्यसे क्षणिष्येथे क्षणिष्यव्वे
 क्षणिष्ये क्षणिष्यावहे क्षणिष्यामहे
 कि० अक्षणिष्यत अक्षणिष्येताम् अक्षणिष्यन्त
 अक्षणिष्यथाः अक्षणिष्येथाम् अक्षणिष्यध्वम्
 अक्षणिष्ये अक्षणिष्यावहि अक्षणिष्यामहि
 रषृङ्गादिति नस्य पत्वं सर्वत्र ज्ञेयम्।

1502 क्षिणूयी (क्षिण्) हिक्कायाम् 4

व० क्षेणोति क्षेणुतः क्षेणवन्ति
 क्षेणोषि क्षेणुथः क्षेणुथ
 क्षेणोमि क्षेणुवः क्षेणवः क्षेणुमः क्षेणमः
 स० क्षेणयात् क्षेणयाताम् क्षेणुयुः
 क्षेणयाः क्षेणयातम् क्षेणयात्
 क्षेणयाम् क्षेणयाव क्षेणयाम
 प० क्षेणोतु क्षेणुनात् क्षेणुताम् क्षेणवन्तु
 क्षेणु क्षेणुतात् क्षेणुतम् क्षेणुत
 क्षेणवानि क्षेणवाव क्षेणवाम
 झ० अक्षेणोत् अक्षेणुनाम् अक्षेणवन्
 अक्षेणोः अक्षेणुतम् अक्षेणुन अक्षेणवम्
 अक्षेणुव अक्षेणव अक्षेणुम अक्षेणम
 अ० अक्षेणोत् अक्षेणिशाम् अक्षेणिषुः
 अक्षेणीः अक्षेणितम् अक्षेणिष्ठ
 अक्षेणिषम् अक्षेणिष्व अक्षेणिष्म
 प० चिक्षेण चिक्षिणुतः चिक्षिणुः
 चिक्षेणिथ चिक्षिणुथुः चिक्षिण
 चिक्षेण चिक्षिणिव चिक्षिणिम
 आ० क्षिण्यात् क्षिण्यास्ताम् क्षिण्यासुः
 क्षिण्याः क्षिण्यास्तम् क्षिण्यास्त
 क्षिण्यासम् क्षिण्यास्व क्षिण्यास्म
 झ० क्षेणिता क्षेणितारौ क्षेणितारः
 क्षेणितासि क्षेणितास्थः क्षेणितास्थ
 क्षेणितास्मि क्षेणितास्वः क्षेणितास्मः
 भ० क्षेणिष्यति क्षेणिष्यतः क्षेणिष्यन्ति
 क्षेणिष्यसि क्षेणिष्यथः क्षेणिष्यथ
 क्षेणिष्यामि क्षेणिष्यावः क्षेणिष्यामः
 कि० अक्षेणिष्यत् अक्षेणिष्यताम् अक्षेणिष्यन्
 अक्षेणिष्यः अक्षेणिष्यतम् अक्षेणिष्यत
 अक्षेणिष्यम् अक्षेणिष्याव अक्षेणिष्याम

| | | | |
|-------|--|------------------|------------------------------|
| व० | क्षेणुते | क्षेण्वाते | क्षेण्वते |
| | क्षेणुवे | क्षेण्वाथे | क्षेणुध्वे |
| | क्षेण्वं | क्षेणुवहे | क्षेण्वहे क्षेणुमहे क्षेणमहे |
| स० | क्षेण्वीत | क्षेण्वीयाताम् | क्षेण्वीरन् |
| | क्षेण्वीथाः | क्षेण्वीयाथाम् | क्षेण्वीध्वम् |
| | क्षेण्वीय | क्षेण्वीवहि | क्षेण्वीमहि |
| प० | क्षेणुताम् | क्षेण्वाताम् | क्षेण्वताम् |
| | क्षेणुन्व | क्षेण्वाथाम् | क्षेणुध्वम् |
| | क्षेण्वै | क्षेण्वावहे | क्षेण्वामहे |
| झ० | अक्षेणुत | अक्षेण्वाताम् | अक्षेण्वत |
| | अक्षेणुथाः | अक्षेण्वाथाम् | अक्षेणुध्वम् |
| | अक्षेण्वि | अक्षेणुवहि | अक्षेणुमहि-णमहि |
| अ० | अक्षितअक्षेणिष्ट | अक्षेणिषाताम् | अक्षेणिषत |
| | अक्षेणिष्ठाः | अक्षिथाः | अक्षेणिषाथाम् |
| | | अक्षेणिङ्द्वम् | ध्वम् |
| | अक्षेणिषि | अक्षेणिष्वहि | अक्षेणिष्महि |
| प० | चिक्षिणे | चिक्षिणते | चिक्षिणिरे |
| | चिक्षिणिषे | चिक्षिणाथे | चिक्षिणिध्वे |
| | चिक्षिणे | चिक्षिणिवहे | चिक्षिणिमहे |
| आ | क्षेणिषीष्ट | क्षेणिषीयास्ताम् | क्षेणिषीरन् |
| | क्षेणिषीष्ठाः | क्षेणिषीयास्थाम् | क्षेणिषीध्वम् |
| | क्षेणिषीय | क्षेणिषीवहि | क्षेणिषीमहि |
| प्र० | क्षेणिता | क्षेणितारौ | क्षेणितारः |
| | क्षेणितासे | क्षेणिताराथे | क्षेणितार्ध्वे |
| | क्षेणिताहे | क्षेणितार्वहे | क्षेणितास्महे |
| भ० | क्षेणिष्यते | क्षेणिष्येते | क्षेणिष्यन्ते |
| | क्षेणिष्यसे | क्षेणिष्येथे | क्षेणिष्यध्वे |
| | क्षेणिष्ये | क्षेणिष्यावहे | क्षेणिष्यामहे |
| क्रि० | अक्षेणिष्यत | अक्षेणिष्येताम् | अक्षेणिष्यन्त |
| | अक्षेणिष्यथाः | अक्षेणिष्येथाम् | अक्षेणिष्यध्वम् |
| | अक्षेणिष्ये | अक्षेणिष्यावहि | अक्षेणिष्यामहि |
| | संज्ञापूर्वको विधिरनित्य इति उन्निमतं गुणं | | नेच्छन्त्येके । |

1503 ऋण्यू (ऋण्) गतौ 5

| | | | |
|-------|-------------|--------------|--------------|
| व० | अर्णाति | अर्णुतः | अर्ण्वन्ति |
| | अर्णाषि | अर्णुथः | अर्णुथ |
| | अर्णांमि | अर्णुवः | अर्णुमः |
| स० | अर्णुयात् | अर्णुयाताम् | अर्णुयुः |
| | अर्णुयाः | अर्णुयातम् | अर्णुयात |
| | अर्णुयाम् | अर्णुयाव | अर्णुयाम |
| प० | अर्णुतु | अर्णुतात् | अर्णुताम् |
| | अर्णुहि | अर्णुतम् | अर्णुत |
| | अर्णवानि | अर्णवाव | अर्णवाम |
| झ० | आर्णात् | आर्णुताम् | आर्ण्वन् |
| | आर्णाः | आर्णुतम् | आर्णुत |
| | आर्ण्वम् | आर्णुव | आर्णुम |
| अ० | आर्णात् | आर्णिष्टाम् | आर्णिषुः |
| | आर्णाः | आर्णिष्टम् | आर्णिष्ट |
| | आर्णिषम् | आर्णिष्व | आर्णिष्म |
| प० | आनृणं | आनृणतुः | आनृणुः |
| | आनृणिथ | आनृणथुः | आनृण |
| | आनृणं | आनृणिव | आनृणिम |
| आ | ऋणुयात् | ऋणुयास्ताम् | ऋणुयासुः |
| | ऋणुयाः | ऋणुयास्तम् | ऋणुयास्त |
| | ऋणुयासम् | ऋणुयास्व | ऋणुयास्म |
| प्र० | अर्णिता | अर्णितारौ | अर्णितारः |
| | अर्णितासि | अर्णितास्थ | अर्णितास्थ |
| | अर्णितास्मि | अर्णितास्वः | अर्णितास्मः |
| भ० | अर्णिष्यति | अर्णिष्यतः | अर्णिष्यन्ति |
| | अर्णिष्यसि | अर्णिष्यथः | अर्णिष्यथ |
| | अर्णिष्यामि | अर्णिष्यावः | अर्णिष्यामः |
| क्रि० | आर्णिष्यत | आर्णिष्यताम् | आर्णिष्यन् |
| | आर्णिष्यः | आर्णिष्यतम् | आर्णिष्यत |
| | आर्णिष्यम् | आर्णिष्याव | आर्णिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------------|--------------------|
| य० अणुते | अण्वते | अण्वते |
| अणुषे | अण्वथे | अण्वध्वे |
| अण्वे | अण्ववहे | अण्वमहे |
| स० अण्वीत | अण्वीयाताम् | अण्वीरन् |
| अण्वीथाः | अण्वीयाथाम् | अण्वीध्वम् |
| अण्वीय | अण्वीवहि | अण्वीमहि |
| प० अण्वीताम् | अण्वीताम् | अण्वीताम् |
| अण्वीध्व | अण्वीध्वम् | अण्वीध्वम् |
| अण्वीव | अण्वीववहे | अण्वीवमहे |
| ह्य० आणुत | आण्वीताम् | आण्वीत |
| आणुथाः | आण्वीयाथाम् | आण्वीध्वम् |
| आण्वी | आण्वीवहि | आण्वीमहि |
| अ० आर्षि | आर्षिष्ट आर्षिषाताम् | आर्षिषत |
| आर्षिः | आर्षिष्टाः | आर्षिषाथाम् आर्षि- |
| | | द्वयम्-ध्वम् |
| आर्षिषि | आर्षिष्वहि | आर्षिष्वमहि |
| प० आनृणे | आनृणाते | आनृणिरे |
| आनृणिषे | आनृणाथे | आनृणिध्वे |
| आनृणे | आनृणिवहे | आनृणिमहे |
| आ० अर्णिषोष्ट | अर्णिषीयास्ताम् | अर्णिषीरन् |
| अर्णिषोष्टाः | अर्णिषीयास्थाम् | अर्णिषीध्वम् |
| अर्णिषीय | अर्णिषीवहि | अर्णिषीमहि |
| श्व० अर्णिता | अर्णितासौ | अर्णितारः |
| अर्णितासे | अर्णितासाथे | अर्णिताध्वे |
| अर्णिताहं | अर्णितास्वहे | अर्णितास्महे |
| भ० अर्णिस्यते | अर्णिस्येते | अर्णिस्यन्ते |
| अर्णिस्यसे | अर्णिस्येथे | अर्णिस्यध्वे |
| अर्णिस्ये | अर्णिस्यावहे | अर्णिस्यामहे |
| क्रि० आर्णिस्यत | आर्णिस्येताम् | आर्णिस्यन्त |
| आर्णिस्यथाः | आर्णिस्येथाम् | आर्णिस्यध्वम् |
| आर्णिस्ये | आर्णिस्यावहि | आर्णिस्यामहि |

1504 वृण्वी (वृण्) अदने । अदाने इत्यन्ये 6

| | | |
|------------------|---------------|----------------------|
| व० तर्णोति | तर्णुतः | तर्ण्वन्ति |
| तर्णोषि | तर्णुथः | तर्णुथ |
| तर्णोमि | तर्णुवः | तर्णुमः |
| स० तर्णुयात् | तर्णुयाताम् | तर्णुयुः |
| तर्णुयाः | तर्णुयातम् | तर्णुयात |
| तर्णुयाम् | तर्णुयाव | तर्णुयाम |
| प० तर्णुतु | तर्णुतात् | तर्णुताम् तर्ण्वन्तु |
| तर्णुहिः | तर्णुतम् | तर्णुत |
| तर्णवानि | तर्णवाव | तर्णवाम |
| ह्य० अतर्णोत् | अतर्णुताम् | अतर्ण्वन् |
| अतर्णोः | अतर्णुतम् | अतर्णुत |
| अतर्ण्वम् | अतर्णुव | अतर्णुम |
| अ० अतर्णीत् | अतर्णिष्टाम् | अतर्णिषुः |
| अतर्णीः | अतर्णिष्टम् | अतर्णिष्ट |
| अतर्णिषम् | अतर्णिष्व | अतर्णिष्वम् |
| प० तर्ण | तर्णुतुः | तर्णुः |
| तर्णथ | तर्णुथुः | तर्णु |
| तर्ण | तर्णुव | तर्णुम |
| आ० तर्णयात् | तर्णयास्ताम् | तर्णयासुः |
| तर्णयाः | तर्णयास्तम् | तर्णयास्त |
| तर्णयास्तम् | तर्णयास्व | तर्णयास्म |
| श्व० तर्णिता | तर्णितासौ | तर्णितारः |
| तर्णितासि | तर्णितास्थः | तर्णितास्थः |
| तर्णितास्मि | तर्णितास्वः | तर्णितास्मः |
| भ० तर्णिस्यति | तर्णिस्यत | तर्णिस्यन्ति |
| तर्णिस्यासि | तर्णिस्यथः | तर्णिस्यथ |
| तर्णिस्यामि | तर्णिस्यावः | तर्णिस्यामः |
| क्रि० अतर्णिस्यत | अतर्णिस्यताम् | अतर्णिस्यन् |
| अतर्णिस्यः | अतर्णिस्यतम् | अतर्णिस्यत |
| अतर्णिस्यम् | अतर्णिस्याव | अतर्णिस्याम |

घ० तर्णुते तर्णुति तर्णुते
तर्णुषे तर्णुषे तर्णुध्वे
तर्णुवे तर्णुवहे तर्णुमहे

स० तर्णुत तर्णुयाताम् तर्णुवन्
तर्णुथाः तर्णुयाथाम् तर्णुध्वम्
तर्णुय तर्णुवहि तर्णुमहि

प० तर्णुताम् तर्णुताम् तर्णुताम्
तर्णुष्व तर्णुष्वाम् तर्णुध्वम्
तर्णुवै तर्णुवावहे तर्णुवामहे

झ० अतर्णुत अतर्णुताम् अतर्णुत
अतर्णुथाः अतर्णुथाम् अतर्णुध्वम्
अतर्णुष्व अतर्णुष्वहि अतर्णुमहि

अ० अतर्णुत अतर्णुताम् अतर्णुत
अतर्णुथाः अतर्णुथाम् अतर्णुध्वम्
अतर्णुष्व अतर्णुष्वहि अतर्णुमहि

प० तर्णुते तर्णुते तर्णुते
तर्णुषे तर्णुषे तर्णुषे
तर्णुवे तर्णुवहे तर्णुमहे

भा० तर्णुषोऽत तर्णुषीयास्ताम् तर्णुषीरन्
तर्णुषीष्टाः तर्णुषीयास्थाम् तर्णुषीध्वम्
तर्णुषीय तर्णुषीवहि तर्णुषीमहि

श्व० तर्णुता तर्णुतारौ तर्णुतारः
तर्णुतासे तर्णुतासाथे तर्णुताध्वे
तर्णुताहे तर्णुतास्वहे तर्णुतास्महे

भ० तर्णुष्यते तर्णुष्यते तर्णुष्यन्ते
तर्णुष्यसे तर्णुष्यथे तर्णुष्यध्वे
तर्णुष्ये तर्णुष्यावहे तर्णुष्यामहे

कि० अतर्णुष्यत अतर्णुष्यताम् अतर्णुष्यन्त
अतर्णुष्यथाः अतर्णुष्यथाम् अतर्णुष्यध्वम्
अतर्णुष्ये अतर्णुष्यावहि अतर्णुष्यामहि

1505 घृणुयी (घृण्) दीप्तौ ।

घ० घर्णोति घर्णुतः घर्णन्ति
घर्णोषि घर्णुथः घर्णुथ
घर्णोमि घर्णुवः घर्णुमः

स० घर्णुयात् घर्णुयानाम् घर्णुयुः
घर्णुयाः घर्णुयानम् घर्णुयात्
घर्णुयाम् घर्णुयाव घर्णुयाम्

प० घर्णोतु घर्णुतात् घर्णुताम् घर्णुन्तु
घर्णुहि घर्णुतम् घर्णुत
घर्णवानि घर्णवाव घर्णवाम

झ० अघर्णोत् अघर्णुताम् अघर्णन्
अघर्णोः अघर्णुतम् अघर्णुत
अघर्णवम् अघर्णुव अघर्णुम

अ० अघर्णीत् अघर्णिष्टाम् अघर्णिषुः
अघर्णीः अघर्णिष्टम् अघर्णिष्ट
अघर्णिषम् अघर्णिष्व अघर्णिष्म

प० जघर्ण जघृणतुः जघृणुः
जघर्णिथ जघृणथुः जघृण
जघर्ण जघृणिव जघृणिम

आ० घृणयात् घृणयास्ताम् घृणयासुः
घृणयाः घृणयास्तम् घृणयास्त
घृणयास्म घृणयास्व घृणयास्म

श्व० घर्णिता घर्णितारौ घर्णितारः
घर्णितासि घर्णितास्थः घर्णितास्थः
घर्णितास्मि घर्णितास्वः घर्णितास्मः

भ० घर्णिष्यति घर्णिष्यतः घर्णिष्यन्ति
घर्णिष्यसि घर्णिष्यथः घर्णिष्यथ
घर्णिष्यामि घर्णिष्यावः घर्णिष्यामः

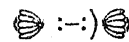
कि० अघर्णिष्यत् अघर्णिष्यताम् अघर्णिष्यन्
अघर्णिष्यः अघर्णिष्यतम् अघर्णिष्यत
अघर्णिष्यम् अघर्णिष्याव अघर्णिष्याम

| | | |
|---------------|-----------------|--------------|
| व० घणुते | घण्वति | घण्वते |
| घणुषे | घण्वथे | घणुध्वे |
| घण्वे | घणुवहे | घणुमहे |
| स० घण्वीति | घण्वीयाताम् | घण्वीरन् |
| घण्वीथाः | घण्वीयाथाम् | घण्वीध्वम् |
| घण्वीय | घण्वीवहि | घण्वीमहि |
| प० घणुताम् | घण्वताम् | घण्वताम् |
| घणुध्व | घण्वथाम् | घणुध्वम् |
| घण्वैव | घण्ववावहे | घण्ववामहे |
| ह्य० अघणुत | अघण्वताम् | अघण्वत |
| अघणुथाः | अघण्वीयाम् | अघणुध्वम् |
| अघण्वि | अघणुवहि | अघणुमहि |
| अ० अघृत | अघर्णिष्ट | अघर्णिषाथाम् |
| अघर्णिषत | अघृथाः | अघर्णिष्टाः |
| अघर्णिषाथाम् | अघर्णिष्ट्वम् | अघर्णिध्वम् |
| अघर्णिषि | अघर्णिष्वहि | अघर्णिष्महि |
| प० जघृणे | जघृणाते | जघृणिरे |
| जघृणिषे | जघृणाथे | जघृणिध्वे |
| जघृणे | जघृणिवहे | जघृणिमहे |
| अ० घर्णिषीष्ट | घर्णिषीयास्ताम् | घर्णिषीरन् |
| घर्णिषीष्टाः | घर्णिषीयाथाम् | घर्णिषीध्वम् |
| घर्णिषीय | घर्णिषीवहि | घर्णिषीमहि |
| ध्व० घर्णिता | घर्णितारौ | घर्णितारः |
| घर्णितासे | घर्णितासाथे | घर्णिताध्वे |
| घर्णिताहे | घर्णितास्वहे | घर्णितास्महे |
| भ० घर्णिष्यते | घर्णिष्येते | घर्णिष्यन्ते |
| घर्णिष्यसे | घर्णिष्येथे | घर्णिष्यध्वे |
| घर्णिष्ये | घर्णिष्यावहे | घर्णिष्यामहे |

क्रि० अघर्णिष्यत अघर्णिष्येताम् अघर्णिष्यन्त
 अघर्णिष्यथाः अघर्णिष्येथाम् अघर्णिष्यध्वम्
 अघर्णिष्ये अघर्णिष्यावहि अघर्णिष्यामहि
 णान्तोऽयमित्येके तन्मते तकि घृण्टः ।
 अकारोपान्त्यो णान्तश्चायमिति शिवः ।

क्षणू क्षिणू ऋणू तृणू धातूनां नका-
 रस्थाने रघृवर्णादिना णकारं कृत्वा णका-
 रो दत्तः । इतरथा क्षनू इत्यादिः नकारवा-
 न् पाठो वक्तव्यो भवेत्, अत एव—रघृवर्णा-
 दिति नस्य णत्वे क्षणुते क्षिणुते अणोति
 तणोति घणोति निक्कृताविति तिकि न ति-
 कीति दीर्घनलुकोरभावे स्नामिति णत्वा
 पवादे नस्य ने क्षन्तिः क्षिन्तिः तृन्तिः घृ-
 ण्तिः । सन्ययिर इति रस्य प्रतिषेधः स्वरा-
 देरिति नेरेव द्वित्वे अर्णिनिषति । इति
 धातुपारायणसङ्गति अत एव “ षाट्ठवर्गस्त-
 वर्गजः ” इत्यभिपुक्ता अभिदधति । उवि
 करणे ऋणू तृणू घृणू धातूनां गुणं नेच्छ-
 न्त्येके । ऋणुते ऋणोति तृणुते तृणोति घृ-
 णुते घृणोति ।

इत्युभयता भाषाः ।



अथात्मनेपदिनौ नान्तौ सेटौ च
1506 वनूयि (वन्) याचने 4 ।

| | | |
|----------------|---------------|-------------------|
| व० वनुते | वन्वाते | वन्वते |
| वनुषे | वन्वाथे | वनुध्वे |
| वन्वे | वनुवहे | वनुमहे वन्महे |
| स० वन्वीत | वन्वीयाताम् | वन्वीरन् |
| वन्वीथाः | वन्वीयाथाम् | वन्वीध्वम् |
| वन्वीय | वन्वीवहि | वन्वीमहि |
| प० वनुताम् | वन्वाताम् | वन्वताम् |
| वनुष्व | वन्वाथाम् | वनुध्वम् |
| वनवे | वनवावहे | वनवामहे |
| ह्य० अवनुत | अवन्वाताम् | अवन्वत |
| अवनुथाः | अवन्वाथाम् | अवनुध्वम् |
| अवन्वि | अवन्वहि | अवन्महि |
| | अवनुवहि | अवनुमहि |
| अ० अवत | अवनिष्ट | अवनिषाताम् अवनिषत |
| अवथाः | अवनिषाथाम् | अवनिडूवम् |
| अवनिष्ठाः | | अवनिध्वम् |
| अवनिषि | अवनिष्वहि | अवनिष्महि |
| प० ववने | ववनाते | ववनिरे |
| ववनिषे | ववनाथे | ववनिध्वे |
| ववने | ववनिवहे | ववनिमहे |
| आ० वनिषीष्ट | वनिषीयास्ताम् | वनिषीरन् |
| वनिषीष्ठाः | वनिषीयास्थाम् | वनिषीध्वम् |
| वनिषीय | वनिषीवहि | वनिषीमहि |
| प्रथ० वनिता | वनितारौ | वनितारः |
| वनितासे | वनितासाथे | वनिताध्वे |
| वनिताहे | वनितास्वहे | वनितास्महे |
| भ० वनिष्यते | वनिष्येते | वनिष्यन्ते |
| वनिष्यसे | वनिष्येथे | वनिष्यध्वे |
| वनिष्ये | वनिष्यावहे | वनिष्यामहे |
| क्रि० अवनिष्यत | अवनिष्येताम् | अवनिष्यन्त |
| अवनिष्यथाः | अवनिष्येथाम् | अवनिष्यध्वम् |
| अवनिष्ये | अवनिष्यावहि | अवनिष्यामहि |

1507 मनूयि (मन्) बोधने 9 ।

| | | |
|----------------|---------------|-------------------|
| व० मनुते | मन्वाते | मन्वते |
| मनुषे | मन्वाथे | मनुध्वे |
| मन्वे | मनुवहे-न्वहे | मनुमहे-न्महे |
| स० मन्वीत | मन्वीयाताम् | मन्वीरन् |
| मन्वीथाः | मन्वीयाथाम् | मन्वीध्वम् |
| मन्वीय | मन्वीवहि | मन्वीमहि |
| प० मनुताम् | मन्वाताम् | मन्वताम् |
| मनुष्व | मन्वाथाम् | मनुध्वम् |
| मनवे | मनवावहे | मनवामहे |
| ह्य० अमनुत | अमन्वाताम् | अमन्वत |
| अमनुथाः | अमन्वाथाम् | अमनुध्वम् |
| अमन्वि | अमनुवहि-न्वहि | अमनुमहि-न्महि |
| अ० अमत | अमनिष्ट | अमनिषाताम् अमनिषत |
| अमथाः | अमनिष्ठाः | अमनिषाथाम् |
| | | अमनिडूवम् ध्वम् |
| अमनिषि | अमनिष्वहि | अमनिष्महि |
| प० मोने | मोनाते | मोनिरे |
| मो नषे | मोनाथे | मोनिध्वे |
| मोने | मोनिवहे | मोनिमहे |
| आ० मनिषीष्ट | मनिषीयास्ताम् | मनिषीरन् |
| मनिषीष्ठाः | मनिषीयास्थाम् | मनिषीध्वम् |
| मनिषीय | मनिषीवहि | मनिषीमहि |
| प्रथ० मनिता | मनितारौ | मनितारः |
| मनितासे | मनितासाथे | मनिताध्वे |
| मनिताहे | मनितास्वहे | मनितास्महे |
| भ० मनिष्यते | मनिष्येते | मनिष्यन्ते |
| मनिष्यसे | मनिष्येथे | मनिष्यध्वे |
| मनिष्ये | मनिष्यावहे | मनिष्यामहे |
| क्रि० अमनिष्यत | अमनिष्येताम् | अमनिष्यन्त |
| अमनिष्यथाः | अमनिष्येथाम् | अमनिष्यध्वम् |
| अमनिष्ये | अमनिष्यावहि | अमनिष्यामहि |

इति आत्मनेपदिनौ

ॐ
श्रीमत्तपोगणमगमाङ्गणगगनमणि सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम - तीर्थरक्षण
परायण--विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्नशास्त्रीय-आचार्य
चूडामणि--अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिपूरीश्वरचरणेन्द्रा-
मन्दिरेन्द्रिन्द्रायमाणान्तिषम्मुनिलावण्यविजयविरचिते धातु-
रत्नाकरे उविकरणो यितनादिगणः सम्पूर्णः ॥
ॐ

अथ क्रयादयः श्राविकरणा वर्णक्रमेण प्रस्तूयन्ते । तत्रादौ-

1508 डुक्रींमश् (क्री) द्रव्यविनिमये

विनिमयः परिवर्त्त इत्यर्थः । शिस्वं क्रयादित्व-

ज्ञापनार्थम् ॥

क० क्रीणाति क्रीणीतः क्रीणन्ति
क्रीणासि क्रीणीथः क्रीणीथ
क्रीणामि क्रीणीवः क्रीणीमः

ख० क्रीणीयात् क्रीणीयाताम् क्रीणीयुः
क्रीणीयाः क्रीणीयातम् क्रीणीयात
क्रीणीयाम् क्रीणीयावः क्रीणीयाम

ग० क्रीणातु क्रीणीतात् क्रीणीताम् क्रीणन्तु
क्रीणीहि क्रीणीतात् क्रीणीतम् क्रीणीत
क्रीणानि क्रीणावः क्रीणीम

घ० अक्रीणात् अक्रीणीताम् अक्रीणन्
अक्रीणाः अक्रीणीतम् अक्रीणीत
अक्रीणाम् अक्रीणीवः अक्रीणीम

अ० अक्रीषीत् अक्रीषाम् अक्रीषुः
अक्रीषीः अक्रीषाम् अक्रीषा
अक्रीषम् अक्रीषवः अक्रीषम

प० चिक्राय चिक्रियतुः चिक्रियुः
चिक्रयिष चिक्रय चिक्रियथुः चिक्रिय
चिक्राय, चिक्रय चिक्रियिष चिक्रियिम

आ० क्रीयात् क्रीयास्ताम् क्रीयासुः
क्रीयाः क्रीयास्तम् क्रीयास्त
क्रीयासम् क्रीयास्व क्रीयास्म

इ० केता क्रेता क्रेतारः
केतासि क्रेतास्थः क्रेतास्था
केतास्मि क्रेतास्वः क्रेतास्मः

भ० क्रेष्यति क्रेष्यतः क्रेष्यन्ति
क्रेष्यसि क्रेष्यथाः क्रेष्यथा
क्रेष्यामि क्रेष्यावः क्रेष्यामः

क्रि० अक्रेष्यत् अक्रेष्यताम् अक्रेष्यन्
अक्रेष्यः अक्रेष्यतम् अक्रेष्यत
अक्रेष्यम् अक्रेष्यावः अक्रेष्याम

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० क्रीणीते | क्रीणाते | क्रीणते |
| क्रीणीषे | क्रीणाथे | क्रीणीध्वे |
| क्रीणे | क्रीणीवहे | क्रीणीमहे |
| स० क्रीणीत | क्रीणीयाताम् | क्रीणीरन् |
| क्रीणीथाः | क्रीणीयाथाम् | क्रीणीध्वम् |
| क्रीणीय | क्रीणीवहि | क्रीणीमहि |
| प० क्रीणीताम् | क्रीणाताम् | क्रीणताम् |
| क्रीणीष्व | क्रीणाथाम् | क्रीणीध्वम् |
| क्रीणे | क्रीणावहे | क्रीणामहे |
| झ० अक्रीणीत | अक्रीणाताम् | अक्रीणत |
| अक्रीणीथाः | अक्रीणाथाम् | अक्रीणीध्वम् |
| अक्रीणि | अक्रीणीवहि | अक्रीणीमहि |
| अ० अक्रेष | अक्रेषाताम् | अक्रेषत |
| अक्रेषटाः | अक्रेषाथाम् | अक्रेषुध्वम् |
| अक्रेषि | अक्रेषवहि | अक्रेषमहि |
| प० चिक्रिये | चिक्रियाते | चिक्रियरे |
| चिक्रियिषे | चिक्रियाथे | चिक्रियिध्वे |
| चिक्रिये | चिक्रियिवहे | चिक्रियिमहे |
| आ० क्रेषीष्ट | क्रेषीयास्ताम् | क्रेषीरन् |
| क्रेषीष्टाः | क्रेषीयास्थाम् | क्रेषीध्वम् |
| क्रेषीय | क्रेषीवहि | क्रेषीमहि |
| प्रव० क्रेता | क्रेतारौ | क्रेतारः |
| तासे | क्रेतासाथे | क्रेताध्वे |
| क्रेताहे | क्रेतास्वहे | क्रेतास्महे |
| भ० क्रेष्यते | क्रेष्येते | क्रेष्यन्ते |
| क्रेष्यसे | क्रेष्येथे | क्रेष्यध्वे |
| क्रेष्ये | क्रेष्यावहे | क्रेष्यामहे |
| क्रि० अक्रेष्यत | अक्रेष्येताम् | अक्रेष्यन्त |
| अक्रेष्यथाः | अक्रेष्येथाम् | अक्रेष्यध्वम् |
| अक्रेष्ये | अक्रेष्यावहि | अक्रेष्यामहि |

अथेदन्तोऽनिट् च

1507 षिग्श् (सि) बन्धने 2

| | | |
|---------------|------------|-----------|
| ब० सिनाति | सिनीतः | सिगन्ति |
| सिनासि | सिनीथः | सिनीथ |
| सिनामि | सिनीवः | सिनीमः |
| स० सिनीयात् | सिनीयाताम् | सिनीयुः |
| सिनीयाः | सिनीयातम् | सिनीयात |
| सिनीयाम् | सिनीयाव | सिनीयाम |
| प० सिनातु | सिनीतात् | सिनीताम् |
| सिनीहि | सिनीतात् | सिनीतम् |
| सिनानि | सिनाव | सिनाम |
| झ० असिनात् | असिनीताम् | असिन्न |
| असिनाः | असिनीतम् | असिनोत |
| असिनाम् | असिनीव | असिनीम |
| अ० असैषीत् | असैशाम् | असैषुः |
| असैषीः | असैशम् | असैश |
| असैषम् | असैष्व | असैषम् |
| प० सिषाय | सिष्यतुः | सिष्युः |
| सिषयिथ | सिषेथ | सिष्यथुः |
| सिषाय | सिषय | सिष्यिव |
| आ० सीयात् | सीयास्ताम् | सीयासुः |
| सीयाः | सीयास्तम् | सीयास्त |
| सीयासम् | सीयास्व | सीयास्म |
| प्रव० सेता | सेतारौ | सेतारः |
| सेतासि | सेतास्थः | सेतास्थ |
| सेतास्मि | सेतास्वः | सेतास्मः |
| भ० सेष्यति | सेष्यतः | सेष्यन्ति |
| सेष्यसि | सेष्यथः | सेष्यथ |
| सेष्यामि | सेष्यावः | सेष्यामः |
| क्रि० असेष्यत | असेष्यताम् | असेष्यन्त |
| असेष्यः | असेष्यतम् | असेष्यत |
| असेष्यम् | असेष्याव | असेष्याम |

| | | |
|-------------|--------------|-------------|
| व० सिनीते | सिनाते | सिनते |
| सिनीषे | सिनाथे | सिनीध्वे |
| सिने | सिनीवहे | सिनीमहे |
| स० सिनीत | सिनीयाताम् | सिनीरन् |
| सिनीथाः | सिनीयाथाम् | सिनीध्वम् |
| सिनीय | सिनीवहि | सिनीमहि |
| प० सिनीताम् | सिनाताम् | सिनताम् |
| सिनीध्व | सिनाथाम् | सिनीध्वम् |
| सिनं | सिनावहे | सिनामहे |
| झ० असिनीत | असिनाताम् | असिनत |
| असिनीथाः | असिनाथाम् | असिनीध्वम् |
| असिनि | असिनीवहि | असिनीमहि |
| अ० असेष्ट | असेषाताम् | असेषत |
| असेष्टाः | असेषाथाम् | असेष्टध्वम् |
| | | असेष्टम् |
| असेषि | असेषवहि | असेषमहि |
| प० सिष्ये | सिष्याते | सिष्यरे |
| सिष्ये | सिष्याथे | सिष्यध्वे |
| सिष्ये | सिष्यवहे | सिष्यमहे |
| आ० सेषीष्ट | सेषीयास्ताम् | सेषीरन् |
| सेषीष्टाः | सेषीयास्थाम् | सेषीध्वम् |
| सेषीय | सेषीवहि | सेषीमहि |
| प्र० सेता | सेतारौ | सेतारः |
| सेतासे | सेतासाथे | सेताध्वे |
| सेताहे | सेतास्वहे | सेतास्महे |
| भ० सेष्यते | सेष्यते | सेष्यन्ते |
| सेष्यसे | सेष्यथे | सेष्यध्वे |
| सेष्ये | सेष्यवहे | सेष्यमहे |
| के० असेष्यत | असेष्यताम् | असेष्यन्त |
| असेष्यथाः | असेष्यथाम् | असेष्यध्वम् |
| असेष्ये | असेष्यवहि | असेष्यमहि |

अश्वेदन्तास्त्रयोऽनितश्च

1510 प्रीण् (प्री) लृप्तिकान्त्योः

कान्तिरभिलाषः 3

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| व० प्रीणाति | प्रीणीतः | प्रीणन्ति |
| प्रीणासि | प्रीणीथः | प्रीणीध्वे |
| प्रीणामि | प्रीणीवः | प्रीणीमः |
| स० प्रीणीयात् | प्रीणीयाताम् | प्रीणीयुः |
| प्रीणीयाः | प्रीणीयाथाम् | प्रीणीयात |
| प्रीणीयाम | प्रीणीयाव | प्रीणीयाम |
| प० प्रीणातु | प्रीणीतात् | प्रीणीताम् |
| प्रीणीहि | प्रीणीतात् | प्रीणीतम् |
| प्रीणानि | प्रीणाव | प्रीणाम |
| झ० अप्रीणात् | अप्रीणीताम् | अप्रीणन् |
| अप्रीणाः | अप्रीणीतम् | अप्रीणीत |
| अप्रीणाम् | अप्रीणीव | अप्रीणीम |
| अ० अप्रीणीत् | अप्रीणाम् | अप्रीणुः |
| अप्रीणीः | अप्रीणम् | अप्रीण |
| अप्रीणम् | अप्रीणव | अप्रीणम |
| प० प्रिप्राय | प्रिप्रियतुः | प्रिप्रियुः |
| प्रिप्रियथ | प्रिप्रेथ | प्रिप्रियथुः |
| प्रिप्राय | प्रिप्रय | प्रिप्रियिव |
| आ० प्रीयात् | प्रीयास्ताम् | प्रीयासुः |
| प्रीयाः | प्रीयास्तम् | प्रीयास्त |
| प्रीयासम् | प्रीयास्व | प्रीयास्म |
| प्र० प्रेता | प्रेतारौ | प्रेतारः |
| प्रेतासि | प्रेतास्थः | प्रेतास्थ |
| प्रेतास्मि | प्रेतास्वः | प्रेतास्मः |
| भ० प्रेष्यति | प्रेष्यतः | प्रेष्यन्ति |
| प्रेष्यसि | प्रेष्यथः | प्रेष्यध्वे |
| प्रेष्यामि | प्रेष्यावः | प्रेष्यामः |
| क्रि० अप्रेष्यत् | अप्रेष्यताम् | अप्रेष्यन् |
| अप्रेष्यः | अप्रेष्यतम् | अप्रेष्यत |
| अप्रेष्यम् | अप्रेष्याव | अप्रेष्याम |

क० प्रीणीते प्रीणाते प्रीणते
प्रीणीचे प्रीणाथे प्रीणीध्वे
प्रीणे प्रीणीवहे प्रीणीमहे

स० प्रीणीत प्रीणीयाताम् प्रीणीरन्
प्रीणीथाः प्रीणीयाथाम् प्रीणीध्वम्
प्रीणीय प्रीणीवहि प्रीणीमहि

प० प्रीणीताम् प्रीणाताम् प्रीणताम्
प्रीणीष्व प्रीणाथाम् प्रीणीध्वम्
प्रीणै प्रीणावहे प्रीणामहे

ह्य० अप्रीणीत अप्रीणाताम् अप्रीणत
अप्रीणीथाः अप्रीणाथाम् अप्रीणीध्वम्
अप्रीणि अप्रीणीवहि अप्रीणीमहि

अ० अप्रीष्ट अप्रीषाताम् अप्रीषत
अप्रीष्टाः अप्रीषाथाम् अप्रीष्ट्वम् अप्रीष्ट्वम्
अप्रीषि अप्रीष्वहि अप्रीषमहि

प० पिप्रिये पिप्रियाते पिप्रिये
पिप्रियिचे पिप्रियाथे पिप्रियिध्वे
पिप्रिये पिप्रियिवहे पिप्रियिमहे

आ० प्रेषीष्ट प्रेषीयास्ताम् प्रेषीरन्
प्रेषीष्टाः प्रेषीयाथाम् प्रेषीध्वम्
प्रेषीय प्रेषीवहि प्रेषीमहि

श्व० प्रेता प्रेतासी प्रेताः
प्रेतासे प्रेतासाथे प्रेताध्वे
प्रेताहे प्रेतावहे प्रेतामहे

भ० प्रेष्यते प्रेष्यते प्रेष्यन्ते
प्रेष्यसे प्रेष्यथे प्रेष्यध्वे
प्रेष्ये प्रेष्यावहे प्रेष्यामहे

क्रि० अप्रेष्यत अप्रेष्यताम् अप्रेष्यन्त
अप्रेष्यथाः अप्रेष्यथाम् अप्रेष्यध्वम्
अप्रेष्ये अप्रेष्यावहि अप्रेष्यामहि

1511 श्रीगुश् (श्री) पाके 4

व श्रीणाति श्रीणीतः श्रीणन्ति
श्रीणासि श्रीणीथः श्रीणीध्व
श्रीणामि श्रीणीवः श्रीणीमः

स० श्रीणीयात् श्रीणीयाताम् श्रीणीयुः
श्रीणीयाः श्रीणीयातम् श्रीणीयात
श्रीणीयाम् श्रीणीयाव श्रीणीयाम

प० श्रीणातु श्रीणीतात् श्रीणीताम् श्रीणन्तु
श्रीणीहि श्रीणीतात् श्रीणीतम् श्रीणीत
श्रीणानि श्रीणाव श्रीणाम

ह्य० अश्रीणात् अश्रीणीताम् अश्रीणन्
अश्रीणाः अश्रीणीतम् अश्रीणीत
अश्रीणाम् अश्रीणीव अश्रीणीम

अ० अश्रीणीत् अश्रीणीताम् अश्रीणीयुः
अश्रीणीः अश्रीणीतम् अश्रीणीत
अश्रीणम् अश्रीणव अश्रीणम

प० शिथ्राय शिथ्रियतुः शिथ्रियुः
शिथ्रयिथ शिथ्रय शिथ्रियथुः शिथ्रिय
शिथ्राय शिथ्रय शिथ्रियिव शिथ्रियिम

आ० श्रियात् श्रियास्ताम् श्रियासुः
श्रिया श्रियास्तम् श्रियास्त
श्रियासम् श्रियास्व श्रियास्म

श्व० श्रेता श्रेतासी श्रेताः
श्रेतासि श्रेतास्थः श्रेतास्थ
श्रेतास्मि श्रेतास्वः श्रेतास्मः

भ० श्रेष्यति श्रेष्यतः श्रेष्यन्ति
श्रेष्यसि श्रेष्यथः श्रेष्यध्व
श्रेष्यामि श्रेष्यावः श्रेष्यामः

क्रि० अश्रेष्यत् अश्रेष्यताम् अश्रेष्यन्
अश्रेष्यः अश्रेष्यतम् अश्रेष्यत
अश्रेष्यम् अश्रेष्याव अश्रेष्याम

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० श्रीणीते | श्रीणाते | श्रीणते |
| श्रीणीषे | श्रीणाथे | श्रीणीध्वे |
| श्रीणे | श्रीणीवहे | श्रीणीमहे |
| स० श्रीणीत | श्रीणीयाताम् | श्रीणीरन् |
| श्रीणीथाः | श्रीणीयाथाम् | श्रीणीध्वम् |
| श्रीणीय | श्रीणीवहि | श्रीणीमहि |
| प० श्रीणीताम् | श्रीणाताम् | श्रीणताम् |
| श्रीणीष्य | श्रीणाथाम् | श्रीणीध्वम् |
| श्रीणे | श्रीणावहे | श्रीणामहे |
| झ० अश्रीणीत | अश्रीणाताम् | अश्रीणत |
| अश्रीणीथाः | अश्रीणाथाम् | अश्रीणीध्वम् |
| अश्रीणि | अश्रीणीवहि | अश्रीणीमहि |
| अ० अश्रेष्ट | अश्रेष्ठाताम् | अश्रेषत |
| अश्रेष्टाः | अश्रेष्ठाथाम् | अश्रेड्ढवम् |
| | | अश्रेड्ढम् |
| अश्रेषि | अश्रेष्वहि | अश्रेषमहि |
| प० शिश्रिये | शिश्रियाते | शिश्रियिरे |
| शिश्रियिषे | शिश्रियाथे | शिश्रियिध्वे |
| | | शिश्रियिद्धे |
| शिश्रिये | शिश्रियिवहे | शिश्रियिमहे |
| आ० श्रेषीष्ट | श्रेषीयास्ताम् | श्रेषीरन् |
| श्रेषीष्टाः | श्रेषीयास्ताम् | श्रेषीद्धम् |
| श्रेषीम | श्रेषीवहि | श्रेषीमहि |
| श्व० श्रता | श्रतारौ | श्रतारः |
| श्रतासे | श्रतासाथे | श्रताध्वे |
| ताहे | श्रतास्वहे | श्रतास्महे |
| भ० श्रेष्यते | श्रेष्येते | श्रेष्यन्ते |
| श्रेष्यसे | श्रेष्येसे | श्रेष्यध्वे |
| श्रेष्ये | श्रेष्यावहे | श्रेष्यामहे |
| क्रि० अश्रेष्यत | अश्रेष्यताम् | अश्रेष्यन्त |
| अश्रेष्यथाः | अश्रेष्येथाम् | अश्रेष्यध्वम् |
| अश्रेष्ये | अश्रेष्यावहि | अश्रेष्यामहि |

512 मींशू (मी) हिंसायाम् 5

| | | |
|----------------|-------------|-----------|
| ब० मीनाति | मीनीतः | मीनन्ति |
| मीनासि | मीनीथः | मीनीथ |
| मीनामि | मीनीवः | मीनीमः |
| स० मीनीयात् | मीनीयाताम् | मीनीयुः |
| मीनीयाः | मीनीयातम् | मीनीयात |
| मीनीयाम् | मीनीयाव | मीनीयाम |
| प० मीनात् | मीनीतात् | मीनीताम् |
| मीनीहि | मीनीवात् | मीनीतम् |
| मीनानि | मीनाव | मीनाम |
| झ० अमीनात् | अमीनीताम् | अमीनन् |
| अमीनाः | अमीनीतम् | अमीनीत |
| अमीनाम् | अमीनीव | अमीनीम |
| अ० अमासीत् | अमासिष्टाम् | अमासिषुः |
| अमासीः | अमासिष्टम् | अमासिष्ट |
| अमासिष्वम् | अमासिष्व | अमासिष्व |
| प० ममौ | मिम्यतुः | मिम्युः |
| ममिथ | ममाथ | मिम्यथुः |
| ममौ | मिम्यिव | मिम्यिम |
| आ० मीयात् | मीयास्ताम् | मीयासुः |
| मीयाः | मीयास्तम् | मीयास्त |
| मीयास्तम् | मीयस्व | मीयास्म |
| श्व० माता | मातारौ | मातारः |
| मातासि | मातास्थः | मातास्थ |
| मातास्मि | मातास्वः | मातास्मः |
| भ० मास्यति | मास्यतः | मास्यन्ति |
| मास्यमि | मास्यथः | मास्यथ |
| मास्यामि | मास्यावः | मास्यामः |
| क्रि० अमास्यत् | अमास्यताम् | अमास्यन् |
| अमास्यः | अमास्यतम् | अमास्यत |
| अमास्यम् | अमास्याव | अमास्याम |

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| व० मीनीते | मीनाते | मीनते |
| मीनीषे | मीनाथे | मीनीध्वे |
| मीने | मीनीवहे | मीनीमहे |
| स० मीनीत | मीनीयाताम् | मीनीरन् |
| मीनीथाः | मीनीयाथाम् | मीनीध्वम् |
| मीनीय | मीनीवहि | मीनीमहि |
| प० मीनीताम् | मीनाताम् | मीनताम् |
| मीनीष्व | मीनाथाम् | मीनीध्वम् |
| मीने | मीनावहै | मीनामहै |
| झ० अमीनीत | अमीनीयाताम् | अमीनीरन् |
| अमीनीथाः | अमीनीयाथाम् | अमीनीध्वम् |
| अमीनि | अमीनीवहि | अमीनीमहि |
| अ० अमास्त | अमासाताम् | अमास्त |
| अमास्थाः | अमासाथाम् | अमाध्वम् |
| अमासि | अमास्वहि | अमास्महि |
| प० मिम्ये | मिम्याते | मिम्यरे |
| मिम्येषे | मिम्याथे | मिम्यध्वे |
| मिम्ये | मिम्यवहे | मिम्यमहे |
| आ० मासीष्ट | मासीयास्ताम् | मासीरन् |
| मासीष्ठाः | मासीयास्थाम् | मासीध्वम् |
| मासीय | मासीवहि | मासीमहि |
| भ्व० माता | मातारौ | मातारः |
| मातासे | मातासाथे | माताध्वे |
| माताहे | मातास्वहे | मातास्महे |
| भ० मास्यते | मास्येते | मास्यन्ते |
| मास्यसे | मास्येथे | मास्यध्वे |
| मास्ये | मास्यावहे | मास्यामहे |
| क्रि० अमास्यत | अमास्येताम् | अमास्यन्त |
| अमास्यथाः | अमास्येथाम् | अमास्यध्वम् |
| अमास्ये | अमास्यावहि | अमास्यामहि |

| | | |
|----------------------------|------------|-----------|
| अथोदन्तावनिटौ च | | |
| 1513 युंमृञ् (यु) बन्धने | | |
| व० युनाति | युनीतः | युनन्ति |
| युनासि | युनीथः | युनीध्वे |
| युनामि | युनीवः | युनीमः |
| स० युनीयात् | युनीयाताम् | युनीयुः |
| युनीयाः | युनीयाथम् | युनीयात |
| युनीयाम् | युनीयाव | युनीयाम |
| प० युनात् | युनीतात् | युनीताम् |
| युनीहि | युनीतात् | युनीतम् |
| युनानि | युनाथ | युनाम |
| झ० अयुनात् | अयुनीताम् | अयुनन् |
| अयुनाः | अयुनीतम् | अयुनीत |
| अयुनाम् | अयुनीव | अयुनाम |
| अ० अयौषीत् | अयौषाम् | अयौषुः |
| अयौषीः | अयौषिम् | अयौष |
| अयौषम् | अयौष्व | अयौषम् |
| प० युयाव | युयवतुः | युयवुः |
| युयविथ | युयथ | युयवधुः |
| युयाव | युयव | युयुविथ |
| आ० यूयात् | यूयास्ताम् | यूयास्तुः |
| यूयाः | यूयास्तम् | यूयास्त |
| यूयासम् | यूयास्व | यूयास्म |
| भ्व० योना | योतारौ | योतारः |
| योतासि | योतास्थः | योतास्थ |
| योतास्मि | योतास्वः | योतास्मः |
| भ० योष्यति | योष्यतः | योष्यन्ति |
| योष्यसि | योष्यथः | योष्यध्वे |
| योष्यामि | योष्यावः | योष्यामः |
| क्रि० अयोष्यत् | अयोष्यताम् | अयोष्यन् |
| अयोष्यः | अयोष्यतम् | अयोष्यत |
| अयोष्यम् | अयोष्याव | अयोष्याम |

| | | |
|-------------|--------------|-------------|
| व० युनीते | युनाते | युनते |
| युनीषे | युनाथे | युनीध्वे |
| युने | युनीवहे | युनीमहे |
| स० युनीत | युनीयाताम् | युनीरन् |
| युनीथाः | युनीयाथाम् | युनीध्वम् |
| युनीय | युनीयहि | युनीमहि |
| प० युनीताम् | युनाताम् | युनताम् |
| युनीष्व | युनाथाम् | युनीध्वम् |
| युने | युनावहे | युनामहे |
| ह्य० अयुनीत | अयुनाताम् | अयुनत |
| अयुनीथाः | अयुनाथाम् | अयुनीध्वम् |
| अयुनि | अयुनीवहि | अयुनीमहि |
| अ० अयोष्ट | अयोषाताम् | अयोषत |
| अयोष्ठाः | अयोषाथाम् | अयोद्ध्वम् |
| अयोषि | अयोषवहि | अयोषमहि |
| प० युयुवे | युयुवाते | युयुविरे |
| युयुविषे | युयुवाथे | युयुविध्वे |
| युयुवे | युयुविवहे | युयुविमहे |
| आ० योषीष्टि | योषीयास्ताम् | योषीरन् |
| योषीष्ठा | योषीयास्थाम् | योषीध्वम् |
| योषीय | योषीयहि | योषीमहि |
| श्व० योता | योतारौ | योतारः |
| योतासे | योतासाथे | योताध्वे |
| योताहे | योतासवहे | योतासमहे |
| भ० योष्यते | योष्यते | योष्यन्ते |
| योष्यसे | योष्यथे | योष्यध्वे |
| योष्ये | योष्यावहे | योष्यामहे |
| कि० अयोष्यत | अयोष्यताम् | अयोष्यन्त |
| अयोष्यथाः | अयोष्यथाम् | अयोष्यध्वम् |
| अयोष्ये | अयोष्यावहि | अयोष्यामहि |

1514 स्कुग्रथ (स्कु) आप्रवणे

आप्रवणमुदरणम् 7

| | | |
|----------------|--------------|----------------|
| व० स्कुनाति | स्कुनीतः | स्कुनन्ति |
| स्कुनासि | स्कुनीथः | स्कुनीय |
| स्कुनामि | स्कुनीयः | स्कुनीमः |
| स्कुनोति | स्कुनुतः | स्कुन्वन्ति इ० |
| स० स्कुनीयात् | स्कुनीयाताम् | स्कुनीयुः |
| स्कुनीयाः | स्कुनीयाताम् | स्कुनीयात |
| स्कुनीयाम् | स्कुनीयाव | स्कुनीयाम |
| स्कुनुयात् | स्कुनुयाताम् | स्कुनुयुः इ० |
| प० स्कुनातु | स्कुनीतात | स्कुनीताम् |
| स्कुनीहि | स्कुनीतात | स्कुनीमः |
| स्कुनानि | स्कुनाव | स्कुनाम |
| स्कुनोतु | स्कुनुतात | स्कुनुताम् इ० |
| ह्य० अस्कुनात् | अस्कुनीताम् | अस्कुनन् |
| अस्कुनाः | अस्कुनीतम् | अस्कुनीत |
| अस्कुनाम् | अस्कुनीव | अस्कुनीम |
| अस्कुनोत् | अस्कुनुताम् | अस्कुन्वन् इ० |
| अ० अस्कौषीत | अस्कौषाम् | अस्कौषुः |
| अस्कौषीः | अस्कौषम् | अस्कौष |
| अस्कौषम् | अस्कौषव | अस्कौषम |
| प० चुस्काव | चुस्कुवतुः | चुस्कुवुः |
| चुस्कविथ | चुस्कौथ | चुस्कुवधुः |
| चुस्काव | चुस्कव | चुस्कुविथ |
| आ० स्कूयात् | स्कूयास्ताम् | स्कूयासुः |
| स्कूयाः | स्कूयास्तम् | स्कूयास्त |
| स्कूयासम् | स्कूयास्य | स्कूयासम् |
| श्व० स्कोता | स्कोतारौ | स्कोतारः |
| स्कोतासि | स्कोतास्थः | स्कोतास्थ |
| स्कोतास्मि | स्कोतास्वः | स्कोतास्वः |
| भ० स्कोष्यति | स्कोष्यतः | स्कोष्यन्ति |
| स्कोष्यसि | स्कोष्यथः | स्कोष्यथ |
| स्कोष्यामि | स्कोष्यावः | स्कोष्यामः |
| क० अस्कोष्यत् | अस्कोष्यताम् | अस्कोष्यन् |
| अस्कोष्यः | अस्कोष्यतम् | अस्कोष्यत |
| अस्कोष्यम् | अस्कोष्याव | अस्कोष्याम |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| १० स्कुनीते | स्कुनाते | स्कुनते |
| स्कुनीषे | स्कुनाथे | स्कुनीध्वे |
| स्कुने | स्कुनीवहे | स्कुनीमहे |
| स्कुनुते | स्कुन्वाते | स्कुन्वते |
| स्कुनुषे | स्कुन्वाथे | स्कुनुध्वे |
| स्कुन्वे | स्कुन्ववहे | स्कुन्वमहे |

| | | |
|-------------|----------------|---------------|
| स० स्कुनीत | स्कुनीयाताम् | स्कुनीरन् |
| स्कुनीथाः | स्कुनीयाथाम् | स्कुनीध्वम् |
| स्कुनीय | स्कुनीवहि | स्कुनीमहि |
| स्कुन्वीत | स्कुन्वीयाताम् | स्कुन्वीरन् |
| स्कुन्वीथाः | स्कुन्वीयाथाम् | स्कुन्वीध्वम् |
| स्कुन्वीय | स्कुन्वीवहि | स्कुन्वीमहि |

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| प० स्कुनीताम् | स्कुनाताम् | स्कुनताम् |
| स्कुनीष्व | स्कुनाथाम् | स्कुनीध्वम् |
| स्कुने | स्कुनावहे | स्कुनामहे |
| स्कुनुताम् | स्कुन्वाताम् | स्कुन्वताम् |
| स्कुनुष्व | स्कुन्वाथाम् | स्कुनुध्वम् |
| स्कुन्वे | स्कुन्ववहे | स्कुन्वामहे |

| | | |
|-------------|---------------|--------------|
| स० अस्कुनीत | अस्कुनाताम् | अस्कुनत |
| अस्कुनीथाः | अस्कुनाथाम् | अस्कुनीध्वम् |
| अस्कुनि | अस्कुनीवहि | अस्कुनीमहि |
| अस्कुनुत | अस्कुन्वाताम् | अस्कुन्वत |
| अस्कुनुथाः | अस्कुन्वाथाम् | अस्कुनुध्वम् |
| अस्कुन्वि | अस्कुन्ववहि | अस्कुन्विमहि |
| अस्कुन्वि | अस्कुन्ववहि | अस्कुन्विमहि |

| | | |
|-------------|-------------|---------------|
| अ० अस्कोष्ट | अस्कोषाताम् | अस्कोषत |
| अस्कोष्टाः | अस्कोषाथाम् | अस्कोष्टध्वम् |
| | अस्कोष्टवम् | |
| अस्कोषि | अस्कोषवहि | अस्कोषमहि |

| | | |
|-------------|-------------|-----------------------|
| प० चुस्कुषे | चुस्कुवाते | चुस्कुविरे |
| चुस्कुषिषे | चुस्कुवाथे | चुस्कुविरेष्वे-विध्वे |
| चुस्कुवे | चुस्कुविवहे | चुस्कुविमहे |

| | | |
|--------------|--------------|-------------|
| आ० स्कोषीष्ट | स्कोषीयाताम् | स्कोषीरन् |
| स्कोषीष्टाः | स्कोषीयाथाम् | स्कोषीध्वम् |
| स्कोषीय | स्कोषीवहि | स्कोषीमहि |

| | | |
|--------------|------------|------------|
| प्रथ० स्कोता | स्कोतारो | स्कोतारः |
| स्कोताते | स्कोतासाथे | स्कोताध्वे |
| स्कोताहे | स्कोतावहे | स्कोतामहे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ० स्कोष्यते | स्कोष्येते | स्कोष्यन्ते |
| स्कोष्यसे | स्कोष्येथे | स्कोष्यध्वे |
| स्कोष्ये | स्कोष्यावहे | स्कोष्यामहे |

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| क्रि० अस्कोष्यत | अस्कोष्येताम् | अस्कोष्यन्त |
| अस्कोष्यथाः | अस्कोष्येथाम् | अस्कोष्यध्वम् |
| अस्कोष्ये | अस्कोष्यावहि | अस्कोष्यामहि |

अथोदन्तौ सेटौ च

1915 वनूग्रथ (वनू) शब्दे 8

| | | |
|------------|---------|-----------|
| व० वनूनाति | वनूनीतः | वनून्ति |
| वनूनासि | वनूनीथः | वनूनीध्वे |
| वनूनामि | वनूनीवः | वनूनीमः |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| स० वनूनीयात् | वनूनीयाताम् | वनूनीयुः |
| वनूनीयाः | वनूनीयाथाम् | वनूनीयध्वम् |
| वनूनीयाम् | वनूनीयाव | वनूनीयाम |

प० कनूनात् कनूनीतात् कनूनीताम् कनूनन्तु
कनूनीहि कनूनीतात् कनूनीतम् कनूनीत
कनूनानि कनूनाथ कनूनाम

छ० अकनूनात् अकनूनीताम् अकनूनन्
अकनूनाः अकनूनीतम् अकनूनीत
अकनूनाम् अकनूनीथ अकनूनीम

अ० अकनाधीत् अकनाविष्टात् अकनाविषुः
अकनाधीः अकनाविष्टम् अकनाविष्ट
अकनाविषम् अकनाविष्य अकनाविष्य

प० चुकनाथ चुकनुवतुः चुकनवुः
चुकनविथ चुकनुवतुः चुकनुव
चुकनाथ चुकनथ चुकनुविथ चुकनुविम

आ० कनूयात् कनूयास्ताम् कनूयासुः
कनूयाः कनूयास्तम् कनूयास्त
कनूयासम् कनूयास्य कनूयास्म

प्र० कनविता कनवितारौ कनवितारः
कनवितासि कनवितास्थः कनवितास्थ
कनवितासिम कनवितास्थः कनवितास्मः

प० कनविष्यति कनविष्यतः कनविष्यन्ति
कनविष्यसि कनविष्यथः कनविष्यथ
कनविष्यामि कनविष्याथः कनविष्यामः

कनविष्यत् अकनविष्यताम् अकनविष्यन्
कनविष्यः अकनविष्यतम् अकनविष्यत
नविष्यम् अकनविष्याथ अकनविष्याम

ते कनूनाते कनूनते
थे कनूनाथे कनूनीध्वे
कनूनीवहे कनूनीमहे

नूनीत कनूनीयानाम् कनूनीरन्
कनूनीथाः कनूनीयाथाम् कनूनीध्वम्

कनूनीय कनूनीवहि कनूनीमहि

प० कनूनीताम् कनूनाताम् कनूनताम्
कनूनीष्व कनूनाथाम् कनूनीध्वम्
कनूनै कनूनावहै कनूनामहै

छ० अकनूनीत अकनूनाताम् अकनूनत
अकनूनीथाः अकनूनाथाम् अकनूनीध्वम्
अकनूनि अकनूनीवहि अकनूनीमहि

अ० अकनविष्ट अकनविषाताम् अकनविषत
अकनविष्टाः अकनविषाताम् अकनविष्टवम्
अकनविष्टवम् अकनविष्वम्
अकनविषि अकनविष्यहि अनुनविष्यहि

प० चुकनुवे चुकनुवाते चुकनुविरे
चुकनुविषे चुकनुवाथे चुकनुविध्वे चुकनुविद्वे
चुकनुवे चुकनुविबहे चुकनुविमहे

आ० कविषीष्ट कविषीयास्ताम् कविषीरन्
कविषीष्टाः कविषीयास्थाम् कविषीद्वम् कवि
षीध्वम्

कविषीय कविषीवहि कविषीमहि

प्र० कविता कवितारौ कवितारः
कवितासे कवितासाथे कविताध्वे
कविताहे कवितास्यहे कवितास्महे

अ० कविष्यते कविष्येते कविष्यन्ते
कविष्यसे कविष्येथे कविष्यध्वे
कविष्ये कनविष्यावहे कनविष्यामहे

क्रि० अकनविष्यत अकनविष्येताम् अकनविष्यत
अकनविष्यथाः अकनविष्येथाम् अकनविष्यध्वम्
अकनविष्ये अकनविष्यावहि अकनविष्यामहि

1516 द्रुग् (द्रू) हिंसायाम् 9

| | | |
|------------------|----------------|-------------------------|
| व० द्रुणाति | द्रुणीतः | द्रुणन्ति |
| द्रुणासि | द्रुणीथः | द्रुणीथ |
| द्रुणामि | द्रुणीषः | द्रुणीमः |
| स० द्रुणीयात् | द्रुणीयाताम् | द्रुणीयुः |
| द्रुणीयाः | द्रुणीयातम् | द्रुणीयात |
| द्रुणीयाम् | द्रुणीयाव | द्रुणीयाम |
| प० द्रुणातु | द्रुणीतात् | द्रुणीताम् |
| द्रुणीहि | द्रुणीतात् | द्रुणीतम् |
| द्रुणानि | द्रुणाव | द्रुणाम |
| झ० अद्रुणात् | अद्रुणीताम् | अद्रुणन् |
| अद्रुणाः | अद्रुणीतम् | अद्रुणीत |
| अद्रुणाम् | अद्रुणीव | अद्रुणीम |
| अ० अद्रावीत् | अद्राविष्टाम् | अद्राविषुः |
| अद्रावीः | अद्राविष्टम् | अद्राविष्ट |
| अद्राविषम् | अद्राविष्व | अद्राविषम् |
| प० द्रुद्राव | द्रुद्रवतुः | द्रुद्रुवः |
| द्रुद्रविथ | द्रुद्रवथुः | द्रुद्रुव |
| द्रुद्राव | द्रुद्रव | द्रुद्रुविष द्रुद्रुविम |
| आ० द्रूयात् | द्रूयास्ताम् | द्रूयासुः |
| द्रूयाः | द्रूयास्तम् | द्रूयास्त |
| द्रूयाम् | द्रूयास्व | द्रूयास्म |
| प्रव० द्रुविता | द्रुवितारौ | द्रुवितारः |
| द्रुवितासि | द्रुवितास्थः | द्रुवितास्थ |
| द्रुवितास्मि | द्रुवितास्वः | द्रुवितास्मः |
| भ० द्रुविष्यति | द्रुविष्यतः | द्रुविष्यन्ति |
| द्रुविष्यसि | द्रुविष्यथः | द्रुविष्यथ |
| द्रुविष्यामि | द्रुविष्यावः | द्रुविष्यामः |
| कि० अद्रुविष्यत् | अद्रुविष्यताम् | अद्रुविष्यन् |
| अद्रुविष्यः | अद्रुविष्यतम् | अद्रुविष्यत |
| अद्रुविष्यम् | अद्रुविष्याव | अद्रुविष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| अ० द्रुणीते | द्रुणाते | द्रुणते |
| द्रुणीषे | द्रुणाथे | द्रुणीष्वे |
| द्रुणे | द्रुणीवहे | द्रुणीमहे |
| स० द्रुणीत | द्रुणीयाताम् | द्रुणीरन् |
| द्रुणीथाः | द्रुणीयाथाम् | द्रुणीध्वम् |
| द्रुणीय | द्रुणीवहि | द्रुणीमहि |
| प० द्रुणीताम् | द्रुणाताम् | द्रुणताम् |
| द्रुणीष्व | द्रुणाथाम् | द्रुणीध्वम् |
| द्रुण | द्रुणावहे | द्रुणामहे |
| झ० अद्रुणीत | अद्रुणाताम् | अद्रुणन् |
| अद्रुणीथाः | अद्रुणाथाम् | अद्रुणीध्वम् |
| अद्रुणि | अद्रुणीवहि | अद्रुणीमहि |
| अ० अद्रविष्ट | अद्रविषाताम् | अद्रविषन् |
| अद्रविष्टाः | अद्रविषाथाम् | अद्रविष्टम् |
| अद्रविषम् | अद्रविष्वहि | अद्रविषमहि |
| प० द्रुद्रुवे | द्रुद्रुवाते | द्रुद्रुविरे |
| द्रुद्रुविषे | द्रुद्रुवाथे | द्रुद्रुविष्वे |
| द्रुद्रुवे | द्रुद्रुविष्वहे | द्रुद्रुविमहे |
| आ० द्रुविषीष्ट | द्रुविषीयाताम् | द्रुविषीरन् |
| द्रुविषीष्टाः | द्रुविषीयाथाम् | द्रुविषीध्वम् |
| द्रुविषीय | द्रुविषीवहि | द्रुविषीमहि |
| प्रव० द्रुविता | द्रुवितारौ | द्रुविताम् |
| द्रुवितासे | द्रुवितासाथे | द्रुविता |
| द्रुविताहे | द्रुवितास्वहे | द्रुविता |
| भ० द्रुविष्यते | द्रुविष्येते | द्रुविष्यन्ते |
| द्रुविष्यसे | द्रुविष्येथे | द्रुविष्यध्वे |
| द्रुविष्ये | द्रुविष्यावहे | द्रुविष्य |
| कि० अद्रुविष्यन् | अद्रुविष्येताम् | अद्रुवि |
| अद्रुविष्यथाः | अद्रुविष्येथाम् | अद्रु |
| अद्रुविष्ये | अद्रुविष्यावहि | अद्रु |

अथ हान्तः सेट् च

1517 ग्रहीय (ग्रह) उपादाने ।

उपादानं स्वीकारः । ।

व० गृह्णाति गृह्णीतः गृह्णन्ति
गृह्णासि गृह्णीथः गृह्णीथ
गृह्णामि गृह्णीवः गृह्णीमः

स० गृह्णीयात् गृह्णीयाताम् गृह्णीयुः
गृह्णीयाः गृह्णीयातम् गृह्णीयात
गृह्णीयाम् गृह्णीयाव गृह्णीयाम

प० गृह्णातु गृह्णीतात् गृह्णीताम् गृह्णतु
गृहाण गृह्णीतात् गृह्णीतम् गृह्णीत
गृह्णानि गृह्णाथ गृह्णाम

झ० अगृह्णात् अगृह्णीताम् अगृह्णन्
अगृह्णाः अगृह्णीतम् अगृह्णीत
अगृह्णाम् अगृह्णीव अगृह्णीम

अ० अग्रहीत् अग्रहीताम् अग्रहीषुः
अग्रहीः अग्रहीताम् अग्रहीष्ट
अग्रहीषम् अग्रहीष्व अग्रहीषम

प० जग्राह जगृहतुः जगृहुः
जग्रहिथ जगृहथुः जगृह
जग्राह जग्रह जगृहिव जगृहिव

आ० गृह्णात् गृह्णास्ताम् गृह्णासुः
गृह्णाः गृह्णास्तम् गृह्णास्त
गृह्णाम् गृह्णास्व गृह्णाम्

प्र० ग्रहीता ग्रहीतारौ ग्रहीतारः
ग्रहीतासि ग्रहीतास्थः ग्रहीतास्थ
ग्रहीतास्मि ग्रहीतास्वः ग्रहीतास्मः

भ० ग्रहीष्यति ग्रहीष्यतः ग्रहीष्यन्ति
ग्रहीष्यसि ग्रहीष्यथः ग्रहीष्यथ
ग्रहीष्यामि ग्रहीष्यावः ग्रहीष्यामः

क्रि० अग्रहीष्यत् अग्रहीष्यताम् अग्रहीष्यन्
अग्रहीष्यः अग्रहीष्यतम् अग्रहीष्यत
अग्रहीष्यम् अग्रहीष्याव अग्रहीष्याम

व० गृह्णीते गृह्णाते गृह्णते
गृह्णीषे गृह्णाथे गृह्णीष्वे
गृह्णे गृह्णीषहे गृह्णीमहे

स० गृह्णीत गृह्णीयाताम् गृह्णीरन्
गृह्णीथाः गृह्णीयाथाम् गृह्णीष्वम्
गृह्णीय गृह्णीवहि गृह्णीमहि

प० गृह्णीताम् गृह्णाताम् गृह्णताम्
गृह्णीष्व गृह्णाथाम् गृह्णीष्वम्
गृह्णे गृह्णीषहे गृह्णामहे

झ० अगृह्णीत अगृह्णाताम् अगृह्णन्
अगृह्णीथाः अगृह्णाथाम् अगृह्णीष्वम्
अगृह्णि अगृह्णीवहि अगृह्णीमहि

अ० अग्रहीष्ट अग्रहीषाताम् अग्रहीषत
अग्रहीष्टाः अग्रहीषाथाम् अग्रहीष्टवम्-इवम्
अग्रहीषम्

अग्रहीषि अग्रहीष्वहि अग्रहीषमहि

प० जगृहे जगृहाते जगृह्विरे
जगृहिषे जगृहाथे जगृह्विरे-इवे
जगृहे जगृह्विषहे जगृह्विमहे

आ० ग्रहीषीष्ट ग्रहीषीयास्ताम् ग्रहीषीरन्
ग्रहीषीष्टाः ग्रहीषीयाथाम् ग्रहीषीष्टवम्-इवम्
ग्रहीषीय ग्रहीषीवहि ग्रहीषीमहि

प्र० ग्रहीता ग्रहीतारौ ग्रहीतारः
ग्रहीतासे ग्रहीतासाथे ग्रहीताष्वे
ग्रहीताहे ग्रहीतास्वहे ग्रहीतास्महे

भ० ग्रहीष्यते ग्रहीष्येते ग्रहीष्यन्ते
ग्रहीष्यसे ग्रहीष्येथे ग्रहीष्यध्वे
ग्रहीष्ये ग्रहीष्यावहे ग्रहीष्यामहे

क्रि० अग्रहीष्यत् अग्रहीष्यताम् अग्रहीष्यन्त
अग्रहीष्यथाः अग्रहीष्येथाम् अग्रहीष्यध्वम्
अग्रहीष्ये अग्रहीष्यावहि अग्रहीष्यामहि

अथ कृयाद्यन्तर्गणः प्वादिः “ प्वादेर्ह्रस्व
इति ह्रस्वप्रयोजनः प्रदर्श्यते
तत्रोदन्तास्त्रयः सेटश्च

1518 पूगृथ् (पू) पवने। पवनं झुद्धिः॥

| | | |
|-------------|------------|------------------|
| प० पुनाति | पुनीतः | पुनन्ति |
| पुनासि | पुनीथः | पुनीथ |
| पुनामि | पुनीथः | पुनीमः |
| स० पुनीयात् | पुनीयाताम् | पुनीयुः |
| पुनीयाः | पुनीयातम् | पुनीयात |
| पुनीयाम् | पुनीयाथ | पुनीयाम |
| प० पुनातु | पुनीतात् | पुनीताम् पुनन्तु |
| पुनीहि | पुनीतात् | पुनीतम् पुनीत |
| पुनानि | पुनाथ | पुनाम |
| झ० अपुनात् | अपुनीताम् | अपुनन् |
| अपुनाः | अपुनीतम् | अपुनीत |
| अपुनाम् | अपुनीथ | अपुनीम |
| अ० अपावीत् | अपाविष्टम् | अपाविषुः |
| अपावीः | अपाविष्टम् | अपाविष्ट |
| अपाविषम् | अपाविष्व | अपाविष्व |
| प० पुपाथ | पुपुषतुः | पुपुषुः |
| पुपुषिथ | पुपुषथुः | पुपुष |
| पुपाथ | पुपुष | पुपुषिथ पुपुषिम |
| आ० पूयात् | पूयास्ताम् | पूयासुः |
| पूयाः | पूयास्तम् | पूयास्त- |
| पूयासम् | पूयास्व | पूयासम् |
| झ० पविता | पवितारौ | पवितारः |
| पवितासि | पवितास्थः | पवितास्थ |
| पवितास्मि | पवितास्वः | पवितास्मः |
| भ० पविष्यति | पविष्यतः | पविष्यन्ति |
| पविष्यन्ति | पविष्यथः | पविष्यथ |
| पविष्यामि | पविष्याथः | पविष्यामः |

क्रि० अपविष्यत् अपविष्यताम् अपविष्यन्
अपविष्यः अपविष्यतम् अपविष्यत
अपविष्यम् अपविष्याथ अपविष्याम

| | | |
|-----------------|---------------|---------------------|
| व० पुनीते | पुनाते | पुनते |
| पुनीषे | पुनाथे | पुनीध्वे |
| पुने | पुनीषहे | पुनीमहे |
| स० पुनीत | पुनीयाताम् | पुनीरन् |
| पुनीथाः | पुनीयाथाम् | पुनीध्वम् |
| पुनीथ | पुनीषहि | पुनीमहि |
| प० पुनीताम् | पुनाताम् | पुनताम् |
| पुनीध्व | पुनाथाम् | पुनीध्वम् |
| पुने | पुनावहे | पुनामहे |
| झ० अपुनीत | अपुनाताम् | अपुनत |
| अपुनीथाः | अपुनाथाम् | अपुनीध्वम् |
| अपुनि | अपुनीषहि | अपुनीमहि |
| अ० अपविष्ट | अपविषाताम् | अपविषत |
| अपविष्टाः | अपविषाथाम् | अपविष्टूषम् |
| | अपविष्टूषम् | अपविष्वम् |
| अपविषि | अपविष्वहि | अपविष्वमहि |
| प० पुपुषे | पुपुषाते | पुपुषिरे |
| पुपुषिषे | पुपुषाथे | पुपुषिदूवे |
| पुपुषिध्वे | पुपुषे | पुपुषिषहे पुपुषिमहे |
| आ० पविषीष्ट | पविषीयास्ताम् | पविषीरन् |
| पविषीष्टाः | पविषीयास्ताम् | पविषीदूषम् |
| | पविषीध्वम् | |
| पविषीय | पविषीषहि | पविषीमहि |
| झ० पविता | पवितारौ | पवितारः |
| पवितासे | पवितासाथे | पविताध्वे |
| पविताहे | पवितास्वहे | पवितास्महे |
| भ० पविष्यते | पविष्येते | पविष्यन्ते |
| पविष्यसे | पविष्येथे | पविष्यध्वे |
| पविष्ये | पविष्याथहे | पविष्यामहे |
| क्रि० अपविष्यत् | अपविष्यताम् | अपविष्यन् |
| अपविष्यथाः | अपविष्येथाम् | अपविष्यध्वम् |
| अपविष्ये | अपविष्याथहि | अपविष्यामहि |

अथ पञ्चान्तर्गणः स्थादिभ्यः स्थादेरिति
नत्वार्थः प्रदर्श्यते

1519 लृग्य (लृ) छेदने 12

| | | |
|--------------------|--------------|---------------|
| व० लृनाति | लृनीतः | लृनन्ति |
| लृनासि | लृनीथः | लृनीथ |
| लृनामि | लृनीवः | लृनीमः |
| स० लृनीयात् | लृनीयाताम् | लृनीयुः |
| लृनीयाः | लृनीयातम् | लृनीयात |
| लृनीयाम् | लृनीयाव | लृनीयाम |
| प० लृनातु | लृनीतात् | लृनीताम् |
| लृनीहि | लृनीतात् | लृनीतम् |
| लृनानि | लृनाव | लृनाम |
| झ० अलृनात् | अलृनीताम् | अलृनन् |
| अलृनाः | अलृनीतम् | अलृनीत |
| अलृनाम् | अलृनीव | अलृनीम |
| अ० अलृनीयात् | अलृनीयाताम् | अलृनीयुः |
| अलृनीयाः | अलृनीयातम् | अलृनीयात |
| अलृनीयाम् | अलृनीयाव | अलृनीयाम |
| प० लृलाव | लृलवतुः | लृलवुः |
| लृलविथ | लृलवथुः | लृलव |
| लृलाव | लृलव | लृलविथ लृलविम |
| आ० लृयात् | लृयास्ताम् | लृयासुः |
| लृयाः | लृयास्तम् | लृयास्त |
| लृयासम् | लृयास्व | लृयास्म |
| प्र० लृविता | लृवितारौ | लृवितारः |
| लृवितासि | लृवितास्थः | लृवितास्थ |
| लृवितास्मि | लृवितास्वः | लृवितास्मः |
| भ० लृविष्यति | लृविष्यतः | लृविष्यन्ति |
| लृविष्यसि | लृविष्यथः | लृविष्यथ |
| लृविष्यामि | लृविष्यावः | लृविष्यामः |
| क्रि० अलृविष्यन्तु | अलृविष्यताम् | अलृविष्यन् |
| अलृविष्यः | अलृविष्यतम् | अलृविष्यत |
| अलृविष्यम् | अलृविष्याव | अलृविष्याम |

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| व० लृनीते | लृनाते | लृनते |
| लृनीषे | लृनाथे | लृनीध्वे |
| लृने | लृनीवहे | लृनीमहे |
| स० लृनीत | लृनीयाताम् | लृनीरन् |
| लृनीयाः | लृनीयाथाम् | लृनीध्वम् |
| लृनीय | लृनीवहि | लृनीमहि |
| प० लृनीताम् | लृनाताम् | लृनताम् |
| लृनीष्व | लृनाथाम् | लृनीध्वम् |
| लृनै | लृनावहे | लृनामहै |
| झ० अलृनीत | अलृनाताम् | अलृनत |
| अलृनीथाः | अलृनाथाम् | अलृनीध्वम् |
| अलृनि | अलृनीवहि | अलृनीमहि |
| अ० अलृविष्ट | अलृविषाताम् | अलृविषत |
| अलृविष्टाः | अलृविषाथाम् | अलृविष्ट्वम् |
| | अलृविष्वम् | अलृविष्वम् |
| अलृविषि | अलृविष्वहि | अलृविष्वमहि |
| प० लृलुवे | लृलुवाते | लृलुवरे |
| लृलुविषे | लृलुवाथे | लृलुवि वे ध्वे |
| लृलुवे | लृलुविषहे | लृलुविमहे |
| अ० लृविषीष्ट | लृविषीयास्ताम् | लृविषीरन् |
| लृविषीष्टाः | लृविषीयाथाम् | लृविषीध्वम् |
| | लृविषीध्वम् | |
| लृविषीय | लृविषीवहि | लृविषीमहि |
| प्र० लृविता | लृवितारौ | लृवितारः |
| लृवितासे | लृवितासार्थे | लृविताध्वे |
| लृविताहे | लृवितास्वहे | लृवितास्महे |
| भ० लृविष्यते | लृविष्येते | लृविष्यन्ते |
| लृविष्यसे | लृविष्येथे | लृविष्यध्वे |
| लृविष्ये | लृविष्यावहे | लृविष्यामहे |
| क्रि० अलृविष्यन्त | अलृविष्यताम् | अलृविष्यन्त |
| अलृविष्यथाः | अलृविष्येथाम् | अलृविष्यध्वम् |
| अलृविष्ये | अलृविष्यावहि | अलृविष्यामहि |

1520 धून् (धू) कम्पने 13

| | | |
|-----------------|-------------|-------------|
| ब० धुनाति | धुनीतः | धुनन्ति |
| धुनासि | धुनीथः | धुनीथ |
| धुनामि | धुनीषः | धुनीमः |
| स० धुनीयात् | धुनीयाताम् | धुनीयुः |
| धुनीयाः | धुनीयातम् | धुनीयात् |
| धुनीयाम् | धुनीयाष | धुनीयाम |
| प० धुनातु | धुनीतात् | धुनीताम् |
| धुनीहि | धुनीतात् | धुनीतम् |
| धुनानि | धुनाथ | धुनाम |
| झ० अधुनात् | अधुनीताम् | अधुनन् |
| अधुनाः | अधुनीतम् | अधुनीत |
| अधुनाम् | अधुनीष | अधुनीम |
| अ० अधावीत् | अधाविशाम् | अधाविषुः |
| अधावीः | अधाविष्टम् | अधाविष्ट |
| अधाविषम् | अधाविष्य | अधाविष्य |
| प० दुधाव | दुधुवतुः | दुधुवुः |
| दुधविथ | दुधुवथुः | दुधुव |
| दुधाव दुधव | दुधुविष | दुधुविम |
| आ० धूयात् | धूयास्ताम् | धूयासुः |
| धूयाः | धूयास्तम् | धूयास्त |
| धूयासम् | धूयास्व | धूयास्म |
| श्व० ध्विता | ध्वितारौ | ध्वितारः |
| ध्वितासि | ध्वितास्थः | ध्वितास्थ |
| ध्वितास्मि | ध्वितास्वः | ध्वितास्मः |
| धोता | धोतारौ | धोतारः इ० |
| भ० ध्विष्यति | ध्विष्यतः | ध्विष्यन्ति |
| ध्विष्यसि | ध्विष्यथः | ध्विष्यथ |
| ध्विष्यामि | ध्विष्यावः | ध्विष्यामः |
| धोष्यति | धोष्यतः | धोष्यन्ति |
| क्रि० अधविष्यत् | अधविष्यताम् | अधविष्यन् |
| अधविष्यः | अधविष्यतम् | अधविष्यत |
| अधविष्यम् | अधविष्याष | अधविष्याम |
| अधोष्यत् | अधोष्यताम् | अधोष्यन् |

| | | |
|----------------|----------------|--------------|
| व० धुनीते | धुनाते | धुनन्ते |
| धुनीषे | धुनाथे | धुनीष्वे |
| धुने | धुनीवहे | धुनीमहे |
| स० धुनीत | धुनीयाताम् | धुनीरन् |
| धुनीथाः | धुनीयाथाम् | धुनीष्वम् |
| धुनीय | धुनीवहि | धुनीमहि |
| प० धुनीताम् | धुनाताम् | धुनताम् |
| धुनीष्व | धुनाथाम् | धुनीष्वम् |
| धुने | धुनावहे | धुनामहे |
| झ० अधुनीत | अधुनाताम् | अधुनन् |
| अधुनीथाः | अधुनाथाम् | अधुनीष्वम् |
| अधुनि | अधुनीवहि | अधुनीमहि |
| अ० अधविष्ट | अधविषाताम् | अधविषत |
| अधविष्टाः | अधविषाथाम् | अधविष्ट्वम् |
| | अधविष्टम् | अधविष्ट्वम् |
| अधविषि | अधविष्यहि | अधविष्यमहि |
| अधोष्ट | अधोषाताम् | अधोषत इ० |
| प० दुधुवे | दुधुवाते | दुधुविरे |
| दुधुविषे | दुधुवाथे | दुधुविष्वे |
| दुधुवे | दुधुविषहे | दुधुविमहे |
| आ० ध्विषीष्ट | ध्विषीयास्ताम् | ध्विषीरन् |
| ध्विषीष्टाः | ध्विषीयास्थाम् | ध्विषीष्वम् |
| ध्विषीय | ध्विषीवहि | ध्विषीमहि |
| धोषीष्ट | धोषीयास्ताम् | धोषीरन् इ० |
| श्व० ध्विता | ध्वितारौ | ध्वितारः |
| ध्वितासे | ध्वितासाथे | ध्वितास्व |
| ध्विताहे | ध्वितास्वहे | ध्वितास्महे |
| धोता | धोतारौ | धोतारः इ० |
| भ० ध्विष्यते | ध्विष्येते | ध्विष्यन्ते |
| ध्विष्यसे | ध्विष्येथे | ध्विष्यध्वे |
| ध्विष्ये | ध्विष्यावहे | ध्विष्यामहे |
| धोष्यते | धोष्येते | धोष्यन्ते इ० |
| क्रि० अधविष्यत | अधविष्येताम् | अधविष्यन्त |
| अधविष्यथाः | अधविष्येथाम् | अधविष्यध्वम् |
| अधविष्ये | अधविष्यावहि | अधविष्यामहि |
| अधोष्यत | अधोष्येताम् | अधोष्यन्त इ० |

॥ अथ ऋदन्तास्त्रयः सैटश्च ॥

1521 स्तृणू (स्तृ) आच्छादने 14

ब० स्तृणाति स्तृणीतः स्तृणन्ति
 स्तृणासि स्तृणीथः स्तृणीथ
 स्तृणामि स्तृणीषः स्तृणीमः
 स० स्तृणीयात् स्तृणीयाताम् स्तृणीयुः
 स्तृणीयाः स्तृणीयातम् स्तृणीयात
 स्तृणीयाम् स्तृणीयाष स्तृणीयाम
 प० स्तृणातु स्तृणीतात् स्तृणीताम् स्तृणन्तु
 स्तृणीहि स्तृणीतात् स्तृणीतम् स्तृणीत
 स्तृणानि स्तृणाथ स्तृणाम
 झ० अस्तृणात् अस्तृणीताम् अस्तृणन्
 अस्तृणाः अस्तृणीतम् अस्तृणीत
 अस्तृणाम् अस्तृणीष अस्तृणीम
 अ० अस्तारीत् अस्तारिषाम् अस्तारिषुः
 अस्तारीः अस्तारिषम् अस्तारिष्ट
 अस्तारिषम् अस्तारिष्व अस्तारिष्म
 प० तस्तार तस्तरतुः तस्तरुः
 तस्तरिथ तस्तरथुः तस्तर
 तस्तार तस्तर तस्तरिष तस्तरिम
 आ० स्तीर्यात् स्तीर्यास्ताम् स्तीर्यासुः
 स्तीर्याः स्तीर्यास्तम् स्तीर्यास्त
 स्तीर्यासम् स्तीर्यास्व स्तीर्यास्मि
 ऋ० स्तरिता स्तरितारौ स्तरितारः
 स्तरितासि स्तरितास्थः स्तरितास्थ
 स्तरितास्मि स्तरितास्वः स्तरितास्मः
 स्तरीता स्तरीतारौ स्तरीतारः इ०
 भ० स्तरिष्यति स्तरिष्यतः स्तरिष्यन्ति
 स्तरिष्यसि स्तरिष्यथः स्तरिष्यथ
 स्तरिष्यामि स्तरिष्यावः स्तरिष्यामः
 स्तरीष्यति स्तरीष्यतः स्तरीष्यन्ति
 कि० अस्तरिष्यत् अस्तरिष्यताम् अस्तरिष्यन्त
 अस्तरिष्यः अस्तरिष्यताम् अस्तरिष्यन्त
 अस्तरिष्यम् अस्तरिष्यावहि अस्तरिष्यामहि
 अस्तरीष्यत् अस्तरीष्यताम् अस्तरीष्यन्त इ०

ब० स्तृणीते स्तृणाते स्तृणते
 स्तृणीषे स्तृणाथे स्तृणीष्वे
 स्तृणे स्तृणीषहे स्तृणीमहे
 स० स्तृणीत स्तृणीयाताम् स्तृणीरन्
 स्तृणीयाः स्तृणीयाथाम् स्तृणीष्वम्
 स्तृणीय स्तृणीषहि स्तृणीमहि
 प० स्तृणीताम् स्तृणाताम् स्तृणताम्
 स्तृणीष्व स्तृणाथाम् स्तृणीष्वम्
 स्तृणै स्तृणावहे स्तृणामहे
 झ० अस्तृणीत अस्तृणाताम् अस्तृणत
 अस्तृणीथाः अस्तृणाथाम् अस्तृणीष्वम्
 अस्तृणि अस्तृणीषहि अस्तृणीमहि
 अ० अस्तरिष्ट अस्तरिषाताम् अस्तरिषत
 अस्तरिष्टाः अस्तरिषाथाम् अस्तरिष्टवम्
 अस्तरिष्टवम् अस्तरिष्टवम्
 अस्तरिषि अस्तरिष्वहि अस्तरिष्महि
 अस्तरीष्ट अस्तरीषाताम् अस्तरीषत इ०
 अस्तीष्ट अस्तीषाताम् अस्तीषत इ०
 प० तस्तरे तस्तराते तस्तरिरे
 तस्तरिषे तस्तराथे तस्तरिष्वेतस्तरिष्ट्वे
 तस्तरे तस्तरिषहे तस्तरिमहे
 आ० स्तरिषीष्ट स्तरिषीयास्ताम् स्तरिषीरन्
 स्तरिषीष्टाः स्तरिषीयाथाम् स्तरिषीष्वम्
 स्तरिषीष्वम् स्तरिषीष्वम्
 स्तीर्षीष्ट स्तीर्षीयास्ताम् स्तीर्षीरन् इ०
 ऋ० स्तरिता स्तरितारौ स्तरितारः
 स्तरितासे स्तरितासाथे स्तरिताष्वे
 स्तरिताहे स्तरितास्वहे स्तरितास्महे
 स्तरीता स्तरीतारौ स्तरीतारः इ०
 भ० स्तरिष्यते स्तरिष्येते स्तरिष्यन्ते
 स्तरिष्यसे स्तरिष्येथे स्तरिष्यध्वे
 स्तरिष्ये स्तरिष्यावहे स्तरिष्यामहे
 स्तरीष्यते स्तरीष्येते स्तरीष्यन्ते इ०
 कि० अस्तरिष्यत अस्तरिष्यताम् अस्तरिष्यन्त
 अस्तरिष्यथाः अस्तरिष्येथाम् अस्तरिष्यध्वम्
 अस्तरिष्ये अस्तरिष्यावहि अस्तरिष्यामहि
 अस्तरीष्यत अस्तरीष्येताम् अस्तरीष्यन्त इ०

1522 कृग्शू (कृ) हिंसायाम् 15

| | | |
|-----------------|--------------|------------------|
| व० कृणाति | कृणीतः | कृणन्ति |
| कृणासि | कृणीथः | कृणीथ |
| कृणामि | कृणीषः | कृणीमः |
| स० कृणीयात् | कृणीयाताम् | कृणीयुः |
| कृणीयाः | कृणीयातम् | कृणीयात |
| कृणीयाम् | कृणीयाव | कृणीयाम |
| प० कृणातु | कृणीतात् | कृणीताम् कृणन्तु |
| कृणीहि | कृणीतात् | कृणीतम् कृणीत |
| कृणानि | कृणाव | कृणाम |
| झ० अकृणात् | अकृणीताम् | अकृणन् |
| अकृणाः | अकृणीतम् | अकृणीत |
| अकृणाम् | अकृणीष | अकृणीम |
| अ० अकारीत् | अकारिष्टाम् | अकारिषुः |
| अकारीः | अकारिष्टम् | अकारिष्ट |
| अकारिषम् | अकारिष्व | अकारिष्व |
| प० चकार | चकारतुः | चकरः |
| चकारिथ | चकारथुः | चकर |
| चकार चकर | चकारिष | चकरिम |
| आ० कीर्यात् | कीर्यास्ताम् | कीर्यासुः |
| कीर्याः | कीर्यास्तम् | कीर्यास्त |
| कीर्यासम् | कीर्यास्व | कीर्यास्म |
| प्र० करिता | करितारौ | करितारः |
| करितामि | करितास्थः | करितास्थ |
| करितास्मि | करितास्थः | करितास्मः |
| करीता | करीतारौ | करीतारः इ० |
| भ० करिष्यति | करिष्यतः | करिष्यन्ति |
| करिष्यसि | करिष्यथः | करिष्यथ |
| करिष्यामि | करिष्याषः | करिष्यामः |
| करोष्यति | करोष्यतः | करोष्यन्ति इ० |
| क्रि० अकरिष्यत् | अकरिष्यताम् | अकरिष्यन् |
| अकरिष्यः | अकरिष्यतम् | अकरिष्यत |
| अकरिष्यम् | अकरिष्याव | अकरिष्याम |
| अकरोष्यत् | अकरोष्यताम् | अकरोष्यन् इ० |
| व० कृणीते | कृणाते | कृणते |
| कृणीषे | कृणाथे | कृणीष्वे |

| | | |
|----------------|---------------|------------------|
| कृणे | कृणीवहे | कृणीमहे |
| स० कृणीत | कृणीयाताम् | कृणीरन् |
| कृणीथाः | कृणीयाथाम् | कृणीध्वम् |
| कृणीय | कृणीषाहि | कृणीमहि |
| प० कृणीताम् | कृणाताम् | कृणताम् |
| कृणीष्व | कृणाथाम् | कृणीध्वम् |
| कृणै | कृणावहै | कृणामहै |
| झ० अकृणीत | अकृणाताम् | अकृणत |
| अकृणीथाः | अकृणाथाम् | अकृणीध्वम् |
| अकृणि | अकृणीषाहि | अकृणीमहि |
| अ० अकरिष्ट | अकरिषाताम् | अकरिषत |
| अकरिष्टाः | अकरिषाथाम् | अकरिड्ध्वम् |
| | अकरिड्ध्वम् | अकरिध्वम् |
| अकरिषि | अकरिष्वहि | अकरिष्वमहि |
| अकरीष्ट | अकरीषाताम् | अकरीषत इ० |
| अकोर्ष्ट | अकीर्षाताम् | अकीर्षत इ० |
| प० चकरे | चकराते | चकरिरे |
| चकरिषे | चकराथे | चकरिड्ध्वे |
| चकरे | चकरिष्वहे | चकरिमहे |
| आ० करिषीष्ट | करिषीयास्ताम् | करिषीरन् |
| करिषीष्टाः | करिषीयाथाम् | करिषीध्वम् ध्वम् |
| करिषीय | करिषीषाहि | करिषीमहि |
| कीर्षीष्ट | कीर्षीयाथाम् | कीर्षीरन् इ० |
| प्रव० करिता | करितारौ | करितारः |
| करितासे | करितासाथे | करिताध्वे |
| करिताहे | करिताष्वहे | करितास्महे |
| करीता | करीतारौ | करीतारः इ० |
| भ० करिष्यते | करिष्येते | करिष्यन्ते |
| करिष्यसे | करिष्येथे | करिष्यध्वे |
| करिष्ये | करिष्याषहे | करिष्यामहे |
| करीष्यते | करीष्येते | करीष्यन्ते |
| क्रि० अकरिष्यत | अकरिष्येताम् | अकरिष्यन्त |
| अकरिष्यथाः | अकरिष्येथाम् | अकरिष्यध्वम् |
| अकरिष्ये | अकरिष्याषाहि | अकरिष्यामहि |
| अकरीष्यत | अकरीष्येताम् | अकरीष्यन्त इ० |

1523 वृण् (वृ) वरणे 16

| | | |
|-----------------|-------------|--------------|
| ब० वृणाति | वृणीतः | वृणन्ति |
| वृणासि | वृणीथः | वृणीथ |
| वृणामि | वृणीष्वः | वृणीमः |
| स० वृणीयात् | वृणीयाताम् | वृणीयुः |
| वृणीयाः | वृणीयातम् | वृणीयात |
| वृणीयाम् | वृणीयाव | वृणीयाम |
| प० वृणातु | वृणीतात् | वृणीताम् |
| वृणीहि | वृणीतात् | वृणीतम् |
| वृणानि | वृणाव | वृणाम |
| झ० अवृणात् | अवृणीताम् | अवृणन् |
| अवृणाः | अवृण तम् | अवृणीत |
| अवृणाम् | अवृणीव | अवृणीम |
| अ० अवारीत् | अवारिष्ठात् | अवारिषुः |
| अवारीः | अवारिष्टम् | अवारिष्ट |
| अवारिषम् | अवारिष्व | अवारिषम् |
| प० ववार | ववारतुः | ववारः |
| ववारिथ | ववारथुः | ववार |
| ववार | ववार | ववारिथ |
| आ० वृयाति | वृयास्ताम् | वृयासुः |
| वृयाः | वृयास्तम् | वृयास्त |
| वृयासम् | वृयास्व | वृयास्म |
| अ० वरिता | वरितारौ | वरितारः |
| वरितासि | वरितास्थः | वरितास्थ |
| वरितास्मि | वरितास्वः | वरितास्मः |
| वरीता | वरीतारौ | वरीतारः ॥ |
| अ० वरिष्यति | वरिष्यतः | वरिष्यन्ति |
| वरिष्यसि | वरिष्यथः | वरिष्यथ |
| वरिष्यामि | वरिष्यावः | वरिष्यामः |
| वरीष्यति | वरीष्यतः | वरीष्यन्ति ॥ |
| क्रि० अवरिष्यत् | अवरिष्यताम् | अवरिष्यन् |
| अवरिष्यः | अवरिष्यतम् | अवरिष्यत |
| अवरिष्यम् | अवरिष्याव | अवरिष्याम |
| अवरीष्यत् | अवरीष्यताम् | अवरीष्यन् ॥ |
| व० वृणीते | वृणाने | वृणन्ते |
| वृणीषे | वृणाथे | वृणीष्वे |

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| वृणे | वृणीवहे | वृणीमहे |
| स० वृणीत | वृणीयाताम् | वृणीरन् |
| वृणीथाः | वृणीयाथाम् | वृणीष्वम् |
| वृणीथ | वृणीवहि | वृणीमहि |
| प० वृणीताम् | वृणाताम् | वृणताम् |
| वृणीष्व | वृणाथाम् | वृणीष्वम् |
| वृणै | वृणावहे | वृणामहे |
| झ० अवृणीत | अवृणाताम् | अवृणत |
| अवृणीथः | अवृणीथाम् | अवृणीष्वम् |
| अवृणि | अवृणीवहि | अवृणीमहि |
| अ० अवरिष्ट | अवरिषाताम् | अवरिषत |
| अवरिष्टाः | अवरिषाथाम् | अवरिष्टवम् |
| | अवरिष्टवम् | अवरिष्टवम् |
| अवरिषि | अवरिष्यहि | अवरिष्यमहि |
| अवरीष्ट | अवरीषाताम् | अवरीषत ॥ |
| अवृष्ट | अवृषाताम् | अवृषत ॥ |
| प० ववरे | ववराते | ववरिरे |
| ववरिषे | ववराथे | ववरिष्वे |
| ववरे | ववरिवहे | ववरिमहे |
| आ० वरिषीष्ट | वरिषीयास्ताम् | वरिषीरन् |
| वरिषीष्टाः | वरिषीयास्थाम् | वरिषीष्वम् |
| | | वरिषीष्वम् |
| वरिषीथ | वरिषीवहि | वरिषीमहि |
| वृषीष्ट | वृषीयास्ताम् | वृषीरन् ॥ |
| अ० वरिता | वरितारौ | वरितारः |
| वरितासे | वरितासाथे | वरिताष्वे |
| वरिताहे | वरितास्वहे | वरितास्महे |
| वरीता | वरीतारौ | वरीतारः ॥ |
| अ० वरिष्यते | वरिष्येते | वरिष्यन्ते |
| वरिष्यसे | वरिष्येथे | वरिष्यष्वे |
| वरिष्ये | वरिष्यावहे | वरिष्यामहे |
| वरीष्यते | वरीष्येते | वरीष्यन्ते ॥ |
| क्रि० अवरिष्यत | अवरिष्यताम् | अवरिष्यन्त |
| अवरिष्यथाः | अवरिष्येथाम् | अवरिष्यष्वम् |
| अवरिष्ये | अवरिष्यावहि | अवरिष्यामहि |
| अवरीष्यत | अवरीष्येताम् | अवरीष्यन्त ॥ |

अथ परस्मैपदित्वादन्तोऽनिट् च
1524 ज्यांश् (ज्या) हानौ । 7

॥ वयोहानावित्येके ॥

| | | |
|------------------|---------------|-------------|
| व० जिनाति | जिनीतः | जिनन्ति |
| जिनासि | जिनीथः | जिनीथ |
| जिनामि | जिनीवः | जिनीमः |
| स० जिनीयात् | जिनीयाताम् | जिनीयुः |
| जिनीयाः | जिनीयातम् | जिनीयात |
| जिनीयाम् | जिनीयाव | जिनीयाम |
| प० जिनातु | जिनीतात् | जिनीताम् |
| जिनीहि | जिनीतम् | जिनीत |
| जिनानि | जिनाव | जिनाम |
| झ० अजिनात् | अजिनीताम् | अजिनन् |
| अजिनाः | अजिनीतम् | अजिनोत |
| अजिनान् | अजिनोव | अजिनीम |
| अ० अज्यासीत् | अज्यासिष्टाम् | अज्यासिषुः |
| अज्यासीः | अज्यासिष्टम् | अज्यासिष्ट |
| अज्यासिषम् | अज्यासिष्व | अज्यासिषम |
| प० जिज्यौ | जिज्यतुः | जिज्युः |
| जिज्यिथ | जिज्यथ | जिज्यथुः |
| जिज्यौ | जिज्यिव | जिज्यिम |
| आ० जीयात् | जीयास्ताम् | जीयासुः |
| जीयाः | जीयास्तम् | जीयास्त |
| जीयासम् | जीयास्व | जीयास्म |
| श्व० ज्याता | ज्यातारौ | ज्यातारः |
| ज्यातासि | ज्यातास्थः | ज्यातास्थ |
| ज्यातास्मि | ज्यातास्वः | ज्यातास्मः |
| भ० ज्यास्यति | ज्यास्यतः | ज्यास्यन्ति |
| ज्यास्यसि | ज्यास्यथः | ज्यास्यथ |
| ज्यास्यामि | ज्यास्यावः | ज्यास्यामः |
| क्रि० अज्यास्यत् | अज्यास्यताम् | अज्यास्यन् |
| अज्यास्यः | अज्यास्यतम् | अज्यास्यत |
| अज्यास्यम् | अज्यास्याव | अज्यास्याम |

अथेदन्ताश्चस्वारोऽनिट्श्च
1525 रींश् (री) गतिरेषणयोः ।

रेषणं हिंसा । 18

| | | |
|---|------------|-----------|
| व० रिणाति | रिणीतः | रिणन्ति |
| रिणासि | रिणीथः | रिणीथ |
| रिणामि | रिणीवः | रिणीमः |
| स० रिणीयात् | रिणीयाताम् | रिणीयुः |
| रिणीयाः | रिणीयातम् | रिणीयात |
| रिणीयाम् | रिणीयाव | रिणीयाम |
| प० रिणातु | रिणीतात् | रिणीताम् |
| रिणीहि | रिणीतात् | रिणीतम् |
| रिणानि | रिणाव | रिणाम |
| ह्य० अरिणात् | अरिणीताम् | अरिणन् |
| अरिणाः | अरिणीतम् | अरिणीत |
| अरिणाम् | अरिणीव | अरिणीम |
| अ० अरैषीत् | अरैष्टाम् | अरैषुः |
| अरैषीः | अरैष्टम् | अरैष्ट |
| अरैषम् | अरैष्व | अरैषम |
| प० रिराय | रिर्यतुः | रिर्युः |
| रिरयिथ | रिरिथ | रिर्यथुः |
| रिराय | रिरय | रिरिव |
| आ० रीयात् | रीयास्ताम् | रीयासुः |
| रीयाः | रीयास्तम् | रीयास्त |
| रीयासम् | रीयास्व | रीयास्म |
| श्व० रेता | रेतागौ | रेतारः |
| रेतासि | रेतास्थः | रेतास्थ |
| रेतास्मि | रेतास्वः | रेतास्मः |
| भ० रेष्यति | रेष्यतः | रेष्यन्ति |
| रेष्यसि | रेष्यथः | रेष्यथ |
| रेष्यामि | रेष्यावः | रेष्यामः |
| क्रि० अरेष्यत् | अरेष्यताम् | अरेष्यन् |
| अरेष्यः | अरेष्यतम् | अरेष्यत |
| अरेष्यम् | अरेष्याव | अरेष्याम |
| योऽनेकस्वरस्येति यत्वस्य बहिरङ्गत्वेन भावेति दीर्घमन्तरङ्गं प्रत्यसिद्धत्वात्पु- र्वम्य दीर्घाभावे गिर्यतुः । | | |

1526 लींशु (ली) श्लेषणे 19

| | | | |
|-------|----------|-------------|--------------|
| ब० | लिनाति | लिनीतः | लिनन्ति |
| | लिनासि | लिनीथः | लिनीथ |
| | लिनामि | लिनीवः | लिनीमः |
| स० | लिनीयात् | लिनीयाताम् | लिनीयुः |
| | लिनीयाः | लिनीयातम् | लिनीयात |
| | लिनीयाम् | लिनीयाव | लिनीयाम |
| प० | लिनातु | लिनीतात् | लिनीताम् |
| | लिनीहि | लिनीतात् | लिनीतम् |
| | लिनानि | लिनाव | लिनाम |
| झ० | अलिनात् | अलिनीताम् | अलिनन् |
| | अलिनाः | अलिनीतम् | अलिनीत |
| | अलिनाम् | अलिनीव | अलिनीम |
| अ० | अलैषीत् | अलैषाम् | अलैषुः |
| | अलैषीः | अलैषम् | अलैषट् |
| | अलैषम् | अलैषव | अलैषम |
| | अलासीत् | अलासिष्टाम् | अलासिषुः इ० |
| प० | लिलाय | लली | लिल्यतुः |
| | लिलयिथ | लिलेथ | ललिथ |
| | | लिल्यथुः | लिल्य |
| | लिलाय | लिलय | लली |
| | लिलियव | लिलियम | |
| आ० | लीयात् | लीयास्ताम् | लीयासुः |
| | लीयाः | लीयास्तम् | लीयास्त |
| | लीयासम् | लीयास्व | लीयास्म |
| भ्व० | लाता | लातारौ | लातारः |
| | लातासि | लातास्थः | लातास्थ |
| | लातास्मि | लातास्वः | लातास्मः |
| | लेता | लेतारौ | लेतारः इ० |
| भ० | लेष्यति | लेष्यतः | लेष्यन्ति |
| | लेष्यसि | लेष्यथः | लेष्यथ |
| | लेष्यामि | लेष्यावः | लेष्यामः |
| | लास्यति | लास्यतः | लास्यन्ति इ० |
| क्रि० | अलेष्यत् | अलेष्यताम् | अलेष्यन् |
| | अलेष्यः | अलेष्यतम् | अलेष्यत |
| | अलेष्यम् | अलेष्याव | अलेष्याम |
| | अलास्यत् | अलास्यताम् | अलास्यन् इ० |

1527 व्लींशु (वली) वरणे 20

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| ब० | विलनाति | विलनीतः | विलनन्ति |
| | विलनासि | विलनीथः | विलनीथ |
| | विलनामि | विलनीवः | विलनीमः |
| स० | विलनीयात् | विलनीयाताम् | विलनीयुः |
| | विलनीयाः | विलनीयातम् | विलनीयात |
| | विलनीयाम् | विलनीयाव | विलनीयाम |
| प० | विलनातु | विलनीतात् | विलनीताम् |
| | विलनीहि | विलनीतात् | विलनीतम् |
| | विलनानि | विलनाव | विलनाम |
| झ० | अविलनात् | अविलनीताम् | अविलनन् |
| | अविलनाः | अविलनीतम् | अविलनीत |
| | अविलनाम् | अविलनीव | अविलनीम |
| अ० | अव्लेषीत् | अव्लेष्टाम् | अव्लेषुः |
| | अव्लेषीः | अव्लेषम् | अव्लेषट् |
| | अव्लेषम् | अव्लेषव | अव्लेषम |
| प० | विक्लयाय | विक्लियन्तुः | विक्लियुः |
| | विक्लयिथ | विक्लेथ | विलियथुः |
| | विक्लयाय | विक्लय | विक्लियिष |
| | विक्लियम | | |
| आ० | वलीयात् | वलीयास्ताम् | वलीयासुः |
| | वलीयाः | वलीयास्तम् | वलीयास्त |
| | वलीयासम् | वलीयास्व | वलीयास्म |
| भ्व० | व्लेता | व्लेतारौ | व्लेतारः |
| | व्लेतासि | व्लेतास्थः | व्लेतास्थ |
| | व्लेतास्मि | व्लेतास्वः | व्लेतास्मः |
| भ० | व्लेष्यति | व्लेष्यतः | व्लेष्यन्ति |
| | व्लेष्यसि | व्लेष्यथः | व्लेष्यथ |
| | व्लेष्यामि | व्लेष्यावः | व्लेष्यामः |
| क्रि० | अव्लेष्यत् | अव्लेष्यताम् | अव्लेष्यन् |
| | अव्लेष्यः | अव्लेष्यतम् | अव्लेष्यत |
| | अव्लेष्यम् | अव्लेष्याव | अव्लेष्याम |

1528 लवींश् (लवी) गतौ 21

| | | | |
|-------|------------|---------------------|----------------------|
| ष० | ल्विनाति | ल्विनीतः | ल्विनन्ति |
| | ल्विनासि | ल्विनीथः | ल्विनीथ |
| | ल्विनामि | ल्विनीवः | ल्विनीमः |
| स० | ल्विनीयात् | ल्विनीयाताम् | ल्विनीयुः |
| | ल्विनीयाः | ल्विनीयातम् | ल्विनीयात |
| | ल्विनीयाम् | ल्विनीयाव | ल्विनीयाम |
| प० | ल्विनातु | ल्विनीतात् | ल्विनीताम् |
| | ल्विनीहि | ल्विनीतम् | ल्विनीत |
| | ल्विनानि | ल्विनाव | ल्विनाम |
| झ० | अल्विनात् | अल्विनीताम् | अल्विनन् |
| | अल्विनाः | अल्विनीतम् | अल्विनीत |
| | अल्विनाम् | अल्विनीव | अल्विनीम |
| अ० | अल्वैषीत् | अल्वैष्टाम् | अल्वैषुः |
| | अल्वैषीः | अल्वैष्टम् | अल्वैष्ट |
| | अल्वैषम् | अल्वैष्व | अल्वैषम |
| प० | ल्लिवाय | ल्लि्वियतुः | ल्लि्वियुः |
| | ल्लि्वयिथ | ल्लि्वेथल्लि्वियथुः | ल्लि्विय |
| | ल्लिवाय | ल्लि्वय | ल्लि्वियिथल्लि्वियिथ |
| आ० | ल्वीयात् | ल्वीयास्ताम् | ल्वीयासुः |
| | ल्वीयाः | ल्वीयास्तम् | ल्वीयास्त |
| | ल्वीयासम् | ल्वीयास्व | ल्वीयास्म |
| प्र० | ल्वेता | ल्वेतारौ | ल्वेतारः |
| | ल्वेतासि | ल्वेतास्थः | ल्वेतास्थ |
| | ल्वेतास्मि | ल्वेतास्वः | ल्वेतास्मः |
| भ० | ल्वेयति | ल्वेयतः | ल्वेयन्ति |
| | ल्वेयसि | ल्वेयथः | ल्वेयथ |
| | ल्वेयामि | ल्वेयावः | ल्वेयामः |
| क्रि० | अल्वेयत् | अल्वेयताम् | अल्वेयन् |
| | अल्वेयः | अल्वेयतम् | अल्वेयत |
| | अल्वेयम् | अल्वेयाव | अल्वेयाम |

1582-2 प्लीश् (प्ली) गतौ,

श्लेषणे इत्येके पठन्ति.

| | | | |
|-------|------------|--------------|------------|
| ष० | प्लिनानि | प्लिनीतः | प्लिनन्ति |
| | प्लिनासि | प्लिनीथः | प्लिनीथ |
| | प्लिनामि | प्लिनीवः | प्लिनीमः |
| स० | प्लिनीयात् | प्लिनीयाताम् | प्लिनीयुः |
| | प्लिनीयाः | प्लिनीयातम् | प्लिनीयात |
| | प्लिनीयाम् | प्लिनीयाव | प्लिनीयाम |
| प० | प्लिनातु | प्लिनीतात् | प्लिनीताम् |
| | प्लिनीहि | प्लिनीतम् | प्लिनीत |
| | प्लिनानि | प्लिनाव | प्लिनाम |
| झ० | अप्लिनात् | अप्लिनीताम् | अप्लिनन् |
| | अप्लिनाः | अप्लिनीतम् | अप्लिनीत |
| | अप्लिनाम् | अप्लिनीव | अप्लिनीम |
| अ० | अप्लौषीत् | अप्लौष्टाम् | अप्लौषुः |
| | अप्लौषीः | अप्लौष्टम् | अप्लौष्ट |
| | अप्लौषम् | अप्लौष्व | अप्लौषम |
| प० | पिप्लाय | पिप्लियतुः | पिप्लियुः |
| | पिप्लयिथ | पिप्लेथ | पिप्लियथुः |
| | पिप्लाय | पिप्लय | पिप्लियिथ |
| आ० | प्लीयात् | प्लीयास्ताम् | प्लीयासुः |
| | प्लीयाः | प्लीयास्तम् | प्लीयास्त |
| | प्लीयासम् | प्लीयास्व | प्लीयास्म |
| प्र० | प्लेता | प्लेतारौ | प्लेतारः |
| | प्लेतासि | प्लेतास्थः | प्लेतास्थ |
| | प्लेतास्मि | प्लेतास्वः | प्लेतास्मः |
| भ० | प्लेयति | प्लेयतः | प्लेयन्ति |
| | प्लेयसि | प्लेयथः | प्लेयथ |
| | प्लेयामि | प्लेयावः | प्लेयामः |
| क्रि० | अप्लेयत् | अप्लेयताम् | अप्लेयन् |
| | अप्लेयः | अप्लेयतम् | अप्लेयत |
| | अप्लेयम् | अप्लेयाव | अप्लेयाम |

॥ अथ ऋदन्ता एकादश सेद्वश्च ॥

1529 कृशू (कृ) हिसायाम् 22

| | | |
|-------------|--------------|---------------|
| व० कृणानि | कृणीतः | कृणन्ति |
| कृणासि | कृणीथः | कृणीथ |
| कृणामि | कृणीवः | कृणीमः |
| स० कृणीयात् | कृणीयाताम् | कृणीयुः |
| कृणीयाः | कृणीयाताम् | कृणीयात |
| कृणीयाम् | कृणीयाव | कृणीयाम |
| प० कृणातु | कृणीतात् | कृणीताम् |
| कृणीहि | कृणीतम् | कृणीत |
| कृणानि | कृणाव | कृणाम |
| झ० अकृणात् | अकृणीताम् | अकृणन् |
| अकृणाः | अकृणीतम् | अकृणीत |
| अकृणाम् | अकृणीव | अकृणीम |
| अ० अकारीत् | अकारिष्टाम् | अकारिषुः |
| अकारीः | अकारिष्टम् | अकारिष्ट |
| अकारिषम् | अकारिष्व | अकारिषम |
| ण० चकार | चकरतुः | चकरुः |
| चकरिथ | चकरथुः | चकर |
| चकार | चकर | चकरिथ |
| आ० कीर्यात् | कीर्यास्ताम् | कीर्यासुः |
| कीर्याः | कीर्यास्तम् | कीर्यास्त |
| कीर्यासम् | कीर्यास्व | कीर्यास्म |
| करिता | करितारौ | करितारः |
| करितासि | करितास्थः | करितास्थ |
| करितास्मि | करितास्वः | करितास्मः |
| करीता | करीतारौ | करीतारः इ० |
| करिष्यति | करिष्यतः | करिष्यन्ति |
| करिष्यसि | करिष्यथः | करिष्यथ |
| करिष्यामि | करिष्यावः | करिष्यामः |
| करोष्यति | करोष्यतः | करोष्यन्ति इ० |
| अकरिष्यत् | अकरिष्यताम् | अकरिष्यन् |
| अकरिष्यः | अकरिष्यतम् | अकरिष्यत |
| अकरिष्यम् | अकरिष्याव | अकरिष्याम |
| अकरोष्यत् | अकरोष्यताम् | अकरोष्यन् इ० |

1530 मृशू (मृ) हिसायाम् 23

| | | |
|---------------|--------------|---------------|
| व० मृणाति | मृणीतः | मृणन्ति |
| मृणासि | मृणीथः | मृणीथ |
| मृणामि | मृणीवः | मृणीमः |
| स० मृणीयात् | मृणीयाताम् | मृणीयुः |
| मृणीयाः | मृणीयाताम् | मृणीयात |
| मृणीयाम् | मृणीयाव | मृणीयाम |
| प० मृणातु | मृणीतात् | मृणीताम् |
| मृणीहि | मृणीतम् | मृणीत |
| मृणानि | मृणाव | मृणाम |
| झ० अमृणात् | अमृणीताम् | अमृणन् |
| अमृणाः | अमृणीतम् | अमृणीत |
| अमृणाम् | अमृणीव | अमृणीम |
| अ० अमारीत् | अमारिष्टाम् | अमारिषुः |
| अमारीः | अमारिष्टम् | अमारिष्ट |
| अमारिषम् | अमारिष्व | अमारिषम |
| प० ममार | ममरतुः | ममरुः |
| ममरिथ | ममरथुः | ममर |
| ममार | ममर | ममरिथ |
| आ० मूर्यात् | मूर्यास्ताम् | मूर्यासुः |
| मूर्याः | मूर्यास्तम् | मूर्यास्त |
| मूर्यासम् | मूर्यास्व | मूर्यास्म |
| मरिता | मरितारौ | मरितारः |
| मरितासि | मरितास्थः | मरितास्थ |
| मरितास्मि | मरितास्वः | मरितास्मः |
| मरीता | मरीतारौ | मरीतारः इ० |
| मरिष्यति | मरिष्यतः | मरिष्यन्ति |
| मरिष्यसि | मरिष्यथः | मरिष्यथ |
| मरिष्यामि | मरिष्यावः | मरिष्यामः |
| मरोष्यति | मरोष्यतः | मरोष्यन्ति इ० |
| कि० अमरिष्यत् | अमरिष्यताम् | अमरिष्यन् |
| अमरिष्यः | अमरिष्यतम् | अमरिष्यत |
| अमरिष्यम् | अमरिष्याव | अमरिष्याम |
| अमरोष्यत् | अमरोष्यताम् | अमरोष्यन् इ० |

1531 शृश् (शृ) हिसायाम् 24

| | | | |
|-------|------------|-------------|--------------|
| ब० | शृणाति | शृणीतः | शृणन्ति |
| | शृणासि | शृणीथः | शृणीथ |
| | शृणामि | शृणीवः | शृणीमः |
| स० | शृणीयात् | शृणीयाताम् | शृणीयुः |
| | शृणीयाः | शृणीयातम् | शृणीयात |
| | शृणीयाम् | शृणीयाव | शृणीयाम |
| प० | शृणातु | शृणीतात् | शृणीताम् |
| | शृणीहि | शृणीतम् | शृणीत |
| | शृणानि | शृणाव | शृणाम |
| अ० | अशृणात् | अशृणीताम् | अशृणन् |
| | अशृणाः | अशृणीतम् | अशृणीत |
| | अशृणाम् | अशृणीव | अशृणीम |
| अ० | अशरीत | अशरिष्टाम् | अशरिषुः |
| | अशरीः | अशरिष्टम् | अशरिष्ट |
| | अशरिषम् | अशरिष्व | अशरिषम् |
| प० | शशर | शशरतुः | शशरः |
| | शशरिथ | शशरथुः | शशर |
| | शशार | शशर | शशरिष्व |
| | शशार | शशर | शशरिष्व |
| | शशार | शशर | शशरिष्व |
| आ० | शरीयात् | शरीयास्ताम् | शरीयास्तुः |
| | शरीयाः | शरीयास्तम् | शरीयास्त |
| | शरीयास्तम् | शरीयास्व | शरीयास्म |
| प्र० | शरिता | शरितारौ | शरितारः |
| | शरितासि | शरितास्थः | शरितास्थ |
| | शरितास्मि | शरितास्वः | शरितास्मः |
| | शरीता | शरीतारौ | शरीतारः इ० |
| भ० | शरिष्यति | शरिष्यतः | शरिष्यन्ति |
| | शरिष्यसि | शरिष्यथः | शरिष्यथ |
| | शरिष्यामि | शरिष्यावः | शरिष्यामः |
| | शरीष्यति | शरीष्यतः | शरीष्यन्ति |
| क्रि० | अशरिष्यत् | अशरिष्यताम् | अशरिष्यन् |
| | अशरिष्यः | अशरिष्यतम् | अशरिष्यत |
| | अशरिष्यम् | अशरिष्याव | अशरिष्याम |
| | अशरीष्यत् | अशरीष्यताम् | अशरीष्यन् इ० |

1532 पृश् (पृ) पालनपूरणयोः 25

| | | | |
|-------|-------------|--------------|-------------|
| ब० | पृणाति | पृणीतः | पृणन्ति |
| | पृणासि | पृणीथः | पृणीथ |
| | पृणामि | पृणीवः | पृणीमः |
| स० | पृणीयात् | पृणीयाताम् | पृणीयुः |
| | पृणीयाः | पृणीयातम् | पृणीयात |
| | पृणीयाम् | पृणीयाव | पृणीयाम |
| प० | पृणातु | पृणीतात् | पृणीताम् |
| | पृणीहि | पृणीतम् | पृणीत |
| | पृणानि | पृणाव | पृणाम |
| अ० | अपृणात् | अपृणीताम् | अपृणन् |
| | अपृणाः | अपृणीतम् | अपृणीत |
| | अपृणाम् | अपृणीव | अपृणीम |
| अ० | अपारीत | अपारिष्टाम् | अपारिषुः |
| | अपारीः | अपारिष्टम् | अपारिष्ट |
| | अपारिषम् | अपारिष्व | अपारिषम् |
| प० | पपार | पपरतुः | पपरः |
| | पपरिथ | पपरथुः | पपर |
| | पपार-पपर | पपरिष्व | पपरिष्व |
| | पपार | पपरतुः | पपरः इ० |
| आ० | पूर्यात् | पूर्यास्ताम् | पूर्यास्तुः |
| | पूर्याः | पूर्यास्तम् | पूर्यास्त |
| | पूर्यास्तम् | पूर्यास्व | पूर्यास्म |
| प्र० | परिता | परितारौ | परितारः |
| | परितासि | परितास्थः | परितास्थ |
| | परितास्मि | परितास्वः | परितास्मः |
| | परीता | परीतारौ | परीतारः इ० |
| भ० | परिष्यति | परिष्यतः | परिष्यन्ति |
| | परिष्यसि | परिष्यथः | परिष्यथ |
| | परिष्यामि | परिष्यावः | परिष्यामः |
| | परीष्यति | परीष्यतः | परीष्यन्ति |
| क्रि० | अपरिष्यत् | अपरिष्यताम् | अपरिष्यन् |
| | अपरिष्यः | अपरिष्यतम् | अपरिष्यत |
| | अपरिष्यम् | अपरिष्याव | अपरिष्याम |
| | अपरीष्यत् | अपरीष्यताम् | अपरीष्यन् |

1533 वृश् (वृ) भरणे ।

वरणे इत्यन्ये 26

| | | |
|--------------------|-------------|-----------------|
| व० वृणाति | वृणीतः | वृणन्ति |
| वृणासि | वृणीथः | वृणीथ |
| वृणामि | वृणीवः | वृणीमः |
| स० वृणीयात् | वृणीयाताम् | वृणीयुः |
| वृणीयाः | वृणीयातम् | वृणीयात |
| वृणीयाम् | वृणीयाव | वृणीयाम |
| प० वृणातु-वृणीतात् | वृणीताम् | वृणन्तु |
| वृणीहि | वृणीतम् | वृणीत |
| वृणानि | वृणाव | वृणाम |
| ह्य० अवृणात् | अवृणीताम् | अवृणन् |
| अवृणाः | अवृणीतम् | अवृणीत |
| अवृणाम् | अवृणीव | अवृणीम |
| अ० अवारीत् | अवारिष्टाम् | अवारिषुः |
| अवारीः | अवारिष्टम् | अवारिष्ट |
| अवारिषम् | अवारिष्व | अवारिष्म |
| प० ववार | ववरतुः | ववरुः |
| ववरिथ | ववरथुः | ववर |
| ववार, ववर | ववरिथ | ववरिम |
| आ० वृयात् | वृयास्ताम् | वृयासुः |
| वृयाः | वृयास्तम् | वृयास्त |
| वृयासम् | वृयास्व | वृयास्म |
| श्व० वरिता | वरितारौ | वरितारः |
| वरितासि | वरितास्थः | वरितास्थ |
| वरितास्मि | वरितास्वः | वरितास्मः |
| वरिता | वरीतारौ | वरितारः इत्यादि |
| भ० वरिष्यति | वरिष्यतः | वरिष्यन्ति |
| वरिष्यसि | वरिष्यथः | वरिष्यथ |
| वरिष्यामि | वरिष्यावः | वरिष्यामः |
| वरिष्यति | वरिष्यतः | वरिष्यन्ति इ० |
| क्रि० अवरिष्यन् | अवरिष्यताम् | अवरिष्यन् |
| अवरिष्यः | अवरिष्यतम् | अवरिष्यत |
| अवरिष्यम् | अवरिष्याव | अवरिष्याम |
| अवरीष्यत् | अवरीष्यताम् | अवरीष्यन् इ० |

1534 भृश् (भृ) भर्जने च ।

चकाराद्भरणे भर्जने पाकः 27

| | | |
|-----------------|-------------|-----------------|
| व० भृणाति | भृणीतः | भृणन्ति |
| भृणासि | भृणीथः | भृणीथ |
| भृणामि | भृणीवः | भृणीमः |
| स० भृणीयात् | भृणीयाताम् | भृणीयुः |
| भृणीयाः | भृणीयातम् | भृणीयात |
| भृणीयाम् | भृणीयाव | भृणीयाम |
| प० भृणातु | भृणीतात् | भृणीताम् |
| भृणीहि | भृणीतम् | भृणीत |
| भृणानि | भृणाव | भृणाम |
| ह्य० अभृणात् | अभृणीताम् | अभृणन् |
| अभृणाः | अभृणीतम् | अभृणीत |
| अभृणाम् | अभृणीव | अभृणीम |
| अ० अभारीत् | अभारिष्टाम् | अभारिषुः |
| अभारीः | अभारिष्टम् | अभारिष्ट |
| अभारिषम् | अभारिष्व | अभारिष्म |
| प० बभार | बभरतुः | बभरुः |
| बभरिथ | बभरथुः | बभर |
| बभार, बभर | बभरिथ | बभरिम |
| आ० भूयात् | भूयास्ताम् | भूयासुः |
| भूयाः | भूयास्तम् | भूयास्त |
| भूयासम् | भूयास्व | भूयास्म |
| श्व० भरिता | भरितारौ | भरितारः |
| भरितासि | भरितास्थः | भरितास्थ |
| भरितास्मि | भरितास्वः | भरितास्मः |
| भरीता | भरीतारौ | भरीतारः इत्यादि |
| भ० भरिष्यति | भरिष्यतः | भरिष्यन्ति |
| भरिष्यसि | भरिष्यथः | भरिष्यथ |
| भरिष्यामि | भरिष्यावः | भरिष्यामः |
| भरीष्यति | भरीष्यतः | भरीष्यन्ति इ० |
| क्रि० अभरिष्यन् | अभरिष्यताम् | अभरिष्यन् |
| अभरिष्यः | अभरिष्यतम् | अभरिष्यत |
| अभरिष्यम् | अभरिष्याव | अभरिष्याम |
| अभरीष्यत् | अभरीष्यताम् | अभरीष्यन् इ० |

1535 दृश् (दृ) विदारणे । 28

| | | |
|-----------------|--------------|---------------|
| घ० दृणाति | दृणीतः | दृणन्ति |
| दृणासि | दृणीथः | दृणीथ |
| दृणामि | दृणीषः | दृणीमः |
| स० दृणीयात् | दृणीयाताम् | दृणीयुः |
| दृणीयाः | दृणीयातम् | दृणीयात |
| दृणीयाम् | दृणीयाव | दृणीयाम |
| प० दृणातु | दृणीतात् | दृणीताम् |
| दृणीहि | ” | दृणीतम् |
| दृणानि | दृणाव | दृणाम |
| झ० अदृणात् | अदृणीताम् | अदृणन् |
| अदृणाः | अदृणीतम् | अदृणीत |
| अदृणाम् | अदृणीव | अदृणीम |
| अ० अदारीत् | अदारिष्ठात् | अदारिषुः |
| अदारीः | अदारिष्टम् | अदारिष्ट |
| अदारिषम् | अदारिष्व | अदारिषम |
| प० ददार | ददरतुः | ददरुः |
| ददरिथ | ददरथुः | ददर |
| ददार | ददर | ददरिष |
| ददार | ददरतुः | ददरुः इ० |
| आ० दीर्यात् | दीर्यास्ताम् | दीर्यासुः |
| दीर्याः | दीर्यास्तम् | दीर्यास्त |
| दीर्याम | दीर्याव | दीर्याम |
| प्र० दरिता | दरितारौ | दरितारः |
| दरितासि | दरितास्थः | दरितास्थ |
| दरितास्मि | दरितास्वः | दरितास्मः |
| दरीता | दरीतारौ | दरीतारः इ० |
| भ० दरिष्यति | दरिष्यतः | दरिष्यन्ति |
| दरिष्यसि | दरिष्यथः | दरिष्यथ |
| दरिष्यामि | दरिष्यावः | दरिष्यामः |
| दरीष्यति | दरीष्यतः | दरीष्यन्ति इ० |
| क्रि० अदरिष्यत् | अदरिष्यताम् | अदरिष्यन् |
| अदरिष्यः | अदरिष्यतम् | अदरिष्यत |
| अदरिष्यम् | अदरिष्याव | अदरिष्याम |
| अदरीष्यत् | अदरीष्यताम् | अदरीष्यन् इ० |

1536 जृश् (जृ) वयोहानौ । 29

| | | |
|-----------------|--------------|---------------|
| घ० जृणाति | जृणीतः | जृणन्ति |
| जृणासि | जृणीथः | जृणीथ |
| जृणामि | जृणीषः | जृणीमः |
| स० जृणीयात् | जृणीयाताम् | जृणीयुः |
| जृणीयाः | जृणीयातम् | जृणीयात |
| जृणीयाम् | जृणीयाव | जृणीयाम |
| प० जृणातु | जृणीतात् | जृणीताम् |
| जृणीहि | ” | जृणीतम् |
| जृणानि | जृणाव | जृणाम |
| झ० अजृणात् | अजृणीताम् | अजृणन् |
| अजृणाः | अजृणीतम् | अजृणीत |
| अजृणाम् | अजृणीव | अजृणीम |
| अ० अजारीत् | अजारिष्ठात् | अजारिषुः |
| अजारीः | अजारिष्टम् | अजारिष्ट |
| अजारिषम् | अजारिष्व | अजारिषम |
| अजगत् | अजरताम् | अजरन् इ० |
| प० जजार | जजरतुः | जजरुः |
| जजरिथ | जजरथुः | जजर |
| जजार | जजर | जजरिष |
| जजार | जजरतुः | जजरुः इ० |
| आ० जीर्यात् | जीर्यास्ताम् | जीर्यासुः |
| जीर्याः | जीर्यास्तम् | जीर्यास्त |
| जीर्याम | जीर्याव | जीर्याम |
| प्र० जरिता | जरितारौ | जरितारः |
| जरितासि | जरितास्थः | जरितास्थ |
| जरितास्मि | जरितास्वः | जरितास्मः |
| जरीता | जरीतारौ | जरीतारः |
| भ० जरिष्यति | जरिष्यतः | जरिष्यन्ति |
| जरिष्यसि | जरिष्यथः | जरिष्यथ |
| जरिष्यामि | जरिष्यावः | जरिष्यामः |
| जरीष्यति | जरीष्यतः | जरीष्यन्ति इ० |
| क्रि० अजरिष्यत् | अजरिष्यताम् | अजरिष्यन् |
| अजरिष्यः | अजरिष्यतम् | अजरिष्यत |
| अजरिष्यम् | अजरिष्याव | अजरिष्याम |
| अजरीष्यत् | अजरीष्यताम् | अजरीष्यन् इ० |

1537 नृश् (नृ) नये 30

| | | |
|-----------------|--------------|--------------------|
| व० नृणाति | नृणीतः | नृणन्ति |
| नृणासि | नृणीथः | नृणीथ |
| नृणामि | नृणीवः | नृणीमः |
| स० नृणीयात् | नृणीयाताम् | नृणीयुः |
| नृणीयाः | नृणीयातम् | नृणीयात |
| नृणीयाम् | नृणीयाव | नृणीयाम |
| प० नृणातु | नृणीतात् | नृणीताम् नृणन्तु |
| नृणीहि | " | नृणीतम् नृणीत |
| नृणानि | नृणाव | नृणाम |
| झ० अनृणात् | अनृणीताम् | अनृणन् |
| अनृणाः | अनृणीतम् | अनृणीत |
| अनृणाम् | अनृणीव | अनृणीम |
| अ० अनारीत् | अनारिष्टाम् | अनारिषुः |
| अनारीः | अनारिष्टम् | अनारिष्ट |
| अनारिषम् | अनारिष्व | अनारिषम |
| प० ननार | ननरतुः | ननरुः |
| ननरिथ | ननरथुः | ननर |
| ननार, ननर | ननरिव | ननरिम |
| आ० नीर्यात् | नीर्यास्ताम् | नीर्यासुः |
| नीर्याः | नीर्यास्तम् | नीर्यास्त |
| नीर्यासम् | नीर्यास्व | नीर्यास्म |
| श्व० नरिता | नरितारौ | नरितारः |
| नरितासि | नरितास्थः | नरितास्थ |
| नरितास्मि | नरितास्वः | नरितास्मः |
| नरीता | नरीतारौ | नरीतारः इत्यादि |
| भ० नरिष्यति | नरिष्यतः | नरिष्यन्ति |
| नरिष्यसि | नरिष्यथः | नरिष्यथ |
| नरिष्यामि | नरिष्यावः | नरिष्यामः |
| नरीष्यति | नरीष्यतः | नरीष्यन्ति इत्यादि |
| क्रि० अनरिष्यत् | अनरिष्यताम् | अनरिष्यन् |
| अनरिष्यः | अनरिष्यतम् | अनरिष्यत |
| अनरिष्यम् | अनरिष्याव | अनरिष्याम |
| अनरीष्यत् | अनरीष्यताम् | अनरीष्यन् इ० |

1538 गृश् (गृ) शब्दे 31

| | | |
|-----------------|--------------|------------------|
| व० गृणाति | गृणीतः | गृणन्ति |
| गृणासि | गृणीथः | गृणीथ |
| गृणामि | गृणीवः | गृणीमः |
| स० गृणीयात् | गृणीयाताम् | गृणीयुः |
| गृणीयाः | गृणीयातम् | गृणीयात |
| गृणीयाम् | गृणीयाव | गृणीयाम |
| प० गृणातु | गृणीतात् | गृणीताम् गृणन्तु |
| गृणीहि | " | गृणीतम् गृणीत |
| गृणानि | गृणाव | गृणाम |
| झ० अगृणात् | अगृणीताम् | अगृणन् |
| अगृणाः | अगृणीतम् | अगृणीत |
| अगृणाम् | अगृणीव | अगृणीम |
| अ० अगारीत् | अगारिष्टाम् | अगारिषुः |
| अगारीः | अगारिष्टम् | अगारिष्ट |
| अगारिषम् | अगारिष्व | अगारिषम |
| प० जगार | जगरतुः | जगरुः |
| जगरिथ | जगरथुः | जगर |
| जगार, जगर | जगरिव | जगरिम |
| आ० गीर्यात् | गीर्यास्ताम् | गीर्यासुः |
| गीर्याः | गीर्यास्तम् | गीर्यास्त |
| गीर्यासम् | गीर्यास्व | गीर्यास्म |
| श्व० गरिता | गरितारौ | गरितारः |
| गरितासि | गरितास्थः | गरितास्थ |
| गरितास्मि | गरितास्वः | गरितास्मः |
| गरीता | गरीतारौ | गरीतारः इत्यादि |
| भ० गरिष्यति | गरिष्यतः | गरिष्यन्ति |
| गरिष्यसि | गरिष्यथः | गरिष्यथ |
| गरिष्यामि | गरिष्यावः | गरिष्यामः |
| गरीष्यति | गरीष्यतः | गरीष्यन्ति इ० |
| क्रि० अगरिष्यत् | अगरिष्यताम् | अगरिष्यन् |
| अगरिष्यः | अगरिष्यतम् | अगरिष्यत |
| अगरिष्यम् | अगरिष्याव | अगरिष्याम |
| अगरीष्यत् | अगरीष्यताम् | अगरीष्यन् इ० |

1539 ऋश (ऋ) गतौ 32

| | | |
|------------|-----------|---------|
| व० ऋणाति | ऋणीतः | ऋणन्ति |
| ऋणासि | ऋणीथः | ऋणीध्व |
| ऋणामि | ऋणीवः | ऋणीमः |
| स० ऋणीयात् | ऋणीयाताम् | ऋणीयुः |
| ऋणीयाः | ऋणीयातम् | ऋणीयात |
| ऋणीयाम् | ऋणीयाव | ऋणीयाम |
| प० ऋणातु | ऋणीतात् | ऋणीताम् |
| ऋणीहि | ऋणीतम् | ऋणीत |
| ऋणानि | ऋणाव | ऋणाम |
| श० आर्णात् | आर्णीताम् | आर्णन् |
| आर्णाः | आर्णीतम् | आर्णीत |
| आर्णाम् | आर्णीव | आर्णीम |
| अ० आरीत् | आरिष्टात् | आरिषुः |
| आरीः | आरिष्टम् | आरिष्ट |
| आरिषम् | आरिष्व | आरिषम |
| प० आर | आरतुः | आरुः |
| आरिथ | आरथुः | आर |
| आर | आरिव | आरिम |

यद्यपि गुरुनाम्नेति सूत्रवृत्तौ श्रीमद्विः
हेमचन्द्रमृगीश्वरैः, इडस्तु व्यपदेशिवद्भा-
षाद्भवति । अयाञ्चके इत्यभ्यधायि तदनु-
सारेणात्रापि अयाञ्चकः इत्यादिना भवित-
व्यम्, तथापि, तैरेव स्वोपज्ञपारायणे आर इ-
त्यादीनि रूपाण्यभिहितानि । तत्रेदं भावयामि
पर्वविधस्थले व्यपदेशिवद्भावो नेष्टः पारा-
यणकृताम्, अत एवायाञ्चके इत्यत्र न्यासकृतो-
क्तम्, पारायणकृतां व्यपदेशिवद्भावो नेष्ट-
स्तन्मते इयि इत्येव भवति । सूत्रवृत्तौ तु

अयाञ्चके इति प्रदर्शनं मतान्तरसंग्रहादिति
निमित्तकमिति ।

| | | |
|-------------|-------------|------------|
| आ० ईर्यात् | ईर्यास्ताम् | ईर्यासुः |
| ईर्याः | ईर्यास्तम् | ईर्यास्त |
| ईर्यासम् | ईर्यास्व | ईर्यास्म |
| प्रथ० अरिता | अरितारौ | अरितारः |
| अरितासि | अरितास्थः | अरितास्थ |
| अरितास्मि | अरितास्वः | अरितास्मः |
| अरीता | अरीतारौ | अरीतारः |
| अरीतासि | अरीतास्थः | अरीतास्थ |
| अरीतास्मि | अरीतास्वः | अरीतास्मः |
| अ० अरिष्यति | अरिष्यतः | अरिष्यन्ति |
| अरिष्यसि | अरिष्यथः | अरिष्यथ |
| अरिष्यामि | अरिष्यावः | अरिष्यामः |
| अरीष्यति | अरीष्यतः | अरीष्यन्ति |
| अरीष्यमि | अरीष्यथः | अरीष्यथ |
| अरीष्यामि | अरीष्यावः | अरीष्यामः |

| | | |
|----------------|------------|----------|
| क्रि० आरिष्यत् | आरिष्यताम् | आरिष्यन् |
| आरिष्यः | आरिष्यतम् | आरिष्यत |
| आरिष्यम् | आरिष्याव | आरिष्याम |
| आरीष्यत् | आरीष्यताम् | आरीष्यन् |
| आरीष्यः | आरीष्यतम् | आरीष्यत |
| आरीष्यम् | आरीष्याव | आरीष्याम |

आशिषि कथयद्वाशीय इत्यत्र ह्रस्वस्य
ऋधातोर्ग्रहणान्न गुणः, अत एव धातु-
पारायणे कथे ईर्यति ।

प्लादित्वादिश्च घृत वस्तिः सम्पूर्ण
त्यर्थः, अथ परस्मैपदेषु एवादन्तोऽ-
निद् च ।

1540 ज्ञांश्च (ज्ञा) अवबोधने 33

| | | |
|--------------------|---------------|---------------|
| घ० जानाति | जानीतः | जानन्ति |
| जानानि | जानीथः | जानीथ |
| जानामि | जानीषः | जानीमः |
| स० जानीयात् | जानीयाताम् | जानीयुः |
| जानीयाः | जानीयातम् | जानीयात |
| जानीयाम् | जानीयाव | जानीयाम |
| प० जानातु-जानीतात् | जानीताम् | जानन्तु |
| जानीहि | ” | जानीतम् जानीत |
| जानानि | जानीष्व | जानाम |
| झ० अजानात् | अजानीताम् | अजानन् |
| अजानाः | अजानीतम् | अजानीत |
| अजानाम् | अजानीव | अजानीम |
| अ० अज्ञासीत् | अज्ञासिष्टाम् | अज्ञासिषुः |
| अज्ञासीः | अज्ञासिष्टम् | अज्ञासिष्ट |
| अज्ञासिषम् | अज्ञासिष्व | अज्ञासिषम |
| ञ० जज्ञौ | जज्ञतुः | जज्ञुः |
| जज्ञिथ-जज्ञाथ | जज्ञथुः | जज्ञ |
| जज्ञौ | जज्ञिष्व | जज्ञिम |
| आ० ज्ञायात् | ज्ञायास्ताम् | ज्ञायासुः |
| ज्ञायाः | ज्ञायास्तम् | ज्ञायास्त |
| ज्ञायासम् | ज्ञायास्व | ज्ञायास्म |
| ज्ञेयान् | ज्ञेयास्ताम् | ज्ञेयासुः इ० |
| श्च० ज्ञाता | ज्ञातारौ | ज्ञातारः |
| ज्ञातासि | ज्ञातास्थः | ज्ञातास्थ |
| ज्ञातास्मि | ज्ञातास्वः | ज्ञातास्मः |
| भ० ज्ञास्यति | ज्ञास्यतः | ज्ञास्यन्ति |
| ज्ञास्यसि | ज्ञास्यथः | ज्ञास्यथ |
| ज्ञास्यामि | ज्ञास्यावः | ज्ञास्यामः |
| कि० अज्ञास्यत् | अज्ञास्यताम् | अज्ञास्यन् |
| अज्ञास्यः | अज्ञास्यतम् | अज्ञास्यत |
| अज्ञास्यम् | अज्ञास्याव | अज्ञास्याम |

अथेदन्तोऽनिद् च

1541 क्षिपथ (क्षि) हिंसायाम् 34

| | | |
|------------------------|--------------|-----------------------|
| न० क्षिणाति | क्षिणीतः | क्षिणन्ति |
| क्षिणासि | क्षिणीथः | क्षिणीथ |
| क्षिणामि | क्षिणीषः | क्षिणीमः |
| स० क्षिणीयात् | क्षिणीयाताम् | क्षिणीयुः |
| क्षिणीयाः | क्षिणीयातम् | क्षिणीयात |
| क्षिणीयाम् | क्षिणीयाव | क्षिणीयाम |
| प० क्षिणातु-क्षिणीतात् | क्षिणीताम् | क्षिणन्तु |
| क्षिणीहि | ” | क्षिणीतम् क्षिणीत |
| क्षिणानि | क्षिणाव | क्षिणाम |
| झ० अक्षिणात् | अक्षिणीताम् | अक्षिणन् |
| अक्षिणाः | अक्षिणीतम् | अक्षिणीत |
| अक्षिणाम् | अक्षिणीव | अक्षिणीम |
| अ० अक्षैषीत् | अक्षैष्टाम् | अक्षैषुः |
| अक्षैषीः | अक्षैष्टम् | अक्षैष्ट |
| अक्षैषम् | अक्षैष्व | अक्षैषम |
| प० विश्वाय | चिक्षियतुः | चिक्षियुः |
| चिक्षियिथ | चिक्षेथ | चिक्षियथुः चिक्षिय |
| चिक्षाय | चिक्षय | चिक्षियिष्व चिक्षियिम |
| आ० क्षीयात् | क्षीयास्ताम् | क्षीयासुः |
| क्षीयाः | क्षीयास्तम् | क्षीयास्त |
| क्षीयासम् | क्षीयास्व | क्षीयास्म |
| श्च० क्षेता | क्षेतारौ | क्षेतारः |
| क्षेतासि | क्षेतास्थः | क्षेतास्थ |
| क्षेतास्मि | क्षेतास्वः | क्षेतास्मः |
| भ० क्षेप्यति | क्षेप्यतः | क्षेप्यन्ति |
| क्षेप्यसि | क्षेप्यथः | क्षेप्यथ |
| क्षेप्यामि | क्षेप्यावः | क्षेप्यामः |
| कि० अक्षेप्यत् | अक्षेप्यताम् | अक्षेप्यन् |
| अक्षेप्यः | अक्षेप्यतम् | अक्षेप्यत |
| अक्षेप्यम् | अक्षेप्याव | अक्षेप्याम |

1543 ખ્રીશ્ (શ્રી) મરણે 36

| | | | |
|-------|--------------------|--------------|-------------|
| व० | श्रीणाति | श्रीणीतः | श्रं णति |
| | श्रीणासि | श्रीणीथः | श्रीणीथ |
| | श्रीणामि | श्रीणीवः | श्रीणीमः |
| स० | श्रीणीयात् | श्रीणीयाताम् | श्रीणीयुः |
| | श्रीणीयाः | श्रीणीयातम् | श्रीणीयात् |
| | श्रीणीयाम् | श्रीणीयाव | श्रीणीयाम |
| प० | श्रीणातु | श्रीणीतात् | श्रीणीताम् |
| | श्रीणीहि | श्रीणीतम् | श्रीणीत |
| | श्रीणानि | श्रीणाव | श्रीणाम् |
| ह्य० | अश्रीणात् | अश्रीणीताम् | अश्रीणन् |
| | अश्रीणाः | अश्रीणीतम् | अश्रीणीत |
| | अश्रीणाम् | अश्रीणीव | अश्रीणीम |
| अ० | अश्रीणीत् | अश्रीणीताम् | अश्रीणीतुः |
| | अश्रीणीः | अश्रीणीतम् | अश्रीणीत् |
| | अश्रीणिम् | अश्रीणीव | अश्रीणिम |
| प० | विश्राय | विश्रियतुः | विश्रियुः |
| | विश्रियथ, विश्रयेथ | विश्रियिथुः | विश्रिय |
| | विश्राय, विश्रय | विश्रियिथ | विश्रियिम |
| आ० | श्रीयात् | श्रीयास्ताम् | श्रीयास्तुः |
| | श्रीयाः | श्रीयास्तम् | श्रीयास्त |
| | श्रीयास्तम् | श्रीयास्व | श्रीयास्म |
| ध्व० | श्रेता | श्रेतारो | श्रेतारः |
| | श्रेतासि | श्रेतास्थः | श्रेतास्थ |
| | श्रेतास्मि | श्रेतास्वः | श्रेतास्मः |
| भ० | श्रेष्यति | श्रेष्यतः | श्रेष्यन्ति |
| | श्रेष्यसि | श्रेष्यथः | श्रेष्यथ |
| | श्रेष्यामि | श्रेष्यावः | श्रेष्यामः |
| क्रि० | अश्रेष्यत् | अश्रेष्यताम् | अश्रेष्यन् |
| | अश्रेष्यः | अश्रेष्यतम् | अश्रेष्यत |
| | अश्रेष्यम् | अश्रेष्याव | अश्रेष्याम |

॥ अथ ढान्तः सेट् च ॥

1544. हेठश् (हेठ) भूतप्रादुर्भावे ।

भूतप्रादुर्भावोऽनिक्रान्तोत्पत्तिः 37

व० हेठ्णाति हेठ्णीतः हेठ्णन्ति
हेठ्णासि हेठ्णीथः हेठ्णीत
हेठ्णामि हेठ्णीवः हेठ्णीमः

स० हेठ्णीयात् हेठ्णीयाताम् हेठ्णीयुः
हेठ्णीयाः हेठ्णीयातम् हेठ्णीयाथ
हेठ्णीयाम् हेठ्णीयाव हेठ्णीयाम

प० हेठ्णातु हेठ्णीतात् हेठ्णीताम् हेठ्णन्तु

हेठाण् हेठ्णीतम् हेठ्णीत
हेठ्णानि हेठ्णाव हेठ्णाम

झ० अहेठ्णात् अहेठ्णीताम् अहेठ्णन्
अहेठ्णाः अहेठ्णीतम् अहेठ्णीव
अहेठ्णाम् अहेठ्णीव अहेठ्णीम

अ० अहेठीत् अहेठिष्टम् अहेठिषुः
अहेठीः अहेठिष्टम् अहेठिष्ट
अहेठिषम् अहेठिष्व अहेठिष्म

प० जिहेठ् जिहेठ्तुः जिहेठुः
जिहेठिथ जिहेठ्युः जिहेठ
जिहेठ जिहेठिथ जिहेठिम्

आ० हेठ्यात् हेठ्यास्ताम् हेठ्यासुः
हेठ्याः हेठ्यास्तम् हेठ्यास्त
हेठ्यासम् हेठ्यास्व हेठ्यास्म

झ० हेठिता हेठितारौ हेठितारः
हेठितासि हेठितास्थः हेठितास्थ
हेठितास्मि हेठितास्वः हेठितास्मः

म० हेठिष्यति हेठिष्यतः हेठिष्यन्ति
हेठिष्यसि हेठिष्यथः हेठिष्यथ
हेठिष्यामि हेठिष्यावः हेठिष्यामः

क्रि० अहेठिष्यत् अहेठिष्यताम् अहेठिष्यन्
अहेठिष्यः अहेठिष्यतम् अहेठिष्यत
अहेठिष्यम् अहेठिष्याव अहेठिष्याम

॥ अथ ढान्तः सेट् च ॥

1545. मृडश् (मृड) सुखने 38

व० मृड्णानि मृड्णीतः मृड्णन्ति
मृड्णासि मृड्णीथः मृड्णीथ
मृड्णामि मृड्णीवः मृड्णीमः

स० मृड्णीयात् मृड्णीयाताम् मृड्णीयुः
मृड्णीयाः मृड्णीयातम् मृड्णीयाथ
मृड्णीयाम् मृड्णीयाव मृड्णीयाम

प० मृड्णातु मृड्णीतात् मृड्णीताम् मृड्णन्तु
मृडान् मृड्णीतम् मृड्णीत
मृड्णानि मृड्णाव मृड्णाम

झ० अमृड्णात् अमृड्णीताम् अमृड्णन्
अमृड्णाः अमृड्णीतम् अमृड्णीत
अमृड्णाम् अमृड्णीव अमृड्णीम

अ० अमर्डीत् अमर्डीष्टम् अमर्डीषुः
अमर्डीः अमर्डीष्टम् अमर्डीष्ट
अमर्डीषम् अमर्डीष्व अमर्डीष्म

प० ममर्डे ममर्डतुः ममर्डुः
ममर्डिथ ममर्ड्युः ममर्ड
ममर्डे ममर्डिव ममर्डिम

आ० मृड्यात् मृड्यास्ताम् मृड्यासुः
मृड्याः मृड्यास्तम् मृड्यास्त
मृड्यासम् मृड्यास्व मृड्यास्म

झ० मर्डिता मर्डितारौ मर्डितारः
मर्डितासि मर्डितास्थः मर्डितास्थ
मर्डितास्मि मर्डितास्वः मर्डितास्मः

म० मर्डिष्यति मर्डिष्यतः मर्डिष्यन्ति
मर्डिष्यसि मर्डिष्यथः मर्डिष्यथ
मर्डिष्यामि मर्डिष्यावः मर्डिष्यामः

क्रि० अ मर्डिष्यत् अमर्डिष्यताम् अमर्डिष्यन्
अमर्डिष्यः अमर्डिष्यतम् अमर्डिष्यत
अमर्डिष्यम् अमर्डिष्याव अमर्डिष्याम

अथ धान्ताश्चत्वारः सेटश्च
1546 अन्थश्च (अन्थ मोचन-
प्रतिहर्षणयोः 39

| | | | |
|------|------------------------|---------------|--------------|
| ब० | अन्थनाति | अन्थनीतः | अन्थनन्ति |
| | अन्थनासि | अन्थनीथः | अन्थनीथ |
| | अन्थनामि | अन्थनीवः | अन्थनीमः |
| स० | अन्थनीयात् | अन्थनीयाताम् | अन्थनीयुः |
| | अन्थनीयाः | अन्थनीयातम् | अन्थनीयात |
| | अन्थनीयाम् | अन्थनीयाव | अन्थनीयाम |
| प० | अन्थनानु-अन्थनीतात् | अन्थनीताम् | अन्थनन्तु |
| | अन्थान | अन्थनीतम् | अन्थनीत |
| | अन्थनानि | अन्थनाव | अन्थनाम |
| झ० | अन्थनात् | अन्थनीताम् | अन्थनन् |
| | अन्थनाः | अन्थनीतम् | अन्थनीत |
| | अन्थनाम् | अन्थनीव | अन्थनीम |
| अ० | अन्थन्थीत् | अन्थन्थीताम् | अन्थन्थिषुः |
| | अन्थन्थीः | अन्थन्थीष्टम् | अन्थन्थीष्ट |
| | अन्थन्थिषम् | अन्थन्थिष्व | अन्थन्थिषम् |
| प० | अन्थन्थिषु-अन्थन्थिषुः | अन्थन्थिषुः | अन्थन्थिषुः |
| | अन्थन्थिषुः | अन्थन्थिषुः | अन्थन्थिषुः |
| | अन्थन्थिषुः | अन्थन्थिषुः | अन्थन्थिषुः |
| आ० | अन्थ्यात् | अन्थ्यास्ताम् | अन्थ्यासुः |
| | अन्थ्याः | अन्थ्यास्तम् | अन्थ्यास्त |
| | अन्थ्यासम् | अन्थ्यास्व | अन्थ्यासम् |
| प्र० | अन्थिता | अन्थितारो | अन्थितारः |
| | अन्थितासि | अन्थितास्थाः | अन्थितास्था |
| | अन्थितास्मि | अन्थितास्वः | अन्थितास्मः |
| भ० | अन्थिष्यति | अन्थिष्यतः | अन्थिष्यन्ति |
| | अन्थिष्यसि | अन्थिष्यथः | अन्थिष्यथा |
| | अन्थिष्यामि | अन्थिष्यावः | अन्थिष्यामः |
| कि० | अन्थिष्यत् | अन्थिष्यताम् | अन्थिष्यन्तु |
| | अन्थिष्यः | अन्थिष्यतम् | अन्थिष्यत |
| | अन्थिष्यम् | अन्थिष्याव | अन्थिष्याम |

1547 मन्थश्च (मन्थ) विलोऽने 40

| | | | |
|------|---------------------|---------------|---------------|
| ब० | मन्थनाति | मन्थनीतः | मन्थनन्ति |
| | मन्थनासि | मन्थनीथः | मन्थनीथ |
| | मन्थनामि | मन्थनीवः | मन्थनीमः |
| स० | मन्थनीयात् | मन्थनीयाताम् | मन्थनीयुः |
| | मन्थनीयाः | मन्थनीयातम् | मन्थनीयात |
| | मन्थनीयाम् | मन्थनीयाव | मन्थनीयाम |
| प० | मन्थनानु-मन्थनीतात् | मन्थनीताम् | मन्थनन्तु |
| | मन्थान | मन्थनीतम् | मन्थनीत |
| | मन्थनानि | मन्थनाव | मन्थनाम |
| झ० | अमन्थनात् | अमन्थनीताम् | अमन्थनन् |
| | अमन्थनाः | अमन्थनीतम् | अमन्थनीत |
| | अमन्थनाम् | अमन्थनीव | अमन्थनीम |
| अ० | अमन्थीत् | अमन्थीताम् | अमन्थिषुः |
| | अमन्थीः | अमन्थीष्टम् | अमन्थीष्ट |
| | अमन्थिषम् | अमन्थिष्व | अमन्थिषम् |
| प० | ममन्था | ममन्थातुः | ममन्थुः |
| | ममन्थाथ | ममन्थाथुः | ममन्था |
| | ममन्था | ममन्थाव | ममन्थाम |
| आ० | मन्थ्यात् | मन्थ्यास्ताम् | मन्थ्यासुः |
| | मन्थ्याः | मन्थ्यास्तम् | मन्थ्यास्त |
| | मन्थ्यासम् | मन्थ्यास्व | मन्थ्यासम् |
| प्र० | मन्थिता | मन्थितारो | मन्थितारः |
| | मन्थितासि | मन्थितास्थाः | मन्थितास्था |
| | मन्थितास्मि | मन्थितास्वः | मन्थितास्मः |
| भ० | मन्थिष्यति | मन्थिष्यतः | मन्थिष्यन्ति |
| | मन्थिष्यसि | मन्थिष्यथः | मन्थिष्यथा |
| | मन्थिष्यामि | मन्थिष्यावः | मन्थिष्यामः |
| कि० | अमन्थिष्यत् | अमन्थिष्यताम् | अमन्थिष्यन्तु |
| | अमन्थिष्यः | अमन्थिष्यतम् | अमन्थिष्यत |
| | अमन्थिष्यम् | अमन्थिष्याव | अमन्थिष्याम |

1548 ग्रन्थश्च (ग्रन्थ्) संदर्भे

संदर्भो बन्धनम् 41

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|----------------|
| ष० | ग्रथनाति | ग्रथनीतः | ग्रथनन्ति |
| | ग्रथनासि | ग्रथनीथः | ग्रथनीथ |
| | ग्रथनामि | ग्रथनीवः | ग्रथनीमः |
| स० | ग्रथनीयात् | ग्रथनीयाताम् | ग्रथनीयुः |
| | ग्रथनीयाः | ग्रथनीयातम् | ग्रथनीयात |
| | ग्रथनीयाम् | ग्रथनीयाव | ग्रथनीयाम |
| प० | ग्रथनातु | ग्रथनीतात् | ग्रथनीताम् |
| | ग्रथान | ग्रथनीतम् | ग्रथनीत |
| | ग्रथनानि | ग्रथनाव | ग्रथनाम |
| ह्य० | अग्रथनात् | अग्रथनीताम् | अग्रथनन् |
| | अग्रथनाः | अग्रथनीतम् | अग्रथनीत |
| | अग्रथनाम् | अग्रथनीव | अग्रथनीम |
| अ० | अग्रन्थीत् | अग्रन्थिष्टाम् | अग्रन्थिषुः |
| | अग्रन्थीः | अग्रन्थिष्टम् | अग्रन्थिष्ट |
| | अग्रन्थिषम् | अग्रन्थिष्व | अग्रन्थिषम |
| प० | जग्रन्था | जग्रन्थातुः | जग्रन्थुः |
| | जग्रन्थाथ | जग्रन्थाथुः | जग्रन्थाथुः |
| | जग्रन्थाथि | जग्रन्थाथि | जग्रन्थाथि |
| आ० | ग्रथयात् | ग्रथयास्ताम् | ग्रथयासुः |
| | ग्रथयाः | ग्रथयास्तम् | ग्रथयास्त |
| | ग्रथयासम् | ग्रथयास्व | ग्रथयासम |
| भ्व० | ग्रन्थिता | ग्रन्थितारौ | ग्रन्थितारः |
| | ग्रन्थितासि | ग्रन्थितास्थः | ग्रन्थितास्थ |
| | ग्रन्थितामि | ग्रन्थितास्वः | ग्रन्थितास्मः |
| भ० | ग्रन्थिष्यति | ग्रन्थिष्यतः | ग्रन्थिष्यन्ति |
| | ग्रन्थिष्यसि | ग्रन्थिष्यथः | ग्रन्थिष्यथ |
| | ग्रन्थिष्यामि | ग्रन्थिष्यावः | ग्रन्थिष्यामः |
| क्रि० | अग्रन्थिष्यत् | अग्रन्थिष्यताम् | अग्रन्थिष्यन् |
| | अग्रन्थिष्य | अग्रन्थिष्यतम् | अग्रन्थिष्यत |
| | अग्रन्थिष्यम् | अग्रन्थिष्याव | अग्रन्थिष्याम |

1549 कुन्थश्च (कुन्थ्) सङ्कलेशो 42

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| ष० | कुथनाति | कुथनीतः | कुथनन्ति |
| | कुथनासि | कुथनीथः | कुथनीथ |
| | कुथनामि | कुथनीवः | कुथनीमः |
| स० | कुथनीयात् | कुथनीयाताम् | कुथनीयुः |
| | कुथनीयाः | कुथनीयातम् | कुथनीयात |
| | कुथनीयाम् | कुथनीयाव | कुथनीयाम |
| प० | कुथनातु | कुथनीतात् | कुथनीताम् |
| | कुथान | कुथनीतम् | कुथनीत |
| | कुथनानि | कुथनाव | कुथनाम |
| ह्य० | अकुथनात् | अकुथनीताम् | अकुथनन् |
| | अकुथनाः | अकुथनीतम् | अकुथनीत |
| | अकुथनाम् | अकुथनीव | अकुथनीम |
| अ० | अकुन्थीत् | अकुन्थिष्टाम् | अकुन्थिषुः |
| | अकुन्थीः | अकुन्थिष्टम् | अकुन्थिष्ट |
| | अकुन्थिषम् | अकुन्थिष्व | अकुन्थिषम |
| प० | चुकुन्थ | चुकुन्थतुः | चुकुन्थुः |
| | चुकुन्थिथ | चुकुन्थथुः | चुकुन्थ |
| | चुकुन्थ | चुकुन्थिष | चुकुन्थिष |
| आ० | कुथयात् | कुथयास्ताम् | कुथयासुः |
| | कुथयाः | कुथयास्तम् | कुथयास्त |
| | कुथयासम् | कुथयास्व | कुथयासम |
| भ्व० | कुन्थिता | कुन्थितारौ | कुन्थितारः |
| | कुन्थितासि | कुन्थितास्थः | कुन्थितास्थ |
| | कुन्थितामि | कुन्थितास्वः | कुन्थितास्मः |
| भ० | कुन्थिष्यति | कुन्थिष्यतः | कुन्थिष्यन्ति |
| | कुन्थिष्यसि | कुन्थिष्यथः | कुन्थिष्यथ |
| | कुन्थिष्यामि | कुन्थिष्यावः | कुन्थिष्यामः |
| क्रि० | अकुन्थिष्यत् | अकुन्थिष्यताम् | अकुन्थिष्यन् |
| | अकुन्थिष्य | अकुन्थिष्यतम् | अकुन्थिष्यत |
| | अकुन्थिष्यम् | अकुन्थिष्याव | अकुन्थिष्याम |

॥ अथ दान्ताः सेटश्च ॥

1550 मृदश् (मृद) क्षौदे 43

ब० मृदनाति मृदनीतः मृदूनन्ति
मृदनासि मृदनीथः मृदनीथ
मृदनामि मृदनीवः मृदनीमः

स० मृदनीयात् मृदनीयाताम् मृदनीयुः
मृदनीयाः मृदनीयातम् मृदनीयात
मृदनीयाम् मृदनीयाव मृदनीयाम

प० मृदनातु मृदनीतात् मृदनीताम् मृदूनन्तु
५८८१ मृदनाः ,, मृदनीतम् मृदनीत
मृदनानि मृदनाव मृदनाम

झ० अमृदनात् अमृदनीताम् अमृदूनन्
अमृदनाः अमृदनीतम् अमृदनीत
अमृदनाम् अमृदनीव अमृदनीम

अ० अमदीत् अमदिष्टाम् अमदिषुः
अमदीः अमदिष्टम् अमदिष्ट
अमदिषम् अमदिष्व अमदिष्म

प० ममर्द मृदतुः ममृदुः
ममर्दिथ ममृदथुः ममृद
ममर्द ममृदिष्व ममृदिष्म

आ० मृदयात् मृदयास्ताम् मृदयासुः
मृदयाः मृदयास्तम् मृदयास्त
मृदयासम् मृदयास्व मृदयास्म

प्रव० मर्दिता मर्दितारौ मर्दितारः
मर्दितासि मर्दितास्थः मर्दितास्थ
मर्दितास्मि मर्दितास्वः मर्दितास्मः

भ० मर्दिष्यति मर्दिष्यतः मर्दिष्यन्ति
मर्दिष्यसि मर्दिष्यथः मर्दिष्यथ
मर्दिष्यामि मर्दिष्यावः मर्दिष्यामः

क्रि० अमर्दिष्यत् अमर्दिष्यताम् अमर्दिष्यन्
अमर्दिष्यः अमर्दिष्यतम् अमर्दिष्यत
अमर्दिष्यम् अमर्दिष्याव अमर्दिष्याम

अथ धान्तौ ॥

1551 गुधश् (गुध) रोषे । 44

ब० गुधनाति गुधनीतः गुधनन्ति
गुधनासि गुधनीथः गुधनीथ
गुधनामि गुधनीवः गुधनीमः

स० गुधनीयात् गुधनीयाताम् गुधनीयुः
गुधनीयाः गुधनीयातम् गुधनीयात
गुधनीयाम् गुधनीयाव गुधनीयाम

प० गुधनातु-गुधनीतात् गुधनीताम् गुधनन्तु
गुधान ,, गुधनीतम् गुधनीत
गुधानि गुधनाव गुधनाम

झ० अगुधनात् अगुधनीताम् अगुधनन्
अगुधनाः अगुधनीतम् अगुधनीत
अगुधनाम् अगुधनीव अगुधनीम

अ० अगोधीत् अगोधिष्टाम् अगोधिषुः
अगोधीः अगोधिष्टम् अगोधिष्ट
अगोधिषम् अगोधिष्व अगोधिष्म

प० जुगोध जुगुधतुः जुगुधुः
जुगोधिथ जुगुधथुः जुगुध
जुगोध जुगुधिष्व जुगुधिष्म

आ० गुध्यात् गुध्यास्ताम् गुध्यासुः
गुध्याः गुध्यास्तम् गुध्यास्त
गुध्यासम् गुध्यास्व गुध्यास्म

प्रव० गोधिता गोधितारौ गोधितारः
गोधितासि गोधितास्थः गोधितास्थ
गोधितास्मि गोधितास्वः गोधितास्मः

भ० गोधिष्यति गोधिष्यतः गोधिष्यन्ति
गोधिष्यसि गोधिष्यथः गोधिष्यथ
गोधिष्यामि गोधिष्यावः गोधिष्यामः

क्रि० अगोधिष्यत् अगोधिष्यताम् अगोधिष्यन्
अगोधिष्यः अगोधिष्यतम् अगोधिष्यत
अगोधिष्यम् अगोधिष्याव अगोधिष्याम

1553 क्षुभश (क्षुभ) सञ्चलने 46

| | | |
|------------------------|---------------|------------------|
| व० वधनाति | वधनीनः | वधनन्ति |
| वधनासि | वधनीथः | वधनीथ |
| वधनामि | वधनीवः | वधनीमः |
| वधनीयाः स० वधनीयात् | वधनीयाताम् | वधनीयुः |
| वधनीयः | वधनीयातम् | वधनीयात |
| वधनीयाम् | वधनीयाव | वधनीयाम |
| प० वधनातु | वधनीतात | वधनीताम् वधनन्तु |
| वधान | वधनीतम् | वधनीत |
| वधानानि | वधनाव | वधनाम् |
| व० अवधनात् | अवधनीताम् | अवधनन् |
| अवधनाः | अवधनीतम् | अवधनीत |
| अवधनाम् | अवधनीव | अवधनीम |
| अ० अभान्सीत् | अबान्ताम् | अभान्सीतुः |
| अभान्सीः | अबान्ताम् | अबान्ता |
| अभान्सीम् | अभान्ताव | अभान्ताम |
| प० ववन्ध | ववन्धतुः | ववन्धुः |
| ववन्धिथ | ववन्धिथुः | ववन्धि |
| ववन्ध | ववन्धिथ | ववन्धिम् |
| आ० वध्यात् | वध्यास्ताम् | वध्यामुः |
| वध्याः | वध्यास्तम् | वध्यास्त |
| वध्यासम् | वध्यास्व | वध्यास्म |
| व० वन्दा | वन्दारौ | वन्दारः |
| वन्दासि | वन्दास्थः | वन्दास्थ |
| वन्दासिम् | वन्दास्व | वन्दास्म |
| भ० भन्त्स्यति | भन्त्स्यतः | भन्त्स्यन्ति |
| भन्त्स्यसि | भन्त्स्यथः | भन्त्स्यथ |
| भन्त्स्यामि | भन्त्स्यावः | भन्त्स्यामः |
| किं अभन्त्स्यत् | अभन्त्स्यताम् | अभन्त्स्यन् |
| अभन्त्स्यः | अभन्त्स्यतम् | अभन्त्स्यत |
| अभन्त्स्यम् | अभन्त्स्याव | अभन्त्स्याम |

व० क्षुब्धनाति क्षुब्धनीतः क्षुब्धनन्ति
 क्षुब्धनासि क्षुब्धनीथः क्षुब्धनीथ
 क्षुब्धनामि क्षुब्धनीषः क्षुब्धनीमः
 स० क्षुब्धनीयात् क्षुब्धनीयाताम् क्षुब्धनीयुः
 क्षुब्धनीयाः क्षुब्धनीयातम् क्षुब्धनीयात
 क्षुब्धनीयाम क्षुब्धनीयाव क्षुब्धनीयाम
 प० क्षुब्धनातु क्षुब्धनीतात् क्षुब्धनीताम् क्षुब्धनन्तु
 क्षुभाण , क्षुब्धनीतम् क्षुब्धनीत
 क्षुब्धनानि क्षुब्धनाव क्षुब्धनाम
 ह्य अक्षुब्धनात् अक्षुब्धनीताम् अक्षुब्धनन्
 अक्षुब्धनाः अक्षुब्धनीतम् अक्षुब्धनीत
 अक्षुब्धनाम् अक्षुब्धनीव अक्षुब्धनीम
 अ० अक्षोभीत् अक्षोभिषाम् अक्षोभिषुः
 अक्षोभीः अक्षोभिष्वम् अक्षोभिष्व
 अक्षोभिषम अक्षोभिष्व अक्षोभिषम
 प० चुक्षोभ चुक्षुभतुः चुक्षुभुः
 चुक्षोभिथ चुक्षुभथुः चुक्षुभ
 चुक्षोभ चुक्षुभिथ चुक्षुभिम
 आ० क्षुब्ध्यात् क्षुब्ध्यास्ताम् क्षुब्ध्यासुः
 क्षुब्ध्याः क्षुब्ध्यास्तम् क्षुब्ध्यास्त
 क्षुब्ध्यासम् क्षुब्ध्यास्व क्षुब्ध्यास्म
 श्व० क्षोभिता क्षोभितारौ क्षोभितारः
 क्षोभितःसि क्षोभितारस्थः क्षोभितारस्थ
 क्षोभितास्मि क्षोभितारस्वः क्षोभितारस्मः
 भ० क्षोभिष्यति क्षोभिष्यतः क्षोभिष्यन्ति
 क्षोभिष्यसि क्षोभिष्यथः क्षोभिष्यथ
 क्षोभिष्यामि क्षोभिष्यान्तः क्षोभिष्यामः
 क्रि० अक्षोभिष्यत् अक्षोभिष्यताम् अक्षोभिष्यन्
 अक्षोभिष्यः अक्षोभिष्यतम् अक्षोभिष्यत
 अक्षोभिष्यम् अक्षोभिष्याव अक्षोभिष्याम

1554 णभश् (नभ्) हिंसायाम् 47 1555 तुभश् (तुभ्) हिंसायाम् 48

| | | |
|-----------------|-------------|-----------------|
| ब० नभ्नाति | नभ्नीतः | नभ्नन्ति |
| नभ्नासि | नभ्नीथः | नभ्नीथ |
| नभ्नामि | नभ्नीषः | नभ्नीमः |
| स० नभ्नीयात् | नभ्नीयाताम् | नभ्नीयुः |
| नभ्नीयाः | नभ्नीयातम् | नभ्नीयात |
| नभ्नीयाम् | नभ्नीयाव | नभ्नीयाम |
| प० नभ्नातु | नभ्नीतात् | नभ्नीताम् |
| नभ्नात | नभ्नीतम् | नभ्नीत |
| नभ्नानि | नभ्नाष | नभ्नाम |
| झ० अनभ्नात् | अनभ्नीताम् | अनभ्नन् |
| अनभ्नाः | अनभ्नीतम् | अनभ्नीत |
| अनभ्नाम् | अनभ्नीव | अनभ्नीम |
| अ० अनाभीत् | अनाभिष्टाम् | अनाभिषुः |
| अनाभीः | अनाभिष्टम् | अनाभिष्ट |
| अनाभिषम् | अनाभिष्व | अनाभिषम |
| अनभीत् | अनभिष्टाम् | अनभिषुः इत्यादि |
| प० ननाभ | नेभतुः | नेभुः |
| नेभिष | नेभथुः | नेभ |
| ननाभ ननभ | नेभिष | नेभिम |
| आ० नभ्यात् | नभ्यास्ताम् | नभ्यासुः |
| नभ्याः | नभ्यास्तम् | नभ्यास्त |
| नभ्यासम् | नभ्यास्व | नभ्यास्म |
| प्र० नभिता | नभितारौ | नभितारः |
| नभितासि | नभितास्थः | नभितास्थ |
| नभितास्मि | नभितास्वः | नभितास्मः |
| भ० नभिस्यति | नभिस्यतः | नभिस्यन्ति |
| नभिस्यसि | नभिस्यथः | नभिस्यथ |
| नभिस्यामि | नभिस्याषः | नभिस्यामः |
| क्रि० अनभिस्यत् | अनभिस्यताम् | अनभिस्यन् |
| अनभिस्यः | अनभिस्यतम् | अनभिस्यत |
| अनभिस्यम् | अनभिस्याव | अनभिस्याम |

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० तुभ्नाति | तुभ्नीतः | तुभ्नन्ति |
| तुभ्नासि | तुभ्नीथः | तुभ्नीथ |
| तुभ्नामि | तुभ्नीषः | तुभ्नीमः |
| स० तुभ्नीयात् | तुभ्नीयाताम् | तुभ्नीयुः |
| तुभ्नीयाः | तुभ्नीयातम् | तुभ्नीयात |
| तुभ्नीयाम् | तुभ्नीयाव | तुभ्नीयाम |
| प० तुभ्नातु | तुभ्नीतात् | तुभ्नीताम् |
| तुभ्नात | तुभ्नीतम् | तुभ्नीत |
| तुभ्नानि | तुभ्नाष | तुभ्नाम |
| झ० अतुभ्नात् | अतुभ्नीताम् | अतुभ्नन् |
| अतुभ्नाः | अतुभ्नीतम् | अतुभ्नीत |
| अतुभ्नाम् | अतुभ्नीव | अतुभ्नीम |
| अ० अतोभीत् | अतोभिष्टाम् | अतोभिषुः |
| अतोभीः | अतोभिष्टम् | अतोभिष्ट |
| अतोभिषम् | अतोभिष्व | अतोभिषम |
| प० तुतोभ | तुतुभतुः | तुतुभुः |
| तुतोभिथ | तुतुभथुः | तुतुभ |
| तुतोभ | तुतुभिष | तुतुभिम |
| आ० तुभ्यात् | तुभ्यास्ताम् | तुभ्यासुः |
| तुभ्याः | तुभ्यास्तम् | तुभ्यास्त |
| तुभ्यासम् | तुभ्यास्व | तुभ्यास्म |
| प्र० तोभिता | तोभितारौ | तोभितारः |
| तोभितासि | तोभितास्थः | तोभितास्थ |
| तोभितास्मि | तोभितास्वः | तोभितास्मः |
| भ० तोभिस्यति | तोभिस्यतः | तोभिस्यन्ति |
| तोभिस्यसि | तोभिस्यथः | तोभिस्यथ |
| तोभिस्यामि | तोभिस्याषः | तोभिस्यामः |
| क्रि० अतोभिस्यत् | अतोभिस्यताम् | अतोभिस्यन् |
| अतोभिस्यः | अतोभिस्यतम् | अतोभिस्यत |
| अतोभिस्यम् | अतोभिस्याव | अतोभिस्याम |

अथ वान्तः सेट् च ॥

1556 खवश् (खव्) हेठश्चत् 49

यथा हेठश् भूतप्रादुर्भावे तथाऽयमपि
वर्णक्रमानुरोधेन तु तत्रैव न पठितः

| | | | |
|-------|------------|--------------|------------------|
| व० | खौनाति | खौनीतः | खौनन्ति |
| | खौनासि | खौनीथः | खौनीथ |
| | खौनामि | खौनीवः | खौनीमः |
| स० | खौनीयात् | खौनीयाताम् | खौनीयुः |
| | खौनीयाः | खौनीयातम् | खौनीयात |
| | खौनीयाम् | खौनीयाव | खौनीयाम |
| प० | खौनातु | खौनीतात | खौनीताम् खौनन्तु |
| पा० | खौनीहि | खौनीतम् | खौनीत |
| | खौनानि | खौनाव | खौनाम |
| झ० | अखौनात् | अखौनीताम् | अखौनन् |
| | अखौनाः | अखौनीतम् | अखौनीत |
| | अखौनाम् | अखौनीव | अखौनीम |
| अ० | अखावीत् | अखाविष्टम् | अखाविष्टुः |
| | अखावीः | अखाविष्टम् | अखाविष्ट |
| | अखाविष्टम् | अखाविष्टव | अखाविष्टम |
| प० | अखावीतु | अखाविष्टताम् | अखाविष्टन्तु |
| | अखावीतः | अखाविष्टतम् | अखाविष्टत |
| | अखावीतम् | अखाविष्टव | अखाविष्टम |
| आ० | खव्यात् | खव्यास्ताम् | खव्यासुः |
| | खव्याः | खव्यास्तम् | खव्यास्त |
| | खव्यासम् | खव्यास्व | खव्यासम् |
| प्रथ० | खवितारः | खवितारौ | खवितारः |
| | खवितारसि | खवितारस्थः | खवितारस्थ |
| | खवितारस्मि | खवितारस्वः | खवितारस्मः |
| प० | खविष्यति | खविष्यतः | खविष्यन्ति |
| | खविष्यसि | खविष्यथः | खविष्यथ |
| | खविष्यामि | खविष्यावः | खविष्यामः |
| क्रि० | अखविष्यत् | अखविष्यताम् | अखविष्यन् |
| | अखविष्यः | अखविष्यतम् | अखविष्यत |
| | अखविष्यम् | अखविष्याव | अखविष्याम |

॥ अथ शान्तौ सेटौ च ॥ 50

1557 किलशौश (किलश्) विबाधने

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| व० | किलशनाति | किलशनीतः | किलशनन्ति |
| | किलशनासि | किलशनीथः | किलशनीथ |
| | किलशनामि | किलशनीवः | किलशनीमः |
| स० | किलशनीयात् | किलशनीयाताम् | किलशनीयुः |
| | किलशनीयाः | किलशनीयातम् | किलशनीयात |
| | किलशनीयाम् | किलशनीयाव | किलशनीयाम |
| प० | किलशनातु | किलशनीताम् | किलशनन्तु |
| | किलशान | किलशनीतम् | किलशनीत |
| | किलशनानि | किलशनाव | किलशनाम |
| झ० | अकिलशनात् | अकिलशनीताम् | अकिलशनन् |
| | अकिलशनाः | अकिलशनीतम् | अकिलशनीत |
| | अकिलशनाम् | अकिलशनीव | अकिलशनीम |
| अ० | अकलेशीत् | अकलेशिष्टम् | अकलेशिष्टुः |
| | अकलेशीः | अकलेशिष्टम् | अकलेशिष्ट |
| | अकलेशिष्टम् | अकलेशिष्टव | अकलेशिष्टम |
| प० | चिकलेश | चिकलेशतुः | चिकलेशुः |
| | चिकलेशिथ | चिकलेशथुः | चिकलेश |
| | चिकलेश | चिकलेशिव | चिकलेशिम |
| आ० | किलश्यात् | किलश्यास्ताम् | किलश्यासुः |
| | किलश्याः | किलश्यास्तम् | किलश्यास्त |
| | किलश्यासम् | किलश्यास्व | किलश्यासम् |
| प्रथ० | कलेशिता | कलेशितारौ | कलेशितारः |
| | कलेशितासि | कलेशितास्थः | कलेशितास्थ |
| | कलेशितास्मि | कलेशितास्वः | कलेशितास्मः |
| अ० | कलेशिष्यति | कलेशिष्यतः | कलेशिष्यन्ति |
| | कलेशिष्यसि | कलेशिष्यथः | कलेशिष्यथ |
| | कलेशिष्यामि | कलेशिष्यावः | कलेशिष्यामः |
| | कलेश्यते | कलेश्यतः | कलेश्यन्ति |
| क्रि० | अकलेशिष्यत् | अकलेशिष्यताम् | अकलेशिष्यन् |
| | अकलेशिष्यः | अकलेशिष्यतम् | अकलेशिष्यत |
| | अकलेशिष्यम् | अकलेशिष्याव | अकलेशिष्याम |
| | अकलेश्यत् | अकलेश्यताम् | अकलेश्यन् |

1558 अश्नात् (अश्) भोजने 51

| | | |
|----------------------|-------------|------------|
| व० अश्नाति | अश्नीतः | अश्नन्ति |
| अश्नासि | अश्नीथः | अश्नीथ |
| अश्नामि | अश्नीषः | अश्नीमः |
| स० अश्नीयात् | अश्नीयाताम् | अश्नीयुः |
| अश्नीयाः | अश्नीयातम् | अश्नीयात |
| अश्नीयाम् | अश्नीयाव | अश्नीयाम |
| प० अश्नातु-अश्नीतात् | अश्नीताम् | अश्नन्तु |
| अश्नात | अश्नीतम् | अश्नीत |
| अश्नानि | अश्नाव | अश्नाम |
| ह्य० अश्नात् | अश्नीताम् | अश्नन्तु |
| अश्नाः | अश्नीतम् | अश्नीत |
| अश्नाम् | अश्नीष | अश्नीम |
| अ० आशीत् | आशिष्टाम् | आशिषुः |
| आशीः | आशिष्टम् | आशिष्ट |
| आशिषम् | आशिष्व | आशिषम |
| प० आश | आशतुः | आशुः |
| आशिय | आशयुः | आश |
| आश | आशिव | आशिम |
| आ० अश्यात् | अश्यास्ताम् | अश्यासुः |
| अश्याः | अश्यास्तम् | अश्यास्त |
| अश्यासम् | अश्यास्व | अश्यासम |
| प्र० अशिता | अशितारौ | अशितारः |
| अशितासि | अशितास्थः | अशितास्था |
| अशितामि | अशितास्वः | अशितासमः |
| प्र० अशिष्यति | अशिष्यतः | अशिष्यन्ति |
| अशिष्यसि | अशिष्यथाः | अशिष्यथा |
| अशिष्यामि | अशिष्यावः | अशिष्यामः |
| क्रि० आशिष्यत् | आशिष्यताम् | आशिष्यन्तु |
| आशिष्यः | आशिष्यतम् | आशिष्यत |
| आशिष्यम् | आशिष्याव | आशिष्याम |

अथ पान्ताः सप्त सेटश्च

1559 इष्यात् (इष्) आभीक्ष्ण्ये ।

आभीक्ष्ण्यं पौनःपुन्यम् 52

| | | |
|----------------------|-------------|------------|
| व० इष्णाति | इष्णीतः | इष्णान्ति |
| इष्णासि | इष्णीथाः | इष्णीथा |
| इष्णामि | इष्णीवः | इष्णीमः |
| स० इष्णीयात् | इष्णीयाताम् | इष्णीयुः |
| इष्णीयाः | इष्णीयातम् | इष्णीयात |
| इष्णीयाम् | इष्णीयाव | इष्णीयाम |
| प० इष्णातु-इष्णीतात् | इष्णीताम् | इष्णन्तु |
| इष्णात | इष्णीतम् | इष्णीत |
| इष्णानि | इष्णाव | इष्णाम |
| ह्य० ऐष्णात् | ऐष्णीताम् | ऐष्णन्तु |
| ऐष्णाः | ऐष्णीतम् | ऐष्णीत |
| ऐष्णाम् | ऐष्णीव | ऐष्णीम |
| अ० ऐषीत् | ऐषिष्टाम् | ऐषिषुः |
| ऐषीः | ऐषिष्टम् | ऐषिष्ट |
| ऐषिषम् | ऐषिष्व | ऐषिषम |
| प० इयेष | ईषितुः | ईषुः |
| इयेषिथ | ईषिथुः | ईष |
| इयेष | ईषिव | ईषिम |
| आ० इष्यात् | इष्यास्ताम् | इष्यासुः |
| इष्याः | इष्यास्तम् | इष्यास्त |
| इष्यासम् | इष्यास्व | इष्यासम |
| प्र० एषिता | एषितारौ | एषितारः |
| एषितासि | एषितास्थाः | एषितास्था |
| एषितामि | एषितास्वः | एषितासमः |
| प्र० एषिष्यति | एषिष्यतः | एषिष्यन्ति |
| एषिष्यसि | एषिष्यथाः | एषिष्यथा |
| एषिष्यामि | एषिष्यावः | एषिष्यामः |
| क्रि० ऐषिष्यन् | ऐषिष्यताम् | ऐषिष्यन्तु |
| ऐषिष्यः | ऐषिष्यतम् | ऐषिष्यत |
| ऐषिष्यम् | ऐषिष्याव | ऐषिष्याम |

1560 विष्णु (विष्) विप्रयोगे 53

| | | | |
|-------|------------|--------------|----------------------|
| व० | विष्णाति | विष्णीतः | विष्णन्ति |
| | विष्णासि | विष्णीथः | विष्णीथ |
| | विष्णामि | विष्णीवः | विष्णीमः |
| स० | विष्णीयात् | विष्णीयाताम् | विष्णीयुः |
| | विष्णीयाः | विष्णीयातम् | विष्णीयात |
| | विष्णीयाम् | विष्णीयाव | विष्णीयाम |
| प० | विष्णातु | विष्णीतात् | विष्णीताम् विष्णन्तु |
| | विष्णाण | विष्णीतम् | विष्णीत |
| | विष्णानि | विष्णाव | विष्णाम |
| ह्य० | अविष्णात् | अविष्णीताम् | अविष्णन् |
| | अविष्णाः | अविष्णीतम् | अविष्णीत |
| | अविष्णाम् | अविष्णीव | अविष्णीम |
| अ० | अवेष्णत् | अवेष्णताम् | अवेष्णुः |
| | अवेष्णीः | अवेष्णितम् | अवेष्णित |
| | अवेष्णाम् | अवेष्णिव | अवेष्णिम |
| प० | विवेष्ण | विविष्णतुः | विविष्णुः |
| | विवेष्णित | विविष्णुः | विविष्ण |
| | विवेष्ण | विविष्णिव | विविष्णिम |
| आ० | विष्यात् | विष्याताम् | विष्यातुः |
| | विष्याः | विष्यातम् | विष्यात |
| | विष्याम | विष्याव | विष्याम |
| प्र० | वेषिता | वेषितारौ | वेषितारः |
| | वेषितानि | वेषितास्थः | वेषितास्थ |
| | वेषितास्मि | वेषितास्वः | वेषितास्मः |
| अ० | वेषिष्यति | वेषिष्यतः | वेषिष्यन्ति |
| | वेषिष्यसि | वेषिष्यथः | वेषिष्यथ |
| | वेषिष्यामि | वेषिष्यावः | वेषिष्यामः |
| क्रि० | अवेषिष्यत् | अवेषिष्यताम् | अवेषिष्यन् |
| | अवेषिष्यः | अवेषिष्यतम् | अवेषिष्यत |
| | अवेषिष्यम् | अवेषिष्याव | अवेषिष्याम |

1561 प्रुष (प्रुष) स्नेह-

सेचनपूरणेषु 54

| | | | |
|-------|--------------|----------------|--------------------------|
| व० | प्रुष्णाति | प्रुष्णीतः | प्रुष्णन्ति |
| | प्रुष्णासि | प्रुष्णीथः | प्रुष्णीथ |
| | प्रुष्णामि | प्रुष्णीवः | प्रुष्णीमः |
| स० | प्रुष्णीयात् | प्रुष्णीयाताम् | प्रुष्णीयुः |
| | प्रुष्णीयाः | प्रुष्णीयातम् | प्रुष्णीयात |
| | प्रुष्णीयाम् | प्रुष्णीयाव | प्रुष्णीयाम |
| प० | प्रुष्णातु | प्रुष्णीतात् | प्रुष्णीताम् प्रुष्णन्तु |
| | प्रुष्णाण | प्रुष्णीतम् | प्रुष्णीत |
| | प्रुष्णानि | प्रुष्णाव | प्रुष्णाम |
| ह्य० | अप्रुष्णात् | अप्रुष्णीताम् | अप्रुष्णन् |
| | अप्रुष्णाः | अप्रुष्णीतम् | अप्रुष्णीत |
| | अप्रुष्णाम् | अप्रुष्णीव | अप्रुष्णीम |
| अ० | अप्रोषोत् | अप्रोषिताम् | अप्रोषिषुः |
| | अप्रोषीः | अप्रोषितम् | अप्रोषित |
| | अप्रोषिषम् | अप्रोषिव | अप्रोषिम |
| प० | प्रुप्रोष | प्रुप्रुषतुः | प्रुप्रुषुः |
| | प्रुप्रोषित | प्रुप्रुषथुः | प्रुप्रुष |
| | प्रुप्रोष | प्रुप्रुषिव | प्रुप्रुषिम |
| आ० | प्रुष्यात् | प्रुष्याताम् | प्रुष्यातुः |
| | प्रुष्याः | प्रुष्यातम् | प्रुष्यात |
| | प्रुष्याम | प्रुष्याव | प्रुष्याम |
| प्र० | प्रोषिता | प्रोषितारौ | प्रोषितारः |
| | प्रोषितानि | प्रोषितास्थः | प्रोषितास्थ |
| | प्रोषितास्मि | प्रोषितास्वः | प्रोषितास्मः |
| अ० | प्रोषिष्यति | प्रोषिष्यतः | प्रोषिष्यन्ति |
| | प्रोषिष्यसि | प्रोषिष्यथः | प्रोषिष्यथ |
| | प्रोषिष्यामि | प्रोषिष्यावः | प्रोषिष्यामः |
| क्रि० | अप्रोषिष्यत् | अप्रोषिष्यताम् | अप्रोषिष्यन् |
| | अप्रोषिष्यः | अप्रोषिष्यतम् | अप्रोषिष्यत |
| | अप्रोषिष्यम् | अप्रोषिष्याव | अप्रोषिष्याम |

1562 प्लुषम् (प्लुष्) स्नेह-

मेचनपरणेषु 55

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| व० | प्लुषाति | प्लुषीतः | प्लुषन्ति |
| | प्लुषासि | प्लुषीथः | प्लुषीथ |
| | प्लुषामि | प्लुषीवः | प्लुषीमः |
| स० | प्लुषीयात् | प्लुषीयाताम् | प्लुषीयुः |
| | प्लुषीयाः | प्लुषीयातम् | प्लुषीयात |
| | प्लुषीयाम् | प्लुषीयाव | प्लुषीयाम |
| प० | प्लुषातु | प्लुषीतात् | प्लुषीताम् |
| | प्लुषाण | प्लुषीतम् | प्लुषीत |
| | प्लुषानि | प्लुषीव | प्लुषीम |
| अ० | अप्लुषात् | अप्लुषीताम् | अप्लुषन्ति |
| | अप्लुषाः | अप्लुषीतम् | अप्लुषीत |
| | अप्लुषाम् | अप्लुषीव | अप्लुषीम |
| अ० | अप्लोषीत् | अप्लोषीताम् | अप्लोषीयुः |
| | अप्लोषीः | अप्लोषीतम् | अप्लोषीत |
| | अप्लोषीम् | अप्लोषीव | अप्लोषीम |
| प० | पुप्लोष | पुप्लुषतुः | पुप्लुषुः |
| | पुप्लोषिथ | पुप्लुषथुः | पुप्लुष |
| | पुप्लोष | पुप्लुषिव | पुप्लुषिम |
| आ० | प्लुष्यात् | प्लुष्यास्ताम् | प्लुष्यासुः |
| | प्लुष्याः | प्लुष्यास्तम् | प्लुष्यास्त |
| | प्लुष्यासम् | प्लुष्यास्व | प्लुष्यास्म |
| प्रव० | प्लोषिता | प्लोषितारौ | प्लोषितारः |
| | प्लोषितासि | प्लोषितास्थः | प्लोषितास्थ |
| | प्लोषितास्मि | प्लोषितास्वः | प्लोषितास्मः |
| भ० | प्लोषिष्यति | प्लोषिष्यतः | प्लोषिष्यन्ति |
| | प्लोषिष्यसि | प्लोषिष्यथः | प्लोषिष्यथ |
| | प्लोषिष्यामि | प्लोषिष्यावः | प्लोषिष्यामः |
| क्रि० | अप्लोषिष्यत् | अप्लोषिष्यताम् | अप्लोषिष्यन्ति |
| | अप्लोषिष्यः | अप्लोषिष्यतम् | अप्लोषिष्यत |
| | अप्लोषिष्यम् | अप्लोषिष्याव | अप्लोषिष्याम |

1563 मुषम् (मुष्) स्तेये 56

| | | | |
|-------|------------|--------------|--------------|
| व० | मुषाति | मुषीतः | मुषन्ति |
| | मुषासि | मुषीथः | मुषीथ |
| | मुषामि | मुषीवः | मुषीमः |
| स० | मुषीयात् | मुषीयाताम् | मुषीयुः |
| | मुषीयाः | मुषीयातम् | मुषीयात |
| | मुषीयाम् | मुषीयाव | मुषीयाम |
| प० | मुषातु | मुषीतात् | मुषीताम् |
| | मुषाण | मुषीतम् | मुषीत |
| | मुषानि | मुषीव | मुषीम |
| अ० | अमुषात् | अमुषीताम् | अमुषन्ति |
| | अमुषाः | अमुषीतम् | अमुषीत |
| | अमुषाम् | अमुषीव | अमुषीम |
| अ० | अमोषीत् | अमोषीताम् | अमोषीयुः |
| | अमोषीः | अमोषीतम् | अमोषीत |
| | अमोषीम् | अमोषीव | अमोषीम |
| प० | मुमोष | मुमुषतुः | मुमुषुः |
| | मुमोषिथ | मुमुषथुः | मुमुष |
| | मुमोष | मुमुषिव | मुमुषिम |
| आ० | मुष्यात् | मुष्यास्ताम् | मुष्यासुः |
| | मुष्याः | मुष्यास्तम् | मुष्यास्त |
| | मुष्यासम् | मुष्यास्व | मुष्यास्म |
| प्रव० | मोषिता | मोषितारौ | मोषितारः |
| | मोषितासि | मोषितास्थः | मोषितास्थ |
| | मोषितास्मि | मोषितास्वः | मोषितास्मः |
| भ० | मोषिष्यति | मोषिष्यतः | मोषिष्यन्ति |
| | मोषिष्यसि | मोषिष्यथः | मोषिष्यथ |
| | मोषिष्यामि | मोषिष्यावः | मोषिष्यामः |
| क्रि० | अमोषिष्यत् | अमोषिष्यताम् | अमोषिष्यन्ति |
| | अमोषिष्यः | अमोषिष्यतम् | अमोषिष्यत |
| | अमोषिष्यम् | अमोषिष्याव | अमोषिष्याम |

1564 पुष् (पुष्) पुष्टौ-57

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० पुष्णाति | पुष्णीतः | पुष्णन्ति |
| पुष्णासि | पुष्णीथः | पुष्णीथ |
| पुष्णामि | पुष्णीवः | पुष्णीमः |
| स० पुष्णीयात् | पुष्णीयाताम् | पुष्णीयुः |
| पुष्णीयाः | पुष्णीयातम् | पुष्णीयात |
| पुष्णीयाम् | पुष्णीयाव | पुष्णीयाम |
| प० पुष्णातु | पुष्णीतात् | पुष्णीताम् |
| पुष्णन्तु | पुष्णीतम् | पुष्णीत |
| पुष्णानि | पुष्णाव | पुष्णाम |
| ह्य० अपुष्णात् | अपुष्णीताम् | अपुष्णन् |
| अपुष्णाः | अपुष्णीतम् | अपुष्णीत |
| अपुष्णाम् | अपुष्णीव | अपुष्णीम |
| अ० अपोषीत् | अपोषिष्टाम् | अपोषिषुः |
| अपोषीः | अपोषिष्टम् | अपोषिष्ट |
| अपोषिषम् | अपोषिष्व | अपोषिष्व |
| प० पुपोष | पुपुषतुः | पुपुषुः |
| पुपोषिथ | पुपुषथुः | पुपुष |
| पुपोष | पुपुषिव | पुपुषिम |
| आ० पुष्यात् | पुष्यास्ताम् | पुष्यासुः |
| पुष्याः | पुष्यास्तम् | पुष्यास्व |
| पुष्यासम् | पुष्यास्व | पुष्यास्म |
| प्रव० पोषिता | पोषितारौ | पोषितारः |
| पोषितासि | पोषितास्थः | पोषितास्थ |
| पोषितास्मि | पोषितास्वः | पोषितास्मः |
| भ० पोषिष्यति | पोषिष्यतः | पोषिष्यन्ति |
| पोषिष्यसि | पोषिष्यथः | पोषिष्यथ |
| पोषिष्यामि | पोषिष्यावः | पोषिष्यामः |
| क्रि० अपोषिष्यत् | अपोषिष्यताम् | अपोषिष्यन् |
| अपोषिष्यः | अपोषिष्यतम् | अपोषिष्यत |
| अपोषिष्यम् | अपोषिष्याव | अपोषिष्याम |

1565 कुष् (कुष्) निष्कर्षे ।

निष्कर्षो बहिष्कर्षणम् । 58

| | | |
|------------------------------------|--------------|-------------|
| व० कुष्णाति | कुष्णीतः | कुष्णन्ति |
| कुष्णासि | कुष्णीथः | कुष्णीथ |
| कुष्णामि | कुष्णीवः | कुष्णीमः |
| स० कुष्णीयात् | कुष्णीयाताम् | कुष्णीयुः |
| कुष्णीयाः | कुष्णीयातम् | कुष्णीयात |
| कुष्णीयाम् | कुष्णीयाव | कुष्णीयाम |
| प० कुष्णातु | कुष्णीतात् | कुष्णीताम् |
| कुष्णन्तु | कुष्णीतम् | कुष्णीत |
| कुष्णानि | कुष्णाव | कुष्णाम |
| ह्य० अकुष्णात् | अकुष्णीताम् | अकुष्णन् |
| अकुष्णाः | अकुष्णीतम् | अकुष्णीत |
| अकुष्णाम् | अकुष्णीव | अकुष्णीम |
| अ० अकोषीत् | अकोषिष्टाम् | अकोषिषुः |
| अकोषीः | अकोषिष्टम् | अकोषिष्ट |
| अकोषिषम् | अकोषिष्व | अकोषिष्व |
| प० चुकोष | चुकुषतुः | चुकुषुः |
| चुकोषिथ | चुकुषथुः | चुकुष |
| चुकोष | चुकुषिव | चुकुषिम |
| आ० कुष्यात् | कुष्यास्ताम् | कुष्यासुः |
| कुष्याः | कुष्यास्तम् | कुष्यास्व |
| कुष्यासम् | कुष्यास्व | कुष्यास्म |
| प्रव० कोषिता | कोषितारौ | कोषितारः |
| कोषितासि | कोषितास्थः | कोषितास्थ |
| कोषितास्मि | कोषितास्वः | कोषितास्मः |
| भ० कोषिष्यति | कोषिष्यतः | कोषिष्यन्ति |
| कोषिष्यसि | कोषिष्यथः | कोषिष्यथ |
| कोषिष्यामि | कोषिष्यावः | कोषिष्यामः |
| क्रि० अकोषिष्यत् | अकोषिष्यताम् | अकोषिष्यन् |
| अकोषिष्यः | अकोषिष्यतम् | अकोषिष्यत |
| अकोषिष्यम् | अकोषिष्याव | अकोषिष्याम |
| निष्पूर्वस्य तु स्यादौ वेद् भवति । | | |
| निष्कोषीत् निष्कुषन् इत्यादि | | |

॥ अथ सान्तः सेट् च ॥

1566 प्रस्नात् (प्रस्) ङङ्ङे 59

| | | | |
|-------|--------------|---------------|---------------|
| व० | प्रस्नाति | प्रस्नीतः | प्रस्नन्ति |
| | प्रस्नासि | प्रस्नीथः | प्रस्नीथ |
| | प्रस्नामि | प्रस्नीषः | प्रस्नीमः |
| स | प्रस्नीयात् | प्रस्नीयाताम् | प्रस्नीयुः |
| | प्रस्नीयाः | प्रस्नीयातम् | प्रस्नीयात |
| | प्रस्नीयाम् | प्रस्नीयाथ | प्रस्नीयाम |
| प० | प्रस्नातु | प्रस्नीतात् | प्रस्नीताम् |
| | प्रस्नात | प्रस्नीतम् | प्रस्नीत |
| | प्रस्नानि | प्रस्नाथ | प्रस्नाम |
| झ० | अप्रस्नात् | अप्रस्नीताम् | अप्रस्नन् |
| | अप्रस्नाः | अप्रस्नीतम् | अप्रस्नीत |
| | अप्रस्नाम् | अप्रस्नीथ | अप्रस्नीम |
| अ० | अप्रसीत् | अप्रसिष्टात् | अप्रसिषुः |
| | अप्रसीः | अप्रसिष्टम् | अप्रसिष्ट |
| | अप्रसिषम् | अप्रसिष्व | अप्रसिषम |
| | अप्रासीत् | अप्रासिष्टात् | अप्रासिषुः इ० |
| प० | दप्रस | दप्रसतुः | दप्रसुः |
| | दप्रसिथ | दप्रसथुः | दप्रस |
| | दप्रस, दप्रस | दप्रसिथ | दप्रसिम |
| आ० | प्रस्यात् | प्रस्यास्ताम् | प्रस्यासुः |
| | प्रस्याः | प्रस्यास्तम् | प्रस्यास्त |
| | प्रस्यासम् | प्रस्यास्व | प्रस्यास्म |
| भ्य० | प्रसिता | प्रसितारौ | प्रसितारः |
| | प्रसितासि | प्रसितास्थः | प्रसितास्थ |
| | प्रसितास्मि | प्रसितास्वः | प्रसितास्मः |
| भ० | प्रसिष्यति | प्रसिष्यतः | प्रसिष्यन्ति |
| | प्रसिष्यसि | प्रसिष्यथः | प्रसिष्यथ |
| | प्रसिष्यामि | प्रसिष्याथः | प्रसिष्यामः |
| क्रि० | अप्रसिष्यत | अप्रसिष्यताम् | अप्रसिष्यन् |
| | अप्रसिष्यः | अप्रसिष्यतम् | अप्रसिष्यत |
| | अप्रसिष्यम् | अप्रसिष्याथ | अप्रसिष्याम |

॥ इति परस्मैपदिनः ॥

॥ अथात्मनेपदी ऋदन्तः सेट् च ॥

1567 वृणुत् (वृ) सम्भक्तौ 60

संभक्तिः संसेवा ।

| | | | |
|-------|------------|---------------|--------------------|
| व० | वृणीते | वृण ते | वृणते |
| | वृणीषे | वृणाथे | वृणीष्वे |
| | वृणे | वृणीषहे | वृणीमहे |
| स० | वृणीत | वृणीयाताम् | वृणीरन् |
| | वृणीथाः | वृणीयाथाम् | वृणीष्वम् |
| | वृणीथ | वृणीवहि | वृणीमहि |
| प० | वृणीताम् | वृणाताम् | वृणताम् |
| | वृणीष्व | वृणाथाम् | वृणीष्वम् |
| | वृणै | वृणावहे | वृणामहे |
| झ० | अवृणीत | अवृणाताम् | अवृणत |
| | अवृणीथाः | अवृणाथाम् | अवृणीष्वम् |
| | अवृणि | अवृणीवहि | अवृणीमहि |
| अ० | अवरिष्ट | अवरिषाताम् | अवरिषत इ० |
| | अवरीष्ट | अवरीषाताम् | अवरीषत इत्यादि |
| | अवृत् | अवृषाताम् | अवृषत इत्यादि |
| प० | वव्रे | वव्राते | वव्रिरे |
| | ववृषे | वव्राथे | ववृष्वे |
| | वव्र | ववृषहे | ववृमहे |
| आ० | वरिषीष्ट | वरिषीयास्ताम् | वरिषीरन् |
| | वरिषीष्टाः | वरिषीयास्थाम् | वरिषीष्वम् इवम् |
| | वरिषीथ | वरिषीवहि | वरिषीमहि |
| | वृषीष्ट | वृषीयास्ताम् | वृषीरन् इत्यादि |
| प्र० | वरिता | वरितारौ | वरितारः |
| | वरितासे | वरितासाथे | वरिताष्वे |
| | वरिताहे | वरितास्वहे | वरितास्महे |
| | वरीता | वरीतारौ | वरीतारः इत्यादि |
| भ० | वरिष्यते | वरिष्येते | वरिष्यन्ते |
| | वरिष्यसे | वरिष्येथे | वरिष्यस्व |
| | वरिष्ये | वरिष्यावहे | वरिष्यामहे |
| | वरीष्यते | वरीष्येते | वरीष्यन्ते इत्यादि |
| क्रि० | अवरिष्यत | अवरिष्यताम् | अवरिष्यन्त |
| | अवरिष्यथाः | अवरिष्येथाम् | अवरिष्यस्वम् |
| | अवरिष्ये | अवरिष्यावहि | अवरिष्यामहि |
| | अवरीष्यत | अवरीष्येताम् | अवरीष्यन्त इ० |

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीमत्तपोगणगनाङ्गणगनमणि सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम - तीर्थरक्षण-
 परायण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक संविग्नशास्त्रीय-आचार्य-
 चूडामणि-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिलूरीश्वरचरणेन्दिरा-
 मन्दिरैन्दिरायमाणान्तिषम्मुनिलावण्यविजयविरचिते धातु-
 रत्नाकरे ज्ञाधिकरणः शिक्क्यादिगणः सम्पूर्णः ॥

॥ अथ णितश्चुरादयो वर्णक्रमेण प्रस्तूयन्ते । तत्रादौ—

1568 चुरण् (चुर) स्तेये ।

णिश्चं चुगदित्त्वख्यापनार्थम् । स्वार्थिकत्वेनान्तङ्गत्वाद्विशेषविधानाच्च
 कर्त्रादिकारकापेक्षत्वेन बहिर्गङ्गेभ्यः सामान्यविहितेभ्यश्च तिव्वादिभ्यः प्रागेव
 “चुरादिभ्य इति स्वार्थे णिचि । णिजन्तस्यापि क्रियार्थत्वाद्धातुत्वे ‘शेषादिति’
 परस्मैपदे चोरयति । णिचो णिच्वाभावात्फलवत्कर्त्तर्यात्मनेपदं नास्ति । चन्द्रस्तु
 णिच्यपि उभयपदित्वमाग्नसोत् णिज्विकल्पश्च । चोरयन्तं प्रायुङ्क्तेति णिज-
 न्तात् प्रयोक्तृव्यापारे इति णिगि णेरनिटि ” इति णिचो लुक्चपि णिजात्या-
 श्रयणात्समानलोपित्वाभावादुपान्त्यस्येति ह्रस्वे लघोर्दीर्घे इति पूर्वस्य दीर्घे च अचू-
 चुरत् । इह पचुण् चितुण्पभृतीनां सनकारनिर्देशमकृत्वा उदित्करणं चुरादि-
 णिचोऽनित्यत्वज्ञापकं न च चिन्त्यते इत्यादौ नलोपाभावार्थम् । ततो णिजलुक्ः
 स्थानित्वेनोपान्त्यत्वाभावाच्च लुकोऽप्रमङ्गात् । तेन चोरति चिन्ततीत्यादि सिद्ध-
 मिदं च ज्ञापकं घुषेरविशब्दे इति विशब्दनप्रतिषेधः । अयं हि विशब्दने घुषेरिट्
 प्रतिषेधाभावार्थः, स च णिचोऽनित्यत्वेऽनेकस्वरत्वादेव सिद्धः । तेन, ‘मही-
 पालवचः श्रुत्वा जुघुषः पुष्पमाणवाः इत्यपि’ सिद्धम् ।

च० चोरयति चोरयतः चोरयन्ति
चोरयसि चोरयथः चोरयथ
चोरयामि चोरयावः चोरयामः
स० चोरयेत् चोरयेताम् चोरयेयुः
चोरयेः चोरयेतम् चोरयेत
चोरयेयम् चोरयेव चोरयेम

प० चोरयन्तु-चोरयतात् चोरयताम् चोरयन्तु
चोरय " चोरयतम् चोरयत
चोरयाणि चोरयाव चोरयाम

झ० अचोरयत् अचोरयताम् अचोरयन्
अचोरयः अचोरयतम् अचोरयत
अचोरयम् अचोरयाव अचोरयाम

अ० अचूचुरत् अचूचुरताम् अचूचुरन्
अचूचुरः अचूचुरतम् अचूचुरत
अचूचुरम् अचूचुराय अचूचुराम

प० चोरयाञ्चकार-चोरयाञ्चक्रतुः चोरयाञ्चक्रुः
चोरयाञ्चकर्थं चोरयाञ्चक्रथुः चोरयाञ्चक्र
चोरयाञ्चकार-चोरयाञ्चकर-चोरयाञ्चक्रव-कृम
चोरयाञ्चक्रव चोरयामास ।

आ० चोर्यात् चोर्यास्ताम् चोर्यासुः
चोर्याः चोर्यास्तम् चोर्यास्त
चोर्यासम् चोर्यास्व चोर्यास्म

इव० चोरयिता चोरयितारौ चोरयितारः
चोरयितासि चोरयितास्थः चोरयितास्थ
चोरयितास्मि चोरयितास्वः चोरयितास्म

भ० चोरयिष्यति चोरयिष्यतः चोरयिष्यन्ति
चोरयिष्यसि चोरयिष्यथः चोरयिष्यथ
चोरयिष्यामि चोरयिष्यावः चोरयिष्यामः

क्रि० अचोरयिष्यत् अचोरयिष्यताम् अचोरयिष्यन्
अचोरयिष्यः अचोरयिष्यतम् अचोरयिष्यत
अचोरयिष्यम् अचोरयिष्याव अचोरयिष्याम

अथ कृदन्तौ

1569 पृष्ण (पृ) पूरणे । 2

व० पारयति पारयतः पारयन्ति
पारयसि पारयथः पारयथ
पारयामि पारयावः पारयामः

स० पारयेत् पारयेताम् पारयेयुः
पारयेः पारयेतम् पारयेत
पारयेयम् पारयेव पारयेम

प० पारयन्तु-पारयतात् पारयताम् पारयन्तु
पारय " पारयतम् पारयत
पारयाणि पारयाव पारयाम

झ० अपारयत् अपारयताम् अपारयन्
अपारयः अपारयतम् अपारयत
अपारयम् अपारयाव अपारयाम

अ० अपीपत् अपीपताम् अपीपरन्
अपीपरः अपीपरतम् अपीपरत
अपीपरम् अपीपव अपीपराम

प० पारयाञ्चकार-पारयाञ्चक्रतुः पारयाञ्चक्रुः
पारयाञ्चकर्थं पारयाञ्चक्रथुः पारयाञ्चक्र
पारयाञ्चकार-पारयाञ्चकर-पारयाञ्चक्रव-कृम
पारयाञ्चक्रव पारयामास ।

आ० पार्यात् पार्यास्ताम् पार्यासुः
पार्याः पार्यास्तम् पार्यास्त
पार्यासम् पार्यास्व पार्यास्म

इव० पारयिता पारयितारौ पारयितारः
पारयितासि पारयितास्थः पारयितास्थ
पारयितास्मि पारयितास्वः पारयितास्म

भ० पारयिष्यति पारयिष्यतः पारयिष्यन्ति
पारयिष्यसि पारयिष्यथः पारयिष्यथ
पारयिष्यामि पारयिष्यावः पारयिष्यामः

क्रि० अपारयिष्यत् अपारयिष्यताम् अपारयिष्यन्
अपारयिष्यः अपारयिष्यतम् अपारयिष्यत
अपारयिष्यम् अपारयिष्याव अपारयिष्याम

1570 घृण् (घृ) सवणे 3

- घ० घारयति घारयतः घारयन्ति
 घारयसि घारयथः घारयथ
 घारयामि घारयानः घारयामः
- स० घारयेत् घारयेताम् घारयेयुः
 घारयेः घारयेतम् घारयेत
 घारयेयम् घारयेव घारयेम
- प० घारयन्तु घारयन्तात् घारयन्ताम् घारयन्तु
 घारय घारयताम् घारयतम् घारयत
 घारयाणि घारयाव घारयाम
- झ० अघारयत् अघारयताम् अघारयन्
 अघारयः अघारयतम् अघारयन्त
 अघारयम् अघारयाव अघारयाम
- अ० अजीघरत् अजीघरताम् अजीघरन्
 अजीघरः अजीघरतम् अजीघरत
 अजीघरम् अजीघराव अजीघराम
- म० घारयाञ्चकार घारयाञ्चकन्तु घारयाञ्चकुः
 घारयाञ्चकर्थ घारयाञ्चकथुः घारयाञ्चक
 घारयाञ्चकार-कर घारयाञ्चकृष घाञ्चकृम
 घारयाम्बभूवघारयाम्बभूवतुः घारयाम्बभूवुः१०
- घारयामास घारयामासतुः घारयासुः१०
- आ० घार्यात् घार्यास्ताम् घार्यासुः
 घार्या घार्यास्तम् घार्यास्त
 घार्यामिम् घार्यामिघ घार्यामिम्
- अ० घारयिता घारयितारौ घारयितारः
 घारयितासि घारयितास्थः घारयितास्थ
 घारयितास्मिन् घारयितास्वः घारयितास्मः
- भ० घारयिष्यति घारयिष्यतः घारयिष्यन्ति
 घारयिष्यसि घारयिष्यथः घारयिष्यथ
 घारयिष्यामि घारयिष्यावः घारयिष्यामः
- क्रि० अघारयिष्यत् अघारयिष्यताम् अघारयिष्यन्
 अघारयिष्यः अघारयिष्यतम् अघारयिष्यन्त
 अघारयिष्यम् अघारयिष्याव अघारयिष्याम

॥ अथ कान्ता अष्टौ ॥

1571 इवलकण् (इवलक्) भाषणे 4

- व० इवलकयति इवलकयतः इवलकयन्ति
 इवलकयसि इवलकयथः इवलकयथ
 इवलकयामि इवलकयावः इवलकयामः
- स० इवलकयेत् इवलकयेताम् इवलकयेयुः
 इवलकयेः इवलकयेतम् इवलकयेत
 इवलकयेयम् इवलकयेव इवलकयेम
- प० इवलकयन्तु इवलकयन्तात् इवलकयन्ताम् इवलकयन्तु
 इवलकय इवलकयताम् इवलकयतम् इवलकयत
 इवलकयाणि इवलकयाव इवलकयाम
- झ० अइवलकयत् अइवलकयताम् अइवलकयन्
 अइवलकयः अइवलकयतम् अइवलकयन्त
 अइवलकयम् अइवलकयाव अइवलकयाम
- अ० अशइवलकत् अशइवलकताम् अशइवलकन्
 अशइवलकः अशइवलकतम् अशइवलकत
 अशइवलकम् अशइवलकाव अशइवलकाम
- अइवलकयाञ्चकार अइवलकयाञ्चकन्तुः अइवलकयाञ्चकुः
 अइवलकयाञ्चकर्थ अइवलकयाञ्चकथुः अइवलकयाञ्चक
 अइवलकयाञ्चकार-कर अइवलकयाञ्चकृष अइवलकयाञ्चकृम
 अइवलकयाम्बभूव अइवलकयाम्बभूवतुः अइवलकयाम्बभूवुः१०
- आ० अइवलकयात् अइवलकयास्ताम् अइवलकयासुः
 अइवलकयाः अइवलकयास्तम् अइवलकयास्त
 अइवलकयासम् अइवलकयास्व अइवलकयास्म
- अ० अइवलकयिता अइवलकयितारौ अइवलकयितारः
 अइवलकयितासि अइवलकयितास्थः अइवलकयितास्थ
 अइवलकयास्मिन् अइवलकयितास्वः अइवलकयितास्मः
- भ० अइवलकयिष्यति अइवलकयिष्यतः अइवलकयिष्यन्ति
 अइवलकयिष्यसि अइवलकयिष्यथः अइवलकयिष्यथ
 अइवलकयिष्यामि अइवलकयिष्यावः अइवलकयिष्यामः
- क्रि० अइवलकयिष्यत् अइवलकयिष्यताम् अइवलकयिष्यन्
 अइवलकयिष्यः अइवलकयिष्यतम् अइवलकयिष्यन्त
 अइवलकयिष्यम् अइवलकयिष्याव अइवलकयिष्याम

1572 वल्कण् (वल्क्) भाषणे 5

व० वल्कयति वल्कयतः वल्कयन्ति
वल्कयसि वल्कयथः वल्कयथ
वल्कयामि वल्कयावः वल्कयामः

स० वल्कयेत् वल्कयेताम् वल्कयेयुः
वल्कयेः वल्कयेतम् वल्कयेत
वल्कयेयम् वल्कयेव वल्कयेम

प० वल्कयतु वल्कयतात् वल्कयताम् वल्कयन्तु
वल्कय वल्कयतात् वल्कयतम् वल्कयत
वल्कयानि वल्कयाव वल्कयाम

झ० अवल्कयत् अवल्कयताम् अवल्कयन्
अवल्कयः अवल्कयतम् अवल्कयत
अवल्कयम् अवल्कयाव अवल्कयाम

ञ० अवल्कयत् अवल्कयताम् अवल्कयन्
अवल्कयः अवल्कयतम् अवल्कयत
अवल्कयम् अवल्कयाव अवल्कयाम

प० वल्कयाञ्चकार वल्कयाञ्चकतु वल्कयाञ्चकृः
वल्कयाञ्चकर्थ वल्कयाञ्चकथुः वल्कयाञ्चक
वल्कयाञ्चकार वल्कयाञ्चकर
वल्कयाञ्चकृव वल्कयाञ्चकृम
वल्कयाम्बभूव वल्कयामास इ०

आ० वल्क्यात् वल्क्यास्तम् वल्क्यासुः
वल्क्याः वल्क्यास्तम् वल्क्यास्त
वल्क्यासम् वल्क्यास्व वल्क्यासम

भ्व० वल्कयिता वल्कयितारौ वल्कयितारः
वल्कयितासि वल्कयितास्थः वल्कयितास्थ
वल्कयितास्मि वल्कयितास्वः वल्कयितास्मः

भ० वल्कयिष्यति वल्कयिष्यतः वल्कयिष्यन्ति
वल्कयिष्यसि वल्कयिष्यथः वल्कयिष्यथ
वल्कयिष्यामि वल्कयिष्यावः वल्कयिष्यामः
अवल्कयिष्यत् अवल्कयिष्यताम् अवल्कयिष्यन्
अवल्कयिष्यः अवल्कयिष्यतम् अवल्कयिष्यत
अवल्कयिष्यम् अवल्कयिष्याव अवल्कयिष्याम

1573 नक्कण् (नक्क्) नाशने 6

व० नक्कयति नक्कयतः नक्कयन्ति
नक्कयसि नक्कयथः नक्कयथ
नक्कयामि नक्कयावः नक्कयामः

स० नक्कयेत् नक्कयेताम् नक्कयेयुः
नक्कयेः नक्कयेतम् नक्कयेत
नक्कयेयम् नक्कयेव नक्कयेम

प० नक्कयतु नक्कयतात् नक्कयताम् नक्कयन्तु
नक्कय नक्कयतात् नक्कयतम् नक्कयत
नक्कयानि नक्कयाव नक्कयाम

झ० अनक्कयत् अनक्कयताम् अनक्कयन्
अनक्कयः अनक्कयतम् अनक्कयत
अनक्कयम् अनक्कयाव अनक्कयाम

ञ० अनक्कयत् अनक्कयताम् अनक्कयन्
अनक्कयः अनक्कयतम् अनक्कयत
अनक्कयम् अनक्कयाव अनक्कयाम

प० नक्कयाञ्चकार नक्कयाञ्चकतुः नक्कयाञ्चकृः
नक्कयाञ्चकर्थ नक्कयाञ्चकथुः नक्कयाञ्चक
नक्कयाञ्चकार नक्कयाञ्चकर
नक्कयाञ्चकृव नक्कयाञ्चकृम
नक्कयाम्बभूव नक्कयामास इ०

आ० नक्क्यात् नक्क्यास्तम् नक्क्यासुः
नक्क्याः नक्क्यास्तम् नक्क्यास्त
नक्क्यासम् नक्क्यास्व नक्क्यासम

भ्व० नक्कयिता नक्कयितारौ नक्कयितारः
नक्कयितासि नक्कयितास्थः नक्कयितास्थ
नक्कयितास्मि नक्कयितास्वः नक्कयितास्मः

भ० नक्कयिष्यति नक्कयिष्यतः नक्कयिष्यन्ति
नक्कयिष्यसि नक्कयिष्यथः नक्कयिष्यथ
नक्कयिष्यामि नक्कयिष्यावः नक्कयिष्यामः
अनक्कयिष्यत् अनक्कयिष्यताम् अनक्कयिष्यन्
अनक्कयिष्यः अनक्कयिष्यतम् अनक्कयिष्यत
अनक्कयिष्यम् अनक्कयिष्याव अनक्कयिष्याम

1574 धक्कण् (धक्क्) नाशने 7

व० धक्कयति धक्कयतः धक्कयन्ति
धक्कयसि धक्कयथः धक्कयथ
धक्कयामि धक्कयावः धक्कयामः

स० धक्कयेत् धक्कयेताम् धक्कयेयुः
धक्कयेः धक्कयेतम् धक्कयेत
धक्कयेयम् धक्कयेव धक्कयेम

प० धक्कयतु तात् धक्कयताम् धक्कयन्तु
धक्कय ” धक्कयतम् धक्कयत
धक्कयानि धक्कयाव धक्कयाम

ह्य० अधक्कयत् अधक्कयताम् अधक्कयन्
अधक्कयः अधक्कयतम् अधक्कयत
अधक्कयम् अधक्कयाव अधक्कयाम

अ० अद्धक्कत् अद्धक्कताम् अद्धक्कन्
अद्धक्कः अद्धक्कतम् अद्धक्कत
अद्धक्कम् अद्धक्काव अद्धक्काम

प० धक्कयाञ्चकार धक्कयाञ्चक्रतुः याञ्चक्रुः
धक्कयाञ्चकथं धक्कयाञ्चक्रथुः याञ्चक्र
धक्कयाञ्चकार-कर धक्कयाञ्चकृव याञ्चकृम
धक्कयाम्बभूव । धक्कयामास

आ० धक्कयात् धक्कयास्ताम् धक्कयासुः
धक्कयाः धक्कयास्तम् धक्कयास्त
धक्कयासम् धक्कयास्व धक्कयास्म

प्रव० धक्कयिता धक्कयितारौ धक्कयितारः
धक्कयितासि धक्कयितास्थः धक्कयितास्थ
धक्कयितास्मि धक्कयितास्वः धक्कयितास्मः

भ० धक्कयिष्यति धक्कयिष्यतः यिष्यन्ति
धक्कयिष्यसि धक्कयिष्यथः धक्कयिष्यथ
धक्कयिष्यामि धक्कयिष्यावः धक्कयिष्यामः

क्रि० अधक्कयिष्यत् अधक्कयिष्यताम् यिष्यन्
अधक्कयिष्यः अधक्कयिष्यतम् यिष्यत
अधक्कयिष्यम् अधक्कयिष्याव यिष्याम

1575 चक्कण् (चक्क्) व्यथने 8

व० चक्कयति चक्कयतः चक्कयन्ति
चक्कयसि चक्कयथः चक्कयथ
चक्कयामि चक्कयावः चक्कयामः

स० चक्कयेत् चक्कयेताम् चक्कयेयुः
चक्कयेः चक्कयेतम् चक्कयेत
चक्कयेयम् चक्कयेव चक्कयेम

प० चक्कयतु तात् चक्कयताम् चक्कयन्तु
चक्कय ” चक्कयतम् चक्कयत
चक्कयानि चक्कयाव चक्कयाम

ह्य० अचक्कयत् अचक्कयताम् अचक्कयन्
अचक्कयः अचक्कयतम् अचक्कयत
अचक्कयम् अचक्कयाव अचक्कयाम

अ० अचक्कत् अचक्कताम् अचक्कन्
अचक्कः अचक्कतम् अचक्कत
अचक्कम् अचक्काव अचक्काम

प० चक्कयाञ्चकार चक्कयाञ्चक्रतुः याञ्चक्रुः
चक्कयाञ्चकथं चक्कयाञ्चक्रथुः याञ्चक्र
चक्कयाञ्चकार-कर चक्कयाञ्चकृव याञ्चकृम
चक्कयाम्बभूव । चक्कयामास

आ० चक्कयात् चक्कयास्ताम् चक्कयासुः
चक्कयाः चक्कयास्तम् चक्कयास्त
चक्कयासम् चक्कयास्व चक्कयास्म

प्रव० चक्कयिता चक्कयितारौ चक्कयितारः
चक्कयितासि चक्कयितास्थः चक्कयितास्थ
चक्कयितास्मि चक्कयितास्वः चक्कयितास्मः

भ० चक्कयिष्यति चक्कयिष्यतः चक्कयिष्यन्ति
चक्कयिष्यसि चक्कयिष्यथः चक्कयिष्यथ
चक्कयिष्यामि चक्कयिष्यावः चक्कयिष्यामः

क्रि० अचक्कयिष्यत् अचक्कयिष्यताम् यिष्यन्
अचक्कयिष्यः अचक्कयिष्यतम् यिष्यत
अचक्कयिष्यम् अचक्कयिष्याव यिष्याम

1576 चुक्कण् (चुक्क्) व्यथने 9

ष० चुक्कयति चुक्कयतः चुक्कयन्ति
 चुक्कयसि चुक्कयथः चुक्कयथ
 चुक्कयामि चुक्कयावः चुक्कयामः
 स० चुक्कयेत् चुक्कयेताम् चुक्कयेयुः
 चुक्कयेः चुक्कयेतम् चुक्कयेत
 चुक्कयेयम् चुक्कयेव चुक्कयेम
 प० चुक्कयतु-तात् चुक्कयताम् चुक्कयन्तु
 चुक्कय , चुक्कयतम् चुक्कयत
 चुक्कयानि चुक्कयाव चुक्कयाम
 ङ० अचुक्कयत् अचुक्कयताम् अचुक्कयन्
 अचुक्कयः अचुक्कयतम् अचुक्कयत
 अचुक्कयम् अचुक्कयाव अचुक्कयाम
 अ० अचुक्कयत् अचुक्कयताम् अचुक्कयन्
 अचुक्कयः अचुक्कयतम् अचुक्कयत
 अचुक्कयम् अचुक्कयाव अचुक्कयाम
 प० चुक्कयाञ्चकार चुक्कयाञ्चकतुः याञ्चकुः
 चुक्कयाञ्चकर्थ चुक्कयाञ्चकथुः चुक्कयाञ्चक
 चुक्कयाञ्चकार-कर चुक्कयाञ्चकृव याञ्चकृम
 चुक्कयाञ्चभूव । चुक्कयामास
 आ० चुक्कयात् चुक्कयास्ताम् चुक्कयासुः
 चुक्कयाः चुक्कयास्तम् चुक्कयास्त
 चुक्कयासम् चुक्कयास्व चुक्कयास्म
 भ० चुक्कयिता चुक्कयितारौ चुक्कयितारः
 चुक्कयितासि चुक्कयितास्थः चुक्कयितास्थ
 चुक्कयितास्मि चुक्कयितास्वः चुक्कयितास्मः
 भ० चुक्कयिष्यति चुक्कयिष्यतः चुक्कयिष्यन्ति
 चुक्कयिष्यसि चुक्कयिष्यथः चुक्कयिष्यथ
 चुक्कयिष्यामि चुक्कयिष्यावः चुक्कयिष्यामः
 क्रि० अचुक्कयिष्यत् अचुक्कयिष्यताम् अचुक्कयिष्यन्
 अचुक्कयिष्यः अचुक्कयिष्यतम् अचुक्कयिष्यत
 अचुक्कयिष्यम् अचुक्कयिष्याव अचुक्कयिष्याम
 चिकेति कौशिकः । चिककणम् ।

1577 टक्कुण् (टक्क्) बन्धने । 10

ष० टक्कयति टक्कयतः टक्कयन्ति
 टक्कयसि टक्कयथः टक्कयथ
 टक्कयामि टक्कयावः टक्कयामः
 स० टक्कयेत् टक्कयेताम् टक्कयेयुः
 टक्कयेः टक्कयेतम् टक्कयेत
 टक्कयेयम् टक्कयेव टक्कयेम
 प० टक्कयतु टक्कयतात् टक्कयताम् टक्कयन्तु
 टक्कय , टक्कयतम् टक्कयत
 टक्कयानि टक्कयाव टक्कयाम
 ङ० अटक्कयत् अटक्कयताम् अटक्कयन्
 अटक्कयः अटक्कयतम् अटक्कयत
 अटक्कयम् अटक्कयाव अटक्कयाम
 अ० अटटक्कत् अटटक्कताम् अटटक्कन्
 अटटक्कः अटटक्कतम् अटटक्कत
 अटटक्कम् अटटक्काव अटटक्काम
 प० टक्कयाञ्चकार टक्कयाञ्चकतुः टक्कयाञ्चकुः
 टक्कयाञ्चकर्थ टक्कयाञ्चकथुः टक्कयाञ्चक
 टक्कयाञ्चकार-कर टक्कयाञ्चकृव टक्कयाञ्चकृम
 टक्कयाञ्चभूव । टक्कयामास
 आ० टक्कयात् टक्कयास्ताम् टक्कयासुः
 टक्कयाः टक्कयास्तम् टक्कयास्त
 टक्कयासम् टक्कयास्व टक्कयास्म
 भ० टक्कयिता टक्कयितारौ टक्कयितारः
 टक्कयितासि टक्कयितास्थः टक्कयितास्थ
 टक्कयितास्मि टक्कयितास्वः टक्कयितास्मः
 भ० टक्कयिष्यति टक्कयिष्यतः टक्कयिष्यन्ति
 टक्कयिष्यसि टक्कयिष्यथः टक्कयिष्यथ
 टक्कयिष्यामि टक्कयिष्यावः टक्कयिष्यामः
 क्रि० अटक्कयिष्यत् अटक्कयिष्यताम् अटक्कयिष्यन्
 अटक्कयिष्यः अटक्कयिष्यतम् अटक्कयिष्यत
 अटक्कयिष्यम् अटक्कयिष्याव अटक्कयिष्याम

1578 अर्कण् (अर्क) स्तवने ॥

- व० अर्कयति अर्कयतः अर्कयन्ति
अर्कयसि अर्कयथः अर्कयथ
अर्कयामि अर्कयावः अर्कयामः
- स० अर्कयेत् अर्कयेताम् अर्कयेयुः
अर्कयेः अर्कयेतम् अर्कयेत
अर्कयेयम् अर्कयेव अर्कयेम
- प० अर्कयतु अर्कयतात् अर्कयताम् अर्कयन्तु
अर्कय अर्कयतात् अर्कयतम् अर्कयन्
अर्कयाणि अर्कयाव अर्कयाम
- झ० आर्कयत् आर्कयताम् आर्कयन्
आर्कयः आर्कयतम् आर्कयन्
आर्कयम् आर्कयाव आर्कयाम
- अ० आर्कयत् आर्कयताम् आर्कयन्
आर्कयः आर्कयतम् आर्कयन्
आर्कयम् आर्कयाव आर्कयाम
- प० अर्कयाञ्चकार अर्कयाञ्चक्रतुः अर्कयाञ्चक्रुः
अर्कयाञ्चकथ अर्कयाञ्चक्रथुः अर्कयाञ्चक्र
अर्कयाञ्चकार अर्कयाञ्चकर
अर्कयाञ्चकृव अर्कयाञ्चकृम
अर्कयाम्बभूव अर्कयामास
- भा० अर्कयात् अर्कयास्ताम् अर्कयास्तुः
अर्कयाः अर्कयास्तम् अर्कयास्त
अर्कयास्तम् अर्कयास्व अर्कयास्म
- भ्य० अर्कयिता अर्कयितारौ अर्कयितारः
अर्कयितासि अर्कयितास्थः अर्कयितास्थ
अर्कयितास्मि अर्कयितास्वः अर्कयितास्मः
- भ० अर्कयिष्यति अर्कयिष्यतः अर्कयिष्यन्ति
अर्कयिष्यसि अर्कयिष्यथः अर्कयिष्यथ
अर्कयिष्यामि अर्कयिष्यावः अर्कयिष्यामः
- क्रि० आर्कयिष्यत् आर्कयिष्यताम् आर्कयिष्यन्
आर्कयिष्यः आर्कयिष्यतम् आर्कयिष्यत
आर्कयिष्यम् आर्कयिष्याव आर्कयिष्याम

1579 पिच्चण् (पिच्च) कुटने ॥

- व० पिच्चयति पिच्चयतः पिच्चयन्ति
पिच्चयसि पिच्चयथः पिच्चयथ
पिच्चयामि पिच्चयावः पिच्चयामः
- स० पिच्चयेत् पिच्चयेताम् पिच्चयेयुः
पिच्चयेः पिच्चयेतम् पिच्चयेत
पिच्चयेयम् पिच्चयेव पिच्चयेम
- पिच्चयतु पिच्चयतात् पिच्चयताम् पिच्चयन्तु
पिच्चय पिच्चयतात् पिच्चयतम् पिच्चयन्
पिच्चयानि पिच्चयाव पिच्चयाम
- झ० अपिच्चयत् अपिच्चयताम् अपिच्चयन्
अपिच्चयः अपिच्चयतम् अपिच्चयन्
अपिच्चयम् अपिच्चयाव अपिच्चयाम
- अ० अपिच्चयत् अपिच्चयताम् अपिच्चयन्
अपिच्चयः अपिच्चयतम् अपिच्चयन्
अपिच्चयम् अपिच्चयाव अपिच्चयाम
- पिच्चयाञ्चकार पिच्चयाञ्चक्रतुः पिच्चयाञ्चक्रुः
पिच्चयाञ्चकथ पिच्चयाञ्चक्रथुः पिच्चयाञ्चक्र
पिच्चयाञ्चकार पिच्चयाञ्चकर पिच्चयाञ्चकृव पिच्चयाञ्चकृम
पिच्चयाम्बभूव पिच्चयामास
- आ० पिच्चयात् पिच्चयास्ताम् पिच्चयास्तुः
पिच्चयाः पिच्चयास्तम् पिच्चयास्त
पिच्चयास्तम् पिच्चयास्व पिच्चयास्म
- भ्य० पिच्चयिता पिच्चयितारौ पिच्चयितारः
पिच्चयितासि पिच्चयितास्थः पिच्चयितास्थ
पिच्चयितास्मि पिच्चयितास्वः पिच्चयितास्मः
- भ० पिच्चयिष्यति पिच्चयिष्यतः पिच्चयिष्यन्ति
पिच्चयिष्यसि पिच्चयिष्यथः पिच्चयिष्यथ
पिच्चयिष्यामि पिच्चयिष्यावः पिच्चयिष्यामः
- अपिच्चयिष्यत् अपिच्चयिष्यताम् अपिच्चयिष्यन्
अपिच्चयिष्यः अपिच्चयिष्यतम् अपिच्चयिष्यत
अपिच्चयिष्यम् अपिच्चयिष्याव अपिच्चयिष्याम

1580 पञ्चुण् (पञ्च्) विस्तारे 13

व० प्रपञ्चयति प्रपञ्चयतः प्रपञ्चयन्ति
 प्रपञ्चयसि प्रपञ्चयथः प्रपञ्चयथ
 प्रपञ्चयामि प्रपञ्चयावः प्रपञ्चयामः
 स० प्रपञ्चयेत् प्रपञ्चयेताम् प्रपञ्चयेयुः
 प्रपञ्चयेः प्रपञ्चयेतम् प्रपञ्चयेत
 प्रपञ्चयेयम् प्रपञ्चयेव प्रपञ्चयेम
 प० प्रपञ्चयतु-तात् प्रपञ्चयताम् प्रपञ्चयन्तु
 प्रपञ्चय प्रपञ्चयतम् प्रपञ्चयन्
 प्रपञ्चयानि प्रपञ्चयाव प्रपञ्चयाम
 झ० प्रापञ्चयत् प्रापञ्चयताम् प्रापञ्चयन्
 प्रापञ्चयः प्रापञ्चयतम् प्रापञ्चयत
 प्रापञ्चयम् प्रापञ्चयाव प्रापञ्चयाम
 भ० प्रापञ्चयत् प्रापञ्चयताम् प्रापञ्चयन्
 प्रापञ्चयः प्रापञ्चयतम् प्रापञ्चयत
 प्रापञ्चयम् प्रापञ्चयाव प्रापञ्चयाम
 प० प्रपञ्चयाञ्चकार प्रपञ्चयाञ्चकृत्
 प्रपञ्चयाञ्चकृः
 प्रपञ्चयाञ्चकर्थ प्रपञ्चयाञ्चकथुः
 प्रपञ्चयाञ्चक
 प्रपञ्चयाञ्चकार-कर प्रपञ्चयाञ्चकृष-कृम
 प्रपञ्चयाञ्चभूष प्रपञ्चयामास
 आ० प्रपञ्चयात् प्रपञ्चयास्ताम् प्रपञ्चयासुः
 प्रपञ्चयाः प्रपञ्चयास्तम् प्रपञ्चयास्त
 प्रपञ्चयासम् प्रपञ्चयास्व प्रपञ्चयास्म
 इव० प्रपञ्चयिता प्रपञ्चयितारौ प्रपञ्चयिताम्
 प्रपञ्चयितासि प्रपञ्चयितास्वः प्रपञ्चयितास्व
 प्रपञ्चयितास्मि प्रपञ्चयितास्वः प्रपञ्चयितास्म
 प्रपञ्चयिष्यति प्रपञ्चयिष्यतः प्रपञ्चयिष्यन्ति
 प्रपञ्चयिष्यसि प्रपञ्चयिष्यथः प्रपञ्चयिष्यथ
 प्रपञ्चयिष्यामि प्रपञ्चयिष्यावः प्रपञ्चयिष्यामः
 प्रापञ्चयिष्यत् प्रापञ्चयिष्यताम् प्रापञ्चयिष्यन्त
 प्रापञ्चयिष्यः प्रापञ्चयिष्यतम् प्रापञ्चयिष्यन्
 प्रापञ्चयिष्यम् प्रापञ्चयिष्याव प्रापञ्चयिष्याम

अथ छान्ताः

1581 म्लेच्छण् (म्लेच्छ) म्लेच्छने
 म्लेच्छनमङ्गकता वाक् । 14

व० म्लेच्छयति म्लेच्छयतः म्लेच्छयन्ति
 म्लेच्छयसि म्लेच्छयथः म्लेच्छयथ
 म्लेच्छयामि म्लेच्छयावः म्लेच्छयामः
 स० म्लेच्छयेत् म्लेच्छयेताम् म्लेच्छयेयुः
 म्लेच्छयेः म्लेच्छयेतम् म्लेच्छयेत
 म्लेच्छयेयम् म्लेच्छयेव म्लेच्छयेम
 प० म्लेच्छयतु-तात् म्लेच्छयताम् म्लेच्छयन्तु
 म्लेच्छय म्लेच्छयतम् म्लेच्छयन्
 म्लेच्छयानि म्लेच्छयाव म्लेच्छयाम
 झ० अम्लेच्छयत् अम्लेच्छयताम् अम्लेच्छयन्
 अम्लेच्छयः अम्लेच्छयतम् अम्लेच्छयत
 अम्लेच्छयम् अम्लेच्छयाव अम्लेच्छयाम
 अ० अम्लेच्छयत् अम्लेच्छयताम् अम्लेच्छयन्
 अम्लेच्छयः अम्लेच्छयतम् अम्लेच्छयत
 अम्लेच्छयम् अम्लेच्छयाव अम्लेच्छयाम
 प० म्लेच्छयाञ्चकार म्लेच्छयाञ्चकृत्
 म्लेच्छयाञ्चकृः
 म्लेच्छयाञ्चकर्थ म्लेच्छयाञ्चकथुः
 म्लेच्छयाञ्चक
 म्लेच्छयाञ्चकार-कर म्लेच्छयाञ्चकृष-कृम
 म्लेच्छयाञ्चभूष म्लेच्छयामास
 आ० म्लेच्छयात् म्लेच्छयास्ताम् म्लेच्छयासुः
 म्लेच्छयाः म्लेच्छयास्तम् म्लेच्छयास्त
 म्लेच्छयासम् म्लेच्छयास्व म्लेच्छयास्म
 इव० म्लेच्छयिता म्लेच्छयितारौ म्लेच्छयिताम्
 म्लेच्छयितासि म्लेच्छयितास्वः तास्व
 म्लेच्छयितास्मि म्लेच्छयितास्वः तास्मः
 भ० म्लेच्छयिष्यति म्लेच्छयिष्यतः म्लेच्छयिष्यन्ति
 म्लेच्छयिष्यसि म्लेच्छयिष्यथः म्लेच्छयिष्यथ
 म्लेच्छयिष्यामि म्लेच्छयिष्यावः म्लेच्छयिष्यामः
 प्रापञ्चयिष्यत् प्रापञ्चयिष्यताम् प्रापञ्चयिष्यन्त
 प्रापञ्चयिष्यः प्रापञ्चयिष्यतम् प्रापञ्चयिष्यन्
 प्रापञ्चयिष्यम् प्रापञ्चयिष्याव प्रापञ्चयिष्याम

अथ ज्ञान्ता एकादश

1582 ऊर्जण (ऊर्ज) बलप्राणकृतोः ।

प्राणनं जीवनम् 15

- व० ऊर्जयति ऊर्जयतः ऊर्जयन्ति
 ऊर्जयसि ऊर्जयथः ऊर्जयथ
 ऊर्जयामि ऊर्जयावः ऊर्जयामः
- स० ऊर्जयेत् ऊर्जयेताम् ऊर्जयेयुः
 ऊर्जयेः ऊर्जयेतम् ऊर्जयेत
 ऊर्जयेयम् ऊर्जयेथ ऊर्जयेम
- प० ऊर्जयतु ऊर्जयतात् ऊर्जयताम् ऊर्जयन्तु
 ऊर्जयः ऊर्जयतम् ऊर्जयत
 ऊर्जयामि ऊर्जयावः ऊर्जयामि
- झ० और्जयत् और्जयताम् और्जयन्
 और्जयः और्जयतम् और्जयेत
 और्जयम् और्जयाव और्जयाम
- ञ० और्जिजत् और्जिजताम् और्जिजन्
 और्जिजः और्जिजतम् और्जिजत
 और्जिजम् और्जिजाव और्जिजाम
- ष० ऊर्जयाश्चकार ऊर्जयाश्चक्रतुः ऊर्जयाश्चक्रुः
 ऊर्जयाश्चकथ ऊर्जयाश्चक्रथुः ऊर्जयाश्चक्र
 ऊर्जयाश्चकार ऊर्जयाश्चक्र ऊर्जयाश्चक्रव-कृम
 ऊर्जयाश्चक्रव ऊर्जयाश्चक्र
- आ० ऊर्ज्यात् ऊर्ज्यास्ताम् ऊर्ज्यास्तुः
 ऊर्ज्याः ऊर्ज्यास्तम् ऊर्ज्यास्त
 ऊर्ज्यासि ऊर्ज्याव ऊर्ज्यासि
- इ० ऊर्जयिता ऊर्जयिताहौ ऊर्जयितारः
 ऊर्जयितासि ऊर्जयितास्थः ऊर्जयितास्थ
 ऊर्जयितासि ऊर्जयितास्थः ऊर्जयितास्थ
- उ० ऊर्जयिष्यति ऊर्जयिष्यतः ऊर्जयिष्यन्ति
 ऊर्जयिष्यसि ऊर्जयिष्यथः ऊर्जयिष्यथ
 ऊर्जयिष्यामि ऊर्जयिष्यावः ऊर्जयिष्यामः
- क्रि० और्जयिष्यत् और्जयिष्यताम् और्जयिष्यन्
 और्जयिष्यः और्जयिष्यतम् और्जयिष्यत
 और्जयिष्यम् और्जयिष्याव और्जयिष्याम

1583 तुज्जण (तुज्ज) हिसाबलदान-
 निकेतनेषु । निकेतनं गृहम् । 16

- व० तुज्जयति तुज्जयतः तुज्जयन्ति
 तुज्जयसि तुज्जयथः तुज्जयथ
 तुज्जयामि तुज्जयावः तुज्जयामः
- स० तुज्जयेत् तुज्जयेताम् तुज्जयेयुः
 तुज्जयेः तुज्जयेतम् तुज्जयेत
 तुज्जयेयम् तुज्जयेथ तुज्जयेम
- प० तुज्जयतु तुज्जयतात् तुज्जयताम् तुज्जयन्तु
 तुज्जयः तुज्जयतम् तुज्जयत
 तुज्जयामि तुज्जयाव तुज्जयामि
- झ० अतुज्जयत् अतुज्जयताम् अतुज्जयन्
 अतुज्जयः अतुज्जयतम् अतुज्जयत
 अतुज्जयम् अतुज्जयाव अतुज्जयाम
- ञ० अतुज्जजत् अतुज्जजताम् अतुज्जजन्
 अतुज्जजः अतुज्जजतम् अतुज्जजत
 अतुज्जजम् अतुज्जजाव अतुज्जजाम
- प० तुज्जयाश्चकार तुज्जयाश्चक्रतुः तुज्जयाश्चक्रुः
 तुज्जयाश्चकथ तुज्जयाश्चक्रथुः तुज्जयाश्चक्र
- तुज्जयाश्चकार तुज्जयाश्चक्र तुज्जयाश्चक्रव-कृम
 तुज्जयाश्चक्रव तुज्जयाश्चक्र
- आ० तुज्ज्यात् तुज्ज्यास्ताम् तुज्ज्यास्तुः
 तुज्ज्याः तुज्ज्यास्तम् तुज्ज्यास्त
 तुज्ज्यासि तुज्ज्याव तुज्ज्यासि
- इ० तुज्जयिता तुज्जयितारौ तुज्जयितारः
 तुज्जयितासि तुज्जयितास्थः तुज्जयितास्थ
 तुज्जयितासि तुज्जयितास्थः तुज्जयितास्थ
- उ० तुज्जयिष्यति तुज्जयिष्यतः तुज्जयिष्यन्ति
 तुज्जयिष्यसि तुज्जयिष्यथः तुज्जयिष्यथ
 तुज्जयिष्यामि तुज्जयिष्याव तुज्जयिष्यामः
- क्रि० अतुज्जयिष्यत् अतुज्जयिष्यताम् अतुज्जयिष्यन्
 अतुज्जयिष्यः अतुज्जयिष्यतम् अतुज्जयिष्यत
 अतुज्जयिष्यम् अतुज्जयिष्याव अतुज्जयिष्याम
- अस्योत्तरस्य च लोकतर्केति पुन पाठोऽर्थ-
 भेदार्थ आत्मनेपदार्थः सकर्मकार्थश्च
 तुज्जगते विज्जयते

1584 पिञ्ज् (पिञ्ज्) हिंसाबल-
दाननिकेतनेषु । निकेतनं गृहम् । 17

- ब० पिञ्जयति पिञ्जयतः पिञ्जयन्ति
पिञ्जयसि पिञ्जयथः पिञ्जयथ
पिञ्जयामि पिञ्जयावः पिञ्जयामः
स० पिञ्जयेत् पिञ्जयेताम् पिञ्जयेयुः
पिञ्जयेः पिञ्जयेतम् पिञ्जयेत
पिञ्जयेयम् पिञ्जयेव पिञ्जयेम
प० पिञ्जयतु-ञ्जयतात्पिञ्जयताम्पिञ्जयन्तु
पिञ्जय , पिञ्जयतम् पिञ्जयत
पिञ्जयानि पिञ्जयाव पिञ्जयाम
झ० अपिञ्जयत् अपिञ्जयताम्अपिञ्जयन्
अपिञ्जयः अपिञ्जयतम् अपिञ्जयत
अपिञ्जयम् अपिञ्जयाव अपिञ्जयाम
अ० अपिपिञ्जत् अपिपिञ्जताम्अपिपिञ्जन्
अपिपिञ्जः अपिपिञ्जतम् अपिपिञ्जत
अपिपिञ्जम् अपिपिञ्जाव अपिपिञ्जाम
प० पिञ्जयाञ्चकारपिञ्जयाञ्चकतुःपिञ्जयाञ्चकुः
पिञ्जयाञ्चकथपिञ्जयाञ्चकथुःपिञ्जयाञ्चक
पिञ्जयाञ्चकार-कर, पिञ्जयाञ्चकृष याञ्चकृम
पिञ्जयाञ्चभूष पिञ्जयामास
आ०पिञ्जयात् पिञ्जयास्ताम् पिञ्जयास्तुः
पिञ्जयाः पिञ्जयास्तम् पिञ्जयास्त
पिञ्जयासम् पिञ्जयास्व पिञ्जयास्म
इव०पिञ्जयितापिञ्जयितारौ पिञ्जयितारः
पिञ्जयितासिपिञ्जयितास्थः पिञ्जयितास्थ
पिञ्जयितास्मिपिञ्जयितास्वःपिञ्जयितास्मः
भ०पिञ्जयिष्यतिपिञ्जयिष्यतःपिञ्जयिष्यन्ति
पिञ्जयिष्यसिपिञ्जयिष्यथःपिञ्जयिष्यथ
पिञ्जयिष्यामि पिञ्जयिष्याव पिञ्जयिष्यामः
कि० अपिञ्जयिष्यत् अपिञ्जयिष्यताम्-पिष्यन्तु अक्षञ्जयिष्यत्अक्षञ्जयिष्यताम् अक्षञ्जयिष्य
अपिञ्जयिष्यः अपिञ्जयिष्यतम्अपिञ्जयिष्यत अक्षञ्जयिष्यःअक्षञ्जयिष्यतम्अक्षञ्जयिष्य
अपिञ्जयिष्यम्अपिञ्जयिष्याव अपिञ्जयिष्याम अक्षञ्जयिष्याम्अक्षञ्जयिष्याव अक्षञ्जयिष्याम

1585 क्षञ्ज् (क्षञ्ज्) कृच्छ्रजीवने । 8

- ब० क्षञ्जयति क्षञ्जयतः क्षञ्जयन्ति
क्षञ्जयसि क्षञ्जयथः क्षञ्जयथ
क्षञ्जयामि क्षञ्जयावः क्षञ्जयामः
स० क्षञ्जयेत् क्षञ्जयेताम् क्षञ्जयेयुः
क्षञ्जयेः क्षञ्जयेतम् क्षञ्जयेत
क्षञ्जयेयम् क्षञ्जयेव क्षञ्जयेम
प० क्षञ्जयतु-क्षञ्जयतात्क्षञ्जयताम्क्षञ्जयन्तु
क्षञ्जयक्षञ्जयतात्क्षञ्जयतम्क्षञ्जयत
क्षञ्जयानि क्षञ्जयाव क्षञ्जयाम
झ० अक्षञ्जयत् अक्षञ्जयताम् अक्षञ्जयन्
अक्षञ्जयः अक्षञ्जयतम् अक्षञ्जयत
अक्षञ्जयम् अक्षञ्जयाव अक्षञ्जयाम
अ० अचक्षञ्जत् अचक्षञ्जताम् अचक्षञ्जन्
अचक्षञ्जः अचक्षञ्जतम् अचक्षञ्जत
अचक्षञ्जम् अचक्षञ्जाव अचक्षञ्जाम
प० क्षञ्जयाञ्चकारक्षञ्जयाञ्चकतुःयाञ्चकुः
क्षञ्जयाञ्चकथक्षञ्जयाञ्चकथुःक्षञ्जयाञ्चक
क्षञ्जयाञ्चकार-कर,क्षञ्जयाञ्चकृष-याञ्चकृम
क्षञ्जयाञ्चभूष क्षञ्जयामास
आ०क्षञ्जयात् क्षञ्जयास्ताम् क्षञ्जयास्तुः
क्षञ्जयाः क्षञ्जयास्तम् क्षञ्जयास्त
क्षञ्जयासम् क्षञ्जयास्व क्षञ्जयास्म
इव०क्षञ्जयिता क्षञ्जयितारौ क्षञ्जयितारः
क्षञ्जयितासि क्षञ्जयितास्थः क्षञ्जयितास्थ
क्षञ्जयितास्मिक्षञ्जयितास्वःक्षञ्जयितास्मः
भ०क्षञ्जयिष्यतिक्षञ्जयिष्यतःक्षञ्जयिष्यन्ति
क्षञ्जयिष्यसिक्षञ्जयिष्यथःक्षञ्जयिष्यथ
क्षञ्जयिष्यामिक्षञ्जयिष्याव क्षञ्जयिष्यामः

1586 पूजण (पूज्) पूजायाम् । 19

| | | |
|------------------------------|---------------|---------------|
| ब० पूजयति | पूजयतः | पूजयन्ति |
| पूजयसि | पूजयथः | पूजयथ |
| पूजयामि | पूजयावः | पूजयामः |
| स० पूजयेत् | पूजयेताम् | पूजयेयुः |
| पूजयेः | पूजयेतम् | पूजयेत |
| पूजयेयम् | पूजयेव | पूजयेम |
| प० पूजयतु-पूजयतात् | पूजयताम् | पूजयन्तु |
| पूजयः | पूजयतम् | पूजयत |
| पूजयानि | पूजयाव | पूजयाम |
| झ० अपूजयत् | अपूजयताम् | अपूजयन् |
| अपूजयः | अपूजयतम् | अपूजयत |
| अपूजयम् | अपूजयाव | अपूजयाम |
| अ० अपूपुजत् | अपूपुजताम् | अपूपुजन् |
| अपूपुजः | अपूपुजतम् | अपूपुजत |
| अपूपुजम् | अपूपुजाव | अपूपुजाम |
| प० पूजयाश्चकार-पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चक्रुः |
| पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चक्रुः |
| पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चक्रुः |
| पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चक्रुः |
| पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चक्रुः |
| पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चक्रुः |
| आ० पूज्यात् | पूज्यास्ताम् | पूज्यास्तुः |
| पूज्याः | पूज्यास्तम् | पूज्यास्त |
| पूज्यासम् | पूज्यास्व | पूज्यास्म |
| प्र० पूजयिता पूजयितारौ | पूजयितारः | पूजयितारः |
| पूजयितासि | पूजयितास्थः | पूजयितास्थ |
| पूजयितास्मि | पूजयितास्वः | पूजयितास्मः |
| भ० पूजयिष्यति पूजयिष्यतः | पूजयिष्यन्ति | पूजयिष्यन्ति |
| पूजयिष्यसि | पूजयिष्यथः | पूजयिष्यथ |
| पूजयिष्यामि | पूजयिष्यावः | पूजयिष्यामः |
| क्रि० अपूजयिष्यत् | अपूजयिष्यताम् | अपूजयिष्यन् |
| अपूजयिष्यः | अपूजयिष्यतम् | अपूजयिष्यत |
| अपूजयिष्यम् | अपूजयिष्याव | अपूजयिष्याम |

1587 गजण (गज्) शब्दे । 20

| | | |
|------------------------------|---------------|---------------|
| ब० गाजयति | गाजयतः | गाजयन्ति |
| गाजयसि | गाजयथः | गाजयथ |
| गाजयामि | गाजयावः | गाजयामः |
| स० गाजयेत् | गाजयेताम् | गाजयेयुः |
| गाजयेः | गाजयेतम् | गाजयेत |
| गाजयेयम् | गाजयेव | गाजयेम |
| प० गाजयतु गाजयतात् | गाजयताम् | गाजयन्तु |
| गाजयः | गाजयतम् | गाजयत |
| गाजयानि | गाजयाव | गाजयाम |
| झ० अगाजयत् | अगाजयताम् | अगाजयन् |
| अगाजयः | अगाजयतम् | अगाजयत |
| अगाजयम् | अगाजयाव | अगाजयाम |
| अ० अजीगजत् | अजीगजताम् | अजीगजन् |
| अजीगजः | अजीगजतम् | अजीगजत |
| अजीगजम् | अजीगजाव | अजीगजाम |
| प० गाजयाश्चकार गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः |
| गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः |
| गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः |
| गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः |
| गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः |
| गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः |
| गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः | गाजयाश्चक्रुः |
| आ गाज्यात् | गाज्यास्ताम् | गाज्यास्तुः |
| गाज्याः | गाज्यास्तम् | गाज्यास्त |
| गाज्यासम् | गाज्यास्व | गाज्यास्म |
| प्र० गाजयिता गाजयितारौ | गाजयितारः | गाजयितारः |
| गाजयितासि | गाजयितास्थः | गाजयितास्थ |
| गाजयितास्मि | गाजयितास्वः | गाजयितास्मः |
| भ० गाजयिष्यति गाजयिष्यतः | गाजयिष्यन्ति | गाजयिष्यन्ति |
| गाजयिष्यसि | गाजयिष्यथः | गाजयिष्यथ |
| गाजयिष्यामि | गाजयिष्यावः | गाजयिष्यामः |
| क्रि० अगाजयिष्यत् | अगाजयिष्यताम् | अगाजयिष्यन् |
| अगाजयिष्यः | अगाजयिष्यतम् | अगाजयिष्यत |
| अगाजयिष्यम् | अगाजयिष्याव | अगाजयिष्याम |
| यच्च मर्जाव्येके पठन्ति | | |

1588 मार्जण (मार्ज) शब्दे 21

व० मार्जयति मार्जयतः मार्जयन्ति
मार्जयसि मार्जयथः मार्जयथ
मार्जयामि मार्जयावः मार्जयामः
स० मार्जयेत् मार्जयेताम् मार्जयेयुः
मार्जयेः मार्जयेतम् मार्जयेत
मार्जयेयम् मार्जयेव मार्जयेम
प० मार्जयतु मार्जयतात् मार्जयताम् मार्जयन्तु
मार्जय मार्जयतात् मार्जयतम् मार्जयत
मार्जयानि मार्जयाव मार्जयाम
ह्य० अमार्जयत् अमार्जयताम् अमार्जयन्
अमार्जयः अमार्जयतम् अमार्जयत
अमार्जयम् अमार्जयाव अमार्जयाम
अ० अममार्जत् अममार्जताम् अममार्जन्
अममार्जः अममार्जतम् अममार्जत
अममार्जम् अममार्जाव अममार्जाम
मार्जयाञ्चकारमार्जयाञ्चक्रतुःमार्जयाञ्चक्रुः
मार्जयाञ्चकथं मार्जयाञ्चकथुः मार्जयाञ्चक
मार्जयाञ्चकार-याञ्चकश्चरमार्जयाञ्चकृव-कृम
मार्जयाम्बभूव मार्जयामास
आ० मार्जयति मार्जयिस्ताम् मार्जयिषुः
मार्जयाः मार्जयिस्तम् मार्जयिस्त
मार्जयिस्म मार्जयिस्व मार्जयिस्म
श्व० मार्जयिता मार्जयितारौ मार्जयितारः
मार्जयितासि मार्जयितास्थः मार्जयितास्थ
मार्जयितास्मि मार्जयितास्वःमार्जयितास्मः
भ० मार्जयिष्यतिमार्जयिष्यतःमार्जयिष्यन्ति
मार्जयिष्यसि मार्जयिष्यथःमार्जयिष्यथ
मार्जयिष्यामिमार्जयिष्यावःमार्जयिष्यामः
अमार्जयिष्यत्अमार्जयिष्यताम्अमार्जयिष्यन्
अमार्जयिष्यः अमार्जयिष्यतम् अमार्जयिष्यत
अमार्जयिष्यम् अमार्जयिष्यावःअमार्जयिष्याम

1589 तिजण (तिज) निशाने 22

व० तेजयति तेजयतः तेजयन्ति
तेजयसि तेजयथः तेजयथ
तेजयामि तेजयावः तेजयामः
स० तेजयेत् तेजयेताम् तेजयेयुः
तेजयेः तेजयेतम् तेजयेत
तेजयेयम् तेजयेव तेजयेम
प० तेजयतु तेजयतात् तेजयताम् तेजयन्तु
तेजय तेजयतात् तेजयताम् तेजयत
तेजयानि तेजयाव तेजयाम
ह्य० अतेजयत् अतेजयताम् अतेजयन्
अतेजयः अतेजयतम् अतेजयत
अतेजयम् अतेजयाव अतेजयाम
अ० अतीतिजत् अतीतिजताम् अतीतिजन्
अतीतिजः अतीतिजतम् अतीतिजत
अतीतिजम् अतीतिजाव अतीतिजाम
प० तेजयाञ्चकारतेजयाञ्चक्रतुःतेजयाञ्चक्रुः
तेजयाञ्चकथं तेजयाञ्चकथुःतेजयाञ्चक
तेजयाञ्चकार-चक्रतेजयाञ्चकृव तेजयाञ्चकृम
तेजयाम्बभूव तेजयामास
आ० तेज्यात् तेज्यास्ताम् तेज्यासुः
तेज्याः तेज्यास्तम् तेज्यास्त
तेज्यान्म तेज्यास्व तेज्यास्म
श्व० तेजयिता तेजयितारौ तेजयितारः
तेजयितासि तेजयितास्थः तेजयितास्थ
तेजयितास्मि तेजयितास्वःतेजयितास्मः
भ० तेजयिष्यति तेजयिष्यतः तेजयिष्यन्ति
तेजयिष्यसि तेजयिष्यथः तेजयिष्यथ
तेजयिष्यामि तेजयिष्यावःतेजयिष्यामः
क्रि० अतेजयिष्यत्अतेजयिष्यताम् अतेजयिष्यन्
अतेजयिष्यःअतेजयिष्यतम् अतेजयिष्यत
अतेजयिष्यम् अतेजयिष्यावः अतेजयिष्याम

1590 वजण् (वज्) मार्गणसंस्कार-
गन्त्योः । मार्गणो बाणस्तस्य संस्कारे-
गतौ च 123

व० वाजयति वाजयतः वाजयन्ति
वाजयसि वाजयथः वाजयथ
वाजयामि वाजयावः वाजयामः
ल० वाजयेत् वाजयेताम् वाजयेयुः
वाजयेः वाजयेतम् वाजयेत
वाजयेयम् वाजयेव वाजयेम
प० वाजयतु वाजयतात् वाजयताम् वाजयन्तु
वाजय वाजयतात् वाजयतम् वाजयत
वाजयानि वाजयाव वाजयाम
झ० अवाजयत् अवाजयताम् अवाजयन्
अवाजयः अवाजयतम् अवाजयत
अवाजयम् अवाजयाव अवाजयाम
अ० अवीवजत् अवीवजताम् अवीवजन
अवीवजः अवीवजतम् अवीवजत
अवीवजम् अवीवजाव अवीवजाम
प० वाजयाञ्चकार वाजयाञ्चक्रुः वाजयाञ्चक्रुः
वाजयाञ्चकथ वाजयाञ्चक्रुः वाजयाञ्चक्रुः
वाजयाञ्चकार वाजयाञ्चक्रुः वाजयाञ्चक्रुः
वाजयाम्बभूव वाजयामास
आ० वाज्यात् वाज्यास्ताम् वाज्यासुः
वाज्याः वाज्यास्तम् वाज्यास्त
वाज्यासम् वाज्यास्व वाज्यास्म
श्च० वाजयिता वाजयितारौ वाजयितारः
वाजयितानि वाजयितास्थः वाजयितास्थ
वाजयितास्मि वाजयितास्वः वाजयितास्म
भ० वाजयिष्यति वाजयिष्यतः वाजयिष्यन्ति
वाजयिष्यसि वाजयिष्यथः वाजयिष्यथ
वाजयिष्यामि वाजयिष्यावः वाजयिष्यामः
क्रि० अवाजयिष्यत् अवाजयिष्यताम् अवाजयिष्यन्
अवाजयिष्यः अवाजयिष्यतम् अवाजयिष्यत
अवाजयिष्यम् अवाजयिष्याव अवाजयिष्याम

1591 व्रजण् (व्रज्) मार्गणसंस्कार-
गन्त्योः । मार्गणो बाणस्तस्य संस्कारे-
गतौ 124

व० व्राजयति व्राजयतः व्राजयन्ति
व्राजयसि व्राजयथः व्राजयथ
व्राजयामि व्राजयावः व्राजयामः
ल० व्राजयेत् व्राजयेताम् व्राजयेयुः
व्राजयेः व्राजयेतम् व्राजयेत
व्राजयेयम् व्राजयेव व्राजयेम
प० व्राजयतु व्राजयतात् व्राजयताम् व्राजयन्तु
व्राजय व्राजयतात् व्राजयतम् व्राजयत
व्राजयानि व्राजयाव व्राजयाम
झ० अव्राजयत् अव्राजयताम् अव्राजयन्
अव्राजयः अव्राजयतम् अव्राजयत
अव्राजयम् अव्राजयाव अव्राजयाम
अ० अविव्रजत् अविव्रजताम् अविव्रजन
अविव्रजः अविव्रजतम् अविव्रजत
अविव्रजम् अविव्रजाव अविव्रजाम
प० व्राजयाञ्चकार व्राजयाञ्चक्रुः व्राजयाञ्चक्रुः
व्राजयाञ्चकथ व्राजयाञ्चक्रुः व्राजयाञ्चक्रुः
व्राजयाञ्चकार व्राजयाञ्चक्रुः व्राजयाञ्चक्रुः
व्राजयाम्बभूव व्राजयामास
आ० व्राज्यात् व्राज्यास्ताम् व्राज्यासुः
व्राज्याः व्राज्यास्तम् व्राज्यास्त
व्राज्यासम् व्राज्यास्व व्राज्यास्म
श्च० व्राजयिता व्राजयितारौ व्राजयितारः
व्राजयितानि व्राजयितास्थः व्राजयितास्थ
व्राजयितास्मि व्राजयितास्वः व्राजयितास्म
भ० व्राजयिष्यति व्राजयिष्यतः व्राजयिष्यन्ति
व्राजयिष्यसि व्राजयिष्यथः व्राजयिष्यथ
व्राजयिष्यामि व्राजयिष्यावः व्राजयिष्यामः
क्रि० अव्राजयिष्यत् अव्राजयिष्यताम् अव्राजयिष्यन्
अव्राजयिष्यः अव्राजयिष्यतम् अव्राजयिष्यत
अव्राजयिष्यम् अव्राजयिष्याव अव्राजयिष्याम

1592 रुज् (रुज्) हिंसायाम् । 25

| | | |
|------------------------------|---------------|---------------|
| व० रुजयति | रुजयतः | रुजयन्ति |
| रुजयसि | रुजयथः | रुजयथ |
| रुजयामि | रुजयावः | रुजयामः |
| स० रुजयेत् | रुजयेताम् | रुजयेयुः |
| रुजयेः | रुजयेतम् | रुजयेत |
| रुजयेयम् | रुजयेव | रुजयेम |
| प० रुजयतु-रुजयतात् | रुजयताम् | रुजयन्तु |
| रुजय | रुजयतम् | रुजयत |
| रुजयानि | रुजयाव | रुजयाम |
| झ० अरुजयत् | अरुजयताम् | अरुजयन् |
| अरुजयः | अरुजयतम् | अरुजयत |
| अरुजयम् | अरुजयाव | अरुजयाम |
| अ० अरुहजत् | अरुहजताम् | अरुहजन् |
| अरुहजः | अरुहजतम् | अरुहजत |
| अरुहजम् | अरुहजाव | अरुहजाम |
| प० रुजयाञ्चकार-रुजयाञ्चक्रुः | रुजयाञ्चक्रुः | रुजयाञ्चक्रुः |
| रुजयाञ्चकथं-रुजयाञ्चकथुः | रुजयाञ्चक्रुः | रुजयाञ्चक्रुः |
| रुजयाञ्चकार-करुजय-ञ्चक्रुः | रुजयाञ्चक्रुः | रुजयाञ्चक्रुः |
| रुजयाम्बभूव | रुजयामास | |
| आ० रुज्यात् | रुज्यास्ताम् | रुज्यासुः |
| रुज्याः | रुज्यास्तम् | रुज्यास्त |
| रुज्यासम् | रुज्यास्व | रुज्यास्म |
| श्च० रुजयिता | रुजयितारौ | रुजयितारः |
| रुजयितासि | रुजयितास्थः | रुजयितास्थ |
| रुजयितास्मि | रुजयितास्वः | रुजयितास्मः |
| भ० रुजयिष्यति | रुजयिष्यतः | रुजयिष्यन्ति |
| रुजयिष्यसि | रुजयिष्यथः | रुजयिष्यथ |
| रुजयिष्यामि | रुजयिष्यावः | रुजयिष्यामः |
| क्रि० अरुजयिष्यत् | अरुजयिष्यताम् | अरुजयिष्यन् |
| अरुजयिष्यः | अरुजयिष्यतम् | अरुजयिष्यत |
| अरुजयिष्यम् | अरुजयिष्याव | अरुजयिष्याम |

अथ टान्तास्त्रयोविंशतिः

1593 नट् (नट्) अवस्यन्दने । 26

| | | |
|------------------------------|---------------|---------------|
| व० नाटयति | नाटयतः | नाटयन्ति |
| नाटयसि | नाटयथः | नाटयथ |
| नाटयामि | नाटयावः | नाटयामः |
| स० नाटयेत् | नाटयेताम् | नाटयेयुः |
| नाटयेः | नाटयेतम् | नाटयेत |
| नाटयेयम् | नाटयेव | नाटयेम |
| प० नाटयतु-नाटयतात् | नाटयताम् | नाटयन्तु |
| नाटय | नाटयतम् | नाटयत |
| नाटयानि | नाटयाव | नाटयाम |
| झ० अनाटयत् | अनाटयताम् | अनाटयन् |
| अनाटयः | अनाटयतम् | अनाटयत |
| अनाटयम् | अनाटयाव | अनाटयाम |
| अ० अनीनटत् | अनीनटताम् | अनीनटन् |
| अनीनटः | अनीनटतम् | अनीनटत |
| अनीनटम् | अनीनटाव | अनीनटाम |
| प० नाटयाञ्चकार-नाटयाञ्चक्रुः | नाटयाञ्चक्रुः | नाटयाञ्चक्रुः |
| नाटयाञ्चकथं-नाटयाञ्चकथुः | नाटयाञ्चक्रुः | नाटयाञ्चक्रुः |
| नाटयाञ्चकार-करनाटयाञ्चक्रुः | नाटयाञ्चक्रुः | नाटयाञ्चक्रुः |
| नाटयाम्बभूव | नाटयामास | |
| आ० नाट्यात् | नाट्यास्ताम् | नाट्यासुः |
| नाट्याः | नाट्यास्तम् | नाट्यास्त |
| नाट्यासम् | नाट्यास्व | नाट्यास्म |
| श्च० नाटयिता | नाटयितारौ | नाटयितारः |
| नाटयितासि | नाटयितास्थः | नाटयितास्थ |
| नाटयितास्मि | नाटयितास्वः | नाटयितास्मः |
| भ० नाटयिष्यति | नाटयिष्यतः | नाटयिष्यन्ति |
| नाटयिष्यसि | नाटयिष्यथः | नाटयिष्यथ |
| नाटयिष्यामि | नाटयिष्यावः | नाटयिष्यामः |
| क्रि० अनाटयिष्यत् | अनाटयिष्यताम् | अनाटयिष्यन् |
| अनाटयिष्यः | अनाटयिष्यतम् | अनाटयिष्यत |
| अनाटयिष्यम् | अनाटयिष्याव | अनाटयिष्याम |

1594 तुट्ण (तुट्) छेदने 27

ब० तोटयति तोटयतः तोटयन्ति
 तोटयसि तोटयथः तोटयथ
 तोटयामि तोटयावः तोटयामः

स० तोटयेत् तोटयेताम् तोटयेयुः
 तोटयेः तोटयेतम् तोटयेत
 तोटयेयम् तोटयेव तोटयेम

प० तोटयन्तु तोटयन्तात् तोटयन्ताम् तोटयन्तु
 तोटयन्तु तोटयन्तम् तोटयन्त
 तोटयन्ति तोटयाव तोटयाम

झ० अतोडयत् अतोडयताम् अतोडयन्
 अतोडयः अतोडयतम् अतोडयत
 अतोडयम् अतोडयाव अतोडयाम

अ० अत्तुट् अत्तुट्ताम् अत्तुट्न्
 अत्तुट्ः अत्तुट्ताम् अत्तुट्न्
 अत्तुट्म् अत्तुट्ताव अत्तुट्ताम्

प० तोटयाञ्चकार तोटयाञ्चकतुः—,ञ्चकृः
 तोटयाञ्चकर्थं तोटयाञ्चकथुः तोटयाञ्चक
 तोटयाञ्चकार,कृ तोटयाञ्चकृथ—,ञ्चकृम्
 तोटयाञ्चभूष तोटयाभास

आ० तोटयात् तोटयास्ताम् तोटयासुः
 तोटयाः तोटयास्तम् तोटयास्त
 तोटयासम् तोटयास्व तोटयास्म

प्र० तोटयिता तोटयितारौ तोटयितारः
 तोटयितासि तोटयितास्थः तोटयितास्थ
 तोटयितास्मि तोटयितास्वः तोटयितास्मः

भ० तोटयिष्यति तोटयिष्यतः तोटयिष्यन्ति
 तोटयिष्यसि तोटयिष्यथः तोटयिष्यथ
 तोटयिष्यामि तोटयिष्यावः तोटयिष्यामः

क्रि० अतोडयिष्यत् अतोडयिष्यताम् अतोडयिष्यन्
 अतोडयिष्यः अतोडयिष्यतम् अतोडयिष्यत
 अतोडयिष्यम् अतोडयिष्याव अतोडयिष्याम

1595 चुट्ण (चुट्) छेदने 28

ब० चोटयति चोटयतः चोटयन्ति
 चोटयसि चोटयथः चोटयथ
 चोटयामि चोटयावः चोटयामः

स० चोटयेत् चोटयेताम् चोटयेयुः
 चोटयेः चोटयेतम् चोटयेत
 चोटयेयम् चोटयेव चोटयेम

प० चोटयन्तु चोटयन्तात् चोटयन्ताम् चोटयन्तु
 चोटयन्तु चोटयन्तम् चोटयन्त
 चोटयन्ति चोटयाव चोटयाम

झ० अचोटयत् अचोटयताम् अचोटयन्
 अचोटयः अचोटयतम् अचोटयत
 अचोटयम् अचोटयाव अचोटयाम

अ० अचूचुट् अचूचुट्ताम् अचूचुट्न्
 अचूचुट्ः अचूचुट्ताम् अचूचुट्न्
 अचूचुट्म् अचूचुट्ताव अचूचुट्ताम्

प० चोटयाञ्चकार चोटयाञ्चकतुः चोटयाञ्चकृः
 चोटयाञ्चकर्थं चोटयाञ्चकथुः चोटयाञ्चक
 चोटयाञ्चकार,कृ चोटयाञ्चकृथ—,ञ्चकृम्
 चोटयाञ्चभूष चोटयाभास

आ० चोटयात् चोटयास्ताम् चोटयासुः
 चोटयाः चोटयास्तम् चोटयास्त
 चोटयासम् चोटयास्व चोटयास्म

प्र० चोटयिता चोटयितारौ चोटयितारः
 चोटयितासि चोटयितास्थः चोटयितास्थ
 चोटयितास्मि चोटयितास्वः चोटयितास्मः

भ० चोटयिष्यति चोटयिष्यतः चोटयिष्यन्ति
 चोटयिष्यसि चोटयिष्यथः चोटयिष्यथ
 चोटयिष्यामि चोटयिष्यावः चोटयिष्यामः

क्रि० अचोटयिष्यत् अचोटयिष्यताम् अचोटयिष्यन्
 अचोटयिष्यः अचोटयिष्यतम् अचोटयिष्यत
 अचोटयिष्यम् अचोटयिष्याव अचोटयिष्याम

1596 चुट्ण (चुट्) छेदने 29

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० चुटयति | चुटयतः | चुटयन्ति |
| चुटयसि | चुटयथः | चुटयथ |
| चुटयामि | चुटयावः | चुटयामः |
| स० चुटयेत् | चुटयेताम् | चुटयेयुः |
| चुटयेः | चुटयेतम् | चुटयेत |
| चुटयेयम् | चुटयेव | चुटयेम |

प० चुटयतु-तात् चुटयताम् चुटयन्तु
चुटय , चुटयतम् चुटयत
चुटयानि चुटयाव चुटयाम

प्र० अचुटयत् अचुटयताम् अचुटयन्
अचुटयः अचुटयतम् अचुटयत
अचुटयम् अचुटयाव अचुटयाम

अ० अचुचुटत् अचुचुटताम् अचुचुटन्
अचुचुटः अचुचुटतम् अचुचुटत
अचुचुटम् अचुचुटाव अचुचुटाम

प० चुटयाञ्चकार चुटयाञ्चकतुः चुटयाञ्चकुः
चुटयाञ्चकथ चुटयाञ्चकथुः चुटयाञ्चक
चुटयाञ्चकार-क चुटयाञ्चकव चुटयाञ्चकम्
चुटयाञ्चभूव । चुटयामास

आ० चुट्यात् चुट्यास्ताम् चुट्यासुः
चुट्याः चुट्यास्तम् चुट्यास्त
चुट्यासम् चुट्याव चुट्याम

भ्व० चुटयिता चुटयितारौ चुटयितारः
चुटयितासि चुटयितास्थः चुटयितास्थ
चुटयितास्मि चुटयितास्वः चुटयितास्मः

भ० चुटयिष्यति चुटयिष्यतः चुटयिष्यन्ति
चुटयिष्यसि चुटयिष्यथः चुटयिष्यथ
चुटिष्यामि चुटिष्यावः चुटिष्यामः

अचुटयिष्यत् अचुटयिष्यताम् - , यिष्यन्
अचुटयिष्यः अचुटयिष्यतम् - , यिष्यत
अचुटयिष्यम् अचुटयिष्याव - , यिष्याम

1597 छुट्ण (छुट्) छेदने 30

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० छोटयति | छोटयतः | छोटयन्ति |
| छोटयसि | छोटयथः | छोटयथ |
| छोटयामि | छोटयावः | छोटयामः |
| स० छोटयेत् | छोटयेताम् | छोटयेयुः |
| छोटयेः | छोटयेतम् | छोटयेत |
| छोटयेयम् | छोटयेव | छोटयेम |

प० छोटयतु-छोटयतात् छोटयताम् छोटयन्तु
छोटय , छोटयतम् छोटयत
छोटयानि छोटयाव छोटयाम

प्र० अछोटयत् अछोटयताम् अछोटयन्
अछोटयः अछोटयतम् अछोटयत
अछोटयम् अछोटयाव अछोटयाम

अ० अचुछुटत् अचुछुटताम् अचुछुटन्
अचुछुटः अचुछुटतम् अचुछुटत
अचुछुटम् अचुछुटाव अचुछुटाम

प० छोटयाञ्चकार छोटयाञ्चकतुः छोटयाञ्चकुः
छोटयाञ्चकथ छोटयाञ्चकथुः छोटयाञ्चक
छोटयाञ्चकार-क छोटयाञ्चकव छोटयाञ्चकम्
छोटयाञ्चभूव छोटयामास

आ० छोट्यात् छोट्यास्ताम् छोट्यासुः
छोट्याः छोट्यास्तम् छोट्यास्त
छोट्यासम् छोट्याव छोट्याम

भ्व० छोटयिता छोटयितारौ छोटयितारः
छोटयितासि छोटयितास्थः छोटयितास्थ
छोटयितास्मि छोटयितास्वः छोटयितास्मः

भ० छोटयिष्यति छोटयिष्यतः छोटयिष्यन्ति
छोटयिष्यसि छोटयिष्यथः छोटयिष्यथ
छोटयिष्यामि छोटयिष्यावः छोटयिष्यामः

अछोटयिष्यत् अछोटयिष्यताम् - , यिष्यन्
अछोटयिष्यः अछोटयिष्यतम् - , यिष्यत
अछोटयिष्यम् अछोटयिष्याव - , यिष्याम

1597-2 छुट्टण (छुंर) इतिपाठे

ब० छुण्टयति छुण्टयतः छुण्टयन्ति
 छुण्टयसि छुण्टयथः छुण्टयथ
 छुण्टयामि छुण्टयावः छुण्टयामः

त० लुण्टयेत् लुण्टयेताम् लुण्टयेयुः
लुण्टयेः लुण्टयेतम् लुण्टयेत
लुण्टयेयम् लुण्टयेव लुण्टयेम

प० लुण्ठयतु लुण्ठयतात् लुण्ठयताम् लुण्ठयन्तु
लुण्ठय , लुण्ठयतम् लुण्ठयत
लुण्ठयानि लुण्ठयाव लुण्ठयाम

४० अक्कुण्टयन् अक्कुण्टयताम् अक्कुण्टयन्
 अक्कुण्टयः अक्कुण्टयताम् अक्कुण्टयन्
 अक्कुण्टयम् अक्कुण्टयाव अक्कुण्टयाम्

अ० अचुच्छुण्टत अचुच्छुण्टताम् अचुच्छुण्टन
अचुच्छुण्टः अचुच्छुण्टतम् अचुच्छुण्टत
अचुच्छुण्टम् अचुच्छुण्टीव अचुच्छुण्टाम्

पठुण्टयाञ्चकार, लुण्टयाञ्चकतुः, लुण्टयाञ्चकः
 लुण्टयाञ्चकर्थं, लुण्टयाञ्चकयुः, लुण्टयाञ्चक
 लुण्टयाञ्चकार, चकर, लुण्टयाञ्चकृच—ञ्चकृम
 लुण्टयाञ्चभूच लुण्टयामोस

भा०छुण्टयात् छुण्टयास्नाम् छुण्टयासुः
 छुण्टयाः छुण्टयास्तम् छुण्टयास्त
 छुण्टयासम् छुण्टयास्य छुण्टयास्म

प्रश्न ० छुण्टयिता छुण्टयितारौ छुण्टयितारः
 छुण्टयितासिछुण्टयितास्थःछुण्टयितास्थ
 छुण्टयितास्मिछुण्टयितास्वः छुण्टयितास्मः

भ० लुण्टयिष्यतिलुण्टयिष्यतः लुण्टयिष्यन्ति
 लुण्टयिष्यसिलुण्टयिष्यथः लुण्टयिष्यथ
 लुण्टयिष्यामिलुण्टयिष्यामः लुण्टयिष्यामः

अच्छुण्टयिष्यत अच्छुण्टयिष्यताम्—, यिष्यत
अच्छुण्टयिष्यः अच्छुण्टयिष्यतम्—, यिष्यत
अच्छुण्टयिष्यम् अच्छुण्टयिष्याव—, यिष्याम्

1598 कुट्टण् (कुट्ट) कुत्सने च ।

॥ चकाराच्छेदने ॥ ३१

| | | | |
|----|-----------|-----------|------------|
| ब० | कुट्टयति | कुट्टयतः | कुट्टयन्ति |
| | कुट्टयसि | कुट्टयथः | कुट्टयथा |
| | कुट्टयामि | कुट्टयावः | कुट्टयामः |

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| स० कुट्टयेत् | कुट्टयेताम् | कुट्टयेयुः |
| कुट्टयेः | कुट्टयेतम् | कुट्टयेत |
| कुट्टयेयम् | कुट्टयेथ | कुट्टयेम |

प० कृद्यत् कृद्यतात् कृद्यताम् कृद्यन्तु
कृद्य , कृद्याम् कृद्यत
कृद्यानि कृद्याव कृद्याम

६० अकुट्टयत् अकुट्टयताम् अकुट्टयन्

अकुट्टयः अकुट्टयतम् अकुट्टयत

अकुट्टयम् अकुट्टयाव अकुट्टयाम

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| अ० अ॒पेकु॒दृ॒त | अ॒पेकु॒दृ॒ता॒म | अ॒पेकु॒दृ॒त |
| अ॒पेकु॒दृ॒ः | अ॒पेकु॒दृ॒त॒म | अ॒पेकु॒दृ॒त |
| अ॒पेकु॒दृ॒म | अ॒पेकु॒दृ॒ता॒व | अ॒पेकु॒दृ॒ता॒म |

प० कुडियाश्चकार कुडयाश्चकुतुः कुडयाश्चकुः
 कुडयाश्चकथ कुडयाश्चकथुः कुडयाश्चक
 कुडयाश्चकार, कर, कुडयाश्चक, व कुडयाश्चकम
 कुडयाम्बभूष । कुडयामास

आ० कुट्ट्यात् कुट्ट्यास्ताम् कुट्ट्यासुः
कुट्ट्याः कुट्ट्यास्तम् कुट्ट्यास्त
कुट्ट्यासम् कुट्ट्यास्य कुट्ट्यास्म

श्व० कुट्टयिता कुट्टयितारौ कुट्टयितारः
 कुट्टयितासि कुट्टयितास्थः कुट्टयितास्थ
 कुट्टयितास्मि कुट्टयितास्वः कुट्टयितास्मः

भ० कुट्टयिष्येति कुट्टयिष्यतः कुट्टयिष्यन्ति
कुट्टयिष्यसि कुट्टयिष्यथाः कुट्टयिष्यथा
कुट्टयिष्यामि कुट्टयिष्यावः कुट्टयिष्यामः

क्रि० अकुट्टियिष्यत् अकुट्टियिष्यतम् अकुट्टियिष्यन्
अकुट्टियिष्यः अकुट्टियिष्यतम् अकुट्टियिष्यत
अकुट्टियिष्यम् अकुट्टियिष्याव अकुट्टियिष्याम्

1599 पुट्ण् (पुट्) अल्पीभावे । 32 । 600 चुट्ण् (चुट्) अल्पीभावे । 33

व० पुट्णति पुट्णतः पुट्णन्ति
पुट्णसि पुट्णथः पुट्णथ
पुट्णामि पुट्ण्यावः पुट्ण्यामः

स० पुट्णेत पुट्णेताम् पुट्णेषुः
पुट्णेः पुट्णेतम् पुट्णेत
पुट्णेष्यम् पुट्णेष्व पुट्णेष्यम

प० पुट्णतु पुट्णतात् पुट्णताम् पुट्णन्तु
पुट्ण " पुट्णतम् पुट्णत
पुट्णानि पुट्ण्याव पुट्ण्याम

झ० अपुट्णत् अपुट्णताम् अपुट्णन्
अपुट्णः अपुट्णतम् अपुट्णत
अपुट्णम् अपुट्ण्याव अपुट्ण्याम

अ० अपुट्णत् अपुट्णताम् अपुट्णन्
अपुट्णः अपुट्णतम् अपुट्णत
अपुट्णम् अपुट्ण्याव अपुट्ण्याम

प० पुट्ण्याञ्चकार पुट्ण्याञ्चकतुः पुट्ण्याञ्चकुः
पुट्ण्याञ्चकथं पुट्ण्याञ्चकथुः पुट्ण्याञ्चक
पुट्ण्याञ्चकार कर पुट्ण्याञ्चकृव याञ्चकृम
पुट्ण्याम्बभूव पुट्ण्यामास

आ० पुट्ण्यात् पुट्ण्यास्ताम् पुट्ण्यासुः
पुट्ण्याः पुट्ण्यास्तम् पुट्ण्यास्त
पुट्ण्यासम् पुट्ण्यास्व पुट्ण्यास्म

श्व० पुट्णिता पुट्णितारौ पुट्णितारः
पुट्णितासि पुट्णितास्थः पुट्णितास्थ
पुट्णितास्मि पुट्णितास्वः पुट्णितास्मः

भ० पुट्णियति पुट्णियतः पुट्णियन्ति
पुट्णियसि पुट्णियथः पुट्णियथ
पुट्णियामि पुट्णियावः पुट्णियामः

कि० अपुट्णियत् अपुट्णियताम् अपुट्णियन्
अपुट्णियः अपुट्णियतम् अपुट्णियत
अपुट्णियम् अपुट्णियाव अपुट्णियाम

व० चुट्णति चुट्णतः चुट्णन्ति
चुट्णसि चुट्णथः चुट्णथ
चुट्णामि चुट्ण्यावः चुट्ण्यामः

स० चुट्णेत चुट्णेताम् चुट्णेषुः
चुट्णेः चुट्णेतम् चुट्णेत
चुट्णेष्यम् चुट्णेष्व चुट्णेष्यम

प० चुट्णतु चुट्णतात् चुट्णताम् चुट्णन्तु
चुट्ण " चुट्णतम् चुट्णत
चुट्णानि चुट्ण्याव चुट्ण्याम

झ० अचुट्णत् अचुट्णताम् अचुट्णन्
अचुट्णः अचुट्णतम् अचुट्णत
अचुट्णम् अचुट्ण्याव अचुट्ण्याम

अ० अचुट्णत् अचुट्णताम् अचुट्णन्
अचुट्णः अचुट्णतम् अचुट्णत
अचुट्णम् अचुट्ण्याव अचुट्ण्याम

प० चुट्ण्याञ्चकार चुट्ण्याञ्चकतुः चुट्ण्याञ्चकुः
चुट्ण्याञ्चकथं चुट्ण्याञ्चकथुः चुट्ण्याञ्चक
चुट्ण्याञ्चकार कर चुट्ण्याञ्चकृव याञ्चकृम
चुट्ण्याम्बभूव चुट्ण्यामास

आ० चुट्ण्यात् चुट्ण्यास्ताम् चुट्ण्यासुः
चुट्ण्याः चुट्ण्यास्तम् चुट्ण्यास्त
चुट्ण्यासम् चुट्ण्यास्व चुट्ण्यास्म

श्व० चुट्णिता चुट्णितारौ चुट्णितारः
चुट्णितासि चुट्णितास्थः चुट्णितास्थ
चुट्णितास्मि चुट्णितास्वः चुट्णितास्मः

भ० चुट्णियति चुट्णियतः चुट्णियन्ति
चुट्णियसि चुट्णियथः चुट्णियथ
चुट्णियामि चुट्णियावः चुट्णियामः

कि० अचुट्णियत् अचुट्णियताम् अचुट्णियन्
अचुट्णियः अचुट्णियतम् अचुट्णियत
अचुट्णियम् अचुट्णियाव अचुट्णियाम

1601 पुट्ण (सुट्ट अन्तीभावे 34

व० सुट्टयति सुट्टयतः सुट्टयन्ति
सुट्टयसि सुट्टयथः सुट्टयथा
सुट्टयामि सुट्टयावः सुट्टयामः

स० सुट्टयेत् सुट्टयेताम् सुट्टयेयुः
सुट्टयेः सुट्टयेतम् सुट्टयेत
सुट्टयेयम् सुट्टयेव सुट्टयेम

प० सुट्टयतु सुट्टयतात् सुट्टयताम् सुट्टयन्तु
सुट्टय सुट्टयतम् सुट्टयत
सुट्टयानि सुट्टयाव सुट्टयाम

झ० असुट्टयत् असुट्टयताम् असुट्टयन्
असुट्टयः असुट्टयतम् असुट्टयत
असुट्टयम् असुट्टयाव असुट्टयाम

अ० असुट्टयत असुट्टयताम् असुट्टयन्
असुट्टयः असुट्टयतम् असुट्टयत
असुट्टयम् असुट्टयाव असुट्टयाम

प० सुट्टयाञ्चकार सुट्टयाञ्चकतुः सुट्टयाञ्चकुः
सुट्टयाञ्चकर्थ सुट्टयाञ्चकथुः सुट्टयाञ्चक
सुट्टयाञ्चकार-कर सुट्टयाञ्चकृव सुट्टयाञ्चकृम
सुट्टयाम्बभूव । सुट्टयामास

आ० सुट्टयात् सुट्टयास्ताम् सुट्टयासुः
सुट्टयाः सुट्टयास्तम् सुट्टयास्त
सुट्टयासम् सुट्टयास्व सुट्टयास्म

इव० सुट्टयिता सुट्टयितारौ सुट्टयितारः
सुट्टयितानि सुट्टयितास्थः सुट्टयितास्थ
सुट्टयितास्मि सुट्टयितास्वः सुट्टयितास्मः

भ० सुट्टयिष्यति सुट्टयिष्यतः सुट्टयिष्यन्ति
सुट्टयिष्यसि सुट्टयिष्यथः सुट्टयिष्यथा
सुट्टयिष्यामि सुट्टयिष्यावः सुट्टयिष्यामः

क्रि० असुट्टयिष्यत् असुट्टयिष्यताम् असुट्टयिष्यन्
असुट्टयिष्यः असुट्टयिष्यतम् असुट्टयिष्यत
असुट्टयिष्यम् असुट्टयिष्याव असुट्टयिष्याम

1602 पुट्ण (पुट्) संचूर्णने 35

व० पोटयति पोटयतः पोटयन्ति
पोटयसि पोटयथः पोटयथा
पोटयामि पोटयावः पोटयामः

स० पोटयेत् पोटयेताम् पोटयेयुः
पोटयेः पोटयेतम् पोटयेत
पोटयेयम् पोटयेव पोटयेम

प० पोटयतु पोटयतात् पोटयताम् पोटयन्तु
पोटय पोटयतम् पोटयत
पोटयानि पोटयाव पोटयाम

झ० अपोटयत् अपोटयताम् अपोटयन्
अपोटयः अपोटयतम् अपोटयत
अपोटयम् अपोटयाव अपोटयाम

अ० अपूटयत् अपूटयताम् अपूटयन्
अपूटयः अपूटयतम् अपूटयत
अपूटयम् अपूटयाव अपूटयाम

प० पोटयाञ्चकार पोटयाञ्चकतुः पोटयाञ्चकुः
पोटयाञ्चकर्थ पोटयाञ्चकथुः पोटयाञ्चक
पोटयाञ्चकार-कर पोटयाञ्चकृव पोटयाञ्चकृम
पोटयाम्बभूव पोटयामास

आ० पोटयात् पोटयास्ताम् पोटयासुः
पोटयाः पोटयास्तम् पोटयास्त
पोटयासम् पोटयास्व पोटयास्म

इव० पोटयिता पोटयितारौ पोटयितारः
पोटयितानि पोटयितास्थः पोटयितास्थ
पोटयितास्मि पोटयितास्वः पोटयितास्मः

भ० पोटयिष्यति पोटयिष्यतः पोटयिष्यन्ति
पोटयिष्यसि पोटयिष्यथः पोटयिष्यथा
पोटयिष्यामि पोटयिष्यावः पोटयिष्यामः

अपोटयिष्यत् अपोटयिष्यताम् अपोटयिष्यन्
अपोटयिष्यः अपोटयिष्यतम् अपोटयिष्यत
अपोटयिष्यम् अपोटयिष्याव अपोटयिष्याम

1603 मुट्ण (मुट्) संचूर्णने । 36

ष० मोटयति मोटयत् मोटयन्ति
मोटयसि मोटयथ मोटयथ
मोटयामि मोटयाव मोटयामः

स० मोटयेत् मोटयेताम् मोटयेयुः
मोटयेः मोटयेतम् मोटयेत
मोटयेयम् मोटयेव मोटयेम

प० मोटयतु मोटयतात् मोटयताम् मोटयन्तु
मोटय मोटयतम् मोटयत
मोटयानि मोटयाव मोटयाम

झ० अमोटयत् अमोटयताम् अमोटयन्
अमोटयः अमोटयतम् अमोटयत
अमोटयम् अमोटयाव अमोटयाम

अ० अमूमुटत् अमूमुटताम् अमूमुटन्
अमूमुटः अमूमुटतम् अमूमुटत
अमूमुटम् अमूमुटाव अमूमुटाम

प० मोटयाञ्चकार मोटयाञ्चक्रतुः मोटयाञ्चक्रुः
मोटयाञ्चकर्थं मोटयाञ्चक्रथुः मोटयाञ्चक्र
मोटयाञ्चकार-कर मोटयाञ्चकृव मोटयाञ्चकृम
मोटयाम्बभूव मोटयामास

आ० मोटयात् मोटयास्ताम् मोटयासुः
मोटयाः मोटयास्तम् मोटयास्त
मोटयासम् मोटयास्व मोटयास्म

श्व० मोटयिता मोटयितारौ मोटयितारः
मोटयितासि मोटयितास्थः मोटयितास्थ
मोटयितास्मि मोटयितास्वः मोटयितास्मः

भ० मोटयिष्यति मोटयिष्यतः मोटयिष्यन्ति
मोटयिष्यसि मोटयिष्यथः मोटयिष्यथ
मोटयिष्यामि मोटयिष्यावः मोटयिष्यामः

अमोटयिष्यत् अमोटयिष्यताम् अमोटयिष्यन्
अमोटयिष्यः अमोटयिष्यतम् अमोटयिष्यत
अमोटयिष्यम् अमोटयिष्याव अमोटयिष्याम

1604 अट्ण (अट्) अनादरे । 37

व० अटयति अटयतः अटयन्ति
अटयसि अटयथः अटयथ
अटयामि अटयावः अटयामः

स० अटयेत् अटयेताम् अटयेयुः
अटयेः अटयेतम् अटयेत
अटयेयम् अटयेव अटयेम

प० अटयतु अटयतात् अटयताम् अटयन्तु
अटय अटयतम् अटयत
अटयानि अटयाव अटयाम

झ० आटयत् आटयताम् आटयन्
आटयः आटयतम् आटयत
आटयम् आटयाव आटयाम

अ० आट्टित् आट्टिताम् आट्टित्
आट्टितः आट्टितम् आट्टित
आट्टितम् आट्टिताव आट्टिताम

० अट्याञ्चकार अट्याञ्चक्रतुः अट्याञ्चक्रुः
अट्याञ्चकर्थं अट्याञ्चक्रथुः अट्याञ्चक्र
अट्याञ्चकार कर अट्याञ्चकृव याञ्चकृम
अट्याम्बभूव अट्यामास

आ० अट्यात् अट्यास्ताम् अट्यासुः
अट्याः अट्यास्तम् अट्यास्त
अट्यासम् अट्यास्व अट्यास्म

श्व० अटयिता अटयितारौ अटयितारः
अटयितासि अटयितास्थः अटयितास्थ
अटयितास्मि अटयितास्वः अटयितास्मः

भ० अटयिष्यति अटयिष्यतः अटयिष्यन्ति
अटयिष्यसि अटयिष्यथः अटयिष्यथ
अटयिष्यामि अटयिष्यावः अटयिष्यामः

क्रि० आट्टयिष्यत् आट्टयिष्यताम् आट्टयिष्यन्
आट्टयिष्यः आट्टयिष्यतम् आट्टयिष्यत
आट्टयिष्यम् आट्टयिष्याव आट्टयिष्याम

1605 स्मिदण् (स्मिद्) अनादरे 38

३० स्मेदयति स्मेदयतः स्मेदयन्ति
 स्मेदयसि स्मेदयथः स्मेदयथ
 स्मेदयामि स्मेदयावः स्मेदयामः
 स० स्मेदयेत् स्मेदयेताम् स्मेदयेयुः
 स्मेदयेः स्मेदयेतम् स्मेदयेत
 स्मेदयेयम् स्मेदयेव स्मेदयेम
 प० स्मेदयतु-तात् स्मेदयताम् स्मेदयन्तु
 स्मेदय स्मेदयतम् स्मेदयत
 स्मेदयानि स्मेदयाव स्मेदयाम
 झ० अस्मेदयत् अस्मेदयताम् अस्मेदयन्
 अस्मेदयः अस्मेदयतम् अस्मेदयत
 अस्मेदयम् अस्मेदयाव अस्मेदयाम
 ञ० अस्मिस्मिदत् अस्मिस्मिदताम् अस्मिस्मिदन्
 अस्मिस्मिदः अस्मिस्मिदतम् अस्मिस्मिदत
 अस्मिस्मिदम् अस्मिस्मिदव अस्मिस्मिदाम
 प० स्मेदयाश्चकार स्मेदयाश्चक्रतुः स्मेदयाश्चक्रुः
 स्मेदयाश्चकथ स्मेदयाश्चक्रथुः स्मेदयाश्चक्र
 स्मेदयाश्चकार-कर स्मेदयाश्चक्रव स्मेदयाश्चक्रम
 स्मेदयाम्बभूव । स्मेदयामास
 आ० स्मेदयात् स्मेदयास्ताम् स्मेदयासुः
 स्मेदयाः स्मेदयास्तम् स्मेदयास्त
 स्मेदयासम् स्मेदयास्व स्मेदयास्म
 श्व० स्मेदयिता स्मेदयितारौ स्मेदयितारः
 स्मेदयितासि स्मेदयितास्थः स्मेदयितास्थ
 स्मेदयितास्मि स्मेदयितास्वः स्मेदयितास्मः
 १० स्मेदयिष्यति स्मेदयिष्यतः स्मेदयिष्यन्ति
 स्मेदयिष्यसि स्मेदयिष्यथः स्मेदयिष्यथ
 स्मेदयिष्यामि स्मेदयिष्यावः स्मेदयिष्यामः
 क्रि० अस्मेदयिष्यत् अस्मेदयिष्यताम् अस्मेदयिष्यन्
 अस्मेदयिष्यः अस्मेदयिष्यतम् अस्मेदयिष्यत
 अस्मेदयिष्यम् अस्मेदयिष्याव अस्मेदयिष्याम

1606 लुण्टण् (लुण्ट्) स्तेये च । 39

३० लुण्टयति लुण्टयतः लुण्टयन्ति
 लुण्टयसि लुण्टयथः लुण्टयथ
 लुण्टयामि लुण्टयावः लुण्टयामः
 स० लुण्टयेत् लुण्टयेताम् लुण्टयेयुः
 लुण्टयेः लुण्टयेतम् लुण्टयेत
 लुण्टयेयम् लुण्टयेव लुण्टयेम
 प० लुण्टयतु-लुण्टयताम् लुण्टयताम् लुण्टयन्तु
 लुण्टय लुण्टयतम् लुण्टयत
 लुण्टयानि लुण्टयाव लुण्टयाम
 झ० अलुण्टयत् अलुण्टयताम् अलुण्टयन्
 अलुण्टयः अलुण्टयतम् अलुण्टयत
 अलुण्टयम् अलुण्टयाव अलुण्टयाम
 अ० अलुलुण्टत् अलुलुण्टताम् अलुलुण्टन्
 अलुलुण्टः अलुलुण्टतम् अलुलुण्टत
 अलुलुण्टम् अलुलुण्टव अलुलुण्टाम
 प० लुण्टयाश्चकार लुण्टयाश्चक्रतुः-याश्चक्रुः
 लुण्टयाश्चकथ लुण्टयाश्चक्रथुः-याश्चक्र
 लुण्टयाश्चकार-कर लुण्टयाश्चक्रव याश्चक्रम
 लुण्टयाम्बभूव लुण्टयामास ।
 आ० लुण्टयात् लुण्टयास्ताम् लुण्टयासुः
 लुण्टयाः लुण्टयास्तम् लुण्टयास्त
 लुण्टयासम् लुण्टयास्व लुण्टयास्म
 श्व० लुण्टयिता लुण्टयितारौ लुण्टयितारः
 लुण्टयितासि लुण्टयितास्थः लुण्टयितास्थ
 लुण्टयितास्मि लुण्टयितास्वः लुण्टयितास्मः
 भ० लुण्टयिष्यति लुण्टयिष्यतः लुण्टयिष्यन्ति
 लुण्टयिष्यसि लुण्टयिष्यथः लुण्टयिष्यथ
 लुण्टयिष्यामि लुण्टयिष्यावः लुण्टयिष्यामः
 अलुण्टयिष्यत् अलुण्टयिष्यताम् — „यिष्यन्
 अलुण्टयिष्यः अलुण्टयिष्यतम् — „यिष्यत
 अलुण्टयिष्यम् अलुण्टयिष्याव — „यिष्याम

1607 स्निट्ण (स्निट्) स्नेहने 40

व० स्नेटयति स्नेटयतः स्नेटयन्ति
स्नेटयसि स्नेटयथः स्नेटयथ
स्नेटयामि स्नेटयावः स्नेटयामः

स० स्नेटयेत् स्नेटयेताम् स्नेटयेयुः
स्नेटयेः स्नेटयेतम् स्नेटयेत
स्नेटयेयम् स्नेटयेव स्नेटयेम

प० स्नेटयतु स्नेटयतात् स्नेटयताम् स्नेटयन्तु
स्नेटय स्नेटयतम् स्नेटयत
स्नेटयानि स्नेटयाव स्नेटयाम

झ० अस्नेटयत् अस्नेटयताम् अस्नेटयन्
अस्नेटयः अस्नेटयतम् अस्नेटयत
अस्नेटयम् अस्नेटयाव अस्नेटयाम

अ० अस्निट्णत् अस्निट्णताम् अस्निट्णन्
अस्निट्णः अस्निट्णतम् अस्निट्णत
अस्निट्णम् अस्निट्णाव अस्निट्णाम

प० स्नेटयाञ्जकारः स्नेटयाञ्जवक्रतुः स्नेटयाञ्जकुः
स्नेटयाञ्ज कथं स्नेटयाञ्जकथुः स्नेटयाञ्जक
स्नेटयाञ्जकारः स्नेटयाञ्जकृव स्नेटयाञ्जकृम
स्नेटयाञ्जभूव स्नेटयामास

आ० स्नेट्यात् स्नेट्यास्ताम् स्नेट्यासुः
स्नेट्याः स्नेट्यास्तम् स्नेट्यास्त
स्नेट्यासम् स्नेट्यास्व स्नेट्यास्म

प्रव० स्नेटयिता स्नेटयितारौ स्नेटयितारः
स्नेटयितासि स्नेटयितास्थः स्नेटयितास्थ
स्नेटयितास्मि स्नेटयितास्वः स्नेटयितास्मः

भ० स्नेटयिष्यति स्नेटयिष्यतः स्नेटयिष्यन्ति
स्नेटयिष्यसि स्नेटयिष्यथः स्नेटयिष्यथ
स्नेटयिष्यामि स्नेटयिष्यावः स्नेटयिष्यामः

अस्नेटयिष्यत् अस्नेटयिष्यताम् अस्नेटयिष्यन्
अस्नेटयिष्यः अस्नेटयिष्यतम् अस्नेटयिष्यत
अस्नेटयिष्यम् अस्नेटयिष्याव अस्नेटयिष्याम

1608 घट्टण (घट्ट) चलने 41

व० घट्टयति घट्टयतः घट्टयन्ति
घट्टयसि घट्टयथः घट्टयथ
घट्टयामि घट्टयावः घट्टयामः

स० घट्टयेत् घट्टयेताम् घट्टयेयुः
घट्टयेः घट्टयेतम् घट्टयेत
घट्टयेयम् घट्टयेव घट्टयेम

प० घट्टयतु घट्टयतात् घट्टयताम् घट्टयन्तु
घट्टय घट्टयतम् घट्टयत
घट्टयानि घट्टयाव घट्टयाम

झ० अघट्टयत् अघट्टयताम् अघट्टयन्
अघट्टयः अघट्टयतम् अघट्टयत
अघट्टयम् अघट्टयाव अघट्टयाम

अ० अजघट्टत् अजघट्टताम् अजघट्टन्
अजघट्टः अजघट्टतम् अजघट्टत
अजघट्टम् अजघट्टाव अजघट्टाम

प० घट्टयाञ्जकारः घट्टयाञ्जवक्रतुः घट्टयाञ्जकुः
घट्टयाञ्ज कथं घट्टयाञ्जकथुः घट्टयाञ्जक
घट्टयाञ्जकारः घट्टयाञ्जकृव घट्टयाञ्जकृम
घट्टयाञ्जभूव । घट्टयामास

आ० घट्ट्यात् घट्ट्यास्ताम् घट्ट्यासुः
घट्ट्याः घट्ट्यास्तम् घट्ट्यास्त
घट्ट्यासम् घट्ट्यास्व घट्ट्यास्म

प्रव० घट्टयिता घट्टयितारौ घट्टयितारः
घट्टयितासि घट्टयितास्थः घट्टयितास्थ
घट्टयितास्मि घट्टयितास्वः घट्टयितास्मः

भ० घट्टयिष्यति घट्टयिष्यतः घट्टयिष्यन्ति
घट्टयिष्यसि घट्टयिष्यथः घट्टयिष्यथ
घट्टयिष्यामि घट्टयिष्यावः घट्टयिष्यामः

क्रि० अघट्टयिष्यत् अघट्टयिष्यताम् अघट्टयिष्यन्
अघट्टयिष्यः अघट्टयिष्यतम् अघट्टयिष्यत
अघट्टयिष्यम् अघट्टयिष्याव अघट्टयिष्याम

1609 खट्ण (खट्) संवरणे । 42

व० खट्णति खट्णतः खट्णन्ति
खट्णसि खट्णथः खट्णथ
खट्णामि खट्णावः खट्णामः

स० खट्णेत खट्णेताम् खट्णेयुः
खट्णेः खट्णेतम् खट्णेत
खट्णेयम् खट्णेव खट्णेम

प० खट्णतु खट्णतात् खट्णताम् खट्णन्तु
खट्ण खट्णतम् खट्णत
खट्णानि खट्णाव खट्णाम

झ० अखट्णत् अखट्णताम् अखट्णन्
अखट्णः अखट्णतम् अखट्णत
अखट्णम् अखट्णाव अखट्णाम

अ० अखट्णत् अखट्णताम् अखट्णन्
अखट्णः अखट्णतम् अखट्णत
अखट्णम् अखट्णाव अखट्णाम

प० खट्णायैकार खट्णायैकतुः खट्णायैकः
खट्णायैकथं खट्णायैकथुः खट्णायैक
खट्णायैकार कर खट्णायैकव-याञ्चकम्
खट्णायैकभूय खट्णायैक

आ० खट्णायत् खट्णायताम् खट्णायसुः
खट्णायः खट्णायतम् खट्णायत
खट्णायसम् खट्णायव खट्णायम

प्र० खट्णयिता खट्णयितारौ खट्णयितारः
खट्णयितासि खट्णयितास्थः खट्णयितास्थ
खट्णयितास्मि खट्णयितास्वः खट्णयितास्मः

भ० खट्णयिष्यति खट्णयिष्यतः खट्णयिष्यन्ति
खट्णयिष्यसि खट्णयिष्यथः खट्णयिष्यथ
खट्णयिष्यामि खट्णयिष्यावः खट्णयिष्यामः

क्रि० अखट्णयिष्यत् अखट्णयिष्यताम् अखट्णयिष्यन्
अखट्णयिष्यः अखट्णयिष्यतम् अखट्णयिष्यत
अखट्णयिष्यम् अखट्णयिष्याव अखट्णयिष्याम

1610 षट्ण (सट्) हिंसायाम् । 43

व० सट्णति सट्णतः सट्णन्ति
सट्णसि सट्णथः सट्णथ
सट्णामि सट्णावः सट्णामः

स० सट्णेत सट्णेताम् सट्णेयुः
सट्णेः सट्णेतम् सट्णेत
सट्णेयम् सट्णेव सट्णेम

प० सट्णतु सट्णतात् सट्णताम् सट्णन्तु
सट्ण सट्णतम् सट्णत
सट्णानि सट्णाव सट्णाम

झ० असट्णत् असट्णताम् असट्णन्
असट्णः असट्णतम् असट्णत
असट्णम् असट्णाव असट्णाम

अ० असट्णत् असट्णताम् असट्णन्
असट्णः असट्णतम् असट्णत
असट्णम् असट्णाव असट्णाम

प० सट्णायैकार सट्णायैकतुः सट्णायैकः
सट्णायैकथं सट्णायैकथुः सट्णायैक
सट्णायैकार-कर सट्णायैकव-याञ्चकम्
सट्णायैकभूय सट्णायैक

आ० सट्णायत् सट्णायताम् सट्णायसुः
सट्णायः सट्णायतम् सट्णायत
सट्णायसम् सट्णायव सट्णायम

प्र० सट्णयिता सट्णयितारौ सट्णयितारः
सट्णयितासि सट्णयितास्थः सट्णयितास्थ
सट्णयितास्मि सट्णयितास्वः सट्णयितास्मः

भ० सट्णयिष्यति सट्णयिष्यतः सट्णयिष्यन्ति
सट्णयिष्यसि सट्णयिष्यथः सट्णयिष्यथ
सट्णयिष्यामि सट्णयिष्यावः सट्णयिष्यामः

असट्णयिष्यत् असट्णयिष्यताम् असट्णयिष्यन्
असट्णयिष्यः असट्णयिष्यतम् असट्णयिष्यत
असट्णयिष्यम् असट्णयिष्याव असट्णयिष्याम
अथ वनादाननिकेतनोवपीति केचित्

1611 स्फिटण् (स्फिट्) हिंसायाम् 44

ब० स्फेटीयति स्फेटीयतः स्फेटीयन्ति
स्फेटीयसि स्फेटीयथः स्फेटीयथ
स्फेटीयामि स्फेटीयावः स्फेटीयामः
स० स्फेटीयेत् स्फेटीयेताम् स्फेटीयेयुः
स्फेटीयेः स्फेटीयेतम् स्फेटीयेत
स्फेटीयेयम् स्फेटीयेव स्फेटीयेम
प० स्फेटीयतु-तात् स्फेटीयताम् स्फेटीयन्तु
स्फेटीय स्फेटीयतम् स्फेटीयत
स्फेटीयानि स्फेटीयाव स्फेटीयाम
ब० अस्फेटीयत् अस्फेटीयताम् अस्फेटीयन्
अस्फेटीयः अस्फेटीयतम् अस्फेटीयत
अस्फेटीयम् अस्फेटीयाव अस्फेटीयाम
अ० अपिस्फिटत् अपिस्फिटताम् अपिस्फिटन्
अपिस्फिटः अपिस्फिटतम् अपिस्फिटत
अपिस्फिटम् अपिस्फिटव अपिस्फिटाम
प० स्फेटीयाञ्चकार स्फेटीयाञ्चक्रतुः स्फेटीयाञ्चक्रुः
स्फेटीयाञ्चकथ स्फेटीयाञ्चक्रथुः स्फेटीयाञ्चक्र
स्फेटीयाञ्चकार-कर स्फेटीयाञ्चकृव स्फेटीयाञ्चक्रम
स्फेटीयाम्बभूव । स्फेटीयामास
आ० स्फेटीयात् स्फेटीयास्ताम् स्फेटीयास्तुः
स्फेटीयाः स्फेटीयास्तम् स्फेटीयास्त
स्फेटीयासम् स्फेटीयास्व स्फेटीयास्म
ध्व० स्फेटीयिता स्फेटीयितारो स्फेटीयितारः
स्फेटीयितासि स्फेटीयितास्थः स्फेटीयितास्थ
स्फेटीयितास्मि स्फेटीयितास्वः स्फेटीयितास्मः
भ० स्फेटीयिष्यति स्फेटीयिष्यतः स्फेटीयिष्यन्ति
स्फेटीयिष्यसि स्फेटीयिष्यथः स्फेटीयिष्यथ
स्फेटीयिष्यामि स्फेटीयिष्यावः स्फेटीयिष्यामः
क्रि० अस्फेटीयिष्यत् अस्फेटीयिष्यताम् गिष्यन्
अस्फेटीयिष्यः अस्फेटीयिष्यतम् अस्फेटीयिष्यत
अस्फेटीयिष्यम् अस्फेटीयिष्याव गिष्याम
अयमनादरे ह्येके

1612 स्फुटण् (स्फुट्) परित्रासे । 45

ब० स्फोटयति स्फोटयतः स्फोटयन्ति
स्फोटयसि स्फोटयथः स्फोटयथ
स्फोटयामि स्फोटयावः स्फोटयामः
स० स्फोटयेत् स्फोटयेताम् स्फोटयेयुः
स्फोटयेः स्फोटयेतम् स्फोटयेत
स्फोटयेयम् स्फोटयेव स्फोटयेम
प० स्फोटयतु-स्फोटयतात् स्फोटयताम् स्फोटयन्तु
स्फोटय स्फोटयतम् स्फोटयत
स्फोटयानि स्फोटयाव स्फोटयाम
ब० अस्फोटयत् अस्फोटयताम् अस्फोटयन्
अस्फोटयः अस्फोटयतम् अस्फोटयत
अस्फोटयम् अस्फोटयाव अस्फोटयाम
अ० अपुस्फुटत् अपुस्फुटताम् अपुस्फुटन्
अपुस्फुटः अपुस्फुटतम् अपुस्फुटत
अपुस्फुटम् अपुस्फुटाव अपुस्फुटाम
प० स्फोटयाञ्चकार स्फोटयाञ्चक्रतुः स्फोटयाञ्चक्रुः
स्फोटयाञ्चकथ स्फोटयाञ्चक्रथुः स्फोटयाञ्चक्र
स्फोटयाञ्चकार-कर स्फोटयाञ्चकृव स्फोटयाञ्चक्रम
स्फोटयाम्बभूव स्फोटयामास
आ० स्फोटयात् स्फोटयास्ताम् स्फोटयास्तुः
स्फोटयाः स्फोटयास्तम् स्फोटयास्त
स्फोटयासम् स्फोटयास्व स्फोटयास्म
ध्व० स्फोटयिता स्फोटयितारो स्फोटयितारः
स्फोटयितासि स्फोटयितास्थः स्फोटयितास्थ
स्फोटयितास्मि स्फोटयितास्वः स्फोटयितास्मः
भ० स्फोटयिष्यति स्फोटयिष्यतः स्फोटयिष्यन्ति
स्फोटयिष्यसि स्फोटयिष्यथः स्फोटयिष्यथ
स्फोटयिष्यामि स्फोटयिष्यावः स्फोटयिष्यामः
क्रि० अस्फोटयिष्यत् अस्फोटयिष्यताम् गिष्यन्
अस्फोटयिष्यः अस्फोटयिष्यतम् अस्फोटयिष्यत
अस्फोटयिष्यम् अस्फोटयिष्याव गिष्याम
अयमनादरे ह्येके

1613 कीट्ण (कीट्) वर्णने

वर्धने हृत्परे 46

व० कीटयति कीटयतः कीटयन्ति
कीटयसि कीटयथः कीटयथ
कीटयामि कीटयावः कीटयामः

स० कीटयेत् कीटयेताम् कीटयेयुः
कीटयेः कीटयेतम् कीटयेत
कीटयेयम् कीटयेव कीटयेम

प० कीटयतु कीटयतात् कीटयताम् कीटयन्तु
कीटय , कीटयतम् कीटयत
कीटयानि कीटयाव कीटयाम

झ० अकीटयत् अकीटयताम् अकीटयन्
अकीटयः अकीटयतम् अकीटयत
अकीटयम् अकीटयाव अकीटयाम

अ० अचीकित् अचीकितताम् अचीकितन्
अचीकितः अचीकिततम् अचीकितत
अचीकितम् अचीकिताव अचीकिताम

प० कीटयाञ्चकार कीटयाञ्चकतुः कीटयाञ्चकुः
कीटयाञ्चकथं कीटयाञ्चकथुः कीटयाञ्चक
कीटयाञ्चकार-कर कीटयाञ्चकृव कीटयाञ्चकृम
कीटयाञ्चभूव कीटयामास

आ० कीट्यात् कीट्यास्ताम् कीट्यासुः
कीट्याः कीट्यास्तम् कीट्यास्त
कीट्यासम् कीट्यास्व कीट्यास्म

श्व० कीटयिता कीटयितारौ कीटयितारः
कीटयितासि कीटयितास्थः कीटयितास्थ
कीटयितास्मि कीटयितास्वः कीटयितास्मः

भ० कीटयिष्यति कीटयिष्यतः कीटयिष्यन्ति
कीटयिष्यसि कीटयिष्यथः कीटयिष्यथ
कीटयिष्यामि कीटयिष्यावः कीटयिष्यामः

अकीटयिष्यत् अकीटयिष्यताम् अकीटयिष्यन्
अकीटयिष्यः अकीटयिष्यतम् अकीटयिष्यत
अकीटयिष्यम् अकीटयिष्याव अकीटयिष्याम

1614 वटुण् (वण्टू) विभाजने 47

व० वण्टयति वण्टयतः वण्टयन्ति
वण्टयसि वण्टयथः वण्टयथ
वण्टयामि वण्टयावः वण्टयामः

स० वण्टयेत् वण्टयेताम् वण्टयेयुः
वण्टः वण्टयेतम् वण्टयेत
वण्टयेयम् वण्टयेव वण्टयेम

प० वण्टयतु वण्टयतात् वण्टयताम् वण्टयन्तु
वण्टय , वण्टयतम् वण्टयत
वण्टयानि वण्टयाव वण्टयाम

झ० अवण्टयत् अवण्टयताम् अवण्टयन्
अवण्टयः अवण्टयतम् अवण्टयत
अवण्टयम् अवण्टयाव अवण्टयाम

अ० अववण्टत् अववण्टताम् अववण्टन्
अववण्टः अववण्टतम् अववण्टत
अववण्टम् अववण्टाव अववण्टाम

प० वण्टयाञ्चकार वण्टयाञ्चकतुः वण्टयाञ्चकुः
वण्टयाञ्चकथं वण्टयाञ्चकथुः वण्टयाञ्चक
वण्टयाञ्चकार-कर वण्टयाञ्चकृव-याञ्चकृम
वण्टयाञ्चभूव वण्टयामास

आ० वण्ट्यात् वण्ट्यास्ताम् वण्ट्यासुः
वण्ट्याः वण्ट्यास्तम् वण्ट्यास्त
वण्ट्यासम् वण्ट्यास्व वण्ट्यास्म

श्व० वण्टयिता वण्टयितारौ वण्टयितारः
वण्टयितासि वण्टयितास्थः वण्टयितास्थ
वण्टयितास्मि वण्टयितास्वः वण्टयितास्मः

भ० वण्टयिष्यति वण्टयिष्यतः वण्टयिष्यन्ति
वण्टयिष्यसि वण्टयिष्यथः वण्टयिष्यथ
वण्टयिष्यामि वण्टयिष्यावः वण्टयिष्यामः

अवण्टयिष्यत् अवण्टयिष्यताम् अवण्टयिष्यन्
अवण्टयिष्यः अवण्टयिष्यतम् अवण्टयिष्यत
अवण्टयिष्यम् अवण्टयिष्याव अवण्टयिष्याम

1615 रुट्ण (रुट्) रोषे 48

| | | | |
|------|-----------------|--------------------|--------------|
| व० | रोटयति | रोटयतः | रोटयन्ति |
| | रोटयसि | रोटयथः | रोटयथ |
| | रोटयामि | रोटयावः | रोटयामः |
| स | रोटयेत् | रोटयेताम् | रोटयेयुः |
| | रोटयेः | रोटयेतम् | रोटयेत |
| | रोटयेयम् | रोटयेव | रोटयेम |
| प० | रोटयतु-रोटयतात् | रोटयताम् | रोटयन्तु |
| | रोटय | रोटयतम् | रोटयत |
| | रोटयानि | रोटयाव | रोटयाम |
| ह्य० | अरोटयत् | अरोटयताम् | अरोटयन् |
| | अरोटयः | अरोटयतम् | अरोटयत |
| | अरोटयम् | अरोटयाव | अरोटयाम |
| अ० | अरुटयत् | अरुटयताम् | अरुटयन् |
| | अरुटयः | अरुटयतम् | अरुटयत |
| | अरुटयम् | अरुटयाव | अरुटयाम |
| प० | रोटयाञ्चकार | रोटयाञ्चकतुः | रोटयाञ्चकुः |
| | रोटयाञ्चकथुः | रोटयाञ्चक | रोटयाञ्चक |
| | रोटयाञ्चकार-कर | रोटयाञ्चकृव-ञ्चकृम | |
| | रोटयाम्बभूव | रोटयामास | |
| आ० | रोट्यात् | रोट्यास्ताम् | रोट्यासुः |
| | रोट्याः | रोट्यास्तम् | रोट्यास्त |
| | रोट्यासम् | रोट्यास्व | रोट्यास्म |
| श्व० | रोटयिता | रोटयितारौ | रोटयितारः |
| | रोटयितामि | रोटयितास्थः | रोटयितास्थ |
| | रोटयितास्मि | रोटयितास्वः | रोटयितास्मः |
| भ० | रोटयिष्यति | रोटयिष्यतः | रोटयिष्यन्ति |
| | रोटयिष्यसि | रोटयिष्यथः | रोटयिष्यथ |
| | रोटयिष्यामि | रोटयिष्यावः | रोटयिष्यामः |
| कि० | अरोटयिष्यत् | अरोटयिष्यताम् | अरोटयिष्यन् |
| | अरोटयिष्यः | अरोटयिष्यतम् | अरोटयिष्यत |
| | अरोटयिष्यम् | अरोटयिष्याव | अरोटयिष्याम |

1616 शाठ्ण (शाट्) संस्कारगतयोः 49

| | | | |
|------|-----------------|----------------------|--------------|
| व० | शाठयति | शाठयतः | शाठयन्ति |
| | शाठयसि | शाठयथः | शाठयथ |
| | शाठयामि | शाठयावः | शाठयामः |
| स० | शाठयेत् | शाठयेताम् | शाठयेयुः |
| | शाठयेः | शाठयेतम् | शाठयेत |
| | शाठयेयम् | शाठयेव | शाठयेम |
| प० | शाठयतु-शाठयतात् | शाठयताम् | शाठयन्तु |
| | शाठय | शाठयतम् | शाठयत |
| | शाठयानि | शाठयाव | शाठयाम |
| ह्य० | अशाठयत् | अशाठयताम् | अशाठयन् |
| | अशाठयः | अशाठयतम् | अशाठयत |
| | अशाठयम् | अशाठयाव | अशाठयाम |
| अ० | अशीशठत् | अशीशठताम् | अशीशठन् |
| | अशीशठः | अशीशठतम् | अशीशठत |
| | अशीशठम् | अशीशठाव | अशीशठाम |
| प० | शाठयाञ्चकार | शाठयाञ्चकतुः | शाठयाञ्चकुः |
| | शाठयाञ्चकथुः | शाठयाञ्चक | शाठयाञ्चक |
| | शाठयाञ्चकार-चकर | शाठयाञ्चकृव-याञ्चकृम | |
| | शाठयाम्बभूव | शाठयामास | |
| आ० | शाठ्यात् | शाठ्यास्ताम् | शाठ्यासुः |
| | शाठ्याः | शाठ्यास्तम् | शाठ्यास्त |
| | शाठ्यासम् | शाठ्यास्व | शाठ्यास्म |
| श्व० | शाठयिता | शाठयितारौ | शाठयितारः |
| | शाठयितामि | शाठयितास्थः | शाठयितास्थ |
| | शाठयितास्मि | शाठयितास्वः | शाठयितास्मः |
| भ० | शाठयिष्यति | शाठयिष्यतः | शाठयिष्यन्ति |
| | शाठयिष्यसि | शाठयिष्यथः | शाठयिष्यथ |
| | शाठयिष्यामि | शाठयिष्यावः | शाठयिष्यामः |
| अ० | अशाठयिष्यत् | अशाठयिष्यताम् | अशाठयिष्यन् |
| | अशाठयिष्यः | अशाठयिष्यतम् | अशाठयिष्यत |
| | अशाठयिष्यम् | अशाठयिष्याव | अशाठयिष्याम |

1617 इवठण् (इवट्) संस्कारगत्योः 50

व० इवाठयति इवाठयतः इवाठयन्ति
इवाठयसि इवाठयथः इवाठयथ
इवाठयामि इवाठयावः इवाठयामः

स० इवाठयेत् इवाठयेताम् इवाठयेयुः
इवाठयेः इवाठयेतम् इवाठयेत
इवाठयेयम् इवाठयेव इवाठयेम

प० इवाठयतु इवाठयतात् इवाठयताम् इवाठयन्तु
इवाठयइवाठयतात् इवाठयतम् इवाठयत
इवाठयानि इवाठयाव इवाठयाम

ह्य० अइवाठयत् अइवाठयताम् अइवाठयन्
अइवाठयः अइवाठयतम् अइवाठयन्
अइवाठयम् अइवाठयाव अइवाठयाम

अ० अशिइवठत् अशिइवठताम् अशिइवठन्
अशिइवठः अशिइवठतम् अशिइवठन्
अशिइवठम् अशिइवठाव अशिइवठाम

इवाठयाञ्चकार इवाठयाञ्चक्रतुः इवाठयाञ्चकुः
इवाठयाञ्चकथं इवाठयाञ्चकथुः इवाठयाञ्चक
थयाञ्चकार-चकर इवाठयाञ्चकृव-याञ्चकृम
इवाठयाम्चभूव इवाठयामास

आ० इवाठयात् इवाठयास्ताम् इवाठयासुः
इवाठयाः इवाठयास्तम् इवाठयास्त
इवाठयास्तम् इवाठयास्व इवाठयास्म

इव० इवाठयिता इवाठयितारौ इवाठयितारः
इवाठयितानि इवाठयितास्थः इवाठयितास्थ
इवाठयितास्मि इवाठयितास्वः इवाठयितास्मः

अ० इवाठयिष्यति इवाठयिष्यतः इवाठयिष्यन्ति
इवाठयिष्यसि इवाठयिष्यथः इवाठयिष्यथ
इवाठयिष्यामि इवाठयिष्यावः इवाठयिष्यामः

अइवाठयिष्यत् अइवाठयिष्यताम् अइवाठयिष्यन्
अइवाठयिष्यः अइवाठयिष्यतम् अइवाठयिष्यन्त
अइवाठयिष्यम् अइवाठयिष्याव अइवाठयिष्याम

1618 इवठण् (इवट्) संस्कारगत्योः 51

व० इवण्ठयति इवण्ठयतः इवण्ठयन्ति
इवण्ठयसि इवण्ठयथः इवण्ठयथ
इवण्ठयामि इवण्ठयावः इवण्ठयामः

स० इवण्ठयेत् इवण्ठयेताम् इवण्ठयेयुः
इवण्ठयेः इवण्ठयेतम् इवण्ठयेत
इवण्ठयेयम् इवण्ठयेव इवण्ठयेम

प० इवण्ठयतु इवण्ठयतात् इवण्ठयताम् इवण्ठयन्तु
इवण्ठय , इवण्ठयतम् इवण्ठयत
इवण्ठयानि इवण्ठयाव इवण्ठयाम

ह्य० अइवण्ठयत् अइवण्ठयताम् अइवण्ठयन्
अइवण्ठयः अइवण्ठयतम् अइवण्ठयन्
अइवण्ठयम् अइवण्ठयाव अइवण्ठयाम

अ० अशइवण्ठत् अशइवण्ठताम् अशइवण्ठन्
अशइवण्ठः अशइवण्ठतम् अशइवण्ठन्
अशइवण्ठम् अशइवण्ठाव अशइवण्ठाम

इवण्ठयाञ्चकार इवण्ठयाञ्चक्रतुः इवण्ठयाञ्चकुः
इवण्ठयाञ्चकथं इवण्ठयाञ्चकथुः इवण्ठयाञ्चक
इवण्ठयाञ्चकार-चकर इवण्ठयाञ्चकृव-चकृम
इवण्ठयाम्चभूव इवण्ठयामास

आ० इवण्ठयात् इवण्ठयास्ताम् इवण्ठयासुः
इवण्ठयाः इवण्ठयास्तम् इवण्ठयास्त
इवण्ठयास्तम् इवण्ठयास्व इवण्ठयास्म

इव० इवण्ठयिता इवण्ठयितारौ इवण्ठयितारः
इवण्ठयितानि इवण्ठयितास्थः इवण्ठयितास्थ
इवण्ठयितास्मि इवण्ठयितास्वः इवण्ठयितास्मः

अ० इवण्ठयिष्यति इवण्ठयिष्यतः इवण्ठयिष्यन्ति
इवण्ठयिष्यसि इवण्ठयिष्यथः इवण्ठयिष्यथ
इवण्ठयिष्यामि इवण्ठयिष्यावः इवण्ठयिष्यामः

क्रि० अइवण्ठयिष्यत् अइवण्ठयिष्यताम्
अइवण्ठयिष्यन्

अइवण्ठयिष्यः अइवण्ठयिष्यतम् अइवण्ठयिष्यन्त
अइवण्ठयिष्यम् अइवण्ठयिष्याव अइवण्ठयिष्याम

1619 शुठ्ण् (शुट्) आलस्ये 52

व० शुठयति शुठयतः शुठयन्ति
 शुठयसि शुठयथः शुठयथ
 शुठयामि शुठयावः शुठयामः
 स० शुठयेत् शुठयेताम् शुठयेयुः
 शुठयेः शुठयेतम् शुठयेत
 शुठयेयम् शुठयेव शुठयेम
 प० शुठयतु शुठयतात् शुठयताम् शुठयन्तु
 शुठय , शुठयतम् शुठयत
 शुठयानि शुठयाव शुठयाम
 ह्य० अशुठयत् अशुठयताम् अशुठयन्
 अशुठयः अशुठयतम् अशुठयन्
 अशुठयम् अशुठयाव अशुठयाम
 अ० अशुशुट् अशुशुटताम् अशुशुटन्
 अशुशुटः अशुशुटतम् अशुशुटन्
 अशुशुटम् अशुशुटाव अशुशुटाम
 प० शुठयाञ्चकार शुठयाञ्चकतुः शुठयाञ्चकुः
 शुठयाञ्चकर्थः शुठयाञ्चकथुः शुठयाञ्चक
 शुठयाञ्चकार-याञ्चकर शुठयाञ्चकृव-याञ्चकृम
 शुठयाञ्चभव शुठयामास
 आ० शुठयात् शुठयास्ताम् शुठयासुः
 शुठयाः शुठयास्तम् शुठयास्त
 शुठयासम् शुठयास्व शुठयास्म
 श्व शुठयिता शुठयितारौ शुठयितारः
 शुठयितासि शुठयितास्थः शुठयितास्थ
 शुठयितास्मि शुठयितास्वः शुठयितास्मः
 भ० शुठयिष्यति शुठयिष्यतः शुठयिष्यन्ति
 शुठयिष्यसि शुठयिष्यथः शुठयिष्यथ
 शुठयिष्यामि शुठयिष्यावः शुठयिष्यामः
 अशुठयिष्यत् अशुठयिष्यताम् अशुठयिष्यन्
 अशुठयिष्यः अशुठयिष्यतम् अशुठयिष्यन्
 अशुठयिष्यम् अशुठयिष्याव अशुठयिष्याम

1620 शुठ्ण् (शुट्) शोषणे 53

व० शुण्ठयति शुण्ठयतः शुण्ठयन्ति
 शुण्ठयसि शुण्ठयथः शुण्ठयथ
 शुण्ठयामि शुण्ठयावः शुण्ठयामः
 स० शुण्ठयेत् शुण्ठयेताम् शुण्ठयेयुः
 शुण्ठयेः शुण्ठयेतम् शुण्ठयेत
 शुण्ठयेयम् शुण्ठयेव शुण्ठयेम
 प० शुण्ठयतु शुण्ठयतात् शुण्ठयताम् शुण्ठयन्तु
 शुण्ठय , शुण्ठयतम् शुण्ठयत
 शुण्ठयानि शुण्ठयाव शुण्ठयाम
 ह्य० अशुण्ठयत् अशुण्ठयताम् अशुण्ठयन्
 अशुण्ठयः अशुण्ठयतम् अशुण्ठयन्
 अशुण्ठयम् अशुण्ठयाव अशुण्ठयाम
 अ० अशुशुण्ठत् अशुशुण्ठताम् अशुशुण्ठन्
 अशुशुण्ठः अशुशुण्ठतम् अशुशुण्ठन्
 अशुशुण्ठम् अशुशुण्ठाव अशुशुण्ठाम
 प० शुण्ठयाञ्चकार शुण्ठयाञ्चकतुः शुण्ठयाञ्चकुः
 शुण्ठयाञ्चकर्थः शुण्ठयाञ्चकथुः शुण्ठयाञ्चक
 शुण्ठयाञ्चकार-चकार शुण्ठयाञ्चकृव-याञ्चकृम
 शुण्ठयाञ्चभव शुण्ठयामास
 आ० शुण्ठयात् शुण्ठयास्ताम् शुण्ठयासुः
 शुण्ठयाः शुण्ठयास्तम् शुण्ठयास्त
 शुण्ठयासम् शुण्ठयास्व शुण्ठयास्म
 श्व शुण्ठयिता शुण्ठयितारौ शुण्ठयितारः
 शुण्ठयितासि शुण्ठयितास्थः शुण्ठयितास्थ
 शुण्ठयितास्मि शुण्ठयितास्वः शुण्ठयितास्मः
 भ० शुण्ठयिष्यति शुण्ठयिष्यतः शुण्ठयिष्यन्ति
 शुण्ठयिष्यसि शुण्ठयिष्यथः शुण्ठयिष्यथ
 शुण्ठयिष्यामि शुण्ठयिष्यावः शुण्ठयिष्यामः
 अशुण्ठयिष्यत् अशुण्ठयिष्यताम् अशुण्ठयिष्यन्
 अशुण्ठयिष्यः अशुण्ठयिष्यतम् अशुण्ठयिष्यन्
 अशुण्ठयिष्यम् अशुण्ठयिष्याव अशुण्ठयिष्याम

1621 गुण्ठ (गुण्ठ) वेष्टने 54

व० गुण्ठयति गुण्ठयतः गुण्ठयन्ति
 गुण्ठयसि गुण्ठयथः गुण्ठयथ
 गुण्ठयामि गुण्ठयावः गुण्ठयामः
 स० गुण्ठयेत् गुण्ठयेताम् गुण्ठयेयुः
 गुण्ठयेः गुण्ठयेतम् गुण्ठयेत
 गुण्ठयेयम् गुण्ठयेव गुण्ठयेम
 प० गुण्ठयतुगुण्ठयतात्गुण्ठयताम्गुण्ठयन्तु
 गुण्ठय , गुण्ठयतम् गुण्ठयत
 गुण्ठयानि गुण्ठयाव गुण्ठयाम
 छ० अगुण्ठयत् अगुण्ठयताम् अगुण्ठयन्
 अगुण्ठयः अगुण्ठयतम् अगुण्ठयत
 अगुण्ठयम् अगुण्ठयाव अगुण्ठयाम
 अ० अजुगुण्ठत् अजुगुण्ठताम् अजुगुण्ठन्
 अजुगुण्ठः अजुगुण्ठतम् अजुगुण्ठत
 अजुगुण्ठम् अजुगुण्ठाव अजुगुण्ठाम
 गुण्ठयाञ्चकारगुण्ठयाञ्चक्रतुःगुण्ठयाञ्चक्रुः
 गुण्ठयाञ्चकथगुण्ठयाञ्चकथुः गुण्ठयाञ्चक
 ण्ठयाञ्चकार-चकरगुण्ठयाञ्चकृव-चकृम
 गुण्ठयाम्बभूव गुण्ठयामास
 आ०गुण्ठयात् गुण्ठयास्ताम् गुण्ठयासुः
 गुण्ठयाः गुण्ठयास्तम् गुण्ठयास्त
 गुण्ठयासम् गुण्ठयास्व गुण्ठयास्म
 भ०गुण्ठयिता गुण्ठयितारौ गुण्ठयितारः
 गुण्ठयितासिगुण्ठयितास्वःगुण्ठयितास्थ
 गुण्ठयितास्मिगुण्ठयितास्वःगुण्ठयितास्मः
 भ०गुण्ठयिष्यतिगुण्ठयिष्यतःगुण्ठयिष्यन्ति
 गुण्ठयिष्यसिगुण्ठयिष्यथःगुण्ठयिष्यथ
 गुण्ठयिष्यामिगुण्ठयिष्यावःगुण्ठयिष्यामः
 कि०अगुण्ठयिष्यत् अगुण्ठयिष्यताम्
 अगुण्ठयिष्यन् अगुण्ठयिष्यन्
 अगुण्ठयिष्यःअगुण्ठयिष्यतम्अगुण्ठयिष्यन्
 अगुण्ठयिष्यम्अगुण्ठयिष्यावअगुण्ठयिष्याम

अथ डान्ताः सप्तदश

1622 लडण् (लड्) उपसेवायाम् 55

व० लाडयति लाडयतः लाडयन्ति
 लाडयसि लाडयथः लाडयथ
 लाडयामि लाडयावः लाडयामः
 स० लाडयेत् लाडयेताम् लाडयेयुः
 लाडयेः लाडयेतम् लाडयेत
 लाडयेयम् लाडयेव लाडयेम
 प० लाडयतुलाडयतात्लाडयताम्लाडयन्तु
 लाडय , लाडयतम् लाडयत
 लाडयानि लाडयाव लाडयाम
 छ० अलाडयत् अलाडयताम् अलाडयन्
 अलाडयः अलाडयतम् अलाडयत
 अलाडयम् अलाडयाव अलाडयाम
 अ० अलीलडत् अलीलडताम् अलीलडन्
 अलीलडः अलीलडतम् अलीलडत
 अलीलडम् अलीलडाव अलीलडाम
 प० लाडयाञ्चकारलाडयाञ्चक्रतुःलाडयाञ्चक्रुः
 लाडयाञ्चकथलाडयाञ्चकथुः लाडयाञ्चक
 लाडयाञ्चकार-करलाडयाञ्चकृवलाडयाञ्चकृम
 लाडयाम्बभूव लाडयामास
 आ०ला यात् लाड्यास्ताम् लाड्यासुः
 लाड्याः लाड्यास्तम् लाड्यास्त
 लाड्यासम् लाड्यास्व लाड्यास्म
 भ० लाडयिता लाडयितारौ लाडयितारः
 लाडयितासि लाडयितास्वःलाडयितास्थ
 लाडयितास्मि लाडयितास्वःलाडयितास्मः
 भ० लाडयिष्यति लाडयिष्यतःलाडयिष्यन्ति
 लाडयिष्यसि लाडयिष्यथः लाडयिष्यथ
 लाडयिष्यामि लाडयिष्यावःलाडयिष्यामः
 अलाडयिष्यत् अलाडयिष्यताम् अलाडयिष्यन्
 अलाडयिष्यःअलाडयिष्यतम्अलाडयिष्यन्
 अलाडयिष्यम्अलाडयिष्यावअलाडयिष्याम
 लन्वे लालगतीत्याद्यपि

1623 स्फुण्ड् (स्फुण्ड्) परिहासे । 56

व० स्फुण्डयति स्फुण्डयतः स्फुण्डयन्ति
स्फुण्डयसि स्फुण्डयथः स्फुण्डयथ
स्फुण्डयामि स्फुण्डयावः स्फुण्डयामः

स० स्फुण्डयेत् स्फुण्डयेताम् स्फुण्डयेयुः
स्फुण्डयेः स्फुण्डयेतम् स्फुण्डयेत
स्फुण्डयेयम् स्फुण्डयेव स्फुण्डयेम

स्फुण्डयतु-स्फुण्डयतातुस्फुण्डयताम्स्फुण्डयन्तु
स्फुण्डय „ स्फुण्डयतम् स्फुण्डयत
स्फुण्डयानि स्फुण्डयाव स्फुण्डयाम

झ० अस्फुण्डयत् अस्फुण्डयताम् अस्फुण्डयन्
अस्फुण्डयः अस्फुण्डयतम् अस्फुण्डयन्
अस्फुण्डयम् अस्फुण्डयाव अस्फुण्डयाम

अ० अपुस्फुण्डत् अपुस्फुण्डताम् अपुस्फुण्डन्
अपुस्फुण्डः अपुस्फुण्डतम् अपुस्फुण्डन्
अपुस्फुण्डम् अपुस्फुण्डाव अपुस्फुण्डाम

स्फुण्डयाञ्चकारस्फुण्डयाञ्चकतुः-याञ्चकृः
स्फुण्डयाञ्चकर्थस्फुण्डयाञ्चकथुःस्फुण्डयाञ्चक
स्फुण्डयाञ्चकार-करस्फुण्डयाञ्चकृवयाञ्चकृम

आ०स्फुण्डयात् स्फुण्डयास्ताम् स्फुण्डयासुः
स्फुण्ड्याः स्फुण्डयास्तम् स्फुण्डयास्त
स्फुण्डयासम्स्फुण्डयास्व स्फुण्डयास्म

प्रब०स्फुण्डयिता स्फुण्डयितारौ स्फुण्डयितारः
स्फुण्डयिता सिस्फुण्डयितास्यःस्फुण्डयितास्य
स्फुण्डयितास्मिस्फुण्डयितास्वःस्फुण्डयितास्मः

भ स्फुण्डयिष्यतिस्फुण्डयिष्यतःस्फुण्डयिष्यन्ति
स्फुण्डयिष्यसिस्फुण्डयिष्यथःस्फुण्डयिष्यथ
स्फुण्डयिष्यामिस्फुण्डयिष्यावः स्फुण्डयिष्यामः

अस्फुण्डयिष्यात् अस्फुण्डयिष्याताम् - यिष्यान्
अस्फुण्डयिष्याः अस्फुण्डयिष्यातम् - यिष्यान्त
अस्फुण्डयिष्याम् अस्फुण्डयिष्याव - यिष्याम

1624 ओलण्ड् (ओलण्ड्) उत्पेक्षे । 57

व० ओलण्डयति ओलण्डयतः ओलण्डयन्ति
ओलण्डयसि ओलण्डयथःओलण्डयथ
ओलण्डयामिओलण्डयावःओलण्डयामः

स० ओलण्डयेत् ओलण्डयेताम् ओलण्डयेयुः
ओलण्डयेः ओलण्डयेतम् ओलण्डयेत
ओलण्डयेयम् ओलण्डयेव ओलण्डयेम

प० ओलण्डयतु-यतानओलण्डयताम्-यन्तु
ओलण्डय „ ओलण्डयतम् -यन्तु
ओलण्डयति ओलण्डयाव ओलण्डयाम

झ ओलण्डयत् ओलण्डयताम् ओलण्डयन्
ओलण्डयः ओलण्डयतम् ओलण्डयन्
ओलण्डयम् ओलण्डयाव ओलण्डयाम

अ० औलण्डत् औलण्डताम् औलण्डन्
औलण्डः औलण्डतम् औलण्डन्
औलण्डम् औलण्डाव औलण्डाम

ओलण्डयाञ्चकारओलण्डयाञ्चकतुःयाञ्चकृः
ओलण्डयाञ्चकर्थ ओलण्डयाञ्चकथुःयाञ्चकृ
ओलण्डयाञ्चकार-करओलण्डयाञ्चकृव-कृम
ओलण्डयाम्भूव ओलण्डयामास

भा ओलण्ड्यात् ओलण्ड्यास्ताम् ओलण्ड्यासुः
ओलण्ड्याः ओलण्ड्यास्तम् ओलण्ड्यास्त
ओलण्ड्यासम्ओलण्ड्यास्व ओलण्ड्यास्म

ओलण्डयिताओलण्डयितारौओलण्डयितारः
ओलण्डयितामि ओलण्डयितास्यः—, यितास्य
ओलण्डयितास्मिओलण्डयितास्वः यितास्मः

ओलण्डयिष्यतिओलण्डयिष्यतः—, यिष्यन्ति
ओलण्डयिष्यमिओलण्डयिष्यथः—, यिष्यथ
ओलण्डयिष्यामिओलण्डयिष्यावः—यिष्यामः

ओलण्डयिष्यत्ओलण्डयिष्यताम्—, यिष्यन्
ओलण्डयिष्यः ओलण्डयिष्यतम्—, यिष्यन्त
ओलण्डयिष्यम्ओलण्डयिष्याव—, यिष्याम

औदिद्यमिति केचित्तन्मते लण्डेयसीत्यादि ।

1625 पीडण् पीड्) गहने ।

गहनं बाधा 58

व० पीडयति पीडयतः पीडयन्ति
 पीडयसि पीडयथः पीडयथ
 पीडयामि पीडयावः पीडयामः
 स० पीडयेत् पीडयेताम् पीडयेयुः
 पीडयेः पीडयेतम् पीडयेत
 पीडयेयम् पीडयेव पीडयेम
 प० पीडयतु पीडयतात् पीडयताम् पीडयन्तु
 पीडय , पीडयतम् पीडयत
 पीडयानि पीडयाव पीडयाम
 अ० अपीडयत् अपीडयताम् अपीडयन्
 अपीडयः अपीडयतम् अपीडयत
 अपीडयम् अपीडयाव अपीडयाम
 अ० अपिपीडत् अपिपीडताम् अपिपीडन्
 अपिपीडः अपिपीडतम् अपिपीडत
 अपिपीडम् अपिपीडाव अपिपीडाम
 अपिपीडेत अपिपीडताम् अपिपीडन् इ०
 प० पीडयाञ्चकार पीडयाञ्चक्रुः पीडयाञ्चक्रुः
 पीडयाञ्चकथ पीडयाञ्चक्रुः पीडयाञ्चक्रुः
 पीडयाञ्चकार-चक्र पीडयाञ्चक्रु-याञ्चक्रुम्
 पीडयाञ्चभूव पीडयामास
 आ० पीड्यात् पीड्यास्ताम् पीड्यासुः
 पीड्याः पीड्यास्तम् पीड्यास्त
 पीड्यासम् पीड्याव पीड्यासम्
 प्र० पीडयिता पीडयितारौ पीडयितारः
 पीडयितासि पीडयितास्थः पीडयितास्थ
 पीडयितास्मि पीडयितास्वः पीडयितास्मः
 भ० पीडयिष्यति पीडयिष्यतः पीडयिष्यन्ति
 पीडयिष्यसि पीडयिष्यथः पीडयिष्यथ
 पीडयिष्यामि पीडयिष्याव पीडयिष्याम
 किं अपीडयिष्यत् अपीडयिष्यताम् अपीडयिष्यन्
 अपीडयिष्यः अपीडयिष्यतम् अपीडयिष्यत
 अपीडयिष्यम् अपीडयिष्याव अपीडयिष्याम
 इत्योरैक्ये । पीडयति प्रभृति

1626 तडण् (तड्) आघाते । 59

व० ताडयति ताडयतः ताडयन्ति
 ताडयसि ताडयथः ताडयथ
 ताडयामि ताडयावः ताडयामः
 म० ताडयेत् ताडयेताम् ताडयेयुः
 ताडयेः ताडयेतम् ताडयेत
 ताडयेयम् ताडयेव ताडयेम
 प० ताडयतु ताडयतात् ताडयताम् ताडयन्तु
 ताडय , ताडयतम् ताडयत
 ताडयानि ताडयाव ताडयाम
 अ० अताडयत् अताडयताम् अताडयन्
 अताडयः अताडयतम् अताडयत
 अताडयम् अताडयाव अताडयाम
 अ० अतीतडत् अतीतडताम् अतीतडन्
 अतीतडः अतीतडतम् अतीतडत
 अतीतडम् अतीतडाव अतीतडाम
 प० ताडयाञ्चकार ताडयाञ्चक्रुः ताडयाञ्चक्रुः
 ताडयाञ्चकथ ताडयाञ्चक्रुः ताडयाञ्चक्रुः
 ताडयाञ्चकार-चक्र ताडयाञ्चक्रु-याञ्चक्रुम्
 ताडयाञ्चभूव ताडयामास
 आ० ताड्यात् ताड्यास्ताम् ताड्यासुः
 ताड्याः ताड्यास्तम् ताड्यास्त
 ताड्यासम् ताड्याव ताड्यासम्
 प्र० ताडयिता ताडयितारौ ताडयितारः
 ताडयितासि ताडयितास्थः ताडयितास्थ
 ताडयितास्मि ताडयितास्वः ताडयितास्मः
 भ० ताडयिष्यति ताडयिष्यतः ताडयिष्यन्ति
 ताडयिष्यसि ताडयिष्यथः ताडयिष्यथ
 ताडयिष्यामि ताडयिष्याव ताडयिष्याम
 अताडयिष्यत् अताडयिष्यताम् अताडयिष्यन्
 अताडयिष्यः अताडयिष्यतम् अताडयिष्यत
 अताडयिष्यम् अताडयिष्याव अताडयिष्याम

1627 खड्ग (खड्) भेदे 60

व० खाडयति खाडयतः खाडयन्ति
खाडयसि खाडयथः खाडयथ
खाडयामि खाडयावः खाडयामः
स० खाडयेत् खाडयेताम् खाडयेयुः
खाडयेः खाडयेतम् खाडयेत
खाडयेयम् खाडयेव खाडयेम
प० खाडयतुखाडयतात्खाडयताम् खाडयन्तु
खाडय , खाडयतम् खाडयत
खाडयानि खाडयाव खाडयाम
ख० अखाडयत् अखाडयताम् अखाडयन्
अखाडयः अखाडयतम् अखाडयत
अखाडयम् अखाडयाव अखाडयाम
अ० अचीखडत् अचीखडताम् अचीखडन्
अचीखडः अचीखडतम् अचीखडत
अचीखडम् अचीखडाव अचीखडाम
प० खाडयाञ्चकारखाडयाञ्चक्रुःखाडयाञ्चक्रुः
खाडयाञ्चकथ खाडयाञ्चक्रुः खाडयाञ्चक्रुः
खाडयाञ्चकार-करखाडयाञ्चक्रुःखाडयाञ्चक्रुः
खाडयाञ्चभूष खाडयामास
आ० खाड्यात् खाड्यास्तम् खाड्यासुः
खाड्याः खाड्यास्तम् खाड्यास्त
खाड्यासम् खाड्यास्व खाड्यास्म
भ्व० खाडयिता खाडयितारौ खाडयितारः
खाडयितासिखाडयितास्थःखाडयितास्थ
खाडयितास्मिखाडयितास्वःखाडयितास्मः
भ० खाडयिष्यतिखाडयिष्यतःखाडयिष्यन्ति
खाडयिष्यसिखाडयिष्यथः खाडयिष्यथ
खाडयिष्यामिखाडयिष्यावःखाडयिष्यामः
अखाडयिष्यत् अखाडयिष्यताम् अखाडयिष्यन्
अखाडयिष्यः अखाडयिष्यतम् अखाडयिष्यत
अखाडयिष्यम् अखाडयिष्याव अखाडयिष्याम

1528 खण्डु (खण्डु) भेदे 61

व० खण्डयति खण्डयतः खण्डयन्ति
खण्डयसि खण्डयथः खण्डयथ
खण्डयामि खण्डयावः खण्डयामः
स० खण्डयेत् खण्डयेताम् खण्डयेयुः
खण्डयेः खण्डयेतम् खण्डयेत
खण्डयेयम् खण्डयेव खण्डयेम
प० खण्डयतु-खण्डयतात्खण्डयताम् खण्डयन्तु
खण्डय , खण्डयतम् खण्डयत
खण्डयानि खण्डयाव खण्डयाम
ख० अखण्डयत् अखण्डयताम् अखण्डयन्
अखण्डयः अखण्डयतम् अखण्डयत
अखण्डयम् अखण्डयाव अखण्डयाम
अ० अचखण्डत् अचखण्डताम् अचखण्डन्
अचखण्डः अचखण्डतम् अचखण्डत
अचखण्डम् अचखण्डाव अचखण्डाम
खण्डयाञ्चकारखण्डयाञ्चक्रुःखण्डयाञ्चक्रुः
खण्डयाञ्चकथखण्डयाञ्चक्रुःखण्डयाञ्चक्रुः
चण्डयाञ्चकार-करखण्डयाञ्चक्रुः-याञ्चक्रुः
आ० खण्ड्यात् खण्ड्यास्तम् खण्ड्यासुः
खण्ड्याः खण्ड्यास्तम् खण्ड्यास्त
खण्ड्यासम् खण्ड्यास्व खण्ड्यास्म
भ्व० खण्डयिता खण्डयितारौ खण्डयितारः
खण्डयितासिखण्डयितास्थःखण्डयितास्थ
खण्डयितास्मिखण्डयितास्वःखण्डयितास्म
भ० खण्डयिष्यतिखण्डयिष्यतःखण्डयिष्यन्ति
खण्डयिष्यसिखण्डयिष्यथःखण्डयिष्यथ
खण्डयिष्यामिखण्डयिष्यावःखण्डयिष्यामः
अखण्डयिष्यत् अखण्डयिष्यताम् — , यिष्यन्
अखण्डयिष्यः अखण्डयिष्यतम् — , यिष्यन्
अखण्डयिष्यम् अखण्डयिष्याव — , यिष्याम

1629 कडुण (कडू) खण्डने च ।

चकाराद्भेदने 62

व० कण्डयति कण्डयतः कण्डयन्ति

कण्डयसि कण्डयथः कण्डयथ

कण्डयामि कण्डयावः कण्डयामः

स० कण्डयेत् कण्डयेताम् कण्डयेयुः

कण्डयेः कण्डयेतम् कण्डयेत

कण्डयेयम् कण्डयेव कण्डयेम

य० कण्डयतुकण्डयतात् कण्डयताम् कण्डयन्तु

कण्डय , कण्डयतम् कण्डयत

कण्डयानि कण्डयाव कण्डयाम

झ० अकण्डयत् अकण्डयताम् अकण्डयन्

अकण्डयः अकण्डयतम् अकण्डयत

अकण्डयम् अकण्डयाव अकण्डयाम

अ० अचकण्डत् अचकण्डताम् अचकण्डन्

अचकण्डः अचकण्डतम् अचकण्डत

अचकण्डम् अचकण्डाव अचकण्डाम

अचकण्डेत् अचकण्डेताम् अचकण्डेन् इ०

प कण्डयाञ्चकार कण्डयाञ्चकतुः कण्डयाञ्चकः

कण्डयाञ्चकथ कण्डयाञ्चकथुः कण्डयाञ्चक

कण्डयाञ्चकार-चकण्डयाञ्चकृव-याञ्चकृम

कण्डयाम्बभूव कण्डयामास

आ० कण्ड्यात् कण्ड्यास्ताम् कण्ड्यायुः

कण्ड्याः कण्ड्यास्तम् कण्ड्यास्त

कण्ड्यासम् कण्ड्यास्व कण्ड्यास्म

इव० कण्डयिता कण्डयितारौ कण्डयितारः

कण्डयितासि कण्डयितास्थः कण्डयितास्थ

कण्डयितास्मि कण्डयितास्वः कण्डयितास्मः

भ० कण्डयिष्यति कण्डयिष्यतः कण्डयिष्यन्ति

कण्डयिष्यति कण्डयिष्यथः कण्डयिष्यथ

कण्डयिष्यामि कण्डयिष्यावः कण्डयिष्यामः

अकण्डयिष्यत् अकण्डयिष्यताम् अकण्डयिष्यन्

अकण्डयिष्यः अकण्डयिष्यतम् अकण्डयिष्यत

अकण्डयिष्यम् अकण्डयिष्याव अकण्डयिष्याम

1630 कुडुण (कुण्ड) रक्षणे 63

व० कुण्डयति कुण्डयतः कुण्डयन्ति

कुण्डयसि कुण्डयथः कुण्डयथ

कुण्डयामि कुण्डयावः कुण्डयामः

स० कुण्डयेत् कुण्डयेताम् कुण्डयेयुः

कुण्डयेः कुण्डयेतम् कुण्डयेत

कुण्डयेयम् कुण्डयेव कुण्डयेम

प० कुण्डयतुकुण्डयतात् कुण्डयताम् कुण्डयन्तु

कुण्डय , कुण्डयतम् कुण्डयत

कुण्डयानि कुण्डयाव कुण्डयाम

झ० अकुण्डयत् अकुण्डयताम् अकुण्डयन्

अकुण्डयः अकुण्डयतम् अकुण्डयत

अकुण्डयम् अकुण्डयाव अकुण्डयाम

अ० अचुकुण्डत् अचुकुण्डताम् अचुकुण्डन्

अचुकुण्डः अचुकुण्डतम् अचुकुण्डत

अचुकुण्डम् अचुकुण्डाव अचुकुण्डाम

प० कुण्डयाञ्चकार कुण्डयाञ्चकतुः कुण्डयाञ्चकः

कुण्डयाञ्चकथ कुण्डयाञ्चकथुः कुण्डयाञ्चक

कुण्डयाञ्चकार-कर कुण्डयाञ्चकृव-ञ्चकृम

कुण्डयाम्बभूव कुण्डयामास

आ० कुण्ड्यात् कुण्ड्यास्ताम् कुण्ड्यायुः

कुण्ड्याः कुण्ड्यास्तम् कुण्ड्यास्त

कुण्ड्यासम् कुण्ड्यास्व कुण्ड्यास्म

प्र० कुण्डयिता कुण्डयितारौ कुण्डयितारः

कुण्डयितासि कुण्डयितास्थः कुण्डयितास्थ

कुण्डयितास्मि कुण्डयितास्वः कुण्डयितास्मः

भ० कुण्डयिष्यति कुण्डयिष्यतः कुण्डयिष्यन्ति

कुण्डयिष्यति कुण्डयिष्यथः कुण्डयिष्यथ

कुण्डयिष्यामि कुण्डयिष्यावः कुण्डयिष्यामः

अकुण्डयिष्यत् अकुण्डयिष्यताम् अकुण्डयिष्यन्

अकुण्डयिष्यः अकुण्डयिष्यतम् अकुण्डयिष्यत

अकुण्डयिष्यम् अकुण्डयिष्याव अकुण्डयिष्याम

1631 गुण्ड (गुण्ड) वेष्टने च । 64

चकाराद्रक्षणे ।

व० गुण्डयति गुण्डयतः गुण्डयन्ति
गुण्डयसि गुण्डयथः गुण्डयथ
गुण्डयामि गुण्डयावः गुण्डयामः
स० गुण्डयेत् गुण्डयेताम् गुण्डयेयुः
गुण्डयेः गुण्डयेतम् गुण्डयेत
गुण्डयेयम् गुण्डयेव गुण्डयेम
प० गुण्डयतुगुण्डयतात् गुण्डयताम् गुण्डयन्तु
गुण्डय , गुण्डयतम् गुण्डयत
गुण्डयानि गुण्डयाव गुण्डयाम
झ० अगुण्डयत् अगुण्डयताम् अगुण्डयन्
अगुण्डयः अगुण्डयतम् अगुण्डयत
अगुण्डयम् अगुण्डयाव अगुण्डयाम
अ० अजुगुण्डत् अजुगुण्डताम् अजुगुण्डन्
अजुगुण्डः अजुगुण्डतम् अजुगुण्डत
अजुगुण्डम् अजुगुण्डाव अजुगुण्डाम
प० गुण्डयाञ्चकारगुण्डयाञ्चक्रुः गुण्डयाञ्चक्रुः
गुण्डयाञ्चकथेगुण्डयाञ्चक्रुः गुण्डयाञ्चक्रुः
गुण्डयाञ्चकार-कर गुण्डयाञ्चकृव-ञ्चक्रुम्
गुण्डयाम्बभूव गुण्डयामास
आ० गुण्डयात् गुण्डयास्ताम् गुण्डयातुः
गुण्डयाः गुण्डयास्तम् गुण्डयास्त
गुण्डयासम् गुण्डयास्व गुण्डयास्म
श्व० गुण्डयिता गुण्डयिताः गुण्डयितारः
गुण्डयितासि गुण्डयितास्थः गुण्डयितास्थ
गुण्डयितास्मिगुण्डयितास्वःगुण्डयितास्मः
भ० गुण्डयिष्यतिगुण्डयिष्यतःगुण्डयिष्यन्ति
गुण्डयिष्यसि गुण्डयिष्यथः गुण्डयिष्यथ
गुण्डयिष्यामि गुण्डयिष्यावःगुण्डयिष्यामः
अगुण्डयिष्यत् अगुण्डयिष्यताम् अगुण्डयिष्यन्
अगुण्डयिष्यः अगुण्डयिष्यतम् अगुण्डयिष्यत
अगुण्डयिष्यम् अगुण्डयिष्याव अगुण्डयिष्याम

1632 चुण्ड (चुण्ड) वेष्टने 65

व० चुण्डयति चुण्डयतः चुण्डयन्ति
चुण्डयसि चुण्डयथः चुण्डयथ
चुण्डयामि चुण्डयावः चुण्डयामः
स० चुण्डयेत् चुण्डयेताम् चुण्डयेयुः
चुण्डयेः चुण्डयेतम् चुण्डयेत
चुण्डयेयम् चुण्डयेव चुण्डयेम
प० चुण्डयतुचुण्डयतात् चुण्डयताम् चुण्डयन्तु
चुण्डय , चुण्डयतम् चुण्डयत
चुण्डयानि चुण्डयाव चुण्डयाम
झ० अचुण्डयत् अचुण्डयताम् अचुण्डयन्
अचुण्डयः अचुण्डयतम् अचुण्डयत
अचुण्डयम् अचुण्डयाव अचुण्डयाम
अ० अचुचुण्डत् अचुचुण्डताम् अचुचुण्डन्
अचुचुण्डः अचुचुण्डतम् अचुचुण्डत
अचुचुण्डम् अचुचुण्डाव अचुचुण्डाम
प० चुण्डयाञ्चकारचुण्डयाञ्चक्रुः चुण्डयाञ्चक्रुः
चुण्डयाञ्चकथेचुण्डयाञ्चक्रुः चुण्डयाञ्चक्रुः
चुण्डयाञ्चकार-चक्रुचुण्डयाञ्चकृव-याञ्चक्रुम्
चुण्डयाम्बभूव चुण्डयामास
आ० चुण्डयात् चुण्डयास्ताम् चुण्डयातुः
चुण्डयाः चुण्डयास्तम् चुण्डयास्त
चुण्डयासम् चुण्डयास्व चुण्डयास्म
श्व० चुण्डयिता चुण्डयितारौ चुण्डयितारः
चुण्डयितासि चुण्डयितास्थः चुण्डयितास्थ
चुण्डयितास्मि चुण्डयितास्वः चुण्डयितास्मः
भ० चुण्डयिष्यतिचुण्डयिष्यतः चुण्डयिष्यन्ति
चुण्डयिष्यसि चुण्डयिष्यथः चुण्डयिष्यथ
चुण्डयिष्यामि चुण्डयिष्यावःचुण्डयिष्यामः
अचुण्डयिष्यत् अचुण्डयिष्यताम् अचुण्डयिष्यन्
अचुण्डयिष्यः अचुण्डयिष्यतम् अचुण्डयिष्यत
अचुण्डयिष्यम् अचुण्डयिष्याव अचुण्डयिष्याम

1633 मडुण् (मण्ड्) भूषायाम् । 66 1634 भडुण् (भण्ड्) कल्याणे । 67

व० मण्डयति मण्डयतः मण्डयन्ति
मण्डयसि मण्डयथः मण्डयथ
मण्डयामि मण्डयावः मण्डयामः

स० मण्डयेत् मण्डयेताम् मण्डयेयुः
मण्डयेः मण्डयेतम् मण्डयेत
मण्डयेयम् मण्डयेव मण्डयेम

प० मण्डयतु-मण्डयतात् मण्डयताम् मण्डयन्तु
मण्डय , मण्डयतम् मण्डयत
मण्डयानि मण्डयाव मण्डयाम

झ० अमण्डयत् अमण्डयताम् अमण्डयन्
अमण्डयः अमण्डयतम् अमण्डयत
अमण्डयम् अमण्डयाव अमण्डयाम

अ० अमण्डत् अमण्डताम् अमण्डन्
अमण्डः अमण्डतम् अमण्डन्
अमण्डम् अमण्डाव अमण्डाम

प० मण्डयाञ्चकार मण्डयाञ्चक्रुः मण्डयाञ्चकुः
मण्डयाञ्चकथं मण्डयाञ्चक्रुः मण्डयाञ्चक्र
मण्डयाञ्चकार-कर मण्डयाञ्चकृव-याञ्चक्रम
मण्डयाञ्चभूव मण्डयामास

आ० मण्ड्यात् मण्ड्यास्ताम् मण्ड्यासुः
मण्ड्याः मण्ड्यास्तम् मण्ड्यास्त
मण्ड्यासम् मण्ड्यास्व मण्ड्यास्म

श्व० मण्डयिता मण्डयितारौ मण्डयितारः
मण्डयितासि मण्डयितास्थः मण्डयितास्थ
मण्डयितास्मि मण्डयितास्वः मण्डयितास्मः

भ० मण्डयिष्यति मण्डयिष्यतः मण्डयिष्यन्ति
मण्डयिष्यसि मण्डयिष्यथः मण्डयिष्यथ
मण्डयिष्यामि मण्डयिष्यावः मण्डयिष्यामः

अमण्डयिष्यत् अमण्डयिष्यताम् अमण्डयिष्यन्
अमण्डयिष्यः अमण्डयिष्यतम् अमण्डयिष्यत
अमण्डयिष्यम् अमण्डयिष्याव अमण्डयिष्याम

व० भण्डयति भण्डयतः भण्डयन्ति
भण्डयसि भण्डयथः भण्डयथ
भण्डयामि भण्डयावः भण्डयामः

स० भण्डयेत् भण्डयेताम् भण्डयेयुः
भण्डयेः भण्डयेतम् भण्डयेत
भण्डयेयम् भण्डयेव भण्डयेम

प० भण्डयतु-भण्डयतात् भण्डयताम् भण्डयन्तु
भण्डय , भण्डयतम् भण्डयत
भण्डयानि भण्डयाव भण्डयाम

झ० अभण्डयत् अभण्डयताम् अभण्डयन्
अभण्डयः अभण्डयतम् अभण्डयत
अभण्डयम् अभण्डयाव अभण्डयाम

अ० अवभण्डत् अवभण्डताम् अवभण्डन्
अवभण्डः अवभण्डतम् अवभण्डन्
अवभण्डम् अवभण्डाव अवभण्डाम

प० भण्डयाञ्चकार भण्डयाञ्चक्रुः भण्डयाञ्चकुः
भण्डयाञ्चकथं भण्डयाञ्चक्रुः भण्डयाञ्चक्र
भण्डयाञ्चकार-कर भण्डयाञ्चकृव-याञ्चक्रम
भण्डयाञ्चभूव भण्डयामास

आ० भण्ड्यात् भण्ड्यास्ताम् भण्ड्यासुः
भण्ड्याः भण्ड्यास्तम् भण्ड्यास्त
भण्ड्यासम् भण्ड्यास्व भण्ड्यास्म

श्व० भण्डयिता भण्डयितारौ भण्डयितारः
भण्डयितासि भण्डयितास्थः भण्डयितास्थ
भण्डयितास्मि भण्डयितास्वः भण्डयितास्मः

भ० भण्डयिष्यति भण्डयिष्यतः भण्डयिष्यन्ति
भण्डयिष्यसि भण्डयिष्यथः भण्डयिष्यथ
भण्डयिष्यामि भण्डयिष्यावः भण्डयिष्यामः

अभण्डयिष्यत् अभण्डयिष्यताम् अभण्डयिष्यन्
अभण्डयिष्यः अभण्डयिष्यतम् अभण्डयिष्यत
अभण्डयिष्यम् अभण्डयिष्याव अभण्डयिष्याम
भटुण् इत्येके तन्मते भन्दयतीत्यादि ।

1635 पिण्ड् (पिण्ड्) संधाते । 68

व० पिण्डयति पिण्डयतः पिण्डयन्ति
 पिण्डयसि पिण्डयथः पिण्डयथ
 पिण्डयामि पिण्डयावः पिण्डयामः
 स० पिण्डयेत् पिण्डयेताम् पिण्डयेयुः
 पिण्डयेः पिण्डयेतम् पिण्डयेत
 पिण्डयेयम् पिण्डयेव पिण्डयेम
 प० पिण्डयतु पिण्डयतात् पिण्डयताम् पिण्डयन्तु
 पिण्डयः पिण्डयतम् पिण्डयत
 पिण्डयानि पिण्डयाव पिण्डयाम
 झ० अपिण्डयत् अपिण्डयताम् अपिण्डयन्
 अपिण्डयः अपिण्डयतम् अपिण्डयत
 अपिण्डयम् अपिण्डयाव अपिण्डयाम
 अ० अपिण्डयत् अपिण्डयताम् अपिण्डयन्
 अनिपिण्डः अपिण्डयतम् अपिण्डयत
 अपिण्डयम् अपिण्डयाव अपिण्डयाम
 पिण्डयाञ्चकार पिण्डयाञ्चक्रुः पिण्डयाञ्चकु
 पिण्डयाञ्चकथ पिण्डयाञ्चकथुः पिण्डयाञ्चक
 पिण्डयाञ्चकार-कर पिण्डयाञ्चकृव याञ्चकृम
 पिण्डयाम्बभूव पिण्डयामास
 आ० पिण्डयात् पिण्डयास्ताम् पिण्डयासुः
 पिण्डयाः पिण्डयास्तम् पिण्डयास्त
 पिण्डयासम् पिण्डयास्व पिण्डयास्म
 ष्व० पिण्डयिता पिण्डयितारौ पिण्डयितारः
 पिण्डयितासि पिण्डयितास्थः पिण्डयितास्थ
 पिण्डयितास्मि पिण्डयितास्वः पिण्डयितास्मः
 भ० पिण्डयिष्यति पिण्डयिष्यतः पिण्डयिष्यन्ति
 पिण्डयिष्यसि पिण्डयिष्यथः पिण्डयिष्यथ
 पिण्डयिष्यामि पिण्डयिष्यावः पिण्डयिष्यामः
 अपिण्डयिष्यत् अपिण्डयिष्यताम् —, यिष्यन्
 अपिण्डयिष्यः अपिण्डयिष्यतम् —, यिष्यत
 अपिण्डयिष्यम् अपिण्डयिष्याव —, यिष्याम
 पईण् इत्येके तन्मते पण्डयतीत्याद्यपि

1636 ईड् (ईड्) स्तुतौ 69

व० ईड्यति ईड्यतः ईड्यन्ति
 ईड्यसि ईड्यथः ईड्यथ
 ईड्यामि ईड्यावः ईड्यामः
 स० ईड्येत् ईड्येताम् ईड्येयुः
 ईड्येः ईड्येताम् ईड्येताम्
 ईड्येयम् ईड्येव ईड्येम
 प० ईड्यतु ईड्यतात् ईड्यताम् ईड्यन्तु
 ईड्यः ईड्यतम् ईड्यत
 ईड्यानि ईड्याव ईड्याम
 झ० ऐड्यत् ऐड्यताम् ऐड्यन्
 ऐड्यः ऐड्यतम् ऐड्यत
 ऐड्यम् ऐड्याव ऐड्याम
 अ० ऐड्यत् ऐड्यताम् ऐड्यन्
 ऐड्यः ऐड्यतम् ऐड्यत
 ऐड्यम् ऐड्याव ऐड्याम
 प० ईड्याञ्चकार ईड्याञ्चक्रुः ईड्याञ्चकुः
 ईड्याञ्चकथ ईड्याञ्चकथुः ईड्याञ्चक
 ईड्याञ्चकार-चकर ईड्याञ्चकृव ईड्याञ्चकृम
 ईड्याम्बभूव ईड्यामास
 आ० ईड्यात् ईड्यास्ताम् ईड्यासुः
 ईड्याः ईड्यास्तम् ईड्यास्त
 ईड्यासम् ईड्यास्व ईड्यास्म
 ष्व० ईड्यिता ईड्यितारौ ईड्यितारः
 ईड्यितासि ईड्यितास्थः ईड्यितस्थ
 ईड्यितास्मि ईड्यितास्वः ईड्यितास्मः
 भ० ईड्यिष्यति ईड्यिष्यतः ईड्यिष्यन्ति
 ईड्यिष्यसि ईड्यिष्यथः ईड्यिष्यथ
 ईड्यिष्यामि ईड्यिष्यावः ईड्यिष्यामः
 क्रि० ऐड्यित ऐड्यितताम् ऐड्यित
 ऐड्यितः ऐड्यिततम् ऐड्यित
 ऐड्यितम् ऐड्यिताव ऐड्यिताम

1937 चण्डण् (चण्ड्) कोपे 70

च० चण्डयति चण्डयतः चण्डयन्ति
चण्डयसि चण्डयथः चण्डयथ
चण्डयामि चण्डयावः चण्डयामः

स० चण्डयेत् चण्डयेताम् चण्डयेयुः
चण्डयेः चण्डयेतम् चण्डयेत
चण्डयेयम् चण्डयेव चण्डयेम

प० चण्डयतु चण्डयतात् चण्डयताम् चण्डयन्तु
चण्डय , चण्डयतम् चण्डयत
चण्डयानि चण्डयाव चण्डयाम

अ० अचण्डयत् अचण्डयताम् अचण्डयन्
अचण्डयः अचण्डयतम् अचण्डयत
अचण्डयम् अचण्डयाव अचण्डयाम

अ० अचचण्डेत् अचचण्डताम् अचचण्डन्
अचचण्डः अचचण्डतम् अचचण्डत
अचचण्डम् अचचण्डाव अचचण्डाम

प० चण्डयाञ्चकार चण्डयाञ्चकतुः चण्डयाञ्चकुः
चण्डयाञ्चकथं चण्डयाञ्चकथुः चण्डयाञ्चक
चण्डयाञ्चकार चण्डयाञ्चकृष चण्डयाञ्चकृम
चण्डयाम्भूष चण्डयामास

आ० चण्डयात् चण्डयास्ताम् चण्डयासुः
चण्डयाः चण्डयास्तम् चण्डयास्त
चण्डयासम् चण्डयास्व चण्डयास्म

भ० चण्डयिता चण्डयितारौ चण्डयितारः
चण्डयितासि चण्डयितास्थः चण्डयितास्थ
चण्डयितास्मि चण्डयितास्वः चण्डयितास्मः

भ० चण्डयिष्यति चण्डयिष्यतः चण्डयिष्यन्ति
चण्डयिष्यसि चण्डयिष्यथः चण्डयिष्यथ
चण्डयिष्यामि चण्डयिष्यावः चण्डयिष्यामः

अ० चण्डयिष्यत् अचण्डयिष्यताम् - यिष्यन्
अचण्डयिष्यः अचण्डयिष्यतम् - यिष्यत
अचण्डयिष्यम् अचण्डयिष्याव यिष्याम

1638 जुडण् (जुड्) प्रेरणे, प्रेरणं
दलनम् । 71

ज० जुडयति जुडयतः जुडयन्ति
जुडयसि जुडयथः जुडयथ
जुडयामि जुडयावः जुडयामः

स० जुडयेत् जुडयेताम् जुडयेयुः
जुडयेः जुडयेतम् जुडयेत
जुडयेयम् जुडयेव जुडयेम

प० जुडयतु जुडयतात् जुडयताम् जुडयन्तु
जुडय , जुडयतम् जुडयत
जुडयानि जुडयाव जुडयाम

अ० अजुडयत् अजुडयताम् अजुडयन्
अजुडयः अजुडयतम् अजुडयत
अजुडयम् अजुडयाव अजुडयाम

अ० अजुजुडत् अजुजुडताम् अजुजुडन्
अजुजुडः अजुजुडतम् अजुजुडत
अजुजुडम् अजुजुडाव अजुजुडाम

प० जुडयाञ्चकार जुडयाञ्चकतुः जुडयाञ्चकुः
जुडयाञ्चकथं जुडयाञ्चकथुः जुडयाञ्चक
जुडयाञ्चकार जुडयाञ्चकृष जुडयाञ्चकृम
जुडयाम्भूष जुडयामास

आ० जुडयात् जुडयास्ताम् जुडयासुः
जुडयाः जुडयास्तम् जुडयास्त
जुडयासम् जुडयास्व जुडयास्म

भ० जुडयिता जुडयितारौ जुडयितारः
जुडयितासि जुडयितास्थः जुडयितास्थ
जुडयितास्मि जुडयितास्वः जुडयितास्मः

भ० जुडयिष्यति जुडयिष्यतः जुडयिष्यन्ति
जुडयिष्यसि जुडयिष्यथः जुडयिष्यथ
जुडयिष्यामि जुडयिष्यावः जुडयिष्यामः

अजुडयिष्यत् अजुडयिष्यताम् अजुडयिष्यन्
अजुडयिष्यः अजुडयिष्यतम् अजुडयिष्यन्त
अजुडयिष्यम् अजुडयिष्याव अजुडयिष्याम

अथ णान्ताः षट्

1636 चूर्णण् (चूर्ण) प्रेरणे ।

प्रेरणं दलनम् । 72

| | | |
|------------------------|------------------|-----------------|
| च० चूर्णयति | चूर्णयतः | चूर्णयन्ति |
| चूर्णयसि | चूर्णयथः | चूर्णयथ |
| चूर्णयामि | चूर्णयावः | चूर्णयामः |
| स० चूर्णयेत् | चूर्णयेताम् | चूर्णयेयुः |
| चूर्णयेः | चूर्णयेतम् | चूर्णयेत |
| चूर्णयेयम् | चूर्णयेव | चूर्णयेम |
| प० चूर्णयतु-चूर्णयतात् | चूर्णयताम् | चूर्णयन्तु |
| चूर्णय | चूर्णयतम् | चूर्णयत |
| चूर्णयानि | चूर्णयाव | चूर्णयाम |
| झ० अचूर्णयत् | अचूर्णयताम् | अचूर्णयन् |
| अचूर्णयः | अचूर्णयतम् | अचूर्णयत |
| अचूर्णयम् | अचूर्णयाव | अचूर्णयाम |
| अ० अचुचूर्णत् | अचुचूर्णताम् | अचुचूर्णन् |
| अचुचूर्णः | अचुचूर्णतम् | अचुचूर्णत |
| अचुचूर्णम् | अचुचूर्णाव | अचुचूर्णाम |
| प० चूर्णयाञ्चकार | चूर्णयाञ्चक्रतुः | चूर्णयाञ्चक्रुः |
| चूर्णयाञ्चकथं | चूर्णयाञ्चकथुः | चूर्णयाञ्चक |
| चूर्णयाञ्चकार कर | चूर्णयाञ्चकृव | याञ्चकृम |
| चूर्णयाम्बभूव | चूर्णयामास | |
| आ० चूर्णयात् | चूर्णयास्ताम् | चूर्णयासुः |
| चूर्णयाः | चूर्णयास्तम् | चूर्णयास्त |
| चूर्णयासम् | चूर्णयास्व | चूर्णयास्म |
| प्र० चूर्णयिता | चूर्णयितारौ | चूर्णयितारः |
| चूर्णयितासि | चूर्णयितास्यः | चूर्णयितास्य |
| चूर्णयितास्मि | चूर्णयितास्वः | चूर्णयितास्मः |
| भ० चूर्णयिष्यति | चूर्णयिष्यतः | चूर्णयिष्यन्ति |
| चूर्णयिष्यसि | चूर्णयिष्यथः | चूर्णयिष्यथ |
| चूर्णयिष्यामि | चूर्णयिष्यावः | चूर्णयिष्यामः |
| क्रि० अचूर्णयिष्यत् | अचूर्णयिष्यताम् | अचूर्णयिष्यन् |
| अचूर्णयिष्यः | अचूर्णयिष्यतम् | अचूर्णयिष्यत |
| अचूर्णयिष्यम् | अचूर्णयिष्याव | अचूर्णयिष्याम |

1640 वर्णण् (वर्ण) प्रेरणे ।

प्रेरणं दलनम् । 73

| | | |
|----------------------|-----------------|----------------|
| व० वर्णयति | वर्णयतः | वर्णयन्ति |
| वर्णयसि | वर्णयथः | वर्णयथ |
| वर्णयामि | वर्णयावः | वर्णयामः |
| स० वर्णयेत् | वर्णयेताम् | वर्णयेयुः |
| वर्णयेः | वर्णयेतम् | वर्णयेत |
| वर्णयेयम् | वर्णयेव | वर्णयेम |
| प० वर्णयतु-वर्णयतात् | वर्णयताम् | वर्णयन्तु |
| वर्णय | वर्णयतम् | वर्णयत |
| वर्णयानि | वर्णयाव | वर्णयाम |
| झ० अवर्णयत् | अवर्णयताम् | अवर्णयन् |
| अवर्णयः | अवर्णयतम् | अवर्णयत |
| अवर्णयम् | अवर्णयाव | अवर्णयाम |
| अ० अववर्णत् | अववर्णताम् | अववर्णन् |
| अववर्णः | अववर्णतम् | अववर्णत |
| अववर्णम् | अववर्णाव | अववर्णाम |
| प० वर्णयाञ्चकार | वर्णयाञ्चक्रतुः | वर्णयाञ्चक्रुः |
| वर्णयाञ्चकथं | वर्णयाञ्चकथुः | वर्णयाञ्चक |
| वर्णयाञ्चकार कर | वर्णयाञ्चकृव | याञ्चकृम |
| वर्णयाम्बभूव | वर्णयामास | |
| आ० वर्णयात् | वर्णयास्ताम् | वर्णयासुः |
| वर्णयाः | वर्णयास्तम् | वर्णयास्त |
| वर्णयासम् | वर्णयास्व | वर्णयास्म |
| प्र० वर्णयिता | वर्णयितारौ | वर्णयितारः |
| वर्णयितासि | वर्णयितास्यः | वर्णयितास्य |
| वर्णयितास्मि | वर्णयितास्वः | वर्णयितास्मः |
| भ० वर्णयिष्यति | वर्णयिष्यतः | वर्णयिष्यन्ति |
| वर्णयिष्यसि | वर्णयिष्यथः | वर्णयिष्यथ |
| वर्णयिष्यामि | वर्णयिष्यावः | वर्णयिष्यामः |
| क्रि० अवर्णयिष्यत् | अवर्णयिष्यताम् | अवर्णयिष्यन् |
| अवर्णयिष्यः | अवर्णयिष्यतम् | अवर्णयिष्यत |
| अवर्णयिष्यम् | अवर्णयिष्याव | अवर्णयिष्याम |

1641 चूण् (चूण्) संकोचने 74

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० चूणयति | चूणयतः | चूणयन्ति |
| चूणयसि | चूणयथः | चूणयथ |
| चूणयामि | चूणयावः | चूणयामः |
| स० चूणयेत् | चूणयेताम् | चूणयेयुः |
| चूणयेः | चूणयेतम् | चूणयेत |
| चूणयेयम् | चूणयेव | चूणयेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० चूणयतु | चूणयतात् | चूणयताम् | चूणयन्तु |
| चूणय | चूणयतम् | चूणयत | |
| चूणयानि | चूणयाव | चूणयाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अचूणयत् | अचूणयताम् | अचूणयन् |
| अचूणयः | अचूणयतम् | अचूणयत |
| अचूणयम् | अचूणयाव | अचूणयाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| अ० अचुचूणत् | अचुचूणताम् | अचुचूणन् |
| अचुचूणः | अचुचूणतम् | अचुचूणत |
| अचुचूणम् | अचुचूणाव | अचुचूणाम |

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| प० चूणयाञ्चकार | चूणयाञ्चक्रतुः | चूणयाञ्चक्रुः |
| चूणयाञ्चकथं | चूणयाञ्चकथुः | चूणयाञ्चक |
| चूणयाञ्चकार कर | चूणयाञ्चकृच | याञ्चकृम |

चूणयाञ्चभूष चूणयामास

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० चूण्यात् | चूण्यास्ताम् | चूण्यासुः |
| चूण्याः | चूण्यास्तम् | चूण्यास्त |
| चूण्यासम् | चूण्यास्व | चूण्यास्म |

| | | |
|---------------|-------------|-------------|
| श्व० चूणयिता | चूणयितारौ | चूणयितारः |
| चूणयितासि | चूणयितास्थः | चूणयितास्थ |
| चूणयितास्मिन् | चूणयितास्वः | चूणयितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० चूणयिष्यति | चूणयिष्यतः | चूणयिष्यन्ति |
| चूणयिष्यसि | चूणयिष्यथः | चूणयिष्यथ |
| चूणयिष्यामि | चूणयिष्यावः | चूणयिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अचूणयिष्यत् | अचूणयिष्यताम् | अचूणयिष्यन् |
| अचूणयिष्यः | अचूणयिष्यतम् | अचूणयिष्यत |
| अचूणयिष्यम् | अचूणयिष्याव | अचूणयिष्याम |

1642 तूण् (तूण्) संकोचने 75

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० तूणयति | तूणयतः | तूणयन्ति |
| तूणयसि | तूणयथः | तूणयथ |
| तूणयामि | तूणयावः | तूणयामः |
| स० तूणयेत् | तूणयेताम् | तूणयेयुः |
| तूणयेः | तूणयेतम् | तूणयेत |
| तूणयेयम् | तूणयेव | तूणयेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० तूणयतु | तूणयतात् | तूणयताम् | तूणयन्तु |
| तूणय | तूणयतम् | तूणयत | |
| तूणयानि | तूणयाव | तूणयाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अतूणयत् | अतूणयताम् | अतूणयन् |
| अतूणयः | अतूणयतम् | अतूणयत |
| अतूणयम् | अतूणयाव | अतूणयाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| अ० अतुतूणत् | अतुतूणताम् | अतुतूणन् |
| अतुतूणः | अतुतूणतम् | अतुतूणत |
| अतुतूणम् | अतुतूणाव | अतुतूणाम |

| | | |
|---------------------|----------------------|---------------|
| प० तूणयाञ्चकार | तूणयाञ्चक्रतुः | तूणयाञ्चक्रुः |
| तूणयाञ्चकथं | तूणयाञ्चकथुः | तूणयाञ्चक |
| तूणयाञ्चकार-याञ्चकर | तूणयाञ्चकृच-याञ्चकृम | |
| तूणयाञ्चभूष | तूणयामास | |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० तूण्यात् | तूण्यास्ताम् | तूण्यासुः |
| तूण्याः | तूण्यास्तम् | तूण्यास्त |
| तूण्यासम् | तूण्यास्व | तूण्यास्म |

| | | |
|---------------|-------------|-------------|
| श्व० तूणयिता | तूणयितारौ | तूणयितारः |
| तूणयितासि | तूणयितास्थः | तूणयितास्थ |
| तूणयितास्मिन् | तूणयितास्वः | तूणयितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० तूणयिष्यति | तूणयिष्यतः | तूणयिष्यन्ति |
| तूणयिष्यसि | तूणयिष्यथः | तूणयिष्यथ |
| तूणयिष्यामि | तूणयिष्यावः | तूणयिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अतूणयिष्यत् | अतूणयिष्यताम् | अतूणयिष्यन् |
| अतूणयिष्यः | अतूणयिष्यतम् | अतूणयिष्यत |
| अतूणयिष्यम् | अतूणयिष्याव | अतूणयिष्याम |

1643 अणण् (अण्) दाने 76

| | | | |
|-------|-------------------|---------------|--------------|
| व० | आणयति | आणयतः | आणयन्ति |
| | आणयसि | आणयथः | आणयथ |
| | आणयामि | आणयावः | आणयामः |
| स० | आणयेत् | आणयेताम् | आणयेयुः |
| | आणयेः | आणयेतम् | आणयेत |
| | आणयेयम् | आणयेव | आणयेम |
| प० | आणयतु | आणयतात् | आणयताम् |
| | आणय | आणयतम् | आणयत |
| | आणयानि | आणयाव | आणयाम |
| झ० | अआणयत् | अआणयताम् | अआणयन् |
| | अआणयः | अआणयतम् | अआणयत |
| | अआणयम् | अआणयाव | अआणयाम |
| अ० | अशिअणत् | अशिअणताम् | अशिअणन् |
| | अशिअणः | अशिअणतम् | अशिअणत |
| | अशिअणम् | अशिअणाव | अशिअणाम |
| | अशआणत् | अशआणताम् | अशआणन् इ० |
| प० | आणयाञ्चकार | आणयाञ्चक्रतुः | आणयाञ्चक्रुः |
| | आणयाञ्चकर्थ | आणयाञ्चकथुः | आणयाञ्चक |
| | आणयाञ्चकार-ञ्चक्र | आणयाञ्चकृव | आणयाञ्चकृम |
| | आणयाञ्चभूव | आणयाञ्चमास | |
| आ० | आणयात् | आणयास्ताम् | आणयासुः |
| | आण्याः | आण्यास्तम् | आण्यास्त |
| | आण्यासम् | आण्यास्व | आण्यासम् |
| श्व० | आणयिता | आणयितारौ | आणयितारः |
| | आणयितासि | आणयितास्थः | आणयितास्थ |
| | आणयितास्मि | आणयितास्वः | आणयितास्मः |
| भ० | आणयिष्यति | आणयिष्यतः | आणयिष्यन्ति |
| | आणयिष्यसि | आणयिष्यथः | आणयिष्यथ |
| | आणयिष्यामि | आणयिष्यावः | आणयिष्यामः |
| क्रि० | अआणयिष्यत् | अआणयिष्यताम् | अआणयिष्यन् |
| | अआणयिष्यः | अआणयिष्यतम् | अआणयिष्यत |
| | अआणयिष्यम् | अआणयिष्याव | अआणयिष्याम |

1644 पूणण् (पूण्) सघाते । 77

| | | | |
|-------|--------------------|----------------|---------------|
| व० | पूणयति | पूणयतः | पूणयन्ति |
| | पूणयसि | पूणयथः | पूणयथ |
| | पूणयामि | पूणयावः | पूणयामः |
| स० | पूणयेत् | पूणयेताम् | पूणयेयुः |
| | पूणयेः | पूणयेतम् | पूणयेत |
| | पूणयेयम् | पूणयेव | पूणयेम |
| प० | पूणयतु | पूणयतात् | पूणयताम् |
| | पूणय | पूणयतम् | पूणयत |
| | पूणयानि | पूणयाव | पूणयाम |
| झ० | अपूणयत् | अपूणयताम् | अपूणयन् |
| | अपूणयः | अपूणयतम् | अपूणयत |
| | अपूणयम् | अपूणयाव | अपूणयाम |
| अ० | अपूणुणत् | अपूणुणताम् | अपूणुणन् |
| | अपूणुणः | अपूणुणतम् | अपूणुणत |
| | अपूणुणम् | अपूणुणाव | अपूणुणाम |
| प० | पूणयाञ्चकार | पूणयाञ्चक्रतुः | पूणयाञ्चक्रुः |
| | पूणयाञ्चकर्थ | पूणयाञ्चकथुः | पूणयाञ्चक |
| | पूणयाञ्चकार-ञ्चक्र | पूणयाञ्चकृव | पूणयाञ्चकृम |
| आ० | पूण्यात् | पूण्यास्ताम् | पूण्यासुः |
| | पूण्याः | पूण्यास्तम् | पूण्यास्त |
| | पूण्यासम् | पूण्यास्व | पूण्यासम् |
| श्व० | पूणयिता | पूणयितारौ | पूणयितारः |
| | पूणयितासि | पूणयितास्थः | पूणयितास्थ |
| | पूणयितास्मि | पूणयितास्वः | पूणयितास्मः |
| भ० | पूणयिष्यति | पूणयिष्यतः | पूणयिष्यन्ति |
| | पूणयिष्यसि | पूणयिष्यथः | पूणयिष्यथ |
| | पूणयिष्यामि | पूणयिष्यावः | पूणयिष्यामः |
| क्रि० | अपूणयिष्यत् | अपूणयिष्यताम् | अपूणयिष्यन् |
| | अपूणयिष्यः | अपूणयिष्यतम् | अपूणयिष्यत |
| | अपूणयिष्यम् | अपूणयिष्याव | अपूणयिष्याम |

अथ तान्ताः षट्

1645 चितुण् (चिन्त्) स्मृत्याम् । 78

व० चिन्तयति चिन्तयतः चिन्तयन्ति
चिन्तयसि चिन्तयथः चिन्तयथ
चिन्तयामि चिन्तयावः चिन्तयामः
स० चिन्तयेत् चिन्तयेताम् चिन्तयेयुः
चिन्तयेः चिन्तयेतम् चिन्तयेत
चिन्तयेयम् चिन्तयेव चिन्तयेम

प० चिन्तयतु चिन्तयतात् चिन्तयताम् चिन्तयन्तु
चिन्तय , चिन्तयतम् चिन्तयत
चिन्तयानि चिन्तयाव चिन्तयाम

द्व० अचिन्तयत् अचिन्तयताम् अचिन्तयन्
अचिन्तयः अचिन्तयतम् अचिन्तयत
अचिन्तयम् अचिन्तयाव अचिन्तयाम

अ० अचिचिन्तयत् अचिचिन्तयताम् अचिचिन्तयन्
अचिचिन्तयः अचिचिन्तयतम् अचिचिन्तयत
अचिचिन्तयम् अचिचिन्तयाव अचिचिन्तयाम

प० चिन्तयाञ्चकार चिन्तयाञ्चकः याञ्च चकु
चिन्तयाञ्चकर्थं चिन्तयाञ्चकथुः याञ्चक
चिन्तयाञ्चकार-कर चिन्तयाञ्चकृत्र याञ्चकृ
चिन्तयाञ्चभूष चिन्तयामास

आ० चिन्त्यात् चिन्त्यास्ताम् चिन्त्यासुः
चिन्त्याः चिन्त्यास्तम् चिन्त्यास्त
चिन्त्यासम् चिन्त्यास्व चिन्त्यास्म

प्र० चिन्तयिता चिन्तयितारौ चिन्तयितारः
चिन्तयितासि चिन्तयितास्थः चिन्तयितास्थ
चिन्तयितास्मि चिन्तयितास्वः चिन्तयितास्मः

भ० चिन्तयिष्यति चिन्तयिष्यतः चिन्तयिष्यन्ति
चिन्तयिष्यसि चिन्तयिष्यथः चिन्तयिष्यथ
चिन्तयिष्यामि चिन्तयिष्यावः चिन्तयिष्यामः

अचिन्तयिष्यत् अचिन्तयिष्यताम् - यिष्यन्
अचिन्तयिष्यः अचिन्तयिष्यतम् - यिष्यन्
अचिन्तयिष्यम् अचिन्तयिष्याव अचिन्तयिष्याम

1646 पुस्तण् (पुस्त) आदरानादरयोः 79

व० पुस्तयति पुस्तयतः पुस्तयन्ति
पुस्तयसि पुस्तयथः पुस्तयथ
पुस्तयामि पुस्तयावः पुस्तयामः

स० पुस्तयेत् पुस्तयेताम् पुस्तयेयुः
पुस्तयेः पुस्तयेतम् पुस्तयेत
पुस्तयेयम् पुस्तयेव पुस्तयेम

प० पुस्तयतु पुस्तयतात् पुस्तयताम् पुस्तयन्तु
पुस्तय , पुस्तयतम् पुस्तयत
पुस्तयानि पुस्तयाव पुस्तयाम

द्व० अपुस्तयत् अपुस्तयताम् अपुस्तयन्
अपुस्तयः अपुस्तयतम् अपुस्तयत
अपुस्तयम् अपुस्तयाव अपुस्तयाम

अ० अपुपुस्तयत् अपुपुस्तयताम् अपुपुस्तयन्
अपुपुस्तयः अपुपुस्तयतम् अपुपुस्तयत
अपुपुस्तयम् अपुपुस्ताव अपुपुस्ताम

प० पुस्तयाञ्चकार पुस्तयाञ्चकः पुस्तयाञ्चक
पुस्तयाञ्चकर्थं पुस्तयाञ्चकथुः पुस्तयाञ्चक
पुस्तयाञ्चकार-कर पुस्तयाञ्चकृत्र याञ्चकृ
पुस्तयाञ्चभूष पुस्तयामास

आ० पुस्त्यात् पुस्त्यास्ताम् पुस्त्यासुः
पुस्त्याः पुस्त्यास्तम् पुस्त्यास्त
पुस्त्यासम् पुस्त्यास्व पुस्त्यास्म

प्र० पुस्तयिता पुस्तयितारौ पुस्तयितारः
पुस्तयितासि पुस्तयितास्थः पुस्तयितास्थ
पुस्तयितास्मि पुस्तयितास्वः पुस्तयितास्मः

भ० पुस्तयिष्यति पुस्तयिष्यतः पुस्तयिष्यन्ति
पुस्तयिष्यसि पुस्तयिष्यथः पुस्तयिष्यथ
पुस्तयिष्यामि पुस्तयिष्यावः पुस्तयिष्यामः

अपुस्तयिष्यत् अपुस्तयिष्यताम् अपुस्तयिष्यन्
अपुस्तयिष्यः अपुस्तयिष्यतम् अपुस्तयिष्यत
अपुस्तयिष्यम् अपुस्तयिष्याव अपुस्तयिष्याम

1647 बुस्तण् (बुस्त) आदरानादरयोः 80

व० बुस्तयति बुस्तयतः बुस्तयन्ति
बुस्तयसि बुस्तयथः बुस्तयथ
बुस्तयामि बुस्तयावः बुस्तयामः
स० बुस्तायेत् बुस्तयेताम् बुस्तायेयुः
बुस्तायेः बुस्तायेताम् बुस्तायेन
बुस्तायेयम् बुस्तायेव बुस्तायेम
प० बुस्तयतु बुस्तयतात् बुस्तयताम् बुस्तयन्तु
बुस्तय , बुस्तयताम् बुस्तयता
बुस्तयानि बुस्तयाव बुस्तयाम
ह्य० अबुस्तयत् अबुस्तयताम् अबुस्तयन्
अबुस्तयः अबुस्तयतम् अबुस्तयत्
अबुस्तयम् अबुस्तयाव अबुस्तयाम
अ० अबुस्तयत् अबुस्तयताम् अबुस्तयन्
अबुस्तयः अबुस्तयतम् अबुस्तयत्
अबुस्तयम् अबुस्तयाव अबुस्तयाम
प० बुस्तयाञ्चकार बुस्तयाञ्चकतुः बुस्तयाञ्चकुः
बुस्तयाञ्चकथं बुस्तयाञ्चकथुः बुस्तयाञ्चक
बुस्तयाञ्चकार-कर बुस्तयाञ्चकृवयाञ्चकृम
बुस्तयाम्बुव बुस्तयामास
आ० बुस्तयात् बुस्तयास्ताम् बुस्तयासुः
बुस्तयाः बुस्तयास्तम् बुस्तयास्त
बुस्तयासम् बुस्तयास्व बुस्तयास्म

श्व० बुस्तयिता बुस्तयितारौ बुस्तयितारः
बुस्तयितासि बुस्तयितास्थः बुस्तयितास्थ
बुस्तयितास्मि बुस्तयितास्वः बुस्तयितास्मः
भ० बुस्तयिष्यति बुस्तयिष्यतः बुस्तयिष्यन्ति
बुस्तयिष्यसि बुस्तयिष्यथः बुस्तयिष्यथ
बुस्तयिष्यामि बुस्तयिष्यावः बुस्तयिष्यामः
अबुस्तयिष्यत् अबुस्तयिष्यताम् अबुस्तयिष्यन्
अबुस्तयिष्यः अबुस्तयिष्यतम् अबुस्तयिष्यत्
अबुस्तयिष्यम् अबुस्तयिष्याव अबुस्तयिष्याम

1648 मुस्तण् (मुस्त) संघाते । 81

व० मुस्तयति मुस्तयतः मुस्तयन्ति
मुस्तयसि मुस्तयथः मुस्तयथ
मुस्तयामि मुस्तयावः मुस्तयामः
स० मुस्तयेत् मुस्तयेताम् मुस्तयेयुः
मुस्तयेः मुस्तयेताम् मुस्तयेन
मुस्तयेयम् मुस्तयेव मुस्तयेम
प० मुस्तयतु मुस्तयतात् मुस्तयताम् मुस्तयन्तु
मुस्तय , मुस्तयताम् मुस्तयता
मुस्तयानि मुस्तयाव मुस्तयाम
ह्य० अमुस्तयत् अमुस्तयताम् अमुस्तयन्
अमुस्तयः अमुस्तयतम् अमुस्तयत्
अमुस्तयम् अमुस्तयाव अमुस्तयाम
अ० अमुस्तयत् अमुस्तयताम् अमुस्तयन्
अमुस्तयः अमुस्तयतम् अमुस्तयत्
अमुस्तयम् अमुस्तयाव अमुस्तयाम
प० मुस्तयाञ्चकार मुस्तयाञ्चकतुः मुस्तयाञ्चकुः
मुस्तयाञ्चकथं मुस्तयाञ्चकथुः मुस्तयाञ्चक
मुस्तयाञ्चकार-चकर मुस्तयाञ्चकृम मुस्तयाञ्चकृम
मुस्तयाम्बुव मुस्तयामास
आ० मुस्तयात् मुस्तयास्ताम् मुस्तयासुः
मुस्तयाः मुस्तयास्तम् मुस्तयास्त
मुस्तयासम् मुस्तयास्व मुस्तयास्म

श्व० मुस्तयिता मुस्तयितारौ मुस्तयितारः
मुस्तयितासि मुस्तयितास्थः मुस्तयितास्थ
मुस्तयितास्मि मुस्तयितास्वः मुस्तयितास्मः
भ० मुस्तयिष्यति मुस्तयिष्यतः मुस्तयिष्यन्ति
मुस्तयिष्यसि मुस्तयिष्यथः मुस्तयिष्यथ
मुस्तयिष्यामि मुस्तयिष्यावः मुस्तयिष्यामः
अमुस्तयिष्यत् अमुस्तयिष्यताम् अमुस्तयिष्यन्
अमुस्तयिष्यः अमुस्तयिष्यतम् अमुस्तयिष्यत्
अमुस्तयिष्यम् अमुस्तयिष्याव अमुस्तयिष्याम

1949 कृतण् (कृत्) संशब्दने ।

संशब्दनं स्याति: 82

- ष० कीर्तयति कीर्तयतः कीर्तयन्ति
कीर्तयसि कीर्तयथः कीर्तयथ
कीर्तयामि कीर्तयावः कीर्तयामः
- स० कीर्तयेत् कीर्तयेताम् कीर्तयेयुः
कीर्तये! कीर्तयेतम् कीर्तयेत
कीर्तयेयम् कर्तयेव कीर्तयेम
- प० कीर्तयतु कीर्तयतात् कीर्तयताम् कीर्तयन्तु
कीर्तय , कीर्तयतम् कीर्तयत
कीर्तयानि कीर्तयावः कीर्तयाम
- झ० अकीर्तयत् अकीर्तयताम् अकीर्तयन्
अकीर्तयः अकीर्तयतम् अकीर्तयत
अकीर्तयम् अकीर्तयावः अकीर्तयाम
- अ० अचीकृतत् अचीकृतताम् अचीकृतन्
अचीकृतः अचीकृततम् अचीकृतत
अचीकृतम् अचीकृतावः अचीकृताम्
- अचिकीर्तत् अचिकीर्तताम् अचिकीर्तन् इ०
प कीर्तयाञ्चकार कीर्तयाञ्चकतुः कीर्तयाञ्चकुः
कीर्तयाञ्चकथः कीर्तयाञ्चकथुः कीर्तयाञ्चक
कीर्तयाञ्चकार-कर कीर्तयाञ्चकृव-याञ्चकृ
कीर्तयाम्बुधः कीर्तयामास
- आ० कीर्त्यात् कीर्त्यास्ताम् कीर्त्यासुः
कीर्त्याः कीर्त्यास्तम् कीर्त्यास्त
कीर्त्यासम् कीर्त्यास्वः कीर्त्यास्मि
- भ० कीर्त्तयिता कीर्त्तयितारौ कीर्त्तयितारः
कीर्त्तयितासि कीर्त्तयितास्थः कीर्त्तयितास्थ
कीर्त्तयितास्मि कीर्त्तयितास्वः कीर्त्तयितास्मः
- भ० कीर्त्तयिष्यति कीर्त्तयिष्यतः कीर्त्तयिष्यन्ति
कीर्त्तयिष्यसि कीर्त्तयिष्यथः कीर्त्तयिष्यथ
कीर्त्तयिष्यामि कीर्त्तयिष्यावः कीर्त्तयिष्यामः
अकीर्त्तयिष्यत् अकीर्त्तयिष्यताम् अकीर्त्तयिष्यन्
अकीर्त्तयिष्यः अकीर्त्तयिष्यतम् अकीर्त्तयिष्यत
अकीर्त्तयिष्यम् अकीर्त्तयिष्यावः अकीर्त्तयिष्यामः

1650 स्वर्तण् (स्वर्त्) गतौ 83

- व० स्वर्तयति स्वर्तयतः स्वर्तयन्ति
स्वर्तयसि स्वर्तयथः स्वर्तयथ
स्वर्तयामि स्वर्तयावः स्वर्तयामः
- स० स्वर्तयेत् स्वर्तयेताम् स्वर्तयेयुः
स्वर्तयेः स्वर्तयेतम् स्वर्तयेत
स्वर्तयेयम् स्वर्तयेव स्वर्तयेम
- प० स्वर्तयतु स्वर्तयतात् स्वर्तयताम् स्वर्तयन्तु
स्वर्तय , स्वर्तयतम् स्वर्तयत
स्वर्तयानि स्वर्तयावः स्वर्तयाम
- झ० अस्वर्तयत् अस्वर्तयताम् अस्वर्तयन्
अस्वर्तयः अस्वर्तयतम् अस्वर्तयत
अस्वर्तयम् अस्वर्तयावः अस्वर्तयाम
- अ० अस्वर्तयत् अस्वर्तयताम् अस्वर्तयन्
अस्वर्तयः अस्वर्तयतम् अस्वर्तयत
अस्वर्तयम् अस्वर्तयावः अस्वर्तयाम
- स्वर्तयाञ्चकार स्वर्तयाञ्चकतुः स्वर्तयाञ्चकुः
स्वर्तयाञ्चकथः स्वर्तयाञ्चकथुः स्वर्तयाञ्चक
स्वर्तयाञ्चकार-कर स्वर्तयाञ्चकृव-याञ्चकृ
स्वर्तयाम्बुधः स्वर्तयामास
- आ० स्वर्त्यात् स्वर्त्यास्ताम् स्वर्त्यासुः
स्वर्त्याः स्वर्त्यास्तम् स्वर्त्यास्त
स्वर्त्यासम् स्वर्त्यास्वः स्वर्त्यास्म
- भ० स्वर्तयिता स्वर्तयितारौ स्वर्तयितारः
स्वर्तयितासि स्वर्तयितास्थः स्वर्तयितास्थ
स्वर्तयितास्मि स्वर्तयितास्वः स्वर्तयितास्मः
- भ० स्वर्तयिष्यति स्वर्तयिष्यतः स्वर्तयिष्यन्ति
स्वर्तयिष्यसि स्वर्तयिष्यथः स्वर्तयिष्यथ
स्वर्तयिष्यामि स्वर्तयिष्यावः स्वर्तयिष्यामः
अस्वर्तयिष्यत् अस्वर्तयिष्यताम् अस्वर्तयिष्यन्
अस्वर्तयिष्यः अस्वर्तयिष्यतम् अस्वर्तयिष्यत
अस्वर्तयिष्यम् अस्वर्तयिष्यावः अस्वर्तयिष्यामः

अथ थान्ताश्चत्वारः

1651 पथुण् (पन्थ्) गतो । 84

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| घ० पन्थयति | पन्थयतः | पन्थयन्ति |
| पन्थयसि | पन्थयथः | पन्थयथ |
| पन्थयामि | पन्थयावः | पन्थयामः |
| स० पन्थयेत् | पन्थयेताम् | पन्थयेयुः |
| पन्थयेः | पन्थयेतम् | पन्थयेत |
| पन्थयेयम् | पन्थयेव | पन्थयेम |
| प० पन्थयतु | पन्थयतात् | पन्थयताम् |
| पन्थय | पन्थयतम् | पन्थयत |
| पन्थयानि | पन्थयाव | पन्थयाम |
| ह्य० अपन्थयत् | अपन्थयताम् | अपन्थयन् |
| अपन्थयः | अपन्थयतम् | अपन्थयन् |
| अपन्थयम् | अपन्थयाव | अपन्थयाम |
| अ० अपपन्थयत् | अपपन्थयताम् | अपपन्थयन् |
| अपपन्थयः | अपपन्थयतम् | अपपन्थयन् |
| अपपन्थयम् | अपपन्थाव | अपपन्थयाम |
| ण० पन्थयाञ्चकार | पन्थयाञ्चकतः | पन्थयाञ्चकः |
| पन्थयाञ्चक्य | पन्थयाञ्चक्युः | पन्थयाञ्चक |
| पन्थयाञ्चकार-कर | पन्थयाञ्चकृव | पन्थयाञ्चकृम |
| पन्थयाञ्चभूव | पन्थयामास | |
| आ० पन्थयात् | पन्थयास्ताम् | पन्थयास्तः |
| पन्थयाः | पन्थयास्तम् | पन्थयास्त |
| पन्थयासम् | पन्थयास्व | पन्थयास्म |
| प्रव० पन्थयिता | पन्थयितारौ | पन्थयितारः |
| पन्थयितामि | पन्थयिताम्यः | पन्थयिताम्य |
| पन्थयितामि | पन्थयिताम्यः | पन्थयिताम्य |
| अ० पन्थयिष्यति | पन्थयिष्यतः | पन्थयिष्यन्ति |
| पन्थयिष्यसि | पन्थयिष्यथः | पन्थयिष्यथ |
| पन्थयिष्यामि | पन्थयिष्यावः | पन्थयिष्यामः |
| अपन्थयिष्यत् | अपन्थयिष्यताम् | अपन्थयिष्यन् |
| अपन्थयिष्यः | अपन्थयिष्यतम् | अपन्थयिष्यन् |
| अपन्थयिष्यम् | अपन्थयिष्याव | अपन्थयिष्याम |

1652 अथण् (अथ्) प्रतिहर्षे । 85

| | | |
|---------------|-----------------|---------------|
| व० आथयति | आथयतः | आथयन्ति |
| आथयसि | आथयथः | आथयथ |
| आथयामि | आथयावः | आथयामः |
| स० आथयेत् | आथयेताम् | आथयेयुः |
| आथयेः | आथयेतम् | आथयेत |
| आथयेयम् | आथयेव | आथयेम |
| प० आथयतु | आथयतात् | आथयताम् |
| आथय | आथयतम् | आथयत |
| आथयानि | आथयाव | आथयाम |
| ह्य० अआथयत् | अआथयताम् | अआथयन् |
| अआथयः | अआथयतम् | अआथयन् |
| अआथयम् | अआथयाव | अआथयाम |
| अ० अशिथयत् | अशिथयताम् | अशिथयन् |
| अशिथयः | अशिथयतम् | अशिथयन् |
| अशिथयम् | अशिथयाव | अशिथयाम |
| प० आथयाञ्चकार | आथयाञ्चकतः | आथयाञ्चकः |
| आथयाञ्चक्य | आथयाञ्चक्युः | आथयाञ्चक |
| आथयाञ्चकार-कर | आथयाञ्चकृव | आथयाञ्चकृम |
| आथयाञ्चभूव | आथयामास | |
| आ० आथयात् | आथयास्ताम् | आथयास्तः |
| आथयाः | आथयास्तम् | आथयास्त |
| आथयासम् | आथयास्व | आथयास्म |
| प्रव० आथयिता | आथयितारौ | आथयितारः |
| आथयितामि | आथयिताम्यः | आथयिताम्य |
| आथयितामि | आथयिताम्यः | आथयिताम्य |
| अ० आथयिष्यति | आथयिष्यतः | आथयिष्यन्ति |
| आथयिष्यसि | आथयिष्यथः | आथयिष्यथ |
| आथयिष्यामि | आथयिष्यावः | आथयिष्यामः |
| अप्राथयिष्यत् | अप्राथयिष्यताम् | अप्राथयिष्यन् |
| अप्राथयिष्यः | अप्राथयिष्यतम् | अप्राथयिष्यन् |
| अप्राथयिष्यम् | अप्राथयिष्याव | अप्राथयिष्याम |

1653 पृथण् (पृथ्) प्रक्षेपणे । 86

| | | |
|--------------------|---------------------|---------------|
| च० पृथयति | पृथयतः | पृथयन्ति |
| पृथयसि | पृथयथः | पृथयथ |
| पृथयामि | पृथयावः | पृथयामः |
| स० पृथयेत् | पृथयेताम् | पृथयेयुः |
| पृथयेः | पृथयेतम् | पृथयेत |
| पृथयेयम् | पृथयेव | पृथयेम |
| प० पृथयतु | पृथयतात् | पृथयताम् |
| पृथय | पृथयतम् | पृथयत |
| पृथयानि | पृथयाव | पृथयाम |
| झ० अपृथयत् | अपृथयताम् | अपृथयन् |
| अपृथयः | अपृथयतम् | अपृथयत |
| अपृथयम् | अपृथयाव | अपृथयाम |
| अ० अपीपृथत् | अपीपृथताम् | अपीपृथन् |
| अपीपृथः | अपीपृथतम् | अपीपृथत |
| अपीपृथम् | अपीपृथाव | अपीपृथाम |
| अपपृथत् | अपपृथताम् | अपपृथन् ६० |
| प० पृथयाञ्चकार | पृथयाञ्चक्रतुः | पृथयाञ्चक्रुः |
| पृथयाञ्चकथं | पृथयाञ्चकथुः | पृथयाञ्चक |
| पृथयाञ्चकार-कर | पृथयाञ्चकृवयाञ्चकृम | |
| पृथयाम्बभूव | पृथयामास | |
| आ० पृथ्यात् | पृथ्यास्ताम् | पृथ्यासुः |
| पृथ्याः | पृथ्यास्तम् | पृथ्यास्त |
| पृथ्यासम् | पृथ्यास्व | पृथ्यास्म |
| प्र० पृथयिता- | पृथयितारौ | पृथयितारः |
| पृथयितासि | पृथयितास्थः | पृथयितास्थ |
| पृथयितास्मि | पृथयितास्वः | पृथयितास्मः |
| अ० पृथयिष्यति | पृथयिष्यतः | पृथयिष्यन्ति |
| पृथयिष्यसि | पृथयिष्यथः | पृथयिष्यथ |
| पृथयिष्यामि | पृथयिष्यावः | पृथयिष्यामः |
| क्रि० अपृथयिष्यत | अपृथयिष्यताम् | अपृथयिष्यन् |
| अपृथयिष्यः | अपृथयिष्यतम् | अपृथयिष्यत |
| अपृथयिष्यम् | अपृथयिष्याव | अपृथयिष्याम |
| पृथण् इति केचित् । | पृथण् इत्यपरे । | |

1654 प्रथण् (प्रथ्) प्रख्याने । 87

| | | |
|--------------------|-----------------------|-----------------|
| ब० प्राथयति | प्राथयतः | प्राथयन्ति |
| प्राथयसि | प्राथयथः | प्राथयथ |
| प्राथयामि | प्राथयावः | प्राथयामः |
| स० प्राथयेत् | प्राथयेताम् | प्राथयेयुः |
| प्राथयेः | प्राथयेतम् | प्राथयेत |
| प्राथयेयम् | प्राथयेव | प्राथयेम |
| प० प्राथयतु | प्राथयतात् | प्राथयताम् |
| प्राथय | प्राथयतम् | प्राथयत |
| प्राथयानि | प्राथयाव | प्राथयाम |
| झ० अप्राथयत् | अप्राथयताम् | अप्राथयन् |
| अप्राथयः | अप्राथयतम् | अप्राथयत |
| अप्राथयम् | अप्राथयाव | अप्राथयाम |
| अ० अप्रथयत् | अप्रथयताम् | अप्रथयन् |
| अप्रथयः | अप्रथयतम् | अप्रथयत |
| अप्रथयम् | अप्रथयाव | अप्रथयाम |
| प० प्राथयाञ्चकार | प्राथयाञ्चक्रतुः | प्राथयाञ्चक्रुः |
| प्राथयाञ्चकथं | प्राथयाञ्चकथुः | प्राथयाञ्चक |
| प्राथयाञ्चकार-कर | प्राथयाञ्चकृवयाञ्चकृम | |
| प्राथयाम्बभूव | प्राथयामास | |
| आ० प्राथ्यात् | प्राथ्यास्ताम् | प्राथ्यासुः |
| प्राथ्याः | प्राथ्यास्तम् | प्राथ्यास्त |
| प्राथ्यासम् | प्राथ्यास्व | प्राथ्यास्म |
| प्र० प्राथयिता- | प्राथयितारौ | प्राथयितारः |
| प्राथयितासि | प्राथयितास्थः | प्राथयितास्थ |
| प्राथयितास्मि | प्राथयितास्वः | प्राथयितास्मः |
| अ० प्राथयिष्यति | प्राथयिष्यतः | प्राथयिष्यन्ति |
| प्राथयिष्यसि | प्राथयिष्यथः | प्राथयिष्यथ |
| प्राथयिष्यामि | प्राथयिष्यावः | प्राथयिष्यामः |
| क्रि० अप्राथयिष्यत | अप्राथयिष्यताम् | अप्राथयिष्यन् |
| अप्राथयिष्यः | अप्राथयिष्यतम् | अप्राथयिष्यत |
| अप्राथयिष्यम् | अप्राथयिष्याव | अप्राथयिष्याम |

॥ अथ दान्ताः पञ्च ॥

1655 छदण् (छद्) संवरणे 88

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|-----------------|
| व० | छादयति | छादयतः | छादयन्ति |
| | छादयसि | छादयथाः | छादयथा |
| | छादयामि | छादयावः | छादयामः |
| स० | छादयेत् | छादयेताम् | छादयेयुः |
| | छादयेः | छादयेतम् | छादयेन |
| | छादयेयम् | छादयेयव | छादयेयम् |
| प० | छादयतु-तात् | छादयताम् | छादयन्तु |
| | छादय | छादयतम् | छादयन् |
| | छादयानि | छादयाव | छादयाम |
| झ० | अच्छादयत् | अच्छादयताम् | अच्छादयन् |
| | अच्छादयः | अच्छादयतम् | अच्छादयन् |
| | अच्छादयम् | अच्छादयाव | अच्छादयाम |
| अ० | अचिच्छदेत् | अचिच्छदेताम् | अचिच्छदेन् |
| | अचिच्छदेः | अचिच्छदेतम् | अचिच्छदेन् |
| | अचिच्छदेयम् | अचिच्छदेयव | अचिच्छदेयम् |
| प० | छादय्याञ्चकार | छादय्याञ्चक्रुः | छादय्याञ्चक्रुः |
| | छादय्याञ्चकथं | छादय्याञ्चकथुः | छादय्याञ्चकथुः |
| | छादय्याञ्चकार-कर | छादय्याञ्चकृव | छादय्याञ्चकृव |
| | छादय्याम्बभूव | छादय्यामास | |
| आ० | छाद्यात् | छाद्यास्ताम् | छाद्यासुः |
| | छाद्याः | छाद्यास्तम् | छाद्यास्त |
| | छाद्यासम् | छाद्यास्व | छाद्यासम् |
| ख० | छादयिता | छादयितारौ | छादयितारः |
| | छादयितासि | छादयितास्थः | छादयितास्थ |
| | छादयितास्मि | छादयितास्वः | छादयितास्म |
| भ० | छादयिष्यति | छादयिष्यतः | छादयिष्यन्ति |
| | छादयिष्यसि | छादयिष्यथाः | छादयिष्यथा |
| | छादयिष्यामि | छादयिष्यावः | छादयिष्यामः |
| क्रि० | अच्छादयिष्यत् | अच्छादयिष्यताम् | अच्छादयिष्यन् |
| | अच्छादयिष्यः | अच्छादयिष्यतम् | अच्छादयिष्यन् |
| | अच्छादयिष्यम् | अच्छादयिष्याव | अच्छादयिष्याम |

1656 चुदण् (चुद्) संचोदने

संचोदनं प्रेरणम् 89

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | चोदयति | चोदयतः | चोदयन्ति |
| | चोदयसि | चोदयथाः | चोदयथा |
| | चोदयामि | चोदयावः | चोदयामः |
| स० | चोदयेत् | चोदयेताम् | चोदयेयुः |
| | चोदयेः | चोदयेतम् | चोदयेन |
| | चोदयेयम् | चोदयेयव | चोदयेयम् |
| प० | चोदयतु-चोदयतात् | चोदयताम् | चोदयन्तु |
| | चोदय | चोदयतम् | चोदयन् |
| | चोदयानि | चोदयाव | चोदयाम |
| झ० | अचोदयत् | अचोदयताम् | अचोदयन् |
| | अचोदयः | अचोदयतम् | अचोदयन् |
| | अचोदयम् | अचोदयाव | अचोदयाम |
| अ० | अचूचुदत् | अचूचुदताम् | अचूचुदन् |
| | अचूचुदः | अचूचुदतम् | अचूचुदन् |
| | अचूचुदम् | अचूचुदाव | अचूचुदाम |
| | चोदयाञ्चकार | चोदयाञ्चक्रुः | चोदयाञ्चक्रुः |
| | चोदयाञ्चकथं | चोदयाञ्चकथुः | चोदयाञ्चकथुः |
| | चोदयाञ्चकार-कर | चोदयाञ्चकृव | चोदयाञ्चकृव |
| | चोदयाम्बभूव | चोदयामास | |
| आ० | चोद्यात् | चोद्यास्ताम् | चोद्यासुः |
| | चोद्याः | चोद्यास्तम् | चोद्यास्त |
| | चोद्यासम् | चोद्यास्व | चोद्यासम् |
| ख० | चोदयिता | चोदयितारौ | चोदयितारः |
| | चोदयितासि | चोदयितास्थः | चोदयितास्थ |
| | चोदयितास्मि | चोदयितास्वः | चोदयितास्म |
| भ० | चोदयिष्यति | चोदयिष्यतः | चोदयिष्यन्ति |
| | चोदयिष्यसि | चोदयिष्यथाः | चोदयिष्यथा |
| | चोदयिष्यामि | चोदयिष्यावः | चोदयिष्यामः |
| क्रि० | अचोदयिष्यत् | अचोदयिष्यताम् | अचोदयिष्यन् |
| | अचोदयिष्यः | अचोदयिष्यतम् | अचोदयिष्यन् |
| | अचोदयिष्यम् | अचोदयिष्याव | अचोदयिष्याम |

1657 मिदुण् (मिन्द) स्नेहने 90

व० मिन्दयति मिन्दयतः मिन्दयन्ति
 मिन्दयसि मिन्दयथः मिन्दयथ
 मिन्दयामि मिन्दयावः मिन्दयामः
 स० मिन्दयेत् मिन्दयेताम् मिन्दयेयुः
 मिन्दयेः मिन्दयेतम् मिन्दयेत
 मिन्दयेयम् मिन्दयेव मिन्दयेम
 य० मिन्दयतु मिन्दयतात् मिन्दयताम् मिन्दयन्तु
 मिन्दय , मिन्दयतम् मिन्दयत
 मिन्दयानि मिन्दयाव मिन्दयाम
 ह्य० अमिन्दयत् अमिन्दयताम् अमिन्दयन्
 अमिन्दयः अमिन्दयतम् अमिन्दयत
 अमिन्दयम् अमिन्दयाव अमिन्दयाम
 अ० अमिमिन्दत् अमिमिन्दताम् अमिमिन्दन्
 अमिमिन्दः अमिमिन्दतम् अमिमिन्दत
 अमिमिन्दम् अमिमिन्दाव अमिमिन्दाय
 प० मिन्दयाश्चकार मिन्दयाश्चक्रुः मिन्दयाश्चकुः
 मिन्दयाश्चकथ मिन्दाश्चकथुः मिन्दयाश्चक
 मिन्दयाश्चकार-कर मिन्दयाश्चकुव मिन्दयाश्चकुम
 मिन्दयाम्बभूव मिन्दयामास
 आ मिन्धात् मिन्धास्ताम् मिन्धासुः
 मिन्धाः मिन्धास्तम् मिन्धास्त
 मिन्धासम् मिन्धास्व मिन्धास्म
 श्व० मिन्दयिता मिन्दयितारौ मिन्दयितारः
 मिन्दयितासि मिन्दयितास्थः मिन्दयितास्थ
 मिन्दयितास्मि मिन्दयितास्वः मिन्दयितास्म
 भ० मिन्दयिष्यति मिन्दयिष्यतः मिन्दयिष्यन्ति
 मिन्दयिष्यसि मिन्दयिष्यथः मिन्दयिष्यथ
 मिन्दयिष्यामि मिन्दयिष्यावः मिन्दयिष्यामः
 अमिन्दयिष्यत् अमिन्दयिष्यताम् अमिन्दयिष्यन्
 अमिन्दयिष्यः अमिन्दयिष्यतम् अमिन्दयिष्यत
 अमिन्दयिष्यम् अमिन्दयिष्याव अमिन्दयिष्याम
 मिदण् इति कौशिकस्तन्मते मेदयनीत्यादि ।

1958 गुर्दण् (गुर्द)निकेतने पूर्वनिकेतने
इति केचित्, पूर्वनिकेतनमाद्यो वासः 91

व० गुर्दयति गुर्दयतः गुर्दयन्ति
 गुर्दयसि गुर्दयथः गुर्दयथ
 गुर्दयामि गुर्दयावः गुर्दयामः
 स० गुर्दयेत् गुर्दयेताम् गुर्दयेयुः
 गुर्दयेः गुर्दयेतम् गुर्दयेत
 गुर्दयेयम् गुर्दयेव गुर्दयेम
 प० गुर्दयतु गुर्दयतात् गुर्दयताम् गुर्दयन्तु
 गुर्दय , गुर्दयतम् गुर्दयत
 गुर्दयानि गुर्दयाव गुर्दयाम
 ह्य० अगुर्दयत् अगुर्दयताम् अगुर्दयन्
 अगुर्दयः अगुर्दयतम् अगुर्दयत
 अगुर्दयम् अगुर्दयाव अगुर्दयाम
 अ० अजुगुर्दत् अजुगुर्दताम् अजुगुर्दन्
 अजुगुर्दः अजुगुर्दतम् अजुगुर्दत
 अजुगुर्दम् अजुगुर्दाव अजुगुर्दाम
 प० गुर्दयाश्चकार गुर्दयाश्चक्रुः गुर्दयाश्चकुः
 गुर्दयाश्चकथ गुर्दयाश्चकथुः गुर्दयाश्चक
 गुर्दयाश्चकार-कर गुर्दयाश्चकुव गुर्दयाश्चकुम
 गुर्दयाम्बभूव गुर्दयामास
 अ० गुर्द्यात् गुर्द्यास्ताम् गुर्द्यासुः
 गुर्द्याः गुर्द्यास्तम् गुर्द्यास्त
 गुर्द्यासम् गुर्द्यास्व गुर्द्यास्म
 श्व० गुर्दयिता गुर्दयितारौ गुर्दयितारः
 गुर्दयितासि गुर्दयितास्थः गुर्दयितास्थ
 गुर्दयितास्मि गुर्दयितास्वः गुर्दयितास्म
 भ० गुर्दयिष्यति गुर्दयिष्यतः गुर्दयिष्यन्ति
 गुर्दयिष्यसि गुर्दयिष्यथः गुर्दयिष्यथ
 गुर्दयिष्यामि गुर्दयिष्यावः गुर्दयिष्यामः
 अगुर्दयिष्यत् अगुर्दयिष्यताम् अगुर्दयिष्यन्
 अगुर्दयिष्यः अगुर्दयिष्यतम् अगुर्दयिष्यत
 अगुर्दयिष्यम् अगुर्दयिष्याव अगुर्दयिष्याम

1674 डबुण् (डम्ब) क्षेपे 107

घ० डम्बयति डम्बयतः डम्बयन्ति
 डम्बयसि डम्बयथः डम्बयथ
 डम्बयामि डम्बयावः डम्बयामः
 स० डम्बयेत् डम्बयेताम् डम्बयेयुः
 डम्बयेः डम्बयेतम् डम्बयेत
 डम्बयेयम् डम्बयेव डम्बयेम
 प० डम्बयतु डम्बयतात् डम्बयताम् डम्बयन्तु
 डम्बय , डम्बयतम् डम्बयत
 डम्बयानि डम्बयावः डम्बयाम
 झ० अडम्बयत् अडम्बयताम् अडम्बयन्
 अडम्बयः अडम्बयतम् अडम्बयत
 अडम्बयम् अडम्बयावः अडम्बयाम
 अ० अडडम्बत् अडडम्बताम् अडडम्बन्
 अडडम्बः अडडम्बतम् अडडम्बत
 अडडम्बम् अडडम्बावः अडडम्बाम
 डम्बयाञ्चकार डम्बयाञ्चक्रतुः डम्बयाञ्चक्रुः
 डम्बयाञ्चकथं डम्बयाञ्चकथुः डम्बयाञ्चक्र
 डम्बयाञ्चकार-कर डम्बयाञ्चकृष-याञ्चकृम
 डम्बयाञ्चभूष डम्बयाञ्चमास
 आ० डम्ब्यात् डम्ब्यास्ताम् डम्ब्यासुः
 डम्ब्याः डम्ब्यास्तम् डम्ब्यास्त
 डम्ब्यासम् डम्ब्यास्व डम्ब्यास्म
 भ० डम्बयिता डम्बयितारौ डम्बयितारः
 डम्बयितासि डम्बयितास्थः डम्बयितास्थ
 डम्बयितास्मि डम्बयितास्वः डम्बयितास्मः
 भ० डम्बयिष्यति डम्बयिष्यतः डम्बयिष्यन्ति
 डम्बयिष्यसि डम्बयिष्यथः डम्बयिष्यथ
 डम्बयिष्यामि डम्बयिष्यावः डम्बयिष्यामः
 अडम्बयिष्यत् अडम्बयिष्यताम् अडम्बयिष्यन्
 अडम्बयिष्यः अडम्बयिष्यतम् अडम्बयिष्यत
 अडम्बयिष्यम् अडम्बयिष्यावः अडम्बयिष्याम

1675 डिबुण् (डिम्ब) क्षेपे 108

घ० डिम्बयति डिम्बयतः डिम्बयन्ति
 डिम्बयसि डिम्बयथः डिम्बयथ
 डिम्बयामि डिम्बयावः डिम्बयामः
 स० डिम्बयेत् डिम्बयेताम् डिम्बयेयुः
 डिम्बयेः डिम्बयेतम् डिम्बयेत
 डिम्बयेयम् डिम्बयेव डिम्बयेम
 प० डिम्बयतु डिम्बयतात् डिम्बयताम् डिम्बयन्तु
 डिम्बय , डिम्बयतम् डिम्बयत
 डिम्बयानि डिम्बयावः डिम्बयाम
 झ० अडिम्बयत् अडिम्बयताम् अडिम्बयन्
 अडिम्बयः अडिम्बयतम् अडिम्बयत
 अडिम्बयम् अडिम्बयावः अडिम्बयाम
 अ० अडिडिम्बत् अडिडिम्बताम् अडिडिम्बन्
 अडिडिम्बः अडिडिम्बतम् अडिडिम्बत
 अडिडिम्बम् अडिडिम्बावः अडिडिम्बाम
 प० डिम्बयाञ्चकार डिम्बयाञ्चक्रतुः डिम्बयाञ्चक्रुः
 डिम्बयाञ्चकथं डिम्बयाञ्चकथुः डिम्बयाञ्चक्र
 डिम्बयाञ्चकार-कर डिम्बयाञ्चकृष-याञ्चकृम
 डिम्बयाञ्चभूष डिम्बयाञ्चमास
 आ० डिम्ब्यात् डिम्ब्यास्ताम् डिम्ब्यासुः
 डिम्ब्याः डिम्ब्यास्तम् डिम्ब्यास्त
 डिम्ब्यासम् डिम्ब्यास्व डिम्ब्यास्म
 भ० डिम्बयिता डिम्बयितारौ डिम्बयितारः
 डिम्बयितासि डिम्बयितास्थः डिम्बयितास्थ
 डिम्बयितास्मि डिम्बयितास्वः डिम्बयितास्मः
 भ० डिम्बयिष्यति डिम्बयिष्यतः डिम्बयिष्यन्ति
 डिम्बयिष्यसि डिम्बयिष्यथः डिम्बयिष्यथ
 डिम्बयिष्यामि डिम्बयिष्यावः डिम्बयिष्यामः
 क्रि० अडिम्बयिष्यत् अडिम्बयिष्यताम्-यिष्यन्
 अडिम्बयिष्यः अडिम्बयिष्यतम् अडिम्बयिष्यत
 अडिम्बयिष्यम् अडिम्बयिष्यावः अडिम्बयिष्याम
 विडम्बयति

॥ अथ धान्ताः पञ्च ॥

1660 बुधुण् (बुन्धु) हिंसायाम् 93

व० बुन्धयति बुन्धयतः बुन्धयन्ति
 बुन्धयसि बुन्धयथः बुन्धयथ
 बुन्धयामि बुन्धयावः बुन्धयामः
 स० बुन्धयेत् बुन्धयेताम् बुन्धयेयुः
 बुन्धयेः बुन्धयेतम् बुन्धयेता
 बुन्धयेयम् बुन्धयेव बुन्धयेम
 प० बुन्धयतु तात् बुन्धयताम् बुन्धयन्तु
 बुन्धय „ बुन्धयतम् बुन्धयत
 बुन्धयानि बुन्धयाव बुन्धयाम
 छ० अबुन्धयत् अबुन्धयताम् अबुन्धयन्
 अबुन्धयः अबुन्धयतम् अबुन्धयत
 अबुन्धयम् अबुन्धयाव अबुन्धयाम
 अ० अबुबुन्धत् अबुबुन्धताम् अबुबुन्धन्
 अबुबुन्धः अबुबुन्धतम् अबुबुन्धत
 अबुबुन्धम् अबुबुन्धाव अबुबुन्धाम
 प० बुन्धयाञ्चकार बुन्धयाञ्चक्रतुः बुन्धयाञ्चक्रुः
 बुन्धयाञ्चकथं बुन्धयाञ्चकथुः बुन्धयाञ्चक्र
 बुन्धयाञ्चकार, कर बुन्धयाञ्चक्रव बुन्धयाञ्चक्रम
 बुन्धयाम्बभूव । बुन्धयामास
 आ० बुन्ध्यात् बुन्ध्यास्ताम् बुन्ध्यासुः
 बुन्ध्याः बुन्ध्यास्तम् बुन्ध्यास्त
 बुन्ध्यासम् बुन्ध्यास्व बुन्ध्यास्म
 प्रव० बुन्धयिता बुन्धयितारौ बुन्धयितारः
 बुन्धयितासि बुन्धयितास्थः बुन्धयितास्थ
 बुन्धयितास्मि बुन्धयितास्वः बुन्धयितास्मः
 भ० बुन्धयिष्यति बुन्धयिष्यतः बुन्धयिष्यन्ति
 बुन्धयिष्यसि बुन्धयिष्यथः बुन्धयिष्यथ
 बुन्धयिष्यामि बुन्धयिष्यावः बुन्धयिष्यामः
 क्रि० अबुन्धयिष्यत् अबुन्धयिष्यताम् बुन्धयिष्यन्
 अबुन्धयिष्यः अबुन्धयिष्यतम् अबुन्धयिष्यत
 अबुन्धयिष्यम् अबुन्धयिष्याव अबुन्धयिष्याम
 तान्तोऽयमिति केचित् तन्मते 'पुण्ठयति

1662 गर्धण् (गर्धु) अभिकाङ्क्षायाम् 95

व० गर्धयति गर्धयतः गर्धयन्ति
 गर्धयसि गर्धयथः गर्धयथ
 गर्धयामि गर्धयावः गर्धयामः
 स० गर्धयेत् गर्धयेताम् गर्धयेयुः
 गर्धयेः गर्धयेतम् गर्धयेत
 गर्धयेयम् गर्धयेव गर्धयेम
 प० गर्धयतु गर्धयतात् गर्धयताम् गर्धयन्तु
 गर्धय „ गर्धयतम् गर्धयत
 गर्धयानि गर्धयाव गर्धयाम
 छ० अगर्धयत् अगर्धयताम् अगर्धयन्
 अगर्धयः अगर्धयतम् अगर्धयत
 अगर्धयम् अगर्धयाव अगर्धयाम
 अ० अजगर्धत् अजगर्धताम् अजगर्धन्
 अजगर्धः अजगर्धतम् अजगर्धत
 अजगर्धम् अजगर्धाव अजगर्धाम
 प० गर्धयाञ्चकार गर्धयाञ्चक्रतुः गर्धयाञ्चक्रुः
 गर्धयाञ्चकथं गर्धयाञ्चकथुः गर्धयाञ्चक्र
 गर्धयाञ्चकार, कर गर्धयाञ्चक्रव-याञ्चक्रम
 गर्धयाम्बभूव गर्धयामास
 आ० गर्ध्यात् गर्ध्यास्ताम् गर्ध्यासुः
 गर्ध्याः गर्ध्यास्तम् गर्ध्यास्त
 गर्ध्यासम् गर्ध्यास्व गर्ध्यास्म
 प्रव० गर्धयिता गर्धयितारौ गर्धयितारः
 गर्धयितासि गर्धयितास्थः गर्धयितास्थ
 गर्धयितास्मि गर्धयितास्वः गर्धयितास्मः
 भ० गर्धयिष्यति गर्धयिष्यतः गर्धयिष्यन्ति
 गर्धयिष्यसि गर्धयिष्यथः गर्धयिष्यथ
 गर्धयिष्यामि गर्धयिष्यावः गर्धयिष्यामः
 अगर्धयिष्यत् अगर्धयिष्यताम् अगर्धयिष्यन्
 अगर्धयिष्यः अगर्धयिष्यतम् अगर्धयिष्यत
 अगर्धयिष्यम् अगर्धयिष्याव अगर्धयिष्याम

1661 वर्धण् (वर्ध्) छेदनपूरणयोः 94

व० वर्धयति वर्धयतः वर्धयन्ति
वर्धयसि वर्धयथः वर्धयथ
वर्धयामि वर्धयावः वर्धयामः

स० वर्धयेत् वर्धयेताम् वर्धयेयुः
वर्धयेः वर्धयेतम् वर्धयेत
वर्धयेयम् वर्धयेव वर्धयेम

प० वर्धयतु वर्धयतात् वर्धयताम् वर्धयन्तु
वर्धय , वर्धयतम् वर्धयत
वर्धयानि वर्धयाव वर्धयाम

झ० अवर्धयत् अवर्धयताम् अवर्धयन्
अवर्धयः अवर्धयतम् अवर्धयत
अवर्धयम् अवर्धयाव अवर्धयाम

अ० अववर्धत् अववर्धताम् अववर्धन्
अववर्धः अववर्धतम् अववर्धत
अववर्धम् अववर्धाव अववर्धाम

प० वर्धयाञ्चकारवर्धयाञ्चक्रतुः वर्धयाञ्चक्रुः
वर्धयाञ्चकथ वर्धयाञ्चकथुः वर्धयाञ्चक्र
वर्धयाञ्चकार-कर वर्धयाञ्चक्रव वर्धयाञ्चक्रम्
वर्धयाम्बभूव वर्धयामास

आ० वर्ध्यात् वर्ध्यास्ताम् वर्ध्यासुः
वर्ध्याः वर्ध्यास्तम् वर्ध्यास्त
वर्ध्यासम् वर्ध्यास्व वर्ध्यास्म

श्व० वर्धयिता वर्धयितारौ वर्धयितारः
वर्धयितासि वर्धयितास्थः वर्धयितास्थ
वर्धयितास्म वर्धयितास्व वर्धयितास्मः

भ० वर्धयिष्यति वर्धयिष्यतः वर्धयिष्यन्ति
वर्धयिष्यसि वर्धयिष्यथः वर्धयिष्यथ
वर्धयिष्यामि वर्धयिष्यावः वर्धयिष्यामः

अवर्धयिष्यत् अवर्धयिष्यताम् अवर्धयिष्यन्
अवर्धयिष्यः अवर्धयिष्यतम् अवर्धयिष्यत
अवर्धयिष्यम् अवर्धयिष्याव अवर्धयिष्याम

1663 बन्धण् (बन्ध्) संयमने 96

व० बन्धयति बन्धयतः बन्धयन्ति
बन्धयसि बन्धयथः बन्धयथ
बन्धयामि बन्धयावः बन्धयामः

स० बन्धयेत् बन्धयेताम् बन्धयेयुः
बन्धयेः बन्धयेतम् बन्धयेत
बन्धयेयम् बन्धयेव बन्धयेम

प० बन्धयतु बन्धयतात् बन्धयताम् बन्धयन्तु
बन्धय , बन्धयतम् बन्धयत
बन्धयानि बन्धयाव बन्धयाम

झ० अबन्धयत् अबन्धयताम् अबन्धयन्
अबन्धयः अबन्धयतम् अबन्धयत
अबन्धयम् अबन्धयाव अबन्धयाम

अ० अबवन्धत् अबवन्धताम् अबवन्धन्
अबवन्धः अबवन्धतम् अबवन्धत
अबवन्धम् अबवन्धाव अबवन्धाम

प० बन्धयाञ्चकारबन्धयाञ्चक्रतुः बन्धयाञ्चक्रुः
बन्धयाञ्चकथ बन्धयाञ्चकथुः बन्धयाञ्चक्र
बन्धयाञ्चकार-करबन्धयाञ्चक्रमबन्धयाञ्चक्रम्
बन्धयाम्बभूव बन्धयामास

आ० बन्ध्यात् बन्ध्यास्ताम् बन्ध्यासुः

बन्ध्याः बन्ध्यास्तम् बन्ध्यास्त
बन्ध्यासम् बन्ध्यास्व बन्ध्यास्म

श्व० बन्धयिता बन्धयितारौ बन्धयितारः
बन्धयितासि बन्धयितास्थः बन्धयितास्थ
बन्धयितास्म बन्धयितास्व बन्धयितास्मः

भ० बन्धयिष्यति बन्धयिष्यतः बन्धयिष्यन्ति
बन्धयिष्यसि बन्धयिष्यथः बन्धयिष्यथ
बन्धयिष्यामि बन्धयिष्यावः बन्धयिष्यामः

अबन्धयिष्यत् अबन्धयिष्यताम् अबन्धयिष्यन्
अबन्धयिष्यः अबन्धयिष्यतम् अबन्धयिष्यत
अबन्धयिष्यम् अबन्धयिष्याव अबन्धयिष्याम

1664 वधण् (वध्) संयमने 97

व० बाधयति बाधयतः बाधयन्ति
बाधयन्ति बाधयथः बाधयथ
बाधयामि बाधयावः बाधयामः

स० बाधयेत् बाधयेताम् बाधयेयुः
बाधयेः बाधयेतम् बाधयेत
बाधयेयम् बाधयेव बाधयेम

प० बाधयतु बाधयतात् बाधयताम् बाधयन्तु
बाधय , बाधयतम् बाधयत
बाधयानि बाधयाव बाधयाम

ह० अबाधयत् अबाधयताम् अबाधयन्
अबाधयः अबाधयतम् अबाधयत
अबाधयम् अबाधयाव अबाधयाम

अ० अवीवधत् अवीवधताम् अवीवधन्
अवीवधः अवीवधतम् अवीवधत
अवीवधम् अवीवधान अवीवधाम

प० बाधयाञ्चकार बाधयाञ्चक्रुः बाधयाञ्चक्रुः
बाधयाञ्चकथं बाधयाञ्चक्रुः बाधयाञ्चक्रुः
बाधयाञ्चकार-कर बाधयाञ्चक्रुः बाधयाञ्चक्रुः
बाधयाम्बभूव बाधयामास

आ० बाध्यात् बाध्यास्ताम् बाध्यासुः
बाध्याः बाध्यास्तम् बाध्यास्त
बाध्यासम् बाध्यास्व बाध्यासम्

प्र० बाधयिता बाधयितारौ बाधयितारः
बाधयितासि बाधयितास्थः बाधयितास्थ
बाधयितास्मि बाधयितास्वः बाधयितास्मः

भ० बाधयिष्यति बाधयिष्यतः बाधयिष्यन्ति
बाधयिष्यसि बाधयिष्यथः बाधयिष्यथ
बाधयिष्यामि बाधयिष्यावः बाधयिष्यामः

अबाधयिष्यत् अबाधयिष्यताम् अबाधयिष्यन्
अबाधयिष्यः अबाधयिष्यतम् अबाधयिष्यत
अबाधयिष्यम् अबाधयिष्याव अबाधयिष्याम

अथ पान्ता अष्टौ

1665 छुप् (छम्) गतौ । 98

व० छम्पयति छम्पयतः छम्पयन्ति
छम्पयसि छम्पयथः छम्पयथ
छम्पयामि छम्पयावः छम्पयामः

स० छम्पयेत् छम्पयेताम् छम्पयेयुः
छम्पयेः छम्पयेतम् छम्पयेत
छम्पयेयम् छम्पयेव छम्पयेम

प० छम्पयतु छम्पयतात् छम्पयताम् छम्पयन्तु
छम्पय , छम्पयतम् छम्पयत
छम्पयानि छम्पयाव छम्पयाम

ह० अछम्पयत् अछम्पयताम् अछम्पयन्
अछम्पयः अछम्पयतम् अछम्पयत
अछम्पयम् अछम्पयाव अछम्पयाम

अ० अचछम्पत् अचछम्पताम् अचछम्पन्
अचछम्पः अचछम्पतम् अचछम्पत
अचछम्पम् अचछम्पाव अचछम्पाम

प० छम्पयाञ्चकार छम्पयाञ्चक्रुः छम्पयाञ्चक्रुः
छम्पयाञ्चकथं छम्पयाञ्चक्रुः छम्पयाञ्चक्रुः
छम्पयाञ्चकार-कर छम्पयाञ्चक्रुः छम्पयाञ्चक्रुः
छम्पयाम्बभूव छम्पयामास

आ० छम्प्यात् छम्प्यास्ताम् छम्प्यासुः
छम्प्याः छम्प्यास्तम् छम्प्यास्त
छम्प्यासम् छम्प्यास्व छम्प्यासम्

प्र० छम्पयिता छम्पयितारौ छम्पयितारः
छम्पयितासि छम्पयितास्थः छम्पयितास्थ
छम्पयितास्मि छम्पयितास्वः छम्पयितास्मः

भ० छम्पयिष्यति छम्पयिष्यतः छम्पयिष्यन्ति
छम्पयिष्यसि छम्पयिष्यथः छम्पयिष्यथ
छम्पयिष्यामि छम्पयिष्यावः छम्पयिष्यामः

अछम्पयिष्यत् अछम्पयिष्यताम्-म्पयिष्यन्
अछम्पयिष्यः अछम्पयिष्यतम्-म्पयिष्यत
अछम्पयिष्यम् अछम्पयिष्याव-म्पयिष्याम

1666 क्षप्ण् (क्षम्प) क्षान्तौ । 99

व० क्षम्पयति क्षम्पयतः क्षम्पयन्ति
क्षम्पयसि क्षम्पयथाः क्षम्पयथा
क्षम्पयामि क्षम्पयावः क्षम्पयामः

स० क्षम्पयेत् क्षम्पयेताम् क्षम्पयेयुः
क्षम्पयेः क्षम्पयेतम् क्षम्पयेत
क्षम्पयेयम् क्षम्पयेव क्षम्पयेम

प० क्षम्पयतु क्षम्पयतात् क्षम्पयताम् क्षम्पयन्तु
क्षम्पय , क्षम्पयतम् क्षम्पयत
क्षम्पयामि क्षम्पयाव क्षम्पयाम

द्य० अक्षम्पयत् अक्षम्पयताम् अक्षम्पयन्
अक्षम्पयः अक्षम्पयतम् अक्षम्पयत
अक्षम्पयम् अक्षम्पयाव अक्षम्पयाम

अ० अचक्षम्पात् अचक्षम्पाताम् अचक्षम्पान्
अचक्षम्पाः अचक्षम्पातम् अचक्षम्पात
अचक्षम्पाम् अचक्षम्पाव अचक्षम्पाम

क्षम्पायाञ्चकार क्षम्पायाञ्चकतुः क्षम्पायाञ्चकुः
क्षम्पायाञ्चकर्ता क्षम्पायाञ्चकथुः क्षम्पायाञ्चक
क्षम्पायाञ्चकार-कर क्षम्पायाञ्चकृव याञ्चकृम
क्षम्पायाम्बभूव क्षम्पायामास

आ० क्षम्प्यात् क्षम्प्यास्ताम् क्षम्प्यासुः
क्षम्प्याः क्षम्प्यास्तम् क्षम्प्यास्त
क्षम्प्यासम् क्षम्प्यास्व क्षम्प्यास्म

प्र० क्षम्पयिता क्षम्पयितारौ क्षम्पयितारः
क्षम्पयितासि क्षम्पयितास्थः क्षम्पयितास्थ
क्षम्पयितास्मि क्षम्पयितास्वः क्षम्पयितास्मः

भ० क्षम्पयिष्यति क्षम्पयिष्यतः क्षम्पयिष्यन्ति
क्षम्पयिष्यसि क्षम्पयिष्यथाः क्षम्पयिष्यथा
क्षम्पयिष्यामि क्षम्पयिष्यावः क्षम्पयिष्यामः

अक्षम्पयिष्यत् अक्षम्पयिष्यताम्—, यिष्यन्
अक्षम्पयिष्यः अक्षम्पयिष्यतम् —, यिष्यत
अक्षम्पयिष्यम् अक्षम्पयिष्याव —, यिष्याम

1667 स्तृण् (स्तृप्) समुच्छ्राये । 100

व० स्तृणयति स्तृणयतः स्तृणयन्ति
स्तृणयसि स्तृणयथाः स्तृणयथा
स्तृणयामि स्तृणयावः स्तृणयामः

स० स्तृणयेत् स्तृणयेताम् स्तृणयेयुः
स्तृणयेः स्तृणयेतम् स्तृणयेत
स्तृणयेयम् स्तृणयेव स्तृणयेम

प० स्तृणयतु स्तृणयतात् स्तृणयताम् स्तृणयन्तु
स्तृणय , स्तृणयतम् स्तृणयत
स्तृणयामि स्तृणयाव स्तृणयाम

द्य० अस्तृणयत् अस्तृणयताम् अस्तृणयन्
अस्तृणयः अस्तृणयतम् अस्तृणयत
अस्तृणयम् अस्तृणयाव अस्तृणयाम

अ० अतुष्टुपात् अतुष्टुपाताम् अतुष्टुपान्
अतुष्टुपः अतुष्टुपतम् अतुष्टुपत
अतुष्टुपम् अतुष्टुपाव अतुष्टुपाम

प० स्तृणयाञ्चकार स्तृणयाञ्चकतुः स्तृणयाञ्चकुः
स्तृणयाञ्चकर्ता स्तृणयाञ्चकथुः स्तृणयाञ्चक
स्तृणयाञ्चकार-कर स्तृणयाञ्चकृव स्तृणयाञ्चकृम
स्तृणयाञ्चभूव स्तृणयाञ्चमास

आ० स्तृण्यात् स्तृण्यास्ताम् स्तृण्यासुः
स्तृण्याः स्तृण्यास्तम् स्तृण्यास्त
स्तृण्यासम् स्तृण्यास्व स्तृण्यास्म

प्र० स्तृणयिता स्तृणयितारौ स्तृणयितारः
स्तृणयितासि स्तृणयितास्थः स्तृणयितास्थ
स्तृणयितास्मि स्तृणयितास्वः स्तृणयितास्मः

भ० स्तृणयिष्यति स्तृणयिष्यतः स्तृणयिष्यन्ति
स्तृणयिष्यसि स्तृणयिष्यथाः स्तृणयिष्यथा
स्तृणयिष्यामि स्तृणयिष्यावः स्तृणयिष्यामः

अस्तृणयिष्यत् अस्तृणयिष्यताम् अस्तृणयिष्यन्
अस्तृणयिष्यः अस्तृणयिष्यतम् अस्तृणयिष्यत
अस्तृणयिष्यम् अस्तृणयिष्याव अस्तृणयिष्याम

1668 डिपण् (डिप्) क्षेपे 101

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | डेपयति | डेपयतः | डेपयन्ति |
| | डेपयसि | डेपयथः | डेपयथ |
| | डेपयामि | डेपयावः | डेपयामः |
| स० | डेपयेत् | डेपयेताम् | डेपयेयुः |
| | डेपयेः | डेपयेतम् | डेपयेत |
| | डेपयेयम् | डेपयेव | डेपयेम |
| प० | डेपयतु | डेपयतात् | डेपयताम् |
| | डेपय | डेपयतम् | डेपयत |
| | डेपयानि | डेपयाव | डेपयाम |
| झ० | अडेपयत् | अडेपयताम् | अडेपयन् |
| | अडेपयः | अडेपयतम् | अडेपयत |
| | अडेपयम् | अडेपयाव | अडेपयाम |
| अ० | अडीडिपत् | अडीडिपताम् | अडीडिपन् |
| | अडीडिपः | अडीडिपतम् | अडीडिपत |
| | अडीडिपम् | अडीडिपाव | अडीडिपाम |
| प० | डेपयाञ्चकार | डेपयाञ्चक्रतुः | डेपयाञ्चक्रुः |
| | डेपयाञ्चकर्त्तुः | डेपयाञ्चक्रथुः | डेपयाञ्चक्र |
| | डेपयाञ्चकार-कर | डेपयाञ्चकृष | डेपयाञ्चकृम |
| | डेपयाम्बभूव | डेपयामास | |
| आ० | डेप्यात् | डेप्यास्ताम् | डेप्यासुः |
| | डेप्याः | डेप्यास्तम् | डेप्यास्त |
| | डेप्यासम् | डेप्यास्व | डेप्यास्म |
| भ्व० | डेपयिता | डेपयितारौ | डेपयितारः |
| | डेपयितासि | डेपयितास्थः | डेपयितास्थ |
| | डेपयितास्मि | डेपयितास्वः | डेपयितास्मः |
| भ० | डेपयिष्यति | डेपयिष्यतः | डेपयिष्यन्ति |
| | डेपयिष्यसि | डेपयिष्यथः | डेपयिष्यथ |
| | डेपयिष्यामि | डेपयिष्यावः | डेपयिष्यामः |
| क्रि० | अडेपयिष्यत् | अडेपयिष्यताम् | अडेपयिष्यन् |
| | अडेपयिष्यः | अडेपयिष्यतम् | अडेपयिष्यत |
| | अडेपयिष्यम् | अडेपयिष्याव | अडेपयिष्याम |

1669 हूपण् (हूप) व्यक्तायां वाचि 102

| | | | |
|-------------|------------------|----------------|---------------|
| व० | हूपयति | हूपयतः | हूपयन्ति |
| | हूपयसि | हूपयथः | हूपयथ |
| | हूपयामि | हूपयावः | हूपयामः |
| स० | हूपयेत् | हूपयेताम् | हूपयेयुः |
| | हूपयेः | हूपयेतम् | हूपयेत |
| | हूपयेयम् | हूपयेव | हूपयेम |
| प० | हूपयतु | हूपयतात् | हूपयताम् |
| | हूपय | हूपयतम् | हूपयत |
| | हूपयानि | हूपयाव | हूपयाम |
| झ० | अहूपयत् | अहूपयताम् | अहूपयन् |
| | अहूपयः | अहूपयतम् | अहूपयत |
| | अहूपयम् | अहूपयाव | अहूपयाम |
| अ० | अजिहूपत् | अजिहूपताम् | अजिहूपन् |
| | अजिहूपः | अजिहूपतम् | अजिहूपत |
| | अजिहूपम् | अजिहूपाव | अजिहूपाम |
| प० | हूपयाञ्चकार | हूपयाञ्चक्रतुः | हूपयाञ्चक्रुः |
| | हूपयाञ्चकर्त्तुः | हूपयाञ्चक्रथुः | हूपयाञ्चक्र |
| | हूपयाञ्चकार-कर | हूपयाञ्चकृष | हूपयाञ्चकृम |
| | हूपयाम्बभूव | हूपयामास | |
| आ० | हूप्यात् | हूप्यास्ताम् | हूप्यासुः |
| | हूप्याः | हूप्यास्तम् | हूप्यास्त |
| | हूप्यासम् | हूप्यास्व | हूप्यास्म |
| भ्व० | हूपयिता | हूपयितारौ | हूपयितारः |
| | हूपयितासि | हूपयितास्थः | हूपयितास्थ |
| | हूपयितास्मि | हूपयितास्वः | हूपयितास्मः |
| भ० | हूपयिष्यति | हूपयिष्यतः | हूपयिष्यन्ति |
| | हूपयिष्यसि | हूपयिष्यथः | हूपयिष्यथ |
| | हूपयिष्यामि | हूपयिष्यावः | हूपयिष्यामः |
| अहूपयिष्यत् | अहूपयिष्यताम् | अहूपयिष्यन् | |
| अहूपयिष्यः | अहूपयिष्यतम् | अहूपयिष्यत | |
| अहूपयिष्यम् | अहूपयिष्याव | अहूपयिष्याम | |

1670 डप् (डम्प) संघाते ।

अभिमर्दने इति केचित् । 130

व० डम्पयति डम्पयतः डम्पयन्ति
डम्पयसि डम्पयथः डम्पयथ
डम्पयामि डम्पयावः डम्पयामः
स० डम्पयेत् डम्पयेताम् डम्पयेयुः
डम्पयेः डम्पयेतम् डम्पयेत
डम्पयेयम् डम्पयेव डम्पयेम
प० डम्पयतु डम्पयतात् डम्पयताम् डम्पयन्तु
डम्पय „ डम्पयतम् डम्पयत
डम्पयानि डम्पयाव डम्पयाम
झ० अडम्पयत् अडम्पयताम् अडम्पयन्
अडम्पयः अडम्पयतम् अडम्पयत
अडम्पयम् अडम्पयाव अडम्पयाम
अ० अडडम्पत् अडडम्पताम् अडडम्पन्
अडडम्पः अडडम्पतम् अडडम्पत
अडडम्पम् अडडम्पाव अडडम्पाम
प० डम्पयाञ्चकार डम्पयाञ्चकतुः डम्पयाञ्चकुः
डम्पयाञ्चकथं डम्पयाञ्चकथुः डम्पयाञ्चक
डम्पयाञ्चकार-कर डम्पयाञ्चकृव-याञ्चकृम
डम्पयाञ्चभूव डम्पयामास
आ० डम्प्यात् डम्प्यास्ताम् डम्प्यासुः
डम्प्याः डम्प्यास्तम् डम्प्यास्त
डम्प्यासम् डम्प्यास्व डम्प्यास्त
श्च० डम्पयिता डम्पयितारौ डम्पयितारः
डम्पयितासि डम्पयितास्थः डम्पयितास्थ
डम्पयितास्मि डम्पयितास्वः डम्पयितास्मः
भ० डम्पयिष्यति डम्पयिष्यतः डम्पयिष्यन्ति
डम्पयिष्यसि डम्पयिष्यथः डम्पयिष्यथ
डम्पयिष्यामि डम्पयिष्यावः डम्पयिष्यामः
अडम्पयिष्यत् अडम्पयिष्यताम् अडम्पयिष्यन्
अडम्पयिष्यः अडम्पयिष्यतम् अडम्पयिष्यत
अडम्पयिष्यम् अडम्पयिष्याव अडम्पयिष्याम
डमु डिमुण् इति केचित् । डम्पयति डिम्पयति

1671 डिप् (डिम्प) संघाते

अभिमर्दने इत्येके । 104

व० डिम्पयति डिम्पयतः डिम्पयन्ति
डिम्पयसि डिम्पयथः डिम्पयथ
डिम्पयामि डिम्पयावः डिम्पयामः
स० डिम्पयेत् डिम्पयेताम् डिम्पयेयुः
डिम्पयेः डिम्पयेतम् डिम्पयेत
डिम्पयेयम् डिम्पयेव डिम्पयेम
प० डिम्पयतु डिम्पयतात् डिम्पयताम् डिम्पयन्तु
डिम्पय „ डिम्पयतम् डिम्पयत
डिम्पयानि डिम्पयाव डिम्पयाम
झ० अडिम्पयत् अडिम्पयताम् अडिम्पयन्
अडिम्पयः अडिम्पयतम् अडिम्पयत
अडिम्पयम् अडिम्पयाव अडिम्पयाम
अडिडिम्पत् अडिडिम्पताम् अडिडिम्पन्
अडिडिम्पः अडिडिम्पतम् अडिडिम्पत
अडिडिम्पम् अडिडिम्पाव अडिडिम्पाम
डिम्पयाञ्चकार डिम्पयाञ्चकतुः डिम्पयाञ्चकुः
डिम्पयाञ्चकथं डिम्पयाञ्चकथुः डिम्पयाञ्चक
डिम्पयाञ्चकार-कर डिम्पयाञ्चकृव-याञ्चकृम
डिम्पयाञ्चभूव डिम्पयामास
आ० डिम्प्यात् डिम्प्यास्ताम् डिम्प्यासुः
डिम्प्याः डिम्प्यास्तम् डिम्प्यास्त
डिम्प्यासम् डिम्प्यास्व डिम्प्यास्त
श्च० डिम्पयिता डिम्पयितारौ डिम्पयितारः
डिम्पयितासि डिम्पयितास्थः डिम्पयितास्थ
डिम्पयितास्मि डिम्पयितास्वः डिम्पयितास्मः
भ० डिम्पयिष्यति डिम्पयिष्यतः डिम्पयिष्यन्ति
डिम्पयिष्यसि डिम्पयिष्यथः डिम्पयिष्यथ
डिम्पयिष्यामि डिम्पयिष्यावः डिम्पयिष्यामः
अडिम्पयिष्यत् अडिम्पयिष्यताम् अडिम्पयिष्यन्
अडिम्पयिष्यः अडिम्पयिष्यतम् अडिम्पयिष्यत
अडिम्पयिष्यम् अडिम्पयिष्याव अडिम्पयिष्याम
अडिम्पयिष्यम् अडिम्पयिष्याव अडिम्पयिष्याम

1672 शूर्पण् (शूर्प्) माने 105

- व० शूर्पयति शूर्पयतः शूर्पयन्ति
 शूर्पयसि शूर्पयथाः शूर्पयथ
 शूर्पयामि शूर्पयावः शूर्पयामः
- स० शूर्पयेत् शूर्पयेताम् शूर्पयेयुः
 शूर्पयेः शूर्पयेतम् शूर्पयेत
 शूर्पयेयम् शूर्पयेव शूर्पयेम
- प० शूर्पयतु शूर्पयतात् शूर्पयताम् शूर्पयन्तु
 शूर्पय , शूर्पयतम् शूर्पयत
 शूर्पयाणि शूर्पयाव शूर्पयाम
- झ० अशूर्पयत् अशूर्पयताम् अशूर्पयन्
 अशूर्पयः अशूर्पयतम् अशूर्पयत
 अशूर्पयम् अशूर्पयाव अशूर्पयाम
- अ० अशुशूर्पत् अशुशूर्पताम् अशुशूर्पेन्
 अशुशूर्पः अशुशूर्पतम् अशुशूर्पत
 अशुशूर्पम् अशुशूर्पाव अशुशूर्पाम
- ग० शूर्पयाञ्चकार शूर्पयाञ्चक्रतुः शूर्पयाञ्चकुः
 शूर्पयाञ्चकथं शूर्पयाञ्चकथुः शूर्पयाञ्चक
 शूर्पयाञ्चकार-कर शूर्पयाञ्चकृव शूर्पयाञ्चकृम
 शूर्पयाम्बभूव शूर्पयामास
- आ० शूर्प्यात् शूर्प्यास्ताम् शूर्प्यासुः
 शूर्प्याः शूर्प्यास्तम् शूर्प्यास्त
 शूर्प्यासम् शूर्प्यास्व शूर्प्यास्म
- प्रव० शूर्पयिता शूर्पयितारौ शूर्पयितारः
 शूर्पयितासि शूर्पयितास्थः शूर्पयितास्था
 शूर्पयितास्मि शूर्पयितास्वः शूर्पयितास्मः
- भ० शूर्पयिष्यति शूर्पयिष्यतः शूर्पयिष्यन्ति
 शूर्पयिष्यसि शूर्पयिष्यथाः शूर्पयिष्यथ
 शूर्पयिष्यामि शूर्पयिष्यावः शूर्पयिष्यामः
- अशूर्पयिष्यत् अशूर्पयिष्यताम् अशूर्पयिष्यन्
 अशूर्पयिष्यः अशूर्पयिष्यतम् अशूर्पयिष्यत
 अशूर्पयिष्यम् अशूर्पयिष्याव अशूर्पयिष्याम

। अथ बान्ता अव्ययै ।

1673 शुल्बण् (शुल्ब् सज्जने च ।
चकारान्माने । 106

- व० शुल्बयति शुल्बयतः शुल्बयन्ति
 शुल्बयसि शुल्बयथाः शुल्बयथ
 शुल्बयामि शुल्बयावः शुल्बयामः
- स० शुल्बयेत् शुल्बयेताम् शुल्बयेयुः
 शुल्बयेः शुल्बयेतम् शुल्बयेत
 शुल्बयेयम् शुल्बयेव शुल्बयेम
- प० शुल्बयतु शुल्बयतात् शुल्बयताम् शुल्बयन्तु
 शुल्बय , शुल्बयतम् शुल्बयत
 शुल्बयानि शुल्बयाव शुल्बयाम
- झ० अशुल्बयत् अशुल्बयताम् अशुल्बयन्
 अशुल्बयः अशुल्बयतम् अशुल्बयत
 अशुल्बयम् अशुल्बयाव अशुल्बयाम
- अ० अशुशुल्बत् अशुशुल्बताम् अशुशुल्बान्
 अशुशुल्बः अशुशुल्बतम् अशुशुल्बत
 अशुशुल्बम् अशुशुल्बाव अशुशुल्बाम
- प० शुल्बायाञ्चकार शुल्बायाञ्चक्रतुः शुल्बायाञ्चकुः
 शुल्बायाञ्चकथं शुल्बायाञ्चकथुः शुल्बायाञ्चक
 शुल्बायाञ्चकार-कर शुल्बायाञ्चकृव शुल्बायाञ्चकृम
 शुल्बायाम्बभूव शुल्बायामास
- आ० शुल्ब्यात् शुल्ब्यास्ताम् शुल्ब्यासुः
 शुल्ब्याः शुल्ब्यास्तम् शुल्ब्यास्त
 शुल्ब्यासम् शुल्ब्यास्व शुल्ब्यास्म
- प्रव० शुल्बयिता शुल्बयितारौ शुल्बयितारः
 शुल्बयितासि शुल्बयितास्थः शुल्बयितास्था
 शुल्बयितास्मि शुल्बयितास्वः शुल्बयितास्मः
- भ० शुल्बयिष्यति शुल्बयिष्यतः शुल्बयिष्यन्ति
 शुल्बयिष्यसि शुल्बयिष्यथाः शुल्बयिष्यथ
 शुल्बयिष्यामि शुल्बयिष्यावः शुल्बयिष्यामः
- अशुल्बयिष्यत् अशुल्बयिष्यताम् अशुल्बयिष्यन्
 अशुल्बयिष्यः अशुल्बयिष्यतम् अशुल्बयिष्यत
 अशुल्बयिष्यम् अशुल्बयिष्याव अशुल्बयिष्याम

1659 छर्दण् (छर्द्) चर्मने । 92

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० छर्दयति | छर्दयतः | छर्दयन्ति |
| छर्दयसि | छर्दयथः | छर्दयथ |
| छर्दयामि | छर्दयावः | छर्दयामः |
| स० छर्दयेत् | छर्दयेताम् | छर्दयेयुः |
| छर्दयेः | छर्दयेतम् | छर्दयेत |
| छर्दयेयम् | छर्दयेव | छर्दयेम |
| प० छर्दयतु | छर्दयतात् | छर्दयताम् |
| छर्दय | छर्दयतम् | छर्दयत |
| छर्दयानि | छर्दयाव | छर्दयाम |
| ह्य० अछर्दयत् | अछर्दयताम् | अछर्दयन् |
| अछर्दयः | अछर्दयतम् | अछर्दयत |
| अछर्दयम् | अछर्दयाव | अछर्दयाम |
| अ० अचच्छर्दत् | अचच्छर्दताम् | अचच्छर्दन् |
| अचच्छर्दः | अचच्छर्दतम् | अचच्छर्दत |
| अचच्छर्दम् | अचच्छर्दाव | अचच्छर्दाम |
| प० छर्दयाञ्चकार | छर्दयाञ्चकतुः | छर्दयाञ्चकुः |
| छर्दयाञ्चकथं | छर्दयाञ्चकथुः | छर्दयाञ्चक |
| छर्दयाञ्चकार-कर | छर्दयाञ्चकृव | याञ्चकृम |
| छर्दयाञ्चभूव | छर्दयामास | |
| आ० छर्दात् | छर्दास्ताम् | छर्दासुः |
| छर्दाः | छर्दास्तम् | छर्दास्त |
| छर्दासम् | छर्दास्व | छर्दास्म |
| प्रव० छर्दयिता | छर्दयितारौ | छर्दयितारः |
| छर्दयितासि | छर्दयितास्थः | छर्दयितास्थ |
| छर्दयितास्मि | छर्दयितास्वः | छर्दयितास्मः |
| भ० छर्दयिष्यति | छर्दयिष्यतः | छर्दयिष्यन्ति |
| छर्दयिष्यसि | छर्दयिष्यथः | छर्दयिष्यथ |
| छर्दयिष्यामि | छर्दयिष्यावः | छर्दयिष्यामः |
| क्रि० अछर्दयिष्यत् | अछर्दयिष्यताम् | अछर्दयिष्यन् |
| अछर्दयिष्यः | अछर्दयिष्यतम् | अछर्दयिष्यत |

1659-2 गर्दणू (गर्द्) शब्दे

इत्येके पेटुः ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० गर्दयति | गर्दयतः | गर्दयन्ति |
| गर्दयसि | गर्दयथः | गर्दयथ |
| गर्दयामि | गर्दयावः | गर्दयामः |
| स० गर्दयेत् | गर्दयेताम् | गर्दयेयुः |
| गर्दयेः | गर्दयेतम् | गर्दयेत |
| गर्दयेयम् | गर्दयेव | गर्दयेम |
| प० गर्दयतु | गर्दयतात् | गर्दयताम् |
| गर्दय | गर्दयतम् | गर्दयत |
| गर्दयानि | गर्दयाव | गर्दयाम |
| ह्य० अगर्दयत् | अगर्दयताम् | अगर्दयन् |
| अगर्दयः | अगर्दयतम् | अगर्दयत |
| अगर्दयम् | अगर्दयाव | अगर्दयाम |
| अ० अजगर्दत् | अजगर्दताम् | अजगर्दन् |
| अजगर्दः | अजगर्दतम् | अजगर्दत |
| अजगर्दम् | अजगर्दाव | अजगर्दाम |
| प० गर्दयाञ्चकार | गर्दयाञ्चकतुः | गर्दयाञ्चकुः |
| गर्दयाञ्चकथं | गर्दयाञ्चकथुः | गर्दयाञ्चक |
| गर्दयाञ्चकार-कर | गर्दयाञ्चकृव | गर्दयाञ्चकृम |
| गर्दयाञ्चभूव | गर्दयामास | |
| आ० गर्दात् | गर्दास्ताम् | गर्दासुः |
| गर्दाः | गर्दास्तम् | गर्दास्त |
| गर्दासम् | गर्दास्व | गर्दास्म |
| प्रव० गर्दयिता | गर्दयितारौ | गर्दयितारः |
| गर्दयितासि | गर्दयितास्थः | गर्दयितास्थ |
| गर्दयितास्मि | गर्दयितास्वः | गर्दयितास्मः |
| भ० गर्दयिष्यति | गर्दयिष्यतः | गर्दयिष्यन्ति |
| गर्दयिष्यसि | गर्दयिष्यथः | गर्दयिष्यथ |
| गर्दयिष्यामि | गर्दयिष्यावः | गर्दयिष्यामः |
| क्रि० अगर्दयिष्यत् | अगर्दयिष्यताम् | अगर्दयिष्यन् |
| अगर्दयिष्यः | अगर्दयिष्यतम् | अगर्दयिष्यत |

1675-2 दभण् (दभ्)

केचित्तु दभ दभुदिभूतपि भान्तानिहाधोयते
 व० दाभयति दाभयतः दाभयन्ति
 दाभयसि दाभयथः दाभयथ
 दाभयामि दाभयावः दाभयामः
 स० दाभयेत् दाभयेताम् दाभयेयुः
 दाभयेः दाभयेतम् दाभयेत
 दाभयेयम् दाभयेव दाभयेम

प० दाभयतु दाभयतात् दाभयताम् दाभयन्तु
 दाभय „ दाभयतम् दाभयत
 दाभयानि दाभयाव दाभयाम
 झ० अदाभयत् अदाभयताम् अदाभयन्
 अदाभयः अदाभयतम् अदाभयत
 अदाभयम् अदाभयाव अदाभयाम
 अ० अदीदभत् अदीदभताम् अदीदभन्
 अदीदभः अदीदभतम् अदीदभत
 अदीदभम् अदीदभाव अदीदभाम

प० दाभयाञ्चकार दाभयाञ्चक्रुः दाभयाञ्चकुः
 दाभयाञ्चकथं दाभयाञ्चकथुः दाभयाञ्चक
 दाभयाञ्चकार-कर दाभयाञ्चकृष याञ्चकृष
 दाभयाञ्चभूष दाभयामास

आ० दाभ्यात् दाभ्यास्ताम् दाभ्यासुः
 दाभ्याः दाभ्यास्तम् दाभ्यास्व
 दाभ्यासम् दाभ्यास्व दाभ्यास्म

ध्व० दाभयिता दाभयितारौ दाभयितारः
 दाभयितासि दाभयितास्थः दाभयितास्थ
 दाभयितास्मि दाभयितास्वः दाभयितास्मः

भ० दाभयिष्यति दाभयिष्यतः दाभयिष्यन्ति
 दाभयिष्यसि दाभयिष्यथः दाभयिष्यथ
 दाभयिष्यामि दाभयिष्यावः दाभयिष्यामः

अदाभयिष्यत् अदाभयिष्यताम् अदाभयिष्यन्
 अदाभयिष्यः अदाभयिष्यतम् अदाभयिष्यत
 अदाभयिष्यम् अदाभयिष्याव अदाभयिष्याम

1675-3 दभुण् (दम्भ्)

व० दम्भयति दम्भयतः दम्भयन्ति
 दम्भयसि दम्भयथः दम्भयथ
 दम्भयामि दम्भयावः दम्भयामः

स० दम्भयेत् दम्भयेताम् दम्भयेयुः
 दम्भयेः दम्भयेतम् दम्भयेत
 दम्भयेयम् दम्भयेव दम्भयेम

प० दम्भयतु दम्भयतात् दम्भयताम् दम्भयन्तु
 दम्भय „ दम्भयतम् दम्भयत
 दम्भयानि दम्भयाव दम्भयाम

झ० अदम्भयत् अदम्भयताम् अदम्भयन्
 अदम्भयः अदम्भयतम् अदम्भयत
 अदम्भयम् अदम्भयाव अदम्भयाम

अ० अददम्भत् अददम्भताम् अददम्भन्
 अददम्भः अददम्भतम् अददम्भत
 अददम्भम् अददम्भाव अददम्भाम

दम्भयाञ्चकार दम्भयाञ्चक्रुः दम्भयाञ्चकुः
 दम्भयाञ्चकथं दम्भयाञ्चकथुः दम्भयाञ्चक
 दम्भयाञ्चकार-कर दम्भयाञ्चकृष याञ्चकृष
 दम्भयाञ्चभूष दम्भयामास

आ० दम्भ्यात् दम्भ्यास्ताम् दम्भ्यासुः
 दम्भ्याः दम्भ्यास्तम् दम्भ्यास्व
 दम्भ्यासम् दम्भ्यास्व दम्भ्यास्म

ध्व० दम्भयिता दम्भयितारौ दम्भयितारः
 दम्भयितासि दम्भयितास्थः दम्भयितास्थ
 दम्भयितास्मि दम्भयितास्वः दम्भयितास्मः

भ० दम्भयिष्यति दम्भयिष्यतः दम्भयिष्यन्ति
 दम्भयिष्यसि दम्भयिष्यथः दम्भयिष्यथ
 दम्भयिष्यामि दम्भयिष्यावः दम्भयिष्यामः

अदम्भयिष्यत् अदम्भयिष्यताम् अदम्भयिष्यन्
 अदम्भयिष्यः अदम्भयिष्यतम् अदम्भयिष्यत
 अदम्भयिष्यम् अदम्भयिष्याव अदम्भयिष्याम

1675-4 दिभण् (दिम्भ)

व० दिम्भयति दिम्भयतः दिम्भयन्ति
दिम्भयसि दिम्भयथः दिम्भयथ
दिम्भयामि दिम्भयावः दिम्भयामः
स० दिम्भयेत् दिम्भयेताम् दिम्भयेयुः
दिम्भयेः दिम्भयेतम् दिम्भयेत
दिम्भयेयम् दिम्भयेव दिम्भयेम
प० दिम्भयतु दिम्भयतात् दिम्भयताम् दिम्भयन्तु
दिम्भय , दिम्भयतम् दिम्भयत
दिम्भयानि दिम्भयाव दिम्भयाम
झ० अदिम्भयत् अदिम्भयताम् अदिम्भयन्
अदिम्भयः अदिम्भयतम् अदिम्भयत
अदिम्भयम् अदिम्भयाव अदिम्भयाम
अ० अदिदिम्भत् अदिदिम्भताम् अदिदिम्भन्त
अदिदिम्भः अदिदिम्भतम् अदिदिम्भत
अदिदिम्भम् अदिदिम्भाव अदिदिम्भाम
प० दिम्भयाञ्चकार दिम्भयाञ्चक्रुः दिम्भयाञ्चक्रुः
दिम्भयाञ्चकथं दिम्भयाञ्चक्रुः दिम्भयाञ्चक्रुः
दिम्भयाञ्चकार-कर दिम्भयाञ्चक्रु-याञ्चक्रुम
दिम्भयाञ्चभूव दिम्भयाञ्चमास
आ० दिम्भ्यात् दिम्भ्यास्ताम् दिम्भ्यास्तुः
दिम्भ्याः दिम्भ्यास्तम् दिम्भ्यास्त
दिम्भ्यासम् दिम्भ्यास्व दिम्भ्यास्म
श्व० दिम्भयिता दिम्भयितारौ दिम्भयितारः
दिम्भयितासि दिम्भयितास्थः दिम्भयितास्थ
दिम्भयितास्मि दिम्भयितास्वः दिम्भयितास्म
भ० दिम्भयिष्यति दिम्भयिष्यतः दिम्भयिष्यन्ति
दिम्भयिष्यसि दिम्भयिष्यथः दिम्भयिष्यथ
दिम्भयिष्यामि दिम्भयिष्यावः दिम्भयिष्यामः
क्रि० अदिम्भयिष्यत् अदिम्भयिष्यताम् अदिम्भयिष्यन्
अदिम्भयिष्यः अदिम्भयिष्यतम् अदिम्भयिष्यन्
अदिम्भयिष्यम् अदिम्भयिष्याव अदिम्भयिष्याम

1676 सम्बण् (सम्ब) सम्बन्धे 109

व० सम्बयति सम्बयतः सम्बयन्ति
सम्बयसि सम्बयथः सम्बयथ
सम्बयामि सम्बयावः सम्बयामः
स० सम्बयेत् सम्बयेताम् सम्बयेयुः
सम्बयेः सम्बयेतम् सम्बयेत
सम्बयेयम् सम्बयेव सम्बयेम
प० सम्बयतु सम्बयतात् सम्बयताम् सम्बयन्तु
सम्बय , सम्बयतम् सम्बयत
सम्बयानि सम्बयाव सम्बयाम
झ० असम्बयत् असम्बयताम् असम्बयन्
असम्बयः असम्बयतम् असम्बयत
असम्बयम् असम्बयाव असम्बयाम
अ० अससम्बत् अससम्बताम् अससम्बन्त
अससम्बः अससम्बतम् अससम्बत
अससम्बम् अससम्बाव अससम्बाम
प० सम्बयाञ्चकार सम्बयाञ्चक्रुः सम्बयाञ्चक्रुः
सम्बयाञ्चकथं सम्बयाञ्चक्रुः सम्बयाञ्चक्रुः
सम्बयाञ्चकार-कर सम्बयाञ्चक्रु-याञ्चक्रुम
सम्बयाञ्चभूव । सम्बयाञ्चमास
आ० सम्ब्यात् सम्ब्यास्ताम् सम्ब्यास्तुः
सम्ब्याः सम्ब्यास्तम् सम्ब्यास्त
सम्ब्यासम् सम्ब्यास्व सम्ब्यास्म
श्व० सम्बयिता सम्बयितारौ सम्बयितारः
सम्बयितासि सम्बयितास्थः सम्बयितास्थ
सम्बयितास्मि सम्बयितास्वः सम्बयितास्म
भ० सम्बयिष्यति सम्बयिष्यतः सम्बयिष्यन्ति
सम्बयिष्यसि सम्बयिष्यथः सम्बयिष्यथ
सम्बयिष्यामि सम्बयिष्यावः सम्बयिष्यामः
असम्बयिष्यत् असम्बयिष्यताम् असम्बयिष्यन्
असम्बयिष्यः असम्बयिष्यतम् असम्बयिष्यन्
असम्बयिष्यम् असम्बयिष्याव असम्बयिष्याम
षम्बण् इति केचित् । शम्बण् इति द्रुमिल
साम्ब इत्यपरे

1677 कुवुण (कुम्ब) आच्छादने ॥ १०

व० कुम्बयति कुम्बयतः कुम्बयन्ति
कुम्बयसि कुम्बयथः कुम्बयथ
कुम्बयामि कुम्बयावः कुम्बयामः

स० कुम्बयेत् कुम्बयेताम् कुम्बयेयुः
कुम्बयेः कुम्बयेतम् कुम्बयेत
कुम्बयेयम् कुम्बयेव कुम्बयेम

प० कुम्बयतु कुम्बयतात् कुम्बयताम् कुम्बयन्तु
कुम्बय , कुम्बयतम् कुम्बयत
कुम्बयानि कुम्बयाव कुम्बयाम

झ० अकुम्बयत् अकुम्बयताम् अकुम्बयन्
अकुम्बयः अकुम्बयतम् अकुम्बयत
अकुम्बयम् अकुम्बयाव अकुम्बयाम

अ० अचुकुम्बत् अचुकुम्बताम् अचुकुम्बन्
अचुकुम्बः अचुकुम्बतम् अचुकुम्बत
अचुकुम्बम् अचुकुम्बाव अचुकुम्बाम

प० कुम्बयाञ्चकारकुम्बयाञ्चक्रतुः कुम्बयाञ्चक्रुः
कुम्बयाञ्चकथ कुम्बयाञ्चक्रुः कुम्बयाञ्चक्र
कुम्बयाञ्चकार-कर कुम्बयाञ्चकृव-याञ्चकृम

कुम्बयाम्बभूव । कुम्बयामास

आ० कुम्ब्यात् कुम्ब्यास्ताम् कुम्ब्यासुः
कुम्ब्याः कुम्ब्यास्तम् कुम्ब्यास्त
कुम्ब्यासम् कुम्ब्यास्व कुम्ब्यास्म

झ० कुम्बयिता कुम्बयितारौ कुम्बयितारः
कुम्बयितासि कुम्बयितास्थः कुम्बयितास्थ
कुम्बयितास्मि कुम्बयितास्वः कुम्बयितास्मः

भ० कुम्बयिष्यति कुम्बयिष्यतः कुम्बयिष्यन्ति
कुम्बयिष्यसि कुम्बयिष्यथः कुम्बयिष्यथ
कुम्बयिष्यामि कुम्बयिष्यावः कुम्बयिष्यामः

अकुम्बयिष्यत् अकुम्बयिष्यताम् अकुम्बयिष्यन्
अकुम्बयिष्यः अकुम्बयिष्यतम् अकुम्बयिष्यत
अकुम्बयिष्यम् अकुम्बयिष्याव अकुम्बयिष्याम

1978 लुवुण (लुम्ब) अर्दने ॥ ११

व० लुम्बयति लुम्बयतः लुम्बयन्ति
लुम्बयसि लुम्बयथः लुम्बयथ
लुम्बयामि लुम्बयावः लुम्बयामः

स० लुम्बयेत् लुम्बयेताम् लुम्बयेयुः
लुम्बयेः लुम्बयेतम् लुम्बयेत
लुम्बयेयम् लुम्बयेव लुम्बयेम

प० लुम्बयतु लुम्बयतात् लुम्बयताम् लुम्बयन्तु
लुम्बय , लुम्बयतम् लुम्बयत
लुम्बयानि लुम्बयाव लुम्बयाम

झ० अलुम्बयत् अलुम्बयताम् अलुम्बयन्
अलुम्बयः अलुम्बयतम् अलुम्बयत
अलुम्बयम् अलुम्बयाव अलुम्बयाम

अ० अलुलुम्बत् अलुलुम्बताम् अलुलुम्बन्
अलुलुम्बः अलुलुम्बतम् अलुलुम्बत
अलुलुम्बम् अलुलुम्बाव अलुलुम्बाम

प० लुम्बयाञ्चकारलुम्बयाञ्चक्रतुः लुम्बयाञ्चक्रुः
लुम्बयाञ्चकथ लुम्बयाञ्चक्रुः लुम्बयाञ्चक्र
लुम्बयाञ्चकार-करलुम्बयाञ्चकृव याञ्चकृम
लुम्बयाम्बभूव । लुम्बयामास

आ० लुम्ब्यात् लुम्ब्यास्ताम् लुम्ब्यासुः
लुम्ब्याः लुम्ब्यास्तम् लुम्ब्यास्त
लुम्ब्यासम् लुम्ब्यास्व लुम्ब्यास्म

झ० लुम्बयिता लुम्बयितारौ लुम्बयितारः
लुम्बयितासि लुम्बयितास्थः लुम्बयितास्थ
लुम्बयितास्मि लुम्बयितास्वः लुम्बयितास्मः

भ० लुम्बयिष्यति लुम्बयिष्यतः लुम्बयिष्यन्ति
लुम्बयिष्यसि लुम्बयिष्यथः लुम्बयिष्यथ
लुम्बयिष्यामि लुम्बयिष्यावः लुम्बयिष्यामः

अलुम्बयिष्यत् अलुम्बयिष्यताम् अलुम्बयिष्यन्
अलुम्बयिष्यः अलुम्बयिष्यतम् अलुम्बयिष्यत
अलुम्बयिष्यम् अलुम्बयिष्याव अलुम्बयिष्याम

1679 तुवुण् (तुम्ब) अर्दने 112

व० तुम्बयति तुम्बयतः तुम्बयन्ति
तुम्बयसि तुम्बयथः तुम्बयथ
तुम्बयामि तुम्बयावः तुम्बयामः

स० तुम्बयेत् तुम्बयेताम् तुम्बयेयुः
तुम्बयेः तुम्बयेतम् तुम्बयेत
तुम्बयेयम् तुम्बयेव तुम्बयेम

प० तुम्बयतु तुम्बयतात् तुम्बयताम् तुम्बयन्तु
तुम्बय , तुम्बयतम् तुम्बयत
तुम्बयानि तुम्बयाव तुम्बयाम

झ० अतुम्बयत् अतुम्बयताम् अतुम्बयन्
अतुम्बयः अतुम्बयतम् अतुम्बयत
अतुम्बयम् अतुम्बयाव अतुम्बयाम

अ० अतुम्बयत् अतुम्बयताम् अतुम्बयन्
अतुम्बयः अतुम्बयतम् अतुम्बयत
अतुम्बयम् अतुम्बयाव अतुम्बयाम

प० तुम्बयाञ्चकार तुम्बयाञ्चक्रतुः तुम्बयाञ्च
तुम्बयाञ्चकथं तुम्बयाञ्चकथुः तुम्बयाञ्चक्र
तुम्बयाञ्चकार-कर तुम्बयाञ्चकृष-याञ्चकृम

तुम्बयाम्बभूव । तुम्बयामास

आ० तुम्बयात् तुम्बयास्ताम् तुम्बयासुः
तुम्बयाः तुम्बयास्तम् तुम्बयास्त
तुम्बयासम् तुम्बयास्व तुम्बयास्म

श्व० तुम्बयिता तुम्बयितारौ तुम्बयितारः
तुम्बयितासि तुम्बयितास्थः तुम्बयितास्थ
तुम्बयितास्मि तुम्बयितास्वः तुम्बयितास्मः

भ० तुम्बयिष्यति तुम्बयिष्यतः तुम्बयिष्यन्ति
तुम्बयिष्यसि तुम्बयिष्यथः तुम्बयिष्यथ
तुम्बयिष्यामि तुम्बयिष्यावः तुम्बयिष्यामः
अतुम्बयिष्यत् अतुम्बयिष्यताम् अतुम्बयिष्यन्
अतुम्बयिष्यः अतुम्बयिष्यतम् अतुम्बयिष्यत
अतुम्बयिष्यम् अतुम्बयिष्याव अतुम्बयिष्याम
अस्य स्थाने तुवुण् इति पठन्त्यन्ये ।

1680 पुर्वण् (पुर्व) निक्तेतने 113

व० पूर्वयति पूर्वयतः पूर्वयन्ति
पूर्वयसि पूर्वयथः पूर्वयथ
पूर्वयामि पूर्वयावः पूर्वयामः

स० पूर्वयेत् पूर्वयेताम् पूर्वयेयुः
पूर्वयेः पूर्वयेतम् पूर्वयेत
पूर्वयेयम् पूर्वयेव पूर्वयेम

प० पूर्वयतु पूर्वयतात् पूर्वयताम् पूर्वयन्तु
पूर्वय , पूर्वयतम् पूर्वयत
पूर्वयानि पूर्वयाव पूर्वयाम

झ० अपूर्वयत् अपूर्वयताम् अपूर्वयन्
अपूर्वयः अपूर्वयतम् अपूर्वयत
अपूर्वयम् अपूर्वयाव अपूर्वयाम

अ० अपुर्वयत् अपुर्वयताम् अपुर्वयन्
अपुर्वयः अपुर्वयतम् अपुर्वयत
अपुर्वयम् अपुर्वयाव अपुर्वयाम

प० पूर्वयाञ्चकार पूर्वयाञ्चक्रतुः पूर्वयाञ्चक्र
पूर्वयाञ्चकथं पूर्वयाञ्चकथुः पूर्वयाञ्चक्र
पूर्वयाञ्चकार-कर पूर्वयाञ्चकृष पूर्वयाञ्चकृम

पूर्वयाम्बभूव । पूर्वयामास

आ० पूर्वयात् पूर्वयास्ताम् पूर्वयासुः
पूर्वयाः पूर्वयास्तम् पूर्वयास्त
पूर्वयासम् पूर्वयास्व पूर्वयास्म

श्व० पूर्वयिता पूर्वयितारौ पूर्वयितारः

पूर्वयितासि पूर्वयितास्थः पूर्वयितास्थ
पूर्वयितास्मि पूर्वयितास्वः पूर्वयितास्मः

भ० पूर्वयिष्यति पूर्वयिष्यतः पूर्वयिष्यन्ति
पूर्वयिष्यसि पूर्वयिष्यथः पूर्वयिष्यथ
पूर्वयिष्यामि पूर्वयिष्यावः पूर्वयिष्यामः

अपूर्वयिष्यत् अपूर्वयिष्यताम् अपूर्वयिष्यन्
अपूर्वयिष्यः अपूर्वयिष्यतम् अपूर्वयिष्यत
अपूर्वयिष्यम् अपूर्वयिष्याव अपूर्वयिष्याम
पूर्व इत्यमरकोशे ओष्ठ्यान्तेषु पठितस्तत्प्र-
कृतित्वानुरोधाद्धान्तेष्वयमस्माभिरिहाधीतः

॥ अथ मान्तः ॥

1681 यमण् (यम्) परिवेषणे 114

व० यामयति यामयतः यामयन्ति
 यामयसि यामयथः यामयथ
 यामयामि यामयावः यामयामः
 स० यामयेत् यामयेताम् यामयेयुः
 यामयेः यामयेतम् यामयेत
 यामयेयम् यामयेव यामयेम

प० यामयतु यामयतात् यामयताम् यामयन्तु
 यामय , यामयतम् यामयत
 यामयानि यामयाव यामयाम
 झ० अयामयत् अयामयताम् अयामयन्
 अयामयः अयामयतम् अयामयत
 अयामयम् अयामयाव अयामयाम
 अ० अयीयमत् अयीयमताम् अयीयमन्
 अयीयमः अयीयमतम् अयीयमत
 अयीयमम् अयीयमाव अयीयमाम

प० यामयाञ्चकार यामयाञ्चक्रतुः यामयाञ्चकुः
 यामयाञ्चकर्थं यामयाञ्चक्रतुः यामयाञ्चक्र
 यामयाञ्चकार कर यामयाञ्चकृव यामयाञ्चकृम
 यामयाम् यामयामास

आ० यामयात् यामयास्ताम् यामयासुः
 यामयाः यामयास्तम् यामयास्त
 यामयासम् यामयास्व यामयास्म
 ख० यामयिता यामयितारौ यामयितारः
 यामयितासि यामयितास्थः यामयितास्थ
 यामयितास्मि यामयितास्वः यामयितास्मः
 भ० यामयिष्यति यामयिष्यतः यामयिष्यन्ति
 यामयिष्यामि यामयिष्यथः यामयिष्यथ
 यामयिष्यामि यामयिष्यावः यामयिष्यामः
 अयामयिष्यत् अयामयिष्यताम् अयामयिष्यन्
 अयामयिष्यः अयामयिष्यतम् अयामयिष्यत
 अयामयिष्यम् अयामयिष्याव अयामयिष्याम

॥ अथ यान्तः ॥

1682 व्ययण् (व्यय्) क्षये 115

व० व्याययति व्याययतः व्याययन्ति
 व्याययसि व्याययथः व्याययथ
 व्याययामि व्याययावः व्याययामः
 स० व्याययेत् व्याययेताम् व्याययेयुः
 व्याययेः व्याययेतम् व्याययेत
 व्याययेयम् व्याययेव व्याययेम

प० व्याययतु व्याययतात् व्याययताम् व्याययन्तु
 व्यायय , व्याययतम् व्याययत
 व्याययानि व्याययाव व्याययाम
 झ० अव्याययत् अव्याययताम् अव्याययन्
 अव्याययः अव्याययतम् अव्याययत
 अव्याययम् अव्याययाव अव्याययाम
 अ० अविव्ययत् अविव्ययताम् अविव्ययन्
 अविव्ययः अविव्ययतम् अविव्ययत
 अविव्ययम् अविव्ययाव अविव्ययाम

प० व्याययाञ्चकार व्याययाञ्चक्रतुः व्याययाञ्चकुः
 व्याययाञ्चकर्थं व्याययाञ्चक्रतुः व्याययाञ्चक्र
 व्याययाञ्चकार कर व्याययाञ्चकृव याञ्चकृम
 व्याययाम् व्याययामास

आ० व्याययात् व्याययास्ताम् व्याययासुः
 व्याययाः व्याययास्तम् व्याययास्त
 व्याययासम् व्याययास्व व्याययास्म
 ख० व्याययिता व्याययितारौ व्याययितारः
 व्याययितासि व्याययितास्थः व्याययितास्थ
 व्याययितास्मि व्याययितास्वः व्याययितास्मः
 भ० व्याययिष्यति व्याययिष्यतः व्याययिष्यन्ति
 व्याययिष्यामि व्याययिष्यथः व्याययिष्यथ
 व्याययिष्यामि व्याययिष्यावः व्याययिष्यामः
 अव्याययिष्यत् अव्याययिष्यताम् — , यिष्यन्
 अव्याययिष्यः अव्याययिष्यतम् — , यिष्यत
 अव्याययिष्यम् अव्याययिष्याव — , यिष्याम

॥ अथ रान्तास्त्रयः ॥

1683 यष्टुण् (यन्त्र) संकोचने । 116

व० यन्त्रयति यन्त्रयतः यन्त्रयन्ति
यन्त्रयसि यन्त्रयथः यन्त्रयथ
यन्त्रयामि यन्त्रयावः यन्त्रयामः
स० यन्त्रयेत् यन्त्रयेताम् यन्त्रयेयुः
यन्त्रयेः यन्त्रयेतम् यन्त्रयेत
यन्त्रयेयम् यन्त्रयेव यन्त्रयेम
प० यन्त्रयतु यन्त्रयतात् यन्त्रयताम् यन्त्रयन्तु
यन्त्रय यन्त्रयतम् यन्त्रयत
यन्त्रयाति यन्त्रयाव यन्त्रयाम
अ० अयन्त्रयत् अयन्त्रयताम् अयन्त्रयन्
अयन्त्रयः अयन्त्रयतम् अयन्त्रयत
अयन्त्रयम् अयन्त्रयाव अयन्त्रयाम
अ० अययन्त्रत् अययन्त्रताम् अययन्त्रन्
अययन्त्रः अययन्त्रतम् अययन्त्रत
अययन्त्रम् अययन्त्राव अययन्त्राम
यन्त्रयाञ्चकार यन्त्रयाञ्चकतुः यन्त्रयाञ्चकुः
यन्त्रयाञ्चकर्त्तुः यन्त्रयाञ्चक्रथुः यन्त्रयाञ्चक्र
यन्त्रयाञ्चकार कर यन्त्रयाञ्चकृव याञ्चकृम
यन्त्रयाम्बभूव यन्त्रयामास
आ० यन्त्रयात् यन्त्रयास्ताम् यन्त्रयासुः
यन्त्रयाः यन्त्रयास्तम् यन्त्रयास्त
यन्त्रयासम् यन्त्रयास्व यन्त्रयासम्
प्र० यन्त्रयिता यन्त्रयितारौ यन्त्रयितारः
यन्त्रयितासि यन्त्रयितास्थः यन्त्रयितास्थ
यन्त्रयितास्मि यन्त्रयितास्वः यन्त्रयितास्मः
अ० यन्त्रयिष्यति यन्त्रयिष्यातः यन्त्रयिष्यन्ति
यन्त्रयिष्यसि यन्त्रयिष्यथः यन्त्रयिष्यथ
यन्त्रयिष्यामि यन्त्रयिष्यावः यन्त्रयिष्यामः
अयन्त्रयिष्यत् अयन्त्रयिष्यताम् अयन्त्रयिष्यन्
अयन्त्रयिष्यः अयन्त्रयिष्यतम् अयन्त्रयिष्यत
अयन्त्रयिष्यम् अयन्त्रयिष्याव अयन्त्रयिष्याम

1684 कुद्रुण् (कुन्द्र) अनृतभाषणे 117

व० कुन्द्रयति कुन्द्रयतः कुन्द्रयन्ति
कुन्द्रयसि कुन्द्रयथः कुन्द्रयथ
कुन्द्रयामि कुन्द्रयावः कुन्द्रयामः
स० कुन्द्रयेत् कुन्द्रयेताम् कुन्द्रयेयुः
कुन्द्रयेः कुन्द्रयेतम् कुन्द्रयेत
कुन्द्रयेयम् कुन्द्रयेव कुन्द्रयेम
प० कुन्द्रयतु कुन्द्रयतात् कुन्द्रयताम् कुन्द्रयन्तु
कुन्द्रय कुन्द्रयतम् कुन्द्रयत
कुन्द्रयाति कुन्द्रयाव कुन्द्रयाम
अ० अकुन्द्रयत् अकुन्द्रयताम् अकुन्द्रयन्
अकुन्द्रयः अकुन्द्रयतम् अकुन्द्रयत
अकुन्द्रयम् अकुन्द्रयाव अकुन्द्रयाम
अ० अचुकुन्द्रत् अचुकुन्द्रताम् अचुकुन्द्रन्
अचुकुन्द्रः अचुकुन्द्रतम् अचुकुन्द्रत
अचुकुन्द्रम् अचुकुन्द्राव अचुकुन्द्राम
प० कुन्द्रयाञ्चकार कुन्द्रयाञ्चकतुः कुन्द्रयाञ्चकुः
कुन्द्रयाञ्चकर्त्तुः कुन्द्रयाञ्चक्रथुः कुन्द्रयाञ्चक्र
कुन्द्रयाञ्चकार कर कुन्द्रयाञ्चकृव कुन्द्रयाञ्चकृम
कुन्द्रयाम्बभूव कुन्द्रयामास
आ० कुन्द्र्यात् कुन्द्र्यास्ताम् कुन्द्र्यासुः
कुन्द्र्याः कुन्द्र्यास्तम् कुन्द्र्यास्त
कुन्द्र्यासम् कुन्द्र्यास्व कुन्द्र्यासम्
प्र० कुन्द्रयिता कुन्द्रयितारौ कुन्द्रयितारः
कुन्द्रयितासि कुन्द्रयितास्थः कुन्द्रयितास्थ
कुन्द्रयितास्मि कुन्द्रयितास्वः कुन्द्रयितास्मः
अ० कुन्द्रयिष्यति कुन्द्रयिष्यतः कुन्द्रयिष्यन्ति
कुन्द्रयिष्यसि कुन्द्रयिष्यथः कुन्द्रयिष्यथ
कुन्द्रयिष्यामि कुन्द्रयिष्यावः कुन्द्रयिष्यामः
अकुन्द्रयिष्यत् अकुन्द्रयिष्यताम् अकुन्द्रयिष्यन्
अकुन्द्रयिष्यः अकुन्द्रयिष्यतम् अकुन्द्रयिष्यत
अकुन्द्रयिष्यम् अकुन्द्रयिष्याव अकुन्द्रयिष्याम
गुद्रुण् इति केचित्तन्मते । गुन्द्रयति

1685 श्वभ्रण् (श्वभ्र) गतौ । 118

| | | |
|------------------|------------------|-------------------------|
| व० श्वभ्रयति | श्वभ्रयतः | श्वभ्रयन्ति |
| श्वभ्रयसि | श्वभ्रयथः | श्वभ्रयथ |
| श्वभ्रयामि | श्वभ्रयावः | श्वभ्रयामः |
| स० श्वभ्रयेत् | श्वभ्रयेताम् | श्वभ्रयेयुः |
| श्वभ्रयेः | श्वभ्रयेतम् | श्वभ्रयेत |
| श्वभ्रयेयम् | श्वभ्रयेष्व | श्वभ्रयेम |
| प० श्वभ्रयतु | श्वभ्रयतात् | श्वभ्रयताम् श्वभ्रयन्तु |
| श्वभ्रय | „ | श्वभ्रयतम् श्वभ्रयत |
| श्वभ्रयानि | श्वभ्रयाव | श्वभ्रयाम |
| झ० अश्वभ्रयत् | अश्वभ्रयताम् | अश्वभ्रयन् |
| अश्वभ्रयः | अश्वभ्रयतम् | अश्वभ्रयत |
| अश्वभ्रयम् | अश्वभ्रयाव | अश्वभ्रयाम |
| अ० अशश्वभ्रत् | अशश्वभ्रताम् | अशश्वभ्रन् |
| अशश्वभ्रः | अशश्वभ्रतम् | अशश्वभ्रत |
| अशश्वभ्रम् | अशश्वभ्राव | अशश्वभ्राम |
| पश्वभ्रयाञ्चकार | श्वभ्रयाञ्चकतुः | श्वभ्रयाञ्चकृः |
| श्वभ्रयाञ्चकथं | श्वभ्रयाञ्चकथुः | श्वभ्रयाञ्चकृ |
| श्वभ्रयाञ्चकार | कर | श्वभ्रयाञ्चकृव याञ्चकृम |
| श्वभ्रयाञ्चभूव | श्वभ्रयामास | |
| आ० श्वभ्रयात् | श्वभ्रयास्ताम् | श्वभ्रयासुः |
| श्वभ्रयाः | श्वभ्रयास्तम् | श्वभ्रयास्त |
| श्वभ्रयासम् | श्वभ्रयास्व | श्वभ्रयास्म |
| श्व० श्वभ्रयिता | श्वभ्रयितारौ | श्वभ्रयितारः |
| श्वभ्रयितासि | श्वभ्रयितास्थः | श्वभ्रयितास्थ |
| श्वभ्रयितास्मि | श्वभ्रयितास्वः | श्वभ्रयितास्मः |
| भ० श्वभ्रयिष्यति | श्वभ्रयिष्यतः | श्वभ्रयिष्यन्ति |
| श्वभ्रयिष्यसि | श्वभ्रयिष्यथः | श्वभ्रयिष्यथ |
| श्वभ्रयिष्यामि | श्वभ्रयिष्यावः | श्वभ्रयिष्यामः |
| अश्वभ्रयिष्यत् | अश्वभ्रयिष्यताम् | अश्वभ्रयिष्यन् |
| अश्वभ्रयिष्यः | अश्वभ्रयिष्यतम् | अश्वभ्रयिष्यत |
| अश्वभ्रयिष्यम् | अश्वभ्रयिष्याव | अश्वभ्रयिष्याम |

॥ अथ लान्ताः षोडश ॥

1686 तिलण् (तिल्) स्नेहने 119

| | | |
|----------------|---------------|-------------------------|
| व० तेलयति | तेलयतः | तेलयन्ति |
| तेलयसि | तेलयथः | तेलयथ |
| तेलयामि | तेलयावः | तेलयामः |
| स० तेलयेत् | तेलयेताम् | तेलयेयुः |
| तेलयेः | तेलयेतम् | तेलयेत |
| तेलयेयम् | तेलयेष्व | तेलयेम |
| प० तेलयतु | तेलयतात् | तेलयताम् तेलयन्तु |
| तेलय | „ | तेलयतम् तेलयत |
| तेलयानि | तेलयाव | तेलयाम |
| झ० अतेलयत् | अतेलयताम् | अतेलयन् |
| अतेलयः | अतेलयतम् | अतेलयत |
| अतेलयम् | अतेलयाव | अतेलयाम |
| अ० अतीतिलत् | अतीतिलताम् | अतीतिलन् |
| अतीतिलः | अतीतिलतम् | अतीतिलत |
| अतीतिलम् | अतीतिलाव | अतीतिलाम |
| प० तेलयाञ्चकार | तेलयाञ्चकतुः | तेलयाञ्चकृः |
| तेलयाञ्चकथं | तेलयाञ्चकथुः | तेलयाञ्चकृ |
| तेलयाञ्चकार | कर | तेलयाञ्चकृव तेलयाञ्चकृम |
| तेलयाञ्चभूव | तेलयामास | |
| आ० तेल्यात् | तेल्यास्ताम् | तेल्यासुः |
| तेल्याः | तेल्यास्तम् | तेल्यास्त |
| तेल्यासम् | तेल्यास्व | तेल्यास्म |
| श्व० तेलयिता | तेलयितारौ | तेलयितारः |
| तेलयितासि | तेलयितास्थः | तेलयितास्थ |
| तेलयितास्मि | तेलयितास्वः | तेलयितास्मः |
| भ० तेलयिष्यति | तेलयिष्यतः | तेलयिष्यन्ति |
| तेलयिष्यसि | तेलयिष्यथः | तेलयिष्यथ |
| तेलयिष्यामि | तेलयिष्यावः | तेलयिष्यामः |
| अतेलयिष्यत् | अतेलयिष्यताम् | अतेलयिष्यन् |
| अतेलयिष्यः | अतेलयिष्यतम् | अतेलयिष्यत |
| अतेलयिष्यम् | अतेलयिष्याव | अतेलयिष्याम |

1687 जलण् (जल्) अपवारणे 120

व० जालयति जालयतः जालयन्ति
 जालयसि जालयथः जालयथ
 जालयामि जालयावः जालयामः
 स० जालयेत् जालयेताम् जालयेयुः
 जालयेः जालयेतम् जालयेत
 जालयेयम् जालयेव जालयेम
 प० जालयतु जालयतात् जालयताम् जालयन्तु
 जालय , जालयतम् जालयत
 जालयानि जालयाव जालयाम
 घ० अजालयत् अजालयताम् अजालयन्
 अजालयः अजालयतम् अजालयत
 अजालयम् अजालयाव अजालयाम
 अ० अजीजलत् अजीजलताम् अजीजलन्
 अजीजलः अजीजलतम् अजीजलत्
 अजीजलम् अजीजलाव अजीजलाम
 प० जालयाञ्चकार जालयाञ्चक्रतुः जालयाञ्चक्रः
 जालयाञ्चकर्थं जालयाञ्चक्रथुः जालयाञ्चक्र
 जालयाञ्चकार-कर जालयाञ्चकृव जालयाञ्चकृम
 जालयाञ्चभूष जालयामास
 आ० जाल्यात् जाल्यास्ताम् जाल्यासुः
 जाल्याः जाल्यास्तम् जाल्यास्त
 जाल्यासम् जाल्यास्व जाल्यास्म
 ऋ० जालयिता जालयितारौ जालयितारः
 जालयितासि जालयितास्थः जालयितास्थ
 जालयितास्मि जालयितास्वः जालयितास्मः
 भ० जालयिष्यति जालयिष्यतः जालयिष्यन्ति
 जालयिष्यसि जालयिष्यथः जालयिष्यथ
 जालयिष्यामि जालयिष्यावः जालयिष्यामः
 अजालयिष्यत् अजालयिष्यताम् अजालयिष्यन्
 अजालयिष्यः अजालयिष्यतम् अजालयिष्यत
 अजालयिष्यम् अजालयिष्याव अजालयिष्याम
 अयं लज्जिति नन्दी

1688 क्षलण् (क्षल्) शौचे ।

शौचं शौचकर्म । 121

व० क्षालयति क्षालयतः क्षालयन्ति
 क्षालयसि क्षालयथः क्षालयथ
 क्षालयामि क्षालयावः क्षालयामः
 स० क्षालयेत् क्षालयेताम् क्षालयेयुः
 क्षालयेः क्षालयेतम् क्षालयेत
 क्षालयेयम् क्षालयेव क्षालयेम
 प० क्षालयतु क्षालयतात् क्षालयताम् क्षालयन्तु
 क्षालय , क्षालयतम् क्षालयत
 क्षालयानि क्षालयाव क्षालयाम
 घ० अक्षालयत् अक्षालयताम् अक्षालयन्
 अक्षालयः अक्षालयतम् अक्षालयन्
 अक्षालयम् अक्षालयाव अक्षालयाम
 अ० अचिक्षलत् अचिक्षलताम् अचिक्षलन्
 अचिक्षलः अचिक्षलतम् अचिक्षलत्
 अचिक्षलम् अचिक्षलाव अचिक्षलाम
 प० क्षालयाञ्चकार क्षालयाञ्चक्रतुः क्षालयाञ्चक्रः
 क्षालयाञ्चकर्थं क्षालयाञ्चक्रथुः क्षालयाञ्चक्र
 क्षालयाञ्चकार-कर क्षालयाञ्चकृव याञ्चकृम
 क्षालयाञ्चभूष । क्षालयामास
 आ० क्षाल्यात् क्षाल्यास्ताम् क्षाल्यासुः
 क्षाल्याः क्षाल्यास्तम् क्षाल्यास्त
 क्षाल्यासम् क्षाल्यास्व क्षाल्यास्म
 ऋ० क्षालयिता क्षालयितारौ क्षालयितारः
 क्षालयितासि क्षालयितास्थः क्षालयितास्थ
 क्षालयितास्मि क्षालयितास्वः क्षालयितास्मः
 भ० क्षालयिष्यति क्षालयिष्यतः क्षालयिष्यन्ति
 क्षालयिष्यसि क्षालयिष्यथः क्षालयिष्यथ
 क्षालयिष्यामि क्षालयिष्यावः क्षालयिष्यामः
 अक्षालयिष्यत् अक्षालयिष्यताम् अक्षालयिष्यन्
 अक्षालयिष्यः अक्षालयिष्यतम् अक्षालयिष्यत
 अक्षालयिष्यम् अक्षालयिष्याव अक्षालयिष्याम

1689 पुलण् (पुल) समुच्चाये 122

व० पुलयति पुलयतः पुलयन्ति
पुलयसि पुलयथः पुलयथ
पुलयामि पुलयावः पुलयामः

स० पुलयेत् पुलयेताम् पुलयेयुः
पुलयेः पुलयेतम् पुलयेत
पुलयेयम् पुलयेव पुलयेम

प० पुलयतु पुलयतात् पुलयताम् पुलयन्तु
पुलय , पुलयतम् पुलयत
पुलयानि पुलयाव पुलयाम

अ० अपुलयत् अपुलयताम् अपुलयन्
अपुलयः अपुलयतम् अपुलयत
अपुलयम् अपुलयाव अपुलयाम

अ० अपूलुत् अपूलुताम् अपूलुन्
अपूलुः अपूलुतम् अपूलुत
अपूलुम् अपूलुवा अपूलुम

प० पुलयाञ्चकार पुलयाञ्चकतुः पुलयाञ्चकुः
पुलयाञ्चकर्थ पुलयाञ्चकथुः पुलयाञ्चक
पुलयाञ्चकार-कर पुलयाञ्चकृष पुलयाञ्चकृम
पुलयाञ्चभूष पुलयामास

आ० पुलयात् पुलयास्ताम् पुलयासुः
पुल्याः पुलयास्तम् पुलयास्त
पुल्यासम् पुलयास्व पुलयास्म

अ० पुलयिता पुलयितारौ पुलयितारः
पुलयितासि पुलयितास्थः पुलयितास्थ
पुलयितास्मि पुलयितास्वः पुलयितास्मः

भ० पुलयिष्यति पुलयिष्यतः पुलयिष्यन्ति
पुलयिष्यसि पुलयिष्यथः पुलयिष्यथ
पुलयिष्यामि पुलयिष्यावः पुलयिष्यामः

अपुलयिष्यत् अपुलयिष्यताम् अपुलयिष्यन्
अपुलयिष्यः अपुलयिष्यतम् अपुलयिष्यत
अपुलयिष्यम् अपुलयिष्याव अपुलयिष्याम

1690 बिलण् (बिल्) भेदे । 123

व० बेलयति बेलयतः बेलयन्ति
बेलयसि बेलयथः बेलयथ
बेलयामि बेलयावः बेलयामः

स० बेलयेत् बेलयेताम् बेलयेयुः
बेलयेः बेलयेतम् बेलयेत
बेलयेयम् बेलयेव बेलयेम

प० बेलयतु बेलयतात् बेलयताम् बेलयन्तु
बेलय , बेलयतम् बेलयत
बेलयानि बेलयाव बेलयाम

अ० अबेलयत् अबेलयताम् अबेलयन्
अबेलयः अबेलयतम् अबेलयत
अबेलयम् अबेलयाव अबेलयाम

अ० अबीबिलत् अबीबिलताम् अबीबिलन्
अबीबिलः अबीबिलतम् अबीबिलत
अबीबिलम् अबीबिलाव अबीबिलाम

प० बेलयाञ्चकार बेलयाञ्चकतुः बेलयाञ्चकुः
बेलयाञ्चकर्थ बेलयाञ्चकथुः बेलयाञ्चक
बेलयाञ्चकार-कर बेलयाञ्चकृष याञ्चकृम
बेलयाञ्चभूष बेलयामास

आ० बेलयात् बेलयास्ताम् बेलयासुः
बेल्याः बेलयास्तम् बेलयास्त
बेल्यासम् बेलयास्व बेलयास्म

अ० बेलयिता बेलयितारौ बेलयितारः
बेलयितासि बेलयितास्थः बेलयितास्थः
बेलयितास्मि बेलयितास्वः बेलयितास्मः

भ० बेलयिष्यति बेलयिष्यतः बेलयिष्यन्ति
बेलयिष्यसि बेलयिष्यथः बेलयिष्यथ
बेलयिष्यामि बेलयिष्यावः बेलयिष्यामः

अ० अबेलयिष्यत् अबेलयिष्यताम् अबेलयिष्यन्
अबेलयिष्यः अबेलयिष्यतम् अबेलयिष्यत
अबेलयिष्यम् अबेलयिष्याव अबेलयिष्याम

1691 तलण् (तल्) प्रतिष्ठायाम् 124

घ० तालयति तालयतः तालयन्ति
तालयसि तालयथः तालयथ
तालयामि तालयावः तालयामः

स० तालयेत् तालयेताम् तालयेयुः
तालयेः तालयेतम् तालयेत
तालयेयम् तालयेष तालयेम

प० तालयतु तालयतात् तालयताम् तालयन्तु
तालय , तालयतम् तालयत
तालयानि तालयाव तालयाम

झ० अतालयत् अतालयताम् अतालयन्
अतालयः अतालयतम् अतालयत
अतालयम् अतालाव अतालयाम

अ० अतीतलत् अतीतलताम् अतीतलन्
अतीतलः अतीतलतम् अतीतलत
अतीतलम् अतीतलाव अतीतलाम

प० तालयाञ्चकार तालयाञ्चक्रतुः तालयाञ्चक्रुः
तालयाञ्चक्यं तालयाञ्चक्र्युः तालयाञ्चक्र
तालयाञ्चकार-कर तालयाञ्चकृष-याञ्चकृम
तालयाञ्चभूष तालयामास

आ० ताल्यात् ताल्यास्ताम् ताल्यासुः
ताल्याः ताल्यास्तम् ताल्यास्त
ताल्यासम् ताल्यास्व ताल्यास्म

श्व० तालयिता तालयितारौ तालयितारः
तालयितासि तालयितास्थः तालयितास्थ
तालयितास्मि तालयितास्वः तालयितास्मः

भ० तालयिष्यति तालयिष्यतः तालयिष्यन्ति
तालयिष्यसि तालयिष्यथः तालयिष्यथ
तालयिष्यामि तालयिष्यावः तालयिष्यामः

अतालयिष्यत् अतालयिष्यताम् अतालयिष्यन्
अतालयिष्यः अतालयिष्यतम् अतालयिष्यत
अतालयिष्यम् अतालयिष्याव अतालयिष्याम

1692 तुलण् (तुल्) उन्माने 125

घ० तोलयति तोलयतः तोलयन्ति
तोलयसि तोलयथः तोलयथ
तोलयामि तोलावः तोलयामः

स० तोलयेत् तोलयेताम् तोलयेयुः
तोलयेः तोलयेतम् तोलयेत
तोलयेयम् तोलयेष तोलयेम

प० तोलयतु तोलयतात् तोलयताम् तोलयन्तु
तोलय , तोलयतम् तोलयत
तोलयानि तोलाव तोलयाम

झ० अतोलयत् अतोलयताम् अतोलयन्
अतोलयः अतोलयतम् अतोलयत
अतोलयम् अतोलाव अतोलयाम

अ० अतुलत् अतुलताम् अतुलन्
अतुलः अतुलतम् अतुलत
अतुलम् अतुलाव अतुलाम

प० तोलयाञ्चकार तोलयाञ्चक्रतुः तोलयाञ्चक्रुः
तोलयाञ्चक्यं तोलयाञ्चक्र्युः तोलयाञ्चक्र
तोलयाञ्चकार-कर तोलयाञ्चकृष-याञ्चकृम
तोलयाञ्चभूष । तोलयामास

आ० तोल्यात् तोल्यास्ताम् तोल्यासुः
तोल्याः तोल्यास्तम् तोल्यास्त
तोल्यासम् तोल्यास्व तोल्यास्म

श्व० तोलयिता तोलयितारौ तोलयितारः
तोलयितासि तोलयितास्थः तोलयितास्थ
तोलयितास्मि तोलयितास्वः तोलयितास्मः

भ० तोलयिष्यति तोलयिष्यतः तोलयिष्यन्ति
तोलयिष्यसि तोलयिष्यथः तोलयिष्यथ
तोलयिष्यामि तोलयिष्यावः तोलयिष्यामः

अतोलयिष्यत् अतोलयिष्यताम् अतोलयिष्यन्
अतोलयिष्यः अतोलयिष्यतम् अतोलयिष्यत
अतोलयिष्यम् अतोलयिष्याव अतोलयिष्याम

1693 दुलण् (दुल्) उत्क्षेपे 126

व० दोलयति दोलयतः दोलयन्ति
दोलयसि दोलयथः दोलयथ
दोलयामि दोलयावः दोलयामः

स० दोलयेत् दोलयेताम् दोलयेयुः
दोलयेः दोलयेतम् दोलयेत
दोलयेयम् दोलयेव दोलयेम

प० दोलयतु दोलयतात् दोलयताम् दोलयन्तु
दोलय " दोलयतम् दोलयत
दोलयानि दोलयाव दोलयाम

ह्य० अदोलयत् अदोलयताम् अदोलयन्
अदोलयः अदोलयतम् अदोलयत
अदोलयम् अदोलयाव अदोलयाम

अ० अवृदुलत् अवृदुलताम् अवृदुलन्
अवृदुलः अवृदुलतम् अवृदुलत
अवृदुलम् अवृदुलाव अवृदुलाम

य० दोलयाञ्चकार दोलयाञ्चकतुः दोलयाञ्चकः
दोलयाञ्चकथं दोलयाञ्चकथुः दोलयाञ्चक
दोलयाञ्चकार-कर दोलयाञ्चकृव दोलयाञ्चकृम
दोलयाम्बभूव । दोलयामास

आ० दोल्यात् दोल्यास्ताम् दोल्यासुः
दोल्याः दोल्यास्तम् दोल्यास्त
दोल्यासम् दोल्यास्व दोल्यास्म

श्व० दोलयिता दोलयितारौ दोलयितारः
दोलयितासि दोलयितास्थः दोलयितास्थ
दोलयितास्मि दोलयितास्वः दोलयितास्मः
भ० दोलयिष्यति दोलयिष्यतः दोलयिष्यन्ति
दोलयिष्यसि दोलयिष्यथः दोलयिष्यथ
दोलयिष्यामि दोलयिष्यावः दोलयिष्यामः
अदोलयिष्यत् अदोलयिष्यताम् अदोलयिष्यन्
अदोलयिष्यः अदोलयिष्यतम् अदोलयिष्यत
अदोलयिष्यम् अदोलयिष्याव अदोलयिष्याम
अदोलयतीति तु हृदयैश्च प्रहोलयति
वीजयति

1994 बुलण् (बुल्) निमज्जने । 127

व० बोलयति बोलयतः बोलयन्ति
बोलयसि बोलयथः बोलयथ
बोलयामि बोलयावः बोलयामः

स० बोलयेत् बोलयेताम् बोलयेयुः
बोलयेः बोलयेतम् बोलयेत
बोलयेयम् बोलयेव बोलयेम

प० बोलयतु बोलयतात् बोलयताम् बोलयन्तु
बोलय " बोलयतम् बोलयत
बोलयानि बोलयाव बोलयाम

ह्य० अबोलयत् अबोलयताम् अबोलयन्
अबोलयः अबोलयतम् अबोलयत
अबोलयम् अबोलयाव अबोलयाम

अ० अबूबुलत् अबूबुलताम् अबूबुलन्
अबूबुलः अबूबुलतम् अबूबुलत
अबूबुलम् अबूबुलाव अबूबुलाम

प० बोलयाञ्चकार बोलयाञ्चकतुः बोलयाञ्चकः
बोलयाञ्चकथं बोलयाञ्चकथुः बोलयाञ्चक
बोलयाञ्चकार-कर बोलयाञ्चकृव याञ्चकृम
बोलयाम्बभूव । बोलयामास

आ० बोल्यात् बोल्यास्ताम् बोल्यासुः
बोल्याः बोल्यास्तम् बोल्यास्त
बोल्यासम् बोल्यास्व बोल्यास्म

श्व० बोलयिता बोलयितारौ बोलयितारः
बोलयितासि बोलयितास्थः बोलयितास्थ
बोलयितास्मि बोलयितास्वः बोलयितास्मः

भ० बोलयिष्यति बोलयिष्यतः बोलयिष्यन्ति
बोलयिष्यसि बोलयिष्यथः बोलयिष्यथ
बोलयिष्यामि बोलयिष्यावः बोलयिष्यामः

अबोलयिष्यत् अबोलयिष्यताम् अबोलयिष्यन्
अबोलयिष्यः अबोलयिष्यतम् अबोलयिष्यत
अबोलयिष्यम् अबोलयिष्याव अबोलयिष्याम

1695 मूलण् (मूल) रोहणे । 128

व० मूलयति मूलयतः मूलयन्ति
मूलयसि मूलयथः मूलयथ
मूलयामि मूलयावः मूलयामः

स० मूलयेत् मूलयेताम् मूलयेयुः
मूलयेः मूलयेतम् मूलयेत
मूलयेयम् मूलयेव मूलयेम

प० मूलयतु मूलयतात् मूलयताम् मूलयन्तु
मूलय , मूलयतम् मूलयत
मूलयानि मूलयाव मूलयाम

झ० अमूलयत् अमूलयताम् अमूलयन्
अमूलयः अमूलयतम् अमूलयत
अमूलयम् अमूलयाव अमूलयाम

अ० अमूलत् अमूलताम् अमूलन्
अमूलः अमूलतम् अमूलत
अमूलम् अमूलाव अमूलायाम

प० मूलयाञ्चकार मूलयाञ्चकतुः मूलयाञ्चकुः
मूलयाञ्चकथं मूलयाञ्चकथुः मूलयाञ्चक
मूलयाञ्चकार-कर मूलयाञ्चकृव याञ्चकृम
मूलयाम्बभूव । मूलयामास

आ० मूल्यात् मूल्यास्ताम् मूल्यासुः
मूल्याः मूल्यास्तम् मूल्यास्त
मूल्यासम् मूल्यास्व मूल्यास्म

श्च० मूलयिता मूलयितारौ मूलयितारः
मूलयितासि मूलयितास्थः मूलयितास्थ
मूलयितास्मि मूलयितास्वः मूलयितास्मः

भ० मूलयिष्यति मूलयिष्यतः मूलयिष्यन्ति
मूलयिष्यसि मूलयिष्यथः मूलयिष्यथ
मूलयिष्यामि मूलयिष्यावः मूलयिष्यामः

क्रि० अमूलयिष्यत् अमूलयिष्यताम् अमूलयिष्यन्
अमूलयिष्यः अमूलयिष्यतम् अमूलयिष्यत
अमूलयिष्यम् अमूलयिष्याव अमूलयिष्याम

1696 कलण् (कल्) क्षेपे । 129

व० कालयति कालयतः कालयन्ति
कालयसि कालयथः कालयथ
कालयामि कालयावः कालयामः

स० कालयेत् कालयेताम् कालयेयुः
कालयेः कालयेतम् कालयेत
कालयेयम् कालयेव कालयेम

प० कालयतु कालयतात् कालयताम् कालयन्तु
कालय , कालयतम् कालयत
कालयानि कालयाव कालयाम

झ० अकालयत् अकालयताम् अकालयन्
अकालयः अकालयतम् अकालयत
अकालयम् अकालयाव अकालयाम

अ० अचीकलत् अचीकलताम् अचीकलन्
अचीकलः अचीकलतम् अचीकलत
अचीकलम् अचीकलाव अचीकलाम

प० कालयाञ्चकार कालयाञ्चकतुः कालयाञ्चकुः
कालयाञ्चकथं कालयाञ्चकथुः कालयाञ्चक
कालयाञ्चकार-कर कालयाञ्चकृव याञ्चकृम
कालयाम्बभूव । कालयामास

आ० काल्यात् काल्यास्ताम् काल्यासुः
काल्याः काल्यास्तम् काल्यास्त
काल्यासम् काल्यास्व काल्यास्म

श्च० कालयिता कालयितारौ कालयितारः
कालयितासि कालयितास्थः कालयितास्थ
कालयितास्मि कालयितास्वः कालयितास्मः

भ० कालयिष्यति कालयिष्यतः कालयिष्यन्ति
कालयिष्यसि कालयिष्यथः कालयिष्यथ
कालयिष्यामि कालयिष्यावः कालयिष्यामः

अकालयिष्यत् अकालयिष्यताम् अकालयिष्यन्
अकालयिष्यः अकालयिष्यतम् अकालयिष्यत
अकालयिष्यम् अकालयिष्याव अकालयिष्याम

1697 किलण् (किल्) क्षेपे । 130

व० केलयति केलयतः केलयन्ति
केलयसि केलयथः केलयथ
केलयामि केलयावः केलयामः

स० केलयेत् केलयेताम् केलयेयुः
केलयेः केलयेतम् केलयेत
केलयेयम् केलयेव केलयेम

प० केलयतु केलयतात् केलयताम् केलयन्तु
केलय , केलयतम् केलयत
केलयानि केलयाव केलयाम

झ० अकेलयत् अकेलयताम् अकेलयन्
अकेलयः अकेलयतम् अकेलयत
अकेलयम् अकेलयाव अकेलयाम

अ० अकीकिलत् अकीकिलताम् अकीकिलन्
अकीकिलः अकीकिलतम् अकीकिलत
अकीकिलम् अकीकिलाव अकीकिलाम

प० केलयाञ्चकार केलयाञ्चकतुः केलयाञ्चकः
केलयाञ्चकर्थ केलयाञ्चकथुः केलयाञ्चक
केलयाञ्चकार-कर केलयाञ्चकृष याञ्चकृम
केलयाञ्चभूष । केलयामास

आ० केल्यात् केल्यास्ताम् केल्यासुः
केल्याः केल्यास्तम् केल्यास्त
केल्यासम् केल्यास्व केल्यास्म

प्र० केलयिता केलयितारौ केलयितारः
केलयितासि केलयितास्थः केलयितास्थ
केलयितास्मि केलयितास्वः केलयितास्मः

भ० केलयिष्यति केलयिष्यतः केलयिष्यन्ति
केलयिष्यसि केलयिष्यथः केलयिष्यथ
केलयिष्यामि केलयिष्यावः केलयिष्यामः

कि० अकेलयिष्यत् अकेलयिष्यताम् अकेलयिष्यन्
अकेलयिष्यः अकेलयिष्यतम् अकेलयिष्यत
अकेलयिष्यम् अकेलयिष्याव अकेलयिष्याम

1698 पिलण् (पिल्) क्षेपे । 131

व० पेलयति पेलयतः पेलयन्ति
पेलयसि पेलयथः पेलयथ
पेलयामि पेलयावः पेलयामः

स० पेलयेत् पेलयेताम् पेलयेयुः
पेलयेः पेलयेतम् पेलयेत
पेलयेयम् पेलयेव पेलयेम

प० पेलयतु पेलयतात् पेलयताम् पेलयन्तु
पेलय , पेलयतम् पेलयत
पेलयानि पेलयाव पेलयाम

झ० अपेलयत् अपेलयताम् अपेलयन्
अपेलयः अपेलयतम् अपेलयत
अपेलयम् अपेलयाव अपेलयाम

अ० अपीपिलत् अपीपिलताम् अपीपिलन्
अपीपिलः अपीपिलतम् अपीपिलत
अपीपिलम् अपीपिलाव अपीपिलाम

प० पेलयाञ्चकार पेलयाञ्चकतुः पेलयाञ्चकः
पेलयाञ्चकर्थ पेलयाञ्चकथुः पेलयाञ्चक
पेलयाञ्चकार-कर पेलयाञ्चकृष पेलयाञ्चकृम
पेलयाञ्चभूष । पेलयामास

आ० पेल्यात् पेल्यास्ताम् पेल्यासुः
पेल्याः पेल्यास्तम् पेल्यास्त
पेल्यासम् पेल्यास्व पेल्यास्म

प्र० पेलयिता पेलयितारौ पेलयितारः
पेलयितासि पेलयितास्थः पेलयितास्थ
पेलयितास्मि पेलयितास्वः पेलयितास्मः

भ० पेलयिष्यति पेलयिष्यतः पेलयिष्यन्ति
पेलयिष्यसि पेलयिष्यथः पेलयिष्यथ
पेलयिष्यामि पेलयिष्यावः पेलयिष्यामः

अपेलयिष्यत् अपेलयिष्यताम् अपेलयिष्यन्
अपेलयिष्यः अपेलयिष्यतम् अपेलयिष्यत
अपेलयिष्यम् अपेलयिष्याव अपेलयिष्याम

1699 पलण् (पल्) रक्षणे 132

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० पालयति | पालयतः | पालयन्ति |
| पालयसि | पालयथः | पालयथ |
| पालयामि | पालयावः | पालयामः |
| स० पालयेत् | पालयेताम् | पालयेयुः |
| पालयेः | पालयेतम् | पालयेत |
| पालयेयम् | पालयेव | पालयेम |
| प० पालयतु | पालयतात् | पालयताम् |
| पालय | पालयतम् | पालयत |
| पालयानि | पालयाव | पालयाम |
| झ० अपालयत् | अपालयताम् | अपालयन् |
| अपालयः | अपालयतम् | अपालयत |
| अपालयम् | अपालयाव | अपालयाम |
| अ० अपीपलत् | अपीपलताम् | अपीपलन् |
| अपीपलः | अपीपलतम् | अपीपलत |
| अपीपलम् | अपीपलाव | अपीपलाम |
| प० पालयाञ्चकार | पालयाञ्चकतुः | पालयाञ्चक्रुः |
| पालयाञ्चकथ्य | पालयाञ्चकथुः | पालयाञ्चक |
| पालयाञ्चकार-कर | पालयाञ्चकृव | पालयाञ्चकृम |
| पालयाञ्चभूव | पालयामास | |
| आ० पाल्यात् | पाल्यास्ताम् | पाल्यासुः |
| पाल्याः | पाल्यास्तम् | पाल्यास्त |
| पाल्यासम् | पाल्यास्व | पाल्यास्म |
| प्रब० पालयिता | पालयितारौ | पालयितारः |
| पालयितासि | पालयितास्थः | पालयितास्थ |
| पालयितास्मि | पालयितास्वः | पालयितास्मः |
| भ० पालयिष्यति | पालयिष्यतः | पालयिष्यन्ति |
| पालयिष्यसि | पालयिष्यथः | पालयिष्यथ |
| पालयिष्यामि | पालयिष्यावः | पालयिष्यामः |
| क्रि० अपालयिष्यत् | अपालयिष्यताम् | अपालयिष्यन् |
| अपालयिष्यः | अपालयिष्यतम् | अपालयिष्यत |
| अपालयिष्यम् | अपालयिष्याव | अपालयिष्याम |
| पालेति चन्द्रः | | |

1700 पलण् (पल्) प्ररणे 133

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० पलयति | पलयतः | पलयन्ति |
| पलयसि | पलयथः | पलयथ |
| पलयामि | पलयावः | पलयामः |
| स० पलयेत् | पलयेताम् | पलयेयुः |
| पलयेः | पलयेतम् | पलयेत |
| पलयेयम् | पलयेव | पलयेम |
| प० पलयतु | पलयतात् | पलयताम् |
| पलय | पलयतम् | पलयत |
| पलयानि | पलयाव | पलयाम |
| झ० पेलयत् | पेलयताम् | पेलयन् |
| पेलयः | पेलयतम् | पेलयत |
| पेलयम् | पेलयाव | पेलयाम |
| अ० पेलिलत् | पेलिलताम् | पेलिलन् |
| पेलिलः | पेलिलतम् | पेलिलत |
| पेलिलम् | पेलिलाव | पेलिलाम |
| प० पलयाञ्चकार | पलयाञ्चकतुः | पलयाञ्चक्रुः |
| पलयाञ्चकथ्य | पलयाञ्चकथुः | पलयाञ्चक |
| पलयाञ्चकार-कर | पलयाञ्चकृव | पलयाञ्चकृम |
| पलयाञ्चभूव | पलयामास | |
| आ० पल्यात् | पल्यास्ताम् | पल्यासुः |
| पल्याः | पल्यास्तम् | पल्यास्त |
| पल्यासम् | पल्यास्व | पल्यास्म |
| प्रब० पलयिता | पलयितारौ | पलयितारः |
| पलयितासि | पलयितास्थः | पलयितास्थ |
| पलयितास्मि | पलयितास्वः | पलयितास्मः |
| भ० पलयिष्यति | पलयिष्यतः | पलयिष्यन्ति |
| पलयिष्यसि | पलयिष्यथः | पलयिष्यथ |
| पलयिष्यामि | पलयिष्यावः | पलयिष्यामः |
| क्रि० पेलययिष्यत् | पेलययिष्यताम् | पेलययिष्यन् |
| पेलययिष्यः | पेलययिष्यतम् | पेलययिष्यत |
| पेलययिष्यम् | पेलययिष्याव | पेलययिष्याम |

1701 चालण् (चल्) भृतौ 134

व० चालयति चालयतः चालयन्ति
चालयसि चालयथः चालयथ
चालयामि चालयावः चालयामः

स० चालयेत् चालयेताम् चालयेयुः
चालयेः चालयेतम् चालयेत
चालयेयम् चालयेव चालयेम

प० चालयतु चालयतात् चालयताम् चालयन्तु
चालय , चालयतम् चालयत
चालयानि चालयाव चालयाम

झ० अचालयत् अचालयताम् अचालयन्
अचालयः अचालयतम् अचालयत
अचालयम् अचालयाव अचालयाम

अ० अचीचलत् अचीचलताम् अचीचलन्
अचीचलः अचीचलतम् अचीचलत
अचीचलम् अचीचलाव अचीचलाम

प० चालयाञ्चकार चालयाञ्चक्रुः चालयाञ्चक्रुः
चालयाञ्चकथं चालयाञ्चक्रुः चालयाञ्चक्रुः
चालयाञ्चकार-कर चालयाञ्चकृव-याञ्चकृम
चालयाञ्चभूव । चालयामास

आ० चाल्यात् चाल्यास्ताम् चाल्यासुः
चाल्याः चाल्यास्तम् चाल्यास्त
चाल्यासम् चाल्यास्व चाल्यास्म

भ० चालयिता चालयितारौ चालयितारः
चालयितासि चालयितास्थः चालयितास्थ
चालयितास्मि चालयितास्वः चालयितास्मः

म० चालयिष्यति चालयिष्यतः चालयिष्यन्ति
चालयिष्यसि चालयिष्यथः चालयिष्यथ
चालयिष्यामि चालयिष्यावः चालयिष्यामः

अचालयिष्यत् अचालयिष्यताम् अचालयिष्यन्
अचालयिष्यः अचालयिष्यतम् अचालयिष्यत
अचालयिष्यम् अचालयिष्याव अचालयिष्याम

॥ अथ वान्ताः ॥

1702 सान्त्वण् (सान्त्वं सामप्रयोगे) 135

व० सान्त्वयति सान्त्वयतः सान्त्वयन्ति
सान्त्वयसि सान्त्वयथः सान्त्वयथ
सान्त्वयामि सान्त्वयावः सान्त्वयामः

स० सान्त्वयेत् सान्त्वयेताम् सान्त्वयेयुः
सान्त्वयेः सान्त्वयेतम् सान्त्वयेत
सान्त्वयेयम् सान्त्वयेव सान्त्वयेम

प० सान्त्वयतु सान्त्वयतात् सान्त्वयताम् सान्त्वयन्तु
सान्त्वय , सान्त्वयतम् सान्त्वयत
सान्त्वयानि सान्त्वयाव सान्त्वयाम

झ० असान्त्वयत् असान्त्वयताम् असान्त्वयन्
असान्त्वयः असान्त्वयतम् असान्त्वयत
असान्त्वयम् असान्त्वयाव असान्त्वयाम

अ० असंसन्त्वत् असंसन्त्वताम् असंसन्त्वन्
असंसन्त्वः असंसन्त्वतम् असंसन्त्वत
असंसन्त्वम् असंसन्त्वाव असंसन्त्वाम

सान्त्वयाञ्चकार सान्त्वयाञ्चक्रुः-याञ्चक्रुः
सान्त्वयाञ्चकथं सान्त्वयाञ्चक्रुः-याञ्चक्रुः
सान्त्वयाञ्चकार-कर सान्त्वयाञ्चकृव-चक्रुः
सान्त्वयाञ्चभूव । सान्त्वयामास

आ० सान्त्व्यात् सान्त्व्यास्ताम् सान्त्व्यासुः
सान्त्व्याः सान्त्व्यास्तम् सान्त्व्यास्त
सान्त्व्यासम् सान्त्व्यास्व सान्त्व्यास्म

भ० सान्त्वयिता सान्त्वयितारौ सान्त्वयितारः
सान्त्वयितासि सान्त्वयितास्थः सान्त्वयितास्थ
सान्त्वयितास्मि सान्त्वयितास्वः सान्त्वयितास्मः

म० सान्त्वयिष्यति सान्त्वयिष्यतः सान्त्वयिष्यन्ति
सान्त्वयिष्यसि सान्त्वयिष्यथः सान्त्वयिष्यथ
सान्त्वयिष्यामि सान्त्वयिष्यावः सान्त्वयिष्यामः

असान्त्वयिष्यत् असान्त्वयिष्यताम् असान्त्वयिष्यन्
असान्त्वयिष्यः असान्त्वयिष्यतम् असान्त्वयिष्यत
असान्त्वयिष्यम् असान्त्वयिष्याव असान्त्वयिष्याम

सान्त्वण् इति केचित् । साम सान्त्वप्रयोगे
इति चन्द्रः

॥ अथ शान्तः ॥

1703 धूशण्(धूश्) कान्तीकरणे । 136

व० धूशयति धूशयतः धूशयन्ति
 धूशयसि धूशयथः धूशयथ
 धूशयामि धूशयावः धूशयामः
 स० धूशयेत् धूशयेताम् धूशयेयुः
 धूशयेः धूशयेतम् धूशयेत
 धूशयेयम् धूशयेव धूशयेम
 प० धूशयतु धूशयतात् धूशयताम् धूशयन्तु
 धूशय , धूशयतम् धूशयत
 धूशयानि धूशयाव धूशयाम
 ङ० अधूशयत् अधूशयताम् अधूशयन्
 अधूशयः अधूशयतम् अधूशयत
 अधूशयम् अधूशयाव अधूशयाम
 अ० अदधूशत् अदधूशताम् अदधूशन्
 अदधूशः अदधूशतम् अदधूशत
 अदधूशम् अदधूशाव अदधूशाम
 प० धूशयाञ्चकार धूशयाञ्चक्रतुः धूशयाञ्चक्रुः
 धूशयाञ्चकथ धूशयाञ्चक्रथुः धूशयाञ्चक्र
 धूशयाञ्चकार-कर धूशयाञ्चक्रव धूशयाञ्चक्रम
 धूशयाम्बभूव धूशयामास
 आ० धूशयात् धूशयास्ताम् धूशयासुः
 धूशयाः धूशयास्तम् धूशयास्त
 धूशयासम् धूशयास्व धूशयास्म
 प्र० धूशयिता धूशयितारौ धूशयितारः
 धूशयितासि धूशयितास्थः धूशयितास्थ
 धूशयितास्मि धूशयितास्वः धूशयितास्मः
 भ० धूशयिष्यति धूशयिष्यतः धूशयिष्यन्ति
 धूशयिष्यसि धूशयिष्यथः धूशयिष्यथ
 धूशयिष्यामि धूशयिष्यावः धूशयिष्यामः
 क्ति० अधूशयिष्यत् अधूशयिष्यताम् अधूशयिष्यन्
 अधूशयिष्यः अधूशयिष्यतम् अधूशयिष्यत
 अधूशयिष्यम् अधूशयिष्याव अधूशयिष्याम
 धूषण् इति केचित् । धूलण् इत्यपरे

अथ घान्ताश्चत्वारः

1704 श्लेषण् (श्लिष्) श्लेषणे । 137

व० श्लेषयति श्लेषयतः श्लेषयन्ति
 श्लेषयसि श्लेषयथः श्लेषयथ
 श्लेषयामि श्लेषयावः श्लेषयामः
 स० श्लेषयेत् श्लेषयेताम् श्लेषयेयुः
 श्लेषयेः श्लेषयेतम् श्लेषयेत
 श्लेषयेयम् श्लेषयेव श्लेषयेम
 प० श्लेषयतु श्लेषयतात् श्लेषयताम् श्लेषयन्तु
 श्लेषय , श्लेषयतम् श्लेषयत
 श्लेषयानि श्लेषयाव श्लेषयाम
 ङ० अश्लेषयत् अश्लेषयताम् अश्लेषयन्
 अश्लेषयः अश्लेषयतम् अश्लेषयत
 अश्लेषयम् अश्लेषयाव अश्लेषयाम
 अ० अशिश्लिषत् अशिश्लिषताम् अशिश्लिषन्
 अशिश्लिषः अशिश्लिषतम् अशिश्लिषत
 अशिश्लिषम् अशिश्लिषाव अशिश्लिषाम
 प० श्लेषयाञ्चकार श्लेषयाञ्चक्रतुः श्लेषयाञ्चक्रुः
 श्लेषयाञ्चकथ श्लेषयाञ्चक्रथुः श्लेषयाञ्चक्र
 श्लेषयाञ्चकार-कर श्लेषयाञ्चक्रव याञ्चक्रम
 श्लेषयाम्बभूव श्लेषयामास
 आ० श्लेषयात् श्लेषयास्ताम् श्लेषयासुः
 श्लेषयाः श्लेषयास्तम् श्लेषयास्त
 श्लेषयासम् श्लेषयास्व श्लेषयास्म
 प्र० श्लेषयिता श्लेषयितारौ श्लेषयितारः
 श्लेषयितासि श्लेषयितास्थः श्लेषयितास्थ
 श्लेषयितास्मि श्लेषयितास्वः श्लेषयितास्मः
 भ० श्लेषयिष्यति श्लेषयिष्यतः श्लेषयिष्यन्ति
 श्लेषयिष्यसि श्लेषयिष्यथः श्लेषयिष्यथ
 श्लेषयिष्यामि श्लेषयिष्यावः श्लेषयिष्यामः
 क्ति० अश्लेषयिष्यत् अश्लेषयिष्यताम् अश्लेषयिष्यन्
 अश्लेषयिष्यः अश्लेषयिष्यतम् अश्लेषयिष्यत
 अश्लेषयिष्यम् अश्लेषयिष्याव अश्लेषयिष्याम
 अश्लेषयिष्यत् अश्लेषयिष्यताम् अश्लेषयिष्यन्
 अश्लेषयिष्यः अश्लेषयिष्यतम् अश्लेषयिष्यत
 अश्लेषयिष्यम् अश्लेषयिष्याव अश्लेषयिष्याम

1705 लृषण् (लृष्) हिंसायाम् । 138

ष० लृषयति लृषयतः लृषयन्ति
लृषयसि लृषयथः लृषयथ
लृषयामि लृषयावः लृषयामः

स० लृषयेत् लृषयेताम् लृषयेयुः
लृषयेः लृषयेतम् लृषयेत
लृषयेयम् लृषयेव लृषयेम

प० लृषयतु लृषयतात् लृषयताम् लृषयन्तु
लृषय " लृषयतम् लृषयत
लृषयाणि लृषयाव लृषयाम

झ० अलृषयत् अलृषयताम् अलृषयन्
अलृषयः अलृषयतम् अलृषयत
अलृषयम् अलृषयाव अलृषयाम

ञ० अलृलृषत् अलृलृषताम् अलृलृषन्
अलृलृषः अलृलृषतम् अलृलृषत
अलृलृषम् अलृलृषाव अलृलृषाम

प० लृषयाञ्चकार लृषयाञ्चक्रतुः लृषयाञ्चक्रुः
लृषयाञ्चकथं लृषयाञ्चकथुः लृषयाञ्चक्र
लृषयाञ्चकार-कर लृषयाञ्चकृष याञ्चकृम
लृषयाम्बभूष — लृषयामास

आ० लृष्यात् लृष्यास्ताम् लृष्यासुः
लृष्याः लृष्यास्तम् लृष्यास्त
लृष्यासम् लृष्यास्व लृष्यास्म

प्र० लृषयिता लृषयितारौ लृषयितारः
लृषयितासि लृषयितास्थः लृषयितास्थ
लृषयितास्मि लृषयितास्वः लृषयितास्मः

भ० लृषयिष्यति लृषयिष्यतः लृषयिष्यन्ति
लृषयिष्यसि लृषयिष्यथः लृषयिष्यथ
लृषयिष्यामि लृषयिष्यावः लृषयिष्यामः

अलृषयिष्यत् अलृषयिष्यताम् अलृषयिष्यन्
अलृषयिष्यः अलृषयिष्यतम् अलृषयिष्यत
अलृषयिष्यम् अलृषयिष्याव अलृषयिष्याम

1706 रूषण् (रूष्) रोषे । 139

ष० रोषयति रोषयतः रोषयन्ति
रोषयसि रोषयथः रोषयथ
रोषयामि रोषयावः रोषयामः

स० रोषयेत् रोषयेताम् रोषयेयुः
रोषयेः रोषयेतम् रोषयेत
रोषयेयम् राषयेव रोषयेम

प० रोषयतु रोषयतात् रोषयताम् रोषयन्तु
रोषय " रोषयतम् रोषयत
रोषयाणि रोषयाव राषयाम

झ० अरोषयत् अरोषयताम् अरोषयन्
अरोषयः अरोषयतम् अरोषयत
अरोषयम् अरोषयाव अरोषयाम

ञ० अरूषत् अरूषताम् अरूषन्
अरूषः अरूषतम् अरूषत
अरूषम् अरूषाव अरूषाम

प० रोषयाञ्चकार रोषयाञ्चक्रतुः रोषयाञ्चक्रुः
रोषयाञ्चकथं रोषयाञ्चकथुः रोषयाञ्चक्र
रोषयाञ्चकार-कर रोषयाञ्चकृष याञ्चकृम
रोषयाम्बभूष रोषयामास

आ० रोष्यात् रोष्यास्ताम् रोष्यासुः
रोष्याः रोष्यास्तम् रोष्यास्त
रोष्यासम् रोष्यास्व रोष्यास्म

प्र० रोषयिता रोषयितारौ रोषयितारः
रोषयितासि रोषयितास्थः रोषयितास्थ
रोषयितास्मि रोषयितास्वः रोषयितास्मः

भ० रोषयिष्यति रोषयिष्यतः रोषयिष्यन्ति
रोषयिष्यसि रोषयिष्यथः रोषयिष्यथ
रोषयिष्यामि रोषयिष्यावः रोषयिष्यामः

अरोषयिष्यत् अरोषयिष्यताम् अरोषयिष्यन्
अरोषयिष्यः अरोषयिष्यतम् अरोषयिष्यत
अरोषयिष्यम् अरोषयिष्याव अरोषयिष्याम

1707 प्युषण् (प्युष्) उत्सर्गे । 140

ष० प्योषयति प्योषयतः प्योषयन्ति
प्योषयसि प्योषयथः प्योषयथ
प्योषयामि प्योषयावः प्योषयामः

स० प्योषयेत् प्योषयेताम् प्योषयेयुः
प्योषयेः प्योषयेतम् प्योषयेत
प्योषयेयम् प्योषयेव प्योषयेम

प० प्योषयतु प्योषयतात् प्योषयताम् प्योषयन्तु
प्योषय , प्योषयतम् प्योषयत
प्योषयाणि प्योषयाव प्योषयाम

झ० अप्योषयत् अप्योषयताम् अप्योषयन्
अप्योषयः अप्योषयतम् अप्योषयत
अप्योषयम् अप्योषयाव अप्योषयाम

अ० अपुप्युषत् अपुप्युषताम् अपुप्युषन्
अपुप्युषः अपुप्युषतम् अपुप्युषत
अपुप्युषम् अपुप्युषाव अपुप्युषाम

प्योषयाञ्चकार प्योषयाञ्चकतुः प्योषयाञ्चकृ
प्योषयाञ्चकथं प्योषयाञ्चकथुः प्योषयाञ्चक
प्योषयाञ्चकार-कर प्योषयाञ्चकृष याञ्चकृम

प्योषयाम्बभूव । प्योषयामास

आ० प्योष्यात् प्योष्यास्ताम् प्योष्यासुः
प्योष्याः प्योष्यास्तम् प्योष्यास्त
प्योष्यासम् प्योष्यास्व प्योष्यासम

प्र० प्योषयिता प्योषयितारौ प्योषयितारः
प्योषयितासि प्योषयितास्थः प्योषयितास्थ
प्योषयितास्मि प्योषयितास्वः प्योषयितास्मः

भ० प्योषयिष्यति प्योषयिष्यतः प्योषयिष्यन्ति
प्योषयिष्यसि प्योषयिष्यथः प्योषयिष्यथ
प्योषयिष्यामि प्योषयिष्यावः प्योषयिष्यामः

अप्योषयिष्यत् अप्योषयिष्यताम् अप्योषयिष्यन्
अप्योषयिष्यः अप्योषयिष्यतम् अप्योषयिष्यत
अप्योषयिष्यम् अप्योषयिष्याव अप्योषयिष्याम

1708 प्सुण् (पंस्) नाशने 141

ष० पंसायति पंसायतः पंसायन्ति
पंसायसि पंसायथः पंसायथ
पंसायामि पंसायावः पंसायामः

स० पंसायेत् पंसायेताम् पंसायेयुः
पंसायेः पंसायेतम् पंसायेत
पंसायेयम् पंसायेव पंसायेम

प० पंसायतु पंसायतात् पंसायताम् पंसायन्तु
पंसाय , पंसायतम् पंसायत
पंसायानि पंसायाव पंसायाम

झ० अपंसायत् अपंसायताम् अपंसायन्
अपंसायः अपंसायतम् अपंसायत
अपंसायम् अपंसायाव अपंसायाम

अ० अपपंसात् अपपंसाताम् अपपंसात्
अपपंसाः अपपंसातम् अपपंसात
अपपंसां अपपंसाव अपपंसां

प० पंसायाञ्चकार पंसायाञ्चकतुः पंसायाञ्चकृ
पंसायाञ्चकथं पंसायाञ्चकथुः पंसायाञ्चक
पंसायाञ्चकार-कर पंसायाञ्चकृष पंसायाञ्चकृम

पंसायाम्बभूव । पंसायामास

आ० पंस्यात् पंस्यास्ताम् पंस्यासुः
पंस्याः पंस्यास्तम् पंस्यास्त
पंस्यासम् पंस्यास्व पंस्यासम

प्र० पंसायिता पंसायितारौ पंसायितारः
पंसायितासि पंसायितास्थः पंसायितास्थ
पंसायितास्मि पंसायितास्वः पंसायितास्मः

भ० पंसायिष्यति पंसायिष्यतः पंसायिष्यन्ति
पंसायिष्यसि पंसायिष्यथः पंसायिष्यथ
पंसायिष्यामि पंसायिष्यावः पंसायिष्यामः

अपंसायिष्यत् अपंसायिष्यताम् अपंसायिष्यन्
अपंसायिष्यः अपंसायिष्यतम् अपंसायिष्यत
अपंसायिष्यम् अपंसायिष्याव अपंसायिष्याम

1709 जसुण् (जंस्) रक्षणे 142

1710 पुंसण् (पुंस्) अभिमर्दने । 143

ब० जंसायति जंसायतः जंसायन्ति
जंसायसि जंसायथः जंसायथ
जंसायामि जंसायावः जंसायामः

स० जंसायेत् जंसायेताम् जंसायेयुः
जंसायेः जंसायेतम् जंसायेत
जंसायेयम् जंसायेव जंसायेन

प० जंसायतु जंसायतात् जंसायताम् जंसायन्तु
जंसाय , जंसायतम् जंसायत
जंसायानि जंसायाव जंसायाम

झ० अजंसायत् अजंसायताम् अजंसायन्
अजंसायः अजंसायतम् अजंसायत
अजंसायम् अजंसायाव अजंसायाम

अ० अजजंसात् अजजंसाताम् अजजंसात्
अजजंसाः अजजंसातम् अजजंसात्
अजजंसायम् अजजंसायाव अजजंसायाम

प० जंसायाञ्चकार जंसायाञ्चकतुः जंसायाञ्चकः
जंसायाञ्चक्यं जंसायाञ्चक्युः जंसायाञ्चक
जंसायाञ्चकार-कर जंसायाञ्चकृष जंसायाञ्चकृष
जंसायाञ्चभूष जंसायामास

भा० जंस्यात् जंस्यास्ताम् जंस्यासुः
जंस्याः जंस्यास्तम् जंस्यास्त
जंस्यासम् जंस्यास्व जंस्यास्म

भ्व० जंसायिता जंसायितारौ जंसायितारः
जंसायितासि जंसायितास्थः जंसायितास्थ
जंसायितास्मि जंसायितास्वः जंसायितास्मः

भ० जंसायिष्यति जंसायिष्यतः जंसायिष्यन्ति
जंसायिष्यसि जंसायिष्यथः जंसायिष्यथ
जंसायिष्यामि जंसायिष्यावः जंसायिष्यामः

क्रि० अजंसायिष्यत् अजंसायिष्यताम् अजंसायिष्यन्
अजंसायिष्यः अजंसायिष्यतम् अजंसायिष्यत
अजंसायिष्यम् अजंसायिष्याव अजंसायिष्याम

ब० पुंसयति पुंसयतः पुंसयन्ति
पुंसयसि पुंसयथः पुंसयथ
पुंसयामि पुंसयावः पुंसयामः

स० पुंसयेत् पुंसयेताम् पुंसयेयुः
पुंसयेः पुंसयेतम् पुंसयेत
पुंसयेयम् पुंसयेव पुंसयेन

प० पुंसयतु पुंसयतात् पुंसयताम् पुंसयन्तु
पुंसाय , पुंसायतम् पुंसायत
पुंसयानि पुंसयाव पुंसयाम

झ० अपुंसयत् अपुंसयताम् अपुंसयन्
अपुंसयः अपुंसयतम् अपुंसयत
अपुंसयम् अपुंसयाव अपुंसयाम

अ० अपुपुंसात् अपुपुंसाताम् अपुपुंसात्
अपुपुंसाः अपुपुंसातम् अपुपुंसात्
अपुपुंसायम् अपुपुंसायाव अपुपुंसायाम

प० पुंसायाञ्चकार पुंसायाञ्चकतुः पुंसायाञ्चकः
पुंसायाञ्चक्यं पुंसायाञ्चक्युः पुंसायाञ्चक
पुंसायाञ्चकार-कर पुंसायाञ्चकृष याञ्चकृष
पुंसायाम्भूष पुंसायामास

भा० पुंस्यात् पुंस्यास्ताम् पुंस्यासुः
पुंस्याः पुंस्यास्तम् पुंस्यास्त
पुंस्यासम् पुंस्यास्व पुंस्यास्म

भ्व० पुंसायिता पुंसायितारौ पुंसायितारः
पुंसायितासि पुंसायितास्थः पुंसायितास्थ
पुंसायितास्मि पुंसायितास्वः पुंसायितास्मः

भ० पुंसायिष्यति पुंसायिष्यतः पुंसायिष्यन्ति
पुंसायिष्यसि पुंसायिष्यथः पुंसायिष्यथ
पुंसायिष्यामि पुंसायिष्यावः पुंसायिष्यामः

क्रि० अपुंसायिष्यत् अपुंसायिष्यताम् अपुंसायिष्यन्
अपुंसायिष्यः अपुंसायिष्यतम् अपुंसायिष्यत
अपुंसायिष्यम् अपुंसायिष्याव अपुंसायिष्याम

1711 ब्रूयन् (ब्रूस्) हिंसायाम् 144

1712 पिसन् (पिस्) हिंसायाम् 145

ब० ब्रूयति ब्रूयतः ब्रूयन्ति
ब्रूयसि ब्रूयथः ब्रूयथ
ब्रूयामि ब्रूयावः ब्रूयामः

स० ब्रूयेत् ब्रूयेताम् ब्रूयेयुः
ब्रूयेः ब्रूयेतम् ब्रूयेत
ब्रूयेयम् ब्रूयेव ब्रूयेम

प० ब्रूयतु ब्रूयतात् ब्रूयताम् ब्रूयन्तु
ब्रूयतु ब्रूयतम् ब्रूयत
ब्रूयानि ब्रूयाव ब्रूयाम

ह्य० अब्रूयत् अब्रूयताम् अब्रूयन्
खब्रूयतः अब्रूयतम् अब्रूयत
अब्रूयम् अब्रूयाव अब्रूयाम

अ० अब्रूयत् अब्रूयताम् अब्रूयन्
अब्रूयतः अब्रूयतम् अब्रूयत
अब्रूयम् अब्रूयाव अब्रूयाम

प० ब्रूयाञ्चकार ब्रूयाञ्चकतुः ब्रूयाञ्चकुः
ब्रूयाञ्चकथः ब्रूयाञ्चकथुः ब्रूयाञ्चक
ब्रूयाञ्चकार-कर ब्रूयाञ्चकृव ब्रूयाञ्चकृम
ब्रूयाम्बभूव ब्रूयामास

आ० ब्रूयात् ब्रूयास्ताम् ब्रूयासुः
ब्रूयाः ब्रूयास्तम् ब्रूयास्त
ब्रूयासम् ब्रूयास्व ब्रूयास्म

प्रब० ब्रूयिता ब्रूयितारौ ब्रूयितारः
ब्रूयितासि ब्रूयितास्थः ब्रूयितास्थ
ब्रूयितास्मि ब्रूयितास्वः ब्रूयितास्मः

भ० ब्रूयिष्यति ब्रूयिष्यतः ब्रूयिष्यन्ति
ब्रूयिष्यसि ब्रूयिष्यथः ब्रूयिष्यथ
ब्रूयिष्यामि ब्रूयिष्यावः ब्रूयिष्यामः

कि० अब्रूयिष्यत् अब्रूयिष्यताम् अब्रूयिष्यन्
अब्रूयिष्यतः अब्रूयिष्यतम् अब्रूयिष्यत
अब्रूयिष्यम् अब्रूयिष्याव अब्रूयिष्याम

ब० पिसयति पिसयतः पिसयन्ति
पिसयसि पिसयथः पिसयथ
पिसयामि पिसयावः पिसयामः

स० पिसयेत् पिसयेताम् पिसयेयुः
पिसयेः पिसयेतम् पिसयेत
पिसयेयम् पिसयेव पिसयेम

प० पिसयतु पिसयतात् पिसयताम् पिसयन्तु
पिसयतु पिसयतम् पिसयत
पिसयानि पिसयाव पिसयाम

ह्य० अपेसयत् अपेसयताम् अपेसयन्
अपेसयतः अपेसयतम् अपेसयत
अपेसयम् अपेसयाव अपेसयाम

अ० अपीपिसत् अपीपिसताम् अपीपिसन्
अपीपिसतः अपीपिसतम् अपीपिसत
अपीपिसम् अपीपिसाव अपीपिसाम

प० पिसयाञ्चकार पिसयाञ्चकतुः पिसयाञ्चकुः
पिसयाञ्चकथः पिसयाञ्चकथुः पिसयाञ्चक
पिसयाञ्चकार-कर पिसयाञ्चकृव पिसयाञ्चकृम
पिसयाम्बभूव । पिसयामास

आ० पिसयात् पिसयास्ताम् पिसयासुः
पिसयाः पिसयास्तम् पिसयास्त
पिसयासम् पिसयास्व पिसयास्म

प्रब० पिसयिता पिसयितारौ पिसयितारः
पिसयितासि पिसयितास्थः पिसयितास्थ
पिसयितास्मि पिसयितास्वः पिसयितास्मः

भ० पिसयिष्यति पिसयिष्यतः पिसयिष्यन्ति
पिसयिष्यसि पिसयिष्यथः पिसयिष्यथ
पिसयिष्यामि पिसयिष्यावः पिसयिष्यामः

कि० अपेसयिष्यत् अपेसयिष्यताम् अपेसयिष्यन्
अपेसयिष्यतः अपेसयिष्यतम् अपेसयिष्यत
अपेसयिष्यम् अपेसयिष्याव अपेसयिष्याम

1713 जसण् (जस्) हिंसायाम् 146

व० जासयति जासयतः जासयन्ति
जासयसि जासयथः जासयथ
जासयामि जासयावः जासयामः

स० जासयेत् जासयेताम् जासयेयुः
जासयेः जासयेतम् जासयेत
जासयेयम् जासयेव जासयेम

प० जासयतु जासयतात् जासयताम् जासयन्तु
जासय जासयतम् जासयत
जासयानि जासयाव जासयाम

झ० अजासयत् अजासयताम् अजासयन्
अजासयः अजासयतम् अजासयत
अजासयम् अजासयाव अजासयाम

अ० अजीजसत् अजीजसताम् अजीजसन्
अजीजसः अजीजसतम् अजीजसत
अजीजसम् अजीजसाव अजीजसाम

जासयाञ्चकार जासयाञ्चक्रुः जासयाञ्चकृः
जासयाञ्चकथं जासयाञ्चक्रुः जासयाञ्चक
जासयाञ्चकार-कर जासयाञ्चकृ-याञ्चकृम

जासयाम्बभूव । जासयामास

आ० जास्यात् जास्यास्ताम् जास्यासुः
जास्याः जास्यास्तम् जास्यास्त
जास्यासम् जास्यास्व जास्यास्म

प्र० जासयिता जासयितारी जासयितारः
जासयितासि जासयितास्यः जासयितास्थ
जासयितास्मि जासयितास्व जासयितास्म

भ० जासयिष्यति जासयिष्यतः जासयिष्यन्ति
जासयिष्यसि जासयिष्यथः जासयिष्यथ
जासयिष्यामि जासयिष्यावः जासयिष्यामः

अजासयिष्यत् अजासयिष्यताम् अजासयिष्यन्
अजासयिष्यः अजासयिष्यतम् अजासयिष्यत
अजासयिष्यम् अजासयिष्याव अजासयिष्याम

॥ अथ हान्तौ ॥

1714 बर्हण (बर्ह्) हिंसायाम् । 147

व० बर्हयति बर्हयतः बर्हयन्ति
बर्हयसि बर्हयथः बर्हयथ
बर्हयामि बर्हयावः बर्हयामः

स० बर्हयेत् बर्हयेताम् बर्हयेयुः
बर्हयेः बर्हयेतम् बर्हयेत
बर्हयेयम् बर्हयेव बर्हयेम

प० बर्हयतु बर्हयतात् बर्हयताम् बर्हयन्तु
बर्हय बर्हयतम् बर्हयत
बर्हयाणि बर्हयाव बर्हयाम

झ० अबर्हयत् अबर्हयताम् अबर्हयन्
अबर्हयः अबर्हयतम् अबर्हयत
अबर्हयम् अबर्हयाव अबर्हयाम

अ० अबवर्हत् अबवर्हताम् अबवर्हन्
अबवर्हः अबवर्हतम् अबवर्हत
अबवर्हम् अबवर्हाव अबवर्हाम

प० बर्हयाञ्चकार बर्हयाञ्चक्रुः बर्हयाञ्चकृः
बर्हयाञ्चकथं बर्हयाञ्चक्रुः बर्हयाञ्चक
बर्हयाञ्चकार-कर बर्हयाञ्चकृ-याञ्चकृम
बर्हयाम्बभूव । बर्हयामास

आ० बर्ह्यात् बर्ह्यास्ताम् बर्ह्यासुः
बर्ह्याः बर्ह्यास्तम् बर्ह्यास्त
बर्ह्यासम् बर्ह्यास्व बर्ह्यास्म

प्र० बर्हयिता बर्हयितारी बर्हयितारः
बर्हयितासि बर्हयितास्यः बर्हयितास्थ
बर्हयितास्मि बर्हयितास्व बर्हयितास्म

भ० बर्हयिष्यति बर्हयिष्यतः बर्हयिष्यन्ति
बर्हयिष्यसि बर्हयिष्यथः बर्हयिष्यथ
बर्हयिष्यामि बर्हयिष्यावः बर्हयिष्यामः

अबर्हयिष्यत् अबर्हयिष्यताम् अबर्हयिष्यन्
अबर्हयिष्यः अबर्हयिष्यतम् अबर्हयिष्यत
अबर्हयिष्यम् अबर्हयिष्याव अबर्हयिष्याम

1715 स्निहण् (स्निह्) स्नेहने । 148

व० स्नेहयति स्नेहयतः स्नेहयन्ति
स्नेहयसि स्नेहयथः स्नेहयथ
स्नेहयामि स्नेहयावः स्नेहयामः

स० स्नेहयेत् स्नेहयेताम् स्नेहयेयुः
स्नेहयेः स्नेहयेतम् स्नेहयेत
स्नेहयेयम् स्नेहयेव स्नेहयेम

प० स्नेहयतु स्नेहयतात् स्नेहयताम् स्नेहयन्तु
स्नेहय , स्नेहयतम् स्नेहयत
स्नेहयानि स्नेहयाव स्नेहयाम

ह्य० अस्नेहयत् अस्नेहयताम् अस्नेहयन्
अस्नेहयः अस्नेहयतम् अस्नेहयत
अस्नेहयम् अस्नेहयाव अस्नेहयाम

अ० असि स्निहन् असिस्निहताम् असिस्निहन्
असिस्निहः असिस्निहतम् असिस्निहत
असिस्निहम् असिस्निहाव असिस्निहाम

प स्नेहयाञ्चकार स्नेहयाञ्चकतुः स्नेहयाञ्चकृ
स्नेहयाञ्चकर्थ स्नेहयाञ्चकथुः स्नेहयाञ्चक
स्नेहयाञ्चकार-कर स्नेहयाञ्चकृष याञ्चकृम

स्नेहयाम्बभूव । स्नेहयामास

आ० स्नेह्यात् स्नेह्यास्ताम् स्नेह्यासुः
स्नेह्याः स्नेह्यास्तम् स्नेह्यास्त
स्नेह्यासम् स्नेह्यास्व स्नेह्यास्म

श्व० स्नेहयिता स्नेहयितारौ स्नेहयितारः
स्नेहयितासि स्नेहयितास्थः स्नेहयितास्थ
स्नेहयितास्मि स्नेहयितास्वः स्नेहयितास्मः

भ० स्नेहयिष्यति स्नेहयिष्यतः स्नेहयिष्यन्ति
स्नेहयिष्यसि स्नेहयिष्यथः स्नेहयिष्यथ
स्नेहयिष्यामि स्नेहयिष्यावः स्नेहयिष्यामः

अस्नेहयिष्यत् अस्नेहयिष्यताम् अस्नेहयिष्यन्
अस्नेहयिष्यः अस्नेहयिष्यतम् अस्नेहयिष्यत
अस्नेहयिष्यम् अस्नेहयिष्याव अस्नेहयिष्याम

अ० अस्निहन् अस्निहताम् अस्निहन्
अस्निहः अस्निहतम् अस्निहत
अस्निहम् अस्निहाव अस्निहाम

॥ अथ क्षान्तास्त्रयः ॥

1716 प्रक्षण् (प्रक्ष्) ग्लेच्छने 149

व० प्रक्षयति प्रक्षयतः प्रक्षयन्ति
प्रक्षयसि प्रक्षयथः प्रक्षयथ
प्रक्षयामि प्रक्षयावः प्रक्षयामः

स० प्रक्षयेत् प्रक्षयेताम् प्रक्षयेयुः
प्रक्षयेः प्रक्षयेतम् प्रक्षयेत
प्रक्षयेयम् प्रक्षयेव प्रक्षयेम

प० प्रक्षयतु प्रक्षयतात् प्रक्षयताम् प्रक्षयन्तु
प्रक्षय , प्रक्षयतम् प्रक्षयत
प्रक्षयाणि प्रक्षयाव प्रक्षयाम

ह्य० अप्रक्षयत् अप्रक्षयताम् अप्रक्षयन्
अप्रक्षयः अप्रक्षयतम् अप्रक्षयत
अप्रक्षयम् अप्रक्षयाव अप्रक्षयाम

अ० अमप्रक्षन् अमप्रक्षताम् अमप्रक्षन्
अमप्रक्षः अमप्रक्षतम् अमप्रक्षन्
अम क्षम अमप्रक्षाव अमप्रक्षाम

प० प्रक्षयाञ्चकार प्रक्षयाञ्चकतुः प्रक्षयाञ्चकृ
प्रक्षयाञ्चकर्थ प्रक्षयाञ्चकथुः प्रक्षयाञ्चक
प्रक्षयाञ्चकार-कर प्रक्षयाञ्चकृष प्रक्षयाञ्चकृम

प्रक्षयाम्बभूव । प्रक्षयामास

आ० प्रक्ष्यात् प्रक्ष्यास्ताम् प्रक्ष्यासुः
प्रक्ष्याः प्रक्ष्यास्तम् प्रक्ष्यास्त
प्रक्ष्यासम् प्रक्ष्यास्व प्रक्ष्यास्म

श्व० प्रक्षयिता प्रक्षयितारौ प्रक्षयितारः
प्रक्षयितासि प्रक्षयितास्थः प्रक्षयितास्थ
प्रक्षयितास्मि प्रक्षयितास्वः प्रक्षयितास्मः

भ० प्रक्षयिष्यति प्रक्षयिष्यतः प्रक्षयिष्यन्ति
प्रक्षयिष्यसि प्रक्षयिष्यथः प्रक्षयिष्यथ
प्रक्षयिष्यामि प्रक्षयिष्यावः प्रक्षयिष्यामः

अप्रक्षयिष्यत् अप्रक्षयिष्यताम् अप्रक्षयिष्यन्
अप्रक्षयिष्यः अप्रक्षयिष्यतम् अप्रक्षयिष्यत
अप्रक्षयिष्यम् अप्रक्षयिष्याव अप्रक्षयिष्याम

1717 भक्षण (भक्ष) अदने 150

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| ब० भक्षयति | भक्षयतः | भक्षयन्ति |
| भक्षयसि | भक्षयथः | भक्षयथ |
| भक्षयामि | भक्षयावः | भक्षयामः |
| स० भक्षयेत् | भक्षयेताम् | भक्षयेयुः |
| भक्षयेः | भक्षयेतम् | भक्षयेत |
| भक्षयेयम् | भक्षयेव | भक्षयेम |

प० भक्षयतु भक्षयतात् भक्षयताम् भक्षयन्तु
 भक्षय , भक्षयतम् भक्षयत
 भक्षयाणि भक्षयाव भक्षयाम

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अभक्षयत् | अभक्षयताम् | अभक्षयन् |
| अभक्षयः | अभक्षयतम् | अभक्षयत |
| अभक्षयम् | अभक्षयाव | अभक्षयाम |
| अ० अवभक्षत | अवभक्षताम् | अवभक्षन् |
| अवभक्षः | अवभक्षतम् | अवभक्षत |
| अवभक्षम् | अवभक्षाव | अवभक्षाम |

प भक्षयाञ्चकार भक्षयाञ्चक्रतुः भक्षयाञ्चक्र
 भक्षयाञ्चकथं भक्षयाञ्चकथुः भक्षयाञ्चक्र
 भक्षयाञ्चकार-कर भक्षयाञ्चकृव भक्षयाञ्चकृम

भक्षयाम्बभूव । भक्षयामास

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| ख० भक्ष्यात् | भक्ष्यास्ताम् | भक्ष्यासुः |
| भक्ष्याः | भक्ष्यास्तम् | भक्ष्यास्त |
| भक्ष्यासम् | भक्ष्यास्व | भक्ष्यास्म |

उ० भक्षयिता भक्षयितारौ भक्षयितारः
 भक्षयितासि भक्षयितास्थः भक्षयितास्थ
 भक्षयितास्मि भक्षयितास्वः भक्षयितास्मः

म० भक्षयिष्यति भक्षयिष्यतः भक्षयिष्यन्ति
 भक्षयिष्यसि भक्षयिष्यथः भक्षयिष्यथ
 भक्षयिष्यामि भक्षयिष्यावः भक्षयिष्यामः

क्रि० अभक्षयिष्यत् अभक्षयिष्यताम् अभक्षयिष्यन्
 अभक्षयिष्यः अभक्षयिष्यतम् अभक्षयिष्यत
 अभक्षयिष्यम् अभक्षयिष्याव अभक्षयिष्याम

1718 पक्षण् (पक्ष) परिग्रहे 151

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| ब० पक्षयति | पक्षयतः | पक्षयन्ति |
| पक्षयसि | पक्षयथः | पक्षयथ |
| पक्षयामि | पक्षयावः | पक्षयामः |
| स० पक्षयेत् | पक्षयेताम् | पक्षयेयुः |
| पक्षयेः | पक्षयेतम् | पक्षयेत |
| पक्षयेयम् | पक्षयेव | पक्षयेम |

प० पक्षयतु पक्षयतात् पक्षयताम् पक्षयन्तु
 पक्षय , पक्षयतम् पक्षयत
 पक्षयाणि पक्षयाव पक्षयाम

झ० अपक्षयत् अपक्षयताम् अपक्षयन्
 अपक्षयः अपक्षयतम् अपक्षयत
 अपक्षयम् अपक्षयाव अपक्षयाम

अ० अपपक्षत् अपपक्षताम् अपपक्षन्
 अपपक्षाः अपपक्षतम् अपपक्षत
 अपपक्षम् अपपक्षाव अपपक्षाम

प० पक्षयाञ्चकार पक्षयाञ्चक्रतुः पक्षयाञ्चक्रः
 पक्षयाञ्चकथं पक्षयाञ्चकथुः पक्षयाञ्चक्र
 पक्षयाञ्चकार-कर पक्षयाञ्चकृव पक्षयाञ्चकृम
 पक्षयाम्बभूव । पक्षयामास

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| ख० पक्ष्यात् | पक्ष्यास्ताम् | पक्ष्यासुः |
| पक्ष्याः | पक्ष्यास्तम् | पक्ष्यास्त |
| पक्ष्यासम् | पक्ष्यास्व | पक्ष्यास्म |

ख० पक्षयिता पक्षयितारौ पक्षयितारः
 पक्षयितासि पक्षयितास्थः पक्षयितास्थ
 पक्षयितास्मि पक्षयितास्वः पक्षयितास्मः

म० पक्षयिष्यति पक्षयिष्यतः पक्षयिष्यन्ति
 पक्षयिष्यसि पक्षयिष्यथः पक्षयिष्यथ
 पक्षयिष्यामि पक्षयिष्यावः पक्षयिष्यामः

अपक्षयिष्यत् अपक्षयिष्यताम् अपक्षयिष्यन्
 अपक्षयिष्यः अपक्षयिष्यतम् अपक्षयिष्यत
 अपक्षयिष्यम् अपक्षयिष्याव अपक्षयिष्याम

॥ अथोभयपदी क्षान्तः ॥

1719 लक्ष्मीण् (लक्ष्) दर्शनाङ्कयोः
अङ्कनं चिह्नम् । 152

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| ब० लक्षयति | लक्षयतः | लक्षयन्ति |
| लक्षयसि | लक्षयथः | लक्षयथ |
| लक्षयामि | लक्षयावः | लक्षयामः |
| ल० लक्षयेत् | लक्षयेताम् | लक्षयेयुः |
| लक्षयेः | लक्षयेतम् | लक्षयेत |
| लक्षयेयम् | लक्षयेय | लक्षयेयम् |
| प० लक्षयतु | लक्षयतात् | लक्षयताम् |
| लक्षय | लक्षयतम् | लक्षयत |
| लक्षयामि | लक्षयाव | लक्षयाम |
| अ० अलक्षयत् | अलक्षयताम् | अलक्षयन् |
| अलक्षयः | अलक्षयतम् | अलक्षयत |
| अलक्षयम् | अलक्षयाव | अलक्षयाम |
| अ० अललक्षत् | अललक्षताम् | अललक्षन् |
| अललक्षः | अललक्षतम् | अललक्षत |
| अललक्षम् | अललक्षाव | अललक्षाम |
| प० लक्षयाञ्चकार | लक्षयाञ्चकतुः | लक्षयाञ्चकृः |
| लक्षयाञ्चक्ये | लक्षयाञ्चक्युः | लक्षयाञ्चक |
| लक्षयाञ्चकार-क | लक्षयाञ्चकृव | लक्षयाञ्चकृमहे |
| लक्षयाम्बभूव | लक्षयामास | |
| आ० लक्षयात् | लक्षयास्ताम् | लक्षयासुः |
| लक्षयाः | लक्षयास्तम् | लक्षयास्त |
| लक्षयासम् | लक्षयास्व | लक्षयास्म |
| अ० लक्षयिता | लक्षयितारौ | लक्षयितारः |
| लक्षयितासि | लक्षयितास्ते | लक्षयितास्य |
| लक्षयितास्मि | लक्षयितास्वः | लक्षयितास्मः |
| अ० लक्षयिष्यति | लक्षयिष्यतः | लक्षयिष्यन्ति |
| लक्षयिष्यसि | लक्षयिष्यथः | लक्षयिष्यथ |
| लक्षयिष्यामि | लक्षयिष्यावः | लक्षयिष्यामः |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| किं अलक्षयिष्यत् | अलक्षयिष्यताम् | अलक्षयिष्यन् |
| अलक्षयिष्यः | अलक्षयिष्यतम् | अलक्षयिष्यत |
| अलक्षयिष्यम् | अलक्षयिष्याव | अलक्षयिष्याम |
| ब० लक्षयते | लक्षयेते | लक्षयन्ते |
| लक्षयसे | लक्षयेथे | लक्षयध्वे |
| लक्षये | लक्षयावहे | लक्षयामहे |
| ल० लक्षयेत | लक्षयेयाताम् | लक्षयेयन् |
| लक्षयेयाः | लक्षयेयाताम् | लक्षयेयध्वम् |
| लक्षयेय | लक्षयेयहि | लक्षयेयमहि |
| प० लक्षयताम् | लक्षयेताम् | लक्षयन्ताम् |
| लक्षयस्व | लक्षयेशाम् | लक्षयध्वम् |
| लक्षये | लक्षयावहे | लक्षयामहे |
| अ० अलक्षयत | अलक्षयेताम् | अलक्षयन्त |
| अलक्षययाः | अलक्षयेयाम् | अलक्षयध्वम् |
| अलक्षये | अलक्षयावहि | अलक्षयामहि |
| अ० अललक्षत | अललक्षेताम् | अललक्षन्त |
| अललक्षयाः | अललक्षेयाम् | अललक्षध्वम् |
| अललक्षे | अललक्षावहि | अललक्षामहि |
| प० लक्षयाञ्चके | लक्षयाञ्चकते | लक्षयाञ्चकिरे |
| लक्षयाञ्चकृषे | लक्षयाञ्चकथे | लक्षयाञ्चकृद्वे |
| लक्षयाञ्चके | लक्षयाञ्चकृवहे | लक्षयाञ्चकृमहे |
| लक्षयाम्बभूव | लक्षयाम्बभूवतुः | लक्षयाम्बभूवुः |
| लक्षयाम्बभूविष | लक्षयाम्बभूवथुः | लक्षयाम्बभूवम |
| लक्षयाम्बभूव | लक्षयाम्बभूविष | लक्षयाम्बभूविम |
| लक्षयामास | लक्षयामासतुः | लक्षयामासुः |
| लक्षयामासिष | लक्षयामासथुः | लक्षयामासम |
| लक्षयामास | लक्षयामासिष | लक्षयामासिम |

आ० लक्षयिषीष्ट लक्षयिषीयास्ताम् लक्षयिषीरन्
लक्षयिषीष्ठाः लक्षयिषीयास्याम् लक्षयिषीद्भम्

लक्षयिषीध्वम्

लक्षयिषीय लक्षयिषीवहि लक्षयिषीमहि

अ० लक्षयिता लक्षयितारौ लक्षयितारः

लक्षयितासे लक्षयितासाथे लक्षयिताध्वे

लक्षयिताहे लक्षयितास्वहे लक्षयितास्महे

भ० लक्षयिष्यते लक्षयिष्येते लक्षयिष्यन्ते

लक्षयिष्यसे लक्षयिष्येथे लक्षयिष्यध्वे

लक्षयिष्ये लक्षयिष्यावहे लक्षयिष्यामहे

क्रि० अलक्षयिष्यत अलक्षयिष्येताम् अलक्षयिष्यन्त

अलक्षयिष्यथाः अलक्षयिष्येथाम् अलक्षयिष्यध्वम्

अलक्षयिष्ये अलक्षयिष्यावहि अलक्षयिष्यामहि

इतोऽर्थविशेषे आलक्षिणः । इतः परम

र्थविशेषे चुरादयो लक्षिर्पर्यन्ताः

1720 ज्ञाण् (ज्ञा) मारणादिनियोज

नेषु । मारणादयो मारणतोषणनि

शाने ज्ञश्चेति सूत्रोक्तास्तेषु नियोजने

चार्थे जानातिश्चरादिः । 153

तत्र मारणतोषणनिशाने

अ० ज्ञपयति ज्ञपयतः ज्ञपयन्ति

ज्ञपयसि ज्ञपयथः ज्ञपयथ

ज्ञपयामि ज्ञपयावः ज्ञपयामः

स० ज्ञपयेत् ज्ञपयेताम् ज्ञपयेयुः

ज्ञपयेः ज्ञपयेतम् ज्ञपयेत

ज्ञपयेयम् ज्ञपयेथ्व ज्ञपयेम

प० ज्ञपयतु ज्ञपयतात् ज्ञपयताम् ज्ञपयन्तु

ज्ञपय „ ज्ञपयतम् ज्ञपयत

ज्ञपयानि ज्ञपयाव ज्ञपयाम

अ० अज्ञपयत् अज्ञपयताम् अज्ञपयन्

अज्ञपयः अज्ञपयतम् अज्ञपयत

अज्ञपयम् अज्ञपयाव अज्ञपयाम

अ० अजिज्ञपत् अजिज्ञपताम् अजिज्ञपन्

अजिज्ञपः अजिज्ञपतम् अजिज्ञपत

अजिज्ञपम् अजिज्ञपाव अजिज्ञपाम

प० ज्ञपयाञ्चकार ज्ञपयाञ्चकतुः ज्ञपयाञ्चकुः

ज्ञपयाञ्चकथे ज्ञपयाञ्चकथुः ज्ञपयाञ्चक

ज्ञपयाञ्चकार कर ज्ञपयाञ्चकृव याञ्चकृम

ज्ञपयाञ्चभृव । ज्ञपयामान

आ० ज्ञप्यात् ज्ञप्यास्ताम् ज्ञप्यासुः

ज्ञप्याः ज्ञप्यास्तम् ज्ञप्यास्त

ज्ञप्यास्तम् ज्ञप्यास्व ज्ञप्यास्म

अ० ज्ञपयिता ज्ञपयितारौ ज्ञपयितारः

ज्ञपयितासि ज्ञपयितास्थः ज्ञपयितास्थ

ज्ञपयितास्मि ज्ञपयितास्वः ज्ञपयितास्मः

अ० ज्ञपयिष्यति ज्ञपयिष्यतः ज्ञपयिष्यन्ति

ज्ञपयिष्यसि ज्ञपयिष्यथः ज्ञपयिष्यथ

ज्ञपयिष्यामि ज्ञपयिष्यावः ज्ञपयिष्यामः

क्रि० अज्ञपयिष्यत् अज्ञपयिष्यताम् अज्ञपयिष्यन्त

अज्ञपयिष्यः अज्ञपयिष्यतम् अज्ञपयिष्यन्

अज्ञपयिष्यम् अज्ञपयिष्याव अज्ञपयिष्याम

मारणे संज्ञपयति पशुम्, तोषणे विज्ञापयति

गुरुम् निशाने ज्ञपयति शस्त्रम् ।

॥ अथादन्तः ॥

1721 च्युण् (च्यु) सहने 154

व० च्यावयति च्यावयतः च्यावयन्ति
च्यावयसि च्यावयथः च्यावयथ
च्यावयामि च्यावयावः च्यावयामः

स० च्यावयेत् च्यावयेताम् च्यावयेयुः
च्यावयेः च्यावयेतम् च्यावयेत
च्यावयेयम् च्यावयेव च्यावयेम

च्यावयतु च्यावयतात् च्यावयताम् च्यावयन्तु
च्यावय , च्यावयतम् च्यावयत
च्यावयानि च्यावयाव च्यावयाम

ह्य० अच्यावयत् अच्यावयताम् अच्यावयन्
अच्यावयः अच्यावयतम् अच्यावयत
अच्यावयम् अच्यावयाव अच्यावयाम

अ० अचुच्यवत् अचुच्यवताम् अचुच्यवन्
अचुच्यवः अचुच्यवतम् अचुच्यवत
अचुच्यवम् अचुच्यवाव अचुच्यवाम

च्यावयाञ्चकार च्यावयाञ्चक्रतुः च्यावयाञ्चकृ
च्यावयाञ्चकथं च्यावयाञ्चकथुः च्यावयाञ्चक
च्यावयाञ्चकार-कर च्यावयाञ्चकृव-पाञ्चकृम

च्यावयाम्बभूव । च्यावयामास

आ० च्याव्यात् च्याव्यास्ताम् च्याव्यासुः

च्याव्याः च्याव्यास्तम् च्याव्यास्त

च्याव्यासम् च्याव्यास्व च्याव्यास्म

श्च० च्यावयिता च्यावयितारौ च्यावयितारः
च्यावयितासि च्यावयितास्थः च्यावयितास्थ
च्यावयितास्मि च्यावयितास्वः च्यावयितास्म

भ० च्यावयिष्यति च्यावयिष्यतः च्यावयिष्यन्ति
च्यावयिष्यसि च्यावयिष्यथः च्यावयिष्यथ
च्यावयिष्यामि च्यावयिष्यावः च्यावयिष्याम

क्रि० अच्यावयिष्यत् अच्यावयिष्यताम् च्यावयिष्यत
अच्यावयिष्य अच्यावयिष्यतम् अच्यावयिष्यत
अच्यावयिष्यम् अच्यावयिष्याव अच्यावयिष्याम

अन्यत्र च्युङ्कृ गतो च्यवते

1722 भूण् (भू) अवकल्कने मीश्री
करणे इत्यर्थः । विकल्कने इति नन्दी
अवकल्पने इत्यन्ये । 155

व० भावयति भावयतः भावयन्ति
भावयसि भावयथः भावयथ
भावयामि भावयावः भावयामः

स० भावयेत् भावयेताम् भावयेयुः
भावयेः भावयेतम् भावयेत
भावयेयम् भावयेव भावयेम

प० भावयतु भावयतात् भावयताम् भावयन्तु
भावय , भावयतम् भावयत
भावयानि भावयाव भावयाम

ह्य० अभावयत् अभावयताम् अभावयन्
अभावयः अभावयतम् अभावयत
अभावयम् अभावयाव अभावयाम

अ० अबीभवत् अबीभवताम् अबीभवन्
अबीभवः अबीभवतम् अबीभवत
अबीभवम् अबीभवाव अबीभवाम

भावयाञ्चकार भावयाञ्चक्रतुः भावयाञ्चकृ
भावयाञ्चकथं भावयाञ्चकथुः भावयाञ्चक
भावयाञ्चकार-कर भावयाञ्चकृव याञ्चकृम

भावायाम्बभूव । भावयामास

आ० भाव्यात् भाव्यास्ताम् भाव्यासुः

भाव्याः भाव्यास्तम् भाव्यास्त

भाव्यासम् भाव्यास्व भाव्यास्म

श्च० भावयिता भावयितारौ भावयितारः

भावयितासि भावयितास्थः भावयितास्थ

भावयितास्मि भावयितास्वः भावयितास्म

भ० भावयिष्यति भावयिष्यतः भावयिष्यन्ति

भावयिष्यसि भावयिष्यथः भावयिष्यथ

भावयिष्यामि भावयिष्यावः भावयिष्याम

अभावयिष्यत् अभावयिष्यताम् अभावयिष्यत

अभावयिष्य अभावयिष्यतम् अभावयिष्यत

अभावयिष्यम् अभावयिष्याव अभावयिष्याम

सत्तायां भवति प्रप्तौ भावयते

॥ अथ कान्तास्त्रयः ॥

1723 बुक्कण (बुक्क्) भवणे ।

आभाषणे इत्यग्रे 156

ब० बुक्कयति बुक्कयतः बुक्कयन्ति
 बुक्कयसि बुक्कयथः बुक्कयथ
 बुक्कयामि बुक्कयावः बुक्कयामः
 स० बुक्कयेत् बुक्कयेताम् बुक्कयेयुः
 बुक्कयेः बुक्कयेतम् बुक्कयेत
 बुक्कयेयम् बुक्कयेयव बुक्कयेयम्

प० बुक्कयतु बुक्कयतात् बुक्कयताम् बुक्कयन्तु
 बुक्कय , बुक्कयतम् बुक्कयन्

बुक्कयानि बुक्कयाव बुक्कयाम
 अ० अबुक्कयत् अबुक्कयताम् अबुक्कयन्
 अबुक्कयः अबुक्कयतम् अबुक्कयन्
 अबुक्कयम् अबुक्कयाव अबुक्कयाव
 अ० अबुक्कयत् अबुक्कयताम् अबुक्कयन्
 अबुक्कयः अबुक्कयतम् अबुक्कयन्
 अबुक्कयम् अबुक्कयाव अबुक्कयाव

प० बुक्कयाञ्चकार बुक्कयाञ्चक्रुः बुक्कयाञ्चकु
 बुक्कयाञ्चकथं बुक्कयाञ्चकथुः बुक्कयाञ्चक
 बुक्कयाञ्चकार-चक्र बुक्कयाञ्चकृव-याञ्चकृम
 बुक्कयाम्भूष । बुक्कयामास

आ० बुक्कयात् बुक्कयास्ताम् बुक्कयासुः
 बुक्कयाः बुक्कयास्तम् बुक्कयास्त
 बुक्कयासम् बुक्कयासव बुक्कयासम्

भ० बुक्कयिता बुक्कयितारौ बुक्कयितारः
 बुक्कयितानि बुक्कयितास्थः बुक्कयितास्थ
 बुक्कयितास्मि बुक्कयितास्वः बुक्कयितास्मः
 भ० बुक्कयिष्यति बुक्कयिष्यतः बुक्कयिष्यन्ति
 बुक्कयिष्यसि बुक्कयिष्यथः बुक्कयिष्यथ
 बुक्कयिष्यामि बुक्कयिष्यावः बुक्कयिष्यामः
 अबुक्कयिष्यत् अबुक्कयिष्यताम् अबुक्कयिष्यन्
 अबुक्कयिष्यः अबुक्कयिष्यतम् अबुक्कयिष्यन्
 अबुक्कयिष्यम् अबुक्कयिष्याव अबुक्कयिष्याम
 अन्यत्र बुक्क भाषणे बुक्कति

1724 रक् (रक्) आस्वादने 157

ब० राक्कयति राक्कयतः राक्कयन्ति
 राक्कयसि राक्कयथः राक्कयथ
 राक्कयामि राक्कयावः राक्कयामः

स० राक्कयेत् राक्कयेताम् राक्कयेयुः
 राक्कयेः राक्कयेतम् राक्कयेत
 राक्कयेयम् राक्कयेयव राक्कयेयम्

प० राक्कयतु राक्कयतात् राक्कयताम् राक्कयन्तु
 राक्कय , राक्कयतम् राक्कयन्
 राक्कयाञ्चि राक्कयाव राक्कयाम

अ० अराक्कयत् अराक्कयताम् अराक्कयन्
 अराक्कयः अराक्कयतम् अराक्कयन्
 अराक्कयम् अराक्कयाव अराक्कयाम

अ० अरीरक्त् अरीरक्ताम् अरीरक्त्
 अरीरक्कः अरीरक्कतम् अरीरक्कत
 अरीरक्कम् अरीरक्काव अरीरक्काम

राक्कयाञ्चकार राक्कयाञ्चक्रुः राक्कयाञ्चकु
 राक्कयाञ्चकथं राक्कयाञ्चकथुः राक्कयाञ्चक
 राक्कयाञ्चकार-कर राक्कयाञ्चकृव-याञ्चकृम
 राक्कयाम्भूष । राक्कयामास

आ० राक्कयात् राक्कयास्ताम् राक्कयासुः
 राक्कयाः राक्कयास्तम् राक्कयास्त
 राक्कयासम् राक्कयासव राक्कयासम्

भ० राक्कयिता राक्कयितारौ राक्कयितारः
 राक्कयितानि राक्कयितास्थः राक्कयितास्थ
 राक्कयितास्मि राक्कयितास्वः राक्कयितास्मः

भ० राक्कयिष्यति राक्कयिष्यतः राक्कयिष्यन्ति
 राक्कयिष्यसि राक्कयिष्यथः राक्कयिष्यथ
 राक्कयिष्यामि राक्कयिष्यावः राक्कयिष्यामः

अराक्कयिष्यत् अराक्कयिष्यताम् अराक्कयिष्यन्
 अराक्कयिष्यः अराक्कयिष्यतम् अराक्कयिष्यन्
 अराक्कयिष्यम् अराक्कयिष्याव अराक्कयिष्याम

1725 लकण् (लक्) आस्वादाने 158

ल० लाकयति लाकयतः लाकयन्ति
लाकयसि लाकयथः लाकयथ
लाकयामि लाकयावः लाकयामः

ल० लाकयेत् लाकयेताम् लाकयेयुः
लाकयेः लाकयेतम् लाकयेत
लाकयेयम् लाकयेव लाकयेम

प० लाकयतु लाकयतात् लाकयताम् लाकयन्तु
लाकय „ लाकयतम् लाकयत
लाकयानि लाकयाव लाकयाम

ल० अलाकयत् अलाकयताम् अलाकयन्
अलाकयः अलाकयतम् अलाकयत
अलाकयम् अलाकयाव अलाकयाम

अ० अलीलकन् अलीलकताम् अलीलकन्
अलीलकः अलीलकतम् अलीलकत
अलीलकम् अलीलकाव अलीलकाम

लाकयाञ्चकार लाकयाञ्चक्रतुः लाकयाञ्चक्रुः
लाकयाञ्चकथ लाकयाञ्चक्रथुः लाकयाञ्चक्रुः
लाकयाञ्चकार-कर लाकयाञ्चकृव-याञ्चकृम

लाकयाम्बभूव । लाकयामास

आ० लाकयात् लाकयास्ताम् लाकयासुः
लाकयाः लाकयास्तम् लाकयास्त
लाकयासम् लाकयास्व लाकयास्म

ल० लाकयिता लाकयितारौ लाकयितारः
लाकयितासि लाकयितास्थः लाकयितास्थ
लाकयितास्मि लाकयितास्वः लाकयितास्मः

भ० लाकयिष्यति लाकयिष्यतः लाकयिष्यन्ति
लाकयिष्यसि लाकयिष्यथः लाकयिष्यथ
लाकयिष्यामि लाकयिष्यावः लाकयिष्यामः

अलाकयिष्यत् अलाकयिष्यताम् अलाकयिष्यन्
अलाकयिष्यः अलाकयिष्यतम् अलाकयिष्यत
अलाकयिष्यम् अलाकयिष्याव अलाकयिष्याम

॥ अथ गान्तास्त्रयः ॥

1726 रगण् (रग्) आस्वादाने 159

र० रागयति रागयतः रागयन्ति
रागयसि रागयथः रागयथ
रागयामि रागयावः रागयामः

र० रागयेत् रागयेताम् रागयेयुः
रागयेः रागयेतम् रागयेत
रागयेयम् रागयेव रागयेम

प० रागयतु रागयतात् रागयताम् रागयन्तु
रागय „ रागयतम् रागयत
रागयानि रागयाव रागयाम

र० अरागयत् अरागयताम् अरागयन्
अरागयः अरागयतम् अरागयत
अरागयम् अरागयाव अरागयाम

अ० अरीरगत् अरीरगताम् अरीरगन्
अरीरगः अरीरगतम् अरीरगत
अरीरगम् अरीरगाव अरीरगाम

प० रागयाञ्चकार रागयाञ्चक्रतुः रागयाञ्चक्रुः
रागयाञ्चकथ रागयाञ्चक्रथुः रागयाञ्चक्रुः
रागयाञ्चकार-कर रागयाञ्चकृव याञ्चकृम
रागयाम्बभूव । रागयामास

आ० राग्यात् राग्यास्ताम् राग्यासुः
राग्याः राग्यास्तम् राग्यास्त
राग्यासम् राग्यास्व राग्यास्म

ल० रागयिता रागयितारौ रागयितारः
रागयितासि रागयितास्थः रागयितास्थ
रागयितास्मि रागयितास्वः रागयितास्मः

भ० रागयिष्यति रागयिष्यतः रागयिष्यन्ति
रागयिष्यसि रागयिष्यथः रागयिष्यथ
रागयिष्यामि रागयिष्यावः रागयिष्यामः

अ० अरागयिष्यत् अरागयिष्यताम् अरागयिष्यन्
अरागयिष्यः अरागयिष्यतम् अरागयिष्यत
अरागयिष्यम् अरागयिष्याव अरागयिष्याम
। अन्यत्र रगे शङ्कायां रगति ।

1727 लग्ण (लग्) आस्वाद्ने । 160 1728 लिङ्गुण(लिङ्गु) चित्रीकरणे 161

व० लगयति लगयतः लगयन्ति
लगयसि लगयथः लगयथ
लगयामि लगयावः लगयामः

स० लगयेत् लगयेताम् लगयेयुः
लगयेः लगयेतम् लगयेत
लगयेयम् लगयेव लगयेम

प० लगयतु लगयतात् लगयताम् लगयन्तु
लगय लगयतम् लगयत
लगयानि लगयाव लगयाम

झ० अलगयत् अलगयताम् अलगयन्
अलगयः अलगयतम् अलगयत
अलगयम् अलगयाव अलगयाम

अ० अलीलगत् अलीलगताम् अलीलगन्
अलीलगः अलीलगतम् अलीलगत
अलीलगम् अलीलगाव अलीलगाम

प० लगयाञ्चकार लगयाञ्चकतुः लगयाञ्चकुः
लगयाञ्चकर्थ लगयाञ्चकथुः लगयाञ्चक
लगयाञ्चकार-कर लगयाञ्चकृव याञ्चकृम
लगयाञ्चभूव । लगयामास

आ० लग्यात् लग्यास्ताम् लग्यास्तुः
लग्याः लग्यास्तम् लग्यास्त
लग्यासम् लग्यास्व लग्यास्म

प्रव० लगयिता लगयितारौ लगयितारः
लगयितासि लगयितास्थः लगयितास्व
लगयितास्मि लगयितास्वः लगयितास्मः

भ० लगयिष्यति लगयिष्यतः लगयिष्यन्ति
लगयिष्यसि लगयिष्यथः लगयिष्यथ
लगयिष्यामि लगयिष्यावः लगयिष्यामः

अलगयिष्यत् अलगयिष्यताम् अलगयिष्यन्
अलगयिष्यः अलगयिष्यतम् अलगयिष्यत
अलगयिष्यम् अलगयिष्याव अलगयिष्याम
प्र लगे संगे लगति ।

व० लिङ्गयति लिङ्गयतः लिङ्गयन्ति
लिङ्गयसि लिङ्गयथः लिङ्गयथ
लिङ्गयामि लिङ्गयावः लिङ्गयामः

स० लिङ्गयेत् लिङ्गयेताम् लिङ्गयेयुः
लिङ्गयेः लिङ्गयेतम् लिङ्गयेत
लिङ्गयेयम् लिङ्गयेव लिङ्गयेम

प० लिङ्गयतु लिङ्गयतात् लिङ्गयताम् लिङ्गयन्तु
लिङ्गय लिङ्गयतम् लिङ्गयत
लिङ्गयानि लिङ्गयाव लिङ्गयाम

झ० अलिङ्गयत् अलिङ्गयताम् अलिङ्गयन्
अलिङ्गयः अलिङ्गयतम् अलिङ्गयत
अलिङ्गयम् अलिङ्गयाव अलिङ्गयाम

अ० अलिलिङ्गत् अलिलिङ्गताम् अलिलिङ्गन्
अलिलिङ्गः अलिलिङ्गतम् अलिलिङ्गत
अलिलिङ्गम् अलिलिङ्गाव अलिलिङ्गाम

प० लिङ्गयाञ्चकार लिङ्गयाञ्चकतुः लिङ्गयाञ्चकुः
लिङ्गयाञ्चकर्थ लिङ्गयाञ्चकथुः लिङ्गयाञ्चक
लिङ्गयाञ्चकार-कर लिङ्गयाञ्चकृव याञ्चकृम
लिङ्गयाञ्चभूव । लिङ्गयामास

आ० लिङ्ग्यात् लिङ्ग्यास्ताम् लिङ्ग्यास्तुः
लिङ्ग्याः लिङ्ग्यास्तम् लिङ्ग्यास्त
लिङ्ग्यासम् लिङ्ग्यास्व लिङ्ग्यास्म

प्रव० लिङ्गयिता लिङ्गयितारौ लिङ्गयितारः
लिङ्गयितासि लिङ्गयितास्थः लिङ्गयितास्व
लिङ्गयितास्मि लिङ्गयितास्वः लिङ्गयितास्मः

भ० लिङ्गयिष्यति लिङ्गयिष्यतः लिङ्गयिष्यन्ति
लिङ्गयिष्यसि लिङ्गयिष्यथः लिङ्गयिष्यथ
लिङ्गयिष्यामि लिङ्गयिष्यावः लिङ्गयिष्यामः

अलिङ्गयिष्यत् अलिङ्गयिष्यताम् अलिङ्गयिष्यन्
अलिङ्गयिष्यः अलिङ्गयिष्यतम् अलिङ्गयिष्यत
अलिङ्गयिष्यम् अलिङ्गयिष्याव अलिङ्गयिष्याम
अन्यत्र लिङ्गु गतौ अलिङ्गति

॥ अथ चान्तास्त्रयः ॥

1729 चर्चण् (चर्च्) अध्ययने । 162

व० चर्चयति चर्चयतः चर्चयन्ति
चर्चयसि चर्चयथः चर्चयथ
चर्चयामि चर्चयाधः चर्चयामः
स० चर्चयेत् चर्चयेताम् चर्चयेयुः
चर्चयेः चर्चयेतम् चर्चयेत
चर्चयेयम् चर्चयेथ चर्चयेम

प० चर्चयतु चर्चयतात् चर्चयताम् चर्चयन्तु
चर्चय , चर्चयतम् चर्चयन्त
चर्चयानि चर्चयाव चर्चयाम
ह्य० अचर्चयत् अचर्चयताम् अचर्चयन्
अचर्चयः अचर्चयतम् अचर्चयत
अचर्चयम् अचर्चयाव अचर्चयाम
अ० अचर्चयत् अचर्चयताम् अचर्चयन्
अचर्चयः अचर्चयतम् अचर्चयत
अचर्चयम् अचर्चयाव अचर्चयाम

प० चर्चयाञ्चकार चर्चयाञ्चक्रतुः चर्चयाञ्चक्रुः
चर्चयाञ्चकर्ण चर्चयाञ्चक्रथुः चर्चयाञ्चक्र
चर्चयाञ्चकार-करचर्चयाञ्चकृष याञ्चकृम
चर्चयाम्बभूव । चर्चयामास

आ चर्चयति चर्चयताम् चर्चयसि
चर्चयः चर्चयताम् चर्चयसि
चर्चयामि चर्चयाव चर्चयाम

प्रव० चर्चयिता चर्चयितारौ चर्चयितारः
चर्चयितासि चर्चयितास्थः चर्चयितास्मि

चर्चयितास्मि चर्चयितास्वः चर्चयितास्मः

भ० चर्चयिष्यति चर्चयिष्यतः चर्चयिष्यन्ति
चर्चयिष्यसि चर्चयिष्यथः चर्चयिष्यथ

चर्चयिष्यामि चर्चयिष्यावः चर्चयिष्यामः

अचर्चयिष्यत् अचर्चयिष्यताम् अचर्चयिष्यन्

अचर्चयिष्यः अचर्चयिष्यतम् अचर्चयिष्यन्त

अचर्चयिष्यम् अचर्चयिष्याव अचर्चयिष्याम

अन्यत्र चर्चति परिभाषणे इति क्वचित् चर्चति

1730 अञ्चण् (अञ्च्) विशेषणे 163

विशेषण मतिशयः ।

व० अञ्चयति अञ्चयतः अञ्चयन्ति
अञ्चयसि अञ्चयथः अञ्चयथ
अञ्चयामि अञ्चयावः अञ्चयामः

स० अञ्चयेत् अञ्चयेताम् अञ्चयेयुः
अञ्चयेः अञ्चयेतम् अञ्चयेत
अञ्चयेयम् अञ्चयेव अञ्चयेम

प० अञ्चयतु-तात् अञ्चयताम् अञ्चयन्तु
अञ्चय , अञ्चयतम् अञ्चयन्त

अञ्चयानि अञ्चयाव अञ्चयाम

ह्य० आञ्चयत् आञ्चयताम् आञ्चयन्

आञ्चयः आञ्चयतम् आञ्चयत

आञ्चयम् आञ्चयाव आञ्चयाम

अ० आञ्चयत् आञ्चयताम् आञ्चयन्

आञ्चयः आञ्चयतम् आञ्चयत

आञ्चयम् आञ्चयाव आञ्चयाम

प० अञ्चयाञ्चकार अञ्चयाञ्चक्रतुः याञ्चक्रुः

अञ्चयाञ्चकर्ण अञ्चयाञ्चक्रथुः याञ्चक्रुः

अञ्चयाञ्चकार-करअञ्चयाञ्चकृष कृम

अञ्चयाम्बभूव । अञ्चयामास

आ० अञ्चयात् अञ्चयास्ताम् अञ्चयासुः

अञ्चयाः अञ्चयास्तम् अञ्चयास्त

अञ्चयासम् अञ्चयास्व अञ्चयास्म

प्रव० अञ्चयिता अञ्चयितारौ अञ्चयितारः

अञ्चयितासि अञ्चयितास्थः अञ्चयितास्म

अञ्चयितास्मि अञ्चयितास्वः अञ्चयितास्मः

भ० अञ्चयिष्यति अञ्चयिष्यतः अञ्चयिष्यन्ति

अञ्चयिष्यसि अञ्चयिष्यथः अञ्चयिष्यथ

अञ्चयिष्यामि अञ्चयिष्यावः अञ्चयिष्यामः

क्रि० आञ्चयिष्यत् आञ्चयिष्यताम् यिष्यन्

आञ्चयिष्यः आञ्चयिष्यतम् आञ्चयिष्यन्त

आञ्चयिष्यम् आञ्चयिष्याव आञ्चयिष्याम

अञ्चयत्यर्थं व्यक्तीकरोतीत्यर्थः । अन्यत्र

अञ्चु गंतौ च अञ्चति

1731 मुचण् (मुच्) प्रमोचने, प्रयोजने

इत्येके मोचयति कुण्डले प्रयोजयतीत्यर्थः 164

च० मोचयति मोचयतः मोचयन्ति

मोचयसि मोचयथः मोचयथ

मोचयामि मोचयावः मोचयामः

स० मोचयेत् मोचयेताम् मोचयेयुः

मोचयेः मोचयेतम् मोचयेत

मोचयेयम् मोचयेव मोचयेम

प० मोचयतु मोचयतात् मोचयताम् मोचयन्तु

मोचय , मोचयतम् मोचयत

मोचयानि मोचयाव मोचयाम

छ० अमोचयत् अमोचयताम् अमोचयन्

अमोचयः अमोचयतम् अमोचयत

अमोचयम् अमोचयाव अमोचयाम

अ० अमूचयत् अमूचयताम् अमूचयन्

अमूचयः अमूचयतम् अमूचयत

अमूचयम् अमूचाव अमूचयाम

प० मोचयाञ्चकार मोचयाञ्चकतुः याञ्चक्रुः

मोचयाञ्चकर्थ मोचयाञ्चकथुः मोचयाञ्चक्र

मोचयाञ्चकार-कर मोचयाञ्चकृव-याञ्चकृम

मोचयाम्बभूव । मोचयामास

आ० मोच्यात् मोच्यास्ताम् मोच्यासुः

मोच्याः मोच्यास्तम् मोच्यास्त

मोच्यासम् मोच्यास्व मोच्यास्म

भ० मोचयिता मोचयितारौ मोचयितारः

मोचयितासि मोचयितास्थः मोचयितास्व

मोचयितास्मि मोचयितास्वः मोचयितास्मः

भ० मोचयिष्यति मोचयिष्यतः मोचयिष्यन्ति

मोचयिष्यसि मोचयिष्यथः मोचयिष्यथ

मोचयिष्यामि मोचयिष्यावः मोचयिष्यामः

अमोचयिष्यत् अमोचयिष्यताम् अमोचयिष्यन्ति

अमोचयिष्यः अमोचयिष्यतम् अमोचयिष्यत

अमोचयिष्यम् अमोचयिष्याव अमोचयिष्याम

अन्यत्र मुचि कल्कने इत्येके मोचते मुचलंती

मोक्षणे । मुञ्चति मुञ्चने

॥ अथ ज्ञान्तौ ॥

1732 अर्जण् (अर्ज्) प्रतिपत्ने

प्रतिपत्नः संस्कारः 165

च० अर्जयति अर्जयतः अर्जयन्ति

अर्जयसि अर्जयथः अर्जयथ

अर्जयामि अर्जयावः अर्जयामः

स० अर्जयेत् अर्जयेताम् अर्जयेयुः

अर्जयेः अर्जयेतम् अर्जयेत

अर्जयेयम् अर्जयेव अर्जयेम

प० अर्जयतु अर्जयतात् अर्जयताम् अर्जयन्तु

अर्जय , अर्जयतम् अर्जयत

अर्जयानि अर्जयाव अर्जयाम

छ० आर्जयत् आर्जयताम् आर्जयन्

आर्जयः आर्जयतम् आर्जयत

आर्जयम् आर्जयाव आर्जयाम

अ० आर्जिजत् आर्जिजताम् आर्जिजन्

आर्जिजः आर्जिजतम् आर्जिजत

आर्जिजम् आर्जिजाव आर्जिजाम

अर्जयाञ्चकार अर्जयाञ्चकतुः अर्जयाञ्चक्रुः

अर्जयाञ्चकर्थ अर्जयाञ्चकथुः अर्जयाञ्चक्र

अर्जयाञ्चकार-कर अर्जयाञ्चकृव-याञ्चकृम

अर्जयाम्बभूव । अर्जयामास

आ० अर्ज्यात् अर्ज्यास्ताम् अर्ज्यासुः

अर्ज्याः अर्ज्यास्तम् अर्ज्यास्त

अर्ज्यासम् अर्ज्यास्व अर्ज्यास्म

भ० अर्जयिता अर्जयितारौ अर्जयितारः

अर्जयितासि अर्जयितास्थः अर्जयितास्व

अर्जयितास्मि अर्जयितास्वः अर्जयितास्मः

भ० अर्जयिष्यति अर्जयिष्यतः अर्जयिष्यन्ति

अर्जयिष्यसि अर्जयिष्यथः अर्जयिष्यथ

अर्जयिष्यामि अर्जयिष्यावः अर्जयिष्यामः

अ० आर्जयिष्यत् आर्जयिष्यताम् आर्जयिष्यन्ति

आर्जयिष्यः आर्जयिष्यतम् आर्जयिष्यत

आर्जयिष्यम् आर्जयिष्याव आर्जयिष्याम

अर्जयति हिरण्यं निवेशयतीत्यर्थः । अन्यत्र

तु अर्ज अर्जने अर्जति

॥ अथ दान्तास्त्रयः ॥

173 चटण् (चट्) भेदे । 167

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| च० चाटयति | चाटयतः | चाटयन्ति |
| चाटयसि | चाटयथः | चाटयथ |
| चाटयामि | चाटयावः | चाटयामः |
| स० चाटयेत् | चाटयेताम् | चाटयेयुः |
| चाटयेः | चाटयेतम् | चाटयेत |
| चाटयेयम् | चाटयेव | चाटयेम |
| प० चाटयतु | चाटयतात् | चाटयताम् |
| चाटय | चाटयतम् | चाटयन्त |
| चाटयानि | चाटयाव | चाटयाम |
| झ० अचाटयत् | अचाटयताम् | अचाटयन् |
| अचाटयः | अचाटयतम् | अचाटयन्त |
| अचाटयम् | अचाटयाव | अचाटयाम |
| अ० अचीचटत् | अचीचटताम् | अचीचटन् |
| अचीचटः | अचीचटतम् | अचीचटन्त |
| अचीचटम् | अचीचटाव | अचीचटाम |
| प० चाटयाञ्चकार | चाटयाञ्चकतुः | चाटयाञ्चकुः |
| चाटयाञ्चकर्थ | चाटयाञ्चकथुः | चाटयाञ्चक |
| चाटयाञ्चकार-कर | चाटयाञ्चकृष | चाटयाञ्चकृम |
| चाटयाञ्चभूष | चाटयाञ्चभूष | चाटयाञ्चभूष |
| आ० चाटयात् | चाटयास्ताम् | चाटयास्तुः |
| चाटयाः | चाटयास्तम् | चाटयास्त |
| चाटयास्तम् | चाटयास्तव | चाटयास्तम |
| प्र० चाटयिता | चाटयितारौ | चाटयितारः |
| चाटयितासि | चाटयितास्यः | चाटयितास्य |
| चाटयितास्मि | चाटयितास्वः | चाटयितास्मः |
| अ० चाटयिष्यति | चाटयिष्यतः | चाटयिष्यन्ति |
| चाटयिष्यसि | चाटयिष्यथः | चाटयिष्यथ |
| चाटयिष्यामि | चाटयिष्यावः | चाटयिष्यामः |
| अचाटयिष्यत् | अचाटयिष्यताम् | अचाटयिष्यन् |
| अचाटयिष्यः | अचाटयिष्यतम् | अचाटयिष्यन्त |
| अचाटयिष्यम् | अचाटयिष्याव | अचाटयिष्याम |

। निचोऽनित्यम्वाच्यरति ।

173 भजण् (भज्) विश्राणने । 166

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| ब० भाजयति | भाजयतः | भाजयन्ति |
| भाजयसि | भाजयथः | भाजयथ |
| भाजयामि | भाजयावः | भाजयामः |
| स० भाजयेत् | भाजयेताम् | भाजयेयुः |
| भाजयेः | भाजयेतम् | भाजयेत |
| भाजयेयम् | भाजयेव | भाजयेम |
| प० भाजयतु | भाजयतात् | भाजयताम् |
| भाजय | भाजयतम् | भाजयन्त |
| भाजयानि | भाजयाव | भाजयाम |
| झ० अभाजयत् | अभाजयताम् | अभाजयन् |
| अभाजयः | अभाजयतम् | अभाजयन्त |
| अभाजयम् | अभाजयाव | अभाजयाम |
| अ० अवीभजत् | अवीभजताम् | अवीभजन् |
| अवीभजः | अवीभजतम् | अवीभजन्त |
| अवीभजम् | अवीभजाव | अवीभजाम |
| भाजयाञ्चकार | भाजयाञ्चकतुः | भाजयाञ्चकुः |
| भाजयाञ्चकर्थ | भाजयाञ्चकथुः | भाजयाञ्चक |
| भाजयाञ्चकार-कर | भाजयाञ्चकृष | भाजयाञ्चकृम |
| भाजयाञ्चभूष | भाजयाञ्चभूष | भाजयाञ्चभूष |
| आ० भाज्यात् | भाज्यास्ताम् | भाज्यास्तुः |
| भाज्याः | भाज्यास्तम् | भाज्यास्त |
| भाज्यास्तम् | भाज्यास्तव | भाज्यास्तम |
| प्र० भाजयिता | भाजयितारौ | भाजयितारः |
| भाजयितासि | भाजयितास्यः | भाजयितास्य |
| भाजयितास्मि | भाजयितास्वः | भाजयितास्मः |
| अ० भाजयिष्यति | भाजयिष्यतः | भाजयिष्यन्ति |
| भाजयिष्यसि | भाजयिष्यथः | भाजयिष्यथ |
| भाजयिष्यामि | भाजयिष्यावः | भाजयिष्यामः |
| अभाजयिष्यत् | अभाजयिष्यताम् | अभाजयिष्यन् |
| अभाजयिष्यः | अभाजयिष्यतम् | अभाजयिष्यन्त |
| अभाजयिष्यम् | अभाजयिष्याव | अभाजयिष्याम |

अन्यत्र भर्जो लेशायाम् भजति भजने

1735 स्फोटण् (स्फुट्) भेदे । 184

व० स्फोटयति स्फोटयतः स्फोटयन्ति
स्फोटयसि स्फोटयथः स्फोटयथ
स्फोटयामि स्फोटयावः स्फोटयामः
स० स्फोटयेत् स्फोटयेताम् स्फोटयेयुः
स्फोटयेः स्फोटयेतम् स्फोटयेत
स्फोटयेयम् स्फोटयेव स्फोटयेम
प स्फोटयतु स्फोटयतात् स्फोटयताम् स्फोटयन्तु
स्फोटय स्फोटयतम् स्फोटयेत
स्फोटयानि स्फोटयाव स्फोटयाम
झ० अस्फोटयत् अस्फोटयताम् अस्फोटयन्
अस्फोटयः अस्फोटयतम् अस्फोटयत
अस्फोटयम् अस्फोटयाव अस्फोटयाम
अ० अपुस्फुटत् अपुस्फुटताम् अपुस्फुटन्
अपुस्फुटः अपुस्फुटतम् अपुस्फुटत
अपुस्फुटम् अपुस्फुटाव अपुस्फुटाम
स्फोटयाञ्चकार स्फोटयाञ्चक्रुः स्फोटयाञ्चकुः
स्फोटयाञ्चकथ स्फोटयाञ्चक्रथुः स्फोटयाञ्चक्र
स्फोटयाञ्चकार-कर स्फोटयाञ्चक्रवयाञ्चक्रम
स्फोटयाम्बभूव स्फोटयामास

आ० स्फोट्यात् स्फोट्यास्ताम् स्फोट्यासुः
स्फोट्याः स्फोट्यास्तम् स्फोट्यास्त
स्फोट्यासम् स्फोट्यास्व स्फोट्यास्म
श्च० स्फोटयिता स्फोटयितारौ स्फोटयितार
स्फोटयितासि स्फोटयितास्थः स्फोटयितास्थ
स्फोटयितास्मि स्फोटयितास्वः स्फोटयितास्मः
स्फोटयिष्यति स्फोटयिष्यतः स्फोटयिष्यन्ति
स्फोटयिष्यसि स्फोटयिष्यथः स्फोटयिष्यथ
स्फोटयिष्यामि स्फोटयिष्यावः स्फोटयिष्यामः
अस्फोटयिष्यत् अस्फोटयिष्यताम् —, यिष्यन्
अस्फोटयिष्यः अस्फोटयिष्यतम् —, यिष्यत
अस्फोटयिष्यम् अस्फोटयिष्याव —, यिष्याम
अन्यत्र तु स्फुट् विसरणे स्फोटति स्फुटि
विकसने स्फोटते स्फुटन् विकसने स्फोटति

1736 घटण् (घट्) संघाते 169

व० घाटयति घाटयतः घाटयन्ति
घाटयसि घाटयथः घाटयथ
घाटयामि घाटयावः घाटयामः
स० घाटयेत् घाटयेताम् घाटयेयुः
घाटयेः घाटयेतम् घाटयेत
घाटयेयम् घाटयेव घाटयेम
प० घाटयतु घाटयतात् घाटयताम् घाटयन्तु
घाटय घाटयतम् घाटयेत
घाटयानि घाटयाव घाटयाम
झ० अघाटयत् अघाटयताम् अघाटयन्
अघाटयः अघाटयतम् अघाटयत
अघाटयम् अघाटयाव अघाटयाम
अ० अजीघटत् अजीघटताम् अजीघटन्
अजीघटः अजीघटतम् अजीघटत
अजीघटम् अजीघटाव अजीघटाम
प० घाटयाञ्चकार घाटयाञ्चक्रुः घाटयाञ्चकुः
घाटयाञ्चकथ घाटयाञ्चक्रथुः घाटयाञ्चक्र
घाटयाञ्चकार चकर घाटयाञ्चक्रवघाटयाञ्चक्रम
घाटयाम्बभूव । घाटयामास
आ० घाट्यात् घाट्यास्ताम् घाट्यासुः
घाट्याः घाट्यास्तम् घाट्यास्त
घाट्यासम् घाट्यास्व घाट्यास्म
श्च० घाटयिता घाटयितारौ घाटयितारः
घाटयितासि घाटयितास्थः घाटयितास्थ
घाटयितास्मि घाटयितास्वः घाटयितास्मः
म० घाटयिष्यति घाटयिष्यतः घाटयिष्यन्ति
घाटयिष्यसि घाटयिष्यथः घाटयिष्यथ
घाटयिष्यामि घाटयिष्यावः घाटयिष्यामः
अघाटयिष्यत् अघाटयिष्यताम् अघाटयिष्यन्
अघाटयिष्यः अघाटयिष्यतम् अघाटयिष्यत
अघाटयिष्यम् अघाटयिष्याव अघाटयिष्याम
अर्थास्तरे तु घटिषु चेश्यां घटते ।

हन्त्यर्थान्न । येऽन्यत्र हन्त्यर्था हिंसार्थाः ।
पठ्यन्ते तेऽन्यत्र चुरादौ वेदितव्याः । हन्क्
हिंसागत्योः । घातयति । हिंसु तृहप् हिंसा-
याम् । हिंसयति तर्हयति । तत्तद्गणपाठ-
सामर्थ्यात् हन्ति हिनस्ति तृणेऽतीत्यादयोऽपि
अनेनैव च सिद्धेऽन्येषां हिंसार्थानां चुरादौ
पाठ आत्मनेपदादिगतरूपभेदार्थः । अन्ये तु
चटास्फुटौ घट च हन्त्यर्था इत्याद्यं पाठं
मन्यन्ते । अस्यार्थः-घट इत्ययं घातुः
आरूपपूर्वश्च स्फुट इति घट इत्ययं च त्रयो-
ऽप्येते हन्त्यर्था हिंसार्थाः सन्तश्चुरादौ
भषन्ति । घाटयति आस्फोटयति घाटयति
हन्तीत्यर्थः । अर्धान्तरे तु न चुरादित्वम्
चटति आस्फुटति घटते । अपरे तु अन्यथा
व्याचक्षते । चटास्फुटौ आस्फुटत्यर्थे चुरादिः
। घाटयति । घट च । अयं च आस्फुटत्यर्थे
चुरादिः घाटयति अन्यत्र चटति घटते ।

1736-2 हन्क् (हन्) हिंसागत्योः

तत्र हिंसायाम्

घ० घातयति घातयतः घातयन्ति
घातयसि घातयथः घातयथ
घातयामि घातयावः घातयामः

स० घातयेत् घातयेताम् घातयेयुः
घातयेः घातयेतम् घातयेत
घातयेयम् घातयेथ घातयेम

प० घातयतु घातयतात घातयताम् घातयानु
घातय " घातयतम् घातयत
घातयानि घातयाव घातयाम

झ० अघातयत अघातयताम् अघातयत
अघातयः अघातयतम् अघातयत
अघातयम् अघातयाव अघातयाम

अ० अजीघतत अजीघतताम् अजीघतत
अजीघतः अजीघततम् अजीघतत
अजीघतम् अजीघतयाव अजीघतयाम

प० घातयाश्चकार घातयाश्चकतुः घातयाश्चक
घातयाश्चकथ्य घातयाश्चकथुः घातयाश्चक
घातयाश्चकार चकर घातयाश्चक्य घातयाश्चक्यम्
घातयाश्चकभूय । घातयामास

आ० घात्यात् घात्यास्ताम् घात्यासुः
घात्याः घात्यास्तम् घात्यास्त
घात्यासम् घात्यास्व घात्यास्म

श्व० घातयिता घातयितामी घातयितारः
घातयितासि घातयितास्थः घातयिताश्च
घातयितास्मि घातयितास्वः घातयितास्मः

भ० घातयिष्यति घातयिष्यतः घातयिष्यन्ति
घातयिष्यसि घातयिष्यथः घातयिष्यथ
घातयिष्यामि घातयिष्यावः घातयिष्यामः

अघातयिष्यत् अघातयिष्यताम् अघातयिष्यत
अघातयिष्यः अघातयिष्यतम् अघातयिष्यत
अघातयिष्यम् अघातयिष्याव अघातयिष्याम

1736-3 हिंसृप् (हिंस) हिंसायाम्

व० हिंसयति हिंसयतः हिंसयन्ति
हिंसयसि हिंसयथः हिंसयथ
हिंसयामि हिंसयावः हिंसयामः

स० हिंसयेत् हिंसयेताम् हिंसयेयुः
हिंसयेः हिंसयेतम् हिंसयेत
हिंसयेयम् हिंसयेव हिंसयेम

प० हिंसयतु हिंसयतात् हिंसयताम् हिंसयन्तु
हिंसय हिंसयतम् हिंसयत
हिंसयानि हिंसयाव हिंसयाम

झ० अहिंसयत् अहिंसयताम् अहिंसयन्
अहिंसयः अहिंसयतम् अहिंसयत
अहिंसयम् अहिंसयाव अहिंसयाम

अ० अजिहिंसत् अजिहिंसताम् अजिहिंसन्
अजिहिंसः अजिहिंसतम् अजिहिंसत
अजिहिंसम् अजिहिंसाव अजिहिंसाम

प० हिंसयाञ्चकार हिंसयाञ्चक्रुः-याञ्चक्रुः
हिंसयाञ्चकर्थ हिंसयाञ्चक्रथुः हिंसयाञ्चक्र
हिंसयाञ्चकार-कर हिंसयाञ्चकृव-याञ्चकृम

हिंसयाम्बभूव । हिंसयामास

आ० हिंस्यात् हिंस्यास्ताम् हिंस्यासुः
हिंस्याः हिंस्यास्तम् हिंस्यास्त
हिंस्यासम् हिंस्यास्व हिंस्यास्म

अ० हिंसयिता हिंसयितारौ हिंसयितारः
हिंसयितासि हिंसयितास्थः हिंसयितास्थ
हिंसयितास्मि हिंसयितास्वः हिंसयितास्मः

भ० हिंसयिष्यति हिंसयिष्यतः हिंसयिष्यन्ति
हिंसयिष्यसि हिंसयिष्यथः हिंसयिष्यथ
हिंसयिष्यामि हिंसयिष्यावः हिंसयिष्यामः

अहिंसयिष्यत् अहिंसयिष्यताम् अहिंसयिष्यन्
अहिंसयिष्यः अहिंसयिष्यतम् अहिंसयिष्यत
अहिंसयिष्यम् अहिंसयिष्याव अहिंसयिष्याम

1736-4 तृहृप् (तृहृ) तृहृसायाम्

व० तृहयति तृहयतः तृहयन्ति
तृहयसि तृहयथः तृहयथ
तृहयामि तृहयावः तृहयामः

स० तृहयेत् तृहयेताम् तृहयेयुः
तृहयेः तृहयेतम् तृहयेत
तृहयेयम् तृहयेव तृहयेम

प० तृहयतु तृहयतात् तृहयताम् तृहयन्तु
तृहय तृहयतम् तृहयत
तृहयानि तृहयाव तृहयाम

झ० अतृहयत् अतृहयताम् अतृहयन्
अतृहयः अतृहयतम् अतृहयत
अतृहयम् अतृहयाव अतृहयाम

अ० अतीतृहत् अतीतृहताम् अतीतृहन्
अतीतृहः अतीतृहतम् अतीतृहत
अतीतृहम् अतीतृह्याव अतीतृह्याम
अततृहत् अततृहताम् अततृहन् इ०

प० तृहयाञ्चकार तृहयाञ्चक्रुः तृहयाञ्चक्रुः
तृहयाञ्चकर्थ तृहयाञ्चक्रथुः तृहयाञ्चक्र
तृहयाञ्चकार-कर तृहयाञ्चकृव तृहयाञ्चकृम

तृहयाम्बभूव । तृहयामास

आ० तृह्यात् तृह्यास्ताम् तृह्यासुः
तृह्याः तृह्यास्तम् तृह्यास्त
तृह्यासम् तृह्यास्व तृह्यास्म

अ० तृहयिता तृहयितारौ तृहयितारः
तृहयितासि तृहयितास्थः तृहयितास्थ
तृहयितास्मि तृहयितास्वः तृहयितास्मः

भ० तृहयिष्यति तृहयिष्यतः तृहयिष्यन्ति
तृहयिष्यसि तृहयिष्यथः तृहयिष्यथ
तृहयिष्यामि तृहयिष्यावः तृहयिष्यामः

अतृहयिष्यत् अतृहयिष्यताम् अतृहयिष्यन्
अतृहयिष्यः अतृहयिष्यतम् अतृहयिष्यत
अतृहयिष्यम् अतृहयिष्याव अतृहयिष्याम

॥ अथ णान्तः ॥

1737 कण् (कण्) निमीलने 170

व० काणयति काणयतः काणयन्ति
काणयसि काणयथः काणयथ
काणयामि काणयावः काणयामः
स० काणयेत् काणयेताम् काणयेयुः
काणयेः काणयेतम् काणयेत
काणयेयम् काणयेव काणयेम
प० काणयतु काणयतात् काणयताम् काणयन्तु
काणय काणयतम् काणयत
काणयानि काणयाव काणयाम
अ० अकाणयत् अकाणयताम् अकाणयन्
अकाणयः अकाणयतम् अकाणयत
अकाणयम् अकाणयाव अकाणयाम
अ० अचीकणत् अचीकणताम् अचीकणन्
अचीकणः अचीकणतम् अचीकणत
अचीकणम् अचीकणाव अचीकणाप
अचकाणत् अचकाणताम् अचकाणन् इ०
प० काणयाञ्चकार काणयाञ्चकतुः काणयाञ्चकुः
काणयाञ्चकर्थ काणयाञ्चकथुः काणयाञ्चक
काणयाञ्चकार-कर काणयाञ्चकुव काणयाञ्चकुम
काणयाञ्चभूव । काणयामान
आ० काणयात् काणयास्ताम् काणयासुः
काणयाः काणयास्तम् काणयास्त
काणयासम् काणयास्व काणयास्म
अ० काणयिता काणयितारौ काणयितारः
काणयितानि काणयितास्थः काणयितास्थ
काणयितास्मि काणयितास्वः काणयितास्म
अ० काणयिष्यति काणयिष्यतः काणयिष्यन्ति
काणयिष्यसि काणयिष्यथः काणयिष्यथ
काणयिष्यामि काणयिष्यावः काणयिष्यामः
अकाणयिष्यत् अकाणयिष्यताम् अकाणयिष्यन्
अकाणयिष्यः अकाणयिष्यतम् अकाणयिष्यत
अकाणयिष्यम् अकाणयिष्याव अकाणयिष्याम
अन्यत्र तु कणशब्दे कणति

1738 यतण् (यत्) निकारोपस्कारयोः

निकारः खेदनम् । निरश्च प्रतिद्वाने निरः-
पणे यतिः प्रतिदानार्थं चुरादिः निशांतयति
ऋणं शोधयतीत्यर्थः 171

व० यातयति यातयतः यातयन्ति
यातयसि यातयथः यातयथ
यातयामि यातयावः यातयामः
स० यातयेत् यातयेताम् यातयेयुः
यातयेः यातयेतम् यातयेत
यातयेयम् यातयेव यातयेम
प० यातयतु यातयतात् यातयताम् यातयन्तु
यातय यातयतम् यातयत
यातयानि यातयाव यातयाम
अ० अयातयत् अयातयताम् अयातयन्
अयातयः अयातयतम् अयातयत
अयातयम् अयातयाव अयातयाम
अ० अयीयत् अयीयताम् अयीयन्
अयीयतः अयीयतम् अयीयत
अयीयम् अयीयाव अयीयताम्
प० यातयाञ्चकार यातयाञ्चकतुः यातयाञ्चकुः
यातयाञ्चकर्थ यातयाञ्चकथुः यातयाञ्चक
यातयाञ्चकार-कर यातयाञ्चकुव यातयाञ्चकुम
यातयाञ्चभूव । यातयामान
आ० यात्यात् यात्यास्ताम् यात्यासुः
यात्याः यात्यास्तम् यात्यास्त
यात्यासम् यात्यास्व यात्यास्म
अ० यातयिता यातयितारौ यातयितारः
यातयितानि यातयितास्थः यातयितास्थ
यातयितास्मि यातयितास्वः यातयितास्म
अ० यातयिष्यति यातयिष्यतः यातयिष्यन्ति
यातयिष्यसि यातयिष्यथः यातयिष्यथ
यातयिष्यामि यातयिष्यावः यातयिष्यामः
अयातयिष्यत् अयातयिष्यताम् अयातयिष्यन्
अयातयिष्यः अयातयिष्यतम् अयातयिष्यत
अयातयिष्यम् अयातयिष्याव अयातयिष्याम
अथ दातः यत्

व० शब्दयति शब्दयतः शब्दयन्ति
 शब्दयसि शब्दयथः शब्दयथ
 शब्दयामि शब्दयावः शब्दयामः
 स० शब्दयेत् शब्दयेताम् शब्दयेयुः
 शब्दयेः शब्दयेतम् शब्दयेत
 शब्दयेयम् शब्दयेष शब्दयेम
 प० शब्दयतु शब्दयतात् शब्दयताम् शब्दयन्तु
 शब्दय „ शब्दयतम् शब्दयत
 शब्दयानि शब्दयाव शब्दयाम
 ह्र० अशब्दयत् अशब्दयताम् अशब्दयन्
 अशब्दयः अशब्दयतम् अशब्दयत
 अशब्दयम् अशब्दयाव अशब्दयाम
 अ० अशशब्दत् अशशब्दताम् अशशब्दन्
 अशशब्दः अशशब्दतम् अशशब्दत
 अशशब्दम् अशशब्दाव अशशब्दाम
 ० शब्दयाञ्चकार शब्दयाञ्चकतुः शब्दयाञ्चकुः
 शब्दयाञ्चकर्थ शब्दयाञ्चकथुः शब्दयाञ्चक
 शब्दयाञ्चकार-कर शब्दयाञ्चकृष शब्दयाञ्चकृम
 शब्दयाम्बभूष शब्दयामास
 आ० शब्दयात् शब्दयास्ताम् शब्दयासुः
 शब्दयाः शब्दयास्तम् शब्दयास्त
 शब्दयासम् शब्दयासव शब्दयासम्
 प्र० शब्दयिता शब्दयितारौ शब्दयितारः
 शब्दयितासि शब्दयितास्यः शब्दयितास्य
 शब्दयितासिम् शब्दयितास्यः शब्दयितास्यः
 ० शब्दयिष्यति शब्दयिष्यतः शब्दयिष्यन्ति
 शब्दयिष्यसि शब्दयिष्यथः शब्दयिष्यथ
 शब्दयिष्यामि शब्दयिष्यावः शब्दयिष्यामः

अथान्तरे तु षड्दि क्षरणे । सूदते

1741 आङः क्रन्दण् (आ-क्रन्द्)
सातत्ये । आङःपरःक्रन्द इत्ययं धातुः
सातत्यार्थे चुरादिः । 174

व० आक्रन्दयति आक्रन्दयतः आक्रन्दयन्ति
आक्रन्दयसि आक्रन्दयथः आक्रन्दयथ
आक्रन्दयामि आक्रन्दयावः आक्रन्दयामः
स० आक्रन्दयेत् आक्रन्दयेताम् आक्रन्दयेयुः
आक्रन्दयेः आक्रन्दयेतम् आक्रन्दयेत
आक्रन्दयेयम् आक्रन्दयेव आक्रन्दयेम
प० आक्रन्दयतु तात् आक्रन्दयताम् आक्रन्दयन्तु
आक्रन्दय , आक्रन्दयतम् आक्रन्दयत
आक्रन्दयानि आक्रन्दयाव आक्रन्दयाम
ह्य० आक्रन्दयत् आक्रन्दयताम् आक्रन्दयन्
आक्रन्दयः आक्रन्दयतम् आक्रन्दयत
आक्रन्दयम् आक्रन्दयाव आक्रन्दयाम
अ० आचक्रन्दत् आचक्रन्दताम् आचक्रन्दन्
आचक्रन्दः आचक्रन्दतम् आचक्रन्दत
आचक्रन्दम् आचक्रन्दाव आचक्रन्दाम
प० आक्रन्दयाञ्चकार आक्रन्दयाञ्चकतुः याञ्चकुः
आक्रन्दयाञ्चकथ आक्रन्दयाञ्चकथुः याञ्चक
आक्रन्दयाञ्चकार-कर आक्रन्दयाञ्चकृव कृम
आक्रन्दयाम्बभूव । आक्रन्दयामास
आ० आक्रन्धात् आक्रन्धास्ताम् आक्रन्धासुः
आक्रन्धाः आक्रन्धास्तम् आक्रन्धास्त
आक्रन्धासम् आक्रन्धास्व आक्रन्धास्म
आक्रन्दयिता आक्रन्दयितारौ आक्रन्दयितारः
आक्रन्दयितासि आक्रन्दयितास्थः न्दयितास्थ
आक्रन्दयितास्मि आक्रन्दयितास्वः न्दयितास्मः
आक्रन्दयिष्यति आक्रन्दयिष्यतः न्दयिष्यन्ति
आक्रन्दयिष्यसि आक्रन्दयिष्यथः न्दयिष्यथ
आक्रन्दयिष्यामि आक्रन्दयिष्यावः न्दयिष्यामः
आक्रन्दयिष्यत् आक्रन्दयिष्यताम् न्दयिष्यन्
आक्रन्दयिष्यः आक्रन्दयिष्यतम् न्दयिष्यत
आक्रन्दयिष्यम् आक्रन्दयिष्यावः न्दयिष्याम
अन्यत्र तु क्रद् रोदनाह्वानयोः । आक्रन्दति ।

1742 स्वदण् (स्वद्) आस्वादने ।
संवरे केचित् । 175

व० स्वादयति स्वादयतः स्वादयन्ति
स्वादयसि स्वादयथः स्वादयथ
स्वादयामि स्वादयावः स्वादयामः
स० स्वादयेत् स्वादयेताम् स्वादयेयुः
स्वादयेः स्वादयेतम् स्वादयेत
स्वादयेयम् स्वादयेव स्वादयेम
प० स्वादयतु स्वादयतात् स्वादयताम् स्वादयन्तु
स्वादय , स्वादयतम् स्वादयत
स्वादयानि स्वादयाव स्वादयाम
ह्य० अस्वादयत् अस्वादयताम् अस्वादयन्
अस्वादयः अस्वादयतम् अस्वादयत
अस्वादयम् अस्वादयाव अस्वादयाम
अ० अस्तिष्वदत् अस्तिष्वदताम् अस्तिष्वदन्
अस्तिष्वदः अस्तिष्वदतम् अस्तिष्वदत
अस्तिष्वदम् अस्तिष्वदाव अस्तिष्वदाम
स्वादयाञ्चकार स्वादयाञ्चकतुः स्वादयाञ्चकुः
स्वादयाञ्चकथ स्वादयाञ्चकथुः स्वादयाञ्चक
स्वादयाञ्चकार-कर स्वादयाञ्चकृव-योञ्चकृम
स्वादयाम्बभूव । स्वादयामास
आ० स्वाद्यात् स्वाद्यास्ताम् स्वाद्यासुः
स्वाद्याः स्वाद्यास्तम् स्वाद्यास्त
स्वाद्यासम् स्वाद्यास्व स्वाद्यास्म
प्रव० स्वादयिता स्वादयितारौ स्वादयितारः
स्वादयितासि स्वादयितास्थः स्वादयितास्थ
स्वादयितास्मि स्वादयितास्वः स्वादयितास्मः
स्वादयिष्यति स्वादयिष्यतः स्वादयिष्यन्ति
स्वादयिष्यसि स्वादयिष्यथः स्वादयिष्यथ
स्वादयिष्यामि स्वादयिष्यावः स्वादयिष्यामः
अस्वादयिष्यत् अस्वादयिष्यताम् अस्वादयिष्यन्
अस्वादयिष्यः अस्वादयिष्यतम् अस्वादयिष्यत
अस्वादयिष्यम् अस्वादयिष्यावः - , यिष्याम

1743 आस्वदः सकर्मकात् । आहपूर्वास्व-
दतेः सकर्मकाणि जभवति आस्वादयति-
यवागूम् 176

व० आस्वादयति आस्वादयतः आस्वादयन्ति
आस्वादयसि आस्वादयथः आस्वादयथ
आस्वादयामि आस्वादयावः आस्वादयामः
स० आस्वादयेत् आस्वादयेताम् आस्वादयेयुः
आस्वादयेः आस्वादयेतम् आस्वादयेत
आस्वादयेयम् आस्वादयेव आस्वादयेम
आस्वादयतु आस्वादयतात्-ताम् आस्वादयन्तु
आस्वादय „ आस्वादयतम् आस्वादयत
आस्वादयानि आस्वादयाव आस्वादयाम
झ० आस्वादयत् आस्वादयताम् आस्वादयन्
आस्वादयः आस्वादयतम् आस्वादयत
आस्वादयम् आस्वादयाव आस्वादयाम
अ० आसिस्वदत आसिस्वदताम् आसिस्वदन्
आसिस्वदः आसिस्वदतम् आसिस्वदत
आसिस्वदम् आसिस्वदाव आसिस्वदाम
प० आस्वादयाञ्चकार आस्वादयाञ्चकतुः-कृः
आस्वादयाञ्चकर्थ आस्वादयाञ्चकथुः-याञ्चक
आस्वादयाञ्चकार-कर आस्वादयाञ्चकृ-कृम
आस्वादयाञ्चभू-भू । आस्वादयामास
आ० आस्वाद्यात् आस्वाद्यास्ताम् आस्वाद्यास्तुः
आस्वाद्याः आस्वाद्यास्तम् आस्वाद्यास्त
आस्वाद्यासम् आस्वाद्यास्व आस्वाद्यासम्
आस्वादयिता आस्वादयितारौ आस्वादयितारः
आस्वादयितासि आस्वादयितास्थः-यितास्थ
आस्वादयितास्मि आस्वादयितास्वः-तास्मः
आस्वादयिष्यति आस्वादयिष्यतः-यिष्यन्ति
आस्वादयिष्यसि आस्वादयिष्यथः यिष्यथ
आस्वादयिष्यामि आस्वादयिष्यावः-यिष्यामः
आस्वादयिष्यत् आस्वादयिष्यताम् यिष्यन्
आस्वादयिष्यः आस्वादयिष्यतम्-यिष्यन्
—प आस्वादयिष्याव-यिष्याम

1744 मुदण् (मुद्) संसर्गे । 177

व० मोदयति मोदयतः मोदयन्ति
मोदयसि मोदयथः मोदयथ
मोदयामि मोदयावः मोदयामः
स० मोदयेत् मोदयेताम् मोदयेयुः
मोदयेः मोदयेतम् मोदयेत
मोदयेयम् मोदयेव मोदयेम
प० मोदयतु मोदयतात् मोदयताम् मोदयन्तु
मोदय „ मोदयतम् मोदयत
मोदयानि मोदयाव मोदयाम
झ० अमोदयत् अमोदयताम् अमोदयन्
अमोदयः अमोदयतम् अमोदयत
अमोदयम् अमोदयाव अमोदयाम
अ० अमूमुदत् अमूमुदताम् अमूमुदन्
अमूमुदः अमूमुदतम् अमूमुदत
अमूमुदम् अमूमुदाव अमूमुदाम
प० मोदयाञ्चकार मोदयाञ्चकतुः मोदयाञ्चकृः
मोदयाञ्चकर्थ मोदयाञ्चकथुः मोदयाञ्चक
मोदयाञ्चकार-कर मोदयाञ्चकृ-याञ्चकृम
मोदयाम्बभू-भू । मोदयामास
आ० मोद्यात् मोद्यास्ताम् मोद्यास्तुः
मोद्याः मोद्यास्तम् मोद्यास्त
मोद्यासम् मोद्यास्व मोद्यासम्
प्र० मोदयिता मोदयितारौ मोदयितारः
मोदयितासि मोदयितास्थः-मोदयितास्थ
मोदयितास्मि मोदयितास्वः-मोदयितास्मः
भ० मोदयिष्यति मोदयिष्यतः मोदयिष्यन्ति
मोदयिष्यसि मोदयिष्यथः मोदयिष्यथ
मोदयिष्यामि मोदयिष्यावः मोदयिष्यामः
अमोदयिष्यत् अमोदयिष्यताम् अमोदयिष्यन्
अमोदयिष्यः अमोदयिष्यतम् अमोदयिष्यत
अमोदयिष्यम् अमोदयिष्याव अमोदयिष्याम
। अथान्तरे मुदि हर्षे मोदने ।

॥ अथ धान्तः ॥

1745 शृधण् (शृध्) प्रसहने ।

प्रसहनमभिभवः 178

व० शर्धयति शर्धयतः शर्धयन्ति
 शर्धयसि शर्धयथः शर्धयथ
 शर्धयामि शर्धयावः शर्धयामः
 स० शर्धयेत् शर्धयेताम् शर्धयेयुः
 शर्धयेः शर्धयेतम् शर्धयेत
 शर्धयेयम् शर्धयेव शर्धयेम
 प० शर्धयतु शर्धयतात् शर्धयताम् शर्धयन्तु
 शर्धय , शर्धयतम् शर्धयत
 शर्धयानि शर्धयाव शर्धयाम
 झ० अशर्धयत् अशर्धयताम् अशर्धयन्
 अशर्धयः अशर्धयतम् अशर्धयत
 अशर्धयम् अशर्धयाव अशर्धयाम
 अ० अशीशृधत अशीशृधताम् अशीशृधन् इ०
 अशशर्धत् अशशर्धताम् अशशर्धन्
 अशशर्धः अशशर्धतम् अशशर्धत
 अशशर्धम् अशशर्धव अशशर्धाम
 प० शर्धयाञ्चकार शर्धयाञ्चक्रुः शर्धयाञ्चकुः
 शर्धयाञ्चकथं शर्धयाञ्चकथुः शर्धयाञ्चक
 शर्धयाञ्चकार कर शर्धयाञ्चकृव शर्धयाञ्चकृम
 शर्धयाम्बभूव । शर्धयामास
 आ० शर्ध्यात् शर्ध्यास्ताम् शर्ध्यासुः
 शर्ध्याः शर्ध्यास्तम् शर्ध्यास्त
 शर्ध्यासिम् शर्ध्यासि्व शर्ध्यास्मि
 श्व० शर्धयिता शर्धयितारौ शर्धयितारः
 शर्धयितासि शर्धयितास्थः शर्धयितास्थ
 शर्धयितास्मि शर्धयितास्वः शर्धयितास्मः
 म० शर्धयिष्यति शर्धयिष्यतः शर्धयिष्यन्ति
 शर्धयिष्यसि शर्धयिष्यथः शर्धयिष्यथ
 शर्धयिष्यामि शर्धयिष्यावः शर्धयिष्यामः
 अशर्धयिष्यत् अशर्धयिष्यताम् अशर्धयिष्यन्
 अशर्धयिष्यः अशर्धयिष्यतम् अशर्धयिष्यत
 अशर्धयिष्यम् अशर्धयिष्याव अशर्धयिष्याम
 अर्थान्तरे तु शृधूङ् शब्दकुन्तायाम् । शर्धते
 । शृधूङ् उन्ते । शर्धते शर्धति ।

अथ धान्तः

1746 कृपण् (कृप्) अवकलकने 179

अवकलकनं मिथीकरणं सामर्थ्यञ्च ।

अवकल्पनेमित्यपरे

व० कल्पयति कल्पयतः कल्पयन्ति
 कल्पयसि कल्पयथः कल्पयथ
 कल्पयामि कल्पयावः कल्पयामः
 म० कल्पयेत् कल्पयेताम् कल्पयेयुः
 कल्पयेः कल्पयेतम् कल्पयेत
 कल्पयेयम् कल्पयेव कल्पयेम
 प० कल्पयतु तात् कल्पयताम् कल्पयन्तु
 कल्पय , कल्पयतम् कल्पयत
 कल्पयानि कल्पयाव कल्पयाम
 झ० अकल्पयत् अकल्पयताम् अकल्पयन्
 अकल्पयः अकल्पयतम् अकल्पयत
 अकल्पयम् अकल्पयाव अकल्पयाम
 अ० अचीवल्लपत् अचीवल्लपताम् अचीवल्लपन्
 अचीवल्लपः अचीवल्लपतम् अचीवल्लपत
 अचीवल्लपम् अचीवल्लपाव अचीवल्लपाम
 अचकल्पत् अचकल्पताम् अचकल्पन् इ०
 प० कल्पयाञ्चकार कल्पयाञ्चक्रुः कल्पयाञ्चकुः
 कल्पयाञ्चकथं कल्पयाञ्चकथुः कल्पयाञ्चक
 कल्पयाञ्चकार चकार कल्पयाञ्चकृव याञ्चकृम
 कल्पयाम्बभूव । कल्पयामास
 आ० कल्प्यात् कल्प्यास्ताम् कल्प्यासुः
 कल्प्याः कल्प्यास्तम् कल्प्यास्त
 कल्प्यासिम् कल्प्यासि्व कल्प्यास्मि
 श्व० कल्पयिता कल्पयितारौ कल्पयितारः
 कल्पयितासि कल्पयितास्थः कल्पयितास्थ
 कल्पयितास्मि कल्पयितास्वः कल्पयितास्मः
 म० कल्पयिष्यति कल्पयिष्यतः कल्पयिष्यन्ति
 कल्पयिष्यसि कल्पयिष्यथः कल्पयिष्यथ
 कल्पयिष्यामि कल्पयिष्यावः कल्पयिष्यामः
 अकल्पयिष्यत् अकल्पयिष्यताम् अकल्पयिष्यन्
 अकल्पयिष्यः अकल्पयिष्यतम् अकल्पयिष्यत
 अकल्पयिष्यम् अकल्पयिष्याव अकल्पयिष्याम
 अर्थान्तरे तु कृपौङ् सामर्थ्ये कल्पने

॥ अथ मान्तः ॥

1747 जम्भुण (जम्भ) नाशने 180

व० जम्भयति जम्भयतः जम्भयन्ति
 जम्भयसि जम्भयथः जम्भयथ
 जम्भयामि जम्भयावः जम्भयामः
 स० जम्भयेत् जम्भयेताम् जम्भयेयुः
 जम्भयेः जम्भयेतम् जम्भयेत
 जम्भयेयम् जम्भयेव जम्भयेम
 प० जम्भयतु जम्भयतात् जम्भयताम् जम्भयन्तु
 जम्भय , जम्भयतम् जम्भयत
 जम्भयानि जम्भयाव जम्भयाम
 झ० अजम्भयत् अजम्भयताम् अजम्भयन्
 अजम्भयः अजम्भयतम् अजम्भयत
 अजम्भयम् अजम्भयाव अजम्भयाम
 अ० अजजम्भत् अजजम्भताम् अजजम्भन्
 अजजम्भः अजजम्भतम् अजजम्भत
 अजजम्भम् अजजम्भाव अजजम्भाम
 प जम्भयाश्चकार जम्भयाश्चक्रुः जम्भयाश्चक्रुः
 जम्भयाश्चकथं जम्भयाश्चक्रुः जम्भयाश्चक्रुः
 जम्भयाश्चकार-कर जम्भयाश्चक्रुव जम्भयाश्चक्रुम
 जम्भयाम्बभूव जम्भयामास
 आ० जम्भ्यात् जम्भ्यास्ताम् जम्भ्यासुः
 जम्भ्याः जम्भ्यास्तम् जम्भ्यास्त
 जम्भ्यासम् जम्भ्यास्व जम्भ्यास्म
 झ० जम्भयिता जम्भयितारौ जम्भयितारः
 जम्भयितासि जम्भयितास्थः जम्भयितास्थ
 जम्भयितास्मि जम्भयितास्वः जम्भयितास्मः
 भ० जम्भयिष्यति जम्भयिष्यतः जम्भयिष्यन्ति
 जम्भयिष्यसि जम्भयिष्यथः जम्भयिष्यथ
 जम्भयिष्यामि जम्भयिष्यावः जम्भयिष्यामः
 अजम्भयिष्यत् अजम्भयिष्यताम् अजम्भयिष्यन्
 अजम्भयिष्यः अजम्भयिष्यतम् अजम्भयिष्यत
 अजम्भयिष्यम् अजम्भयिष्याव अजम्भयिष्याम
 अन्यत्र जम्भुः गात्रविनामे जम्भते

॥ अथ मान्तः ॥

1748 अमण् (अम्) रोगे 181

व० आमयति आमयतः आमयन्ति
 आमयसि आमयथः आमयथ
 आमयामि आमयावः आमयामः
 स० आमयेत् आमयेताम् आमयेयुः
 आमयेः आमयेतम् आमयेत
 आमयेयम् आमयेव आमयेम
 प० आमयतु आमयतात् आमयताम् आमयन्तु
 आमय , आमयतम् आमयत
 आमयानि आमयाव आमयाम
 झ० आमयत् आमयताम् आमयन्
 आमयः आमयतम् आमयत
 आमयम् आमयाव आमयाम
 भ० आमिमत् आमिमताम् आमिमन्
 आमिमः आमिमतम् आमिमत
 आमिमम् आमिभाव आमिमाम
 आमयाश्चकार आमयाश्चक्रुः आमयाश्चक्रुः
 आमयाश्चकथं आमयाश्चक्रुः आमयाश्चक्रुः
 आमयाश्चकार-कर आमयाश्चक्रुव-याश्चक्रुम
 आमयाम्बभूव । आमयामास
 आ० आम्यात् आम्यास्ताम् आम्यासुः
 आम्याः आम्यास्तम् आम्यास्त
 आम्यासम् आम्यास्व आम्यास्म
 झ० आमयिता आमयितारौ आमयितारः
 आमयितासि आमयितास्थः आमयितास्थ
 आमयितास्मि आमयितास्वः आमयितास्मः
 भ० आमयिष्यति आमयिष्यतः आमयिष्यन्ति
 आमयिष्यसि आमयिष्यथः आमयिष्यथ
 आमयिष्यामि आमयिष्यावः आमयिष्यामः
 क्रि० आमयिष्यत् आमयिष्यताम् आमयिष्यन्
 आमयिष्यः आमयिष्यतम् आमयिष्यत
 आमयिष्यम् आमयिष्याव आमयिष्याम
 अन्यत्र अम गतौ अमति

1749 चरण् (चर्) असंशये

निश्चये इत्यर्थः । संशये इतिकेचित्
विचारणा हि संशये सति भवतीत्याहुः 182
घ० विचारयति विचारयतः विचारयन्ति
विचारयति विचारयथः विचारयथ
विचारयामि विचारयावः विचारयामः
स० विचारयेत् विचारयेताम् विचारयेयुः
विचारयेः विचारयेतम् विचारयेत
विचारयेयम् विचारयेव विचारयेम
प० विचारयतु विचारयतात्ताम् विचारयन्तु
विचारय , विचारयतम् विचारयत
विचारयाणि विचारयाव विचारयाम
झ० व्यचारयत् व्यचारयताम् व्यचारयन्
व्यचारयः व्यचारयतम् व्यचारयत
व्यचारयम् व्यचारयाव व्यचारयाम
अ० व्यचीचरत् व्यचीचरताम् व्यचीचरन्
व्यचीचरः व्यचीचरतम् व्यचीचरत
व्यचीचरम् व्यचीचराव व्यचीचराम
प० विचारयाञ्चकार विचारयाञ्चकतुः-याञ्चकु
विचारयाञ्चकथं विचारयाञ्चकथुः-याञ्चक
विचारयाञ्चकार-कर विचारयाञ्चकृव कृम
विचारयाम्बभूव । विचारयामास
आ० विचार्यात् विचार्यास्ताम् विचार्यासुः
विचार्याः विचार्यास्तम् विचार्यास्त
विचार्यासम् विचार्यास्व विचार्यास्म
झ० विचारयिता विचारयितारौ विचारयितारः
विचारयितासि विचारयितास्थः विचारयितास्थ
विचारयितास्मि विचारयितास्वः यितास्मः
विचारयिष्यति विचारयिष्यतः विचारयिष्यन्ति
विचारयिष्यसि विचारयिष्यथः विचारयिष्यथ
विचारयिष्यामि विचारयिष्यावः-यिष्यामः
व्यचारयिष्यत् व्यचारयिष्यताम् व्यचारयिष्यन्
व्यचारयिष्यः व्यचारयिष्यतम् व्यचारयिष्यत
व्यचारयिष्यम् व्यचारयिष्याव व्यचारयिष्याम
अन्यत्र चर भक्षणे च । चरति

1749 पूरण् (पूर्) आप्यायने 183

घ० पूरयति पूरयतः पूरयन्ति
पूरयति पूरयथः पूरयथ
पूरयामि पूरयावः पूरयामः
स० पूरयेत् पूरयेताम् पूरयेयुः
पूरयेः पूरयेतम् पूरयेत
पूरयेयम् पूरयेव पूरयेम
प० पूरयतु पूरयतात्ताम् पूरयन्तु
पूरय , पूरयतम् पूरयत
पूरयाणि पूरयाव पूरयाम
झ० अपूरयत् अपूरयताम् अपूरयन्
अपूरयः अपूरयतम् अपूरयत
अपूरयम् अपूरयाव अपूरयाम
अ अपूपुरत् अपूपुरताम् अपूपुरन्
अपूपुरः अपूपुरतम् अपूपुरत
अपूपुरम् अपूपुराव अपूपुराम
उ० पूरयाञ्चकार पूरयाञ्चकतुः पूरयाञ्चकुः
पूरयाञ्चकथं पूरयाञ्चकथुः पूरयाञ्चक
पूरयाञ्चकार-कर पूरयाञ्चकृव पूरयाञ्चकृम
पूरयाञ्चभूव । पूरयामास
आ० पूरयति पूरयिताम् पूरयितुः
पूरयिः पूरयितम् पूरयित
पूरयितम् पूरयिष्व पूरयिस्म
झ० पूरयिता पूरयितारौ पूरयितारः
पूरयितासि पूरयितास्थः पूरयितास्थ
पूरयितास्मि पूरयितास्वः पूरयितास्मः
भ० पूरयिष्यति पूरयिष्यतः पूरयिष्यन्ति
पूरयिष्यसि पूरयिष्यथः पूरयिष्यथ
पूरयिष्यामि पूरयिष्यावः पूरयिष्यामः
क्रि० अपूरयिष्यत् अपूरयिष्यताम् अपूरयिष्यन्
अपूरयिष्यः अपूरयिष्यतम् अपूरयिष्यत
अपूरयिष्यम् अपूरयिष्याव अपूरयिष्याम
अन्यत्र पूरैवि आप्यायने पुर्यते

॥ अथ लान्ताः ॥

1751 दलण् (दल्) विदारणे 184

व० दालयति दालयतः दालयन्ति
 दालयसि दालयथः दालयथ
 दालयामि दालयावः दालयामः

स० दालयेत् दालयेताम् दालयेयुः
 दालयेः दालयेतम् दालयेत
 दालयेयम् दालयेव दालयेम

प० दालयतु दालयतात् दालयताम् दालयन्तु
 दालय , दालयतम् दालयत
 दालयानि दालयाव दालयाम

झ० अदालयत् अदालयताम् अदालयन्
 अदालयः अदालयतम् अदालयत
 अदालयम् अदालयाव अदालयाम

अ० अदीदलत् अदीदलताम् अदीदलन्
 अदीदलः अदीदलतम् अदीदलत
 अदीदलम् अदीदलाव अदीदलाम

प० दालयाञ्चकार दालयाञ्चक्रुः दालयाञ्चक्रुः
 दालयाञ्चकथ दालयाञ्चकथुः दालयाञ्चक
 दालयाञ्चकार-कर दालयाञ्चकृव दालयाञ्चकृम

दालयाम्बभूव । दालयामास

आ० दाल्यात् दाल्यास्ताम् दाल्यासुः
 दाल्याः दाल्यास्तम् दाल्यास्त
 दाल्यासम् दाल्यास्व दाल्यास्म

श्व० दालयिता दालयितारौ दालयितारः
 दालयितासि दालयितास्थः दालयितास्थ
 दालयितास्मि दालयितास्वः दालयितास्मः

भ० दालयिष्यति दालयिष्यतः दालयिष्यन्ति
 दालयिष्यसि दालयिष्यथः दालयिष्यथ
 दालयिष्यामि दालयिष्यावः दालयिष्यामः

अदालयिष्यत् अदालयिष्यताम् अदालयिष्यन्
 अदालयिष्यः अदालयिष्यतम् अदालयिष्यत
 अदालयिष्यम् अदालयिष्याव अदालयिष्याम

अन्यत्र दल विशरणे दलति

॥ अथ वान्तः ॥

1752 दिवण् (दिव्) अर्दने 185

व० देवयति देवयतः देवयन्ति
 देवयसि देवयथः देवयथ
 देवयामि देवयावः देवयामः

स० देवयेत् देवयेताम् देवयेयुः
 देवयेः देवयेतम् देवयेत
 देवयेयम् देवयेव देवयेम

प० देवयतु तात् देवयताम् देवयन्तु
 देवय , देवयतम् देवयत
 देवयानि देवयाव देवयाम

झ० अदेवयत् अदेवयताम् अदेवयन्
 अदेवयः अदेवयतम् अदेवयत
 अदेवयम् अदेवयाव अदेवयाम

अ० अदीदिवत् अदीदिवताम् अदीदिवन्
 अदीदिवः अदीदिवतम् अदीदिवत
 अदीदिवम् अदीदिवाव अदीदिवाम

प० देवयाञ्चकार देवयाञ्चक्रुः देवयाञ्चक्रुः
 देवयाञ्चकथ देवयाञ्चकथुः देवयाञ्चक
 देवयाञ्चकार कर देवयाञ्चकृव देवयाञ्चकृम
 देवयाम्बभूव । देवयामास

आ० देव्यात् देव्यास्ताम् देव्यासुः
 देव्याः देव्यास्तम् देव्यास्त
 देव्यासम् देव्यास्व देव्यास्म

श्व० देवयिता देवयितारौ देवयितारः
 देवयितासि देवयितास्थः देवयितास्थ
 देवयितास्मि देवयितास्वः देवयितास्मः

भ० देवयिष्यति देवयिष्यतः देवयिष्यन्ति
 देवयिष्यसि देवयिष्यथः देवयिष्यथ
 देवयिष्यामि देवयिष्यावः देवयिष्यामः

क्रि अदेवयिष्यत् अदेवयिष्यताम् अदेवयिष्यन्
 अदेवयिष्यः अदेवयिष्यतम् अदेवयिष्यत
 अदेवयिष्यम् अदेवयिष्याव अदेवयिष्याम

॥ अन्यत्र दिवृच् क्रीडादौ दीव्यति

॥ अथः शान्तः ॥

1753 पशण् (पश्) बन्धने 186

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-------------------|
| व० | पाशयति | पाशयतः | पाशयन्ति |
| | पाशयसि | पाशयथः | पाशयथ |
| | पाशयामि | पाशयावः | पाशयामः |
| स० | पाशयेत् | पाशयेताम् | पाशयेयुः |
| | पाशये | पाशयेतम् | पाशयेत |
| | पाशयेयम् | पाशयेव | पाशयेम |
| प० | पाशयतु | तात् पाशयताम् | पाशयन्तु |
| | पाशय | पाशयतम् | पाशयत |
| | पाशयानि | पाशयाव | पाशयाम |
| झ० | अपाशयत् | अपाशयताम् | अपाशयन् |
| | अपाशयः | अपाशयतम् | अपाशयत |
| | अपाशयम् | अपाशयाव | अपाशयाम |
| ञ० | अपीपशत् | अपीपशताम् | अपीपशन् |
| | अपीपशः | अपीपशतम् | अपीपशत |
| | अपीपशम् | अपीपशाव | अपीपशाम |
| ट० | पाशयाञ्चकार | पाशयाञ्चक्रतुः | पाशयाञ्चक्रुः |
| | पाशयाञ्चकथं | पाशयाञ्चकथुः | पाशयाञ्चक |
| | पाशयाञ्चकार | चकर | पाशयाञ्चकृन् चकृम |
| | पाशयाम्बभूव | पाशयामास | |
| आ० | पाश्यात् | पाश्यास्ताम् | पाश्यासुः |
| | पाश्याः | पाश्यास्तम् | पाश्यास्त |
| | पाश्यासम् | पाश्यास्व | पाश्यास्म |
| भ्व० | पाशयिता | पाशयितारौ | पाशयितारः |
| | पाशयितासि | पाशयितास्थः | पाशयितास्थ |
| | पाशयितास्मि | पाशयितास्वः | पाशयितास्मः |
| भ० | पाशयिष्यति | पाशयिष्यतः | पाशयिष्यन्ति |
| | पाशयिष्यसि | पाशयिष्यथः | पाशयिष्यथ |
| | पाशयिष्यामि | पाशयिष्यावः | पाशयिष्यामः |
| क्रि० | अपाशयिष्यत् | अपाशयिष्यताम् | अपाशयिष्यन् |
| | अपाशयिष्यः | अपाशयिष्यतम् | अपाशयिष्यत |
| | अपाशयिष्यम् | अपाशयिष्याव | अपाशयिष्याम |

॥ अथ घान्ताश्चत्वारः ॥

1754 पषण् (पष्) बन्धने । 187

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-------------------|
| व० | पाषयति | पाषयतः | पाषयन्ति |
| | पाषयसि | पाषयथः | पाषयथ |
| | पाषयामि | पाषयावः | पाषयामः |
| स० | पाषयेत् | पाषयेताम् | पाषयेयुः |
| | पाषये | पाषयेतम् | पाषयेत |
| | पाषयेयम् | पाषयेव | पाषयेम |
| प० | पाषयतु | तात् पाषयताम् | पाषयन्तु |
| | पाषय | पाषयतम् | पाषयत |
| | पाषयाणि | पाषयाव | पाषयाम |
| झ० | अपाषयत् | अपाषयताम् | अपाषयन् |
| | अपाषयः | अपाषयतम् | अपाषयत |
| | अपाषयम् | अपाषयाव | अपाषयाम |
| ञ० | अपीपषत् | अपीपषताम् | अपीपषन् |
| | अपीपषः | अपीपषतम् | अपीपषत |
| | अपीपषम् | अपीपषाव | अपीपषाम |
| ट० | पाषयाञ्चकार | पाषयाञ्चक्रतुः | पाषयाञ्चक्रुः |
| | पाषयाञ्चकथं | पाषयाञ्चकथुः | पाषयाञ्चक |
| | पाषयाञ्चकार | चकर | पाषयाञ्चकृन् चकृम |
| | पाषयाम्बभूव | पाषयामास | |
| आ० | पाष्यात् | पाष्यास्ताम् | पाष्यासुः |
| | पाष्याः | पाष्यास्तम् | पाष्यास्त |
| | पाष्यासम् | पाष्यास्व | पाष्यास्म |
| भ्व० | पाषयिता | पाषयितारौ | पाषयितारः |
| | पाषयितासि | पाषयितास्थः | पाषयितास्थ |
| | पाषयितास्मि | पाषयितास्वः | पाषयितास्मः |
| भ० | पाषयिष्यति | पाषयिष्यतः | पाषयिष्यन्ति |
| | पाषयिष्यसि | पाषयिष्यथः | पाषयिष्यथ |
| | पाषयिष्यामि | पाषयिष्यावः | पाषयिष्यामः |
| क्रि० | अपाषयिष्यत् | अपाषयिष्यताम् | अपाषयिष्यन् |
| | अपाषयिष्यः | अपाषयिष्यतम् | अपाषयिष्यत |
| | अपाषयिष्यम् | अपाषयिष्याव | अपाषयिष्याम |

पराण् इत्यपि केचित् । अन्यत्र पषी, बा-
धनस्पर्शनयोः । इति मूर्धन्यान्तस्तालव्या-
न्तो दन्त्यान्तश्चाचार्यभेदेन पशति पशते
पषति पषते पसति पसते

1755 पुषण् (पुष्) धारणे । 188

| | | |
|-------------|------------|-------------------|
| व० पोषयति | पोषयतः | पोषयन्ति |
| पोषयसि | पोषयथः | पोषयथ |
| पोषयामि | पोषयावः | पोषयामः |
| स० पोषयेत् | पोषयेताम् | पोषयेयुः |
| पोषयेः | पोषयेतम् | पोषयेत |
| पोषयेयम् | पोषयेव | पोषयेम |
| प० पोषयतु | पोषयतान् | पोषयताम् पोषयन्तु |
| पोषय | „ | पोषयतम् पोषयत |
| पोषयाणि | पोषयाव | पोषयाम |
| झ० अपोषयत् | अपोषयताम् | अपोषयन् |
| अपोषयः | अपोषयतम् | अपोषयत |
| अपोषयम् | अपोषयाव | अपोषयाम |
| अ० अपूपुषत् | अपूपुषताम् | अपूपुषन् |
| अपूपुषः | अपूपुषतम् | अपूपुषत |
| अपूपुषम् | अपूपुषाव | अपूपुषाम |

पोषययाञ्चकार पोषयाञ्चक्रतुः पोषयाञ्चक्रुः
 पोषयाञ्चकथं पोषयाञ्चकथुः पोषयाञ्चक
 पोषयाञ्चकार-कर पोषयाञ्चकृव-याञ्चकृम
 पोषयाम्बभूव । पोषयामास

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| अ० पोष्यात् | पोष्यास्ताम् | पोष्यासुः |
| पोष्याः | पोष्यास्तम् | पोष्यास्त |
| पोष्यासम् | पोष्यास्व | पोष्यास्म |
| प्रव० पोषयिता | पोषयितारौ | पोषयितारः |
| पोषयितासि | पोषयितास्थः | पोषयितास्थ |
| पोषयितास्मि | पोषयितास्वः | पोषयितास्मः |
| भ० पोषयिष्यति | पोषयिष्यतः | पोषयिष्यन्ति |
| पोषयिष्यसि | पोषयिष्यथः | पोषयिष्यथ |
| पोषयिष्यामि | पोषयिष्यावः | पोषयिष्यामः |
| अपोषयिष्यत् | अपोषयिष्यताम् | अपोषयिष्यन् |
| अपोषयिष्यः | अपोषयिष्यतम् | अपोषयिष्यत |
| अपोषयिष्यम् | अपोषयिष्याव | अपोषयिष्याम |

। अन्यत्र तु पुष पुष्व् पुषश् पुशौ ।

। पोषन्ति पुष्यति पुष्याति ।

1756 घुषण् (घुष्) विशब्दने ।

विशिष्टशब्दकरणे नानाशब्दकरणे वा 189

| | | |
|-------------|------------|-------------------|
| व० घोषयति | घोषयतः | घोषयन्ति |
| घोषयसि | घोषयथः | घोषयथ |
| घोषयामि | घोषयावः | घोषयामः |
| स० घोषयेत् | घोषयेताम् | घोषयेयुः |
| घोषयेः | घोषयेतम् | घोषयेत |
| घोषयेयम् | घोषयेव | घोषयेम |
| प० घोषयतु | घोषयतान् | घोषयताम् घोषयन्तु |
| घोषय | „ | घोषयतम् घोषयत |
| घोषयाणि | घोषयाव | घोषयाम |
| झ० अघोषयत् | अघोषयताम् | अघोषयन् |
| अघोषयः | अघोषयतम् | अघोषयत |
| अघोषयम् | अघोषयाव | अघोषयाम |
| अ० अजुघुषत् | अजुघुषताम् | अजुघुषन् |
| अजुघुषः | अजुघुषतम् | अजुघुषत |
| अजुघुषम् | अजुघुषाव | अजुघुषाम |

प० घोषयाञ्चकार घोषयाञ्चक्रतुः घोषयाञ्चक्रुः
 घोषयाञ्चकथं घोषयाञ्चकथुः घोषयाञ्चक
 घोषयाञ्चकार-कर घोषयाञ्चकृव-याञ्चकृम
 घोषयाम्बभूव । घोषयामास

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| आ० घोष्यात् | घोष्यास्ताम् | घोष्यासुः |
| घोष्याः | घोष्यास्तम् | घोष्यास्त |
| घोष्यासम् | घोष्यास्व | घोष्यास्म |
| प्रव० घोषयिता | घोषयितारौ | घोषयितारः |
| घोषयितासि | घोषयितास्थः | घोषयितास्थ |
| घोषयितास्मि | घोषयितास्वः | घोषयितास्मः |
| भ० घोषयिष्यति | घोषयिष्यतः | घोषयिष्यन्ति |
| घोषयिष्यसि | घोषयिष्यथः | घोषयिष्यथ |
| घोषयिष्यामि | घोषयिष्यावः | घोषयिष्यामः |
| अघोषयिष्यत् | अघोषयिष्यताम् | अघोषयिष्यन् |
| अघोषयिष्यः | अघोषयिष्यतम् | अघोषयिष्यत |
| अघोषयिष्यम् | अघोषयिष्याव | अघोषयिष्याम |

। ऋदिन्करणं चुरादिणिचो नित्यह्वे

लिङ्गम् । तेन

| | | |
|--|--------------|-------------|
| व० घोषति | घोषतः | घोषन्ति |
| घोषसि | घोषथः | घोषथ |
| घोषामि | घोषावः | घोषामः |
| स० घोषेत् | घोषेताम् | घोषेयुः |
| घोषेः | घोषेतम् | घोषेत |
| घोषेयम् | घोषेव | घोषेम |
| प० घोषतु | घोषतात् | घोषतान् |
| घोष | घोषतम् | घोषत |
| घोषाणि | घोषाव | घोषाम |
| घ० अघोषत् | अघोषताम् | अघोषन् |
| अघोषः | अघोषतम् | अघोषत |
| अघोषम् | अघोषाव | अघोषाम |
| अ० अघुषत् | अघुषताम् | अघुषन् |
| अघुषः | अघुषतम् | अघुषत |
| अघुषम् | अघुषाव | अघुषाम |
| अघोषीत् | अघोषिषाम् | अघोषिषुः इ० |
| प० जुघोष | जुघुषतुः | जुघुषुः |
| जुघोषिथ | जुघुषथुः | जुघुष |
| जुघोष | जुघुषिथ | जुघुषिम |
| आ घुष्यात् | घुष्यास्ताम् | घुष्यासुः |
| घुष्याः | घुष्यास्तम् | घुष्यास्त |
| घुष्यासम् | घुष्यास्व | घुष्यास्म |
| प्र० घोषिता | घोषितारो | घोषितारः |
| घोषितासि | घोषितास्थः | घोषितास्थ |
| घोषितास्मि | घोषितास्वः | घोषितास्मः |
| अ० घोषिष्यति | घोषिष्यतः | घोषिष्यन्ति |
| घोषिष्यसि | घोषिष्यथः | घोषिष्यथ |
| घोषिष्यामि | घोषिष्यावः | घोषिष्यामः |
| क्रि० अघोषिष्यत् | अघोषिष्यताम् | अघोषिष्यन् |
| अघोषिष्यः | अघोषिष्यतम् | अघोषिष्यन् |
| अघोषिष्यम् | अघोषिष्याव | अघोषिष्याम |
| आहुः क्रद्धे । आघोषयति आक्रन्दत इत्यर्थः ॥ | | |
| अन्ये स्वाहुःक्रद्धः सातत्ये इति पठन्ति आहुः | | |
| । न्ययति नित्यम् । अन्यत्र आक्रन्दति । | | |

1757 भूषण् (भूष्) अलङ्कारे । 190

| | | |
|------------------------|----------------|---------------|
| व० भूषयति | भूषयतः | भूषयन्ति |
| भूषयसि | भूषयथः | भूषयथ |
| भूषयामि | भूषयावः | भूषयामः |
| स० भूषयेत् | भूषयेताम् | भूषयेयुः |
| भूषयेः | भूषयेतम् | भूषयेत |
| भूषयेयम् | भूषयेव | भूषयेम |
| प० भूषयतु | भूषयतात् | भूषयतान् |
| भूषय | भूषयतम् | भूषयत |
| भूषयाणि | भूषयाव | भूषयाम |
| घ० अभूषयत् | अभूषयताम् | अभूषयन् |
| अभूषयः | अभूषयतम् | अभूषयत |
| अभूषयम् | अभूषयाव | अभूषयाम |
| अ० अबूभुषत् | अबूभुषताम् | अबूभुषन् |
| अबूभुषः | अबूभुषतम् | अबूभुषत |
| अबूभुषम् | अबूभुषाव | अबूभुषाम |
| प० भूषयाञ्चकार | भूषयाञ्चक्रन् | भूषयाञ्चक्रुः |
| भूषयाञ्चकथ | भूषयाञ्चक्रथुः | भूषयाञ्चक्र |
| भूषयाञ्चकार-कर | भूषयाञ्चकृव | भूषयाञ्चकृम |
| भूषयाम्भूष | भूषयामास | |
| आ० भूष्यात् | भूष्यास्ताम् | भूष्यासुः |
| भूष्याः | भूष्यास्तम् | भूष्यास्त |
| भूष्यासम् | भूष्यास्व | भूष्यास्म |
| प्र० भूषयिता | भूषयितारो | भूषयितारः |
| भूषयितासि | भूषयितास्थः | भूषयितास्थ |
| भूषयितास्मि | भूषयितास्वः | भूषयितास्मः |
| अ० भूषयिष्यति | भूषयिष्यतः | भूषयिष्यन्ति |
| भूषयिष्यसि | भूषयिष्यथः | भूषयिष्यथ |
| भूषयिष्यामि | भूषयिष्यावः | भूषयिष्यामः |
| क्रि० अभूषयिष्यत् | अभूषयिष्यताम् | अभूषयिष्यन् |
| अभूषयिष्यः | अभूषयिष्यतम् | अभूषयिष्यन् |
| अभूषयिष्यम् | अभूषयिष्याव | अभूषयिष्याम |
| ॥ भूष अलङ्कारे भूषति ॥ | | |

॥ अथ सान्ताः सप्त ॥

1758 तसुण् (तंम्) अलङ्कारे 191

व० तंसायति तंसायतः तंसायन्ति
तंसायसि तंसायथः तंसायथ
तंसायामि तंसायावः तंसायामः

स० तंसायेत् तंसायेताम् तंसायेयुः
तंसायेः तंसायेतम् तंसायेन
तंसायेयम् तंसायेव तंसायेम

प० तंसायतु तंसायतात् तंसायताम् तंसायन्तु
तंसाय , तंसायतम् तंसायत
तंसायानि तंसायाव तंसायाम

अ० अतंसायत् अतंसायताम् अतंसायन्
अतंसायः अतंसायतम् अतंसायत
अतंसायम् अतंसायाव अतंसायाम

अ० अततंसात् अततंसाताम् अततंसान्
अततंसाः अततंसातम् अततंसात
अततंसाम् अततंसाव अततंसाम

प० तंसायाञ्चकार तंसायाञ्चक्रतुः-याञ्चक्रुः
तंसायाञ्चकथं तंसायाञ्चकथुः तंसायाञ्चक
तंसायाञ्चकार-कर तंसायाञ्चकृव तंसायाञ्चकृम
तंसायाम्बभूव । तंसायामास

आ० तंस्यात् तंस्यास्ताम् तंस्यासुः
तंस्याः तंस्यास्तम् तंस्यास्त
तंस्यासम् तंस्यास्व तंस्यास्म

श्व० तंसायिता तंसायितारौ तंसायितारः
तंसायितासि तंसायितास्थः तंसायितास्थ
तंसायितास्मि तंसायितास्वः तंसायितास्मः

भ० तंसायिष्यति तंसायिष्यतः तंसायिष्यन्ति
तंसायिष्यसि तंसायिष्यथः तंसायिष्यथ
तंसायिष्यामि तंसायिष्यावः तंसायिष्यामः
अतंसायिष्यत् अतंसायिष्यताम् अतंसायिष्यन्
अतंसायिष्यः अतंसायिष्यतम् अतंसायिष्यत
अतंसायिष्यम् अतंसायिष्याव अतंसायिष्याम
तसु अलङ्कारे तंसायति

1759 जसण् (जस्) ताडने 192

व० जासयति जासयतः जासयन्ति
जासयसि जासयथः जासयथ
जासयामि जासयावः जासयामः

स० जासयेत् जासयेताम् जासयेयुः
जासयेः जासयेतम् जासयेत
जासयेयम् जासयेव जासयेम

प० जासयतु जासयतात् जासयताम् जासयन्तु
जासय , जासयतम् जासयत
जासयानि जासयाव जासयाम

अ० अजासयत् अजासयताम् अजासयन्
अजासयः अजासयतम् अजासयत
अजासयम् अजासयाव अजासयाम

अ० अजीजसत् अजीजसताम् अजीजसन्
अजीजसः अजीजसतम् अजीजसत
अजीजसम् अजीजसाव अजीजसाम

१० जासयाञ्चकार जासयाञ्चक्रतुः जासयाञ्चक्रुः
जासयाञ्चकथं जासयाञ्चकथुः जासयाञ्चक
जासयाञ्चकार-कर जासयाञ्चकृव जासयाञ्चकृम

जासयाम्बभूव । जासयामास

आ० जास्यात् जास्यास्ताम् जास्यासुः
जास्याः जास्यास्तम् जास्यास्त
जास्यासम् जास्यास्व जास्यास्म

श्व० जासयिता जासयितारौ जासयितारः
जासयितासि जासयितास्थः जासयितास्थ
जासयितास्मि जासयितास्वः जासयितास्मः

भ० जासयिष्यति जासयिष्यतः जासयिष्यन्ति
जासयिष्यसि जासयिष्यथः जासयिष्यथ
जासयिष्यामि जासयिष्यावः जासयिष्यामः
अजासयिष्यत् अजासयिष्यताम् अजासयिष्यन्
अजासयिष्यः अजासयिष्यतम् अजासयिष्यत
अजासयिष्यम् अजासयिष्याव अजासयिष्याम
अन्यत्र जसूच् मोक्षणे जस्यति

1760 व्रसण् (व्रस्) वारणे

धारणे इति नन्दी । 193

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० व्रासयति | व्रासयतः | व्रासयन्ति |
| व्रासयसि | व्रासयथः | व्रासयथ |
| व्रासयामि | व्रासयावः | व्रासयामः |
| स० व्रासयेत् | व्रासयेताम् | व्रासयेयुः |
| व्रासयेः | व्रासयेतम् | व्रासयेत |
| व्रासयेयम् | व्रासयेव | व्रासयेम |
| प० व्रासयतु—तात् | व्रासयताम् | व्रासयन्तु |
| व्रासय | व्रासयतम् | व्रासयत |
| व्रासयानि | व्रासयाव | व्रासयाम |
| ह्य० अव्रासयत् | अव्रासयताम् | अव्रासयन् |
| अव्रासयः | अव्रासयतम् | अव्रासयत |
| अव्रासयम् | अव्रासयाव | अव्रासयाम |
| अ० अतिव्रसत् | अतिव्रसताम् | अतिव्रसन् |
| अतिव्रसः | अतिव्रसतम् | अतिव्रसत |
| अतिव्रसम् | अतिव्रसाव | अतिव्रसाम |
| प० व्रासयाञ्चकार | व्रासयाञ्चक्रुः | व्रासयाञ्चकृः |
| व्रासयाञ्चकथ | व्रासयाञ्चकथुः | व्रासयाञ्चक |
| व्रासयाञ्चकार | करव्रासयाञ्चकृव | व्रासयाञ्चकृम |
| व्रासयाञ्चभूव | । | व्रासयामास |
| आ० व्रास्यात् | व्रास्यास्ताम् | व्रास्यासुः |
| व्रास्याः | व्रास्यास्तम् | व्रास्यास्त |
| व्रास्यासम् | व्रास्यास्व | व्रास्यास्म |
| श्च० व्रासयिता | व्रासयितारौ | व्रासयितारः |
| व्रासयितासि | व्रासयितास्थः | व्रासयितास्थ |
| व्रासयितास्मि | व्रासयितास्वः | व्रासयितास्मः |
| भ० व्रासयिष्यति | व्रासयिष्यतः | व्रासयिष्यन्ति |
| व्रासयिष्यसि | व्रासयिष्यथः | व्रासयिष्यथ |
| व्रासयिष्यामि | व्रासयिष्यावः | व्रासयिष्यामः |
| अव्रासयिष्यत् | अव्रासयिष्यताम् | अव्रासयिष्यन् |
| अव्रासयिष्यः | अव्रासयिष्यतम् | अव्रासयिष्यत |
| अव्रासयिष्यम् | अव्रासयिष्याव | अव्रासयिष्याम |
| अन्यत्र व्रसैच् | भये व्रस्यति | व्रसति |

1761 वसण् (वस्) स्नेहच्छेदावहरणेषु

अवहरणं मारणम् 194

| | | |
|----------------|---------------------|----------------------|
| व० वासयति | वासयतः | वासयन्ति |
| वासयसि | वासयथः | वासयथ |
| वासयामि | वासयावः | वासयामः |
| स० वासयेत् | वासयेताम् | वासयेयुः |
| वासयेः | वासयेतम् | वासयेत |
| वासयेयम् | वासयेव | वासयेम |
| प० वासयतु | वासयताम् | वासयन्तु |
| वासय | वासयतम् | वासयत |
| वासयानि | वासयाव | वासयाम |
| ह्य० अवासयत् | अवासयताम् | अवासयन् |
| अवासयः | अवासयतम् | अवासयत |
| अवासयम् | अवासयाव | अवासयाम |
| अ० अवीवसत् | अवीवसताम् | अवीवसन् |
| अवीवसः | अवीवसतम् | अवीवसत |
| अवीवसम् | अवीवसाव | अवीवसाम |
| प० वासयाञ्चकार | वासयाञ्चक्रुः | वासयाञ्चकृः |
| वासयाञ्चकथ | वासयाञ्चकथुः | वासयाञ्चक |
| वासयाञ्चकार | कर | वासयाञ्चकृव-याञ्चकृम |
| वासयाम्बभूव | । | वासयामास |
| आ० वास्यात् | वास्यास्ताम् | वास्यासुः |
| वास्याः | वास्यास्तम् | वास्यास्त |
| वास्यासम् | वास्यास्व | वास्यास्म |
| श्च० वासयिता | वासयितारौ | वासयितारः |
| वासयितासि | वासयितास्थः | वासयितास्थ |
| वासयितास्मि | वासयितास्वः | वासयितास्मः |
| भ० वासयिष्यति | वासयिष्यतः | वासयिष्यन्ति |
| वासयिष्यसि | वासयिष्यथः | वासयिष्यथ |
| वासयिष्यामि | वासयिष्यावः | वासयिष्यामः |
| अवासयिष्यत् | अवासयिष्यताम् | अवासयिष्यन् |
| अवासयिष्यः | अवासयिष्यतम् | अवासयिष्यत |
| अवासयिष्यम् | अवासयिष्याव | अवासयिष्याम |
| अन्यत्र वसं | निवासे वसति । वसिक् | आच्छादने वस्ते |

1762 प्रसण् (प्रस्) उत्क्षेपे ।

उञ्छे केचित् । 195

| | | | |
|-------|----------------------------|-----------------|-----------------------|
| ब० | प्रासयति | प्रासयतः | प्रासयन्ति |
| | प्रासयसि | प्रासयथः | प्रासयथ |
| | प्रासयामि | प्रासयावः | प्रासयामः |
| स० | प्रासयेत् | प्रासयेताम् | प्रासयेयुः |
| | प्रासयेः | प्रासयेतम् | प्रासयेत |
| | प्रासयेयम् | प्रासयेव | प्रासयेम |
| प० | प्रासयतु | प्रासयतात् | प्रासयताम् प्रासयन्तु |
| | प्रासय | ,, | प्रासयतम् प्रासयत |
| | प्रासयानि | प्रासयाव | प्रासयाम |
| झ० | अप्रासयत् | अप्रासयताम् | अप्रासयन् |
| | अप्रासयः | अप्रासयतम् | अप्रासयत |
| | अप्रासयम् | अप्रासयाव | अप्रासयाम |
| अ० | अदिप्रसत् | अदिप्रसताम् | अदिप्रसन् |
| | अदिप्रसतः | अदिप्रसतम् | अदिप्रसत |
| | अदिप्रसम् | अदिप्रसाव | अदिप्रसाम |
| प० | प्रासयाञ्चकार | प्रासयाञ्चकतुः | प्रासयाञ्चकृ |
| | प्रासयाञ्चकथं | प्रासयाञ्चकथुः | प्रासयाञ्चक |
| | प्रासयाञ्चकार-कर | प्रासयाञ्चकृव | प्रासयाञ्चकृम |
| | प्रासयाम्बभूव । प्रासयामास | | |
| आ० | प्रास्यात् | प्रास्यास्ताम् | प्रास्यासुः |
| | प्रास्याः | प्रास्यास्तम् | प्रास्यास्त |
| | प्रास्यासम् | प्रास्यास्व | प्रास्यास्म |
| प्रब० | प्रासयिता | प्रासयितारौ | प्रासयितारः |
| | प्रासयितासि | प्रासयितास्थः | प्रासयितास्थ |
| | प्रासयितास्मि | प्रासयितास्वः | प्रासयितास्मः |
| भ० | प्रासयिष्यति | प्रासयिष्यतः | प्रासयिष्यन्ति |
| | प्रासयिष्यसि | प्रासयिष्यथः | प्रासयिष्यथ |
| | प्रासयिष्यामि | प्रासयिष्यावः | प्रासयिष्यामः |
| | अप्रासयिष्यत् | अप्रासयिष्यताम् | अप्रासयिष्यन् |
| | अप्रासयिष्यः | अप्रासयिष्यतम् | अप्रासयिष्यत |
| | अप्रासयिष्यम् | अप्रासयिष्याव | अप्रासयिष्याम |

॥ अन्यत्र प्रसृष्टं केञ्छे ।

1763 प्रसण् (प्रस्) प्रहणे 196

| | | | |
|-------|----------------------------|--------------------|-----------------------|
| ब० | प्रासयति | प्रासयतः | प्रासयन्ति |
| | प्रासयसि | प्रासयथः | प्रासयथ |
| | प्रासयामि | प्रासयावः | प्रासयामः |
| स० | प्रासयेत् | प्रासयेताम् | प्रासयेयुः |
| | प्रासयेः | प्रासयेतम् | प्रासयेत |
| | प्रासयेयम् | प्रासयेव | प्रासयेम |
| प० | प्रासयतु | तात् | प्रासयताम् प्रासयन्तु |
| | प्रासय | ,, | प्रासयतम् प्रासयत |
| | प्रासयानि | प्रासयाव | प्रासयाम |
| झ० | अप्रासयत् | अप्रासयताम् | अप्रासयन् |
| | अप्रासयः | अप्रासयतम् | अप्रासयत |
| | अप्रासयम् | अप्रासयाव | अप्रासयाम |
| अ० | अजिग्रसत् | अजिग्रसताम् | अजिग्रसन् |
| | अजिग्रसतः | अजिग्रसतम् | अजिग्रसत |
| | अजिग्रसम् | अजिग्रसाव | अजिग्रसाम |
| प० | प्रासयाञ्चकार | प्रासयाञ्चकतुः | प्रासयाञ्चकृः |
| | प्रासयाञ्चकथं | प्रासयाञ्चकथुः | प्रासयाञ्चक |
| | प्रासयाञ्चकार चकर | प्रासयाञ्चकृव चकृम | |
| | प्रासयाम्बभूव । प्रासयामास | | |
| आ० | प्रास्यात् | प्रास्यास्ताम् | प्रास्यासुः |
| | प्रास्याः | प्रास्यास्तम् | प्रास्यास्त |
| | प्रास्यासम् | प्रास्यास्व | प्रास्यास्म |
| प्रब० | प्रासयिता | प्रासयितारौ | प्रासयितारः |
| | प्रासयितासि | प्रासयितास्थः | प्रासयितास्थ |
| | प्रासयितास्मि | प्रासयितास्वः | प्रासयितास्मः |
| भ० | प्रासयिष्यति | प्रासयिष्यतः | प्रासयिष्यन्ति |
| | प्रासयिष्यसि | प्रासयिष्यथः | प्रासयिष्यथ |
| | प्रासयिष्यामि | प्रासयिष्यावः | प्रासयिष्यामः |
| क्रि० | अप्रासयिष्यत् | अप्रासयिष्यताम् | प्रासयिष्यन् |
| | अप्रासयिष्यः | अप्रासयिष्यतम् | अप्रासयिष्यत |
| | अप्रासयिष्यम् | अप्रासयिष्याव | अप्रासयिष्याम |

॥ अन्यत्र प्रसृष्टं अदने अनते ॥

1764 लसण् (लस्) शिल्पयोगे । 197

| | | |
|----------------|-------------------------|-----------------|
| व० लसयति | लसयतः | लसयन्ति |
| लसयसि | लसयथः | लसयथ |
| लसयामि | लसयावः | लसयामः |
| स० लसयेत् | लसयेताम् | लसयेयुः |
| लसयेः | लसयेतम् | लसयेत |
| लसयेयम् | लसयेव | लसयेम |
| प० लसयतु | लसयतात् | लसयताम् लसयन्तु |
| लसय | लसयतम् | लसयत |
| लसयानि | लसयाव | लसयाम |
| झ० अलसयत् | अलसयताम् | अलसयन् |
| अलसयः | अलसयतम् | अलसयत |
| अलसयम् | अलसयाव | अलसयाम |
| भ० अलीलसत् | अलीलसताम् | अलीलसन् |
| अलीलसः | अलीलसतम् | अलीलसत |
| अलीलसम् | अलीलसाव | अलीलसाम |
| प० लासयाञ्चकार | लासयाञ्चक्रुः | लासयाञ्चकु |
| लासयाञ्चकथं | लासयाञ्चकथुः | लासयाञ्चक |
| लासयाञ्चकार-कर | लासयाञ्चकृव-याञ्चकृम | |
| लासयाञ्चभूव | लासयामास | |
| आ० लास्यात् | लास्यास्ताम् | लास्यासुः |
| लास्याः | लास्यास्तम् | लास्यास्त |
| लास्यासम् | लास्यास्व | लास्यास्म |
| प्रव० लासयिता | लासयितारौ | लासयितारः |
| लासयितासि | लासयितास्थः | लासयितास्थ |
| लासयितास्मि | लासयितास्वः | लासयितास्मः |
| भ० लासयिष्यति | लासयिष्यतः | लासयिष्यन्ति |
| लासयिष्यसि | लासयिष्यथः | लासयिष्यथ |
| लासयिष्यामि | लासयिष्यावः | लासयिष्यामः |
| अलासयिष्यत् | अलासयिष्यताम् | अलासयिष्यन् |
| अलासयिष्यः | अलासयिष्यतम् | अलासयिष्यत |
| अलासयिष्यम् | अलासयिष्याव | अलासयिष्याम |
| अन्यत्र लस | प्रलेषणक्रीडनयोः । लसति | |

॥ अथ हान्तः ॥

1765 अर्हण् (अर्ह्) पूजायाम् । 198

| | | |
|-------------------|-----------------------|---------------------|
| व० अर्हयति | अर्हयतः | अर्हयन्ति |
| अर्हयसि | अर्हयथः | अर्हयथ |
| अर्हयामि | अर्हयावः | अर्हयामः |
| स० अर्हयेत् | अर्हयेताम् | अर्हयेयुः |
| अर्हयेः | अर्हयेतम् | अर्हयेत |
| अर्हयेयम् | अर्हयेव | अर्हयेम |
| प० अर्हयतु | अर्हयतात् | अर्हयताम् अर्हयन्तु |
| अर्हय | अर्हयतम् | अर्हयत |
| अर्हयाणि | अर्हयाव | अर्हयाम |
| झ० आर्हयत् | आर्हयताम् | आर्हयन् |
| आर्हयः | आर्हयतम् | आर्हयत |
| आर्हयम् | आर्हयाव | आर्हयाम |
| अ० आर्जिहत् | आर्जिहताम् | आर्जिहन् |
| आर्जिहः | आर्जिहतम् | आर्जिहत |
| आर्जिहम् | आर्जिहाव | आर्जिहाम |
| प० अर्हयाञ्चकार | अर्हयाञ्चक्रुः | अर्हयाञ्चकुः |
| अर्हयाञ्चकथं | अर्हयाञ्चकथुः | अर्हयाञ्चक |
| अर्हयाञ्चकार-कर | अर्हयाञ्चकृव-याञ्चकृम | |
| अर्हयाञ्चभूव | अर्हयामास | |
| आ० अर्ह्यात् | अर्ह्यास्ताम् | अर्ह्यासुः |
| अर्ह्याः | अर्ह्यास्तम् | अर्ह्यास्त |
| अर्ह्यासम् | अर्ह्यास्व | अर्ह्यास्म |
| प्रव० अर्हयिता | अर्हयितारौ | अर्हयितारः |
| अर्हयितासि | अर्हयितास्थः | अर्हयितास्थ |
| अर्हयितास्मि | अर्हयितास्वः | अर्हयितास्मः |
| भ० अर्हयिष्यति | अर्हयिष्यतः | अर्हयिष्यन्ति |
| अर्हयिष्यसि | अर्हयिष्यथः | अर्हयिष्यथ |
| अर्हयिष्यामि | अर्हयिष्यावः | अर्हयिष्यामः |
| क्रि० आर्हयिष्यत् | आर्हयिष्यताम् | आर्हयिष्यन् |
| आर्हयिष्यः | आर्हयिष्यतम् | आर्हयिष्यत |
| आर्हयिष्यम् | आर्हयिष्याव | आर्हयिष्याम |
| । अन्यत्र अर्ह | पूजायाम् । अर्हति । | |

॥ अथ क्षान्तः ॥

1766 मोक्षण् (मोक्ष्) असने । 199

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| व० मोक्षयति | मोक्षयतः | मोक्षयन्ति |
| मोक्षयसि | मोक्षयथः | मोक्षयथ |
| मोक्षयामि | मोक्षयावः | मोक्षयामः |
| स० मोक्षयेत् | मोक्षयेताम् | मोक्षयेयुः |
| मोक्षयेः | मोक्षयेतम् | मोक्षयेत |
| मोक्षयेयम् | मोक्षयेव | मोक्षयेम |

| | | | |
|-------------|------------|------------|------------|
| प० मोक्षयतु | मोक्षयतात् | मोक्षयताम् | मोक्षयन्तु |
| मोक्षय | मोक्षयतम् | मोक्षयत | |
| मोक्षयति | मोक्षयाव | मोक्षयाम | |

| | | |
|--------------|--------------|------------|
| झ० अमोक्षयत | अमोक्षयताम् | अमोक्षयन् |
| अमोक्षयः | अमोक्षयतम् | अमोक्षयत |
| अमोक्षयम् | अमोक्षयाव | अमोक्षयाम |
| अ० अमुमोक्षत | अमुमोक्षताम् | अमुमोक्षन् |
| अमुमोक्षः | अमुमोक्षतम् | अमुमोक्षत |
| अमुमोक्षम् | अमुमोक्षाव | अमुमोक्षाम |

| | | |
|------------------|------------------------|---------------|
| प० मोक्षयाञ्चकार | मोक्षयाञ्चकतुः | मोक्षयाञ्चकुः |
| मोक्षयाञ्चकथं | मोक्षयाञ्चकथुः | मोक्षयाञ्चक |
| मोक्षयाञ्चकार-कर | मोक्षयाञ्चकृव-याञ्चकम् | |
| मोक्षयायाञ्चकृव | मोक्षयामास | |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० मोक्षयात् | मोक्षयास्ताम् | मोक्षयासुः |
| मोक्षयाः | मोक्षयास्तम् | मोक्षयास्त |
| मोक्षयासम् | मोक्षयास्व | मोक्षयास्म |

| | | |
|-----------------|-------------|-------------|
| प्रव० मोक्षयिता | मोक्षयितारो | मोक्षयितारः |
|-----------------|-------------|-------------|

मोक्षयितासि मोक्षयितास्थः मोक्षयितास्थ

मोक्षयितास्मि मोक्षयितास्वः मोक्षयितास्मः

| | | |
|-----------------|--------------|----------------|
| भ० मोक्षयिष्यति | मोक्षयिष्यतः | मोक्षयिष्यन्ति |
|-----------------|--------------|----------------|

मोक्षयिष्यसि मोक्षयिष्यथः मोक्षयिष्यथ

मोक्षयिष्यामि मोक्षयिष्यावः मोक्षयिष्यामः

अमोक्षयिष्यत् अमोक्षयिष्यताम् अमोक्षयिष्यन्

अमोक्षयिष्यः अमोक्षयिष्यतम् अमोक्षयिष्यत

अमोक्षयिष्यम् अमोक्षयिष्याव अमोक्षयिष्याम

। अन्यत्र मोक्षति ।

अथ वर्णक्रमेण भासार्थाः । तत्र कान्तौ

1767 लोकृण् (लोक्) भासार्थः । 200

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० लोकयति | लोकयतः | लोकयन्ति |
| लोकयसि | लोकयथः | लोकयथ |
| लोकयामि | लोकयावः | लोकयामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० लोकयेत् | लोकयेताम् | लोकयेयुः |
| लोकयेः | लोकयेतम् | लोकयेत |
| लोकयेयम् | लोकयेव | लोकयेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० लोकयतु | लोकयतात् | लोकयताम् | लोकयन्तु |
| लोकय | लोकयतम् | लोकयत | |
| लोकयति | लोकयाव | लोकयाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अलोकयत् | अलोकयताम् | अलोकयन् |
| अलोकयः | अलोकयतम् | अलोकयत |
| अलोकयम् | अलोकयाव | अलोकयाम |

| | | |
|---------------|-------------|-----------|
| अ० अलु लोक्त् | अलु लोकताम् | अलु लोकन् |
| अलु लोकः | अलु लोकतम् | अलु लोकत |
| अलु लोकम् | अलु लोकाव | अलु लोकाम |

| | | |
|----------------|--------------|-------------|
| प० लोकयाञ्चकार | लोकयाञ्चकतुः | लोकयाञ्चकुः |
|----------------|--------------|-------------|

लोकयाञ्चकथं लोकयाञ्चकथुः लोकयाञ्चक

लोकयाञ्चकार-कर लोकयाञ्चकृव लोकयाञ्चकम्

लोकयाम्बभूव लोकयामास

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० लोकयात् | लोकयास्ताम् | लोकयासुः |
|------------|-------------|----------|

लोकयाः लोकयास्तम् लोकयास्त

लोकयासम् लोकयास्व लोकयास्म

| | | |
|---------------|-----------|-----------|
| प्रव० लोकयिता | लोकयितारो | लोकयितारः |
|---------------|-----------|-----------|

लोकयितासि लोकयितास्थः लोकयितास्थ

लोकयितास्मि लोकयितास्वः लोकयितास्मः

| | | |
|---------------|------------|--------------|
| भ० लोकयिष्यति | लोकयिष्यतः | लोकयिष्यन्ति |
|---------------|------------|--------------|

लोकयिष्यसि लोकयिष्यथः लोकयिष्यथ

लोकयिष्यामि लोकयिष्यावः लोकयिष्यामः

अलोकयिष्यत् अलोकयिष्यताम् अलोकयिष्यन्

अलोकयिष्यः अलोकयिष्यतम् अलोकयिष्यत

अलोकयिष्यम् अलोकयिष्याव अलोकयिष्याम

। अन्यत्र लोकृद् दर्शने । लोकते ।

1768 तर्कण् (तर्क्) भासार्थः । 201

व० तर्कयति तर्कयतः तर्कयन्ति
 तर्कयति तर्कयथः तर्कयथ
 तर्कयामि तर्कयावः तर्कयामः
 स० तर्कयेत् तर्कयेताम् तर्कयेयुः
 तर्कयेः तर्कयेतम् तर्कयेत
 तर्कयेयम् तर्कयेव तर्कयेम
 प० तर्कयतु तर्कयतात् तर्कयताम् तर्कयन्तु
 तर्कय , तर्कयतम् तर्कयत
 तर्कयासि तर्कयाव तर्कयाम
 छ० अतर्कयत् अतर्कयताम् अतर्कयन्
 अतर्कयः अतर्कयतम् अतर्कयत
 अतर्कयम् अतर्कयाव अतर्कयाम
 अ० अतर्कयत् अतर्कयताम् अतर्कयन्
 अतर्कयः अतर्कयतम् अतर्कयत
 अतर्कयम् अतर्कयाव अतर्कयाम
 प० तर्कयाश्चकार तर्कयाश्चक्रुः तर्कयाश्चक्रुः
 तर्कयाश्चक्रुः तर्कयाश्चक्रुः तर्कयाश्चक्रुः
 तर्कयाश्चकार-कर तर्कयाश्चक्रु-याश्चक्रु-
 तर्कयाम्बभूव । तर्कयामास
 आ० तर्कयात् तर्कयास्ताम् तर्कयासुः
 तर्कयाः तर्कयास्तम् तर्कयास्त
 तर्कयासम् तर्कयास्व तर्कयास्म
 प्र० तर्कयिता तर्कयितारौ तर्कयितारः
 तर्कयितामि तर्कयितास्थः तर्कयितास्थ
 तर्कयितास्मि तर्कयितास्वः तर्कयितास्मः
 भ० तर्कयिष्यति तर्कयिष्यतः तर्कयिष्यन्ति
 तर्कयिष्यसि तर्कयिष्यथः तर्कयिष्यथ
 तर्कयिष्यामि तर्कयिष्यावः तर्कयिष्यामः
 क्रि० अतर्कयिष्यत अतर्कयिष्यताम् अतर्कयिष्यन्
 अतर्कयिष्यः अतर्कयिष्यतम् अतर्कयिष्यत
 अतर्कयिष्यम् अतर्कयिष्याव अतर्कयिष्याम
 गणान्तरेष्वपठिता अप्यत्र दण्डके पाठा-
 द्वातव एव इत्यर्थान्तरे तर्कति ।

॥ अथ धान्तौ ॥

1769 रङ्घण् (रङ्घ्) भासार्थः । 202

व० रङ्घयति रङ्घयतः रङ्घयन्ति
 रङ्घयति रङ्घयथः रङ्घयथ
 रङ्घयामि रङ्घयावः रङ्घयामः
 स० रङ्घयेत् रङ्घयेताम् रङ्घयेयुः
 रङ्घयेः रङ्घयेतम् रङ्घयेत
 रङ्घयेयम् रङ्घयेव रङ्घयेम
 प० रङ्घयतु रङ्घयतात् रङ्घयताम् रङ्घयन्तु
 रङ्घय , रङ्घयतम् रङ्घयत
 रङ्घयासि रङ्घयाव रङ्घयाम
 छ० अरङ्घयत् अरङ्घयताम् अरङ्घयन्
 अरङ्घयः अरङ्घयतम् अरङ्घयत
 अरङ्घयम् अरङ्घयाव अरङ्घयाम
 अ० अररङ्घयत् अररङ्घयताम् अररङ्घयन्
 अररङ्घयः अररङ्घयतम् अररङ्घयत
 अररङ्घयम् अररङ्घयाव अररङ्घयाम
 प० रङ्घयाश्चकार रङ्घयाश्चक्रुः रङ्घयाश्चक्रुः
 रङ्घयाश्चक्रुः रङ्घयाश्चक्रुः रङ्घयाश्चक्रुः
 रङ्घयाश्चकार-कर रङ्घयाश्चक्रु-याश्चक्रु-
 रङ्घयाम्बभूव । रङ्घयामास
 आ० रङ्घयात् रङ्घयास्ताम् रङ्घयासुः
 रङ्घयाः रङ्घयास्तम् रङ्घयास्त
 रङ्घयासम् रङ्घयास्व रङ्घयास्म
 प्र० रङ्घयिता रङ्घयितारौ रङ्घयितारः
 रङ्घयितामि रङ्घयितास्थः रङ्घयितास्थ
 रङ्घयितास्मि रङ्घयितास्वः रङ्घयितास्मः
 रङ्घयिष्यति रङ्घयिष्यतः रङ्घयिष्यन्ति
 रङ्घयिष्यसि रङ्घयिष्यथः रङ्घयिष्यथ
 रङ्घयिष्यामि रङ्घयिष्यावः रङ्घयिष्यामः
 क्रि० अरङ्घयिष्यत अरङ्घयिष्यताम् अरङ्घयिष्यन्
 अरङ्घयिष्यः अरङ्घयिष्यतम् अरङ्घयिष्यत
 अरङ्घयिष्यम् अरङ्घयिष्याव अरङ्घयिष्याम
 गणान्तरेष्वपठिता अप्यत्र दण्डके पाठा-
 द्वातव एव इत्यर्थान्तरे तर्कति ।

1770 लघुण् (लङ्घ्) भासार्थः। 203

ब० लङ्घयति लङ्घयतः लङ्घयन्ति
 लङ्घयसि लङ्घयथः लङ्घयथ
 लङ्घयामि लङ्घयावः लङ्घयामः
 स० लङ्घयेत् लङ्घयेताम् लङ्घयेयुः
 लङ्घयेः लङ्घयेतम् लङ्घयेत
 लङ्घयेयम् लङ्घयेव लङ्घयेम
 प० लङ्घयतु लङ्घयतात् लङ्घयताम् लङ्घयतु
 लङ्घय लङ्घयतम् लङ्घयत
 लङ्घयानि लङ्घयाव लङ्घयाम
 झ० अलङ्घयत् अलङ्घयताम् अलङ्घयन्
 अलङ्घयः अलङ्घयतम् अलङ्घयत
 अलङ्घयम् अलङ्घयाव अलङ्घयाम
 अ० अललङ्घत् अललङ्घताम् अललङ्घन्
 अललङ्घः अललङ्घतम् अललङ्घत
 अललङ्घम् अललङ्घाव अललङ्घाम
 प लङ्घयाश्चकार लङ्घयाश्चक्रुः लङ्घयाश्चक्रुः
 लङ्घयाश्चक्रुर् लङ्घयाश्चक्रुः लङ्घयाश्चक्रुः
 लङ्घयाश्चकार-कर लङ्घयाश्चक्रु लङ्घयाश्चक्रु
 लङ्घयाश्चक्रु । लङ्घयामास
 आ० लङ्घ्यात् लङ्घ्यास्ताम् लङ्घ्यासुः
 लङ्घ्याः लङ्घ्यास्तम् लङ्घ्यास्त
 लङ्घ्यासम् लङ्घ्यास्व लङ्घ्यास्म
 प्रब० लङ्घयिता लङ्घयितारौ लङ्घयितारः
 लङ्घयितासि लङ्घयितास्थः लङ्घयितास्व
 लङ्घयितास्मि लङ्घयितास्वः लङ्घयितास्मः
 लङ्घयिष्यति लङ्घयिष्यतः लङ्घयिष्यन्ति
 लङ्घयिष्यसि लङ्घयिष्यथः लङ्घयिष्यथ
 लङ्घयिष्यामि लङ्घयिष्यावः लङ्घयिष्यामः
 अलङ्घयिष्यत् अलङ्घयिष्यताम् अलङ्घयिष्यन्
 अलङ्घयिष्यः अलङ्घयिष्यतम् अलङ्घयिष्यत
 अलङ्घयिष्यम् अलङ्घयिष्याव अलङ्घयिष्याम
 अन्यत्र लघुङ् गतौ । लङ्घने

अथ चान्तः ॥

1771 लोचृण् (लोच्) भासार्थः। 204

ब० लोचयति लोचयतः लोचयन्ति
 लोचयसि लोचयथः लोचयथ
 लोचयामि लोचयावः लोचयामः
 स० लोचयेत् लोचयेताम् लोचयेयुः
 लोचयेः लोचयेतम् लोचयेत
 लोचयेयम् लोचयेव लोचयेम
 प० लोचयतु लोचयतात् लोचयताम् लोचयतु
 लोचय लोचयतम् लोचयत
 लोचयानि लोचयाव लोचयाम
 झ० अलोचयत् अलोचयताम् अलोचयन्
 अलोचयः अलोचयतम् अलोचयत
 अलोचयम् अलोचयाव अलोचयाम
 अ० अललोचत् अललोचताम् अललोचन्
 अललोचः अललोचतम् अललोचत
 अललोचम् अललोचाव अललोचाम
 प० लोचयाश्चकार लोचयाश्चक्रुः लोचयाश्चक्रुः
 लोचयाश्चक्रुर् लोचयाश्चक्रुः लोचयाश्चक्रुः
 लोचयाश्चकार-कर लोचयाश्चक्रु लोचयाश्चक्रु
 लोचयाश्चक्रु । लोचयामास
 आ० लोच्यात् लोच्यास्ताम् लोच्यासुः
 लोच्याः लोच्यास्तम् लोच्यास्त
 लोच्यासम् लोच्यास्व लोच्यास्म
 प्रब० लोचयिता लोचयितारौ लोचयितारः
 लोचयितासि लोचयितास्थः लोचयितास्व
 लोचयितास्मि लोचयितास्वः लोचयितास्मः
 भ० लोचयिष्यति लोचयिष्यतः लोचयिष्यन्ति
 लोचयिष्यसि लोचयिष्यथः लोचयिष्यथ
 लोचयिष्यामि लोचयिष्यावः लोचयिष्यामः
 अलोचयिष्यत् अलोचयिष्यताम् अलोचयिष्यन्
 अलोचयिष्यः अलोचयिष्यतम् अलोचयिष्यत
 अलोचयिष्यम् अलोचयिष्याव अलोचयिष्याम
 अन्यत्र लोचृङ् दर्शने लोचने

॥ अथ छान्तः ॥

1772 विच्छण् (विच्छ) भासार्थः । 205

व० विच्छयति विच्छयतः विच्छयन्ति

विच्छयसि विच्छयथः विच्छयथ

विच्छयामि विच्छयावः विच्छयामः

स० विच्छयेत् विच्छयेताम् विच्छयेयुः

विच्छयेः विच्छयेतम् विच्छयेत

विच्छयेयम् विच्छयेव विच्छयेम

प० विच्छयतु, विच्छयतात् विच्छयताम्

विच्छयन्तु

विच्छय , विच्छयतम् विच्छयत

विच्छयानि विच्छयाव विच्छयाम

ह्य० अविच्छयत् अविच्छयताम् अविच्छयन्

अविच्छयः अविच्छयतम् अविच्छयत

अविच्छयम् अविच्छयाव अविच्छयाम

अ० अविविच्छत् अविविच्छताम् अविविच्छन्

अविविच्छः अविविच्छतम् अविविच्छत

अविविच्छम् अविविच्छाव अविविच्छाम

प० विच्छयाश्चकार विच्छयाश्चक्रुः

विच्छयाश्चक्रुः

विच्छयाश्चक्र्य विच्छयाश्चक्रुः विच्छयाश्चक्र

विच्छयाश्चकार-कर विच्छयाश्चक्रुष याश्चक्रुम

विच्छयाम्बभूव । विच्छयामास

आ० विच्छयात् विच्छयास्ताम् विच्छयास्तुः

विच्छयाः विच्छयास्तम् विच्छयास्त

विच्छयास्तम् विच्छयास्व विच्छयास्म

स्व० विच्छयिता विच्छयितारौ विच्छयितारः

विच्छयितासि विच्छयितास्थः विच्छयितास्थ

विच्छयितास्मि विच्छयितास्व विच्छयितास्मः

भ० विच्छयिष्यति विच्छयिष्यतः विच्छयिष्यन्ति

विच्छयिष्यसि विच्छयिष्यथः विच्छयिष्यथ

विच्छयिष्यामि विच्छयिष्यावः विच्छयिष्यामः

अविच्छयिष्यत अविच्छयिष्यताम् ष्यन्

अविच्छयिष्यः अविच्छयिष्यतम् ष्यत

अविच्छयिष्यम् अविच्छयिष्याव ष्याम

अन्यत्र विच्छत् गतौ । अश्वि ते वेति वाये

विच्छायति विच्छति

॥ अथ जान्ताः षडुदितश्च ॥

1773 अज्जण् (अज्ज) भासार्थः । 206

व० अज्जयति अज्जयतः अज्जयन्ति

अज्जयसि अज्जयथः अज्जयथ

अज्जयामि अज्जयावः अज्जयामः

स० अज्जयेत् अज्जयेताम् अज्जयेयुः

अज्जयेः अज्जयेतम् अज्जयेत

अज्जयेयम् अज्जयेव अज्जयेम

प० अज्जयतु अज्जयतात् अज्जयताम् अज्जयन्तु

अज्जय , अज्जयतम् अज्जयत

अज्जयानि अज्जयाव अज्जयाम

ह्य० आज्जयत् आज्जयताम् आज्जयन्

आज्जयः आज्जयतम् आज्जयत

आज्जयम् आज्जयाव आज्जयाम

अ० आज्जिजत् आज्जिजताम् आज्जिजन्

आज्जिजः आज्जिजतम् आज्जिजत

आज्जिजम् आज्जिजाव आज्जिजाम

प० अज्जयाश्चकार अज्जयाश्चक्रुः अज्जयाश्चक्रुः

अज्जयाश्चक्र्य अज्जयाश्चक्रुः अज्जयाश्चक्र

अज्जयाश्चकार-कर अज्जयाश्चक्रुष अज्जयाश्चक्रुम

अज्जयाम्बभूव । अज्जयामास

आ० अज्जयात् अज्जयास्ताम् अज्जयास्तुः

अज्जयाः अज्जयास्तम् अज्जयास्त

अज्जयास्तम् अज्जयास्व अज्जयास्म

स्व० अज्जयिता अज्जयितारौ अज्जयितारः

अज्जयितासि अज्जयितास्थः अज्जयितास्थ

अज्जयितास्मि अज्जयितास्व अज्जयितास्मः

भ० अज्जयिष्यति अज्जयिष्यतः अज्जयिष्यन्ति

अज्जयिष्यसि अज्जयिष्यथः अज्जयिष्यथ

अज्जयिष्यामि अज्जयिष्यावः अज्जयिष्यामः

आज्जयिष्यत् आज्जयिष्यताम् आज्जयिष्यन्

आज्जयिष्यः आज्जयिष्यतम् आज्जयिष्यत

आज्जयिष्यम् आज्जयिष्याव आज्जयिष्याम

अन्यत्र अज्जोप व्यक्त्यादौ व्यनक्ति

1774 तुज्जु (तुज्ज) भासार्थः । 207

तुज्जयति तुज्जयतः तुज्जयन्ति
 तुज्जयसि तुज्जयथः तुज्जयथ
 तुज्जयामि तुज्जयावः तुज्जयामः
 स० तुज्जयेत् तुज्जयेताम् तुज्जयेयुः
 तुज्जयेः तुज्जयेतम् तुज्जयेत
 तुज्जयेयम् तुज्जयेव तुज्जयेम
 प० तुज्जयत् तुज्जयतात्तुज्जयताम्तुज्जयन्तु
 तुज्जय , तुज्जयतम् तुज्जयत
 तुज्जयानि तुज्जयाव तुज्जयाम
 झ० अतुज्जयत् अतुज्जयताम् अतुज्जयन्
 अतुज्जयः अतुज्जयतम् अतुज्जयत
 अतुज्जयम् अतुज्जयाव अतुज्जयाम
 अ० अतुज्जयत् अतुज्जयताम् अतुज्जयन्
 अतुज्जयः अतुज्जयतम् अतुज्जयत
 अतुज्जयम् अतुज्जयाव अतुज्जयाम
 प० तुज्जयाश्चकारतुज्जयाश्चक्रुःतुज्जयाश्चक्रुः
 तुज्जयाश्चकारतुज्जयाश्चक्रुःतुज्जयाश्चक्रुः
 तुज्जयाश्चकार-करतुज्जयाश्चक्रुव तुज्जयाश्चक्रुम
 तुज्जयाश्चक्रुव । तुज्जयाश्चक्रुम
 आ० तुज्जयात् तुज्जयास्ताम् तुज्जयास्तुः
 तुज्जयाः तुज्जयास्तम् तुज्जयास्त
 तुज्जयासम् तुज्जयास्व तुज्जयास्म
 ख० तुज्जयिता तुज्जयितारौ तुज्जयितारः
 तुज्जयितासि तुज्जयितास्थः तुज्जयितास्थ
 तुज्जयितास्मि तुज्जयितास्वः तुज्जयितास्मः
 भ० तुज्जयिष्यति तुज्जयिष्यतः तुज्जयिष्यन्ति
 तुज्जयिष्यसितुज्जयिष्यथः तुज्जयिष्यथ
 तुज्जयिष्यामितुज्जयिष्यावः तुज्जयिष्यामः
 अतुज्जयिष्यत् अतुज्जयिष्यताम् अतुज्जयिष्यन्
 अतुज्जयिष्यः अतुज्जयिष्यतम् अतुज्जयिष्यत
 अतुज्जयिष्यम् अतुज्जयिष्याव अतुज्जयिष्याम
 अन्यत्र तुज्जु बलने च तुज्जनि

1775 पिज्जु (पिज्ज) भासार्थः । 208

पिज्जयति पिज्जयतः पिज्जयन्ति
 पिज्जयसि पिज्जयथः पिज्जयथ
 पिज्जयामि पिज्जयावः पिज्जयामः
 स० पिज्जयेत् पिज्जयेताम् पिज्जयेयुः
 पिज्जयेः पिज्जयेतम् पिज्जयेत
 पिज्जयेयम् पिज्जयेव पिज्जयेम
 प० पिज्जयत् पिज्जयतात्पिज्जयताम्पिज्जयन्तु
 पिज्जय , पिज्जयतम् पिज्जयत
 पिज्जयानि पिज्जयाव पिज्जयाम
 झ० अपिज्जयत् अपिज्जयताम् अपिज्जयन्
 अपिज्जयः अपिज्जयतम् अपिज्जयत
 अपिज्जयम् अपिज्जयाव अपिज्जयाम
 अ० अपिपिज्जत् अपिपिज्जताम् अपिपिज्जन्
 अपिपिज्जः अपिपिज्जतम् अपिपिज्जत
 अपिपिज्जम् अपिपिज्जाव अपिपिज्जाम
 प० पिज्जयाश्चकारपिज्जयाश्चक्रुःपिज्जयाश्चक्रुः
 पिज्जयाश्चकारपिज्जयाश्चक्रुःपिज्जयाश्चक्रुः
 पिज्जयाश्चकार-करपिज्जयाश्चक्रुव पिज्जयाश्चक्रुम
 पिज्जयाश्चक्रुव । पिज्जयाश्चक्रुम
 आ० पिज्जयात् पिज्जयास्ताम् पिज्जयास्तुः
 पिज्जयाः पिज्जयास्तम् पिज्जयास्त
 पिज्जयासम् पिज्जयास्व पिज्जयास्म
 ख० पिज्जयिता पिज्जयितारौ पिज्जयितारः
 पिज्जयितासि पिज्जयितास्थः पिज्जयितास्थ
 पिज्जयितास्मि पिज्जयितास्वः पिज्जयितास्मः
 भ० पिज्जयिष्यतिपिज्जयिष्यतःपिज्जयिष्यन्ति
 पिज्जयिष्यसिपिज्जयिष्यथः पिज्जयिष्यथ
 पिज्जयिष्यामिपिज्जयिष्यावः पिज्जयिष्यामः
 अपिज्जयिष्यत् अपिज्जयिष्यताम्-ज्जयिष्यन्
 अपिज्जयिष्यःअपिज्जयिष्यतम्अपिज्जयिष्यत
 अपिज्जयिष्यम् अपिज्जयिष्याव ज्जयिष्याम

1776 लज्जुण (लज्ज) भासार्थः 1209

व० लज्जयति लज्जयतः लज्जयन्ति
लज्जयसि लज्जयथः लज्जयथ
लज्जयामि लज्जयावः लज्जयामः

स० लज्जयेत् लज्जयेताम् लज्जयेयुः
लज्जयेः लज्जयेतम् लज्जयेत
लज्जयेयम् लज्जयेव लज्जयेम

प० लज्जयतुलज्जयतात् लज्जयताम् लज्जयन्तु
लज्जय , लज्जयतम् लज्जयत
लज्जयानि लज्जयाव लज्जयाम

झ० अलज्जयत् अलज्जयताम् अलज्जयन्
अलज्जयः अलज्जयतम् अलज्जयत
अलज्जयम् अलज्जयाव अलज्जयाम

अ० अललज्जत् अललज्जताम् अललज्जन्
अललज्जः अललज्जतम् अललज्जत
अललज्जम् अललज्जाव अललज्जाम

प० लज्जयाश्चकारलज्जयाश्चक्रुः लज्जयाश्चकुः
लज्जयाश्चैकथलज्जयाश्चकथुः लज्जयाश्चक
लज्जयाश्चैकार-करलज्जयाश्चकृष लज्जयाश्चकृम
लज्जयाम्भूव । लज्जयामास

आ० लज्ज्यात् लज्ज्यास्ताम् लज्ज्यासुः
लज्ज्याः लज्ज्यास्तम् लज्ज्यास्त
लज्ज्यासम् लज्ज्यास्व लज्ज्यास्म

प्र० लज्जयितालज्जयितारौ लज्जयितारः
लज्जयितासि लज्जयितास्थः लज्जयितास्थ
लज्जयितास्मि लज्जयितास्वः लज्जयितास्मः

भ० लज्जयिष्यतिलज्जयिष्यतः लज्जयिष्यन्ति
लज्जयिष्यसिलज्जयिष्यथः लज्जयिष्यथ
लज्जयिष्यामिलज्जयिष्यावः लज्जयिष्यामः

अलज्जयिष्यत् अलज्जयिष्यताम् अलज्जयिष्यन्
अलज्जयिष्यः अलज्जयिष्यतम् अलज्जयिष्यत
अलज्जयिष्यम् अलज्जयिष्याव अलज्जयिष्याम

अन्यत्र लज्जु भासने लज्जति

1777 लज्जुण (लुज्ज) भासार्थः 210

व० लुज्जयति लुज्जयतः लुज्जयन्ति
लुज्जयसि लुज्जयथः लुज्जयथ
लुज्जयामि लुज्जयावः लुज्जयामः

स० लुज्जयेत् लुज्जयेताम् लुज्जयेयुः
लुज्जयेः लुज्जयेतम् लुज्जयेत
लुज्जयेयम् लुज्जयेव लुज्जयेम

प० लुज्जयतुलुज्जयतात् लुज्जयताम् लुज्जयन्तु
लुज्जय , लुज्जयतम् लुज्जयत
लुज्जयानि लुज्जयाव लुज्जयाम

झ० अलुज्जयत् अलुज्जयताम् अलुज्जयन्
अलुज्जयः अलुज्जयतम् अलुज्जयत
अलुज्जयम् अलुज्जयाव अलुज्जयाम

अ० अलुलुज्जत् अलुलुज्जताम् अलुलुज्जन्
अलुलुज्जः अलुलुज्जतम् अलुलुज्जत
अलुलुज्जम् अलुलुज्जाव अलुलुज्जाम

प० लुज्जयाश्चकार लुज्जयाश्चक्रुः लुज्जयाश्चकुः
लुज्जयाश्चैकथ लुज्जयाश्चकथुः लुज्जयाश्चक
लुज्जयाश्चैकार-कालुज्जयाश्चकृवलुज्जयाश्चकृम
लुज्जयाम्भूव । लुज्जयामास

आ० लुज्ज्यात् लुज्ज्यास्ताम् लुज्ज्यासुः
लुज्ज्याः लुज्ज्यास्तम् लुज्ज्यास्त
लुज्ज्यासम् लुज्ज्यास्व लुज्ज्यास्म

प्र० लुज्जयिता लुज्जयितारौ लुज्जयितारः
लुज्जयितासिलुज्जयितास्थः लुज्जयितास्थ
लुज्जयितास्मिलुज्जयितास्वः लुज्जयितास्मः

भ० लुज्जयिष्यतिलुज्जयिष्यतः लुज्जयिष्यन्ति
लुज्जयिष्यसिलुज्जयिष्यथः लुज्जयिष्यथ
लुज्जयिष्यामिलुज्जयिष्यावः लुज्जयिष्यामः

अलुज्जयिष्यत् अलुज्जयिष्यताम् अलुज्जयिष्यन्
अलुज्जयिष्यः अलुज्जयिष्यतम् अलुज्जयिष्यत
अलुज्जयिष्यम् अलुज्जयिष्याव अलुज्जयिष्याम

अन्यत्र लुज्जति

1778 भञ्ज (भञ्ज) भासार्थः । 211

व० भञ्जयति भञ्जयतः भञ्जयन्ति
 भञ्जयसि भञ्जयथः भञ्जयथ
 भञ्जयामि भञ्जयावः भञ्जयामः
 स० भञ्जयेत् भञ्जयेताम् भञ्जयेयुः
 भञ्जयेः भञ्जयेतम् भञ्जयेत
 भञ्जयेयम् भञ्जयेव भञ्जयेम

प० भञ्जयतु, भञ्जयतात् भञ्जयताम्

भञ्जयन्तु

भञ्जय भञ्जयतम् भञ्जयत
 भञ्जयानि भञ्जयाव भञ्जयाम

झ० अभञ्जयत् अभञ्जयताम् अभञ्जयन्
 अभञ्जयः अभञ्जयतम् अभञ्जयत
 अभञ्जयम् अभञ्जयाव अभञ्जयाम

ञ० अबभञ्जत् अबभञ्जताम् अबभञ्जन्
 अबभञ्जः अबभञ्जतम् अबभञ्जत
 अबभञ्जम् अबभञ्जाव अबभञ्जाम

प० भञ्जयाञ्चकार भञ्जयाञ्चकतुः भञ्जयाञ्चकुः
 भञ्जयाञ्चकर्थं भञ्जयाञ्चकथुः भञ्जयाञ्चक
 भञ्जयाञ्चकार-कर भञ्जयाञ्चकृव भञ्जयाञ्चकृम

भञ्जयाञ्चभूव । भञ्जयामास

आ० भञ्ज्यात् भञ्ज्यास्ताम् भञ्ज्यासुः

भञ्ज्याः भञ्ज्यास्तम् भञ्ज्यास्त

भञ्ज्यासम् भञ्ज्यास्व भञ्ज्यास्म

इव० भञ्जयिता भञ्जयितारौ भञ्जयितारः

भञ्जयितासि भञ्जयितास्थः भञ्जयितास्य

भञ्जयितास्मि भञ्जयितास्वः भञ्जयितास्मः

भ० भञ्जयिष्यति भञ्जयिष्यतः भञ्जयिष्यन्ति

भञ्जयिष्यसि भञ्जयिष्यथः भञ्जयिष्यथ

भञ्जयिष्यामि भञ्जयिष्यावः भञ्जयिष्यामः

अभञ्जयिष्यत् अभञ्जयिष्यताम् अभञ्जयिष्यन्

अभञ्जयिष्यः अभञ्जयिष्यतम् अभञ्जयिष्यत

अभञ्जयिष्यम् अभञ्जयिष्याव अभञ्जयिष्याम

अन्यत्र भञ्जोप आमर्हन्ते भनक्ति

अथ टान्ताः पञ्च ॥

1779 पाटय (पाट) भासार्थः । 212

व० पाटयति पाटयतः पाटयन्ति
 पाटयसि पाटयथः पाटयथ
 पाटयामि पाटयावः पाटयामः

स० पाटयेत् पाटयेताम् पाटयेयुः
 पाटयेः पाटयेतम् पाटयेत
 पाटयेयम् पाटयेव पाटयेम

प० पाटयतु पाटयतात् पाटयताम् पाटयन्तु
 पाटय पाटयतम् पाटयत
 पाटयानि पाटयाव पाटयाम

झ० अपाटयत् अपाटयताम् अपाटयन्
 अपाटयः अपाटयतम् अपाटयत
 अपाटयम् अपाटयाव अपाटयाम

ञ० अपीपटत् अपीपटताम् अपीपटन्
 अपीपटः अपीपटतम् अपीपटत
 अपीपटम् अपीपटाव अपीपटाम

प० पाटयाञ्चकार पाटयाञ्चकतुः पाटयाञ्चकुः
 पाटयाञ्चकर्थं पाटयाञ्चकथुः पाटयाञ्चक
 पाटयाञ्चकार-कर पाटयाञ्चकृव पाटयाञ्चकृम
 पाटयाञ्चभूव । पाटयामास

आ० पाट्यात् पाट्यास्ताम् पाट्यासुः

पाट्याः पाट्यास्तम् पाट्यास्त

पाट्यासम् पाट्यास्व पाट्यास्म

इव० पाटयिता पाटयितारौ पाटयितारः

पाटयितासि पाटयितास्थः पाटयितास्य

पाटयितास्मि पाटयितास्वः पाटयितास्मः

भ० पाटयिष्यति पाटयिष्यतः पाटयिष्यन्ति

पाटयिष्यसि पाटयिष्यथः पाटयिष्यथ

पाटयिष्यामि पाटयिष्यावः पाटयिष्यामः

अपाटयिष्यत् अपाटयिष्यताम् अपाटयिष्यन्

अपाटयिष्यः अपाटयिष्यतम् अपाटयिष्यत

अपाटयिष्यम् अपाटयिष्याव अपाटयिष्याम

अन्यत्र पट गतौ पटति अदन्तः पटयति ॥

1780 पुटण् (पुट्) भासार्थः । 213 1781 लुटण् (लुट्) भासार्थः । 214

ब० पोटयति पोटयतः पोटयन्ति
पोटयसि पोटयथः पोटयथ
पोटयामि पोटयावः पोटयामः

स० पोटयेत् पोटयेताम् पोटयेयुः
पोटयेः पोटयेतम् पोटयेत
पोटयेयम् पोटयेव पोटयेम

प० पोटयतु पोटयतात् पोटयताम् पोटयन्तु
पोटय पोटयतम् पोटयत
पोटयानि पोटयाव पोटयाम

झ० अपोटयत् अपोटयताम् अपोटयन्
अपोटयः अपोटयतम् अपोटयत
अपोटयम् अपोटयाव अपोटयाम

अ० अपूपुटत् अपूपुटताम् अपूपुटन्
अपूपुटः अपूपुटतम् अपूपुटत
अपूपुटम् अपूपुटाव अपूपुटाम

प० पोटयाञ्चकार पोटयाञ्चक्रुः पोटयाञ्चक्रुः
पोटयाञ्चकथं पोटयाञ्चक्रुः पोटयाञ्चक्रुः
पोटयाञ्चकार-कर पोटयाञ्चकृव-याञ्चकृम
पोटयाञ्चभूव । पोटयामास

आ० पोट्यात् पोट्यास्ताम् पोट्यासुः
पोट्याः पोट्यास्तम् पोट्यास्त
पोट्यासम् पोट्यास्व पोट्यास्म

प्रब० पोटयिता पोटयितारौ पोटयितारः
पोटयितासि पोटयितास्थः पोटयितास्थ
पोटयितास्मि पोटयितास्वः पोटयितास्मः

भ० पोटयिष्यति पोटयिष्यतः पोटयिष्यन्ति
पोटयिष्यसि पोटयिष्यथः पोटयिष्यथ
पोटयिष्यामि पोटयिष्यावः पोटयिष्यामः

क्रि० अपोटयिष्यत् अपोटयिष्यताम् अपोटयिष्यन्
अपोटयिष्यः अपोटयिष्यतम् अपोटयिष्यत
अपोटयिष्यम् अपोटयिष्याव अपोटयिष्याम
अन्यत्र पुटत् संश्लेषणे पुटति

ब० लोटयति लोटयतः लोटयन्ति
लोटयसि लोटयथः लोटयथ
लोटयामि लोटयावः लोटयामः

स० लोटयेत् लोटयेताम् लोटयेयुः
लोटेः लोटयेतम् लोटयेत
लोटेयम् लोटयेव लोटयेम

प० लोटयतु लोटयतात् लोटयताम् लोटयन्तु
लोटेय लोटयतम् लोटयत
लोटेयानि लोटयाव लोटयाम

झ० अलोटेयत् अलोटेयताम् अलोटेयन्तु
अलोटेयः अलोटेयतम् अलोटेयत
अलोटेयम् अलोटेयाव अलोटेयाम

अ० अल्लुटत् अल्लुटताम् अल्लुटन्
अल्लुटः अल्लुटतम् अल्लुटत
अल्लुटम् अल्लुटाव अल्लुटाम

प लोटयाञ्चकार लोटयाञ्चक्रुः लोटयाञ्चक्रुः
लोटेयाञ्चकथं लोटयाञ्चक्रुः लोटयाञ्चक्रुः
लोटेयाञ्चकार-कर लोटयाञ्चकृव-याञ्चकृम
लोटेयाञ्चभूव । लोटयामास

आ० लोट्यात् लोट्यास्ताम् लोट्यासुः
लोटेयाः लोट्यास्तम् लोट्यास्त
लोटेयासम् लोट्यास्व लोट्यास्म

प्रब० लोटयिता लोटयितारौ लोटयितारः
लोटेयितासि लोटयितास्थः लोटयितास्थ
लोटेयितास्मि लोटयितास्वः लोटयितास्मः

भ० लोटयिष्यति लोटयिष्यतः लोटयिष्यन्ति
लोटेयिष्यसि लोटयिष्यथः लोटयिष्यथ
लोटेयिष्यामि लोटयिष्यावः लोटयिष्यामः

क्रि० अलोटेयिष्यत् अलोटेयिष्यताम् लोटयन्
अलोटेयिष्यः अलोटेयिष्यतम् अलोटेयिष्यत
अलोटेयिष्यम् अलोटेयिष्याव अलोटेयिष्याम
अन्यत्र लुटि प्रतीधते लोटने
लुटच् विज्ञेयते लुटयति ।

1782 घटण् (घट्) भासार्थः । 215

व० घाटयति घाटयतः घाटयन्ति
घाटयसि घाटयथः घाटयथ
घाटयामि घाटयावः घाटयामः

स० घाटयेत् घाटयेताम् घाटयेयुः
घाटयेः घाटयेतम् घाटयेत
घाटयेयम् घाटयेव घाटयेम

प० घाटयतु घाटयतात् घाटयताम् घाटयन्तु
घाटय , घाटयतम् घाटयत
घाटयानि घाटयाव घाटयाम

झ० अघाटयत् अघाटयताम् अघाटयन्
अघाटयः अघाटयतम् अघाटयत
अघाटयम् अघाटयाव अघाटयाम

झ० अजीघटत् अजीघटताम् अजीघटन्
अजीघटः अजीघटतम् अजीघटत
अजीघटम् अजीघटाव अजीघटाम

प० घाटयाञ्चकार घाटयाञ्चक्रुः घाटयाञ्चक्रुः
घाटयाञ्चकथुः घाटयाञ्चकथुः घाटयाञ्चक
घाटयाञ्चकार-कर घाटयाञ्चकृव-याञ्चकृम
घाटयाम्बभूव । घाटयामास

० घाट्यात् घाट्यास्ताम् घाट्यासुः
घाट्याः घाट्यास्तम् घाट्यास्त
घाट्यासम् घाट्यास्व घाट्यास्म

प्रव० घाटयिता घाटयितारौ घाटयितारः
घाटयितासि घाटयितास्थः घाटयितास्थ
घाटयितास्मि घाटयितास्वः घाटयितास्मः

भ० घाटयिष्यति घाटयिष्यतः घाटयिष्यन्ति
घाटयिष्यसि घाटयिष्यथः घाटयिष्यथ
घाटयिष्यामि घाटयिष्यावः घाटयिष्यामः

अघाटयिष्यत् अघाटयिष्यताम् अघाटयिष्यन्
अघाटयिष्यः अघाटयिष्यतम् अघाटयिष्यत
अघाटयिष्यम् अघाटयिष्याव अघाटयिष्याम

अन्यत्र घटिष् चेष्टायां घटते ।

1783 घट्टण् (घण्ट्) भासार्थः 216

व० घण्टयति घण्टयतः घण्टयन्ति
घण्टयसि घण्टयथः घण्टयथ
घण्टयामि घण्टयावः घण्टयामः

स० घण्टयेत् घण्टयेताम् घण्टयेयुः
घण्टयेः घण्टयेतम् घण्टयेत
घण्टयेयम् घण्टयेव घण्टयेम

प० घण्टयतु घण्टयतात् घण्टयताम् घण्टयन्तु
घण्टय , घण्टयतम् घण्टयत
घण्टयानि घण्टयाव घण्टयाम

झ० अघण्टयत् अघण्टयताम् अघण्टयन्
अघण्टयः अघण्टयतम् अघण्टयत
अघण्टयम् अघण्टयाव अघण्टयाम

अ० अजघण्टत् अजघण्टताम् अजघण्टन्
अजघण्टः अजघण्टतम् अजघण्टत
अजघण्टम् अजघण्टाव अजघण्टाम

प० घण्टयाञ्चकार घण्टयाञ्चक्रुः घाञ्चक्रुः
घण्टयाञ्चकथुः घण्टयाञ्चकथुः घण्टयाञ्चक
घण्टयाञ्चकार-कर घण्टयाञ्चकृव-याञ्चकृम
घण्टयाम्बभूव । घण्टयामास

आ० घण्ट्यात् घण्ट्यास्ताम् घण्ट्यासुः
घण्ट्याः घण्ट्यास्तम् घण्ट्यास्त
घण्ट्यासम् घण्ट्यास्व घण्ट्यास्म

प्रव० घण्टयिता घण्टयितारौ घण्टयितारः
घण्टयितासि घण्टयितास्थः घण्टयितास्थ
घण्टयितास्मि घण्टयितास्वः घण्टयितास्मः

भ० घण्टयिष्यति घण्टयिष्यतः घण्टयिष्यन्ति
घण्टयिष्यसि घण्टयिष्यथः घण्टयिष्यथ
घण्टयिष्यामि घण्टयिष्यावः घण्टयिष्यामः

अघण्टयिष्यत् अघण्टयिष्यताम् अघण्टयिष्यन्
अघण्टयिष्यः अघण्टयिष्यतम् अघण्टयिष्यत
अघण्टयिष्यम् अघण्टयिष्याव अघण्टयिष्याम

अन्यत्र घण्टति

॥ अथ तान्तः ॥

1784 वृत्तण् (वृत्) भासार्थः । 217

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------------|----------------|
| व० | वर्तयति | वर्तयतः | वर्तयन्ति |
| | वर्तयसि | वर्तयथः | वर्तयथ |
| | वर्तयामि | वर्तयावः | वर्तयामः |
| स० | वर्तयेत् | वर्तयेताम् | वर्तयेयुः |
| | वर्तयेः | वर्तयेतम् | वर्तयेत |
| | वर्तयेयम् | वर्तयेव | वर्तयेम |
| प० | वर्तयतु | वर्तयतात् | वर्तयताम् |
| | वर्तय | वर्तयतम् | वर्तयत |
| | वर्तयानि | वर्तयाव | वर्तयाम |
| झ० | अवर्तयत् | अवर्तयताम् | अवर्तयन् |
| | अवर्तयः | अवर्तयतम् | अवर्तयत |
| | अवर्तयम् | अवर्तयाव | अवर्तयाम |
| अ० | अवीवृत्तत् | अवीवृत्तताम् | अवीवृत्तन् |
| | अवीवृत्तः | अवीवृत्तम् | अवीवृत्तत |
| | अवीवृत्तम् | अवीवृत्ताव | अवीवृत्ताम |
| | अववर्तत् | अववर्तताम् | अववर्तन् इ० |
| प० | वर्तयाञ्चकार | वर्तयाञ्चक्रतुः | वर्तयाञ्चक्रुः |
| | वर्तयाञ्चकथं | वर्तयाञ्चकथुः | वर्तयाञ्चक |
| | वर्तयाञ्चकार-कर | वर्तयाञ्चकृव-याञ्चकृम | |
| | वर्तयाम्बभूव | वर्तयामास | |
| आ० | वर्त्यात् | वर्त्यास्ताम् | वर्त्यासुः |
| | वर्त्याः | वर्त्यास्तम् | वर्त्यास्त |
| | वर्त्यासम् | वर्त्यास्व | वर्त्यास्म |
| *व० | वर्तयिता | वर्तयितारौ | वर्तयितारः |
| | वर्तयितासि | वर्तयितास्थः | वर्तयितास्थ |
| | वर्तयितास्मि | वर्तयितास्वः | वर्तयितास्मः |
| भ० | वर्तयिष्यति | वर्तयिष्यतः | वर्तयिष्यन्ति |
| | वर्तयिष्यसि | वर्तयिष्यथः | वर्तयिष्यथ |
| | वर्तयिष्यामि | वर्तयिष्यावः | वर्तयिष्यामः |
| क्रि० | अवर्तयिष्यत् | अवर्तयिष्यताम् | अवर्तयिष्यन् |
| | अवर्तयिष्यः | अवर्तयिष्यतम् | अवर्तयिष्यत |
| | अवर्तयिष्यम् | अवर्तयिष्याव | अवर्तयिष्याम |
| | अन्यत्र वृत्तः | वर्तने । | वर्तते |

॥ अथ थान्तः ॥

1785 पुथुण् (पुथ्) भासार्थः । 218

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------------|----------------|
| व० | पोथयति | पोथयतः | पोथयन्ति |
| | पोथयसि | पोथयथः | पोथयथ |
| | पोथयामि | पोथयावः | पोथयामः |
| स० | पोथयेत् | पोथयेताम् | पोथयेयुः |
| | पोथयेः | पोथयेतम् | पोथयेत |
| | पोथयेयम् | पोथयेव | पोथयेम |
| प० | पोथयतु | पोथयतात् | पोथयताम् |
| | पोथय | पोथयतम् | पोथयत |
| | पोथयानि | पोथयाव | पोथयाम |
| झ० | अपोथयत् | अपोथयताम् | अपोथयन् |
| | अपोथयः | अपोथयतम् | अपोथयत |
| | अपोथयम् | अपोथयाव | अपोथयाम |
| अ० | अपूपुथात् | अपूपुथाताम् | अपूपुथान् |
| | अपूपुथाः | अपूपुथतम् | अपूपुथत |
| | अपूपुथाम् | अपूपुथाव | अपूपुथाम |
| प० | पोथायाञ्चकार | पोथायाञ्चक्रतुः | पोथायाञ्चक्रुः |
| | पोथायाञ्चकथं | पोथायाञ्चकथुः | पोथायाञ्चक |
| | पोथायाञ्चकार-कर | पोथायाञ्चकृव-याञ्चकृम | |
| | पोथायाम्बभूव | पोथायामास | |
| आ० | पोथ्यात् | पोथ्यास्ताम् | पोथ्यासुः |
| | पोथ्याः | पोथ्यास्तम् | पोथ्यास्त |
| | पोथ्यासम् | पोथ्यास्व | पोथ्यास्म |
| *व० | पोथयिता | पोथयितारौ | पोथयितारः |
| | पोथयितासि | पोथयितास्थः | पोथयितास्थ |
| | पोथयितास्मि | पोथयितास्वः | पोथयितास्मः |
| भ० | पोथयिष्यति | पोथयिष्यतः | पोथयिष्यन्ति |
| | पोथयिष्यसि | पोथयिष्यथः | पोथयिष्यथ |
| | पोथयिष्यामि | पोथयिष्यावः | पोथयिष्यामः |
| क्रि० | अपोथयिष्यत् | अपोथयिष्यताम् | अपोथयिष्यन् |
| | अपोथयिष्यः | अपोथयिष्यतम् | अपोथयिष्यत |
| | अपोथयिष्यम् | अपोथयिष्याव | अपोथयिष्याम |
| | अन्यत्र पुथुः | हिंसायां । | पुथति |

॥ अथ दान्तः ॥

6178 नदण् (नद्) भासार्थः । 219

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० नादयति | नादयतः | नादयन्ति |
| नादयसि | नादयथः | नादयथ |
| नादयामि | नादयावः | नादयामः |
| स० नादयेत् | नादयेताम् | नादयेयुः |
| नादयेः | नादयेतम् | नादयेत |
| नादयेयम् | नादयेव | नादयेम |

प० नादयतु नादयतात् नादयताम् नादयन्तु
नादय " नादयतम् नादयत
नादयानि नादयाव नादयाम

झ० अनादयत् अनादयताम् अनादयन्
अनादयः अनादयतम् अनादयत
अनादयम् अनादयाव अनादयाम

ञ० अनीनदत् अनीनदताम् अनीनदन्
अनीनदः अनीनदतम् अनीनदत
अनीनदम् अनीनदाव अनीनदाम

प० नादयाञ्चकार नादयाञ्चक्रतुः नादयाञ्चक्रः
नादयाञ्चकर्थ नादयाञ्चकथुः नादयाञ्चक
नादयाञ्चकार-कर नादयाञ्चकृष-याञ्चक्रम
नादयाम्बभूव । नादयामास

आ० नाद्यात् नाद्यास्ताम् नाद्यासुः
नाद्याः नाद्यास्तम् नाद्यास्त
नाद्यासम् नाद्यास्व नाद्यास्म

प्रव० नादयिता नादयितारौ नादयितारः
नादयितासि नादयितास्थः नादयितास्थ
नादयितास्मि नादयितास्वः नादयितास्मः

भ० नादयिष्यति नादयिष्यतः नादयिष्यन्ति
नादयिष्यसि नादयिष्यथः नादयिष्यथ
नादयिष्यामि नादयिष्यावः नादयिष्यामः

अनादयिष्यत अनादयिष्यताम् अनादयिष्यन्ति
अनादयिष्यः अनादयिष्यतम् अनादयिष्यत
अनादयिष्यम् अनादयिष्याव अनादयिष्याम

अन्यत्र नद अव्यक्ते शब्दे । नदति

॥ अथ धान्तः ॥

1787 वृधण् (वृध्) भासार्थः । 220

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० वर्धयति | वर्धयतः | वर्धयन्ति |
| वर्धयसि | वर्धयथः | वर्धयथ |
| वर्धयामि | वर्धयावः | वर्धयामः |
| स० वर्धयेत् | वर्धयेताम् | वर्धयेयुः |
| वर्धयेः | वर्धयेतम् | वर्धयेत |
| वर्धयेयम् | वर्धयेव | वर्धयेम |

प० वर्धयतु वर्धयतात् वर्धयताम् वर्धयन्तु
वर्धय " वर्धयतम् वर्धयत
वर्धयानि वर्धयाव वर्धयाम

झ० अवर्धयत् अवर्धयताम् अवर्धयन्
अवर्धयः अवर्धयतम् अवर्धयत
अवर्धयम् अवर्धयाव अवर्धयाम

ञ० अवीवृधत् अवीवृधताम् अवीवृधन्
अवीवृधः अवीवृधतम् अवीवृधत
अवीवृधम् अवीवृधाव अवीवृधाम

प० वर्धयाञ्चकार वर्धयाञ्चक्रतुः वर्धयाञ्चक्रः
वर्धयाञ्चकर्थ वर्धयाञ्चकथुः वर्धयाञ्चक
वर्धयाञ्चकार-कर वर्धयाञ्चकृष याञ्चक्रम
वर्धयाम्बभूव । वर्धयामास

आ० वर्ध्यात् वर्ध्यास्ताम् वर्ध्यासुः
वर्ध्याः वर्ध्यास्तम् वर्ध्यास्त
वर्ध्यासम् वर्ध्यास्व वर्ध्यास्म

प्रव० वर्धयिता वर्धयितारौ वर्धयितारः
वर्धयितासि वर्धयितास्थः वर्धयितास्थ
वर्धयितास्मि वर्धयितास्व वर्धयितास्मः

भ० वर्धयिष्यति वर्धयिष्यतः वर्धयिष्यन्ति
वर्धयिष्यसि वर्धयिष्यथः वर्धयिष्यथ
वर्धयिष्यामि वर्धयिष्याव वर्धयिष्यामः

अवर्धयिष्यत अवर्धयिष्यताम् अवर्धयिष्यन्ति
अवर्धयिष्यः अवर्धयिष्यतम् अवर्धयिष्यत
अवर्धयिष्यम् अवर्धयिष्याव अवर्धयिष्याम

अन्यत्र वृध् इ वृद्धौ । वर्धते

अवर्धयति अवर्धयताम् अवर्धयन्ति इत्यादि

॥ अथ पान्तास्त्रयः ॥

1788 गुपण् (गुप्) 221

ब० गोपयति गोपयतः गोपयन्ति
गोपयसि गोपयथः गोपयथ
गोपयामि गोपयावः गोपयामः
स० गोपयेत् गोपयेताम् गोपयेयुः
गोपयेः गोपयेतम् गोपयेत
गोपयेयम् गोपयेव गोपयेम
प० गोपयतु गोपयतात् गोपयताम् गोपयन्तु
गोपय गोपयतम् गोपयत
गोपयानि गोपयाव गोपयाम
झ० अगोपयत् अगोपयताम् अगोपयन्
अगोपयः अगोपयतम् अगोपयत
अगोपयम् अगोपयाव अगोपयाम
अ० अजुगुपत् अजुगुपताम् अजुगुपन्
अजुगुपः अजुगुपतम् अजुगुपत
अजुगुपम् अजुगुपाव अजुगुपाम
प० गोपयाञ्चकार गोपयाञ्चकतुः गोपयाञ्चकुः
गोपयाञ्चकथ गोपयाञ्चकथुः गोपयाञ्चक
गोपयाञ्चकार-कर गोपयाञ्चकृव गोपयाञ्चकृम
गोपयाञ्चकृव । गोपयाञ्चकृम
आ० गोप्यात् गोप्यास्ताम् गोप्यासुः
गोप्याः गोप्यास्तम् गोप्यास्त
गोप्यासम् गोप्यास्व गोप्यास्म
प्रच० गोपयिता गोपयितारौ गोपयितारः
गोपयितासि गोपयितास्थः गोपयितास्थ
गोपयितास्मि गोपयितास्वः गोपयितास्म
भ० गोपयिष्यति गोपयिष्यतः गोपयिष्यन्ति
गोपयिष्यसि गोपयिष्यथः गोपयिष्यथ
गोपयिष्यामि गोपयिष्यावः गोपयिष्यामः
अगोपयिष्यत् अगोपयिष्यताम् अगोपयिष्यन्
अगोपयिष्यः अगोपयिष्यतम् अगोपयिष्यत
अगोपयिष्यम् अगोपयिष्याव अगोपयिष्याम
अन्यत्र गुणौ रक्षणे । गोपायति

1789 धूपण् (धूप) भासार्थः 222

ब० धूपयति धूपयतः धूपयन्ति
धूपयसि धूपयथः धूपयथ
धूपयामि धूपयावः धूपयामः
स० धूपयेत् धूपयेताम् धूपयेयुः
धूपयेः धूपयेतम् धूपयेत
धूपयेयम् धूपयेव धूपयेम
प० धूपयतु धूपयतात् धूपयताम् धूपयन्तु
धूपय धूपयतम् धूपयत
धूपयानि धूपयाव धूपयाम
झ० अधूपयत् अधूपयताम् अधूपयन्
अधूपयः अधूपयतम् अधूपयत
अधूपयम् अधूपयाव अधूपयाम
अ० अदूधुपत् अदूधुपताम् अदूधुपन्
अदूधुपः अदूधुपतम् अदूधुपत
अदूधुपम् अदूधुपाव अदूधुपाम
प० धूपयाञ्चकार धूपयाञ्चकतुः धूपयाञ्चकुः
धूपयाञ्चकथ धूपयाञ्चकथुः धूपयाञ्चक
धूपयाञ्चकार-कर धूपयाञ्चकृव धूपयाञ्चकृम
धूपयाञ्चकृव । धूपयाञ्चकृम
आ० धूप्यात् धूप्यास्ताम् धूप्यासुः
धूप्याः धूप्यास्तम् धूप्यास्त
धूप्यासम् धूप्यास्व धूप्यास्म
प्रच० धूपयिता धूपयितारौ धूपयितारः
धूपयितासि धूपयितास्थः धूपयितास्थ
धूपयितास्मि धूपयितास्वः धूपयितास्म
भ० धूपयिष्यति धूपयिष्यतः धूपयिष्यन्ति
धूपयिष्यसि धूपयिष्यथः धूपयिष्यथ
धूपयिष्यामि धूपयिष्यावः धूपयिष्यामः
अधूपयिष्यत् अधूपयिष्यताम् अधूपयिष्यन्
अधूपयिष्यः अधूपयिष्यतम् अधूपयिष्यत
अधूपयिष्यम् अधूपयिष्याव अधूपयिष्याम
अन्यत्र धूप संताने धूपायति

1790 कूपण(कूप)भासार्थः 223

- ब० कोपयति कोपयतः कोपयन्ति
कोपयसि कोपयथः कोपयथ
कोपयामि कोपयावः कोपयामः
- स० कोपयेत् कोपयेताम् कोपयेयुः
कोपयेः कोपयेतम् कोपयेत
कोपयेयम् कोपयेव कोपयेम
- प० कोपयतु कोपयतात् कोपयताम् कोपयन्तु
कोपय , कोपयतम् कोपयत
कोपयानि कोपयाव कोपयाम
- ब० अकोपयत् अकोपयताम् अकोपयन्
अकोपयः अकोपयतम् अकोपयत
अकोपयम् अकोपयाव अकोपयाम
- अ० अचूकपत् अचूकपताम् अचूकपन्
अचूकपः अचूकपतम् अचूकपत
अचूकपम् अचूकपाव अचूकपाम
- प० कोपयाञ्चकार कोपयाञ्चक्रुः कोपयाञ्चक्रुः
कोपयाञ्चक्य कोपयाञ्चक्रुः कोपयाञ्चक्रुः
कोपयाञ्चकार-कर कोपयाञ्चक्रु-कोपयाञ्चक्रु
कोपयाञ्चक्रु-कोपयाञ्चक्रु-कोपयाञ्चक्रु
- आ० कोपयात् कोपयास्ताम् कोपयासुः
कोपयाः कोपयास्तम् कोपयास्त
कोपयासम् कोपयास्व कोपयास्म
- प्रब० कोपयिता कोपयितारौ कोपयितारः
कोपयितासि कोपयितास्थः कोपयितास्थ
कोपयितास्मि कोपयितास्वः कोपयितास्मः
- भ० कोपयिष्यति कोपयिष्यतः कोपयिष्यन्ति
कोपयिष्यसि कोपयिष्यथः कोपयिष्यथ
कोपयिष्यामि कोपयिष्यावः कोपयिष्यामः
अकोपयिष्यत् अकोपयिष्यताम् अकोपयिष्यन्
अकोपयिष्यः अकोपयिष्यतम् अकोपयिष्यत
अकोपयिष्यम् अकोपयिष्याव अकोपयिष्याम
अन्यत्र कूपश्च कोपे कुपयति

॥ अथ वान्तः ॥

1791 चीवण् (चीव्) भासार्थः 224

- ब० चीवयति चीवयतः चीवयन्ति
चीवयसि चीवयथः चीवयथ
चीवयामि चीवयावः चीवयामः
- स० चीवयेत् चीवयेताम् चीवयेयुः
चीवयेः चीवयेतम् चीवयेत
चीवयेयम् चीवयेव चीवयेम
- प० चीवयतु चीवयतात् चीवयताम् चीवयन्तु
चीवय , चीवयतम् चीवयत
चीवयानि चीवयाव चीवयाम
- ब० अचीवयत् अचीवयताम् अचीवयन्
अचीवयः अचीवयतम् अचीवयत
अचीवयम् अचीवयाव अचीवयाम
- अ० अचीचिवत् अचीचिवताम् अचीचिवन्
अचीचिवः अचीचिवतम् अचीचिवन्
अचीचिवम् अचीचिवाव अचीचिवाम
- प० चीवयाञ्चकार चीवयाञ्चक्रुः चीवयाञ्चक्रुः
चीवयाञ्चक्य चीवयाञ्चक्रुः चीवयाञ्चक्रुः
चीवयाञ्चकार-कर चीवयाञ्चक्रु-चीवयाञ्चक्रु
चीवयाञ्चक्रु-चीवयाञ्चक्रु-चीवयाञ्चक्रु
- आ० चीव्यात् चीव्यास्ताम् चीव्यासुः
चीव्याः चीव्यास्तम् चीव्यास्त
चीव्यासम् चीव्यास्व चीव्यास्म
- प्रब० चीवयिता चीवयितारौ चीवयितारः
चीवयितासि चीवयितास्थः चीवयितास्थ
चीवयितास्मि चीवयितास्वः चीवयितास्मः
- भ० चीवयिष्यति चीवयिष्यतः चीवयिष्यन्ति
चीवयिष्यसि चीवयिष्यथः चीवयिष्यथ
चीवयिष्यामि चीवयिष्यावः चीवयिष्यामः
अचीवयिष्यत् अचीवयिष्यताम् अचीवयिष्यन्
अचीवयिष्यः अचीवयिष्यतम् अचीवयिष्यत
अचीवयिष्यम् अचीवयिष्याव अचीवयिष्याम
अन्यत्र चीवृग् इषीवत् । चीवते चीवति ।

1792 दृशुण् (दृश्) भासार्थः 225

व० दृशयति दृशयतः दृशयन्ति
 दृशयसि दृशयथः दृशयथ
 दृशयामि दृशयावः दृशयामः
 स० दृशयेत् दृशयेताम् दृशयेयुः
 दृशयेः दृशयेतम् दृशयेत
 दृशयेयम् दृशयेव दृशयेम
 प० दृशयतु दृशयतात् दृशयताम् दृशयन्तु
 दृशय , दृशयतम् दृशयत
 दृशयानि दृशयाव दृशयाम
 झ० अदृशयत् अदृशयताम् अदृशयन्
 अदृशयः अदृशयतम् अदृशयत
 अदृशयम् अदृशयाव अदृशयाम
 अ० अददृशत् अददृशताम् अददृशन्
 अददृशः अददृशतम् अददृशत
 अददृशम् अददृशाव अददृशाम
 प० दृशयाञ्चकार दृशयाञ्चकतुः दृशयाञ्चकुः
 दृशयाञ्चकथं दृशयाञ्चकथुः दृशयाञ्चक
 दृशयाञ्चकार-कर दृशयाञ्चकृव दृशयाञ्चकृम
 दृशयाम्बभूव । दृशयामास
 आ० दृश्यात् दृश्यास्ताम् दृश्यासुः
 दृश्याः दृश्यास्तम् दृश्यास्त
 दृश्यासम् दृश्यास्व दृश्यास्म
 प्रव० दृशयिता दृशयितारौ दृशयितारः
 दृशयितासि दृशयितास्थः दृशयितास्थ
 दृशयितास्मि दृशयितास्वः दृशयितास्मः
 भ० दृशयिष्यति दृशयिष्यतः दृशयिष्यन्ति
 दृशयिष्यसि दृशयिष्यथः दृशयिष्यथ
 दृशयिष्यामि दृशयिष्यावः दृशयिष्यामः
 अदृशयिष्यत् अदृशयिष्यताम् अदृशयिष्यन्
 अदृशयिष्यः अदृशयिष्यतम् अदृशयिष्यत
 अदृशयिष्यम् अदृशयिष्याव अदृशयिष्याम
 अन्यत्र दृश् दृशने दृशति

1793 कुशण् (कुंश्) भासार्थः 226

व० कुशयति कुशयतः कुशयन्ति
 कुशयसि कुशयथः कुशयथ
 कुशयामि कुशयावः कुशयामः
 स० कुशयेत् कुशयेताम् कुशयेयुः
 कुशयेः कुशयेतम् कुशयेत
 कुशयेयम् कुशयेव कुशयेम
 प० कुशयतु कुशयतात् कुशयताम् कुशयन्तु
 कुशय , कुशयतम् कुशयत
 कुशयानि कुशयाव कुशयाम
 झ० अकुशयत् अकुशयताम् अकुशयन्
 अकुशयः अकुशयतम् अकुशयत
 अकुशयम् अकुशयाव अकुशयाम
 अ० अचुकुशत् अचुकुशताम् अचुकुशन्
 अचुकुशः अचुकुशतम् अचुकुशत
 अचुकुशम् अचुकुशाव अचुकुशाम
 प० कुशयाञ्चकार कुशयाञ्चकतुः कुशयाञ्चकुः
 कुशयाञ्चकथं कुशयाञ्चकथुः कुशयाञ्चक
 कुशयाञ्चकार-कर कुशयाञ्चकृव कुशयाञ्चकृम
 कुशयाम्बभूव । कुशयामास
 आ० कुश्यात् कुश्यास्ताम् कुश्यासुः
 कुश्याः कुश्यास्तम् कुश्यास्त
 कुश्यासम् कुश्यास्व कुश्यास्म
 प्रव० कुशयिता कुशयितारौ कुशयितारः
 कुशयितासि कुशयितास्थः कुशयितास्थ
 कुशयितास्मि कुशयितास्वः कुशयितास्मः
 भ० कुशयिष्यति कुशयिष्यतः कुशयिष्यन्ति
 कुशयिष्यसि कुशयिष्यथः कुशयिष्यथ
 कुशयिष्यामि कुशयिष्यावः कुशयिष्यामः
 अकुशयिष्यत् अकुशयिष्यताम् अकुशयिष्यन्
 अकुशयिष्यः अकुशयिष्यतम् अकुशयिष्यत
 अकुशयिष्यम् अकुशयिष्याव अकुशयिष्याम
 अन्यत्र कुंश्ति

॥ अथ सान्ताश्चचार उदितश्च ।

1794 व्रसुण् (व्रंस) भासार्थः 227

व० व्रंसयति व्रंसयतः व्रंसयन्ति
 व्रंसयसि व्रंसयथः व्रंसयथ
 व्रंसयामि व्रंसयावः व्रंसयामः

स० व्रंसयेत् व्रंसयेताम् व्रंसयेयुः
 व्रंसयेः व्रंसयेतम् व्रंसयेत
 व्रंसयेयम् व्रंसयेव व्रंसयेम

प० व्रंसयतु, व्रंसयतात् व्रंसयताम् व्रंसयन्तु
 व्रंसय, व्रंसयतम् व्रंसयत
 व्रंसयानि व्रंसयाव व्रंसयाम

झ० अव्रंसयत् अव्रंसयताम् अव्रंसयन्
 अव्रंसयः अव्रंसयतम् अव्रंसयत
 अव्रंसयम् अव्रंसयाव अव्रंसयाम

अ० अतव्रंसत् अतव्रंसताम् अतव्रंसन्
 अतव्रंसः अतव्रंसतम् अतव्रंसत
 अतव्रंसम् अतव्रंसाव अतव्रंसाव

प० व्रंसयाञ्चकार व्रंसयाञ्चकतुः व्रंसयाञ्चकु
 व्रंसयाञ्चकर्थ व्रंसयाञ्चकथुः व्रंसयाञ्चक
 व्रंसयाञ्चकार करव्रंसयाञ्चकृव व्रंसयाञ्चकृम

व्रंसयाम्बभूव । व्रंसयामास

आ० व्रंस्यात् व्रंस्यास्ताम् व्रंस्यासुः
 व्रंस्याः व्रंस्यास्तम् व्रंस्यास्त
 व्रंस्यासम् व्रंस्यास्व व्रंस्यास्म

प्रव० व्रंसयिता व्रंसयितारौ व्रंसयितारः
 व्रंसयितासि व्रंसयितास्थः व्रंसयितास्थ
 व्रंसयितास्मि व्रंसयितास्वः व्रंसयितास्मः

भ० व्रंसयिष्यति व्रंसयिष्यतः व्रंसयिष्यन्ति
 व्रंसयिष्यसि व्रंसयिष्यथः व्रंसयिष्यथ
 व्रंसयिष्यामि व्रंसयिष्यावः व्रंसयिष्यामः

अव्रंसयिष्यत् अव्रंसयिष्यताम् अव्रंसयिष्यन्
 अव्रंसयिष्यः अव्रंसयिष्यतम् अव्रंसयिष्यत
 अव्रंसयिष्यम् अव्रंसयिष्याव अव्रंसयिष्याम
 अन्यत्र व्रंसति ।

1795 पिसुण् (पिंस) भासार्थः 228

व० पिसयति पिसयतः पिसयन्ति
 पिसयसि पिसयथः पिसयथ
 पिसयामि पिसयावः पिसयामः

स० पिसयेत् पिसयेताम् पिसयेयुः
 पिसयेः पिसयेतम् पिसयेत
 पिसयेयम् पिसयेव पिसयेम

प० पिसयतु पिसयतात् पिसयताम् पिसयन्तु
 पिसय, पिसयतम् पिसयत
 पिसयानि पिसयाव पिसयाम

झ० अपिसयत् अपिसयताम् अपिसयन्
 अपिसयः अपिसयतम् अपिसयत
 अपिसयम् अपिसयाव अपिसयाम

अ० अपिपिसत् अपिपिसताम् अपिपिसन्
 अपिपिसः अपिपिसतम् अपिपिसत
 अपिपिसम् अपिपिसाव अपिपिसाम

प० पिसयाञ्चकार पिसयाञ्चकतुः पिसयाञ्चकुः
 पिसयाञ्चकर्थ पिसयाञ्चकथुः पिसयाञ्चक
 पिसयाञ्चकार-करपिसयाञ्चकृव पिसयाञ्चकृम

पिसयाम्बभूव । पिसयामास

आ० पिंस्यात् पिंस्यास्ताम् पिंस्यासुः
 पिंस्याः पिंस्यास्तम् पिंस्यास्त
 पिंस्यासम् पिंस्यास्व पिंस्यास्म

प्रव० पिंसयिता पिंसयितारौ पिंसयितारः
 पिंसयितासि पिंसयितास्थः पिंसयितास्थ
 पिंसयितास्मि पिंसयितास्वः पिंसयितास्मः

भ० पिंसयिष्यति पिंसयिष्यतः पिंसयिष्यन्ति
 पिंसयिष्यसि पिंसयिष्यथः पिंसयिष्यथ
 पिंसयिष्यामि पिंसयिष्यावः पिंसयिष्यामः

अपिंसयिष्यत् अपिंसयिष्यताम् अपिंसयिष्यन्
 अपिंसयिष्यः अपिंसयिष्यतम् अपिंसयिष्यत
 अपिंसयिष्यम् अपिंसयिष्याव अपिंसयिष्याम

अन्यत्र पिंसति

1796 कुसुण कुंस् भासार्थः । 229 1797 दसुण (दंस्) भासार्थः । 230

व० कुंसयति कुंसयतः कुंसयन्ति
कुंसयसि कुंसयथः कुंसयथ
कुंसयामि कुंसयावः कुंसयामः

स० कुंसयेत् कुंसयेताम् कुंसयेयुः
कुंसयेः कुंसयेतम् कुंसयेत
कुंसयेयम् कुंसयेव कुंसयेम

प० कुंसयतु, कुंसयतात् कुंसयताम् कुंसयन्तु
कुंसय , कुंसयतम् कुंसयत
कुंसयानि कुंसयाव कुंसयाम

ह्य० अकुंसयत् अकुंसयताम् अकुंसयन्
अकुंसयः अकुंसयतम् अकुंसयत
अकुंसयम् अकुंसयाव अकुंसयाम

अ० अचुकुंसत् अचुकुंसताम् अचुकुंसन्
अचुकुंसः अचुकुंसतम् अचुकुंसत
अचुकुंसम् अचुकुंसाव अचुकुंसाम

प० कुंसयाञ्चकार कुंसयाञ्चक्रतुः कुंसयाञ्चक्रुः
कुंसयाञ्चकथं कुंसयाञ्चकथुः कुंसयाञ्चक्र
कुंसयाञ्चकार-कर कुंसयाञ्चकृष कुंसयाञ्चकृम
कुंसयाम्बभूव । कुंसयामास

आ० कुंस्यात् कुंस्यास्ताम् कुंस्यासुः
कुंस्याः कुंस्यास्तम् कुंस्यास्त
कुंस्यासम् कुंस्याव कुंस्यास्म

प्रथ० कुंसयिता कुंसयितारौ कुंसयितारः
कुंसयितासि कुंसयितास्थः कुंसयितास्थ
कुंसयितास्मि कुंसयितास्वः कुंसयितास्मः

भ० कुंसयिष्यति कुंसयिष्यतः कुंसयिष्यन्ति
कुंसयिष्यसि कुंसयिष्यथः कुंसयिष्यथ
कुंसयिष्यामि कुंसयिष्यावः कुंसयिष्यामः

अकुंसयिष्यत् अकुंसयिष्यताम् अकुंसयिष्यन्
अकुंसयिष्यः अकुंसयिष्यतम् अकुंसयिष्यत
अकुंसयिष्यम् अकुंसयिष्याव अकुंसयिष्याम

अन्यत्र कुंसति

व० दंसयति दंसयतः दंसयन्ति
दंसयसि दंसयथः दंसयथ
दंसयामि दंसयावः दंसयामः

स० दंसयेत् दंसयेताम् दंसयेयुः
दंसयेः दंसयेतम् दंसयेत
दंसयेयम् दंसयेव दंसयेम

प० दंसयतु, दंसयतात् दंसयताम् दंसयन्तु
दंसय , दंसयतम् दंसयत
दंसयानि दंसयाव दंसयाम

ह्य० अदंसयत् अदंसयताम् अदंसयन्
अदंसयः अदंसयतम् अदंसयत
अदंसयम् अदंसयाव अदंसयाम

अ० अददंसत् अददंसताम् अददंसन्
अददंसः अददंसतम् अददंसत
अददंसम् अददंसाव अददंसाम

प० दंसयाञ्चकार दंसयाञ्चक्रतुः दंसयाञ्चक्रुः
दंसयाञ्चकथं दंसयाञ्चकथुः दंसयाञ्चक्र
दंसयाञ्चकार-कर दंसयाञ्चकृष दंसयाञ्चकृम
दंसयाम्बभूव । दंसयामास

आ० दंस्यात् दंस्यास्ताम् दंस्यासुः
दंस्याः दंस्यास्तम् दंस्यास्त
दंस्यासम् दंस्याव दंस्यास्म

प्रथ० दंसयिता दंसयितारौ दंसयितारः
दंसयितासि दंसयितास्थः दंसयितास्थ
दंसयितास्मि दंसयितास्वः दंसयितास्मः

भ० दंसयिष्यति दंसयिष्यतः दंसयिष्यन्ति
दंसयिष्यसि दंसयिष्यथः दंसयिष्यथ
दंसयिष्यामि दंसयिष्यावः दंसयिष्यामः

अदंसयिष्यत् अदंसयिष्यताम् अदंसयिष्यन्
अदंसयिष्यः अदंसयिष्यतम् अदंसयिष्यत
अदंसयिष्यम् अदंसयिष्याव अदंसयिष्याम

अन्यत्र दंसति

अथ हान्ताः षट्, वर्हवल्हौ सुवतौदितम् 1799 वृहण् (वृह्) भासार्थः । 232

1798 वर्हण् (वर्ह्) भासार्थः । 231

व० वर्हयति वर्हयतः वर्हयन्ति
वर्हयसि वर्हयथः वर्हयथ
वर्हयामि वर्हयावः वर्हयामः

स० वर्हयेत् वर्हयेताम् वर्हयेयुः
वर्हयेः वर्हयेतम् वर्हयेत
वर्हयेयम् वर्हयेव वर्हयेम

प० वर्हयतु वर्हयतात् वर्हयताम् वर्हयन्तु
वर्हयः वर्हयतम् वर्हयत
वर्हयाणि वर्हयाव वर्हयाम

झ० अवर्हयत् अवर्हयताम् अवर्हयन्
अवर्हयः अवर्हयतम् अवर्हयत
अवर्हयम् अवर्हयाव अवर्हयाम

अ० अववर्हत् अववर्हताम् अववर्हन्
अववर्हः अववर्हतम् अववर्हत
अववर्हम् अववर्हाव अववर्हाम

प० वर्हयाञ्चकार वर्हयाञ्चक्रतुः वर्हयाञ्चक्रः
वर्हयाञ्चक्य वर्हयाञ्चक्रथुः वर्हयाञ्चक्र
वर्हयाञ्चकार-कर वर्हयाञ्चक्रव-याञ्चक्रम
वर्हयाम्बभूव । वर्हयामास

आ० वर्ह्यात् वर्ह्यास्ताम् वर्ह्यासुः
वर्ह्याः वर्ह्यास्तम् वर्ह्यास्त
वर्ह्यासम् वर्ह्यास्व वर्ह्यास्म

प्र० वर्हयिता वर्हयितारौ वर्हयितारः
वर्हयितासि वर्हयितास्थः वर्हयितास्थ
वर्हयितास्मि वर्हयितास्वः वर्हयितास्मः

भ० वर्हयिष्यति वर्हयिष्यतः वर्हयिष्यन्ति
वर्हयिष्यसि वर्हयिष्यथः वर्हयिष्यथ
वर्हयिष्यामि वर्हयिष्यावः वर्हयिष्यामः

क्रि० अवर्हयिष्यत् अवर्हयिष्यताम् अवर्हयिष्यन्
अवर्हयिष्यः अवर्हयिष्यतम् अवर्हयिष्यत
अवर्हयिष्यम् अवर्हयिष्याव अवर्हयिष्याम
अन्यत्र वर्हि प्राधान्ये । वर्हति

व० वृंहयति वृंहयतः वृंहयन्ति
वृंहयसि वृंहयथः वृंहयथ
वृंहयामि वृंहयावः वृंहयामः

स० वृंहयेत् वृंहयेताम् वृंहयेयुः
वृंहयेः वृंहयेतम् वृंहयेत
वृंहयेयम् वृंहयेव वृंहयेम

प० वृंहयतु वृंहयतात् वृंहयताम् वृंहयन्तु
वृंहयः वृंहयतम् वृंहयत
वृंहयाणि वृंहयाव वृंहयाम

झ० अवृंहयत् अवृंहयताम् अवृंहयन्
अवृंहयः अवृंहयतम् अवृंहयत
अवृंहयम् अवृंहयाव अवृंहयाम

अ० अववृंहत् अववृंहताम् अववृंहन्
अववृंहः अववृंहतम् अववृंहत
अववृंहम् अववृंहाव अववृंहाम

प० वृंहयाञ्चकार वृंहयाञ्चक्रतुः वृंहयाञ्चक्रः
वृंहयाञ्चक्य वृंहयाञ्चक्रथुः वृंहयाञ्चक्र
वृंहयाञ्चकार-कर वृंहयाञ्चक्रव-याञ्चक्रम
वृंहयाम्बभूव । वृंहयामास

आ० वृंह्यात् वृंह्यास्ताम् वृंह्यासुः
वृंह्याः वृंह्यास्तम् वृंह्यास्त
वृंह्यासम् वृंह्यास्व वृंह्यास्म

प्र० वृंहयिता वृंहयितारौ वृंहयितारः
वृंहयितासि वृंहयितास्थः वृंहयितास्थ
वृंहयितास्मि वृंहयितास्वः वृंहयितास्मः

भ० वृंहयिष्यति वृंहयिष्यतः वृंहयिष्यन्ति
वृंहयिष्यसि वृंहयिष्यथः वृंहयिष्यथ
वृंहयिष्यामि वृंहयिष्यावः वृंहयिष्यामः

क्रि० अवृंहयिष्यत् अवृंहयिष्यताम् अवृंहयिष्यन्
अवृंहयिष्यः अवृंहयिष्यतम् अवृंहयिष्यत
अवृंहयिष्यम् अवृंहयिष्याव अवृंहयिष्याम
अन्यत्र वृहु प्राधान्ये च । वृंहति

1800 बलहण् (बल्ह) भासार्थः 233 1801 अहण् (अंह) भासार्थः 234

ब० बलहयति बलहयतः बलहयन्ति
बलहयसि बलहयथः बलहयथ
बलहयामि बलहयावः बलहयामः

स० बलहयेत् बलहयेताम् बलहयेयुः
बलहयेः बलहयेतम् बलहयेत
बलहयेयम् बलहयेव बलहयेम

प० बलहयतु तात् बलहयताम् बलहयन्तु
बलहय , बलहयतम् बलहयत
बलहयानि बलहयाव बलहयाम

झ० अबलहयत् अबलहयताम् अबलहयन्
अबलहयः अबलहयतम् अबलहयत
अबलहयम् अबलहयाव अबलहयाम

अ० अबलहत् अबलहताम् अबलहन्
अबलहः अबलहतम् अबलहत
अबलहम् अबलहाव अबलहाम

प० बलहयाञ्चकार बलहयाञ्चकृः याञ्चकृ
बलहयाञ्चकथ बलहयाञ्चकथुः बलहयाञ्चक
बलहयाञ्चकार कर बलहयाञ्चकृव याञ्चकृम
बलहयाम्बभूव । बलहयामास

भा० बलह्यात् बलह्यास्ताम् बलह्यासुः
बलह्याः बलह्यास्तम् बलह्यास्त
बलह्यासम् बलह्यास्व बलह्यासम

प्रब० बलहयिता बलहयितारो बलहयितारः
बलहयितासि बलहयितास्यः बलहयितास्थ
बलहयितास्मि बलहयितास्वः बलहयितास्मः

भ० बलहयिष्यति बलहयिष्यतः बलहयिष्यन्ति
बलहयिष्यसि बलहयिष्यथः बलहयिष्यथ
बलहयिष्यामि बलहयिष्यावः बलहयिष्यामः

अबलहयिष्यत् अबलहयिष्यताम् अबलहयिष्यन्
अबलहयिष्यः अबलहयिष्यतम् अबलहयिष्यत
अबलहयिष्यम् अबलहयिष्याव अबलहयिष्याम

॥ अन्यत्र बलिह प्राधान्ये बलहते ॥

ब० अंहयति अंहयतः अंहयन्ति
अंहयसि अंहयथः अंहयथ
अंहयामि अंहयावः अंहयामः

स० अंहयेत् अंहयेताम् अंहयेयुः
अंहयेः अंहयेतम् अंहयेत
अंहयेयम् अंहयेव अंहयेम

प० अंहयतु अंहयतात् अंहयताम् अंहयन्तु
अंहय , अंहयतम् अंहयत
अंहयानि अंहयाव अंहयाम

झ० आंहयत् आंहयताम् आंहयन्
आंहयः आंहयतम् आंहयत
आंहयम् आंहयाव आंहयाम

अ० आंजिहत् आंजिहताम् आंजिहन्
आंजिहः आंजिहतम् आंजिहत
आंजिहम् आंजिहाव आंजिहाम

प० अंहयाञ्चकार अंहयाञ्चकृः अंहयाञ्चकृः
अंहयाञ्चकथ अंहयाञ्चकथुः अंहयाञ्चक
अंहयाञ्चकार कर अंहयाञ्चकृव अंहयाञ्चकृम
अंहयाम्बभूव । अंहयामास

भा० अंह्यात् अंह्यास्ताम् अंह्यासुः
अंह्याः अंह्यास्तम् अंह्यास्त
अंह्यासम् अंह्यास्व अंह्यासम

प्रब० अंहयिता अंहयितारो अंहयितारः
अंहयितासि अंहयितास्यः अंहयितास्थ
अंहयितास्मि अंहयितास्वः अंहयितास्मः

भ० अंहयिष्यति अंहयिष्यतः अंहयिष्यन्ति
अंहयिष्यसि अंहयिष्यथः अंहयिष्यथ
अंहयिष्यामि अंहयिष्यावः अंहयिष्यामः

अंहयिष्यत् अंहयिष्यताम् अंहयिष्यन्
अंहयिष्यः अंहयिष्यतम् अंहयिष्यत
अंहयिष्यम् अंहयिष्याव अंहयिष्याम

॥ अन्यत्र अहृल गवी अहते ॥

(१००८)

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते ॥

1802 बहुण् (वंह) भासार्थः 235

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० वंहयति | वंहयतः | वंहयन्ति |
| वंहयसि | वंहयथः | वंहयथ |
| वंहयामि | वंहयावः | वंहयामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० वंहयेत् | वंहयेताम् | वंहयेयुः |
| वंहयेः | वंहयेतम् | वंहयेत |
| वंहयेयम् | वंहयेव | वंहयेम |

| | | |
|-----------|---------------|----------|
| प० वंहयतु | तात् वंहयताम् | वंहयन्तु |
| वंहय | ,, वंहयतम् | वंहयत |
| वंहयानि | वंहयाव | वंहयाम |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अवंहयत् | अवंहयताम् | अवंहयन् |
| अवंहयः | अवंहयतम् | अवंहयत |
| अवंहयम् | अवंहयाव | अवंहयाम |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| अ० अववंहत् | अववंहताम् | अववंहन् |
| अववंहः | अववंहतम् | अववंहत |
| अववंहम् | अववंहाव | अववंहाम |

प० वंहयाञ्चकार वंहयाञ्चकतुः याञ्चकः
 वंहयाञ्चकर्थे वंहयाञ्चकथुः वंहयाञ्चक
 वंहयाञ्चकार कर वंहयाञ्चकृव याञ्चकृम
 वंहयाम्बभूव । वंहयामास

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० वंह्यात् | वंह्यास्ताम् | वंह्यासुः |
| वंह्याः | वंह्यास्तम् | वंह्यास्त |
| वंह्यासम् | वंह्यास्व | वंह्यासम |

| | | |
|---------------|-------------|-------------|
| प्रब० वंहयिता | वंहयितारै | वंहयितारः |
| वंहयितासि | वंहयितास्थः | वंहयितास्थ |
| वंहयितास्मि | वंहयितास्वः | वंहयितास्मः |

| | | |
|--------------------------|--------------|-------------|
| भ० वंहयिष्यति वंहयिष्यतः | वंहयिष्यन्ति | |
| वंहयिष्यसि | वंहयिष्यथः | वंहयिष्यथ |
| वंहयिष्यामि | वंहयिष्यावः | वंहयिष्यामः |

अवंहयिष्यत् अवंहयिष्यताम् अवंहयिष्यन्

अवंहयिष्यः अवंहयिष्यतम् अवंहयिष्यत

अवंहयिष्यम् अवंहयिष्याव अवंहयिष्याम

बहुङ् वृद्धौ । वंहते

1803 महुण् (मंह) भासार्थः 236

| | | |
|-----------|--------|----------|
| व० मंहयति | मंहयतः | मंहयन्ति |
|-----------|--------|----------|

| | | |
|--------|--------|-------|
| मंहयसि | मंहयथः | मंहयथ |
|--------|--------|-------|

| | | |
|---------|---------|---------|
| मंहयामि | मंहयावः | मंहयामः |
|---------|---------|---------|

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० मंहयेत् | मंहयेताम् | मंहयेयुः |
|------------|-----------|----------|

| | | |
|--------|----------|--------|
| मंहयेः | मंहयेतम् | मंहयेत |
|--------|----------|--------|

| | | |
|----------|--------|--------|
| मंहयेयम् | मंहयेव | मंहयेम |
|----------|--------|--------|

| | | |
|--------------------|----------|----------|
| प० मंहयतु मंहयतात् | मंहयताम् | मंहयन्तु |
|--------------------|----------|----------|

| | | |
|--------|---------|-------|
| मंहय , | मंहयतम् | मंहयत |
|--------|---------|-------|

| | | |
|---------|--------|--------|
| मंहयानि | मंहयाव | मंहयाम |
|---------|--------|--------|

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अमंहयत् | अमंहयताम् | अमंहयन् |
|------------|-----------|---------|

| | | |
|--------|----------|--------|
| अमंहयः | अमंहयतम् | अमंहयत |
|--------|----------|--------|

| | | |
|---------|---------|---------|
| अमंहयम् | अमंहयाव | अमंहयाम |
|---------|---------|---------|

| | | |
|------------|-----------|---------|
| अ० अममंहत् | अममंहताम् | अममंहन् |
|------------|-----------|---------|

| | | |
|--------|----------|--------|
| अममंहः | अममंहतम् | अममंहत |
|--------|----------|--------|

| | | |
|---------|---------|---------|
| अममंहम् | अममंहाव | अममंहाम |
|---------|---------|---------|

प० मंहयाञ्चकार मंहयाञ्चकृः मंहयाञ्चकृः

मंहयाञ्चकर्थ मंहयाञ्चकृथः मंहयाञ्चकृ

मंहयाञ्चकार कर मंहयाञ्चकृव मंहयाञ्चकृम

मंहयाञ्चकृव । मंहयाञ्चकृम

आ० मंह्यात् मंह्यास्ताम् मंह्यासुः

मंह्याः मंह्यास्तम् मंह्यास्त

मंह्यासम् मंह्यास्व मंह्यास्म

प्र० मंहयिता मंहयितारौ मंहयितारः

मंहयितासि मंहयितास्थः मंहयितास्थ

मंहयितास्मि मंहयितास्वः मंहयितास्मः

भ० मंहयिष्यति मंहयिष्यतः मंहयिष्यन्ति

मंहयिष्यसि मंहयिष्यथः मंहयिष्यथ

मंहयिष्यामि मंहयिष्यावः मंहयिष्यामः

क्रिअमंहयिष्यत् अमंहयिष्यताम् अमंहयिष्यन्

अमंहयिष्यः अमंहयिष्यतम् अमंहयिष्यत

अमंहयिष्यम् अमंहयिष्याव अमंहयिष्याम

॥ अन्यत्र महङ् वृद्धौ महते ॥

लोकृतकादयः स्वार्थं निचमुःपादय

न्ति भासार्थाश्चेति पारायणम् । भा-

सयति दिशः दीपयति इन्धयति

प्रकाशयति । गणान्तरपाठस्त्वेषामा-

त्मनेपदादिकार्याः ॥

अथात्मनेपदिनः । तत्रोदन्तः ।

1804 युणि (यु) जुगुप्सायाम् । 237

ध० यावयते यावयेते यावयन्ते
यावयसे यावयेथे यावयस्व
यावये यावयावहे यावयामहे

ल० यावयेत यावयेयाताम् यावयेरन्
यावयेथाः यावयेयाताम् यावयेध्वम्
यावयेय यावयेवहि यावयेमहि

प० यावयताम् यावयेताम् यावयन्ताम्
यावयस्व यावयेथाम् यावयध्वम्
यावये यावयावहे यावयामहे

झ० अयावयत अयावयेताम् अयावयन्त
अयावयथाः अयावयेथाम् अयावयध्वम्
अयावये अयावयावहि अयावयामहि

ञ० अयीयवत अयीयवेताम् अयीयवन्त
अयीयवथाः अयीयवेथाम् अयीयवध्वम्
अयीयवे अयीयवामहि अयीयवामहि

प० यावयाञ्चके यावयाञ्चकाते यावयाञ्चकिरे
यावयाञ्चके यावयाञ्चकाथे यावयाञ्चकृद्वहे
यावयाञ्चके यावयाञ्चकृद्वहे यावयाञ्चकृमहे
यावयाञ्चकृव । यावयाञ्चकृम

आ यावयिषीष्ट यावयिषीयास्ताम् यावयिषीरन्
यावयिषीष्ठाः-यिषीयास्थाम्-यिषीद्वम्-ध्वम्
यावयिषीय यावयिषीवहि यावयिषीमहि

प्र० यावयिता यावयितारौ यावयितारः
यावयितासे यावयितासाथे यावयितास्व
यावयिताहे यावयितावहे यावयितास्महे

भ० यावयिष्यते यावयिष्येते यावयिष्यन्ते
यावयिष्यसे यावयिष्येथे यावयिष्यस्व
यावयिष्ये यावयिष्यावहे यावयिष्यामहे

अयावयिष्यत अयावयिष्येताम् अयावयिष्यन्त
अयावयिष्यथाः अयावयिष्येथाम् — यिष्यध्वम्
अयावयिष्ये अयावयिष्यावहि —, यिष्यामहि

॥ अथ ऋदन्तः ॥

1805 गृणि (गृ) विज्ञाने । 238

| | | |
|---|-----------------|----------------|
| व० गारयते | गारयेते | गारयन्ते |
| गारयसे | गारयेथे | गारयध्वे |
| गारये | गारयावहे | गारयामहे |
| स० गारयेत | गारयेयाताम् | गारयेरन् |
| गारयेथाः | गारयेयाथाम् | गारयेध्वम् |
| गारयेथ | गारयेवहि | गारयेमहि |
| प० गारयताम् | गारयेताम् | गारयन्ताम् |
| गारयस्व | गारयेथाम् | गारयध्वम् |
| गारये | गारयावहै | गारयामहै |
| ह्य० अगारयत | अगारयेताम् | अगारयन्त |
| अगारयथाः | अगारयेथाम् | अगारयध्वम् |
| अगारये | अगारयावहि | अगारयामहि |
| अ० अजीगरत | अजीगरेताम् | अजीगरन्त |
| अजीगरथाः | अजीगरेथाम् | अजीगरध्वम् |
| अजीगरे | अजीगरावहि | अजीगरामहि |
| प० गारयाञ्चके | गारयाञ्चकांते | गारयाञ्चकिरे |
| गारयाञ्चकृषे | गारयाञ्चक्राथे | गारयाञ्चकृद्वे |
| गारयाञ्चके | गारयाञ्चकृवहे | गारयाञ्चकृमहे |
| गारयाञ्चभूव | गारयाञ्चमास | |
| आ० गारयिषीष्ट | गारयिषीयास्ताम् | गारयिषोरन् |
| गारयिषीष्टाः | गारयिषीयास्थाम् | गारयिषध्वम् |
| गारयिषीय | गारयिषीवहि | गारयिषीमहि |
| प्रव० गारयिता | गारयितारौ | गारयितारः |
| गारयितासे | गारयितासाथे | गारयिताध्वे |
| गारयिताहे | गारयितास्वहे | गारयितास्महे |
| भ० गारयिष्यते | गारयिष्येते | गारयिष्यन्ते |
| गारयिष्यसे | गारयिष्येथे | गारयिष्यध्वे |
| गारयिष्ये | गारयिष्यावहे | गारयिष्यामहे |
| अगारयिष्यत | अगारयिष्येताम् | अगारयिष्यन्त |
| अगारयिष्यथाः | अगारयिष्येथाम् | अगारयिष्यध्वम् |
| अगारयिष्ये | अगारयिष्यावहि | अगारयिष्यामहि |
| अन्यत्र गृत् निगरणे गिरति । गृत् शब्दे गृणाति | | |

॥ अथ चान्तः ॥

1806 वञ्चिण् (वञ्च्) प्रलम्भने
प्रलम्भनं मिथ्या फलाख्यानम् । 239

| | | |
|----------------------------|------------------|-----------------|
| व० वञ्चयते | वञ्चयेते | वञ्चयन्ते |
| वञ्चयसे | वञ्चयेथे | वञ्चयध्वे |
| वञ्चये | वञ्चयावहे | वञ्चयामहे |
| स० वञ्चयेत | वञ्चयेयाताम् | वञ्चयेरन् |
| वञ्चयेथाः | वञ्चयेयाथाम् | वञ्चयेध्वम् |
| वञ्चयेथ | वञ्चयेवहि | वञ्चयेमहि |
| प० वञ्चयताम् | वञ्चयेताम् | वञ्चयन्ताम् |
| वञ्चयस्व | वञ्चयेथाम् | वञ्चयध्वम् |
| वञ्चये | वञ्चयावहै | वञ्चयामहै |
| ह्य० अवञ्चयत | अवञ्चयेताम् | अवञ्चयन्त |
| अवञ्चयथाः | अवञ्चयेथाम् | अवञ्चयध्वम् |
| अवञ्चये | अवञ्चयावहि | अवञ्चयामहि |
| अ० अवञ्चयत | अवञ्चयेताम् | अवञ्चयन्त |
| अवञ्चयथाः | अवञ्चयेथाम् | अवञ्चयध्वम् |
| अवञ्चये | अवञ्चयावहि | अवञ्चयामहि |
| प० वञ्चयाञ्चके | वञ्चयाञ्चकांते | वञ्चयाञ्चकिरे |
| वञ्चयाञ्चकृषे | वञ्चयाञ्चक्राथे | वञ्चयाञ्चकृद्वे |
| वञ्चयाञ्चके | वञ्चयाञ्चकृवहे | वञ्चयाञ्चकृमहे |
| वञ्चयाञ्चभूव | वञ्चयाञ्चमास | |
| वञ्चयिषीष्ट | वञ्चयिषीयास्ताम् | वञ्चयिषोरन् |
| वञ्चयिषीष्टाः | वञ्चयिषीयास्थाम् | वञ्चयिषध्वम् |
| वञ्चयिषीय | वञ्चयिषीवहि | वञ्चयिषीमहि |
| प्रव० वञ्चयिता | वञ्चयितारौ | वञ्चयितारः |
| वञ्चयितासे | वञ्चयितासाथे | वञ्चयिताध्वे |
| वञ्चयिताहे | वञ्चयितास्वहे | वञ्चयितास्महे |
| भ० वञ्चयिष्यते | वञ्चयिष्येते | वञ्चयिष्यन्ते |
| वञ्चयिष्यसे | वञ्चयिष्येथे | वञ्चयिष्यध्वे |
| वञ्चयिष्ये | वञ्चयिष्यावहे | वञ्चयिष्यामहे |
| अवञ्चयिष्यत | अवञ्चयिष्येताम् | अवञ्चयिष्यन्त |
| अवञ्चयिष्यथाः | अवञ्चयिष्येथाम् | वञ्चयिष्यध्वम् |
| अवञ्चयिष्ये | अवञ्चयिष्यावहि | अवञ्चयिष्यामहि |
| अन्यत्र वञ्च् गतौ वञ्चति । | | |

॥ अथ हान्तः ॥

1807 कुटिष् (कुट्) प्रतापने 240

व० कोटयते कोटयेते कोटयन्ते
कोटयसे कोटयेथे कोटयध्वे
कोटये कोटयावहे कोटयामहे
स० कोटयेत कोटयेयाताम् कोटयेरन्
कोटयेथाः कोटयेयाताम् कोटयेध्वम्
कोटयेय कोटयेवहि कोटयेमहि
प० कोटयताम् कोटयेताम् कोटयन्ताम्
कोटयस्व कोटयेथाम् कोटयध्वम्
कोटये कोटयावहे कोटयामहे
ह्य० अकोटयत अकोटयेताम् अकोटयन्त
अकोटयथाः अकोटयेथाम् अकोटयध्वम्
अकोटये अकोटयावहि अकोटयामहि
अ० अचूकुटत अचूकुटेताम् अचूकुटन्त
अचूकुटथाः अचूकुटेथाम् अचूकुटध्वम्
अचूकुटे अचूकुटावहि अचूकुटामहि
प० कोटयाञ्चके कोटयाञ्चकते कोटयाञ्चकिरे
कोटयाञ्चकृषे कोटयाञ्चकृषे कोटयाञ्चकृद्वे
कोटयाञ्चके कोटयाञ्चकृषहे कोटयाञ्चकृमहे
कोटयाम्बभूव । कोटयामास
आ० कोटयिषीष्ट कोटयिषीयास्ताम् कोटयिषीरन्
कोटयिषीष्ठाः कोटयिषीयास्थाम् कोटयिषीध्वम्
कोटयिषीय कोटयिषीवहि कोटयिषीमहि
प्रव० कोटयिता कोटयितारौ कोटयितारः
कोटयितासे कोटयितासाथे कोटयिताध्वे
कोटयिताहे कोटयितास्वहे कोटयितास्महे
भ० कोटयिष्यते कोटयिष्येते कोटयिष्यन्ते
कोटयिष्यसे कोटयिष्येथे कोटयिष्यध्वे
कोटयिष्ये कोटयिष्यावहे कोटयिष्यामहे
अकोटयिष्यत अकोटयिष्येताम् अकोटयिष्यन्त
अकोटयिष्यथाः अकोटयिष्येथाम् अकोटयिष्यध्वम्
अकोटयिष्ये अकोटयिष्यावहि अकोटयिष्यामहि
॥ अन्यत्र कुटत् कौटिल्ये कुटति ॥

॥ अथ दान्तौ ॥

1808 मदिष् (मद्) तृप्तिगो 241

व० मादयते मादयेते मादयन्ते
मादयसे मादयेथे मादयध्वे
मादये मादयावहे मादयामहे
स० मादयेत मादयेयाताम् मादयेरन्
मादयेथाः मादयेयाताम् मादयेध्वम्
मादयेय मादयेवहि मादयेमहि
प० मादयताम् मादयेताम् मादयन्ताम्
मादयस्व मादयेथाम् मादयध्वम्
मादये मादयावहे मादयामहे
ह्य० अमादयत अमादयेताम् अमादयन्त
अमादयथाः अमादयेथाम् अमादयध्वम्
अमादये अमादयावहि अमादयामहि
अ० अमीमदत अमीमदेताम् अमीमदन्त
अमीमदथाः अमीमदेथाम् अमीमदध्वम्
अमीमदे अमीमदावहि अमीमदामहि
प० मादयाञ्चके मादयाञ्चकते मादयाञ्चकिरे
मादयाञ्चकृषे मादयाञ्चकृषे मादयाञ्चकृद्वे
मादयाञ्चके मादयाञ्चकृषहे मादयाञ्चकृमहे
मादयाम्बभूव । मादयामास
आ० मादयिषीष्ट मादयिषीयास्ताम् मादयिषीरन्
मादयिषीष्ठाः मादयिषीयास्थाम् मादयिषीध्वम्
मादयिषीय मादयिषीवहि मादयिषीमहि
प्रव० मादयिता मादयितारौ मादयितारः
मादयितासे मादयितासाथे मादयिताध्वे
मादयिताहे मादयितास्वहे मादयितास्महे
भ० मादयिष्यते मादयिष्येते मादयिष्यन्ते
मादयिष्यसे मादयिष्येथे मादयिष्यध्वे
मादयिष्ये मादयिष्यावहे मादयिष्यामहे
अमादयिष्यत अमादयिष्येताम् अमादयिष्यन्त
अमादयिष्यथाः अमादयिष्येथाम् अमादयिष्यध्वम्
अमादयिष्ये अमादयिष्यावहि अमादयिष्यामहि
॥ अन्यत्र मदैच् हर्षे माद्यति ॥

॥ अथ द्वास्तौ ॥

॥ विदिण् (विद्) चेननाख्यान निवासेषु

ख० वेदयते वेदयेते वेदयन्ते
 वेदयसे वेदयेथे वेदयध्वे
 वेदये वेदयावहे वेदयामहे
 स० वेदयेत वेदयेयाताम् वेदयेरन्
 वेदयेथाः वेदयेयाथाम् वेदयेध्वम्
 वेदयेय वेदयेवहि वेदयेमहि
 प० वेदयताम् वेदयेताम् वेदयन्ताम्
 वेदयस्व वेदयेथाम् वेदयध्वम्
 वेदये वेदयावहे वेदयामहे

ख० अवेदयत अवेदयेताम् अवेदयन्त
 अवेदयथाः अवेदयेथाम् अवेदयध्वम्
 अवेदये अवेदयावहि अवेदयामहि

अ० अवीवदत अवीवदेताम् अवीवदन्त
 अवीवदथाः अवीवदेथाम् अवीवदध्वम्
 अवीवदे अवीवदावहि अवीवदामहि

प० वेदयाञ्चक्रे वेदयाञ्चक्रेते वेदयाञ्चक्रे
 वेदयाञ्चक्रे वेदयाञ्चक्रेते वेदयाञ्चक्रे
 वेदयाञ्चक्रे वेदयाञ्चक्रेते वेदयाञ्चक्रे
 आ० वेदयिषीष्ट वेदयिषीयास्ताम् ... वीरन्
 वेदयिषीष्टाः यिषीयास्थाम् वेदयिषीध्वम्
 वेदयिषीय वेदयिषीवहि वेदयिषीमहि
 ख० वेदयिता वेदयितारौ वेदयितारः
 वेदयितासे वेदयितासाथे वेदयिताध्वे
 वेदयिताहे वेदयितास्वहे वेदयितास्महे
 भ० वेदयिष्यते वेदयिष्येते वेदयिष्यन्ते
 वेदयिष्यसे वेदयिष्येथे वेदयिष्यध्वे
 वेदयिष्ये वेदयिष्यावहे वेदयिष्यामहे

अवेदयिष्यत अवेदयिष्येताम् अवेदयिष्यन्त
 अवेदयिष्यथाः अवेदयिष्येथाम् अवेदयिष्यध्वम्
 अवेदयिष्ये अवेदयिष्यावहि अवेदयिष्यामहि
 अन्यत्र विदुः ज्ञाने वेत्ति विदि'च्च सत्ता-
 यां विद्यते । विदुः ज्ञाने विदुः ज्ञाने
 विदुः ज्ञाने विदुः ज्ञाने विदुः ज्ञाने

॥ अथ नान्तः ॥

1810 मनिण् (मन्) स्तम्भे । 243

स्तम्भो गर्वः । 243

ख० मानयते मानयेते मानयन्ते
 मानयसे मानयेथे मानयध्वे
 मानये मानयावहे मानयामहे
 स० मानयेत मानयेयाताम् मानयेरन्
 मानयेथाः मानयेयाथाम् मानयेध्वम्
 मानयेय मानयेवहि मानयेमहि
 प० मानयताम् मानयेताम् मानयन्ताम्
 मानयस्व मानयेथाम् मानयध्वम्
 मानये मानयावहे मानयामहे

ख० अमानयत अमानयेताम् अमानयन्त
 अमानयथाः अमानयेथाम् अमानयध्वम्
 अमानये अमानयावहि अमानयामहि

अ० अमीमनत अमीमनेताम् अमीमनन्त
 अमीमनथाः अमीमनेथाम् अमीमनध्वम्
 अमीमने अमीमनावहि अमीमनामहि

प० मानयाञ्चक्रे मानयाञ्चक्रेते मानयाञ्चक्रे
 मानयाञ्चक्रे मानयाञ्चक्रेते मानयाञ्चक्रे
 मानयाञ्चक्रे मानयाञ्चक्रेते मानयाञ्चक्रे
 आ मानयिषीष्ट मानयिषीयास्ताम् मानयिषीरन्
 मानयिषीष्टाः यिषीयास्थाम् यिषीध्वम्
 मानयिषीय मानयिषीवहि मानयिषीमहि

ख० मानयिता मानयितारौ मानयितारः
 मानयितासे मानयितासाथे मानयिताध्वे
 मानयिताहे मानयितास्वहे मानयितास्महे

भ० मानयिष्यते मानयिष्येते मानयिष्यन्ते
 मानयिष्यसे मानयिष्येथे मानयिष्यध्वे
 मानयिष्ये मानयिष्यावहे मानयिष्यामहे

अमानयिष्यत अमानयिष्येताम् अमानयिष्यन्त
 अमानयिष्यथाः अमानयिष्येथाम् अमानयिष्यध्वम्
 अमानयिष्ये अमानयिष्यावहि अमानयिष्यामहि
 अन्यत्र मनि'च्च ज्ञाने मन्त्यते । मन्त्यिषीध्वने मन्त्यते

॥ अथ लान्तौ ॥

1811 बलिण् (बल्) आभण्डने ।

आभण्डनं निरूपणम् । 244

ब० बालयते बालयेते बालयन्ते
 बालयसे बालयेथे बालयध्वे
 बालये बालयावहे बालयामहे
 स० बालयेत बालयेयाताम् बालयेरन्
 बालयेथाः बालयेयाथाम् बालयेध्वम्
 बालयेय बालयेवहि बालयेमहि
 प० बालयताम् बालयेताम् बालयन्ताम्
 बालयस्व बालयेथाम् बालयध्वम्
 बालये बालयावहे बालयामहे
 छ० अबालयत अबालयेताम् अबालयन्त
 अबालयथाः अबालयेथाम् अबालयध्वम्
 अबालये अबालयावहि अबालयामहि
 अ० अबीबलत अबीबलेताम् अबीबलन्त
 अबीबलथाः अबीबलेथाम् अबीबलध्वम्
 अबीबले अबीबलावहि अबीबलामहि
 प० बालयाञ्चक्रे बालयाञ्चकृते बालयाञ्चक्रे
 बालयाञ्चकृषे बालयाञ्चकृषे बालयाञ्चकृद्वे
 बालयाञ्चक्रे बालयाञ्चकृवहे बालयाञ्चकृमहे
 बालयाञ्चकृष्व । बालयाञ्चकृष्व
 आ बालयषीष्ट बालयिषीयास्ताम् बालयिषीरन्
 बालयिषीष्टाः बालयिषीयास्ताम् बालयिषी-
 बालयिषीय बालयिषीवहि बालयिषीमहि
 प्रब० बालयिता बालयितारौ बालयितारः
 बालयितासे बालयितासाथे बालयिताध्वे
 बालयिताहे बालयितास्वहे बालयितास्महे
 भ० बालयिष्यते बालयिष्येते बालयिष्यन्ते
 बालयिष्यसे बालयिष्येथे बालयिष्यध्वे
 बालयिष्ये बालयिष्यावहे बालयिष्यामहे
 अबालयिष्यत अबालयिष्येताम् अबालयिष्यन्त
 अबालयिष्यथाः अबालयिष्येथाम् —, यिष्यध्वम्
 अबालयिष्ये अबालयिष्यावहि —, यिष्यामहि
 अन्यत्र बलि संवरणे । व ३ ते

1821 भलिण् (भल्) आभण्डने

आभण्डनं निरूपणम् । २४५

ब० भालयते भालयेते भालयन्ते
 भालयसे भालयेथे भालयध्वे
 भालये भालयावहे भालयामहे
 स० भालयेत भालयेयाताम् भालयेरन्
 भालयेथाः भालयेयाथाम् भालयेध्वम्
 भालयेय भालयेवहि भालयेमहि
 प० भालयताम् भालयेताम् भालयन्ताम्
 भालयस्व भालयेथाम् भालयध्वम्
 भालये भालयावहे भालयामहे
 छ० अभालयत अभालयेताम् अभालयन्त
 अभालयथाः अभालयेथाम् अभालयध्वम्
 अभालये अभालयावहि अभालयामहि
 अ० अभीभलत अभीभलेताम् अभीभलन्त
 अभीभलथाः अभीभलेथाम् अभीभलध्वम्
 अभीभले अभीभलावहि अभीभलामहि
 प० भालयाञ्चक्रे भालयाञ्चकृते भालयाञ्चक्रे
 भालयाञ्चकृषे भालयाञ्चकृषे भालयाञ्चकृद्वे
 भालयाञ्चक्रे भालयाञ्चकृवहे भालयाञ्चकृमहे
 भालयाञ्चकृष्व । भालयाञ्चकृष्व
 आ भालयिषीष्ट भालयिषीयास्ताम् — पीरन्
 भालयिषीष्टाः भालयिषीयास्ताम् भालयिषी-
 ध्वम् द्रवम्
 भालयिषीय भालयिषीवहि भालयिषीमहि
 प्रब० भालयिता भालयितारौ भालयितारः
 भालयितासे भालयितासाथे भालयिताध्वे
 भालयिताहे भालयितास्वहे भालयितास्महे
 भ० भालयिष्यते भालयिष्येते भालयिष्यन्ते
 भालयिष्यसे भालयिष्येथे भालयिष्यध्वे
 भालयिष्ये भालयिष्यावहे भालयिष्यामहे
 अभालयिष्यत अभालयिष्येताम् अभालयिष्यन्त
 अभालयिष्यथाः अभालयिष्येथाम् —
 अभालयिष्ये अभालयिष्यावहि द्या

॥ अथ वान्तः ॥

1813 दिविण् (दिव्) परिकूजने । 246

व० देवयते देवयेते देवयन्ते
 देवयसे देवयेथे देवयध्वे
 देवये देवयावहे देवयामहे

स० देवयेत देवयेयाताम् देवयेरन्
 देवयेथाः देवयेयाथाम् देवयेध्वम्
 देवयेय देवयेवहि देवयेमहि

प० देवयताम् देवयेताम् देवयन्ताम्
 देवयस्व देवयेथाम् देवयध्वम्
 देवये देवयावहे देवयामहे

झ० अदेवयत अदेवयेताम् अदेवयन्त
 अदेवयथाः अदेवयेथाम् अदेवयध्वम्
 अदेवये अदेवयावहि अदेवयामहि

अ० अदीदिवत अदीदिवेताम् अदीदिवन्त
 अदीदिवथाः अदीदिवेथाम् अदीदिवध्वम्
 अदीदिवे अदीदिववहि अदीदिवामहि

प० देवयाञ्चक्रे देवयाञ्चकाते देवयाञ्चक्रे
 देवयाञ्चकृषे देवयाञ्चकाथे देवयाञ्चकृध्वे
 देवयाञ्चके देवयाञ्चकृवहे देवयाञ्चकृमहे
 देवयाम्बभूव । देवयामास

आ० देवयिषीष्ट देवयिषीयास्ताम् देवयिषीरन्
 देवयिषीष्ठाः देवयिषीयास्थाम् देवयिषीध्वम्
 देवयिषीय देवयिषीवहि देवयिषीमहि

प्रव० देवयिता देवयितारौ देवयितारः
 देवयितासे देवयितासाथे देवयिताध्वे
 देवयिताहे देवयितास्वहे देवयितास्महे

भ० देवयिष्यते देवयिष्येते देवयिष्यन्ते
 देवयिष्यसे देवयिष्येथे देवयिष्यध्वे
 देवयिष्ये देवयिष्यावहे देवयिष्यामहे

अदेवयिष्यत अदेवयिष्येताम् अदेवयिष्यन्त
 अदेवयिष्यथाः अदेवयिष्येथाम् अदेवयिष्यध्वम्
 अदेवयिष्ये अदेवयिष्यावहि अदेवयिष्यामहि

अन्यत्र दिवृच क्रीडादौ । दीवति

॥ अथ षान्तः ॥

1814 वृषिण् (वृष्) शक्तिवन्धे । 247

व० वर्षयते वर्षयेते वर्षयन्ते
 वर्षयसे वर्षयेथे वर्षयध्वे
 वर्षये वर्षयावहे वर्षयामहे

स० वर्षयेत वर्षयेयाताम् वर्षयेरन्
 वर्षयेथाः वर्षयेयाथाम् वर्षयेध्वम्
 वर्षयेय वर्षयेवहि वर्षयेमहि

प० वर्षयताम् वर्षयेताम् वर्षयन्ताम्
 वर्षयस्व वर्षयेथाम् वर्षयध्वम्
 वर्षये वर्षयावहे वर्षयामहे

झ० अवर्षयत अवर्षयेताम् अवर्षयन्त
 अवर्षयथाः अवर्षयेथाम् अवर्षयध्वम्
 अवर्षये अवर्षयावहि अवर्षयामहि

अ० अवीवृषत अवीवृषेताम् अवीवृषन्त
 अवीवृषथाः अवीवृषेथाम् अवीवृषध्वम्
 अवीवृषे अवीवृषवहि अवीवृषामहि
 अववर्षत अववर्षेताम् अववर्षन्त इ०

प० वर्षयाञ्चक्रे वर्षयाञ्चकाते वर्षयाञ्चक्रे
 वर्षयाञ्चकृषे वर्षयाञ्चकाथे वर्षयाञ्चकृध्वे
 वर्षयाञ्चके वर्षयाञ्चकृवहे वर्षयाञ्चकृमहे
 वर्षयाम्बभूव । वर्षयामास

आ० वर्षयिषीष्ट वर्षयिषीयास्ताम् वर्षयिषीरन्
 वर्षयिषीष्ठाः वर्षयिषीयास्थाम् वर्षयिषीध्वम्
 वर्षयिषीय वर्षयिषीवहि वर्षयिषीमहि

प्रव० वर्षयिता वर्षयितारौ वर्षयितारः
 वर्षयितासे वर्षयितासाथे वर्षयिताध्वे
 वर्षयिताहे वर्षयितास्वहे वर्षयितास्महे

भ० वर्षयिष्यते वर्षयिष्येते वर्षयिष्यन्ते
 वर्षयिष्यसे वर्षयिष्येथे वर्षयिष्यध्वे
 वर्षयिष्ये वर्षयिष्यावहे वर्षयिष्यामहे

अवर्षयिष्यत अवर्षयिष्येताम् अवर्षयिष्यन्त
 अवर्षयिष्यथाः अवर्षयिष्येथाम् अवर्षयिष्यध्वम्
 अवर्षयिष्ये अवर्षयिष्यावहि अवर्षयिष्यामहि

अन्यत्र वृष् सेवने । वर्षति

॥ अथ सान्तः ॥

1815 कुस्तिण् (कुत्स) अवक्षेपे । 248

ष० कुत्सयते कुत्सयेते कुत्सयन्ते
कुत्सयसे कुत्सयेथे कुत्सयध्वे
कुत्सवे कुत्सयावहे कुत्सयामहे
स० कुत्सयेत कुत्सयेयाताम् कुत्सयेरन्
कुत्सयेथाः कुत्सयेयाथाम् कुत्सयेध्वम्
कुत्सयेय कुत्सयेवहि कुत्सयेमहि
प० कुत्सयताम् कुत्सयेताम् कुत्सयन्ताम्
कुत्सयस्व कुत्सयेथाम् कुत्सयध्वम्
कुत्सयै कुत्सयावहै कुत्सयामहै
झ० अकुत्सयत अकुत्सयेताम् अकुत्सयन्त
अकुत्सयथाः अकुत्सयेथाम् अकुत्सयध्वम्
अकुत्सये अकुत्सयावहि अकुत्सयामहि
ञ० अचुकुत्सत अचुकुत्सेताम् अचुकुत्सन्त
अचुकुत्सथाः अचुकुत्सेथाम् अचुकुत्सध्वम्
अचुकुत्से अचुकुत्सावहि अचुकुत्सामहि
प० कुत्सयाञ्चक्रे कुत्सयाञ्चक्राते कुत्सयाञ्चकिरे
कुत्सयाञ्चकृषे कुत्सयाञ्चक्राथे कुत्सयाञ्चकृद्वे
कुत्सयाञ्चक्रे कुत्सयाञ्चकृवहे कुत्सयाञ्चकृमहे
कुत्सयाम्बभूव । कुत्सयामास
कुत्सयिषीष्ट कुत्सयिषीयास्ताम् कुत्सयिषीरन्
कुत्सयिषीष्टाः यिषीयास्थाम् यिषीद्वम् ध्वम्
कुत्सयिषीय कुत्सयिषीवहि कुत्सयिषीमहि
ख० कुत्सयिता कुत्सयितारौ कुत्सयितारः
कुत्सयितासे कुत्सयितासाथे कुत्सयिताध्वे
कुत्सयिताहे कुत्सयितास्वहे कुत्सयितास्महे
भ० कुत्सयिष्यते कुत्सयिष्येते कुत्सयिष्यन्ते
कुत्सयिष्यसे कुत्सयिष्येथे कुत्सयिष्यध्वे
कुत्सयिष्ये कुत्सयिष्यावहे कुत्सयिष्यामहे
अकुत्सयिष्यत अकुत्सयिष्येताम् — यिष्यन्त
अकुत्सयिष्यथाः अकुत्सयिष्येथाम् यिष्यध्वम्
अकुत्सयिष्ये अकुत्सयिष्यावहि — यिष्यामहि

॥ अथ क्षान्तः ॥

1816 लक्षिण् (लक्ष्) आलोचने । 249

ष० लक्षयते लक्षयेते लक्षयन्ते
लक्षयसे लक्षयेथे लक्षयध्वे
लक्षये लक्षयावहे लक्षयामहे
स० लक्षयेत लक्षयेयाताम् लक्षयेरन्
लक्षयेथाः लक्षयेयाथाम् लक्षयेध्वम्
लक्षयेय लक्षयेवहि लक्षयेमहि
प० लक्षयताम् लक्षयेताम् लक्षयन्ताम्
लक्षयस्व लक्षयेथाम् लक्षयध्वम्
लक्षये लक्षयावहै लक्षयामहै
झ० अलक्षयत अलक्षयेताम् अलक्षयन्त
अलक्षयथाः अलक्षयेथाम् अलक्षयध्वम्
अलक्षये अलक्षयावहि अलक्षयामहि
ञ० अललक्षत अललक्षेताम् अललक्षन्त
अललक्षथाः अललक्षेथाम् अललक्षध्वम्
अललक्षे अललक्षावहि अललक्षामहि
प० लक्षयाञ्चक्रे लक्षयाञ्चक्राते लक्षयाञ्चकिरे
लक्षयाञ्चकृषे लक्षयाञ्चक्राथे लक्षयाञ्चकृद्वे
लक्षयाञ्चक्रे लक्षयाञ्चकृवहे लक्षयाञ्चकृमहे
लक्षयाम्बभूव । लक्षयामास
आ० लक्षयिषीष्ट लक्षयिषीयास्ताम् लक्षयिषीरन्
लक्षयिषीष्टाः लक्षयिषीयास्थाम् यिषीद्वम् ध्वम्
लक्षयिषीय लक्षयिषीवहि लक्षयिषीमहि
ख० लक्षयिता लक्षयितारौ लक्षयितारः
लक्षयितासे लक्षयितासाथे लक्षयिताध्वे
लक्षयिताहे लक्षयितास्वहे लक्षयितास्महे
भ० लक्षयिष्यते लक्षयिष्येते लक्षयिष्यन्ते
लक्षयिष्यसे लक्षयिष्येथे लक्षयिष्यध्वे
लक्षयिष्ये लक्षयिष्यावहे लक्षयिष्यामहे
अलक्षयिष्यत अलक्षयिष्येताम् अलक्षयिष्यन्त
अलक्षयिष्यथाः अलक्षयिष्येथाम् — यिष्यध्वम्
अलक्षयिष्ये अलक्षयिष्यावहि अलक्षयिष्यामहि
अन्यत्र लक्षोणं दर्शनं कृत्योः । लक्षयति
लक्षयते । णिचोऽनित्यत्वात् । लक्षते

अथ कान्तास्त्रियः

किष्कयिषोः किष्कयिषीयास्ताम् -यिषीरन्
किष्कयिषीष्ठाः यिषीयास्ताम्-यिषीद्वम् ध्वम्
किष्कयिषीय किष्कयिषीवहि कि क षोमहि
किष्कयिता किष्कयितारौ किष्कयितारः
किष्कयितासे किष्कयितासाथे किष्कयिताध्वे
किष्कयिताहे किष्कयितास्वहे किष्कयितास्महे
किष्कयिष्यते किष्कयिष्येते किष्कयिष्यन्ते
किष्कयिष्यसे किष्कयिष्येथे किष्कयिष्यध्वे
किष्कयिष्ये किष्कयिष्यावहे किष्कयिष्यामहे
अकिष्कयिष्यत अकिष्कयिष्येताम् यिष्यन्त
अकिष्कयिष्यथाः अकिष्कयिष्येथाम् यिष्यध्वम्
अकिष्कयिष्ये अकिष्कयिष्यावहि यिष्यामहि

1819 निष्कृण् (निष्कृ) परिमाणे 252

च० निष्कृयते निष्कृयेते निष्कृयन्ते
निष्कृयसे निष्कृयेथे निष्कृयध्वे
निष्कृये निष्कृयावहे निष्कृत्यामहे

स० निष्कृयेत निष्कृयेताम् निष्कृयेरन्
निष्कृयेथाः निष्कृयेथां निष्कृयेध्वम्
निष्कृयेय निष्कृयेयहि निष्कृयेमहि

प० निष्कृत्याम् निष्कृयेताम् निष्कृत्यान्ताम्
निष्कृत्यस्व निष्कृत्येषाम् निष्कृत्यध्वम्
निष्कृत्यै निष्कृत्यावहै निष्कृत्यामहै

झ० अनिष्कृत्यत अनिष्कृयेताम् अनिष्कृत्यन्त
अनिष्कृत्यथाः अनिष्कृत्येषाम् अनिष्कृत्यध्वम्
अनिष्कृत्ये अनिष्कृत्यावहि अनिष्कृत्यामहि

अ० अनिनिष्कृत अनिनिष्कृताम् अनिनिष्कृतन्त
अनिनिष्कृताः अनिनिष्कृतां अनिनिष्कृत्यध्वम्
अनिनिष्कृते अनिनिष्कृतावहि अनिनिष्कृत्यामहि

निष्कृत्याञ्चक्रे निष्कृत्याञ्चक्रेते निष्कृत्याञ्चक्रे
निष्कृत्याञ्चकृषे निष्कृत्याञ्चक्रेथे निष्कृत्याञ्चकृद्वहे
निष्कृत्याञ्चक्रे निष्कृत्याञ्चकृवहे निष्कृत्याञ्चकृमहे
निष्कृत्याञ्चकृभूय निष्कृत्यामास

निष्कृत्यिषीष्ट निष्कृत्यिषीयास्ताम्-यिषीरन्
निष्कृत्यिषीष्ठाः निष्कृत्यिषीयां निष्कृत्यिषीध्वम्
निष्कृत्यिषीय निष्कृत्यिषीवहि निष्कृत्यिषीमहि
निष्कृत्यिता निष्कृत्यितारौ निष्कृत्यितारः
निष्कृत्यितासे निष्कृत्यितासाथे निष्कृत्यिताध्वे
निष्कृत्यिताहे निष्कृत्यितास्वहे निष्कृत्यितामहे

निष्कृत्यिष्यते निष्कृत्यिष्येते निष्कृत्यिष्यन्ते
निष्कृत्यिष्यसे निष्कृत्यिष्येथे निष्कृत्यिष्यध्वे
निष्कृत्यिष्ये निष्कृत्यिष्यावहे निष्कृत्यिष्यामहे

अनिष्कृत्यिष्यत अनिष्कृत्यिष्येताम्-यिष्यन्त
अनिष्कृत्यिष्यथाः अनिष्कृत्यिष्येषाम्-यिष्यध्वम्
अनिष्कृत्यिष्ये अनिष्कृत्यिष्यावहि निष्कृत्यिष्यामहि

॥ अथ जान्तः ॥

1820 तर्जिण् (तर्ज्) सन्तर्जने 253

च० तर्जयते तर्जयेते तर्जयन्ते
तर्जयसे तर्जयेथे तर्जयध्वे
तर्जये तर्जयावहे तर्जयामहे

स० तर्जयेत तर्जयेताम् तर्जयेरन्
तर्जयेथाः तर्जयेथां तर्जयेध्वम्
तर्जयेय तर्जयेयहि तर्जयेमहि

प० तर्जयताम् तर्जयेताम् तर्जयन्ताम्
तर्जयस्व तर्जयेथाम् तर्जयध्वम्
तर्जयै तर्जयावहै तर्जयामहै

झ० अतर्जयत अतर्जयेताम् अतर्जयन्त
अतर्जयथाः अतर्जयेथाम् अतर्जयध्वम्
अतर्जये अतर्जयावहि अतर्जयामहि

अ० अतर्जयत अतर्जयेताम् अतर्जयन्त
अतर्जयथाः अतर्जयेथाम् अतर्जयध्वम्
अतर्जये अतर्जयावहि अतर्जयामहि

प० तर्जयाञ्चक्रे तर्जयाञ्चक्रेते तर्जयाञ्चक्रे
तर्जयाञ्चकृषे तर्जयाञ्चक्रेथे तर्जयाञ्चकृद्वहे
तर्जयाञ्चक्रे तर्जयाञ्चकृवहे तर्जयाञ्चकृमहे
तर्जयाञ्चकृभूय । तर्जयामास

आ तर्जयिषीष्टतर्जयिषीयास्ताम्-तर्जयिषीरन्
तर्जयिषीष्ठाः तर्जयिषीयां तर्जयिषीध्वम्
तर्जयिषीय तर्जयिषीवहि तर्जयिषीमहि

प्र० तर्जयिता तर्जयितारौ तर्जयितारः
तर्जयितासे तर्जयितासाथे तर्जयिताध्वे
तर्जयिताहे तर्जयितास्वहे तर्जयितामहे

प० तर्जयिष्यते तर्जयिष्येते तर्जयिष्यन्ते
तर्जयिष्यसे तर्जयिष्येथे तर्जयिष्यध्वे
तर्जयिष्ये तर्जयिष्यावहे तर्जयिष्यामहे

क्रि० अतर्जयिष्यत अतर्जयिष्येताम्-यिष्यन्त
अतर्जयिष्यथाः अतर्जयिष्येषाम्-यिष्यध्वम्
अतर्जयिष्ये अतर्जयिष्यावहि अतर्जयिष्यामहि

॥ अथ टान्तौ ॥

1821 कूटिण् (कूट्) अप्रमादे 254

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० कूटयते | कूटयेते | कूटयन्ते |
| कूटयसे | कूटयेथे | कूटयध्वे |
| कूटये | कूटयावहे | कूटयामहे |
| स० कूटयेत | कूटयेयाताम् | कूटयेरन् |
| कूटयेथाः | कूटयेयाथाम् | कूटयेध्वम् |
| कूटयेय | कूटयेयहि | कूटयेमहि |
| प० कूटयताम् | कूटयेताम् | कूटयन्ताम् |
| कूटयस्व | कूटयेथाम् | कूटयध्वम् |
| कूटयै | कूटयावहै | कूटयामहै |
| झ० अकूटयत | अकूटयेताम् | अकूटयन्त |
| अकूटयथाः | अकूटयेथाम् | अकूटयध्वम् |
| अकूटये | अकूटयावहि | अकूटयामहि |
| अ० अचूकुरत | अचूकुरेताम् | अचूकुरन्त |
| अचूकुरथाः | अचूकुरेथाम् | अचूकुरध्वम् |
| अचूकुरे | अचूकुरावहि | अचूकुरामहि |
| प० कूटयाञ्चक्रे | कूटयाञ्चक्राते | कूटयाञ्चक्रिरे |
| कूटयाञ्चकृषे | कूटयाञ्चक्राथे | कूटयाञ्चकृद्वे |
| कूटयाञ्चके | कूटयाञ्चकृषहे | कूटयाञ्चकृमहे |
| कूटयाम्बभूव | । | कूटयामास |
| आ० कूटयिषीष्ट | कूटयिषीयास्ताम् | कूटयिषीरन् |
| कूटयिषीष्टाः | कूटयिषीयास्थाम् | कूटयिषीध्वम् |
| कूटयिषीय | कूटयिषीवहि | कूटयिषीमहि |
| ख० कूटयिता | कूटयितारौ | कूटयितारः |
| कूटयितासे | कूटयितासाथे | कूटयिताध्वे |
| कूटयिताहे | कूटयितास्वहे | कूटयितास्महे |
| भ० कूटयिष्यते | कूटयिष्येते | कूटयिष्यन्ते |
| कूटयिष्यसे | कूटयिष्येथे | कूटयिष्यध्वे |
| कूटयिष्ये | कूटयिष्यावहे | कूटयिष्यामहे |
| क्रि० अकूटयिष्यत | अकूटयिष्येताम् | अकूटयिष्यन्त |
| अकूटयिष्यथाः | अकूटयिष्येथाम् | अकूटयिष्यध्वम् |
| अकूटयिष्ये | अकूटयिष्यावहि | अकूटयिष्यामहि |

1822 कुटिण् (कुट्) छेदने 255

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० कुटयते | कुटयेते | कुटयन्ते |
| कुटयसे | कुटयेथे | कुटयध्वे |
| कुटये | कुटयावहे | कुटयामहे |
| स० कुटयेत | कुटयेयाताम् | कुटयेरन् |
| कुटयेथाः | कुटयेयाथाम् | कुटयेध्वम् |
| कुटयेय | कुटयेयहि | कुटयेमहि |
| प० कुटयताम् | कुटयेताम् | कुटयन्ताम् |
| कुटयस्व | कुटयेथाम् | कुटयध्वम् |
| कुटयै | कुटयावहै | कुटयामहै |
| झ० अकुटयत | अकुटयेताम् | अकुटयन्त |
| अकुटयथाः | अकुटयेथाम् | अकुटयध्वम् |
| अकुटये | अकुटयावहि | अकुटयामहि |
| अ० अतुवुटत | अतुवुटेताम् | अतुवुटन्त |
| अतुवुटथाः | अतुवुटेथाम् | अतुवुटध्वम् |
| अतुवुटे | अतुवुटावहि | अतुवुटामहि |
| प० कुटयाञ्चक्रे | कुटयाञ्चक्राते | कुटयाञ्चक्रिरे |
| कुटयाञ्चकृषे | कुटयाञ्चक्राथे | कुटयाञ्चकृद्वे |
| कुटयाञ्चके | कुटयाञ्चकृषहे | कुटयाञ्चकृमहे |
| कुटयाम्बभूव | । | कुटयामास |
| आ० कुटयिषीष्ट | कुटयिषीयास्ताम् | कुटयिषीरन् |
| कुटयिषीष्टाः | कुटयिषीयास्थाम् | कुटयिषीध्वम् |
| कुटयिषीय | कुटयिषीवहि | कुटयिषीमहि |
| ख० कुटयिता | कुटयितारौ | कुटयितारः |
| कुटयितासे | कुटयितासाथे | कुटयिताध्वे |
| कुटयिताहे | कुटयितास्वहे | कुटयितास्महे |
| भ० कुटयिष्यते | कुटयिष्येते | कुटयिष्यन्ते |
| कुटयिष्यसे | कुटयिष्येथे | कुटयिष्यध्वे |
| कुटयिष्ये | कुटयिष्यावहे | कुटयिष्यामहे |
| क्रि० अकुटयिष्यत | अकुटयिष्येताम् | अकुटयिष्यन्त |
| अकुटयिष्यथाः | अकुटयिष्येथाम् | अकुटयिष्यध्वम् |
| अकुटयिष्ये | अकुटयिष्यावहि | अकुटयिष्यामहि |

1823 शठिण् (शठ्) श्लाघायाम् 256

| | | | |
|------|-------------|----------------|---------------|
| व० | शठयते | शठयेते | शठयन्ते |
| | शठयसे | शठयेथे | शठयध्वे |
| | शठये | शठयावहे | शठयामहे |
| स० | शठयेत | शठयेयाताम् | शठयेरन् |
| | शठयेथाः | शठयेयाथाम् | शठयेध्वम् |
| | शठयेय | शठयेवहि | शठयेमहि |
| प० | शठयताम् | शठयेताम् | शठयन्ताम् |
| | शठयस्व | शठयेथाम् | शठयध्वम् |
| | शठयै | शठयावहे | शठयामहे |
| ह० | अशठयत | अशठयेताम् | अशठयन्त |
| | अशठयथाः | अशठयेथाम् | अशठयध्वम् |
| | अशठये | अशठयावहि | अशठयामहि |
| अ० | अशीशठत | अशीशठेताम् | अशीशठन्त |
| | अशीशठथाः | अशीशठेथाम् | अशीशठध्वम् |
| | अशीशठे | अशीशठावहि | अशीशठामहि |
| १ प० | शठयाञ्चक्रे | शठयाञ्चकाते | शठयाञ्चकिरे |
| | शठयाञ्चकृषे | शठयाञ्चकृषे | शठयाञ्चकृद्वे |
| | शठयाञ्चक्रे | शठयाञ्चकृषहे | शठयाञ्चकृमहे |
| | शठयाञ्चभूष | शठयामास | |
| भा० | शठयिषीष्ट | शठयिषीयास्ताम् | शठयिषीरन् |
| | शठयिषीष्टाः | शठयिषीयास्थाम् | शठयिषी- |
| | | | द्वम् ध्वम् |
| | शठयिषीय | शठयिषीवहि | शठयिषीमहि |
| २ व० | शठयिता | शठयितारौ | शठयितारः |
| | शठयितासे | शठयितासाथे | शठयिताध्वे |
| | शठयिताहे | शठयितास्वहे | शठयितास्महे |
| भ० | शठयिष्यते | शठयिष्येते | शठयिष्यन्ते |
| | शठयिष्यसे | शठयिष्येथे | शठयिष्यध्वे |
| | शठयिष्ये | शठयिष्यावहे | शठयिष्यामहे |
| | अशठयिष्यत | अशठयिष्येताम् | अशठयिष्यन्त |
| | अशठयिष्यथाः | अशठयिष्येथाम् | अशठयिष्यध्वम् |
| | अशठयिष्ये | अशठयिष्यावहि | अशठयिष्यामहि |

॥ अथ गान्तास्त्रयः ॥

1824 कूणिण् (कूण्) संकोचने 257

| | | | |
|------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | कूणयते | कूणयेते | कूणयन्ते |
| | कूणयसे | कूणयेथे | कूणयध्वे |
| | कूणये | कूणयावहे | कूणयामहे |
| स० | कूणयेत | कूणयेयाताम् | कूणयेरन् |
| | कूणयेथाः | कूणयेयाथाम् | कूणयेध्वम् |
| | कूणयेय | कूणयेवहि | कूणयेमहि |
| प० | कूणयताम् | कूणयेताम् | कूणयन्ताम् |
| | कूणयस्व | कूणयेथाम् | कूणयध्वम् |
| | कूणयै | कूणयावहे | कूणयामहे |
| ह० | अकूणयत | अकूणयेताम् | अकूणयन्त |
| | अकूणयथाः | अकूणयेथाम् | अकूणयध्वम् |
| | अकूणये | अकूणयावहि | अकूणयामहि |
| अ० | अचूकुणत | अचूकुणेताम् | अचूकुणन्त |
| | अचूकुणथाः | अचूकुणेथाम् | अचूकुणध्वम् |
| | अचूकुणे | अचूकुणावहि | अचूकुणामहि |
| | अचूकुण्ट | अचूकुणास्ताम् | अचूकुणन्त |
| प० | कूणयाञ्चक्रे | कूणयाञ्चकाते | कूणयाञ्चकिरे |
| | कूणयाञ्चकृषे | कूणयाञ्चकृषे | कूणयाञ्चकृद्वे |
| | कूणयाञ्चक्रे | कूणयाञ्चकृषहे | कूणयाञ्चकृमहे |
| | कूणयाञ्चभूष | कूणयामास | |
| भा० | कूणयिषीष्ट | कूणयिषीयास्ताम् | कूणयिषीरन् |
| | कूणयिषीष्टाः | कूणयिषीयास्थाम् | कूणयिषी- |
| | | | द्वम् ध्वम् |
| | कूणयिषीय | कूणयिषीवहि | कूणयिषीमहि |
| २ व० | कूणयिता | कूणयितारौ | कूणयितारः |
| | कूणयितासे | कूणयितासाथे | कूणयिताध्वे |
| | कूणयिताहे | कूणयितास्वहे | कूणयितास्महे |
| भ० | कूणयिष्यते | कूणयिष्येते | कूणयिष्यन्ते |
| | कूणयिष्यसे | कूणयिष्येथे | कूणयिष्यध्वे |
| | कूणयिष्ये | कूणयिष्यावहे | कूणयिष्यामहे |
| | अकूणयिष्यत | अकूणयिष्येताम् | अकूणयिष्यन्त |
| | अकूणयिष्यथाः | अकूणयिष्येथाम् | अकूणयिष्यध्वम् |
| | अकूणयिष्ये | अकूणयिष्यावहि | अकूणयिष्यामहि |

1825 तूणिण् (तूण्) पूरणे । 258 1826 भूणिण् (भूण्) आशायाम् 259

व० तूणयते तूणयेने तूणयन्ते
तूणयसे तूणयेथे तूणयध्वे
तूणये तूणयावहे तूणयामहे

स० तूणयेत तूणयेयाताम् तूणयेरन्
तूणयेथाः तूणयेयाथाम् तूणयेध्वम्
तूणयेय तूणयेवहि तूणयेमहि

प० तूणयताम् तूणयेताम् तूणयन्ताम्
तूणयस्व तूणयेथाम् तूणयध्वम्
तूणये तूणयावहे तूणयामहे

झ० अतूणयत अतूणयेताम् अतूणयन्त
अतूणयथाः अतूणयेथाम् अतूणयध्वम्
अतूणये अतूणयावहि अतूणयामहि

अ० अतूणुणत अतूणुणेताम् अतूणुणन्त
अतूणुणथाः अतूणुणेशाम् अतूणुणध्वम्
अतूणुणे अतूणुणावहि अतूणुणामहि

प० तूणयाञ्चक्रे तूणयाञ्चक्रेते तूणयाञ्चकिरे
तूणयाञ्चकृषे तूणयाञ्चक्राथे तूणयाञ्चकृद्वे
तूणयाञ्चक्रे तूणयाञ्चकृषहे तूणयाञ्चक्रमहे
तूणयाञ्चभूष । तूणयामास

आ० तूणयिषीष्ट तूणयिषीयास्ताम् तूणयिषीरन्
तूणयिषीष्टाः तूणयिषीयास्ताम् तूणयिषीद्वम्
तूणयिषीय तूणयिषीवहि तूणयिषीमहि

प्रब० तूणयिता तूणयितारौ तूणयितारः
तूणयितासे तूणयितासाथे तूणयिताध्वे
तूणयिताहे तूणयितास्वहे तूणयितास्महे

भ० तूणयिष्यते तूणयिष्येते तूणयिष्यन्ते
तूणयिष्यसे तूणयिष्येथे तूणयिष्यध्वे
तूणयिष्ये तूणयिष्यावहे तूणयिष्यामहे

क्रि० अतूणयिष्यत अतूणयिष्येताम् अतूणयिष्यन्त
अतूणयिष्यथाः अतूणयिष्येशाम् अतूणयिष्यध्वम्
अतूणयिष्ये अतूणयिष्यावहि अतूणयिष्यामहि

व० भूणयते भूणयेते भूणयन्ते
भूणयसे भूणयेथे भूणयध्वे
भूणये भूणयावहे भूणयामहे

स० भूणयेत भूणयेयाताम् भूणयेरन्
भूणयेथाः भूणयेयाथाम् भूणयेध्वम्
भूणयेय भूणयेवहि भूणयेमहि

प० भूणयताम् भूणयेताम् भूणयन्ताम्
भूणयस्व भूणयेथाम् भूणयध्वम्
भूणये भूणयावहे भूणयामहे

झ० अभूणयत अभूणयेताम् अभूणयन्त
अभूणयथाः अभूणयेथाम् अभूणयध्वम्
अभूणये अभूणयावहि अभूणयामहि

अ० अबुभूणत अबुभूणेताम् अबुभूणन्त
अबुभूणथाः अबुभूणेशाम् अबुभूणध्वम्
अबुभूणे अबुभूणावहि अबुभूणामहि

प० भूणयाञ्चके भूणयाञ्चक्रेते भूणयाञ्चकिरे
भूणयाञ्चकृषे भूणयाञ्चक्राथे भूणयाञ्चकृद्वे
भूणयाञ्चके भूणयाञ्चकृषहे भूणयाञ्चक्रमहे
भूणयाञ्चभूष । भूणयामास

आ० भूणयिषीष्ट भूणयिषीयास्ताम् भूणयिषीरन्
भूणयिषीष्टाः भूणयिषीयास्ताम् भूणयिषीद्वम्
भूणयिषीय भूणयिषीवहि भूणयिषीमहि

प्रब० भूणयिता भूणयितारौ भूणयितारः
भूणयितासे भूणयितासाथे भूणयिताध्वे
भूणयिताहे भूणयितास्वहे भूणयितास्महे

भ० भूणयिष्यते भूणयिष्येते भूणयिष्यन्ते
भूणयिष्यसे भूणयिष्येथे भूणयिष्यध्वे
भूणयिष्ये भूणयिष्यावहे भूणयिष्यामहे

अभूणयिष्यत अभूणयिष्येताम् अभूणयिष्यन्त
अभूणयिष्यथाः अभूणयिष्येशाम् अभूणयिष्यध्वम्
अभूणयिष्ये अभूणयिष्यावहि अभूणयिष्यामहि

॥ अथ तान्ता ॥

1827 चितिण् (चित्) संवेदने 260

व० चेतयते चेतयेते चेतयन्ते
 चेतयसे चेतयेथे चेतयध्वे
 चेतये चेतयावहे चेतयामहे
 स० चेतयेत चेतयेयाताम् चेतयेरन्
 चेतयेथाः चेतयेयाथाम् चेतयेध्वम्
 चेतयेथ चेतयेवहि चेतयेमहि
 प० चेतयताम् चेतयेताम् चेतयन्ताम्
 चेतयस्व चेतयेथाम् चेतयध्वम्
 चेतयै चेतयावहे चेतयामहे
 झ० अचेतयत अचेतयेताम् अचेतयन्त
 अचेतयथाः अचेतयेथाम् अचेतयध्वम्
 अचेतये अचेतयावहि अचेतयामहि
 अ० अचीचितत अचीचितेताम् अचीचितन्त
 अचीचितथाः अचीचितेथाम् अचीचितध्वम्
 अचीचिते अचीचितावहि अचीचितामहि
 प० चोतयाञ्चक्रे चोतयाञ्चक्राते चोतयाञ्चक्रिरे
 चोतयाञ्चकृषे चोतयाञ्चक्राथे चोतयाञ्चकृद्वे
 चोतयाञ्चक्रे चोतयाञ्चकृवहे चोतयाञ्चकृमहे
 चोतयाम्बभूव । चोतयामास
 आ० चोतयिषीष्ट चोतयिषीयास्ताम् चोतयिषीरन्
 चोतयिषीष्ठाः चोतयिषीयास्थाम् -यिषीद्वम्
 चोतयिषीध्वम्
 चोतयिषीय चोतयिषीवहि चोतयिषीमहि
 भ० चोतयिता चोतयितारौ चोतयितारः
 चोतयितासे चोतयितासाथे चोतयिताध्वे
 चोतयिताहे चोतयितावहे चोतयितामहे
 भ० चोतयिष्यते चोतयिष्येते चोतयिष्यन्ते
 चोतयिष्यसे चोतयिष्येथे चोतयिष्यध्वे
 चोतयिष्ये चोतयिष्यावहे चोतयिष्यामहे
 अचोतयिष्यत अचोतयिष्येताम् अचोतयिष्यन्त
 अचोतयिष्यथाः अचोतयिष्येथाम् -यिष्यध्वम्
 अचोतयिष्ये अचोतयिष्यावहि अचोतयिष्यामहि

1828 वस्तिण् (वस्त) अर्दने 261

व० वस्तयते वस्तयेते वस्तयन्ते
 वस्तयसे वस्तयेथे वस्तयध्वे
 वस्तये वस्तयावहे वस्तयामहे
 स० वस्तयेत वस्तयेयाताम् वस्तयेरन्
 वस्तयेथाः वस्तयेयाथाम् वस्तयेध्वम्
 वस्तयेथ वस्तयेवहि वस्तयेमहि
 प० वस्तयताम् वस्तयेताम् वस्तयन्ताम्
 वस्तयस्व वस्तयेथाम् वस्तयध्वम्
 वस्तयै वस्तयावहे वस्तयामहे
 झ० अवस्तयत अवस्तयेताम् अवस्तयन्त
 अवस्तयथाः अवस्तयेथाम् अवस्तयध्वम्
 अवस्तये अवस्तयावहि अवस्तयामहि
 अ० अववस्तत अववस्तेताम् अववस्तन्त
 अववस्तथाः अववस्तेथाम् अववस्तध्वम्
 अववस्ते अववस्तावहि अववस्तामहि
 प० वस्तयाञ्चक्रे वस्तयाञ्चक्राते वस्तयाञ्चक्रिरे
 वस्तयाञ्चकृषे वस्तयाञ्चक्राथे वस्तयाञ्चकृद्वे
 वस्तयाञ्चक्रे वस्तयाञ्चकृवहे वस्तयाञ्चकृमहे
 वस्तयाम्बभूव । वस्तयामास
 आ० वस्तयिषीष्ट वस्तयिषीयास्ताम् वस्तयिषीरन्
 वस्तयिषीष्ठाः वस्तयिषीयास्थाम् -यिषीद्वम्
 वस्तयिषीध्वम्
 वस्तयिषीय वस्तयिषीवहि वस्तयिषीमहि
 भ० वस्तयिता वस्तयितारौ वस्तयितारः
 वस्तयितासे वस्तयितासाथे वस्तयिताध्वे
 वस्तयिताहे वस्तयितावहे वस्तयितामहे
 भ० वस्तयिष्यते वस्तयिष्येते वस्तयिष्यन्ते
 वस्तयिष्यसे वस्तयिष्येथे वस्तयिष्यध्वे
 वस्तयिष्ये वस्तयिष्यावहे वस्तयिष्यामहे
 अवस्तयिष्यत अवस्तयिष्येताम् अवस्तयिष्यन्त
 अवस्तयिष्यथाः अवस्तयिष्येथाम् -यिष्यध्वम्
 अवस्तयिष्ये अवस्तयिष्यावहि -यिष्यामहि

1829 गन्धिगू (गन्धु) अदंने 262

व० गन्धयते गन्धयेते गन्धयन्ते
 गन्धयसे गन्धयेथे गन्धयध्वे
 गन्धये गन्धयावहे गन्धयामहे
 स० गन्धयेत गन्धयेताताम् गन्धयेरन्
 गन्धयेथाः गन्धयेथाताम् गन्धयेध्वम्
 गन्धयेय गन्धयेयहि गन्धयेमहि
 प० गन्धयताम् गन्धयेताम् गन्धयन्ताम्
 गन्धयस्व गन्धयेथाम् गन्धयध्वम्
 गन्धयै गन्धयावहै गन्धयामहै
 ह्य० अगन्धयत अगन्धयेताम् अगन्धयन्त
 अगन्धयथाः अगन्धयेथाम् अगन्धयध्वम्
 अगन्धये अगन्धयावहि अगन्धयामहि
 अ० अजगन्धत अजगन्धेताम् अजगन्धन्त
 अजगन्धथाः अजगन्धेथाम् अजगन्धध्वम्
 अजगन्धे अजगन्धावहि अजगन्धामहि
 प० गन्धयाञ्चक्रे गन्धयाञ्चकाते गन्धयाञ्चकिरे
 गन्धयाञ्चकृषे गन्धयाञ्चकाथे गन्धयाञ्चकृद्वे
 गन्धयाञ्चके गन्धयाञ्चकृषहे गन्धयाञ्चकृमहे
 गन्धयाम्बभूव । गन्धयामास
 आ० गन्धयिषीष्ट गन्धयिषीयास्ताम् गन्धयिषीरन्
 गन्धयिषीष्ठाः गन्धयिषीयास्थाम् गन्धयिषी-
 द्वम् गन्धयिषीध्वम्
 गन्धयिषीय गन्धयिषीवहि गन्धयिषीमहि
 श्व० गन्धयिता गन्धयितारौ गन्धयितारः
 गन्धयितासे गन्धयितासाथे गन्धयिताध्वे
 गन्धयिताहे गन्धयितास्वहे गन्धयितास्महे
 अ० गन्धयिष्यते गन्धयिष्येते गन्धयिष्यन्ते
 गन्धयिष्यसे गन्धयिष्येथे गन्धयिष्यध्वे
 गन्धयिष्ये गन्धयिष्यावहे गन्धयिष्यामहे
 अगन्धयिष्यत अगन्धयिष्येताम् अगन्धयिष्यन्त
 अगन्धयिष्यथाः अगन्धयिष्येथाम्-यिष्यध्वम्
 अगन्धयिष्ये अगन्धयिष्यावहि अगन्धयिष्यामहि

॥ अथ पान्ताश्चत्वारः ॥

1830 डापिण् (डप्) संघाते 263

व० डापयते डापयेते डापयन्ते
 डापयसे डापयेथे डापयध्वे
 डापये डापयावहे डापयामहे
 स० डापयेत डापयेताताम् डापयेरन्
 डापयेथाः डापयेथाताम् डापयेध्वम्
 डापयेय डापयेयहि डापयेमहि
 प० डापयताम् डापयेताम् डापयन्ताम्
 डापयस्व डापयेथाम् डापयध्वम्
 डापयै डापयावहै डापयामहै
 ह्य० अडापयत अडापयेताम् अडापयन्त
 अडापयथाः अडापयेथाम् अडापयध्वम्
 अडापये अडापयावहि अडापयामहि
 अ० अडीडपत अडीडपेताम् अडीडपन्त
 अडीडपथाः अडीडपेथाम् अडीडपध्वम्
 अडीडपे अडीडपावहि अडीडपामहि
 प० डापयाञ्चके डापयाञ्चकाते डापयाञ्चकिरे
 डापयाञ्चकृषे डापयाञ्चकाथे डापयाञ्चकृद्वे
 डापयाञ्चके डापयाञ्चकृषहे डापयाञ्चकृमहे
 डापयाम्बभूव । डापयामास
 आ० डापयिषीष्ट डापयिषीयास्ताम् डापयिषीरन्
 डापयिषीष्ठाः डापयिषीयास्थाम् डापयिषीद्वम्
 डापयिषीध्वम्
 डापयिषीय डापयिषीवहि डापयिषीमहि
 श्व० डापयिता डापयितारौ डापयितारः
 डापयितासे डापयितासाथे डापयिताध्वे
 डापयिताहे डापयितास्वहे डापयितास्महे
 अ० डापयिष्यते डापयिष्येते डापयिष्यन्ते
 डापयिष्यसे डापयिष्येथे डापयिष्यध्वे
 डापयिष्ये डापयिष्यावहे डापयिष्यामहे
 अडापयिष्यत अडापयिष्येताम् अडापयिष्यन्त
 अडापयिष्यथाः अडापयिष्येथाम्-यिष्यध्वम्
 अडापयिष्ये अडापयिष्यावहि अडापयिष्यामहि

1831 डिपिण् (डिप्) संघाते 264

| | | |
|---------------|-----------|------------|
| व० डेपयते | डेपयेते | डेपयन्ते |
| डेपयसे | डेपयेथे | डेपयध्वे |
| डेपये | डेपयावहे | डेपयामहे |
| स० डेपयेत | डेपयेताम् | डेपयेरन् |
| डेपयेथाः | डेपयेथाम् | डेपयेध्वम् |
| डेपयेय | डेपयेयहि | डेपयेमहि |
| प० डेपयन्ताम् | डेपयेताम् | डेपयन्ताम् |
| डेपयस्व | डेपयेथाम् | डेपयध्वम् |
| डेपयै | डेपयावहे | डेपयामहे |

अ० अडेपयत अडेपयेताम् अडेपयन्त
अडेपयथाः अडेपयेथाम् अडेपयध्वम्
अडेपये अडेपयावहि अडेपयामहि
अ० अडीडिपत अडीडिपेताम् अडीडिपन्त
अडीडिपथाः अडीडिपेथाम् अडीडिपध्वम्
अडीडिपे अडीडिपावहि अडीडिपामहि
प० डेपयाञ्चक्रे डेपयाञ्चकृते डेपयाञ्चकिरे
डेपयाञ्चकृषे डेपयाञ्चकृथे डेपयाञ्चकृध्वे
डेपयाञ्चक्रे डेपयाञ्चकृवहे डेपयाञ्चकृमहे
डेपयाम्बभूव । डेपयामास

आ० डेपयिषीष्ट डेपयिषीयास्ताम् डेपयिषीरन्
डेपयिषीष्ठाः डेपयिषीयास्थाम् डेपयिषीध्वम्
डेपयिषीध्वम्

डेपयिषीय डेपयिषीवहि डेपयिषीमहि

अ० डेपयिता डेपयितारौ डेपयितारः

डेपयितासे डेपयितासाथे डेपयिताध्वे

डेपयिताहे डेपयितास्वहे डेपयितास्महे

अ० डेपयिष्यते डेपयिष्येते डेपयिष्यन्ते

डेपयिष्यसे डेपयिष्येथे डेपयिष्यध्वे

डेपयिष्ये डेपयिष्यावहे डेपयिष्यामहे

अडेपयिष्यत अडेपयिष्येताम् अडेपयिष्यन्त

अडेपयिष्यथाः अडेपयिष्येथाम् अडेपयिष्यध्वम्

अडेपयिष्ये अडेपयिष्यावहि अडेपयिष्यामहि

1832 डम्पि (डम्प) संघाते 265

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| व० डम्पयते | डम्पयेते | डम्पयन्ते |
| डम्पयसे | डम्पयेथे | डम्पयध्वे |
| डम्पये | डम्पयावहे | डम्पयामहे |
| स० डम्पयेत | डम्पयेताम् | डम्पयेरन् |
| डम्पयेथाः | डम्पयेथाम् | डम्पयेध्वम् |
| डम्पयेय | डम्पयेयहि | डम्पयेमहि |
| प० डम्पयताम् | डम्पयेताम् | डम्पयन्ताम् |
| डम्पयस्व | डम्पयेथाम् | डम्पयध्वम् |
| डम्पयै | डम्पयावहे | डम्पयामहे |

अ० अडम्पयत अडम्पयेताम् अडम्पयन्त
अडम्पयथाः अडम्पयेथाम् अडम्पयध्वम्
अडम्पये अडम्पयावहि अडम्पयामहि

अ० अडडम्पत अडडम्पेताम् अडडम्पन्त
अडडम्पथाः अडडम्पेथाम् अडडम्पध्वम्
अडडम्पे अडडम्पावहि अडडम्पामहि

प० डम्पयाञ्चक्रे डम्पयाञ्चकृते डम्पयाञ्चकिरे
डम्पयाञ्चकृषे डम्पयाञ्चकृथे डम्पयाञ्चकृध्वे
डम्पयाञ्चक्रे डम्पयाञ्चकृवहे डम्पयाञ्चकृमहे

डम्पयाम्बभूव । डम्पयामास

आ० डम्पयिषीष्ट डम्पयिषीयास्ताम् डम्पयिषीरन्
डम्पयिषीष्ठाः डम्पयिषीयास्थाम् डम्पयिषीध्वम्
डम्पयिषीध्वम्

डम्पयिषीय डम्पयिषीवहि डम्पयिषीमहि

अ० डम्पयिता डम्पयितारौ डम्पयितारः

डम्पयितासे डम्पयितासाथे डम्पयिताध्वे

डम्पयिताहे डम्पयितास्वहे डम्पयितास्महे

अ० डम्पयिष्यते डम्पयिष्येते डम्पयिष्यन्ते

डम्पयिष्यसे डम्पयिष्येथे डम्पयिष्यध्वे

डम्पयिष्ये डम्पयिष्यावहे डम्पयिष्यामहे

अडम्पयिष्यत अडम्पयिष्येताम् अडम्पयिष्यन्त

अडम्पयिष्यथाः अडम्पयिष्येथाम् अडम्पयिष्यध्वम्

अडम्पयिष्ये अडम्पयिष्यावहि अडम्पयिष्यामहि

1833 डिम्पिण् (डिम्प्) संघाते 266 1834 डम्भिण् (डम्भ्) संघाते 267

ब० डिम्पयते डिम्पयेते डिम्पयन्ते
डिम्पयसे डिम्पयेथे डिम्पयध्वे
डिम्पये डिम्पयावहे डिम्पयामहे

स० डिम्पयेत डिम्पयेताम् डिम्पयेरन्
डिम्पयेथाः डिम्पयेथाम् डिम्पयेध्वम्
डिम्पयेय डिम्पयेवहि डिम्पयेमहि

प० डिम्पयताम् डिम्पयेताम् डिम्पयन्ताम्
डिम्पयस्व डिम्पयेथाम् डिम्पयध्वम्
डिम्पयै डिम्पयावहे डिम्पयामहे

झ० अडिम्पयत अडिम्पयेताम् अडिम्पयन्त
अडिम्पयथाः अडिम्पयेथाम् अडिम्पयध्वम्
अडिम्पये अडिम्पयावहि अडिम्पयामहि

ञ० अडि डिम्पत अडि डिम्पेताम् अडि डिम्पन्त
अडि डिम्पथाः अडि डिम्पेथाम् अडि डिम्पध्वम्
अडि डिम्पे अडि डिम्पावहि अडि डिम्पामहि

ट० डिम्पयाञ्चक्रे डिम्पयाञ्चकाते डिम्पयाञ्चक्रे
डिम्पयाञ्चकृषे डिम्पयाञ्चकाथे डिम्पयाञ्चकृध्वे
डिम्पयाञ्चके डिम्पयाञ्चकवहे डिम्पयाञ्चकमहे

डिम्पयाम्बभूव । डिम्पयामास

आ० डिम्पयिषीष्ट डिम्पयिषीयास्ताम्-यिषीरन्
डिम्पयिषीष्ठाः डिम्पयिषीयास्ताम्-यिषीध्वम्
डिम्पयिषीध्वम्

डिम्पयिषीय डिम्पयिषीवहि डिम्पयिषीमहि

श्व० डिम्पयिता डिम्पयितारौ डिम्पयितारः
डिम्पयितासे डिम्पयितासाथे डिम्पयिताध्वे
डिम्पयिताहे डिम्पयितास्वहे डिम्पयितास्महे

भ० डिम्पयिष्यते डिम्पयिष्येते डिम्पयिष्यन्ते
डिम्पयिष्यसे डिम्पयिष्येथे डिम्पयिष्यध्वे
डिम्पयिष्ये डिम्पयिष्यावहे डिम्पयिष्यामहे

झि० अडिम्पयिष्यत अडिम्पयिष्येताम्-यिष्यन्त
अडिम्पयिष्यथाः अडिम्पयिष्येथाम्-यिष्यध्वम्
अडिम्पयिष्ये अडिम्पयिष्यावहि-यिष्यामहि

ब० डम्भयते डम्भयेते डम्भयन्ते
डम्भयसे डम्भयेथे डम्भयध्वे
डम्भये डम्भयावहे डम्भयामहे

स० डम्भयेत डम्भयेताम् डम्भयेरन्
डम्भयेथाः डम्भयेथाम् डम्भयेध्वम्
डम्भयेय डम्भयेवहि डम्भयेमहि

प० डम्भयताम् डम्भयेताम् डम्भयन्ताम्
डम्भयस्व डम्भयेथाम् डम्भयध्वम्
डम्भयै डम्भयावहे डम्भयामहे

झ० अडम्भयत अडम्भयेताम् अडम्भयन्त
अडम्भयथाः अडम्भयेथाम् अडम्भयध्वम्
अडम्भये अडम्भयावहि अडम्भयामहि

ञ० अडडम्भत अडडम्भेताम् अडडम्भन्त
अडडम्भथाः अडडम्भेथाम् अडडम्भध्वम्
अडडम्भे अडडम्भावहि अडडम्भामहि

ट० डम्भयाञ्चक्रे डम्भयाञ्चकाते डम्भयाञ्चक्रे
डम्भयाञ्चकृषे डम्भयाञ्चकाथे डम्भयाञ्चकृध्वे
डम्भयाञ्चके डम्भयाञ्चकवहे डम्भयाञ्चकमहे

डम्भयाम्बभूव । डम्भयामास

आ० डम्भयिषीष्ट डम्भयिषीयास्ताम्-डम्भयिषीरन्
डम्भयिषीष्ठाः डम्भयिषीयास्ताम्-यिषीध्वम्
डम्भयिषीध्वम्

डम्भयिषीय डम्भयिषीवहि डम्भयिषीमहि

श्व० डम्भयिता डम्भयितारौ डम्भयितारः
डम्भयितासे डम्भयितासाथे डम्भयिताध्वे
डम्भयिताहे डम्भयितास्वहे डम्भयितास्महे

भ० डम्भयिष्यते डम्भयिष्येते डम्भयिष्यन्ते
डम्भयिष्यसे डम्भयिष्येथे डम्भयिष्यध्वे
डम्भयिष्ये डम्भयिष्यावहे डम्भयिष्यामहे

झि० अडम्भयिष्यत अडम्भयिष्येताम्-अडम्भयिष्यन्त
अडम्भयिष्यथाः अडम्भयिष्येथाम्-यिष्यध्वम्
अडम्भयिष्ये अडम्भयिष्यावहि-यिष्यामहि

1835 डिम्भिण् (डिम्भ्) संघाते 268

य० डिम्भयते डिम्भयेते डिम्भयन्ते
 डिम्भयसे डिम्भयेथे डिम्भयध्वे
 डिम्भये डिम्भयावहे डिम्भयामहे
 स० डिम्भयेत डिम्भयेयाताम् डिम्भयेरन्
 डिम्भयेथाः डिम्भयेयाताम् डिम्भयेध्वम्
 डिम्भयेय डिम्भयेवहि डिम्भयेमहि
 ण० डिम्भयताम् डिम्भयेताम् डिम्भयन्ताम्
 डिम्भयस्व डिम्भयेयाम् डिम्भयध्वम्
 डिम्भये डिम्भयावहे डिम्भयामहे
 झ० अडिम्भयत अडिम्भयेताम् अडिम्भयन्त
 अडिम्भयथाः अडिम्भयेयाम् अडिम्भयध्वम्
 अडिम्भये अडिम्भयावहि अडिम्भयामहि
 अ० अडिडिम्भत अडिडिम्भेताम् अडिडिम्भन्त
 अडिडिम्भथाः अडिडिम्भेयाम् अडिडिम्भध्वम्
 अडिडिम्भे अडिडिम्भावहि अडिडिम्भामहि
 डिम्भयाश्चक्रे डिम्भयाश्चक्राते डिम्भयाश्चक्रिरे
 डिम्भयाश्चकृषे डिम्भयाश्चक्राथे डिम्भयाश्चकृद्वे
 डिम्भयाश्चक्रे डिम्भयाश्चकृवहे डिम्भयाश्चक्रमहे
 डिम्भयाम्बभूव । डिम्भयामास
 डिम्भयिषीष्ट डिम्भयिषीयास्ताम् डिम्भयिषीरन्
 डिम्भयिषीष्ठाः डिम्भयिषीयास्याम्-यिषीद्वम्
 डिम्भयिषीध्वम्
 डिम्भयिषीय डिम्भयिषीवहि डिम्भयिषीमहि
 ऋ० डिम्भयिता डिम्भयितारौ डिम्भयितारः
 डिम्भयितासे डिम्भयितासाथे डिम्भयिताध्वे
 डिम्भयिताहे डिम्भयितास्वहे डिम्भयितास्महे
 भ० डिम्भयिष्यते डिम्भयिष्येते डिम्भयिष्यन्ते
 डिम्भयिष्यसे डिम्भयिष्येथे डिम्भयिष्यध्वे
 डिम्भयिष्ये डिम्भयिष्यावहे डिम्भयिष्यामहे
 अडिम्भयिष्यत अडिम्भयिष्येताम्-यिष्यन्त
 अडिम्भयिष्यथाः अडिम्भयिष्येयाम्-यिष्यध्वम्
 अडिम्भयिष्ये अडिम्भयिष्यावहि-यिष्यामहि

॥ अथ मान्तास्त्रयः ॥

1836 स्यमिण् (स्यम्) वितर्के 269

य० स्यामयते स्यामयेते स्यामयन्ते
 स्यामयसे स्यामयेथे स्यामयध्वे
 स्यामये स्यामयावहे स्यामयामहे
 स० स्यामयेत स्यामयेयाताम् स्यामयेरन्
 स्यामयेथाः स्यामयेयाताम् स्यामयेध्वम्
 स्यामयेय स्यामयेवहि स्यामयेमहि
 ण० स्यामयताम् स्यामयेताम् स्यामयन्ताम्
 स्यामयस्व स्यामयेयाम् स्यामयध्वम्
 स्यामये स्यामयावहे स्यामयामहे
 झ० अस्यामयत अस्यामयेताम् अस्यामयन्त
 अस्यामयथाः अस्यामयेयाम् अस्यामयध्वम्
 अस्यामये अस्यामयावहि अस्यामयामहि
 अ० असिस्यमत असिस्यमेताम् असिस्यमन्त
 असिस्यमथाः असिस्यमेयाम् असिस्यमध्वम्
 असिस्यमे असिस्यमावहि असिस्यमामहि
 स्यामयाञ्चक्रे स्यामयाञ्चक्राते स्यामयाञ्चक्रिरे
 स्यामयाञ्चकृषे स्यामयाञ्चक्राथे स्यामयाञ्चकृद्वे
 स्यामयाञ्चक्रे स्यामयाञ्चकृवहे स्यामयाञ्चक्रमहे
 स्यामयाम्बभूव । स्यामयामास
 स्यामयिषीष्ट स्यामयिषीयास्ताम् स्यामयिषीरन्
 स्यामयिषीष्ठाः स्यामयिषीयास्याम्-यिषीद्वम्
 स्यामयिषीध्वम्
 स्यामयिषीय स्यामयिषीवहि स्यामयिषीमहि
 ऋ० स्यामयिता स्यामयितारौ स्यामयितारः
 स्यामयितासे स्यामयितासाथे स्यामयिताध्वे
 स्यामयिताहे स्यामयितास्वहे स्यामयितास्महे
 भ० स्यामयिष्यते स्यामयिष्येते स्यामयिष्यन्ते
 स्यामयिष्यसे स्यामयिष्येथे स्यामयिष्यध्वे
 स्यामयिष्ये स्यामयिष्यावहे स्यामयिष्यामहे
 अस्यामयिष्यत अस्यामयिष्येताम्-यिष्यन्त
 अस्यामयिष्यथाः अस्यामयिष्येयाम्-यिष्यध्वम्
 अस्यामयिष्ये अस्यामयिष्यावहि-यिष्यामहि

1837 शमिण् (शम्) आलोचने 270

व० शामयते शामयेते शामयन्ते
 शामयसे शामयेथे शामयध्वे
 शामये शामयावहे शामयामहे
 स० शामयेत शामयेयाताम् शामयेरन्
 शामयथाः शामयेयाताम् शामयेध्वम्
 शामयेय शामयेवहि शामयेमहि
 प० शामयताम् शामयेताम् शामयन्ताम्
 शामयस्व शामयेयाम् शामयध्वम्
 शामयै शामयावहै शामयामहै
 झ० अशामयत अशामयेताम् अशामयन्त
 अशामयथाः अशामयेयाम् अशामयध्वम्
 अशामये अशामयावहि अशामयामहि
 अ० अशीशमत अशीशमेताम् अशीशमन्त
 अशीशमथाः अशीशमेयाम् अशीशमध्वम्
 अशीशमे अशीशमावहि अशीशमामहि
 प० शामयाञ्चक्रे शामयाञ्चक्राते शामयाञ्चक्रिरे
 शामयाञ्चक्रे शामयाञ्चक्राथे शामयाञ्चकृद्वे
 शामयाञ्चक्रे शामयाञ्चकृवहे शामयाञ्चकृमहे
 शामयाञ्चभूव । शामयामास
 शामयिषीष्ट शामयिषीयास्ताम् शामयिषीरन्
 शामयिषीष्ठाः शिषीयास्थाम् शिषीह्वम् ध्वम्
 शामयिषीय शामयिषीवहि शामयिषीमहि
 प्रव० शामयिता शामयितारौ शामयितारः
 शामयितासे शामयितासाथे शामयिताध्वे
 शामयिताहे शामयितास्वहे शामयितास्महे
 भ० शामयिष्यते शामयिष्येते शामयिष्यन्ते
 शामयिष्यसे शामयिष्येथे शामयिष्यध्वे
 शामयिष्ये शामयिष्यावहे शामयिष्यामहे
 क्रि० अशामयिष्यत अशामयिष्येताम् अशामयिष्यन्त
 अशा यिष्यथाः अशामयिष्येयाम् यिष्यध्वम्
 अशामयिष्ये अशामयिष्यावहे यिष्यामहे

1838 कुस्मिण् (कुस्म्) कुस्मयने ।

कुत्सितं स्मयनं कुस्मयनम् 271

व० कुस्मयते कुस्मयेने कुस्मयन्ते
 कुस्मयसे कुस्मयेथे कुस्मयध्वे
 कुस्मये कुस्मयावहे कुस्मयामहे
 स० कुस्मयेत कुस्मयेयाताम् कुस्मयेरन्
 कुस्मयेथाः कुस्मयेयाताम् कुस्मयेध्वम्
 कुस्मयेय कुस्मयेवहि कुस्मयेमहि
 प० कुस्मयताम् कुस्मयेताम् कुस्मयन्ताम्
 कुस्मयस्व कुस्मयेयाम् कुस्मयध्वम्
 कुस्मयै कुस्मयावहै कुस्मयामहै
 झ० अकुस्मयत अकुस्मयेताम् अकुस्मयन्त
 अकुस्मयथाः अकुस्मयेयाम् अकुस्मयध्वम्
 अकुस्मये अकुस्मयावहि अकुस्मयामहि
 अ० अचुकुस्मत अचुकुस्मेताम् अचुकुस्मन्त
 अचुकुस्मथाः अचुकुस्मेयाम् अचुकुस्मध्वम्
 अचुकुस्मे अचुकुस्मावहि अचुकुस्मामहि
 प० कुस्मयाञ्चक्रे कुस्मयाञ्चक्राते कुस्मयाञ्चक्रिरे
 कुस्मयाञ्चक्रे कुस्मयाञ्चक्राथे याञ्चकृद्वे
 कुस्मयाञ्चक्रे कुस्मयाञ्चकृवहे कुस्मयाञ्चकृमहे
 कुस्मयाञ्चभूव । कुस्मयामास
 कुस्मयिषीष्ट कुस्मयिषीयास्ताम् कुस्मयिषीरन्
 कुस्मयिषीष्ठाः यिषीयास्थाम् यिषीह्वम् ध्वम्
 कुस्मयिषीय कुस्मयिषीवहि कुस्मयिषीमहि
 प्रव० कुस्मयिता कुस्मयितारौ कुस्मयितारः
 कुस्मयितासे कुस्मयितासाथे कुस्मयिताध्वे
 कुस्मयिताहे कुस्मयितास्वहे कुस्मयितास्महे
 भ० कुस्मयिष्यते कुस्मयिष्येते कुस्मयिष्यन्ते
 कुस्मयिष्यसे कुस्मयिष्येथे कुस्मयिष्यध्वे
 कुस्मयिष्ये कुस्मयिष्यावहे कुस्मयिष्यामहे
 क्रि० अकुस्मयिष्यत अकुस्मयिष्येताम् अकुस्मयिष्यन्त
 अकुस्मयिष्यथाः अकुस्मयिष्येयाम् यिष्यध्वम्
 अकुस्मयिष्ये अकुस्मयिष्यावहे यिष्यामहे

॥ अथ रान्तास्त्रयः ॥

1839 गूरिण् (गूर्) उद्यमे । 272

| | | |
|----------------|-----------------|----------------|
| व० गूरयते | गूरयेते | गूरयन्ते |
| गूरयसे | गूरयेथे | गूरयध्वे |
| गूरये | गूरयावहे | गूरयामहे |
| स० गूरयेत | गूरयेयाताम् | गूरयेरन् |
| गूरयेथाः | गूरयेयाथाम् | गूरयेध्वम् |
| गूरयेय | गूरयेयहि | गूरयेमहि |
| प० गूरयताम् | गूरयेताम् | गूरयन्ताम् |
| गूरयस्व | गूरयेथाम् | गूरयध्वम् |
| गूरयै | गूरयावहै | गूरयामहै |
| झ० अगूरयत | अगूरयेताम् | अगूरयन्त |
| अगूरयथाः | अगूरयेथाम् | अगूरयध्वम् |
| अगूरये | अगूरयावहि | अगूरयामहि |
| ञ० अजूगूरत | अजूगूरेताम् | अजूगूरन्त |
| अजूगूरथाः | अजूगूरेथाम् | अजूगूरध्वम् |
| अजूगूरे | अजूगूरावहि | अजूगूरामहि |
| प० गूरयाञ्चके | गूरयाञ्चकाते | गूरयाञ्चकिरे |
| गूरयाञ्चकृषे | गूरयाञ्चकाथे | गूरयाञ्चकृद्वे |
| गूरयाञ्चके | गूरयाञ्चकृवहे | गूरयाञ्चकृमहे |
| गूरयाम्बभूव | गूरयामास | |
| आ० गूरयिषीष्ट | गूरयिषीयास्ताम् | गूरयिषीरन् |
| गूरयिषीष्ठाः | गूरयिषीयास्थाम् | गूरयिषीध्वम् |
| गूरयिषीय | गूरयिषीवहि | गूरयिषीमहि |
| इ० गूरयिता | गूरयितारौ | गूरयितारः |
| गूरयितासे | गूरयितासाथे | गूरयिताध्वे |
| गूरयिताहे | गूरयितास्वहे | गूरयितास्महे |
| झ० गूरयिष्यते | गूरयिष्येते | गूरयिष्यन्ते |
| गूरयिष्यसे | गूरयिष्येथे | गूरयिष्यध्वे |
| गूरयिष्ये | गूरयिष्यावहे | गूरयिष्यामहे |
| कि० अगूरयिष्यत | अगूरयिष्येताम् | अगूरयिष्यन्त |
| अगूरयिष्यथाः | अगूरयिष्येथाम् | अगूरयिष्यध्वम् |
| अगूरयिष्ये | अगूरयिष्यावहि | अगूरयिष्यामहि |

1840 तन्त्रिण् (तन्त्र कुटुम्बधारणे ।

कुटुम्बः परिवारः । उपलक्षणञ्चतत् 273

| | | |
|-------------------|--------------------|-------------------|
| व० तन्त्रयते | तन्त्रयेते | तन्त्रयन्ते |
| तन्त्रयसे | तन्त्रयेथे | तन्त्रयध्वे |
| तन्त्रये | तन्त्रयावहे | तन्त्रयामहे |
| स० तन्त्रयेत | तन्त्रयेयाताम् | तन्त्रयेरन् |
| तन्त्रयेथाः | तन्त्रयेयाथाम् | तन्त्रयेध्वम् |
| तन्त्रयेय | तन्त्रयेयहि | तन्त्रयेमहि |
| प० तन्त्रयताम् | तन्त्रयेताम् | तन्त्रयन्ताम् |
| तन्त्रयस्व | तन्त्रयेथाम् | तन्त्रयध्वम् |
| तन्त्रयै | तन्त्रयावहै | तन्त्रयामहै |
| झ० अतन्त्रयत | अतन्त्रयेताम् | अतन्त्रयन्त |
| अतन्त्रयथाः | अतन्त्रयेथाम् | अतन्त्रयध्वम् |
| अतन्त्रये | अतन्त्रयावहि | अतन्त्रयामहि |
| अ० अतन्त्रयत | अतन्त्रयेताम् | अतन्त्रयन्त |
| अतन्त्रयथाः | अतन्त्रयेथाम् | अतन्त्रयध्वम् |
| अतन्त्रये | अतन्त्रयावहि | अतन्त्रयामहि |
| प० तन्त्रयाञ्चके | तन्त्रयाञ्चकाते | तन्त्रयाञ्चकिरे |
| तन्त्रयाञ्चकृषे | तन्त्रयाञ्चकाथे | तन्त्रयाञ्चकृद्वे |
| तन्त्रयाञ्चके | तन्त्रयाञ्चकृवहे | तन्त्रयाञ्चकृमहे |
| तन्त्रयाम्बभूव | तन्त्रयामास | |
| आ० तन्त्रयिषीष्ट | तन्त्रयिषीयास्ताम् | तन्त्रयिषीरन् |
| तन्त्रयिषीष्ठाः | तन्त्रयिषीयास्थाम् | तन्त्रयिषीध्वम् |
| तन्त्रयिषीय | तन्त्रयिषीवहि | तन्त्रयिषीमहि |
| इ० तन्त्रयिता | तन्त्रयितारौ | तन्त्रयितारः |
| तन्त्रयितासे | तन्त्रयितासाथे | तन्त्रयिताध्वे |
| तन्त्रयिताहे | तन्त्रयितास्वहे | तन्त्रयितास्महे |
| झ० तन्त्रयिष्यते | तन्त्रयिष्येते | तन्त्रयिष्यन्ते |
| तन्त्रयिष्यसे | तन्त्रयिष्येथे | तन्त्रयिष्यध्वे |
| तन्त्रयिष्ये | तन्त्रयिष्यावहे | तन्त्रयिष्यामहे |
| कि० अतन्त्रयिष्यत | अतन्त्रयिष्येताम् | अतन्त्रयिष्यन्त |
| अतन्त्रयिष्यथाः | अतन्त्रयिष्येथाम् | अतन्त्रयिष्यध्वम् |
| अतन्त्रयिष्ये | अतन्त्रयिष्यावहि | अतन्त्रयिष्यामहि |

कुटुम्बेत्यपि धातुरिति चान्द्राः । कुटुम्बयते

1841 मन्त्रिण् (मन्त्र्) गुप्तभाषणे 274

व० मन्त्रयते मन्त्रयेते मन्त्रयन्ते
मन्त्रयसे मन्त्रयेथे मन्त्रयध्वे
मन्त्रये मन्त्रयावहे मन्त्रयामहे

स० मन्त्रयेत मन्त्रयेयाताम् मन्त्रयेरन्
मन्त्रयेथाः मन्त्रयेयाथाम् मन्त्रयेध्वम्
मन्त्रयेय मन्त्रयेवहि मन्त्रयेमहि

प० मन्त्रयताम् मन्त्रयेताम् मन्त्रयन्ताम्
मन्त्रयस्व मन्त्रयेथाम् मन्त्रयध्वम्
मन्त्रये मन्त्रयावहे मन्त्रयामहे

झ० अमन्त्रयत अमन्त्रयेताम् अमन्त्रयन्त
अमन्त्रयथाः अमन्त्रयेथाम् अमन्त्रयध्वम्
अमन्त्रये अमन्त्रयावहि अमन्त्रयामहि

अ० अममन्त्रयत अममन्त्रयेताम् अममन्त्रयन्त
अममन्त्रयथाः अममन्त्रयेथाम् अममन्त्रयध्वम्
अममन्त्रये अममन्त्रयावहि अममन्त्रयामहि

प० मन्त्रयाञ्चक्रे मन्त्रयाञ्चक्राते मन्त्रयाञ्चक्रिरे
मन्त्रयाञ्चकृषे मन्त्रयाञ्चक्राथे मन्त्रयाञ्चकृद्वे
मन्त्रयाञ्चके मन्त्रयाञ्चकृवहे मन्त्रयाञ्चकृमहे
मन्त्रयाञ्चभूव । मन्त्रयामास

आ० मन्त्रयिषीष्ट मन्त्रयिषीयास्ताम् मन्त्रयिषीरन्
मन्त्रयिषीष्ठाः मन्त्रयिषीयास्थाम् यिषीद्वम् ध्वम्
मन्त्रयिषीय मन्त्रयिषीवहि मन्त्रयिषीमहि

ख० मन्त्रयिता मन्त्रयितारौ मन्त्रयितारः
मन्त्रयितासे मन्त्रयितासाथे मन्त्रयिताध्वे
मन्त्रयिताहे मन्त्रयितास्वहे मन्त्रयितास्महे

भ० मन्त्रयिष्यते मन्त्रयिष्येते मन्त्रयिष्यन्ते
मन्त्रयिष्यसे मन्त्रयिष्येथे मन्त्रयिष्यध्वे
मन्त्रयिष्ये मन्त्रयिष्यावहे मन्त्रयिष्यामहे

क्रि० अमन्त्रयिष्यत अमन्त्रयिष्येताम् यिष्यन्त
अमन्त्रयिष्यथाः अमन्त्रयिष्येथाम् यिष्यध्वम्
अमन्त्रयिष्ये अमन्त्रयिष्यावहि यिष्यामहि

॥ अथ लान्तः ॥

1842 ललिण् (लल्) ईप्सायाम् 275

व० लालयते लालयेते लालयन्ते
लालयसे लालयेथे लालयध्वे
लालये लालयावहे लालयामहे

स० लालयेत लालयेयाताम् लालयेरन्
लालयेथाः लालयेयाथाम् लालयेध्वम्
लालयेय लालयेवहि लालयेमहि

प० लालयताम् लालयेताम् लालयन्ताम्
लालयस्व लालयेथाम् लालयध्वम्
लालये लालयावहे लालयामहे

झ० अलालयत अलालयेताम् अलालयन्त
अलालयथाः अलालयेथाम् अलालयध्वम्
अलालये अलालयावहि अलालयामहि

अ० अलीललत अलीललेताम् अलीललन्त
अलीललथाः अलीललेथाम् अलीललध्वम्
अलीलले अलीललावहि अलीललामहि

प० लालयाञ्चक्रे लालयाञ्चक्राते लालयाञ्चक्रिरे
लालयाञ्चकृषे लालयाञ्चक्राथे लालयाञ्चकृद्वे
लालयाञ्चके लालयाञ्चकृवहे लालयाञ्चकृमहे
लालयाञ्चभूव । लालयामास

आ० लालयिषीष्ट लालयिषीयास्ताम् यिषीरन्
लालयिषीष्ठाः यिषीयास्थाम् यिषीद्वम् ध्वम्
लालयिषीय लालयिषीवहि लालयिषीमहि

ख० लालयिता लालयितारौ लालयितारः
लालयितासे लालयितासाथे लालयिताध्वे
लालयिताहे लालयितास्वहे लालयितास्महे

भ० लालयिष्यते लालयिष्येते लालयिष्यन्ते
लालयिष्यसे लालयिष्येथे लालयिष्यध्वे
लालयिष्ये लालयिष्यावहे लालयिष्यामहे

क्रि० अलालयिष्यत अलालयिष्येताम् यिष्यन्त
अलालयिष्यथाः अलालयिष्येथाम् यिष्यध्वम्
अलालयिष्ये अलालयिष्यावहि यिष्यामहि

अथ सान्तौ ॥

1845 दंसिण् (दंस्) दर्शने च ।

चकाराद्दर्शने 278

व० दंसयते दंसयेते दंसयन्ते
 दंसयसे दंसयेथे दंसयध्वे
 दंसये दंसयावहे दंसयामहे
 स० दंसयेत दंसयेयाताम् दंसयेरन्
 दंसयेथाः दंसयेयाताम् दंसयेध्वम्
 दंसयेय दंसयेवहि दंसयेमहि
 प० दंसयताम् दंसयेताम् दंसयन्ताम्
 दंसयस्व दंसयेथाम् दंसयध्वम्
 दंसय दंसयावहे दंसयामहे
 ह्य० अदंसयत अदंसयेताम् अदंसयन्त
 अदंसयथाः अदंसयेथाम् अदंसयध्वम्
 अदंसये अदंसयावहि अदंसयामहि
 अ० अददंसत अददंसेताम् अददंसन्त
 अददंसथाः अददंसेथाम् अददंसध्वम्
 अददंसे अददंसावहि अददंसामहि
 प० दंसयाञ्चक्रे दंसयाञ्चक्राते दंसयाञ्चकिरे
 दंसयाञ्चकुषे दंसयाञ्चक्राथे दंसयाञ्चकृद्वे
 दंसयाञ्चके दंसयाञ्चकृवहे दंसयाञ्चक्रमहे
 दंसयाम्बभूव । दंसयामास
 आ० दंसयिषीष्ट दंसयिषीयास्ताम् दंसयिषीरन्
 दंसयिषीष्ठाः दंसयिषीयास्थाम् दंसयिषीद्वम्
 दंसयिषीध्वम्
 दंसयिषीय दंसयिषीवहि दंसयिषीमहि
 प्र० दंसयिता दंसयितारौ दंसयितारः
 दंसयितासे दंसयितासाथे दंसयिताध्वे
 दंसयिताहे दंसयितास्वहे दंसयितास्महे
 भ० दंसयिष्यते दंसयिष्येते दंसयिष्यन्ते
 दंसयिष्यसे दंसयिष्येथे दंसयिष्यध्वे
 दंसयिष्ये दंसयिष्यावहे दंसयिष्यामहे
 अदंसयिष्यत अदंसयिष्येताम् अदंसयिष्यन्त
 अदंसयिष्यथाः अदंसयिष्येथाम् अदंसयिष्यध्वम्
 अदंसयिष्ये अदंसयिष्यावहि अदंसयिष्यामहि

1846 भर्त्सिण् (भर्त्स) संतर्जने 279

व० भर्त्सयते भर्त्सयेते भर्त्सयन्ते
 भर्त्सयसे भर्त्सयेथे भर्त्सयध्वे
 भर्त्सये भर्त्सयावहे भर्त्सयामहे
 स० भर्त्सयेत भर्त्सयेयाताम् भर्त्सयेरन्
 भर्त्सयेथाः भर्त्सयेयाताम् भर्त्सयेध्वम्
 भर्त्सयेय भर्त्सयेवहि भर्त्सयेमहि
 प० भर्त्सयताम् भर्त्सयेताम् भर्त्सयन्ताम्
 भर्त्सयस्व भर्त्सयेथाम् भर्त्सयध्वम्
 भर्त्सये भर्त्सयावहे भर्त्सयामहे
 ह्य० अभर्त्सयत अभर्त्सयेताम् अभर्त्सयन्त
 अभर्त्सयथाः अभर्त्सयेथाम् अभर्त्सयध्वम्
 अभर्त्सये अभर्त्सयावहि अभर्त्सयामहि
 अ० अबभर्त्सेत अबभर्त्सेताम् अबभर्त्सेन्त
 अबभर्त्सेथाः अबभर्त्सेथाम् अबभर्त्सेध्वम्
 अबभर्त्से अबभर्त्सेवहि अबभर्त्सेमहि
 प० भर्त्सयाञ्चके भर्त्सयाञ्चक्राते भर्त्सयाञ्चकिरे
 भर्त्सयाञ्चकुषे भर्त्सयाञ्चक्राथे भर्त्सयाञ्चकृद्वे
 भर्त्सयाञ्चके भर्त्सयाञ्चकृवहे भर्त्सयाञ्चक्रमहे
 भर्त्सयाम्बभूव । भर्त्सयामास
 आ० भर्त्सयिषीष्ट भर्त्सयिषीयास्ताम् भर्त्सयिषीरन्
 भर्त्सयिषीष्ठाः भर्त्सयिषीयास्थाम् भर्त्सयिषीद्वम्
 भर्त्सयिषीध्वम्
 भर्त्सयिषीय भर्त्सयिषीवहि भर्त्सयिषीमहि
 प्र० भर्त्सयिता भर्त्सयितारौ भर्त्सयितारः
 भर्त्सयितासे भर्त्सयितासाथे भर्त्सयिताध्वे
 भर्त्सयिताहे भर्त्सयितास्वहे भर्त्सयितास्महे
 भ० भर्त्सयिष्यते भर्त्सयिष्येते भर्त्सयिष्यन्ते
 भर्त्सयिष्यसे भर्त्सयिष्येथे भर्त्सयिष्यध्वे
 भर्त्सयिष्ये भर्त्सयिष्यावहे भर्त्सयिष्यामहे
 अभर्त्सयिष्यत अभर्त्सयिष्येताम् अभर्त्सयिष्यन्त
 अभर्त्सयिष्यथाः अभर्त्सयिष्येथाम् अभर्त्सयिष्यध्वम्
 अभर्त्सयिष्ये अभर्त्सयिष्यावहि अभर्त्सयिष्यामहि
 इत्यात्मनेपदान् ।

। अथ क्षान्तः ॥

1847 यक्षिण् (यक्ष्) पूजायाम् । 280

| | | |
|--------------------------|------------------|-----------------|
| ब० यक्षयते | यक्षयेते | यक्षयन्ते |
| यक्षयसे | यक्षयेथे | यक्षयध्वे |
| यक्षये | यक्षयावहे | यक्षयामहे |
| स० यक्षयेत | यक्षयेयाताम् | यक्षयेरन् |
| यक्षयेथाः | यक्षयेयाथाम् | यक्षयेध्वम् |
| यक्षयेय | यक्षयेवहि | यक्षयेमहि |
| प० यक्षयताम् | यक्षयेताम् | यक्षयन्ताम् |
| यक्षयस्व | यक्षयेथाम् | यक्षयध्वम् |
| यक्षयै | यक्षयावहै | यक्षयामहै |
| झ० अयक्षयत | अयक्षयेताम् | अयक्षयन्त |
| अयक्षयथाः | अयक्षयेथाम् | अयक्षयध्वम् |
| अयक्षये | अयक्षयावहि | अयक्षयामहि |
| अ० अययक्षत | अययक्षेताम् | अययक्षन्त |
| अययक्षथाः | अययक्षेथाम् | अययक्षध्वम् |
| अययक्षे | अययक्षावहि | अययक्षामहि |
| प० यक्षयाञ्चक्रे | यक्षयाञ्चकाते | यक्षयाञ्चकिरे |
| यक्षयाञ्चकृचे | यक्षयाञ्चक्राथे | यक्षयाञ्चकृद्वे |
| यक्षयाञ्चक्रे | यक्षयाञ्चकृवहे | यक्षयाञ्चकृमहे |
| यक्षयाम्बभूव । यक्षयामास | | |
| भा० यक्षयिषीष्ट | यक्षयिषीयास्ताम् | यक्षयिषीरन् |
| यक्षयिषीष्ठाः | यक्षयिषीयास्थाम् | यिषीद्वध्वम् |
| यक्षयिषीय | यक्षयिषीवहि | यक्षयिषीमहि |
| प्रब० यक्षयिता | यक्षयितारौ | यक्षयितारः |
| यक्षयितासे | यक्षयितासाथे | यक्षयिताध्वे |
| यक्षयिताहे | यक्षयितास्वहे | यक्षयितास्महे |
| भ० यक्षयिष्यते | यक्षयिष्येते | यक्षयिष्यन्ते |
| यक्षयिष्यसे | यक्षयिष्येथे | यक्षयिष्यध्वे |
| यक्षयिष्ये | यक्षयिष्यावहे | यक्षयिष्यामहे |

अयक्षयिष्यत अयक्षयिष्येताम् अयक्षयिष्यन्त
अयक्षयिष्यथाः अयक्षयिष्येथाम् अयक्षयिष्यध्वम्
अयक्षयिष्ये अयक्षयिष्यावहि अयक्षयिष्यामहि

इत्यात्मनेभाषाः ।

इतोऽदन्ताः ॥ इत ऊर्ध्वं युजादेः

प्रागदन्तत्वं धातूनां विधीयते । ततश्च
अत इत्यल्लुकः स्थानिवत्त्वात् गुणवृद्धयोः
समानलोपित्वाच्च सन्धद्वावदीर्घोपान्त्य-
हस्वानामभावः । यथा सुखयति रचयति
। अत्र अत इत्यल्लुकः स्वरादेशत्वेन
पूर्वविधिं प्रति स्थानित्वाद् गुणवृद्धय-
भावः । अररचत् असुसुचत् । अत्र समान-
लोपित्वादसमानलोपे इति पूर्वस्य सन्ध-
दूभाषो लघोर्दीर्घ इति दीर्घश्च न
भवति असुसुचत् । अत्रोपान्त्यहस्वाभावः
। अङ्गादीनां तुक्तफलाभावेऽपि पूर्वाचार्या-
नुरोधेनादन्तेषु पाठः । णिजभावेऽनेकस्व-
त्वाद् यङ्निवृत्त्यर्थं इत्येके । द्रुमिलास्तु
एवं प्रकाराणामन्वविधानसामर्थ्यादल्लो-
पाभावं मन्यन्ते ततश्च जिगिति इति वृद्धौ
प्वागमे च दुःखापयति लज्जापयति वण्टा-
पयति रंहापयति अर्थापयते सत्रापयते
गर्वापयते इत्युदाहरन्ति । ते हि जिगिति
वृद्धिं स्वरमात्रस्येच्छन्ति ।

॥ अथ कान्तौ ॥

1848 अङ्कण् (अङ्क्) लक्षणे 281

| | | |
|------------|------------|---------------------|
| व० अङ्कयति | अङ्कयतः | अङ्कयन्ति |
| अङ्कयसि | अङ्कयथः | अङ्कयथ |
| अङ्कयामि | अङ्कयावः | अङ्कयामः |
| स अङ्कयेत् | अङ्कयेताम् | अङ्कयेयुः |
| अङ्कयेः | अङ्कयेतम् | अङ्कयेत |
| अङ्कयेयम् | अङ्कयेव | अङ्कयेम |
| प० अङ्कयतु | अङ्कयतात् | अङ्कयताम् अङ्कयन्तु |
| अङ्कय | अङ्कयतम् | अङ्कयत |
| अङ्कयानि | अङ्कयाव | अङ्कयाम |
| झ० आङ्कयत् | आङ्कयताम् | आङ्कयन् |
| आङ्कयः | आङ्कयतम् | आङ्कयत |
| आङ्कयम् | आङ्कयाव | आङ्कयाम |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| आ० आञ्चकत् | आञ्चकताम् | आञ्चकन् |
| आञ्चकः | आञ्चकतम् | आञ्चकत |
| आञ्चकम् | आञ्चकाव | आञ्चकाम |

प० अङ्कयाञ्चकार अङ्कयाञ्चकतुः-याञ्चक्रुः
 अङ्कयाञ्चकथं अङ्कयाञ्चकथुः अङ्कयाञ्चक्रु
 अङ्कयाञ्चकार-कर अङ्कयाञ्चकृव अङ्कयाञ्चकृम
 अङ्कयाम्बभूव । अङ्कयामास

आ० अङ्कयात् अङ्कयास्ताम् अङ्कयासुः
 अङ्कयाः अङ्कयास्तम् अङ्कयास्त
 अङ्कयासम् अङ्कयास्व अङ्कयास्म

भ० अङ्कयिता अङ्कयितारौ अङ्कयितारः
 अङ्कयितासि अङ्कयितास्थः अङ्कयितास्थ
 अङ्कयितास्मि अङ्कयितास्वः अङ्कयितास्मः

भ० अङ्कयिष्यति अङ्कयिष्यतः अङ्कयिष्यन्ति
 अङ्कयिष्यसि अङ्कयिष्यथः अङ्कयिष्यथ
 अङ्कयिष्यामि अङ्कयिष्यावः अङ्कयिष्यामः
 क्रि० आङ्कयिष्यत् आङ्कयिष्यताम् आङ्कयिष्यन्
 आङ्कयिष्यः आङ्कयिष्यतम् आङ्कयिष्यत
 आङ्कयिष्यम् आङ्कयिष्याव आङ्कयिष्याम

“ ओर्जान्ते ” तिस्रन्ते पयवर्णे इति सिद्धे

| | | |
|-------------|------------|----------|
| आ० आञ्चिकत् | आञ्चिकताम् | आञ्चिकन् |
| आञ्चिकः | आञ्चिकतम् | आञ्चिकत |
| आञ्चिकम् | आञ्चिकाव | आञ्चिकाम |

कार्यं तत्सर्वं स्थानिबद्धवति । तेनान्तरङ्गत्वा-
 त्कृतेऽपि अल्लुकितस्य स्थानिबद्धावात्, क-
 शब्दस्य द्वित्वम्, रूपातिदेशात् पतञ्जलप-
 क्रमवर्णे एव । तेनाचिकीर्त्तत इति सिद्धम्

1851 दुःखण् (दुःख्) तत्क्रियायाम्

दुःखनं तत्क्रिया 284

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० दुःखयति | दुःखयतः | दुःखयन्ति |
| दुःखयसि | दुःखयथः | दुःखयथ |
| दुःखयामि | दुःखयावः | दुःखयामः |
| स० दुःखयेत् | दुःखयेताम् | दुःखयेयुः |
| दुःखयेः | दुःखयेतम् | दुःखयेत |
| दुःखयेयम् | दुःखयेव | दुःखयेम |

| | | |
|------------|----------------|-----------|
| प० दुःखयतु | दुःखयतात्-ताम् | दुःखयन्तु |
| दुःखय | दुःखयतम् | दुःखयत |
| दुःखयानि | दुःखयाव | दुःखयाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अदुःखयत् | अदुःखयताम् | अदुःखयन् |
| अदुःखयः | अदुःखयतम् | अदुःखयत |
| अदुःखयम् | अदुःखयाव | अदुःखयाम |

अ० अदुःखत् अदुःखताम् अदुःखन
 अदुःखः अदुःखतम् अदुःखत
 अदुःखम् अदुःखाव अदुःखाम

प० दुःखयाञ्चकार दुःखयाञ्चकतुः-याञ्चक्रुः
 दुःखयाञ्चकथं दुःखयाञ्चकथुः दुःखयाञ्चक्रु
 दुःखयाञ्चकार-कर दुःखयाञ्चकृव-याञ्चकृम
 दुःखयाम्बभूव । दुःखयामास

आ० दुःख्यात् दुःख्यास्ताम् दुःख्यासुः
 दुःख्याः दुःख्यास्तम् दुःख्यास्त
 दुःख्यासम् दुःख्यास्व दुःख्यास्म

भ० दुःखयिता दुःखयितारौ दुःखयितारः
 दुःखयितासि दुःखयितास्थः दुःखयितास्थ
 दुःखयितास्मि दुःखयितास्वः दुःखयितास्मः

भ० दुःखयिष्यति दुःखयिष्यतः दुःखयिष्यन्ति
 दुःखयिष्यसि दुःखयिष्यथः दुःखयिष्यथ
 दुःखयिष्यामि दुःखयिष्यावः दुःखयिष्यामः

अदुःखयिष्यत् अदुःखयिष्यताम् अदुःखयिष्यन्
 अदुःखयिष्यः अदुःखयिष्यतम् अदुःखयिष्यत
 अदुःखयिष्यम् अदुःखयिष्याव अदुःखयिष्याम

1849 ब्लेष्कण् (ब्लेष्क) दर्शने । 282

व० ब्लेष्कयति ब्लेष्कयतः ब्लेष्कयन्ति
 ब्लेष्कयसि ब्लेष्कयथः ब्लेष्कयथ
 ब्लेष्कयामि ब्लेष्कयावः ब्लेष्कयामः
 स० ब्लेष्कयेत् ब्लेष्कयेताम् ब्लेष्कयेयुः
 ब्लेष्कयेः ब्लेष्कयेतम् ब्लेष्कयेत
 ब्लेष्कयेयम् ब्लेष्कयेव ब्लेष्कयेम
 ब्लेष्कयतु ब्लेष्कयतात् ब्लेष्कयताम् ब्लेष्कयन्तु
 ब्लेष्कय , ब्लेष्कयतम् ब्लेष्कयत
 ब्लेष्कयाणि ब्लेष्कयाव ब्लेष्कयाम
 झ० अब्लेष्कयत् अब्लेष्कयताम् अब्लेष्कयन्
 अब्लेष्कयः अब्लेष्कयतम् अब्लेष्कयत
 अब्लेष्कयम् अब्लेष्कयाव अब्लेष्कयाम
 अ० अबिलेष्कत् अबिलेष्कताम् अबिलेष्कन्
 अबिलेष्कः अबिलेष्कतम् अबिलेष्कत
 अबिलेष्कम् अबिलेष्काव अबिलेष्काम
 ब्लेष्कयाञ्चकार ब्लेष्कयाञ्चक्रतुः ब्लेष्कयाञ्चक्रुः
 ब्लेष्कयाञ्चकथं ब्लेष्कयाञ्चक्रथुः ब्लेष्कयाञ्चक्र
 ब्लेष्कयाञ्चकार-कर ब्लेष्कयाञ्चकृव याञ्चकृम
 ब्लेष्कयाम्बभूव । ब्लेष्कयामास
 आ० ब्लेष्क्यात् ब्लेष्क्यास्ताम् ब्लेष्क्यासुः
 ब्लेष्क्याः ब्लेष्क्यास्तम् ब्लेष्क्यास्त
 ब्लेष्क्यासम् ब्लेष्क्यास्व ब्लेष्क्यास्म
 प्र० ब्लेष्कयिता ब्लेष्कयितारौ ब्लेष्कयितार
 ब्लेष्कयितासि ब्लेष्कयितास्थः ब्लेष्कयितास्थ
 ब्लेष्कयितास्मि ब्लेष्कयितास्वः —, यितास्मः
 ब्लेष्कयिष्यति ब्लेष्कयिष्यतः ब्लेष्कयिष्यन्ति
 ब्लेष्कयिष्यसि ब्लेष्कयिष्यथः ब्लेष्कयिष्यथ
 ब्लेष्कयिष्यामि ब्लेष्कयिष्यावः —, यिष्यामः
 अब्लेष्कयिष्यत् अब्लेष्कयिष्यताम् यिष्यन्
 अब्लेष्कयिष्यः अब्लेष्कयिष्यतम् यिष्यत
 अब्लेष्कयिष्यम् अब्लेष्कयिष्याव यिष्याम
 निजभावेऽप्यदन्तत्वार्थोऽस्य पाठः ।
 तेनानेकस्वरत्वाद् यङ् न भवति पवं
 सूत्रिरक्षिगविप्रभृतीनां पाठे प्रयोजननुज्ञेयम्

॥ अथ खान्तः ॥

1850 सुखण् (सुख्) तत्क्रियायाम्
 सुखनं तत्क्रिया । 283

व० सुखयति सुखयतः सुखयन्ति
 सुखयसि सुखयथः सुखयथ
 सुखयामि सुखयावः सुखयामः
 स० सुखयेत् सुखयेनाम् सुखयेयुः
 सुखयेः सुखयेतम् सुखयेत
 सुखयेयम् सुखयेव सुखयेम
 प० सुखयतु सुखयतात् सुखयताम् सुखयन्तु
 सुखय , सुखयतम् सुखयत
 सुखयानि सुखयाव सुखयाम
 झ० असुखयत् असुखयताम् असुखयन्
 असुखयः असुखयतम् असुखयत
 असुखयम् असुखयाव असुखयाम
 अ० असुखत् असुखताम् असुखन्
 असुखः असुखतम् असुखत
 असुखम् असुखाव असुखाम
 प० सुखयाञ्चकार सुखयाञ्चक्रतुः सुखयाञ्चक्रुः
 सुखयाञ्चकथं सुखयाञ्चक्रथुः सुखयाञ्चक्र
 सुखयाञ्चकार-कर सुखयाञ्चकृव याञ्चकृम
 सुखयाम्बभूव । सुखयामास
 आ० सुख्यात् सुख्यास्ताम् सुख्यासुः
 सुख्याः सुख्यास्तम् सुख्यास्त
 सुख्यासम् सुख्यास्व सुख्यास्म
 प्र० सुखयिता सुखयितारौ सुखयितारः
 सुखयितासि सुखयितास्थः सुखयितास्थ
 सुखयितास्मि सुखयितास्वः सुखयितास्मः
 म० सुखयिष्यति सुखयिष्यतः सुखयिष्यन्ति
 सुखयिष्यसि सुखयिष्यथः सुखयिष्यथ
 सुखयिष्यामि सुखयिष्यावः सुखयिष्यामः
 असुखयिष्यत् असुखयिष्यताम् असुखयिष्यन्
 असुखयिष्यः असुखयिष्यतम् असुखयिष्यत
 असुखयिष्यम् असुखयिष्याव असुखयिष्याम

1852 अङ्गण् (अङ्ग) पदलक्षणयोः 285

। अथ घान्तः ॥

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० अङ्गयति | अङ्गयतः | अङ्गयन्ति |
| अङ्गयसि | अङ्गयथः | अङ्गयथ |
| अङ्गयामि | अङ्गयावः | अङ्गयामः |
| स० अङ्गयेत् | अङ्गयेताम् | अङ्गयेयुः |
| अङ्गयेः | अङ्गयेतम् | अङ्गयेत |
| अङ्गयेयम् | अङ्गयेव | अङ्गयेम |
| प० अङ्गयतु | अङ्गयतात् | अङ्गयताम् |
| अङ्गय | अङ्गयतम् | अङ्गयत |
| अङ्गयानि | अङ्गयाव | अङ्गयाम |
| घ० आङ्गयत् | आङ्गयताम् | आङ्गयन् |
| आङ्गयः | आङ्गयतम् | आङ्गयत |
| आङ्गयम् | आङ्गयाव | आङ्गयाम |

~~अ० अङ्गयत् अङ्गयताम् अङ्गयन्~~
~~अङ्गयः अङ्गयतम् अङ्गयत~~
~~अङ्गयम् अङ्गयाव अङ्गयाम~~

प० अङ्गयाञ्चकार अङ्गयाञ्चकतुः अङ्गयाञ्चक्रुः
 अङ्गयाञ्चकर्थ अङ्गयाञ्चकथुः अङ्गयाञ्चक
 अङ्गयाञ्चकार-कर अङ्गयाञ्चकृष अङ्गयाञ्चकृम
 अङ्गयाम्बभूव । अङ्गयामात

आ० अङ्गयात् अङ्गयास्ताम् अङ्गयासुः
 अङ्गयाः अङ्गयास्तम् अङ्गयास्त
 अङ्गयासम् अङ्गयास्व अङ्गयासमः

प्र० अङ्गयिता अङ्गयितारौ अङ्गयितारः
 अङ्गयितासि अङ्गयितास्थः अङ्गयितास्था
 अङ्गयितास्मि अङ्गयितास्वः अङ्गयितास्मः

भ० अङ्गयिष्यति अङ्गयिष्यतः अङ्गयिष्यन्ति
 अङ्गयिष्यसि अङ्गयिष्यथः अङ्गयिष्यथ
 अङ्गयिष्यामि अङ्गयिष्यावः अङ्गयिष्यामः

क्रि० आङ्गयिष्यत् आङ्गयिष्यताम् आङ्गयिष्यन्
 आङ्गयिष्यः आङ्गयिष्यतम् आङ्गयिष्यत
 आङ्गयिष्यम् आङ्गयिष्याव आङ्गयिष्याम

~~अ० आङ्गिजगत् आङ्गिजगताम् आङ्गिजगन्~~
~~आङ्गिजगः आङ्गिजगतम् आङ्गिजगत~~
~~आङ्गिजगम् आङ्गिजाव आङ्गिजगाम~~

1853 अघण् (अघ) पापकरणे 286

| | | |
|-----------|----------|---------|
| व० अघयति | अघयतः | अघयन्ति |
| अघयसि | अघयथः | अघयथ |
| अघयामि | अघयावः | अघयामः |
| स० अघयेत् | अघयेताम् | अघयेयुः |
| अघयेः | अघयेतम् | अघयेत |
| अघयेयम् | अघयेव | अघयेम |
| प० अघयतु | अघयतात् | अघयताम् |
| अघय | अघयतम् | अघयत |
| अघयानि | अघयाव | अघयाम |
| घ० आघयत् | आघयताम् | आघयन् |
| आघयः | आघयतम् | आघयत |
| आघयम् | आघयाव | आघयाम |

~~अ० आघयत् आघयताम् आघयन्~~
~~आघयः आघयतम् आघयत~~
~~आघयम् आघयाव आघयाम~~

प० अघयाञ्चकार अघयाञ्चकतुः अघयाञ्चक्रुः
 अघयाञ्चकर्थ अघयाञ्चकथुः अघयाञ्चक
 अघयाञ्चकार-कर अघयाञ्चकृष अघयाञ्चकृम
 अघयाम्बभूव । अघयामात

आ० अघ्यात् अघ्यास्ताम् अघ्यासुः
 अघ्याः अघ्यास्तम् अघ्यास्त
 अघ्यासम् अघ्यास्व अघ्यासमः

प्र० अघयिता अघयितारौ अघयितारः
 अघयितासि अघयितास्थः अघयितास्था
 अघयितास्मि अघयितास्वः अघयितास्मः

भ० अघयिष्यति अघयिष्यतः अघयिष्यन्ति
 अघयिष्यसि अघयिष्यथः अघयिष्यथ
 अघयिष्यामि अघयिष्यावः अघयिष्यामः

क्रि० आघयिष्यत् आघयिष्यताम् आघयिष्यन्
 आघयिष्यः आघयिष्यतम् आघयिष्यत
 आघयिष्यम् आघयिष्याव आघयिष्याम

~~अ० आघिघत् आघिघताम् आघिघन्~~
~~आघिघः आघिघतम् आघिघत~~
~~आघिघम् आघिघाव आघिघाम~~

॥ अथ चान्तौ ॥

1854 रचण् (रच) प्रतिपत्ने 287

| | | | |
|------|-----------------|--------------|-----------------|
| व० | रचयति | रचयतः | रचयन्ति |
| | रचयसि | रचयथः | रचयथ |
| | रचयामि | रचयावः | रचयामः |
| स० | रचयेत् | रचयेताम् | रचयेयुः |
| | रचयेः | रचयेतम् | रचयेत |
| | रचयेयम् | रचयेव | रचयेम |
| प० | रचयतु | रचयतात् | रचयताम् रचयन्तु |
| | रचय | रचयतम् | रचयत |
| | रचयानि | रचयाव | रचयाम |
| झ० | अरचयत् | अरचयताम् | अरचयन् |
| | अरचयः | अरचयतम् | अरचयत |
| | अरचयम् | अरचयाव | अरचयाम |
| अ० | अररचत् | अररचताम् | अररचन् |
| | अररचः | अररचतम् | अररचत |
| | अररचम् | अररचाव | अररचाम |
| प० | रचयाश्चकार | रचयाश्चक्रुः | रचयाश्चक्रुः |
| | रचयाश्चकर्त्तुं | रचयाश्चक्रुः | रचयाश्चक्रुः |
| | रचयाश्चकार-कर | रचयाश्चक्रुव | रचयाश्चक्रुम |
| | रचयाम्बभूव | रचयामास | |
| आ० | रच्यात् | रच्यास्ताम् | रच्यासुः |
| | रच्याः | रच्यास्तम् | रच्यास्त |
| | रच्यासम् | रच्यास्व | रच्यास्म |
| प्र० | रचयिता | रचयितारौ | रचयितारः |
| | रचयितासि | रचयितास्थः | रचयितास्थ |
| | रचयितास्मि | रचयितास्वः | रचयितास्मः |
| भ० | रचयिष्यति | रचयिष्यतः | रचयिष्यन्ति |
| | रचयिष्यसि | रचयिष्यथः | रचयिष्यथ |
| | रचयिष्यामि | रचयिष्यावः | रचयिष्यामः |
| | अरचयिष्यत् | अरचयिष्यताम् | अरचयिष्यन् |
| | अरचयिष्यः | अरचयिष्यतम् | अरचयिष्यत |
| | अरचयिष्यम् | अरचयिष्याव | अरचयिष्याम |

1855 सूचण् (सूच) पैशून्ये ॥ 288

| | | | |
|------|------------------|---------------|-------------------|
| व० | सूचयति | सूचयतः | सूचयन्ति |
| | सूचयसि | सूचयथः | सूचयथ |
| | सूचयामि | सूचयावः | सूचयामः |
| स० | सूचयेत् | सूचयेताम् | सूचयेयुः |
| | सूचयेः | सूचयेतम् | सूचयेत |
| | सूचयेयम् | सूचयेव | सूचयेम |
| प० | सूचयतु | सूचयतात् | सूचयताम् सूचयन्तु |
| | सूचय | सूचयतम् | सूचयत |
| | सूचयानि | सूचयाव | सूचयाम |
| झ० | असूचयत् | असूचयताम् | असूचयन् |
| | असूचयः | असूचयतम् | असूचयत |
| | असूचयम् | असूचयाव | असूचयाम |
| अ० | असुसूचत् | असुसूचताम् | असुसूचन् |
| | असुसूचः | असुसूचतम् | असुसूचत |
| | असुसूचम् | असुसूचाव | असुसूचाम |
| प० | सूचयाश्चकार | सूचयाश्चक्रुः | सूचयाश्चक्रुः |
| | सूचयाश्चकर्त्तुं | सूचयाश्चक्रुः | सूचयाश्चक्रुः |
| | सूचयाश्चकार-कर | सूचयाश्चक्रुव | सूचयाश्चक्रुम |
| | सूचयाम्बभूव | सूचयामास | |
| आ० | सूच्यात् | सूच्यास्ताम् | सूच्यासुः |
| | सूच्याः | सूच्यास्तम् | सूच्यास्त |
| | सूच्यासम् | सूच्यास्व | सूच्यास्म |
| प्र० | सूचयिता | सूचयितारौ | सूचयितारः |
| | सूचयितासि | सूचयितास्थः | सूचयितास्थ |
| | सूचयितास्मि | सूचयितास्वः | सूचयितास्मः |
| भ० | सूचयिष्यति | सूचयिष्यतः | सूचयिष्यन्ति |
| | सूचयिष्यसि | सूचयिष्यथः | सूचयिष्यथ |
| | सूचयिष्यामि | सूचयिष्यावः | सूचयिष्यामः |
| | असूचयिष्यत् | असूचयिष्यताम् | असूचयिष्यन् |
| | असूचयिष्यः | असूचयिष्यतम् | असूचयिष्यत |
| | असूचयिष्यम् | असूचयिष्याव | असूचयिष्याम |

॥ अथ जान्ताश्चत्वारः ॥

1856 भाजण् (भाज्) पृथक्कर्मणि 289

व० भाजयति भाजयतः भाजयन्ति
 भाजयसि भाजयथः भाजयथ
 भाजयामि भाजयावः भाजयामः
 स० भाजयेत् भाजयेताम् भाजयेयुः
 भाजयेः भाजयेतम् भाजयेत
 भाजयेयम् भाजयेव भाजयेम

प० भाजयतु भाजयतात् भाजयताम् भाजयन्तु

भाजय ,, भाजयतम् भाजयत

भाजयानि भाजयाव भाजयाम

झ० अभाजयत् अभाजयताम् अभाजयन्

अभाजयः अभाजयतम् अभाजयत

अभाजयम् अभाजयाव अभाजयाम

अ० अवभाजत् अवभाजताम् अवभाजन्

अवभाजः अवभाजतम् अवभाजत

अवभाजम् अवभाजाव अवभाजाम

प० भाजयाश्चकार भाजयाश्चक्रुः भाजयाश्चकुः

भाजयाश्चकथं भाजयाश्चक्रुः भाजयाश्चक

भाजयाश्चकार कर भाजयाश्चकृव भाजयाश्चकृम

भाजयाम्बभूव । भाजयामास

आ० भाज्यात् भाज्यास्ताम् भाज्यास्तुः

भाज्याः भाज्यास्तम् भाज्यास्त

भाज्यासम् भाज्यास्व भाज्याम

श्व० भाजयिता भाजयितारौ भाजयितारः

भाजयितासि भाजयितास्थः भाजयितास्थ

भाजयितास्मि भाजयितास्वः भाजयितास्मः

भाजयिष्यति भाजयिष्यतः भाजयिष्यन्ति

भाजयिष्यसि भाजयिष्यथः भाजयिष्यथ

भाजयिष्यामि भाजयिष्यावः भाजयिष्यामः

भाजयिष्यत् अभाजयिष्यताम् अभाजयिष्यन्

अभाजयिष्यः अभाजयिष्यतम् अभाजयिष्यत

अभाजयिष्यम् अभाजयिष्याव अभाजयिष्याम

1857 सभाजण् (सभाज्) प्रीतिसेवनयोः 290

व० सभाजयति सभाजयतः सभाजयन्ति

सभाजयसि सभाजयथः सभाजयथ

सभाजयामि सभाजयावः सभाजयामः

स० सभाजयेत् सभाजयेताम् सभाजयेयुः

सभाजयेः सभाजयेतम् सभाजयेत

सभाजयेयम् सभाजयेव सभाजयेम

प० सभाजयतु सभाजयतात्-ताम् सभाजयन्तु

सभाजय ,, सभाजयतम् सभाजयत

सभाजयानि सभाजयाव सभाजयाम

झ० असभाजयत् असभाजयताम् असभाजयन्

असभाजयः असभाजयतम् असभाजयत

असभाजयम् असभाजयाव असभाजयाम

अ० अससभाजत् अससभाजताम् अससभाजन्

अससभाजः अससभाजतम् अससभाजत

अससभाजम् अससभाजाव अससभाजाम

प० सभाजयाश्चकार सभाजयाश्चक्रुः-श्चक्रुः

सभाजयाश्चकथं सभाजयाश्चक्रुः सभाजयाश्चक

सभाजयाश्चकार कर सभाजयाश्चकृव याश्चकृम

सभाजयाम्बभूव । सभाजयामास

आ० सभाज्यात् सभाज्यास्ताम् सभाज्यास्तुः

सभाज्याः सभाज्यास्तम् सभाज्यास्त

सभाज्यासम् सभाज्यास्व सभाज्याम

श्व० सभाजयिता सभाजयितारौ सभाजयितारः

सभाजयितासि सभाजयितास्थः सभाजयितास्थ

सभाजयितास्मि सभाजयितास्वः-यितास्मः

भ० सभाजयिष्यति सभाजयिष्यतः-यिष्यन्ति

सभाजयिष्यसि सभाजयिष्यथः सभाजयिष्यथ

सभाजयिष्यामि सभाजयिष्यावः सभाजयिष्यामः

असभाजयिष्यत् असभाजयिष्यताम्-यिष्यन्

असभाजयिष्यः असभाजयिष्यतम्-यिष्यत

असभाजयिष्यम् असभाजयिष्याव यिष्याम

1859 लज्जुण् (लज्ज्) प्रकाशने । 292

कि अलङ्गयिष्यत् अलङ्गयिष्यताम् अलङ्गयिष्यन्
अलङ्गयिष्यः अलङ्गयिष्यतम् अलङ्गयिष्यत
अलङ्गयिष्यम् अलङ्गयिष्याव अलङ्गयिष्याम्

॥ अथ दान्ताः सप्त ॥

1860 कूटण् (कूट्) दाहे । 293

| | | |
|-------------------------|---------------|--------------|
| ब० कूटयति | कूटयतः | कूटयन्ति |
| कूटयसि | कूटयथः | कूटयथ |
| कूटयामि | कूटयावः | कूटयामः |
| स० कूटयेत् | कूटयेताम् | कूटयेयुः |
| कूटयेः | कूटयेतम् | कूटयेत |
| कूटयेयम् | कूटयेव | कूटयेम |
| प० कूटयतु | कूटयतात् | कूटयताम् |
| कूटय | कूटयतम् | कूटयत |
| कूटयानि | कूटयाव | कूटयाम |
| झ० अकूटयत् | अकूटयताम् | अकूटयन् |
| अकूटयः | अकूटयतम् | अकूटयत |
| अकूटयम् | अकूटयाव | अकूटयाम |
| अ० अचुकूटत् | अचुकूटताम् | अचुकूटन् |
| अचुकूटः | अचुकूटतम् | अचुकूटत |
| अचुकूटम् | अचुकूटाव | अचुकूटाम |
| प० कूटयाञ्चकार | कूटयाञ्चकतुः | कूटयाञ्चकुः |
| कूटयाञ्चकर्थ | कूटयाञ्चकथुः | कूटयाञ्चक |
| कूटयाञ्चकार-कर | कूटयाञ्चकृष | कूटयाञ्चकृम |
| कूटयाम्बभूव | कूटयामास | |
| आ० कूटयात् | कूटयास्ताम् | कूटयासुः |
| कूटयाः | कूटयास्तम् | कूटयास्त |
| कूटयासम् | कूटयास्व | कूटयास्म |
| प्र० कूटयिता | कूटयितारौ | कूटयितारः |
| कूटयितासि | कूटयितास्थः | कूटयितास्थ |
| कूटयितास्मि | कूटयितास्वः | कूटयितास्मः |
| भ० कूटयिष्यति | कूटयिष्यतः | कूटयिष्यन्ति |
| कूटयिष्यसि | कूटयिष्यथः | कूटयिष्यथ |
| कूटयिष्यामि | कूटयिष्यावः | कूटयिष्यामः |
| क्रि० अकूटयिष्यत् | अकूटयिष्यताम् | अकूटयिष्यन् |
| अकूटयिष्यः | अकूटयिष्यतम् | अकूटयिष्यत |
| अकूटयिष्यम् | अकूटयिष्याव | अकूटयिष्याम |
| आत्मन्प्रेमोऽपीत्येके । | | |

1861 पटण् (पट्) ग्रन्थे ।

ग्रन्थो वेष्टनम् । 294

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० पटयति | पटयतः | पटयन्ति |
| पटयसि | पटयथः | पटयथ |
| पटयामि | पटयावः | पटयामः |
| स० पटयेत् | पटयेताम् | पटयेयुः |
| पटयेः | पटयेतम् | पटयेत |
| पटयेयम् | पटयेव | पटयेम |
| प० पटयतु | पटयतात् | पटयताम् |
| पटय | पटयतम् | पटयत |
| पटयानि | पटयाव | पटयाम |
| झ० अपटयत् | अपटयताम् | अपटयन् |
| अपटयः | अपटयतम् | अपटयत |
| अपटयम् | अपटयाव | अपटयाम |
| अ० अपपटत् | अपपटताम् | अपपटन् |
| अपपटः | अपपटतम् | अपपटत |
| अपपटम् | अपपटाव | अपपटाम |
| प० पटयाञ्चकार | पटयाञ्चकतुः | पटयाञ्चकुः |
| पटयाञ्चकर्थ | पटयाञ्चकथुः | पटयाञ्चक |
| पटयाञ्चकार-कर | पटयाञ्चकृष | पटयाञ्चकृम |
| पटयाम्बभूव | पटयामास | |
| आ० पटयात् | पटयास्ताम् | पटयासुः |
| पटयाः | पटयास्तम् | पटयास्त |
| पटयासम् | पटयास्व | पटयास्म |
| प्र० पटयिता | पटयितारौ | पटयितारः |
| पटयितासि | पटयितास्थः | पटयितास्थ |
| पटयितास्मि | पटयितास्वः | पटयितास्मः |
| भ० पटयिष्यति | पटयिष्यतः | पटयिष्यन्ति |
| पटयिष्यसि | पटयिष्यथः | पटयिष्यथ |
| पटयिष्यामि | पटयिष्यावः | पटयिष्यामः |
| क्रि० अपटयिष्यत् | अपटयिष्यताम् | अपटयिष्यन् |
| अपटयिष्यः | अपटयिष्यतम् | अपटयिष्यत |
| अपटयिष्यम् | अपटयिष्याव | अपटयिष्याम |

1862 वटण् (वट्) ग्रन्थे ।

ग्रन्थो वेष्टनम् । 295

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० वटयति | वटयतः | वटयन्ति |
| वटयसि | वटयथः | वटयथ |
| वटयामि | वटयावः | वटयामः |
| स० वटयेत् | वटयेताम् | वटयेयुः |
| वटयेः | वटयेतम् | वटयेत |
| वटयेयम् | वटयेव | वटयेम |
| प० वटयतु | वटयतात् | वटयताम् |
| वटय | वटयतम् | वटयत |
| वटयानि | वटयाव | वटयाम |
| झ० अवटयत् | अवटयताम् | अवटयन् |
| अवटयः | अवटयतम् | अवटयत |
| अवटयम् | अवटयाव | अवटयाम |
| अ० अववटत् | अववटताम् | अववटन् |
| अववटः | अववटतम् | अववटत |
| अववटम् | अववटाव | अववटाम |
| प० वटयाञ्चकार | वटयाञ्चक्रुः | वटयाञ्चकुः |
| वटयाञ्चकथ | वटयाञ्चकथुः | वटयाञ्चक |
| वटयाञ्चकार-कर | वटयाञ्चकृव | वटयाञ्चकृम |
| वटयाम्बभूव | वटयामास | |
| आ० वट्यात् | वट्यास्ताम् | वट्यासुः |
| वट्याः | वट्यास्तम् | वट्यास्त |
| वट्यासम् | वट्यास्व | वट्यास्म |
| प्र० वटयिता | वटयितारौ | वटयितारः |
| वटयितासि | वटयितास्थः | वटयितास्थ |
| वटयितास्मि | वटयितास्वः | वटयितास्मः |
| भ० वटयिष्यति | वटयिष्यतः | वटयिष्यन्ति |
| वटयिष्यसि | वटयिष्यथः | वटयिष्यथ |
| वटयिष्यामि | वटयिष्यावः | वटयिष्यामः |
| क्रि० अवटयिष्यत् | अवटयिष्यताम् | अवटयिष्यन् |
| अवटयिष्यः | अवटयिष्यतम् | अवटयिष्यत |
| अवटयिष्यम् | अवटयिष्याव | अवटयिष्याम |

1863 खेटण् (खेट्) भक्षणे । 296

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० खेटयति | खेटयतः | खेटयन्ति |
| खेटयसि | खेटयथः | खेटयथ |
| खेटयामि | खेटयावः | खेटयामः |
| स० खेटयेत् | खेटयेताम् | खेटयेयुः |
| खेटयेः | खेटयेतम् | खेटयेत |
| खेटयेयम् | खेटयेव | खेटयेम |
| प० खेटयतु | खेटयतात् | खेटयताम् |
| खेटय | खेटयतम् | खेटयत |
| खेटयानि | खेटयाव | खेटयाम |
| झ० अखेटयत् | अखेटयताम् | अखेटयन् |
| अखेटयः | अखेटयतम् | अखेटयत |
| अखेटयम् | अखेटयाव | अखेटयाम |
| अ० अचिखेटत् | अचिखेटताम् | अचिखेटन् |
| अचिखेटः | अचिखेटतम् | अचिखेटत |
| अचिखेटम् | अचिखेटाव | अचिखेटाम |
| प० खेटयाञ्चकार | खेटयाञ्चक्रुः | खेटयाञ्चकुः |
| खेटयाञ्चकथ | खेटयाञ्चकथुः | खेटयाञ्चक |
| खेटयाञ्चकार-कर | खेटयाञ्चकृव | खेटयाञ्चकृम |
| खेटयाम्बभूव | खेटयामास | |
| आ० खेट्यात् | खेट्यास्ताम् | खेट्यासुः |
| खेट्याः | खेट्यास्तम् | खेट्यास्त |
| खेट्यासम् | खेट्यास्व | खेट्यास्म |
| प्र० खेटयिता | खेटयितारौ | खेटयितारः |
| खेटयितासि | खेटयितास्थः | खेटयितास्थ |
| खेटयितास्मि | खेटयितास्वः | खेटयितास्मः |
| भ० खेटयिष्यति | खेटयिष्यतः | खेटयिष्यन्ति |
| खेटयिष्यसि | खेटयिष्यथः | खेटयिष्यथ |
| खेटयिष्यामि | खेटयिष्यावः | खेटयिष्यामः |
| क्रि० अखेटयिष्यत् | अखेटयिष्यताम् | अखेटयिष्यन् |
| अखेटयिष्यः | अखेटयिष्यतम् | अखेटयिष्यत |
| अखेटयिष्यम् | अखेटयिष्याव | अखेटयिष्याम |
| खेटिति | देवतन्दी | |

1864 खोटण् (खोट्) क्षेपे । 297

| | | |
|-----------------|---------------|--------------|
| ब० खोटयति | खोटयतः | खोटयन्ति |
| खोटयसि | खोटयथः | खोटयथ |
| खोटयामि | खोटयावः | खोटयामः |
| स० खोटयेत् | खोटयेताम् | खोटयेयुः |
| खोटयेः | खोटयेतम् | खोटयेत |
| खोटयेयम् | खोटयेव | खोटयेम |
| प० खोटयतु | खोटयतात् | खोटयताम् |
| खोटयन्तु | खोटयतम् | खोटयत |
| खोटयानि | खोटयाव | खोटयाम |
| झ० अखोटयत् | अखोटयताम् | अखोटयन् |
| अखोटयः | अखोटयतम् | अखोटयत |
| अखोटयम् | अखोटयाव | अखोटयाम |
| अ० अचुखोटत् | अचुखोटताम् | अचुखोटन् |
| अचुखोटः | अचुखोटतम् | अचुखोटत |
| अचुखोटम् | अचुखोटाव | अचुखोटाम |
| प० खोटयाश्चकार | खोटयाश्चक्रुः | खोटयाश्चकुः |
| खोटयाश्चकथ | खोटयाश्चकथुः | खोटयाश्चक्र |
| खोटयाश्चकार-कर | खोटयाश्चकृव | खोटयाश्चकृम |
| खोटयाम्बभूष | खोटयामास | |
| आ० खोट्यात् | खोट्यास्ताम् | खोट्यासुः |
| खोट्याः | खोट्यास्तम् | खोट्यास्त |
| खोट्यासम् | खोट्यास्व | खोट्यास्म |
| प्रब० खोटयिता | खोटयितारौ | खोटयितारः |
| खोटयितासि | खोटयितास्थः | खोटयितास्थ |
| खोटयितास्मि | खोटयितास्वः | खोटयितास्मः |
| भ० खोटयिष्यति | खोटयिष्यतः | खोटयिष्यन्ति |
| खोटयिष्यसि | खोटयिष्यथः | खोटयिष्यथ |
| खोटयिष्यामि | खोटयिष्यावः | खोटयिष्यामः |
| इतिष्यत् | अखोटयिष्यताम् | अखोटयिष्यन् |
| अखोटयिष्यः | अखोटयिष्यतम् | अखोटयिष्यत |
| अखोटयिष्यम् | अखोटयिष्याव | अखोटयिष्याम |
| खोडिति केचित् । | खोडित्यपरे | |

1865 पुटण् (पुट्) संसर्गे । 298

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| ब० पुटयति | पुटयतः | पुटयन्ति |
| पुटयसि | पुटयथः | पुटयथ |
| पुटयामि | पुटयावः | पुटयामः |
| स० पुटयेत् | पुटयेताम् | पुटयेयुः |
| पुटयेः | पुटयेतम् | पुटयेत |
| पुटयेयम् | पुटयेव | पुटयेम |
| प० पुटयतु | पुटयतात् | पुटयताम् |
| पुटयन्तु | पुटयतम् | पुटयत |
| पुटयानि | पुटयाव | पुटयाम |
| झ० अपुटयत् | अपुटयताम् | अपुटयन् |
| अपुटयः | अपुटयतम् | अपुटयत |
| अपुटयम् | अपुटयाव | अपुटयाम |
| अ० अपुपुटत् | अपुपुटताम् | अपुपुटन् |
| अपुपुटः | अपुपुटतम् | अपुपुटत |
| अपुपुटम् | अपुपुटाव | अपुपुटाम |
| प० पुटयाश्चकार | पुटयाश्चक्रुः | पुटयाश्चकुः |
| पुटयाश्चकथ | पुटयाश्चकथुः | पुटयाश्चक्र |
| पुटयाश्चकार-कर | पुटयाश्चकृव | पुटयाश्चकृम |
| पुटयाम्बभूष | पुटयामास | |
| आ० पुट्यात् | पुट्यास्ताम् | पुट्यासुः |
| पुट्याः | पुट्यास्तम् | पुट्यास्त |
| पुट्यासम् | पुट्यास्व | पुट्यास्म |
| प्रब० पुटयिता | पुटयितारौ | पुटयितारः |
| पुटयितासि | पुटयितास्थः | पुटयितास्थ |
| पुटयितास्मि | पुटयितास्वः | पुटयितास्मः |
| भ० पुटयिष्यति | पुटयिष्यतः | पुटयिष्यन्ति |
| पुटयिष्यसि | पुटयिष्यथः | पुटयिष्यथ |
| पुटयिष्यामि | पुटयिष्यावः | पुटयिष्यामः |
| अपुटयिष्यत् | अपुटयिष्यताम् | अपुटयिष्यन् |
| अपुटयिष्यः | अपुटयिष्यतम् | अपुटयिष्यत |
| अपुटयिष्यम् | अपुटयिष्याव | अपुटयिष्याम |

1866 वण्ट् (वण्ट्) विभाजने । 299

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० वण्टयति | वण्टयतः | वण्टयन्ति |
| वण्टयसि | वण्टयथः | वण्टयथ |
| वण्टयामि | वण्टयावः | वण्टयामः |
| स० वण्टयेत् | वण्टयेताम् | वण्टयेयुः |
| वण्टयेः | वण्टयेतम् | वण्टयेत |
| वण्टयेयम् | वण्टयेव | वण्टयेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० वण्टयतु | वण्टयतात् | वण्टयताम् | वण्टयन्तु |
| वण्टय | , | वण्टयतम् | वण्टयत |
| वण्टयानि | वण्टयाव | वण्टयाम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अवण्टयत् | अवण्टयताम् | अवण्टयन् |
| अवण्टयः | अवण्टयतम् | अवण्टयत |
| अवण्टयम् | अवण्टयाव | अवण्टयाम |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| अ० अवण्टत् | अवण्टताम् | अवण्टन् |
| अवण्टः | अवण्टतम् | अवण्टत |
| अवण्टम् | अवण्टाव | अवण्टाम |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| प० वण्टयाञ्चकार | वण्टयाञ्चक्रुः | वण्टयाञ्चक्रुः |
| वण्टयाञ्चकथ | वण्टयाञ्चकथुः | वण्टयाञ्चक |
| वण्टयाञ्चकार-कर | वण्टयाञ्चकृव | वण्टयाञ्चकृम |

वण्टयाम्बभूव । वण्टयामास

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० वण्ट्यात् | वण्ट्यास्ताम् | वण्ट्यासुः |
| वण्ट्याः | वण्ट्यास्तम् | वण्ट्यास्त |
| वण्ट्यासम् | वण्ट्यास्व | वण्ट्यास्म |

प्रव० वण्टयिता वण्टयितारौ वण्टयितारः

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| वण्टयितासि | वण्टयितास्थः | वण्टयितास्थ |
| वण्टयितास्मि | वण्टयितास्वः | वण्टयितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० वण्टयिष्यति | वण्टयिष्यतः | वण्टयिष्यन्ति |
| वण्टयिष्यसि | वण्टयिष्यथः | वण्टयिष्यथ |
| वण्टयिष्यामि | वण्टयिष्यावः | वण्टयिष्यामः |

| | | |
|--------------|----------------|--------------|
| अवण्टयिष्यत् | अवण्टयिष्यताम् | अवण्टयिष्यन् |
| अवण्टयिष्यः | अवण्टयिष्यतम् | अवण्टयिष्यत |
| अवण्टयिष्यम् | अवण्टयिष्याव | अवण्टयिष्याम |

वण्टापयतीत्येके

1867 शठ् (शठ्) सम्यग्भाषणे 300

| | | |
|-----------|----------|---------|
| व० शठयति | शठयतः | शठयन्ति |
| शठयसि | शठयथः | शठयथ |
| शठयामि | शठयावः | शठयामः |
| स० शठयेत् | शठयेताम् | शठयेयुः |
| शठयेः | शठयेतम् | शठयेत |
| शठयेयम् | शठयेव | शठयेम |

| | | | |
|----------|-------|---------|---------|
| प० शठयतु | तात् | शठयताम् | शठयन्तु |
| शठय | , | शठयतम् | शठयत |
| शठयानि | शठयाव | शठयाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अशठयत् | अशठयताम् | अशठयन् |
| अशठयः | अशठयतम् | अशठयत |
| अशठयम् | अशठयाव | अशठयाम |

| | | |
|----------|---------|-------|
| अ० अशठत् | अशठताम् | अशठन् |
| अशठः | अशठतम् | अशठत |
| अशठम् | अशठाव | अशठाम |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| प० शठयाञ्चकार | शठयाञ्चक्रुः | शठयाञ्चक्रुः |
| शठयाञ्चकथ | शठयाञ्चकथुः | शठयाञ्चक |
| शठयाञ्चकार-कर | शठयाञ्चकृव | शठयाञ्चकृम |

शठयाम्बभूव । शठयामास

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० शठ्यात् | शठ्यास्ताम् | शठ्यासुः |
| शठ्याः | शठ्यास्तम् | शठ्यास्त |
| शठ्यासम् | शठ्यास्व | शठ्यास्म |

प्रव० शठयिता शठयितारौ शठयितारः

| | | |
|------------|------------|------------|
| शठयितासि | शठयितास्थः | शठयितास्थ |
| शठयितास्मि | शठयितास्वः | शठयितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० शठयिष्यति | शठयिष्यतः | शठयिष्यन्ति |
| शठयिष्यसि | शठयिष्यथः | शठयिष्यथ |
| शठयिष्यामि | शठयिष्यावः | शठयिष्यामः |

| | | |
|------------|--------------|------------|
| अशठयिष्यत् | अशठयिष्यताम् | अशठयिष्यन् |
| अशठयिष्यः | अशठयिष्यतम् | अशठयिष्यत |
| अशठयिष्यम् | अशठयिष्याव | अशठयिष्याम |

1868 इवठण् (इवट् सम्यग्भाषणे 301)

व० इवठयति इवठयतः इवठयन्ति
 इवठयसि इवठयथः इवठयथ
 इवठयामि इवठयावः इवठयामः
 स० इवठयेत् इवठयेताम् इवठयेयुः
 इवठयेः इवठयेतम् इवठयेत
 इवठयेयम् इवठयेव इवठयेम
 प० इवठयतु तात् इवठयताम् इवठयन्तु
 इवठय , इवठयतम् इवठयत
 इवठयानि इवठयाव इवठयाम
 झ० अइवठयत् अइवठयताम् अइवठयन्
 अइवठयः अइवठयतम् अइवठयत
 अइवठयम् अइवठयाव अइवठयाम
 अ० अइवठयत् अइवठयताम् अइवठयन्
 अइवठयः अइवठयतम् अइवठयत
 अइवठयम् अइवठयाव अइवठयाम
 प० इवठयाञ्चकार इवठयाञ्चक्रुः इवठयाञ्चकुः
 इवठयाञ्चकथं इवठयाञ्चकथुः इवठयाञ्चक
 इवठयाञ्चकार-कर इवठयाञ्चकृव याञ्चकृम
 इवठयाम्बभूव । इवठयामास
 आ० इवठ्यात् इवठ्यास्ताम् इवठ्यासुः
 इवठ्याः इवठ्यास्तम् इवठ्यास्त
 इवठ्यासम् इवठ्यास्व इवठ्यास्म
 इवठयिता इवठयितारौ इवठयिताः
 इवठयितासि इवठयितास्थः इवठयितास्थ
 इवठयितास्मि इवठयितास्वः इवठयितास्मः
 भ० इवठयिष्यति इवठयिष्यतः इवठयिष्यन्ति
 इवठयिष्यसि इवठयिष्यथः इवठयिष्यथ
 इवठयिष्यामि इवठयिष्यावः इवठयिष्यामः
 अइवठयिष्यत् अइवठयिष्यताम् अइवठयिष्यन्
 अइवठयिष्यः अइवठयिष्यतम् अइवठयिष्यत
 अइवठयिष्यम् अइवठयिष्याव अइवठयिष्याम

॥ अथ डान्तः ॥

1869 दण्डण् (दण्ड् दण्डनिपाते 302)

व० दण्डयति दण्डयतः दण्डयन्ति
 दण्डयसि दण्डयथः दण्डयथ
 दण्डयामि दण्डयावः दण्डयामः
 स० दण्डयेत् दण्डयेताम् दण्डयेयुः
 दण्डयेः दण्डयेतम् दण्डयेत
 दण्डयेयम् दण्डयेव दण्डयेम
 प० दण्डयतु तात् दण्डयताम् दण्डयन्तु
 दण्डय , दण्डयतम् दण्डयत
 दण्डयानि दण्डयाव दण्डयाम
 झ० अदण्डयत् अदण्डयताम् अदण्डयन्
 अदण्डयः अदण्डयतम् अदण्डयत
 अदण्डयम् अदण्डयाव अदण्डयाम
 अ० अदण्डयत् अदण्डयताम् अदण्डयन्
 अदण्डयः अदण्डयतम् अदण्डयत
 अदण्डयम् अदण्डयाव अदण्डयाम
 प० दण्डयाञ्चकार दण्डयाञ्चक्रुः दण्डयाञ्चकुः
 दण्डयाञ्चकथं दण्डयाञ्चकथुः दण्डयाञ्चक
 दण्डयाञ्चकार-कर दण्डयाञ्चकृव याञ्चकृम
 दण्डयाम्बभूव । दण्डयामास
 आ० दण्ड्यात् दण्ड्यास्ताम् दण्ड्यासुः
 दण्ड्याः दण्ड्यास्तम् दण्ड्यास्त
 दण्ड्यासम् दण्ड्यास्व दण्ड्यास्म
 इवठयिता दण्डयितारौ दण्डयिताः
 दण्डयितासि दण्डयितास्थः दण्डयितास्थ
 दण्डयितास्मि दण्डयितास्वः दण्डयितास्मः
 भ० दण्डयिष्यति दण्डयिष्यतः दण्डयिष्यन्ति
 दण्डयिष्यसि दण्डयिष्यथः दण्डयिष्यथ
 दण्डयिष्यामि दण्डयिष्यावः दण्डयिष्यामः
 अदण्डयिष्यत् अदण्डयिष्यताम् अदण्डयिष्यन्
 अदण्डयिष्यः अदण्डयिष्यतम् अदण्डयिष्यत
 अदण्डयिष्यम् अदण्डयिष्याव अदण्डयिष्याम
 दण्डादेर्नाम्नो णिचि दण्डयतो न्यादिसिद्धौ
 दण्डण्प्रभृतीनां पाठो यथाभिधानं णिचं
 विनापि प्रयोगार्थः । अत एवाद्न्तत्त्वमपि
 अनेकस्वरकार्थं फलवत् ॥

॥ अथ णान्ता अष्टौ ॥

1870 व्रण्ण (व्रण्) गोत्रविचूर्णने 303

| | | |
|-----------------|----------------|---------------------|
| व० व्रणयति | व्रणयतः | व्रणयन्ति |
| व्रणयसि | व्रणयथः | व्रणयथ |
| व्रणयामि | व्रणयावः | व्रणयामः |
| व० व्रणयेत् | व्रणयेताम् | व्रणयेयुः |
| व्रणयेः | व्रणयेतम् | व्रणयेत |
| व्रणयेयम् | व्रणयेव | व्रणयेम |
| प० व्रणयतु | व्रणयतात् | व्रणयताम् व्रणयन्तु |
| व्रणय | व्रणयतम् | व्रणयत |
| व्रणयानि | व्रणयाव | व्रणयाम |
| अ० अव्रणयत् | अव्रणयताम् | अव्रणयन् |
| अव्रणयः | अव्रणयतम् | अव्रणयत |
| अव्रणयम् | अव्रणयाव | अव्रणयाम |
| क० अव्रणयतु | अव्रणयताम् | अव्रणयन्तु |
| अव्रणयः | अव्रणयतम् | अव्रणयत |
| अव्रणयम् | अव्रणयाव | अव्रणयाम |
| प० व्रणयाश्चकार | व्रणयाश्चक्रुः | व्रणयाश्चक्रुः |
| व्रणयाश्चकथ | व्रणयाश्चक्रुः | व्रणयाश्चक्रुः |
| व्रणयाश्चकार-कर | व्रणयाश्चक्रुव | व्रणयाश्चक्रुम |
| | व्रणयाम्बभूव । | व्रणयामास |
| आ० व्रण्यात् | व्रण्यास्ताम् | व्रण्यासुः |
| व्रण्याः | व्रण्यास्तम् | व्रण्यास्त |
| व्रण्यासम् | व्रण्यास्व | व्रण्यास्म |
| अ० व्रणयिता | व्रणयितारौ | व्रणयितारः |
| व्रणयितासि | व्रणयितास्थः | व्रणयितास्थ |
| व्रणयितास्मि | व्रणयितास्वः | व्रणयितास्मः |
| अ० व्रणयिष्यति | व्रणयिष्यतः | व्रणयिष्यन्ति |
| व्रणयिष्यसि | व्रणयिष्यथः | व्रणयिष्यथ |
| व्रणयिष्यामि | व्रणयिष्यावः | व्रणयिष्यामः |
| अव्रणयिष्यत् | अव्रणयिष्यताम् | अव्रणयिष्यन् |
| अव्रणयिष्यः | अव्रणयिष्यतम् | अव्रणयिष्यत |
| अव्रणयिष्यम् | अव्रणयिष्याव | अव्रणयिष्याम |

1871 वर्ण्ण (वर्ण्) वर्णक्रियाविस्तार-

गुणवचनेषु 304

| | | |
|---------------------------------|-------------------------------|---|
| व० वर्णयति | वर्णयतः | वर्णयन्ति |
| वर्णयसि | वर्णयथः | वर्णयथ |
| वर्णयामि | वर्णयावः | वर्णयामः |
| व० वर्णयेत् | वर्णयेताम् | वर्णयेयुः |
| वर्णयेः | वर्णयेतम् | वर्णयेत |
| वर्णयेयम् | वर्णयेव | वर्णयेम |
| प० वर्णयतु | वर्णयतात् | वर्णयताम् वर्णयन्तु |
| वर्णय | वर्णयतम् | वर्णयत |
| वर्णयानि | वर्णयाव | वर्णयाम |
| अ० अवर्णयत् | अवर्णयताम् | अवर्णयन् |
| अवर्णयः | अवर्णयतम् | अवर्णयत |
| अवर्णयम् | अवर्णयाव | अवर्णयाम |
| अ० अवर्णयत् | अवर्णयताम् | अवर्णयन् |
| अवर्णयः | अवर्णयतम् | अवर्णयत |
| अवर्णयम् | अवर्णयाव | अवर्णयाम |
| प० वर्णयाश्चकार | वर्णयाश्चक्रुः | वर्णयाश्चक्रुः |
| वर्णयाश्चकथ | वर्णयाश्चक्रुः | वर्णयाश्चक्रुः |
| वर्णयाश्चकार-कर | वर्णयाश्चक्रुव | वर्णयाश्चक्रुम |
| | वर्णयाम्बभूव । | वर्णयामास |
| आ० वर्ण्यात् | वर्ण्यास्ताम् | वर्ण्यासुः |
| वर्ण्याः | वर्ण्यास्तम् | वर्ण्यास्त |
| वर्ण्यासम् | वर्ण्यास्व | वर्ण्यास्म |
| अ० वर्णयिता | वर्णयितारौ | वर्णयितारः |
| वर्णयितासि | वर्णयितास्थः | वर्णयितास्थ |
| वर्णयितास्मि | वर्णयितास्वः | वर्णयितास्मः |
| अ० वर्णयिष्यति | वर्णयिष्यतः | वर्णयिष्यन्ति |
| वर्णयिष्यसि | वर्णयिष्यथः | वर्णयिष्यथ |
| वर्णयिष्यामि | वर्णयिष्यावः | वर्णयिष्यामः |
| अवर्णयिष्यत् | अवर्णयिष्यताम् | अवर्णयिष्यन् |
| अवर्णयिष्यः | अवर्णयिष्यतम् | अवर्णयिष्यत |
| अवर्णयिष्यम् | अवर्णयिष्याव | अवर्णयिष्याम |
| वर्णक्रिया वर्णनं वर्णकरणं वा । | वर्णयति | कथां सुवर्णम् । विस्तारे वर्णनेयम् । गुणवच- |
| | नं स्तुतिः शुक्लाद्युक्तिर्वा | |

1872 पर्णण् (पर्ण) हरितभावे 305

ब० पर्णयति पर्णयतः पर्णयन्ति
पर्णयसि पर्णयथः पर्णयथ
पर्णयामि पर्णयावः पर्णयामः

स० पर्णयेत् पर्णयेताम् पर्णयेयुः
पर्णयेः पर्णयेतम् पर्णयेत
पर्णयेयम् पर्णयेव पर्णयेम

प० पर्णयतु पर्णयतात् पर्णयताम् पर्णयन्तु
पर्णय , पर्णयतम् पर्णयत
पर्णयानि पर्णयाव पर्णयाम

झ० अपर्णयत् अपर्णयताम् अपर्णयन्
अपर्णयः अपर्णयतम् अपर्णयत
अपर्णयम् अपर्णयाव अपर्णयाम

अ० अपर्णयत् अपर्णयताम् अपर्णयन्
अपर्णयः अपर्णयतम् अपर्णयत
अपर्णयम् अपर्णयाव अपर्णयाम

प० पर्णयाश्चकार पर्णयाश्चक्रुः पर्णयाश्चक्रुः
पर्णयाश्चकथं पर्णयाश्चक्रुः पर्णयाश्चक्रुः
पर्णयाश्चकार-कर पर्णयाश्चक्रुव पर्णयाश्चक्रुम
पर्णयाश्चभूव । पर्णयामास

आ० पर्णयति पर्णयताम् पर्णयसुः
पर्णयः पर्णयतम् पर्णयस्त
पर्णयसि पर्णयस्य पर्णयस्मि

श्व० पर्णयिता पर्णयितारौ पर्णयितारः
पर्णयितासि पर्णयितास्यः पर्णयितास्य
पर्णयितास्मि पर्णयितास्वः पर्णयितास्मः

भ० पर्णयिष्यति पर्णयिष्यतः पर्णयिष्यन्ति
पर्णयिष्यसि पर्णयिष्यथः पर्णयिष्यथ
पर्णयिष्यामि पर्णयिष्यावः पर्णयिष्यामः

अ० अपर्णयिष्यत् अपर्णयिष्यताम् अपर्णयिष्यन्
अपर्णयिष्यः अपर्णयिष्यतम् अपर्णयिष्यत
अपर्णयिष्यम् अपर्णयिष्याव अपर्णयिष्याम

1873 कर्णण् (कर्ण) भेदे 306

ब० कर्णयति कर्णयतः कर्णयन्ति
कर्णयसि कर्णयथः कर्णयथ
कर्णयामि कर्णयावः कर्णयामः

स० कर्णयेत् कर्णयेताम् कर्णयेयुः
कर्णयेः कर्णयेतम् कर्णयेत
कर्णयेयम् कर्णयेव कर्णयेम

प० कर्णयतु कर्णयतात् कर्णयताम् कर्णयन्तु
कर्णय , कर्णयतम् कर्णयत
कर्णयानि कर्णयाव कर्णयाम

झ० अकर्णयत् अकर्णयताम् अकर्णयन्
अकर्णयः अकर्णयतम् अकर्णयत
अकर्णयम् अकर्णयाव अकर्णयाम

अ० अचकर्णत् अचकर्णताम् अचकर्णन्
अचकर्णः अचकर्णतम् अचकर्णत
अचकर्णम् अचकर्णाव अचकर्णाम

प० कर्णयाश्चकार कर्णयाश्चक्रुः कर्णयाश्चक्रुः
कर्णयाश्चकथं कर्णयाश्चक्रुः कर्णयाश्चक्रुः
कर्णयाश्चकार-कर कर्णयाश्चक्रुव कर्णयाश्चक्रुम
कर्णयाश्चभूव । कर्णयामास

आ० कर्णयति कर्णयताम् कर्णयसुः
कर्णयः कर्णयतम् कर्णयस्त
कर्णयसि कर्णयस्य कर्णयस्मि

श्व० कर्णयिता कर्णयितारौ कर्णयितारः
कर्णयितासि कर्णयितास्यः कर्णयितास्य
कर्णयितास्मि कर्णयितास्वः कर्णयितास्मः

भ० कर्णयिष्यति कर्णयिष्यतः कर्णयिष्यन्ति
कर्णयिष्यसि कर्णयिष्यथः कर्णयिष्यथ
कर्णयिष्यामि कर्णयिष्यावः कर्णयिष्यामः

अ० अकर्णयिष्यत् अकर्णयिष्यताम् अकर्णयिष्यन्
अकर्णयिष्यः अकर्णयिष्यतम् अकर्णयिष्यत
अकर्णयिष्यम् अकर्णयिष्याव अकर्णयिष्याम

1874 तूण् (तूण्) संकोचने 307 1825 गण् (गण्) सङ्ख्याने 308

| | | |
|------------|-----------|----------|
| ३० तूणयति | तूणयतः | तूणयन्ति |
| तूणयसि | तूणयथः | तूणयथ |
| तूणयामि | तूणयावः | तूणयामः |
| स० तूणयेत् | तूणयेताम् | तूणयेयुः |
| तूणयेः | तूणयेतम् | तूणयेत |
| तूणयेयम् | तूणयेव | तूणयेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० तूणयतु | तूणयतात् | तूणयताम् | तूणयन्तु |
| तूणय , | तूणयतम् | तूणयत | |
| तूणयानि | तूणयाव | तूणयाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| ४० अतूणयत् | अतूणयताम् | अतूणयन् |
| अतूणयः | अतूणयतम् | अतूणयत |
| अतूणयम् | अतूणयाव | अतूणयाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| अ० अतुतूणन् | अतुतूणताम् | अतुतूणन् |
| अतुतूणः | अतुतूणतम् | अतुतूणत |
| अतुतूणम् | अतुतूणाव | अतुतूणाम |

| | | |
|------------------------|----------------|---------------|
| प० तूणयाञ्चकार | तूणयाञ्चक्रतुः | तूणयाञ्चक्रुः |
| तूणयाञ्चकथ | तूणयाञ्चक्रथुः | तूणयाञ्चक्र |
| तूणयाञ्चकार-कर | तूणयाञ्चकृव | तूणयाञ्चकृम |
| तूणयाम्बभूव । तूणयामास | | |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० तूण्यात् | तूण्यास्ताम् | तूण्यासुः |
| तूण्याः | तूण्यास्तम् | तूण्यास्त |
| तूण्यासम् | तूण्यास्व | तूण्यास्म |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| २३० तूणयिता | तूणयितारौ | तूणयितारः |
| तूणयितासि | तूणयितास्थः | तूणयितास्थ |
| तूणयितास्मि | तूणयितास्वः | तूणयितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० तूणयिष्यति | तूणयिष्यतः | तूणयिष्यन्ति |
| तूणयिष्यसि | तूणयिष्यथः | तूणयिष्यथ |
| तूणयिष्यामि | तूणयिष्यावः | तूणयिष्यामः |

| | | |
|-------------|---------------|-------------|
| अतूणयिष्यत् | अतूणयिष्यताम् | अतूणयिष्यन् |
| अतूणयिष्यः | अतूणयिष्यतम् | अतूणयिष्यत |
| अतूणयिष्यम् | अतूणयिष्याव | अतूणयिष्याम |

| | | |
|----------|--------|---------|
| ३० गणयति | गणयतः | गणयन्ति |
| गणयसि | गणयथः | गणयथ |
| गणयामि | गणयावः | गणयामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० गणयेत् | गणयेताम् | गणयेयुः |
| गणयेः | गणयेतम् | गणयेत |
| गणयेयम् | गणयेव | गणयेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० गणयतु | गणयतात् | गणयताम् | गणयन्तु |
| गणय , | गणयतम् | गणयत | |
| गणयानि | गणयाव | गणयाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| ४० अगणयत् | अगणयताम् | अगणयन् |
| अगणयः | अगणयतम् | अगणयत |
| अगणयम् | अगणयाव | अगणयाम |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| अ० अजगणत् | अजगणताम् | अजगणन् |
| अजगणः | अजगणतम् | अजगणत |
| अजगणम् | अजगणाव | अजगणाम |

| | | |
|----------------------|---------------|--------------|
| प० गणयाञ्चकार | गणयाञ्चक्रतुः | गणयाञ्चक्रुः |
| गणयाञ्चकथ | गणयाञ्चक्रथुः | गणयाञ्चक्र |
| गणयाञ्चकार-कर | गणयाञ्चकृव | गणयाञ्चकृम |
| गणयाम्बभूव । गणयामास | | |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० गण्यात् | गण्यास्ताम् | गण्यासुः |
| गण्याः | गण्यास्तम् | गण्यास्त |
| गण्यासम् | गण्यास्व | गण्यास्म |

| | | |
|------------|------------|------------|
| २३० गणयिता | गणयितारौ | गणयितारः |
| गणयितासि | गणयितास्थः | गणयितास्थ |
| गणयितास्मि | गणयितास्वः | गणयितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० गणयिष्यति | गणयिष्यतः | गणयिष्यन्ति |
| गणयिष्यसि | गणयिष्यथः | गणयिष्यथ |
| गणयिष्यामि | गणयिष्यावः | गणयिष्यामः |

| | | |
|------------|--------------|------------|
| अगणयिष्यत् | अगणयिष्यताम् | अगणयिष्यन् |
| अगणयिष्यः | अगणयिष्यतम् | अगणयिष्यत |
| अगणयिष्यम् | अगणयिष्याव | अगणयिष्याम |

अजगणत्, अजगणताम्, अजगणन् इत्यादि

1876 कुण्ण (कुण् आमन्त्रणे आमन्त्रणम् गूढोक्तिः 309

| | | | |
|-------------|-----------------|--------------|--------------|
| ब० | कुणयति | कुणयतः | कुणयन्ति |
| | कुणयसि | कुणयथः | कुणयथ |
| | कुणयामि | कुणयावः | कुणयामः |
| स० | कुणयेत् | कुणयेताम् | कुणयेयुः |
| | कुणयेः | कुणयेतम् | कुणयेत |
| | कुणयेयम् | कुणयेव | कुणयेम |
| प० | कुणयतु | कुणयतात् | कुणयताम् |
| | कुणय | कुणयतम् | कुणयत |
| | कुणयानि | कुणयाव | कुणयाम |
| झ० | अकुणयत | अकुणयताम् | अकुणयन् |
| | अकुणयः | अकुणयतम् | अकुणयत |
| | अकुणयम् | अकुणयाव | अकुणयाम |
| अ० | अचुकुणत् | अचुकुणताम् | अचुकुणन् |
| | अचुकुणः | अचुकुणतम् | अचुकुणत |
| | अचुकुणम् | अचुकुणाव | अचुकुणाम |
| प० | कुणयाञ्चकार | कुणयाञ्चकतुः | कुणयाञ्चकु |
| | कुणयाञ्चकर्थ | कुणयाञ्चकथुः | कुणयाञ्चक |
| | कुणयाञ्चकार, कर | कुणयाञ्चकृव | कुणयाञ्चकृम |
| | कुणयाञ्चभूव | कुणयामास | |
| आ० | कुण्यात् | कुण्यास्ताम् | कुण्यासुः |
| | कुण्याः | कुण्यास्तम् | कुण्यास्त |
| | कुण्यासम् | कुण्यास्व | कुण्यास्म |
| प्रब० | कुणयिता | कुणयितारौ | कुणयितारः |
| | कुणयितासि | कुणयितास्थः | कुणयितास्थ |
| | कुणयितास्मि | कुणयितास्वः | कुणयितास्मः |
| अ० | कुणयिष्यति | कुणयिष्यतः | कुणयिष्यन्ति |
| | कुणयिष्यसि | कुणयिष्यथः | कुणयिष्यथ |
| | कुणयिष्यामि | कुणयिष्यावः | कुणयिष्यामः |
| अकुणयिष्यत | अकुणयिष्यताम् | अकुणयिष्यन् | |
| अकुणयिष्यः | अकुणयिष्यतम् | अकुणयिष्यत | |
| अकुणयिष्यम् | अकुणयिष्याव | अकुणयिष्याम | |

1877 गुण्ण (गुण्) आमन्त्रणे । आमन्त्रणं गूढोक्तिः । 310

| | | | |
|-------------|-----------------|--------------|--------------|
| ब० | गुणयति | गुणयतः | गुणयन्ति |
| | गुणयसि | गुणयथः | गुणयथ |
| | गुणयामि | गुणयावः | गुणयामः |
| स० | गुणयेत् | गुणयेताम् | गुणयेयुः |
| | गुणयेः | गुणयेतम् | गुणयेत |
| | गुणयेयम् | गुणयेव | गुणयेम |
| प० | गुणयतु | गुणयतात् | गुणयताम् |
| | गुणय | गुणयतम् | गुणयत |
| | गुणयानि | गुणयाव | गुणयाम |
| झ० | अगुणयत् | अगुणयताम् | अगुणयन् |
| | अगुणयः | अगुणयतम् | अगुणयत |
| | अगुणयम् | अगुणयाव | अगुणयाम |
| अ० | अजुगुणत् | अजुगुणताम् | अजुगुणन् |
| | अजुगुणः | अजुगुणतम् | अजुगुणत |
| | अजुगुणम् | अजुगुणाव | अजुगुणाम |
| प० | गुणयाञ्चकार | गुणयाञ्चकतुः | गुणयाञ्चकु |
| | गुणयाञ्चकर्थ | गुणयाञ्चकथुः | गुणयाञ्चक |
| | गुणयाञ्चकार, कर | गुणयाञ्चकृव | गुणयाञ्चकृम |
| | गुणयाञ्चभूव | गुणयामास | |
| आ० | गुण्यात् | गुण्यास्ताम् | गुण्यासुः |
| | गुण्याः | गुण्यास्तम् | गुण्यास्त |
| | गुण्यासम् | गुण्यास्व | गुण्यास्म |
| प्रब० | गुणयिता | गुणयितारौ | गुणयितारः |
| | गुणयितासि | गुणयितास्थः | गुणयितास्थ |
| | गुणयितास्मि | गुणयितास्वः | गुणयितास्मः |
| अ० | गुणयिष्यति | गुणयिष्यतः | गुणयिष्यन्ति |
| | गुणयिष्यसि | गुणयिष्यथः | गुणयिष्यथ |
| | गुणयिष्यामि | गुणयिष्यावः | गुणयिष्यामः |
| अगुणयिष्यत | अगुणयिष्यताम् | अगुणयिष्यन् | |
| अगुणयिष्यः | अगुणयिष्यतम् | अगुणयिष्यत | |
| अगुणयिष्यम् | अगुणयिष्याव | अगुणयिष्याम | |

॥ अथ तान्तास्त्रयः ॥

1878 केतण् (केत्) आमन्त्रणे

आमन्त्रणं गूढोक्तिः 311

| | | | |
|-------|---------------|---------------|---------------|
| व० | केतयति | केतयतः | केतयन्ति |
| | केतयसि | केतयथः | केतयथ |
| | केतयामि | केतयावः | केतयामः |
| स० | केतयेत् | केतयेताम् | केतयेयुः |
| | केतयेः | केतयेतम् | केतयेत |
| | केतयेयम् | केतयेव | केतयेम |
| प० | केतयतु | केतयतात् | केतयताम् |
| | केतय | केतयतम् | केतयत |
| | केतयानि | केतयाव | केतयाम |
| झ० | अकेतयत् | अकेतयताम् | अकेतयन् |
| | अकेतयः | अकेतयतम् | अकेतयत |
| | अकेतयम् | अकेतयाव | अकेतयाम |
| अ० | अचिकेतत् | अचिकेतताम् | अचिकेतन् |
| | अचिकेतः | अचिकेततम् | अचिकेतत |
| | अचिकेतम् | अचिकेताव | अचिकेताम |
| प० | केतयाश्चकार | केतयाश्चक्रुः | केतयाश्चक्रुः |
| | केतयाश्चकथं | केतयाश्चक्रुः | केतयाश्चक्रुः |
| | केतयाश्चकार | केतयाश्चक्रुः | केतयाश्चक्रुः |
| | केतयाश्चक्रुः | केतयाश्चक्रुः | केतयाश्चक्रुः |
| आ० | केत्यात् | केत्यास्तम् | केत्यास्तुः |
| | केत्याः | केत्यास्तम् | केत्यास्त |
| | केत्यासम् | केत्यास्व | केत्यास्म |
| प्रव० | केतयिता | केतयितारौ | केतयितारः |
| | केतयितासि | केतयितास्थः | केतयितास्थ |
| | केतयितास्मि | केतयितास्वः | केतयितास्मः |
| भ० | केतयिष्यति | केतयिष्यतः | केतयिष्यन्ति |
| | केतयिष्यसि | केतयिष्यथः | केतयिष्यथ |
| | केतयिष्यामि | केतयिष्यावः | केतयिष्यामः |
| | अकेतयिष्यत् | अकेतयिष्यताम् | अकेतयिष्यन् |
| | अकेतयिष्यः | अकेतयिष्यतम् | अकेतयिष्यत |
| | अकेतयिष्यम् | अकेतयिष्याव | अकेतयिष्याम |
| | अयं | निष्ठा | निम्न |

1879 पतण् (पत्) गतौ वा । 312

| | | | |
|-------|--------------|--------------|---------------------------------------|
| व० | पतयति | पतयतः | पतयन्ति |
| | पतयसि | पतयथः | पतयथ |
| | पतयामि | पतयावः | पतयामः |
| स० | पतयेत् | पतयेताम् | पतयेयुः |
| | पतयेः | पतयेतम् | पतयेत |
| | पतयेयम् | पतयेव | पतयेम |
| प० | पतयतु | पतयतात् | पतयताम् |
| | पतय | पतयतम् | पतयत |
| | पतयानि | पतयाव | पतयाम |
| झ० | अपतयत् | अपतयताम् | अपतयन् |
| | अपतयः | अपतयतम् | अपतयत |
| | अपतयम् | अपतयाव | अपतयाम |
| अ० | अपपतत् | अपपतताम् | अपपतन् |
| | अपपतः | अपपततम् | अपपतत |
| | अपपतम् | अपपताव | अपपताम |
| प० | पतयाश्चकार | पतयाश्चक्रुः | पतयाश्चक्रुः |
| | पतयाश्चकथं | पतयाश्चक्रुः | पतयाश्चक्रुः |
| | पतयाश्चकार | पतयाश्चक्रुः | पतयाश्चक्रुः |
| | पतयाश्चक्रुः | पतयाश्चक्रुः | पतयाश्चक्रुः |
| आ० | पत्यात् | पत्यास्तम् | पत्यास्तुः |
| | पत्याः | पत्यास्तम् | पत्यास्त |
| | पत्यासम् | पत्यास्व | पत्यास्म |
| प्रव० | पतयिता | पतयितारौ | पतयितारः |
| | पतयितासि | पतयितास्थः | पतयितास्थ |
| | पतयितास्मि | पतयितास्वः | पतयितास्मः |
| भ० | पतयिष्यति | पतयिष्यतः | पतयिष्यन्ति |
| | पतयिष्यसि | पतयिष्यथः | पतयिष्यथ |
| | पतयिष्यामि | पतयिष्यावः | पतयिष्यामः |
| क्रि० | अपतयिष्यत् | अपतयिष्यताम् | अपतयिष्यन् |
| | अपतयिष्यः | अपतयिष्यतम् | अपतयिष्यत |
| | अपतयिष्यम् | अपतयिष्याव | अपतयिष्याम |
| | वा | शब्दो | निजद्वारात्त्वयोर्युगपद्विकल्पार्थः । |
| | | पक्षे | पतति अपातीत । अपतीत |

1880 वातण् (वात्) गति-

सुखसेवनयोः । 313

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| घ० वातयति | वातयतः | वातयन्ति |
| वातयसि | वातयथः | वातयथ |
| वातयामि | वातयावः | वातयामः |
| स० वातयेत् | वातयेताम् | वातयेयुः |
| वातयेः | वातयेतम् | वातयेत |
| वातयेयम् | वातयेव | वातयेम |
| प० वातयतु | वातयतात् | वातयताम् वातयन्तु |
| वातय | ” | वातयतम् वातयत |
| वातयानि | वातयाव | वातयाम |
| झ० अवातयत् | अवातयताम् | अवातयन् |
| अवातयः | अवातयतम् | अवातयत |
| अवातयम् | अवातयाव | अवातयाम |
| अ० अववातत् | अववातताम् | अववातन् |
| अववातः | अववाततम् | अववातत |
| अववातम् | अववाताव | अववाताम |
| प० वातयाश्चकार | वातयाश्चक्रुः | वातयाश्चुः |
| वातयाश्चकथ | वातयाश्चक्रुः | वातयाश्चक्रुः |
| वातयाश्चकार-कर | वातयाश्चक्रुव | वातयाश्चक्रुम |
| वातयाम्बभूव | । | वातयामास |
| ॥० वात्यात् | वात्यास्ताम् | वात्यासुः |
| वात्याः | वात्यास्तम् | वात्यास्त |
| वात्यासम् | वात्यास्व | वात्यास्म |
| प्र० वातयिता | वातयितारौ | वातयितारः |
| वातयितासि | वातयितास्थः | वातयितास्त |
| वातयितास्मि | वातयितास्वः | वातयितास्मः |
| भ० वातयिष्यति | वातयिष्यतः | वातयिष्यन्ति |
| वातयिष्यसि | वातयिष्यथः | वातयिष्यथ |
| वातयिष्यामि | वातयिष्यावः | वातयिष्यामः |
| क्रि० अवातयिष्यत् | अवातयिष्यताम् | अवातयिष्यन् |
| अवातयिष्यः | अवातयिष्यतम् | अवातयिष्यत |
| अवातयिष्यम् | अवातयिष्याव | अवातयिष्याम |

सुखसेवनयोरित्येके

वा इत्येके, तन्मते वापयति ।

॥ अथ थान्तौ ॥

1881 कथण् (कथ्) वाक्यप्रबन्धे । 314

| | | |
|----------------|---------------|-------------------|
| घ० कथयति | कथयतः | कथयन्ति |
| कथयसि | कथयथः | कथयथ |
| कथयामि | कथायावः | कथयामः |
| स० कथायेत् | कथायेताम् | कथायेयुः |
| कथायेः | कथायेतम् | कथायेत |
| कथायेयम् | कथायेव | कथायेम |
| प० कथायतु | कथायतात् | कथायताम् कथायन्तु |
| कथाय | ” | कथायतम् कथायत |
| कथायानि | कथायाव | कथयाम |
| झ० अकथायत् | अकथाताम् | अकथायन् |
| अकथायः | अकथायतम् | अकथायत |
| अकथायम् | अकथायाव | अकथायाम |
| अ० अचकथात् | अचकथाताम् | अचकथान् |
| अचकथाः | अचकथातम् | अचकथात |
| अचकथाम् | अचकथाव | अचकथाम |
| प० कथायाश्चकार | कथायाश्चक्रुः | कथायाश्चक्रुः |
| कथायाश्चकथ | कथायाश्चक्रुः | कथायाश्चक्रुः |
| कथायाश्चकार-कर | कथायाश्चक्रुव | कथायाश्चक्रुम |
| कथायाम्बभूव | । | कथयामास |
| आ० कथ्यात् | कथ्यास्ताम् | कथ्यासुः |
| कथ्याः | कथ्यास्तम् | कथ्यास्त |
| कथ्यासम् | कथ्यास्व | कथ्यास्म |
| प्र० कथयिता | कथयितारौ | कथयितारः |
| कथयितासि | कथयितास्थः | कथयितास्त |
| कथयितास्मि | कथयितास्वः | कथयितास्मः |
| भ० कथयिष्यति | कथयिष्यतः | कथयिष्यन्ति |
| कथयिष्यसि | कथयिष्यथः | कथयिष्यथ |
| कथयिष्यामि | कथयिष्यावः | कथयिष्यामः |
| अकथयिष्यत् | अकथयिष्यताम् | अकथयिष्यन् |
| अकथयिष्यः | अकथयिष्यतम् | अकथयिष्यत |
| अकथयिष्यम् | अकथयिष्याव | अकथयिष्याम |

वाक्यप्रतिबन्धे इत्यन्ये । प्रतिबन्धो विच्छेदो दीरणात् । वदने इत्यपरे

1882 अथय् (अथ्) दौर्बल्ये । 3 5

| | | |
|-------------------------|-------------|-----------------|
| व० अथयति | अथयतः | अथयन्ति |
| अथयसि | अथयथः | अथयथ |
| अथयामि | अथयावः | अथयामः |
| स० अथयेत् | अथयेताम् | अथयेयुः |
| अथयेः | अथयेतम् | अथयेत |
| अथयेयम् | अथयेष्व | अथयेम |
| प० अथयतु | अथयतात् | अथयताम् अथयन्तु |
| अथय | अथयतम् | अथयत |
| अथयानि | अथयाव | अथयाम |
| ह्य० अथयत् | अथयताम् | अथयन् |
| अथयथः | अथयतम् | अथयत |
| अथयम् | अथयाव | अथयाम |
| अ० अशथयत् | अशथयताम् | अथयन् |
| अशथयः | अशथयतम् | अशथयत |
| अशथयम् | अशथयाव | अशथयाम |
| प० अथयाञ्चकार | अथयाञ्चकतुः | अथयाञ्चकुः |
| अथयाञ्चकथं | अथयाञ्चकथुः | अथयाञ्चक |
| अथयाञ्चकार-कर | अथयाञ्चकृव | याञ्चकृम |
| अथयाम्बभूव । अथयामास | | |
| आ अथयात् | अथयास्ताम् | अथयासुः |
| अथयाः | अथयास्तम् | अथयास्त |
| अथयासम् | अथयास्व | अथयास्म |
| प्रव० अथयिता | अथयितारौ | अथयितारः |
| अथयितासि | अथयितास्थः | अथयितास्थ |
| अथयितास्मि | अथयितास्वः | अथयितास्मः |
| भ० अथयिष्यति | अथयिष्यतः | अथयिष्यन्ति |
| अथयिष्यसि | अथयिष्यथः | अथयिष्यथ |
| अथयिष्यामि | अथयिष्यावः | अथयिष्यामः |
| क्रि० अथयिष्यत् | अथयिष्यताम् | अथयिष्यन् |
| अथयिष्यः | अथयिष्यतम् | अथयिष्यत |
| अथयिष्यम् | अथयिष्याव | अथयिष्याम |
| लट्त्वे प्रथयतीत्यादि । | | |

॥ अथ दान्तौ ॥

1883 छेदण् (छेद्) द्वैधीकरणे । 316

| | | |
|-----------------------|---------------|-------------------|
| व० छेदयति | छेदयतः | छेदयन्ति |
| छेदयसि | छेदयथः | छेदयथ |
| छेदयामि | छेदयावः | छेदयामः |
| स० छेदयेत् | छेदयेताम् | छेदयेयुः |
| छेदयेः | छेदयेतम् | छेदयेत |
| छेदयेयम् | छेदयेष्व | छेदयेम |
| प० छेदयतु | छेदयतात् | छेदयताम् छेदयन्तु |
| छेदय | छेदयतम् | छेदयत |
| छेदयानि | छेदयाव | छेदयाम |
| ह्य० अछेदयत् | अछेदयताम् | अछेदयन् |
| अछेदयः | अछेदयतम् | अछेदयत |
| अछेदयम् | अछेदयाव | अछेदयाम |
| अ० अचिच्छेदत् | अचिच्छेदताम् | अचिच्छेदन् |
| अचिच्छेदः | अचिच्छेदतम् | अचिच्छेदत |
| अचिच्छेदम् | अचिच्छेदाव | अचिच्छेदाम |
| प० छेदयाञ्चकार | छेदयाञ्चकतुः | छेदयाञ्चकुः |
| छेदयाञ्चकथं | छेदयाञ्चकथुः | छेदयाञ्चक |
| छेदयाञ्चकार-कर | छेदयाञ्चकृव | याञ्चकृम |
| छेदयाम्बभू । छेदयामास | | |
| आ० छेद्यात् | छेद्यास्ताम् | छेद्यासुः |
| छेद्याः | छेद्यास्तम् | छेद्यास्त |
| छेद्यासम् | छेद्यास्व | छेद्यास्म |
| प्रव० छेदयिता | छेदयितारौ | छेदयितारः |
| छेदयितासि | छेदयितास्थः | छेदयितास्थ |
| छेदयितास्मि | छेदयितास्वः | छेदयितास्मः |
| भ० छेदयिष्यति | छेदयिष्यतः | छेदयिष्यन्ति |
| छेदयिष्यसि | छेदयिष्यथः | छेदयिष्यथ |
| छेदयिष्यामि | छेदयिष्यावः | छेदयिष्यामः |
| अ० अछेदयिष्यत् | अछेदयिष्यताम् | अछेदयिष्यन् |
| अछेदयिष्यः | अछेदयिष्यतम् | अछेदयिष्यत |
| अछेदयिष्यम् | अछेदयिष्याव | अछेदयिष्याम |
| ह्य० अछेदयत् | | |
| अछेदयः | अछेदयतम् | अछेदयत |
| अछेदयम् | अछेदयाव | अछेदयाम |

1884 गदण् [गद्]गर्जे, गर्जौ मेघशब्दः

ष० गदयति गदयतः गदयन्ति 317

गदयसि गदयथः गदयथ

गदयामि गदयावः गदयामः

स० गदयेत् गदयेताम् गदयेयुः

गदयेः गदयेतम् गदयेत

गदयेयम् गदयेव गदयेम

प० गदयतु गदयतात् गदयताम् गदयन्तु

गदय , गदयतम् गदयत

गदयानि गदयाव गदयाम

झ० अगदयत् अगदयताम् अगदयन्

अगदयः अगदयतम् अगदयत

अगदयम् अगदयाव अगदयाम

अ० अजगदत् अजगदताम् अजगदन्

अजगदः अजगदतम् अजगदन्

अजगदम् अजगदाव अजगदाम

प० गदयाञ्चकार गदयाञ्चक्रुः गदयाञ्चकुः

गदयाञ्चकथं गदयाञ्चकथु गदयाञ्चक

गदयाञ्चकार-कर गदयाञ्चकृव गदयाञ्चकृम

गदयाम्बभूव । गदयामास

आ० गद्यात् गद्यास्ताम् गद्यासुः

गद्याः गद्यास्तम् गद्यास्त

गद्यासम् गद्यास्व गद्यास्म

अ० गदयिता गदयितारौ गदयितारः

गदयितासि गदयितास्थः गदयितास्थ

गदयितास्मि गदयितास्वः गदयितास्मः

अ० गदयिष्यति गदयिष्यतः गदयिष्यन्ति

गदयिष्यसि गदयिष्यथः गदयिष्यथ

गदयिष्यामि गदयिष्यावः गदयिष्यामः

अगदयिष्यत् अगदयिष्यताम् अगदयिष्यन्

अगदयिष्यः अगदयिष्यतम् अगदयिष्यत

अगदयिष्यम् अगदयिष्याव अगदयिष्याम

॥ अथ धान्तः ॥

1685 अन्धण् (अन्ध) दृष्ट्युपसंहारे 318

ष० अन्धयति अन्धयतः अन्धयन्ति

अन्धयसि अन्धयथः अन्धयथ

अन्धयामि अन्धयावः अन्धयामः

स० अन्धयेत् अन्धयेताम् अन्धयेयुः

अन्धयेः अन्धयेतम् अन्धयेत

अन्धयेयम् अन्धयेव अन्धयेम

प० अन्धयतु अन्धयतात् अन्धयताम् अन्धयन्तु

अन्धय , अन्धयतम् अन्धयत

अन्धयानि अन्धयाव अन्धयाम

झ० आन्धयत् आन्धयताम् आन्धयन्

आन्धयः आन्धयतम् आन्धयत

आन्धयम् आन्धयाव आन्धयाम

~~आन्धयत् आन्धयतम् आन्धयन्~~~~आन्धयः आन्धयतम् आन्धयत~~~~आन्धयम् आन्धयाव आन्धयाम~~

प० अन्धयाञ्चकार अन्धयाञ्चक्रुः अन्धयाञ्चकुः

अन्धयाञ्चकथं अन्धयाञ्चकथुः अन्धयाञ्चक

अन्धयाञ्चकार-कर अन्धयाञ्चकृव याञ्चकृम

अन्धयाम्बभूव । अन्धयामास

आ० अन्ध्यात् अन्ध्यास्ताम् अन्ध्यासुः

अन्ध्याः अन्ध्यास्तम् अन्ध्यास्त

अन्ध्यासम् अन्ध्यास्व अन्ध्यास्म

अ० अन्धयिता अन्धयितारौ अन्धयितारः

अन्धयितासि अन्धयितास्थः अन्धयितास्थ

अन्धयितास्मि अन्धयितास्वः अन्धयितास्मः

अ० अन्धयिष्यति अन्धयिष्यतः अन्धयिष्यन्ति

अन्धयिष्यसि अन्धयिष्यथः अन्धयिष्यथ

अन्धयिष्यामि अन्धयिष्यावः अन्धयिष्यामः

कि० आन्धयिष्यत् आन्धयिष्यताम् आन्धयिष्यन्

आन्धयिष्यः आन्धयिष्यतम् आन्धयिष्यत

आन्धयिष्यम् आन्धयिष्याव आन्धयिष्याम

अ० आन्दिधत् आन्दिधताम् आन्दिधन्

आन्दिधः आन्दिधतम् आन्दिधत

आन्दिधम् आन्दिधाव आन्दिधाम

1886 स्तनण् (स्तन्) गर्जे ।

गर्जो मेघशब्दः । 319

व० स्तनयति स्तनयतः स्तनयन्ति
स्तनयसि स्तनयथः स्तनयथ
स्तनयामि स्तनयावः स्तनयामः
ख० स्तनयेत् स्तनयेताम् स्तनयेयुः
स्तनयेः स्तनयेतम् स्तनयेत
स्तनयेयम् स्तनयेव स्तनयेम
प० स्तनयन्तु स्तनयतात् स्तनयताम् स्तनयन्तु
स्तनय , स्तनयतम् स्तनयत
स्तनयानि स्तनयाव स्तनयाम
झ० अस्तनयत् अस्तनयताम् अस्तनयन्
अस्तनयः अस्तनयतम् अस्तनयत
अस्तनयम् अस्तनयाव अस्तनयाम
ञ० अतस्तनत् अतस्तनताम् अतस्तनन्
अतस्तनः अतस्तनतम् अतस्तनत
अतस्तनम् अतस्तनाव अतस्तनाम
ए० स्तनयाश्चकार स्तनयाश्चक्रुः स्तनयाश्चक्रुः
स्तनयाश्चकथे स्तनयाश्चक्रुः स्तनयाश्चक्रुः
स्तनयाश्चकार-कर स्तनयाश्चक्रु-याश्चक्रुम
स्तनयाम्बभूव । स्तनयामास
आ० स्तन्यात् स्तन्यास्ताम् स्तन्यासुः
स्तन्याः स्तन्यास्तम् स्तन्यास्त
स्तन्यासम् स्तन्यास्व स्तन्यास्म
अ० स्तनयिता स्तनयितारौ स्तनयितारः
स्तनयितासि स्तनयितास्थः स्तनयितास्थ
स्तनयितास्मि स्तनयितास्वः स्तनयितास्म
अ० स्तनयिष्यति स्तनयिष्यतः स्तनयिष्यन्ति
स्तनयिष्यसि स्तनयिष्यथः स्तनयिष्यथ
स्तनयिष्यामि स्तनयिष्यावः स्तनयिष्यामः
अस्तनयिष्यत् अस्तनयिष्यताम् अस्तनयिष्यन्
अस्तनयिष्यः अस्तनयिष्यतम् अस्तनयिष्यत
अस्तनयिष्यम् अस्तनयिष्याव अस्तनयिष्याम

1887 ध्वनण् (ध्वन्) शब्दे 320

व० ध्वनयति ध्वनयतः ध्वनयन्ति
ध्वनयसि ध्वनयथः ध्वनयथ
ध्वनयामि ध्वनयावः ध्वनयामः
ख० ध्वनयेत् ध्वनयेताम् ध्वनयेयुः
ध्वनयेः ध्वनयेतम् ध्वनयेत
ध्वनयेयम् ध्वनयेव ध्वनयेम
प० ध्वनयन्तु ध्वनयतात् ध्वनयताम् ध्वनयन्तु
ध्वनय , ध्वनयतम् ध्वनयत
ध्वनयानि ध्वनयाव ध्वनयाम
झ० अध्वनयत् अध्वनयताम् अध्वनयन्
अध्वनयः अध्वनयतम् अध्वनयत
अध्वनयम् अध्वनयाव अध्वनयाम
ञ० अदध्वनत् अदध्वनताम् अदध्वनन्
अदध्वनः अदध्वनतम् अदध्वनत
अदध्वनम् अदध्वनाव अदध्वनाम
ए० ध्वनयाञ्चकार ध्वनयाञ्चक्रुः ध्वनयाञ्चक्रुः
ध्वनयाञ्चकथे ध्वनयाञ्चक्रुः ध्वनयाञ्चक्रुः
ध्वनयाञ्चकार-कर ध्वनयाञ्चक्रु-याञ्चक्रुम
ध्वनयाम्बभूव । ध्वनयामास
आ० ध्वन्यात् ध्वन्यास्ताम् ध्वन्यासुः
ध्वन्याः ध्वन्यास्तम् ध्वन्यास्त
ध्वन्यासम् ध्वन्यास्व ध्वन्यास्म
अ० ध्वनयिता ध्वनयितारौ ध्वनयितारः
ध्वनयितासि ध्वनयितास्थः ध्वनयितास्थ
ध्वनयितास्मि ध्वनयितास्वः ध्वनयितास्म
अ० ध्वनयिष्यति ध्वनयिष्यतः ध्वनयिष्यन्ति
ध्वनयिष्यसि ध्वनयिष्यथः ध्वनयिष्यथ
ध्वनयिष्यामि ध्वनयिष्यावः ध्वनयिष्यामः
अध्वनयिष्यत् अध्वनयिष्यताम् अध्वनयिष्यः
अध्वनयिष्यः अध्वनयिष्यतम् अध्वनयिष्यत
अध्वनयिष्यम् अध्वनयिष्याव अध्वनयिष्याम

1888 स्तेनण् (स्तेन्) चौर्ये । 321

घ० स्तेनयति स्तेनयतः स्तेनयन्ति,
स्तेनयसि स्तेनयथः स्तेनयथ
स्तेनयामि स्तेनयावः स्तेनयामः

स० स्तेनयेत् स्तेनयेताम् स्तेनयेयुः
स्तेनयेः स्तेनयेतम् स्तेनयेत
स्तेनयेयम् स्तेनयेव स्तेनयेम

प० स्तेनयतु स्तेनयतात् स्तेनयताम् स्तेनयन्तु
स्तेनय स्तेनयतम् स्तेनयत
स्तेनयानि स्तेनयाव स्तेनयाम

झ० अस्तेनयत् अस्तेनयताम् अस्तेनयन्
अस्तेनयः अस्तेनयतम् अस्तेनयत
अस्तेनयम् अस्तेनयाव अस्तेनयाम

अ० अतिस्तेनत् अतिस्तेनताम् अतिस्तेनन्
अतिस्तेनः अतिस्तेनतम् अतिस्तेनत
अतिस्तेनम् अतिस्तेनाव अतिस्तेनाम

प० स्तेनयाश्चकार स्तेनयाश्चक्रुः स्तेनयाश्चकुः
स्तेनयाश्चकथ स्तेनयाश्चकथुः स्तेनयाश्चक्र
स्तेनयाश्चकार-कर स्तेनयाश्चकृव याश्चकृम
स्तेनयाम्बभूव । स्तेनयामास

आ० स्तेन्यात् स्तेन्यास्ताम् स्तेन्यासुः
स्तेन्याः स्तेन्यास्तम् स्तेन्यास्त
स्तेन्यासम् स्तेन्यास्व स्तेन्यास्म

प्र० स्तेनयिता स्तेनयितारौ स्तेनयितारः
स्तेनयितासि स्तेनयितास्थः स्तेनयितास्थ
स्तेनयितास्मि स्तेनयितास्वः स्तेनयितास्मः

म० स्तेनयिष्यति स्तेनयिष्यतः स्तेनयिष्यन्ति
स्तेनयिष्यसि स्तेनयिष्यथः स्तेनयिष्यथ
स्तेनयिष्यामि स्तेनयिष्यावः स्तेनयिष्यामः

अस्तेनयिष्यत् अस्तेनयिष्यताम् अस्तेनयिष्यन्
अस्तेनयिष्यः अस्तेनयिष्यतम् अस्तेनयिष्यत
अस्तेनयिष्यम् अस्तेनयिष्याव अस्तेनयिष्याम

1889 ऊनण् (ऊन्) परिहाणे । 322

घ० ऊनयति ऊनयतः ऊनयन्ति
ऊनयसि ऊनयथः ऊनयथ
ऊनयामि ऊनयावः ऊनयामः

स० ऊनयेत् ऊनयेताम् ऊनयेयुः
ऊनयेः ऊनयेतम् ऊनयेत
ऊनयेयम् ऊनयेव ऊनयेम

प० ऊनयतु ऊनयतात् ऊनयताम् ऊनयन्तु
ऊनय " ऊनयतम् ऊनयत
ऊनयानि ऊनयाव ऊनयाम

झ० औनयत् औनयताम् औनयन्
औनयः औनयतम् औनयत
औनयम् औनयाव औनयाम

अ० औननत् औननताम् औननन्
औननः औननतम् औननत
औननम् औननाव औननाम

प० ऊनयाश्चकार ऊनयाश्चक्रुः ऊनयाश्चकुः
ऊनयाश्चकथ ऊनयाश्चकथुः ऊनयाश्चक्र
ऊनयाश्चकार-कर ऊनयाश्चकृव ऊनयाश्चकृम
ऊनयाम्बभूव । ऊनयामास

आ० ऊन्यात् ऊन्यास्ताम् ऊन्यासुः
ऊन्याः ऊन्यास्तम् ऊन्यास्त
ऊन्यासम् ऊन्यास्व ऊन्यास्म

प्र० ऊनयिता ऊनयितारौ ऊनयितारः
ऊनयितासि ऊनयितास्थः ऊनयितास्थ
ऊनयितास्मि ऊनयितास्वः ऊनयितास्मः

म० ऊनयिष्यति ऊनयिष्यतः ऊनयिष्यन्ति
ऊनयिष्यसि ऊनयिष्यथः ऊनयिष्यथ
ऊनयिष्यामि ऊनयिष्यावः ऊनयिष्यामः

क्रि० औनयिष्यत् औनयिष्यताम् औनयिष्यन्
औनयिष्यः औनयिष्यतम् औनयिष्यत
औनयिष्यम् औनयिष्याव औनयिष्याम

अ० औननत् औननताम् औननन्
औननः औननतम् औननत
औननम् औननाव औननाम

॥ अथ पान्तास्त्रयः ॥

1890 कृपण् (कृप्) दौर्बल्ये 323

व० कृपयति कृपयतः कृपयन्ति
कृपयसि कृपयथः कृपयथ
कृपयामि कृपयावः कृपयामः
स० कृपयेत् कृपयेताम् कृपयेयुः
कृपयेः कृपयेतम् कृपयेत
कृपयेयम् कृपयेव कृपयेम

प० कृपयतु कृपयतात् कृपयताम् कृपयन्तु
कृपय कृपयतम् कृपयत
कृपयाति कृपयाव कृपयाम

अ० अकृपयत् अकृपयताम् अकृपयन्
अकृपयः अकृपयतम् अकृपयत
अकृपयम् अकृपयाव अकृपयाम

अ० अचकृपत् अचकृपताम् अचकृपन्
अचकृपः अचकृपतम् अचकृपत
अचकृपम् अचकृपाव अचकृपाम

प० कृपयाश्चकार कृपयाश्चक्रतुः कृपयाश्चक्रुः
कृपयाश्चकथ कृपयाश्चकथुः कृपयाश्चक्र
कृपयाश्चकार-कर कृपयाश्चक्रव कृपयाश्चक्रम
कृपयाम्बभूव । कृपयामास

आ० कृप्यात् कृप्यास्ताम् कृप्यासुः
कृप्याः कृप्यास्तम् कृप्यास्त
कृप्यासम् कृप्यास्व कृप्यास्म

प्र० कृपयिता कृपयितारौ कृपयितारः
कृपयितासि कृपयितास्यः कृपयितास्य
कृपयितास्मि कृपयितास्वः कृपयितास्मः

भ० कृपयिष्यति कृपयिष्यतः कृपयिष्यन्ति
कृपयिष्यसि कृपयिष्यथः कृपयिष्यथ
कृपयिष्यामि कृपयिष्यावः कृपयिष्यामः
अकृपयिष्यत् अकृपयिष्यताम् अकृपयिष्यन्
अकृपयिष्यः अकृपयिष्यतम् अकृपयिष्यत
अकृपयिष्यम् अकृपयिष्याव अकृपयिष्याम

1891 रूपण् (रूप) रूपक्रियायाम् ।

रूपक्रिया राजमुद्रादिरूपस्यकरणम् 324

व० रूपयति रूपयतः रूपयन्ति
रूपयसि रूपयथः रूपयथ
रूपयामि रूपयावः रूपयामः

स० रूपयेत् रूपयेताम् रूपयेयुः
रूपयेः रूपयेतम् रूपयेत
रूपयेयम् रूपयेव रूपयेम

प० रूपयतु रूपयतात् रूपयताम् रूपयन्तु
रूपय रूपयतम् रूपयत
रूपयाणि रूपयाव रूपयाम

झ० अरूपयत् अरूपयताम् अरूपयन्
अरूपयः अरूपयतम् अरूपयत
अरूपयम् अरूपयाव अरूपयाम

अ० अरूपयत् अरूपयताम् अरूपयन्
अरूपयः अरूपयतम् अरूपयत
अरूपयम् अरूपयाव अरूपयाम

प० रूपयाश्चकार रूपयाश्चक्रतुः रूपयाश्चक्रुः
रूपयाश्चकथ रूपयाश्चकथुः रूपयाश्चक्र
रूपयाश्चकार-कर रूपयाश्चक्रव पाश्चक्रम
रूपयाम्बभूव । रूपयामास

आ० रूपात् रूपास्ताम् रूपासुः
रूपाः रूपास्तम् रूपास्त
रूपासम् रूपास्व रूपास्म

प्र० रूपयिता रूपयितारौ रूपयितारः
रूपयितासि रूपयितास्यः रूपयितास्य
रूपयितास्मि रूपयितास्वः रूपयितास्मः

भ० रूपयिष्यति रूपयिष्यतः रूपयिष्यन्ति
रूपयिष्यसि रूपयिष्यथः रूपयिष्यथ
रूपयिष्यामि रूपयिष्यावः रूपयिष्यामः

क्रि० अरूपयिष्यत् अरूपयिष्यताम् अरूपयिष्यन्
अरूपयिष्यः अरूपयिष्यतम् अरूपयिष्यत
अरूपयिष्यम् अरूपयिष्याव अरूपयिष्याम
रूपदर्शनं वा रूपक्रिया ।

1892 क्षपण् (क्षप्) प्रेरणे 325

| | | |
|--------------------------|----------------|---------------|
| व० क्षपयति | क्षपयतः | क्षपयन्ति |
| क्षपयसि | क्षपयथः | क्षपयथ |
| क्षपयामि | क्षपयावः | क्षपयामः |
| स० क्षपयेत् | क्षपयेताम् | क्षपयेयुः |
| क्षपयेः | क्षपयेतम् | क्षपयेत |
| क्षपयेयम् | क्षपयेव | क्षपयेम |
| प० क्षपयतु | क्षपयतात् | क्षपयताम् |
| क्षपय | क्षपयतम् | क्षपयत |
| क्षपयानि | क्षपयाव | क्षपयाम |
| झ० अक्षपयत् | अक्षपयताम् | अक्षपयन् |
| अक्षपयः | अक्षपयतम् | अक्षपयत |
| अक्षपयम् | अक्षपयाव | अक्षपयाम |
| अ० अक्षपयत् | अक्षपयताम् | अक्षपयन् |
| अक्षपयः | अक्षपयतम् | अक्षपयत |
| अक्षपयम् | अक्षपयाव | अक्षपयाम |
| प० क्षपयाञ्चकार | क्षपयाञ्चक्रुः | क्षपयाञ्चकुः |
| क्षपयाञ्चकथं | क्षपयाञ्चक्रुः | क्षपयाञ्चक |
| क्षपयाञ्चकार-कर | क्षपयाञ्चकृव | क्षपयाञ्चकृम |
| क्षपयाम्बभूव । क्षपयामास | | |
| आ० क्षप्यात् | क्षप्यास्ताम् | क्षप्यासुः |
| क्षप्याः | क्षप्यास्तम् | क्षप्यास्त |
| क्षप्यासम् | क्षप्यास्व | क्षप्यास्म |
| अ० क्षपयिता | क्षपयितारौ | क्षपयितारः |
| क्षपयितासि | क्षपयितास्यः | क्षपयितास्य |
| क्षपयितास्मि | क्षपयितास्वः | क्षपयितास्मः |
| भ० क्षपयिष्यति | क्षपयिष्यतः | क्षपयिष्यन्ति |
| क्षपयिष्यसि | क्षपयिष्यथः | क्षपयिष्यथ |
| क्षपयिष्यामि | क्षपयिष्यावः | क्षपयिष्यामः |
| अक्षपयिष्यत् | अक्षपयिष्यताम् | अक्षपयिष्यन् |
| अक्षपयिष्यः | अक्षपयिष्यतम् | अक्षपयिष्यत |
| अक्षपयिष्यम् | अक्षपयिष्याव | अक्षपयिष्याम |

॥ अथ भान्तः ॥

1893 लाभण् (लाभ्) प्रेरणे । 326

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| व० लाभयति | लाभयतः | लाभयन्ति |
| लाभयसि | लाभयथः | लाभयथ |
| लाभयामि | लाभयावः | लाभयामः |
| स० लाभयेत् | लाभयेताम् | लाभयेयुः |
| लाभयेः | लाभयेतम् | लाभयेत |
| लाभयेयम् | लाभयेव | लाभयेम |
| प० लाभयतु-तात् | लाभयताम् | लाभयन्तु |
| लाभय | लाभयतम् | लाभयत |
| लाभयानि | लाभयाव | लाभयाम |
| झ० अलाभयत् | अलाभयताम् | अलाभयन् |
| अलाभयः | अलाभयतम् | अलाभयत |
| अलाभयम् | अलाभयाव | अलाभयाम |
| अ० अललाभत् | अललाभताम् | अललाभन् |
| अललाभः | अललाभतम् | अललाभत |
| अललाभम् | अललाभाव | अललाभाम |
| प० लाभयाञ्चकार | लाभयाञ्चक्रुः | लाभयाञ्चकुः |
| लाभयाञ्चकथं | लाभयाञ्चक्रुः | लाभयाञ्चक |
| लाभयाञ्चकार-कर | लाभयाञ्चकृव | लाभयाञ्चकृम |
| लाभयाम्बभूव । लाभयामास | | |
| आ० लाभ्यात् | लाभ्यास्ताम् | लाभ्यासुः |
| लाभ्याः | लाभ्यास्तम् | लाभ्यास्त |
| लाभ्यासम् | लाभ्यास्व | लाभ्यास्म |
| अ० लाभयिता | लाभयितारौ | लाभयितारः |
| लाभयितासि | लाभयितास्यः | लाभयितास्य |
| लाभयितास्मि | लाभयितास्वः | लाभयितास्मः |
| भ० लाभयिष्यति | लाभयिष्यतः | लाभयिष्यन्ति |
| लाभयिष्यसि | लाभयिष्यथः | लाभयिष्यथ |
| लाभयिष्यामि | लाभयिष्यावः | लाभयिष्यामः |
| अलाभयिष्यत् | अलाभयिष्यताम् | अलाभयिष्यन् |
| अलाभयिष्यः | अलाभयिष्यतम् | अलाभयिष्यत |
| अलाभयिष्यम् | अलाभयिष्याव | अलाभयिष्याम |
| लाभयित्यन्ये । | | |

अय मान्ताः पञ्च

1894 भामण् (भाम्) क्रोधे । 327

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | भामयति | भामयतः | भामयन्ति |
| | भामयसि | भामयथः | भामयथ |
| | भामयामि | भामयावः | भामयामः |
| स० | भामयेत् | भामयेताम् | भामयेयुः |
| | भामयेः | भामयेतम् | भामयेत |
| | भामयेयम् | भामयेव | भामयेम |
| प० | भामयतु | तात् भामयताम् | भामयन्तु |
| | भामय | ,, भामयतम् | भामयत |
| | भामयानि | भामयाव | भामयाम |
| ह्य० | अभामयत् | अभामयताम् | अभामयन् |
| | अभामयः | अभामयतम् | अभामयत |
| | अभामयम् | अभामयाव | अभामयाम |
| अ० | अवभामत् | अवभामताम् | अवभामन् |
| | अवभामः | अवभामतम् | अवभामत |
| | अवभामम् | अवभामाव | अवभामाम |
| | भामयाञ्चकार | भामयाञ्चक्रतुः | भामयाञ्चक्रुः |
| | भामयाञ्चकथे | भामयाञ्चक्रथुः | भामयाञ्चक्र |
| | भामयाञ्चकार, कर, | भामयाञ्चकृव | याञ्चकृम |
| | भामयाम्बभूव । | भामयामास | |
| आ० | भाम्यात् | भाम्यास्ताम् | भाम्यास्तुः |
| | भाम्याः | भाम्यास्तम् | भाम्यास्त |
| | भाम्यासम् | भाम्यास्व | भाम्यास्म |
| प्रव० | भामयिता | भामयितारौ | भामयितारः |
| | भामयितासि | भामयितास्थः | भामयितास्थ |
| | भामयितास्मि | भामयितास्वः | भामयितास्मः |
| भ० | भामयिष्यति | भामयिष्यतः | भामयिष्यन्ति |
| | भामयिष्यसि | भामयिष्यथः | भामयिष्यथ |
| | भामयिष्यामि | भामयिष्यावः | भामयिष्यामः |
| | अभामयिष्यत् | अभामयिष्यताम् | अभामयिष्यन् |
| | अभामयिष्यः | अभामयिष्यतम् | अभामयिष्यत |
| | अभामयिष्यम् | अभामयिष्याव | अभामयिष्याम |

1895 गोमण् (गोम्) उपलेपने । 328

| | | | |
|-------|------------------|----------------|-------------------|
| व० | गोमयति | गोमयतः | गोमयन्ति |
| | गोमयसि | गोमयथः | गोमयथ |
| | गोमयामि | गोमयावः | गोमयामः |
| स० | गोमयेत् | गोमयेताम् | गोमयेयुः |
| | गोमयेः | गोमयेतम् | गोमयेत |
| | गोमयेयम् | गोमयेव | गोमयेम |
| प० | गोमयतु | गोमयतात् | गोमयताम् गोमयन्तु |
| | गोमय | ,, गोमयतम् | गोमयत |
| | गोमयानि | गोमयाव | गोमयाम |
| ह्य० | अगोमयत् | अगोमयताम् | अगोमयन् |
| | अगोमयः | अगोमयतम् | अगोमयत |
| | अगोमयम् | अगोमयाव | अगोमयाम |
| अ० | अजुगोमत् | अजुगोमताम् | अजुगोमन् |
| | अजुगोमः | अजुगोमतम् | अजुगोमत |
| | अजुगोमम् | अजुगोमाव | अजुगोमाम |
| प० | गोमयाञ्चकार | गोमयाञ्चक्रतुः | गोमयाञ्चक्रुः |
| | गोमयाञ्चकथे | गोमयाञ्चक्रथुः | गोमयाञ्चक्र |
| | गोमयाञ्चकार, कर, | गोमयाञ्चकृव | याञ्चकृम |
| | गोमयाम्बभूव । | गोमयामास | |
| आ० | गोम्यात् | गोम्यास्ताम् | गोम्यास्तुः |
| | गोम्याः | गोम्यास्तम् | गोम्यास्त |
| | गोम्यासम् | गोम्यास्व | गोम्यास्म |
| प्रव० | गोमयिता | गोमयितारौ | गोमयितारः |
| | गोमयितासि | गोमयितास्थः | गोमयितास्थ |
| | गोमयितास्मि | गोमयितास्वः | गोमयितास्मः |
| भ० | गोमयिष्यति | गोमयिष्यतः | गोमयिष्यन्ति |
| | गोमयिष्यसि | गोमयिष्यथः | गोमयिष्यथ |
| | गोमयिष्यामि | गोमयिष्यावः | गोमयिष्यामः |
| | अगोमयिष्यत् | अगोमयिष्यताम् | अगोमयिष्यन् |
| | अगोमयिष्यः | अगोमयिष्यतम् | अगोमयिष्यत |
| | अगोमयिष्यम् | अगोमयिष्याव | अगोमयिष्याम |

1896 सामण् (साम्) सान्त्वने ।

सान्त्वनं प्रीणनम् । 329

व० सामयति सामयतः सामयन्ति
 सामयसि सामयथः सामयथ
 सामयामि सामयावः सामयामः
 स० सामयेत् सामयेताम् सामयेयुः
 सामयेः सामयेतम् सामयेत
 सामयेयम् सामयेव सामयेम

प० सामयतु सामयताम् सामयताम् सामयन्तु
 सामय „ सामयतम् सामयत
 सामयाणि सामयाव सामयाम

ह्य० असामयत् असामयताम् असामयन्
 असामयः असामयतम् असामयत
 असामयम् असामयाव असामयाम

अ० अससामत् अससामताम् अससामन्
 अससामः अससामतम् अससामत
 अससामम् अससामाव अससामाम

प० सामयाञ्चकार सामयाञ्चकतुः याञ्चकृः
 सामयाञ्चक्यं सामयाञ्चकथुः याञ्चक
 सामयाञ्चकार, कर, सामयाञ्चकृव याञ्चकृम
 सामयाम्बभूव । सामयामास

भा० साम्यात् साम्यास्ताम् साम्यासुः
 साम्याः साम्यास्तम् साम्यास्त
 साम्यासम् साम्यास्व साम्यास्म

प्रव० सामयिता सामयितारौ सामयितारः
 सामयितासि सामयितास्थ सामयितास्य
 सामयितास्मि सामयितास्वः सामयितास्मः
 सामयिष्यति सामयिष्यतः सामयिष्यन्ति
 सामयिष्यसि सामयिष्यथः सामयिष्यथ
 सामयिष्यामि सामयिष्यावः सामयिष्यामः

असामयिष्यत् असामयिष्यताम् असामयिष्यन्
 असामयिष्यः असामयिष्यतम् असामयिष्यन्त
 असामयिष्यम् असामयिष्याव असामयिष्याम

1897 आमण् (आम्) आमन्त्रणे 330

व० आमयति आमयतः आमयन्ति
 आमयसि आमयथः आमयथ
 आमयामि आमयावः आमयामः

स० आमयेत् आमयेताम् आमयेयुः
 आमयेः आमयेतम् आमयेत
 आमयेयम् आमयेव आमयेम

प० आमयतु आमयताम् आमयताम् आमयन्तु
 आमय „ आमयतम् आमयत
 आमयाणि आमयाव आमयाम

ह्य० अआमयत् अआमयताम् अआमयन्
 अआमयः अआमयतम् अआमयत
 अआमयम् अआमयाव अआमयाम

अ० अशआमत् अशआमताम् अशआमन्
 अशआमः अशआमतम् अशआमत
 अशआमम् अशआमाव अशआमाम

प० आमयाञ्चकार आमयाञ्चकतुः आमयाञ्चकृः
 आमयाञ्चक्यं आमयाञ्चकथुः आमयाञ्चक
 आमयाञ्चकार-कर आमयाञ्चकृव आमयाञ्चकृम

आमयाम्बभूव । आमयामास

भा० आम्यात् आम्यास्ताम् आम्यासुः
 आम्याः आम्यास्तम् आम्यास्त
 आम्यासम् आम्यास्व आम्यास्म

प्रव० आमयिता आमयितारौ आमयितारः
 आमयितासि आमयितास्थ आमयितास्य
 आमयितास्मि आमयितास्वः आमयितास्मः

भ० आमयिष्यति आमयिष्यतः आमयिष्यन्ति
 आमयिष्यसि आमयिष्यथः आमयिष्यथ
 आमयिष्यामि आमयिष्यावः आमयिष्यामः

अआमयिष्यत् अआमयिष्यताम् अआमयिष्यन्
 अआमयिष्यः अआमयिष्यतम् अआमयिष्यन्त
 अआमयिष्यम् अआमयिष्याव अआमयिष्याम

1898 स्तोमण् [स्तोम्] श्लोघायाम् ३३१

व० स्तोमयति स्तोमयतः स्तोमयन्ति
 स्तोमयसि स्तोमयथः स्तोमयथ
 स्तोमयामि स्तोमयावः स्तोमयामः
 स० स्तोमयेत् स्तोमयेताम् स्तोमयेयुः
 स्तोमयेः स्तोमयेतम् स्तोमयेत
 स्तोमयेयम् स्तोमयेव स्तोमयेत
 प० स्तोमयतु स्तोमयतात्ताम् स्तोमयन्तु
 स्तोमय स्तोमयतम् स्तोमयत
 स्तोमयानि स्तोमयाव स्तोमयाम
 ह्य० अस्तोमयत् अस्तोमयताम् अस्तोमयन्
 अस्तोमयः अस्तोमयतम् अस्तोमयत
 अस्तोमयम् अस्तोमयाव अस्तोमयाम
 अ० अतुस्तोमत् अतुस्तोमताम् अतुस्तोमन्
 अतुस्तोमः अतुस्तोमतम् अतुस्तोमत
 अतुस्तोमम् अतुस्तोमाव अतुस्तोमाम
 स्तोमयाञ्चकार स्तोमयाञ्चक्रतुः स्तोमयाञ्चक्रुः
 स्तोमयाञ्चकथं स्तोमयाञ्चकथुः स्तोमयाञ्चक
 स्तोमयाञ्चकार-कर स्तोमयाञ्चकृव-याञ्चकृम
 स्तोमयाम्बभूव । स्तोमयामास
 आ० स्तोम्यात् स्तोम्यास्ताम् स्तोम्यासुः
 स्तोम्याः स्तोम्यास्तम् स्तोम्यास्त
 स्तोम्यासम् स्तोम्यास्व स्तोम्यास्म
 प्र० स्तोमयिता स्तोमयितारौ स्तोमयितारः
 स्तोमयितासि स्तोमयितास्थः स्तोमयितास्य
 स्तोमयितास्मि स्तोमयितास्वः स्तोमयितास्मः
 भ० स्तोमयिष्यति स्तोमयिष्यतः स्तोमयिष्यन्ति
 स्तोमयिष्यसि स्तोमयिष्यथः स्तोमयिष्यथ
 स्तोमयिष्यामि स्तोमयिष्यावः स्तोमयिष्यामः
 अस्तोमयिष्यत् अस्तोमयिष्यताम् अस्तोमयिष्यन्
 अस्तोमयिष्यः अस्तोमयिष्यतम् अस्तोमयिष्यत
 अस्तोमयिष्यम् अस्तोमयिष्याव अस्तोमयिष्याम

॥ अथ यान्तः ॥

1899 व्ययण् (व्यय) वित्तसमुत्सर्गस्थागः ३३२

। वित्तसमुत्सर्गस्थागः ३३२

व० व्यययति व्यययतः व्यययन्ति
 व्यययसि व्यययथः व्यययथ
 व्यययामि व्यययावः व्यययामः
 स० व्यययेत् व्यययेताम् व्यययेयुः
 व्यययेः व्यययेतम् व्यययेत
 व्यययेयम् व्यययेव व्यययेत
 प० व्यययतु व्यययतात्ताम् व्यययन्तु
 व्ययय व्यययतम् व्यययत
 व्यययानि व्यययाव व्यययाम
 ह्य० अव्यययत् अव्यययताम् अव्यययन्
 अव्यययः अव्यययतम् अव्यययत
 अव्यययम् अव्यययाव अव्यययाम
 अ० अवव्ययत् अवव्ययताम् अवव्ययन्
 अवव्ययः अवव्ययतम् अवव्ययत
 अवव्ययम् अवव्ययाव अवव्ययाम
 प० व्यययाञ्चकार व्यययाञ्चक्रतुः व्यययाञ्चक्रुः
 व्यययाञ्चकथं व्यययाञ्चकथुः व्यययाञ्चक
 व्यययाञ्चकार-कर व्यययाञ्चकृव-याञ्चकृम
 व्यययाम्बभूव । व्यययामास
 आ० व्यययात् व्यययस्ताम् व्यययासुः
 व्यययाः व्यययास्तम् व्यययास्त
 व्यययासम् व्यययास्व व्यययास्म
 प्र० व्यययिता व्यययितारौ व्यययितारः
 व्यययितासि व्यययितास्थः व्यययितास्य
 व्यययितास्मि व्यययितास्वः व्यययितास्मः
 भ० व्यययिष्यति व्यययिष्यतः व्यययिष्यन्ति
 व्यययिष्यसि व्यययिष्यथः व्यययिष्यथ
 व्यययिष्यामि व्यययिष्यावः व्यययिष्यामः
 अव्यययिष्यत् अव्यययिष्यताम् अव्यययिष्यन्
 अव्यययिष्यः अव्यययिष्यतम् अव्यययिष्यत
 अव्यययिष्यम् अव्यययिष्याव अव्यययिष्याम
 गतादित्येके । वित्तेति धात्वन्तरमिति

केचित्

(१०५८)

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते ॥

अथ शान्तास्त्रयोदश

1900 सूत्रण् (सूत्र) विमोचने 333
विमोचनं मोचनाभावो ग्रन्थनमितियावत्

व० सूत्रयति सूत्रयतः सूत्रयन्ति
सूत्रयसि सूत्रयथः सूत्रयथ
सूत्रयामि सूत्रयावः सूत्रयामः
स० सूत्रयेत् सूत्रयेताम् सूत्रयेयुः
सूत्रयेः सूत्रयेतम् सूत्रयेत
सूत्रयेयम् सूत्रयेव सूत्रयेम
प० सूत्रयतु सूत्रयतात् सूत्रयताम् सूत्रयन्तु
सूत्रय , सूत्रयतम् सूत्रयत
सूत्रयाणि सूत्रयाव सूत्रयाम
ह० असूत्रयत् असूत्रयताम् असूत्रयन्
असूत्रयः असूत्रयतम् असूत्रयत
असूत्रयम् असूत्रयाव असूत्रयाम
अ० असुसूत्रत् असुसूत्रताम् असुसूत्रन्
असुसूत्रः असुसूत्रतम् असुसूत्रत
असुसूत्रम् असुसूत्राव असुसूत्राम
प० सूत्रयाञ्चकार सूत्रयाञ्चक्रतुः सूत्रयाञ्चक्रुः
सूत्रयाञ्चकथं सूत्रयाञ्चकथुः सूत्रयाञ्चक्र
सूत्रयाञ्चकार-कर सूत्रयाञ्चकृव सूत्रयाञ्चकृम

सूत्रयाम्बभूव । सूत्रयामास
आ० सूत्र्यात् सूत्र्यास्ताम् सूत्र्यासुः
सूत्र्याः सूत्र्यास्तम् सूत्र्यास्त
सूत्र्यासम् सूत्र्यास्व सूत्र्यास्म
श्व० सूत्रयिता सूत्रयितारौ सूत्रयितारः
सूत्रयितासि सूत्रयितास्थः सूत्रयितास्थ
सूत्रयितास्मि सूत्रयितास्वः सूत्रयितास्मः
भ० सूत्रयिष्यति सूत्रयिष्यतः सूत्रयिष्यन्ति
सूत्रयिष्यसि सूत्रयिष्यथः सूत्रयिष्यथ
सूत्रयिष्यामि सूत्रयिष्यावः सूत्रयिष्यामः
असूत्रयिष्यत् असूत्रयिष्यताम् असूत्रयिष्यन्
असूत्रयिष्यः असूत्रयिष्यतम् असूत्रयिष्यत
असूत्रयिष्यम् असूत्रयिष्याव असूत्रयिष्याम

1901 सूत्रण् (सूत्र) प्रसवणे 334

व० मूत्रयति मूत्रयतः मूत्रयन्ति
मूत्रयसि मूत्रयथः मूत्रयथ
मूत्रयामि मूत्रयावः मूत्रयामः
स० मूत्रयेत् मूत्रयेताम् मूत्रयेयुः
मूत्रयेः मूत्रयेतम् मूत्रयेत
मूत्रयेयम् मूत्रयेव मूत्रयेम
प० मूत्रयतु मूत्रयतात् मूत्रयताम् मूत्रयन्तु
मूत्रय , मूत्रयतम् मूत्रयत
मूत्रयाणि मूत्रयाव मूत्रयाम
ह० अमूत्रयत् अमूत्रयताम् अमूत्रयन्
अमूत्रयः अमूत्रयतम् अमूत्रयत
अमूत्रयम् अमूत्रयाव अमूत्रयाम
अ० अमुमूत्रत् अमुमूत्रताम् अमुमूत्रन्
अमुमूत्रः अमुमूत्रतम् अमुमूत्रत
अमुमूत्रम् अमुमूत्राव अमुमूत्राम

प० मूत्रयाञ्चकार-मूत्रयाञ्चक्रतुः मूत्रयाञ्चक्रुः
मूत्रयाञ्चकथं मूत्रयाञ्चकथुः मूत्रयाञ्चक्र
मूत्रयाञ्चकार-कर मूत्रयाञ्चकृव मूत्रयाञ्चकृम

मूत्रयाम्बभूव । मूत्रयामास

आ० मूत्र्यात् मूत्र्यास्ताम् मूत्र्यासुः
मूत्र्याः मूत्र्यास्तम् मूत्र्यास्त
मूत्र्यासम् मूत्र्यास्व मूत्र्यास्म
श्व० मूत्रयिता मूत्रयितारौ मूत्रयितारः
मूत्रयितासि मूत्रयितास्थः मूत्रयितास्थ
मूत्रयितास्मि मूत्रयितास्वः मूत्रयितास्मः
भ० मूत्रयिष्यति मूत्रयिष्यतः मूत्रयिष्यन्ति
मूत्रयिष्यसि मूत्रयिष्यथः मूत्रयिष्यथ
मूत्रयिष्यामि मूत्रयिष्यावः मूत्रयिष्यामः
अमूत्रयिष्यत् अमूत्रयिष्यताम् अमूत्रयिष्यन्
अमूत्रयिष्यः अमूत्रयिष्यतम् अमूत्रयिष्यत
अमूत्रयिष्यम् अमूत्रयिष्याव अमूत्रयिष्याम

1902 पारण् (पारु) कर्मसमाप्तौ 335 1903 तीरण् (तीरु) कर्मसमाप्तौ 336

च० पारयति पारयतः पारयन्ति
पारयसि पारयथः पारयथ
पारयामि पारयावः पारयामः

स० पारयेत् पारयेताम् पारयेयुः
पारयेः पारयेतम् पारयेत
पारयेयम् पारयेव पारयेम

प० पारयतु पारयतात् पारयताम् पारयन्तु
पारय „ पारयतम् पारयत
पारयाणि पारयाव पारयाम

झ० अपारयत् अपारयताम् अपारयन्
अपारयः अपारयतम् अपारयत
अपारयम् अपारयाव अपारयाम

अ० अपपारत् अपपारताम् अपपारन्
अपपारः अपपारतम् अपपारत
अपपारम् अपपाराव अपपाराम

प० पारयाञ्चकार पारयाञ्चकतुः पारयाञ्चकुः
पारयाञ्चकर्थ पारयाञ्चकथुः पारयाञ्चक
पारयाञ्चकार-कर पारयाञ्चकृव पारयाञ्चकृम
पारयाञ्चभूव । पारयामास

आ० पार्यात् पार्यास्ताम् पार्यासुः
पार्याः पार्यास्तम् पार्यास्त
पार्यासम् पार्यास्व पार्यास्म

प्रव० पारयिता पारयितारौ पारयितारः
पारयितासि पारयितास्थः पारयितास्थ
पारयितास्मि पारयितास्वः पारयितास्मः

भ० पारयिष्यति पारयिष्यतः पारयिष्यन्ति
पारयिष्यसि पारयिष्यथः पारयिष्यथ
पारयिष्यामि पारयिष्यावः पारयिष्यामः

क्रि० अपारयिष्यत् अपारयिष्यताम् अपारयिष्यन्
अपारयिष्यः अपारयिष्यतम् अपारयिष्यत
अपारयिष्यम् अपारयिष्याव अपारयिष्याम

च० तीरयति तीरयतः तीरयन्ति
तीरयसि तीरयथः तीरयथ
तीरयामि तीरयावः तीरयामः

स० तीरयेत् तीरयेताम् तीरयेयुः
तीरयेः तीरयेतम् तीरयेत
तीरयेयम् तीरयेव तीरयेम

प० तीरयतु तीरयतात् तीरयताम् तीरयन्तु
तीरय „ तीरयतम् तीरयत
तीरयाणि तीरयाम तीरयाम

झ० अतीरयत् अतीरयताम् अतीरयन्
अतीरयः अतीरयतम् अतीरयत
अतीरयम् अतीरयाव अतीरयाम

अ० अतितीरत् अतितीरताम् अतितीरन्
अतितीरः अतितीरतम् अतितीरत
अतितीरम् अतितीराव अतितीराम

प० तीरयाञ्चकार तीरयाञ्चकतुः तीरयाञ्चकुः
तीरयाञ्चकर्थ तीरयाञ्चकथुः तीरयाञ्चक
तीरयाञ्चकार-कर तीरयाञ्चकृव याञ्चकृम
तीरयाञ्चभूव । तीरयामास

आ० तीर्यात् तीर्यास्ताम् तीर्यासुः
तीर्याः तीर्यास्तम् तीर्यास्त
तीर्यासम् तीर्यास्व तीर्यास्म

प्रव० तीरयिता तीरयितारौ तीरयितारः
तीरयितासि तीरयितास्थः तीरयितास्थ
तीरयितास्मि तीरयितास्वः तीरयितास्मः

भ० तीरयिष्यति तीरयिष्यतः तीरयिष्यन्ति
तीरयिष्यसि तीरयिष्यथः तीरयिष्यथ
तीरयिष्यामि तीरयिष्यावः तीरयिष्यामः

अतीरयिष्यत् अतीरयिष्यताम् अतीरयिष्यन्
अतीरयिष्यः अतीरयिष्यतम् अतीरयिष्यत
अतीरयिष्यम् अतीरयिष्याव अतीरयिष्याम

1904 कत्रण् (कत्र्) शैथिल्ये 337 1905 गात्रण् (गात्र्) शैथिल्ये 338

व० कत्रयति कत्रयतः कत्रयन्ति
कत्रयसि कत्रयथः कत्रयथ
कत्रयामि कत्रयावः कत्रयामः

स० कत्रयेत् कत्रयेताम् कत्रयेयुः
कत्रयेः कत्रयेतम् कत्रयेत
कत्रयेयम् कत्रयेव कत्रयेम

प० कत्रयतु कत्रयतात् कत्रयताम् कत्रयन्तु
कत्रय , कत्रयतम् कत्रयत
कत्रयाणि कत्रयाव कत्रयाम

ह० अकत्रयत् अकत्रयताम् अकत्रयन्
अकत्रयः अकत्रयतम् अकत्रयत
अकत्रयम् अकत्रयाव अकत्रयाम

अ० अचकत्रत् अचकत्रताम् अचकत्रन्
अचकत्रः अचकत्रतम् अचकत्रत
अचकत्रम् अचकत्राव अचकत्राम

प० कत्रयाञ्चकार कत्रयाञ्चकतुः कत्रयाञ्चकृः
कत्रयाञ्चकर्थ कत्रयाञ्चकथुः कत्रयाञ्चक
कत्रयाञ्चकार-कर कत्रयाञ्चकृव कत्रयाञ्चकृम
कत्रयाम्भूव । कत्रयामास

आ० कत्र्यात् कत्र्यास्ताम् कत्र्यासुः
कत्र्याः कत्र्यास्तम् कत्र्यास्त
कत्र्यासम् कत्र्यास्व कत्र्यास्म

प्र० कत्रयिता कत्रयितारौ कत्रयितारः
कत्रयितासि कत्रयितास्थः कत्रयितास्थ
कत्रयितास्मि कत्रयितास्वः कत्रयितास्मः

भ० कत्रयिष्यति कत्रयिष्यतः कत्रयिष्यन्ति
कत्रयिष्यसि कत्रयिष्यथः कत्रयिष्यथ
कत्रयिष्यामि कत्रयिष्यावः कत्रयिष्यामः

अकत्रयिष्यत् अकत्रयिष्यताम् अकत्रयिष्यन्
अकत्रयिष्यः अकत्रयिष्यतम् अकत्रयिष्यत
अकत्रयिष्यम् अकत्रयिष्याव अकत्रयिष्याम

व० गात्रयति गात्रयतः गात्रयन्ति
गात्रयसि गात्रयथः गात्रयथ
गात्रयामि गात्रयावः गात्रयामः

स० गात्रयेत् गात्रयेताम् गात्रयेयुः
गात्रयेः गात्रयेतम् गात्रयेत
गात्रयेयम् गात्रयेव गात्रयेम

प० गात्रयतु गात्रयतात् गात्रयताम् गात्रयन्तु
गात्रय , गात्रयतम् गात्रयत
गात्रयाणि गात्रयाव गात्रयाम

ह० अगात्रयत् अगात्रयताम् अगात्रयन्
अगात्रयः अगात्रयतम् अगात्रयत
अगात्रयम् अगात्रयाव अगात्रयाम

अ० अजगात्रत् अजगात्रताम् अजगात्रन्
अजगात्रः अजगात्रतम् अजगात्रत
अजगात्रम् अजगात्राव अजगात्राम

प० गात्रयाञ्चकार गात्रयाञ्चकतुः गात्रयाञ्चकृः
गात्रयाञ्चकर्थ गात्रयाञ्चकथुः गात्रयाञ्चक
गात्रयाञ्चकार-कर गात्रयाञ्चकृव गात्रयाञ्चकृम
गात्रयाम्भूव । गात्रयामास

आ० गात्र्यात् गात्र्यास्ताम् गात्र्यासुः
गात्र्याः गात्र्यास्तम् गात्र्यास्त
गात्र्यासम् गात्र्यास्व गात्र्यास्म

प्र० गात्रयिता गात्रयितारौ गात्रयितारः
गात्रयितासि गात्रयितास्थः गात्रयितास्थ
गात्रयितास्मि गात्रयितास्वः गात्रयितास्मः

भ० गात्रयिष्यति गात्रयिष्यतः गात्रयिष्यन्ति
गात्रयिष्यसि गात्रयिष्यथः गात्रयिष्यथ
गात्रयिष्यामि गात्रयिष्यावः गात्रयिष्यामः

अगात्रयिष्यत् अगात्रयिष्यताम् अगात्रयिष्यन्
अगात्रयिष्यः अगात्रयिष्यतम् अगात्रयिष्यत
अगात्रयिष्यम् अगात्रयिष्याव अगात्रयिष्याम

1906 चित्रण् (चित्र्) चित्रक्रिया

कदाचिद्दृष्टयोः 339

| | | |
|------------------------|------------------|-----------------------|
| व० चित्रयति | चित्रयतः | चित्रयन्ति |
| चित्रयसि | चित्रयथः | चित्रयथ |
| चित्रयामि | चित्रयावः | चित्रयामः |
| स० चित्रयेत् | चित्रयेताम् | चित्रयेयुः |
| चित्रयेः | चित्रयेतम् | चित्रयेत |
| चित्रयेयम् | चित्रयेव | चित्रयेम |
| प० चित्रयतु | चित्रयतात् | चित्रयताम् चित्रयन्तु |
| चित्रय | चित्रयतम् | चित्रयत |
| चित्रयाणि | चित्रयाव | चित्रयाम |
| ह्य० अचित्रयत् | अचित्रयताम् | अचित्रयन् |
| अचित्रयः | अचित्रयतम् | अचित्रयत |
| अचित्रयम् | अचित्रयाव | अचित्रयाम |
| अ० अचित्रयत् | अचित्रयताम् | अचित्रयन् |
| अचित्रयः | अचित्रयतम् | अचित्रयत |
| अचित्रयम् | अचित्रयाव | अचित्रयाम |
| चित्रयाञ्चकार | चित्रयाञ्चक्रतुः | चित्रयाञ्चक्रुः |
| चित्रयाञ्चकथं | चित्रयाञ्चकथुः | चित्रयाञ्चकथ |
| चित्रयाञ्चकार-कर | चित्रयाञ्चकृव | चित्रयाञ्चकृम |
| चित्रयाम्बभूव | चित्रयामास | |
| आ० चित्र्यात् | चित्र्यास्ताम् | चित्र्यासुः |
| चित्र्याः | चित्र्यास्तम् | चित्र्यास्त |
| चित्र्यासम् | चित्र्यास्व | चित्र्यास्म |
| श्व० चित्रयिता | चित्रयितारौ | चित्रयितारः |
| चित्रयितासि | चित्रयितास्थः | चित्रयितास्त |
| चित्रयितास्मि | चित्रयितास्वः | चित्रयितास्मः |
| भ० चित्रयिष्यति | चित्रयिष्यतः | चित्रयिष्यन्ति |
| चित्रयिष्यसि | चित्रयिष्यथः | चित्रयिष्यथ |
| चित्रयिष्यामि | चित्रयिष्यावः | चित्रयिष्यामः |
| अचित्रयिष्यत् | अचित्रयिष्यताम् | अचित्रयिष्यन् |
| अचित्रयिष्यः | अचित्रयिष्यतम् | अचित्रयिष्यत |
| अचित्रयिष्यम् | अचित्रयिष्याव | अचित्रयिष्याम |
| चित्रयति आलेख्यं करोति | कदाचित्पश्यति | |

या । वैचित्र्यकरणार्थोऽयं न चित्रक्रियाश्च इत्यन्ये ।

1907 छिद्रण् (छिद्र्) भेदे 340

| | | |
|------------------|------------------|-----------------------|
| व० छिद्रयति | छिद्रयतः | छिद्रयन्ति |
| छिद्रयसि | छिद्रयथः | छिद्रयथ |
| छिद्रयामि | छिद्रयावः | छिद्रयामः |
| स० छिद्रयेत् | छिद्रयेताम् | छिद्रयेयुः |
| छिद्रयेः | छिद्रयेतम् | छिद्रयेत |
| छिद्रयेयम् | छिद्रयेव | छिद्रयेम |
| प० छिद्रयतु | छिद्रयतात् | छिद्रयताम् छिद्रयन्तु |
| छिद्रय | छिद्रयतम् | छिद्रयत |
| छिद्रयाणि | छिद्रयाव | छिद्रयाम |
| ह्य० अछिद्रयत् | अछिद्रयताम् | अछिद्रयन् |
| अछिद्रयः | अछिद्रयतम् | अछिद्रयत |
| अछिद्रयम् | अछिद्रयाव | अछिद्रयाम |
| अ० अछिद्रयत् | अछिद्रयताम् | अछिद्रयन् |
| अछिद्रयः | अछिद्रयतम् | अछिद्रयत |
| अछिद्रयम् | अछिद्रयाव | अछिद्रयाम |
| प० छिद्रयाञ्चकार | छिद्रयाञ्चक्रतुः | छिद्रयाञ्चक्रुः |
| छिद्रयाञ्चकथं | छिद्रयाञ्चकथुः | छिद्रयाञ्चकथ |
| छिद्रयाञ्चकार-कर | छिद्रयाञ्चकृव | छिद्रयाञ्चकृम |
| छिद्रयाम्बभूव | छिद्रयामास | |
| आ० छिद्र्यात् | छिद्र्यास्ताम् | छिद्र्यासुः |
| छिद्र्याः | छिद्र्यास्तम् | छिद्र्यास्त |
| छिद्र्यासम् | छिद्र्यास्व | छिद्र्यास्म |
| श्व० छिद्रयिता | छिद्रयितारौ | छिद्रयितारः |
| छिद्रयितासि | छिद्रयितास्थः | छिद्रयितास्त |
| छिद्रयितास्मि | छिद्रयितास्वः | छिद्रयितास्मः |
| भ० छिद्रयिष्यति | छिद्रयिष्यतः | छिद्रयिष्यन्ति |
| छिद्रयिष्यसि | छिद्रयिष्यथः | छिद्रयिष्यथ |
| छिद्रयिष्यामि | छिद्रयिष्यावः | छिद्रयिष्यामः |
| अछिद्रयिष्यत् | अछिद्रयिष्यताम् | अछिद्रयिष्यन् |
| अछिद्रयिष्यः | अछिद्रयिष्यतम् | अछिद्रयिष्यत |
| अछिद्रयिष्यम् | अछिद्रयिष्याव | अछिद्रयिष्याम |
| अछिद्रयति | आलेख्यं करोति | कदाचित्पश्यति |

1908 मिश्रण (मिश्र) सम्पर्चने ।

सम्पर्चनं श्लेषः 341

व० मिश्रयति मिश्रयतः मिश्रयन्ति
 मिश्रयसि मिश्रयथः मिश्रयथ
 मिश्रयामि मिश्रयावः मिश्रयामः
 स० मिश्रयेत् मिश्रयेताम् मिश्रयेयुः
 मिश्रयेः मिश्रयेतम् मिश्रयेत
 मिश्रयेयम् मिश्रयेव मिश्रयेम
 प० मिश्रयतु मिश्रयतात् मिश्रयताम् मिश्रयन्तु
 मिश्रय , मिश्रयतम् मिश्रयत
 मिश्रयाणि मिश्रयाव मिश्रयाम
 छ० अमिश्रयत् अमिश्रयताम् अमिश्रयन्
 अमिश्रयः अमिश्रयतम् अमिश्रयत
 अमिश्रयम् अमिश्रयाव अमिश्रयाम
 अ० अमिमिश्रत् अमिमिश्रताम् अमिमिश्रन्
 अमिमिश्रः अमिमिश्रतम् अमिमिश्रत
 अमिमिश्रम् अमिमिश्राव अमिमिश्राम
 प० मिश्रयाञ्चकार मिश्रयाञ्चकतुः मिश्रयाञ्चकुः
 मिश्रयाञ्चकर्थ मिश्रयाञ्चकथु मिश्रयाञ्चक
 मिश्रयाञ्चकार-कर मिश्रयाञ्चकृव मिश्रयाञ्चकृम
 मिश्रयाञ्चभूव । मिश्रयामास
 आ० मिश्रयात् मिश्रयास्ताम् मिश्रयासुः
 मिश्रयाः मिश्रयास्तम् मिश्रयास्त
 मिश्रयासम् मिश्रयास्व मिश्रयास्म
 श्व० मिश्रयिता मिश्रयितारौ मिश्रयितारः
 मिश्रयितासि मिश्रयितास्थः मिश्रयितास्थ
 मिश्रयितास्मि मिश्रयितास्वः मिश्रयितास्मः
 भ० मिश्रयिष्यति मिश्रयिष्यतः मिश्रयिष्यन्ति
 मिश्रयिष्यसि मिश्रयिष्यथः मिश्रयिष्यथ
 मिश्रयिष्यामि मिश्रयिष्यावः मिश्रयिष्यामः
 अमिश्रयिष्यत् अमिश्रयिष्यताम् अमिश्रयिष्यन्
 अमिश्रयिष्यः अमिश्रयिष्यतम् अमिश्रयिष्यत
 अमिश्रयिष्यम् अमिश्रयिष्याव अमिश्रयिष्याम

1909 वरण (वर) ईप्सायाम् । 342

व० वरयति वरयतः वरयन्ति
 वरयसि वरयथः वरयथ
 वरयामि वरयावः वरयामः
 स० वरयेत् वरयेताम् वरयेयुः
 वरयेः वरयेतम् वरयेत
 वरयेयम् वरयेव वरयेम
 प० वरयतु वरयतात् वरयताम् वरयन्तु
 वरय , वरयतम् वरयत
 वरयाणि वरयाव वरयाम
 छ० अवरयत् अवरयताम् अवरयन्
 अवरयः अवरयतम् अवरयत
 अवरयम् अवरयाव अवरयाम
 अ० अववरत् अववरताम् अववरन्
 अववरः अववरतम् अववरत
 अववरम् अववराव अववराम
 प० वरयाञ्चकार वरयाञ्चकतुः वरयाञ्चकुः
 वरयाञ्चकर्थ वरयाञ्चकथुः वरयाञ्चक
 वरयाञ्चकार-कर वरयाञ्चकृव वरयाञ्चकृम
 वरयाञ्चभूव । वरयामास
 आ० वरयात् वरयास्ताम् वरयासुः
 वरयाः वरयास्तम् वरयास्त
 वरयासम् वरयास्व वरयास्म
 श्व० वरयिता वरयितारौ वरयितारः
 वरयितासि वरयितास्थः वरयितास्थ
 वरयितास्मि वरयितास्वः वरयितास्मः
 भ० वरयिष्यति वरयिष्यतः वरयिष्यन्ति
 वरयिष्यसि वरयिष्यथः वरयिष्यथ
 वरयिष्यामि वरयिष्यावः वरयिष्यामः
 क्रि० अवरयिष्यत् अवरयिष्यताम् अवरयिष्यन्
 अवरयिष्यः अवरयिष्यतम् अवरयिष्यत
 अवरयिष्यम् अवरयिष्याव अवरयिष्याम

1910 स्वरण् (स्वर) आक्षेपे 343

व० स्वरयति स्वरयतः स्वरयन्ति
स्वरयसि स्वरयथः स्वरयथ
स्वरयामि स्वरयावः स्वरयामः

सस स्वरयेत् स्वरयेताम् स्वरयेयुः
स्वरयेः स्वरयेतम् स्वरयेन
स्वरयेयम् स्वरयेव स्वरयेम

प० स्वरयतु स्वरयतात् स्वरयताम् स्वरयन्तु
स्वरय , स्वरयतम् स्वरयत
स्वरयाणि स्वरयाव स्वरयाम

झ० अस्वरयत् अस्वरयताम् अस्वरयन्
अस्वरयः अस्वरयतम् अस्वरयत
अस्वरयम् अस्वरयाव अस्वरयाम

अ० अस्वरयत् अस्वरयताम् अस्वरयन्
अस्वरयः अस्वरयतम् अस्वरयत
अस्वरयम् अस्वरयाव अस्वरयाम

प० स्वरयाञ्चकार स्वरयाञ्चक्रतुः स्वरयाञ्चक्रुः
स्वरयाञ्चकथ स्वरयाञ्चकथुः स्वरयाञ्चक
स्वरयाञ्चकार-कर स्वरयाञ्चकृव स्वरयाञ्चकृम

स्वरयाम्बभूव । स्वरयामास

आ० स्वर्यात् स्वर्यास्ताम् स्वर्यास्तुः
स्वर्याः स्वर्यास्तम् स्वर्यास्त
स्वर्यासम् स्वर्यास्व स्वर्यास्म

झ० स्वरयिता स्वरयितारौ स्वरयितारः
स्वरयितासि स्वरयितास्थः स्वरयितास्थ
स्वरयितास्मि स्वरयितास्वः स्वरयितास्मः

भ० स्वरयिष्यति स्वरयिष्यतः स्वरयिष्यन्ति
स्वरयिष्यसि स्वरयिष्यथः स्वरयिष्यथ
स्वरयिष्यामि स्वरयिष्यावः स्वरयिष्यामः

अस्वरयिष्यत् अस्वरयिष्यताम् अस्वरयिष्यन्
अस्वरयिष्यः अस्वरयिष्यतम् अस्वरयिष्यत
अस्वरयिष्यम् अस्वरयिष्याव अस्वरयिष्याम

1911 शारण् (शार] दौर्बल्ये 344

व० शारयति शारयतः शारयन्ति
शारयसि शारयथः शारयथ
शारयामि शारयावः शारयामः

स० शारयेत् शारयेताम् शारयेयुः
शारयेः शारयेतम् शारयेन
शारयेयम् शारयेव शारयेम

प० शारयतु शारयतात् शारयताम् शारयन्तु
शारय , शारयतम् शारयत
शारयाणि शारयाव शारयाम

झ० अशारयत् अशारयताम् अशारयन्
अशारयः अशारयतम् अशारयत
अशारयम् अशारयाव अशारयाम

अ० अशारयत् अशारयताम् अशारयन्
अशारयः अशारयतम् अशारयत
अशारयम् अशारयाव अशारयाम

प० शारयाञ्चकार शारयाञ्चक्रतुः शारयाञ्चक्रुः
शारयाञ्चकथ शारयाञ्चकथुः शारयाञ्चक
शारयाञ्चकार-कर शारयाञ्चकृव शारयाञ्चकृम

शारयाम्बभूव । शारयामास

आ० शार्यात् शार्यास्ताम् शार्यास्तुः
शार्याः शार्यास्तम् शार्यास्त
शार्यासम् शार्यास्व शार्यास्म

झ० शारयिता शारयितारौ शारयितारः
शारयितासि शारयितास्थः शारयितास्थ
शारयितास्मि शारयितास्वः शारयितास्मः

भ० शारयिष्यति शारयिष्यतः शारयिष्यन्ति
शारयिष्यसि शारयिष्यथः शारयिष्यथ
शारयिष्यामि शारयिष्यावः शारयिष्यामः

अशारयिष्यत् अशारयिष्यताम् अशारयिष्यन्
अशारयिष्यः अशारयिष्यतम् अशारयिष्यत
अशारयिष्यम् अशारयिष्याव अशारयिष्याम
शारेत्येके

1912 कुमारण (कुमार) क्रीडायाम् 345

व० कुमारयति कुमारयतः कुमारयन्ति
 कुमारयसि कुमारयथः कुमारयथ
 कुमारयामि कुमारयावः कुमारयामः
 स० कुमारयेत् कुमारयेताम् कुमारयेयुः
 कुमारयेः कुमारयेतम् कुमारयेत
 कुमारयेयम् कुमारयेव कुमारयेम
 प० कुमारयतु तात् कुमारयताम् कुमारयन्तु
 कुमारय कुमारयतम् कुमारयत
 कुमारयाणि कुमारयाव कुमारयाम
 झ० अकुमारयत् अकुमारयताम् अकुमारयन्
 अकुमारयः अकुमारयतम् अकुमारयत
 अकुमारयम् अकुमारयाव अकुमारयाम
 अ० अचुकुमारत् अचुकुमारताम् अचुकुमारन्
 अचुकुमारः अचुकुमारतम् अचुकुमारत
 अचुकुमारम् अचुकुमाराव अचुकुमाराम
 प कुमारयाञ्चकार कुमारयाञ्चक्रतुः-याञ्चक्रु
 कुमारयाञ्चकथं कुमारयाञ्चक्रथुः याञ्चक्र
 कुमारयाञ्चकार कर कुमारयाञ्चकृष याञ्चकृम

कुमारयाम्बभूव कुमारयामास

आ० कुमार्यात् कुमार्यास्ताम् कुमार्यासुः
 कुमार्याः कुमार्यास्तम् कुमार्यास्त
 कुमार्यासम् कुमार्यास्व कुमार्यास्मि

प्रव० कुमारयिता कुमारयितारौ कुमारयितारः
 कुमारयितासि कुमारयितास्थः कुमारयितास्थ
 कुमारयितास्मि कुमारयितास्वः कुमारयितास्मः

कुमारयिष्यति कुमारयिष्यतः कुमारयिष्यन्ति
 कुमारयिष्यसि कुमारयिष्यथः कुमारयिष्यथ
 कुमारयिष्यामि कुमारयिष्यावः कुमारयिष्यामः

अकुमारयिष्यत् अकुमारयिष्यताम् —, यिष्यन्
 अकुमारयिष्यः अकुमारयिष्यतम् —, यिष्यत
 अकुमारयिष्यम् अकुमारयिष्याव —, यिष्याम
 लान्तोऽय मित्येके ।

अथ लान्ताः पञ्च

1913 कलण (कल्) सङ्ख्यानगत्योः 346

व० कलयति कलयतः कलयन्ति
 कलयसि कलयथः कलयथ
 कलयामि कलयावः कलयामः
 स० कलयेत् कलयेताम् कलयेयुः
 कलयेः कलयेतम् कलयेत
 कलयेयम् कलयेव कलयेम

प० कलयतु कलयतात् कलयताम् कलयन्तु
 कलय कलयतम् कलयत
 कलयानि कलयाव कलयाम

झ० अकलयत् अकलयताम् अकलयन्
 अकलयः अकलयतम् अकलयत
 अकलयम् अकलयाव अकलयाम

अ० अचकलत् अचकलताम् अचकलन्
 अचकलः अचकलतम् अचकलत
 अचकलम् अचकलाव अचकलाम

प० कलयाञ्चकार कलयाञ्चक्रतुः कलयाञ्चक्रुः
 कलयाञ्चकथं कलयाञ्चक्रथुः कलयाञ्चक्र
 कलयाञ्चकार कर कलयाञ्चकृष कलयाञ्चकृम

कलयाम्बभूव । कलयामास

आ० कल्यात् कल्यास्ताम् कल्यासुः
 कल्याः कल्यास्तम् कल्यास्त
 कल्यासम् कल्यास्व कल्यास्मि

प्रव० कलयिता कलयितारौ कलयितारः
 कलयितासि कलयितास्थः कलयितास्थ
 कलयितास्मि कलयितास्वः कलयितास्मः

भ० कलयिष्यति कलयिष्यतः कलयिष्यन्ति
 कलयिष्यसि कलयिष्यथः कलयिष्यथ
 कलयिष्यामि कलयिष्यावः कलयिष्यामः

कि अकलयिष्यत् अकलयिष्यताम् अकलयिष्यन्
 अकलयिष्यः अकलयिष्यतम् अकलयिष्यत
 अकलयिष्यम् अकलयिष्याव अकलयिष्याम

क्षेपे तु कलयति गाः ।

1914 शीलण् (शील्) उपधारणे ।

उपधारणमभ्यासःपरिचयो वा 347

- ष० शीलयति शीलयतः शीलयन्ति
शीलयसि शीलयथः शीलयथ
शीलयामि शीलायवः शीलयामः
स० शीलयेत् शीलयेताम् शीलयेयुः
शीलयेः शीलयेतम् शीलयेत
शीलयेयम् शीलयेव शीलयेम
प० शीलयतु शीलयतात् शीलयताम् शीलयन्तु
शीलय ,, शीलयतम् शीलयत
शीलयानि शीलायव शीलयाम
झ० अशीलयत् अशीलयताम् अशीलयन्
अशीलयः अशीलयतम् अशीलयत
अशीलयम् अशीलायव अशीलयाम
अ० अशिशीलत् अशिशीलताम् अशिशीलन्
अशिशीलः अशिशीलतम् अशिशीलत
अशिशीलम् अशिशिलायव अशिशीलाम
प० शीलयाञ्चकार शीलयाञ्चक्रतुः शीलयाञ्चक्रुः
शीलयाञ्चकथं शीलयाञ्चकथुः शीलयाञ्चक
शीलयाञ्चकार-कर शीलयाञ्चकृव-याञ्चकृम

शीलयाम्बभूव ! शीलयामास

आ० शीलयात् शीलयास्ताम् शीलयासुः
शील्याः शीलयास्तम् शीलयास्त
शील्यासम् शीलयास्व शीलयास्म

प्र० शीलयिता शीलयितारौ शीलयितारः
शीलयितासि शीलयितास्थः शीलयितास्थ
शीलयितास्मि शीलयितास्वः शीलयितास्मः

- भ० शीलयिष्यति शीलयिष्यतः शीलयिष्यन्ति
शीलयिष्यसि शीलयिष्यथः शीलयिष्यथ
शीलयिष्यामि शीलयिष्यावः शीलयिष्यामः
अशीलयिष्यत् अशीलयिष्यताम् अशीलयिष्यन्
अशीलयिष्यः अशीलयिष्यतम् अशीलयिष्यत
अशीलयिष्यम् अशीलयिष्याव अशीलयिष्याम

1915 वेलण् (वेल्) उपदेशे । 348

- व० वेलयति वेलयतः वेलयन्ति
वेलयसि वेलयथः वेलयथ
वेलयामि वेलयावः वेलयामः
स० वेलयेत् वेलयेताम् वेलयेयुः
वेलयेः वेलयेतम् वेलयेत
वेलयेयम् वेलयेव वेलयेम
प० वेलयतु वेलयतात् वेलयताम् वेलयन्तु
वेलाय ,, वेलयतम् वेलयत
वेलयानि वेलयाव वेलयाम

झ० अवेलायत् अवेलायताम् अवेलायन्
अवेलायः अवेलायतम् अवेलायत
अवेलायम् अवेलायव अवेलायाम

अ० अविवेलात् अविवेलाताम् अविवेलान्
अविवेलाः अविवेलातम् अविवेलात
अविवेलाम् अविवेलाव अविवेलाम

प० वेलयाञ्चकार वेलयाञ्चक्रतुः वेलयाञ्चक्रुः
वेलयाञ्चकथं वेलयाञ्चकथुः वेलयाञ्चक
वेलयाञ्चकार-कर, वेलयाञ्चकृव वेलयाञ्चकृम
वेलयाम्बभूव । वेलयामास

आ० वेलयात् वेलयास्ताम् वेलयासुः
वेलयाः वेलयास्तम् वेलयास्त
वेलयासम् वेलयास्व वेलयास्म

प्र० वेलयिता वेलयितारौ वेलयितारः
वेलयितासि वेलयितास्थः वेलयितास्थ
वेलयितास्मि वेलयितास्वः वेलयितास्मः

भ० वेलयिष्यति वेलयिष्यतः वेलयिष्यन्ति
वेलयिष्यसि वेलयिष्यथः वेलयिष्यथ
वेलयिष्यामि वेलयिष्यावः वेलयिष्यामः

क्रि० अवेलयिष्यत् अवेलयिष्यताम् अवेलयिष्यन्
अवेलयिष्यः अवेलयिष्यतम् अवेलयिष्यत
अवेलयिष्यम् अवेलयिष्याव अवेलयिष्याम
वेलण् कालोपदेशे इत्येके ।

1916 कालण् (काल्) उपदेशे । 349

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० कालयति | कालयतः | कालयन्ति |
| कालयसि | कालयथः | कालयथ |
| कालयामि | कालयावः | कालयामः |
| स० कालयेत् | कालयेताम् | कालयेयुः |
| कालयेः | कालयेतम् | कालयेत |
| कालयेयम् | कालयेव | कालयेम |
| प० कालयतु | कालयतात् | कालयताम् |
| कालयन्तु | कालयतम् | कालयत |
| कालयानि | कालयाव | कालयाम |
| झ० अकालयत् | अकालयताम् | अकालयन् |
| अकालयः | अकालयतम् | अकालयत |
| अकालयम् | अकालयाव | अकालयाम |
| अ० अचकालत् | अचकालताम् | अचकालन् |
| अचकालः | अचकालतम् | अचकालत |
| अचकालम् | अचकालाव | अचकालाम |

कालयाञ्चकार कालयाञ्चक्रतुः कालयाञ्चक्रुः
कालयाञ्चकथ कालयाञ्चकथुः कालयाञ्चक
कालयाञ्चकार-कर कालयाञ्चकृव याञ्चकृम

कालयाम्बभूव । कालयामास

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० काल्यात् | काल्यास्ताम् | काल्यासुः |
| काल्याः | काल्यास्तम् | काल्यास्त |
| काल्यासम् | काल्यास्व | काल्यास्म |

प्रव० कालयिता कालयितारौ कालयितारः
कालयितासि कालयितास्थः कालयितास्थ
कालयितास्मि कालयितास्वः कालयितास्मः

भ० कालयिष्यति कालयिष्यतः कालयिष्यन्ति
कालयिष्यसि कालयिष्यथः कालयिष्यथ
कालयिष्यामि कालयिष्यावः कालयिष्यामः

अकालयिष्यत् अकालयिष्यताम् अकालयिष्यन्
अकालयिष्यः अकालयिष्यतम् अकालयिष्यत
अकालयिष्यम् अकालयिष्याव अकालयिष्याम

1917 पल्यूलण् (पल्यूल्) लवन- ।

पवनयोः । 350

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| व० पल्यूलयति | पल्यूलयतः | पल्यूलयन्ति |
| पल्यूलयसि | पल्यूलयथः | पल्यूलयथ |
| पल्यूलयामि | पल्यूलयावः | पल्यूलयामः |
| स० पल्यूलयेत् | पल्यूलयेताम् | पल्यूलयेयुः |
| पल्यूलयेः | पल्यूलयेतम् | पल्यूलयेत |
| पल्यूलयेयम् | पल्यूलयेव | पल्यूलयेम |
| प० पल्यूलयतु | तात् | पल्यूलयताम् |
| पल्यूलयन्तु | पल्यूलयतम् | पल्यूलयत |
| पल्यूलयानि | पल्यूलयाव | पल्यूलयाम |
| झ० अपल्यूलयत् | अपल्यूलयताम् | अपल्यूलयन् |
| अपल्यूलयः | अपल्यूलयतम् | अपल्यूलयत |
| अपल्यूलयम् | अपल्यूलयाव | अपल्यूलयाम |
| अ० अपपल्यूलत् | अपपल्यूलताम् | अपपल्यूलन् |
| अपपल्यूलः | अपपल्यूलतम् | अपपल्यूलत |
| अपपल्यूलम् | अपपल्यूलाव | अपपल्यूलाम |

प० पल्यूलयाञ्चकार पल्यूलयाञ्चक्रतुः-याञ्चक्रः
पल्यूलयाञ्चकथ पल्यूलयाञ्चकथुः-याञ्चक
पल्यूलयाञ्चकार-कर पल्यूलयाञ्चकृव याञ्चकृम

पल्यूलयाम्बभूव पल्यूलयामास

| | | |
|----------------|-----------------|--------------|
| आ० पल्यूल्यात् | पल्यूल्यास्ताम् | पल्यूल्यासुः |
| पल्यूल्याः | पल्यूल्यास्तम् | पल्यूल्यास्त |
| पल्यूल्यासम् | पल्यूल्यास्व | पल्यूल्यास्म |

प्रव० पल्यूलयिता पल्यूलयितारौ पल्यूलयितारः
पल्यूलयितासि पल्यूलयितास्थः पल्यूलयितास्थ
पल्यूलयितास्मि पल्यूलयितास्वः—, यितास्मः

पल्यूलयिष्यति पल्यूलयिष्यतः पल्यूलयिष्यन्ति
पल्यूलयिष्यसि पल्यूलयिष्यथः पल्यूलयिष्यथ
पल्यूलयिष्यामि पल्यूलयिष्यावः पल्यूलयिष्यामः

अपल्यूलयिष्यत् अपल्यूलयिष्यताम् —, यिष्यन्
अपल्यूलयिष्यः अपल्यूलयिष्यतम् —, यिष्यत
अपल्यूलयिष्यम् अपल्यूलयिष्याव —, यिष्याम
पल्यूलयति क्षेत्रं सखुसधान्यैवा

1918 अंशण् (अंश्) समाधाने ।

समाधानो विभाजनम् 351

व० अंशयति अंशयतः अंशयन्ति
अंशयसि अंशयथः अंशयथ
नंशयामि अंशयावः अंशयामः
ल० अंशयेत् अंशयेताम् अंशयेयुः
अंशयेः अंशयेतम् अंशयेत
अंशयेयम् अंशयेव अंशयेम
प० अंशयतु अंशयतात् अंशयताम् अंशयन्तु

अंशय „ अंशयतम् अंशयत
अंशयानि अंशयाव अंशयाम
झ० आंशयत् आंशयताम् आंशयन्
आंशयः आंशयतम् आंशयत
— अंशयम् — अंशयाम — अंशयान् —
— अंशयन् — अंशयन्तम् — अंशयन्त —
— अंशयः — अंशयतम् — अंशयत —
आंशयम् आंशयाव आंशयाम

प० अंशयाञ्चकार अंशयाञ्चकतुः अंशयाञ्चक्रुः
अंशयाञ्चकथं अंशयाञ्चकथुः अंशयाञ्चक
अंशयाञ्चकार-कर अंशयाञ्चकृष अंशयाञ्चकृम
अंशयाम्बभूव । अंशयामास

आ० अंश्यात् अंश्यास्ताम् अंश्यासुः
अंश्याः अंश्यास्तम् अंश्यास्त
अंश्यासम् अंश्यास्व अंश्यास्म

प्रब० अंशयिता अंशयितारौ अंशयितारः
अंशयितासि अंशयितास्यः अंशयितास्य
अंशयितास्मि अंशयितास्वः अंशयितास्मः
अ० अंशयिष्यति अंशयिष्यतः अंशयिष्यन्ति
अंशयिष्यसि अंशयिष्यथः अंशयिष्यथ
अंशयिष्यामि अंशयिष्यावः अंशयिष्यामः
आंशयिष्यत् आंशयिष्यताम् आंशयिष्यन्
आंशयिष्यः आंशयिष्यतम् आंशयिष्यत
आंशयिष्यम् आंशयिष्याव आंशयिष्याम

अ० आंशिशत् आंशिशिताम् चन्द्रांशिशान्
आंशिशः आंशिशतम् आंशिशत
आंशिशम् आंशिशव आंशिशाम

॥ अथ वान्तास्त्रयः ॥

1919 पषण् (पष्) अनुपसर्गः

पष इत्ययं धातुरनुपसर्गोऽदन्तो
णिच्मुत्पादयति । 352

व० पषयति पषयतः पषयन्ति
पषयसि पषयथः पषयथ
पषयामि पषयावः पषयामः

ल० पषयेत् पषयेताम् पषयेयुः
पषयेः पषयेतम् पषयेत
पषयेयम् पषयेव पषयेम

प० पषयतु पषयतात् पषयताम् पषयन्तु
पषय „ पषयतम् पषयत
पषयाणि पषयाव पषयाम

झ० अपषयत् अपषयताम् अपषयन्
अपषयः अपषयतम् अपषयत
अपषयम् अपषयाव अपषयाम

अ० अपपषत् अपपषताम् अपपषन्
अपपषः अपपषतम् अपपषत
अपपषम् अपपषाव अपपषाम

प० पषयाञ्चकार पषयाञ्चकतुः पषयाञ्चक्रुः
पषयाञ्चकथं पषयाञ्चकथुः पषयाञ्चक
पषयाञ्चकार-कर पषयाञ्चकृष पषयाञ्चकृम
पषयाम्बभूव । पषयामास

आ० पष्यात् पष्यास्ताम् पष्यासुः
पष्याः पष्यास्तम् पष्यास्त
पष्यासम् पष्यास्व पष्यास्म

प्रब० पषयिता पषयितारौ पषयितारः
पषयितासि पषयितास्यः पषयितास्य
पषयितास्मि पषयितास्वः पषयितास्मः

अ० पषयिष्यति पषयिष्यतः पषयिष्यन्ति
पषयिष्यसि पषयिष्यथः पषयिष्यथ
पषयिष्यामि पषयिष्यावः पषयिष्यामः

क्रि० अपषयिष्यत् अपषयिष्यताम् अपषयिष्यन्
अपषयिष्यः अपषयिष्यतम् अपषयिष्यत
अपषयिष्यम् अपषयिष्याव अपषयिष्याम

1920 गवेषण् (गवेष्) मार्गणे । 353

| | | |
|--------------------------|-----------------------|----------------|
| घ० गवेषयति | गवेषयतः | गवेषयन्ति |
| गवेषयसि | गवेषयथः | गवेषयथ |
| गवेषयामि | गवेषयावः | गवेषयामः |
| स० गवेषयेत् | गवेषयेताम् | गवेषयेयुः |
| गवेषयेः | गवेषयेतम् | गवेषयेत |
| गवेषयेयम् | गवेषयेव | गवेषयेम |
| प० गवेषयतु | तात् गवेषयताम् | गवेषयन्तु |
| गवेषय | „ गवेषयतम् | गवेषयत |
| गवेषयाणि | गवेषयाव | गवेषयाम |
| झ० अगवेषयत् | अगवेषयताम् | अगवेषयन् |
| अमवेषयः | अगवेषयतम् | अगवेषयत |
| अगवेषयम् | अगवेषयाव | अगवेषयाम |
| अ० अजगवेषत् | अजगवेषताम् | अजगवेषन् |
| अजगवेषः | अजगवेषतम् | अजगवेषत |
| अजगवेषम् | अजगवेषाव | अजगवेषाम |
| प० गवेषयाञ्चकार | गवेषयाञ्चक्रतुः | गवेषयाञ्चक्रुः |
| गवेषयाञ्चकथं | गवेषयाञ्चकथुः | गवेषयाञ्चक |
| गवेषयाञ्चकार-कर | गवेषयाञ्चकृष-याञ्चकृम | |
| गवेषयाम्बभूव । गवेषयामास | | |
| आ० गवेष्ट्यात् | गवेष्ट्यास्ताम् | गवेष्ट्यासुः |
| गवेष्ट्याः | गवेष्ट्यास्तम् | गवेष्ट्यास्त |
| गवेष्ट्यासम् | गवेष्ट्यास्व | गवेष्ट्यास्म |
| प्रव० गवेषयिता | गवेषयितारौ | गवेषयितारः |
| गवेषयितासि | गवेषयितास्थः | गवेषयितास्थ |
| गवेषयितास्मि | गवेषयितास्वः | गवेषयितास्मः |
| भ० गवेषयिष्यति | गवेषयिष्यतः | गवेषयिष्यन्ति |
| गवेषयिष्यसि | गवेषयिष्यथः | गवेषयिष्यथ |
| गवेषयिष्यामि | गवेषयिष्यावः | गवेषयिष्यामः |
| अगवेषयिष्यत् | अगवेषयिष्यताम् | अगवेषयिष्यन् |
| अगवेषयिष्यः | अगवेषयिष्यतम् | अगवेषयिष्यत |
| अगवेषयिष्यम् | अगवेषयिष्याव | अगवेषयिष्याम |

1921 मृषण् (मृष्) क्षान्तौ ।

क्षान्तिस्तितिक्षा । 354

| | | |
|------------------------------|----------------|---------------|
| घ० मृषयति | मृषयतः | मृषयन्ति |
| मृषयसि | मृषयथः | मृषयथ |
| मृषयामि | मृषयावः | मृषयामः |
| स० मृषयेत् | मृषयेताम् | मृषयेयुः |
| मृषयेः | मृषयेतम् | मृषयेत |
| मृषयेयम् | मृषयेव | मृषयेम |
| प० मृषयतु | मृषयतात् | मृषयताम् |
| मृषय | „ | मृषयतम् |
| मृषयाणि | मृषयाव | मृषयाम |
| झ० अमृषयत् | अमृषयताम् | अमृषयन् |
| अमृषयः | अमृषयतम् | अमृषयत |
| अमृषयम् | अमृषयाव | अमृषयाम |
| अ० अममृषत् | अममृषताम् | अममृषन् |
| अममृषः | अममृषतम् | अममृषत |
| अममृषम् | अममृषाव | अममृषाम |
| प० मृषयाञ्चकार | मृषयाञ्चक्रतुः | मृषयाञ्चक्रुः |
| मृषयाञ्चकथं | मृषयाञ्चकथुः | मृषयाञ्चक |
| मृषयाञ्चकार, कर, मृषयाञ्चकृष | मृषयाञ्चकृम | |
| मृषयाम्बभूव । मृषयामास | | |
| आ० मृष्ट्यात् | मृष्ट्यास्ताम् | मृष्ट्यासुः |
| मृष्ट्याः | मृष्ट्यास्तम् | मृष्ट्यास्त |
| मृष्ट्यासम् | मृष्ट्यास्व | मृष्ट्यास्म |
| प्रव० मृषयिता | मृषयितारौ | मृषयितारः |
| मृषयितासि | मृषयितास्थः | मृषयितास्थ |
| मृषयितास्मि | मृषयितास्वः | मृषयितास्मः |
| भ० मृषयिष्यति | मृषयिष्यतः | मृषयिष्यन्ति |
| मृषयिष्यसि | मृषयिष्यथः | मृषयिष्यथ |
| मृषयिष्यामि | मृषयिष्यावः | मृषयिष्यामः |
| क्रि० अमृषयिष्यत् | अमृषयिष्यताम् | अमृषयिष्यन् |
| अमृषयिष्यः | अमृषयिष्यतम् | अमृषयिष्यत |
| अमृषयिष्यम् | अमृषयिष्याव | अमृषयिष्याम |
| णिचोऽनित्यत्वाद् मृषति । | | |

अथ सान्ताम्नयः

1922 रसण् (रस्) आस्वादन-
स्नेहनयोः । 355

| | | |
|-----------------|--------------------|-------------|
| व० रसयति | रसयतः | रसयन्ति |
| रसयसि | रसयथः | रसयथ |
| रसयामि | रसयावः | रसयामः |
| स० रसयेत् | रसयेताम् | रसयेयुः |
| रसयेः | रसयेतम् | रसयेत |
| रसयेयम् | रसयेव | रसयेम |
| प० रसयतु | रसयतात् | रसयताम् |
| रसय | रसयतम् | रसयत |
| रसयानि | रसयाव | रसयाम |
| ह्य० अरसयत् | अरसयताम् | अरसयन् |
| अरसयः | अरसयतम् | अरसयत |
| अरसयम् | अरसयाव | अरसयाम |
| अ० अररसत् | अररसताम् | अररसन् |
| अररसः | अररसतम् | अररसत |
| अररसम् | अररसाव | अररसाम |
| प० रसयाञ्चकार | रसयाञ्चक्रुः | रसयाञ्चकृः |
| रसयाञ्चकृथ | रसयाञ्चकथुः | रसयाञ्चक |
| रसयाञ्चकार, कर, | रसयाञ्चकृययाञ्चकृम | |
| रसयाम्बभूव | रसयामास | |
| आ० रस्यात् | रस्यास्ताम् | रस्यासुः |
| रस्याः | रस्यास्तम् | रस्यास्त |
| रस्यास्म | रस्यास्व | रस्यास्म |
| प्र० रसयिता | रसयितारौ | रसयितारः |
| रसयितासि | रसयितास्यः | रसयितास्य |
| रसयितास्मि | रसयितास्वः | रसयितास्मः |
| भ० रसयिष्यति | रसयिष्यतः | रसयिष्यन्ति |
| रसयिष्यसि | रसयिष्यथः | रसयिष्यथ |
| रसयिष्यामि | रसयिष्यावः | रसयिष्यामः |
| अ० अरसयिष्यत् | अरसयिष्यताम् | अरसयिष्यन् |
| अरसयिष्यः | अरसयिष्यतम् | अरसयिष्यत |
| अरसयिष्यम् | अरसयिष्याव | अरसयिष्याम |

1923 वासण् (वास) उपसेवायाम् 356

| | | |
|-----------------------------|----------------|--------------|
| व० वासयति | वासयतः | वासयन्ति |
| वासयसि | वासयथः | वासयथ |
| वासयामि | वासयावः | वासयामः |
| स० वासयेत् | वासयेताम् | वासयेयुः |
| वासयेः | वासयेतम् | वासयेत |
| वासयेयम् | वासयेव | वासयेम |
| प० वासयतु | वासयतात् | वासयताम् |
| वासय | वासयतम् | वासयत |
| वासयानि | वासयाव | वासयाम |
| ह्य० अवासयत् | अवासयताम् | अवासयन् |
| अवासयः | अवासयतम् | अवासयत |
| अवासयम् | अवासयाव | अवासयाम |
| अ० अववासत् | अववासताम् | अववासन् |
| अववासः | अववासतम् | अववासत |
| अववासम् | अववासाव | अववासाम |
| प० वासयाञ्चकार | वासयाञ्चक्रुः | वासयाञ्चकृः |
| वासयाञ्चकृथ | वासयाञ्चकथुः | वासयाञ्चक |
| वासयाञ्चकार, कर, वासयाञ्चकृ | वासयाञ्चकृम | |
| वासयाम्बभूव | वासयामास | |
| आ० वास्यात् | वास्यास्ताम् | वास्यासुः |
| वास्याः | वास्यास्तम् | वास्यास्त |
| वास्यास्म | वास्यास्व | वास्यास्म |
| प्र० वासयिता | वासयितारौ | वासयितारः |
| वासयितासि | वासयितास्यः | वासयितास्य |
| वासयितास्मि | वासयितास्वः | वासयितास्मः |
| अ० वासयिष्यति | वासयिष्यतः | वासयिष्यन्ति |
| वासयिष्यसि | वासयिष्यथः | वासयिष्यथ |
| वासयिष्यामि | वासयिष्यावः | वासयिष्यामः |
| अ० अववासयिष्यत् | अववासयिष्यताम् | अववासयिष्यन् |
| अववासयिष्यः | अववासयिष्यतम् | अववासयिष्यत |
| अववासयिष्यम् | अववासयिष्याव | अववासयिष्याम |

1924 निवासण् (निवास) आच्छादने

357

व० निवासयति निवासयतः निवासयन्ति
 निवासयसि निवासयथः निवासयथ
 निवासयामि निवासयावः निवासयामः
 स० निवासयेत् निवासयेताम् निवासयेयुः
 निवासयेः निवासयेतम् निवासयेत
 निवासयेयम् निवासयेव निवासयेम
 प० निवासयतु निवासयतात्-ताम् निवासयन्तु
 निवासय „ निवासयतम् निवासयत
 निवासयानि निवासयाव निवासयाम
 ह्य० अनिवासयत् अनिवासयताम् अनिवासयन्
 अनिवासयः अनिवासयतम् अनिवासयत
 अनिवासयम् अनिवासयाव अनिवासयाम
 अनिनिवासात् अनिनिवासाताम् अनिनिवासान्
 अनिनिवासाः अनिनिवासातम् अनिनिवासात्
 अनिनिवासांश्च अनिनिवासाव अनिनिवासांश्च
 निवासयाञ्चकार निवासयाञ्चक्रतुः-याञ्चक्रुः
 निवासयाञ्चकथं निवासयाञ्चकथुः-याञ्चक्रुः
 निवासयाञ्चकार-कर निवासयाञ्चकृव-कृम
 निवासयाम्बभूव । निवासयामास
 आ० निवारयात् निवास्यास्ताम् निवास्यासुः
 निवास्याः निवास्यास्तम् निवास्यास्त
 निवास्यासम् निवास्यास्व निवास्यास्म
 निवासयिता निवासयितारौ निवासयितारः
 निवासयितासि निवासयितास्थः-यितास्थ
 निवासयितास्मि निवासयितास्वः-यितास्मः
 निवासयिष्यति निवासयिष्यतः-यिष्यन्ति
 निवासयिष्यसि निवासयिष्यथः-निवासयिष्यथ
 निवासयिष्यामि निवासयिष्यावः-यिष्यामः
 अनिवासयिष्यत् अनिवासयिष्यताम्-यिष्यन्
 अनिवासयिष्यः अनिवासयिष्यतम्-यिष्यत
 अनिवासयिष्यम् अनिवासयिष्याव-यिष्याम

॥ अथ हान्ताः ॥

1925 चहण् (चह्) कल्कने ।

कल्कनं दम्भः । 358

व० चहयति चहयतः चहयन्ति
 चहयसि चहयथः चहयथ
 चहयामि चहयावः चहयामः
 स० चहयेत् चहयेताम् चहयेयुः
 चहयेः चहयेतम् चहयेत
 चहयेयम् चहयेव चहयेम
 प० चहयतु चहयतात् चहयताम् चहयन्तु
 चहय „ चहयतम् चहयत
 चहयानि चहयाव चहयाम
 ह्य० अचहयत् अचहयताम् अचहयन्
 अचहयः अचहयतम् अचहयत
 अचहयम् अचहयाव अचहयाम
 अ० अचचहत् अचचहताम् अचचहन्
 अचचहः अचचहतम् अचचहत
 अचचहम् अचचहाव अचचहाम
 प० चहयाञ्चकार चहयाञ्चक्रतुः चहयाञ्चक्रुः
 चहयाञ्चकथं चहयाञ्चकथुः चहयाञ्चक्रुः
 चहयाञ्चकार-कर, चहयाञ्चकृव-चहयाञ्चकृम
 चहयाम्बभूव । चहयामास
 आ० चहयात् चहयास्ताम् चहयासुः
 चहयाः चहयास्तम् चहयास्त
 चहयासम् चहयास्व चहयास्म
 प्रव० चहयिता चहयितारौ चहयितारः
 चहयितासि चहयितास्थः चहयितास्थ
 चहयितास्मि चहयितास्वः चहयितास्मः
 भ० चहयिष्यति चहयिष्यतः चहयिष्यन्ति
 चहयिष्यसि चहयिष्यथः चहयिष्यथ
 चहयिष्यामि चहयिष्यावः चहयिष्यामः
 क्रि० अचहयिष्यत् अचहयिष्यताम् अचहयिष्यन्
 अचहयिष्यः अचहयिष्यतम् अचहयिष्यत
 अचहयिष्यम् अचहयिष्याव अवहयिष्याम

1926 महण् (मह्) पूजयाम् । 359

| | | |
|----------|--------|---------|
| व० महयति | महयतः | महयन्ति |
| महयसि | महयथः | महयथ |
| महयामि | महयावः | महयामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० महयेत् | महयेताम् | महयेयुः |
| महयेः | महयेतम् | महयेत |
| महयेयम् | महयेव | महयेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० महयतु | महयतात् | महयताम् | महयन्तु |
| महय | ” | महयतम् | महयत |
| महयानि | महयाव | महयाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अमहयत् | अमहयताम् | अमहयन् |
| अमहयः | अमहयतम् | अमहयत |
| अमहयम् | अमहयाव | अमहयाम |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| अ० अममहत् | अममहताम् | अममहन् |
| अममहः | अममहतम् | अममहत |
| अममहम् | अममहाव | अममहाम |

| | | |
|----------------------------|-------------|--------------|
| प० महयाञ्चकार | महयाञ्चकतुः | महयाञ्चक्रुः |
| महयाञ्चकथ | महयाञ्चकथुः | महयाञ्चक |
| महयाञ्चकार, कर, महयाञ्चकृव | महयाञ्चकृम | |
| महयाञ्चभूव | महयामास | |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० मद्यात् | मद्यास्ताम् | मद्यासुः |
| मद्याः | मद्यास्तम् | मद्यास्त |
| मद्यासम् | मद्यास्व | मद्यास्म |

| | | |
|--------------|------------|------------|
| प्रव० महयिता | महयितारौ | महयितारः |
| महयितासि | महयितास्थः | महयितास्थ |
| महयितास्मि | महयितास्वः | महयितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० महयिष्यति | महयिष्यतः | महयिष्यन्ति |
| महयिष्यसि | महयिष्यथः | महयिष्यथ |
| महयिष्यामि | महयिष्यावः | महयिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अमहयिष्यत् | अमहयिष्यताम् | अमहयिष्यन् |
| अमहयिष्यः | अमहयिष्यतम् | अमहयिष्यत |
| अमहयिष्यम् | अमहयिष्याव | अमहयिष्याम |

1927 रहण् (रह्) त्यागे । 390

| | | |
|----------|--------|---------|
| द० रहयति | रहयतः | रहयन्ति |
| रहयसि | रहयथः | रहयथ |
| रहयामि | रहयावः | रहयामः |

| | | |
|-----------|----------|---------|
| स० रहयेत् | रहयेताम् | रहयेयुः |
| रहयेः | रहयेतम् | रहयेत |
| रहयेयम् | रहयेव | रहयेम |

| | | | |
|----------|---------|---------|---------|
| प० रहयतु | रहयतात् | रहयताम् | रहयन्तु |
| रहय | ” | रहयतम् | रहयत |
| रहयाणि | रहयाव | रहयाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| झ० अरहयत् | अरहयताम् | अरहयन् |
| अरहयः | अरहयतम् | अरहयत |
| अरहयम् | अरहयाव | अरहयाम |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| अ० अररहत् | अररहताम् | अररहन् |
| अररहः | अररहतम् | अररहत |
| अररहम् | अररहाव | अररहाम |

| | | |
|----------------------------|-------------|--------------|
| प० रहयाञ्चकार | रहयाञ्चकतुः | रहयाञ्चक्रुः |
| रहयाञ्चकथ | रहयाञ्चकथुः | रहयाञ्चक |
| रहयाञ्चकार, कर, रहयाञ्चकृव | रहयाञ्चकृम | |
| रहयाञ्चभूव | रहयामास | |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० रद्यात् | रद्यास्ताम् | रद्यासुः |
| रद्याः | रद्यास्तम् | रद्यास्त |
| रद्यासम् | रद्यास्व | रद्यास्म |

| | | |
|--------------|------------|------------|
| प्रव० रहयिता | रहयितारौ | रहयितारः |
| रहयितासि | रहयितास्थः | रहयितास्थ |
| रहयितास्मि | रहयितास्वः | रहयितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० रहयिष्यति | रहयिष्यतः | रहयिष्यन्ति |
| रहयिष्यसि | रहयिष्यथः | रहयिष्यथ |
| रहयिष्यामि | रहयिष्यावः | रहयिष्यामः |

| | | |
|------------------|--------------|------------|
| क्रि० अरहयिष्यत् | अरहयिष्यताम् | अरहयिष्यन् |
| अरहयिष्यः | अरहयिष्यतम् | अरहयिष्यत |
| अरहयिष्यम् | अरहयिष्याव | अरहयिष्याम |

1928 रहुण् (रंह्) गतौ 361

व० रंहयति रंहयतः रंहयन्ति
रंहयसि रंहयथः रंहयथ
रंहयामि रंहयावः रंहयामः

स० रंहयेत् रंहयेताम् रंहयेयुः
रंहयेः रंहयेतम् रंहयेत
रंहयेयम् रंहयेव रंहयेम

प० रंहयतु रंहयतात् रंहयताम् रंहयन्तु
रंहय , रंहयतम् रंहयत
रंहयाणि रंहयाव रंहयाम

झ० अरंहयत् अरंहयताम् अरंहयन्
अरंहयः अरंहयतम् अरंहयत
अरंहयम् अरंहयाव अरंहयाम

अ० अररंहत् अररंहताम् अररंहन्
अररंहः अररंहतम् अररंहत
अररंहम् अररंहाव अररंहाम

प० रंहयाञ्चकार रंहयाञ्चक्रुः रंहयाञ्चकुः
रंहयाञ्चकथं रंहयाञ्चकथुः रंहयाञ्चक
रंहयाञ्चकार-कर रंहयाञ्चकृवरंहयाञ्चक्रम

रंहयाम्बभूव । रंहयामास

आ० रंह्यात् रंह्यास्ताम् रंह्यासुः
रंह्याः रंह्यास्तम् रंह्यास्त
रंह्यासम् रंह्यास्व रंह्यास्म

प्रव० रंहयिता रंहयितारौ रंहयितारः
रंहयितासि रंहयितास्यः रंहयितास्य
रंहयितासिम रंहयितास्वः रंहयितास्मः

भ० रंहयिष्यति रंहयिष्यतः रंहयिष्यन्ति
रंहयिष्यसि रंहयिष्यथः रंहयिष्यथ
रंहयिष्यामि रंहयिष्यावः रंहयिष्यामः

अरंहयिष्यत् अरंहयिष्यताम् अरंहयिष्यन्
अरंहयिष्यः अरंहयिष्यतम् अरंहयिष्यत
अरंहयिष्यम् अरंहयिष्याव अरंहयिष्याम

1929 स्पृहण् (स्पृह्) ईप्सायाम् 362

व० स्पृहयति स्पृहयतः स्पृहयन्ति
स्पृहयसि स्पृहयथः स्पृहयथ
स्पृहयामि स्पृहयावः स्पृहयामः

स० स्पृहयेत् स्पृहयेताम् स्पृहयेयुः
स्पृहयेः स्पृहयेतम् स्पृहयेत
स्पृहयेयम् स्पृहयेव स्पृहयेम

प० स्पृहयतु स्पृहयतात् स्पृहयताम् स्पृहयन्तु
स्पृहय , स्पृहयतम् स्पृहयत
स्पृहयाणि स्पृहयाव स्पृहयाम

झ० अस्पृहयत् अस्पृहयताम् अस्पृहयन्
अस्पृहयः अस्पृहयतम् अस्पृहयत
अस्पृहयम् अस्पृहयाव अस्पृहयाम

अ० अपस्पृहत् अपस्पृहताम् अपस्पृहन्
अपस्पृहः अपस्पृहतम् अपस्पृहत
अपस्पृहम् अपस्पृहाव अपस्पृहाम

प० स्पृहयाञ्चकार स्पृहयाञ्चक्रुः स्पृहयाञ्चकुः
स्पृहयाञ्चकथं स्पृहयाञ्चकथुः स्पृहयाञ्चक
स्पृहयाञ्चकार-कर स्पृहयाञ्चकृव स्पृहयाञ्चक्रम

स्पृहयाम्बभूव । स्पृहयामास

आ० स्पृह्यात् स्पृह्यास्ताम् स्पृह्यासुः
स्पृह्याः स्पृह्यास्तम् स्पृह्यास्त
स्पृह्यासम् स्पृह्यास्व स्पृह्यास्म

प्रव० स्पृहयिता स्पृहयितारौ स्पृहयितारः
स्पृहयितासि स्पृहयितास्यः स्पृहयितास्य
स्पृहयितासिम स्पृहयितास्वः स्पृहयितास्मः

भ० स्पृहयिष्यति स्पृहयिष्यतः स्पृहयिष्यन्ति
स्पृहयिष्यसि स्पृहयिष्यथः स्पृहयिष्यथ
स्पृहयिष्यामि स्पृहयिष्यावः स्पृहयिष्यामः

अस्पृहयिष्यत् अस्पृहयिष्यताम् अस्पृहयिष्यन्
अस्पृहयिष्यः अस्पृहयिष्यतम् अस्पृहयिष्यत
अस्पृहयिष्यम् अस्पृहयिष्याव अस्पृहयिष्याम

॥ अथ क्षान्तः ॥

1930 रुक्षण् (रुक्ष्) पारुष्ये । 363

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------------|
| व० रुक्षयति | रुक्षयतः | रुक्षयन्ति |
| रुक्षयसि | रुक्षयथः | रुक्षयथ |
| रुक्षयामि | रुक्षयावः | रुक्षयामः |
| स० रुक्षयेत् | रुक्षयेताम् | रुक्षयेयुः |
| रुक्षयेः | रुक्षयेतम् | रुक्षयेत |
| रुक्षयेयम् | रुक्षयेव | रुक्षयेम |
| प० रुक्षयतु | रुक्षयतात् | रुक्षयताम् रुक्षयन्तु |
| रुक्षय | रुक्षयतम् | रुक्षयत |
| रुक्षयाणि | रुक्षयाव | रुक्षयाम |
| अ० अरुक्षयत् | अरुक्षयताम् | अरुक्षयन्तु |
| अरुक्षयः | अरुक्षयतम् | अरुक्षयत |
| अरुक्षयम् | अरुक्षयाव | अरुक्षयाम |
| अ० अरुक्षत् | अरुक्षताम् | अरुक्षन्तु |
| अरुक्षः | अरुक्षतम् | अरुक्षत |
| अरुक्षम् | अरुक्षाव | अरुक्षाम |
| प० रुक्षयाञ्चकार | रुक्षयाञ्चक्रुः | रुक्षयाञ्चकुः |
| रुक्षयाञ्चकथं | रुक्षयाञ्चकथुः | रुक्षयाञ्चक |
| रुक्षयाञ्चकार कर | रुक्षयाञ्चकृव | याञ्चकृम |
| रुक्षयाम्बभूव | रुक्षयामास | |
| आ० रुक्ष्यात् | रुक्ष्यास्ताम् | रुक्ष्यासुः |
| रुक्ष्याः | रुक्ष्यास्तम् | रुक्ष्यास्त |
| रुक्ष्यासम् | रुक्ष्यास्व | रुक्ष्यास्म |
| प्रव० रुक्षयिता | रुक्षयितारौ | रुक्षयितारः |
| रुक्षयितासि | रुक्षयितास्थः | रुक्षयितास्य |
| रुक्षयितास्मि | रुक्षयितास्वः | रुक्षयितास्मः |
| भ० रुक्षयिष्यति | रुक्षयिष्यतः | रुक्षयिष्यन्ति |
| रुक्षयिष्यसि | रुक्षयिष्यथः | रुक्षयिष्यथ |
| रुक्षयिष्यामि | रुक्षयिष्यावः | रुक्षयिष्यामः |
| कि० अरुक्षयिष्यत् | अरुक्षयिष्यताम् | अरुक्षयिष्यन्तु |
| अरुक्षयिष्यः | अरुक्षयिष्यतम् | अरुक्षयिष्यत |
| अरुक्षयिष्यम् | अरुक्षयिष्याव | अरुक्षयिष्याम |

॥ इत्यदन्ताः । परस्मैपदिनः ॥

अ गदन्तेष्वेव कुहणिमभिध्याप्यात्मने

पदिनः । तत्र गान्तः

1931 मृग णि (मृग्) अन्वेषणे 364

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| व० मृगयते | मृगयेते | मृगयन्ते |
| मृगयसे | मृगयेथे | मृगयध्वे |
| मृगये | मृगयावहे | मृगयामहे |
| स० मृगयेत | मृगयेताम् | मृगयेरन् |
| मृगयेथाः | मृगयेयाथाम | मृगयेध्वम् |
| मृगयेय | मृगयेवहि | मृगयेमहि |
| प० मृगयताम् | मृगयेताम् | मृगयन्ताम् |
| मृगयस्व | मृगयेथाम् | मृगयध्वम् |
| मृग्यै | मृगयावहे | मृगयामहे |
| अ० अमृगयन् | अमृगयेताम् | अमृगयन्तु |
| अमृगयथाः | अमृगयेथाम् | अमृगयध्वम् |
| अमृगये | अमृगयावहि | अमृगयामहि |
| अ० अमृगत | अमृगृताम् | अमृगन्तु |
| अमृगथाः | अमृगृथाम् | अमृगध्वम् |
| अमृग्यै | अमृगावहि | अमृगामहि |
| प० मृगयाञ्चक्रे | मृगयाञ्चक्राते | मृगयाञ्चक्रिरे |
| मृगयाञ्चकृषे | मृगयाञ्चक्राथे | मृगयाञ्चकृध्वे |
| मृगयाञ्चक्रे | मृगयाञ्चकृवहे | मृगयाञ्चकृमहे |
| मृगयाम्बभूव | मृगयामास | |
| आ० मृगयिषीष्ट | मृगयिष्यस्ताम् | मृगयिषीरन् |
| मृगयिषीष्टाः | मृगयिषीयास्थाम् | मृगयिषीध्वम् |
| मृगयिषीय | मृगयिषीवहि | मृगयिषीमहि |
| प्र० मृगयिता | मृगयितारौ | मृगयितारः |
| मृगयितासे | मृगयितासाथे | मृगयिताध्वे |
| मृगयिताहे | मृगयितास्वहे | मृगयितास्महे |
| भ० मृगयिष्यते | मृगयिष्येते | मृगयिष्यन्ते |
| मृगयिष्यसे | मृगयिष्येथे | मृगयिष्यध्वे |
| मृगयिष्ये | मृगयिष्यावहे | मृगयिष्यामहे |
| अमृगयिष्यत | अमृगयिष्येताम् | अमृगयिष्यन्तु |
| अमृगयिष्यथाः | अमृगयिष्येशाम् | अमृगयिष्यध्वम् |
| अमृगयिष्ये | अमृगयिष्यावहि | अमृगयिष्यामहि |

॥ अथ धान्तः ॥

1932 अर्थणि (अर्थ) उपयाचने 365

व० अर्थयते अर्थयते अर्थयन्ते
 अर्थयसे अर्थयथे अर्थयध्वे
 अर्थये अर्थयावहे अर्थयामहे
 स० अर्थयत अर्थयिताताम् अर्थयेरन्
 अर्थयथाः अर्थयिताथाम् अर्थयध्वम्
 अर्थयेय अर्थयेवहि अर्थयेमहि

प० अर्थयताम् अर्थयेताम् अर्थयन्ताम्
 अर्थयस्व अर्थयेथाम् अर्थयध्वम्
 अर्थयै अर्थयावहै अर्थयामहै

ह्य० आर्थयत आर्थयेताम् आर्थयन्त
 आर्थयथाः आर्थयेथाम् आर्थयध्वम्
 आर्थये आर्थयावहि आर्थयामहि

अ० आर्तिथत आर्तिथेताम् आर्तिथन्त
 आर्तिथथाः आर्तिथेथाम् आर्तिथध्वम्
 आर्तिथे आर्तिथावहि आर्तिथामहि

प० अर्थयाञ्चक्रे अर्थयाञ्चक्राते अर्थयाञ्चक्रिरे
 अर्थयाञ्चकृषे अर्थयाञ्चक्राथे अर्थयाञ्चकृद्वे
 अर्थयाञ्चके अर्थयाञ्चकृवहे अर्थयाञ्चकृमहे
 अर्थयाम्बभूष । अर्थयामास

आ० अर्थयिषीष्ट अर्थयिषीयास्ताम् अर्थयिषीरन्
 अर्थयिषीष्ठाः अर्थयिषीयास्थाम् अर्थयिषीद्वम्
 अर्थयिषीध्वम्

अर्थयिषीय अर्थयिषीवहि अर्थयिषीमहि
 प्रव० अर्थयिता अर्थयितारौ अर्थयितारः

अर्थयितासे अर्थयितासाथे अर्थयिताध्वे
 अर्थयिताहे अर्थयितास्वहे अर्थयितास्महे

भ० अर्थयिष्यते अर्थयिष्येते अर्थयिष्यन्ते
 अर्थयिष्यसे अर्थयिष्येथे अर्थयिष्यध्वे
 अर्थयिष्ये अर्थयिष्यावहे अर्थयिष्यामहे

अर्थयिष्यत अर्थयिष्येताम् अर्थयिष्यन्त
 अर्थयिष्यथाः अर्थयिष्येथाम् अर्थयिष्यध्वम्
 अर्थयिष्ये अर्थयिष्यावहि अर्थयिष्यामहि

॥ अथ दान्तः ॥

1933 पदणि (पद्) गतौ । 366

व० पदयते पदयेते पदयन्ते
 पदयसे पदयेथे पदयध्वे
 पदये पदयावहे पदयामहे

स० पदयेत पदयेयाताम् पदयेरन्
 पदयेथाः पदयेयाथाम् पदयेध्वम्
 पदयेय पदयेवहि पदयेमहि

प० पदयताम् पदयेताम् पदयन्ताम्
 पदयस्व पदयेथाम् पदयध्वम्
 पदयै पदयावहै पदयामहै

ह्य० अपदयत अपदयेताम् अपदयन्त
 अपदयथाः अपदयेथाम् अपदयध्वम्
 अपदये अपदयावहि अपदयामहि

अ० अपपदत अपपदेताम् अपपदन्त
 अपपदथाः अपपदेथाम् अपपदध्वम्
 अपपदे अपपदावहि अपपदामहि

प० पदयाञ्चक्रे पदयाञ्चक्राते पदयाञ्चक्रिरे
 पदयाञ्चकृषे पदयाञ्चक्राथे पदयाञ्चकृद्वे
 पदयाञ्चके पदयाञ्चकृवहे पदयाञ्चकृमहे
 पदयाम्बभूव । पदयामास

आ० पदयिषीष्ट पदयिषीयास्ताम् पदयिषीरन्
 पदयिषीष्ठाः पदयिषीयास्थाम् पदयिषीद्वम्
 पदयिषीध्वम्

प्रव० पदयिता पदयितारौ पदयितारः
 पदयितासे पदयितासाथे पदयिताध्वे
 पदयिताहे पदयितास्वहे पदयितास्महे

भ० पदयिष्यते पदयिष्येते पदयिष्यन्ते
 पदयिष्यसे पदयिष्येथे पदयिष्यध्वे
 पदयिष्ये पदयिष्यावहे पदयिष्यामहे

अपदयिष्यत अपदयिष्येताम् अपदयिष्यन्त
 अपदयिष्यथाः अपदयिष्येथाम् अपदयिष्यध्वम्
 अपदयिष्ये अपदयिष्यावहि अपदयिष्यामहि

॥ अथ मान्ताः ॥

1934 संग्रामणि (संग्राम्) युडे 367

व० संग्रामयते संग्रामयेते संग्रामयन्ते
संग्रामयसे संग्रामयेथे संग्रामयध्वे
संग्रामये संग्रामयावहे संग्रामयामहे
स० संग्रामयेत संग्रामयेयाताम् संग्रामयेरन्
संग्रामयेथाः संग्रामयेयाताम् संग्रामयेध्वम्
संग्रामयेय संग्रामयेवहि संग्रामयेमहि
प० संग्रामयताम् संग्रामयेनाम् संग्रामयन्ताम्
संग्रामयस्व संग्रामयेथाम् संग्रामयध्वम्
संग्रामये संग्रामयावहे संग्रामयामहे

अ० असंग्रामयत असंग्रामयेताम् असंग्रामयन्त
असंग्रामयथाः असंग्रामयेथाम् असंग्रामयध्वम्
असंग्रामये असंग्रामयावहि असंग्रामयामहि
असत्संग्रामत असत्संग्रामेताम् असत्संग्रामन्त
असत्संग्रामथाः असत्संग्रामेथाम् असत्संग्रामध्वम्
असत्संग्रामे असत्संग्रामावहि असत्संग्रामामहि
संग्रामयाञ्चक्रे संग्रामयाञ्चक्रे संग्रामयाञ्चक्रे
संग्रामयाञ्चक्रे संग्रामयाञ्चक्रे —, याञ्चकृद्वे
संग्रामयाञ्चक्रे संग्रामयाञ्चक्रे —, याञ्चकृद्वे

संग्रामयाम्बभूव । संग्रामयामास
संग्रामयिषीष्ट संग्रामयिषीयास्ताम् —, यिषीरन्
संग्रामयिषीष्टाः संग्रामयिषीयास्ताम् संग्रामयि-
षीद्वम् धमम्

संग्रामयिषीय संग्रामयिषीवहि संग्रामयिषीमहि
अ० संग्रामयिता संग्रामयितारौ संग्रामयितारः
संग्रामयितासे संग्रामयितासाथे संग्रामयिताध्वे
संग्रामयिताहे संग्रामयितास्वहे संग्रामयितास्महे
संग्रामयिष्यते संग्रामयिष्येते संग्रामयिष्यन्ते
संग्रामयिष्यसे संग्रामयिष्येथे संग्रामयिष्यध्वे
संग्रामयिष्ये संग्रामयिष्यावहे संग्रामयिष्यामहे
असंग्रामयिष्यत असंग्रामयिष्येताम् — यिष्यन्त
असंग्रामयिष्यथाः असंग्रामयिष्येथाम् यिष्यध्वम्
असंग्रामयिष्ये असंग्रामयिष्यावहि यिष्यामहि

1935 शूरण् (शूर्) विक्रान्तौ 368

व० शूरयते शूरयेते शूरयन्ते
शूरयसे शूरयेथे शूरयध्वे
शूरये शूरयावहे शूरयामहे
स० शूरयेत शूरयेयाताम् शूरयेरन्
शूरयेथाः शूरयेयाताम् शूरयेध्वम्
शूरयेय शूरयेवहि शूरयेमहि
प० शूरयताम् शूरयेताम् शूरयन्ताम्
शूरयस्व शूरयेथाम् शूरयध्वम्
शूरये शूरयावहे शूरयामहे

अ० अशूरयत अशूरयेताम् अशूरयन्त
अशूरयथाः अशूरयेथाम् अशूरयध्वम्
अशूरये अशूरयावहि अशूरयामहि
अ० अशुशूरत अशुशूरेताम् अशुशूरन्त
अशुशूरथाः अशुशूरेथाम् अशुशूरध्वम्
अशुशूरे अशुशूरावहि अशुशूरामहि

प० शूरयाञ्चक्रे शूरयाञ्चक्रे शूरयाञ्चक्रे
शूरयाञ्चक्रे शूरयाञ्चक्रे शूरयाञ्चक्रे
शूरयाञ्चक्रे शूरयाञ्चक्रे शूरयाञ्चक्रे
शूरयाञ्चक्रे शूरयाञ्चक्रे शूरयाञ्चक्रे

आ० शूरयिषीष्ट शूरयिषीयास्ताम् शूरयिषीरन्
शूरयिषीष्टाः शूरयिषीयास्ताम् शूरयिषीद्वम्
शूरयिषीध्वम्

शूरयिषीय शूरयिषीवहि शूरयिषीमहि
अ० शूरयिता शूरयितारौ शूरयितारः
शूरयितासे शूरयितासाथे शूरयिताध्वे
शूरयिताहे शूरयितास्वहे शूरयितास्महे

अ० शूरयिष्यते शूरयिष्येते शूरयिष्यन्ते
शूरयिष्यसे शूरयिष्येथे शूरयिष्यध्वे
शूरयिष्ये शूरयिष्यावहे शूरयिष्यामहे
अशूरयिष्यत अशूरयिष्येताम् अशूरयिष्यन्त
अशूरयिष्यथाः अशूरयिष्येथाम् अशूरयिष्यध्वम्
अशूरयिष्ये अशूरयिष्यावहि अशूरयिष्यामहि

1936 वीरणि (वीर) विक्रान्तौ 369

व० वीरयते वीरयेते वीरयन्ते
 वीरयसे वीरयेथे वीरयध्वे
 वीरये वीरयावहे वीरयामहे
 स० वीरयेत वीरयेयाताम् वीरयेरन्
 वीरयेथाः वीरयेयाथाम् वीरयेध्वम्
 वीरयेय वीरयेवहि वीरयेमहि
 प० वीरयताम् वीरयेताम् वीरयन्ताम्
 वीरयस्व वीरयेथाम् वीरयध्वम्
 वीरयै वीरयावहै वीरयामहै
 झ० अवीरयत अवीरयेताम् अवीरयन्त
 अवीरयथाः अवीरयेथाम् अवीरयध्वम्
 अवीरये अवीरयावहि अवीरयामहि
 अ० अविवीरत अविवीरेताम् अविवीरन्त
 अविवीरथाः अविवीरेथाम् अविवीरध्वम्
 अविवीरे अविवीरावहि अविवीरामहि
 प० वीरयाञ्चके वीरयाञ्चकाते वीरयाञ्चकिरे
 वीरयाञ्चकृषे वीरयाञ्चकाथे वीरयाञ्चकृद्वे
 वीरयाञ्चके वीरयाञ्चकृवहे वीरयाञ्चकृमहे
 वीरयाम्बभूव । वीरयामास

आ० वीरयिषीष्ट वीरयिषीयास्ताम् वीरयिषीरन्
 वीरयिषीष्टाः वीरयिषीयास्थाम् वीरयिषीद्वम्
 वीरयिषीध्वम्
 वीरयिषीय वीरयिषीवहि वीरयिषीमहि
 प्रव० वीरयिता वीरयितारौ वीरयितारः
 वीरयितासे वीरयितासाथे वीरयिताध्वे
 वीरयिताहे वीरयितावहे वीरयितामहे
 भ० वीरयिष्यते वीरयिष्येते वीरयिष्यन्ते
 वीरयिष्यसे वीरयिष्येथे वीरयिष्यध्वे
 वीरयिष्ये वीरयिष्यावहे वीरयिष्यामहे
 अवीरयिष्यत अवीरयिष्येताम् अवीरयिष्यन्त
 अवीरयिष्यथाः अवीरयिष्येथाम् अवीरयिष्यध्वम्
 अवीरयिष्ये अवीरयिष्यावहि अवीरयिष्यामहि

1937 सत्रणि[सत्र]संदानक्रियायाम्

370

व० सत्रयते सत्रयेते सत्रयन्ते
 सत्रयसे सत्रयेथे सत्रयध्वे
 सत्रये सत्रयावहे सत्रयामहे
 स० सत्रयेत सत्रयेयाताम् सत्रयेरन्
 सत्रयेथाः सत्रयेयाथाम् सत्रयेध्वम्
 सत्रयेय सत्रयेवहि सत्रयेमहि
 प० सत्रयताम् सत्रयेताम् सत्रयन्ताम्
 सत्रयस्व सत्रयेथाम् सत्रयध्वम्
 सत्रयै सत्रयावहै सत्रयामहै
 झ० असत्रयत असत्रयेताम् असत्रयन्त
 असत्रयथाः असत्रयेथाम् असत्रयध्वम्
 असत्रये असत्रयावहि असत्रयामहि
 अ० अससत्रत अससत्रेताम् अससत्रन्त
 अससत्रथाः अससत्रेथाम् अससत्रध्वम्
 अससत्रे अससत्रावहि अससत्रामहि
 प० सत्रयाञ्चके सत्रयाञ्चकाते सत्रयाञ्चकिरे
 सत्रयाञ्चकृषे सत्रयाञ्चकाथे सत्रयाञ्चकृद्वे
 सत्रयाञ्चके सत्रयाञ्चकृवहे सत्रयाञ्चकृमहे
 सत्रयाम्बभूव । सत्रयामास

आ० सत्रयिषीष्ट सत्रयिषीयास्ताम् सत्रयिषीरन्
 सत्रयिषीष्टाः सत्रयिषीयास्थाम् सत्रयिषीद्वम्
 सत्रयिषीध्वम्
 सत्रयिषीय सत्रयिषीवहि सत्रयिषीमहि
 प्रव० सत्रयिता सत्रयितारौ सत्रयितारः
 सत्रयितासे सत्रयितासाथे सत्रयिताध्वे
 सत्रयिताहे सत्रयितावहे सत्रयितामहे
 भ० सत्रयिष्यते सत्रयिष्येते सत्रयिष्यन्ते
 सत्रयिष्यसे सत्रयिष्येथे सत्रयिष्यध्वे
 सत्रयिष्ये सत्रयिष्यावहे सत्रयिष्यामहे
 असत्रयिष्यत असत्रयिष्येताम् असत्रयिष्यन्त
 असत्रयिष्यथाः असत्रयिष्येथाम् असत्रयिष्यध्वम्
 असत्रयिष्ये असत्रयिष्यावहि असत्रयिष्यामहि

॥ अथ लान्तः ॥

1938 स्थूलणि (स्थूल्) परिवृंहणे ।

परिवृंहणं पीनत्वम् । 371

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| व० स्थूलयते | स्थूलयेते | स्थूलयन्ते |
| स्थूलयसे | स्थूलयेथे | स्थूलयध्वे |
| स्थूलये | स्थूल्यावहे | स्थूलयामहे |
| स० स्थूलयेत | स्थूलयेयाताम् | स्थूलयेरन् |
| स्थूलयेथाः | स्थूलयेयाथाम् | स्थूलयेध्वम् |
| स्थूलयेय | स्थूलयेवहि | स्थूलयेमहि |
| प० स्थूलयताम् | स्थूलयेताम् | स्थूलयन्ताम् |
| स्थूलयस्व | स्थूलयेथाम् | स्थूलयध्वम् |
| स्थूलये | स्थूल्यावहै | स्थूलयामहै |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| ह्य० अस्थूलयत | अस्थूलयेताम् | अस्थूलयन्त |
| अस्थूलयथाः | अस्थूलयेथाम् | अस्थूलयध्वम् |
| अस्थूलये | अस्थूल्यावहि | अस्थूलयामहि |

| | | |
|--------------|---------------|---------------|
| अ० अतुस्थूलत | अतुस्थूलेताम् | अतुस्थूलन्त |
| अतुस्थूलथाः | अतुस्थूलेथाम् | अतुस्थूलध्वम् |
| अतुस्थूले | अतुस्थूलावहि | अतुस्थूलामहि |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| प० स्थूलयाश्चक्रे | स्थूलयाश्चक्राते | स्थूलयाश्चकिरे |
| स्थूलयाश्चकृवे | स्थूलयाश्चक्राथे | स्थूलयाश्चकृदूवे |
| स्थूलयाश्चक्रे | स्थूलयाश्चकृवहे | स्थूलयाश्चकृमहे |
| स्थूलयाम्बभूव | स्थूलयामास | |

| | | |
|----------------|-------------------|--------------|
| स्थूलयिषीष्ट | स्थूलयिषीयास्ताम् | स्थूलयिषीरन् |
| स्थूलयिषीष्ठाः | स्थूलयिषीयास्याम् | स्थूलयिषी- |
| | | द्वम् ध्वम् |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| स्थूलयिषीय | स्थूलयिषीवहि | स्थूलयिषीमहि |
| प्रव० स्थूलयिता | स्थूलयितारौ | स्थूलयितारः |
| स्थूलयितासे | स्थूलयितासाथे | स्थूलयिताध्वे |
| स्थूलयिताहे | स्थूलयितास्वहे | स्थूलयितास्महे |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| भ० स्थूलयिष्यते | स्थूलयिष्येते | स्थूलयिष्यन्ते |
| स्थूलयिष्यसे | स्थूलयिष्येथे | स्थूलयिष्यध्वे |
| स्थूलयिष्ये | स्थूलयिष्यावहे | स्थूलयिष्यामहे |

| | | |
|----------------|------------------|--------------|
| अस्थूलयिष्यत | अस्थूलयिष्येताम् | —, यिष्यन्त |
| अस्थूलयिष्यथाः | अस्थूलयिष्येथाम् | — यिष्यध्वम् |
| अस्थूलयिष्ये | अस्थूलयिष्यावहि | — यिष्यामहि |

॥ अथ वान्तः ॥

1939 गर्वणि (गर्व) माने । 372

| | | |
|------------|----------|-----------|
| व० गर्वयते | गर्वयेते | गर्वयन्ते |
| गर्वयसे | गर्वयेथे | गर्वयध्वे |
| गर्वये | गर्वावहे | गर्वयामहे |

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| स० गर्वयेत | गर्वयेयाताम् | गर्वयेरन् |
| गर्वयेथाः | गर्वयेयाथाम् | गर्वयेध्वम् |
| गर्वयेय | गर्वयेवहि | गर्वयेमहि |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| प० गर्वयताम् | गर्वयेताम् | गर्वयन्ताम् |
| गर्वयस्व | गर्वयेथाम् | गर्वयध्वम् |
| गर्वये | गर्वावहै | गर्वयामहै |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| ह्य० अगर्वयत | अगर्वयेताम् | अगर्वयन्त |
| अगर्वयथाः | अगर्वयेथाम् | अगर्वयध्वम् |
| अगर्वये | अगर्व्यावहि | अगर्वयामहि |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| अ० अजगर्वत | अजगर्वेताम् | अजगर्वन्त |
| अजगर्वथाः | अजगर्वेथाम् | अजगर्वध्वम् |
| अजगर्वे | अजगर्वावहि | अजगर्वामहि |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| प० गर्वायाश्चक्रे | गर्वायाश्चक्राते | गर्वायाश्चकिरे |
| गर्वायाश्चकृवे | गर्वायाश्चक्राथे | गर्वायाश्चकृदूवे |
| गर्वायाश्चक्रे | गर्वायाश्चकृवहे | गर्वायाश्चकृमहे |
| गर्वायाम्बभूव | गर्वायामास | |

| | | |
|----------------|------------------|-------------|
| आ० गर्वयिषीष्ट | गर्वयिषीयास्ताम् | गर्वयिषीरन् |
| गर्वयिषीष्ठाः | गर्वयिषीयास्याम् | गर्वयिषी- |
| | | द्वम् ध्वम् |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| गर्वयिषीय | गर्वयिषीवहि | गर्वयिषीमहि |
| प्रव० गर्वयिता | गर्वयितारौ | गर्वयितारः |
| गर्वयितासे | गर्वयितासाथे | गर्वयिताध्वे |
| गर्वयिताहे | गर्वयितास्वहे | गर्वयितास्महे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० गर्वयिष्यते | गर्वयिष्येते | गर्वयिष्यन्ते |
| गर्वयिष्यसे | गर्वयिष्येथे | गर्वयिष्यध्वे |
| गर्वयिष्ये | गर्वयिष्यावहे | गर्वयिष्यामहे |

| | | |
|---------------|-----------------|---------------|
| अगर्वयिष्यत | अगर्वयिष्येताम् | अगर्वयिष्यन्त |
| अगर्वयिष्यथाः | अगर्वयिष्येथाम् | — यिष्यध्वम् |
| अगर्वयिष्ये | अगर्वयिष्यावहि | — यिष्यामहि |

॥ अथ हान्ता ॥

1940 गृहणि (गृह) ग्रहणे 373

व० गृहयते गृहयेते गृहयन्ते
गृहयसे गृहयेथे गृहयध्वे
गृहये गृहयावहे गृहयामहे

स० गृहयेत गृहयेताताम् गृहयेरन्
गृहयेथाः गृहयेयाथाम् गृहयेध्वम्
गृहयेय गृहयेवहि गृहयेमहि

प० गृहयताम् गृहयेताम् गृहयन्ताम्
गृहयस्व गृहयेथाम् गृहयध्वम्
गृहयै गृहयावहै गृहयामहै

झ० अगृहयत अगृहयेताम् अगृहयन्त
अगृहयथाः अगृहयेथाम् अगृहयध्वम्
अगृहये अगृहयावहि अगृहयामहि

अ० अजगृहत अजगृहेताम् अजगृहन्त
अजगृहथाः अजगृहेथाम् अजगृहध्वम्
अजगृहे अजगृहावहि अजगृहामहि

प० गृहयाञ्चके गृहयाञ्चकाते गृहयाञ्चक्रे
गृहयाञ्चकृषे गृहयाञ्चकाथे गृहयाञ्चकृद्वे
गृहयाञ्चके गृहयाञ्चकृवहे गृहयाञ्चकृमहे
गृहयाम्बभूव । गृहयामास

आ० गृहयिषीष्ट गृहयिषीयास्ताम् गृहयिषीरन्
गृहयिषीष्ठाः गृहयिषीयास्थाम् गृहयिषीध्वम्
गृहयिषीय गृहयिषीवहि गृहयिषीमहि

श्व० गृहयिता गृहयितारौ गृहयितारः
गृहयितासे गृहयितासाथे गृहयिताध्वे
गृहयिताहे गृहयितास्वहे गृहयितास्महे

भ० गृहयिष्यते गृहयिष्येते गृहयिष्यन्ते
गृहयिष्यसे गृहयिष्येथे गृहयिष्यध्वे
गृहयिष्ये गृहयिष्यावहे गृहयिष्यामहे

अगृहयिष्यत अगृहयिष्येताम् अगृहयिष्यन्त
अगृहयिष्यथाः अगृहयिष्येथाम् अगृहयिष्यध्वम्
अगृहयिष्ये अगृहयिष्यावहि अगृहयिष्यामहि

1941 कुहणि (कुह) विस्मापने 374

व० कुहयते कुहयेते कुहयन्ते
कुहयसे कुहयेथे कुहयध्वे
कुहये कुहयावहे कुहयामहे

स० कुहयेत कुहयेताताम् कुहयेरन्
कुहयेथाः कुहयेयाथाम् कुहयेध्वम्
कुहयेय कुहयेवहि कुहयेमहि

प० कुहयताम् कुहयेताम् कुहयन्ताम्
कुहयस्व कुहयेथाम् कुहयध्वम्
कुहयै कुहयावहै कुहयामहै

झ० अकुहयत अकुहयेताम् अकुहयन्त
अकुहयथाः अकुहयेथाम् अकुहयध्वम्
अकुहये अकुहयावहि अकुहयामहि

अ० अचुकुहत अचुकुहेताम् अचुकुहन्त
अचुकुहथाः अचुकुहेथाम् अचुकुहध्वम्
अचुकुहे अचुकुहावहि अचुकुहामहि

प० कुहयाञ्चके कुहयाञ्चकाते कुहयाञ्चक्रे
कुहयाञ्चकृषे कुहयाञ्चकाथे कुहयाञ्चकृद्वे
कुहयाञ्चके कुहयाञ्चकृवहे कुहयाञ्चकृमहे

कुहयाम्बभूव । कुहयामास

आ० कुहयिषीष्ट कुहयिषीयास्ताम् कुहयिषीरन्
कुहयिषीष्ठाः कुहयिषीयास्थाम् कुहयिषीध्वम्
कुहयिषीय कुहयिषीवहि कुहयिषीमहि

श्व० कुहयिता कुहयितारौ कुहयितारः
कुहयितासे कुहयितासाथे कुहयिताध्वे
कुहयिताहे कुहयितास्वहे कुहयितास्महे

भ० कुहयिष्यते कुहयिष्येते कुहयिष्यन्ते
कुहयिष्यसे कुहयिष्येथे कुहयिष्यध्वे
कुहयिष्ये कुहयिष्यावहे कुहयिष्यामहे

अकुहयिष्यत अकुहयिष्येताम् अकुहयिष्यन्त
अकुहयिष्यथाः अकुहयिष्येथाम् अकुहयिष्यध्वम्
अकुहयिष्ये अकुहयिष्यावहि अकुहयिष्यामहि

अथ विकल्पितणिचो युजादयः

1942 युजण् (युज्) सम्पर्चने 375

| | | | |
|----|----------|------------|----------|
| व० | योजयति | योजयतः | योजयन्ति |
| | योजयसि | योजयथः | योजयथ |
| | योजयामि | योजयावः | योजयामः |
| स० | योजयेत् | योजयेताम् | योजयेयुः |
| | योजयेः | योजयेतम् | योजयेत |
| | योजयेयम् | योजयेव | योजयेम |
| प० | योजयतु | योजयतात् | योजयताम् |
| | योजय | योजयतम् | योजयत |
| | योजयानि | योजयाव | योजयाम |
| झ० | अयोजयत् | अयोजयताम् | अयोजयन् |
| | अयोजयः | अयोजयतम् | अयोजयत |
| | अयोजयम् | अयोजयाव | अयोजयाम |
| अ० | अयूयुजत् | अयूयुजताम् | अयूयुजन् |
| | अयूयुजः | अयूयुजतम् | अयूयुजत |
| | अयूयुजम् | अयूयुजाव | अयूयुजाम |

प० योजयाञ्चकार योजयाञ्चकृतुः योजयाञ्चक्रुः
योजयाञ्चकथं योजयाञ्चकथुः योजयाञ्चक
योजयाञ्चकार-कर योजयाञ्चकृव-याञ्चकृम
योजयाम्बभूव । योजयामास

आ० योज्यात् योज्यास्ताम् योज्यासुः
योज्याः योज्यास्तम् योज्यास्त
योज्यासम् योज्यास्व योज्यास्म

प्रव० योजयिता योजयितारौ योजयितारः
योजयितासि योजयितास्थः योजयितास्थ
योजयितास्मि योजयितास्वः योजयितास्मः

भ० योजयिष्यति योजयिष्यतः योजयिष्यन्ति
योजयिष्यसि योजयिष्यथः योजयिष्यथ
योजयिष्यामि योजयिष्यावः योजयिष्यामः

अयोजयिष्यत् अयोजयिष्यताम् अयोजयिष्यन्
अयोजयिष्यः अयोजयिष्यतम् अयोजयिष्यत
अयोजयिष्यम् अयोजयिष्याव अयोजयिष्याम

पक्षे न्याय्यविकरणः शब्

| | | | |
|----|---------|----------|---------|
| व० | योजति | योजनः | योजन्ति |
| | योजसि | योजथः | योजथ |
| | योजामि | योजावः | योजामः |
| स० | योजेत् | योजेताम् | योजेयुः |
| | योजेः | योजेतम् | योजेत |
| | योजेयम् | योजेव | योजेम |
| प० | योजतु | योजतात् | योजताम् |
| | योज | योजतम् | योजत |
| | योजानि | योजाव | योजाम |

| | | | |
|----|----------|-------------|----------|
| झ० | अयोजत् | अयोजताम् | अयोजन् |
| | अयोजः | अयोजतम् | अयोजत |
| | अयोजम् | अयोजाव | अयोजाम |
| अ० | अयोजीत् | अयोजिष्टाम् | अयोजिषुः |
| | अयोजीः | अयोजिष्टम् | अयोजिष्ट |
| | अयोजिषम् | अयोजिष्व | अयोजिष्म |

| | | | |
|----|-----------|--------------|-----------|
| प० | युयोज | युयुजतुः | युयुजुः |
| | युयोजिथ | युयुजथुः | युयुज |
| | युयोज | युयुजिव | युयुजिम |
| आ० | युज्यात् | युज्यास्ताम् | युज्यासुः |
| | युज्याः | युज्यास्तम् | युज्यास्त |
| | युज्यासम् | युज्यास्व | युज्यास्म |

प्रव० योजिता योजितारौ योजितारः
योजितासि योजितास्थः योजितास्थ
योजितास्मि योजितास्वः योजितास्मः

भ० योजिष्यति योजिष्यतः योजिष्यन्ति
योजिष्यसि योजिष्यथः योजिष्यथ
योजिष्यामि योजिष्यावः योजिष्यामः

अयोजिष्यत् अयोजिष्यताम् अयोजिष्यन्
अयोजिष्यः अयोजिष्यतम् अयोजिष्यत
अयोजिष्यम् अयोजिष्याव अयोजिष्याम

इह युजादीनां नियतो णिजिष्कत्पञ्चरादी-
नां तु यथादर्शनं णिजितस्य इत्युक्तमेव

॥ अथेदन्तास्त्रयः ॥

1943 लीण् (ला) द्रवीकरणे 376

व० लीनयति लीनयतः लीनयन्ति
लीनयसि लीनयथः लीनयथ
लीनयामि लीनयावः लीनयामः
स० लीनयेत् लीनयेताम् लीनयेयुः
लीनयेः लीनयेतम् लीनयेत
लीनयेयम् लीनयेष्व लीनयेम

प० लीनयतु लीनयतात् लीनयताम् लीनयन्तु
लीनयः लीनयतम् लीनयत
लीनयानि लीनयाव लीनयाम

झ० अलीनयत् अलीनयताम् अलीनयन्
अलीनयः अलीनयतम् अलीनयत
अलीनयम् अलीनयाव अलीनयाम

अ० अलीलनत् अलीलनताम् अलीलनन्
अलीलनः अलीलनतम् अलीलनत
अलीलनम् अलीलनाव अलीलनाम

प० लीनयाञ्चकार लीनयाञ्चक्रुः लीनयाञ्चकुः
लीनयाञ्चकथं लीनयाञ्चक्रथुः लीनयाञ्चक्र
लीनयाञ्चकार-कर लीनयाञ्चकृष्व लीनयाञ्चकृम
लीनयाम्बभूव । लीनयामास

आ० लीन्यात् लीन्यास्ताम् लीन्यासुः
लीन्याः लीन्यास्तम् लीन्यास्त
लीन्यासम् लीन्यास्व लीन्यास्म

प्र० लीनयिता लीनयितारौ लीनयितारः
लीनयितासि लीनयितास्थः लीनयितास्थ
लीनयितास्मि लीनयितास्वः लीनयितास्मः

भ० लीनयिष्यति लीनयिष्यतः लीनयिष्यन्ति
लीनयिष्यसि लीनयिष्यथः लीनयिष्यथ
लीनयिष्यामि लीनयिष्यावः लीनयिष्यामः

अलीनयिष्यत् अलीनयिष्यताम् अलीनयिष्यन्
अलीनयिष्यः अलीनयिष्यतम् अलीनयिष्यत
अलीनयिष्यम् अलीनयिष्याव अलीनयिष्याम

व० लाययति लाययतः लाययन्ति
लाययसि लाययथः लाययथ
लाययामि लाययावः लाययामः

स० लाययेत् लाययेताम् लाययेयुः
लाययेः लाययेतम् लाययेत
लाययेयम् लाययेष्व लाययेम

प० लाययतु लाययतात्-ताम् लाययन्तु
लाययः लाययतम् लाययत
लाययानि लाययाव लाययाम

झ० अलाययत् अलाययताम् अलाययन्
अलाययः अलाययतम् अलाययत
अलाययम् अलाययाव अलाययाम

अ० अलीलयत् अलीलयताम् अलीलयन्
अलीलयः अलीलयतम् अलीलयत
अलीलयम् अलीलयाव अलीलयाम

प० लाययाञ्चकार लाययाञ्चक्रुः लाययाञ्चकुः
लाययाञ्चकथं लाययाञ्चक्रथुः लाययाञ्चक्र
लाययाञ्चकार-कर लाययाञ्चकृष्व लाययाञ्चकृम

लाययाम्बभूव । लाययामास

आ० लाययात् लाययास्ताम् लाययासुः
लाययाः लाययास्तम् लाययास्त
लाययासम् लाययास्व लाययास्म

प्र० लाययिता लाययितारौ लाययितारः
लाययितासि लाययितास्थः लाययितास्थ
लाययितास्मि लाययितास्वः लाययितास्मः

भ० लाययिष्यति लाययिष्यतः लाययिष्यन्ति
लाययिष्यसि लाययिष्यथः लाययिष्यथ
लाययिष्यामि लाययिष्यावः लाययिष्यामः

अलाययिष्यत् अलाययिष्यताम् अलाययिष्यन्
अलाययिष्यः अलाययिष्यतम् अलाययिष्यत
अलाययिष्यम् अलाययिष्याव अलाययिष्याम

॥ णिजभावे ॥

1944 मीण् (मी) मतो मतिर्मननम्

377

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| व० लयति | लयतः | लयन्ति |
| लयसि | लयथः | लयथ |
| लयामि | लयावः | लयामः |
| स० लयेत् | लयेताम् | लयेयुः |
| लयेः | लयेतम् | लयेत |
| लयेयम् | लयेव | लयेम |
| प० लयतु | लयतात् | लयताम् लयन्तु |
| लय | ” | लयतम् लयत |
| लयानि | लयाव | लयाम |
| ह्य० अलयत् | अलयताम् | अलयन् |
| अलयः | अलयतम् | अलयत |
| अलयम् | अलयाव | अलयाम |
| अ० अलायीत् | अलायिष्टाम् | अलायिषुः |
| अलायीः | अलायिष्टम् | अलायिष्ट |
| अलायिषम् | अलायिष्व | अलायिष्म |
| प० लिलाय | लिल्यतुः | लिल्युः |
| लिलयिथ | लिल्यथुः | लिल्य |
| लिलाय | लिलय | लिल्यिष्व |
| लिल्यिष्व | लिल्यिष्व | लिल्यिष्म |
| आ० लीयात् | लीयास्ताम् | लीयासुः |
| लीयाः | लीयास्तम् | लीयास्त |
| लीयासम् | लीयास्व | लीयास्म |
| भ्व० लयिता | लयितारौ | लयितारः |
| लयितासि | लयितास्थः | लयितास्थ |
| लयितास्मि | लयितास्वः | लयितास्मः |
| भ० लयिष्यति | लयिष्यतः | लयिष्यन्ति |
| लयिष्यसि | लयिष्यथः | लयिष्यथ |
| लयिष्यामि | लयिष्यावः | लयिष्यामः |
| क्रि० अलयिष्यत् | अलयिष्यताम् | अलयिष्यन् |
| अलयिष्यः | अलयिष्यतम् | अलयिष्यत |
| अलयिष्यम् | अलयिष्याव | अलयिष्याम |

| | | |
|----------------|---------------|-------------------|
| व० माययति | माययतः | माययन्ति |
| माययसि | माययथः | माययथ |
| माययामि | माययावः | माययामः |
| स० माययेत् | माययेताम् | माययेयुः |
| माययेः | माययेतम् | माययेत |
| माययेयम् | माययेव | माययेम |
| प० माययतु | माययतात् | माययताम् माययन्तु |
| मायय | ” | माययतम् माययत |
| माययानि | माययाव | माययाम |
| ह्य० अमाययत् | अमाययताम् | अमाययन् |
| अमाययः | अमाययतम् | अमाययत |
| अमाययम् | अमाययाव | अमाययाम |
| अ० अमीमयत् | अमीमयताम् | अमीमयन् |
| अमीमयः | अमीमयतम् | अमीमयत |
| अमीमयम् | अमीमयाव | अमीमयाम |
| प० माययाञ्चकार | माययाञ्चक्रुः | माययाञ्चक्रुः |
| माययाञ्चकथं | माययाञ्चकथुः | माययाञ्चक |
| माययाञ्चकार-कर | माययाञ्चकृष्व | माययाञ्चकृम |
| माययाञ्चकृष्व | माययाञ्चकृम | माययाञ्चकृम |
| अ० माय्यात् | माय्यास्ताम् | माय्यासुः |
| माय्याः | माय्यास्तम् | माय्यास्त |
| माय्यासम् | माय्यास्व | माय्यास्म |
| भ्व० माययिता | माययितारौ | माययितारः |
| माययितासि | माययितास्थः | माययितास्थ |
| माययितास्मि | माययितास्वः | माययितास्मः |
| भ० माययिष्यति | माययिष्यतः | माययिष्यन्ति |
| माययिष्यसि | माययिष्यथः | माययिष्यथ |
| माययिष्यामि | माययिष्यावः | माययिष्यामः |
| अमाययिष्यत् | अमाययिष्यताम् | अमाययिष्यन् |
| अमाययिष्यः | अमाययिष्यतम् | अमाययिष्यत |
| अमाययिष्यम् | अमाययिष्याव | अमाययिष्याम |

॥ णिजभावे ॥

| | | |
|----------|---------|--------|
| ब० मयति | मयतः | मयन्ति |
| मयसि | मयथः | मयथ |
| मयामि | मयावः | मयामः |
| स० मयेत् | मयेताम् | मयेयुः |
| मयेः | मयेतम् | मयेत |
| मयेयम् | मयेव | मयेम |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० मयतु | मयतात् | मयताम् | मयन्तु |
| मय | „ | मयतम् | मयत |
| मयानि | मयाव | मयाम | |

| | | |
|----------|---------|-------|
| झ० अमयत् | अमयताम् | अमयन् |
| अमयः | अमयतम् | अमयत |
| अमयम् | अमयाव | अमयाम |

| | | |
|------------|-------------|-----------|
| अ० अमायीत् | अमायिष्टाम् | अमायिषुः |
| अमायीः | अमायिष्टम् | अमायिष्टि |
| अमायिषम् | अमायिष्व | अमायिष्म |

| | | |
|-------------|----------|---------|
| प० मिमाय | मिम्यतुः | मिम्युः |
| मिमयिथ | मिम्यथुः | मिम्य |
| मिमाय-मिम्य | मिम्यव | मिम्यम |

| | | |
|-----------|------------|---------|
| आ० मीयात् | मीयास्ताम् | मीयासुः |
| मीयाः | मीयास्तम् | मीयास्त |
| मीयासम् | मीयास्व | मीयास्म |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| श्व० मयिता | मयितारौ | मयितारः |
| मयितासि | मयितास्थः | मयितास्थ |
| मयितास्मि | मयितास्वः | मयितास्मः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० मयिष्यति | मयिष्यतः | मयिष्यन्ति |
| मयिष्यसि | मयिष्यथः | मयिष्यथ |
| मयिष्यामि | मयिष्यावः | मयिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अमयिष्यत् | अमयिष्यताम् | अमयिष्यन् |
| अमयिष्यः | अमयिष्यतम् | अमयिष्यत |
| अमयिष्यम् | अमयिष्याव | अमयिष्याम |

1945 प्रीगण् (प्री) तर्पणे 378

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| ब० प्रीणयति | प्रीणयतः | प्रीणयन्ति |
| प्रीणयसि | प्रीणयथः | प्रीणयथ |
| प्रीणयामि | प्रीणयावः | प्रीणयामः |
| स० प्रीणयेत् | प्रीणयेताम् | प्रीणयेयुः |
| प्रीणयेः | प्रीणयेतम् | प्रीणयेत |
| प्रीणयेयम् | प्रीणयेव | प्रीणयेम |

| | | | |
|-------------|------------|------------|------------|
| प० प्रीणयतु | प्रीणयतात् | प्रीणयताम् | प्रीणयन्तु |
| प्रीणय | „ | प्रीणयतम् | प्रीणयत |
| प्रीणयानि | प्रीणयाव | प्रीणयाम | |

| | | |
|--------------|-------------|-----------|
| झ० अप्रीणयत् | अप्रीणयताम् | अप्रीणयन् |
| अप्रीणयः | अप्रीणयतम् | अप्रीणयत |
| अप्रीणयम् | अप्रीणयाव | अप्रीणयाम |

| | | |
|---------------|--------------|------------|
| अ० अपिप्रिणत् | अपिप्रिणताम् | अपिप्रिणन् |
| अपिप्रिणः | अपिप्रिणतम् | अपिप्रिणत |
| अपिप्रिणम् | अपिप्रिणाव | अपिप्रिणाम |

| | | |
|--------------------|-----------------|---------------|
| प० प्रीणयाञ्चकार | प्रीणयाञ्चकृतुः | प्रीणयाञ्चकुः |
| प्रीणयाञ्चकर्त्तुः | प्रीणयाञ्चकथुः | प्रीणयाञ्चक |
| प्रीणयाञ्चकार-कर | प्रीणयाञ्चकृव | प्रीणयाञ्चकृम |
| प्रीणयाम्बभूव | । | प्रीणयामास |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० प्रीण्यात् | प्रीण्यास्ताम् | प्रीण्यासुः |
| प्रीण्योः | प्रीण्यास्तम् | प्रीण्यास्त |
| प्रीण्यासम् | प्रीण्यास्व | प्रीण्यास्म |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| श्व० प्रीणयिता | प्रीणयितारौ | प्रीणयितारः |
| प्रीणयितासि | प्रीणयितास्थः | प्रीणयितास्थ |
| प्रीणयितास्मि | प्रीणयितास्वः | प्रीणयितास्मः |

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| भ० प्रीणयिष्यति | प्रीणयिष्यतः | प्रीणयिष्यन्ति |
| प्रीणयिष्यसि | प्रीणयिष्यथः | प्रीणयिष्यथ |
| प्रीणयिष्यामि | प्रीणयिष्यावः | प्रीणयिष्यामः |

| | | |
|---------------|-----------------|---------------|
| अप्रीणयिष्यत् | अप्रीणयिष्यताम् | अप्रीणयिष्यन् |
| अप्रीणयिष्यः | अप्रीणयिष्यतम् | अप्रीणयिष्यत |
| अप्रीणयिष्यम् | अप्रीणयिष्याव | अप्रीणयिष्याम |

प्राययतीति केचित् ।

॥ णिजभावे ॥

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० प्रयति | प्रयतः | प्रयन्ति |
| प्रयसि | प्रयथः | प्रयथ |
| प्रयामि | प्रयावः | प्रयामः |
| स० प्रयेत् | प्रयेताम् | प्रयेयुः |
| प्रयेः | प्रयेतम् | प्रयेत |
| प्रयेयम् | प्रयेव | प्रयेम |
| प० प्रयतु | प्रयतात् | प्रयताम् |
| प्रय | ” | प्रयतम् |
| प्रयाणि | प्रयाव | प्रयाम |
| ह्य० अप्रयत् | अप्रयताम् | अप्रयन् |
| अप्रयः | अप्रयतम् | अप्रयत |
| अप्रयम् | अप्रयाव | अप्रयाम |
| अ० अप्रायीत् | अप्रायिष्टाम् | अप्रायिषुः |
| अप्रायीः | अप्रायिष्टम् | अप्रायिष्ट |
| अप्रायिषम् | अप्रायिष्व | अप्रायिष्व |
| प० पिप्राय | पिप्रियतुः | पिप्रियुः |
| पिप्रिबिथ | पिप्रियथुः | पिप्रिय |
| पिप्राय-पिप्रय | पिप्रियिष | पिप्रिबिम |
| आ० प्रीयात् | प्रीयास्ताम् | प्रीयासुः |
| प्रीयाः | प्रीयास्तम् | प्रीयास्त |
| प्रीयासम् | प्रीयास्व | प्रीयास्म |
| प्र० प्रयिता | प्रयितारौ | प्रयितारः |
| प्रयितासि | प्रयितास्थः | प्रयितास्थ |
| प्रयितास्मि | प्रयितास्वः | प्रयितास्मः |
| भ० प्रयिष्यति | प्रयिष्यतः | प्रयिष्यन्ति |
| प्रयिष्यसि | प्रयिष्यथः | प्रयिष्यथ |
| प्रयिष्यामि | प्रयिष्यावः | प्रयिष्यामः |
| क्रि० अप्रयिष्यत् | अप्रयिष्यताम् | अप्रयिष्यन् |
| अप्रयिष्यः | अप्रयिष्यतम् | अप्रयिष्यत |
| अप्रयिष्यम् | अप्रयिष्याव | अप्रयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० प्रयते | प्रयेतै | प्रयन्ते |
| प्रयसे | प्रयेथे | प्रयध्वे |
| प्रये | प्रयावहे | प्रयामहे |
| स० प्रयेत | प्रयेयाताम् | प्रयेरन् |
| प्रयेथाः | प्रयेयाथाम् | प्रयेध्वम् |
| प्रयेय | प्रयेवहि | प्रयेमहि |
| प० प्रयताम् | प्रयेताम् | प्रयन्ताम् |
| प्रयस्व | प्रयेथाम् | प्रयध्वम् |
| प्रयै | प्रयावहे | प्रयामहे |
| ह्य० अप्रयत | अप्रयेताम् | अप्रयन्त |
| अप्रयथाः | अप्रयेथाम् | अप्रयध्वम् |
| अप्रये | अप्रयावहि | अप्रयामहि |
| अ० अप्रयिष्ट | अप्रयिषाताम् | अप्रयिषत |
| अप्रयिष्टाः | अप्रयिषाथाम् | अप्रयिष्टुवम् |
| | | द्वम्—ध्वम् |
| अप्रयिषि | अप्रयिष्वहि | अप्रयिष्वमहि |
| प० पिप्रिये | पिप्रियाते | पिप्रियिरे |
| पिप्रियिषे | पिप्रियाथे | पिप्रियिद्वे |
| | | ध्वे |
| पिप्रिये | पिप्रियिवहे | पिप्रियिमहे |
| आ० प्रयिषीष्ट | प्रयिषीयास्ताम् | प्रयिषीरन् |
| प्रयिषीष्टाः | प्रयिषीयास्थाम् | प्रयिषीध्वम् |
| | | द्वम् |
| प्रयिषीय | प्रयिषीवहि | प्रयिषीमहि |
| प्र० प्रयिता | प्रयितारौ | प्रयितारः |
| प्रयितासे | प्रयितासाथे | प्रयिताध्वे |
| प्रयिताहे | प्रयितास्वहे | प्रयितास्महे |
| भ० प्रयिष्यते | प्रयिष्येते | प्रयिष्यन्ते |
| प्रयिष्यसे | प्रयिष्येथे | प्रयिष्यध्वे |
| प्रयिष्ये | प्रयिष्यावहे | प्रयिष्यामहे |
| क्रि० अप्रयिष्यत् | अप्रयिष्येताम् | अप्रयिष्यन् |
| अप्रयिष्यथाः | अप्रयिष्येशाम् | अप्रयिष्यध्वम् |
| अप्रयिष्ये | अप्रयिष्यावहि | अप्रयिष्यामहि |

॥ अथ रुदन्तः ॥

1946 धूण् (धू) कम्पने । 379

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| घ० धूनयति | धूनयतः | धूनयन्ति |
| धूनयसि | धूनयथः | धूनयथ |
| धूनयामि | धूनयावः | धूनयामः |
| स० धूनयेत् | धूनयेताम् | धूनयेयुः |
| धूनयेः | धूनयेतम् | धूनयेत |
| धूनयेयम् | धूनयेव | धूनयेम |
| प० धूनयतु | धूनयतात् | धूनयताम् |
| धूनय | धूनयतम् | धूनयत |
| धूनयानि | धूनयाव | धूनयाम |
| झ० अधूनयत् | अधूनयताम् | अधूनयन् |
| अधूनयः | अधूनयतम् | अधूनयत |
| अधूनयम् | अधूनयाव | अधूनयाम |
| अ० अदूधुनत् | अदूधुनताम् | अदूधुनन् |
| अदूधुनः | अदूधुनतम् | अदूधुनत |
| अदूधुनम् | अदूधुनाव | अदूधुनाम् |
| प० धूनयाञ्चकार | धूनयाञ्चक्रुः | धूनयाञ्चक्रुः |
| धूनयाञ्चकथ | धूनयाञ्चक्रुथुः | धूनयाञ्चक्रु |
| धूनयाञ्चकार कर | धूनयाञ्चक्रुव | धूनयाञ्चक्रुम् |
| धूनयाम्बभूव | धूनयामास | |
| आ० धून्यात् | धून्यास्ताम् | धून्यासुः |
| धून्याः | धून्यास्तम् | धून्यास्त |
| धून्यासम् | धून्यास्व | धून्यास्म |
| प्र० धूनयिता | धूनयितारौ | धूनयितारः |
| धूनयितासि | धूनयितास्थः | धूनयितास्थ |
| धूनयितास्मि | धूनयितास्वः | धूनयितास्मः |
| भ० धूनयिष्यति | धूनयिष्यतः | धूनयिष्यन्ति |
| धूनयिष्यसि | धूनयिष्यथः | धूनयिष्यथ |
| धूनयिष्यामि | धूनयिष्यावः | धूनयिष्यामः |
| क्रि० अधूनयिष्यत् | अधूनयिष्यताम् | अधूनयिष्यन् |
| अधूनयिष्यः | अधूनयिष्यतम् | अधूनयिष्यत |
| अधूनयिष्यम् | अधूनयिष्याव | अधूनयिष्याम |
| अधूनयिष्यन् | अधूनयिष्यन्ताम् | अधूनयिष्यन् |

॥ णिजभावे ॥

| | | |
|-----------------|-------------|--------------|
| घ० धवति | धवतः | धवन्ति |
| धवसि | धवथः | धवथ |
| धवामि | धवावः | धवामः |
| स० धवेत् | धवेताम् | धवेयुः |
| धवेः | धवेतम् | धवेत |
| धवेयम् | धवेव | धवेम |
| प० धवतु | धवतात् | धवताम् |
| धव | धवतम् | धवत |
| धवानि | धवाव | धवाम |
| झ० अधवत् | अधवताम् | अधवन् |
| अधवः | अधवतम् | अधवत |
| अधवम् | अधवाव | अधवाम |
| अ० अधावीत् | अधाविष्टाम् | अधाविषुः |
| अधावीः | अधाविष्टम् | अधाविष्ट |
| अधाविषम् | अधाविष्व | अधाविष्म |
| प० दुधाव | दुधुवतुः | दुधुवुः |
| दुधविथ | दुधुवथुः | दुधुव |
| दुधाव-दुधव | दुधुविथ | दुधुविम |
| आ० धूयात् | धूयास्ताम् | धूयासुः |
| धूयाः | धूयास्तम् | धूयास्त |
| धूयासम् | धूयास्व | धूयास्म |
| प्र० धविता | धवितारौ | धवितारः |
| धवितानि | धवितस्थः | धवितस्थ |
| धवितानि | धवितस्वः | धवितस्मः |
| धोता | धोतारौ | धोतारः इ० |
| भ० धविष्यति | धविष्यतः | धविष्यन्ति |
| धविष्यसि | धविष्यथः | धविष्यथ |
| धविष्यामि | धविष्यावः | धविष्यामः |
| धोष्यन्ति | धोष्यतः | धोष्यन्ति इ० |
| क्रि० अधविष्यत् | अधविष्यताम् | अधविष्यन् |
| अधविष्यः | अधविष्यतम् | अधविष्यत |
| अधविष्यम् | अधविष्याव | अधविष्याम |
| अधोष्यत् | अधोष्यताम् | अधोष्यन् इ० |

| | | |
|----------------|---------------|-------------------|
| व० धवते | धवेते | धवन्ते |
| धवसे | धवेथे | धवध्वे |
| धवे | धवावहे | धवामहे |
| स० धवेत | धवेयाताम् | धवेरन् |
| धवेथाः | धवेयाथाम् | धवेध्वम् |
| धवेय | धवेवहि | धवेमहि |
| प० धवताम् | धवेताम् | धवन्ताम् |
| धवस्व | धवेथाम् | धवध्वम् |
| धवे | धवावहे | धवामहे |
| झ० अधवत | अधवेताम् | अधवन्त |
| अधवथाः | अधवेथाम् | अधवध्वम् |
| अधवे | अधवावहि | अधवामहि |
| अ० अधविष्ट | अधविषाताम् | अधविषत |
| अधविष्टाः | अधविषाथाम् | अधविड्ढ्वम् |
| | | द्वम्-ध्वम् |
| अधविषि | अधविष्वहि | अधविष्महि |
| अधोष्ट | अधोषाताम् | अधोषत इत्यादि |
| प० दुधुवे | दुधुवाते | दुधुविरे |
| दुधुविषे | दुधुवाथे | दुधुविद्व-ध्वे |
| दुधुवे | दुधुविष्वहे | दुधुविमहे |
| आ० धविषीष्ट | धविषीयास्ताम् | धविषीरन् |
| धविषीष्टाः | धविषीयास्थाम् | धविषीद्वम्-ध्वम् |
| धविषीय | धविषीवहि | धविषीमहि |
| धोषीष्ट | धोषीयास्ताम् | धोषीरन् इत्यादि |
| श्व० धविता | धवितारौ | धवितारः |
| धवितासे | धवितासाथे | धविताध्वे |
| धविताहे | धवितास्वहे | धवितास्महे |
| धोता | धोतारौ | धातारः इत्यादि |
| भ० धविष्यते | धविष्येते | धविष्यन्ते |
| धविष्यसे | धविष्येथे | धविष्यध्वे |
| धविष्ये | धविष्यावहे | धविष्यामहे |
| धोष्यते | धोष्येते | धोष्यन्ते इत्यादि |
| क्रि० अधविष्यत | अधविष्येताम् | अधविष्यन्त |
| अधविष्यथाः | अधविष्येथाम् | अधविष्यध्वम् |
| अधविष्ये | अधविष्यावहि | अधविष्यामहि |
| अधोष्यत | अधोष्येताम् | अधोष्यन्त इत्यादि |

॥ अथ ऋदन्तः ॥

1947 वृगण् (वृ) आवरणे 380

| | | |
|----------------|---------------|-------------------|
| व० वारयति | वारयतः | वारयन्ति |
| वारयसि | वारयथः | वारयथ |
| वारयामि | वारयावः | वारयामः |
| स० वारयेत् | वारयेताम् | वारयेयुः |
| वारयेः | वारयेतम् | वारयेत |
| वारयेयम् | वारयेव | वारयेम |
| प० वारयतु | वारयतात् | वारयताम् वारयन्तु |
| वारय | वारयतम् | वारयत |
| वारयाणि | वारयाव | वारयाम |
| झ० अवारयत | अवारयताम् | अवारयन् |
| अवारयः | अवारयतम् | अवारयत |
| अवारयम् | अवारयाव | अवारयाम |
| अ० अवीवरत् | अवीवरताम् | अवीवरन् |
| अवीवरः | अवीवरतम् | अवीवरत |
| अवीवरम् | अवीवराव | अवीवराम |
| प० वारयाञ्चकार | वारयाञ्चकतुः | वारयाञ्चक्रुः |
| वारयाञ्चकथं | वारयाञ्चकथुः | वारयाञ्चक |
| वारयाञ्चकार-कर | वारयाञ्चकृव | वारयाञ्चकृम |
| | वारयाम्बभूव | वारयामास |
| आ० वार्यात् | वार्यास्ताम् | वार्यासुः |
| वार्याः | वार्यास्तम् | वार्यास्त |
| वार्यासन् | वार्यास्व | वार्यास्म |
| श्व० वारयिता | वारयितारौ | वारयितारः |
| वारयितासि | वारयितास्यः | वारयितास्थ |
| वारयितास्मि | वारयितास्वः | वारयितास्मः |
| भ० वारयिष्यति | वारयिष्यतः | वारयिष्यन्ति |
| वारयिष्यसि | वारयिष्यथः | वारयिष्यथ |
| वारयिष्यामि | वारयिष्यावः | वारयिष्यामः |
| अवारयिष्यत् | अवारयिष्यताम् | अवारयिष्यन् |
| अवारयिष्यः | अवारयिष्यतम् | अवारयिष्यत |
| अवारयिष्यम् | अवारयिष्यव | अवारयिष्याम |

॥ निजभावे ॥

| | | | |
|-------|-----------|--------------|--------------|
| ख० | घरति | घरतः | घरन्ति |
| | घरसि | घरथः | घरथ |
| | घरामि | घरावः | घरामः |
| स० | वरेत् | वरेताम् | वरेयुः |
| | वरेः | वरेतम् | वरेत |
| | वरेयम् | वरेव | वरेम |
| प० | घरतु | घरताम् | घरन्तु |
| | घर | घरतम् | घरत |
| | घराणि | घराव | घराम |
| छ० | अघरत् | अघरताम् | अघरन् |
| | अघरः | अघरतम् | अघरत |
| | अघरम् | अघराव | अघराम |
| अ० | अघारीत् | अघारिष्टाम् | अघारिषुः |
| | अघारीः | अघारिष्टम् | अघारिष्ट |
| | अघारिषम् | अघारिष्व | अघारिष्व |
| प० | वघार | वघातुः | वघः |
| | वघरिथ | वघथुः | वघ |
| | वघार | वघर | वघुव |
| आ० | त्रियात् | त्रियास्ताम् | त्रियासुः |
| | त्रियाः | त्रियास्तम् | त्रियास्त |
| | त्रियासम् | त्रियास्व | त्रियास्म |
| अ० | वरिता | वरितारौ | वरितारः |
| | वरितासि | वरितास्थः | वरितास्थ |
| | वरितास्मि | वरितास्वः | वरितास्मः |
| | वरीता | वरीतारौ | वरितारः इ० |
| भ० | वरिष्यति | वरिष्यतः | वरिष्यन्ति |
| | वरिष्यसि | वरिष्यथः | वरिष्यथ |
| | वरिष्यामि | वरिष्यावः | वरिष्यामः |
| | वरीता | वरीतारौ | वरितारः इ० |
| क्रि० | अवरिष्यत् | अवरिष्यताम् | अवरिष्यन् |
| | अवरिष्यः | अवरिष्यतम् | अवरिष्यत |
| | अवरिष्यम् | अवरिष्याव | अवरिष्याम |
| | अवरीष्यत् | अवरीष्यताम् | अवरीष्यन् इ० |
| व० | वरते | वरेते | वरन्ते |

| | | | |
|-------|------------|---------------|---------------|
| | वरसे | वरथे | वरध्वे |
| | वरे | वरावहे | वरामहे |
| स० | वरेत् | वरेयाताम् | वरेरन् |
| | वरेथाः | वरेयाथाम् | वरेष्वम् |
| | वरेय | वरेवहि | वरेमहि |
| प० | वरताम् | वरेताम् | वरन्ताम् |
| | वरस्व | वरेथाम् | वरध्वम् |
| | वरै | वरावहै | वरामहै |
| छ० | अघरत् | अघरेताम् | अघरन्त |
| | अघरथाः | अघरेथाम् | अघरध्वम् |
| | अघरे | अघरावहि | अघरामहि |
| अ० | अघरिष्ट | अघरिषाताम् | अघरिषत |
| | अघरिष्ठाः | अघरिषाथाम् | अघरिष्ट्वम् |
| | | | द्वम्-ध्वम् |
| | अघरिषि | अघरिष्वहि | अघरिष्वमहि |
| | अघरीष्ट | अघरीषाताम् | अघरीषत इ० |
| | अघृत | अघृषाताम् | अघृत इ० |
| प० | वघ्रे | वघ्राते | वघ्रिरे |
| | वघ्रुषे | वघ्राथे | वघ्रुःवे |
| | वघ्रे | वघ्रवहे | वघ्रमहे |
| आ० | वरिषीष्ट | वरिषीयास्ताम् | वरिषीरन् |
| | वरिषीष्ठाः | वरिषीयास्याम् | वरिषी वम् |
| | | | वरिषीध्वम् |
| | वरिषीय | वरिषीवहि | वरिषीमहि |
| | वृषीष्ट | वृषीयास्ताम् | वृषीरन् इ० |
| अ० | वरिता | वरितारौ | वरितारः |
| | वरितासे | वरितासथे | वरिताध्वे |
| | वरिताहे | वरितास्वहे | वरितास्वहे |
| | वरीता | वरीतारौ | वरितारः इ० |
| भ० | वरिष्यते | वरिष्येते | वरिष्यन्ते |
| | वरिष्यसे | वरिष्येथे | वरिष्यध्वे |
| | वरिष्ये | वरिष्यावहे | वरिष्यामहे |
| | वरीष्यते | वरीष्येते | वरीष्यन्ते इ० |
| क्रि० | अवरिष्यत | अवरिष्येताम् | अवरिष्यन्त |
| | अवरिष्यथाः | अवरिष्येथाम् | अवरिष्यध्वम् |
| | अवरिष्ये | अवरिष्यावहि | अवरिष्यामहि |
| | अवरीष्यत | अवरीष्येताम् | अवरीष्यन्त इ० |

॥ अथ कान्तौ ॥

1949 चीकण् (चीक्) आमर्षणे 382

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| व० चीकयति | चीकयतः | चीकयन्ति |
| चीकयसि | चीकयथः | चीकयथ |
| चीकयामि | चीकयावः | चीकयामः |
| स० चीकयेत् | चीकयेताम् | चीकयेयुः |
| चीकयेः | चीकयेतम् | चीकयेत |
| चीकयेयम् | चीकयेव | चीकयेम |
| प० चीकयतु | चीकयतात् | चीकयताम् |
| चीकय | चीकयतम् | चीकयत |
| चीकयानि | चीकयाव | चीकयाम |
| ह्य० अचीकयत् | अचीकयताम् | अचीकयन् |
| अचीकयः | अचीकयतम् | अचीकयत |
| अचीकयम् | अचीकयाव | अचीकयाम |
| अ० अचीचिक्त् | अचीचिकताम् | अचीचिकन् |
| अचीचिकः | अचीचिकतम् | अचीचिकत |
| अचीचिकम् | अचीचिकाव | अचीचिकाम |
| प० चीकयाञ्चकार | चीकयाञ्चक्रुः | चीकयाञ्चक्रुः |
| चीकयाञ्चकथं | चीकयाञ्चकथुः | चीकयाञ्चक |
| चीकयाञ्चकार-कर | चीकयाञ्चकृव | चीकयाञ्चकृम |
| चीकयाम्बभूव | चीकयामास | |
| आ० चीकयात् | चीकयास्ताम् | चीकयासुः |
| चीकयाः | चीकयास्तम् | चीकयास्त |
| चीकयासम् | चीकयास्व | चीकयासम् |
| श्व० चीकयिता | चीकयितारौ | चीकयितारः |
| चीकयितासि | चीकयितास्थः | चीकयितास्थ |
| चीकयितास्मि | चीकयितास्वः | चीकयितास्मः |
| भ० चीकयिष्यति | चीकयिष्यतः | चीकयिष्यन्ति |
| चीकयिष्यसि | चीकयिष्यथः | चीकयिष्यथ |
| चीकयिष्यामि | चीकयिष्यावः | चीकयिष्यामः |
| अचीकयिष्यत् | अचीकयिष्यताम् | अचीकयिष्यन् |
| अचीकयिष्यः | अचीकयिष्यतम् | अचीकयिष्यत |
| अचीकयिष्यम् | अचीकयिष्याव | अचीकयिष्याम |

॥ णिजभावे ॥

| | | |
|----------------|--------------|-------------|
| व० चीकति | चीकतः | चीकन्ति |
| चीकसि | चीकथः | चीकथ |
| चीकामि | चीकावः | चीकामः |
| स० चीकेत् | चीकेनाम् | चीकेयुः |
| चीकेः | चीकेतम् | चीकेत |
| चीकेयम् | चीकेव | चीकेम |
| प० चीकतु | चीकतात् | चीकताम् |
| चीक | चीकतम् | चीकत |
| चीकानि | चीकाव | चीकाम |
| ह्य० अचीकत् | अचीकताम् | अचीकन् |
| अचीकः | अचीकतम् | अचीकत |
| अचीकम् | अचीकाव | अचीकाम |
| अ० अचीकीत् | अचीकिशम् | अचीकिषुः |
| अचीकीः | अचीकिष्टम् | अचीकिष्ट |
| अचीकिषम् | अचीकिष्व | अचीकिष्म |
| प० चिचीक | चिचीकतुः | चिचीकुः |
| चिचीकथि | चिचीकथुः | चिचीक |
| चिचीक | चिचीकिव | चिचीकिम |
| आ० चीकयात् | चीकयास्ताम् | चीकयासुः |
| चीकयाः | चीकयास्तम् | चीकयास्त |
| चीकयासम् | चीकयास्व | चीकयासम् |
| श्व० चीकिता | चीकितारौ | चीकितारः |
| चीकितासि | चीकितास्थः | चीकितास्थ |
| चीकितास्मि | चीकितास्वः | चीकितास्मः |
| भ० चीकिष्यति | चीकिष्यतः | चीकिष्यन्ति |
| चीकिष्यसि | चीकिष्यथः | चीकिष्यथ |
| चीकिष्यामि | चीकिष्यावः | चीकिष्यामः |
| कि० अचीकिष्यत् | अचीकिष्यताम् | अचीकिष्यन् |
| अचीकिष्यः | अचीकिष्यतम् | अचीकिष्यत |
| अचीकिष्यम् | अचीकिष्याव | अचीकिष्याम |

1950 शीकण (शीक्) आमर्षणे 383

व० शीकयति शीकयतः शीकयन्ति
शीकयसि शीकयथः शीकयथ
शीकयामि शीकयावः शीकयामः

स० शीकयेत् शीकयेताम् शीकयेयुः
शीकयेः शीकयेतम् शीकयेत
शीकयेयम् शीकयेथ शीकयेम

प० शीकयतु तात् शीकयनाम् शीकयन्तु
शीकय , शीकयतम् शीकयत
शीकयानि शीकयाव शीकयाम

झ० अशीकयत् अशीकयताम् अशीकयन्
अशीकयः अशीकयतम् अशीकयत
अशीकयम् अशीकयाव अशीकयाम

अ० अशीशिकत् अशीशिकताम् अशीशिकन्
अशीशिकः अशीशिकतम् अशीशिकत
अशीशिकम् अशीशिकाव अशीशिकाम

शीकयाञ्चकार शीकयाञ्चकतुः शीकयाञ्चकुः
शीकयाञ्चकथ शीकयाञ्चकथुः शीकयाञ्चक
शीकयाञ्चकार कर शीकयाञ्चकृव याञ्चकृम

शीकयाम्बभूव । शीकयामास

आ० शीकयात् शीकयास्ताम् शीकयासुः
शीकयाः शीकयास्तम् शीकयास्त
शीकयासम् शीकयास्व शीकयास्म

प्रव० शीकयिता शीकयितारौ शीकयितारः
शीकयितासि शीकयितास्यः शीकयितास्य
शीकयितास्मि शीकयितास्वः शीकयितास्मः

भ० शीकयिष्यति शीकयिष्यतः शीकयिष्यन्ति
शीकयिष्यसि शीकयिष्यथः शीकयिष्यथ
शीकयिष्यामि शीकयिष्यावः शीकयिष्यामः

अशीकयिष्यत् अशीकयिष्यताम् अशीकयिष्यन्
अशीकयिष्यः अशीकयिष्यतम् अशीकयिष्यत
अशीकयिष्यम् अशीकयिष्याव अशीकयिष्याम

व० शीकति शीकतः शीकन्ति
शीकसि शीकथः शीकथ
शीकामि शीकावः शीकामः

स० शीकेत् शीकेताम् शीकेयुः
शीकेः शीकेतम् शीकेत
शीकेयम् शीकेव शीकेम

प० शीकतु शीकताम् शीकन्तु
शीक , शीकतम् शीकत
शीकानि शीकाव शीकाम

झ० अशीकत् अशीकताम् अशीकन्
अशीकः अशीकतम् अशीकत
अशीकम् अशीकाव अशीकाम

अ० अशीकीत् अशीकिष्टाम् अशीकिषुः
अशीकीः अशीकिष्टम् अशीकिष्ट
अशीकिषम् अशीकिष्व अशीकिष्म

प० शिशोक शिशोकतुः शिशोकुः
शिशोकिष्य शिशोकथुः शिशोक
शिशोक शिशोकिष्य शिशोकिम

आ० शीकयात् शीकयास्ताम् शीकयासुः
शीकयाः शीकयास्तम् शीकयास्त
शीकयासम् शीकयास्व शीकयास्म

प्रव० शीकिता शीकितारौ शीकितारः
शीकितासि शीकितास्यः शीकितास्य
शीकितास्मि शीकितास्वः शीकितास्मः

भ० शीकिष्यति शीकिष्यतः शीकिष्यन्ति
शीकिष्यसि शीकिष्यथः शीकिष्यथ
शीकिष्यामि शीकिष्यावः शीकिष्यामः

कि० अशीकिष्यत् अशीकिष्यताम् अशीकिष्यन्
अशीकिष्यः अशीकिष्यतम् अशीकिष्यत
अशीकिष्यम् अशीकिष्याव अशीकिष्याम

॥ अथ गान्तः ॥

1951 मार्गण् (मार्ग) अन्वेषणे 384

| | | | |
|------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | मार्गयति | मार्गयतः | मार्गयन्ति |
| | मार्गयसि | मार्गयथः | मार्गयथ |
| | मार्गयामि | मार्गयावः | मार्गयामः |
| स० | मार्गयेत् | मार्गयेताम् | मार्गयेयुः |
| | मार्गयेः | मार्गयेतम् | मार्गयेत |
| | मार्गयेयम् | मार्गयेव | मार्गयेम |
| प० | मार्गयतु | तात् | मार्गयताम् |
| | मार्गय | ” | मार्गयतम् |
| | मार्गयाणि | मार्गयाव | मार्गयाम |
| झ० | अमार्गयत् | अमार्गयताम् | अमार्गयन् |
| | अमार्गयः | अमार्गयतम् | अमार्गयत |
| | अमार्गयम् | अमार्गयाव | अमार्गयाम |
| अ० | अममार्गत् | अममार्गताम् | अममार्गन् |
| | अममार्गः | अममार्गतम् | अममार्गत |
| | अममार्गम् | अममार्गाव | अममार्गाम |
| प० | मार्गयाञ्चकार | मार्गयाञ्चक्रुः | याञ्चक्रुः |
| | मार्गयाञ्चकथ | मार्गयाञ्चकथुः | याञ्चक |
| | मार्गयाञ्चकार-कर | मार्गयाञ्चकृव | मार्ग- |
| | याञ्चकृम | मार्गयाञ्चभूव | । मार्गयामास |
| आ० | मार्ग्यात् | मार्ग्यास्ताम् | मार्ग्यासुः |
| | मार्ग्याः | मार्ग्यास्तम् | मार्ग्यास्त |
| | मार्ग्यासम् | मार्ग्यास्व | मार्ग्यास्म |
| श्व० | मार्गयिता | मार्गयितारौ | मार्गयितारः |
| | मार्गयितासि | मार्गयितास्थः | मार्गयितास्थ |
| | मार्गयितास्मि | मार्गयितास्वः | मार्गयितास्मः |
| भ० | मार्गयिष्यति | मार्गयिष्यतः | मार्गयिष्यन्ति |
| | मार्गयिष्यसि | मार्गयिष्यथः | मार्गयिष्यथ |
| | मार्गयिष्यामि | मार्गयिष्यावः | मार्गयिष्यामः |
| | अमार्गयिष्यत् | अमार्गयिष्यताम् | अमार्गयिष्यन् |
| | अमार्गयिष्यः | अमार्गयिष्यतम् | अमार्गयिष्यत |
| | अमार्गयिष्यम् | अमार्गयिष्याव | अमार्गयिष्याम |

॥ गिजभावे ॥

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| व० | मार्गति | मार्गतः | मार्गन्ति |
| | मार्गसि | मार्गथः | मार्गथ |
| | मार्गमि | मार्गवः | मार्गामः |
| स० | मार्गेत् | मार्गेताम् | मार्गेयुः |
| | मार्गेः | मार्गेतम् | मार्गेत |
| | मार्गेयम् | मार्गेव | मार्गेम |
| प० | मार्गत् | मार्गतात् | मार्गताम् |
| | मार्ग | ” | मार्गतम् |
| | मार्गणि | मार्गव | मार्गाम |
| झ० | अमार्गत् | अमार्गताम् | अमार्गन् |
| | अमार्गः | अमार्गतम् | अमार्गत |
| | अमार्गम् | अमार्गव | अमार्गाम |
| अ० | अमार्गेत् | अमार्गेष्टाम् | अमार्गेष्टुः |
| | अमार्गेः | अमार्गेष्टम् | अमार्गेष्ट |
| | अमार्गेयम् | अमार्गेव | अमार्गेम |
| प० | ममार्ग | ममार्गत् | ममार्गुः |
| | ममार्गिथ | ममार्गथुः | ममार्ग |
| | ममार्ग | ममार्गव | ममार्गाम |
| आ० | मार्ग्यात् | मार्ग्यास्ताम् | मार्ग्यासुः |
| | मार्ग्याः | मार्ग्यास्तम् | मार्ग्यास्त |
| | मार्ग्यासम् | मार्ग्यास्व | मार्ग्यास्म |
| श्व० | मार्गिता | मार्गितारौ | मार्गितारः |
| | मार्गितासि | मार्गितास्थः | मार्गितास्थ |
| | मार्गितास्मि | मार्गितास्वः | मार्गितास्मः |
| भ० | मार्गिष्यति | मार्गिष्यतः | मार्गिष्यन्ति |
| | मार्गिष्यसि | मार्गिष्यथः | मार्गिष्यथ |
| | मार्गिष्यामि | मार्गिष्यावः | मार्गिष्यामः |
| क्रि० | अमार्गिष्यत् | अमार्गिष्यताम् | अमार्गिष्यन् |
| | अमार्गिष्यः | अमार्गिष्यतम् | अमार्गिष्यत |
| | अमार्गिष्यम् | अमार्गिष्याव | अमार्गिष्याम |

॥ अथ चान्ताश्चत्वारः ॥

1952 पृचण् (पृच्) सम्पर्चने । 386

| | | | |
|----|-----------------|-----------------|----------------|
| व० | पर्चयति | पर्चयतः | पर्चयन्ति |
| | पर्चयसि | पर्चयथः | पर्चयथ |
| | पर्चयामि | पर्चयावः | पर्चयामः |
| स० | पर्चयेत् | पर्चयेताम् | पर्चयेयुः |
| | पर्चयेः | पर्चयेतम् | पर्चयेत |
| | पर्चयेयम् | पर्चयेव | पर्चयेमः |
| प० | पर्चयतु | पर्चयतात् | पर्चयताम् |
| | पर्चय | पर्चयतात् | पर्चयतम् |
| | पर्चयानि | पर्चयाव | पर्चयाम |
| झ० | अपर्चयत् | अपर्चयताम् | अपर्चयन् |
| | अपर्चयः | अपर्चयतम् | अपर्चयत |
| | अपर्चयम् | अपर्चयाव | अपर्चयाम |
| अ० | अपीपृचत् | अपीपृचताम् | अपीपृचन् |
| | अपीपृचः | अपीपृचतम् | अपीपृचत |
| | अपीपृचम् | अपीपृचाव | अपीपृचाम |
| | अपपर्चत् | अपपर्चताम् | अपपर्चन् इ० |
| | पर्चयाञ्चकार | पर्चयाञ्चक्रतुः | पर्चयाञ्चक्रुः |
| | पर्चयाञ्चकथ | पर्चयाञ्चकथुः | पर्चयाञ्चकृ |
| | पर्चयाञ्चकार कर | पर्चयाञ्चकृव | पर्चयाञ्चकृम |

पर्चयाम्बभूव । पर्चयामास ।

| | | | |
|------|--------------|--------------|---------------|
| आ० | पृच्यात् | पृच्यास्ताम् | पृच्यासुः |
| | पृच्याः | पृच्यास्तम् | पृच्यास्त |
| | पृच्यासम् | पृच्यास्व | पृच्यास्म |
| श्व० | पर्वयिता | पर्वयितारौ | पर्वयितारः |
| | पर्वयितासि | पर्वयितास्थः | पर्वयितास्थ |
| | पर्वयितास्मि | पर्वयितास्वः | पर्वयितास्मः |
| भ० | पर्वयिष्यति | पर्वयिष्यतः | पर्वयिष्यन्ति |
| | पर्वयिष्यसि | पर्वयिष्यथः | पर्वयिष्यथ |
| | पर्वयिष्यामि | पर्वयिष्यावः | पर्वयिष्यामः |

| | | |
|--------------|----------------|--------------|
| अपर्वयिष्यत् | अपर्वयिष्यताम् | अपर्वयिष्यन् |
| अपर्वयिष्यः | अपर्वयिष्यतम् | अपर्वयिष्यत |
| अपर्वयिष्यम् | अपर्वयिष्याव | अपर्वयिष्याम |

॥ णिजभावे ॥

| | | | |
|------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | पर्चति | पर्चतः | पर्चन्ति |
| | पर्चसि | पर्चथः | पर्चथ |
| | पर्चामि | पर्चावः | पर्चामः |
| स० | पर्चेत् | पर्चेताम् | पर्चेयुः |
| | पर्चेः | पर्चेतम् | पर्चेत |
| | पर्चेयम् | पर्चेव | पर्चेमः |
| प० | पर्चतु-पर्चतात् | पर्चताम् | पर्चन्तु |
| | पर्च | पर्चतम् | पर्चत |
| | पर्चानि | पर्चाव | पर्चाम |
| झ० | अपर्चत् | अपर्चताम् | अपर्चन् |
| | अपर्चः | अपर्चतम् | अपर्चत |
| | अपर्चम् | अपर्चाव | अपर्चाम |
| आ० | अपर्चीत् | अपर्चिष्टाम् | अपर्चिषुः |
| | अपर्चीः | अपर्चिष्टम् | अपर्चिष्ट |
| | अपर्चिषम् | अपर्चिष्व | अपर्चिषम |
| प० | पपर्च | पपृचतुः | पपृचुः |
| | पपर्चिथ | पपृचथुः | पपृच |
| | पपर्च | पपृचिव | पपृचिम |
| आ० | पृच्यात् | पृच्यास्ताम् | पृच्यासुः |
| | पृच्याः | पृच्यास्तम् | पृच्यास्त |
| | पृच्यासम् | पृच्यास्व | पृच्यास्म |
| श्व० | पर्विता | पर्वितारौ | पर्वितारः |
| | पर्वितासि | पर्वितास्थः | पर्वितास्थ |
| | पर्वितास्मि | पर्वितास्वः | पर्वितास्मः |
| भ० | पर्विष्यति | पर्विष्यतः | पर्विष्यन्ति |
| | पर्विष्यसि | पर्विष्यथः | पर्विष्यथ |
| | पर्विष्यामि | पर्विष्यावः | पर्विष्यामः |
| कि० | अपर्विष्यत् | अपर्विष्यताम् | अपर्विष्यन् |
| | अपर्विष्यः | अपर्विष्यतम् | अपर्विष्यत |
| | अपर्विष्यम् | अपर्विष्याव | अपर्विष्याम |

1953 रिचण् (रिच्) वियोजने 386

| | | | |
|-------|--------------------------|---------------|--------------|
| ख० | रेचयति | रेचयतः | रेचयन्ति |
| | रेचयसि | रेचयथः | रेचयथ |
| | रेचयामि | रेचयावः | रेचयामः |
| स० | रेचयेत् | रेचयेताम् | रेचयेयुः |
| | रेचयेः | रेचयेतम् | रेचयेत |
| | रेचयेयम् | रेचयेव | रेचयेम |
| प० | रेचयतु | रेचयतात् | रेचयताम् |
| | रेचय | रेचयतात् | रेचयतम् |
| | रेचयानि | रेचयाव | रेचयाम |
| झ० | अरेचयत् | अरेचयताम् | अरेचयन् |
| | अरेचयः | अरेचयतम् | अरेचयत |
| | अरेचयम् | अरेचयाव | अरेचयाम |
| ञ० | अरीरिचत् | अरीरिचताम् | अरीरिचन् |
| | अरीरिचः | अरीरिचतम् | अरीरिचत |
| | अरीरिचम् | अरीरिचाव | अरीरिचाम |
| प० | रेचयाञ्चकार | रेचयाञ्चकतुः | रेचयाञ्चकुः |
| | रेचयाञ्चकथं | रेचयाञ्चकथुः | रेचयाञ्चक |
| | रेचयाञ्चकार, कर | रेचयाञ्चकृष | रेचयाञ्चकृम |
| | रेचयाम्बभूव । रेचयामास । | | |
| आ० | रेच्यात् | रेच्यास्ताम् | रेच्यासुः |
| | रेच्याः | रेच्यास्तम् | रेच्यास्त |
| | रेच्यासम् | रेच्यास्व | रेच्यास्म |
| भ० | रेचयिता | रेचयितारौ | रेचयितारः |
| | रेचयितासि | रेचयितास्थः | रेचयितास्थ |
| | रेचयितास्मि | रेचयितास्वः | रेचयितास्म |
| भ० | रेचयिष्यति | रेचयिष्यतः | रेचयिष्यन्ति |
| | रेचयिष्यसि | रेचयिष्यथः | रेचयिष्यथ |
| | रेचयिष्यामि | रेचयिष्यावः | रेचयिष्यामः |
| क्रि० | अरेचयिष्यत् | अरेचयिष्यताम् | अरेचयिष्यन् |
| | अरेचयिष्यः | अरेचयिष्यतम् | अरेचयिष्यत |
| | अरेचयिष्यम् | अरेचयिष्यावः | अरेचयिष्याम |

॥ णिजभावे ॥

| | | | |
|-------|---------------|--------------|-------------|
| ख० | रेवति | रेवतः | रेवन्ति |
| | रेवसि | रेवथः | रेवथ |
| | रेवामि | रेवावः | रेवामः |
| स० | रेचेत् | रेचेताम् | रेचेयुः |
| | रेचेः | रेचेतम् | रेचेत |
| | रेचेयम् | रेचेव | रेचेम |
| प० | रेचतु-रेचतात् | रेचताम् | रेचन्तु |
| | रेच | रेचतम् | रेचत |
| | रेचानि | रेचाव | रेचाम |
| झ० | अरेवत् | अरेवताम् | अरेचन् |
| | अरेवः | अरेवतम् | अरेचत |
| | अरेवम् | अरेवाव | अरेचाम |
| आ० | अरेचीत् | अरेचिष्टाम् | अरेचिषुः |
| | अरेचीः | अरेचिष्टम् | अरेचिष्ट |
| | अरेचिषम् | अरेचिष्व | अरेचिष्म |
| प० | रिरेच | रिरिचतः | रिगिचुः |
| | रिरेचिथ | रिरिचथुः | गिरिच |
| | रिरेच | रिरिचिथ | रिरिचिम |
| आ० | रिच्यात् | रिच्यास्ताम् | रिच्यासुः |
| | रिच्याः | रिच्यास्तम् | रिच्यास्त |
| | रिच्यासम् | रिच्यास्व | रिच्यास्म |
| भ० | रेचिता | रेचितारौ | रेचितारः |
| | रेचितासि | रेचितास्थः | रेचितास्थ |
| | रेचितास्मि | रेचितास्वः | रेचितास्म |
| भ० | रेचिष्यति | रेचिष्यतः | रेचिष्यन्ति |
| | रेचिष्यसि | रेचिष्यथः | रेचिष्यथ |
| | रेचिष्यामि | रेचिष्यावः | रेचिष्यामः |
| क्रि० | अरेचिष्यत् | अरेचिष्यताम् | अरेचिष्यन् |
| | अरेचिष्यः | अरेचिष्यतम् | अरेचिष्यत |
| | अरेचिष्यम् | अरेचिष्याव | अरेचिष्याम |

1955 अर्चिण् अर्च (पूजायाम् 388

| | | |
|------------------|---------------------|---------------|
| व० अर्चयति | अर्चयतः | अर्चयन्ति |
| अर्चयसि | अर्चयथः | अर्चयथ |
| अर्चयामि | अर्चयावः | अर्चयामः |
| स० अर्चयेत् | अर्चयेताम् | अर्चयेयुः |
| अर्चयेः | अर्चयेतम् | अर्चयेत् |
| अर्चयेयम् | अर्चयेव | अर्चयेम |
| प० अर्चयतु | तात् अर्चयताम् | अर्चयन्तु |
| अर्चय | अर्चयतम् | अर्चयत |
| अर्चयानि | अर्चयाव | अर्चयाम |
| झ० आर्चयत् | आर्चयताम् | आर्चयन् |
| आर्चयः | आर्चयतम् | आर्चयत |
| आर्चयम् | आर्चयाव | आर्चयाम |
| अ० आर्चिचत् | आर्चिचताम् | आर्चिचन् |
| आर्चिचः | आर्चिचतम् | आर्चिचत |
| आर्चिचम् | आर्चिचाव | आर्चिचाम |
| प० अर्चयाञ्चकार | अर्चयाञ्चकतुः | अर्चयाञ्चकुः |
| अर्चयाञ्चकथं | अर्चयाञ्चकथुः | अर्चयाञ्चक |
| अर्चयाञ्चकार चकर | अर्चयाञ्चकथयाञ्चकम् | |
| अर्चयाम्बभूव । | अर्चयामात | |
| आ० अर्चयति | अर्चयताम् | अर्चयसुः |
| अर्चयः | अर्चयतम् | अर्चयस्त |
| अर्चयतम् | अर्चयस्व | अर्चयस्मि |
| प्रव० अर्चयिता | अर्चयितारौ | अर्चयितारः |
| अर्चयितासि | अर्चयितास्यः | अर्चयितास्य |
| अर्चयितास्मि | अर्चयितास्वः | अर्चयितास्मः |
| भ० अर्चयिष्यति | अर्चयिष्यतः | अर्चयिष्यन्ति |
| अर्चयिष्यसि | अर्चयिष्यथः | अर्चयिष्यथ |
| अर्चयिष्यामि | अर्चयिष्यावः | अर्चयिष्यामः |
| आर्चयिष्यत् | आर्चयिष्यताम् | आर्चयिष्यन् |
| आर्चयिष्यः | आर्चयिष्यतम् | आर्चयिष्यत |
| आर्चयिष्यम् | आर्चयिष्याव | आर्चयिष्याम |

॥ णिजभावे ॥

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| व० अर्चते | अर्चते | अर्चन्ते |
| अर्चसे | अर्चथे | अर्चध्वे |
| अर्चं | अर्चावहे | अर्चामहे |
| स० अर्चत | अर्चयाताम् | अर्चरन् |
| अर्चथाः | अर्चयाथाम् | अर्चध्वम् |
| अर्चय | अर्चावहि | अर्चामहि |
| प० अर्चताम् | अर्चताम् | अर्चन्ताम् |
| अर्चस्व | अर्चथाम् | अर्चध्वम् |
| अर्चं | अर्चावहे | अर्चामहे |
| झ० आर्चत | आर्चताम् | आर्चन्त |
| आर्चथाः | आर्चथाम् | आर्चध्वम् |
| आर्चं | आर्चावहि | आर्चामहि |
| अ० आर्चिष्ट | आर्चिषाताम् | आर्चिषत |
| आर्चिष्टाः | आर्चिषाथाम् | आर्चिष्टध्वम् |
| आर्चिषि | आर्चिषवहि | आर्चिषमहि |
| प० आनर्चं | आनर्चते | आनर्चन्ते |
| आनर्चिषे | आनर्चथे | आनर्चध्वे |
| आनर्चं | आनर्चावहे | आनर्चामहे |
| आ० अर्चिषीष्ट | अर्चिषीयाताम् | अर्चिषीरन् |
| अर्चिषीष्टाः | अर्चिषीयाथाम् | अर्चिषीध्वम् |
| अर्चिषीय | अर्चिषीवहि | अर्चिषीमहि |
| प्रव० अर्चिता | अर्चितारौ | अर्चितारः |
| अर्चितासे | अर्चितास्ये | अर्चिताध्वे |
| अर्चिताहे | अर्चितास्वहे | अर्चितास्महे |
| भ० अर्चिष्यते | अर्चिष्येते | अर्चिष्यन्ते |
| अर्चिष्यसे | अर्चिष्येथे | अर्चिष्यध्वे |
| अर्चिष्ये | अर्चिष्यावहे | अर्चिष्यामहे |
| क्रि० आर्चिष्यत | आर्चिष्येताम् | आर्चिष्यन्त |
| आर्चिष्यथाः | आर्चिष्येथाम् | आर्चिष्यध्वम् |
| आर्चिष्ये | आर्चिष्यावहि | आर्चिष्यामहि |

1954 वचण् (वच्) भाषणे । 387

॥ णिजभावे ॥

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० वाचयति | वाचयतः | वाचयन्ति |
| वाचयसि | वाचयथः | वाचयथ |
| वाचयामि | वाचयावः | वाचयामः |
| ल० वाचयेत् | वाचयेताम् | वाचयेयुः |
| वाचयेः | वाचयेतम् | वाचयेत |
| वाचयेयम् | वाचयेव | वाचयेम |

| | | |
|----------|---------|--------|
| व० वचति | वचतः | वचन्ति |
| वचसि | वचथः | वचथ |
| वचामि | वचावः | वचामः |
| ल० वचेत् | वचेताम् | वचेयुः |
| वचेः | वचेतम् | वचेत |
| वचेयम् | वचेव | वचेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० वाचयतु | वाचयतात् | वाचयताम् | वाचयन्तु |
| वाचय | वाचयतम् | वाचयत | |
| वाचयानि | वाचयाव | वाचयाम | |

| | | | |
|---------|--------|--------|--------|
| प० वचतु | वचतात् | वचताम् | वचन्तु |
| वच | वचतम् | वचत | |
| वचानि | वचाव | वचाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अवाचयत् | अवाचयताम् | अवाचयन् |
| अवाचयः | अवाचयतम् | अवाचयत |
| अवाचयम् | अवाचयाव | अवाचयाम |

| | | |
|----------|---------|-------|
| झ० अवचत् | अवचताम् | अवचन् |
| अवचः | अवचतम् | अवचत |
| अवचम् | अवचाव | अवचाम |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| अ० अवीवचत् | अवीवचताम् | अवीवचन् |
| अवीवचः | अवीवचतम् | अवीवचत |
| अवीवचम् | अवीवचाव | अवीवचाम |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| अ० अवाचीत् | अवाचिष्टाम् | अवाचिषुः |
| अवाचीः | अवाचिष्टम् | अवाचिष्ट |
| अवाचिषम् | अवाचिष्व | अवाचिष्म |

वाचयाञ्चकार वाचयाञ्चक्रतुः वाचयाञ्चकुः
वाचयाञ्चकर्तुः वाचयाञ्चक्रथुः वाचयाञ्चक्र
वाचयाञ्चकारचक्र वाचयाञ्चक्रवयाञ्चकृम

| | | |
|---------|--------|-------|
| प० ववाच | ववचतुः | ववचुः |
| ववचिथ | ववचथुः | ववच |
| ववाच | ववच | ववचिष |

वाचयाञ्चभूव । वाचयामास

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० वाच्यात् | वाच्यास्ताम् | वाच्यासुः |
| वाच्याः | वाच्यास्तम् | वाच्यास्त |
| वाच्यासम् | वाच्यास्व | वाच्यास्म |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० वच्यात् | वच्यास्ताम् | वच्यासुः |
| वच्याः | वच्यास्तम् | वच्यास्त |
| वच्यासम् | वच्यास्व | वच्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| प्र० वाचयिता | वाचयितारौ | वाचयितारः |
| वाचयितासि | वाचयितास्थः | वाचयितास्थ |
| वाचयितास्मि | वाचयितास्वः | वाचयितास्म |

| | | |
|------------|------------|----------|
| प्र० वचिता | वचितारौ | वचितारः |
| वचितासि | वचितास्थाः | वचितास्थ |
| वचितास्मि | वचितास्वः | वचितास्म |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० वाचयिष्यति | वाचयिष्यतः | वाचयिष्यन्ति |
| वाचयिष्यसि | वाचयिष्यथः | वाचयिष्यथ |
| वाचयिष्यामि | वाचयिष्यावः | वाचयिष्यामः |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| भ० वचिष्यति | वचिष्यतः | वचिष्यन्ति |
| वचिष्यसि | वचिष्यथः | वचिष्यथ |
| वचिष्यामि | वचिष्यावः | वचिष्यामः |

अवाचयिष्यत् अवाचयिष्यताम् अवाचयिष्यन्
अवाचयिष्यः अवाचयिष्यतम् अवाचयिष्यत
अवाचयिष्यम् अवाचयिष्याव अवाचयिष्याम

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० अवचिष्यत् | अवचिष्यताम् | अवचिष्यन् |
| अवचिष्यः | अवचिष्यतम् | अवचिष्यत |
| अवचिष्यम् | अवचिष्याव | अवचिष्याम |

॥ अथ थान्ताश्चत्वारः ॥

1959 अन्थण् (अन्थ्) संदर्भे ।

संदर्भो बन्धनम् । 392

व० अन्थयति अन्थयतः अन्थायन्ति
अन्थायसि अन्थयथः अन्थायथ
अन्थायामि अन्थयावः अन्थयामः
स० अन्थायेत् अन्थायेताम् अन्थायेयुः
अन्थायेः अन्थायेतम् अन्थायेत
अन्थायेयम् अन्थायेव अन्थायेम
प० अन्थयतु तात् अन्थयताम् अन्थयन्तु
अन्थय , अन्थयतम् अन्थयत
अन्थयानि अन्थयाव अन्थयाम
ह्य० अअन्थयत् अअन्थयताम् अअन्थयन्
अअन्थयः अअन्थयतम् अअन्थयत
अअन्थयम् अअन्थयाव अअन्थयाम
अ० अशअन्थत् अशअन्थताम् अशअन्थन्
अशअन्थः अशअन्थतम् अशअन्थत
अशअन्थम् अशअन्थाव अशअन्थाम
प० अन्थायाञ्चकार अन्थायाञ्चकतुः अन्थायाञ्चकुः
अन्थायाञ्चकथं अन्थायाञ्चकथुः अन्थायाञ्चक
अन्थायाञ्चकार चकार अन्थायाञ्चकृव याञ्चकृम
अन्थायाम्बभूव । अन्थायामास
आ० अन्थयात् अन्थयास्ताम् अन्थयासुः
अन्थयाः अन्थयास्तम् अन्थयास्त
अन्थयासम् अन्थयास्व अन्थयास्म
प्र० अन्थायिता अन्थायितारौ अन्थायितारः
अन्थायितासि अन्थायितास्थाः अन्थायितास्थ
अन्थायितास्मि अन्थायितास्वः अन्थायितास्म
अन्थायिष्यति अन्थायिष्यतः अन्थायिष्यन्ति
अन्थायिष्यसि अन्थायिष्यथः अन्थायिष्यथ
अन्थायिष्यामि अन्थायिष्यावः अन्थायिष्यामः
अअन्थायिष्यत् अअन्थायिष्यताम् — यिष्यन् कि० अअन्थिष्यत् अअन्थिष्यताम् अअन्थिष्यन्ति
अअन्थायिष्यः अअन्थायिष्यतम् — यिष्यत अअन्थिष्यः अअन्थिष्यतम् अअन्थिष्यत
अअन्थायिष्यम् अअन्थायिष्याव — यिष्याम अअन्थिष्यम् अअन्थिष्याव अअन्थिष्याम

॥ गिजभावे ॥

व० अन्थति अन्थतः अन्थन्ति
अन्थसि अन्थथः अन्थथ
अन्थामि अन्थावः अन्थामः
स० अन्थेत् अन्थेताम् अन्थेयुः
अन्थेः अन्थेतम् अन्थेत
अन्थेयम् अन्थेव अन्थेम
प० अन्थतु अन्थतात् अन्थतात् अन्थन्तु
अन्थ , अन्थतम् अन्थत
अन्थानि अन्थाव अन्थाम
ह्य० अअन्थत् अअन्थताम् अअन्थन्
अअन्थः अअन्थतम् अअन्थत
अअन्थम् अअन्थाव अअन्थाम
अ० अअन्थीत् अअन्थीताम् अअन्थिषुः
अअन्थीः अअन्थीतम् अअन्थिष्ट
अअन्थिषम् अअन्थिष्व अअन्थिषम
प० शअन्थ शअन्थतुः शअन्थुः
शअन्थथ शअन्थथुः शअन्थ
शअन्थ शअन्थिव शअन्थिम
आ० अथयात् अथयास्ताम् अथयासुः
अथयाः अथयास्तम् अथयास्त
अथयासम् अथयास्व अथयास्म
प्र० अन्थिता अन्थितारौ अन्थितारः
अन्थितासि अन्थितास्थाः अन्थितास्थ
अन्थितास्मि अन्थितास्वः अन्थितास्मः
भ० अन्थिष्यति अन्थिष्यतः अन्थिष्यन्ति
अन्थिष्यसि अन्थिष्यथः अन्थिष्यथ
अन्थिष्यामि अन्थिष्यावः अन्थिष्यामः
कि० अअन्थिष्यत् अअन्थिष्यताम् अअन्थिष्यन्ति
अअन्थिष्यः अअन्थिष्यतम् अअन्थिष्यत
अअन्थिष्यम् अअन्थिष्याव अअन्थिष्याम

1957 मृजौण् (मृज्) शौचालङ्कारयोः

390

| | | | |
|-------|--------------------|----------------|------------------|
| व० | मार्जयति | मार्जयतः | मार्जयन्ति |
| | मार्जयसि | मार्जयथः | मार्जयथ |
| | मार्जयामि | मार्जयावः | मार्जयामः |
| स० | मार्जयेत् | मार्जयेताम् | मार्जयेयुः |
| | मार्जयेः | मार्जयेतम् | मार्जयेत |
| | मार्जयेयम् | मार्जयेव | मार्जयेम |
| प० | मार्जयतु | मार्जयतात् | मार्जयताम् |
| | मार्जय | मार्जयतम् | मार्जयत |
| | मार्जयानि | मार्जयाव | मार्जयाम |
| झ० | अमार्जयत् | अमार्जयताम् | अमार्जयन् |
| | अमार्जयः | अमार्जयतम् | अमार्जयत |
| | अमार्जयम् | अमार्जयाव | अमार्जयाम |
| अ० | अमीमृजत् | अमीमृजताम् | अमीमृजन् |
| | अमीमृजः | अमीमृजतम् | अमीमृजत |
| | अमीमृजम् | अमीमृजाव | अमीमृजाम |
| | अममार्जत् | अममार्जताम् | अममार्जन् ६० |
| | मार्जयाञ्चकार | मार्जयाञ्चकतुः | मार्जयाञ्चकः |
| | मार्जयाञ्चकर्थ | मार्जयाञ्चकथुः | मार्जयाञ्चक |
| | मार्जयाञ्चकार, चकर | मार्जयाञ्चकृव | याश्चकृम |
| | मार्जयाम्बभूव | मार्जयामास | |
| आ० | मार्ज्यात् | मार्ज्यास्ताम् | मार्ज्यासुः |
| | मार्ज्याः | मार्ज्यास्तम् | मार्ज्यास्त |
| | मार्ज्यासम् | मार्ज्यास्व | मार्ज्यास्म |
| प्रव० | मार्जयिता | मार्जयितारौ | मार्जयितारः |
| | मार्जयितासि | मार्जयितास्थः | मार्जयितास्थ |
| | मार्जयितास्मि | मार्जयितास्वः | मार्जयितास्मः |
| | मार्जयिता | मार्जयितारौ | मार्जयितारः ६० |
| भ० | मार्जिष्यति | मार्जिष्यतः | मार्जिष्यन्ति |
| | मार्जिष्यसि | मार्जिष्यथः | मार्जिष्यथ |
| | मार्जिष्यामि | मार्जिष्यावः | मार्जिष्यामः |
| | मार्जिष्यति | मार्जिष्यतः | मार्जिष्यन्ति ६० |
| क्रि० | अमार्जिष्यत् | अमार्जिष्यताम् | अमार्जिष्यन् |
| | अमार्जिष्यः | अमार्जिष्यतम् | अमार्जिष्यत |
| | अमार्जिष्यम् | अमार्जिष्याव | अमार्जिष्याम |
| | अमार्जिष्यत् | अमार्जिष्यताम् | अमार्जिष्यन् ६० |

॥ णिजभावे ॥

| | | | |
|-------|--------------|---------------------|--------------------|
| व० | मार्जति | मार्जिनः | मार्जन्ति |
| | मार्जसि | मार्जथः | मार्जथ |
| | मार्जामि | मार्जावः | मार्जामः |
| स० | मार्जेत् | मार्जेताम् | मार्जेयुः |
| | मार्जेः | मार्जेतम् | मार्जेत |
| | मार्जेयम् | मार्जेव | मार्जेम |
| प० | मार्जतु | मार्जतात् | मार्जताम् |
| | मार्ज | मार्जतम् | मार्जत |
| | मार्जानि | मार्जाव | मार्जाम |
| झ० | अमार्जत् | अमार्जताम् | अमार्जन् |
| | अमार्जः | अमार्जतम् | अमार्जत |
| | अमार्जम् | अमार्जाव | अमार्जाम |
| अ० | अमार्जित् | अमार्जिताम् | अमार्जितुः |
| | अमार्जीः | अमार्जितम् | अमार्जित |
| | अमार्जिषम् | अमार्जिष्व | अमार्जिषम |
| | अमार्क्षीत् | अमार्क्षाम् | अमार्क्षुः ६० |
| प० | ममार्ज | ममार्जतुः | ममार्जुः |
| | ममार्जिथ | ममार्जिथुः | ममार्ज |
| | ममार्जि | ममार्जिष-ममार्जिष्व | ममार्जिष-ममार्जिषम |
| आ० | मृज्यात् | मृज्यास्ताम् | मृज्यासुः |
| | मृज्याः | मृज्यास्तम् | मृज्यास्त |
| | मृज्यासम् | मृज्यास्व | मृज्यास्म |
| प्रव० | मार्जिता | मार्जितारौ | मार्जितारः |
| | मार्जितानि | मार्जितास्थः | मार्जितास्थ |
| | मार्जितास्मि | मार्जितास्वः | मार्जितास्मः |
| | मार्जिता | मार्जितारौ | मार्जितारः ६० |
| भ० | मार्जिष्यति | मार्जिष्यतः | मार्जिष्यन्ति |
| | मार्जिष्यसि | मार्जिष्यथः | मार्जिष्यथ |
| | मार्जिष्यामि | मार्जिष्यावः | मार्जिष्यामः |
| | मार्क्ष्यति | मार्क्ष्यतः | मार्क्ष्यन्ति ६० |
| क्रि० | अमार्जिष्यत् | अमार्जिष्यताम् | अमार्जिष्यन् |
| | अमार्जिष्यः | अमार्जिष्यतम् | अमार्जिष्यत |
| | अमार्जिष्यम् | अमार्जिष्याव | अमार्जिष्याम |
| | अमार्क्ष्यत् | अमार्क्ष्यताम् | अमार्क्ष्यन् ६० |

॥ अथ ठान्तः ॥

1958 कठुण (कण्ट) शोके 39।

| | | |
|-----------------|-----------------------|----------------|
| ब० कण्ठयति | कण्ठयतः | कण्ठयन्ति |
| कण्ठयसि | कण्ठयथः | कण्ठयथ |
| कण्ठयामि | कण्ठयावः | कण्ठयामः |
| स० कण्ठयेत् | कण्ठयेताम् | कण्ठयेयुः |
| कण्ठयेः | कण्ठयेतम् | कण्ठयेत |
| कण्ठयेयम् | कण्ठयेव | कण्ठयेम |
| प० कण्ठयतु | कण्ठयतात् | कण्ठयताम् |
| कण्ठय | कण्ठयतम् | कण्ठयत |
| कण्ठयानि | कण्ठयाव | कण्ठयाम |
| झ० अकण्ठयत् | अकण्ठयताम् | अकण्ठयन् |
| अकण्ठयः | अकण्ठयतम् | अकण्ठयत |
| अकण्ठयम् | अकण्ठयाव | अकण्ठयाम |
| ञ० अचाकण्ठत् | अचाकण्ठताम् | अचाकण्ठन् |
| अचाकण्ठः | अचाकण्ठतम् | अचाकण्ठत |
| अचाकण्ठम् | अचाकण्ठाव | अचाकण्ठाम |
| प० कण्ठयाञ्चकार | कण्ठयाञ्चक्रतुः | कण्ठयाञ्चक्रुः |
| कण्ठयाञ्च कथं | कण्ठयाञ्चकथुः | कण्ठयाञ्चक्र |
| कण्ठयाञ्चकार-कर | कण्ठयाञ्चकृव-याञ्चकृम | |
| कण्ठयाम्बभूव | । | कण्ठयामास |
| आ० कण्ठयात् | कण्ठयास्ताम् | कण्ठयासुः |
| कण्ठयाः | कण्ठयास्तम् | कण्ठयास्त |
| कण्ठयासम् | कण्ठयास्व | कण्ठयास्म |
| प्रब० कण्ठयिता | कण्ठयितारौ | कण्ठयितारः |
| कण्ठयितासि | कण्ठयितास्थः | कण्ठयितास्थ |
| कण्ठयितास्मि | कण्ठयितास्वः | कण्ठयितास्मः |
| भ० कण्ठयिष्यति | कण्ठयिष्यतः | कण्ठयिष्यन्ति |
| कण्ठयिष्यसि | कण्ठयिष्यथः | कण्ठयिष्यथ |
| कण्ठयिष्यामि | कण्ठयिष्यावः | कण्ठयिष्यामः |
| अकण्ठयिष्यत् | अकण्ठयिष्यताम् | अकण्ठयिष्यन् |
| अकण्ठयिष्यः | अकण्ठयिष्यतम् | अकण्ठयिष्यत |
| अकण्ठयिष्यम् | अकण्ठयिष्याव | अकण्ठयिष्याम |

॥ णिजभावे ॥

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| व० कण्ठति | कण्ठतः | कण्ठन्ति |
| कण्ठसि | कण्ठथः | कण्ठथ |
| कण्ठामि | कण्ठावः | कण्ठामः |
| स० कण्ठेत् | कण्ठेताम् | कण्ठेयुः |
| कण्ठेः | कण्ठेतम् | कण्ठेत |
| कण्ठेयम् | कण्ठेव | कण्ठेम |
| प० कण्ठतु | कण्ठतात् | कण्ठताम् |
| कण्ठ | कण्ठतम् | कण्ठत |
| कण्ठानि | कण्ठाव | कण्ठाम |
| झ० अकण्ठत् | अकण्ठताम् | अकण्ठन् |
| अकण्ठः | अकण्ठतम् | अकण्ठत |
| अकण्ठम् | अकण्ठाव | अकण्ठाम |
| अ० अकण्ठीत् | अकण्ठीष्टाम् | अकण्ठीषुः |
| अकण्ठीः | अकण्ठीष्टम् | अकण्ठीष्ट |
| अकण्ठीषम् | अकण्ठीष्व | अकण्ठीष्म |
| प० चकण्ठ | चकण्ठतुः | चकण्ठुः |
| चकण्ठथ | चाकण्ठथुः | चाकण्ठ |
| चाकण्ठ | चाकण्ठिष | चाकण्ठिष्म |
| आ० कण्ठयात् | कण्ठयास्ताम् | कण्ठयासुः |
| कण्ठयाः | कण्ठयास्तम् | कण्ठयास्त |
| कण्ठयासम् | कण्ठयास्व | कण्ठयास्म |
| प्रब० कण्ठिता | कण्ठितारौ | कण्ठितारः |
| कण्ठितासि | कण्ठितास्थः | कण्ठितास्थ |
| अण्ठितास्मि | कण्ठितास्वः | कण्ठितास्मः |
| भ० कण्ठिष्यति | कण्ठिष्यतः | कण्ठिष्यन्ति |
| कण्ठिष्यसि | कण्ठिष्यथः | कण्ठिष्यथ |
| कण्ठिष्यामि | कण्ठिष्यावः | कण्ठिष्यामः |
| अकण्ठिष्यत् | अकण्ठिष्यताम् | अकण्ठिष्यन् |
| अकण्ठिष्यः | अकण्ठिष्यतम् | अकण्ठिष्यत |
| अकण्ठिष्यम् | अकण्ठिष्याव | अकण्ठिष्याम |

॥ अथ जान्तौ ॥

1956 वृजैण (वृज्) वर्जने । 389

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० वर्जयति | वर्जयतः | वर्जयन्ति |
| वर्जयसि | वर्जयथः | वर्जयथ |
| वर्जयामि | वर्जयावः | वर्जयामः |
| व० वर्जयेत् | वर्जयेताम् | वर्जयेयुः |
| वर्जयेः | वर्जयेतम् | वर्जयेत |
| वर्जयेयम् | वर्जयेथ | वर्जयेम |
| प० वर्जयतु | वर्जयतात् | वर्जयताम् |
| वर्जय | वर्जयतम् | वर्जयत |
| वर्जयानि | वर्जयाव | वर्जयाम |
| व० अवर्जयत् | अवर्जयताम् | अवर्जयन् |
| अवर्जयः | अवर्जयतम् | अवर्जयत |
| अवर्जयम् | अवर्जयाव | अवर्जयाम |
| अ० अवीवृजत् | अवीवृजताम् | अवीवृजन् |
| अवीवृजः | अवीवृजतम् | अवीवृजत |
| अवीवृजम् | अवीवृजाव | अवीवृजाम |
| प० वर्जयाञ्चकार | वर्जयाञ्चकतुः | वर्जयाञ्चकृः |
| वर्जयाञ्चकथं | वर्जयाञ्चकथुः | वर्जयाञ्चक |
| वर्जयाञ्चकार | चकर | वर्जयाञ्चकृव |
| याञ्चकम् | वर्जयाञ्चकृथ | वर्जयामास |
| आ० वर्ज्यात् | वर्ज्यास्ताम् | वर्ज्यासुः |
| वर्ज्याः | वर्ज्यास्तम् | वर्ज्यास्त |
| वर्ज्यासम् | वर्ज्यास्व | वर्ज्यास्म |
| व० वर्जयिता | वर्जयितारौ | वर्जयितारः |
| वर्जयितासि | वर्जयितास्थः | वर्जयितास्थ |
| वर्जयितास्मि | वर्जयितास्वः | वर्जयितास्मः |
| अ० वर्जयिष्यति | वर्जयिष्यतः | वर्जयिष्यन्ति |
| वर्जयिष्यसि | वर्जयिष्यथः | वर्जयिष्यथ |
| वर्जयिष्यामि | वर्जयिष्यावः | वर्जयिष्यामः |
| क्रि० अवर्जयिष्यत् | अवर्जयिष्यताम् | अवर्जयिष्यन् |
| अवर्जयिष्यः | अवर्जयिष्यतम् | अवर्जयिष्यत |
| अवर्जयिष्यम् | अवर्जयिष्याव | अवर्जयिष्याम |

अवर्जयत् अवर्जयताम् अवर्जयन् इत्यादि,

॥ णिजभावे ॥

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वर्जति | वर्जतः | वर्जन्ति |
| वर्जसि | वर्जथाः | वर्जथा |
| वर्जामि | वर्जावः | वर्जामः |
| स० वर्जेत् | वर्जेताम् | वर्जेयुः |
| वर्जेः | वर्जेतम् | वर्जेत |
| वर्जेयम् | वर्जेथ | वर्जेम |
| प० वर्जतु | वर्जतात् | वर्जताम् |
| वर्ज | वर्जतम् | वर्जत |
| वर्जानि | वर्जाव | वर्जाम |
| व० अवर्जति | अवर्जताम् | अवर्जन् |
| अवर्जः | अवर्जतम् | अवर्जत |
| अवर्जम् | अवर्जाव | अवर्जाम |
| अ० अवर्जोत् | अवर्जिताम् | अवर्जितुः |
| अवर्जोः | अवर्जितम् | अवर्जित |
| अवर्जिषम् | अवर्जिष्व | अवर्जिषम |
| प० अवर्जं | अवर्जतुः | अवर्जुः |
| अवर्जिथा | अवर्जथुः | अवर्जम् |
| अवर्जं | अवर्जिथ | अवर्जिम |
| आ० वृज्यात् | वृज्यास्ताम् | वृज्यासुः |
| वृज्याः | वृज्यास्तम् | वृज्यास्त |
| वृज्यासम् | वृज्यास्व | वृज्यास्म |
| व० वर्जिता | वर्जितारौ | वर्जितारः |
| वर्जितासि | वर्जितास्थः | वर्जितास्थ |
| वर्जितास्मि | वर्जितास्वः | वर्जितास्मः |
| अ० वर्जिष्यति | वर्जिष्यतः | वर्जिष्यन्ति |
| वर्जिष्यसि | वर्जिष्यथः | वर्जिष्यथ |
| वर्जिष्यामि | वर्जिष्यावः | वर्जिष्यामः |
| क्रि० अवर्जिष्यत् | अवर्जिष्यताम् | अवर्जिष्यन् |
| अवर्जिष्यः | अवर्जिष्यतम् | अवर्जिष्यत |
| अवर्जिष्यम् | अवर्जिष्याव | अवर्जिष्याम |

1960 ग्रन्थण् (ग्रन्थ्) संदर्भे ।

संदर्भो बन्धनम् । 393

व० ग्रन्थयति ग्रन्थयतः ग्रन्थयन्ति
ग्रन्थयसि ग्रन्थयथः ग्रन्थयथ
ग्रन्थयामि ग्रन्थयावः ग्रन्थयामः

स० ग्रन्थायेत् ग्रन्थायेताम् ग्रन्थायेयुः
ग्रन्थायेः ग्रन्थायेतम् ग्रन्थायेत
ग्रन्थायेयम् ग्रन्थायेव ग्रन्थायेम

प० ग्रन्थयतु तात् ग्रन्थयताम् ग्रन्थयन्तु
ग्रन्थय , ग्रन्थयतम् ग्रन्थयत
ग्रन्थयानि ग्रन्थयाव ग्रन्थयाम

झ० अग्रन्थयत् अग्रन्थयताम् अग्रन्थयन्
अग्रन्थयः अग्रन्थयतम् अग्रन्थयत
अग्रन्थयम् अग्रन्थयाव अग्रन्थयाम

अ० अजग्रन्थयत् अजग्रन्थयताम् अजग्रन्थयन्
अजग्रन्थयः अजग्रन्थयतम् अजग्रन्थयत
अजग्रन्थयम् अजग्रन्थयाव अजग्रन्थयाम

प० ग्रन्थायाञ्चकार ग्रन्थायाञ्चकतुः ग्रन्थायाञ्चकुः
ग्रन्थायाञ्चकथं ग्रन्थायाञ्चकथुः ग्रन्थायाञ्चक
ग्रन्थायाञ्चकार चकर ग्रन्थायाञ्चकृव याञ्चकृम
ग्रन्थायाञ्चभूव । ग्रन्थायामास

आ० ग्रन्थायात् ग्रन्थायास्ताम् ग्रन्थायासुः
ग्रन्थायाः ग्रन्थायास्तम् ग्रन्थायास्त
ग्रन्थायासम् ग्रन्थायास्व ग्रन्थायास्म

प्र० ग्रन्थायिता ग्रन्थायितारौ ग्रन्थायितारः
ग्रन्थायितासि ग्रन्थायितास्थः ग्रन्थायितास्थ
ग्रन्थायितास्मि ग्रन्थायितास्वः ग्रन्थायितास्मः

ग्रन्थायिष्यति ग्रन्थायिष्यतः ग्रन्थायिष्यन्ति
ग्रन्थायिष्यसि ग्रन्थायिष्यथः ग्रन्थायिष्यथ
ग्रन्थायिष्यामि ग्रन्थायिष्यावः ग्रन्थायिष्यामः

अग्रन्थायिष्यत् अग्रन्थायिष्यताम् —यिष्यन्
अग्रन्थायिष्यः अग्रन्थायिष्यतम् —यिष्यत
अग्रन्थायिष्यम् अग्रन्थायिष्याव —यिष्याम

1961 कथणि (कथ्) हिंसायाम् 394

व० काथयति काथयतः काथयन्ति
काथयसि काथयथः काथयथ
काथयामि काथयावः काथयामः

स० काथायेत् काथायेताम् काथायेयुः
काथायेः काथायेतम् काथायेत
काथायेयम् काथायेव काथायेम

प० काथायतु काथायतात् काथायताम् काथायन्तु
काथाय , काथायतम् काथायत
काथायानि काथायाव काथयाम

झ० अकाथयत् अकाथयताम् अकाथयन्
अकाथयः अकाथयतम् अकाथयत
अकाथयम् अकाथायाव अकाथयाम

अ० अचिकथात् अचिकथाताम् अचिकथान
अचिकथाः अचिकथातम् अचिकथात
अचिकथाम् अचिकथाव अचिकथाम

काथायाञ्चकार काथायाञ्चकतुः काथायाञ्चकुः
काथायाञ्चकथं काथायाञ्चकथुः काथायाञ्चक
काथायाञ्चकार-कर काथायाञ्चकृव-याञ्चकृम

काथायाञ्चभूव । काथायामास

आ० काथ्यात् काथ्यास्ताम् काथ्यासुः
काथ्याः काथ्यास्तम् काथ्यास्त
काथ्यासम् काथ्यास्व काथ्यास्म

प्र० काथायिता काथायितारौ काथायितारः
काथायितासि काथायितास्थः काथायितास्थ
काथायितास्मि काथायितास्वः काथायितास्मः

भ० काथायिष्यति काथायिष्यतः काथायिष्यन्ति
काथायिष्यसि काथायिष्यथः काथायिष्यथ
काथायिष्यामि काथायिष्यावः काथायिष्यामः

अकाथायिष्यत् अकाथायिष्यताम् अकाथायिष्यन्
अकाथायिष्यः अकाथायिष्यतम् अकाथायिष्यत
अकाथायिष्यम् अकाथायिष्याव अकाथायिष्याम

| | | |
|----------------|--------------|--------------|
| व० कथते | कथेते | कथन्ते |
| कथसे | कथेथे | कथस्ये |
| कथे | कथावहे | कथामहे |
| स० कथेत | कथेयाताम् | कथेरन् |
| कथेथाः | कथेयाथाम् | कथेथ्वम् |
| कथेय | कथेयहि | कथेमहि |
| प० कथताम् | कथेताम् | कथन्ताम् |
| कथस्व | कथेयाम् | कथध्वम् |
| कथे | कथावहे | कथामहे |
| ह्य० अकथत | अकथेताम् | अकथन्ते |
| अकथथाः | अकथेथाम् | अकथध्वम् |
| अकथे | अकथावहि | अकथामहि |
| अ० अकथिष्ट | अकथिषाताम् | अकथिषन्त |
| अकथिष्ठाः | अकथिषाथाम् | अकथिष्वम् |
| अकथिषि | अकथिष्वहि | अकथिषमहि |
| प० चकथे | चकथाते | चकथिरे |
| चकथिषे | चकथाथे | चकथिष्वे |
| चकथे | चकथिवहे | चकथिमहे |
| आ० कथिषीष्ट | कथिषीयाताम् | कथिषीरन् |
| कथिषीष्ठाः | कथिषीयाथाम् | कथिषीध्वम् |
| कथिषीय | कथिषीवहि | कथिषीमहि |
| प्रव० कथिता | कथितारौ | कथितारः |
| कथितासे | कथितासाथे | कथितास्ये |
| कथिताहे | कथितास्वहे | कथितास्महे |
| भ० कथिष्यते | कथिष्येते | कथिष्यन्ते |
| कथिष्यसे | कथिष्येथे | कथिष्यस्ये |
| कथिष्ये | कथिष्यावहे | कथिष्यामहे |
| क्रि० अकथिष्यत | अकथिष्येताम् | अकथिष्यन्त |
| अकथिष्यथाः | अकथिष्येथाम् | अकथिष्यध्वम् |
| अकथिष्ये | अकथिष्यावहि | अकथिष्यामहि |

॥ गिजभावे ॥

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० ग्रन्धाति | ग्रन्धातः | ग्रन्धान्ति |
| ग्रन्धासि | ग्रन्धाथः | ग्रन्धाथ |
| ग्रन्धासि | ग्रन्धावः | ग्रन्धामः |
| स० ग्रन्थेत् | ग्रन्थेताम् | ग्रन्थेयुः |
| ग्रन्थेः | ग्रन्थेतम् | ग्रन्थेत |
| ग्रन्थेयम् | ग्रन्थेव | ग्रन्थेम |
| प० ग्रन्धातु | ग्रन्धातात् | ग्रन्धाताम् |
| ग्रन्धा | ग्रन्धातम् | ग्रन्धात |
| ग्रन्धानि | ग्रन्धाव | ग्रन्धाम |
| ह्य० अग्रन्थात् | अग्रन्थाताम् | अग्रन्थान् |
| अग्रन्थाः | अग्रन्थातम् | अग्रन्थात |
| अग्रन्धाम | अग्रन्धाव | अग्रन्धाम |
| अ० अग्रन्थीत् | अग्रन्थीताम् | अग्रन्थीषुः |
| अग्रन्थीः | अग्रन्थीतम् | अग्रन्थीव |
| अग्रन्थीषम् | अग्रन्थीव | अग्रन्थीषम् |
| प० जग्रन्था | जग्रन्धातुः | जग्रन्थुः |
| जग्रन्थाव | जग्रन्थाथुः | जग्रन्था |
| जग्रन्था | जग्रन्थाव | जग्रन्धाम |
| आ० ग्रन्थ्यात् | ग्रन्थ्याताम् | ग्रन्थ्यासुः |
| ग्रन्थ्याः | ग्रन्थ्यातम् | ग्रन्थ्यास्त |
| ग्रन्थ्यासम् | ग्रन्थ्यास्व | ग्रन्थ्यास्म |
| प्रव० ग्रन्थिता | ग्रन्थितारौ | ग्रन्थितारः |
| ग्रन्थितासि | ग्रन्थितास्यः | ग्रन्थितास्य |
| ग्रन्थितासि | ग्रन्थितास्वः | ग्रन्थितास्मः |
| भ० ग्रन्थिष्यति | ग्रन्थिष्यतः | ग्रन्थिष्यन्ति |
| ग्रन्थिष्यसि | ग्रन्थिष्यथः | ग्रन्थिष्यथ |
| ग्रन्थिष्यामि | ग्रन्थिष्यावः | ग्रन्थिष्यामः |
| क्रि० अग्रन्थिष्यत | अग्रन्थिष्यताम् | अग्रन्थिष्यन् |
| अग्रन्थिष्यथाः | अग्रन्थिष्यतम् | अग्रन्थिष्यत |
| अग्रन्थिष्यन् | अग्रन्थिष्याव | अग्रन्थिष्याम |

अथ लाघवार्थं धातुमध्ये एवार्थानु-

गुण्येन दान्तः

1962 अर्दिण् (अर्द्) हिंसायाम् 395

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| व० अर्दयति | अर्दयतः | अर्दयन्ति |
| अर्दयसि | अर्दयथः | अर्दयथ |
| अर्दयामि | अर्दयावः | अर्दयामः |
| स० अर्दयेत् | अर्दयेताम् | अर्दयेयुः |
| अर्दयेः | अर्दयेतम् | अर्दयेत |
| अर्दयेयम् | अर्दयेव | अर्दयेम |
| प० अर्दयतु | अर्दयतात् | अर्दयताम् |
| अर्दय | अर्दयतम् | अर्दयत |
| अर्दयानि | अर्दयाव | अर्दयाम |
| ह्य० आर्दयत् | आर्दयताम् | आर्दयन् |
| आर्दय | आर्दयतम् | आर्दयत |
| आर्दयम् | आर्दयाव | आर्दयाम |
| अ० आर्दिदत् | आर्दिदताम् | आर्दिदन् |
| आर्दिदः | आर्दिदतम् | आर्दिदत |
| आर्दिदम् | आर्दिदाव | आर्दिदाम |
| प० अर्दयाञ्चकार | अर्दयाञ्चक्रुः | अर्दयाञ्चक्रुः |
| अर्दयाञ्चकथ | अर्दयाञ्चक्रथुः | अर्दयाञ्चक्रुः |
| अर्दयाञ्चकार | अर्दयाञ्चक्रुः | अर्दयाञ्चक्रुः |

| | | |
|-------------|---------------|------------|
| आ अर्द्यात् | अर्द्यास्ताम् | अर्द्यातुः |
| अर्द्याः | अर्द्यास्तम् | अर्द्यास्त |
| अर्द्याम | अर्द्यास्व | अर्द्याम |

| | | |
|----------------|--------------|-------------|
| प्रव० अर्दयिता | अर्दयितारौ | अर्दयितारः |
| अर्दयितासि | अर्दयितासथः | अर्दयितास्य |
| अर्दयितासिम् | अर्दयितास्वः | अर्दयितासम् |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० अर्दयिष्यति | अर्दयिष्यतः | अर्दयिष्यन्ति |
| अर्दयिष्यसि | अर्दयिष्यथः | अर्दयिष्यथ |
| अर्दयिष्यामि | अर्दयिष्यावः | अर्दयिष्यामः |
| आर्दयिष्यत् | आर्दयिष्यताम् | आर्दयिष्यन् |
| आर्दयिष्यः | आर्दयिष्यतम् | आर्दयिष्यत |
| आर्दयिष्यम् | आर्दयिष्याव | आर्दयिष्याम |

॥ णिजभावे ॥

| | | |
|-------------|-------------|--------------|
| व० अर्दते | अर्दते | अर्दन्ते |
| अर्दसे | अर्दवे | अर्दध्वे |
| अर्दे | अर्दावहे | अर्दामहे |
| स० अर्दत | अर्दयाताम् | अर्दरन् |
| अर्दथाः | अर्दयाताम् | अर्दध्वम् |
| अर्दय | अर्दवहि | अर्दमहि |
| प० अर्दताम् | अर्दताम् | अर्दन्ताम् |
| अर्दस्व | अर्दथाम | अर्दध्वम् |
| अर्दे | अर्दावहे | अर्दामहे |
| ह्य० आर्दत | आर्दताम् | आर्दन्त |
| आर्दथाः | आर्दथाम | आर्दध्वम् |
| आर्दे | आर्दावहि | आर्दामहि |
| अ० आर्दिष्ट | आर्दिषाताम् | आर्दिषत |
| आर्दिष्टाः | आर्दिषाथाम | आर्दिष्ट्वम् |
| आर्दिषि | आर्दिष्वहि | आर्दिष्महि |
| प० आनर्दे | आनर्दति | आनर्दिरे |
| आनर्दिषे | आनर्दथे | आनर्दिध्वे |
| आनर्दे | आनर्दवहे | आनर्दिमहे |

अ० अर्दिषीष्ट आर्दिषीष्यताम् आर्दिषीरन्
आर्दिषीष्टाः आर्दिषीष्यथाम् आर्दिषीध्वम्
आर्दिषीय आर्दिषीवहि आर्दिषीमहि

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| प्रव० अर्दिता | अर्दितारौ | अर्दितारः |
| अर्दितासे | अर्दितासथे | अर्दिताध्वे |
| अर्दिताहे | अर्दितास्वहे | अर्दितासमहे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ० अर्दिष्यते | अर्दिष्येते | अर्दिष्यन्ते |
| अर्दिष्यसे | अर्दिष्येथे | अर्दिष्यध्वे |
| अर्दिष्ये | अर्दिष्यावहे | अर्दिष्यामहे |

| | | |
|-----------------|--------------|---------------|
| क्रि० आर्दिष्यत | आर्दिष्यताम् | आर्दिष्यन्त |
| आर्दिष्यथाः | आर्दिष्यथाम् | आर्दिष्यध्वम् |
| आर्दिष्ये | अर्दिष्यावहि | आर्दिष्यामहि |

| | | |
|---------------|----------------|--------------|
| आ० अर्दिषीष्ट | अर्दिषीष्यताम् | अर्दिषीरन् |
| अर्दिषीष्टाः | अर्दिषीष्यथाम् | अर्दिषीध्वम् |
| अर्दिषीय | अर्दिषीवहि | अर्दिषीमहि |

1963 अथण् (अथ्) बन्धने च ।
चादिसायाम् 396

ब० अथयति आथयनः आथयन्ति

आथयति आथयथः आथयथ

आथयामि आथयामः आथयामः

स० आथयेत् आथयेताम् आथयेयुः

आथयेः आथयेताम् आथयेत

आथयेयम् आथयेव आथयेम

प० आथयतु आथयतात् आथयताम् आथयन्तु

आथय , , आथयतम् आथयत

आथयानि आथयाव आथयाम

झ० अआथयत् अआथयताम् अआथयन्

अआथयः अआथयतम् अआथयत

अआथयम् अआथयाव अआथयाम

अ० अशिअथत् अशिअथताम् अशिअथन्

अशिअथः अशिअथतम् अशिअथत

अशिअथम् अशिअथाव अशिअथाम

प० आथयाञ्चकार आथयाञ्चकतुः-याञ्चकः

अथयाञ्चक्यर्थ आथयाञ्चक्युः आथयाञ्चक

आथयाञ्चकार कर आथयाञ्चकृव-याञ्चकम्

आथयाम्बभूव । आथयामास

आ० आथयात् आथयास्ताम् आथयास्तुः

आथयाः आथयास्तम् आथयास्त

आथयासम् आथयास्व आथयासम्

भ० आथयिता आथयितारौ आथयितारः

आथयितासि आथयितास्यः आथयितास्य

आथयितास्मि आथयितास्वः आथयितास्मः

भ० आथयिष्यति आथयिष्यतः आथयिष्यन्ति

आथयिष्यति आथयिष्यथः आथयिष्यथ

आथयिष्यामि आथयिष्यावः आथयिष्यामः

अआथयिष्यत् अआथयिष्यताम् अआथयिष्यन्

अआथयिष्यः अआथयिष्यतम् अआथयिष्यत

अआथयिष्यम् अआथयिष्याव अआथयिष्याम

व० अथति अथतः अथन्ति

अथसि अथथः अथथा

अथामि अथावः अथामः

स० अथेत् अथेताम् अथेयुः

अथेः अथेतम् अथेत

अथेयम् अथेव अथेम

प० अथतु अथतात् अथताम् अथन्तु

अथा , , अथातम् अथात

अथानि अथाव अथाम

झ० अअथत् अअथताम् अअथान्

अअथः अअथतम् अअथत

अअथम् अअथाव अअथाम

अ० अआथीत् अआथिषाम अआथिषुः

अआथीः अआथिषम् अआथिष

अआथिषम् अआथिषव अआथिषम्

अअथीत् अअथिषाम अअथिषुः इ०

प० शथथा शथेतात् शथेयुः

शथेतिथ शथेयुः शथथ

शथेतिथ-शथेतिथ शथेतिथ शथेतिथम्

आ० शथयात् शथयास्ताम् शथयास्तुः

शथयाः शथयास्तम् शथयास्त

शथयासम् शथयास्व शथयासम्

भ० शथयिता शथयितारौ शथयितारः

शथयितासि शथयितास्यः शथयितास्य

शथयितास्मि शथयितास्वः शथयितास्मः

भ० शथयिष्यति शथयिष्यतः शथयिष्यन्ति

शथयिष्यति शथयिष्यथः शथयिष्यथ

शथयिष्यामि शथयिष्यावः शथयिष्यामः

क्रि० अशथेत् अशथेताम् अशथेयुः

अशथेतिथ अशथेयुः अशथथ

अशथेतिथ-अशथेतिथ अशथेतिथ अशथेतिथम्

अशथीत् अशथिषाम अशथिषुः

अशथीः अशथिषम् अशथिष

अशथिषम् अशथिषव अशथिषम्

॥ अथ दान्ताश्चत्वारः ॥

1964 वदिण् (वद्) भाषणे 397

| | | |
|---|----------------|----------------|
| व० वादयति | वादयतः | वादयन्ति |
| वादयसि | वादयथः | वादयथ |
| वादयामि | वादयावः | वादयामः |
| स० वादयेत् | वादयेताम् | वादयेयुः |
| वादयेः | वादयेतम् | वादयेत |
| वादयेयम् | वादयेव | वादयेम |
| प० वादयतु | वादयतात् | वादयताम् |
| वादय | वादयतम् | वादयत |
| वादयानि | वादयाव | वादयाम |
| झ० अवादयत् | अवादयताम् | अवादयन् |
| अवादयः | अवादयतम् | अवादयत |
| अवादयम् | अवादयाव | अवादयाम |
| अ० अवीचदत् | अवीचदताम् | अवीचदन् |
| अवीचदः | अवीचदतम् | अवीचदत |
| अवीचदम् | अवीचदाव | अवीचदाम |
| वाद्याञ्चकार | वाद्याञ्चक्रुः | वाद्याञ्चक्रुः |
| वाद्याञ्चकथं | वाद्याञ्चकथुः | वाद्याञ्चक |
| वाद्याञ्चकार, कर, वाद्याञ्चकृव-याञ्चकृम | | |
| वाद्याम्बभूष | वाद्यामास | ॥ |
| आ० वाद्यात् | वाद्यास्ताम् | वाद्यासुः |
| वाद्याः | वाद्यास्तम् | वाद्यास्त |
| वाद्यासम् | वाद्यास्व | वाद्यास्म |
| श्च० वादयिता | वादयितारौ | वादयितारः |
| वादयितासि | वादयितास्थः | वादयितास्थ |
| वादयितास्मि | वादयितास्वः | वादयितास्मः |
| भ० वादयिष्यन्ति | वादयिष्यतः | वादयिष्यन्ति |
| वादयिष्यसि | वादयिष्यथः | वादयिष्यथ |
| वादयिष्यामि | वादयिष्यावः | वादयिष्यामः |
| अवादयिष्यत् | अवादयिष्यताम् | अवादयिष्यन् |
| अवादयिष्यः | अवादयिष्यतम् | अवादयिष्यत |
| अवादयिष्यम् | अवादयिष्याव | अवादयिष्याम |

॥ णिजभावे

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| व० वदते | वदेते | वदन्ते |
| वदसे | वदथे | वदध्वे |
| वदे | वदावहे | वदामहे |
| स० वदेत | वदेयाताम् | वदेरन् |
| वदेथाः | वदेयाथाम् | वदध्वम् |
| वदेय | वदेवहि | वदेमहि |
| प० वदताम् | वदेताम् | वदन्ताम् |
| वदस्व | वदेथाम् | वदध्वम् |
| वदे | वदावहे | वदामहे |
| झ० अवदत् | अवदेताम् | अवदन्त |
| अवदथाः | अवदेथाम् | अवदध्वम् |
| अवदे | अवदावहि | अवदामहि |
| अ० अवदिष्ट | अवदिषाताम् | अवदिषन् |
| अवदिष्टाः | अवदिषाथाम् | अवदिष्ट्वम् |
| अवदिषि | अवदिष्वहि | अवदिषमहि |
| प० ववदे | ववदाते | ववदिरे |
| ववदिषे | ववदाथे | ववदिष्वे |
| ववदे | ववदावहे | ववदिमहे |
| आ० वदिषीष्ट | वदिषीयाताम् | वदिषीरन् |
| वदिषीष्टाः | वदिषीयाथाम् | वदिषीष्वम् |
| वदिषीय | वदिषीवहि | वदिषीमहि |
| श्च० वदिता | वदितारौ | वदितारः |
| वदितासे | वदितासाथे | वदिताध्वे |
| वदिताहे | वदितास्वहे | वदितास्महे |
| भ० वदिष्यते | वदिष्येते | वदिष्यन्ते |
| वदिष्यसे | वदिष्येथे | वदिष्यध्वे |
| वदिष्ये | वदिष्यावहे | वदिष्यामहे |
| कि० अवदिष्यत | अवदिष्येताम् | अवदिष्यन्त |
| अवदिष्यथाः | अवदिष्येथाम् | अवदिष्यध्वम् |
| अवदिष्ये | अवदिष्यावहि | अवदिष्यामहि |

1965 छदण् (छद्) अपवारणे 398

व० छादयति छादयतः छादयन्ति
 छादयसि छादयथः छादयथ
 छादयामि छादयावः छादयामः
 स० छादयेत् छादयेताम् छादयेयुः
 छादयेः छादयेतम् छादयेत
 छादयेयम् छादयेव छादयेम

प० छादयतु छादयतात् छादयताम् छादयन्तु
 छादय , छादयतम् छादयत
 छादयानि छादयाव छादयाम

छ० अच्छादयत् अच्छादयताम् अच्छादयन्
 अच्छादयः अच्छादयतम् अच्छादयत
 अच्छादयम् अच्छादयाव अच्छादयाम

अ० अविच्छदत् अविच्छदताम् अविच्छदन्
 अविच्छदः अविच्छदतम् अविच्छदत
 अविच्छदम् अविच्छदाव अविच्छदाम

छादयाञ्चकार छादयाञ्चकतुः छादयाञ्चकुः
 छादयाञ्चकर्थ छादयाञ्चकतुः छादयाञ्चक
 छादयाञ्चकारचकर छादयाञ्चकृष याञ्चकृम
 छादयाम्बभूव । छादयामास

आ० छाद्यात् छाद्यास्ताम् छाद्यासुः
 छाद्याः छाद्यास्तम् छाद्यास्त
 छाद्यासम् छाद्यास्व छाद्यास्म

प्र० छादयिता छादयितारौ छादयितारः
 छादयितासि छादयितास्थः छादयितास्थ
 छादयितास्मि छादयितास्व छादयितास्मः

भ० छादयिष्यति छादयिष्यतः छादयिष्यन्ति
 छादयिष्यसि छादयिष्यथः छादयिष्यथ
 छादयिष्यामि छादयिष्यावः छादयिष्यामः

कि० अच्छादयिष्यत् अच्छादयिष्यताम् अच्छादयिष्यन्
 अच्छादयिष्यः अच्छादयिष्यतम् अच्छादयिष्यत
 अच्छादयिष्यम् अच्छादयिष्याव अच्छादयिष्याम

व० छदति छदतः छदन्ति
 छदसि छदथः छदथ
 छदामि छदावः छदामः

स० छदेत् छदेताम् छदेयुः
 छदेः छदेतम् छदेत
 छदेयम् छदेव छदेम

प० छदतु छदतात् छदताम् छदन्तु
 छद , छदतम् छदत
 छदानि छदाव छदाम

छ० अछदत् अछदताम् अछदन्
 अछदः अछदतम् अछदत
 अछदम् अछदाव अछदाम

अ० अछादीत् अछादिष्टाम् अछादिषुः
 अछादीः अछादिष्टम् अछादिष्ट
 अछादिषम् अछादिष्व अछादिषम
 अछदीत् अछदिष्टाम् अछदिषुः १०

प० चच्छाद चच्छदतुः चच्छदुः
 चच्छदिथ चच्छदथुः चच्छद
 चच्छाद चच्छद चच्छदिथ चच्छदिम

आ० छद्यात् छद्यास्ताम् छद्यासुः
 छद्याः छद्यास्तम् छद्यास्त
 छद्यासम् छद्यास्व छद्यास्म

प्र० छदिता छदितारौ छदितारः
 छदितासि छदितास्थः छदितास्थ
 छदितास्मि छदितास्व छदितास्मः

भ० छदिष्यति छदिष्यतः छदिष्यन्ति
 छदिष्यसि छदिष्यथः छदिष्यथ
 छदिष्यामि छदिष्यावः छदिष्यामः

कि० अछदिष्यत् अछदिष्यताम् अछदिष्यन्
 अछदिष्यः अछदिष्यतम् अछदिष्यत
 अछदिष्यम् अछदिष्याव अछदिष्याम

1966 आङःसदण् (आ-सद्) गतौ 399

| | | |
|------------|---------------|----------|
| व० सादयति | सादयतः | सादयन्ति |
| सादयसि | सादयथः | सादयथ |
| सादयामि | सादयावः | सादयामः |
| स० सादयेत् | सादयेताम् | सादयेयुः |
| सादयेः | सादयेतम् | सादयेत |
| सादयेयम् | सादयेव | सादयेम |
| प० सादयतु | तात् सादयताम् | सादयन्तु |
| सादय | „ सादयतम् | सादयत |
| सादयानि | सादयाव | सादयाम |
| झ० असादयत् | असादयताम् | असादयन् |
| असादयः | असादयतम् | असादयत |
| असादयम् | असादयाव | असादयाम |
| अ० असीदत् | असीदताम् | असीदन् |
| असीदः | असीदतम् | असीदत |
| असीदम् | असीदवाव | असीदाम |

सादयाङ्बकार सादयाङ्बकृः सादयाङ्बकुः
सादयाङ्बकृ सादयाङ्बकथुः सादयाङ्बक
सादयाङ्बकार कर् सादयाङ्बकृ सादयाङ्बकृ

सादयाम्बभूष । सादयामान

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| आ० साद्यात् | साद्यास्ताम् | साद्यास्तुः |
| साद्याः | साद्यास्तम् | साद्यास्त |
| साद्यासम् | साद्यास्व | साद्यास्म |
| प्र० सादयिता | सादयितारौ | सादयितार |
| सादयितासि | सादयितास्थः | सादयितास्थ |
| सादयितास्मि | सादयितास्वः | सादयितास्म |
| अ० सादयिष्यति | सादयिष्यतः | सादयिष्यन्ति |
| सादयिष्यसि | सादयिष्यथः | सादयिष्यथ |
| सादयिष्यामि | सादयिष्यावः | सादयिष्याम |
| असादयिष्यत् | असादयिष्यताम् | असादयिष्यन् |
| असादयिष्यः | असादयिष्यतम् | असादयिष्यत |
| असादयिष्यम् | असादयिष्याव | असादयिष्याम |

| | | |
|---------------|---------------|---------------|
| व० आसीदति | आसीदतः | आसीदन्ति |
| आसीदसि | आसीदथः | आसीदथ |
| आसीदामि | आसीदावः | आसीदामः |
| स० आसीदेत् | आसीदेताम् | आसीदेयुः |
| आसीदेः | आसीदेतम् | आसीदेत |
| आसीदेयम् | आसीदेव | आसीदेम |
| प० आसीदतु | तात् आसीदताम् | आसीदन्तु |
| आसीद | „ आसीदतम् | आसीदत |
| आसीदानि | आसीदाव | आसीदाम |
| झ० आसीदत् | आसीदताम् | आसीदन् |
| आसीदः | आसीदतम् | आसीदत |
| आसीदम् | आसीदाव | आसीदाम |
| अ० आसादीत् | आसादिष्टाम् | आसादिषुः |
| आसादीः | आसादिष्टम् | आसादिष्ट |
| आसादिषम् | आसादिष्व | आसादिषम |
| आसदीत् | आसदिष्टाम् | आसदिषुः इ० |
| प० आससाद | आसेदतुः | आसेदुः |
| आसेदथि | आसेदथुः | आसेद |
| आससाद | आस नद | आसेदथि आसेदिम |
| आ० आसद्यात् | आसद्यास्ताम् | आसद्यास्तुः |
| आसद्याः | आसद्यास्तम् | आसद्यास्त |
| आसद्यसम् | आसद्यास्व | आसद्यास्म |
| प्र० आसदिता | आसदितारौ | आसदितारः |
| आसदितासि | आसदितास्थः | आसदितास्थ |
| आसदितास्मि | आसदितास्वः | आसदितास्म |
| अ० आसदिष्यति | आसदिष्यतः | आसदिष्यन्ति |
| आसदिष्यसि | आसदिष्यथः | आसदिष्यथ |
| आसदिष्यामि | आसदिष्यावः | आसदिष्यामः |
| कि० आसदिष्यत् | आसदिष्यताम् | आसदिष्यन् |
| आसदिष्यः | आसदिष्यतम् | आसदिष्यत |
| आसदिष्यम् | आसदिष्याव | आसदिष्याम |

1967 छृदण् (छृद्) संदीपने 400

| | | |
|------------------------|----------------|---------------|
| व० छृदयति | छृदयतः | छृदयन्ति |
| छृदयसि | छृदयथः | छृदयथ |
| छृदयामि | छृदयावः | छृदयामः |
| स० छृदयेत् | छृदयेताम् | छृदयेयुः |
| छृदयेः | छृदयेतम् | छृदयेत |
| छृदयेयम् | छृदयेव | छृदयेम |
| प० छृदयतु | छृदयतात् | छृदयताम् |
| छृदय | छृदयतम् | छृदयत |
| छृदयानि | छृदयाव | छृदयाम |
| झ० अछृदयत् | अछृदयताम् | अछृदयन् |
| अछृदयः | अछृदयतम् | अछृदयत |
| अछृदयम् | अछृदयाव | अछृदयाम |
| अ० अचछृदत् | अचछृदताम् | अचछृदन् |
| अचछृदः | अचछृदतम् | अचछृदत |
| अचछृदम् | अचछृदाव | अचछृदाम |
| अचिच्छृदत् | अचिच्छृदताम् | अचिच्छृदन् |
| प० छृदयाञ्चकार | छृदयाञ्चक्रुः | छृदयाञ्चक्रुः |
| छृदयाञ्चकथे | छृदयाञ्चकथुः | छृदयाञ्चकथ |
| छृदयाञ्चकार-कर | छृदयाञ्चकृष | छृदयाञ्चकृम |
| छृदयाम्बभूव । छृदयामास | | |
| आ० छृद्यात् | छृद्यास्ताम् | छृद्यासुः |
| छृद्याः | छृद्यास्तम् | छृद्यास्त |
| छृद्यासम् | छृद्यास्व | छृद्यास्म |
| प्रव० छृदित्वा | छृदितारौ | छृदितारः |
| छृदितसि | छृदितस्थः | छृदितस्थ |
| छृदित्वास्मि | छृदितस्वः | छृदितस्मः |
| भ० छृदियिष्यति | छृदियिष्यतः | छृदियिष्यन्ति |
| छृदियिष्यसि | छृदियिष्यथः | छृदियिष्यथ |
| छृदियिष्यामि | छृदियिष्यावः | छृदियिष्यामः |
| अछृदियिष्यत् | अछृदियिष्यताम् | अछृदियिष्यन् |
| अछृदियिष्यः | अछृदियिष्यतम् | अछृदियिष्यत |
| अछृदियिष्यम् | अछृदियिष्याव | अछृदियिष्याम |

॥ गिजभावे ॥

| | | |
|---|--------------|-------------|
| व० छृदति | छृदतः | छृदन्ति |
| छृदसि | छृदथः | छृदथ |
| छृदामि | छृदावः | छृदामः |
| स० छृदेत् | छृदेताम् | छृदेयुः |
| छृदेः | छृदेतम् | छृदेत |
| छृदेयम् | छृदेव | छृदेम |
| प० छृदतु | छृदतात् | छृदताम् |
| छृद | छृदतम् | छृदत |
| छृदानि | छृदाव | छृदाम |
| झ० अछृदत् | अछृदताम् | अछृदन् |
| अछृदः | अछृदतम् | अछृदत |
| अछृदम् | अछृदाव | अछृदाम |
| अ० अछृदित् | अछृदिशम् | अछृदिषुः |
| अछृदीः | अछृदिष्टम् | अछृदिष्ट |
| अछृदिषम् | अछृदिष्व | अछृदिष्म |
| प० चछृद | चछृदतुः | चछृदुः |
| चछृदिथ | चछृदथुः | चछृद |
| चछृद | चछृदिष्व | चछृदिम् |
| आ० छृद्यात् | छृद्यास्ताम् | छृद्यासुः |
| छृद्याः | छृद्यास्तम् | छृद्यास्त |
| छृद्यासम् | छृद्यास्व | छृद्यास्म |
| प्रव० छृदित्वा | छृदितारौ | छृदितारः |
| छृदितसि | छृदितस्थः | छृदितस्थ |
| छृदित्वास्मि | छृदितस्वः | छृदितस्मः |
| भ० छृदिष्यति | छृदिष्यतः | छृदिष्यन्ति |
| छृदिष्यसि | छृदिष्यथः | छृदिष्यथ |
| छृदिष्यामि | छृदिष्यावः | छृदिष्यामः |
| क्रि० अछृदिष्यत् | अछृदिष्यताम् | अछृदिष्यन् |
| अछृदिष्यः | अछृदिष्यतम् | अछृदिष्यत |
| अछृदिष्यम् | अछृदिष्याव | अछृदिष्याम |
| कृतवृत्तेत्यत्र तदसाहचर्येण रुधादेरेव ग्र- हणात् सादाविद्विकल्पभावेन छृदिष्यति । | | |

॥ अथ धान्तः ॥

1968 शुन्धिण (शुन्ध) शुद्धौ 401

व० शुन्धयति शुन्धयतः शुन्धयन्ति
शुन्धयति शुन्धयथः शुन्धयथ
शुन्धयामि शुन्धयामः शुन्धयामः

स० शुन्धयेत् शुन्धयेताम् शुन्धयेयुः
शुन्धयेः शुन्धयेतम् शुन्धयेत
शुन्धयेयम् शुन्धयेष शुन्धयेम

प० शुन्धातुनात् शुन्धातताम् शुन्धातन्तु
शुन्धातः शुन्धाततम् शुन्धातत
शुन्धातानि शुन्धातव शुन्धातवाम

अ० अशुन्धयत् अशुन्धयताम् अशुन्धयन्त
अशुन्धयः अशुन्धयतम् अशुन्धयत
अशुन्धयाम अशुन्धयव अशुन्धयवाम

अ० अशुन्धात् अशुन्धाताम् अशुन्धान्त
अशुन्धाः अशुन्धातम् अशुन्धात
अशुन्धाम अशुन्धाव अशुन्धाम

प० शुन्धायाञ्चाकार शुन्धायाञ्चाकतु-याञ्चाकः
शुन्धायाञ्चाकर्तुः शुन्धायाञ्चाकथुः शुन्धायाञ्चाक
शुन्धायाञ्चाकार-कर शुन्धायाञ्चाकृष-याञ्चाकृम
शुन्धायाञ्चाकृष्व । शुन्धायाञ्चास

आ० शुन्ध्यात् शुन्ध्याताम् शुन्ध्यासुः
शुन्ध्याः शुन्ध्यातम् शुन्ध्यास्त
शुन्ध्यासम् शुन्ध्यास्व शुन्ध्यास्म

अ० शुन्धयिता शुन्धयितारौ शुन्धयितारः इ०
शुन्धयिष्यति शुन्धयिष्यतः शुन्धयिष्यन्ति इ०
क्रि० अशुन्धयिष्यत् अशुन्धयिष्यताम्
अशुन्धयिष्यन् इ०

॥ णिजभावे ॥

व० शुन्धते शुन्धेते शुन्धन्ते
शुन्धते शुन्धेथे शुन्धध्वे
शुन्धे शुन्धावहे शुन्धामहे

स० शुन्धेत शुन्धेयाताम् शुन्धेयन्त
शुन्धेयाः शुन्धेयाताम् शुन्धेयवम्
शुन्धेय शुन्धेयहि शुन्धेमहि

प० शुन्धताम् शुन्धेताम् शुन्धन्ताम्
शुन्धन्तः शुन्धेताम् शुन्धन्तवम्
शुन्ध शुन्धावहे शुन्धामहे

अ० अशुन्धत अशुन्धेताम् अशुन्धन्त
अशुन्धथाः अशुन्धेशाम् अशुन्धध्वम्
अशुन्धे अशुन्धावहि अशुन्धामहि

अ० अशुन्धिष्ट अशुन्धिषाताम् अशुन्धिषत
अशुन्धिष्टाः अशुन्धिषाताम् अशुन्धिष्ट-वम्-
ह्वम्-ध्वम्
अशुन्धिषि अशुन्धिष्वहि अशुन्धिषमहि

प० शुशुन्धे शुशुन्धाते शुशुन्धिरे
शुशुन्धिषे शुशुन्धाथे शुशुन्धिष्वे
शुशुन्धे शुशुन्धिवहे शुशुन्धिमहे

आ० शुन्धिषीष्ट शुन्धिषीयाताम् शुन्धिषी
शुन्धिषीष्टाः शुन्धिषीयाताम् शुन्धिषी
शुन्धिषीय शुन्धिषीवहि शुन्धिषीम

अ० शुन्धिता शुन्धितारौ शुन्धितारः

म० शुन्धिष्यते शुन्धिष्येते शुन्धिष्यन्ते

क्रि० अशुन्धिष्यत् अशुन्धिष्यताम्
अशुन्धिष्यन् इत्या

॥ अथ नान्तौ ॥

1969 तनूण् (तन्) श्रद्धाघाते । 402

| | | |
|--|---------------|-------------------|
| व० तानयति | तानयतः | तानयन्ति |
| तानयसि | तानयथः | तानयथ |
| तानयामि | तानयावः | तानयामः |
| स० तानयेत् | तानयेताम् | तानयेयुः |
| तानयेः | तानयेतम् | तानयेत |
| तानयेयम् | तानयेव | तानयेम |
| प० तानयतु | तानयतात् | तानयताम् तानयन्तु |
| तानय | तानयतम् | तानयत |
| तानयानि | तानयाव | तानयाम |
| झ० अताननत् | अतानयताम् | अतानयन् |
| अतानयः | अतानयतम् | अतानयत |
| अतानयम् | अतानयाव | अतानयाम |
| अ० अतीतगत् | अतीतनताम् | अतीतनन् |
| अतीतनः | अतीतनतम् | अतीतनत |
| अतीतनम् | अतीतनाव | अतीतनाम |
| प० तानयाञ्चकार | तानयाञ्चकतुः | तानयाञ्चक्रुः |
| तानयाञ्चकर्त्तुः | तानयाञ्चकथुः | तानयाञ्चक्रुः |
| तानयाञ्चकारचकरतानयाञ्चक्रुव | तानयाञ्चक्रुव | तानयाञ्चक्रुम |
| तानयाम्बभूव | तानयामास | |
| आ० तान्यात् | तान्यास्ताम् | तान्यासुः |
| तान्याः | तान्यास्तम् | तान्यास्त |
| तान्यासम् | तान्यास्य | तान्यास्य |
| प्र० तानयिता | तानयितारौ | तानयितारः |
| तानयितासि | तानयितास्यः | तानयितास्य |
| तानयितास्मि | तानयितास्वः | तानयितास्म |
| अ० तानयिष्यति | तानयिष्यतः | तानयिष्यन्ति |
| तानयिष्यसि | तानयिष्यथः | तानयिष्यथ |
| तानयिष्यामि | तानयिष्यावः | तानयिष्यामः |
| अतानयिष्यत् | अतानयिष्यताम् | अतानयिष्यन् |
| अतानयिष्यः | अतानयिष्यतम् | अतानयिष्यत |
| अतानयिष्यम् | अतानयिष्याव | अतानयिष्याम |
| वन श्रद्धोपहिंसनयोरिति चान्द्रं पारायणम् | | |

| | | |
|-----------------|-------------|---------------|
| व० तनति | तनतः | तनन्ति |
| तनसि | तनथः | तनथ |
| तनामि | तनावः | तनमः |
| स० तनेत् | तनेताम् | तनेयुः |
| तनेः | तनेतम् | तनेत |
| तनेयम् | तनेव | तनेम |
| प० तनतु | तनतात् | तनताम् तनन्तु |
| तन | तनतम् | तनत |
| तनानि | तनाव | तनाम |
| झ० अतनत् | अतनताम् | अतनन् |
| अतनः | अतनतम् | अतनत |
| अतनम् | अतनाव | अतनाम |
| अ० अतानीत् | अतानिष्टाम् | अतानिष्टुः |
| अतानीः | अतानिष्टम् | अतानिष्ट |
| अतानिष्टम् | अतानिष्टव | अतानिष्टम |
| अतानीत् | अतनिष्टाम् | अतनिष्टुः इ० |
| प० ततान | तेनतुः | तेनुः |
| तेनिथ | तेनथुः | तेन |
| ततान ततन | तेनिथ | तेनिम |
| आ० तन्यात् | तन्यास्ताम् | तन्यासुः |
| तन्याः | तन्यास्तम् | तन्यास्त |
| तन्यासम् | तन्यास्य | तन्यास्य |
| प्र० तनिता | तनिवारौ | तनितारः |
| तनितासि | तनितास्यः | तनितास्य |
| तनितास्मि | तनितास्वः | तनितास्म |
| अ० तनिष्यति | तनिष्यतः | तनिष्यन्ति |
| तनिष्यसि | तनिष्यथः | तनिष्यथ |
| तनिष्यामि | तनिष्यावः | तनिष्यामः |
| क्रि० अतनिष्यत् | अतनिष्यताम् | अतनिष्यन् |
| अतनिष्यः | अतनिष्यतम् | अतनिष्यत |
| अतनिष्यम् | अतनिष्याव | अतनिष्याम |

1970 मान्ण (मान्) पूजायाम् 403

॥ णिजभावे ॥

व० मानयति मानयतः मानयन्ति
मानयसि मानयथः मानयथ
मानयामि मानयावः मानयामः

स० मानयेत् मानयेताम् मानयेयुः
मानयेः मानयेनम् मानयेत्त
मानयेयम् मानयेव मानयेम

प० मानयतु मानयतात् मानयताम् मानयन्तु
मानय मानयतम् मानयत
मानयानि मानयाव मानयाम

झ० अमानयत् अमानयताम् अमानयन्
अमानयः अमानयतम् अमानयत
अमानयम् अमानयाव अमानयाम

अ० अमीमनत् अमीमनताम् अमीमनन्
अमीमनः अमीमनतम् अमीमनत
अमीमनम् अमीमनाव अमीमनाम

प० मानयाञ्चकार मानयाञ्चकतुः मानयाञ्चकु
मानयाञ्चकथ मानयाञ्चकथुः मानयाञ्चक
मानयाञ्चकार-कर मानयाञ्चकुव मानयाञ्चकुम
मानयाञ्चभूव । मानयामास

आ० मान्यात् मान्यास्ताम् मान्यासुः
मान्याः मान्यास्तम् मान्यास्त
मान्यासम् मान्यास्व मान्यास्म

श्व० मानयिता मानयितारौ मानयितारः
मानयितासि मानयितास्थः मानयितास्थ
मानयितास्मि मानयितास्वः मानयितास्मः

म० मानयिष्यति मानयिष्यतः मानयिष्यन्ति
मानयिष्यसि मानयिष्यथः मानयिष्यथ
मानयिष्यामि मानयिष्यावः मानयिष्यामः

अमानयिष्यत् अमानयिष्यताम् अमानयिष्यन्
अमानयिष्यः अमानयिष्यतम् अमानयिष्यत
अमानयिष्यम् अमानयिष्याव अमानयिष्याम

व० मानति मानतः मानन्ति
मानसि मानथः मानथ
मानामि मानावः मानामः

स० मानेत् मानेताम् मानेयुः
मानेः मानेतम् मानेत
मानेयम् मानेव मानेम

प० मानतु मानतात् मानताम् मानन्तु
मान मानतम् मानत
मानानि मानाव मानाम

झ० अमानत् अमानताम् अमानन्
अमानः अमानतम् अमानत
अमानम् अमानाव अमानाम

अ० अमानीत् अमानिष्टां अमानिषुः
अमानीः अमानिष्टम् अमानिष्ट
अमानिषम् अमानिष्व अमानिष्म

प० ममान ममानतुः ममानुः
ममानिथ ममानथुः ममान
ममान ममानिव ममानिम

आ० मान्यात् मान्यास्ताम् मान्यासुः
मान्याः मान्यास्तम् मान्यास्त
मान्यासम् मान्यास्व मान्यास्म

श्व० मानिता मानितारौ मानितारः
मानितासि मानितास्थः मानितास्थ
मानितास्मि मानितास्वः मानितास्मः

अ० मानिष्यति मानिष्यतः मानिष्यन्ति
मानिष्यसि मानिष्यथः मानिष्यथ
मानिष्यामि मानिष्यावः मानिष्यामः

अमानिष्यत् अमानिष्यताम् अमानिष्यन्
अमानिष्यः अमानिष्यतम् अमानिष्यत
अमानिष्यम् अमानिष्याव अमानिष्याम

॥ अथ पान्तास्त्रयः ॥

1971 तपिण् (तप्) दाहे । 404

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० तापयति | तापयतः | तापयन्ति |
| तापयसि | तापयथः | तापयथ |
| तापयामि | तापयावः | तापयामः |
| स० तापयेत् | तापयेताम् | तापयेयुः |
| तापयेः | तापयेतम् | तापयेत |
| तापयेयम् | तापयेव | तापयेम |
| प० तापयतु | तापयतात् | तापयताम् |
| तापय | तापयतम् | तापयत |
| तापयानि | तापयाव | तापयाम |
| झ० अतापयत् | अतापयताम् | अतापयन् |
| अतापयः | अतापयतम् | अतापयत |
| अतापयम् | अतापयाव | अतापयाम |
| अ० अतीतपत् | अतीतपताम् | अतीतपन् |
| अतीतपः | अतीतपतम् | अतीतपत |
| अतीतपम् | अतीतपाव | अतीतपाम |
| प० तापयाञ्चकार | तापयाञ्चकृतुः | याञ्चकुः |
| तापयाञ्चकर्थ | तापयाञ्चकथुः | तापयाञ्चक |
| तापयाञ्चकार कर | तापयाञ्चकृष | याञ्चकृम |
| तापयाम्बभूव । | तापयामास | |
| आ० ताप्यात् | ताप्यास्ताम् | ताप्यासुः |
| ताप्याः | ताप्यास्तम् | ताप्यास्त |
| ताप्यासम् | ताप्यास्व | ताप्यास्म |
| प्र० तापयिता | तापयितारौ | तापयितारः |
| तापयितासि | तापयितास्थः | तापयितास्थ |
| तापयितास्मि | तापयितास्वः | तापयितास्मः |
| भ० तापयिष्यति | तापयिष्यतः | तापयिष्यन्ति |
| तापयिष्यसि | तापयिष्यथः | तापयिष्यथ |
| तापयिष्यामि | तापयिष्यावः | तापयिष्यामः |
| अतापयिष्यत् | अतापयिष्यताम् | अतापयिष्यन् |
| अतापयिष्यः | अतापयिष्यतम् | अतापयिष्यत |
| अनापयिष्यम् | अतापयिष्याव | अतापयिष्याम |

॥ निजभावे ॥

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० तपते | तपेते | तपन्ते |
| तपसे | तपेथे | तपध्वे |
| तपे | तपावहे | तपामहे |
| स० तपेत् | तपेयाताम् | तपेरन् |
| तपेथाः | तपेयाथाम् | तपेध्वम् |
| तपेय | तपेवहि | तपेमहि |
| प० तपताम् | तपेताम् | तपन्ताम् |
| तपस्व | तपेथाम् | तपध्वम् |
| तपै | तपावहै | तपामहै |
| झ० अतपत् | अतपेताम् | अतपन्त |
| अतपथाः | अतपेथाम् | अतपध्वम् |
| अतपे | अतपावहि | अतपामहि |
| अ० अतपिष्ट | अतपिषाताम् | अतपिषत |
| अतपिष्ठाः | अतपिषाथाम् | अतपिषध्वम् |
| अतपिषि | अतपिष्वहि | अतपिषमहि |
| प० तेपे | तेपाते | तेपिरे |
| तेपिषे | तेपाथे | तेपिध्वे |
| तेपे | तेपिवहे | तेपिमहे |
| आ० तपिषीष्ट | तपिषीयास्ताम् | तपिषोरन् |
| तपिषीष्ठाः | तपिषीयाथाम् | तपिषीध्वम् |
| तपिषीय | तपिषीवहि | तपिषीमहि |
| प्र० तपिता | तपितारौ | तपितारः |
| तपितासे | तपितासाथे | तपिताध्वे |
| तपिताहे | तपितास्वहे | तपितास्महे |
| भ० तपिष्यते | तपिष्येते | तपिष्यन्ते |
| तपिष्यसे | तपिष्येथे | तपिष्यध्वे |
| तपिष्ये | तपिष्यावहे | तपिष्यामहे |
| क्रि० अतपिष्यत | अतपिष्येताम् | अतपिष्यन्त |
| अतपिष्यथाः | अतपिष्येथाम् | अतपिष्यध्वम् |
| अतपिष्ये | अतपिष्यावहि | अतपिष्यामहि |

(तृप्) प्रीणने । 405

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० तर्पयति | तर्पयतः | तर्पयन्ति |
| तर्पयसि | तर्पयथः | तर्पयथ |
| तर्पयामि | तर्पयावः | तर्पयामः |
| स० तर्पयेत् | तर्पयेताम् | तर्पयेयुः |
| तर्पयेः | तर्पयेतम् | तर्पयेत |
| तर्पयेयम् | तर्पयेव | तर्पयेम |
| प० तर्पयतु | तर्पयतात् | तर्पयताम् |
| तर्पय | ” | तर्पयतम् |
| तर्पयाणि | तर्पयाव | तर्पयाम |
| ह्य० अतर्पयत् | अतर्पयताम् | अतर्पयन् |
| अतर्पयः | अतर्पयतम् | अतर्पयत |
| अतर्पयम् | अतर्पयाव | अतर्पयाम |
| अ० अतीतृपत् | अतीतृपताम् | अतीतृपन् |
| अतीतृपः | अतीतृपतम् | अतीतृपत |
| अतीतृपम् | अतीतृपाव | अतीतृपाम |
| अततर्पत् | अततर्पताम् | अततर्पन् ३० |
| प० तर्पयाञ्चकार | तर्पयाञ्चक्रुः | तर्पयाञ्चकुः |
| तर्पयाञ्चकथं | तर्पयाञ्चकथुः | तर्पयाञ्चक |
| तर्पयाञ्चकार कर | तर्पयाञ्चकृव | याञ्चकृम |
| तर्पयाम्बभूव | । | तर्पयामास |
| आ० तर्पयति | तर्पयस्ताम् | तर्पयसुः |
| तर्पयिः | तर्पयस्तम् | तर्पयस्त |
| तर्पयसम् | तर्पयस्व | तर्पयस्म |
| प्रव० तर्पयिता | तर्पयितारौ | तर्पयितारः |
| तर्पयितासि | तर्पयितास्थः | तर्पयितास्थ |
| तर्पयितास्मि | तर्पयितास्वः | तर्पयितास्मः |
| भ० तर्पयिष्यति | तर्पयिष्यतः | तर्पयिष्यन्ति |
| तर्पयिष्यसि | तर्पयिष्यथः | तर्पयिष्यथ |
| तर्पयिष्यामि | तर्पयिष्यावः | तर्पयिष्यामः |
| अतर्पयिष्यत् | अतर्पयिष्यताम् | अतर्पयिष्यन् |
| अतर्पयिष्यः | अतर्पयिष्यतम् | अतर्पयिष्यत |
| अतर्पयिष्यम् | अतर्पयिष्याव | अतर्पयिष्याम |

॥ णिजभावे ॥

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० तर्पति | तर्पतः | तर्पन्ति |
| तर्पसि | तर्पथः | तर्पथ |
| तर्पामि | तर्पावः | तर्पामः |
| स० तर्पेत् | तर्पेताम् | तर्पेयुः |
| तर्पेः | तर्पेतम् | तर्पेत |
| तर्पेयम् | तर्पेव | तर्पेम |
| प० तर्पतु | तर्पतात् | तर्पताम् |
| तर्प | ” | तर्पतम् |
| तर्पाणि | तर्पाव | तर्पाम |
| ह्य० अतर्पत् | अतर्पताम् | अतर्पन् |
| अतर्पः | अतर्पतम् | अतर्पत |
| अतर्पम् | अतर्पाव | अतर्पाम |
| अ० अतर्पितु | अतर्पिताम् | अतर्पिषुः |
| अतर्पिः | अतर्पिष्टम् | अतर्पिष्ट |
| अतर्पिषम् | अतर्पिष्व | अतर्पिष्म |
| प० ततर्प | ततृपतुः | ततृपुः |
| ततर्पिथ | ततृपथुः | ततृप |
| ततर्प | ततृपिव | ततृपिम |
| आ० तृप्यात् | तृप्यास्ताम् | तृप्यासुः |
| तृप्याः | तृप्यास्तम् | तृप्यास्त |
| तृप्यासम् | तृप्यास्व | तृप्यास्म |
| प्रव० तर्पिता | तर्पितारौ | तर्पितारः |
| तर्पितासि | तर्पितास्थः | तर्पितास्थ |
| तर्पितास्मि | तर्पितास्वः | तर्पितास्मः |
| भ० तर्पिष्यति | तर्पिष्यतः | तर्पिष्यन्ति |
| तर्पिष्यसि | तर्पिष्यथः | तर्पिष्यथ |
| तर्पिष्यामि | तर्पिष्यावः | तर्पिष्यामः |
| क्रि० अतर्पिष्यत् | अतर्पिष्यताम् | अतर्पिष्यन् |
| अतर्पिष्यः | अतर्पिष्यतम् | अतर्पिष्यत |
| अतर्पिष्यम् | अतर्पिष्याव | अतर्पिष्याम |

1973 आप्लृण् (आप्) लम्भने ।

लम्भने प्राप्तिः 406

| | | |
|-----------------|-------------|-----------------|
| व० आपयति | आपयतः | आपयन्ति |
| आपयसि | आपयथः | आपयथ |
| आपयामि | आपयावः | आपयामः |
| स० आपयेत् | आपयेताम् | आपयेयुः |
| आपयेः | आपयेतम् | आपयेत |
| आपयेयम् | आपयेव | आपयेम |
| प० आपयतु | आपयतात् | आपयताम् आपयन्तु |
| आपय | आपयतम् | आपयत |
| आपयानि | आपयाव | आपयाम |
| द्व० आपयत् | आपयताम् | आपयन् |
| आपयः | आपयतम् | आपयत |
| आपयम् | आपयाव | आपयाम |
| अ० आपिपत् | आपिपताम् | आपिपन् |
| आपिपः | आपिपतम् | आपिपत |
| आपिपम् | आपिपाव | आपिपाम |
| प० आपयाञ्चकार | आपयाञ्चकतुः | आपयाञ्चकृः |
| आपयाञ्चकथ | आपयाञ्चकथुः | आपयाञ्चक |
| आपयाञ्चकार-कर | आपयाञ्चकृव | आपयाञ्चकृम |
| आपयाञ्चभूव | | आपयामास |
| आ० आप्यात् | आप्यास्ताम् | आप्यासुः |
| आप्याः | आप्यास्तम् | आप्यास्त |
| आप्यासम् | आप्यास्व | आप्यास्म |
| प्रव० आपयिता | आपयितारौ | आपयितारः |
| आपयितासि | आपयितास्वः | आपयितास्थ |
| आपयितास्मि | आपयितास्वः | आपयितास्मः |
| आपयिष्यति | आपयिष्यतः | आपयिष्यन्ति |
| आपयिष्यसि | आपयिष्यथः | आपयिष्यथ |
| आपयिष्यामि | आपयिष्यावः | आपयिष्यामः |
| क्रि० आपयिष्यत् | आपयिष्यताम् | आपयिष्यन् |
| आपयिष्यः | आपयिष्यतम् | आपयिष्यत |
| आपयिष्यम् | आपयिष्याव | आपयिष्याम |

॥ णिजभावे ॥

| | | |
|----------------|-------------|---------------|
| व० आपति | आपतः | आपन्ति |
| आपसि | आपथः | आपथ |
| आपामि | आपावः | आपामः |
| स० आपेत् | आपेताम् | आपेयुः |
| आपेः | आपेतम् | आपेत |
| आपेयम् | आपेव | आपेम |
| प० आपतु | आपतात् | आपताम् आपन्तु |
| आप | आपतम् | आपत |
| आपानि | आपाव | आपाम |
| द्व० आपत् | आपताम् | आपन् |
| आपः | आपतम् | आपत |
| आपम् | आपाव | आपाम |
| अ० आपत् | आपताम् | आपन् |
| आपः | आपतम् | आपत |
| आपम् | आपाव | आपाम |
| प० आप | आपतुः | आपुः |
| आपिथ | आपथुः | आप |
| अपि | आपिथ | आपिम |
| आ० आप्यात् | आप्यास्ताम् | आप्यासुः |
| आप्याः | आप्यास्तम् | आप्यास्त |
| आप्यासम् | आप्यास्व | आप्यास्म |
| प्रव० आपिता | आपितारौ | आपितारः |
| आपितासि | आपितास्वः | आपितास्थ |
| आपितास्मि | आपितास्वः | आपितास्मः |
| म० आपिष्यति | आपिष्यतः | आपिष्यन्ति |
| आपिष्यसि | आपिष्यथः | आपिष्यथ |
| आपिष्यामि | आपिष्यावः | आपिष्यामः |
| क्रि० आपिष्यत् | आपिष्यताम् | आपिष्यन् |
| आपिष्यः | आपिष्यतम् | आपिष्यत |
| आपिष्यम् | आपिष्याव | आपिष्याम |

॥ अथ भान्तः ॥

1974 दृभैत् (दृभ्) भये । 407

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० दृभयति | दृभयतः | दृभयन्ति |
| दृभयसि | दृभयथः | दृभयथ |
| दृभयामि | दृभयावः | दृभयामः |
| स० दृभयेत् | दृभयेताम् | दृभयेयुः |
| दृभयेः | दृभयेतम् | दृभयेत |
| दृभयेयम् | दृभयेव | दृभयेम |
| प० दृभयतु | दृभयतात् | दृभयताम् |
| दृभय | दृभयतम् | दृभयत |
| दृभयाणि | दृभयाव | दृभयाम |
| झ० अदृभयत् | अदृभयताम् | अदृभयन् |
| अदृभयः | अदृभयतम् | अदृभयत |
| अदृभयम् | अदृभयाव | अदृभयाम |
| अ० अदीवृभत् | अदीवृभताम् | अदीवृभन् |
| अदीवृभः | अदीवृभतम् | अदीवृभत |
| अदीवृभम् | अदीवृभाव | अदीवृभाम |
| अदृदृभत् | अदृदृभताम् | अदृदृभन् |
| प० दृभयाञ्चकार | दृभयाञ्चक्रुः | दृभयाञ्चकुः |
| दृभयाञ्चकथ | दृभयाञ्चक्रुः | दृभयाञ्चक |
| दृभयाञ्चकार | कर | दृभयाञ्चकृव |
| दृभयाञ्चकृव | याञ्चकृम | |
| दृभयाञ्चभूव | । | दृभयामास |
| आ० दृभ्यात् | दृभ्यास्ताम् | दृभ्यासुः |
| दृभ्याः | दृभ्यास्तम् | दृभ्यास्त |
| दृभ्यासम् | दृभ्यास्व | दृभ्यास्म |
| प्रव० दृभयिता | दृभयितारौ | दृभयितारः |
| दृभयितासि | दृभयितास्थः | दृभयितास्थ |
| दृभयितास्मि | दृभयितास्वः | दृभयितास्मः |
| भ० दृभयिष्यति | दृभयिष्यतः | दृभयिष्यन्ति |
| दृभयिष्यसि | दृभयिष्यथः | दृभयिष्यथ |
| दृभयिष्यामि | दृभयिष्यावः | दृभयिष्यामः |
| अदृभयिष्यत् | अदृभयिष्यताम् | अदृभयिष्यन् |
| अदृभयिष्यः | अदृभयिष्यतम् | अदृभयिष्यत |
| अदृभयिष्यम् | अदृभयिष्याव | अदृभयिष्याम |

॥ निजभावे ॥

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० दृभति | दृभतः | दृभन्ति |
| दृभसि | दृभथः | दृभथ |
| दृभामि | दृभावः | दृभामः |
| स० दृभेत् | दृभेताम् | दृभेयुः |
| दृभेः | दृभेतम् | दृभेत |
| दृभेयम् | दृभेव | दृभेम |
| प० दृभतु | दृभतात् | दृभताम् |
| दृभ | दृभतम् | दृभत |
| दृभाणि | दृभाव | दृभाम |
| झ० अदृभत् | अदृभताम् | अदृभन् |
| अदृभः | अदृभतम् | अदृभत |
| अदृभम् | अदृभाव | अदृभाम |
| अ० अदृभीत् | अदृभिष्टाम् | अदृभिषुः |
| अदृभीः | अदृभिष्टम् | अदृभिष्ट |
| अदृभिषम् | अदृभिष्व | अदृभिष्म |
| प० दृदृभ | दृदृभतुः | दृदृभुः |
| दृदृभिथ | दृदृभथुः | दृदृभ |
| दृदृभ | दृदृभिष्व | दृदृभिम |
| आ० दृभ्यात् | दृभ्यास्ताम् | दृभ्यासुः |
| दृभ्याः | दृभ्यास्तम् | दृभ्यास्त |
| दृभ्यासम् | दृभ्यास्व | दृभ्यास्म |
| प्रव० दृभिता | दृभितारौ | दृभितारः |
| दृभितासि | दृभितास्थः | दृभितास्थ |
| दृभितास्मि | दृभितास्वः | दृभितास्मः |
| भ० दृभिष्यति | दृभिष्यतः | दृभिष्यन्ति |
| दृभिष्यसि | दृभिष्यथः | दृभिष्यथ |
| दृभिष्यामि | दृभिष्यावः | दृभिष्यामः |
| क्रि० अदृभिष्यत् | अदृभिष्यताम् | अदृभिष्यन् |
| अदृभिष्यः | अदृभिष्यतम् | अदृभिष्यत |
| अदृभिष्यम् | अदृभिष्याव | अदृभिष्याम |

॥ अथ रान्तः ॥

1975 ईरण् (ईर्) क्षेपे 408

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| व० ईरयति | ईरयतः | ईरयन्ति |
| ईरयसि | ईरयथः | ईरयेथ |
| ईरयामि | ईरयावः | ईरयामः |
| स० ईरयेत् | ईरयेताम् | ईरयेयुः |
| ईरयेः | ईरयेतम् | ईरयेत |
| ईरयेयम् | ईरयेव | ईरयेम |
| प० ईरयतु | ईरयतात् | ईरयन्तु |
| ईरय | ईरयतम् | ईरयत |
| ईरयाणि | ईरयाव | ईरयाम |
| ह्य० पेरयत् | पेरयताम् | पेरयन् |
| पेरयः | पेरयतम् | पेरयत |
| पेरयम् | पेरयाव | पेरयाम |
| अ० पेरिरत् | पेरिरताम् | पेरिरन् |
| पेरिरः | पेरिरतम् | पेरिरत |
| पेरिरम् | पेरिराव | पेरिराम |
| प० ईरयाञ्चकार | ईरयाञ्चक्रुः | ईरयाञ्चकुः |
| ईरयाञ्चकथं | ईरयाञ्चकथुः | ईरयाञ्चक |
| ईरयाञ्चकार-कर | ईरयाञ्चकृव | ईरयाञ्चकृम |
| ईरयाम्बभूव | । | ईरयामास |
| आ० ईर्यात् | ईर्यास्ताम् | ईर्यासुः |
| ईर्याः | ईर्यास्ताम् | ईर्यास्ता |
| ईर्यासम् | ईर्यास्व | ईर्यास्म |
| प्रव० ईरयिता | ईरयितारौ | ईरयितारः |
| ईरयितासि | ईरयितास्थः | ईरयितास्थ |
| ईरयितास्मि | ईरयितास्वः | ईरयितास्मः |
| ॥ ईरयिष्यति | ईरयिष्यतः | ईरयिष्यन्ति |
| ईरयिष्यसि | ईरयिष्यथः | ईरयिष्यथ |
| ईरयिष्यामि | ईरयिष्यावः | ईरयिष्यामः |
| क्रि० पेरिष्यत् | पेरिष्यताम् | पेरिष्यन् |
| पेरिष्यः | पेरिष्यतम् | पेरिष्यत |
| पेरिष्यम् | पेरिष्याव | पेरिष्याम |

॥ निजभावे ॥

| | | |
|-----------------|-------------|------------|
| व० ईरति | ईरतः | ईरन्ति |
| ईरसि | ईरथः | ईरथ |
| ईरामि | ईरावः | ईरामः |
| स० ईरेत् | ईरेताम् | ईरेयुः |
| ईरेः | ईरेतम् | ईरेत |
| ईरेयम् | ईरेव | ईरेम |
| प० ईरितु | ईरितात् | ईरन्तु |
| ईर | ईरितम् | ईरत |
| ईराणि | ईराव | ईराम |
| ह्य० पेरत् | पेरताम् | पेरन् |
| पेरः | पेरतम् | पेरत |
| पेरम् | पेराव | पेराम |
| अ० पेरीत् | पेरिषाम | पेरिषुः |
| पेरीः | पेरिषम् | पेरिष |
| पेरिषम् | पेरिष्व | पेरिषम |
| प० ईराञ्चकार | ईराञ्चक्रुः | ईराञ्चकुः |
| ईराञ्चकथं | ईराञ्चकथुः | ईराञ्चक |
| ईराञ्चकार कर | ईराञ्चकृव | ईराञ्चकृम |
| ईराम्बभूव | । | ईरामास |
| आ० ईर्यात् | ईर्यास्ताम् | ईर्यासुः |
| ईर्याः | ईर्यास्ताम् | ईर्यास्ता |
| ईर्यासम् | ईर्यास्व | ईर्यास्म |
| प्रव० ईरिता | ईरितारौ | ईरितारः |
| ईरितासि | ईरितास्थः | ईरितास्थ |
| ईरितास्मि | ईरितास्वः | ईरितास्मः |
| भ० ईरिष्यति | ईरिष्यतः | ईरिष्यन्ति |
| ईरिष्यसि | ईरिष्यथः | ईरिष्यथ |
| ईरिष्यामि | ईरिष्यावः | ईरिष्यामः |
| क्रि० पेरिष्यत् | पेरिष्यताम् | पेरिष्यन् |
| पेरिष्यः | पेरिष्यतम् | पेरिष्यत |
| पेरिष्यम् | पेरिष्याव | पेरिष्याम |

॥ अथ चान्ताश्चत्वारः ॥

1676 मृषिण् (मृष) तितिक्षायाम् 409

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० मर्षयति | मर्षयतः | मर्षयन्ति |
| मर्षयसि | मर्षयथः | मर्षयथ |
| मर्षयामि | मर्षयावः | मर्षयामः |
| स० मर्षयेत् | मर्षयेताम् | मर्षयेयुः |
| मर्षयेः | मर्षयेतम् | मर्षयेत |
| मर्षयेयम् | मर्षयेव | मर्षयेम |
| प० मर्षयतु | मर्षयतात् | मर्षयताम् |
| मर्षय | मर्षयतम् | मर्षयत |
| मर्षयाणि | मर्षयाव | मर्षयाम |
| झ० अमर्षयत् | अमर्षयताम् | अमर्षयन् |
| अमर्षयः | अमर्षयतम् | अमर्षयत |
| अमर्षयम् | अमर्षयाव | अमर्षयाम |
| अ० अमीमृषत् | अमीमृषताम् | अमीमृषन् |
| अमीमृषः | अमीमृषतम् | अमीमृषत |
| अमीमृषम् | अमीमृषाव | अमीमृषाम |
| अममर्षत् | अममर्षताम् | अममर्षन् |
| प० मर्षयाञ्चकार | मर्षयाञ्चकृतुः | मर्षयाञ्चकुः |
| मर्षयाञ्चकर्थ | मर्षयाञ्चकथुः | मर्षयाञ्चक |
| मर्षयाञ्चकार-कर | मर्षयाञ्चकृव | मर्षयाञ्चकृम |
| मर्षयाञ्चभूव | मर्षयामास | |
| आ० मर्ष्यात् | मर्ष्यास्ताम् | मर्ष्यासुः |
| मर्ष्याः | मर्ष्यास्तम् | मर्ष्यास्त |
| मर्ष्यालम् | मर्ष्यास्व | मर्ष्यास्म |
| प्रव० मर्षयिता | मर्षयितारौ | मर्षयितारः |
| मर्षयितासि | मर्षयितास्थः | मर्षयितास्थ |
| मर्षयितास्मि | मर्षयितास्वः | मर्षयितास्मः |
| भ० मर्षयिष्यति | मर्षयिष्यतः | मर्षयिष्यन्ति |
| मर्षयिष्यसि | मर्षयिष्यथः | मर्षयिष्यथ |
| मर्षयिष्यामि | मर्षयिष्यावः | मर्षयिष्यामः |
| अमर्षयिष्यत् | अमर्षयिष्यताम् | अमर्षयिष्यन् |
| अमर्षयिष्यः | अमर्षयिष्यतम् | अमर्षयिष्यत |
| अमर्षयिष्यम् | अमर्षयिष्याव | अमर्षयिष्याम |

॥ निजभावे ॥

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० मर्षते | मर्षते | मर्षन्ते |
| मर्षसे | मर्षथे | मर्षध्वे |
| मर्षे | मर्षावहे | मर्षामहे |
| स० मर्षेत | मर्षेयाताम् | मर्षेरन् |
| मर्षेथाः | मर्षेयाथाम् | मर्षेध्वम् |
| मर्षेय | मर्षेवहि | मर्षेमहि |
| प० मर्षताम् | मर्षेताम् | मर्षन्ताम् |
| मर्षस्व | मर्षेथाम् | मर्षध्वम् |
| मर्षे | मर्षावहे | मर्षामहे |
| झ० अमर्षत | अमर्षेताम् | अमर्षन्त |
| अमर्षथाः | अमर्षेथाम् | अमर्षध्वम् |
| अमर्षे | अमर्षावहि | अमर्षेमहि |
| अ० अमर्षिष्ट | अमर्षिषाताम् | अमर्षिषत |
| अमर्षिष्ठाः | अमर्षिषाथाम् | अमर्षिद्ध्वम् |
| अमर्षिषि | अमर्षिष्वहि | अमर्षिमहि |
| प० ममृषे | ममृषाते | ममृषिरे |
| ममृषिसे | ममृषाथे | ममृषिध्वे |
| ममृषे | ममृषिवहे | ममृषिमहे |
| आ० मर्षिषीष्ट | मर्षिषीयास्ताम् | मर्षिषीरन् |
| मर्षिषीष्ठाः | मर्षिषीयाथाम् | मर्षिषीध्वम् |
| मर्षिषीय | मर्षिषीवहि | मर्षिषीमहि |
| प्रव० मर्षिता | मर्षितारौ | मर्षितारः |
| मर्षितासे | मर्षितासाथे | मर्षिताध्वे |
| मर्षिताहे | मर्षितास्वहे | मर्षिनास्महे |
| भ० मर्षिष्यते | मर्षिष्येते | मर्षिष्यन्ते |
| मर्षिष्यसे | मर्षिष्येथे | मर्षिष्यध्वे |
| मर्षिष्ये | मर्षिष्यावहे | मर्षिष्यामहे |
| क्रि० अमर्षिष्यत | अमर्षिष्येताम् | अमर्षिष्यन्त |
| अमर्षिष्यथाः | अमर्षिष्येथाम् | अमर्षिष्यध्वम् |
| अमर्षिष्ये | अमर्षिष्यावहि | अमर्षिष्यामहि |

1977 शिषण (शिष) असर्वोपयोगे
असर्वोपयोगोऽनुपयुक्तत्वम् । 410

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० शिषयति | शिषयतः | शिषयन्ति |
| शिषयसि | शिषयथः | शिषयथ |
| शिषयामि | शिषयावः | शिषयानः |
| स० शिषयेत् | शिषयेताम् | शिषयेयुः |
| शिषयेः | शिषयेतम् | शिषयेत |
| शिषयेयम् | शिषयेव | शिषयेम |
| प० शिषयतु | शिषयतात् | शिषयताम् |
| शिषय | शिषयतम् | शिषयत |
| शिषयाणि | शिषयाव | शिषयाम |
| झ० अशिषयत् | अशिषयताम् | अशिषयन् |
| अशिषयः | अशिषयतम् | अशिषयत |
| अशिषयम् | अशिषयाव | अशिषयाम |
| अ० अशीशिषत् | अशीशिषताम् | अशीशिषन् |
| अशीशिषः | अशीशिषतम् | अशीशिषत |
| अशीशिषम् | अशीशिषाव | अशीशिषाम |
| प० शिषयाञ्चकार | शिषयाञ्चक्रुः | शिषयाञ्चक्रुः |
| शिषयाञ्चकथं | शिषयाञ्चकथुः | शिषयाञ्चक्रुः |
| शिषयाञ्चकार | चक्र | शिषयाञ्चक्रुः |
| शिषयाम्बभूव | शिषयामास | |
| आ० शिष्यात् | शिष्यास्ताम् | शिष्यासुः |
| शिष्याः | शिष्यास्तम् | शिष्यास्त |
| शिष्यासम् | शिष्यास्व | शिष्यास्म |
| प्र० शिषयिना | शिषयिनारौ | शिषयितारः |
| शिषयितासि | शिषयितास्थः | शिषयितास्थ |
| शिषयितास्मि | शिषयितास्वः | शिषयितास्मः |
| भ० शिषयिष्यति | शिषयिष्यतः | शिषयिष्यन्ति |
| शिषयिष्यसि | शिषयिष्यथः | शिषयिष्यथ |
| शिषयिष्यामि | शिषयिष्यावः | शिषयिष्यामः |
| क्रि० अशिषयिष्यत् | अशिषयिष्यताम् | अशिषयिष्यन् |
| अशिषयिष्यः | अशिषयिष्यतम् | अशिषयिष्यत |
| अशिषयिष्यम् | अशिषयिष्याव | अशिषयिष्याम |

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० शिषति | शिषतः | शिषन्ति |
| शिषसि | शिषथः | शिषथ |
| शिषामि | शिषावः | शिषामः |
| स० शिषेत् | शिषेताम् | शिषेयुः |
| शिषेः | शिषेतम् | शिषेत |
| शिषेयम् | शिषेव | शिषेम |
| प० शिषतु | शिषतात् | शिषताम् |
| शिष | शिषतम् | शिषत |
| शिषाणि | शिषाव | शिषाम |
| झ० अशिषत् | अशिषताम् | अशिषन् |
| अशिषः | अशिषतम् | अशिषत |
| अशिषम् | अशिषाव | अशिषाम |
| अ० अशिषीत् | अशिषीष्टाम् | अशिषीषुः |
| अशिषीः | अशिषीष्टम् | अशिषीष्ट |
| अशिषीषम् | अशिषीष्टव | अशिषीष्टम |
| प० शिषोष | शिषिषत् | शिषिषुः |
| शिषोषिथ | शिषिषथुः | शिषिष |
| शिषोष | शिषिषिव | शिषिषिम |
| आ० शिष्यात् | शिष्यास्ताम् | शिष्यासुः |
| शिष्याः | शिष्यास्तम् | शिष्यास्त |
| शिष्यासम् | शिष्यास्व | शिष्यास्म |
| प्र० शिषिता | शिषितारौ | शिषितारः |
| शिषितासि | शिषितास्थः | शिषितास्थ |
| शिषितास्मि | शिषितास्वः | शिषितास्मः |
| भ० शिषिष्यति | शिषिष्यतः | शिषिष्यन्ति |
| शिषिष्यसि | शिषिष्यथः | शिषिष्यथ |
| शिषिष्यामि | शिषिष्यावः | शिषिष्यामः |
| क्रि० अशिषिष्यत् | अशिषिष्यताम् | अशिषिष्यन् |
| अशिषिष्यः | अशिषिष्यतम् | अशिषिष्यत |
| अशिषिष्यम् | अशिषिष्याव | अशिषिष्याम |

1979 धृषण् (धृष) प्रसहने । प्रसहन्-

मभिभवः 412

व० धर्षयति धर्षयतः धर्षयन्ति

धर्षयसि धर्षयथः धर्षयथ

धर्षयामि धर्षयावः धर्षयामः

स० धर्षयेत् धर्षयेताम् धर्षयेयुः

धर्षयेः धर्षयेतम् धर्षयेत

धर्षयेयम् धर्षयेव धर्षयेम

प० धर्षयतु, धर्षयतात् धर्षयताम् धर्षयन्तु

,, तात् धर्षयतम् धर्षयत

धर्षयाणि धर्षयाव धर्षयाम

झ० अधर्षयत् अधर्षयताम् अधर्षयन्

अधर्षयः अधर्षयतम् अधर्षयत

अधर्षयम् अधर्षयाव अधर्षयाम

अ० अदीधृषत् अदीधृषताम् अदीधृषन्

अदीधृषः अदीधृषतम् अदीधृषत

अदीधृषम् अदीधृषाव अदीधृषाम

अदधर्षत् अदधर्षताम् अदधर्षन् इत्यादि

प० धर्षयाञ्चकार धर्षयाञ्चक्रुः धर्षयाञ्चक्रुः

धर्षयाञ्चकथ धर्षयाञ्चक्रथुः धर्षयाञ्चक्र

धर्षयाञ्चकार-कर धर्षयाञ्चक्रव धर्षयाञ्चक्रम

धर्षयाम्बभूव । धर्षयामास

आ० धर्ष्यात् धर्ष्यास्ताम् धर्ष्यासुः

धर्ष्याः धर्ष्यास्तम् धर्ष्यास्त

धर्ष्यासम् धर्ष्यास्व धर्ष्यास्म

श्व० धर्षयिता धर्षयितारौ धर्षयितारः

धर्षयितासि धर्षयितास्थः धर्षयितास्थ

धर्षयितास्मि धर्षयितास्वः धर्षयितास्मः

भ० धर्षयिष्यति धर्षयिष्यतः धर्षयिष्यन्ति

धर्षयिष्यसि धर्षयिष्यथः धर्षयिष्यथ

धर्षयिष्यामि धर्षयिष्यावः धर्षयिष्यामः

क्रि० अधर्षयिष्यत् अधर्षयिष्यताम् अधर्षयिष्यन्

अधर्षयिष्यः अधर्षयिष्यतम् अधर्षयिष्यत

अधर्षयिष्यम् अधर्षयिष्याव अधर्षयिष्याम

॥ गिजभावे ॥

व० धर्षति धर्षतः धर्षन्ति

धर्षसि धर्षथः धर्षथ

धर्षामि धर्षावः धर्षामः

स० धर्षेत् धर्षेताम् धर्षेयुः

धर्षेः धर्षेतम् धर्षेत

धर्षेयम् धर्षेव धर्षेम

प० धर्षतु धर्षतात् धर्षताम् धर्षन्तु

धर्ष ,, धर्षतम् धर्षत

धर्षाणि धर्षाव धर्षाम

झ० अधर्षत् अधर्षताम् अधर्षन्

अधर्षः अधर्षतम् अधर्षत

अधर्षम् अधर्षाव अधर्षाम

अ० अधर्षीत् अधर्षिष्टाम् अधर्षिषुः

अधर्षीः अधर्षिष्टम् अधर्षिष्ट

अधर्षिषम् अधर्षिष्व अधर्षिष्म

प० दधर्ष दधृषतुः दधृषुः

दधर्षिथ दधृषथुः दधृष

दधर्ष दधृषव दधृषिम

आधृष्यात् धृष्यास्ताम् धृष्यासुः

धृष्याः धृष्यास्तम् धृष्यास्त

धृष्यासम् धृष्यास्व धृष्यास्म

श्व० धर्षिता धर्षितारौ धर्षितारः

धर्षितासि धर्षितास्थः धर्षितास्थ

धर्षितास्मि धर्षितास्वः धर्षितास्मः

भ० धर्षिष्यति धर्षिष्यतः धर्षिष्यन्ति

धर्षिष्यसि धर्षिष्यथः धर्षिष्यथ

धर्षिष्यामि धर्षिष्यावः धर्षिष्यामः

क्रि० अधर्षिष्यत् अधर्षिष्यताम् अधर्षिष्यन्

अधर्षिष्यः अधर्षिष्यतम् अधर्षिष्यत

अधर्षिष्यम् अधर्षिष्याव अधर्षिष्यम

1978 जुषण् (जुष्) परितर्कणे 411

ष० जोषयति जोषयतः जोषयन्ति
जोषयसि जोषयथः जोषयथ
जोषयामि जोषयावः जोषयामः

स० जोषयेत् जोषयेताम् जोषयेयुः
जोषयेः जोषयेतम् जोषयेत
जोषयेयम् जोषयेव जोषयेम

प० जोषयतु जोषयतात् जोषयताम् जोषयन्तु
जोषय „ जोषयतम् जोषयत
जोषयाणि जोषयाव जोषयाम

ह्य० अजोषयत् अजोषयताम् अजोषयन्
अजोषयः अजोषयन्तम् अजोषयत
अजोषयम् अजोषयाव अजोषयाम

अ० अजुजुषत् अजुजुषताम् अजुजुषन्
अजुजुषः अजुजुषतम् अजुजुषत
अजुजुषम् अजुजुषाव अजुजुषाम

प० जोषयाञ्चकार जोषयाञ्चक्रुः जोषयाञ्चक्रुः
जोषयाञ्चकथं जोषयाञ्चक्रुः जोषयाञ्चक्रुः
जोषयाञ्चकार-कर जोषयाञ्चक्रुव जोषयाञ्चक्रुम
जोषयाम्बभूव । जोषयामास

आ० जोष्यात् जोष्यास्ताम् जोष्यासुः
जोष्याः जोष्यास्तम् जोष्यास्त
जोष्यासम् जोष्यास्व जोष्यास्म

प्रथ० जोषयिता जोषयितारौ जोषयितारः
जोषयितासि जोषयितास्थः जोषयितास्थ
जोषयितास्मि जोषयितास्व जोषयितास्मः

भ० जोषयिष्यति जोषयिष्यतः जोषयिष्यन्ति
जोषयिष्यसि जोषयिष्यथः जोषयिष्यथ
जोषयिष्यामि जोषयिष्यावः जोषयिष्यामः

अजोषयिष्यत् अजोषयिष्यताम् अजोषयिष्यन्
अजोषयिष्यः अजोषयिष्यतम् अजोषयिष्यत
अजोषयिष्यम् अजोषयिष्याव अजोषयिष्याम

णिजभावे

ष० जोषति जोषतः जोषन्ति
जोषसि जोषथः जाषथ
जोषामि जोषावः जोषामः

स० जोषेत् जोषेताम् जोषेयुः
जोषेः जोषेतम् जोषेत
जोषेयम् जोषेव जोषेम

प० जोषतु जोषतात् जोषताम् जोषन्तु
जोष „ जोषतम् जोषत
जोषाणि जोषाव जोषाम

ह्य० अजोषत् अजोषताम् अजोषन्
अजोषः अजोषन्तम् अजोषत
अजोषम् अजोषाव अजोषाम

अ० अजोषीत् अजोषिष्टाम् अजोषिपुः
अजोषीः अजोषिष्टम् अजोषिष्ट
अजोषिषम् अजोषिष्व अजोषिष्म

प० जुजोष जुजुषतुः जुजुषुः
जुजोषिथ जुजुषथुः जुजुष
जुजोष जुजुषिव जुजुषिम

आ० जुष्यात् जुष्यास्ताम् जुष्यासुः
जुष्याः जुष्यास्तम् जुष्यास्त
जुष्यासम् जुष्यास्व जुष्यास्म

प्रथ० जोषिता जोषितारौ जोषितारः
जोषितासि जोषितास्थः जोषितास्थ
जोषितास्मि जोषितास्व जोषितास्मः

भ० जोषिष्यति जोषिष्यतः जोषिष्यन्ति
जोषिष्यसि जोषिष्यथः जोषिष्यथ
जोषिष्यामि जोषिष्यावः जोषिष्यामः

क्रि० अजोषिष्यत् अजोषिष्यताम् अजोषिष्यन्
अजोषिष्यः अजोषिष्यतम् अजोषिष्यत
अजोषिष्यम् अजोषिष्याव अजोषिष्याम

॥ अथ सान्तौ ॥

1989 हिंसुण् (हिंस) हिंसायाम् 413

व० हिंसयति हिंसयतः हिंसयन्ति
हिंसयसि हिंसयथः हिंसयथ
हिंसयामि हिंसयावः हिंसयामः
स० हिंसयेत् हिंसयेताम् हिंसयेयुः
हिंसयेः हिंसयेतम् हिंसयेत
हिंसयेयम् हिंसयेव हिंसयेम
प० हिंसयतु हिंसयतात् हिंसयताम् हिंसयन्तु
हिंसय ,, हिंसयतम् हिंसयत
हिंसयानि हिंसयाव हिंसयाम
झ० अहिंसयत् अहिंसयताम् अहिंसयन्
अहिंसयः अहिंसयतम् अहिंसयत
अहिंसयम् अहिंसयाव अहिंसयाम
अ० अजिहिंसत् अजिहिंसताम् अजिहिंसन्
अजिहिंसः अजिहिंसतम् अजिहिंसत
अजिहिंसम् अजिहिंसाव अजिहिंसाम
प० हिंसयाश्चकार हिंसयाश्चक्रतुः हिंसयाश्चक्रुः
हिंसयाश्चकर्त्तुः हिंसयाश्चक्रुः हिंसयाश्चक्रुः
हिंसयाश्चकार-कर हिंसयाश्चकृव हिंसयाश्चकृम
हिंसयाम्बभूव । हिंसयामास
आ० हिंस्यात् हिंस्यास्ताम् हिंस्यासुः
हिंस्याः हिंस्यास्तम् हिंस्यास्त
हिंस्यासम् हिंस्यास्व हिंस्यास्म
श्व० हिंसयिता हिंसयितारौ हिंसयितारः
हिंसयितासि हिंसयितास्थः हिंसयितास्थ
हिंसयितास्मि हिंसयितास्वः हिंसयितास्मः
भ० हिंसयिष्यति हिंसयिष्यतः हिंसयिष्यन्ति
हिंसयिष्यसि हिंसयिष्यथः हिंसयिष्यथ
हिंसयिष्यामि हिंसयिष्यावः हिंसयिष्यामः
अहिंसयिष्यत् अहिंसयिष्यताम् अहिंसयिष्यन्
अहिंसयिष्यः अहिंसयिष्यतम् अहिंसयिष्यत
अहिंसयिष्यम् अहिंसयिष्याव अहिंसयिष्याम

॥ गिजभावे ॥

व० हिंसति हिंसतः हिंसन्ति
हिंससि हिंसथः हिंसथ
हिंसामि हिंसावः हिंसामः
स० हिंसेत् हिंसेताम् हिंसेयुः
हिंसेः हिंसेतम् हिंसेत
हिंसेयम् हिंसेव हिंसेम
प० हिंसतु हिंसतात् हिंसताम् हिंसन्तु
हिंस ,, हिंसतम् हिंसत
हिंसानि हिंसाव हिंसाम
झ० अहिंसत् अहिंसताम् अहिंसन्
अहिंसः अहिंसतम् अहिंसत
अहिंसम् अहिंसाव अहिंसाम
अ० अहिंसीत् अहिंसिष्टाम् अहिंसिषुः
अहिंसीः अहिंसिष्टम् अहिंसिष्ट
अहिंसिषम् अहिंसिष्व अहिंसिष्म
प० जिहिंस जिहिंसतुः जिहिंसुः
जिहिंसिथ जिहिंसथुः जिहिंस
जिहिंस जिहिंसिष्व जिहिंसिष्म
आ० हिंस्यात् हिंस्यास्ताम् हिंस्यासुः
हिंस्याः हिंस्यास्तम् हिंस्यास्त
हिंस्यासम् हिंस्यास्व हिंस्यास्म
प्रव० हिंसिता हिंसितारौ हिंसितारः
हिंसितासि हिंसितास्थः हिंसितास्थ
हिंसितास्मि हिंसितास्वः हिंसितास्मः
भ० हिंसिष्यति हिंसिष्यतः हिंसिष्यन्ति
हिंसिष्यसि हिंसिष्यथः हिंसिष्यथ
हिंसिष्यामि हिंसिष्यावः हिंसिष्यामः
अहिंसिष्यत् अहिंसिष्यताम् अहिंसिष्यन्
अहिंसिष्यः अहिंसिष्यतम् अहिंसिष्यत
अहिंसिष्यम् अहिंसिष्याव अहिंसिष्याम

॥ अथ हान्तौ ॥

1981 गर्हण् (गर्ह) विनिन्दने 414

| | | |
|--------------------------|-----------------|--------------------|
| व० गर्हयति | गर्हयतः | गर्हयन्ति |
| गर्हयसि | गर्हयथः | गर्हयथ |
| गर्हयामि | गर्हयावः | गर्हयामः |
| स० गर्हयेत् | गर्हयेताम् | गर्हयेयुः |
| गर्हयेः | गर्हयेतम् | गर्हयेत |
| गर्हयेयम् | गर्हयेव | गर्हयेम |
| प० गर्हयतु | गर्हयतात् | गर्हयताम् गर्हय-तु |
| गर्हय | गर्हयतम् | गर्हयत |
| गर्हयाणि | गर्हयाव | गर्हयाम |
| ह्य० अगर्हयत् | अगर्हयताम् | अगर्हयन् |
| अगर्हयः | अगर्हयतम् | अगर्हयत |
| अगर्हयम् | अगर्हयाव | अगर्हयाम |
| अ० अजगर्हत् | अजगर्हताम् | अजगर्हन् |
| अजगर्हः | अजगर्हतम् | अजगर्हत |
| अजगर्हम् | अजगर्हाव | अजगर्हाम |
| प० गर्हयाश्चकार | गर्हयाश्चक्रुः | गर्हयाश्चक्रुः |
| गर्हयाश्चकथ | गर्हयाश्चक्रथुः | गर्हयाश्चक्र |
| गर्हयाश्चकार-कर | गर्हयाश्चक्रव | गर्हयाश्चक्रम |
| गर्हयाम्बभूव । गर्हयामास | | |
| आ० गच्छात् | गच्छास्ताम् | गच्छासुः |
| गच्छाः | गच्छास्तम् | गच्छास्त |
| गच्छासिम् | गच्छास्व | गच्छास्म |
| श्व० गर्हयिता | गर्हयितारौ | गर्हयितारः |
| गर्हयितासि | गर्हयितास्थः | गर्हयितास्थ |
| गर्हयितास्मि | गर्हयितास्वः | गर्हयितास्मः |
| भ० गर्हयिष्यति | गर्हयिष्यतः | गर्हयिष्यन्ति |
| गर्हयिष्यसि | गर्हयिष्यथः | गर्हयिष्यथ |
| गर्हयिष्यामि | गर्हयिष्यावः | गर्हयिष्यामः |
| अगर्हयिष्यत् | अगर्हयिष्यताम् | अगर्हयिष्यन् |
| अगर्हयिष्यः | अगर्हयिष्यतम् | अगर्हयिष्यत |
| अगर्हयिष्यम् | अगर्हयिष्याव | अगर्हयिष्याम |

॥ गिजभावे ॥

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० गर्हति | गर्हतः | गर्हन्ति |
| गर्हसि | गर्हथः | गर्हथ |
| गर्हामि | गर्हावः | गर्हामः |
| स० गर्हेत् | गर्हेताम् | गर्हेयुः |
| गर्हेः | गर्हेतम् | गर्हेत |
| गर्हेयम् | गर्हेव | गर्हेम |
| प० गर्हतु | गर्हतात् | गर्हताम् गर्हन्तु |
| गर्ह | गर्हतम् | गर्हत |
| गर्हाणि | गर्हाव | गर्हाम |
| ह्य० अगर्हत | अगर्हताम् | अगर्हन् |
| अगर्हः | अगर्हतम् | अगर्हत |
| अगर्हम् | अगर्हाव | अगर्हाम |
| अ० अगर्हति | अगर्हिषाम् | अगर्हिषुः |
| अगर्हीः | अगर्हिष्टम् | अगर्हिष्ट |
| अगर्हिषम् | अगर्हिष्व | अगर्हिषम |
| प० जगर्ह | जगर्हतुः | जगर्हुः |
| जगर्हिथ | जगर्हथुः | जगर्ह |
| जगर्ह | जगर्हिव | जगर्हिम |
| आ० गच्छात् | गच्छास्ताम् | गच्छासुः |
| गच्छाः | गच्छास्तम् | गच्छास्त |
| गच्छासिम् | गच्छास्व | गच्छास्म |
| श्व० गर्हिता | गर्हितारौ | गर्हितारः |
| गर्हितासि | गर्हितास्थः | गर्हितास्थ |
| गर्हितास्मि | गर्हितास्वः | गर्हितास्मः |
| भ० गर्हिष्यति | गर्हिष्यतः | गर्हिष्यन्ति |
| गर्हिष्यसि | गर्हिष्यथः | गर्हिष्यथ |
| गर्हिष्यामि | गर्हिष्यावः | गर्हिष्यामः |
| क्रि० अगर्हिष्यत् | अगर्हिष्यताम् | अगर्हिष्यन् |
| अगर्हिष्यः | अगर्हिष्यतम् | अगर्हिष्यत |
| अगर्हिष्यम् | अगर्हिष्याव | अगर्हिष्याम |

1982 षहण् (सह) मर्षणे 415

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| व० साहयति | साहयतः | साहयन्ति |
| साहयसि | साहयथः | साहयथ |
| साहयामि | साहयावः | साहयामः |
| स० साहयेत् | साहयेताम् | साहयेयुः |
| साहयेः | साहयेतम् | साहयेत |
| साहयेयम् | साहयेष | साहयेम |
| ण० साहयतु | साहयतात् | साहयताम् |
| साहय | साहयतम् | साहयत |
| साहयानि | साहयाव | साहयाम |
| झ० असाहयत् | असाहयताम् | असाहयन् |
| असाहयः | असाहयतम् | असाहयत |
| असाहयम् | असाहयाव | असाहयाम |
| अ० असीषहत् | असीषहताम् | असीषहन् |
| असीषहः | असीषहतम् | असीषहत |
| असीषहम् | असीषहाव | असीषहाम |
| प० साहयाञ्चकार | साहयाञ्चक्रुः | साहयाञ्चकुः |
| साहयाञ्चकथ | साहयाञ्चक्रुः | साहयाञ्चक्र |
| साहयाञ्चकार-कर | साहयाञ्चकृव | साहयाञ्चकृम |
| साहयाम्बभूव । साहयामास | | |
| आ० साह्यात् | साह्यास्ताम् | साह्यासुः |
| साह्याः | साह्यास्तम् | साह्यास्त |
| साह्यासम् | साह्यास्व | साह्यास्म |
| प्रव० साहयिता | साहयितारौ | साहयितारः |
| साहयितासि | साहयितास्थः | साहयितास्थ |
| साहयितास्मि | साहयितास्वः | साहयितास्मः |
| म० साहयिष्यति | साहयिष्यतः | साहयिष्यन्ति |
| साहयिष्यसि | साहयिष्यथः | साहयिष्यथ |
| साहयिष्यामि | साहयिष्यावः | साहयिष्यामः |
| असाहयिष्यत् | असाहयिष्यताम् | असाहयिष्यन् |
| असाहयिष्यः | असाहयिष्यतम् | असाहयिष्यत |
| असाहयिष्यम् | असाहयिष्याव | असाहयिष्याम |

| | | |
|-----------------|-------------|----------------|
| व० सहति | सहतः | सहन्ति |
| सहसि | सहथः | सहथ |
| सहामि | सहावः | सहामः |
| स० सहेत् | सहेताम् | सहेयुः |
| सहेः | सहेतम् | सहेत |
| सहेयम् | सहेष | सहेम |
| प० सहतु | सहतात् | सहताम् |
| सह | सहतम् | सहत |
| सहानि | सहाव | सहाम |
| झ० असहत् | असहताम् | असहन् |
| असहः | असहतम् | असहत |
| असहम् | असहाव | असहाम |
| अ० असहीत् | असहिष्टाम् | असहिषुः |
| असहीः | असहिष्टम् | असहिष्ट |
| असहिषम् | असहिष्व | असहिष्म |
| प० ससाह | सेहतुः | सेहुः |
| सेहित | सेहथुः | सेह |
| ससाह-ससह | सेहित | सेहिम |
| आ० सहात् | सहास्ताम् | सहासुः |
| सहाः | सहास्तम् | सहास्त |
| सहानम् | सहास्व | सहास्म |
| प्रव० सहिता | सहितारौ | सहितारः |
| सहितासि | सहितास्थः | सहितास्थ |
| सहितास्मि | सहितास्वः | सहितास्मः |
| सोढा | सोढारौ | सोढारः इत्यादि |
| म० सहिष्यति | सहिष्यतः | सहिष्यन्ति |
| सहिष्यसि | सहिष्यथः | सहिष्यथ |
| सहिष्यामि | सहिष्यावः | सहिष्यामः |
| क्रि० असहिष्यत् | असहिष्यताम् | असहिष्यन् |
| असहिष्यः | असहिष्यतम् | असहिष्यत |
| असहिष्यम् | असहिष्याव | असहिष्याम |

(११२२)

॥ मुनि श्रीलावण्यविजयविरचिते ॥

बहुलमेतन्निदर्शनम् । यदेतद्भवत्यादिधातुपरिगणनं तद्बाहुल्येन निदर्श-
नत्वेन ज्ञेयम् । तेनात्रापठिता अपि क्लृप्तिप्रभृतयो लौकिकाः स्तम्भप्रभृतयः
सौत्राश्रुलुम्पादयश्च वाक्यकरणीया धातव उदाहार्याः । वर्धते हि धातुगणः ।
यल्लक्ष्यम् ।

मिलन्त्याशासु जीमूता विकलवन्ते दिशि ग्रहाः ।

उपक्षपयति प्रावृट् श्रीयन्ते कामिविग्रहाः ॥ इत्यादि ।

मुसुलक्षेपहुंकारस्तोभः कलमखण्डिनि ।

कुचविष्कम्भमुत्तन्नन्निस्तुभ्नातीव ते स्मरः ॥

नीपानन्दोलयन्नेष प्रेङ्खोलयति मे मनः ।

पवनो बीजयन्नाशा ममाशामुञ्चुलुम्पति ॥

तावत्खरः प्रखरमुलललाञ्चकार ॥

विकलवन्ते विच्छाद्योभवन्तीत्यर्थः उपक्षपयति आसन्नोभवन्तीत्यर्थः ।

यद्वा भुवादिगणाष्टकोकाः स्वार्थणिजन्ता अपि बहुलं भवन्ति । चुरादि-
पाठस्तु निदर्शनार्थः । यदाहुः—

निवृत्तप्रेषणाद्धातोः प्राकृतेऽर्थे णिजिष्यते ॥ यल्लक्ष्यम् ।

रामो राज्यमकारयत् ॥ अकरोदित्यर्थः ।

रञ्जयति वस्त्रं रजतीत्यर्थः । भेदयति भृत्यान् भिनत्तीत्यर्थः ।

तापयति वाचयति वाहयति घातयति तपति वक्ति वहति हन्ती-
त्यर्थः । यद्वा प्रयोज्यव्यापारेऽपि प्रयोक्तृव्यापारानुप्रवेशो णिगं विनापि बु-
द्धशारोपाद् बहुलं भवति ।

जजान गर्भं मघषा इन्द्रः ॥

अजीजनदित्यर्थः ।

एकं द्वादशधा जज्ञे ॥

जनितमित्यर्थः । षड्भिर्हलैः कृषति । कर्षयतीत्यर्थः ।

धाम्नि पर्णशुषो धाता धाम्नि पर्णमुचोऽपरे ।

धाम्नि पर्णरुहोऽप्यग्रे ततो देवः प्रवर्षति ॥ इति ॥

अथवा नाम्नो णिज्बहुलमित्येव सिद्धेस्तत्र सूत्रच्छिप्रान्धदण्डादय उदा-
हरणार्थाः । तेनादन्तेषु अनुका अपि बहुलं प्रष्टव्याः । तेन स्कन्ध सामाहारे ऊष
सुरणे स्फुट प्रकटभावे वसं निषासे इत्यादयोऽपि भवन्ति । तथा ओजयत्योजः ।

तडित्स्वचयतीवाशाः ॥

पांसुर्दिशां मुखमतुस्थयदुत्थितोत्रेः ॥ इति ॥



॥ इति णिजन्तश्चुरादयो धातवः ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि- सार्वसार्वज्ञशासनसा-
र्वभौम—तीर्थरक्षणपरायण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्च-
कसमाराधक-सविग्नशास्त्रीय-आचार्यबृडामणि--
अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिसुरी--
प्रवरचरणेन्द्रिरामन्दिरेन्द्रिन्द्रायमाणान्ति-
षम्भुनिलावण्यविजयविरचिते धातु-
रत्नाकरे स्वायें णिजन्तो
णिच्चुरादिगणः
सम्पूर्णः ॥

कलविप्रभृतयो लौकिका इति रूपाणि दर्शयन्ते—

तत्र 1983 कलवि (कलव्) विच्छा-
यीभवने, इत्यस्य

| | | |
|--------------|----------------|---------------|
| व० कलवते | कलवेते | कलवन्ते |
| कलवसे | कलवेथे | कलवध्वे |
| कलवे | कलवावहे | कलवामहे |
| स० कलवेत | कलवेयाताम् | कलवेरन् |
| कलवेथाः | कलवेयाथाम् | कलवेध्वम् |
| कलवेय | कलवेवहि | कलवेमहि |
| प० कलवताम् | कलवताम् | कलवन्ताम् |
| कलवस्व | कलवेथाम् | कलवध्वम् |
| कलव | कलवावहे | कलवामहे |
| झ० अकलवत | अकलवेताम् | अकलवन्त |
| अकलवथाः | अकलवेथाम् | अकलवध्वम् |
| अकलवे | अकलवावहि | अकलवामहि |
| अ० अकलविष्ट | अकलविषाताम् | अकलविषत |
| अकलविष्टाः | अकलविषाथाम् | अकलविद्ध्वम् |
| | अकलविध्वम् | |
| अकलविषि | अकलविष्वहि | अकलविमहि |
| प० चकलवे | चकलवाते | चकलविरे |
| चकलविषे | चकलवाथे | चकलविध्वे |
| चकलवे | चकलवावहे | चकलवामहे |
| आ० कलविषीष्ट | कलविषीयास्ताम् | कलविषीरन् |
| कलविषीष्टाः | कलविषीयास्थाम् | कलविषीद्ध्वम् |
| | कलविषीध्वम् | |
| कलविषीय | कलविषीवहि | कलविषीमहि |
| अ० कलविता | कलवितारौ | कलविनारः |
| कलवितासे | कलवितालाथे | कलविताध्वे |
| कलविताहे | कलवितास्वहे | कलवितास्महे |
| भ० कलविष्यते | कलविष्येते | कलविष्यन्ते |
| कलविष्यसे | कलविष्येथे | कलविष्यध्वे |
| कलविष्ये | कलविष्यावहे | कलविष्यामहे |
| अकलविष्यत | अकलविष्येताम् | अकलविष्यन्त |
| अकलविष्यथाः | अकलविष्येथाम् | अकलविष्यध्वम् |
| अकलविष्ये | अकलविष्यावहि | अकलविष्यामहि |

प्रभृतिप्रहणात्—

1984 क्षीङ्च् (क्षी) क्षये

| | | |
|--------------|----------------|---------------|
| व० क्षीयते | क्षीयेते | क्षीयन्ते |
| क्षीयसे | क्षीयेथे | क्षीयध्वे |
| क्षीये | क्षीयावहे | क्षीयामहे |
| स० क्षीयेत | क्षीयेयाताम् | क्षीयरन् |
| क्षीयेथाः | क्षीयेयाथाम् | क्षीयेध्वम् |
| क्षीयेय | क्षीयेवहि | क्षीयेमहि |
| प० क्षीयताम् | क्षीयेताम् | क्षीयन्ताम् |
| क्षीयस्व | क्षीयेथाम् | क्षीयध्वम् |
| क्षीये | क्षीयावहे | क्षीयामहे |
| झ० अक्षीयत | अक्षीयेताम् | अक्षीयन्त |
| अक्षीयथाः | अक्षीयेथाम् | अक्षीयध्वम् |
| अक्षीये | अक्षीयावहि | अक्षीयामहि |
| अ० अक्षेष्ट | अक्षेष्टाताम् | अक्षेष्टत |
| अक्षेष्टाः | अक्षेष्टाथाम् | अक्षेड्ध्वम् |
| | द्वध्वम् | |
| अक्षेप्ति | अक्षेप्त्वहि | अक्षेप्महि |
| प० चिक्षिये | चिक्षियाते | चिक्षियिरे |
| चिक्षियिषे | चिक्षियाथे | चिक्षियिध्वे |
| | चिक्षियिद्ध्वे | |
| चिक्षिये | चिक्षियिवहे | चिक्षियिमहे |
| आ० क्षेपीष्ट | क्षेपीयास्ताम् | क्षेपीरन् |
| क्षेपीष्टाः | क्षेपीयास्थाम् | क्षेपीद्ध्वम् |
| क्षेपीय | क्षेपीवहि | क्षेपीमहि |
| अ० क्षेता | क्षेतारौ | क्षेतारः |
| क्षेतासे | क्षेतालाथे | क्षेताध्वे |
| क्षेताहे | क्षेतास्वहे | क्षेतास्महे |
| भ० क्षेप्यते | क्षेप्येते | क्षेप्यन्ते |
| क्षेप्यसे | क्षेप्येथे | क्षेप्यध्वे |
| क्षेप्ये | क्षेप्यावहे | क्षेप्यामहे |
| अक्षेप्यत | अक्षेप्येताम् | अक्षेप्यन्त |
| अक्षेप्यथाः | अक्षेप्येथाम् | अक्षेप्यध्वम् |
| अक्षेप्ये | अक्षेप्यावहि | अक्षेप्यामहि |

1985 मृगच् [मृग्] अन्वेषणे ।

| | | |
|---|---------------|--------------|
| व० मृग्यति | मृग्यतः | मृग्यन्ति |
| मृग्यसि | मृग्यथः | मृग्यथ |
| मृग्यामि | मृग्यावः | मृग्यामः |
| स० मृग्येत् | मृग्येताम् | मृग्येयुः |
| मृग्येः | मृग्येतम् | मृग्येत |
| मृग्येयम् | मृग्येव | मृग्येम |
| प० मृग्यतु | मृग्यतात् | मृग्यताम् |
| मृग्य | „ | मृग्यतम् |
| मृग्याणि | मृग्याव | मृग्याम |
| झ० अमृग्यत् | अमृग्यताम् | अमृग्यन् |
| अमृग्यः | अमृग्यतम् | अमृग्यत |
| अमृग्यम् | अमृग्याव | अमृग्याम |
| अ० अमर्गित् | अमर्गिताम् | अमर्गिषुः |
| अमर्गीः | अमर्गितम् | अमर्गिष्ठ |
| अमर्गिषम् | अमर्गिष्व | अमर्गिष्म |
| प० ममर्ग | ममर्गतुः | ममर्गुः |
| ममर्गिथ | ममर्गथुः | ममर्ग |
| ममर्ग | ममर्गिष्व | ममर्गिष्म |
| आ० मृग्यात् | मृग्यास्ताम् | मृग्यासुः |
| मृग्याः | मृग्यास्तम् | मृग्यास्त |
| मृग्यासम् | मृग्यास्व | मृग्यास्म |
| प्रव० मर्गिता | मर्गितारौ | मर्गितारः |
| मर्गितासि | मर्गितास्थः | मर्गितास्थ |
| मर्गितास्मि | मर्गितास्वः | मर्गितास्मः |
| भ० मर्गिष्यति | मर्गिष्यतः | मर्गिष्यन्ति |
| मर्गिष्यसि | मर्गिष्यथः | मर्गिष्यथ |
| मर्गिष्यामि | मर्गिष्यावः | मर्गिष्यामः |
| क्रि० अमर्गिष्यत् | अमर्गिष्यताम् | अमर्गिष्यन् |
| अमर्गिष्यः | अमर्गिष्यतम् | अमर्गिष्यत |
| अमर्गिष्यम् | अमर्गिष्याव | अमर्गिष्याम |
| स्तम्भप्रवृत्तयः सौत्रा इति यदुक्तं तत्रादौ | | |
| स्तम्भ स्तम्भ स्कुम्भ स्कुम्भ इति चत्वारो | | |
| रोधनार्थाः परस्मैपदिनश्च । प्रथमतृतीयौ | | |
| स्तम्भार्थौ द्वितीयो निष्कोषणार्थः । तुर्यो | | |
| धारणार्थ इति माधवः । | | |

1986 स्तम्भू (स्तम्भ) रोधनार्थः ।

| | | |
|------------------|-----------------|-------------------|
| व० स्तम्भ्नाति | स्तम्भ्नीतः | स्तम्भन्ति |
| स्तम्भ्नासि | स्तम्भ्नीथः | स्तम्भ्नीथ |
| स्तम्भ्नामि | स्तम्भ्नीवः | स्तम्भ्नीमः |
| स्तम्भ्नीति | स्तम्भ्नुतः | स्तम्भ्नुवन्ति इ० |
| स० स्तम्भ्नीयात् | स्तम्भ्नीयाताम् | स्तम्भ्नीयुः |
| स्तम्भ्नीयाः | स्तम्भ्नीयातम् | स्तम्भ्नीयात |
| स्तम्भ्नीयाम् | स्तम्भ्नीयाव | स्तम्भ्नीयाम |
| स्तम्भ्नीयात् | स्तम्भ्नीयाताम् | स्तम्भ्नीयुः इ० |
| प० स्तम्भ्नातु | स्तम्भ्नीतात् | स्तम्भ्नीताम् |
| स्तम्भान | „ | स्तम्भ्नीतम् |
| स्तम्भानि | स्तम्भ्नाव | स्तम्भ्नाम |
| स्तम्भ्नीतु | स्तम्भ्नीतात् | स्तम्भ्नीताम् |
| स्तम्भ्नीवन्तु | स्तम्भ्नीवन्तु | स्तम्भ्नीवन्तु इ० |
| झ० अस्तम्भ्नात् | अस्तम्भ्नीताम् | अस्तम्भन् |
| अस्तम्भ्नाः | अस्तम्भ्नीतम् | अस्तम्भ्नीत |
| अस्तम्भ्नाम् | अस्तम्भ्नीव | अस्तम्भ्नीम |
| अस्तम्भ्नीत् | अस्तम्भ्नीताम् | अस्तम्भ्नीवन् इ० |
| अ० अस्तम्भ्नीत् | अस्तम्भ्नीताम् | अस्तम्भ्नीयुः |
| अस्तम्भ्नीः | अस्तम्भ्नीष्टम् | अस्तम्भ्नीष्ट |
| अस्तम्भ्नीषम् | अस्तम्भ्नीष्व | अस्तम्भ्नीष्म |
| प० तस्तम्भ | तस्तम्भतुः | तस्तम्भुः |
| तस्तम्भिथ | तस्तम्भथुः | तस्तम्भ |
| तस्तम्भ | तस्तम्भिव | तस्तम्भिम |
| आ० स्तम्भ्यात् | स्तम्भ्यास्ताम् | स्तम्भ्यासुः |
| स्तम्भ्याः | स्तम्भ्यास्तम् | स्तम्भ्यास्त |
| स्तम्भ्यासम् | स्तम्भ्यास्व | स्तम्भ्यास्म |
| प्रव० स्तम्भिता | स्तम्भितारौ | स्तम्भितारः |
| स्तम्भितासि | स्तम्भितास्थः | स्तम्भितास्थ |
| स्तम्भितास्मि | स्तम्भितास्वः | स्तम्भितास्मः |
| भ० स्तम्भिष्यति | स्तम्भिष्यतः | स्तम्भिष्यन्ति |
| स्तम्भिष्यसि | स्तम्भिष्यथः | स्तम्भिष्यथ |
| स्तम्भिष्यामि | स्तम्भिष्यावः | स्तम्भिष्यामः |
| अस्तम्भिष्यत् | अस्तम्भिष्यताम् | अस्तम्भिष्यन् |
| अस्तम्भिष्यः | अस्तम्भिष्यतम् | अस्तम्भिष्यत |
| अस्तम्भिष्यम् | अस्तम्भिष्याव | अस्तम्भिष्याम |

1987 स्तुम्भू (स्तुम्भ) रोधनार्थः ।

ख० स्तुभ्नाति स्तुभ्नीतः स्तुभ्नन्ति
स्तुभ्नासि स्तुभ्नीथः स्तुभ्नीथ
स्तुभ्नामि स्तुभ्नीवः स्तुभ्नीमः
स्तुभ्नीति स्तुभ्नुतः स्तुभ्नुवन्ति इ०
स स्तुभ्नीयात् स्तुभ्नीयाताम् स्तुभ्नीयुः
स्तुभ्नीयाः स्तुभ्नीयातम् स्तुभ्नीयात
स्तुभ्नीयाम् स्तुभ्नीयाव स्तुभ्नीयाम
स्तुभ्नुयात् स्तुभ्नुयाताम् स्तुभ्नुयु इ०
प० स्तुभ्नातु स्तुभ्नीतात् स्तुभ्नीताम् स्तुभ्नन्तु
स्तुभान् , स्तुभ्नीतम् स्तुभ्नीत
स्तुभ्नानि स्तुभ्नाव स्तुभ्नाम
स्तुभ्नीतु स्तुभ्नुतात् स्तुभ्नुताम् स्तुभ्नुवन्तु इ०
झ० अस्तुभ्नात् अस्तुभ्नीताम् अस्तुभ्नन्
अस्तुभ्नाः अस्तुभ्नीतम् अस्तुभ्नीत
अस्तुभ्नाम् अस्तुभ्नीव अस्तुभ्नीम
अस्तुभ्नीत् अस्तुभ्नुताम् अस्तुभ्नुवन् इ०
अ० अस्तुम्भीत् अस्तुम्भिष्टाम् अस्तुम्भिषुः
अस्तुम्भीः अस्तुम्भिष्टम् अस्तुम्भिष्ट
अस्तुम्भिषम् अस्तुम्भिषव अस्तुम्भिषम्
प० तुस्तुम्भ तुस्तुम्भतुः तुस्तुम्भुः
तुस्तुम्भिथ तुस्तुम्भ्युः तुस्तुम्भ
तुस्तुम्भ तुस्तुम्भिव तुस्तुम्भिव
आ० स्तुभ्यात् स्तुभ्यास्ताम् स्तुभ्यासुः
स्तुभ्याः स्तुभ्यास्तम् स्तुभ्यास्त
स्तुभ्यासम् स्तुभ्यास्व स्तुभ्यास्म
श्व० स्तुम्भिता स्तुम्भितारौ स्तुम्भितार
स्तुम्भितासि स्तुम्भितास्थः स्तुम्भितास्थ
स्तुम्भितास्मि स्तुम्भितास्वः स्तुम्भितास्मः
भ० स्तुम्भिष्यति स्तुम्भिष्यतः स्तुम्भिष्यन्ति
स्तुम्भिष्यसि स्तुम्भिष्यथः स्तुम्भिष्यथ
स्तुम्भिष्यामि स्तुम्भिष्यावः स्तुम्भिष्याम
अस्तुम्भिष्यत् अस्तुम्भिष्यताम् अस्तुम्भिष्यन्
अस्तुम्भिष्यः अस्तुम्भिष्यतम् अस्तुम्भिष्यत
अस्तुम्भिष्यम् अस्तुम्भिष्याव अस्तुम्भिष्याम

1988 स्कम्भू [स्कम्भू] रोधनार्थः ।

व० स्कभ्नाति स्कभ्नीत स्कभन्ति
स्कभ्नासि स्कभ्नीथ स्कभ्नीथ
स्कभ्नामि स्कभ्नीव स्कभ्नीमः
स्कभ्नोति स्कभ्नत स्कभ्नवन्ति इ०
स० स्कभ्नीयात् स्कभ्नीयाताम् स्कभ्नीयुः
स्कभ्नीयाः स्कभ्नीयातम् स्कभ्नीयात
स्कभ्नीयाम् स्कभ्नीयाव स्कभ्नीयाम
स्कभ्नुयात् स्कभ्नुयाताम् स्कभ्नुयुः इ०
प० स्कभ्नातु स्कभ्नीतात् स्कभ्नीताम् स्कभ्नन्तु
स्कभान स्कभ्नीतम् स्कभ्नीत
स्कभ्नाति स्कभ्नाव स्कभ्नाम
स्कभ्नोतु नीतात् स्कभ्नीताम् स्कभ्नन्तु इ०
ह्य० अस्कभ्नात् अस्कभ्नीताम् अस्कभ्नन्
अस्कभ्नाः अस्कभ्नीतम् अस्कभ्नीत
अस्कभ्नाम् अस्कभ्नीय अस्कभ्नीम
अस्कभ्नोत् अस्कभ्नताम् अस्कभ्नन्तु इ०
अ० अस्कभ्नीत् अस्कभ्नीष्टम् अस्कभ्नीष्टुः
अस्कभ्नीः अस्कभ्नीष्टम् अस्कभ्नीष्ट
अस्कभ्नीषम् अस्कभ्नीष्व अस्कभ्नीषम
प० चस्कभ्नी चस्कभ्नीतुः चस्कभ्नीतुः
चस्कभ्नीथ चस्कभ्नीथुः चस्कभ्नीथ
चस्कभ्नी चस्कभ्नीव चस्कभ्नीम
आ० स्कभ्यात् स्कभ्याताम् स्कभ्यासुः
स्कभ्याः स्कभ्यास्तम् स्कभ्यास्त
स्कभ्यासम् स्कभ्यास्व स्कभ्यास्म
प्र० स्कभ्नीता स्कभ्नीतारौ स्कभ्नीतारः
स्कभ्नीतासि स्कभ्नीतास्थः स्कभ्नीतास्थ
स्कभ्नीतास्मि स्कभ्नीतास्वः स्कभ्नीतास्मः
स्कभ्नीष्यति स्कभ्नीष्यतः स्कभ्नीष्यन्ति
स्कभ्नीष्यसि स्कभ्नीष्यथः स्कभ्नीष्यथ
स्कभ्नीष्यामि स्कभ्नीष्यावः स्कभ्नीष्यामः
अस्कभ्नीष्यत् अस्कभ्नीष्यताम् अस्कभ्नीष्यन्
अस्कभ्नीष्यः अस्कभ्नीष्यतम् अस्कभ्नीष्यत
अस्कभ्नीष्यम् अस्कभ्नीष्यावः अस्कभ्नीष्याम

1991 कगे(कग)सौत्रः । क्रियासामान्यार्थोऽयमित्येके अनेकार्थोऽयमित्यन्ये

| | | |
|---|-------------|---------------|
| व० कगति | कगतः | कगन्ति |
| कगसि | कगथः | कगथ |
| कगामि | कगावः | कगामः |
| स० कगेत् | कगेताम् | कगेयुः |
| कगेः | कगेतम् | कगेत |
| कगेयम् | कगेव | कगेम |
| प० कगतु | कगतात् | कगताम् कगन्तु |
| कग | „ कगतम् | कगत |
| कगानि | कगाव | कगाम |
| ख० अकगत् | अकगताम् | अकगन् |
| अकगः | अकगतम् | अकगत |
| अकगम् | अकगाव | अकगाम |
| अ० अकगीत् | अकगिष्टाम् | अकगिषुः |
| अकगीः | अकगिष्टम् | अकगिष्ट |
| अकगिषम् | अकगिष्व | अकगिष्म |
| प० चकाग | चकगतुः | चकगुः |
| चकगिथ | चकगथुः | चकग |
| चकाग चकग | चकगिष्व | चकगिम् |
| आ० कग्यात् | कग्यास्ताम् | कग्यासुः |
| कग्याः | कग्यास्तम् | कग्यास्त |
| कग्यासम् | कग्यास्व | कग्यास्म |
| ख० कगिता | कगितारौ | कगितारः |
| कगितासि | कगितास्थः | कगितास्थ |
| कगितास्मि | कगितास्वः | कगितास्मः |
| भ० कगिष्यति | कगिष्यतः | कगिष्यन्ति |
| कगिष्यसि | कगिष्यथः | कगिष्यथ |
| कगिष्यामि | कगिष्यावः | कगिष्यामः |
| कि० अकगिष्यत् | अकगिष्यताम् | अकगिष्यन् |
| अकगिष्यः | अकगिष्यतम् | अकगिष्यत |
| अकगिष्यम् | अकगिष्याव | अकगिष्याम |
| अथ धातोः कण्डवादेर्यक्-इति पूर्वसूचिताः | | |
| कण्डुप्रभृतयः सौत्रा उच्यन्ते ॥ | | |

व० कण्ड्यति कण्ड्यतः कण्ड्यन्ति
कण्ड्यसि कण्ड्यथः कण्ड्यथ
कण्ड्यामि कण्ड्यावः कण्ड्यामः

स० कण्ड्येत् कण्ड्येताम् कण्ड्येयुः
कण्ड्येः कण्ड्येतम् कण्ड्येत
कण्ड्येवम् कण्ड्येव कण्ड्येम

प० कण्ड्यतु कण्ड्यतात् कण्ड्यताम् कण्ड्यन्तु
कण्ड्य „ कण्ड्यतम् कण्ड्यत
कण्ड्यानि कण्ड्याव कण्ड्याम

झ० अकण्ड्यत् अकण्ड्यताम् अकण्ड्यन्
अकण्ड्यः अकण्ड्यतम् अकण्ड्यत
अकण्ड्यम् अकण्ड्याव अकण्ड्याम

अ० अकण्ड्यीत् अकण्ड्यिष्टाम् अकण्ड्यिषुः
अकण्ड्यीः अकण्ड्यिष्टम् अकण्ड्यिष्ट
अकण्ड्यिषम् अकण्ड्यिष्व अकण्ड्यिष्म

कण्ड्याञ्चकार कण्ड्याञ्चक्रुः कण्ड्याञ्चक्रुः
कण्ड्याञ्चकथं कण्ड्याञ्चक्रुः कण्ड्याञ्चक्रुः
कण्ड्याञ्चकार चकर कण्ड्याञ्चक्रुव कण्ड्याञ्चक्रुम

कण्ड्याञ्चभूव । कण्ड्यामास

आ० कण्ड्यात् कण्ड्यास्ताम् कण्ड्यासुः
कण्ड्याः कण्ड्यास्तम् कण्ड्यास्त
कण्ड्यासम् कण्ड्यास्व कण्ड्यास्म

प्रच० कण्ड्यिना कण्ड्यितारौ कण्ड्यितारः
कण्ड्यितासि कण्ड्यितास्थः कण्ड्यितास्थ
कण्ड्यितास्मि कण्ड्यितास्वः कण्ड्यितास्मः

भ० कण्ड्यिष्यति कण्ड्यिष्यतः कण्ड्यिष्यन्ति
कण्ड्यिष्यसि कण्ड्यिष्यथः कण्ड्यिष्यथ
कण्ड्यिष्यामि कण्ड्यिष्यावः कण्ड्यिष्यामः

अकण्ड्यिष्यत् अकण्ड्यिष्यताम् अकण्ड्यिष्यन्
अकण्ड्यिष्यः अकण्ड्यिष्यतम् अकण्ड्यिष्यत
अकण्ड्यिष्यम् अकण्ड्यिष्याव अकण्ड्यिष्याम

1992 कण्डूग् (कण्डू) गात्रविघर्षणे

| | | |
|-------------------|-------------------|--------------------|
| व० कण्डूयते | कण्डूयेते | कण्डूयन्ते |
| कण्डूयसे | कण्डूयेथे | कण्डूयध्वे |
| कण्डूये | कण्डूयावहे | कण्डूयामहे |
| स० कण्डूयेत | कण्डूयेयाताम् | कण्डूयेरन् |
| कण्डूयेथाः | कण्डूयेयाथाम् | कण्डूयेध्वम् |
| कण्डूयेय | कण्डूयेवहि | कण्डूयेमहि |
| प० कण्डूयताम् | कण्डूयेताम् | कण्डूयन्ताम् |
| कण्डूयस्व | कण्डूयेथाम् | कण्डूयध्वम् |
| कण्डूयै | कण्डूयावहे | कण्डूयामहे |
| ह्य० अकण्डूयत | अकण्डूयेताम् | अकण्डूयन्त |
| अकण्डूयथाः | अकण्डूयेथाम् | अकण्डूयध्वम् |
| अकण्डूये | अकण्डूयावहि | अकण्डूयामहि |
| अ० अकण्डूयिष्ट | अकण्डूयिषाताम् | अकण्डूयिषत |
| अकण्डूयिष्ठाः | अकण्डूयिषाथाम् | अकण्डूयिद्ध्वम् |
| | अकण्डूयिध्वम् | अकण्डूयिद्ध्वम् |
| अकण्डूयिषि | अकण्डूयिष्वहि | अकण्डूयिष्महि |
| प० कण्डूयाञ्चक्रे | कण्डूयाञ्चक्राते | कण्डूयाञ्चकिरे |
| कण्डूयाञ्चकृषे | कण्डूयाञ्चक्राथे | कण्डूयाञ्चकृद्वे |
| कण्डूयाञ्चक्रे | कण्डूयाञ्चकृवहे | कण्डूयाञ्चकृमहे |
| | कण्डूयाञ्चभूय | कण्डूयामास |
| आ० कण्डूयिषीष्ट | कण्डूयिषीयास्ताम् | कण्डूयिषीरन् |
| कण्डूयिषीष्ठाः | कण्डूयिषीयास्थाम् | कण्डूयिषीध्वम् |
| | | ध्वम् |
| कण्डूयिषीय | कण्डूयिषीवहि | कण्डूयिषीमहि |
| प्र० कण्डूयिता | कण्डूयितारौ | कण्डूयितारः |
| कण्डूयितासे | कण्डूयितासाथे | कण्डूयिताध्वे |
| कण्डूयिताहे | कण्डूयितास्वहे | कण्डूयितास्महे |
| भ० कण्डूयिष्यते | कण्डूयिष्येते | कण्डूयिष्यन्ते |
| कण्डूयिष्यसे | कण्डूयिष्येथे | कण्डूयिष्यध्वे |
| कण्डूयिष्ये | कण्डूयिष्यावहे | कण्डूयिष्यामहे |
| अकण्डूयिष्यत | अकण्डूयिष्येताम् | अकण्डूयिष्यन्त |
| अकण्डूयिष्यथाः | अकण्डूयिष्येथाम् | —, कण्डूयिष्यध्वम् |
| अकण्डूयिष्ये | अकण्डूयिष्यावहि | —, कण्डूयिष्यामहि |

1993 महीङ् (मही) वृद्धौ पूजायाञ्च

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| व० महीयते | महीयेते | महीयन्ते |
| महीयसे | महीयेथे | महीयध्वे |
| महीये | महीयावहे | महीयामहे |
| स० महीयेत | महीयेयाताम् | महीयेरन् |
| महीयेथाः | महीयेयाथाम् | महीयेध्वम् |
| महीयेय | महीयेवहि | महीयेमहि |
| प० महीयताम् | महीयेताम् | महीयन्ताम् |
| महीयस्व | महीयेथाम् | महीयध्वम् |
| महीयै | महीयावहे | महीयामहे |
| ह्य० अमहीयत | अमहीयेताम् | अमहीयन्त |
| अमहीयथाः | अमहीयेथाम् | अमहीयध्वम् |
| अमहीये | अमहीयावहि | अमहीयामहि |
| अ० अमहीयिष्ट | अमहीयिषाताम् | अमहीयिषत |
| अमहीयिष्ठाः | अमहीयिषाथाम् | अमहीयिद्ध्वम् |
| | अमहीयिध्वम् | अमहीयिद्ध्वम् |
| अमहीयिषि | अमहीयिष्वहि | अमहीयिष्महि |
| प० महीयाञ्चक्रे | महीयाञ्चक्राते | महीयाञ्चकिरे |
| महीयाञ्चकृषे | महीयाञ्चक्राथे | महीयाञ्चकृद्वे |
| महीयाञ्चक्रे | महीयाञ्चकृवहे | महीयाञ्चकृमहे |
| | महीयाञ्चभूय | महीयामास |
| आ० महीयिषीष्ट | महीयिषीयास्ताम् | महीयिषीरन् |
| महीयिषीष्ठाः | महीयिषीयास्थाम् | महीयिषीध्वम् |
| | | महीयिषीध्वम् |
| महीयिषीय | महीयिषीवहि | महीयिषीमहि |
| प्र० महीयिता | महीयितारौ | महीयितारः |
| महीयितासे | महीयितासाथे | महीयिताध्वे |
| महीयिताहे | महीयितास्वहे | महीयितास्महे |
| भ० महीयिष्यते | महीयिष्येते | महीयिष्यन्ते |
| महीयिष्यसे | महीयिष्येथे | महीयिष्यध्वे |
| महीयिष्ये | महीयिष्यावहे | महीयिष्यामहे |
| अमहीयिष्यत | अमहीयिष्येताम् | अमहीयिष्यन्त |
| अमहीयिष्यथाः | अमहीयिष्येथाम् | अमहीयिष्यध्वम् |
| अमहीयिष्ये | अमहीयिष्यावहि | अमहीयिष्यामहि |

1989 स्कुम्भू [स्कुम्भू] रोधनार्थः ।

| | | | |
|------|----------------|--------------------|-------------------|
| व० | स्कुम्भनाति | स्कुम्भनीतः | स्कुम्भनन्ति |
| | स्कुम्भनासि | स्कुम्भनीथः | स्कुम्भनीथ |
| | स्कुम्भनामि | स्कुम्भनीवः | स्कुम्भनीमः |
| | स्कुम्भनोति | स्कुम्भनुतः | स्कुम्भनुवन्ति इ० |
| स० | स्कुम्भनीयात् | स्कुम्भनीयाताम् | स्कुम्भनीयुः |
| | स्कुम्भनीयाः | स्कुम्भनीयातम् | स्कुम्भनीयात |
| | स्कुम्भनीयाम् | स्कुम्भनीयाव | स्कुम्भनीयाम |
| | स्कुम्भनुयात् | स्कुम्भनुयाताम् | स्कुम्भनुयुः इ० |
| प० | स्कुम्भनातु | तात् स्कुम्भनीताम् | स्कुम्भनन्तु |
| | स्कुम्भान | ” स्कुम्भनीतम् | स्कुम्भनीत |
| | स्कुम्भनानि | स्कुम्भनाव | स्कुम्भनाम |
| | स्कुम्भनोर्तु | तात् स्कुम्भनुताम् | स्कुम्भनुवन्तु इ० |
| झ० | अस्कुम्भनात् | अस्कुम्भनीताम् | अस्कुम्भनन् |
| | अस्कुम्भनाः | अस्कुम्भनीतम् | अस्कुम्भनीत |
| | अस्कुम्भनाम् | अस्कुम्भनीव | अस्कुम्भनीम |
| | अस्कुम्भनोत् | अस्कुम्भनुताम् | अस्कुम्भनुवन् इ० |
| अ० | अस्कुम्भनीत् | अस्कुम्भनीष्टाम् | अस्कुम्भनीषु |
| | अस्कुम्भनीः | अस्कुम्भनीष्टम् | अस्कुम्भनीष्ट |
| | अस्कुम्भनीम् | अस्कुम्भनीव | अस्कुम्भनीम |
| प० | चुस्कुम्भ | चुस्कुम्भर्तुः | चुस्कुम्भुः |
| | चुस्कुम्भिथ | चुस्कुम्भिथुः | चुस्कुम्भ |
| | चुस्कुम्भ | चुस्कुम्भिव | चुस्कुम्भम |
| आ० | स्कुम्भयात् | स्कुम्भयास्ताम् | स्कुम्भयासुः |
| | स्कुम्भयाः | स्कुम्भयास्तम् | स्कुम्भयास्त |
| | स्कुम्भयासम् | स्कुम्भयास्व | स्कुम्भयास्म |
| प्र० | स्कुम्भिता | स्कुम्भितारौ | स्कुम्भितारः |
| | स्कुम्भितासि | स्कुम्भितास्थः | स्कुम्भितास्थ |
| | स्कुम्भितास्मि | स्कुम्भितास्वः | स्कुम्भितास्मः |
| भ० | स्कुम्भिष्यति | स्कुम्भिष्यतः | स्कुम्भिष्यन्ति |
| | स्कुम्भिष्यसि | स्कुम्भिष्यथः | स्कुम्भिष्यथ |
| | स्कुम्भिष्यामि | स्कुम्भिष्यावः | स्कुम्भिष्यामः |
| | अस्कुम्भिष्यत् | अस्कुम्भिष्यताम् | अस्कुम्भिष्यन् |
| | अस्कुम्भिष्यः | अस्कुम्भिष्यतम् | अस्कुम्भिष्यत |
| | अस्कुम्भिष्यम् | अस्कुम्भिष्याव | अस्कुम्भिष्याम |

1990 जुं [जु] गतौ सौत्रः ।

| | | | |
|-------|----------|------------|-----------------|
| व० | जवति | जवतः | जवन्ति |
| | जवसि | जवथः | जवथ |
| | जवामि | जवावः | जवामः |
| स० | जवेत् | जवेताम् | जवेयुः |
| | जवेः | जवेतम् | जवेत |
| | जवेयम् | जवेव | जवेम |
| प० | जवतु | जवतात् | जवताम् जवन्तु |
| | जव | ” जवतम् | जवत |
| | जवानि | जवाव | जवाम |
| झ० | अजवत् | अजवताम् | अजवन् |
| | अजवः | अजवतम् | अजवत |
| | अजवम् | अजवाव | अजवाम |
| अ० | अजौषीत् | अजौषाम् | अजौषुः |
| | अजौषीः | अजौषम् | अजौष |
| | अजौषम् | अजौषव | अजौषम |
| प० | जुजाव | जुजवर्तुः | जुजुवुः |
| | जुजविथ | जुजोथ | जुजवथुः जुजुव |
| | जुजाव | जुजव | जुजुविव जुजुविम |
| आ० | जूयात् | जूयास्ताम् | जूयासुः |
| | जूयाः | जूयास्तम् | जूयास्त |
| | जूयासम् | जूयास्व | जूयास्म |
| प्र० | जोता | जोतारौ | जोतारः |
| | जोतासि | जोतास्थः | जोतास्थ |
| | जोतास्मि | जोतास्वः | जोतास्मः |
| भ० | जोष्यति | जोष्यतः | जोष्यन्ति |
| | जोष्यसि | जोष्यथः | जोष्यथ |
| | जोष्यामि | जोष्यावः | जोष्यामः |
| क्रि० | अजोष्यत् | अजोष्यताम् | अजोष्यन् |
| | अजोष्यः | अजोष्यतम् | अजोष्यत |
| | अजोष्यम् | अजोष्याव | अजोष्याम |

1994 हृणीङ् [हृणी] रोषलज्जयोः

| | | |
|----------------|------------------|-----------------|
| व० हृणीयते | हृणीयेते | हृणीयन्ते |
| हृणीयसे | हृणीयेथे | हृणीयध्वे |
| हृणीये | हृणीयावहे | हृणीयामहे |
| स० हृणीयेत | हृणीयेयाताम् | हृणीयेरन् |
| हृणीयेथाः | हृणीयेयाथाम् | हृणीयेध्वम् |
| हृणीयेय | हृणीयेवहि | हृणीयेमहि |
| प० हृणीयताम् | हृणीयेताम् | हृणीयन्ताम् |
| हृणीयस्व | हृणीयेथाम् | हृणीयध्वम् |
| हृणीयै | हृणीयावहे | हृणीयामहे |
| झ० अहृणीयत | अहृणीयेताम् | अहृणीयन्त |
| अहृणीयथाः | अहृणीयेथाम् | अहृणीयध्वम् |
| अहृणीये | अहृणीयावहि | अहृणीयामहि |
| अ० अहृणीयिष्ट | अहृणीयिषाताम् | अहृणीयिषत |
| अहृणीयिष्ठाः | अहृणीयिषाथाम् | अहृणीयिद्ध्वम् |
| | अहृणीयिध्वम् | अहृणीयिध्वम् |
| अहृणीयिषि | अहृणीयिष्वहि | अहृणीयिष्महि |
| प० हृणीयाञ्चके | हृणीयाञ्चकाते | हृणीयाञ्चकिरे |
| हृणीयाञ्चकृषे | हृणीयाञ्चकाथे | हृणीयाञ्चकृद्वे |
| हृणीयाञ्चके | हृणीयाञ्चकृवहे | हृणीयाञ्चकृमहे |
| हृणीयाम्बभूव | हृणीयामास | |
| आ० हृणीयिषीष्ट | हृणीयिषीयास्ताम् | हृणीयिषीरन् |
| हृणीयिषीष्ठाः | हृणीयिषीयास्ताम् | हृणीयिषीध्वम् |
| हृणीयिषीय | हृणीयिषीवहि | हृणीयिषीमहि |
| प्रव० हृणीयिता | हृणीयितारौ | हृणीयितारः |
| हृणीयितासे | हृणीयितासाथे | हृणीयिताध्वे |
| हृणीयिताहे | हृणीयितास्वहे | हृणीयितास्महे |
| भ० हृणीयिष्यते | हृणीयिष्येते | हृणीयिष्यन्ते |
| हृणीयिष्यसे | हृणीयिष्येथे | हृणीयिष्यध्वे |
| हृणीयिष्ये | हृणीयिष्यावहे | हृणीयिष्यामहे |
| अहृणीयिष्यत | अहृणीयिष्येताम् | अहृणीयिष्यन्त |
| अहृणीयिष्यथाः | अहृणीयिष्येथाम् | अहृणीयिष्यध्वम् |
| अहृणीयिष्ये | अहृणीयिष्यावहि | अहृणीयिष्यामहि |

1995 वेङ् (वे) धौर्त्ये पूर्वभावे स्वप्ने च

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० वेयते | वेयेते | वेयन्ते |
| वेयसे | वेयेथे | वेयध्वे |
| वेये | वेयावहे | वेयामहे |
| स० वेयेत | वेयेयाताम् | वेयेरन् |
| वेयेथाः | वेयेयाथाम् | वेयेध्वम् |
| वेयेय | वेयेवहि | वेयेमहि |
| प० वेयताम् | वेयेताम् | वेयन्ताम् |
| वेयस्व | वेयेथाम् | वेयध्वम् |
| वेये | वेयावहे | वेयामहे |
| झ० अवेयत | अवेयेताम् | अवेयन्त |
| अवेयथाः | अवेयेथाम् | अवेयध्वम् |
| अवेये | अवेयावहि | अवेयामहि |
| अ० अवेयिष्ट | अवेयिषाताम् | अवेयिषत |
| अवेयिष्ठाः | अवेयिषाथाम् | अवेयिद्ध्वम् |
| | अवेयिध्वम् | अवेयिध्वम् |
| अवेयिषि | अवेयिष्वहि | अवेयिष्महि |
| प० वेयाञ्चके | वेयाञ्चकाते | वेयाञ्चकिरे |
| वेयाञ्चकृषे | वेयाञ्चकाथे | वेयाञ्चकृद्वे |
| वेयाञ्चके | वेयाञ्चकृवहे | वेयाञ्चकृमहे |
| वेयाम्बभूव | वेयामास | |
| आ० वेयिषीष्ट | वेयिषीयास्ताम् | वेयिषीरन् |
| वेयिषीष्ठाः | वेयिषीयास्ताम् | वेयिषीध्वम् |
| वेयिषीय | वेयिषीवहि | वेयिषीमहि |
| प्रव० वेयिता | वेयितारौ | वेयितारः |
| वेयितासे | वेयितासाथे | वेयिताध्वे |
| वेयिताहे | वेयितास्वहे | वेयितास्महे |
| भ० वेयिष्यते | वेयिष्येते | वेयिष्यन्ते |
| वेयिष्यसे | वेयिष्येथे | वेयिष्यध्वे |
| वेयिष्ये | वेयिष्यावहे | वेयिष्यामहे |
| क्रि० अवेयिष्यत | अवेयिष्येताम् | अवेयिष्यन्त |
| अवेयिष्यथाः | अवेयिष्येथाम् | अवेयिष्यध्वम् |
| अवेयिष्ये | अवेयिष्यावहि | अवेयिष्यामहि |

1996 लाङ् [ला]घौत्ये पूर्वभावे स्वप्ने च

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० लायते | लायेते | लायन्ते |
| लायसे | लायेथे | लायध्वे |
| लाये | लायावहे | लायामहे |
| स० लायेत | लायेयाताम् | लायेरन् |
| लायेथाः | लायेयाथाम् | लायेध्वम् |
| लायेय | लायेवहि | लायेमहि |
| प० लायताम् | लायेताम् | लायन्ताम् |
| लायस्व | लायेथाम् | लायध्वम् |
| लायै | लायावहै | लायामहै |
| झ० अलायत | अलायेताम् | अलायन्त |
| अलायथाः | अलायेथाम् | अलायध्वम् |
| अलाये | अलायावहि | अलायामहि |
| अ० अलायिष्ट | अलायिषाताम् | अलायिषत |
| अलायिष्ठाः | अलायिषाथाम् | अलायिष्ण्वम् |
| | अलायिष्वम् | अलायिष्महि |
| अलायिषि | अलायिष्वहि | अलायिष्महि |
| प० लायाञ्चक्रे | लायाञ्चक्राते | लायाञ्चकिरे |
| लायाञ्चकृषे | लायाञ्चक्राथे | लायाञ्चकृध्वे |
| लायाञ्चक्रे | लायाञ्चकृवहे | लायाञ्चकृमहे |
| लायान्वभूव | लायामास | |
| आ० लायिषीष्ट | लायिषीयास्ताम् | लायिषीरन् |
| लायिषीष्ठाः | लायिषीयास्ताम् | लायिषीध्वम् |
| लायिषीय | लायिषीवहि | लायिषीमहि |
| प्रव० लायिता | लायितारौ | लायितारः |
| लायितासे | लायितासाथे | लायिताध्वे |
| लायिताहे | लायितास्वहे | लायितास्महे |
| भ० लायिष्यते | लायिष्येते | लायिष्यन्ते |
| लायिष्यसे | लायिष्येथे | लायिष्यध्वे |
| लायिष्ये | लायिष्यावहे | लायिष्यामहे |
| क्रि० अलायिष्यत | अलायिष्येताम् | अलायिष्यन्त |
| अलायिष्यथाः | अलायिष्येथाम् | अलायिष्यध्वम् |
| अलायिष्ये | अलायिष्यावहि | अलायिष्यामहि |

1997 मन्तु रोषवैमनस्ययोः ।

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० मन्तूयति | मन्तूयतः | मन्तूयन्ति |
| मन्तूयसि | मन्तूयथः | मन्तूयथ |
| मन्तूयामि | मन्तूयावः | मन्तूयामः |
| स० मन्तूयेत् | मन्तूयेताम् | मन्तूयेयुः |
| मन्तूयेः | मन्तूयेतम् | मन्तूयेत |
| मन्तूयेयम् | मन्तूयेव | मन्तूयेम |
| प० मन्तूयतु | मन्तूयतात् | मन्तूयताम् |
| मन्तूय | मन्तूयतम् | मन्तूयत |
| मन्तूयानि | मन्तूयाव | मन्तूयाम |
| झ० अमन्तूयत् | अमन्तूयताम् | अमन्तूयन् |
| अमन्तूयः | अमन्तूयतम् | अमन्तूयत |
| अमन्तूयम् | अमन्तूयाव | अमन्तूयाम |
| अ० अमन्तूयीत् | अमन्तूयिषाम् | अमन्तूयिषुः |
| अमन्तूयीः | अमन्तूयिषम् | अमन्तूयिष |
| अमन्तूयिषम् | अमन्तूयिष्व | अमन्तूयिषम |
| प० मन्तूयाञ्चकार | मन्तूयाञ्चक्रतुः | मन्तूयाञ्चक्रुः |
| मन्तूयाञ्चकथं | मन्तूयाञ्चक्रथुः | मन्तूयाञ्चक्र |
| मन्तूयाञ्चकार चक्र | मन्तूयाञ्चक्रुष | याञ्चक्रम |
| मन्तूयाम्बभूव | मन्तूयामास | |
| आ० मन्तूययात् | मन्तूययास्ताम् | मन्तूययासुः |
| मन्तूयया | मन्तूययास्तम् | मन्तूययान |
| मन्तूययासम् | मन्तूययास्व | मन्तूययास्म |
| प्रव० मन्तूयिता | मन्तूयितारौ | मन्तूयितारः |
| मन्तूयितासि | मन्तूयितास्थः | मन्तूयितास्थ |
| मन्तूयितास्मि | मन्तूयितास्वः | मन्तूयितास्मः |
| भ० मन्तूयिष्यति | मन्तूयिष्यतः | मन्तूयिष्यन्ति |
| मन्तूयिष्यसि | मन्तूयिष्यथः | मन्तूयिष्यथ |
| मन्तूयिष्यामि | मन्तूयिष्यावः | मन्तूयिष्यामः |
| अमन्तूयिष्यत् | अमन्तूयिष्यताम् | अमन्तूयिष्यन् |
| अमन्तूयिष्यः | अमन्तूयिष्यतम् | अमन्तूयिष्यत |
| अमन्तूयिष्यम् | अमन्तूयिष्याव | अमन्तूयिष्याम |

1998 वल्गु माधुर्यपूजयोः

- व० वल्गुयति वल्गुयतः वल्गुयन्ति
 वल्गुयति वल्गुयथः वल्गुयथ
 वल्गुयामि वल्गुयावः वल्गुयामः
 स० वल्गुयेत् वल्गुयेताम् वल्गुयेयुः
 वल्गुयेः वल्गुयेतम् वल्गुयेत
 वल्गुयेयम् वल्गुयेव वल्गुयेम
 प० वल्गुयतु वल्गुयतात् वल्गुयताम् वल्गुयन्तु
 वल्गुय , वल्गुयतम् वल्गुयत
 वल्गुयानि वल्गुयाव वल्गुयाम
 झ० अवल्गुयत अवल्गुयताम् अवल्गुयन्
 अवल्गुयः अवल्गुयतम् अवल्गुयत
 अवल्गुयम् अवल्गुयाव अवल्गुयाम
 अ० अवल्गुयीत् अवल्गुयिष्टाम् अवल्गुयिषुः
 अवल्गुयीः अवल्गुयिष्टम् अवल्गुयिष्ट
 अवल्गुयिषम् अवल्गुयिष्व अवल्गुयिष्म
 प० वल्गुयाञ्चकार वल्गुयाञ्चकतुः वल्गुयाञ्चक्रुः
 वल्गुयाञ्चकर्थ वल्गुयाञ्चक्रथुः वल्गुयाञ्चक
 वल्गुयाञ्चकारचकरवल्गुयाञ्चकृव-याञ्चकृम
 वल्गुयाम्बभूव । वल्गुयामास
 आ० वल्गुय्यात् वल्गुय्यास्ताम् वल्गुय्यासुः
 वल्गुय्याः वल्गुय्यास्तम् वल्गुय्यास्त
 वल्गुय्यासम् वल्गुय्यास्व वल्गुय्यास्म
 श्व० वल्गुयिता वल्गुयितारौ वल्गुयितारः
 वल्गुयितासि वल्गुयितास्थः वल्गुयितास्थ
 वल्गुयितास्मि वल्गुयितास्वः वल्गुयितास्मः
 भ० वल्गुयिष्यति वल्गुयिष्यतः वल्गुयिष्यन्ति
 वल्गुयिष्यसि वल्गुयिष्यथः वल्गुयिष्यथ
 वल्गुयिष्यामि वल्गुयिष्यावः वल्गुयिष्यामः
 अवल्गुयिष्यत् अवल्गुयिष्यताम् अवल्गुयिष्यन्
 अवल्गुयिष्यः अवल्गुयिष्यतम् अवल्गुयिष्यत
 अवल्गुयिष्यम् अवल्गुयिष्याव अवल्गुयिष्याम

1999 असु मानसोपतापे

- व० असुयति असुयतः असुयन्ति
 असुयसि असुयथः असुयथ
 असुयामि असुयावः असुयामः
 स० असुयेत् असुयेताम् असुयेयुः
 असुयेः अमृयेतम् असुयेत
 असुयेयम् असुयेव असुयेम
 प० असुयतु असुयतात् असुयताम् असुयन्तु
 असुय , असुयतम् अमृयत
 असुयानि असुयाव असुयाम
 झ० आसुयत् आसुयताम् आसुयन्
 आसुयः आसुयतम् आसुयत
 आसुयम् आसुयाव आसुयाम
 अ० आसुयीत् आसुयिष्टाम् आसुयिषुः
 आसुयीः आसुयिष्टम् आसुयिष्ट
 आसुयिषम् आसुयिष्व आसुयिष्म
 प० असुयाञ्चकार असुयाञ्चकतुः असुयाञ्चक्रुः
 असुयाञ्चकर्थ असुयाञ्चक्रथुः असुयाञ्चक
 असुयाञ्चकारचकरअसुयाञ्चकृव असुयाञ्चकृम
 असुयाम्बभूव । असुयामास
 आ० असुय्यात् असुय्यास्ताम् असुय्यासुः
 असुय्याः असुय्यास्तम् असुय्यास्त
 असुय्यासम् असुय्यास्व असुय्यास्म
 श्व० असुयिता असुयितारौ असुयितारः
 असुयितासि असुयितास्थः असुयितास्थ
 असुयितास्मि असुयितास्वः असुयितास्मः
 भ० असुयिष्यति असुयिष्यतः असुयिष्यन्ति
 असुयिष्यसि असुयिष्यथः असुयिष्यथ
 असुयिष्यामि असुयिष्यावः असुयिष्यामः
 क्रि० आसुयिष्यत् आसुयिष्यताम् आसुयिष्यन्
 आसुयिष्यः आसुयिष्यतम् आसुयिष्यत
 आसुयिष्यम् आसुयिष्याव आसुयिष्याम
 असु असुग इत्येके । अन्ये तु असुङ्
 दोषाविकृतौ रोगे चेत्याहुः ।

२००० वेद् २०० लाट् वेङ्घत् । यथा वेङ्घा-
तुः धौर्त्ये पूर्वभावे स्वप्ने च वर्तते तथा
इमावपि लाट् जीवन इत्येके । वेद् लाट् इत्यन्ये

2000 वेद् धौर्त्ये पूर्वभावे स्वप्ने च

- व० वेट्यति वेट्यतः वेट्यन्ति
वेट्यसि वेट्यथः वेट्यथ
वेट्यामि वेट्यावः वेट्यामः
स० वेट्येत् वेट्येताम् वेट्येयुः
वेट्येः वेट्येतम् वेट्येत
वेट्येयम् वेट्येव वेट्येम
प० वेट्यतु वेट्यतात् वेट्यताम् वेट्यन्तु
वेट्य , वेट्यतम् वेट्यत
वेट्यानि वेट्याव वेट्याम
झ० अवेट्यत् अवेट्यताम् अवेट्यन्
अवेट्यः अवेट्यतम् अवेट्यत
अवेट्यम् अवेट्याव अवेट्याम
अ० अवेटीत् अवेटिष्टाम् अवेटिष्टुः
अवेटीः अवेटिष्टम् अवेटिष्ट
अवेटिष्टम् अवेटिष्टव अवेटिष्टम
प० वेटाञ्चकार वेटाञ्चक्रतुः वेटाञ्चक्रुः
वेटाञ्चकर्थ वेटाञ्चक्रथुः वेटाञ्चक्र
वेटाञ्चकार चकर वेटाञ्चकृव वेटाञ्चकृम
वेटाञ्चभूव । वेटामास इत्यादि
आ० वेट्यात् वेट्यास्ताम् वेट्यासुः
वेट्याः वेट्यास्तम् वेट्यास्त
वेट्यासम् वेट्यास्व वेट्यास्म
प्रथ० वेटिता वेटितारौ वेटितारः
वेटितासि वेटितास्थः वेटितास्थ
वेटितास्मि वेटितास्वः वेटितास्मः
भ० वेटिष्यति वेटिष्यतः वेटिष्यन्ति
वेटिष्यसि वेटिष्यथः वेटिष्यथ
वेटिष्यामि वेटिष्यावः वेटिष्यामः
क्रि० अवेटिष्यत् अवेटिष्यताम् अवेटिष्यन्
अवेटिष्यः अवेटिष्यतम् अवेटिष्यत
अवेटिष्यम् अवेटिष्याव अवेटिष्याम

2001 लाट् धौर्त्ये पूर्वभावे स्वप्ने च

- व० लाट्यति लाट्यतः लाट्यन्ति
लाट्यसि लाट्यथः लाट्यथ
लाट्यामि लाट्यावः लाट्यामः
स० लाट्येत् लाट्येताम् लाट्येयुः
लाट्येः लाट्येतम् लाट्येत
लाट्येयम् लाट्येव लाट्येम
प० लाट्यतु लाट्यतात् लाट्यताम् लाट्यन्तु
लाट्य , लाट्यतम् लाट्यत
लाट्यानि लाट्याव लाट्याम
झ० अलाट्यत् अलाट्यताम् अलाट्यन्
अलाट्यः अलाट्यतम् अलाट्यत
अलाट्यम् अलाट्याव अलाट्याम
अ० अलाटीत् अलाटिष्टाम् अलाटिष्टुः
अलाटीः अलाटिष्टम् अलाटिष्ट
अलाटिष्टम् अलाटिष्टव अलाटिष्टम
प० लाटाञ्चकार लाटाञ्चक्रतुः लाटाञ्चक्रुः
लाटाञ्चकर्थ लाटाञ्चक्रथुः लाटाञ्चक्र
लाटाञ्चकार-चकर लाटाञ्चकृव लाटाञ्चकृव
लाटाञ्चभूव । लाटामास इत्यादि
आ० लाट्यात् लाट्यास्ताम् लाट्यासुः
लाट्याः लाट्यास्तम् लाट्यास्त
लाट्यासम् लाट्यास्व लाट्यास्म
प्रथ० लाटिता लाटितारौ लाटितारः
लाटितासि लाटितास्थः लाटितास्थ
लाटितास्मि लाटितास्वः लाटितास्मः
भ० लाटिष्यति लाटिष्यतः लाटिष्यन्ति
लाटिष्यसि लाटिष्यथः लाटिष्यथ
लाटिष्यामि लाटिष्यावः लाटिष्यामः
क्रि० अलाटिष्यत् अलाटिष्यताम् अलाटिष्यन्
अलाटिष्यः अलाटिष्यतम् अलाटिष्यत
अलाटिष्यम् अलाटिष्याव अलाटिष्याम

2002 लिट् अल्पार्थे कुन्सायाञ्च

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | लिट्यति | लिट्यतः | लिट्यन्ति |
| | लिट्यसि | लिट्यथः | लिट्यथ |
| | लिट्यामि | लिट्यावः | लिट्यामः |
| स० | लिट्येत् | लिट्येताम् | लिट्येयुः |
| | लिट्येः | लिट्येतम् | लिट्येत |
| | लिट्येयम् | लिट्येव | लिट्येम |
| प० | लिट्यतु | लिट्यतात् | लिट्यताम् |
| | लिट्य | लिट्यतम् | लिट्यत |
| | लिट्यानि | लिट्याव | लिट्याम |
| झ० | अलिट्यत् | अलिट्यताम् | अलिट्यन् |
| | अलिट्यः | अलिट्यतम् | अलिट्यत |
| | अलिट्यम् | अलिट्याव | अलिट्याम |
| अ० | अलिटीत् | अलिटिष्टाम् | अलिटिषुः |
| | अलिटिः | अलिटिष्टम् | अलिटिष्ट |
| | अलिटिषम् | अलिटिष्व | अलिटिष्म |
| प० | लिट्याञ्चकार | लिट्याञ्चकतुः | लिट्याञ्चकुः |
| | लिट्याञ्चकथं | लिट्याञ्चकथुः | लिट्याञ्चक |
| | लिट्याञ्चकार-चकर | लिट्याञ्चकृव | लिट्याञ्चकृव |
| | लिट्याम्बभूव | लिट्यामास | इत्यादि |
| आ० | लिट्यात् | लिट्यास्ताम् | लिट्यासुः |
| | लिट्याः | लिट्यास्तम् | लिट्यास्त |
| | लिट्यासम् | लिट्यास्व | लिट्यास्म |
| प्र० | लिटिता | लिटितारौ | लिटितारः |
| | लिटितासि | लिटितास्थः | लिटितास्थ |
| | लिटितास्मि | लिटितास्वः | लिटितास्मः |
| भ० | लिटिष्यति | लिटिष्यतः | लिटिष्यन्ति |
| | लिटिष्यसि | लिटिष्यथः | लिटिष्यथ |
| | लिटिष्यामि | लिटिष्यावः | लिटिष्यामः |
| क्रि० | अलिटिष्यत् | अलिटिष्यताम् | अलिटिष्यन् |
| | अलिटिष्यः | अलिटिष्यतम् | अलिटिष्यत |
| | अलिटिष्यम् | अलिटिष्याव | अलिटिष्याम |
| | अलिटिष्यत् | अलिटिष्यताम् | अलिटिष्यन् |
| | अलिटिष्यः | अलिटिष्यतम् | अलिटिष्यत |
| | अलिटिष्यम् | अलिटिष्याव | अलिटिष्याम |

2003 लोट् दीप्तौ

| | | | |
|-------|----------------|--------------|------------------------------------|
| व० | लोट्यति | लोट्यतः | लोट्यन्ति |
| | लोट्यसि | लोट्यथः | लोट्यथ |
| | लोट्यामि | लोट्यावः | लोट्यामः |
| स० | लोट्येत् | लोट्येताम् | लोट्येयुः |
| | लोट्येः | लोट्येतम् | लोट्येत |
| | लोट्येयम् | लोट्येव | लोट्येम |
| प० | लोट्यतु | लोट्यतात् | लोट्यताम् |
| | लोट्य | लोट्यतम् | लोट्यत |
| | लोट्यानि | लोट्याव | लोट्याम |
| झ० | अलोट्यत् | अलोट्यताम् | अलोट्यन् |
| | अलोट्यः | अलोट्यतम् | अलोट्यत |
| | अलोट्यम् | अलोट्याव | अलोट्याम |
| अ० | अलोटीत् | अलोटिष्टाम् | अलोटिषुः |
| | अलोटीः | अलोटिष्टम् | अलोटिष्ट |
| | अलोटिषम् | अलोटिष्व | अलोटिष्म |
| प० | लोटाञ्चकार | लोटाञ्चकतः | लोटाञ्चकुः |
| | लोटाञ्चकथं | लोटाञ्चकथुः | लोटाञ्चक |
| | लोटाञ्चकार चकर | लोटाञ्चकृव | लोटाञ्चकृम |
| | लोटाम्बभूव | लोटाभास | इत्यादि |
| आ० | लोटात् | लोटास्ताम् | लोटासुः |
| | लोटाः | लोटास्तम् | लोटास्त |
| | लोटासम् | लोटास्व | लोटास्म |
| प्र० | लोटिता | लोटितारौ | लोटितारः |
| | लोटितासि | लोटितास्थः | लोटितास्थ |
| | लोटितास्मि | लोटितास्वः | लोटितास्मः |
| भ० | लोटिष्यति | लोटिष्यतः | लोटिष्यन्ति |
| | लोटिष्यसि | लोटिष्यथः | लोटिष्यथ |
| | लोटिष्यामि | लोटिष्यावः | लोटिष्यामः |
| क्रि० | अलोटिष्यत् | अलोटिष्यताम् | अलोटिष्यन् |
| | अलोटिष्यः | अलोटिष्यतम् | अलोटिष्यत |
| | अलोटिष्यम् | अलोटिष्याव | अलोटिष्याम |
| | लोट् | लोट् | धौत्ये पूर्वभा. स्वप्ने चेत्येके । |
| | लेट् | लोप्ताविति | केचित् । |

2004 उरस् ऐश्वर्ये

| | | |
|-----------------|---------------|---------------------|
| व० उरस्यति | उरस्यतः | उरस्यन्ति |
| उरस्यसि | उरस्यथः | उरस्यथ |
| उरस्यामि | उरस्यावः | उरस्यामः |
| स० उरस्येत् | उरस्येताम् | उरस्येयुः |
| उरस्येः | उरस्येतम् | उरस्येत |
| उरस्येयम् | उरस्येव | उरस्येम |
| प० उरस्यतु | उरस्यतात् | उरस्यताम् उरस्यन्तु |
| उरस्य | , उरस्यतम् | उरस्यत |
| उरस्यानि | उरस्याव | उरस्याम |
| ह्य० औरस्यत् | औरस्यताम् | औरस्यन् |
| औरस्यः | औरस्यतम् | औरस्यत |
| औरस्यम् | औरस्याव | औरस्याम |
| अ० औरसोत् | औरसिष्ताम् | औरसिषुः |
| औरसीः | औरसिष्टम् | औरसिष्ट |
| औरसिषम् | औरसिष्व | औरसिष्म |
| प० उरसाञ्चकार | उरसाञ्चक्रुः | उरसाञ्चक्रुः |
| उरसाञ्चकथं | उरसाञ्चक्रथुः | उरसाञ्चक्र |
| उरसाञ्चकार चक्र | उरसाञ्चक्रव | उरसाञ्चक्रम |
| उरसाम्बभूव | । उरसामास | |
| आ० उरस्यात् | उरस्यास्ताम् | उरस्यासुः |
| उरस्याः | उरस्यास्तम् | उरस्यास्त |
| उरस्यासम् | उरस्यास्व | उरस्यास्म |
| श्व० उरसिता | उरसितारौ | उरसितारः |
| उरसितासि | उरसितास्थः | उरसितास्थ |
| उरसितास्मि | उरसितास्वः | उरसितास्मः |
| भ० उरसिष्यति | उरसिष्यतः | उरसिष्यन्ति |
| उरसिष्यसि | उरसिष्यथः | उरसिष्यथ |
| उरसिष्यामि | उरसिष्यावः | उरसिष्यामः |
| क्रि० औरसिष्यत् | औरसिष्यताम् | औरसिष्यन् |
| औरसिष्यः | औरसिष्यतम् | औरसिष्यत |
| औरसिष्यम् | औरसिष्याव | औरसिष्याम |

2005 उषस् प्रभातीभावे

| | | |
|-----------------|---------------|---------------------|
| व० उषस्यति | उषस्यतः | उषस्यन्ति |
| उषस्यसि | उषस्यथः | उषस्यथ |
| उषस्यामि | उषस्यावः | उषस्यामः |
| स० उषस्येत् | उषस्येताम् | उषस्येयुः |
| उषस्येः | उषस्येतम् | उषस्येत |
| उषस्येयम् | उषस्येव | उषस्येम |
| प० उषस्यतु | उषस्यतात् | उषस्यताम् उषस्यन्तु |
| उषस्य | , उषस्यतम् | उषस्यत |
| उषस्यानि | उषस्याव | उषस्याम |
| ह्य० औषस्यत् | औषस्यताम् | औषस्यन् |
| औषस्यः | औषस्यतम् | औषस्यत |
| औषस्यम् | औषस्याव | औषस्याम |
| अ० औषसोत् | औषसिष्ताम् | औषसिषुः |
| औषसीः | औषसिष्टम् | औषसिष्ट |
| औषसिषम् | औषसिष्व | औषसिष्म |
| प० उषसाञ्चकार | उषसाञ्चक्रुः | उषसाञ्चक्रुः |
| उषसाञ्चकथं | उषसाञ्चक्रथुः | उषसाञ्चक्र |
| उषसाञ्चकार चक्र | उषसाञ्चक्रव | उषसाञ्चक्रम |
| उषसाम्बभूव | । उषसामास | |
| आ० उषस्यात् | उषस्यास्ताम् | उषस्यासुः |
| उषस्याः | उषस्यास्तम् | उषस्यास्त |
| उषस्यासम् | उषस्यास्व | उषस्यास्म |
| श्व० उषसिता | उषसितारौ | उषसितारः |
| उषसितासि | उषसितास्थः | उषसितास्थ |
| उषसितास्मि | उषसितास्वः | उषसितास्मः |
| भ० उषसिष्यति | उषसिष्यतः | उषसिष्यन्ति |
| उषसिष्यसि | उषसिष्यथः | उषसिष्यथ |
| उषसिष्यामि | उषसिष्यावः | उषसिष्यामः |
| क्रि० औषसिष्यत् | औषसिष्यताम् | औषसिष्यन् |
| औषसिष्यः | औषसिष्यतम् | औषसिष्यत |
| औषसिष्यम् | औषसिष्याव | औषसिष्याम |

2006 इरस् इष्यायाम्

| | | | |
|------|---------------|---------------|---------------|
| व० | इरस्यति | इरस्यतः | इरस्यन्ति |
| | इरस्यसि | इरस्यथः | इरस्यथ |
| | इरस्यामि | इरस्यावः | इरस्यामः |
| स० | इरस्येत् | इरस्येताम् | इरस्येयुः |
| | इरस्येः | इरस्येतम् | इरस्येत |
| | इरस्येयम् | इरस्येव | इरस्येम |
| प० | इरस्यतु | इरस्यतात् | इरस्यताम् |
| | इरस्य | इरस्यतम् | इरस्यन्तु |
| | इरस्यानि | इरस्याव | इरस्याम |
| झ० | पेरस्यत् | पेरस्यताम् | पेरस्यन् |
| | पेरस्यः | पेरस्यतम् | पेरस्यत |
| | पेरस्यम् | पेरस्याव | पेरस्याम |
| अ० | पेरसीत् | पेरसिष्टाम् | पेरसिष्ठुः |
| | पेरसीः | पेरसिष्टम् | पेरसिष्ट |
| | पेरसिषम् | पेरसिष्व | पेरसिष्म |
| प० | इरसाञ्चकार | इरसाञ्चक्रतुः | इरसाञ्चक्रुः |
| | इरसाञ्चकथं | इरसाञ्चकथुः | इरसाञ्चक |
| | इरसाञ्चकारचकर | इरसाञ्चकृव | इरसाञ्चकृम |
| | इरसाम्बभूव | । | इरसामास |
| आ० | इरस्यात् | इरस्यास्ताम् | इरस्यासुः |
| | इरस्याः | इरस्यास्तम् | इरस्यास्त |
| | इरस्यासाम् | इरस्यास्व | इरस्यास्म |
| श्व० | इरसिता | इरसितारौ | इरसितारः |
| | इरसितासि | इरसितास्थः | इरसितास्थ |
| | इरसितास्मि | इरसितास्वः | इरसितास्मः |
| भ० | इरसिष्यति | इरसिष्यतः | इरसिष्यन्ति |
| | इरसिष्यसि | इरसिष्यथः | इरसिष्यथ |
| | इरसिष्यामि | इरसिष्यावः | इरसिष्यामः |
| क्रि | पेरसिष्यत् | पेरसिष्यताम् | पेरसिष्यन् |
| | पेरसिष्यः | पेरसिष्यतम् | पेरसिष्यत |
| | पेरसिष्यम् | पेरसिष्याव | पेरसिष्याम |
| | इरञ्जू | इरञ्गु | इत्यपि केचित् |

2007 तिरस् अन्तर्द्धौ

| | | | |
|------|----------------|----------------|---------------|
| व० | तिरस्यति | तिरस्यतः | तिरस्यन्ति |
| | तिरस्यसि | तिरस्यथः | तिरस्यथ |
| | तिरस्यामि | तिरस्यावः | तिरस्यामः |
| स० | तिरस्येत् | तिरस्येताम् | तिरस्येयुः |
| | तिरस्येः | तिरस्येतम् | तिरस्येत |
| | तिरस्येयम् | तिरस्येव | तिरस्येम |
| प० | तिरस्यतु | तिरस्यतात् | तिरस्यताम् |
| | तिरस्य | तिरस्यतम् | तिरस्यन्तु |
| | तिरस्यानि | तिरस्याव | तिरस्याम |
| झ० | अतिरस्यत् | अतिरस्यताम् | अतिरस्यन् |
| | अतिरस्यः | अतिरस्यतम् | अतिरस्यत |
| | अतिरस्यम् | अतिरस्याव | अतिरस्याम |
| अ० | अतिरसीत् | अतिरसिष्टाम् | अतिरसिष्ठुः |
| | अतिरसीः | अतिरसिष्टम् | अतिरसिष्ट |
| | अतिरसिषम् | अतिरसिष्व | अतिरसिष्म |
| प० | तिरसाञ्चकार | तिरसाञ्चक्रतुः | तिरसाञ्चक्रुः |
| | तिरसाञ्चकथं | तिरसाञ्चकथुः | तिरसाञ्चक |
| | तिरसाञ्चकारचकर | तिरसाञ्चकृव | तिरसाञ्चकृम |
| | तिरसाम्बभूव | । | तिरसामास |
| आ० | तिरस्यात् | तिरस्यास्ताम् | तिरस्यासुः |
| | तिरस्याः | तिरस्यास्तम् | तिरस्यास्त |
| | तिरस्यासाम् | तिरस्यास्व | तिरस्यास्म |
| श्व० | तिरसिता | तिरसितारौ | तिरसितारः |
| | तिरसितासि | तिरसितास्थः | तिरसितास्थ |
| | तिरसितास्मि | तिरसितास्वः | तिरसितास्मः |
| भ० | तिरसिष्यति | तिरसिष्यतः | तिरसिष्यन्ति |
| | तिरसिष्यसि | तिरसिष्यथः | तिरसिष्यथ |
| | तिरसिष्यामि | तिरसिष्यावः | तिरसिष्यामः |
| | अतिरसिष्यत् | अतिरसिष्यताम् | अतिरसिष्यन् |
| | अतिरसिष्यः | अतिरसिष्यतम् | अतिरसिष्यत |
| | अतिरसिष्यम् | अतिरसिष्याव | अतिरसिष्याम |

2008 इयस् प्रसृतौ

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| ख० इयस्यति | इयस्यतः | इयस्यन्ति |
| इयस्यसि | इयस्यथः | इयस्यथ |
| इयस्यामि | इयस्यावः | इयस्यामः |
| स० इयस्येत् | इयस्येताम् | इयस्येयुः |
| इयस्येः | इयस्येतम् | इयस्येत |
| इयस्येयम् | इयस्येव | इयस्येम |
| प० इयस्यतु | इयस्यतात् | इयस्यताम् |
| इयस्य | इयस्यतम् | इयस्यत |
| इयस्यानि | इयस्याव | इयस्याम |
| छा० ऐयस्यत् | ऐयस्यताम् | ऐयस्यन् |
| ऐयस्यः | ऐयस्यतम् | ऐयस्यत |
| ऐयस्यम् | ऐयस्याव | ऐयस्याम |
| अ० ऐयसीत् | ऐयसिष्टाम् | ऐयसिषुः |
| ऐयसीः | ऐयसिष्टम् | ऐयसिष्ट |
| ऐयसिषम् | ऐयसिष्व | ऐयसिष्म |
| प० इयसाञ्चकार | इयसाञ्चक्रुः | इयसाञ्चकुः |
| इयसाञ्चकथं | इयसाञ्चकथुः | इयसाञ्चक |
| इयसाञ्चकारचकर | इयसाञ्चकृव | इयसाञ्चकृम |
| इयसाम्बभूव | इयसामास | |
| आ० इयस्यात् | इयस्यास्ताम् | इयस्यासुः |
| इयस्याः | इयस्यास्तम् | इयस्यास्त |
| इयस्यासाम् | इयस्यास्व | इयस्यास्म |
| प्रव० इयसिता | इयसितारो | इयसितारः |
| इयसितासि | इयसितास्यः | इयसितास्य |
| इयसितास्मि | इयसितास्वः | इयसितास्म |
| भ० इयसिष्यति | इयसिष्यतः | इयसिष्यन्ति |
| इयसिष्यसि | इयसिष्यथः | इयसिष्यथ |
| इयसिष्यामि | इयसिष्यावः | इयसिष्यामः |
| क्रि० ऐयसिष्यत् | ऐयसिष्यताम् | ऐयसिष्यन् |
| ऐयसिष्यः | ऐयसिष्यतम् | ऐयसिष्यत |
| ऐयसिष्यम् | ऐयसिष्याव | ऐयसिष्याम |

2009 इमस् प्रसृतौ

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| ख० इमस्यति | इमस्यतः | इमस्यन्ति |
| इमस्यसि | इमस्यथः | इमस्यथ |
| इमस्यामि | इमस्यावः | इमस्यामः |
| स० इमस्येत् | इमस्येताम् | इमस्येयुः |
| इमस्येः | इमस्येतम् | इमस्येत |
| इमस्येयम् | इमस्येव | इमस्येम |
| प० इमस्यतु | तात् | इमस्यताम् |
| इमस्य | इमस्यतम् | इमस्यत |
| इमस्यानि | इमस्याव | इमस्याम |
| छा० ऐमस्यत् | ऐमस्यताम् | ऐमस्यन् |
| ऐमस्यः | ऐमस्यतम् | ऐमस्यत |
| ऐमस्यम् | ऐमस्याव | ऐमस्याम |
| अ० ऐमसीत् | ऐमसिष्टाम् | ऐमसिषुः |
| ऐमसीः | ऐमसिष्टम् | ऐमसिष्ट |
| ऐमसिषम् | ऐमसिष्व | ऐमसिष्म |
| प० इमसाञ्चकार | इमसाञ्चक्रुः | इमसाञ्चकुः |
| इमसाञ्चकथं | इमसाञ्चकथुः | इमसाञ्चक |
| इमसाञ्चकारचकर | इमसाञ्चकृव | इमसाञ्चकृम |
| इमसाम्बभूव | इमसामास | |
| आ० इमस्यात् | इमस्यास्ताम् | इमस्यासुः |
| इमस्याः | इमस्यास्तम् | इमस्यास्त |
| इमस्यासाम् | इमस्यास्व | इमस्यास्म |
| प्रव० इमसिता | इमसितारो | इमसितारः |
| इमसितासि | इमसितास्यः | इमसितास्य |
| इमसितास्मि | इमसितास्वः | इमसितास्म |
| भ० इमसिष्यति | इमसिष्यतः | इमसिष्यन्ति |
| इमसिष्यसि | इमसिष्यथः | इमसिष्यथ |
| इमसिष्यामि | इमसिष्यावः | इमसिष्यामः |
| क्रि० ऐमसिष्यत् | ऐमसिष्यताम् | ऐमसिष्यन् |
| ऐमसिष्यः | ऐमसिष्यतम् | ऐमसिष्यत |
| ऐमसिष्यम् | ऐमसिष्याव | ऐमसिष्याम |

2011 पयस् प्रसूती ।

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| व० पयस्यति | पयस्यतः | पयस्यन्ति |
| पयस्यसि | पयस्यथः | पयस्यथ |
| पयस्यामि | पयस्यावः | पयस्यामः |
| स० पयस्येत् | पयस्येताम् | पयस्येयुः |
| पयस्येः | पयस्येतम् | पयस्येत |
| पयस्येयम् | पयस्येव | पयस्येम |
| प० पयस्यतु | पयस्यतात् | पयस्यताम् |
| पयस्य | पयस्यतम् | पयस्यत |
| पयस्यानि | पयस्याव | पयस्याम |
| झ० अपयस्यत् | अपयस्यताम् | अपयस्यन् |
| अपयस्यः | अपयस्यतम् | अपयस्यत |
| अपयस्यम् | अपयस्याव | अपयस्याम |
| अ० अपयसीत् | अपयसिष्टाम् | अपयसिषुः |
| अपयसीः | अपयसिष्टम् | अपयसिष्ट |
| अपयसिषम् | अपयसिष्व | अपयसिष्म |
| प० पयसाञ्चकार | पयसाञ्चक्रतुः | पयसाञ्चक्रुः |
| पयसाञ्चकथं | पयसाञ्चकथुः | पयसाञ्चक |
| पयसाञ्चकारचकर | पयसाञ्चकृव | पयसाञ्चकृम |
| पयसाञ्चभूव | पयसाञ्च | |
| आ० पयस्यात् | पयस्यास्ताम् | पयस्यासुः |
| पयस्याः | पयस्यास्तम् | पयस्यास्त |
| पयस्यासम् | पयस्यास्व | पयस्यास्म |
| प्रव० पयसिता | पयसितारौ | पयसितारः |
| पयसितासि | पयसितास्थः | पयसितास्थ |
| पयसितास्मि | पयसितास्वः | पयसितास्म |
| भ० पयसिष्यति | पयसिष्यतः | पयसिष्यन्ति |
| पयसिष्यसि | पयसिष्यथः | पयसिष्यथ |
| पयसिष्यामि | पयसिष्यावः | पयसिष्यामः |
| अपयसिष्यत् | अपयसिष्यताम् | अपयसिष्यन् |
| अपयसिष्यः | अपयसिष्यतम् | अपयसिष्यत |
| अपयसिष्यम् | अपयसिष्याव | अपयसिष्याम |

2010 अस् प्रसूती

| | | |
|----------------|--------------|-------------|
| व० अस्यति | अस्यतः | अस्यन्ति |
| अस्यसि | अस्यथः | अस्यथ |
| अस्यामि | अस्यावः | अस्यामः |
| स० अस्येत् | अस्येताम् | अस्येयुः |
| अस्येः | अस्येतम् | अस्येत |
| अस्येयम् | अस्येव | अस्येम |
| प० अस्यतु | तात् | अस्यताम् |
| अस्य | अस्यतम् | अस्यत |
| अस्यानि | अस्याव | अस्याम |
| झ० आस्यत् | आस्यताम् | आस्यन् |
| आस्यः | आस्यतम् | आस्यत |
| आस्यम् | आस्याव | आस्याम |
| अ० आसीत् | आसिष्टाम् | आसिषुः |
| आसीः | आसिष्टम् | आसिष्ट |
| आसिषम् | आसिष्व | आसिष्म |
| प० असाञ्चकार | असाञ्चक्रतुः | असाञ्चक्रुः |
| असाञ्चकथं | असाञ्चकथुः | असाञ्चक |
| असाञ्चकारचकर | असाञ्चकृव | असाञ्चकृम |
| असाञ्चभूव | असाञ्च | |
| आ० अस्यात् | अस्यास्ताम् | अस्यासुः |
| अस्याः | अस्यास्तम् | अस्यास्त |
| अस्यासम् | अस्यास्व | अस्यास्म |
| प्रव० असिता | असितारौ | असितारः |
| असितासि | असितास्थः | असितास्थ |
| असितास्मि | असितास्वः | असितास्म |
| भ० असिष्यति | असिष्यतः | असिष्यन्ति |
| असिष्यसि | असिष्यथः | असिष्यथ |
| असिष्यामि | असिष्यावः | असिष्यामः |
| क्रि० आसिष्यत् | आसिष्यताम् | आसिष्यन् |
| आसिष्यः | आसिष्यतम् | आसिष्यत |
| आसिष्यम् | आसिष्याव | आसिष्याम |

२०१२ सम्भूयस् प्रभूतभावे

ब० सम्भूयस्यति सम्भूयस्यतः सम्भूयस्यन्ति
सम्भूयस्यसि सम्भूयस्यथः सम्भूयस्यथ
सम्भूयस्यामि सम्भूयस्यावः सम्भूयस्यामः

स० सम्भूयस्येत् सम्भूयस्येताम् सम्भूयस्येयुः
सम्भूयस्येः सम्भूयस्येतम् सम्भूयस्येत
सम्भूयस्येयम् सम्भूयस्येव सम्भूयस्येम

सम्भूयस्यतु तात् सम्भूयस्यताम् सम्भूयस्यन्तु
सम्भूयस्य , सम्भूयस्यतम् सम्भूयस्यत
सम्भूयस्यानि सम्भूयस्याव सम्भूयस्याम

असम्भूयस्यत् असम्भूयस्यताम् असम्भूयस्यन्
असम्भूयस्यः असम्भूयस्यतम् असम्भूयस्यत
असम्भूयस्यम् असम्भूयस्याव असम्भूयस्याम

असम्भूयसीत् असम्भूयसिष्टम् असम्भूयसिष्ठुः
असम्भूयसीः असम्भूयसिष्टम् असम्भूयसिष्ट
असम्भूयसिष्ठम् असम्भूयसिष्ठव असम्भूयसिष्ठम्

सम्भूयसाञ्चकार सम्भूयसाञ्चक्रतुः-यसाञ्चक्रुः
सम्भूयसाञ्चकथं सम्भूयसाञ्चक्रथुः-यसाञ्चक्र
सम्भूयसाञ्चकार कर सम्भूयसाञ्चक्रव यसाञ्चक्रम्

सम्भूयसाम्बभूव । सम्भूयसामास

सम्भूयस्यात् सम्भूयस्यास्ताम् सम्भूयस्यासुः
सम्भूयस्याः सम्भूयस्यास्तम् सम्भूयस्यास्त
सम्भूयस्यासम् सम्भूयस्यास्व सम्भूयस्यासम्

सम्भूयसिता सम्भूयसितारौ सम्भूयसितारः
सम्भूयसितासि सम्भूयसितास्थः-यसितास्थ
सम्भूयसितास्मि सम्भूयसितास्व-यसितास्मः

सम्भूयसिष्यति सम्भूयसिष्यतः-यसिष्यन्ति
सम्भूयसिष्यसि सम्भूयसिष्यथः-यसिष्यथ
सम्भूयसिष्यामि सम्भूयसिष्याव-यसिष्यामः

असम्भूयसिष्यत् असम्भूयसिष्यताम्-यसिष्यन्
असम्भूयसिष्यः असम्भूयसिष्यतम्-यसिष्यत
असम्भूयसिष्यम् असम्भूयसिष्याव-यसिष्याम

२०१३ दुवस् परितापपरिचरणयोः ।

ब० दुवस्यति दुवस्यतः दुवस्यन्ति
दुवस्यसि दुवस्यथः दुवस्यथ
दुवस्यामि दुवस्यावः दुवस्यामः

स० दुवस्येत् दुवस्येताम् दुवस्येयुः
दुवस्येः दुवस्येतम् दुवस्येत
दुवस्येयम् दुवस्येव दुवस्येम

प० दुवस्यतु दुवस्यतात् दुवस्यताम् दुवस्यन्तु
दुवस्य , दुवस्यतम् दुवस्यत
दुवस्यानि दुवस्याव दुवस्याम

द्व० अदुवस्यत् अदुवस्यताम् अदुवस्यन्
अदुवस्यः अदुवस्यतम् अदुवस्यत
अदुवस्यम् अदुवस्याव अदुवस्याम

अ० अदुवसीत् अदुवसिष्टम् अदुवसिष्ठुः
अदुवसीः अदुवसिष्टम् अदुवसिष्ट
अदुवसिष्ठम् अदुवसिष्ठव अदुवसिष्ठम्

प० दुवसाञ्चकार दुवसाञ्चक्रतुः दुवसाञ्चक्रुः
दुवसाञ्चकथं दुवसाञ्चक्रथुः दुवसाञ्चक्र
दुवसाञ्चकार कर दुवसाञ्चक्रव साञ्चक्रम्
दुवसाम्बभूव । दुवसामास

अ० दुवस्यात् दुवस्यास्ताम् दुवस्यासुः
दुवस्याः दुवस्यास्तम् दुवस्यास्त
दुवस्यासम् दुवस्यास्व दुवस्यासम्

प्रव० दुवसिता दुवसितारौ दुवसितारः
दुवसितासि दुवसितास्थः दुवसितास्थ
दुवसितास्मि दुवसितास्वः दुवसितास्मः

भ० दुवसिष्यति दुवसिष्यतः दुवसिष्यन्ति
दुवसिष्यसि दुवसिष्यथः दुवसिष्यथ
दुवसिष्यामि दुवसिष्यावः दुवसिष्यामः

अदुवसिष्यत् अदुवसिष्यताम् अदुवसिष्यन्
अदुवसिष्यः अदुवसिष्यतम् अदुवसिष्यत
अदुवसिष्यम् अदुवसिष्याव अदुवसिष्याम

2014 दुरज् चिकित्सायाम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० दुरज्यति | दुरज्यतः | दुरज्यन्ति |
| दुरज्यसि | दुरज्यथः | दुरज्यथ |
| दुरज्यामि | दुरज्यावः | दुरज्यामः |
| स० दुरज्येत् | दुरज्येताम् | दुरज्येयुः |
| दुरज्येः | दुरज्येतम् | दुरज्येत |
| दुरज्येयम् | दुरज्येव | दुरज्येम |
| प० दुरज्यतु | दुरज्यतात् | दुरज्यन्तु |
| दुरज्य | दुरज्यतम् | दुरज्यत |
| दुरज्यानि | दुरज्याव | दुरज्याम |
| झ० अदुरज्यत् | अदुरज्यताम् | अदुरज्यन् |
| अदुरज्यः | अदुरज्यतम् | अदुरज्यत |
| अदुरज्यम् | अदुरज्याव | अदुरज्याम |
| अ० अदुरजीत् | अदुरजिष्टाम् | अदुरजिषुः |
| अदुरजीः | अदुरजिष्टम् | अदुरजिष्ट |
| अदुरजिषम् | अदुरजिष्व | अदुरजिष्म |
| प० दुरजाञ्चकार | दुरजाञ्चक्रुः | दुरजाञ्चकुः |
| दुरजाञ्चकथं | दुरजाञ्चकथुः | दुरजाञ्चक |
| दुरजाञ्चकारचकर | दुरजाञ्चकृव | जाञ्चकृम |
| दुरजाञ्चभूव | । | दुरजाञ्चमास |
| भा० दुरज्यात् | दुरज्यास्ताम् | दुरज्यासुः |
| दुरज्याः | दुरज्यास्तम् | दुरज्यास्त |
| दुरज्यासम् | दुरज्यास्व | दुरज्यास्म |
| प्र० दुरजिता | दुरजितागै | दुरजितारः |
| दुरजितासि | दुरजितास्थः | दुरजितास्थ |
| दुरजितास्मि | दुरजितास्वः | दुरजितास्मः |
| भ० दुरजिष्यति | दुरजिष्यतः | दुरजिष्यन्ति |
| दुरजिष्यसि | दुरजिष्यथः | दुरजिष्यथ |
| दुरजिष्यामि | दुरजिष्यावः | दुरजिष्यामः |
| क्रि० अदुरजिष्यत् | अदुरजिष्यताम् | अदुरजिष्यन् |
| अदुरजिष्यः | अदुरजिष्यतम् | अदुरजिष्यत |
| अदुरजिष्यम् | अदुरजिष्याव | अदुरजिष्याम |

2015 भिषज् चिकित्सायाम्

| | | |
|-----------------|---------------|-----------------|
| व० भिषज्यति | भिषज्यतः | भिषज्यन्ति |
| भिषज्यसि | भिषज्यथः | भिषज्यथ |
| भिषज्यामि | भिषज्यावः | भिषज्यामः |
| स० भिषज्येत् | भिषज्येताम् | भिषज्येयुः |
| भिषज्येः | भिषज्येतम् | भिषज्येत |
| भिषज्येयम् | भिषज्येव | भिषज्येम |
| प० भिषज्यतु | भिषज्यतात् | ताम् भिषज्यन्तु |
| भिषज्य | भिषज्यतम् | भिषज्यत |
| भिषज्यानि | भिषज्याव | भिषज्याम |
| झ० अभिषज्यत् | अभिषज्यताम् | अभिषज्यन् |
| अभिषज्यः | अभिषज्यतम् | अभिषज्यत |
| अभिषज्यम् | अभिषज्याव | अभिषज्याम |
| अ० अभिषजीत् | अभिषजिष्टाम् | अभिषजिषुः |
| अभिषजीः | अभिषजिष्टम् | अभिषजिष्ट |
| अभिषजिषम् | अभिषजिष्व | अभिषजिष्म |
| प० भिषजाञ्चकार | भिषजाञ्चक्रुः | भिषजाञ्चकुः |
| भिषजाञ्चकथं | भिषजाञ्चकथुः | भिषजाञ्चक |
| भिषजाञ्चकार चकर | भिषजाञ्चकृव | जाञ्चकृम |
| भिषजाञ्चभूव | । | भिषजाञ्चमास |
| आ० भिषज्यात् | भिषज्यास्ताम् | भिषज्यासुः |
| भिषज्याः | भिषज्यास्तम् | भिषज्यास्त |
| भिषज्यासम् | भिषज्यास्व | भिषज्यास्म |
| प्र० भिषजिता | भिषजितारौ | भिषजितारः |
| भिषजितासि | भिषजितास्थः | भिषजितास्थ |
| भिषजितास्मि | भिषजितास्वः | भिषजितास्मः |
| भ० भिषजिष्यति | भिषजिष्यतः | भिषजिष्यन्ति |
| भिषजिष्यसि | भिषजिष्यथः | भिषजिष्यथ |
| भिषजिष्यामि | भिषजिष्यावः | भिषजिष्यामः |
| अभिषजिष्यत् | अभिषजिष्यताम् | अभिषजिष्यन् |
| अभिषजिष्यः | अभिषजिष्यतम् | अभिषजिष्यत |
| अभिषजिष्यम् | अभिषजिष्याव | अभिषजिष्याम |

2016 भिष्णुक उपसेवायाम्

व० भिष्णुक्यति भिष्णुक्यतः भिष्णुक्यन्ति
 भिष्णुक्यसि भिष्णुक्यथः भिष्णुक्यथ
 भिष्णुक्यामि भिष्णुक्यावः भिष्णुक्यामः
 स० भिष्णुक्येत् भिष्णुक्येताम् भिष्णुक्येयुः
 भिष्णुक्येः भिष्णुक्येतम् भिष्णुक्येत
 भिष्णुक्येयम् भिष्णुक्येव भिष्णुक्येम
 प० भिष्णुक्यतु भिष्णुक्यतात्-ताम् भिष्णुक्यन्तु
 भिष्णुक्य ,, भिष्णुक्यतम् भिष्णुक्यत
 भिष्णुक्यानि भिष्णुक्याव भिष्णुक्याम
 झ० अभिष्णुक्यत् अभिष्णुक्यताम् अभिष्णुक्यन्
 अभिष्णुक्यः अभिष्णुक्यतम् अभिष्णुक्यत
 अभिष्णुक्यम् अभिष्णुक्याव अभिष्णुक्याम
 अ० अभिष्णुकीत् अभिष्णुकिष्टम् अभिष्णुकिष्टुः
 अभिष्णुकीः अभिष्णुकिष्टम् अभिष्णुकिष्ट
 अभिष्णुकिष्टम् अभिष्णुकिष्ट्व अभिष्णुकिष्टम्
 भिष्णुकाञ्चकार भिष्णुकाञ्चक्रतुः भिष्णुकाञ्चक्रुः
 भिष्णुकाञ्चक्य भिष्णुकाञ्चक्रतुः भिष्णुकाञ्चक्र
 भिष्णुकाञ्चकार, चकर भिष्णुकाञ्चक्य काञ्चक्रम
 भिष्णुकाम्बभूव । भिष्णुकामास,
 आ० भिष्णुक्यात् भिष्णुक्यास्ताम् भिष्णुक्यासु
 भिष्णुक्याः भिष्णुक्यास्तम् भिष्णुक्यास्त
 भिष्णुक्यासम् भिष्णुक्यास्व भिष्णुक्यास्म
 प्र० भिष्णुकिता भिष्णुकितारौ भिष्णुकितार
 भिष्णुकितासि भिष्णुकितास्यः भिष्णुकितास्य
 भिष्णुकितास्मि भिष्णुकितास्वः—, कितास्म
 भिष्णुकिष्यति भिष्णुकिष्यतः—, किष्यन्ति
 भिष्णुकिष्यसि भिष्णुकिष्यथः—, किष्यथ
 भिष्णुकिष्यामि भिष्णुकिष्यावः—, किष्यामः
 अभिष्णुकिष्यत् अभिष्णुकिष्यताम्—, किष्यन्
 अभिष्णुकिष्यः अभिष्णुकिष्यतम्—, किष्यत
 अभिष्णुकिष्यम् अभिष्णुकिष्याव—, किष्याम
 भिष्णु उपसेवायामित्येके ।

2017 रेखा श्लाघासादनयोः ।

व० रेखायति रेखायतः रेखायन्ति
 रेखायसि रेखायथः रेखायथ
 रेखायामि रेखायावः रेखायामः
 स० रेखायेत् रेखायेताम् रेखायेयुः
 रेखायेः रेखायेतम् रेखायेत
 रेखायेयम् रेखायेव रेखायेम
 प० रेखायतु रेखायतात् रेखायताम् रेखायन्तु
 रेखाय ,, रेखायतम् रेखायत
 रेखायाणि रेखायाव रेखायाम
 झ० अरेखायत् अरेखायताम् अरेखायन्
 अरेखायः अरेखायतम् अरेखायत
 अरेखायम् अरेखायाव अरेखायाम
 अ० अरेखायीत् अरेखायिष्टम् अरेखायिष्टुः
 अरेखायीः अरेखायिष्टम् अरेखायिष्ट
 अरेखायिष्टम् अरेखायिष्ट्व अरेखायिष्टम्
 प० रेखायाञ्चकार रेखायाञ्चक्रतुः रेखायाञ्चक्रुः
 रेखायाञ्चक्य रेखायाञ्चक्रतुः रेखायाञ्चक्र
 रेखायाञ्चकार चकर रेखायाञ्चक्य याञ्चक्रम
 रेखायाम्बभूव । रेखायामास
 आ० रेखाय्यात् रेखाय्यास्ताम् रेखाय्यासु
 रेखाय्याः रेखाय्यास्तम् रेखाय्यास्त
 रेखाय्यासम् रेखाय्यास्व रेखाय्यास्म
 प्र० रेखायिता रेखायितारौ रेखायितारः
 रेखायितासि रेखायितास्यः रेखायितास्य
 रेखायितास्मि रेखायितास्वः रेखायितास्मः
 प० रेखायिष्यति रेखायिष्यतः रेखायिष्यन्ति
 रेखायिष्यसि रेखायिष्यथः रेखायिष्यथ
 रेखायिष्यामि रेखायिष्यावः रेखायिष्यामः
 अरेखायिष्यत् अरेखायिष्यताम् अरेखायिष्यन्
 अरेखायिष्यः अरेखायिष्यतम् अरेखायिष्यत
 अरेखायिष्यम् अरेखायिष्याव अरेखायिष्याम

2018 लेखा विलासस्खलनयोः ।

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० लेखायति | लेखायतः | लेखायन्ति |
| लेखायसि | लेखायथः | लेखायथ |
| लेखायामि | लेखायावः | लेखायामः |
| स० लेखायेत् | लेखायेताम् | लेखायेयुः |
| लेखायेः | लेखायेतम् | लेखायेत |
| लेखायेयम् | लेखायेव | लेखायेम |
| प० लेखायतु | लेखायतात् | लेखायताम् |
| लेखाय | लेखायतम् | लेखायत |
| लेखायानि | लेखायाव | लेखायाम |
| झ० अलेखायत् | अलेखायताम् | अलेखायन् |
| अलेखायः | अलेखायतम् | अलेखायत |
| अलेखायम् | अलेखायाव | अलेखायाम |
| अ० अलेखायीत् | अलेखायिष्टम् | अलेखायिषुः |
| अलेखायीः | अलेखायिष्टम् | अलेखायिष्ट |
| अलेखायिषम् | अलेखायिष्व | अलेखायिष्म |
| लेखायाञ्चकार | लेखायाञ्चकतुः | लेखायाञ्चकः |
| लेखायाञ्चकर्थ | लेखायाञ्चकथुः | लेखायाञ्चक |
| लेखायाञ्चकार चकर | लेखायाञ्चकृव | याञ्चकृम |
| लेखायाम्बभूव | लेखायामास | |
| आ० लेखाय्यात् | लेखाय्यास्ताम् | लेखाय्यासुः |
| लेखाय्याः | लेखाय्यास्तम् | लेखाय्यास्त |
| लेखाय्यासम् | लेखाय्यास्व | लेखाय्यास्म |
| प्रव० लेखायिता | लेखायितारौ | लेखायितारः |
| लेखायितासि | लेखायितास्थः | लेखायितास्य |
| लेखायित्नास्मि | लेखायितास्वः | लेखायितास्मः |
| भ० लेखायिष्यति | लेखायिष्यतः | लेखायिष्यन्ति |
| लेखायिष्यसि | लेखायिष्यथः | लेखायिष्यथ |
| लेखायिष्यामि | लेखायिष्यावः | लेखायिष्यामः |
| अलेखायिष्यत् | अलेखायिष्यताम् | अलेखायिष्यन् |
| अलेखायिष्यः | अलेखायिष्यतम् | अलेखायिष्यत |
| अलेखायिष्यम् | अलेखायिष्याव | अलेखायिष्याम |
| अदन्तोऽयमित्यपरे | | |

2019 एला विलासे

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| व० एलायति | एलायतः | एलायन्ति |
| एलायसि | एलायथः | एलायथ |
| एलायामि | एलायावः | एलायामः |
| स० एलायेत् | एलायेताम् | एलायेयुः |
| एलायेः | एलायेतम् | एलायेत |
| एलायेयम् | एलायेव | एलायेम |
| प० एलायतु | एलायतात् | एलायताम् |
| एलाय | एलायतम् | एलायत |
| एलायानि | एलायाव | एलायाम |
| झ० ऐलायत् | ऐलायताम् | ऐलायन् |
| ऐलायः | ऐलायतम् | ऐलायत |
| ऐलायम् | ऐलायाव | ऐलायाम |
| अ० ऐलायीत् | ऐलायिष्टम् | ऐलायिषुः |
| ऐलायीः | ऐलायिष्टम् | ऐलायिष्ट |
| ऐलायिषम् | ऐलायिष्व | ऐलायिष्म |
| प० एलायाञ्चकार | एलायाञ्चकतुः | एलायाञ्चकः |
| एलायाञ्चकर्थ | एलायाञ्चकथुः | एलायाञ्चक |
| एलायाञ्चकार चकर | एलायाञ्चकृव | याञ्चकृम |
| एलायाम्बभूव | एलायामास | |
| आ० एलाय्यात् | एलाय्यास्ताम् | एलाय्यासुः |
| एलाय्याः | एलाय्यास्तम् | एलाय्यास्त |
| एलाय्यासम् | एलाय्यास्व | एलाय्यास्म |
| प्रव० एलायिता | एलायितारौ | एलायितारः |
| एलायितासि | एलायितास्थः | एलायितास्य |
| एलायित्नास्मि | एलायितास्वः | एलायितास्मः |
| भ० एलायिष्यति | एलायिष्यतः | एलायिष्यन्ति |
| एलायिष्यसि | एलायिष्यथः | एलायिष्यथ |
| एलायिष्यामि | एलायिष्यावः | एलायिष्यामः |
| क्रि० ऐलायिष्यत् | ऐलायिष्यताम् | ऐलायिष्यन् |
| ऐलायिष्यः | ऐलायिष्यतम् | ऐलायिष्यत |
| ऐलायिष्यम् | ऐलायिष्याव | ऐलायिष्याम |

2020 वेला विलासे ।

| | | |
|--------------------------|-----------------|---------------------|
| व० वेलायति | वेलायतः | वेलायन्ति |
| वेलायसि | वेलायथः | वेलायथ |
| वेलायामि | वेलायावः | वेलायामः |
| स० वेलायेत् | वेलायेताम् | वेलायेयुः |
| वेलायेः | वेलायेतम् | वेलायेत |
| वेलायेयम् | वेलायेष | वेलायेम |
| प० वेलायतु | वेलायतात् | वेलायताम् वेलायन्तु |
| वेलाय | वेलायतम् | वेलायत |
| वेलायानि | वेलायाव | वेलायाम |
| झ० अवेलायत् | अवेलायताम् | अवेलायन् |
| अवेलायः | अवेलायतम् | अवेलायत |
| अवेलायम् | अवेलायाव | अवेलायाम |
| अ० अवेलायीत् | अवेलायिष्टम् | अवेलायिषुः |
| अवेलायीः | अवेलायिष्टम् | अवेलायिष्ट |
| अवेलायिषम् | अवेलायिष्व | अवेलायिष्म |
| प० वेलायाञ्चकार | वेलायाञ्चक्रतुः | वेलायाञ्चक्रुः |
| वेलायाञ्चकथं | वेलायाञ्चक्रथुः | वेलायाञ्चक्र |
| वेलायाञ्चकार चक्र | वेलायाञ्चकृष | याञ्चक्रम |
| वेलायाम्बभूव । वेलायामास | | |
| ऑ० वेलाय्यात् | वेलाय्यास्ताम् | वेलाय्यासुः |
| वेलाय्याः | वेलाय्यास्तम् | वेलाय्यास्त |
| वेलाय्यासम् | वेलाय्यास्व | वेलाय्यास्म |
| प्र० वेलायिता | वेलायितारौ | वेलायितारः |
| वेलायितासि | वेलायितास्थः | वेलायितास्थ |
| वेलायितास्मि | वेलायितास्वः | वेलायितास्मः |
| भ० वेलायिष्यति | वेलायिष्यतः | वेलायिष्यन्ति |
| वेलायिष्यसि | वेलायिष्यथः | वेलायिष्यथ |
| वेलायिष्यामि | वेलायिष्यावः | वेलायिष्यामः |
| अवेलायिष्यत् | अवेलायिष्यताम् | अवेलायिष्यन् |
| अवेलायिष्यः | अवेलायिष्यतम् | अवेलायिष्यत |
| अवेलायिष्यम् | अवेलायिष्याव | अवेलायिष्याम |

2021 केला विलासे ।

| | | |
|--------------------------|-----------------|----------------|
| व० केलायति | केलायतः | केलायन्ति |
| केलायसि | केलायथः | केलायथ |
| केलायामि | केलायावः | केलायामः |
| स० केलायेत् | केलायेताम् | केलायेयुः |
| केलायेः | केलायेतम् | केलायेत |
| केलायेयम् | केलायेष | केलायेम |
| प० केलायतु | तात् केलायताम् | केलायन्तु |
| केलाय | केलायतम् | केलायत |
| केलायानि | केलायाव | केलायाम |
| झ० अकेलायत् | अकेलायताम् | अकेलायन् |
| अकेलायः | अकेलायतम् | अकेलायत |
| अकेलायम् | अकेलायाव | अकेलायाम |
| अ० अकेलायीत् | अकेलायिष्टम् | अकेलायिषुः |
| अकेलायीः | अकेलायिष्टम् | अकेलायिष्ट |
| अकेलायिषम् | अकेलायिष्व | अकेलायिष्म |
| प० केलायाञ्चकार | केलायाञ्चक्रतुः | केलायाञ्चक्रुः |
| केलायाञ्चकथं | केलायाञ्चक्रथुः | केलायाञ्चक्र |
| केलायाञ्चकार चक्र | केलायाञ्चकृष | याञ्चक्रम |
| केलायाम्बभूव । केलायामास | | |
| आ० केलाय्यात् | केलाय्यास्ताम् | केलाय्यासुः |
| केलाय्याः | केलाय्यास्तम् | केलाय्यास्त |
| केलाय्यासम् | केलाय्यास्व | केलाय्यास्म |
| प्र० केलायिता | केलायितारौ | केलायितारः |
| केलायितासि | केलायितास्थः | केलायितास्थ |
| केलायितास्मि | केलायितास्वः | केलायितास्मः |
| भ० केलायिष्यति | केलायिष्यतः | केलायिष्यन्ति |
| केलायिष्यसि | केलायिष्यथः | केलायिष्यथ |
| केलायिष्यामि | केलायिष्यावः | केलायिष्यामः |
| अकेलायिष्यत् | अकेलायिष्यताम् | अकेलायिष्यन् |
| अकेलायिष्यः | अकेलायिष्यतम् | अकेलायिष्यत |
| अकेलायिष्यम् | अकेलायिष्याव | अकेलायिष्याम |

2022 खेला विलासे ।

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| व० खेलायति | खेलायतः | खेलायन्ति |
| खेलायसि | खेलायथः | खेलायथ |
| खेलायामि | खेलायावः | खेलायामः |
| स० खेलायेत् | खेलायेताम् | खेलायेयुः |
| खेलायेः | खेलायेतम् | खेलायेत |
| खेलायेयम् | खेलायेव | खेलायेम |
| प० खेलायतु | खेलायतात् | खेलायताम् |
| खेलाय | „ | खेलायतम् |
| खेलायानि | खेलायाव | खेलायाम |
| ह्य० अखेलायत् | अखेलायताम् | अखेलायन् |
| अखेलायः | अखेलायतम् | अखेलायत |
| अखेलायम् | अखेलायाव | अखेलायाम |
| अ० अखेलायीत् | अखेलायिष्टाम् | अखेलायिषुः |
| अखेलायीः | अखेलायिष्टम् | अखेलायिष्ट |
| अखेलायिषम् | अखेलायिष्व | अखेलायिष्म |
| प० खेलायाञ्चकार | खेलायाञ्चक्रुः | खेलायाञ्चक्रुः |
| खेलायाञ्चकथ | खेलायाञ्चक्रुः | खेलायाञ्चक्रुः |
| खेलायाञ्चकार चक्र | खेलायाञ्चक्रुव | याञ्चक्रम |
| खेलायाम्बभूव । | खेलायामास | |
| आ० खेलाय्यात् | खेलाय्यास्ताम् | खेलाय्यासुः |
| खेलाय्याः | खेलाय्यास्तम् | खेलाय्यास्त |
| खेलाय्यासम् | खेलाय्यास्व | खेलाय्यास्म |
| प्र० खेलायिता | खेलायितारौ | खेलायितारः |
| खेलायितासि | खेलायितास्थः | खेलायितास्थ |
| खेलायितास्मि | खेलायितास्वः | खेलायितास्मः |
| भ० खेलायिष्यति | खेलायिष्यतः | खेलायिष्यन्ति |
| खेलायिष्यसि | खेलायिष्यथः | खेलायिष्यथ |
| खेलायिष्यामि | खेलायिष्यावः | खेलायिष्यामः |
| अखेलायिष्यत् | अखेलायिष्यताम् | अखेलायिष्यन् |
| अखेलायिष्यः | अखेलायिष्यतम् | अखेलायिष्यत |
| अखेलायिष्यम् | अखेलायिष्याव | अखेलायिष्याम |
| इला इत्यन्ये । | खल इत्येके । | |

2023 गोधा आशुग्रहणे

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० गोधायति | गोधायतः | गोधायन्ति |
| गोधायसि | गोधायथः | गोधायथ |
| गोधायामि | गोधयावः | गोधायामः |
| स० गोधायेत् | गोधायेताम् | गोधायेयुः |
| गोधायेः | गोधायेतम् | गोधायेत |
| गोधायेयम् | गोधायेव | गोधायेम |
| प० गोधायतु | गोधायतात् | गोधायताम् |
| गोधाय | „ | गोधायतम् |
| गोधायानि | गोधयाव | गोधायाम |
| ह्य० अगोधायत् | अगोधायताम् | अगोधायन् |
| अगोधायः | अगोधायतम् | अगोधायत |
| अगोधायम् | अगोधयाव | अगोधायाम |
| अ० अगोधायीत् | अगोधायिष्टाम् | अगोधायिषुः |
| अगोधायीः | अगोधायिष्टम् | अगोधायिष्ट |
| अगोधायिषम् | अगोधायिष्व | अगोधायिष्म |
| गोधायाञ्चकार | गोधयाञ्चक्रुः | गोधयाञ्चक्रुः |
| गोधायाञ्चकथ | गोधयाञ्चक्रुः | गोधयाञ्चक्रुः |
| गोधायाञ्चकार चक्र | गोधयाञ्चक्रुव | याञ्चक्रम |
| गोधायाम्बभूव । | गोधायामास | |
| आ० गोधाय्यात् | गोधाय्यास्ताम् | गोधाय्यासुः |
| गोधाय्याः | गोधाय्यास्तम् | गोधाय्यास्त |
| गोधाय्यासम् | गोधाय्यास्व | गोधाय्यास्म |
| प्र० गोधायिता | गोधायितारौ | गोधायितारः |
| गोधायितासि | गोधायितास्थः | गोधायितास्थ |
| गोधायितास्मि | गोधायितास्वः | गोधायितास्मः |
| भ० गोधायिष्यति | गोधायिष्यतः | गोधायिष्यन्ति |
| गोधायिष्यसि | गोधायिष्यथः | गोधायिष्यथ |
| गोधायिष्यामि | गोधायिष्यावः | गोधायिष्यामः |
| अगोधायिष्यत् | अगोधायिष्यताम् | अगोधायिष्यन् |
| अगोधायिष्यः | अगोधायिष्यतम् | अगोधायिष्यत |
| अगोधायिष्यम् | अगोधायिष्याव | अगोधायिष्याम |
| अगोधायिष्यम् | अगोधायिष्याव | अगोधायिष्याम |

2024 मेधा आशुग्रहणे

| | | |
|--------------------------|----------------|----------------|
| ब० मेधायति | मेधायतः | मेधायन्ति |
| मेधायसि | मेधायथः | मेधायथ |
| मेधायामि | मेधायामः | मेधायामः |
| स० मेधायेत् | मेधायेताम् | मेधायेयुः |
| मेधायेः | मेधायेतम् | मेधायेत |
| मेधायेयम् | मेधायेव | मेधायेम |
| प० मेधायतु | मेधायतात् | मेधायताम् |
| मेधाय | मेधायतम् | मेधायत |
| मेधायानि | मेधायाम | मेधायाम |
| झ० अमेधायत् | अमेधायताम् | अमेधायन् |
| अमेधायः | अमेधायतम् | अमेधायत |
| अमेधायम् | अमेधायाम | अमेधायाम |
| अ० अमेधायीत् | अमेधायिष्टाम् | अमेधायिषुः |
| अमेधायीः | अमेधायिष्टम् | अमेधायिष्ट |
| अमेधायिषम् | अमेधायिष्व | अमेधायिष्व |
| ग० मेधायाश्चकार | मेधायाश्चक्रुः | मेधायाश्चक्रुः |
| मेधायाश्चकर्तुः | मेधायाश्चक्रुः | मेधायाश्चक्रुः |
| मेधायाश्चकार चक्र | मेधायाश्चक्रुः | मेधायाश्चक्रुः |
| मेधायाम्बभूव । मेधायामास | | |
| आ० मेधाय्यात् | मेधाय्यास्ताम् | मेधाय्यासुः |
| मेधाय्याः | मेधाय्यास्तम् | मेधाय्यास्त |
| मेधाय्यासम् | मेधाय्यास्व | मेधाय्यास्म |
| प्रब० मेधायिता | मेधायितारौ | मेधायितारः |
| मेधायितासि | मेधायितास्थः | मेधायितास्थ |
| मेधायितास्मि | मेधायितास्वः | मेधायितास्म |
| भ० मेधायिष्यति | मेधायिष्यतः | मेधायिष्यन्ति |
| मेधायिष्यसि | मेधायिष्यथः | मेधायिष्यथ |
| मेधायिष्यामि | मेधायिष्यामः | मेधायिष्यामः |
| अमेधायिष्यत् | अमेधायिष्यताम् | अमेधायिष्यन् |
| अमेधायिष्यः | अमेधायिष्यतम् | अमेधायिष्यत |
| अमेधायिष्यम् | अमेधायिष्याव | अमेधायिष्याम |

2025 मगध [मगध] परिवेष्टने

नीचदास्य इत्यन्ये

| | | |
|----------------------|--------------|--------------|
| ब० मगध्यति | मगध्यतः | मगध्यन्ति |
| मगध्यसि | मगध्यथः | मगध्यथ |
| मगध्यामि | मगध्यामः | मगध्यामः |
| स० मगध्येत् | मगध्येताम् | मगध्येयुः |
| मगध्येः | मगध्येतम् | मगध्येत |
| मगध्येयम् | मगध्येव | मगध्येम |
| प० मगध्यतु | मगध्यतात् | मगध्यताम् |
| मगध्य | मगध्यतम् | मगध्यत |
| मगध्यानि | मगध्याम | मगध्याम |
| झ० अमगध्यत् | अमगध्यताम् | अमगध्यन् |
| अमगध्यः | अमगध्यतम् | अमगध्यत |
| अमगध्यम् | अमगध्याव | अमगध्याम |
| अ० अमगधीत् | अमगधिष्टाम् | अमगधिषुः |
| अमगधीः | अमगधिष्टम् | अमगधिष्ट |
| अमगधिषम् | अमगधिष्व | अमगधिष्व |
| प० मगधाश्चकार | मगधाश्चक्रुः | मगधाश्चक्रुः |
| मगधाश्चकर्तुः | मगधाश्चक्रुः | मगधाश्चक्रुः |
| मगधाश्चकार चक्र | मगधाश्चक्रुः | मगधाश्चक्रुः |
| मगधाम्बभूव । मगधामास | | |
| आ० मगध्यात् | मगध्यास्ताम् | मगध्यासुः |
| मगध्याः | मगध्यास्तम् | मगध्यास्त |
| मगध्यासम् | मगध्यास्व | मगध्यास्म |
| प्रब० मगधिता | मगधितारौ | मगधितारः |
| मगधितासि | मगधितास्थः | मगधितास्थ |
| मगधितास्मि | मगधितास्वः | मगधितास्म |
| भ० मगधिष्यति | मगधिष्यतः | मगधिष्यन्ति |
| मगधिष्यसि | मगधिष्यथः | मगधिष्यथ |
| मगधिष्यामि | मगधिष्यामः | मगधिष्यामः |
| अमगधिष्यत् | अमगधिष्यताम् | अमगधिष्यन् |
| अमगधिष्यः | अमगधिष्यतम् | अमगधिष्यत |
| अमगधिष्यम् | अमगधिष्याव | अमगधिष्याम |

2026 इरध (इरध) शरधारणे ।

| | | |
|-----------------|--------------|---------------------|
| ब० इरधयति | इरधयतः | इरधयन्ति |
| इरधयसि | इरधयथः | इरधयथ |
| इरधयामि | इरधयावः | इरधयामः |
| स० इरध्येत् | इरध्येताम् | इरध्येयुः |
| इरध्येः | इरध्येतम् | इरध्येत |
| इरध्येयम् | इरध्येव | इरध्येम |
| प० इरध्यतु | इरध्यतात् | इरध्यताम् |
| इरध्य | इरध्यतम् | इरध्यत |
| इरध्यानि | इरध्याव | इरध्याम |
| झ० ऐरध्यत् | ऐरध्यताम् | ऐरध्यन् |
| ऐरध्यः | ऐरध्यतम् | ऐरध्यत |
| ऐरध्यम् | ऐरध्याव | ऐरध्याम |
| अ० ऐरधीत् | ऐरधिष्टाम् | ऐरधिषुः |
| ऐरधीः | ऐरधिष्टम् | ऐरधिष्ट |
| ऐरधिषम् | ऐरधिष्व | ऐरधिष्म |
| ग० इरधाञ्चकार | इरधाञ्चकतुः | इरधाञ्चकुः |
| इरधाञ्चकथं | इरधाञ्चकथुः | इरधाञ्चक |
| इरधाञ्चकार | चकर | इरधाञ्चकृव धाञ्चकृम |
| इरधाम्बभूव | । | इरधामास |
| आ० इरध्यात् | इरध्यास्ताम् | इरध्यासुः |
| इरध्याः | इरध्यास्तम् | इरध्यास्त |
| इरध्यासम् | इरध्यास्व | इरध्यास्म |
| प्रथ० इरधिता | इरधितारौ | इरधितारः |
| इरधितासि | इरधितास्थः | इरधितास्थ |
| इरधितास्मि | इरधितास्वः | इरधितास्मः |
| भ० इरधिष्यति | इरधिष्यतः | इरधिष्यन्ति |
| इरधिष्यसि | इरधिष्यथः | इरधिष्यथ |
| इरधिष्यामि | इरधिष्यावः | इरधिष्यामः |
| क्रि० ऐरधिष्यत् | ऐरधिष्यताम् | ऐरधिष्यन् |
| ऐरधिष्यः | ऐरधिष्यतम् | ऐरधिष्यत |
| ऐरधिष्यम् | ऐरधिष्याव | ऐरधिष्याम |

2027 इषुध [इषुध] शरधारणे

| | | |
|------------------|---------------|----------------------|
| व० इषुधयति | इषुधयतः | इषुधयन्ति |
| इषुधयसि | इषुधयथः | इषुधयथ |
| इषुधयामि | इषुधयावः | इषुधयामः |
| स० इषुध्येत् | इषुध्येताम् | इषुध्येयुः |
| इषुध्येः | इषुध्येतम् | इषुध्येत |
| इषुध्येयम् | इषुध्येव | इषुध्येम |
| प० इषुध्यतु | इषुध्यतात् | इषुध्यताम् |
| इषुध्य | इषुध्यतम् | इषुध्यत |
| इषुध्यानि | इषुध्याव | इषुध्याम |
| झ० ऐषुध्यत् | ऐषुध्यताम् | ऐषुध्यन् |
| ऐषुध्यः | ऐषुध्यतम् | ऐषुध्यत |
| ऐषुध्यम् | ऐषुध्याव | ऐषुध्याम |
| अ० ऐषुधीत् | ऐषुधिष्टाम् | ऐषुधिषुः |
| ऐषुधीः | ऐषुधिष्टम् | ऐषुधिष्ट |
| ऐषुधिषम् | ऐषुधिष्व | ऐषुधिष्म |
| प० इषुधाञ्चकार | इषुधाञ्चकतुः | इषुधाञ्चकुः |
| इषुधाञ्चकथं | इषुधाञ्चकथुः | इषुधाञ्चक |
| इषुधाञ्चकार | चकर | इषुधाञ्चकृव धाञ्चकृम |
| इषुधाम्बभूव | । | इषुधामास |
| आ० इषुध्यात् | इषुध्यास्ताम् | इषुध्यासुः |
| इषुध्याः | इषुध्यास्तम् | इषुध्यास्त |
| इषुध्यासम् | इषुध्यास्व | इषुध्यास्म |
| प्रथ० इषुधिता | इषुधितारौ | इषुधितारः |
| इषुधितासि | इषुधितास्थः | इषुधितास्थ |
| इषुधितास्मि | इषुधितास्वः | इषुधितास्मः |
| भ० इषुधिष्यति | इषुधिष्यतः | इषुधिष्यन्ति |
| इषुधिष्यसि | इषुधिष्यथः | इषुधिष्यथ |
| इषुधिष्यामि | इषुधिष्यावः | इषुधिष्यामः |
| क्रि० ऐषुधिष्यत् | ऐषुधिष्यताम् | ऐषुधिष्यन् |
| ऐषुधिष्यः | ऐषुधिष्यतम् | ऐषुधिष्यत |
| ऐषुधिष्यम् | ऐषुधिष्याव | ऐषुधिष्याम |

2028 कुपुभ क्षेपे ।

व० कुपुभ्यति कुपुभ्यतः कुपुभ्यन्ति
 कुपुभ्यसि कुपुभ्यथः कुपुभ्यथ
 कुपुभ्यामि कुपुभ्यावः कुपुभ्यामः
 स० कुपुभ्येत् कुपुभ्येताम् कुपुभ्येयुः
 कुपुभ्येः कुपुभ्येतम् कुपुभ्येत
 कुपुभ्येयम् कुपुभ्येव कुपुभ्येम
 प० कुपुभ्यतु कुपुभ्यतात् कुपुभ्यताम् कुपुभ्यन्तु
 कुपुभ्य " कुपुभ्यतम् कुपुभ्यत
 कुपुभ्यानि कुपुभ्याव कुपुभ्याम
 झ० अकुपुभ्यत अकुपुभ्यताम् अकुपुभ्यन्
 अकुपुभ्यः अकुपुभ्यतम् अकुपुभ्यत
 अकुपुभ्यम् अकुपुभ्याव अकुपुभ्याम
 अ० अकुपुभीत् अकुपुभिष्टाम् अकुपुभिषुः
 अकुपुभीः अकुपुभिष्टम् अकुपुभिष्ट
 अकुपुभिषम् अकुपुभिष्व अकुपुभिष्म
 प० कुपुभाञ्चकार कुपुभाञ्चक्रतुः कुपुभाञ्चक्रुः
 कुपुभाञ्चकथं कुपुभाञ्चकथुः कुपुभाञ्चक्र
 कुपुभाञ्चकार कर कुपुभाञ्चकृव भाञ्चकृम
 कुपुभाम्बभूव । कुपुभामास
 आ० कुपुभ्यात् कुपुभ्यास्ताम् कुपुभ्यासुः
 कुपुभ्याः कुपुभ्यास्तम् कुपुभ्यास्त
 कुपुभ्यासम् कुपुभ्यास्व कुपुभ्यास्म
 भ० कुपुभिता कुपुभितारौ कुपुभितारः
 कुपुभितासि कुपुभितास्थः कुपुभितास्थ
 कुपुभितास्मि कुपुभितास्वः कुपुभितास्मः
 भ० कुपुभिष्यति कुपुभिष्यतः कुपुभिष्यन्ति
 कुपुभिष्यसि कुपुभिष्यथः कुपुभिष्यथ
 कुपुभिष्यामि कुपुभिष्यावः कुपुभिष्यामः
 अकुपुभिष्यत अकुपुभिष्यताम् अकुपुभिष्यन्
 अकुपुभिष्यः अकुपुभिष्यतम् अकुपुभिष्यत
 अकुपुभिष्यम् अकुपुभिष्याव अकुपुभिष्याम
 श्रीहेमशब्दानुशासने (कुपुम्भ-इति तद्ग-
 पाणि कुपुम्भ्यति कुपुम्भ्यत इत्यादीनि
 क्रियारत्नसमुच्चये तु (कुरुक्षेत्रे) इति

2029 सुख (सुख) तत्क्रियायाम्

व० सुख्यति सुख्यतः सुख्यन्ति
 सुख्यसि सुख्यथः सुख्यथ
 सुख्यामि सुख्यावः सुख्यामः
 स० सुख्येत् सुख्येताम् सुख्येयुः
 सुख्येः सुख्येतम् सुख्येत
 सुख्येयम् सुख्येव सुख्येम
 प० सुख्यतु सुख्यतात् सुख्यताम् सुख्यन्तु
 सुख्य " सुख्यतम् सुख्यत
 सुख्यानि सुख्याव सुख्याम
 झ० असुख्यत असुख्यताम् असुख्यन्
 असुख्यः असुख्यतम् असुख्यत
 असुख्यम् असुख्याव असुख्याम
 अ० असुखीत् असुखिष्टाम् असुखिषुः
 असुखीः असुखिष्टम् असुखिष्ट
 असुखिषम् असुखिष्व असुखिष्म
 प० सुखाञ्चकार सुखाञ्चक्रतुः सुखाञ्चक्रुः
 सुखाञ्चकथं सुखाञ्चकथुः सुखाञ्चक्र
 सुखाञ्चकारचकर सुखाञ्चकृव सुखाञ्चकृम
 सुखाम्बभूव । सुखामास
 आ० सुख्यात् सुख्यास्ताम् सुख्यासुः
 सुख्याः सुख्यास्तम् सुख्यास्त
 सुख्यासम् सुख्यास्व सुख्यास्म
 भ० सुखिता सुखितारौ सुखितारः
 सुखितासि सुखितास्थः सुखितास्थ
 सुखितास्मि सुखितास्वः सुखितास्मः
 भ० सुखिष्यति सुखिष्यतः सुखिष्यन्ति
 सुखिष्यसि सुखिष्यथः सुखिष्यथ
 सुखिष्यामि सुखिष्यावः सुखिष्यामः
 असुखिष्यत असुखिष्यताम् असुखिष्यन्
 असुखिष्यः असुखिष्यतम् असुखिष्यत
 असुखिष्यम् असुखिष्याव असुखिष्याम

2030 दुःख (दुःख) तन्क्रियायाम्

| | | | |
|-------|-------------|---------------|---------------|
| व० | दुःखयति | दुःखयतः | दुःखयन्ति |
| | दुःखयसि | दुःखयथः | दुःखयथ |
| | दुःख्यामि | दुःख्यावः | दुःख्यामः |
| स० | दुःखेत् | दुःखेताम् | दुःखेयुः |
| | दुःखेः | दुःखेतम् | दुःखेत |
| | दुःखेयम् | दुःखेव | दुःखेयम् |
| प० | दुःख्यतु | दुःख्यतात् | दुःख्यताम् |
| | दुःख्य | दुःख्यतम् | दुःख्यत |
| | दुःख्यानि | दुःख्याव | दुःख्याम |
| झ० | अदुःखयत् | अदुःखयताम् | अदुःखयन् |
| | अदुःखयः | अदुःखयतम् | अदुःखयत |
| | अदुःखयम् | अदुःख्याव | अदुःख्याम |
| अ० | अदुःखीत् | अदुःखिष्टम् | अदुःखिषुः |
| | अदुःखीः | अदुःखिष्टम् | अदुःखिष्ट |
| | अदुःखिषम् | अदुःखिष्व | अदुःखिषम् |
| प० | दुःखाञ्चकार | दुःखाञ्चक्रुः | दुःखाञ्चक्रुः |
| | दुःखाञ्चकथं | दुःखाञ्चक्रुः | दुःखाञ्चक्रुः |
| | दुःखाञ्चकार | चकर | दुःखाञ्चक्रुः |
| | दुःखाम्बभूव | । | दुःखामास |
| आ० | दुःख्यात् | दुःख्यास्ताम् | दुःख्यासुः |
| | दुःख्याः | दुःख्यास्तम् | दुःख्यास्त |
| | दुःख्यासम् | दुःख्यास्व | दुःख्यास्म |
| प्र० | दुःखिता | दुःखितारौ | दुःखितारः |
| | दुःखितासि | दुःखितास्थः | दुःखितास्थ |
| | दुःखितास्मि | दुःखितास्वः | दुःखितास्मः |
| भ० | दुःखिष्यति | दुःखिष्यतः | दुःखिष्यन्ति |
| | दुःखिष्यसि | दुःखिष्यथः | दुःखिष्यथ |
| | दुःखिष्यामि | दुःखिष्यावः | दुःखिष्यामः |
| क्रि० | अदुःखिष्यत् | अदुःखिष्यताम् | अदुःखिष्यन् |
| | अदुःखिष्यः | अदुःखिष्यतम् | अदुःखिष्यत |
| | अदुःखिष्यम् | अदुःखिष्याव | अदुःखिष्याम |

2031 अगद (अगद) निरोगत्वे ।

| | | | |
|-------|------------|--------------|--------------|
| व० | अगद्यति | अगद्यतः | अगद्यन्ति |
| | अगद्यसि | अगद्यथः | अगद्यथ |
| | अगद्यामि | अगद्यावः | अगद्यामः |
| स० | अगद्येत् | अगद्येताम् | अगद्येयुः |
| | अगद्येः | अगद्येतम् | अगद्येत |
| | अगद्येयम् | अगद्येव | अगद्येयम् |
| प० | अगद्यतु | अगद्यतात् | अगद्यताम् |
| | अगद्य | अगद्यतम् | अगद्यत |
| | अगद्यानि | अगद्याव | अगद्याम |
| झ० | आगद्यत् | आगद्यताम् | आगद्यन् |
| | आगद्यः | आगद्यतम् | आगद्यत |
| | आगद्यम् | आगद्याव | आगद्याम |
| अ० | आगदीत् | आगदिष्टम् | आगदिषुः |
| | आगदीः | आगदिष्टम् | आगदिष्ट |
| | आगदिषम् | आगदिष्व | आगदिषम् |
| प० | अगदाञ्चकार | अगदाञ्चक्रुः | अगदाञ्चक्रुः |
| | अगदाञ्चकथं | अगदाञ्चक्रुः | अगदाञ्चक्रुः |
| | अगदाञ्चकार | चकर | अगदाञ्चक्रुः |
| | अगदाम्बभूव | । | अगदामास |
| आ० | अगद्यात् | अगद्यास्ताम् | अगद्यासुः |
| | अगद्याः | अगद्यास्तम् | अगद्यास्त |
| | अगद्यासम् | अगद्यास्व | अगद्यास्म |
| प्र० | अगदिता | अगदितारौ | अगदितारः |
| | अगदितासि | अगदितास्थः | अगदितास्थ |
| | अगदितास्मि | अगदितास्वः | अगदितास्मः |
| भ० | अगदिष्यति | अगदिष्यतः | अगदिष्यन्ति |
| | अगदिष्यसि | अगदिष्यथः | अगदिष्यथ |
| | अगदिष्यामि | अगदिष्यावः | अगदिष्यामः |
| क्रि० | आगदिष्यत् | आगदिष्यताम् | आगदिष्यन् |
| | आगदिष्यः | आगदिष्यतम् | आगदिष्यत |
| | आगदिष्यम् | आगदिष्याव | आगदिष्याम |

2032 गद्गद (गद्गद) वाक्स्खलने

च० गद्गद्यति गद्गद्यतः गद्गद्यन्ति
 गद्गद्यसि गद्गद्यथः गद्गद्यथ
 गद्गद्यामि गद्गद्यावः गद्गद्यामः

स० गद्गद्येत् गद्गद्येताम् गद्गद्येयुः
 गद्गद्येः गद्गद्येतम् गद्गद्येत
 गद्गद्येयम् गद्गद्येष्व गद्गद्येम

प० गद्गद्यतु गद्गद्यतात् गद्गद्यताम् गद्गद्यन्तु
 गद्गद्य , गद्गद्यतम् गद्गद्यत
 गद्गद्यानि गद्गद्याव गद्गद्याम

झ० अगद्गद्यत् अगद्गद्यताम् अगद्गद्यन्
 अगद्गद्यः अगद्गद्यतम् अगद्गद्यत
 अगद्गद्यम् अगद्गद्याव अगद्गद्याम

अ० अगद्गदीत् अगद्गदिष्टम् अगद्गदिषुः
 अगद्गदीः अगद्गदिष्टम् अगद्गदिष्ट
 अगद्गदिष्टम् अगद्गदिष्ट्व अगद्गदिष्टम्

गद्गदाञ्चकार गद्गदाञ्चक्रुः गद्गदाञ्चक्रुः
 गद्गदाञ्चकथं गद्गदाञ्चक्रुः गद्गदाञ्चक्रुः
 गद्गदाञ्चकार, चक्र गद्गदाञ्चक्रुव-ञ्चक्रुम्
 गद्गदाञ्चभूव । गद्गदामास

आ० गद्गद्यात् गद्गद्यास्ताम् गद्गद्यासुः
 गद्गद्याः गद्गद्यास्तम् गद्गद्यास्त
 गद्गद्यासम् गद्गद्यास्व गद्गद्यास्म

प्र० गद्गदिता गद्गदितारौ गद्गदितारः
 गद्गदितासि गद्गदितास्थः गद्गदितास्थ
 गद्गदितास्मि गद्गदितास्वः गद्गदितास्मः

भ० गद्गद्विष्यति गद्गद्विष्यतः गद्गद्विष्यन्ति
 गद्गद्विष्यसि गद्गद्विष्यथः गद्गद्विष्यथ
 गद्गद्विष्यामि गद्गद्विष्यावः गद्गद्विष्यामः

अगद्गद्विष्यत् अगद्गद्विष्यताम् अगद्गद्विष्यन्
 अगद्गद्विष्यः अगद्गद्विष्यतम् अगद्गद्विष्यत
 अगद्गद्विष्यम् अगद्गद्विष्याव अगद्गद्विष्याम

2033 तरण [तरण] गती ।

च० तरण्यति तरण्यतः तरण्यन्ति
 तरण्यसि तरण्यथः तरण्यथ
 तरण्यामि तरण्यावः तरण्यामः

स० तरण्येत् तरण्येताम् तरण्येयुः
 तरण्येः तरण्येतम् तरण्येत
 तरण्येयम् तरण्येष्व तरण्येम

प० तरण्यतु तरण्यतात् तरण्यताम् तरण्यन्तु
 तरण्य , तरण्यतम् तरण्यत
 तरण्यानि तरण्याव तरण्याम

झ० अतरण्यत् अतरण्यताम् अतरण्यन्
 अतरण्यः अतरण्यतम् अतरण्यत
 अतरण्यम् अतरण्याव अतरण्याम

अ० अतरणीत् अतरणिष्टम् अतरणिषुः
 अतरणीः अतरणिष्टम् अतरणिष्ट
 अतरणिष्टम् अतरणिष्ट्व अतरणिष्टम्

प० तरणाञ्चकार तरणाञ्चक्रुः तरणाञ्चक्रुः
 तरणाञ्चकथं तरणाञ्चक्रुः तरणाञ्चक्रुः
 तरणाञ्चकार, चक्र तरणाञ्चक्रुव-ञ्चक्रुम्
 तरणाञ्चभूव । तरणामास

आ० तरण्यात् तरण्यास्ताम् तरण्यासुः
 तरण्याः तरण्यास्तम् तरण्यास्त
 तरण्यासम् तरण्यास्व तरण्यास्म

प्र० तरणिता तरणितारौ तरणितारः
 तरणितासि तरणितास्थः तरणितास्थ
 तरणितास्मि तरणितास्वः तरणितास्मः

भ० तरणिव्यति तरणिव्यतः तरणिव्यन्ति
 तरणिव्यसि तरणिव्यथः तरणिव्यथ
 तरणिव्यामि तरणिव्यावः तरणिव्यामः

क्रि० अतरणिव्यत् अतरणिव्यताम् अतरणिव्यन्
 अतरणिव्यः अतरणिव्यतम् अतरणिव्यत
 अतरणिव्यम् अतरणिव्याव अतरणिव्याम

2034 वरण [वरण] गतौ ।

| | | |
|------------------|---------------|---------------------|
| व० वरणयति | वरणयतः | वरणयन्ति |
| वरणयसि | वरणयथः | वरणयथ |
| वरण्यामि | वरण्यावः | वरण्यामः |
| स० वरणयेत् | वरणयेताम् | वरणयेयुः |
| वरण्येः | वरण्येतम् | वरण्येत |
| वरण्येयम् | वरण्येव | वरण्येम |
| प० वरण्यतु | वरण्यतात् | वरण्यताम् वरण्यन्तु |
| वरण्य | वरण्यतम् | वरण्यत |
| वरण्यानि | वरण्याव | वरण्याम |
| झ० अवरण्यत् | अवरण्यताम् | अवरण्यन् |
| अवरण्यः | अवरण्यतम् | अवरण्यत |
| अवरण्यम् | अवरण्याव | अवरण्याम |
| अ० अवरणीत् | अवरणिष्टाम् | अवरणिषुः |
| अवरणीः | अवरणिष्टम् | अवरणिष्ट |
| अवरणिषम् | अवरणिष्व | अवरणिष्म |
| प० वरणाञ्चकार | वरणाञ्चक्रतुः | वरणाञ्चक्रुः |
| वरणाञ्चकथं | वरणाञ्चक्रथुः | वरणाञ्चक्र |
| वरणाञ्चकार चकर | वरणाञ्चक्रव | वरणाञ्चक्रम् |
| वरणाञ्चभूव | वरणाञ्च | |
| आ० वरणयात् | वरण्यास्ताम् | वरण्यासुः |
| वरण्याः | वरण्यास्तम् | वरण्यास्त |
| वरण्यासम् | वरण्यास्व | वरण्यास्म |
| श्व० वरणिता | वरणितारौ | वरणितारः |
| वरणितासि | वरणितास्थः | वरणितास्थ |
| वरणितास्मि | वरणितास्वः | वरणितास्मः |
| भ० वरणिष्यति | वरणिष्यतः | वरणिष्यन्ति |
| वरणिष्यसि | वरणिष्यथः | वरणिष्यथ |
| वरणिष्यामि | वरणिष्यावः | वरणिष्यामः |
| क्रि० अवरणिष्यत् | अवरणिष्यताम् | अवरणिष्यन् |
| अवरणिष्यः | अवरणिष्यतम् | अवरणिष्यत |
| अवरणिष्यम् | अवरणिष्याव | अवरणिष्याम |

2035 उरण (उरण) त्वरायाम् ।

| | | |
|-----------------|---------------|---------------------|
| व० उरणयति | उरणयतः | उरणयन्ति |
| उरणयसि | उरणयथः | उरणयथ |
| उरण्यामि | उरण्यावः | उरण्यामः |
| स० उरणयेत् | उरणयेताम् | उरणयेयुः |
| उरण्येः | उरण्येतम् | उरण्येत |
| उरण्येयम् | उरण्येव | उरण्येम |
| प० उरण्यतु | उरण्यतात् | उरण्यताम् उरण्यन्तु |
| उरण्य | उरण्यतम् | उरण्यत |
| उरण्यानि | उरण्याव | उरण्याम |
| झ० औरण्यत् | औरण्यताम् | औरण्यन् |
| औरण्यः | औरण्यतम् | औरण्यत |
| औरण्यम् | औरण्याव | औरण्याम |
| अ० औरणीत् | औरणिष्टाम् | औरणिषुः |
| औरणीः | औरणिष्टम् | औरणिष्ट |
| औरणिषम् | औरणिष्व | औरणिष्म |
| प० उरणाञ्चकार | उरणाञ्चक्रतुः | उरणाञ्चक्रुः |
| उरणाञ्चकथं | उरणाञ्चक्रथुः | उरणाञ्चक्र |
| उरणाञ्चकार चकर | उरणाञ्चक्रव | उरणाञ्चक्रम् |
| उरणाञ्चभूव | उरणाञ्च | |
| आ० उरण्यात् | उरण्यास्ताम् | उरण्यासुः |
| उरण्याः | उरण्यास्तम् | उरण्यास्त |
| उरण्यासम् | उरण्यास्व | उरण्यास्म |
| श्व० उरणिता | उरणितारौ | उरणितारः |
| उरणितासि | उरणितास्थः | उरणितास्थ |
| उरणितास्मि | उरणितास्वः | उरणितास्मः |
| भ० उरणिष्यति | उरणिष्यतः | उरणिष्यन्ति |
| उरणिष्यसि | उरणिष्यथः | उरणिष्यथ |
| उरणिष्यामि | उरणिष्यावः | उरणिष्यामः |
| क्रि० औरणिष्यत् | औरणिष्यताम् | औरणिष्यन् |
| औरणिष्यः | औरणिष्यतम् | औरणिष्यत |
| औरणिष्यम् | औरणिष्याव | औरणिष्याम |

2036 तुरण (तुरण) त्वरायाम् ।

| | | |
|------------------------|----------------|----------------------|
| व० तुरण्यति | तुरण्यतः | तुरण्यन्ति |
| तुरण्यसि | तुरण्यथः | तुरण्यथ |
| तुरण्यामि | तुरण्यावः | तुरण्यामः |
| स० तुरण्येत् | तुरण्येताम् | तुरण्येयुः |
| तुरण्येः | तुरण्येतम् | तुरण्येत |
| तुरण्येयम् | तुरण्येव | तुरण्येम |
| प० तुरण्यतु | तुरण्यतात् | तुरण्यताम् |
| तुरण्य | तुरण्यतम् | तुरण्यत |
| तुरण्यानि | तुरण्याव | तुरण्याम |
| झ० अतुरण्यत् | अतुरण्यताम् | अतुरण्यन् |
| अतुरण्यः | अतुरण्यतम् | अतुरण्यत |
| अतुरण्यम् | अतुरण्याव | अतुरण्याम |
| अ० अतुरणीत् | अतुरणिष्टम् | अतुरणिषुः |
| अतुरणीः | अतुरणिष्टम् | अतुरणिष्ट |
| अतुरणिषम् | अतुरणिष्व | अतुरणिष्म |
| प० तुरणाञ्चकार | तुरणाञ्चक्रतुः | तुरणाञ्चकुः |
| तुरणाञ्चकथं | तुरणाञ्चक्रथुः | तुरणाञ्चक्र |
| तुरणाञ्चकार | चकर | तुरणाञ्चकृष-णाञ्चकृम |
| तुरणाम्बभूव । तुरणामास | | |
| आ० तुरण्यात् | तुरण्यास्ताम् | तुरण्यासुः |
| तुरण्याः | तुरण्यास्तम् | तुरण्यास्त |
| तुरण्यासम् | तुरण्यास्व | तुरण्यास्म |
| प्र० तुरणिता | तुरणितारौ | तुरणितारः |
| तुरणितासि | तुरणितास्थः | तुरणितास्थ |
| तुरणितास्मि | तुरणितास्वः | तुरणितास्मः |
| भ० तुरणिष्यति | तुरणिष्यतः | तुरणिष्यन्ति |
| तुरणिष्यसि | तुरणिष्यथः | तुरणिष्यथ |
| तुरणिष्यामि | तुरणिष्यावः | तुरणिष्यामः |
| क्रि० अतुरणिष्यत् | अतुरणिष्यताम् | अतुरणिष्यन् |
| अतुरणिष्यः | अतुरणिष्यतम् | अतुरणिष्यत |
| अतुरणिष्यम् | अतुरणिष्याव | अतुरणिष्याम |

2037 पुरण (पुरण) गतौ ।

| | | |
|------------------------|----------------|----------------------|
| व० पुरण्यति | पुरण्यतः | पुरण्यन्ति |
| पुरण्यसि | पुरण्यथः | पुरण्यथ |
| पुरण्यामि | पुरण्यावः | पुरण्यामः |
| स० पुरण्येत् | पुरण्येताम् | पुरण्येयुः |
| पुरण्येः | पुरण्येतम् | पुरण्येत |
| पुरण्येयम् | पुरण्येव | पुरण्येम |
| प० पुरण्यतु | पुरण्यतात् | पुरण्यताम् |
| पुरण्य | पुरण्यतम् | पुरण्यत |
| पुरण्यानि | पुरण्याव | पुरण्याम |
| झ० अपुरण्यत् | अपुरण्यताम् | अपुरण्यन् |
| अपुरण्यः | अपुरण्यतम् | अपुरण्यत |
| अपुरण्यम् | अपुरण्याव | अपुरण्याम |
| अ० अपुरणीत् | अपुरणिष्टम् | अपुरणिषुः |
| अपुरणीः | अपुरणिष्टम् | अपुरणिष्ट |
| अपुरणिषम् | अपुरणिष्व | अपुरणिष्म |
| प० पुरणाञ्चकार | पुरणाञ्चक्रतुः | पुरणाञ्चकुः |
| पुरणाञ्चकथं | पुरणाञ्चक्रथुः | पुरणाञ्चक्र |
| पुरणाञ्चकार | चकर | पुरणाञ्चकृष-णाञ्चकृम |
| पुरणाम्बभूव । पुरणामास | | |
| आ० पुरण्यात् | पुरण्यास्ताम् | पुरण्यासुः |
| पुरण्याः | पुरण्यास्तम् | पुरण्यास्त |
| पुरण्यासम् | पुरण्यास्व | पुरण्यास्म |
| प्र० पुरणिता | पुरणितारौ | पुरणितारः |
| पुरणितासि | पुरणितास्थः | पुरणितास्थ |
| पुरणितास्मि | पुरणितास्वः | पुरणितास्मः |
| भ० पुरणिष्यति | पुरणिष्यतः | पुरणिष्यन्ति |
| पुरणिष्यसि | पुरणिष्यथः | पुरणिष्यथ |
| पुरणिष्यामि | पुरणिष्यावः | पुरणिष्यामः |
| क्रि० अपुरणिष्यत् | अपुरणिष्यताम् | अपुरणिष्यन् |
| अपुरणिष्यः | अपुरणिष्यतम् | अपुरणिष्यत |
| अपुरणिष्यम् | अपुरणिष्याव | अपुरणिष्याम |

2038 भुरण[भुरण] धारणपोषणयुद्धेषु

व० भुरण्यति भुरण्यतः भुरण्यन्ति
 भुरण्यसि भुरण्यथः भुरण्यथ
 भुरण्यामि भुरण्यावः भुरण्यामः
 स० भुरण्येत् भुरण्येताम् भुरण्येयुः
 भुरण्येः भुरण्येतम् भुरण्येत
 भुरण्येयम् भुरण्येव भुरण्येम
 प० भुरण्यतु भुरण्यतात् भुरण्यताम् भुरण्यन्तु
 भुरण्य भुरण्यतम् भुरण्यत
 भुरण्यानि भुरण्याव भुरण्याम
 झ० अभुरण्यत् अभुरण्यताम् अभुरण्यन्
 अभुरण्यः अभुरण्यतम् अभुरण्यत
 अभुरण्यम् अभुरण्याव अभुरण्याम
 अ० अभुरणीत् अभुरणिष्टाम् अभुरणिषुः
 अभुरणीः अभुरणिष्टम् अभुरणिष्ट
 अभुरणिषम् अभुरणिष्व अभुरणिष्म
 प० भुरणाञ्चकार भुरणाञ्चकतुः भुरणाञ्चकुः
 भुरणाञ्चकथं भुरणाञ्चकथुः भुरणाञ्चक
 भुरणाञ्चकार चकर भुरणाञ्चकृव णाञ्चकृम
 भुरणाञ्चभूव । भुरणामास
 आ० भुरण्यात् भुरण्यास्ताम् भुरण्यासुः
 भुरण्याः भुरण्यास्तम् भुरण्यास्त
 भुरण्यासम् भुरण्यास्व भुरण्यास्म
 श्व० भुरणिता भुरणितारौ भुरणितारः
 भुरणितासि भुरणितारथः भुरणितास्थ
 भुरणितास्मि भुरणितारस्वः भुरणितारस्मः
 भ० भुरणिष्यति भुरणिष्यतः भुरणिष्यन्ति
 भुरणिष्यसि भुरणिष्यथः भुरणिष्यथ
 भुरणिष्यामि भुरणिष्यावः भुरणिष्यामः
 क्रि० अभुरणिष्यत् अभुरणिष्यताम् अभुरणिष्यन्
 अभुरणिष्यः अभुरणिष्यतम् अभुरणिष्यत
 अभुरणिष्यम् अभुरणिष्याव अभुरणिष्याम
 क्रियारत्नसमुच्चयकृत्प्रतानुसारेण निम्न-
 लिखितरूपाणि—इति तत्स्थाने वु-
 रण्यतीत्यादीनि लेख्यानि पश्चात् चुर-

ण्यतीत्याद्यपि केचिदिति लेख्यम्

2039 चुरण (चुरण) मतिचौर्ययोः

व० चुरण्यति चुरण्यतः चुरण्यन्ति
 चुरण्यसि चुरण्यथः चुरण्यथ
 चुरण्यामि चुरण्यावः चुरण्यामः
 स० चुरण्येत् चुरण्येताम् चुरण्येयुः
 चुरण्येः चुरण्येतम् चुरण्येत
 चुरण्येयम् चुरण्येव चुरण्येम
 प० चुरण्यतु चुरण्यतात् चुरण्यताम् चुरण्यन्तु
 चुरण्य चुरण्यतम् चुरण्यत
 चुरण्यानि चुरण्याव चुरण्याम
 झ० अचुरण्यत् अचुरण्यताम् अचुरण्यन्
 अचुरण्यः अचुरण्यतम् अचुरण्यत
 अचुरण्यम् अचुरण्याव अचुरण्याम
 अ० अचुरणीत् अचुरणिष्टाम् अचुरणिषुः
 अचुरणीः अचुरणिष्टम् अचुरणिष्ट
 अचुरणिषम् अचुरणिष्व अचुरणिष्म
 प० चुरणाञ्चकार चुरणाञ्चकतुः चुरणाञ्चकुः
 चुरणाञ्चकथं चुरणाञ्चकथुः चुरणाञ्चक
 चुरणाञ्चकार चकर चुरणाञ्चकृव णाञ्चकृम
 चुरणाञ्चभूव । चुरणामास
 आ० चुरण्यात् चुरण्यास्ताम् चुरण्यासुः
 चुरण्याः चुरण्यास्तम् चुरण्यास्त
 चुरण्यासम् चुरण्यास्व चुरण्यास्म
 श्व० चुरणिता चुरणितारौ चुरणितारः
 चुरणितासि चुरणितारथः चुरणितास्थ
 चुरणितास्मि चुरणितारस्वः चुरणितारस्मः
 भ० चुरणिष्यति चुरणिष्यतः चुरणिष्यन्ति
 चुरणिष्यसि चुरणिष्यथः चुरणिष्यथ
 चुरणिष्यामि चुरणिष्यावः चुरणिष्यामः
 क्रि० अचुरणिष्यत् अचुरणिष्यताम् अचुरणिष्यन्
 अचुरणिष्यः अचुरणिष्यतम् अचुरणिष्यत
 अचुरणिष्यम् अचुरणिष्याव अचुरणिष्याम
 हैमशब्दानुशासने वुरण इति वुरण्यति
 वुरण्यतः इत्यादि

2040 भरण (भरण) प्रसिद्धार्थः

| | | |
|---------------------------|-----------------------|--------------|
| व० भरण्यति | भरण्यतः | भरण्यन्ति |
| भरण्यसि | भरण्यथः | भरण्यथ |
| भरण्यामि | भरण्यावः | भरण्यामः |
| स० भरण्येत् | भरण्येताम् | भरण्येयुः |
| भरण्येः | भरण्येतम् | भरण्येत |
| भरण्येयम् | भरण्येव | भरण्येम |
| प० भरण्यतु | भरण्यतात | भरण्यताम् |
| भरण्य | भरण्यतम् | भरण्यत |
| भरण्यानि | भरण्याव | भरण्याम |
| ह० अभरण्यत् | अभरण्यताम् | अभरण्यन् |
| अभरण्यः | अभरण्यतम् | अभरण्यत |
| अभरण्यम् | अभरण्याव | अभरण्याम |
| अ० अभरणीत् | अभरणिष्टाम् | अभरणिषुः |
| अभरणीः | अभरणिष्टम् | अभरणिष्ट |
| अभरणिषम् | अभरणिष्व | अभरणिष्म |
| प० भरणाञ्चकार | भरणाञ्चक्रतुः | भरणाञ्चक्रुः |
| भरणाञ्चकथं | भरणाञ्चक्रथुः | भरणाञ्चक्र |
| भरणाञ्चकार चक्र | भरणाञ्चक्रव-णाञ्चक्रम | |
| भरणाञ्चक्रव । भरणाञ्चक्रम | | |
| आ० भरण्यात् | भरण्यास्ताम् | भरण्यासुः |
| भरण्याः | भरण्यास्तम् | भरण्यास्त |
| भरण्यासम् | भरण्यास्व | भरण्यास्म |
| श्रव० भरणिता | भरणितारौ | भरणितारः |
| भरणितासि | भरणितास्थः | भरणितास्थ |
| भरणितास्मि | भरणिताम्बः | भरणितास्मः |
| भ० भरणिष्यति | भरणिष्यतः | भरणिष्यन्ति |
| भरणिष्यसि | भरणिष्यथः | भरणिष्यथ |
| भरणिष्यामि | भरणिष्यावः | भरणिष्यामः |
| क्रि० अभरणिष्यत् | अभरणिष्यताम् | अभरणिष्यन् |
| अभरणिष्यः | अभरणिष्यतम् | अभरणिष्यत |
| अभरणिष्यम् | अभरणिष्याव | अभरणिष्याम |

2041 तपुस (तपुस) दुःस्वार्थः ।

| | | |
|-----------------------------|------------------------|---------------|
| व० तपुस्यति | तपुस्यतः | तपुस्यन्ति |
| तपुस्यसि | तपुस्यथः | तपुस्यथ |
| तपुस्यामि | तपुस्यावः | तपुस्यामः |
| स० तपुस्येत् | तपुस्येताम् | तपुस्येयुः |
| तपुस्येः | तपुस्येतम् | तपुस्येत |
| तपुस्येयम् | तपुस्येव | तपुस्येम |
| प० तपुस्यतु | तात | तपुस्यताम् |
| तपुस्य | तपुस्यतम् | तपुस्यत |
| तपुस्यानि | तपुस्याव | तपुस्याम |
| ह० अतपुस्यत् | अतपुस्यताम् | अतपुस्यन् |
| अतपुस्यः | अतपुस्यतम् | अतपुस्यत |
| अतपुस्यम् | अतपुस्याव | अतपुस्याम |
| अ० अतपुसीत् | अतपुसिष्टाम् | अतपुसिषुः |
| अतपुसीः | अतपुसिष्टम् | अतपुसिष्ट |
| अतपुसिषम् | अतपुसिष्व | अतपुसिष्म |
| प० तपुसाञ्चकार | तपुसाञ्चक्रतुः | तपुसाञ्चक्रुः |
| तपुसाञ्चकथं | तपुसाञ्चक्रथुः | तपुसाञ्चक्र |
| तपुसाञ्चकार चक्र | तपुसाञ्चक्रव-साञ्चक्रम | |
| तपुसाञ्चक्रव । तपुसाञ्चक्रम | | |
| आ० तपुस्यात् | तपुस्यास्ताम् | तपुस्यासुः |
| तपुस्याः | तपुस्यास्तम् | तपुस्यास्त |
| तपुस्यासम् | तपुस्यास्व | तपुस्यास्म |
| श्रव० तपुसिता | तपुसितारौ | तपुसितारः |
| तपुसितासि | तपुसितास्थः | तपुसितास्थ |
| तपुसितास्मि | तपुसिताम्बः | तपुसितास्मः |
| भ० तपुसिष्यति | तपुसिष्यतः | तपुसिष्यन्ति |
| तपुसिष्यसि | तपुसिष्यथः | तपुसिष्यथ |
| तपुसिष्यामि | तपुसिष्यावः | तपुसिष्यामः |
| क्रि० अतपुसिष्यत् | अतपुसिष्यताम् | अतपुसिष्यन् |
| अतपुसिष्यः | अतपुसिष्यतम् | अतपुसिष्यत |
| अतपुसिष्यम् | अतपुसिष्याव | अतपुसिष्याम |

2042 तम्पस (तम्पस) दुःस्वार्थः ।

व० तम्पस्यति तम्पस्यतः तम्पस्यन्ति
 तम्पस्यसि तम्पस्यथः तम्पस्यथ
 तम्पस्यामि तम्पस्यावः तम्पस्यामः
 स० तम्पस्येत् तम्पस्येताम् तम्पस्येयुः
 तम्पस्येः तम्पस्येतम् तम्पस्येत
 तम्पस्येयम् तम्पस्येव तम्पस्येम
 प० तम्पस्यतु तात् तम्पस्यताम् तम्पस्यन्तु
 तम्पस्य , तम्पस्यतम् तम्पस्यत
 तम्पस्यानि तम्पस्याव तम्पस्याम
 झ० अतम्पस्यत् अतम्पस्यताम् अतम्पस्यन्
 अतम्पस्यः अतम्पस्यतम् अतम्पस्यत
 अतम्पस्यम् अतम्पस्याव अतम्पस्याम
 अ० अतम्पसीत् अतम्पसिष्टाम् अतम्पसिष्टुः
 अतम्पसीः अतम्पसिष्टम् अतम्पसिष्ट
 अतम्पसिष्टम् अतम्पसिष्टव अतम्पसिष्टम्
 प० तम्पसाञ्चकार तम्पसाञ्चक्रुः तम्पसाञ्चकुः
 तम्पसाञ्चकथं तम्पसाञ्चकथुः तम्पसाञ्चक
 तम्पसाञ्चकार चकर तम्पसाञ्चकृव साञ्चकृम
 तम्पसाम्बभूव । तम्पसामास
 आ० तम्पस्यात् तम्पस्यास्ताम् तम्पस्यासुः
 तम्पस्याः तम्पस्यास्तम् तम्पस्यास्त
 तम्पस्यासम् तम्पस्यास्व तम्पस्यास्म
 प्र० तम्पसिता तम्पसितारौ तम्पसितारः
 तम्पसितासि तम्पसितास्थः तम्पसितास्थ
 तम्पसितास्मि तम्पसितास्वः तम्पसितास्मः
 भ० तम्पसिष्यति तम्पसिष्यतः तम्पसिष्यन्ति
 तम्पसिष्यसि तम्पसिष्यथः तम्पसिष्यथ
 तम्पसिष्यामि तम्पसिष्यावः तम्पसिष्यामः
 अतम्पसिष्यत् अतम्पसिष्यताम् अतम्पसिष्यन्
 अतम्पसिष्यः अतम्पसिष्यतम् अतम्पसिष्यत
 अतम्पसिष्यम् अतम्पसिष्याव अतम्पसिष्याम
 तम्पस पम्पस इत्यन्यत्र

2043 अरर (अरर) आराकर्मणि

व० अरर्यति अरर्यतः अरर्यन्ति
 अरर्यसि अरर्यथः अरर्यथ
 अरर्यामि अरर्यावः अरर्यामः
 स० अरर्येत् अरर्येताम् अरर्येयुः
 अरर्येः अरर्येतम् अरर्येत
 अरर्येयम् अरर्येव अरर्येम
 प० अरर्यतु अरर्यतात् अरर्यताम् अरर्यन्तु
 अरर्य , अरर्यतम् अरर्यत
 अरर्याणि अरर्याव अरर्याम
 झ० आरर्यत् आरर्यताम् आरर्यन्
 आरर्यः आरर्यतम् आरर्यत
 आरर्यम् आरर्याव आरर्याम
 अ० आररीत् आररिष्टाम् आररिष्टुः
 आररीः आररिष्टम् आररिष्ट
 आररिष्टम् आररिष्टव आररिष्टम्
 प० अरराञ्चकार अरराञ्चक्रुः अरराञ्चकुः
 अरराञ्चकथं अरराञ्चकथुः अरराञ्चक
 अरराञ्चकार चकर अरराञ्चकृव अरराञ्चकृ
 अरराम्बभूव । अररामास
 आ० अरर्यात् अरर्यास्ताम् अरर्यासुः
 अरर्याः अरर्यास्तम् अरर्यास्त
 अरर्यासम् अरर्यास्व अरर्यास्म
 प्र० अररिता अररितारौ अररितारः
 अररितासि अररितास्थः अररितास्थ
 अररितास्मि अररितास्वः अररितास्मः
 भ० अररिष्यति अररिष्यतः अररिष्यन्ति
 अररिष्यसि अररिष्यथः अररिष्यथ
 अररिष्यामि अररिष्यावः अररिष्यामः
 क्रि० आररिष्यत् आररिष्यताम् आररिष्यन्
 आररिष्यः आररिष्यतम् आररिष्यत
 आररिष्यम् आररिष्याव आररिष्याम

2044 सपर (सपर) पूजायाम्

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० सपर्यति | सपर्यतः | सपर्यन्ति |
| सपर्यसि | सपर्यथः | सपर्यथ |
| सपर्यामि | सपर्यावः | सपर्यामः |
| स० सपर्येत् | सपर्येताम् | सपर्येयुः |
| सपर्येः | सपर्येतम् | सपर्येत |
| सपर्येयम् | सपर्येव | सपर्येम |

प० सपर्यत् सपर्यतात् सपर्यताम् सपर्यन्तु
सपर्य , सपर्यतम् सपर्यत
सपर्याणि सपर्याव सपर्याम

झ० असपर्यत् असपर्यताम् असपर्यन्
असपर्यः असपर्यतम् असपर्यत
असपर्यम् असपर्याव असपर्याम

अ० असपरीत् असपरिशाम् असपरिषुः
असपरीः असपरिष्टम् असपरिष्ट
असपरिषम् असपरिष्व असपरिष्व

प० सपराञ्चकार सपराञ्चकतुः सपराञ्चकुः
सपराञ्चकथं सपराञ्चकथुः सपराञ्चक

सपराञ्चकार चकर सपराञ्चकृव सपराञ्चकृम

सपराञ्चभूव । सपरामास

आ० सपर्यात् सपर्यास्ताम् सपर्यासुः
सपर्याः सपर्यास्तम् सपर्यास्त
सपर्यासम् सपर्यास्व सपर्यास्म

भ्व० सपरिता सपरितारौ सपरितारः
सपरितासि सपरितास्थः सपरितास्थ
सपरितास्मि सपरितास्वः सपरितास्मः

१० सपरिष्यति सपरिष्यतः सपरिष्यन्ति
सपरिष्यसि सपरिष्यथः सपरिष्यथ
सपरिष्यामि सपरिष्यावः सपरिष्यामः

क्रि० असपरिष्यत् असपरिष्यताम् असपरिष्यन्
असपरिष्यः असपरिष्यतम् असपरिष्यत
असपरिष्यम् असपरिष्याव असपरिष्याम

2045 समर (समर) युद्धे

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० समर्यति | समर्यतः | समर्यन्ति |
| समर्यसि | समर्यथः | समर्यथ |
| समर्यामि | समर्यावः | समर्यामः |
| स० समर्येत् | समर्येताम् | समर्येयुः |
| समर्येः | समर्येतम् | समर्येत |
| समर्येयम् | समर्येव | समर्येम |

प० समर्यत् समर्यतात् समर्यताम् समर्यन्तु
समर्य , समर्यतम् समर्यत
समर्याणि समर्याव समर्याम

झ० असमर्यत् असमर्यताम् असमर्यन्
असमर्यः असमर्यतम् असमर्यत
असमर्यम् असमर्याव असमर्याम

अ० असमरीत् असमरिशाम् असमरिषुः
असमरीः असमरिष्टम् असमरिष्ट
असमरिषम् असमरिष्व असमरिष्व

प० समराञ्चकार समराञ्चकतुः समराञ्चकुः
समराञ्चकथं समराञ्चकथुः समराञ्चक

समराञ्चकार चकर समराञ्चकृव समराञ्चकृम

समराञ्चभूव । समरामास

आ० समर्यात् समर्यास्ताम् समर्यासुः
समर्याः समर्यास्तम् समर्यास्त
समर्यासम् समर्यास्व समर्यास्म

भ्व० समरिता समरितारौ समरितारः
समरितासि समरितास्थः समरितास्थ
समरितास्मि समरितास्वः समरितास्मः

भ्र० समरिष्यति समरिष्यतः समरिष्यन्ति
समरिष्यसि समरिष्यथः समरिष्यथ
समरिष्यामि समरिष्यावः समरिष्यामः

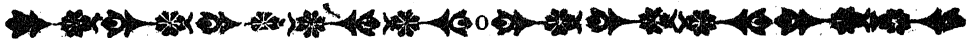
क्रि० असमरिष्यत् असमरिष्यताम् असमरिष्यन्
असमरिष्यः असमरिष्यतम् असमरिष्यत
असमरिष्यम् असमरिष्याव असमरिष्याम
इति कङ्ण्वाद्यः

२०४६ अन्दोलण् २०४७ प्रेखोलण् अन्दोलने २०४८ बीजण् बी-
जने । एते त्रयोऽप्यदन्ताः । बहुलवचनात्स्वार्थे णिचि अन्दोलयति,
अन्दोलयेत्, अन्दोलयतु, आन्दोलयत्, आन्दुदोलत्, अन्दोलयाश्चकार
अन्दोलयाम्बभूव, आन्दोलयामास, अन्दोल्यात्, अन्दोलयिता,
अन्दोलयिष्यति, आन्दोलयिष्यत् । प्रेङ्खोलयति, प्रेङ्खोलयेत्,
प्रेङ्खोलयतु, अप्रेङ्खोलयत्, अपिप्रेङ्खोलत्, प्रेङ्खोलयाश्चकार,
प्रेङ्खोलयाम्बभूव, प्रेङ्खोलयामास प्रेङ्खोल्यात् प्रेङ्खोलयिता प्रेङ्-
खोलयिष्यति, अप्रेङ्खोलयिष्यत् । बीजयति, बीजयेत्, बीजयतु
अबीजयत् । अविबीजत् बीजयाश्चकार, बीजयाम्बभूव बीजयामास
बीज्यात्, बीजयिता, बीजयिष्यति अबीजयिष्यत् ॥

२०४९ रिखिलिखेः समानार्थः । रेखति चित्रकृत् । अरेखीत्

२०५० लुल कम्पने । लोलति । अलोलीत् ॥

२०५१ चुलुम्प-चुलुम्पति चुलुम्पेत्, चुलुम्पतु, अचुलुम्पत्, अचुलु-
म्पीत्, चुलुम्पाश्चकार, चुलुम्पाम्बभूव, चुलुम्पामास,
चुलुम्प्यात्, चुलुम्पिता, चुलुम्पिष्यति अचुलुम्पिष्यत् ।



॥ इति श्रीमत्पोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनस-

र्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमा-

राधक-संविग्नशाखीय-आचार्यचूडामणिअखण्डवि-

जय श्रीमद्गुरुराज विजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिराम-

न्दिरेन्दिरायमाणान्तिषन्मुनि लावण्यविजय

धिरचिते धातुरत्नाकरे नवगणातिरि-

क्तलौकिकसौत्रवाक्यकरणी-

यधातूनां रूपाणि

समाप्तानि ॥



॥ सेट् अनिट् कारिकाः ॥

— • —

यद्यपि धातुपाठेष्वेव सेट्वानिट्वज्ञापकानि अनुबन्धविशेषरूपाणि चिह्नानि सङ्गतानि, तथापि सामान्यतया तत्स्वरूपावगतये शिष्यबुद्धिवैशद्यकारिकाः कारिकाः पूर्वाचार्याः प्रतिपाद्यन्ते विव्रियन्ते च ।

अथ सेट्वमनिट्वञ्च किं नामेति चेदुच्यते । इटा टकारस्यानुबन्धत्वाद् इकारेण सह वर्त्तते इति सेट् तस्य भावः सेट्वम्, न विद्यते इट् इकारो यस्य सोऽनिट् तस्य भावोऽनिट्वम् ।

अत्रायं निष्कर्षः—येभ्यो धातुभ्यः परतो विधीयमानाः श्रित्संज्ञकभिन्नत्रोणादिभिन्नसकारादितकारादिप्रत्यया विशेषविधानं विहायादौ इकाररूपमिडागमं नित्यं गृह्णन्ति ते सेटः । ये न गृह्णन्ति तेऽनिटः । सेट्वानिट्वे च यद्यपि स्ताद्यशितोऽत्रोणादेरिति प्रत्ययस्यादौ विधानात्प्रत्ययस्यैव तथाप्युपचारेण धातोरपि । इह तावद्धातवो द्विधा, स्वरान्ता व्यञ्जनान्ताश्चेति । तत्र सूचिकटाहन्यायेनाल्पत्वादौ स्वरान्तानां सेट्वानिट्वे विवेच्य तदनु व्यञ्जनान्तानां विवेचयति, तत्रापि ग्रन्थलाघवार्थं स्वरान्तेषु सेट्धातून् निर्दिश्य तद्व्यतिरेकेणानिटो व्यञ्जनान्तेषु अनिट्धातून् निर्दिश्य तद्व्यतिरेकेण सेटश्च दर्शयति ।

श्वित्रिडीशीयुरुक्षुक्षुण्-णुस्नुभ्यश्च वृगो वृडः ।

ऊर्द्वन्तयुजादिभ्यः स्वरान्ता धातवः परे ॥१॥

पाठ एकस्वराः स्युर्येऽनुस्वारेत इमे स्मृताः ।

ये पाठे धातुपाठे धातुपाठोपदेशावस्थायामित्यर्थः । न तु द्विर्भावादौ । एकस्वरा एक एव स्वरो येषु ते एकस्वराः । तथा अनुस्वारेतः एति अपगच्छतीति इत् प्रयोगकालेऽनवस्थापीत्यर्थः । अनुस्वार इत् येषु ते अनुस्वारेतः । तादृशा ये धातवः स्युस्ते इमे अभ्यस्ततमनया बुद्धिस्थत्वेन प्रत्यक्षा धातवः । अनिट् इति पदमन्त्य

कारिकान्तस्थमप्यत्र योज्यम् । स्मृताः । अर्थात् । धातुपाठोपदेशावस्थायं ये एकस्वरा अनुस्वारेतश्च भवेयुस्तेऽनिटो धातवो विज्ञेयाः । इदं च स्वरान्तव्यञ्जनान्त-साधारणं लक्षणं तेनोभयत्र योज्यम् । परे एतत्प्रथमकारिकोक्तेभ्योऽन्ये ये केचन स्वरान्ता एकस्वरा अनुस्वारेतश्च धातवस्ते सर्वेऽपि अनिटः । अस्यां कारिकायां चोक्ताः स्वरान्ताः धातवः सर्वेऽपि सेटः ।

एवं निम्ननिर्दिष्टा व्यञ्जनान्ता एकस्वरा अनुस्वारेतश्च धातवोऽनिटः । तद्व्यतिरिक्ता व्यञ्जनान्ताः सेटश्च । इमे द्विविधा अपि धातवो ये औदितो न भवेयु-स्ते ग्राह्याः औदितानामनुबन्धफलप्रतिपादकप्रकरणे वेदत्वाभिधानात् । केभ्यः परे । श्विश्रिडीशीयुरुक्षुक्षुस्नुज्यः वृगः, वृङ्कः उट्टुदन्तयुजादिभ्यः । अत्र वृद्धयर्थत्वेन माङ्गलिकत्वादादौ श्विधातोर्ग्रहणम् । ९९७ ट्वोश्चि (श्वि) गतिवृद्धयोः । ८४३ श्रिग् (श्रि) सेवायाम् । ५८८ ङीङ् (ङी) विहायसांगतौ । १२४९ ङीङ्च (ङी) गतौ । ११०५ शीङ्क् (शी) स्वप्ने । यु-इति सामान्यनिर्देशेऽपि रुक्षु-प्रभृतिसाहचर्यात् । १०८० युक् (यु) मिश्रणे इत्यस्यैव ग्रहणं । न तु १५१३ युंश्च (यु) बन्धने इत्यस्य । १८०४ युणि (यु) जुषु-स्यायामित्यस्य तु चौरादिकत्वादानेकस्वरत्वेन स्वत एव सेटत्वम् । रु-इति सामान्यनिर्देशेऽपि क्षुप्रभृतिसाहचर्यात् १०८५ रुक् (रु) शब्दे इत्यस्यैव ग्रहणं नतु ५९९ रुङ् (रु) रेषणे च इत्यस्य । १०८४ दुक्षुक् (क्षु) शब्दे । १०८२ क्षुक् (क्षु) तेजने । १०८१ णुक् (नु) स्तुतौ । १०८३ स्नुक् (स्नु) मस्नवने । १२९४ वृग् (वृ) वरणे । १५६७ वृङ्क् (वृ) सम्भक्तौ । १९४५ वृग् (वृ) आवरणे इत्यस्य तु युजादिपाठे एव समावेशः । ऊकार एव ऊत् ऋकार एव ऋत् ऊच्च ऋच्च ऊदृतौ तौ अन्ते एषामिति ऊददन्ताः ऊकारान्ता भूप्रभृतयः ऋकारान्ता नप्रभृतयः । युजादयो युजादिगणपठिता । इमे-१९४३ लीण् (ली) द्रवीकरणे । १९४४ (मीण्) मतौ । १९४५ प्रीगण् (प्री) तर्पणे । १९४६ घृगण् (घृ) कम्पने । अस्य ऊकारान्तत्वेनापि सेटत्वम् । १९४७ वृगण् (वृ) आव-

रणे । १९४८ जृण् (जृ) वयोहानौ । अस्य ऋकारान्तत्वेनापि सेट्त्वम् । इमे सर्वेऽप्युक्ताः स्वरान्ताः सेटः । तद्व्यतिरिक्ताः स्वरान्ता अनिटः । अथ व्यञ्जनान्ताननिटो नामग्राहं दर्शयति--

द्विविधोऽपि शक्तिश्चैवं वचिर्विचिरिची पचिः ॥ २ ॥

सिञ्जतिर्मुचिरतोऽपि पृच्छतिभ्रंस्जिमस्जिभुजयो युजियंजिः ।
 प्वञ्जिरञ्जिरुजयो णिजिविष्टृषञ्जिभञ्जिभजयः सृजित्यजी ॥ ३ ॥
 स्कन्दिवियधिद्वल्विन्तयो नुदिः स्विद्यतिः शदिसदी भिदिच्छिदी ।
 तुद्यदी पदिहदी स्विदीक्षुदी राधिसाधिगुधयो युधिव्यधी ॥ ४ ॥
 बन्धबुध्यरुधयः क्रुधिक्षुधी सिध्यतिस्तदनुहन्तिमन्यती ।
 आपिना तपिशपिक्शिपिच्छुपो लुम्पतिः सृपिलिपी वपिस्वपीः॥५॥

यभिरभिलभियमिरमिनमिगमयः कुशिलिशिरुशिदिशदिशितिदशयः
 सृशिमृशतिक्शिश्तिहृशिशिष्ट्लशुषयस्त्वविधिषिविषिष्ट्लकृषितुषि-
 दुषिपुषयः ॥ ६ ॥

श्लिष्यतिर्द्विषिरतो घसिबसती रोहतिर्लुहिरिही अनिङ्गदितौ ।
 देग्धिदोग्धिलिहयो मिहिवहती नह्यतिर्दहिरितिस्फुटमनिटः ॥७॥

१२८० शक्तीच् (शक्) मर्षणे । १३०० शक्लृट् (शक्) शक्तौ ।
 अत्र शक्धातुरेव शक्तिः । इकिश्तिव् स्वरूपार्थे ॥ ५ । ३ । १३८ ॥ इति स्वरूपे
 इप्रत्यये किप्रत्यये वा रूपम्, एवमग्रेतनधातुषु यथायोगं स्वरूपार्थे इप्रत्ययः किप्रत्ययः
 शित्वप्रत्यय इति ज्ञेयम् । १०९६ वचंक् (वच्) भाषणे । ११२५ ब्रूगंक् (ब्रू)
 व्यक्तायां वाचि इत्यस्य यो वच्-आदेशस्तस्य लाक्षणिकत्वेऽपि अत्र ग्रहणम् ।
 अत एवास्य ब्रूधातोरुकारान्तत्वेन सेट्त्वप्राप्तावपि धातुपाठे सानुस्वारनिर्देशेना-
 निटत्वं प्रतिपादितम् । १९५४ वचण् (वच्) भाषणे इत्यस्य तु युजादिपाठा-
 त्सेट्त्वमेव । १४७५ विचंवी (विच्) पृथग्भावे ॥ १४७४ रिचंवी (रिच्) विरे-

धातुरत्नाकरे सेट् अनिट्कारिकाः ॥

चने । १९५३ रिचण् (रिच्) वियोजने च इत्यस्य तु युजादिपाठात्सेट्त्वमेव ॥
 ८९२ डुपचीष् (पच्)पाके । १३२१ पिचीत् (सिच्) क्षरणे । अस्य स्विच्-इतिवृ
 प्रत्यये सिञ्चात्तरिति रूपम् । १३२० मुच्लंती (मुच्) मोक्षणे । १७३१ मुचर्ण
 (मुच्) प्रमोचने इत्यस्य चौरादिकत्वाद्नेकस्वरत्वेन सेट्त्वमेव । १३४७ म्रुचंत्
 (प्रच्छ) झीप्सायाम् । १३१६ म्रस्जीत् (म्रस्ज्) पाके । १३५२ दुमस्जीत्
 (मस्ज्-मज्ज्) शुद्धौ । १३५१ भुजोत् (भुज्) कौटिल्ये । १४८७ भुजंप
 (भुज्) पालनाभ्यवहारयोः । १२५४ युजिच् (युज्) समाधौ । १४७६ युज्
 पी (युज्) योगे । १९४२ युजण् (युज्) संपर्चने इत्यस्य तु युजादिपाठात्से-
 ट्त्वमेव । ९९१ यजीं (यज्) देवपूजासंगतिकरणदानेषु । १४७१ स्वर्जित् (स्वज्ज्)
 सङ्गे । ८९६ रजीं (रज्ज्) रागे ॥ १२८२ रजीच् (रज्ज्) रागे । १३५० रुजोत् (रुज्)
 भङ्गे ॥ १५९२ रुजण् (रुज्) हिसायाम् अस्य तु चौरादिकत्वाद्नेकस्वरत्वेन सेट्-
 त्वमेव । ११४१ णिजुंकी निज् शौचे च । ११४२ विजुंकां [विज्] पृथग्भावे । विजु
 इति ऋकारसहितग्रहणादस्यैव बिज् धातोर्ग्रहणम् । न तु १४६८ ओविजैति [विज्]
 भयचलनयोरित्यस्य १४८९ ओविजैप् (विज्) भयचलनयोरित्यस्य च । ननु
 अत्यन्तान्तिकस्थनिज्-साहचर्यादभिमतस्यैव ग्रहणे किं पुनः ऋकारसहितनिर्देश
 इति चेत्साहचर्यपरिभाषाया आनित्यत्वसूचनार्थमेतत्तेन शब्दसहचारतासहचरितयोः
 सदोरत्र प्रकरणे ग्रहणम् । १७३ षज्जं [सज्ज्] सङ्गे । १४८६ भजोप् (भज्ज्)
 आमर्दने । ८९५ भजीं (भज्) सेवायाम् । १७३४ भजण् [भज्] विध्वानने ।
 इत्यस्य तु चौरादिकत्वाद्नेकस्वरत्वेन सेट्त्वमेव । १२५५ सृजिच् (सृज्) वि-
 सर्गे । १३४९ सृजंत् [सृज्] विसर्गे । १७२ त्यजं [त्यज्] हानौ । ३१९
 स्कन्दृ (स्कन्द्) गतिशोषणयोः । विद्य-इति श्यविकरणसहितग्रहणादनेन ।
 १२५८ विदिच् [विद्] सत्तायामित्यस्य ग्रहणम् । विद्लृ-इति लृकारानुब-
 न्धसहितग्रहणादनेन । १३२२ विद्लंती [विद्] लाभे इत्यस्य ग्रहणम् । वि-
 न्ति-इति श्रविकरणसहितग्रहणादनेन । १४९७ विदिप् [विद्] विचारणे इत्य-
 स्य ग्रहणम् । एषां विशेषणोपादानात् । १०९९ विदक् [विद्] ज्ञाने इत्यस्य

न ग्रहणम् । १८०९ विदिष् [विद्] चेतनाख्याननिवासेषु इत्यस्य तु चौरादि-
कत्वादनेकस्वरत्वेन सेट्त्वं सिद्धमेव ॥

वेत्तेर्विदितं जित्तेर्विन्नं वित्तञ्च विवृतेर्विभम् ॥

वित्तं धने प्रतीते च विन्दतेर्विन्नमन्यत्र ॥ १ ॥

१३७० णुदत् [नुद्] प्रेरणे । स्विद्यतीति श्यविकरणसहितग्रहणादनेन
११७८ ज्विदांच् (स्विद्) गात्रप्रक्षरणे इत्यस्यैव ग्रहणं नतु ९४६ जिष्विदाङ्
(स्विद्) मोचने च इत्यस्य । ९६७ शद्लृत् (शद्) शातने । ९६६ षद्लृत् (सद्)
विशरणगत्यवसादनेषु । १३७१ षद्लृत् (सद्) अवसादने । १४७७ भिर्दृपी
[भिद्] विदारणे । १४७८ छिर्दृपी (छिद्) द्वैधीकरणे । १३१५ तुर्दीत्
(तुद्) व्यथने । १०५७ अदंक् (अद्) भक्षणे । १२५७ पदिच् (पद्) गतौ
। १२३३ पदिष् (पद्) गतौ । इत्यस्य तु चौरादिकत्वादनेकस्वरत्वेन सेट्त्वमेव
। ७२८ हदि (हद्) पुरीषोत्सर्गे । १२५९ खिदिच् (खिद्) दैन्ये । १३२६
खिदंत् (खिद्) परिघाते । १४७९ खिदिष् [खिद्] दैन्ये । १४७९
क्षुर्दृपी [क्षुद्] संपेषे । ११५६ राधंच् [राध्] वृद्धौ । १३०४ राधंद् (राध्)
संसिद्धौ । १३०५ साधंद् (साध्) संसिद्धौ । ११८३ शुधंच् (शुध्) शौचे ।
१२६० युधिच् (युध्) सम्प्रहारे । ११५७ व्यधंच् (व्यध्) ताडने । १५५२
बन्धश् (बन्ध्) बन्धने । १६६३ बन्धण् (बन्ध्) संयमने इत्यस्य तु चौरादिक-
त्वादनेकस्वरत्वेन सेट्त्वमेव । बुध्य-इति श्यविकरणसहितनिर्देशात् १२६२ बुधिच्
(बुध्) ज्ञाने इत्यस्यैव ग्रहणं नतु ९१२ बुध्ण् (बुध्) बोधने ९६८ बुध (बुध्)
अवगमने इत्यस्य च । १४७३ रुध्ण् (रुध्) आवरणे । १२६१ अनोरुधिच्
[अनु-रुध्] कामे । ११८४ क्रुधंच् (क्रुध्) कोपे । ११८२ क्षुधंच् [क्षुध्]
बुभुक्षायाम् । सिध्यति-इति श्यविकरणसहितनिर्देशान् ११८५ षिधूच् (सिध्)
संराद्धौ इत्यस्यैव ग्रहणं नतु ३२० षिध् [सिध्] गत्यामित्यस्य ३२१ षिधौ
(सिध्) शास्त्रमाङ्गल्ययोरित्यस्य च ।

११०० हनंक् (हन्) हिंसागत्योः । मन्यति-इति श्यविकरणसहितनि-

र्देशात् १२६३ मनिच् (मन्) ज्ञाने इत्यस्यैव ग्रहणं नतु १५०७ मन्नुयि [मन्]
बोधने इत्यस्य । १८१० मनिण् (मन्) स्तम्भे इत्यस्य तु चौरादिकत्वाद्नेकस्व-
स्त्वेन सेट्त्वमेव । १३०७ आप्लृट् (आप्) व्याप्तौ । १९७३ आप्लृण् (आप्)
लम्भने इत्यस्य तु युजादिपाठात्सेट्त्वमेव । ३३३ तप् [तप्] संतापे । १२६७
तपिच् (तप्) ऐश्वर्ये वा । १९७१ तपिण् [तप्] दाहे इत्यस्य तु युजादिपाठा-
त्सेट्त्वमेव । ९१६ शर्पो (शप्) आक्रोशे । १२८३ शर्पीच (शप्) आक्रोशे
११५८ क्षिपंच् [क्षिप्] प्रेरणे । १३१७ क्षिपित् [क्षिप्] प्रेरणे ।

१३७५ लुपत् (लुप्) स्पर्शे लुम्पति इति मागमसहितनिर्देशात् १३२३
लुप्लृती [लुप्] छेदने इत्यस्यैव मागमार्हस्य ग्रहणं नतु ११९५ लुपच् [लुप्]
विमोहने इत्यस्य । १३४१ सृप्लृट् [सृप्] गतौ । १३२४ लिपीत् (लिप्)
उपदेहे ९९५ डुवपी [वप्] बीजसंताने । १०८८ विष्ण्वपक् [स्वप्] शये ।
३७८ यभं (यभ्) मैथुने । ७८५ रभि [रभ्] राभस्ये । ७८६ डुरुभिष् (लभ्)
प्राप्तौ । ३८६ यभूं (यभ्) उपरमे । ९८९ रभि [रभ्] क्रीडायाम् । ३८८
णमं (मप्) प्रहृत्वे । ३९६ गम्लृट् [गम्] गतौ । ९८६ कश् (कृश्)
आह्वानरोदनयोः । १२७७ लिशिच् (लिश्) अलसत्वे । १४१७ लिशन्त [लिष्]
गतौ । १४१३ क्शन्त [कृश्] हिंसायाम् । १४१४ रिशन्त [रिश्] हिंसायाम्
१३१८ दिशीत् [दिश्] अतिसर्जने । ४९६ दंशं (दंश्) दंशने । १४१२
स्पृशन्त (स्पृश्) स्पर्शे । १४१६ मृशन्त [मृश्] आमर्शने । १४१५ बिशन्त (बिश्)
प्रवेशने । ४९५ दृशूं [दृश्] प्रेक्षणे । लृकारसहितग्रहणात् १४९२ शिप्लृप्
(शिष्) विशेषणे इत्यस्यैव ग्रहणं नतु ५०८ शिष (शिष्) हिंसायामित्यस्य ।
१९७७ शिषण् (शिष्) असर्वोपयोगे इत्यस्य तु युजादिपाठात्सेट्त्वमेव । १२०८
शुषंच् (शुष्) श्लोषणे । ९३० त्विषी [त्विष्] दीप्तौ । १४९३ पिप्लृप्
(पिष्) संचूर्णने । विप्लृट्-इति लृकारसहितनिर्देशात् ११४३ विप्लृङ्गी [विष्]
व्याप्तौ इत्यस्यैव ग्रहणं नतु ५२३ विष् [विष्] सेचने इत्यस्य १५६० विषश्
[विष्] विप्रयोगे इत्यस्य च । ५०६ कृषं [कृष्] विस्त्रेक्षणे । १३१९ कृषीत्

(कृष्) विलेखने । १२१३ तुषंच् (तुष्) तुष्टौ । १२०९ दुषंच् [दुष्) वैकृत्ये
दुष्-साहचर्यात् ११७५ पुषंच् (पुष्) पुष्टौ इत्यस्यैव ग्रहणं न तु । ५३६ पुष
[पुष्) पुष्टौ इत्यस्य । १५६४ पुपश्च [पुष्) पुष्टौ इत्यस्य च । १७५५ पु-
षण् [पुष्) धारणे इत्यस्य तु चौरादिकत्वाद्नेकस्वरत्वेन सेट्त्वमेव । श्लिष्यति-
इति श्यविकरणसहितनिर्देशात् । १२१० श्लिषंच् (श्लिष्) आलिङ्गने इत्यस्यैव
ग्रहणं न तु । ५३१ श्लिषू [श्लिष्) दाहे इत्यस्य । १७०४ श्लिषण् [श्लिष्)
श्लेषणे इत्यस्य तु चौरादिकत्वाद्नेकस्वरत्वेन सेट्त्वमेव । १६२६ द्विषींक् (द्विष्)
अप्रीतौ । ५४४ घस्लृट् (घस्) अदने । वसति-इति श्यविकरणसहितनिर्दे-
शात् । ९९९ वसं (वस्) निवासे इत्यस्यैव ग्रहणं न तु १११७ वसिक् (वस्)
आच्छादने इत्यस्य । १२२६ वसूच् (वस्) स्तम्भे इत्यस्य च । १७६१ वसण्
(वस्) स्नेहच्छेदावहरणेषु इत्यस्य तु चौरादिकत्वेनानेकस्वरत्वात्सेट्त्वमेव ।
९८८ (रुह्) रुह् [जन्मनि । अत्र रोहति-इति श्यविकरणसहितनिर्देशः श्लो-
करचनार्थः । लुहि रुही (लुह्-रुह्) इमौ धातुपाठेषु न दृश्येते छान्दसौ मन्ता-
न्तरीयौ वा संभाव्येते । देग्धीति । ११२८ दिहींक् (दिह्) लेपे । दोग्धीति ।
११२७ दुहींक् (दुह्) क्षरणे । ११२९ लिहींक् (लिह्) आस्वादने । ५५१
मिहं [मिह्) सेचने । ९९६ वहीं (वह्) प्रापणे । १२८५ णहींच् (नह्)
बन्धने । ५५२ दहं [दह्] भस्मीकरणे । इति स्फुटं यथा स्यात्तथा इमे व्यञ्ज-
नान्ता धातवोऽनिटः, तद्व्यतिरिक्ता व्यञ्जनान्ताः सेटः । इति स्वरान्तव्यञ्जना-
न्तधातूनां सेट्त्वानिहूत्वे प्रपञ्चिते ॥

॥ समाप्ता अनिटकारिकाः ॥

॥ अथ धातुप्रत्ययानुबन्धफलप्रतिपादकाः श्लोकाः ॥



उच्चारणेऽस्त्यवर्णाद्य आः क्तयोरिण् निषेधने ।

इकारादात्मनेपद-मीकाराच्चोभयं भवेत् ॥ १ ॥

उदितः स्वरान्नोन्तश्चो-त्तवादाविटो विकल्पनम् ।

रूपान्त्ये डेपरेऽह्रस्व ऋकारादङ् विकल्पकः ॥ २ ॥

लृकारादङ् समायात्येः सिचि वृद्धिनिषेधकः ।

ऐः क्तयोरिण्निषेधः स्या-दोः क्तयोस्तस्य नो भवेत् ॥ ३ ॥

औकार इङ् विकल्पार्थेऽनुस्वारोऽनिङ् विशेषणे ।

लृकारश्च विसर्गश्चा-नुबन्धो भवतो नहि ॥ ४ ॥

कोऽदादिर्न गुणी प्रोक्तः खे पूर्वस्य मुमागमः ।

गे नोभयपदी प्रोक्तो घश्च चजोः कगौ कृतौ ॥ ५ ॥

आत्मने गुणरोधे ड-श्चो दिवादिगणो भवेत् ।

ओ वृद्धौ वतंमाने क्तः टः स्वादिऽण्टंशुकारकः ॥ ६ ॥

त्रिमगर्थो डकारः स्याण् णश्चुरादिश्च वृद्धिद्वत् ।

तस्तुदादौ नकारश्चेच्चापुंसीति विशेषणे ॥ ७ ॥

रुधादौ नागमे पोहि मो दामः सम्प्रदानके ।

यस्तनादौ रकारः स्यात् पुंवद्भावाथसूचकः ॥ ८ ॥

स्त्रीलिङ्गार्थे लकारो हि उत और्विति वो भवेत् ।

शः क्रयादिः क्यः शिति प्रोक्तः षः चितोरु विशेषणे ॥ ९ ॥

पदत्वार्थे सकारो हि नोक्ता अन्नं न सन्ति च ।

धातूनां प्रत्ययानाञ्चा-नुबन्धः कथितो मया ॥ १० ॥

उच्चारणम् उच्चारणार्थं श्रुतिसुखदोच्चारणार्थमिति यावत् । अवर्णा-
द्यः अवर्णस्तु अकार आकारश्च वर्णग्रहणे स्वसंज्ञकस्यापि ग्रहणमिति न्यायात् । त-
त्राकारव्यवच्छेदार्थमाह-अवर्णस्य अकाराकाररूपस्याद्यः प्रथम अकार इत्यर्थः ।

अस्ति । अकारः श्रुतिमुखदोच्चारणार्थं धात्वादौ अनुबन्धतया योज्यत इत्यर्थः । यथा ५१ तक् (तक्) हसने । एवम् आ आकारः क्तयोः क्तक्तवतु प्रत्यययोरादौ इणनिषेधने इकारनिषेधार्थः । यथा १२५ हुर्छा (हुर्छ) कौटिल्ये । अत्रादिच्वात् आदित इति क्तयोरिडभावे हूर्णः हूर्णवान् । इकाराद् आत्मनेपदं भवति । यथा ६१८ ककि (कक्) लील्ये । अत्र इङित इत्यात्मनेपदे कक्ते । चः समुच्चये । ईकाराद् उभयमुभयपदं भवति । ८९५ भजी [भज्] सेवायाम् । अत्र ईदिच्वात्फलवः कूर्तरि ईगित इत्यात्मनेपदम् । अफलवति तु शेषात्परस्मै इति परस्मैपदमेवोभयपदं भवति । चो- उश्च उश्चानयोः समाहार इति ऊ ततः क्लीवे इति ह्रस्वत्वे उ इति ततः च-उ-इति अकारस्य उकारस्य च सन्धौ चो इति जातम् । तथा च चोश्चन्देन च, उः, ऊः, इति ज्ञेयम् । तत्र चकारः समुच्चये । उः उकार उदितः स्वरान्नोऽन्त इत्यत्र विशेषणार्थः । ऊः उकारः क्त्वादौ क्त्वाप्रत्ययस्य आदौ इड इकारस्य विकल्पनं करोतीतिशेषः । अथवा-उ-उदितः स्वरान्नोऽन्तः च-ऊः इति ऊदितस्वरान्नोऽन्तः, च-ऊः, इति ऊदितस्वरान्नोऽन्तश्चोः इति पाठो ज्ञेयः । तत्र अथमो य उश्चन्दस्तेन उरुपमक्षरमिति नपुंसकलिङ्गार्थं व्याख्येयम् । यथा ५२ तक् [तक्-तनक्-तक्] कृच्छ्रजीवने । अत्र उदिच्वाद् उदितः स्वरान्नोऽन्त इति नागमः । १०६ वञ्चू [वञ्च्] गतौ । ऊदितो वा इति वेद् । वक्त्वा । इटि तु ऋतृषेति क्त्वो वा कित्वे वचित्वा वञ्चित्वा ऋ उपान्त्ये इत्यवस्थायां सन्धौ रुपान्त्ये । ऊ परे ऊप्रत्यये परे ऊपरकणौ प्रत्यये इति यावत् अह्रस्वो ह्रस्वाभावः । ऊपरकणिप्रत्यये परे सति ऋदितां धातूनामुपान्त्यस्य ह्रस्वो न भवति । यथा ५५ ओख् (ओख्) शोषणालमर्थयोः । अत्र ऋदिच्वाद् ऊपरे णौ उपान्त्यस्येति न ह्रस्वः । मा भवानोचिखत् । ऋदिच्वादेव चौतो नेत्संज्ञा प्रयोगित्वाच्च । एवं ५६ राख् (राख्) शोषणालमर्थयोः । अरराखत् । ऋकाराद् अङ्कः विकल्प एव विकल्पकः । २८० च्युत् (च्युत्) आसेचने । ऋदिच्वाद् ऋदिच्छ्वीति वाङि अच्युनत् अच्योतीत् । लृकाराद् अङ्कः समायाति ३९६ गम्लं [गम्] गतौ । लृदिच्वाद् लृदिद्युतादित्य-

ङि अगमत् । एः एकारः सिचि वृद्धिनिषेधकः । १७४ कटे (कट्) वर्षाविरण-
योः । अत्र व्यञ्जनादेर्वोपान्त्यस्येति वा प्राप्ताया वृद्धेरेदिच्चाञ्च भिजाग्रिति प्रतिषे-
धे अकटीत् । ऐः ऐकारो यदि भवेत्तर्हि कयोः क्तवतुप्रत्यययोरादौ इष्णिषेधो भ-
वति । २०० कटै(कट्)गतौ । अत्रैदिच्चात् डीयइवैदितः कयोरिति कयोर्नेट् कट्-
कटवान् । ओः ओकारो यदि स्यात्तर्हि कयोः क्तवतुप्रत्यययोस्तकारस्य नो नकारो
भवेत् । ४८ ओवै (वै) शोषणे । अत्र ओदिच्चात् सूयत्यादीति कयोस्तस्य नत्वे
वानः वानवान् । २१ औस्ठ (स्ठ) शब्दोपतापयोः । अत्रौदिच्चाद् धूर्गौदित
इति वेट् । स्वर्तां स्वरिता सुस्वूर्षति सिस्वरिषति । अनुस्वारः बिन्दुरूपोऽनिङ्गवि-
शेषणे अनिङ्गत्वार्थ इत्यर्थः ।

२ पां [पा] पाने । अत्रानुस्वारेच्चात् स्ताद्यक्षित इति प्राप्तस्येष्टः एकस्वरादनु-
स्वारेत् इति निषेधः । पाता पास्यति । लृकारो विसर्गश्चानुबन्धो न भवतः । क-
कारो यदि धातौ स्यात्तदा धातुः अदादिर्भवति । एवं ककारो यदि प्रत्यये स्यात्तदा
तस्मिन् प्रत्यये परे धातुर्गुणी गुणवान् न भवति । ११०० हनेक्(हन्)र्हिसागत्योः ।
कित्करणददादित्वं तेन कर्तर्यनद्भ्यः शब् इत्यत्र अदादिवर्जनाच्छवभावे हन्ति । भू-
सत्तायाम् । भू-क्यात्-भूयात् अत्र किञ्चेन नामिनो गुणोऽङ्ङितीत्यत्र किङ्कर्जनाच्च गुणः
खे पूर्वस्य-मुमागम इति मुम्-इति (म्)इत्यस्य प्राचां संज्ञा तथा-इङ्गव्यवहारः प्रा-
चां-संज्ञाया व्यवहार इत्यत्र प्रमाणम्-यजादेः संप्रसारणमिति एवञ्च मुमागम इत्य-
स्य मागम इत्यर्थः । खे खिति पूर्वस्य म् आगमो भवति १२० मर्निच् (मन्) ज्ञाने
कर्तुः खश् इति खशि खित्यनव्ययेति मागमे च पटुमात्मानं मन्यत इति पटुमन्यः॥
८८३ श्रिग्(श्रि) सेवायाम् । गिच्चात्फलवति कर्तरि ईगित इत्यात्मनेपदेऽन्यत्रशेषा-
त्परस्मादिति परस्मैपदे चोभयपदं ज्ञेयम् । श्रयते श्रयति । घो घकारो यदि स्यात्त-
दा चजोः चकारजकारयोः कर्गौ क्रमेण ककारगकारौ कृतौ विहितौ ज्ञातव्यौ ।
भाविनि भूतोपचाराद् । घकारे इति चकारस्य ककारो जकारस्य गकारो भव-
तीत्यर्थः । ८९२ डुपर्वीष् (पच्) पाके । पचनं [पच्-घञ्] पाकः ।
९९१ यर्जी (यज्) देवपूजासंगतिकरणदानेषु । यजनं (यज्-घञ्) यागः

। अत्र चञः कगमिति चकारस्य कत्वं जकारस्य गत्वश्च । आत्मने इति पदैकदेशे पदसमुदायोपचाराद् आत्मनेपदे आत्मनेपदार्थं गुणरोधे गुणनिषेधार्थश्च डो ङकारो भवति । ५८६ गांङ् (गा) गतौ ङित्वाद् इङित इत्यात्मनेपदे गाते । ९३७ द्युति (द्युत्) दीप्तौ । द्युत्-अङ् अद्युतत् अत्र ङित्वेन-नामिन इत्यत्र ङि-वर्जनान्न गुणः । चः चकारो यदि स्यात्तदा दिवागणो भवेत् दिवादिगणीयो धा-तुर्भवेदित्यर्थः । ११५३ कुथच् (कुथ्) पूतिभावे । अत्र चित्वाद् दिवादित्वेन दिवा-देरिति श्ये कुथ्यति । ओ ञकारो वृद्धौ वृद्ध्यर्थः ॥

एवं ओ नाम ञकारोपलक्षितो विर्यदि भवेत्तदा धातोर्वर्तमाने क्तप्रत्ययो भवति । १ भू सत्तायाम् । अनु-अ-भू-ञिच् अन्वभावि-अत्र ङित्वाद् ङिणीतीति वृद्धिः । ३०० ङित्वादा (ङित्वाद्) अव्यक्ते शब्दे । ङित्वाज्ज्ञानेच्छार्चोति सत्यर्थं क्तः । ङित्वादे ङित्वाङ् । ङकारो यदि स्यात्तदा स्वादिः स्यात् । १२८६ षिगट् (सि) अभिषवे । अत्र ङित्वेन स्वादित्वात् स्वादेः श्रुतिरिति श्रौ सिनुते (टः स्वादिष्ट्युकारकः) अत्र ङकारकः, इति पाठो न समीचीनः ठानुबन्धानुपलम्भात् ठ-इत्यस्य निर्विभक्ति-कत्वात् अयोग्यतया समासाभावात् युकारक इत्यत्र द्युरूपकार्यानुपलम्भाच्च अतः टः स्वादिरथुकारकः, इति पाठः सम्यक् ङकारः स्वादिः (षिगट्-सिनुते इति उ-कारविशिष्टः-ङकारः अथुकारकः यथा दुवपी बीजसन्ताने, इति 'द्वितोऽधुः' इति अथौ षपथुरिति । त्रिमगर्थे ङकार इत्यग्रिमग्रन्थानुरोधेन-उकारविशिष्ट इति अवश्याध्याहार्यम्-इति तस्मिन् पाठे न कोऽपि दोष इति-त्रिमग्न अर्थः प्रयोजनं यस्य तादृशो ङकारः स्यात् अत्र ङकारेण ङकारोपलक्षितो ङकारो ज्ञेयः । ८९२ दुप-चीष् (पच्) पाके । इति ङित्वाङ्निमकि पाकेन निर्वृत्तं पत्तिक्रमम् । णो णकारो यदि स्यात्तदा चुरादिः धातुश्चुरादिगणीयो भवति, एवं णकारो वृद्धिकृद् अस्ति १५७२ वल्कण [वल्क्] भाषणे । णित्वाच्चुरादित्वेन चुरादिभ्य इति णिचि वल्कयति । १२ दु (दु) गतौ णवि वृद्धौ दुदाव । १३१७ क्षिपीत् (क्षिप्) प्रेरणे । तित्वात् तुदादेः ष इति क्षिपति । नकारश्च इच्चापुंसोऽनित्क्याप्परे इत्यत्र विशेषणार्थः । ख-दविका खट्वाका । अनिदिति किम् । दुर्गका णकारो रुधादौ नागमार्थः । अर्थात्

पकारेण रुधादित्वं भवति रुधादित्वाच्च नागमो भवति । १४७३ रिचृपी (रिच्) विरेचने रुधां स्वरादिति श्रे रिणक्ति किन्तु रुधादौ तागमे पोहि-इति पाठः सम्यक्-तस्येयं व्याख्या पकारो रुधादिघट्टकः प्रकारानुबन्धेन धातूनां रुधादित्वं भवतीति भावः, प्रत्ययस्थपकारानुबन्धः तागमप्रयोजकः- (द्वृग्-इत्यादिना क्यपि 'ह्रस्वस्य तः पित्कुति' तागमे आहत्यः प्रावृत्त्य इति, मो मकारः, दामः सम्प्रदाने ऽधर्म्ये आत्मने च इत्यत्र विशेषणार्थः । दास्या सम्प्रयच्छते कामुकः । यो यकारः तनादेः सूचकः । १५०१ क्षण्यू (क्षण्) हिंसायाम् । यिच्चात् कृगतनादेरित्यौ च तनुते । रकारः पुंवद्भावरूपो योऽर्थस्त्वसूचकः । पटवो प्रकाशोऽस्याः पटुजातीया । प्रकारे जातीयरिति जातीयरि-प्रत्यये रिति पुंवद्भावः । लकारो स्त्रीलिङ्गार्थः । जनानां समूहो जनता अत्र तत्प्रत्ययस्य लिच्चात्स्त्रीत्वम् । वकार उत और्विति-व्यञ्जनेऽद्वे रित्यत्र विशेषणार्थः १०७७ धृक् (ध्र्) अभिगमने । द्यौति । शकारो यदि स्यात्तदा क्रयादिः स्यात् । १५०७ षिंशु (सि) बन्धने । शित्वात्क्रयादित्वेन क्रयादेरिति श्नाप्रत्यये सिनाति । वयः शितीत्यत्र विशेषणार्थः । भूयते अत्र भावकर्मे विहिते शिति क्यः । षकारः षितोऽङ् इत्यत्र विशेषणार्थः । ८९२ डुपचीष् (पच्) पाके । पच्यतेऽसाविति पचा । सकारः पदत्वार्थे पदत्वप्रयोजकः । भवतोरिकणीयसौ, इतीयसि नामसिदयव्यञ्जने-इति पदत्वे धुटस्तृतीय इति दत्त्वे भवदीय इति येऽनुबन्धतया नोक्तास्तेऽनुबन्धा न सन्ति । अनुबन्धास्तु इयन्त एव । अपि तु अत्रानुबन्धानां यद्यत्फलमुक्तं तेन प्रयोजनान्तराण्यप्युपलक्ष्यन्ते । यथा टकारस्य प्रयोजनं रुधादित्वमेवोक्तं तथापि २८ दृधे (धे) पाने । अत्र टकारः शुनिधयीत्यादौ कुच्यर्थः । एवं ढकारस्यान्त्यस्वरलोपप्रभृतिप्रयोजनं स्वयमूहम् ।

अत्रार्थेऽन्येऽपि कतिचित्श्लोकाः

अदादयः कानुबन्धाश्चानुबन्धा दिवादयः

स्वादयष्टानुबन्धा-स्तानुबन्धास्तुदादयः ॥ १ ॥

रुधादयः पानुबन्धा यानुबन्धास्तनादयः ।

क्रयादयः शानुबन्धा णानुबन्धाश्चुरादयः ॥ २ ॥

॥ इत्यनुबन्धफलप्रतिपादकप्रकरणम् ॥

॥ वृत्तगणफलनिरूपणम् ॥

द्युतादेरद्यतन्यां चाडात्मनेपदमिष्यते

वृदादिपञ्चकेभ्यो वा स्यसनोरात्मनेपदम् ॥ १ ॥

ज्वलादेर्णो विकल्पेन यजादेः संप्रसारणम् ।

घटादीनां भवेद्दहस्वो णौ परेऽजीघटत् सदा ॥ २ ॥

अद्यतन्यां पुषादित्वादङ् परस्मैपदे भवेत् ।

स्वादित्वाच्च क्तयोस्तस्य नकारः प्रकटो भवेत् ॥ ३ ॥

प्वादीनां भवेद्दहस्वो ल्वादेस्तयोश्च नो भवेत् ।

युजादयो विकल्पेन ज्ञेयाश्चुरादिके गणे ॥ ४ ॥

मुचादेर्नागमः शो च कुटादित्वात्सिचि परे ।

गुणवृद्धेरभावश्च कथितो हेमसूरिणा ॥ ५ ॥

अदन्तानां गुणो वृद्धिर्यङ् चुरादेश्च नो भवेत् ।

संक्षेपेण फलश्चैतज्ज्ञेयं सूत्रानुसारतः ॥ ६ ॥

वृत्तगणानामान्तर्गणान्तेषामान्तर्गणकरणे यत्फलं तदुच्यते । द्युतादेर्द्युतादिगण-
ठितधातोरद्यतन्यामङ् आत्मनेपदश्च वा भवति । अर्थात्-द्युतादिगणस्य फलम-
द्यतन्यां विकल्पेनाडात्मनेपदभवनम् । ९३७ द्युति (द्युत्) दीप्तौ । द्युद्-
भ्योऽद्यतन्यामित्यात्मनेपदिनोऽपि विकल्पनात्पक्षे शेषात्परस्मायिति परस्मैपदे
लृदिद्द्यतादीत्यङिः अद्यतत् । पक्षे अद्योतिष्ठ । वृदादिपञ्चकेभ्यो वृदादेः पञ्चतः
स्यसनोः स्यादौ प्रत्यये सनि च विषये आत्मनेपदं वा भवति । अयं वृदादिद्य-
ताद्यन्तर्गणस्तेन द्युतादिफलन्तु अत्येव तदतिरिक्तमिदं ज्ञेयम् । ९५५ वृत्तूङ्
(वृत्) वर्त्तने । अवृत्तत् । अवर्त्तिष्ट । वृद्धय इति स्यसनोर्विषये वात्मनेपदमात्म-
नेपदाभावे च न वृद्भ्य इति नेट् । वर्तिष्यते, वर्त्स्यति, अवर्तिष्यत, अवर्त्स्यत् ।
सनि विवृत्सति विवर्तिषते । ज्वलादेर्णः प्रत्ययो विकल्पेन भवति । ९६० ज्वल
(ज्वल्) दीप्तौ । वा ज्वलादीति णे ज्वालः । पक्षे ज्वलः । यजादेर्यजादिग-

णस्य फलं सम्प्रसारणं यट् । ९९१ यजीं (यज्) देवपूजासङ्गतिकरणदानेषु ।
यजादिवशिति पूर्वस्य यट् इयाज । यजादिवचेरिति यट् ईजे । घटादीनां
फलं तु णौ णिप्रत्यये परे ह्रस्वः । १००० घटिष् (घट्) चेष्टायाम् । घटादेरिति-
ह्रस्वे । घटयति । (णौ परेऽजीघटत् सदा) अयं भावः 'जासनाटक्राथपिषो हिंसायां
इत्यत्र क्राथेत्याकारोपान्त्यनिर्देशादाकारश्रुतावस्य प्रवृत्तेः चौरस्योत्क्राथयतीति घ-
टादेर्ह्रस्व इति ह्रस्वत्वाभावः । अद्यतन्यां तु ह्रस्वघटितमेव रूपं भवति इति
अजीघटत्सदेत्यनेन सूचितमिति क्राथेरपि उदचिक्रथादिति ' उपान्त्यस्य '
इति ह्रस्वस्तु न निषिध्यते यस्मिन् प्राप्त एवेति न्यायादिति । पुषादित्वाद्-
द्यतन्यां परस्मैपदेऽङ् भवति । दिवाद्यन्तर्गणपुषादिगणस्य फलं परस्मैपदेऽद्यत-
न्यामङ् प्रत्ययभवनमित्यर्थः । ११७५ पुषंश्च (पुष्] पुष्टौ । लुदितिति
अङ् अपुषत् । स्वादित्वात् दिवाद्यन्तर्गणस्वादिगणपठितत्वात् कयोस्तक्त-
वतुप्रत्यययोस्तकारस्य नकारो भवति । १२४१ वृडौच् (सू) प्राणिप्रसवे ।
सूयत्यादीति कयोस्तस्य नत्वे सूतः सूतवान् । प्वादीनां क्रयाद्यन्तर्गणप्वादिग-
णपठितधातूनां ह्रस्वो गदितः । १५१८ पूगश्च (पू) पवने । प्वादेरिति
ह्रस्वे पुनाति पुनीते । ल्वादेः क्रयाद्यन्तर्गणप्वान्तर्गणल्वादिगणपठितधातोस्त-
योस्तस्य नो भवेत् । १५१९ लृगश्च [लृ] छेदने । ऋल्वादेरिति कत्कीनां
तो नत्वे लूनः लूनवान् लूतिः । युजादयो युजादिगणपठिता धातवश्चुरादिगणे
विकल्पेन ज्ञेयाः । चुराद्यन्तर्गणयुजादिगणस्य फलं विकल्पेन णिच्ग्रहणमित्यर्थः ।
१९४२ युजण् [युज्) सम्पर्चने । युजादेरिति वा णिचि योजयति । पक्षे
न्यायविकरणः श्व् योजति । मुचादेस्तुदाद्यन्तर्गणमुचादिगणस्य फलं शे अ-
प्रत्यये नागमः । १३२० मुच्लृन्ती (मुच्) मोक्षणे मुचादीति स्वरात्परे नेन्ते मु-
ञ्चति, मुञ्चते । कुटादित्वात् तुदाद्यन्तर्गणकुटादिगणपठितत्वात् सिचि परे गुण-
वृद्धयभावः । यथा १४२६ कुट् [कट्] कौटिल्ये । कटादेरिति ङित्त्वात् गुणाभावे
सिचि अकृटीत् । १४२९ णृत् [णृत्] स्तवने । कुटादेरिति ङित्त्वात् सिचि
परस्मायिति वृद्धयभावे अनुवीत् । चुरादेरदन्तानां चुरादिगणपठितादन्नधातू-

नामित्यर्थः । गुणो वृद्धिश्च न भवेत् । सुख्ण (सुख्) तत्क्रियायाम् । १८५४
रचण् (रच्) प्रतियत्ने । रचयति । अत्रात इत्यल्लुकः स्वरादेशत्वेन स्थानिव-
त्वाद् गुणवृद्धयभावः । अररचत् । असुसुखत् । अत्र समानलोपित्वादसमा-
नलोप इति पूर्वस्य सन्वद्धावो लघोर्दीर्घ इति दीर्घश्च न भवति । १८५५ सू-
चण् (सूच्) पैशून्ये अत्रोपान्त्यह्रस्वाभावः ॥

॥ इति वृत्तगणफलनिरूपणम् ॥

॥ सकर्मकवाकर्मकत्वानिरूपणम् ॥

फलव्यापारयोरेक — निष्ठतायामकर्मकः ।

धातुस्तयोर्धर्मिभेदे सकर्मक उदाहृतः ॥ १ ॥

फलस्य गतिनिवृत्त्यादिरूपस्य व्यापारस्य गतिनिवृत्त्यनुकूलव्यापारादि-
रूपस्य च एकनिष्ठतायामेकाधिकरणवृत्तितायां सत्यां धातुरकर्मको भवति । फ-
लसमानाधिकरणव्यापारबोधकत्वं समानाधिकरणफलावच्छिन्नव्यापारबोधकत्वं
वाकर्मकत्वमिति फलितोऽर्थः । यथा पठ्ठां (स्था) गतिनिवृत्तौ
अत्र फलं गतिनिवृत्तिः व्यापारस्तदनुकूल इति फलं व्यापारश्चोभयं देवद-
त्तस्तिष्ठति इत्यत्र देवदत्तरूपैकाधिकरणे वर्त्तते । देवदत्तस्तिष्ठतीति कोऽर्थः
?, गतिनिवृत्त्यनुकूलव्यापारवान् देवदत्तः । एवं तयोः फलव्यापारयोः धर्मिभे-
देऽधिकरणभेदे भिन्नभिन्नाधिकरणवृत्तितायां सत्यां धातुः सकर्मको भवति
। फलव्यधिकरणव्यापारबोधकत्वं व्यधिकरणफलावच्छिन्नव्यापारबोधकत्वं वा
सकर्मकत्वमिति फलितोऽर्थः । यथा ८९२ डुपर्चीष् (पच्) पाके
। देवदत्तस्तण्डुलान् पचति । कोऽर्थः ? तण्डुलनिष्ठविकृत्यनुकूलव्यापारवान्
देवदत्तः । अत्र फलं विकृतिः सा तण्डुलेषु वर्त्तते व्यापारस्तदनुकूलः स देवद-
त्ते वर्त्तते इति फलव्यापारयोर्भिन्नाधिकरणता ।

अर्थान्तरे वर्त्तमानस्याकर्मकस्यापि सकर्मकत्वं भवति कालाध्वभावदेशापेक्षया
च सर्व एव धातवः सकर्मकाः । मासमास्ते । क्रोशो गुडधानाभिर्भूयते । गोदी-

स्वपिति । कुरुन् शेते । अर्थान्तरवृत्त्यादिना च सकर्मकस्यापि अकर्मकत्वं भवति । यदाह—

धातोरर्थान्तरे वृत्ते - धात्वर्थेनोपसंग्रहात् ।

प्रसिद्धेरविवक्षातः कर्मणोऽकर्मिका क्रिया ॥ २ ॥

अर्थान्तरे वर्तमानाद्धातोः सकर्मकस्यापि अकर्मिका क्रिया भवति । यथा भारं वहति उद्यच्छतीत्यर्थः, नदी वहति स्रवतीत्यर्थः । कर्मणो धात्वर्थान्तःप्रवेशादकर्मकत्वम् । यथा ४६५ जीव (जीव्) प्राणधारणे जीवति । ७२८ हर्दि (हद्) पुरीषोत्सर्गे हदते । अत्र प्राणपुरीषाख्ये कर्मणी धात्वर्थेनैव क्रोडीकृते । कर्मणः प्रसिद्धत्वात् । यथा ५२७ वृष्ट् (वृष्) सेचने । देवो वर्षति । न पुनरत्र रक्तं वर्षति । पार्थः शरान् वर्षति । कर्मणोऽविवक्षितत्वात् । यथा नेह पच्यते नेह भुज्यते । कर्माविवक्षा चौदासीन्यनिवृत्तिमात्रपरतया प्रयोगात् । यथा किं करोतीति प्रश्ने पचति पठतीत्यादि प्रत्यवस्थानं नतु भवति विद्यते वेत्यादि तेषामपर्यनुयोज्यत्वात् । यत्तु किं करोतीति प्रश्ने भवतीत्युत्तरं तत्क्रियाख्यकर्मनिबन्धनं नतु बाह्यकर्मपेक्षं भवनं करोतीत्यर्थावगमात् । क्रिया हि सर्वधातूनामान्तरं कर्म । अत एव क्रियाविशेषणानां कर्मत्वं स्मरन्ति । नन्वेवं क्रियाविशेषणादिति योगो व्यर्थः, कर्मणीत्येव द्वितीयासिद्धेः । नैवम् । आन्तरकर्मणा सकर्मणोऽपि अकर्मककार्यप्रतिपत्त्यर्थत्वाद्योगस्य । तेन सुखं सुप्त इत्यादौ कर्त्तरि क्तः सिद्धः । सुखं स्थातेत्यादौ कृत्रिमित्वा षष्ठी न भवतीति । अत एव सकर्मकाकर्मकव्यवहारो द्रव्यकर्मनिमित्त इत्युच्यते । यदाह—

॥ सकर्मकाकर्मकत्वं द्रव्यकर्मनिबन्धनम् ॥

॥ अथ द्विकर्मकगणनानिरूपणम् ॥

नीह्वहिकृषो ण्यन्ता दुहिब्रूष्टच्छिभिक्षिचिरुधिशस्वर्थाः ।

पचियाचि दण्डिकृग्रहमथिजिप्रमुखा द्विकर्माणः ॥ १ ॥

इमे सर्वे धातवो द्विकर्मका विज्ञेयाः । ८८४ णीग् (नी) प्रापणे । गा-

ममजां नयति । ८८५ हृङ् (हृ) हरणे । निवासं हरति घासं । ९९६ वही-
 (वहू) प्रापणे । ग्रामं भारं वहति । ५०६ कृषं (कृष्) विलेखने । १३१९ कृषी-
 त् (कृष्) विलेखने । ग्रामं बलिवर्दं कर्षति । ण्यन्ता इति । ३ घ्रां (घ्रा) ग-
 न्धोपादाने । जिनदासं पुष्पाणि घ्रापयति । दुहिब्रूपृच्छिभिक्षिचि रुचिशासूधा-
 तूनामर्था इव अर्था येषां ते तथा । दुहिप्रभृतीनां षण्णां धातूनां येषां प्रतिपा-
 दिताः तादृशा अर्था येषां धातूनां भवन्ति तेऽपि धातवो द्विकर्मका विज्ञेयाः ।
 ११२७ दुर्हीक् (दुह्) क्षरणे । गां दोग्धि पयः । ११२५ ब्रूङ्क् (ब्रू) व्य-
 क्तायां वाचि । भव्यान् धर्मं ब्रूते । १३४७ प्रच्छंत् (प्रच्छ) ज्ञीप्सायाम् ।
 जने मार्गं पृच्छति । ८८० भिक्षि (भिक्षू) याञ्चायाम् । भिक्षते गां राजानम् ।
 १२९० चिङ्गट् (चि) चयने । वृक्षं पुष्पाणि अवचिनोति । १४७३ रुष्ट्पो
 (रुध्) आवरणे । शठं गृहमवरुणद्धि । १०९५ शासूक् (शास्) अनुशिष्टौ ।
 मनुष्यं धर्मं शास्ति । ८९२ डुपचीष् (पच्) पाके तण्डुलानोदनं पचति । या-
 चिरत्रानुनयार्थस्तेन भिक्षयार्थाद्भेदः । ८९१ डुयाचृग् (याच्) याञ्चायाम् । शठं
 धर्मं याचतेऽनुनयतीत्यर्थः । १८६९ दण्डण् (दण्ड्) दण्डनिपाते । देवदत्तं शतं
 दण्डयति । ८८८ डुकुङ्ग् (कृ) करणे । मृदं घटं करोति । १५१७ ग्रहीश् [ग्रह]
 उपादाने । द्रव्यं धान्यं प्रतिगृह्णाति । १५४७ मन्थश् (मन्थ्) विलोडने । समु-
 द्रममृतमग्नात् । ८ जि (जि) अभिभवे । देवदत्तं शतं जयति । प्रमुखग्रहणात्
 १५६३ मुषश् (मुष्) स्तेये । गोविन्दं शतं मुष्णाति । एतद्व्याख्या तु मतान्तरी-
 योक्तकारिकानुसारेण कृता । हेमचन्द्रसूरीशानैस्तु । तच्च [द्विविधं कर्म तु) द्विक-
 र्मकेषु दुहिभिक्षिरुधिप्रच्छिचिङ्गशास्वब्रूथेषु याचि जयतिप्रभृतिषु नोहृकृषवहेषु च
 भवति । अत्रोदाहरणानि तु निरुक्तान्येव । अत्रोक्तातिरिक्तधातूणामुपरि गणना
 कृता । सा अत्रैव समवसरति । इदं तस्या उपलक्षणं मतभेदो वेति स्वयमूहम् ।

॥ इति द्विकर्मकगणनानिरूपणम् ॥

॥ अथ गौणमुख्यकर्मनिरूपणम् ॥

न्यादीनां कर्मणो मुख्यं प्रत्ययो वक्ति कर्मजः ।

नीयते गौर्द्विजैर्ग्रामं भारो ग्राममथोह्यते ॥ १ ॥

गौणं कर्म दुहादीनां प्रत्ययो वक्ति कर्मजः ।

गौः पयो दुह्यतेऽनेन शिष्योऽर्थं गुरुणोच्यते ॥ २ ॥

कर्म द्विविधं मुख्यं गौणञ्च । तत्र यदर्थं क्रिया आरभ्यते तत्प्रधानम् । तत्सि-
द्धयै यत्क्रियया व्याप्यते गवादि तदप्रधानम् । अन्यत्सर्वं स्फुटम् । किञ्च गत्यर्था-
नामकर्मकाणां तु णिगन्तानां प्रधाने एष कर्मणि गम्यते मैत्रो ग्रामम् । आस्यते
मासं मैत्रः । बोधाहारार्थशब्दकर्मकाणां तु णिगन्तानामुभयत्र बोध्यते शिष्यो
धर्मम् । बोध्यते शिष्यं धर्मो वा । भोज्यतेऽतिथिरोदनः । भोज्यतेऽतिथिरोदनम् ।
पाठ्यते शिष्यो ग्रन्थम् । पाठ्यते शिष्यं ग्रन्थो वा ।

॥ इति गौणमुख्यकर्मनिरूपणम् ॥

॥ अथ धातूपसर्गजन्यभेदप्रकाशनिरूपणम् ॥

बीजकालेषु सम्बद्धा यथा लाक्षारसादयः ।

वर्णादिपरिणामेन फलानामुपकुर्वते ॥ १ ॥

बुद्धिस्थादभिसम्बन्धा- तथा धातूपसर्गयोः ।

अभ्यन्तरीकृतो भेदः पदकाले प्रकाश्यते ॥ २ ॥

व्याख्या—अथ किं धातुः पूर्वमुपसर्गेण युज्यते उत साधनेनेति ! साधनं
हि क्रियां निवर्त्तयति [साध्यत्ववैशिष्ट्येन बोधयतीति तामुपसर्गो विशिनष्टि
(स्वद्योत्यविशेषणवैशिष्ट्येन बोधयतीत्यर्थः) अतः पूर्वं साधनेन साधनं कारकम्
तदभिधायि कार्येण, युज्यत इति तदयुक्तम् पूर्वं हि धातोः साधनेन सम्बन्धे
आस्यते गुरुणा इत्यकर्मकः उपास्यते गुरुरिति सकर्मकः केन स्यात्.

यस्माद्विशिष्टैव क्रिया साधनेन साध्यते नतु साधनाल्लब्धस्वरूपान्यतो वि-
शेषं लभते तस्मात् पूर्वमुपसर्गेण युज्यते—इति युक्तम् । न च प्रत्ययसम्बन्धमन्तरेण
क्रियाविशेषस्यानभिव्यक्तेर्न धातोः पूर्वमुपसर्गेण सम्बन्धो युज्यते इति

वाच्यम् ? यतः—

बीजकालेषु सम्बद्धा यथा लाक्षारसादयः ।

वर्णादिपरिणामेन फलानामुपकुर्वते ॥ १ ॥

बीजकालेषु—बीजोत्पत्तिसमयेषु सम्बद्धाः सम्पृक्ताः, [बीजैरिति शेषः] लाक्षारसादयः—जतुरसप्रभृतयः फलानां वर्णादिपरिणामेन रूपरसादिपरिणमन-द्वारा, यथा उपकुर्वते ।

(बुद्धिस्थादभिसम्बन्धात्तथा धातूपसर्गयोः ॥

अभ्यन्तरीकृतो भेदः पदकाले प्रकाशते ॥ १ ॥)

तथा धातूपसर्गयोः बुद्धिस्थाद् (बुद्धिविषयीकृतात्,) अभिसम्बन्धात् भेदः (उपसर्गार्थिकृतो विशेषः) अभ्यन्तरीकृतः (बुद्धिस्थीकृतः, धातुनेति शेषः, पदकाले उपसर्गसंज्ञकशब्दप्रयोगकाले प्रकाशते. श्रोतुरिति शेषः ॥ इति अङ्कुरोत्पत्तिसमये लाक्षारसादिसेकेन फलानां रूपरसादिधैलक्षण्यं भवति इति लोक-प्रसिद्धिः, तत्र यथा लाक्षारसादीनां पूर्वकालिकसम्बन्धेन जायमाना विलक्षणता फलकाले प्रकाशते तथा पूर्वकालिकोपसर्गसम्बन्धेन जायमानः उपसर्गार्थिकृतो विशेषः उपसर्गप्रयोगकाले प्रकाशते—एवं च पूर्वमुपसर्गयोगो नाम तदर्थसम्बन्धः तत उपसर्गशब्दात् पूर्वं साधनकार्ययोगः तत उपसर्गसंज्ञकशब्दप्रयोग इति तात्पर्यम्, इत्यलम् ।

॥ अथ षोपदेशनिरूपणम् ॥

स्वरदन्त्यपरसकारादयः स्मिस्विदिस्वदिस्वजिस्वपयश्च ।

षोपदेशाः सृपि, सृजि, स्था, स्तृ, स्तृ, सृ, सेकृवर्जम् ॥ १ ॥

स्वरा अवर्णादयो दन्त्या लृवर्णतवर्गलसास्ते परा यस्मात्तादृशो यः सकारः स आदौ येषां ते स्वरदन्त्यपरसकारादयः स्वरपरसादयः दन्त्यपरसादयश्च धातवः षोपदेशा ज्ञेयाः उत्तरदलदर्शितान् विहाय । यथा ९९० षहि (सह) मर्षणे । ९ ष्ठां (स्था) गतिनिवृत्तौ । उक्तलक्षणेनाग्रहादाह—स्मीत्यादि—स्मिप्रभृतयश्च षो-

पदेशा विज्ञेयाः । ५८७ षिङ् (स्मि) ईषडसने । ९४६ ञिष्विदाङ् (स्विद्) मोचने च । ११७८ ष्विदांच् (स्विद्) गात्रप्रक्षरणे । ७२९ ष्वदि (स्विद्) आस्वादने । १७४२ ष्वदण् (स्विद्) आस्वादने । ष्वञित् (स्वञ्ज्) सङ्गे । १०८८ ञिष्वपङ्क् (स्वप्) शये । सृपिप्रभृतीन् विहाय । ते चेमे । ३४१ सृप्लं (सप्) गतौ । १२५५ सृजिच् (सृज्) विसर्गे । १३४९ सृजन्तु (सृज्) विसर्गे ४० । स्तयै (स्त्यै) संघाते । १५२१ स्तृगृश् (स्तृ) आच्छादने । १२९२ स्तृगृह् (स्तृ) आच्छादने । २५ सृं (सृ) गतौ । ६३५ सेकृङ् [सेक्] गतौ । षोपदेशफलं तु असीषहत् इत्यादौ षत्वकरणम् । स्मिप्रभृतिभिः साहचर्यादिक-स्वराणामेव षोपदेशस्मृतिः । अत एव सूत्रसत्रसंग्रामसामसमाजस्थूलस्तनस्तेन स्तोममुखानामषोपदेशत्वात् सोमूच्यते सिसत्रयिषते इत्यादौ षत्वं न भवति ।

॥ इति षोपदेशप्रकरणम् ॥

॥ अथ णोपदेशनिरूपणम् ॥

सर्वे च नादयो णोपदेशा नृति नन्दि नर्दि नशि नाटि नक्कि नाधृ नाथृ नृवर्जम् । येषां धातूनामादौ नकारो भवेत्ते णोपदेशा विज्ञेयाः । नृतिप्रभृतीन् विहाय ते चेमे ॥ ५२ नृतैच् (नृत्) नर्तने । ३१२ हुनदु [नन्द्] समृद्धौ ३०२ नर्द (नर्द्) शब्दे । १२०२ नशौच् (नश्) अदर्शने । नाटीति १५९३ नटण् [नट्] अवस्यन्दने इत्यस्यैवात्र वर्जनं नतु १८७ णट् लट् नृत्तौ ॥ १०३३ णट् [नट्] नतौ एतयोः । १५७३ नक्कण् (नक्क्) नाशने । ४४७ नाधृङ् [नाधृ] नाथङ्क्चन । ७१६ नाथृङ् [नाथृ] उपतापैश्वर्याशीःषु च । १०१६ नृ नये । १५३७ नृश् [नृ] नये । एतद्व्यतिरिक्ता नकारादयः सर्वे णोपदेशाः यथा ६५ णख [नख्] गतौ । णोपदेशफलन्तु प्रणखतीत्यादौ णत्वम् । ननु ६४ नख (नख्) गतौ । इत्यस्य अणोपदेशत्वात् कथमत्र न वर्जनमिति चेदुच्यते नख णख इति पाठसामर्थ्यादेव अणोपदेशत्वमेवान्यत्रापि ।

॥ इति णोपदेशप्रकरणम् ॥

॥ अथ धात्वर्थविशेषनिरूपणम् ॥

उपसर्गेण धात्वर्थो बलादन्यत्र नीयते ।

विहाराहारसंहार प्रहारप्रतिहारवत् ॥ १ ॥

धात्वर्थं बाधते कश्चित् कश्चित्तमनुवर्त्तते ।

तमेव विशिनष्ट्यन्योऽनर्थकोऽन्यः प्रयुज्यते ॥ २ ॥

उपसर्गेण ॥

प्रपरापसमन्ववनिर्दुरभि-न्यधिसूदतिनिप्रतिपर्यपयः ।

उप आङिति विंशतिरेष सखे ! उपसर्गगणः कथितः कविभिः ॥१॥

इत्याद्यन्यतमेन धात्वर्थो धातुपाठे य उक्तोऽर्थः स बलात्प्रतीतिसामर्थ्यादन्य-
त्रान्यस्मिन्नर्थे नीयते स्थाप्यते पर्यवसितो भवतीत्यर्थः । अत्र ये उपसर्गस्य द्योत-
कत्वमामनन्ति तन्मते तु अन्योऽप्यर्थस्तस्य धातोरेव ये तु वाचकत्वमाश्रयन्ति तन्मते
धातुसम्बन्धात्तन्मन्मर्थमुपसर्ग एवाभिधत्ते तदेवाह-८८५ हृग् (हृ) हरणे । अस्य
हरणार्थत्वेऽपि विहारः क्रीडासमीचीनगमनं वा ॥ आहारो भोजनम् । संहारो वि-
नाशः । प्रहारस्ताडनम् । प्रतिहारः द्वाःस्थकर्म । इत्यादौ उक्तादिक्तविविधार्था-
वगतेः । कश्चिदुपसर्गो धात्वर्थं बाधते । यथा-३२० षिध् (सिध्) गत्याम् ।
प्रतिषेधति । अत्र गत्यर्थं बाधित्वा निषेधार्थमभिदधति । कश्चित्तं मौलधात्वर्थमनु-
वर्त्तते यथा अधीयते । अत्र ११०४ इङ्क् (इ) अध्ययने । अयमधिनाऽवश्यं-
भावी योगो न चार्थविशेषः । अन्य उपसर्गस्तमेव मूलधात्वर्थं विशिनष्टि विशि-
ष्टतामापादयति । यथा ९९२ डुपर्चीष् (पच्) पाके प्रपचति प्रकृष्टं प्रकर्षे वा
पचतीत्यर्थः । अन्य उपसर्गोऽनर्थक एव प्रयुज्यते । ३९६ गम्ल्त् (गम्) गतौ ।
अधिगच्छति । अत्र न धात्वर्थबाधो न वा धात्वर्थविशेषता न वा गम्-धातुना-
ऽवश्यंभावी योग इति ।

॥ इति धात्वर्थविशेषनिरूपणम् ॥

॥ अथ अनुस्वारनिरूपणम् ॥

नकारजावनस्वार-पञ्चमौ धुटि धातुषु ।

सकारजः शकारश्चे-र्षाद्वर्गस्तवर्गजः ॥ १ ॥

धातुषु धुटि धुडादौ वर्णे परे सति योऽनुस्वारो वर्गपञ्चमाक्षरो वा दृश्यते स नकारस्थाने जात इति वेदितव्यम् । ४९६ दंशं (दन्श्-दंश्) दशने दशति । अत्र यदि नकारजोऽनुस्वारो न भवेत्तर्हि दंशसञ्ज इति लुग्न स्यात् १३७८ तुम्फ-त [तुन्फ-तुम्फ) तृप्तौ । तृप्ति । अत्रापि नकारजो मकाररूपपञ्चमो वर्णो न स्यात्तर्हि नो व्यञ्जनस्येति लुग्न स्यात् । एवं चे चकारे परे यः शकारः स सकारजः सकारस्थाने जातः । यथा ॥ ६ षस्च (सस्च्-सश्च्) गतौ । सश्चति । अत्र शकारः सकारस्थाने जातः । षात् रकारात् षकाराच्च परो यः टवर्गः स तवर्गो जातः । यथा ११२३ ऊर्णुगृक् (ऊर्नु-ऊर्णु) आच्छादने । ऊर्णुनाव । अत्र रकारात्परो यो णकारः स नकारस्थाने जातः । अन्यथा ऊर्णुणाव इत्येव स्यात् । ५ ष्ठां (स्था) गतिनिवृत्तौ । अत्र षकारस्तु षोपदेशार्थस्तदन्तरं ठकार-रूपटवर्णस्थकाररूपतवर्गजातः । एवं षाद् इत्यत्र पूर्वार्थे पञ्चमीविवक्षायां २५७ अद्दृ (अद्दृ-अद्दृ) अभियोगे अद्दृति इत्यादिकमपि भावनीयम् ।

॥ इत्यनुस्वारादिनिरूपणम् ॥

॥ अथ धातुत्वनिरूपणम् ॥

क्रियार्थो धातुः । क्रिया कृतिः प्रवृत्तिर्व्यापार इति यावत् । पूर्वापरीभूता साध्य-माना रूपा सार्थोऽभिधेयं यस्य स शब्दो धातुसंज्ञो भवति । पूर्वावयवयोगात्पूर्वाऽप-रावयवयोगादपरा पूर्वा चासावपरा च पूर्वापरा अपूर्वापरा पूर्वापराभूता पूर्वापरीभूता तत्र पूर्वोऽवयवोऽधिश्चयणादिरपर उदकसेकादिस्तौ तौ द्वावपि भागौ पाकक्रिया-यां स्तः । सा ह्यधिश्चयणोदकसेचनादिरूपा साध्यमाना साधनायत्तस्वरूपा क्रिया-स्ति । यथा पचति कश्चैत्रः कमोदनं कैः काष्ठैः क्व स्थाल्यां कुतः कुशूलात् कस्मै

मैत्रायेति भावना । ननु पचतीत्यादिष्वस्तु क्रियात्वं भवत्यादिषु तु सत्ताया नित्य-
 त्वेन साध्यमानत्वाभावात् तदभावे च पूर्वापरविभागाभावात् तदभावे च क्रियार्थ-
 त्वाभावे न प्राप्नोति धातुसंज्ञा । सत्यम् । आधेयभेदेन सत्तापि पूर्वापरीभूता सा-
 ध्यमाना । यथा देवदत्तसत्ता क्वचिद्गमनयुक्ता क्वचिद्भोजनयुक्ता क्वचित्पठनयुक्ता ।
 एवमनेकधा योजना कार्या । एधते । अत्ति । दीव्यति । सुनोति । तुदति ।
 रुणद्धि । तनोति । क्रीणाति । सहति । आयादिप्रत्ययान्तानामपि क्रियार्थ-
 त्वात् धातुत्वम् । गोपायति । कामयते । ऋतीयते । जुगुप्सते । कण्डूयति । पाप-
 च्यते । चोरयति । कारयति । चिकीर्षति । पुत्रकाम्यति । पुत्रीयति । अश्वति ।
 श्येनायते । हस्तयते । मुण्डयति । एवं जुस्तम्भूचुलुम्पादीनामपि । जवनः ।
 स्तम्भनाति । चुलुम्पाञ्चकार । प्रेङ्खोलयति । ननु क्रियार्थे धातौ शिश्ये इत्या-
 दिषु भावे तदर्थप्रत्ययस्यापि धातुत्वप्रसङ्गः । भावप्रत्ययो हि क्रियार्थे एवोत्पद्यते ।
 ततश्चात्सन्ध्यक्षरस्येत्यात्वप्रसङ्गः । आत्वं हि धातोर्विहितमनैमित्तिकञ्चेति । अतः प्र-
 त्ययनिषेधार्थं क्रियाविशेषकं प्रथमग्रहणं कर्तव्यं व्याख्येयश्च प्रथमं यः क्रियामाहे-
 ति । प्राथम्यश्चात्राभिधानापेक्षं ग्राह्यं तेन किं सिद्धमन्येनानभिहितां क्रियां य-
 आह स धातुः । अयमर्थः—अन्येभ्यः क्रियाभिधायिभ्यो यः प्रथममाहेति । शि-
 श्ये इत्यत्र तु शीत्यनेनाभिहितां क्रियां प्रत्यय आहेति न तस्य धातुसंज्ञा प्रवृत्तिः ।
 शब्दार्थापेक्षया प्राथम्यं घटते तत्र शब्दतश्चेत्पुत्रीयतीत्यादावपि न प्राप्नोति ।
 नात्र प्रथममुच्चार्यमाणः पुत्रशब्दः क्रियामाह । अर्थतश्चेत्पुत्रीयतीत्यादौ प्रथमा-
 आद्या क्रिया अप्रथमेनापि क्येनाभिधीयते न तु द्वितीयेति सिद्ध्यति धातुसंज्ञा ।
 ननु प्रथमग्रहणे सति चिकीर्षतीत्यत्रापि न प्राप्नोति धातुसंज्ञा । यतो-
 ऽत्रापि सन् प्रत्ययो न प्रथमं क्रियामाह, अपि तु कृ इत्यनेनाभिहितम् । नैवम् ।
 करोत्यर्थोपसर्जनामिच्छामन्येनानभिहितां सन् प्रत्यय आहेति स्यादेव धातुसंज्ञे-
 ति । अत्रोच्यते । यथाऽत्र प्रथमग्रहणे कृते शिश्ये इत्यत्र धातुसंज्ञा न भवति तथा
 स्वार्थिकायादिप्रत्ययान्तानां न प्राप्नोति गोपायति कामयते इत्यादिषु अत्रा-
 अभिहिताया एव क्रियाया आयादिभिरभिहितत्वात् । तस्मादेव व्याख्येयं

क्रियामेव प्राधान्येन योऽभिधत्ते स क्रियार्थाभिधायी साधुसंज्ञा । गोपायतीत्या-
दावपि तदस्तीति सिद्धा धातुसंज्ञा । शिश्य इत्यादौ तु भूतानद्यतनपरोक्षत्वा-
देरभिधानान्न धातुसंज्ञा । एतेन क्रियैवाभिधेया यस्य स धातुः । एवं च
कृत्वा कर्तुमित्यादिषु साध्ये भावे कृत्प्रत्ययान्तस्यापि न धातुसंज्ञा । किञ्चान्य-
दपि उत्तरमस्ति । अव्ययसंज्ञया धातुसंज्ञाया बाधितत्वात् । इकिस्तिव् स्वरूपार्थे
इति प्रत्ययान्तस्य सिद्धसाध्ययोरभेदोपचारेण सिद्धरूपत्वात् । कर्तव्यं भूयते इ-
त्यादौ तु भावे त्याद्यन्तस्य क्रियार्थत्वेऽपि न धातुत्वं साहचर्यात् । यतोऽन्ये-
षामलिङ्गसङ्ख्यानामपदसंज्ञकानां धातुसंज्ञा प्रत्ययादि । अत्र लिङ्गसङ्ख्यानां
विद्यमानत्वात् । क्रियामेव प्राधान्येन योऽभिधत्ते स धातुरिति यत्लक्षणं कृतं
तस्य शिष्टधातुपाठानुसारित्वाद् आणपयतीत्यानिवृत्तिः । ननु यद्येवं शिष्टधातु-
पाठ एवास्तु किमनेन लक्षणेनेति चेन्मैवं पाठपठितानामपि क्रियार्थानामेव धातुत्व-
ज्ञापनार्थत्वात् । अयं भावः—लक्षणात्पृथक् पठिता अपि त एव शिष्टा धातवो ये क्रि-
यार्थाः । तेन यावाप्रभृतीनां सर्वनामविकल्पाद्यर्थानां पाठाविसंवादित्वेऽपि लक्षण-
विसंवादित्वाद् आणपयतीत्यादीनां तु क्रियार्थत्वेऽपि पाठाविसंवादित्वाद्धातुत्वाभा-
वः । अन्वयव्यतिरेकाभ्याश्च धातोः क्रियार्थत्वापगमः । तथाहि—पचतीत्यादौ
धातुप्रत्ययसमुदाये संसृष्टक्रियाकालकारकाद्यनेकार्थाभिधायिनि प्रयुज्यमाने धातो-
रेव क्रियार्थत्वमवगम्यतेऽन्वयव्यतिरेकाभ्यां नेतरेषाम् । पचतीति प्रयोगे द्वयं
श्रूयते पच् इति प्रकृतिः अति—इति प्रत्ययश्च । अर्थोऽपि कश्चिद्गम्यते । विक्लि-
त्तिः कर्तृत्वमेकत्वम् । पठतीत्युक्ते कश्चित् शब्दो हीयते कश्चिदुपजायते कश्चिदन्व-
यी । पच् शब्दो हीयते पठ् शब्द उपजायते अतिशब्दोऽन्वयी । अर्थोऽपि क-
श्चिद्दीयते कश्चिदुपजायते कश्चिदन्वयी । विक्लिप्तिर्हीयते पठिरुपजायते एकत्व-
श्चान्वयी । तेन मन्यामहे यः शब्दो हीयते तस्यासावर्थो यो हीयते यश्च शब्द उप-
जायते तस्यासावर्थो य उपजायते यश्च शब्दोऽन्वयी तस्यासावर्थो योऽन्वयीति ।
ननु कृतिः करोत्यर्थः क्रिया तत्र युक्तं पचादीनां किं करोति पचति किं करोति
पठतीति करोतीत्यर्थगर्भितत्वात् क्रियात्वम् अस्ति विद्यते भवतीनां तु न युक्तम्,

नहि भवति किं करोति अस्ति भवति विद्यते चेति । तदयुक्तम् । न करोत्यर्थः क्रियाशब्दस्य प्रवृत्तिनिमित्तमपि तर्हि कारकव्यापार विशेषः । व्यापारश्च व्यापारान्तराद्भिद्यते इत्यस्त्याद्यर्थोऽपि क्रियैव । करोत्यर्थस्तु क्रियाशब्दस्य व्युत्पत्तिनिमित्तमेव । ननु पचतीत्यादिषु हि तदस्ति इति धातुत्वं यतः पचतीत्युक्ते न पठति न गच्छति न किञ्चिदन्यद्व्यापारान्तरं विधत्ते किन्तु पाकरूपविशेष एव गम्यते । अपि तु अस्त्यादीनां न प्राप्नोति क्रियात्वं सत्ताया व्यापारविशेषाभावात् यतः सर्वोऽपि धात्वर्थोऽस्त्यादिभिर्योऽपि चेत्सत्यम् अस्त्यैवैतत्तथापि पाकादेर्विशेषात्सत्ताया अपि विशेषो ज्ञायते स्वरूपेण । नहि स एव पाकः सैव सत्ता । यथानेकघटाच्छादक एकः पटस्तेष्वनुस्यूतोऽपि तेभ्यो भिद्यते । नहि स एव पटः स एव घटः । एवं प्रस्तुतेऽपि । एवं सति क्रियासामान्यवचनाः कृभ्वस्तयः क्रियाविशेषवचनास्तु पचादय इतिसिद्धम् । यथा क्रियाशब्दस्य न करोत्यर्थः प्रवृत्तिनिमित्तं किन्तु कारकव्यापारविशेषस्तथा भावशब्दे न भवत्यर्थः प्रवृत्तिनिमित्तमपि तु कारकव्यापारविशेष एवेत्यर्थः । यदाह हरिः—आख्यातशब्दे भामाभ्यां साध्यसाधनवर्तिता । प्रकल्पिता यथा शास्त्रे सद्ययादिष्वपि क्रमः ॥१॥ साध्यत्वेन क्रिया तत्र धातुरूपनिबन्धना । सत्त्वभागस्तु यस्तस्याः स घञादिनिबन्धनः ॥२॥ तथा च भावे घञ् इत्युक्तत्वा पाकः कार इत्यादयोऽप्युदाह्रियन्ते । क्रियोपपदाद्धातोस्तुमित्युक्त्वा योद्धुं धनुर्भवति द्रष्टुं चक्षुर्जातमित्याद्यपि उदाहरणं युक्तम् । यदाहुः—यत्रान्यक्रियात्पदं न श्रूयते तत्रास्तिर्भवन्तीपरः प्रथमपुरुषे प्रयुज्यते । क्रिया च द्वेधा सिद्धसाध्यत्वभेदात् । तत्र सिद्धस्वभावोपसंहृतक्रमा परितः परिच्छिन्ना सत्त्वभावमापन्ना घञादिभिरभिधीयते । यदाह—कृदभिहितो भावो द्रव्यवत्प्रकाशते इति । तुमादिभिस्तु सत्त्वभावमनापन्नेति विशेषः । साध्यमानावस्था पूर्वापरीभूतावयवा भूतभविष्यद्वर्तमानसदसदाद्यनेकावयवरूपाख्यातपदैरुच्यते । यदाह—पूर्वापरीभूतं भावमाख्यातेनाच्छे । यथा च पचतीत्यत्र पूर्वापरीभूतभावस्तद्वदेव जायते अस्ति विपरिणमते वर्धते अपक्षीयते विनश्यति भवति भवतते संयुज्यते समवैतीत्यादावपि । साध्यत्वाभिधानेन क्रमरूपाश्रयणात्

क्रियाव्यपदेशः सिद्धः । तदुत्तम-यावत्सिद्धमसिद्धं वा साध्यत्वेनाभिधीयते । आश्रितक्रमरूपत्वात् तत् क्रियेत्यभिधीयते ॥ १ ॥ सिद्धं सत्तादि असिद्धं तु कटादि । ननु एवं तर्हि सतायाः साध्यमानता कया रीत्या । उच्यते यथा एकस्मिन् स्थाने पाषाणखण्डं कस्तूरिका चास्ति ततः कस्तूरिकामाहात्म्यात्पाषाणखण्डमपि सुगन्धि भवत्येवमत्रापि कस्मिंश्चिदेकस्मिन् पिण्डे पाकक्रिया सत्ता च विद्यते पाकक्रिया च पूर्वापरीभूता ततस्तस्या माहात्म्यात्सत्तापि पूर्वापरीभूता भवतीति साध्यमानत्वम् । किं बहुनाख्यातपदेन उच्यमानः सिद्धभावोऽपि साध्य रूपतां भजति तन्माहात्म्यादित्यलं बहुना !

॥ इति धात्वर्थनिरूपणम् ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसा-
वर्भौम-तीर्थरक्षण-विद्यापीठादि प्रस्थानपञ्चकसमारा-
धक-संविग्नशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-
विजयश्रीमद्गुरुराज विजयनेमिसूरीश्वर चरणे-
न्दिरामन्दिरेन्दिरायमाणान्तिषन्मुनिला-
वण्यविरचिते धातुरत्नाकरे अनिङ्कारिका-
नुबन्धकारिकावृत्तगणफलसकर्मकत्वाक-
र्मकत्वद्विकर्मकगणनागौमुक्कर्मधा-
तूपसर्गजन्यभेदप्रकाशनषोपदेश-
धात्वर्थविशेषानुस्वारधातुत्व-
निरूपणरूपप्रकीर्णकप्रकर-
णं सम्पूर्णम् ।

॥ समर्थितश्च धातुरत्नाकरस्य प्रथमो विभागः ॥

श्रीरस्तु ।

श्रीधातुरत्नाकरस्थस्वपराभिमतधातूनामकाराद्यक्षरानुप यी
किञ्चित्संस्कृता निरनुबन्धा सूची ॥

यद्यपि वैयाकरणप्रकाण्डैर्गणो नवधा विभक्तस्तथापि लौकिक-
प्रथा तु गणा दशेति । लौकिका हि द्वितीयगणे ये धातवो न द्विर्भावं
भजन्ति ते द्वितीयगणीयाः, ये भजन्ति ते तृतीयगणीया इत्यामनन्ति ।
अत्र च लौकिकप्रथानुसारेण्यं सूची ॥

| ग० | धा० | ना० | धा-र-प० | ग० | धा० | ना० | धा-र-प० | ग० | धा० | ना० | धा-र-प० |
|----|------|-----|---------|----|--------|-----|---------|----|-------|-----|---------|
| १० | अंश् | | १०६७ | १ | अद् | | ३४६ | १ | अम्भू | | ४०० |
| १ | अंद् | | ४४२ | १० | अद् | | ९०३ | १ | अयू | | ४०८ |
| १० | अंद् | | १००७ | १ | अद् | | ११९ | | अरर | | १११५ |
| १ | अक् | | ५५६ | १ | अद् | | १३२ | १० | अर्क् | | ८९० |
| १ | अक्ष | | २९२ | १ | अद् | | १३२ | १ | अच् | | ५८ |
| १ | अग् | | ५५७ | १ | अण् | | १३६ | १० | अर्च् | | १०९३ |
| | अगद् | | ११४९ | १ | अण् | | ३५० | १ | अर्ज | | ७७ |
| १० | अयू | | १०३४ | १ | अत् | | १४६ | १० | अर्ज | | ९७ |
| १ | अद् | | ३१४ | २ | अद् | | ५७० | १० | अर्थ | | १०७४ |
| १० | अद् | | १०३२ | २ | अन् | | ५८५ | १ | अर्द् | | १५८ |
| १ | अद् | | ४७ | ४ | अन् | | ६९७ | १० | अर्द् | | ११०१ |
| १० | अद् | | १०३४ | १ | अन्त | | १४९ | १ | अर्द् | | १८६ |
| १ | अद् | | ३२८ | १ | अन्द् | | १६१ | १ | अर्द् | | २४५ |
| १ | अद् | | ७१ | १ | अन्दोल | | ११५७ | १ | अर्द् | | २८९ |
| १ | अच् | | ५८ | ७ | अन्ध | | १०५० | १० | अर्द् | | ९८९ |
| १ | अच् | | ४६३ | १ | अभ्र | | २१२ | १ | अल् | | ४९२ |
| १० | अच् | | ९६९ | १ | अम | | २०४ | १ | अव | | २५१ |
| ७ | अच् | | ८२९ | १ | अम | | २०५ | ५ | अश | | ७३० |
| १० | अच् | | ९९३ | १० | अम | | ९८० | ९ | अश | | ८७९ |
| १ | अद् | | १०३ | १ | अम्ब | | ३९४ | | | | |

| ग० | धा- ना० | धा-र प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० |
|----|---------|---------|----|---------|---------|----|---------|---------|
| १ | अष् | ५०४ | ६ | इल् | ७८० | ६ | उच्छ् | ७५१ |
| १ | अस् | ५०५ | १० | इल्ल | ९५३ | ६ | उच्छ् | ७५२ |
| २ | अस् | ५९२ | ४ | इष् | ६४१ | ६ | उल्ल | ७५७ |
| ४ | अस् | ६७० | ६ | इष् | ७८९ | १ | उद् | ११५ |
| | अस् | ११३९ | ९ | इष् | ८७९ | ७ | उन्द् | ८३१ |
| | असु | ११३३ | | इषुभ | ११४६ | ६ | उज्ज | ७५३ |
| | आ | | | | | ६ | उम् | ७७२ |
| १ | आच्छ | ६७ | २ | इं | ५७९ | ६ | उम्भ | ७७३ |
| ५ | भाप् | ७२७ | ४ | इं | ६९० | | उरस् | ११३६ |
| १० | भाप् | १११२ | १ | इंक्ष | ४५५ | | उरण | ११५१ |
| २ | आस् | ६०१ | १ | इंक्ख | ४४ | १ | उष् | २७२ |
| | इ | | १ | इंज् | ३४० | | उषम् | ११३६ |
| १ | इ | ११ | २ | इंइ | ५९८ | १ | उह् | २८८ |
| २ | इ | ५७७ | १० | इंइ | ९१९ | | ऊ | |
| २ | इ | ५७८ | २ | इंम् | ५९९ | १० | ऊन् | १०५२ |
| २ | इ | ५९३ | १० | इंम् | १११४ | १ | ऊय् | ४१२ |
| १ | इख् | ४३ | १ | इंङ्ग | २०९ | १० | ऊर्ज् | ८९२ |
| १ | इक्ख | ४३ | १ | इंङ्ग | २०९ | २ | ऊर्ण | ६०५ |
| १ | इङ्ग | ४२ | २ | इंश् | ५९९ | १ | ऊर्द | ३७७ |
| १ | इज्ज | ३४० | १ | इंष् | २५९ | १ | ऊव् | २४१ |
| १ | इद् | १०४ | १ | इंष् | ४२९ | १ | ऊष् | २५९ |
| १ | इन्द् | १६१ | १ | इंह् | ४४२ | १ | ऊह् | ४४८ |
| ७ | इन्ध् | ८३४ | | उ | | | ऊ | |
| १ | इन् | २५१ | १ | उ | ३०३ | १ | ऊ | १८ |
| | इमस् | ११३८ | १ | उस् | २९० | ३ | ऊ | ६१५ |
| | इयस् | ११३८ | १ | उख् | ३७ | ६ | ऊच् | ७४९ |
| | इरध् | ११४६ | १ | उङ्ग | ५० | ६ | ऊच्छ | ८५० |
| | इरम् | ११३७ | ४ | उच् | ५४५ | १ | ऊज् | ३४१ |

(११८६)

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते

| ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० |
|----|---------|---------|----|---------|---------|----|---------|---------|
| १ | कञ्ज | ३४१ | १ | कख | ५५६ | १ | कघ | ४०७ |
| ८ | कण | ८३९ | | कग | ११२८ | १ | कम्प | ३९० |
| १ | कत् | १५० | १ | कङ्क | ३२० | १ | कर्ज | ७८ |
| १ | कतीय | १५० | १ | कच् | ३३३ | १० | कर्ण | १०४४ |
| ४ | कध | ६५० | १ | कञ्च | ३३४ | १ | कर्द् | १६० |
| ५ | कध | ७२६ | १ | कद् | ९३ | १ | कर्ब | १८६ |
| ६ | कफ | ७६८ | १ | कद् | १०५ | १ | कर्ब | २३७ |
| ६ | कफ | ७६९ | १ | कद् | १०६ | १ | कल | ४१९ |
| ६ | कम्फ | ७७० | १ | कद् | ११४ | १० | कल | ९५१ |
| ६ | कम् | ७८९ | ६ | कङ् | ७५८ | १ | कल | १०६४ |
| | क | | १ | कङ् | १३४ | १ | कवल | ४२० |
| ९ | क | ८६९ | १ | कण | १४१ | १ | कश | २५२ |
| | ए | | १ | कण | ५६३ | २ | कश | ६०२ |
| १ | एज | ८० | १० | कण | ९७५ | १ | कष | २६० |
| १ | एज् | १३८ | १ | कण् | १०६ | १ | कस् | ५३७ |
| १ | एद् | ३४७ | १ | कण् | ३४८ | २ | कस् | ६०२ |
| १ | पध | ३८१ | १० | कण् | १०९७ | १ | काङ्क्ष | २९८ |
| | पला | ११४३ | १ | कण् | १३४ | १ | कामय | ४०७ |
| १ | पष | ४३१ | १ | कण् | ३५३ | १० | काल | १०६६ |
| | ओ | | १० | कण् | ९१६ | १ | काश | ४२७ |
| १ | आख | ३३ | | कण्डु | ११२९ | ४ | काश | ७०४ |
| १ | ओण | ९४३ | १ | कथ | ३७० | १ | कास् | ४३५ |
| १० | ओलण्ड | ९१३ | १० | कत्र | १०६० | ३ | कि | ६२४ |
| | क | | १० | कथ | १०४८ | १ | किद् | ९५ |
| २ | कंस् | ६०१ | १ | कन् | १७२ | १ | किद् | १०५ |
| १० | कंस् | १००५ | १ | कन् | १६४ | १ | कित् | १४९ |
| १ | कक् | ३१८ | १ | कन् | ५५१ | ३ | कित् | ६२५ |
| १ | कक्ख | ३७ | १ | कव | ३९५ | ६ | किल | ७८० |

| ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० |
|----|---------|---------|----|---------|---------|----|---------|---------|
| १० | किल् | ९५२ | ९ | कुन्थ | ८७४ | १ | कृप् | ५२३ |
| १० | किष्क | १०१६ | १० | कुन्द् | ९४५ | १० | कृप् | ९७९ |
| १० | कीट् | ९०८ | ४ | कृप् | ६५४ | १० | कृप् | १०५३ |
| १ | कील | २१९ | १० | कृप् | १००२ | ४ | कृष् | ६६२ |
| १ | कु | ३०४ | १० | कुमार | १०६४ | १ | कृष् | २५० |
| २ | कु | ५८४ | १ | कुम्ब | १९२ | ६ | कृष् | ७३५ |
| ६ | कु | ८११ | १० | कुम्ब | ९४२ | ६ | कृष् | ७४६ |
| १० | कुंश् | १००३ | ६ | कृ | ७७५ | ९ | कृष् | ८५९ |
| १० | कुंस् | १००५ | १ | कुल | ५३५ | ९ | कृष् | ८६४ |
| १ | कुक् | ३१८ | ४ | कुश | ६६० | १० | कृत् | ९२६ |
| १ | कुच् | ५६ | ९ | कुष | ८८२ | १० | केत | १०४७ |
| १ | कुच् | ५२५ | | कुषुप् | ११४८ | १ | केप् | ३८९ |
| ६ | कुच् | ५२५ | ४ | कुस् | ६६९ | १ | केल् | २३० |
| १ | कुज | ७६ | १० | कुस्म | १०२६ | | केला | ११४४ |
| १ | कुञ्च | ५७ | १० | कुह | १०७८ | १ | केव | ४२२ |
| ६ | कुद् | ७९३ | ६ | कृ | ८११ | १ | के | २४ |
| १० | कुद् | १०११ | १ | कृज | ८१ | १ | कनथ | ५६५ |
| १० | कुद् | ९०० | १० | कुद् | १०१८ | ४ | कनस् | ६४२ |
| ६ | कुह | ८०२ | १० | कुह | १०३८ | ९ | कनु | ८५१ |
| ६ | कुण | ७६२ | १० | कुण | १०१९ | १ | कनूय | ४१३ |
| १० | कुण | १०४६ | १ | कुर्द् | ३७७ | १ | कमर् | २११ |
| १ | कुण्द् | १०६ | १ | कुल | २२० | १ | कथ | ५६६ |
| १ | कुण्द् | ११८ | १ | कृ | ४६१ | १० | कथ | १०९९ |
| १ | कुण्द् | ३५४ | ५ | कृ | ७१९ | १ | क्रन्द् | १६५ |
| १० | कुण्द् | ९१६ | ६ | कृइ | ८०१ | १ | क्रन्द् | ५५१ |
| १० | कुत्स | १०१५ | ६ | कृत् | ७४१ | १० | क्रन्द् | ९७७ |
| ४ | कृथ | ६१३ | ७ | कृत् | ८३० | १ | क्रप् | ५५२ |
| १ | कृन्थ | १५१ | ५ | कृन्व | ७२८ | | | |

(११८८)

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते

| ग० | धा-ना० | धा-र-प० | ग० | धा-ना० | धा-र-प० | ग० | धा-ना० | धा-र-प० |
|----|--------|---------|----|---------|---------|----|---------|---------|
| १ | क्रम | २०१ | ४ | क्षम | ६७८ | ४ | क्षिवद् | ६४८ |
| ९ | क्री | ८४४ | १० | क्षम्पु | ९३५ | | ख | |
| १ | क्रीड | १२७ | १ | क्षा | ५३० | १ | खज | ७९ |
| १ | कुञ्च | ५६ | १० | क्षल | ९४७ | १ | खज्ज | ७९ |
| ४ | क्रुय | ६४९ | १ | क्षि | १० | १ | खद् | ९९ |
| १ | क्रुश | ५३७ | ६ | क्षि | ७४४ | १० | खद् | ९०६ |
| १ | कलथ | ५६६ | ९ | क्षि | ८७० | १० | खद् | ९१५ |
| १ | कलन्द | १६५ | ८ | क्षिण् | ८३८ | १ | खण्ड | ३५३ |
| १ | कलन्द | ५५२ | ४ | क्षिप् | ६३६ | १० | खण्ड | ९१५ |
| ४ | कलम् | ६७९ | ६ | क्षिप् | ७३३ | १ | खव | १५५ |
| | कलव | ११२५ | १ | क्षिव | ३३९ | १ | खन् | ४८६ |
| ४ | विलद् | ६४७ | ४ | क्षिव | ६४० | १ | खज्ज | ७८ |
| १ | विजन्द | १६६ | | क्षी | ११२५ | १ | खद् | १६० |
| १ | विजन्द | ३७३ | १ | क्षीज | ८१ | १ | खर्व | १८७ |
| ४ | विलश | ७०३ | १ | क्षीव | ३९६ | १ | खर्व | २३७ |
| ९ | विलश | ८७८ | २ | क्षु | ५८३ | १ | खल | २३२ |
| १ | क्लोव | ३९६ | ७ | क्षुद् | ८५३ | ९ | खव | ८७८ |
| १ | क्लेश | ४२८ | ४ | क्षुध | ६४८ | १ | खाद् | १५४ |
| १ | क्वण | १४१ | १ | क्षुध | ५१७ | १ | खि | ९५ |
| १ | क्वथ | ५२६ | ४ | क्षुध | ६५८ | ४ | खिव | ६९४ |
| १ | क्वेल | २३० | ९ | क्षुध | ८७६ | ६ | खिव | ७४२ |
| | क्ष | | ६ | क्षुर | ७७६ | ७ | खिव | |
| १ | क्षज्ज | ५४८ | १ | क्षै | २७ | १ | खुज | ७६ |
| १० | क्षज्ज | ८९३ | २ | क्षण | ५८२ | १ | खण्ड | ३५४ |
| ८ | क्षण | ८३७ | १ | क्षमाय | ४१४ | ६ | खुर | ७७६ |
| १० | क्षप् | १०५४ | १ | क्षमील | २१७ | १० | खेद् | १०३९ |
| १ | क्षम् | ४०६ | १ | क्षिमीव | १५७ | १ | खेल | २३१ |
| | | | १ | क्षिवद् | ५१५ | १ | खेला | ११४५ |
| | | | | | | १ | खेव | ४२३ |

| न० | धा- | ना० | धा-र-प० | न० | धा- | ना० | धा-र-प० | न० | धा- | ना० | धा-र-प० |
|----|--------|-----|---------|----|--------|-----|---------|----|---------|-----|---------|
| १ | खै | | २६ | १० | गवेष | | १०६८ | १ | गुदू | | ३७८ |
| १० | खोद् | | १०४० | १ | गा | | ३०२ | १० | गुदू | | ९३० |
| १ | खोइ | | १३१ | ३ | गा | | ६२७ | १ | गुर्व | | २४७ |
| १ | खोर् | | २१४ | १० | गात्र | | १०६० | १ | गृ | | १५ |
| १ | ख्या | | ५७६ | १ | गाघ | | ३८२ | १ | गृज् | | ८८ |
| | ग | | | १ | गाह | | ४४९ | १ | गृज्ज | | ८९ |
| १ | गभू | | ५३ | १ | गु | | ३०४ | ४ | गृध् | | ६५१ |
| १ | गज् | | ९४ | ६ | गु | | ७९३ | १० | गृह् | | १०७८ |
| १० | गज् | | ८९४ | १ | गुज् | | ८२ | ६ | गृह् | | ७४६ |
| १ | गज्ज | | ८८ | ६ | गुज् | | ७९६ | ९ | गृह् | | ८६८ |
| १ | गइ | | ५६१ | १ | गुज्ज | | ८२ | १० | गृह् | | १०१० |
| १० | गण् | | १०४५ | ६ | गुइ | | ८०२ | १ | गेप् | | ३९५ |
| १ | गण्ड | | १२२ | १० | गुण | | १०४६ | १ | गेव् | | ४२३ |
| १ | गद् | | १५६ | १० | गुण्ड | | ९१७ | १ | गेष् | | ४२५ |
| १० | गद् | | १०५० | १० | गुण्ड | | ९१२ | १ | गे | | २४ |
| | गद्गद् | | ११५० | १ | गुद् | | ३७८ | | गोधां | | ११४५ |
| १० | गन्ध् | | १०२२ | ४ | गुध् | | ६३४ | १ | गोपाय् | | १७३ |
| १ | गम् | | २०६ | ९ | गुध् | | ८७५ | १० | गोम् | | १०५५ |
| १ | गर्ज् | | ८७ | १ | गुप् | | १७३ | १ | गोषद् | | ३४५ |
| १० | गर्द | | ९३१ | १० | गुप् | | १००१ | १ | ग्रन्थ् | | ३७० |
| १० | गर्ध् | | ९३२ | १ | गुप् | | ३९३ | ९ | ग्रन्थ् | | ८७४ |
| १ | गर्व् | | १८७ | ४ | गुप् | | ६५४ | १० | ग्रन्थ् | | १०९९ |
| १ | गर्व् | | २३८ | ६ | गुफ् | | ७७१ | १ | ग्रस् | | ४४० |
| १० | गर्व् | | १०७७ | ६ | गुम्फ् | | ७७२ | १० | ग्रस् | | ९८८ |
| १ | गर्ह | | ४४३ | ६ | गुर | | ८१२ | ९ | ग्रह | | ८५४ |
| १० | गर्ह | | ११२० | १ | गुह | | ५०८ | १ | गुच् | | ६४ |
| १ | गल् | | २३३ | ४ | गूर् | | ७०० | १ | ग्लस् | | ४४१ |
| १ | गल्भ | | ३३९ | १० | गुदै | | १०२७ | | | | |
| १ | गल्ह | | ४४४ | | | | | | | | |

(११९०)

॥ मुनिश्रीलक्षणविजयविरचिते

| ग० | धा-ना० | धा-र-प० | ग० | धा-ना० | धा-र-प० | ग० | धा-ना० | धा-र-प० |
|----|--------|---------|----|--------|---------|----|---------|---------|
| १ | गलह | ४५० | ६ | घूर्ण | ७६३ | १ | चम | १९८ |
| १ | गलु | ६३ | १ | घृ | १५ | १ | चय | ४१० |
| १ | गलुञ्च | ६३ | १ | घृ | ६२२ | १ | चर | २१३ |
| १ | गलेप् | ३९१ | १० | घृ | ८८६ | १० | चर | ९८१ |
| १ | गलेञ्च | ४२४ | ८ | घृण | ८४१ | १० | चर्च | ९६९ |
| १ | गले | २१ | १ | घृण्ण | ३६३ | १ | चर्च | १८८ |
| | घ | | १ | घृष | २७४ | १ | चर्च | २३४ |
| १ | घस | ४४१ | १ | घा | ७ | १ | चल | ५३० |
| १ | घद | ५४८ | | ङ | | १ | चल | ५६८ |
| १० | घह | ९७२ | १ | ङु | ३०५ | ६ | चल | ७८३ |
| १० | घह | ९९८ | | ब | | १० | चल | ९५४ |
| १ | घह | ६४३ | १ | चक् | ३१९ | १ | चष | २६६ |
| १० | घह | ९०५ | १ | चक् | ५५५ | १ | चष | ५०१ |
| १० | घण्ड | ९९८ | २ | चकासु | ५८८ | १ | चह | २८४ |
| १ | घसु | २७९ | १० | चक्क | ८८८ | १० | चह | १०७० |
| १ | घिण्ण | ३६२ | २ | चक्ष | ६०३ | १ | चाय | ४९० |
| १ | घु | ३०५ | १ | चञ्च | ५९ | ५ | चि | ७१५ |
| १ | घुंष | ४३४ | १० | चद् | ९७१ | १ | चिकित्स | १५० |
| १ | घुद् | ५१२ | १ | चण | १४२ | १ | चिद् | १०२ |
| ६ | घुद् | ७९७ | १ | चण | ५६३ | १ | चित् | १४५ |
| १ | घुण | ३६३ | १ | चण्ड | ३५८ | १० | चित् | १०२१ |
| ६ | घुण | ७६३ | १० | चण्ड | ९२० | १० | चिन्त | ९२४ |
| १ | घुण्ण | ३६२ | १ | चत् | ४७२ | १० | चित्र | १०६१ |
| ६ | घुर | ७७७ | १ | चद् | ४७६ | ६ | चिल् | ७८३ |
| १ | घुष | २५५ | १ | चन् | १७० | १ | चिल्ल | २२३ |
| १० | घुष | ९८४ | १ | चन् | ५६७ | १० | चीक् | १०८८ |
| ४ | घूर | ६९९ | १ | चन्द | १६३ | १ | चीव् | ४९४ |
| १ | घूर्ण | ३६४ | १ | चप् | १७७ | १० | चीव् | १००२ |

| ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० |
|----|---------|---------|----|---------|---------|----|---------|---------|
| १० | चुक् | ८८९ | १ | च्युत् | १४६ | १ | जप् | १७७ |
| १ | चुच्य् | २१० | | छ | | १ | जभ् | १९८ |
| १ | चुद | १०७ | १ | छद् | ५६७ | १ | जभ् | ४०३ |
| ६ | चुद | ७९७ | १० | छद् | ९२९ | १ | जम् | १९९ |
| १० | चुद् | ८९८ | १० | छद् | ११०४ | १ | जम्भ् | ४०३ |
| १० | चुद् | ९०१ | १ | छम | १९९ | १ | जम्भ् | ९८० |
| १ | चुद्द | १३५ | १० | छम्प | ९३४ | ६ | जच्व् | ७४८ |
| ६ | चुण् | ८०८ | १० | छर्द् | ९३१ | ६ | जज्व् | ७५६ |
| १ | चुण्द् | १०८ | १ | छष् | ५०२ | १ | जल् | ५३१ |
| १० | चुण्द् | ८९९ | ७ | छिद् | ८२२ | १० | जल् | ९४७ |
| १० | चुण्द् | ९१७ | १० | छिद् | १०६१ | १ | जल्प् | ५७६ |
| १ | चुत् | १४७ | ६ | छुद् | ७९८ | १ | जष् | २६२ |
| १० | चुद् | ९२९ | १० | छुद् | ८९९ | ४ | जस् | ६७२ |
| १ | चुप् | *१७९ | १० | छुण्द् | ९०० | १० | जस् | ९६० |
| १ | चुम् | १९४ | ६ | छुप् | ७६७ | १० | जस् | ९८६ |
| १० | चुर | ८८४ | ६ | छुर | ८०९ | २ | जाण् | ५८७ |
| | चुरण् | ११५३ | ७ | छृद् | ८२४ | १ | जि | १० |
| १ | चुल्ल | २२३ | १० | छृद् | ११०६ | १ | जिन्व् | २५० |
| | चुलुम्प | ११५७ | १० | छेद् | १०४९ | १ | जिम | २०० |
| १० | चूण् | ९२२ | ४ | छो | ६३१ | १ | जिष् | २६८ |
| ४ | चूर् | ७०२ | | ज | | १ | जीव् | २३९ |
| १० | चूर्ण | ९२१ | १० | जंस् | ९५८ | १ | जु | ३०७ |
| १ | चूष् | २५६ | २ | जक्ष् | ५८६ | | जु | ११३० |
| ६ | चृत् | ७६४ | १ | जज्ञ् | ८५ | १ | जुगुप्स | ३९३ |
| १ | चेल् | २२९ | १ | जञ्ज् | ८६ | १ | जुङ्ग | ५२ |
| १ | चेष्ट | ३४४ | १ | जह् | ९७ | ६ | जुङ् | ७५७ |
| १ | च्यु | ३०६ | ३ | जन् | ६२७ | ६ | जुङ् | ८०३ |
| १० | च्यु | ९६५ | ४ | जन् | ६९७ | १० | जुङ् | ९२० |

(११९२)

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते

| ग० धा- ना० धा-र-प० | ग० धा- ना० धा-र-प० | ग० धा- ना० धा-र-प० |
|--------------------|--------------------|--------------------|
| १ जुत् १४८ | १ झप् २६२ | १ तंस् २७६ |
| १ जुत् ३६६ | १ झप् ४९६ | १० तंस् ९८६ |
| ६ जुन् ७६६ | ४ झ ६२९ | १ तक् ३१ |
| ६ जुप् ८१६ | ८ | १ तक्ष २९३ |
| १० जुप् १११८ | १० टक्क ८८९ | १ तक्क ३१ |
| ४ जूर ७०१ | १ टल् ५३१ | १ तक्की ४६ |
| १ जूर्व २४४ | १ टिल् ३२५ | १ तक्च ६० |
| १ जूष् २६७ | १ टीक् ३२५ | ७ तक्च ८२७ |
| १ जूम्भ ४०४ | १ ट्वल् ५३२ | ७ तक्ज् ८२७ |
| ४ ज् ६२९ | ८ | १ तद् ९९ |
| १ ज् ८६७ | १० डप् १०२२ | १० तद् ९१४ |
| १० ज् १०८७ | १० डम्प ९३७ | १० तण्ड ३५२ |
| १ जेष् ४३० | १० डम्प १०२३ | ८ तन् ८३५ |
| १ जेह् ४४७ | १० डम्ब ९३९ | १० तन् ११०८ |
| १ ज २७ | १० डम्भ १०१४ | १० तन्त्र १०२७ |
| १ झा ८७० | ४ डिप् ६५६ | १० तप् १७४ |
| १० झा ९६४ | ६ डिप् ८०९ | ४ तप् ६९८ |
| १ ज्या ८६१ | १० डिप् ९३६ | १० तप् १११० |
| १ ज्यु ३०६ | १० डिप् १०२३ | तप्सु ११५४ |
| १ जि १० | १० डिम्प ९३७ | ४ तम् ६७६ |
| १ ज्वर ५६८ | १० डिम्प १०२४ | तम्पस ११५५ |
| १ ज्वल् ५२४ | १० डिम्ब ९३९ | १ तप् ४११ |
| १ ज्वल् ५६९ | १० डिम्भ १०२५ | तरण ११५० |
| १ ४ | १ डी ३०३ | १० तर्क् ९९१ |
| १ झद् ९७ | ४ डी ६८९ | १ तर्ज् ८४ |
| १ झम् २०० | ८ | १० तर्ज् १०१७ |
| ६ झर् ७४८ | १ डौक् ३२२ | १ तर् १५९ |
| ६ झर् ७५६ | ८ त | १ तर् १८८ |

| ग० | धा० | ना० | धा-र-प० | ग० | धा० | ना० | धा-र-प० | ग० | धा० | ना० | धा-र-प० |
|----|-------|-----|---------|----|--------|-----|---------|----|-------|-----|---------|
| १० | तलू | | ९४९ | १ | तुण्ड | | ३५७ | ७ | तृष | | ८२५ |
| ४ | तसू | | ६७२ | ६ | तुदू | | ७३१ | ४ | तृपू | | ६५२ |
| १ | तायू | | ४१५ | १ | तुपू | | १७९ | ५ | तृपू | | ७२७ |
| १ | तिक् | | ३२५ | १ | तुफू | | १८२ | १० | तृपू | | ११११ |
| ५ | तिक् | | ७२४ | १ | तुभू | | ५१८ | ६ | तृफू | | ७६८ |
| ५ | तिग् | | ७२४ | ४ | तुभू | | ६५९ | ६ | तृफू | | ७१९ |
| १ | तिज् | | ३४३ | ९ | तुभू | | ८७७ | ४ | तृषू | | ६६५ |
| १० | तिज् | | ८९५ | १ | तृम्पू | | १८० | ६ | तृहू | | ७९१ |
| १ | तिप् | | ३८७ | १ | तृम्फू | | १८३ | ७ | तृहू | | ८३३ |
| ४ | तिम् | | ६३७ | १ | तृम्बू | | १९३ | १० | तृहू | | ९७४ |
| | तिरसू | | ११३७ | १० | तृम्बू | | ९४३ | १ | तृ | | १९ |
| १ | तिलू | | २२७ | ३ | तुर | | ६२५ | १ | तैपू | | ३८८ |
| ६ | तिलू | | ७८२ | | तुरणू | | ११५२ | १ | तैवू | | ४२० |
| १० | तिलू | | ९४६ | १० | तुलू | | ९४९ | १ | तौडू | | १२९ |
| १ | तिखू | | २२७ | ४ | तुषू | | ६६५ | १ | तौडू | | १२७ |
| ४ | तीम् | | ६३७ | १ | तुसू | | २७७ | १ | त्यज् | | ९२ |
| १० | तीर् | | १०५९ | १ | तुडू | | २८८ | १० | अंसू | | १००४ |
| १ | तीवू | | २४१ | १ | तुडू | | १२८ | १ | अलूकू | | ३२१ |
| २ | तु | | ५८० | १० | तृणू | | ९२२ | १ | अलू | | १६४ |
| १ | तृज् | | ८६ | १० | तृणू | | १०२० | १ | अणू | | ३९६ |
| १ | तृज्ज | | ८७ | १० | तृणू | | १०४५ | ४ | असू | | ६४२ |
| १० | तृज्ज | | ८९२ | ४ | तूरू | | ७०२ | १० | असू | | ९८७ |
| १० | तृज्ज | | ९९४ | १ | तूरू | | २४२ | ६ | तृदू | | ७९८ |
| ६ | तृदू | | ७९९ | १ | तृलू | | २२३ | १० | तृदू | | १०१८ |
| १० | तृदू | | ८९८ | १ | तृषू | | २५६ | ६ | तृदू | | ८०६ |
| १ | तृदू | | १२८ | ६ | तृहू | | ७९१ | १ | तृपू | | १८१ |
| ६ | तृदू | | ८०३ | १ | तृसू | | २९५ | १ | तृफू | | १८३ |
| ६ | तृणू | | ७६० | ८ | तृणू | | ८४० | | | | |

(११९४)

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते

| ग० | धा | ना० | धा-र प० | ग० | धा | ना० | धा-र प० | ग० | धा | ना० | धा-र प० |
|----|-----------|-----|---------|----|---------|-----|---------|----|-------|-----|---------|
| १ | हुम्प | | २८१ | ४ | दप | | ६७३ | ५ | हु | | ७२२ |
| १ | हुम्फ | | १८४ | ५ | दम्भ | | ७२८ | १० | दुःख | | १०३२ |
| १ | भै | | ३११ | २० | दम्भ | | ९४० | | दुःख | | ११४९ |
| १ | ग्रीक | | ३२३ | १ | दय | | ४१२ | ६ | दुइ | | ८०७ |
| १ | त्वक्ष | | २९४ | २ | दरिद्रा | | ५८७ | | दुरज | | ११४१ |
| १ | त्वक्ष | | २९७ | १ | दल | | २१५ | १० | दुल | | ९५० |
| १ | त्वक्षगुं | | ५१ | १० | दल | | ९८२ | | दुवसु | | ११४० |
| ६ | त्वचू | | ७४९ | ४ | दसू | | ६७३ | ४ | दुष | | ६६३ |
| १ | त्वञ्च | | ६० | १ | दइ | | २८३ | १ | दुइ | | २८९ |
| १ | त्वरू | | ५५३ | १ | दा | | ९ | २ | दुइ | | ६०९ |
| १ | त्विषू | | ५०३ | २ | दा | | ५७५ | ४ | दू | | ६८६ |
| १ | त्सरू | | २११ | ३ | दा | | ६१६ | १ | दूर्व | | २४३ |
| | य | | | १ | दाघू | | ३३१ | १ | दुंइ | | २८६ |
| ६ | थुइ | | ८०४ | १ | दान | | ४८७ | ६ | दइ | | ८१३ |
| १ | थुई | | २४३ | १ | दाशू | | ४९५ | ४ | दूप | | ६५३ |
| | द | | | १ | दासू | | ५०६ | ६ | दफू | | ७७० |
| १ | दंश | | २५५ | १ | दिन्वू | | २५० | ६ | दभू | | ७७४ |
| १० | दंश | | १००३ | १० | दिम्भू | | ९४१ | १० | दभू | | १११३ |
| १० | दंश | | १०२९ | ४ | दिबू | | ६२८ | ६ | दम्फू | | ७७१ |
| १० | दंस | | १००५ | १० | दिबू | | ९८२ | १ | दश | | २५४ |
| १० | दंस | | १०३० | १० | दिबू | | १०१४ | १ | | | २८६ |
| १ | दक्ष | | ४५२ | ६ | दिशू | | ७३४ | १ | दू | | ५५४ |
| १ | दक्ष | | ५५४ | २ | दिइ | | ६१० | ९ | दू | | ८६७ |
| १ | दक्षयू | | ५४ | ४ | दी | | ६८६ | १ | दे | | ३११ |
| १० | दण्ड | | १०४२ | १ | दीक्ष | | ४५५ | १ | देव | | ४२१ |
| १ | दणू | | ३७४ | १ | दीदांस | | ४८७ | १ | दे | | २० |
| १ | दणू | | ३८३ | ४ | दीपू | | ६९८ | १ | दी | | ६३१ |
| १० | दभू | | ९४० | १ | दु | | ११ | २ | दु | | ५७९ |

॥ धातुरत्नाकरे धातुसूची

(११९५)

| ग० | धा- | ना० | धा-र-प० | ग० | धा- | ना० | धा-र-प० | ग० | धा- | ना० | धा-र-प० |
|----|----------|-----|---------|----|--------|-----|---------|----|-----------|-----|---------|
| १ | द्युत | | ५११ | ३ | धिष् | | ६२६ | १ | धाख | | ३५ |
| १ | द्ये | | २२ | ४ | धी | | ६८७ | १ | धाङ्क्ष | | ३०० |
| १ | द्रम् | | २०५ | १ | धुक्ष | | ४५२ | १ | धाङ् | | ३५९ |
| २ | द्रा | | ५७३ | ५ | धू | | ७१६ | १ | ध्रु | | १३ |
| १ | द्राख | | ३५ | ६ | धू | | ७९५ | ६ | ध्रु | | ७९४ |
| १ | द्रङ्क्ष | | ३०० | ९ | धू | | ८५७ | १ | ध्रक् | | ३१६ |
| १ | द्राघ् | | ३३१ | १० | धू | | १०८४ | १ | ध्रै | | २३ |
| १ | द्राङ् | | ३५८ | १ | धृप् | | १७४ | १ | ध्वम् | | ५२० |
| १ | द्राह् | | ४४८ | १० | धृप् | | १००१ | १ | ध्वज् | | ७२ |
| १ | द्रु | | १२ | ५ | धृपाय् | | १७४ | १ | ध्वज्ज | | ७३ |
| ६ | द्रण् | | ७६१ | ४ | धृ | | ७०१ | १ | ध्वण | | १४० |
| ४ | द्रुह् | | ६८० | १ | धृव् | | २४४ | १ | ध्वन् | | १७० |
| ९ | द्रू | | ८५३ | १० | धृश् | | ९५५ | १ | ध्वन् | | ५६७ |
| १ | द्रू | | ३१६ | १ | धृ | | ३१० | १० | ध्वन् | | १०५० |
| १ | द्रै | | २३ | १ | धृ | | ४६० | १ | ध्वाङ्क्ष | | ३०१ |
| २ | द्रिष् | | ६०८ | ६ | धृ | | ८१३ | १ | ध्व | | १७ |
| १ | द्रुह् | | १६ | १ | धृज् | | ७१ | | | | |
| | | | | १ | धृज्ज | | ७१ | | | | |
| | | | | ५ | धृष् | | ७२९ | १० | नक् | | ८८७ |
| १० | धक्क | | ८८८ | १० | धृष् | | १११७ | १ | नक्ष | | २९६ |
| १ | धण् | | १०४ | १ | धै | | १९ | ५ | नख | | ३८ |
| १ | धन् | | १६९ | १ | धोर | | २१४ | १ | नख | | ३८ |
| १ | धन् | | ६२६ | १ | धमा | | ८ | १ | नद् | | १०० |
| १ | धन् | | २३६ | १ | ध्वै | | २० | १ | नद् | | ५६० |
| १ | धा | | ६१७ | १ | ध्रज् | | ७३ | १ | नद् | | ८९७ |
| १ | धाच् | | ४९३ | १ | ध्रज्ज | | ७३ | १ | नद् | | १५७ |
| ६ | धि | | ७४४ | १ | ध्रण | | १४१ | १ | नद् | | १००० |
| १ | धिस | | ४५३ | ९ | ध्रस् | | ८८३ | १० | नद् | | १६३ |
| ५ | धिन् | | ७२९ | १० | ध्रस् | | ९८८ | १ | नद् | | १६३ |

(११२६)

॥ मुनिश्रीलाघण्यविजयविरचिते

| ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० |
|----|---------|---------|----|---------|---------|----|---------|---------|
| १ | नभू | ५१७ | १० | निष्क | १०१७ | १० | पद् | १०७४ |
| ४ | नभू | ६५८ | १ | नी | ४५७ | १ | पन् | ३८५ |
| ९ | नभू | ८७७ | १ | नील | २८१ | १ | पनाय | ३८५ |
| १ | नभू | २०३ | १ | नीव | २४१ | १० | पन्थ | ९२७ |
| १ | नयू | ४१९ | २ | नु | ५८१ | १ | पय | ४०९ |
| १ | नयू | ४१२ | ६ | नुव | ७६४ | | पयस् | ११३९ |
| १ | नई | १५८ | ६ | व | ७९४ | १० | पर्ण | १०४४ |
| १ | नई | १५९ | ४ | वृत् | ६३३ | १ | पई | ३८० |
| १ | नई | १८९ | १ | वृत् | ५५४ | १ | पई | १८९ |
| १ | नल | ५३३ | १ | वृत् | ८६८ | १ | पई | २३५ |
| ४ | नश | ६५९ | १ | नेव | ४७९ | १ | पई | ४३३ |
| १ | नस् | ४३९ | १ | नेव | ४३१ | १ | पल | ५३५ |
| ४ | नह | ७१० | | | | १० | पल | ९५३ |
| १ | नाथ | ३६८ | १० | पंस | ९५७ | १ | पल्ल | २२८ |
| १ | नाथ | ३६९ | १० | पक्ष | ९६२ | १० | पल्लुल | १०६६ |
| १ | नाथ | ३८५ | १ | पत्र | ४६५ | १ | पत्र | ४२७ |
| १ | नास् | ४३८ | ११ | पञ्च | ३३७ | १० | पश | ९८३ |
| २ | निस् | ६०३ | १० | पञ्च | ८९१ | १ | पश | ४९९ |
| १ | निक्ष | २९५ | १ | पद् | १०४ | १० | पश | ९८३ |
| ३ | निज | ६१९ | १० | पद् | ९९६ | १० | पश | १०६७ |
| २ | निज्ज | ५९७ | १० | पद् | १०३८ | १ | पा | ७ |
| १ | निव | ४७८ | १ | पद् | ११२ | २ | पा | ५७४ |
| १ | निव्व | १६२ | १ | पण | ३६४ | १० | पार | १०५९ |
| १ | निव्व | २४८ | १ | पण्ड | ३५० | १० | पिस् | १००४ |
| १० | निरथ | ९७५ | १ | पत् | ५२५ | ६ | पि | ७४३ |
| ६ | निल | ७८५ | १० | पत् | १०४७ | १० | पिच्च | ८९० |
| १० | निवास | १०७० | १ | पथ | ५२५ | २ | पिज्ज | ५९६ |
| १ | तिश | २५४ | ४ | पद् | ६९३ | १० | पिज्ज | ८९३ |
| १ | निष | २७० | | | | | | |

॥ धातुरत्नाकरे धातुसूची

(११९७)

| ग० धा० ना० | धा० र० प० | ग० धा० ना० | धा० र० प० | ग० धा० ना० | धा० र० प० |
|------------|-----------|------------|-----------|------------|-----------|
| १० पिञ्ज् | ९९४ | १ पुल | ५३४ | ६ पृड् | ७५९ |
| १ पिद् | ९८ | १० पुल | ९४८ | ६ पृण् | ७५८ |
| १ पिह् | ११६ | १ पुष् | २७५ | १० पृथ् | ९२८ |
| १ पिण्ड् | ३८१ | ४ पुष् | ६४५ | १ पृष् | २७० |
| १० पिण्ड् | ९१९ | ९ पुष् | ८८२ | ३ पुष् | ६१४ |
| १ पिन्व् | २४८ | १० पुष् | ९८४ | ९ पुष् | ८६५ |
| १० पिल् | ९५२ | ४ पुष्प | ६३६ | १ पेल | २२४ |
| ६ पिश | ७४२ | ४ पुस् | ६६८ | १ पेय् | ४२४ |
| ७ पिष् | ८३२ | १० पुस्त | ९२४ | १ पेस् | २८१ |
| १ पिस् | २८० | १ पू | ३०९ | १ पै | २९ |
| १० पिस् | ९५९ | ९ पू | ८५५ | १ पैण् | १४५ |
| ४ पी | ६९० | १० पूज् | ८९४ | १ प्याय | ४१५ |
| १० पीड् | ९१४ | ६० पूण् | ९२३ | ४ प्युष् | ६६७ |
| १ पील | २१८ | १ पूय् | ४१३ | १० प्युष् | ९५७ |
| १ पीव् | २४० | ४ पूर | ६९९ | ४ प्युस् | ६४३ |
| १० पुंस् | ९५८ | १० पूर | ९८१ | ४ प्युस् | ६६८ |
| ६ पुद् | ८०० | १० पुबं | ९४३ | १ प्यै | ३१२ |
| १० पुद् | ९०२ | १ पूर्व | २३४ | ६ मन्त्र | ७१३ |
| १० पुद् | ९९७ | १ पूल | २२१ | १ मथ् | ५४९ |
| १० पुद् | १०४० | १ पूष् | २५७ | १० मथ् | ९२८ |
| १० पुद् | ९०१ | ३ पृ | ६१४ | १ मस् | ५५३ |
| ६ पुण् | ७६१ | ५ पृ | ७२२ | २ मा | ५७६ |
| १ पुण्ड् | १० | ६ पृ | ८१२ | ४ मी | ६९१ |
| ४ पुथ् | ६३४ | १० पृ | ८८५ | ९ मी | ८४६ |
| १० पुथ् | ९९९ | २ पृच् | ५९५ | १० मी | १०८२ |
| १ पुन्थ् | १५२ | ७ पृच् | ८२६ | १ मु | ३०७ |
| ६ पुर | ७७७ | १० पृच् | १०९१ | १ मुष् | २७३ |
| पुरण | ११५२ | २ पृञ्ज् | ५९६ | ९ मुष् | ८८० |

(११२८)

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते

| ग० धा ना० धा-र प० | ग० धा ना० धा-र प० | ग० धा ना० धा-र प० |
|-------------------|-------------------|-------------------|
| १ मेखोल ११५७ | १० बई ९६० | १ भइ ५६० |
| १ मोथ ४७३ | १ बल ५३४ | १ भण १३८ |
| १ पिलहू ४४३ | १० बल १०१३ | १ भण्ड ३५६ |
| ९ पली ८६३ | १ बलहू ४४६ | १० भण्ड ९१८ |
| १ पल ३०८ | १ बाधू ३८३ | १ भन्दू ३७२ |
| १ पलुष २७४ | ६ बिल ७८४ | भरण ११५४ |
| ४ पलुष ६६४ | १० बिल ९४८ | १० भत्स १०३० |
| ९ पलुष ८८१ | १ बीभेत्सू ३८४ | १ भर्षू १९६ |
| १ प्लेवू ४२५ | १ बुक्क ३२ | १ भर्वू २४५ |
| २ प्ला ५७० | १० बुक्क ९६६ | १ भल् ४१८ |
| फ | १ बुधू ४८५ | १ भल १०१३ |
| १ फक्क ३० | १ बुधू ४२८ | १ भल्ल ४१९ |
| १ फण ५६३ | ४ बुधू ६९६ | १ भषू २६८ |
| १ फल २१५ | १ बुन्धू ४७७ | ३ भस ६२४ |
| १ फल २२२ | १० बुन्धू ९३२ | २ भा ५७१ |
| १ फुल्ल २२२ | १० बुल ९५० | १० भाज १०३६ |
| १ फेल २२४ | १० बुम्ब ९२५ | १ भामू ४०५ |
| ब | ९ बू ८६६ | १० भाम १०५५ |
| १ वंह ४५१ | २ बू ६०७ | १ भाष ४२८ |
| १ वण १३८ | १० बूस ९५९ | १ भास ४३५ |
| १ वहु १५५ | १० ब्लेक्क १०३३ | १ भिसू ४५४ |
| १ वधू ३८४ | भ | १ भिदू ८२१ |
| १० वधू ९३४ | १० भक्ष ९६२ | ७ भिषज ११४१ |
| ९ वन्धू ८७६ | १ भ ४६८ | भिण्णुक ११४९ |
| १० वन्धू ९३३ | १० भज ९७१ | ३ भी ६१३ |
| १ वधू २१२ | ७ भज्ज ८२८ | ६ भुज ७५५ |
| १ वधू १८० | १० भज्ज ९९६ | ७ भुज ८२८ |
| १ वई ४४२ | १ भइ ९८ | |

| ग० धा-ना० धा-र-प० | ग० धा-ना० धा-र-प० | ग० धा-ना० धा-र-प० |
|-------------------|-------------------|-------------------|
| १ भृण् ३५७ | १ भ्लास् ४३७ | १० मन् १०१२ |
| भुरण ११५३ | म | मन्तु ११३२ |
| १ भू ६ | १ मंह ४२१ | १ मन्थ १५३ |
| १० भू ९३५ | १० मंह १००८ | १ मन्थ १५३ |
| १ भूष् २७६ | १ मक्ष २९१ | ९ मन्थ ८७३ |
| १० भूष् ९८५ | १ मख् ३९ | १ मन्ध ३७२ |
| १ भृ ४५९ | मगश् ११५६ | १० मन्त्र १०२८ |
| ३ भृ ६१८ | १ मङ्क ३१३ | १ मभ्र २१३ |
| १ भृज् ३४२ | १ मङ्ख ४१ | १ मय ४०९ |
| ४ भृश् ६६१ | १ मङ्ग ४८ | १ मय् २३५ |
| ९ भृ ८६६ | १ मङ्ग ३१९ | १ मल्ल ४१७ |
| १ भेज् ३३९ | १ मच् ३३३ | १ मल्ल ४१८ |
| १ भेष् ४९७ | १ मज् ९१ | १ मव् २३६ |
| १ भ्यस् ४३९ | १ मज्ज् ७५५ | १ मव् २४७ |
| १ भ्रंश् ५१९ | १ मञ्च् ६१ | १ मव्य २०८ |
| ४ भ्रंश् ६६१ | १ मञ्च् ३३७ | १ मश २५३ |
| १ भ्रण् १३९ | १ मह् १५३ | १ मष् २६३ |
| १ भ्रम् ५२९ | १ मण् १३९ | ४ मस् ६७५ |
| ५ भ्रम ६७७ | १ मण् ३४८ | १ मस्क् ३२४ |
| ६ भ्रस्ज् ७३२ | १ मण्ड् १२१ | ६ मस्ज् ७५५ |
| १ भ्राज् ३३९ | १ मण्ड् ३५५ | १ मह् २९० |
| १ भ्राज् ४६७ | १० मण्ड् ९१८ | १० मह् १०७१ |
| १ भ्रास् ४३६ | १ मथ् ५२६ | मही ११२९ |
| ९ भ्री ८७१ | १ मह् ५६७ | २ मा ५७७ |
| ६ भृह् ८०५ | ४ मव् ६७९ | ३ मा ६१६ |
| १० भृण् १०२० | १० मव् १०११ | १ मास्क् २९९ |
| १ भ्रे ४९८ | ४ मन् ६९६ | १ मान् ३८६ |
| १ भ्लक्ष् ५१० | ८ मन् ८४३ | १० मान् ११०९ |

(१२८०)

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते

| ग० धा- ना० धा-र-प० | ग० धा- ना० धा-र-प० | ग० धा- ना० धा-र-प० |
|--------------------|--------------------|--------------------|
| १ मान्धू १५४ | १ मुज्ज ८९ | १ मृग ११२६ |
| १० मार्ग १०९० | १ मुञ्च ६१ | १ मृज्ज ९० |
| १० मार्ज ८९५ | १ मुञ्च ३३६ | २ मृज्ज ५८९ |
| १ माह ५०७ | १ मुञ्ज ९० | १० मृज्ज ८०९६ |
| ५ मि ७१४ | १ मुद १०७ | १ मृज्ज ९१ |
| ६ मिच्छ ७५२ | ६ मुद ७९९ | ६ मृह् ७५९ |
| १ मिथ् ४७४ | १० मुद ९०३ | ९ मृह् ८७२ |
| १ मिह् ४८० | ६ मुण ७६२ | ६ मुण् ७६० |
| १ मिह् ५१५ | १ मुण्ठ ३४९ | ९ मुह् ८७५ |
| ४ मिह् ६४७ | १ मुण्ह १२१ | १ मुह् ४८४ |
| १० मिन्ह ९३० | १ मुण्ह ३५६ | ६ मुश ७८८ |
| १ मिन्ह २४९ | १ मुव् ३७४ | १ मुष २७१ |
| ६ मिल ७८५ | १० मुव् ९७८ | ४ मुष ७०९ |
| १ मिश २५२ | ६ मुर ७७८ | १० मुष १०६८ |
| १० मिश्र १०६२ | १ मुष २६४ | १० मुष १११५ |
| १ मिष २६९ | ९ मुष ८८१ | ९ मुह् ८६४ |
| ६ मिष ७९० | ४ मुस ६७४ | १ मे ३१० |
| १ मिह् २८३ | १० मुस्त ९२५ | १ मेह् १२३ |
| ४ मी ६८७ | ४ मुह् ६८० | १ मे ४७५ |
| ९ मी ८४८ | १ मू ३०९ | १ मेह् ४८१ |
| १० मी १०८१ | १ मूर्ध ६९ | १ मेध ४८२ |
| १ मीमांस ३८६ | १ मूर्त् १०५८ | मेघा ११४६ |
| १ मीम १०६ | १ मू २४६ | १ मेप ३९१ |
| १ मील २१६ | १० मूल २२२ | १ मेव ४५२ |
| १ मीव २४० | १ मूल ९५१ | १० मोक्ष ९९० |
| १ मुक्ष २९२ | १ मूप् २५८ | १ म्ना ९ |
| ६ मुच ७३६ | ६ मृ ७४५ | १० म्रक्ष ९६१ |
| १० मुच ९७० | १० मृग १०७३ | १ म्रव् ५५० |

| ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० |
|----|---------|---------|----|---------|---------|----|---------|---------|
| १ | सुच् | ६२ | १० | युज् | १०७९ | १ | रप | १७५ |
| १ | सुञ्च् | ६२ | १ | युत् | ३६६ | १ | रफ | १८५ |
| १ | अद् | १२४ | ४ | युध् | ६९५ | १ | रभ् | ४०४ |
| १ | म्लुच् | ६३ | ४ | युप् | ६५५ | १ | रम् | ५३८ |
| १ | म्लेच्छ | ६५ | १ | यूष् | २६२ | १ | रम् | ४३९ |
| १० | म्लेच्छ | ८९१ | १ | येष | ४३० | १ | रम्फु | १८५ |
| १ | म्लेह् | १२४ | १ | यौह् | १२३ | १ | रम्ब | १९२ |
| १ | म्लेव् | ४९६ | | | | १ | रम्ब | ३९४ |
| १ | म्लै | २२ | १ | रंह् | २८५ | १ | रम्भ | ४०० |
| | य | | १० | रह् | १०७२ | १ | रय् | ४११ |
| १० | यभ् | १०३१ | १० | रक् | ९६६ | १ | रस् | २७८ |
| १ | यज् | ५४० | १ | रछ् | २९१ | १० | रस् | १०७० |
| १ | यत् | ३६५ | १ | रख् | ४० | १ | रह् | २८४ |
| १० | यत् | ९७५ | १ | रग् | ५५७ | १० | रह् | १०६९ |
| १ | यभ् | १९३ | १० | रग् | ९६७ | २ | रा | ५७५ |
| १ | यम् | २०१ | १ | रङ्गख् | ४१ | १ | राख् | ३४ |
| १० | यम् | ९४४ | १ | रङ्ग्य | ४५ | १ | राघ् | ३३० |
| १० | यन्त्र | ९४५ | १ | रङ्ग्य | ३२७ | १ | राज् | ४६६ |
| ४ | यस् | ६७० | १० | रङ्ग्य | ९९१ | ४ | राध् | ६३५ |
| २ | या | ५७१ | १० | रच् | १०३५ | ५ | राध् | ७२५ |
| १ | याच | ४६४ | १ | रञ्ज् | ४६९ | १ | रास् | ४३८ |
| २ | यु | ५८१ | ४ | रञ्ज् | ७०७ | ६ | रि | ७४३ |
| ९ | यु | ८४९ | १ | रह् | १११ | | रिस् | ११५७ |
| ११ | यु | १००९ | १ | रह् | ११२ | १ | रिङ्गस् | ४३ |
| १ | युङ्ग | ५२ | १ | रण् | १३६ | १ | रिङ्ग | ५० |
| १ | युच्छ | ७० | १ | रण् | ५६३ | ७ | रिच् | ८१८ |
| ४ | युज् | ६९१ | १ | रव् | १५६ | १० | रिच् | १०९२ |
| ७ | युज् | ८२० | ४ | रध् | ६५१ | | | |

(१२०३)

॥ मुनिश्रीलाभयविजयचरिते

| ग० | धा० | ना० | धा-र-प० | ग० | धा० | ना० | धा-र-प० | ग० | धा० | ना० | धा-र-प० |
|----|--------|-----|---------|----|------|-----|---------|----|-------|-----|---------|
| ६ | गिफु | | ७६७ | | रेखा | | ११४२ | १० | लज्ज | | १०३७ |
| १ | रिम्बू | | १९१ | १ | रेद | | ४७० | १ | लद | | १११ |
| ६ | रिषु | | ७८७ | १ | रेपु | | ३९२ | १ | लइ | | १३३ |
| १ | रिषु | | २६५ | १ | रेभू | | ३९९ | १ | लइ | | ५६२ |
| ४ | री | | ६८८ | १ | रेवू | | ४२६ | १० | लइ | | ९१२ |
| ९ | री | | ८६१ | १ | रेषु | | ४३२ | १ | लपू | | १७६ |
| १ | रु | | ३०८ | १ | रै | | २४ | १ | ल | | ४०५ |
| २ | रु | | ५८३ | १ | रोइ | | १२६ | १ | लम्बू | | ३९५ |
| १ | रुवू | | ५१२ | १ | रोइ | | १२६ | १ | लम्बू | | ४०१ |
| ६ | रुत | | ७५४ | | ल | | | १ | लल | | १३३ |
| १० | रज | | ८९७ | १० | लक | | ९६७ | १० | लल | | १०२८ |
| १ | रद | | ५१३ | १० | लसू | | ९६३ | १ | लपू | | ५०० |
| १० | रद | | ९०९ | १० | लसू | | १०१५ | १ | लसू | | २७९ |
| १ | रद | | ११५ | १ | लसू | | ४० | १० | लसू | | ९८९ |
| १ | रद | | १०९ | १ | लगू | | ५५८ | २ | ला | | ५७४ |
| १ | रद | | १२० | १० | लगू | | ९६८ | | ला | | ११३२ |
| २ | रवू | | ५१४ | १ | लसूख | | ४२ | १ | लाख | | १४ |
| ४ | रवू | | ६९२ | १ | लसूग | | ४३ | १ | लाघू | | ३३० |
| ७ | रवू | | ८१७ | १ | लसूघ | | ५५ | १ | लाज | | ८४ |
| ४ | रपू | | ६५५ | १ | लसूघ | | ३२८ | १ | लाज्ज | | ६६ |
| ६ | रसू | | ७८६ | १० | लसूघ | | ९९२ | १ | लाज्ज | | ८५ |
| १ | रसू | | २६४ | १ | लसूघ | | ६६ | | लाद | | ११३४ |
| ४ | रपू | | ६६६ | १ | लज | | ८३ | | लाभू | | १०५४ |
| १० | रपू | | ९५६ | ६ | लज | | ८१४ | १० | लाभू | | ७४७ |
| १ | रद | | ५३८ | १० | लज | | १३०७ | ६ | लिख | | ५१ |
| १० | रसू | | १०७३ | १ | लज्ज | | ८३ | १ | लिखू | | ९६८ |
| १० | रपू | | १०५३ | ६ | लज्ज | | ८१५ | १० | लिङ्ग | | ११३५ |
| १ | रेद | | ३१७ | १० | लज्ज | | २९५ | | लिङ्ग | | |

| ग० धा० ना० | धा-र-प० | ग० धा० ना० | धा-र-प० | ग० धा० ना० | धा-र-प० |
|------------|---------|------------|---------|------------|---------|
| ६ लिप् | ७४० | लुल | ११५७ | १ वट | ५६० |
| ४ लिग् | ७०३ | ९ लू | ८५६ | १ बट | १०३० |
| ६ लिग् | ७८८ | १० लृष् | ९५६ | १ बहू | ११३ |
| २ लिह् | ६११ | लेखा | ११४३ | १ वण् | १३७ |
| ४ ली | ६८८ | १ लेप् | ३९२ | १ वण्ट | १०८ |
| ९ ली | ८६२ | १ लोक | ३१५ | १ वण्ट | ९०८ |
| १० ली | १०८० | १० लोक | ९९० | १० वण्ट | १०४१ |
| १ लृज् | ५७ | १ लोच् | ३३२ | १ वण्ट | ३४९ |
| १० लृज् | ९९५ | १० लोच् | ९९२ | १ वण्ड | ३५५ |
| १ लृह् | १०१ | लोद | ११३५ | १ वहु | ५४६ |
| १ लृह् | ५१३ | १ लोद् | १२५ | १० वहु | ११०३ |
| ४ लृह् | ६४६ | १ लोण्ड | ३४५ | १ वत् | १७१ |
| १० लृह् | ९९७ | १ लौद् | १२५ | १ वन् | १७२ |
| १ लृह् | १६ | ९ ल्वी | ८६३ | ८ वन् | ८४३ |
| १ लृह् | ५१४ | ब | | १ वन्हु | ३७१ |
| ६ लृह् | ८०१ | १० वंह | १००८ | १ वप् | ५४४ |
| ६ लृह् | ८०४ | १ वक्ष् | २९७ | १ वप् | ६२८ |
| १ लृण्ड | १०९ | १ वख् | ३९ | १ वय् | ४०८ |
| १० लृण्ड | ९०४ | १ वरुक् | ३१३ | १० वर् | १०६२ |
| १ लृण्ड | ११८ | १ वरुग् | ४८ | वण् | ११५१ |
| १ लृण्ड | १५२ | १ वरुघ् | ३२९ | १ वञ् | ३३५ |
| ४ लृप् | ६५६ | २ वच् | ५८८ | १० वण् | ९२१ |
| ६ लृप् | ७३९ | १० वच् | १०९४ | १० वण् | १०४३ |
| ४ लृभ् | ६५७ | १ वज् | ७४ | १० वध् | ९३३ |
| ६ लृभ् | ७७५ | १० वज् | ८९६ | १ वर्फ् | १८४ |
| १ लृम् | १९३ | १ वज्ज | ५९ | १ वह् | ४४४ |
| १० लृम् | ९४२ | १० वज्ज | १०१० | १० वह् | १००६ |
| १ लृष् | २५७ | १ वट | ९४ | १ बल | ४१६ |

(१२०४)

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते

| ग० धा- ना० धा-र-प० | ग० धा- ना० धा-र-प० | ग० धा- ना० धा-र-प० |
|--------------------|--------------------|--------------------|
| १० वल्क ८८७ | ३ विज् ६२० | १० वृह् १००६ |
| १ वल्गु ४४ | ६ विज् ८१४ | १ वृ ७२० |
| वल्गु ११३३ | ७ विज् ८३० | ९ वृ ८८३ |
| १ वल्भ ३९८ | १ विद् १०२ | १० वृ १०८५ |
| १ वल्ल ४१६ | १ विद् १३२ | १ वृक् ३१९ |
| १ वल्ह ४४५ | १ बिष् ३६७ | १ वृक्ष् ४५३ |
| १० वल्ह १००७ | २ विद् ५९० | ७ वृज् ८२६ |
| २ वश ५९१ | ४ विद् ६९४ | २ वृज् ५९७ |
| १ वष २६३ | ६ विद् ७३८ | १० वृज् १०९८ |
| १ वस् ५४७ | ७ विद् ८३४ | १ वृत् ५२० |
| २ वस् ६०० | १० विद् १०१२ | ४ वृत् ६९२ |
| ४ वस् ६०३ | ६ विष् ७६८ | १० वृत् ९९९ |
| १० वस् ९८७ | १ विन्दु १६१ | १ वृष् ५२२ |
| १ वस्क ३२४ | ६ विल्ल ७८४ | १० वृष् १००० |
| १० वस्त १०२१ | ६ विश् ७-७ | ४ वृस् ६६२ |
| १ वह ५४५ | १ विष् २६९ | १ वृष् २६७ |
| २ वा ५७ | ३ विष् ६२१ | १ वृष् २७१ |
| १ वाङ्क्ष २९९ | ९ विष् ८८० | १० वृष् १०१४ |
| १ वाङ्छ ६७ | ४ विस ६६९ | १ वृह् २८५ |
| १ वाङ् ३६० | २ वी ५७८ | १ वृह् २८७ |
| १० वात् १०४८ | वीजण ११५७ | १ वृह् ७९० |
| ४ वावृत् ६९३ | १ वीष् ३९७ | ९ वृह् ८६० |
| ४ वाश ७०४ | १० वीर् १०७६ | १ वे ५४१ |
| १० वास् १०६९ | १ वुङ्ग ५३ | वे ११३१ |
| १ वाह ४४७ | ६ वुङ् ८०५ | वेद् ११३४ |
| ७ विच् ८१९ | ४ वुस् ६७४ | १ वेण ४७१ |
| ६ विच्छ ७५१ | १० वुस्त ९६५ | १ वेथ ३६७ |
| १० विच्छ ९९३ | १ वृह् २८७ | १ वेप् ३८९ |

॥ धातुरत्नाकरे धातुसूची

(१२०५)

| ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० |
|----|---------|---------|----|---------|---------|----|---------|---------|
| १ | वेल | २२९ | १ | शंस | २८२ | १ | शास्व | ३६ |
| १० | वेल | १०६५ | १ | शंस | ४४० | १ | शाङ् | ३५९ |
| | | ११४४ | ४ | शक् | ७०५ | १ | शान् | ४८८ |
| १ | वेल्ल | २२८ | ५ | शक् | ७२३ | १० | शार | १०६३ |
| १ | वेण् | ३४६ | १ | शक्क | ३१७ | २ | शास् | ५८८ |
| १ | वेस् | २८१ | १ | शच् | ३३३ | २ | शास् | ६०० |
| १ | वेह्ल | २२६ | १ | शद् | ९४ | ५ | शि | ७१३ |
| १ | वेह | ४४६ | १ | शठ | ११७ | १ | शिक्ष | ४५४ |
| १ | वै | २९ | १० | शठ | ९०९ | १ | शिक्ष्य | ५४ |
| ६ | व्यव् | ७९६ | १० | शठ् | १०१९ | २ | शिञ्ज | ५९८ |
| १ | व्यथ् | ५४९ | १० | शठ् | १०४१ | १ | शिट् | ९६ |
| ४ | व्यध् | ६३५ | १ | शण् | ५६४ | ६ | शिल् | ७८१ |
| १ | व्यय् | ४९१ | १ | शण्ड | ३५२ | १ | शिष् | २६१ |
| १० | व्यय् | ९४४ | १ | शङ् | ५२ | ७ | शिष् | ८३१ |
| १० | व्यय् | १०५७ | १ | शप् | ४८९ | १० | शिष् | १११६ |
| १ | व्ये | ५४२ | ४ | शप् | ७०८ | २ | शी | ५९३ |
| १ | व्रज् | ७४ | १० | शब्द | ९७६ | १ | शीक् | ३१४ |
| १० | व्रज् | ८९६ | ४ | शम | ६७५ | १० | शीक् | १०८९ |
| १ | व्रण | १३७ | १० | शम | १०२६ | १ | शीभ् | ३९७ |
| १० | व्रण | १०४३ | १ | र्व | १९० | १ | शील् | २१९ |
| ६ | व्रश्च | ७५० | १ | शर्व | २४६ | १० | शील् | १०६५ |
| ६ | व्रश्च | ७५० | १ | शल | ४१७ | १ | शीशांस | ४८८ |
| ४ | व्री | ६८९ | १ | शल | ५३६ | १ | शु | १२ |
| ९ | व्री | ८७१ | १ | शलभ् | ३९८ | १ | शुक् | ३२ |
| ४ | व्रीड | ६३२ | १ | शव् | २३६ | १ | शुच् | ५१ |
| ६ | वृह | ८०६ | १ | शश | २५३ | ४ | शुच् | ७०६ |
| ९ | वृली | ८६२ | १ | शष् | २६६ | १ | शुच्य | २१० |
| | श | | १ | शस | २८२ | १ | शुठ | २१७ |

| ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० |
|----|---------|---------|----|---------|---------|----|---------|---------|
| १० | शुद्ध | ९११ | १ | इयै | ३१२ | १० | श्लिष | ९५५ |
| १ | शुण्ड | ११९ | १ | अङ्क | ३२१ | १ | श्लोक | ३१५ |
| १० | शुण्ड | ९११ | १ | अङ्ग | ४६ | १ | श्लोण | १४४ |
| ४ | शुध् | ६४९ | १ | अण | ५६४ | १ | श्वङ्क | ३२० |
| ६ | शुन् | ७६६ | १० | अण् | ९२३ | १ | श्वच् | ३३४ |
| १ | शुन्ध | १६८ | १० | अथ् | ९२७ | १ | श्वञ्च् | ३३५ |
| १० | शुन्ध | ११०७ | १० | अथ् | १०४९ | १० | श्वट् | ९१० |
| १ | शुभ | ५१६ | १० | अथ् | १ | १० | श्वट् | १०४२ |
| ६ | शुभ | ७७३ | १ | अ-थ | ३६९ | १० | षण्ड | ९१० |
| १ | शुम्भ | १९७ | ९ | अ-थ् | ८७३ | १० | श्वभ्र | ९४६ |
| ६ | शुम्भ | ७७४ | १० | अन्थ् | १०९५ | १ | श्वल् | २३२ |
| १ | शुल्भ | ९३८ | ४ | अम | ६७७ | १० | श्वल्क | ८८६ |
| ४ | शुष् | ६३१ | १ | आ | ५५४ | १ | श्वल्ल | २३३ |
| ४ | शुर् | ७०० | २ | आ | ५७३ | २ | श्वस् | ५८६ |
| १० | शुर् | १०७५ | १० | आम | १०५६ | १ | श्वि | ५४६ |
| १० | शुर्प | ९३८ | १ | अि | ४५६ | १ | श्वित | ५१४ |
| १ | शुल् | २२० | ४ | श्रिव् | ६३९ | १ | श्व | |
| १ | शुध् | ४८३ | १ | श्रिष | २७२ | १ | ष्टुगै | २५ |
| १ | शुध् | ५२२ | ९ | श्री | ८४७ | १ | ष्ठिव् | २३८ |
| १० | शुध् | ९७९ | ५ | श्रु | ७२१ | १ | ष्ठिव् | ६४० |
| ९ | शुध् | ८६५ | १ | श्रे | २८ | ४ | ष्ठिव् | ३२३ |
| १ | शेल् | २२५ | १ | अ | ५५४ | १ | षक् | ३२३ |
| ४ | शो | ६३० | १ | ओण | १४४ | १ | स | |
| १ | शोण | १४३ | १ | श्लङ्क | ३२२ | १० | संग्राम | १०७५ |
| १ | शौद् | १२२ | १ | श्लङ्ग | ४७ | २ | संस्त | ५९ |
| १ | शुत् | १४७ | १ | श्लाव् | ३६ | १ | सग | ५५९ |
| १ | श्चयुत् | १४८ | १ | श्लाघ | ३३१ | १ | सग | ५५९ |
| १ | शमील् | २१६ | ४ | श्लिष | २७३ | ५ | सघ | ७२५ |
| | | | | | ६६४ | | | |

| ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० | ग० | धा- ना० | धा-र-प० |
|----|---------|---------|----|---------|---------|----|---------|---------|
| १ | सच | ३३२ | ५ | साध | ७२६ | १० | सुद | ९७६ |
| १ | सज्ज | ७५ | १० | सान्त्व | ९५४ | १ | सुध | २९८ |
| १ | सज्ज | ९३ | १० | साध | १०५६ | १ | सुध | २०८ |
| १ | सद् | १०१ | ५ | सि | ७१२ | १ | सुध | २५८ |
| १० | सद् | ९०६ | ९ | सि | ८४५ | १ | सु | १८ |
| १० | सत्र | १०७६ | ६ | सिच | ७३७ | ३ | सु | ६१३ |
| १ | सद् | ५२७ | १ | सिद् | ९६ | ४ | सुज | ६९२ |
| ६ | सद् | ७६५ | १ | सिध | १६७ | ६ | सुज | ७५४ |
| १० | सद् | ११०५ | १ | सिध | १६७ | १ | सप | १७८ |
| १ | सन् | १७२ | ४ | सिध | ६५० | १ | सभ | १९४ |
| ८ | सन् | ८३६ | १ | सिम्भ | १९६ | १ | सम्भ | १९५ |
| १ | सप | १७८ | ६ | सिल | ७८२ | १ | सेह | ३२७ |
| | सपर | ११५६ | ४ | सिव | ६३९ | १ | सेल | २२५ |
| १० | सभाज | १०३६ | १ | सु | १४ | १ | सेल | २२५ |
| १ | सभ | २०३ | २ | सु | ५८० | १ | सेव | ४२१ |
| | सभर | ११५६ | ५ | सु | ७११ | १ | सेव | ४२२ |
| १० | सम्भ | ९४१ | १० | सुख | १०३३ | १ | से | २७ |
| | सम्भयस | ११४० | | सुख | ११४८ | ४ | सो | ६३२ |
| १ | सर्ज | ७७ | १० | सुद् | ९०२ | १ | स्कन्द | १६३ |
| १ | सर्व | १९१ | ६ | सुर | ७७८ | १ | स्कम्भ | ४०२ |
| १ | सर्व | १९१ | ४ | सुद् | ६४४ | | स्कम्भ | ११२७ |
| १ | सल | २२६ | २ | सु | ५९४ | ९ | स्तु | ८५० |
| १ | सश्च | ६४ | ४ | सु | ६८५ | १ | स्तुन्द | ३८१ |
| २ | सस् | ५९२ | ६ | सु | ७४५ | | स्तुम्भ | ११३० |
| १ | सस्ज | ७५ | १० | सुच | १०३५ | १ | सखद् | ५५० |
| १ | सद् | ५३९ | १० | सुत्र | १०५८ | १ | सखल | २३१ |
| ४ | सद् | ६४४ | १ | सुद् | ३७९ | १ | स्तक | ५५५ |
| १० | सद् | ११२१ | | | | | | |

| ग० धा- ना० धा-र-प० | ग० धा- ना० धा-र-प० | ग० धा- ना० धा-र-प० |
|--------------------|--------------------|--------------------|
| १ स्तक् ५५५ | १ स्थग् ५६० | १० स्फुट ९७२ |
| १ स्तन् १६९ | १ स्थल् ५३२ | १० स्फुण्ड ९१३ |
| १ स्तन् ५६७ | १ स्था ८ | ६ स्फुर ८१० |
| १ स्तन् ५६७ | ६ स्थुह ८०५ | ६ स्फुल् ८१० |
| १० स्तन् १०५१ | १० स्थूल् १०७७ | १ स्फूर्छ ६९ |
| १ स्तम् २०४ | १ स्तन्थ ५६५ | १ स्फूर्ज ८० |
| १ स्तम्भ ४०१ | ४ स्तस् ६४१ | १ स्मि ३०२ |
| स्तम्भ ११२६ | २ स्ना ५७२ | १० स्मिट ९०४ |
| १ स्तिघ् ७३० | १० स्निट् ९०५ | १ स्मील् २१७ |
| १ स्तिप् ६३८ | ४ स्निह् ६८२ | १ स्मूर्छ ७० |
| ४ स्तिम ६३८ | १० स्निह् ९६१ | १ स्मृ १४ |
| ४ स्तीम ६३८ | २ स्नु ५८२ | १ स्मृ ५५४ |
| २ स्तु ६०६ | ४ स्नुह् ६८१ | ५ स्मृ ७२२ |
| १ स्तुच् ३३८ | १ स्नै ३० | १ स्यन्द ५२१ |
| ४ स्तुप् ६५७ | १ स्पन्द् ४७३ | १ स्यम २०२ |
| १ स्तुभ् ४०२ | १ स्पर्द्ध ३८२ | १० स्यम् १०२५ |
| स्तुम्भ ११२७ | १० स्पग् १०२९ | १ स्रंस् ४५४ |
| १० स्तूप ९३५ | ६ स्पृग् ७८६ | १ स्रंस् ५१९ |
| ५ स्तृ ७१८ | १० स्पृह् १०७२ | १ स्रम्भ ५१८ |
| १ स्तृह् ७९२ | ६ स्फर् ७७९ | १ स्त्रिभ् १९५ |
| ११ स्तृब्ध २९६ | ६ स्फल् ७७९ | १ स्त्रु १३ |
| ९ स्तृह् ७९३ | १ स्फट् ११० | १ स्त्रेक् ३२६ |
| ९ स्तृ ८५८ | १० स्फिट् ९०७ | १ स्त्रै २८ |
| १० स्तेन् १०५२ | १ स्फाय् ४१४ | १ स्वङ्ग ४९ |
| १ स्तेप् ३८८ | १ स्फुट् ११० | ६ स्वञ्ज ८१५ |
| १० स्तोघ १०५७ | १ स्फुट् ३४४ | १ स्वद् ३७५ |
| १ स्तयै २६ | ६ स्फुट् ८०० | १० स्वद् ९७७ |
| १ स्थग् ५६० | १० स्फुट् ९०७ | १० स्वद् ९७८ |

| ग० धा- ना० धा-र-प० | ग० धा- ना० धा-र-प० | ग० धा- ना० धा-र-प० |
|--------------------|--------------------|--------------------|
| १ स्वन १७१ | ३ हा ६१५ | १ हेद् ३४७ |
| १ स्वन ५६७ | ७ हिस् ८३१ | ९ हेद् ८७२ |
| २ स्वप् ५८५ | १० हिस् ९७४ | १ हेद् ३६० |
| १० स्वर १०६३ | १० हिस् १११९ | १ हेद् ५६२ |
| १० स्वर्त् ९२६ | ५ हि ७२१ | १ हेष् ४३३ |
| १ स्वर्द ३७६ | १ हिक्क् ४६२ | १ होद् ३६१ |
| १ स्वाद् ३७६ | १ हिण्ड् ३६१ | १ होद् १३१ |
| १ सिव्द् ५१६ | १ हिन्व २४९ | २ इनु ५९४ |
| ४ सिव्द् ६४६ | ६ हिल् ७८१ | १ इमल् ५६९ |
| १ सिव्न्द ३७१ | १० हिष्क् १०१६ | १ इग् ५५८ |
| १ स्ष्ट १६ | ३ हु ६१२ | १ इस् २७७ |
| ह | १ हुङ् १२९ | १ हाद् ३७९ |
| १ हद् १०० | ६ हुढ ८०७ | ३ ही ६१३ |
| १ हद् ११४ | १ हुण्ड् ३५१ | १ हीच्छ ६८ |
| १ हद् ३७५ | १ हुल ५३६ | १ हूद् १३० |
| २ हन् ५९१ | १ हुल्ल ६८ | १ हेष् ४३३ |
| १० हन् ९७३ | १ हुड् १३० | १ हग् ५५९ |
| १ हम्प् १०५ | १ ह् ४५८ | १० हप् ९३६ |
| १ हय् २०७ | ३ ह् ६२३ | १ हस् २७८ |
| १ हर्य २०७ | हृणी ११३१ | १ हाद् ३८० |
| १ हल ५३३ | १ हष् २७१ | १ हल्ल ५६८ |
| १ हस् २८० | ४ हष् ६६६ | १ हृ १७ |
| ३ हा ६१२ | १ हेद् १०३ | १ हवे ५४३ |



धातुरत्नाकरस्थस्वपराभिमतधातूनामकाराद्यक्षरानुपूर्व्या

सानुबन्धा सूची ॥

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|---------|--------|---------|--------|---------|--------|---------|--------|
| अक | ५५६ | अद | ५७० | अली | ४९२ | इट | १०४ |
| अकुक् | ३१४ | अदु | १६१ | अव | २५१ | इणक् | ५७८ |
| अक्षौ | २९२ | अनक् | ५८५ | अशश् | ८७९ | इदु | १६१ |
| अग | ५५७ | अनिच् | ६९७ | अंशण | १०६७ | इन्वैपि | ८३४ |
| अगद | ११४९ | अन्दोलण | ११५७ | अशौटि | ७३० | इमस् | ११३८ |
| अगु | ४७ | अन्धण | १०५० | अषी | ५०४ | इयस् | ११३८ |
| अघण | १०३४ | अवुक् | ३९४ | अस् | ११३९ | इरघ | ११४७ |
| अघुक् | ३२८ | अमुङ् | ४०० | असक् | ५९२ | इरस | ११३७ |
| अङ्गण | १०३२ | अभ्र | २१२ | असी | ५०५ | इलण | ९५३ |
| अङ्गण | १०३४ | अम | २०० | असु | ११३३ | इलत् | ७८० |
| अज | ७५ | अम | २०५ | असूच् | ६७० | इवु | २५१ |
| अजुण | ९९३ | अमण | ९८० | अहुण | १००७ | इषच् | ६४१ |
| अञ्चण | ९६९ | अयि | ४०८ | अहुक् | ४४२ | इषश् | ७८९ |
| अञ्च | ५८ | अरर | ११५५ | आ | | इषुध | ११४७ |
| अञ्चूगु | ४६३ | अर्कण | ८९० | आलु | ६७ | इ | |
| अजौण | ८२९ | अर्च | ५८ | अल्लुट् | ७२७ | ईक् | १७९ |
| अट | १०३ | अर्चिण | १०९३ | आल्लण | १११२ | ईसि | ४५५ |
| अट्टण | ९०३ | अर्ज | ७७ | आसिक् | ६०१ | ईक्ष्य | २०९ |
| अट्टि | ३४६ | अर्जण | ९७० | इ | | ईखु | ४४ |
| अठ | ११९ | अर्थणि | १०७४ | ई | ११ | ईङ्क् | ६९० |
| अठुङ् | ३५० | अर्द | १५८ | ईक् | ५७७ | ईजि | ३४० |
| अड | १३२ | अर्दिण | ११०१ | इख | ४३ | ईङण | ९१९ |
| अडु | १३५ | अर्व | १८६ | इखु | ४३ | ईडिक् | ५९८ |
| अण | १३६ | अर्व | २४५ | इगु | | ईङ्ग | १११४ |
| अत | १४६ | अर्ह | २८९ | इक्कु | ५९३ | ईरि | ५९९ |
| अतु | १४९ | अर्हण | ९८९ | इजुङ् | ३४० | | |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|---------|--------|----------|--------|---------|--------|--------|--------|
| ईधिक् | ५९९ | ऊयैङ् | ४१२ | ओख् | ३३ | कथण् | १०४८ |
| ईष | २५९ | ऊर्जण् | ८९२ | ओण् | १४३ | कथि | ३७० |
| ईषि | ४२९ | ऊर्णगृक् | ६०५ | ओलडुण् | ९१३ | कदु | १६४ |
| ईष्य | २०९ | ऊष | २५९ | क | | कदुङ् | ५५१ |
| ईहि | ४४२ | ऊहि | ४४८ | ककि | ३१८ | कनै | १७२ |
| उ | | ऊ | | ककुङ् | ३२० | कपु | ३९० |
| उक्ष | २९० | ऊं | १८ | कक्ख | ३७ | कबृङ् | ३९५ |
| उख | ३७ | ऊंक् | ६१५ | कखे | ५५६ | कमूङ् | ४०७ |
| उगु | ५० | ऊचत् | ७४९ | कगे | ११२८ | कर्ज | ७८ |
| उङ् | ३०३ | ऊच्छत् | ७५० | कचि | ३३३ | कर्णण् | १०४४ |
| उचच् | ६४५ | ऊजि | ३४१ | कचुङ् | ३३४ | कर्द | १६० |
| उछुत् | ७५२ | ऊजुङ् | ३४१ | कट | ९३ | कवं | १८६ |
| उछैत् | ७५१ | ऊणुपी | ८३९ | कटु | १०६ | कवं | २३७ |
| उज्जत् | ७५७ | ऊत | १५० | कटै | १०५ | कलण् | ९५१ |
| उठ | ११५ | ऊधृच् | ६५० | कटै | १०५ | कलण् | १०६४ |
| उन्दैप् | ८३१ | ऊधृद | ७२६ | कठ | ११४ | कलि | ४१९ |
| उज्जत् | ७५३ | ऊफत् | ७६९ | कठुङ् | ३४८ | कल्लि | ४२० |
| उभ | ७५२ | ऊफत् | ७७० | कठुण् | १०९७ | कथ | २५२ |
| उम्भ | ७७३ | ऊषैत् | ७८९ | कदत् | ७५८ | कथक् | ६०२ |
| उरण | ११५१ | ऊश | ८६९ | कडु | १३४ | कष | २६० |
| उरस् | ११३३ | ए | | कडुङ् | ३५३ | कस | ५३७ |
| उदि | ३७७ | एज् | ८० | कडुण् | ९१६ | कसक | ६०२ |
| उवै | २४२ | एजुङ् | ३३८ | कडु | १३४ | कसुकि | ६०१ |
| उषस | ११३६ | एठि | ३४७ | कण | १४१ | काशु | २९८ |
| उषू | २७२ | एधि | ३८१ | कण | ५६३ | काळण् | १०६६ |
| उह | २८८ | एला | ११४३ | कणण् | ९७५ | काशित् | ७०४ |
| ऊ | | एषुङ् | ४३१ | कण्डुण् | ११२९ | काशृङ् | ४२७ |
| ऊनण् | १०५२ | ओ | | कत्रण् | १०६० | | |

(१२१२)

॥ मुनिभीलावण्यविजयविरचिते

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|----------|--------|----------|--------|---------|--------|---------|--------|
| कासृक् | ४३५ | कुणत् | ७६२ | कूल | २२० | क्रथ | ५६६ |
| किक् | ६२४ | कुणण् | १०४६ | कृग् | ४६१ | क्रथण | १०९९ |
| किट | ९५ | कुत्तिस् | १०१५ | कृग्द | ७१९ | क्रदु | १६५ |
| किट | १०५ | कुथच् | ६३३ | कृडत् | ८०१ | क्रदुङ् | ५५१ |
| कित | १४९ | कुथु | १५१ | कृतैत् | ७४१ | क्रन्दण | ९७७ |
| कितक् | ६२५ | कुदण् | ९४५ | कृतैप् | ८३० | क्रपि | ५५२ |
| किलण् | ९५२ | कुन्थश् | ८७४ | कृगौङ् | ५२३ | क्रमू | २०१ |
| किलन | ७८० | कुपच् | ६५४ | कृपण | ९७९ | क्रीगश् | ८४४ |
| किष्किण् | १०१६ | कुपण् | १००२ | कृपण् | १०५३ | क्रीड् | १२७ |
| कीटण् | ००८ | कुबु | १९२ | कृबुट् | ७२८ | कृञ् | ५६ |
| कील | २१९ | कुबुण् | ९४२ | कृञ्च | ६६२ | कृञ्च | ६४९ |
| कुक् | ५८४ | कुमारण् | १०६४ | कृञ् | २६० | कृञ् | ५३७ |
| कुकि | ३१८ | कुरत् | ७७५ | कृञ् | ७३५ | कलथ | ५६६ |
| कुङ् | ३०४ | कुदि | ३७७ | कृत् | ७४६ | कलदुङ् | १६५ |
| कुङ्कत् | ८११ | कुल | ५३५ | कृगश् | ८५९ | कलदुङ् | ५५२ |
| कुच् | ५६ | कुशच् | ६६० | कृश् | ८६४ | कलमूच् | ६७९ |
| कुच् | ५२७ | कुथुण् | १००३ | कृतण् | ९२६ | कलवि | ११२५ |
| कुचत् | ७९५ | कुषश् | ८८२ | केनण् | १०४७ | किलदु | १६६ |
| कुज् | ७६ | कुषुभ् | ११४८ | केप् | ३८९ | किलदुङ् | ३७३ |
| कुञ् | ५७ | कुसच् | ६६९ | केला | ११४४ | किलदौच् | ६४७ |
| कुटिण् | १०११ | कुमुण् | १००५ | केल | २३० | किलशिच | ७०३ |
| कुटत् | ७९३ | कुस्मिण् | १०२६ | केवङ् | ४२२ | किलशौश् | ८७८ |
| कुड | १०६ | कुर्हाण | १०७८ | कै | २४ | किलवृङ् | ३९६ |
| कुट्टण् | ९०० | कूडत् | ८११ | क्रमूच् | ६४२ | कलेशि | ४२८ |
| कुरु | ११८ | कूज | ८१ | कनूग् | ८५१ | कवण | १४२ |
| कूडत् | ८०२ | कूटण् | १०१८ | कनूयैङ् | ४१३ | कवथे | ५२६ |
| कुडुङ् | ३५४ | कूटिण् | १०३८ | कमर | २११ | कवेल्ट | २३० |
| कुडुण् | ९१६ | कूर्माण् | १०१९ | क्रथ | ५६१ | | |

॥ धातुरत्नाकरे धातुसूची

(१२१५)

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|---------|--------|---------|--------|--------|--------|---------|--------|
| चिलत् | ७८३ | चेलृ | २२९ | जनक् | ६२७ | जुङ् | ३०७ |
| चिल्ल | २२३ | चेष्टि | ३४४ | जनैचि | ६९७ | जुहण | ९२० |
| चीक | १०८८ | च्यङ्क् | ३०६ | जप | १७७ | जुहत् | ७५७ |
| चीवण् | ४९४ | च्युण् | ९६५ | जभ | १९८ | जुहत् | ८०३ |
| चोष्टक् | १००२ | च्युत् | १४६ | जभृक् | ४०३ | जुहृक् | ३६६ |
| चुक्कण | ८८९ | छद् | ५६७ | जभृण् | ९८० | जुहृत् | १४८ |
| चुच्यै | २१० | छदण् | ९२९ | जभैङ् | ४०३ | जुनत् | ७६६ |
| चुट | १०७ | छदण् | ११०४ | जमू | १९९ | जुर्वै | २४४ |
| चुटण् | ८९८ | छपुण् | ९३४ | जर्चत् | ७४८ | जुषण् | १११८ |
| चुटत् | ७९७ | छमू | १९९ | जर्जत् | ७५६ | जुणैति | ८१६ |
| चुटण् | ९०१ | छदंण | ९३१ | जल | ५३१ | जुरैचि | ७०१ |
| चुड | १०८ | छषी | ५०२ | जलण् | ९४७ | जूष | २६७ |
| चुडण् | ८९९ | छिदंपी | ८२२ | जल्प | १७६ | जूमुक् | ४०४ |
| चुडण् | ९१७ | छिदण् | १०६१ | जष | २६२ | जूण | १०८७ |
| चुङ् | १३५ | छुटण् | ८९९ | जसण् | ९३० | जूश | ८६७ |
| चुणत् | ८०८ | छुटत् | ७९७ | जसण् | ९८६ | जूषच् | ६२१ |
| चुटृ | १४७ | छुडण् | ९०० | जसण् | ९५८ | जेषृङ् | ४३० |
| चुदण | १२९ | छुपंत् | ७६७ | जसृण् | ६७२ | जेहृक् | ४४७ |
| चुप | १७९ | छुरत् | ८०९ | जसृच् | ५८७ | जै | २७ |
| चुष | १९४ | छुदंपी | ८२४ | जाणृक् | १० | ज्ञांश् | ८७० |
| चुरण् | ८८४ | छृटण् | ११०६ | जि | २०० | ज्ञाण् | ९६४ |
| चुरण् | ११५३ | छृदण् | १०४९ | जिम् | २५० | ज्यांश् | ८८१ |
| चुल्ल | २३३ | छोच् | ६३१ | जिबु | २६८ | ज्युंङ् | २०६ |
| चुलम्प | ११५७ | | | जिबु | २३९ | जि | १० |
| चुणण् | ९१२ | ज | | जीव | ११३० | जवर | ५६८ |
| चुरैचि | ७०२ | जक्षक् | ५८६ | जु | ५२ | ज्वल | ५२४ |
| चृणण् | ९२१ | जज | ८५ | जुगु | | ज्वल | ५६९ |
| चृष | २५६ | जजु | ८६ | | | | |
| चृवैत् | ७६४ | जट | ९७ | | | | |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|----------|--------|------------|--------|------------|--------|---------|--------|
| गुपच् | ६५४ | ग्रन्थश् | ८७४ | घुरत् | ७७७ | चदु | १६३ |
| गुपौ | १७३ | ग्रसणे | ९८८ | घुषुङ् | ४३४ | चदेश | ४७६ |
| गुफत् | ७७१ | ग्रसृङ् | ४४० | घुष्टृ | २५५ | चन | १७० |
| गुम्फत् | ७७२ | ग्रहीश् | ८५४ | घुष्टृण् | २८४ | चन | ५६७ |
| गुरैति | ८१५ | गुचू | ६४ | घृणत् | ७६३ | चप | १७७ |
| गुदण् | ९३० | गलसृङ् | ४४१ | घृणि | ३६४ | चम् | १९८ |
| गुदि | ३७८ | गलाहोङ् | ४५० | घुरैङ्च | ६९९ | चवि | ४१० |
| गुवै | २४७ | गलुच् | ६५ | घृ | १५ | चर | २१३ |
| गुहौग् | ५०८ | गलुञ्च् | ६३ | घृकृ | ६२२ | चरण | ९८१ |
| गुरिण् | १०२७ | ग्लेष्टृङ् | ३९१ | घृण | ८८६ | चर्चण् | ९६९ |
| गुरैचि | ७०० | ग्लेष्टृङ् | ४२४ | घृणुङ् | ३६३ | चर्च | १८८ |
| घृ | १५ | ग्लै | २१ | घृणूयी | ८४१ | चर्च | २३४ |
| घृज | ८८ | घ | | घृषू | २७४ | चल | ५३० |
| घृजु | ८९ | घटण् | ९७२ | घ्रां | ७ | चल | ५६८ |
| घृघृच | ६५१ | घटण् | ९९८ | ङ | | चलत् | ७८३ |
| घृहिण | १०७८ | घटिष् | ५४८ | ङुङ् | ३०५ | चलण् | ९५४ |
| घृत् | ७४६ | घट्टण् | ९०५ | च | | चष | २६६ |
| घृणि | १०१० | घट्टि | ३४३ | चक | ५५५ | चषी | ५०१ |
| घृण् | ८६८ | घट्टण | ९९८ | चकि | ३१९ | चह | २८४ |
| मेष्टृ | ३९० | घसृङ् | ४४१ | चक्क | ८८८ | चहण् | १०७० |
| मेष्टृङ् | ४२३ | घसृलं | २७९ | चकासृक् | ५८८ | चापग् | ४९० |
| मेष्टृङ् | ४२९ | घिणुङ् | ३६२ | चसिक् | ६०३ | चिणुङ् | ७१५ |
| मै | २४ | घुङ् | ३०५ | चञ्चू | ५९ | चिट | १०२ |
| मोषा | ११४५ | घुष्टि | ५१२ | चटण् | ९७१ | चितिण् | १०२१ |
| मोषण् | १०५५ | घुटत् | ७९७ | चङ्कुङ् | ३५८ | चितुङ् | ९९४ |
| मोष्टि | ३४५ | घुणत् | ७६३ | चङुण् | ९२० | चितै | १४५ |
| ग्रथुङ् | ३७० | घुणि | ३६३ | चण-१४२-५६३ | | चित्रण् | १०६१ |
| ग्रन्थण् | १०९९ | घुणुङ् | ३६२ | चतेन् | ४७२ | | |

॥ धातुरत्नाकरे धातुसूची

(१२१५)

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|--------|--------|---------|--------|--------|--------|---------|--------|
| चिलत् | ७८३ | चेल् | २२९ | जनक् | ६२७ | जुङ् | ३०७ |
| चिल्ल | २२३ | चेष्टि | ३४४ | जनैचि | ६९७ | जुडण | ९२० |
| चीक | १०८८ | च्यंक् | ३०६ | जप | १७७ | जुडत् | ७५७ |
| चीवण् | ४९४ | च्युण् | ९६५ | जभ | १९८ | जुडत् | ८०३ |
| चोवृक् | १००२ | च्युत् | १४६ | जभृक् | ४०३ | जुडत् | ३६६ |
| चुक्कण | ८८९ | छद् | ५६७ | जभृण् | ९८० | जुट् | १४८ |
| चुच्यै | २१० | छदण | ९२९ | जभैक् | ४०३ | जुनत् | ७६६ |
| चुट | १०७ | छदण | ११०४ | जम् | १९९ | जुवै | २४४ |
| चुटण् | ८९८ | छपुण् | ९३४ | जचत् | ७४८ | जुषण् | १११८ |
| चुटत् | ७९७ | छम् | १९९ | जर्जत् | ७५६ | जुषीति | ८१६ |
| चुटण् | ९०१ | छदण | ९३३ | जळ | ५३१ | जुरैचि | ७०१ |
| चुड | १०८ | छषी | ५०२ | जळण् | ९४७ | जूष | २६७ |
| चुडण | ८९९ | छिद्वपी | ८२२ | जल्प | १७६ | जूमृक् | ४०४ |
| चुडण | ९१७ | छिद्रण | १०६१ | जष | २६२ | जृण | १०८७ |
| चुङ् | १३५ | छुटण | ८९९ | जसण् | ९३० | जृश | ८६७ |
| चुणत् | ८०८ | छुटत् | ७९७ | जसण् | ९८६ | जृष्व | ६२९ |
| चुट् | १४७ | छुडण | ९०० | जसृण | ९५८ | जेष्टक् | ४३० |
| चुदण | १२९ | छुपत् | ७६७ | जसृक् | ६७२ | जेहक् | ४४७ |
| चुप | १७१ | छुरत् | ८०९ | जाशृक् | ५८७ | जै | २७ |
| चुबु | १९४ | छुद्वपी | ८२४ | जि | १० | ज्ञांश् | ८७० |
| चुरण | ८८४ | छृटण | ११०६ | जिम् | २०० | ज्ञाण | ९६४ |
| चुरण | ११५३ | छृदण | १०४९ | जिषु | २५० | ज्यांश् | ८८१ |
| चुल्ल | २३३ | छोच् | ६३१ | जिषु | २६८ | ज्युंक् | १०६ |
| चुलम्प | ११५७ | ज | ५८६ | जीव | २३९ | जि | १० |
| चुणण् | ९१२ | जक्षक् | ८५ | जु | ११३० | ज्वर | ५६८ |
| चुरैचि | ७०२ | जज | ८६ | जुगु | ५२ | ज्वल | ५२४ |
| चृणण् | ९२१ | जजु | ९७ | | | ज्वक् | ५६९ |
| चृष | २५६ | जट | | | | | |
| चृतैत् | ७६४ | | | | | | |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|----------|--------|----------|--------|-----------|--------|--------|--------|
| टकुण् | ८८९ | णद | १५७ | तकु | ३१ | तस्र | २७६ |
| टल | ५३१ | णभच | ६५८ | तक्षौ | २९३ | तायुङ् | ४१५ |
| टिकि | ३२५ | णभश् | ८७७ | तगु | ४६ | तिकङ् | ७२४ |
| टीकृङ् | ३२६ | णभि | ५१७ | तञ्चू | ६० | तिकि | ३२५ |
| ट्वल | ३५२ | णमं | २०३ | तञ्चूपू | ८२७ | निगट् | ७२४ |
| ड | | णयि | ४१२ | तञ्जौपू | ८२७ | तिजण् | ८९५ |
| डपिण् | १०२२ | णर्द | १५९ | तट | ९९ | तिजि | ३४३ |
| डपुण् | ९३७ | णल | ५३३ | तडण् | ९१४ | तिपृङ् | ३८७ |
| डबुण् | ९३९ | णसि | ४३९ | तडुङ् | ३५२ | तिम | ६३७ |
| डम्पिण् | १०२३ | णहींच् | ७१० | तनूयी | ८३५ | तिरस् | ११३७ |
| डम्भिण् | १०२४ | णामृङ् | ४३८ | तनूण् | ११०८ | तिल | २२७ |
| डिपच् | ६५६ | णिक्ष | २९५ | तन्त्रिण् | १०२७ | तिलण् | ९४६ |
| डिपत् | ८०९ | णिजुकि | ५९७ | त | १७४ | तिलत् | ७८२ |
| डिपण् | १०२३ | णिजृकी | ६१९ | तपिण् | १११० | तिल्ल | २२७ |
| डिपिण् | ९३६ | णिदृग् | ४७८ | तपिंच् | ६९८ | तीमच् | ६३७ |
| डिपुण् | ९३७ | णिदु | १६२ | तपुस् | ११५४ | तीरण् | १०५९ |
| डिबुण् | ९३९ | णिलत् | ७८५ | तमूच् | ६७६ | तीय | २४१ |
| डिम्पिण् | १०२४ | णिश | २५४ | तम्पस् | ११५५ | तुक् | ५८० |
| डिम्भि | १०२५ | णिमुकि | ६०३ | तयि | ४११ | तुज | ८६ |
| डीङ् | ३०३ | णीग् | ४५७ | तरण | ११५० | तुजु | ८७ |
| डीङ्च | ६८९ | णील | २१८ | तर्कण् | ९९१ | तुजुण् | ८९२ |
| ड | | णुक | ५८१ | तर्ज | ८४ | तुजुण् | ९९४ |
| डौकृङ् | ३२२ | णुदंत् | ७६४ | तर्जिण् | १०१७ | तुटण् | ८९४ |
| ण | | णूत् | ७९४ | तर्द | १५९ | तुटत् | ७९९ |
| णक्ष | २९६ | णेदृग् | ४७९ | तर्ब | १८८ | तडत् | ८०३ |
| णख | ३८ | णेष्टृङ् | ४३१ | तलण् | ९४९ | तडुङ् | ३५७ |
| णट | १०० | त | | तमुच् | ६७२ | तुडु | १२८ |
| णट | ५६० | तक | ३१ | तमुण् | ९८६ | तुणत् | ७६० |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|--------|--------|----------|--------|------------|--------|-----------|--------|
| तुदीव | ७३१ | तपण् | ११११ | त्रैङ् | ३११ | दरिद्राक् | ५८७ |
| तुप | १७९ | तपौच् | ६५२ | त्रौकृङ् | ३२३ | दल | २१५ |
| तुफ | १८२ | तफत् | ७६८ | त्वक्ष | २९४ | दलण् | ९८२ |
| तुबु | १९३ | तम्फत् | ७६९ | त्वक्षौ | २९७ | दशुण् | १०३ |
| तुबुण् | ९४३ | तषच् | ६६५ | त्वगु | ५१ | दसुण् | १०५ |
| तुभच् | ६५९ | तह | ९७४ | त्वचत् | ७४९ | दसुच् | ६७३ |
| तुभश् | ८७७ | तहप् | ८३३ | त्वञ्चू | ६० | दहं | २८३ |
| तुभि | ५१८ | तहौत् | ७९१ | त्विर्णिष् | ५५३ | दांगक् | ६१६ |
| तुम्प | १८० | तहौत् | ७९१ | त्विर्षी | ५०३ | दांम | ९ |
| तुम्फ | १८३ | तृ | १९ | त्सर | २११ | दांवक् | ५७५ |
| तुरक् | ६२५ | तेष्टृङ् | ३८८ | थ | | दघृण् | ३३१ |
| तुरण | ११५२ | तेष्टु | ४२० | थुडत् | ८०४ | दानी | ४८७ |
| तुर्यै | २४२ | तोडृ | १२९ | थुवै | २४३ | दासृगु | ४९५ |
| तलण् | ९५९ | तौडृ | १२७ | द | | दशृगु | ५०६ |
| तुषंच् | ६६५ | त्यजं | ९२ | दंशं | २५५ | दिमुण् | ९४१ |
| तुस | २७७ | त्रदु | १६४ | दंशिण् | १०२९ | दिवण् | ९८२ |
| तुह | २८८ | त्रकुङ् | ३२१ | दंसिण् | १०३० | दिविण् | १०१४ |
| तूडृ | १२८ | त्रपौषि | ३९३ | दक्षि | ४५२ | दिबु | २५० |
| तूणण् | ९२२ | प्रसण् | ९८७ | दक्षि | ५४४ | दिवूच् | ६२८ |
| तूणण् | १०४५ | त्रमुण् | १००४ | दघु | ५४ | दिशीत् | ७३४ |
| तूणिण् | १०२० | त्रसैच् | ६४२ | दण्डण् | १०४२ | दिहीक् | ६१० |
| तूरैचि | ७०२ | प्रटत् | ७९८ | ददि | ३७४ | दीक्षि | ४४५ |
| तूल | २२१ | त्रटिण् | १०१८ | दधि | ३८३ | दीगूच् | ६८६ |
| तूष | २५६ | बुडत् | ८०८ | दभण् | ९४० | दीपैचि | ६९८ |
| तृक्ष | २५५ | बुप | १८१ | दशुण् | ९४० | दुं | ११ |
| तृणयी | ८४० | बुफ | १८३ | दमूच् | ७७६ | दुःख | ११४९ |
| तृहपी | ८२५ | बुम्प | १८१ | दम्भुद् | ७२८ | | |
| तृपद् | ७२७ | बुम्फ | १८४ | दवि | ४१२ | | |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|--------|--------|----------|--------|----------|--------|----------|--------|
| दुखण | १०३२ | द्यै | २२ | धीङ्च | ६८७ | ध्राखु | ३५ |
| दुंद | ७२२ | द्रम | २०५ | धुक्षि | ४५२ | धाडुङ | ३५९ |
| दुडत् | ८०७ | द्राङ्क | ५७३ | धुर्वै | २४४ | धुं | १३ |
| दुर्वै | २४३ | द्राक्षु | ३०० | धुग्श | ८५७ | धुत् | ७९४ |
| दुरज् | ११४१ | द्राखु | ३५ | धुग्ण | १०८४ | धकुङ् | ३१६ |
| दलण | ९५० | द्राङ्कु | ३३१ | धुग्द | ७१६ | ध्रं | २३ |
| दुवस् | ११४० | दाडुङ् | ३५८ | धृत् | ७९५ | ध्वज | ७२ |
| दुषं | ६६३ | द्राहङ् | ४४८ | धूप | १७४ | ध्वजु | ७२ |
| दुहीक | ६०९ | हुं | १२ | धूपण | १००१ | ध्वण | १४० |
| दुह | २८९ | दुणत् | ७६१ | धुरैङ्च | ७०१ | ध्वन | १७० |
| दंङ्च | ६८६ | दुहीच | ६८० | धृशण | ९५५ | ध्वन | ५६७ |
| दडत् | ८१३ | दुक्ष | ८५३ | धृग् | ४६० | ध्वनण | १०५१ |
| दपीच | ६५३ | द्रेङ्क | ३१६ | धृङ् | ३१० | ध्वंसुङ | ५२० |
| दफत् | ७७० | दै | २३ | धृक्त् | ८१३ | ध्वाक्षु | ३०१ |
| दम्फत् | ७७१ | द्विषीक | ६०८ | धृज | ७१ | ध्वं | १७० |
| दभैत् | ७७४ | द्वहं | १६ | धृजु | ७१ | न | |
| दभैण | १११३ | ध | | धृषण | १११७ | नक्क | ८८७ |
| दधं | २५४ | धक्कण | ८८८ | धृषाद | ७२९ | नख | ३८ |
| दह | २८६ | धण | १४० | धे | १९ | नटण | ८९७ |
| दहु | २८६ | धन | १६९ | धोक्क | २१४ | नद | १००० |
| दहु | ५५४ | धनक् | ६२६ | धपां | ८ | नदु | १६३ |
| दहुश | ८६७ | धु | २३६ | धयै | २० | नयि | ४१० |
| देङ्क | ३११ | धाम्ग | ८१७ | धज | ७३ | नदं | १५८ |
| देङ्क | ४२१ | धावृग् | ४९३ | धजु | ७३ | नर्व | १८९ |
| देव | २० | धित् | ७४४ | धण | १४१ | नशौच | ६५९ |
| दोच | ६३१ | धिक्षि | ४५३ | धसण | ९८८ | नाथृङ् | ३६८ |
| धुङ्क | ५७९ | धिवुद् | ७२९ | धसुङ् | ८३३ | नाथृथ | ३८५ |
| धुति | ५५१ | धिषक् | ६२६ | ध्राक्षु | ८०६ | निरक्ष | ९७५ |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|----------|--------|---------|--------|----------|--------|-----------|--------|
| निवासण | १०७० | पर्णण | १०४४ | पिबु | २४८ | पुषश् | ८८० |
| निबु | २४८ | पर्दि | ३८० | पिशत् | ७४२ | पुषञ्च | ६४० |
| निष्किण् | १०१७ | पर्व | १८९ | पिष्लेप् | ८३२ | पुष्पञ्च | ६३६ |
| निषू | २७ | पर्व | २३५ | पिरण् | ९५६ | पुसञ्च | ६६८ |
| नोव | २४१ | पर्वि | ४३१ | पिसुण् | १००४ | पुसुण् | ९५८ |
| नृतैच् | ६३३ | पल | ५३५ | पिसृ | २८० | पुस्तण् | ९२४ |
| नृ | ५५४ | पलण् | ९५३ | पीडुञ्च | ६९० | पूगश् | ८५५ |
| नृश् | ६६८ | पलु | २२८ | पीडण | ९१४ | पूङ् | ३०९ |
| प | | पल्यलण् | १०६६ | पील | २१८ | पूजण् | ८९४ |
| पक्षिण् | ९६२ | पवि | ४२७ | पीब | २४० | पूणण् | ९२३ |
| पचिष् | ४६५ | पशण् | ९८३ | पुटत् | ८०० | पूयैक् | ४१३ |
| पचुङ् | ३३७ | पषण् | ९८३ | पुटण् | ९०२ | पूरण् | ९८१ |
| पचुण् | ८९१ | पषण् | १०६७ | पुटण् | ९९७ | पूरैचि | ६९९ |
| पट | १०४ | पषी | ४९९ | पुटण् | १०४० | पूर्व | २३४ |
| पटण् | ९९६ | पसुण् | ९५७ | पुट् | ९०१ | पूल | २२१ |
| पटण् | १०३८ | पां | ७ | पुट् | १२० | पूष | २५७ |
| पठ | ११२ | पांक् | ५७२ | पुणंत् | ७६१ | पुंक् | ६१४ |
| पठुक् | ३५० | पारण | १०५९ | पुथण् | ९९० | पुंङ्क्त् | ८१२ |
| पणि | ३६४ | पित् | ७४३ | पुथञ्च | ६३४ | पृचण् | १०९१ |
| पतण् | १०४७ | पिच्चण् | ८९ | पुयु | १५२ | पृचैङ्क् | ५९५ |
| पलृ | ५२५ | पिजुण् | ८९३ | पुरण् | ११५२ | पृचैप् | ८२६ |
| पथुण् | ९२७ | पिजुण् | ९९४ | पुरत् | ७७७ | पृजुङ्क् | ५९६ |
| पथे | ५२५ | पिजुकि | ५९६ | पुवण् | ९०३ | पृट् | ७२२ |
| पदणि | १०७४ | पिट | ९८ | पुव | २३४ | पृडत् | ७५९ |
| पर्दिञ्च | ६९३ | पिठ | ११६ | पुल | ५३४ | पृण् | ८८५ |
| पनि | ३८५ | पिडुङ् | ३५१ | पुलण् | ९४८ | पृणत् | ७५८ |
| पधि | ४०९ | पिडुण् | ९१९ | पुष | २७५ | पृथण् | ९२८ |
| पयस् | ११३९ | पिलण | ९५२ | पुषण् | ९८४ | पृषू | २७० |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|-------------|--------|---------|--------|-----------|--------|-----------|--------|
| पृक् | ६१४ | लुङ् | ३०८ | बाधृक् | ३८१ | भरण् | १५१ |
| पृश् | ८६५ | लुषश् | ८८१ | बिलत् | ७८४ | भर्भ | १९६ |
| पेलृ | २२४ | लुष् | २७४ | बिलण् | ९४८ | भर्भे | २४५ |
| पेवृङ् | ४२४ | लुषृच् | ६६४ | बुक् | ३२ | भर्त्सिण् | १०३० |
| पेसृ | २८१ | लेवृङ् | ४२५ | बुक्कण् | ५६६ | भलि | ४८ |
| पै | २९ | प्सांक् | ५७० | बुध | ५२८ | भालिण | १०१३ |
| पैण् | १४५ | फ | | बुधुण | ९३२ | भल्लि | ४१९ |
| प्यायैङ् | ४१५ | फक् | ३० | बुधिच् | ६९६ | भष | २६८ |
| प्युषण् | ९५७ | फण | ५६३ | बुधृग् | ४८० | भषक् | ६४ |
| प्युषृच् | ६६७ | फल | २२२ | बुन्दग् | ४७७ | भांक् | १७१ |
| प्युसृच् | ६४३ | फल् | २१० | बुरुण् | ९५० | भाजण् | १३६ |
| प्युसृच् | ६३८ | फुल्ल | २२२ | बस्तण् | ९५ | भामि | ४०५ |
| प्यैङ् | ३१२ | फेलृ | २२४ | बृ | ८८५ | भामण् | १०५५ |
| प्रच्छंत् | ७४३ | वण | १३८ | ब्रूक् | ६०७ | भाषि | ४२८ |
| प्रथण् | ९२८ | वद | १९५ | ब्लेष्कण् | १०३३ | भासि | ४३५ |
| प्रथिष् | ५४९ | वन्धण् | ९३४ | प | | भासि | ४५४ |
| प्रसिष् | ५५३ | वधि | ३८४ | भक्षण् | ९६० | भिदुंगी | ८०१ |
| प्रांक् | ५७६ | वन्धश् | ८७६ | भजण् | ९६१ | भिषज् | ११४१ |
| प्रीगण | १०८२ | वन्धण् | ९३३ | भजी | ४६८ | भिण्णक् | ११४१ |
| प्रीगृश् | ८४६ | वर्ब | १८० | भजुण् | ९९६ | भीक् | ६१३ |
| प्रीङ्क् | ६९१ | वभ्र | २१२ | भजोप् | ८३८ | भुजंप् | ८०८ |
| पुङ् | ३०७ | वर्ह | | भट | ९८ | भुजोत् | ७५५ |
| पुषश् | ८८० | वर्हण् | ९६० | भट | ५६० | भुङ्क | १५७ |
| पृष | २७३ | वर्हि | ४४५ | भडुङ् | ३५६ | भुरण | ११५१ |
| प्रेङ्खोलण् | ११५७ | वल | ५३४ | भडुण् | ९१८ | भुष | ७२६ |
| प्रोष्टृग् | ४७३ | बलिण् | १०१३ | भण | १३८ | भू | ६ |
| लिहि | ४४३ | बलिह | ४४६ | भडुङ् | ३७२ | भूण | ९६५ |
| लींश् | ८६३ | बहुङ् | ४५१ | | | | |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|-----------|--------|----------|--------|---------|--------|--------|--------|
| भूषण | ९८५ | मशु | ४८ | मलि | ४१७ | मिदाच् | ६४७ |
| भृग् | ४५९ | मधुङ् | ३२९ | मल्लि | ४१८ | मिदुण | ९३० |
| भृग्क् | ६१८ | मचि | ३३६ | मव | २३६ | मिदृग् | ४८० |
| भृजङ् | ३८२ | मचुङ् | ३३७ | मव | २४७ | मिलत् | ७८५ |
| भृशच् | ६६१ | मज | ९१ | मव्य | २०८ | मिवु | २४९ |
| भृशु | ८६६ | मञ्चु | ६१ | मश | २५३ | मिश | २५२ |
| भृजङ्क् | ३३९ | मठ | ११३ | मष | २६३ | मिश्रण | १०६२ |
| भेषग् | ४९७ | महुङ् | ३४८ | मसैच् | ६७५ | मिषत् | ७९० |
| भ्यसि | ४३९ | मडु | १२१ | मस्की | ३२४ | मिषू | २६९ |
| भ्रम् | ५२९ | मडुङ् | ३५५ | मस्जोत् | ७५५ | मिहं | २८३ |
| भ्रमूच् | ६७७ | मडुण | ९१८ | मह | २९० | मीगश | ८४८ |
| भ्रस्जोत् | ७३२ | मण | १३९ | महण | १०७१ | मीङ्क् | ६८७ |
| भ्रंशच् | ६६१ | मथु | १५३ | महीङ् | | मीणे | १०८१ |
| भ्रंसुङ् | ५१९ | मथे | ५२६ | महुङ् | ४५१ | मीमृ | २०६ |
| भ्राजि | ३३९ | मदिण | १०११ | महुण | १००८ | मील | २१६ |
| भ्राजी | ४६७ | मदुङ् | ३७२ | माक्षु | २९९ | मीव | २४० |
| भ्रासि | ४३६ | मदै | ५६७ | मांक | ५७७ | मुक्ष | २९२ |
| भ्रीश् | ८७१ | मदैच् | ६७९ | मार्गण | १०९० | मुचुङ् | ३३६ |
| भृडत् | ८०६ | मनिच् | ६९६ | माङ्क् | ६१६ | मुळंती | ७३६ |
| भूणिण् | १०२० | मनिण् | १०१२ | मान्थ | १५४ | मुचण | ९७० |
| भ्रेषुग् | ४९८ | मनूयी | ८४३ | मानण | ११०९ | मुज | ८९ |
| भ्लक्षी | ५१० | मन्त्रिण | १०२८ | मानि | ३८६ | मुजु | ९० |
| भ्लासृङ् | ४३७ | मन्तु | ११३२ | मार्जण | ९९५ | मुञ्चु | ६१ |
| मकङ् म | ३१३ | मन्थ | १५३ | माहृग् | ५०७ | मुट | १०७ |
| मक्ष | २९१ | मन्थश् | ८७३ | मिगृद् | ७१४ | मुटण | ९०३ |
| मख | ३९ | मभ्र | २१३ | मिच्छत | ७५२ | मुटत् | ७९९ |
| मखु | ४१ | मयि | ४०९ | मिथृग् | ४७४ | | |
| मगध | ११४६ | मर्व | २३५ | मिदाङ् | ५१५ | | |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|---------|--------|----------|--------|----------|--------|---------|--------|
| मुठक् | ३४९ | मुंत | ७४५ | म्लमुठक् | ४२६ | र | |
| मुड | १२१ | मुदश् | ८७५ | म्लै | २२ | रकण | ९६३ |
| मुडक् | ३५६ | मुधग् | ८८४ | य | | रक्ष | २९१ |
| मुणत् | ७६२ | मुशत् | ७८८ | यक्षिण | १०३१ | रख | ४० |
| मुदण | ९७८ | मुषण | १०६८ | यजि | ५४० | रखु | ४१ |
| मुदि | ३७४ | मुषिण | १११५ | यतण | ९७५ | रगण | ९६७ |
| मुरत् | ७७८ | मुषीच् | ७०९ | यतैङ् | ३६५ | रगु | ४५ |
| मुच्छी | ६९ | मुष् | २७१ | यमुण् | ९४५ | रगे | ५५७ |
| मुवै | २४६ | मुशु | ८६४ | यभं | १९३ | रघुक् | १२७ |
| मुष | २६४ | मेङ् | ३१० | यमण् | ९४४ | रघुण | ९९१ |
| मुषश् | ८८१ | मेड् | १२३ | यभूं | २०१ | रचण | १०३५ |
| मुसच् | ६७४ | मेथुग | ४७५ | यसुच् | ६७० | रञ्जी | ४६९ |
| मुस्तण् | ९२५ | मेदग् | ४६१ | याक् | ५७१ | रञ्जीच् | ७०७ |
| मुहौच् | ६८० | मेधा | ११४६ | यासृग् | ४६४ | रट | १११ |
| मुक् | ३०९ | मेधुग् | ४८२ | युक् | ५८१ | रठ | ११२ |
| मृत्रण् | १०५९ | मेपृ | ३९१ | युग्श् | ८४९ | रण | १३६ |
| मृल | २२२ | मेवृङ् | ४२५ | युगु | ५२ | रण | ५६३ |
| मृलण | ९५१ | मोक्षण् | ९९० | युछ | ७० | रद | १५६ |
| मृष | २५८ | मनां | ९ | युजण | १०७९ | रधौच् | ६५१ |
| मृगणि | १०७३ | अक्षण | ९६१ | युजिच् | ६९१ | रप | १७५ |
| मृगच् | ११२६ | अदिष् | ५५० | युज्पी | ८२० | रफ | १८५ |
| मृज | ९० | मुच् | ६२ | युणि | १००९ | रफु | १८५ |
| मृजु | ९१ | मुञ्च् | ६२ | युतक् | ३६६ | रखु | १९२ |
| मृजीक् | ५१९ | अड् | १२४ | युधिच् | ६९५ | रखुक् | ३९४ |
| मृजीण | १०९६ | म्लुच् | ६३ | युपच् | ६५५ | रभि | ४०४ |
| मृडत् | ७५९ | म्लेच्छ | ६५ | यूष | २६५ | रभुक् | ४०० |
| मृडश् | ८७२ | म्लच्छण् | ८९१ | येष्टु | ४३० | रमि | ५३८ |
| मृणत् | ७६० | म्लेड् | १२४ | यौड् | १२३ | रधि | ४११ |
| | | | | | | रस | २७८ |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|--------|--------|---------|--------|---------|--------|--------|--------|
| रसण् | १०६९ | रजण् | ८९७ | ल | | लषी | ५०० |
| रह | २८४ | रजोत् | ७५४ | लकण् | ९६७ | लसण् | ९८९ |
| रहण् | १०७१ | रटि | ५१३ | लक्षिण् | १०१५ | लांक् | ५७४ |
| रहं | २८५ | रटण् | ९०९ | लक्षीण् | ९६३ | लावृ | ३४ |
| रहुण् | १०७२ | रटु | १०९ | लख | ४० | लाघृक् | ३३० |
| रांक् | ५७५ | रठ | ११५ | लगण् | ९६८ | लाङ् | ११३२ |
| राख | ३४ | रठु | १२० | लखु | ४२ | लाछु | ६६ |
| राघृक् | ३३० | रट्क् | ५८४ | लगु | ४५ | लाज | ८४ |
| राजृगु | ४६६ | रधिच् | ६९५ | लगे | ५५८ | लाजु | ८५ |
| राधंद् | ७२५ | रधपि | ८१७ | लघु | ५५ | लाट् | ११३४ |
| रधंच् | ६३५ | रपच् | ६५५ | लघुक् | ३२८ | लाभण् | १०५४ |
| रासृक् | ४३८ | रष | २६४ | लघुण् | ९९२ | लिखत् | ७४७ |
| रित् | ७४३ | रशंत् | ७८६ | लछ | ६६ | लिगु | ५१ |
| रिख | ११५७ | रषण् | ९५६ | लज | ८३ | लिगुण् | ९६८ |
| रिखु | ४३ | रषंच् | ६६६ | लजण् | १०३७ | लिट | ११३५ |
| रिगु | ५० | रहं | ५३८ | लजु | ८३ | लिपीत् | ७४० |
| रिचण् | १०९२ | रुक्षण् | १०७३ | लजुण् | ९९५ | लिशिच् | ७०३ |
| रिचृषी | ८१८ | रुपण् | १०५३ | लजुण् | १०३७ | लिशत् | ७८८ |
| रिफत् | ७६७ | रेकृक् | ३१७ | लजैङ्त् | ८१४ | लिहीक् | ६११ |
| रिबु | १९१ | रेखा | ११४२ | लट | १११ | लीण् | १०८० |
| रिबु | १९१ | रेटृगु | ४७० | लट् | १३३ | लीङ्क् | ६८८ |
| रिशंत् | ७८७ | रेपृ | ३९२ | लट् | ५६२ | लीश् | ८६२ |
| रिष | २६५ | रेभृङ् | ३९९ | लटण् | ९१२ | लजुण् | ९९५ |
| रीङ्क् | ६८८ | रेवृङ् | ४२६ | लप | १७६ | लुञ्च | ५७ |
| रीश् | ८६१ | रेषृङ् | ४३२ | लबुङ् | ३९५ | लुट | १०१ |
| रुङ् | ३०८ | रै | २४ | लभिष् | ४०५ | लुटण् | ९९७ |
| रुक् | ५८३ | रोटृ | १२६ | लभुङ् | ४०१ | लुटच् | ६४६ |
| रुचि | ५१२ | रोटृ | १२६ | ललिण् | १०२८ | | |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|---------|--------|---------|--------|--------|--------|-----------|--------|
| लुटि | ५१३ | लौटु | १२६ | वन | १७२ | वस्कि | ३२४ |
| लुड | १०९ | लौंश | ८६३ | वनूयी | ८४३ | वस्तिण् | १०२१ |
| लुठ | ११३ | व | | वपीं | ५४४ | वहीं | ५४५ |
| लुठत् | ८०१ | वकुङ् | ३१३ | वभू | ५२८ | वहुण | १००८ |
| लुठि | ५१४ | वक्ष | २९७ | वयि | ४०८ | वांक् | ५७२ |
| लुठु | ११८ | वख | ३९ | वरण | ११५१ | वाक्षु | २९९ |
| लुठत् | ८०४ | वगु | ४८ | वरण् | १०६२ | वालु | ६७ |
| लुण्टण | ९०४ | वघुङ् | ३२९ | वर्चि | ३३५ | वट्टुङ् | ३६० |
| लुथु | १५२ | वचंण | १०९४ | वर्णण् | ९२१ | वातण् | १०४८ |
| लुपच् | ६५६ | वचंक् | ५८८ | वर्णण् | १०४३ | वावृतूचि | ६९३ |
| लुल्लती | ७३९ | वज | ७४ | वर्धण | ९३३ | वाशिच् | ७०४ |
| लुबु | १९३ | वजण् | ८९६ | वर्फ | १८४ | वासण् | १०६९ |
| लुबुण् | ९४२ | वञ्चिण् | १०१० | वर्हण | १००६ | वाहङ् | ४४७ |
| लुभच् | ६५७ | वञ्च् | ५९ | वर्हि | ४४४ | विट्टु पी | ८१९ |
| लुभत् | ७७५ | वट | ९४ | वलि | ४१६ | विच्छण् | ९९३ |
| लुल | ११५७ | वट | ५६० | वलकण् | ८८७ | विच्छत् | ७५१ |
| लुष | २५७ | वटण | ०३९ | वलग | ४४ | विट्टु की | ६२ |
| लुगथ | ८५६ | वटु | १०८ | वल्लु | ११३३ | विजति | ८१४ |
| लुषण् | ९५६ | वटुण् | ९०८ | वलिभ | ३९८ | विजैप् | ८३० |
| लेता | ११४३ | वटुण् | १०४० | वल्लि | ४१६ | विडट | १०२ |
| लेपृ | ३९२ | वठ | ११३ | वल्लण् | १००७ | विड | १३२ |
| लोकृण | ९९० | वठ | ३४९ | वल्लिह | ४४५ | विथुङ् | ३६७ |
| लोकृङ् | ३१५ | वडुङ् | ३५५ | वशक् | ५९१ | विदक | ५९० |
| लोचृण् | ९९२ | वण | १३७ | वष | २६३ | विदिण् | १०१२ |
| लोचृङ् | ३३२ | वद | ५४६ | वसं | ५४७ | विदिच् | ६९४ |
| लोट | ११३५ | वदिण | ११०३ | वसण | ९८७ | विदिप् | ८३४ |
| लोडु | १२५ | वदुङ् | ३७१ | वसिक् | ६०० | विदु | १६२ |
| लोष्टि | ३४५ | वन | १७१ | वसृच् | ६७३ | विद्लुती | ७३८ |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|----------|--------|---------|--------|----------|--------|--------|--------|
| विधत् | ७६५ | वृशच् | ६६२ | व्ययण | ९४४ | शपीं च | ७०८ |
| विलत् | ७८४ | वृषिण् | १०१४ | व्ययण | १०५७ | शब्दण | ९७६ |
| विशत् | ७८७ | वृष | ६६७ | व्ययी | ४९१ | शमिण | १०२६ |
| विषश् | ८८० | वृषू | २७१ | व्येगु | ५४२ | शमूच् | ६७५ |
| विष | २६९ | वृह | २८७ | व्रज | ७४ | शब् | १९० |
| विष्लंकी | ६२१ | वृहु | २८७ | व्रजण | ८९६ | शर् | २४६ |
| विसच् | ६६९ | वृहुण | १००६ | व्रण | १३७ | शल | ५३६ |
| वीक् | ५७८ | वृहु | २८५ | व्रणण | १०४३ | शल्लि | ४१७ |
| वीजण | ११५७ | वृहौत् | ७९० | व्रथौत् | ७५० | शल्लिभ | ३९८ |
| वीभृङ् | ३९७ | वृगुश् | ८६० | व्रीङ्च् | ६८९ | शव | २३६ |
| वीरणि | १०७६ | वेगु | ५४१ | व्रीडच् | ६३२ | शश | २५३ |
| वुगु | ५३ | वेङ् | ११३१ | व्रीश् | ८७१ | शष | २६६ |
| वुढत् | ८०५ | वेद् | ११३४ | वृन्दत् | ८०६ | शसुङ् | ४४० |
| वुसच् | ६७४ | वेणूग | ४७१ | व्लींश् | ८६२ | शसु | २८२ |
| वुस्तण | ९२५ | वेथुङ् | ३६७ | श | | शंसु | २८२ |
| वृकि | ३१९ | वेपृङ् | ३८९ | शकीं च | ७०५ | शाखृ | ३६ |
| वृक्षि | ४५३ | वेलण | १०६५ | शकुङ् | ३१७ | शाडृङ् | ३५९ |
| वृजैण | १०९८ | वेला | ११४४ | शक्लुट | ७२३ | शानी | ४८८ |
| वृजैकिं | ५९७ | वेल | २२९ | शचि | ३३३ | शरण | १०६३ |
| वृगुश् | ८८३ | वेल | २२८ | शट | ९४ | शामृक् | ५८८ |
| वृगुद | ७२० | वेष्टि | ३४६ | शठ | ११७ | शामृकि | ६०० |
| वृगण | १०८५ | वेस | २८१ | शठण | ९०९ | शिक्षि | ४५४ |
| वृचैप् | ८२६ | वेहृङ् | ४४६ | शठण | १०४१ | शिघु | ५४ |
| वृतण | ९९९ | वेहल | २२६ | शठिण | १०१९ | शिजुकि | ५९८ |
| वृतुङ् | ५२० | वे | २९ | शडुङ् | ३५२ | शिगट् | ७१३ |
| वृतुचि | ६९२ | व्यचत् | ७९६ | शण | ५६४ | शिट | ९६ |
| वृधण | १००० | व्यथीप् | ५४९ | शलुंद् | ५२७ | शिरुत् | ७९१ |
| वृधुङ् | ५२२ | व्यधंच् | ६३५ | शपीं ग | ४८९ | | |

(१२२६)

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|---------|--------|---------|--------|--------|--------|---------|--------|
| शिव | २६१ | शुरणि | १०७५ | आं | ५५४ | श्वल्कण | ८८६ |
| शिवण | १११६ | शुरैचि | ७०० | आंक | ५७३ | श्विसक् | ५४६ |
| शिष्टं | ८३१ | शूर्पण | ९३८ | आमण | १०३६ | श्वितङ् | ५१४ |
| शीकण | १०८९ | शूल | २२० | अग्र | ४५६ | ष | |
| शीकृ | ३१४ | शृधण | ९७९ | अग्रू | ६३९ | षगे | ५५९ |
| शीकृ | ५९३ | शृधृग | ४८३ | अग्रू | २७२ | षघट | ७२५ |
| शीधृ | ३९७ | शृधृङ् | ५२२ | अग्रिग | ८४७ | षचि | ३३२ |
| शील | २१९ | शृशू | ८६५ | अं | ७२१ | षज्जं | ९३ |
| शीलण | १०६५ | शेल | २२५ | अं | २८ | षट | १०१ |
| शुं | १२ | शोच | ६३० | औण | १४४ | षट्ण | ९०६ |
| शुक | ३२ | शोण | १४३ | शुकृङ् | ३२२ | षण | १७२ |
| शुच | ५५ | शौड | १२२ | शृग | ४७ | षणूगी | ८३६ |
| शुचैच | ७०६ | शुट | १४७ | शृख | ३६ | षदुं | ५२७ |
| शुचै | २१० | श्च्युट | १४८ | शृष्ट | ३३१ | षदुं | ७६५ |
| शुठ | ११७ | शमील | २१६ | शृषण | ९५५ | षप | १७८ |
| शुठण | ९११ | शयैङ् | ३१२ | शृषच | ६६४ | षम | २०३ |
| शुठ | ११९ | शकुङ् | ३२१ | शृष | २७३ | षर्ष | १९१ |
| शुठण | ९११ | भगु | ४६ | शृकुङ् | ३१५ | षथ | ६४ |
| शुधंच | ६४९ | भण | ५६४ | शृण | १४४ | षसक् | ५९२ |
| शुनत् | ७६६ | भणण | ९२३ | शृकुङ् | ३२० | षरज | ७५ |
| शुन्ध | १६८ | भयण | ९२३ | शृचि | ३३४ | षहच | ६४४ |
| शुधिण | ११०७ | भयण | ९२७ | शृचुङ् | ३३५ | षहण | ११२१ |
| शुभत् | ७७३ | भयण | १०४९ | शृठण | ९१० | षहि | ५३९ |
| शुभि | ५१६ | भयण | ११०२ | शृठण | १०४२ | षिगद | ७१२ |
| शुम्भ | १९७ | अथुङ् | ३६९ | शृठण | ९१० | षिगश | ८४५ |
| शुम्भत् | ७७४ | अन्यण | १०९५ | शृभ्रण | ९४६ | षिचीत् | ७३७ |
| शुलवण | ९३८ | अन्यश | ८७३ | शृल | २३२ | षिट | ९६ |
| शुषच | ६६३ | अमूच | ६७७ | शृल | २३३ | षिधू | १६७ |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|------------|--------|-------------|--------|-----------|--------|-----------|--------|
| विधूँच् | ६५० | ष्टिचि | ३३८ | सपर | ११५६ | सम्भू | १९५ |
| विधै | १६७ | ष्टुपच् | ६५७ | सभाजण् | १०३६ | सेकृङ् | ३२७ |
| विम्भू | १९६ | ष्टुभूङ् | ४०२ | समर | ११५६ | सेलृ | २२५ |
| विधूँच् | ६३९ | ष्टृप्णा | ९३५ | सम्बणा | ९४१ | सेष्टृङ् | ४२२ |
| धुंक् | ५८० | ष्टेष्टृङ् | ३८८ | सस्तुक | ५९० | स्कन्दृ | १६६ |
| धुंग्द | ७११ | ष्टैर्यै | २५ | संग्रामणि | १०७५ | स्कभृङ् | ४०२ |
| धुट्ण | ९०२ | ष्टमे | ५६० | सम्भूयस् | ११४० | स्कम्भू | ११२७ |
| धुहच् | ६४४ | ष्टल | ५३२ | सर्ज | ७७ | स्कंग्श | ८५० |
| धृत् | ७४५ | ष्टां | ८ | सर्व | १९१ | स्कृदुङ् | ३८१ |
| धृडौक् | ५९४ | ष्टिवृ | २३८ | सल | २२६ | स्कृम्भ | ११ |
| धृडौच् | ६८५ | ष्टिवृच् | ६४० | साधंष्ट | ७२६ | स्वदिष् | ५५० |
| धृदण् | ९७६ | ष्टणसृच् | ६४१ | सान्तण् | ९५४ | स्वल् | २३१ |
| धृदि | ३७९ | ष्टणांक् | ५७२ | सामण् | १०५६ | स्तक | ५५५ |
| धृष | २९८ | ष्टिणहौच् | ६८२ | सिलत् | ७८२ | स्तन | १६९ |
| धेलृ | २२५ | ष्टणहौच् | ६८१ | सुं | १४ | स्तन | ५६७ |
| धेष्टृङ् | ४२१ | ष्टणै | ३० | सुखण् | १०३३ | स्तनण् | १०५१ |
| धै | २७ | ष्टिपङ् | ३०२ | सुख | ११४८ | स्तम्भू | ११२६ |
| धोँच् | ६३२ | ष्ट्वजित् | ८१५ | सुरत् | ७७८ | स्तुम्भू | ११२७ |
| ष्टक | ५५५ | ष्ट्वदण् | ९७७ | सूचण् | १०३५ | स्तृक्ष | २९६ |
| ष्टन | ५६७ | ष्ट्वदि | ३७५ | सूत्रण् | १०५८ | स्तृंग्द | ७१८ |
| ष्टिहण् | ९६१ | ष्ट्वपंक् | ५८५ | सूक्ष् | २९८ | स्तृंहौत् | ७९२ |
| ष्टभृङ् | ४०१ | ष्ट्वष्टिक | ३२३ | सूक्ष्य | २०८ | स्तृहौत् | ७९२ |
| ष्टधिद् | ७३० | ष्ट्विदाङ् | ५१६ | सुं | १८ | स्तृगृश | ८५८ |
| ष्टिष्टृङ् | ३८७ | ष्ट्विदांच् | ६४६ | सुंक् | ६१३ | स्तेनण् | १०५२ |
| ष्टम | २०४ | स | | सृजत् | ७५४ | स्तोमण् | १०५७ |
| ष्टिमच् | ६३८ | सगे | ५५९ | सृजिच् | ६९२ | स्त्यै | २५ |
| ष्टीमच् | ६३८ | सत्रणि | १०७६ | सृष्टं | १८८ | स्थगे | ५६० |
| ष्टुंग्क् | ६०६ | सदण् | ११०५ | सृभू | १९४ | स्थुडत् | ८०५ |

| धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० | धातु० | पृष्ठ० |
|----------|--------|-----------|--------|--------|--------|----------|--------|
| स्थूलणि | १०७७ | स्मृ | ५६४ | हर्य | २०७ | हेठि | २४७ |
| स्नय | ५६५ | स्मृट् | ७२२ | हल | ५३३ | हेठ | ५६२ |
| स्निट्ण | ९०५ | स्यन्दौङ् | ५२१ | हसे | २८० | हेट्टुङ् | ३६० |
| स्नुक् | ५८२ | स्यमिण् | १०२५ | हांक् | ६१२ | हेप्टुङ् | ४३३ |
| स्पदङ् | ३७३ | स्यम् | २०२ | हिकि | ४६२ | होट्टुङ् | ३६१ |
| स्पदि | ३८२ | स्यम्भङ् | ५१८ | हित | ७२१ | हौट्टु | १३१ |
| स्पशिण् | १०२९ | संसङ् | ४३४ | हिडुङ् | ३६१ | हनुङ्क् | ५९४ |
| स्पृशत् | ७८६ | सिभृ | १९५ | हिलत् | ७८१ | होल | ५६९ |
| स्पृहण् | १०७२ | सुं | १३ | हिवु | २४९ | हजे | ५५८ |
| स्फट | ११० | खेळङ् | ३२६ | हिष्कि | १०१६ | हादि | २७९ |
| स्फरत् | ७७९ | सिं | २८ | हिसुण् | ९७४ | हीक् | ६१३ |
| स्फलत् | ७७९ | स्वगु | ४९ | हिसुण् | १११९ | हीच्छ | ६८ |
| स्फायैङ् | ४१० | आस्वदः | ९७९ | हिसुप् | ८३२ | हृट्टु | १३० |
| स्फिट्ण | ९०७ | स्वदि | ३७६ | हुंक् | ६१२ | होप्टुङ् | ४३२ |
| स्फुट्ण | ९०७ | स्वन | १७१ | हुडत् | ८०७ | हगे | ५५९ |
| स्फुटत् | ८०० | स्वन | ५६७ | हुडुङ् | ३५१ | हपण् | ९३६ |
| स्फुटण् | ९७२ | स्वरण् | १०६३ | हुट्टु | १२९ | हस | २७८ |
| स्फुटि | ३४४ | स्वर्त | ९२६ | हुच्छा | ६८ | हादैङ् | ३८० |
| स्फुट्टु | ११० | स्वादि | ३७६ | हुल | ५३६ | हल | ५६८ |
| स्फुडुण | ९१३ | स्विदुङ् | ३७१ | हुट्टु | १३० | हट्टु | १७ |
| स्फुरत् | ८१० | सष्ट | १६ | हंक् | ६२३ | हेगे | ५४३ |
| स्फुच्छा | ६९ | ह | | हग् | ४५८ | | |
| स्फुलत् | ८१० | हट | १०० | हणीङ् | ११३१ | | |
| स्फुर्जा | ८० | हठ | ११४ | हषच् | ६६६ | | |
| स्मिट्ण | ८०४ | हदि | ३७५ | हषु | २७५ | | |
| स्मील | २१७ | हनंक् | ५९१ | हस | २७७ | | |
| स्मृच्छा | ७० | हम्भ | २०५ | हेट | १०२ | | |
| स्मृ | ९४ | हय | २०७ | हेठश् | ८७२ | | |

| धातुपाठस्थ धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम न | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|-----------------------------|---|--|--|--------------------------|
| 1 | १ भू | सत्तायाम् | To be | होवुं | ६ |
| | । अथादन्ताः षडनिटश्च । | | | | |
| 2 | २ पां | पाने | To drink | पीवुं | ७ |
| 3 | ३ प्रां | गन्धोपादाने । | To smell | सुंश्चवुं | ७ |
| 4 | ४ ध्मां | शब्दाग्निसंयोगयोः । (शब्दे सुखादिना चाग्नि- संयोगे) | To blow, | शब्दकरत्रो (शङ्खविगेरेवगाड वा फुकदेवो) अग्निसलगा- ववा मोढाविगेरेथी फुंकवुं, धमवुं | ८ |
| 5 | ५ हां | गतिनिवृत्तौ | To stand | उभारहैवुं | ८ |
| 6 | ६ म्नां | अभ्यासे (अभ्यासः पारम्पर्येण वृत्तिः) | To behave like- ancestors | आम्नामां रहेवुं -घोखी याद कारवुं | ९ |
| 7 | ७ दाम् | दाने | To give | देवुं | ९ |
| | । इतः परमिदन्ताश्चत्वारः । | | | | |
| 8 | ८ जिं १ जिं | अभिभवं | To conquer | जितवुं | १० |
| 9 | १० क्षिं | क्षये | To decay | क्षय पामवुं, | १० |
| 10 | ११ इं [इतः परं षडुदन्ताः] | गतौ | To go | जवुं | १०-१३ |
| 11 | १२ वुं १३ वुं १४ वुं १५ वुं | स्थेये च । चकाराद्गतौ | To go | " | |
| 12 | १६ वुं १७ वुं | प्रसवैर्भर्ययोः । प्रसवोऽभ्य- नुज्ञातम् । ऐश्वर्यमीशान क्रिया | To be firm, to move To have power to consent | स्थिरथवुं, जवुं जाणवुं, संमति- आपथो । ठकुराह भोगववी | १३ १४ |

इतः परमुदन्ता नव

| धातुपाठस्थ धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरन्ताकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|--|--|------------------------------|--|--------------------------|
| 13 १८ | स्युं | चिन्तायाम् | To remember | याद् करवुं | १४ |
| 14 १९ | गृ २० घृ | सेचने | To sprinkle | छांदवुं | १५ |
| 15 २१ | औस्वु | शब्दो पतापयोः | To sound, to pain | शब्द करवो दुःखलाववुं | १६ |
| 16 २२ | द्ववुं | वरणे । वरणं स्थगनम् | To cover | ढांकवुं | १६ |
| 17 २३ | ध्वृ २४ ह्वृ | कौटिल्ये | To behave contrary | वक्रता (आडाह) करवो | १७ |
| 18 २५ | सुं | गतौ | To go | जवुं | १८ |
| 19 २६ | क्रुं | प्रापणे च । चकाराद्गतौ | To go to carry | लइजवुं, जवुं | १८ |
| 20 २७ | अथ ऋकारान्तः सेटू च तृ | प्लवनतरणयोः । प्लवनं मञ्जनम् । तरणमुल्लङ्घनम् | To swim to bathe in water | पाणीमां नवुं तरवुं तरीजवुं | १९ |
| 21 २८ | दूधे इतः परमैदन्ता अनु- स्वारे तच्चैकविंशतिः | पाने | To drink | पीवुं | १९ |
| 22 २९ | दैवुं | शोधने | To purify | शुद्धकरवुं | २० |
| 23 ३० | ह्यै | चिन्तायाम् । | To meditate upon | ध्यानकरवुं | २० |
| 24 ३१ | ग्ल | दृष्ये । इह दृष्यो धात्व- पचयः । | To be weak | धातुओनी क्षीणताथी कमता कादवाला थवुं. ग्लान थवुं | २१ |
| 25 ३२ | म्लौ | गात्रविनामे । विनाः कान्तिक्षयः | To grow weary | कीका चेरावाला थवुं म्लान थवुं | २२ |

| धातुपटस्थ धातुः | इतरग्रन्थस्य धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुज० रभाषायामर्थः | धातुलानाकर पत्राङ्कः |
|--------------------|---|---|--------------------------------------|--|-------------------------|
| २६ | ३३ धौ | न्यङ्गकरणे । कुत्सितमङ्गं न्यङ्गम् | To disfigure | अङ्गन खराब करवुं | २२ |
| २७ | ३४ द्रे | स्वप्ने | To sleep | सुवुं | २३ |
| २८ | ३५ छे | तृप्ती | To be satisfied | तृप्तं थवुं | २४ |
| २९ | ३६ के ३७ गौ ३८ रे | शब्दे | To sound | शब्दकरवो (गौ-गावुं) | २५ |
| ३० | ३९ एवै ४० स्यै | संवाते | To be collected in | भेगामकीने ढगलारुप थवुं | २५-२६ |
| ३१ | ४१ खे | खदने । खदनं हिंसा - स्थेयश्च | a heap To strike, to be steady | जथ्यारुपे थवुं समुदायरुप थवुं हिंसा करवो स्थिर थवुं | २६-२७ |
| ३२ | ४२ क्षौ ४३ जै ४४ से | क्षये | To decrease | क्षीण थवुं | २७ |
| ३३ | ४५ खे ४६ श्रै | पाके | To boil | पकाववुं | २८ |
| ३४ | ४७ पै ४८ औवै | शोषणे | To wither | सुकाववुं | २९ |
| ३५ | ४९ ङजं | वेष्टने | To coil around | वीटवुं | ३० |
| ३६ | ५० फक्क | नीचैर्गतौ । नीचैर्गतिर्मन्द- गमनमसद्व्यवहारश्च | To walk slowly To be have falsely | धीमे चालवुं, खोटो व्यवहार करवो. | ३० |
| ३७ | ५१ तक | हसने | To laugh | हसवुं | ३१ |
| ३८ | ५२ तऊ | कृच्छ्रजीवने | To live in distress | दुःखी अवस्थामां जीववुं. | ३१ |
| ३९ | ५३ शुक् | गच्छे | To go | जवुं | ३२ |
| ४० | ५४ बुक्क | भाषणे | To speak | कहेवुं, भसवुं. | ३२ |
| ४१ | अथ खान्ता द्विविकृति. सेटश्च । ५५ ओखु ५६ राखु ५७ | शोषणालमर्थयोः | To be dry, to be able | सुलावुं समर्थ थवुं | ३३-३५ |

| भट्टपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | सेव्यतभाषायामर्थः | आङ्गलभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | शतुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|---|---------------------------------------|-------------------|----------------------|-------------------------|
| 42 | लाखु ५८ ब्राखु ५९ ब्राखु | व्याप्तौ | " | शोभावतुं निवारण करतु | ३६ |
| 43 | ६० शाखु ६१ भ्लाखु | हसने | To pervade | व्यापोने रहेतु | ३७ |
| 44 | ६२ कबख | गतौ | To laugh | हसतुं | ३७-५१ |
| | ६३ उख ६४ नख ६५ णख | | To go | जतुं | |
| | ६६ बख ६७ मख ६८ | | | | |
| | रख ६८ लख ७० मखु | | | | |
| | ७१ रखु ७२ लखु ७३ | | " | " | |
| | रिखु ' ४ इख ७५ इखु | | " | " | |
| | ७६ इखु | | | | |
| | अथ गान्ता अष्टादश सेटो वलगवर्जा उदितव । | | | | |
| | ७७ वलग ७८ रेगु ७९ लगु | | | | |
| | ८० तगु ८१ अगु ८२ भलगु | | | | |
| | ८३ अगु ८४ वगु ८५ मगु | | | | |
| | ८६ स्वगु ८७ इगु ८८ उगु | | | | |
| | ८९ रिगु ९० लिगु | | | | |
| 45 | ९१ त्वगु | कम्पने च । चक्राद्गतौ | To tremble, to go | धुनतुं जतुं | ५१ |
| | | स्थितस्यैव चलने कम्पन- | | | |
| | | म । गतिदेशान्तर प्राप्तिहेतुः क्रिया, | | | |
| | | वर्जन | To avoid | वर्जन करतुं | ५२-५३ |
| 46 | ९२ युगु ९३ जगु ९४ वुगु | | | | |
| | अथ घान्ताश्चत्वारः सेटो गववर्जा | | | | |
| | उदितव : | | | | |

| धातुपाठस्थ धातुः | प्रत्येकधातवङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरङ्गनाके पत्राङ्कः |
|---------------------|----------------------------|---|---------------------------------------|-------------------------------------|---------------------------|
| 47 | ९५ गग्ध | हसने | To laugh | हसवुं | ५३ |
| 48 | ९६ दधु | पालने | To protect | पात्रन करवु | ५४ |
| 49 | ९७ शिशु | आघ्राणे । आघ्राणं गन्धोपादानम् । | To smell | सुंघवुं | ५५ |
| 50 | ९८ लघु | शोषणे | To dry | सुकाववुं | ५६ |
| 51 | ९९ शुच | शोके | To regret | शोक करवो | ५७ |
| 52 | १०० कुच | शङ्के तारे । तार उच्च हन्यर्थः गतौ | To eny out [be have contray | मोटां अशज करवो | ५८ |
| 53 | १०१ कुक्ष | | To go to be come small | जत्रु (वक्रता करवो, छोटुं थवुं) | ५९ |
| 54 | १०२ कुक्ष च | कौटिल्यालपीभावयोः । वकारः कुक्षोऽनुकुर्षणा- शस्तेन कुडवस्त्रैर्यर्थं सिद्धम् । अपनयने । अनुपयुक्ता- पासने | To become small, to behave contray | वक्रता करवी, छोटुं थवुं | ६० |
| 55 | १०३ लुञ्च | | To throw off useless | नकामी वस्तु फेकी देवी | ६१ |
| 56 | १०४ अर्च | पूजायाम् | To worship | पूजवुं | ६२ |
| 57 | १०५ अञ्च | गतौ च । चकारान्पूजायाम् | To go, to worship | जवुं पूजवुं | ६३ |
| 58 | १०६ वञ्च | गतौ | To go | जवुं | ६४-६५ |
| | १०८ तञ्च | | | | |
| | ११० मञ्च | | | | |

| भट्टपाठस्थ शालङ्क्यः | प्रत्येकधात्वद्धा. धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|--|-----------------------|---------------------|-----------------------------|--------------------------|
| | ११२ झञ्च् ११३ झञ्च् ११४ म्लुञ्च् ११५ म्लुञ्च् ११६ षस्व ११७ युञ्च् ११८ ग्लुञ्च् अथ छान्ता एकादश संटश्च | स्तेये | " " To steal | चोरी करवी | ६४-६५ |
| 60 | ११९ म्लेछ | अव्यक्तयां वाचि | To speak confusedly | अर्थ नहि समजाय तेवुं बोलवुं | ६५ |
| 61 | १२० लछ १२१ लाछु | लक्षणे | To mark | निशानीवाछु करवुं बतलाववुं | ६६ |
| 62 | १२२ वाछु | इच्छायाम् | To wish | इच्छवुं | ६७ |
| 63 | १२३ आछु | आयामे | To extend | लांवुं थवुं. | ६७ |
| 64 | १२४ हीछ | लज्जायाम् | To be ashamed | शरमावुं | ६८ |
| 65 | १२५ हुछां | कौटिल्ये | To be crooked | वक्रता करवी | ६८ |
| 66 | १२६ मुछां | मोहसमुच्छ्राययोः | To faint | मूच्छीपामवो उंचावधवुं | ६९ |
| 67 | १२७ रफुछां १२८ स्फुछां | विस्मृतौ | To forget | भुलीजवुं | ६९-७० |
| 68 | १२९ युछ | प्रमादे | To be idle | आलसकरवी | ७० |
| | अथ जान्ताश्चतुश्चत्वारिंशत्त्यजषश्च- वर्जाः सेटश्च | | | | |
| 69 | १३० धुज १३१ धुजु १३२ ध्वज १३३ ध्वजु १३४ ध्रज १३५ ध्रजु १३६ वज १३७ व्रज १३८ षम्ज | गतौ | To go | जवुं | ७१-७५ |
| | | | " " | | |
| 70 | १३९ अज | क्षपणे च । चकाराद्गतौ | To go, to throw | फेंकवुं जवुं | ७५ |
| 71 | १४० कुञ्च् १४१ खञ्च् | स्तेये | To steal | चोरी करवी | ७६ |

| धातुः | धातुगणः | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुजरभाषायामर्थः | पत्राङ्कः |
|-------|--------------------------------|-----------------------------|-------------------------|---------------------------------|-----------|
| 72 | १४२ अर्ज १४३ सर्ज | अर्जने | To procure, to earn | भेलवजु कमावुं | ७६ |
| 73 | १४४ कर्ज | व्यथने | To distress | पीडा करवी | ७७ |
| 74 | १४५ खर्ज | मार्जने च । चकाराद् व्यथने | To cleanse, to distress | साफ करवुं पीडा करवा | ७८ |
| 75 | १४६ खज | मग्ये । मग्यो विलोडनम् | To churn | मथन करवु | ७९ |
| 76 | १४७ खजु | गतिवैकल्ये । गतेवैकल्यं | To walk lame | लंगडा चालवुं | ८० |
| 77 | १४८ एजु | विकृतत्वम् | To tremble. | द्रुजवुं | ८० |
| 78 | १४९ द्रवोस्फूर्ज | कम्पने | To thunder, | वज्रमारवाथी गजना एवी | ८० |
| 79 | १५० क्षीज १५१ कृज | वज्रनिर्घोषे | To speak in- | अथ नहि समजाय तेवुं | ८१-८२ |
| 80 | १५२ गुज, १५३ गुजु | अव्यक्तते शब्दे | distinctly | बोखवुं | ८१-८२ |
| 80 | १५४ लज १५५ लजु | भर्त्सने | To blame | उपको आपवो | ८३-८४ |
| 81 | १५६ तर्ज | | | | |
| 81 | १५७ लाज १५८ लाजु | भर्जने च । चकाराद् भर्त्सने | To blame, to fry. | हुंजवुं उपको आपवो | ८४-८५ |
| 82 | १५९ जज १६० जजु | युद्धे | To fight | युद्ध करवुं | ८५-८६ |
| 83 | १६१ तुज | हिंसायाम् | To kill | हिंसायाम् | ८६ |
| 84 | १६२ तुजु | बलने च, चकाराद्धिंसायाम् | To kill, to breathe | ध्यासलेवो, मुकवो, हिंसाकरवी, ८७ | |
| 85 | १६३ गर्ज १६४ गजु १६५ गजु | बलनं प्राणनम् | To sound | शब्द करवो | ८७-९१ |
| 86 | १६६ गुज १६७ गुजु | शब्दे | | | |
| 86 | १६८ मुज १६९ मुजु १७० मज १७१ मज | भदने च । चकाराच्छब्दे । | To sound, to be in- | मदन्मत शब्दु शब्द करवो | ९२ |

| धातुपाठस्थ धातुः | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | भाङ्गप्रभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुलकार पत्राङ्कः |
|-------------------------------|--------------------------|---|-------------------------|------------------------------|-----------------------|
| 87 १७२ त्यजं | | मदनं मद्योत्पत्तिः | -toxicated. | | |
| 88 १७३ षजं | | हानौ । हानिस्त्यागमः | To abandon. | त्याग करवो | १२ |
| अथ दान्ता अष्टात्रिंशत्सेटश्च | | सङ्गे | To accompany | सोबत करवी | १३ |
| 89 १७४ कटे | | वर्षाविरणयोः । वृष्टावाव- रणे चार्थे । | To cover, to rain. | वरसबु, ढांकवु | १३ |
| 90 १७५ शट | | रुजाविशरणगत्यवशा तनेषु । बतुष्वर्थेषु । | To besick, to disunite | रोगी शबुं, सडी जवुं | १४ |
| 91 १७६ वट | | वेष्टने | To go, to be rotten, | जबु, पातला थबु, | १४ |
| 92 १७७ क्कट १७८ खिट | | उत्त्रासे । उत्त्रासो भयोद्ग- तिरुत्त्रासनश्च । | To suround. | विटवुं | १४ |
| 93 १७९ शिट १८० षिट | | अनादरे | To fear, to give pain | भयपामवुं, त्रास पमाडवो | १५ |
| 94 १८१ जट १८२ झट | | संघाते | To despise, | अवगणना करवी. | १६ |
| 95 १८३ पिट | | शब्दे च । चकारात्संघाते | To combine | मेगा मलो जवुं, जत्यारूप थबुं | १७ |
| 96 १८४ भट | | मृतौ । मृतिर्वैतनं भरणञ्च । | To sound, to combine | शब्द करवो, मेगामली जवुं | १८ |
| 97 १८५ तट | | उच्छ्राये । | To feed, to serve | नोकरी करवी, पोषण करवुं | १८ |
| 98 १८६ खट | | काङ्क्षे । काङ्क्षास्यास्तीत्य आदिवाद्ः काङ्क्षः । का- ङ्क्षाविशिष्टो धातुवर्थः । | To rise | उंबु वधवु | १९ |
| | | मृतौ | To wish | अभिलाषा करवी | १९ |
| 89 १८७ णट | | | To dance | नाखबु | १०० |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|--|---|--------------------|-----------------------------|--------------------------------------|--------------------------|
| 100 १८८ हट | दीप्तौ | | To shine | बलकयु | १०० |
| 101 १८९ षट | अनयवे | | To form a part | एक भाग होवु, एक भागमां क्रिया थवी | १०१ |
| 102 १९० लुट | विलोटने | | To wallow | आलोदवु | १०१ |
| 103 १९१ चिट | गैर्ये । गैर्यं दासत्वम् । | | To be slave | बाकर थवु | १०२ |
| 104 १९२ विट | शब्दे | | To sound | शब्द करवो | १०२ |
| 105 १९३ हेट | विबाधायाम् | | To injure | पीडा करवी, दुःख देवुं | १०३ |
| 106 १९४ अट १९५ पट १९६ कट इट १०७ किट १९८ कट १९९ कट्ट २०० कट | गतौ | | To go | जवुं | १०३-१०६ |
| 107 २०१ कुट्ट | वैकर्ये | | To have a defect, | खोडखांपणवाळा थवुं | १०६ |
| 108 २०२ सुट | प्रमदने | | To turn forcibly | मरडवुं | १०७ |
| 109 २०३ चुट २०४ छुट | अरूपीभावे | | To become small | न्हाना, नवुं | १०७-१०८ |
| 110 २०५ षट्ट | विभाजनं । विभाजनं विभागी करणम् । | | To part | खुट्ट करवुं | १०८ |
| 111 २०६ रुट्ट २०७ लुट्ट | स्तेये | | To steal | चोरी करवी | १०९ |
| 112 २०८ स्फट २०९ स्फुट्ट | विसरणे | | To break | फुटी जवुं | ११० |
| 113 २१० लट | बाह्ये । बाह्यं बालक्रिया | | To be childish, to speak | बालचेष्टा करवी, बोलवुं | १११ |
| 114 २११ रट [अथ टान्ताः सन्तदश सेटश्च] | परिभाषणे । चकारोलटानुक वर्णार्थस्तेन लटे रर्थद्वयं | | To speak | बोलवुं | |

| प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुलकार पत्राङ्कः |
|-----------------------------|------------------------|-----------------------------|----------------------------|--------------------------|--------------------|
| ११२ | रठ च | सिद्धम् | .. | | |
| ११५ | २१३ पठ | व्यक्तायां वाचि | To read | स्पष्ट बोलवुं | ११२ |
| ११६ | २१४ चठ | स्थौल्ये | To be fat [proud of | जाडाथवुं | ११३ |
| ११७ | २१६ मठ | मदनिवासयोश्च | To be fat, to dwell, to be | मदकरवो, रहेवुं, जाडाथवुं | ११३ |
| | | चकारास्थौल्ये | proud of | | |
| ११८ | २१६ कठ | कृच्छजीवने | To live in distress | दुःखीअवस्थामां जीववुं | ११४ |
| ११९ | २१७ हठ | बलात्कारे | To be ravish | हठ करवो | ११४ |
| १२० | २१८ उठ २१९ रुठ २२० लुठ | उपधाते | To strike | खेद पमाडवो | ११५-११६ |
| १२१ | २२१ पिठ | हिंसासंक्लेशनयोः | To kill to quarrel | हिंसाकरवो क्लेशकराववो | ११६ |
| १२२ | २२२ शठ | कैतवे च । चकाराद् | To deceive, to kill, | कपट करवुं, हिंसाकरवो | ११७ |
| | | हिंसासंक्लेशनयोः । | to quarrel | क्लेशकराववो, दुःखभोगववुं | |
| १२३ | २२३ शुठ | प्रतीघाते | To strike | मार मारवो | ११७ |
| १२४ | २२४ कुठ २२५ लुठ | आलस्ये च । चकाराद् | To be idle, to strike | आलस करवो, मार मारवो | ११८ |
| | | गतिप्रतीघाते | | | |
| १२५ | २२६ शुठ | शोषणे | To dry | सुकाववुं | ११९ |
| १२६ | २२७ अठ २२८ रुठ | गतौ | To go | जवुं | ११९-१२० |
| | | अथ ङन्तोस्त्रिंशत्सेयश्च | | | |
| १२७ | २२९ पुडु | प्रमर्दने | To rub | मरडवुं | १२० |
| १२८ | २३० मुडु | खण्डने च । चकारात्प्रमर्दने | To cut a form, to rub | खंडित करवुं, मरडवुं | १२१ |
| १२९ | २३१ मडु | भूषायाम् | To decorate | शणगारवुं | १२१ |
| १३० | २३२ गडु | वदनैकदेशे । गण्डगतसंहत- | .. | मुखना एकभाग थवुं | १२२ |

| धातुषष्ठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|---------------------------|---|--|----------------------|-------------------|--------------------------|
| नक्रियायामित्यर्थः | | | | | |
| 131 | २३३ शौड् | गर्वे | To be proud | अभिमान करवुं | १२२ |
| 132 | २३४ यौड् | सम्बन्धे । सम्बन्धः प्रलेशः | To join | जोडावुं | १२३ |
| 133 | २३५ मेड २३६ मेड् २३७ म्लेड २३८ लोड २३९ लौड | उन्मादे | To be mad | गांडा थवुं | १२३-१२५ |
| 134 | २४० रोड २४१ रौड २४२ तौड् | अनादरे | To dishonour | अनादर करवो | १२६-१२७ |
| 135 | २४३ क्रीड | विहारे | To play | क्रीडा करवी | १२७ |
| 136 | २४४ तुड २४५ तूड २४६ तोड | तोडने । तोडनंदारणम् | To break | तोडो नाखवुं | १२८-१२९ |
| 137 | २४७ हुड २४८ हूड | गतौ | To go | जवुं | १२९-१३१ |
| 138 | २४९ हुड् २५० हौड २५१ खौड् | प्रतीघाते गतावित्यनुवृत्ते- र्गति विषये प्रतीघाते | To be lame | लंगडा थवुं | १३१ |
| 139 | २५२ विड | आक्रोशे | To be cry out loudly | तर्जना करवी | १३२ |
| 140 | २५३ अड | उद्यमे | To exert | उद्यम करवो | १३२ |
| 141 | २५४ लड | विलासे | To play | रमवुं, लाडकरवा | १३३ |
| 142 | २५५ कड | मदे | To be proud | मद करवो | १३४ |
| 143 | २५६ कड् | कार्कश्ये | To be hard | कठीन थवुं | १३४ |
| 144 | २५७ अड् | अभियोगे | To attack | हल्लो करवो | १३५ |
| 145 | २५८ चुड् | हावकरणे । हावोभाव सूचनम् ॥ | To show one's wish | भाव जणाववो | १३५ |

अथ णान्ता एकोनविंशतिः सेटश्च ।

| अ. क्र. | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | भाङ्गलभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|---------|--|---------------------------------|--|---------------------------------------|-----------------------|
| 146 | २५९ अण २६० रण २६१ शब्दे । शब्दः वण २६२ व्रण २६३ वण २६४ भण २६५ झण २६६ मण २६७ धण २६८ ध्वण २६९ झण २७० कण २७१ क्वण २७२ चण | शब्ददे । शब्दः शब्दक्रिया | To sound | शब्द करवो | १३६-१४१ |
| 147 | २७३ ओण | अरणयने | To remove | दूर करवुं | १४३ |
| 148 | २७४ ओण | वर्णगत्योः | To be redish, to go | लाल थवुं, जवुं | १४३ |
| 149 | २७५ ओण २७६ श्लोण | संघाते | To unite | भेग थवुं | १४४ |
| 150 | २७७ पैण | गतिप्रेरणश्लेषणेषु- | To go to embrace, to suggest to act | जवुं, प्रेरणा करवी, भेटवुं जोडावुं | १४५ |
| 151 | अथ तान्ता दश सेटश्च ॥ २७८ चित्ते | संज्ञाने । संज्ञानं संवित्तिः । | To know | अनुभव करवो | १४५ |
| 152 | २७९ अत | सातत्यगमने । सातत्योः । | To go constantly | निरन्तर जवुं | १४६ |
| 153 | २८० च्युट्ट | गमनं नित्यगतिः । | To sprinkle in small- quantity | थोडुं छांटवुं | १४६ |
| 154 | २८१ चुट्ट २८२ स्त्रुट्ट | आसेचने । आसेचनमीष- त्सेकः । | To ooje | झरवुं | १४७-१४८ |
| 155 | २८३ स्त्रुट्ट | क्षरणे । क्षरण स्रवणम् । | To shine | झलकवुं झलकाववुं | १४८ |
| 156 | २८४ छुट्ट | भासनं | To bind | बांधवुं | १४९ |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रेत्येकवाक्ये धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरन्नाकर पन्नाङ्कः |
|---|---------------------------|----------------------------|----------------------------------|------------------------------------|--------------------------|
| 157 २४६ कित | | निवासे | To dwell | वसतु | १४९ |
| 156 २४७ कृत | | धृणागतिसर्पेषु | To be kind to go; to compete, | दया करी, जवुं, हरीफाह करवी, | १५० |
| अथ शान्ताः षट् सेटश्च | | | | | |
| 159 २८८ कुथु २८९ पुथु २९० | | हिंसा संक्लेशयोः । हिंसा- | To hurt to kill | हिंसा करवी, पीडा करवी दुःख देवु | १५१-१५४ |
| लथु २९१ मथु २९२ मन्थ | | प्राणयुपघातः । संक्लेसो | | | |
| २९३ मान्थ | | बाधा । | | | |
| अथ दान्ताः षट् विशतिः स्फूर्ति- वर्जः सेटश्च । | | | | | |
| 160 २९४ खाद्यु | | भक्षणे | To eat | खातुं | १५४ |
| 161 २९५ बद्यु | | स्थेये | To be firm | स्थिर थवुं | १५५ |
| 162 २९६ खाद्यु | | हिंसायाश्च । चकारात्स्थेये | To kill, to be firm | हिंसा करवी, स्थिर थवुं | १५५ |
| 163 २९७ गद्यु | | व्यक्तायां वाचि | To speak distinctly | स्पष्ट बोलवुं | १५६ |
| 164 २९८ रद्यु | | विलोखने । विलोखनसु- | To carve | खोदवुं कोतरवुं | १५६ |
| 165 २९९ णद्यु ३०० भिक्षिबदा | | त्पाटनम् अन्यक्ते शब्दे | To speak indistinctly | अर्थं नहि समजाय तेवुं बोलवुं | १५७ |
| 166 ३०१ अद्यु | | गतियाचनयोः | To go to beg | जवुं, मागवुं, | १५८ |
| 167 ३०२ णद्यु ३०३ नद्यु | | शब्दे | To sound | शब्द करवी | १५८-१५९ |
| 168 ३०५ तद्यु | | हिंसायाम् | To kill | हिंसा करवी | १५९ |

| अत्येकधात्वङ्गं धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्गलभाषायामर्थः | गुजराभाषायामर्थः | धातुलकार पत्राङ्कः |
|------------------------------|--|---------------------------------|--|--------------------|
| 169 ३०६ कदे | कुत्सिते शब्दे | To rumble | खराव शब्द करवो | १६० |
| 170 ३०७ खद | दशने । दशनमिहदन्द- शुक्कर्तृकं दन्तकर्म । | To bite | सापनुं करडवुं | १६० |
| 171 ३०८ अडु | बन्धने | To bind | बांधवुं | १६१ |
| 172 ३१ इडु | परमेश्वर्ये । परमैश्वर्यं | To be lord | ठकुराह भोगववी | १६१ |
| 173 ३१० विडु | परमेशनक्रिया अवयवे । अवयव एकदशः अनेनस्वगता क्रिया लक्ष्यते | To act in one part | एकभागमां क्रिया थवी | १६२ |
| 174 ३११ णिडु | कुत्सायाम् । | To censure | निन्दा करवी | १६२ |
| 175 ३१२ टुनडु | समृद्धौ | To be prosperous | समृद्धिवाला थवुं | १६३ |
| 176 ३१३ चडु | दीप्त्याह्लादनयोः । | To shine, to make delightful | झलकवुं आनन्द एमाडवो | १६३ |
| 177 ३१४ वडु | आह्लादनमानन्दोत्पादनम् चेष्टायाम् । | To act | चेष्टाकरवो | १६४ |
| 178 ३१५ कडु ३१६ कडु ३१७ कलडु | रोदनाह्लादनयोः । | To cry, to call | रडवुं बोलाववुं | १६४ १६५ |
| 169 ३१८ किलडु | परिदेवने । परिदेवनं शोचनम् | To lament | शोक करवो | १६६ |
| 180 ३१९ स्कन्हु | गतिशोषणयोः । | To go to dry | जवुं सुकाववु | १६६ |
| अथ धान्तास्त्रयः | | | | |
| 181 ३२० विधू | गत्याम् | To go | जवुं | १६७ |
| 182 ३२१ विधो | शास्त्रमाङ्गल्ययोः । शास्त्रं शास्त्रविषयं | To advise in scriptures | शास्त्रसंबधी शोबामण देवी मंगलकारी काम करवुं | १६७ |

| धातुपाठस्थ धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|--|---|---------------------------|-----------------------------|--------------------------|
| | | शासनम् । माङ्गल्यं मङ्गलविषयाक्रिण- | | | |
| 183 | ३२२ शुभ्य | शुद्धौ | To be pure | शुद्ध थवुं | १६८ |
| 184 | अथ नान्ता नव सेटश्च ३२३ स्तन ३२४ धन ३२५ शब्दे ध्वन ३३६ चन ३२७ स्वन ३२८ वन | शब्दे | To sound | शब्द करवो | १६९-१७१ |
| 185 | ३२९ वन ३३० वन | भक्तौ । भक्तिर्भजनम् । | To pray to god to go | भजन करवुं | १७२ |
| 186 | ३३१ कनै | दीप्तिप्रकाशः । कान्तिः शोभा । | To shine to be beatiful | झलकवुं, शोभवुं, जवुं | १७२ |
| | अथ पान्ताः पञ्चदशगुणौ वेद्र तपं सृष्ट्व अनिदौ शेषाः सेटश्च | | | | |
| 187 | ३३२ गुणौ | रक्षणे | To protect | रक्षणकरवुं | १७३ |
| 188 | ३३३ तपं ३३४ धूप | संतापे | To be hot to suffice pain | तपवुं संताप करवो | १७४ |
| 189 | ३३५ रप ३३६ लप ३३७ जलप | व्यक्ते वचने | To speak distinctly | स्पष्ट बोलवुं | १७५-१७६ |
| 190 | ३३८ जप | मानसे च । मनोनिवर्त्ये वचने । चकाराद्भ्यक्ते वचने | To mutter, to speak | मनमां जाप करवो स्पष्टबोलवुं | १७७ |
| 191 | ३३९ चप | सान्त्वने | To consoleted | खुशी करवुं | १७८ |

(१२४४)

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते ॥

| पटस्थ धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|--------------------|--|--|--------------------------------|--------------------------------------|--------------------------|
| 192 | ३४० षप | समवाये | To unite | एक थइ जवुं | १७८ |
| 193 | ३४१ सृल्ल | गतौ | To go | जवुं | १७९ |
| 194 | ३४२ चुप | मन्दायाम् । गतावित्यनु - वृत्तेर्मन्दायां गतौ | To go slowly | धीमे धीमे जवुं | १७९-१८४ |
| 195 | ३४३ तुप ३४४ तुम्प ३४५ तुप ३४६ तुम्प | हिंसायाम् " | To kill " | हिंसा करवी | |
| | अथ फान्ताः सप्त सेटश्च ३४७ तुफ ३४८ तुम्फ ३४९ तुफ ३५० तुम्फ | | | | |
| 196 | ३५१ वफ ३५२ रफ ३५३ रेफु अथ बान्ता अष्टादश सेटश्च ३५४ अर्ब ३५५ कर्ब ३५६ खर्ब ३५७ गर्ब ३५८ चर्ब ३५९ तर्ब ३६० नर्ब ३६१ पर्ब ३६२ बर्ब ३६३ शर्ब ३६४ खर्ब ३६५ सर्ब ३६६ रिबु ३६७ रबु | गतौ | To go | जवुं | १८४-१९२ |
| 197 | ३६८ कुबु | गताच्छादने | | " | " |
| 19८ | ३६९ लुबु ३७० जुबु | अदने | | " | " |
| 199 | ३७१ वुबु | वक्त्रसंयोगे । | | " | " |
| | | | To cover To pain To kiss | ढांकवुं डुःख आपवुं चुंवन करवुं | ३९२ ३९३ ३९४ |

| धातुगठस्थ धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषागम्यार्थः | आङ्ग्लभाषागम्यार्थः | धातुरन्ताकर पत्राङ्कः |
|------------------------|---|---|---------------------|-------------------------------------|
| संबन्धः | | | | |
| अथ मान्ताः सत्तदश | | | | |
| 203 | यमुंणमंगल्लं वज्जी सेट्ठ ३८० चम् ३८१ छम् ३८२ | अदने | To eat | १९८-२० |
| 204 | जम् ३८३ झम् ३८४ जिम् ३८५ ऋम् | " पादविक्षेपे । पादन्यास इत्यर्थः | " To walk | " २०१ |
| 205 | ३८६ यम् | उपरमे । उपरमो निवृत्तिः | To stop | २०१ |
| 206 | ३८७ स्यम् | शब्दे | To sound | २०२ |
| 207 | ३८८ णम् | प्रहृत्वे । प्रहृत्वं नम्रत्वम् | To bend | २०३ |
| 208 | ३८९ षम् ३९० षट्म | वैक्लव्ये । वैक्लव्यं कातरत्वम् | To be vigourless | २०३-२०४ |
| 209 | ३९१ अम् | शब्दभक्त्योः भक्तिर्भजनम् | To sound, to pray | २०४ |
| 210 | ३९२ अम् ३९३ द्रम् ३०४ हम् ३९५ मीम् ३९६ गम् | गतौ | To go | २०४-२०६ |
| | अथ याता अन्तौ सेट्ठ | " | " | " |
| 211 | ३९७ ह्य ३९८ हर्य | कलान्तौ च । चकारादन्तौ | To be weary, to go | २७ |
| 212 | ३९९ मव्य | बन्धने | To bind | २०८ |
| 213 | ४०० सुक्ष्य ४०१ ईक्ष्य ४०२ ईक्ष्य | ईर्ष्यायाः | To envy | २०८-२०९ |
| 214 | ४०३ शुक्ष्य ४०४ शुक्ष्यै | अभिषवे । द्रवेण द्रवाणां | To perfume a fluid | प्रवाही वस्तुथो प्रवाही वस्तुने २१० |
| | | परिचासनमभिषवः | by another fluid | सुगन्धि वनाववी |

| उपलब्ध पत्राङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम 'य' | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुत्लकार पत्राङ्कः |
|----------------------------|--------------------------------|-----------------------------|---------------------------|----------------------------|-------------------------|
| अथ रान्ता अष्टौ सेटश्च | | | | | |
| 215 | ४०५ तसर | छद्मगतौ छद्मप्रकार इत्यर्थः | | कपटयो जवुं चांकापणायो जवुं | २११ |
| 216 | ४०६ वमर | हूडने । हूडने कौटिल्यम् | To be crooked | वक्रता करवी | |
| 217 | ४०७ अम्र ४०८ वम्र ४०९ मज्र गतौ | भक्षणे च । चकाराव्रतौ । | To go | जवुं | २१२-२१३ |
| 218 | ४१० चर | गतेश्चातुर्ये | To eat, to walk | खावुं जवुं | २१३ |
| 219 | ४११ चोर | प्रतीयाते । गतेरित्यनु | To walk skillfully | चनूराइथी चालवुं | २१४ |
| 220 | ४१२ खोर | वृत्तेगतिप्रतीयाते | To be lame | लंगडा थवुं | २१४ |
| अथ लाग्नाश्चत्वारित्सेटश्च | | | | | |
| 221 | ४१३ दल ४१४ विफला | विशरणे | To be scattered | सडीजवुं, विखराइजवुं | २१५ |
| 222 | ४१५ मील ४१६ स्मील | निमेषणे निमेषणं संकोचः | To concentrate | संकोचित करवुं | २१६-२१७ |
| 223 | ४१७ स्मील ४१८ क्षमील | " | " | " | " |
| | ४१९ णील | प्रतिष्ठम्भे । प्रतिष्ठम्भो | To erect in ground | रोपवुं | २१८ |
| 224 | ४२० णील | रोपणम् | | | |
| | | वर्णे । वर्णोपलक्षितायां | To be green | लोलाथवुं | २१८ |
| 225 | ४२१ शील | क्रियायाम् | | | |
| | | समाधौ । समाधिरैकाग्र्यम् | To contemplate in a thing | एकाग्र थवुं | २१९ |
| 226 | ४२२ कीच | बन्धे | To bind | बांधवुं | २१९ |
| 227 | ४२३ झूल | आवरणे | To cover | ढांकवुं | २२० |
| 228 | ४२४ शूल | रुजायाम् । | To be ill | रोगी थवुं | २२० |

| | | | | | |
|-----|--|--|---|---|---------|
| 229 | ४२५ तुल | निष्कर्षे । निष्कर्षोऽन्त- स्थस्य बहिर्निःसारणम् | To draw out | अन्दरनी वस्तुने बहार काढवी | २२१ |
| 230 | ४२६ मूल | संघाते | To unite | पकटा थवुं | २२१ |
| 231 | ४२७ मूल | प्रतिष्ठापाम् | To root | आधार रुप थवुं | २२२ |
| 232 | ४२८ फल | निष्पत्तौ निष्पत्तिः सिद्धिः | To fulfil according to wish | इच्छा मुजब काम थवुं | २२२ |
| 233 | ४२९ फुल्ल | विकसने | To bloom | खोलवुं | २२२ |
| 234 | ४३० चुल्ल | हावकरणे । मैथुनेच्छा- प्रेरितशरीरविकारो हावकरणम् | To sport with a wish of intercourse | संभोगतो इच्छाथी शरीरनी चेष्टा करवी | २२३ |
| 235 | ४३१ चिल्ल | शैथिल्ये च । चकाराद्धा- वकरणे | To be come loose, to sport with a wish of intercourse | हीनथवुं संभोगनी इच्छाथी शरीरनी चेष्टा करवी | २२३ |
| 236 | ४३२ पेल ४३३ फेल ४३४ रोल ४३५ रेल ४३६ सेल ४३७ वेल्ह ४३८ सल ४३९ तिल ४४० तिल्ल ४४१ पल्ल ४४२ वेल्ह | गतौ " " " " " " | To go " " " " " " | जवुं " " " " " " | २२४ २२८ |
| 237 | ४४३ देल ४४४ चेल ४४५ कैल ४४६ क्वेल ४४७ खेल ४४८ सबल | चलने | To move | चालवुं | २२८-२३१ |

| धातुपाठस्य धातुः | प्रत्येकधातुको धातुताम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-----------------------|-----------------------------------|--|----------------------|---------------------|--------------------------|
| 238 | ४४९ खल | संचये च । चकाराच्चलने | To collect, to move | पकटुं करवुं, चालवुं | २३२ |
| 239 | ४५० भ्वल ४५१ भ्वल्ल | आशु गतौ | To go quickly | जल्दी जवुं | २३२-२३३ |
| 240 | ४५२ गल | अदने । गलः स्वर्णेऽप्यनेकार्थत्वात् | To eat, to ooze " | खावुं (गल) शरवुं | २३३ |
| अथ वान्ताः सप्तत्रिंश | | | | | |
| तसेटश्च | | | | | |
| | ४५३ चर्व | अदने | " | पुरवुं | २३४ |
| 241 | ४५४ पूर्व ४५५ पर्व ४५६ मर्व-पूरणे | | To fill | पुरवुं | २३४-२३५ |
| 242 | ४५७ मर्व ४५८ धवु ४५९ शव-गतौ | | To go | जवुं | २३६ |
| 243 | ४६० कर्व ४६१ खर्व ४६२ गर्व-दर्पे | | To be proud | अभिमान करवुं | २३७-२३८ |
| 244 | ४६३ छिवू ४६४ क्षिवू | निरसने | To spit out | शुंक्वुं | २३८-२३९ |
| 245 | ४६५ जीव | प्राणधारणे | To live | जीववुं | २३९ |
| 246 | ४६६ पीव ४६७ मीव | स्यौल्ये | To be fat | जाडा थवुं | २४०-२४१ |
| 247 | ४६८ तीव ४६९ नीव | " | To kill | हिंसा करवी | २४६-२४७ |
| | ४७० उर्व ४७१ तुर्व | हिंसा करवी | " | " | |
| | ४७२ शुर्व ४७३ दुर्व | " | " | " | |
| | ४७४ धुर्व ४७५ जुर्व | " | " | " | |
| | ४७६ भर्व ४७७ भर्व | " | " | " | |
| | ४७८ शर्व | " | " | " | |
| 248 | ४७९ सुर्व ४८० मव | बन्धने | To bind | बांधवुं | २४६-२४७ |
| 250 | ४८१ गुर्व | उद्यमे | To work | उद्यम करवुं | २४७ |

| धातुप्रत्यय धातुः | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जराभाषायामर्थः | धातुरत्नाकरे पत्राङ्कः |
|----------------------|---|---|--|--|---------------------------|
| 251 | ४८२ पिबु ४८३ मिवु ४८४ निबु | सेचने | To sprinkle | छांटवुं | २४८-२४९ |
| 252 | ४८५ ढिबु ४८६ बिबु ४८७ जिबु | " प्रीणने | " To please | " खुश करवुं | २४२-२५० |
| 253 | ४८८ इबु ४८९ अब | " व्याप्तौ च । चकारा स्मीरणे रक्षणगतिकांतिप्रीति तृप्त्यवगमनप्रवेश- अवणस्वाम्यर्थ याचन- क्रियेच्छादीप्त्यवाप्त्या- लिङ्गनहिंसादहनभाव- बुद्धिषु पक्वोन्विशता- वर्षेषु । " " | To pervade, to please To protect, to go To be beautiful, to love to be tranquil, to know, to enter, to hear to work for owner to work for money to beg, to wish, to shine to earn, to kiss, to kill to burn, to be, to increase | " व्यापीने रेवुं खुश करवुं पाळवुं जवुं शोभवुं प्रेम करवो तृप्त थवुं जाणवुं अंदर जवुं, सांभलवुं मालिक माटे काम करवुं पैसा माटे काम करवुं, मागवुं, इच्छवुं, चळकवुं मेलववुं, आलिङ्गन करवुं, हिंसा करवो बाळवुं, वधवुं, होवुं " " | २५१ २५१ २५३ २५३ |
| 254 | जय शास्ताः सप्त आद्याः पञ्च सेटश्च ४९० कश | शब्दे | To sound | शब्द करवो | २५२ |
| 255 | ४९१ मिश ४९२ मश | रोषे च । चकाराच्छब्दे | To be angry. to sound | क्रोध करवो शब्द करवो | २५२-२५३ |
| 256 | ४९३ शय | प्लुतिगतौ । प्लुतिभि- र्गमने उत्प्लुत्य गमन इत्यर्थः | To walk while jumping | तेकता टेकता चालवुं | २५३ |

| अपठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को यतुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|----------------------------|---------------------------|---------------------------|-----------------------|--------------------------|
| 257 | ४९४ जिश | समाधौ । | To comtenplate in a thing | यथाग्र थवुं | २५४ |
| 258 | ४९५ दृशुं | प्रेक्षणे | To see | जोवुं | २५४ |
| 259 | ४९६ दंशं | दशने । दशनं दन्तकर्म | To bite | करडवुं, डसवुं | २५५ |
| अथ वानता एकवत्वारिंशत् | | | | | |
| कृपं वज्रिः सेटश्च | | | | | |
| 260 | ४९७ शुश्रू | शब्दे | To sound | शब्द करवो | २५५ |
| 261 | ४९८ चूष | पाने | To suck up | पोवुं | २५६ |
| 262 | ४९९ तृष | तृष्टौ | To be tranquillised | संतोत्र पामचो | २५६ |
| 263 | ५०० पूष | वृद्धौ | To be fat | वधवुं | २५७ |
| 264 | ५०१ लुष ५०२ मूष | स्तेये | To steal | चोरी करवो | २५७-२५८ |
| 265 | ५०३ चूष | प्रसवे | To give birth to | जन्म आपवो | २५८ |
| (प्रसवोऽभ्यनुज्ञानम्) | | | | | |
| 266 | ५०४ ऊष | रजायाम् | To be ill | (परवानगी करवी) जाणवुं | २५९ |
| 267 | ५०५ ईष | उज्ज्हे । उच्छसुक्कयनम् । | To collect | रोगी थवुं | २५९ |
| 268 | ५०६ कृष | विलेखते । विलेखनं | To plough | चीणवुं | २६० |
| द्व्योरकर्षणम् । | | | | | |
| 269 | ५०७ कष ५०८ शिष | हिंसायाम् | To kill, to injure | हिंसा करवी | २६०-२६१ |
| | ५०९ जष ५१० झष | " | " | " | |
| | ५११ वष ५१२ मष | " | " | " | |
| | ५१३ सुष ५१४ रुष | " | " | " | |
| | ५१५ रिष ५१६ यूष | " | " | " | |

| | | | | | | | | |
|-----|--|---|------------------------------------|---|----------------------|---|---------------------------|---------|
| 270 | ५२० वृषू | " | संघाते च । चकाराद्- हिंसायाम् । | " | To unite, to kill | " | जथारूपं थवुं हिंसा करवी | २६७ |
| 271 | ५२१ भष | | भर्त्सने । भर्त्सं नं | | To bark | | खराबशब्द करवो, | २६८ |
| 272 | ५२२ जिषू ५२३ विषू ५२४ मिषू ५२५ निषू ५२६ पूषू ५२७ वृषू | | कुत्सितशब्दकरणम् सेचने | | To sprinkle | | छांटवुं | २६८-२७१ |
| 273 | ५२८ मृषू | " | सहने च । चकारात्सेचने | " | To sprinkle | " | सहन करवुं, छांटवुं | २७१ |
| 274 | ५२९ उषू ५३० अषिषू ५३१ प्रिलषू ५३२ प्रुषू ५३३ प्लुषू | | दाहे | | To burn | | वाल्वुं | २७२-२७४ |
| 276 | ५३४ धृषू | " | सहर्षे | " | To attack | " | घसवुं, घसारो करवो | २७४ |
| 216 | ५३५ हृषू | | अलीके | | To lie | | जुठु बोलवुं, मिथ्या करवुं | २७५ |
| 277 | ५३६ पुष | | पुष्टौ | | To be powerful | | लष्ट पुष्ट थवुं | २७५ |
| 278 | ५३७ भृष [अयसान्ताब्- योदश घसल्लं वर्जाः सेटश्च ५३८ तसु | | भलङ्कारे | | To adorn | | सोभाववुं | २७६ |
| 279 | ५३९ लुस ५४० हस | " | शब्दे | " | To sound | " | झब्द करवो | २७७-२७८ |
| 280 | ५४२ हस ५४३ रस ५४३ लस | " | श्लेषणक्रीडनयोः | " | To embrace, to sport | " | भेटवुं, कीडा करवी | २७९ |

| अध्यायः श्लोकः | प्रत्येकशाल्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुल्लङ्कार पत्राङ्कः |
|----------------------------------|--------------------------------|--------------------------------|--------------------|---------------------|---------------------------|
| 281 | ५२४ घम्हं | अदने | To eat | खावुं | २७९ |
| 282 | ५४५ हसे | हसने | To laugh | हसवुं | २८० |
| 283 | ५४६ पिस् ५४७ पेस् ५४८ वेस् गतौ | हिसायाम् | To go | जवुं | २८०-२८१ |
| 284 | ५४९ शस् | हिसायाम् | To kill | हिसा करवी | २८२ |
| 285 | ५५० शंस् | स्तुतौ च । चकाराद् हिसायाम् | To praise, to kill | बलाणवुं, हिसा करवी | २८२ |
| अथ हान्ताः पञ्चदश | | | | | |
| मिहं दहं वर्जं सेटश्च | | | | | |
| 286 | ५५१ मिहं | सेचने । | To sprinkle | छांटवुं | २८३ |
| 287 | ५५२ दहं | भस्मी करने | To burn | बाळवुं | २८३ |
| 288 | ५५३ चह | कलकने । कलकनं शठयम् | To deceive | लुबाइ करवी, छेतरवुं | २८४ |
| 289 | ५५४ रह | त्यागे | To abandon | त्याग करवो | २८४ |
| 290 | ५५५ गहु | गतौ | To go | जवुं | २८५ |
| 291 | ५५६ वृह ५५७ वृहु ५८ वृह वृद्धौ | शब्दे च । चकारादवृद्धौ | To grow | वधवुं | २८६-२८७ |
| 292 | ५५९ वृह ५६० वृह | शब्दे च । चकारादवृद्धौ | To sound, to know | शब्द करावो, वधवुं | २८७-२८८ |
| 293 | ५६१ उह ५६२ उहु ५६३ उहु | अदने | To hurt | पीडा करवो | २८८-२८९ |
| 294 | ५६४ अह ५६५ मह | पूजयाम् | To worship | पूजवुं | २८९-२९० |
| अथ क्षान्ता विशतिः सेटश्च | | | | | |
| क्षान्तानां वान्तेषु पाठौ | | | | | |
| युक्तो वै चित्रार्थं त्विव कतः । | | | | | |
| २९५ | ५६६ उक्ष | सेचने | To sprinkle | सिचवुं | २९० |

| धातुपठ्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातु(लोकार्थः) पनाङ्कः |
|---|------------------------------------|--------------------|---------------------------|----------------------------|---------------------------|
| 296 ५६७ रभ | पालवे | | To protect | रक्षण करवुं | २९१ |
| 297 ५६८ मभ ५६९ युभ | संघाते | | To gather | भेगा मलीने ढगलारूप धातु | २९१-२९२ |
| 298 ५७० अक्षौ | व्याप्तौ च चकारा- त्संघाते | | To pervade, to gather | व्यापीने रहेवुं भेगामलीने- | २९३ |
| 299 ५७१ तक्षौ ५७२ त्वक्षौ | तत्रकरणे । तत्रकरणं कार्यम् | | " | गठारूप यवुं | |
| 300 ५७३ णिभ | तत्रकरणे । चुम्बनं वक्त्रसंयोगः | | To thin, to chop | पातलुं करवुं, छोलवुं | २९३-२९४ |
| 301 ५७४ तुभ ५७५ स्तुभ ५७६ जभ गतो | चुम्बने । चुम्बनं | | To kiss | चुम्बन करवुं | २९५ |
| 302 ५७७ बभ | गतो | | To go | जवुं | २९५-२९६ |
| 303 ५७८ त्वक्ष | रोषे | | To be angry | क्रोध करवो | २९७ |
| | त्वचने । त्वचनं | | To catch a skin, to cover | चामडी पकडवो, ढांकवुं | २९७ |
| 304 ५७९ लक्ष | त्वग्रद्वर्णं सवरणं वा । | | To disrespect | अनादर करवो | २९८ |
| 305 ५८० काक्ष ५८१ बाक्ष ५८२ माक्ष | अनादरे | | To desire | अभिलाषा करवो | २९८-२९९ |
| 306 ५८३ ब्राक्ष ५८४ ध्राक्ष ५८५ द्वाक्ष | काङ्क्षायां | | " | " | |
| | " | | To cry out, to desire | मोटो शब्द करवो | ३००-३०१ |
| | घोरबाधिते च । | | | अभिलाषा करवो | |
| | चकारात्काङ्क्षायां | | | | |
| | पते निरनुबन्धत्वाच्छेषात्कर्त- | | | | |
| | रोति परस्मैपदिनः ॥ | | | | |
| | अथ इङित आत्मनेपदिन | | | | |
| | आर्षभेर्वर्णसमाह्वनाय- | | | | |

| प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | भाङ्गलभाषायामर्थः | गुर्जराभाषायामर्थः | धातुरालोका पत्राङ्कः |
|---------------------------------|----------------------|--------------------|--------------------------|-------------------------|
| कामेण वक्ष्यन्ते | | | | |
| 1 ५८९ गाङ् | गतौ | To go | नवुं | ३०२ |
| 2 ५८७ णिमङ् | इषद्वसने | To smile | नरा इमवुं | ३०२ |
| 3 ५८८ ङीङ् | विहायसांगतौ | To fly | पथितुं इडवुं | ३०३ |
| अथ उकारान्ता एका- दशान्विता | | | | |
| 4 ५८९ उंङ् ५९० कुंङ् | | | | |
| ५९१ गुंङ् ५९२ वुंङ् ५९३ | | | | |
| कुङ् | शब्दे | To sound | शब्द करवो | ३०३-३०५ |
| ५ ५९४ क्युङ् ५९५ क्युङ् | | | | |
| ५९६ लुङ् ५९७ मुङ् | | | | |
| ५९८ लुङ् | गतौ | To go | नवुं | ३०६-३०८ |
| ५९९ वंङ् | रेषणे च । अकाराद्गतौ | To kill, to go | हिसा करवी, जवुं | ३०८ |
| | रेषणं हिसाशब्दः । ॥ | | " | |
| अथ ऊङ्गतौ द्वौ सेटौ च | | | | |
| 7 ६०० पूङ् | पवने । पवनं नीरजी- | To purify, cleanse | पवित्र करवुं, साहं करवुं | ३०९ |
| | करणम् | | | |
| 8 ६०१ मृङ् | बन्धने | To bind | बांधवुं | ३०९ |
| 9 ६०२ घृङ् | अविध्वंसने | To hold | धारण करवुं | ३१० |
| अतः परावेष्टतौ द्वाव- निटौ च | | | | |

| 10 | ६०३ मेङ् | प्रतिदाने । प्रतिदान | To return | पाछु आपवुं | ३१० |
|----|---|--|---------------------------|-------------------------------------|-----|
| 11 | ६०४ देङ् [अथ पेयन्ता स्त्रयोऽनितश्च] ६०५ ञ् | प्रत्यर्पणम् पालने | To protect | रक्षण करवुं | ३११ |
| 12 | ६०६ ण्यङ् | गतौ | To go | गवुं | ३१२ |
| 13 | ६०७ ण्यङ् | वृद्धौ | To grow | वधवुं | ३१२ |
| 14 | अथ कान्ता एकोनविंशत्सेश्च | कौटिल्ये | To be crooked | वक्रता करवी, वांका थवुं | ३१३ |
| 15 | ६०८ षकुङ् | मण्डने | To adorn | शोभाववुं | ३१३ |
| 16 | ६०९ मकुङ् | लक्षणे । लक्षणं चिन्हम् | To mark | निशानी बालु करवुं | ३१४ |
| 17 | ६१० अकुङ् | सेवने । | To sprinkle | छांढवुं | ३१४ |
| 18 | ६११ शीकुङ् | दशने | To see | देखवुं | ३१४ |
| 19 | ६१२ लोकुङ् | संघाते । संघातः | To unite, to collect | एकठु थवुं, एकठु करवुं | ३१५ |
| 20 | ६१३ प्रलोकुङ् | संहननं । संहन्यमानश्च | To speak meiviloisedly | उद्धताइ भरेछुं बोलवुं | ३१५ |
| 21 | ६१४ रेकुङ् ६१५ घेकुङ् | शब्दोत्साहे । शब्द- स्योत्साहभौद्धत्यं वृद्धिश्च | to speak more | | |
| 22 | ६१६ रेकुङ् ६१७ शकुङ् | शङ्कायाम् । शङ्का संदेहः पूर्वस्यार्थः । द्वितीयस्य प्रासश्च | To doubt | १ शंका करवी २ नासपामवो शंका करवी | ३१७ |
| 23 | ६१८ ककि | लौक्ये । लौक्यं गर्भ- ' To long, for to be unfirm | To long, for to be unfirm | लोछुपता राखवी, चंचल थवुं | ३१८ |

| धातुपाठस्य धातुः | प्रत्येकधातुस्य धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जराभाषायामर्थः | धातुलकार पत्राङ्कः |
|---------------------|---------------------------|---|---------------------------------------|---|-----------------------|
| 23 | ६१९ कुकि ६२० वृकि | आपकृञ्च | To take | लेवुं | ३१८-३१९ |
| 24 | ६२१ चकि | आदाने | To be satisfied, to beat | मृप्त थवुं, मारमारवो | ३१९ |
| 25 | ६२२ ककुङ् ६२३ भवकुङ् | तृप्तिप्रतीधातयोः । | To go | जउं, (लङ्घ-जवुं-मुख्यं रहेवुं) ३२०-३२८ | |
| | ६२४ नकुङ् ६२५ शकुङ् | गतौ लङ्घिर्मौजन- निवृत्त्यर्थोऽपि | " | " | " |
| | ६२६ भ्रुकुङ् ६२७ ढौकुङ् | " | " | " | " |
| | ६२८ नौकुङ् ६२९ ष्वक्कि | " | " | " | " |
| | ६३० बस्कि ६३१ मस्कि | " | " | " | " |
| | ६३२ तिक्कि ६३३ दिक्कि | " | " | " | " |
| | ७३४ टीकुङ् ६३५ सेकुङ् | " | " | " | " |
| | ६३६ सेकुङ् (अथ घान्ता | " | " | " | " |
| | नष सेऽश्च) ६३७ रघुङ् | " | " | " | " |
| | ६३८ लघुङ् | " | " | " | " |
| 26 | ६३९ अघुङ् ६४० वघुङ् | गत्याक्षेपे । गतेरा- क्षेपो वेग आरम्भ उपल- | To go fast, to start To experience | उताषळुं जावुं, जवानो शरुआत करवी, गमननो | ३२८-३२९ |
| | | म्भो वा | intercourse | अनुभव करवो, | |
| 27 | ६४१ मघुङ् | कैतवे च । कैतवं वञ्चना । | To deceit, to go fast | ठगवुं, उतावळा जवुं, जवानो | ३२९ |
| | | चकाराद्व्याक्षेपे | to state, to experience | शरुआत करवी, गमननो | |
| | | | intercourse | अनुभव करवो, | |
| 28 | ६४२ राघुङ् ६४३ लाघुङ् | सामर्थ्ये | To enable | समर्थ थवुं | ३३० |
| 29 | ६४४ ब्राघुङ् | आयासे च । चकारा- | To enable, to effort | समर्थ थवुं कदर्थना करवी | ३३१ |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषाग्रामर्थः | आङ्ग्लभाषाग्रामर्थः | गुर्जरभाषाग्रामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|-----------------------------|--|---|--|--------------------------|
| 30 | ६४५ प्रलाभृङ् | तसामर्थ्ये । आयासः कदर्थनम् कथने । कथनमुक्त- पाँल्यानम् | Ta praise | प्रशंसा करवी | ३२१ |
| | अथ चान्ताख्योदश सेटश्च | | | | |
| 31 | ६४६ लोचृङ् | दशने | To see | देखुं | ३२२ |
| 32 | ६४७ षचि | सेचने । सेचनं सेचनं । भजनमितियावत् । | To pray | भजवुं | ३२२ |
| 33 | ६४८ शचि | व्यक्तायां वाचि | To speak distinctly | स्पष्ट बोलवुं | ३२३ |
| 34 | ६४९ कचि | बन्धने | To bind | बांधवुं | ३२३ |
| 35 | ६५० कचृङ् | दीप्तौ च । चकाराद्- | To shine, to bind | चलकवुं, बांधवुं | ३२४ |
| | | बन्धने | | | |
| 36 | ६५१ प्रवचि ६५२ प्रवचृङ् | गतौ | To go | जवुं | ३२४-३२५ |
| 37 | ६५३ षचि | दीप्तौ | To shine | चलकवुं | ३२५ |
| 38 | ६५४ मचि ६५५ मुचृङ् | कलकने । कलकनं- दम्भः शठ्यं वचनश्च | To pretend, to deceive to boil | बानु काढवुं, लुच्चाइ करवी उकाळवुं | ३२६ |
| 39 | ६५६ मचृङ् | धारणोच्छ्वायपूजनेषु च चकारात्कलकने | To hold, to grow, to worship, to pretend, to deceive, to boil | धारण करवुं, उचुं वधवुं पूजवुं, बानु काढवुं, लुच्चाइ करवी उकाळवुं | ३२७ |
| 40 | ६५७ पचृङ् | व्यक्तीकरणे | To speak clear | स्पष्ट करवुं | ३२७ |
| 41 | ६५८ षट्चि | प्रसादे | To please, to be pleased | मेहरवानी करवी | ३२८ |

| धातुपाठश्च भावः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातु(लाकार) पत्राङ्कः |
|------------------------|--------------------------------|---|------------------------------------|---|--------------------------|
| अथ ज्ञान्ताः नव सेटश्च | | | | | |
| 42 | ६५९ पृञ्ठ ६६० भ्रेञ्ठञ् | दोप्तौ गतौ | To shine To go | चलकञ्चु जञ्चु | ३३८-३३९ ३४० |
| 43 | ६६१ भ्राजि | कुत्सने च । चकाराद्वर्तौ | To censure, to go | निन्दा करवी, जञ्चु | ३४० |
| 44 | ६६२ झञ्ठञ् | गतिस्थानार्जनोर्जनेषु | To go, to stand, to earn | जञ्चु, स्थानरूप थञ्चु, पैदा करञ्चु | ३४१ |
| 45 | ६६३ झञ्जि | ऊर्ध्वं प्राणनम् | to breathe | श्वास लेवो मुकवो | |
| 46 | ६६५ ऋञ्ठञ् ६६६ भृञ्ठञ् | भर्जने भर्जनं पाक- प्रकारः | To fry | भुंजञ्चु | ३४१-३४२ |
| 47 | ६६७ तिजि | क्षमानिधानयोः निधानंतीक्षणीकरणम् | To endure, to make pointed | सहन करञ्चु, अणीदार अथवा धारवाळु बनावञ्चु | ३४२ |
| अथ शान्ताः सप्त सेटश्च | | | | | |
| 48 | ६६८ घट्टि | चलने | To move | चालञ्चु | ३४३ |
| 49 | ६६९ स्फुटि | विकसने | To move | चेष्टा करवी | ३४४ |
| 50 | ६७० चेषि | चेष्टायाम् । चेष्टेष्टा | To attempt | चेष्टा करवी | ३४४ |
| 51 | ६७१ गोष्ठि ६७२ लोष्ठि | संघाते | To be united | जस्थाय रूप समुदाय रूप थञ्चु | ३४५ |
| 52 | ६७३ वेष्टि | वेष्टने । वेष्टनं ग्रन्थनं | To twist, to wallow to decrease | गुथञ्चु आलोटञ्चु, कम करी नाखञ्चु | ३४६ |
| 53 | ६७४ अद्वि | लोठनं परिहाणिश्च हिसातिक्रमयोः । अतिक्रम उल्लङ्घनम् | To kill, to transgress | " हिंसा करवी उल्लङ्घन करञ्चु | ३४६ |
| अथ शान्ताः सप्त सेटश्च | | | | | |

| धातुसंज्ञा धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषाव्ययार्थः | आङ्ग्लभाषाव्ययार्थः | गुर्जरभाषाव्ययार्थः | धातुसंज्ञा धात्वङ्कः |
|-------------------------|--|---|------------------------|--------------------------|-------------------------|
| 54 | ६७५ पठि ६७६ हेति | विवाधायाय | To distress | पीडा करवी | ३४७ |
| 55 | ६७७ मडुङ् ६७८ कडुङ् | शोकशोकशोकोऽन्नाशयानम् | To care | फीकर करवी | ६४८ |
| 56 | ६७९ मुडुङ् | पलायने | To run away | भागी जवुं | ३४९ |
| 57 | ६८० वडुङ् | एकचर्यायाम् । एकस्या- सहायस्य चर्यागतिस्त- स्याम् । | To go alone | एकला जवुं | ३५० |
| 58 | ६८१ अडुङ् (अथ डान्ता- अयोविशतिः सेटश्च) | गतौ | To go | जवुं | ३५० |
| | ६८२ पडुङ् | " | " | " | |
| 59 | ६८३ हुडुङ् ६८४ पिडुङ् | संघाते | To unite | भेगा मली जवुं | ३५१ |
| 60 | ६८५ गडुङ् | रुजायाश्च । चकारा तसंघाते | To be sick, to unite | रोगी थवुं, भेगा मली जवुं | ३५१ |
| 61 | ६८६ तडुङ् | ताडने | To beat | ताडना करवी | ३५२ |
| 62 | ६८७ कडुङ् | मदे | To be proud | मद करवी | ३५३ |
| 63 | ६८८ खडुङ् | मन्थे | To churn | मन्थन करवुं | ३५३ |
| 64 | ६८९ खुडुङ् | गतिवैकस्ये | To walk like a drunker | लड्यडीया खाता चालवुं | ३५४ |
| 65 | ६९० कुडुङ् | दाहे | To burn | बाळवुं | ३५४ |
| 66 | ६९१ वडुङ् ६९२ मडुङ् | वेष्टने | To envelope | वीटवुं | ३५५ |
| 67 | ६९३ भडुङ् | परिभाषणे | To speak | वातचीत करवी | ३५६ |
| 68 | ६९४ मुडुङ् | मज्जने । मज्जनं शोधनं न्यग्रभाष्य | To clean, to censure | साफ करवुं, निन्दवुं | ३५७ |

| भाषापर्य वाक्यः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुल्लोकर पत्राङ्कः |
|--------------------|---|--|--------------------------------|-----------------------|-------------------------|
| 69 | ६९५ तुडुङ् | तोडने । तोडनं हिंसा । To kill | हिंसा करवो | ३५८ | |
| 70 | ६९६ भुडुङ् | वरणे । वरणं स्वीकारः, To admitt | अङ्गीकार करवुं | ३५८ | |
| 71 | ६९७ चडुङ् | कोपे | To be angry | कोपायमान भवुं | ३५८ |
| 72 | ६९८ ऋडुङ् ६९९ घ्राडुङ् | विशरणे | To be scattered | विखराइ जवुं सडो जवुं | ३५९ |
| 73 | ७०० शाडुङ् | प्रश्लाघायाम् | To praise | वखाण करवा | ३५९ |
| 74 | ७०१ बाडुङ् | आप्लावये । आप्लाव्य-To dive and swim | पानीमां डुवकी मारीने नावुं | ३६० | |
| 75 | ७०२ हेडुङ् ७०३ होडुङ् | माप्लावनम् | अनादर करवो | ३६०-३६१ | |
| 76 | ७०४ दिडुङ् | अनादरे गतौ च । चकाराद्- नादरे | जवुं, अनादर करवो | ३६१ | |
| 77 | अथ गान्ताः षट् सेटस्य ७०५ घिणुङ् ७०६ घुणुङ् ग्रहणे ७०७ घृणुङ् | ग्रहणे | To take | ग्रहण करवुं | ३६२-३६३ |
| 78 | ७०८ घृणि ७०९ घृणि | घ्रमणे | To wander | भ्रमवुं | ३६३-३६४ |
| 79 | ७१० पणि | व्यवहारस्तुत्योः । | To make business, to bruise | व्यापार करवो, वखाणवुं | ३६४ |
| 80 | अथ तान्नाख्यः सेटस्य ७११ यतैङ् | प्रयत्ने | To try | प्रयत्न. करवो | ३६५ |
| 81 | ७१२ युतुङ् ७१३ जुतुङ् | भासने | To make shining | प्रकाशित करवुं | ३६५ |
| 82 | अथ यान्ताः षट् सेटस्य ७१४ बिणुङ् ७१५ वेयुङ् | याचने | To beg to favour, to beg | मागवुं | ३६७ |
| 83 | ७१६ नाथुङ् | उपतापेः प्रवर्थाशीः शु च । To pain, to be powerful | ठकुराइ भोगवी- | ३६८ | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुजरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकरे पत्राङ्कः |
|-------------------------|-----------------------------|---|-------------------|--|---------------------------|
| | | चकाराणाञ्चने । उपताप उपचातः | | आशीर्वाद देवो, मागवुं | |
| 84 | ७१७ अथुङ् | शैथिल्ये । शैथिल्यगाढा To relax | | होलायवुं | ३६९ |
| 85 | ७१८ अथुङ् | कौटिल्ये । कौटिल्य- कुसृत्तिर्वन्धश्च To bind, to show which प्रलाघायाम् । प्रलाघा is unreal by majei | | इन्द्रजाळ करवी बांदवुं | ३७० |
| 86 | ७१९ कत्थि | गुणारोपः अथ दान्ता चकर्विशति- हृदिवर्जाः सेटश्च To praise | | बखानवुं | ३७० |
| 87 | ७२० प्रिवदुङ् | प्रवेत्ये । प्रवेत्यं प्रवेत- गुणक्रिया To make white, to be white | | धोळायवुं; धोळा करवुं | ३७१ |
| 88 | ७२१ वदुङ् | स्तुत्यभिवादनयोः । स्तुतिगुणैः प्रशंसा । अभिवादनं वादयोः प्रणिपातः । To praise, to bow down | | बखानवुं, पगे लागवुं | ३७१ |
| 89 | ७२२ भदुङ् | सुखकल्याणयोः । सुखं सद्वैचकर्मोदयारुह्य- भानुभवनम् । कल्याणं श्रेयः । To be happy, to be be nebitad | | सुखी शवुं, कल्याणकारी शवुं | ३७२ |
| 90 | ७२३ मडुङ् | स्तुतिमोदमदस्वप्न- गतिषु । मोदो हर्षः To praise, to be delighted to be proud, to sleep | | बखानवुं, हरखानवुं, अभिमान- कारवुं, उंभवुं, आळस करवी | ३७३ |

| शुभप्रस्थ धत्तकः | प्रत्येकवाचको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुलोक पत्राङ्कः |
|---------------------|-------------------------|---------------------------|-----------------------|------------------------------|----------------------|
| | | मदो दर्पः । स्वप्ने | to be idle, to go | जबुं | |
| 91 | ७२४ स्पटुङ् | नालस्यमपि लक्ष्यते | | | |
| 92 | ७२५ किलिदुङ् | किञ्चिच्चलते | To move | हरबुं, फरबुं | ३७३ |
| | | परिदेवने । परिदेवने | To lament | शोक करवो | ३७३ |
| 93 | ७२६ मुदि | शोचनम् | | | |
| 94 | ७२७ ददि | हर्षे | To be jolly | सुश थबुं | ३७४ |
| 95 | ७२८ हदि | दाने | To give | देबुं | ३७४ |
| 96 | ७२९ ष्वदि ७३० स्वदि | पुरीषोत्सर्गे | To excrement | जंगल जबुं | ३७५ |
| | | आस्वादने । आस्वादने | To taste with pallet | चाटबुं | ३७५-३७६ |
| 97 | ७३१ स्वादि | जिह्वया लेहः | | | |
| | ७३२ उदि | मानक्रीडयोश्च । चकारादा- | To measure, to sport | मापबुं, क्रीडा करवो | ३७७ |
| 98 | ७३३ कुदि ७३४ युदि | स्वादने । मानं मितिः । | | | |
| | | क्रीडायाम् | To sport | क्रीडा करवो | ३७७-३७८ |
| 99 | ७३५ गुदि | क्षरणे । क्षरणं निरसनम् | To split | थुंकबुं, वारबुं, मारी नाखबुं | ३७९ |
| 100 | ७३६ षुदि | शब्दे | To sound | शब्द करवो | ३७९ |
| 101 | ७३७ हदि | सुखे च । चकाराच्छब्दे । | To be happy, to sound | सुखीथबुं, शब्द करवो | ३८० |
| 102 | ७३८ ङदि ७३९ पदि | कुत्सितेशब्दे । पायुष्व- | To break wind | पादबुं | ३८० |
| | | नौ वतते | | | |
| 103 | ७४० स्कुदुङ् | आप्रवणे । आप्रवणमुत्प्लु- | To walk, to attack | टेकता टेकता जबुं, चडाइ करवो | ३८१ |
| | | रय गमनमात्फन्दनं वा | | | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातु(लकार) पत्राङ्कः |
|-------------------------|----------------------------------|---|-----------------------------------|---|--------------------------|
| अथ धान्ताः सप्त सेटश्च | | | | | |
| 104 | ७४१ वधि | बुढो | To grow | वधवुं | ३८१ |
| 105 | ७४२ स्पर्धि | संघर्षे संघर्ष पराभिभवेच्छा । | To compete, to vie with | हरीफाइ करवी, स्पर्द्धा करवी | ३८२ |
| 106 | ७४३ गाधृङ् | प्रतिष्ठा लिप्ताग्रन्थेषु । प्रतिष्ठास्पदम् । लब्धु- मिच्छा लिप्ता । ग्रन्थनं- ग्रन्थः । प्रतिष्ठायामक- र्मकोऽयं लिप्ताग्रन्थयोः- सकर्मकः । रोटने । रोटनं प्रतिष्ठातः To give pain धारणे To hold बन्धने To bind नाशृङ्भूत । उपतापै- भ्यर्थाशीर्षाश्चास्वर्थे- षु नाशृङ्भूतं वतते । लाघवायमेवं निर्देशः । वर्णकमानुसरणात्- नैकवाचीतौ | To make firm, to long for a thing | मेलववानी इच्छा- करवी, गुंथवुं | ३८३ ३८३ ३८४ ३८५ |
| 107 | ७४४ बाधृङ् | | | खुंघवुं, पीडवुं, विघ्न करवुं | |
| 108 | ७४५ वधि | | | धारण करवुं | |
| 109 | ७४६ बधि | | | बांधवुं | |
| 110 | ७४७ नाधृङ् | | | दुःखलाववुं टकुराइ भोगववी आशीर्वाद आपवी, मागवुं | |
| 111 | अथ नान्तो द्वौ सेटौ च ७४८ पनि | स्तुतौ | To praise | बखानवुं | ३८५ |

| धातुपाठस्य धातुवृत्तः | प्रत्येकधातुवृत्तः | धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुस्त्रोत्र पत्राङ्कः |
|--------------------------|---------------------------|--|---|-----------------------------------|-------------------|----------------------------|
| 112 | ७४९ मानि | पूजायाम् | To worship | पूजयुं | | ३८६ |
| | अथ पान्ताश्चतुर्दश सेटश्च | | | | | |
| 113 | ७५० तिपृङ् ७५१ छिपृङ् | क्षरणे | To ooxe | झरणा वाळु, करयुं | ३८७-३८८ | |
| 114 | ७५२ ष्टेपृङ् | कम्पने च । चकारात्क्षरणे | To tremble, to ooxe | धुजयुं, झरणावाळु करयुं | ३८८ | |
| 115 | ७५४ दुष्टेपृङ् ७५५ केपृङ् | चलने | To move | धुजयुं | ३८९-३९० | |
| 116 | ७५६ नेपृङ् ७५७ कपृङ् | दैव्ये च । चकाराच्चलने | To be poor, to move | गरीबाइ करवी, धुजयुं | ३९१ | |
| 117 | ७५८ ग्लेपृङ् | गतौ | To go | जयुं | ३९२-३९३ | |
| | ७५९ मेपृङ् ७६० रेपृङ् | | | | | |
| | ७६१ लेपृङ् | लज्जायाम् | To be ashamed | शरमायुं | ३९३ | |
| 118 | ७६२ व्रणौषि | गोपनकुत्सनयोः | To protect, to censure | छातु राखयुं, निन्दा करवी | ३९३ | |
| 119 | ७६३ गुपि | | | | | |
| | अथ वाम्ताः षट् सेटश्च | | | | | |
| 120 | ७६४ अबुङ् ७६५ रबुङ् | शब्दे | To sound | अवाज करवी | ३९४ | |
| 121 | ७६६ लबुङ् | अवर्त्तमाने च । चकारा- च्छब्दे लम्बते मलम्बते अवलम्बते आलम्बते उल्लम्बते विलम्बते इत्यनेकार्थेऽवमुपसर्ग- योचितमन्यत्राप्युदाहार्यम् | To be mannerless, to be perishable, to sound | लम्बयुं (नाश पामयुं) शब्द करवी | ३९५ | |
| 122 | ७६७ कबृङ् | वर्णौ । वर्णौ वर्णने | To describe, to be | वर्णन करयुं, रंगावुं | ३९५ | |

| धातुपठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकरे पत्राङ्कः |
|------------------------|--|-----------------------------------|-----------------------------|-------------------------------|---------------------------|
| 123 | ७६८ क्लीबृङ् | शुक्लादिभ्य आघाट्यै | coloured | नवव्या कर्तुं नपुंसक यत्तुं | ३९६ |
| 124 | ७६९ क्षीबृङ् | मदे | To be feeble To be proud | मद करवो | ३९६ |
| 125 | अथ भान्ताःसप्तदश- रभिलभिं वजाः सेटश्च | | | | |
| 126 | ७७० शीबृङ् ७७१ वीबृङ् | कथने । | To praise | वखाणवुं | ३९७-३९८ |
| 127 | ७७२ शल्भि | भोजने | To eat | खावुं | ३९८ |
| 128 | ७७३ वल्भि | घाट्यै | To be courageous | बहादुर यत्तुं, निर्भय यत्तुं, | ३९९ |
| 129 | ७७४ गल्भि | | | | |
| 130 | ७७५ रेभृङ् ७७६ अभृङ् | शब्दे | To sound | शब्द करवो | ३९९-४०१ |
| 131 | ७७७ रभृङ् ७७८ लभृङ् | | | | |
| 132 | ७७९ षभृङ् ७८० स्क्भृङ् | स्तम्भे । स्तम्भः क्रियानिरोधः | To stand still | यंभित यत्तुं | ४०१-४०२ |
| 133 | ७८१ ष्ठभृङ् | गात्रविनामे । | To be pale | वगासु खावुं(फीकाचेरा- | ४०१-४०२ |
| 134 | ७८२ जभृङ् | राभस्ये । राभस्यं- | To begin | वाला यत्तुं) म्लान यत्तुं | ४०३-४०४ |
| 135 | ७८३ जैभृङ् ७८४ जभृङ् | कार्योपक्रमः | To obtain | शुरुआत करवो | ४०४ |
| 136 | ७८५ रभि | प्राप्ती | To be angry To endure | क्रोध करवो महन करवुं | ४०५ ४०६ |
| 137 | ७८६ डलभिष् | | | | |
| 138 | अथ मान्तास्त्रय. सेटश्च | | | | |
| 139 | ७८७ भामि | | | | |
| 140 | ७८८ क्षमौचि | | | | |

| धातुपठस्थ धातुङ्कः | प्रत्येकधातुङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नकर पङ्क्तिः |
|-----------------------|--|--|---|---------------------------------------|------------------------|
| 147 | ८१० मलि ८११ मल्लि | तसंबरणे | To hold | धारण करवु | ४१७ ४१८ |
| 148 | ८१२ भलि ८१३ भल्लि | धारणे परिभाषणद्विसादानेषु | To speak, to kill, to give | वातचीत करवी, हिंसा करवी, दान देवुं | ४१८-४१९ |
| 149 | ८१४ कलि | शब्दसङ्ख्यानयोः | To sound, to count | अवाज करवी, गणतरी करवी | ४१९ |
| 150 | ८१५ कल्लि | अशब्दे । शब्दस्या- भाओऽशब्दं तृष्णीभावः | To be silent | मौन रहेवुं | ४२० |
| 151 | अथ धान्ताश्चन्द्रदंश सेटश्च ८१६ तेवुङ् ८१७ देवुङ् | देवने | To play, to wish for conquer, to make, commence, to shine To praise, to go To serve | खे टवुं | ४२०-४२१ |
| 152 | ८१८ पेवुङ् ८१९ सेवुङ् | सेवने | | सेवा करवी | ४२१-४२६ |
| | ८२० केवुङ् ८२१ खेवुङ् | " | | " | |
| | ८२२ मेवुङ् ८२३ ग्लेवुङ् | " | | " | |
| | ८२४ पेवुङ् ८२५ प्लेवुङ् | " | | " | |
| | ८२६ मेवुङ् ८२७ म्लेवुङ् | " | | " | |
| 153 | ८२८ रेवुङ् ८२९ पवि | गतौ | To go | जवुं | ४२६-४२७ |
| | अथ शान्तौ द्वौ सेटश्च | | | | |
| 154 | ८३० काशुङ् | दीप्तौ | To shine | झलकवुं | ४२७ |
| 155 | ८३१ क्लेशि | विवाधने | To quarrel to speak | क्लेश करवी, स्पष्ट बोलवुं | ४२८ |

| कतुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायांमर्थः | आङ्ग्लभाषायांमर्थः | गुजराभाषायांमर्थः | धातुलान्कार पत्राङ्कः |
|------------------------|-----------------------------|---|--|--|--|
| | अथ वान्ता द्वादश सेटश्च | | distinctly | | |
| 156 | ८३२ भाषि च | व्यक्ततायां वाचि । प्रकृते परश्चकारः प्रवृत्तिमनुकर्षति । तेन बलेशिर्भाषिश्च व्यक्ततायां वाचि । गतिर्द्विसादशनेषु अन्विच्छायाम् । अन्विच्छा - To search for न्वेषणम् प्रयत्ने गतो अव्यक्तते शब्दे स्नेहने । कान्तीकरणे । प्रमादे । प्रमादोपलेपः शब्दकुत्सायाम् शब्दस्य कुत्सारोगः | To speak (distinctly) To go, to kill, to see To attempt To go To speak indistinctly To be gummy To beautify To be proud To cough | स्पष्ट बोधवुं जवुं, हिंसाकरजी. देखवुं गोतवुं, शोधवुं प्रयत्न करवो जवुं हणहणवुं अर्यनहि मालम ४३२-४३२ पढेतेवो शब्द करवो खाखारो खावो चीरणा थवुं, स्नेहवाळुं थवुं ४३३ खराब वस्तुने सुंदर बनाववो ४३४ अभिमान करवुं उधरस खावो ४३५ | ४२९ ४३० ४३० ४३०-४३१ ४३२-४३२ ४३३ ४३४ ४३५ |
| 157 | ८३३ इषि | | | | |
| 158 | ८३४ नेषुङ् | | | | |
| 159 | ८३५ येषुङ् | | | | |
| 160 | ८३६ नेषुङ् ८३७ नेषुङ् | | | | |
| 161 | ८३८ पेषुङ् ८३९ हेषुङ् | | | | |
| 162 | ८४० रेपुङ् ८४१ हेपुङ् | | | | |
| 163 | ८४२ पिषि | | | | |
| 164 | ८४३ घुपुङ् | | | | |
| 165 | अथ सान्ताछयोदश सेटश्च | | | | |
| 166 | ८४४ संसृङ् | | | | |
| 167 | ८४५ कासृङ् | | | | |
| 168 | ८४६ भ्रासि ८४७ दुभासि | | | | |

| धातुपठस्य धातुः | प्रत्येकधातुस्य धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकरे पत्राङ्कः |
|--------------------|-----------------------------|-------------------------|---------------------------|----------------------------------|---------------------------|
| | ८४८ टुम्हासुङ् | वीज्नी | To shine | झळकवुं | ४३५-४३७ |
| 167 | ८४९ रासुङ् ८५० णासुङ् शब्दे | शब्दे | To sound | शब्द करवी | ४३८ |
| 168 | ८५१ णसि | कोटिल्ये | To be crooked | बक्रता करवी | ४३९ |
| 169 | ८५२ भ्यसि | भये | To fear | बीवुं | ४३९ |
| 170 | ८५३ आङ्ःशसुङ् | इच्छायाम् । आङ् इति | To wish | इच्छवुं | ४४० |
| | | आङ्ःपर पवायं प्रयुज्यते | | | |
| | | नान्योपसर्गान्नापि केवल | | | |
| | | इति स्थापनार्थम् | To wish | इच्छवुं | ४४० |
| 171 | ८५४ ग्रसुङ् ८५५ ग्लसुङ् | अदने | To eat | खावुं | ४४०-४४१ |
| 172 | ८५६ घसुङ् | करणे | To do | करवुं | ४४१ |
| | अथ दान्ता अष्टादश | | | | |
| | सेटञ्च । | | | | |
| 173 | ८५७ इङ् हि | चेष्टायाम् | To do something | चेष्टा करवी | ४४२ |
| 174 | ८५८ अहुङ् ८५९ प्लिङ् हि | गतौ | To go | जवुं | ४४२-४४३ |
| 175 | ८६० गङ् हि ८६१ गलिङ् | कुत्सने | To censure | निन्दा करवी | ४४३-४४४ |
| 176 | ८६२ वङ् हि ८६३ वलिङ् | प्राधान्ये | To be chief | आगेवान् जवुं, मुख्य थवुं | ४४५-४४६ |
| 177 | ८६४ वङ् हि ८६५ वलिङ् | परिभाषणहिंसाच्छादनेषु | To tell, to kill, to over | वातचीत करवी, हिंसा करवी, हाँकवुं | ४४५-४४६ |
| 178 | ८६६ वेहङ् ८६७ जेहङ् | प्रयत्ने | To attempt | प्रयत्न करवी | ४४६-४४७ |
| 179 | ८६८ वाहङ् | निक्षेपे | To establish | स्थापन करवुं | ४४८ |
| | ८६९ ब्राहङ् | | | | |

| श्लोकसंख्या | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुत्वात्कर पदाङ्कः |
|-------------|---|--|---|--|-------------------------|
| 180 | ८७० ऊहि | तर्कै । तर्क उत्प्रेक्षा । | To imagine | तर्क वितर्क करवो | ४४८ |
| 181 | ८७१ गहौङ् | विलोडने । विलोडनं परिमलनम् । | | डुबकी मारवी | ४४९ |
| 182 | ८७२ ग्लहौङ् | ग्रहणे | To take | ग्रहण करवुं | ४५० |
| 183 | ८७३ बहुङ् ८७४ महुङ् | बुद्धौ | To grow | बधवुं | ४५१ |
| | अथ क्षान्ता अथौ सेटभ । एतेषाञ्च वान्तेषु पाठौ युक्तौ वैचित्र्यार्थं त्विह कृतः । | | | | |
| 184 | ८७५ दक्षि | दक्षिणे च । सैन्धवं क्षिप्रता- । चकाराद्बुद्धौ | To be quick, to grow | स्फूर्तिमाळा यवुं; बधवुं | ४५२ |
| 185 | ८७६ धुक्षि ८७७ विक्षि | संदीपनकलेशनजीवनेषु । । चकाराद्बुद्धौ | To encourage, to ua to live | उत्तेजित करवुं, कलेश ४५२-४५३ कराववो जीवाडवुं | ४५३ |
| 186 | ८७८ वृक्षि | वरणे । | To accept | स्वीकारवुं, पसन् करवुं | ४५४ |
| 187 | ८७९ शिक्षि | विद्योपादाने । | To learn | शिक्षवुं | ४५५ |
| 188 | ८८० भिक्षि | याश्चायाम् । | To beg | मांगवुं | ४५६ |
| 189 | ८८१ दीक्षि | मोण्डयेज्योपनयन- नियमव्रतादेशेषु । मोण्डयं वपनम् । इज्या यजनम् । उपनयनं | To root out hairs from head, to sacrifice, to invest, wish secured thread, to, act | मुडाववुं, यज्ञ करवो, जनोद देवो, ४५६ दीक्षा लेवो, शास्त्रमां कहेला व्रत ग्रहणादि संस्कार करवो | ४५७ |

मौडजी बन्धः । नियमः संयमः according to sacred books

| धातुपठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|------------------------|--|--------------------------------------|-----------------------|---|--------------------------|
| 190 | ८८२ इक्षि अथो भयपदिनो रत्नक्षी पर्यन्ता वर्णक्रमेण | व्रतादेशः संस्कारा देशः दर्शने | To see | देखवुं | ४५५ |
| 1 | ८८३ त्रिण् | सेवायाम् | To serve | सेवा करवी | ४५५ |
| 2 | ८८४ णीण् | प्रापणे | To carry | लह जवुं | ४५७ |
| | अथ ऋदन्ताश्चत्वारोऽ- नितश्च | | | | |
| 3 | ८८५ हुंण् | हरणे | To take away by force | हरण करवुं | ४५८ |
| 4 | ८८६ धृण् | भरणे | To nourish | पोषण करवुं | ४५९ |
| 5 | ८८७ धुंण् | धारणे | To hold | धारण करवुं | ४६० |
| 6 | ८८८ डुकृण् | करणे | To do | करवुं | ४६१ |
| | अथ कान्तः | | | | |
| 7 | ८८९ द्विक्री | अव्यक्तते शब्दे | To speak indistinctly | अर्थे नहिसमजाय तेवो शब्द करवो (हिडकी खाबी) | ४६२ |
| | अथ चान्ताख्यस्तत्राद्यौ | | | | |
| 8 | सेटावन्त्योऽनित् | गतौ च । चकारादव्य- | To go, to sound- | जउं, अर्थे नहि समजाय तेवो | ४६३ |
| | ८९० अङ्गण् | क्ते शब्दे | indistinctly | शब्द करवो | |
| 9 | ८९१ डुयाचृण् | याञ्चायाम् | To beg | मागवुं | ४६४ |

| धातुपाठस्थ धातुः | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|------------------|---|--|--|--------------------------------------|-----------------------|
| 10 | ८९२ डुपर्चीष् अथ जान्ताश्चत्वारस्तत्रा- द्यौ सेयावत्यावनिटौ | पाके | To prepare food | पकायवुं | ४६५ |
| 11 | ८९३ राज्जुर् ८९४ दुभ्राजि क्षीप्तौ | | To shine | झलकवुं | ४६६-४६७ |
| 12 | ८९५ भर्जी | सेवायाम् | To serve | सेवा करवी | ४६८ |
| 13 | ८९६ रञ्ज्जी | राने | To colour | रंगवुं | ४६९ |
| 14 | अथ दान्तः सेट् च । ८९७ रेदृग् | परिभाषणयाचनयोः | To tell, to beg | मांगवुं, वातयित करवी | ४७० |
| 15 | अथ णान्तः सेट् ८९१ वण्णुग् | गिज्ञानचिन्तानिश्चाम- नवादित्रयहणेषु । वादित्र- स्य वाद्यमाण्डस्य वाद- नाय ग्रहणम् याचने । | To go, to know, to care जवुं, जानवुं, चिन्ता करवी for, to contemplate, to take musical instrument माटे वाजिन्त्र लेवुं | | ४७१ |
| 16 | अथ तान्तः सेट् ८९१ चनेग् | | To beg | मागवुं | ४७२ |
| 17 | अथ यान्तास्त्रयः सेटश्च । ९०० प्रोथुग् | पर्याप्तौ । पर्याप्तिः पूर्णता | To be complete | पूर्ण थवुं | ४७३ |
| 18 | ९०१ मिथुग् | मेधादिसयोः | To be prudent, to kill | बुद्धिवाळा थवुं, हिसा करवी | ४७४ |
| 19 | ९०२ मेथुग् | संगमे च चकारान्मेधा- दिसयोः । | To unite, to be prudent to kill | मळवुं, बुद्धिवाळा थवुं, हिसा करवी | ४७५ |
| | अथ दान्ताः षट् सेटश्च | | | | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषागम्यार्थः | आङ्ग्लभाषागम्यार्थः | गुर्जरभाषागम्यार्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|--|--|-------------------------------------|---|--------------------------|
| १० | १०३ चदेग | याचने | To beg | मागवुं | ४७६ |
| २१ | १०४ ऊनुष्टुग | निशामने । निशामन- मौलौचनम् । | To think for credit or discredit | हिनाहिततो विचार करवो | ४७७ |
| २२ | १०५ णिदुग १०६ णेदुग | कुत्सासन्निकर्षयोः । | To censure, to be near | निन्दा करवी, पासे जवुं ४७८-४७९ | |
| २३ | १०७ मिदुग १०८ मेदुग | मेधाहिसयोः | To be prudent, to kill | सम्बन्ध करवो बुद्धिवाळा थवुं, हिसा कगवी | ४८० ४८१ |
| २४ | अथ धान्ताश्चत्वारः सेटश्च १०९ मेधुग | संगमे च । चकारान्मेधा हिसयोः | To unite, to be proud to kill | बुद्धिवाळा थवुं, हिसा करवी | ४८२ |
| २५ | ११० शृधुग ८११ मृधुग | उन्दे । उन्दः क्लेवनम् | To moisten with liquid | भिनुं करवुं | ४८३-४८४ |
| २६ | ११२ बुधुग | बोधने | To know | जाणवुं | ४८५ |
| २७ | अथ नान्ताश्चयः सेटश्च ११३ खदुग | अवदारणे | To dig | खोदवुं | ४८६ |
| २८ | ११४ दानी | अवकण्डये । | To break down | खडित करवुं | ४८७ |
| २९ | ११५ शानी | तेजने | To sharpen | तीक्ष्ण करवुं, अणीदार धार धालुं वनाववुं, | ४८८ |
| ३० | अथ पान्तोऽनिट् ११६ शर्पी | आक्रोशे । आक्रोशो वि- रुद्धानुष्यानम् | To curse | आप देवो, सौगेन खाचा | ४८९ |
| | अथ यातौ सेटौ च । | | | | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्ययेऽन्नाकरे धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुल्लोकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|---|-----------------------------|-----------------------|-----------------------|-------------------------|
| 41 | १२७ लवी | स्पर्शं नं ग्रन्थनम् | To wise | गुथवुं | ५०० |
| 42 | १२८ चवी | कान्तौ । कान्तिरिच्छा | To eat | इच्छवुं | ५०१ |
| 43 | १२९ छवी | भक्षणे । | To kill | खावुं | ५०२ |
| 44 | १३० त्विषी | हिंसायाम् | To shine | हिंसा करवी | ५०३ |
| 45 | १३१ अषी (अथ सान्तौ सेटौ च गत्यादानयोश्च | दीप्तौ | To go, to take | बळकवुं | ५०४ |
| 46 | १३२ असी | दाने | To give | जवुं, लेवुं | ५०५ |
| 47 | १३३ दासृग् | माने । मानं वर्तनम् | To act, to be have | देवुं | ५०६ |
| 48 | १३४ माहृग् | संवरणे । | To cover | वग्तवुं, मावुं | ५०७ |
| 49 | १३५ गुहृग् | भक्षणे | To eat | दांकवुं | ५०८ |
| 50 | १३६ भृक्षी | अथ क्षान्तः सेट् च । | | खावुं | ५१० |
| 51 | १३७ कृषी | अथ द्युतादयः कृषी | | | |
| 52 | १३८ कृषी | पर्यन्ता आत्मनेपदिनो- | | | |
| 53 | १३९ कृषी | ऽपि वर्णक्रमेण सेटश्च । | | | |
| 54 | १४० कृषी | पूर्वाचार्यानुरोधेन द्युतेः | | | |
| 55 | १४१ कृषी | पूर्वः पाठः | | | |
| 56 | १४२ कृषी | दीप्तौ | To shine | बळकवुं | ५११ |
| 57 | १४३ कृषी | अभिप्रीत्याश्च । ब्रह्मा | To long for, to shine | अभिलाषा करवी, बळकवुं, | ५१२ |
| 58 | १४४ कृषी | राद् दीप्तौ । अभिप्री- | | रुचवुं | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | अनुवृत्ताकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|--|-------------------------------------|----------------------------|---|--------------------------|
| तिरभिलाषः | | | | | |
| अथ दान्तास्त्रयः | | | | | |
| ३ | ११९ छुटि | परिवर्तने | To be altered | फेरफार पामवुं, पाछुं आववुं | ५१२ |
| ४ | १४० रुटि १४१ छुटि (अथ दान्तः) १४२ छुटि | प्रतीघाते । | To strike | पीडा करवी, दुःख देवुं, ५१३-५१४ सामु मारवुं | ५१५ |
| ५ | अथ दान्तः १४३ श्विताङ् | वर्णे | To be white | भोळा थवुं | ५१६ |
| ६ | अथ दान्तास्त्रयः १४४ जिमिदाङ् | स्नेहने । स्नेहनं स्नेहयोगः । | To be gummy | खीकणा थवुं | ५१७ |
| ७ | १४५ जिष्विदाङ् १४६ जिष्विदाङ् | मोचने च । चकारा- त्स्नेहने | To release, to be gummy | मुक्तावुं, चीकणा थवुं | ५१८-५१९ |
| ८ | अथ भान्ताः पञ्च १४७ शुभि | दीप्तौ | To shine | चळकवुं | ५२० |
| ९ | १४८ क्षुभि | संचलने । संचलनं रूपान्यथात्वम् । | To agitate | खळ भळवुं, (क्षोभपामवुं) | ५२१ |
| १० | १४९ णभि १५० तुभि | हिंसायाम् । | To kill | हिंसा करवी | ५२२-५२३ |
| ११ | १५१ सम्भूङ् | विश्वासे | To believe | विश्वास करवी | ५२४ |
| १२ | अथ शान्तः १५२ प्रंशुङ् (अथ सान्तौ १५३ संसृङ् | अवसंसने । | To perish | माश पामवुं, नष्ट थवुं | ५२५ |

| धातुभाष्य पाठ्यङ्कः | प्रत्येकधातवङ्को | धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जराभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|------------------------|--|--|---|-----------------------|---------------------|--------------------------|
| 13 | १५४ ध्वंसृङ् | गती च । चकाराद- वसंसते | गती च । चकाराद- वसंसते | To go, to be perished | जवुं, नाश पामवुं | ५२० |
| | अथ द्युताद्यन्तर्गणो वृता- दिः पञ्चकः | | | | | |
| 14 | १५५ वृत्तृङ् | अथ द्युताद्यन्तर्गणो वृता- दिः पञ्चकः | वर्तने । वर्तनं स्थितिः । | To be have | वर्तवुं | ५२१ |
| 15 | १५६ स्थन्दौङ् | अथ धान्तौ | स्रवणे । | To ooze | स्रववुं | ५२१ |
| 16 | १५७ वृधृङ् | अथ धान्तौ | वृद्धौ | To grow | वधवुं | ५२२ |
| 17 | १५८ शृधृङ् | अथ धान्तौ | शब्दकुत्सायाम् । शब्द- कुत्सा पायुशब्दत्वात् । | To break wind | पादवुं | ५२२ |
| 18 | १५९ कृपौङ् | अथ धान्तौ | सामर्थ्यं | To be strong | समर्थं थवुं | ५२३ |

वृत् वृतादिः । वृत् वृतादिः

२१ वृतादिः ५ वृतादिश्च-

न्तर्गणौ वर्तितौ समन्ता-

वित्यर्थः । अथ ज्वलाद-

यो यजादेः प्राक् षद्वल् श-

द्वल् रुशं रुहरमिवर्जः सेः

अ वणक्रमेण निर्दिश्यन्ते

। तत्रापि पूर्वाचार्यानुगो-

धेन पूर्व

| धातुपाठस्य धातुः | प्रत्येकधातुवङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|---------------------|--|--|--|--|--------------------------|
| 1 | १६० उबल अथ चान्तः १६१ कुच | दीप्तौ | To shine | चलकवुं | ५२४ * |
| 2 | | सम्पर्चन कौटिल्यप्रति- ष्टम्भविलेखनेषु सम्प- र्चनं मिश्रता । प्रतिष्ठ- म्भो रोधनम् । विलेखनं कर्षणम् । | To mix, to be wicked; To stop, to pull, to pough | मिश्रण करवुं, कुटिलता करवी रोकवुं, खेचवुं | ५२५ |
| 3 | अथ तान्तः १६२ पटल (अथ थान्ता- ख्यः सेटझ) १६३ पथे | गतौ | To go | जवुं | ५२१ |
| 4 | १६४ कवथे | निष्पाके | To boil | उकाळवुं | ५२६ |
| 5 | १६५ मथे | विलोडने | To churn | मथन करवुं; मथवुं | ५२५ |
| 6 | अथ दान्तौ १६६ षट् | विशरणगत्यवसादनेषु । विशरणं शटनम् अवसादोऽनुत्साहः । शातने । शाननं तनू- करणम् । | To rot, to go to discourage | (दुःखी थवुं, सडी जवुं निरुत्साही बनवुं | ५२७ ५२७ |
| 7 | १६७ शट्लं | | To make thine | छोलवुं, पातळा करवुं | ५२७ |
| 8 | अथ धान्ताः १६८ लुध | अवगमने । अवगमनं ज्ञापनम् । | To know | जणानवुं | ५२८ |

| धातुसूच्य पादप्रकृः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जराभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पङ्क्तिः |
|------------------------|--------------------------------|--|---|--|-------------------------|
| | अथ सान्ति। | | | | |
| 9 | १६९ टुवमु | उद्गिरणे । उद्गिरणं मुक् । स्थोद्धर्षगतिः । चलने | To vomit To wonder | उलटी करवी चारवुं | ५२८ ५२९ |
| 10 | १७० भ्रमू | | | | |
| 11 | अथ सान्तिः १७१ क्षर | संचलने । क्षरति गौडुं गंधं क्षरति जलम् । | To ooze, to flow | झरवुं, झराववुं | ५३० |
| 12 | अथ लान्ताश्चतुर्दशः १७२ चल | कम्पने । | To tremble | धुजवुं | ५३१ |
| 13 | १७३ जल | गान्धे । घातयं जडत्वम- तैक्षण्यमित्यर्थः । | To be heavy | जड थवुं | ५३२ |
| 14 | १७४ टल १७५ ट्वड | वैकल्ये । विकलय पत्र वैकल्यम् । | To be discouragous To be firm | कायर थवुं स्थान रूप थवुं, (उभारवुं) | ५३३-५३४ ५३५ |
| 15 | १७६ षटल | स्थाने | | खचवुं | ५३६ |
| 16 | १७७ हल | विलेखने | | पीडा करवी | ५३७ |
| 17 | १७८ णल | विलेखनं कर्षणम् | To plough, to pull | | |
| 18 | अथ सान्तिः । १७९ बल | गान्धे । गन्धोऽद्वनम् । प्राणनधान्यावरोधयोः प्राणनं जीवगम् । धान्यम- वरोधयते यन्नेति धान्या | To breathe, to do some thing about hoarding of grain, to be great | | |

| धातुपाठस्थ धातुः | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|---------------------|--------------------------|---|------------------------------------|---|--------------------------|
| 10 | ६८० पुल | चरोधः कुक्षलः महत्त्वे | To be great | मोड्डु थलुं | ५३४ |
| 20 | १८१ कुल | बन्धुसंस्त्यान्योः । संस्त्यानं संघातः | To have family townite, to pile | कुडुम्बो थलुं, मळी जलुं जत्था रुप थलुं | ५३५ |
| 21 | १८२ पल १८३ फल | गतौ | To go | जलुं | ५३६ |
| 22 | १८५ हुल | हिंतासंवरणयोश्च । चकारावृत्तौ | To kill, to cover to go | हिंसा करवी, डांकलुं जलुं | ५३६ |
| 23 | अथ शान्तः १८६ ऋणं | आह्वानरोदनयोः | To call | बोळलवुं, रोवराषलुं, रोळुं | ५३७ |
| 24 | अथ सान्तः १८७ फल | गणौ | To go | जलुं | ५३७ |
| 25 | अथ हान्तः १८८ रु | जन्मनि | To be produced | पेदा थलुं | ५३८ |
| 26 | अथात्मतेपदितौ १८९ रमि | श्रीडायाम् । | To sport | झोडा करवी | ५३८ |
| 27 | १९० षहि | मर्षणं । मर्षणक्षमा । To forgive | To forgive | सहन करलुं | ५३९ |

वृत्त ज्वलादिः । ज्वलाद-
यो वृत्ताः समाप्ता इत्यर्थः
अथ यजादयो नय भिन्न-
द्वज्जा अनिदध्व वर्णक्रमेण

| धातुपाठस्य धातुवङ्कः | प्रत्येकधातवङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषाणामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पृ. नं. |
|-------------------------|---|---|------------------------------|------------------------------------|------------------------|
| | दर्शयन्ते । तत्रापि पूर्वा- चार्यानुगोपेनादौ | | | | |
| 1 | १११ यजी | देवपूजासंगतिकरणदानेषु | To worship, to go | देवनी पूजा करवी सोबत करवी आपवुं | ५४० |
| | अथ दन्तास्त्रयः | | | | |
| 2 | ११२ वेगू | तन्तुसंघाते | To weave | वणवुं | ५४१ |
| 3 | ११३ व्येगू | संवरणे । संवरणमाच्छा- दनम् । | To cover | ढांकवुं | ५४२ |
| 4 | ११४ ह्वेगू | स्पर्धाशब्दयोः । | To compete, to make noise | हरीफाई करवी, शब्द करवी | ५४३ |
| | अथ पान्तः | | | | |
| 5 | ११५ डुचर्पी | बीजसंताने । बीजानां संतानः क्षेत्रे विस्तारणम् । | To sow the seeds | वाववुं | ५४४ |
| | ११६ वही | प्रापणे । | To carry | लई जवुं | ५४५ |
| | अथ परस्मैपदिनश्चयः | | | | |
| 7 | ११७ दृषोभ्रि | गतिवृद्धयोः । | To go, to grow | जवुं. वधवुं | ५४६ |
| 8 | ११८ वद | व्यक्तार्थां वाचि । | To speak | स्पष्ट बोळवुं | ५४६ |
| 9 | ११९ वस | निवासे । | To dwell | वसवुं | ५४७ |
| | वृत्त यजादिः । वर्तिताः समापिता यजादय इत्यर्थः | | | | |
| | अथ घटदयो वर्णक्रमेणभ्यादि- | | | | |

| धातुपाठस्थ धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------------|-----------------------------|-------------------------------------|-------------------------------|-------------------|--------------------------|
| समाप्तेर्बध्यन्ते । तत्र घटेः | | | | | |
| पूर्वाचार्यप्रसिद्धया | | | | | |
| पूर्वं निर्देशः | | | | | |
| 1 | १०० घटिष् | चेष्टायाम् । चेष्टेष्टा | To do something | चेष्टा करवी | ५४८ |
| | अथ ज्ञान्तः | गतिदानयोः । | To go, to give | जबु, देबु | ५४८ |
| 2 | १००१ क्षजुङ् | भयचलनयोः | To fear, to move | बीडु, चालबु | ५४९ |
| 3 | अय थान्तो | प्रखयाने । प्रखयानं | | प्रसिद्ध थबु | ५४९ |
| 4 | १००२ व्यथिष् | प्रसिद्धिः | To be published | | |
| | १००३ प्रथिष् | | | | |
| अथ दान्ताः पञ्च | | | | | |
| 5 | १००४ मदिष् | मर्दने | To rub gently | मर्दन करबु, चोळबु | ५५० |
| 6 | १००५ खदिष् | खदने । खदनं विदारणम् | To tear off | फाडो नाखबु | ५५० |
| 7 | १००६ कदुङ् १००७ कदुङ् | कदुङ् वेकडव्ये । विकडव्यः | To be feeble, to be powerless | | |
| | १००८ कलदुङ् | कातरस्तस्य भावः कर्म- वैकल्यम् । | | कायर थबु | ५५१-५५२ |
| 8 | १००९ कपि | कृपायाम् । | To show mercy | कृपा करवी | ५५२ |
| | अथ रान्तः | | | | |
| 9 | ११० जित्विरिष् | संभ्रमे । संभ्रमोऽत्रा- कारिता | To hasten | उतावळ करवी | ५५३ |
| | अथ सान्तः | | | | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पन्नाङ्कः |
|-------------------------|--|--|----------------------------|--------------------------------|--------------------------|
| 10 | १०११ प्रसिष् अथ क्षातः | विस्तारे | To spread | विस्तारवुं | ५५३ |
| 11 | १०१२ दक्षि अथ परस्मैपदिनः | हिंसा गन्धोः | To kill | हिंसा करवी जनु | ५५४ |
| 12 | १०१३ धां अथ ऋदन्तः | पाके | To cook | पकावुं | ५५४ |
| 13 | १०१४ स्तृ अथ ऋदन्तौ | आध्याने । आध्यान- मुत्कण्ठा | To long earnestly | उत्कंठा करवी | ५५४ |
| 14 | १०१५ हृ | भये | To fear | बीवुं | ५५४ |
| 15 | १०१६ नृ | नये | To carry | लइ जवुं | ५५४ |
| 16 | अङ्कान्ताश्चत्वारः सेटश्च १०१७ षट्क १०१८ स्नक | प्रतीघाते | To strike | पीडा करवी, दुःखी थनुं | ५५५ |
| 17 | १०१९ चक | तृप्तौ च । चकारा- त्प्रनोधाते | To be contented, to strike | तुप्त थनुं पीडा करवी दुःखदेवुं | ५५५ |
| 18 | १०२० अक | कुटिलायां गतौ | To walk astray | वांकु चालवुं | ५५६ |
| 19 | अथ खान्तः १०२१ कखे | हसने | To laugh | हसवुं | ५५६ |
| 20 | अथ गान्ता नघ सेटश्च १०२२ अग | अकवत । अक कुटिला यां गतौ पठितोऽयमपि | | | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरालाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|-----------------------------|-----------------------------------|-------------------------|-------------------------|-------------------------|
| 21 | १०२३ रगे | तदर्थो लाघवार्थं तथा निदिश्यते | To walk astray | बांकु चालवुं | ५५७ |
| 22 | १०२४ लगे | शङ्कायाम् । | To doubt | शंका करवी | ५५७ |
| 23 | १०२५ हगे १०२६ हगे | सङ्गं | To accompany | सोबत करवी | ५५८ |
| | १०२७ वगे १०२८ सगे | संवरणे । संवरण --- | | | |
| | १०२९ षटगे १०३० स्थगे | माच्छादनम् । | To cover | ढांकवुं | ५५८-५६० |
| 24 | अथ दान्तास्त्रयः सेटश्च | परिभाषणे | To tell | वात चीत करवी | ५६० |
| 25 | १०३१ षट १०३२ भट | ततो | To bend | नमवुं | ५६० |
| | १०३३ णट | | | | |
| 26 | अथ दान्तास्त्रयः सेटश्च | सेवने | To sprinkle | छांटवुं | ५६१ |
| 27 | १०३४ गड | वेष्टने | To twist | वींटवुं | ५६२ |
| 28 | १०३५ हेड | जिह्वोन्मथने । जिह्वा- | | | |
| | १०३६ लड | या उन्मथने जिह्वोन्म- | | | |
| | | थनम् । | To loll the tongue | नीभ हलाववी | ५६२ |
| 29 | अथ णान्ताः षट् सेटश्च | | | | |
| | १०३७ फण १०३८ कण | | | | |
| 30 | १०३९ रण | गतौ | To go | जवुं | ५६३ |
| | १०४० चण | हिंसादानयोश्च । हिंसा- | | | |
| | | यादाने चकाराद्रतौ | To kill, to give, to go | हिंसा करवी, जवुं, देवुं | ५६३ |

| धातुपाठस्य धातुः | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|---------------------|---|----------------------------------|---|-------------------|--------------------------|
| 31 | १०४१ शण १०४२ श्रण दाने अथ शान्ताश्चत्वारः सेटश्च | To give | देवु | | ५६४ |
| 32 | १०४३ स्तथ १०४४ क्तथ १०४५ कथ १०४६ क्लथ हिसार्याः | To kill | हिसा करवी | | ५६५-५६६ |
| 33 | अथ दान्तौ सेटौ च १०४७ छट् | ऊज्जने । ऊज्जने प्राणने बलश्च | हिसा करवी | | ५६५-५६६ |
| 34 | १०४८ मट् | हृषगृह्णनयोः । | To burn, to breathe To be delighted, to tremble खुशी थडु, ग्लानि करवु | | ५६७ ५६७ |
| 35 | अथ नान्तः पञ्च सेटश्च १०४९ गुहन्त १०५० | | | | ५६७ |
| 36 | स्तन १०५१ ध्वन | शब्दे | शब्द करवो | | ५६७ |
| 37 | १०५२ स्वन | अवर्तसने | शोभाववु | | ५६७ |
| 38 | १०५३ चन | हिमायाम् | हिसा करवी | | ५६७ |
| 39 | अथ रान्तः सेटश्च १०५४ ज्वर | रोगे | ताव आश्वो | | ५६८ |
| 40 | अथ लान्ताश्चत्वारः सेटश्च १०५५ चल | कम्पने | धुजवु | | ५६८ |
| 41 | १०५६ हल १०५७ झल १०५८ ज्वल | चलने दीप्तौ च । चकाराच्चलने | चालवु चळ्ळवु, चालवु | | ५६८-५६९ ५६९ |

॥ इति भ्वादिनामा प्रथमो गणः ॥

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकाधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुजराभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|----------------------------------|-----------------------|------------------------|-----------------------|--------------------------|
| 1 | १०५९ अद् अथादन्ता- | | | | |
| 2 | अधुदशानिदश्च १०६० प्सांक् भक्षणे | | | | |
| 3 | १०६१ भांक् | दीप्तौ | To eat | खावुं | ५७० |
| 4 | १०६२ यांक् | प्राग्णे | To shine | चळकवुं | ५७१ |
| 5 | १०६३ चांक् | गतिगन्धनयोः । | To go | जवुं | ५७१ |
| 6 | १०६४ णांक् | शौचे | To go, to perfume | जवुं, पीडा करवी | ५७२ |
| 7 | १०६५ आंक् | पाके | To bathe | स्नान करवुं | ५७२ |
| 8 | १०६६ द्रांक् | कुत्सितगतौ । कुत्सना | To cook | पकाववुं | ५७३ |
| 9 | १०६७ पांक् | गतिःपलायनं स्वप्नश्च | To be broken, to sleep | भागी जवुं, उंघवुं | ५७३ |
| 10 | १०६८ लांक् | रक्षणे | To protect | पालन करवुं | ५७४ |
| 11 | १०६९ रांक् | आदाने | To take | लेवुं | ५७४ |
| 12 | १०७० दांक् | दाने | To give | नेवुं | ५७५ |
| 13 | १०७१ ख्यांक् | लवने । | To cut down | कापवुं | ५७५ |
| 14 | १०७२ प्रांक् | प्रयत्ने | 'o publish | प्रसिद्ध थवुं | ५७६ |
| 15 | १०७३ मांक् | पूरणे | To fulfil | पुरु करवुं | ५७६ |
| 16 | अथेदान्तावनिदश्च | माने । मानं वर्तनम् । | To contain | मावुं | ५७७ |
| 17 | १०७४ इक् | स्मरणे | To remember | याद करवुं | ५७७ |
| 18 | १०७५ इण्क् | गता | To go | जवुं | ५७८ |
| 19 | अथेदन्तोऽनिदश्च | प्रजनकान्तर्यसनखा- | To conceive first time | प्रथम गर्भं वाळा थवुं | |
| 20 | १०७६ वींक् | | | | |

| धातुगणस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकरे पत्राङ्कः |
|------------------------|---------------------------------------|--|--------------------------|---|---------------------------|
| | | दनेषु च । चक्रागद्वतौ to wish, to throw प्रजनः प्रथमगर्भग्रहणम् to eat । असन् क्षेपः | | इच्छुं, फे'ळुं, खावुं | ५७८ |
| | अयोदन्ता दश | | | | |
| 18 | १०७७ चु'क् | अभिगमने | To go forward | मासा जवुं | ५७९ |
| 19 | १०७८ चु'क् | प्रसवेऽर्थयो. | To consent, to be lord | संमति आपवी, ठकुराइ | ५८० |
| 20 | १०७९ तुंक् | वृत्तिहिंसापूरणेपु | To ment in himself | भोगववी | ५८१ |
| 21 | १०८० यु'क् | मिश्रणे | to kill to fulfil | आजीविका चलाववी | ५८२ |
| 22 | १०८१ यु'क् | स्तुतौ | To mix | हिंसा करवी, पुरवुं, | ५८३ |
| 23 | १०८१ क्षु'क् | तेजने | To praise | मिश्रण करवुं | ५८४ |
| 24 | १०८३ स्तु'क् | प्रस्तवने । प्रस्तवनं | To make pointed to sharp | वखाणवुं | ५८५ |
| 25 | १०८४ दु'क्षु । १०८५ रु | क्षरणम् । | To ooze | तिक्ष्ण बनायवुं, अणीदार अथवा धारवाळुं बनाववुं | ५८६ |
| | १०८६ कु'क् | शब्दे | To —ake noise | झराववुं | ५८७ |
| 26 | अथान्तर्गणो रुदादिपञ्चकः | | | 1287 | |
| 27 | १०८७ रु'क् | अश्रुविमोचने | To shed tears | गढइ करवी | ५८८-५८९ |
| 28 | १०८८ जि'क्ष्वप'क् | शाने | To sleep | रोवुं | ५९० |
| | १०८९ अन १०९० श्वसक् प्राणने । प्राणने | | | सुवु | ५९१ |
| | | | | नीववुं, प्रवास | ५९२ |

| अनुपाठस्य धातुः | प्रत्ययस्य धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुल्लिखित पत्राङ्कः |
|--------------------|-----------------------|----------------------------------|-----------------------|------------------------|--------------------------|
| 29 | १०९१ लक्षक | जीवनम् । | To live, to breathe | लेबो, मुकवो | ५८५-५८६ |
| 30 | १०९२ दग्धक | भक्षहसनयोः दुर्गतौ | To eat, to laugh | खावुं, हसवुं | ५८६ |
| 33 | १०९३ जागृक | निद्राक्षये | To be poor | दरिद्र थवुं | ५८७ |
| 32 | १०९४ चक्रासृक | दीप्तौ | To be awakened | जागवुं | ५८७ |
| 33 | १०९५ शास्त्रक | अनुशिष्टौ । अनुशिष्टि- नियोगः | To shine | बलकवुं | ५८८ |
| | अथ चान्तः | | To rule | हुकम चलाववो | ५८८ |
| 34 | १०९६ वचक | भाषणे | | कहेवुं | ५८८ |
| 35 | अथ ज्ञान्तः | | | | |
| 35 | १०९७ मृजौक | शुद्धौ | To purify, to be pure | शुद्ध थवुं, अथवा करवुं | ५८९ |
| 36 | अथ तान्तः | स्वप्ने | To sleep | उधवुं | ५९० |
| 37 | १०९८ सप्तक | ज्ञाने | To know | जाणवुं | ५९० |
| 37 | अथ दान्तः | | | | |
| 37 | १०९९ विदक | | | | |
| 38 | अथ नान्तोऽनिट् च | हिंसागत्योः । | To kill, to go | हिंसा करी; जवुं | ५९१ |
| 38 | ११०० हनक | | | | |
| 38 | अथ शान्तः सेट् च | कान्तौ । कान्तिरिच्छा | To desire | इच्छवुं | ५९१ |
| 38 | ११०१ वशक | | | | |
| 40 | अथ सान्तौ द्वौ सेटौ च | भुवि । भवनं भूः सत्ता । To be | | होवुं | ५९२ |
| 40 | ११०२ असक | | | | |

| धातुपाठस्य धातुः | प्रत्येकधातुस्य धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|---------------------|--|-------------------------------|-----------------------|------------------------------|--------------------------|
| 41 | ११०३ षसक् | स्वप्ने | To sleep | उषवुं | ५९२ |
| 42 | ११०३-२ यङ् लुक् च सर्वे धातवो यङ्लुक्वन्ताः किङ्करणावदादौ परस्मैपदिनञ् । आधात्मनेपदिनः । | | | | |
| 1 | ११०४ इङ्क् | अध्ययने | To study | भणवुं | ५९३ |
| 2 | ११०५ शीङ्क् | स्वप्ने | To sleep | सुवुं | ५९३ |
| 3 | ११०६ हुङ्क् | अपनयने । अपनयन- मपलापः । | To conceal | छुपावुं | ५९४ |
| 4 | अतः परमृदन्तः सेट् च ११०७ घृढीक् | प्राणिगर्भविमोचने । | To beget, to deliver | प्राणिने जन्म आपवो | ५९४ |
| 5 | अय चान्तः सेट् च ११०८ पृचैङ् (अय जान्ताः पञ्च सेटश्च) ११०९ | मिश्रणम् सम्पचने । सम्पचनं | To mix | मिश्रणं करवुं | ५९५-५९६ |
| 6 | पृञ्क् १११० पिञ्जुकि | सम्पचने । सम्पचनं | To abandon | वर्जनं करवुं | ५९७ |
| 7 | ११११ वृजैकि | वर्जने | To be pure | शुद्धं भवुं | ५९७ |
| 8 | १११२ णिञ्जुकि | शुद्धौ | To speak indistinctly | अर्थं नहि समजाय तेवुं बोलवुं | ५९८ |
| 9 | १११३ शिञ्जुकि | अव्यक्ते शब्दे | To praise | मखाणवुं | ५९८ |
| | अथ डान्तः सेट् च १११४ ईडिक् | स्तुती | | | |

| शतपुष्पस्थ धातुङ्कः | प्रत्येकधातुङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|------------------------|----------------------------------|--------------------|---------------------|-----------------------|--------------------------|
| | अथ रान्तः सेट् च | | | | |
| 10 | १११५ इरिक् | गतिकम्पनयोः । | To go, to tremble | जयु ध्रुजावयु | ५९९ |
| 12 | अथ शान्तः सेट् च | | | | |
| 12 | १११६ इरिक् | पेम्बयौ | To be l'rd | ठकुराई भोगववी | ५९९ |
| 12 | अथ सान्ताः पञ्च सेटश्च | | | | |
| 13 | १११७ वत्तिक् | आच्छादने | To cover | ढांकयु | ६०० |
| 14 | १११८ आङ्कः शास्त्रिकि | इच्छायाम् । | To wish | इच्छयु | ६०० |
| 14 | १११९ आनिक् | उपवेशने | To sit | वेसयु | ६०१ |
| 15 | ११२० कसुकि | गतिशाततयोः | To go, to fall down | जयु, पाछळ करयु, छोलयु | ६०१ |
| 16 | ११२१ निमुकि | चुम्बने | To kiss | चुम्बन करयु | ६०३ |
| 17 | अथ क्षान्तः सेट् च | | | | |
| 17 | ११२२ चक्षिक् | वक्तव्यायां वाचि । | To speak | रपष्ट बीलयु | ६०३ |
| | अथोभयपदिनस्तत्रा- प्युदन्तौ । | | | | |
| 1 | ११२३ ऊर्णुक् | आच्छादने | To cover | ढांकयु | ६०५ |
| 1 | ११२४ ष्टुक् | स्तुतो | To praise | बखाणयु | ६०६ |
| ४ | अथ ऊदन्तोऽनितश्च | | | | |
| ४ | ११२५ झूङ्क् | व्यक्तव्यायां वाचि | To speak clear | रपष्ट बीलयु | ६०७ |
| 4 | अथ वान्तोऽनितश्च | | | | |
| 4 | ११२६ द्विर्बिक् | अमीतो | To hate | द्वेष करवो | ६०८ |
| | अथ हान्तास्त्रयोऽनितश्च | | | | |

| धातुगण्यम् धातुसङ्केः | प्रत्ययधातुसङ्केः धातुनाम च | संस्कृतभाषास्यार्थः | आङ्ग्लभाषायास्यार्थः | गुर्जरभाषायास्यार्थः | धातुनामक पत्राङ्कः |
|--------------------------|---|---|--------------------------------|-----------------------------|-----------------------|
| 5 | ११२७ दुह्रीक् | क्षरणे | To milk | दोवुं | ६०९ |
| 6 | ११२८ छिहीक् | लेपे | To plaster | लेप करवो | ६१० |
| 7 | ११२९ छिहीक् | आस्वादनम् । | To lick | चाटवुं | ६११ |
| 1 | अथ दान्तगतगणो ह्रादयः ११३० हुक् | दानादनयोः । दानम्- न ह बिभक्षेपः । अक्- न भक्षणम् । | To give in sacrifice to eat | होममां वस्तु नाखवो खावुं | ६१२ |
| 2 | अथादन्तोऽनित् व ११३१ ओहाङ्क् | त्यागे | To abandon | त्याग करवो | ६१३ |
| 3 | अथ दन्तावनिटौ च ११३२ जिभोक् | भये | To fear | बीवुं | ६१४ |
| 4 | ११३३ ह्रीक् | लज्जागाम् । | To be ashamed | शरमावुं | ६१५ |
| 5 | अथ कृदन्तावनिटौ च ११३४ पृक् | पालनपूरणयोः | To protect, to fulfil | पालन करवुं, पुरवुं | ६१६ |
| 6 | ११३५ कृक् | गतौ | To go | जवुं | ६१७ |
| 1 | अथास्मिन्पदिनावाद्गता- वनिटौ च ११३६ ओहाङ्क् | गतौ | To go | जवुं | ६१८ |
| 2 | ११३७ माङ्क् | मानशब्दयोः । | To measure, to sound | मापवुं, शाब्द करवो | ६१९ |
| | अथोभयपदिनः षट्- नितश्च तत्रादन्तौ | | | | |

| अनुपाठ्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्र क्रः |
|-----------------------|--|--|---|--------------------------|--------------------------|
| 1 | ११३८ डुदाङ्क् | दाने | To give | देवुं | ६१६ |
| 2 | ११३९ डुधाङ्क् | धारणे च । चकारादाने | To hold, to give | धारण करवुं, देवुं | ६१७ |
| 3 | अथ ऋदन्तः ११४० डुडुङ्क् | पोषणे च । चकारादारणे | To nourish | पोषण करवुं, धारण करवुं | ६१८ |
| 4 | ११४१ जिङ्ङ्को | शौचे च । चकारात्पोषणे | To cleanse, to nourish | निर्मल करवुं, पोषण करवुं | ६१९ |
| 5 | ११४२ विङ्ङ्को | पृथग्भावे | To separate | जुडु करवुं, | ६२० |
| 6 | अथ घान्तः ११४३ विङ्ङ्की | व्याप्तौ | To pervade | व्यापीने रहेवुं | ६२१ |
| 1 | हति किददादिगणः सम्पूर्णः । अथ द्यविक- रणा दिवाद्यो वर्णक्रमेण- निर्दिश्यन्ते । तत्रापि पूर्वा- चार्यप्रविद्धचतुरोपेक्षादौ ११४४ विङ्क् | क्रीडाजयेच्छापणिबुद्धि- स्तुतिगतिषु । जयेच्छा win to make, business विजिगीषा । पणिर्व्यव- to shine, to praise हारः क्रयादिः to go | क्रीडा करवो, जीतवानो इच्छा करवो, व्यापार करवो चलकवुं, बलाणवुं, जवुं | ६२८ | |
| 2 | अथ ऋदन्तौ सेटौ च ११४५ लृष् लृष् अथौ दन्ता अत्वारो- | जरसि । जरावयोद्दानिः । To grow old | | बुढा थवुं | ६२९ |

| धातुपाठस्य धातुः | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|---------------------|-----------------------------------|--|---|---|--------------------------|
| 3 | उनिट श्र ११४७ शौच | तक्षणे । तक्षणे तक्षरणम् । To make pointed | | | |
| 4 | ११४८ दो ११४९ छोच | छेदने | to sharpen | छोलवुं | ६३० |
| 5 | ११५० षोच | अन्तकर्मणि । अन्तकर्म | To cut | छेवुं | ६३० |
| 6 | अथ डान्तः सेट्ट च ११५१ व्रीडिच | विनाशः । | To perish | विनाश करवो | ६३२ |
| 7 | अथ तान्तः सेट्ट च ११५२ नृतेच | लज्जायाम् | To feel shame | शरमावुं | ६३२ |
| 8 | अथ यान्तौ सेटौ च ११५३ कुयच् | नर्तने । नर्तनं नाट्यम् | To dance, to play, to perform drama | नाचवुं | |
| 9 | ११५४ पुयच् अथ धान्तास्त्रयः | पूतिभावे । पूतिभावो- दुर्गन्धः क्लेदः हिसायाम् । | To be wet and of nauseous smell To kill | बीयुं दुर्गन्ध बाळु, थयुं हिसा करवो | ६३३ ६३४ |
| 10 | ११५५ गुधच् | परिवेष्टने | To twist | वीटवुं | ६३४ |
| 11 | ११५६ राधच् | वृद्धौ | To grow | वधवुं | ६३५ |
| 12 | ११५७ व्यधच् | ताडने | To beat | ताडना करवी, वधवुं | ६३५ |
| 13 | अथ पान्ती ११५८ क्षिपंच | प्रेरणे | To throw | फे'कवुं, मोकलवुं, प्रेरणा करवी | ६३६ |

| धातुप्रसङ्गः | प्रत्येकशब्दो | धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|--------------|---|--|--------------------|---|---|--------------------------|
| 14 | ११५९ पुष्पच् | विकसने | | To bloom | खीलवुं | ६१६ |
| 15 | अथ मान्ताश्चत्वारः सेटश्च ११६० तिम ११६१ तीम ११६२ तिम ११६३ ष्टीमच आर्द्रभावे | उत्तौ । उत्तिर्वानं तन्तु- संतान इत्यर्थः गतिशोषणयोः | | To be wet | भीजावुं | ६१६-६२८ |
| 16 | अथ वान्ताश्चत्वारः सेटश्च ११६४ विट् | उत्तौ । उत्तिर्वानं तन्तु- संतान इत्यर्थः गतिशोषणयोः | | To weave To go, to be dried to dry To spit | वणवुं, सीववुं जवुं, सुकाववुं, अथवा सुकावुं थुंकवुं | ६२९ ६२९ ६३० |
| 17 | ११६५ श्रिवूच् | गतौ | | To go | अवुं | ६३१ |
| 18 | ११६६ षिट् ११६७ श्रिवूच् निरसने । | निरसने | | To spit | थुंकवुं | ६३१ |
| 19 | अथ वान्तः सेट् च ११६८ इषच् | हृत्तिदीप्तयोः । हृत्तिः कौटिल्यम् | | To be crooked To fear To burn | वक्रता करवी, वांकु वळवुं, चमकवुं बीजुं बाळवुं | ६३२ ६३२ ६३३ |
| 20 | अथ सान्ताश्चत्वारः सेटश्च ११६९ णसूच् | भये | | To be powerful | शक्तिवाळा थवुं | ६३४ |
| 21 | ११७० क्तसूच् | दाहे | | | | |
| 22 | ११७१ ञसूच् | शक्तौ | | | | |
| 23 | ११७२ व्युमच् | | | | | |
| 24 | अथ हान्तौ सेटौ च ११७३ षह ११७४ पुहच् | | | | | |
| | अथ दिवाद्यन्तर्गणः | | | | | |

॥ धातुरत्नाकरे धातुसूची ॥

(१२०५)

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पन्नाङ्कः |
|-------------------------|--|--|---|---|--------------------------|
| | पुषादिः परस्मैपदेषु । तत्रापि प्रसिद्धयन्तरो- धेनादौ । | | | | |
| 25 | ११७५ पुष'च् | पुष्टौ | To be fat | पुष्टं थवुं | ६४५ |
| 26 | अथ चान्तः सेट् च ११७६ उच'च् | समवाये । समवाय पेक्यम् | To unite | एकथइ जवुं | ६४५ |
| 27 | अथ दान्तः सेट् च ११७७ लुट् च | विलोटने । | To wallow | आळोटवुं | ६४६ |
| 28 | अथ दान्ताश्चत्वारः ११७८ षिवदां च | गात्रप्रक्षरणे । गात्रप्रक्ष- रणं घर्मस्तुतिः । आर्द्रभावे स्नेहने मोचने च । चकारा- स्नेहने | To perspire To be wet To be gummy, to love To release, to be gummy, to love | परसेवावाळा थवुं भीनुं थवुं चीकणा थवुं अथवा करवुं मुक्त करवुं, चीकणा थवुं अथवा करवुं | ६४६ ६४७ ६४७ |
| 29 | ११७९ क्लिदौ च | | | | ६४८ |
| 30 | ११८० निमिदा च | | | | ६४९ |
| 31 | ११८१ निमिदा च | | | | ६४९ |
| | अथ धान्ताः सन्त | | | | |
| 32 | ११८२ क्षुधं च | बुभुक्षायाम् । | To be hungry | भुक्ष्या थवुं | ६४८ |
| 33 | ११८३ शुधं च | शौचे । शौचं नैर्मल्यम् | To cleanse | निर्मळ थवुं | ६४९ |
| 34 | ११८४ क्रधं च | कोपे | To be angry | कोप करवो | ६४९ |
| 35 | ११८५ विधूं च | संराद्धौ । संराद्धि- | | | |

| शतुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुलाकर पत्राङ्कः |
|------------------------|--------------------------------------|---|--|--|-----------------------|
| 36 | ११८६ ऋथूच | निष्पत्तिः वृद्धौ | To be ready | तेयार थुवुं | ६५० |
| 37 | ११८७ गुथूच | अभिकाङ्क्षायाम् । | To grow | वधवुं | ६५० |
| 38 | ११८८ रथूच | द्विसासंराध्योः । | To long for | लोभ करवो, लोलुपतागखवी | ६५१ |
| 39 | अथ पाठः नव सेटस्य ११८९ तृपौच | संराद्धिः पाकः । प्रीतौ । प्रीतिः | To kill, to cook | हिंसा करवी पकाववुं | ६५१ |
| 40 | ११९० दृपौच | सौहित्यम् । दुर्धर्मोदनयोः । मोहनैर्गर्वः । | To be tranquil To be pleased, to be proud | तृप्त थुं | ६५२ |
| 41 | ११९१ कुपच | क्रोधे । | To be angry | खुश थुं, अभिमान करवुं | ६५२ |
| 42 | ११९२ गुपच | व्याकुलत्वे | To be confused | क्रोध करवो | ६५३ |
| 43 | ११९३ युप ११९४ रुप | | | आकुलव्याकुल थुं | ६५४ |
| 44 | ११९५ लुपच | विमोहनै | To be disturbed | धुं चवावुं, अकुल करवुं | ६५५-६५६ |
| 45 | ११९६ डिपच | क्षेपे | To throw, to send | फेंकवुं; मोकलवुं | ६५६ |
| 45 | ११९७ हृपच | समुखाये | To grow | उं थु वधवुं | ६५७ |
| 46 | अथ भान्ताधत्वारः सेटस्य ११९८ लुभच | गाढर्चे । गाढर्चमभि- | | | |
| 47 | ११९९ क्षुभच | काङ्क्षा संचलने । संचलन- रूपान्यथान्यम् । | To be greedy To be agitated | लोभ करवो खलभल्लुं, (गभराटमां आववुं | ६५७ ६५८ |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पन्ना क्रः |
|----------------------|--|----------------------------------|--|------------------------------|------------------------|
| 48 | १२०० णभ १२०१ लुभञ्च | हिंसायाम् । | To kill | हिंसा करवी | ६५८ |
| 49 | अथ शान्तः षट् सेटञ्च १२०२ नशीञ्च | अदृशने । अदर्शनमनु- पलब्धिः । | To be invisible to take a flight, to perish | नहि देखावुं, नाशी जवुं | ६५९ |
| 50 | १२०३ कुशञ्च | प्रलेषणे । | To embrace, to joint | भेटवुं, जोडावुं | ६६० |
| 51 | १२०४भृश १२०५ भ्रशञ्च | अघः पतने | To depress | पतित थवुं | ६६१ |
| 52 | १२०६ शृशञ्च | वरणे | To accept | स्वीकारवुं | ६६२ |
| 53 | १२०७ कुशञ्च | तनुत्वे | To grow thin | पातला थवुं | ६६२ |
| 54 | अथ वान्ता नव १२०८ शुषञ्च | शोषणे । | To dry | सुकावुं | ६६३ |
| 55 | १२०९ दुषञ्च | वैकृत्ये । वैकृत्य रूपभङ्गः | To be corrupted | दुषित थवुं | ६६३ |
| 56 | १२१० प्र्लिषञ्च | आलिङ्गने । | To embrace | आलिङ्गन करवुं, भेटवुं | ६६४ |
| 57 | १२११ लुषञ्च | दाहे । | To burn | बाळवुं, बळवुं | ६६४ |
| 58 | १२१२ जितृषञ्च | पिपासायाम् । | To be thirsty | तर्षा थवुं | ६६५ |
| 59 | १२१३ तुष १२१४ हृषञ्च | तुष्टौ । तुष्टिः प्रीतिः | To be pleased | खुश थवुं | ६६५-६६६ |
| 60 | १२१५ रुषञ्च | रोषे | To be angry | रोष करवी | ६६६ |
| 61 | १२१६ व्युष (अथ सान्ता- स्त्रयोदश सेटञ्च | विभागे | To separate, to divide | जुडु थवुं | ६६७-६६८ |
| 62 | १२१७ व्युस १२१८ पुसञ्च | प्रेरणे । | To throw, to send | मोकलवुं, कैकवुं प्रेरणा करवी | ६६९ |
| 63 | १२१९ विसञ्च | प्रलेषे । | To embrace | भेटवुं | ६६९ |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरालोकार पत्राङ्कः |
|---|-----------------------------|--|-------------------------------------|------------------------------------|--------------------------|
| 64 | १२२१ असृञ् | क्षेपणे | To throw | फेंकडुं | ६७० |
| 65 | १२२२ यसृञ् | प्रयत्ने | To try | मयत्न करवो | ६७० |
| 66 | १२२३ जसृञ् | मोक्षणे | To release | छोडवुं | ६७१ |
| 67 | १२२४ नसृ १२२५ दसृञ् | उपक्षये | To fade away | थोडा टाइममां क्षीण थवुं ६७२-६७३ | |
| 68 | १२२६ वसृञ् | स्तम्भे | To be proud | अभिमान करवुं थमित थवुं ६७३ | |
| 69 | १२२७ वुसृञ् | उत्सर्गे । उत्सर्गस्थयागः | To abandon | त्याग करवो | ६७४ |
| 70 | १२२८ सुसृञ् | खण्डने | To break | खंडित करवुं | ६७४ |
| 71 | १२२९ मसृञ् | परिणामे । परिणामो- विकारः । | To be altered | फेरफेरवाळु थवुं (रूपान्तर थवुं) | ६७५ |
| <p>अथ शमादीनां सेदां स- न्तकं श्ये दीर्घार्थं मदेच्- पर्यन्तं कलमुपर्यरतं चाष्ट- कं घिनणर्थं प्रदर्शयते । तत्र च बहुत्वान्मान्ताः षडादौ</p> | | | | | |
| 72 | १२३० शस् १२३१ दसृञ् | उपशाने | To be calm | शान्त थवुं | ६७५-६७६ |
| 73 | १२३२ तमृञ् | काङ्क्षायां | To long for | अभिलाषा करवो | ६७६ |
| 74 | १२३३ श्रमृञ् | खेदतपसोः । | To be sorry, to go in retirement | खेद पामवो तपस्या करवो | ६७७ |
| 75 | १२३४ भ्रमृञ् | अनवस्थाने । अनव- स्थानं देशान्तरगमनम् | To wander | भ्रमवुं | ६७७ |

| धातुपाठस्थ धातुः | प्रत्येकधातुस्य धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|---------------------|--|--------------------------------|--|---|--------------------------|
| 76 | १२३५ क्षमौञ्च अथ दान्तः ११३६ मदैञ्च १२३७ कलमूञ्च अवसितं शमादीनां सप्त रुमष्टकञ्च अथ प्रकृतवर्णक्रमेण दान्ता- ग्रन्थारः सेटश्च | खहने हर्षं ग्लानौ | To allow, to endure To be pleased To fade away | सहन करवुं खुश थवुं फ्रीकाचेरावाळा थवुं | ६७८ ६७९ ६७९ |
| 79 | १२३८ सुहौञ्च | वैचित्ये । वैचित्य- मविवेकः | To be excited by beauty | मोहित थवुं, विवेक रहित थवुं | ६८० |
| 80 | १२३९ दुहौञ्च | निषांसायाम् । | To wish for killing to be imprudent | मारखानी इच्छा करवी वमन करवुं प्रेम करवी | ६८० ६८१ ६८२ |
| 81 | १२४० णुहौञ्च | उद्दिरणे | To vomit | | |
| 82 | १२४१ णिहौञ्च वृत्तं पुषादिः । पुषादि- दिवाद्यन्तर्गणो वर्तितः सम्पूर्ण इत्यर्थः अथात्मनेपदिषु स्यस्या- दिर्नवकः कतयोस्तस्य नत्वार्थं प्रदर्शयते तत्र लाघवाय मादावृद्धन्तौ | प्रीतौ | To love | | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुजरेभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|-----------------------------|----------------------------|-------------------|--------------------|--------------------------|
| | सेटौ च | प्राणिप्रसवे | To deliver | प्राणीने जन्म आपवो | ६८५ |
| 1 | १२४२ षड्ङ्क् | परितापे । परितापःखेदः | To be sorry | खेद पापवुं | ६८६ |
| 2 | १२४३ दृङ्क् | अयेदन्ताः सप्तङ्ङिङोन्त्ये | | | |
| | ऽनितश्च | क्षये | To decrease | क्षीण थवुं | ६८६ |
| 3 | १२४४ दीङ्क् | अनादरे | To disrespect | अनादर करवो | ६८७ |
| 4 | १२४५ धीङ्क् | हिंसायाम् । | To kill | हिंसा करवी | ६८७ |
| 5 | १२४६ मीङ्क् | अवणे | To ooze | टपकवुं, झरवुं | ६८८ |
| 6 | १२४७ रीङ्क् | प्रलेषणे । | To embrace | भेटवुं | ६८८ |
| 7 | १२४८ लीङ्क् | गतौ | To go | जवुं | ६८९ |
| 8 | १२४९ डीङ्क् | वरणे | To accept | स्वीकारवुं | ६८९ |
| 9 | १२५० त्रीङ्क् | | | | |
| | वृत्स्वादिः । सूयन्यादि- | | | | |
| | दिवाद्यन्तर्गणो नवको व- | | | | |
| | तितः सम्पूर्ण इत्यर्थः | | | | |
| | अयेदन्तास्वयोऽनितश्च | | | | |
| 10 | १२५१ पीङ्क् | पाने | To drink | पीवुं | ६९० |
| 11 | १२५२ रीङ्क् | गतौ | To go | जवुं | ६९० |
| 12 | १२५३ मीङ्क् | प्रीतौ | To love | प्रेम करवो | ६९१ |
| | अथ जान्नावनितौ च | | | | |
| 13 | १२५४ युजिक् | समाधौ । समाधिश्चित्त- | To contemplate in | | |

| धातुस्य धातुङ्कः | प्रत्ययधातुङ्को | धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नं कर पत्रः |
|---------------------|--|-----------|---|---------------------------------|----------------------------------|-----------------------|
| 14 | १२५५ सुजिञ्च | | वृत्तिनिरोधः विस्तर्गं । | solitude To make, to arrange | समाधिमां रेवुं बनाववुं, रचवुं | ६९१ ६९२ |
| 15 | अथ तान्तः सेद् च १२५६ वृत्तिञ्चि | | वरणे | To accept | स्वीकारवुं | ६९२ |
| 16 | अथ दान्तास्त्रयोऽनितश्च १२५७ पदिञ्च | | गतौ । गतिर्यनिं ज्ञानश्च | To go | जवुं, जाणवुं | ६९३ |
| 17 | १२५८ विदिञ्च | | सत्तायाम् । सत्ता भावः | To become | होवुं | ६९४ |
| 18 | १२५९ खिदिञ्च | | दैर्घ्ये । | To be sorry, to be poor | सेद् पामवुं, सीन शवुं | ६९४ |
| 19 | अथ धान्तास्त्रयोऽनितश्च १२६० युधिञ्च | | सम्प्रदारे । सम्प्रदारी | | | |
| 20 | १२६१ अनो रुधिञ्च | | हृत्तनम् | To fight | लडवुं, युद्ध करवुं | ६९५ |
| 21 | १२६२ रुधि (अथ नान्ता- स्त्रयो मनिं वर्जाः सेटश्च) | | कामे । काम इच्छा | To wish | इच्छवुं | ६९५ |
| 22 | १२६३ मनिञ्च | | ज्ञाने | To know | जाणवुं | ६९६ |
| 23 | १२६४ अनिञ्च | | प्राणने | To breathe | प्रवास लेवो मुकवो | ६९७ |
| 24 | १२६५ जनैवि | | प्रादुर्भावे । प्रादुर्भाव | To be produced | उत्पन्न थवुं | ६९७ |
| 25 | अथ पान्तौ १२६६ दीपैवि | | उत्पत्तिः दीप्तौ | To shine | चळकवुं दीपवुं | ६९८ |
| | १२६७ तपिञ्च | | प्रेम्बर्गं वा । तपधूप संतापे इत्यस्यैवैश्वर्यं दिवा | | | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुल्लाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|---|------------------------------------|-------------------|--------------------------|-------------------------|
| | | दित्वमात्मनेपदं वा विधीयते । | To be lord | ठकुराह भोगववी | ६९८ |
| | अथ रान्ता अष्टौ सेटश्च १२६८ प्रैचि | आप्यायते । आप्यायनं वृद्धिः | To increase | वधवुं | ६९९ |
| 26 | १२६९ घुरैङ् १२७० जुरैचि | जरायाम् । जरा वयोहातिः | To grow old | बुढा थवुं | ६९९-७०० |
| 27 | १२७१ घुरैङ् १२७२ गुरैचि | गतौ | To go | जवुं | ६००-७०१ |
| 28 | १२७३ गुरैचि | स्तम्भे | To be proud | अभिमान करवुं | ७०१ |
| 29 | १२७४ तुरैचि | त्वरायाम् । | | | |
| 30 | पुरादयः हिंसायाश्च | घुरादयः षडपि हिंसायां | | उतावळा थवुं, हिंसा | ७०२ |
| 31 | | चकाराद्यथापथयमु- क्तेषु जरादिषु | To haste | करवी विगेरे | |
| 32 | १२७५ चुरैचि | बाहे | To burn | बाळवुं | ७०२ |
| | अथ शान्ताश्चत्वारो लिङिचू वर्जा सेटश्च | उपतापे | To be afflicted | कलेश पामयो; दुःखल्लाववुं | ७०३ |
| 33 | १२७६ क्लिङिचू | अरुपत्वे | To be small | नाना थवुं, (कमी थवुं) | ७०३ |
| 34 | १२७७ लिङिचू | दीप्तौ | To shine | चलकवुं दीपवुं | ७०४ |
| 35 | १२७८ क्वाङिचू | शब्दे | To make noise | शब्द करवो | ७०४ |
| 36 | १२७९ वाङिचू | | | | |
| | अयोभयपदिषु क्रान्तोऽतिद्विच | | | | |

॥ धातुरत्नाकरे धात्वर्थाः ॥

(२३०३)

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | पन्नाङ्कः |
|-------------------------|---|--|-------------------|--|-----------|
| 1 | १२८० शर्कीच | मर्षणे । मर्षणं क्षमा । | To forgive | सहन करवुं | ७०५ |
| 2 | १२८१ शुद्धगेच | पूतिभावे । पूतिभावः कलेदः | To be wet | भीना थवुं | ७०६ |
| 3 | अथ जान्तोऽनिद्वच १२८२ रुज्जीच | रगे | To be coloured | रंगवुं | ७०७ |
| 4 | अथ पान्तोऽनिद्व च १२८३ शर्पीच | आक्रोशे | To curse | आप देवो समखावा | ७०७ |
| | अथ धान्तः सेद्वच १२८४ मुषीच | तितिक्षायाम् । तितिक्षा क्षमा | To forgive | सहन करवुं | ७०९ |
| 6 | अथ हात्तोऽनिद्वच १२८५ णर्हीच | बन्धने | To bind | बांधवुं | ७१० |
| | इति चिद्दिवादिगणः इयविकरणः सम्पूर्णः । अथ स्वादयो वर्णक्रमेण निर्दिश्यन्ते तत्रापि प्रसि द्धचतुरोधेनादौ | अभिषवे । अभिषवः क्लेदनं संधानाख्यं पीडनमन्यते वा | To extract juice | भीना करवुं, सौमरस काढवो सयवुं, अर्क काढवो अर्क काढवो | ७११ |
| 1 | १२८६ षुगट | | | | |

| धातुपाठस्य धातुवर्णः | प्रत्येकधातुवर्णो धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पन्नाङ्कः |
|-------------------------|---|-------------------------------------|-------------------------|-------------------------|--------------------------|
| 2 | अथेदन्ताश्चत्वारोऽनितश्च १२८७ विगृह् | बन्धने | To bind | बांधवुं | ७१२ |
| 3 | १२८८ शिगृह् | निश्चाने । निश्चानं तत्तूकरणम् । | To make pointed sharpen | तिक्ष्ण करवुं, अणीवालुं | ७१३ |
| 4 | १२८९ डुमिगृह् | मक्षेपणे | To make over | उमेरवुं | ७१४ |
| 5 | १२९० विगृह् | चयने । | To collect | एकठु करवुं | ७१५ |
| 6 | अथोदन्तः सेट् च १२९१ ध्रुगृह् | कम्पने | To tremble | धुजाववुं | ७१६ |
| 7 | अथ ऋदन्तास्त्रयो वृग्वर्जा अनितश्च | आच्छादने | To cover | ढांकवुं | ७१८ |
| 8 | १२९२ स्तृगृह् | हिंसायाम् | To kill | हिंसा करबी | ७१९ |
| 9 | १२९३ कृगृह् | वरणे | To forgive | स्वीकारवुं | ७२० |
| | अथ परस्मैपद्विदन्तोऽ- नित् च | गतिषुद्धयोः | To go, to grow | जवुं, वधवुं | ७२१ |
| 1 | १२९५ हिट् | श्रवणे | To hear | सांभळवुं | ७२२ |
| 2 | अथोदन्तावनितौच १२९६ शुट् | उपताये | To afflict | दुःख लाववुं | ७२२ |
| 3 | १२९७ डुडुट् | प्रीतौ | To love | प्रेम करवो | ७२२ |
| 4 | अथ ऋदन्तावनितौच १२९८ पृट् | | | | |

| मनुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|------------------------|--|---|-------------------|-------------------------------------|--------------------------|
| 5 | १२०९ स्तुं अथ कान्तौ | पालने च । चकारात्मिनी To protect, to love | | पालन करवुं, प्रेम करवो | ७२३ |
| 6 | १३०० शक्नुं | शक्तौ | To be able | समर्थं भवुं | ७२३ |
| 7 | १३०१ तिक (अथ गान्तः- सेट् च) १३०२ तिग (अथ वान्तः सेट् च १३०३ वघट् | हिसायाम् | To kill | हिसा करवी | ७२४-७२५ |
| 8 | अथ धान्तास्त्रयः १३०४ राध १३०५ सांघट् संसिद्धिः | फलसंपत्तिः । वृद्धौ | To be equal to | चरावर यवुं, सिद्ध करवुं वधवुं | ७२५-७२६ ७२६ |
| 9 | १३०६ अघट् अथ पान्तौ | व्याप्तौ | | व्यापने येवुं | ७२७ |
| 10 | १३०७ आलट् | मीणने | | खुश करवुं | ७२७ |
| 11 | १३०८ तुपट् | दम्भे | To find excuse | वानु काढवुं, कपट करवुं | ७२८ |
| 12 | अथ भान्तः सेट् च १३०९ दम्भुट् | हिसाकरणयोः । गतौ | To kill | हिसा करवी, वनावकुं जवुं | ७२८ ७२९ |
| 13 | १३१० कुटुट् | मागलस्ये | | निर्भयं भवुं | |
| 14 | १३११ धिबुट् | | | | |
| 15 | अथ वान्तः सेट् च १३१२ विधृषाट् | | | | |

| अनुपाठस्थ धातुङ्कः | प्रत्ययकथाखण्डो धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | धुर्जरभाषायामर्थः | धातुत्वाकर्तृ पत्राङ्कः |
|-----------------------|--|-----------------------------------|-------------------|---|----------------------------|
| | अथ आत्मनेपदिनौ | | | | |
| | सेतौ च | | | | |
| 1 | १३१३ ङिष्टिद् | आस्कन्दते | | ढल्लौ करवौ | ७३० |
| 2 | १३१४ अङ्गौष्टि | न्याप्तौ | | व्यापोने रेवुं | ७३० |
| | दित्स्वादिगणः अनुविकरणः सम्पूर्णः | | | | |
| | अथ तुदादयस्तिता यणः— क्रमेण प्रदर्शयन्ते । प्रसि- द्धयनुरोधेनादौ | | | | |
| 1 | १३१५ तुदीत् | व्यथने | To afflict | पोडा करवी | ७३१ |
| 2 | अथ जान्तोऽनिद् च १३१६ अस्जीत् अथ पान्तोऽनिद् च १३१७ क्षिपीत् | पाके प्रेरणे | | पकावतुं फे'कतुं, मोकलतुं प्रेरणा करवी | ७३२ ७३३ |
| | अथ शान्तोऽनिद् च १३१८ दिशीत् | अतिसर्जने । अतिस- र्जनं त्यागः | To send | दान देवुं | ७३४ |
| | अथ वान्तोऽनिद् च १३१९ कर्षीत् अथ मुचादयोऽन्तौ | विलेखने । | To pull | खे'चवु | ७३५ |

| धातुपठस्थ धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|------------------------|---|-------------------------|-------------------|-------------------|--------------------------|
| | तत्राधाः पञ्चानि उभय- पदिनश्च त्रयः परस्मैपदि- नः खिदं वर्जः सेटश्च तत्र चान्तौ | | | | |
| 6 | १३२० मुच्छंती | मोक्षणे | | छोडीदेवुं | ७३६ |
| 7 | १३२१ बिर्चीत | क्षरणे | To sprinkle | छांटवुं | ७३७ |
| 8 | अथ दान्तः | लाभे | | मेळववुं | ७३८ |
| 9 | १३२२ बिदृष्टंती | | | | |
| 9 | अथ पान्तौ | छेदने | | छेदवुं | ७३९ |
| 10 | १३२३ लुप्लंती | उपदेहे । उपदेहो वृद्धिः | | लीपवुं | ७४० |
| 10 | १३२४ लिपीत | | | | |
| 11 | अथ परस्मैपदेषु तान्तः | | | | |
| 11 | १३२५ कृतैत् | छेदने | | छेदवुं | ७४१ |
| 11 | अथ दान्तः | | | | |
| 12 | १३२६ खिदंत् | परिधाने | | खेद कराववो | ७४२ |
| 12 | अथ क्षान्तः | | | | |
| 13 | १३२७ पिशत् | अवयवे | To crush | पीषवुं | ७४३ |
| 13 | वृत्तमुचादिः । मुचादि- स्त्रुदाद्यन्तर्गणोऽष्टकः सम्पूर्णः अथ प्रकृतवर्णक्रमेणे- | | | | |

| धातुपठस्थ धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुस्माकिर पत्राङ्कः |
|------------------------|---|---------------------------------|-------------------|----------------------------|--------------------------|
| 14 | दन्ताश्चत्वारोऽनिष्टश्च १३२८ रि १३२९ पित्र | गतौ | | जुं | ७४३ |
| 15 | १३३० धित | धारणे | | धारण करवुं | ७४४ |
| 16 | १३३१ क्षित । | निवासगतयोः । | | निवास करवो ज़वुं | ७४५ |
| 17 | अथोदन्तः सेट् च १३३२ षत् | प्रेरणे | | मोकलवुं सेकवुं प्ररणा करवी | ७४६ |
| 18 | अथ ऋदन्तोऽनिट् च १३३३ षुत् | प्राणत्यागे | | मरी जुं | ७४७ |
| 19 | अथ कृदन्तौ सेटौ च १३३४ कृत् | विक्षेपे | | विलेखवुं | ७४८ |
| 20 | १३३५ णुत् | निगरणे । निगरणे भोजनम् । | To dine | भोजन करवुं | ७४९ |
| 21 | अथ खान्तः सेट् च १३३६ लिखत् | अक्षरविन्यासे | | लखवुं | ७५० |
| 22 | अथ चान्ताः पञ्च सेटश्च १३३७ जर्च १३३८ सर्चत् | परिभाषणे | | बातचीत करवी १ निन्धवुं २ | ७५८ |
| 23 | १३३९ त्वचत् | संरचणे । संयरण- माच्छादतम् । | | ढांकवुं | ७५९ |
| 24 | १३४० ऋचत् | स्तुतौ | | वखाणवुं | ७६० |
| 25 | १३४१ ओन्नरजौत् | छेदने | | छेदवुं | ७६० |
| | अथ छान्ताः षट् प्रछं | | | | |

| धातुपाठस्य धातुद्वयः | प्रत्ययेकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|------------------------------|--|--|---|--------------------------|
| | वर्जः सेटञ्च | | | | |
| 26 | १३४२ ऋछत् | इन्द्रियप्रलयमूर्तिभाषयोः इन्द्रियाणां प्रलये मोहे मूर्तिभावे च गतौ | To be tempted by senses To go To transgress | मूर्छां पामबुं, (इन्द्रियोना मोहमां पडबुं) आकार बाला थबुं जबुं उलघन करबुं | ७५० ७५१ ७५१ |
| 27 | १३४३ विछत् | विवासे। विवासोऽतिक्रमः। उत्कलेशे। उत्कलेशो बाधनम्। | To give pain | पीडा करवी वीणबुं | ७५२ ७५२ |
| 28 | १३४४ उछत् | उच्छे। उच्छ उच्चयः। स्वीप्सायाम्। स्वीप्सा जिज्ञासा | To be eager, to know | ज्ञाणशान्ता इच्छा जिज्ञासा करवी | ७५३ |
| 29 | १३४५ मिछत् | | | | |
| 30 | १३४६ उछुत् | | | | |
| 31 | १३४७ प्रछत् | | | | |
| 32 | अथ जाम्ताः षट् | | | | |
| 33 | १३४८ उबजत् | आर्जवे विसर्गे | To be plain | सरल थबुं रबुं, सरजबुं ब्रानावबुं | ७५३ ७५४ |
| 34 | १३४९ सृजत् | भङ्गे | | भांगी नाखबुं | ७५४ |
| 35 | १३५० रजोत् | कौटिल्ये। | | बांकु करबुं | ७५५ |
| 36 | १३५१ भुजोत् | शुद्धौ। शुद्ध्या स्नानं बुडनं च लक्षयते | To bathe, to sink in water | स्नान करबुं, पाणीमां बुडबुं | ७५५ |
| 37 | १३५२ दुमजोत् | | | | |
| 38 | अथ जाम्ताः षट् | | | | |
| 39 | १३५३ जर्ज (अथ जाम्ताः) | परिभाषणे उत्सर्गे | To talk To abandon | बातचीत करवी त्याग करबुं, दान नेबुं | ७५६ ७५७ |
| 40 | १३५४ झञ्जत् | | | | |
| 41 | १३५५ लृञ्जत् | | | | |

| शुद्धशब्दः | प्रत्येकधात्वङ्गो धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुल्लोकार पत्र क्रः |
|---------------------------|-----------------------------|-----------------------------|-------------------------|-----------------------------|-----------------------|
| अथ शब्दार्थसंग्रहः | | | | | |
| 39 | १३५६ जुडत् | गतौ | To go | जयुं | ७५७ |
| 40 | १३५७ पृढ १३५८ मृढत् | सुखने | To make happy | सुखी करवुं | ७५९ |
| 41 | १३५९ कडत् | मदे | To be proud | मद करवी | ७५८ |
| 42 | अथ जागता नव सेटञ्च | | | | |
| 43 | १३६० पुणत् | प्रीणने | To please | खुश करवुं | ७५८ |
| 44 | १३६१ तुणत् | क्रौटिल्ले | To be crooked | बक्रता करवी | ७६० |
| 45 | १३६२ मृणत् | द्विस्त्याम् । | To kill | द्विस्ता करवी | ७६० |
| 46 | १३६३ मुणत् | गतिकौटिल्ययोञ्च । | To be crooked, to go | जयुं बक्रता करवी | ७६१ |
| 47 | १३६४ पुणत् | चकाराद्विस्त्याम् | To do na auspicious act | (द्विस्ता करवी | ७६१ |
| 48 | १३६५ मुणत् | शुभे । शुभं शुभविषया क्रिया | To do na auspicious act | शुभकाथ करवुं | ७६१ |
| 49 | १३६६ कुणत् | प्रतिज्ञाने । | To promise | प्रतिज्ञा करवी | ७६२ |
| 50 | १३६७ कुणत् | शब्दोपकर्णयोः । | To sound, to support | शब्द करवी, कोइ पण | ७६२ |
| 51 | अथ तान्तः सेट्ट च | | | अर्थना साधनमूत थवुं | ७६३ |
| 52 | १३६८ चतैत् | द्विस्ताग्रन्थयोः | To wander, to hurt | भमवुं | ७६३ |
| 53 | अथ द्वास्ताविमिटी च | | | द्विस्ता करवी, गुंथवुं | ७६४ |
| 54 | १३७० मुदत् | मेरणे | To drive | मेरणा थवुं | ७६४ |
| 55 | १३७१ षट्त् | अवसादने | To be unhappy | निरस्ताही थवुं, दुःखी करवुं | ७६५ |

॥ धातुरत्नाकरे धात्वर्थाः ॥

(१२२२)

| धातुपाठस्य धातुः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर, पत्राङ्कः |
|---------------------|--|--------------------------------------|---|--|---------------------------|
| 53 | अथ धातः सेट् च १३७२ विधत् | विधाने | To cut, to honour To work according to rite | विधि प्रमाणे करवुं वीधवुं हुकम करवो | ७६५ |
| 54 | अथ नान्तौ सेटौ च १३७३ जुन १३७४ शुनत् गतौ | | To go | जवुं | ७६६ |
| 55 | अथ पान्तोऽनिट् च १३७५ छुपत् | रपशौ | To touch | अडकवुं | ७६७ |
| 56 | अथ फान्ता नव सेटश्च १३७६ रिफत् | कथनयुद्धहिंसादानेषु | To tell, to fight | कहेवुं लडाइ करवी, हिंसा करवी, देवु | ७६७ |
| 57 | १३७७ तुफ १३७८ तुम्फत् तृप्तौ | | To be contented | तृप्त थवुं | ७६८ जु७६९ |
| 58 | १३७९ ऋक् १३८० ऋम्फत् हिंसायाम् । | | To kill to hurt | हिंसा करवी | ७७९-७७० |
| 59 | १३८१ ऋक् १३८२ ऋम्फत् उत्कलेद्ये | | To fell distressed | पीडा करवी | ७७०-७७१ |
| 60 | १३८३ युक् १३८४ गुम्फत् ग्रन्थने | | To sow | गुंथवुं | ७७१-७७२ |
| 61 | अथ भान्ताः वट् सेटश्च १३८५ उभ १३८६ उम्भत् पूरणे | | To fill | पूरवुं - | ७७२-७७३ |
| 62 | १३८७ शुम् १३८८ शुम्भत् शोभायै | | To shine | शोभवुं | ७७३-७७४ |
| 63 | १३८९ दृभैत् | ग्रन्थे | To fasten to arrange | गुंथवुं | ७७४ |
| 64 | १३९० लुभत् | विमोहनं । विमोहनं व्याकुलीकरणम् । | To perplex | डुंभावुं | ७७५ |
| | अथ रान्ता अण्टौ सेटश्च | | | | |

| धातुपाठस्य धातुङ्कः | प्रत्येकधातुङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जराभाषायामर्थः | धातुलकार पत्राङ्कः |
|------------------------|--|---|--|---|-----------------------|
| 65 | १३९१ कुरत् | शब्दे | To sound | शब्द करवो | ७७५ |
| 66 | १३९२ क्षुरत् | विलसने | To scratch | कापवुं | ७७६ |
| 67 | १३९३ क्षुरत् | छेदने च । छेदनं विलसनम् । चकारा- द्विलसने | | | |
| 68 | १३९४ घुरत् | भीमार्थशब्दयोः । | To scratch, to cut To say a terrible a meaning | छेदयुं, कापवुं भयङ्कर थुं, १ अवाज करवो, २ भयंकर शब्द करवो | ७७६ |
| 68 | १३९५ पुरत् | अग्रगमने | To grunt | भयंकर अर्थ केहवो | ७७७ |
| 70 | १३९६ सुरत् | संवेष्टने | To go forth | आगळ जवुं | ७७७ |
| 71 | १३९७ सुरत् | पेथ्यर्थदीप्तयोः | To surround, to entwine To govern, to shine | सारीरीते वीटवुं कुराई भोगववी, दीपवुं, चळकवुं | ७७८ |
| 72 | १३९८ स्फर (अथ लान्तास्त्रयोदश सेटश्च) १३९९ स्फलत् | स्फुरणे | To throb, to quiver | फारकवुं | ७७९ |
| 73 | १४०० किलत् | श्वेत्यकीडनयोः । | To make one play | To be white घोला थवुं, खेलावुं | ७८० |
| 74 | १४०१ हलत् | गतिस्वान्तमक्षेपणेषु | To add, To go to sleep | जयुं, उषवुं, डमेरवुं | ७८१ |
| 75 | १४०२ हिलत् | ह्रावकरणे | To sport amorously To wanton, to dally | हावभाव करवा घीणवुं | ७८२ |
| 76 | १४०३ शिल १४०४ सिलत् उञ्छे । | | To glean | | ७८३-७८४ |
| 77 | १४०५ तिलत् | स्नेहने | To be greasy | चीकणु करवुं, अथवा थवुं | ७८४ |
| 78 | १४०६ चलत् | विलसने | To frolic about | मोज कावो | ७८५ |

| धातुगत्य धातुङ्कः | मार्थेकधातुङ्को | धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुराजाके पन्नाङ्कः |
|----------------------|--|--------------------------------|--------------------|------------------------|---------------------|-------------------------|
| 79 | १४ ७ चिञ्त् | बभूवने | | To put on clothes | पहेरवुं, २१ ठाँकवुं | ७८३ |
| 80 | १४०८ विलत् | वरले | | To cover, to divide | हवीकारवुं, पहेरवुं | ७८४ |
| 81 | १४०९ विलत् | भेदने | | To break | भेदवुं | ७८५ |
| 82 | १४१० णिलत् | गहने | | To give pain | पीडा करवी | ७८६ |
| 83 | १४११ मिलत् | प्रलेषणे | | To collect | मलत्रुं | ७८७ |
| 84 | अथ शान्तः षड्निटश्च | | | | | |
| 85 | १४१२ स्पृशत् | संस्पर्शे | | To touch | अडकवुं | ७८८ |
| 86 | १४१३ रुश' १४१४ रिश'त् | हिंसायाम् | | To kill | हिंसा करवी | ७८९-७९० |
| 87 | १४१५ विशत् | प्रवेशने | | To enter | अंदर जवुं | ७९१ |
| 88 | १४१६ चश'त् | आमर्शने । आमर्शने । स्पर्शः | | To touch, to handle | | |
| 89 | १४१७ लिश (अथ चान्ता- स्त्रयः सेटश्च) १४१७ प्रवृत्तं गतौ | | | To go | जवुं | ७९२-७९३ |
| 90 | १४१९ इषत् | इच्छायाम् । | | To wish | इच्छवुं | ७९४ |
| 91 | १४२० निषत् | स्पृद्धायाम् | | To compete with | हरीफाई करवी | ७९५ |
| 92 | अथ हान्ताः पञ्च सेटश्च | | | | | |
| 93 | १४२१ वृहौत् | उद्यमे । उद्यम उद्भरणम् | | To make one prosperous | उडार करवी | ७९६ |
| 94 | १४२२ तृहौ १४२३ तुहौ | | | to kill | हिंसा करवी | ७९७-७९८ |
| 95 | १४२४ स्तृहौ १४२५ स्तृहौत् | हिंसायाम् | | | | |
| 96 | अथ तुदाद्यन्तर्गणः कृता- विस्तप प्रसिद्धद्यनुरीधेनादौ | | | | | |

| धातुगणस्थ धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|------------------------|------------------------------|--------------------|--|-------------------------|--------------------------|
| 93 | १४२६ कुटत अणोदन्तावनिटौ च | कौटिल्ये | to be crooked | कुटिलता बकता करबो | ७९३ |
| 94 | १४२७ गुत् | पुरीषोत्सर्गे | to void excrement | जंगल जावुं | ७९३ |
| 95 | १४२८ धृत् | गतिस्वैर्ययीः | to go, to stand | जवुं स्थिर थवुं | ७९४ |
| 96 | अणोदन्तौ सेटौ च | स्तब्धने | To tremble, to praise | बख्खानवुं | ७९४ |
| 97 | १४२९ णूत् | विधून्ने | to shake | धुजाववुं | ७९५ |
| 98 | अथ चान्तौ सेटौ च | संकोचने | To be thrifty | संकोचित करवुं | ७९५ |
| 96 | १४३१ कुचत | व्याजीकरणे । | To exouse | बाजु काढवुं, छेतरवुं | ७९६ |
| 100 | १४२२ व्यचत | | | | |
| | अथ लान्तः सेट् च | शब्दे | to sound | शब्द करबो | ७९६ |
| 100 | १४३३ गुजत | | | | |
| 101 | अथ टान्ता अन्तौ सेटश्च | प्रतीघाते | To give pain, to give a counterblow, to resist | सासु मारवुं अटकाववुं | ७९७ |
| 101 | १४३४ घुटत | | | | |
| 102 | १४३५ घुट १४३६ कुट | छेदने | to cut | छेदवुं | ७९७-७९८ |
| 103 | १४३६ नुटत | कलहकर्मणि | To break | कजोओ करबो | ७९९ |
| 104 | १४३८ त्रुटत | आक्षेपप्रमर्दनयोः | To blame | आक्षेप करबो [उपको देबो] | ७९९ |
| 104 | १४३९ मुटत | | | मारडवुं | ७९९ |
| 105 | १४४० स्फुटत | विकसने | to expand | खीलवुं | ८०० |

| धातुपठस्थ धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातु(ला)कर पत्राङ्कः |
|------------------------|---|--|--|--|-------------------------|
| 106 | १४४१ गृह (अथ ठान्तः सेट् च) १४४२ लुङ् अथ ठान्ताद्यतुर्दश सेटश्च | संश्लेषणे | To join | ओडावुं | ८००-८०१ |
| 107 | १४४३ कृडत् | यसने । यसन् भक्षणम् । to eat | | खावुं | ८०१ |
| 108 | १४४४ कृडत् | बाल्ये च । चकाराद्यसने to eat, to act as a child | | बालचेष्टा करवी | ८०२ |
| 109 | १४४५ गृहत् | रक्षायाम् । | to preserve | रक्षण करवुं | ८०२ |
| 110 | १४४६ लुङ् | बन्धे । | to bind | बंधावुं | ८०३ |
| 111 | १४४७ लुङ् | तोडने । तोडन् भेदः to break | | तोडवुं | ८०३ |
| 112 | १४४८ लुङ् १४४९ लुङ् | संवरणे | to cover | ढाकवुं | ८०४-८०५ |
| 113 | १४५० लुङ् | उत्सर्गे च । चकारा- | to discharge | | |
| | १४५१ लुङ् | त्संवरणे | To abandon, to give alms, to cover to collect to cover | दानदेवुं, त्याग करवो ढांकवुं नारयारूप समुदायरुप यवुं | ८०५ ८०६ |
| 114 | १४६२ लुङ् १४६३ लुङ् | संघाते | | | |
| 115 | १४ १४६४ लुङ् १४६५ लुङ् | निमज्जने | To sink To make one sink to cut | डुबवुं, डुबावुं छेदवुं | ८०७-८०८ ८०८ |
| 116 | अथ णान्तः सेट् च १४६७ लुङ् | छेदने | | | |
| 117 | अथ णान्तः सेट् च १४६८ लुङ् | क्षेपे | to throw | फेकवुं | ८०९ |

| धनुषपाठस्य चालङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को घातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुजरेभाषायामर्थः | वाङ्मूलकार पत्राङ्कः |
|-----------------------|---|---------------------------------|-----------------------------------|---|-------------------------|
| 118 | १४५९ छुरत | छेदने | to cut | छेदयुं | ८०९ |
| 119 | १४६० स्फुरत अथ लान्तः सेट् च | स्फुरणे | to throb | फरकयुं | ८१० |
| 120 | १४७१ स्फुलत अवातमनेपदिषूबन्तोऽ निट् च | संचये च । चकारा- त्स्फुरणे | to throb to quiver, to collect | पकटु करयुं फरकयुं | ८१० |
| 121 | १४६२ कुङ्क (अणोदन्तः- सेट् च) १४६३ कूङ्क अथ रान्तः सेट् च | शब्दे | to sound | शब्द करवो | ८११ |
| 122 | १४६४ गुरेति अथ प्रकृतवर्णक्रमेण ऋव- न्तास्त्रयोऽनिटश्च | उद्यमे | to exert | उद्यम करवो | ८१२ |
| 123 | १४६५ पृङ्क्त | व्यायामे । व्यायाम उद्योगः । | to take exercise | व्यापार करवो | ८१२ |
| 124 | १४६६ षृङ्क्त | आदरे | to respect | आदर करवो | ८१३ |
| 125 | १४६७ धृङ्क्त | स्थाने | To live, to hold | रहेयुं, १ धरयुं, २ (स्थान रूप आधार रूप ययुं) | ८१३ |
| 126 | अथ जाम्ताश्चान्वारः १४६८ ओचिजैति | भयचलनयोः । | to fear | डरयुं, डुजयुं | ८१४ |
| 127 | १४६९ ओलसौङ्क १४७० | | | | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायांमर्थः | आङ्ग्लभाषायांमर्थः | गुर्जरभाषायांमर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|---|--|--------------------------------------|----------------------------------|--------------------------|
| | औलरसैति | ग्रीडे | to be ashamed | शरमावुं | ८१४-८१५ |
| 128 | १४७१ स्वडिजत | संगे | to accompany | सोवत करवी | ८१५ |
| 129 | अथ वान्तः सेह्व १४७२ जुवैति निच्छविकरणस्तुद्विगणः सम्पूर्णः अथ रुधादयः अविकरणाः वर्णक्रमेण प्रदर्श्यन्ते । | प्रोतिसेवनयोः । | To love, to serve | प्रेम करवो, सेवा करवी | ८१६ |
| 1 | १४७३ रुधृपी | आवरणे । आवरणं अप्रतिवम् | to cover | व्यापीने रवेवुं, रोक्वुं | ८१७ |
| 2 | अथ चान्ताघनिटौ च १४७४ रिधृम्पो | बिरेचने । बिरेचनं निस्तारणम् । पृथग्भावे । | to purge, to evacuate to separate | रेच लेवो, निकालवुं जुदुं कवुं | ८१८ ८१९ |
| 3 | १४७५ बिधृम्पो | योगे | To join | जोडवुं | ८२० |
| 4 | १४७६ युधृम्पो | विदारणे | To tear | भेदी नाखवुं | ८२१ |
| 5 | अथ दान्ताः पञ्च | झेचीकरणे । अङ्क- | To divide, to cut | पक वस्तुने जुदी करवी | ८२२ |
| 6 | १४७७ पिधृपी | धस्य । पृथक्त्वे | | छेदवुं | ८२३ |
| 7 | १४७८ छिधृपी | संघेघे | To pound | कचरी नाखवुं बलवुं | ८२३ |

| धातुपाठस्य धातुः | प्रत्येकधातुद्वौ धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|---------------------|-----------------------------------|--|---|--|--------------------------|
| 8 | १४८० उल्लुङ्गिणी | दोलितदेवनयोः | To shine | चलकवुं, दीपवुं, कीडा करवी ८२४ | |
| 9 | १४८१ उल्लुङ्गी | हिंसानादरयोः । | To hurt, to disrespect | हिंसा करवी, अनादर करवी ८२५ | |
| | अथ परस्मैपद्विषु चा- | | | | |
| | न्तास्त्रयः सेदध | | | | |
| 10 | १४८२ पृचैप् | संपर्के | To unite, to mingle | मिश्रण करवुं | ८२६ |
| 11 | १४८३ वृचैप् | वरणे | To choose | स्वीकार करवी | ८२६ |
| 12 | १४८४ तञ्ज् (अथ जाम्ताः पञ्च) | संकोचने | To contract | संकुचित करवुं अथवा थवुं | ८२७ |
| 13 | १४८५ तञ्जौप् | आमर्दने | To break | वाळी नाखवुं, (भांगवुं तोडवुं) | ८२८ |
| 14 | १४८६ भञ्जौप् | पालनाभ्यवहारयोः | | | |
| 15 | १४८७ भञ्जौप् | अभ्यवहारो भोजनम् । व्यक्तिप्रक्षेपणगतिषु । व्यक्तिः प्रकटता । प्रक्षेपणं to sprinkle घृतादिसेकः । भयचलनयोः । | To protect, to eat To manifest, to go to sprinkle To fear, to move | पालन करवुं, खावुं प्रकट करवुं, वीचिगेरे छांटवुं जवुं | ८२८ ८२९ |
| 16 | १४८८ अञ्जौप् | | | वीवुं, चालवुं, कं'पवुं | ८३० |
| 17 | अथ तातः सेद्व च १४९० कृतैप् | वेष्टने | To encompass, to twist | वीटवुं | ८३० |
| 18 | अथ दान्तः सेद्व च १४९१ उन्दैप् | कलेष्टने | To moisten | भीनुं धवुं | |
| 19 | अथ वान्तावनिटौ च १४९२ शिष्टैप् | विशेषणे । विशेषणं | | विशेषित करवुं, अन्यगुण | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकरे पञ्चाङ्कः |
|-------------------------|---|--------------------------------|-------------------------------------|----------------------------------|---------------------------|
| 20 | १४९३ पिष्टृप् अथ सान्तः सेट् च | गुणान्नरोरपादभम् सञ्चूर्णने | To qualify To pound, to grind | स्थापन करवां दळडुं, लुरो करबो | ८३१ ८३२ |
| 21 | १४९४ ठितु (अथ हान्तः सेट् च १४९५ तुहप् अथान्मनेपदिषु दान्ता - बनिटौ च | हिंसायाम् | To hurt | हिंसा करवी | ८३२-८३३ |
| 22 | १४९६ खिदिप् | क्षेप्ये | To be afflicted, to be depressed | खेद पामवुं बिचारवुं | ८३३ ८३४ |
| 23 | १४९७ बिदिप् | विचारणे | To think | | |
| 24 | अथ धान्तः सेट् च १४९८ खिहन्धेति इति भ्रविकरणः पितृधा- दिगणः सन्धुर्णः अथ तनादय उविकरणा बर्णक्रमेण प्रवरयन्ते तत्रोभयपदिष्वौ नान्ताः सन्त सेटच्च १४९९ तवृयी १५०० वणूयी १५०१ क्षणू १५०२ | धीयतौ | To shine | दीपडुं, बळकडुं | ८३४ |
| 1 | | विस्तारे | To spread | फेलाबडुं | ८३५ |
| 2 | | दाने | To give | देवुं | ८३६ |
| 3 | | | | | |

| धातुपठस्य वाचकः | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुजरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्र क्रः |
|--------------------|---|--|-------------------|-------------------------|--------------------------|
| | क्षिण्यी | हिंसायाम् | To hurt | हिंसा करवी | ८३७-८३८ |
| ४ | १५०३ ऋण्यी | गतौ | To go | जवुं | ८३९ |
| ५ | १५०४ तृण्यी | भक्षणे | To eat, to graze | खावुं चरवुं | ८४० |
| ६ | १५०५ घृण्यी | दीप्तौ | To shine | दीपवुं, चळकवुं | ८४१ |
| | अथात्मनेपदिनौ नास्तौ | | | | |
| | सेतो च । | | | | |
| १ | १५०६ वृत्तयि | याचने | To desire | मागवुं | ८४३ |
| २ | १५०७ मृत्तयि | बोधने | To know | जाणवुं | ८४३ |
| | इति उविकरणो यित्तनादि- गणः । सम्पूर्णः अथ क्वाद्य प्रतद्विकर णा वर्णक्रमेण प्रस्तुयन्ते तत्रादौ | | | | |
| १ | १५०८ डुक्कीगश परिषर्तः | प्रवयविनिमये । विनिमयः | To purchase | लेणदेण करवी (खरीदवुं) | ८४४ |
| | अथोदन्तोऽनिट् च | परिवर्तः | | | |
| २ | १५०९ षिगश | बन्धने | To bind | बांधवुं | ८४५ |
| ३ | अथोदन्तोऽस्त्रयोऽ निटश्च १५१० षीगश | तृप्तिक्कान्त्योः कान्तिरभि- त्यावः । | To satisfy | खुग करवुं, अभिलाषा करवी | ८४६ |
| ४ | १५११ श्रीगश | पके | To cook | पकाववुं | ८४७ |

| धातुपाठस्य धातुवर्कः | प्रत्येकधातुवर्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायावर्थाः | आङ्ग्लभाषायावर्थाः | गुर्जरभाषायावर्थाः | धातुरत्नाकरे पत्र क्रः |
|-------------------------|---|---------------------------------|--------------------|-----------------------------|---------------------------|
| 5 | १५१२ मीगृश् अथोदन्तावनिटौ च | हिसायाम् । | To hurt | हिसा करवी | ८४८ |
| 6 | १५१३ युग् | बन्धने | To bind | बांधवुं | ८४९ |
| 7 | १५१४ रुग् | आमबणे । आमबण- | | | |
| | अथोदन्तौ सेटौ च | मुद्धरणम् | To uphold | उद्धार करवो, उडाववुं | ८५० |
| 8 | १५१५ वयुग् | शब्दे | To sound | शब्द करवो | ८५१ |
| 9 | १५१६ धुग् | हिसायाम् | To hurt, to kill | हिसा करवी | ८५२ |
| 10 | अय हान्तः सेट् च १५१७ ग्रहीग् | उपादाने । उपादानं स्वीकारः । | To take, to accept | स्वीकारवुं, लेवुं पकडवुं | ८५४ |
| | अथ क्रयाद्यान्तर्गणः प्वादिः प्रदर्श्यते । तत्रोदन्तास्त्रयः सेटश्च | | | | |
| 11 | १५१८ पूग् | पवने । पवनं शुद्धिः | To purify | शुद्ध करवुं | ८५५ |
| | अथ प्वाद्यान्तर्गणो लघादिः प्रदर्श्यते | | | | |
| 12 | १५१९ लृग् | छेदने | To cut | छेदवुं कापवुं | ८५६ |
| 13 | १५२० धृग् | कम्पने | To shake | धुजाववुं | ८५७ |
| 14 | अय ऋदन्तास्त्रयः सेटश्च १५२१ हृग् | आच्छादने | To cover | ढांकवुं | ८५८ |

| धातुगुणस्थ धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातु(ला)क पत्राङ्कः |
|-------------------------|----------------------------------|---------------------|----------------------|---------------------------|------------------------|
| 15 | १५२२ कृपूश् | हिंसायाम् | To kill, to hurt | हिंसा करबो | ८५९ |
| 16 | १५२३ वृगूश् | वरणे | To choose | स्वीकारवुं, (वरवुं) | ८६० |
| | अथ परस्मैपदिष्वादन्तोऽ निट् च | | | | |
| 1 | १५२४ जगंश् | हानौ | To oppress, to grow | हीण थवुं | ८६१ |
| 2 | अथेदन्ताश्चन्वारोऽनिटश्च | | | | |
| | १५२५ रीश् | गतिरेषणयोः । रेष्णं | | | |
| 3 | १५२६ लीश् | हिंसा | To go, to hurt | जवुं, हिंसा करबो | ८६१ |
| 4 | १५२७ वलीश् | प्रलेषणे | To embrace | भेटवुं | ८६२ |
| 5 | १५२८ लवींश् | वरणे | To choose, to accept | स्वीकारवुं, (पसन्द करवुं) | ८६२ |
| | अथ ऋदन्ता पकादश् | गती | To go | जवुं | ८६३ |
| | सेटश्च | | | | |
| 6 | १५२९ कृ १५३० मृ | हिंसायाम् | To kill | हिंसा करबो | ८६४-८६५ |
| 7 | १५३१ शु | पालनपुरणयोः । | To protect, to kill | पालन करवुं, पुरवुं | ८६५ |
| 8 | १५३२ वृश् | भरणे | To nourish | पोषण करवुं | ८६६ |
| 9 | १५३३ वृश् | भर्जने च । भर्जनं | | | |
| | १५३४ मृश् | पाकः । वकाराङ्करणे | To cook, to nourish | भुंजवुं, पोषण करवुं | ८६६ |
| 10 | १५३५ वृश् | विदारणे | To tear | फाडी नाखवुं | ८६७ |
| 11 | १५३६ जृश् | वयोदानौ | To grow old | बूढ थवुं | ८६७ |

॥ धातुरत्नाकरे धात्वर्थाः ॥

(१३२३)

| धातुस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|----------------------|---|--|-------------------|--------------------------------------|--------------------------|
| 12 | १५३७ ण्ङ् | नये | To carry | लेह जडु | ८५८ |
| 13 | १५३८ ण्ङ् | शब्दे | To sound | शब्द करवो | ८६८ |
| 14 | १५३९ ऋञ् | गतौ | To go | जवुं | ८६९ |
| | वृत्त प्वादिः २२ ह्वादिः २१ । प्वादिस्वादिश्च वृत् वर्तितः सम्पूर्ण इत्यर्थः अथ परस्मैपद्विशेषाद् न्तोऽनिट् च | | | | |
| 15 | १५४० झञ् | अवबोधने | To know | जाणवुं | ८७० |
| 16 | अथेदन्तोऽनिट् च १५४१ क्षिप्ञ् | हिंसायाम् | To kill | हिंसा करवी | ८७० |
| 17 | अथेदन्तावनितौ च १५४२ वीञ् | वरणे | To choose | स्वीकार करवो, पसन्द करवुं | ८७१ |
| 18 | १५४३ वीञ् | भरणे | To nourish | पोषण करवुं | ८७१ |
| 19 | अथ ठान्तः सेट् च १५४४ डेडञ् | भूतप्रादुर्भावि । भूतप्रा- दुर्भावोऽतिक्रान्तोऽपत्तिः | To recreate | गईवस्तुनी उत्पत्ति थवी आवाद् करवो | ८७२ |
| 20 | अथ ङान्तः सेट् च १५४५ मुडञ् अथ थान्तोश्चत्वारः सेटश्च | सुखने | To make happy | सुखी करवुं | ८७२ |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|---|--|--|---------------------------|---|--------------------------|
| 21 १५४६ ग्रन्थश | मोचमप्रतिद्वर्चयोः । | मोचमप्रतिद्वर्चयोः । | To release, to delight | मुक्तं करवुं खुशी करवुं | ८७३ |
| 22 १५४७ मन्थश | विलोडने | विलोडने | To churn | मंथनं करवुं | ८७३ |
| 23 १५४८ ग्रन्थश | संदर्भे । संदर्भो बन्धनम् | संदर्भे । संदर्भो बन्धनम् | To bind, to gather | बांधवुं गुथवुं | ८७४ |
| 24 १५५१ कुन्थश | संकलेशे | संकलेशे | To suffer | दुःखं देवुं | ८७४ |
| 25 अथ वान्तः सेह च १५५० मृदश | क्षोदे | क्षोदे | To crush | चूर्णं करवुं | ८७५ |
| 26 अथ धान्तौ १५५१ गुधश | रोषे | रोषे | To be angry | क्रोधं करवो | ८७५ |
| 27 १५५२ बन्धश | बन्धने | बन्धने | To bind | बांधवुं | ८७६ |
| 28 अथ भान्तास्त्रयः सेटश्च १५५३ क्षुभश | संचलने | संचलने | To agitate | (खलभल्लवुं) हालवुं, कंपवुं | ८७६ |
| 29 १५५४ णम् १५५५ तुभश | हिसायाम् । | हिसायाम् । | To move, to shake | हिसा करवी | ८७७ |
| 30 अथ वान्तः सेह च १५५६ खवश | हेठश्चत । यथा हेठश्च भूतप्रादुर्भावै तथायमपि- वर्णक्रमानुरोधेन तु तत्रैव- न पठितः । | हेठश्चत । यथा हेठश्च भूतप्रादुर्भावै तथायमपि- वर्णक्रमानुरोधेन तु तत्रैव- न पठितः । | To make prosper | थयेल वस्तुनु उत्पन्न थयुं आकारं करवो | ८७८ |
| 31 अथ शान्तौ सेहौ च १५५७ किलशौश | विनाशने | विनाशने | to nrecreate a past thing | कलेश करवो | ८७८ |
| 32 १५५८ अशश | भोजने | भोजने | To eat | खावुं | ८७९ |
| | अथ वान्ताः सान्त सेटश्च | अथ वान्ताः सान्त सेटश्च | | | |

॥ धातुरत्नाकरे धात्वर्थाः ।

(१३२५)

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जराभाषायामर्थः | धातुरत्नाकरे पत्र-ङ्कः |
|-------------------------|--|---------------------------------------|----------------------------|---|---------------------------|
| 34 | १५६० विषयः | विप्रयोगे | To separate, to disjoin | खुदुं करवुं, हाली वस्तुनो वियोग | ८८० |
| 35 | १५६१ मुख १५६२ प्लुष १ स्नेहसेचन पूरणेषु | | | To moisten, to sprinkle चोरी करवुं, छांटवुं, | ८८१-८८१ |
| 36 | १ ६३ मुखः | स्तेये | To steal | पुरवुं | ८८१ |
| 37 | १५६४ पुषयः | पुष्टौ | To nourish | लण्टपुष्ट यवुं, अथवा करवुं | ८८२ |
| 38 | १५६५ कुषयः | निष्कर्षे । निष्कर्षो बहिष्कर्षणम् | To draw out | बहार काढवुं | ८८२ |
| 39 | अथ सान्तः सेट् च १५६६ प्रसृगः | उड्डे | To collect, | वीणवुं | |
| 1 | आत्मनेपदी क्रदन्तः सेट् च १५६७ वृद्धयः | संभक्तौ । संभक्ति संसेवा । | To serve well | सारीरीते सेवा करवी | ८८३ |
| | इति भ्रावि हरणः शित्कचा- दिगणः सम्पूर्णः अथ णितश्चु रादयो वर्ण- क्रमेण प्रसूयन्ते तत्रादौ | | | | |
| 1 | १५६७ चुरणः | स्तेये | To steal. | चोरी करवी | ८८४ |
| 2 | अथ क्रदन्तौ १५६९ पुणः | पूरणे | To fill | पूर करवुं | ८८५ |

| धातुपाठस्य धातुः | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | युजं रभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|---------------------|---------------------------------|---|---|---|--------------------------|
| 3 | १५७० घृण् अथ कान्ता अन्तौ | खंभणे | To sprinkle over, to wet | छांटवुं, भीतुं करवुं | ८८६ |
| 4 | १५७१ श्वल्क १५७२ वलकण् | भाषणे | To speak | कहेवुं | ८८६-८८७ |
| 5 | १५७३ नक्क १५७४ धक्कण् | नाशने | To destroy completely | नाश पमाडवुं | ८८७-८८८ |
| 6 | १५७५ चक्क १५७६ १५७६ चुक्कण् | व्यथने | To trouble, | पीडा करवी | ८८८-८८९ |
| 7 | १५७७ टकुण् | बन्धने | To bind | बांधवुं | ८८९ |
| 8 | १५७८ अर्कण् अथ चान्तौ | स्तवने | To praise | बखाणवुं | ८९० |
| 9 | १५७९ पिच्चण् | कुट्टने | To hammer | टोपवुं | ८९० |
| 10 | १५८० पचुण् अथ छान्तः | विस्तारे | To extend | विस्तारवुं | ८९१ |
| 11 | १५८१ म्लेच्छण् | म्लेच्छणे । म्लेच्छनम्- व्यक्ता वाक् | To speak indistinctly | अर्थं नहि समजाय तेवुं बोलवुं | ८९१ |
| 12 | अथ जान्ताः एकादश १५८२ ऊर्जण् | वलप्रणययोः । प्राणन- जीवनम् । | To be strong, to live | बलवाळा थवुं, जीववुं | ८९२ |
| 13 | १५८३ तुजु १५८४ पिजुण् | हिसावृद्धनतिकेने- नेषु । विकेननं गृहम् | To kill, to be strong To give, to live | हिसा करवी, बलवाळा थवुं आगवुं, (घर) मसवुं | ८९२-८९३ |

| धातुपठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | भाङ्गलभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुत्नाकर पत्राङ्कः |
|------------------------|--|-----------------------------------|-------------------------|---------------------------------------|-------------------------|
| 14 | १५८५ क्षजुण | कृच्छ्रजीवने | To live, to distress | दुःखी अस्थ्यामां जीववुं | ८९३ |
| 15 | १५८६ पूजण | पूजायाम् | To worship | पूजवुं | ८९४ |
| 16 | १५८७ गज १५८८ माज्जण | शब्दे | To sound | शब्द करवो | ८९५ |
| 17 | १५८९ तिजण | निशाने | To whet | तीक्ष्ण करवुं, धारवालु अणीवालुं करवुं | ८९५ |
| 18 | १५९० व्रज १५९१ व्रजण मार्गजल'स्कारगत्योः । मार्गणो बाणस्तस्य संस्कारे गतौ to go | | To cleanse an arrow | बाणने साफसुफ करवुं जवुं | ८९५ |
| 19 | १५९२ रुजण अथ दान्तास्त्रयोर्विशतिः | हिंसायाम् | To kill | हिंसा करवो | ८९६ |
| 20 | १५९३ नटण | अवस्यन्दने । अवस्यन्दनं भ्रंशः | To degrade | पतित करवुं | ८९७ |
| 21 | १५९४ तुट १५९५ चुट | छेदने | To cut | छेदयुं | ८९८-८९९ |
| 22 | १५९६ चुटु १५९७ छुटण | कुत्सने । चक्रागच्छेदने | To cut, to censure | निन्द्या करवी, छेदयुं | ९०० |
| 23 | १५९९ पुट १६०० चुट्ट | अल्पीभावे | To become small | नानुं थइ जवुं | ९०१-९०२ |
| 24 | १६०१ मुटण | संचूर्णने | To grind, to speak | चुरो करी नाखवो | ९०२-९०३ |
| 25 | १६०२ पुट १६०३ मुटण | अनादरे | To disrespect | अनादर करवो | ९०३-९०४ |
| 26 | १६०४ अट्ट १६०५ स्मिटण | स्तेये च । चक्रागच्छेदनादरे | To disrespect, to steal | चोरी करवी, अनादर करवो | ९०४ |
| 27 | १६०६ छुटण | स्नेहने | To moisten | चीकणुं करवुं | ९०५ |
| 28 | १६०७ स्मिटण | चटने | To move | वालवुं | ९०५ |
| | १६०८ घट्टण | | | | ९०५ |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुनामस्य पञ्चाङ्कः |
|-------------------------|-----------------------------|---------------------------|------------------------|---------------------------|-------------------------|
| 29 | १६०९ खट्, | संवरणे | To, cover | ढांकवुं | ९०६ |
| 30 | १६१० षट् १६११ स्फिटण | हिसायाम् | To kill | हिसा करवी | ९०६-९०७ |
| 31 | १६१२ स्फुटुण | परिहासे | To jest, joke, laugh | मश्करी करवी | ९०७ |
| 32 | १६१३ कीट,, | वर्णने | To describe | वर्णन करवुं | ९०८ |
| 33 | १६१४ वटु,, | विभाजने । | To divide, to share | विभाग करवा (त्रेचवुं) | ९०८ |
| 35 | १६१५ रुट्ण | रोषे | To be angry | क्रोध करवी | ९०९ |
| 36 | अथ ढान्ताः षट् | | | | |
| 36 | १६१६ शठ १६१७ षठ | संस्कारगत्याः | To go, to make well | सारं वनाववुं, जवुं | ९०९-९१० |
| 36 | १६१८ षवटुण् | आलम्बे | To be idle | आलस करवी | ९११ |
| 37 | १६१९ शुठण् | शोषणे | To become dry | सुकावुं | ९११ |
| 38 | १६२० शुठुण् | वेष्टने | To wind or twist round | वीटवुं | ९१२ |
| 38 | अथ ढान्ताः सप्तदश | | | | |
| 39 | १६२१ लट,, | उपसेवायाम् । | To fondle | लाड लडाववा | ९१२ |
| 40 | १६२२ स्फुटुण् | परिहासे | To jest or laugh | मश्करी करवी | ९१३ |
| 41 | १६२३ ओलडु,, | उन्क्षेपे | To throw | उछालवुं, (फेंकवुं) | ९१३ |
| 42 | १६२४ पीड,, | गहने । गहनं बाधा | To trouble | पीडा करवी | ९१४ |
| 43 | १६२५ तड,, | आघाते | To beat | ताडना करवी | ९१४ |
| 44 | १६२७ खड १६२८ खडु,, | भेदे | To break, | भेदी नाखवुं तोडवुं | ९१५ |
| 45 | १६२९ कडु,, | खण्डने च । चकाराद्भेदे | To pierce | खंडित करवुं भेदवुं तोडवुं | ९१६ |
| 46 | १६३० कुडु,, | रक्षणे | To protect | रक्षण करवुं | ९१६ |
| 47 | १६३१ गुडु,, | वेष्टने च । चकाराद्दक्षणे | To protect, to twist | छेदवु वीटवुं, पालन करवुं | ९१७ |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुजराभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|-----------------------------|--|--------------------|-------------------------------|--------------------------|
| 48 | १६३२ चुडुण् | छेदने | round | छेदयुं | ९१७ |
| 49 | १६३३ मडुण् | भूषायाम् । | To break | सुशोभितं करयुं | ९१८ |
| 50 | १६३४ मडु | कल्याणे | To decorate | कल्याणकारी बोलयुं, | |
| 51 | १६३५ गिडु | संघाते | To make fortunate | कल्याणकारी ययुं | ९१८ |
| 52 | १६३६ ईडु | स्तुतौ | to be fortunate | पीडरूपं यइ जयुं | ९१९ |
| 53 | १६३७ चडु | कोपे | To collect | वखणयुं | ९१९ |
| 54 | २६३८ जुड | [अथ णान्ताः षट्] १६३९ चूर्ण १६४० प्रेरणे प्रेरणं वर्ण | To praise | क्रोप करवो | ९२० |
| | | | To be angry | | |
| 55 | १६४१ मृण १६४२ तृण | दलनम् । | To pound | चुरो करवो | ९२०-९२१ |
| 56 | १६४३ अण | संकोचो | To contract | संकुचितं करयुं, सांकुं करयुं | ९२२ |
| 57 | १६४४ पूण | दाने | To give | देयुं | ९२३ |
| | अथ तान्ताः षट् | संघाते | To collect | गट्टारूपं ययुं | ९२३ |
| 58 | १६४५ चित् | स्मृत्याम् । | To remember | याद करयुं, चिन्ता करवो | ९२४ |
| 59 | १६४६ पुस्त १६४७ | आदारानादरयोः । | To respect | सत्कार करवो तिरस्कार | ९२४-९२५ |
| | बुस्त, | संघाते | to disrespect | करवो | ९२५ |
| 60 | मुस्त, | संघाते | to gather together | जत्यारूपं ययुं | ९२५ |
| 61 | कृत, | संशब्दे । संशब्दः ख्यातिं to glorify | to glorify | प्रसिद्धं ययुं, कीर्तिं गमयुं | ९२६ |
| | | | | जाहेर करयुं. | |

| शतपुष्प- धवल्: | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरात्मक- पत्राङ्कः |
|-------------------|-------------------------------------|--------------------|---------------------------|----------------------------------|--------------------------|
| 62 | १६५० स्वर्त [अथ यान्ताश्चत्वारः] | | | | |
| | १६५१ पथुण् | गतौ | To go | जवुं | १२६-१२७ |
| 63 | १६५२ अथ, | प्रतिहर्षे । | To be glad | खुशीयवुं | १२७ |
| 64 | १६५३ पृथ, | प्रक्षेपणे | To put in, to fly | अन्दर नाखवुं, फेंकवुं, (जडाडवुं) | १२८ |
| 65 | १६५४ प्रथ, | प्रख्यानने | To publish | प्रतिख करवुं | १२८ |
| | अथ दान्ताः पञ्च | | | | |
| 66 | १६५५ छद, | संवरणे | To cover | ढांकवुं | १२९ |
| 67 | १६५६ चुद, | संचोदने । संचोदनं | | | |
| | | नोदनम् | To drive | प्रेरणा करवी | १२९ |
| 68 | १६५७ मिदुण् | स्नेहने | To be greasy | चीकणुं करवुं | १३० |
| 69 | १६५८ गुद, | निकेतने | To inhabit | निवास करवी | १३० |
| 70 | १६५९ छद, | वमने | To vomit | उल्टी करवी | १३१ |
| | अथ भान्ताः पञ्च | | | | |
| 71 | १६६० बुधु, | हिमायाम् । | To kill | हिंसा करवी | १३२ |
| 72 | १६६१ वर्ध, | छेदनपरणयोः | To cut | कापवुं, पुरवुं | १३३ |
| 73 | १६६२ गध, | अभिकाङ्क्षायां । | To desire | लोलुपता राखवी | १३३ |
| 74 | १६६३ बन्ध १६६४ वध, | संयमने | To control, to bind | रोकवुं, बांधवुं | १३३-१३४ |
| | अथ पान्ता अष्टौ | | | | |
| 75 | १६६५ छपु, | गतौ | To go | जवुं | ६३४ |
| 76 | १६६६ क्षपु, | क्षान्तौ | To be patient, to forbear | सहन करवुं | १३५ |

| श्रुतपाठस्य धातुवर्गः | प्रत्येकधातुवर्गो धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकरे पत्राङ्कः |
|--------------------------|-----------------------------|-------------------------|-----------------------|----------------------|---------------------------|
| 77 | १६६७ बट्पण् | समुच्छाये | To erect | उ'बु वथवु' | १३५ |
| 78 | १६६८ डिप, | क्षेपे | To throw | फेंकवुं | १३६ |
| 79 | १६६९ हप, | व्यक्तायां वचि । | To speak distinctly | स्पष्ट बोलवुं | १३६ |
| 80 | १६७० डप् १६७१ डिपु, | संघाते | To make a heap of | ढगलरूप करवुं | १३७ |
| 81 | १६७२ शूर्प, | माने | To measure | मापवुं | १३८ |
| | अथ वान्ता अथौ | | | | |
| 82 | १६७३ शुल्ब, | सर्जने च । चक्रागन्ताने | To measure, to create | बनाववुं, पामवुं | १३८ |
| 83 | १६७४ डबु १६७५ डिबुण् | क्षेपे । | To throw | फेंकवुं | १३९ |
| 84 | १६७६ सम्बण् | सम्बन्धे । | To join | सम्बन्ध करवो | १४० |
| 85 | १६७७ कुबु, | आच्छादने | To cover | ढांकवुं | १४२ |
| 86 | १६७८ लबु १६७९ तुबु, | अर्दने | To torment, harass | पीडा करवी | १४२-१४३ |
| 87 | १६८० पुर्व, | निकेत्तने | To dwell | निवास करवो | १४३ |
| | अथ मान्तः | | | | |
| 88 | १६८१ यमण् | परिवेषणे | To supply | पोरसवुं चोटवुं | १४४ |
| ८९ | अथ यान्तः | | | | |
| | १६८२ व्ययण् | क्षये | To waste | क्षय पामवुं, पमाडवुं | १४४ |
| | अथ रान्तास्त्रयः | | | | |
| 90 | १६८३ यकुण् | संकोचने | To contract | संकोचित करवुं | १४५ |
| 91 | १६८४ कुडु, | अनृतभाषणे | To tell a lie | खोटुं बोलवुं | १४५ |
| 92 | १६८५ भ्वभ्र, | गतौ | To go | जवुं | १४६ |
| | अथ लान्ताः षोडश | | | | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरन्ताकर पत्राङ्कः |
|----------------------|-----------------------------|--------------------|------------------------------------|--------------------------------|-----------------------|
| 93 | १६८६ तिलण् | स्नेहने | To make greasy | दाः शानवाळा कागडुं | ९४६ |
| 94 | १६८७ जलण् | अपवारणे | To cover, to screen | ढाकिण लाववुं, ढाकिवुं | ९४७ |
| 95 | १६८८ क्षलण् | शौचे । शौचं | To wash | धोवुं | ९४७ |
| 96 | १६८९ पुलण् | शौचकर्म | To heap up | ल'चु वधवुं | ९४८ |
| 97 | १६९० विलण् | समुत्तूङ्गाये | To split | भेदी नाखवुं, तोडवुं | ९४८ |
| 98 | १६९१ तलण् | भेदे | To be a helper, to establish, | स्थापन करवुं | ९४९ |
| 99 | १६९२ तुलण् | प्रतिष्ठायाम् । | To weigh | तोळवुं | ९४९ |
| 100 | १६९३ दुलण् | उन्मत्ते । | To throw up | उछालवुं | ९५० |
| 101 | १६९४ झुलण् | उत्क्षेपे | To sink, to plunge | बुडवुं | ९५० |
| 102 | १६९५ मूलण् | निमज्जने | To grow | उगवुं | ९५१ |
| 103 | १६९६ कल १६९७ किल | रोहणे | To throw, to send | फेंकवुं, सोकलवुं | ९५१-९५२ |
| 104 | १६९८ पिलण् | क्षेपे | To protect | पालन करवुं | ९५३ |
| 105 | १६९९ पलण् | रक्षणे । | To direct | मोकखवुं, प्रेरणा करवी | ९५३ |
| 106 | १७०० इलण् | प्ररणे | To foster, to serve | नोकरी करवी, भरण करवुं | ९५४ |
| 106 | १७०१ चलण् | मृतौ । | | | |
| | अथ वान्तः | | | | |
| 107 | १७०२ सान'वण् | सामप्रयोगे | To consoll, to tele good words to, | शान्त पाडवुं, प्रिय वचन कहेव', | ९५४ |

| धातुपाठस्य वाच्यः | प्रत्येकधातव्यो धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकरे पत्राङ्कः |
|----------------------|---------------------------|--------------------|---|---|---------------------------|
| | अथ शान्तः | | | | |
| 108 | १७०३ धूशण् | काम्योकरणे | To adorn, to decorate | शोभावाळुं करवुं | १५५ |
| | अथ चान्नाश्चत्वारः । | | | | |
| 109 | १७०४ ल्लिषण् | प्रलेषणे । | To embrace, to join | मिश्र करवुं, भेटवुं, जोडवुं, | १५५ |
| 110 | १७०५ लृषण् | हिंसायाम् । | To hurt, to kill | हिंसा करवी | १५६ |
| 111 | १७०६ रुषण् | रोषे । | To be angry | क्रोध करवी | १५६ |
| 112 | १७०७ व्युषण् | उत्सर्गे | To emit, to abandon | दान देवुं | १५७ |
| | अथ सान्ताः षट् | | | | |
| 113 | १७०८ पशुण् | नाशने | To destroy | नसाडवुं, मारी नाखवुं | १५७ |
| 114 | १७०९ जप्त्वा | रक्षणे | To protect | पाठन करवुं | १५८ |
| 115 | १७१० पुंत्वा | अभिमर्दने | To crush, to grind, to trouble, to pami-h. | कन्नरी नाखवुं | १५८ |
| 116 | १७११ ब्रुम १७१२ पिस | | | | |
| | १७१३ जस [अथ हान्तौ] | हिंसायाम् । | To hurt, to kill | हिंसा करवी | १५९-१६० |
| 117 | १७१४ बर्हण् | स्नेहने | To be greasy, to love | चीकणा करवुं, भ्रम करवो | १६१ |
| | १७१५ णिह्, | | | | |
| | अथ क्षान्नाश्चतस्रः | | | | |
| 118 | १७१६ भक्षण् | भलेच्छने | To speak indistinctly | अस्पष्ट वोलवुं | १६१ |
| 119 | १७१७ भक्षण् | अदने | To eat | खावुं | १६२ |
| 120 | १७१८ पक्षण् | परिमृदे | To seize loosely, to take, to accept | लेवुं, स्वीकारवुं, पढवुं लेवुं छुटी न जाय तैम पकडवुं | १६२ |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरनामके पत्र क्रः |
|-------------------------|--|--|----------------------------------|---|-------------------------|
| 121 | अथोभयपदी क्षान्तः १७१९ लक्ष्मीण | दर्शनाङ्कयोः । अङ्कं चिह्नम् । | To show " | निरागती वालुं करवुं, बताववुं, देखवुं | १६३ |
| 122 | इतोऽथ विद्योषे भालक्षिणः । इतः परमथ विद्योषे चुरा- वयो लक्षिणपर्यन्ताः मस्तु- यन्ते । तत्रादावादान्तः १७२० क्षाण | मारणादिनियोजनेषु । मारणाद्यो मारणसेषण- निशानेक्षप्रचेतिस्त्रयोका- स्तेषु नियोजे चार्थे जा- नातिभ्रुरादिः । | To beat, to please to sharpen | मारवुं, खुश करवुं तिक्षण करवुं | १६४ |
| 123 | अथोदन्तः १७२१ च्युण् | सहनने | To endure | सहन करवुं | १६५ |
| 124 | अथोदन्तः १७२२ मूण् | अवकलकने । अवकलकनं मिश्रीकरणम् | To mix | मिश्रण करवुं | १६६ |
| 125 | अथ कान्तास्त्रयः १७२३ बुक्कण् | भषणे । | To bark at | भसवुं | १६७ |
| 126 | १७२४ रक १७२५ लक (अथ गान्तास्त्रयः) १७२६ | | | | |

| धातुपठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|------------------------|-----------------------------------|--|---|--|------------------------------|
| 127 | रग १७२७ लगण् १७२८ लिगुण् | आस्वादाने चित्राकरणे | To taste To paint, to inflict a noun according to its gender | चाटवुं चीतरवुं (स्त्रीपुंनपुंसकादिलि- ङ्गे कभीने विचित्रप्रकारवुं बनाववुं | १६६-१६७ १६८ |
| 128 | अथ चान्तास्त्रयः । १७२९ चर्चण् | अध्ययने | To study | चर्चा करवुं, वांचवुं | १६९ |
| 129 | १७३० अञ्चण् | विशेषणे । विशेषण- मतिशयः प्रमोचने । | To qualify, to clear To release, to throw | स्पष्ट करवुं फेंकवुं, छोडवुं | १६९ १७० |
| 130 | १७३१ मुचण् अथ जान्तौ | प्रतियन्ने । प्रतियत्नः संस्कारः विश्रान्तने । विश्रान्त- विपचनम् | To arrange | गोठववुं | १७० |
| 131 | १७३२ भजण् | अथ टान्तास्त्रयः । १७३३ चट १७३५ स्फुटण् भेदे १७३६ घटण् अथ णान्तः १७३७ कणण् अथ तान्तः १७३८ यतण् | To cook, to give To break, to pierce To collect To be blind | विशेष पकाववुं तोडवुं, भेदवुं ढगलारुप करवुं काणा थवुं | १७१ १७१-१७२ १७२ १७५ |
| 132 | १७३३ भजण् | निकारोपस्कारयोः । | | खेव पमाडवो डांकवुं, मतिवि- | |

| धातुपाठस्य धातुः | प्रत्येकधातुको धातुनाम न | संस्कृतभाषायांमर्थः | आङ्ग्लभाषायांमर्थः | गुर्जराभाषायांमर्थः | धातुसंज्ञा पत्र नं. |
|---------------------|-----------------------------|--|---|--------------------------------------|------------------------|
| 137 | १७३८-२ निरञ्च | निकारः खेदनाम् । प्रतिदाने । निरः परो यतिः प्रतिदानेऽर्थे चुरादिः । उपमर्गाद् भाषाविस्कारयोः । भाषो भाषणम् । भाषे अविस्कारे चार्थे शब्द इत्ययं धातुरुपसर्गा त्परञ्चुरादिः । आलवणे | To close, to torture to reflect | स्व पाहवुं, पाहुं आपवुं | १७५ १७६ |
| 138 | १७३९ शब्दण् | सातत्ये । आहः ५३ः शब्द इत्ययं धातुः सात- त्येऽर्थे चुरादिः । आस्वादने | To sound, to speak To excite, to ooze to drop To cry, to lament, to be permanent to call To taste | कहेवुं, प्रगट करवुं झरवुं, टपकवुं | १७६ १७७ |
| 139 | १७४० षट्ण् | सातत्ये । आहः ५३ः शब्द इत्ययं धातुः सात- त्येऽर्थे चुरादिः । आस्वादने | To sound, to speak To excite, to ooze to drop To cry, to lament, to be permanent to call To taste | कहेवुं, प्रगट करवुं झरवुं, टपकवुं | १७६ १७७ |
| 140 | १७४१ आहः क्रन्दण् | सातत्ये । आहः ५३ः शब्द इत्ययं धातुः सात- त्येऽर्थे चुरादिः । आस्वादने | To sound, to speak To excite, to ooze to drop To cry, to lament, to be permanent to call To taste | कहेवुं, प्रगट करवुं झरवुं, टपकवुं | १७६ १७७ |
| 141 | १७४२ लवण् | सातत्ये । आहः ५३ः शब्द इत्ययं धातुः सात- त्येऽर्थे चुरादिः । आस्वादने | To sound, to speak To excite, to ooze to drop To cry, to lament, to be permanent to call To taste | कहेवुं, प्रगट करवुं झरवुं, टपकवुं | १७६ १७७ |
| 142 | १७४३ आस्वदः सकर्मकात् | आहः ५३ः शब्द इत्ययं धातुः सात- त्येऽर्थे चुरादिः । आस्वादने | To sound, to speak To excite, to ooze to drop To cry, to lament, to be permanent to call To taste | कहेवुं, प्रगट करवुं झरवुं, टपकवुं | १७६ १७७ |
| 143 | १७४४ मुदण् अय धान्तः | सातत्ये । आहः ५३ः शब्द इत्ययं धातुः सात- त्येऽर्थे चुरादिः । आस्वादने | To sound, to speak To excite, to ooze to drop To cry, to lament, to be permanent to call To taste | कहेवुं, प्रगट करवुं झरवुं, टपकवुं | १७६ १७७ |
| 144 | १७४५ गृधण् | सातत्ये । आहः ५३ः शब्द इत्ययं धातुः सात- त्येऽर्थे चुरादिः । आस्वादने | To sound, to speak To excite, to ooze to drop To cry, to lament, to be permanent to call To taste | कहेवुं, प्रगट करवुं झरवुं, टपकवुं | १७६ १७७ |

॥ धातुरत्नाकरे धात्वर्थाः ।

(१५५७)

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकरे पत्राङ्कः |
|------------------------------------|-----------------------------|---|--------------------------------|---------------------------|---------------------------|
| | | भिभवः । | To strive, to defeat to win | हसवुं जिववुं | १७८ |
| अद पान्तः | | | | | |
| 145 | १७४६ कृपण | अवकलकने । अवकलकने मिश्रीकरणं सामर्थ्यश्च | To mix, to be strong | मिश्रण करवुं, समर्थं यवुं | |
| अथ भान्तः | | | | | |
| 146 | १७४७ जभुण | नाशने | To destroy | नष्ट क'वुं | १८० |
| अथ मान्तः | | | | | |
| 147 | १७४८ अमण | रोगे | To be ill | रोगी बनाववुं | १८० |
| अथ रान्तौ | | | | | |
| 148 | १७४९ चरण | असंशये | To think | विचार करवो | १८१ |
| 149 | १७५० पूरण | आप्यायने | To fill | पुरु करवुं | १८१ |
| अथ लान्तः | | | | | |
| 150 | १६५१ दलण | विदारणे | To tear | फाडी नाववुं | ६८२ |
| अथ वान्तः | | | | | |
| 151 | १७५२ द्विवण | अर्चने | To trouble | पीडा करवो | १८२ |
| अथ शान्तः | | | | | |
| १७५३ पश (अथ वान्ता- श्चत्वारः) | | | | | |
| 152 | १७५४ पषण | बन्धने | To bind | बांधवुं | १८३ |
| 153 | १७५५ पुषण | धारणे | To nourish | धारण करवुं | १८३ |

| चतुष्पाठस्य धवल्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरनात्कर पत्राङ्कः |
|-----------------------|---|---|--|---------------------------|--------------------------|
| 154 | १७.६ घुर्षुण् | विशब्दने । विशब्दने विशिष्टशब्दकरणं नानाशब्दने वा । | To sound | उद्घोषणा करवी, जुदीजुदी | १८४ |
| 155 | १७.७ मूष (अथ सान्ताः सत्त) १७.८ तसुण् | अलङ्कारे | To decorate | सुशोभित करवुं | १४५-१८६ |
| 156 | १७.९ जसण् | ताडने | To beat | ताडना करवी | १८६ |
| 157 | १७.१० त्रसण् | चारणे | to move, to hold | हठाववुं | १८७ |
| 158 | १७.१ वसण् | स्नेहकृष्टेदावहरणेषु | To oppose to, to push back, to vanquish | चोक्रणा करवुं, काणवुं | १८७ |
| 159 | १७.२ प्रसण् | उन्क्षेपे | To cut, to make | मारवुं | १८८ |
| 160 | १७.३ प्रसण् | ग्रहणे | greasy, to kill, to beat | उछालवुं | १८८ |
| 161 | १७.४ लसण् | शिल्पयोगे | To throw | ग्रहण करवुं | १८९ |
| 162 | अथ हान्तः १७.५ अहण् | पूजायाम् । | To exercise at art | कारोगरी वाञ्छे, काम करवुं | १८९ |
| 163 | अथ क्षान्तः १७.६ मोक्षण् अथ वर्णक्रमेण भासार्थाः तत्र कान्तौ | असने | To worship | पूजवुं | १८९ |
| | | | To throw | फेंकवुं | १९० |

| धातुपाठस्य धातुवर्गः | प्रत्ययक्रमात्पूर्वो धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पञ्चाङ्कः |
|-------------------------|--|--------------------|-------------------|--------------------------|
| 164 | १७६७ लोक् १७६८ तर्क (अथ धान्तौ) १७६९ रघु १७७० लघु १७७१ (अथ चान्तः) लोच् (अथ छान्तः) १७७२ विछ [अथ जान्ताः षड्दित्तम्) १७७३ अजु १७७४ तुजु १७७५ पिजु १७७६ लजु १७७७ लुजु १७७८ भजु (अथ दान्ताः पञ्च, १७७९ पट १७८० पुट १७८१ छुट १७८२ घट १७८३ घटु (अथ तान्तः) १७८४ घृत (अथ धान्तः) १७८५ पुथ (अथ दान्तः) १७८६ नध (अथ धान्तः) १७८७ वृध (अथ धान्तास्त्रयः) १७८८ गुग १७८९ धूप १७९० कुप (अथ धान्तः) १७९१ चीव (अथ धान्ता- वृद्धितौ । च १७९२ दशु | | | |

| धातुपाठस्थ धातुः | प्रत्येकधातुसङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | भाङ्गलभाषायामर्थः | गुज'रभाषायामर्थः | धातुनाम्न पत्राङ्कः |
|---------------------|--|---|---|---|--|
| १ | १७९३ कुशु (अथ सान्ता- श्रुत्वार उदितश्च १७९४ नसु १७९५ पिसु १७९६ कुसु १७९७ दसु (अथ हान्ताः वद् वह'वलहौ मुक्त्वो दितश्च) १७९८ वह' १७९९ वृहु १८०० वलह १८०१ अहु १८०२ बहु १८०३ महुण् अथात्मनेपदिनस्तत्रोदन्तः १८०४ युणि अथ ऋदन्तः १८०५ गुणि अथ चान्तः १८०६ वश्चिण् अथ दान्तः १८०७ कुट्रिण् अथ दान्तौ १८०८ मदिण् | भासार्थाः । लोकृतकादयः स्वार्थे णिचमुत्पादयन्ति भासार्थाश्च जुगुप्सायाम् । विज्ञाने प्रलम्भने । प्रलम्भन' मिथ्या- फलाख्यानम् प्रतापने तृप्तिगोणे | To look at to shine To censure To know To deceive To warm To be satisfied or delighted | प्रकाशित करवुं, दीपवुं निन्दा करवी सारीरीते जाणवुं ठगवुं तपाववुं तृप्त थनुं | ९९०-१००८ १००९ १०१० १०१० १०११ १०११ |

| शृणुपठस्थ धातुः | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुजरेभाषायामर्थः | धातुरत्नाकरे पत्राङ्कः |
|--------------------|--|---|--|--------------------------------------|---------------------------|
| 6 | १८०९ विदिष्ण | चेतनाखगाननिवासेषु | To declare, to dwell to experience | अनुभव करवो कहेवुं वसवुं | १०१२ |
| 7 | अथ सान्तः १८१० मनिष्ण अथ लान्तो | स्तम्भे । स्तम्भो गर्वः | To be proud | अभिमान करवुं | १०१२ |
| 8 | १८११ वन्ति १८१२ भलिष्ण | आभण्डने । आभण्डनं निरूपणम् | To see, to behold | निरूपण करवुं | १०१३ |
| 9 | अथ वान्तः १८१३ विविष्ण | परिकुजने | To suffer pain, to lament to screech, to squeal | चीसकारा करवा | १०१४ |
| 10 | अथ षान्तः १८१४ वृविष्ण | शक्तिबन्धे । शक्तिबन्धः प्रजन- नसामर्थ्यम् । शक्तिसम्बन्धश्च | To conceive | गर्भबालु थवुं शक्तिने टकावी राखवी | १०१४ |
| 11 | अथ सान्तः १८१५ कुत्तिष्ण | अवक्षेपे | To abuse, to revile | निन्दा करवी | १०१५ |
| 12 | अथ क्षान्तः १८१६ लक्षिष्ण | आलोचने | To discriminate between right and wrong | योगयोग्यनो विचार करवो | १०१५ |
| | अथात्मनेपदिन एवायान्ति- रेऽपि चुरादयः । अथ कान्तास्त्रयः | | | | |

| धातुपठस्य धातुः | प्रत्येकधारवङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|--------------------|---|--------------------|------------------------------------|-------------------|--------------------------|
| 13 | १८१० हिक्कि १८१८ किक्किण् | हिंसायाम् । | To hurt, to kill | हिंसा करवी | १ १६ |
| 14 | १८१९ निक्किण् | गरिमाणे | To weigh, to measure | पामबुं | १०१७ |
| 15 | अथ जान्तः १८२० तजिण् | संतजने | To threaten, to scold to deride | तर्जना करवी | १०१७ |
| 16 | अथ टान्तौ १८२१ कूटिण् | अप्रमादे | To be active | निप्रमादी थवुं | १०१८ |
| 17 | १८२२ व्रुटिण् | छेदने | To cut | छेदवुं | १०१८ |
| 18 | अथ टान्नः १८२३ शटिण् | श्लाघायाम् । | To praise | बलाणवुं | १०१९ |
| 19 | अथ गान्तास्त्रयः । १८२४ कूणिण् | सङ्कोचने | To contract | सङ्कोचिन करवुं | १०१९ |
| 20 | १८२५ वृणिण् | पूर्णे | To fill | पुरवुं | १०२० |
| 21 | १८२६ झूणिण् | आशायाम् । | To hope | आशा राखवी | १०२० |
| 22 | अथ तान्तौ १८२७ चित्तिण् | संवदने | To experience | अनुभव करवो | १०२१ |
| 23 | १८२८ वस्ति (अथ धातुः) १८२९ गन्धिण् | अर्दने | To torment | डु ख देवुं | १०२१-१०२२ |
| 24 | अथ गान्तास्त्रवारः । १८३० वृणि १८३१ वृणि | | | | |

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|---|---|---|---|---|
| | १८३२ इमि १८३३ डिमि (अथ भान्तौ) १८३४ डमि १८३५ डिमिभण् अथ भान्तास्त्रयः २५ १८३६ स्यमिण् २६ १८३७ शमिण् २७ १८३८ कुस्मिण् अथ भान्तास्त्रयः । २८ १८३९ गुरिण् २९ १८४० तन्मिण् ३० १८४१ मन्मिण् अथ भान्तः ॥ ३१ १८४२ ललिण् अथ भान्तौ ३२ १८४३ स्पग्मिण् ३३ १८४४ दग्मिण् अथ भान्तौ । ३४ १८४५ दसिण् | संघाते वितर्के आलोचने कुस्मयने । कुत्सितं स्मयनं कुस्मयनम् । उच्चमे कुटुम्बधारणे । कुटुम्बः परिवारः । उपलक्षणञ्चैतत् गुप्तभाषणे ईप्सयाम् । ग्रहणप्रलेषणयोः दशाने दर्शने च । चकाराद् दर्शने च । चकाराद् | To collect To Consider, to reflect To see, to discriminate between good & bad To smile improperly To maintain the family To talk privately To fondle To touch To perform To bite To bite, to see | समुदायरूपं करवुं तर्कं करवो हिताहितादिकनो विचार करवो खराब हसवुं उछाळवुं गुप्त वात कहवो इच्छवुं, स्पृहा करवो ग्रहणं करवुं, भेटवुं डंख मारवो करडवुं देखवुं, डख मारवो, | १०२२-१०२५ १०२५ १०२६ १०२६ १०२७ १०२७ १०२८ १०२८ १०२९ १०२९ |

| आनुपाठ्य धातुः | प्रत्येकार्थवङ्को आनुपाठ्य च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------|--|-----------------------------|------------------------------|---|--------------------------|
| 35 | १८४६ भर्त्सिष्ण अथ क्षान्तः | दर्शने सन्तर्जने | To abuse | करडवुं ठपको आपवो, | १०३० १०३० |
| 36 | १८४७ यक्षिष्ण इत्यात्मनेभाषाः । इतोऽदन्ता । इत् ऊर्ध्वं युजादेः प्रागदन्तत्वं धातूनां बिधीयते । अथ कान्तौ | पूजायाम् | To worship | पूजवुं | १०३१ |
| 1 | १८४८ अङ्गुण | लक्षणे | To mark | नीशानी वाळुं करवुं | १०३२ |
| 2 | १८४९ ललङ्कण अथ खान्तौ | दर्शने | To see | देखवुं | १०३३ |
| 3 | १८५० सुख १८५१ दुःखण् तत्क्रियायाम् । सुखनं दुःखनञ्च तत्क्रिया | सुखनं दुःखनञ्च तत्क्रिया | To be happy To be unhappy | सुख भोगवुं, दुःख भोगवुं १०३३-१०३३ | |
| 4 | अथ गान्तः १८५२ अङ्गुण | पदलक्षणयोः | To mark or stamp with | स्थानरूप थवुं निशानी वाळुं करवुं, देखवुं | १०३४ |
| 5 | अथ घान्तः १८५३ अघण् अथ चान्तौ | पापकरणे | To commit a sin | पाप करवुं | १०३५ |
| 6 | १८५४ रचण् | प्रतियत्ने | To arrange | रचना करवी | १०३६ |

| शतपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को | धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुत्तोकर पत्र क्रः |
|-----------------------|---------------------|------------------------------|--------------------|---|-----------------------|-------------------------|
| 7 | १८५५ सूचण | पेशून्ये | | To pierce, to betray To intimate, to spy | सूचना करबी | १०३६ |
| | अथ जान्ताश्चत्वारः | | | | | |
| 8 | १८५६ भाजण | पृथक्कर्मणि । | | To separate | जुडु करवुं | १०३६ |
| 9 | १८५७ सभाजण | प्रीतिसेवनयोः । | | To please, to serve | प्रेम करबी, सेवा करबी | १०३६ |
| 10 | १८५८ लज १८५९ लजुण | प्रकाशने | | To shine, to be manifest | प्रकाशित करवुं | १०३७ |
| | अथ टान्ताः सप्त | | | | | |
| 11 | १८६० कूटण | दाहे | | To burn | बालवुं | १०३८ |
| 12 | १८६१ पट १८६२ वटण | ग्रन्थे । ग्रन्थो वेष्टनम् । | | To twist round | वीटवुं | १०३८-१०३९ |
| 13 | १८६३ खेटण | भक्षणे | | To eat | खावुं | १०३९ |
| 14 | १८६४ खोडण | क्षेपे | | To throw | फेंकवुं | १०४० |
| 15 | १८६५ पुटण | संसर्गे | | To accompany | संबन्ध करबी | १०४० |
| 16 | १८६६ वटुण | विभाजने | | To divide | विभाग करबी, [घाटवुं] | १०४१ |
| | अथ टान्तो | | | | | |
| 17 | १८६७-शठ १८६८ प्रवठण | सम्यग्भाषणे | | To speak well elegantly | सारीरीते कहेवुं | १०४१-१०४२ |
| | अथ डान्तः | | | | | |
| 18 | १८६९ दण्डण | दण्डमिपति | | To punish | दंड करबी | १०४२ |
| | अथ गान्ता अन्तो | | | | | |
| 19 | १८७० व्रणण | गान्नाविचूणने | | To hurt, to wound | घा पाडवा | १०४३ |
| 20 | १८७१ वर्णण | वर्णक्रियाविस्ताग गुणवच- | | | वर्णन करवुं, लाल पीला | |

| भटुपाठ्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधारवङ्को भटुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुजरभाषायामर्थः | धातुलाकर पत्राङ्कः |
|-----------------------|--|--|--------------------|--|--------------------------------------|
| | | नेषु । वर्णक्रिया वर्णनं वर्णकरणं वा । विस्तारे वर्णनेयम् । गुणवचनं स्तुतिः शुक्लाद्युक्तिर्वा । To relate, to extol to colour हरितभावे To make green or verdant भेदे To pierce, to bore संकोचने To contract संस्याने To count | | विगेरे रंग करवा, विस्तार करवो, वखाणवुं. लाल पोळो विगेरे बोलवुं | १०४३ १०४४ १०४५ १०४६ १०४७ |
| 21 | १८७२ पर्णण् | | | | |
| 22 | १८७३ कर्णण् | | | लीलार गवाळा थवुं | १०४८ |
| 23 | १८७४ कृणण् | भेदे | To pierce, to bore | भेदो नाखवुं, तोडवुं | १०४९ |
| 24 | १८७५ गणण् | संकोचने | To contract | संकुचित करवुं | १०५० |
| 25 | १८७६ कुण १८७७ गुण (अथ तान्तास्त्रयः) १८७८ | संस्याने | To count | गणतरी करवी | १०५१ |
| 26 | केतण १८७९ पतण् | आमन्त्रणे आमन्त्रणं गृहोक्तिः । गती वा । वाशब्दो णिज- दन्तत्वयोर्युगपद्विकल्पार्थः To go गतिमुखसेवनयोः To go, to enjoy | To go | आमन्त्रण करवुं, बोलाववुं | १०५२-७ |
| 27 | १८८० वातण् | | | जनुं जवुं; सुखाकारी वस्तुनुं सेवन करवुं | १०५३ १०५४ |
| 28 | अथ धान्तौ १८८१ कथण् | वाक्यमबन्धे दौर्बल्ये To tell | To tell | वाक्योमां करेवुं | १०५५ |
| 29 | १८८२ ग्रन्थण् अथ धान्तौ | | To be weak | दुर्बल थं | १०५६ |
| 30 | १८८३ छेदण् | द्वैधीकरणे To divide | To divide | छेदवुं | १०५७ |

| कतुपाठस्य धातुः | प्रत्येकधातुस्य धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुजराभाषायामर्थः | धातुरत्नाकरे पत्र. क्र. |
|--------------------|-----------------------------------|-------------------------|--------------------------|--------------------------|----------------------------|
| 31 | १८८४ गद्यण् अथ धातुः | गर्जे । गर्जो मेघशब्दः | To thunder | मेघनुं गाजवुं | १०५० |
| 32 | १८८५ अन्यण् अथ नाप्ताश्चत्वारः | बृष्टदुपसंहारे | To make blind | आंधळा करवुं | १०५० |
| 33 | १८८६ स्तनण् | गर्जे । गर्जो मेघशब्दः | To thun/er | मेघनुं गाजवुं | १०५१ |
| 34 | १८८७ ष्वनण् | शब्दे | To sound | शब्द करवो | १०५१ |
| 35 | १८८८ स्तेनण् | चोरो | To steal | चोरो करवी | १०५२ |
| 36 | १८८९ ऊनण् अथ पान्तास्त्रयः | परिहाणे | To lose | कमथवुं कमी करवुं | १०५३ |
| 37 | १८९० कृपण् | दौर्बल्ये | To be weak | दुर्बल थवुं | १०५३ |
| 38 | १८९१ रूपण् | रूपक्रियाम् । रूपक्रिया | To fashion, to represent | महार रूपोया विंगरे राजना | १०५३ |
| 39 | १८९२ क्षप (अथ भान्तः) | राजमुद्रादिरूपस्य करणम् | on the stage, to feign | मिमा पाडवा | १०५३ |
| | १८९३ लाभण् अथ मान्ताः पञ्च | प्रेरणे | To send, to miss | फे'कवुं प्रेरणा करवी | १०५४ |
| 40 | १८९४ भ्रामण् | क्रोधे | To be angry | क्रोध करवो | १०५५ |
| 41 | १८९५ गोमण् | उपलेपने | To anoint, to plaster | लीपवुं | १०५५ |
| 42 | १८९६ सामण् | सान्त्वने । सान्त्वने | To console, to please | सुश करवुं | १०५६ |
| 43 | १८९७ घामण् | मीननम् | To invite | आमन्त्रण करवुं, बोलाववुं | १०५६ |
| 44 | १८९८ स्तोभण् | आमन्त्रणे | To praise | बखानवुं | १०५७ |

| शतपाठस्थ धातुः... | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धतुनामकार पत्रिकाः |
|----------------------|------------------------------------|--|----------------------------|--|-----------------------|
| | अथ यान्तः | | | | |
| 45 | १८९९ व्ययण् | वित्तसमुत्पन्नं । वित्तसमुत्स- र्गस्त्यागः | To spend | धन खरचवुं | १०५७ |
| 46 | अथ रात्नाम्ब्रयोदश १९०० सूत्रण् | विमोचने । विमोचनं- मोचनाभावो ग्रन्थन- मिति यावत् । प्रसूचणे कर्मसमाप्ती । कर्म १९०५ गात्रण् चौशिल्ये विचित्रक्रियाकदाचिद्- दृष्टयोः । भेदे संगर्भने । सम्पर्जनं- प्रलयः । इप्तायाम् । आक्षेपे दौर्बल्ये क्रीडायाम् संख्यानगत्योः । | | | |
| 47 | १९०१ सूत्रण् | | To twist or sew together | गुंशुं | १०५७ |
| 48 | १९०२ पार १९०३ तीरण् | | To make water | पेशाव करवो | १०५८ |
| 49 | १९०४ कत्र १९०५ गात्रण् | | To accomplish a work | काम पुरं करवुं | १०५९ |
| 50 | १९०६ चित्रण् | | To be weak | ढोला थवुं, ढोलुं करवुं चित्रण्, कोइ वखत | १०६० |
| 51 | १९०७ छिप्रण् | | To draw (a picture) to see | नेखवुं | १०६१ |
| 52 | १९०८ मिश्रण् | | To make a hole | छिप्र वालुं करवुं | १०६१ |
| 53 | १९०९ वरण् | | To mix | मिश्रण करवुं | १०६२ |
| 54 | १९१० स्वरण् | | To ask for, to choose | इच्छवुं | १०६२ |
| 55 | १९११ शारण् | | To blame, to censure | आक्षेप करवो | १०६३ |
| 56 | १९१२ कुमारण् | | To be weak | दुर्बल थवुं | १०६३ |
| 57 | अथ लान्ताः पञ्च १९१३ कलण् | | To report, to blame | कांडा करवो, (ठपको देखो) | १०६४ |
| | | | To count, to go | गणतरी करवो, जवुं | १०६४ |

| धातुपठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|------------------------|-----------------------------|--|--|---|---------------------------|
| 58 | १९१५ शीलृष् | उपधारणे । उपधारण- मभ्यासः परिचयो वा कालेन उपदेशे | To form a habit, to form an acquaintance To advise | टेव पाडवी परिचय करवो उपदेश देवो कापवुं, साफ करवुं | १०६५ १०६५-१०६६ १०६६ |
| 59 | १९१५ वेल १९१६ कालृष् | उपधारणे । उपधारण- मभ्यासः परिचयो वा कालेन उपदेशे | To form a habit, to form an acquaintance To advise | टेव पाडवी परिचय करवो उपदेश देवो कापवुं, साफ करवुं | १०६५ १०६५-१०६६ १०६६ |
| 60 | १९१७ पल्यृळ् | अथा शान्तः | समाधारे । समाधातो विभाजनम् | भाग करवो | १०६७ |
| 61 | १९१८ अंशृष् | अथ वान्तास्त्रयः | अनुपसर्गः । पष इत्य- यं धातुरनुपसर्गोऽदन्तो णिच्मुत्पादयन्ति | गीतवुं सहन करवुं | १०६८ १०६९ |
| 62 | १९१९ पषृष् | अथ वान्तास्त्रयः | अनुपसर्गः । पष इत्य- यं धातुरनुपसर्गोऽदन्तो णिच्मुत्पादयन्ति | गीतवुं सहन करवुं | १०६८ १०६९ |
| 63 | १९२० गत्रेष्ग | अथ वान्तास्त्रयः | अनुपसर्गः । पष इत्य- यं धातुरनुपसर्गोऽदन्तो णिच्मुत्पादयन्ति | गीतवुं सहन करवुं | १०६८ १०६९ |
| 64 | १९२१ मृषृष् | अथ वान्तास्त्रयः | अनुपसर्गः । पष इत्य- यं धातुरनुपसर्गोऽदन्तो णिच्मुत्पादयन्ति | गीतवुं सहन करवुं | १०६८ १०६९ |
| 65 | १९२२ रसृष् | अथ वान्तास्त्रयः | अनुपसर्गः । पष इत्य- यं धातुरनुपसर्गोऽदन्तो णिच्मुत्पादयन्ति | गीतवुं सहन करवुं | १०६८ १०६९ |
| 66 | १९२३ वासृग् | अथ वान्तास्त्रयः | अनुपसर्गः । पष इत्य- यं धातुरनुपसर्गोऽदन्तो णिच्मुत्पादयन्ति | गीतवुं सहन करवुं | १०६८ १०६९ |
| 67 | १९२४ निवासृग् | अथ वान्तास्त्रयः | अनुपसर्गः । पष इत्य- यं धातुरनुपसर्गोऽदन्तो णिच्मुत्पादयन्ति | गीतवुं सहन करवुं | १०६८ १०६९ |
| 68 | १९२५ सहृष् | अथ वान्तास्त्रयः | अनुपसर्गः । पष इत्य- यं धातुरनुपसर्गोऽदन्तो णिच्मुत्पादयन्ति | गीतवुं सहन करवुं | १०६८ १०६९ |

| धातुगणस्थ धातुवङ्कः | प्रत्येकधातुवङ्को धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुस्तराकर पत्राङ्कः |
|------------------------|--|-----------------------|---|---------------------|--------------------------|
| 69 | १९२६ महण् | पूजायाम् । | To worship | पूजवुं | १०७१ |
| 70 | १९२७ रहण् | त्यागे | To abandon | त्याग करवो | १०७१ |
| 71 | १९२८ रुहण् | गतौ | To go | जवुं | १०७२ |
| 72 | १९२९ स्पृहण् | इप्सायाम् । | To desire for | स्पृहा करवो इच्छवुं | १०७२ |
| 73 | अथ क्षान्तः १९३० रुक्षण् | पारुष्ये | To be harsh | कठण थवुं | १०७३ |
| | अथादन्तेष्वेव कृहणिम- धिव्याप्यात्मनेपदिनः । तत्र गान्तः । | | | | |
| 1 | १९३१ मृगणि अथ यान्तः | अन्वेषणे | To seek for | गोतवुं | १०७३ |
| 2 | १९३२ अर्थणि अथ दान्तः | उपयाचने | To beg for | मागवुं | १०७४ |
| 3 | १९३३ पदणि अथ मान्तः | गतौ | To go | जवुं | १०७४ |
| 4 | १९३४ संक्रामणि अथ रान्तास्त्रयः | युद्धे | To fight | लडवुं | १०७५ |
| 5 | १९३५ शूर १९३६ वीरणि विक्रान्तौ | | To be powerful, to make vigorous exertions | पराक्रम फोरवुं | १०७६ |
| 6 | १९३७ सन्नणि अथ लान्तः | संदानक्रियायाम् । | To practise charity | दान देवुं | १०७६ |
| 7 | १९३८ स्थूलणि | परिवृंहणे । परिवृंहणं | | | |

॥ धातुरत्नाकरे धात्वर्थः ।

(१३८१)

| धातुपठस्थ धात्वङ्कः | प्रत्येकधात्वङ्को | धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्र क्रः |
|------------------------|---|--------------------|-------------------------|-----------------------|-------------------|--------------------------|
| | अथ वान्तः | पीनत्वम् । | To be fat | जाडा थवुं | १०७७ | |
| 8 | १९३१ गर्वणे अथ हान्तौ | माने | To be proud | अभिमान करवुं | १०७७ | |
| 9 | १९४० ग्रहणे | ग्रहणे | To take | ग्रहण करवुं | १०७८ | |
| 10 | १९४१ कुहणे अवसिता अदन्ताः अथ विकल्पितनिचो | विस्मापने | To surprise, to deceive | आश्चर्य पमाहवुं | १०७८ | |
| 1 | युजादयः । १९४२ युज्णे अथेदन्तास्त्रयः | संघर्षने | To mix | मिश्रण करवुं | १०७९ | |
| 2 | १९४३ लीण् | द्रवीकरणे | To liquidify | गाळवुं, प्रवाही करवुं | १०८० | |
| 3 | १९४४ मीण् | मतौ । मतिर्मननम् । | To think, to reflect | मनन करवुं | १०८१ | |
| 4 | १९४५ प्रोग् | तर्पणे | To please | खुश करवुं | १०८२ | |
| 5 | अथ ऊदन्तः १९४६ धृग् | कम्पने | To shake | धुजाववुं | १०८४ | |
| 6 | अथ ऋदन्तः १९४७ वृग् | आवरणे | To cover | ढांकवुं | १०८५ | |
| 7 | अथ ऋदन्तः १९४८ ङ् | वयोदानौ | To grow old | वृद्ध थवु | १०८७ | |
| | अथ हान्त १९४९ चीक १९५० शीकण् आमर्षणे | | To suffer, to touch, to | | | |

| प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरसक पत्राङ्कः |
|---|---------------------------------|---------------------------|-----------------------------|----------------------|
| अथ गान्तः | | be impatient | सहन करवुं, अडकवुं १०८८-१०८९ | |
| १ १९५१ मार्गण | अग्वेषणे | To seek for | गोतवुं | १०९० |
| अथ चान्ताश्चत्वारः | | | | |
| १० १९५२ पृचण | संपर्चने | To mix | मिश्रण करवुं, | १०९१ |
| ११ १९५३ रिचण | वियोजने च । चकारारसं पर्चने | To separate, (to mix) | खुदु पाडवुं, मिश्रण करवुं | १०९२ |
| १२ १९५४ वचण | भाषणे | To speak | कहेवुं | १०९३ |
| १३ १९५५ अचिण | पूजायाम् । | To worship | पूजवुं | १०९४ |
| अथ जान्तौ | | | | |
| १४ १९५६ वृजैण | वर्जने | To avoid | वर्जयिवुं | १०९५ |
| १५ १९५७ मृजौण | शौचालङ्कारयोः । | To purify, to decorate | निर्मल करवुं, सुशोभित करवुं | १०९६ |
| अथ टान्तः | | | | |
| १६ १९५८ कटुण | शोकै | To grieve for | शोक करवो | १०९७ |
| अथ शान्ताश्चत्वारः | | | | |
| १७ १९५९ ग्रन्थ १९६० ग्रन्थण संदर्भे । संदर्भो बन्धनम् | शोकै | To bind | बांधवुं, गुथवुं | १०९८-१०९९ |
| १८ १९६१ कथ (अथ लाघवा- र्थं शान्तमध्ये पवायानुगु- ण्येन दान्तः) १९६२ अदिण्हिसायाम् । | बन्धने च । चकारादि- सायाम् । | To kill | हिंसा करवी | १०९९-११०१ |
| १९ १९६३ अथण | | | | |
| अथ दान्ताश्चत्वारः | | | | |
| | | To hunt, to kill, to bind | बांधवुं, हिंसा करवी | ११०२ |

॥ धातुरत्नाकरे धात्वर्थाः ।

(१४५३)

| धातुपाठस्य धात्वङ्कः | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायामर्थः | आङ्ग्लभाषायामर्थः | गुर्जरभाषायामर्थः | धातुरत्नाकर पत्राङ्कः |
|-------------------------|--------------------------------|--|---|--|--------------------------|
| 20 | १९६४ वदिष्ण | भाषणे | To speak | कहेवुं | ११०३ |
| 21 | १९६५ छदण् | अपवारणे (अपवारणमा- च्छादनम्) | To cover | ढांकवुं | ११०४ |
| 22 | १९६६ आङः सदण् | गतौ । आङःपरः सद इरण्यं धातुर्गतावर्थे | | | |
| 23 | १९६७ छदण् | युजादिः संक्षीपने | To go To kindle, to burn to shine | जवुं उत्तेजित करवुं बाळवुं प्रकाशवुं | ११०५ ११०६ |
| 24 | अथ धान्तः १९६८ शुन्धिण् | शुद्धौ | To purify | शुद्ध थवुं | ११०७ |
| 25 | अथ नान्तो १९६९ तवृण् | अद्धाघाते | To lose faith | अद्धारहित थवुं | ११०८ |
| 26 | १९६९-२ उपसर्गाद् | दैर्घ्यं । उपसर्गपूर्वस्तत्र- दैर्घ्येऽर्थे युजादिः | | लांबा थवुं | ११०८ |
| 27 | १९७० सानण् | पूजायाम् | To adore, to worship | पूजवुं | ११०९ |
| 28 | अथ पान्तास्त्रयः १९७१ तपिण् | दाहे | To burn | तपावुं, बाळवुं | १११० |
| 29 | १९७२ तुपण् | मीणने | To please, to satisfy | खुश करवुं | ११११ |
| 30 | १९७३ आण्डण् | लभने । लभनं प्राप्तिः | To obtain | प्राप्त करवुं | १११२ |
| 31 | अथ भान्तः १९७४ ध्रुमैण् | भये | To fear | बीडुं | १११३ |
| | अथ रान्तः | | | | |

| धातुपठस्थ धातुः | प्रत्येकधातुको धातुनाम च | संस्कृतभाषायांमर्थः | आङ्ग्लभाषायांमर्थः | गुर्जरभाषायांमर्थः | धातुरनास्कार पत्राङ्कः |
|--------------------|-----------------------------------|--|--|--------------------------------------|---------------------------|
| 32 | १९७५ ईरण् | क्षेपे । क्षेपः प्ररणम् | To discharge, to excite to cast, to go | फेंकवुं, मोकलवुं | १११४ |
| 33 | अथ वान्ताश्चत्वारः १९७६ मृषिण् | तितिक्षायाम् । | To suffer | सहन करवुं | १११५ |
| 34 | १९७७ शिषण् | असर्वोपयोगे । असर्वो- पयोगोऽनुपयुक्तत्वम् । | To leave as a remainder to share | उपयोगमां नहि आवत्ता बाक्को रहैवुं | १११६ |
| 35 | १९७७-२ विपूर्वः | अतिशये । अतिशय उ- त्कर्षः । विपूर्वः शिषि- रतिशये युजादिः परितर्कणे | To reason, to be satisfied To insult, to assail | तर्क करवो हराववुं | १११८ १११७ |
| 36 | १९७८ जुषण् | प्रसहने । प्रसहनप्रमिभवः | To hurt, to kill | हिंता करवो | १११९ |
| 37 | १९७९ वृषण् | हिंसायाम् । | To censor To endure | निन्दा करवो सहन करवुं | ११२० ११२१ |
| 38 | अथ सान्तः १९८० हिंसुण् | विनिन्दने मर्षणे | | | |
| 39 | अथ हान्तौ १९८१ गर्हण् | बहुलमेतन्निदर्शनम् । यदेत द्भवत्यादि धातुपरिगणनं | | | |
| 40 | १९८२ षहण् | तद्बाहुल्येन निदर्शनत्वेन क्षेयम् । | | | |

तेनाप्रापठिता अपि कश्चिद्विप्रवृत्तयो लौकिकाः स्तम्भप्रवृत्तयः

सौत्राश्चकुम्पादयश्च वाक्यकरणीया धातव उदाहार्याः । वर्गंते हि धातुगणः

॥ अथ शुद्धिपत्रकम् ॥

| अशुद्ध | शुद्ध | पत्र | कोलम | पं० | अशुद्ध | शुद्ध | पत्र | कोलम | पं० |
|--------------|--------------|------|------|-----|---------------|---------------|------|------|-----|
| सत्ताम्बु | सत्ताम्बु | २ | ७ | ६ | आञ्छयसुः | शुद्ध | ११ | २ | २० |
| वृद्धात्म | वृद्धात्म | ५ | | १ | अहोच्छिष्य | अहोच्छिष्य | ६८ | १ | १६ |
| अजैषम् | अजैषीः | १० | | १६ | अमूर्छन् | अमूर्छन् | ६९ | १ | ११ |
| अजैषीः | अजैषम् | | | | स्फूर्च्छ | स्फूर्च्छ | ६९ | २ | १ |
| जघनतुः | जघतुः | १५ | | ३२ | स्फूर्छि- | स्फूर्छि- | ६९ | २ | २४ |
| दायानि | दायानि | २० | २ | ९ | स्मृच्छ | स्मृच्छ | ७० | १ | १ |
| अद्या- | अद्या- | २२ | २ | १५ | स्मृच्छयास्व | स्मृच्छयास्व | १ | १ | २२ |
| दद्यात्सुतुः | दद्यात्सुतुः | ३१ | १ | १७ | स्मृच्छयास्मि | स्मृच्छयास्मि | १ | १ | १ |
| रङ्गन्तम् | रङ्गन्तम् | ४५ | १ | ९ | अजने | अजने | ७७ | २ | १ |
| रङ्ग्यास्व | रङ्ग्यास्व | | १ | २२ | गृज्यास्त | गृज्यास्त | ८२ | १ | २ |
| लङ्कितास्वः | लङ्कितास्वः | ४५ | २ | २५ | शट | शट | ९४ | १ | १ |
| अतङ्गीः | अतङ्गीः | ४६ | १ | १५ | सान | सान | ९४ | १ | २ |
| ङ्किगव | ङ्किगव | ४७ | १ | १६ | अतटतम् | अतटतम् | ९९ | १ | ११ |
| ङ्किम | ङ्किम | ४७ | २ | २९ | कट | कट | १०६ | १ | ३२ |
| आङ्किष्यन् | आङ्किष्यन् | ४७ | २ | २२ | भाषणे च | भाषणे च | १११ | २ | १ |
| रिङ्गाव | रिङ्गाव | ५० | २ | १० | त्यन्ये | त्यन्ये | ११४ | २ | २ |
| अयुङ्गन् | अयुङ्गन् | ५२ | १ | ११ | अहोहि | अहोहि | १२९ | २ | १५ |
| कोचत | कोचत | | | | ध्वनेयम् | ध्वनेयम् | १४० | २ | ७ |
| मुमुक्षिथ | मुमुक्षिथ | ६२ | १ | १८ | अचति- | अचति- | १४५ | २ | १८ |
| म्लेच्छ | म्लेच्छ | ६५ | १ | १४ | च्योताम् | च्योताम् | १४६ | २ | ११ |
| अवाञ्छिषुः | अवाञ्छिषुः | ६७ | २ | ४ | | | | | |

| अशुद्ध | शुद्ध | पत्र | कोलम | पं. |
|--|-----------------------------|------|----------|----------------|
| १५० मां पत्रमां बीजा कोलममां १५० | | | २ | ३२ |
| छेल्ली लाइन पछो नीचेना | | | | |
| परीक्षणा रूपो वधारवा | | | | |
| ऋतोयाश्चक्रे | ऋतोयाश्चकाते | | | ऋतोयाश्चक्रिरे |
| ऋतोयाश्चकृषे | ऋतोयाश्चकावे | | | ऋतोयाश्चकृद्वे |
| ऋतोयाश्चक्रे | ऋतोयाश्चकृवहे | | | ऋतोयाश्चकृमहे |
| ऋतोयामास | ऋतोयाम्बभूव | | | |
| १५१ पत्रमां पहेला कोलममां | | | | |
| १७ मी लाइन पछी ऋतोयिष्यते | | | | ऋतोयिष्येते |
| ऋतोयिष्यन्ते | विगेरे नव रूपो खोटा समजवां- | | | |
| ऋतो- | ऋतो १५१ | | १ | १७ |
| क्लेशनयोः | क्लेशयोः १५१ | | २ | २ |
| अकुन्धि | अकुन्धि १५१ | | २ | १ |
| क्लेशनयोः | क्लेशयोः १५२ | | २ | १ |
| " | " १५३ | | १-२-१-१- | |
| " | " १५४ | | १ | २ |
| अदन्तु | अदन्तु १५८ | | १ | ८ |
| एवदशम् | एवदशम् १६१ | | २ | १५ |
| अनिन्द- | अनिन्द १६६ | | २ | १४ |
| चस्कन्दिथ | चस्कन्दिथ | | | |
| चस्कन्थ | चस्कन्थ १६६ | | २ | २१ |
| सिधि | सिधि १६७ | | १ | १८ |
| अशुद्ध | शुद्ध | पत्र | कोलम | पं. |
| शुशुन्धिथ | शुशुन्धिथ १६८ | | २ | १८ |
| गोपायन्ति- | गोपायन्ति- १७३ | | १ | ४ |
| सत्स्यन्ति | सत्स्यन्ति १७९ | | १ | ७ |
| सत्स्यामः | सत्स्यामः १७९ | | १ | १२ |
| तुम्हानि | तुम्हानि १८३ | | १ | १० |
| ररम्हतुः | ररम्हतुः १८५ | | २ | १७ |
| रिबु- | रिबु- १९१ | | २ | ३ |
| सर्भयुः | सर्भयुः १९४ | | २ | ८ |
| व्यामः | व्यामः २०९ | | २ | ३३ |
| भक्षणे च | भक्षणे च २१३ | | २ | १ |
| अखोरिष्या | अखोरिष्या २१४ | | २ | ३२ |
| त्रिफला | त्रिफला २१५ | | २ | १ |
| अनीलिषुः | अनीलिषुः २१८ | | २ | १५ |
| तुल | तुल २२१ | | १ | २० |
| पेल् | पेल् २२४ | | १ | १ |
| २२५ मा पत्रमां ४३५ नंबरना सेल धातु पछो ४३६ | | | | |
| मा नंबरनो सेल धातु छे तेना रूपो पण ४३५ | | | | |
| सेलनी माफक जाणवा | | | | |
| व्याम | व्याम २२९ | | २ | ३१ |
| अखलन | अखलन २३२ | | २ | ११ |
| पवि- | पवि- २३५ | | १ | २६ |
| मव् | मव् २३६ | | १ | १ |

| अशुद्ध | शुद्ध | अशुद्ध | शुद्ध | पत्र | कोलम | पं० |
|--------------|--------------|------------|------------|------|------|-----|
| धबु | धवु | अदि- | अदि | " | २ | २६ |
| ष्ठवैव | ष्ठवैव | आक्षाः | आक्षीः | २९३ | १ | ५ |
| तुवेयम् | तुवेयम् | विहायसा | विहायसां | ३०३ | १ | १ |
| दुर्व | दुर्व | जडु- | जुडु- | ३०६ | २ | १५ |
| जर्विता | जुर्विता | ममिद्वे | | ३०७ | २ | २१ |
| जर्विता- | जुर्विता- | मडकते | मडकते | ३१३ | २ | १ |
| जुर्विष्यामि | जुर्विष्यामि | " | " | " | " | २२ |
| अमावि- | अमावि- | वस्कथे | वस्कथे | ३२४ | १ | ३ |
| निनिन्विथ | निनिन्विथ | स्के | स्के | ५२६ | २ | १० |
| अदिन्वि- | अदिन्वि- | सिसेकिवे | सिसेकिवे | ३२७ | १ | १५ |
| अघाषि- | अघाषि- | अराघताम् | अराघताम् | ३३० | १ | ११ |
| तुष | तुष | अशक्त | अशक्त | ३३३ | " | " |
| अमोषीः | अमोषः | स्तोचिष्ये | स्तोचिष्ये | ३३८ | " | २९ |
| रधारः | रधारः | जघट्टिरे | जघट्टिरे | ३४३ | १ | १५ |
| अर्षिषम् | अर्षिषम् | आट्टि | आट्टि | ३४६ | २ | १८ |
| अेषम् | अेषम् | अहुण- | अहुण्ड | ३४९ | १ | १४ |
| अ सिषुः | अंतिषुः | अतण- | अतण्ड | ३५२ | २ | १४ |
| ष्याम | ष्यामः | ण्डेयाम् | ण्डेयाम् | ३५७ | २ | १० |
| ष्ठास्म | मिष्ठास्म | अद्रडि- | अद्रडि- | ३५८ | १ | १५ |
| भस्मा- | भस्मी- | डि- | डि- | ३५८ | १ | २८ |
| दुह | दुह | अद्राडि- | अद्राडि- | " | " | ३२ |
| बुहाव | बुहाव | विण्डे | विण्डे | ३६१ | २ | ११ |
| अदने | अदने | अडिण्डवत | अडिण्डवत | ३६१ | २ | १५ |

| अशुद्ध | शुद्ध | पत्र | कोलम | पं. |
|----------------------------------|------------------|------|------|-----|
| घोणे | घोणे | ३६३- | २ | १० |
| जुघर्णि | जुघर्णि | ३६४ | १ | १९ |
| घर्णि- | घर्णि- | " | " | २८ |
| यच्चे | यच्चै | ३६७ | १ | ४ |
| अवेथि | अवेथि | " | " | १५ |
| णि- | वेथि- | " | " | २७ |
| विवेथिविहे | विवेथिवहे | " | २ | १९ |
| ३७१ पत्रना पहेला कोलममां जे | | | | |
| स्विन्द धातु छे तेना दरेक रुपमां | | | | |
| मि ने बदले शि अने स्विने बदले | | | | |
| दिव बांचवो- | | | | |
| वन्वि- | वन्वि- | ३६१ | २ | २३ |
| भन्दते | भन्दते | ३७२ | १ | ४ |
| रम | रमहे | ३७३ | १ | २६ |
| अस्वदिद्वम | अस्वदिद्वम | ३७५ | २ | १६ |
| स्वदे- | स्वदे | ३७६ | १ | ८ |
| स्वदा- | स्वदा | " | " | ११ |
| स्वदि- | स्वदि | " | २ | २७ |
| ह्वादि- | ह्वादि | ३७९ | २ | १ |
| ह्वाद् | ह्वाद् | " | " | " |
| पद् | पद् | ३८० | २ | १ |
| ड्वम | ड्वम, ध्वम | ३८३ | १ | १७ |
| अशुद्ध | शुद्ध | पत्र | कोलम | पं. |
| बाधि- | बाधि- | " | " | २८ |
| वेधि- | वेधि- | ३८५ | २ | ३० |
| पनाय्याः | पनाय्याः | ३८६ | २ | १ |
| मीमांसू पूजायाम् | मीमांसू पूजायाम् | ३९० | १ | १८ |
| जिनेपिरे | जिनेपिरे | ३९२ | १ | १५ |
| रेपिड्वम | रेपिड्वम | ३९४ | २ | ४ |
| रखु | रखु | ३९६ | २ | १३ |
| अक्षीवे | अक्षीवे | ३९७ | १ | २२ |
| शिशीभे | शिशीभे | ३९९ | २ | १५ |
| वीमिड्वम | वीमिड्वम | " | १ | १ |
| गलिभ | गलिभ | ४१० | २ | १५ |
| गलम् | गलम् | ४१२ | २ | १६ |
| अचयिष्ठाः | अचयिष्ठाः | ४१३ | २ | १६ |
| औयि- | औयि- | ४१५ | २ | २ |
| क्व | क्व | ४१६ | २ | १ |
| सन्तानः | सन्तानः | " | २ | २८ |
| भाषण- | भाषण- | ४२५ | २ | १० |
| स्महे | स्महे | ४२८ | २ | १४ |
| मेव | मेव | ४२९ | १ | २१ |
| अभाषथाः | अभाषथाः | " | १ | " |
| ईषा० | ईषा० | " | १ | " |
| ईषा० | ईषा० | " | १ | " |

| अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं |
|--------------|----------------|-------|------|----|
| मषाश्चक | पषाश्चक | ४३१ | २ | २६ |
| हव | हवै | ४३२ | २ | ९ |
| शुशुष | शुशुषे | ४३४ | १ | २२ |
| विषीष्ठाः | शु विषीष्ठाः | " | १ | १२ |
| आ विष्या | अधु विष्या० | " | १ | १३ |
| अभास | अभासे | ४३८ | २ | १२ |
| ग्रसे | ग्रसे | ४४० | २ | १३ |
| प्लेहि | प्लेहि | ४४३ | १ | १२ |
| चलिह | चलिह | ४४५ | १ | २६ |
| दाङ् | दाङ् | ४४८ | १ | २ |
| ग्रह | द्राह | ४४८ | १ | ९ |
| जगाहिसे | जगाहिसे-जघक्षे | ४४९ | २ | १४ |
| गाढहे | गाढाहे | ४४९ | २ | १८ |
| घुक्षिना | घुक्षिताहे | ४५२ | २ | २७ |
| धिसि | धिसि | ४५३ | १ | २ |
| ढवे | ढवे | ४५९ | १ | २० |
| ढवम् | ढवम् | " | २ | २७ |
| याचेत | याचेत | ४६४ | २ | २० |
| पचावह | पचावहै | ४६६ | १ | २१ |
| अरङ्क्षीन् | रजेः | ४६९ | १ | २२ |
| रम | रमः | " | २ | १४ |
| अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं |
| रङ्क्ष्यते | रङ्क्ष्यते | " | २ | २६ |
| रेटावहै | रेटावहै | ४७० | २ | ९ |
| वेणिष्यति | वेणिष्यति | ४७१ | १ | २२ |
| अचतताम् | अचतताम् | ४७२ | १ | १२ |
| अचततम् | अचततम् | ४७२ | १ | १३ |
| मोषाम | मोषाम | ४७३ | १ | १२ |
| अमोयि | अमोयि | ४७३ | १ | २० |
| चोदिष्ये | चोदिष्ये | ४७६ | २ | २६ |
| मालो- | मालो- | ४७७ | १ | २ |
| शाप- | शाप- | ४७७ | २ | ९ |
| अचायः | अचायः | ४८९ | १ | १४ |
| चाया- | चाया- | ४९० | २ | ९ |
| विभेषि | विभेषि | " | २ | १८ |
| अपविषम् | अपविषम् | ४९७ | १ | २० |
| तारः | तारः | ४९९ | १ | २७ |
| अपविष्य- | अपविष्य- | " | २ | २० |
| अच्छषन् | अच्छषन् | ५०२ | २ | २१ |
| अच्छषत् | अच्छषत् | " | २ | २२ |
| अच्छविष्टाः | अच्छविष्टाः | ५०३ | १ | १४ |
| अच्छविषाथाम् | अच्छविषाथाम् | | | |
| अच्छविद्भवम् | अच्छविद्भवम् | | | |
| भवम् | भवम् | | | |

| अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं | अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं |
|-------------|-------------------|-------|------|----|--------|-------------|-------|------|----|
| दसितासि | दासितासि | ५०६ | २ | २४ | अशुद्ध | शुद्ध | | | |
| तास्थि | तास्मि | " | २ | २५ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| अदासिष्यम | अदासिष्याम | ५०६ | २ | ३१ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| माम- | ममा- | ५०८ | १ | १९ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| जुगुहिषे | जुगुहिषे-जुबुक्षे | ५०९ | २ | २२ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| मलक्षया | मलक्ष्या- | ५१० | २ | १७ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| अणतम् | अणुतम् | ५११ | २ | २३ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| दिप्ता- | दीप्ता- | ५१३ | २ | २ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| लौटे | लौटे | " | २ | ५ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| मेदणम् | मेदणम् | ५१५ | १ | ११ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| जिमि- | जिमि- | " | १ | २ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| स्वेदेयामहि | स्वेदेयामहि | " | २ | ८ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| रूपा- | रूपा- | ५१७ | १ | २ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| अतोभत | अतोभत | ५१८ | २ | ११ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| अतोमन् | अतोमन्त | " | १ | " | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| अन्नभन्त | अन्नभन्तम् | " | २ | १२ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| अन्नभिष्वम् | अन्नभिष्वम् | " | २ | ३२ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| बभ्रदो | बभ्रदो | ५१९ | १ | २२ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| चकाराद्- | चकाराद्- | ५२० | १ | २ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| ध्व- | ध्व- | " | १ | १२ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| अध्वसेत | अध्वसेत | " | १ | १२ | अशुद्ध | अश्वसिष्वहि | | | |
| | अध्वसिष्वि | " | " | २० | अशुद्ध | अश्वसिष्वि | | | |

| अशुद्धि | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं | अशुद्धि | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं |
|---------------------------------|-------------|-------|------|----|------------------------------|------------------------------|-------|------|----|
| अशुद्धि | यज्ञ | ५४० | १ | ४ | अशुद्धि | ५५९ पत्रमां- १०२७ धातु पुरो | ५६१ | २ | ११ |
| उपगतुः | उपगतुः | ५४१ | १ | १८ | यथा पछी नीवेनो पाठ ओडवो | यथा पछी नीवेनो पाठ ओडवो | ५६२ | " | " |
| ५४३ पत्रमां पहेला कोलममां | | | | | १०२८ सने (सग) संवरणे | १०२८ सने (सग) संवरणे | ५६३ | १ | १९ |
| १४ मी लोदीमां जे अद्यतनीना | | | | | वगे १०२७ वट्टपाणि उयवपाठस्तु | वगे १०२७ वट्टपाणि उयवपाठस्तु | " | २ | १५ |
| अद्वयत् एवा रूपो छे ते खोटां छे | | | | | सिषगयिचति विसगजिबोति | सिषगयिचति विसगजिबोति | ५६५ | " | ३ |
| तेना बदले | | | | | पन्वविकलपार्थः | पन्वविकलपार्थः | ५६६ | " | १७ |
| अद्वत् | अद्वत्ताम् | | | | अलत् | अलत् | " | " | १८ |
| अद्वः | अद्वत्ताम् | | | | क्रिया | क्रिया | ५६७ | " | २० |
| अद्वम् | अद्वत्ताम् | | | | अफाणी | अफाणीः | ५६८ | " | १८ |
| उवाय | उवाय | ५४४ | १ | ३० | फण- | फण | ५६९ | " | २० |
| सत्पत | समुदपत | ५४७ | २ | ३ | वनथः | वनथः | " | " | २० |
| केऽप्य- | केऽप्य- | " | " | २४ | अकलथिषु | अकलथिषुः | ५६६ | " | १७ |
| पदार्थ- | पदार्थ | ५४९ | " | ३६ | अकलथी | अकलथीः | " | " | १८ |
| प्रत्ययार्थ | प्रत्ययार्थ | " | " | ३७ | चकल | चकल | ५६७ | " | २० |
| क्रन्दत | क्रन्देत | ५५१ | " | ६ | द्रूपाणि | द्रूपाणि | ५६८ | " | १८ |
| त्वरेऽवम् | त्वरेऽवम् | ५५३ | " | ११ | अलसि- | अलसि- | ५६९ | " | १८ |
| ध्वम् | ध्वम् | " | " | २४ | रास्यमि | रास्यमि | ५७० | " | २८ |
| कायार्थ | कायार्थ | ५५४ | २ | २६ | अदेथे | अदेथे | ५७१ | " | १ |
| त्रयादे- | त्रयादे- | " | " | २७ | अद्यम् | अद्यम् | ५७२ | " | १४ |
| ककिता | ककिता | ५५६ | १ | २३ | ईक(ई) इति | ईक(ई) इति | " | " | १ |
| अहगीत् | अहगीत् | ५५८ | २ | १५ | अतोषीत् | अतोषीत् | ५६० | " | १४ |
| हृगाणि | हृगाणि | ५५९ | १ | ११ | भृणु | भृणु | ५६२ | " | १ |

| अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं |
|-----------------------------|---------------|---------------|------|----|
| अखी | अखीः | ५८३ | २ | १२ |
| स्वपतात | स्वपितात | ५८५ | १ | ८ |
| स्वपिन्तु | स्वपन्तु | " | " | " |
| ५८८ पत्रमां पहेला कोलममां | | | | |
| २७ मी लाइनमां | | | | |
| चक्रासिष्यामि | चक्रासिष्यावः | चक्रासिष्यामः | | |
| शिष्यामम् | शिष्यासम् | ५८८ | २ | १८ |
| मुद्धौ | मुद्धौ | ५८९ | १ | २६ |
| मज्यात | मुज्यात | " | २ | १७ |
| स्याम | स्यामः | ५९० | " | ३१ |
| शिङ् शि | शीङ् शो | ५९३ | २ | ५ |
| न्वात् | न्वान् | ५९४ | १ | ६ |
| मिहे | विमहे | " | १ | २५ |
| विहे | विमहे | " | " | " |
| होष्या | होष्या | " | २ | ३ |
| पचावहे | पचावहे | ५९५ | " | १२ |
| पचामहे | पचामहे | " | " | " |
| पञ्च | पञ्च | ५९६ | १ | १ |
| निज् | निज्ज | ५९७ | २ | १ |
| बहि | पेवहि | ६९९ | १ | १४ |
| याथम् | यायाम् | ६०० | १ | ७ |
| अशासत | आशासत | " | २ | १४ |
| अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं |
| दूद्वम् | दूद्वम् | " | " | १८ |
| ६०० पानाना बीजा कोलममां | | | | |
| २१ मी लीटीयो परोक्षाना रूपो | | | | |
| नीचे प्रमाणे ज्ञाणवा | | | | |
| आशशासे | आशशासते | आशशासिरे | | |
| आशशान्निषे | आशशासाथे | आशशासिन्ने | | |
| अशशासे | आशशासिचहे | आशशासिमहे | | |
| और्ण | और्ण | ६०५ | २ | ३ |
| दुघात | दुघात | ६०९ | २ | ७ |
| हाते | दुदुहाते | " | " | १० |
| हुक् | हुक् | ६१२ | १ | २ |
| पिपत्तु | पिपत्तु | ६१४ | " | २ |
| अपाष्ट | अपाष्ट | " | " | १६ |
| इयहि | इयहि | ६१५ | " | ९ |
| जिह्वीष्य | जिह्वीष्व | " | " | १० |
| आमास्त | अमास्त | ६१६ | १ | १६ |
| दत्ताम् | दत्ताम् | ६१७ | " | ७ |
| विभृत | विभृतम्-विभृत | ६१८ | २ | ११ |
| बमृवहे | बमृवहे | ६१९ | १ | २० |
| अनक्ताम् | अनक्ताम् | " | २ | १८ |
| | नेनिजीयाः | ६२० | १ | ४ |
| | नेनिजीयाथाम् | | | |

॥ धातुरत्नाकरे शुद्धिपत्रकम् ।

(२७५५)

| अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं | अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं |
|----------------------------|--------------------------|------------|------|----|---------------|---------------|-------|------|----|
| अवेभ्याः | नेनिजीध्वम् | | | | पुथु | शुद्ध | ६३४ | १ | १ |
| ग्रहार्थ | अवेभ्यः | ६२१ | २ | ३१ | पुथु | पुथु | ६३४ | १ | २ |
| अरक्ष्यम् | ग्रहार्थतन्मतेन | ६२२ | १ | ३५ | तीम्न | तीम्न | ६३७ | " | " |
| तयास्तम् | अद्विध्यत | ६२३ | १ | ३० | अतीमिष्ट | अतीमिष्ट | " | २ | १५ |
| देधिषाम् | तूयास्तम् | ६२४ | २ | १५ | स्तिम्य | स्तिम्य | ६३८ | १ | ९ |
| जज्ञति | देधिष्टाम् | ६२६ | १ | ८ | अस्तीमिष्ट | अस्तीमिष्ट | " | २ | १५ |
| दिबुच्च | जज्ञति | ६२७ | १ | २ | उति- | उति- | ६३९ | १ | २ |
| अदेधिष्म | दिवृच्च | ६२८ | २ | ५ | मिथेव | मिथेव | " | २ | १७ |
| अथो | अदेधिष्म | " | " | ३ | अवेवि- | अवेवि- | " | " | २९ |
| इत्यर्थः | अथो | ६३० | " | १ | अभेवि | अभेवि | " | " | २९ |
| ६३१ पञ्चना बीजा कोलममां | इत्यर्थः | " | " | ३ | इषुः | इषुः | ६४१ | १ | १८ |
| ११ भी लाइनना हस्तनीना रूपो | ६३१ पञ्चना बीजा कोलममां | | | | कनस्याव | कनस्याव | ६४२ | १ | २६ |
| नीचे मुजब | नीचे मुजब | | | | अकन | अकन | ६४२ | १ | ३५ |
| अच्छयत | अच्छयताम् | अच्छयन | | | चिकलेदिय | चिकलेदिय | ६४७ | १ | १८ |
| अच्छयः | अच्छयतम् | अच्छयत | | | ° | ° | " | " | १९ |
| अच्छयम् | अच्छयाव | अच्छयाम | | | कलेवितारः | कलेवितारः | " | " | २३ |
| | तथा | | | | कलेतासि | कलेतासि | " | " | २७ |
| ३२ भी लाइनमां नीचे मुजब— | ३२ भी लाइनमां नीचे मुजब— | | | | ष्याम् | ष्याम् | ६४७ | २ | २ |
| अच्छास्यत | अच्छास्यताम् | अच्छास्यन | | | क्षुध्या- | क्षुध्या- | ६४८ | " | २१ |
| अच्छास्यः | अच्छास्यतम् | अच्छास्यत | | | क्षुध्यासुः | क्षुध्यासुः | " | " | २१ |
| अच्छास्यम् | अच्छास्याव | अच्छास्याम | | | क्षुध्याः | क्षुध्याः | " | " | २२ |
| | | | | | क्षुध्यास्तम् | क्षुध्यास्तम् | " | " | " |

| प | कोलम | पृष्ठ | अशुद्ध | अशुद्ध | प | कोलम | पृष्ठ | शुद्ध | शुद्ध | प | कोलम | पृष्ठ |
|-------------------------------|------|-------|-------------|-----------|----|------|-------|-----------|--------------|----|------|-------|
| १० | १ | ६५० | विधूच सिधू | अव्यन्त | १ | १ | ६५० | अव्यन्त | अशुद्ध | १० | १ | ६५० |
| १७ | १ | ६५१ | रधोच | ह्रस्व | ३२ | १ | ६५१ | ह्रस्व | ० | १७ | १ | ६५१ |
| १६ | २ | " | राद्धयोः | ह्रस्व | ३२ | १५ | " | ह्रस्व | ० | १६ | १ | ६५१ |
| ५ | ५ | ६५५ | ररन्ध | घृन्ते | ५ | ५ | ६५५ | घृन्ते | वृन्ते | ५ | ५ | ६५५ |
| २७ | १ | ६५८ | गुण्येयुः | वर्धति - | ३३ | ३३ | ६५८ | वर्धति - | अमंसत् | २७ | १ | ६५८ |
| १५ | २ | " | यतादि- | अमंसत् | " | " | " | अमंसत् | अन्य - | १५ | २ | " |
| ७ | २ | ६५८ | पठितेन | अजनिष्ट | ३० | ३० | ६५८ | अजनिष्ट | अजनि अजनिष्ट | ७ | १ | ६५८ |
| १५ | २ | ६५५ | अनभिष्यः | अदीपिष्ट | १ | १ | ६५५ | अदीपिष्ट | अदीपि | १५ | २ | ६५५ |
| १५ | २ | ६५६ | तुषच् | अदीपिष्ट | २२ | २२ | ६५६ | अदीपिष्ट | अदीपिष्ट | १५ | २ | ६५६ |
| १५ | २ | ६५६ | अरुषम् | अदीपो- | २२ | २२ | ६५६ | अदीपो- | अदीपो- | १५ | २ | ६५६ |
| ६७९ मां पानाना बीजा कोलमनी | | | | | | | | | | | | |
| छेल्ली लीटीमां आ पाठ जोडवो | | | | | | | | | | | | |
| अवसितं शमादीनां सप्तकमष्टकञ्च | | | | | | | | | | | | |
| दुदुहिव | ६८१ | १ | दुदुहिव | श्रूयत | ३ | ३ | ६८१ | श्रूयत | श्रूयत | ३ | ३ | ६८१ |
| स्नदारी | " | २ | स्नदारी | मह | १९ | १९ | " | मह | मह | १९ | १९ | " |
| अस्नोक्ष्य- | " | " | अस्नोक्ष्य- | येते | ३३ | ३३ | " | येते | येते | ३३ | ३३ | " |
| अपासिष्टाम् | ६८३ | " | अपासिष्टाम् | यन्ते | १० | १० | ६८३ | यन्ते | यन्ते | १० | १० | ६८३ |
| अवशिष्ट | ६८४ | १ | अवशिष्ट | अजय | १५ | १५ | ६८४ | अजय | अजय | १५ | १५ | ६८४ |
| अमदिष्व | " | २ | अमेदिष्व | अजरि | ३६ | ३६ | " | अजरि | अजरि | ३६ | ३६ | " |
| दृयामह | ६८६ | १ | दृयामह | रिताहे | ११ | ११ | ६८६ | रिताहे | रिताहे | ११ | ११ | ६८६ |
| व्रषी- | ६८९ | २ | व्रषी- | रितास्वहे | २१ | २१ | ६८९ | रितास्वहे | रितास्वहे | २१ | २१ | ६८९ |
| व्रषी- | " | " | व्रषी- | | २२ | २२ | " | | | २२ | २२ | " |

| अशुद्ध | शुद्ध | पत्र | कोलम | पं० | अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं० |
|------------------------------|-------------------|------|------|-----|-------------|-------------|-------|------|-----|
| तरिबो- | तरिबो | ७०२ | १ | २२ | शेतहे | शेतहे | ७१३ | २ | २६ |
| अतरि | अतरि | " | " | ३१ | तम् | तम् | " | २ | ३० |
| धूरादयो | धूरादयो | " | " | ३४ | मातास्य | मातास्वः | ७१४ | २ | २४ |
| क्षामहि | क्षामहि | ७०३ | २ | १६ | द्वयम् | द्वयम् | ७१६ | २ | २४ |
| वाशिष्येताम् | वाशिष्येते | ७०४ | २ | २८ | दन्तोऽनिदृ | दन्तोऽनिदृ | ७२१ | १ | २ |
| ७०६ पत्रमां गहेला कोलममां | | | | | दुनुयात | दुनुयात | ७२२ | १ | ६ |
| २० लीटीना परोक्षाना रूपो | | | | | पुणुयाम् | पुणुयाम् | " | २ | ८ |
| नीचे मुजव जाणवा | | | | | सधुयात | सधुयात | ७२५ | १ | ७ |
| शुशुबे शुशुबाते शुशुचिरे | | | | | दम्भुदृ | दम्भुदृ | ७२८ | १ | २ |
| शुशुचिरे शुशुबाये शुशुचिस्वे | | | | | दम्भोमि | दम्भोमि | ७२८ | १ | ५ |
| शुशुबे शुशुचिबहे शुशुचिमहे | | | | | अकृणिव- | अकृणिव- | ७२९ | २ | ३० |
| शेष | शेष | ७०८ | २ | १७ | घण्या- | घण्या- | ७२९ | २ | २४ |
| मये | मृध्या- | ७०९ | २ | ११ | हृद्वम् | हृद्वम् | ७३० | १ | १७ |
| मय्या | मृध्या- | " | " | १२ | वध्रजि | वध्रजि | ७३३ | १ | २० |
| व्यथः | मृगथः | ७०९ | २ | २ | " | " | | | |
| नक्ष | नक्ष | ७१० | १ | ११ | देक्षयति | देक्षयति | ७३४ | २ | २८ |
| सु याव | सुनुयाव | ७११ | १ | ९ | अदेक्षयत | अदेक्षयत | " | " | ३१ |
| असुनुय | असुनुयाः | ७१२ | १ | १० | अक्राक्षम् | अक्राक्षम् | ७३५ | २ | १७ |
| वद्वम् | दवम् | ७१३ | १ | १५ | अक्रास्व | अक्रास्व | " | " | " |
| वम् | द्वम् | " | " | " | अक्रास्म | अक्रास्म | " | " | " |
| स्वदवे | स्वियद्वे | ७१ | " | १८ | अक्रक्षयत | अक्रक्षयतम् | ७३६ | " | ३७ |
| अशोद्वद्वम् | अशोद्वद्वम्-द्वम् | ७१३ | २ | १६ | अविद्वद्वम् | अविद्वद्वम् | ७३९ | १ | १४ |

| अशुद्ध | शुद्ध | पत्र | कोलम | पं | अशुद्ध | शुद्ध | पत्र | कोलम | पं |
|------------|------------|------|------|----|--------------|--------------|------|------|----|
| हाप्ये | लोप्ये | ७४० | १ | २८ | शुर्वासुः | धुर्वासुः | १ | १ | ३१ |
| अलेख्यत् | अलेख्यत् | ७४० | २ | ३० | पपुः | पपुः | २ | २ | १७ |
| चकय | चकतिथ | ७४१ | २ | १९ | पोरितारः | पोरितारः | २ | २ | २३ |
| सुषविष | सुषविष | ७४५ | १ | २० | अमुरान् | अमुरान् | १ | १ | १३ |
| सुषविम | सुषविम | " | " | " | इल्ल | इल्ल | २ | २ | १ |
| मियन्वे | मियन्वे | " | २ | ४ | बेलि- | बेलि- | २ | २ | २८ |
| मियस्व | मियस्व | " | २ | १० | ररात् | ररात् | २ | २ | ५ |
| मयीमहि | मयीमहि | " | २ | २३ | आम्- | आम्- | १ | १ | १७ |
| करिता | करिता | ७४६ | १ | २५ | स्पद्धी- | स्पद्धी- | २ | २ | १ |
| लान्तः | लान्तः | ७४७ | २ | २ | अन्तुदन् | अन्तुदन् | १ | १ | १० |
| लि | लिलेख | " | " | १९ | अस्ताङ्क्षुः | अस्ताङ्क्षुः | २ | २ | १६ |
| आवत् | आर्जित | ७४९ | २ | ११ | तुतोड तुतुड | तुतोड तुतुड | १ | १ | १९ |
| ओष- | ओष- | ७५० | १ | १ | गुडिष्यति | गुडिष्यति | २ | २ | २६ |
| वृधन्तु | वृधन्तु | ७५० | १ | ८ | स्थुड | स्थुड | १ | १ | ९ |
| कृच्छितारः | कृच्छितारः | ७५० | २ | २६ | जुहुडतु | जुहुडतु | २ | २ | १७ |
| वक- | वक्रः | ७५१ | २ | १८ | डिपू | डिपू | १ | १ | २ |
| मळे- | भङ्गे- | ७५४ | २ | १ | सद्व | सद्व | २ | २ | १ |
| जुजोड | जुजोड | ७५७ | २ | १७ | कूडत् | कूडत् | २ | २ | २ |
| तणता- | तोणिता- | ७६० | २ | २५ | पृषीष्ठाः | पृषीष्ठाः | २ | २ | २३ |
| नासारो | नोसारो | ७६४ | २ | २५ | पृढत् | पृढत् | २ | २ | २ |
| चविधिव | विधिविध | ७६५ | २ | २३ | कूडत् | कूडत् | १ | १ | १ |
| चुरताय | चुरताय | ७७७ | १ | ९ | भव- | भव- | १ | १ | ५ |

॥ धातुरत्नाकरे शुद्धिपत्रकम् ॥

(२४६७)

| अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं | अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं |
|-------------------------------|--------------|-------|------|----|------------|------------|-------|------|----|
| अविजिह्वम् | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | १८ | पोवि- | पोवि- | ८८२ | १ | २७ |
| ८१५ मा पत्रना बीजा कोलममां | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | द सशुः | द सशुः | ८८३ | १ | १९ |
| छोलली लाइन पछी नीचेनो पाठ | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | वृणते | वृणते | ८८२ | २ | १ |
| जोडबो नञा निदिष्टस्यानि- | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | अपिचयतम् | अपिचयतम् | ८९० | २ | १२ |
| त्यक्वादिदि अस्वजिजब्द | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | या व | या व | ८९१ | २ | १५ |
| छुद्दुध्वम् | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | ध्यामः | ध्यामः | ८९१ | २ | ३१ |
| अतदिष्टाः | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | भ्याण | भ्याण | ९१० | १ | १० |
| तञ्चू | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | प्रवण्टतम् | प्रवण्टतम् | ९१० | १ | १५ |
| भञ्ज | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | श्रुः | श्रुः | ९१० | १ | १५ |
| अज्यसुः | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | ओल० | ओल० | ९१३ | २ | १७ |
| ८३० मा पानामां बीजा | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | याम्बभूव | याम्बभूव | " | " | २० |
| कोलममां २९ मी लीटी पछी | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | पीड | पीड | ९१४ | १ | ३२ |
| कत्स्यति कत्स्यतेः कत्स्यन्ति | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | खण्ड | खण्ड | ९१६ | २ | २० |
| कत्स्यसि कत्स्ययः कत्स्यथ | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | मुस्त | मुस्त | ९२५ | २ | ४ |
| कत्स्यमि कत्स्ययः कत्स्ययिः | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | कीर्त्त- | कीर्त्त- | ९२६ | १ | ३२ |
| क्षणुवहे क्षणुमहे | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | श्रुतः | श्रुतः | ९२७ | १ | १८ |
| अथनीयाम मथनीयाम | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | पन्थ्यासुः | पन्थ्यासुः | ९२७ | १ | २२ |
| इय सुः | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | श्रुः | श्रुः | ९२७ | २ | १८ |
| णान्ति | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | इयतः | इयतः | ९२८ | २ | २७ |
| वविष्य- | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | श्रुः | श्रुः | ९३२ | २ | १७ |
| प्लोवि | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | गर्ध | गर्ध | " | २ | १८ |
| | लज्जिषीष्टाः | ८१४ | २ | २२ | तारः | तारः | ९३२ | २ | ३४ |

| अशुद्ध | शुद्ध | पत्र | कोलम | पं | अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं |
|------------|------------|------|------|----|-----------------|-----------------|-------|------|----|
| दिभण् | दिभण् | १४१ | १ | १ | इत्यर्थ | इत्यर्थ | १७९ | १ | २३ |
| अम्ब | लुम्ब | १४२ | २ | ३ | शब्द- | शब्द- | १८१ | २ | ११ |
| पूर्व | पूर्व | १४३ | " | १ | अपूरयत् | अपूरयन् | " | १ | २२ |
| पूर्व्याणि | पूर्व्याणि | " | " | १० | चक्रो | चक्रः | १८४ | १ | १८ |
| चक्रः | चक्रः | १४६ | १ | १७ | अक्षय | अक्षय | १८६ | १ | १८ |
| क्षालयानि | क्षालयानि | १४७ | २ | ११ | भञ्जा- | भञ्जया | १९७ | १ | ११ |
| बोल्या- | बोल्या- | १५० | " | २३ | अलोडयन्तु | अलोडयन् | १९७ | २ | ११ |
| बोलयि | बोलयि | " | " | २५ | कुशण् | कुशण् | १९७ | १ | ११ |
| प्रलेषयानि | प्रलेषयानि | १५५ | " | ११ | पिस्तन् | पिस्तन् | १९७ | १ | ११ |
| रोष | रोष | १५६ | " | ७ | त्रोट्यते | त्रोट्यते | १९७ | २ | ११ |
| अथो- | अथो- | १५५ | १ | १ | शामयेथाः | शामयेथाः | १९७ | १ | ११ |
| चक्रु | चक्रु | " | " | १८ | दशयसे | दशयसे | १९७ | २ | ११ |
| " | " | " | २ | १९ | अदंसे | अदंसे | १९७ | १ | ११ |
| प्राप्तौ | प्राप्तौ | " | " | ३५ | अदंसावहि | अदंसावहि | १९७ | १ | ११ |
| आश्चयाम | आश्चयाम | १६९ | २ | १४ | अदंसावहि | अदंसावहि | १९७ | १ | ११ |
| यितारः | यितारः | १७२ | १ | २४ | अदंसावहि | अदंसावहि | १९७ | १ | ११ |
| अततर्हत् | अततर्हत् | १७४ | २ | १६ | इत्यात्मनेभाषाः | इत्यात्मनेभाषाः | १९७ | १ | ११ |
| अततर्हताम् | अततर्हताम् | " | " | " | शार्यासुः | शार्यासुः | १९७ | १ | ११ |
| अततर्हन् | अततर्हन् | " | " | " | चक्रुः | चक्रुः | १९७ | १ | ११ |
| काणामि | काणामि | १७५ | १ | ५ | वासण् | वासण् | १९७ | १ | ११ |
| कणाप | कणाप | १७५ | १ | १७ | अयोजि- | अयोजि- | १९७ | १ | ११ |
| चायं शब्द | चायं शब्द | १७६ | १ | ३ | १०८० मा पानाना | १०८० मा पानाना | १९७ | १ | ११ |
| | | | | | १५ मी लाइनना | १५ मी लाइनना | १९७ | १ | ११ |

| अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं |
|--------------------------------|------------|-----------|------|----|
| नीचे प्रमाणे छे | | | | |
| अलीलिनत | अलीलिनताम् | अलीलिनन् | | |
| अलीलिनः | अलीलिनतम् | अलीलिनत | | |
| अलीलिनम् | अलीलिनान् | अलीलिनान् | | |
| लघास्व | छद्यास्व | ११०४ | २ | २२ |
| यितार | यितारः | ११०५ | १ | २३ |
| आस द | आससद् | " | २ | १९ |
| यितसि | यितासि | ११०६ | १ | २६ |
| अच्छदि- | अच्छदिं | " | २ | २९ |
| एय म | एयाम | १११७ | " | ३१ |
| | द्वम | ११२५ | ५ | ५८ |
| | " | " | " | २१ |
| ११२६ मां पानामां बीजा कोलममां | | | | |
| १८ मी लाइनमां अस्तभत अस्तभताम् | | | | |
| अस्तभन इत्यादि आ रूपो जोडवा, | | | | |
| स्त भुन्यु | भुन्युः | ११२७ | १ | ९ |
| वलग | वल्लग | ११३३ | १ | १७ |
| तमि | तसि | " | २ | २५ |
| भा | भावे | ११३५ | " | ३६ |
| कृषुभ्यानि | कृषुभ्याणि | ११४८ | १ | १० |
| दुखा | दुःखा- | ११४९ | " | १८ |
| खाक्ष- | दुःखाक्ष | " | " | १९ |

| अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं | अशुद्ध | शुद्ध | पृष्ठ | कोलम | पं |
|----------|---------------|-------|------|----|------------|------------|--------|------|----|
| रुही | रिही | ११६४ | १३ | १० | रुद्धो | रुद्धो | " | १० | १० |
| रुद्ध | रुद्ध | ११६७ | १६ | १७ | मन्नात | मन्नात | " | १७ | १७ |
| दिवागणो | दिवागणिगो | ११६८ | ८ | ५ | सप | सप | " ११७७ | ५ | ५ |
| ठद्य- | ठद्य- | " | १३ | १५ | वत | वत | " | १५ | १५ |
| द्वितो | द्वितो | " | १३ | १५ | उक्ताति- | उक्ताति- | " | १५ | १५ |
| अद्यत्त | अद्यत्त | ११७० | १९ | १८ | प्रकर्षे | प्रकर्षे | ११७८ | १८ | १८ |
| अन्येव | अन्येव | " | २१ | १९ | वर्णो | वर्णो | " | १९ | १९ |
| ध्वान्त- | ध्वान्त- | ११७१ | १५ | १५ | संज्ञा | संज्ञा | ११७९ | १५ | १५ |
| वतकतोनां | वतकतवतुक्तीना | " | १६ | १६ | भागा | भागा | ११८१ | १६ | १६ |
| लूतिः | लूतिः | " | १७ | १७ | सध्या- | सध्या- | ११८२ | १७ | १७ |
| गण- | गण- | " | १७ | १७ | रक्षण- | रक्षण- | " | १७ | १७ |
| न्याय- | न्याय- | " | १८ | १८ | लाघण्यविजय | लाघण्यविजय | ११८३ | १८ | १८ |
| अकुटीत | अकुटीत | " | २० | २० | मुख्य | मुख्य | " | २० | २० |
| कान्वा- | कान्वा- | ११७२ | ७ | १७ | धातु | धातु | " | २० | २० |
| पठ्ठा | उष्ठा | " | ११ | ११ | पूर्व्या | पूर्व्या | ११८४ | २० | २० |
| बह | बह | ११७४ | २ | २ | | | " | २ | २ |

छन्दस्येषु सदा स्वलद्वगतिरित्या दोषप्रबन्धान्वये, नो हास्यास्पदमत्र दोषघटनायां स्यामहं धोमनाम् ।
 नो प्राश्याः कृतिनो निसर्गगिरिमावासा मया शोधने, तेषां दोषगणमार्जनविधिस्वाभाविकोऽयं यतः ॥ १ ॥
 गच्छतः स्वलनं वदापि, भवत्येव प्रमादतः । हसन्ति दुर्जनास्मत्र, समादधति सज्जनाः ॥ २ ॥

REPRODUCTION OF EARLIER EDITION OF
DHĀTURATNĀKARA

DHĀTURATNĀKARA

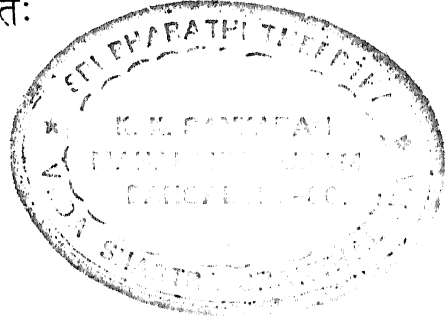
धातुरत्नाकरः

BY

MUNI LĀVAṆYA VIJAYA SŪRI
मुनिलावण्यविजय सूरिविनिर्मितः

Vol. II
NIJANTA

द्वितीयो भागः
णिजन्त प्रक्रिया



NAVRANG • नवरंग
1992

This publication has been brought out with financial assistance from Government of India, Ministry of Human Resources Development.

If any defect is found in this book, please return the copy by V.P.P. to the Publisher for exchange free of cost of postage.

DHĀTURATNĀKARA, VOL II

First Published 1867 Saka

Reprint 1992

Rs. 820 per set of Vols. 1-7

Published by:
Mrs Nirmal Singal, for
NAVRANG Booksellers & Publishers
RB-7, Inder Puri, New Delhi - 12
Phone: 5722197, 589914

Printed by :
Diamond Printers,
B-74, Phase II, Naraina Industrial Area,
New Delhi - 28

श्रीविजयनेमिसूरिग्रन्थमाला. (ग्रन्थरत्न-२०)

॥ श्रीमज्जिनपुङ्गवेभ्यो नमः ॥

सकलस्वपरसमयपारावारपारीण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-तपो-
गच्छाधिपति-भट्टारकाचार्यवर्य-जगद्गुरुश्रीमद्विजयनेमिसूरि-
भगवद्भ्यो नमः ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-कोविदकु-
लालङ्कार-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराज-विजयनेमिसूरीश्वर-
चरणारविन्दचञ्चरीकायमाणान्तिपन्मुनि-
लावण्यविजयप्रणीतो

॥ धातुरत्नाकरः ॥

॥ तस्य चायं द्वितीयो भागः ॥

स च

मरुदेशान्तरगत जोराख्यप्रान्त वास्तव्यश्रेष्ठिवर्याणां द्रव्यसाहाय्येन राजनगर
जैनग्रन्थप्रकाशक सभायाः कार्यवाहकेन वाडीलाल बापुलाल
शाह इत्यनेन प्राकाश्यं नीतः ।

प्रत १०००]

[प्रथमावृत्तिः

॥ खास सूचना ॥

આ “ધાતુરત્નાકર” દ્વિતીય ભાગમાં તમામ ધાતુઓના ણિગન્તપ્રક્રિયાના સવિસ્તર રૂપો આપવામાં આવ્યા છે, ધાતુના રૂપો જલ્દી મઢી આવે તે માટે ધાતુઓનો અકારાદિ અનુક્રમ ટાસ શરૂઆતમાં જ જોડવામાં આવ્યો છે.

દૃષ્ટિદોષ અને પ્રેસદોષથી રહેલી અશુદ્ધિ માટે ટાસ શુદ્ધિપત્રક ગ્રન્થના અન્તભાગમાં જોડ્યું છે, અશુદ્ધિ જણાય ત્યાં ટાસ જોવાની ભલામણ છે.

લી૦ વ્યવસ્થાપક.

सर्वतन्त्रस्वतंत्र-शासनसम्राट्-सूरिचक्रचक्रवर्ति-जगद्गुरु-

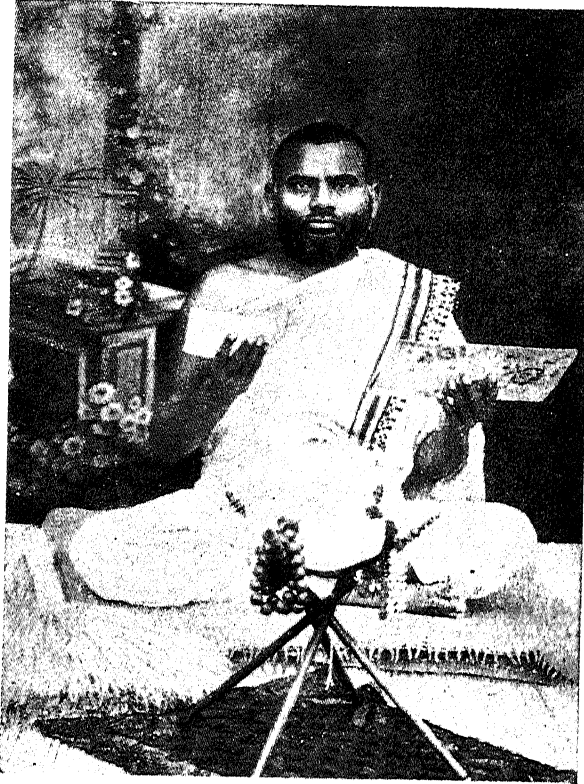
तपोगच्छाधिपति-भट्टारक

आचार्य श्रीविजयनेमिसूरीश्वरः

जन्म सं. १९२९
कार्तिक शु. १

दीक्षा सं. १९४५
ज्येष्ठ शु. ७

गणपद सं. १९६०
कार्तिक कृष्ण ७



सूरिपद सं. १९६४
ज्येष्ठ शु. ५

पन्न्यासपद सं. १९६०
मागशर शु. ३

धर्मः प्रापि मया यतः शिवफलः कल्पद्रुतुल्योऽनघो
यन्नामस्मृतिरेव मङ्गलकरी सर्वाघसंहारिणी ।
श्रीतीर्थङ्करशासनैकरसिकः सद्ब्रह्मसौभाग्यभृत्
सोऽयं श्रीगुरुनेमिसूरिभगवान् बोधं विधत्तां मम ॥१॥

सर्वतन्त्र-शासनसम्राट्-तपोगच्छाधिपति
आचार्य महाराज श्री विजयनेमिसूरि-विनेयरत्न-



मुनिश्री लावण्यविजयः

तिलकमंजरीनी परागनाम्नी टीका अने धातुरत्नाकर विगेरे ग्रन्थना प्रणेता

जन्म सं. १९५३.

दीक्षा सं. १९७२ अषाढ सुद ५.

॥ श्रीमज्जिनपुद्गवेभ्यो नमः ॥

सकलस्वपरसमयपारावारपारीण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-तपोग-
च्छाधिपतिभट्टारकाचार्य-जगद्गुरुश्रीमद्विजयनेमिसूरिश्वरचरणारविन्दचञ्चरी-
कायमाणान्तिपन्मुनिलावण्यविजयप्रणीतो.

श्रीमत्तपोगगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-कोविदकुलालङ्कार-
अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणारविन्दचञ्चरी-
कायमाणान्तिपन्मुनिलावण्यविजयप्रणीतो.



नत्वा श्रीनेमिनामान-माजन्मब्रह्मचारिणम्,
तीर्थनाथं गुरुं चैव भारतीं जिनभाषिताम् ॥ १ ॥

धातुरत्नाकरस्याहं लावण्यविजयो मुनिः,
भागं द्वितीयमातन्वे बालानां सुखहेतवे ॥ २ ॥

पूर्वं पदस्य साक्षात्प्रकृतिरुदाहृतो गणाष्टकं यावत्तदनु नवमे मि-
श्रितः । केवलपरम्पराप्रकृतिस्त्वधुनोदाह्रियते । प्रयोक्तृव्यापारे णिङ् ।
कर्त्तारं यः प्रयुङ्क्ते स प्रयोक्ता तद्व्यापारेऽभिधेये धातोर्णिङ् वा भवति ।
व्यापारश्च प्रेषणाध्येनानिमित्तभावाख्यानाभिनयज्ञानप्राप्तिभेदैरनेकधा ।
तत्र तिरस्कारपूर्वको व्यापारः प्रेषणम् । सत्कारपूर्वकस्त्वध्येषणम् ।
भवन्तं प्रयुङ्क्ते भावयति भावयते । कुर्वन्तं प्रयुङ्क्ते कारयति

कारयते । अत्र प्रेषणेनाध्येषणेन वा यथासम्भवं प्रयोक्तृत्वम् । वास-
यति भिक्षा । अत्र निमित्तभावेन । राजानमागच्छन्तं प्रयुङ्क्ते रा-
जानमागमयति । अत्राख्यानेन । आख्यानेनहि बुद्धयारूढा राजादयः
प्रयुक्ताः प्रतीयन्ते । कंसं घ्नन्तं प्रयुङ्क्ते कंसं घातयति नटः । अत्रा-
भिनयनेन । पुष्येण युञ्जन्तं प्रयुङ्क्ते पुष्येण योजयति चन्द्रम् । अत्र
कालज्ञानेन । उज्जयिन्याः प्रदोषे प्रस्थितो माहिष्मत्यां सूर्यमुद्गच्छन्तं प्र-
युङ्क्ते माहिष्मत्यां सूर्यमुद्गमयति । अत्र प्राप्त्या । ननु कर्त्ताऽपि कर-
णादीनां प्रयोजक इति तद्व्यापारेऽपि णिगस्त्विति चेन्न प्रयोक्तृग्रह-
णसामर्थ्यात्तथाक्रियां कुर्वन्नेव कर्त्ताऽभिधीयते तेन तूष्णीमासीने
प्रयोज्ये मा पृच्छतु भवान् अनुयुङ्क्तां मां भवानित्यत्र णिग न । पञ्च-
म्या बाधितत्वाद्वा । बाधिकार आबहुलवचनात्पक्षे वाक्यार्थः । णिगि
भवन्तं प्रयुङ्क्ते भावयति करोतीत्यर्थः ।

यदाहुः—नित्यं न भवनं यस्य यस्य वा नित्यभूतता ।

न तस्य क्रियमाणत्वं खपुष्पाकाशयोरिव ॥ १ ॥

तेन भूतिषु कर्तृत्वं प्रतिपन्नस्य वस्तुनः ।

प्रयोजकक्रियामाहुर्भावनां भावनाविदः ॥ २ ॥

इति । भावयेज्ज्योतिरान्तरमित्यनेकार्थत्वाद् ध्यायेदित्यर्थः ।

प्रयुङ्क्ते इति प्रयोक्ता प्रयोजकः, प्रयुज्यमानश्च क्रियाया योग्यो निर्वर्तको
वा स च कर्तृत्वं नातिक्रामतीति सामर्थ्यात्कर्तृव्यापारयिता प्रयोक्तेत्याह—कर्त्तार-
मित्यादि । इदमिदानीं विचार्यते किं प्रयोक्तृव्यापारग्रहणं प्रकृत्यर्थस्य विशेषणं
प्रयोक्तृव्यापारविशिष्टेऽर्थे यो धातुर्वर्त्तते तस्मात्तद्व्योतको भवतीति, आहोस्वित्प्र-
त्ययस्य विशेषणं प्रयोक्तृव्यापारेऽभिधेय इति । अन्वयव्यतिरेकाभ्यां हि शास्त्रे
प्रकृतिप्रत्यययोरर्थनिर्णयः, तौ चात्राव्यवस्थितौ, क्वचिद् णिगभावे प्रेषणादिप्रयोक्तृ-

व्यापारो गम्यते यथा पञ्चभिर्हलैः कृषतीति क्वचिद् णिग्युत्पन्ने प्रेषणादेः प्रति-
 पत्तिः । यथा पाचयतीत्यतो यः संशयीत प्रकृत्यर्थविशेषणप्रत्ययार्थौ प्रति तस्य
 सन्देहापनोदार्थमाह—तद्व्यापारेऽभिधेय इति । प्रकृत्यर्थविशेषणे हि प्रयोज्यप्रयो-
 जकयोर्व्यापारौ तुल्यकक्षतया धातुनाभिधीयेते—इति धातुवाच्यव्यापारसाम्यात्क-
 र्त्रोरपि साम्यमिति द्वयोरपि तयोस्तिवादिनाभिधानं स्यादतश्च पाचयत्योदनं चैत्रेण
 मैत्र इति प्रयोक्तव्ये पाचयतश्चैत्रमैत्राविति स्यात् । णिक्प्रत्ययस्तु स्वार्थिकः स्वा-
 र्थिकाश्च द्विप्रकारा भवन्ति केचित्प्रकृत्यर्थविशेषकाः केचिन्निरर्थकास्तद्यथा शुक्ल-
 तर इति प्रकृत्यर्थमेव सातिशयं तरप् प्रकाशयति, यावक इति त्वनर्थको यावशब्देनैव
 स्वार्थस्य निर्भरमुक्तत्वाद् यावकशब्दस्तु कविभिः प्रयुक्त इत्यस्य व्युत्पत्तिरारभ्यते
 तथैवायं प्रयोक्तृव्यापारविशिष्टधात्वर्थं विधीयमानोऽनर्थक एव । प्रत्ययार्थविशेषण-
 पक्षे तु प्रेषणादेः प्रयोक्तृव्यापारस्य प्राधान्यात्तत्कर्तुरेवाभिधानं न्याय्यम् ।
 इह च गमितो ग्रामं चैत्रो मैत्रेणेति गमिवाच्यस्यैवार्थस्य णिगन्तेन प्रती-
 तिर्नाधिकस्येति गत्यर्थकर्मकेति कर्त्तरि क्तः स्यात् प्रयोजकव्यापारस्य गमिवाच्य-
 त्वात् तस्य, प्रयोजके कर्त्तरि क्तः स्यात् प्रयोज्यस्य तु कर्मत्वात् । तत्रैव च क्त
 इष्यते । तदुक्तम्, अप्रधाने दुहादीनां ण्यन्ते कर्त्तुश्च कर्मणः ॥ इह च व्यतिहिंस-
 यन्त इति हिंसार्थस्यानतिरेकात् क्रियाव्यतिहार इत्यगतिहिंसेति प्रतिषेधः स्यात् ।
 प्रत्यर्थे तु प्रेषणादिरधिकोऽर्थ उपजायत इति नायं दोषः । तदैवं तत्र णिपक्षे पाच-
 यत्योदनं चैत्रेण मैत्र इति प्रयोज्ये कर्त्तरि कर्मसंज्ञा स्यात् णिगर्थस्य प्राधान्यात् तद्
 व्यापारेण व्याप्यत्वात् तथा ग्रामं गमयति ग्रामाय गमयतीतिगत्यर्थस्य व्यतिरिक्त-
 स्याप्राधान्याद् गतेनवानाम् इति द्वितीयाचतुर्थ्यौ न स्यताम् । तथा एघोदकस्यो-
 पस्कारयतीति करोत्यर्थस्य व्यतिरिक्तत्वात् “ कृगः प्रतियत्न ” इति षष्ठी न स्यात्
 एवमभिषावयति परिषावयतीति क्रियान्तरयोगादभ्यादीनां सुनीतिं प्रत्यनुप-
 सर्गत्वात् षत्वं न स्यात्, । नैष दोषः । गम्यादयस्तावदन्तर्भूतग्रामादिसम्बद्धा
 एव प्रेषणेन सम्बध्यन्त इति तत्काल एवान्तरङ्गत्वाद् द्वितीयादिकार्योपपत्तिः ।
 यच्च प्रोक्तं प्रयोज्यकर्त्तरि कर्मसंज्ञेति तन्न वाच्यम्, “ गतिबोधे ” ति नियमार्थ-

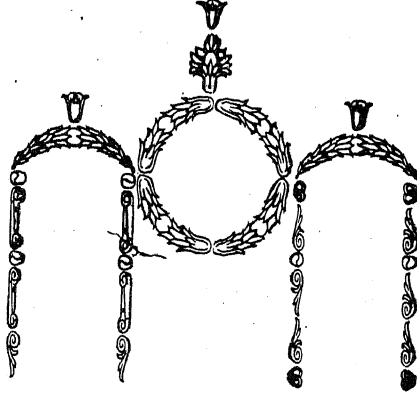
त्वादेतेषामेव ध्यन्तानां कर्त्ता कर्मसंज्ञो भवति नान्येषाम् । प्रकृत्यर्थविशिष्टो हि प्रेषणादिर्णिगाभिधीयते तत्र धातुवाच्येऽर्थे प्रयोज्यः स्वतन्त्रः प्रेषणादिना आप्यमानस्तु कर्मसंज्ञाविषयतामापद्यते, तत्र किं धात्वर्थनिमित्तस्वातन्त्र्यसमाश्रयेण कर्तृसंज्ञास्ति उत प्रेषणादिना आप्यमानत्वात्कर्मसंज्ञेति विचारणायां प्रयोज्यव्यापारस्याप्राधान्यात् प्रधाने संस्कारप्रयोजके सम्भवति गुणः स्वसंस्कारं न प्रयुङ्क्त इति प्रधानकर्मसंज्ञानिमित्तस्य कार्यस्य युक्तत्वान्नियमेन तु प्रधानप्रयुक्तकार्यव्यावृत्तौ गुणनिमित्तकार्यसद्भावात्कर्तृसंज्ञैवाप्रतिपक्षस्वसंस्कारप्रयोजिकेति । किञ्चान्वयव्यतिरेकाभ्यां भूयोविषयाभ्यां प्रत्ययार्थविशेषणपक्षस्योपपन्नत्वम्, गम्यते हि व्यतिरिक्तमर्थान्तरं पचति पाचयतीति च । व्यापारश्चेत्यादिना व्यापारभेदानाह—तत्रेति, तेषु व्यापारभेदेषु प्रेरणादिष्वित्यर्थः । कुर्वन्तमित्यादिना कारयतीत्यादौ विग्रहं दर्शयति, अन्ये तु कुर्वन्तमन्योऽनुयुङ्क्ते कुर्विति विगृह्णन्ति, तत्केचिन्न क्षमन्ते, यतः प्रवृत्तक्रियस्य सम्भावितक्रियस्य वा नियोगे णिग्विधीयते पञ्चमी तु द्रव्यमात्रस्य आक्रम्य क्रियायां विनियुज्यमानस्य । तदुक्तं हरिणा—द्रव्यमात्रस्य तु प्रैवे प्रच्छादेर्लोङ् विधीयते । सक्रियस्य प्रयोगस्तु यदा स विषयो णिगः ॥ १ ॥ युक्तश्चैवं स्वतन्त्रस्य प्रयोजको भवति स्वातन्त्र्यश्चैतस्य प्रवृत्तक्रियत्वेन सम्भावितक्रियत्वेन वा यावन्नावगतं तावत्कथं तत्प्रयोजकं स्यात् तद्व्यापारे च कथं णिगुत्पद्येत पञ्चमी त्वाधीयमानकर्मकर्तृभावे द्रव्ये नियुज्यमानेऽतश्च पञ्चमीविषयस्य नियोगस्य णिग्विषयस्य भेदात् पञ्चम्या णिगोऽर्थदर्शनं न न्याय्यम् । किञ्चास्मादपि कारणादनयोर्नियोगयोर्भेदः । पञ्चमीविषयो हि नियोगः प्रयोक्तृधर्मः णिग्विषयस्तु, नियोगः क्वचित्प्रयोक्तृधर्मः क्वचिदभिधेयधर्मः कारयति कारयतीति । अन्ये तु भेदमपरामृश्योभावपि नियोगविषयाविति पञ्चम्या णिगोऽर्थं दर्शयन्ति तच्च न वाक्यस्य सर्वत्राभिन्नार्थत्वाद् यथा पचतीति पाचकः पचतीतिक्रिया प्रधानं पाचक इति द्रव्यप्रधानम् । तस्मादिदमत्र वक्तव्यं करोति कश्चित् कुर्वन्तमन्यः प्रयुङ्क्त इत्येतावतैव लघुना णिगर्थे प्रदर्शिते कैमर्थक्येन गुरुपञ्चम्याधिकं वाक्यं प्रदर्शयत इति । अनयोरुदाहरणयोरत्रेत्यादिना यथा यथा प्रयोक्तृत्वं तथा दर्शयति । वासय-

तीति भिक्षेति क्तेट इत्यदन्तः । अध्यापयतीति । अधि पूर्वादिङो णिगि “ णो क्रीजीङ् ” इत्यात्वम् । अर्त्तीति पोऽन्तः । अनयोः प्रयोक्तृत्वमाह—अत्र निमित्तभावेनेति, तत्र निमित्तभावः प्रयोज्यसम्पाद्यस्य व्यापारस्यातुच्छलानां वस्तूनां सम्पादनं तच्चाचेतनेनापि भिक्षादिना सम्पाद्यमानं दृश्यते भिक्षा हि प्रचुरा व्यञ्जनवती लभ्यमाना वासस्यातुलानि तृप्त्यादीनि सम्पादयन्ती निमित्तभावात् प्रयोक्तृत्वमापद्यते । तथा कारीषोऽपि एकान्ते निर्वातप्रज्वलितोऽध्ययनस्य विरोधकं शीतं निवारयन् सुखस्पर्शश्च सम्पादयंस्तथैव प्रयोजको भवति । नहि अवश्यं स एव वासं प्रयोजयति य आहोष्यतामिति किन्तु तूष्णीमप्यासीनो यस्तदतुच्छलेषु निमित्तत्वमुपयाति सोऽपि वासं प्रयोजयति । ननु किं भो वर्त्तमानकालाया एव क्रियायाः कर्त्रा भवितव्यं न भूतभविष्यत्कालायाः । नैव दोषः भूतभविष्यत्कालायामपि अभिसम्बन्धात्कर्त्रा भवितव्यम् । भूताया भविष्यन्त्याश्च क्रियायाः कर्त्रे अभिसम्बन्धो भूतो भावी च प्रतिपाद्यत इमां क्रियामकार्षीत् करिष्यतीति । राजानमागच्छन्तं प्रयुङ्क्ते राजानमागमयतीति । अथात्र राजागमनस्यान्यतो निमित्ताद्वावादाख्यातुरप्रयोजकत्वाद् णिग्नं प्राप्नोतीति तत्र णिग्वक्तव्यः । तथा यदारण्यस्थो रममाणान् मृगान् प्रतिपाद्यमाचष्टे । एतस्मिन्नवकाश एव मृगा रमन्त इति तदास्य प्रतिपाद्यदर्शनार्था प्रवृत्तिर्भवति तस्याश्च णिग् वक्तव्यः । यदा तु ग्रामे मृगरमणमाचष्टे तदा न भवति ग्रामे मृगाणामसम्भवान्न तद्दर्शनार्था प्रवृत्तिः । मृगरमणादिविषयमेवैतद् द्रष्टव्यम् । राजागमनादिषु तु दृश्यर्थप्रवृत्त्यभावेऽपि णिग् भवति । तथा रात्रिं विवासयतीति यावद्वात्रेर्विवासोऽतिक्रमणं तावत्कथयतीति कालात्यन्तसंयोगेऽपि वक्तव्यः । आख्यातुरपि प्रयोक्तृत्वात् सामान्यलक्षणेनैव सिद्धत्वादित्याह—अत्राख्यानेनेति प्रयोक्तृत्वमिति शेषः । तदेव प्रयोक्तृत्वं दर्शयति—आख्यानेन हीत्यादि बुद्धिषु श्रोतॄणां चित्तेषु रूढाः सत्तामापन्नाः प्रयुक्ताः प्रवर्तिताः प्रतीयन्ते । राजादीनां ह्युभयत्र भावो बहिरन्तश्च तत्राख्यात्रा बहिर्भावस्य कर्तुमशक्यत्वेऽपि अन्तर्भावस्य सुशक्यत्वाद् बहिर्प्रयोगाभावेऽपि अन्तःप्रयोगात्प्रयोक्तृत्वमिति । अयमर्थः । यो न्याय्यो मुक्तसंशयः पाचयत्योदनं चैत्रो मैत्रेणेति स यथा तां क्रियां कुर्वन् प्रयोक्तृत्वेन प्रतीयमानः प्रयोक्तेति गृह्यते तथा मुक्तसंशयप्रयोजकत्वात्कथकोऽपि कथां कथयन् प्रयोक्तृत्वेन परेषां प्रतीतिमुत्पादयन् युक्तः प्रयोक्तेति प्रहीतुमिति । एवं कंसं घ्नन्तं प्रयुङ्क्ते कंसं घातयतोत्यभिनयादिना नटादेः प्रयोक्तृत्वाविरोधः । यत्र शब्दप्रतिपाद्योऽर्थस्तत्रापि प्रयोक्तृत्वमस्त्ययं नटः कौशलात्तथा

सरसमभिनयति येन कंसदधाय बलिबन्धनाय वा प्रवृत्तमेव नारायणं प्रयुङ्क्त इति परेषां प्रतीतिर्भवतीति. नन्वस्य स्वतन्त्रस्य प्रयोजकः प्रयोक्ता भवति तत्कथं माहिष्मत्यां सूर्यमुद्गमयतीत्यत्र णिग् । नह्यसौ सूर्यं प्रयोजयतीति उच्यते । यं हि भवान् स्वतन्त्रस्य प्रयोजकं मुक्तसंशयं मन्यते । पाचयत्योदनं चैत्रो मैत्रेणेत्येतदपि एतेन तुल्यम् । मैत्रे सूर्यं चोभयत्रापि किञ्चिदनपेक्षयैव प्रवृत्तेर्भावात् । नेह कश्चित् परोऽनुग्रहीतव्य इति प्रवर्तते सर्व इमे स्वभृत्यर्थं प्रवर्तन्ते येऽपि गुरुभूषणस्तेऽपि स्वभृत्यर्थं प्रवर्तन्ते पारलौकिकश्च नो भविष्यति इह च नः प्रीतो गुरु-रध्यापयिष्यतीति ये चाप्येते कर्मकरा नाम तेऽपि स्वभृत्यर्थमेव प्रवर्तन्ते भक्तं चेलश्च लप्स्यामहे परिभवाश्च दण्डादिका न नो भविष्यन्ति । तथा येऽपि शिल्पिनो नाम तेऽपि स्वभृत्यर्थं प्रवर्तन्ते वेतनं लप्स्यामहे मित्राणि नो भविष्यन्तीति । एवमेतेषु स्वभृत्यर्थं प्रवर्तमानेषु यदि कश्चित्कुर्वतः प्रयोजको भवति तेनैतदपि तुल्यम् । यद्येवं कः प्रयोज्यार्थः, अत्र भाष्यम्, यदभिप्रायेषु स-ज्जन्त इति ईदृशौ बध्न्यौ कुरु ईदृशौ पुटकौ कुर्विति सूर्यश्चाप्यस्याभिप्राये स-ज्जति । एष तस्याभिप्रायः शकुनाय सूर्योद्गमनं सम्भावयन्तं वास्याभिप्रायं निर्व-र्त्तयति । तदुक्तं हरिणा—“ निमित्तेभ्यः प्रवर्तन्ते सर्व एव स्वभृतयः । अभिप्राया-नुरोधोऽपि स्वार्थस्यैव प्रसिद्धये ॥ १ ॥ ” इति नन्वस्त्वत्र णिग् कंसं धनन्तं प्रयुङ्-क्त इति तु वर्त्तमानकालता कथं कंसादीनां चिरद्वतत्वाच्चिरवृत्तो हि वध्यघातक-भाव इति प्रयोजकव्यापारस्य वर्त्तमानत्वासम्भवादिति उच्यते । अत्रापि युक्ता वर्त्तमानता कथं ये तावत्कंसाद्यनुकारिणां नटानां व्याख्यानोपाध्यायाः शौनकापर-पर्यायास्त एते प्रत्यक्षं कंसं घातयन्ति बलिं बन्धयन्ति । कंसानुकारी हि नटः कंस-बुद्ध्या सामाजिकैर्गृहीत इति कृत्वा कंस इत्युच्यते चित्रेण्युद्गूर्णा निपतिताश्च प्रहाराः कंसस्य कृष्णस्य च दृश्यन्ते । अथास्त्वत्र वर्त्तमानता ग्रन्थिकेषु तु कथकापर-नामसु कथं यत्र शब्दशात्रं लक्ष्यते । उच्यते—तेऽपि हि तेषामुत्पत्तिप्रभृत्या विनाशा-द्वृद्धीर्व्याचक्षाणाः सन्तो बुद्धिविषयास्तान् कुर्वन्तः प्रत्यक्षतामापादयन्ति । तदुक्तं हरिणा—शब्दोपहितरूपाश्च बुद्धेर्विषयतां गतान् । प्रत्यक्षमिव कंसादीन् साधनत्वेन मन्यते ॥ १ ॥ इति । अतश्चैतद्यतो व्यामिश्रा दृश्यन्ते केचिद्वासुदेवभक्ता भक्ता वर्णा-न्यत्वं पुण्यन्ति केचिद्रक्तमुखा भवन्ति केचित्कृष्णमुखाः त्रैकाल्यं खल्वपि लोके लक्ष्यते गच्छ हन्यते कंसः, गच्छ घातिष्यते कंसः, किं गतेन हतः कंसः, तस्मादा-ख्यानाभिनयज्ञानप्राप्तिभिर्बुद्ध्यारूढा राजादयः प्रयुक्ताः प्रतीयन्ते तस्माद्वाजागम-

नमाचष्टे । कंसवधभाचष्ट इत्यादि विवक्षायां तु प्रत्ययो नेष्यत एवेति । कर्त्तापि करणा-
दिनि प्रयुञ्जानः प्रयोक्ता भवतीति प्रसङ्गं चोदयन्नाह—ननु चेत्यादित द्यापारेऽपीति
कर्तृव्यापारेऽपीत्यर्थः । परिहरन्नाह—नैवमित्यादिना प्रयोक्तृमात्रग्रहणे व्यापार इत्येव
णिग्विधिः स्यात् किं प्रयोक्तृग्रहणेन तत्क्रियमाणं विशिष्टविषयं विज्ञायते यो लोके
प्रयोक्तृत्वेन रूढः स इह प्रयोक्ता कर्तृव्यापारयिता कर्त्ता तु करणादीन् प्रयुञ्जानो
ऽपि कर्त्तृत्वैव प्रसिद्ध इति तद्व्यापारे णिग्न भवतीत्यर्थः, प्रयोक्ता प्रयोज्यः कर्त्तापि
च क्रियां प्रति सव्यापार एवोच्यते न निर्व्यापार इत्याह—तथेत्यादि तेनेत्यादिना
तत्सिद्धं दर्शयति । अयमर्थः । स्वतन्त्रस्य कर्तुः प्रयोजकः प्रयोक्तोच्यते । प्रयोज्य-
श्चात्र कर्त्ता न भवतीति तत्प्रयोजकोऽपि न प्रयोक्ता नह्यसौ सम्प्रति पृच्छति किन्तु तृ-
ष्णीमास्ते निर्व्यापारत्वात्कारकत्वमेव तस्य नास्ति कुतस्तद्विशेषः कर्तृत्वमिति कर्तृत्वमेव
तस्याधीयमानमस्ति प्रश्नक्रियायाः कर्त्ता त्वं भव यथा, राजा त्वं भव . राजत्वमेव
तस्याधीयते । यश्च प्रवृत्तक्रियः सम्भावितक्रियो वा प्रयोज्यः कर्त्ता तस्य प्रयोजकः
प्रयोक्ता भवतीति तत्र णिग्नत्वमेव । अथापि भवतु कर्तृत्वं तथापि न दोष इत्याह
पञ्चम्या बाधितत्वादिति विधीयते हि द्रव्यमात्रस्य प्रेषादिषु पञ्चमी एवैकविष-
यत्वादुत्पन्नया पञ्चम्येव प्रेषादेरभिहितत्वाद् णिग्न भवतीति अथवा सव्यापारेऽपि
प्रयोज्ये परत्वात् ‘प्रेषानुज्ञावसरे इति विहितया पञ्चम्या णिग्नोच्यते । प्रेषरूपे
प्रयोक्तृव्यापारे णिक् पञ्चमी प्रेषविशिष्टे कर्त्तरि वाच्ये भवतीति समानविषयत्वं
ततो णिग् बाध्यते । तर्हि मूलोदाहरणेष्वपि पञ्चमी प्राप्नोति । न । प्रेषणमात्रे
णिगुक्तः पञ्चमी तु प्रेषणविशिष्टे कर्त्तादौ । यदा तु प्रेषणमात्रं विवक्ष्यते तदा णिग्
तद्विशिष्टे तु कर्त्तादौ पञ्चमी कारयत्वित्यादौ प्रेषणस्यापि प्रेषणविवक्षा ॥ अथ
कृष्यादिष्वनुत्पत्तिर्वक्तव्या एकान्ते तृष्णीमासीने उच्यते पञ्चभिर्हलैः कृषतीति
कश्चिद्धि सामर्थ्यातिशयाद्युपपत्तौ पञ्चभिर्हलैः कृषेत्पर्यायेण वेति तन्निराकरणायोच्यते
एकान्ते तृष्णीमासीन इति तत्र पञ्चभिर्हलैर्भूमिमन्यैः कर्षयतीत्यर्थावगमाद् णिगि
सति कृषतीति न प्राप्नोतीति तत्प्रतिषेधो वक्तव्यः । न वक्तव्यो नानाक्रिया कृषेरर्थः ।
नावश्यं कृषिर्विलेखन एव वर्त्तते, किन्तर्हि प्रतिविधानेऽपि । यदसौ भक्तचीवरवली-

वर्दैः प्रतिविधानं करोति स कृष्यर्थः अनेकार्थत्वाद्वातूनां कृषिरेव प्रयोजकव्यापारे तत्समर्थाचरणलक्षणे वर्त्तते धातुनैव चोपपदसहितेन तस्यार्थस्य प्रकाशित्वाद् णिगभावः । पदान्तरगम्ये चेति पक्षे आत्मनेपदाभावश्च । यदा तु कृषिर्विलेखन एव वर्त्तते तदा णञ्चिर्हलैः कर्षयन्तीति भवत्येव णिगू । अतश्च प्रतिविधाने वर्त्तते यद्- हरेवासौ न प्रतिविधत्ते तदहरेव च तत् कर्म न प्रवर्त्तते । तथा पुष्पमित्रो यजते याजका याजयन्तीत्यादौ विपर्यासो वक्तव्यः । अत्र हि पुष्पमित्रो याजयते याजका यजन्तीति प्राप्नोति यजेः प्रक्षेपविशेषवाचित्वात्प्रक्षेपे च ऋत्विजां कर्तृत्वाद्यजमानस्य प्रयोजककृतत्वादिति अत्रापि नानाक्रियावचनत्वात् भविष्यति नावश्यं यजिर्हविष्प्र- क्षेपण एव वर्त्तते किं तर्हि त्यागेऽपि । अहो यजत इत्युच्यते यः सृष्टुं त्यागं करोति तश्च पुष्पमित्रः करोति याजकाः प्रयोजयन्ति । एवं त्यागवचनाश्रयेण यः प्रयोग- स्तद्विपरीतः प्रक्षेपवचनेन भवतीत्यदोषः । बाधिकार इत्यादिना तस्य विकल्पार्थस्य प्रवृत्तेरवधिं दर्शयति ॥



॥ अथ णिगन्तप्रक्रिया ॥

। भू सत्तायाम् ।

| | | | |
|-------|----------------|---------------|---------------|
| व० | भावयति | भावयतः | भावयन्ति |
| | भावयसि | भावयथः | भावयथ |
| | भावयामि | भावयावः | भावयामः |
| स० | भावयेत् | भावयेताम् | भावयेयुः |
| | भावयेः | भावयेतम् | भावयेत |
| | भावयेयम् | भावयेव | भावयेम |
| प० | भावयतु | भावयतात् | भावयताम् |
| | भावय | भावयतात् | भावयतम् |
| | भावयानि | भावयाव | भावयाम |
| ह्य० | अभावयत् | अभावयताम् | अभावयन् |
| | अभावयः | अभावयतम् | अभावयत |
| | अभावयम् | अभावयाव | अभावयाम |
| अ० | अबीभवत् | अबीभवताम् | अबीभवन् |
| | अबीभवः | अबीभवतम् | अबीभवत |
| | अबीभवम् | अबीभवाव | अबीभवाम |
| प० | भावयाञ्चकार | भावयाञ्चक्रुः | भावयाञ्चक्रुः |
| | भावयाञ्चकथं | भावयाञ्चकथुः | भावयाञ्चक्रुः |
| | भावयाञ्चकार-कर | भावयाञ्चक्रुव | भावयाञ्चक्रुम |
| | भावयाम्बभूव | भावयामाव | |
| आ० | भाव्यात् | भाव्यास्ताम् | भाव्यासुः |
| | भाव्याः | भाव्यास्ताम् | भाव्यास्त |
| | भाव्यासम् | भाव्यास्व | भाव्यास्म |
| ध्व० | भावयिता | भावयितारौ | भावयितारः |
| | भावयितासि | भावयितास्थः | भावयितास्थ |
| | भावयितास्मि | भावयितास्वः | भावयितास्मः |
| भ० | भावयिष्यति | भावयिष्यतः | भावयिष्यन्ति |
| | भावयिष्यसि | भावयिष्यथः | भावयिष्यथ |
| | भावयिष्यामि | भावयिष्यावः | भावयिष्यामः |
| क्रि० | अभावयिष्यत् | अभावयिष्यताम् | अभावयिष्यन् |
| | अभावयिष्यः | अभावयिष्यतम् | अभावयिष्यत |
| | अभावयिष्यम् | अभावयिष्याव | अभावयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | भावयते | भावयेते | भावयन्ते |
| | भावयसे | भावयेथे | भावयन्वे |
| | भावये | भावयावहे | भावयामहे |
| स० | भावयेत | भावयेयाताम् | भावयेरन् |
| | भावयेथाः | भावयेयाथाम् | भावयेध्वम् |
| | भावयेय | भावयेवहि | भावयेमहि |
| प० | भावयताम् | भावयेताम् | भावयन्ताम् |
| | भावयस्व | भावयेथाम् | भावयध्वम् |
| | भावयै | भावयावहे | भावयामहे |
| ह्य० | अभावयत | अभावयेताम् | अभावयन्त |
| | अभावयथाः | अभावयेथाम् | अभावयध्वम् |
| | अभावये | अभावयावहि | अभावयामहि |
| अ० | अबीभवत् | अबीभवेताम् | अबीभवन्त |
| | अबीभवथाः | अबीभवेथाम् | अबीभवध्वम् |
| | अबीभवे | अबीभवावहि | अबीभवामहि |
| प० | भावयाञ्चक्रे | भावयाञ्चक्रात् | भावयाञ्चक्रिरे |
| | भावयाञ्चक्रे | भावयाञ्चक्राथे | भावयाञ्चक्रुवहे |
| | भावयाञ्चक्रे | भावयाञ्चक्रवहे | भावयाञ्चक्रमहे |
| | भावयाम्बभूव | भावयामाव | |
| आ० | भावयिषीष्ट | भावयिषीयास्ताम् | भावयिषीरन् |
| | भावयिषीष्टाः | भावयिषीयास्थाम् | भावयिषीध्वम् |
| | | | भावयिषीमहि |
| | भावयिषीय | भावयिषीवहि | भावयिषीमहि |
| ध्व० | भावयिता | भावयितारौ | भावयितारः |
| | भावयितासे | भावयितासाथे | भावयिताध्वे |
| | भावयिताहे | भावयितास्वहे | भावयितास्महे |
| भ० | भावयिष्यते | भावयिष्येते | भावयिष्यन्ते |
| | भावयिष्यसे | भावयिष्येथे | भावयिष्यन्वे |
| | भावयिष्ये | भावयिष्यावहे | भावयिष्यामहे |
| क्रि० | अभावयिष्यत् | अभावयिष्येताम् | अभावयिष्यन्त |
| | अभावयिष्यथाः | अभावयिष्येथाम् | अभावयिष्यध्वम् |
| | अभावयिष्ये | अभावयिष्यावहि | अभावयिष्यामहि |

॥ आदन्ताः षट् ॥

2 पां (पा) पाने ।

| | | | |
|-------|----------------|---------------|--------------|
| व० | पाययति | पाययतः | पाययन्ति |
| | पाययसि | पाययथः | पाययथ |
| | पाययामि | पाययावः | पाययामः |
| स० | पाययेत् | पाययेताम् | पाययेयुः |
| | पाययेः | पाययेतम् | पाययेत |
| | पाययेयम् | पाययेव | पाययेम |
| प० | पाययतु | पाययतात् | पाययताम् |
| | पाययः | पाययतात् | पाययतम् |
| | पाययानि | पाययाव | पाययाम |
| ह्य० | अपाययत् | अपाययताम् | अपाययन् |
| | अपाययः | अपाययतम् | अपाययत |
| | अपाययम् | अपाययाव | अपाययाम |
| अ० | अपीयत् | अपीयताम् | अपीयन् |
| | अपीयः | अपीयतम् | अपीयत |
| | अपीयम् | अपीयाव | अपीयाम |
| प० | पाययाञ्चकार | पाययाञ्चक्रुः | पाययाञ्चकुः |
| | पाययाञ्चकथं | पाययाञ्चकथुः | पाययाञ्चक |
| | पाययाञ्चकार-कर | पाययाञ्चकृव | पाययाञ्चकृम |
| | पाययाम्बभूव | । | पाययामास |
| आ० | पाय्यात् | पाय्यास्ताम् | पाय्यासुः |
| | पाय्याः | पाय्यास्तम् | पाय्यास्त |
| | पाय्यासम् | पाय्यास्व | पाय्यास्म |
| श्व० | पाययिता | पाययितारौ | पाययितारः |
| | पाययितासि | पाययितास्थः | पाययितास्थ |
| | पाययितास्मि | पाययितास्वः | पाययितास्मः |
| भ० | पाययिष्यति | पाययिष्यतः | पाययिष्यन्ति |
| | पाययिष्यसि | पाययिष्यथः | पाययिष्यथ |
| | पाययिष्यामि | पाययिष्यावः | पाययिष्यामः |
| क्रि० | अपाययिष्यत् | अपाययिष्यताम् | अपाययिष्यन् |
| | अपाययिष्यः | अपाययिष्यतम् | अपाययिष्यत |
| | अपाययिष्यम् | अपाययिष्याव | अपाययिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पाययते | पाययेते | पाययन्ते |
| | पाययसे | पाययेथे | पाययन्वे |
| | पायये | पाययावहे | पाययामहे |
| स० | पाययेत | पाययेयाताम् | पाययेरन् |
| | पाययेथाः | पाययेयाथाम् | पाययेध्वम् |
| | पाययेय | पाययेवहि | पाययेमहि |
| प० | पाययताम् | पाययेताम् | पाययन्ताम् |
| | पाययस्व | पाययेथाम् | पाययध्वम् |
| | पाययै | पाययावहै | पाययामहै |
| ह्य० | अपाययत | अपाययेताम् | अपाययन्त |
| | अपाययथाः | अपाययेथाम् | अपाययध्वम् |
| | अपायये | अपाययावहि | अपाययामहि |
| अ० | अपीयत | अपीयेताम् | अपीयन्त |
| | अपीयथाः | अपीयेथाम् | अपीयध्वम् |
| | अपीये | अपीयावहि | अपीयामहि |
| प० | पाययाञ्चक्रे | पाययाञ्चक्राते | पाययाञ्चक्रिरे |
| | पाययाञ्चकृषे | पाययाञ्चकृषे | पाययाञ्चकृद्वे |
| | पाययाञ्चक्रे | पाययाञ्चकृवहे | पाययाञ्चकृमहे |
| | पाययाम्बभूव | पाययामास | |
| आ० | पाययिषीष्ट | पाययिषीयास्ताम् | पाययिषीरन् |
| | पाययिषीष्टाः | पाययिषीयास्थाम् | पाययिषीह्वम् |
| | | | पाययिषीध्वम् |
| | पाययिषीय | पाययिषीवहि | पाययिषीमहि |
| श्व० | पाययिता | पाययितारौ | पाययितारः |
| | पाययितासे | पाययितासाथे | पाययिताध्वे |
| | पाययिताहे | पाययितास्वहे | पाययितास्महे |
| भ० | पाययिष्यते | पाययिष्येते | पाययिष्यन्ते |
| | पाययिष्यसे | पाययिष्येथे | पाययिष्यध्वे |
| | पाययिष्ये | पाययिष्यावहे | पाययिष्यामहे |
| क्रि० | अपाययिष्यत | अपाययिष्येताम् | अपाययिष्यन्त |
| | अपाययिष्यथाः | अपाययिष्येथाम् | अपाययिष्यध्वम् |
| | अपाययिष्ये | अपाययिष्यावहि | अपाययिष्यामहि |

3 प्रां (प्रा) गन्धोपादाने

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| व० | प्रापयति | प्रापयतः | प्रापयन्ति |
| | प्रापयसि | प्रापयथः | प्रापयथ |
| | प्रापयामि | प्रापयावः | प्रापयामः |
| स० | प्रापयेत् | प्रापयेताम् | प्रापयेयुः |
| | प्रापयेः | प्रापयेतम् | प्रापयेत |
| | प्रापयेयम् | प्रापयेव | प्रापयेम |
| प० | प्रापयतु | प्रापयतात् | प्रापयताम् |
| | प्रापय | प्रापयतात् | प्रापयतम् |
| | प्रापयाणि | प्रापयाव | प्रापयाम |
| ह्य० | अप्रापयत् | अप्रापयताम् | अप्रापयन् |
| | अप्रापयः | अप्रापयतम् | अप्रापयत |
| | अप्रापयम् | अप्रापयाव | अप्रापयाम |
| अ० | अजिघ्रपत् | अजिघ्रपताम् | अजिघ्रपन् |
| | अजिघ्रपः | अजिघ्रपतम् | अजिघ्रपत |
| | अजिघ्रपम् | अजिघ्रपाव | अजिघ्रपाम |
| | अजिघ्रिपत् | अजिघ्रिपताम् | अजिघ्रिपन् इ० |
| प० | प्रापयाञ्चकार | प्रापयाञ्चक्रुः | प्रापयाञ्चक्रुः |
| | प्रापयाञ्चकथं | प्रापयाञ्चक्रुः | प्रापयाञ्चक्रुः |
| | प्रापयाञ्चकार, चकर | प्रापयाञ्चक्रुव | प्रापयाञ्चक्रुम |
| | प्रापयाम्बभूव | प्रापयामास | |
| आ० | प्राप्यात् | प्राप्यास्ताम् | प्राप्यासुः |
| | प्राप्याः | प्राप्यास्तम् | प्राप्यास्त |
| | प्राप्यासम् | प्राप्यास्व | प्राप्यास्म |
| श्व० | प्रापयिता | प्रापयितारौ | प्रापयितारः |
| | प्रापयितासि | प्रापयितास्थः | प्रापयितास्थ |
| | प्रापयितास्मि | प्रापयितास्वः | प्रापयितास्मः |
| भ० | प्रापयिष्यति | प्रापयिष्यतः | प्रापयिष्यन्ति |
| | प्रापयिष्यसि | प्रापयिष्यथः | प्रापयिष्यथ |
| | प्रापयिष्यामि | प्रापयिष्यावः | प्रापयिष्यामः |
| क्रि० | अप्रापयिष्यत् | अप्रापयिष्यताम् | अप्रापयिष्यन् |
| | अप्रापयिष्यः | अप्रापयिष्यतम् | अप्रापयिष्यत |
| | अप्रापयिष्यम् | अप्रापयिष्याव | अप्रापयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | प्रापयते | प्रापयेते | प्रापयन्ते |
| | प्रापयसे | प्रापयेथे | प्रापयन्वे |
| | प्रापये | प्रापयावहे | प्रापयामहे |
| स० | प्रापयेत | प्रापयेयाताम् | प्रापयेरन् |
| | प्रापयेथाः | प्रापयेयाथाम् | प्रापयेष्वम् |
| | प्रापयेय | प्रापयेवहि | प्रापयेमहि |
| प० | प्रापयताम् | प्रापयेताम् | प्रापयन्ताम् |
| | प्रापयस्व | प्रापयेथाम् | प्रापयष्वम् |
| | प्रापयै | प्रापयावहे | प्रापयामहे |
| ह्य० | अप्रापयत | अप्रापयेताम् | अप्रापयन्त |
| | अप्रापयथाः | अप्रापयेथाम् | अप्रापयष्वम् |
| | अप्रापये | अप्रापयावहि | अप्रापयामहि |
| अ० | अजिघ्रपत | अजिघ्रपेताम् | अजिघ्रपन्त |
| | अजिघ्रपथाः | अजिघ्रपेथाम् | अजिघ्रपष्वम् |
| | अजिघ्रपे | अजिघ्रपावहि | अजिघ्रपामहि |
| | अजिघ्रिपत | अजिघ्रिपेताम् | अजिघ्रिपन्त इ० |
| प० | प्रापयाञ्चके | प्रापयाञ्चक्राते | प्रापयाञ्चक्रिरे |
| | प्रापयाञ्चकृषे | प्रापयाञ्चक्राये | प्रापयाञ्चकृद्वे |
| | प्रापयाञ्चके | प्रापयाञ्चकृवहे | प्रापयाञ्चकृमहे |
| | प्रापयाम्बभूव | प्रापयामास | |
| आ० | प्रापयिषीष्ट | प्रापयिषीयास्ताम् | प्रापयिषीरन् |
| | प्रापयिषीष्टाः | प्रापयिषीयास्थाम् | प्रापयिषीढ्वम् |
| | | | प्रापयिषीष्वम् |
| | प्रापयिषीय | प्रापयिषीवहि | प्रापयिषीमहि |
| श्व० | प्रापयिता | प्रापयितारौ | प्रापयितारः |
| | प्रापयितासे | प्रापयितासाथे | प्रापयिताध्वे |
| | प्रापयिताहे | प्रापयितास्वहे | प्रापयितास्महे |
| भ० | प्रापयिष्यते | प्रापयिष्येते | प्रापयिष्यन्ते |
| | प्रापयिष्यसे | प्रापयिष्येथे | प्रापयिष्यन्वे |
| | प्रापयिष्ये | प्रापयिष्यावहे | प्रापयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्रापयिष्यत | अप्रापयिष्येताम् | अप्रापयिष्यन्त |
| | अप्रापयिष्यथाः | अप्रापयिष्येथाम् | अप्रापयिष्यष्वम् |
| | अप्रापयिष्ये | अप्रापयिष्यावहि | अप्रापयिष्यामहि |

4 ध्मां (ध्मा) शब्दाग्नि- संयोगयोः ॥

| | | |
|--|----------------|---------------|
| व० ध्मापयति | धापयतः | धापयन्ति |
| धापयसि | धापयथः | धापयथ |
| धापयामि | धापयावः | धापयावः |
| स० ध्मापयेत् | धापयेताम् | धापयेयुः |
| धापयेः | धापयेतम् | धापयेत |
| धापयेयम् | धापयेव | धापयेम |
| प० ध्मापयतु | धापयतात् | धापयताम् |
| धापय | धापयतात् | धापयतम् |
| धापयानि | धापयाव | धापयाम |
| ह्य० अध्मापयत् | अधापयताम् | अधापयन् |
| अधापयः | अधापयतम् | अधापयत |
| अधापयम् | अधापयाव | अधापयाम |
| अ० अदिध्मपत् | अदिध्मपताम् | अदिध्मपन् |
| अदिध्मपः | अदिध्मपतम् | अदिध्मपत |
| अदिध्मपम् | अदिध्मपाव | अदिध्मपाम |
| प० ध्मापयाञ्चकार | धापयाञ्चक्रतुः | धापयाञ्चक्रुः |
| धापयाञ्चकथं | धापयाञ्चक्रुः | धापयाञ्चक्र |
| धापयाञ्चकार, चकर ध्मापयाञ्चक्रुव ध्मापयाञ्चक्रुम | | |
| धापयाम्बभूव । ध्मापयामास | | |
| आ० ध्माप्यात् | धाप्यास्ताम् | धाप्यासुः |
| धाप्याः | धाप्यास्ताम् | धाप्यास्त |
| धाप्यासम् | धाप्यास्व | धाप्यास्म |
| श्व० ध्मापयिता | धापयितारौ | धापयितारः |
| धापयितासि | धापयितास्थः | धापयितास्थ |
| धापयितास्मि | धापयितास्वः | धापयितास्मः |
| भ० ध्मापयिष्यति | धापयिष्यतः | धापयिष्यन्ति |
| धापयिष्यसि | धापयिष्यथः | धापयिष्यथ |
| धापयिष्यामि | धापयिष्यावः | धापयिष्यामः |
| क्रि० अध्मापयिष्यत् | अधापयिष्यताम् | अधापयिष्यन् |
| अधापयिष्यः | अधापयिष्यतम् | अधापयिष्यत |
| अधापयिष्यम् | अधापयिष्याव | अधापयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|-----------------|--------------------|
| व० ध्मापयते | धापयेते | धापयन्ते |
| धापयसे | धापयेथे | धापयन्वे |
| धापये | धापयावहे | धापयामहे |
| स० ध्मापयेत | धापयेयाताम् | धापयेरन् |
| धापयेथाः | धापयेयाथाम् | धापयेध्वम् |
| धापयेय | धापयेवहि | धापयेमहि |
| प० ध्मापयताम् | धापयेताम् | धापयन्ताम् |
| धापयस्व | धापयेथाम् | धापयन्वम् |
| धापयै | धापयावहे | धापयामहे |
| ह्य० अध्मापयत | अधापयेताम् | अधापयन्त |
| अधापयथाः | अधापयेथाम् | अधापयन्वम् |
| अधापये | अधापयावहि | अधापयामहि |
| अ० अदिध्मपत | अदिध्मपेताम् | अदिध्मपन्त |
| अदिध्मपथाः | अदिध्मपेथाम् | अदिध्मपन्वम् |
| अदिध्मपे | अदिध्मपावहि | अदिध्मपामहि |
| प० ध्मापयाञ्चक्रे | धापयाञ्चक्राते | धापयाञ्चक्रिरे |
| धापयाञ्चकृषे | धापयाञ्चक्राथे | धापयाञ्चकृढ्वे |
| धापयाञ्चक्रे | धापयाञ्चक्रवहे | धापयञ्चक्रमहे |
| धापयाम्बभूव । ध्मापयामास | | |
| आ० ध्मापयिषीष्ट | धापयिषीयास्ताम् | धापयिषीरन् |
| धापयिषीष्ठाः | धापयिषीयाथाम् | धापयिषीढ्वम् ध्वम् |
| धापयिषीष्य | धापयिषीवहि | धापयिषीमहि |
| श्व० ध्मापयिता | धापयितारौ | धापयितारः |
| धापयितासे | धापयितासाथे | धापयिताध्वे |
| धापयिताहे | धापयितास्वहे | धापयितास्महे |
| भ० ध्मापयिष्यते | धापयिष्येते | धापयिष्यन्ते |
| धापयिष्यसे | धापयिष्येथे | धापयिष्यन्वे |
| धापयिष्ये | धापयिष्यावहे | धापयिष्यामहे |
| क्रि० अध्मापयिष्यत | अधापयिष्येताम् | अधापयिष्यन्त |
| अधापयिष्यथाः | अधापयिष्येथाम् | अधापयिष्यन्वम् |
| अधापयिष्ये | अधापयिष्यावहि | अधापयिष्यामहि |

5 णं (स्था) गतिनिवृत्तौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | स्थापयति | स्थापयतः | स्थापयन्ति |
| | स्थापयसि | स्थापयथः | स्थापयथ |
| | स्थापयामि | स्थापयावः | स्थापयामः |
| स० | स्थापयेत् | स्थापयेताम् | स्थापयेयुः |
| | स्थापयेः | स्थापयेतम् | स्थापयेत |
| | स्थापयेयम् | स्थापयेव | स्थापयेम |
| प० | स्थापयतु | स्थापयतात् | स्थापयन्तु |
| | स्थापय | स्थापयतात् | स्थापयत |
| | स्थापयानि | स्थापयाव | स्थापयाम |
| ह्य० | अस्थापयत | अस्थापयताम् | अस्थापयन् |
| | अस्थापयः | अस्थापयतम् | अस्थापयत |
| | अस्थापयम् | अस्थापयाव | अस्थापयाम |
| अ० | अतिष्ठिपत् | अतिष्ठिपताम् | अतिष्ठिपन् |
| | अतिष्ठिपः | अतिष्ठिपतम् | अतिष्ठिपत |
| | अतिष्ठिपम् | अतिष्ठिपाव | अतिष्ठिपाम |
| प० | स्थापयाञ्चकार | स्थापयाञ्चक्रुः | स्थापयाञ्चकुः |
| | स्थापयाञ्चकथं | स्थापयाञ्चकथुः | स्थापयाञ्चक |
| | स्थापयाञ्चकार-चकर | स्थापयाञ्चकृव | स्थापयाञ्चकृम |
| | स्थापयाम्बभूव | । | स्थापयामास |
| आ० | स्थाप्यात् | स्थाप्यास्ताम् | स्थाप्यासुः |
| | स्थाप्याः | स्थाप्यास्तम् | स्थाप्यास्त |
| | स्थाप्यासम् | स्थाप्यास्व | स्थाप्यास्म |
| श्व० | स्थापयिता | स्थापयितारौ | स्थापयितारः |
| | स्थापयितासि | स्थापयितास्थः | स्थापयितास्थ |
| | स्थापयितास्मि | स्थापयितास्वः | स्थापयितास्मः |
| भ० | स्थापयिष्यति | स्थापयिष्यतः | स्थापयिष्यन्ति |
| | स्थापयिष्यसि | स्थापयिष्यथः | स्थापयिष्यथ |
| | स्थापयिष्यामि | स्थापयिष्यावः | स्थापयिष्यामः |
| क्रि० | अस्थापयिष्यत् | अस्थापयिष्यताम् | अस्थापयिष्यन् |
| | अस्थापयिष्यः | अस्थापयिष्यतम् | अस्थापयिष्यत |
| | अस्थापयिष्यम् | अस्थापयिष्याव | अस्थापयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्थापयते | स्थापयेते | स्थापयन्ते |
| | स्थापयसे | स्थापयेथे | स्थापयध्वे |
| | स्थापये | स्थापयावहे | स्थापयामहे |
| स० | स्थापयेत् | स्थापयेयाताम् | स्थापयेरन् |
| | स्थापयेथाः | स्थापयेयाथाम् | स्थापयेध्वम् |
| | स्थापयेय | स्थापयेवहि | स्थापयेमहि |
| प० | स्थापयताम् | स्थापयेताम् | स्थापयन्ताम् |
| | स्थापयस्व | स्थापयेथाम् | स्थापयध्वम् |
| | स्थापयै | स्थापयावहे | स्थापयामहे |
| ह्य० | अस्थापयत | अस्थापयेताम् | अस्थापयन्त |
| | अस्थापयथाः | अस्थापयेथाम् | अस्थापयध्वम् |
| | अस्थापये | अस्थापयावहि | अस्थापयामहि |
| अ० | अतिष्ठित | अतिष्ठिपेताम् | अतिष्ठिपन्त |
| | अतिष्ठिताः | अतिष्ठिपेथाम् | अतिष्ठिपध्वम् |
| | अतिष्ठिपे | अतिष्ठिपावहि | अतिष्ठिपामहि |
| प० | स्थापयाञ्चके | स्थापयाञ्चक्राते | स्थापयाञ्चकिरे |
| | स्थापयाञ्चकृषे | स्थापयाञ्चक्राथे | स्थापयाञ्चकृद्वे |
| | स्थापयाञ्चके | स्थापयाञ्चकृवहे | स्थापयाञ्चकृमहे |
| | स्थापयाम्बभूव | । | स्थापयामास |
| आ० | स्थापयिषीष्ट | स्थापयिषीयास्ताम् | स्थापयिषीरन् |
| | स्थापयिषीष्टाः | स्थापयिषीयास्थाम् | स्थापयिषीध्वम् |
| | स्थापयिषीय | स्थापयिषीवहि | स्थापयिषीमहि |
| श्व० | स्थापयिता | स्थापयितारौ | स्थापयितारः |
| | स्थापयितासे | स्थापयितासाथे | स्थापयिताध्वे |
| | स्थापयिताहे | स्थापयितास्वहे | स्थापयितास्महे |
| भ० | स्थापयिष्यते | स्थापयिष्येते | स्थापयिष्यन्ते |
| | स्थापयिष्यसे | स्थापयिष्येथे | स्थापयिष्यध्वे |
| | स्थापयिष्ये | स्थापयिष्यावहे | स्थापयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्थापयिष्यत | अस्थापयिष्येताम् | अस्थापयिष्यन्त |
| | अस्थापयिष्यथाः | अस्थापयिष्येथाम् | अस्थापयिष्यध्वम् |
| | अस्थापयिष्ये | अस्थापयिष्यावहि | अस्थापयिष्यामहि |

6 म्नां (म्ना) । अभ्यासे

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० म्नापयति | म्नापयतः | म्नापयन्ति |
| म्नापयसि | म्नापयथः | म्नापयथ |
| म्नापयामि | म्नापयावः | म्नापयामः |
| स० म्नापयेत् | म्नापयेताम् | म्नापयेयुः |
| म्नापयेः | म्नापयेतम् | म्नापयेत |
| म्नापयेयम् | म्नापयेव | म्नापयेम |
| प० म्नापयतु | म्नापयतात् | म्नापयताम् |
| म्नापय | म्नापयतात् | म्नापयतम् |
| म्नापयानि | म्नापयाव | म्नापयाम |
| ह्य० अम्नापयत् | अम्नापयताम् | अम्नापयन् |
| अम्नापयः | अम्नापयतम् | अम्नापयत |
| अम्नापयम् | अम्नापयाव | अम्नापयाम |
| अ० अमिम्नपत् | अमिम्नपताम् | अमिम्नपन् |
| अमिम्नपः | अमिम्नपतम् | अमिम्नपत |
| अमिम्नपम् | अमिम्नपाव | अमिम्नपाम |
| प० म्नापयाञ्चकार | म्नापयाञ्चक्रुः | म्नापयाञ्चकुः |
| म्नापयाञ्चक्य | म्नापयाञ्चक्रुः | म्नापयाञ्चक |
| म्नापयाञ्चकार-चकर | म्नापयाञ्चक्रुव | म्नापयाञ्चकृम |
| म्नापयाञ्चभूव | । | म्नापयामास |
| आ० म्नाप्यात् | म्नाप्यास्ताम् | म्नाप्यासुः |
| म्नाप्याः | म्नाप्यास्तम् | म्नाप्यास्त |
| म्नाप्यासम् | म्नाप्यास्व | म्नाप्यास्म |
| श्व० म्नापयिता | म्नापयितारौ | म्नापयितारः |
| म्नापयितासि | म्नापयितास्थः | म्नापयितास्थ |
| म्नापयितास्मि | म्नापयितास्वः | म्नापयितास्मः |
| भ० म्नापयिष्यति | म्नापयिष्यतः | म्नापयिष्यन्ति |
| म्नापयिष्यसि | म्नापयिष्यथः | म्नापयिष्यथ |
| म्नापयिष्यामि | म्नापयिष्यावः | म्नापयिष्यामः |
| क्रि० अम्नापयिष्यत् | अम्नापयिष्यताम् | अम्नापयिष्यन् |
| अम्नापयिष्यः | अम्नापयिष्यतम् | अम्नापयिष्यत |
| अम्नापयिष्यम् | अम्नापयिष्याव | अम्नापयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० म्नापयते | म्नापयेते | म्नापयन्ते |
| म्नापयसे | म्नापयेथे | म्नापयध्वे |
| म्नापये | म्नापयावहे | म्नापयामहे |
| स० म्नापयेत | म्नापयेयाताम् | म्नापयेरन् |
| म्नापयेथाः | म्नापयेयाथाम् | म्नापयेध्वम् |
| म्नापयेय | म्नापयेवहि | म्नापयेमहि |
| प० म्नापयताम् | म्नापयेताम् | म्नापयन्ताम् |
| म्नापयस्व | म्नापयेथाम् | म्नापयध्वम् |
| म्नापये | म्नापयावहे | म्नापयामहे |
| ह्य० अम्नापयत | अम्नापयेताम् | अम्नापयन्त |
| अम्नापयथाः | अम्नापयेथाम् | अम्नापयध्वम् |
| अम्नापये | अम्नापयावहि | अम्नापयामहि |
| अ० अमिम्नपत | अमिम्नपेताम् | अमिम्नपन्त |
| अमिम्नपथाः | अमिम्नपेथाम् | अमिम्नपध्वम् |
| अमिम्नपे | अमिम्नपावहि | अमिम्नपामहि |
| प० म्नापयाञ्चके | म्नापयाञ्चक्राते | म्नापयाञ्चक्रिरे |
| म्नापयाञ्चकृषे | म्नापयाञ्चक्राथे | म्नापयाञ्चकृद्वे |
| म्नापयाञ्चके | म्नापयाञ्चकृवहे | म्नापयाञ्चकृमहे |
| म्नापयाञ्चभूव | । | म्नापयामास |
| आ० म्नापयिषीष्ट | म्नापयिषीयास्ताम् | म्नापयिषीरन् |
| म्नापयिषीष्टाः | म्नापयिषीयास्थाम् | म्नापयिषीद्वम् |
| म्नापयिषीय | म्नापयिषीवहि | म्नापयिषीमहि |
| श्व० म्नापयिता | म्नापयितारौ | म्नापयितारः |
| म्नापयितासे | म्नापयितासाथे | म्नापयिताध्वे |
| म्नापयिताहे | म्नापयितास्वहे | म्नापयितास्महे |
| भ० म्नापयिष्यते | म्नापयिष्येते | म्नापयिष्यन्ते |
| म्नापयिष्यसे | म्नापयिष्येथे | म्नापयिष्यध्वे |
| म्नापयिष्ये | म्नापयिष्यावहे | म्नापयिष्यामहे |
| क्रि० अम्नापयिष्यत् | अम्नापयिष्येताम् | अम्नापयिष्यन्त |
| अम्नापयिष्यथाः | अम्नापयिष्येथाम् | अम्नापयिष्यध्वम् |
| अम्नापयिष्ये | अम्नापयिष्यावहि | अम्नापयिष्यामहि |

7 दाम् (दा) दाने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | दापयति | दापयतः | दापयन्ति |
| | दापयसि | दापयथः | दापयथ |
| | दापयामि | दापयावः | दापयामः |
| स० | दापयेत् | दापयेताम् | दापयेयुः |
| | दापयेः | दापयेतम् | दापयेत |
| | दापयेयम् | दापयेव | दापयेम |
| प० | दापयतु | दापयतात् | दापयन्तु |
| | दापय | दापयतात् | दापयतम् |
| | दापयानि | दापयाव | दापयाम |
| ह्य० | अदापयत् | अदापयताम् | अदापयन् |
| | अदापयः | अदापयतम् | अदापयत |
| | अदापयम् | अदापयाव | अदापयाम |
| अ० | अदीदपत् | अदीदपताम् | अदीदपन् |
| | अदीदपः | अदीदपतम् | अदीदपत |
| | अदीदपम् | अदीदपाव | अदीदपाम |
| प० | दापयाञ्चकार | दापयाञ्चकतुः | दापयाञ्चक्रुः |
| | दापयाञ्चकर्थ | दापयाञ्चकथुः | दापयाञ्चक्र |
| | दापयाञ्चकार चकर | दापयाञ्चकृव | दापयाञ्चकृम |
| | दापयाम्बभूव | । दापयामास | |
| आ० | दाप्यात् | दाप्यास्ताम् | दाप्यासुः |
| | दाप्याः | दाप्यास्तम् | दाप्यास्त |
| | दाप्यासम् | दाप्यास्व | दाप्यास्म |
| श्र० | दापयिता | दापयितारौ | दापयितारः |
| | दापयितासि | दापयितास्थः | दापयितास्थ |
| | दापयितास्मि | दापयितास्वः | दापयितास्मः |
| भ० | दापयिष्यति | दापयिष्यतः | दापयिष्यन्ति |
| | दापयिष्यसि | दापयिष्यथः | दापयिष्यथ |
| | दापयिष्यामि | दापयिष्यावः | दापयिष्यामः |
| क्रि० | अदापयिष्यत् | अदापयिष्यताम् | अदापयिष्यन् |
| | अदापयिष्यः | अदापयिष्यतम् | अदापयिष्यत |
| | अदापयिष्यम् | अदापयिष्याव | अदापयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | दापयते | दापयेते | दापयन्ते |
| | दापयसे | दापयेथे | दापयध्वे |
| | दापये | दापयावहे | दापयामहे |
| स० | दापयेत | दापयेयाताम् | दापयेरन् |
| | दापयेथाः | दापयेयाथाम् | दापयेष्वम् |
| | दापयेय | दापयेवहि | दापयेमहि |
| प० | दापयताम् | दापयेताम् | दापयन्ताम् |
| | दापयस्व | दापयेथाम् | दापयध्वम् |
| | दापयै | दापयावहे | दापयामहे |
| ह्य० | अदापयत | अदापयेताम् | अदापयन्त |
| | अदापयथाः | अदापयेथाम् | अदापयध्वम् |
| | अदापये | अदापयावहि | अदापयामहि |
| अ० | अदीदपत | अदीदपेताम् | अदीदपन्त |
| | अदीदपथाः | अदीदपेथाम् | अदीदपध्वम् |
| | अदीदपे | अदीदपावहि | अदीदपामहि |
| प० | दापयाञ्चक्रे | दापयाञ्चकृते | दापयाञ्चकिरे |
| | दापयाञ्चकृषे | दापयाञ्चकृथे | दापयाञ्चकृद्वे |
| | दापयाञ्चक्रे | दापयाञ्चकृवहे | दापयाञ्चकृमहे |
| | दापयाम्बभूव | । दापयामास | |
| आ० | दापयिषीष्ट | दापयिषीस्ताम् | दापयिषीरन् |
| | दापयिषीष्टाः | दापयिषीयास्थाम् | दापयिषीद्वम् |
| | दापयिषीय | दापयिषीवहि | दापयिषीमहि |
| श्र० | दापयिता | दापयितारौ | दापयितारः |
| | दापयितासे | दापयितासाथे | दापयिताध्वे |
| | दापयिताहे | दापयितास्वहे | दापयितास्महे |
| भ० | दापयिष्यते | दापयिष्येते | दापयिष्यन्ते |
| | दापयिष्यसे | दापयिष्येथे | दापयिष्यध्वे |
| | दापयिष्ये | दापयिष्यावहे | दापयिष्यामहे |
| क्रि० | अदापयिष्यत | अदापयिष्येताम् | अदापयिष्यन्त |
| | अदापयिष्यथाः | अदापयिष्येथाम् | अदापयिष्यध्वम् |
| | अदापयिष्ये | अदापयिष्यावहि | अदापयिष्यामहि |

19 गृं (गृ) सेचने ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० गारयति | गारयतः | गारयन्ति |
| गारयसि | गारयथः | गारयथ |
| गारयामि | गारयावः | गारयामः |
| स० गारयेत् | गारयेताम् | गारयेयुः |
| गारयेः | गारयेतम् | गारयेत |
| गारयेयम् | गारयेव | गारयेम |
| प० गारयतु | गारयतात् | गारयताम् |
| गारय | गारयतम् | गारयत |
| गारयाणि | गारयाव | गारयाम |
| ह्य० अगारयत् | अगारयतम् | अगारयन् |
| अगारयः | अगारयतम् | अगारयत |
| अगारयम् | अगारयाव | अगारयाम |
| अ० अजीगरत् | अजीगरताम् | अजीगरन् |
| अजीगरः | अजीगरतम् | अजीगरत |
| अजीगरम् | अजीगराव | अजीगराम |
| प० गारयाञ्चकार | गारयाञ्चक्रतुः | गारयाञ्चक्रुः |
| गारयाञ्चकथं | गारयाञ्चक्रथुः | गारयाञ्चक्र |
| गारयाञ्चकार-चकर | गारयाञ्चक्रव | गारयाञ्चक्रम् |
| गारयाम्बभूव । | गारयामास | |
| आ० गार्यात् | गार्यास्ताम् | गार्यासुः |
| गार्याः | गार्यास्तम् | गार्यास्त |
| गार्यासम् | गार्यास्व | गार्यास्मि |
| श्व० गारयिता | गारयितारौ | गारयितारः |
| गारयितासि | गारयितास्थः | गारयितास्थ |
| गारयितास्मि | गारयितास्वः | गारयितास्मः |
| भ० गारयिष्यति | गारयिष्यतः | गारयिष्यन्ति |
| गारयिष्यसि | गारयिष्यथः | गारयिष्यथ |
| गारयिष्यामि | गारयिष्यावः | गारयिष्यामः |
| क्रि० अगारयिष्यत् | अगारयिष्यताम् | अगारयिष्यन् |
| अगारयिष्यः | अगारयिष्यतम् | अगारयिष्यत |
| अगारयिष्यम् | अगारयिष्याव | अगारयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० गारयते | गारयेते | गारयन्ते |
| गारयसे | गारयेथे | गारयध्वे |
| गारये | गारयावहे | गारयामहे |
| स० गारयेत् | गारयेयाताम् | गारयेरन् |
| गारयेथाः | गारयेथाथाम् | गारयेध्वम् |
| गारयेय | गारयेवहि | गारयेमहि |
| प० गारयताम् | गारयेताम् | गारयन्ताम् |
| गारयस्व | गारयेथाम् | गारयध्वम् |
| गारयै | गारयावहै | गारयामहै |
| ह्य० अगारयत | अगारयेताम् | अगारयन्त |
| अगारयथाः | अगारयेथाम् | अगारयध्वम् |
| अगारये | अगारयावहि | अगारयामहि |
| अ० अजीगरत् | अजीगरेताम् | अजीगरन्त |
| अजीगरथाः | अजीगरेथाम् | अजीगरध्वम् |
| अजीगरे | अजीगरावहि | अजीगरामहि |
| प० गारयाञ्चक्रे | गारयाञ्चक्राते | गारयाञ्चक्रिरे |
| गारयाञ्चकृषे | गारयाञ्चक्राथे | गारयाञ्चकृद्वे |
| गारयाञ्चक्रे | गारयाञ्चकृवहे | गारयाञ्चकृमहे |
| गारयाम्बभूव । | गारयामास | |
| आ० गारयिषीष्ट | गारयिषीयास्ताम् | गारयिषीरन् |
| गारयिषीष्ठाः | गारयिषीयास्थाम् | गारयिषीद्वम् |
| | | गारयिषीध्वम् |
| गारयिषीय | गारयिषीवहि | गारयिषीमहि |
| श्व० गारयिता | गारयितारौ | गारयितारः |
| गारयितासे | गारयितासाथे | गारयिताध्वे |
| गारयिताहे | गारयितास्वहे | गारयितास्महे |
| भ० गारयिष्यते | गारयिष्येते | गारयिष्यन्ते |
| गारयिष्यसे | गारयिष्येथे | गारयिष्यध्वे |
| गारयिष्ये | गारयिष्यावहे | गारयिष्यामहे |
| क्रि० अगारयिष्यत | अगारयिष्येताम् | अगारयिष्यन्त |
| अगारयिष्यथाः | अगारयिष्येथाम् | अगारयिष्यध्वम् |
| अगारयिष्ये | अगारयिष्यावहि | अगारयिष्यामहि |

16 ध्रु (ध्रु) स्थये च ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | धावयति | धावयतः | धावयन्ति |
| | धावयसि | धावयथः | धावयथ |
| | धावयामि | धावयावः | धावयामः |
| स० | धावयेत् | धावयेताम् | धावयेयुः |
| | धावयेः | धावयेतम् | धावयेत |
| | धावयेयम् | धावयेव | धावयेम |
| प० | धावयतु | धावयतात् | धावयताम् |
| | धावय | धावयतम् | धावयत |
| | धावयाणि | धावयाव | धावयाम |
| ह्य० | अधावयत | अधावयताम् | अधावयन् |
| | अधावयः | अधावयतम् | अधावयत |
| | अधावयम् | अधावयाव | अधावयाम |
| अ० | अदुध्रवत् | अदुध्रवताम् | अदुध्रवन् |
| | अदुध्रवः | अदुध्रवतम् | अदुध्रवत |
| | अदुध्रवम् | अदुध्रवाव | अदुध्रवाम |
| प० | धावयाञ्चकार | धावयाञ्चकतुः | धावयाञ्चकुः |
| | धावयाञ्चकर्थ | धावयाञ्चकथुः | धावयाञ्चक |
| | धावयाञ्चकार-चकार | धावयाञ्चकृव | धावयाञ्चकृम |
| | धावयाम्बभूव | धावयामास | |
| आ० | धाव्यात् | धाव्यास्ताम् | धाव्यासुः |
| | धाव्याः | धाव्यास्तम् | धाव्यास्त |
| | धाव्यास्म | धाव्यास्व | धाव्यास्म |
| श्व० | धावयिता | धावयितारौ | धावयितारः |
| | धावयितासि | धावयितास्थः | धावयितास्थ |
| | धावयितास्मि | धावयितास्वः | धावयितास्मः |
| भ० | धावयिष्यति | धावयिष्यतः | धावयिष्यन्ति |
| | धावयिष्यसि | धावयिष्यथः | धावयिष्यथ |
| | धावयिष्यामि | धावयिष्यावः | धावयिष्यामः |
| क्रि० | अधावयिष्यत् | अधावयिष्यताम् | अधावयिष्यन् |
| | अधावयिष्यः | अधावयिष्यतम् | अधावयिष्यत |
| | अधावयिष्यम् | अधावयिष्याव | अधावयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | धावयते | धावयंते | धावयन्ते |
| | धावयमे | धावयंथे | धावयन्थे |
| | धावये | धावयावहे | धावयामहे |
| स० | धावयेत | धावयेयताम् | धावयेयन् |
| | धावयेथाः | धावयेयथाम् | धावयेयन्थम् |
| | धावयेय | धावयेवहि | धावयेमहि |
| प० | धावयताम् | धावयेताम् | धावयन्ताम् |
| | धावयस्व | धावयेथाम् | धावयन्थम् |
| | धावयै | धावयावहे | धावयामहे |
| ह्य० | अधावयत | अधावयेताम् | अधावयन्त |
| | अधावयथाः | अधावयेथाम् | अधावयन्थम् |
| | अधावये | अधावयावहि | अधावयामहि |
| अ० | अदुध्रवत् | अदुध्रवेताम् | अदुध्रवन्त |
| | अदुध्रवथाः | अदुध्रवेथाम् | अदुध्रवन्थम् |
| | अदुध्रवे | अदुध्रवावहि | अदुध्रवामहि |
| प० | धावयाञ्चके | धावयाञ्चकात् | धावयाञ्चकिरे |
| | धावयाञ्चकृषे | धावयाञ्चकाथे | धावयाञ्चकृद्वे |
| | धावयाञ्चके | धावयाञ्चकृवहे | धावयाञ्चकृमहे |
| | धावयाम्बभूव | धावयामास | |
| आ० | धावयिषीष्ट | धावयिषीयास्ताम् | धावयिषीरन् |
| | धावयिषीष्टाः | धावयिषीयास्थाम् | धावयिषीद्वम् |
| | धावयिषीय | धावयिषीवहि | धावयिषीमहि |
| श्व० | धावयिता | धावयितारौ | धावयितारः |
| | धावयितासि | धावयितासाथे | धावयिताथ्वे |
| | धावयिताहे | धावयितास्वहे | धावयितास्महे |
| भ० | धावयिष्यते | धावयिष्येते | धावयिष्यन्ते |
| | धावयिष्ये | धावयिष्येथे | धावयिष्यन्थे |
| | धावयिष्ये | धावयिष्यावहे | धावयिष्यामहे |
| क्रि० | अधावयिष्यत | अधावयिष्येताम् | अधावयिष्यन्त |
| | अधावयिष्यथाः | अधावयिष्येथाम् | अधावयिष्यन्थम् |
| | अधावयिष्ये | अधावयिष्यवहि | अधावयिष्यामहि |

॥ इ (इ) गतौ ।

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| व० आययति | आययतः | आययन्ति |
| आययसि | आययथः | आययथ |
| आययामि | आययावः | आययामः |
| स० आययेत् | आययेताम् | आययेयुः |
| आययेः | आययेतम् | आययेत |
| आययेयम् | आययेव | आययेम |
| प० आययतु | आययतात् | आययन्तु |
| आयय | आययतात् | आययतम् |
| आययानि | आययाव | आययाम |
| ह्य० आययत् | आययताम् | आययन् |
| आययः | आययतम् | आययत |
| आययम् | आययाव | आययाम |
| अ० आयियत् | आयियताम् | आयियन् |
| आयियः | आयियतम् | आयियत |
| आयियम् | आयियाव | आयियाम |
| प० आययाञ्चकार | आययाञ्चक्रुः | आययाञ्चकुः |
| आययाञ्चकथं | आययाञ्चक्रुः | आययाञ्चक |
| आययाञ्चकार | चकर | आययाञ्चकृव |
| आययाम्बभूव | । | आययामास |
| आ० आय्यात् | आय्यास्ताम् | आय्यासुः |
| आय्याः | आय्यास्तम् | आय्यास्त |
| आय्यासम् | आय्यास्व | आय्यास्म |
| झ० आययिता | आययितारौ | आययितारः |
| आययितासि | आययितास्थः | आययितास्थ |
| आययितास्मि | आययितास्वः | आययितास्मः |
| भ० आययिष्यति | आययिष्यतः | आययिष्यन्ति |
| आययिष्यसि | आययिष्यथः | आययिष्यथ |
| आययिष्यामि | आययिष्यावः | आययिष्यामः |
| क्रि० आययिष्यत् | आययिष्यताम् | आययिष्यन् |
| आययिष्यः | आययिष्यतम् | आययिष्यत |
| आययिष्यम् | आययिष्याव | आययिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| व० आययते | आययेते | आययन्ते |
| आययसे | आययेथे | आययन्वे |
| आयये | आययावहे | आययामहे |
| स० आययेत | आययेयाताम् | आययेरन् |
| आययेथाः | आययेयाथाम् | आययेष्वम् |
| आययेय | आययेवहि | आययेमहि |
| प० आययताम् | आययेताम् | आययन्ताम् |
| आययस्व | आययेथाम् | आययन्वम् |
| आययै | आययावहै | आययामहै |
| ह्य० आययत | आययेताम् | आययन्त |
| आययथाः | आययेथाम् | आययन्वम् |
| आयये | आययावहि | आययामहि |
| अ० आयियत | आयियेताम् | आयियन्त |
| आयियथाः | आयियेथाम् | आयियन्वम् |
| आयिये | आयियावहि | आयियामहि |
| प० आययाञ्चके | आययाञ्चकते | आययाञ्चकिरे |
| आययाञ्चकृषे | आययाञ्चक्राथे | आययाञ्चकृढ्वे |
| आययाञ्चके | आययाञ्चकृवहे | आययाञ्चकृमहे |
| आययाम्बभूव | । | आययामास |
| आ० आययिषीष्ट | आययिषीयास्ताम् | आययिषीरन् |
| आययिषीष्ठाः | आययिषीयास्थाम् | आययिषीढ्वम्-वम् |
| आययिषीय | आययिषीवहि | आययिषीमहि |
| श्र० आययिता | आययितारौ | आययितारः |
| आययितासे | आययितस्थे | आययितान्वे |
| आययिताहे | आययितास्वहे | आययितास्महे |
| भ० आययिष्यते | आययिष्येते | आययिष्यन्ते |
| आययिष्यसे | आययिष्येथे | आययिष्यन्वे |
| आययिष्ये | आययिष्यावहे | आययिष्यामहे |
| क्रि० आययिष्यत् | आययिष्येताम् | आययिष्यन्त |
| आययिष्यथाः | आययिष्येथाम् | आययिष्यन्वम् |
| आययिष्ये | आययिष्यावहि | आययिष्यमहि |

१० क्षि (क्षि) क्षये

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० क्षाययति | क्षाययतः | क्षाययन्ति |
| क्षाययसि | क्षाययथः | क्षाययथ |
| क्षाययामि | क्षाययावः | क्षाययामः |
| स० क्षाययेत् | क्षाययेताम् | क्षाययेयुः |
| क्षाययेः | क्षाययेतम् | क्षाययेत |
| क्षाययेयम् | क्षाययेव | क्षाययेम |
| प० क्षाययतु | क्षाययतात् | क्षाययताम् |
| क्षायय | क्षाययतम् | क्षाययत |
| क्षाययाणि | क्षाययाव | क्षाययाम |
| ह्य० अक्षाययत् | अक्षाययताम् | अक्षाययन् |
| अक्षाययः | अक्षाययतम् | अक्षाययत |
| अक्षाययम् | अक्षाययाव | अक्षाययाम |
| अ० अचिक्षयत् | अचिक्षयताम् | अचिक्षयन् |
| अचिक्षयः | अचिक्षयतम् | अचिक्षयत |
| अचिक्षयम् | अचिक्षयाव | अचिक्षयाम |
| प० क्षाययाञ्चकार | क्षाययाञ्चकतुः | क्षाययाञ्चकुः |
| क्षाययाञ्चक्य | क्षाययाञ्चकथुः | क्षाययाञ्चक |
| क्षाययाञ्चकार-चकर | क्षाययाञ्चकृव | क्षाययाञ्चकृम |

क्षाययाम्बभूव । क्षाययामास

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| अ० क्षाय्यात् | क्षाय्यास्ताम् | क्षाय्यासुः |
| क्षाय्याः | क्षाय्यास्तम् | क्षाय्यास्त |
| क्षाय्यासम् | क्षाय्यास्व | क्षाय्यास्म |
| श्र० क्षाययिता | क्षाययितारौ | क्षाययितारः |
| क्षाययितासि | क्षाययितास्थः | क्षाययितास्थ |
| क्षाययितास्मि | क्षाययितास्वः | क्षाययितास्मः |
| भ० क्षाययिष्यति | क्षाययिष्यतः | क्षाययिष्यन्ति |
| क्षाययिष्यसि | क्षाययिष्यथः | क्षाययिष्यथ |
| क्षाययिष्यामि | क्षाययिष्यावः | क्षाययिष्यामः |
| क्रि० अक्षाययिष्यत् | अक्षाययिष्यताम् | अक्षाययिष्यन् |
| अक्षाययिष्यः | अक्षाययिष्यतम् | अक्षाययिष्यत |
| अक्षाययिष्यम् | अक्षाययिष्याव | अक्षाययिष्याम |

| | | |
|-----------------|-----------------|-------------------|
| व० क्षाययते | क्षाययेते | क्षाययन्ते |
| क्षाययसे | क्षाययेथे | क्षाययन्वे |
| क्षाययं | क्षाययावहे | क्षाययामहे |
| स० क्षाययेत | क्षाययेताताम् | क्षाययेरन |
| क्षाययेथाः | क्षाययेयाथाम् | क्षाययेष्वम् |
| क्षाययेय | क्षाययेवहि | क्षाययेमहि |
| प० क्षाययताम् | क्षाययेताम् | क्षाययन्ताम् |
| क्षाययस्व | क्षाययेथाम् | क्षाययन्वम् |
| क्षायये | क्षाययावहे | क्षाययामहे |
| ह्य० अक्षाययत | अक्षाययेताम् | अक्षाययन्त |
| अक्षाययथाः | अक्षाययेथाम् | अक्षाययन्वम् |
| अक्षायये | अक्षाययावहि | अक्षाययामहि |
| अ० अचिक्षयत | अचिक्षयेताम् | अचिक्षयन्त |
| अचिक्षयथाः | अचिक्षयेथाम् | अचिक्षयन्वम् |
| अचिक्षये | अचिक्षयावहि | अचिक्षयामहि |
| प० क्षाययाञ्चके | क्षाययाञ्चकाते | क्षाययाञ्चकिरे |
| क्षाययाञ्चकृषे | क्षाययाञ्चकाथे | क्षाययाञ्चकृद् वे |
| क्षाययाञ्चके | क्षाययाञ्चकृवहे | क्षाययाञ्चकृमहे |
| क्षाययाम्बभूव | क्षाययामास | |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| आ० क्षाययिषीष्ट | क्षाययिषीयास्ताम् | क्षाययिषीरन् |
| क्षाययिषीष्टाः | क्षाययिषीयास्थाम् | क्षाययिषीद्वम्-वम् |
| क्षाययिषीय | क्षाययिषीवहि | क्षाययिषीमहि |
| श्र० क्षाययिता | क्षाययितारौ | क्षाययितारः |
| क्षाययितासे | क्षाययितासाथे | क्षाययितान्वे |
| क्षाययिताहे | क्षाययितास्वहे | क्षाययितास्महे |
| भ० क्षाययिष्यते | क्षाययिष्येते | क्षाययिष्यन्ते |
| क्षाययिष्यसे | क्षाययिष्येथे | क्षाययिष्यन्वे |
| क्षाययिष्यं | क्षाययिष्यावहे | क्षाययिष्यामहे |
| क्रि० अक्षाययिष्यत | अक्षाययिष्येताम् | अक्षाययिष्यन्त |
| अक्षाययिष्यथाः | अक्षाययिष्येथाम् | अक्षाययिष्यन्वम् |
| अक्षाययिष्ये | अक्षाययिष्यावहि | अक्षाययिष्यामहि |

23 धृ (धृ) कौटिल्ये

| | | |
|---------------------|-----------------|---------------|
| व० धारयति | धारयतः | धारयन्ति |
| धारयसि | धारयथः | धारयथ |
| धारयामि | धारयावः | धारयामः |
| स० धारयेत् | धारयेताम् | धारयेयुः |
| धारयेः | धारयेतम् | धारयेत |
| धारयेयम् | धारयेव | धारयेम |
| प० धारयतु | धारयतात् | धारयताम् |
| धारय | धारयतात् | धारयतम् |
| धारयाणि | धारयाव | धारयाम |
| ह्य० अध्वारयत् | अध्वारयताम् | अध्वारयन् |
| अध्वारयः | अध्वारयतम् | अध्वारयत |
| अध्वारयम् | अध्वारयाव | अध्वारयाम |
| अ० अदिध्वरत् | अदिध्वरताम् | अदिध्वरन् |
| अदिध्वरः | अदिध्वरतम् | अदिध्वरत |
| अदिध्वरम् | अदिध्वराव | अदिध्वराम |
| प० धारयाञ्चकार | धारयाञ्चक्रुः | धारयाञ्चक्रुः |
| धारयाञ्चकथं | धारयाञ्चकथुः | धारयाञ्चक |
| धारयाञ्चकार-चकर | धारयाञ्चक्रुव | धारयाञ्चक्रम |
| धारयाम्बभूव | धारयामास | |
| आ० धार्यात् | धार्यास्ताम् | धार्यासुः |
| धार्याः | धार्यास्तम् | धार्यास्त |
| धार्यासम् | धार्यास्व | धार्यास्म |
| श्व० धारयिता | धारयितारौ | धारयितारः |
| धारयितासि | धारयितास्थः | धारयितास्थ |
| धारयितास्मि | धारयितास्वः | धारयितास्मः |
| भ० धारयिष्यति | धारयिष्यतः | धारयिष्यन्ति |
| धारयिष्यसि | धारयिष्यथः | धारयिष्यथ |
| धारयिष्यामि | धारयिष्यावः | धारयिष्यामः |
| क्रि० अध्वारयिष्यत् | अध्वारयिष्यताम् | अध्वारयिष्यन् |
| अध्वारयिष्यः | अध्वारयिष्यतम् | अध्वारयिष्यत |
| अध्वारयिष्यम् | अध्वारयिष्याव | अध्वारयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० धारयते | धारयेते | धारयन्ते |
| धारयसे | धारयेथे | धारयध्वे |
| धारये | धारयावहे | धारयामहे |
| स० धारयेत | धारयेयाताम् | धारयेरन् |
| धारयेथाः | धारयेयाथाम् | धारयेध्वम् |
| धारयेय | धारयेवहि | धारयेमहि |
| प० धारयताम् | धारयेताम् | धारयन्ताम् |
| धारयस्व | धारयेथाम् | धारयध्वम् |
| धारये | धारयावहे | धारयामहे |
| ह्य० अध्वारयत | अध्वारयेताम् | अध्वारयन्त |
| अध्वारयथाः | अध्वारयेथाम् | अध्वारयध्वम् |
| अध्वारये | अध्वारयावहि | अध्वारयामहि |
| अ० अदिध्वरत | अदिध्वरेताम् | अदिध्वरन्त |
| अदिध्वरथाः | अदिध्वरेथाम् | अदिध्वरध्वम् |
| अदिध्वरे | अदिध्वरावहि | अदिध्वरामहि |
| प० धारयाञ्चक्रे | धारयाञ्चक्रते | धारयाञ्चक्रिरे |
| धारयाञ्चकृषे | धारयाञ्चकृथे | धारयाञ्चकृद्वे |
| धारयाञ्चक्रे | धारयाञ्चकृवहे | धारयाञ्चकृमहे |
| धारयाम्बभूव | धारयामास | |
| आ० धारयिषीष्ट | धारयिषीयास्ताम् | धारयिषीरन् |
| धारयिषीष्ठाः | धारयिषीयास्थाम् | धारयिषीद्वम् |
| | | धारयिषीध्वम् |
| धारयिषीय | धारयिषीवहि | धारयिषीमहि |
| श्व० धारयिता | धारयितारौ | धारयितारः |
| धारयितासे | धारयितासाथे | धारयिताध्वे |
| धारयिताहे | धारयितास्वहे | धारयितास्महे |
| भ० धारयिष्यते | धारयिष्येते | धारयिष्यन्ते |
| धारयिष्यसे | धारयिष्येथे | धारयिष्यध्वे |
| धारयिष्ये | धारयिष्यवहे | धारयिष्यामहे |
| क्रि० अध्वारयिष्यत | अध्वारयिष्येताम् | अध्वारयिष्यन्त |
| अध्वारयिष्यथाः | अध्वारयिष्येथाम् | अध्वारयिष्यध्वम् |
| अध्वारयिष्ये | अध्वारयिष्यवहि | अध्वारयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते

(१५)

13 ड्रं (ड्रु) गतौ ।

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|----------------|
| व० | द्रावयति | द्रावयतः | द्रावयन्ति |
| | द्रावयसि | द्रावयथः | द्रावयथ |
| | द्रावयामि | द्रावयावः | द्रावयामः |
| स० | द्रावयेत् | द्रावयेताम् | द्रावयेयुः |
| | द्रावयेः | द्रावयेतम् | द्रावयेत |
| | द्रावयेयम् | द्रावयेव | द्रावयेम |
| प० | द्रावयतु | द्रावयतात् | द्रावयताम् |
| | द्रावय | द्रावयतात् | द्रावयतम् |
| | द्रावयाणि | द्रावयाव | द्रावयाम |
| ह्य० | अद्रावयत् | अद्रावयताम् | अद्रावयन् |
| | अद्रावयः | अद्रावयतम् | अद्रावयत |
| | अद्रावयम् | अद्रावयाव | अद्रावयाम |
| अ० | अदिद्रवत् | अदिद्रवताम् | अदिद्रवन् |
| | अदिद्रवः | अदिद्रवतम् | अदिद्रवत |
| | अदिद्रवम् | अदिद्रवाव | अदिद्रवाम |
| | अदुद्रवत् | अदुद्रवताम् | अदुद्रवन् |
| प० | द्रावयाञ्चकार | द्रावयाञ्चकतुः | द्रावयाञ्चकुः |
| | द्रावयाञ्चकर्थ | द्रावयाञ्चकथुः | द्रावयाञ्चक |
| | द्रावयाञ्चकार | चकर | द्रावयाञ्चकृव |
| | द्रावयाम्बभूव | । | द्रावयामास |
| आ० | द्राव्यात् | द्राव्यास्ताम् | द्राव्यासुः |
| | द्राव्याः | द्राव्यास्तम् | द्राव्यास्त |
| | द्राव्यासम् | द्राव्यास्व | द्राव्यास |
| श्व० | द्रावयिता | द्रावयितारौ | द्रावयितारः |
| | द्रावयितासि | द्रावयितास्थः | द्रावयितास्थ |
| | द्रावयितास्मि | द्रावयितास्वः | द्रावयितास्मः |
| भ० | द्रावयिष्यति | द्रावयिष्यतः | द्रावयिष्यन्ति |
| | द्रावयिष्यसि | द्रावयिष्यथः | द्रावयिष्यथ |
| | द्रावयिष्यामि | द्रावयिष्यावः | द्रावयिष्यामः |
| क्रि० | अद्रावयिष्यत् | अद्रावयिष्यताम् | अद्रावयिष्यन् |
| | अद्रावयिष्यः | अद्रावयिष्यतम् | अद्रावयिष्यत |
| | अद्रावयिष्यम् | अद्रावयिष्याव | अद्रावयिष्याम |

14 श्रुं (शु) गतौ

| | | | |
|-------|--------------|---------------|--------------|
| व० | शावयति | शावयतः | शावयन्ति |
| | शावयसि | शावयथः | शावयथ |
| | शावयामि | शावयावः | शावयामः |
| स० | शावयेत् | शावयेताम् | शावयेयुः |
| | शावयेः | शावयेतम् | शावयेत |
| | शावयेयम् | शावयेव | शावयेम |
| प० | शावयतु | शावयतात् | शावयताम् |
| | शावय | शावयतात् | शावयतम् |
| | शावयानि | शावयाव | शावयाम |
| ह्य० | अशावयत् | अशावयताम् | अशावयन् |
| | अशावयः | अशावयतम् | अशावयत |
| | अशावयम् | अशावयाव | अशावयाम |
| अ० | अशीशिवत् | अशीशिवताम् | अशीशिवन् |
| | अशीशिवः | अशीशिवतम् | अशीशिवत |
| | अशीशिवम् | अशीशियाव | अशीशिवाम |
| प० | शावयाञ्चकार | शावयाञ्चकतुः | शावयाञ्चकुः |
| | शावयाञ्चकर्थ | शावयाञ्चकथुः | शावयाञ्चक |
| | शावयाञ्चकार | चकर | शावयाञ्चकृव |
| | शावयाम्बभूव | । | शावयामास |
| आ० | शाव्यात् | शाव्यास्ताम् | शाव्यासुः |
| | शाव्याः | शाव्यास्तम् | शाव्यास्त |
| | शाव्यासम् | शाव्यास्व | शाव्यास |
| श्व० | शावयिता | शावयितारौ | शावयितारः |
| | शावयितासि | शावयितास्थः | शावयितास्थ |
| | शावयितास्मि | शावयितास्वः | शावयितास्मः |
| भ० | शावयिष्यति | शावयिष्यतः | शावयिष्यन्ति |
| | शावयिष्यसि | शावयिष्यथः | शावयिष्यथ |
| | शावयिष्यामि | शावयिष्यावः | शावयिष्यामः |
| क्रि० | अशावयिष्यत् | अशावयिष्यताम् | अशावयिष्यन् |
| | अशावयिष्यः | अशावयिष्यतम् | अशावयिष्यत |
| | अशावयिष्यम् | अशावयिष्याव | अशावयिष्याम |

(१६)

धातुरत्नाकरद्वितीयभागे णिगन्तप्रक्रिया ॥

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शावयते | शावयेते | शावयन्ते |
| | शावयसे | शावयेथे | शावयध्वे |
| | शावये | शावयावहे | शावयामहे |
| स० | शावयेत | शावयेयाताम् | शावयेरन् |
| | शावयेथाः | शावयेयाथाम् | शावयेध्वम् |
| | शावयेथ | शावयेवहि | शावयेमहि |
| प० | शावयताम् | शावयेताम् | शावयन्ताम् |
| | शावयस्व | शावयेथाम् | शावयध्वम् |
| | शावयै | शावयावहे | शावयामहे |
| ह्य० | अशावयत | अशावयेताम् | अशावयन्त |
| | अशावयथाः | अशावयेथाम् | अशावयध्वम् |
| | अशावये | अशावयावहि | अशावयामहि |
| अ० | अशीशिवत | अशीशिवताम् | अशीशिवन्त |
| | अशीशिवथाः | अशीशिवेथाम् | अशीशिवध्वम् |
| | अशीशिवे | अशीशिवावहि | अशीशिवामहि |
| प० | शावयाञ्चक्रे | शावयाञ्चक्राते | शावयाञ्चक्रिरे |
| | शावयाञ्चकृषे | शावयाञ्चक्राथे | शावयाञ्चकृद्वे |
| | शावयाञ्चक्रे | शावयाञ्चकृवहे | शावयाञ्चकृमहे |
| | शावयाम्भूव | । | शावयामास |
| आ० | शावयिषीष्ट | शावयिषीयास्ताम् | शावयिषीरन् |
| | शावयिषीष्टाः | शावयिषीयास्थाम् | शावयिषीद्वम् |
| | | | शावयिषीध्वम् |
| | शावयिषीय | शावयिषीवहि | शावयिषीमहि |
| श्व० | शावयिता | शावयितारौ | शावयितारः |
| | शावयितासे | शावयितासाथे | शावयिताध्वे |
| | शावयिताहे | शावयितास्वहे | शावयितास्महे |
| भ० | शावयिष्यते | शावयिष्येते | शावयिष्यन्ते |
| | शावयिष्यसे | शावयिष्येथे | शावयिष्यध्वे |
| | शावयिष्ये | शावयिष्यावहे | शावयिष्यामहे |
| क्रि० | अशावयिष्यत | अशावयिष्येताम् | अशावयिष्यन्त |
| | अशावयिष्यथाः | अशावयिष्येथाम् | अशावयिष्यध्वम् |
| | अशावयिष्ये | अशावयिष्यावहि | अशावयिष्यामहि |

15 सुं (सु) गतौ

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | स्नावयति | स्नावयतः | स्नावयन्ति |
| | स्नावयसि | स्नावयथः | स्नावयथ |
| | स्नावयामि | स्नावयावः | स्नावयामः |
| स० | स्नावयेत् | स्नावयेताम् | स्नावयेयुः |
| | स्नावयेः | स्नावयेतम् | स्नावयेत |
| | स्नावयेयम् | स्नावयेव | स्नावयेम |
| प० | स्नावयतु | स्नावयतात् | स्नावयन्तु |
| | स्नावय | स्नावयतात् | स्नावयतम् |
| | स्नावयाणि | स्नावयाव | स्नावयाम |
| ह्य० | अस्नावयत् | अस्नावयताम् | अस्नावयन् |
| | अस्नावयः | अस्नावयतम् | अस्नावयत |
| | अस्नावयम् | अस्नावयाव | अस्नावयाम |
| अ० | असिस्त्वत् | असिस्त्वताम् | असिस्त्वन् |
| | असिस्त्वः | असिस्त्वतम् | असिस्त्वत |
| | असिस्त्वम् | असिस्त्वाव | असिस्त्वाम |
| | असुस्त्वत् | असुस्त्वताम् | असुस्त्वन् ३० |
| प० | स्नावयाञ्चकार | स्नावयाञ्चक्रतुः | स्नावयाञ्चक्रुः |
| | स्नावयाञ्चकर्थ | स्नावयाञ्चकथुः | स्नावयाञ्चक |
| | स्नावयाञ्चकार-चकर | स्नावयाञ्चकृव | स्नावयाञ्चकृम |
| | स्नावयाम्भूव | । | स्नावयामास |
| आ० | स्नाव्यात् | स्नाव्यास्ताम् | स्नाव्यासुः |
| | स्नाव्याः | स्नाव्यास्तम् | स्नाव्यास्त |
| | स्नाव्यासम् | स्नाव्यास्व | स्नाव्यास्म |
| श्व० | स्नावयिता | स्नावयितारौ | स्नावयितारः |
| | स्नावयितासि | स्नावयितास्थः | स्नावयितास्थ |
| | स्नावयितास्मि | स्नावयितास्वः | स्नावयितास्मः |
| भ० | स्नावयिष्यति | स्नावयिष्यतः | स्नावयिष्यन्ति |
| | स्नावयिष्यसि | स्नावयिष्यथः | स्नावयिष्यथ |
| | स्नावयिष्यामि | स्नावयिष्यावः | स्नावयिष्यामः |
| क्रि० | अस्नावयिष्यत् | अस्नावयिष्यताम् | अस्नावयिष्यन् |
| | अस्नावयिष्यः | अस्नावयिष्यतम् | अस्नावयिष्यत |
| | अस्नावयिष्यम् | अस्नावयिष्याव | अस्नावयिष्याम |

१ जि (जि) अभिभवे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | जाययति | जाययतः | जाययन्ति |
| | जाययसि | जाययथः | जाययथ |
| | जाययामि | जाययावः | जाययामः |
| स० | जाययेत् | जाययेताम् | जाययेयुः |
| | जाययेः | जाययेतम् | जाययेत |
| | जाययेयम् | जाययेव | जाययेम |
| प० | जाययन्तु | जाययतात् | जाययताम् |
| | जायय | जाययतम् | जाययत |
| | जाययाणि | जाययाव | जाययाम |
| ह्य० | अजाययत् | अजाययताम् | अजाययन् |
| | अजाययः | अजाययतम् | अजाययत |
| | अजाययम् | अजाययाव | अजाययाम |
| अ० | अजिजयत् | अजिजयताम् | अजिजयन् |
| | अजिजयः | अजिजयतम् | अजिजयत |
| | अजिजयम् | अजिजयाव | अजिजयाम |
| प० | जाययाञ्चकार | जाययाञ्चकतुः | जाययाञ्चकुः |
| | जाययाञ्चकर्थ | जाययाञ्चकथुः | जाययाञ्चक |
| | जाययाञ्चकार-चकर | जाययाञ्चकृव | जाययाञ्चकृम |
| | जाययाम्बभूव | जाययामास | |
| अ० | जाय्यात् | जाय्यास्ताम् | जाय्यासुः |
| | जाय्याः | जाय्यास्तम् | जाय्यास्त |
| | जाय्यासम् | जाय्यास्व | जाय्यास्म |
| श्व० | जाययिता | जाययितारौ | जाययितारः |
| | जाययितासि | जाययितास्थः | जाययितास्थ |
| | जाययितास्मि | जाययितास्वः | जाययितास्मः |
| भ० | जाययिष्यति | जाययिष्यतः | जाययिष्यन्ति |
| | जाययिष्यसि | जाययिष्यथः | जाययिष्यथ |
| | जाययिष्यामि | जाययिष्यावः | जाययिष्यामः |
| क्रि० | अजाययिष्यत् | अजाययिष्यताम् | अजाययिष्यन् |
| | अजाययिष्यः | अजाययिष्यतम् | अजाययिष्यत |
| | अजाययिष्यम् | अजाययिष्याव | अजाययिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|------------------|
| व० | जाययते | जाययेते | जाययन्ते |
| | जाययसे | जाययेथे | जाययन्वे |
| | जायये | जाययावहे | जाययामहे |
| स० | जाययेत | जाययेयाताम् | जाययेरन् |
| | जाययेथाः | जाययेयाथाम् | जाययेध्वम् |
| | जाययेय | जाययेवहि | जाययेमहि |
| प० | जाययताम् | जाययेताम् | जाययन्ताम् |
| | जाययस्व | जाययेथाम् | जाययन्ध्वम् |
| | जायये | जाययावहे | जाययामहे |
| ह्य० | अजाययत | अजाययेताम् | अजाययन्त |
| | अजाययथाः | अजाययेथाम् | अजाययन्ध्वम् |
| | अजायये | अजाययावहि | अजाययामहि |
| अ० | अजिजयत | अजिजयेताम् | अजिजयन्त |
| | अजिजयथाः | अजिजयेथाम् | अजिजयन्ध्वम् |
| | अजिजये | अजिजयावहि | अजिजयामहि |
| प० | जाययाञ्चके | जाययाञ्चकते | जाययाञ्चकिरे |
| | जाययाञ्चकृषे | जाययाञ्चकाथे | जाययाञ्चकृद्वे |
| | जाययाञ्चके | जाययाञ्चकृवहे | जाययाञ्चकृमहे |
| | जाययाम्बभूव | जाययामास | |
| आ० | जाययिषीष्ट | जाययिषीयास्ताम् | जाययिषीरन् |
| | जाययिषीष्टाः | जाययिषीयास्थाम् | जाययिषीध्वम् |
| | जाययिषीय | जाययिषीवहि | जाययिषीमहि |
| श्व० | जाययिता | जाययितारौ | जाययितारः |
| | जाययितासे | जाययितासाथे | जाययिताध्वे |
| | जाययिताहे | जाययितास्वहे | जाययितास्महे |
| भ० | जाययिष्यते | जाययिष्येते | जाययिष्यन्ते |
| | जाययिष्यसे | जाययिष्येथे | जाययिष्यन्वे |
| | जाययिष्ये | जाययिष्यावहे | जाययिष्यामहे |
| क्रि० | अजाययिष्यत | अजाययिष्येताम् | अजाययिष्यन्त |
| | अजाययिष्यथाः | अजाययिष्येथाम् | अजाययिष्यन्ध्वम् |
| | अजाययिष्ये | अजाययिष्यावहि | अजाययिष्यामहि |

17 सुं (सु) प्रसवैश्वर्ययोः ।

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० सावयति | सावयतः | सावयन्ति |
| सावयसि | सावयथः | सावयथ |
| सावयामि | सावयावः | सावयामः |
| स० सावयेत् | सावयेताम् | सावयेयुः |
| सावयेः | सावयेतम् | सावयेत |
| सावयेयम् | सावयेव | सावयेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० सावयतु | सावयतात् | सावयताम् | सावयन्तु |
| सावय | सावयतम् | सावयत | |
| सावयानि | सावयाव | सावयाम | |

| | | |
|-------------|-----------|---------|
| ह्य० असावयत | असावयताम् | असावयन् |
| असावयः | असावयतम् | असावयत |
| असावयम् | असावयव | असावयाम |

| | | |
|-----------|-----------|---------|
| अ० असीसवत | असीसवताम् | असीसवन् |
| असीसवः | असीसवतम् | असीसवत |
| असीसवम् | असीसवाव | असीसवाम |

| | | |
|----------------|--------------|-------------|
| प० सावयाञ्चकार | सावयाञ्चकतुः | सावयाञ्चकुः |
| सावयाञ्चकथे | सावयाञ्चकथुः | सावयाञ्चक |
| सावयाञ्चकार-चक | सावयाञ्चकृव | सावयाञ्चकृम |

सावयाञ्चभूव । सावयामास

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० साव्यात् | साव्यास्ताम् | साव्यासुः |
| साव्याः | साव्यास्तम् | साव्यास्त |
| साव्यासम् | साव्यास्व | साव्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| श्व० सावयिता | सावयितारौ | सावयितारः |
| सावयितासि | सावयितास्थः | सावयितास्थ |
| सावयितास्मि | सावयितास्वः | सावयितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० सावयिष्यति | सावयिष्यतः | सावयिष्यन्ति |
| सावयिष्यसि | सावयिष्यथः | सावयिष्यथ |
| सावयिष्यामि | सावयिष्यावः | सावयिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० असावयिष्यत् | असावयिष्यताम् | असावयिष्यन् |
| असावयिष्यः | असावयिष्यतम् | असावयिष्यत |
| असावयिष्यम् | असावयिष्याव | असावयिष्याम |

| | | |
|-----------|----------|----------|
| व० सावयते | सावयेते | सावयन्ते |
| सावयसे | सावयेथे | सावयन्वे |
| सावये | सावयावहे | सावयामहे |

| | | |
|-----------|-----------|------------|
| स० सावयेत | सावयेताम् | सावयेरन् |
| सावयेथाः | सावयेथाम् | सावयेध्वम् |
| सावयेथ | सावयेवहि | सावयेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० सावयताम् | सावयेताम् | सावयन्ताम् |
| सावयस्व | सावयेथाम् | सावयध्वम् |
| सावये | सावयावहे | सावयामहे |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| ह्य० असावयत | असावयेताम् | असावयन्त |
| असावयथाः | असावयेथाम् | असावयध्वम् |
| असावये | असावयावहि | असावयामहि |

| | | |
|-----------|------------|------------|
| अ० असीसवत | असीसवताम् | असीसवन्त |
| असीसवथाः | असीसवेथाम् | असीसवध्वम् |
| असीसवे | असीसवावहि | असीसवामहि |

| | | |
|------------------------|---------------|----------------|
| प० सावयाञ्चक्रे | सावयाञ्चकाते | सावयाञ्चकिरे |
| सावयाञ्चकृवे | सावयाञ्चकृथे | सावयाञ्चकृद्वे |
| सावयाञ्चक्रे | सावयाञ्चकृवहे | सावयाञ्चकृमहे |
| सावयाञ्चभूव । सावयामास | | |

| | | |
|---------------|-----------------|--------------|
| आ० सावयिषीष्ट | सावयिषीयास्ताम् | सावयिषीरन् |
| सावयिषीष्ठाः | सावयिषीयास्थाम् | सावयिषीड्वम् |
| | | ध्वम् |

| | | |
|----------|------------|------------|
| सावयिषीय | सावयिषीवहि | सावयिषीमहि |
|----------|------------|------------|

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| श्व० सावयिता | सावयितारौ | सावयितारः |
| सावयितासे | सावयितास्थे | सावयिताध्वे |
| सावयिताहे | सावयितास्वहे | सावयितास्महे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ० सावयिष्यते | सावयिष्येते | सावयिष्यन्ते |
| सावयिष्यसे | सावयिष्येथे | सावयिष्यन्वे |
| सावयिष्ये | सावयिष्यावहे | सावयिष्यामहे |

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| क्रि० असावयिष्यत् | असावयिष्येताम् | असावयिष्यन्त |
| असावयिष्यथाः | असावयिष्येथाम् | असावयिष्यध्वम् |
| असावयिष्ये | असावयिष्यावहि | असावयिष्यामहि |

| | | |
|-----------|-----------|---------|
| अ० असूसवत | असूसवताम् | असूसवन् |
| असूसवः | असूसवतम् | असूसवत |
| असूसवम् | असूसवाव | असूसवाम |

| | | |
|-----------|------------|------------|
| अ० असूसवत | असूसवेताम् | असूसवन्त |
| असूसवथाः | असूसवेथाम् | असूसवध्वम् |
| असूसवे | असूसवावहि | असूसवामहि |

॥ ऋदन्ता नव ॥

18 स्मृ (स्मृ) चिन्तायाम्

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० स्मारयति | स्मारयतः | स्मारयन्ति |
| स्मारयसि | स्मारयथः | स्मारयथ |
| स्मारयामि | स्मारयावः | स्मारयामः |
| स० स्मारयेत् | स्मारयेताम् | स्मारयेयुः |
| स्मारयेः | स्मारयेतम् | स्मारयेत |
| स्मारयेयम् | स्मारयेव | स्मारयेम |
| प० स्मारयतु | स्मारयतात् | स्मारयताम् |
| स्मारय | स्मारयताम् | स्मारयत |
| स्मारयाणि | स्मारयाव | स्मारयाम |
| ह्य० अस्मारयत् | अस्मारयताम् | अस्मारयन् |
| अस्मारयः | अस्मारयतम् | अस्मारयत |
| अस्मारयम् | अस्मारयाव | अस्मारयाम |
| अ० असस्मारत् | असस्मारताम् | असस्मारन् |
| असस्मारः | असस्मारतम् | असस्मारत |
| असस्मारम् | असस्माराव | असस्माराम |
| प० स्मारयाञ्चकार | स्मारयाञ्चकृतुः | स्मारयाञ्चकुः |
| स्मारयाञ्चकर्थ | स्मारयाञ्चकथुः | स्मारयाञ्चक |
| स्मारयाञ्चकार-चकर | स्मारयाञ्चकृव | स्मारयाञ्चकृम |
| स्मारयाञ्चभुव । | स्मारयामास | |
| आ० स्मार्यात् | स्मार्यास्ताम् | स्मार्यासुः |
| स्मार्याः | स्मार्यास्तम् | स्मार्यास्त |
| स्मार्यासम् | स्मार्यास्व | स्मार्यास्म |
| श्व० स्मारयिता | स्मारयितारौ | स्मारयितारः |
| स्मारयितासि | स्मारयितास्थः | स्मारयितास्थ |
| स्मारयितास्मि | स्मारयितास्वः | स्मारयितास्मः |
| भ० स्मारयिष्यति | स्मारयिष्यतः | स्मारयिष्यन्ति |
| स्मारयिष्यसि | स्मारयिष्यथः | स्मारयिष्यथ |
| स्मारयिष्यामि | स्मारयिष्यावः | स्मारयिष्यामः |
| क्रि० अस्मारयिष्यत् | अस्मारयिष्यताम् | अस्मारयिष्यन् |
| अस्मारयिष्यः | अस्मारयिष्यतम् | अस्मारयिष्यत |
| अस्मारयिष्यम् | अस्मारयिष्याव | अस्मारयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० स्मारयते | स्मारयेते | स्मारयन्ते |
| स्मारयसे | स्मारयेथे | स्मारयध्वे |
| स्मारये | स्मारयावहे | स्मारयामहे |
| स० स्मारयेत | स्मारयेयाताम् | स्मारयेरन् |
| स्मारयेथाः | स्मारयेयाथाम् | स्मारयेध्वम् |
| स्मारयेय | स्मारयेवहि | स्मारयेमहि |
| प० स्मारयताम् | स्मारयेताम् | स्मारयन्ताम् |
| स्मारयस्व | स्मारयेथाम् | स्मारयध्वम् |
| स्मारये | स्मारयावहै | स्मारयामहै |
| ह्य० अस्मारयत | अस्मारयेताम् | अस्मारयन्त |
| अस्मारयथाः | अस्मारयेथाम् | अस्मारयध्वम् |
| अस्मारये | अस्मारयावहि | अस्मारयामहि |
| अ० असस्मारत | असस्मरेताम् | असस्मारन्त |
| असस्मरथाः | असस्मरेथाम् | असस्मरध्वम् |
| असस्मरे | असस्मरावहि | असस्मरामहि |
| प० स्मारयाञ्चक्रे | स्मारयाञ्चकृते | स्मारयाञ्चकृते |
| स्मारयाञ्चकृषे | स्मारयाञ्चकृथे | स्मारयाञ्चकृद्वे |
| स्मारयाञ्चक्रे | स्मारयाञ्चकृहे | स्मारयाञ्चकृमहे |
| स्मारयाञ्चभूव | । स्मारयामास | |
| आ० स्मारयिषीष्ट | स्मारयिषीयास्ताम् | स्मारयिषीरन् |
| स्मारयिषीष्टाः | स्मारयिषीयास्थाम् | स्मारयिषीध्वम् |
| | | स्मारयिषीमहि |
| स्मारयिषीय | स्मारयिषीवहि | स्मारयिषीमहि |
| श्व० स्मारयिता | स्मारयितारौ | स्मारयितारः |
| स्मारयितासे | स्मारयितासाथे | स्मारयिताध्वे |
| स्मारयिताहे | स्मारयितास्वहे | स्मारयितास्महे |
| भ० स्मारयिष्यते | स्मारयिष्येते | स्मारयिष्यन्ते |
| स्मारयिष्यसे | स्मारयिष्येथे | स्मारयिष्यध्वे |
| स्मारयिष्ये | स्मारयिष्यावहे | स्मारयिष्यामहे |
| क्रि० अस्मारयिष्यत | अस्मारयिष्येताम् | अस्मारयिष्यन्त |
| अस्मारयिष्यथाः | अस्मारयिष्येथाम् | अस्मारयिष्यध्व |
| अस्मारयिष्ये | अस्मारयिष्यावहि | अस्मारयिष्यामहि |

आध्याने घटादिवत्स्मरयन्तीत्यादि ।

19 गृ (गृ) सेचने ।

| | | |
|-------------------|----------------|--------------|
| व० गारयति | गारयतः | गारयन्ति |
| गारयसि | गारयथः | गारयथ |
| गारयामि | गारयावः | गारयामः |
| स० गारयेत् | गारयेताम् | गारयेयुः |
| गारयेः | गारयेतम् | गारयेत |
| गारयेयम् | गारयेव | गारयेम |
| प० गारयतु | गारयतात् | गारयताम् |
| गारय | गारयतम् | गारयत |
| गारयाणि | गारयाव | गारयाम |
| ह्य० अगारयत् | अगारयताम् | अगारयन् |
| अगारयः | अगारयतम् | अगारयत |
| अगारयम् | अगारयाव | अगारयाम |
| अ० अजीगरत् | अजीगरताम् | अजीगरन् |
| अजीगरः | अजीगरतम् | अजीगरत |
| अजीगरम् | अजीगराव | अजीगराम |
| प० गारयाञ्चकार | गारयाञ्चक्रतुः | गारयाञ्चकुः |
| गारयाञ्चकथं | गारयाञ्चकथुः | गारयाञ्चक |
| गारयाञ्चकार-चकर | गारयाञ्चकृव | गारयाञ्चकृम |
| गारयाम्बभूव | गारयामास | |
| आ० गार्यात् | गार्यास्ताम् | गार्यासुः |
| गार्याः | गार्यास्तम् | गार्यास्त |
| गार्यासम् | गार्यास्व | गार्यास्म |
| श्व० गारयिता | गारयितारौ | गारयितारः |
| गारयितासि | गारयितास्थः | गारयितास्थ |
| गारयितास्मि | गारयितास्वः | गारयितास्मः |
| भ० गारयिष्यति | गारयिष्यतः | गारयिष्यन्ति |
| गारयिष्यसि | गारयिष्यथः | गारयिष्यथ |
| गारयिष्यामि | गारयिष्यावः | गारयिष्यामः |
| क्रि० अगारयिष्यत् | अगारयिष्यताम् | अगारयिष्यन् |
| अगारयिष्यः | अगारयिष्यतम् | अगारयिष्यत |
| अगारयिष्यम् | अगारयिष्याव | अगारयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० गारयते | गारयेते | गारयन्ते |
| गारयसे | गारयेथे | गारयध्वे |
| गारये | गारयावहे | गारयामहे |
| स० गारयेत् | गारयेयाताम् | गारयेरन् |
| गारयेथाः | गारयेयाथाम् | गारयेध्वम् |
| गारयेय | गारयेवहि | गारयेमहि |
| प० गारयताम् | गारयेताम् | गारयन्ताम् |
| गारयस्व | गारयेथाम् | गारयध्वम् |
| गारये | गारयावहै | गारयामहै |
| ह्य० अगारयत | अगारयेताम् | अगारयन्त |
| अगारयथाः | अगारयेथाम् | अगारयध्वम् |
| अगारये | अगारयावहि | अगारयामहि |
| अ० अजीगरत | अजीगरेताम् | अजीगरन्त |
| अजीगरथाः | अजीगरेथाम् | अजीगरध्वम् |
| अजीगरे | अजीगरावहि | अजीगरामहि |
| प० गारयाञ्चक्रे | गारयाञ्चक्राते | गारयाञ्चक्रिरे |
| गारयाञ्चकृषे | गारयाञ्चक्राथे | गारयाञ्चकृद्वे |
| गारयाञ्चक्रे | गारयाञ्चकृवहे | गारयाञ्चकृमहे |
| गारयाम्बभूव | गारयामास | |
| आ० गारयिषीष्ट | गारयिषीयास्ताम् | गारयिषीरन् |
| गारयिषीष्ठाः | गारयिषीयाथाम् | गारयिषीध्वम् |
| | | गारयिषीध्वम् |
| गारयिषीय | गारयिषीवहि | गारयिषीमहि |
| श्व० गारयिता | गारयितारौ | गारयितारः |
| गारयितासे | गारयितासाथे | गारयिताध्वे |
| गारयिताहे | गारयितास्वहे | गारयितास्महे |
| भ० गारयिष्यते | गारयिष्येते | गारयिष्यन्ते |
| गारयिष्यसे | गारयिष्येथे | गारयिष्यध्वे |
| गारयिष्ये | गारयिष्यावहे | गारयिष्यामहे |
| क्रि० अगारयिष्यत | अगारयिष्येताम् | अगारयिष्यन्त |
| अगारयिष्यथाः | अगारयिष्येथाम् | अगारयिष्यध्वम् |
| अगारयिष्ये | अगारयिष्यावहि | अगारयिष्यामहि |

20 घृ (घृ) सेचने ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० धारयति | धारयतः | धारयन्ति |
| धारयसि | धारयथः | धारयथ |
| धारयामि | धारयावः | धारयामः |
| स० धारयेत् | धारयेताम् | धारयेयुः |
| धारयेः | धारयेतम् | धारयेत |
| धारयेयम् | धारयेव | धारयेम |
| प० धारयतु | धारयतात् | धारयताम् |
| धारय | धारयतात् | धारयतम् |
| धारयाणि | धारयाव | धारयाम |
| ह्य० अधारयत् | अधारयताम् | अधारयन् |
| अधारयः | अधारयतम् | अधारयत |
| अधारयम् | अधारयाव | अधारयाम |
| अ० अजीघरत् | अजीघरताम् | अजीघरन् |
| अजीघरः | अजीघरतम् | अजीघरत |
| अजीघरम् | अजीघराव | अजीघराम |
| प० धारयाञ्चकार | धारयाञ्चकृतुः | धारयाञ्चकृः |
| धारयाञ्चकर्थ | धारयाञ्चकथुः | धारयाञ्चक |
| धारयाञ्चकार-चकर | धारयाञ्चकृव | धारयाञ्चकृम |
| धारयाम्बभूव | धारयामास | |
| आ० धार्यात् | धार्यास्ताम् | धार्यासुः |
| धार्याः | धार्यास्तम् | धार्यास्त |
| धार्यासम् | धार्यास्व | धार्यास्म |
| श्व० धारयिता | धारयितारौ | धारयितारः |
| धारयितासि | धारयितास्थः | धारयितास्थ |
| धारयितास्मि | धारयितास्वः | धारयितास्मः |
| भ० धारयिष्यति | धारयिष्यतः | धारयिष्यन्ति |
| धारयिष्यसि | धारयिष्यथः | धारयिष्यथ |
| धारयिष्यामि | धारयिष्यावः | धारयिष्यामः |
| क्रि० अधारयिष्यत् | अधारयिष्यताम् | अधारयिष्यन् |
| अधारयिष्यः | अधारयिष्यतम् | अधारयिष्यत |
| अधारयिष्यम् | अधारयिष्याव | अधारयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० धारयते | धारयंते | धारयन्ते |
| धारयसे | धारयथे | धारयन्वे |
| धारये | धारयावहे | धारयामहे |
| स० धारयेत् | धारयेयाताम् | धारयेरन् |
| धारयेथाः | धारयेयाथाम् | धारयेष्वम् |
| धारयेय | धारयेवहि | धारयेमहि |
| प० धारयताम् | धारयेताम् | धारयन्ताम् |
| धारयस्व | धारयेथाम् | धारयष्वम् |
| धारये | धारयावहे | धारयामहे |
| ह्य० अधारयत | अधारयताम् | अधारयन्त |
| अधारयथाः | अधारयेथाम् | अधारयष्वम् |
| अधारये | अधारयावहि | अधारयामहि |
| अ० अजीघरत | अजीघरेताम् | अजीघरन्त |
| अजीघरथाः | अजीघरेथाम् | अजीघरष्वम् |
| अजीघरे | अजीघरावहि | अजीघरामहि |
| प० धारयाञ्चक्रे | धारयाञ्चकृते | धारयाञ्चकृरे |
| धारयाञ्चकृषे | धारयाञ्चकृथे | धारयाञ्चकृवे |
| धारयाञ्चक्रे | धारयाञ्चकृवहे | धारयाञ्चकृमहे |
| धारयाम्बभूव | धारयामास | |
| आ० धारयिषीष्ट | धारयिषीयास्ताम् | धारयिषीरन् |
| धारयिषीष्टाः | धारयिषीयास्थाम् | धारयिषीद्वम् |
| | | धारयिषीष्वम् |
| धारयिषीय | धारयिषीवहि | धारयिषीमहि |
| श्व० धारयिता | धारयितारौ | धारयितारः |
| धारयितासे | धारयितासाथे | धारयितान्वे |
| धारयिताहे | धारयितास्वहे | धारयितास्महे |
| भ० धारयिष्यते | धारयिष्यंते | धारयिष्यन्ते |
| धारयिष्यसे | धारयिष्यथे | धारयिष्यन्वे |
| धारयिष्ये | धारयिष्यावहे | धारयिष्यामहे |
| क्रि० अधारयिष्यत | अधारयिष्यताम् | अधारयिष्यन्त |
| अधारयिष्यथाः | अधारयिष्येथाम् | अधारयिष्यष्वम् |
| अधारयिष्ये | अधारयिष्यावहि | अधारयिष्यामहि |

2। औस्वृ (स्वृ) शब्दोपतापयोः ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | स्वारयति | स्वारयतः | स्वारयन्ति |
| | स्वारयसि | स्वारयथः | स्वारयथ |
| | स्वारयामि | स्वारयावः | स्वारयामः |
| स० | स्वारयेत् | स्वारयेताम् | स्वारयेयुः |
| | स्वारयेः | स्वारयेतम् | स्वारयेत |
| | स्वारयेयम् | स्वारयेव | स्वारयेम |
| प० | स्वारयतु | स्वारयतात् | स्वारयताम् |
| | स्वारय | स्वारयतात् | स्वारयतम् |
| | स्वारयाणि | स्वारयाव | स्वारयाम |
| ह्य० | अस्वारयत् | अस्वारयताम् | अस्वारयन् |
| | अस्वारयः | अस्वारयतम् | अस्वारयत |
| | अस्वारयम् | अस्वारयाव | अस्वारयाम |
| अ० | असिस्वरत् | असिस्वरताम् | असिस्वरन् |
| | असिस्वरः | असिस्वरतम् | असिस्वरत |
| | असिस्वरम् | असिस्वराव | असिस्वराम |
| प० | स्वारयाञ्चकार | स्वारयाञ्चकतुः | स्वारयाञ्चकुः |
| | स्वारयाञ्चकर्थ | स्वारयाञ्चकथुः | स्वारयाञ्चक |
| | स्वारयाञ्चकार-चकर | स्वारयाञ्चकृव | स्वारयाञ्चकृम |
| | स्वारयाम्बभूव | । | स्वारयामास |
| आ० | स्वार्यात् | स्वार्यास्ताम् | स्वार्यासुः |
| | स्वार्याः | स्वार्यास्तम् | स्वार्यास्त |
| | स्वार्यासम् | स्वार्यास्व | स्वार्यास्म |
| श्व० | स्वारयिता | स्वारयितारौ | स्वारयितारः |
| | स्वारयितासि | स्वारयितास्थः | स्वारयितास्थ |
| | स्वारयितास्मि | स्वारयितास्वः | स्वारयितास्मः |
| भ० | स्वारयिष्यति | स्वारयिष्यतः | स्वारयिष्यन्ति |
| | स्वारयिष्यसि | स्वारयिष्यथः | स्वारयिष्यथ |
| | स्वारयिष्यामि | स्वारयिष्यावः | स्वारयिष्यामः |
| क्रि० | अस्वारयिष्यत् | अस्वारयिष्यताम् | अस्वारयिष्यन् |
| | अस्वारयिष्यः | अस्वारयिष्यतम् | अस्वारयिष्यत |
| | अस्वारयिष्यम् | अस्वारयिष्याव | अस्वारयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्वारयते | स्वारयेते | स्वारयन्ते |
| | स्वारयसे | स्वारयेथे | स्वारयध्वे |
| | स्वारये | स्वारयावहे | स्वारयामहे |
| स० | स्वारयेत् | स्वारयेयाताम् | स्वारयेरन् |
| | स्वारयेथाः | स्वारयेयाथाम् | स्वारयेध्वम् |
| | स्वारयेय | स्वारयेवहि | स्वारयेमहि |
| प० | स्वारयताम् | स्वारयेताम् | स्वारयन्ताम् |
| | स्वारयस्व | स्वारयेथाम् | स्वारयध्वम् |
| | स्वारये | स्वारयावहै | स्वारयामहै |
| ह्य० | अस्वारयत | अस्वारयेताम् | अस्वारयन्त |
| | अस्वारयथाः | अस्वारयेथाम् | अस्वारयध्वम् |
| | अस्वारये | अस्वारयावहि | अस्वारयामहि |
| अ० | असिस्वरत | असिस्वरेताम् | असिस्वरन्त |
| | असिस्वरथाः | असिस्वरेथाम् | असिस्वरध्वम् |
| | असिस्वरे | असिस्वरावहि | असिस्वरामहि |
| प० | स्वारयाञ्चक्रे | स्वारयाञ्चकृते | स्वारयाञ्चकृरे |
| | स्वारयाञ्चकृषे | स्वारयाञ्चकृथे | स्वारयाञ्चकृध्वे |
| | स्वारयाञ्चक्रे | स्वारयाञ्चकृवहे | स्वारयाञ्चकृमहे |
| | स्वारयाम्बभूव | । | स्वारयामास |
| आ० | स्वारयिषीष्ट | स्वारयिषीयास्ताम् | स्वारयिषीरन् |
| | स्वारयिषीष्ठाः | स्वारयिषीयास्थाम् | स्वारयिषीध्वम् |
| | स्वारयिषीय | स्वारयिषीवहि | स्वारयिषीमहि |
| श्व० | स्वारयिता | स्वारयितारौ | स्वारयितारः |
| | स्वारयितासे | स्वारयितासथे | स्वारयिताध्वे |
| | स्वारयिताहे | स्वारयितास्वहे | स्वारयितास्महे |
| भ० | स्वारयिष्यते | स्वारयिष्येते | स्वारयिष्यन्ते |
| | स्वारयिष्यते | स्वारयिष्येथे | स्वारयिष्यध्वे |
| | स्वारयिष्ये | स्वारयिष्यवहे | स्वारयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्वारयिष्यत | अस्वारयिष्येताम् | अस्वारयिष्यन्त |
| | अस्वारयिष्यथाः | अस्वारयिष्येथाम् | अस्वारयिष्यध्वम् |
| | अस्वारयिष्ये | अस्वारयिष्यवहि | अस्वारयिष्यामहि |

२२ दृष्ट (दृष्ट) वरणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | द्वारयति | द्वारयतः | द्वारयन्ति |
| | द्वारयसि | द्वारयथः | द्वारयथ |
| | द्वारयामि | द्वारयावः | द्वारयामः |
| स० | द्वारयेत् | द्वारयेताम् | द्वारयेयुः |
| | द्वारयेः | द्वारयेतम् | द्वारयेत |
| | द्वारयेयम् | द्वारयेव | द्वारयेम |
| प० | द्वारयतु | द्वारयतात् | द्वारयताम् |
| | द्वारय | द्वारयतात् | द्वारयतम् |
| | द्वारयाणि | द्वारयाव | द्वारयाम |
| ह्य० | अद्वारयत् | अद्वारयताम् | अद्वारयन् |
| | अद्वारयः | अद्वारयतम् | अद्वारयत |
| | अद्वारयम् | अद्वारयाव | अद्वारयाम |
| अ० | अदिद्वरत् | अदिद्वरताम् | अदिद्वरन् |
| | अदिद्वरः | अदिद्वरतम् | अदिद्वरत |
| | अदिद्वरम् | अदिद्वराव | अदिद्वराम |
| प० | द्वारयाञ्चकार | द्वारयाञ्चकतुः | द्वारयाञ्चकुः |
| | द्वारयाञ्चकर्थ | द्वारयाञ्चकथुः | द्वारयाञ्चक |
| | द्वारयाञ्चकार-चकर | द्वारयाञ्चकृव | द्वारयाञ्चकृम |
| | द्वारयाम्बभूव | । | द्वारयामास |
| आ० | द्वार्यात् | द्वार्यास्ताम् | द्वार्यासुः |
| | द्वार्याः | द्वार्यास्तम् | द्वार्यास्त |
| | द्वार्यासम् | द्वार्यास्व | द्वार्यास्म |
| श्व० | द्वारयिता | द्वारयितारौ | द्वारयितारः |
| | द्वारयितासि | द्वारयितास्थः | द्वारयितास्थ |
| | द्वारयितास्मि | द्वारयितास्वः | द्वारयितास्मः |
| भ० | द्वारयिष्यति | द्वारयिष्यतः | द्वारयिष्यन्ति |
| | द्वारयिष्यसि | द्वारयिष्यथः | द्वारयिष्यथ |
| | द्वारयिष्यामि | द्वारयिष्यावः | द्वारयिष्यामः |
| क्रि० | अद्वारयिष्यत् | अद्वारयिष्यताम् | अद्वारयिष्यन् |
| | अद्वारयिष्यः | अद्वारयिष्यतम् | अद्वारयिष्यत |
| | अद्वारयिष्यम् | अद्वारयिष्याव | अद्वारयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | द्वारयते | द्वारयेते | द्वारयन्ते |
| | द्वारयसे | द्वारयेथे | द्वारयन्वे |
| | द्वारये | द्वारयावहे | द्वारयामहे |
| स० | द्वारयेत् | द्वारयेयाताम् | द्वारयेरन् |
| | द्वारयेथाः | द्वारयेथाथाम् | द्वारयेष्वम् |
| | द्वारयेय | द्वारयेवहि | द्वारयेमहि |
| प० | द्वारयताम् | द्वारयेताम् | द्वारयन्ताम् |
| | द्वारयस्व | द्वारयेथाम् | द्वारयन्वम् |
| | द्वारयै | द्वारयावहै | द्वारयामहै |
| ह्य० | अद्वारयत | अद्वारयेताम् | अद्वारयन्त |
| | अद्वारयथाः | अद्वारयेथाम् | अद्वारयन्वम् |
| | अद्वारये | अद्वारयावहि | अद्वारयामहि |
| अ० | अदिद्वरत | अदिद्वरेताम् | अदिद्वरन्त |
| | अदिद्वरथाः | अदिद्वरेथाम् | अदिद्वरन्वम् |
| | अदिद्वरे | अदिद्वरावहि | अदिद्वरामहि |
| प० | द्वारयाञ्चके | द्वारयाञ्चकाते | द्वारयाञ्चकिरे |
| | द्वारयाञ्चकृषे | द्वारयाञ्चकृथे | द्वारयाञ्चकृव्हे |
| | द्वारयाञ्चके | द्वारयाञ्चकृवहे | द्वारयाञ्चकृमहे |
| | द्वारयाम्बभूव | । | द्वारयामास |
| आ० | द्वारयिषीष्ट | द्वारयिषीयास्ताम् | द्वारयिषीरन् |
| | द्वारयिषीष्ठाः | द्वारयिषीयास्थाम् | द्वारयिषीद्वम् |
| | | | द्वारयिषीन्वम् |
| | द्वारयिषीय | द्वारयिषीषहि | द्वारयिषीमहि |
| श्व० | द्वारयिता | द्वारयितारौ | द्वारयितारः |
| | द्वारयितासे | द्वारयितासाथे | द्वारयितान्वे |
| | द्वारयिताहे | द्वारयितास्वहे | द्वारयितास्महे |
| भ० | द्वारयिष्यते | द्वारयिष्येते | द्वारयिष्यन्ते |
| | द्वारयिष्यते | द्वारयिष्येथे | द्वारयिष्यन्वे |
| | द्वारयिष्ये | द्वारयिष्यावहे | द्वारयिष्यामहे |
| क्रि० | अद्वारयिष्यत | अद्वारयिष्येताम् | अद्वारयिष्यन्त |
| | अद्वारयिष्यथाः | अद्वारयिष्येथाम् | अद्वारयिष्यन्वम् |
| | अद्वारयिष्ये | अद्वारयिष्यावहि | अद्वारयिष्यामहि |

ॐ अ० अदूदवा अदूदवताम् अदूदवन् अदूदवः अदूदवतम् अदूदवत अदूदवम् अदूदवाव अदूदवाम
अ० अदूदवत अदूदवेताम् अदूदवन्त अदूदवथाः अदूदवेथाम् अदूदवध्वम् अदूदवे अदूदवावहि अदूदवामहि ॥

(२४)

॥ धातुरत्नाकरद्वितीयभागे णिगन्तप्रक्रिया ॥

॥ षड्दन्ताः ॥

॥ १२ हुं (हु) गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० दावयति | दावयतः | दावयन्ति |
| दावयसि | दावयथः | दावयथ |
| दावयामि | दावयावः | दावयामः |
| स० दावयेत् | दावयेताम् | दावयेयुः |
| दावयेः | दावयेतम् | दावयेत |
| दावयेयम् | दावयेव | दावयेम |
| प० दावयतु | दावयतात् | दावयताम् |
| दावय | दावयतात् | दावयतम् |
| दावयानि | दावयाव | दावयाम |
| ह्य० अदावयत् | अदावयताम् | अदावयन् |
| अदावयः | अदावयतम् | अदावयत |
| अदावयम् | अदावयाव | अदावयाम |
| अ० अदीदवत् | अदीदवताम् | अदीदवन् |
| अदीदवः | अदीदवतम् | अदीदवन्त |
| अदीदवम् | अदीदवाव | अदीदवाम |
| प० दावयाञ्चकार | दावयाञ्चकतुः | दावयाञ्चकुः |
| दावयाञ्चकथे | दावयाञ्चकथुः | दावयाञ्चक |
| दावयाञ्चकार-चकर | दावयाञ्चकृव | दावयाञ्चकृम |
| दावयाम्बभूव | । दावयामास | |
| आ० दाव्यात् | दाव्यास्ताम् | दाव्यासुः |
| दाव्याः | दाव्यास्तम् | दाव्यास्त |
| दाव्यासम् | दाव्यास्व | दाव्यास्म |
| श्व० दावयिता | दावयितारौ | दावयितारः |
| दावयितासि | दावयितास्थः | दावयितास्थ |
| दावयितास्मि | दावयितास्वः | दावयितास्मः |
| भ० दावयिष्यति | दावयिष्यतः | दावयिष्यन्ति |
| दावयिष्यसि | दावयिष्यथः | दावयिष्यथ |
| दावयिष्यामि | दावयिष्यावः | दावयिष्यामः |
| क्रि० अदावयिष्यत् | अदावयिष्यताम् | अदावयिष्यन् |
| अदावयिष्यः | अदावयिष्यतम् | अदावयिष्यत |
| अदावयिष्यम् | अदावयिष्याव | अदावयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० दावयते | दावयेते | दावयन्ते |
| दावयसे | दावयेथे | दावयन्वे |
| दावये | दावयावहे | दावयामहे |
| स० दावयेत | दावयेयाताम् | दावयेरन् |
| दावयेथाः | दावयेयाथाम् | दावयेध्वम् |
| दावयेय | दावयेवहि | दावयेमहि |
| प० दावयताम् | दावयेताम् | दावयन्ताम् |
| दावयस्व | दावयेथाम् | दावयध्वम् |
| दावयै | दावयावहै | दावयामहै |
| ह्य० अदावयत | अदावयेताम् | अदावयन्त |
| अदावयथाः | अदावयेथाम् | अदावयध्वम् |
| अदावये | अदावयावहि | अदावयामहि |
| अ० अदीदवत् | अदीदवेताम् | अदीदवन् ॥ |
| अदीदवः | अदीदवेतम् | अदीदवन्त |
| अदीदवम् | अदीदवावहि | अदीदवामहि |
| प० दावयाञ्चके | दावयाञ्चकाते | दावयाञ्चकिरे |
| दावयाञ्चकृषे | दावयाञ्चकृषे | दावयाञ्चकृद्वे |
| दावयाञ्चके | दावयाञ्चकृवहे | दावयाञ्चकृमहे |
| दावयाम्बभूव | । दावयामास | |
| आ० दावयिषीष्ट | दावयिषीयास्ताम् | दावयिषीरन् |
| दावयिषीष्टाः | दावयिषीयास्थाम् | दावयिषीध्वम् |
| | | दावयिषीध्वम् |
| दावयिषीय | दावयिषीवहि | दावयिषीमहि |
| श्व० दावयिता | दावयितारौ | दावयितारः |
| दावयितासे | दावयितासाथे | दावयितान्वे |
| दावयिताहे | दावयितास्वहे | दावयितास्महे |
| भ० दावयिष्यते | दावयिष्येते | दावयिष्यन्ते |
| दावयिष्यसे | दावयिष्येथे | दावयिष्यन्वे |
| दावयिष्ये | दावयिष्यावहे | दावयिष्यामहे |
| क्रि० अदावयिष्यत | अदावयिष्येताम् | अदावयिष्यन्त |
| अदावयिष्यथाः | अदावयिष्येथाम् | अदावयिष्यध्वम् |
| अदावयिष्ये | अदावयिष्यावहि | अदावयिष्यामहि |

24 ह्रं (हृ) कौटिल्ये

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| व० | ह्वारयति | ह्वारयतः | ह्वारयन्ति |
| | ह्वारयसि | ह्वारयथः | ह्वारयथ |
| | ह्वारयामि | ह्वारयावः | ह्वारयामः |
| स० | ह्वारयेत् | ह्वारयेताम् | ह्वारयेयुः |
| | ह्वारयेः | ह्वारयेतम् | ह्वारयेत |
| | ह्वारयेयम् | ह्वारयेव | ह्वारयेम |
| प० | ह्वारयतु | ह्वारयतात् | ह्वारयताम् |
| | ह्वारय | ह्वारयतात् | ह्वारयतम् |
| | ह्वारयाणि | ह्वारयाव | ह्वारयाम |
| ह्र० | अह्वारयत् | अह्वारयताम् | अह्वारयन् |
| | अह्वारयः | अह्वारयतम् | अह्वारयत |
| | अह्वारयम् | अह्वारयाव | अह्वारयाम |
| अ० | अजिह्वरत् | अजिह्वरताम् | अजिह्वरन् |
| | अजिह्वरः | अजिह्वरतम् | अजिह्वरत |
| | अजिह्वरम् | अजिह्वराव | अजिह्वराम |
| प० | ह्वारयाञ्चकार | ह्वारयाञ्चकतुः | ह्वारयाञ्चकुः |
| | ह्वारयाञ्चकर्थ | ह्वारयाञ्चकथुः | ह्वारयाञ्चक |
| | ह्वारयाञ्चकार-चक्र | ह्वारयाञ्चकव | ह्वारयाञ्चकृम |
| | ह्वारयाञ्चभूव | ह्वारयामास | |
| आ० | ह्वार्यात् | ह्वार्यास्ताम् | ह्वार्यासु |
| | ह्वार्याः | ह्वार्यास्तम् | ह्वार्यास्त |
| | ह्वार्यासम् | ह्वार्यास्व | ह्वार्यास्म |
| श्व० | ह्वारयिता | ह्वारयितारौ | ह्वारयितारः |
| | ह्वारयितासि | ह्वारयितास्थः | ह्वारयितास्थ |
| | ह्वारयितास्मि | ह्वारयितास्वः | ह्वारयितास्मः |
| भ० | ह्वारयिष्यति | ह्वारयिष्यतः | ह्वारयिष्यन्ति |
| | ह्वारयिष्यसि | ह्वारयिष्यथः | ह्वारयिष्यथ |
| | ह्वारयिष्यामि | ह्वारयिष्यावः | ह्वारयिष्यामः |
| क्रि० | अह्वारयिष्यत् | अह्वारयिष्यताम् | अह्वारयिष्यन् |
| | अह्वारयिष्यः | अह्वारयिष्यतम् | अह्वारयिष्यत |
| | अह्वारयिष्यम् | अह्वारयिष्याव | अह्वारयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | ह्वारयते | ह्वारयेते | ह्वारयन्ते |
| | ह्वारयसे | ह्वारयथे | ह्वारयध्वे |
| | ह्वारये | ह्वारयावहे | ह्वारयामहे |
| स० | ह्वारयेत | ह्वारयेयाताम् | ह्वारयेरन् |
| | ह्वारयेथाः | ह्वारयेथाताम् | ह्वारयेध्वम् |
| | ह्वारयेय | ह्वारयेवहि | ह्वारयेमहि |
| प० | ह्वारयताम् | ह्वारयेताम् | ह्वारयन्ताम् |
| | ह्वारयस्व | ह्वारयथाम् | ह्वारयध्वम् |
| | ह्वारये | ह्वारयावहे | ह्वारयामहे |
| ह्र० | अह्वारयत | अह्वारयेताम् | अह्वारयन्त |
| | अह्वारयथाः | अह्वारयेथाम् | अह्वारयध्वम् |
| | अह्वारये | अह्वारयावहि | अह्वारयामहि |
| अ० | अजिह्वरत | अजिह्वरेताम् | अजिह्वरन्त |
| | अजिह्वरथाः | अजिह्वरेथाम् | अजिह्वरध्वम् |
| | अजिह्वरे | अजिह्वरावहि | अजिह्वरामहि |
| प० | ह्वारयाञ्चक्रे | ह्वारयाञ्चक्राते | ह्वारयाञ्चकिरे |
| | ह्वारयाञ्चकृषे | ह्वारयाञ्चक्रथे | ह्वारयाञ्चकृन्वे |
| | ह्वारयाञ्चक्रे | ह्वारयाञ्चकृवहे | ह्वारयाञ्चकृमहे |
| | ह्वारयाञ्चभूव | ह्वारयामास | |
| आ० | ह्वारयिषीष्ट | ह्वारयिषीयास्ताम् | ह्वारयिषीरन् |
| | ह्वारयिषीष्टाः | ह्वारयिषीयास्थाम् | ह्वारयिषीध्वम् |
| | ह्वारयिषीय | ह्वारयिषीवहि | ह्वारयिषीमहि |
| श्व० | ह्वारयिता | ह्वारयितारौ | ह्वारयितारः |
| | ह्वारयितसे | ह्वारयितासाथे | ह्वारयिताध्वे |
| | ह्वारयिताहे | ह्वारयितास्वहे | ह्वारयितास्महे |
| भ० | ह्वारयिष्यते | ह्वारयिष्येते | ह्वारयिष्यन्ते |
| | ह्वारयिष्यसे | ह्वारयिष्यथे | ह्वारयिष्यध्वे |
| | ह्वारयिष्ये | ह्वारयिष्यावहे | ह्वारयिष्यामहे |
| क्रि० | अह्वारयिष्यत् | अह्वारयिष्येताम् | अह्वारयिष्यन्त |
| | अह्वारयिष्यथाः | अह्वारयिष्येथाम् | अह्वारयिष्यध्वम् |
| | अह्वारयिष्ये | अह्वारयिष्यावहि | अह्वारयिष्यामहि |

26 छं (सृ) गतौ ।

| | | | | | |
|-------------------|---------------|--------------|------------------|-----------------|-----------------|
| ब० सारयति | सारयतः | सारयन्ति | ब० सारयते | सारयेते | सारयन्ते |
| सारयसि | सारयथः | सारयथ | सारयसे | सारयेथे | सारयन्वे |
| सारयामि | सारयावः | सारयामः | सारये | सारयावहे | सारयामहे |
| स० सारयेत् | सारयेताम् | सारयेयुः | स० सारयेत् | सारयेयाताम् | सारयेरन् |
| सारयेः | सारयेतम् | सारयेत | सारयेथाः | सारयेयाथाम् | सारयेष्वम् |
| सारयेयम् | सारयेव | सारयेम | सारयेय | सारयेवहि | सारयेमहि |
| प० सारयतु | सारयतात् | सारयताम् | प० सारयताम् | सारयेताम् | सारयन्ताम् |
| सारय | सारयतात् | सारयतम् | सारयस्व | सारयेथाम् | सारयन्वम् |
| सारयाणि | सारयाव | सारयाम | सारयै | सारयावहे | सारयामहे |
| ह्य० असारयत् | असारयताम् | असारयन् | ह्य० असारयत | असारयेताम् | असारयन्त |
| असारयः | असारयतम् | असारयत | असारयथाः | असारयेथाम् | असारयन्वम् |
| असारयम् | असारयाव | असारयाम | असारये | असारयावहि | असारयामहि |
| अ० असीसरत् | असीसरताम् | असीसरन् | अ० असीसरत | असीसरेताम् | असीसरन्त |
| असीसरः | असीसरतम् | असीसरत | असीसरथाः | असीसरेथाम् | असीसरन्वम् |
| असीसरम् | असीसराव | असीसराम | असीसरे | असीसरावहि | असीसरामहि |
| प० सारयाञ्चकार | सारयाञ्चकतुः | सारयाञ्चकुः | प० सारयाञ्चके | सारयाञ्चकते | सारयाञ्चकिरे |
| सारयाञ्चकर्त्तुः | सारयाञ्चकथुः | सारयाञ्चक | सारयाञ्चकृषे | सारयाञ्चकथे | सारयाञ्चकृद् वे |
| सारयाञ्चकार-चकर | सारयाञ्चकृव | सारयाञ्चकृम | सारयाञ्चके | सारयाञ्चकृवहे | सारयाञ्चकृमहे |
| सारयाम्बभूव | सारयामास | | सारयाम्बभूव | सारयामास | |
| आ० सार्यात् | सार्यास्ताम् | सार्यासुः | आ० सारयिषीष्ट | सारयिषीयास्ताम् | सारयिषीरन् |
| सार्याः | सार्यास्तम् | सार्यास्त | सारयिषीष्ठाः | सारयिषीयास्थाम् | सारयिषीद्वम् |
| सार्यासम् | सार्यास्व | सार्यास्म | | | सारयिषीष्वम् |
| श्व० सारयिता | सारयितारौ | सारयितारः | सारयिषीय | सारयिषीवहि | सारयिषीमहि |
| सारयितासि | सारयितास्थः | सारयितास्थ | श्व० सारयिता | सारयितारौ | सारयितारः |
| सारयितास्मि | सारयितारः | सारयितास्मः | सारयितासे | सारयितास्थे | सारयिताध्वे |
| भ० सारयिष्यति | सारयिष्यतः | सारयिष्यन्ति | सारयिताहे | सारयितारवहे | सारयितास्महे |
| सारयिष्यसि | सारयिष्यथः | सारयिष्यथ | भ० सारयिष्यते | सारयिष्येते | सारयिष्यन्ते |
| सारयिष्यामि | सारयिष्यावः | सारयिष्यामः | सारयिष्यसे | सारयिष्येथे | सारयिष्यन्वे |
| क्रि० असारयिष्यत् | असारयिष्यताम् | असारयिष्यन् | सारयिष्ये | सारयिष्यावहे | सारयिष्यामहे |
| असारयिष्यः | असारयिष्यतम् | असारयिष्यत | क्रि० असारयिष्यत | असारयिष्येताम् | असारयिष्यन्त |
| असारयिष्यम् | असारयिष्याव | असारयिष्याम | असारयिष्यथाः | असारयिष्येथाम् | असारयिष्यन्वम् |
| | | | असारयिष्ये | असारयिष्यावहि | असारयिष्यामहि |

26 कं (कृ) प्रापणे च । चकाराद्गतौ

| | | | |
|------|--------------|----------------|----------------|
| व० | अर्पयति | अर्पयतः | अर्पयन्ति |
| | अर्पयसि | अर्पयथः | अर्पयथ |
| | अर्पयामि | अर्पयावः | अर्पयामः |
| स० | अर्पयेत् | अर्पयेताम् | अर्पयेयुः |
| | अर्पयेः | अर्पयेतम् | अर्पयेत |
| | अर्पयेयम् | अर्पयेव | अर्पयेम |
| प० | अर्पयतु | अर्पयतात् | अर्पयताम् |
| | अर्पय | अर्पयतात् | अर्पयतम् |
| | अर्पयाणि | अर्पयाव | अर्पयाम |
| ह्य० | अर्पयत् | अर्पयताम् | अर्पयन् |
| | अर्पयः | अर्पयतम् | अर्पयत |
| | अर्पयम् | अर्पयाव | अर्पयाम |
| अ० | अर्पिपत् | अर्पिपताम् | अर्पिपन् |
| | अर्पिपः | अर्पिपतम् | अर्पिपत |
| | अर्पिपम् | अर्पिपाव | अर्पिपाम |
| प० | अर्पयाञ्चकार | अर्पयाञ्चक्रुः | अर्पयाञ्चक्रुः |
| | अर्पयाञ्चकथं | अर्पयाञ्चक्रुः | अर्पयाञ्चक्रुः |
| | अर्पयाञ्चकार | चकर | अर्पयाञ्चक्रुव |
| | अर्पयाम्बभूव | । | अर्पयामास |
| आ० | अर्प्यात् | अर्प्यास्ताम् | अर्प्यासुः |
| | अर्प्याः | अर्प्यास्तम् | अर्प्यास्त |
| | अर्प्यासम् | अर्प्यास्व | अर्प्यास्म |
| श्व० | अर्पयिता | अर्पयितारौ | अर्पयितारः |
| | अर्पयितासि | अर्पयितास्यः | अर्पयितास्य |
| | अर्पयितास्मि | अर्पयितास्वः | अर्पयितास्मः |
| भ० | अर्पयिष्यति | अर्पयिष्यतः | अर्पयिष्यन्ति |
| | अर्पयिष्यसि | अर्पयिष्यथः | अर्पयिष्यथ |
| | अर्पयिष्यामि | अर्पयिष्यावः | अर्पयिष्यामः |
| कि० | आर्पयिष्यत् | आर्पयिष्यताम् | आर्पयिष्यन् |
| | आर्पयिष्यः | आर्पयिष्यतम् | आर्पयिष्यत |
| | आर्पयिष्यम् | आर्पयिष्याव | आर्पयिष्याम |

| | | | |
|------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | अर्पयते | अर्पयेते | अर्पयन्ते |
| | अर्पयसे | अर्पयेथे | अर्पयन्वे |
| | अर्पये | अर्पयावहे | अर्पयामहे |
| स० | अर्पयेत् | अर्पयेयाताम् | अर्पयेरन् |
| | अर्पयेथाः | अर्पयेयाथाम् | अर्पयेष्वम् |
| | अर्पयेय | अर्पयेवहि | अर्पयेमहि |
| प० | अर्पयताम् | अर्पयेताम् | अर्पयन्ताम् |
| | अर्पयस्व | अर्पयेथाम् | अर्पयस्वम् |
| | अर्पये | अर्पयावहे | अर्पयामहे |
| ह्य० | आर्पयत् | आर्पयेताम् | आर्पयन्त |
| | आर्पयथाः | आर्पयेथाम् | आर्पयस्वम् |
| | आर्पये | आर्पयावहि | आर्पयामहि |
| अ० | आर्पिपत् | आर्पिपताम् | आर्पिपन्त |
| | आर्पिपथाः | आर्पिपेथाम् | आर्पिपस्वम् |
| | आर्पिपे | आर्पिपावहि | आर्पिपामहि |
| प० | अर्पयाञ्चक्रे | अर्पयाञ्चक्राते | अर्पयाञ्चक्रिरे |
| | अर्पयाञ्चकृषे | अर्पयाञ्चक्रथे | अर्पयाञ्चकृष्वे |
| | अर्पयाञ्चक्रे | अर्पयाञ्चक्रुवहे | अर्पयाञ्चक्रमहे |
| | अर्पयाम्बभूव | । | अर्पयामास |
| आ० | अर्पयिषीष्ट | अर्पयिषीयास्ताम् | अर्पयिषीरन् |
| | अर्पयिषीष्ठाः | अर्पयिषीयाथाम् | अर्पयिषीष्वम् |
| | अर्पयिषीय | अर्पयिषीवहि | अर्पयिषीमहि |
| श्व० | अर्पयिता | अर्पयितारौ | अर्पयितारः |
| | अर्पयितासे | अर्पयितासाथे | अर्पयितास्ये |
| | अर्पयिताहे | अर्पयितास्वहे | अर्पयितास्महे |
| भ० | अर्पयिष्यते | अर्पयिष्येते | अर्पयिष्यन्ते |
| | अर्पयिष्यसे | अर्पयिष्येथे | अर्पयिष्यन्वे |
| | अर्पयिष्यहे | अर्पयिष्यावहे | अर्पयिष्यामहे |
| कि० | आर्पयिष्यत् | आर्पयिष्यताम् | आर्पयिष्यन्त |
| | आर्पयिष्यथाः | आर्पयिष्येथाम् | आर्पयिष्यस्वम् |
| | आर्पयिष्ये | आर्पयिष्यावहि | आर्पयिष्यामहि |

27 तृ प्लवनतरणयोः

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० तारयति | तारयतः | तारयन्ति |
| तारयसि | तारयथः | तारयथ |
| तारयामि | तारयावः | तारयामः |
| स० तारयेत् | तारयेताम् | तारयेयुः |
| तारयेः | तारयेतम् | तारयेत |
| तारयेयम् | तारयेव | तारयेम |
| प० तारयतु | तारयतात् | तारयताम् |
| तारय | तारयतम् | तारयत |
| तारयाणि | तारयाव | तारयाम |
| ह्य० अतारयत् | अतारयताम् | अतारयन् |
| अतारयः | अतारयतम् | अतारयत |
| अतारयम् | अतारयाव | अतारयाम |
| अ० अतीतरत् | अतीतरताम् | अतीतरन् |
| अतीतरः | अतीतरतम् | अतीतरत |
| अतीतरम् | अतीतराव | अतीतराम |
| प० तारयाञ्चकार | तारयाञ्चकतुः | तारयाञ्चकुः |
| तारयाञ्चकर्थ | तारयाञ्चकथुः | तारयाञ्चक |
| तारयाञ्चकार-चकर | तारयाञ्चकृव | तारयाञ्चकृम |
| तारयाम्बभूव । | तारयामास | |
| आ० तार्यात् | तार्यास्ताम् | तार्यासुः |
| तार्याः | तार्यास्तम् | तार्यास्त |
| तार्यामम् | तार्यास्व | तार्यास्मि |
| श्व० तारयिता | तारयितारौ | तारयितारः |
| तारयितासि | तारयितास्थः | तारयितास्थ |
| तारयितास्मि | तारयितास्वः | तारयितास्मः |
| भ० तारयिष्यति | तारयिष्यतः | तारयिष्यन्ति |
| तारयिष्यसि | तारयिष्यथः | तारयिष्यथ |
| तारयिष्यामि | तारयिष्यावः | तारयिष्यामः |
| क्रि० अतारयिष्यत् | अतारयिष्यताम् | अतारयिष्यन् |
| अतारयिष्यः | अतारयिष्यतम् | अतारयिष्यत |
| अतारयिष्यम् | अतारयिष्याव | अतारयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० तारयते | तारयेते | तारयन्ते |
| तारयसे | तारयेथे | तारयध्वे |
| तारये | तारयावहे | तारयामहे |
| स० तारयेत | तारयेयाताम् | तारयेरन् |
| तारयेथाः | तारयेयाथाम् | तारयेध्वम् |
| तारयेय | तारयेवहि | तारयेमहि |
| प० तारयताम् | तारयेताम् | तारयन्ताम् |
| तारयस्व | तारयेथाम् | तारयध्वम् |
| तारये | तारयावहै | तारयामहै |
| ह्य० अतारयत | अतारयेताम् | अतारयन्त |
| अतारयथाः | अतारयेथाम् | अतारयध्वम् |
| अतारये | अतारयावहि | अतारयामहि |
| अ० अतीतरत | अतीतरेताम् | अतीतरन्त |
| अतीतरथाः | अतीतरेथाम् | अतीतरध्वम् |
| अतीतरे | अतीतरावहि | अतीतरामहि |
| प० तारयाञ्चके | तारयाञ्चकाते | तारयाञ्चकिरे |
| तारयाञ्चकृषे | तारयाञ्चकाथे | तारयाञ्चकृद्वे |
| तारयाञ्चके | तारयाञ्चकृवहे | तारयाञ्चकृमहे |
| तारयाम्बभूव । | तारयामास | |
| आ० तारयिषीष्ट | तारयिषीयास्ताम् | तारयिषीरन् |
| तारयिषीष्टाः | तारयिषीयास्थाम् | तारयिषीद्वम् |
| | | तारयिषीध्वम् |
| तारयिषीय | तारयिषीवहि | तारयिषीमहि |
| श्व० तारयिता | तारयितारौ | तारयितारः |
| तारयितासे | तारयितासाथे | तारयिताध्वे |
| तारयिताहे | तारयितास्वहे | तारयितास्महे |
| भ० तारयिष्यते | तारयिष्येते | तारयिष्यन्ते |
| तारयिष्यसे | तारयिष्येथे | तारयिष्यध्वे |
| तारयिष्ये | तारयिष्यावहे | तारयिष्यामहे |
| क्रि० अतारयिष्यत | अतारयिष्येताम् | अतारयिष्यन्त |
| अतारयिष्यथाः | अतारयिष्येथाम् | अतारयिष्यध्वम् |
| अतारयिष्ये | अतारयिष्यावहि | अतारयिष्यामहि |

28 दृष्टे (दृष्टे) पाने

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० धापयति | धापयतः | धापयन्ति |
| धापयसि | धापयथः | धापयथ |
| धापयामि | धापयावः | धापयामः |
| स० धापयेत् | धापयेताम् | धापयेयुः |
| धापयेः | धापयेतम् | धापयेत |
| धापयेयम् | धापयेव | धापयेम |
| प० धापयतु | धापयतात् | धापयताम् |
| धापय | धापयतम् | धापयत |
| धापयानि | धापयाव | धापयाम |
| ह्य० अधापयत् | अधापयताम् | अधापयन् |
| अधापयः | अधापयतम् | अधापयत |
| अधापयम् | अधापयाव | अधापयाम |
| अ० अदीधपत् | अदीधपताम् | अदीधपन् |
| अदीधपः | अदीधपतम् | अदीधपत |
| अदीधपम् | अदीधपाव | अदीधपाम |
| प० धापयाञ्चकार | धापयाञ्चकतुः | धापयाञ्चकुः |
| धापयाञ्चकर्थ | धापयाञ्चकथुः | धापयाञ्चक |
| धापयाञ्चकार-चकर | धापयाञ्चकृव | धापयाञ्चकृम |
| धापयाम्बभूव । | धापयामास | |
| आ० धाप्यात् | धाप्यास्ताम् | धाप्यासुः |
| धाप्याः | धाप्यास्तम् | धाप्यास्त |
| धाप्यासम् | धाप्यास्व | धाप्यास्म |
| श्व० धापयिता | धापयितारौ | धापयितारः |
| धापयितासि | धापयितास्थः | धापयितास्थ |
| धापयितास्मि | धापयितास्वः | धापयितास्मः |
| भ० धापयिष्यति | धापयिष्यतः | धापयिष्यन्ति |
| धापयिष्यसि | धापयिष्यथः | धापयिष्यथ |
| धापयिष्यामि | धापयिष्यावः | धापयिष्यामः |
| क्रि० अधापयिष्यत् | अधापयिष्यताम् | अधापयिष्यन् |
| अधापयिष्यः | अधापयिष्यतम् | अधापयिष्यत |
| अधापयिष्यम् | अधापयिष्याव | अधापयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० धापयते | धापयेते | धापयन्ते |
| धापयसे | धापयेथे | धापयन्वे |
| धापये | धापयावहे | धापयामहे |
| स० धापयेत् | धापयेयाताम् | धापयेरन् |
| धापयेथाः | धापयेयाथाम् | धापयेय्वम् |
| धापयेय | धापयेवहि | धापयेमहि |
| प० धापयताम् | धापयेताम् | धापयन्ताम् |
| धापयस्व | धापयेथाम् | धापयन्वम् |
| धापये | धापयावहे | धापयामहे |
| ह्य० अधापयत | अधापयेताम् | अधापयन्त |
| अधापयथाः | अधापयेथाम् | अधापयन्वम् |
| अधापये | अधापयावहि | अधापयामहि |
| अ० अदीधपत | अदीधपेताम् | अदीधपन्त |
| अदीधपथाः | अदीधपेथाम् | अदीधपन्वम् |
| अदीधपे | अदीधपावहि | अदीधपामहि |
| प० धापयाञ्चक्रे | धापयाञ्चकाते | धापयाञ्चकिरे |
| धापयाञ्चकृषे | धापयाञ्चकृथे | धापयाञ्चकृव्वे |
| धापयाञ्चक्रे | धापयाञ्चकृवहे | धापयाञ्चकृमहे |
| धापयाम्बभूव । | धापयामास | |
| आ० धापयिषीष्ट | धापयिषीयास्ताम् | धापयिषीरन् |
| धापयिषीष्टाः | धापयिषीयास्थाम् | धापयिषीव्वम् |
| धापयिषीय | धापयिषीवहि | धापयिषीमहि |
| श्व० धापयिता | धापयितारौ | धापयितारः |
| धापयितासे | धापयितासाथे | धापयिताव्वे |
| धापयिताहे | धापयितास्वहे | धापयितास्महे |
| भ० धापयिष्यते | धापयिष्येते | धापयिष्यन्ते |
| धापयिष्यसे | धापयिष्येथे | धापयिष्यन्वे |
| धापयिष्ये | धापयिष्यावहे | धापयिष्यामहे |
| क्रि० अधापयिष्यत् | अधापयिष्येताम् | अधापयिष्यन्त |
| अधापयिष्यथाः | अधापयिष्येथाम् | अधापयिष्यन्वम् |
| अधापयिष्ये | अधापयिष्यावहि | अधापयिष्यामहि |

॥ एदन्ता एकविंशतिः ॥

29 दैव (दै) शोधने

| | | | |
|------|------------------|----------------|---------------|
| व० | दापयति | दापयतः | दापयन्ति |
| | दापयसि | दापयथः | दापयथ |
| | दापयामि | दापयावः | दापयामः |
| स० | दापयेत् | दापयेताम् | दापयेयुः |
| | दापयेः | दापयेतम् | दापयेत |
| | दापयेयम् | दापयेव | दापयेम |
| प० | दापयतु | दापयतात् | दापयन्तु |
| | दापय | दापयतम् | दापयत |
| | दापयानि | दापयाव | दापयाम |
| ल० | अदापयत् | अदापयताम् | अदापयन् |
| | अदापयः | अदापयतम् | अदापयत |
| | अदापयम् | अदापाव | अदापयाम |
| अ० | अदीदपत् | अदीदपतात् | अदीदपन् |
| | अदीदपः | अदीदपतम् | अदीदपत |
| | अदीदपम् | अदीदपाव | अदीदपाम |
| प० | दापयाञ्चकार | दापयाञ्चक्रतुः | दापयाञ्चक्रुः |
| | दापयाञ्चकथं | दापयाञ्चक्रथुः | दापयाञ्चक्र |
| | दापयाञ्चकार-चक्र | दापयाञ्चक्रुव | दापयाञ्चक्रुम |
| | दापयाम्बभूव | । | दापयामास |
| आ० | दाप्यात् | दाप्यास्ताम् | दाप्यासुः |
| | दाप्याः | दाप्यास्तम् | दाप्यास्त |
| | दाप्यासम् | दाप्यास्व | दाप्यासम |
| श्र० | दापयिता | दापयितारौ | दापयितारः |
| | दापयितासि | दापयितास्थः | दापयितास्थ |
| | दापयितास्मि | दापयितास्वः | दापयितास्मः |
| भ० | दापयिष्यति | दापयिष्यतः | दापयिष्यन्ति |
| | दापयिष्यसि | दापयिष्यथः | दापयिष्यथ |
| | दापयिष्यामि | दापयिष्यावः | दापयिष्यामः |
| कि० | अदापयिष्यत् | अदापयिष्यताम् | अदापयिष्यन् |
| | अदापयिष्यः | अदापयिष्यतम् | अदापयिष्यत |
| | अदापयिष्यम् | अदापयिष्याव | अदापयिष्याम |

| | | | |
|------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | दापयते | दापयेते | दापयन्ते |
| | दापयसे | दापयेथे | दापयध्वे |
| | दापये | दापयावहे | दापयामहे |
| स० | दापयेत | दापयेयाताम् | दापयेरन् |
| | दापयेथाः | दापयेयाथाम् | दापयेध्वम् |
| | दापयेय | दापयेवहि | दापयेमहि |
| प० | दापयताम् | दापयेताम् | दापयन्ताम् |
| | दापयस्व | दापयेथाम् | दापयध्वम् |
| | दापये | दापयावहे | दापयामहे |
| ल० | अदापयत | अदापयेताम् | अदापयन्त |
| | अदापयथाः | अदापयेथाम् | अदापयध्वम् |
| | अदापये | अदापयावहि | अदापयामहि |
| अ० | अदीदपत | अदीदपेताम् | अदीदपन्त |
| | अदीदपथाः | अदीदपेथाम् | अदीदपध्वम् |
| | अदीदपे | अदीदपावहि | अदीदपामहि |
| प० | दापयाञ्चक्रे | दापयाञ्चक्राते | दापयाञ्चकिरे |
| | दापयाञ्चक्रुषे | दापयाञ्चक्राथे | दापयाञ्चक्रुद्वे |
| | दापयाञ्चक्रे | दापयाञ्चक्रुवहे | दापयाञ्चक्रुमहे |
| | दापयाम्बभूव | । | दापयामास |
| आ० | दापयिषीष्ट | दापयिषीयास्ताम् | दापयिषीरन् |
| | दापयिषीष्ठाः | दापयिषीयास्थाम् | दापयिषीद्वम् |
| | दापयिषीय | दापयिषीवहि | दापयिषीमहि |
| श्र० | दापयिता | दापयितारौ | दापयितारः |
| | दापयितासे | दापयितासथे | दापयिताध्वे |
| | दापयिताहे | दापयितास्वहे | दापयितामहे |
| भ० | दापयिष्यते | दापयिष्येते | दापयिष्यन्ते |
| | दापयिष्यसे | दापयिष्येथे | दापयिष्यध्वे |
| | दापयिष्ये | दापयिष्यावहे | दापयिष्यामहे |
| कि० | अदापयिष्यत | अदापयिष्येताम् | अदापयिष्यन्त |
| | अदापयिष्यथाः | अदापयिष्येथाम् | अदापयिष्यध्वम् |
| | अदापयिष्ये | अदापयिष्यावहि | अदापयिष्यामहि |

30 धै (धै) चिन्तायाम्

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | ध्यापयति | ध्यापयतः | ध्यापयन्ति |
| | ध्यापयसि | ध्यापयथः | ध्यापयथ |
| | ध्यापयामि | ध्यापयावः | ध्यापयामः |
| स० | ध्यापयेत् | ध्यापयेताम् | ध्यापयेयुः |
| | ध्यापयेः | ध्यापयेतम् | ध्यापयेत |
| | ध्यापयेयम् | ध्यापयेव | ध्यापयेम |
| प० | ध्यापयतु | ध्यापयतात् | ध्यापयन्तु |
| | ध्यापय | ध्यापयतम् | ध्यापयत |
| | ध्यापयानि | ध्यापयाव | ध्यापयाम |
| ह्य० | अध्यापयत् | अध्यापयताम् | अध्यापयन् |
| | अध्यापयः | अध्यापयतम् | अध्यापयत |
| | अध्यापयम् | अध्यापयाव | अध्यापयाम |
| अ० | अदिध्यपत् | अदिध्यपताम् | अदिध्यपन् |
| | अदिध्यपः | अदिध्यपतम् | अदिध्यपत |
| | अदिध्यपम् | अदिध्यपाव | अदिध्यपाम |
| प० | ध्यापयाञ्चकार | ध्यापयाञ्चकृतः | ध्यापयाञ्चकुः |
| | ध्यापयाञ्चकर्थ | ध्यापयाञ्चकथुः | ध्यापयाञ्चक |
| | ध्यापयाञ्चकार-चकर | ध्यापयाञ्चकृव | ध्यापयाञ्चकृम |
| | ध्यापयाम्बभूव | ध्यापयामास | |
| आ० | ध्याप्यात् | ध्याप्यास्ताम् | ध्याप्यासुः |
| | ध्याप्याः | ध्याप्यास्तम् | ध्याप्यास्त |
| | ध्याप्यासम् | ध्याप्यास्व | ध्याप्यास्म |
| श्व० | ध्यापयिता | ध्यापयितारौ | ध्यापयितारः |
| | ध्यापयितासि | ध्यापयितास्थः | ध्यापयितास्थ |
| | ध्यापयितास्मि | ध्यापयितास्वः | ध्यापयितास्मः |
| अ० | ध्यापयिष्यति | ध्यापयिष्यतः | ध्यापयिष्यन्ति |
| | ध्यापयिष्यसि | ध्यापयिष्यथः | ध्यापयिष्यथ |
| | ध्यापयिष्यामि | ध्यापयिष्यावः | ध्यापयिष्यामः |
| क्रि० | अध्यापयिष्यत् | अध्यापयिष्यताम् | अध्यापयिष्यन् |
| | अध्यापयिष्यः | अध्यापयिष्यतम् | अध्यापयिष्यत |
| | अध्यापयिष्यम् | अध्यापयिष्याव | अध्यापयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | ध्यापयते | ध्यापयेते | ध्यापयन्ते |
| | ध्यापयसे | ध्यापयेथे | ध्यापयन्वे |
| | ध्यापये | ध्यापयावहे | ध्यापयामहे |
| स० | ध्यापयेत | ध्यापयेयाताम् | ध्यापयेरन् |
| | ध्यापयेथाः | ध्यापयेयाथाम् | ध्यापयेध्वम् |
| | ध्यापयेय | ध्यापयेवहि | ध्यापयेमहि |
| प० | ध्यापयताम् | ध्यापयेताम् | ध्यापयन्ताम् |
| | ध्यापयस्व | ध्यापयेथाम् | ध्यापयध्वम् |
| | ध्यापयै | ध्यापयावहे | ध्यापयामहे |
| ह्य० | अध्यापयत | अध्यापयेताम् | अध्यापयन्त |
| | अध्यापयथाः | अध्यापयेथाम् | अध्यापयध्वम् |
| | अध्यापये | अध्यापयावहि | अध्यापयामहि |
| अ० | अदिध्यपत | अदिध्यपेताम् | अदिध्यपन्त |
| | अदिध्यपथाः | अदिध्यपेथाम् | अदिध्यपध्वम् |
| | अदिध्यपे | अदिध्यपावहि | अदिध्यपामहि |
| प० | ध्यापयाञ्चक्रे | ध्यापयाञ्चकृते | ध्यापयाञ्चकृरे |
| | ध्यापयाञ्चकृषे | ध्यापयाञ्चकृथे | ध्यापयाञ्चकृध्वे |
| | ध्यापयाञ्चक्रे | ध्यापयाञ्चकृवहे | ध्यापयाञ्चकृमहे |
| | ध्यापयाम्बभूव | ध्यापयामास | |
| आ० | ध्यापयिषीष्ट | ध्यापयिषीस्ताम् | ध्यापयिषीरन् |
| | ध्यापयिषीष्ठाः | ध्यापयिषीस्थां | ध्यापयिषीध्वम् |
| | ध्यापयिषीय | ध्यापयिषीवहि | ध्यापयिषीमहि |
| श्व० | ध्यापयिता | ध्यापयितारौ | ध्यापयितारः |
| | ध्यापयितासे | ध्यापयितासाथे | ध्यापयिताध्वे |
| | ध्यापयिताहे | ध्यापयितास्वहे | ध्यापयितास्महे |
| अ० | ध्यापयिष्यते | ध्यापयिष्येते | ध्यापयिष्यन्ते |
| | ध्यापयिष्यसे | ध्यापयिष्येथे | ध्यापयिष्यन्वे |
| | ध्यापयिष्ये | ध्यापयिष्यावहे | ध्यापयिष्यामहे |
| क्रि० | अध्यापयिष्यत | अध्यापयिष्येताम् | अध्यापयिष्यन्त |
| | अध्यापयिष्यथाः | अध्यापयिष्येथाम् | अध्यापयिष्यध्वम् |
| | अध्यापयिष्ये | अध्यापयिष्यावहि | अध्यापयिष्यामहि |

31 ग्लै (ग्लै) हर्षक्षये

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० ग्लपयति | ग्लपयतः | ग्लपयन्ति |
| ग्लपयसि | ग्लपयथः | ग्लपयथ |
| ग्लपयामि | ग्लपयावः | ग्लपयामः |
| स० ग्लपयेत् | ग्लपयेताम् | ग्लपयेयुः |
| ग्लपयेः | ग्लपयेतम् | ग्लपयेत |
| ग्लपयेयम् | ग्लपयेव | ग्लपयेम |
| प० ग्लपयतु | ग्लपयतात् | ग्लपयताम् |
| ग्लपय | ग्लपयतम् | ग्लपयत |
| ग्लपयानि | ग्लपयाव | ग्लपयाम |
| ह्य० अग्लपयत् | अग्लपयताम् | अग्लपयन् |
| अग्लपयः | अग्लपयतम् | अग्लपयत |
| अग्लपयम् | अग्लपयाव | अग्लपयाम |
| अ० अजिग्लपत् | अजिग्लपताम् | अजिग्लपन् |
| अजिग्लपः | अजिग्लपतम् | अजिग्लपत |
| अजिग्लपम् | अजिग्लपाव | अजिग्लपाम |
| प० ग्लपयाञ्चकार | ग्लपयाञ्चक्रुः | ग्लपयाञ्चक्रुः |
| ग्लपयाञ्चकथं | ग्लपयाञ्चकथुः | ग्लपयाञ्चक्रुः |
| ग्लपयाञ्चकार-चक्र | ग्लपयाञ्चक्रुव | ग्लपयाञ्चक्रुम |
| ग्लपयाम्बभूव | ग्लपयामास | |
| आ० ग्लप्यात् | ग्लप्यास्ताम् | ग्लप्यासुः |
| ग्लप्याः | ग्लप्यास्तम् | ग्लप्यास्त |
| ग्लप्यासम् | ग्लप्यास्व | ग्लप्यास्म |
| श्व० ग्लपयिता | ग्लपयितारौ | ग्लपयितारः |
| ग्लपयितासि | ग्लपयितास्थः | ग्लपयितास्थ |
| ग्लपयितास्मि | ग्लपयितास्वः | ग्लपयितास्मः |
| भ० ग्लपयिष्यति | ग्लपयिष्यतः | ग्लपयिष्यन्ति |
| ग्लपयिष्यसि | ग्लपयिष्यथः | ग्लपयिष्यथ |
| ग्लपयिष्यामि | ग्लपयिष्यावः | ग्लपयिष्यामः |
| क्रि० अग्लपयिष्यत् | अग्लपयिष्यताम् | अग्लपयिष्यन् |
| अग्लपयिष्यः | अग्लपयिष्यतम् | अग्लपयिष्यत |
| अग्लपयिष्यम् | अग्लपयिष्याव | अग्लपयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० ग्लपयते | ग्लपयेते | ग्लपयन्ते |
| ग्लपयसे | ग्लपयेथे | ग्लपयध्वे |
| ग्लपये | ग्लपयावहे | ग्लपयामहे |
| स० ग्लपयेत | ग्लपयेयाताम् | ग्लपयेरन् |
| ग्लपयेथाः | ग्लपयेयाथाम् | ग्लपयेय्वम् |
| ग्लपयेय | ग्लपयेवहि | ग्लपयेमहि |
| प० ग्लपयताम् | ग्लपयेताम् | ग्लपयन्ताम् |
| ग्लपयस्व | ग्लपयेथाम् | ग्लपयध्वम् |
| ग्लपयै | ग्लपयावहै | ग्लपयामहै |
| ह्य० अग्लपयत | अग्लपयेताम् | अग्लपयन्त |
| अग्लपयथाः | अग्लपयेथाम् | अग्लपयध्वम् |
| अग्लपये | अग्लपयावहि | अग्लपयामहि |
| अ० अजिग्लपत | अजिग्लपेताम् | अजिग्लपन्त |
| अजिग्लपथाः | अजिग्लपेथाम् | अजिग्लपध्वम् |
| अजिग्लपे | अजिग्लपावहि | अजिग्लपामहि |
| प० ग्लपयाञ्चक्रे | ग्लपयाञ्चक्राते | ग्लपयाञ्चकिरे |
| ग्लपयाञ्चकृषे | ग्लपयाञ्चक्राथे | ग्लपयाञ्चकृद्वे |
| ग्लपयाञ्चक्रे | ग्लपयाञ्चकृवहे | ग्लपयाञ्चकृमहे |
| ग्लपयाम्बभूव | ग्लपयामास | |
| आ० ग्लपयिषीष्ट | ग्लपयिषीस्ताम् | ग्लपयिषीरन् |
| ग्लपयिषीष्ठाः | ग्लपयिषीस्थां | ग्लपयिषीद्वम् |
| ग्लपयिषीय | ग्लपयिषीवहि | ग्लपयिषीमहि |
| श्व० ग्लपयिता | ग्लपयितारौ | ग्लपयितारः |
| ग्लपयितासे | ग्लपयितासाथे | ग्लपयिताध्वे |
| ग्लपयिताहे | ग्लपयितास्वहे | ग्लपयितास्महे |
| भ० ग्लपयिष्यते | ग्लपयिष्येते | ग्लपयिष्यन्ते |
| ग्लपयिष्यसे | ग्लपयिष्येथे | ग्लपयिष्यध्वे |
| ग्लपयिष्ये | ग्लपयिष्यावहे | ग्लपयिष्यामहे |
| क्रि० अग्लपयिष्यत | अग्लपयिष्यताम् | अग्लपयिष्यन्त |
| अग्लपयिष्यथाः | अग्लपयिष्येथाम् | अग्लपयिष्यध्वम् |
| अग्लपयिष्ये | अग्लपयिष्यावहि | अग्लपयिष्यामहि |

31 ग्लै (ग्लै) हर्षक्षये ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | ग्लपयति | ग्लपयतः | ग्लपयन्ति |
| | ग्लपयसि | ग्लपयथः | ग्लपयथ |
| | ग्लपयामि | ग्लपयावः | ग्लपयामः |
| स० | ग्लपयेत् | ग्लपयेताम् | ग्लपयेयुः |
| | ग्लपयेः | ग्लपयेतम् | ग्लपयेत |
| | ग्लपयेयम् | ग्लपयेव | ग्लपयेम |
| प० | ग्लपयतु | ग्लपयतात् | ग्लपयताम् |
| | ग्लपय | ग्लपयतात् | ग्लपयतम् |
| | ग्लपयानि | ग्लपयाव | ग्लपयाम |
| ह्य० | अग्लपयत् | अग्लपयताम् | अग्लपयन्त |
| | अग्लपयः | अग्लपयथाम् | अग्लपयध्वम् |
| | अग्लपये | अग्लपयावहि | अग्लपयामहि |
| भ० | अजिग्लपत् | अजिग्लपताम् | अजिग्लपन्त |
| | अजिग्लपः | अजिग्लपतम् | अजिग्लपत |
| | अजिग्लपम् | अजिग्लपाव | अजिग्लपाम |
| प० | ग्लपयाञ्चकार | ग्लपयाञ्चक्रुः | ग्लपयाञ्चक्रुः |
| | ग्लपयाञ्चकर्तुं | ग्लपयाञ्चक्रुः | ग्लपयाञ्चक्रुः |
| | ग्लपयाञ्चकार-चकर | ग्लपयाञ्चक्रुव | ग्लपयाञ्चक्रुम |
| | ग्लपयाम्बभूव | । | ग्लपयामास |
| आ० | ग्लप्यात् | ग्लप्यास्ताम् | ग्लप्यासुः |
| | ग्लप्याः | ग्लप्यास्तम् | ग्लप्यास्त |
| | ग्लप्यासम् | ग्लप्यास्व | ग्लप्यास्म |
| श्च० | ग्लपयिता | ग्लपयितारौ | ग्लपयितारः |
| | ग्लपयितासि | ग्लपयितास्थः | ग्लपयितास्थ |
| | ग्लपयितास्मि | ग्लपयितास्वः | ग्लपयितास्मः |
| भ० | ग्लपयिष्यति | ग्लपयिष्यतः | ग्लपयिष्यन्ति |
| | ग्लपयिष्यसि | ग्लपयिष्यथः | ग्लपयिष्यथ |
| | ग्लपयिष्यामि | ग्लपयिष्यावः | ग्लपयिष्यामः |
| क्रि० | अग्लपयिष्यत् | अग्लपयिष्यताम् | अग्लपयिष्यन्त |
| | अग्लपयिष्यः | अग्लपयिष्यतम् | अग्लपयिष्यत |
| | अग्लपयिष्यम् | अग्लपयिष्याव | अग्लपयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | ग्लपयते | ग्लपयेते | ग्लपयन्ते |
| | ग्लपयसे | ग्लपयेथे | ग्लपयध्वे |
| | ग्लपये | ग्लपयावहे | ग्लपयामहे |
| स० | ग्लपयेत् | ग्लपयेताम् | ग्लपयेयुः |
| | ग्लपयेथाः | ग्लपयेथाम् | ग्लपयेध्वम् |
| | ग्लपयेय | ग्लपयेवहि | ग्लपयेमहि |
| प० | ग्लपयताम् | ग्लपयेताम् | ग्लपयन्ताम् |
| | ग्लपयस्व | ग्लपयेथाम् | ग्लपयध्वम् |
| | ग्लपये | ग्लपयावहे | ग्लपयामहे |
| ह्य० | अग्लपयत | अग्लपयेताम् | अग्लपयन्त |
| | अग्लपयथाः | अग्लपयेथाम् | अग्लपयध्वम् |
| | अग्लपये | अग्लपयावहि | अग्लपयामहि |
| भ० | अजिग्लपत् | अजिग्लपेताम् | अजिग्लपन्त |
| | अजिग्लपथाः | अजिग्लपेथाम् | अजिग्लपध्वम् |
| | अजिग्लपे | अजिग्लपावहि | अजिग्लपामहि |
| प० | ग्लपयाञ्चक्रे | ग्लपयाञ्चक्राते | ग्लपयाञ्चक्रिरे |
| | ग्लपयाञ्चकृषे | ग्लपयाञ्चक्राथे | ग्लपयाञ्चकृद्वे |
| | ग्लपयाञ्चके | ग्लपयाञ्चकृवहे | ग्लपयाञ्चकृमहे |
| | ग्लपयाम्बभूव | । | ग्लपयामास |
| आ० | ग्लपयिषीष्ट | ग्लपयिषीयास्ताम् | ग्लपयिषीरन् |
| | ग्लपयिषीष्टाः | ग्लपयिषीयास्थाम् | ग्लपयिषीध्वम् |
| | ग्लपयिषीय | ग्लपयिषीवहि | ग्लपयिषीमहि |
| श्च० | ग्लपयिता | ग्लपयितारौ | ग्लपयितारः |
| | ग्लपयितासे | ग्लपयितासाथे | ग्लपयिताध्वे |
| | ग्लपयिताहे | ग्लपयितास्वहे | ग्लपयितास्महे |
| भ० | ग्लपयिष्यते | ग्लपयिष्येते | ग्लपयिष्यन्ते |
| | ग्लपयिष्यसे | ग्लपयिष्येथे | ग्लपयिष्यध्वे |
| | ग्लपयिष्ये | ग्लपयिष्यावहे | ग्लपयिष्यामहे |
| क्रि० | अग्लपयिष्यत् | अग्लपयिष्येताम् | अग्लपयिष्यन्त |
| | अग्लपयिष्यथाः | अग्लपयिष्येथाम् | अग्लपयिष्यध्वम् |
| | अग्लपयिष्ये | अग्लपयिष्यावहि | अग्लपयिष्यामहि |

32 म्लै (म्लै) गात्रविनामे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० म्लापयति | म्लापयतः | म्लापयन्ति |
| म्लापयसि | म्लापयथः | म्लापयथ |
| म्लापयामि | म्लापयावः | म्लापयामः |
| स० म्लापयेत् | म्लापयेताम् | म्लापयेयुः |
| म्लापयेः | म्लापयेतम् | म्लापयेत |
| म्लापयेथम् | म्लापयेव | म्लापयेम |
| प० म्लापयतु | म्लापयतात् | म्लापयताम् |
| म्लापय | म्लापयतात् | म्लापयतम् |
| म्लापयानि | म्लापयाव | म्लापयाम |
| ह्य० अम्लापयत् | अम्लापयताम् | अम्लापयन् |
| अम्लापयः | अम्लापयतम् | अम्लापयत |
| अम्लापयम् | अम्लापयाव | अम्लापयाम |
| अ० अमिम्लपत् | अमिम्लपताम् | अमिम्लपन् |
| अमिम्लपः | अमिम्लपतम् | अमिम्लपत |
| अमिम्लपम् | अमिम्लपाव | अमिम्लपाम |
| प० म्लापयाञ्चकार | म्लापयाञ्चक्रुः | म्लापयाञ्चकुः |
| म्लापयाञ्चकथं | म्लापयाञ्चक्रुः | म्लापयाञ्चक |
| म्लापयाञ्चकार-चकर | म्लापयाञ्चकृव | म्लापयाञ्चकृम |
| म्लापयाम्बभूव | म्लापयामास | |
| आ० म्लाप्यात् | म्लाप्यास्ताम् | म्लाप्यासुः |
| म्लाप्याः | म्लाप्यास्तम् | म्लाप्यास्त |
| म्लाप्यासम् | म्लाप्यास्व | म्लाप्यासम |
| थ० म्लापयिता | म्लापयितारौ | म्लापयितारः |
| म्लापयितासि | म्लापयितास्थः | म्लापयितास्थ |
| म्लापयितास्मि | म्लापयितास्वः | म्लापयितास्मः |
| भ० म्लापयिष्यति | म्लापयिष्यतः | म्लापयिष्यन्ति |
| म्लापयिष्यसि | म्लापयिष्यथः | म्लापयिष्यथ |
| म्लापयिष्यामि | म्लापयिष्यावः | म्लापयिष्यामः |
| क्रि० अम्लापयिष्यत् | अम्लापयिष्यताम् | अम्लापयिष्यन् |
| अम्लापयिष्यः | अम्लापयिष्यतम् | अम्लापयिष्यत |
| अम्लापयिष्यम् | अम्लापयिष्याव | अम्लापयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० म्लापयते | म्लापयेते | म्लापयन्ते |
| म्लापयसे | म्लापयेथे | म्लापयन्वे |
| म्लापये | म्लापयावहे | म्लापयामहे |
| स० म्लापयेत | म्लापयेथाताम् | म्लापयेरन् |
| म्लापयेथाः | म्लापयेथायाम् | म्लापयेथ्वम् |
| म्लापयेथ | म्लापयेवहि | म्लापयेमहि |
| प० म्लापयेताम् | म्लापयेताम् | म्लापयन्ताम् |
| म्लापयेस्व | म्लापयेथाम् | म्लापयध्वम् |
| म्लापये | म्लापयावहे | म्लापयामहे |
| ह्य० अम्लापयत | अम्लापयेताम् | अम्लापयन्त |
| अम्लापयथाः | अम्लापयेथाम् | अम्लापयध्वम् |
| अम्लापये | अम्लापयावहि | अम्लापयामहि |
| अ० अमिम्लपत | अमिम्लपेताम् | अमिम्लपन्त |
| अमिम्लपथाः | अमिम्लपेथाम् | अमिम्लपध्वम् |
| अमिम्लपे | अमिम्लपावहि | अमिम्लपामहि |
| प० म्लापयाञ्चक्रे | म्लापयाञ्चक्राते | म्लापयाञ्चक्रिरे |
| म्लापयाञ्चकृषे | म्लापयाञ्चक्राथे | म्लापयाञ्चकृद्वे |
| म्लापयाञ्चक्रे | म्लापयाञ्चकृवहे | म्लापयाञ्चकृमहे |
| म्लापयाम्बभूव | म्लापयामास | |
| आ० म्लापयिषीष्ट | म्लापयिषीयास्ताम् | म्लापयिषीरन् |
| म्लापयिषीष्टाः | म्लापयिषीयास्थाम् | म्लापयिषीद्वम् |
| म्लापयिषीय | म्लापयिषीवहि | म्लापयिषीमहि |
| थ० म्लापयिता | म्लापयितारौ | म्लापयितारः |
| म्लापयितासे | म्लापयितासाथे | म्लापयिताध्वे |
| म्लापयिताहे | म्लापयितास्वहे | म्लापयितास्महे |
| भ० म्लापयिष्यते | म्लापयिष्येते | म्लापयिष्यन्ते |
| म्लापयिष्यसे | म्लापयिष्येथे | म्लापयिष्यन्वे |
| म्लापयिष्ये | म्लापयिष्यावहे | म्लापयिष्यामहे |
| क्रि० अम्लापयिष्यत् | अम्लापयिष्येताम् | अम्लापयिष्यन्त |
| अम्लापयिष्यथाः | अम्लापयिष्येथाम् | अम्लापयिष्यध्वम् |
| अम्लापयिष्ये | अम्लापयिष्यावहि | अम्लापयिष्यामहि |

33 धै (धै) न्यकरणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------|--------------|
| व० | धापयति | धापयतः | धापयन्ति |
| | धापयसि | धापयथः | धापयथ |
| | धापयामि | धापयावः | धापयामः |
| स० | धापयेत् | धापयेताम् | धापयेयुः |
| | धापयेः | धापयेतम् | धापयेत |
| | धापयेयम् | धापयेव | धापयेम |
| प० | धापयतु | धापयतात् | धापयन्तु |
| | धापय | धापयतात् | धापयतम् |
| | धापयानि | धापयाव | धापयाम |
| ह्य० | अधापयत् | अधापयताम् | अधापयन् |
| | अधापयः | अधापयतम् | अधापयत |
| | अधापयम् | अधापयाव | अधापयाम |
| अ० | अदिद्यत् | अदिद्यताम् | अदिद्यन् |
| | अदिद्यपः | अदिद्यपतम् | अदिद्यपत |
| | अदिद्यम् | अदिद्यपव | अदिद्यपाम |
| प० | धापयाञ्चकार | धापयाञ्चक्रुः | धापयाञ्चकुः |
| | धापयाञ्चकथे | धापयाञ्चक्रुथुः | धापयाञ्चक्रु |
| | धापयाञ्चकार-चकर | धापयाञ्चकृव | धापयाञ्चकृम |
| | धापयाम्बभूव | धापयामास | |
| आ० | धाप्यात् | धाप्यास्ताम् | धाप्यासुः |
| | धाप्याः | धाप्यास्तम् | धाप्यास्त |
| | धाप्यासम् | धाप्यास्व | धाप्यास्म |
| श्व० | धापयिता | धापयितारो | धापयितारः |
| | धापयितासि | धापयितासथः | धापयितासथ |
| | धापयितास्मि | धापयितास्वः | धापयितास्मः |
| भ० | धापयिष्यति | धापयिष्यतः | धापयिष्यन्ति |
| | धापयिष्यसि | धापयिष्यथः | धापयिष्यथ |
| | धापयिष्यामि | धापयिष्यावः | धापयिष्यामः |
| क्रि० | अधापयिष्यत् | अधापयिष्यताम् | अधापयिष्यन् |
| | अधापयिष्यः | अधापयिष्यतम् | अधापयिष्यत |
| | अधापयिष्यम् | अधापयिष्याव | अधापयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-------------------|----------------|
| व० | धापयते | धापयेते | धापयन्ते |
| | धापयसे | धापयेथे | धापयन्वे |
| | धापये | धापयावहे | धापयामहे |
| स० | धापयेत | धापयेयाताम् | धापयेरन् |
| | धापयेथाः | धापयेयाथाम् | धापयेध्वम् |
| | धापयेथ | धापयेवहि | धापयेमहि |
| प० | धापयताम् | धापयेताम् | धापयन्ताम् |
| | धापयस्व | धापयेथाम् | धापयध्वम् |
| | धापये | धापयावहे | धापयामहे |
| ह्य० | अधापयत | अधापयेताम् | अधापयन्त |
| | अधापयथाः | अधापयेथाम् | अधापयध्वम् |
| | अधापये | अधापयावहि | अधापयामहि |
| अ० | अदिद्यत | अदिद्येताम् | अदिद्यन्त |
| | अदिद्यथाः | अदिद्येथाम् | अदिद्यध्वम् |
| | अदिद्ये | अदिद्यपवहि | अदिद्यपामहि |
| प० | धापयाञ्चक्रे | धापयाञ्चकृते | धापयाञ्चकृते |
| | धापयाञ्चकृषे | धापयाञ्चकृषे | धापयाञ्चकृद्वे |
| | धापयाञ्चके | धापयाञ्चकृवहे | धापयाञ्चकृमहे |
| | धापयाम्बभूव | धापयामास | |
| आ० | धापयिषीष्ट | धापयिषीष्टात् | धापयिषीरन् |
| | धापयिषीष्टः | धापयिषीष्टास्याम् | धापयिषीष्ट्वम् |
| | धापयिषीय | धापयिषीवहि | धापयिषीमहि |
| श्व० | धापयिता | धापयितारो | धापयितारः |
| | धापयितासे | धापयितासाथे | धापयिताध्वे |
| | धापयिताहे | धापयितास्वहे | धापयितास्महे |
| भ० | धापयिष्यते | धापयिष्येते | धापयिष्यन्ते |
| | धापयिष्यसे | धापयिष्येथे | धापयिष्यन्वे |
| | धापयिष्ये | धापयिष्यावहे | धापयिष्यामहे |
| क्रि० | अधापयिष्यत् | अधापयिष्येताम् | अधापयिष्यन्त |
| | अधापयिष्यथाः | अधापयिष्येथाम् | अधापयिष्यध्वम् |
| | अधापयिष्ये | अधापयिष्यावहि | अधापयिष्यामहि |

34 द्वे (द्वै) स्वप्ने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | द्रापयति | द्रापयतः | द्रापयन्ति |
| | द्रापयसि | द्रापयथः | द्रापयथ |
| | द्रापयामि | द्रापयावः | द्रापयामः |
| स० | द्रापयेत् | द्रापयेताम् | द्रापयेयुः |
| | द्रापयेः | द्रापयेतम् | द्रापयेत |
| | द्रापयेयम् | द्रापयेव | द्रापयेम |
| प० | द्रापयतु | द्रापयतात् | द्रापयताम् |
| | द्रापय | द्रापयतात् | द्रापयतम् |
| | द्रापयाणि | द्रापयाव | द्रापयाम |
| ह्य० | अद्रापयत् | अद्रापयताम् | अद्रापयन् |
| | अद्रापयः | अद्रापयतम् | अद्रापयत |
| | अद्रापयम् | अद्रापयाव | अद्रापयाम |
| अ० | अदिद्रपत् | अदिद्रपताम् | अदिद्रपन् |
| | अदिद्रपः | अदिद्रपतम् | अदिद्रपत |
| | अदिद्रपम् | अदिद्रपाव | अदिद्रपाम |
| प० | द्रापयाञ्चकार | द्रापयाञ्चकतुः | द्रापयाञ्चकुः |
| | द्रापयाञ्चक्यै | द्रापयाञ्चकथुः | द्रापयाञ्चक |
| | द्रापयाञ्चकार-चकर | द्रापयाञ्चकृष | द्रापयाञ्चकृम |
| | द्रापयाम्बभूव | । | द्रापयामास |
| भा० | द्राप्यात् | द्राप्यास्ताम् | द्राप्यासुः |
| | द्राप्याः | द्राप्यास्तम् | द्राप्यास्त |
| | द्राप्यासम् | द्राप्यास्व | द्राप्यास्म |
| श्व० | द्रापयिता | द्रापयितारो | द्रापयितारः |
| | द्रापयितासि | द्रापयितास्थः | द्रापयितास्थ |
| | द्रापयितास्मि | द्रापयितास्वः | द्रापयितास्मः |
| भ० | द्रापयिष्यति | द्रापयिष्यतः | द्रापयिष्यन्ति |
| | द्रापयिष्यसि | द्रापयिष्यथः | द्रापयिष्यथ |
| | द्रापयिष्यामि | द्रापयिष्यावः | द्रापयिष्यामः |
| क्रि० | अद्रापयिष्यत् | अद्रापयिष्यताम् | अद्रापयिष्यन् |
| | अद्रापयिष्यः | अद्रापयिष्यतम् | अद्रापयिष्यत |
| | अद्रापयिष्यम् | अद्रापयिष्याव | अद्रापयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | द्रापयेते | द्रापयेते | द्रापयन्ते |
| | द्रापयसे | द्रापयेथे | द्रापयन्वे |
| | द्रापये | द्रापयावहे | द्रापयामहे |
| स० | द्रापयेत | द्रापयेयाताम् | द्रापयेरन् |
| | द्रापयेथाः | द्रापयेयाथाम् | द्रापयेष्वम् |
| | द्रापयेय | द्रापयेवहि | द्रापयेमहि |
| प० | द्रापयताम् | द्रापयेताम् | द्रापयन्ताम् |
| | द्रापयस्व | द्रापयेथाम् | द्रापयन्वम् |
| | द्रापयै | द्रापयावहै | द्रापयामहै |
| ह्य० | अद्रापयत् | अद्रापयेताम् | अद्रापयन्त |
| | अद्रापयथाः | अद्रापयेथाम् | अद्रापयन्वम् |
| | अद्रापये | अद्रापयावहि | अद्रापयामहि |
| अ० | अदिद्रपत् | अदिद्रपेताम् | अदिद्रपन्त |
| | अदिद्रपथाः | अदिद्रपेथाम् | अदिद्रपन्वम् |
| | अदिद्रपे | अदिद्रपावहि | अदिद्रपामहि |
| प० | द्रापयाञ्चके | द्रापयाञ्चकते | द्रापयाञ्चकिरे |
| | द्रापयाञ्चकुषे | द्रापयाञ्चकाये | द्रापयाञ्चकुद्वे |
| | द्रापयाञ्चके | द्रापयाञ्चकृवहे | द्रापयाञ्चकृमहे |
| | द्रापयाम्बभूव | । | द्रापयामास |
| भा० | द्रापयिषीष्ट | द्रापयिषीयास्ताम् | द्रापयिषीरन् |
| | द्रापयिषीष्टाः | द्रापयिषीयाथाम् | द्रापयिषीद्वम् |
| | द्रापयिषीय | द्रापयिषीवहि | द्रापयिषीमहि |
| श्व० | द्रापयिता | द्रापयितारो | द्रापयितारः |
| | द्रापयितासे | द्रापयितासाथे | द्रापयिताध्वे |
| | द्रापयिताहे | द्रापयितास्वहे | द्रापयितास्महे |
| भ० | द्रापयिष्यते | द्रापयिष्येते | द्रापयिष्यन्ते |
| | द्रापयिष्यसे | द्रापयिष्येथे | द्रापयिष्यन्वे |
| | द्रापयिष्ये | द्रापयिष्यावहे | द्रापयिष्यामहे |
| क्रि० | अद्रापयिष्यत् | अद्रापयिष्येताम् | अद्रापयिष्यन्त |
| | अद्रापयिष्यथाः | अद्रापयिष्येथाम् | अद्रापयिष्यन्वम् |
| | अद्रापयिष्ये | अद्रापयिष्यावहि | अद्रापयिष्यामहि |

35 ध्रं (ध्रै) रुप्रौ ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| व० | प्रापयति | प्रापयतः | प्रापयन्ति |
| | प्रापयसि | प्रापयथः | प्रापयथ |
| | प्रापयामि | प्रापयावः | प्रापयामः |
| स० | प्रापयेत् | प्रापयेताम् | प्रापयेयुः |
| | प्रापयेः | प्रापयेतम् | प्रापयेत |
| | प्रापयेथम् | प्रापयेव | प्रापयेम |
| प० | प्रापयतु | प्रापयतात् | प्रापयताम् |
| | प्रापय | प्रापयतात् | प्रापयतम् |
| | प्रापयाणि | प्रापयाव | प्रापयाम |
| ह्य० | अप्रापयत् | अप्रापयताम् | अप्रापयन् |
| | अप्रापयः | अप्रापयतम् | अप्रापयत |
| | अप्रापयम् | अप्रापयाव | अप्रापयाम |
| अ० | अदिप्रापत् | अदिप्रापताम् | अदिप्रापन् |
| | अदिप्रापः | अदिप्रापतम् | अदिप्रापत |
| | अदिप्रापम् | अदिप्रापाव | अदिप्रापाम |
| प० | प्रापयाश्चकार | प्रापयाश्चकतुः | प्रापयाश्चकुः |
| | प्रापयाश्चकर्त्तुः | प्रापयाश्चकथुः | प्रापयाश्चक |
| | प्रापयाश्चकार-चकर | प्रापयाश्चकृव | प्रापयाश्चकृम |
| | प्रापयाम्बभूव | । | प्रापयामास |
| भा० | प्राप्यात् | प्राप्यास्ताम् | प्राप्यासुः |
| | प्राप्याः | प्राप्यास्तम् | प्राप्यास्त |
| | प्राप्यासम् | प्राप्यास्व | प्राप्यास्म |
| थ० | प्रापयिता | प्रापयितारो | प्रापयितारः |
| | प्रापयितासि | प्रापयितास्यः | प्रापयितास्य |
| | प्रापयितास्मि | प्रापयितास्वः | प्रापयितास्मः |
| भ० | प्रापयिष्यति | प्रापयिष्यतः | प्रापयिष्यन्ति |
| | प्रापयिष्यसि | प्रापयिष्यथः | प्रापयिष्यथ |
| | प्रापयिष्यामि | प्रापयिष्यावः | प्रापयिष्यामः |
| क्रि० | अप्रापयिष्यत् | अप्रापयिष्यताम् | अप्रापयिष्यन् |
| | अप्रापयिष्यः | अप्रापयिष्यतम् | अप्रापयिष्यत |
| | अप्रापयिष्यम् | अप्रापयिष्याव | अप्रापयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | प्रापयते | प्रापयेते | प्रापयन्ते |
| | प्रापयसे | प्रापयेथे | प्रापयन्वै |
| | प्रापये | प्रापयावहे | प्रापयामहे |
| स० | प्रापयेत् | प्रापयेयाताम् | प्रापयेरन् |
| | प्रापयेथाः | प्रापयेयाथाम् | प्रापयेध्वम् |
| | प्रापयेथ | प्रापयेवहि | प्रापयेमहि |
| प० | प्रापयताम् | प्रापयेताम् | प्रापयन्ताम् |
| | प्रापयस्व | प्रापयेथाम् | प्रापयन्वम् |
| | प्रापये | प्रापयावहे | प्रापयामहे |
| ह्य० | अप्रापयत | अप्रापयेताम् | अप्रापयन्त |
| | अप्रापयथाः | अप्रापयेथाम् | अप्रापयध्वम् |
| | अप्रापये | अप्रापयावहि | अप्रापयामहि |
| अ० | अदिप्रापत | अदिप्रापेताम् | अदिप्रापन्त |
| | अदिप्रापथाः | अदिप्रापेथाम् | अदिप्रापध्वम् |
| | अदिप्रापे | अदिप्रापावहि | अदिप्रापामहि |
| प० | प्रापयाञ्चके | प्रापयाञ्चकते | प्रापयाञ्चक्रिरे |
| | प्रापयाञ्चकृषे | प्रापयाञ्चकथे | प्रापयाञ्चकृद्वे |
| | प्रापयाञ्चके | प्रापयाञ्चकृवहे | प्रापयाञ्चकृमहे |
| | प्रापयाम्बभूव | । | प्रापयामास |
| भा० | प्रापयिषीष्ट | प्रापयिषीयास्ताम् | प्रापयिषीरन् |
| | प्रापयिषीष्टाः | प्रापयिषीयाथाम् | प्रापयिषीध्वम् |
| | प्रापयिषीय | प्रापयिषीवहि | प्रापयिषीमहि |
| थ० | प्रापयिता | प्रापयितारो | प्रापयितारः |
| | प्रापयितासे | प्रापयितासाथे | प्रापयितान्वै |
| | प्रापयिताहे | प्रापयितास्वहे | प्रापयितास्महे |
| भ० | प्रापयिष्यते | प्रापयिष्येते | प्रापयिष्यन्ते |
| | प्रापयिष्यसे | प्रापयिष्येथे | प्रापयिष्यन्वै |
| | प्रापयिष्ये | प्रापयिष्यावहे | प्रापयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्रापयिष्यत | अप्रापयिष्येताम् | अप्रापयिष्यन्त |
| | अप्रापयिष्यथाः | अप्रापयिष्येथाम् | अप्रापयिष्यध्वम् |
| | अप्रापयिष्ये | अप्रापयिष्यावहि | अप्रापयिष्यामहि |

36 कै (कै) शब्दे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | कापयति | कापयतः | कापयन्ति |
| | कापयसि | कापयथः | कापयथ |
| | कापयामि | कापयावः | कापयामः |
| स० | कापयेत् | कापयेताम् | कापयेयुः |
| | कापयेः | कापयेतम् | कापयेत |
| | कापयेयम् | कापयेव | कापयेम |
| प० | कापयतु | कापयतात् | कापयताम् |
| | कापय | कापयतात् | कापयतम् |
| | कापयानि | कापयाव | कापयाम |
| ह्य० | अकापयत् | अकापयताम् | अकापयन् |
| | अकापयः | अकापयतम् | अकापयत |
| | अकापयम् | अकापयाव | अकापयाम |
| अ० | अचीकपत् | अचीकपताम् | अचीकपन् |
| | अचीकपः | अचीकपतम् | अचीकपत |
| | अचीकपम् | अचीकपाव | अचीकपाम |
| प० | कापयाञ्चकार | कापयाञ्चक्रुः | कापयाञ्चकुः |
| | कापयाञ्चकथं | कापयाञ्चक्रुः | कापयाञ्चक |
| | कापयाञ्चकार-चकर | कापयाञ्चकृव | कापयाञ्चकृम |
| | कापयाञ्चभूव | । | कापयामास |
| आ० | काप्यात् | काप्यास्ताम् | काप्यासुः |
| | काप्याः | काप्यास्तम् | काप्यास्त |
| | काप्यासम् | काप्यास्व | काप्यास्म |
| श्र० | कापयिता | कापयितारौ | कापयितारः |
| | कापयितासि | कापयितास्थः | कापयितास्थ |
| | कापयितास्मि | कापयितास्वः | कापयितास्मः |
| म० | कापयिष्यति | कापयिष्यतः | कापयिष्यन्ति |
| | कापयिष्यसि | कापयिष्यथः | कापयिष्यथ |
| | कापयिष्यामि | कापयिष्यावः | कापयिष्यामः |
| क्रि० | अकापयिष्यत् | अकापयिष्यताम् | अकापयिष्यन् |
| | अकापयिष्यः | अकापयिष्यतम् | अकापयिष्यत |
| | अकापयिष्यम् | अकापयिष्याव | अकापयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | कापयते | कापयेते | कापयन्ते |
| | कापयसे | कापयेथे | कापयध्वे |
| | कापये | कापयावहे | कापयामहे |
| स० | कापयेत् | कापयेयाताम् | कापयेरन् |
| | कापयेथाः | कापयेयाथाम् | कापयेध्वम् |
| | कापयेय | कापयेवहि | कापयेमहि |
| प० | कापयताम् | कापयेताम् | कापयन्ताम् |
| | कापयस्व | कापयेथाम् | कापयध्वम् |
| | कापये | कापयावहे | कापयामहे |
| ह्य० | अकापयत | अकापयेताम् | अकापयन्त |
| | अकापयथाः | अकापयेथाम् | अकापयध्वम् |
| | अकापये | अकापयावहि | अकापयामहि |
| अ० | अचीकपत् | अचीकपेताम् | अचीकपन्त |
| | अचीकपथाः | अचीकपेथाम् | अचीकपध्वम् |
| | अचीकपे | अचीकपावहि | अचीकपामहि |
| प० | कापयाञ्चक्रे | कापयाञ्चक्राते | कापयाञ्चक्रिरे |
| | कापयाञ्चकृषे | कापयाञ्चकाथे | कापयाञ्चकृवहे |
| | कापयाञ्चके | कापयाञ्चकृवहे | कापयाञ्चकृमहे |
| | कापयाञ्चभूव | । | कापयामास |
| आ० | कापयिषीष्ट | कापयिषीयास्ताम् | कापयिषीरन् |
| | कापयिषीष्टाः | कापयिषीयास्थाम् | कापयिषीध्वम् |
| | कापयिषीय | कापयिषीवहि | कापयिषीमहि |
| श्र० | कापयिता | कापयितारौ | कापयितारः |
| | कापयितासे | कापयितासाथे | कापयिताध्वे |
| | कापयिताहे | कापयितास्वहे | कापयितास्महे |
| म० | कापयिष्यते | कापयिष्येते | कापयिष्यन्ते |
| | कापयिष्यसे | कापयिष्येथे | कापयिष्यध्वे |
| | कापयिष्ये | कापयिष्यावहे | कापयिष्यामहे |
| क्रि० | अकापयिष्यत् | अकापयिष्येताम् | अकापयिष्यन्त |
| | अकापयिष्यथाः | अकापयिष्येथाम् | अकापयिष्यध्वम् |
| | अकापयिष्ये | अकापयिष्यावहि | अकापयिष्यामहि |

मुनिश्रीलावण्याव० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (३९)

37 गै (गै) शब्दे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० गापयति | गापयतः | गापयन्ति |
| गापयसि | गापयथः | गापयथ |
| गापयामि | गापयावः | गापयामः |
| स० गापयेत् | गापयेताम् | गापयेयुः |
| गापयेः | गापयेतम् | गापयेत |
| गापयेयम् | गापयेव | गापयेम |
| प० गापयतु | गापयतात् | गापयन्तु |
| गापय | गापयतात् | गापयतम् |
| गापयानि | गापयाव | गापयाम |
| ह्य० अगापयत | अगापयताम् | अगापयन् |
| अगापयः | अगापयतम् | अगापयत |
| अगापयम् | अगापयाव | अगापयाम |
| अ० अजीगपत् | अजीगपताम् | अजीगपन् |
| अजीगपः | अजीगपतम् | अजीगपत |
| अजीगपम् | अजीगपाव | अजीगपाम |
| प० गापयाञ्चकार | गापयाञ्चक्रुः | गापयाञ्चकुः |
| गापयाञ्चकथं | गापयाञ्चकथुः | गापयाञ्चक |
| गापयाञ्चकार-चकर | गापयाञ्चकृव | गापयाञ्चकृम |
| गापयाम्बभूव | गापयामास | |
| आ० गाप्यात् | गाप्यास्ताम् | गाप्यासुः |
| गाप्याः | गाप्यास्तम् | गाप्यास्त |
| गाप्यासम् | गाप्यास्व | गाप्यास्म |
| श्व० गापयिता | गापयितारौ | गापयितारः |
| गापयितासि | गापयितास्थः | गापयितास्थ |
| गापयितास्मि | गापयितास्वः | गापयितास्मः |
| भ० गापयिष्यति | गापयिष्यतः | गापयिष्यन्ति |
| गापयिष्यसि | गापयिष्यथः | गापयिष्यथ |
| गापयिष्यामि | गापयिष्यावः | गापयिष्यामः |
| क्रि० अगापयिष्यत् | अगापयिष्यताम् | अगापयिष्यन् |
| अगापयिष्यः | अगापयिष्यतम् | अगापयिष्यत |
| अगापयिष्यम् | अगापयिष्याव | अगापयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० गापयते | गापयेते | गापयन्ते |
| गापयसे | गापयेथे | गापयध्वे |
| गापये | गापयावहे | गापयामहे |
| स० गापयेत | गापयेताम् | गापयेरन् |
| गापयेथाः | गापयेथाम् | गापयेध्वम् |
| गापयेथ | गापयेवहि | गापयेमहि |
| प० गापयताम् | गापयेताम् | गापयन्ताम् |
| गापयस्व | गापयेथाम् | गापयध्वम् |
| गापये | गापयावहे | गापयामहे |
| ह्य० अगापयत | अगापयेताम् | अगापयन्त |
| अगापयथाः | अगापयेथाम् | अगापयध्वम् |
| अगापये | अगापयावहि | अगापयामहि |
| अ० अजीगपत | अजीगपेताम् | अजीगपन्त |
| अजीगपथाः | अजीगपेथाम् | अजीगपध्वम् |
| अजीगपे | अजीगपावहि | अजीगपामहि |
| प० गापयाञ्चक्रे | गापयाञ्चक्रते | गापयाञ्चकिरे |
| गापयाञ्चकृषे | गापयाञ्चक्राथे | गापयाञ्चकृद्वे |
| गापयाञ्चक्रे | गापयाञ्चकृवहे | गापयाञ्चकृमहे |
| गापयाम्बभूव | गापयामास | |
| आ० गापयिषीष्ट | गापयिषीथास्ताम् | गापयिषीरन् |
| गापयिषीष्टाः | गापयिषीथास्ताम् | गापयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| गापयिषीय | गापयिषीवहि | गापयिषीमहि |
| श्व० गापयिता | गापयितारौ | गापयितारः |
| गापयितासे | गापयितासाथे | गापयिताध्वे |
| गापयिताहे | गापयितास्वहे | गापयितास्महे |
| भ० गापयिष्यते | गापयिष्येते | गापयिष्यन्ते |
| गापयिष्यसे | गापयिष्येथे | गापयिष्यध्वे |
| गापयिष्ये | गापयिष्यावहे | गापयिष्यामहे |
| क्रि० अगापयिष्यत | अगापयिष्येताम् | अगापयिष्यन्त |
| अगापयिष्यथाः | अगापयिष्येथाम् | अगापयिष्यध्वम् |
| अगापयिष्ये | अगापयिष्यावहि | अगापयिष्यामहि |

38 रै (रै) शब्दे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | रापयति | रापयतः | रापयन्ति |
| | रापयसि | रापयथः | रापयथ |
| | रापयामि | रापयावः | रापयामः |
| स० | रापयेत् | रापयेताम् | रापयेयुः |
| | रापयेः | रापयेतम् | रापयेत |
| | रापयेयम् | रापयेव | रापयेम |
| प० | रापयतु | रापयतात् | रापयताम् |
| | रापय | रापयतात् | रापयतम् |
| | रापयाणि | रापयाव | रापयाम |
| ह्य० | अरापयत | अरापयताम् | अरापयन् |
| | अरापयः | अरापयतम् | अरापयत |
| | अरापयम् | अरापयाव | अरापयाम |
| अ० | अरीरपत् | अरीरपताम् | अरीरपन् |
| | अरीरपः | अरीरपतम् | अरीरपत |
| | अरीरपम् | अरीरपाव | अरीरपाम |
| प० | रापयाञ्चकार | रापयाञ्चक्रुः | रापयाञ्चकुः |
| | रापयाञ्चकथं | रापयाञ्चकथुः | रापयाञ्चक |
| | रापयाञ्चकार-चकर | रापयाञ्चकृव | रापयाञ्चकृम |
| | रापयाञ्चभूव | । | रापयामास |
| आ० | राप्यात् | राप्यास्ताम् | राप्यासुः |
| | राप्याः | राप्यास्तम् | राप्यास्त |
| | राप्यासम् | राप्यास्व | राप्यास्म |
| श्व० | रापयिता | रापयितारौ | रापयितारः |
| | रापयितासि | रापयितास्थः | रापयितास्थ |
| | रापयितास्मि | रापयितास्वः | रापयितास्मः |
| भ० | रापयिष्यति | रापयिष्यतः | रापयिष्यन्ति |
| | रापयिष्यसि | रापयिष्यथः | रापयिष्यथ |
| | रापयिष्यामि | रापयिष्यावः | रापयिष्यामः |
| क्रि० | अरापयिष्यत् | अरापयिष्यताम् | अरापयिष्यन् |
| | अरापयिष्यः | अरापयिष्यतम् | अरापयिष्यत |
| | अरापयिष्यम् | अरापयिष्याव | अरापयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रापयते | रापयेते | रापयन्ते |
| | रापयसे | रापयेथे | रापयध्वे |
| | रापये | रापयावहे | रापयामहे |
| स० | रापयेत् | रापयेताम् | रापयेरन् |
| | रापयेथाः | रापयेथाथाम् | रापयेध्वम् |
| | रापयेथ | रापयेवहि | रापयेमहि |
| प० | रापयताम् | रापयेताम् | रापयन्ताम् |
| | रापयस्व | रापयेथाम् | रापयध्वम् |
| | रापये | रापयावहे | रापयामहे |
| ह्य० | अरापयत | अरापयेताम् | अरापयन्त |
| | अरापयथाः | अरापयेथाम् | अरापयध्वम् |
| | अरापये | अरापयावहि | अरापयामहि |
| अ० | अरीरपत | अरीरपेताम् | अरीरपन्त |
| | अरीरपथाः | अरीरपेथाम् | अरीरपध्वम् |
| | अरीरपे | अरीरपावहि | अरीरपामहि |
| प० | रापयाञ्चक्रे | रापयाञ्चकाते | रापयाञ्चकिरे |
| | रापयाञ्चकृषे | रापयाञ्चक्राथे | रापयाञ्चकृद्वे |
| | रापयाञ्चके | रापयाञ्चकृवहे | रापयाञ्चकृमहे |
| | रापयाञ्चभूव | । | रापयामास |
| आ० | रापयिषीष्ट | रापयिषीयास्ताम् | रापयिषीरन् |
| | रापयिषीष्टाः | रापयिषीयास्थाम् | रापयिषीद्वम् |
| | रापयिषीय | रापयिषीवहि | रापयिषीमहि |
| श्व० | रापयिता | रापयितारौ | रापयितारः |
| | रापयितासे | रापयितासाथे | रापयिताध्वे |
| | रापयिताहे | रापयितास्वहे | रापयितास्महे |
| भ० | रापयिष्यते | रापयिष्येते | रापयिष्यन्ते |
| | रापयिष्यसे | रापयिष्येथे | रापयिष्यध्वे |
| | रापयिष्ये | रापयिष्यावहे | रापयिष्यामहे |
| क्रि० | अरापयिष्यत् | अरापयिष्येताम् | अरापयिष्यन्त |
| | अरापयिष्यथाः | अरापयिष्येथाम् | अरापयिष्यध्वम् |
| | अरापयिष्ये | अरापयिष्यावहि | अरापयिष्यामहि |

39 छत्रै (छत्रै) संघाते च ।
चकाराच्छब्दे ।

| | | | |
|-------|---------------------|---------------------|-----------------------|
| व० | छत्रापयति | छत्रापयतः | छत्रापयन्ति |
| | छत्रापयसि | छत्रापयथः | छत्रापयथ |
| | छत्रापयामि | छत्रापयावः | छत्रापयामः |
| स० | छत्रापयेत् | छत्रापयेताम् | छत्रापयेयुः |
| | छत्रापयेः | छत्रापयेतम् | छत्रापयेत |
| | छत्रापयेयम् | छत्रापयेव | छत्रापयेम |
| प० | छत्रापयतु | छत्रापयतात् | छत्रापयताम् |
| | छत्रापय | छत्रापयतम् | छत्रापयत |
| | छत्रापयानि | छत्रापयाव | छत्रापयाम |
| ह्य० | अछत्रापयत् | अछत्रापयताम् | अछत्रापयन् |
| | अछत्रापयः | अछत्रापयतम् | अछत्रापयत |
| | अछत्रापयम् | अछत्रापयाव | अछत्रापयाम |
| अ० | अतिछत्रापयत् | अतिछत्रापयताम् | अतिछत्रापयन् |
| | अतिछत्रापयः | अतिछत्रापयतम् | अतिछत्रापयत |
| | अतिछत्रापयम् | अतिछत्रापयाव | अतिछत्रापयाम |
| प० | छत्रापयान्नकार | छत्रापयान्नकारतुः | छत्रापयान्नकारः |
| | छत्रापयान्नकार्थ | छत्रापयान्नकार्थुः | छत्रापयान्नकार्थ |
| | छत्रापयान्नकार-चकार | छत्रापयान्नकार-चकार | छत्रापयान्नकार-चकारम् |
| | छत्रापयान्नभूव | छत्रापयान्नभूव | छत्रापयान्नभूव |
| आ० | छत्राप्यात् | छत्राप्यास्ताम् | छत्राप्यासुः |
| | छत्राप्याः | छत्राप्यास्तम् | छत्राप्यास्त |
| | छत्राप्यासम् | छत्राप्यास्व | छत्राप्यासम् |
| क्ष० | छत्रापयिता | छत्रापयितारौ | छत्रापयितारः |
| | छत्रापयितासि | छत्रापयितास्यः | छत्रापयितास्य |
| | छत्रापयितास्मि | छत्रापयितास्वः | छत्रापयितास्मः |
| भ० | छत्रापयिष्यति | छत्रापयिष्यतः | छत्रापयिष्यन्ति |
| | छत्रापयिष्यसि | छत्रापयिष्यथः | छत्रापयिष्यथ |
| | छत्रापयिष्यामि | छत्रापयिष्यावः | छत्रापयिष्यामः |
| क्रि० | अछत्रापयिष्यत् | अछत्रापयिष्यताम् | अछत्रापयिष्यन्त |
| | अछत्रापयिष्यः | अछत्रापयिष्यतम् | अछत्रापयिष्यत |
| | अछत्रापयिष्यम् | अछत्रापयिष्याव | अछत्रापयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|---------------------|
| व० | छत्रापयते | छत्रापयेते | छत्रापयन्ते |
| | छत्रापयसे | छत्रापयेथे | छत्रापयध्वे |
| | छत्रापये | छत्रापयावहे | छत्रापयामहे |
| स० | छत्रापयेत् | छत्रापयेयाताम् | छत्रापयेरन् |
| | छत्रापयेथाः | छत्रापयेथायाम् | छत्रापयेध्वम् |
| | छत्रापयेय | छत्रापयेवहि | छत्रापयेमहि |
| प० | छत्रापयताम् | छत्रापयेताम् | छत्रापयन्ताम् |
| | छत्रापयस्व | छत्रापयेथाम् | छत्रापयध्वम् |
| | छत्रापये | छत्रापयावहे | छत्रापयामहे |
| ह्य० | अछत्रापयत | अछत्रापयेताम् | अछत्रापयन्त |
| | अछत्रापयथाः | अछत्रापयेथाम् | अछत्रापयध्वम् |
| | अछत्रापये | अछत्रापयावहि | अछत्रापयामहि |
| अ० | अतिछत्रापयत | अतिछत्रापयेताम् | अतिछत्रापयन्त |
| | अतिछत्रापयथाः | अतिछत्रापयेथाम् | अतिछत्रापयध्वम् |
| | अतिछत्रापये | अतिछत्रापयावहि | अतिछत्रापयामहि |
| प० | छत्रापयान्नकारे | छत्रापयान्नकाराते | छत्रापयान्नकारिरे |
| | छत्रापयान्नकारे | छत्रापयान्नकाराथे | छत्रापयान्नकाराध्वे |
| | छत्रापयान्नकारे | छत्रापयान्नकारावहे | छत्रापयान्नकारामहे |
| | छत्रापयान्नभूव | छत्रापयान्नभूव | छत्रापयान्नभूव |
| आ० | छत्रापयिषीष्ट | छत्रापयिषीयास्ताम् | छत्रापयिषीरन् |
| | छत्रापयिषीष्टाः | छत्रापयिषीयास्थाम् | छत्रापयिषीध्वम् |
| | छत्रापयिषी | छत्रापयिषीवहि | छत्रापयिषीमहि |
| क्ष० | छत्रापयिता | छत्रापयितारौ | छत्रापयितारः |
| | छत्रापयितासे | छत्रापयितासाथे | छत्रापयिताध्वे |
| | छत्रापयिताहे | छत्रापयितास्वहे | छत्रापयितास्महे |
| भ० | छत्रापयिष्यते | छत्रापयिष्येते | छत्रापयिष्यन्ते |
| | छत्रापयिष्यसे | छत्रापयिष्येथे | छत्रापयिष्यध्वे |
| | छत्रापयिष्ये | छत्रापयिष्यावहे | छत्रापयिष्यामहे |
| क्रि० | अछत्रापयिष्यत | अछत्रापयिष्यताम् | अछत्रापयिष्यन्त |
| | अछत्रापयिष्यथाः | अछत्रापयिष्येथाम् | अछत्रापयिष्यध्वम् |
| | अछत्रापयिष्ये | अछत्रापयिष्यावहि | अछत्रापयिष्यामहि |

40 स्तृ (स्तृ)संघाते च । चकाराच्छब्दे

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० स्तृपयति | स्तृपयतः | स्तृपयन्ति |
| स्तृपयसि | स्तृपयथः | स्तृपयथ |
| स्तृपयामि | स्तृपयावः | स्तृपयामः |
| स० स्तृपयेत् | स्तृपयेताम् | स्तृपयेयुः |
| स्तृपयेः | स्तृपयेताम् | स्तृपयेत |
| स्तृपयेयम् | स्तृपयेव | स्तृपयेम |
| प० स्तृपयतु | स्तृपयतात् | स्तृपयताम् |
| स्तृपय | स्तृपयतात् | स्तृपयतम् |
| स्तृपयानि | स्तृपयाव | स्तृपयाम |
| ह्य० अस्तृपयत् | अस्तृपयताम् | अस्तृपयन् |
| अस्तृपयः | अस्तृपयतम् | अस्तृपयत |
| अस्तृपयम् | अस्तृपयाव | अस्तृपयाम |
| अ० अतिस्तृपत् | अतिस्तृपताम् | अतिस्तृपन् |
| अतिस्तृपः | अतिस्तृपतम् | अतिस्तृपत |
| अतिस्तृपम् | अस्तृपाव | अस्तृपाम |
| प० स्तृपयाञ्चकार | स्तृपयाञ्चकतुः | स्तृपयाञ्चकुः |
| स्तृपयाञ्चकर्थ | स्तृपयाञ्चकतुः | स्तृपयाञ्चक |
| स्तृपयाञ्चकार-चकर | स्तृपयाञ्चकृव | स्तृपयाञ्चकृम |
| स्तृपयाञ्चभूव | स्तृपयामास | |
| आ० स्तृप्यात् | स्तृप्यास्ताम् | स्तृप्यासुः |
| स्तृप्याः | स्तृप्यास्तम् | स्तृप्यास्त |
| स्तृप्यासम् | स्तृप्यास्व | स्तृप्यास्म |
| श्व० स्तृपयिता | स्तृपयितारौ | स्तृपयितारः |
| स्तृपयितासि | स्तृपयितास्थः | स्तृपयितास्थ |
| स्तृपयितास्मि | स्तृपयितास्वः | स्तृपयितास्मः |
| भ० स्तृपयिष्यति | स्तृपयिष्यतः | स्तृपयिष्यन्ति |
| स्तृपयिष्यसि | स्तृपयिष्यथः | स्तृपयिष्यथ |
| स्तृपयिष्यामि | स्तृपयिष्यावः | स्तृपयिष्यामः |
| क्रि० अस्तृपयिष्यत् | अस्तृपयिष्यताम् | अस्तृपयिष्यन् |
| अस्तृपयिष्यः | अस्तृपयिष्यतम् | अस्तृपयिष्यत |
| अस्तृपयिष्यम् | अस्तृपयिष्याव | अस्तृपयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|-------------------|
| व० स्तृपयते | स्तृपयेते | स्तृपयन्ते |
| स्तृपयसे | स्तृपयेथे | स्तृपयध्वे |
| स्तृपये | स्तृपयावहे | स्तृपयामहे |
| स० स्तृपयेत | स्तृपयेयाताम् | स्तृपयेरन् |
| स्तृपयेथाः | स्तृपयेयाथाम् | स्तृपयेध्वम् |
| स्तृपयेय | स्तृपयेवहि | स्तृपयेमहि |
| प० स्तृपयताम् | स्तृपयेताम् | स्तृपयन्ताम् |
| स्तृपयन्व | स्तृपयेथाम् | स्तृपयध्वम् |
| स्तृपयै | स्तृपयावहै | स्तृपयामहै |
| ह्य० अस्तृपयत | अस्तृपयेताम् | अस्तृपयन्त |
| अस्तृपयथाः | अस्तृपयेथाम् | अस्तृपयध्वम् |
| अस्तृपये | अस्तृपयावहि | अस्तृपयामहि |
| अ० अतिस्तृपत | अतिस्तृपेताम् | अतिस्तृपन्त |
| अतिस्तृपथाः | अतिस्तृपेथाम् | अतिस्तृपध्वम् |
| अतिस्तृपे | अतिस्तृपावहि | अतिस्तृपामहि |
| प० स्तृपयाञ्चके | स्तृपयाञ्चकते | स्तृपयाञ्चक्रे |
| स्तृपयाञ्चकृषे | स्तृपयाञ्चकाथे | स्तृपयाञ्चकृद् वे |
| स्तृपयाञ्चके | स्तृपयाञ्चकृवहे | स्तृपयाञ्चकृमहे |
| स्तृपयाञ्चभूव | स्तृपयामास | |
| आ० स्तृपयिषीष्ट | स्तृपयिषीयास्ताम् | स्तृपयिषीरन् |
| स्तृपयिषीष्टाः | स्तृपयिषीयाथाम् | स्तृपयिषीध्वम् |
| स्तृपयिषीय | स्तृपयिषीवहि | स्तृपयिषीमहि |
| श्व० स्तृपयिता | स्तृपयितारौ | स्तृपयितारः |
| स्तृपयितासे | स्तृपयितासाथे | स्तृपयिताध्वे |
| स्तृपयिताहे | स्तृपयितास्वहे | स्तृपयितास्महे |
| भ० स्तृपयिष्यते | स्तृपयिष्येते | स्तृपयिष्यन्ते |
| स्तृपयिष्यसे | स्तृपयिष्येथे | स्तृपयिष्यध्वे |
| स्तृपयिष्ये | स्तृपयिष्यावहे | स्तृपयिष्यामहे |
| क्रि० अस्तृपयिष्यत | अस्तृपयिष्येताम् | अस्तृपयिष्यन्त |
| अस्तृपयिष्यथाः | अस्तृपयिष्येथाम् | अस्तृपयिष्यध्वम् |
| अस्तृपयिष्ये | अस्तृपयिष्यावहि | अस्तृपयिष्यामहि |

41 रूपै (रूपै) खदने

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | ख्यापयति | ख्यापयतः | ख्यापयन्ति |
| | ख्यापयसि | ख्यापयथः | ख्यापयथ |
| | ख्यापयामि | ख्यापयावः | ख्यापयामः |
| स० | ख्यापयेत् | ख्यापयेताम् | ख्यापयेयुः |
| | ख्यापयेः | ख्यापयेतम् | ख्यापयेत |
| | ख्यापयेयम् | ख्यापयेव | ख्यापयेम |
| प० | ख्यापयतु | ख्यापयतात् | ख्यापयन्तु |
| | ख्यापय | ख्यापयतात् | ख्यापयतम् |
| | ख्यापयानि | ख्यापयाव | ख्यापयाम |
| ह्य० | अख्यापयत् | अख्यापयताम् | अख्यापयन् |
| | अख्यापयः | अख्यापयतम् | अख्यापयत |
| | अख्यापयम् | अख्यापयाव | अख्यापयाम |
| अ० | अचिख्यपत् | अचिख्यपताम् | अचिख्यपन् |
| | अचिख्यपः | अचिख्यपतम् | अचिख्यपत |
| | अचिख्यपम् | अचिख्यपाव | अचिख्यपाम |
| प० | ख्यापयाञ्चकार | ख्यापयाञ्चकतुः | ख्यापयाञ्चकुः |
| | ख्यापयाञ्चकथं | ख्यापयाञ्चकतुः | ख्यापयाञ्चक |
| | ख्यापयाञ्चकार-चकर | ख्यापयाञ्चकृव | ख्यापयाञ्चकृम |
| | ख्यापयाम्बभूव | ख्यापयामास | |
| आ० | ख्याप्यात् | ख्याप्यास्ताम् | ख्याप्यासुः |
| | ख्याप्याः | ख्याप्यास्तम् | ख्याप्यास्त |
| | ख्याप्यासम् | ख्याप्यास्व | ख्याप्यास्म |
| श्व० | ख्यापयिता | ख्यापयितारौ | ख्यापयितारः |
| | ख्यापयितासि | ख्यापयितास्थः | ख्यापयितास्थ |
| | ख्यापयितास्मि | ख्यापयितास्वः | ख्यापयितास्मः |
| भ० | ख्यापयिष्यति | ख्यापयिष्यतः | ख्यापयिष्यन्ति |
| | ख्यापयिष्यसि | ख्यापयिष्यथः | ख्यापयिष्यथ |
| | ख्यापयिष्यामि | ख्यापयिष्यावः | ख्यापयिष्यामः |
| क्रि० | अख्यापयिष्यत् | अख्यापयिष्यताम् | अख्यापयिष्यन् |
| | अख्यापयिष्यः | अख्यापयिष्यतम् | अख्यापयिष्यत |
| | अख्यापयिष्यम् | अख्यापयिष्याव | अख्यापयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | ख्यापयते | ख्यापयेते | ख्यापयन्ते |
| | ख्यापयसे | ख्यापयेथे | ख्यापयध्वे |
| | ख्यापये | ख्यापयावहे | ख्यापयामहे |
| स० | ख्यापयेत | ख्यापयेयाताम् | ख्यापयेरन् |
| | ख्यापयेथाः | ख्यापयेयाथाम् | ख्यापयेध्वम् |
| | ख्यापयेय | ख्यापयेवहि | ख्यापयेमहि |
| प० | ख्यापयताम् | ख्यापयेताम् | ख्यापयन्ताम् |
| | ख्यापयस्व | ख्यापयेथाम् | ख्यापयध्वम् |
| | ख्यापयै | ख्यापयावहै | ख्यापयामहै |
| ह्य० | अख्यापयत | अख्यापयेताम् | अख्यापयन्त |
| | अख्यापयथाः | अख्यापयेथाम् | अख्यापयध्वम् |
| | अख्यापये | अख्यापयावहि | अख्यापयामहि |
| अ० | अचिख्यपत | अचिख्यपेताम् | अचिख्यपन्त |
| | अचिख्यपथाः | अचिख्यपेथाम् | अचिख्यपध्वम् |
| | अचिख्यपे | अचिख्यपावहि | अचिख्यपामहि |
| प० | ख्यापयाञ्चके | ख्यापयाञ्चकत | ख्यापयाञ्चकिरे |
| | ख्यापयाञ्चकृषे | ख्यापयाञ्चकथे | ख्यापयाञ्चकृद्वे |
| | ख्यापयाञ्चके | ख्यापयाञ्चकृवहे | ख्यापयाञ्चकृमहे |
| | ख्यापयाम्बभूव | ख्यापयामास | |
| आ० | ख्यापयिषीष्ट | ख्यापयिषीयास्ताम् | ख्यापयिषीरन् |
| | ख्यापयिषीष्ठाः | ख्यापयिषीयास्थाम् | ख्यापयिषीध्वम् |
| | ख्यापयिषीय | ख्यापयिषीवहि | ख्यापयिषीमहि |
| श्व० | ख्यापयिता | ख्यापयितारौ | ख्यापयितारः |
| | ख्यापयितासे | ख्यापयितासाथे | ख्यापयिताध्वे |
| | ख्यापयिताहे | ख्यापयितास्वहे | ख्यापयितास्महे |
| भ० | ख्यापयिष्यते | ख्यापयिष्येते | ख्यापयिष्यन्ते |
| | ख्यापयिष्यसे | ख्यापयिष्येथे | ख्यापयिष्यध्वे |
| | ख्यापयिष्ये | ख्यापयिष्यावहे | ख्यापयिष्यामहे |
| क्रि० | अख्यापयिष्यत | अख्यापयिष्येताम् | अख्यापयिष्यन्त |
| | अख्यापयिष्यथाः | अख्यापयिष्येथाम् | अख्यापयिष्यध्वम् |
| | अख्यापयिष्ये | अख्यापयिष्यावहि | अख्यापयिष्यामहि |

42 क्षै (क्षे) क्षये

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० क्षापयति | क्षापयतः | क्षापयन्ति |
| क्षापयसि | क्षापयथः | क्षापयथ |
| क्षापयामि | क्षापयावः | क्षापयामः |
| स० क्षापयेत् | क्षापयेताम् | क्षापयेयुः |
| क्षापयेः | क्षापयेतम् | क्षापयेत |
| क्षापयेयम् | क्षापयेव | क्षापयेम |
| प० क्षापयतु | क्षापयतात् | क्षापयताम् |
| क्षापय | क्षापयतम् | क्षापयत |
| क्षापयाणि | क्षापयाव | क्षापयाम |
| ह्य० अक्षापयत् | अक्षापयताम् | अक्षापयन् |
| अक्षापयः | अक्षापयतम् | अक्षापयत |
| अक्षापयम् | अक्षापयाव | अक्षापयाम |
| अ० अचिक्षपत् | अचिक्षपताम् | अचिक्षपन् |
| अचिक्षपः | अचिक्षपतम् | अचिक्षपत |
| अचिक्षपम् | अचिक्षपाव | अचिक्षपाम |
| प० क्षापयाञ्चकार | क्षापयाञ्चकतुः | क्षापयाञ्चकुः |
| क्षापयाञ्चकथं | क्षापयाञ्चकथुः | क्षापयाञ्चक |
| क्षापयाञ्चकर-चकर | क्षापयाञ्चकृव | क्षापयाञ्चकृम |
| क्षापयाम्बभूव | क्षापयामास | |
| आ० क्षाप्यात् | क्षाप्यास्ताम् | क्षाप्यासुः |
| क्षाप्याः | क्षाप्यास्तम् | क्षाप्यास्त |
| क्षाप्यासम् | क्षाप्यास्व | क्षाप्यास्म |
| श्व० क्षापयिता | क्षापयितारौ | क्षापयितारः |
| क्षापयितासि | क्षापयितास्थः | क्षापयितास्थ |
| क्षापयितास्मि | क्षापयितास्वः | क्षापयितास्मः |
| क्षापयिष्यति | क्षापयिष्यतः | क्षापयिष्यन्ति |
| क्षापयिष्यसि | क्षापयिष्यथः | क्षापयिष्यथ |
| क्षापयिष्यामि | क्षापयिष्यावः | क्षापयिष्यामः |
| क्रि० अक्षापयिष्यत् | अक्षापयिष्यताम् | अक्षापयिष्यन् |
| अक्षापयिष्यः | अक्षापयिष्यतम् | अक्षापयिष्यत |
| अक्षापयिष्यम् | अक्षापयिष्याव | अक्षापयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० क्षापयते | क्षापयेते | क्षापयन्ते |
| क्षापयसे | क्षापयेथे | क्षापयध्वे |
| क्षापये | क्षापयावहे | क्षापयामहे |
| स० क्षापयेत | क्षापयेयाताम् | क्षापयेरन् |
| क्षापयेथाः | क्षापयेयाथाम् | क्षापयेध्वम् |
| क्षापयेय | क्षापयेवहि | क्षापयेमहि |
| प० क्षापयताम् | क्षापयेताम् | क्षापयन्ताम् |
| क्षापयस्व | क्षापयेथाम् | क्षापयध्वम् |
| क्षापयै | क्षापयावहे | क्षापयामहे |
| ह्य० अक्षापयत | अक्षापयेताम् | अक्षापयन्त |
| अक्षापयथाः | अक्षापयेथाम् | अक्षापयध्वम् |
| अक्षापये | अक्षापयावहि | अक्षापयामहि |
| अ० अचिक्षपत | अचिक्षपेताम् | अचिक्षपन्त |
| अचिक्षपथाः | अचिक्षपेथाम् | अचिक्षपध्वम् |
| अचिक्षपे | अचिक्षपावहि | अचिक्षपामहि |
| प० क्षापयाञ्चके | क्षापयाञ्चकाते | क्षापयाञ्चकिरे |
| क्षापयाञ्चकृषे | क्षापयाञ्चकाथे | क्षापयाञ्चकृद्वे |
| क्षापयाञ्चके | क्षापयाञ्चकृवहे | क्षापयाञ्चकृमहे |
| क्षापयाम्बभूव | क्षापयामास | |
| आ० क्षापयिषीष्ट | क्षापयिषीयास्ताम् | क्षापयिषीरन् |
| क्षापयिषीष्टाः | क्षापयिषीयास्थाम् | क्षापयिषीध्वम् |
| क्षापयिषीय | क्षापयिषीवहि | क्षापयिषीमहि |
| श्व० क्षापयिता | क्षापयितारौ | क्षापयितारः |
| क्षापयितासे | क्षापयितासाथे | क्षापयिताध्वे |
| क्षापयिताहे | क्षापयितास्वहे | क्षापयितास्महे |
| भ० क्षापयिष्यते | क्षापयिष्येते | क्षापयिष्यन्ते |
| क्षापयिष्यसे | क्षापयिष्येथे | क्षापयिष्यध्वे |
| क्षापयिष्ये | क्षापयिष्यवहे | क्षापयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षापयिष्यत् | अक्षापयिष्येताम् | अक्षापयिष्यन्त |
| अक्षापयिष्यथाः | अक्षापयिष्येथाम् | अक्षापयिष्यध्वम् |
| अक्षापयिष्ये | अक्षापयिष्यावहि | अक्षापयिष्यामहि |

43 जै [जै] क्षये

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | जापयति | जापयतः | जापयन्ति |
| | जापयसि | जापयथः | जापयथ |
| | जापयामि | जापयावः | जापयामः |
| स० | जापयेत् | जापयेताम् | जापयेयुः |
| | जापयेः | जापयेतम् | जापयेत |
| | जापयेयम् | जापयेव | जापयेम |
| प० | जापयतु | जापयतात् | जापयताम् |
| | जापय | जापयतात् | जापयतम् |
| | जापयानि | जापयाव | जापयाम |
| ह्य० | अजापयत् | अजापयताम् | अजापयन् |
| | अजापयः | अजापयतम् | अजापयत |
| | अजापयम् | अजापयाव | अजापयाम |
| अ० | अजीजपत् | अजीजपताम् | अजीजपन् |
| | अजीजपः | अजीजपतम् | अजीजपत |
| | अजीजपम् | अजीजपाव | अजीजपाम |
| प० | जापयाञ्चकार | जापयाञ्चक्रुः | जापयाञ्चक्रुः |
| | जापयाञ्चकथं | जापयाञ्चकथुः | जापयाञ्चक |
| | जापयाञ्चकार-चक्र | जापयाञ्चक्रुव | जापयाञ्चक्रम |
| | जापयाम्बभूव | । | जापयामास |
| आ० | जाप्यात् | जाप्यास्ताम् | जाप्यासुः |
| | जाप्याः | जाप्यास्तम् | जाप्यास्त |
| | जाप्यासम् | जाप्यास्व | जाप्यास्म |
| श्व० | जापयिता | जापयितारौ | जापयितारः |
| | जापयितासि | जापयितास्थः | जापयितास्थ |
| | जापयितास्मि | जापयितास्वः | जापयितास्मः |
| भ० | जापयिष्यति | जापयिष्यतः | जापयिष्यन्ति |
| | जापयिष्यसि | जापयिष्यथः | जापयिष्यथ |
| | जापयिष्यामि | जापयिष्यावः | जापयिष्यामः |
| क्रि० | अजापयिष्यत् | अजापयिष्यताम् | अजापयिष्यन् |
| | अजापयिष्यः | अजापयिष्यतम् | अजापयिष्यत |
| | अजापयिष्यम् | अजापयिष्याव | अजापयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | जापयते | जापयेते | जापयन्ते |
| | जापयसे | जापयेथे | जापयन्थे |
| | जापये | जापयावहे | जापयामहे |
| स० | जापयेत | जापयेयाताम् | जापयेयन् |
| | जापयेथाः | जापयेयाथाम् | जापयेयन्म |
| | जापयेय | जापयेवहि | जापयेमहि |
| प० | जापयताम् | जापयेताम् | जापयन्ताम् |
| | जापयव | जापयेथाम् | जापयन्म |
| | जापये | जापयावहै | जापयामहै |
| ह्य० | अजापयत | अजापयेताम् | अजापयन्त |
| | अजापयथाः | अजापयेथाम् | अजापयन्म |
| | अजापये | अजापयावहि | अजापयामहि |
| अ० | अजीजपत | अजीजपेताम् | अजीजपन्त |
| | अजीजपथाः | अजीजपेथाम् | अजीजपन्म |
| | अजीजपे | अजीजपावहि | अजीजपामहि |
| प० | जापयाञ्चक्रे | जापयाञ्चक्रते | जापयाञ्चक्रे |
| | जापयाञ्चकृषे | जापयाञ्चक्रथे | जापयाञ्चकृष्वे |
| | जापयाञ्चक्रे | जापयाञ्चक्रवहे | जापयाञ्चक्रमहे |
| | जापयाम्बभूव | । | जापयामास |
| आ० | जापयिषीष्ट | जापयिषीयास्ताम् | जापयिषीरन् |
| | जापयिषीष्टाः | जापयिषीयास्थाम् | जापयिषीद्वम् |
| | जापयिषीय | जापयिषीवहि | जापयिषीमहि |
| श्व० | जापयिता | जापयितारौ | जापयितारः |
| | जापयितासे | जापयितासथे | जापयितास्वे |
| | जापयिताहे | जापयितास्वहे | जापयितास्महे |
| भ० | जापयिष्यते | जापयिष्येते | जापयिष्यन्ते |
| | जापयिष्यसे | जापयिष्येथे | जापयिष्यन्थे |
| | जापयिष्ये | जापयिष्यावहे | जापयिष्यामहे |
| क्रि० | अजापयिष्यत | अजापयिष्येताम् | अजापयिष्यन्त |
| | अजापयिष्यथाः | अजापयिष्येथाम् | अजापयिष्यन्म |
| | अजापयिष्ये | अजापयिष्यावहि | अजापयिष्यामहि |

44 सै (सै) क्षये

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | साययति | साययतः | साययन्ति |
| | साययसि | साययथः | साययथ |
| | साययामि | साययावः | साययामः |
| स० | साययेत् | साययेताम् | साययेयुः |
| | साययेः | साययेतम् | साययेत |
| | साययेयम् | साययेव | साययेम |
| ० | साययतु | साययतात् | साययताम् |
| | सायय | साययतम् | साययत |
| | साययानि | साययाव | साययाम |
| ह्य० | असाययत् | असाययताम् | असाययन् |
| | असाययः | असाययतम् | असाययत |
| | असाययम् | असाययाव | असाययाम |
| अ० | असीसयत् | असीसयताम् | असीसयन् |
| | असीसयः | असीसयतम् | असीसयत |
| | असीसयम् | असीसयाव | असीसयाम |
| प० | साययाञ्चकार | साययाञ्चक्रुः | साययाञ्चक्रुः |
| | साययाञ्चकथं | साययाञ्चक्रुः | साययाञ्चक्रुः |
| | साययाञ्चकार-चक्र | साययाञ्चक्रुव | साययाञ्चक्रुम |
| | साययाम्बभूव | । | साययामास |
| आ० | साययात् | साययास्ताम् | साययासुः |
| | साययाः | साययास्तम् | साययास्त |
| | साययासम् | साययास्व | साययास्म |
| श्र० | साययिता | साययितारौ | साययितारः |
| | साययितासि | साययितास्थः | साययितास्थ |
| | साययितास्मि | साययितास्वः | साययितास्मः |
| भ० | साययिष्यति | साययिष्यतः | साययिष्यन्ति |
| | साययिष्यसि | साययिष्यथः | साययिष्यथ |
| | साययिष्यामि | साययिष्यावः | साययिष्यामः |
| क्रि० | असाययिष्यत् | असाययिष्यताम् | असाययिष्यन् |
| | असाययिष्यः | असाययिष्यतम् | असाययिष्यत |
| | असाययिष्यम् | असाययिष्याव | असाययिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|---------------------|
| व० | साययते | साययेते | साययन्ते |
| | साययसे | साययेथे | साययध्वे |
| | सायये | साययावहे | साययामहे |
| स० | साययेत | साययेयाताम् | साययेरन् |
| | साययेथाः | साययेयाथाम् | साययेध्वम् |
| | साययेय | साययेवहि | साययेमहि |
| प० | साययताम् | साययेताम् | साययन्ताम् |
| | साययस्व | साययेथाम् | साययध्वम् |
| | सायये | साययावहै | साययामहै |
| ह्य० | असाययत | असाययेताम् | असाययन्त |
| | असाययथाः | असाययेथाम् | असाययध्वम् |
| | असायये | असाययावहि | असाययामहि |
| अ० | असीसयत | असीसयेताम् | असीसयन्त |
| | असीसयथाः | असीसयेथाम् | असीसयध्वम् |
| | असीसये | असीसयावहि | असीसयामहि |
| प० | साययाञ्चक्रे | साययाञ्चक्राते | साययाञ्चक्रिरे |
| | साययाञ्चकृषे | साययाञ्चक्रथे | साययाञ्चकृद्वे |
| | साययाञ्चक्रे | साययाञ्चकृवहे | साययाञ्चकृमहे |
| | साययाम्बभूव | । | साययामास |
| आ० | साययिषीष्ट | साययिषीयास्ताम् | साययिषीरन् |
| | साययिषीष्ठाः | साययिषीयास्थाम् | साययिषीद्वम्, ध्वम् |
| | साययिषीय | साययिषीवहि | साययिषीमहि |
| श्र० | साययिता | साययितारौ | साययितारः |
| | साययितासे | साययितासाथे | साययिताध्वे |
| | साययिताहे | साययितास्वहे | साययितास्महे |
| भ० | साययिष्यते | साययिष्येते | साययिष्यन्ते |
| | साययिष्यसे | साययिष्येथे | साययिष्यध्वे |
| | साययिष्ये | साययिष्यावहे | साययिष्यामहे |
| क्रि० | असाययिष्यत | असाययिष्येताम् | असाययिष्यन्त |
| | असाययिष्यथाः | असाययिष्येथाम् | असाययिष्यध्वम् |
| | असाययिष्ये | असाययिष्यावहि | असाययिष्यामहि |

45 स्त (स्त) पाके

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------------|
| व० | स्नापयति | स्नापयतः | स्नापयन्ति |
| | स्नापयसि | स्नापयथः | स्नापयथ |
| | स्नापयामि | स्नापयावः | स्नापयामः |
| स० | स्नापयेत् | स्नापयेताम् | स्नापयेयुः |
| | स्नापयेः | स्नापयेतम् | स्नापयेत |
| | स्नापयेयम् | स्नापयेव | स्नापयेम |
| प० | स्नापयतु | स्नापयतात् | स्नापयताम् स्नापयन्तु |
| | स्नापय | स्नापयतम् | स्नापयत |
| | स्नापयाणि | स्नापयाव | स्नापयाम |
| ह्य० | अस्नापयत् | अस्नापयताम् | अस्नापयन् |
| | अस्नापयः | अस्नापयतम् | अस्नापयत |
| | अस्नापयम् | अस्नापयाव | अस्नापयाम |
| अ० | असिस्त्रपत् | असिस्त्रपताम् | असिस्त्रपन् |
| | असिस्त्रपः | असिस्त्रपतम् | असिस्त्रपत |
| | असिस्त्रपम् | असिस्त्रपाव | असिस्त्रपाम |
| प० | स्नापयाञ्चकार | स्नापयाञ्चकतुः | स्नापयाञ्चकृः |
| | स्नापयाञ्चकर्थ | स्नापयाञ्चकथुः | स्नापयाञ्चक |
| | स्नापयाञ्चकार-चकर | स्नापयाञ्चकृव | स्नापयाञ्चकृम |
| | स्नापयाम्बभूव | । | स्नापयामास |
| आ० | स्नाप्यात् | स्नाप्यास्ताम् | स्नाप्यासुः |
| | स्नाप्याः | स्नाप्यास्तम् | स्नाप्यास्त |
| | स्नाप्यासम् | स्नाप्यास्व | स्नाप्यास्म |
| श्व० | स्नापयिता | स्नापयितारौ | स्नापयितारः |
| | स्नापयितासि | स्नापयितास्थः | स्नापयितास्थ |
| | स्नापयितास्मि | स्नापयितास्वः | स्नापयितास्मः |
| भ० | स्नापयिष्यति | स्नापयिष्यतः | स्नापयिष्यन्ति |
| | स्नापयिष्यसि | स्नापयिष्यथः | स्नापयिष्यथ |
| | स्नापयिष्यामि | स्नापयिष्यावः | स्नापयिष्यामः |
| क्रि० | अस्नापयिष्यत् | अस्नापयिष्यताम् | अस्नापयिष्यन् |
| | अस्नापयिष्यः | अस्नापयिष्यतम् | अस्नापयिष्यत |
| | अस्नापयिष्यम् | अस्नापयिष्याव | अस्नापयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|----------------------|
| व० | स्नापयते | स्नापयेते | स्नापयन्ते |
| | स्नापयसे | स्नापयेथे | स्नापयध्वे |
| | स्नापये | स्नापयावहे | स्नापयामहे |
| स० | स्नापयेत | स्नापयेयाताम् | स्नापयेरन् |
| | स्नापयेथाः | स्नापयेयाथाम् | स्नापयेध्वम् |
| | स्नापयेथ | स्नापयेवहि | स्नापयेमहि |
| प० | स्नापयताम् | स्नापयेताम् | स्नापयन्ताम् |
| | स्नापयस्व | स्नापयेथाम् | स्नापयध्वम् |
| | स्नापये | स्नापयावहै | स्नापयामहै |
| ह्य० | अस्नापयत | अस्नापयेताम् | अस्नापयन्त |
| | अस्नापयथाः | अस्नापयेथाम् | अस्नापयध्वम् |
| | अस्नापये | अस्नापयावहि | अस्नापयामहि |
| अ० | असिस्त्रपत | असिस्त्रपेताम् | असिस्त्रपन्त |
| | असिस्त्रपथाः | असिस्त्रपेथाम् | असिस्त्रपध्वम् |
| | असिस्त्रपे | असिस्त्रपावहि | असिस्त्रपामहि |
| प० | स्नापयाञ्चके | स्नापयाञ्चकते | स्नापयाञ्चकिरे |
| | स्नापयाञ्चकृवे | स्नापयाञ्चकाये | स्नापयाञ्चकृद्वे |
| | स्नापयाञ्चके | स्नापयाञ्चकृवहे | स्नापयाञ्चकृमहे |
| | स्नापयाम्बभूव | । | स्नापयामास |
| आ० | स्नापयिषीष्ट | स्नापयिषीयास्ताम् | स्नापयिषीरन् |
| | स्नापयिषीष्टाः | स्नापयिषीयास्थाम् | स्नापयिषीद्वम् ध्वम् |
| | स्नापयिषीय | स्नापयिषीवहि | स्नापयिषीमहि |
| श्व० | स्नापयिता | स्नापयितारौ | स्नापयितारः |
| | स्नापयितासे | स्नापयितासाथे | स्नापयिताध्वे |
| | स्नापयिताहे | स्नापयितास्वहे | स्नापयितास्महे |
| भ० | स्नापयिष्यते | स्नापयिष्येते | स्नापयिष्यन्ते |
| | स्नापयिष्यसे | स्नापयिष्येथे | स्नापयिष्यध्वे |
| | स्नापयिष्ये | स्नापयिष्यावहे | स्नापयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्नापयिष्यत | अस्नापयिष्येताम् | अस्नापयिष्यन्त |
| | अस्नापयिष्यथाः | अस्नापयिष्येथाम् | अस्नापयिष्यध्वम् |
| | अस्नापयिष्ये | अस्नापयिष्यावहि | अस्नापयिष्यामहि |

46 अँ (अँ) पाके । पाकादन्यत्र

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-----------------|
| व० | आपयति | आपयतः | आपयन्ति |
| | आपयसि | आपयथः | आपयथ |
| | आपयामि | आपयावः | आपयामः |
| स० | आपयेत् | आपयेताम् | आपयेयुः |
| | आपयेः | आपयेतम् | आपयेत |
| | आपयेयम् | आपयेव | आपयेम |
| प० | आपयतु | आपयतात् | आपयताम् आपयन्तु |
| | आपय | आपयतम् | आपयत |
| | आपयाणि | आपयाव | आपयाम |
| ह्य० | अआपयत् | अआपयताम् | अआपयन् |
| | अआपयः | अआपयतम् | अआपयत |
| | अआपयम् | अआपयाव | अआपयाम |
| अ० | अशिअपत् | अशिअपताम् | अशिअपन् |
| | अशिअपः | अशिअपतम् | अशिअपत |
| | अशिअपम् | अशिअपाव | अशिअपाम |
| प० | आपयाञ्चकार | आपयाञ्चकतुः | आपयाञ्चकुः |
| | आपयाञ्चकर्थ | आपयाञ्चकथुः | आपयाञ्चक |
| | आपयाञ्चकार-चकर | आपयाञ्चकृव | आपयाञ्चकृम |
| | आपयाम्बभूव | आपयामास | |
| आ० | आप्यात् | आप्यास्ताम् | आप्यासुः |
| | आप्याः | आप्यास्तम् | आप्यास्त |
| | आप्यासम् | आप्यास्व | आप्याप्यास्म |
| श्व० | आपयिता | आपयितारौ | आपयितारः |
| | आपयितासि | आपयितास्थः | आपयितास्थ |
| | आपयितास्मि | आपयितास्वः | आपयितास्मः |
| | आपयिष्यति | आपयिष्यतः | आपयिष्यन्ति |
| | आपयिष्यसि | आपयिष्यथः | आपयिष्यथ |
| | आपयिष्यामि | आपयिष्यावः | आपयिष्यामः |
| क्रि० | अआपयिष्यत् | अआपयिष्यताम् | अआपयिष्यन् |
| | अआपयिष्यः | अआपयिष्यतम् | अआपयिष्यत |
| | अआपयिष्यम् | अआपयिष्याव | अआपयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | आपयते | आपयेते | आपयन्ते |
| | आपयसे | आपयेथे | आपयध्वे |
| | आपये | आपयावहे | आपयामहे |
| स० | आपयेत | आपयेयाताम् | आपयेरन् |
| | आपयेथाः | आपयेयाथाम् | आपयेध्वम् |
| | आपयेथ | आपयेवहि | आपयेमहि |
| प० | आपयताम् | आपयेताम् | आपयन्ताम् |
| | आपयस्व | आपयेथाम् | आपयध्वम् |
| | आपये | आपयावहे | आपयामहे |
| ह्य० | अआपयत | अआपयेताम् | अआपयन्त |
| | अआपयथाः | अआपयेथाम् | अआपयध्वम् |
| | अआपये | अआपयावहि | अआपयामहि |
| अ० | अशिअपत | अशिअपेताम् | अशिअपन्त |
| | अशिअपथाः | अशिअपेथाम् | अशिअपध्वम् |
| | अशिअपे | अशिअपावहि | अशिअपामहि |
| प० | आपयाञ्चके | आपयाञ्चकते | आपयाञ्चकिरे |
| | आपयाञ्चकृषे | आपयाञ्चकथे | आपयाञ्चकृद्वे |
| | आपयाञ्चके | आपयाञ्चकृवहे | आपयाञ्चकृमहे |
| | आपयाम्बभूव | आपयामास | |
| आ० | आपयिषीष्ट | आपयिषीयास्ताम् | आपयिषीरन् |
| | आपयिषीष्टाः | आपयिषीयास्थाम् | आपयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | आपयिषीथ | आपयिषीवहि | आपयिषीमहि |
| श्व० | आपयिता | आपयितारौ | आपयितारः |
| | आपयितासे | आपयितासाथे | आपयिताध्वे |
| | आपयिताहे | आपयितास्वहे | आपयितास्महे |
| म० | आपयिष्यते | आपयिष्येते | आपयिष्यन्ते |
| | आपयिष्यते | आपयिष्येथे | आपयिष्यध्वे |
| | आपयिष्ये | आपयिष्यावहे | आपयिष्यामहे |
| क्रि० | अआपयिष्यत | अआपयिष्येताम् | अआपयिष्यन्त |
| | अआपयिष्यथाः | अआपयिष्येथाम् | अआपयिष्यध्वम् |
| | अआपयिष्ये | अआपयिष्यावहि | अआपयिष्यामहि |
| | पाके तु | अपयतीत्यादि | रूपम् |

46 पै (पै) शोषणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० पाययति | पाययतः | पाययन्ति |
| पाययसि | पाययथः | पाययथ |
| पाययामि | पाययावः | पाययामः |
| स० पाययेत् | पाययेताम् | पाययेयुः |
| पाययेः | पाययेतम् | पाययेत |
| पाययेयम् | पाययेव | पाययेम |
| प० पाययतु | पाययतात् | पाययताम् |
| पायय | पाययतम् | पाययत |
| पाययानि | पाययाव | पाययाम |
| ह्य० अपाययत् | अपाययताम् | अपाययन् |
| अपाययः | अपाययतम् | अपाययत |
| अपाययम् | अपाययाव | अपाययाम |
| अ० अपीपयत् | अपीपयताम् | अपीपयन् |
| अपीपयः | अपीपयतम् | अपीपयत |
| अपीपयम् | अपीपयाव | अपीपयाम |
| प० पाययाञ्चकार | पाययाञ्चक्रुः | पाययाञ्चकुः |
| पाययाञ्चकथं | पाययाञ्चक्रुः | पाययाञ्चक्रुः |
| पाययाञ्चकार-चक्र | पाययाञ्चक्रुव | पाययाञ्चक्रम |
| पाययाञ्चभूव । | पाययामास | |
| आ० पाय्यात् | पाय्यास्ताम् | पाय्यासुः |
| पाय्याः | पाय्यास्तम् | पाय्यास्त |
| पाय्यासम् | पाय्यास्व | पाय्यास्म |
| श्व० पाययिता | पाययितारौ | पाययितारः |
| पाययितासि | पाययितास्थः | पाययितास्थ |
| पाययितास्मि | पाययितास्वः | पाययितास्मः |
| भ० पाययिष्यति | पाययिष्यतः | पाययिष्यन्ति |
| पाययिष्यसि | पाययिष्यथः | पाययिष्यथ |
| पाययिष्यामि | पाययिष्यावः | पाययिष्यामः |
| क्रि० अपाययिष्यत् | अपाययिष्यताम् | अपाययिष्यन् |
| अपाययिष्यः | अपाययिष्यतम् | अपाययिष्यत |
| अपाययिष्यम् | अपाययिष्याव | अपाययिष्याम |

| | | |
|------------------|-------------------|----------------|
| ब० पाययते | पाययेते | पाययन्ते |
| पाययसे | पाययेथे | पाययन्वे |
| पायये | पाययावहे | पाययामहे |
| स० पाययेत् | पाययेयाताम् | पाययेरन् |
| पाययेथाः | पाययेयाथाम् | पाययेश्वम् |
| पाययेय | पाययेवहि | पाययेमहि |
| प० पाययताम् | पाययेताम् | पाययन्ताम् |
| पाययस्व | पाययेथाम् | पाययन्वम् |
| पाययै | पाययावहे | पाययामहे |
| ह्य० अपाययत | अपाययेताम् | अपाययन्त |
| अपाययथाः | अपाययेथाम् | अपाययन्वम् |
| अपायये | अपाययावहि | अपाययामहि |
| अ० अपीपयत | अपीपयेताम् | अपीपयन्त |
| अपीपयथाः | अपीपयेथाम् | अपीपयन्वम् |
| अपीपये | अपीपयावहि | अपीपयामहि |
| प० पाययाञ्चके | पाययाञ्चकाते | पाययाञ्चकिरे |
| पाययाञ्चकृषे | पाययाञ्चकथे | पाययाञ्चकृद्वे |
| पाययाञ्चके | पाययाञ्चकृवहे | पाययाञ्चकृमहे |
| पाययाञ्चभूव । | पाययामास | |
| आ० पाययिषीष्ट | पाययिषीष्टास्ताम् | पाययिषीरन् |
| पाययिषीष्टाः | पाययिषीष्टास्थाम् | पाययिषीह्वम् |
| पाययिषीय | पाययिषीवहि | पाययिषीमहि |
| श्व० पाययिता | पाययितारौ | पाययितारः |
| पाययितासे | पाययितासाथे | पाययिताध्वे |
| पाययिताहे | पाययितास्वहे | पाययितास्महे |
| भ० पाययिष्यते | पाययिष्येते | पाययिष्यन्ते |
| पाययिष्यसे | पाययिष्येथे | पाययिष्यन्वे |
| पाययिष्ये | पाययिष्यावहे | पाययिष्यामहे |
| क्रि० अपाययिष्यत | अपाययिष्येताम् | अपाययिष्यन्त |
| अपाययिष्यथाः | अपाययिष्येथाम् | अपाययिष्यन्वम् |
| अपाययिष्ये | अपाययिष्यावहि | अपाययिष्यामहि |

48 ओवै (व) शोषणे

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|-------------------|
| व० | वापयति | वापयतः | वापयन्ति |
| | वापयसि | वापयथः | वापयथ |
| | वापयामि | वापयावः | वापयामः |
| स० | वापयेत् | वापयेताम् | वापयेयुः |
| | वापयेः | वापयेतम् | वापयेत |
| | वापयेयम् | वापयेव | वापयेम |
| प० | वापयतु | वापयतात् | वापयताम् वापयन्तु |
| | वापय | वापयतात् | वापयतम् वापयत |
| | वापयानि | वापयाव | वापयाम |
| ह्य० | अवापयत् | अवापयताम् | अवापयन् |
| | अवापयः | अवापयतम् | अवापयत |
| | अवापयम् | अवापयाव | अवापयाम |
| अ० | अवीवपत् | अवीवपताम् | अवीवपन् |
| | अवीवपः | अवीवपतम् | अवीवपत |
| | अवीवपम् | अवीवपाव | अवीवपाम |
| प० | वापयाञ्चकार | वापयाञ्चक्रतुः | वापयाञ्चक्रुः |
| | वापयाञ्चकर्थ | वापयाञ्चक्रतुः | वापयाञ्चक्र |
| | वापयाञ्चकार-चकर | वापयाञ्चक्रव | वापयाञ्चक्रम |
| | वापयाम्बभूव | । | वापयामास |
| आ० | वाप्यात् | वाप्यास्ताम् | वाप्यासुः |
| | वाप्याः | वाप्यास्तम् | वाप्यास्त |
| | वाप्यासम् | वाप्यास्व | वाप्यास्म |
| श्व० | वापयिता | वापयितारौ | वापयितारः |
| | वापयितासि | वापयितास्थः | वापयितास्थ |
| | वापयितास्मि | वापयितास्वः | वापयितास्मः |
| भ० | वापयिष्यति | वापयिष्यतः | वापयिष्यन्ति |
| | वापयिष्यसि | वापयिष्यथः | वापयिष्यथ |
| | वापयिष्यामि | वापयिष्यावः | वापयिष्यामः |
| क्रि० | अवापयिष्यत् | अवापयिष्यताम् | अवापयिष्यन् |
| | अवापयिष्यः | अवापयिष्यतम् | अवापयिष्यत |
| | अवापयिष्यम् | अवापयिष्याव | अवापयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | वापयते | वापयेते | वापयन्ते |
| | वापयसे | वापयेथे | वापयध्वे |
| | वापये | वापयावहे | वापयामहे |
| स० | वापयेत | वापयेयाताम् | वापयेरन् |
| | वापयेथाः | वापयेयाथाम् | वापयेध्वम् |
| | वापयेय | वापयेवहि | वापयेमहि |
| प० | वापयताम् | वापयेताम् | वापयन्ताम् |
| | वापयस्व | वापयेथाम् | वापयध्वम् |
| | वापये | वापयावहै | वापयामहै |
| ह्य० | अवापयत | अवापयेताम् | अवापयन्त |
| | अवापयथाः | अवापयेथाम् | अवापयध्वम् |
| | अवापये | अवापयावहि | अवापयामहि |
| अ० | अवीवपत | अवीवपेताम् | अवीवपन्त |
| | अवीवपथाः | अवीवपेथाम् | अवीवपध्वम् |
| | अवीवपे | अवीवपावहि | अवीवपामहि |
| प० | वापयाञ्चक्रे | वापयाञ्चक्राते | वापयाञ्चक्रिरे |
| | वापयाञ्चकृषे | वापयाञ्चक्राथे | वापयाञ्चकृद्वे |
| | वापयाञ्चके | वापयाञ्चक्रवहे | वापयाञ्चक्रमहे |
| | वापयाम्बभूव | । | वापयामास |
| आ० | वापयिषीष्ट | वापयिषीयास्ताम् | वापयिषीरन् |
| | वापयिषीष्ठाः | वापयिषीयाथाम् | वापयिषीद्वम् |
| | वापयिषीय | वापयिषीवहि | वापयिषीमहि |
| श्व० | वापयिता | वापयितारौ | वापयितारः |
| | वापयितासे | वापयितासाथे | वापयिताध्वे |
| | वापयिताहे | वापयितास्वहे | वापयितास्महे |
| भ० | वापयिष्यते | वापयिष्येते | वापयिष्यन्ते |
| | वापयिष्यसे | वापयिष्येथे | वापयिष्यध्वे |
| | वापयिष्ये | वापयिष्यावहे | वापयिष्यामहे |
| क्रि० | अवापयिष्यत | अवापयिष्येताम् | अवापयिष्यन्त |
| | अवापयिष्यथाः | अवापयिष्येथाम् | अवापयिष्यध्वम् |
| | अवापयिष्ये | अवापयिष्यावहि | अवापयिष्यामहि |

48 णे (स्नै) । वेष्टने

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------|
| व० स्नापयति | स्नापयतः | स्नापयन्ति |
| स्नापयसि | स्नापयथः | स्नापयथ |
| स्नापयामि | स्नापयावः | स्नापयामः |
| स० स्नापयेत् | स्नापयेताम् | स्नापयेयुः |
| स्नापयेः | स्नापयेतम् | स्नापयेत |
| स्नापयेयम् | स्नापयेव | स्नापयेम |
| प० स्नापयतु | स्नापयतात् | स्नापयन्तु |
| स्नापय | स्नापयतात् | स्नापयतम् |
| स्नापयानि | स्नापयाव | स्नापयाम |
| ह्य० अस्नापयत् | अस्नापयताम् | अस्नापयन् |
| अस्नापयः | अस्नापयतम् | अस्नापयत |
| अस्नापयम् | अस्नापयाव | अस्नापयाम |
| अ० असिष्णपत् | असिष्णपताम् | असिष्णपन् |
| असिष्णपः | असिष्णपतम् | असिष्णपत |
| असिष्णपम् | असिष्णपाव | असिष्णपाम |
| प० स्नापयाश्चकार | स्नापयाश्चक्रुः | स्नापयाश्चक्रुः |
| स्नापयाश्चकथं | स्नापयाश्चक्रुः | स्नापयाश्चक्रुः |
| स्नापयाश्चकार-चकर | स्नापयाश्चक्रुव | स्नापयाश्चक्रम |
| स्नापयाम्बभूव | । | स्नापयामास |
| आ० स्नाप्यात् | स्नाप्यास्ताम् | स्नाप्यासुः |
| स्नाप्याः | स्नाप्यास्तम् | स्नाप्यास्त |
| स्नाप्यासम् | स्नाप्यास्व | स्नाप्यास्म |
| श्व० स्नापयिता | स्नापयितारौ | स्नापयितारः |
| स्नापयितासि | स्नापयितास्यः | स्नापयितास्य |
| स्नापयितास्मि | स्नापयितास्वः | स्नापयितास्मः |
| भ० स्नापयिष्यति | स्नापयिष्यतः | स्नापयिष्यन्ति |
| स्नापयिष्यसि | स्नापयिष्यथः | स्नापयिष्यथ |
| स्नापयिष्यामि | स्नापयिष्यावः | स्नापयिष्यामः |
| क्रि० अस्नापयिष्यत् | अस्नापयिष्यताम् | अस्नापयिष्यन् |
| अस्नापयिष्यः | अस्नापयिष्यतम् | अस्नापयिष्यत |
| अस्नापयिष्यम् | अस्नापयिष्याव | अस्नापयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| व० स्नापयते | स्नापयेते | स्नापयन्ते |
| स्नापयसे | स्नापयेथे | स्नापयध्वे |
| स्नापये | स्नापयावहे | स्नापयामहे |
| स० स्नापयेत | स्नापयेयाताम् | स्नापयेरन् |
| स्नापयेथाः | स्नापयेयाथाम् | स्नापयेध्वम् |
| स्नापयेय | स्नापयेवहि | स्नापयेमहि |
| प० स्नापयताम् | स्नापयेताम् | स्नापयन्ताम् |
| स्नापयस्व | स्नापयेथाम् | स्नापयध्वम् |
| स्नापयै | स्नापयावहे | स्नापयामहे |
| ह्य० अस्नापयत | अस्नापयेताम् | अस्नापयन्त |
| अस्नापयथाः | अस्नापयेथाम् | अस्नापयध्वम् |
| अस्नापये | अस्नापयावहि | अस्नापयामहि |
| अ० असिष्णपत | असिष्णपेताम् | असिष्णपन्त |
| असिष्णपथाः | असिष्णपेथाम् | असिष्णपध्वम् |
| असिष्णपे | असिष्णपावहि | असिष्णपामहि |
| प० स्नापयाश्चक्रे | स्नापयाश्चक्राते | स्नापयाश्चक्रिरे |
| स्नापयाश्चक्रुषे | स्नापयाश्चक्राथे | स्नापयाश्चक्रुन्ने |
| स्नापयाश्चक्रे | स्नापयाश्चक्रुवहे | स्नापयाश्चक्रमहे |
| स्नापयाम्बभूत | । | स्नापयामास |
| आ० स्नापयिषीष्ट | स्नापयिषीयास्ताम् | स्नापयिषीरन् |
| स्नापयिषीष्टाः | स्नापयिषीयास्थाम् | स्नापयिषीद्वम् |
| स्नापयिषीय | स्नापयिषीवहि | स्नापयिषीमहि |
| श्व० स्नापयिता | स्नापयितारौ | स्नापयितारः |
| स्नापयितासे | स्नापयितासाथे | स्नापयिताध्वे |
| स्नापयिताहे | स्नापयितास्वहे | स्नापयितास्महे |
| भ० स्नापयिष्यते | स्नापयिष्येते | स्नापयिष्यन्ते |
| स्नापयिष्यसे | स्नापयिष्येथे | स्नापयिष्यध्वे |
| स्नापयिष्ये | स्नापयिष्यावहे | स्नापयिष्यामहे |
| क्रि० अस्नापयिष्यत | अस्नापयिष्येताम् | अस्नापयिष्यन्त |
| अस्नापयिष्यथाः | अस्नापयिष्येथाम् | अस्नापयिष्यध्वम् |
| अस्नापयिष्ये | अस्नापयिष्यावहि | अस्नापयिष्यामहि |

48 णै (स्नै) । वेष्टने

| | | |
|--------------------|-----------------|---------------|
| व० स्नपयति | स्नपयतः | स्नपयन्ति |
| स्नपयसि | स्नपयथः | स्नपयथ |
| स्नपयामि | स्नपयावः | स्नपयामः |
| स० स्नपयेत् | स्नपयेताम् | स्नपयेयुः |
| स्नपयेः | स्नपयेतम् | स्नपयेत |
| स्नपयेयम् | स्नपयेव | स्नपयेम |
| प० स्नपयतु | स्नपयतात् | स्नपयन्तु |
| स्नपय | स्नपयतात् | स्नपयतम् |
| स्नपयानि | स्नपयाव | स्नपयाम |
| झ० अस्नपयत् | अस्नपयताम् | अस्नपयन् |
| अस्नपयः | अस्नपयतम् | अस्नपयत |
| अस्नपयम् | अस्नपयाव | अस्नपयाम |
| ञ० असिष्णपत् | असिष्णपताम् | असिष्णपन् |
| असिष्णपः | असिष्णपतम् | असिष्णपत |
| असिष्णपम् | असिष्णपाव | असिष्णपाम |
| प० स्नपयाश्चकार | स्नपयाश्चक्रुः | स्नपयाश्चकुः |
| स्नपयाश्चकर्ष | स्नपयाश्चक्रथुः | स्नपयाश्चक्र |
| स्नपयाश्चकार-वकर | स्नपयाश्चकृव | स्नपयाश्चकृम |
| स्नपयाम्बभूव | । | स्नपयामास |
| आ० स्नप्यात् | स्नप्यास्ताम् | स्नप्यास्तुः |
| स्नप्याः | स्नप्यास्तम् | स्नप्यास्त |
| स्नप्यासम् | स्नप्यास्व | स्नप्यास्म |
| ध० स्नपयिता | स्नपयितारौ | स्नपयितारः |
| स्नपयितासि | स्नपयितास्थः | स्नपयितास्थ |
| स्नपयितास्मि | स्नपयितास्वः | स्नपयितास्मः |
| भ० स्नपयिष्यति | स्नपयिष्यतः | स्नपयिष्यन्ति |
| स्नपयिष्यसि | स्नपयिष्यथः | स्नपयिष्यथ |
| स्नपयिष्यामि | स्नपयिष्यावः | स्नपयिष्यामः |
| क्रि० अस्नपयिष्यत् | अस्नपयिष्यताम् | अस्नपयिष्यन् |
| अस्नपयिष्यः | अस्नपयिष्यतम् | अस्नपयिष्यत |
| अस्नपयिष्यम् | अस्नपयिष्याव | अस्नपयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० स्नपयते | स्नपयेते | स्नपयन्ते |
| स्नपयसे | स्नपयेथे | स्नपयध्वे |
| स्नपये | स्नपयावहे | स्नपयामहे |
| स० स्नपयेत | स्नपयेयाताम् | स्नपयेरन् |
| स्नपयेथाः | स्नपयेयाथाम् | स्नपयेध्वम् |
| स्नपयेय | स्नपयेवहि | स्नपयेमहि |
| प० स्नपयताम् | स्नपयेताम् | स्नपयन्ताम् |
| स्नपयस्व | स्नपयेथाम् | स्नपयध्वम् |
| स्नपयै | स्नपयावहै | स्नपयामहै |
| झ० अस्नपयत | अस्नपयेताम् | अस्नपयन्त |
| अस्नपयथाः | अस्नपयेथाम् | अस्नपयध्वम् |
| अस्नपये | अस्नपयावहि | अस्नपयामहि |
| ञ० असिष्णपत | असिष्णपेताम् | असिष्णपन्त |
| असिष्णपथाः | असिष्णपेथाम् | असिष्णपध्वम् |
| असिष्णपे | असिष्णपावहि | असिष्णपामहि |
| प० स्नपयाश्चक्रे | स्नपयाश्चक्राते | स्नपयाश्चक्रिरे |
| स्नपयाश्चकृषे | स्नपयाश्चक्राथे | स्नपयाश्चकृन्ने |
| स्नपयाश्चक्रे | स्नपयाश्चकृवहे | स्नपयाश्चकृमहे |
| स्नपयाम्बभूव | । | स्नपयामास |
| आ० स्नपयिषीष्ट | स्नपयिषीयास्ताम् | स्नपयिषीरन् |
| स्नपयिषीष्टाः | स्नपयिषीयास्थाम् | स्नपयिषीध्वम् |
| स्नपयिषीय | स्नपयिषीवहि | स्नपयिषीमहि |
| ध० स्नपयिता | स्नपयितारौ | स्नपयितारः |
| स्नपयितासे | स्नपयितासाथे | स्नपयिताध्वे |
| स्नपयिताहे | स्नपयितास्वहे | स्नपयितास्महे |
| भ० स्नपयिष्यते | स्नपयिष्येते | स्नपयिष्यन्ते |
| स्नपयिष्यसे | स्नपयिष्येथे | स्नपयिष्यध्वे |
| स्नपयिष्ये | स्नपयिष्यावहे | स्नपयिष्यामहे |
| क्रि० अस्नपयिष्यत | अस्नपयिष्येताम् | अस्नपयिष्यन्त |
| अस्नपयिष्यथाः | अस्नपयिष्येथाम् | अस्नपयिष्यध्वम् |
| अस्नपयिष्ये | अस्नपयिष्यावहि | अस्नपयिष्यामहि |

॥ कान्ताः पञ्च ॥

50 फक् (फक्) नीचैर्गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | फक्कयति | फक्कयतः | फक्कयन्ति |
| | फक्कयसि | फक्कयथः | फक्कयथ |
| | फक्कयामि | फक्कयावः | फक्कयामः |
| स० | फक्कयेत् | फक्कयेताम् | फक्कयेयुः |
| | फक्कयेः | फक्कयेतम् | फक्कयेत |
| | फक्कयेयम् | फक्कयेय | फक्कयेम |
| प० | फक्कयतु | फक्कयतात् | फक्कयताम् |
| | फक्कय | फक्कयतात् | फक्कयतम् |
| | फक्कयानि | फक्कयाव | फक्कयाम |
| ह्य० | अफक्कयत् | अफक्कयताम् | अफक्कयन् |
| | अफक्कयः | अफक्कयतम् | अफक्कयत |
| | अफक्कयम् | अफक्कयाव | अफक्कयाम |
| अ० | अपफक्कत् | अपफक्कताम् | अपफक्कन् |
| | अपफक्कः | अपफक्कतम् | अपफक्कत |
| | अपफक्कम् | अपफक्काव | अपफक्काम |
| प० | फक्कयाञ्चकार | फक्कयाञ्चक्रुः | फक्कयाञ्चक्रुः |
| | फक्कयाञ्चकथं | फक्कयाञ्चकथुः | फक्कयाञ्चक |
| | फक्कयाञ्चकार-चकर | फक्कयाञ्चकृव | फक्कयाञ्चकृम |
| | फक्कयाम्बभूव | । | फक्कयामास |
| आ० | फक्कयात् | फक्कयास्ताम् | फक्कयासुः |
| | फक्कयाः | फक्कयास्तम् | फक्कयास्त |
| | फक्कयासम् | फक्कयास्व | फक्कयास्म |
| श्व० | फक्कयिता | फक्कयितारौ | फक्कयितारः |
| | फक्कयितासि | फक्कयितास्यः | फक्कयितास्य |
| | फक्कयितास्मि | फक्कयितास्वः | फक्कयितास्मः |
| भ० | फक्कयिष्यति | फक्कयिष्यतः | फक्कयिष्यन्ति |
| | फक्कयिष्यसि | फक्कयिष्यथः | फक्कयिष्यथ |
| | फक्कयिष्यामि | फक्कयिष्यावः | फक्कयिष्यामः |
| क्रि० | अफक्कयिष्यत् | अफक्कयिष्यताम् | अफक्कयिष्यन् |
| | अफक्कयिष्यः | अफक्कयिष्यतम् | अफक्कयिष्यत |
| | अफक्कयिष्यम् | अफक्कयिष्याव | अफक्कयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | फक्कयते | फक्कयेते | फक्कयन्ते |
| | फक्कयसे | फक्कयेथे | फक्कयध्वे |
| | फक्कये | फक्कयावहे | फक्कयामहे |
| स० | फक्कयेत | फक्कयेयाताम् | फक्कयेरन् |
| | फक्कयेथाः | फक्कयेयाथाम् | फक्कयेध्वम् |
| | फक्कयेय | फक्कयेवहि | फक्कयेमहि |
| प० | फक्कयताम् | फक्कयेताम् | फक्कयन्ताम् |
| | फक्कयस्व | फक्कयेथाम् | फक्कयध्वम् |
| | फक्कयै | फक्कयावहै | फक्कयामहै |
| ह्य० | अफक्कयत | अफक्कयेताम् | अफक्कयन्त |
| | अफक्कयथाः | अफक्कयेथाम् | अफक्कयध्वम् |
| | अफक्कये | अफक्कयावहि | अफक्कयामहि |
| अ० | अपफक्कत | अपफक्कताम् | अपफक्कन्त |
| | अपफक्कथाः | अपफक्कथाम् | अपफक्कध्वम् |
| | अपफक्कै | अपफक्कावहि | अपफक्कामहि |
| प० | फक्कयाञ्चक्रे | फक्कयाञ्चकाते | फक्कयाञ्चकिरे |
| | फक्कयाञ्चकृषे | फक्कयाञ्चक्राथे | फक्कयाञ्चकृद्वे |
| | फक्कयाञ्चक्रे | फक्कयाञ्चकृवहे | फक्कयाञ्चकृमहे |
| | फक्कयाम्बभूव | । | फक्कयामास |
| आ० | फक्कयिषीष्ट | फक्कयिषीयास्ताम् | फक्कयिषीरन् |
| | फक्कयिषीष्ठाः | फक्कयिषीयास्थाम् | फक्कयिषीध्वम् |
| | फक्कयिषीय | फक्कयिषीवहि | फक्कयिषीमहि |
| श्व० | फक्कयिता | फक्कयितारौ | फक्कयितारः |
| | फक्कयितासे | फक्कयितासाथे | फक्कयिताध्वे |
| | फक्कयिताहे | फक्कयितास्वहे | फक्कयितास्महे |
| भ० | फक्कयिष्यते | फक्कयिष्येते | फक्कयिष्यन्ते |
| | फक्कयिष्यसे | फक्कयिष्येथे | फक्कयिष्यध्वे |
| | फक्कयिष्ये | फक्कयिष्यावहे | फक्कयिष्यामहे |
| क्रि० | अफक्कयिष्यत | अफक्कयिष्येताम् | अफक्कयिष्यन्त |
| | अफक्कयिष्यथाः | अफक्कयिष्येथाम् | अफक्कयिष्यध्वम् |
| | अफक्कयिष्ये | अफक्कयिष्यावहि | अफक्कयिष्यामहि |

51 तक (तक्) हसने ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | ताकयति | ताकयतः | ताकयन्ति |
| | ताकयसि | ताकयथः | ताकयथ |
| | ताकयामि | ताकयावः | ताकयामः |
| स० | ताकयेत् | ताकयेताम् | ताकयेयुः |
| | ताकयेः | ताकयेतम् | ताकयेत |
| | ताकयेयम् | ताकयेव | ताकयेम |
| प० | ताकयतु | ताकयतात् | ताकयताम् |
| | ताकय | ताकयतात् | ताकयतम् |
| | ताकयानि | ताकयाव | ताकयाम |
| ह्य० | अताकयत् | अताकयताम् | अताकयन् |
| | अताकयः | अताकयतम् | अताकयत |
| | अताकयम् | अताकयाव | अताकयाम |
| अ० | अतीतकत् | अतीतकताम् | अतीतकन् |
| | अतीतकः | अतीतकतम् | अतीतकत |
| | अतीतकम् | अतीतकाव | अतीतकाम |
| प० | ताकयाञ्चकार | ताकयाञ्चक्रतुः | ताकयाञ्चक्रुः |
| | ताकयाञ्चकर्तुं | ताकयाञ्चक्रथुः | ताकयाञ्चक्र |
| | ताकयाञ्चकार-चकर | ताकयाञ्चकृव | ताकयाञ्चकृम |
| | ताकयाम्बभूव | । | ताकयामास |
| आ० | ताकयात् | ताकयास्ताम् | ताकयासुः |
| | ताकयाः | ताकयास्तम् | ताकयास्त |
| | ताकयासम् | ताकयास्व | ताकयासम |
| श्र० | ताकयिता | ताकयितारौ | ताकयितारः |
| | ताकयितासि | ताकयितास्थः | ताकयितास्थ |
| | ताकयितास्मि | ताकयितास्वः | ताकयितास्मः |
| भ० | ताकयिष्यति | ताकयिष्यतः | ताकयिष्यन्ति |
| | ताकयिष्यसि | ताकयिष्यथः | ताकयिष्यथ |
| | ताकयिष्यामि | ताकयिष्यावः | ताकयिष्यामः |
| क्रि० | अताकयिष्यत् | अताकयिष्यताम् | अताकयिष्यन् |
| | अताकयिष्यः | अताकयिष्यतम् | अताकयिष्यत |
| | अताकयिष्यम् | अताकयिष्याव | अताकयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | ताकयते | ताकयेते | ताकयन्ते |
| | ताकयसे | ताकयेथे | ताकयध्वे |
| | ताकये | ताकयावहे | ताकयामहे |
| स० | ताकयेत | ताकयेयाताम् | ताकयेरन् |
| | ताकयेथाः | ताकयेयाथाम् | ताकयेध्वम् |
| | ताकयेय | ताकयेवहि | ताकयेमहि |
| प० | ताकयताम् | ताकयेताम् | ताकयन्ताम् |
| | ताकयस्व | ताकयेथाम् | ताकयध्वम् |
| | ताकयै | ताकयावहै | ताकयामहै |
| ह्य० | अताकयत | अताकयेताम् | अताकयन्त |
| | अताकयथाः | अताकयेथाम् | अताकयध्वम् |
| | अताकये | अताकयावहि | अताकयामहि |
| अ० | अतीतकत | अतीतकेताम् | अतीतकन्त |
| | अतीतकथाः | अतीतकेथाम् | अतीतकध्वम् |
| | अतीतके | अतीतकावहि | अतीतकामहि |
| प० | ताकयाञ्चक्रे | ताकयाञ्चक्राते | ताकयाञ्चक्रिरे |
| | ताकयाञ्चकृषे | ताकयाञ्चक्राथे | ताकयाञ्चकृद्वे |
| | ताकयाञ्चके | ताकयाञ्चकृवहे | ताकयाञ्चकृमहे |
| | ताकयाम्बभूव | । | ताकयामास |
| आ० | ताकयिषीष्ट | ताकयिषीयास्ताम् | ताकयिषीरन् |
| | ताकयिषीष्टाः | ताकयिषीयास्थाम् | ताकयिषीद्वम् |
| | ताकयिषीय | ताकयिषीवहि | ताकयिषीमहि |
| श्र० | ताकयिता | ताकयितारौ | ताकयितारः |
| | ताकयितासे | ताकयितासाथे | ताकयिताध्वे |
| | ताकयिताहे | ताकयितास्वहे | ताकयितास्महे |
| भ० | ताकयिष्यते | ताकयिष्येते | ताकयिष्यन्ते |
| | ताकयिष्यसे | ताकयिष्येथे | ताकयिष्यध्वे |
| | ताकयिष्ये | ताकयिष्यावहे | ताकयिष्यामहे |
| क्रि० | अताकयिष्यत | अताकयिष्येताम् | अताकयिष्यन्त |
| | अताकयिष्यथाः | अताकयिष्येथाम् | अताकयिष्यध्वम् |
| | अताकयिष्ये | अताकयिष्यावहि | अताकयिष्यामहि |

52 तकु (तङ्क्] कृच्छ्रजीवने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | तङ्क्यति | तङ्क्यतः | तङ्क्यन्ति |
| | तङ्क्यसि | तङ्क्यथः | तङ्क्यथ |
| | तङ्क्यामि | तङ्क्यावः | तङ्क्यामः |
| स० | तङ्क्येत् | तङ्क्येताम् | तङ्क्येयुः |
| | तङ्क्येः | तङ्क्येतम् | तङ्क्येत |
| | तङ्क्येयम् | तङ्क्येव | तङ्क्येम |
| प० | तङ्क्यतु | तङ्क्यतात् | तङ्क्यताम् |
| | तङ्क्य | तङ्क्यतम् | तङ्क्यत |
| | तङ्क्यानि | तङ्क्याव | तङ्क्याम |
| ह्य० | अतङ्क्यत् | अतङ्क्यताम् | अतङ्क्यन् |
| | अतङ्क्यः | अतङ्क्यतम् | अतङ्क्यत |
| | अतङ्क्यम् | अतङ्क्याव | अतङ्क्याम |
| अ० | अततङ्कत् | अततङ्कताम् | अततङ्कन् |
| | अततङ्कः | अततङ्कतम् | अततङ्कत |
| | अततङ्कम् | अततङ्काव | अततङ्काम |
| प० | तङ्क्याश्चकार | तङ्क्याश्चकतुः | तङ्क्याश्चकुः |
| | तङ्क्याश्चकर्थ | तङ्क्याश्चकथुः | तङ्क्याश्चक |
| | तङ्क्याश्चकार-चकर | तङ्क्याश्चकृव | तङ्क्याश्चकृम |
| | तङ्क्याम्बभूव | । | तङ्क्यामास |
| आ० | तङ्क्यात् | तङ्क्यास्ताम् | तङ्क्यासुः |
| | तङ्क्याः | तङ्क्यास्तम् | तङ्क्यास्त |
| | तङ्क्यासम् | तङ्क्यास्व | तङ्क्यास्म |
| श्र० | तङ्क्यिता | तङ्क्यितारौ | तङ्क्यितारः |
| | तङ्क्यितासि | तङ्क्यितास्यः | तङ्क्यितास्थ |
| | तङ्क्यितास्मि | तङ्क्यितास्वः | तङ्क्यितास्मः |
| भ० | तङ्क्यिष्यति | तङ्क्यिष्यतः | तङ्क्यिष्यन्ति |
| | तङ्क्यिष्यसि | तङ्क्यिष्यथः | तङ्क्यिष्यथ |
| | तङ्क्यिष्यामि | तङ्क्यिष्यावः | तङ्क्यिष्यामः |
| क्रि० | अतङ्क्यिष्यत् | अतङ्क्यिष्यताम् | अतङ्क्यिष्यन् |
| | अतङ्क्यिष्यः | अतङ्क्यिष्यतम् | अतङ्क्यिष्यत |
| | अतङ्क्यिष्यम् | अतङ्क्यिष्याव | अतङ्क्यिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-----------------------|
| व० | तङ्क्यते | तङ्क्येते | तङ्क्यन्ते |
| | तङ्क्यसे | तङ्क्येथे | तङ्क्यध्वे |
| | तङ्क्ये | तङ्क्यान्हे | तङ्क्यामहे |
| स० | तङ्क्येत | तङ्क्येयाताम् | तङ्क्येरन् |
| | तङ्क्येथाः | तङ्क्येयाथाम् | तङ्क्येष्वम् |
| | तङ्क्येय | तङ्क्येवहि | तङ्क्येमहि |
| प० | तङ्क्यताम् | तङ्क्यताम् | तङ्क्यन्ताम् |
| | तङ्क्यस्व | तङ्क्येथाम् | तङ्क्यध्वम् |
| | तङ्क्यै | तङ्क्यावहै | तङ्क्यामहै |
| ह्य० | अतङ्क्यत | अतङ्क्येताम् | अतङ्क्यन्त |
| | अतङ्क्यथाः | अतङ्क्येथाम् | अतङ्क्यध्वम् |
| | अतङ्क्ये | अतङ्क्यावहि | अतङ्क्यामहि |
| अ० | अततङ्कत | अततङ्केताम् | अततङ्कन्त |
| | अततङ्क्याः | अततङ्केथाम् | अततङ्कध्वम् |
| | अततङ्के | अततङ्कावहि | अततङ्कमहि |
| प० | तङ्क्याश्चके | तङ्क्याश्चकाते | तङ्क्याश्चकिरे |
| | तङ्क्याश्चकृषे | तङ्क्याश्चक्राये | तङ्क्याश्चकृद्वे |
| | तङ्क्याश्चके | तङ्क्याश्चकृवहे | तङ्क्याश्चकृमहे |
| | तङ्क्याम्बभूव | । | तङ्क्यामास |
| आ० | तङ्क्यिषीष्ट | तङ्क्यिषीयास्ताम् | तङ्क्यिषीरन् |
| | तङ्क्यिषीष्टाः | तङ्क्यिषीयास्थाम् | तङ्क्यिषीद्वम्, ध्वम् |
| | तङ्क्यिषीय | तङ्क्यिषीवहि | तङ्क्यिषीमहि |
| श्र० | तङ्क्यिता | तङ्क्यितारौ | तङ्क्यितारः |
| | तङ्क्यितासे | तङ्क्यितासाथे | तङ्क्यिताध्वे |
| | तङ्क्यिताहे | तङ्क्यितास्वहे | तङ्क्यितास्महे |
| भ० | तङ्क्यिष्यत | तङ्क्यिष्येते | तङ्क्यिष्यन्ते |
| | तङ्क्यिष्यसे | तङ्क्यिष्येथे | तङ्क्यिष्यध्वे |
| | तङ्क्यिष्ये | तङ्क्यिष्यावहे | तङ्क्यिष्यामहे |
| क्रि० | अतङ्क्यिष्यत् | अतङ्क्यिष्येताम् | अतङ्क्यिष्यन्त |
| | अतङ्क्यिष्यथाः | अतङ्क्यिष्येथाम् | अतङ्क्यिष्यध्वम् |
| | अतङ्क्यिष्ये | अतङ्क्यिष्यावहि | अतङ्क्यिष्यामहि |

53 शुक (शुकृ) गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| शुकयति | शुकयतः | शुकयन्ति |
| शुकयसि | शुकयथः | शुकयथ |
| शुकयामि | शुकयावः | शुकयामः |
| स० शुकयेत् | शुकयेताम् | शुकयेयुः |
| शुकयेः | शुकयेतम् | शुकयेत |
| शुकयेयम् | शुकयेव | शुकयेम |
| प० शुकयतु | शुकयतात् | शुकयताम् |
| शुकय | शुकयतम् | शुकयत |
| शुकयानि | शुकयाव | शुकयाम |
| ह्य० अशुकयत् | अशुकयताम् | अशुकयन् |
| अशुकयः | अशुकयतम् | अशुकयत |
| अशुकयम् | अशुकयाव | अशुकयाम |
| अ० अशुकयत् | अशुकयताम् | अशुकयन् |
| अशुकयः | अशुकयतम् | अशुकयत |
| अशुकयम् | अशुकयाव | अशुकयाम |
| प० शुकयाञ्चकार | शुकयाञ्चकतुः | शुकयाञ्चकुः |
| शुकयाञ्चकथं | शुकयाञ्चकथुः | शुकयाञ्चक |
| शुकयाञ्चकार-चकर | शुकयाञ्चकृव | शुकयाञ्चकृम |
| शुकयाम्बभूव | शुकयामास | |
| भा० शुक्यात् | शुक्यास्ताम् | शुक्यासुः |
| शुक्याः | शुक्यास्तम् | शुक्यास्त |
| शुक्यासम् | शुक्यास्व | शुक्यास्म |
| श्व० शुकयिता | शुकयितारौ | शुकयितारः |
| शुकयितासि | शुकयितास्थः | शुकयितास्थ |
| शुकयितास्मि | शुकयितास्वः | शुकयितास्मः |
| भ० शुकयिष्यति | शुकयिष्यतः | शुकयिष्यन्ति |
| शुकयिष्यसि | शुकयिष्यथः | शुकयिष्यथ |
| शुकयिष्यामि | शुकयिष्यावः | शुकयिष्यामः |
| क्रि० अशुकयिष्यत् | अशुकयिष्यताम् | अशुकयिष्यन् |
| अशुकयिष्यः | अशुकयिष्यतम् | अशुकयिष्यत |
| अशुकयिष्यम् | अशुकयिष्याव | अशुकयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० शुकयते | शुकयेते | शुकयन्ते |
| शुकयसे | शुकयेथे | शुकयन्वे |
| शुकये | शुकयावहे | शुकयामहे |
| स० शुकयेत | शुकयेयाताम् | शुकयेरन् |
| शुकयेथाः | शुकयेयाथाम् | शुकयेष्वम् |
| शुकयेय | शुकयेवहि | शुकयेमहि |
| प० शुकयताम् | शुकयेताम् | शुकयन्ताम् |
| शुकयस्व | शुकयेथाम् | शुकयन्वम् |
| शुकयै | शुकयावहे | शुकयामहे |
| ह्य० अशुकयत | अशुकयेताम् | अशुकयन्त |
| अशुकयथाः | अशुकयेथाम् | अशुकयन्वम् |
| अशुकये | अशुकयावहि | अशुकयामहि |
| अ० अशुकयत | अशुकयेताम् | अशुकयन्त |
| अशुकयथाः | अशुकयेथाम् | अशुकयन्वम् |
| अशुकये | अशुकयावहि | अशुकयामहि |
| प० शुकयाञ्चक्रे | शुकयाञ्चकृते | शुकयाञ्चकिरे |
| शुकयाञ्चकृषे | शुकयाञ्चकृषे | शुकयाञ्चकृद्वे |
| शुकयाञ्चक्रे | शुकयाञ्चकृवहे | शुकयाञ्चकृमहे |
| शुकयाम्बभूव | शुकयामास | |
| आ० शुकयिषीष्ट | शुकयिषीयास्ताम् | शुकयिषीरन् |
| शुकयिषीष्ठाः | शुकयिषीयास्थाम् | शुकयिषीद्वम् |
| शुकयिषीय | शुकयिषीवहि | शुकयिषीमहि |
| श्व० शुकयिता | शुकयितारौ | शुकयितारः |
| शुकयितासे | शुकयितासाथे | शुकयिताप्वे |
| शुकयिताहे | शुकयितास्वहे | शुकयितास्महे |
| भ० शुकयिष्यते | शुकयिष्येते | शुकयिष्यन्ते |
| शुकयिष्यसे | शुकयिष्येथे | शुकयिष्यन्वे |
| शुकयिष्ये | शुकयिष्यावहे | शुकयिष्यामहे |
| क्रि० अशुकयिष्यत् | अशुकयिष्येताम् | अशुकयिष्यन्त |
| अशुकयिष्यथाः | अशुकयिष्येथाम् | अशुकयिष्यन्वम् |
| अशुकयिष्ये | अशुकयिष्यावहि | अशुकयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते धातुरत्नाकरद्वितीयभागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (५७)

54 बुक् (बुक्) भाषणे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० बुक्कयति | बुक्कयतः | बुक्कयन्ति |
| बुक्कयसि | बुक्कयथः | बुक्कयथ |
| बुक्कयामि | बुक्कयावः | बुक्कयामः |
| स० बुक्कयेत् | बुक्कयेताम् | बुक्कयेयुः |
| बुक्कयेः | बुक्कयेताम् | बुक्कयेत |
| बुक्कयेयम् | बुक्कयेव | बुक्कयेम |
| प० बुक्कयतु | बुक्कयतात् | बुक्कयताम् |
| बुक्कय | बुक्कयतम् | बुक्कयत |
| बुक्कयानि | बुक्कयाव | बुक्कयाम |
| ह्य० अबुक्कयत् | अबुक्कयताम् | अबुक्कयन् |
| अबुक्कयः | अबुक्कयतम् | अबुक्कयत |
| अबुक्कयम् | अबुक्कयाव | अबुक्कयाम |
| अ० अबुक्कयत् | अबुक्कयताम् | अबुक्कयन् |
| अबुक्कयः | अबुक्कयतम् | अबुक्कयत |
| अबुक्कयम् | अबुक्कयाव | अबुक्कयाम |
| प० बुक्कयाञ्चकार | बुक्कयाञ्चकतुः | बुक्कयाञ्चकुः |
| बुक्कयाञ्चकथ्य | बुक्कयाञ्चकथुः | बुक्कयाञ्चक |
| बुक्कयाञ्चकार-चकर | बुक्कयाञ्चकृव | बुक्कयाञ्चकृम |
| बुक्कयाम्बभूव | । | बुक्कयामास |
| आ० बुक्कयात् | बुक्कयास्ताम् | बुक्कयासुः |
| बुक्कयाः | बुक्कयास्तम् | बुक्कयास्त |
| बुक्कयासम् | बुक्कयास्व | बुक्कयास्म |
| श्व० बुक्कयिता | बुक्कयितारौ | बुक्कयितारः |
| बुक्कयितासि | बुक्कयितास्थः | बुक्कयितास्थ |
| बुक्कयितास्मि | बुक्कयितास्वः | बुक्कयितास्मः |
| भ० बुक्कयिष्यति | बुक्कयिष्यतः | बुक्कयिष्यन्ति |
| बुक्कयिष्यसि | बुक्कयिष्यथः | बुक्कयिष्यथ |
| बुक्कयिष्यामि | बुक्कयिष्यावः | बुक्कयिष्यामः |
| क्रि० अबुक्कयिष्यत् | अबुक्कयिष्यताम् | अबुक्कयिष्यन्त |
| अबुक्कयिष्यः | अबुक्कयिष्यतम् | अबुक्कयिष्यत |
| अबुक्कयिष्यम् | अबुक्कयिष्याव | अबुक्कयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० बुक्कयते | बुक्कयेते | बुक्कयन्ते |
| बुक्कयसे | बुक्कयेथे | बुक्कयध्वे |
| बुक्कये | बुक्कयावहे | बुक्कयामहे |
| स० बुक्कयेत | बुक्कयेयाताम् | बुक्कयेरन् |
| बुक्कयेथाः | बुक्कयेयाथाम् | बुक्कयेध्वम् |
| बुक्कयेय | बुक्कयेवहि | बुक्कयेमहि |
| प० बुक्कयताम् | बुक्कयेताम् | बुक्कयन्ताम् |
| बुक्कयस्व | बुक्कयेथाम् | बुक्कयध्वम् |
| बुक्कये | बुक्कयावहे | बुक्कयामहे |
| ह्य० अबुक्कयत | अबुक्कयेताम् | अबुक्कयन्त |
| अबुक्कयथाः | अबुक्कयेथाम् | अबुक्कयध्वम् |
| अबुक्कये | अबुक्कयावहि | अबुक्कयामहि |
| अ० अबुक्कयत | अबुक्कयेताम् | अबुक्कयन्त |
| अबुक्कयथाः | अबुक्कयेथाम् | अबुक्कयध्वम् |
| अबुक्कये | अबुक्कयावहि | अबुक्कयामहि |
| प० बुक्कयाञ्चक्रे | बुक्कयाञ्चकरो | बुक्कयाञ्चक्रिरे |
| बुक्कयाञ्चकृषे | बुक्कयाञ्चकथे | बुक्कयाञ्चकृद्वे |
| बुक्कयाञ्चक्रे | बुक्कयाञ्चकृवहे | बुक्कयाञ्चकृमहे |
| बुक्कयाम्बभूव | । | बुक्कयामास |
| आ० बुक्कयिषीष्ट | बुक्कयिषीयास्ताम् | बुक्कयिषीरन् |
| बुक्कयिषीष्ठाः | बुक्कयिषीयास्थाम् | बुक्कयिषीध्वम् |
| बुक्कयिषीय | बुक्कयिषीवहि | बुक्कयिषीमहि |
| श्व० बुक्कयिता | बुक्कयितारौ | बुक्कयितारः |
| बुक्कयितासे | बुक्कयितासाथे | बुक्कयिताध्वे |
| बुक्कयिताहे | बुक्कयितास्वहे | बुक्कयितास्महे |
| भ० बुक्कयिष्यते | बुक्कयिष्येते | बुक्कयिष्यन्ते |
| बुक्कयिष्यसे | बुक्कयिष्येथे | बुक्कयिष्यध्वे |
| बुक्कयिष्ये | बुक्कयिष्यावहे | बुक्कयिष्यामहे |
| क्रि० अबुक्कयिष्यत | अबुक्कयिष्येताम् | अबुक्कयिष्यन्त |
| अबुक्कयिष्यथाः | अबुक्कयिष्येथाम् | अबुक्कयिष्यध्वम् |
| अबुक्कयिष्ये | अबुक्कयिष्यावहि | अबुक्कयिष्यामहि |

॥ खान्ता द्वाविंशतिः ॥

55 ओख् (ओख्) शोषणालमर्थयोः

| | | |
|-----------------|-------------|-------------|
| व० ओखयति | ओखयतः | ओखयन्ति |
| ओखयसि | ओखयथः | ओखयथ |
| ओखयामि | ओखयावः | ओखयामः |
| स० ओखयेत् | ओखयेताम् | ओखयेयुः |
| ओखयेः | ओखयेतम् | ओखयेत |
| ओखयेयम् | ओखयेव | ओखयेम |
| प० ओखयतु | ओखयतात् | ओखयताम् |
| ओखय | ओखयतम् | ओखयत |
| ओखयानि | ओखयाव | ओखयाम |
| ह्य० औखयत् | औखयताम् | औखयन् |
| औखयः | औखयतम् | औखयत |
| औखयम् | औखयाव | औखयाम |
| अ० औचिखत् | औचिखताम् | औचिखन् |
| औचिखः | औचिखतम् | औचिखत |
| औचिखम् | औचिखाव | औचिखाम |
| प० ओखयाञ्चकार | ओखयाञ्चकतुः | ओखयाञ्चकुः |
| ओखयाञ्चकथं | ओखयाञ्चकथुः | ओखयाञ्चक |
| ओखयाञ्चकार-चकर | ओखयाञ्चकृव | ओखयाञ्चकृम |
| ओखयाम्बभूव | ओखयामास | |
| आ० ओख्यात् | ओख्यास्ताम् | ओख्यासुः |
| ओख्याः | ओख्यास्तम् | ओख्यास्त |
| ओख्यासम् | ओख्यास्व | ओख्यास्म |
| ख० ओखयिता | ओखयितारौ | ओखयितारः |
| ओखयितासि | ओखयितास्थः | ओखयितास्थ |
| ओखयितास्मि | ओखयितास्वः | ओखयितास्मः |
| भ० ओखयिष्यति | ओखयिष्यतः | ओखयिष्यन्ति |
| ओखयिष्यसि | ओखयिष्यथः | ओखयिष्यथ |
| ओखयिष्यामि | ओखयिष्यावः | ओखयिष्यामः |
| क्रि० औखयिष्यत् | औखयिष्यताम् | औखयिष्यन् |
| औखयिष्यः | औखयिष्यतम् | औखयिष्यत |
| औखयिष्यम् | औखयिष्याव | औखयिष्याम |

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| व० ओखयते | ओखयेते | ओखयन्ते |
| ओखयसे | ओखयेथे | ओखयध्वे |
| ओखये | ओखयावहे | ओखयामहे |
| स० ओखयेत | ओखयेयाताम् | ओखयेरन् |
| औखयेथाः | ओखयेयाथाम् | ओखयेध्वम् |
| ओखयेय | ओखयेवहि | ओखयेमहि |
| प० ओखयताम् | ओखयेताम् | ओखयन्ताम् |
| ओखयस्व | ओखयेथाम् | ओखयध्वम् |
| ओखयै | ओखयावहै | ओखयामहै |
| ह्य० औखयत | औखयेताम् | औखयन्त |
| औखयथाः | औखयेथाम् | औखयध्वम् |
| औखये | औखयावहि | औखयामहि |
| अ० औचिखत | औचिखेताम् | औचिखन्त |
| औचिखथाः | औचिखेथाम् | औचिखध्वम् |
| औचिखे | औचिखावहि | औचिखामहि |
| प० ओखयाञ्चके | ओखयाञ्चकाते | ओखयाञ्चकिरे |
| ओखयाञ्चकृषे | ओखयाञ्चकृषे | ओखयाञ्चकृद्वे |
| ओखयाञ्चके | ओखयाञ्चकृवहे | ओखयाञ्चकृमहे |
| ओखयाम्बभूव | ओखयामास | |
| आ० ओखयिषीष्ट | ओखयिषीयास्ताम् | ओखयिषीरन् |
| ओखयिषीष्टाः | ओखयिषीयास्थाम् | ओखयिषीध्वम् |
| ओखयिषीय | ओखयिषीवहि | ओखयिषीमहि |
| ख० ओखयिता | ओखयितारौ | ओखयितारः |
| ओखयितासे | ओखयितासाथे | ओखयिताध्वे |
| ओखयिताहे | ओखयितास्वहे | ओखयितास्महे |
| भ० औखयिष्यते | औखयिष्येते | औखयिष्यन्ते |
| औखयिष्यसे | औखयिष्येथे | औखयिष्यध्वे |
| औखयिष्ये | औखयिष्यावहे | औखयिष्यामहे |
| क्रि० औखयिष्यत | औखयिष्येताम् | औखयिष्यन्त |
| औखयिष्यथाः | औखयिष्येथाम् | औखयिष्यध्वम् |
| औखयिष्ये | औखयिष्यावहि | औखयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते धातुरत्नाकरद्वितीयविभागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (५९)

56 राख् (राख्) शोषणालमर्थयोः

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | राख्यति | राख्यतः | राख्यन्ति |
| | राख्यसि | राख्यथः | राख्यथ |
| | राख्यामि | राख्यावः | राख्यामः |
| स० | राख्येत् | राख्येताम् | राख्येयुः |
| | राख्ये | राख्येतम् | राख्येत |
| | राख्येयम् | राख्येव | राख्येम |
| प० | राख्यतु | राख्यतात् | राख्यताम् |
| | राख्य | राख्यतम् | राख्यत |
| | राख्याणि | राख्याव | राख्याम |
| ह्य० | अराख्यत् | अराख्यताम् | अराख्यन् |
| | अराख्यः | अराख्यतम् | अराख्यत |
| | अराख्यम् | अराख्याव | अराख्याम |
| अ० | अरराखत् | अरराखताम् | अरराखन् |
| | अरराखः | अरराखतम् | अरराखत |
| | अरराखम् | अरराखाव | अरराखाम |
| प० | राख्याश्चकार | राख्याश्चकतुः | राख्याश्चकुः |
| | राख्याश्चकथ | राख्याश्चकथुः | राख्याश्चक |
| | राख्याश्चकार-चकर | राख्याश्चकृव | राख्याश्चकृम |
| | राख्याम्बभूव | राख्यामास | |
| आ० | राख्यात् | राख्यास्ताम् | राख्यासुः |
| | राख्याः | राख्यास्तम् | राख्यास्त |
| | राख्यासम् | राख्यास्व | राख्यास्म |
| भ० | राख्यिता | राख्यितारौ | राख्यितारः |
| | राख्यितासि | राख्यितास्थः | राख्यितास्थ |
| | राख्यितास्मि | राख्यितास्वः | राख्यितास्मः |
| भ० | राख्यिष्यति | राख्यिष्यतः | राख्यिष्यन्ति |
| | राख्यिष्यसि | राख्यिष्यथः | राख्यिष्यथ |
| | राख्यिष्यामि | राख्यिष्यावः | राख्यिष्यामः |
| क्रि० | अराख्यिष्यत् | अराख्यिष्यताम् | अराख्यिष्यन् |
| | अराख्यिष्यः | अराख्यिष्यतम् | अराख्यिष्यत |
| | अराख्यिष्यम् | अराख्यिष्याव | अराख्यिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | राख्यते | राख्येते | राख्यन्ते |
| | राख्यसे | राख्येथे | राख्यध्वे |
| | राख्ये | राख्यावहे | राख्यामहे |
| स० | राख्येत | राख्येयाताम् | राख्येरन् |
| | राख्येथाः | राख्येयाथाम् | राख्येध्वम् |
| | राख्येय | राख्येवहि | राख्येमहि |
| प० | राख्यताम् | राख्येताम् | राख्यन्ताम् |
| | राख्यस्व | राख्येथाम् | राख्यध्वम् |
| | राख्यै | राख्यावहे | राख्यामहे |
| ह्य० | अराख्यत | अराख्येताम् | अराख्यन्त |
| | अराख्यथाः | अराख्येथाम् | अराख्यध्वम् |
| | अराख्ये | अराख्यावहि | अराख्यामहि |
| अ० | अरराखत | अरराखेताम् | अरराखन्त |
| | अरराखथाः | अरराखेथाम् | अरराखध्वम् |
| | अरराखे | अरराखावहि | अरराखामहि |
| प० | राख्याश्चक्रे | राख्याश्चकृते | राख्याश्चक्रे |
| | राख्याश्चकृषे | राख्याश्चकृथे | राख्याश्चकृध्वे |
| | राख्याश्चक्रे | राख्याश्चकृवहे | राख्याश्चकृमहे |
| | राख्याम्बभूव | राख्यामास | |
| आ० | राख्यिषीष्ट | राख्यिषीयास्ताम् | राख्यिषीरन् |
| | राख्यिषीष्टाः | राख्यिषीयास्थाम् | राख्यिषीध्वम् |
| | राख्यिषीय | राख्यिषीवहि | राख्यिषीमहि |
| श्र० | राख्यिता | राख्यितारौ | राख्यितारः |
| | राख्यितासे | राख्यितासाथे | राख्यिताध्वे |
| | राख्यिताहे | राख्यितास्वहे | राख्यितास्महे |
| भ० | राख्यिष्यते | राख्यिष्येते | राख्यिष्यन्ते |
| | राख्यिष्यसे | राख्यिष्येथे | राख्यिष्यध्वे |
| | राख्यिष्ये | राख्यिष्यावहे | राख्यिष्यामहे |
| क्रि० | अराख्यिष्यत | अराख्यिष्येताम् | अराख्यिष्यन्त |
| | अराख्यिष्यथाः | अराख्यिष्येथाम् | अराख्यिष्यध्वम् |
| | अराख्यिष्ये | अराख्यिष्यावहि | अराख्यिष्यामहि |

57 लाख् (लाख्) शेषणालमर्थयोः

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० लाखयति | लाखयतः | लाखयन्ति |
| लाखयसि | लाखयथः | लाखयथ |
| लाखयामि | लाख्यावः | लाखयामः |
| स० लाखयेत् | लाखयेताम् | लाखयेयुः |
| लाखयेः | लाखयेतम् | लाखयेत |
| लाखयेयम् | लाखयेव | लाखयेम |
| प० लाखयतु | लाखयतात् | लाखयताम् |
| लाखय | लाखयतम् | लाखयत |
| लाखयानि | लाख्याव | लाखयाम |
| ह्य० अलाखयत् | अलाखयताम् | अलाखयन् |
| अलाखयः | अलाखयतम् | अलाखयत |
| अलाखयम् | अलाख्याव | अलाखयाम |
| अ० अललाखत् | अललाखताम् | अललाखन् |
| अललाखः | अललाखतम् | अललाखत |
| अललाखम् | अललाखाव | अललाखाम |
| प० लाख्याञ्चकार | लाख्याञ्चकतुः | लाख्याञ्चकुः |
| लाख्याञ्चकर्थ | लाख्याञ्चकथुः | लाख्याञ्चक |
| लाख्याञ्चकार-चकर | लाख्याञ्चकृव | लाख्याञ्चकृम |
| लाख्याम्बभूव | लाख्यामास | |
| आ० लाख्यात् | लाख्यास्ताम् | लाख्यासुः |
| लाख्याः | लाख्यास्तम् | लाख्यास्त |
| लाख्यासम् | लाख्यास्व | लाख्यास्म |
| श्र० लाखयिता | लाखयितारौ | लाखयितारः |
| लाखयितासि | लाखयितास्थः | लाखयितास्थ |
| लाखयितास्मि | लाखयितास्वः | लाखयितास्मः |
| भ० लाखयिष्यति | लाखयिष्यतः | लाखयिष्यन्ति |
| लाखयिष्यसि | लाखयिष्यथः | लाखयिष्यथ |
| लाखयिष्यामि | लाखयिष्यावः | लाखयिष्यामः |
| क्रि० अलाखयिष्यत् | अलाखयिष्यताम् | अलाखयिष्यन् |
| अलाखयिष्यः | अलाखयिष्यतम् | अलाखयिष्यत |
| अलाखयिष्यम् | अलाखयिष्याव | अलाखयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० लाखयते | लाखयेते | लाखयन्ते |
| लाखयसे | लाखयेथे | लाखयन्वे |
| लाखये | लाख्यावहे | लाखयामहे |
| स० लाखयेत | लाखयेयाताम् | लाखयेरन् |
| लाखयेथाः | लाखयेयाथाम् | लाखयेष्वम् |
| लाखयेय | लाखयेवहि | लाखयेमहि |
| प० लाखयताम् | लाखयेताम् | लाखयन्ताम् |
| लाखयस्व | लाखयेथाम् | लाखयन्वम् |
| लाखये | लाख्यावहे | लाखयामहे |
| ह्य० अलाखयत | अलाखयेताम् | अलाखयन्त |
| अलाखयथाः | अलाखयेथाम् | अलाखयन्वम् |
| अलाखये | अलाख्यावहि | अलाखयामहि |
| अ० अललाखत | अललाखेताम् | अललाखन्त |
| अललाखथाः | अललाखेथाम् | अललाखन्वम् |
| अललाखे | अललाखावहि | अललाखामहि |
| प० लाख्याञ्चके | लाख्याञ्चकाते | लाख्याञ्चकिरे |
| लाख्याञ्चकृषे | लाख्याञ्चकाये | लाख्याञ्चकृद्वे |
| लाख्याञ्चके | लाख्याञ्चकृवहे | लाख्याञ्चकृमहे |
| लाख्याम्बभूव | लाख्यामास | |
| आ० लाखयिषीष्ट | लाखयिषीयास्ताम् | लाखयिषीरन् |
| लाखयिषीष्टाः | लाखयिषीयास्थाम् | लाखयिषीद्वम् |
| लाखयिषीय | लाखयिषीवहि | लाखयिषीमहि |
| श्र० लाखयिता | लाखयितारौ | लाखयितारः |
| लाखयितासे | लाखयितासाथे | लाखयितान्वे |
| लाखयिताहे | लाखयितास्वहे | लाखयितास्महे |
| भ० लाखयिष्यते | लाखयिष्येते | लाखयिष्यन्ते |
| लाखयिष्यसे | लाखयिष्येथे | लाखयिष्यन्वे |
| लाखयिष्ये | लाखयिष्यावहे | लाखयिष्यामहे |
| क्रि० अलाखयिष्यत् | अलाखयिष्यताम् | अलाखयिष्यन्त |
| अलाखयिष्यथाः | अलाखयिष्येथाम् | अलाखयिष्यन्वम् |
| अलाखयिष्ये | अलाखयिष्यावहि | अलाखयिष्यामहि |

58 द्राख् (द्राख्) शोषणालमर्थयोः

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| व० द्राख्यति | द्राख्यतः | द्राख्यन्ति |
| द्राख्यसि | द्राख्यथः | द्राख्यथ |
| द्राख्यामि | द्राख्यावः | द्राख्यामः |

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| स० द्राख्येत् | द्राख्येताम् | द्राख्येयुः |
| द्राख्येः | द्राख्येतम् | द्राख्येत |
| द्राख्येयम् | द्राख्येव | द्राख्येम |

| | | | |
|--------------|-------------|-------------|-------------|
| प० द्राख्यतु | द्राख्यतात् | द्राख्यताम् | द्राख्यन्तु |
| द्राख्य | द्राख्यतम् | द्राख्यत | |
| द्राख्यमि | द्राख्याव | द्राख्याम | |

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| ह्य० अद्राख्यत् | अद्राख्यताम् | अद्राख्यन् |
| अद्राख्यः | अद्राख्यतम् | अद्राख्यत |
| अद्राख्यम् | अद्राख्याव | अद्राख्याम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| अ० अद्राखत् | अद्राखताम् | अद्राखन् |
| अद्राखः | अद्राखतम् | अद्राखत |
| अद्राखम् | अद्राखाव | अद्राखाम |

| | | |
|-------------------|------------------|----------------|
| प० द्राख्याश्चकार | द्राख्याश्चक्रुः | द्राख्याश्चकुः |
| द्राख्याश्चकथं | द्राख्याश्चक्रुः | द्राख्याश्चक |

द्राख्याश्चकार-चकर द्राख्याश्चक्रुव द्राख्याश्चक्रम

द्राख्याम्बभूव । द्राख्यामास

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० द्राख्यात् | द्राख्यास्ताम् | द्राख्यासुः |
| द्राख्याः | द्राख्यास्तम् | द्राख्यास्त |
| द्राख्यासम् | द्राख्यास्व | द्राख्यास्म |

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| भ० द्राख्यिता | द्राख्यितारौ | द्राख्यितारः |
| द्राख्यितासि | द्राख्यितास्थः | द्राख्यितास्थ |
| द्राख्यितास्मि | द्राख्यितास्वः | द्राख्यितास्मः |

| | | |
|------------------|----------------|-----------------|
| भ० द्राख्यिष्यति | द्राख्यिष्यतः | द्राख्यिष्यन्ति |
| द्राख्यिष्यसि | द्राख्यिष्यथः | द्राख्यिष्यथ |
| द्राख्यिष्यामि | द्राख्यिष्यावः | द्राख्यिष्यामः |

| | | |
|----------------------|------------------|----------------|
| क्रि० अद्राख्यिष्यत् | अद्राख्यिष्यताम् | अद्राख्यिष्यन् |
| अद्राख्यिष्यः | अद्राख्यिष्यतम् | अद्राख्यिष्यत |
| अद्राख्यिष्यम् | अद्राख्यिष्याव | अद्राख्यिष्याम |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| व० द्राख्यते | द्राख्येते | द्राख्यन्ते |
| द्राख्यसे | द्राख्येथे | द्राख्यन्थे |
| द्राख्ये | द्राख्यावहे | द्राख्यामहे |

| | | |
|--------------|----------------|---------------|
| स० द्राख्येत | द्राख्येयाताम् | द्राख्येरन् |
| द्राख्येथाः | द्राख्येयाथाम् | द्राख्येध्वम् |
| द्राख्येय | द्राख्येवहि | द्राख्येमहि |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| प० द्राख्यताम् | द्राख्येताम् | द्राख्यन्ताम् |
| द्राख्यस्व | द्राख्येथाम् | द्राख्यध्वम् |
| द्राख्यै | द्राख्यावहै | द्राख्यामहै |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| ह्य० अद्राख्यत | अद्राख्येताम् | अद्राख्यन्त |
| अद्राख्यथाः | अद्राख्येथाम् | अद्राख्यध्वम् |
| अद्राख्ये | अद्राख्यावहि | अद्राख्यामहि |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| अ० अद्राखत | अद्राखेताम् | अद्राखन्त |
| अद्राखथाः | अद्राखेतम् | अद्राखध्वम् |
| अद्राखे | अद्राखावहि | अद्राखामहि |

| | | |
|--------------------|--------------------|-------------------|
| प० द्राख्याश्चक्रे | द्राख्याश्चक्राते | द्राख्याश्चकिरे |
| द्राख्याश्चक्रे | द्राख्याश्चक्राये | द्राख्याश्चक्रुवे |
| द्राख्याश्चक्रे | द्राख्याश्चक्रुवहे | द्राख्याश्चक्रमहे |

द्राख्याम्बभूव । द्राख्यामास

| | | |
|------------------|--------------------|-----------------|
| आ० द्राख्यिषीष्ट | द्राख्यिषीयास्ताम् | द्राख्यिषीरन् |
| द्राख्यिषीष्ठाः | द्राख्यिषीयास्थाम् | द्राख्यिषीध्वम् |

| | | |
|-------------|---------------|---------------|
| द्राख्यिषीय | द्राख्यिषीवहि | द्राख्यिषीमहि |
|-------------|---------------|---------------|

| | | |
|-----------------|-----------------|-----------------|
| श्व० द्राख्यिता | द्राख्यितारौ | द्राख्यितारः |
| द्राख्यितासे | द्राख्यितासाथे | द्राख्यिताध्वे |
| द्राख्यिताहे | द्राख्यितास्वहे | द्राख्यितास्महे |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| भ० द्राख्यिष्यते | द्राख्यिष्येते | द्राख्यिष्यन्ते |
| द्राख्यिष्यसे | द्राख्यिष्येथे | द्राख्यिष्यन्थे |
| द्राख्यिष्ये | द्राख्यिष्यावहे | द्राख्यिष्यामहे |

| | | |
|---------------------|-------------------|-------------------|
| क्रि० अद्राख्यिष्यत | अद्राख्यिष्येताम् | अद्राख्यिष्यन्त |
| अद्राख्यिष्यथाः | अद्राख्यिष्येथाम् | अद्राख्यिष्यध्वम् |
| अद्राख्यिष्ये | अद्राख्यिष्याहि | अद्राख्यिष्यामहि |

59 प्राख् (प्राख्) शोषणालम्भयोः

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० प्राखयति | प्राखयतः | प्राखयन्ति |
| प्राखयसि | प्राखयथः | प्राखयथ |
| प्राखयामि | प्राखयावः | प्राखयामः |
| स० प्राखयेत् | प्राखयेताम् | प्राखयेयुः |
| प्राखयेः | प्राखयेतम् | प्राखयेत् |
| प्राखयेयम् | प्राखयेव | प्राखयेम |
| प० प्राखयतु | प्राखयतात् | प्राखयताम् |
| प्राखय | „ | प्राखयतम् |
| प्राखयाणि | प्राखयाव | प्राखयाम |
| ह्य० अप्राखयत् | अप्राखयताम् | अप्राखयन् |
| अप्राखयः | अप्राखयतम् | अप्राखयत |
| अप्राखयम् | अप्राखयाव | अप्राखयाम |
| अ० अदप्राखत् | अदप्राखताम् | अदप्राखन् |
| अदप्राखः | अदप्राखतम् | अदप्राखत |
| अदप्राखम् | अदप्राखाव | अदप्राखाम |
| प० प्राखयाञ्चकार | प्राखयाञ्चकतुः | प्राखयाञ्चकुः |
| प्राखयाञ्चकथं | प्राखयाञ्चकथुः | प्राखयाञ्चक |
| प्राखयाञ्चकर-चकर | प्राखयाञ्चकृव | प्राखयाञ्चकृम |
| प्राखयाञ्चभूव | प्राखयामास | |
| आ० प्राख्यात् | प्राख्यास्ताम् | प्राख्यासुः |
| प्राख्याः | प्राख्यास्तम् | प्राख्यास्त |
| प्राख्यासम् | प्राख्यास्व | प्राख्यास्म |
| श्व० प्राखयिता | प्राखयितारौ | प्राखयितारः |
| प्राखयितासि | प्राखयितास्थः | प्राखयितास्थ |
| प्राखयितास्मि | प्राखयितास्वः | प्राखयितास्मः |
| भ० प्राखयिष्यति | प्राखयिष्यतः | प्राखयिष्यन्ति |
| प्राखयिष्यसि | प्राखयिष्यथः | प्राखयिष्यथ |
| प्राखयिष्यामि | प्राखयिष्यावः | प्राखयिष्यामः |
| क्रि० अप्राखयिष्यत् | अप्राखयिष्यताम् | अप्राखयिष्यन् |
| अप्राखयिष्यः | अप्राखयिष्यतम् | अप्राखयिष्यत |
| अप्राखयिष्यम् | अप्राखयिष्याव | अप्राखयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० प्राखयते | प्राखयते | प्राखयन्ते |
| प्राखयसे | प्राखयेथे | प्राखयावे |
| प्राखये | प्राखयावहे | प्राखयामहे |
| स० प्राखयेत | प्राखयेयाताम् | प्राखयेरन् |
| प्राखयेथाः | प्राखयेयाथाम् | प्राखयेथ्वम् |
| प्राखयेय | प्राखयेवहि | प्राखयेमहि |
| प० प्राखयताम् | प्राखयेताम् | प्राखयन्ताम् |
| प्राखयस्व | प्राखयेथाम् | प्राखयथ्वम् |
| प्राखयै | प्राखयावहे | प्राखयामहे |
| ह्य० अप्राखयत | अप्राखयेताम् | अप्राखयन्त |
| अप्राखयथाः | अप्राखयेथाम् | अप्राखयथ्वम् |
| अप्राखये | अप्राखयावहि | अप्राखयामहि |
| अ० अदप्राखत | अदप्राखेताम् | अदप्राखन्त |
| अदप्राखथाः | अदप्राखेथाम् | अदप्राखथ्वम् |
| अदप्राखे | अदप्राखावहि | अदप्राखामहि |
| प० प्राखयाञ्चके | प्राखयाञ्चकाते | प्राखयाञ्चकिरे |
| प्राखयाञ्चकृषे | प्राखयाञ्चकाथे | प्राखयाञ्चकृङ्वे |
| प्राखयाञ्चके | प्राखयाञ्चकृवहे | प्राखयाञ्चकृमहे |
| प्राखयाञ्चभूव | प्राखयामास | |
| आ० प्राखयिषीष्ट | प्राखयिषीयास्ताम् | प्राखयिषीरन् |
| प्राखयिषीष्टाः | प्राखयिषीयास्थाम् | प्राखयिषीङ्वम् |
| प्राखयिषीय | प्राखयिषीवहि | प्राखयिषीमहि |
| श्व० प्राखयिता | प्राखयितारौ | प्राखयितारः |
| प्राखयितासे | प्राखयितासाथे | प्राखयिताथ्वे |
| प्राखयिताहे | प्राखयितास्वहे | प्राखयितास्महे |
| भ० प्राखयिष्यते | प्राखयिष्येते | प्राखयिष्यन्ते |
| प्राखयिष्यसे | प्राखयिष्येथे | प्राखयिष्यथ्वे |
| प्राखयिष्ये | प्राखयिष्यावहे | प्राखयिष्यामहे |
| क्रि० अप्राखयिष्यत् | अप्राखयिष्येताम् | अप्राखयिष्यन्त |
| अप्राखयिष्यथाः | अप्राखयिष्येथाम् | अप्राखयिष्यथ्वम् |
| अप्राखयिष्ये | अप्राखयिष्यावहि | अप्राखयिष्यामहि |

60 शाख (शाख) व्याप्ती

| | | |
|---|---------------|--------------|
| व० शाखयति | शाखयतः | शाखयन्ति |
| शाखयसि | शाखयथः | शाखयथ |
| शाखयामि | शाखयावः | शाखयामः |
| स० शाखयेत् | शाखयेताम् | शाखयेयुः |
| शाखयेः | शाखयेतम् | शाखयेत |
| शाखयेयम् | शाखयेव | शाखयेम |
| प० शाखयतु | शाखयतात् | शाखयताम् |
| शाखय | शाखयतम् | शाखयत |
| शाखयानि | शाखयाव | शाखयाम |
| ह्य० अशाखयत् | अशाखयताम् | अशाखयन् |
| अशाखयः | अशाखयतम् | अशाखयत |
| अशाखयम् | अशाखयाव | अशाखयाम |
| अ० अशाखत् | अशाखताम् | अशाखन् |
| अशाखः | अशाखतम् | अशाखत |
| अशाखम् | अशाखाव | अशाखाम |
| प० शाखयाञ्चकार | शाखयाञ्चकतुः | शाखयाञ्चकुः |
| शाखयाञ्चकर्थ | शाखयाञ्चकथुः | शाखयाञ्चक |
| शाखयाञ्चकार-चकर शाखयाञ्चकृव शाखयाञ्चकृम | | |
| शाखयाम्बभूव । शाखयामास | | |
| अ० शाख्यात् | शाख्यास्ताम् | शाख्यासुः |
| शाख्याः | शाख्यास्तम् | शाख्यास्त |
| शाख्यासम् | शाख्यास्व | शाख्यास्म |
| भ० शाखयिता | शाखयितारौ | शाखयितारः |
| शाखयितासि | शाखयितास्थः | शाखयितास्थ |
| शाखयितास्मि | शाखयितास्वः | शाखयितास्मः |
| भ० शाखयिष्यति | शाखयिष्यतः | शाखयिष्यन्ति |
| शाखयिष्यसि | शाखयिष्यथः | शाखयिष्यथ |
| शाखयिष्यामि | शाखयिष्यावः | शाखयिष्यामः |
| क्रि० अशाखयिष्यत् | अशाखयिष्यताम् | अशाखयिष्यन् |
| अशाखयिष्यः | अशाखयिष्यतम् | अशाखयिष्यत |
| अशाखयिष्यम् | अशाखयिष्याव | अशाखयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|---------------------|--------------------|
| व० | शास्त्रयते | शास्त्रयेते | शास्त्रयन्ते |
| | शास्त्रयसे | शास्त्रयेथे | शास्त्रयध्वे |
| | शास्त्रये | शास्त्रयावहे | शास्त्रयामहे |
| स० | शास्त्रयेत | शास्त्रयेयाताम् | शास्त्रयेरन् |
| | शास्त्रयेथाः | शास्त्रयेयाथाम् | शास्त्रयेध्वम् |
| | शास्त्रयेय | शास्त्रयेवहि | शास्त्रयेमहि |
| प० | शास्त्रयताम् | शास्त्रयेताम् | शास्त्रयन्ताम् |
| | शास्त्रयस्व | शास्त्रयेथाम् | शास्त्रयध्वम् |
| | शास्त्रये | शास्त्रयावहे | शास्त्रयामहे |
| ह्य० | अशास्त्रयत | अशास्त्रयेताम् | अशास्त्रयन्त |
| | अशास्त्रयथाः | अशास्त्रयेथाम् | अशास्त्रयध्वम् |
| | अशास्त्रये | अशास्त्रयावहि | अशास्त्रयामहि |
| अ० | अशशास्त्रत | अशशास्त्रेताम् | अशशास्त्रन्त |
| | अशशास्त्रथाः | अशशास्त्रेथाम् | अशशास्त्रध्वम् |
| | अशशास्त्रे | अशशास्त्रावहि | अशशास्त्रामहि |
| प० | शास्त्रयान्नक | शास्त्रयान्नकाते | शास्त्रयान्नकिरे |
| | शास्त्रयान्नकृषे | शास्त्रयान्नकृषे | शास्त्रयान्नकृष्ये |
| | शास्त्रयान्नक्रे | शास्त्रयान्नकृवहे | शास्त्रयान्नकृमहे |
| | शास्त्रयाम्भूव | शास्त्रयामास | |
| आ० | शास्त्रयिषीष्ट | शास्त्रयिषीयास्ताम् | शास्त्रयिषीरन् |
| | शास्त्रयिषीष्ठाः | शास्त्रयिषीयास्थाम् | शास्त्रयिषीध्वम् |
| | शास्त्रयिषीय | शास्त्रयिषीवहि | शास्त्रयिषीमहि |
| श्व० | शास्त्रयिता | शास्त्रयितारौ | शास्त्रयितारः |
| | शास्त्रयितासे | शास्त्रयितासाथे | शास्त्रयिताध्वे |
| | शास्त्रयिताहे | शास्त्रयितास्वहे | शास्त्रयितास्महे |
| भ० | शास्त्रयिष्यते | शास्त्रयिष्येते | शास्त्रयिष्यन्ते |
| | शास्त्रयिष्यसे | शास्त्रयिष्येथे | शास्त्रयिष्यध्वे |
| | शास्त्रयिष्ये | शास्त्रयिष्यावहे | शास्त्रयिष्यामहे |
| क्रि० | अशास्त्रयिष्यत | अशास्त्रयिष्येताम् | अशास्त्रयिष्यन्त |
| | अशास्त्रयिष्यथाः | अशास्त्रयिष्येथाम् | अशास्त्रयिष्यध्वम् |
| | अशास्त्रयिष्ये | अशास्त्रयिष्यावहि | अशास्त्रयिष्यामहि |

(६४) ॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते धातुरत्नाकरद्वितीयभागे णिगन्तप्रक्रिया ॥

६। श्लाख् (श्लाख्) व्याप्तौ

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | श्लाखयति | श्लाखयतः | श्लाखयन्ति |
| | श्लाखयसि | श्लाखयथः | श्लाखयथ |
| | श्लाखयामि | श्लाखयावः | श्लाखयामः |
| स० | श्लाखयेत् | श्लाखयेताम् | श्लाखयेयुः |
| | श्लाखयेः | श्लाखयेतम् | श्लाखयेत |
| | श्लाखयेयम् | श्लाखयेव | श्लाखयेम |
| प० | श्लाखयतु | श्लाखयतात् | श्लाखयताम् |
| | श्लाखय | „ | श्लाखयतम् |
| | श्लाखयानि | श्लाखयाव | श्लाखयाम |
| ह्य० | अश्लाखयत् | अश्लाखयताम् | अश्लाखयन् |
| | अश्लाखयः | अश्लाखयतम् | अश्लाखयत |
| | अश्लाखयम् | अश्लाखयाव | अश्लाखयाम |
| अ० | अशश्लाखत् | अशश्लाखताम् | अशश्लाखन् |
| | अशश्लाखः | अशश्लाखतम् | अशश्लाखत |
| | अशश्लाखम् | अशश्लाखाव | अशश्लाखाम |
| प० | श्लाखयाञ्चकार | श्लाखयाञ्चकतुः | श्लाखयाञ्चकुः |
| | श्लाखयाञ्चकथि | श्लाखयाञ्चकथुः | श्लाखयाञ्चक |
| | श्लाखयाञ्चकार-चकर | श्लाखयाञ्चकृव | श्लाखयाञ्चकृम |
| | श्लाखयाम्भूव | „ | श्लाखयामास |
| आ० | श्लाख्यात् | श्लाख्यास्ताम् | श्लाख्यासु. |
| | श्लाख्याः | श्लाख्यास्तम् | श्लाख्यास्त |
| | श्लाख्यासम् | श्लाख्यास्व | श्लाख्यास्म |
| श्व० | श्लाखयिता | श्लाखयितारौ | श्लाखयितारः |
| | श्लाखयितासि | श्लाखयितास्थः | श्लाखयितास्थ |
| | श्लाखयितास्मि | श्लाखयितास्वः | श्लाखयितास्मः |
| भ० | श्लाखयिष्यति | श्लाखयिष्यतः | श्लाखयिष्यन्ति |
| | श्लाखयिष्यसि | श्लाखयिष्यथः | श्लाखयिष्यथ |
| | श्लाखयिष्यामि | श्लाखयिष्यावः | श्लाखयिष्यामः |
| क्रि० | अश्लाखयिष्यत् | अश्लाखयिष्यताम् | अश्लाखयिष्यन् |
| | अश्लाखयिष्यः | अश्लाखयिष्यतम् | अश्लाखयिष्यत |
| | अश्लाखयिष्यम् | अश्लाखयिष्याव | अश्लाखयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | श्लाखयते | श्लाखयेते | श्लाखयन्ते |
| | श्लाखयसे | श्लाखयेथे | श्लाखयध्वे |
| | श्लाखये | श्लाखयावहे | श्लाखयामहे |
| स० | श्लाखयेत | श्लाखयेयाताम् | श्लाखयेरन् |
| | श्लाखयेथाः | श्लाखयेयाथाम् | श्लाखयेध्वम् |
| | श्लाखयेय | श्लाखयेवहि | श्लाखयेमहि |
| प० | श्लाखयताम् | श्लाखयेताम् | श्लाखयन्ताम् |
| | श्लाखयस्व | श्लाखयेथाम् | श्लाखयध्वम् |
| | श्लाखये | श्लाखयावहे | श्लाखयामहे |
| ह्य० | अश्लाखयत | अश्लाखयेताम् | अश्लाखयन्त |
| | अश्लाखयथाः | अश्लाखयेथाम् | अश्लाखयध्वम् |
| | अश्लाखये | अश्लाखयावहि | अश्लाखयामहि |
| अ० | अशश्लाखत | अशश्लाखेताम् | अशश्लाखन्त |
| | अशश्लाखथाः | अशश्लाखेथाम् | अशश्लाखध्वम् |
| | अशश्लाखे | अशश्लाखावहि | अशश्लाखामहि |
| प० | श्लाखयाञ्चक्रे | श्लाखयाञ्चकाते | श्लाखयाञ्चकिरे |
| | श्लाखयाञ्चकृषे | श्लाखयाञ्चकृथे | श्लाखयाञ्चकृद्वे |
| | श्लाखयाञ्चक्रे | श्लाखयाञ्चकृवहे | श्लाखयाञ्चकृमहे |
| | श्लाखयाम्भूव | „ | श्लाखयामास |
| आ० | श्लाखयिषीष्ट | श्लाखयिषीयास्ताम् | श्लाखयिषीरन् |
| | श्लाखयिषीष्टाः | श्लाखयिषीयास्थाम् | श्लाखयिषीध्वम् |
| | श्लाखयिषीय | श्लाखयिषीवहि | श्लाखयिषीमहि |
| श्व० | श्लाखयिता | श्लाखयितारौ | श्लाखयितारः |
| | श्लाखयितासे | श्लाखयितासाथे | श्लाखयिताध्वे |
| | श्लाखयिताहे | श्लाखयितास्वहे | श्लाखयितास्महे |
| भ० | श्लाखयिष्यते | श्लाखयिष्येते | श्लाखयिष्यन्ते |
| | श्लाखयिष्यसे | श्लाखयिष्येथे | श्लाखयिष्यध्वे |
| | श्लाखयिष्ये | श्लाखयिष्यावहे | श्लाखयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्लाखयिष्यत | अश्लाखयिष्येताम् | अश्लाखयिष्यन्त |
| | अश्लाखयिष्यथाः | अश्लाखयिष्येथाम् | अश्लाखयिष्यध्वम् |
| | अश्लाखयिष्ये | अश्लाखयिष्यावहि | अश्लाखयिष्यामहि |

61 ककल (ककल) हसने ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० ककलयति | ककलयतः | ककलयन्ति |
| ककलयसि | ककलयथः | ककलयथ |
| ककलयामि | ककलयावः | ककलयामः |
| स० ककलयेत् | ककलयेताम् | ककलयेयुः |
| ककलयेः | ककलयेतम् | ककलयेत |
| ककलयेयम् | ककलयेव | ककलयेम |
| प० ककलयतु | ककलयतात् | ककलयताम् |
| ककलय | ककलयतम् | ककलयत |
| ककलयानि | ककलयाव | ककलयाम |
| ह्य० अककलयत् | अककलयताम् | अककलयन् |
| अककलयः | अककलयतम् | अककलयत |
| अककलयम् | अककलयाव | अककलयाम |
| अ० अककलत् | अककलताम् | अककलन् |
| अककलः | अककलतम् | अककलत |
| अककलम् | अककलाव | अककलाम |
| प० ककलयाश्चकार | ककलयाश्चक्रुः | ककलयाश्चकुः |
| ककलयाश्चकथे | ककलयाश्चक्रथुः | ककलयाश्चक |
| ककलयाश्चकार-चकर | ककलयाश्चक्रुव | ककलयाश्चक्रुम |
| ककलयाम्बभूव | ककलयामास | |
| आ० ककल्यात् | ककल्यास्ताम् | ककल्यासुः |
| ककल्याः | ककल्यास्ताम् | ककल्यास्त |
| ककल्यासम् | ककल्यास्व | ककल्यासम |
| भ० ककलयिता | ककलयितारौ | ककलयितारः |
| ककलयितासि | ककलयितास्यः | ककलयितास्य |
| ककलयितास्मि | ककलयितास्वः | ककलयितास्मः |
| भ० ककलयिष्यति | ककलयिष्यतः | ककलयिष्यन्ति |
| ककलयिष्यसि | ककलयिष्यथः | ककलयिष्यथ |
| ककलयिष्यामि | ककलयिष्यावः | ककलयिष्यामः |
| क्रि० अककलयिष्यत् | अककलयिष्यताम् | अककलयिष्यन् |
| अककलयिष्यः | अककलयिष्यतम् | अककलयिष्यत |
| अककलयिष्यम् | अककलयिष्याव | अककलयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| व० ककलयते | ककलयेते | ककलयन्ते |
| ककलयसे | ककलयेथे | ककलयन्वे |
| ककलये | ककलयावहे | ककलयामहे |
| स० ककलयेत | ककलयेताम् | ककलयेरन् |
| ककलयेथाः | ककलयेथाथाम् | ककलयेष्वम् |
| ककलयेय | ककलयेवहि | ककलयेमहि |
| प० ककलयताम् | ककलयेताम् | ककलयन्ताम् |
| ककलयस्व | ककलयेथाम् | ककलयन्वम् |
| ककलयै | ककलयावहै | ककलयामहै |
| ह्य० अककलयत | अककलयेताम् | अककलयन्त |
| अककलयथाः | अककलयेथाम् | अककलयन्वम् |
| अककलये | अककलयावहि | अककलयामहि |
| अ० अचककलत् | अचककलेताम् | अचककलन्त |
| अचककलथाः | अचककलेथाम् | अचककलन्वम् |
| अचककले | अचककलावहि | अचककलामहि |
| प० ककलयाश्चक्रे | ककलयाश्चक्रते | ककलयाश्चक्रिरे |
| ककलयाश्चक्रुषे | ककलयाश्चक्राथे | ककलयाश्चक्रुवहे |
| ककलयाश्चक्रे | ककलयाश्चक्रुवहे | ककलयाश्चक्रुमहे |
| ककलयाम्बभूव | ककलयामास | |
| आ० ककलयिषीष्ट | ककलयिषीयास्ताम् | ककलयिषीरन् |
| ककलयिषीष्ठाः | ककलयिषीयास्याम् | ककलयिषीह्वम् |
| ककलयिषीय | ककलयिषीवहि | ककलयिषीमहि |
| भ० ककलयिता | ककलयितारौ | ककलयितारः |
| ककलयितासे | ककलयितासाथे | ककलयितान्वे |
| ककलयिताहे | ककलयितास्वहे | ककलयितास्महे |
| भ० ककलयिष्यते | ककलयिष्येते | ककलयिष्यन्ते |
| ककलयिष्यसे | ककलयिष्येथे | ककलयिष्यन्वे |
| ककलयिष्ये | ककलयिष्यावहे | ककलयिष्यामहे |
| क्रि० अककलयिष्यत | अककलयिष्येताम् | अककलयिष्यन्त |
| अककलयिष्यथाः | अककलयिष्येथाम् | अककलयिष्यन्वम् |
| अककलयिष्ये | अककलयिष्यावहि | अककलयिष्यामहि |

63 उख (उख्) गतौ ।

| | | | |
|-------|----------------|-------------|-------------|
| व० | ओखयति | ओखयतः | ओखयन्ति |
| | ओखयसि | ओखयथः | ओखयथ |
| | ओखयामि | ओखयावः | ओखयामः |
| स० | ओखयेत् | ओखयेताम् | ओखयेयुः |
| | ओखयेः | ओखयेतम् | ओखयेत |
| | ओखयेयम् | ओखयेव | ओखयेम |
| प० | ओखयतु | ओखयतात् | ओखयताम् |
| | ओखय | ओखयतम् | ओखयत |
| | ओखयानि | ओखयाव | ओखयाम |
| ह० | ओखयत् | ओखयताम् | ओखयन् |
| | ओखयः | ओखयतम् | ओखयत |
| | ओखयम् | ओखयाव | ओखयाम |
| भ० | ओचिखत् | ओचिखताम् | ओचिखन् |
| | ओचिखः | ओचिखतम् | ओचिखत |
| | ओचिखम् | ओचिखाव | ओचिखाम |
| प० | ओखयाञ्चकार | ओखयाञ्चकतुः | ओखयाञ्चकुः |
| | ओखयाञ्चक्य | ओखयाञ्चकथुः | ओखयाञ्चक |
| | ओखयाञ्चकार-चकर | ओखयाञ्चकव | ओखयाञ्चकम् |
| | ओखयाम्बभूव | ओखयामास | |
| आ० | ओख्यात् | ओख्यास्ताम् | ओख्यासुः |
| | ओख्याः | ओख्यास्तम् | ओख्यास्त |
| | ओख्यासम् | ओख्यास्व | ओख्यास्म |
| श्र० | ओखयिता | ओखयितारौ | ओखयितारः |
| | ओखयितासि | ओखयितास्थः | ओखयितास्थ |
| | ओखयितास्मि | ओखयितास्वः | ओखयितास्मः |
| भ० | ओखयिष्यति | ओखयिष्यतः | ओखयिष्यन्ति |
| | ओखयिष्यसि | ओखयिष्यथः | ओखयिष्यथ |
| | ओखयिष्यामि | ओखयिष्यावः | ओखयिष्यामः |
| क्रि० | ओखयिष्यत् | ओखयिष्यताम् | ओखयिष्यन् |
| | ओखयिष्यः | ओखयिष्यतम् | ओखयिष्यत |
| | ओखयिष्यम् | ओखयिष्याव | ओखयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | ओखयते | ओखयेते | ओखयन्ते |
| | ओखयसे | ओखयेथे | ओखयन्वे |
| | ओखये | ओखयावहे | ओखयामहे |
| स० | ओखयेत | ओखयेयाताम् | ओखयेरन् |
| | ओखयेथाः | ओखयेथायाम् | ओखयेध्वम् |
| | ओखयेय | ओखयेवहि | ओखयेमहि |
| प० | ओखयताम् | ओखयेताम् | ओखयन्ताम् |
| | ओखयस्व | ओखयेथाम् | ओखयध्वम् |
| | ओखये | ओखयावहे | ओखयामहे |
| ह० | ओखयत | ओखयेताम् | ओखयन्त |
| | ओखयथाः | ओखयेथाम् | ओखयध्वम् |
| | ओखयं | ओखयावहि | ओखयामहि |
| अ० | ओचिखत | ओचिखेताम् | ओचिखन्त |
| | ओचिखथाः | ओचिखेथाम् | ओचिखध्वम् |
| | ओचिखे | ओचिखावहि | ओचिखामहि |
| प० | ओखयाञ्चक्रे | ओखयाञ्चकते | ओखयाञ्चकिरे |
| | ओखयाञ्चकृषे | ओखयाञ्चकृषे | ओखयाञ्चकृद्वे |
| | ओखयाञ्चक्रे | ओखयाञ्चकृवहे | ओखयाञ्चकृमहे |
| | ओखयाम्बभूव | ओखयामास | |
| आ० | ओखयिषीष्ट | ओखयिषीयास्ताम् | ओखयिषीरन् |
| | ओखयिषीष्टाः | ओखयिषीयास्थाम् | ओखयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | ओखयिषीय | ओखयिषीवहि | ओखयिषीमहि |
| श्र० | ओखयिता | ओखयितारौ | ओखयितारः |
| | ओखयितासे | ओखयितासाथे | ओखयिताध्वे |
| | ओखयिताहे | ओखयितास्वहे | ओखयितास्महे |
| भ० | ओखयिष्यते | ओखयिष्येते | ओखयिष्यन्ते |
| | ओखयिष्यसे | ओखयिष्येथे | ओखयिष्यन्वे |
| | ओखयिष्ये | ओखयिष्यावहे | ओखयिष्यामहे |
| क्रि० | ओखयिष्यत् | ओखयिष्येताम् | ओखयिष्यन्त |
| | ओखयिष्यथाः | ओखयिष्येथाम् | ओखयिष्यध्वम् |
| | ओखयिष्ये | ओखयिष्यावहि | ओखयिष्यामहि |

64 नख (नख्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | नाखयति | नाखयतः | नाखयन्ति |
| | नाखयसि | नाखयथः | नाखयथ |
| | नाखयामि | नाखयावः | नाखयामः |
| स० | नाखयेत् | नाखयेताम् | नाखयेयुः |
| | नाखयेः | नाखयेतम् | नाखयेत |
| | नाखयेयम् | नाखयेव | नाखयेम |
| प० | नाखयतु | नाखयतात् | नाखयताम् |
| | नाखय | ,, | नाखयतम् |
| | नाखयानि | नाखयाव | नाखयाम |
| ह्य० | अनाखयत् | अनाखयताम् | अनाखयन्त |
| | अनाखयः | अनाखयतम् | अनाखयत |
| | अनाखयम् | अनाखयाव | अनाखयाम |
| अ० | अनीनखत् | अनीनखताम् | अनीनखन्त |
| | अनीनखः | अनीनखतम् | अनीनखत |
| | अनीनखम् | अनीनखाव | अनीनखाम |
| प० | नाखयाञ्चकार | नाखयाञ्चकतुः | नाखयाञ्चकुः |
| | नाखयाञ्चकथं | नाखयाञ्चकथुः | नाखयाञ्चक |
| | नाखयाञ्चकार-चकर | नाखयाञ्चकृव | नाखयाञ्चकृम |
| | नाखयाम्भूव | । | नाखयामास |
| आ० | नाखयत् | नाखयस्ताम् | नाखयसुः |
| | नाखयाः | नाखयास्तम् | नाखयास्त |
| | नाखयासम् | नाखयास्व | नाखयास्म |
| श्व० | नाखयिता | नाखयितारौ | नाखयितारः |
| | नाखयितासि | नाखयितास्थः | नाखयितास्थ |
| | नाखयितास्मि | नाखयितास्वः | नाखयितास्मः |
| भ० | नाखयिष्यति | नाखयिष्यतः | नाखयिष्यन्ति |
| | नाखयिष्यसि | नाखयिष्यथः | नाखयिष्यथ |
| | नाखयिष्यामि | नाखयिष्यावः | नाखयिष्यामः |
| क्रि० | अनाखयिष्यत् | अनाखयिष्यताम् | अनाखयिष्यन्त |
| | अनाखयिष्यः | अनाखयिष्यतम् | अनाखयिष्यत |
| | अनाखयिष्यम् | अनाखयिष्याव | अनाखयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | नाखयेते | नाखयेते | नाखयन्ते |
| | नाखयसे | नाखयेथे | नाखयध्वे |
| | नाखये | नाखयावहे | नाखयामहे |
| स० | नाखयेत | नाखयेथाताम् | नाखयेरन् |
| | नाखयेथाः | नाखयेथाताम् | नाखयेध्वम् |
| | नाखयेय | नाखयेवहि | नाखयेमहि |
| प० | नाखयताम् | नाखयेताम् | नाखयन्ताम् |
| | नाखयस्व | नाखयेथाम् | नाखयध्वम् |
| | नाखये | नाखयावहे | नाखयामहे |
| ह्य० | अनाखयत् | अनाखयेताम् | अनाखयन्त |
| | अनाखयथाः | अनाखयेथाम् | अनाखयध्वम् |
| | अनाखये | अनाखयावहि | अनाखयामहि |
| अ० | अनीनखत् | अनीनखेताम् | अनीनखन्त |
| | अनीनखथाः | अनीनखेथाम् | अनीनखध्वम् |
| | अनीनखे | अनीनखावहि | अनीनखामहि |
| प० | नाखयाञ्चक्रे | नाखयाञ्चकाते | नाखयाञ्चकिरे |
| | नाखयाञ्चकृषे | नाखयाञ्चकाये | नाखयाञ्चकृवे |
| | नाखयाञ्चक्रे | नाखयाञ्चकृवहे | नाखयाञ्चकृमहे |
| | नाखयाम्भूव | । | नाखयामास |
| आ० | नाखयिषीष्ट | नाखयिषीयास्ताम् | नाखयिषीरन् |
| | नाखयिषीष्ठाः | नाखयिषीयास्थाम् | नाखयिषीध्वम् |
| | नाखयिषीय | नाखयिषीवहि | नाखयिषीमहि |
| श्व० | नाखयिता | नाखयितारौ | नाखयितारः |
| | नाखयितासे | नाखयितासाथे | नाखयिताध्वे |
| | नाखयिताहे | नाखयितास्वहे | नाखयितास्महे |
| भ० | नाखयिष्यते | नाखयिष्येते | नाखयिष्यन्ते |
| | नाखयिष्यसे | नाखयिष्येथे | नाखयिष्यध्वे |
| | नाखयिष्ये | नाखयिष्यावहे | नाखयिष्यामहे |
| क्रि० | अनाखयिष्यत् | अनाखयिष्येताम् | अनाखयिष्यन्त |
| | अनाखयिष्यथाः | अनाखयिष्येथाम् | अनाखयिष्यध्वम् |
| | अनाखयिष्ये | अनाखयिष्यावहि | अनाखयिष्यामहि |

66 वख (वख्) गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वाखयति | वाखयतः | वाखयन्ति |
| वाखयसि | वाखयथः | वाखयथ |
| वाखयामि | वाख्यावः | वाखयामः |
| स० वाखयेत् | वाखयेताम् | वाखयेयुः |
| वाखयेः | वाखयेतम् | वाखयेत |
| वाखयेयम् | वाखयेव | वाखयेम |
| प० वाखयतु | वाखयतात् | वाखयताम् |
| वाखय | वाखयतम् | वाखयत |
| वाखयानि | वाख्याव | वाखयाम |
| ह्य० अवाखयत् | अवाखयताम् | अवाखयन् |
| अवाखयः | अवाखयतम् | अवाखयत |
| अवाखयम् | अवाख्याव | अवाखयाम |
| अ० अवीवखत् | अवीवखताम् | अवीवखन् |
| अवीवखः | अवीवखतम् | अवीवखत |
| अवीवखम् | अवीवखाव | अवीवखाम |
| प० वाख्याञ्चकार | वाख्याञ्चकतुः | वाख्याञ्चकुः |
| वाख्याञ्चकर्थ | वाख्याञ्चकथुः | वाख्याञ्चक |
| वाख्याञ्चकार-चकर | वाख्याञ्चकृव | वाख्याञ्चकृम |
| वाख्याम्बभूव | वाख्यामास | |
| आ० वाख्यात् | वाख्यास्ताम् | वाख्यासुः |
| वाख्याः | वाख्यास्तम् | वाख्यास्त |
| वाख्यासम् | वाख्यास्व | वाख्यास्म |
| श्व० वाखयिता | वाखयितारौ | वाखयितारः |
| वाखयितासि | वाखयितास्थः | वाखयितास्थ |
| वाखयितास्मि | वाखयितास्वः | वाखयितास्मः |
| भ० वाखयिष्यति | वाखयिष्यतः | वाखयिष्यन्ति |
| वाखयिष्यसि | वाखयिष्यथः | वाखयिष्यथ |
| वाखयिष्यामि | वाखयिष्यावः | वाखयिष्यामः |
| क्रि० अवाखयिष्यत् | अवाखयिष्यताम् | अवाखयिष्यन् |
| अवाखयिष्यः | अवाखयिष्यतम् | अवाखयिष्यत |
| अवाखयिष्यम् | अवाखयिष्याव | अवाखयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| व० वाखयते | वाखयेते | वाखयन्ते |
| वाखयसे | वाखयेथे | वाखयध्वे |
| वाखये | वाख्यावहे | वाखयामहे |
| स० वाखयेत | वाखयेताम् | वाखयेरन् |
| वाखयेथाः | वाखयेयाथाम् | वाखयेध्वम् |
| वाखयेय | वाखयेवहि | वाखयेमहि |
| प० वाखयताम् | वाखयेताम् | वाखयन्ताम् |
| वाखयस्व | वाखयेथाम् | वाखयध्वम् |
| वाखये | वाख्यावहे | वाखयामहे |
| ह्य० अवाखयत | अवाखयेताम् | अवाखयन्त |
| अवाखयथाः | अवाखयेथाम् | अवाखयध्वम् |
| अवाखये | अवाख्यावहि | अवाखयामहि |
| अ० अवीवखत | अवीवखेताम् | अवीवखन्त |
| अवीवखथाः | अवीवखेथाम् | अवीवखध्वम् |
| अवीवखे | अवीवखावहि | अवीवखामहि |
| प० वाख्याञ्चक्रे | वाख्याञ्चक्रते | वाख्याञ्चक्रिरे |
| वाख्याञ्चकृषे | वाख्याञ्चक्राथे | वाख्याञ्चकृद्वे |
| वाख्याञ्चक्रे | वाख्याञ्चकृवहे | वाख्याञ्चकृमहे |
| वाख्याम्बभूव | वाख्यामास | |
| आ० वाखयिषीष्ट | वाखयिषीयास्ताम् | वाखयिषीरन् |
| वाखयिषीष्टाः | वाखयिषीयास्थाम् | वाखयिषीद्वम् |
| वाखयिषीय | वाखयिषीवहि | वाखयिषीमहि |
| श्व० वाखयिता | वाखयितारौ | वाखयितारः |
| वाखयितासे | वाखयितासाथे | वाखयिताध्वे |
| वाखयिताहे | वाखयितास्वहे | वाखयितास्महे |
| भ० वाखयिष्यते | वाखयिष्येते | वाखयिष्यन्ते |
| वाखयिष्यसे | वाखयिष्येथे | वाखयिष्यध्वे |
| वाखयिष्ये | वाखयिष्यावहे | वाखयिष्यामहे |
| क्रि० अवाखयिष्यत | अवाखयिष्येताम् | अवाखयिष्यन्त |
| अवाखयिष्यथाः | अवाखयिष्येथाम् | अवाखयिष्यध्वम् |
| अवाखयिष्ये | अवाखयिष्यावहि | अवाखयिष्यामहि |

67 मख (मख्) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | माखयति | माखयतः | माखयन्ति |
| | माखयसि | माखयथः | माखयथ |
| | माखयामि | माखयावः | माखयामः |
| स० | माखयेत् | माखयेताम् | माखयेयुः |
| | माखयेः | माखयेतम् | माखयेत |
| | माखयेयम् | माखयेव | माखयेम |
| प० | माखयतु | माखयतात् | माखयताम् |
| | माखय | माखयतम् | माखयत |
| | माखयानि | माखयाव | माखयाम |
| ह्य० | अमाखयत् | अमाखयताम् | अमाखयन् |
| | अमाखयः | अमाखयतम् | अमाखयत |
| | अमाखयम् | अमाखयाव | अमाखयाम |
| अ० | अमीमखत् | अमीमखताम् | अमीमखन् |
| | अमीमखः | अमीमखतम् | अमीमखत |
| | अमीमखम् | अमीमखाव | अमीमखाम |
| प० | माखयाश्चकार | माखयाश्चक्रुः | माखयाश्चक्रुः |
| | माखयाश्चकर्थ | माखयाश्चक्रथुः | माखयाश्चक्र |
| | माखयाश्चक्रर-चकर | माखयाश्चक्रव | माखयाश्चक्रम |
| | माखयाम्बभूव | माखयामास | |
| आ० | माख्यात् | माख्यास्ताम् | माख्यासुः |
| | माख्याः | माख्यास्तम् | माख्यास्त |
| | माख्यासम् | माख्यास्व | माख्यास्म |
| भ० | माखयिता | माखयितारौ | माखयितारः |
| | माखयितासि | माखयितास्थः | माखयितास्थ |
| | माखयितास्मि | माखयितास्वः | माखयितास्मः |
| भ० | माखयिष्यति | माखयिष्यतः | माखयिष्यन्ति |
| | माखयिष्यसि | माखयिष्यथः | माखयिष्यथ |
| | माखयिष्यामि | माखयिष्यावः | माखयिष्यामः |
| क्रि० | अमाखयिष्यत् | अमाखयिष्यताम् | अमाखयिष्यन् |
| | अमाखयिष्यः | अमाखयिष्यतम् | अमाखयिष्यत |
| | अमाखयिष्यम् | अमाखयिष्याव | अमाखयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | माखयते | माखयेते | माखयन्ते |
| | माखयसे | माखयेथे | माखयध्वे |
| | माखये | माखयावहे | माखयामहे |
| स० | माखयेत | माखयेयाताम् | माखयेरन् |
| | माखयेथाः | माखयेयाथाम् | माखयेष्वम् |
| | माखयेय | माखयेवहि | माखयेमहि |
| प० | माखयताम् | माखयेताम् | माखयन्ताम् |
| | माखयस्व | माखयेथाम् | माखयध्वम् |
| | माखयै | माखयावहे | माखयामहे |
| ह्य० | अमाखयत | अमाखयेताम् | अमाखयन्त |
| | अमाखयथाः | अमाखयेथाम् | अमाखयध्वम् |
| | अमाखये | अमाखयावहि | अमाखयामहि |
| अ० | अमीमखत | अमीमखेताम् | अमीमखन्त |
| | अमीमखथाः | अमीमखेतम् | अमीमखध्वम् |
| | अमीमखे | अमीमखावहि | अमीमखामहि |
| प० | माखयाश्चके | माखयाश्चक्रते | माखयाश्चकिरे |
| | माखयाश्चकृषे | माखयाश्चक्रथे | माखयाश्चकृद्वे |
| | माखयाश्चके | माखयाश्चकृवहे | माखयाश्चकृमहे |
| | माखयाम्बभूव | माखयामास | |
| आ० | माखयिषीष्ट | माखयिषीयास्ताम् | माखयिषीरन् |
| | माखयिषीष्ठाः | माखयिषीयास्थाम् | माखयिषीद्वम् |
| | माखयिषीय | माखयिषीवहि | माखयिषीमहि |
| श्व० | माखयिता | माखयितारौ | माखयितारः |
| | माखयितासे | माखयितासाथे | माखयिताध्वे |
| | माखयिताहे | माखयितास्वहे | माखयितास्महे |
| भ० | माखयिष्यते | माखयिष्येते | माखयिष्यन्ते |
| | माखयिष्यसे | माखयिष्येथे | माखयिष्यध्वे |
| | माखयिष्ये | माखयिष्यावहे | माखयिष्यामहे |
| क्रि० | अमाखयिष्यत | अमाखयिष्येताम् | अमाखयिष्यन्त |
| | अमाखयिष्यथाः | अमाखयिष्येथाम् | अमाखयिष्यध्वम् |
| | अमाखयिष्ये | अमाखयिष्यावहि | अमाखयिष्यामहि |

68 रख (रख्) गतौ ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|--------------|
| व० | रखयति | रखयतः | रखयन्ति |
| | रखयसि | रखयथः | रखयथ |
| | रखयामि | रखयावः | रखयामः |
| स० | रखयेत् | रखयेताम् | रखयेयुः |
| | रखये | रखयेतम् | रखयेत |
| | रखयेयम् | रखयेव | रखयेम |
| प० | रखयन्तु | रखयतात् | रखयताम् |
| | रखय | रखयतम् | रखयत |
| | रखयाणि | रखयाव | रखयाम |
| ह्य० | अरखयत् | अरखयताम् | अरखयन् |
| | अरखयः | अरखयतम् | अरखयत |
| | अरखयम् | अरखयाव | अरखयाम |
| अ० | अरीरखत् | अरीरखताम् | अरीरखन् |
| | अरीरखः | अरीरखतम् | अरीरखत |
| | अरीरखम् | अरीरखाव | अरीरखाम |
| प० | रखयाश्चकार | रखयाश्चक्रुः | रखयाश्चक्रुः |
| | रखयाश्चकथे | रखयाश्चकथुः | रखयाश्चक्रुः |
| | रखयाश्चकार-चकर | रखयाश्चकृव | रखयाश्चकृम |
| | रखयाम्बभूव | रखयामास | |
| आ० | रख्यात् | रख्यास्ताम् | रख्यासुः |
| | रख्याः | रख्यास्तम् | रख्यास्त |
| | रख्यासम् | रख्यास्व | रख्यास्म |
| भ० | रखयिता | रखयितारौ | रखयितारः |
| | रखयितासि | रखयितास्थः | रखयितास्थ |
| | रखयितास्मि | रखयितास्वः | रखयितास्मः |
| भ० | रखयिष्यति | रखयिष्यतः | रखयिष्यन्ति |
| | रखयिष्यसि | रखयिष्यथः | रखयिष्यथ |
| | रखयिष्यामि | रखयिष्यावः | रखयिष्यामः |
| क्रि० | अरखयिष्यत् | अरखयिष्यताम् | अरखयिष्यन् |
| | अरखयिष्यः | अरखयिष्यतम् | अरखयिष्यत |
| | अरखयिष्यम् | अरखयिष्याव | अरखयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | रखयते | रखयते | रखयन्ते |
| | रखयते | रखयथे | रखयध्वे |
| | रखये | रखयावहे | रखयामहे |
| स० | रखयेत | रखयेयाताम् | रखयेरन् |
| | रखयेथाः | रखयेयाथाम् | रखयेध्वम् |
| | रखयेय | रखयेवहि | रखयेमहि |
| प० | रखयेताम् | रखयेताम् | रखयन्ताम् |
| | रखयस्व | रखयेथाम् | रखयध्वम् |
| | रखये | रखयावहे | रखयामहे |
| ह्य० | अरखयत् | अरखयेताम् | अरखयन्त |
| | अरखयथाः | अरखयेथाम् | अरखयध्वम् |
| | अरखये | अरखयावहि | अरखयामहि |
| अ० | अरीरखत् | अरीरखेताम् | अरीरखन्त |
| | अरीरखथाः | अरीरखेतम् | अरीरखध्वम् |
| | अरीरखे | अरीरखावहि | अरीरखामहि |
| प० | रखयाश्चक्रे | रखयाश्चक्रते | रखयाश्चक्रिरे |
| | रखयाश्चकृषे | रखयाश्चकृथे | रखयाश्चकृद्वे |
| | रखयाश्चक्रे | रखयाश्चकृवहे | रखयाश्चकृमहे |
| | रखयाम्बभूव | रखयामास | |
| आ० | रखयिषीष्ट | रखयिषीयास्ताम् | रखयिषीरन् |
| | रखयिषीष्ठाः | रखयिषीयास्याम् | रखयिषीद्वम् |
| | रखयिषीय | रखयिषीवहि | रखयिषीमहि |
| भ० | रखयिता | रखयितारौ | रखयितारः |
| | रखयितासे | रखयितासाथे | रखयिताध्वे |
| | रखयिताहे | रखयितास्वहे | रखयितास्महे |
| भ० | रखयिष्यते | रखयिष्येते | रखयिष्यन्ते |
| | रखयिष्यसे | रखयिष्यथे | रखयिष्यध्वे |
| | रखयिष्ये | रखयिष्यावहे | रखयिष्यामहे |
| क्रि० | अरखयिष्यत् | अरखयिष्येताम् | अरखयिष्यन्त |
| | अरखयिष्यथाः | अरखयिष्येथाम् | अरखयिष्यध्वम् |
| | अरखयिष्ये | अरखयिष्यावहि | अरखयिष्यामहि |

69 लख (लख्) गतौ ।

| | | |
|-----------------|--------------|-----------------|
| व० लखयति | लखयतः | लखयन्ति |
| लखयसि | लखयथः | लखयथ |
| लखयामि | लखयावः | लखयामः |
| स० लखयेत् | लखयेताम् | लखयेयुः |
| लखयेः | लखयेतम् | लखयेत |
| लखयेयम् | लखयेव | लखयेम |
| प० लखयतु | लखयतात् | लखयताम् लखयन्तु |
| लखय | लखयतम् | लखयत |
| लखयानि | लखयाव | लखयाम |
| प्र० अलखयत् | अलखयताम् | अलखयन् |
| अलखयः | अलखयतम् | अलखयत |
| अलखयम् | अलखयाव | अलखयाम |
| अ० अलीलखत् | अलीलखताम् | अलीलखन् |
| अलीलखः | अलीलखतम् | अलीलखत |
| अलीलखम् | अलीलखाव | अलीलखाम |
| प० लखयाञ्चकार | लखयाञ्चक्रुः | लखयाञ्चकुः |
| लखयाञ्चकथं | लखयाञ्चक्रुः | लखयाञ्चक |
| लखयाञ्चकार-चक्र | लखयाञ्चकृव | लखयाञ्चकृम |

लखयाम्बभूव । लखयामास

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| भा० लख्यात् | लख्यास्ताम् | लख्यासुः |
| लख्याः | लख्यास्तम् | लख्यास्त |
| लख्यासम् | लख्यास्व | लख्यासम |
| श्व० लखयिता | लखयितारौ | लखयितारः |
| लखयितासि | लखयितास्थः | लखयितास्थ |
| लखयितास्मि | लखयितास्वः | लखयितास्मः |
| भ० लखयिष्यति | लखयिष्यतः | लखयिष्यन्ति |
| लखयिष्यसि | लखयिष्यथः | लखयिष्यथ |
| लखयिष्यामि | लखयिष्यावः | लखयिष्यामः |
| क्रि० अलखयिष्यत् | अलखयिष्यताम् | अलखयिष्यन् |
| अलखयिष्यः | अलखयिष्यतम् | अलखयिष्यत |
| अलखयिष्यम् | अलखयिष्याव | अलखयिष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० लखयते | लखयते | लखयन्ते |
| लखयसे | लखयेथे | लखयथ्वे |
| लखये | लखयावहे | लखयामहे |
| स० लखयेत | लखयेयाताम् | लखयेरन् |
| लखयेथाः | लखयेथायाम् | लखयेय्वम् |
| लखयेय | लखयेवहि | लखयेमहि |
| प० लखयताम् | लखयेताम् | लखयन्ताम् |
| लखयस्व | लखयेथाम् | लखयथ्वम् |
| लखये | लखयावहे | लखयामहे |
| ह्य० अलखयत | अलखयेताम् | अलखयन्त |
| अलखयथाः | अलखयेथाम् | अलखयथ्वम् |
| अलखये | अलखयावहि | अलखयामहि |
| अ० अलीलखत | अलीलखेताम् | अलीलखन्त |
| अलीलखथाः | अलीलखेथाम् | अलीलखथ्वम् |
| अलीलखे | अलीलखावहि | अलीलखामहि |
| प० लखयाञ्चके | लखयाञ्चकाते | लखयाञ्चकिरे |
| लखयाञ्चकृषे | लखयाञ्चक्राये | लखयाञ्चकृद्वे |
| लखयाञ्चके | लखयाञ्चकृवहे | लखयाञ्चकृमहे |
| लखयाम्बभूव । | लखयामास | |
| आ० लखयिषीष्ट | लखयिषीयास्ताम् | लखयिषीरन् |
| लखयिषीष्टः | लखयिषीयास्याम् | लखयिषीद्वम् |
| लखयिषीय | लखयिषीवहि | लखयिषीमहि |
| श्व० लखयिता | लखयितारौ | लखयितारः |
| लखयितासे | लखयितासाथे | लखयिताथ्वे |
| लखयिताहे | लखयितास्वहे | लखयितास्महे |
| भ० लखयिष्यते | लखयिष्येते | लखयिष्यन्ते |
| लखयिष्यसे | लखयिष्येथे | लखयिष्यथ्वे |
| लखयिष्ये | लखयिष्यावहे | लखयिष्यामहे |
| क्रि० अलखयिष्यत् | अलखयिष्येताम् | अलखयिष्यन्त |
| अलखयिष्यथाः | अलखयिष्येथाम् | अलखयिष्यथ्वम् |
| अलखयिष्ये | अलखयिष्यावहि | अलखयिष्यामहि |

70 मखु (मङ्ख) गतौ

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० मङ्खयति | मङ्खयतः | मङ्खयन्ति |
| मङ्खयसि | मङ्खयथः | मङ्खयथ |
| मङ्खयामि | मङ्ख्यावः | मङ्ख्यामः |
| स० मङ्खयेत् | मङ्खयेताम् | मङ्खयेयुः |
| मङ्खयेः | मङ्खयेतम् | मङ्खयेत |
| मङ्खयेयम् | मङ्खयेव | मङ्खयेम |
| प० मङ्खयतु | मङ्खयतात् | मङ्खयताम् |
| मङ्खय | मङ्खयतम् | मङ्खयत |
| मङ्ख्यानि | मङ्ख्याव | मङ्ख्याम |
| ह्य० अमङ्खयत् | अमङ्खयताम् | अमङ्खयन् |
| अमङ्खयः | अमङ्खयतम् | अमङ्खयत |
| अमङ्खयम् | अमङ्ख्याव | अमङ्ख्याम |
| अ० अममङ्खत | अममङ्खताम् | अममङ्खन् |
| अममङ्खः | अममङ्खतम् | अममङ्खत |
| अममङ्खम् | अममङ्खाव | अममङ्खाम |
| प० मङ्ख्याश्चकार | मङ्ख्याश्चकतुः | मङ्ख्याश्चकुः |
| मङ्ख्याश्चकथ | मङ्ख्याश्चकथुः | मङ्ख्याश्चक |
| मङ्ख्याश्चकार-चकर | मङ्ख्याश्चकृव | मङ्ख्याश्चकृम |
| मङ्ख्याम्बभूव | मङ्ख्यामास | |
| आ० मङ्ख्यात् | मङ्ख्यास्ताम् | मङ्ख्यासुः |
| मङ्ख्याः | मङ्ख्यास्तम् | मङ्ख्यास्त |
| मङ्ख्यासम् | मङ्ख्यास्व | मङ्ख्यास्म |
| श्व० मङ्खयिता | मङ्खयितारौ | मङ्खयितारः |
| मङ्खयितासि | मङ्खयितास्थः | मङ्खयितास्थ |
| मङ्खयितास्मि | मङ्खयितास्वः | मङ्खयितास्मः |
| भ० मङ्खयिष्यति | मङ्खयिष्यतः | मङ्खयिष्यन्ति |
| मङ्खयिष्यसि | मङ्खयिष्यथः | मङ्खयिष्यथ |
| मङ्खयिष्यामि | मङ्खयिष्यावः | मङ्खयिष्यामः |
| क्रि० अमङ्खयिष्यत् | अमङ्खयिष्यताम् | अमङ्खयिष्यन् |
| अमङ्खयिष्यः | अमङ्खयिष्यतम् | अमङ्खयिष्यत |
| अमङ्खयिष्यम् | अमङ्खयिष्याव | अमङ्खयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० मङ्खयते | मङ्खयेते | मङ्खयन्ते |
| मङ्खयसे | मङ्खयेथे | मङ्खयध्वे |
| मङ्खये | मङ्ख्यावहे | मङ्ख्यामहे |
| स० मङ्खयेत् | मङ्खयेताम् | मङ्खयेरन् |
| मङ्खयेथाः | मङ्खयेथायाम् | मङ्खयेष्वम् |
| मङ्खयेय | मङ्खयेवहि | मङ्खयेमहि |
| प० मङ्खयताम् | मङ्खयेताम् | मङ्खयन्ताम् |
| मङ्खयस्व | मङ्खयेथाम् | मङ्खयध्वम् |
| मङ्खये | मङ्ख्यावहे | मङ्ख्यामहे |
| ह्य० अमङ्खयत | अमङ्खयेताम् | अमङ्खयन्त |
| अमङ्खयथाः | अमङ्खयेथाम् | अमङ्खयध्वम् |
| अमङ्खये | अमङ्ख्यावहि | अमङ्ख्यामहि |
| अ० अममङ्खत | अममङ्खेताम् | अममङ्खन्त |
| अममङ्खथाः | अममङ्खेथाम् | अममङ्खध्वम् |
| अममङ्खे | अममङ्खावहि | अममङ्खामहि |
| प० मङ्ख्याश्चके | मङ्ख्याश्चकाते | मङ्ख्याश्चकिरे |
| मङ्ख्याश्चकृषे | मङ्ख्याश्चकाथे | मङ्ख्याश्चकृध्वे |
| मङ्ख्याश्चके | मङ्ख्याश्चकृवहे | मङ्ख्याश्चकृमहे |
| मङ्ख्याम्बभूव | मङ्ख्यामास | |
| आ० मङ्खयिषीष्ट | मङ्खयिषीयास्ताम् | मङ्खयिषीरन् |
| मङ्खयिषीष्टाः | मङ्खयिषीयास्याम् | मङ्खयिषीध्वम् |
| मङ्खयिषीय | मङ्खयिषीवहि | मङ्खयिषीमहि |
| श्व० मङ्खयिता | मङ्खयितारौ | मङ्खयितारः |
| मङ्खयितासे | मङ्खयितासाथे | मङ्खयिताध्वे |
| मङ्खयिताहे | मङ्खयितास्वहे | मङ्खयितास्महे |
| भ० मङ्खयिष्यते | मङ्खयिष्येते | मङ्खयिष्यन्ते |
| मङ्खयिष्यसे | मङ्खयिष्येथे | मङ्खयिष्यध्वे |
| मङ्खयिष्ये | मङ्खयिष्यावहे | मङ्खयिष्यामहे |
| क्रि० अमङ्खयिष्यत् | अमङ्खयिष्येताम् | अमङ्खयिष्यन्त |
| अमङ्खयिष्यथाः | अमङ्खयिष्येथाम् | अमङ्खयिष्यध्वम् |
| अमङ्खयिष्ये | अमङ्खयिष्यावहि | अमङ्खयिष्यामहि |

71 रङ्गु (रङ्गव) गतौ

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० रङ्गयति | रङ्गयतः | रङ्गयन्ति |
| रङ्गयसि | रङ्गयथः | रङ्गयथ |
| रङ्गयामि | रङ्गयावः | रङ्गयामः |
| स० रङ्गयेत् | रङ्गयेताम् | रङ्गयेयुः |
| रङ्गयेः | रङ्गयेतम् | रङ्गयेत |
| रङ्गयेयम् | रङ्गयेव | रङ्गयेम |
| प० रङ्गयतु | रङ्गयतात् | रङ्गयताम् |
| रङ्गय | रङ्गयतम् | रङ्गयत |
| रङ्गयाणि | रङ्गयाव | रङ्गयाम |
| ह्य० अरङ्गयत् | अरङ्गयताम् | अरङ्गयन् |
| अरङ्गयः | अरङ्गयतम् | अरङ्गयत |
| अरङ्गयम् | अरङ्गयाव | अरङ्गयाम |
| अ० अरङ्गत् | अरङ्गताम् | अरङ्गन् |
| अरङ्गः | अरङ्गतम् | अरङ्गत |
| अरङ्गम् | अरङ्गाव | अरङ्गाम |
| प० रङ्गयाश्चकार | रङ्गयाश्चकतुः | रङ्गयाश्चकुः |
| रङ्गयाश्चकर्ष | रङ्गयाश्चकथुः | रङ्गयाश्चक |
| रङ्गयाश्चकार-चकर | रङ्गयाश्चकृव | रङ्गयाश्चकृम |
| रङ्गयाम्बभूव | । | रङ्गयामास |
| आ० रङ्गयात् | रङ्गयास्ताम् | रङ्गयासुः |
| रङ्गयाः | रङ्गयास्तम् | रङ्गयास्त |
| रङ्गयासम् | रङ्गयास्व | रङ्गयास्म |
| श्व० रङ्गयिता | रङ्गयितारौ | रङ्गयितारः |
| रङ्गयितासि | रङ्गयितास्थः | रङ्गयितास्थ |
| रङ्गयितास्मि | रङ्गयितास्वः | रङ्गयितास्मः |
| भ० रङ्गयिष्यति | रङ्गयिष्यतः | रङ्गयिष्यन्ति |
| रङ्गयिष्यसि | रङ्गयिष्यथः | रङ्गयिष्यथ |
| रङ्गयिष्यामि | रङ्गयिष्यावः | रङ्गयिष्यामः |
| कि० अरङ्गयिष्यत् | अरङ्गयिष्यताम् | अरङ्गयिष्यन् |
| अरङ्गयिष्यः | अरङ्गयिष्यतम् | अरङ्गयिष्यत |
| अरङ्गयिष्यम् | अरङ्गयिष्याव | अरङ्गयिष्याम |

| | | |
|-----------------|------------------|-----------------|
| व० रङ्गयते | रङ्गयेते | रङ्गयन्ते |
| रङ्गयसे | रङ्गयेथे | रङ्गयन्वे |
| रङ्गये | रङ्गयावहे | रङ्गयामहे |
| स० रङ्गयेत | रङ्गयेयाताम् | रङ्गयेरन् |
| रङ्गयेषाः | रङ्गयेयाथाम् | रङ्गयेष्वम् |
| रङ्गयेय | रङ्गयेवहि | रङ्गयेमहि |
| प० रङ्गयताम् | रङ्गयेताम् | रङ्गयेन्ताम् |
| रङ्गयस्व | रङ्गयेथाम् | रङ्गयष्वम् |
| रङ्गये | रङ्गयावहे | रङ्गयामहे |
| ह्य० अरङ्गयत | अरङ्गयेताम् | अरङ्गयेत |
| अरङ्गयथाः | अरङ्गयेथाम् | अरङ्गयष्वम् |
| अरङ्गये | अरङ्गयावहि | अरङ्गयामहि |
| अ० अरङ्गत् | अरङ्गयेताम् | अरङ्गन्त |
| अरङ्गथाः | अरङ्गयेथाम् | अरङ्गष्वम् |
| अरङ्गये | अरङ्गावहि | अरङ्गामहि |
| प० रङ्गयाश्चके | रङ्गयाश्चकाते | रङ्गयाश्चकिरे |
| रङ्गयाश्चकृषे | रङ्गयाश्चकाथे | रङ्गयाश्चकृद्वे |
| रङ्गयाश्चके | रङ्गयाश्चकृवहे | रङ्गयाश्चकृमहे |
| रङ्गयाम्बभूव | । | रङ्गयामास |
| आ० रङ्गयिषीष्ट | रङ्गयिषीयास्ताम् | रङ्गयिषीरन् |
| रङ्गयिषीष्ठाः | रङ्गयिषीयास्थाम् | रङ्गयिषीद्वम् |
| | | ष्वम् |
| रङ्गयिषीय | रङ्गयिषीवहि | रङ्गयिषीमहि |
| श्व० रङ्गयिता | रङ्गयितारौ | रङ्गयितारः |
| रङ्गयितासे | रङ्गयितासाथे | रङ्गयिताध्वे |
| रङ्गयिताहे | रङ्गयितास्वहे | रङ्गयितास्वहे |
| भ० रङ्गयिष्यते | रङ्गयिष्येते | रङ्गयिष्यन्ते |
| रङ्गयिष्यसे | रङ्गयिष्येथे | रङ्गयिष्यन्वे |
| रङ्गयिष्ये | रङ्गयिष्यावहे | रङ्गयिष्यामहे |
| कि० अरङ्गयिष्यत | अरङ्गयिष्येताम् | अरङ्गयिष्यन्त |
| अरङ्गयिष्यथाः | अरङ्गयिष्येथाम् | अरङ्गयिष्यष्वम् |
| अरङ्गयिष्ये | अरङ्गयिष्यावहि | अरङ्गयिष्यामहि |

74 इख (इख्) गतौ ।

| | | | |
|-------|---------------|--------------|-------------|
| व० | एखयति | एखयतः | एखयन्ति |
| | एखयसि | एखयथः | एखयथ |
| | एखयामि | एखयावः | एखयामः |
| स० | एखयेत् | एखयेताम् | एखयेयुः |
| | एखयेः | एखयेतम् | एखयेत |
| | एखयेयम् | एखयेव | एखयेम |
| प० | एखयन्तु | एखयतात् | एखयताम् |
| | एखय | ” | एखयतम् |
| | एखयानि | एखयाव | एखयाम |
| ह्य० | ऐखयत् | ऐखयताम् | ऐखयन् |
| | ऐखयः | ऐखयतम् | ऐखयत |
| | ऐखयम् | ऐखयाव | ऐखयाम |
| अ० | ऐचिखत् | ऐचिखताम् | ऐचिखन् |
| | ऐचिखः | ऐचिखतम् | ऐचिखत |
| | ऐचिखम् | ऐचिखाव | ऐचिखाम |
| प० | एखयाञ्चकार | एखयाञ्चक्रुः | एखयाञ्चकुः |
| | एखयाञ्चकथं | एखयाञ्चक्रुः | एखयाञ्चक |
| | एखयाञ्चकर-चकर | एखयाञ्चकृव | एखयाञ्चकृम |
| | एखयाञ्चभूव | । | एखयामास |
| आ० | एख्यात् | एख्यास्ताम् | एख्यासुः |
| | एख्याः | एख्यास्ताम् | एख्यास्त |
| | एख्यासम् | एख्यास्व | एख्यास्म |
| श्च० | एखयिता | एखयितारौ | एखयितारः |
| | एखयितासि | एखयितास्थः | एखयितास्थ |
| | एखयितास्मि | एखयितास्वः | एखयितास्मः |
| भ० | एखयिष्यति | एखयिष्यतः | एखयिष्यन्ति |
| | एखयिष्यसि | एखयिष्यथः | एखयिष्यथ |
| | एखयिष्यामि | एखयिष्यावः | एखयिष्यामः |
| क्रि० | ऐखयिष्यत् | ऐखयिष्यताम् | ऐखयिष्यन् |
| | ऐखयिष्यः | ऐखयिष्यतम् | ऐखयिष्यत |
| | ऐखयिष्यम् | ऐखयिष्याव | ऐखयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | एखयते | एखयेते | एखयन्ते |
| | एखयसे | एखयेथे | एखयन्वे |
| | एखये | एखयावहे | एखयामहे |
| स० | एखयेत् | एखयेयाताम् | एखयेरन् |
| | एखयेथाः | एखयेयाथाम् | एखयेध्वम् |
| | एखयेय | एखयेवहि | एखयेमहि |
| प० | एखयताम् | एखयेताम् | एखयन्ताम् |
| | एखयस्व | एखयेथाम् | एखयध्वम् |
| | एखये | एखयावहे | एखयामहे |
| ह्य० | ऐखयत् | ऐखयेताम् | ऐखयन्त |
| | ऐखयथाः | ऐखयेथाम् | ऐखयध्वम् |
| | ऐखये | ऐखयावहि | ऐखयामहि |
| अ० | ऐचिखत् | ऐचिखेताम् | ऐचिखन्त |
| | ऐचिखथाः | ऐचिखेथाम् | ऐचिखध्वम् |
| | ऐचिखे | ऐचिखावहि | ऐचिखामहि |
| प० | एखयाञ्चके | एखयाञ्चक्राते | एखयाञ्चक्रिरे |
| | एखयाञ्चकृषे | एखयाञ्चक्राथे | एखयाञ्चकृद्वे |
| | एखयाञ्चके | एखयाञ्चकृवहे | एखयाञ्चकृमहे |
| | एखयाञ्चभूव | । | एखयामास |
| आ० | एखयिषीष्ट | एखयिषीयास्ताम् | एखयिषीरन् |
| | एखयिषीष्ठाः | एखयिषीयास्थाम् | एखयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | एखयिषीय | एखयिषीवहि | एखयिषीमहि |
| श्च० | एखयिता | एखयितारौ | एखयितारः |
| | एखयितासे | एखयितासाथे | एखयिताध्वे |
| | एखयिताहे | एखयितास्वहे | एखयितास्महे |
| भ० | एखयिष्यते | एखयिष्येते | एखयिष्यन्ते |
| | एखयिष्यसे | एखयिष्येथे | एखयिष्यध्वे |
| | एखयिष्ये | एखयिष्यावहे | एखयिष्यामहे |
| क्रि० | ऐखयिष्यत् | ऐखयिष्यताम् | ऐखयिष्यन्त |
| | ऐखयिष्यथाः | ऐखयिष्येथाम् | ऐखयिष्यध्वम् |
| | ऐखयिष्ये | ऐखयिष्यावहि | ऐखयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यविजयविरचिते धातुरत्नाकरद्वितीयभागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (७२)

73 रिखु (रिङ्ख) गतौ

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | रिङ्खयति | रिङ्खयतः | रिङ्खयन्ति |
| | रिङ्खयसि | रिङ्खयथः | रिङ्खयथ |
| | रिङ्खयामि | रिङ्खयावः | रिङ्खयामः |
| स | रिङ्खयेत् | रिङ्खयेताम् | रिङ्खयेयुः |
| | रिङ्खयेः | रिङ्खयेतम् | रिङ्खयेत |
| | रिङ्खयेयम् | रिङ्खयेव | रिङ्खयेम |
| प० | रिङ्खयतु | रिङ्खयतात् | रिङ्खयताम् |
| | रिङ्खय | रिङ्खयतम् | रिङ्खयत |
| | रिङ्खयाणि | रिङ्खयाव | रिङ्खयाम |
| ह्य० | अरिङ्खयत् | अरिङ्खयताम् | अरिङ्खयन् |
| | अरिङ्खयः | अरिङ्खयतम् | अरिङ्खयत |
| | अरिङ्खयम् | अरिङ्खयाव | अरिङ्खयाम |
| अ० | अरिङ्खयत् | अरिङ्खयताम् | अरिङ्खयन् |
| | अरिङ्खयः | अरिङ्खयतम् | अरिङ्खयत |
| | अरिङ्खयम् | अरिङ्खयाव | अरिङ्खयाम |
| प० | रिङ्खयाश्चकार | रिङ्खयाश्चक्रतुः | रिङ्खयाश्चक्रुः |
| | रिङ्खयाश्चकर्थे | रिङ्खयाश्चक्रथुः | रिङ्खयाश्चक्र |
| | रिङ्खयाश्चकार-चकर | रिङ्खयाश्चक्रव | रिङ्खयाश्चक्रुम |
| | रिङ्खयाम्बभूव | रिङ्खयामास | |
| आ० | रिङ्खयात् | रिङ्खयास्ताम् | रिङ्खयासुः |
| | रिङ्खयाः | रिङ्खयास्तम् | रिङ्खयास्त |
| | रिङ्खयासम् | रिङ्खयास्व | रिङ्खयास्म |
| श्व० | रिङ्खयिता | रिङ्खयितारौ | रिङ्खयितारः |
| | रिङ्खयितासि | रिङ्खयितास्थः | रिङ्खयितास्थ |
| | रिङ्खयितास्मि | रिङ्खयितास्वः | रिङ्खयितास्मः |
| भ० | रिङ्खयिष्यति | रिङ्खयिष्यतः | रिङ्खयिष्यन्ति |
| | रिङ्खयिष्यसि | रिङ्खयिष्यथः | रिङ्खयिष्यथ |
| | रिङ्खयिष्यामि | रिङ्खयिष्यावः | रिङ्खयिष्यामः |
| क्रि० | अरिङ्खयिष्यत् | अरिङ्खयिष्यताम् | अरिङ्खयिष्यन् |
| | अरिङ्खयिष्यः | अरिङ्खयिष्यतम् | अरिङ्खयिष्यत |
| | अरिङ्खयिष्यम् | अरिङ्खयिष्याव | अरिङ्खयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | रिङ्खयते | रिङ्खयेते | रिङ्खयन्ते |
| | रिङ्खयसे | रिङ्खयेथे | रिङ्खयन्वे |
| | रिङ्खये | रिङ्खयावहे | रिङ्खयामहे |
| स० | रिङ्खयेत | रिङ्खयेयाताम् | रिङ्खयेरन् |
| | रिङ्खयेथाः | रिङ्खयेयाथाम् | रिङ्खयेष्वम् |
| | रिङ्खयेय | रिङ्खयेवहि | रिङ्खयेमहि |
| प० | रिङ्खयताम् | रिङ्खयेताम् | रिङ्खयन्ताम् |
| | रिङ्खयस्व | रिङ्खयेथाम् | रिङ्खयन्वम् |
| | रिङ्खये | रिङ्खयावहे | रिङ्खयामहे |
| ह्य० | अरिङ्खयत | अरिङ्खयेताम् | अरिङ्खयन्त |
| | अरिङ्खयथाः | अरिङ्खयेथाम् | अरिङ्खयन्वम् |
| | अरिङ्खये | अरिङ्खयावहि | अरिङ्खयामहि |
| अ० | अरिङ्खयत | अरिङ्खयेताम् | अरिङ्खयन्त |
| | अरिङ्खयथाः | अरिङ्खयेथाम् | अरिङ्खयन्वम् |
| | अरिङ्खये | अरिङ्खयावहि | अरिङ्खयामहि |
| प० | रिङ्खयाश्चके | रिङ्खयाश्चक्रते | रिङ्खयाश्चकिरे |
| | रिङ्खयाश्चकृषे | रिङ्खयाश्चक्रथे | रिङ्खयाश्चकृव |
| | रिङ्खयाश्चके | रिङ्खयाश्चकृवहे | रिङ्खयाश्चकृमहे |
| | रिङ्खयाम्बभूव | रिङ्खयामास | |
| आ० | रिङ्खयिषीष्ट | रिङ्खयिषीयास्ताम् | रिङ्खयिषीरन् |
| | रिङ्खयिषीष्टाः | रिङ्खयिषीयास्थाम् | रिङ्खयिषीव्वम् |
| | रिङ्खयिषीय | रिङ्खयिषीवहि | रिङ्खयिषीमहि |
| श्व० | रिङ्खयिता | रिङ्खयितारौ | रिङ्खयितारः |
| | रिङ्खयितासे | रिङ्खयितासाथे | रिङ्खयिताष्वे |
| | रिङ्खयिताहे | रिङ्खयितास्वहे | रिङ्खयितास्महे |
| भ० | रिङ्खयिष्यत | रिङ्खयिष्येते | रिङ्खयिष्यन्त |
| | रिङ्खयिष्यसे | रिङ्खयिष्येथे | रिङ्खयिष्यन्वे |
| | रिङ्खयिष्ये | रिङ्खयिष्यावहे | रिङ्खयिष्यामहे |
| क्रि० | अरिङ्खयिष्यत | अरिङ्खयिष्येताम् | अरिङ्खयिष्यन्त |
| | अरिङ्खयिष्यथाः | अरिङ्खयिष्येथाम् | अरिङ्खयिष्यन्वम् |
| | अरिङ्खयिष्ये | अरिङ्खयिष्यावहि | अरिङ्खयिष्यामहि |

72 लाख (लख) गती

| | | |
|---------------------|-----------------|---------------|
| व० लङ्ङ्यति | लङ्ङ्यतः | लङ्ङ्यन्ति |
| लङ्ङ्यसि | लङ्ङ्यथः | लङ्ङ्यथ |
| लङ्ङ्यामि | लङ्ङ्यावः | लङ्ङ्यामः |
| सः लङ्ङ्येत् | लङ्ङ्येताम् | लङ्ङ्येयुः |
| लङ्ङ्येः | लङ्ङ्येतम् | लङ्ङ्येत |
| लङ्ङ्येयम् | लङ्ङ्येव | लङ्ङ्येम |
| प० लङ्ङ्यतु | लङ्ङ्यतात् | लङ्ङ्यताम् |
| लङ्ङ्य | लङ्ङ्यतम् | लङ्ङ्यत |
| लङ्ङ्यानि | लङ्ङ्याव | लङ्ङ्याम |
| ह्य० अलङ्ङ्यत् | अलङ्ङ्यताम् | अलङ्ङ्यन् |
| अलङ्ङ्यः | अलङ्ङ्यतम् | अलङ्ङ्यत |
| अलङ्ङ्यम् | अलङ्ङ्याव | अलङ्ङ्याम |
| अ० अललङ्ङत् | अललङ्ङताम् | अललङ्ङन् |
| अललङ्ङः | अललङ्ङतम् | अललङ्ङत |
| अललङ्ङम् | अललङ्ङाव | अललङ्ङाम |
| प० लङ्ङ्याश्चकार | लङ्ङ्याश्चक्रुः | लङ्ङ्याश्चकुः |
| लङ्ङ्याश्च | लङ्ङ्याश्चक्रुः | लङ्ङ्याश्चक |
| लङ्ङ्याश्चकार-चकार | लङ्ङ्याश्चकृव | लङ्ङ्याश्चकृम |
| लङ्ङ्याम्बभूव | लङ्ङ्यामास | |
| आ० लङ्ङ्यात् | लङ्ङ्यास्ताम् | लङ्ङ्याथुः |
| लङ्ङ्याः | लङ्ङ्यास्तम् | लङ्ङ्यास्त |
| लङ्ङ्यासम् | लङ्ङ्यास्व | लङ्ङ्यास्म |
| श्च० लङ्ङ्यिता | लङ्ङ्यितारौ | लङ्ङ्यिता |
| लङ्ङ्यितासि | लङ्ङ्यितास्थः | लङ्ङ्यिता |
| लङ्ङ्यितास्मि | लङ्ङ्यितास्वः | लङ्ङ्यिता |
| भ० लङ्ङ्यिष्यति | लङ्ङ्यिष्यतः | लङ्ङ्यिष्य |
| लङ्ङ्यिष्यसि | लङ्ङ्यिष्यथः | लङ्ङ्यिष्यथ |
| लङ्ङ्यिष्यामि | लङ्ङ्यिष्यावः | लङ्ङ्यिष्याम |
| क्रि० अलङ्ङ्यिष्यत् | अलङ्ङ्यिष्यताम् | अलङ्ङ्यिष्यन् |
| अलङ्ङ्यिष्यः | अलङ्ङ्यिष्यतम् | अलङ्ङ्यिष्यत |
| अलङ्ङ्यिष्यम् | अलङ्ङ्यिष्याव | अलङ्ङ्यिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| व० लङ्घयते | लङ्घयेते | लङ्घयन्ते |
| लङ्घयसे | लङ्घयेथे | लङ्घयन्वे |
| लङ्घये | लङ्घयावहे | लङ्घयामहे |
| स० लङ्घयेत | लङ्घयेयाताम् | लङ्घयेरन् |
| लङ्घयेथाः | लङ्घयेयाथाम् | लङ्घयेष्वम् |
| लङ्घयेय | लङ्घयेवहि | लङ्घयेमहि |
| प० लङ्घयताम् | लङ्घयेताम् | लङ्घयन्ताम् |
| लङ्घयस्व | लङ्घयेथाम् | लङ्घयन्वम् |
| लङ्घये | लङ्घयावहे | लङ्घयामहे |
| ह्य० अलङ्घयत | अलङ्घयेताम् | अलङ्घयन्त |
| अलङ्घयथाः | अलङ्घयेथाम् | अलङ्घयन्वम् |
| अलङ्घये | अलङ्घयावहि | अलङ्घयामहि |
| अ० अललङ्घत | अललङ्घेताम् | अललङ्घन्त |
| अललङ्घथाः | अललङ्घेथाम् | अललङ्घन्वम् |
| अललङ्घे | अललङ्घावहि | अललङ्घामहि |
| प० लङ्घयाञ्चक्रे | लङ्घयाञ्चक्राते | लङ्घयाञ्चक्रिरे |
| लङ्घयाञ्चकृषे | लङ्घयाञ्चक्राथे | लङ्घयाञ्चकृद्वे |
| लङ्घयाञ्चके | लङ्घयाञ्चकृवहे | लङ्घयाञ्चकृमहे |
| लङ्घयाम्बभूव | लङ्घयामास | |
| आ० लङ्घयिषीष्ट | लङ्घयिषीयास्ताम् | लङ्घयिषीरन् |
| लङ्घयिषीष्ठाः | लङ्घयिषीयास्याम् | लङ्घयिषीद्वम् |
| लङ्घयिषीय | लङ्घयिषीवहि | लङ्घयिषीमहि |
| श्व० लङ्घयिता | लङ्घयितारौ | लङ्घयितारः |
| लङ्घयितासे | लङ्घयितासाथे | लङ्घयितान्वे |
| लङ्घयिताहे | लङ्घयितास्वहे | लङ्घयितास्महे |
| भ० लङ्घयिष्यते | लङ्घयिष्येते | लङ्घयिष्यन्ते |
| लङ्घयिष्यसे | लङ्घयिष्येथे | लङ्घयिष्यन्वे |
| लङ्घयिष्ये | लङ्घयिष्यावहे | लङ्घयिष्यामहे |
| कि० अलङ्घयिष्यत | अलङ्घयिष्येताम् | अलङ्घयिष्यन्त |
| अलङ्घयिष्यथाः | अलङ्घयिष्येथाम् | अलङ्घयिष्यन्वम् |
| अलङ्घयिष्ये | अलङ्घयिष्यावहि | अलङ्घयिष्यामहि |

75 इखु (इङ्ख) गतो

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | इङ्खयति | इङ्खयतः | इङ्खयन्ति |
| | इङ्खयसि | इङ्खयथः | इङ्खयथ |
| | इङ्खयामि | इङ्खयावः | इङ्खयामः |
| स० | इङ्खयेत् | इङ्खयेताम् | इङ्खयेयुः |
| | इङ्खयेः | इङ्खयेतम् | इङ्खयेत |
| | इङ्खयेयम् | इङ्खयेव | इङ्खयेम |
| प० | इङ्खयतु | इङ्खयतात् | इङ्खयताम् |
| | इङ्खय | इङ्खयतम् | इङ्खयत |
| | इङ्खयानि | इङ्खयाव | इङ्खयाम |
| ह्य० | ऐङ्खयत् | ऐङ्खयताम् | ऐङ्खयन् |
| | ऐङ्खयः | ऐङ्खयतम् | ऐङ्खयत |
| | ऐङ्खयम् | ऐङ्खयाव | ऐङ्खयाम |
| अ० | ऐङ्खिखत् | ऐङ्खिखताम् | ऐङ्खिखन् |
| | ऐङ्खिखः | ऐङ्खिखतम् | ऐङ्खिखत |
| | ऐङ्खिखम् | ऐङ्खिखाव | ऐङ्खिखाम |
| प० | इङ्खयाञ्चकार | इङ्खयाञ्चक्रुः | इङ्खयाञ्चकुः |
| | इङ्खयाञ्चकथं | इङ्खयाञ्चकथुः | इङ्खयाञ्चक |
| | इङ्खयाञ्चकार-चकर | इङ्खयाञ्चकृव | इङ्खयाञ्चकृम |
| | इङ्खयाम्बभूव | इङ्खयामास | |
| आ० | इङ्खयात् | इङ्खयास्ताम् | इङ्खयासुः |
| | इङ्खयाः | इङ्खयास्तम् | इङ्खयास्त |
| | इङ्खयासम् | इङ्खयास्व | इङ्खयास्म |
| श्व० | इङ्खयिता | इङ्खयितारौ | इङ्खयितारः |
| | इङ्खयितासि | इङ्खयितास्थः | इङ्खयितास्थ |
| | इङ्खयितास्मि | इङ्खयितास्वः | इङ्खयितास्मः |
| भ० | इङ्खयिष्यति | इङ्खयिष्यतः | इङ्खयिष्यन्ति |
| | इङ्खयिष्यसि | इङ्खयिष्यथः | इङ्खयिष्यथ |
| | इङ्खयिष्यामि | इङ्खयिष्यावः | इङ्खयिष्यामः |
| क्रि० | पेङ्खयिष्यत् | पेङ्खयिष्यताम् | पेङ्खयिष्यन् |
| | पेङ्खयिष्यः | पेङ्खयिष्यतम् | पेङ्खयिष्यत |
| | पेङ्खयिष्यम् | पेङ्खयिष्याव | पेङ्खयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|---------------------|
| व० | इङ्खयेते | इङ्खयेते | इङ्खयन्ते |
| | इङ्खयसे | इङ्खयेथे | इङ्खयन्वे |
| | इङ्खये | इङ्खयावहे | इङ्खयामहे |
| स० | इङ्खयेत | इङ्खयेयाताम् | इङ्खयेरन् |
| | इङ्खयेथाः | इङ्खयेयाथाम् | इङ्खयेष्वम् |
| | इङ्खयेय | इङ्खयेवहि | इङ्खयेमहि |
| प० | इङ्खयताम् | इङ्खयेताम् | इङ्खयन्ताम् |
| | इङ्खयस्व | इङ्खयेथाम् | इङ्खयन्वम् |
| | इङ्खये | इङ्खयावहे | इङ्खयामहे |
| ह्य० | पेङ्खयत् | पेङ्खयेताम् | पेङ्खयन्त |
| | पेङ्खयथाः | पेङ्खयेथाम् | पेङ्खयन्वम् |
| | पेङ्खये | पेङ्खयावहि | पेङ्खयामहि |
| अ० | पेङ्खिखत् | पेङ्खिखेताम् | पेङ्खिखन्त |
| | पेङ्खिखथाः | पेङ्खिखेथाम् | पेङ्खिखन्वम् |
| | पेङ्खिखे | पेङ्खिखावहि | पेङ्खिखामहि |
| प० | इङ्खयाञ्चके | इङ्खयाञ्चकाते | इङ्खयाञ्चकिरे |
| | इङ्खयाञ्चकृषे | इङ्खयाञ्चकृषे | इङ्खयाञ्चकृद्वे |
| | इङ्खयाञ्चके | इङ्खयाञ्चकृवहे | इङ्खयाञ्चकृमहे |
| | इङ्खयाम्बभूव | इङ्खयामास | |
| आ० | इङ्खयिषीष्ट | इङ्खयिषीषास्ताम् | इङ्खयिषीरन् |
| | इङ्खयिषीष्ठाः | इङ्खयिषीषास्थाम् | इङ्खयिषीद्वम्-न्वम् |
| | इङ्खयिषीय | इङ्खयिषीवहि | इङ्खयिषीमहि |
| श्व० | इङ्खयिता | इङ्खयितारौ | इङ्खयितारः |
| | इङ्खयितासे | इङ्खयितासाथे | इङ्खयिताध्वे |
| | इङ्खयिताहे | इङ्खयितास्वहे | इङ्खयितास्महे |
| भ० | इङ्खयिष्यते | इङ्खयिष्येते | इङ्खयिष्यन्ते |
| | इङ्खयिष्यसे | इङ्खयिष्येथे | इङ्खयिष्यन्वे |
| | इङ्खयिष्ये | इङ्खयिष्यावहे | इङ्खयिष्यामहे |
| क्रि० | पेङ्खयिष्यत् | पेङ्खयिष्येताम् | पेङ्खयिष्यन्त |
| | पेङ्खयिष्यथाः | पेङ्खयिष्येथाम् | पेङ्खयिष्यन्वम् |
| | पेङ्खयिष्ये | पेङ्खयिष्यावहि | पेङ्खयिष्यामहि |

(७८) ॥ मुनिश्रोतव्यविजयविरचिते धातुरस्ताकरद्वितीयभागे णिगन्तप्रक्रिया ॥

76 ईङ्गु (ईङ्गु) गतो

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | ईङ्गयति | ईङ्गयतः | ईङ्गयन्ति |
| | ईङ्गयसि | ईङ्गयथः | ईङ्गयथ |
| | ईङ्गयामि | ईङ्गयावः | ईङ्गयामः |
| स० | ईङ्गयेत् | ईङ्गयेताम् | ईङ्गयेयुः |
| | ईङ्गयेः | ईङ्गयेतम् | ईङ्गयेत |
| | ईङ्गयेयम् | ईङ्गयेव | ईङ्गयेम |
| प० | ईङ्गयतु | ईङ्गयतात् | ईङ्गयताम् |
| | ईङ्गय | ईङ्गयतम् | ईङ्गयत |
| | ईङ्गयानि | ईङ्गयाव | ईङ्गयाम |
| लृ० | ऐङ्गयत् | ऐङ्गयताम् | ऐङ्गयन् |
| | ऐङ्गयः | ऐङ्गयतम् | ऐङ्गयत |
| | ऐङ्गयम् | ऐङ्गयाव | ऐङ्गयाम |
| अ० | ऐङ्गिखत् | ऐङ्गिखताम् | ऐङ्गिखन् |
| | ऐङ्गिखः | ऐङ्गिखतम् | ऐङ्गिखत |
| | ऐङ्गिखम् | ऐङ्गिखव | ऐङ्गिखाम |
| प० | ईङ्गयाश्चकार | ईङ्गयाश्चकतुः | ईङ्गयाश्चकुः |
| | ईङ्गयाश्चकथं | ईङ्गयाश्चकथुः | ईङ्गयाश्चक |
| | ईङ्गयाश्चकार-चकर | ईङ्गयाश्चकृव | ईङ्गयाश्चकृम |
| | ईङ्गयाम्भूव | ईङ्गयामास | |
| आ० | ईङ्गयात् | ईङ्गयास्ताम् | ईङ्गयासुः |
| | ईङ्गयाः | ईङ्गयास्तम् | ईङ्गयास्त |
| | ईङ्गयासम् | ईङ्गयासव | ईङ्गयास्म |
| श्र० | ईङ्गयिता | ईङ्गयितारो | ईङ्गयितारः |
| | ईङ्गयितासि | ईङ्गयितास्थः | ईङ्गयितास्थ |
| | ईङ्गयितास्मि | ईङ्गयितास्वः | ईङ्गयितास्मः |
| भ० | ईङ्गयिष्यति | ईङ्गयिष्यतः | ईङ्गयिष्यन्ति |
| | ईङ्गयिष्यसि | ईङ्गयिष्यथः | ईङ्गयिष्यथ |
| | ईङ्गयिष्यामि | ईङ्गयिष्यावः | ईङ्गयिष्यामः |
| क्रि० | पेङ्गयिष्यत् | पेङ्गयिष्यताम् | पेङ्गयिष्यन् |
| | पेङ्गयिष्यः | पेङ्गयिष्यतम् | पेङ्गयिष्यत |
| | पेङ्गयिष्यम् | पेङ्गयिष्याव | पेङ्गयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|---------------------|
| व० | ईङ्गयते | ईङ्गयेते | ईङ्गयन्ते |
| | ईङ्गयसे | ईङ्गयेथे | ईङ्गयध्वे |
| | ईङ्गये | ईङ्गयावहे | ईङ्गयामहे |
| स० | ईङ्गयेत | ईङ्गयेयाताम् | ईङ्गयेरन् |
| | ईङ्गयेथाः | ईङ्गयेयाथाम् | ईङ्गयेचम् |
| | ईङ्गयेय | ईङ्गयेवहि | ईङ्गयेमहि |
| प० | ईङ्गयेताम् | ईङ्गयेताम् | ईङ्गयन्ताम् |
| | ईङ्गयस्व | ईङ्गयेथाम् | ईङ्गयध्वम् |
| | ईङ्गये | ईङ्गयावहे | ईङ्गयामहे |
| लृ० | ऐङ्गयत् | ऐङ्गयेताम् | ऐङ्गयन्त |
| | ऐङ्गयथाः | ऐङ्गयेथाम् | ऐङ्गयध्वम् |
| | ऐङ्गये | ऐङ्गयावहि | ऐङ्गयामहि |
| अ० | ऐङ्गिखत् | ऐङ्गिखेताम् | ऐङ्गिखन्त |
| | ऐङ्गिखथाः | ऐङ्गिखेथाम् | ऐङ्गिखध्वम् |
| | ऐङ्गिखे | ऐङ्गिखावहि | ऐङ्गिखामहि |
| प० | ईङ्गयाश्चके | ईङ्गयाश्चकाते | ईङ्गयाश्चकिरे |
| | ईङ्गयाश्चकृषे | ईङ्गयाश्चकाथे | ईङ्गयाश्चकृद्वे |
| | ईङ्गयाश्चके | ईङ्गयाश्चकृवहे | ईङ्गयाश्चकृमहे |
| | ईङ्गयाम्भूव | ईङ्गयामास | |
| आ० | ईङ्गयिषीष्ट | ईङ्गयिषीयास्ताम् | ईङ्गयिषीरन् |
| | ईङ्गयिषीष्टाः | ईङ्गयिषीयास्थाम् | ईङ्गयिषीढ्वम्-ध्वम् |
| | ईङ्गयिषीय | ईङ्गयिषीवहि | ईङ्गयिषीमहि |
| श्र० | ईङ्गयिता | ईङ्गयितारो | ईङ्गयितारः |
| | ईङ्गयितासे | ईङ्गयितासाथे | ईङ्गयिताध्वे |
| | ईङ्गयिताहे | ईङ्गयितास्वहे | ईङ्गयितास्महे |
| भ० | ईङ्गयिष्यते | ईङ्गयिष्येते | ईङ्गयिष्यन्ते |
| | ईङ्गयिष्यसे | ईङ्गयिष्येथे | ईङ्गयिष्यध्वे |
| | ईङ्गयिष्ये | ईङ्गयिष्यावहे | ईङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० | पेङ्गयिष्यत् | पेङ्गयिष्यताम् | पेङ्गयिष्यन्त |
| | पेङ्गयिष्यथाः | पेङ्गयिष्येथाम् | पेङ्गयिष्यध्वम् |
| | पेङ्गयिष्ये | पेङ्गयिष्यावहि | पेङ्गयिष्यामहि |

॥ गान्ता अष्टादश ॥

77 वल्ग (वल्ग) गतौ ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० वल्गयति | वल्गयतः | वल्गयन्ति |
| वल्गयसि | वल्गयथः | वल्गयथ |
| वल्गयामि | वल्गयावः | वल्गयामः |
| स० वल्गयेत् | वल्गयेताम् | वल्गयेयुः |
| वल्गयेः | वल्गयेतम् | वल्गयेत |
| वल्गयेयम् | वल्गयेव | वल्गयेम |
| प० वल्गयतु | वल्गयतात् | वल्गयताम् |
| वल्गय | वल्गयताम् | वल्गयतम् |
| वल्गयानि | वल्गयाव | वल्गयाम |
| ह्य० अवल्गयत् | अवल्गयताम् | अवल्गयन् |
| अवल्गयः | अवल्गयतम् | अवल्गयत |
| अवल्गयम् | अवल्गयाव | अवल्गयाम |
| अ० अववल्गत् | अववल्गताम् | अववल्गन् |
| अववल्गः | अववल्गतम् | अववल्गत |
| अववल्गम् | अववल्गाव | अववल्गाम |
| प० वल्गयाश्चकार | वल्गयाश्चक्रतुः | वल्गयाश्चक्रुः |
| वल्गयाश्चकथे | वल्गयाश्चकथुः | वल्गयाश्चक |
| वल्गयाश्चकार-चकर | वल्गयाश्चकृव | वल्गयाश्चकृम |
| वल्गयाश्चभूव | वल्गयाश्चमास | |
| आ० वल्ग्यात् | वल्ग्यास्ताम् | वल्ग्यासुः |
| वल्ग्याः | वल्ग्यास्तम् | वल्ग्यास्त |
| वल्ग्यासम् | वल्ग्यास्व | वल्ग्यास्म |
| श्च० वल्गयिता | वल्गयितारौ | वल्गयितारः |
| वल्गयितासि | वल्गयितास्थः | वल्गयितास्थ |
| वल्गयितास्मि | वल्गयितास्वः | वल्गयितास्मः |
| भ० वल्गयिष्यति | वल्गयिष्यतः | वल्गयिष्यन्ति |
| वल्गयिष्यसि | वल्गयिष्यथः | वल्गयिष्यथ |
| वल्गयिष्यामि | वल्गयिष्यावः | वल्गयिष्यामः |
| क्रि० अवल्गयिष्यत् | अवल्गयिष्यताम् | अवल्गयिष्यन् |
| अवल्गयिष्यः | अवल्गयिष्यतम् | अवल्गयिष्यत |
| अवल्गयिष्यम् | अवल्गयिष्याव | अवल्गयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० वल्गयते | वल्गयेते | वल्गयन्ते |
| वल्गयसे | वल्गयेथे | वल्गयध्वे |
| वल्गये | वल्गयावहे | वल्गयामहे |
| स० वल्गयेत | वल्गयेयाताम् | वल्गयेयन् |
| वल्गयेथाः | वल्गयेयाथाम् | वल्गयेयध्वम् |
| वल्गयेय | वल्गयेवहि | वल्गयेमहि |
| प० वल्गयताम् | वल्गयेताम् | वल्गयन्ताम् |
| वल्गयस्व | वल्गयेथाम् | वल्गयध्वम् |
| वल्गयै | वल्गयावहै | वल्गयामहै |
| ह्य० अवल्गयत | अवल्गयेताम् | अवल्गयन्त |
| अवल्गयथाः | अवल्गयेथाम् | अवल्गयध्वम् |
| अवल्गये | अवल्गयावहि | अवल्गयामहि |
| अ० अववल्गत् | अववल्गेताम् | अववल्गन्त |
| अववल्गथाः | अववल्गेथाम् | अववल्गध्वम् |
| अववल्गे | अववल्गावहि | अववल्गामहि |
| प० वल्गयाश्चक्रे | वल्गयाश्चक्रते | वल्गयाश्चक्रिरे |
| वल्गयाश्चकृषे | वल्गयाश्चक्राथे | वल्गयाश्चकृद्वे |
| वल्गयाश्चक्रे | वल्गयाश्चकृवहे | वल्गयाश्चकृमहे |
| वल्गयाम्बभूव | वल्गयामास | |
| आ० वल्गयिषीष्ट | वल्गयिषीयास्ताम् | वल्गयिषीरन् |
| वल्गयिषीष्ठाः | वल्गयिषीयास्थाम् | वल्गयिषीद्वम् |
| वल्गयिषीय | वल्गयिषीवहि | वल्गयिषीमहि |
| श्च० वल्गयिता | वल्गयितारौ | वल्गयितारः |
| वल्गयितासे | वल्गयितासाथे | वल्गयिताध्वे |
| वल्गयिताहे | वल्गयितास्वहे | वल्गयितास्महे |
| भ० वल्गयिष्यते | वल्गयिष्येते | वल्गयिष्यन्ते |
| वल्गयिष्यसे | वल्गयिष्येथे | वल्गयिष्यध्वे |
| वल्गयिष्ये | वल्गयिष्यावहे | वल्गयिष्यामहे |
| क्रि० अवल्गयिष्यत | अवल्गयिष्येताम् | अवल्गयिष्यन्त |
| अवल्गयिष्यथाः | अवल्गयिष्येथाम् | अवल्गयिष्यध्वम् |
| अवल्गयिष्ये | अवल्गयिष्यावहि | अवल्गयिष्यामहि |

78 रगु (रङ्ग) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | रङ्गयति | रङ्गयतः | रङ्गयन्ति |
| | रङ्गयसि | रङ्गयथः | रङ्गयथ |
| | रङ्गयामि | रङ्गयावः | रङ्गयामः |
| स० | रङ्गयेत् | रङ्गयेताम् | रङ्गयेयुः |
| | रङ्गयेः | रङ्गयेतम् | रङ्गयेत |
| | रङ्गयेयम् | रङ्गयेव | रङ्गयेम |
| प० | रङ्गयतु | रङ्गयतात् | रङ्गयताम् |
| | रङ्गय | रङ्गयतम् | रङ्गयत |
| | रङ्गयाणि | रङ्गयाव | रङ्गयाम |
| हु० | अरङ्गयत् | अरङ्गयताम् | अरङ्गयन् |
| | अरङ्गयः | अरङ्गयतम् | अरङ्गयत |
| | अरङ्गयम् | अरङ्गयाव | अरङ्गयाम |
| अ० | अररङ्गत् | अररङ्गताम् | अररङ्गन् |
| | अररङ्गः | अररङ्गतम् | अररङ्गत |
| | अररङ्गम् | अररङ्गाव | अररङ्गाम |
| प० | रङ्गयाञ्चकार | रङ्गयाञ्चकतुः | रङ्गयाञ्चकुः |
| | रङ्गयाञ्चकथं | रङ्गयाञ्चकथुः | रङ्गयाञ्चक |
| | रङ्गयाञ्चकार-चकर | रङ्गयाञ्चकृव | रङ्गयाञ्चकृम |
| | रङ्गयाम्बभूव | रङ्गयामास | |
| आ० | रङ्गयात् | रङ्गयास्ताम् | रङ्गयासुः |
| | रङ्गयाः | रङ्गयास्तम् | रङ्गयास्त |
| | रङ्गयासम् | रङ्गयास्व | रङ्गयास्म |
| श्व० | रङ्गयिता | रङ्गयितारौ | रङ्गयितारः |
| | रङ्गयितासि | रङ्गयितास्थः | रङ्गयितास्थ |
| | रङ्गयितास्मि | रङ्गयितास्वः | रङ्गयितास्मः |
| भ० | रङ्गयिष्यति | रङ्गयिष्यतः | रङ्गयिष्यन्ति |
| | रङ्गयिष्यसि | रङ्गयिष्यथः | रङ्गयिष्यथ |
| | रङ्गयिष्यामि | रङ्गयिष्यावः | रङ्गयिष्यामः |
| क्रि० | अरङ्गयिष्यत् | अरङ्गयिष्यताम् | अरङ्गयिष्यन् |
| | अरङ्गयिष्यः | अरङ्गयिष्यतम् | अरङ्गयिष्यत |
| | अरङ्गयिष्यम् | अरङ्गयिष्याव | अरङ्गयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | रङ्गयते | रङ्गयेते | रङ्गयन्ते |
| | रङ्गयसे | रङ्गयेथे | रङ्गयध्वे |
| | रङ्गये | रङ्गयावहे | रङ्गयामहे |
| स० | रङ्गयेत | रङ्गयेयाताम् | रङ्गयेरन् |
| | रङ्गयेथाः | रङ्गयेथाम् | रङ्गयेध्वम् |
| | रङ्गयेय | रङ्गयेवहि | रङ्गयेमहि |
| प० | रङ्गयताम् | रङ्गयेताम् | रङ्गयन्ताम् |
| | रङ्गयस्व | रङ्गयेथाम् | रङ्गयध्वम् |
| | रङ्गयै | रङ्गयावहे | रङ्गयामहे |
| ह्य० | अरङ्गयत | अरङ्गयेताम् | अरङ्गयन्त |
| | अरङ्गयथाः | अरङ्गयेथाम् | अरङ्गयध्वम् |
| | अरङ्गये | अरङ्गयावहि | अरङ्गयामहि |
| अ० | अररङ्गत | अररङ्गेताम् | अररङ्गत |
| | अररङ्गथाः | अररङ्गेथाम् | अररङ्गध्वम् |
| | अररङ्गे | अररङ्गावहि | अररङ्गामहि |
| प० | रङ्गयाञ्चके | रङ्गयाञ्चकते | रङ्गयाञ्चकिरे |
| | रङ्गयाञ्चकृषे | रङ्गयाञ्चकथे | रङ्गयाञ्चकृव्वे |
| | रङ्गयाञ्चके | रङ्गयाञ्चकृवहे | रङ्गयाञ्चकृमहे |
| | रङ्गयाम्बभूव | रङ्गयामास | |
| आ० | रङ्गयिषीष्ट | रङ्गयिषीयास्ताम् | रङ्गयिषीरन् |
| | रङ्गयिषीष्ठाः | रङ्गयिषीयास्थाम् | रङ्गयिषीध्वम् |
| | रङ्गयिषीय | रङ्गयिषीवहि | रङ्गयिषीमहि |
| श्व० | रङ्गयिता | रङ्गयितारौ | रङ्गयितारः |
| | रङ्गयितासे | रङ्गयितासाथे | रङ्गयिताध्वे |
| | रङ्गयिताहे | रङ्गयितास्वहे | रङ्गयितास्महे |
| भ० | रङ्गयिष्यते | रङ्गयिष्येते | रङ्गयिष्यन्ते |
| | रङ्गयिष्यसे | रङ्गयिष्येथे | रङ्गयिष्यध्वे |
| | रङ्गयिष्ये | रङ्गयिष्यावहे | रङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० | अरङ्गयिष्यत | अरङ्गयिष्येताम् | अरङ्गयिष्यन्त |
| | अरङ्गयिष्यथाः | अरङ्गयिष्येथाम् | अरङ्गयिष्यध्वम् |
| | अरङ्गयिष्ये | अरङ्गयिष्यावहि | अरङ्गयिष्यामहि |

81 लङ् (लङ्ग) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | लङ्गयति | लङ्गयतः | लङ्गयन्ति |
| | लङ्गयसि | लङ्गयथः | लङ्गयथ |
| | लङ्गयामि | लङ्गयावः | लङ्गयामः |
| स० | लङ्गयेत् | लङ्गयेताम् | लङ्गयेयुः |
| | लङ्गयेः | लङ्गयेतम् | लङ्गयेत |
| | लङ्गयेयम् | लङ्गयेव | लङ्गयेम |
| प० | लङ्गयतु | लङ्गयतात् | लङ्गयताम् |
| | लङ्गय | लङ्गयतम् | लङ्गयत |
| | लङ्गयानि | लङ्गयाव | लङ्गयाम |
| ह्य० | अलङ्गयत् | अलङ्गयताम् | अलङ्गयन् |
| | अलङ्गयः | अलङ्गयतम् | अलङ्गयत |
| | अलङ्गयम् | अलङ्गयाव | अलङ्गयाम |
| अ० | अलङ्गयत् | अलङ्गयताम् | अलङ्गयन् |
| | अलङ्गयः | अलङ्गयतम् | अलङ्गयत |
| | अलङ्गयम् | अलङ्गयाव | अलङ्गयाम |
| प० | लङ्गयाश्चकार | लङ्गयाश्चक्रुः | लङ्गयाश्चकुः |
| | लङ्गयाश्चकथं | लङ्गयाश्चकथुः | लङ्गयाश्चक |
| | लङ्गयाश्चकार-चकर | लङ्गयाश्चकृव | लङ्गयाश्चकृम |
| | लङ्गयाम्बभूव । | लङ्गयामास | |
| आ० | लङ्गयात् | लङ्गयास्ताम् | लङ्गयासुः |
| | लङ्गयाः | लङ्गयास्तम् | लङ्गयास्त |
| | लङ्गयासम् | लङ्गयास्व | लङ्गयास्म |
| श्व० | लङ्गयिता | लङ्गयितारौ | लङ्गयितारः |
| | लङ्गयितासि | लङ्गयितास्थः | लङ्गयितास्थ |
| | लङ्गयितास्मि | लङ्गयितास्वः | लङ्गयितास्मः |
| भ० | लङ्गयिष्यति | लङ्गयिष्यतः | लङ्गयिष्यन्ति |
| | लङ्गयिष्यसि | लङ्गयिष्यथः | लङ्गयिष्यथ |
| | लङ्गयिष्यामि | लङ्गयिष्यावः | लङ्गयिष्यामः |
| क्रि० | अलङ्गयिष्यत् | अलङ्गयिष्यताम् | अलङ्गयिष्यन् |
| | अलङ्गयिष्यः | अलङ्गयिष्यतम् | अलङ्गयिष्यत |
| | अलङ्गयिष्यम् | अलङ्गयिष्याव | अलङ्गयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|-----------------|
| व० | लङ्गयते | लङ्गयेते | लङ्गयन्ते |
| | लङ्गयसे | लङ्गयेथे | लङ्गयध्वे |
| | लङ्गये | लङ्गयावहे | लङ्गयामहे |
| स० | लङ्गयेत | लङ्गयेयाताम् | लङ्गयेरन् |
| | लङ्गयेथाः | लङ्गयेयाथाम् | लङ्गयेष्वम् |
| | लङ्गयेय | लङ्गयेवहि | लङ्गयेमहि |
| प० | लङ्गयताम् | लङ्गयेताम् | लङ्गयन्ताम् |
| | लङ्गयस्व | लङ्गयेथाम् | लङ्गयष्वम् |
| | लङ्गये | लङ्गयावहे | लङ्गयामहे |
| ह्य० | अलङ्गयत | अलङ्गयेताम् | अलङ्गयन्त |
| | अलङ्गयथाः | अलङ्गयेथाम् | अलङ्गयष्वम् |
| | अलङ्गये | अलङ्गयावहि | अलङ्गयामहि |
| अ० | अलङ्गयत | अलङ्गयेताम् | अलङ्गयन्त |
| | अलङ्गयथाः | अलङ्गयेथाम् | अलङ्गयष्वम् |
| | अलङ्गये | अलङ्गयावहि | अलङ्गयामहि |
| प० | लङ्गयाश्चके | लङ्गयाश्चकाते | लङ्गयाश्चकिरे |
| | लङ्गयाश्चकृषे | लङ्गयाश्चक्राये | लङ्गयाश्चकृवहे |
| | लङ्गयाश्चके | लङ्गयाश्चकृवहे | लङ्गयाश्चकृमहे |
| | लङ्गयाम्बभूव । | लङ्गयामास | |
| आ० | लङ्गयिषीष्ट | लङ्गयिषीयास्ताम् | लङ्गयिषीरन् |
| | लङ्गयिषीष्टाः | लङ्गयिषीयास्याम् | लङ्गयिषीद्वम् |
| | लङ्गयिषीष्व | लङ्गयिषीवहि | लङ्गयिषीमहि |
| श्व० | लङ्गयिता | लङ्गयितारौ | लङ्गयितारः |
| | लङ्गयितासे | लङ्गयितासाथे | लङ्गयिताध्वे |
| | लङ्गयिताहे | लङ्गयितास्वहे | लङ्गयितास्महे |
| भ० | लङ्गयिष्यते | लङ्गयिष्येते | लङ्गयिष्यन्ते |
| | लङ्गयिष्यसे | लङ्गयिष्येथे | लङ्गयिष्यध्वे |
| | लङ्गयिष्ये | लङ्गयिष्यावहे | लङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० | अलङ्गयिष्यत | अलङ्गयिष्येताम् | अलङ्गयिष्यन्त |
| | अलङ्गयिष्यथाः | अलङ्गयिष्येथाम् | अलङ्गयिष्यष्वम् |
| | अलङ्गयिष्ये | अलङ्गयिष्यावहि | अलङ्गयिष्यामहि |

80 तगु (तङ्ग) गतौ ।

| | | |
|--------------------------|----------------|---------------|
| ब० तङ्गयति | तङ्गयतः | तङ्गयन्ति |
| तङ्गयसि | तङ्गयथः | तङ्गयथ |
| तङ्गयामि | तङ्गयावः | तङ्गयामः |
| स० तङ्गयेत् | तङ्गयेताम् | तङ्गयेयुः |
| तङ्गयेः | तङ्गयेतम् | तङ्गयेत |
| तङ्गयेयम् | तङ्गयेव | तङ्गयेम |
| प० तङ्गयतु | तङ्गयतात् | तङ्गयताम् |
| तङ्गय | तङ्गयतम् | तङ्गयत |
| तङ्गयनि | तङ्गयाव | तङ्गयाम |
| ह्य० अतङ्गयत् | अतङ्गयताम् | अतङ्गयन् |
| अतङ्गयः | अतङ्गयतम् | अतङ्गयत |
| अतङ्गयम् | अतङ्गयाव | अतङ्गयाम |
| अ० अततङ्गत् | अततङ्गताम् | अततङ्गन् |
| अततङ्गः | अततङ्गतम् | अततङ्गत |
| अततङ्गम् | अततङ्गाव | अततङ्गाम |
| प० तङ्गयाश्चकार | तङ्गयाश्चकतुः | तङ्गयाश्चकुः |
| तङ्गयाश्चकथं | तङ्गयाश्चकथुः | तङ्गयाश्चक |
| तङ्गयाश्चकार-चकर | तङ्गयाश्चकृव | तङ्गयाश्चकृम |
| तङ्गयाम्बभूव । तङ्गयामास | | |
| आ० तङ्गयात् | तङ्गयास्ताम् | तङ्गयासुः |
| तङ्गयाः | तङ्गयास्तम् | तङ्गयास्त |
| तङ्गयासम् | तङ्गयास्व | तङ्गयास्म |
| श्व० तङ्गयिता | तङ्गयितारौ | तङ्गयितारः |
| तङ्गयितासि | तङ्गयितास्थः | तङ्गयितास्थ |
| तङ्गयितास्मि | तङ्गयितास्वः | तङ्गयितास्मः |
| भ० तङ्गयिष्यति | तङ्गयिष्यतः | तङ्गयिष्यन्ति |
| तङ्गयिष्यसि | तङ्गयिष्यथः | तङ्गयिष्यथ |
| तङ्गयिष्यामि | तङ्गयिष्यावः | तङ्गयिष्यामः |
| क्रि० अतङ्गयिष्यत् | अतङ्गयिष्यताम् | अतङ्गयिष्यन् |
| अतङ्गयिष्यः | अतङ्गयिष्यतम् | अतङ्गयिष्यत |
| अतङ्गयिष्यम् | अतङ्गयिष्याव | अतङ्गयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|------------------|-----------------|
| घ० तङ्गयते | तङ्गयंते | तङ्गयन्ते |
| तङ्गयसे | तङ्गयथे | तङ्गयध्वे |
| तङ्गये | तङ्गयावहे | तङ्गयामहे |
| स० तङ्गयेत | तङ्गयेयाताम् | तङ्गयेरन् |
| तङ्गयेथाः | तङ्गयेयाथाम् | तङ्गयेध्वम् |
| तङ्गयेय | तङ्गयेवहि | तङ्गयेमहि |
| प० तङ्गयताम् | तङ्गयेनाम् | तङ्गयन्ताम् |
| तङ्गयस्व | तङ्गयेथाम् | तङ्गयध्वम् |
| तङ्गये | तङ्गयावहे | तङ्गयामहे |
| ह्य० अतङ्गयत | अतङ्गयेताम् | अतङ्गयन्त |
| अतङ्गयथाः | अतङ्गयेथाम् | अतङ्गयध्वम् |
| अतङ्गये | अतङ्गयावहि | अतङ्गयामहि |
| अ० अततङ्गत | अततङ्गेताम् | अततङ्गन्त |
| अततङ्गथाः | अततङ्गेथाम् | अततङ्गध्वम् |
| अततङ्गे | अततङ्गावहि | अततङ्गामहि |
| प० तङ्गयाश्चके | तङ्गयाश्चकाते | तङ्गयाश्चकिरे |
| तङ्गयाश्चकृषे | तङ्गयाश्चकाये | तङ्गयाश्चकृन्वे |
| तङ्गयाश्चके | तङ्गयाश्चकृवहे | तङ्गयाश्चकृमहे |
| तङ्गयाम्बभूव । तङ्गयामास | | |
| आ० तङ्गयिषीष्ट | तङ्गयिषीयास्ताम् | तङ्गयिषीरन् |
| तङ्गयिषीष्टाः | तङ्गयिषीयास्थाम् | तङ्गयिषीध्वम् |
| तङ्गयिषीय | तङ्गयिषीवहि | तङ्गयिषीमहि |
| श्व० तङ्गयिता | तङ्गयितारौ | तङ्गयितारः |
| तङ्गयितासे | तङ्गयितासाथे | तङ्गयिताध्वे |
| तङ्गयिताहे | तङ्गयितास्वहे | तङ्गयितास्महे |
| भ० तङ्गयिष्यते | तङ्गयिष्येते | तङ्गयिष्यन्ते |
| तङ्गयिष्यसे | तङ्गयिष्यथे | तङ्गयिष्यध्वे |
| तङ्गयिष्ये | तङ्गयिष्यावहे | तङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० अतङ्गयिष्यत् | अतङ्गयिष्येताम् | अतङ्गयिष्यन्त |
| अतङ्गयिष्यथाः | अतङ्गयिष्येथाम् | अतङ्गयिष्यध्वम् |
| अतङ्गयिष्ये | अतङ्गयिष्यावहि | अतङ्गयिष्यामहि |

81 अगु (अङ्ग) गती ।

| | | | |
|-------|------------------------------|------------------|------------------|
| ब० | श्रङ्गयति | श्रङ्गयतः | श्रङ्गयन्ति |
| | श्रङ्गयसि | श्रङ्गयथः | श्रङ्गयथ |
| | श्रङ्गयामि | श्रङ्गयावः | श्रङ्गयामः |
| स० | श्रङ्गयेत् | श्रङ्गयेताम् | श्रङ्गयेयुः |
| | श्रङ्गयेः | श्रङ्गयेतम् | श्रङ्गयेत |
| | श्रङ्गयेयम् | श्रङ्गयेव | श्रङ्गयेम |
| प० | श्रङ्गयतु | श्रङ्गयतात् | श्रङ्गयताम् |
| | श्रङ्गय | „ | श्रङ्गयतम् |
| | श्रङ्गयाणि | श्रङ्गयावः | श्रङ्गयाम |
| ल० | अश्रङ्गयत् | अश्रङ्गयताम् | अश्रङ्गयन् |
| | अश्रङ्गयः | अश्रङ्गयतम् | अश्रङ्गयत |
| | अश्रङ्गयम् | अश्रङ्गयाव | अश्रङ्गयाम |
| अ० | अशश्रङ्गत् | अशश्रङ्गताम् | अशश्रङ्गन् |
| | अशश्रङ्गः | अशश्रङ्गतम् | अशश्रङ्गत |
| | अशश्रङ्गम् | अशश्रङ्गाव | अशश्रङ्गाम |
| प० | श्रङ्गयाश्चकार | श्रङ्गयाश्चकतुः | श्रङ्गयाश्चकुः |
| | श्रङ्गयाश्चकय | श्रङ्गयाश्चकथुः | श्रङ्गयाश्चक |
| | श्रङ्गयाश्चकर-चकर | श्रङ्गयाश्चकृव | श्रङ्गयाश्चकृम |
| | श्रङ्गयाम्बभूव । श्रङ्गयामास | | |
| आ० | श्रङ्गधात् | श्रङ्गधास्ताम् | श्रङ्गधासुः |
| | श्रङ्गधाः | श्रङ्गधास्तम् | श्रङ्गधास्त |
| | श्रङ्गधासम् | श्रङ्गधास्व | श्रङ्गधास्म |
| श्च० | श्रङ्गयिता | श्रङ्गयितारौ | श्रङ्गयितारः |
| | श्रङ्गयितासि | श्रङ्गयितास्थः | श्रङ्गयितास्थ |
| | श्रङ्गयितास्मि | श्रङ्गयितास्वः | श्रङ्गयितास्मः |
| भ० | अश्रङ्गयिष्यति | अश्रङ्गयिष्यतः | अश्रङ्गयिष्यन्ति |
| | अश्रङ्गयिष्यसि | अश्रङ्गयिष्यथः | अश्रङ्गयिष्यथ |
| | अश्रङ्गयिष्यामि | अश्रङ्गयिष्यावः | अश्रङ्गयिष्यामः |
| क्रि० | अश्रङ्गयिष्यत् | अश्रङ्गयिष्यताम् | अश्रङ्गयिष्यन् |
| | अश्रङ्गयिष्यः | अश्रङ्गयिष्यतम् | अश्रङ्गयिष्यत |
| | अश्रङ्गयिष्यम् | अश्रङ्गयिष्याव | अश्रङ्गयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | श्रङ्गयते | श्रङ्गयते | श्रङ्गयन्ते |
| | श्रङ्गयसे | श्रङ्गयेथे | श्रङ्गयध्वे |
| | श्रङ्गये | श्रङ्गायवहे | श्रङ्गयामहे |
| स० | श्रङ्गयेत | श्रङ्गयेयाताम् | श्रङ्गयेरन् |
| | श्रङ्गयेथाः | श्रङ्गयेथाम् | श्रङ्गयेध्वम् |
| | श्रङ्गयेय | श्रङ्गयेवहि | श्रङ्गयेमहि |
| प० | श्रङ्गयताम् | श्रङ्गयेताम् | श्रङ्गयन्ताम् |
| | श्रङ्गयस्व | श्रङ्गयेथाम् | श्रङ्गयध्वम् |
| | श्रङ्गये | श्रङ्गायवहे | श्रङ्गयामहे |
| ह्य० | अश्रङ्गयत | अश्रङ्गयेताम् | अश्रङ्गयन्त |
| | अश्रङ्गयथाः | अश्रङ्गयेथाम् | अश्रङ्गयध्वम् |
| | अश्रङ्गये | अश्रङ्गायवहि | अश्रङ्गयामहि |
| अ० | अशश्रङ्गत | अशश्रङ्गेताम् | अशश्रङ्गन्त |
| | अशश्रङ्गथाः | अशश्रङ्गेथाम् | अशश्रङ्गध्वम् |
| | अशश्रङ्गे | अशश्रङ्गावहि | अशश्रङ्गामहि |
| प० | श्रङ्गायश्चके | श्रङ्गायश्चकाते | श्रङ्गायश्चकिरे |
| | श्रङ्गायश्चकृषे | श्रङ्गायश्चकाये | श्रङ्गायश्चकृद्वे |
| | श्रङ्गायश्चके | श्रङ्गायश्चकृवहे | श्रङ्गायश्चकृमहे |
| | श्रङ्गायम्बभूव | । श्रङ्गायमास | |
| आ० | श्रङ्गयिषीष्ट | श्रङ्गयिषीयास्ताम् | श्रङ्गयिषीरन् |
| | श्रङ्गयिषीष्ठाः | श्रङ्गयिषीयास्याम् | श्रङ्गयिषीध्वम् |
| | श्रङ्गयिषीय | श्रङ्गयिषीवहि | श्रङ्गयिषीमहि |
| श्व० | श्रङ्गयिता | श्रङ्गयितारौ | श्रङ्गयितारः |
| | श्रङ्गयितासे | श्रङ्गयितासाये | श्रङ्गयिताध्वे |
| | श्रङ्गयिताहे | श्रङ्गयितास्वहे | श्रङ्गयितास्महे |
| भ० | श्रङ्गयिष्यते | श्रङ्गयिष्येते | श्रङ्गयिष्यन्ते |
| | श्रङ्गयिष्यसे | श्रङ्गयिष्येथे | श्रङ्गयिष्यध्वे |
| | श्रङ्गयिष्ये | श्रङ्गयिष्यावहे | श्रङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्रङ्गयिष्यत | अश्रङ्गयिष्येताम् | अश्रङ्गयिष्यन्त |
| | अश्रङ्गयिष्यथाः | अश्रङ्गयिष्येथाम् | अश्रङ्गयिष्यध्वम् |
| | अश्रङ्गयिष्ये | अश्रङ्गयिष्यावहि | अश्रङ्गयिष्यामहि |

82 श्लु (श्लुङ्) गतौ ।

| | | | |
|-------|---------------------|-------------------|------------------|
| व० | श्लुङ्गयति | श्लुङ्गयतः | श्लुङ्गयन्ति |
| | श्लुङ्गयसि | श्लुङ्गयथः | श्लुङ्गयथ |
| | श्लुङ्गयामि | श्लुङ्गयावः | श्लुङ्गयामः |
| स० | श्लुङ्गयेत् | श्लुङ्गयेताम् | श्लुङ्गयेयुः |
| | श्लुङ्गयेः | श्लुङ्गयेतम् | श्लुङ्गयेत |
| | श्लुङ्गयेयम् | श्लुङ्गयेव | श्लुङ्गयेम |
| प० | श्लुङ्गयतु | श्लुङ्गयतात् | श्लुङ्गयताम् |
| | श्लुङ्गय | ” | श्लुङ्गयतम् |
| | श्लुङ्गयानि | श्लुङ्गयाव | श्लुङ्गयाम |
| लृ० | अश्लुङ्गयत् | अश्लुङ्गयताम् | अश्लुङ्गयन् |
| | अश्लुङ्गयः | अश्लुङ्गयतम् | अश्लुङ्गयत |
| | अश्लुङ्गयम् | अश्लुङ्गयाव | अश्लुङ्गयाम |
| अ० | अशश्लुङ्गत् | अशश्लुङ्गताम् | अशश्लुङ्गन् |
| | अशश्लुङ्गः | अशश्लुङ्गतम् | अशश्लुङ्गत |
| | अशश्लुङ्गम् | अशश्लुङ्गाव | अशश्लुङ्गाम |
| प० | श्लुङ्गयाश्चकार | श्लुङ्गयाश्चकतुः | श्लुङ्गयाश्चकुः |
| | श्लुङ्गयाश्चकथं | श्लुङ्गयाश्चकथुः | श्लुङ्गयाश्चक |
| | श्लुङ्गयाश्चकार-चकर | श्लुङ्गयाश्चकृव | श्लुङ्गयाश्चकृम |
| | श्लुङ्गयाम्बभूव । | श्लुङ्गयामास | |
| आ० | श्लुङ्गधात् | श्लुङ्गधास्ताम् | श्लुङ्गधासुः |
| | श्लुङ्गथाः | श्लुङ्गधास्ताम् | श्लुङ्गधास्त |
| | श्लुङ्गधासम् | श्लुङ्गधास्व | श्लुङ्गधास्म |
| श्व० | श्लुङ्गयिता | श्लुङ्गयितारौ | श्लुङ्गयितारः |
| | श्लुङ्गयितासि | श्लुङ्गयितास्थः | श्लुङ्गयितास्थ |
| | श्लुङ्गयितास्मि | श्लुङ्गयितास्वः | श्लुङ्गयितास्मः |
| भ० | श्लुङ्गयिष्यति | श्लुङ्गयिष्यतः | श्लुङ्गयिष्यन्ति |
| | श्लुङ्गयिष्यसि | श्लुङ्गयिष्यथः | श्लुङ्गयिष्यथ |
| | श्लुङ्गयिष्यामि | श्लुङ्गयिष्यावः | श्लुङ्गयिष्यामः |
| क्रि० | अश्लुङ्गयिष्यत् | अश्लुङ्गयिष्यताम् | अश्लुङ्गयिष्यन् |
| | अश्लुङ्गयिष्यः | अश्लुङ्गयिष्यतम् | अश्लुङ्गयिष्यत |
| | अश्लुङ्गयिष्यम् | अश्लुङ्गयिष्याव | अश्लुङ्गयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------------|---------------------|--------------------|
| व० | श्लुङ्गयते | श्लुङ्गयेते | श्लुङ्गयन्ते |
| | श्लुङ्गयसे | श्लुङ्गयेथे | श्लुङ्गयध्वे |
| | श्लुङ्गये | श्लुङ्गयावहे | श्लुङ्गयामहे |
| स० | श्लुङ्गयेत | श्लुङ्गयेयाताम् | श्लुङ्गयेरन् |
| | श्लुङ्गयेथाः | श्लुङ्गयेयाथाम् | श्लुङ्गयेध्वम् |
| | श्लुङ्गयेय | श्लुङ्गयेवहि | श्लुङ्गयेमहि |
| प० | श्लुङ्गयताम् | श्लुङ्गयेताम् | श्लुङ्गयन्ताम् |
| | श्लुङ्गयस्व | श्लुङ्गयेथाम् | श्लुङ्गयध्वम् |
| | श्लुङ्गयै | श्लुङ्गयावहे | श्लुङ्गयामहे |
| ह्य० | अश्लुङ्गयत | अश्लुङ्गयेताम् | अश्लुङ्गयन्त |
| | अश्लुङ्गयथाः | अश्लुङ्गयेथाम् | अश्लुङ्गयध्वम् |
| | अश्लुङ्गये | अश्लुङ्गयावहि | अश्लुङ्गयामहि |
| अ० | अशश्लुङ्गत् | अशश्लुङ्गेताम् | अशश्लुङ्गन्त |
| | अशश्लुङ्गथाः | अशश्लुङ्गेथाम् | अशश्लुङ्गध्वम् |
| | अशश्लुङ्गे | अशश्लुङ्गावहि | अशश्लुङ्गामहि |
| प० | श्लुङ्गयाश्चके | श्लुङ्गयाश्चकाते | श्लुङ्गयाश्चकिरे |
| | श्लुङ्गयाश्चकृषे | श्लुङ्गयाश्चकाथे | श्लुङ्गयाश्चकृदुवे |
| | श्लुङ्गयाश्चके | श्लुङ्गयाश्चकृवहे | श्लुङ्गयाश्चकृमहे |
| | श्लुङ्गयाम्बभूव । | श्लुङ्गयामास | |
| आ० | श्लुङ्गयिषीष्ट | श्लुङ्गयिषीयास्ताम् | श्लुङ्गयिषीरन् |
| | श्लुङ्गयिषीष्ठाः | श्लुङ्गयिषीयास्थाम् | श्लुङ्गयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | श्लुङ्गयिषीय | श्लुङ्गयिषीवहि | श्लुङ्गयिषीमहि |
| श्व० | श्लुङ्गयिता | श्लुङ्गयितारौ | श्लुङ्गयितारः |
| | श्लुङ्गयितासे | श्लुङ्गयितासथे | श्लुङ्गयिताध्वे |
| | श्लुङ्गयिताहे | श्लुङ्गयितास्वहे | श्लुङ्गयितास्महे |
| भ० | श्लुङ्गयिष्यते | श्लुङ्गयिष्येते | श्लुङ्गयिष्यन्ते |
| | श्लुङ्गयिष्यसे | श्लुङ्गयिष्येथे | श्लुङ्गयिष्यध्वे |
| | श्लुङ्गयिष्ये | श्लुङ्गयिष्यावहे | श्लुङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्लुङ्गयिष्यत | अश्लुङ्गयिष्येताम् | अश्लुङ्गयिष्यन्त |
| | अश्लुङ्गयिष्यथाः | अश्लुङ्गयिष्येथाम् | अश्लुङ्गयिष्यध्वम् |
| | अश्लुङ्गयिष्ये | अश्लुङ्गयिष्यावहि | अश्लुङ्गयिष्यामहि |

83 अगु (अङ्गु) गतौ

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | अङ्गयति | अङ्गयतः | अङ्गयन्ति |
| | अङ्गयसि | अङ्गयथः | अङ्गयथ |
| | अङ्गयामि | अङ्गयावः | अङ्गयामः |
| स० | अङ्गयेत् | अङ्गयेताम् | अङ्गयेयुः |
| | अङ्गयेः | अङ्गयेतम् | अङ्गयेत |
| | अङ्गयेयम् | अङ्गयेव | अङ्गयेम |
| प० | अङ्गयतु | अङ्गयतात् | अङ्गयन्तु |
| | अङ्गय | अङ्गयतात् | अङ्गयतम् |
| | अङ्गयानि | अङ्गयाव | अङ्गयाम |
| ह्य० | आङ्गयत् | आङ्गयताम् | आङ्गयन् |
| | आङ्गयः | आङ्गयतम् | आङ्गयत |
| | आङ्गयम् | आङ्गयाव | आङ्गयाम |
| अ० | आङ्गिजगत् | आङ्गिजगताम् | आङ्गिजगन् |
| | आङ्गिजगः | आङ्गिजगतम् | आङ्गिजगत |
| | आङ्गिजगम् | आङ्गिजगाव | आङ्गिजगाम |
| प० | अङ्गयाञ्चकार | अङ्गयाञ्चकतुः | अङ्गयाञ्चकुः |
| | अङ्गयाञ्चक्य | अङ्गयाञ्चकथुः | अङ्गयाञ्चक |
| | अङ्गयाञ्चकार-चकर | अङ्गयाञ्चकृव | अङ्गयाञ्चकृम |
| | अङ्गयाम्बभूव | । | अङ्गयामास |
| आ० | अङ्गघात् | अङ्गघास्ताम् | अङ्गघासुः |
| | अङ्गघाः | अङ्गघास्तम् | अङ्गघास्त |
| | अङ्गघासम् | अङ्गघास्व | अङ्गघास्म |
| श्व० | अङ्गयिता | अङ्गयितारौ | अङ्गयितारः |
| | अङ्गयितासि | अङ्गयितास्थः | अङ्गयितास्थ |
| | अङ्गयितास्मि | अङ्गयितास्वः | अङ्गयितास्मः |
| भ० | अङ्गयिष्यति | अङ्गयिष्यतः | अङ्गयिष्यन्ति |
| | अङ्गयिष्यसि | अङ्गयिष्यथः | अङ्गयिष्यथ |
| | अङ्गयिष्यामि | अङ्गयिष्यावः | अङ्गयिष्यामः |
| क्रि० | आङ्गयिष्यत् | आङ्गयिष्यताम् | आङ्गयिष्यन् |
| | आङ्गयिष्यः | आङ्गयिष्यतम् | आङ्गयिष्यत |
| | आङ्गयिष्यम् | आङ्गयिष्याव | आङ्गयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | अङ्गयते | अङ्गयेते | अङ्गयन्ते |
| | अङ्गयसे | अङ्गयेथे | अङ्गयध्वे |
| | अङ्गये | अङ्गयावहे | अङ्गयामहे |
| स० | अङ्गयेत | अङ्गयेयाताम् | अङ्गयेरन् |
| | अङ्गयेथाः | अङ्गयेथायाम् | अङ्गयेध्वम् |
| | अङ्गयेय | अङ्गयेवहि | अङ्गयेमहि |
| प० | अङ्गयताम् | अङ्गयेताम् | अङ्गयन्ताम् |
| | अङ्गयस्व | अङ्गयेथाम् | अङ्गयध्वम् |
| | अङ्गये | अङ्गयावहे | अङ्गयामहे |
| ह्य० | आङ्गयत | आङ्गयेताम् | आङ्गयन्त |
| | आङ्गयथाः | आङ्गयेथाम् | आङ्गयध्वम् |
| | आङ्गये | आङ्गयावहि | आङ्गयामहि |
| अ० | आङ्गिगत | आङ्गिगेताम् | आङ्गिगन्त |
| | आङ्गिगथाः | आङ्गिगेथाम् | आङ्गिगध्वम् |
| | आङ्गिगे | आङ्गिगावहि | आङ्गिगामहि |
| प० | अङ्गयाञ्चके | अङ्गयाञ्चकाते | अङ्गयाञ्चकिरे |
| | अङ्गयाञ्चकृषे | अङ्गयाञ्चक्राथे | अङ्गयाञ्चकृद्वे |
| | अङ्गयाञ्चके | अङ्गयाञ्चकृवहे | अङ्गयाञ्चकृमहे |
| | अङ्गयाम्बभूव | । | अङ्गयामास |
| आ० | अङ्गयिषीष्ट | अङ्गयिषीयास्ताम् | अङ्गयिषीरन् |
| | अङ्गयिषीष्ठाः | अङ्गयिषीयास्थाम् | अङ्गयिषीध्वम् |
| | अङ्गयिषीय | अङ्गयिषीवहि | अङ्गयिषीमहि |
| श्व० | अङ्गयिता | अङ्गयितारौ | अङ्गयितारः |
| | अङ्गयितासे | अङ्गयितासाथे | अङ्गयिताध्वे |
| | अङ्गयिताहे | अङ्गयितास्वहे | अङ्गयितास्महे |
| भ० | अङ्गयिष्यते | अङ्गयिष्येते | अङ्गयिष्यन्ते |
| | अङ्गयिष्यसे | अङ्गयिष्येथे | अङ्गयिष्यध्वे |
| | अङ्गयिष्ये | अङ्गयिष्यावहे | अङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० | आङ्गयिष्यत् | आङ्गयिष्यताम् | आङ्गयिष्यन्त |
| | आङ्गयिष्यथाः | आङ्गयिष्येथाम् | आङ्गयिष्यध्वम् |
| | आङ्गयिष्ये | आङ्गयिष्यावहि | आङ्गयिष्यामहि |

84 वङ्ग (वङ्ग) गतौ

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० वङ्गयति | वङ्गयतः | वङ्गयन्ति |
| वङ्गयसि | वङ्गयथः | वङ्गयथ |
| वङ्गयामि | वङ्गयावः | वङ्गयामः |
| स० वङ्गयेत् | वङ्गयेताम् | वङ्गयेयुः |
| वङ्गयेः | वङ्गयेतम् | वङ्गयेत |
| वङ्गयेयम् | वङ्गयेव | वङ्गयेम |
| प० वङ्गयतु | वङ्गयतात् | वङ्गयताम् |
| वङ्गय | वङ्गयतात् | वङ्गयतम् |
| वङ्गयानि | वङ्गयाव | वङ्गयाम |
| ह्य० अवङ्गयत् | अवङ्गयताम् | अवङ्गयन् |
| अवङ्गयः | अवङ्गयतम् | अवङ्गयत |
| अवङ्गयम् | अवङ्गयाव | अवङ्गयाम |
| अ० अववङ्गत् | अववङ्गताम् | अववङ्गन् |
| अववङ्गः | अववङ्गतम् | अववङ्गत |
| अववङ्गम् | अववङ्गाव | अववङ्गाम |
| प० वङ्गयाश्चकार | वङ्गयाश्चक्रुः | वङ्गयाश्चक्रुः |
| वङ्गयाश्चक्य | वङ्गयाश्चक्रुः | वङ्गयाश्चक्रुः |
| वङ्गयाश्चकार-चकर | वङ्गयाश्चक्रुव | वङ्गयाश्चक्रुम |
| वङ्गयाम्बभूव | वङ्गयामास | |
| आ० वङ्गयात् | वङ्गयास्ताम् | वङ्गयास्तुः |
| वङ्गयाः | वङ्गयास्तम् | वङ्गयास्त |
| वङ्गयासम् | वङ्गयास्व | वङ्गयास्म |
| श्व० वङ्गयिता | वङ्गयितारौ | वङ्गयितारः |
| वङ्गयितासि | वङ्गयितास्थः | वङ्गयितास्थ |
| वङ्गयितास्मि | वङ्गयितास्वः | वङ्गयितास्मः |
| भ० वङ्गयिष्यति | वङ्गयिष्यतः | वङ्गयिष्यन्ति |
| वङ्गयिष्यसि | वङ्गयिष्यथः | वङ्गयिष्यथ |
| वङ्गयिष्यामि | वङ्गयिष्यावः | वङ्गयिष्यामः |
| क्रि० अवङ्गयिष्यत् | अवङ्गयिष्यताम् | अवङ्गयिष्यन् |
| अवङ्गयिष्यः | अवङ्गयिष्यतम् | अवङ्गयिष्यत |
| अवङ्गयिष्यम् | अवङ्गयिष्याव | अवङ्गयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० वङ्गयते | वङ्गयेते | वङ्गयन्ते |
| वङ्गयसे | वङ्गयेथे | वङ्गयध्वे |
| वङ्गये | वङ्गयावहे | वङ्गयामहे |
| स० वङ्गयेत | वङ्गयेताम् | वङ्गयेरन् |
| वङ्गयेथाः | वङ्गयेथायाम् | वङ्गयेध्वम् |
| वङ्गयेय | वङ्गयेवहि | वङ्गयेमहि |
| प० वङ्गयताम् | वङ्गयेताम् | वङ्गयन्ताम् |
| वङ्गयस्व | वङ्गयेथाम् | वङ्गयध्वम् |
| वङ्गये | वङ्गयावहे | वङ्गयामहे |
| ह्य० अवङ्गयत | अवङ्गयेताम् | अवङ्गयन्त |
| अवङ्गयथाः | अवङ्गयेथाम् | अवङ्गयध्वम् |
| अवङ्गये | अवङ्गयावहि | अवङ्गयामहि |
| अ० अववङ्गत् | अववङ्गेताम् | अववङ्गन्त |
| अववङ्गथाः | अववङ्गेथाम् | अववङ्गध्वम् |
| अववङ्गे | अववङ्गावहि | अववङ्गामहि |
| प० वङ्गयाञ्चके | वङ्गयाञ्चकते | वङ्गयाञ्चकिरे |
| वङ्गयाञ्चक्ये | वङ्गयाञ्चकथे | वङ्गयाञ्चकृद्वे |
| वङ्गयाञ्चके | वङ्गयाञ्चकृवहे | वङ्गयाञ्चकृमहे |
| वङ्गयाम्बभूव | वङ्गयामास | |
| आ० वङ्गयेषीष्ट | वङ्गयेषीयास्ताम् | वङ्गयेषीरन् |
| वङ्गयेषीष्टाः | वङ्गयेषीयास्थाम् | वङ्गयेषीध्वम् |
| वङ्गयेषीय | वङ्गयेषीवहि | वङ्गयेषीमहि |
| श्व० वङ्गयिता | वङ्गयितारौ | वङ्गयितारः |
| वङ्गयितासे | वङ्गयितासथे | वङ्गयिताध्वे |
| वङ्गयिताहे | वङ्गयितास्वहे | वङ्गयितास्महे |
| भ० वङ्गयेष्यते | वङ्गयेष्येते | वङ्गयेष्यन्ते |
| वङ्गयेष्यसे | वङ्गयेष्येथे | वङ्गयेष्यध्वे |
| वङ्गयेष्ये | वङ्गयेष्यावहे | वङ्गयेष्यामहे |
| क्रि० अवङ्गयेष्यत् | अवङ्गयेष्येताम् | अवङ्गयेष्यन्त |
| अवङ्गयेष्यथाः | अवङ्गयेष्येथाम् | अवङ्गयेष्यध्वम् |
| अवङ्गयेष्ये | अवङ्गयेष्यावहि | अवङ्गयेष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (८७)

85 मशु (मङ्ग) गतौ

| | | |
|--------------------|-----------------|---------------|
| व० मङ्गयति | मङ्गयतः | मङ्गयन्ति |
| मङ्गयसि | मङ्गयथः | मङ्गयथ |
| मङ्गयामि | मङ्गयावः | मङ्गयामः |
| स० मङ्गयेत् | मङ्गयेताम् | मङ्गयेयुः |
| मङ्गयेः | मङ्गयेतम् | मङ्गयेत |
| मङ्गयेयम् | मङ्गयेव | मङ्गयेम |
| प० मङ्गयतु | मङ्गयतात् | मङ्गयन्तु |
| मङ्गय | मङ्गयतात् | मङ्गयतम् |
| मङ्गयानि | मङ्गयाव | मङ्गयाम |
| ह्य० अमङ्गयत् | अमङ्गयताम् | अमङ्गयन् |
| अमङ्गयः | अमङ्गयतम् | अमङ्गयत |
| अमङ्गयम् | अमङ्गयाव | अमङ्गयाम |
| अ० अममङ्गत् | अममङ्गताम् | अममङ्गन् |
| अममङ्गः | अममङ्गतम् | अममङ्गत |
| अममङ्गम् | अममङ्गाव | अममङ्गाम |
| प० मङ्गयाञ्चकार | मङ्गयाञ्चक्रुः | मङ्गयाञ्चकुः |
| मङ्गयाञ्चकर्ष | मङ्गयाञ्चक्रथुः | मङ्गयाञ्चक्र |
| मङ्गयाञ्चकार-चक्र | मङ्गयाञ्चक्रव | मङ्गयाञ्चक्रम |
| मङ्गयाञ्चभूव | मङ्गयामास | |
| आ० मङ्गयात् | मङ्गयास्ताम् | मङ्गयासुः |
| मङ्गयाः | मङ्गयास्तम् | मङ्गयास्त |
| मङ्गयासम् | मङ्गयास्व | मङ्गयास्म |
| श्व० मङ्गयिता | मङ्गयितारौ | मङ्गयितारः |
| मङ्गयितासि | मङ्गयितास्थः | मङ्गयितास्थ |
| मङ्गयितास्मि | मङ्गयितास्वः | मङ्गयितास्मः |
| भ० मङ्गयिष्यति | मङ्गयिष्यतः | मङ्गयिष्यन्ति |
| मङ्गयिष्यसि | मङ्गयिष्यथः | मङ्गयिष्यथ |
| मङ्गयिष्यामि | मङ्गयिष्यावः | मङ्गयिष्यामः |
| क्रि० अमङ्गयिष्यत् | अमङ्गयिष्यताम् | अमङ्गयिष्यन् |
| अमङ्गयिष्यः | अमङ्गयिष्यतम् | अमङ्गयिष्यत |
| अमङ्गयिष्यम् | अमङ्गयिष्याव | अमङ्गयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० मङ्गयते | मङ्गयेते | मङ्गयन्ते |
| मङ्गयसे | मङ्गयथे | मङ्गयन्वे |
| मङ्गये | मङ्गयावहे | मङ्गयामहे |
| स० मङ्गयेत | मङ्गयेयाताम् | मङ्गयेयन् |
| मङ्गयेथाः | मङ्गयेयाथाम् | मङ्गयेय्वम् |
| मङ्गयेय | मङ्गयेवहि | मङ्गयेमहि |
| प० मङ्गयताम् | मङ्गयेताम् | मङ्गयन्ताम् |
| मङ्गयस्व | मङ्गयेथाम् | मङ्गयस्वम् |
| मङ्गये | मङ्गयावहे | मङ्गयामहे |
| ह्य० अमङ्गयत् | अमङ्गयेताम् | अमङ्गयन्त |
| अमङ्गयथाः | अमङ्गयेथाम् | अमङ्गयस्वम् |
| अमङ्गये | अमङ्गयावहि | अमङ्गयामहि |
| अ० अममङ्गत् | अममङ्गताम् | अममङ्गन्त |
| अममङ्गथाः | अममङ्गथाम् | अममङ्गस्वम् |
| अममङ्गे | अममङ्गावहि | अममङ्गामहि |
| प० मङ्गयाञ्चक्रे | मङ्गयाञ्चक्राते | मङ्गयाञ्चकिरे |
| मङ्गयाञ्चकृषे | मङ्गयाञ्चक्राथे | मङ्गयाञ्चकृवहे |
| मङ्गयाञ्चक्रे | मङ्गयाञ्चकृवहि | मङ्गयाञ्चक्रमहे |
| मङ्गयाम्बभूव | मङ्गयामास | |
| आ० मङ्गयिषीष्ट | मङ्गयिषीयास्ताम् | मङ्गयिषीरन् |
| मङ्गयिषीष्टाः | मङ्गयिषीयास्थाम् | मङ्गयिषीव्वम् |
| | | स्वम् |
| मङ्गयिषीय | मङ्गयिषीवहि | मङ्गयिषीमहि |
| श्व० मङ्गयिता | मङ्गयितारौ | मङ्गयितारः |
| मङ्गयितासे | मङ्गयितासाथे | मङ्गयितास्वे |
| मङ्गयिताहे | मङ्गयितास्वहे | मङ्गयितास्महे |
| भ० मङ्गयिष्यते | मङ्गयिष्येते | मङ्गयिष्यन्ते |
| मङ्गयिष्यसे | मङ्गयिष्येथे | मङ्गयिष्यन्वे |
| मङ्गयिष्ये | मङ्गयिष्यावहे | मङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० अमङ्गयिष्यत् | अमङ्गयिष्येताम् | अमङ्गयिष्यन्त |
| अमङ्गयिष्यथाः | अमङ्गयिष्येथाम् | अमङ्गयिष्यस्वम् |
| अमङ्गयिष्ये | अमङ्गयिष्यावहि | अमङ्गयिष्यामहि |

86 स्वगु (स्वङ्गु) गतौ

| | | | |
|------|--------------------|------------------|------------------|
| ब० | स्वङ्गयति | स्वङ्गयतः | स्वङ्गयन्ति |
| | स्वङ्गयसि | स्वङ्गयथः | स्वङ्गयथ |
| | स्वङ्गयामि | स्वङ्गयावः | स्वङ्गयामः |
| स० | स्वङ्गयेत् | स्वङ्गयेताम् | स्वङ्गयेयुः |
| | स्वङ्गयेः | स्वङ्गयेतम् | स्वङ्गयेत |
| | स्वङ्गयेयम् | स्वङ्गयेव | स्वङ्गयेम |
| प० | स्वङ्गयतु | स्वङ्गयतात् | स्वङ्गयताम् |
| | स्वङ्गय | स्वङ्गयतात् | स्वङ्गयतम् |
| | स्वङ्गयानि | स्वङ्गयाव | स्वङ्गयाम |
| ह्य० | अस्वङ्गयत् | अस्वङ्गयताम् | अस्वङ्गयन् |
| | अस्वङ्गयः | अस्वङ्गयतम् | अस्वङ्गयत |
| | अस्वङ्गयम् | अस्वङ्गयाव | अस्वङ्गयाम |
| अ० | असस्वङ्गत् | असस्वङ्गताम् | असस्वङ्गन् |
| | असस्वङ्गः | असस्वङ्गतम् | असस्वङ्गत |
| | असस्वङ्गम् | असस्वङ्गाव | असस्वङ्गाम |
| प० | स्वङ्गयाश्चकार | स्वङ्गयाश्चक्रुः | स्वङ्गयाश्चक्रुः |
| | स्वङ्गयाश्चकथं | स्वङ्गयाश्चक्रुः | स्वङ्गयाश्चक्रुः |
| | स्वङ्गयाश्चकार-चकर | स्वङ्गयाश्चक्रुव | स्वङ्गयाश्चक्रुम |
| | स्वङ्गयाम्बभूव | स्वङ्गयामास | |
| आ० | स्वङ्गयात् | स्वङ्गयास्ताम् | स्वङ्गयासुः |
| | स्वङ्गयाः | स्वङ्गयास्तम् | स्वङ्गयास्त |
| | स्वङ्गयासम् | स्वङ्गयास्व | स्वङ्गयास्म |
| श्व० | स्वङ्गयिता | स्वङ्गयितारौ | स्वङ्गयितारः |
| | स्वङ्गयितासि | स्वङ्गयितास्थः | स्वङ्गयितास्थ |
| | स्वङ्गयितास्मि | स्वङ्गयितास्वः | स्वङ्गयितास्मः |
| भ० | स्वङ्गयिष्यति | स्वङ्गयिष्यतः | स्वङ्गयिष्यन्ति |
| | स्वङ्गयिष्यसि | स्वङ्गयिष्यथः | स्वङ्गयिष्यथ |
| | स्वङ्गयिष्यामि | स्वङ्गयिष्यावः | स्वङ्गयिष्यामः |
| कि० | अस्वङ्गयिष्यत् | अस्वङ्गयिष्यताम् | अस्वङ्गयिष्यन् |
| | अस्वङ्गयिष्यः | अस्वङ्गयिष्यतम् | अस्वङ्गयिष्यत |
| | अस्वङ्गयिष्यम् | अस्वङ्गयिष्याव | अस्वङ्गयिष्याम |

| | | | |
|------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | स्वङ्गयते | स्वङ्गयेते | स्वङ्गयन्ते |
| | स्वङ्गयसे | स्वङ्गयेथे | स्वङ्गयध्वे |
| | स्वङ्गये | स्वङ्गयावहे | स्वङ्गयामहे |
| स० | स्वङ्गयेत | स्वङ्गयेयाताम् | स्वङ्गयेरन् |
| | स्वङ्गयेथाः | स्वङ्गयेयाथाम् | स्वङ्गयेध्वम् |
| | स्वङ्गयेय | स्वङ्गयेवहि | स्वङ्गयेमहि |
| प० | स्वङ्गयेताम् | स्वङ्गयेताम् | स्वङ्गयेन्ताम् |
| | स्वङ्गयेस्व | स्वङ्गयेथाम् | स्वङ्गयेध्वम् |
| | स्वङ्गये | स्वङ्गयावहे | स्वङ्गयामहे |
| ह्य० | अस्वङ्गयत | अस्वङ्गयेताम् | अस्वङ्गयन्त |
| | अस्वङ्गयथाः | अस्वङ्गयेथाम् | अस्वङ्गयेध्वम् |
| | अस्वङ्गये | अस्वङ्गयावहि | अस्वङ्गयामहि |
| अ० | असस्वङ्गत् | असस्वङ्गेताम् | असस्वङ्गन्त |
| | असस्वङ्गथाः | असस्वङ्गेथाम् | असस्वङ्गेध्वम् |
| | असस्वङ्गे | असस्वङ्गावहि | असस्वङ्गामहि |
| प० | स्वङ्गयाञ्चक्रे | स्वङ्गयाञ्चक्राते | स्वङ्गयाञ्चक्रिरे |
| | स्वङ्गयाञ्चकृषे | स्वङ्गयाञ्चक्राथे | स्वङ्गयाञ्चकृद्वे |
| | स्वङ्गयाञ्चक्रे | स्वङ्गयाञ्चकृवहे | स्वङ्गयाञ्चकृमहे |
| | स्वङ्गयाम्बभूव | स्वङ्गयामास | |
| आ० | स्वङ्गयिषीष्ट | स्वङ्गयिषीयास्ताम् | स्वङ्गयिषीरन् |
| | स्वङ्गयिषीष्टाः | स्वङ्गयिषीयास्थाम् | स्वङ्गयिषीध्वम् |
| | स्वङ्गयिषीय | स्वङ्गयिषीवहि | स्वङ्गयिषीमहि |
| श्व० | स्वङ्गयिता | स्वङ्गयितारौ | स्वङ्गयितारः |
| | स्वङ्गयितासे | स्वङ्गयितासाथे | स्वङ्गयिताध्वे |
| | स्वङ्गयिताहे | स्वङ्गयितास्वहे | स्वङ्गयितास्महे |
| भ० | स्वङ्गयिष्यते | स्वङ्गयिष्येते | स्वङ्गयिष्यन्ते |
| | स्वङ्गयिष्यसे | स्वङ्गयिष्येथे | स्वङ्गयिष्यध्वे |
| | स्वङ्गयिष्ये | स्वङ्गयिष्यावहे | स्वङ्गयिष्यामहे |
| कि० | अस्वङ्गयिष्यत् | अस्वङ्गयिष्येताम् | अस्वङ्गयिष्यन्त |
| | अस्वङ्गयिष्यथाः | अस्वङ्गयिष्येथाम् | अस्वङ्गयिष्यध्वम् |
| | अस्वङ्गयिष्ये | अस्वङ्गयिष्यावहि | अस्वङ्गयिष्यामहि |

87 इगु (इङ्ग) गतौ

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | इङ्गयति | इङ्गयतः | इङ्गयन्ति |
| | इङ्गयसि | इङ्गयथः | इङ्गयथ |
| | इङ्गयामि | इङ्गयावः | इङ्गयामः |
| स० | इङ्गयेत् | इङ्गयेताम् | इङ्गयेयुः |
| | इङ्गयेः | इङ्गयेतम् | इङ्गयेत |
| | इङ्गयेयम् | इङ्गयेव | इङ्गयेम |
| प० | इङ्गयतु | इङ्गयतात् | इङ्गयन्तु |
| | इङ्गय | इङ्गयतात् | इङ्गयतम् |
| | इङ्गयानि | इङ्गयाव | इङ्गयाम |
| ह्य० | ऐङ्गयत् | ऐङ्गयताम् | ऐङ्गयन् |
| | ऐङ्गयः | ऐङ्गयतम् | ऐङ्गयत |
| | ऐङ्गयम् | ऐङ्गयाव | ऐङ्गयाम |
| अ० | ऐङ्गिजगत् | ऐङ्गिजगताम् | ऐङ्गिजगन् |
| | ऐङ्गिजगः | ऐङ्गिजगतम् | ऐङ्गिजगत |
| | ऐङ्गिजगम् | ऐङ्गिजगाव | ऐङ्गिजगाम |
| प० | इङ्गयाञ्चकार | इङ्गयाञ्चकतुः | इङ्गयाञ्चकुः |
| | इङ्गयाञ्चकथं | इङ्गयाञ्चकथुः | इङ्गयाञ्चक |
| | इङ्गयाञ्चकार-चकर | इङ्गयाञ्चकृव | इङ्गयाञ्चकृम |
| | इङ्गयाम्बभूव | । | इङ्गयामास |
| आ० | इङ्गधात् | इङ्गधास्ताम् | इङ्गधासुः |
| | इङ्गधाः | इङ्गधास्तम् | इङ्गधास्त |
| | इङ्गधासम् | इङ्गधास्व | इङ्गधास्म |
| श्व० | इङ्गयिता | इङ्गयितारौ | इङ्गयितारः |
| | इङ्गयितासि | इङ्गयितास्थः | इङ्गयितास्थ |
| | इङ्गयितास्मि | इङ्गयितास्वः | इङ्गयितास्मः |
| भ० | इङ्गयिष्यति | इङ्गयिष्यतः | इङ्गयिष्यन्ति |
| | इङ्गयिष्यसि | इङ्गयिष्यथः | इङ्गयिष्यथ |
| | इङ्गयिष्यामि | इङ्गयिष्यावः | इङ्गयिष्यामः |
| क्रि० | ऐङ्गयिष्यत् | ऐङ्गयिष्यताम् | ऐङ्गयिष्यन् |
| | ऐङ्गयिष्यः | ऐङ्गयिष्यतम् | ऐङ्गयिष्यत |
| | ऐङ्गयिष्यम् | ऐङ्गयिष्याव | ऐङ्गयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | इङ्गयते | इङ्गयेते | इङ्गयन्ते |
| | इङ्गयसे | इङ्गयेथे | इङ्गयध्वे |
| | इङ्गये | इङ्गयावहे | इङ्गयामहे |
| स० | इङ्गयेत | इङ्गयेयाताम् | इङ्गयेरन् |
| | इङ्गयेथाः | इङ्गयेयाथाम् | इङ्गयेध्वम् |
| | इङ्गयेय | इङ्गयेवहि | इङ्गयेमहि |
| प० | इङ्गयताम् | इङ्गयेताम् | इङ्गयन्ताम् |
| | इङ्गयस्व | इङ्गयेथाम् | इङ्गयध्वम् |
| | इङ्गये | इङ्गयावहे | इङ्गयामहे |
| ह्य० | ऐङ्गयत | ऐङ्गयेताम् | ऐङ्गयन्त |
| | ऐङ्गयथाः | ऐङ्गयेथाम् | ऐङ्गयध्वम् |
| | ऐङ्गये | ऐङ्गयावहि | ऐङ्गयामहि |
| अ० | ऐङ्गिगत | ऐङ्गिगेताम् | ऐङ्गिगन्त |
| | ऐङ्गिगथाः | ऐङ्गिगेथाम् | ऐङ्गिगध्वम् |
| | ऐङ्गिगे | ऐङ्गिगावहि | ऐङ्गिगामहि |
| प० | इङ्गयाञ्चके | इङ्गयाञ्चकते | इङ्गयाञ्चकिरे |
| | इङ्गयाञ्चकृषे | इङ्गयाञ्चकथे | इङ्गयाञ्चकृद्वे |
| | इङ्गयाञ्चके | इङ्गयाञ्चकृवहे | इङ्गयाञ्चकृमहे |
| | इङ्गयाम्बभूव | । | इङ्गयामास |
| आ० | इङ्गयिषीष्ट | इङ्गयिषीयास्ताम् | इङ्गयिषीरन् |
| | इङ्गयिषीष्टाः | इङ्गयिषीयाथाम् | इङ्गयिषीरन् |
| | इङ्गयिषीय | इङ्गयिषीवहि | इङ्गयिषीमहि |
| श्व० | इङ्गयिता | इङ्गयितारौ | इङ्गयितारः |
| | इङ्गयितासे | इङ्गयितासाथे | इङ्गयिताध्वे |
| | इङ्गयिताहे | इङ्गयितास्वहे | इङ्गयितास्महे |
| भ० | इङ्गयिष्यते | इङ्गयिष्येते | इङ्गयिष्यन्ते |
| | इङ्गयिष्यसे | इङ्गयिष्येथे | इङ्गयिष्यध्वे |
| | इङ्गयिष्ये | इङ्गयिष्यावहे | इङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० | ऐङ्गयिष्यत | ऐङ्गयिष्येताम् | ऐङ्गयिष्यन्त |
| | ऐङ्गयिष्यथाः | ऐङ्गयिष्येथाम् | ऐङ्गयिष्यध्वम् |
| | ऐङ्गयिष्ये | ऐङ्गयिष्यावहि | ऐङ्गयिष्यामहि |

88 उगु (उङ्गु) गतौ

| | | |
|------------------|---------------|---------------|
| ब० उङ्गयति | उङ्गयतः | उङ्गयन्ति |
| उङ्गयसि | उङ्गयथः | उङ्गयथ |
| उङ्गयामि | उङ्गयावः | उङ्गयामः |
| स० उङ्गयेत् | उङ्गयेताम् | उङ्गयेयुः |
| उङ्गयेः | उङ्गयेतम् | उङ्गयेत |
| उङ्गयेयम् | उङ्गयेव | उङ्गयेम |
| प० उङ्गयतु | उङ्गयतात् | उङ्गयन्तु |
| उङ्गय | उङ्गयतात् | उङ्गयत |
| उङ्गयानि | उङ्गयाव | उङ्गयाम |
| ह्य० औङ्गयत् | औङ्गयताम् | औङ्गयन् |
| औङ्गयः | औङ्गयतम् | औङ्गयत |
| औङ्गयम् | औङ्गयाव | औङ्गयाम |
| अ० औङ्गिगत् | औङ्गिगताम् | औङ्गिगन् |
| औङ्गिगः | औङ्गिगतम् | औङ्गिगत |
| औङ्गिगम् | औङ्गिगाव | औङ्गिगाम |
| प० उङ्गयाञ्चकार | उङ्गयाञ्चकतुः | उङ्गयाञ्चकुः |
| उङ्गयाञ्चकर्थे | उङ्गयाञ्चकथुः | उङ्गयाञ्चक |
| उङ्गयाञ्चकार-चकर | उङ्गयाञ्चकृव | उङ्गयाञ्चकृम |
| उङ्गयाम्बभूव | । उङ्गयामास | |
| आ० उङ्गयात् | उङ्गयास्ताम् | उङ्गयासुः |
| उङ्गयाः | उङ्गयास्तम् | उङ्गयास्त |
| उङ्गयासम् | उङ्गयास्व | उङ्गयास्म |
| श्व० उङ्गयिता | उङ्गयितारौ | उङ्गयितारः |
| उङ्गयितासि | उङ्गयितास्थः | उङ्गयितास्थ |
| उङ्गयितास्मि | उङ्गयितास्वः | उङ्गयितास्मः |
| भ० उङ्गयिष्यति | उङ्गयिष्यतः | उङ्गयिष्यन्ति |
| उङ्गयिष्यसि | उङ्गयिष्यथः | उङ्गयिष्यथ |
| उङ्गयिष्यामि | उङ्गयिष्यावः | उङ्गयिष्यामः |
| कि० औङ्गयिष्यत् | औङ्गयिष्यताम् | औङ्गयिष्यन् |
| औङ्गयिष्यः | औङ्गयिष्यतम् | औङ्गयिष्यत |
| औङ्गयिष्यम् | औङ्गयिष्याव | औङ्गयिष्याम |

| | | |
|-----------------|------------------|-----------------|
| ब० उङ्गयते | उङ्गयेते | उङ्गयन्ते |
| उङ्गयसे | उङ्गयेथे | उङ्गयध्वे |
| उङ्गये | उङ्गयावहे | उङ्गयामहे |
| स० उङ्गयेत | उङ्गयेयाताम् | उङ्गयेरन् |
| उङ्गयेथाः | उङ्गयेयाथाम् | उङ्गयेध्वम् |
| उङ्गयेय | उङ्गयेवहि | उङ्गयेमहि |
| प० उङ्गयताम् | उङ्गयेताम् | उङ्गयन्ताम् |
| उङ्गयस्व | उङ्गयेथाम् | उङ्गयध्वम् |
| उङ्गये | उङ्गयावहे | उङ्गयामहे |
| ह्य० औङ्गयत | औङ्गयेताम् | औङ्गयन्त |
| औङ्गयेथाः | औङ्गयेथाम् | औङ्गयेध्वम् |
| औङ्गये | औङ्गयावहि | औङ्गयामहि |
| अ० औङ्गिगत | औङ्गिगेताम् | औङ्गिगन्त |
| औङ्गिगथाः | औङ्गिगेथाम् | औङ्गिगध्वम् |
| औङ्गिगे | औङ्गिगावहि | औङ्गिगामहि |
| प० उङ्गयाञ्चके | उङ्गयाञ्चकाते | उङ्गयाञ्चकिरे |
| उङ्गयाञ्चकृषे | उङ्गयाञ्चकृथे | उङ्गयाञ्चकृद्वे |
| उङ्गयाञ्चके | उङ्गयाञ्चकृवहे | उङ्गयाञ्चकृमहे |
| उङ्गयाम्बभूव | । उङ्गयामास | |
| आ० उङ्गयिषीष्ट | उङ्गयिषीयास्ताम् | उङ्गयिषीरन् |
| उङ्गयिषीष्टाः | उङ्गयिषीयास्थाम् | उङ्गयिषीध्वम् |
| उङ्गयिषीय | उङ्गयिषीवहि | उङ्गयिषीमहि |
| श्व० उङ्गयिता | उङ्गयितारौ | उङ्गयितारः |
| उङ्गयितासे | उङ्गयितासाथे | उङ्गयिताध्वे |
| उङ्गयिताहे | उङ्गयितास्वहे | उङ्गयितास्महे |
| भ० उङ्गयिष्यते | उङ्गयिष्येते | उङ्गयिष्यन्ते |
| उङ्गयिष्यसे | उङ्गयिष्येथे | उङ्गयिष्यध्वे |
| उङ्गयिष्ये | उङ्गयिष्येवहे | उङ्गयिष्यामहे |
| कि० औङ्गयिष्यत् | औङ्गयिष्येताम् | औङ्गयिष्यन्त |
| औङ्गयिष्यथाः | औङ्गयिष्येथाम् | औङ्गयिष्यध्वम् |
| औङ्गयिष्ये | औङ्गयिष्येवहि | औङ्गयिष्यामहि |

89 रिङ्ग (रिङ्ग) गतौ

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० रिङ्गयति | रिङ्गयतः | रिङ्गयन्ति |
| रिङ्गयसि | रिङ्गयथः | रिङ्गयथ |
| रिङ्गयामि | रिङ्गयावः | रिङ्गयामः |
| स० रिङ्गयेत् | रिङ्गयेताम् | रिङ्गयेयुः |
| रिङ्गयेः | रिङ्गयेतम् | रिङ्गयेत |
| रिङ्गयेयम् | रिङ्गयेव | रिङ्गयेम |
| प० रिङ्गयतु | रिङ्गयतात् | रिङ्गयन्तु |
| रिङ्गय | रिङ्गयतात् | रिङ्गयत |
| रिङ्गयानि | रिङ्गयाव | रिङ्गयाम |
| ह्य० अरिङ्गयत् | अरिङ्गयताम् | अरिङ्गयन् |
| अरिङ्गयः | अरिङ्गयतम् | अरिङ्गयत |
| अरिङ्गयम् | अरिङ्गयाव | अरिङ्गयाम |
| अ० अरिरिङ्गत् | अरिरिङ्गताम् | अरिरिङ्गन् |
| अरिरिङ्गः | अरिरिङ्गतम् | अरिरिङ्गत |
| अरिरिङ्गम् | अरिङ्गाव | अरिरिङ्गाम |
| प० रिङ्गयाश्चकार | रिङ्गयाश्चक्रतुः | रिङ्गयाश्चक्रुः |
| रिङ्गयाश्चकथे | रिङ्गयाश्चकथुः | रिङ्गयाश्चक्र |
| रिङ्गयाश्चकार-चकर | रिङ्गयाश्चकृव | रिङ्गयाश्चक्रम |
| रिङ्गयाम्बभूव | । रिङ्गयामास | |
| आ० रिङ्गयात् | रिङ्गयास्ताम् | रिङ्गयासुः |
| रिङ्गयाः | रिङ्गयास्तम् | रिङ्गयास्त |
| रिङ्गयासम् | रिङ्गयास्व | रिङ्गयासम |
| श्व० रिङ्गयिता | रिङ्गयितारौ | रिङ्गयितारः |
| रिङ्गयितासि | रिङ्गयितास्थः | रिङ्गयितास्थ |
| रिङ्गयितास्मि | रिङ्गयितास्वः | रिङ्गयितास्मः |
| भ० रिङ्गयिष्यति | रिङ्गयिष्यतः | रिङ्गयिष्यन्ति |
| रिङ्गयिष्यसि | रिङ्गयिष्यथः | रिङ्गयिष्यथ |
| रिङ्गयिष्यामि | रिङ्गयिष्यावः | रिङ्गयिष्यामः |
| कि० अरिङ्गयिष्यत् | अरिङ्गयिष्यताम् | अरिङ्गयिष्यन् |
| अरिङ्गयिष्यः | अरिङ्गयिष्यतम् | अरिङ्गयिष्यत |
| अरिङ्गयिष्यम् | अरिङ्गयिष्याव | अरिङ्गयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० रिङ्गयते | रिङ्गयेते | रिङ्गयन्ते |
| रिङ्गयसे | रिङ्गयेथे | रिङ्गयन्थे |
| रिङ्गये | रिङ्गयावहे | रिङ्गयामहे |
| स० रिङ्गयेत | रिङ्गयेयाताम् | रिङ्गयेरन् |
| रिङ्गयेथाः | रिङ्गयेयाथाम् | रिङ्गयेष्वम् |
| रिङ्गयेय | रिङ्गयेवहि | रिङ्गयेमहि |
| प० रिङ्गयताम् | रिङ्गयेताम् | रिङ्गयन्ताम् |
| रिङ्गयस्व | रिङ्गयेथाम् | रिङ्गयस्वम् |
| रिङ्गये | रिङ्गयावहे | रिङ्गयामहे |
| ह्य० अरिङ्गयत | अरिङ्गयेताम् | अरिङ्गयन्त |
| अरिङ्गयथाः | अरिङ्गयेथाम् | अरिङ्गयन्थम् |
| अरिङ्गये | अरिङ्गयावहि | अरिङ्गयामहि |
| अ० अरिरिङ्गन्त | अरिरिङ्गेताम् | अरिरिङ्गन्त |
| अरिरिङ्गन्ताः | अरिरिङ्गेथाम् | अरिरिङ्गन्थम् |
| अरिरिङ्गन् | अरिरिङ्गावहि | अरिरिङ्गामहि |
| प० रिङ्गयाञ्चक्रे | रिङ्गयाञ्चक्राते | रिङ्गयाञ्चकिरे |
| रिङ्गयाञ्चकृषे | रिङ्गयाञ्चक्राथे | रिङ्गयाञ्चकृद्वे |
| रिङ्गयाञ्चक्रे | रिङ्गयाञ्चकृवहे | रिङ्गयाञ्चक्रमहे |
| रिङ्गयाम्बभूव | । रिङ्गयामास | |
| आ० रिङ्गयिषीष्ट | रिङ्गयिषीयास्ताम् | रिङ्गयिषीरन् |
| रिङ्गयिषीष्ठाः | रिङ्गयिषीयाथाम् | रिङ्गयिषीष्वम् |
| | | ध्वम् |
| रिङ्गयिषीय | रिङ्गयिषीवहि | रिङ्गयिषीमहि |
| श्व० रिङ्गयिता | रिङ्गयितारौ | रिङ्गयितारः |
| रिङ्गयितासे | रिङ्गयितासथे | रिङ्गयिताप्थे |
| रिङ्गयिताहे | रिङ्गयितास्वहे | रिङ्गयितास्महे |
| भ० रिङ्गयिष्यते | रिङ्गयिष्यन्ते | रिङ्गयिष्यन्ते |
| रिङ्गयिष्यसे | रिङ्गयिष्येथे | रिङ्गयिष्यन्थे |
| रिङ्गयिष्ये | रिङ्गयिष्यावहे | रिङ्गयिष्यामहे |
| कि० अरिङ्गयिष्यन्त | अरिङ्गयिष्येताम् | अरिङ्गयिष्यन्त |
| अरिङ्गयिष्यथाः | अरिङ्गयिष्येथाम् | अरिङ्गयिष्यन्थम् |
| अरिङ्गयिष्ये | अरिङ्गयिष्यावहि | अरिङ्गयिष्यामहि |

90 लिङ्ग (लिङ्ग) गतो

| | | | | | |
|---------------------|-----------------|----------------|--------------------|-------------------|------------------|
| व० लिङ्गयति | लिङ्गयतः | लिङ्गयन्ति | व० लिङ्गयते | लिङ्गयेते | लिङ्गयन्ते |
| लिङ्गयसि | लिङ्गयथः | लिङ्गयथ | लिङ्गयसे | लिङ्गयेथे | लिङ्गयन्थे |
| लिङ्गयामि | लिङ्गयावः | लिङ्गयामः | लिङ्गये | लिङ्गयावहे | लिङ्गयामहे |
| स० लिङ्गयेत् | लिङ्गयेताम् | लिङ्गयेयुः | स० लिङ्गयेत | लिङ्गयेयाताम् | लिङ्गयेरन् |
| लिङ्गयेः | लिङ्गयेतम् | लिङ्गयेत | लिङ्गयेथाः | लिङ्गयेयाथाम् | लिङ्गयेष्वम् |
| लिङ्गयेयम् | लिङ्गयेव | लिङ्गयेम | लिङ्गयेय | लिङ्गयेवहि | लिङ्गयेमहि |
| प० लिङ्गयतु | लिङ्गयतान् | लिङ्गयताम् | प० लिङ्गयताम् | लिङ्गयेताम् | लिङ्गयन्ताम् |
| लिङ्गय | लिङ्गयतम् | लिङ्गयत | लिङ्गयस्व | लिङ्गयेथाम् | लिङ्गयष्वम् |
| लिङ्गयानि | लिङ्गयाव | लिङ्गयाम | लिङ्गये | लिङ्गयावहे | लिङ्गयामहे |
| ह्य० अलिङ्गयत् | अलिङ्गयताम् | अलिङ्गयन् | ह्य० अलिङ्गयत | अलिङ्गयेताम् | अलिङ्गयन्त |
| अलिङ्गयः | अलिङ्गयतम् | अलिङ्गयत | अलिङ्गयथाः | अलिङ्गयेथाम् | अलिङ्गयष्वम् |
| अलिङ्गयम् | अलिङ्गयाव | अलिङ्गयाम | अलिङ्गये | अलिङ्गयावहि | अलिङ्गयामहि |
| अ० अलिङ्गितु | अलिङ्गिताम् | अलिङ्गितु | अ० अलिङ्गित | अलिङ्गितेताम् | अलिङ्गितन्त |
| अलिङ्गितः | अलिङ्गितम् | अलिङ्गित | अलिङ्गितथाः | अलिङ्गितेथाम् | अलिङ्गितष्वम् |
| अलिङ्गितम् | अलिङ्गिताव | अलिङ्गिताम | अलिङ्गिते | अलिङ्गितावहि | अलिङ्गितामहि |
| प० लिङ्गयावकार | लिङ्गयावकतुः | लिङ्गयावकुः | प० लिङ्गयावके | लिङ्गयावकाते | लिङ्गयावकिरे |
| लिङ्गयावकर्ष | लिङ्गयावकथुः | लिङ्गयावक | लिङ्गयावकृषे | लिङ्गयावकाये | लिङ्गयावकृष्वे |
| लिङ्गयावकार-चक्र | लिङ्गयावकृव | लिङ्गयावकृम | लिङ्गयावक्रे | लिङ्गयावकृवहे | लिङ्गयावकृमहे |
| लिङ्गयावभूव | लिङ्गयामास | | लिङ्गयावभूव | लिङ्गयामास | |
| आ० लिङ्गयात् | लिङ्गयास्ताम् | लिङ्गयासुः | आ० लिङ्गयिषीष्ट | लिङ्गयिषीयास्ताम् | लिङ्गयिषीरन् |
| लिङ्गयाः | लिङ्गयास्तम् | लिङ्गयास्त | लिङ्गयिषीष्ठाः | लिङ्गयिषीयास्थाम् | लिङ्गयिषीह्वम् |
| लिङ्गयासम् | लिङ्गयास्व | लिङ्गयास्म | | | ष्वम् |
| श्र० लिङ्गयिता | लिङ्गयितारौ | लिङ्गयितारः | लिङ्गयिषीय | लिङ्गयिषीवहि | लिङ्गयिषीमहि |
| लिङ्गयितासि | लिङ्गयितास्यः | लिङ्गयितास्य | श्र० लिङ्गयिता | लिङ्गयितारौ | लिङ्गयितारः |
| लिङ्गयितास्मि | लिङ्गयितास्यः | लिङ्गयितास्यः | लिङ्गयितासे | लिङ्गयितास्ये | लिङ्गयितास्ये |
| | लिङ्गयितास्यः | लिङ्गयितास्यः | लिङ्गयिताहे | लिङ्गयितास्यहे | लिङ्गयितास्यहे |
| म० लिङ्गयिष्यति | लिङ्गयिष्यतः | लिङ्गयिष्यन्ति | म० लिङ्गयिष्यते | लिङ्गयिष्येते | लिङ्गयिष्यन्ते |
| लिङ्गयिष्यसि | लिङ्गयिष्यथः | लिङ्गयिष्यथ | लिङ्गयिष्यसे | लिङ्गयिष्येथे | लिङ्गयिष्यन्थे |
| लिङ्गयिष्यामि | लिङ्गयिष्यावः | लिङ्गयिष्यामः | लिङ्गयिष्ये | लिङ्गयिष्यावहे | लिङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० अलिङ्गयिष्यत् | अलिङ्गयिष्यताम् | अलिङ्गयिष्यन् | क्रि० अलिङ्गयिष्यत | अलिङ्गयिष्येताम् | अलिङ्गयिष्यन्त |
| अलिङ्गयिष्यः | अलिङ्गयिष्यतम् | अलिङ्गयिष्यत | अलिङ्गयिष्यथाः | अलिङ्गयिष्येथाम् | अलिङ्गयिष्यष्वम् |
| अलिङ्गयिष्यम् | अलिङ्गयिष्याव | अलिङ्गयिष्याम | अलिङ्गयिष्ये | अलिङ्गयिष्यावहि | अलिङ्गयिष्यामहि |

91 त्वग् (त्वङ्ग्) कम्पने च ।

चकाराद्गन्तौ

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|------------------|
| व० | त्वङ्गयति | त्वङ्गयतः | त्वङ्गयन्ति |
| | त्वङ्गयसि | त्वङ्गयथः | त्वङ्गयथ |
| | त्वङ्गयामि | त्वङ्गयावः | त्वङ्गयामः |
| स० | त्वङ्गयेत् | त्वङ्गयेताम् | त्वङ्गयेयुः |
| | त्वङ्गयेः | त्वङ्गयेताम् | त्वङ्गयेत |
| | त्वङ्गयेयम् | त्वङ्गयेव | त्वङ्गयेम |
| प० | त्वङ्गयतु | त्वङ्गयतात् | त्वङ्गयताम् |
| | त्वङ्गय | त्वङ्गयतात् | त्वङ्गयतम् |
| | त्वङ्गयानि | त्वङ्गयाव | त्वङ्गयाम |
| ह्य० | अत्वङ्गयत् | अत्वङ्गयताम् | अत्वङ्गयन् |
| | अत्वङ्गयः | अत्वङ्गयतम् | अत्वङ्गयत |
| | अत्वङ्गयम् | अत्वङ्गयाव | अत्वङ्गयाम |
| अ० | अतत्वङ्गत् | अतत्वङ्गताम् | अतत्वङ्गन् |
| | अतत्वङ्गः | अतत्वङ्गतम् | अतत्वङ्गत |
| | अतत्वङ्गम् | अतत्वङ्गाव | अतत्वङ्गाम |
| प० | त्वङ्गयाश्चकार | त्वङ्गयाश्चक्रुः | त्वङ्गयाश्चक्रुः |
| | त्वङ्गयाश्चकथं | त्वङ्गयाश्चक्रुः | त्वङ्गयाश्चक्रुः |
| | त्वङ्गयाश्चकार-चकर | त्वङ्गयाश्चक्रुव | त्वङ्गयाश्चक्रुम |
| | त्वङ्गयाम्बभूव । | त्वङ्गयामास | |
| आ० | त्वङ्गयात् | त्वङ्गयास्ताम् | त्वङ्गयामुः |
| | त्वङ्गयाः | त्वङ्गयास्ताम् | त्वङ्गयास्त |
| | त्वङ्गयासम् | त्वङ्गयास्व | त्वङ्गयास्म |
| श्व० | त्वङ्गयिता | त्वङ्गयितारौ | त्वङ्गयितारः |
| | त्वङ्गयितासि | त्वङ्गयितास्यः | त्वङ्गयितास्य |
| | त्वङ्गयितास्मि | त्वङ्गयितास्वः | त्वङ्गयितास्मः |
| भ० | त्वङ्गयिष्यति | त्वङ्गयिष्यतः | त्वङ्गयिष्यन्ति |
| | त्वङ्गयिष्यसि | त्वङ्गयिष्यथः | त्वङ्गयिष्यथ |
| | त्वङ्गयिष्यामि | त्वङ्गयिष्यावः | त्वङ्गयिष्यामः |
| क्रि० | अत्वङ्गयिष्यत् | अत्वङ्गयिष्यताम् | अत्वङ्गयिष्यन् |
| | अत्वङ्गयिष्यः | अत्वङ्गयिष्यतम् | अत्वङ्गयिष्यत |
| | अत्वङ्गयिष्यम् | अत्वङ्गयिष्याव | अत्वङ्गयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|--------------------|-------------------|
| व० | त्वङ्गयते | त्वङ्गयेते | त्वङ्गयन्ते |
| | त्वङ्गयसे | त्वङ्गयथे | त्वङ्गयथ्वे |
| | त्वङ्गये | त्वङ्गयावहे | त्वङ्गयामहे |
| स० | त्वङ्गयेत | त्वङ्गयेयाताम् | त्वङ्गयेरन् |
| | त्वङ्गयेथाः | त्वङ्गयेयाथाम् | त्वङ्गयेथ्वम् |
| | त्वङ्गयेय | त्वङ्गयेवहि | त्वङ्गयेमहि |
| प० | त्वङ्गयताम् | त्वङ्गयेताम् | त्वङ्गयन्ताम् |
| | त्वङ्गयस्व | त्वङ्गयेथाम् | त्वङ्गयथ्वम् |
| | त्वङ्गये | त्वङ्गयावहे | त्वङ्गयामहे |
| ह्य० | अत्वङ्गयत | अत्वङ्गयेताम् | अत्वङ्गयन्त |
| | अत्वङ्गयथाः | अत्वङ्गयेथाम् | अत्वङ्गयथ्वम् |
| | अत्वङ्गये | अत्वङ्गयावहि | अत्वङ्गयामहि |
| अ० | अतत्वङ्गत् | अतत्वङ्गेताम् | अतत्वङ्गन्त |
| | अतत्वङ्गथाः | अतत्वङ्गेथाम् | अतत्वङ्गथ्वम् |
| | अतत्वङ्ग | अतत्वङ्गावहि | अतत्वङ्गामहि |
| प० | त्वङ्गयाञ्चक्रे | त्वङ्गयाञ्चकते | त्वङ्गयाञ्चकिरे |
| | त्वङ्गयाञ्चकृवे | त्वङ्गयाञ्चकृथे | त्वङ्गयाञ्चकृथ्वे |
| | त्वङ्गयाञ्चक्रे | त्वङ्गयाञ्चकृवहे | त्वङ्गयाञ्चकृमहे |
| | त्वङ्गयाम्बभूव । | त्वङ्गयामास | |
| आ० | त्वङ्गयिषीष्ट | त्वङ्गयिषीयास्ताम् | त्वङ्गयिषीरन् |
| | त्वङ्गयिषीष्टाः | त्वङ्गयिषीयास्थाम् | त्वङ्गयिषीथ्वम् |
| | त्वङ्गयिषीय | त्वङ्गयिषीवहि | त्वङ्गयिषीमहि |
| श्व० | त्वङ्गयिता | त्वङ्गयितारौ | त्वङ्गयितारः |
| | त्वङ्गयितासे | त्वङ्गयितासाथे | त्वङ्गयिताथ्वे |
| | त्वङ्गयिताहे | त्वङ्गयितास्वहे | त्वङ्गयितास्महे |
| भ० | त्वङ्गयिष्यते | त्वङ्गयिष्यते | त्वङ्गयिष्यन्ते |
| | त्वङ्गयिष्यसे | त्वङ्गयिष्यथे | त्वङ्गयिष्यथ्वे |
| | त्वङ्गयिष्ये | त्वङ्गयिष्यावहे | त्वङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० | अत्वङ्गयिष्यत् | अत्वङ्गयिष्येताम् | अत्वङ्गयिष्यन्त |
| | अत्वङ्गयिष्यथाः | अत्वङ्गयिष्येथाम् | अत्वङ्गयिष्यथ्वम् |
| | अत्वङ्गयिष्ये | अत्वङ्गयिष्यावहि | अत्वङ्गयिष्यामहि |

92 युग् (युङ्ग्) वर्जने ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० युङ्गयति | युङ्गयतः | युङ्गयन्ति |
| युङ्गयसि | युङ्गयथः | युङ्गयथ |
| युङ्गयामि | युङ्गयावः | युङ्गयामः |
| स० युङ्गयेत् | युङ्गयेताम् | युङ्गयेयुः |
| युङ्गयेः | युङ्गयेतम् | युङ्गयेत |
| युङ्गयेयम् | युङ्गयेव | युङ्गयेम |
| प० युङ्गयतु | युङ्गयतात् | युङ्गयताम् |
| युङ्गय | युङ्गयतम् | युङ्गयत |
| युङ्गयानि | युङ्गयाव | युङ्गयाम |
| ह्य० अयुङ्गयत् | अयुङ्गयताम् | अयुङ्गयन् |
| अयुङ्गयः | अयुङ्गयतम् | अयुङ्गयत |
| अयुङ्गयाम् | अयुङ्गयाव | अयुङ्गयाम |
| अ० अयुङ्गयत् | अयुङ्गयताम् | अयुङ्गयन् |
| अयुङ्गयः | अयुङ्गयतम् | अयुङ्गयत |
| अयुङ्गयाम् | अयुङ्गयाव | अयुङ्गयाम |
| प० युङ्गयाञ्चकार | युङ्गयाञ्चकतुः | युङ्गयाञ्चकुः |
| युङ्गयाञ्चकथं | युङ्गयाञ्चकथुः | युङ्गयाञ्चक |
| युङ्गयाञ्चकार-चकर | युङ्गयाञ्चकृव | युङ्गयाञ्चकृम |
| युङ्गयाम्बभूव । | युङ्गयामास | |
| आ० युङ्गयात् | युङ्गयास्ताम् | युङ्गयामुः |
| युङ्गयाः | युङ्गयास्तम् | युङ्गयास्त |
| युङ्गयासम् | युङ्गयास्व | युङ्गयास्म |
| श्व० युङ्गयिता | युङ्गयितारौ | युङ्गयितारः |
| युङ्गयितासि | युङ्गयितास्थः | युङ्गयितास्थ |
| युङ्गयितास्मि | युङ्गयितास्वः | युङ्गयितास्मः |
| भ० युङ्गयिष्यति | युङ्गयिष्यतः | युङ्गयिष्यन्ति |
| युङ्गयिष्यसि | युङ्गयिष्यथः | युङ्गयिष्यथ |
| युङ्गयिष्यामि | युङ्गयिष्यावः | युङ्गयिष्यामः |
| क्रि० अयुङ्गयिष्यत् | अयुङ्गयिष्यताम् | अयुङ्गयिष्यन् |
| अयुङ्गयिष्यः | अयुङ्गयिष्यतम् | अयुङ्गयिष्यत |
| अयुङ्गयिष्यम् | अयुङ्गयिष्याव | अयुङ्गयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० युङ्गयते | युङ्गयेते | युङ्गयन्ते |
| युङ्गयसे | युङ्गयेथे | युङ्गयन्वे |
| युङ्गये | युङ्गयावहे | युङ्गयामहे |
| स० युङ्गयेत | युङ्गयेयाताम् | युङ्गयेरन् |
| युङ्गयेथाः | युङ्गयेयाथाम् | युङ्गयेध्वम् |
| युङ्गयेय | युङ्गयेवहि | युङ्गयेमहि |
| प० युङ्गयताम् | युङ्गयेताम् | युङ्गयन्ताम् |
| युङ्गयस्व | युङ्गयेथाम् | युङ्गयध्वम् |
| युङ्गये | युङ्गयावह | युङ्गयामह |
| ह्य० अयुङ्गयत | अयुङ्गयेताम् | अयुङ्गयन्त |
| अयुङ्गयथाः | अयुङ्गयेथाम् | अयुङ्गयध्वम् |
| अयुङ्गये | अयुङ्गयावहि | अयुङ्गयामहि |
| अ० अयुङ्गयत | अयुङ्गयेताम् | अयुङ्गयन्त |
| अयुङ्गयथाः | अयुङ्गयेथाम् | अयुङ्गयध्वम् |
| अयुङ्गये | अयुङ्गयावहि | अयुङ्गयामहि |
| प० युङ्गयाञ्चके | युङ्गयाञ्चकाते | युङ्गयाञ्चकिरे |
| युङ्गयाञ्चकृते | युङ्गयाञ्चकाये | युङ्गयाञ्चकृवहे |
| युङ्गयाञ्चके | युङ्गयाञ्चकृवहे | युङ्गयाञ्चकृमहे |
| युङ्गयाम्बभूव । | युङ्गयामास | |
| आ० युङ्गयिषीष्ट | युङ्गयिषीयास्ताम् | युङ्गयिषीरन् |
| युङ्गयिषीष्ठाः | युङ्गयिषीयास्थाम् | युङ्गयिषीह्वम् |
| युङ्गयिषीय | युङ्गयिषीवहि | युङ्गयिषीमहि |
| श्व० युङ्गयिता | युङ्गयितारौ | युङ्गयितारः |
| युङ्गयितासे | युङ्गयितासाथे | युङ्गयिताध्वे |
| युङ्गयिताहे | युङ्गयितास्वहे | युङ्गयितास्महे |
| भ० युङ्गयिष्यते | युङ्गयिष्येते | युङ्गयिष्यन्ते |
| युङ्गयिष्यसे | युङ्गयिष्येथे | युङ्गयिष्यन्वे |
| युङ्गयिष्ये | युङ्गयिष्यावहे | युङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० अयुङ्गयिष्यत | अयुङ्गयिष्येताम् | अयुङ्गयिष्यन्त |
| अयुङ्गयिष्यथाः | अयुङ्गयिष्येथाम् | अयुङ्गयिष्यध्वम् |
| अयुङ्गयिष्ये | अयुङ्गयिष्यावहि | अयुङ्गयिष्यामहि |

93 जुगु (जुङ्ग) वर्जने ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| व० | जुङ्गयति | जुङ्गयतः | जुङ्गयन्ति |
| | जुङ्गयसि | जुङ्गयथः | जुङ्गयथ |
| | जुङ्गयामि | जुङ्गयावः | जुङ्गयामः |
| स० | जुङ्गयेत् | जुङ्गयेताम् | जुङ्गयेयुः |
| | जुङ्गयेः | जुङ्गयेतम् | जुङ्गयेत |
| | जुङ्गयेयम् | जुङ्गयेव | जुङ्गयेम |
| प० | जुङ्गयतु | जुङ्गयतात् | जुङ्गयताम् |
| | जुङ्गय | जुङ्गयतम् | जुङ्गयत |
| | जुङ्गयानि | जुङ्गयाव | जुङ्गयाम |
| ल्य० | अजुङ्गयत् | अजुङ्गयताम् | अजुङ्गयन् |
| | अजुङ्गयः | अजुङ्गयतम् | अजुङ्गयत |
| | अजुङ्गयम् | अजुङ्गयाव | अजुङ्गयाम |
| भ० | अजुङ्गयत् | अजुङ्गयताम् | अजुङ्गयन् |
| | अजुङ्गयः | अजुङ्गयतम् | अजुङ्गयत |
| | अजुङ्गयम् | अजुङ्गयाव | अजुङ्गयाम |
| प० | जुङ्गयाश्चकार | जुङ्गयाश्चकतुः | जुङ्गयाश्चकुः |
| | जुङ्गयाश्चकर्त्तुं | जुङ्गयाश्चकथुः | जुङ्गयाश्चक |
| | जुङ्गयाश्चकार-चकर | जुङ्गयाश्चकृष | जुङ्गयाश्चकृम |
| | जुङ्गयाम्बभूव । | जुङ्गयामास | |
| आ० | जुङ्गयात् | जुङ्गयास्ताम् | जुङ्गयासुः |
| | जुङ्गयाः | जुङ्गयास्तम् | जुङ्गयास्त |
| | जुङ्गयासम् | जुङ्गयास्व | जुङ्गयास्म |
| श्व० | जुङ्गयिता | जुङ्गयितारौ | जुङ्गयितारः |
| | जुङ्गयितासि | जुङ्गयितास्थः | जुङ्गयितास्थ |
| | जुङ्गयितास्मि | जुङ्गयितास्वः | जुङ्गयितास्मः |
| भ० | जुङ्गयिष्यति | जुङ्गयिष्यतः | जुङ्गयिष्यन्ति |
| | जुङ्गयिष्यसि | जुङ्गयिष्यथः | जुङ्गयिष्यथ |
| | जुङ्गयिष्यामि | जुङ्गयिष्यावः | जुङ्गयिष्यामः |
| क्रि० | अजुङ्गयिष्यत् | अजुङ्गयिष्यताम् | अजुङ्गयिष्यन् |
| | अजुङ्गयिष्यः | अजुङ्गयिष्यतम् | अजुङ्गयिष्यत |
| | अजुङ्गयिष्यम् | अजुङ्गयिष्याव | अजुङ्गयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|-------------------|------------------|
| व० | जुङ्गयते | जुङ्गयेते | जुङ्गयन्ते |
| | जुङ्गयसे | जुङ्गयेथे | जुङ्गयन्थे |
| | जुङ्गये | जुङ्गयावहे | जुङ्गयामहे |
| स० | जुङ्गयेत | जुङ्गयेयाताम् | जुङ्गयेरन् |
| | जुङ्गयेथाः | जुङ्गयेयाथाम् | जुङ्गयेष्वम् |
| | जुङ्गयेय | जुङ्गयेवहि | जुङ्गयेमहि |
| प० | जुङ्गयताम् | जुङ्गयेताम् | जुङ्गयन्ताम् |
| | जुङ्गयस्व | जुङ्गयेथाम् | जुङ्गयष्वम् |
| | जुङ्गयै | जुङ्गयावहै | जुङ्गयामहै |
| ल्य० | अजुङ्गयत | अजुङ्गयेताम् | अजुङ्गयन्त |
| | अजुङ्गयथाः | अजुङ्गयेथाम् | अजुङ्गयष्वम् |
| | अजुङ्गये | अजुङ्गयावहि | अजुङ्गयामहि |
| अ० | अजुङ्गयत | अजुङ्गयेताम् | अजुङ्गयन्त |
| | अजुङ्गयथाः | अजुङ्गयेथाम् | अजुङ्गयष्वम् |
| | अजुङ्गये | अजुङ्गयावहि | अजुङ्गयामहि |
| प० | जुङ्गयाश्चके | जुङ्गयाश्चकाते | जुङ्गयाश्चकिरे |
| | जुङ्गयाश्चकृषे | जुङ्गयाश्चकाथे | जुङ्गयाश्चकृद्वे |
| | जुङ्गयाश्चके | जुङ्गयाश्चकृवहे | जुङ्गयाश्चकृमहे |
| | जुङ्गयाम्बभूव । | जुङ्गयामास | |
| आ० | जुङ्गयिषीष्ट | जुङ्गयिषीयास्ताम् | जुङ्गयिषीरन् |
| | जुङ्गयिषीष्टाः | जुङ्गयिषीयास्थाम् | जुङ्गयिषीद्वम् |
| | जुङ्गयिषीय | जुङ्गयिषीवहि | जुङ्गयिषीमहि |
| श्व० | जुङ्गयिता | जुङ्गयितारौ | जुङ्गयितारः |
| | जुङ्गयितासे | जुङ्गयितासाथे | जुङ्गयितान्थे |
| | जुङ्गयिताहे | जुङ्गयितास्वहे | जुङ्गयितास्महे |
| भ० | जुङ्गयिष्यते | जुङ्गयिष्येते | जुङ्गयिष्यन्ते |
| | जुङ्गयिष्यसे | जुङ्गयिष्येथे | जुङ्गयिष्यन्थे |
| | जुङ्गयिष्ये | जुङ्गयिष्यावहे | जुङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० | अजुङ्गयिष्यत | अजुङ्गयिष्यताम् | अजुङ्गयिष्यन्त |
| | अजुङ्गयिष्यथाः | अजुङ्गयिष्येथाम् | अजुङ्गयिष्यष्वम् |
| | अजुङ्गयिष्ये | अजुङ्गयिष्यावहि | अजुङ्गयिष्यामहि |

94 वुग (वुङ्ग) वर्जने ।

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------------|
| व० वुङ्गयति | वुङ्गयतः | वुङ्गयन्ति |
| वुङ्गयसि | वुङ्गयथः | वुङ्गयथ |
| वुङ्गयामि | वुङ्गयावः | वुङ्गयामः |
| स० वुङ्गयेत् | वुङ्गयेताम् | वुङ्गयेयुः |
| वुङ्गयेः | वुङ्गयेतम् | वुङ्गयेत |
| वुङ्गयेयम् | वुङ्गयेव | वुङ्गयेम |
| प० वुङ्गयतु | वुङ्गयतात् | वुङ्गयताम् वुङ्गयन्तु |
| वुङ्गय | वुङ्गयतम् | वुङ्गयत |
| वुङ्गयानि | वुङ्गयाव | वुङ्गयाम |
| ह्य० अवुङ्गयत् | अवुङ्गयताम् | अवुङ्गयन् |
| अवुङ्गयः | अवुङ्गयतम् | अवुङ्गयत |
| अवुङ्गयम् | अवुङ्गयाव | अवुङ्गयाम |
| अ० अवुङ्गत् | अवुङ्गताम् | अवुङ्गन् |
| अवुङ्गः | अवुङ्गतम् | अवुङ्गत |
| अवुङ्गम् | अवुङ्गाव | अवुङ्गाम |
| प० वुङ्गयाञ्चकार | वुङ्गयाञ्चक्रुः | वुङ्गयाञ्चकुः |
| वुङ्गयाञ्चकथं | वुङ्गयाञ्चकथुः | वुङ्गयाञ्च क |
| वुङ्गयाञ्चकर-चकर | वुङ्गयाञ्चकृव | वुङ्गयाञ्चकृम |
| वुङ्गयाम्बभूव । | वुङ्गयामास | |
| आ० वुङ्गयात् | वुङ्गयास्ताम् | वुङ्गयासुः |
| वुङ्गयाः | वुङ्गयास्ताम् | वुङ्गयास्त |
| वुङ्गयासम् | वुङ्गयास्व | वुङ्गयास्म |
| श्व० वुङ्गयिता | वुङ्गयितारौ | वुङ्गयितारः |
| वुङ्गयितासि | वुङ्गयितास्यः | वुङ्गयितास्य |
| वुङ्गयितास्मि | वुङ्गयितास्वः | वुङ्गयितास्मः |
| भ० वुङ्गयिष्यति | वुङ्गयिष्यतः | वुङ्गयिष्यन्ति |
| वुङ्गयिष्यसि | वुङ्गयिष्यथः | वुङ्गयिष्यथ |
| वुङ्गयिष्यामि | वुङ्गयिष्यावः | वुङ्गयिष्यामः |
| क्रि० अवुङ्गयिष्यत् | अवुङ्गयिष्यताम् | अवुङ्गयिष्यन् |
| अवुङ्गयिष्यः | अवुङ्गयिष्यतम् | अवुङ्गयिष्यत |
| अवुङ्गयिष्यम् | अवुङ्गयिष्याव | अवुङ्गयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० वुङ्गयते | वुङ्गयेते | वुङ्गयन्ते |
| वुङ्गयसे | वुङ्गयेथे | वुङ्गयध्वे |
| वुङ्गये | वुङ्गयावहे | वुङ्गयामहे |
| स० वुङ्गयेत | वुङ्गयेयाताम् | वुङ्गयेरन् |
| वुङ्गयेथाः | वुङ्गयेयाथाम् | वुङ्गयेध्वम् |
| वुङ्गयेय | वुङ्गयेवहि | वुङ्गयेमहि |
| प० वुङ्गयताम् | वुङ्गयेताम् | वुङ्गयन्ताम् |
| वुङ्गयस्व | वुङ्गयेथाम् | वुङ्गयध्वम् |
| वुङ्गये | वुङ्गयावहे | वुङ्गयामहे |
| ह्य० अवुङ्गयत | अवुङ्गयेताम् | अवुङ्गयन्त |
| अवुङ्गयथाः | अवुङ्गयेथाम् | अवुङ्गयध्वम् |
| अवुङ्गये | अवुङ्गयावहि | अवुङ्गयामहि |
| अ० अवुङ्गत् | अवुङ्गताम् | अवुङ्गन्त |
| अवुङ्गथाः | अवुङ्गथाम् | अवुङ्गध्वम् |
| अवुङ्गे | अवुङ्गावहि | अवुङ्गामहि |
| प० वुङ्गयाञ्चके | वुङ्गयाञ्चकाते | वुङ्गयाञ्चकिरे |
| वुङ्गयाञ्चकृषे | वुङ्गयाञ्चकाथे | वुङ्गयाञ्चकृद्वे |
| वुङ्गयाञ्चके | वुङ्गयाञ्चकृवहे | वुङ्गयाञ्चकृमहे |
| वुङ्गयाम्बभूव । | वुङ्गयामास | |
| आ० वुङ्गयिषीष्ट | वुङ्गयिषीयास्ताम् | वुङ्गयिषीरन् |
| वुङ्गयिषीष्ठाः | वुङ्गयिषीयास्थाम् | वुङ्गयिषीद्वम् |
| वुङ्गयिषीय | वुङ्गयिषीवहि | वुङ्गयिषीमहि |
| श्व० वुङ्गयिता | वुङ्गयितारौ | वुङ्गयितारः |
| वुङ्गयितासे | वुङ्गयितासाथे | वुङ्गयिताध्वे |
| वुङ्गयिताहे | वुङ्गयितास्वहे | वुङ्गयितास्महे |
| भ० वुङ्गयिष्यते | वुङ्गयिष्येते | वुङ्गयिष्यन्ते |
| वुङ्गयिष्यसे | वुङ्गयिष्येथे | वुङ्गयिष्यध्वे |
| वुङ्गयिष्ये | वुङ्गयिष्यावहे | वुङ्गयिष्यामहे |
| क्रि० अवुङ्गयिष्यत् | अवुङ्गयिष्येताम् | अवुङ्गयिष्यन्त |
| अवुङ्गयिष्यथाः | अवुङ्गयिष्येथाम् | अवुङ्गयिष्यध्वम् |
| अवुङ्गयिष्ये | अवुङ्गयिष्यावहि | अवुङ्गयिष्यामहि |

98 मघु (मङ्घ्) मण्डने । इतिकेचित्

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | मङ्घयति | मङ्घयतः | मङ्घयन्ति |
| | मङ्घयसि | मङ्घयथः | मङ्घयथ |
| | मङ्घयामि | मङ्घयावः | मङ्घयामः |
| स० | मङ्घयेत् | मङ्घयेताम् | मङ्घयेयुः |
| | मङ्घयेः | मङ्घयेतम् | मङ्घयेत |
| | मङ्घयेयम् | मङ्घयेव | मङ्घयेम |
| प० | मङ्घयतु | मङ्घयतात् | मङ्घयन्तु |
| | मङ्घय | मङ्घयतम् | मङ्घयत |
| | मङ्घयानि | मङ्घयाव | मङ्घयाम |
| ह्य० | अमङ्घयत् | अमङ्घयताम् | अमङ्घयन् |
| | अमङ्घयः | अमङ्घयतम् | अमङ्घयत |
| | अमङ्घयम् | अमङ्घयाव | अमङ्घयाम |
| अ० | अममङ्घत् | अममङ्घताम् | अममङ्घन् |
| | अममङ्घः | अममङ्घतम् | अममङ्घत |
| | अममङ्घम् | अममङ्घव | अममङ्घाम |
| प० | मङ्घयाश्चकार | मङ्घयाश्चकतुः | मङ्घयाश्चक्रुः |
| | मङ्घयाश्चकर्थं | मङ्घयाश्चकथुः | मङ्घयाश्चक्र |
| | मङ्घयाश्चकार-चकर | मङ्घयाश्चकृव | मङ्घयाश्चकृम |
| | मङ्घयाम्बभूव | मङ्घयामास | |
| आ० | मङ्घयात् | मङ्घयास्ताम् | मङ्घयासुः |
| | मङ्घयाः | मङ्घयास्तम् | मङ्घयास्त |
| | मङ्घयासम् | मङ्घयास्व | मङ्घयासम |
| श्व० | मङ्घयिता | मङ्घयितारौ | मङ्घयितारः |
| | मङ्घयितासि | मङ्घयितास्थः | मङ्घयितास्थ |
| | मङ्घयितास्मि | मङ्घयितास्वः | मङ्घयितास्मः |
| ग० | मङ्घयिष्यति | मङ्घयिष्यतः | मङ्घयिष्यन्ति |
| | मङ्घयिष्यसि | मङ्घयिष्यथः | मङ्घयिष्यथ |
| | मङ्घयिष्यामि | मङ्घयिष्यावः | मङ्घयिष्यामः |
| क्रि० | अमङ्घयिष्यत् | अमङ्घयिष्यताम् | अमङ्घयिष्यन् |
| | अमङ्घयिष्यः | अमङ्घयिष्यतम् | अमङ्घयिष्यत |
| | अमङ्घयिष्यम् | अमङ्घयिष्याव | अमङ्घयिष्याम |

| | | | |
|------|---------------|----------------|-----------------|
| व० | मङ्घयेते | मङ्घयेते | मङ्घयन्ते |
| | मङ्घयसे | मङ्घयेथे | मङ्घयध्वे |
| | मङ्घये | मङ्घयावहे | मङ्घयामहे |
| स० | मङ्घयेत | मङ्घयेयाताम् | मङ्घयेरन् |
| | मङ्घयेथाः | मङ्घयेयाथाम् | मङ्घयेध्वम् |
| | मङ्घयेय | मङ्घयेवहि | मङ्घयेमहि |
| प० | मङ्घयेताम् | मङ्घयेताम् | मङ्घयन्ताम् |
| | मङ्घयेस्व | मङ्घयेथाम् | मङ्घयेध्वम् |
| | मङ्घये | मङ्घयावहे | मङ्घयामहे |
| ह्य० | अमङ्घयत | अमङ्घयेताम् | अमङ्घयन्त |
| | अमङ्घयेथाः | अमङ्घयेथाम् | अमङ्घयेध्वम् |
| | अमङ्घये | अमङ्घयावहि | अमङ्घयामहि |
| अ० | अममङ्घेत | अममङ्घेताम् | अममङ्घन्त |
| | अममङ्घेथाः | अममङ्घेथाम् | अममङ्घेध्वम् |
| | अममङ्घे | अममङ्घावहि | अममङ्घामहि |
| प० | मङ्घयाश्चक्रे | मङ्घयाश्चकाते | मङ्घयाश्चकिरे |
| | मङ्घयाश्चकृषे | मङ्घयाश्चकाथे | मङ्घयाश्चकृध्वे |
| | मङ्घयाश्चक्रे | मङ्घयाश्चकृवहे | मङ्घयाश्चकृमहे |

मङ्घयाम्बभूव । मङ्घयामास

आ० मङ्घयिषीष्ट मङ्घयिषीयास्ताम् मङ्घयिषीरन्
मङ्घयिषीष्टाः मङ्घयिषीयास्थाम् मङ्घयिषीध्वम्

मङ्घयिषीय मङ्घयिषीवहि मङ्घयिषीमहि

श्व० मङ्घयिता मङ्घयितारौ मङ्घयितारः
मङ्घयितासे मङ्घयितासाथे मङ्घयिताध्वे
मङ्घयिताहे मङ्घयितास्वहे मङ्घयितास्महे

ग० मङ्घयिष्यते मङ्घयिष्येत मङ्घयिष्यन्ते
मङ्घयिष्यसे मङ्घयिष्येथे मङ्घयिष्यध्वे
मङ्घयिष्ये मङ्घयिष्यावहे मङ्घयिष्यामहे

क्रि० अमङ्घयिष्यत अमङ्घयिष्यताम् अमङ्घयिष्यन्त
अमङ्घयिष्यथाः अमङ्घयिष्येथाम् अमङ्घयिष्यध्वम्
अमङ्घयिष्ये अमङ्घयिष्यावहि अमङ्घयिष्यामहि

96 दधु (दङ्घू) पालने ।

| | | | |
|-------|--------------------|----------------|----------------|
| व० | दङ्घयति | दङ्घयतः | दङ्घयन्ति |
| | दङ्घयसि | दङ्घयथः | दङ्घयथ |
| | दङ्घयामि | दङ्घयावः | दङ्घयामः |
| स० | दङ्घयेत् | दङ्घयेताम् | दङ्घयेयुः |
| | दङ्घयेः | दङ्घयेतम् | दङ्घयेत |
| | दङ्घयेयम् | दङ्घयेव | दङ्घयेम |
| प० | दङ्घयतु | दङ्घयतात् | दङ्घयताम् |
| | दङ्घय | दङ्घयतम् | दङ्घयत |
| | दङ्घयानि | दङ्घयाव | दङ्घयाम |
| ह्य० | अदङ्घयत् | अदङ्घयताम् | अदङ्घयन् |
| | अदङ्घयः | अदङ्घयतम् | अदङ्घयत |
| | अदङ्घयम् | अदङ्घयाव | अदङ्घयाम |
| अ० | अदङ्घेत् | अदङ्घेताम् | अदङ्घेयुः |
| | अदङ्घेः | अदङ्घेतम् | अदङ्घेत |
| | अदङ्घेयम् | अदङ्घेव | अदङ्घेम |
| प० | अदङ्घयाच्चकार | अदङ्घयाच्चकतुः | अदङ्घयाच्चकुः |
| | अदङ्घयाच्चकथं | अदङ्घयाच्चकथुः | अदङ्घयाच्चक |
| | अदङ्घयाच्चकार-चकार | अदङ्घयाच्चकृव | अदङ्घयाच्चकृम |
| | अदङ्घयाम्बभूव | अदङ्घयामास | |
| आ० | दङ्घयात् | दङ्घयास्ताम् | दङ्घयासुः |
| | दङ्घयाः | दङ्घयास्तम् | दङ्घयास्त |
| | दङ्घयासम् | दङ्घयास्व | दङ्घयास्म |
| श्व० | दङ्घयिता | दङ्घयितारौ | दङ्घयितारः |
| | दङ्घयितासि | दङ्घयितास्थः | दङ्घयितास्थ |
| | दङ्घयितास्मि | दङ्घयितास्वः | दङ्घयितास्मः |
| भ० | अदङ्घयिष्यति | अदङ्घयिष्यतः | अदङ्घयिष्यन्ति |
| | अदङ्घयिष्यसि | अदङ्घयिष्यथः | अदङ्घयिष्यथ |
| | अदङ्घयिष्यामि | अदङ्घयिष्यावः | अदङ्घयिष्यामः |
| क्रि० | अदङ्घयिष्यत् | अदङ्घयिष्यताम् | अदङ्घयिष्यन् |
| | अदङ्घयिष्यः | अदङ्घयिष्यतम् | अदङ्घयिष्यत |
| | अदङ्घयिष्यम् | अदङ्घयिष्याव | अदङ्घयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|-------------------|
| व० | दङ्घयेते | दङ्घयेते | दङ्घयन्ते |
| | दङ्घयेसे | दङ्घयेथे | दङ्घयन्थे |
| | दङ्घये | दङ्घेयावहे | दङ्घेयामहे |
| स० | दङ्घयेत | दङ्घयेयाताम् | दङ्घयेरन् |
| | दङ्घयेथाः | दङ्घयेयाथाम् | दङ्घयेष्वम् |
| | दङ्घयेथ | दङ्घयेवहि | दङ्घयेमहि |
| प० | दङ्घयेताम् | दङ्घयेताम् | दङ्घयेन्ताम् |
| | दङ्घयेस्व | दङ्घयेथाम् | दङ्घयेष्वम् |
| | दङ्घये | दङ्घेयावहे | दङ्घेयामहे |
| ह्य० | अदङ्घयेत | अदङ्घयेताम् | अदङ्घयेन्त |
| | अदङ्घयेथाः | अदङ्घयेथाम् | अदङ्घयेष्वम् |
| | अदङ्घये | अदङ्घेयावहि | अदङ्घेयामहि |
| अ० | अदङ्घेत | अदङ्घेयाताम् | अदङ्घेरन् |
| | अदङ्घेथाः | अदङ्घेयाथाम् | अदङ्घेष्वम् |
| | अदङ्घे | अदङ्घेयावहि | अदङ्घेमहि |
| प० | अदङ्घेयाच्चक्रे | अदङ्घेयाच्चकृते | अदङ्घेयाच्चकृरे |
| | अदङ्घेयाच्चकृथे | अदङ्घेयाच्चकृथे | अदङ्घेयाच्चकृत्वे |
| | अदङ्घेयाच्चक्रे | अदङ्घेयाच्चकृवहे | अदङ्घेयाच्चकृमहे |
| | अदङ्घेयाच्चकृभूव | अदङ्घेयाच्चकृमास | |
| आ० | अदङ्घयिषीष्ट | अदङ्घयिषीयास्ताम् | अदङ्घयिषीरन् |
| | अदङ्घयिषीष्टाः | अदङ्घयिषीयास्थाम् | अदङ्घयिषीद्वम् |
| | | | अदङ्घयिषीष्वम् |
| | अदङ्घयिषीष्य | अदङ्घयिषीवहि | अदङ्घयिषीमहि |
| श्व० | अदङ्घयिता | अदङ्घयितारौ | अदङ्घयितारः |
| | अदङ्घयितासे | अदङ्घयितासाथे | अदङ्घयिताष्वे |
| | अदङ्घयिताहे | अदङ्घयितास्वहे | अदङ्घयितास्महे |
| भ० | अदङ्घयिष्यते | अदङ्घयिष्येते | अदङ्घयिष्यन्ते |
| | अदङ्घयिष्यते | अदङ्घयिष्येथे | अदङ्घयिष्यन्थे |
| | अदङ्घयिष्ये | अदङ्घयिष्यावहे | अदङ्घयिष्यामहे |
| क्रि० | अदङ्घयिष्यत् | अदङ्घयिष्येताम् | अदङ्घयिष्यन्त |
| | अदङ्घयिष्यः | अदङ्घयिष्येथाम् | अदङ्घयिष्यन्थम् |
| | अदङ्घयिष्यम् | अदङ्घयिष्यावहि | अदङ्घयिष्यामहि |

१७ शिघ्र (शिङ्घ्र) आघ्राणे ।

| | | | |
|-------|----------------------|-------------------|-------------------|
| व० | शिङ्घ्रयति | शिङ्घ्रयतः | शिङ्घ्रयन्ति |
| | शिङ्घ्रयसि | शिङ्घ्रयथः | शिङ्घ्रयथ |
| | शिङ्घ्रयामि | शिङ्घ्रयावः | शिङ्घ्रयामः |
| स० | शिङ्घ्रयेत् | शिङ्घ्रयेताम् | शिङ्घ्रयेयुः |
| | शिङ्घ्रयेः | शिङ्घ्रयेतम् | शिङ्घ्रयेत |
| | शिङ्घ्रयेयम् | शिङ्घ्रयेव | शिङ्घ्रयेम |
| प० | शिङ्घ्रयतु | शिङ्घ्रयतात् | शिङ्घ्रयताम् |
| | शिङ्घ्रय | शिङ्घ्रयतम् | शिङ्घ्रयत |
| | शिङ्घ्रयानि | शिङ्घ्रयाव | शिङ्घ्रयाम |
| ह्य० | अशिङ्घ्रयत् | अशिङ्घ्रयताम् | अशिङ्घ्रयन् |
| | अशिङ्घ्रयः | अशिङ्घ्रयतम् | अशिङ्घ्रयत |
| | अशिङ्घ्रयम् | अशिङ्घ्रयाव | अशिङ्घ्रयाम |
| अ० | अशिङ्घ्रयत् | अशिङ्घ्रयताम् | अशिङ्घ्रयन्त |
| | अशिङ्घ्रयः | अशिङ्घ्रयतम् | अशिङ्घ्रयत |
| | अशिङ्घ्रयम् | अशिङ्घ्रयाव | अशिङ्घ्रयाम |
| प० | शिङ्घ्रयाश्चकार | शिङ्घ्रयाश्चक्रुः | शिङ्घ्रयाश्चक्रुः |
| | शिङ्घ्रयाश्चकर्थ | शिङ्घ्रयाश्चक्रुः | शिङ्घ्रयाश्चक्रुः |
| | शिङ्घ्रयाश्चकार-चक्र | शिङ्घ्रयाश्चक्रव | शिङ्घ्रयाश्चक्रम |
| | शिङ्घ्रयाम्बभूव | शिङ्घ्रयामास | |
| आ० | शिङ्घ्रयात् | शिङ्घ्रयास्ताम् | शिङ्घ्रयासुः |
| | शिङ्घ्रयाः | शिङ्घ्रयास्तम् | शिङ्घ्रयास्त |
| | शिङ्घ्रयासम् | शिङ्घ्रयास्व | शिङ्घ्रयास्म |
| श्व० | शिङ्घ्रयिता | शिङ्घ्रयितारौ | शिङ्घ्रयितारः |
| | शिङ्घ्रयितासि | शिङ्घ्रयितास्थः | शिङ्घ्रयितास्थ |
| | शिङ्घ्रयितास्मि | शिङ्घ्रयितास्वः | शिङ्घ्रयितास्मः |
| भ० | शिङ्घ्रयिष्यति | शिङ्घ्रयिष्यतः | शिङ्घ्रयिष्यन्ति |
| | शिङ्घ्रयिष्यासि | शिङ्घ्रयिष्यथः | शिङ्घ्रयिष्यथ |
| | शिङ्घ्रयिष्यामि | शिङ्घ्रयिष्यावः | शिङ्घ्रयिष्यामः |
| क्रि० | अशिङ्घ्रयिष्यत् | अशिङ्घ्रयिष्यताम् | अशिङ्घ्रयिष्यन् |
| | अशिङ्घ्रयिष्यः | अशिङ्घ्रयिष्यतम् | अशिङ्घ्रयिष्यत |
| | अशिङ्घ्रयिष्यम् | अशिङ्घ्रयिष्याव | अशिङ्घ्रयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------------|-----------------------|-----------------------|
| व० | शिङ्घ्रयेते | शिङ्घ्रयेते | शिङ्घ्रयन्ते |
| | शिङ्घ्रयेसे | शिङ्घ्रयेथे | शिङ्घ्रयन्वे |
| | शिङ्घ्रये | शिङ्घ्रयावहे | शिङ्घ्रयामहे |
| स० | शिङ्घ्रयेत | शिङ्घ्रयेयाताम् | शिङ्घ्रयेरन् |
| | शिङ्घ्रयेथाः | शिङ्घ्रयेयाथाम् | शिङ्घ्रयेष्वम् |
| | शिङ्घ्रयेय | शिङ्घ्रयेवहि | शिङ्घ्रयेमहि |
| प० | शिङ्घ्रयेताम् | शिङ्घ्रयेताम् | शिङ्घ्रयन्ताम् |
| | शिङ्घ्रयेस्व | शिङ्घ्रयेथाम् | शिङ्घ्रयेष्वम् |
| | शिङ्घ्रये | शिङ्घ्रयावहे | शिङ्घ्रयामहे |
| ह्य० | अशिङ्घ्रयत | अशिङ्घ्रयेताम् | अशिङ्घ्रयन्त |
| | अशिङ्घ्रयथाः | अशिङ्घ्रयेथाम् | अशिङ्घ्रयेष्वम् |
| | अशिङ्घ्रये | अशिङ्घ्रयावहि | अशिङ्घ्रयामहि |
| अ० | अशिङ्घ्रयत् | अशिङ्घ्रयेताम् | अशिङ्घ्रयन्त |
| | अशिङ्घ्रयथाः | अशिङ्घ्रयेथाम् | अशिङ्घ्रयेष्वम् |
| | अशिङ्घ्रये | अशिङ्घ्रयावहि | अशिङ्घ्रयामहि |
| प० | शिङ्घ्रयाश्चक्रे | शिङ्घ्रयाश्चक्राते | शिङ्घ्रयाश्चक्रिरे |
| | शिङ्घ्रयाश्चक्रेषु | शिङ्घ्रयाश्चक्राथे | शिङ्घ्रयाश्चक्रुर्वे |
| | शिङ्घ्रयाश्चक्रे | शिङ्घ्रयाश्चक्रुर्वहे | शिङ्घ्रयाश्चक्रुर्महे |
| | शिङ्घ्रयाश्चक्रुर्भूव | शिङ्घ्रयाश्चक्रुर्मास | |
| आ० | शिङ्घ्रयिषीष्ट | शिङ्घ्रयिषीयास्ताम् | शिङ्घ्रयिषीरन् |
| | शिङ्घ्रयिषीष्टाः | शिङ्घ्रयिषीयास्थाम् | शिङ्घ्रयिषीद्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | शिङ्घ्रयिषीय | शिङ्घ्रयिषीवहि | शिङ्घ्रयिषीमहि |
| श्व० | शिङ्घ्रयिता | शिङ्घ्रयितारौ | शिङ्घ्रयितारः |
| | शिङ्घ्रयितासे | शिङ्घ्रयितासाथे | शिङ्घ्रयिताश्वे |
| | शिङ्घ्रयिताहे | शिङ्घ्रयितास्वहे | शिङ्घ्रयितास्महे |
| भ० | शिङ्घ्रयिष्यते | शिङ्घ्रयिष्येते | शिङ्घ्रयिष्यन्ते |
| | शिङ्घ्रयिष्यसे | शिङ्घ्रयिष्येथे | शिङ्घ्रयिष्यन्वे |
| | शिङ्घ्रयिष्ये | शिङ्घ्रयिष्यावहे | शिङ्घ्रयिष्यामहे |
| क्रि० | अशिङ्घ्रयिष्यत् | अशिङ्घ्रयिष्येताम् | अशिङ्घ्रयिष्यन्त |
| | अशिङ्घ्रयिष्यथाः | अशिङ्घ्रयिष्येथाम् | अशिङ्घ्रयिष्येष्वम् |
| | अशिङ्घ्रयिष्ये | अशिङ्घ्रयिष्यावहि | अशिङ्घ्रयिष्यामहि |

॥ घान्ताश्चन्वारः ॥

95 गघ (गघ्) हसने ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | गघयति | गघयतः | गघयन्ति |
| | गघयसि | गघयथः | गघयथ |
| | गघयामि | गघयावः | गघयामः |
| स० | गघयेत् | गघयेताम् | गघयेयुः |
| | गघयेः | गघयेतम् | गघयेत |
| | गघयेयम् | गघयेव | गघयेम |
| प० | गघयतु | गघयतात् | गघयताम् |
| | गघय | गघयतात् | गघयतम् |
| | गघयानि | गघयाव | गघयाम |
| ह्य० | अगघयत् | अगघयताम् | अगघयन् |
| | अगघयः | अगघयतम् | अगघयत |
| | अगघयम् | अगघयाव | अगघयाम |
| अ० | अजगघत् | अजगघताम् | अजगघन् |
| | अजगघः | अजगघतम् | अजगघत |
| | अजगघम् | अजगघाव | अजगघाम |
| प० | गघयाञ्चकार | गघयाञ्चकतुः | गघयाञ्चकुः |
| | गघयाञ्चकर्थ | गघयाञ्चकथुः | गघयाञ्चक |
| | गघयाञ्चकार-चकर | गघयाञ्चकृव | गघयाञ्चकृम |
| | गघयाञ्चभूव | गघयामास | |
| आ० | गघ्यात् | गघ्यास्ताम् | गघ्यासुः |
| | गघ्याः | गघ्यास्तम् | गघ्यास्त |
| | गघ्यासम् | गघ्यास्व | गघ्यास्म |
| श्च० | गघयिता | गघयितारौ | गघयितारः |
| | गघयितासि | गघयितास्थः | गघयितास्थ |
| | गघयितास्मि | गघयितास्वः | गघयितास्मः |
| भ० | गघयिष्यति | गघयिष्यतः | गघयिष्यन्ति |
| | गघयिष्यसि | गघयिष्यथः | गघयिष्यथ |
| | गघयिष्यामि | गघयिष्यावः | गघयिष्यामः |
| क्रि० | अगघयिष्यत् | अगघयिष्यताम् | अगघयिष्यन् |
| | अगघयिष्यः | अगघयिष्यतम् | अगघयिष्यत |
| | अगघयिष्यम् | अगघयिष्याव | अगघयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | गघयते | गघयेते | गघयन्ते |
| | गघयसे | गघयेथे | गघयध्वे |
| | गघये | गघयावहे | गघयामहे |
| स० | गघयेत् | गघयेयाताम् | गघयेरन् |
| | गघयेथाः | गघयेथाथाम् | गघयेध्वम् |
| | गघयेय | गघयेवहि | गघयेमहि |
| प० | गघयताम् | गघयेताम् | गघयन्ताम् |
| | गघयस्व | गघयेथाम् | गघयध्वम् |
| | गघये | गघयावहै | गघयामहै |
| ह्य० | अगघयत | अगघयेताम् | अगघयन्त |
| | अगघयथाः | अगघयेथाम् | अगघयध्वम् |
| | अगघये | अगघयावहि | अगघयामहि |
| अ० | अजगघत | अजगघेताम् | अजगघन्त |
| | अजगघथाः | अजगघेथाम् | अजगघध्वम् |
| | अजगघे | अजगघावहि | अजगघामहि |
| प० | गघयाञ्चक्रे | गघयाञ्चकृते | गघयाञ्चकृरे |
| | गघयाञ्चकृषे | गघयाञ्चकृथे | गघयाञ्चकृद्वे |
| | गघयाञ्चक्रे | गघयाञ्चकृवहे | गघयाञ्चकृमहे |
| | गघयाम्बभूव | गघयामास | |
| आ० | गघयिषीष्ट | गघयिषीयास्ताम् | गघयिषीरन् |
| | गघयिषीष्ठाः | गघयिषीयास्थाम् | गघयिषीड्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | गघयिषीय | गघयिषीवहि | गघयिषीमहि |
| श्च० | गघयिता | गघयितारौ | गघयितारः |
| | गघयितासे | गघयितासथे | गघयिताध्वे |
| | गघयिताहे | गघयितास्वहे | गघयितास्महे |
| भ० | गघयिष्यते | गघयिष्येते | गघयिष्यन्ते |
| | गघयिष्यसे | गघयिष्येथे | गघयिष्यध्वे |
| | गघयिष्ये | गघयिष्यवहे | गघयिष्यामहे |
| क्रि० | अगघयिष्यत | अगघयिष्येताम् | अगघयिष्यन्त |
| | अगघयिष्यथाः | अगघयिष्येथाम् | अगघयिष्यध्वम् |
| | अगघयिष्ये | अगघयिष्यावहि | अगघयिष्यामहि |

98 लघु (लङ्घ्) शोषणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|---------------|
| व० | लङ्घयति | लङ्घयतः | लङ्घयन्ति |
| | लङ्घयसि | लङ्घयथः | लङ्घयथ |
| | लङ्घयामि | लङ्घयावः | लङ्घयामः |
| स० | लङ्घयेत् | लङ्घयेताम् | लङ्घयेयुः |
| | लङ्घयेः | लङ्घयेतम् | लङ्घयेत |
| | लङ्घयेयम् | लङ्घयेव | लङ्घयेम |
| प० | लङ्घयतु | लङ्घयतात् | लङ्घयताम् |
| | लङ्घय | लङ्घयतम् | लङ्घयत |
| | लङ्घयानि | लङ्घयाव | लङ्घयाम |
| ह्य० | अलङ्घयत् | अलङ्घयताम् | अलङ्घयन् |
| | अलङ्घयः | अलङ्घयतम् | अलङ्घयत |
| | अलङ्घयम् | अलङ्घयाव | अलङ्घयाम |
| अ० | अलङ्घन्तु | अलङ्घन्ताम् | अलङ्घन्त |
| | अलङ्घन्ः | अलङ्घन्तम् | अलङ्घन्त |
| | अलङ्घन्म | अलङ्घन्व | अलङ्घन्म |
| प० | लङ्घयाश्चकार | लङ्घयाश्चकतुः | लङ्घयाश्चकुः |
| | लङ्घयाश्चकर्थ | लङ्घयाश्चकथुः | लङ्घयाश्चक |
| | लङ्घयाश्चकार-चकार | लङ्घयाश्चकृव | लङ्घयाश्चकृम |
| | लङ्घयाम्बभूव | लङ्घयामास | |
| आ० | लङ्घयात् | लङ्घयास्ताम् | लङ्घयासुः |
| | लङ्घयाः | लङ्घयास्तम् | लङ्घयास्त |
| | लङ्घयासम् | लङ्घयास्व | लङ्घयास्म |
| श्व० | लङ्घयिता | लङ्घयितारौ | लङ्घयितारः |
| | लङ्घयितासि | लङ्घयितास्थः | लङ्घयितास्थ |
| | लङ्घयितास्मि | लङ्घयितास्वः | लङ्घयितास्मः |
| भ० | लङ्घयिष्यति | लङ्घयिष्यतः | लङ्घयिष्यन्ति |
| | लङ्घयिष्यसि | लङ्घयिष्यथः | लङ्घयिष्यथ |
| | लङ्घयिष्यामि | लङ्घयिष्यावः | लङ्घयिष्यामः |
| क्रि० | अलङ्घयिष्यत् | अलङ्घयिष्यताम् | अलङ्घयिष्यन् |
| | अलङ्घयिष्यः | अलङ्घयिष्यतम् | अलङ्घयिष्यत |
| | अलङ्घयिष्यम् | अलङ्घयिष्याव | अलङ्घयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | लङ्घयते | लङ्घयते | लङ्घयन्ते |
| | लङ्घयसे | लङ्घयथे | लङ्घयध्वे |
| | लङ्घये | लङ्घयावहे | लङ्घयामहे |
| स० | लङ्घयेत | लङ्घयेयाताम् | लङ्घयेरन् |
| | लङ्घयेथाः | लङ्घयेयाथाम् | लङ्घयेध्वम् |
| | लङ्घयेय | लङ्घयेर्वाह | लङ्घयेमहि |
| प० | लङ्घयेताम् | लङ्घयेताम् | लङ्घयेन्ताम् |
| | लङ्घयेस्व | लङ्घयेथाम् | लङ्घयेध्वम् |
| | लङ्घये | लङ्घयावहे | लङ्घयामहे |
| ह्य० | अलङ्घयत | अलङ्घयेताम् | अलङ्घयन्त |
| | अलङ्घयथाः | अलङ्घयेथाम् | अलङ्घयेध्वम् |
| | अलङ्घये | अलङ्घयावहि | अलङ्घयामहि |
| अ० | अलङ्घन्त | अलङ्घन्तेताम् | अलङ्घन्त |
| | अलङ्घन्थाः | अलङ्घन्तेथाम् | अलङ्घन्ध्वम् |
| | अलङ्घन्ध्वे | अलङ्घन्तेवहि | अलङ्घन्महि |
| प० | लङ्घयाश्चके | लङ्घयाश्चकाते | लङ्घयाश्चकिरे |
| | लङ्घयाश्चकृषे | लङ्घयाश्चकृषे | लङ्घयाश्चकृद्वे |
| | लङ्घयाश्चके | लङ्घयाश्चकृवहे | लङ्घयाश्चकृमहे |
| | लङ्घयाम्बभूव | लङ्घयामास | |
| आ० | लङ्घयिषीष्ट | लङ्घयिषीयास्ताम् | लङ्घयिषीरन् |
| | लङ्घयिषीष्टाः | लङ्घयिषीयास्याम् | लङ्घयिषीध्वम् |
| | लङ्घयिषीय | लङ्घयिषीवहि | लङ्घयिषीमहि |
| श्व० | लङ्घयिता | लङ्घयितारौ | लङ्घयितारः |
| | लङ्घयितासे | लङ्घयितासाथे | लङ्घयिताध्वे |
| | लङ्घयिताहे | लङ्घयितास्वहे | लङ्घयितास्महे |
| भ० | लङ्घयिष्यते | लङ्घयिष्येते | लङ्घयिष्यन्ते |
| | लङ्घयिष्यते | लङ्घयिष्येथे | लङ्घयिष्यध्वे |
| | लङ्घयिष्ये | लङ्घयिष्येवहि | लङ्घयिष्यमहे |
| क्रि० | अलङ्घयिष्यत | अलङ्घयिष्येताम् | अलङ्घयिष्यन्त |
| | अलङ्घयिष्यथाः | अलङ्घयिष्येथाम् | अलङ्घयिष्यध्वम् |
| | अलङ्घयिष्ये | अलङ्घयिष्येवहि | अलङ्घयिष्यमहि |

॥ अथ चान्ता विंशतिः ॥

११ शुच (शुच्) शोके ।

| | | | |
|------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | शोचयति | शोचयतः | शोचयन्ति |
| | शोचयसि | शोचयथः | शोचयथ |
| | शोचयामि | शोचयावः | शोचयामः |
| स० | शोचयेत् | शोचयेताम् | शोचयेयुः |
| | शोचयेः | शोचयेतम् | शोचयेत |
| | शोचयेयम् | शोचयेव | शोचयेम |
| प० | शोचयतु | शोचयतात् | शोचयताम् |
| | शोचय | शोचयतात् | शोचयतम् |
| | शोचयानि | शोचयान् | शोचयाम |
| ह्य० | अशोचयत् | अशोचयताम् | अशोचयन् |
| | अशोचयः | अशोचयतम् | अशोचयत |
| | अशोचयम् | अशोचयाव | अशोचयाम |
| अ० | अशूशुचत् | अशूशुचताम् | अशूशुचन् |
| | अशूशुचः | अशूशुचतम् | अशूशुचत |
| | अशूशुचम् | अशूशुचाव | अशूशुचाम |
| प० | शोचयाञ्चकार | शोचयाञ्चकतुः | शोचयाञ्चकुः |
| | शोचयाञ्चकर्थ | शोचयाञ्चकथुः | शोचयाञ्चक |
| | शोचयाञ्चकार-चकर | शोचयाञ्चकृव | शोचयाञ्चकृम |
| | शोचयाम्बभूव | । | शोचयामास |
| आ० | शोच्यात् | शोच्यास्ताम् | शोच्यासुः |
| | शोच्याः | शोच्यास्तम् | शोच्यास्त |
| | शोच्यासम् | शोच्यास्व | शोच्यास्म |
| श्व० | शोचयिता | शोचयितारौ | शोचयितारः |
| | शोचयितासि | शोचयितास्थः | शोचयिताःस्थ |
| | शोचयितास्मि | शोचयितास्वः | शोचयितास्मः |
| भ० | शोचयिष्यति | शोचयिष्यतः | शोचयिष्यन्ति |
| | शोचयिष्यसि | शोचयिष्यथः | शोचयिष्यथ |
| | शोचयिष्यामि | शोचयिष्यावः | शोचयिष्यामः |
| | अशोचयिष्यत् | अशोचयिष्यताम् | अशोचयिष्यन् |
| | अशोचयिष्यः | अशोचयिष्यतम् | अशोचयिष्यत |
| | अशोचयिष्यम् | अशोचयिष्याव | अशोचयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शोचयेते | शोचयेते | शोचयन्ते |
| | शोचयेसे | शोचयेथे | शोचयध्वे |
| | शोचये | शोचयावहे | शोचयामहे |
| स० | शोचयेत | शोचयेयाताम् | शोचयेरन् |
| | शोचयेथाः | शोचयेयाथाम् | शोचयेध्वम् |
| | शोचयेय | शोचयेवहि | शोचयेमहि |
| प० | शोचयताम् | शोचयेताम् | शोचयन्ताम् |
| | शोचयस्व | शोचयेथाम् | शोचयध्वम् |
| | शोचयै | शोचयावहे | शोचयामहे |
| ह्य० | अशोचयत | अशोचयेताम् | अशोचयन्त |
| | अशोचयथाः | अशोचयेथाम् | अशोचयध्वम् |
| | अशोचये | अशोचयावहि | अशोचयामहि |
| अ० | अशूशुचत | अशूशुचेताम् | अशूशुचन्त |
| | अशूशुचथाः | अशूशुचेथाम् | अशूशुचध्वम् |
| | अशूशुचे | अशूशुचावहि | अशूशुचामहि |
| प० | शोचयाञ्चक्रे | शोचयाञ्चकृते | शोचयाञ्चकृरे |
| | शोचयाञ्चकृषे | शोचयाञ्चकृथे | शोचयाञ्चकृध्वे |
| | शोचयाञ्चक्रे | शोचयाञ्चकृवहे | शोचयाञ्चकृमहे |
| | शोचयाम्बभूव | । | शोचयामास |
| आ० | शोचयिषीष्ट | शोचयिषीयास्ताम् | शोचयिषीरन् |
| | शोचयिषीष्टाः | शोचयिषीयास्थाम् | शोचयिषीढ्वम् |
| | शोचयिषीय | शोचयिषीवहि | शोचयिषीमहि |
| श्व० | शोचयिता | शोचयितारौ | शोचयितारः |
| | शोचयितासे | शोचयितासाथे | शोचयिताध्वे |
| | शोचयिताहे | शोचयितास्वहे | शोचयितास्महे |
| भ० | शोचयिष्यते | शोचयिष्यते | शोचयिष्यन्ते |
| | शोचयिष्यसे | शोचयिष्यथे | शोचयिष्यध्वे |
| | शोचयिष्ये | शोचयिष्यावहे | शोचयिष्यामहे |
| क्रि० | अशोचयिष्यत | अशोचयिष्येताम् | अशोचयिष्यन्त |
| | अशोचयिष्यथाः | अशोचयिष्येथाम् | अशोचयिष्यध्वम् |
| | अशोचयिष्ये | अशोचयिष्यावहि | अशोचयिष्यामहि |

101 कुच (कुच्) शब्दे तारे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | कोचयति | कोचयतः | कोचयन्ति |
| | कोचयसि | कोचयथः | कोचयथ |
| | कोचयामि | कोचयावः | कोचयामः |
| स० | कोचयेत् | कोचयेताम् | कोचयेयुः |
| | कोचयेः | कोचयेतम् | कोचयेत |
| | कोचयेयम् | कोचयेव | कोचयेम |
| प० | कोचयतु | कोचयतात् | कोचयताम् |
| | कोचय | कोचयतात् | कोचयतम् |
| | कोचयानि | कोचयाव | कोचयाम |
| ह्य० | अकोचयत् | अकोचयताम् | अकोचयन् |
| | अकोचयः | अकोचयतम् | अकोचयत |
| | अकोचयम् | अकोचयाव | अकोचयाम |
| अ० | अचूकुचत् | अचूकुचताम् | अचूकुचन् |
| | अचूकुचः | अचूकुचतम् | अचूकुचत |
| | अचूकुचम् | अचूकुचाव | अचूकुचाम |
| प० | कोचयाञ्चकार | कोचयाञ्चकतुः | कोचयाञ्चकुः |
| | कोचयाञ्चकथं | कोचयाञ्चकथुः | कोचयाञ्चक |
| | कोचयाञ्चकार-चकर | कोचयाञ्चकृव | कोचयाञ्चकृम |
| | कोचयाम्बभूव | कोचयामास | |
| आ० | कोच्यात् | कोच्यास्ताम् | कोच्यासुः |
| | कोच्याः | कोच्यास्तम् | कोच्यास्त |
| | कोच्यासम् | कोच्यास्व | कोच्यास्म |
| श्व० | कोचयिता | कोचयितारौ | कोचयितारः |
| | कोचयितासि | कोचयितास्थः | कोचयितस्थ |
| | कोचयितास्मि | कोचयितास्वः | कोचयितास्मः |
| भ० | कोचयिष्यति | कोचयिष्यतः | कोचयिष्यन्ति |
| | कोचयिष्यसि | कोचयिष्यथः | कोचयिष्यथ |
| | कोचयिष्यामि | कोचयिष्यावः | कोचयिष्यामः |
| क्रि० | अकोचयिष्यत् | अकोचयिष्यताम् | अकोचयिष्यन् |
| | अकोचयिष्यः | अकोचयिष्यतम् | अकोचयिष्यत |
| | अकोचयिष्यम् | अकोचयिष्याव | अकोचयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | कोचयते | कोचयेते | कोचयन्ते |
| | कोचयसे | कोचयेवे | कोचयध्वे |
| | कोचये | कोचयावहे | कोचयामहे |
| स० | कोचयेत | कोचयेयाताम् | कोचयेरन् |
| | कोचयेथाः | कोचयेयाथाम् | कोचयेध्वम् |
| | कोचयेय | कोचयेवहि | कोचयेमहि |
| प० | कोचयताम् | कोचयेताम् | कोचयन्ताम् |
| | कोचयस्व | कोचयेथाम् | कोचयध्वम् |
| | कोचयै | कोचयावहे | कोचयामहे |
| ह्य० | अकोचयत | अकोचयेताम् | अकोचयन्त |
| | अकोचयथाः | अकोचयेथाम् | अकोचयध्वम् |
| | अकोचये | अकोचयावहि | अकोचयामहि |
| अ० | अचूकुचत | अचूकुचेताम् | अचूकुचन्त |
| | अचूकुचथाः | अचूकुचेथाम् | अचूकुचध्वम् |
| | अचूकुचे | अचूकुचावहि | अचूकुचामहि |
| प० | कोचयाञ्चके | कोचयाञ्चकते | कोचयाञ्चकिरे |
| | कोचयाञ्चकृषे | कोचयाञ्चकथे | कोचयाञ्चकृद्वे |
| | कोचयाञ्चके | कोचयाञ्चकृवहे | कोचयाञ्चकृमहे |
| | कोचयान्बभूव | कोचयामास | |
| आ० | कोचयिषीष्ट | कोचयिषीयास्ताम् | कोचयिषीरन् |
| | कोचयिषीष्टाः | कोचयिषीयास्थाम् | कोचयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | कोचयिषीय | कोचयिषीवहि | कोचयिषीमहि |
| श्व० | कोचयिता | कोचयितारौ | कोचयितारः |
| | कोचयितासे | कोचयितासाथे | कोचयिताध्वे |
| | कोचयिताहे | कोचयितास्वहे | कोचयितास्महे |
| भ० | कोचयिष्यते | कोचयिष्येत | कोचयिष्यन्ते |
| | कोचयिष्यसे | कोचयिष्येथे | कोचयिष्यध्वे |
| | कोचयिष्ये | कोचयिष्यावहे | कोचयिष्यामहे |
| क्रि० | अकोचयिष्यत | अकोचयिष्यताम् | अकोचयिष्यन्त |
| | अकोचयिष्यथाः | अकोचयिष्येथाम् | अकोचयिष्यध्वम् |
| | अकोचयिष्ये | अकोचयिष्यावहि | अकोचयिष्यामहि |

101 कृञ्च (कृञ्च) गतो

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | कृञ्चयति | कृञ्चयतः | कृञ्चयन्ति |
| | कृञ्चयसि | कृञ्चयथः | कृञ्चयथ |
| | कृञ्चयामि | कृञ्चयावः | कृञ्चयामः |
| स० | कृञ्चयेत् | कृञ्चयेताम् | कृञ्चयेयुः |
| | कृञ्चयेः | कृञ्चयेतम् | कृञ्चयेत |
| | कृञ्चयेयम् | कृञ्चयेव | कृञ्चयेम |
| प० | कृञ्चयतु | कृञ्चयतात् | कृञ्चयताम् |
| | कृञ्चय | कृञ्चयतात् | कृञ्चयतम् |
| | कृञ्चयानि | कृञ्चयाव | कृञ्चयाम |
| ह्य० | अकृञ्चयत् | अकृञ्चयताम् | अकृञ्चयन् |
| | अकृञ्चयः | अकृञ्चयतम् | अकृञ्चयत |
| | अकृञ्चयम् | अकृञ्चयाव | अकृञ्चयाम |
| अ० | अचुकृञ्चत् | अचुकृञ्चताम् | अचुकृञ्चन् |
| | अचुकृञ्चः | अचुकृञ्चतम् | अचुकृञ्चत |
| | अचुकृञ्चम् | अचुकृञ्चाव | अचुकृञ्चाम |
| प० | कृञ्चयाञ्चकार | कृञ्चयाञ्चकतुः | कृञ्चयाञ्चकुः |
| | कृञ्चयाञ्चकथं | कृञ्चयाञ्चकथुः | कृञ्चयाञ्चक |
| | कृञ्चयाञ्चकार-चकर | कृञ्चयाञ्चकृव | कृञ्चयाञ्चकृम |
| | कृञ्चयाम्बभूव | कृञ्चयामास | |
| आ० | कृञ्च्यात् | कृञ्च्यास्ताम् | कृञ्च्यातुः |
| | कृञ्च्याः | कृञ्च्यास्तम् | कृञ्च्यास्त |
| | कृञ्च्यासम् | कृञ्च्यास्व | कृञ्च्यासम |
| श्च० | कृञ्चयिता | कृञ्चयितारौ | कृञ्चयितारः |
| | कृञ्चयितासि | कृञ्चयितासथः | कृञ्चयितास्थ |
| | कृञ्चयितास्मि | कृञ्चयितास्वः | कृञ्चयितास्मः |
| भ० | कृञ्चयिष्यति | कृञ्चयिष्यतः | कृञ्चयिष्यन्ति |
| | कृञ्चयिष्यसि | कृञ्चयिष्यथः | कृञ्चयिष्यथ |
| | कृञ्चयिष्यामि | कृञ्चयिष्यावः | कृञ्चयिष्यामः |
| क्रि० | अकृञ्चयिष्यत् | अकृञ्चयिष्यताम् | अकृञ्चयिष्यन् |
| | अकृञ्चयिष्यः | अकृञ्चयिष्यतम् | अकृञ्चयिष्यत |
| | अकृञ्चयिष्यम् | अकृञ्चयिष्याव | अकृञ्चयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | कृञ्चयेते | कृञ्चयेते | कृञ्चयन्ते |
| | कृञ्चयेसे | कृञ्चयेथे | कृञ्चयन्थे |
| | कृञ्चये | कृञ्चयावहे | कृञ्चयामहे |
| स० | कृञ्चयेत | कृञ्चयेयाताम् | कृञ्चयेरन् |
| | कृञ्चयेथाः | कृञ्चयेयाथाम् | कृञ्चयेष्वम् |
| | कृञ्चयेय | कृञ्चयेर्वाह | कृञ्चयेमहि |
| प० | कृञ्चयेताम् | कृञ्चयेताम् | कृञ्चयन्ताम् |
| | कृञ्चयस्व | कृञ्चयेथाम् | कृञ्चयष्वम् |
| | कृञ्चये | कृञ्चयावहे | कृञ्चयामहे |
| ह्य० | अकृञ्चयत | अकृञ्चयेताम् | अकृञ्चयन्त |
| | अकृञ्चयथाः | अकृञ्चयेथाम् | अकृञ्चयष्वम् |
| | अकृञ्चये | अकृञ्चयावहि | अकृञ्चयामहि |
| अ० | अचुकृञ्चत | अचुकृञ्चेताम् | अचुकृञ्चन्त |
| | अचुकृञ्चथाः | अचुकृञ्चेथाम् | अचुकृञ्चष्वम् |
| | अचुकृञ्चे | अचुकृञ्चावहि | अचुकृञ्चामहि |
| प० | कृञ्चयाञ्चक्रे | कृञ्चयाञ्चक्राते | कृञ्चयाञ्चकिरे |
| | कृञ्चयाञ्चकृषे | कृञ्चयाञ्चक्राथे | कृञ्चयाञ्चकृद्वे |
| | कृञ्चयाञ्चक्रे | कृञ्चयाञ्चकृवहे | कृञ्चयाञ्चकृमहे |
| | कृञ्चयाम्बभूव | कृञ्चयामास | |
| आ० | कृञ्चयिषीष्ट | कृञ्चयिषीयास्ताम् | कृञ्चयिषीरन् |
| | कृञ्चयिषीष्टाः | कृञ्चयिषीयास्थाम् | कृञ्चयिषीद्वम् |
| | | | श्चम् |
| | कृञ्चयिषीय | कृञ्चयिषीवहि | कृञ्चयिषीमहि |
| श्च० | कृञ्चयिता | कृञ्चयितारौ | कृञ्चयितारः |
| | कृञ्चयितासे | कृञ्चयितासाथे | कृञ्चयिताध्वे |
| | कृञ्चयिताहे | कृञ्चयितास्वहे | कृञ्चयितास्महे |
| भ० | कृञ्चयिष्यते | कृञ्चयिष्येते | कृञ्चयिष्यन्ते |
| | कृञ्चयिष्यसे | कृञ्चयिष्येथे | कृञ्चयिष्यन्थे |
| | कृञ्चयिष्ये | कृञ्चयिष्यावहे | कृञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० | अकृञ्चयिष्यत | अकृञ्चयिष्येताम् | अकृञ्चयिष्यन्त |
| | अकृञ्चयिष्यथाः | अकृञ्चयिष्येथाम् | अकृञ्चयिष्यष्वम् |
| | अकृञ्चयिष्ये | अकृञ्चयिष्यावहि | अकृञ्चयिष्यामहि |

101 कुञ्च (कुञ्च) गतौ

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० | कुञ्चयति | कुञ्चयतः | कुञ्चयन्ति |
| | कुञ्चयसि | कुञ्चयथः | कुञ्चयथ |
| | कुञ्चयामि | कुञ्चयावः | कुञ्चयामः |
| स० | कुञ्चयेत् | कुञ्चयेताम् | कुञ्चयेयुः |
| | कुञ्चयेः | कुञ्चयेतम् | कुञ्चयेत |
| | कुञ्चयेयम् | कुञ्चयेव | कुञ्चयेम |
| प० | कुञ्चयतु | कुञ्चयतात् | कुञ्चयताम् |
| | कुञ्चय | कुञ्चयतात् | कुञ्चयतम् |
| | कुञ्चयानि | कुञ्चयानि | कुञ्चयाम |
| ह्य० | अकुञ्चयत् | अकुञ्चयताम् | अकुञ्चयन् |
| | अकुञ्चयः | अकुञ्चयतम् | अकुञ्चयत |
| | अकुञ्चयम् | अकुञ्चयाव | अकुञ्चयाम |
| अ० | अचुकुञ्चत् | अचुकुञ्चताम् | अचुकुञ्चन् |
| | अचुकुञ्चः | अचुकुञ्चतम् | अचुकुञ्चत |
| | अचुकुञ्चम् | अचुकुञ्चाव | अचुकुञ्चाम |
| प० | कुञ्चयाश्चकार | कुञ्चयाश्चक्रुः | कुञ्चयाश्चक्रुः |
| | कुञ्चयाश्चकथे | कुञ्चयाश्चकथुः | कुञ्चयाश्चक |
| | कुञ्चयाश्चकार-चकर | कुञ्चयाश्चक्रुव | कुञ्चयाश्चक्रम |
| | कुञ्चयाम्बभूव | कुञ्चयामास | |
| आ० | कुञ्च्यात् | कुञ्च्यास्ताम् | कुञ्च्यासुः |
| | कुञ्च्याः | कुञ्च्यास्तम् | कुञ्च्यास्त |
| | कुञ्च्यासम् | कुञ्च्यास्व | कुञ्च्यासम् |
| श्व० | कुञ्चयिता | कुञ्चयितारौ | कुञ्चयितारः |
| | कुञ्चयितासि | कुञ्चयितासथः | कुञ्चयितासथ |
| | कुञ्चयितास्मि | कुञ्चयितास्वः | कुञ्चयितास्मः |
| भ० | कुञ्चयिष्यति | कुञ्चयिष्यतः | कुञ्चयिष्यन्ति |
| | कुञ्चयिष्यसि | कुञ्चयिष्यथः | कुञ्चयिष्यथ |
| | कुञ्चयिष्यामि | कुञ्चयिष्यावः | कुञ्चयिष्यामः |
| क्रि० | अकुञ्चयिष्यत् | अकुञ्चयिष्यताम् | अकुञ्चयिष्यन् |
| | अकुञ्चयिष्यः | अकुञ्चयिष्यतम् | अकुञ्चयिष्यत |
| | अकुञ्चयिष्यम् | अकुञ्चयिष्याव | अकुञ्चयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | कुञ्चयते | कुञ्चयते | कुञ्चयन्ते |
| | कुञ्चयसे | कुञ्चयेथे | कुञ्चयथ्वे |
| | कुञ्चये | कुञ्चयावहे | कुञ्चयामहे |
| स० | कुञ्चयेत् | कुञ्चयेयाताम् | कुञ्चयेरन् |
| | कुञ्चयेथाः | कुञ्चयेयाथाम् | कुञ्चयेथ्वम् |
| | कुञ्चयेथ | कुञ्चयेवहि | कुञ्चयेमहि |
| प० | कुञ्चयताम् | कुञ्चयेताम् | कुञ्चयन्ताम् |
| | कुञ्चयस्व | कुञ्चयेथाम् | कुञ्चयथ्वम् |
| | कुञ्चयै | कुञ्चयावहे | कुञ्चयामहे |
| ह्य० | अकुञ्चयत | अकुञ्चयेताम् | अकुञ्चयन्त |
| | अकुञ्चयथाः | अकुञ्चयेथाम् | अकुञ्चयथ्वम् |
| | अकुञ्चये | अकुञ्चयावहि | अकुञ्चयामहि |
| अ० | अचुकुञ्चत | अचुकुञ्चेताम् | अचुकुञ्चन्त |
| | अचुकुञ्चथाः | अचुकुञ्चेथाम् | अचुकुञ्चथ्वम् |
| | अचुकुञ्चे | अचुकुञ्चावहि | अचुकुञ्चामहि |
| प० | कुञ्चयाश्चक्रे | कुञ्चयाश्चक्रते | कुञ्चयाश्चक्रिरे |
| | कुञ्चयाश्चकृषे | कुञ्चयाश्चकृथे | कुञ्चयाश्चकृध्वे |
| | कुञ्चयाश्चक्रे | कुञ्चयाश्चकृवहे | कुञ्चयाश्चकृमहे |
| | कुञ्चयाम्बभूव | कुञ्चयामास | |
| आ० | कुञ्चयिषीष्ट | कुञ्चयिषीष्टाताम् | कुञ्चयिषीरन् |
| | कुञ्चयिषीष्टाः | कुञ्चयिषीष्टाथाम् | कुञ्चयिषीध्वम् |
| | कुञ्चयिषीय | कुञ्चयिषीवहि | कुञ्चयिषीमहि |
| श्व० | कुञ्चयिता | कुञ्चयितारौ | कुञ्चयितारः |
| | कुञ्चयितासे | कुञ्चयितासथे | कुञ्चयिताथ्वे |
| | कुञ्चयिताहे | कुञ्चयितावहे | कुञ्चयितामहे |
| भ० | कुञ्चयिष्यते | कुञ्चयिष्यते | कुञ्चयिष्यन्ते |
| | कुञ्चयिष्यसे | कुञ्चयिष्येथे | कुञ्चयिष्यथ्वे |
| | कुञ्चयिष्ये | कुञ्चयिष्यावहे | कुञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० | अकुञ्चयिष्यत् | अकुञ्चयिष्यताम् | अकुञ्चयिष्यन्त |
| | अकुञ्चयिष्यथाः | अकुञ्चयिष्येथाम् | अकुञ्चयिष्यथ्वम् |
| | अकुञ्चयिष्ये | अकुञ्चयिष्यावहि | अकुञ्चयिष्यामहि |

103 लुञ्च (लुञ्च्) अपनयते ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | लुङ्चयति | लुङ्चयतः | लुङ्चयन्ति |
| | लुङ्चयसि | लुङ्चयथः | लुङ्चयथ |
| | लुङ्चयामि | लुङ्चयावः | लुङ्चयामः |
| स० | लुङ्चयेत् | लुङ्चयेताम् | लुङ्चयेयुः |
| | लुङ्चयेः | लुङ्चयेतम् | लुङ्चयेत |
| | लुङ्चयेयम् | लुङ्चयेव | लुङ्चयेम |
| प० | लुङ्चयतु | लुङ्चयतात् | लुङ्चयन्तु |
| | लुङ्चय | लुङ्चयतात् | लुङ्चयतम् |
| | लुङ्चयानि | लुङ्चयाव | लुङ्चयाम |
| ह्र० | अलुङ्चयत् | अलुङ्चयताम् | अलुङ्चयन् |
| | अलुङ्चयः | अलुङ्चयतम् | अलुङ्चयत |
| | अलुङ्चयम् | अलुङ्चयाव | अलुङ्चयाम |
| अ० | लुङ्चयत् | अलुङ्चयताम् | अलुङ्चयन् |
| | अलुङ्चयः | अलुङ्चयतम् | अलुङ्चयत |
| | अलुङ्चयम् | अलुङ्चयाव | अलुङ्चयाम |
| प० | लुङ्चयाश्चकार | लुङ्चयाश्चकतुः | लुङ्चयाश्चकुः |
| | लुङ्चयाश्चकथं | लुङ्चयाश्चकथुः | लुङ्चयाश्चक |
| | लुङ्चयाश्चकार-चकर | लुङ्चयाश्चकृव | लुङ्चयाश्चकृम |
| | लुङ्चयाश्चभूव | लुङ्चयामास | |
| भा० | लुङ्च्यात् | लुङ्च्यास्ताम् | लुङ्च्यासुः |
| | लुङ्च्याः | लुङ्च्यास्ताम् | लुङ्च्यास्त |
| | लुङ्च्यासम् | लुङ्च्यास्व | लुङ्च्यास्म |
| श्व० | लुङ्चयिता | लुङ्चयितारौ | लुङ्चयितारः |
| | लुङ्चयितासि | लुङ्चयितास्थः | लुङ्चयितास्थ |
| | लुङ्चयितास्मि | लुङ्चयितास्वः | लुङ्चयितास्मः |
| म० | लुङ्चयिष्यति | लुङ्चयिष्यतः | लुङ्चयिष्यन्ति |
| | लुङ्चयिष्यसि | लुङ्चयिष्यथः | लुङ्चयिष्यथ |
| | लुङ्चयिष्यामि | लुङ्चयिष्यावः | लुङ्चयिष्यामः |
| क्रि० | अलुङ्चयिष्यत् | अलुङ्चयिष्यताम् | अलुङ्चयिष्यन् |
| | अलुङ्चयिष्यः | अलुङ्चयिष्यतम् | अलुङ्चयिष्यत |
| | अलुङ्चयिष्यम् | अलुङ्चयिष्याव | अलुङ्चयिष्याम |

| | | | |
|------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | लुञ्चयते | लुञ्चयेते | लुञ्चयन्ते |
| | लुञ्चयसे | लुञ्चयेथे | लुञ्चयध्वे |
| | लुञ्चये | लुञ्चयावहे | लुञ्चयामहे |
| स० | लुञ्चयेत | लुञ्चयेयाताम् | लुञ्चयेरन् |
| | लुञ्चयेथाः | लुञ्चयेयाथाम् | लुञ्चयेध्वम् |
| | लुञ्चयेय | लुञ्चयेवहि | लुञ्चयेमहि |
| प० | लुञ्चयताम् | लुञ्चयेताम् | लुञ्चयन्ताम् |
| | लुञ्चयस्व | लुञ्चयेथाम् | लुञ्चयध्वम् |
| | लुञ्चयै | लुञ्चयावहै | लुञ्चयामहै |
| ह्य० | अलुञ्चयत | अलुञ्चयेताम् | अलुञ्चयन्त |
| | अलुञ्चयथाः | अलुञ्चयेथाम् | अलुञ्चयध्वम् |
| | अलुञ्चये | अलुञ्चयावहि | अलुञ्चयामहि |
| अ० | अलुलुञ्चत | अलुलुञ्चेताम् | अलुलुञ्चन्त |
| | अलुलुञ्चथाः | अलुलुञ्चेथाम् | अलुलुञ्चध्वम् |
| | अलुलुञ्चे | अलुलुञ्चावहि | अलुलुञ्चामहि |
| प० | लुञ्चयाञ्चके | लुञ्चयाञ्चकाते | लुञ्चयाञ्चकिरे |
| | लुञ्चयाञ्चकृषे | लुञ्चयाञ्चकाये | लुञ्चयाञ्चकृष्वे |
| | लुञ्चयाञ्चके | लुञ्चयाञ्चकृवहे | लुञ्चयाञ्चकृमहे |
| | लुञ्चयाम्भूव । | लुञ्चयामास | |
| आ० | लुञ्चयिषीष्ट | लुञ्चयिषीस्ताम् | लुञ्चयिषीरन् |
| | लुञ्चयिषीष्ठाः | लुञ्चयिषीस्थाम् | लुञ्चयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | लुञ्चयिषीय | लुञ्चयिषीवहि | लुञ्चयिषीमहि |
| थ० | लुञ्चयिता | लुञ्चयितारौ | लुञ्चयितारः |
| | लुञ्चयितासे | लुञ्चयितासाथे | लुञ्चयिताध्वे |
| | लुञ्चयिताहे | लुञ्चयितास्वहे | लुञ्चयितास्महे |
| भ० | लुञ्चयिष्यते | लुञ्चयिष्यते | लुञ्चयिष्यन्ते |
| | लुञ्चयिष्यसे | लुञ्चयिष्येथे | लुञ्चयिष्यध्वे |
| | लुञ्चयिष्ये | लुञ्चयिष्यावहे | लुञ्चयिष्यामहे |
| किं | अलुञ्चयिष्यत | अलुञ्चयिष्यताम् | अलुञ्चयिष्यन्त |
| | अलुञ्चयिष्यथाः | अलुञ्चयिष्यथाम् | अलुञ्चयिष्यध्वम् |
| | अलुञ्चयिष्ये | अलुञ्चयिष्यावहि | अलुञ्चयिष्यामहि |

104 अर्च (अर्च्) पूजायाम् ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | अर्चयति | अर्चयतः | अर्चयन्ति |
| | अर्चयसि | अर्चयथः | अर्चयथ |
| | अर्चयामि | अर्चयावः | अर्चयामः |
| स० | अर्चयेत् | अर्चयेताम् | अर्चयेयुः |
| | अर्चयेः | अर्चयेतम् | अर्चयेत |
| | अर्चयेयम् | अर्चयेव | अर्चयेम |
| प० | अर्चयतु | अर्चयतात् | अर्चयताम् |
| | अर्चयस्व | अर्चयताम् | अर्चयन्तु |
| | अर्चयानि | अर्चयाव | अर्चयाम |
| ह्य० | अर्चयत् | अर्चयताम् | अर्चयन् |
| | अर्चयः | अर्चयतम् | अर्चयत |
| | अर्चयम् | अर्चयाव | अर्चयाम |
| अ० | अर्चिचत् | अर्चिचताम् | अर्चिचन् |
| | अर्चिचः | अर्चिचतम् | अर्चिचत |
| | अर्चिचम् | अर्चिचाव | अर्चिचाम |
| प० | अर्चयाश्चकार | अर्चयाश्चक्रुः | अर्चयाश्चकुः |
| | अर्चयाश्चकथे | अर्चयाश्चक्रथुः | अर्चयाश्चक्र |
| | अर्चयाश्चकार-चकर | अर्चयाश्चकृव | अर्चयाश्चकृमहे |
| | अर्चयाम्बभूव | । | अर्चयामास |
| आ० | अर्चयति | अर्चयताम् | अर्चयसुः |
| | अर्चयः | अर्चयताम् | अर्चयस्त |
| | अर्चयसम् | अर्चयस्व | अर्चयाम |
| श्व० | अर्चयिता | अर्चयितारो | अर्चयितारः |
| | अर्चयितासि | अर्चयितास्थः | अर्चयितास्थ |
| | अर्चयितास्मि | अर्चयितास्वः | अर्चयितास्मः |
| भ० | अर्चयिष्यति | अर्चयिष्यतः | अर्चयिष्यन्ति |
| | अर्चयिष्यसि | अर्चयिष्यथः | अर्चयिष्यथ |
| | अर्चयिष्यामि | अर्चयिष्यावः | अर्चयिष्यामः |
| क्रि० | अर्चयिष्यत् | अर्चयिष्यताम् | अर्चयिष्यन् |
| | अर्चयिष्यः | अर्चयिष्यतम् | अर्चयिष्यत |
| | अर्चयिष्यम् | अर्चयिष्याव | अर्चयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | अर्चयते | अर्चयेते | अर्चयन्ते |
| | अर्चयसे | अर्चयेथे | अर्चयध्वे |
| | अर्चये | अर्चयावहे | अर्चयामहे |
| स० | अर्चयेत् | अर्चयेयाताम् | अर्चयेरन् |
| | अर्चयेथाः | अर्चयेयाथाम् | अर्चयेध्वम् |
| | अर्चयेय | अर्चयेवाह | अर्चयेमहि |
| प० | अर्चयताम् | अर्चयेताम् | अर्चयन्ताम् |
| | अर्चयस्व | अर्चयेथाम् | अर्चयध्वम् |
| | अर्चये | अर्चयावहे | अर्चयामहे |
| ह्य० | अर्चयत | अर्चयेताम् | अर्चयन्त |
| | अर्चयथाः | अर्चयेथाम् | अर्चयध्वम् |
| | अर्चये | अर्चयावहि | अर्चयामहि |
| अ० | अर्चिचत | अर्चिचेताम् | अर्चिचन्त |
| | अर्चिचथाः | अर्चिचेथाम् | अर्चिचध्वम् |
| | अर्चिचे | अर्चिचावहि | अर्चिचामहि |
| प० | अर्चयाश्चक्रे | अर्चयाश्चक्रात | अर्चयाश्चक्रिरे |
| | अर्चयाश्चकृषे | अर्चयाश्चक्रथे | अर्चयाश्चकृध्वे |
| | अर्चयाश्चक्रे | अर्चयाश्चकृवहे | अर्चयाश्चकृमहे |
| | अर्चयाम्बभूव | । | अर्चयामास |
| आ० | अर्चयिषीष्ट | अर्चयिषीयास्ताम् | अर्चयिषीरन् |
| | अर्चयिषीष्ठाः | अर्चयिषीयास्थाम् | अर्चयिषीध्वम् |
| | अर्चयिषीय | अर्चयिषीवहि | अर्चयिषीमहि |
| श्व० | अर्चयिता | अर्चयितारो | अर्चयितारः |
| | अर्चयितासे | अर्चयितासाथे | अर्चयिताध्वे |
| | अर्चयिताहे | अर्चयितास्वहे | अर्चयितास्महे |
| भ० | अर्चयिष्यते | अर्चयिष्येते | अर्चयिष्यन्ते |
| | अर्चयिष्यसे | अर्चयिष्येथे | अर्चयिष्यध्वे |
| | अर्चयिष्ये | अर्चयिष्यावहे | अर्चयिष्यामहे |
| क्रि० | अर्चयिष्यत् | अर्चयिष्येताम् | अर्चयिष्यन्त |
| | अर्चयिष्यथाः | अर्चयिष्येथाम् | अर्चयिष्यध्वम् |
| | अर्चयिष्ये | अर्चयिष्यावहि | अर्चयिष्यामहि |

105 अञ्चू (अञ्च्) अपनयने ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | अञ्चयति | अञ्चयतः | अञ्चयन्ति |
| | अञ्चयसि | अञ्चयथः | अञ्चयथ |
| | अञ्चयामि | अञ्चयावः | अञ्चयामः |
| स० | अञ्चयेत् | अञ्चयेताम् | अञ्चयेयुः |
| | अञ्चयेः | अञ्चयेतम् | अञ्चयेत |
| | अञ्चयेयम् | अञ्चयेव | अञ्चयेम |
| प० | अञ्चयतु | अञ्चयतात् | अञ्चयताम् |
| | अञ्चय | अञ्चयतात् | अञ्चयतम् |
| | अञ्चयानि | अञ्चयाव | अञ्चयाम |
| ह्य० | आञ्चयत् | आञ्चयताम् | आञ्चयन् |
| | आञ्चयः | आञ्चयतम् | आञ्चयत |
| | आञ्चयम् | आञ्चयाव | आञ्चयाम |
| अ० | आञ्चिचत् | आञ्चिचताम् | आञ्चिचन् |
| | आञ्चिचः | आञ्चिचतम् | आञ्चिचत |
| | आञ्चिचम् | आञ्चिचाव | आञ्चिचाम |
| प० | अञ्चयाञ्चकार | अञ्चयाञ्चकतुः | अञ्चयाञ्चकुः |
| | अञ्चयाञ्चकर्थे | अञ्चयाञ्चकथुः | अञ्चयाञ्चक |
| | अञ्चयाञ्चकार-चकर | अञ्चयाञ्चकृव | अञ्चयाञ्चकृम |
| | अञ्चयाम्बभूव | । | अञ्चयामास |
| आ० | अञ्च्यात् | अञ्च्यास्ताम् | अञ्च्यासुः |
| | अञ्च्याः | अञ्च्यास्तम् | अञ्च्यास्त |
| | अञ्च्यासम् | अञ्च्यास्व | अञ्च्यास्म |
| श्व० | अञ्चयिता | अञ्चयितारौ | अञ्चयितारः |
| | अञ्चयितासि | अञ्चयितास्थः | अञ्चयितास्थ |
| | अञ्चयितास्मि | अञ्चयितास्वः | अञ्चयितास्मः |
| भ० | अञ्चयिष्यति | अञ्चयिष्यतः | अञ्चयिष्यन्ति |
| | अञ्चयिष्यसि | अञ्चयिष्यथः | अञ्चयिष्यथ |
| | अञ्चयिष्यामि | अञ्चयिष्यावः | अञ्चयिष्यामः |
| क्रि० | आञ्चयिष्यत् | आञ्चयिष्यताम् | आञ्चयिष्यन् |
| | आञ्चयिष्यः | आञ्चयिष्यतम् | आञ्चयिष्यत |
| | आञ्चयिष्यम् | आञ्चयिष्याव | आञ्चयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | अञ्चयते | अञ्चयेते | अञ्चयन्ते |
| | अञ्चयसे | अञ्चयेथे | अञ्चयध्वे |
| | अञ्चये | अञ्चयावहे | अञ्चयामहे |
| स० | अञ्चयेत् | अञ्चयेयताम् | अञ्चयेरन् |
| | अञ्चयेथाः | अञ्चयेयाथाम् | अञ्चयेध्वम् |
| | अञ्चयेय | अञ्चयेर्वाह | अञ्चयेमहि |
| प० | अञ्चयताम् | अञ्चयेताम् | अञ्चयन्ताम् |
| | अञ्चयस्व | अञ्चयेथाम् | अञ्चयध्वम् |
| | अञ्चयै | अञ्चयावहै | अञ्चयामहै |
| ह्य० | आञ्चयत | आञ्चयेताम् | आञ्चयन्त |
| | आञ्चयथाः | आञ्चयेथाम् | आञ्चयध्वम् |
| | आञ्चये | आञ्चयावहि | आञ्चयामहि |
| अ० | आञ्चिचत | आञ्चिचेताम् | आञ्चिचन्त |
| | आञ्चिचथाः | आञ्चिचेथाम् | आञ्चिचध्वम् |
| | आञ्चिचे | आञ्चिचावहि | आञ्चिचामहि |
| प० | अञ्चयाञ्चक्रे | अञ्चयाञ्चकृते | अञ्चयाञ्चकिरे |
| | अञ्चयाञ्चकृषे | अञ्चयाञ्चकृथे | अञ्चयाञ्चकृध्वे |
| | अञ्चयाञ्चक्रे | अञ्चयाञ्चकृवहे | अञ्चयाञ्चकृमहे |
| | अञ्चयाम्बभूव | । | अञ्चयामास |
| आ० | अञ्चयिषीष्ट | अञ्चयिषीयास्ताम् | अञ्चयिषीरन् |
| | अञ्चयिषीष्ठाः | अञ्चयिषीयास्थाम् | अञ्चयिषीध्वम् |
| | अञ्चयिषीय | अञ्चयिषीवहि | अञ्चयिषीमहि |
| श्व० | अञ्चयिता | अञ्चयितारौ | अञ्चयितारः |
| | अञ्चयितासे | अञ्चयितासाथे | अञ्चयिताध्वे |
| | अञ्चयिताहे | अञ्चयितास्वहे | अञ्चयितास्महे |
| भ० | अञ्चयिष्यते | अञ्चयिष्येते | अञ्चयिष्यन्ते |
| | अञ्चयिष्यसे | अञ्चयिष्येथे | अञ्चयिष्यध्वे |
| | अञ्चयिष्ये | अञ्चयिष्यावहे | अञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० | आञ्चयिष्यत् | आञ्चयिष्येताम् | आञ्चयिष्यन्त |
| | आञ्चयिष्यथाः | आञ्चयिष्येथाम् | आञ्चयिष्यध्वम् |
| | आञ्चयिष्ये | आञ्चयिष्यावहि | आञ्चयिष्यामहि |

106 वञ्च् (वञच्) गतौ ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० वञ्चयति | वञ्चयतः | वञ्चयन्ति |
| वञ्चयसि | वञ्चयथः | वञ्चयथ |
| वञ्चयामि | वञ्चयावः | वञ्चयामः |
| स० वञ्चयेत् | वञ्चयेताम् | वञ्चयेयुः |
| वञ्चयेः | वञ्चयेतम् | वञ्चयेत |
| वञ्चयेयम् | वञ्चयेव | वञ्चयेम |
| प० वञ्चयतु | वञ्चयतात् | वञ्चयताम् |
| वञ्चय | वञ्चयतात् | वञ्चयतम् |
| वञ्चयानि | वञ्चयाव | वञ्चयाम |
| ह्य० अवञ्चयत् | अवञ्चयताम् | अवञ्चयन् |
| अवञ्चयः | अवञ्चयतम् | अवञ्चयत |
| अवञ्चयम् | अवञ्चयाव | अवञ्चयाम |
| अ० अववञ्चत् | अववञ्चताम् | अववञ्चन् |
| अववञ्चः | अववञ्चतम् | अववञ्चत |
| अववञ्चम् | अववञ्चाव | अववञ्चाम |
| प० वञ्चयाञ्चकार | वञ्चयाञ्चकतुः | वञ्चयाञ्चकुः |
| वञ्चयाञ्चकथं | वञ्चयाञ्चकथुः | वञ्चयाञ्चक |
| वञ्चयाञ्चकार-चकर | वञ्चयाञ्चकृव | वञ्चयाञ्चकृम |
| वञ्चयाम्बभूव | वञ्चयामास | |
| आ० वञ्चयात् | वञ्चयास्ताम् | वञ्चयासुः |
| वञ्चयाः | वञ्चयास्तम् | वञ्चयास्त |
| वञ्चयासम् | वञ्चयास्व | वञ्चयासम |
| श्व० वञ्चयिता | वञ्चयितारौ | वञ्चयितारः |
| वञ्चयितासि | वञ्चयितास्थः | वञ्चयितास्थ |
| वञ्चयितास्मि | वञ्चयितास्वः | वञ्चयितास्मः |
| भ० वञ्चयिष्यति | वञ्चयिष्यतः | वञ्चयिष्यन्ति |
| वञ्चयिष्यसि | वञ्चयिष्यथः | वञ्चयिष्यथ |
| वञ्चयिष्यामि | वञ्चयिष्यावः | वञ्चयिष्यामः |
| क्रि० अवञ्चयिष्यत् | अवञ्चयिष्यताम् | अवञ्चयिष्यन् |
| अवञ्चयिष्यः | अवञ्चयिष्यतम् | अवञ्चयिष्यत |
| अवञ्चयिष्यम् | अवञ्चयिष्याव | अवञ्चयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|-----------------|
| व० वञ्चयते | वञ्चयेते | वञ्चयन्ते |
| वञ्चयसे | वञ्चयेथे | वञ्चयध्वे |
| वञ्चये | वञ्चयावहे | वञ्चयामहे |
| स० वञ्चयेत | वञ्चयेताम् | वञ्चयेरन् |
| वञ्चयेथाः | वञ्चयेथांम् | वञ्चयेध्वम् |
| वञ्चयेय | वञ्चयेवहि | वञ्चयेमहि |
| प० वञ्चयताम् | वञ्चयेताम् | वञ्चयन्ताम् |
| वञ्चयस्व | वञ्चयेथाम् | वञ्चयध्वम् |
| वञ्चयै | वञ्चयावहै | वञ्चयामहै |
| ह्य० अवञ्चयत | अवञ्चयेताम् | अवञ्चयन्त |
| अवञ्चयथाः | अवञ्चयेथाम् | अवञ्चयध्वम् |
| अवञ्चये | अवञ्चयावहि | अवञ्चयामहि |
| अ० अववञ्चत | अववञ्चेताम् | अववञ्चन्त |
| अववञ्चयाः | अववञ्चेथाम् | अववञ्चध्वम् |
| अववञ्चे | अववञ्चावहि | अववञ्चामहि |
| प० वञ्चयाञ्चके | वञ्चयाञ्चकते | वञ्चयाञ्चकिरे |
| वञ्चयाञ्चकृषे | वञ्चयाञ्चकृथे | वञ्चयाञ्चकृद्वे |
| वञ्चयाञ्चके | वञ्चयाञ्चकृवहे | वञ्चयाञ्चकृमहे |
| वञ्चयाम्बभूव | वञ्चयामास | |
| आ० वञ्चयिषीष्ट | वञ्चयिषीयास्ताम् | वञ्चयिषीरन् |
| वञ्चयिषीष्टाः | वञ्चयिषीयास्थांम् | वञ्चयिषीध्वम् |
| वञ्चयिषीय | वञ्चयिषीवहि | वञ्चयिषीमहि |
| श्व० वञ्चयिता | वञ्चयितारौ | वञ्चयितारः |
| वञ्चयितासे | वञ्चयितासाथे | वञ्चयिताध्वे |
| वञ्चयिताहे | वञ्चयितास्वहे | वञ्चयितास्महे |
| भ० वञ्चयिष्यते | वञ्चयिष्येते | वञ्चयिष्यन्ते |
| वञ्चयिष्यसे | वञ्चयिष्येथे | वञ्चयिष्यध्वे |
| वञ्चयिष्ये | वञ्चयिष्यावहे | वञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० अवञ्चयिष्यत् | अवञ्चयिष्येताम् | अवञ्चयिष्यन्त |
| अवञ्चयिष्यथाः | अवञ्चयिष्येथाम् | अवञ्चयिष्यध्वम् |
| अवञ्चयिष्ये | अवञ्चयिष्यावहि | अवञ्चयिष्यामहि |

107 चञ्चू (चञ्च) गतौ

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० चञ्चयति | चञ्चयतः | चञ्चयन्ति |
| चञ्चयसि | चञ्चयथः | चञ्चयथ |
| चञ्चयामि | चञ्चयावः | चञ्चयामः |
| स० चञ्चयेत् | चञ्चयेताम् | चञ्चयेयुः |
| चञ्चयेः | चञ्चयेताम् | चञ्चयेत |
| चञ्चयेयाम् | चञ्चयेव | चञ्चयेम |
| प० चञ्चयतु | चञ्चयतात् | चञ्चयताम् |
| चञ्चयन्तु | चञ्चयतात् | चञ्चयताम् |
| चञ्चयानि | चञ्चयाव | चञ्चयाम |
| लृ० अचञ्चयत् | अचञ्चयताम् | अचञ्चयन् |
| अचञ्चयः | अचञ्चयताम् | अचञ्चयत |
| अचञ्चयाम् | अचञ्चयाव | अचञ्चयाम |
| अ० अचञ्चत् | अचञ्चताम् | अचञ्चन् |
| अचञ्चः | अचञ्चताम् | अचञ्चत |
| अचञ्चाम् | अचञ्चाव | अचञ्चाम |
| प० चञ्चयाश्चकार | चञ्चयाश्चक्रुः | चञ्चयाश्चक्रुः |
| चञ्चयाश्चकथं | चञ्चयाश्चक्रुः | चञ्चयाश्चक्रुः |
| चञ्चयाश्चकार-चकर | चञ्चयाश्चक्रुव | चञ्चयाश्चक्रुम |
| चञ्चयाश्चभूव | चञ्चयाभास | |
| भा० चञ्चशात् | चञ्चशास्ताम् | चञ्चशासुः |
| चञ्चशाः | चञ्चशास्ताम् | चञ्चशास्त |
| चञ्चयासम् | चञ्चयास्व | चञ्चयास्म |
| श्व० चञ्चयिता | चञ्चयितारौ | चञ्चयितारः |
| चञ्चयितासि | चञ्चयितास्थः | चञ्चयितास्थ |
| चञ्चयितास्मि | चञ्चयितास्वः | चञ्चयितास्मः |
| भ० चञ्चयिष्यति | चञ्चयिष्यतः | चञ्चयिष्यन्ति |
| चञ्चयिष्यसि | चञ्चयिष्यथः | चञ्चयिष्यथ |
| चञ्चयिष्यामि | चञ्चयिष्यावः | चञ्चयिष्यामः |
| क्रि० अचञ्चयिष्यत् | अचञ्चयिष्यताम् | अचञ्चयिष्यन् |
| अचञ्चयिष्यः | अचञ्चयिष्यताम् | अचञ्चयिष्यत |
| अचञ्चयिष्यम् | अचञ्चयिष्याव | अचञ्चयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० चञ्चयते | चञ्चयेते | चञ्चयन्ते |
| चञ्चयसे | चञ्चयेथे | चञ्चयध्वे |
| चञ्चये | चञ्चयावहे | चञ्चयामहे |
| स० चञ्चयेत् | चञ्चयेताम् | चञ्चयेन् |
| चञ्चयेथाः | चञ्चयेथाम् | चञ्चयेध्वम् |
| चञ्चयेथ | चञ्चयेवहि | चञ्चयेमहि |
| प० चञ्चयेताम् | चञ्चयेताम् | चञ्चयेन्ताम् |
| चञ्चयस्व | चञ्चयेथाम् | चञ्चयध्वम् |
| चञ्चये | चञ्चयावहे | चञ्चयामहे |
| ह्य० अचञ्चयत | अचञ्चयेताम् | अचञ्चयन्त |
| अचञ्चयथाः | अचञ्चयेथाम् | अचञ्चयध्वम् |
| अचञ्चये | अचञ्चयेवहि | अचञ्चयेमहि |
| अ० अचञ्चश्चत | अचञ्चश्चतेताम् | अचञ्चश्चन्त |
| अचञ्चश्चथाः | अचञ्चश्चतेथाम् | अचञ्चश्चध्वम् |
| अचञ्चश्चये | अचञ्चश्चतेवहि | अचञ्चश्चतेमहि |
| प० चञ्चयाञ्चक्रे | चञ्चयाञ्चक्राते | चञ्चयाञ्चक्रिरे |
| चञ्चयाञ्चकृषे | चञ्चयाञ्चक्रथे | चञ्चयाञ्चकृध्वे |
| चञ्चयाञ्चक्रे | चञ्चयाञ्चकृवहे | चञ्चयाञ्चकृमहे |
| चञ्चयाञ्चभूव | चञ्चयाभास | |
| भा० चञ्चयिषीष्ट | चञ्चयिषीयास्ताम् | चञ्चयिषीरन् |
| चञ्चयिषीष्टाः | चञ्चयिषीयास्थाम् | चञ्चयिषीध्वम् |
| चञ्चयिषीय | चञ्चयिषीवहि | चञ्चयिषीमहि |
| श्व० चञ्चयिता | चञ्चयितारौ | चञ्चयितारः |
| चञ्चयितासे | चञ्चयितासाथे | चञ्चयिताध्वे |
| चञ्चयिताहे | चञ्चयितास्वहे | चञ्चयितास्महे |
| भ० चञ्चयिष्यते | चञ्चयिष्येते | चञ्चयिष्यन्ते |
| चञ्चयिष्यसे | चञ्चयिष्येथे | चञ्चयिष्यध्वे |
| चञ्चयिष्ये | चञ्चयिष्येवहे | चञ्चयिष्येमहे |
| क्रि० अचञ्चयिष्यत | अचञ्चयिष्येताम् | अचञ्चयिष्यन्त |
| अचञ्चयिष्यथाः | अचञ्चयिष्येथाम् | अचञ्चयिष्यध्वम् |
| अचञ्चयिष्ये | अचञ्चयिष्येवहि | अचञ्चयिष्येमहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (१११)

108 तञ्च् (तञ्च्) गतौ ।

| | | |
|-------------------------|----------------|---------------|
| व० तञ्चयति | तञ्चयतः | तञ्चयन्ति |
| तञ्चयसि | तञ्चयथः | तञ्चयथ |
| तञ्चयामि | तञ्चयावः | तञ्चयामः |
| स० तञ्चयेत् | तञ्चयेताम् | तञ्चयेयुः |
| तञ्चयेः | तञ्चयेतम् | तञ्चयेत |
| तञ्चयेयम् | तञ्चयेव | तञ्चयेम |
| प० तञ्चयतु | तञ्चयतात् | तञ्चयताम् |
| तञ्चय | तञ्चयताम् | तञ्चयत |
| तञ्चयानि | तञ्चयाव | तञ्चयाम |
| ह्य० अतञ्चयत् | अतञ्चयताम् | अतञ्चयन् |
| अतञ्चयः | अतञ्चयतम् | अतञ्चयत |
| अतञ्चयम् | अतञ्चयाव | अतञ्चयाम |
| अ० अततञ्चत् | अततञ्चताम् | अततञ्चन् |
| अततञ्चः | अततञ्चतम् | अततञ्चत |
| अततञ्चम् | अततञ्चाव | अततञ्चाम |
| प० तञ्चयाश्चकार | तञ्चयाश्चक्रुः | तञ्चयाश्चकुः |
| तञ्चयाश्चकथं | तञ्चयाश्चकथुः | तञ्चयाश्चक |
| तञ्चयाश्चकार-चकर | तञ्चयाश्चकुव | तञ्चयाश्चकुम |
| तञ्चयाम्भूष । तञ्चयामास | | |
| आ० तञ्चयात् | तञ्चयास्ताम् | तञ्चयासुः |
| तञ्चयाः | तञ्चयास्तम् | तञ्चयास्त |
| तञ्चयासम् | तञ्चयास्व | तञ्चयासम |
| श्व० तञ्चयिता | तञ्चयितारौ | तञ्चयितारः |
| तञ्चयितासि | तञ्चयितास्थः | तञ्चयितास्थ |
| तञ्चयितास्मि | तञ्चयितास्वः | तञ्चयितास्मः |
| भ० तञ्चयिष्यति | तञ्चयिष्यतः | तञ्चयिष्यन्ति |
| तञ्चयिष्यसि | तञ्चयिष्यथः | तञ्चयिष्यथ |
| तञ्चयिष्यामि | तञ्चयिष्यावः | तञ्चयिष्यामः |
| क्रि० अतञ्चयिष्यत् | अतञ्चयिष्यताम् | अतञ्चयिष्यन् |
| अतञ्चयिष्यः | अतञ्चयिष्यतम् | अतञ्चयिष्यत |
| अतञ्चयिष्यम् | अतञ्चयिष्याव | अतञ्चयिष्याम |

| | | |
|-------------------------|------------------|-----------------|
| व० तञ्चयते | तञ्चयेते | तञ्चयन्ते |
| तञ्चयसे | तञ्चयेथे | तञ्चयन्वे |
| तञ्चये | तञ्चयावहे | तञ्चयामहे |
| स० तञ्चयेत | तञ्चयेताम् | तञ्चयेरन् |
| तञ्चयेथाः | तञ्चयेथाथाम् | तञ्चयेथ्वम् |
| तञ्चयेय | तञ्चयेवहि | तञ्चयेमहि |
| प० तञ्चयताम् | तञ्चयेताम् | तञ्चयन्ताम् |
| तञ्चयस्व | तञ्चयेथाम् | तञ्चयस्वम् |
| तञ्चये | तञ्चयावहे | तञ्चयामहे |
| ह्य० अतञ्चयत | अतञ्चयेताम् | अतञ्चयन्त |
| अतञ्चयथाः | अतञ्चयेथाम् | अतञ्चयन्वम् |
| अतञ्चये | अतञ्चयावहि | अतञ्चयामहि |
| अ० अततञ्चत | अततञ्चयेताम् | अततञ्चन्त |
| अततञ्चथाः | अततञ्चयेथाम् | अततञ्चन्वम् |
| अततञ्चे | अततञ्चावहि | अततञ्चामहि |
| प० तञ्चयाञ्चके | तञ्चयाञ्चकते | तञ्चयाञ्चकिरे |
| तञ्चयाञ्चकृषे | तञ्चयाञ्चकृषे | तञ्चयाञ्चकृष्वे |
| तञ्चयाञ्चके | तञ्चयाञ्चकृवहे | तञ्चयाञ्चकृमहे |
| तञ्चयाम्भूष । तञ्चयामास | | |
| आ० तञ्चयिषीष्ट | तञ्चयिषीयास्ताम् | तञ्चयिषीरन् |
| तञ्चयिषीष्टाः | तञ्चयिषीयास्थाम् | तञ्चयिषीव्वम् |
| ध्वम् | | |
| तञ्चयिषीय | तञ्चयिषीवहि | तञ्चयिषीमहि |
| श्व० तञ्चयिता | तञ्चयितारौ | तञ्चयितारः |
| तञ्चयितासे | तञ्चयितामाथ | तञ्चयिताथ्वे |
| तञ्चयिताहे | तञ्चयितावहे | तञ्चयितास्महे |
| भ० तञ्चयिष्यते | तञ्चयिष्येते | तञ्चयिष्यन्ते |
| तञ्चयिष्यसे | तञ्चयिष्येथे | तञ्चयिष्यन्वे |
| तञ्चयिष्ये | तञ्चयिष्यावहे | तञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० अतञ्चयिष्यत् | अतञ्चयिष्यताम् | अतञ्चयिष्यन्त |
| अतञ्चयिष्यथाः | अतञ्चयिष्येथाम् | अतञ्चयिष्यन्वम् |
| अतञ्चयिष्ये | अतञ्चयिष्यावहि | अतञ्चयिष्यामहि |

109 त्वञ्चू (त्वञ्च) गतौ ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-------------------------|
| व० | त्वञ्चयति | त्वञ्चयतः | त्वञ्चयन्ति |
| | त्वञ्चयसि | त्वञ्चयथः | त्वञ्चयथ |
| | त्वञ्चयामि | त्वञ्चयावः | त्वञ्चयामः |
| स० | त्वञ्चयेत् | त्वञ्चयेताम् | त्वञ्चयेयुः |
| | त्वञ्चयेः | त्वञ्चयेतम् | त्वञ्चयेत |
| | त्वञ्चयेयम् | त्वञ्चयेव | त्वञ्चयेम |
| प० | त्वञ्चयतु | त्वञ्चयतात् | त्वञ्चयताम् त्वञ्चयन्तु |
| | त्वञ्चय | त्वञ्चयतात् | त्वञ्चयताम् त्वञ्चयत |
| | त्वञ्चयानि | त्वञ्चयाव | त्वञ्चयाम |
| ह्य० | अत्वञ्चयत् | अत्वञ्चयताम् | अत्वञ्चयन् |
| | अत्वञ्चयः | अत्वञ्चयतम् | अत्वञ्चयत |
| | अत्वञ्चयम् | अत्वञ्चयाव | अत्वञ्चयाम |
| अ० | अतत्वञ्चत् | अतत्वञ्चताम् | अतत्वञ्चन् |
| | अतत्वञ्चः | अतत्वञ्चतम् | अतत्वञ्चत |
| | अतत्वञ्चम् | अतत्वञ्चाव | अतत्वञ्चाम |
| ष० | त्वञ्चयाञ्चकार | त्वञ्चयाञ्चकतुः | त्वञ्चयाञ्चकुः |
| | त्वञ्चयाञ्चकथं | त्वञ्चयाञ्चकथुः | त्वञ्चयाञ्चक |
| | त्वञ्चयाञ्चकार-चकर | त्वञ्चयाञ्चकुव | त्वञ्चयाञ्चकूम |
| | त्वञ्चयाञ्चभूव | । | त्वञ्चयामास |
| आ० | त्वञ्चयात् | त्वञ्चयास्ताम् | त्वञ्चयासुः |
| | त्वञ्चयाः | त्वञ्चयास्तम् | त्वञ्चयास्त |
| | त्वञ्चयासम् | त्वञ्चयास्व | त्वञ्चयास्म |
| श्व० | त्वञ्चयिता | त्वञ्चयितारौ | त्वञ्चयितारः |
| | त्वञ्चयितासि | त्वञ्चयितासथः | त्वञ्चयितासथ |
| | त्वञ्चयितास्मि | त्वञ्चयितास्वः | त्वञ्चयितास्मः |
| भ० | त्वञ्चयिष्यति | त्वञ्चयिष्यतः | त्वञ्चयिष्यन्ति |
| | त्वञ्चयिष्यसि | त्वञ्चयिष्यथः | त्वञ्चयिष्यथ |
| | त्वञ्चयिष्यामि | त्वञ्चयिष्यावः | त्वञ्चयिष्यामः |
| क्रि० | अत्वञ्चयिष्यत् | अत्वञ्चयिष्यताम् | अत्वञ्चयिष्यन् |
| | अत्वञ्चयिष्यः | अत्वञ्चयिष्यतम् | अत्वञ्चयिष्यत |
| | अत्वञ्चयिष्यम् | अत्वञ्चयिष्याव | अत्वञ्चयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | त्वञ्चयते | त्वञ्चयेते | त्वञ्चयन्ते |
| | त्वञ्चयसे | त्वञ्चयेथे | त्वञ्चयध्वे |
| | त्वञ्चये | त्वञ्चयावहे | त्वञ्चयामहे |
| स० | त्वञ्चयेत | त्वञ्चयेयाताम् | त्वञ्चयेरन् |
| | त्वञ्चयेथाः | त्वञ्चयेयाथाम् | त्वञ्चयेध्वम् |
| | त्वञ्चयेय | त्वञ्चयेवहि | त्वञ्चयेमहि |
| प० | त्वञ्चयताम् | त्वञ्चयेताम् | त्वञ्चयन्ताम् |
| | त्वञ्चयस्व | त्वञ्चयेथाम् | त्वञ्चयध्वम् |
| | त्वञ्चये | त्वञ्चयावहे | त्वञ्चयामहे |
| ह्य० | अत्वञ्चयन् | अत्वञ्चयेताम् | अत्वञ्चयन्त |
| | अत्वञ्चयथाः | अत्वञ्चयेथाम् | अत्वञ्चयध्वम् |
| | अत्वञ्चये | अत्वञ्चयावहि | अत्वञ्चयामहि |
| अ० | अतत्वञ्चत | अतत्वञ्चयेताम् | अतत्वञ्चन्त |
| | अतत्वञ्चथाः | अतत्वञ्चयेथाम् | अतत्वञ्चध्वम् |
| | अतत्वञ्चे | अतत्वञ्चावहि | अतत्वञ्चामहि |
| प० | त्वञ्चयाञ्चक्रे | त्वञ्चयाञ्चकृते | त्वञ्चयाञ्चकिरे |
| | त्वञ्चयाञ्चकृषे | त्वञ्चयाञ्चकृथे | त्वञ्चयाञ्चकृध्वे |
| | त्वञ्चयाञ्चक्रे | त्वञ्चयाञ्चकृवहे | त्वञ्चयाञ्चकृमहे |
| | त्वञ्चयाञ्चभूव | । | त्वञ्चयामास |
| आ० | त्वञ्चयिषीष्ट | त्वञ्चयिषीयास्ताम् | त्वञ्चयिषीरन् |
| | त्वञ्चयिषीष्टाः | त्वञ्चयिषीयास्थाम् | त्वञ्चयिषीध्वम् |
| | त्वञ्चयिषीय | त्वञ्चयिषीवहि | त्वञ्चयिषीमहि |
| श्व० | त्वञ्चयिता | त्वञ्चयितारौ | त्वञ्चयितारः |
| | त्वञ्चयितासे | त्वञ्चयितारसथे | त्वञ्चयिताध्वे |
| | त्वञ्चयिताहे | त्वञ्चयितारवहे | त्वञ्चयितारमहे |
| भ० | त्वञ्चयिष्यते | त्वञ्चयिष्येते | त्वञ्चयिष्यन्ते |
| | त्वञ्चयिष्यसे | त्वञ्चयिष्येथे | त्वञ्चयिष्यध्वे |
| | त्वञ्चयिष्ये | त्वञ्चयिष्यावहे | त्वञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० | अत्वञ्चयिष्यत | अत्वञ्चयिष्येताम् | अत्वञ्चयिष्यन्त |
| | अत्वञ्चयिष्यथाः | अत्वञ्चयिष्येथाम् | अत्वञ्चयिष्यध्वम् |
| | अत्वञ्चयिष्ये | अत्वञ्चयिष्यावहि | अत्वञ्चयिष्यामहि |

११० मञ्जू (मञ्जु) गतौ

| | | |
|----------------------|--------------------|--------------------|
| व० मञ्जुचयति | मञ्जुचयतः | मञ्जुचयन्ति |
| मञ्जुचयसि | मञ्जुचयथः | मञ्जुचयथ |
| मञ्जुचयामि | मञ्जुचयावः | मञ्जुचयामः |
| स० मञ्जुचयेत् | मञ्जुचयेताम् | मञ्जुचयेयुः |
| मञ्जुचयेः | मञ्जुचयेतम् | मञ्जुचयेत |
| मञ्जुचयेयाम् | मञ्जुचयेव | मञ्जुचयेम |
| मञ्जुचयतु | मञ्जुचयतात् | मञ्जुचयताम् |
| मञ्जुचय | मञ्जुचयतात् | मञ्जुचयतम् |
| मञ्जुचयानि | मञ्जुचयाव | मञ्जुचयाम |
| ह्य० अमञ्जुचयत् | अमञ्जुचयताम् | अमञ्जुचयन् |
| अमञ्जुचयः | अमञ्जुचयतम् | अमञ्जुचयत |
| अमञ्जुचयम् | अमञ्जुचयाव | अमञ्जुचयाम |
| अ० अममञ्जुचत् | अममञ्जुचताम् | अमममञ्जुचन् |
| अममञ्जुचः | अमममञ्जुचतम् | अमममञ्जुचत |
| अमममञ्जुचम् | अमममञ्जुचाव | अमममञ्जुचाम |
| प० मञ्जुचायन्नकरं | मञ्जुचायन्नकतुः | मञ्जुचायन्नकः |
| मञ्जुचायन्नकर्ये | मञ्जुचायन्नकथः | मञ्जुचायन्नक |
| मञ्जुचायन्नकरचक्रैः | मञ्जुचायन्नकचक्रैः | मञ्जुचायन्नकचक्रम् |
| मञ्जुचायन्नकभूव | मञ्जुचायन्नक | |
| आ० मञ्जुचयात् | मञ्जुचयास्ताम् | मञ्जुचयासुः |
| मञ्जुचयाः | मञ्जुचयास्ताम् | मञ्जुचयास्त |
| मञ्जुचयासम् | मञ्जुचयास्व | मञ्जुचयास |
| श्व० मञ्जुचयिता | मञ्जुचयितारौ | मञ्जुचयितारः |
| मञ्जुचयितासि | मञ्जुचयितास्थः | मञ्जुचयितास्थ |
| मञ्जुचयितास्मि | मञ्जुचयितास्वः | मञ्जुचयितास्मः |
| भ० मञ्जुचयिष्यति | मञ्जुचयिष्यतः | मञ्जुचयिष्यन्ति |
| मञ्जुचयिष्यसि | मञ्जुचयिष्यथः | मञ्जुचयिष्यथ |
| मञ्जुचयिष्यामि | मञ्जुचयिष्यावः | मञ्जुचयिष्यामः |
| क्रि० अममञ्जुचयिष्यत | अममञ्जुचयिष्यताम् | अमममञ्जुचयिष्यन् |
| अममञ्जुचयिष्यः | अमममञ्जुचयिष्यतम् | अमममञ्जुचयिष्यत |
| अमममञ्जुचयिष्यम् | अमममञ्जुचयिष्याव | अमममञ्जुचयिष्याम |

| | | |
|----------------------|---------------------|---------------------|
| व० मञ्जुचयेते | मञ्जुचयेते | मञ्जुचयन्ते |
| मञ्जुचयसे | मञ्जुचयेथे | मञ्जुचयन्थे |
| मञ्जुचये | मञ्जुचयावहे | मञ्जुचयामहे |
| स० मञ्जुचयेत | मञ्जुचयेताम् | मञ्जुचयेरन् |
| मञ्जुचयेथाः | मञ्जुचयेथाम् | मञ्जुचयेथ्वम् |
| मञ्जुचयेय | मञ्जुचयेवहि | मञ्जुचयेमहि |
| प० मञ्जुचयताम् | मञ्जुचयेताम् | मञ्जुचयन्ताम् |
| मञ्जुचयस्व | मञ्जुचयेथाम् | मञ्जुचयथ्वम् |
| मञ्जुचये | मञ्जुचयावहे | मञ्जुचयामहे |
| ह्य० अमञ्जुचयत | अमञ्जुचयेताम् | अमञ्जुचयन्त |
| अमञ्जुचयथाः | अमञ्जुचयेथाम् | अमञ्जुचयथ्वम् |
| अमञ्जुचये | अमञ्जुचयावहि | अमञ्जुचयामहि |
| अ० अममञ्जुचत | अमममञ्जुचयेताम् | अमममञ्जुचन्त |
| अमममञ्जुचयाः | अमममञ्जुचयेथाम् | अमममञ्जुचथ्वम् |
| अमममञ्जुचये | अमममञ्जुचयावहि | अमममञ्जुचयामहि |
| प० मञ्जुचायन्नकके | मञ्जुचायन्नककते | मञ्जुचायन्नककिरे |
| मञ्जुचायन्नककषे | मञ्जुचायन्नककथे | मञ्जुचायन्नककवे |
| मञ्जुचायन्नकके | मञ्जुचायन्नककवहे | मञ्जुचायन्नककमहे |
| मञ्जुचायन्नकभूव | मञ्जुचायन्नक | |
| आ० मञ्जुचिषीष्ट | मञ्जुचिषीष्टास्ताम् | मञ्जुचिषीष्टरन् |
| मञ्जुचिषीष्टाः | मञ्जुचिषीष्टास्थाम् | मञ्जुचिषीष्टवम् |
| मञ्जुचिषीष्ट | मञ्जुचिषीष्टवहि | मञ्जुचिषीष्टमहि |
| श्व० मञ्जुचयिता | मञ्जुचयितारौ | मञ्जुचयितारः |
| मञ्जुचयितासे | मञ्जुचयितासाथे | मञ्जुचयिताथ्वे |
| मञ्जुचयिताहे | मञ्जुचयितास्वहे | मञ्जुचयितास्महे |
| भ० मञ्जुचयिष्यते | मञ्जुचयिष्येते | मञ्जुचयिष्यन्ते |
| मञ्जुचयिष्यसे | मञ्जुचयिष्येथे | मञ्जुचयिष्येथ्वे |
| मञ्जुचयिष्ये | मञ्जुचयिष्यावहे | मञ्जुचयिष्यामहे |
| क्रि० अममञ्जुचयिष्यत | अमममञ्जुचयिष्यताम् | अमममञ्जुचयिष्यन्त |
| अमममञ्जुचयिष्यथाः | अमममञ्जुचयिष्येथाम् | अमममञ्जुचयिष्यथ्वम् |
| अमममञ्जुचयिष्ये | अमममञ्जुचयिष्यावहि | अमममञ्जुचयिष्यामहि |

॥ मुञ्च (मुञ्च) गतौ

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | मुञ्चयति | मुञ्चयतः | मुञ्चयन्ति |
| | मुञ्चयसि | मुञ्चयथः | मुञ्चयथ |
| | मुञ्चयामि | मुञ्चयावः | मुञ्चयामः |
| स० | मुञ्चयेत् | मुञ्चयेताम् | मुञ्चयेयुः |
| | मुञ्चयेः | मुञ्चयेतम् | मुञ्चयेत |
| | मुञ्चयेयम् | मुञ्चयेव | मुञ्चयेम |
| प० | मुञ्चयतु | मुञ्चयतात् | मुञ्चयताम् |
| | मुञ्चय | मुञ्चयतात् | मुञ्चयतम् |
| | मुञ्चयानि | मुञ्चयाव | मुञ्चयाम |
| ह्य० | अमुञ्चयत् | अमुञ्चयताम् | अमुञ्चयन् |
| | अमुञ्चयः | अमुञ्चयतम् | अमुञ्चयत |
| | अमुञ्चयम् | अमुञ्चयाव | अमुञ्चयाम |
| अ० | अमुमुञ्चत् | अमुमुञ्चताम् | अमुमुञ्चन् |
| | अमुमुञ्चः | अमुमुञ्चतम् | अमुमुञ्चत |
| | अमुमुञ्चम् | अमुमुञ्चाव | अमुमुञ्चाम |
| प० | मुञ्चयाश्चकार | मुञ्चयाश्चकतुः | मुञ्चयाश्चकुः |
| | मुञ्चयाश्चकर्थ | मुञ्चयाश्चकथुः | मुञ्चयाश्चक |
| | मुञ्चयाश्चकार-वकर | मुञ्चयाश्चकृव | मुञ्चयाश्चकृम |
| | मुञ्चयाम्बभूव | मुञ्चयामास | |
| आ० | मुञ्चयात् | मुञ्चयास्ताम् | मुञ्चयासुः |
| | मुञ्चयाः | मुञ्चयास्तम् | मुञ्चयास्त |
| | मुञ्चयासम् | मुञ्चयास्व | मुञ्चयासम |
| श्च० | मुञ्चयिता | मुञ्चयितारौ | मुञ्चयितारः |
| | मुञ्चयितासि | मुञ्चयितास्थः | मुञ्चयितास्थ |
| | मुञ्चयितास्मि | मुञ्चयितास्वः | मुञ्चयितास्मः |
| भ० | मुञ्चयिष्यति | मुञ्चयिष्यतः | मुञ्चयिष्यन्ति |
| | मुञ्चयिष्यसि | मुञ्चयिष्यथः | मुञ्चयिष्यथ |
| | मुञ्चयिष्यामि | मुञ्चयिष्यावः | मुञ्चयिष्यामः |
| क्रि० | अमुञ्चयिष्यत् | अमुञ्चयिष्यताम् | अमुञ्चयिष्यन् |
| | अमुञ्चयिष्यः | अमुञ्चयिष्यतम् | अमुञ्चयिष्यत |
| | अमुञ्चयिष्यम् | अमुञ्चयिष्याव | अमुञ्चयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | मुञ्चयते | मुञ्चयेते | मुञ्चयन्ते |
| | मुञ्चयते | मुञ्चयेथे | मुञ्चयध्वे |
| | मुञ्चये | मुञ्चयावहे | मुञ्चयामहे |
| स० | मुञ्चयेत | मुञ्चयेताम् | मुञ्चयेरन् |
| | मुञ्चयेथाः | मुञ्चयेथाम् | मुञ्चयेध्वम् |
| | मुञ्चयेथ | मुञ्चयेवहि | मुञ्चयेमहि |
| प० | मुञ्चयताम् | मुञ्चयेताम् | मुञ्चयन्ताम् |
| | मुञ्चयस्व | मुञ्चयेथाम् | मुञ्चयध्वम् |
| | मुञ्चये | मुञ्चयावहे | मुञ्चयामहे |
| ह्य० | अमुञ्चयत | अमुञ्चयेताम् | अमुञ्चयन्त |
| | अमुञ्चयथाः | अमुञ्चयेथाम् | अमुञ्चयध्वम् |
| | अमुञ्चये | अमुञ्चयावहि | अमुञ्चयामहि |
| अ० | अमुमुञ्चत | अमुमुञ्चेताम् | अमुमुञ्चन्त |
| | अमुमुञ्चथाः | अमुमुञ्चेथाम् | अमुमुञ्चध्वम् |
| | अमुमुञ्चे | अमुमुञ्चावहि | अमुमुञ्चामहि |
| प० | मुञ्चयाचक्रे | मुञ्चयाञ्चकृते | मुञ्चयाञ्चकृरे |
| | मुञ्चयाचकृषे | मुञ्चयाञ्चकृथे | मुञ्चयाञ्चकृध्वे |
| | मुञ्चयाचक्रे | मुञ्चयाञ्चकृवहे | मुञ्चयाञ्चकृमहे |
| | मुञ्चयाम्बभूव | मुञ्चयामास | |
| आ० | मुञ्चयिषीष्ट | मुञ्चयिषीयास्ताम् | मुञ्चयिषीरन् |
| | मुञ्चयिषीष्ठाः | मुञ्चयिषीयास्थाम् | मुञ्चयिषीध्वम् |
| | मुञ्चयिषीय | मुञ्चयिषीवहि | मुञ्चयिषीमहि |
| श्च० | मुञ्चयिता | मुञ्चयितारौ | मुञ्चयितारः |
| | मुञ्चयितासे | मुञ्चयितासाथे | मुञ्चयिताध्वे |
| | मुञ्चयिताहे | मुञ्चयितास्वहे | मुञ्चयितामहे |
| भ० | मुञ्चयिष्यते | मुञ्चयिष्येते | मुञ्चयिष्यन्ते |
| | मुञ्चयिष्यसे | मुञ्चयिष्येथे | मुञ्चयिष्यध्वे |
| | मुञ्चयिष्ये | मुञ्चयिष्यावहे | मुञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० | अमुञ्चयिष्यत | अमुञ्चयिष्येताम् | अमुञ्चयिष्यन्त |
| | अमुञ्चयिष्यथाः | अमुञ्चयिष्येथाम् | अमुञ्चयिष्यध्वम् |
| | अमुञ्चयिष्ये | अमुञ्चयिष्यावहि | अमुञ्चयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (११५)

112 मुञ्चू (मुञ्च) गतौ

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | मुञ्चयति | मुञ्चयतः | मुञ्चयन्ति |
| | मुञ्चयसि | मुञ्चयथः | मुञ्चयथ |
| | मुञ्चयामि | मुञ्चयावः | मुञ्चयामः |
| स० | मुञ्चयेत् | मुञ्चयेताम् | मुञ्चयेयुः |
| | मुञ्चयेः | मुञ्चयेतम् | मुञ्चयेत |
| | मुञ्चयेयम् | मुञ्चयेव | मुञ्चयेम |
| प० | मुञ्चयतु | मुञ्चयतात् | मुञ्चयताम् |
| | मुञ्चय | मुञ्चयतात् | मुञ्चयताम् |
| | मुञ्चयानि | मुञ्चयाव | मुञ्चयाम |
| ह्य० | अमुञ्चयत् | अमुञ्चयताम् | अमुञ्चयन् |
| | अमुञ्चयः | अमुञ्चयतम् | अमुञ्चयत |
| | अमुञ्चयम् | अमुञ्चयाव | अमुञ्चयाम |
| अ० | अमुमुञ्चत् | अमुमुञ्चताम् | अमुमुञ्चन् |
| | अमुमुञ्चः | अमुमुञ्चतम् | अमुमुञ्चत |
| | अमुमुञ्चम् | अमुमुञ्चाव | अमुमुञ्चाम |
| प० | मुञ्चयाच्चकार | मुञ्चयाच्चकतुः | मुञ्चयाच्चकुः |
| | मुञ्चयाच्चकथं | मुञ्चयाच्चकथुः | मुञ्चयाच्चक |
| | मुञ्चयाच्चकार-चकर | मुञ्चयाच्चकृव | मुञ्चयाच्चकृम |
| | मुञ्चयाम्बभूव | मुञ्चयामास | |
| आ० | मुञ्चयात् | मुञ्चयास्ताम् | मुञ्चयासुः |
| | मुञ्चयाः | मुञ्चयास्तम् | मुञ्चयास्त |
| | मुञ्चयासम् | मुञ्चयास्व | मुञ्चयासम |
| श्व० | मुञ्चयिता | मुञ्चयितारौ | मुञ्चयितारः |
| | मुञ्चयितासि | मुञ्चयितास्थः | मुञ्चयितास्थ |
| | मुञ्चयितास्मि | मुञ्चयितास्वः | मुञ्चयितास्मः |
| भ० | मुञ्चयिष्यति | मुञ्चयिष्यतः | मुञ्चयिष्यन्ति |
| | मुञ्चयिष्यसि | मुञ्चयिष्यथः | मुञ्चयिष्यथ |
| | मुञ्चयिष्यामि | मुञ्चयिष्यावः | मुञ्चयिष्यामः |
| क्रि० | अमुञ्चयिष्यत् | अमुञ्चयिष्यताम् | अमुञ्चयिष्यन् |
| | अमुञ्चयिष्यः | अमुञ्चयिष्यतम् | अमुञ्चयिष्यत |
| | अमुञ्चयिष्यम् | अमुञ्चयिष्याव | अमुञ्चयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | मुञ्चयते | मुञ्चयेते | मुञ्चयन्ते |
| | मुञ्चयसे | मुञ्चयेथे | मुञ्चयध्वे |
| | मुञ्चये | मुञ्चयावहे | मुञ्चयामहे |
| स० | मुञ्चयेत | मुञ्चयेताम् | मुञ्चयेरन् |
| | मुञ्चयेथाः | मुञ्चयेथाम् | मुञ्चयेध्वम् |
| | मुञ्चयेय | मुञ्चयेवहि | मुञ्चयेमहि |
| प० | मुञ्चयताम् | मुञ्चयेताम् | मुञ्चयन्ताम् |
| | मुञ्चयस्व | मुञ्चयेथाम् | मुञ्चयध्वम् |
| | मुञ्चये | मुञ्चयावहे | मुञ्चयामहे |
| ह्य० | अमुञ्चयत | अमुञ्चयेताम् | अमुञ्चयन्त |
| | अमुञ्चयथाः | अमुञ्चयेथाम् | अमुञ्चयध्वम् |
| | अमुञ्चये | अमुञ्चयावहि | अमुञ्चयामहि |
| अ० | अमुमुञ्चत | अमुमुञ्चेताम् | अमुमुञ्चन्त |
| | अमुमुञ्चथाः | अमुमुञ्चेथाम् | अमुमुञ्चध्वम् |
| | अमुमुञ्चे | अमुमुञ्चावहि | अमुमुञ्चामहि |
| प० | मुञ्चयाच्चक्रे | मुञ्चयाच्चक्राते | मुञ्चयाच्चक्रिरे |
| | मुञ्चयाच्चकृषे | मुञ्चयाच्चक्रथे | मुञ्चयाच्चकृद्वे |
| | मुञ्चयाच्चक्रे | मुञ्चयाच्चकृवहे | मुञ्चयाच्चकृमहे |
| | मुञ्चयाम्बभूव | मुञ्चयामास | |
| आ० | मुञ्चयिषीष्ट | मुञ्चयिषीयास्ताम् | मुञ्चयिषीरन् |
| | मुञ्चयिषीष्टाः | मुञ्चयिषीयास्थाम् | मुञ्चयिषीध्वम् |
| | मुञ्चयिषीय | मुञ्चयिषीवहि | मुञ्चयिषीमहि |
| श्व० | मुञ्चयिता | मुञ्चयितारौ | मुञ्चयितारः |
| | मुञ्चयितासे | मुञ्चयितासाथे | मुञ्चयिताध्वे |
| | मुञ्चयिताहे | मुञ्चयितास्वहे | मुञ्चयितास्महे |
| भ० | मुञ्चयिष्यते | मुञ्चयिष्येते | मुञ्चयिष्यन्ते |
| | मुञ्चयिष्ये | मुञ्चयिष्येथे | मुञ्चयिष्यध्वे |
| | मुञ्चयिष्ये | मुञ्चयिष्यावहे | मुञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० | अमुञ्चयिष्यत् | अमुञ्चयिष्येताम् | अमुञ्चयिष्यन्त |
| | अमुञ्चयिष्यथाः | अमुञ्चयिष्येथाम् | अमुञ्चयिष्यध्वम् |
| | अमुञ्चयिष्ये | अमुञ्चयिष्यावहि | अमुञ्चयिष्यामहि |

११३ मृच मृच) गतौ

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|----------------|
| ब० | म्रोचयति | म्रोचयतः | म्रोचयन्ति |
| | म्रोचयसि | म्रोचयथः | म्रोचयथ |
| | म्रोचयामि | म्रोचयामः | म्रोचयामः |
| स० | म्रोचयेत् | म्रोचयेताम् | म्रोचयेयुः |
| | म्रोचयेः | म्रोचयेतम् | म्रोचयेत |
| | म्रोचयेयम् | म्रोचयेव | म्रोचयेम |
| प० | म्रोचयतु | म्रोचयतात् | म्रोचयताम् |
| | म्रोचय | म्रोचयतात् | म्रोचयतम् |
| | म्रोचयानि | म्रोचया | म्रोचयाम |
| ह्य० | अम्रोचयत् | अम्रोचयताम् | अम्रोचयन् |
| | अम्रोचयः | अम्रोचयतम् | अम्रोचयत |
| | अम्रोचयम् | अम्रोचयाव | अम्रोचयाम |
| अ० | अमुमृचत् | अमुमृचताम् | अमुमृचन् |
| | अमुमृचः | अमुमृचतम् | अमुमृचत |
| | अमुमृचम् | अमुमृचाव | अमुमृचाम |
| प० | म्रोचयाञ्चकार | म्रोचयाञ्चक्रुः | म्रोचयाञ्चकुः |
| | म्रोचयाञ्चकथं | म्रोचयाञ्चक्रथुः | म्रोचयाञ्चक्र |
| | म्रोचयाञ्चकार-चक्र | म्रोचयाञ्चक्रव | म्रोचयाञ्चक्रम |
| | म्रोचयाम्भूव | म्रोचयामास | |
| आ | म्रोच्यात् | म्रोच्यास्ताम् | म्रोच्यासुः |
| | म्रोच्याः | म्रोच्यास्तम् | म्रोच्यास्त |
| | म्रोच्यासम् | म्रोच्यास्व | म्रोच्यास्म |
| क्ष० | म्रोचयिता | म्रोचयितारौ | म्रोचयितारः |
| | म्रोचयितासि | म्रोचयितास्थः | म्रोचयितास्थ |
| | म्रोचयितास्मि | म्रोचयितास्वः | म्रोचयितास्मः |
| भ० | म्रोचयिष्यति | म्रोचयिष्यतः | म्रोचयिष्यन्ति |
| | म्रोचयिष्यसि | म्रोचयिष्यथः | म्रोचयिष्यथ |
| | म्रोचयिष्यामि | म्रोचयिष्यावः | म्रोचयिष्यामः |
| क्रि० | अम्रोचयिष्यत् | अम्रोचयिष्यताम् | अम्रोचयिष्यन् |
| | अम्रोचयिष्यः | अम्रोचयिष्यतम् | अम्रोचयिष्यत |
| | अम्रोचयिष्यम् | अम्रोचयिष्याव | अम्रोचयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|------------------|
| व० | म्रोचयते | म्रोचयेते | म्रोचयन्ते |
| | म्रोचयसे | म्रोचयेथे | म्रोचयध्वे |
| | म्रोचये | म्रोचयावहे | म्रोचयामहे |
| स० | म्रोचयेत् | म्रोचयेयाताम् | म्रोचयेरन् |
| | म्रोचयेथाः | म्रोचयेयाथाम् | म्रोचयेचम् |
| | म्रोचयेय | म्रोचयेवहि | म्रोचयेमहि |
| प० | म्रोचयताम् | म्रोचयेताम् | म्रोचयन्ताम् |
| | म्रोचयस्व | म्रोचयेथाम् | म्रोचयध्वम् |
| | म्रोचयै | म्रोचयावहे | म्रोचयामहे |
| ह्य० | अम्रोचयत | अम्रोचयेताम् | अम्रोचयन्त |
| | अम्रोचयथाः | अम्रोचयेथाम् | अम्रोचयध्वम् |
| | अम्रोचये | अम्रोचयावहि | अम्रोचयामहि |
| अ० | अमुमृचत् | अमुमृचेताम् | अमुमृचन्त |
| | अमुमृचथाः | अमुमृचेथाम् | अमुमृचध्वम् |
| | अमुमृचे | अमुमृचावहि | अमुमृचामहि |
| प० | म्रोचयाञ्चक्रे | म्रोचयाञ्चक्राते | म्रोचयाञ्चक्रिरे |
| | म्रोचयाञ्चक्रुषे | म्रोचयाञ्चक्राथे | म्रोचयाञ्चक्रुवे |
| | म्रोचयाञ्चक्रे | म्रोचयाञ्चक्रवहे | म्रोचयाञ्चक्रमहे |
| | म्रोचयाम्भूव | म्रोचयामास | |
| आ | म्रोचयिषीष्ट | म्रोचयिषीयास्ताम् | म्रोचयिषीरन् |
| | म्रोचयिषीष्टाः | म्रोचयिषीयास्थाम् | म्रोचयिषीध्वम् |
| | म्रोचयिषीय | म्रोचयिषीवहि | म्रोचयिषीमहि |
| क्ष० | म्रोचयिता | म्रोचयितारौ | म्रोचयितारः |
| | म्रोचयितासे | म्रोचयितासाथे | म्रोचयिताध्वे |
| | म्रोचयिताहे | म्रोचयितास्वहे | म्रोचयितास्महे |
| भ० | म्रोचयिष्यते | म्रोचयिष्येते | म्रोचयिष्यन्ते |
| | म्रोचयिष्यसे | म्रोचयिष्येथे | म्रोचयिष्यध्वे |
| | म्रोचयिष्ये | म्रोचयिष्यावहे | म्रोचयिष्यामहे |
| क्रि० | अम्रोचयिष्यत् | अम्रोचयिष्येताम् | अम्रोचयिष्यन्त |
| | अम्रोचयिष्यथाः | अम्रोचयिष्येथाम् | अम्रोचयिष्यध्वम् |
| | अम्रोचयिष्ये | अम्रोचयिष्यावहि | अम्रोचयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भाषे णिगणनप्रक्रिया ॥ (११३)

॥१४ म्लुच् (म्लुच्) गतौ

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | म्लोचयति | म्लोचयतः | म्लोचयन्ति |
| | म्लोचयसि | म्लोचयथः | म्लोचयथ |
| | म्लोचयामि | म्लोचयावः | म्लोचयामः |
| स० | म्लोचयेत् | म्लोचयेताम् | म्लोचयेयुः |
| | म्लोचयेः | म्लोचयेतम् | म्लोचयेत |
| | म्लोचयेयम् | म्लोचयेव | म्लोचयेम |
| प० | म्लोचयतु | म्लोचयतात् | म्लोचयताम् |
| | म्लोचय | म्लोचयतात् | म्लोचयतम् |
| | म्लोचयानि | म्लोचयाव | म्लोचयाम |
| ह्य० | अम्लोचयत् | अम्लोचयताम् | अम्लोचयन् |
| | अम्लोचयः | अम्लोचयतम् | अम्लोचयत |
| | अम्लोचयम् | अम्लोचयाव | अम्लोचयाम |
| अ० | अमुम्लुचत् | अमुम्लुचताम् | अमुम्लुचन् |
| | अमुम्लुचः | अमुम्लुचतम् | अमुम्लुचत |
| | अमुम्लुचम् | अमुम्लुचाव | अमुम्लुचाम |
| प० | म्लोचयाञ्चकार | म्लोचयाञ्चक्रतुः | म्लोचयाञ्चक्रुः |
| | म्लोचयाञ्चकथं | म्लोचयाञ्चकथुः | म्लोचयाञ्चक |
| | म्लोचयाञ्चकार-चकर | म्लोचयाञ्चकृव | म्लोचयाञ्चकृम |
| | म्लोचयाम्बभूव | । | म्लोचयामास |
| आ० | म्लोचयात् | म्लोचयास्ताम् | म्लोचयासुः |
| | म्लोचयाः | म्लोचयास्तम् | म्लोचयास्त |
| | म्लोचयासम् | म्लोचयास्व | म्लोचयास्म |
| श्व० | म्लोचयिता | म्लोचयितारौ | म्लोचयितारः |
| | म्लोचयितामि | म्लोचयितास्थः | म्लोचयितास्थ |
| | म्लोचयितास्मि | म्लोचयितास्वः | म्लोचयितास्मः |
| भ० | म्लोचयिष्यति | म्लोचयिष्यतः | म्लोचयिष्यन्ति |
| | म्लोचयिष्यसि | म्लोचयिष्यथः | म्लोचयिष्यथ |
| | म्लोचयिष्यामि | म्लोचयिष्यावः | म्लोचयिष्यामः |
| क्रि० | अम्लोचयिष्यत् | अम्लोचयिष्यताम् | अम्लोचयिष्यन् |
| | अम्लोचयिष्यः | अम्लोचयिष्यतम् | अम्लोचयिष्यत |
| | अम्लोचयिष्यम् | अम्लोचयिष्याव | अम्लोचयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | म्लोचयते | म्लोचयते | म्लोचयन्ते |
| | म्लोचयसे | म्लोचयथे | म्लोचयध्वे |
| | म्लोचये | म्लोचयावहे | म्लोचयामहे |
| स० | म्लोचयेत | म्लोचयेयाताम् | म्लोचयेरन् |
| | म्लोचयेथाः | म्लोचयेयाथाम् | म्लोचयेष्वम् |
| | म्लोचयेय | म्लोचयेवहि | म्लोचयेमहि |
| प० | म्लोचयताम् | म्लोचयेताम् | म्लोचयन्ताम् |
| | म्लोचयस्व | म्लोचयेथाम् | म्लोचयध्वम् |
| | म्लोचये | म्लोचयावहे | म्लोचयामहे |
| ह्य० | अम्लोचयत | अम्लोचयेताम् | अम्लोचयन्त |
| | अम्लोचयथाः | अम्लोचयेथाम् | अम्लोचयध्वम् |
| | अम्लोचये | अम्लोचयावहि | अम्लोचयामहि |
| अ० | अमुम्लुचत | अमुम्लुचेताम् | अमुम्लुचन्त |
| | अमुम्लुचथाः | अमुम्लुचेथाम् | अमुम्लुचध्वम् |
| | अमुम्लुचे | अमुम्लुचावहि | अमुम्लुचामहि |
| प० | म्लोचयाचके | म्लोचयाञ्चक्राते | म्लोचयाञ्चकिरे |
| | म्लोचयाचकृषे | म्लोचयाचकथे | म्लोचयाञ्चकृवहे |
| | म्लोचयाचके | म्लोचयाञ्चकृवहे | म्लोचयाञ्चकृमहे |
| | म्लोचयाम्बभूव | । | म्लोचयामास |
| आ० | म्लोचयिषीष्ट | म्लोचयिषीयास्ताम् | म्लोचयिषीरन् |
| | म्लोचयिषीष्ठाः | म्लोचयिषीयास्थाम् | म्लोचयिषीध्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | म्लोचयिषीय | म्लोचयिषीवहि | म्लोचयिषीमहि |
| श्व० | म्लोचयिता | म्लोचयितारौ | म्लोचयितारः |
| | म्लोचयितासे | म्लोचयितासाथे | म्लोचयिताध्वे |
| | म्लोचयिताहे | म्लोचयितास्वहे | म्लोचयितास्महे |
| भ० | म्लोचयिष्यते | म्लोचयिष्येते | म्लोचयिष्यन्ते |
| | म्लोचयिष्यसे | म्लोचयिष्यथे | म्लोचयिष्यध्वे |
| | म्लोचयिष्ये | म्लोचयिष्यावहे | म्लोचयिष्यामहे |
| क्रि० | अम्लोचयिष्यत | अम्लोचयिष्यताम् | अम्लोचयिष्यन्त |
| | अम्लोचयिष्यथाः | अम्लोचयिष्येथाम् | अम्लोचयिष्यध्वम् |
| | अम्लोचयिष्ये | अम्लोचयिष्यावहि | अम्लोचयिष्यामहि |

115 ग्लुञ्च (ग्लुञ्च) गतौ

| | | |
|-----------------------|-------------------|------------------|
| व० ग्लुञ्चयति | ग्लुञ्चयतः | ग्लुञ्चयन्ति |
| ग्लुञ्चयसि | ग्लुञ्चयथः | ग्लुञ्चयथ |
| ग्लुञ्चयामि | ग्लुञ्चयावः | ग्लुञ्चयामः |
| स० ग्लुञ्चयेत् | ग्लुञ्चयेताम् | ग्लुञ्चयेयुः |
| ग्लुञ्चयेः | ग्लुञ्चयेतम् | ग्लुञ्चयेत |
| ग्लुञ्चयेयम् | ग्लुञ्चयेव | ग्लुञ्चयेम |
| प० ग्लुञ्चयतु | ग्लुञ्चयतात् | ग्लुञ्चयताम् |
| ग्लुञ्चयः | ग्लुञ्चयतात् | ग्लुञ्चयतम् |
| ग्लुञ्चयानि | ग्लुञ्चयाव | ग्लुञ्चयाम |
| ह्य० अग्लुञ्चयत् | अग्लुञ्चयताम् | अग्लुञ्चयन् |
| अग्लुञ्चयः | अग्लुञ्चयतम् | अग्लुञ्चयत |
| अग्लुञ्चयम् | अग्लुञ्चयाव | अग्लुञ्चयाम |
| अ० अजुग्लुञ्चत् | अजुग्लुञ्चताम् | अजुग्लुञ्चन् |
| अजुग्लुञ्चः | अजुग्लुञ्चतम् | अजुग्लुञ्चत |
| अजुग्लुञ्चम् | अजुग्लुञ्चाव | अजुग्लुञ्चाम |
| प० ग्लुञ्चयाञ्चकार | ग्लुञ्चयाञ्चकतुः | ग्लुञ्चयाञ्चकुः |
| ग्लुञ्चयाञ्चकथं | ग्लुञ्चयाञ्चकथुः | ग्लुञ्चयाञ्चक |
| ग्लुञ्चयाञ्चकार-चकर | ग्लुञ्चयाञ्चकृव | ग्लुञ्चयाञ्चकृम |
| ग्लुञ्चयाम्बभूव | ग्लुञ्चयामास | |
| आ० ग्लुञ्चयात् | ग्लुञ्चयास्ताम् | ग्लुञ्चयासुः |
| ग्लुञ्चयाः | ग्लुञ्चयास्तम् | ग्लुञ्चयास्त |
| ग्लुञ्चयासम् | ग्लुञ्चयास्व | ग्लुञ्चयास्म |
| श्व० ग्लुञ्चयिता | ग्लुञ्चयितारौ | ग्लुञ्चयितारः |
| ग्लुञ्चयितासि | ग्लुञ्चयितास्थः | ग्लुञ्चयितास्थ |
| ग्लुञ्चयितामि | ग्लुञ्चयितास्वः | ग्लुञ्चयितास्मः |
| भ० ग्लुञ्चयिष्यति | ग्लुञ्चयिष्यतः | ग्लुञ्चयिष्यन्ति |
| ग्लुञ्चयिष्यसि | ग्लुञ्चयिष्यथः | ग्लुञ्चयिष्यथ |
| ग्लुञ्चयिष्यामि | ग्लुञ्चयिष्यावः | ग्लुञ्चयिष्यामः |
| क्रि० अग्लुञ्चयिष्यत् | अग्लुञ्चयिष्यताम् | अग्लुञ्चयिष्यन् |
| अग्लुञ्चयिष्यः | अग्लुञ्चयिष्यतम् | अग्लुञ्चयिष्यत |
| अग्लुञ्चयिष्यम् | अग्लुञ्चयिष्याव | अग्लुञ्चयिष्याम |

| | | |
|----------------------|---------------------|--------------------|
| व० ग्लुञ्चयते | ग्लुञ्चयेते | ग्लुञ्चयन्ते |
| ग्लुञ्चयसे | ग्लुञ्चयेथे | ग्लुञ्चयध्वे |
| ग्लुञ्चये | ग्लुञ्चयावहे | ग्लुञ्चयामहे |
| स० ग्लुञ्चयेत | ग्लुञ्चयेयाताम् | ग्लुञ्चयेरन् |
| ग्लुञ्चयेथाः | ग्लुञ्चयेयाथाम् | ग्लुञ्चयेध्वम् |
| ग्लुञ्चयेथ | ग्लुञ्चयेवहि | ग्लुञ्चयेमहि |
| प० ग्लुञ्चयताम् | ग्लुञ्चयेताम् | ग्लुञ्चयन्ताम् |
| ग्लुञ्चयस्व | ग्लुञ्चयेथाम् | ग्लुञ्चयध्वम् |
| ग्लुञ्चये | ग्लुञ्चयावहे | ग्लुञ्चयामहे |
| ह्य० अग्लुञ्चयत | अग्लुञ्चयेताम् | अग्लुञ्चयन्त |
| अग्लुञ्चयथाः | अग्लुञ्चयेथाम् | अग्लुञ्चयध्वम् |
| अग्लुञ्चये | अग्लुञ्चयावहि | अग्लुञ्चयामहि |
| अ० अजुग्लुञ्चत | अजुग्लुञ्चेताम् | अजुग्लुञ्चन्त |
| अजुग्लुञ्चथाः | अजुग्लुञ्चेथाम् | अजुग्लुञ्चध्वम् |
| अजुग्लुञ्चे | अजुग्लुञ्चावहि | अजुग्लुञ्चामहि |
| प० ग्लुञ्चयाञ्चके | ग्लुञ्चयाञ्चकाते | ग्लुञ्चयाञ्चकिरे |
| ग्लुञ्चयाञ्चकृषे | ग्लुञ्चयाञ्चकृथे | ग्लुञ्चयाञ्चकृह्वे |
| ग्लुञ्चयाञ्चके | ग्लुञ्चयाञ्चकृवहे | ग्लुञ्चयाञ्चकृमहे |
| ग्लुञ्चयाम्बभूव | ग्लुञ्चयामास | |
| आ० ग्लुञ्चयिषीष्ट | ग्लुञ्चयिषीयास्ताम् | ग्लुञ्चयिषीरन् |
| ग्लुञ्चयिषीष्टाः | ग्लुञ्चयिषीयास्थाम् | ग्लुञ्चयिषीध्वम् |
| ग्लुञ्चयिषीय | ग्लुञ्चयिषीवहि | ग्लुञ्चयिषीमहि |
| श्व० ग्लुञ्चयिता | ग्लुञ्चयितारौ | ग्लुञ्चयितारः |
| ग्लुञ्चयितासे | ग्लुञ्चयितासाथे | ग्लुञ्चयिताध्वे |
| ग्लुञ्चयिताहे | ग्लुञ्चयितास्वहे | ग्लुञ्चयितास्महे |
| भ० ग्लुञ्चयिष्यते | ग्लुञ्चयिष्येते | ग्लुञ्चयिष्यन्ते |
| ग्लुञ्चयिष्यसे | ग्लुञ्चयिष्येथे | ग्लुञ्चयिष्यध्वे |
| ग्लुञ्चयिष्ये | ग्लुञ्चयिष्यावहे | ग्लुञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० अग्लुञ्चयिष्यत | अग्लुञ्चयिष्यताम् | अग्लुञ्चयिष्यन्त |
| अग्लुञ्चयिष्यथाः | अग्लुञ्चयिष्येथाम् | अग्लुञ्चयिष्यध्वम् |
| अग्लुञ्चयिष्ये | अग्लुञ्चयिष्यावहि | अग्लुञ्चयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (११९)

116 षष्ठ (सञ्च) गतौ

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | सञ्चवति | सञ्चवतः | सञ्चवन्ति |
| | सञ्चवसि | सञ्चवथः | सञ्चवथ |
| | सञ्चवामि | सञ्चवावः | सञ्चवामः |
| स० | सञ्चयेत् | सञ्चयेताम् | सञ्चयेयुः |
| | सञ्चयेः | सञ्चयेताम् | सञ्चयेत |
| | सञ्चयेयम् | सञ्चयेव | सञ्चयेम |
| प० | सञ्चयत् | सञ्चयतात् | सञ्चयताम् |
| | सञ्चय | सञ्चयतात् | सञ्चयतम् |
| | सञ्चयानि | सञ्चयाव | सञ्चयाम |
| ह्य० | असञ्चयत् | असञ्चयताम् | असञ्चयन् |
| | असञ्चयः | असञ्चयतम् | असञ्चयत |
| | असञ्चयम् | असञ्चयाव | असञ्चयाम |
| अ० | असञ्चयत् | असञ्चयताम् | असञ्चयन् |
| | असञ्चयः | असञ्चयतम् | असञ्चयत |
| | असञ्चयम् | असञ्चयाव | असञ्चयाम |
| प० | सञ्चयाश्चकार | सञ्चयाश्चक्रुः | सञ्चयाश्चकुः |
| | सञ्चयाश्चकथं | सञ्चयाश्चकथुः | सञ्चयाश्चकथ |
| | सञ्चयाश्चकार-चकर | सञ्चयाश्चकृष | सञ्चयाश्चकृम |
| | सञ्चयाश्चभूव | सञ्चयाश्चभूव | सञ्चयाश्चभूव |
| आ० | सञ्चयात् | सञ्चयास्ताम् | सञ्चयासुः |
| | सञ्चयाः | सञ्चयास्तम् | सञ्चयास्त |
| | सञ्चयासम् | सञ्चयास्व | सञ्चयास्म |
| श्च० | सञ्चयिता | सञ्चयितारौ | सञ्चयितारः |
| | सञ्चयितासि | सञ्चयितास्थः | सञ्चयितास्थ |
| | सञ्चयितास्मि | सञ्चयितास्वः | सञ्चयितास्मः |
| भ० | सञ्चयिष्यति | सञ्चयिष्यतः | सञ्चयिष्यन्ति |
| | सञ्चयिष्यसि | सञ्चयिष्यथः | सञ्चयिष्यथ |
| | सञ्चयिष्यामि | सञ्चयिष्यावः | सञ्चयिष्यामः |
| क्रि० | असञ्चयिष्यत् | असञ्चयिष्यताम् | असञ्चयिष्यन् |
| | असञ्चयिष्यः | असञ्चयिष्यतम् | असञ्चयिष्यत |
| | असञ्चयिष्यम् | असञ्चयिष्याव | असञ्चयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|------------------|
| व० | सञ्चयेते | सञ्चयेते | सञ्चयन्ते |
| | सञ्चयेसे | सञ्चयेथे | सञ्चयन्थे |
| | सञ्चये | सञ्चयावहे | सञ्चयामहे |
| स० | सञ्चयेत् | सञ्चयेयाताम् | सञ्चयेरन् |
| | सञ्चयेथाः | सञ्चयेयाथाम् | सञ्चयेष्वम् |
| | सञ्चयेव | सञ्चयेवहि | सञ्चयेमहि |
| प० | सञ्चयताम् | सञ्चयेताम् | सञ्चयन्ताम् |
| | सञ्चयस्व | सञ्चयेथाम् | सञ्चयेष्वम् |
| | सञ्चयै | सञ्चयावहे | सञ्चयामहे |
| ह्य० | असञ्चयत | असञ्चयेताम् | असञ्चयन्त |
| | असञ्चयथाः | असञ्चयेथाम् | असञ्चयेष्वम् |
| | असञ्चये | असञ्चयावहि | असञ्चयामहि |
| अ० | असञ्चयत | असञ्चयेताम् | असञ्चयन्त |
| | असञ्चयथाः | असञ्चयेथाम् | असञ्चयेष्वम् |
| | असञ्चये | असञ्चयावहि | असञ्चयामहि |
| प० | सञ्चयाश्चक्रे | सञ्चयाश्चक्रते | सञ्चयाश्चक्रिरे |
| | सञ्चयाश्चक्रुषे | सञ्चयाश्चक्रथे | सञ्चयाश्चक्रुव |
| | सञ्चयाश्चक्रे | सञ्चयाश्चक्रुहे | सञ्चयाश्चक्रुमहे |
| | सञ्चयाश्चभूव | सञ्चयाश्चभूव | सञ्चयाश्चभूव |
| आ० | सञ्चयिषीष्ट | सञ्चयिषीयास्ताम् | सञ्चयिषीरन् |
| | सञ्चयिषीष्टाः | सञ्चयिषीयास्थाम् | सञ्चयिषीह्वम् |
| | सञ्चयिषीय | सञ्चयिषीवहि | सञ्चयिषीमहि |
| श्च० | सञ्चयिता | सञ्चयितारौ | सञ्चयितारः |
| | सञ्चयितासे | सञ्चयितासाथे | सञ्चयितास्व |
| | सञ्चयिताहे | सञ्चयितास्वहे | सञ्चयितास्महे |
| भ० | सञ्चयिष्यते | सञ्चयिष्येते | सञ्चयिष्यन्ते |
| | सञ्चयिष्यसे | सञ्चयिष्यथे | सञ्चयिष्यथ्वे |
| | सञ्चयिष्ये | सञ्चयिष्यावहे | सञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० | असञ्चयिष्यत् | असञ्चयिष्येताम् | असञ्चयिष्यन्त |
| | असञ्चयिष्यथाः | असञ्चयिष्येथाम् | असञ्चयिष्येष्वम् |
| | असञ्चयिष्ये | असञ्चयिष्यावहि | असञ्चयिष्यामहि |

104 प्रुच (प्रुच) स्तेये ।

| | | | |
|------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | प्रोचयति | प्रोचयतः | प्रोचयन्ति |
| | प्रोचयसि | प्रोचयथः | प्रोचयथ |
| | प्रोचयामि | प्रोचयावः | प्रोचयामः |
| स० | प्रोचयेत् | प्रोचयेताम् | प्रोचयेयुः |
| | प्रोचये | प्रोचयेतम् | प्रोचयेत |
| | प्रोचयेयम् | प्रोचयेव | प्रोचयेम |
| प० | प्रोचयतु | प्रोचयतात् | प्रोचयताम् |
| | प्रोचय | प्रोचयतात् | प्रोचयतम् |
| | प्रोचयानि | प्रोचयान् | प्रोचयाम |
| ह्य० | अप्रोचयत् | अप्रोचयताम् | अप्रोचयन् |
| | अप्रोचयः | अप्रोचयतम् | अप्रोचयत |
| | अप्रोचयम् | अप्रोचया | अप्रोचयाम |
| अ० | अजुप्रुचत् | अजुप्रुचताम् | अजुप्रुचन् |
| | अजुप्रुचः | अजुप्रुचतम् | अजुप्रुचत |
| | अजुप्रुचम् | अजुप्रुचाव | अजुप्रुचाम |
| प० | प्रोचयाञ्चकार | प्रोचयाञ्चक्रुः | प्रोचयाञ्चकुः |
| | प्रोचयाञ्चकथे | प्रोचयाञ्चकथुः | प्रोचयाञ्चक |
| | प्रोचयाञ्चकार-चकर | प्रोचयाञ्चकृव | प्रोचयाञ्चकृम |
| | प्रोचयाम्बभूव | । | प्रोचयामास |
| आ | प्रोच्यात् | प्रोच्यास्ताम् | प्रोच्यालुः |
| | प्रोच्याः | प्रोच्यास्तम् | प्रोच्यास्त |
| | प्रोच्यासम् | प्रोच्यास्व | प्रोच्यास्म |
| श्व० | प्रोचयिता | प्रोचयितारौ | प्रोचयितारः |
| | प्रोचयितासि | प्रोचयितास्थः | प्रोचयितास्थ |
| | प्रोचयितास्मि | प्रोचयितास्वः | प्रोचयितास्मः |
| भ० | प्रोचयिष्यति | प्रोचयिष्यतः | प्रोचयिष्यन्ति |
| | प्रोचयिष्यसि | प्रोचयिष्यथः | प्रोचयिष्यथ |
| | प्रोचयिष्यामि | प्रोचयिष्यावः | प्रोचयिष्यामः |
| कि० | अप्रोचयिष्यत् | अप्रोचयिष्यताम् | अप्रोचयिष्यन् |
| | अप्रोचयिष्यः | अप्रोचयिष्यतम् | अप्रोचयिष्यत |
| | अप्रोचयिष्यम् | अप्रोचयिष्याव | अप्रोचयिष्याम |

| | | | |
|------|----------------|---------------------|-------------------|
| व० | प्रोचयते | प्रोचयेते | प्रोचयन्ते |
| | प्रोचयसे | प्रोचयेथे | प्रोचयध्वे |
| | प्रोचये | प्रोचयावहे | प्रोचयामहे |
| स० | प्रोचयेत् | प्रोचयेयाताम् | प्रोचयेयुः |
| | प्रोचयेथाः | प्रोचयेयथाम् | प्रोचयेयध्वम् |
| | प्रोचयेय | प्रोचयेवहि | प्रोचयेमहि |
| प० | प्रोचयताम् | प्रोचयेताम् | प्रोचयन्ताम् |
| | प्रोचयस्व | प्रोचयेथाम् | प्रोचयध्वम् |
| | प्रोचये | प्रोचयावहे | प्रोचयामहे |
| ह्य० | अप्रोचयत् | अप्रोचयेताम् | अप्रोचयन्त |
| | अप्रोचयथाः | अप्रोचयेथाम् | अप्रोचयध्वम् |
| | अप्रोचये | अप्रोचयावहि | अप्रोचयामहि |
| अ० | अजुप्रुचत् | अजुप्रुचेताम् | अजुप्रुचन्त |
| | अजुप्रुचथाः | अजुप्रुचेथाम् | अजुप्रुचध्वम् |
| | अजुप्रुचे | अजुप्रुचावहि | अजुप्रुचामहि |
| प० | प्रोचयाञ्चक्रे | प्रोचयाञ्चक्राते | प्रोचयाञ्चकिरे |
| | प्रोचयाञ्चकृषे | प्रोचयाञ्चकृषे | प्रोचयाञ्चकृष्वे |
| | प्रोचयाञ्चक्रे | प्रोचयाञ्चकृवहे | प्रोचयाञ्चकृमहे |
| | प्रोचयाम्बभूव | । | प्रोचयामास |
| आ० | प्रोचयिषीष्ट | प्रोचयिषीष्टाताम् | प्रोचयिषीरन् |
| | प्रोचयिषीष्टाः | प्रोचयिषीष्टास्थाम् | प्रोचयिषीष्टध्वम् |
| | प्रोचयिषीय | प्रोचयिषीवहि | प्रोचयिषीमहि |
| | प्रोचयिता | प्रोचयितारौ | प्रोचयितारः |
| | प्रोचयितासि | प्रोचयितास्थे | प्रोचयितास्थे |
| | प्रोचयिताहे | प्रोचयितास्वहे | प्रोचयितास्महे |
| भ० | प्रोचयिष्यति | प्रोचयिष्यते | प्रोचयिष्यन्ति |
| | प्रोचयिष्यसे | प्रोचयिष्येथि | प्रोचयिष्यध्वे |
| | प्रोचयिष्ये | प्रोचयिष्यावहे | प्रोचयिष्यामहे |
| के० | अप्रोचयिष्यत् | अप्रोचयिष्यताम् | अप्रोचयिष्यन्त |
| | अप्रोचयिष्यथाः | अप्रोचयिष्येथाम् | अप्रोचयिष्यध्वम् |
| | अप्रोचयिष्ये | अप्रोचयिष्येवहि | अप्रोचयिष्यामहि |

११८ ग्लुच् (ग्लुच) स्तेये । गतावपि केचित्

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| व० | ग्लोचयति | ग्लोचयतः | ग्लोचयन्ति |
| | ग्लोचयसि | ग्लोचयथः | ग्लोचयथ |
| | ग्लोचयामि | ग्लोचयावः | ग्लोचयामः |
| स० | ग्लोचयेत् | ग्लोचयेताम् | ग्लोचयेयुः |
| | ग्लोचयेः | ग्लोचयेतम् | ग्लोचयेत |
| | ग्लोचयेयम् | ग्लोचयेव | ग्लोचयेम |
| प० | ग्लोचयन्तु | ग्लोचयतात् | ग्लोचयताम् |
| | ग्लोचयन्तु | ग्लोचयतान् | ग्लोचयतम् |
| | ग्लोचयन्ति | ग्लोचयाव | ग्लोचयाम |
| ह्य० | अग्लोचयत् | अग्लोचयताम् | अग्लोचयन् |
| | अग्लोचयः | अग्लोचयतम् | अग्लोचयत |
| | अग्लोचयम् | अग्लोचयाव | अग्लोचयाम |
| अ० | अग्लुचत् | अग्लुचताम् | अग्लुचन् |
| | अग्लुचः | अग्लुचतम् | अग्लुचत |
| | अग्लुचम् | अग्लुचाव | अग्लुचाम |
| प० | ग्लोचयाश्चकार | ग्लोचयाश्चक्रुः | ग्लोचयाश्चक्रुः |
| | ग्लोचयाश्चकथे | ग्लोचयाश्चक्रुः | ग्लोचयाश्चक्रुः |
| | ग्लोचयाश्चकार-चक्र | ग्लोचयाश्चक्रुव | ग्लोचयाश्चक्रुम |
| | ग्लोचयाम्बभूव | । | ग्लोचयामास |
| आ० | ग्लोचयात् | ग्लोचयास्ताम् | ग्लोचयासुः |
| | ग्लोचयाः | ग्लोचयास्तम् | ग्लोचयास्त |
| | ग्लोचयासम् | ग्लोचयास्व | ग्लोचयास्म |
| श्व० | ग्लोचयिता | ग्लोचयितारौ | ग्लोचयितारः |
| | ग्लोचयितासि | ग्लोचयितास्वः | ग्लोचयितास्व |
| | ग्लोचयितास्मि | ग्लोचयितास्वः | ग्लोचयितास्मः |
| भ० | ग्लोचयिष्यति | ग्लोचयिष्यतः | ग्लोचयिष्यन्ति |
| | ग्लोचयिष्यसि | ग्लोचयिष्यथः | ग्लोचयिष्यथ |
| | ग्लोचयिष्यामि | ग्लोचयिष्यावः | ग्लोचयिष्यामः |
| क्रि० | अग्लोचयिष्यत् | अग्लोचयिष्यताम् | अग्लोचयिष्यन् |
| | अग्लोचयिष्यः | अग्लोचयिष्यतम् | अग्लोचयिष्यत |
| | अग्लोचयिष्यम् | अग्लोचयिष्याव | अग्लोचयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|----------------------|
| व० | ग्लोचयते | ग्लोचयेते | ग्लोचयन्ते |
| | ग्लोचयसे | ग्लोचयेथे | ग्लोचयध्वे |
| | ग्लोचये | ग्लोचयावहे | ग्लोचयामहे |
| स० | ग्लोचयंत | ग्लोचयंयाताम् | ग्लोचयेरन् |
| | ग्लोचयेथाः | ग्लोचयेयाथाम् | ग्लोचयेध्वम् |
| | ग्लोचयेय | ग्लोचयेवहि | ग्लोचयेमहि |
| प० | ग्लोचयताम् | ग्लोचयंताम् | ग्लोचयन्ताम् |
| | ग्लोचयस्व | ग्लोचयंथाम् | ग्लोचयध्वम् |
| | ग्लोचये | ग्लोचयावहै | ग्लोचयामहै |
| ह्य० | अग्लोचयत | अग्लोचयेताम् | अग्लोचयन्त |
| | अग्लोचयथाः | अग्लोचयेथाम् | अग्लोचयध्वम् |
| | अग्लोचये | अग्लोचयावहि | अग्लोचयामहि |
| अ० | अग्लुचत् | अग्लुचेताम् | अग्लुचन्त |
| | अग्लुचथाः | अग्लुचेयाम् | अग्लुचध्वम् |
| | अग्लुचे | अग्लुचावहि | अग्लुचामहि |
| प० | ग्लोचयाश्चक्रे | ग्लोचयाश्चक्रते | ग्लोचयाश्चकिरे |
| | ग्लोचयाश्चकृषे | ग्लोचयाश्चक्रथे | ग्लोचयाश्चकृध्वे |
| | ग्लोचयाश्चक्रे | ग्लोचयाश्चकृवहे | ग्लोचयाश्चकृमहे |
| | ग्लोचयाम्बभूव | । | ग्लोचयामास |
| आ० | ग्लोचयिषीष्ट | ग्लोचयिषीयास्ताम् | ग्लोचयिषीरन् |
| | ग्लोचयिषीष्टाः | ग्लोचयिषीयास्थाम् | ग्लोचयिषीध्वम्-ध्वम् |
| | ग्लोचयिषीय | ग्लोचयिषीवहि | ग्लोचयिषीमहि |
| श्व० | ग्लोचयिता | ग्लोचयितारौ | ग्लोचयितारः |
| | ग्लोचयितासे | ग्लोचयितासाथे | ग्लोचयिताध्वे |
| | ग्लोचयिताहे | ग्लोचयितास्वहे | ग्लोचयितास्महे |
| भ० | ग्लोचयिष्यंत | ग्लोचयिष्यंत | ग्लोचयिष्यन्ते |
| | ग्लोचयिष्यसे | ग्लोचयिष्येथे | ग्लोचयिष्यध्वे |
| | ग्लोचयिष्ये | ग्लोचयिष्यावहे | ग्लोचयिष्यामहे |
| क्रि० | अग्लोचयिष्यत् | अग्लोचयिष्यताम् | अग्लोचयिष्यन्त |
| | अग्लोचयिष्यथाः | अग्लोचयिष्येथाम् | अग्लोचयिष्यध्वम् |
| | अग्लोचयिष्ये | अग्लोचयिष्यावहि | अग्लोचयिष्यामहि |

॥ अथ छान्ता एकादश ॥

119 म्लेच्छ (म्लेच्छ) अव्ययनायां वाचि

| | | | |
|------|----------------------|-------------------|-------------------|
| व० | म्लेच्छयति | म्लेच्छयतः | म्लेच्छयन्ति |
| | म्लेच्छयसि | म्लेच्छयथः | म्लेच्छयथ |
| | म्लेच्छयामि | म्लेच्छयावः | म्लेच्छयामः |
| स० | म्लेच्छयेत् | म्लेच्छयेताम् | म्लेच्छयेयुः |
| | म्लेच्छयेः | म्लेच्छयेतम् | म्लेच्छये |
| | म्लेच्छयेयम् | म्लेच्छयेव | म्लेच्छयेम |
| प० | म्लेच्छयतु | म्लेच्छयतात् | म्लेच्छयताम् |
| | म्लेच्छय | म्लेच्छयतात् | म्लेच्छयतम् |
| | म्लेच्छयानि | म्लेच्छयाव | म्लेच्छयाम |
| ह्य० | अम्लेच्छयत् | अम्लेच्छयताम् | अम्लेच्छयन् |
| | अम्लेच्छयः | अम्लेच्छयतम् | अम्लेच्छयत |
| | अम्लेच्छयम् | अम्लेच्छयाव | अम्लेच्छयाम |
| अ० | अमिम्लेच्छत् | अमिम्लेच्छताम् | अमिम्लेच्छन् |
| | अमिम्लेच्छः | अमिम्लेच्छतम् | अमिम्लेच्छत |
| | अमिम्लेच्छम् | अमिम्लेच्छाव | अमिम्लेच्छाम |
| प० | म्लेच्छयाश्चकार | म्लेच्छयाश्चक्रुः | म्लेच्छयाश्चक्रुः |
| | म्लेच्छयाश्चक्य | म्लेच्छयाश्चक्रुः | म्लेच्छयाश्चक्रुः |
| | म्लेच्छयाश्चकार-चक्र | म्लेच्छयाश्चक्रुव | म्लेच्छयाश्चक्रुम |
| | म्लेच्छयाम्बभूव | म्लेच्छयामास | |
| आ० | म्लेच्छयात् | म्लेच्छयास्ताम् | म्लेच्छयासुः |
| | म्लेच्छयाः | म्लेच्छयास्तम् | म्लेच्छयास्त |
| | म्लेच्छयासम् | म्लेच्छयासव | म्लेच्छयासम |
| १० | म्लेच्छयिता | म्लेच्छयितारौ | म्लेच्छयितारः |
| | म्लेच्छयितासि | म्लेच्छयितास्थः | म्लेच्छयितास्थ |
| | म्लेच्छयितास्मि | म्लेच्छयितास्वः | म्लेच्छयितास्मः |
| | म्लेच्छयिष्यति | म्लेच्छयिष्यतः | म्लेच्छयिष्यन्ति |
| | म्लेच्छयिष्यसि | म्लेच्छयिष्यथः | म्लेच्छयिष्यथ |
| | म्लेच्छयिष्यामि | म्लेच्छयिष्यावः | म्लेच्छयिष्यामः |
| | म्लेच्छयिष्यत् | म्लेच्छयिष्यताम् | म्लेच्छयिष्यन् |
| | म्लेच्छयिष्यः | म्लेच्छयिष्यतम् | म्लेच्छयिष्यत |
| | म्लेच्छयिष्यम् | म्लेच्छयिष्याव | म्लेच्छयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|---------------------|---------------------|
| व० | म्लोच्छयते | म्लोच्छयेते | म्लोच्छयन्ते |
| | म्लोच्छयसे | म्लोच्छयेथे | म्लोच्छयध्वे |
| | म्लोच्छये | म्लोच्छयावहे | म्लोच्छयामहे |
| स० | म्लोच्छयेत् | म्लोच्छयेयाताम् | म्लोच्छयेरन् |
| | म्लोच्छयेथाः | म्लोच्छयेयाथाम् | म्लोच्छयेष्वम् |
| | म्लोच्छयेय | म्लोच्छयेवहि | म्लोच्छयेमहि |
| प० | म्लोच्छयताम् | म्लोच्छयेताम् | म्लोच्छयन्ताम् |
| | म्लोच्छयस्व | म्लोच्छयेथाम् | म्लोच्छयेष्वम् |
| | म्लोच्छये | म्लोच्छयावहे | म्लोच्छयामहे |
| ह्य० | अम्लोच्छयत | अम्लोच्छयेताम् | अम्लोच्छयन्त |
| | अम्लोच्छयथाः | अम्लोच्छयेथाम् | अम्लोच्छयेष्वम् |
| | अम्लोच्छये | अम्लोच्छयावहि | अम्लोच्छयामहि |
| अ० | अमिम्लोच्छत | अमिम्लोच्छेताम् | अमिम्लोच्छन्त |
| | अमिम्लोच्छथाः | अमिम्लोच्छेथाम् | अमिम्लोच्छेष्वम् |
| | अमिम्लोच्छे | अमिम्लोच्छावहि | अमिम्लोच्छामहि |
| प० | म्लोच्छयाश्चक्रे | म्लोच्छयाश्चक्रते | म्लोच्छयाश्चकिरे |
| | म्लोच्छयाश्चक्रे | म्लोच्छयाश्चक्राथे | म्लोच्छयाश्चक्रुवे |
| | म्लोच्छयाश्चक्रे | म्लोच्छयाश्चक्रवहे | म्लोच्छयाश्चक्रमहे |
| | म्लोच्छयाम्बभूव | म्लोच्छयामास | |
| आ० | म्लोच्छयिषीष्ट | म्लोच्छयिषीयास्ताम् | म्लोच्छयिषीरन् |
| | म्लोच्छयिषीष्ठाः | म्लोच्छयिषीयास्थाम् | म्लोच्छयिषीद्वम् |
| | | | -ध्वम् |
| | म्लोच्छयिषीय | म्लोच्छयिषीवहि | म्लोच्छयिषीमहि |
| ख० | म्लोच्छयिता | म्लोच्छयितारौ | म्लोच्छयितारः |
| | म्लोच्छयितासे | म्लोच्छयितासाथे | म्लोच्छयिताध्वे |
| | म्लोच्छयिताहे | म्लोच्छयितास्वहे | म्लोच्छयितास्महे |
| भ० | म्लोच्छयिष्यते | म्लोच्छयिष्येते | म्लोच्छयिष्यन्ते |
| | म्लोच्छयिष्यसे | म्लोच्छयिष्येथे | म्लोच्छयिष्यध्वे |
| | म्लोच्छयिष्ये | म्लोच्छयिष्यावहे | म्लोच्छयिष्यामहे |
| क्रि० | अम्लोच्छयिष्यत | अम्लोच्छयिष्येताम् | अम्लोच्छयिष्यन्त |
| | अम्लोच्छयिष्यथाः | अम्लोच्छयिष्येथाम् | अम्लोच्छयिष्येष्वम् |
| | अम्लोच्छयिष्ये | अम्लोच्छयिष्यावहि | अम्लोच्छयिष्यामहि |

120 लछ (लच्छ) लक्षणे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | लच्छयति | लच्छयतः | लच्छयन्ति |
| | लच्छयसि | लच्छयथः | लच्छयथ |
| | लच्छयामि | लच्छयावः | लच्छयामः |
| स० | लच्छयेत् | लच्छयेताम् | लच्छयेयुः |
| | लच्छयेः | लच्छयेतम् | लच्छयेत |
| | लच्छयेयम् | लच्छयेव | लच्छयेम |
| प० | लच्छयतु | लच्छयतात् | लच्छयताम् |
| | लच्छय | लच्छयतात् | लच्छयतम् |
| | लच्छयानि | लच्छयाव | लच्छयाम |
| ह्य० | अलच्छयत् | अलच्छयताम् | अलच्छयन् |
| | अलच्छयः | अलच्छयतम् | अलच्छयत |
| | अलच्छयम् | अलच्छयाव | अलच्छयाम |
| अ० | अललच्छत् | अललच्छताम् | अललच्छन् |
| | अललच्छः | अललच्छतम् | अललच्छत |
| | अललच्छम् | अललच्छाव | अललच्छाम |
| प० | लच्छयाश्चकार | लच्छयाश्चकतुः | लच्छयाश्चकुः |
| | लच्छयाश्चकथं | लच्छयाश्चकथुः | लच्छयाश्चक |
| | लच्छयाश्चकार-चकर | लच्छयाश्चकृव | लच्छयाश्चकृम |
| | लच्छयाम्भूव | । | लच्छयामास |
| आ० | लच्छयात् | लच्छयास्ताम् | लच्छयासुः |
| | लच्छयाः | लच्छयास्तम् | लच्छयास्त |
| | लच्छयासम् | लच्छयास्व | लच्छयासम |
| श्व० | लच्छयिता | लच्छयितारौ | लच्छयितारः |
| | लच्छयितासि | लच्छयितास्थः | लच्छयितास्थ |
| | लच्छयितास्मि | लच्छयितास्वः | लच्छयितास्मः |
| भ० | लच्छयिष्यति | लच्छयिष्यतः | लच्छयिष्यन्ति |
| | लच्छयिष्यसि | लच्छयिष्यथः | लच्छयिष्यथ |
| | लच्छयिष्यामि | लच्छयिष्यावः | लच्छयिष्यामः |
| क्रि० | अलच्छयिष्यत् | अलच्छयिष्यताम् | अलच्छयिष्यन् |
| | अलच्छयिष्यः | अलच्छयिष्यतम् | अलच्छयिष्यत |
| | अलच्छयिष्यम् | अलच्छयिष्याव | अलच्छयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | लच्छयते | लच्छयेते | लच्छयन्ते |
| | लच्छयसे | लच्छयेथे | लच्छयन्वे |
| | लच्छये | लच्छयावहे | लच्छयामहे |
| स० | लच्छयेत | लच्छयेयाताम् | लच्छयेरन् |
| | लच्छयेथाः | लच्छयेयाथाम् | लच्छयेष्वम् |
| | लच्छयेय | लच्छयेवहि | लच्छयेमहि |
| प० | लच्छयताम् | लच्छयेताम् | लच्छयन्ताम् |
| | लच्छयस्व | लच्छयेथाम् | लच्छयष्वम् |
| | लच्छये | लच्छयावहै | लच्छयामहै |
| ह्य० | अलच्छयत | अलच्छयेताम् | अलच्छयन्त |
| | अलच्छयथाः | अलच्छयेथाम् | अलच्छयष्वम् |
| | अलच्छये | अलच्छयावहि | अलच्छयामहि |
| अ० | अललच्छत | अललच्छेताम् | अललच्छन्त |
| | अललच्छथाः | अललच्छेथाम् | अललच्छष्वम् |
| | अललच्छे | अललच्छावहि | अललच्छामहि |
| प० | लच्छयाश्चक्रे | लच्छयाश्चकृते | लच्छयाश्चकृरे |
| | लच्छयाश्चकृषे | लच्छयाश्चकृथे | लच्छयाश्चकृव |
| | लच्छयाश्चक्रे | लच्छयाश्चकृवहे | लच्छयाश्चकृमहे |
| | लच्छयाम्भूव | । | लच्छयामास |
| आ० | लच्छयिषीष्ट | लच्छयिषीयास्ताम् | लच्छयिषीरन् |
| | लच्छयिषीष्टाः | लच्छयिषीयास्थाम् | लच्छयिषीव्वम् |
| | | | -ध्वम् |
| | लच्छयिषीय | लच्छयिषीवहि | लच्छयिषीमहि |
| श्व० | लच्छयिता | लच्छयितारौ | लच्छयितारः |
| | लच्छयितासे | लच्छयितासाथे | लच्छयिताध्वे |
| | लच्छयिताहे | लच्छयितास्वहे | लच्छयितास्महे |
| भ० | लच्छयिष्यते | लच्छयिष्येते | लच्छयिष्यन्ते |
| | लच्छयिष्यसे | लच्छयिष्येथे | लच्छयिष्यन्वे |
| | लच्छयिष्ये | लच्छयिष्यावहे | लच्छयिष्यामहे |
| क्रि० | अलच्छयिष्यत | अलच्छयिष्येताम् | अलच्छयिष्यन्त |
| | अलच्छयिष्यथाः | अलच्छयिष्येथाम् | अलच्छयिष्यष्वम् |
| | अलच्छयिष्ये | अलच्छयिष्यावहि | अलच्छयिष्यामहि |

121 लाङ् लङ् लक्षणे ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| व० | लाङ्छयति | लाङ्छयतः | लाङ्छयन्ति |
| | लाङ्छयसि | लाङ्छयथः | लाङ्छयथ |
| | लाङ्छयामि | लाङ्छयावः | लाङ्छयामः |
| स० | लाङ्छयेत् | लाङ्छयेताम् | लाङ्छयेयुः |
| | लाङ्छयेः | लाङ्छयेतम् | लाङ्छयेत |
| | लाङ्छयेयम् | लाङ्छयेव | लाङ्छयेम |
| प० | लाङ्छयतु | लाङ्छयतात् | लाङ्छयताम् |
| | लाङ्छय | लाङ्छयतात् | लाङ्छयतम् |
| | लाङ्छयानि | लाङ्छयाव | लाङ्छयाम |
| ह्य० | अलाङ्छयत् | अलाङ्छयताम् | अलाङ्छयन् |
| | अलाङ्छयः | अलाङ्छयतम् | अलाङ्छयत |
| | अलाङ्छयम् | अलाङ्छयाव | अलाङ्छयाम |
| अ० | अललाङ्छत् | अललाङ्छताम् | अललाङ्छन् |
| | अललाङ्छः | अललाङ्छतम् | अललाङ्छत |
| | अललाङ्छम् | अललाङ्छाव | अललाङ्छाम |
| प० | लाङ्छयाञ्चकार | लाङ्छयाञ्चकतुः | लाङ्छयाञ्चकुः |
| | लाङ्छयाञ्चकथं | लाङ्छयाञ्चकथुः | लाङ्छयाञ्चक |
| | लाङ्छयाञ्चकार-चकार | लाङ्छयाञ्चकृव | लाङ्छयाञ्चकृम |
| | लाङ्छयाम्भूव | लाङ्छयामास | |
| आ० | लाङ्छयात् | लाङ्छयास्ताम् | लाङ्छयासुः |
| | लाङ्छयाः | लाङ्छयास्तम् | लाङ्छयास्त |
| | लाङ्छयासम् | लाङ्छयास्व | लाङ्छयासम् |
| श्र० | लाङ्छयिता | लाङ्छयितारौ | लाङ्छयितारः |
| | लाङ्छयितासि | लाङ्छयितास्थः | लाङ्छयितास्थ |
| | लाङ्छयितास्मि | लाङ्छयितास्वः | लाङ्छयितास्मः |
| भ० | लाङ्छयिष्यति | लाङ्छयिष्यतः | लाङ्छयिष्यन्ति |
| | लाङ्छयिष्यसि | लाङ्छयिष्यथः | लाङ्छयिष्यथ |
| | लाङ्छयिष्यामि | लाङ्छयिष्यावः | लाङ्छयिष्यामः |
| क्रि० | अलाङ्छयिष्यत् | अलाङ्छयिष्यताम् | अलाङ्छयिष्यन् |
| | अलाङ्छयिष्यः | अलाङ्छयिष्यतम् | अलाङ्छयिष्यत |
| | अलाङ्छयिष्यम् | अलाङ्छयिष्याव | अलाङ्छयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | लाङ्छयते | लाङ्छयेते | लाङ्छयन्ते |
| | लाङ्छयसे | लाङ्छयेथे | लाङ्छयध्वे |
| | लाङ्छये | लाङ्छयावहे | लाङ्छयामहे |
| स० | लाङ्छयेत | लाङ्छयेताम् | लाङ्छयेरन् |
| | लाङ्छयेथाः | लाङ्छयेथायाम् | लाङ्छयेध्वम् |
| | लाङ्छयेय | लाङ्छयेवहि | लाङ्छयेमहि |
| प० | लाङ्छयताम् | लाङ्छयेताम् | लाङ्छयन्ताम् |
| | लाङ्छयस्व | लाङ्छयेथाम् | लाङ्छयध्वम् |
| | लाङ्छये | लाङ्छयावहे | लाङ्छयामहे |
| ह्य० | अलाङ्छयत | अलाङ्छयेताम् | अलाङ्छयन्त |
| | अलाङ्छयथाः | अलाङ्छयेथाम् | अलाङ्छयध्वम् |
| | अलाङ्छये | अलाङ्छयावहि | अलाङ्छयामहि |
| अ० | अललाङ्छत | अललाङ्छेताम् | अललाङ्छन्त |
| | अललाङ्छथाः | अललाङ्छेथाम् | अललाङ्छध्वम् |
| | अललाङ्छे | अललाङ्छावहि | अललाङ्छामहि |
| प० | लाङ्छयाञ्चक्रे | लाङ्छयाञ्चक्रेते | लाङ्छयाञ्चक्रे |
| | लाङ्छयाञ्चकृवे | लाङ्छयाञ्चकृथे | लाङ्छयाञ्चकृध्वे |
| | लाङ्छयाञ्चक्रे | लाङ्छयाञ्चकृवहे | लाङ्छयाञ्चकृमहे |
| | लाङ्छयाम्भूव | लाङ्छयामास | |
| आ० | लाङ्छयिषीष्ट | लाङ्छयिषीयास्ताम् | लाङ्छयिषीरन् |
| | लाङ्छयिषीष्टाः | लाङ्छयिषीयास्थाम् | लाङ्छयिषीध्वम् |
| | लाङ्छयिषीय | लाङ्छयिषीवहि | लाङ्छयिषीमहि |
| श्र० | लाङ्छयिता | लाङ्छयितारौ | लाङ्छयितारः |
| | लाङ्छयितासे | लाङ्छयितासथे | लाङ्छयिताध्वे |
| | लाङ्छयिताहे | लाङ्छयितास्वहे | लाङ्छयितास्महे |
| भ० | लाङ्छयिष्यते | लाङ्छयिष्येते | लाङ्छयिष्यन्ते |
| | लाङ्छयिष्यसे | लाङ्छयिष्येथे | लाङ्छयिष्यध्वे |
| | लाङ्छयिष्ये | लाङ्छयिष्यावहे | लाङ्छयिष्यामहे |
| क्रि० | अलाङ्छयिष्यत | अललाङ्छयिष्येताम् | अलाङ्छयिष्यन्त |
| | अलाङ्छयिष्यथाः | अलाङ्छयिष्येथाम् | अलाङ्छयिष्यध्वम् |
| | अलाङ्छयिष्ये | अलाङ्छयिष्यावहि | अलाङ्छयिष्यामहि |

122 वाञ्छु (वाञ्छ्) ईच्छायाम् ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| च० वाञ्छयति | वाञ्छयतः | वाञ्छयन्ति |
| वाञ्छयसि | वाञ्छयथः | वाञ्छयथ |
| वाञ्छयामि | वाञ्छयावः | वाञ्छयामः |
| स० वाञ्छयेत् | वाञ्छयेताम् | वाञ्छयेयुः |
| वाञ्छयेः | वाञ्छयेतम् | वाञ्छयेत |
| वाञ्छयेयम् | वाञ्छयेव | वाञ्छयेम |
| प० वाञ्छयतु | वाञ्छयतात् | वाञ्छयताम् |
| वाञ्छय | वाञ्छयतम् | वाञ्छयत |
| वाञ्छयानि | वाञ्छयाव | वाञ्छयाम |
| ह्य० अवाञ्छयत् | अवाञ्छयताम् | अवाञ्छयन् |
| अवाञ्छयः | अवाञ्छयतम् | अवाञ्छयत |
| अवाञ्छयम् | अवाञ्छयाव | अवाञ्छयाम |
| अ० अववाञ्छत् | अववाञ्छताम् | अववाञ्छन् |
| अववाञ्छः | अववाञ्छतम् | अववाञ्छत |
| अववाञ्छम् | अववाञ्छाव | अववाञ्छाम |
| प० वाञ्छयाञ्चकार | वाञ्छयाञ्चकतुः | वाञ्छयाञ्चकुः |
| वाञ्छयाञ्चकर्थ | वाञ्छयाञ्चकथुः | वाञ्छयाञ्चक |
| वाञ्छयाञ्चकार-चकर | वाञ्छयाञ्चकृव | वाञ्छयाञ्चकृम |
| वाञ्छयाम्बभूव | वाञ्छयामास | |
| आ० वाञ्छयात् | वाञ्छयास्ताम् | वाञ्छयासुः |
| वाञ्छयाः | वाञ्छयास्तम् | वाञ्छयास्त |
| वाञ्छयासम् | वाञ्छयास्व | वाञ्छयास्म |
| श्व० वाञ्छयिता | वाञ्छयितारौ | वाञ्छयितारः |
| वाञ्छयितासि | वाञ्छयितास्थः | वाञ्छयितास्थ |
| वाञ्छयितास्मि | वाञ्छयितास्वः | वाञ्छयितास्मः |
| भ० वाञ्छयिष्यति | वाञ्छयिष्यतः | वाञ्छयिष्यन्ति |
| वाञ्छयिष्यसि | वाञ्छयिष्यथः | वाञ्छयिष्यथ |
| वाञ्छयिष्यामि | वाञ्छयिष्यावः | वाञ्छयिष्यामः |
| क्रि० अवाञ्छयिष्यत् | अवाञ्छयिष्यताम् | अवाञ्छयिष्यन् |
| अवाञ्छयिष्यः | अवाञ्छयिष्यतम् | अवाञ्छयिष्यत |
| अवाञ्छयिष्यम् | अवाञ्छयिष्याव | अवाञ्छयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० वाञ्छयते | वाञ्छयेते | वाञ्छयन्ते |
| वाञ्छयसे | वाञ्छयेथे | वाञ्छयन्वे |
| वाञ्छये | वाञ्छयावहे | वाञ्छयामहे |
| स० वाञ्छयेत | वाञ्छयेयाताम् | वाञ्छयेरन् |
| वाञ्छयेथाः | वाञ्छयेयाथाम् | वाञ्छयेध्वम् |
| वाञ्छयेय | वाञ्छयेवहि | वाञ्छयेमहि |
| प० वाञ्छयताम् | वाञ्छयेताम् | वाञ्छयन्ताम् |
| वाञ्छयस्व | वाञ्छयेथाम् | वाञ्छयध्वम् |
| वाञ्छये | वाञ्छयावहे | वाञ्छयामहे |
| ह्य० अवाञ्छयत | अवाञ्छयेताम् | अवाञ्छयन्त |
| अवाञ्छयथाः | अवाञ्छयेथाम् | अवाञ्छयध्वम् |
| अवाञ्छये | अवाञ्छयावहि | अवाञ्छयामहि |
| अ० अववाञ्छत | अववाञ्छेताम् | अववाञ्छन्त |
| अववाञ्छथाः | अववाञ्छेथाम् | अववाञ्छध्वम् |
| अववाञ्छे | अववाञ्छावहि | अववाञ्छामहि |
| प० वाञ्छयाञ्चके | वाञ्छयाञ्चकाते | वाञ्छयाञ्चकिरे |
| वाञ्छयाञ्चकृषे | वाञ्छयाञ्चकथे | वाञ्छयाञ्चकृद्वे |
| वाञ्छयाञ्चके | वाञ्छयाञ्चकृवहे | वाञ्छयाञ्चकृमहे |
| वाञ्छयाम्बभूव | वाञ्छयामास | |
| आ० वाञ्छयिषीष्ट | वाञ्छयिषीयास्ताम् | वाञ्छयिषीरन् |
| वाञ्छयिषीष्टाः | वाञ्छयिषीयास्थाम् | वाञ्छयिषीध्वम् |
| वाञ्छयिषीय | वाञ्छयिषीवहि | वाञ्छयिषीमहि |
| श्व० वाञ्छयिता | वाञ्छयितारौ | वाञ्छयितारः |
| वाञ्छयितासे | वाञ्छयितासाथे | वाञ्छयिताध्वे |
| वाञ्छयिताहे | वाञ्छयितास्वहे | वाञ्छयितास्महे |
| भ० वाञ्छयिष्यते | वाञ्छयिष्येते | वाञ्छयिष्यन्ते |
| वाञ्छयिष्यसे | वाञ्छयिष्येथे | वाञ्छयिष्यन्वे |
| वाञ्छयिष्ये | वाञ्छयिष्यावहे | वाञ्छयिष्यामहे |
| क्रि० अवाञ्छयिष्यत | अवाञ्छयिष्येताम् | अवाञ्छयिष्यन्त |
| अवाञ्छयिष्यथाः | अवाञ्छयिष्येथाम् | अवाञ्छयिष्यध्वम् |
| अवाञ्छयिष्ये | अवाञ्छयिष्यावहि | अवाञ्छयिष्यामहि |

123 आछु (आञ्छ) आयामे ।
(१२२) ॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ।

123 आछु (आञ्छ) आयामे ।

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० आञ्छयति | आञ्छयतः | आञ्छयन्ति |
| आञ्छयसि | आञ्छयथः | आञ्छयथ |
| आञ्छयामि | आञ्छयावः | आञ्छयामः |
| स० आञ्छयेत् | आञ्छयेताम् | आञ्छयेयुः |
| आञ्छयेः | आञ्छयेतम् | आञ्छयेत |
| आञ्छयेयम् | आञ्छयेव | आञ्छयेम |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| प० आञ्छयतु | आञ्छयतात् | आञ्छयताम् |
| आञ्छय | आञ्छयतम् | आञ्छयत |
| आञ्छयानि | आञ्छयाव | आञ्छयाम |

| | | |
|--------------|-----------|---------|
| ह्य० आञ्छयत् | आञ्छयताम् | आञ्छयन् |
| आञ्छयः | आञ्छयतम् | आञ्छयत |
| आञ्छयम् | आञ्छयाव | आञ्छयाम |

| | | |
|---------------|--------------|------------|
| अ० अञ्चिच्छत् | अञ्चिच्छताम् | अञ्चिच्छन् |
| अञ्चिच्छः | अञ्चिच्छतम् | अञ्चिच्छत |
| अञ्चिच्छाम् | अञ्चिच्छाव | अञ्चिच्छाम |

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| प० आञ्छयाञ्चकार | आञ्छयाञ्चकतुः | आञ्छयाञ्चकुः |
| आञ्छयाञ्चकर्थ | आञ्छयाञ्चकथुः | आञ्छयाञ्चक |
| आञ्छयाञ्चकार-चकर | आञ्छयाञ्चकृव | आञ्छयाञ्चकृम |
| आञ्छयाम्बभूव । | आञ्छयामास | |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० आञ्छयात् | आञ्छयास्ताम् | आञ्छयासुः |
| आञ्छयाः | आञ्छयास्तम् | आञ्छयास्त |
| आञ्छयासम् | आञ्छयास्व | आञ्छयास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| श्व० आञ्छयिता | आञ्छयितारौ | आञ्छयितारः |
| आञ्छयितासि | आञ्छयितास्थः | आञ्छयितास्थ |
| आञ्छयितास्मि | आञ्छयितास्वः | आञ्छयितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० आञ्छयिष्यति | आञ्छयिष्यतः | आञ्छयिष्यन्ति |
| आञ्छयिष्यसि | आञ्छयिष्यथः | आञ्छयिष्यथ |
| आञ्छयिष्यामि | आञ्छयिष्यावः | आञ्छयिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० आञ्छयिष्यत् | आञ्छयिष्यताम् | आञ्छयिष्यन् |
| आञ्छयिष्यः | आञ्छयिष्यतम् | आञ्छयिष्यत |
| आञ्छयिष्यम् | आञ्छयिष्याव | आञ्छयिष्याम |

| | | |
|---------------|--------------|------------|
| अ० अञ्चिच्छत् | अञ्चिच्छताम् | अञ्चिच्छन् |
| अञ्चिच्छः | अञ्चिच्छतम् | अञ्चिच्छत |
| अञ्चिच्छाम् | अञ्चिच्छाव | अञ्चिच्छाम |

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| व० आञ्छयते | आञ्छयेते | आञ्छयन्ते |
| आञ्छयसे | आञ्छयेथे | आञ्छयन्वे |
| आञ्छये | आञ्छयावहे | आञ्छयामहे |
| स० आञ्छयेत | आञ्छयेयाताम् | आञ्छयेरन् |
| आञ्छयेथाः | आञ्छयेयाथाम् | आञ्छयेय्वम् |
| आञ्छयेय | आञ्छयेवहि | आञ्छयेमहि |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| प० आञ्छयताम् | आञ्छयेताम् | आञ्छयन्ताम् |
| आञ्छयस्व | आञ्छयेथाम् | आञ्छयन्वम् |
| आञ्छये | आञ्छयावहे | आञ्छयामहे |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| ह्य० आञ्छयत | आञ्छयेताम् | आञ्छयन्त |
| आञ्छयथाः | आञ्छयेथाम् | आञ्छयन्वम् |
| आञ्छये | आञ्छयावहि | आञ्छयामहि |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| अ० अञ्चिच्छत् | अञ्चिच्छताम् | अञ्चिच्छन् |
| अञ्चिच्छः | अञ्चिच्छतम् | अञ्चिच्छत |
| अञ्चिच्छाम् | अञ्चिच्छावहि | अञ्चिच्छामहि |

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| प० आञ्छयाञ्चके | आञ्छयाञ्चकते | आञ्छयाञ्चकिरे |
| आञ्छयाञ्चकृषे | आञ्छयाञ्चकथे | आञ्छयाञ्चकृवे |
| आञ्छयाञ्चके | आञ्छयाञ्चकृवहे | आञ्छयाञ्चकृमहे |
| आञ्छयाम्बभूव । | आञ्छयामास | |

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| आ० आञ्छयिषीष्ट | आञ्छयिषीस्ताम् | आञ्छयिषीरन् |
| आञ्छयिषीष्टाः | आञ्छयिषीयाथाम् | आञ्छयिषीद्वम् |
| | | ष्वम् |

| | | |
|-----------|-------------|-------------|
| आञ्छयिषीय | आञ्छयिषीवहि | आञ्छयिषीमहि |
|-----------|-------------|-------------|

| | | |
|---------------|---------------|---------------|
| श्व० आञ्छयिता | आञ्छयितारौ | आञ्छयितारः |
| आञ्छयितासे | आञ्छयितासाथे | आञ्छयिताष्वे |
| आञ्छयिताहे | आञ्छयितास्वहे | आञ्छयितास्महे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० आञ्छयिष्यते | आञ्छयिष्येते | आञ्छयिष्यन्ते |
| आञ्छयिष्यसे | आञ्छयिष्येथे | आञ्छयिष्यन्वे |
| आञ्छयिष्ये | आञ्छयिष्यावहे | आञ्छयिष्यामहे |

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| क्रि० आञ्छयिष्यत् | आञ्छयिष्येताम् | आञ्छयिष्यन्त |
| आञ्छयिष्यथाः | आञ्छयिष्येथाम् | आञ्छयिष्यन्वम् |
| आञ्छयिष्ये | आञ्छयिष्यावहि | आञ्छयिष्यामहि |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| अ० अञ्चिच्छत् | अञ्चिच्छताम् | अञ्चिच्छन् |
| अञ्चिच्छः | अञ्चिच्छतम् | अञ्चिच्छत |
| अञ्चिच्छाम् | अञ्चिच्छावहि | अञ्चिच्छामहि |

124 हीच्छ (हीच्छ्) लज्जायाम् ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | हीच्छयति | हीच्छयतः | हीच्छयन्ति |
| | हीच्छयसि | हीच्छयथः | हीच्छयथ |
| | हीच्छयामि | हीच्छयावः | हीच्छयामः |
| स० | हीच्छयेत् | हीच्छयेताम् | हीच्छयेयुः |
| | हीच्छयेः | हीच्छयेताम् | हीच्छयेत |
| | हीच्छयेयम् | हीच्छयेव | हीच्छयेम |
| प० | हीच्छयतु | हीच्छयतात् | हीच्छयताम् |
| | हीच्छय | हीच्छयतम् | हीच्छयत |
| | हीच्छयानि | हीच्छयाव | हीच्छयाम |
| ह्य० | अहीच्छयत् | अहीच्छयताम् | अहीच्छयन् |
| | अहीच्छयः | अहीच्छयतम् | अहीच्छयत |
| | अहीच्छयम् | अहीच्छयाव | अहीच्छयाम |
| अ० | अजिहीच्छत् | अजिहीच्छताम् | अजिहीच्छन् |
| | अजिहीच्छः | अजिहीच्छतम् | अजिहीच्छत |
| | अजिहीच्छम् | अजिहीच्छाव | अजिहीच्छाम |
| प० | हीच्छयाश्चकार | हीच्छयाश्चक्रतुः | हीच्छयाश्चक्रुः |
| | हीच्छयाश्चकथं | हीच्छयाश्चकथुः | हीच्छयाश्चक |
| | हीच्छयाश्चकार-चकर | हीच्छयाश्चकृव | हीच्छयाश्चकृम |
| | हीच्छयाम्बभूव | हीच्छयामास | |
| आ० | हीच्छयात् | हीच्छयास्ताम् | हीच्छयासुः |
| | हीच्छयाः | हीच्छयास्तम् | हीच्छयास्त |
| | हीच्छयासम् | हीच्छयास्व | हीच्छयास्म |
| श्व० | हीच्छयिता | हीच्छयितारौ | हीच्छयितारः |
| | हीच्छयितासि | हीच्छयितास्थः | हीच्छयितास्थ |
| | हीच्छयितास्मि | हीच्छयितास्वः | हीच्छयितास्मः |
| भ० | हीच्छयिष्यति | हीच्छयिष्यतः | हीच्छयिष्यन्ति |
| | हीच्छयिष्यसि | हीच्छयिष्यथः | हीच्छयिष्यथ |
| | हीच्छयिष्यामि | हीच्छयिष्यावः | हीच्छयिष्यामः |
| क्रि० | अहीच्छयिष्यत् | अहीच्छयिष्यताम् | अहीच्छयिष्यन् |
| | अहीच्छयिष्यः | अहीच्छयिष्यतम् | अहीच्छयिष्यत |
| | अहीच्छयिष्यम् | अहीच्छयिष्याव | अहीच्छयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|------------------|
| व० | हीच्छयते | हीच्छयेते | हीच्छयन्ते |
| | हीच्छयसे | हीच्छयेथे | हीच्छयन्वे |
| | हीच्छये | हीच्छयावहे | हीच्छयामहे |
| स० | हीच्छयेत | हीच्छयेयाताम् | हीच्छयेरन् |
| | हीच्छयेथाः | हीच्छयेयाथाम् | हीच्छयेचम |
| | हीच्छयेय | हीच्छयेवहि | हीच्छयेमहि |
| प० | हीच्छयताम् | हीच्छयेताम् | हीच्छयन्ताम् |
| | हीच्छयस्व | हीच्छयेयाम् | हीच्छयष्वम् |
| | हीच्छये | हीच्छयावहे | हीच्छयामहे |
| ह्य० | अहीच्छयत | अहीच्छयेताम् | अहीच्छयन्त |
| | अहीच्छयथाः | अहीच्छयेथाम् | अहीच्छयचम |
| | अहीच्छये | अहीच्छयावहि | अहीच्छयामहि |
| अ० | अजिहीच्छत | अजिहीच्छेताम् | अजिहीच्छन्त |
| | अजिहीच्छथाः | अजिहीच्छेथाम् | अजिहीच्छचम |
| | अजिहीच्छे | अजिहीच्छावहि | अजिहीच्छामहि |
| प० | हीच्छयाश्चक्रे | हीच्छयाश्चक्राते | हीच्छयाश्चक्रिरे |
| | हीच्छयाश्चक्रुषे | हीच्छयाश्चक्राथे | हीच्छयाश्चक्रुवे |
| | हीच्छयाश्चक्रे | हीच्छयाश्चकृवहे | हीच्छयाश्चकृमहे |
| | हीच्छयाम्बभूव | हीच्छयामास | |
| आ० | हीच्छयिषीष्ट | हीच्छयिषीयास्ताम् | हीच्छयिषीरन् |
| | हीच्छयिषीष्टाः | हीच्छयिषीयास्थाम् | हीच्छयिषीष्वम् |
| | हीच्छयिषीय | हीच्छयिषीवहि | हीच्छयिषीमहि |
| श्व० | हीच्छयिता | हीच्छयितारौ | हीच्छयितारः |
| | हीच्छयितासे | हीच्छयितासाथे | हीच्छयितास्वे |
| | हीच्छयिताहे | हीच्छयितास्वहे | हीच्छयितास्महे |
| भ० | हीच्छयिष्यते | हीच्छयिष्येते | हीच्छयिष्यन्ते |
| | हीच्छयिष्यसे | हीच्छयिष्येथे | हीच्छयिष्यन्वे |
| | हीच्छयिष्ये | हीच्छयिष्यावहे | हीच्छयिष्यामहे |
| क्रि० | अहीच्छयिष्यत | अहीच्छयिष्येताम् | अहीच्छयिष्यन्त |
| | अहीच्छयिष्यथाः | अहीच्छयिष्येथाम् | अहीच्छयिष्यचम |
| | अहीच्छयिष्ये | अहीच्छयिष्यावहि | अहीच्छयिष्यामहि |

125 हृष्ठा (हृष्ट) कौटिल्ये

| | | | |
|-------|----------------------------|-----------------|----------------|
| व० | हृष्टयति | हृष्टयतः | हृष्टयन्ति |
| | हृष्टयमि | हृष्टयथः | हृष्टयथ |
| | हृष्टयामि | हृष्टयाथः | हृष्टयामः |
| स० | हृष्टयेत् | हृष्टयेताम् | हृष्टयेयुः |
| | हृष्टयेः | हृष्टयेतम् | हृष्टयेत |
| | हृष्टयेयम् | हृष्टयेव | हृष्टयेम |
| प० | हृष्टयतु | हृष्टयतात् | हृष्टयताम् |
| | हृष्टय | हृष्टयतम् | हृष्टयत |
| | हृष्टयानि | हृष्टयाव | हृष्टयाम |
| ल० | अहृष्टयत् | अहृष्टयताम् | अहृष्टयन् |
| | अहृष्टयः | अहृष्टयतम् | अहृष्टयत |
| | अहृष्टयम् | अहृष्टयाव | अहृष्टयाम |
| अ० | अजुहृष्टत् | अजुहृष्टताम् | अजुहृष्टन् |
| | अजुहृष्टः | अजुहृष्टतम् | अजुहृष्टत |
| | अजुहृष्टम् | अजुहृष्टाव | अजुहृष्टाम |
| प० | हृष्टयाश्चकार | हृष्टयाश्चकतुः | हृष्टयाश्चकुः |
| | हृष्टयाश्चकथं | हृष्टयाश्चकथुः | हृष्टयाश्चक |
| | हृष्टयाश्चकार-चकर | हृष्टयाश्चकृव | हृष्टयाश्चकृम |
| | हृष्टयाम्बभूव । हृष्टयामास | | |
| आ० | हृष्टयात् | हृष्टयास्ताम् | हृष्टयाधुः |
| | हृष्टयाः | हृष्टयास्तम् | हृष्टयास्त |
| | हृष्टयासम् | हृष्टयास्व | हृष्टयासम् |
| श० | हृष्टयिता | हृष्टयितारौ | हृष्टयितारः |
| | हृष्टयितासि | हृष्टयितासथः | हृष्टयितासथ |
| | हृष्टयितास्मि | हृष्टयितास्वः | हृष्टयितासम् |
| भ० | हृष्टयिष्यति | हृष्टयिष्यतः | हृष्टयिष्यन्ति |
| | हृष्टयिष्यसि | हृष्टयिष्यथः | हृष्टयिष्यथ |
| | हृष्टयिष्यामि | हृष्टयिष्याथः | हृष्टयिष्यामः |
| क्रि० | अहृष्टयिष्यत् | अहृष्टयिष्यताम् | अहृष्टयिष्यन् |
| | अहृष्टयिष्यः | अहृष्टयिष्यतम् | अहृष्टयिष्यत |
| | अहृष्टयिष्यम् | अहृष्टयिष्याव | अहृष्टयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------------------|-------------------|------------------|
| व० | हृष्टयते | हृष्टयते | हृष्टयते |
| | हृष्टयते | हृष्टयथे | हृष्टयथे |
| | हृष्टये | हृष्टयावहे | हृष्टयामहे |
| स० | हृष्टयेत् | हृष्टयेयाताम् | हृष्टयेरन् |
| | हृष्टयेथाः | हृष्टयेयाथाम् | हृष्टयेष्वम् |
| | हृष्टयेय | हृष्टयेवहि | हृष्टयेमहि |
| प० | हृष्टयताम् | हृष्टयेताम् | हृष्टयन्ताम् |
| | हृष्टयस्व | हृष्टयेयाम् | हृष्टयष्वम् |
| | हृष्टये | हृष्टयावहे | हृष्टयामहे |
| ल० | अहृष्टयत | अहृष्टयेताम् | अहृष्टयन्त |
| | अहृष्टयथाः | अहृष्टयेथाम् | अहृष्टयष्वम् |
| | अहृष्टये | अहृष्टयावहि | अहृष्टयामहि |
| अ० | अजुहृष्टत् | अजुहृष्टेताम् | अजुहृष्टन्त |
| | अजुहृष्टथाः | अजुहृष्टेथाम् | अजुहृष्टेष्वम् |
| | अजुहृष्टे | अजुहृष्टावहि | अजुहृष्टामहि |
| प० | हृष्टयाश्चके | हृष्टयाश्चकते | हृष्टयाश्चकिरे |
| | हृष्टयाश्चकृथे | हृष्टयाश्चकृथे | हृष्टयाश्चकृध्वे |
| | हृष्टयाश्चके | हृष्टयाश्चकृवहे | हृष्टयाश्चकृमहे |
| | हृष्टयाम्बभूव । हृष्टयामास | | |
| आ० | हृष्टयिषीष्ट | हृष्टयिषीयास्ताम् | हृष्टयिषीरन् |
| | हृष्टयिषीष्टाः | हृष्टयिषीयास्थाम् | हृष्टयिषीध्वम् |
| | हृष्टयिषीय | हृष्टयिषीवहि | हृष्टयिषीमहि |
| श० | हृष्टयिता | हृष्टयितारौ | हृष्टयितारः |
| | हृष्टयितासे | हृष्टयितासाथे | हृष्टयितासथे |
| | हृष्टयिताहे | हृष्टयितास्वहे | हृष्टयितारमहे |
| भ० | हृष्टयिष्यते | हृष्टयिष्येते | हृष्टयिष्यन्ते |
| | हृष्टयिष्यते | हृष्टयिष्येथे | हृष्टयिष्यथे |
| | हृष्टयिष्ये | हृष्टयिष्यावहे | हृष्टयिष्यामहे |
| क्रि० | अहृष्टयिष्यन् | अहृष्टयिष्येताम् | अहृष्टयिष्यन्त |
| | अहृष्टयिष्यथाः | अहृष्टयिष्येथाम् | अहृष्टयिष्यष्वम् |
| | अहृष्टयिष्ये | अहृष्टयिष्यावहि | अहृष्टयिष्यामहि |

126 मूर्छा (मूर्छ) मोहसमुद्राययोः

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| व० | मूर्छयति | मूर्छयतः | मूर्छयन्ति |
| | मूर्छयसि | मूर्छयथः | मूर्छयथ |
| | मूर्छयामि | मूर्छयावः | मूर्छयामः |
| स० | मूर्छयेत् | मूर्छयेताम् | मूर्छयेयुः |
| | मूर्छयेः | मूर्छयेतम् | मूर्छयेत |
| | मूर्छयेयम् | मूर्छयेव | मूर्छयेम |
| प० | मूर्छयतु | मूर्छयतात् | मूर्छयताम् |
| | मूर्छय | मूर्छयतात् | मूर्छयतम् |
| | मूर्छयानि | मूर्छयाव | मूर्छयाम |
| ह्य० | अमूर्छयत् | अमूर्छयताम् | अमूर्छयन् |
| | अमूर्छयः | अमूर्छयतम् | अमूर्छयत |
| | अमूर्छयम् | अमूर्छयाव | अमूर्छयाम |
| अ० | अमुमूर्छत् | अमुमूर्छताम् | अमुमूर्छन् |
| | अमुमूर्छः | अमुमूर्छतम् | अमुमूर्छत |
| | अमुमूर्छम् | अमुमूर्छाव | अमुमूर्छाम |
| प० | मूर्छयाञ्चकार | मूर्छयाञ्चकतुः | मूर्छयाञ्चकुः |
| | मूर्छयाञ्चकथं | मूर्छयाञ्चकथुः | मूर्छयाञ्चक |
| | मूर्छयाञ्चकार-चकार | मूर्छयाञ्चकृव | मूर्छयाञ्चकृम |
| | मूर्छयाम्बभूव | । | मूर्छयामास |
| आ० | मूर्छयात् | मूर्छयास्ताम् | मूर्छयांसुः |
| | मूर्छयाः | मूर्छयास्तम् | मूर्छयास्त |
| | मूर्छयासम् | मूर्छयास्व | मूर्छयास्म |
| श्व० | मूर्छयिता | मूर्छयितारौ | मूर्छयितारः |
| | मूर्छयितासि | मूर्छयितास्थः | मूर्छयितास्थ |
| | मूर्छयितास्मि | मूर्छयितास्वः | मूर्छयितास्मः |
| भ० | मूर्छयिष्यति | मूर्छयिष्यतः | मूर्छयिष्यन्ति |
| | मूर्छयिष्यसि | मूर्छयिष्यथः | मूर्छयिष्यथ |
| | मूर्छयिष्यामि | मूर्छयिष्यावः | मूर्छयिष्यामः |
| क्रि० | अमूर्छयिष्यत् | अमूर्छयिष्यताम् | अमूर्छयिष्यन् |
| | अमूर्छयिष्यः | अमूर्छयिष्यतम् | अमूर्छयिष्यत |
| | अमूर्छयिष्यम् | अमूर्छयिष्याव | अमूर्छयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | मूर्छयते | मूर्छयेते | मूर्छयन्ते |
| | मूर्छयसे | मूर्छयेथे | मूर्छयध्वे |
| | मूर्छये | मूर्छयावहे | मूर्छयामहे |
| स० | मूर्छयत | मूर्छयेयाताम् | मूर्छयेरन् |
| | मूर्छयेथाः | मूर्छयेयाथाम् | मूर्छयेध्वम् |
| | मूर्छयेथ | मूर्छयेवहि | मूर्छयेमहि |
| प० | मूर्छयताम् | मूर्छयेताम् | मूर्छयन्ताम् |
| | मूर्छयस्व | मूर्छयेथाम् | मूर्छयध्वम् |
| | मूर्छये | मूर्छयावहे | मूर्छयामहे |
| ह्य० | अमूर्छयत | अमूर्छयेताम् | अमूर्छयन्त |
| | अमूर्छयेथाः | अमूर्छयेथाम् | अमूर्छयध्वम् |
| | अमूर्छये | अमूर्छयावहि | अमूर्छयामहि |
| अ० | अमुमूर्छत | अमुमूर्छेताम् | अमुमूर्छन्त |
| | अमुमूर्छेथाः | अमुमूर्छेथाम् | अमुमूर्छध्वम् |
| | अमुमूर्छे | अमुमूर्छावहि | अमुमूर्छामहि |
| प० | मूर्छयाञ्चके | मूर्छयाञ्चकते | मूर्छयाञ्चकिरे |
| | मूर्छयाञ्चकृषे | मूर्छयाञ्चक्राये | मूर्छयाञ्चकृद्वे |
| | मूर्छयाञ्चके | मूर्छयाञ्चकृवहे | मूर्छयाञ्चकृमहे |
| | मूर्छयाम्बभूव | । | मूर्छयामास |
| आ० | मूर्छयिषीष्ट | मूर्छयिषीयास्ताम् | मूर्छयिषीरन् |
| | मूर्छयिषीष्टाः | मूर्छयिषीयास्थाम् | मूर्छयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | मूर्छयिषीय | मूर्छयिषीवहि | मूर्छयिषीमहि |
| श्व० | मूर्छयिता | मूर्छयितारौ | मूर्छयितारः |
| | मूर्छयितासे | मूर्छयितासाथे | मूर्छयिताध्वे |
| | मूर्छयिताहे | मूर्छयितास्वहे | मूर्छयितास्महे |
| भ० | मूर्छयिष्यते | मूर्छयिष्येते | मूर्छयिष्यन्ते |
| | मूर्छयिष्यसे | मूर्छयिष्येथे | मूर्छयिष्यध्वे |
| | मूर्छयिष्ये | मूर्छयिष्यावहे | मूर्छयिष्यामहे |
| क्रि० | अमूर्छयिष्यत् | अमूर्छयिष्येताम् | अमूर्छयिष्यन्त |
| | अमूर्छयिष्यथाः | अमूर्छयिष्येथाम् | अमूर्छयिष्यध्वम् |
| | अमूर्छयिष्ये | अमूर्छयिष्यावहि | अमूर्छयिष्यामहि |

१ ७ स्फु स्फूर्छ) विभृत्तौ

| | | |
|----------------------|--------------------|-----------------------------|
| स्फूर्छ यत | स्फूर्छ यतः | स्फूर्छ यन्ति |
| स्फूर्छ यति | स्फूर्छ यथः | स्फूर्छ यथ |
| स्फूर्छ यामि | स्फूर्छ यावः | स्फूर्छ यामः |
| स० स्फूर्छ येत् | स्फूर्छ येताम् | स्फूर्छ येयुः |
| स्फूर्छ येः | स्फूर्छ येतम् | स्फूर्छ येत |
| स्फूर्छ येयाम् | स्फूर्छ येव | स्फूर्छ येम |
| प० स्फूर्छ यतु | स्फूर्छ यतात् | स्फूर्छ यताम् स्फूर्छ यन्तु |
| स्फूर्छ य | स्फूर्छ यतात् | स्फूर्छ यतम् स्फूर्छ यत |
| स्फूर्छ यानि | स्फूर्छ याव | स्फूर्छ याम |
| ह० अस्फूर्छ यत् | अस्फूर्छ यताम् | अस्फूर्छ यन् |
| अस्फूर्छ यः | अस्फूर्छ यतम् | अस्फूर्छ यत |
| अस्फूर्छ याम् | अस्फूर्छ याव | अस्फूर्छ याम |
| अ० अपुस्फूर्छ त् | अपुस्फूर्छ ताम् | अपुस्फूर्छ न् |
| अपुस्फूर्छः | अपुस्फूर्छ तम् | अपुस्फूर्छ त |
| अपुस्फूर्छ म् | अपुस्फूर्छ वि | अपुस्फूर्छ म |
| प० स्फूर्छ याञ्चकार | स्फूर्छ याञ्चकतुः | स्फूर्छ याञ्चकुः |
| स्फूर्छ याञ्चकथे | स्फूर्छ याञ्चकथः | स्फूर्छ याञ्चक |
| स्फूर्छ याञ्चकार-चकर | स्फूर्छ याञ्चकृव | स्फूर्छ याञ्चकृम |
| स्फूर्छ याञ्चभूव | स्फूर्छ याञ्चभू | स्फूर्छ याञ्चभू |
| आ० छयाति | स्फूर्छ यास्ताम् | स्फूर्छ यासि |
| स्फूर्छ याति | स्फूर्छ यास्तम् | स्फूर्छ यास्ति |
| स्फूर्छ यासिम | स्फूर्छ यास्व | स्फूर्छ यासि |
| श० स्फूर्छ यिता | स्फूर्छ यितारो | स्फूर्छ यितारः |
| स्फूर्छ यितासि | स्फूर्छ यितास्थः | स्फूर्छ यितास्थ |
| स्फूर्छ यितासिम | स्फूर्छ यितास्वः | स्फूर्छ यितास्मः |
| भ० स्फूर्छ यिष्यति | स्फूर्छ यिष्यत | स्फूर्छ यिष्यन्ति |
| स्फूर्छ यिष्यासि | स्फूर्छ यिष्यथः | स्फूर्छ यिष्यथ |
| स्फूर्छ यिष्यामि | स्फूर्छ यिष्यावः | स्फूर्छ यिष्यामः |
| कि० अस्फूर्छ यिष्यत् | अस्फूर्छ यिष्यताम् | अस्फूर्छ यिष्यन् |
| अस्फूर्छ यिष्यः | अस्फूर्छ यिष्यतम् | अस्फूर्छ यिष्यत |
| अस्फूर्छ यिष्यम | अस्फूर्छ यिष्याव | अस्फूर्छ यिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| व० स्फूर्छ यते | स्फूर्छ यते | स्फूर्छ यते |
| स्फूर्छ यते | स्फूर्छ यथे | स्फूर्छ यथे |
| स्फूर्छ ये | स्फूर्छ यावहे | स्फूर्छ यामहे |
| स० स्फूर्छ यत | स्फूर्छ येयाताम् | स्फूर्छ येयन् |
| स्फूर्छ यथाः | स्फूर्छ येयाथाम् | स्फूर्छ येयवम् |
| स्फूर्छ येय | स्फूर्छ येयवि | स्फूर्छ येयमहि |
| प० स्फूर्छ यताम् | स्फूर्छ येताम् | स्फूर्छ यन्ताम् |
| स्फूर्छ यस्व | स्फूर्छ येथाम् | स्फूर्छ येथवम् |
| स्फूर्छ य | स्फूर्छ यावहे | स्फूर्छ यामहे |

| | | |
|--------------------|--------------------|--------------------|
| ह० अस्फूर्छ यत | अस्फूर्छ यताम् | अस्फूर्छ यन्त |
| अस्फूर्छ यथाः | अस्फूर्छ येथाम् | अस्फूर्छ येथवम् |
| स्फूर्छ ये | स्फूर्छ यावहि | अस्फूर्छ यामहि |
| अ० अपुस्फूर्छ तः | अपुस्फूर्छ ताम् | अपुस्फूर्छ न्त |
| अपुस्फूर्छ थाः | अपुस्फूर्छ थाम् | अपुस्फूर्छ थवम् |
| अपुस्फूर्छे | अपुस्फूर्छावहि | अपुस्फूर्छासहि |
| प० स्फूर्छ याञ्चके | स्फूर्छ याञ्चकाते | स्फूर्छ याञ्चकिते |
| स्फूर्छ याञ्चकथे | स्फूर्छ याञ्चकथे | स्फूर्छ याञ्चकृव |
| स्फूर्छ याञ्चके | स्फूर्छ याञ्चकृवहे | स्फूर्छ याञ्चकृमहे |

स्फूर्छ याञ्चभूव । स्फूर्छ याञ्चभू

| | | |
|------------------|----------------------|------------------|
| आ० स्फूर्छ यिषीय | स्फूर्छ यिषीयास्ताम् | स्फूर्छ यिषीयन् |
| स्फूर्छ यिषीयः | स्फूर्छ यिषीयाथाम् | स्फूर्छ यिषीयवम् |
| स्फूर्छ यिषीय | स्फूर्छ यिषीयवि | स्फूर्छ यिषीयमहि |

| | | |
|-----------------|-------------------|-------------------|
| श० स्फूर्छ यिता | यितारो | स्फूर्छ यितारः |
| स्फूर्छ यितासि | स्फूर्छ यितास्थे | स्फूर्छ यितावे |
| स्फूर्छ यितासि | स्फूर्छ यितास्वहे | स्फूर्छ यितास्महे |

| | | |
|-------------------|-------------------|-------------------|
| भ० स्फूर्छ यिष्यत | स्फूर्छ यिष्यत | स्फूर्छ यिष्यन्तः |
| स्फूर्छ यिष्यते | स्फूर्छ यिष्यथे | स्फूर्छ यिष्यथे |
| स्फूर्छ यिष्य | स्फूर्छ यिष्यावहे | स्फूर्छ यिष्यामहे |

| | | |
|---------------------|--------------------|-------------------|
| कि० अस्फूर्छ यिष्यत | अस्फूर्छ यिष्यताम् | अस्फूर्छ यिष्यन्त |
| अस्फूर्छ यिष्यः | अस्फूर्छ यिष्यतम् | अस्फूर्छ यिष्यत |
| अस्फूर्छ यिष्यम | अस्फूर्छ यिष्याव | अस्फूर्छ यिष्याम |

128 स्मृर्छा (स्मृर्छ) वीस्मृता

| | | | |
|-------|---------------------|--------------------------|---------------------------|
| व० | स्मूर्छयति | स्मूर्छयतः | स्मूर्छयन्ति |
| | स्मूर्छयसि | स्मूर्छयथः | स्मूर्छयथ |
| | स्मूर्छयामि | स्मूर्छयावः | स्मूर्छयामः |
| स० | स्मूर्छयेत् | स्मूर्छयेताम् | स्मूर्छयेयुः |
| | स्मूर्छयेः | स्मूर्छयेतम् | स्मूर्छयेत |
| | स्मूर्छयेयम् | स्मूर्छयेव | स्मूर्छयेम |
| प० | स्मूर्छयतु | स्मूर्छयतात् | स्मूर्छयताम् स्मूर्छयन्तु |
| | स्मूर्छय | स्मूर्छयतात् स्मूर्छयतम् | स्मूर्छयत |
| | स्मूर्छयानि | स्मूर्छयाव | स्मूर्छयाम |
| इ० | अस्मूर्छयत् | अस्मूर्छयताम् | अस्मूर्छयन् |
| | अस्मूर्छयः | अस्मूर्छयतम् | अस्मूर्छयत |
| | अस्मूर्छयम् | अस्मूर्छयाव | अस्मूर्छयाम |
| अ० | असुस्मूर्छत् | असुस्मूर्छताम् | असुस्मूर्छन् |
| | असुस्मूर्छः | असुस्मूर्छतम् | असुस्मूर्छत |
| | असुस्मूर्छम् | असुस्मूर्छाव | असुस्मूर्छाम |
| प० | स्मूर्छयाञ्चकार | स्मूर्छयाञ्चकतुः | स्मूर्छयाञ्चक्रुः |
| | स्मूर्छयाञ्चकयि | स्मूर्छयाञ्चकथुः | स्मूर्छयाञ्चक |
| | स्मूर्छयाञ्चकार-चकर | स्मूर्छयाञ्चकव | स्मूर्छयाञ्चकम |
| | स्मूर्छगाम्बभूव | । | स्मूर्छयामास |
| आ० | स्मूर्छयात् | स्मूर्छयास्ताम् | स्मूर्छयांसुः |
| | स्मूर्छयाः | स्मूर्छयास्तम् | स्मूर्छयास्त |
| | स्मूर्छयांसम् | स्मूर्छयांसव | स्मूर्छयांसम |
| श्च० | स्मूर्छयिता | स्मूर्छयितारौ | स्मूर्छयितारः |
| | स्मूर्छयितासि | स्मूर्छयितास्थः | स्मूर्छयितास्थ |
| | स्मूर्छयितास्मि | स्मूर्छयितास्वः | स्मूर्छयितास्मः |
| भ० | स्मूर्छयिष्यति | स्मूर्छयिष्यतः | स्मूर्छयिष्यन्ति |
| | स्मूर्छयिष्यसि | स्मूर्छयिष्यथः | स्मूर्छयिष्यथ |
| | स्मूर्छयिष्यामि | स्मूर्छयिष्यावः | स्मूर्छयिष्यामः |
| क्रि० | अस्मूर्छयिष्यत् | अस्मूर्छयिष्यताम् | अस्मूर्छयिष्यन् |
| | अस्मूर्छयिष्यः | अस्मूर्छयिष्यतम् | अस्मूर्छयिष्यत |
| | अस्मूर्छयिष्यम् | अस्मूर्छयिष्याव | अस्मूर्छयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | स्मूछंयते | स्मूछंयेते | स्मूछंयते |
| | स्मूछंयसे | स्मूछंयेथे | स्मूछंयध्वे |
| | स्मूछंये | स्मूछंयावहे | स्मूछंयामहे |
| स० | स्मूछंयत | स्मूछंयेयाताम् | स्मूछंयेरन् |
| | स्मूछंयेथाः | स्मूछंयेयाथाम् | स्मूछंयेध्वम् |
| | स्मूछंयेय | स्मूछंयेवहि | स्मूछंयेमहि |
| प० | स्मूछंयताम् | स्मूछंयेताम् | स्मूछंयन्ताम् |
| | स्मूछंयस्व | स्मूछंयेथाम् | स्मूछंयध्वम् |
| | स्मूछंये | स्मूछंयावहै | स्मूछंयामहै |
| ह्य० | अस्मूछंयत | अस्मूछंयेताम् | अस्मूछंयन्त |
| | अस्मूछंयथाः | अस्मूछंयेथाम् | अस्मूछंयध्वम् |
| | अस्मूछंये | अस्मूछंयावहि | अस्मूछंयामहि |
| अ० | असुस्मूछंत | असुस्मूछंताम् | असुस्मूछन्त |
| | असुस्मूछंथाः | असुस्मूछंथाम् | असुस्मूछंध्वम् |
| | असुस्मूछंये | असुस्मूछंयवहि | असुस्मूछंयमहि |
| प० | स्मूछंयाञ्चके | स्मूछंयाञ्चकाते | स्मूछंयाञ्चकिरे |
| | स्मूछंयाञ्चकृषे | स्मूछंयाञ्चकाथे | स्मूछंयाञ्चकृध्वे |
| | स्मूछंयाञ्चके | स्मूछंयाञ्चकृवहे | स्मूछंयाञ्चकृमहे |
| | स्मूछंयाम्बभूव | स्मूछंयामास | |
| आ० | स्मूछंयिषीष्ट | स्मूछंयिषीयास्ताम् | स्मूछंयिषीरन् |
| | स्मूछंयिषीष्टाः | स्मूछंयिषीयास्थाम् | स्मूछंयिषीध्वम् |
| | स्मूछंयिषीय | स्मूछंयिषीवहि | स्मूछंयिषीमहि |
| श्र० | स्मूछंयिता | स्मूछंयितारो | स्मूछंयितारः |
| | स्मूछंयितासे | स्मूछंयितासाथे | स्मूछंयिताध्वे |
| | स्मूछंयिताहे | स्मूछंयितास्वहे | स्मूछंयितामहे |
| भ० | स्मूछंयिष्यते | स्मूछंयिष्येते | स्मूछंयिष्यन्ते |
| | स्मूछंयिष्यसे | स्मूछंयिष्येथे | स्मूछंयिष्यध्वे |
| | स्मूछंयिष्ये | स्मूछंयिष्यावहे | स्मूछंयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्मूछंयिष्यत | अस्मूछंयिष्येताम् | अस्मूछंयिष्यन्त |
| | अस्मूछंयिष्यथाः | अस्मूछंयिष्येथाम् | अस्मूछंयिष्यध्वम् |
| | अस्मूछंयिष्ये | अस्मूछंयिष्यावहि | अस्मूछंयिष्यामहि |

129 युच्छ युच्छ (प्रमादे

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------------|
| ब० | युच्छयति | युच्छयतः | युच्छयन्ति |
| | युच्छयसि | युच्छयथः | युच्छयथ |
| | युच्छयामि | युच्छयावः | युच्छयामः |
| स० | युच्छयेत् | युच्छयेताम् | युच्छयेयुः |
| | युच्छयेः | युच्छयेतम् | युच्छयेत |
| | युच्छयेयम् | युच्छयेव | युच्छयेम |
| प० | युच्छयतु | युच्छयतात् | युच्छयताम् युच्छयन्तु |
| | युच्छय | युच्छयतात् | युच्छयतम् युच्छयत |
| | युच्छयान | युच्छयाव | युच्छयाम |
| ह्य० | अयुच्छयत् | अयुच्छयताम् | अयुच्छयन् |
| | अयुच्छयः | अयुच्छयतम् | अयुच्छयत |
| | अयुच्छयम् | अयुच्छयाव | अयुच्छयाम |
| अ० | अयुच्छत् | अयुच्छताम् | अयुच्छन् |
| | अयुच्छः | अयुच्छतम् | अयुच्छत |
| | अयुच्छम् | अयुच्छाव | अयुच्छाम |
| प० | युच्छयाश्चकार | युच्छयाश्चकतुः | युच्छयाश्चकुः |
| | युच्छयाश्चकर्त्तुं | युच्छयाश्चकथुः | युच्छयाश्चक |
| | युच्छयाश्चकार-चकर | युच्छयाश्चकृव | युच्छयाश्चकृम |
| | युच्छयाम्बभूव | । | युच्छयामास |
| आ० | युच्छयात् | युच्छयास्ताम् | युच्छयासुः |
| | युच्छयाः | युच्छयास्तम् | युच्छयास्त |
| | युच्छयासम् | युच्छयास्व | युच्छयास्म |
| श्व० | युच्छयिता | युच्छयितारौ | युच्छयितारः |
| | युच्छयितासि | युच्छयितास्यः | युच्छयितास्य |
| | युच्छयितास्मि | युच्छयितास्वः | युच्छयितास्मः |
| भ० | युच्छयिष्यति | युच्छयिष्यतः | युच्छयिष्यन्ति |
| | युच्छयिष्यसि | युच्छयिष्यथः | युच्छयिष्यथ |
| | युच्छयिष्यामि | युच्छयिष्यावः | युच्छयिष्यामः |
| क्रि० | अयुच्छयिष्यत् | अयुच्छयिष्यताम् | अयुच्छयिष्यन् |
| | अयुच्छयिष्यः | अयुच्छयिष्यतम् | अयुच्छयिष्यत |
| | अयुच्छयिष्यम् | अयुच्छयिष्याव | अयुच्छयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | युच्छयेते | युच्छयेते | युच्छयन्ते |
| | युच्छयसे | युच्छयेथे | युच्छयन्ते |
| | युच्छये | युच्छयावहे | युच्छयामहे |
| स० | युच्छयेत | युच्छयेताम् | युच्छयेरन् |
| | युच्छयेथाः | युच्छयेथायाम् | युच्छयेध्वम् |
| | युच्छयेय | युच्छयेवहि | युच्छयेमहि |
| प० | युच्छयताम् | युच्छयेताम् | युच्छयन्ताम् |
| | युच्छयस्व | युच्छयेथाम् | युच्छयध्वम् |
| | युच्छये | युच्छयावहे | युच्छयामहे |
| ह्य० | अयुच्छयत् | अयुच्छयेताम् | अयुच्छयन्त |
| | अयुच्छयथाः | अयुच्छयेथाम् | अयुच्छयध्वम् |
| | अयुच्छये | अयुच्छयावहि | अयुच्छयामहि |
| अ० | अयुच्छत् | अयुच्छेताम् | अयुच्छन्त |
| | अयुच्छथाः | अयुच्छेथाम् | अयुच्छध्वम् |
| | अयुच्छे | अयुच्छावहि | अयुच्छामहि |
| प० | युच्छयाश्चके | युच्छयाश्चकते | युच्छयाश्चकिरे |
| | युच्छयाश्चकृषे | युच्छयाश्चकथे | युच्छयाश्चकृवे |
| | युच्छयाश्चके | युच्छयाश्चकृवहे | युच्छयाश्चकृमहे |
| | युच्छयाम्बभूव | । | युच्छयामास |
| आ० | युच्छयिषीष्ट | युच्छयिषीयास्ताम् | युच्छयिषीरन् |
| | युच्छयिषीष्ठाः | युच्छयिषीयास्याम् | युच्छयिषीध्वम् |
| | युच्छयिषीय | युच्छयिषीवहि | युच्छयिषीमहि |
| श्व० | युच्छयिता | युच्छयितारौ | युच्छयितारः |
| | युच्छयितासे | युच्छयितासाथे | युच्छयिताध्वे |
| | युच्छयिताहे | युच्छयितास्वहे | युच्छयितास्महे |
| भ० | युच्छयिष्यते | युच्छयिष्येते | युच्छयिष्यन्ते |
| | युच्छयिष्यसे | युच्छयिष्येथे | युच्छयिष्यध्वे |
| | युच्छयिष्ये | युच्छयिष्यावहे | युच्छयिष्यामहे |
| क्रि० | अयुच्छयिष्यत् | अयुच्छयिष्येताम् | अयुच्छयिष्यन्त |
| | अयुच्छयिष्यथाः | अयुच्छयिष्येथाम् | अयुच्छयिष्यध्वम् |
| | अयुच्छयिष्ये | अयुच्छयिष्यावहि | अयुच्छयिष्यामहि |

॥ अथ जान्ताश्चतुश्चत्वारित् ॥

130 धृज (धृज्) गतौ ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० धर्जयति | धर्जयतः | धर्जयन्ति |
| धर्जयसि | धर्जयथः | धर्जयथ |
| धर्जयामि | धर्जयावः | धर्जयामः |
| स० धर्जयेत् | धर्जयेताम् | धर्जयेयुः |
| धर्जयेः | धर्जयेतम् | धर्जयेत |
| धर्जयेयम् | धर्जयेव | धर्जयेम |
| प० धर्जयतु | धर्जयतात् | धर्जयन्तु |
| धर्जय | धर्जयतम् | धर्जयत |
| धर्जयानि | धर्जयाव | धर्जयाम |
| ह्य० अधर्जयत् | अधर्जयताम् | अधर्जयन् |
| अधर्जयः | अधर्जयतम् | अधर्जयत |
| अधर्जयम् | अधर्जयाव | अधर्जयाम |
| अ० अदीधृजत् | अदीधृजताम् | अदीधृजन् |
| अदीधृजः | अदीधृजतम् | अदीधृजत |
| अदीधृजम् | अदीधृजाव | अदीधृजाम |
| अदधर्जत् | अदधर्जताम् | अदधर्जन् इ० |
| प० धर्जयाश्चकार | धर्जयाश्चक्रुः | धर्जयाश्चक्रुः |
| धर्जयाश्चकथ | धर्जयाश्चक्रुः | धर्जयाश्चक्रुः |
| धर्जयाश्चकार-चक्र | धर्जयाश्चक्रुः | धर्जयाश्चक्रुः |
| धर्जयाम्बभूव | धर्जयमा | |
| आ० धर्जयात् | धर्जयास्ताम् | धर्जयासुः |
| धर्जयाः | धर्जयास्तम् | धर्जयास्त |
| धर्जयासम् | धर्जयास्व | धर्जयास्म |
| श्व० धर्जयिता | धर्जयितारौ | धर्जयितारः |
| धर्जयितासि | धर्जयितास्थः | धर्जयितास्थ |
| धर्जयितास्मि | धर्जयितास्वः | धर्जयितास्मः |
| भ० धर्जयिष्यति | धर्जयिष्यतः | धर्जयिष्यन्ति |
| धर्जयिष्यसि | धर्जयिष्यथः | धर्जयिष्यथ |
| धर्जयिष्यामि | धर्जयिष्यावः | धर्जयिष्यामः |
| क्रि० अधर्जयिष्यत् | अधर्जयिष्यताम् | अधर्जयिष्यन् |
| अधर्जयिष्यः | अधर्जयिष्यतम् | अधर्जयिष्यत |
| अधर्जयिष्यम् | अधर्जयिष्याव | अधर्जयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| व० धर्जयते | धर्जयेते | धर्जयन्ते |
| धर्जयसे | धर्जयेथे | धर्जयध्वे |
| धर्जये | धर्जयावहे | धर्जयामहे |
| स० धर्जयेत | धर्जयेताताम् | धर्जयेरन् |
| धर्जयेथाः | धर्जयेथाताम् | धर्जयेध्वम् |
| धर्जयेय | धर्जयेवहि | धर्जयेमहि |
| प० धर्जयताम् | धर्जयेताम् | धर्जयन्ताम् |
| धर्जयस्व | धर्जयेथाम् | धर्जयध्वम् |
| धर्जये | धर्जयावहे | धर्जयामहे |
| ह्य० अधर्जयत | अधर्जयेताम् | अधर्जयन्त |
| अधर्जयथाः | अधर्जयेथाम् | अधर्जयध्वम् |
| अधर्जये | अधर्जयावहि | अधर्जयामहि |
| अ० अदीधृजत | अदीधृजेताम् | अदीधृजन्त |
| अदीधृजथाः | अदीधृजेथाम् | अदीधृजध्वम् |
| अदीधृजे | अदीधृजावहि | अदीधृजामहि |
| अदधर्जत | अदधर्जेताम् | अदधर्जन्त इ० |
| प० धर्जयाश्चक्रे | धर्जयाश्चक्रते | धर्जयाश्चक्रिरे |
| धर्जयाश्चक्रुषे | धर्जयाश्चक्राथे | धर्जयाश्चक्रुध्वे |
| धर्जयाश्चक्रे | धर्जयाश्चक्रुवहे | धर्जयाश्चक्रुमहे |
| धर्जयाम्बभूव | धर्जयामास | |
| आ० धर्जयिषीष्ट | धर्जयिषीयास्ताम् | धर्जयिषीरन् |
| धर्जयिषीष्टाः | धर्जयिषीयास्थाम् | धर्जयिषीध्वम् |
| धर्जयिषीय | धर्जयिषीवहि | धर्जयिषीमहि |
| श्व० धर्जयिता | धर्जयितारौ | धर्जयितारः |
| धर्जयितासे | धर्जयितासाथे | धर्जयिताध्वे |
| धर्जयिताहे | धर्जयितास्वहे | धर्जयितास्महे |
| भ० धर्जयिष्यते | धर्जयिष्येते | धर्जयिष्यन्ते |
| धर्जयिष्यसे | धर्जयिष्येथे | धर्जयिष्यध्वे |
| धर्जयिष्ये | धर्जयिष्यावहे | धर्जयिष्यामहे |
| क्रि० अधर्जयिष्यत | अधर्जयिष्येताम् | अधर्जयिष्यन्त |
| अधर्जयिष्यथाः | अधर्जयिष्येथाम् | अधर्जयिष्यध्वम् |
| अधर्जयिष्ये | अधर्जयिष्यावहि | अधर्जयिष्यामहि |

131 धृज् (धृज्ज) गतौ ।

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० धृजयति | धृज्यतः | धृजयन्ति |
| धृजयसि | धृजयथः | धृजयथ |
| धृजयामि | धृजयावः | धृजयामः |
| स० धृजयेत् | धृजयेताम् | धृजयेयुः |
| धृजयेः | धृजयेतम् | धृजयेत |
| धृजयेयम् | धृजयेव | धृजयेम |
| प० धृजयतु | धृजयतात् | धृजयताम् |
| धृजय | धृजयतम् | धृजयत |
| धृजयानि | धृजयाव | धृजयाम |
| ह्य० अधृजयत् | अधृजयताम् | अधृजयन् |
| अधृजयः | अधृजयतम् | अधृजयत |
| अधृजयम् | अधृजयाव | अधृजयाम |
| अ० अदधृजत् | अदधृजताम् | अदधृजन् |
| अदधृजः | अदधृजतम् | अदधृजत |
| अदधृजम् | अदधृजाव | अदधृजाम |
| प० धृजयाञ्चकार | धृजयाञ्चक्रतुः | धृजयाञ्चक्रुः |
| धृजयाञ्चकथं | धृजयाञ्चकथुः | धृजयाञ्चक्र |
| धृजयाञ्चकार-चकर | धृजयाञ्चक्रव | धृजयाञ्चक्रम |
| धृजयाम्बभूव | धृजयामास | |
| १० धृजयात् | धृजयास्ताम् | धृजयासुः |
| धृजयाः | धृजयास्तम् | धृजयास्त |
| धृजयासम् | धृजयास्व | धृजयासम |
| जयिता | धृजयितारौ | धृजयितारः |
| जयितासि | धृजयितास्थः | धृजयितास्थ |
| नयितासि | धृजयितास्वः | धृजयितासमः |
| जयिष्यति | धृजयिष्यतः | धृजयिष्यन्ति |
| धृजयिष्यसि | धृजयिष्यथः | धृजयिष्यथ |
| धृजयिष्यामि | धृजयिष्यावः | धृजयिष्यामः |
| क्र० अधृजयिष्यत् | अधृजयिष्यताम् | अधृजयिष्यन् |
| अधृजयिष्यः | अधृजयिष्यतम् | अधृजयिष्यत |
| अधृजयिष्यम् | अधृजयिष्याव | अधृजयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|------------------|
| व० धृजयते | धृजयेते | धृजयन्ते |
| धृजयसे | धृजयेथे | धृजयध्वे |
| धृजये | धृजयावहे | धृजयामहे |
| स० धृजयेत | धृजयेताम् | धृजयेरन् |
| धृजयेथाः | धृजयेथाम् | धृजयेध्वम् |
| धृजयेय | धृजयेवहि | धृजयेमहि |
| प० धृजयताम् | धृजयेताम् | धृजयन्ताम् |
| धृजयस्व | धृजयेथाम् | धृजयध्वम् |
| धृजये | धृजयावहे | धृजयामहे |
| ह्य० अधृजयत | अधृजयेताम् | अधृजयन्त |
| अधृजयथाः | अधृजयेथाम् | अधृजयध्वम् |
| अधृजये | अधृजयावहि | अधृजयामहि |
| अ० अदधृजत | अदधृजेताम् | अदधृजन्त |
| अदधृजथाः | अदधृजेथाम् | अदधृजध्वम् |
| अदधृजे | अदधृजावहि | अदधृजामहि |
| प० धृजयाञ्चके | धृजयाञ्चक्राते | धृजयाञ्चक्रिरे |
| धृजयाञ्चकृषे | धृजयाञ्चक्राथे | धृजयाञ्चक्रुध्वे |
| धृजयाञ्चके | धृजयाञ्चक्रवहे | धृजयाञ्चक्रमहे |
| धृजयाम्बभूव | धृजयामास | |
| आ० धृजयिषीष्ट | धृजयिषीयास्ताम् | धृजयिषीरन् |
| धृजयिषीष्टाः | धृजयिषीयास्थाम् | धृजयिषीध्वम् |
| धृजयिषीय | धृजयिषीवहि | धृजयिषीमहि |
| श्व० धृजयिता | धृजयितारौ | धृजयितारः |
| धृजयितासे | धृजयितासाथे | धृजयिताध्वे |
| धृजयिताहे | धृजयितास्वहे | धृजयितासमहे |
| भ० धृजयिष्यते | धृजयिष्येते | धृजयिष्यन्ते |
| धृजयिष्यसे | धृजयिष्येथे | धृजयिष्यध्वे |
| धृजयिष्ये | धृजयिष्यावहे | धृजयिष्यामहे |
| क्रि० अधृजयिष्यत् | अधृजयिष्येताम् | अधृजयिष्यन्त |
| अधृजयिष्यथाः | अधृजयिष्येथाम् | अधृजयिष्यध्वम् |
| अधृजयिष्ये | अधृजयिष्यावहि | अधृजयिष्यामहि |

132 ध्वज (ध्वज) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|------------------|
| व० | ध्वजयति | ध्वजयतः | वाजयन्त |
| | ध्वजयसि | ध्वजयथः | वाजयथ |
| | ध्वजयामि | ध्वजयावः | ध्वजयामः |
| स० | ध्वजयेत् | वाजयेताम् | ध्वजयेयुः |
| | ध्वजयेः | वाजयेतम् | ध्वजयेत |
| | ध्वजयेयम् | ध्वजयेव | ध्वजयेम |
| प० | ध्वजयेतु | ध्वजयतात् | ध्वजयेताम् |
| | ध्वजये | ध्वजयतम् | ध्वजयत |
| | ध्वजयानि | ध्वजयाव | ध्वजयाम |
| ह० | अध्वजयेत् | अध्वजयेताम् | अध्वजयन् |
| | अध्वजयेः | अध्वजयेतम् | अध्वजयेत |
| | अध्वजयेयम् | अध्वजयेव | अध्वजयेम |
| अ० | अधिध्वजयेत् | अधिध्वजयेताम् | अधिध्वजयन् |
| | अधिध्वजयेः | अधिध्वजयेतम् | अधिध्वजयेत |
| | अधिध्वजयेयम् | अधिध्वजयेव | अधिध्वजयेम |
| प० | ध्वजयाम्भकार | ध्वजयाम्भकतुः | ध्वजयाम्भक |
| | ध्वजयाम्भकर्थ | ध्वजयाम्भकधुः | ध्वजयाम्भक |
| | ध्वजयाम्भकार-चक्र | ध्वजयाम्भकचक्र | ध्वजयाम्भकचक्रम् |
| | ध्वजयाम्भकभू | ध्वजयाम्भक | |
| आ० | ध्वजयात् | वाजयास्ताम् | वाजयामः |
| | ध्वजयाः | ध्वजयास्तम् | ध्वजयास्त |
| | ध्वजयायाम् | ध्वजयायव | ध्वजयायाम |
| भ० | ध्वजयिता | ध्वजयितारौ | ध्वजयितारः |
| | ध्वजयितासि | ध्वजयितास्थः | वाजयितास्थ |
| | ध्वजयितास्मि | ध्वजयितास्वः | ध्वजयितास्म |
| अ० | ध्वजयिष्यति | ध्वजयिष्यतः | ध्वजयिष्यन्त |
| | ध्वजयिष्यसि | ध्वजयिष्यथः | वाजयिष्यथ |
| | ध्वजयिष्यामि | ध्वजयिष्यावः | ध्वजयिष्यामः |
| क्रि० | अध्वजयिष्यसे | अध्वजयिष्यताम् | अध्वजयिष्यन्त |
| | अध्वजयिष्यः | अध्वजयिष्यतम् | अध्वजयिष्यत |
| | अध्वजयिष्यम् | अध्वजयिष्याव | अध्वजयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | वाजयेते | वाजयेते | वाजयन्ते |
| | वाजयसे | वाजयेथे | वाजयन्थे |
| | वाजय | वाजयावहे | वाजयामहे |
| स० | वाजयेत | वाजयेयताम् | वाजयेयन् |
| | वाजयेथाः | वाजयेयथाम् | वाजयेय्वम् |
| | वाजयेय | वाजयेयवहि | वाजयेयमहि |
| प० | वाजयताम् | वाजयेताम् | वाजयन्ताम् |
| | वाजयस्व | वाजयेयाम् | वाजयस्वम् |
| | वाजये | वाजयावहे | वाजयामहे |
| ह० | अवाजयत | अवाजयताम् | अवाजयन्त |
| | अवाजयथाः | अवाजयेथाम् | अवाजयन्वम् |
| | अवाजय | अवाजयावहि | अवाजयामहि |
| अ० | अधिवाजयत | अधिवाजयताम् | अधिवाजयन्त |
| | अधिवाजयथाः | अधिवाजयेथाम् | अधिवाजयन्वम् |
| | अधिवाजये | अधिवाजयावहि | अधिवाजयामहि |
| प० | वाजयाम्भके | ध्वजयाम्भकाते | वाजयाम्भकिरे |
| | वाजयाम्भकृषे | ध्वजयाम्भकाये | वाजयाम्भकृद्वे |
| | वाजयाम्भके | ध्वजयाम्भकवहे | वाजयाम्भकमहे |
| | वाजयाम्भकभू | वाजयाम्भक | |
| आ० | वाजयिषीष | वाजयिषीषास्ताम् | वाजयिषीरन् |
| | वाजयिषीषाः | ध्वजयिषीषास्थाम् | वाजयिषीषवम् |
| | वाजयिषीष | वाजयिषीषावहि | वाजयिषीषमहि |
| भ० | वाजयिता | वाजयितारौ | वाजयितारः |
| | वाजयितासे | वाजयितासाथे | वाजयितासवे |
| | वाजयिताहे | वाजयितास्वहे | वाजयितास्महे |
| अ० | ध्वजयिष्यते | ध्वजयिष्येते | ध्वजयिष्यन्ते |
| | ध्वजयिष्यसे | ध्वजयिष्येथे | ध्वजयिष्यन्थे |
| | ध्वजयिष्ये | ध्वजयिष्यावहे | ध्वजयिष्यामहे |
| क्रि० | अध्वजयिष्यत | अध्वजयिष्यताम् | अध्वजयिष्यन्त |
| | अध्वजयिष्यथाः | अध्वजयिष्येथाम् | अध्वजयिष्यन्वम् |
| | अध्वजयिष्य | अध्वजयिष्यावहि | अध्वजयिष्यामहि |

133 ध्वजु (ध्वञ्ज्) गतौ ।

| | | |
|----------------------|------------------|------------------|
| ब० ध्वञ्जयति | ध्वञ्जयतः | ध्वञ्जयन्ति |
| ध्वञ्जयसि | ध्वञ्जयथः | ध्वञ्जयथ |
| ध्वञ्जयामि | ध्वञ्जयावः | ध्वञ्जयामः |
| स० ध्वञ्जयेत् | ध्वञ्जयेताम् | ध्वञ्जयेयुः |
| ध्वञ्जयेः | ध्वञ्जयेतम् | ध्वञ्जयेत |
| ध्वञ्जयेयम् | ध्वञ्जयेव | ध्वञ्जयेम |
| प० ध्वञ्जयतु | ध्वञ्जयतात् | ध्वञ्जयताम् |
| ध्वञ्जय | ध्वञ्जयतम् | ध्वञ्जयत |
| ध्वञ्जयानि | ध्वञ्जयाव | ध्वञ्जयाम |
| ह्य० अध्वञ्जयत् | अध्वञ्जयताम् | अध्वञ्जयन् |
| अध्वञ्जयः | अध्वञ्जयतम् | अध्वञ्जयत |
| अध्वञ्जयम् | अध्वञ्जयाव | अध्वञ्जयाम |
| अ० अदध्वञ्जत् | अदध्वञ्जताम् | अदध्वञ्जन् |
| अदध्वञ्जः | अदध्वञ्जतम् | अदध्वञ्जत |
| अदध्वञ्जम् | अदध्वञ्जाव | अदध्वञ्जाम |
| प० ध्वञ्जयाश्चकार | ध्वञ्जयाश्चक्रुः | ध्वञ्जयाश्चक्रुः |
| ध्वञ्जयाश्चकथे | ध्वञ्जयाश्चक्रुः | ध्वञ्जयाश्चक्रुः |
| ध्वञ्जयाश्चकार-चक्र | ध्वञ्जयाश्चक्रुव | ध्वञ्जयाश्चक्रुम |
| ध्वञ्जयाम्बभूव | ध्वञ्जयामास | |
| आ० ध्वञ्जयात् | ध्वञ्जयास्ताम् | ध्वञ्जयासुः |
| ध्वञ्जयाः | ध्वञ्जयास्तम् | ध्वञ्जयास्त |
| ध्वञ्जयासम् | ध्वञ्जयास्व | ध्वञ्जयासम् |
| श्व० ध्वञ्जयिता | ध्वञ्जयितारौ | ध्वञ्जयितारः |
| ध्वञ्जयितासि | ध्वञ्जयितास्थः | ध्वञ्जयितास्थ |
| ध्वञ्जयितास्मि | ध्वञ्जयितास्वः | ध्वञ्जयितास्मः |
| भ० ध्वञ्जयिष्यति | ध्वञ्जयिष्यतः | ध्वञ्जयिष्यन्ति |
| ध्वञ्जयिष्यसि | ध्वञ्जयिष्यथः | ध्वञ्जयिष्यथ |
| ध्वञ्जयिष्यामि | ध्वञ्जयिष्यावः | ध्वञ्जयिष्यामः |
| क्रि० अध्वञ्जयिष्यत् | अध्वञ्जयिष्यताम् | अध्वञ्जयिष्यन् |
| अध्वञ्जयिष्यः | अध्वञ्जयिष्यतम् | अध्वञ्जयिष्यत |
| अध्वञ्जयिष्यम् | अध्वञ्जयिष्याव | अध्वञ्जयिष्याम |

| | | |
|---------------------|--------------------|---------------------|
| ब० ध्वञ्जयते | ध्वञ्जयेते | ध्वञ्जयन्ते |
| ध्वञ्जयसे | ध्वञ्जयेथे | ध्वञ्जयध्वे |
| ध्वञ्जये | ध्वञ्जयावहे | ध्वञ्जयामहे |
| स० ध्वञ्जयेत् | ध्वञ्जयेयाताम् | ध्वञ्जयेरन् |
| ध्वञ्जयेथाः | ध्वञ्जयेयाथाम् | ध्वञ्जयेध्वम् |
| ध्वञ्जयेय | ध्वञ्जयेवहि | ध्वञ्जयेमहि |
| प० ध्वञ्जयताम् | ध्वञ्जयेताम् | ध्वञ्जयन्ताम् |
| ध्वञ्जयस्व | ध्वञ्जयेथाम् | ध्वञ्जयध्वम् |
| ध्वञ्जयै | ध्वञ्जयावहे | ध्वञ्जयामहे |
| ह्य० अध्वञ्जयत | अध्वञ्जयेताम् | अध्वञ्जयन्त |
| अध्वञ्जयथाः | अध्वञ्जयेथाम् | अध्वञ्जयध्वम् |
| अध्वञ्जये | अध्वञ्जयावहि | अध्वञ्जयामहि |
| अ० अदध्वञ्जत | अदध्वञ्जेताम् | अदध्वञ्जन्त |
| अदध्वञ्जथाः | अदध्वञ्जेथाम् | अदध्वञ्जध्वम् |
| अदध्वञ्जे | अदध्वञ्जावहि | अदध्वञ्जामहि |
| प० ध्वञ्जयाश्चक्रे | ध्वञ्जयाश्चक्राते | ध्वञ्जयाश्चक्रिरे |
| ध्वञ्जयाश्चक्रुवे | ध्वञ्जयाश्चक्राथे | ध्वञ्जयाश्चक्रुद्वे |
| ध्वञ्जयाश्चक्रे | ध्वञ्जयाश्चक्रुवहे | ध्वञ्जयाश्चक्रुमहे |
| ध्वञ्जयाम्बभूव | ध्वञ्जयामास | |
| आ० ध्वञ्जयिषीष्ट | ध्वञ्जयिषीयास्ताम् | ध्वञ्जयिषीरन् |
| ध्वञ्जयिषीष्ठाः | ध्वञ्जयिषीयास्थाम् | ध्वञ्जयिषीद्वम् |
| ध्वञ्जयिषीय | ध्वञ्जयिषीवहि | ध्वञ्जयिषीमहि |
| श्व० ध्वञ्जयिता | ध्वञ्जयितारौ | ध्वञ्जयितारः |
| ध्वञ्जयितासे | ध्वञ्जयितासाथे | ध्वञ्जयिताध्वे |
| ध्वञ्जयिताहे | ध्वञ्जयितास्वहे | ध्वञ्जयितास्महे |
| भ० ध्वञ्जयिष्यते | ध्वञ्जयिष्येते | ध्वञ्जयिष्यन्ते |
| ध्वञ्जयिष्यसे | ध्वञ्जयिष्येथे | ध्वञ्जयिष्यध्वे |
| ध्वञ्जयिष्ये | ध्वञ्जयिष्यावहे | ध्वञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० अध्वञ्जयिष्यत | अध्वञ्जयिष्येताम् | अध्वञ्जयिष्यन्त |
| अध्वञ्जयिष्यथाः | अध्वञ्जयिष्येथाम् | अध्वञ्जयिष्यध्वम् |
| अध्वञ्जयिष्ये | अध्वञ्जयिष्यावहि | अध्वञ्जयिष्यामहि |

136 वज (वज्) गतौ

| | | |
|------------------------|---------------|---------------|
| व० वाजयति | वाजयतः | वाजयन्ति |
| वाजयसि | वाजयथः | वाजयथ |
| वाजयामि | वाजयावः | वाजयामः |
| स० वाजयेत् | वाजयेताम् | वाजयेयुः |
| वाजयेः | वाजयेतम् | वाजयेत |
| वाजयेयम् | वाजयेव | वाजयेम |
| प० वाजयतु | वाजयतात् | वाजयताम् |
| वाजय | वाजयतम् | वाजयत |
| वाजयानि | वाजयाव | वाजयाम |
| ह्य० अवाजयत् | अवाजयताम् | अवाजयन् |
| अवाजयः | अवाजयतम् | अवाजयत |
| अवाजयम् | अवाजयाव | अवाजयाम |
| अ० अवीवजत् | अवीवजताम् | अवीवजन् |
| अवीवजः | अवीवतम् | अवीवजत |
| अवीवजम् | अवीवजाव | अवीवजाम |
| प० वाजयाञ्चकार | वाजयाञ्चक्रुः | वाजयाञ्चक्रुः |
| वाजयाञ्चकर्ष | वाजयाञ्चक्रुः | वाजयाञ्चक्रुः |
| वाजयाञ्चकार-चकर | वाजयाञ्चक्रुव | वाजयाञ्चक्रुम |
| वाजयाम्बभूव । वाजयामास | | |
| आ० वाज्यात् | वाज्यास्ताम् | वाज्यासुः |
| वाज्याः | वाज्यास्तम् | वाज्यास्त |
| वाज्यासम् | वाज्यास्व | वाज्यास्म |
| श्व० वाजयिता | वाजयितारौ | वाजयितारः |
| वाजयितासि | वाजयितास्थः | वाजयितास्थ |
| वाजयितास्मि | वाजयितास्वः | वाजयितास्मः |
| भ० वाजयिष्यति | वाजयिष्यतः | वाजयिष्यन्ति |
| वाजयिष्यसि | वाजयिष्यथः | वाजयिष्यथ |
| वाजयिष्यामि | वाजयिष्यावः | वाजयिष्यामः |
| क्रि० अवाजयिष्यत् | अवाजयिष्यताम् | अवाजयिष्यन् |
| अवाजयिष्यः | अवाजयिष्यतम् | अवाजयिष्यत |
| अवाजयिष्यम् | अवाजयिष्याव | अवाजयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|-----------------|
| व० वाजयते | वाजयेते | वाजयन्ते |
| वाजयसे | वाजयेथे | वाजयन्वे |
| वाजये | वाजयावहे | वाजयामहे |
| स० वाजयेत | वाजयेयाताम् | वाजयेरन् |
| वाजयेथाः | वाजयेयाथाम् | वाजयेष्वम् |
| वाजयेय | वाजयेवहि | वाजयेमहि |
| प० वाजयतम् | वाजयेताम् | वाजयन्ताम् |
| वाजयस्व | वाजयेथाम् | वाजयन्वम् |
| वाजयै | वाजयावहै | वाजयामहै |
| ह्य० अवाजयत | अवाजयेताम् | अवाजयन्त |
| अवाजयथाः | अवाजयेथाम् | अवाजयन्वम् |
| अवाजये | अवाजयावहि | अवाजयामहि |
| अ० अवीवजत | अवीवजेताम् | अवीवजन्त |
| अवीवजथाः | अवीवजेथाम् | अवीवजन्वम् |
| अवीवजे | अवीवजावहि | अवीवजामहि |
| प० वाजयाञ्चक्रे | वाजयाञ्चक्रते | वाजयाञ्चक्रिरे |
| वाजयाञ्चक्रे | वाजयाञ्चक्राथे | वाजयाञ्चक्रुवहे |
| वाजयाञ्चक्रे | वाजयाञ्चक्रुवहे | वाजयाञ्चक्रुमहे |
| वाजयाम्बभूव । वाजयामास | | |
| आ० वाजयिषीष्ट | वाजयिषीयास्ताम् | वाजयिषीरन् |
| वाजयिषीष्टाः | वाजयिषीयास्थाम् | वाजयिषीव्वम् |
| ध्वम् | | |
| वाजयिषीय | वाजयिषीवहि | वाजयिषीमहि |
| श्व० वाजयिता | वाजयितारौ | वाजयितारः |
| वाजयितासे | वाजयितासाथे | वाजयिताध्वे |
| वाजयिताहे | वाजयितास्वहे | वाजयितास्महे |
| भ० वाजयिष्यते | वाजयिष्येते | वाजयिष्यन्ते |
| वाजयिष्यसे | वाजयिष्येथे | वाजयिष्यन्वे |
| वाजयिष्ये | वाजयिष्यावहे | वाजयिष्यामहे |
| क्रि० अवाजयिष्यत | अवाजयिष्येताम् | अवाजयिष्यन्त |
| अवाजयिष्यथाः | अवाजयिष्येथाम् | अवाजयिष्यन्वम् |
| अवाजयिष्ये | अवाजयिष्यावहि | अवाजयिष्यामहि |

134 ध्रज् (ध्रज्) गतौ

| | | | |
|-------|----------------------------|-----------------|-----------------|
| व० | ध्राजयति | ध्राजयतः | ध्राजयन्ति |
| | ध्राजयसि | ध्राजयथः | ध्राजयथ |
| | ध्राजयामि | ध्राजयावः | ध्राजयामः |
| स० | ध्राजयेत् | ध्राजयेताम् | ध्राजयेयुः |
| | ध्राजयेः | ध्राजयेतम् | ध्राजयेत |
| | ध्राजयेयम् | ध्राजयेव | ध्राजयेम |
| प० | ध्राजयतु | ध्राजयतात् | ध्राजयताम् |
| | ध्राजय | ध्राजयतम् | ध्राजयत |
| | ध्राजयानि | ध्राजयाव | ध्राजयाम |
| ह्य० | अध्राजयत् | अध्राजयताम् | अध्राजयन् |
| | अध्राजयः | अध्राजयतम् | अध्राजयत |
| | अध्राजयम् | अध्राजयाव | अध्राजयाम |
| अ० | अदिध्रजत् | अदिध्रजताम् | अदिध्रजन् |
| | अदिध्रजः | अदिध्रजतम् | अदिध्रजत |
| | अदिध्रजम् | अदिध्रजाव | अदिध्रजाम |
| प० | ध्राजयाञ्चकार | ध्राजयाञ्चक्रुः | ध्राजयाञ्चक्रुः |
| | ध्राजयाञ्चकथं | ध्राजयाञ्चकथुः | ध्राजयाञ्चक्र |
| | ध्राजयाञ्चकार-चकर | ध्राजयाञ्चकृव | ध्राजयाञ्चकृम |
| | ध्राजयाम्बभूव । ध्राजयामास | | |
| आ० | ध्राज्यात् | ध्राज्यास्ताम् | ध्राज्यासुः |
| | ध्राज्याः | ध्राज्यास्तम् | ध्राज्यास्त |
| | ध्राज्यासम् | ध्राज्यास्व | ध्राज्यास्म |
| श्व० | ध्राजयिता | ध्राजयितारौ | ध्राजयितारः |
| | ध्राजयितासि | ध्राजयितास्थः | ध्राजयितास्थ |
| | ध्राजयितास्मि | ध्राजयितास्वः | ध्राजयितास्मः |
| भ० | ध्राजयिष्यति | ध्राजयिष्यतः | ध्राजयिष्यन्ति |
| | ध्राजयिष्यसि | ध्राजयिष्यथः | ध्राजयिष्यथ |
| | ध्राजयिष्यामि | ध्राजयिष्यावः | ध्राजयिष्यामः |
| क्रि० | अध्राजयिष्यत् | अध्राजयिष्यताम् | अध्राजयिष्यन् |
| | अध्राजयिष्यः | अध्राजयिष्यतम् | अध्राजयिष्यत |
| | अध्राजयिष्यम् | अध्राजयिष्याव | अध्राजयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------------------|-------------------|------------------|
| व० | ध्राजयते | ध्राजयेते | ध्राजयन्ते |
| | ध्राजयसे | ध्राजयेथे | ध्राजयध्वे |
| | ध्राजये | ध्राजयावहे | ध्राजयामहे |
| स० | ध्राजयेत | ध्राजयेताताम् | ध्राजयेरन् |
| | ध्राजयेथाः | ध्राजयेथाम् | ध्राजयेध्वम् |
| | ध्राजयेय | ध्राजयेवहि | ध्राजयेमहि |
| प० | ध्राजयताम् | ध्राजयेताम् | ध्राजयन्ताम् |
| | ध्राजयस्व | ध्राजयेथाम् | ध्राजयध्वम् |
| | ध्राजयै | ध्राजयावहे | ध्राजयामहे |
| ह्य० | अध्राजयत | अध्राजयेताम् | अध्राजयन्त |
| | अध्राजयथाः | अध्राजयेथाम् | अध्राजयध्वम् |
| | अध्राजये | अध्राजयावहि | अध्राजयामहि |
| अ० | अदिध्रजत | अदिध्रजेताम् | अदिध्रजन्त |
| | अदिध्रजथाः | अदिध्रजेथाम् | अदिध्रजध्वम् |
| | अदिध्रजे | अदिध्रजावहि | अदिध्रजामहि |
| प० | ध्राजयाञ्चक्रे | ध्राजयाञ्चक्रते | ध्राजयाञ्चक्रिरे |
| | ध्राजयाञ्चकृषे | ध्राजयाञ्चक्रथे | ध्राजयाञ्चकृद्वे |
| | ध्राजयाञ्चक्रे | ध्राजयाञ्चकृषहे | ध्राजयाञ्चकृमहे |
| | ध्राजयाम्बभूव । ध्राजयामास | | |
| आ० | ध्राजयिषीष्ट | ध्राजयिषीयास्ताम् | ध्राजयिषीरन् |
| | ध्राजयिषीष्ठाः | ध्राजयिषीयास्थाम् | ध्राजयिषीध्वम् |
| | ध्राजयिषीय | ध्राजयिषीषहि | ध्राजयिषीमहि |
| श्व० | ध्राजयिता | ध्राजयितागौ | ध्राजयितारः |
| | ध्राजयितासे | ध्राजयितासाथे | ध्राजयिताध्वे |
| | ध्राजयिताहे | ध्राजयितास्वहे | ध्राजयितास्महे |
| भ० | ध्राजयिष्यते | ध्राजयिष्येते | ध्राजयिष्यन्ते |
| | ध्राजयिष्यसे | ध्राजयिष्येथे | ध्राजयिष्यध्वे |
| | ध्राजयिष्ये | ध्राजयिष्यावहे | ध्राजयिष्यामहे |
| क्रि० | अध्राजयिष्यत | अध्राजयिष्येताम् | अध्राजयिष्यन्त |
| | अध्राजयिष्यथाः | अध्राजयिष्येथाम् | अध्राजयिष्यध्वम् |
| | अध्राजयिष्ये | अध्राजयिष्यावहि | अध्राजयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (१३९)

135 धञ्जु (धञ्ज्) गतौ

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० धञ्जयति | धञ्जयतः | धञ्जयन्ति |
| धञ्जयसि | धञ्जयथः | धञ्जयथ |
| धञ्जयामि | धञ्जयावः | धञ्जयामः |
| स० धञ्जयेत् | धञ्जयेताम् | धञ्जयेयुः |
| धञ्जयेः | धञ्जयेतम् | धञ्जयेत |
| धञ्जयेयम् | धञ्जयेव | धञ्जयेम |
| प० धञ्जयतु | धञ्जयतात् | धञ्जयताम् |
| धञ्जय | धञ्जयतम् | धञ्जयत |
| धञ्जयानि | धञ्जयाव | धञ्जयाम |
| ह्य० अधञ्जयत् | अधञ्जयताम् | अधञ्जयन् |
| अधञ्जयः | अधञ्जयतम् | अधञ्जयत |
| अधञ्जयम् | अधञ्जयाव | अधञ्जयाम |
| अ० अदधञ्जत् | अदधञ्जताम् | अदधञ्जन् |
| अदधञ्जः | अदधञ्जतम् | अदधञ्जत |
| अदधञ्जम् | अदधञ्जाव | अदधञ्जाम |
| प० धञ्जयाञ्चकार | धञ्जयाञ्चक्रुः | धञ्जयाञ्चकुः |
| धञ्जयाञ्चकथं | धञ्जयाञ्चकथुः | धञ्जयाञ्चक |
| धञ्जयाञ्चकार-चकर | धञ्जयाञ्चकृव | धञ्जयाञ्चकृम |
| धञ्जयाम्बभूव | धञ्जयामास | |
| आ० धञ्ज्यात् | धञ्ज्यास्ताम् | धञ्ज्यासुः |
| धञ्ज्याः | धञ्ज्यास्तम् | धञ्ज्यास्त |
| धञ्ज्यासम् | धञ्ज्यास्व | धञ्ज्यास्म |
| श्व० धञ्जयिता | धञ्जयितारौ | धञ्जयितारः |
| धञ्जयितासि | धञ्जयितास्थः | धञ्जयितास्थ |
| धञ्जयितास्मि | धञ्जयितास्वः | धञ्जयितास्मः |
| भ० धञ्जयिष्यति | धञ्जयिष्यतः | धञ्जयिष्यन्ति |
| धञ्जयिष्यसि | धञ्जयिष्यथः | धञ्जयिष्यथ |
| धञ्जयिष्यामि | धञ्जयिष्यावः | धञ्जयिष्यामः |
| क्रि० अधञ्जयिष्यत् | अधञ्जयिष्यताम् | अधञ्जयिष्यन् |
| अधञ्जयिष्यः | अधञ्जयिष्यतम् | अधञ्जयिष्यत |
| अधञ्जयिष्यम् | अधञ्जयिष्याव | अधञ्जयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० धञ्जयते | धञ्जयेते | धञ्जयन्ते |
| धञ्जयसे | धञ्जयेथे | धञ्जयध्वे |
| धञ्जये | धञ्जयावहे | धञ्जयामहे |
| स० धञ्जयेत | धञ्जयेयाताम् | धञ्जयेरन् |
| धञ्जयेथाः | धञ्जयेयाथाम् | धञ्जयेध्वम् |
| धञ्जयेय | धञ्जयेवहि | धञ्जयेमहि |
| प० धञ्जयताम् | धञ्जयेताम् | धञ्जयन्ताम् |
| धञ्जयस्व | धञ्जयेथाम् | धञ्जयध्वम् |
| धञ्जये | धञ्जयावहे | धञ्जयामहे |
| ह्य० अधञ्जयत | अधञ्जयेताम् | अधञ्जयन्त |
| अधञ्जयथाः | अधञ्जयेथाम् | अधञ्जयध्वम् |
| अधञ्जये | अधञ्जयावहि | अधञ्जयामहि |
| अ० अदधञ्जत | अदधञ्जताम् | अदधञ्जन्त |
| अदधञ्जथाः | अदधञ्जथाम् | अदधञ्जध्वम् |
| अदधञ्जे | अदधञ्जावहि | अदधञ्जामहि |
| प० धञ्जयाञ्चके | धञ्जयाञ्चकाते | धञ्जयाञ्चकिरे |
| धञ्जयाञ्चकृषे | धञ्जयाञ्चकृषे | धञ्जयाञ्चकृद्वे |
| धञ्जयाञ्चके | धञ्जयाञ्चकृवहे | धञ्जयाञ्चकृमहे |
| धञ्जयाम्बभूव | धञ्जयामास | |
| आ० धञ्जयिषीष्ट | धञ्जयिषीयास्ताम् | धञ्जयिषीरन् |
| धञ्जयिषीष्ठाः | धञ्जयिषीयास्थाम् | धञ्जयिषीध्वम् |
| धञ्जयिषीय | धञ्जयिषीवहि | धञ्जयिषीमहि |
| श्व० धञ्जयिता | धञ्जयितारौ | धञ्जयितारः |
| धञ्जयितासे | धञ्जयितासाथे | धञ्जयिताध्वे |
| धञ्जयिताहे | धञ्जयितास्वहे | धञ्जयितास्महे |
| भ० धञ्जयिष्यते | धञ्जयिष्यन्ते | धञ्जयिष्यन्ते |
| धञ्जयिष्यसे | धञ्जयिष्यथे | धञ्जयिष्यध्वे |
| धञ्जयिष्ये | धञ्जयिष्यावहे | धञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० अधञ्जयिष्यत | अधञ्जयिष्येताम् | अधञ्जयिष्यन्त |
| अधञ्जयिष्यथाः | अधञ्जयिष्येथाम् | अधञ्जयिष्यध्वम् |
| अधञ्जयिष्ये | अधञ्जयिष्यावहि | अधञ्जयिष्यामहि |

137 ब्रजु (ब्रज्) गतो ।

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------|
| ब० ब्राजयति | ब्राजयतः | ब्राजयन्ति |
| ब्राजयसि | ब्राजयथः | ब्राजयथ |
| ब्राजयामि | ब्राजयावः | ब्राजयामः |
| स० ब्राजयेत् | ब्राजयेताम् | ब्राजयेयुः |
| ब्राजयेः | ब्राजयेतम् | ब्राजयेत |
| ब्राजयेयम् | ब्राजयेव | ब्राजयेम |
| प० ब्राजयतु | ब्राजयतात् | ब्राजयताम् |
| ब्राजय | ” | ब्राजयतम् |
| ब्राजयानि | ब्राजयाव | ब्राजयाम |
| ह्य० अब्राजयत् | अब्राजयताम् | अब्राजयन् |
| अब्राजयः | अब्राजयतम् | अब्राजयत |
| अब्राजयम् | अब्राजयव | अब्राजयाम |
| अ० अविब्रजत् | अविब्रजताम् | अविब्रजन् |
| अविब्रजः | अविब्रजतम् | अविब्रजत |
| अविब्रजम् | अविब्रजाव | अविब्रजाम |
| प० ब्राजयाश्चकार | ब्राजयाश्चक्रुः | ब्राजयाश्चक्रुः |
| ब्राजयाश्चकर्ष | ब्राजयाश्चक्रुः | ब्राजयाश्चक्रुः |
| ब्राजयाश्चकर | ब्राजयाश्चक्रुः | ब्राजयाश्चक्रुः |
| ब्राजयाम्बभूव | । | ब्राजयामास |
| आ० ब्राज्यात् | ब्राज्यास्ताम् | ब्राज्यासुः |
| ब्राज्याः | ब्राज्यास्तम् | ब्राज्यास्त |
| ब्राज्यासम् | ब्राज्यास्व | ब्राज्यास्म |
| श्व० ब्राजयिता | ब्राजयितारौ | ब्राजयितारः |
| ब्राजयितासि | ब्राजयितास्थः | ब्राजयितास्थ |
| ब्राजयितास्मि | ब्राजयितास्वः | ब्राजयितास्मः |
| भ० ब्राजयिष्यति | ब्राजयिष्यतः | ब्राजयिष्यन्ति |
| ब्राजयिष्यसि | ब्राजयिष्यथः | ब्राजयिष्यथ |
| ब्राजयिष्यामि | ब्राजयिष्यावः | ब्राजयिष्यामः |
| क्रि० अब्राजयिष्यत् | अब्राजयिष्यताम् | अब्राजयिष्यन् |
| अब्राजयिष्यः | अब्राजयिष्यतम् | अब्राजयिष्यत |
| अब्राजयिष्यम् | अब्राजयिष्याव | अब्राजयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|----------------------|
| व० ब्राजयेते | ब्राजयेते | ब्राजयन्ते |
| ब्राजयसे | ब्राजयेथे | ब्राजयध्वे |
| ब्राजये | ब्राजयावहे | ब्राजयामहे |
| स० ब्राजयेत | ब्राजयेयाताम् | ब्राजयेरन् |
| ब्राजयेथाः | ब्राजयेयाथाम् | ब्राजयेष्वम् |
| ब्राजयेथ | ब्राजयेवहि | ब्राजयेमहि |
| प० ब्राजयताम् | ब्राजयेताम् | ब्राजयन्ताम् |
| ब्राजयस्व | ब्राजयेथाम् | ब्राजयध्वम् |
| ब्राजये | ब्राजयावहे | ब्राजयामहे |
| ह्य० अब्राजयत | अब्राजयेताम् | अब्राजयन्त |
| अब्राजयथाः | अब्राजयेथाम् | अब्राजयध्वम् |
| अब्राजये | अब्राजयावहि | अब्राजयामहि |
| अ० अविब्रजत | अविब्रजेताम् | अविब्रजन्त |
| अविब्रजथाः | अविब्रजेथाम् | अविब्रजध्वम् |
| अविब्रजे | अविब्रजावहि | अविब्रजामहि |
| प० ब्राजयाञ्चक्रे | ब्राजयाञ्चक्रते | ब्राजयाञ्चकिरे |
| ब्राजयाञ्चकृषे | ब्राजयाञ्चक्राथे | ब्राजयाञ्चकृद्वे |
| ब्राजयाञ्चक्रे | ब्राजयाञ्चकृवहे | ब्राजयाञ्चकृमहे |
| ब्राजयाम्बभूव | । | ब्राजयामास |
| आ० ब्राजयिषीष्ट | ब्राजयिषीयास्ताम् | ब्राजयिषीरन् |
| ब्राजयिषीष्ठाः | ब्राजयिषीयास्थाम् | ब्राजयिषीद्वम्-ध्वम् |
| ब्राजयिषीय | ब्राजयिषीवहि | ब्राजयिषीमहि |
| श्व० ब्राजयिता | ब्राजयितारौ | ब्राजयितारः |
| ब्राजयितासे | ब्राजयितासाथे | ब्राजयिताध्वे |
| ब्राजयिताहे | ब्राजयितास्वहे | ब्राजयितास्महे |
| भ० ब्राजयिष्यते | ब्राजयिष्येते | ब्राजयिष्यन्ते |
| ब्राजयिष्यसे | ब्राजयिष्येथे | ब्राजयिष्यध्वे |
| ब्राजयिष्ये | ब्राजयिष्यावहे | ब्राजयिष्यामहे |
| क्रि० अब्राजयिष्यत | अब्राजयिष्येताम् | अब्राजयिष्यन्त |
| अब्राजयिष्यथाः | अब्राजयिष्येथाम् | अब्राजयिष्यध्वम् |
| अब्राजयिष्ये | अब्राजयिष्यावहि | अब्राजयिष्यामहि |

188 षज्ज (सज्ज्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|----------------|
| व० | सज्जयति | सज्जयतः | सज्जयन्ति |
| | सज्जयसि | सज्जयथः | सज्जयथ |
| | सज्जयामि | सज्जयावः | सज्जयामः |
| स० | सज्जयेत् | सज्जयेताम् | सज्जयेयुः |
| | सज्जयेः | सज्जयेतम् | सज्जयेत |
| | सज्जयेयम् | सज्जयेव | सज्जयेम |
| प० | सज्जयतु | सज्जयतात् | सज्जयन्तु |
| | सज्जय | सज्जयतात् | सज्जयत |
| | सज्जयानि | सज्जयाव | सज्जयाम |
| ह्य० | असज्जयत् | असज्जयताम् | असज्जयन् |
| | असज्जयः | असज्जयतम् | असज्जयत |
| | असज्जयम् | असज्जयाव | असज्जयाम |
| अ० | असज्जज्जत् | असज्जज्जताम् | असज्जज्जन् |
| | असज्जज्जः | असज्जज्जतम् | असज्जज्जत |
| | असज्जज्जम् | असज्जज्जाव | असज्जज्जाम |
| प० | सज्जयाञ्चकार | सज्जयाञ्चक्रुः | सज्जयाञ्चक्रुः |
| | सज्जयाञ्चकथं | सज्जयाञ्चकथुः | सज्जयाञ्चक्र |
| | सज्जयाञ्चकार-चक्र | सज्जयाञ्चक्रव | सज्जयाञ्चक्रुम |
| | सज्जयान्वभूव | । | सज्जयामास |
| आ० | सज्ज्यात् | सज्ज्यास्ताम् | सज्ज्यासुः |
| | सज्ज्याः | सज्ज्यास्तम् | सज्ज्यास्त |
| | सज्ज्यासम् | सज्ज्यास्व | सज्ज्यास्म |
| श्व० | सज्जयिता | सज्जयितारौ | सज्जयितारः |
| | सज्जयितासि | सज्जयितास्थः | सज्जयितास्थ |
| | सज्जयितास्मि | सज्जयितास्वः | सज्जयितास्मः |
| भ० | सज्जयिष्यति | सज्जयिष्यतः | सज्जयिष्यन्ति |
| | सज्जयिष्यसि | सज्जयिष्यथः | सज्जयिष्यथ |
| | सज्जयिष्यामि | सज्जयिष्यावः | सज्जयिष्यामः |
| क्रि० | असज्जयिष्यत् | असज्जयिष्यताम् | असज्जयिष्यन् |
| | असज्जयिष्यः | असज्जयिष्यतम् | असज्जयिष्यत |
| | असज्जयिष्यम् | असज्जयिष्याव | असज्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-------------------|------------------|
| व० | सज्जयते | सज्जयेते | सज्जयन्ते |
| | सज्जयसे | सज्जयेथे | सज्जयध्वे |
| | सज्जये | सज्जयावहे | सज्जयामहे |
| स० | सज्जयेत | सज्जयेथाताम् | सज्जयेरन् |
| | सज्जयेथाः | सज्जयेथाथाम् | सज्जयेध्वम् |
| | सज्जयेय | सज्जयेवहि | सज्जयेमहि |
| प० | सज्जयताम् | सज्जयेताम् | सज्जयन्ताम् |
| | सज्जयस्व | सज्जयेध्वम् | सज्जयध्वम् |
| | सज्जये | सज्जयावहे | सज्जयामहे |
| ह्य० | असज्जयत | असज्जयेताम् | असज्जयन्त |
| | असज्जयथाः | असज्जयेथाथाम् | असज्जयध्वम् |
| | असज्जये | असज्जयावहि | असज्जयामहि |
| अ० | असज्जजत | असज्जजताम् | असज्जजन्त |
| | असज्जजथाः | असज्जजेथाथाम् | असज्जजध्वम् |
| | असज्जजे | असज्जजावहि | असज्जजामहि |
| प० | सज्जयाञ्चक्रे | सज्जयाञ्चक्राते | सज्जयाञ्चक्रिरे |
| | सज्जयाञ्चकथे | सज्जयाञ्चकथे | सज्जयाञ्चक्रुवे |
| | सज्जयाञ्चक्रे | सज्जयाञ्चक्रुवहे | सज्जयाञ्चक्रुमहे |
| | सज्जयन्वभूव | । | सज्जयामास |
| आ० | सज्जयिषीष्ट | सज्जयिषीयास्ताम् | सज्जयिषीरन् |
| | सज्जयिषीष्टाः | सज्जयिषीयास्थाम् | सज्जयिषीध्वम् |
| | सज्जयिषीय | सज्जयिषीवहि | सज्जयिषीमहि |
| श्व० | सज्जयिता | सज्जयितारौ | सज्जयितारः |
| | सज्जयितासे | सज्जयितासाथे | सज्जयिताध्वे |
| | सज्जयिताहे | सज्जयितास्वहे | सज्जयितास्महे |
| भ० | सज्जयिष्यते | सज्जयिष्येते | सज्जयिष्यन्ते |
| | सज्जयिष्यसे | सज्जयिष्येथे | सज्जयिष्यध्वे |
| | सज्जयिष्ये | सज्जयिष्यावहे | सज्जयिष्यामहे |
| क्रि० | असज्जयिष्यत | असज्जयिष्यताम् | असज्जयिष्यन्त |
| | असज्जयिष्यथाः | असज्जयिष्येथाथाम् | असज्जयिष्यध्वम् |
| | असज्जयिष्ये | असज्जयिष्यावहि | असज्जयिष्यामहि |

139 अज (वी) क्षेपणे च ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वाययति | वाययतः | वाययन्ति |
| वाययसि | वाययथः | वाययथ |
| वाययामि | वाययावः | वाययामः |
| स० वाययेत् | वाययेताम् | वाययेयुः |
| वाययेः | वाययेतम् | वाययेत |
| वाययेयम् | वाययेव | वाययेम |
| प० वाययतु | वाययतात् | वाययन्तु |
| वायय | वाययतात् | वाययतम् |
| वाययानि | वाययाव | वाययाम |
| ह्य० अवाययत् | अवाययताम् | अवाययन् |
| अवाययः | अवाययतम् | अवाययत |
| अवाययम् | अवाययाव | अवाययाम |
| अ० अवीवयत् | अवीवयताम् | अवीवयन् |
| अवीवयः | अवीवयतम् | अवीवयत |
| अवीवयम् | अवीवयाव | अवीवयाम |
| प० वाययाञ्चकार | वाययाञ्चक्रुः | वाययाञ्चकुः |
| वाययाञ्चकथं | वाययाञ्चक्रुः | वाययाञ्चक |
| वाययाञ्चकार-चकर | वाययाञ्चक्रुव | वाययाञ्चक्रम |
| वाययाञ्चभूव | वाययामास | |
| आ० वाय्यात् | वाय्यास्ताम् | वाय्यासुः |
| वाय्याः | वाय्यास्तम् | वाय्यास्त |
| वाय्यासम् | वाय्यास्व | वाय्यास्म |
| श्र० वाययिता | वाययितारौ | वाययितारः |
| वाययितासि | वाययितास्थः | वाययितास्थ |
| वाययितास्मि | वाययितास्वः | वाययितास्मः |
| अ० वाययिष्यति | वाययिष्यतः | वाययिष्यन्ति |
| वाययिष्यसि | वाययिष्यथः | वाययिष्यथ |
| वाययिष्यामि | वाययिष्यावः | वाययिष्यामः |
| क्रि० अवाययिष्यत् | अवाययिष्यताम् | अवाययिष्यन् |
| अवाययिष्यः | अवाययिष्यतम् | अवाययिष्यत |
| अवाययिष्यम् | अवाययिष्याव | अवाययिष्याम |

| | | |
|-------------------|-------------------|----------------|
| व० वाययते | वाययेते | वाययन्ते |
| वाययसे | वाययेथे | वाययध्वे |
| वाययं | वाययावहे | वाययामहे |
| स० वाययेत | वाययेयाताम् | वाययेरन् |
| वाययेथाः | वाययेयाथाम् | वाययेध्वम् |
| वाययेय | वाययेवहि | वाययेमहि |
| प० वाययताम् | वाययेताम् | वाययन्ताम् |
| वाययस्व | वाययेथाम् | वाययध्वम् |
| वाययै | वाययावहे | वाययामहे |
| ह्य० अवाययत | अवाययेताम् | अवाययन्त |
| अवाययथाः | अवाययेथाम् | अवाययध्वम् |
| अवायये | अवाययावहि | अवाययामहि |
| अ० अवीवयत | अवीवयेताम् | अवीवयन्त |
| अवीवयथाः | अवीवयेथाम् | अवीवयध्वम् |
| अवीवये | अवीवयावहि | अवीवयामहि |
| प० वाययाञ्चक्रे | वाययाञ्चक्राते | वाययाञ्चक्रिरे |
| वाययाञ्चकृषे | वाययाञ्चक्रथे | वाययाञ्चकृद्वे |
| वाययाञ्चक्रे | वाययाञ्चकृवहे | वाययाञ्चक्रमहे |
| वाययाम्बभूव | वाययामास | |
| आ० वाययिषीष्ट | वाययिषीष्टास्ताम् | वाययिषीरन् |
| वाययिषीष्ठाः | वाययिषीष्टास्थाम् | वाययिषीद्वम् |
| वाययिषीय | वाययिषीवहि | वाययिषीमहि |
| श्र० वाययिता | वाययितारौ | वाययितारः |
| वाययितासे | वाययितासाथे | वाययिताध्वे |
| वाययिताहे | वाययितास्वहे | वाययितास्महे |
| अ० वाययिष्यते | वाययिष्येते | वाययिष्यन्ते |
| वाययिष्यसे | वाययिष्येथे | वाययिष्यध्वे |
| वाययिष्ये | वाययिष्यावहे | वाययिष्यामहे |
| क्रि० अवाययिष्यत् | अवाययिष्येताम् | अवाययिष्यन्त |
| अवाययिष्यथाः | अवाययिष्येथाम् | अवाययिष्यध्वम् |
| अवाययिष्ये | अवाययिष्यावहि | अवाययिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (१४३)

141 कुजू (कुज्) स्तेये ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|-------------------|
| व० | कोजयति | कोजयतः | कोजयन्ति |
| | कोजयसि | कोजयथः | कोजयथ |
| | कोजयामि | कोजयावः | कोजयामः |
| स० | कोजयेत् | कोजयेताम् | कोजयेयुः |
| | कोजयेः | कोजयेतम् | कोजयेत |
| | कोजयेथ | कोजयेव | कोजयेम |
| प० | कोजयतु | कोजयतात् | कोजयताम् कोजयन्तु |
| | कोजय | „ | कोजयतम् कोजयत |
| | कोजयानि | कोजयाव | कोजयाम |
| ह्य० | अकोजयत् | अकोजयताम् | अकोजयन् |
| | अकोजयः | अकोजयतम् | अकोजयत |
| | अकोजयम् | अकोजयाव | अकोजयाम |
| अ० | अचूकुजत् | अचूकुजताम् | अचूकुजन् |
| | अचूकुजः | अचूकुजतम् | अचूकुजत |
| | अचूकुजम् | अचूकुजाव | अचूकुजाम |
| प० | कोजयाश्चकार | कोजयाश्चक्रतुः | कोजयाश्चक्रुः |
| | कोजयाश्चकर्ष | कोजयाश्चक्रथुः | कोजयाश्चक्र |
| | कोजयाश्चकार-चकर | कोजयाश्चकृव | कोजयाश्चकृम |
| | कोजयाम्बभूव | । | कोजयामास |
| आ० | कोज्यात् | कोज्यास्ताम् | कोज्यासुः |
| | कोज्याः | कोज्यास्तम् | कोज्यास्त |
| | कोज्यासम् | कोज्यास्व | कोज्यास्म |
| श्व० | कोजयिता | कोजयितारौ | कोजयितारः |
| | कोजयितासि | कोजयितास्थः | कोजयितास्थ |
| | कोजयितास्मि | कोजयितास्वः | कोजयितास्मः |
| भ० | कोजयिष्यति | कोजयिष्यतः | कोजयिष्यन्ति |
| | कोजयिष्यसि | कोजयिष्यथः | कोजयिष्यथ |
| | कोजयिष्यामि | कोजयिष्यावः | कोजयिष्यामः |
| क्रि० | अकोजयिष्यत् | अकोजयिष्यताम् | अकोजयिष्यन् |
| | अकोजयिष्यः | अकोजयिष्यतम् | अकोजयिष्यत |
| | अकोजयिष्यम् | अकोजयिष्याव | अकोजयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | कोजयते | कोजयेते | कोजयन्ते |
| | कोजयसे | कोजयेथे | कोजयथ्वे |
| | कोजये | कोजयावहे | कोजयामहे |
| स० | कोजयेत | कोजयेयाताम् | कोजयेरन् |
| | कोजयेथाः | कोजयेयाथाम् | कोजयेथ्वम् |
| | कोजयेय | कोजयेवहि | कोजयेमहि |
| प० | कोजयताम् | कोजयेताम् | कोजयन्ताम् |
| | कोजयस्व | कोजयेथाम् | कोजयथ्वम् |
| | कोजयै | कोजयावहै | कोजयामहै |
| ह्य० | अकोजयत | अकोजयेताम् | अकोजयन्त |
| | अकोजयथाः | अकोजयेथाम् | अकोजयथ्वम् |
| | अकोजये | अकोजयावहि | अकोजयामहि |
| अ० | अचूकुजत | अचूकुजेताम् | अचूकुजन्त |
| | अचूकुजथाः | अचूकुजेथाम् | अचूकुजथ्वम् |
| | अचूकुजे | अचूकुजावहि | अचूकुजामहि |
| प० | कोजयाञ्चक्रे | कोजयाञ्चकते | कोजयाञ्चक्रे |
| | कोजयाञ्चकृषे | कोजयाञ्चकथे | कोजयाञ्चकृद्वे |
| | कोजयाञ्चक्रे | कोजयाञ्चकृवहे | कोजयाञ्चकृमहे |
| | कोजयाम्बभूव | । | कोजयामास |
| आ० | कोजयिषीष्ट | कोजयिषीयास्ताम् | कोजयिषीरन् |
| | कोजयिषीष्टाः | कोजयिषीयास्थाम् | कोजयिषीद्वम्-ध्वम् |
| | कोजयिषीय | कोजयिषीवहि | कोजयिषीमहि |
| श्व० | कोजयिता | कोजयितारौ | कोजयितारः |
| | कोजयितासे | कोजयितासाथे | कोजयिताथ्वे |
| | कोजयिताहे | कोजयितास्वहे | कोजयितास्महे |
| भ० | कोजयिष्यते | कोजयिष्येते | कोजयिष्यन्त |
| | कोजयिष्यसे | कोजयिष्येथे | कोजयिष्यथ्वे |
| | कोजयिष्ये | कोजयिष्यावहे | कोजयिष्यामहे |
| क्रि० | अकोजयिष्यत् | अकोजयिष्येताम् | अकोजयिष्यन्त |
| | अकोजयिष्यथाः | अकोजयिष्येथाम् | अकोजयिष्यथ्वम् |
| | अकोजयिष्ये | अकोजयिष्यावहि | अकोजयिष्यामहि |

14¹ खुज् (खुज्) स्तेये ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० खोजयति | खोजयतः | खोजयन्ति |
| खोजयसि | खोजयथः | खोजयथ |
| खोजयामि | खोजयावः | खोजयामः |
| स० खोजयेत् | खोजयेताम् | खोजयेयुः |
| खोजयेः | खोजयेतम् | खोजयेत |
| खोजयेयम् | खोजयेव | खोजयेम |
| प० खोजयतु | खोजयतात् | खोजयताम् |
| खोजय | „ | खोजयतम् |
| खोजयानि | खोजयन्व | खोजयाम |
| ह्य० अखोजयत् | अखोजयताम् | अखोजयन् |
| अखोजयः | अखोजयतम् | अखोजयत |
| अखोजयम् | अखोजयाव | अखोजयाम |
| अ० अचूखुजत् | अचूखुजताम् | अचूखुजन् |
| अचूखुजः | अचूखुजतम् | अचूखुजत |
| अचूखुजम् | अचूखुजाव | अचूखुजाम |
| प० खोजयाश्चकार | खोजयाश्चकतुः | खोजयाश्चक्रुः |
| खोजयाश्चकव | खोजयाश्चकथुः | खोजयाश्चक्र |
| खोजयाश्चकार-चकर | खोजयाश्चकृव | खोजयाश्चकृम |
| खोजयाम्बभूव | । | खोजयामास |
| आ० खोज्यात् | खोज्यास्ताम् | खोज्यासुः |
| खोज्याः | खोज्यास्तम् | खोज्यास्त |
| खोज्यासम् | खोज्यास्व | खोज्यास्म |
| श्व० खोजयिता | खोजयितारौ | खोजयितारः |
| खोजयितासि | खोजयितास्थः | खोजयितास्थ |
| खोजयितास्मि | खोजयितास्वः | खोजयितास्मः |
| म० खोजयिष्यति | खोजयिष्यतः | खोजयिष्यन्ति |
| खोजयिष्यसि | खोजयिष्यथः | खोजयिष्यथ |
| खोजयिष्यामि | खोजयिष्यावः | खोजयिष्यामः |
| क्रि० अखोजयिष्यत् | अखोजयिष्यताम् | अखोजयिष्यन् |
| अखोजयिष्यः | अखोजयिष्यतम् | अखोजयिष्यत |
| अखोजयिष्यम् | अखोजयिष्याव | अखोजयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|--------------------|
| व० खोजयेते | खोजयेते | खोजयन्ते |
| खोजयसे | खोजयेथे | खोजयन्वे |
| खोजये | खोजयावहे | खोजयामहे |
| स० खोजयेत | खोजयेयाताम् | खोजयेरन् |
| खोजयेथाः | खोजयेयाथाम् | खोजयेष्वम् |
| खोजयेथ | खोजयेवहि | खोजयेमहि |
| प० खोजयताम् | खोजयेताम् | खोजयन्ताम् |
| खोजयस्व | खोजयेथाम् | खोजयेष्वम् |
| खोजयै | खोजयावहै | खोजयामहै |
| ह्य० अखोजयत | अखोजयेताम् | अखोजयन्त |
| अखोजयथाः | अखोजयेथाम् | अखोजयेष्वम् |
| अखोजये | अखोजयावहि | अखोजयामहि |
| अ० अचूखुजत | अचूखुजेताम् | अचूखुजन्त |
| अचूखुजथाः | अचूखुजेथाम् | अचूखुजेष्वम् |
| अचूखुजे | अचूखुजावहि | अचूखुजामहि |
| प० खोजयाञ्चक्रे | खोजयाञ्चकते | खोजयाञ्चकिरे |
| खोजयाञ्चकृषे | खोजयाञ्चक्राथे | खोजयाञ्चकृद्वे |
| खोजयाञ्चक्रे | खोजयाञ्चकृवहे | खोजयाञ्चकृमहे |
| खोजयाम्बभूव | । | खोजयामास |
| आ० खोजयिषीष्ट | खोजयिषीयास्ताम् | खोजयिषीरन् |
| खोजयिषीष्टाः | खोजयिषीयास्याम् | खोजयिषीद्वम्-ष्वम् |
| खोजयिषीय | खोजयिषीवहि | खोजयिषीमहि |
| श्व० खोजयिता | खोजयितारौ | खोजयितारः |
| खोजयितासे | खोजयितासाथे | खोजयिताप्वे |
| खोजयिताहे | खोजयितास्वहे | खोजयितास्महे |
| म० खोजयिष्यते | खोजयिष्येते | खोजयिष्यन्ते |
| खोजयिष्यसे | खोजयिष्येथे | खोजयिष्यन्वे |
| खोजयिष्ये | खोजयिष्यावहे | खोजयिष्यामहे |
| क्रि० अखोजयिष्यत् | अखोजयिष्येताम् | अखोजयिष्यन्त |
| अखोजयिष्यथाः | अखोजयिष्येथाम् | अखोजयिष्येष्वम् |
| अखोजयिष्ये | अखोजयिष्यावहि | अखोजयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (१४५)

142 अर्ज (अर्ज्) अर्जने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | अर्जयति | अर्जयतः | अर्जयन्ति |
| | अर्जयसि | अर्जयथः | अर्जयथ |
| | अर्जयामि | अर्जयावः | अर्जयामः |
| स० | अर्जयेत् | अर्जयेताम् | अर्जयेयुः |
| | अर्जयेः | अर्जयेतम् | अर्जयेत |
| | अर्जयेयम् | अर्जयेव | अर्जयेम |
| प० | अर्जयतु | अर्जयतात् | अर्जयन्तु |
| | अर्जय | अर्जयतम् | अर्जयत |
| | अर्जयानि | अर्जयाव | अर्जयाम |
| ह्य० | आर्जयत् | आर्जयताम् | आर्जयन् |
| | आर्जयः | आर्जयतम् | आर्जयत |
| | आर्जयम् | आर्जयाव | आर्जयाम |
| अ० | आर्जिजत् | आर्जिजताम् | आर्जिजन् |
| | आर्जिजः | आर्जिजतम् | आर्जिजत |
| | आर्जिजम् | आर्जिजाव | आर्जिजाम |
| प० | अर्जयाश्चकार | अर्जयाश्चक्रुः | अर्जयाश्चक्रुः |
| | अर्जयाश्चकथे | अर्जयाश्चकथुः | अर्जयाश्चक्रुः |
| | अर्जयाश्चकार-चकर | अर्जयाश्चकृव | अर्जयाश्चकृम |
| | अर्जयाम्बभूव | । | अर्जयामास |
| आ० | अजर्थात् | अजर्थास्ताम् | अजर्थासुः |
| | अजर्थाः | अजर्थास्तम् | अजर्थास्त |
| | अजर्थासम् | अजर्थास्व | अजर्थास्म |
| श्व० | अर्जयिता | अर्जयितारौ | अर्जयितारः |
| | अर्जयितासि | अर्जयितास्थः | अर्जयितास्थ |
| | अर्जयितास्मि | अर्जयितास्वः | अर्जयितास्मः |
| भ० | अर्जयिष्यति | अर्जयिष्यतः | अर्जयिष्यन्ति |
| | अर्जयिष्यसि | अर्जयिष्यथः | अर्जयिष्यथ |
| | अर्जयिष्यामि | अर्जयिष्यावः | अर्जयिष्यामः |
| क्रि० | आर्जयिष्यत् | आर्जयिष्यताम् | आर्जयिष्यन् |
| | आर्जयिष्यः | आर्जयिष्यतम् | आर्जयिष्यत |
| | आर्जयिष्यम् | आर्जयिष्याव | आर्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | अर्जयते | अर्जयते | अर्जयन्ते |
| | अर्जयसे | अर्जयिथे | अर्जयध्वे |
| | अर्जये | अर्जयावहे | अर्जयामहे |
| स० | अर्जयित | अर्जयिताम् | अर्जयेरन् |
| | अर्जयिथाः | अर्जयिथाम् | अर्जयेष्वम् |
| | अर्जयिय | अर्जयेवहि | अर्जयेमहि |
| प० | अर्जयिताम् | अर्जयिताम् | अर्जयन्ताम् |
| | अर्जयिस्व | अर्जयिथाम् | अर्जयेष्वम् |
| | अर्जये | अर्जयावहे | अर्जयामहे |
| ह्य० | आर्जयत् | आर्जयताम् | आर्जयन्त |
| | आर्जयथाः | आर्जयिथाम् | आर्जयेष्वम् |
| | आर्जये | आर्जयावहि | आर्जयामहि |
| अ० | आर्जिजत | आर्जिजताम् | आर्जिजन्त |
| | आर्जिजथाः | आर्जिजिथाम् | आर्जिजेष्वम् |
| | आर्जिजे | आर्जिजावहि | आर्जिजामहि |
| प० | अर्जयाश्चक्रे | अर्जयाश्चक्राते | अर्जयाश्चक्रिरे |
| | अर्जयाश्चकृषे | अर्जयाश्चक्रथे | अर्जयाश्चकृध्वे |
| | अर्जयाश्चक्रे | अर्जयाश्चकृवहे | अर्जयाश्चकृमहे |
| | अर्जयाम्बभूव | । | अर्जयामास |
| आ० | अर्जयिषीष्ट | अर्जयिषीयास्ताम् | अर्जयिषीरन् |
| | अर्जयिषीष्ठाः | अर्जयिषीयास्थाम् | अर्जयिषीध्वम् |
| | अर्जयिषीय | अर्जयिषीवहि | अर्जयिषीमहि |
| श्व० | अर्जयिता | अर्जयितारौ | अर्जयितारः |
| | अर्जयितासे | अर्जयितासाथे | अर्जयिताध्वे |
| | अर्जयिताहे | अर्जयितास्वहे | अर्जयितास्महे |
| भ० | अर्जयिष्यते | अर्जयिष्येते | अर्जयिष्यन्ते |
| | अर्जयिष्यसे | अर्जयिष्येथे | अर्जयिष्यध्वे |
| | अर्जयिष्ये | अर्जयिष्यावहे | अर्जयिष्यामहे |
| क्रि० | आर्जयिष्यत् | आर्जयिष्यताम् | आर्जयिष्यन्त |
| | आर्जयिष्यथाः | आर्जयिष्येथाम् | आर्जयिष्येष्वम् |
| | आर्जयिष्ये | आर्जयिष्यावहि | आर्जयिष्यामहि |

143 सर्ज (सर्ज) अर्जने ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० सर्जयति | सर्जयतः | सर्जयति |
| सर्जयसि | सर्जयथः | सर्जयथ |
| सर्जयामि | सर्जयावः | सर्जयामः |
| स० सर्जयेत् | सर्जयेताम् | सर्जयेयुः |
| सर्जयेः | सर्जयेतम् | सर्जयेत |
| सर्जयेयम् | सर्जयेव | सर्जयेम |
| प० सर्जयतु | सर्जयतात् | सर्जयताम् |
| सर्जय | सर्जयतम् | सर्जयत |
| सर्जयानि | सर्जयाव | सर्जयाम |
| ह्य० असर्जयत् | असर्जयताम् | असर्जयन् |
| असर्जयः | असर्जयतम् | असर्जयत |
| असर्जयम् | असर्जयाव | असर्जयाम |
| अ० असर्जयत् | असर्जयताम् | असर्जयन् |
| असर्जयः | असर्जयतम् | असर्जयत |
| असर्जयम् | असर्जयाव | असर्जयाम |
| प० सर्जयाञ्चकार | सर्जयाञ्चक्रतुः | सर्जयाञ्चक्रुः |
| सर्जयाञ्चकथं | सर्जयाञ्चकथुः | सर्जयाञ्चक्र |
| सर्जयाञ्चकार-चकर | सर्जयान् | सर्जयाञ्चक्रम |
| सर्जयाम्बभूव | सर्जयामास | |
| आ० सर्ज्यात् | सर्ज्यास्ताम् | सर्ज्यासुः |
| सर्ज्याः | सर्ज्यास्तम् | सर्ज्यास्त |
| सर्ज्यासम् | सर्ज्यास्व | सर्ज्यास्म |
| श्व० सर्जयिता | सर्जयितारौ | सर्जयितारः |
| सर्जयितासि | सर्जयितास्थः | सर्जयितास्थ |
| सर्जयितास्मि | सर्जयितास्वः | सर्जयितास्मः |
| सर्जयिष्यति | सर्जयिष्यतः | सर्जयिष्यन्ति |
| सर्जयिष्यसि | सर्जयिष्यथः | सर्जयिष्यथ |
| सर्जयिष्यामि | सर्जयिष्यावः | सर्जयिष्यामः |
| क्रि० असर्जयिष्यत् | असर्जयिष्यताम् | असर्जयिष्यन् |
| असर्जयिष्यः | असर्जयिष्यतम् | असर्जयिष्यत |
| असर्जयिष्यम् | असर्जयिष्याव | असर्जयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० सर्जयते | सर्जयते | सर्जयन्ते |
| सर्जयसे | सर्जयथे | सर्जयन्थे |
| सर्जये | सर्जयावहे | सर्जयामहे |
| स० सर्जयेत | सर्जयेताताम् | सर्जयेरन् |
| सर्जयेथाः | सर्जयेथाथाम् | सर्जयेथ्वम् |
| सर्जयेय | सर्जयेवहि | सर्जयेमहि |
| प० सर्जयताम् | सर्जयेताम् | सर्जयन्ताम् |
| सर्जयस्व | सर्जयेथाम् | सर्जयथ्वम् |
| सर्जये | सर्जयावहे | सर्जयामहे |
| ह्य० असर्जयत | असर्जयेताम् | असर्जयन्त |
| असर्जयथाः | असर्जयेथाम् | असर्जयथ्वम् |
| असर्जये | असर्जयावहि | असर्जयामहि |
| अ० अससर्जत | अससर्जेताम् | अससर्जन्त |
| अससर्जथाः | अससर्जेथाम् | अससर्जथ्वम् |
| अससर्जे | अससर्जावहि | अससर्जामहि |
| प० सर्जयाञ्चके | सर्जयाञ्चक्रते | सर्जयाञ्चक्रिरे |
| सर्जयाञ्चकथे | सर्जयाञ्चक्राथे | सर्जयाञ्चकृद्वे |
| सर्जयाञ्चके | सर्जयाञ्चकृवहे | सर्जयाञ्चकृमहे |
| सर्जयाम्बभूव | सर्जयामास | |
| आ० सर्जयिषीष्ट | सर्जयिषीयास्ताम् | सर्जयिषीरन् |
| सर्जयिषीष्ठाः | सर्जयिषीयास्थाम् | सर्जयिषीढ्वम् |
| सर्जयिषीय | सर्जयिषीवहि | सर्जयिषीमहि |
| श्व० सर्जयिता | सर्जयितागौ | सर्जयितारः |
| सर्जयितासे | सर्जयितासाथे | सर्जयिताथ्वे |
| सर्जयिताहे | सर्जयितास्वहे | सर्जयितास्महे |
| अ० सर्जयिष्यते | सर्जयिष्येते | सर्जयिष्यन्ते |
| सर्जयिष्यसे | सर्जयिष्येथे | सर्जयिष्यन्थे |
| सर्जयिष्ये | सर्जयिष्यावहे | सर्जयिष्यामहे |
| क्रि० असर्जयिष्यत् | असर्जयिष्येताम् | असर्जयिष्यन्त |
| असर्जयिष्यथाः | असर्जयिष्येथाम् | असर्जयिष्यथ्वम् |
| असर्जयिष्ये | असर्जयिष्यावहि | असर्जयिष्यामहि |

144 कर्ज (कर्ज) व्यथने ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० कर्जयति | कर्जयतः | कर्जयन्ति |
| कर्जयसि | कर्जयथः | कर्जयथ |
| कर्जयामि | कर्जयावः | कर्जयामः |
| स० कर्जयेत् | कर्जयेताम् | कर्जयेयुः |
| कर्जयेः | कर्जयेतम् | कर्जयेत |
| कर्जयेयम् | कर्जयेव | कर्जयेम |
| प० कर्जयन्तु | कर्जयतात् | कर्जयताम् |
| कर्जय | कर्जयतम् | कर्जयत |
| कर्जयानि | कर्जयाव | कर्जयाम |
| ह्य० अकर्जयत् | अकर्जयताम् | अकर्जयन् |
| अकर्जयः | अकर्जयतम् | अकर्जयत |
| अकर्जयम् | अकर्जयाव | अकर्जयाम |
| भ० अचकर्जत् | अचकर्जताम् | अचकर्जन् |
| अचकर्जः | अचकर्जतम् | अचकर्जत |
| अचकर्जम् | अचकर्जाव | अचकर्जाम |
| प० कर्जयाञ्चकार | कर्जयाञ्चकतुः | कर्जयाञ्चकृः |
| कर्जयाञ्चकथं | कर्जयाञ्चकथुः | कर्जयाञ्चक |
| कर्जयाञ्चकार-चकर | कर्जयाञ्चकृव | कर्जयाञ्चकृम |
| कर्जयाम्भूव | कर्जयामास | |
| आ० कर्ज्यात् | कर्ज्यास्ताम् | कर्ज्यासुः |
| कर्ज्याः | कर्ज्यास्तम् | कर्ज्यास्त |
| कर्ज्यासम् | कर्ज्यास्व | कर्ज्यास्म |
| श्व० कर्जयिता | कर्जयितारो | कर्जयितारः |
| कर्जयितासि | कर्जयितास्यः | कर्जयितास्य |
| कर्जयितास्मि | कर्जयितास्वः | कर्जयितास्मः |
| भ० कर्जयिष्यति | कर्जयिष्यतः | कर्जयिष्यन्ति |
| कर्जयिष्यसि | कर्जयिष्यथः | कर्जयिष्यथ |
| कर्जयिष्यामि | कर्जयिष्यावः | कर्जयिष्यामः |
| क्रि० अकर्जयिष्यत् | अकर्जयिष्यताम् | अकर्जयिष्यन् |
| अकर्जयिष्यः | अकर्जयिष्यतम् | अकर्जयिष्यत |
| अकर्जयिष्यम् | अकर्जयिष्याव | अकर्जयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० कर्जयते | कर्जयेते | कर्जयन्ते |
| कर्जयसे | कर्जयेथे | कर्जयन्वे |
| कर्जये | कर्जयावहे | कर्जयामहे |
| स० कर्जयेत | कर्जयेयाताम् | कर्जयेरन् |
| कर्जयेथाः | कर्जयेयाथाम् | कर्जयेष्वम् |
| कर्जयेय | कर्जयेवहि | कर्जयेमहि |
| प० कर्जयताम् | कर्जयेताम् | कर्जयन्ताम् |
| कर्जयस्व | कर्जयेथाम् | कर्जयेष्वम् |
| कर्जये | कर्जयावहे | कर्जयामहे |
| ह्य० अकर्जयत | अकर्जयेताम् | अकर्जयन्त |
| अकर्जयथाः | अकर्जयेथाम् | अकर्जयन्वम् |
| अकर्जये | अकर्जयावहि | अकर्जयामहि |
| अ० अचकर्जत | अचकर्जेताम् | अचकर्जन्त |
| अचकर्जथाः | अचकर्जेथाम् | अचकर्जेष्वम् |
| अचकर्जे | अचकर्जावहि | अचकर्जामहि |
| प० कर्जयाञ्चक्रे | कर्जयाञ्चकृते | कर्जयाञ्चकृरे |
| कर्जयाञ्चकृषे | कर्जयाञ्चकृषे | कर्जयाञ्चकृष्वे |
| कर्जयाञ्चक्रे | कर्जयाञ्चकृषहे | कर्जयाञ्चकृमहे |
| कर्जयाम्भूष | कर्जयामास | |
| आ० कर्जयिषीष्ट | कर्जयिषीयास्ताम् | कर्जयिषीरन् |
| कर्जयिषीष्टाः | कर्जयिषीयास्थाम् | कर्जयिषीष्वम् |
| कर्जयिषीय | कर्जयिषीवहि | कर्जयिषीमहि |
| श्व० कर्जयिता | कर्जयितारो | कर्जयितारः |
| कर्जयितासे | कर्जयितासाथे | कर्जयिताष्वे |
| कर्जयिताहे | कर्जयितास्वहे | कर्जयितास्महे |
| भ० कर्जयिष्यते | कर्जयिष्येते | कर्जयिष्यन्ते |
| कर्जयिष्यसे | कर्जयिष्येथे | कर्जयिष्यन्वे |
| कर्जयिष्ये | कर्जयिष्यावहे | कर्जयिष्यामहे |
| क्रि० अकर्जयिष्यत | अकर्जयिष्येताम् | अकर्जयिष्यन्त |
| अकर्जयिष्यथाः | अकर्जयिष्येथाम् | अकर्जयिष्येष्वम् |
| अकर्जयिष्ये | अकर्जयिष्यावहि | अकर्जयिष्यामहि |

14६ खज् (खज्) मार्जने च ।

| | | |
|------------------|----------------|-----------------------|
| व० खज् यति | खज् यतः | खज् यन्ति |
| खज् यसि | खज् यथः | खज् यथ |
| खज् यामि | खज् यावः | खज् यामः |
| स० खज् येत् | खज् येताम् | खज् येयुः |
| खज् येः | खज् येतम् | खज् येत |
| खज् येयम् | खज् येव | खज् येम |
| प० खज् यन्तु | खज् यन्तात् | खज् यन्ताम् खज् यन्तु |
| खज् य | खज् यतम् | खज् यत |
| खज् यानि | खज् याव | खज् याम |
| ह्य० अखज् यत् | अखज् यताम् | अखज् यन् |
| अखज् यः | अखज् यतम् | अखज् यत |
| अखज् यम् | अखज् याव | अखज् याम |
| अ० अचखज् त् | अचखज् ताम् | अचखज् न् |
| अचखज् | अचखज् तम् | अचखज् त |
| अचखज् म् | अचखज् व | अचखज् म |
| प० खज् याञ्चकार | खज् याञ्चक्रुः | खज् याञ्चकुः |
| खज् याञ्चकथं | खज् याञ्चकथुः | खज् याञ्चक |
| खज् याञ्चकार-चकर | खज् याञ्चकृव | खज् याञ्चकृम |
| खज् याम्बभूव | खज् यामास | |
| आ० खज् यीत् | खज् यीस्ताम् | खज् यीसुः |
| खज् यीः | खज् यीस्तम् | खज् यीस्त |
| खज् यीसम् | खज् यीस्व | खज् यीस्म |
| भ० खज् यिता | खज् यितारौ | खज् यितारः |
| खज् यितासि | खज् यितास्यः | खज् यितास्थ |
| खज् यितास्मि | खज् यितास्वः | खज् यितास्मः |
| खज् यिष्यति | खज् यिष्यतः | खज् यिष्यन्ति |
| खज् यिष्यसि | खज् यिष्यथः | खज् यिष्यथ |
| खज् यिष्यामि | खज् यिष्यावः | खज् यिष्यामः |
| अखज् यिष्यत् | अखज् यिष्यताम् | अखज् यिष्यन् |
| अखज् यिष्यः | अखज् यिष्यतम् | अखज् यिष्यत |
| अखज् यिष्यम् | अखज् यिष्याव | अखज् यिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० खज् यते | खज् येते | खज् यन्ते |
| खज् यसे | खज् येथे | खज् यन्वे |
| खज् ये | खज् यावहे | खज् यामहे |
| स० खज् यत | खज् येयाताम् | खज् येरन् |
| खज् येथाः | खज् येयाथाम् | खज् येध्वम् |
| खज् येथ | खज् येवहि | खज् येमहि |
| प० खज् यताम् | खज् येताम् | खज् यन्ताम् |
| खज् यस्व | खज् येथाम् | खज् यध्वम् |
| खज् ये | खज् यावहे | खज् यामहे |
| ह्य० अखज् यत | अखज् येताम् | अखज् यन्त |
| अखज् यथाः | अखज् येथाम् | अखज् यध्वम् |
| अखज् ये | अखज् यावहि | अखज् यामहि |
| अ० अचखज् त | अचखज् ताम् | अचखज् न्त |
| अचखज् थाः | अचखज् थाम् | अचखज् ध्वम् |
| अचखज् | अचखज् वहि | अचखज् महि |
| प० खज् याञ्चक्रे | खज् याञ्चक्राते | खज् याञ्चक्रिरे |
| यार्ज् याञ्चकृषे | खज् याञ्चक्राये | खज् याञ्चकृद्वे |
| खज् याञ्चक्रे | खज् याञ्चकृषहे | खज् याञ्चकृमहे |
| खज् याम्बभूव | खज् यामास | |
| आ० खज् यिषीष्ट | खज् यिषीयास्ताम् | खज् यिषीरन् |
| खज् यिषीष्ठाः | खज् यिषीयास्थाम् | खज् यिषीध्वम् |
| | | खज् यिषीमहि |
| खज् यिषीय | खज् यिषीषहि | खज् यिषीमहि |
| भ० खज् यिता | खज् यितारौ | खज् यितारः |
| खज् यितासं | खज् यितासाथे | खज् यिताध्वे |
| खज् यिताहे | खज् यितास्वहे | खज् यितास्महे |
| भ० खज् यिष्यते | खज् यिष्येते | खज् यिष्यन्ते |
| खज् यिष्यसे | खज् यिष्येथे | खज् यिष्यन्वे |
| खज् यिष्ये | खज् यिष्यावहे | खज् यिष्यामहे |
| क्रि० अखज् यिष्यत | अखज् यिष्येताम् | अखज् यिष्यन्त |
| अखज् यिष्यथाः | अखज् यिष्येथाम् | अखज् यिष्यध्वम् |
| अखज् यिष्ये | अखज् यिष्यावहि | अखज् यिष्यामहि |

146 खज (खज्) मन्थे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | खाजयति | खाजयतः | खाजयन्ति |
| | खाजयसि | खाजयथः | खाजयथ |
| | खाजयामि | खाजयावः | खाजयामः |
| स० | खाजयेत् | खाजयेताम् | खाजयेयुः |
| | खाजयेः | खाजयेतम् | खाजयेत |
| | खाजयेयम् | खाजयेव | खाजयेम |
| प० | खाजयतु | खाजयतात् | खाजयताम् |
| | खाजय | खाजयतम् | खाजयत |
| | खाजयानि | खाजयान् | खाजयाम |
| ह्य० | अखाजयत् | अखाजयताम् | अखाजयन् |
| | अखाजयः | अखाजयतम् | अखाजयत |
| | अखाजयम् | अखाजयाव | अखाजयाम |
| अ० | अचीखजत् | अचीखजताम् | अचीखजन् |
| | अचीखजः | अचीखजतम् | अचीखजत |
| | अचीखजम् | अचीखजाव | अचीखजाम |
| प० | खाजयाञ्चकार | खाजयाञ्चक्रुः | खाजयाञ्चक्रुः |
| | खाजयाञ्चकथं | खाजयाञ्चकथुः | खाजयाञ्चक्रु |
| | खाजयाञ्चकार-चकर | खाजयाञ्चकृव | खाजयाञ्चकृम |
| | खाजयाम्बभूव | । | खाजयामास |
| आ० | खाज्यात् | खाज्यास्ताम् | खाज्यास्तुः |
| | खाज्याः | खाज्यास्तम् | खाज्यास्त |
| | खाज्यासम् | खाज्यास्व | खाज्यास्म |
| भ० | खाजयिता | खाजयितारौ | खाजयितारः |
| | खाजयितासि | खाजयितास्थः | खाजयितास्थ |
| | खाजयितास्मि | खाजयितास्वः | खाजयितास्मः |
| भ० | खाजयिष्यति | खाजयिष्यतः | खाजयिष्यन्ति |
| | खाजयिष्यसि | खाजयिष्यथः | खाजयिष्यथ |
| | खाजयिष्यामि | खाजयिष्यावः | खाजयिष्यामः |
| क्रि० | अखाजयिष्यत् | अखाजयिष्यताम् | अखाजयिष्यन् |
| | अखाजयिष्यः | अखाजयिष्यतम् | अखाजयिष्यत |
| | अखाजयिष्यम् | अखाजयिष्याव | अखाजयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | खाजयते | खाजयेते | खाजयन्ते |
| | खाजयसे | खाजयेथे | खाजयन्थे |
| | खाजये | खाजयावहे | खाजयामहे |
| स० | खाजयेत | खाजयेयाताम् | खाजयेरन् |
| | खाजयेथाः | खाजयेयाथाम् | खाजयेथ्वम् |
| | खाजयेथ | खाजयेवहि | खाजयेमहि |
| प० | खाजयताम् | खाजयेताम् | खाजयन्ताम् |
| | खाजयस्व | खाजयेथाम् | खाजयथ्वम् |
| | खाजयै | खाजयावहै | खाजयामहै |
| ह्य० | अखाजयत | अखाजयेताम् | अखाजयन्त |
| | अखाजयथाः | अखाजयेथाम् | अखाजयथ्वम् |
| | अखाजये | अखाजयावहि | अखाजयामहि |
| अ० | अचीखजत | अचीखजेताम् | अचीखजन्त |
| | अचीखजथाः | अचीखजेथाम् | अचीखजथ्वम् |
| | अचीखजे | अचीखजावहि | अचीखजामहि |
| प० | खाजयाञ्चक्रे | खाजयाञ्चक्रते | खाजयाञ्चक्रिरे |
| | खाजयाञ्चकृषे | खाजयाञ्चक्राथे | खाजयाञ्चकृद्वे |
| | खाजयाञ्चक्रे | खाजयाञ्चकृवहे | खाजयाञ्चकृमहे |
| | खाजयाम्बभूव | । | खाजयामास |
| आ० | खाजयिषीष्ट | खाजयिषीयास्ताम् | खाजयिषीरन् |
| | खाजयिषीष्ठाः | खाजयिषीयास्थाम् | खाजयिषीद्वम्-ध्वम् |
| | खाजयिषीय | खाजयिषीवहि | खाजयिषीमहि |
| भ० | खाजयिता | खाजयितारौ | खाजयितारः |
| | खाजयितासे | खाजयितासाथे | खाजयिताध्वे |
| | खाजयिताहे | खाजयितास्वहे | खाजयितास्महे |
| भ० | खाजयिष्यते | खाजयिष्येते | खाजयिष्यन्ते |
| | खाजयिष्यसे | खाजयिष्येथे | खाजयिष्यन्थे |
| | खाजयिष्ये | खाजयिष्यावहे | खाजयिष्यामहे |
| क्रि० | अखाजयिष्यत | अखाजयिष्येताम् | अखाजयिष्यन्त |
| | अखाजयिष्यथाः | अखाजयिष्येथाम् | अखाजयिष्यथ्वम् |
| | अखाजयिष्ये | अखाजयिष्यावहि | अखाजयिष्यामहि |

147 खजु (खञ्ज) गतिवैकल्ये

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| व० खञ्जयति | खञ्जयतः | खञ्जयन्ति |
| खञ्जयसि | खञ्जयथः | खञ्जयथ |
| खञ्जयामि | खञ्जयावः | खञ्जयामः |
| स० खञ्जयेत् | खञ्जयेताम् | खञ्जयेयुः |
| खञ्जयेः | खञ्जयेतम् | खञ्जयेत |
| खञ्जयेयम् | खञ्जयेव | खञ्जयेम |
| प० खञ्जयतु | खञ्जयतात् | खञ्जयताम् |
| खञ्जय | „ | खञ्जयतम् |
| खञ्जयानि | खञ्जयाव | खञ्जयाम |
| ह्य० अखञ्जयत् | अखञ्जयताम् | अखञ्जयन् |
| अखञ्जयः | अखञ्जयतम् | अखञ्जयत |
| अखञ्जयम् | अखञ्जयाव | अखञ्जयाम |
| अ० अचखञ्जत् | अचखञ्जताम् | अचखञ्जन् |
| अचखञ्जः | अचखञ्जतम् | अचखञ्जत |
| अचखञ्जम् | अचखञ्जाव | अचखञ्जाम |
| प० खञ्जयाञ्चकार | खञ्जयाञ्चक्रुः | खञ्जयाञ्चक्रुः |
| खञ्जयाञ्चकथं | खञ्जयाञ्चक्रुः | खञ्जयाञ्चक्रुः |
| खञ्जयाञ्चकार-चकर | खञ्जयाञ्चक्रुव | खञ्जयाञ्चक्रुम |
| खञ्जयाम्बभूव | । | खञ्जयामास |
| आ० खञ्ज्यात् | खञ्ज्यास्ताम् | खञ्ज्यासुः |
| खञ्ज्याः | खञ्ज्यास्तम् | खञ्ज्यास्त |
| खञ्ज्यासम् | खञ्ज्यास्व | खञ्ज्यास्म |
| इ० खञ्जयिता | खञ्जयितारौ | खञ्जयितारः |
| खञ्जयितः | खञ्जयितास्थः | खञ्जयितास्थ |
| खञ्जयितास्मि | खञ्जयितास्वः | खञ्जयितास्मः |
| खञ्जयिष्यति | खञ्जयिष्यतः | खञ्जयिष्यन्ति |
| खञ्जयिष्यसि | खञ्जयिष्यथः | खञ्जयिष्यथ |
| खञ्जयिष्यामि | खञ्जयिष्यावः | खञ्जयिष्यामः |
| ऊ० अखञ्जयिष्यत् | अखञ्जयिष्यताम् | अखञ्जयिष्यन् |
| अखञ्जयिष्यः | अखञ्जयिष्यतम् | अखञ्जयिष्यत |
| अखञ्जयिष्यम् | अखञ्जयिष्याव | अखञ्जयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-------------------|---------------------|
| व० खञ्जयते | खञ्जयेते | खञ्जयन्ते |
| खञ्जयसे | खञ्जयेथे | खञ्जयध्वे |
| खञ्जये | खञ्जय्यावहे | खञ्जय्यामहे |
| स० खञ्जयेत | खञ्जयेयाताम् | खञ्जयेयन् |
| खञ्जयेथाः | खञ्जयेयाथाम् | खञ्जयेध्वम् |
| खञ्जयेथ | खञ्जयेवहि | खञ्जयेमहि |
| प० खञ्जयताम् | खञ्जयेताम् | खञ्जयन्ताम् |
| खञ्जयस्व | खञ्जयेथाम् | खञ्जयध्वम् |
| खञ्जये | खञ्जयावहे | खञ्जय्यामहे |
| ह्य० अखञ्जयत | अखञ्जयेताम् | अखञ्जयन्त |
| अखञ्जयथाः | अखञ्जयेथाम् | अखञ्जयध्वम् |
| अखञ्जये | अखञ्जयावहि | अखञ्जयामहि |
| अ० अचखञ्जत | अचखञ्जेताम् | अचखञ्जन्त |
| अचखञ्जथाः | अचखञ्जेथाम् | अचखञ्जध्वम् |
| अचखञ्जे | अचखञ्जावहि | अचखञ्जामहि |
| प० खञ्जयाञ्चक्रे | खञ्जयाञ्चक्राते | खञ्जयाञ्चक्रिरे |
| खञ्जयाञ्चक्रे | खञ्जयाञ्चक्रार्थे | खञ्जयाञ्चक्रुद्वे |
| खञ्जयाञ्चक्रे | खञ्जयाञ्चक्रुवहे | खञ्जयाञ्चक्रुमहे |
| खञ्जयाम्बभूव | । | खञ्जयामास |
| आ० खञ्जयिषीष्ट | खञ्जयिषीयास्ताम् | खञ्जयिषीरन् |
| खञ्जयिषीष्टाः | खञ्जयिषीयास्थाम् | खञ्जयिषीध्वम्-ध्वम् |
| खञ्जयिषीय | खञ्जयिषीवहि | खञ्जयिषीमहि |
| श्व० खञ्जयिता | खञ्जयितारौ | खञ्जयितारः |
| खञ्जयितासे | खञ्जयितासाथे | खञ्जयिताध्वे |
| खञ्जयिताहे | खञ्जयितास्वहे | खञ्जयितास्महे |
| भ० खञ्जयिष्यते | खञ्जयिष्येते | खञ्जयिष्यन्ते |
| खञ्जयिष्यसे | खञ्जयिष्येथे | खञ्जयिष्यध्वे |
| खञ्जयिष्ये | खञ्जयिष्यावहे | खञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० अखञ्जयिष्यत | अखञ्जयिष्येताम् | अखञ्जयिष्यन्त |
| अखञ्जयिष्यथाः | अखञ्जयिष्येथाम् | अखञ्जयिष्यध्वम् |
| अखञ्जयिष्ये | अखञ्जयिष्यावहि | अखञ्जयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (१५१)

148 एजृ (एज्) कम्पने

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| ब० | एजयति | एजयतः | एजयन्ति |
| | एजयसि | एजयथः | एजयथ |
| | एजयामि | एजयावः | एजयामः |
| स० | एजयेत् | एजयेताम् | एजयेयुः |
| | एजयेः | एजयेतम् | एजयेत |
| | एजयेयम् | एजयेव | एजयेम |
| प० | एजयतु | एजयतात् | एजयताम् |
| | एजय | „ | एजयतम् |
| | एजयानि | एजयाव | एजयाम |
| ह्य० | ऐजयत् | ऐजयताम् | ऐजयन् |
| | ऐजयः | ऐजयतम् | ऐजयत |
| | ऐजयम् | ऐजयाव | ऐजयाम |
| अ० | ऐजिजत् | ऐजिजताम् | ऐजिजन् |
| | ऐजिजः | ऐजिजतम् | ऐजिजत |
| | ऐजिजम् | ऐजिजाव | ऐजिजाम |
| प० | एजयाञ्चकार | एजयाञ्चक्रुः | एजयाञ्चकुः |
| | एजयाञ्चकथं | एजयाञ्चकथुः | एजयाञ्चक |
| | एजयाञ्चकार-चकर | एजयाञ्चकुव | एजयाञ्चकुम |
| | एजयाम्बभूव | । | एजयामास |
| आ० | एज्यात् | एज्यास्ताम् | एज्यासुः |
| | एज्याः | एज्यास्तम् | एज्यास्त |
| | एज्यासम् | एज्यास्व | एज्यास्म |
| श्व० | एजयिता | एजयितारौ | एजयितारः |
| | एजयितासि | एजयितास्थः | एजयितास्थ |
| | एजयितास्मि | एजयितास्वः | एजयितास्मः |
| भ० | एजयिष्यति | एजयिष्यतः | एजयिष्यन्ति |
| | एजयिष्यसि | एजयिष्यथः | एजयिष्यथ |
| | एजयिष्यामि | एजयिष्यावः | एजयिष्यामः |
| क्रि० | ऐजयिष्यत् | ऐजयिष्यताम् | ऐजयिष्यन् |
| | ऐजयिष्यः | ऐजयिष्यतम् | ऐजयिष्यत |
| | ऐजयिष्याम् | ऐजयिष्याव | ऐजयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-------------------|
| ब० | एजयते | एजयेते | एजयन्ते |
| | एजयसे | एजयेथे | एजयध्वे |
| | एजये | एजयावहे | एजयामहे |
| स० | एजयेत | एजयेयाताम् | एजयेरन् |
| | एजयेथाः | एजयेयाथाम् | एजयेध्वम् |
| | एजयेथ | एजयेवहि | एजयेमहि |
| प० | एजयताम् | एजयेताम् | एजयन्ताम् |
| | एजयस्व | एजयेथाम् | एजयध्वम् |
| | एजयै | एजयावहै | एजयामहै |
| ह्य० | ऐजयत् | ऐजयेताम् | ऐजयन्त |
| | ऐजयथाः | ऐजयेथाम् | ऐजयध्वम् |
| | ऐजये | ऐजयावहि | ऐजयामहि |
| अ० | ऐजिजत् | ऐजिजेताम् | ऐजिजन्त |
| | ऐजिजथाः | ऐजिजेथाम् | ऐजिजध्वम् |
| | ऐजिजे | ऐजिजावहि | ऐजिजामहि |
| प० | एजयाञ्चक्रे | एजयाञ्चक्रते | एजयाञ्चक्रिरे |
| | एजयाञ्चकृषे | एजयाञ्चकृषे | एजयाञ्चकृद्वे |
| | एजयाञ्चक्रे | एजयाञ्चकृवहे | एजयाञ्चकृमहे |
| | एजयाम्बभूव | । | एजयामास |
| आ० | एजयिषीष्ट | एजयिषीयास्ताम् | एजयिषीरम् |
| | एजयिषीष्ठाः | एजयिषीयास्थाम् | एजयिषीद्वम्-ध्वम् |
| | एजयिषीय | एजयिषीवहि | एजयिषीमहि |
| श्व० | एजयिता | एजयितारौ | एजयितारः |
| | एजयितासे | एजयितासाथे | एजयिताध्वे |
| | एजयिताहे | एजयितास्वहे | एजयितास्महे |
| भ० | एजयिष्यते | एजयिष्येते | एजयिष्यन्ते |
| | एजयिष्यसे | एजयिष्येथे | एजयिष्यध्वे |
| | एजयिष्ये | एजयिष्यावहे | एजयिष्यामहे |
| क्रि० | ऐजयिष्यत् | ऐजयिष्येताम् | ऐजयिष्यन्त |
| | ऐजयिष्यथाः | ऐजयिष्येथाम् | ऐजयिष्यध्वम् |
| | ऐजयिष्य | ऐजयिष्यावहि | ऐजयिष्यामहि |

149 इवोस्फूर्ज (स्फूर्ज वज्रनिर्घोषे

| | | |
|-----------------------|-------------------|------------------|
| ब० स्फूर्जयति | स्फूर्जयतः | स्फूर्जयन्ति |
| स्फूर्जयसि | स्फूर्जयथः | स्फूर्जयथ |
| स्फूर्जयामि | स्फूर्जयावः | स्फूर्जयामः |
| स० स्फूर्जयेत् | स्फूर्जयेताम् | स्फूर्जयेयुः |
| स्फूर्जयेः | स्फूर्जयेतम् | स्फूर्जयेत |
| स्फूर्जयेयम् | स्फूर्जयेव | स्फूर्जयेम |
| प० स्फूर्जयतु | स्फूर्जयतात् | स्फूर्जयताम् |
| स्फूर्जय | स्फूर्जयतात् | स्फूर्जयतम् |
| स्फूर्जयानि | स्फूर्जयाव | स्फूर्जयाम |
| ह्य० अस्फूर्जयत् | अस्फूर्जयताम् | अस्फूर्जयन् |
| अस्फूर्जयः | अस्फूर्जयतम् | अस्फूर्जयत |
| अस्फूर्जयम् | अस्फूर्जयाव | अस्फूर्जयाम |
| अ० अपस्फूर्जत् | अपस्फूर्जताम् | अपस्फूर्जन् |
| अपस्फूर्जः | अपस्फूर्जतम् | अपस्फूर्जत |
| अपस्फूर्जम् | अपस्फूर्जव | अपस्फूर्जाम |
| प० स्फूर्जयाञ्चकार | स्फूर्जयाञ्चक्रुः | स्फूर्जयाञ्चकुः |
| स्फूर्जयाञ्चकथं | स्फूर्जयाञ्चकथुः | स्फूर्जयाञ्चक |
| स्फूर्जयाञ्चकार-चक्र | स्फूर्जयाञ्चकृव | स्फूर्जयाञ्चकृम |
| स्फूर्जयाम्बभूव | स्फूर्जयामास | |
| आ० स्फूर्ज्यात् | स्फूर्ज्यास्ताम् | स्फूर्ज्यासुः |
| स्फूर्ज्याः | स्फूर्ज्यास्तम् | स्फूर्ज्यास्त |
| स्फूर्ज्यासम् | स्फूर्ज्यास्व | स्फूर्ज्यास्म |
| श्व० स्फूर्जयिता | स्फूर्जयितारौ | स्फूर्जयितारः |
| स्फूर्जयितासि | स्फूर्जयितास्थः | स्फूर्जयितास्थ |
| स्फूर्जयितास्मि | स्फूर्जयितास्वः | स्फूर्जयितास्मः |
| भ० स्फूर्जयिष्यति | स्फूर्जयिष्यतः | स्फूर्जयिष्यन्ति |
| स्फूर्जयिष्यसि | स्फूर्जयिष्यथः | स्फूर्जयिष्यथ |
| स्फूर्जयिष्यामि | स्फूर्जयिष्यावः | स्फूर्जयिष्यामः |
| क्रि० अस्फूर्जयिष्यत् | अस्फूर्जयिष्यताम् | अस्फूर्जयिष्यन् |
| अस्फूर्जयिष्यः | अस्फूर्जयिष्यतम् | अस्फूर्जयिष्यत |
| अस्फूर्जयिष्यम् | अस्फूर्जयिष्याव | अस्फूर्जयिष्याम |

| | | |
|----------------------|---------------------|--------------------|
| ब० स्फूर्जयते | स्फूर्जयते | स्फूर्जयन्ते |
| स्फूर्जयसे | स्फूर्जयथे | स्फूर्जयथ्वे |
| स्फूर्जये | स्फूर्जयावहे | स्फूर्जयामहे |
| स० स्फूर्जयेत | स्फूर्जयेयाताम् | स्फूर्जयेरन् |
| स्फूर्जयेथाः | स्फूर्जयेयाथाम् | स्फूर्जयेध्वम् |
| स्फूर्जयेय | स्फूर्जयेवहि | स्फूर्जयेमहि |
| प० स्फूर्जयताम् | स्फूर्जयेताम् | स्फूर्जयन्ताम् |
| स्फूर्जयस्व | स्फूर्जयेथाम् | स्फूर्जयध्वम् |
| स्फूर्जये | स्फूर्जयावहे | स्फूर्जयामहे |
| ह्य० अस्फूर्जयत | अस्फूर्जयेताम् | अस्फूर्जयन्त |
| अस्फूर्जयथाः | अस्फूर्जयेथाम् | अस्फूर्जयध्वम् |
| अस्फूर्जये | अस्फूर्जयावहि | अस्फूर्जयामहि |
| अ० अपस्फूर्जत | अपस्फूर्जेताम् | अपस्फूर्जन्त |
| अपस्फूर्जथाः | अपस्फूर्जेथाम् | अपस्फूर्जध्वम् |
| अपस्फूर्जे | अपस्फूर्जावहि | अपस्फूर्जमहि |
| प० स्फूर्जयाञ्चके | स्फूर्जयाञ्चकते | स्फूर्जयाञ्चकिरे |
| स्फूर्जयाञ्चकृषे | स्फूर्जयाञ्चकाथे | स्फूर्जयाञ्चकृद्वे |
| स्फूर्जयाञ्चके | स्फूर्जयाञ्चकृवहे | स्फूर्जयाञ्चकृमहे |
| स्फूर्जयाम्बभूव | स्फूर्जयामास | |
| आ० स्फूर्जयिषीष्ट | स्फूर्जयिषीयास्ताम् | स्फूर्जयिषीरन् |
| स्फूर्जयिषीष्टाः | स्फूर्जयिषीयास्थाम् | स्फूर्जयिषीद्वम् |
| | | -ध्वम् |
| स्फूर्जयिषीय | स्फूर्जयिषीवहि | स्फूर्जयिषीमहि |
| श्व० स्फूर्जयिता | स्फूर्जयितारौ | स्फूर्जयितारः |
| स्फूर्जयितासे | स्फूर्जयितासाथे | स्फूर्जयिताध्वे |
| स्फूर्जयिताहे | स्फूर्जयितास्वहे | स्फूर्जयितास्महे |
| भ० स्फूर्जयिष्यते | स्फूर्जयिष्येते | स्फूर्जयिष्यन्ते |
| स्फूर्जयिष्यसे | स्फूर्जयिष्येथे | स्फूर्जयिष्यथ्वे |
| स्फूर्जयिष्ये | स्फूर्जयिष्यावहे | स्फूर्जयिष्यामहे |
| क्रि० अस्फूर्जयिष्यत | अस्फूर्जयिष्येताम् | अस्फूर्जयिष्यन्त |
| अस्फूर्जयिष्यथाः | अस्फूर्जयिष्येथाम् | अस्फूर्जयिष्यध्वम् |
| अस्फूर्जयिष्ये | अस्फूर्जयिष्यावहि | अस्फूर्जयिष्यामहि |

150 क्षीज (क्षीज्) अव्यक्ते शब्दे

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------------|
| व० क्षीजयति | क्षीजयतः | क्षीजयन्ति |
| क्षीजयसि | क्षीजयथः | क्षीजयथ |
| क्षीजयामि | क्षीजयावः | क्षीजयामः |
| स० क्षीजयेत् | क्षीजयेताम् | क्षीजयेयुः |
| क्षीजयेः | क्षीजयेतम् | क्षीजयेत |
| क्षीजयेयम् | क्षीजयेव | क्षीजयेम |
| प० क्षीजयतु | क्षीजयतात् | क्षीजयताम् क्षीजयन्तु |
| क्षीजय | ” | क्षीजयतम् क्षीजयत |
| क्षीजयानि | क्षीजयाव | क्षीजयाम |
| ह्य० अक्षीजयत् | अक्षीजयताम् | अक्षीजयन् |
| अक्षीजयः | अक्षीजयतम् | अक्षीजयत |
| अक्षीजयम् | अक्षीजयाव | अक्षीजयाम |
| अ० अचिक्षिजत् | अचिक्षिजताम् | अचिक्षिजन् |
| अचिक्षिजः | अचिक्षिजतम् | अचिक्षिजत |
| अचिक्षिजम् | अचिक्षिजाव | अचिक्षिजाम |
| प० क्षीजयाञ्चकार | क्षीजयाञ्चक्रतुः | क्षीजयाञ्चक्रुः |
| क्षीजयाञ्चकर्ष | क्षीजयाञ्चक्रथुः | क्षीजयाञ्चक्र |
| क्षीजयाञ्चकार-चक्र | क्षीजयाञ्चक्रव | क्षीजयाञ्चक्रम |
| क्षीजयाम्बभूव | क्षीजयामास | |
| आ० क्षीज्यात् | क्षीज्यास्ताम् | क्षीज्यासुः |
| क्षीज्याः | क्षीज्यास्तम् | क्षीज्यास्त |
| क्षीज्यासम् | क्षीज्यास्व | क्षीज्यास्म |
| श्व० क्षीजयिता | क्षीजयितारौ | क्षीजयितारः |
| क्षीजयितःसि | क्षीजयितास्थः | क्षीजयितास्थ |
| क्षीजयितास्मि | क्षीजयितास्वः | क्षीजयितास्मः |
| भ० क्षीजयिष्यति | क्षीजयिष्यतः | क्षीजयिष्यन्ति |
| क्षीजयिष्यसि | क्षीजयिष्यथः | क्षीजयिष्यथ |
| क्षीजयिष्यामि | क्षीजयिष्यावः | क्षीजयिष्यामः |
| क्रि० अक्षीजयिष्यत् | अक्षीजयिष्यताम् | अक्षीजयिष्यन्त |
| अक्षीजयिष्यः | अक्षीजयिष्यतम् | अक्षीजयिष्यत |
| अक्षीजयिष्यम् | अक्षीजयिष्याव | अक्षीजयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|----------------------|
| व० क्षीजयते | क्षीजयेते | क्षीजयन्ते |
| क्षीजयसे | क्षीजयेथे | क्षीजयन्थे |
| क्षीजये | क्षीजयावहे | क्षीजयामहे |
| स० क्षीजयेत | क्षीजयेताम् | क्षीजयेरन् |
| क्षीजयेथाः | क्षीजयेथाम् | क्षीजयेथम् |
| क्षीजयेय | क्षीजयेवहि | क्षीजयेमहि |
| प० क्षीजयताम् | क्षीजयेताम् | क्षीजयन्ताम् |
| क्षीजयस्व | क्षीजयेथाम् | क्षीजयन्थम् |
| क्षीजये | क्षीजयावहे | क्षीजयामहे |
| ह्य० अक्षीजयत | अक्षीजयेताम् | अक्षीजयन्त |
| अक्षीजयथाः | अक्षीजयेथाम् | अक्षीजयन्थम् |
| अक्षीजये | अक्षीजयावहि | अक्षीजयामहि |
| अ० अचिक्षिजत | अचिक्षिजेताम् | अचिक्षिजन्त |
| अचिक्षिजथाः | अचिक्षिजेथाम् | अचिक्षिजन्थम् |
| अचिक्षिजे | अचिक्षिजावहि | अचिक्षिजामहि |
| प० क्षीजयाञ्चक्रे | क्षीजयाञ्चक्रते | क्षीजयाञ्चक्रिरे |
| क्षीजयाञ्चकृषे | क्षीजयाञ्चक्रथे | क्षीजयाञ्चकृद्वे |
| क्षीजयाञ्चक्रे | क्षीजयाञ्चक्रवहे | क्षीजयाञ्चक्रमहे |
| क्षीजयाम्बभूव | क्षीजयामास | |
| आ० क्षीजयिषीष्ट | क्षीजयिषीयास्ताम् | क्षीजयिषीरन् |
| क्षीजयिषीष्ठाः | क्षीजयिषीयास्थाम् | क्षीजयिषीद्वम्-ध्वम् |
| क्षीजयिषीय | क्षीजयिषीवहि | क्षीजयिषीमहि |
| श्व० क्षीजयिता | क्षीजयितारौ | क्षीजयितारः |
| क्षीजयितासे | क्षीजयितासाथे | क्षीजयिताथे |
| क्षीजयिताहे | क्षीजयितास्वहे | क्षीजयितास्महे |
| भ० क्षीजयिष्यते | क्षीजयिष्येते | क्षीजयिष्यन्ते |
| क्षीजयिष्यसे | क्षीजयिष्येथे | क्षीजयिष्यन्थे |
| क्षीजयिष्ये | क्षीजयिष्यावहे | क्षीजयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षीजयिष्यत् | अक्षीजयिष्यताम् | अक्षीजयिष्यन्त |
| अक्षीजयिष्यथाः | अक्षीजयिष्येथाम् | अक्षीजयिष्यन्थम् |
| अक्षीजयिष्ये | अक्षीजयिष्यावहि | अक्षीजयिष्यामहि |

151 कृज् (कृज् अठ्यक्ते शब्दे

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| ब० कृजयति | कृजयतः | कृजयन्ति |
| कृजयसि | कृजयथः | कृजयथ |
| कृजयामि | कृजयावः | कृजयामः |
| स० कृजयेत् | कृजयेताम् | कृजयेयुः |
| कृजयेः | कृजयेतम् | कृजयेत |
| कृजयेयम् | कृजयेव | कृजयेम |
| प० कृजयतु | कृजयतात् | कृजयताम् |
| कृजय | ” | कृजयतम् |
| कृजयानि | कृजयाव | कृजयाम |
| ह्य० अकृजयत् | अकृजयताम् | अकृजयन् |
| अकृजयः | अकृजयतम् | अकृजयत |
| अकृजयम् | अकृजयाव | अकृजयाम |
| अ० अचूकजत् | अचूकजताम् | अचूकजन् |
| अचूकजः | अचूकजतम् | अचूकजत |
| अचूकजम् | अचूकजाव | अचूकजाम |
| प० कृजयाश्चकार | कृजयाश्चक्रतुः | कृजयाश्चक्रुः |
| कृजयाश्चकर्षे | कृजयाश्चक्रथुः | कृजयाश्चक्र |
| कृजयाश्चकार-चकर | कृजयाश्चक्रव | कृजयाश्चक्रमहे |
| कृजयाम्बभूव | । | कृजयामास |
| आ० कृज्यात् | कृज्यास्ताम् | कृज्यासुः |
| कृज्याः | कृज्यास्तम् | कृज्यास्त |
| कृज्यासम् | कृज्यास्व | कृज्यास्म |
| श्व० कृजयिता | कृजयितारौ | कृजयितारः |
| कृजयितासि | कृजयितास्थः | कृजयितास्थ |
| कृजयितास्मि | कृजयितास्वः | कृजयितास्मः |
| १० कृजयिष्यति | कृजयिष्यतः | कृजयिष्यन्ति |
| कृजयिष्यसि | कृजयिष्यथः | कृजयिष्यथ |
| कृजयिष्यामि | कृजयिष्यावः | कृजयिष्यामः |
| क्रि० अकृजयिष्यत् | अकृजयिष्यताम् | अकृजयिष्यन् |
| अकृजयिष्यः | अकृजयिष्यतम् | अकृजयिष्यत |
| अकृजयिष्यम् | अकृजयिष्याव | अकृजयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|--------------------|
| व० कृजक्ते | कृजयेते | कृजयन्ते |
| कृजयसे | कृजयेथे | कृजयध्वे |
| कृजये | कृजयावहे | कृजयामहे |
| स० कृजयेत | कृजयेयाताम् | कृजयेरन् |
| कृजयेथाः | कृजयेयाथाम् | कृजयेध्वम् |
| कृजयेय | कृजयेवहि | कृजयेमहि |
| प० कृजयताम् | कृजयेताम् | कृजयन्ताम् |
| कृजयस्व | कृजयेथाम् | कृजयध्वम् |
| कृजये | कृजयावहे | कृजयामहे |
| ह्य० अकृजयत | अकृजयेताम् | अकृजयन्त |
| अकृजयथाः | अकृजयेथाम् | अकृजयध्वम् |
| अकृजये | अकृजयावहि | अकृजयामहि |
| अ० अचूकजत | अचूकजेताम् | अचूकजन्त |
| अचूकजथाः | अचूकजेथाम् | अचूकजध्वम् |
| अचूकजे | अचूकजावहि | अचूकजामहि |
| प० कृजयाञ्चक्रे | कृजयाञ्चक्रते | कृजयाञ्चक्रिरे |
| कृजयाञ्चकृषे | कृजयाञ्चक्रथे | कृजयाञ्चकृध्वे |
| कृजयाञ्चक्रे | कृजयाञ्चक्रवहे | कृजयाञ्चक्रमहे |
| कृजयाम्बभूव | । | कृजयामास |
| आ० कृजयिषीष्ट | कृजयिषीयास्ताम् | कृजयिषीरन् |
| कृजयिषीष्ठाः | कृजयिषीयास्थाम् | कृजयिषीध्वम्-ध्वम् |
| कृजयिषीय | कृजयिषीवहि | कृजयिषीमहि |
| श्व० कृजयिता | कृजयितारौ | कृजयितारः |
| कृजयितासे | कृजयितासाथे | कृजयिताध्वे |
| कृजयिताहे | कृजयितास्वहे | कृजयितास्महे |
| भ० कृजयिष्यते | कृजयिष्येते | कृजयिष्यन्ते |
| कृजयिष्यसे | कृजयिष्येथे | कृजयिष्यध्वे |
| कृजयिष्ये | कृजयिष्यावहे | कृजयिष्यामहे |
| क्रि० अकृजयिष्यत् | अकृजयिष्येताम् | अकृजयिष्यन्त |
| अकृजयिष्यथाः | अकृजयिष्येथाम् | अकृजयिष्यध्वम् |
| अकृजयिष्ये | अकृजयिष्यावहि | अकृजयिष्यामहि |

152 गुज (गुज्) अव्यक्ते शब्दे

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | गोजयति | गोजयतः | स्नेजयन्ति |
| | गोजयसि | गोजयथः | गोजयथ |
| | गोजयामि | गोजयावः | गोजयामः |
| स० | गोजयेत् | गोजयेताम् | गोजयेयुः |
| | गोजयेः | गोजयेतम् | गोजयेत |
| | गोजयेयम् | गोजयेव | गोजयेम |
| प० | गोजयतु | गोजयतात् | गोजयताम् |
| | गोजय | „ | गोजयतम् |
| | गोजयानि | गोजयाव | गोजयाम |
| ह्य० | अगोजयत् | अगोजयताम् | अगोजयन् |
| | अगोजयः | अगोजयतम् | अगोजयत |
| | अगोजयम् | अगोजयाव | अगोजयाम |
| अ० | अजूगुजत् | अजूगुजताम् | अजूगुजन् |
| | अजूगुजः | अजूगुजतम् | अजूगुजत |
| | अजूगुजम् | अजूगुजाव | अजूगुजाम |
| प० | गोजयाञ्चकार | गोजयाञ्चक्रतुः | गोजयाञ्चक्रुः |
| | गोजयाञ्चकथे | गोजयाञ्चक्रथुः | गोजयाञ्चक्र |
| | गोजयाञ्चकार-चकर | गोजयाञ्चक्रव | गोजयाञ्चक्रम |
| | गोजयाम्बभूव | । | गोजयामास |
| आ० | गोज्यात् | गोज्यास्ताम् | गोज्यासुः |
| | गोज्याः | गोज्यास्तम् | गोज्यास्त |
| | गोज्यासम् | गोज्यास्व | गोज्यास्म |
| श्र० | गोजयिता | गोजयितारौ | गोजयितारः |
| | गोजयितसि | गोजयितास्थः | गोजयितास्थ |
| | गोजयितास्मि | गोजयितास्वः | गोजयितास्मः |
| भ० | गोजयिष्यति | गोजयिष्यतः | गोजयिष्यन्ति |
| | गोजयिष्यसि | गोजयिष्यथः | गोजयिष्यथ |
| | गोजयिष्यामि | गोजयिष्यावः | गोजयिष्यामः |
| क्रि० | अगोजयिष्यत् | अगोजयिष्यताम् | अगोजयिष्यन् |
| | अगोजयिष्यः | अगोजयिष्यतम् | अगोजयिष्यत |
| | अगोजयिष्यम् | अगोजयिष्याव | अगोजयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | गोजयते | गोजयेते | गोजयन्ते |
| | गोजयसे | गोजयेथे | गोजयध्वे |
| | गोजये | गोजयावहे | गोजयामहे |
| स० | गोजयेत | गोजयेयाताम् | गोजयेरन् |
| | गोजयेथाः | गोजयेयाथाम् | गोजयेध्वम् |
| | गोजयेय | गोजयेवहि | गोजयेमहि |
| प० | गोजयताम् | गोजयेताम् | गोजयन्ताम् |
| | गोजयस्व | गोजयेथाम् | गोजयध्वम् |
| | गोजयै | गोजयावहे | गोजयामहे |
| ह्य० | अगोजयत | अगोजयेताम् | अगोजयन्त |
| | अगोजयथाः | अगोजयेथाम् | अगोजयध्वम् |
| | अगोजये | अगोजयावहि | अगोजयामहि |
| अ० | अजूगुजत | अजूगुजेताम् | अजूगुजन्त |
| | अजूगुजथाः | अजूगुजेथाम् | अजूगुजध्वम् |
| | अजूगुजे | अजूगुजावहि | अजूगुजामहि |
| प० | गोजयाञ्चके | गोजयाञ्चकाते | गोजयाञ्चक्रिरे |
| | गोजयाञ्चकृषे | गोजयाञ्चकृथे | गोजयाञ्चकृद्वे |
| | गोजयाञ्चके | गोजयाञ्चकृवहे | गोजयाञ्चकृमहे |
| | गोजयाम्बभूव | । | गोजयामास |
| आ० | गोजयिषीष्ट | गोजयिषीयास्ताम् | गोजयिषीरन् |
| | गोजयिषीष्टाः | गोजयिषीयास्थाम् | गोजयिषीद्वम्-ध्वम् |
| | गोजयिषीय | गोजयिषीवहि | गोजयिषीमहि |
| श्र० | गोजयिता | गोजयितारौ | गोजयितारः |
| | गोजयितासे | गोजयितासाथे | गोजयिताध्वे |
| | गोजयिताहे | गोजयितास्वहे | गोजयितास्महे |
| भ० | गोजयिष्यते | गोजयिष्येते | गोजयिष्यन्ते |
| | गोजयिष्यसे | गोजयिष्येथे | गोजयिष्यध्वे |
| | गोजयिष्ये | गोजयिष्यावहे | गोजयिष्यामहे |
| क्रि० | अगोजयिष्यत | अगोजयिष्यताम् | अगोजयिष्यन्त |
| | अगोजयिष्यथाः | अगोजयिष्यथाम् | अगोजयिष्यध्वम् |
| | अगोजयिष्ये | अगोजयिष्यावहि | अगोजयिष्यामहि |

153 गुज् (गुञ्ज्) अव्यक्ते शब्दे

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| व० गुञ्जयति | गुञ्जयतः | गुञ्जयन्ति |
| गुञ्जयसि | गुञ्जयथः | गुञ्जयथ |
| गुञ्जयामि | गुञ्जयावः | गुञ्जयामः |
| स० गुञ्जयेत् | गुञ्जयेताम् | गुञ्जयेयुः |
| गुञ्जयेः | गुञ्जयेतम् | गुञ्जयेत |
| गुञ्जयेयम् | गुञ्जयेव | गुञ्जयेम |
| प० गुञ्जयतु | गुञ्जयतात् | गुञ्जयताम् |
| गुञ्जय | गुञ्जयतम् | गुञ्जयत |
| गुञ्जयानि | गुञ्जयाव | गुञ्जयाम |
| ह्य० अगुञ्जयत् | अगुञ्जयताम् | अगुञ्जयन् |
| अगुञ्जयः | अगुञ्जयतम् | अगुञ्जयत |
| अगुञ्जयम् | अगुञ्जयाव | अगुञ्जयाम |
| अ० अजुगुञ्जत् | अजुगुञ्जताम् | अजुगुञ्जन् |
| अजुगुञ्जः | अजुगुञ्जतम् | अजुगुञ्जत |
| अजुगुञ्जम् | अजुगुञ्जाव | अजुगुञ्जाम |
| प० गुञ्जयाञ्चकार | गुञ्जयाञ्चक्रतुः | गुञ्जयाञ्चक्रुः |
| गुञ्जयाञ्चकर्थ | गुञ्जयाञ्चक्रथुः | गुञ्जयाञ्चक्र |
| गुञ्जयाञ्चकार-चक्र | गुञ्जयाञ्चक्रव | गुञ्जयाञ्चक्रम |
| गुञ्जयाम्बभूव | गुञ्जयामास | |
| आ० गुञ्ज्यात् | गुञ्ज्यास्ताम् | गुञ्ज्यासुः |
| गुञ्ज्याः | गुञ्ज्यास्तम् | गुञ्ज्यास्त |
| गुञ्ज्यासम् | गुञ्ज्यास्व | गुञ्ज्यास्म |
| श्व० गुञ्जयिता | गुञ्जयितारौ | गुञ्जयितारः |
| गुञ्जयितासि | गुञ्जयितास्थः | गुञ्जयितास्थ |
| गुञ्जयितास्मि | गुञ्जयितास्वः | गुञ्जयितास्मः |
| भ० गुञ्जयिष्यति | गुञ्जयिष्यतः | गुञ्जयिष्यन्ति |
| गुञ्जयिष्यसि | गुञ्जयिष्यथः | गुञ्जयिष्यथ |
| गुञ्जयिष्यामि | गुञ्जयिष्यावः | गुञ्जयिष्यामः |
| क्रि० अगुञ्जयिष्यत् | अगुञ्जयिष्यताम् | अगुञ्जयिष्यन् |
| अगुञ्जयिष्यः | अगुञ्जयिष्यतम् | अगुञ्जयिष्यत |
| अगुञ्जयिष्यम् | अगुञ्जयिष्याव | अगुञ्जयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० गुञ्जयते | गुञ्जयेते | गुञ्जयन्ते |
| गुञ्जयसे | गुञ्जयेथे | गुञ्जयध्वे |
| गुञ्जये | गुञ्जयावहे | गुञ्जयामहे |
| स० गुञ्जयेत | गुञ्जयेयाताम् | गुञ्जयेरन् |
| गुञ्जयेथाः | गुञ्जयेयाथाम् | गुञ्जयेध्वम् |
| गुञ्जयेय | गुञ्जयेवहि | गुञ्जयेमहि |
| प० गुञ्जयताम् | गुञ्जयेताम् | गुञ्जयन्ताम् |
| गुञ्जयस्व | गुञ्जयेथाम् | गुञ्जयध्वम् |
| गुञ्जये | गुञ्जयावहै | गुञ्जयामहै |
| ह्य० अगुञ्जयत | अगुञ्जयेताम् | अगुञ्जयन्त |
| अगुञ्जयथाः | अगुञ्जयेथाम् | अगुञ्जयध्वम् |
| अगुञ्जये | अगुञ्जयावहि | अगुञ्जयामहि |
| अ० अजुगुञ्जत | अजुगुञ्जेताम् | अजुगुञ्जन्त |
| अजुगुञ्जथाः | अजुगुञ्जेथाम् | अजुगुञ्जध्वम् |
| अजुगुञ्जे | अजुगुञ्जावहि | अजुगुञ्जामहि |
| प० गुञ्जयाञ्चक्रे | गुञ्जयाञ्चक्राते | गुञ्जयाञ्चकिरे |
| गुञ्जयाञ्चक्रेषु | गुञ्जयाञ्चक्राथे | गुञ्जयाञ्चकृद्वे |
| गुञ्जयाञ्चक्रे | गुञ्जयाञ्चकृष्वहे | गुञ्जयाञ्चक्रमहे |
| गुञ्जयाम्बभूव | गुञ्जयामास | |
| आ० गुञ्जयिषीष्ट | गुञ्जयिषीयास्ताम् | गुञ्जयिषीरन् |
| गुञ्जयिषीष्टाः | गुञ्जयिषीयास्थाम् | गुञ्जयिषीध्वम् |
| गुञ्जयिषीय | गुञ्जयिषीवहि | गुञ्जयिषीमहि |
| श्व० गुञ्जयिता | गुञ्जयितागौ | गुञ्जयितारः |
| गुञ्जयितासे | गुञ्जयितासाथे | गुञ्जयिताध्वे |
| गुञ्जयिताहे | गुञ्जयितास्वहे | गुञ्जयितास्महे |
| भ० गुञ्जयिष्यते | गुञ्जयिष्येते | गुञ्जयिष्यन्ते |
| गुञ्जयिष्यसे | गुञ्जयिष्येथे | गुञ्जयिष्यध्वे |
| गुञ्जयिष्ये | गुञ्जयिष्यावहे | गुञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० अगुञ्जयिष्यत् | अगुञ्जयिष्येताम् | अगुञ्जयिष्यन्त |
| अगुञ्जयिष्यथाः | अगुञ्जयिष्येथाम् | अगुञ्जयिष्यध्वम् |
| अगुञ्जयिष्ये | अगुञ्जयिष्यावहि | अगुञ्जयिष्यामहि |

154 लज (लज्) भर्त्सने ।

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| व० लजयति | लजयतः | लजयन्ति |
| लजयसि | लजयथः | लजयथ |
| लजयामि | लजयावः | लजयामः |
| स० लजयेत् | लजयेताम् | लजयेयुः |
| लजयेः | लजयेतम् | लजयेत |
| लजयेयम् | लजयेव | लजयेम |
| प० लजयतु | लजयतात् | लजयताम् |
| लजय | „ | लजयतम् |
| लजयानि | लजयाव | लजयाम |
| ह्य० अलजयत् | अलजयताम् | अलजयन् |
| अलजयः | अलजयतम् | अलजयत |
| अलजयम् | अलजयाव | अलजयाम |
| अ० अलीलजत् | अलीलजताम् | अलीलजन् |
| अलीलजः | अलीलजतम् | अलीलजत |
| अलीलजम् | अलीलजाव | अलीलजाम |
| प० लजयाञ्चकार | लजयाञ्चक्रुः | लजयाञ्चक्रुः |
| लजयाञ्चकथं | लजयाञ्चकथुः | लजयाञ्चक |
| लजयाञ्चकार-चकर | लजयाञ्चकृव | लजयाञ्चकृम |
| लजयाम्बभूव | । | लजयामास |
| आ० लज्यात् | लज्यास्ताम् | लज्यासुः |
| लज्याः | लज्यास्तम् | लज्यास्त |
| लज्यासम् | लज्यास्व | लज्यास्म |
| श्व० लजयिता | लजयितारौ | लजयितारः |
| लजयितासि | लजयितास्थः | लजयितास्थ |
| लजयितास्मि | लजयितास्वः | लजयितास्मः |
| भ० लजयिष्यति | लजयिष्यतः | लजयिष्यन्ति |
| लजयिष्यसि | लजयिष्यथः | लजयिष्यथ |
| लजयिष्यामि | लजयिष्यावः | लजयिष्यामः |
| क्रि० अलजयिष्यत् | अलजयिष्यताम् | अलजयिष्यन् |
| अलजयिष्यः | अलजयिष्यतम् | अलजयिष्यत |
| अलजयिष्यम् | अलजयिष्याव | अलजयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० लजयते | लजयेते | लजयन्ते |
| लजयसे | लजयेथे | लजयध्वे |
| लजये | लजयावहे | लजयामहे |
| स० लजयेत | लजयेयाताम् | लजयेरन् |
| लजयेथाः | लजयेयाथाम् | लजयेध्वम् |
| लजयेय | लजयेवहि | लजयेमहि |
| प० लजयताम् | लजयेताम् | लजयन्ताम् |
| लजयस्व | लजयेथाम् | लजयध्वम् |
| लजये | लजयावहे | लजयामहे |
| ह्य० अलजयत | अलजयेताम् | अलजयन्त |
| अलजयथाः | अलजयेथाम् | अलजयध्वम् |
| अलजये | अलजयावहि | अलजयामहि |
| अ० अलीलजत | अलीलजेताम् | अलीलजन्त |
| अलीलजथाः | अलीलजेथाम् | अलीलजध्वम् |
| अलीलजे | अलीलजावहि | अलीलजामहि |
| प० लजयाञ्चक्रे | लजयाञ्चकृते | लजयाञ्चकृरे |
| लजयाञ्चकृषे | लजयाञ्चकृथे | लजयाञ्चकृध्वे |
| लजयाञ्चक्रे | लजयाञ्चकृवहे | लजयाञ्चकृमहे |
| लजयाम्बभूव | । | लजयामास |
| आ० लजयिषीष्ट | लजयिषीयास्ताम् | लजयिषीरन् |
| लजयिषीष्ठाः | लजयिषीयाथाम् | लजयिषीध्वम् |
| लजयिषीय | लजयिषीवहि | लजयिषीमहि |
| श्व० लजयिता | लजयितारौ | लजयितारः |
| लजयितासे | लजयितास्थे | लजयिताध्वे |
| लजयिताहे | लजयितास्वहे | लजयितास्महे |
| भ० लजयिष्यते | लजयिष्येते | लजयिष्यन्ते |
| लजयिष्यसे | लजयिष्येथे | लजयिष्यध्वे |
| लजयिष्ये | लजयिष्यावहे | लजयिष्यामहे |
| क्रि० अलजयिष्यत | अलजयिष्यताम् | अलजयिष्यन्त |
| अलजयिष्यथाः | अलजयिष्यथाम् | अलजयिष्यध्वम् |
| अलजयिष्ये | अलजयिष्यावहि | अलजयिष्यामहि |

155 लज् (लञ्ज्) भर्त्सने

| | | |
|--------------------|-----------------|---------------------|
| ब० लञ्जयति | लञ्जयतः | लञ्जयन्ति |
| लञ्जयसि | लञ्जयथः | लञ्जयथ |
| लञ्जयामि | लञ्जयावः | लञ्जयामः |
| स० लञ्जयेत् | लञ्जयेताम् | लञ्जयेयुः |
| लञ्जयेः | लञ्जयेतम् | लञ्जयेत |
| लञ्जयेयम् | लञ्जयेव | लञ्जयेम |
| प० लञ्जयतु | लञ्जयतात् | लञ्जयताम् लञ्जयन्तु |
| लञ्जय | लञ्जयतम् | लञ्जयत |
| लञ्जयानि | लञ्जयाव | लञ्जयाम |
| ह्य० अलञ्जयत् | अलञ्जयताम् | अलञ्जयन् |
| अलञ्जयः | अलञ्जयतम् | अलञ्जयत |
| अलञ्जयम् | अलञ्जयाव | अलञ्जयाम |
| अ० अलञ्जत् | अलञ्जताम् | अलञ्जन् |
| अलञ्जः | अलञ्जतम् | अलञ्जत |
| अलञ्जम् | अलञ्जाव | अलञ्जाम |
| प० लञ्जयाञ्चकार | लञ्जयाञ्चक्रतुः | लञ्जयाञ्चकुः |
| लञ्जयाञ्चकर्ष | लञ्जयाञ्चक्रथुः | लञ्जयाञ्चक |
| लञ्जयाञ्चकार-चकर | लञ्जयाञ्चकृव | लञ्जयाञ्चकृम |
| लञ्जयाम्बभूव | लञ्जयामास | |
| आ० लञ्ज्यात् | लञ्ज्यास्ताम् | लञ्ज्यासुः |
| लञ्ज्याः | लञ्ज्यास्तम् | लञ्ज्यास्त |
| लञ्ज्यासम् | लञ्ज्यास्व | लञ्ज्यास्म |
| श्व० लञ्जयिता | लञ्जयितारौ | लञ्जयितारः |
| लञ्जयितासि | लञ्जयितास्यः | लञ्जयितास्य |
| लञ्जयितास्मि | लञ्जयितास्वः | लञ्जयितास्मः |
| भ० लञ्जयिष्यति | लञ्जयिष्यतः | लञ्जयिष्यन्ति |
| लञ्जयिष्यसि | लञ्जयिष्यथः | लञ्जयिष्यथ |
| लञ्जयिष्यामि | लञ्जयिष्यावः | लञ्जयिष्यामः |
| क्रि० अलञ्जयिष्यत् | अलञ्जयिष्यताम् | अलञ्जयिष्यन् |
| अलञ्जयिष्यः | अलञ्जयिष्यतम् | अलञ्जयिष्यत |
| अलञ्जयिष्यम् | अलञ्जयिष्याव | अलञ्जयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० लञ्जयते | लञ्जयेते | लञ्जयन्ते |
| लञ्जयसे | लञ्जयेथे | लञ्जयध्वे |
| लञ्जये | लञ्जयावहे | लञ्जयामहे |
| स० लञ्जयेत | लञ्जयेयाताम् | लञ्जयेरन् |
| लञ्जयेथाः | लञ्जयेयाथाम् | लञ्जयेध्वम् |
| लञ्जयेथ | लञ्जयेवहि | लञ्जयेमहि |
| प० लञ्जयताम् | लञ्जयेताम् | लञ्जयन्ताम् |
| लञ्जयस्व | लञ्जयेथाम् | लञ्जयध्वम् |
| लञ्जये | लञ्जयावहे | लञ्जयामहे |
| ह्य० अलञ्जयत | अलञ्जयेताम् | अलञ्जयन्त |
| अलञ्जयथाः | अलञ्जयेथाम् | अलञ्जयध्वम् |
| अलञ्जये | अलञ्जयावहि | अलञ्जयामहि |
| अ० अलञ्जत् | अलञ्जेताम् | अलञ्जन्त |
| अलञ्जथाः | अलञ्जेथाम् | अलञ्जध्वम् |
| अलञ्ज | अलञ्जावहि | अलञ्जामहि |
| प० लञ्जयाञ्चके | लञ्जयाञ्चकाते | लञ्जयाञ्चकिरे |
| लञ्जयाञ्चकृषे | लञ्जयाञ्चकाये | लञ्जयाञ्चकृद्वे |
| लञ्जयाञ्चके | लञ्जयाञ्चकृवहे | लञ्जयाञ्चकृमहे |
| लञ्जयाम्बभूव | लञ्जयामास | |
| आ० लञ्जयिषीष्ट | लञ्जयिषीयास्ताम् | लञ्जयिषीरन् |
| लञ्जयिषीष्ठाः | लञ्जयिषीयास्थाम् | लञ्जयिषीध्वम् |
| लञ्जयिषीय | लञ्जयिषीवहि | लञ्जयिषीमहि |
| श्व० लञ्जयिता | लञ्जयितारौ | लञ्जयितारः |
| लञ्जयितासे | लञ्जयितासाथे | लञ्जयिताध्वे |
| लञ्जयिताहे | लञ्जयितास्वहे | लञ्जयितास्महे |
| भ० लञ्जयिष्यते | लञ्जयिष्येते | लञ्जयिष्यन्ते |
| लञ्जयिष्यसे | लञ्जयिष्येथे | लञ्जयिष्यध्वे |
| लञ्जयिष्ये | लञ्जयिष्यावहे | लञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० अलञ्जयिष्यत् | अलञ्जयिष्येताम् | अलञ्जयिष्यन्त |
| अलञ्जयिष्यथाः | अलञ्जयिष्येथाम् | अलञ्जयिष्यध्वम् |
| अलञ्जयिष्ये | अलञ्जयिष्यावहि | अलञ्जयिष्यामहि |

156 तर्ज (तर्ज) भर्त्सने ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|---------------|
| व० | तर्जयति | तर्जयतः | तर्जयन्ति |
| | तर्जयसि | तर्जयथः | तर्जयथ |
| | तर्जयामि | तर्जयावः | तर्जयामः |
| स० | तर्जयेत् | तर्जयेताम् | तर्जयेयुः |
| | तर्जयेः | तर्जयेताम् | तर्जयेत |
| | तर्जयेयम् | तर्जयेव | तर्जयेम |
| प० | तर्जयतु | तर्जयतात् | तर्जयताम् |
| | तर्जय | तर्जयतम् | तर्जयत |
| | तर्जयानि | तर्जयाव | तर्जयाम |
| ह्य० | अतर्जयत् | अतर्जयताम् | अतर्जयन् |
| | अतर्जयः | अतर्जयतम् | अतर्जयत |
| | अतर्जयम् | अतर्जयाव | अतर्जयाम |
| अ० | अतर्जयत् | अतर्जयताम् | अतर्जयन् |
| | अतर्जयः | अतर्जयतम् | अतर्जयत |
| | अतर्जयम् | अतर्जयाव | अतर्जयाम |
| प० | तर्जयाञ्चकार | तर्जयाञ्चक्रतुः | तर्जयाञ्चकुः |
| | तर्जयाञ्चकथं | तर्जयाञ्चकथुः | तर्जयाञ्चक |
| | तर्जयाञ्चकार-चकर | तर्जयाञ्चकृव | तर्जयाञ्चकृम |
| | तर्जयाम्बभूव | । | तर्जयामास |
| आ० | तर्ज्यात् | तर्ज्यास्ताम् | तर्ज्यासुः |
| | तर्ज्याः | तर्ज्यास्तम् | तर्ज्यास्त |
| | तर्ज्यासम् | तर्ज्यास्व | तर्ज्यास्म |
| श्व० | तर्जयिता | तर्जयितारो | तर्जयितारः |
| | तर्जयितासि | तर्जयितास्थः | तर्जयितास्थ |
| | तर्जयितास्मि | तर्जयितास्वः | तर्जयितास्मः |
| भ० | तर्जयिष्यति | तर्जयिष्यतः | तर्जयिष्यन्ति |
| | तर्जयिष्यसि | तर्जयिष्यथः | तर्जयिष्यथ |
| | तर्जयिष्यामि | तर्जयिष्यावः | तर्जयिष्यामः |
| क्रि० | अतर्जयिष्यत् | अतर्जयिष्यताम् | अतर्जयिष्यन् |
| | अतर्जयिष्यः | अतर्जयिष्यतम् | अतर्जयिष्यत |
| | अतर्जयिष्यम् | अतर्जयिष्याव | अतर्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | तर्जयते | तर्जयेते | तर्जयन्ते |
| | तर्जयसे | तर्जयेथे | तर्जयन्वे |
| | तर्जये | तर्जयावहे | तर्जयामहे |
| स० | तर्जयेत् | तर्जयेयाताम् | तर्जयेरन् |
| | तर्जयेथाः | तर्जयेयाथाम् | तर्जयेष्वम |
| | तर्जयेय | तर्जयेवहि | तर्जयेमहि |
| प० | तर्जयताम् | तर्जयेताम् | तर्जयन्ताम् |
| | तर्जयस्व | तर्जयेथाम् | तर्जयन्वम् |
| | तर्जये | तर्जयावहे | तर्जयामहे |
| ह्य० | अतर्जयत | अतर्जयेताम् | अतर्जयन्त |
| | अतर्जयथाः | अतर्जयेथाम् | अतर्जयन्वम् |
| | अतर्जये | अतर्जयावहि | अतर्जयामहि |
| अ० | अतर्जयत | अतर्जयेताम् | अतर्जयन्त |
| | अतर्जयथाः | अतर्जयेथाम् | अतर्जयन्वम् |
| | अतर्जये | अतर्जयावहि | अतर्जयामहि |
| प० | तर्जयाञ्चक्रे | तर्जयाञ्चक्राते | तर्जयाञ्चक्रिरे |
| | तर्जयाञ्चकृषे | तर्जयाञ्चकृषे | तर्जयाञ्चकृद्वे |
| | तर्जयाञ्चक्रे | तर्जयाञ्चकृषहे | तर्जयाञ्चकृमहे |
| | तर्जयाम्बभूव | । | तर्जयामास |
| आ० | तर्जयिषीष्ट | तर्जयिषीयास्ताम् | तर्जयिषीरन् |
| | तर्जयिषीष्टाः | तर्जयिषीयास्थाम् | तर्जयिषीद्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | तर्जयिषीय | तर्जयिषीषहि | तर्जयिषीमहि |
| श्व० | तर्जयिता | तर्जयितारो | तर्जयितारः |
| | तर्जयितासे | तर्जयितासाथे | तर्जयिताध्वे |
| | तर्जयिताहे | तर्जयितास्वहे | तर्जयितास्महे |
| भ० | तर्जयिष्यते | तर्जयिष्येते | तर्जयिष्यन्ते |
| | तर्जयिष्यसे | तर्जयिष्येथे | तर्जयिष्यन्वे |
| | तर्जयिष्ये | तर्जयिष्यावहे | तर्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अतर्जयिष्यत | अतर्जयिष्येताम् | अतर्जयिष्यन्त |
| | अतर्जयिष्यथाः | अतर्जयिष्येथाम् | अतर्जयिष्यन्वम् |
| | अतर्जयिष्ये | अतर्जयिष्यावहि | अतर्जयिष्यामहि |

157 लाज (लाज्) भर्जने च

| | | | |
|-------|---|--|--|
| व० | लाजयति लाजयति लाजयामि | लाजयतः लाजयथः लाजयावः | लाजयन्ति लाजयथ लाजयामः |
| स० | लाजयेत् लाजयेः लाजयेयम् | लाजयेताम् लाजयेतम् लाजयेव | लाजयेयुः लाजयेत लाजयेम |
| प० | लाजयतु लाजय लाजयानि | लाजयतात् लाजयतम् लाजयाव | लाजयन्तु लाजयत लाजयाम |
| ह्य० | अलाजयत् अलाजयः अलाजयम् | अलाजयताम् अलाजयतम् अलाजयाव | अलाजयन् अलाजयत अलाजयाम |
| अ० | अलीलजत् अलीलजः अलीलजम् | अलीलजताम् अलीलजतम् अलीलजाव | अलीलजन् अलीलजत अलीलजाम |
| प० | लाजयाञ्चकार लाजयाञ्चकथं लाजयाञ्चकार-चकर | लाजयाञ्चकतुः लाजयाञ्चकथुः लाजयाञ्चकृन् | लाजयाञ्चकुः लाजयाञ्चक लाजयाञ्चकृम |
| आ० | लाज्यात् लाज्याः लाज्यासम् | लाज्यास्ताम् लाज्यास्तम् लाज्यास्व | लाज्यासुः लाज्यास्त लाज्यास्म |
| श्र० | लाजयिता लाजयितासि लाजयितास्मि | लाजयितारौ लाजयितास्थः लाजयितास्वः | लाजयितारः लाजयितास्थ लाजयितास्मः |
| भ० | लाजयिष्यति लाजयिष्यसि लाजयिष्यामि | लाजयिष्यतः लाजयिष्यथः लाजयिष्यावः | लाजयिष्यन्ति लाजयिष्यथ लाजयिष्यामः |
| क्रि० | अलाजयिष्यत् अलाजयिष्यः अलाजयिष्यम् | अलाजयिष्यताम् अलाजयिष्यतम् अलाजयिष्याव | अलाजयिष्यन् अलाजयिष्यत अलाजयिष्याम |

| | | | |
|-------|--|---|---|
| व० | लाजयेते लाजयेसे लाजये | लाजयेते लाजयेथे लाजयावहे | लाजयन्ते लाजयन्वे लाजयामहे |
| स० | लाजयेत लाजयेथाः लाजयेय | लाजयेयाताम् लाजयेयाथाम् लाजयेवहि | लाजयेरन् लाजयेष्वम लाजयेमहि |
| प० | लाजयताम् लाजयस्व लाजये | लाजयेताम् लाजयेथाम् लाजयावहे | लाजयन्ताम् लाजयन्वम लाजयामहे |
| ह्य० | अलाजयत अलाजयथाः अलाजये | अलाजयेताम् अलाजयेथाम् अलाजयावहि | अलाजयन्त अलाजयन्वम अलाजयामहि |
| अ० | अलीलजत अलीलजथाः अलीलजे | अलीलजेताम् अलीलजेथाम् अलीलजावहि | अलीलजन्त अलीलजन्वम अलीलजामहि |
| प० | लाजयाञ्चके लाजयाञ्चकृषे लाजयाञ्चके | लाजयाञ्चकाते लाजयाञ्चकाथे लाजयाञ्चकृषहे | लाजयाञ्चकिरे लाजयाञ्चकृद्वे लाजयाञ्चकृमहे |
| | लाजयाम्बभूव । लाजयामास | | |
| आ० | लाजयिषीष्ट लाजयिषीष्ठाः | लाजयिषीयास्ताम् लाजयिषीयास्थाम् | लाजयिषीरन् लाजयिषीवम |
| | लाजयिषीय | लाजयिषीवहि | लाजयिषीमहि |
| श्र० | लाजयिता लाजयितासे लाजयिताहे | लाजयितागौ लाजयितासाथे लाजयितास्वहे | लाजयिताम् लाजयिताव्वे लाजयितास्महे |
| भ० | लाजयिष्यते लाजयिष्यसे लाजयिष्ये | लाजयिष्येते लाजयिष्येथे लाजयिष्यावहे | लाजयिष्यन्ते लाजयिष्यन्वे लाजयिष्यामहे |
| क्रि० | अलाजयिष्यत अलाजयिष्यथाः अलाजयिष्ये | अलाजयिष्येताम् अलाजयिष्येथाम् अलाजयिष्यावहि | अलाजयिष्यन्त अलाजयिष्यन्वम अलाजयिष्यामहि |

158 लाजु (लाञ्ज) भर्जने च ।

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० लाञ्जयति | लाञ्जयतः | लाञ्जयन्ति |
| लाञ्जयसि | लाञ्जयथः | लाञ्जयथ |
| लाञ्जयामि | लाञ्जयावः | लाञ्जयामः |
| स० लाञ्जयेत् | लाञ्जयेताम् | लाञ्जयेयुः |
| लाञ्जयेः | लाञ्जयेतम् | लाञ्जयेत |
| लाञ्जयेयम् | लाञ्जयेव | लाञ्जयेस |
| प० लाञ्जयतु | लाञ्जयतात् | लाञ्जयताम् |
| लाञ्जय | लाञ्जयतम् | लाञ्जयत |
| लाञ्जयानि | लाञ्जयाव | लाञ्जयास |
| ह्य० अलाञ्जयत् | अलाञ्जयताम् | अलाञ्जयन् |
| अलाञ्जयः | अलाञ्जयतम् | अलाञ्जयत |
| अलाञ्जयम् | अलाञ्जयाव | अलाञ्जयाम |
| अ० अललाञ्जत | अललाञ्जताम् | अललाञ्जन् |
| अललाञ्जः | अललाञ्जतम् | अललाञ्जत |
| अललाञ्जम् | अललाञ्जाव | अललाञ्जाम |
| प० लाञ्जयाञ्चकार | लाञ्जयाञ्चक्रुः | लाञ्जयाञ्चकुः |
| लाञ्जयाञ्चकथं | लाञ्जयाञ्चकथुः | लाञ्जयाञ्चक |
| लाञ्जयाञ्चकार | लाञ्जयाञ्चक्रुः | लाञ्जयाञ्चकुः |
| लाञ्जयाम्बभूव | लाञ्जयामास | |
| आ० लाञ्ज्यात् | लाञ्ज्यास्ताम् | लाञ्ज्यासुः |
| लाञ्ज्याः | लाञ्ज्यास्तम् | लाञ्ज्यास्त |
| लाञ्ज्यासम् | लाञ्ज्यास्व | लाञ्ज्यास |
| श्व० लाञ्जयिता | लाञ्जयितारौ | लाञ्जयितारः |
| लाञ्जयितासि | लाञ्जयितास्थः | लाञ्जयितास्थ |
| लाञ्जयितास्मि | लाञ्जयितास्वः | लाञ्जयितास्मः |
| भ० लाञ्जयिष्यति | लाञ्जयिष्यतः | लाञ्जयिष्यन्ति |
| लाञ्जयिष्यसि | लाञ्जयिष्यथः | लाञ्जयिष्यथ |
| लाञ्जयिष्यामि | लाञ्जयिष्यावः | लाञ्जयिष्यामः |
| कि० अलाञ्जयिष्यत् | अलाञ्जयिष्यताम् | अलाञ्जयिष्यन् |
| अलाञ्जयिष्यः | अलाञ्जयिष्यतम् | अलाञ्जयिष्यत |
| अलाञ्जयिष्यम् | अलाञ्जयिष्याव | अलाञ्जयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|----------------------|
| व० लाञ्जयते | लाञ्जयेते | लाञ्जयन्ते |
| लाञ्जयसे | लाञ्जयेथे | लाञ्जयन्वे |
| लाञ्जये | लाञ्जयावहे | लाञ्जयामहे |
| स० लाञ्जयेत | लाञ्जयेयाताम् | लाञ्जयेरन् |
| लाञ्जयेथाः | लाञ्जयेयाथाम् | लाञ्जयेष्वम् |
| लाञ्जयेय | लाञ्जयेवहि | लाञ्जयेमहि |
| प० लाञ्जयताम् | लाञ्जयेताम् | लाञ्जयन्ताम् |
| लाञ्जयस्व | लाञ्जयेथाम् | लाञ्जयेष्वम् |
| लाञ्जये | लाञ्जयावहे | लाञ्जयामहे |
| ह्य० अलाञ्जयत | अलाञ्जयेताम् | अलाञ्जयन्त |
| अलाञ्जयथाः | अलाञ्जयेथाम् | अलाञ्जयेष्वम् |
| अलाञ्जये | अलाञ्जयावहि | अलाञ्जयामहि |
| अ० अललाञ्जत | अललाञ्जेताम् | अललाञ्जन्त |
| अललाञ्जथाः | अललाञ्जेथाम् | अललाञ्जेष्वम् |
| अललाञ्जे | अललाञ्जावहि | अललाञ्जामहि |
| प० लाञ्जयाञ्चके | लाञ्जयाञ्चकते | लाञ्जयाञ्चकिरे |
| लाञ्जयाञ्चकृषे | लाञ्जयाञ्चकथे | लाञ्जयाञ्चकृद्वे |
| लाञ्जयाञ्चके | लाञ्जयाञ्चकृवहे | लाञ्जयाञ्चकृमहे |
| लाञ्जयाम्बभूव | लाञ्जयामास | |
| आ० लाञ्जयिषीष्ट | लाञ्जयिषीस्ताम् | लाञ्जयिषीरन् |
| लाञ्जयिषीष्ठाः | लाञ्जयिषीयाथाम् | लाञ्जयिषीद्वम्-ध्वम् |
| लाञ्जयिषीय | लाञ्जयिषीवहि | लाञ्जयिषीमहि |
| श्व० लाञ्जयिता | लाञ्जयितारौ | लाञ्जयितारः |
| लाञ्जयितासे | लाञ्जयितासाथे | लाञ्जयिताष्वे |
| लाञ्जयिताहे | लाञ्जयितास्वहे | लाञ्जयितास्महे |
| भ० लाञ्जयिष्यते | लाञ्जयिष्यते | लाञ्जयिष्यन्ते |
| लाञ्जयिष्यसे | लाञ्जयिष्येथे | लाञ्जयिष्यन्वे |
| लाञ्जयिष्ये | लाञ्जयिष्यावहे | लाञ्जयिष्यामहे |
| कि० अलाञ्जयिष्यत् | अलाञ्जयिष्यताम् | अलाञ्जयिष्यन्त |
| अलाञ्जयिष्यथाः | अलाञ्जयिष्येथाम् | अलाञ्जयिष्येष्वम् |
| अलाञ्जयिष्ये | अलाञ्जयिष्यावहि | अलाञ्जयिष्यामहि |

159 जजु (जञ्ज) युद्धे ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|--------------|
| ब० | जाजयति | जाजयतः | जाजयन्ति |
| | जाजयसि | जाजयथः | जाजयथ |
| | जाजयामि | जाजयावः | जाजयामः |
| स० | आजयेत् | आजयेताम् | आजयेयुः |
| | जाजयेः | जाजयेतम् | जाजयेत |
| | जाजयेयम् | जाजयेव | जाजयेम |
| प० | जाजयतु | जाजयतात् | जाजयताम् |
| | जाजय | जाजयतम् | जाजयत |
| | जाजयानि | जाजयाव | जाजयाम |
| ह्य० | अजाजयत् | अजाजयताम् | अजाजयन् |
| | अजाजयः | अजाजयतम् | अजाजयत |
| | अजाजयम् | अजाजयाव | अजाजयाम |
| अ० | अजीजजत् | अजीजजताम् | अजीजजन् |
| | अजीजजः | अजीजजतम् | अजीजजत |
| | अजीजजम् | अजीजजाव | अजीजजाम |
| प० | जाजयाञ्चकार | जाजयाञ्चकतुः | जाजयाञ्चकुः |
| | जाजयाञ्चकर्थ | जाजयाञ्चकथुः | जाजयाञ्चक |
| | जाजयाञ्चकार-चकर | जाजयाञ्चकुव | जाजयाञ्चकृम |
| | जाजयाम्बभूव । जाजयामास | | |
| आ० | जाजयात् | जाजयास्ताम् | जाजयासुः |
| | जाजयाः | जाजयास्तम् | जाजयास्त |
| | जाजयासम् | जाजयास्व | जाजयास्म |
| श्व० | जाजयिता | जाजयितारौ | जाजयितारः |
| | जाजयितासि | जाजयितास्थः | जाजयितास्थ |
| | जाजयितास्मि | जाजयितास्वः | जाजयितास्मः |
| भ० | जाजयिष्यति | जाजयिष्यतः | जाजयिष्यन्ति |
| | जाजयिष्यसि | जाजयिष्यथः | जाजयिष्यथ |
| | जाजयिष्यामि | जाजयिष्यावः | जाजयिष्यामः |
| क्रि० | अजाजयिष्यत् | अजाजयिष्यताम् | अजाजयिष्यन् |
| | अजाजयिष्यः | अजाजयिष्यतम् | अजाजयिष्यत |
| | अजाजयिष्यम् | अजाजयिष्याव | अजाजयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | जाजयेते | जाजयेते | जाजयन्ते |
| | जाजयसे | जाजयेथे | जाजयध्वे |
| | जाजये | जाजयावहे | जाजयामहे |
| स० | जाजयेत | जाजयेयाताम् | जाजयेरन् |
| | जाजयेथाः | जाजयेयाथाम् | जाजयेष्वम् |
| | जाजयेथ | जाजयेवहि | जाजयेमहि |
| प० | जाजयताम् | जाजयेताम् | जाजयन्ताम् |
| | जाजयस्व | जाजयेथाम् | जाजयष्वम् |
| | जाजयै | जाजयावहे | जाजयामहै |
| ह्य० | अजाजयत | अजाजयेताम् | अजाजयन्त |
| | अजाजयथाः | अजाजयेथाम् | अजाजयष्वम् |
| | अजाजये | अजाजयावहि | अजाजयामहि |
| अ० | अजीजजत | अजीजजेताम् | अजीजजन्त |
| | अजीजजथाः | अजीजजेथाम् | अजीजजष्वम् |
| | अजीजजे | अजीजजावहि | अजीजजामहि |
| प० | जाजयाञ्चके | जाजयाञ्चकाते | जाजयाञ्चकिरे |
| | जाजयाञ्चकृषे | जाजयाञ्चकाये | जाजयाञ्चकृद्वे |
| | जाजयाञ्चके | जाजयाञ्चकृवहे | जाजयाञ्चकृमहे |
| | जाजयाम्बभूव । जाजयामास | | |
| आ० | जाजयिषीष्ट | जाजयिषीयास्ताम् | जाजयिषीरन् |
| | जाजयिषीष्ठाः | जाजयिषीयास्थाम् | जाजयिषीद्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | जाजयिषीय | जाजयिषीवहि | जाजयिषीमहि |
| श्व० | जाजयिता | जाजयितारौ | जाजयितारः |
| | जाजयितासे | जाजयितासाथे | जाजयिताध्वे |
| | जाजयिताहे | जाजयितास्वहे | जाजयितास्महे |
| भ० | जाजयिष्यते | जाजयिष्येते | जाजयिष्यन्ते |
| | जाजयिष्यसे | जाजयिष्येथे | जाजयिष्यध्वे |
| | जाजयिष्ये | जाजयिष्यावहे | जाजयिष्यामहे |
| क्रि० | अजाजयिष्यत | अजाजयिष्येताम् | अजाजयिष्यन्त |
| | अजाजयिष्यथाः | अजाजयिष्येथाम् | अजाजयिष्यष्वम् |
| | अजाजयिष्ये | अजाजयिष्यावहि | अजाजयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्राक्रिया ॥ (१६३)

160 जञु (जञ्ज) युद्धे

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० जञ्जयति | जञ्जयतः | जञ्जयन्ति |
| जञ्जयसि | जञ्जयथः | जञ्जयथ |
| जञ्जयामि | जञ्जयावः | जञ्जयामः |
| स० जञ्जयेत् | जञ्जयेताम् | जञ्जयेयुः |
| जञ्जयेः | जञ्जयेतम् | जञ्जयेत |
| जञ्जयेयम् | जञ्जयेव | जञ्जयेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० जञ्जयतु | जञ्जयतात् | जञ्जयताम् | जञ्जयन्तु |
| जञ्जय | „ | जञ्जयतम् | जञ्जयत |
| जञ्जयानि | जञ्जयाव | जञ्जयाम | |

| | | |
|---------------|------------|----------|
| ह्य० अजञ्जयत् | अजञ्जयताम् | अजञ्जयन् |
| अजञ्जयः | अजञ्जयतम् | अजञ्जयत |
| अजञ्जयम् | अजञ्जयाव | अजञ्जयाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| अ० अजजञ्जत् | अजजञ्जताम् | अजजञ्जन् |
| अजजञ्जः | अजजञ्जतम् | अजजञ्जत |
| अजजञ्जम् | अजजञ्जाव | अजजञ्जाम |

| | | |
|------------------|----------------|--------------|
| प० जञ्जयाञ्चकार | जञ्जयाञ्चक्रुः | जञ्जयाञ्चकृः |
| जञ्जयाञ्चकर्थ | जञ्जयाञ्चक्रुः | जञ्जयाञ्चक |
| जञ्जयाञ्चकार-चकर | जञ्जयाञ्चकृव | जञ्जयाञ्चकृम |

जञ्जयाम्बभूव । जञ्जयामास

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० जञ्ज्यात् | जञ्ज्यास्ताम् | जञ्ज्यासुः |
| जञ्ज्याः | जञ्ज्यास्तम् | जञ्ज्यास्त |
| जञ्ज्यासम् | जञ्ज्यास्व | जञ्ज्यास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| श्व० जञ्जयिता | जञ्जयितारौ | जञ्जयितारः |
| जञ्जयितःसि | जञ्जयितास्थः | जञ्जयितास्थ |
| जञ्जयितास्मि | जञ्जयितास्वः | जञ्जयितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० जञ्जयिष्यति | जञ्जयिष्यतः | जञ्जयिष्यन्ति |
| जञ्जयिष्यसि | जञ्जयिष्यथः | जञ्जयिष्यथ |
| जञ्जयिष्यामि | जञ्जयिष्यावः | जञ्जयिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अजञ्जयिष्यत् | अजञ्जयिष्यताम् | अजञ्जयिष्यन् |
| अजञ्जयिष्यः | अजञ्जयिष्यतम् | अजञ्जयिष्यत |
| अजञ्जयिष्यम् | अजञ्जयिष्याव | अजञ्जयिष्याम |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| व० जञ्जयते | जञ्जयेते | जञ्जयन्ते |
| जञ्जयसे | जञ्जयेथे | जञ्जयध्वे |
| जञ्जये | जञ्जयावहे | जञ्जयामहे |

| | | |
|-------------|--------------|-------------|
| स० जञ्जयेत् | जञ्जयेताम् | जञ्जयेरन् |
| जञ्जयेथाः | जञ्जयेथायाम् | जञ्जयेध्वम् |
| जञ्जयेथ | जञ्जयेवहि | जञ्जयेमहि |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| प० जञ्जयताम् | जञ्जयेताम् | जञ्जयन्ताम् |
| जञ्जयस्व | जञ्जयेथाम् | जञ्जयध्वम् |
| जञ्जये | जञ्जयावहे | जञ्जयामहे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| ह्य० अजञ्जयत | अजञ्जयेताम् | अजञ्जयन्त |
| अजञ्जयथाः | अजञ्जयेथाम् | अजञ्जयध्वम् |
| अजञ्जये | अजञ्जयावहि | अजञ्जयामहि |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| अ० अजजञ्जत | अजजञ्जेताम् | अजजञ्जन्त |
| अजजञ्जथाः | अजजञ्जेथाम् | अजजञ्जध्वम् |
| अजजञ्जे | अजजञ्जावहि | अजजञ्जामहि |

| | | |
|----------------|-----------------|-----------------|
| प० जञ्जयाञ्चके | जञ्जयाञ्चक्राते | जञ्जयाञ्चक्रिरे |
| जञ्जयाञ्चकृषे | जञ्जयाञ्चक्राथे | जञ्जयाञ्चकृद्वे |
| जञ्जयाञ्चके | जञ्जयाञ्चकृवहे | जञ्जयाञ्चकृमहे |

जञ्जयाम्बभूव । जञ्जयामास

| | | |
|----------------|------------------|--------------------|
| आ० जञ्जयिषीष्ट | जञ्जयिषीयास्ताम् | जञ्जयिषीरन् |
| जञ्जयिषीष्टाः | जञ्जयिषीयास्थाम् | जञ्जयिषीध्वम्-ध्वम |
| जञ्जयिषीय | जञ्जयिषीवहि | जञ्जयिषीमहि |

| | | |
|---------------|---------------|---------------|
| श्व० जञ्जयिता | जञ्जयितारौ | जञ्जयितारः |
| जञ्जयितासे | जञ्जयितासाथे | जञ्जयिताध्वे |
| जञ्जयिताहे | जञ्जयितास्वहे | जञ्जयितास्महे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० जञ्जयिष्यते | जञ्जयिष्येते | जञ्जयिष्यन्ते |
| जञ्जयिष्यसे | जञ्जयिष्येथे | जञ्जयिष्यध्वे |
| जञ्जयिष्ये | जञ्जयिष्यावहे | जञ्जयिष्यामहे |

| | | |
|--------------------|-----------------|-----------------|
| क्रि० अजञ्जयिष्यत् | अजञ्जयिष्येताम् | अजञ्जयिष्यन्त |
| अजञ्जयिष्यथाः | अजञ्जयिष्येथाम् | अजञ्जयिष्यध्वम् |
| अजञ्जयिष्ये | अजञ्जयिष्यावहि | अजञ्जयिष्यामहि |

161 तुज (तुज्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|--------------|
| ब० | तोजयति | तोजयतः | तोजयन्ति |
| | तोजयसि | तोजयथः | तोजयथ |
| | तोजयामि | तोजयावः | तोजयामः |
| स० | तोजयेत् | तोजयेताम् | तोजयेयुः |
| | तोजयेः | तोजयेतम् | तोजयेत |
| | तोजयेयम् | तोजयेव | तोजयेम |
| प० | तोजयतु | तोजयतात् | तोजयन्तु |
| | तोजय | तोजयतम् | तोजयत |
| | तोजयानि | तोजयाव | तोजयाम |
| ह्य० | अतोजयत् | अतोजयताम् | अतोजयन् |
| | अतोजयः | अतोजयतम् | अतोजयत |
| | अतोजयम् | अतोजयाव | अतोजयाम |
| अ० | अतूतुजत् | अतूतुजताम् | अतूतुजन् |
| | अतूतुजः | अतूतुजतम् | अतूतुजत |
| | अतूतुजम् | अतूतुजाव | अतूतुजाम |
| प० | तोजयाश्चकार | तोजयाश्चकतुः | तोजयाश्चकुः |
| | तोजयाश्चकथं | तोजयाश्चकथुः | तोजयाश्चक |
| | तोजयाश्चकार-चकर | तोजयाश्चकृव | तोजयाश्चकृम |
| | तोजयाम्बभूव । तोजयामास | | |
| आ० | तोजयात् | तोजयास्ताम् | तोजयासुः |
| | तोजयाः | तोजयास्तम् | तोजयास्त |
| | तोजयासम् | तोजयास्व | तोजयास्म |
| श्व० | तोजयिता | तोजयितारौ | तोजयितारः |
| | तोजयितासि | तोजयितास्थः | तोजयितास्थ |
| | तोजयितास्मि | तोजयितास्वः | तोजयितास्मः |
| भ० | तोजयिष्यति | तोजयिष्यतः | तोजयिष्यन्ति |
| | तोजयिष्यसि | तोजयिष्यथः | तोजयिष्यथ |
| | तोजयिष्यामि | तोजयिष्यावः | तोजयिष्यामः |
| क्रि० | अतोजयिष्यत् | अतोजयिष्यताम् | अतोजयिष्यन् |
| | अतोजयिष्यः | अतोजयिष्यतम् | अतोजयिष्यत |
| | अतोजयिष्यम् | अतोजयिष्याव | अतोजयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | तोजयते | तोजयेते | तोजयन्ते |
| | तोजयसे | तोजयेथे | तोजयध्वे |
| | तोजये | तोजयावहे | तोजयामहे |
| स० | तोजयेत | तोजयेयाताम् | तोजयेरन् |
| | तोजयेथाः | तोजयेयाथाम् | तोजयेध्वम् |
| | तोजयेय | तोजयेवहि | तोजयेमहि |
| प० | तोजयताम् | तोजयेताम् | तोजयन्ताम् |
| | तोजयस्व | तोजयेथाम् | तोजयध्वम् |
| | तोजये | तोजयावहै | तोजयामहै |
| ह्य० | अतोजयत | अतोजयेताम् | अतोजयन्त |
| | अतोजयथाः | अतोजयेथाम् | अतोजयध्वम् |
| | अतोजये | अतोजयावहि | अतोजयामहि |
| अ० | अतूतुजत | अतूतुजेताम् | अतूतुजन्त |
| | अतूतुजथाः | अतूतुजेथाम् | अतूतुजध्वम् |
| | अतूतुजे | अतूतुजावहि | अतूतुजामहि |
| प० | तोजयाश्चके | तोजयाश्चकाते | तोजयाश्चकिरे |
| | तोजयाश्चकृषे | तोजयाश्चकाथे | तोजयाश्चकृह्वे |
| | तोजयाश्चके | तोजयाश्चकृवहे | तोजयाश्चकृमहे |
| | तोजयाम्बभूव । तोजयामास | | |
| आ० | तोजयिषीष्ट | तोजयिषीयास्ताम् | तोजयिषीरन् |
| | तोजयिषीष्ठाः | तोजयिषीयास्थाम् | तोजयिषीढ्वम् |
| | तोजयिषीय | तोजयिषीवहि | तोजयिषीमहि |
| श्व० | तोजयिता | तोजयितारौ | तोजयितारः |
| | तोजयितासे | तोजयितासाथे | तोजयिताध्वे |
| | तोजयिताहे | तोजयितास्वहे | तोजयितास्महे |
| भ० | तोजयिष्यते | तोजयिष्येते | तोजयिष्यन्ते |
| | तोजयिष्यसे | तोजयिष्येथे | तोजयिष्यध्वे |
| | तोजयिष्ये | तोजयिष्यावहे | तोजयिष्यामहे |
| क्रि० | अतोजयिष्यत | अतोजयिष्येताम् | अतोजयिष्यन्त |
| | अतोजयिष्यथाः | अतोजयिष्येथाम् | अतोजयिष्यध्वम् |
| | अतोजयिष्ये | अतोजयिष्यावहि | अतोजयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (१६५)

162 तुज् (तुज्) बलने च ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | तुज्जयति | तुज्जयतः | तुज्जयन्ति |
| | तुज्जयसि | तुज्जयथः | तुज्जयथ |
| | तुज्जयामि | तुज्जयावः | तुज्जयामः |
| स० | तुज्जयेत् | तुज्जयेताम् | तुज्जयेयुः |
| | तुज्जयेः | तुज्जयेतम् | तुज्जयेत |
| | तुज्जयेयम् | तुज्जयेव | तुज्जयेम |
| प० | तुज्जयतु | तुज्जयतात् | तुज्जयताम् |
| | तुज्जय | तुज्जयतात् | तुज्जयतम् |
| | तुज्जय | तुज्जयतात् | तुज्जयत |
| | तुज्जयानि | तुज्जयाव | तुज्जयाम |
| ह्य० | अतुज्जयत् | अतुज्जयताम् | अतुज्जयन् |
| | अतुज्जयः | अतुज्जयतम् | अतुज्जयत |
| | अतुज्जयम् | अतुज्जयाव | अतुज्जयाम |
| अ० | अतुज्जत् | अतुज्जताम् | अतुज्जन् |
| | अतुज्जः | अतुज्जतम् | अतुज्जत |
| | अतुज्जम् | अतुज्जाव | अतुज्जाम |
| प० | तुज्जयाश्चकार | तुज्जयाश्चकतुः | तुज्जयाश्चकुः |
| | तुज्जयाश्चकर्थं | तुज्जयाश्चकथुः | तुज्जयाश्चक |
| | तुज्जयाश्चकार-वकर | तुज्जयाश्चकृव | तुज्जयाश्चकृम |
| | तुज्जयाम्बभूव | । | तुज्जयामास |
| आ० | तुज्ज्यात् | तुज्ज्यास्ताम् | तुज्ज्यासुः |
| | तुज्ज्याः | तुज्ज्यास्तम् | तुज्ज्यास्त |
| | तुज्ज्यासम् | तुज्ज्यास्व | तुज्ज्यास्म |
| श्व० | तुज्जयिता | तुज्जयितारौ | तुज्जयितारः |
| | तुज्जयितासि | तुज्जयितास्थः | तुज्जयितास्थ |
| | तुज्जयितास्मि | तुज्जयितास्वः | तुज्जयितास्मः |
| भ० | तुज्जयिष्यति | तुज्जयिष्यतः | तुज्जयिष्यन्ति |
| | तुज्जयिष्यसि | तुज्जयिष्यथः | तुज्जयिष्यथ |
| | तुज्जयिष्यामि | तुज्जयिष्यावः | तुज्जयिष्यामः |
| क्रि० | अतुज्जयिष्यत् | अतुज्जयिष्यताम् | अतुज्जयिष्यन् |
| | अतुज्जयिष्यः | अतुज्जयिष्यतम् | अतुज्जयिष्यत |
| | अतुज्जयिष्यम् | अतुज्जयिष्याव | अतुज्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | तुज्जयते | तुज्जयेते | तुज्जयन्ते |
| | तुज्जयसे | तुज्जयेथे | तुज्जयध्वे |
| | तुज्जये | तुज्जयावहे | तुज्जयामहे |
| स० | तुज्जयेत | तुज्जयेथाताम् | तुज्जयेरन् |
| | तुज्जयेथाः | तुज्जयेथायाम् | तुज्जयेध्वम् |
| | तुज्जयेय | तुज्जयेवहि | तुज्जयेमहि |
| प० | तुज्जयताम् | तुज्जयेताम् | तुज्जयन्ताम् |
| | तुज्जयस्व | तुज्जयेथाम् | तुज्जयध्वम् |
| | तुज्जयै | तुज्जयावहै | तुज्जयामहै |
| ह्य० | अतुज्जयत | अतुज्जयेताम् | अतुज्जयन्त |
| | अतुज्जयथाः | अतुज्जयेथाम् | अतुज्जयध्वम् |
| | अतुज्जये | अतुज्जयावहि | अतुज्जयामहि |
| अ० | अतुज्जत | अतुज्जेताम् | अतुज्जन्त |
| | अतुज्जथाः | अतुज्जेथाम् | अतुज्जध्वम् |
| | अतुज्जे | अतुज्जावहि | अतुज्जामहि |
| प० | तुज्जयाश्चके | तुज्जयाश्चकाते | तुज्जयाश्चकिरे |
| | तुज्जयाश्चकृषे | तुज्जयाश्चकाथे | तुज्जयाश्चकृद्वे |
| | तुज्जयाश्चके | तुज्जयाश्चकृवहे | तुज्जयाश्चकृमहे |
| | तुज्जयाम्बभूव | । | तुज्जयामास |
| आ० | तुज्जयिषीष्ट | तुज्जयिषीयास्ताम् | तुज्जयिषीरन् |
| | तुज्जयिषीष्ठाः | तुज्जयिषीयास्थाम् | तुज्जयिषीध्वम् |
| | तुज्जयिषीय | तुज्जयिषीवहि | तुज्जयिषीमहि |
| श्व० | तुज्जयिता | तुज्जयितारौ | तुज्जयितारः |
| | तुज्जयितासे | तुज्जयितासाथे | तुज्जयिताध्वे |
| | तुज्जयिताहे | तुज्जयितास्वहे | तुज्जयितास्महे |
| भ० | तुज्जयिष्यते | तुज्जयिष्येते | तुज्जयिष्यन्ते |
| | तुज्जयिष्यसे | तुज्जयिष्येथे | तुज्जयिष्यध्वे |
| | तुज्जयिष्ये | तुज्जयिष्यावहे | तुज्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अतुज्जयिष्यत् | अतुज्जयिष्येताम् | अतुज्जयिष्यन्त |
| | अतुज्जयिष्यथाः | अतुज्जयिष्येथाम् | अतुज्जयिष्यध्वम् |
| | अतुज्जयिष्ये | अतुज्जयिष्यावहि | अतुज्जयिष्यामहि |

(१६६) ॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥

163 गर्ज (गर्ज) शब्दे

| | | |
|--------------------|-----------------|---------------------|
| व० गर्जयति | गर्जयतः | गर्जयन्ति |
| गर्जयसि | गर्जयथः | गर्जयथ |
| गर्जयामि | गर्जयावः | गर्जयामः |
| स० गर्जयेत् | गर्जयेताम् | गर्जयेयुः |
| गर्जयेः | गर्जयेतम् | गर्जयेत |
| गर्जयेयम् | गर्जयेव | गर्जयेम |
| प० गर्जयतु | गर्जयतात् | गर्जयताम् गर्जयन्तु |
| गर्जय | गर्जयतम् | गर्जयत |
| गर्जयानि | गर्जयाव | गर्जयाम |
| ह्य० अगर्जयत् | अगर्जयताम् | अगर्जयन् |
| अगर्जयः | अगर्जयतम् | अगर्जयत |
| अगर्जयम् | अगर्जयाव | अगर्जयाम |
| अ० अजगर्जत् | अजगर्जताम् | अजगर्जन् |
| अजगर्जः | अजगर्जतम् | अजगर्जत |
| अजगर्जम् | अजगर्जाव | अजगर्जाम |
| प० गर्जयाञ्चकार | गर्जयाञ्चक्रतुः | गर्जयाञ्चक्रुः |
| गर्जयाञ्चकथं | गर्जयाञ्चक्रथुः | गर्जयाञ्चक्र |
| गर्जयाञ्चकार-चकर | गर्जयाचक्रव | गर्जयाचक्रम |
| गर्जयाम्बभूव | गर्जयामास | |
| आ० गर्ज्यात् | गर्ज्यास्ताम् | गर्ज्यासुः |
| गर्ज्याः | गर्ज्यास्तम् | गर्ज्यास्त |
| गर्ज्यासम् | गर्ज्यास्व | गर्ज्यास्म |
| श्व० गर्जयिता | गर्जयितारौ | गर्जयितारः |
| गर्जयितासि | गर्जयितास्थः | गर्जयितास्थ |
| गर्जयितास्मि | गर्जयितास्वः | गर्जयितास्मः |
| ० गर्जयिष्यति | गर्जयिष्यतः | गर्जयिष्यन्ति |
| गर्जयिष्यसि | गर्जयिष्यथः | गर्जयिष्यथ |
| गर्जयिष्यामि | गर्जयिष्यावः | गर्जयिष्यामः |
| क्रि० अगर्जयिष्यत् | अगर्जयिष्यताम् | अगर्जयिष्यन् |
| अगर्जयिष्यः | अगर्जयिष्यतम् | अगर्जयिष्यत |
| अगर्जयिष्यम् | अगर्जयिष्याव | अगर्जयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० गर्जयते | गर्जयेते | गर्जयन्ते |
| गर्जयसे | गर्जयेथे | गर्जयध्वे |
| गर्जये | गर्जयाध्वहे | गर्जयामहे |
| स० गर्जयेत | गर्जयेयाताम् | गर्जयेरन् |
| गर्जयेथाः | गर्जयेयाथाम् | गर्जयेध्वम् |
| गर्जयेय | गर्जयेवहि | गर्जयेमहि |
| प० गर्जयताम् | गर्जयेताम् | गर्जयन्ताम् |
| गर्जयस्व | गर्जयेथाम् | गर्जयध्वम् |
| गर्जये | गर्जयाध्वहे | गर्जयामहे |
| ह्य० अगर्जयत | अगर्जयेताम् | अगर्जयन्त |
| अगर्जयथाः | अगर्जयेथाम् | अगर्जयध्वम् |
| अगर्जये | अगर्जयाध्वहि | अगर्जयामहि |
| अ० अजगर्जत | अजगर्जेताम् | अजगर्जन्त |
| अजगर्जथाः | अजगर्जेथाम् | अजगर्जध्वम् |
| अजगर्जे | अजगर्जावहि | अजगर्जामहि |
| प० गर्जयाञ्चक्रे | गर्जयाञ्चक्राते | गर्जयाञ्चक्रिरे |
| गर्जयाञ्चकृषे | गर्जयाञ्चक्राथे | गर्जयाञ्चकृढ्वे |
| गर्जयाञ्चक्रे | गर्जयाञ्चकृष्वहे | गर्जयाञ्चकृमहे |
| गर्जयाम्बभूव | गर्जयामास | |
| आ० गर्जयिषीष्ट | गर्जयिषीयास्ताम् | गर्जयिषीरन् |
| गर्जयिषीष्टाः | गर्जयिषीयास्थाम् | गर्जयिषीढ्वम् |
| गर्जयिषीय | गर्जयिषीष्वहि | गर्जयिषीमहि |
| श्व० गर्जयिता | गर्जयितारौ | गर्जयितारः |
| गर्जयितासे | गर्जयितासाथे | गर्जयिताध्वे |
| गर्जयिताहे | गर्जयितास्वहे | गर्जयितास्महे |
| भ० गर्जयिष्यते | गर्जयिष्येते | गर्जयिष्यन्ते |
| गर्जयिष्यसे | गर्जयिष्येथे | गर्जयिष्यध्वे |
| गर्जयिष्ये | गर्जयिष्याध्वहे | गर्जयिष्यामहे |
| क्रि० अगर्जयिष्यत् | अगर्जयिष्येताम् | अगर्जयिष्यन्त |
| अगर्जयिष्यथाः | अगर्जयिष्येथाम् | अगर्जयिष्यध्वम् |
| अगर्जयिष्ये | अगर्जयिष्याध्वहि | अगर्जयिष्यामहि |

164 गजु (गज्ज) शब्दे

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| ब० | गज्जयति | गज्जयतः | गज्जयन्ति |
| | गज्जयसि | गज्जयथः | गज्जयथ |
| | गज्जयामि | गज्जयावः | गज्जयामः |
| स० | गज्जयेत् | गज्जयेताम् | गज्जयेयुः |
| | गज्जयेः | गज्जयेतम् | गज्जयेत |
| | गज्जयेयम् | गज्जयेव | गज्जयेम |
| प० | गज्जयतु | गज्जयतात् | गज्जयताम् |
| | गज्जय | गज्जयतात् | गज्जयतम् |
| | गज्जयानि | गज्जयाव | गज्जयाम |
| ह्य० | अगज्जयत् | अगज्जयताम् | अगज्जयन् |
| | अगज्जयः | अगज्जयतम् | अगज्जयत |
| | अगज्जयम् | अगज्जयाव | अगज्जयाम |
| अ० | अजगज्जत् | अजगज्जताम् | अजगज्जन् |
| | अजगज्जः | अजगज्जतम् | अजगज्जत |
| | अजगज्जम् | अजगज्जाव | अजगज्जाम |
| प० | गज्जयाञ्चकार | गज्जयाञ्चक्रतुः | गज्जयाञ्चक्रुः |
| | गज्जयाञ्चकथं | गज्जयाञ्चकथुः | गज्जयाञ्चक |
| | गज्जयाञ्चकार-चकर | गज्जयाञ्चकृव | गज्जयाञ्चकृम |
| | गज्जयाम्बभूव | । | गज्जयामास |
| आ० | गज्ज्यात् | गज्ज्यास्ताम् | गज्ज्यासुः |
| | गज्ज्याः | गज्ज्यास्तम् | गज्ज्यास्त |
| | गज्ज्यासम् | गज्ज्यास्व | गज्ज्यास्म |
| श्व० | गज्जयिता | गज्जयितारौ | गज्जयितारः |
| | गज्जयितासि | गज्जयितास्थः | गज्जयितास्थ |
| | गज्जयितास्मि | गज्जयितास्वः | गज्जयितास्मः |
| भ० | गज्जयिष्यति | गज्जयिष्यतः | गज्जयिष्यन्ति |
| | गज्जयिष्यसि | गज्जयिष्यथः | गज्जयिष्यथ |
| | गज्जयिष्यामि | गज्जयिष्यावः | गज्जयिष्यामः |
| क्रि० | अगज्जयिष्यत् | अगज्जयिष्यताम् | अगज्जयिष्यन् |
| | अगज्जयिष्यः | अगज्जयिष्यतम् | अगज्जयिष्यत |
| | अगज्जयिष्यम् | अगज्जयिष्याव | अगज्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | गज्जयते | गज्जयेते | गज्जयन्ते |
| | गज्जयसे | गज्जयेथे | गज्जयध्वे |
| | गज्जये | गज्जयावहे | गज्जयामहे |
| स० | गज्जयेत | गज्जयेयाताम् | गज्जयेरन् |
| | गज्जयेथाः | गज्जयेयाथाम् | गज्जयेध्वम् |
| | गज्जयेय | गज्जयेवहि | गज्जयेमहि |
| प० | गज्जयताम् | गज्जयेताम् | गज्जयन्ताम् |
| | गज्जयस्व | गज्जयेथाम् | गज्जयध्वम् |
| | गज्जये | गज्जयावहै | गज्जयामहै |
| ह्य० | अगज्जयत | अगज्जयेताम् | अगज्जयन्त |
| | अगज्जयथाः | अगज्जयेथाम् | अगज्जयध्वम् |
| | अगज्जये | अगज्जयावहि | अगज्जयामहि |
| अ० | अजगज्जत | अजगज्जेताम् | अजगज्जन्त |
| | अजगज्जथाः | अजगज्जेथाम् | अजगज्जध्वम् |
| | अजगज्जे | अजगज्जावहि | अजगज्जामहि |
| प० | गज्जयाञ्चके | गज्जयाञ्चक्राते | गज्जयाञ्चकिरे |
| | गज्जयाञ्चकृषे | गज्जयाञ्चक्राये | गज्जयाञ्चकृद्वे |
| | गज्जयाञ्चके | गज्जयाञ्चकृवहे | गज्जयाञ्चकृमहे |
| | गज्जयाम्बभूव | । | गज्जयामास |
| आ० | गज्जयिषीष्ट | गज्जयिषीयास्ताम् | गज्जयिषीरन् |
| | गज्जयिषीष्ठाः | गज्जयिषीयास्थाम् | गज्जयिषीद्वम् |
| | | | -ध्वम् |
| | गज्जयिषीय | गज्जयिषीवहि | गज्जयिषीमहि |
| श्व० | गज्जयिता | गज्जयितारौ | गज्जयितारः |
| | गज्जयितासे | गज्जयितासाथे | गज्जयिताध्वे |
| | गज्जयिताहे | गज्जयितास्वहे | गज्जयितास्महे |
| भ० | गज्जयिष्यते | गज्जयिष्येते | गज्जयिष्यन्ते |
| | गज्जयिष्यसे | गज्जयिष्येथे | गज्जयिष्यध्वे |
| | गज्जयिष्ये | गज्जयिष्यावहे | गज्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अगज्जयिष्यत | अगज्जयिष्येताम् | अगज्जयिष्यन्त |
| | अगज्जयिष्यथाः | अगज्जयिष्येथाम् | अगज्जयिष्यध्वम् |
| | अगज्जयिष्ये | अगज्जयिष्यावहि | अगज्जयिष्यामहि |

165 गृज (गृज) शब्दे

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------------|
| व० | गर्जयति | गर्जयतः | गर्जयन्ति |
| | गर्जयसि | गर्जयथः | गर्जयथ |
| | गर्जयामि | गर्जयावः | गर्जयामः |
| स० | गर्जयेत् | गर्जयेताम् | गर्जयेयुः |
| | गर्जयेः | गर्जयेतम् | गर्जयेत |
| | गर्जयेयम् | गर्जयेव | गर्जयेम |
| प० | गर्जयतु | गर्जयतात् | गर्जयताम् गर्जयन्तु |
| | गर्जय | गर्जयतम् | गर्जयत |
| | गर्जयानि | गर्जयाव | गर्जयाम |
| ह्य० | अगर्जयत् | अगर्जयेताम् | अगर्जयन् |
| | अगर्जयः | अगर्जयतम् | अगर्जयत |
| | अगर्जयम् | अगर्जयेव | अगर्जयेम |
| अ० | अजीगृजत् | अजीगृजताम् | अजीगृजन् |
| | अजीगृजः | अजीगृजतम् | अजीगृजत |
| | अजीगृजम् | अजीगृजेव | अजीगृजेम |
| | अजगृजत् | अजगृजताम् | अजगृजन् |
| | अजगृजः | अजगृजतम् | अजगृजत |
| | अजगृजम् | अजगृजेव | अजगृजेम |
| प० | गर्जयाञ्चकार | गर्जयाञ्चक्रुः | गर्जयाञ्चकुः |
| | गर्जयाञ्चकथं | गर्जयाञ्चकथः | गर्जयाञ्चक |
| | गर्जयाञ्चकार-चकर | गर्जयाञ्चकृव | गर्जयाञ्चकृम |
| | गर्जयाम्बभूव | गर्जयामास | |
| आ० | गर्ज्यात् | गर्ज्यास्ताम् | गर्ज्यासुः |
| | गर्ज्याः | गर्ज्यास्तम् | गर्ज्यास्त |
| | गर्ज्यासम् | गर्ज्यास्व | गर्ज्यास्म |
| श्च० | गर्जयिता | गर्जयितारौ | गर्जयितारः |
| | गर्जयितासि | गर्जयितास्थः | गर्जयितास्थ |
| | गर्जयितास्मि | गर्जयितास्वः | गर्जयितास्मः |
| भ० | गर्जयिष्यति | गर्जयिष्यतः | गर्जयिष्यन्ति |
| | गर्जयिष्यसि | गर्जयिष्यथः | गर्जयिष्यथ |
| | गर्जयिष्यामि | गर्जयिष्यावः | गर्जयिष्यामः |
| क्रि० | अगर्जयिष्यत् | अगर्जयिष्यताम् | अगर्जयिष्यन् |
| | अगर्जयिष्यः | अगर्जयिष्यतम् | अगर्जयिष्यत |
| | अगर्जयिष्यम् | अगर्जयिष्येव | अगर्जयिष्येम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|------------------|
| व० | गर्जयते | गर्जयते | गर्जयन्ते |
| | गर्जयसे | गर्जयेथे | गर्जयन्वे |
| | गर्जये | गर्जयावहे | गर्जयामहे |
| स० | गर्जयेत् | गर्जयेताम् | गर्जयेरन् |
| | गर्जयेथाः | गर्जयेथायाम् | गर्जयेथ्वम् |
| | गर्जयेय | गर्जयेवह | गर्जयेमहि |
| प० | गर्जयताम् | गर्जयेताम् | गर्जयन्ताम् |
| | गर्जयस्व | गर्जयेथाम् | गर्जयथ्वम् |
| | गर्जय | गर्जयावहे | गर्जयामहे |
| ह्य० | अगर्जयत् | अगर्जयेताम् | अगर्जयन्त |
| | अगर्जयथाः | अगर्जयेथाम् | अगर्जयथ्वम् |
| | अगर्जये | अगर्जयावहि | अगर्जयामहि |
| अ० | अजीगृजत | अजीगृजेताम् | अजीगृजन्त |
| | अजीगृजथाः | अजीगृजेथाम् | अजीगृजथ्वम् |
| | अजीगृजे | अजीगृजेवहि | अजीगृजामहि |
| | अजगृजत | अजगृजेताम् | अजगृजन्त इत्यादि |
| प० | गर्जयाञ्चक्रे | गर्जयाञ्चक्राते | गर्जयाञ्चक्रिरे |
| | गर्जयाञ्चकृषे | गर्जयाञ्चक्रथे | गर्जयाञ्चकृमहे |
| | गर्जयाञ्चक्रे | गर्जयाञ्चकृषहे | गर्जयाञ्चकृमहे |
| | गर्जयाञ्चभूक् | गर्जयाञ्चभूक् | |
| आ० | गर्जयिषीक्रे | गर्जयिषीयास्ताम् | गर्जयिषीरन् |
| | गर्जयिषीष्टाः | गर्जयिषीयास्थाम् | गर्जयिषीध्वम् |
| | गर्जयिषीय | गर्जयिषीवहि | गर्जयिषीमहि |
| श्च० | गर्जयिता | गर्जयितारौ | गर्जयितारः |
| | गर्जयितासे | गर्जयितास्थे | गर्जयिताध्वे |
| | गर्जयिताहे | गर्जयितास्वहे | गर्जयितास्महे |
| भ० | गर्जयिष्यते | गर्जयिष्येते | गर्जयिष्यन्ते |
| | गर्जयिष्यसे | गर्जयिष्येथे | गर्जयिष्यन्वे |
| | गर्जयिष्ये | गर्जयिष्येवहे | गर्जयिष्येमहे |
| क्रि० | अगर्जयिष्यत् | अगर्जयिष्यताम् | अगर्जयिष्यन् |
| | अगर्जयिष्यथाः | अगर्जयिष्येथाम् | अगर्जयिष्यथ्वम् |
| | अगर्जयिष्ये | अगर्जयिष्येवहि | अगर्जयिष्येमहि |

166 गृज् (गृज्ज) शब्दे

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|-----------------|
| व० | गृज्जयति | गृज्जयतः | गृज्जयन्ति |
| | गृज्जयसि | गृज्जयथः | गृज्जयथ |
| | गृज्जयामि | गृज्जयावः | गृज्जयामः |
| स० | गृज्जयेत् | गृज्जयेताम् | गृज्जयेयुः |
| | गृज्जयेः | गृज्जयेतम् | गृज्जयेत |
| | गृज्जयेयम् | गृज्जयेव | गृज्जयेम |
| प० | गृज्जयतु | गृज्जयतात् | गृज्जयताम् |
| | गृज्जय | ,, | गृज्जयतम् |
| | गृज्जयानि | गृज्जयाव | गृज्जयाम |
| ह्य० | अगृज्जयत् | अगृज्जयताम् | अगृज्जयन् |
| | अगृज्जयः | अगृज्जयतम् | अगृज्जयत |
| | अगृज्जयम् | अगृज्जयाव | अगृज्जयाम |
| अ० | अजगृज्जत् | अजगृज्जताम् | अजगृज्जन् |
| | अजगृज्जः | अजगृज्जतम् | अजगृज्जत |
| | अजगृज्जम् | अजगृज्जाव | अजगृज्जाम |
| प० | गृज्जयाश्चकार | गृज्जयाश्चक्रुः | गृज्जयाश्चक्रुः |
| | गृज्जयाश्चकथे | गृज्जयाश्चक्रुः | गृज्जयाश्चक्रुः |
| | गृज्जयाश्चकर-चकर | गृज्जयाश्चक्रुव | गृज्जयाश्चक्रुम |
| | गृज्जयाम्बभूव | । | गृज्जयामास |
| आ० | गृज्ज्यात् | गृज्ज्यास्ताम् | गृज्ज्यासुः |
| | गृज्ज्याः | गृज्ज्यास्तम् | गृज्ज्यास्त |
| | गृज्ज्यासम् | गृज्ज्यास्व | गृज्ज्यास्म |
| श्व० | गृज्जयिता | गृज्जयितारौ | गृज्जयितारः |
| | गृज्जयितासि | गृज्जयितास्थः | गृज्जयितास्थ |
| | गृज्जयितास्मि | गृज्जयितास्वः | गृज्जयितास्मः |
| भ० | गृज्जयिष्यति | गृज्जयिष्यतः | गृज्जयिष्यन्ति |
| | गृज्जयिष्यसि | गृज्जयिष्यथः | गृज्जयिष्यथ |
| | गृज्जयिष्यामि | गृज्जयिष्यावः | गृज्जयिष्यामः |
| क्रि० | अगृज्जयिष्यत् | अगृज्जयिष्यताम् | अगृज्जयिष्यन् |
| | अगृज्जयिष्यः | अगृज्जयिष्यतम् | अगृज्जयिष्यत |
| | अगृज्जयिष्यम् | अगृज्जयिष्याव | अगृज्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|--------------------|
| व० | गृज्जयते | गृज्जयेते | गृज्जयन्ते |
| | गृज्जयसे | गृज्जयेथे | गृज्जयध्वे |
| | गृज्जये | गृज्जयावहे | गृज्जयामहे |
| स० | गृज्जयेत | गृज्जयेयाताम् | गृज्जयेरन् |
| | गृज्जयेथाः | गृज्जयेयाथाम् | गृज्जयेध्वम् |
| | गृज्जयेय | गृज्जयेवहि | गृज्जयेमहि |
| प० | गृज्जयताम् | गृज्जयेताम् | गृज्जयन्ताम् |
| | गृज्जयस्व | गृज्जयेथाम् | गृज्जयध्वम् |
| | गृज्जये | गृज्जयावहे | गृज्जयामहे |
| ह्य० | अगृज्जयत | अगृज्जयेताम् | अगृज्जयन्त |
| | अगृज्जयथाः | अगृज्जयेथाम् | अगृज्जयध्वम् |
| | अगृज्जये | अगृज्जयावहि | अगृज्जयामहि |
| अ० | अजगृज्जत | अजगृज्जेताम् | अजगृज्जन्त |
| | अजगृज्जथाः | अजगृज्जेथाम् | अजगृज्जध्वम् |
| | अजगृज्जे | अजगृज्जावहि | अजगृज्जामहि |
| प० | गृज्जयाञ्चक्रे | गृज्जयाञ्चक्राते | गृज्जयाञ्चक्रिरे |
| | गृज्जयाञ्चकृषे | गृज्जयाञ्चक्राथे | गृज्जयाञ्चकृद्वे |
| | गृज्जयाञ्चक्रे | गृज्जयाञ्चकृवहे | गृज्जयाञ्चकृमहे |
| | गृज्जयाम्बभूव | । | गृज्जयामास |
| आ० | गृज्जयिषीष्ट | गृज्जयिषीयास्ताम् | गृज्जयिषीरन् |
| | गृज्जयिषीष्ठाः | गृज्जयिषीयास्थाम् | गृज्जयिषीद्वम्-चम् |
| | गृज्जयिषीय | गृज्जयिषीवहि | गृज्जयिषीमहि |
| श्व० | गृज्जयिता | गृज्जयितारौ | गृज्जयितारः |
| | गृज्जयितासे | गृज्जयितासाथे | गृज्जयिताध्वे |
| | गृज्जयिताहे | गृज्जयितास्वहे | गृज्जयितास्महे |
| भ० | गृज्जयिष्यते | गृज्जयिष्येते | गृज्जयिष्यन्ते |
| | गृज्जयिष्यसे | गृज्जयिष्येथे | गृज्जयिष्यध्वे |
| | गृज्जयिष्ये | गृज्जयिष्यावहे | गृज्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अगृज्जयिष्यत | अगृज्जयिष्येताम् | अगृज्जयिष्यन्त |
| | अगृज्जयिष्यथाः | अगृज्जयिष्येथाम् | अगृज्जयिष्यध्वम् |
| | अगृज्जयिष्ये | अगृज्जयिष्यावहि | अगृज्जयिष्यामहि |

167 मुज (मुज) शब्दे

| | | |
|-----------------|---------------|-------------------|
| व० मोजयति | मोजयतः | मोजयन्ति |
| मोजयसि | मोजयथः | मोजयथ |
| मोजयामि | मोजयावः | मोजयामः |
| स० मोजयेत् | मोजयेताम् | मोजयेयुः |
| मोजयेः | मोजयेतम् | मोजयेत |
| मोजयेयम् | मोजयेव | मोजयेम |
| प० मोजयतु | मोजयतात् | मोजयताम् मोजयन्तु |
| मोजय | मोजयतम् | मोजयत |
| मोजयानि | मोजयाव | मोजयाम |
| ह्य० अमोजयत् | अमोजयताम् | अमोजयन् |
| अमोजयः | अमोजयतम् | अमोजयत |
| अमोजयम् | अमोजयाव | अमोजयाम |
| अ० अमूमुज | अमूमुजताम् | अमूमुजन् |
| अमूमुजः | अमूमुजतम् | अमूमुजत |
| अमूमुजम् | अमूमुजाव | अमूमुजाम |
| प० मोजयाञ्चकार | मोजयाञ्चकृतुः | मोजयाञ्चक्रुः |
| मोजयाञ्चकर्तुः | मोजयाञ्चकथुः | मोजयाञ्चक |
| मोजयाञ्चकार-चकर | मोजयाञ्चकृव | मोजयाञ्चकृम |
| मोजयाञ्चभूव | मोजयामास | |
| आ० मोज्यात् | मोज्यास्ताम् | मोज्यासुः |
| मोज्याः | मोज्यास्तम् | मोज्यास्त |
| मोज्यासम् | मोज्यास्व | मोज्यास्म |
| श्व० मोजयिता | मोजयितारौ | मोजयितारः |
| मोजयितासि | मोजयितास्थः | मोजयितास्थ |
| मोजयितास्मि | मोजयितास्वः | मोजयितास्मः |
| स० मोजयिष्यति | मोजयिष्यतः | मोजयिष्यन्ति |
| मोजयिष्यसि | मोजयिष्यथः | मोजयिष्यथ |
| मोजयिष्यामि | मोजयिष्यावः | मोजयिष्यामः |
| कि० अमोजयिष्यत् | अमोजयिष्यताम् | अमोजयिष्यन् |
| अमोजयिष्यः | अमोजयिष्यतम् | अमोजयिष्यत |
| अमोजयिष्यम् | अमोजयिष्याव | अमोजयिष्याम |

| | | |
|----------------|-----------------|----------------|
| व० मोजयेते | मोजयेते | मोजयन्ते |
| मोजयसे | मोजयेथे | मोजयध्वे |
| मोजये | मोजयावहे | मोजयामहे |
| स० मोजयेत | मोजयेयाताम् | मोजयेरन् |
| मोजयेथाः | मोजयेयाथाम् | मोजयेध्वम् |
| मोजयेय | मोजयेवहि | मोजयेमहि |
| प० मोजयताम् | मोजयेताम् | मोजयन्ताम् |
| मोजयस्व | मोजयेथाम् | मोजयध्वम् |
| मोजये | मोजयावहे | मोजयामहे |
| ह्य० अमोजयत | अमोजयेताम् | अमोजयन्त |
| अमोजयथाः | अमोजयेथाम् | अमोजयध्वम् |
| अमोजये | अमोजयावहि | अमोजयामहि |
| अ० अमूमुजत | अमूमुजताम् | अमूमुजन्त |
| अमूमुजथाः | अमूमुजथाम् | अमूमुजध्वम् |
| अमूमुज | अमूमुजावहि | अमूमुजामहि |
| प० मोजयाञ्चके | मोजयाञ्चकाते | मोजयाञ्चकिरे |
| मोजयाञ्चकृषे | मोजयाञ्चकाथे | मोजयाञ्चकृद्वे |
| मोजयाञ्चके | मोजयाञ्चकृवहे | मोजयाञ्चकृमहे |
| मोजयाञ्चभूव | मोजयामास | |
| आ० मोजयिषीष्ट | मोजयिषीयास्ताम् | मोजयिषीरन् |
| मोजयिषीष्टाः | मोजयिषीयास्थाम् | मोजयिषीध्वम् |
| मोजयिषीय | मोजयिषीवहि | मोजयिषीमहि |
| श्व० मोजयिता | मोजयितारौ | मोजयितारः |
| मोजयितासे | मोजयितासाथे | मोजयिताध्वे |
| मोजयिताहे | मोजयितास्वहे | मोजयितास्महे |
| भ० मोजयिष्यते | मोजयिष्येते | मोजयिष्यन्ते |
| मोजयिष्यसे | मोजयिष्येथे | मोजयिष्यध्वे |
| मोजयिष्ये | मोजयिष्यावहे | मोजयिष्यामहे |
| कि० अमोजयिष्यत | अमोजयिष्येताम् | अमोजयिष्यन्त |
| अमोजयिष्यथाः | अमोजयिष्येथाम् | अमोजयिष्यध्वम् |
| अमोजयिष्ये | अमोजयिष्यावहि | अमोजयिष्यामहि |

168 मुञ्ज (मुञ्ज्) शब्दे ।

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| व० मुञ्जयति | मुञ्जयतः | मुञ्जयन्ति |
| मुञ्जयसि | मुञ्जयथः | मुञ्जयथ |
| मुञ्जयामि | मुञ्जयावः | मुञ्जयामः |
| स० मुञ्जयेत् | मुञ्जयेताम् | मुञ्जयेयुः |
| मुञ्जयेः | मुञ्जयेतम् | मुञ्जयेत |
| मुञ्जयेयम् | मुञ्जयेव | मुञ्जयेम |
| प० मुञ्जयतु | मुञ्जयतात् | मुञ्जयताम् |
| मुञ्जय | मुञ्जयतात् | मुञ्जयतम् |
| मुञ्जयानि | मुञ्जयाव | मुञ्जयाम |
| ह्य० अमुञ्जयत् | अमुञ्जयताम् | अमुञ्जयन् |
| अमुञ्जयः | अमुञ्जयतम् | अमुञ्जयत |
| अमुञ्जयम् | अमुञ्जयाव | अमुञ्जयाम |
| अ० अमुमुञ्जत् | अमुमुञ्जताम् | अमुमुञ्जन् |
| अमुमुञ्जः | अमुमुञ्जतम् | अमुमुञ्जत |
| अमुमुञ्जम् | अमुमुञ्जाव | अमुमुञ्जाम |
| प० मुञ्जयाश्चकार | मुञ्जयाश्चक्रतुः | मुञ्जयाश्चक्रुः |
| मुञ्जयाश्चकर्थ | मुञ्जयाश्चक्रथुः | मुञ्जयाश्चक्र |
| मुञ्जयाश्चकार-चकार | मुञ्जयाश्चक्रव | मुञ्जयाश्चक्रम |
| मुञ्जयाम्बभूव | । | मुञ्जयामास |
| आ० मुञ्ज्यात् | मुञ्ज्यस्ताम् | मुञ्ज्यासुः |
| मुञ्ज्याः | मुञ्ज्यास्तम् | मुञ्ज्यास्त |
| मुञ्ज्यासम् | मुञ्ज्यास्व | मुञ्ज्यास्म |
| श्व० मुञ्जयिता | मुञ्जयितारौ | मुञ्जयितारः |
| मुञ्जयितासि | मुञ्जयितास्थः | मुञ्जयितास्थ |
| मुञ्जयितास्मि | मुञ्जयितास्वः | मुञ्जयितास्मः |
| भ० मुञ्जयिष्यति | मुञ्जयिष्यतः | मुञ्जयिष्यन्ति |
| मुञ्जयिष्यसि | मुञ्जयिष्यथः | मुञ्जयिष्यथ |
| मुञ्जयिष्यामि | मुञ्जयिष्यावः | मुञ्जयिष्यामः |
| क्रि० अमुञ्जयिष्यत् | अमुञ्जयिष्यताम् | अमुञ्जयिष्यन् |
| अमुञ्जयिष्यः | अमुञ्जयिष्यतम् | अमुञ्जयिष्यत |
| अमुञ्जयिष्यम् | अमुञ्जयिष्याव | अमुञ्जयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|--------------------|
| व० मुञ्जयते | मुञ्जयेते | मुञ्जयन्ते |
| मुञ्जयसे | मुञ्जयेथे | मुञ्जयध्वे |
| मुञ्जये | मुञ्जयावहे | मुञ्जयामहे |
| स० मुञ्जयेत | मुञ्जयेयाताम् | मुञ्जयेरन् |
| मुञ्जयेथाः | मुञ्जयेयाथाम् | मुञ्जयेध्वम् |
| मुञ्जयेय | मुञ्जयेवहि | मुञ्जयेमहि |
| प० मुञ्जयताम् | मुञ्जयेताम् | मुञ्जयन्ताम् |
| मुञ्जयस्व | मुञ्जयेथाम् | मुञ्जयध्वम् |
| मुञ्जये | मुञ्जयावहे | मुञ्जयामहे |
| ह्य० अमुञ्जयत | अमुञ्जयेताम् | अमुञ्जयन्त |
| अमुञ्जयथाः | अमुञ्जयेथाम् | अमुञ्जयध्वम् |
| अमुञ्जये | अमुञ्जयावहि | अमुञ्जयामहि |
| अ० अमुमुञ्जत | अमुमुञ्जेताम् | अमुमुञ्जन्त |
| अमुमुञ्जथाः | अमुमुञ्जेथाम् | अमुमुञ्जध्वम् |
| अमुमुञ्जे | अमुमुञ्जावहि | अमुमुञ्जामहि |
| प० मुञ्जयाश्चक्रे | मुञ्जयाश्चक्राते | मुञ्जयाश्चक्रिरे |
| मुञ्जयाश्चक्रुषे | मुञ्जयाश्चक्राथे | मुञ्जयाश्चक्रुद्वे |
| मुञ्जयाश्चक्रे | मुञ्जयाश्चक्रवहे | मुञ्जयाश्चक्रमहे |
| मुञ्जयाम्बभूव | । | मुञ्जयामास |
| आ० मुञ्जयिषीष्ट | मुञ्जयिषीयास्ताम् | मुञ्जयिषीरन् |
| मुञ्जयिषीष्टाः | मुञ्जयिषीयास्थाम् | मुञ्जयिषीध्वम् |
| मुञ्जयिषीय | मुञ्जयिषीवहि | मुञ्जयिषीमहि |
| श्व० मुञ्जयिता | मुञ्जयितारौ | मुञ्जयितारः |
| मुञ्जयितासे | मुञ्जयितासाथे | मुञ्जयिताध्वे |
| मुञ्जयिताहे | मुञ्जयितास्वहे | मुञ्जयितास्महे |
| भ० मुञ्जयिष्यते | मुञ्जयिष्येते | मुञ्जयिष्यन्ते |
| मुञ्जयिष्यसे | मुञ्जयिष्येथे | मुञ्जयिष्यध्वे |
| मुञ्जयिष्ये | मुञ्जयिष्यावहे | मुञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० अमुञ्जयिष्यत् | अमुञ्जयिष्येताम् | अमुञ्जयिष्यन्त |
| अमुञ्जयिष्यथाः | अमुञ्जयिष्येथाम् | अमुञ्जयिष्यध्वम् |
| अमुञ्जयिष्ये | अमुञ्जयिष्यावहि | अमुञ्जयिष्यामहि |

१६९ मृज् (मृज्ज) शब्दे

| | | |
|-------------------|------------------|----------------|
| व० मृज्जयति | मृज्जयतः | मृज्जयन्ति |
| मृज्जयसि | मृज्जयथः | मृज्जयथ |
| मृज्जयामि | मृज्जयावः | मृज्जयामः |
| स० मृज्जयेत् | मृज्जयेताम् | मृज्जयेयुः |
| मृज्जयेः | मृज्जयेतम् | मृज्जयेत |
| मृज्जयेयम् | मृज्जयेव | मृज्जयेम |
| प० मृज्जयतु | मृज्जयतात् | मृज्जयताम् |
| मृज्जय | „ | मृज्जयतम् |
| मृज्जयानि | मृज्जयाव | मृज्जयाम |
| ह्य० अमृज्जयत् | अमृज्जयताम् | अमृज्जयन् |
| अमृज्जयः | अमृज्जयतम् | अमृज्जयत |
| अमृज्जयम् | अमृज्जयाव | अमृज्जयाम |
| अ० अमृज्जत् | अमृज्जताम् | अमृज्जन् |
| अमृज्जः | अमृज्जतम् | अमृज्जत |
| अमृज्जम् | अमृज्जाव | अमृज्जाम |
| प० मृज्जयाञ्चकार | मृज्जयाञ्चक्रतुः | मृज्जयाञ्चकुः |
| मृज्जयाञ्चकथं | मृज्जयाञ्चकथुः | मृज्जयाञ्चक |
| मृज्जयाञ्चकार—चकर | मृज्जयाञ्चकृव | मृज्जयाञ्चकृम |
| मृज्जयाम्बभूव | । | मृज्जयामास |
| आ० मृज्ज्यात् | मृज्ज्यास्ताम् | मृज्ज्यासुः |
| मृज्ज्याः | मृज्ज्यास्तम् | मृज्ज्यास्त |
| मृज्ज्यासम् | मृज्ज्यास्व | मृज्ज्यास्म |
| श्व० मृज्जयिता | मृज्जयितारौ | मृज्जयितारः |
| मृज्जयितासि | मृज्जयितास्थः | मृज्जयितास्थ |
| मृज्जयितास्मि | मृज्जयितास्वः | मृज्जयितास्मः |
| १ मृज्जयिष्यति | मृज्जयिष्यतः | मृज्जयिष्यन्ति |
| मृज्जयिष्यसि | मृज्जयिष्यथः | मृज्जयिष्यथ |
| मृज्जयिष्यामि | मृज्जयिष्यावः | मृज्जयिष्यामः |
| अमृज्जयिष्यत् | अमृज्जयिष्यताम् | अमृज्जयिष्यन् |
| अमृज्जयिष्यः | अमृज्जयिष्यतम् | अमृज्जयिष्यत |
| अमृज्जयिष्यम् | अमृज्जयिष्याव | अमृज्जयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० मृज्जयेते | मृज्जयेते | मृज्जयन्ते |
| मृज्जयसे | मृज्जयेथे | मृज्जयध्वे |
| मृज्जये | मृज्जयावहे | मृज्जयामहे |
| स० मृज्जयेत | मृज्जयेयाताम् | मृज्जयेरन् |
| मृज्जयेथाः | मृज्जयेयाथाम् | मृज्जयेध्वम् |
| मृज्जयेय | मृज्जयेवहि | मृज्जयेमहि |
| प० मृज्जयताम् | मृज्जयेताम् | मृज्जयन्ताम् |
| मृज्जयस्व | मृज्जयेथाम् | मृज्जयध्वम् |
| मृज्जयै | मृज्जयावहै | मृज्जयामहै |
| ह्य० अमृज्जयत | अमृज्जयेताम् | अमृज्जयन्त |
| अमृज्जयथाः | अमृज्जयेथाम् | अमृज्जयध्वम् |
| अमृज्जये | अमृज्जयावहि | अमृज्जयामहि |
| अ० अमृज्जत | अमृज्जेताम् | अमृज्जन्त |
| अमृज्जथाः | अमृज्जेथाम् | अमृज्जध्वम् |
| अमृज्जे | अमृज्जावहि | अमृज्जामहि |
| प० मृज्जयाञ्चके | मृज्जयाञ्चकाते | मृज्जयाञ्चकिरे |
| मृज्जयाञ्चकृषे | मृज्जयाञ्चक्राथे | मृज्जयाञ्चकृद्वे |
| मृज्जयाञ्चके | मृज्जयाञ्चकृवहे | मृज्जयाञ्चकृमहे |
| मृज्जयाम्बभूव | । | मृज्जयामास |
| आ० मृज्जयिषीष्ट | मृज्जयिषीयास्ताम् | मृज्जयिषीरन् |
| मृज्जयिषीष्टाः | मृज्जयिषीयाथाम् | मृज्जयिषीध्वम् |
| मृज्जयिषीय | मृज्जयिषीवहि | मृज्जयिषीमहि |
| श्व० मृज्जयिता | मृज्जयितारौ | मृज्जयितारः |
| मृज्जयितासे | मृज्जयितासाथे | मृज्जयिताध्वे |
| मृज्जयिताहे | मृज्जयितास्वहे | मृज्जयितास्महे |
| भ० मृज्जयिष्यते | मृज्जयिष्येते | मृज्जयिष्यन्ते |
| मृज्जयिष्यसे | मृज्जयिष्येथे | मृज्जयिष्यध्वे |
| मृज्जयिष्ये | मृज्जयिष्यावहे | मृज्जयिष्यामहे |
| क्रि० अमृज्जयिष्यत | अमृज्जयिष्येताम् | अमृज्जयिष्यन्त |
| अमृज्जयिष्यथाः | अमृज्जयिष्येथाम् | अमृज्जयिष्यध्वम् |
| अमृज्जयिष्ये | अमृज्जयिष्यावहि | अमृज्जयिष्यामहि |

१७० मज (मज्) शब्दे

| | | | |
|------|------------------------|---------------|-------------------|
| ब० | माजयति | माजयतः | माजयन्ति |
| | माजयसि | माजयथः | माजयथ |
| | माजयामि | माजयावः | माजयामः |
| स० | माजयेत् | माजयेताम् | माजयेयुः |
| | माजयेः | माजयेतम् | माजयेत |
| | माजयेयम् | माजयेव | माजयेम |
| प० | माजयतु | माजयतात् | माजयताम् माजयन्तु |
| | माजय | माजयतम् | माजयत |
| | माजयानि | माजयाव | माजयाम |
| ह्य० | अमाजयत् | अमाजयताम् | अमाजयन् |
| | अमाजयः | अमाजयतम् | अमाजयत |
| | अमाजयम् | अमाजयाव | अमाजयाम |
| अ० | अमीमजत् | अमीमजताम् | अमीमजन् |
| | अमीमजः | अमीमजतम् | अमीमजत |
| | अमीमजम् | अमीमजाव | अमीमजाम |
| प० | माजयाञ्चकार | माजयाञ्चक्रुः | माजयाञ्चक्रुः |
| | माजयाञ्चकर्त्तुं | माजयाञ्चक्रुः | माजयाञ्चक्रुः |
| | माजयाञ्चकार-चकर | माजयाञ्चक्रुव | माजयाञ्चक्रुम |
| | माजयाम्बभूव । माजयामास | | |
| आ० | माज्यात् | माज्यास्ताम् | माज्यासुः |
| | माज्याः | माज्यास्तम् | माज्यास्त |
| | माज्यासम् | माज्यास्व | माज्यास्म |
| श्व० | माजयिता | माजयितारौ | माजयितारः |
| | माजयितासि | माजयितास्थः | माजयितास्थ |
| | माजयितास्मि | माजयितास्वः | माजयितास्मः |
| भ० | माजयिष्यति | माजयिष्यतः | माजयिष्यन्ति |
| | माजयिष्यसि | माजयिष्यथः | माजयिष्यथ |
| | माजयिष्यामि | माजयिष्यावः | माजयिष्यामः |
| कि० | अमाजयिष्यत् | अमाजयिष्यताम् | अमाजयिष्यन् |
| | अमाजयिष्यः | अमाजयिष्यतम् | अमाजयिष्यत |
| | अमाजयिष्यम् | अमाजयिष्याव | अमाजयिष्याम |

| | | | |
|------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | माजयते | माजयेते | माजयन्ते |
| | माजयसे | माजयेथे | माजयध्वे |
| | माजये | माजयावहे | माजयामहे |
| स० | माजयेत | माजयेयाताम् | माजयेरन् |
| | माजयेथाः | माजयेयाथाम् | माजयेध्वम् |
| | माजयेय | माजयेवहि | माजयेमहि |
| प० | माजयताम् | माजयेताम् | माजयन्ताम् |
| | माजयस्व | माजयेथाम् | माजयध्वम् |
| | माजयै | माजयावहै | माजयामहै |
| ह्य० | अमाजयत | अमाजयेताम् | अमाजयन्त |
| | अमाजयथाः | अमाजयेथाम् | अमाजयध्वम् |
| | अमाजये | अमाजयावहि | अमाजयामहि |
| अ० | अमीमजत | अमीमजेताम् | अमीमजन्त |
| | अमीमजथाः | अमीमजेथाम् | अमीमजध्वम् |
| | अमीमजे | अमीमजावहि | अमीमजामहि |
| प० | माजयाञ्चक्रे | माजयाञ्चक्रते | माजयाञ्चक्रिरे |
| | माजयाञ्चकृषे | माजयाञ्चक्राथे | माजयाञ्चकृद्वे |
| | माजयाञ्चक्रे | माजयाञ्चकृवहे | माजयाञ्चकृमहे |
| | माजयाम्बभूव । माजयामास | | |
| आ० | माजयिषीष्ट | माजयिषीयास्ताम् | माजयिषीरन् |
| | माजयिषीष्टाः | माजयिषीयास्थाम् | माजयिषीध्वम् |
| | माजयिषीय | माजयिषीवहि | माजयिषीमहि |
| श्व० | माजयिता | माजयितारौ | माजयितारः |
| | माजयितासे | माजयितासाथे | माजयिताध्वे |
| | माजयिताहे | माजयितास्वहे | माजयितास्महे |
| भ० | माजयिष्यते | माजयिष्येते | माजयिष्यन्ते |
| | माजयिष्यसे | माजयिष्येथे | माजयिष्यध्वे |
| | माजयिष्ये | माजयिष्यावहे | माजयिष्यामहे |
| कि० | अमाजयिष्यत | अमाजयिष्येताम् | अमाजयिष्यन्त |
| | अमाजयिष्यथाः | अमाजयिष्येथाम् | अमाजयिष्यध्वम् |
| | अमाजयिष्ये | अमाजयिष्यावहि | अमाजयिष्यामहि |

161 गज (गज्) मदने च ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|--------------|
| ब० | गाजयति | गाजयतः | गाजयन्ति |
| | गाजयसि | गाजयथः | गाजयथ |
| | गाजयामि | गाजयावः | गाजयामः |
| स० | गाजयेत् | गाजयेताम् | गाजयेयुः |
| | गाजयेः | गाजयेतम् | गाजयेत |
| | गाजयेयम् | गाजयेव | गाजयेम |
| प० | गाजयतु | गाजयतात् | गाजयताम् |
| | गाजय | गाजयतम् | गाजयत |
| | गाजयानि | गाजयाव | गाजयाम |
| ह्य० | अगाजयत् | अगाजयताम् | अगाजयन् |
| | अगाजयः | अगाजयतम् | अगाजयत |
| | अगाजयम् | अगाजयाव | अगाजयाम |
| अ० | अजीगजत् | अजीगजताम् | अजीगजन् |
| | अजीगजः | अजीगजतम् | अजीगजत |
| | अजीगजम् | अजीगजाव | अजीगजाम |
| प० | गाजयाञ्चकार | गाजयाञ्चक्रुः | गाजयाञ्चकुः |
| | गाजयाञ्चकर्थ | गाजयाञ्चक्रुः | गाजयाञ्चक |
| | गाजयाञ्चकार-चकर | गाजयाञ्चक्रुव | गाजयाञ्चकृम |
| | गाजयाम्बभूव । गाजयामास | | |
| आ० | गाजयात् | गाजयास्ताम् | गाजयासुः |
| | गाजयाः | गाजयास्तम् | गाजयास्त |
| | गाजयासम् | गाजयास्व | गाजयास्म |
| श्व० | गाजयिता | गाजयितारौ | गाजयितारः |
| | गाजयितासि | गाजयितास्थः | गाजयितास्थ |
| | गाजयितास्मि | गाजयितास्वः | गाजयितास्मः |
| भ० | गाजयिष्यति | गाजयिष्यतः | गाजयिष्यन्ति |
| | गाजयिष्यसि | गाजयिष्यथः | गाजयिष्यथ |
| | गाजयिष्यामि | गाजयिष्यावः | गाजयिष्यामः |
| क्रि० | अगाजयिष्यत् | अगाजयिष्यताम् | अगाजयिष्यन् |
| | अगाजयिष्यः | अगाजयिष्यतम् | अगाजयिष्यत |
| | अगाजयिष्यम् | अगाजयिष्याव | अगाजयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | गाजयते | गाजयेते | गाजयन्ते |
| | गाजयसे | गाजयेथे | गाजयध्वे |
| | गाजये | गाजयावहे | गाजयामहे |
| स० | गाजयेत | गाजयेयाताम् | गाजयेरन् |
| | गाजयेथाः | गाजयेयाथाम् | गाजयेध्वम् |
| | गाजयेय | गाजयेवहि | गाजयेमहि |
| प० | गाजयताम् | गाजयेताम् | गाजयन्ताम् |
| | गाजयस्व | गाजयेथाम् | गाजयध्वम् |
| | गाजयै | गाजयावहै | गाजयामहै |
| ह्य० | अगाजयत | अगाजयेताम् | अगाजयन्त |
| | अगाजयथाः | अगाजयेथाम् | अगाजयध्वम् |
| | अगाजये | अगाजयावहि | अगाजयामहि |
| अ० | अजीगजत | अजीगजेताम् | अजीगजन्त |
| | अजीगजथाः | अजीगजेथाम् | अजीगजध्वम् |
| | अजीगजे | अजीगजावहि | अजीगजामहि |
| प० | गाजयाञ्चके | गाजयाञ्चक्राते | गाजयाञ्चकिरे |
| | गाजयाञ्चकृषे | गाजयाञ्चक्राथे | गाजयाञ्चकृद्वे |
| | गाजयाञ्चके | गाजयाञ्चकृवहे | गाजयाञ्चकृमहे |
| | गाजयाम्बभूव । गाजयामास | | |
| आ० | गाजयिषीष्ट | गाजयिषीयास्ताम् | गाजयिषीरन् |
| | गाजयिषीष्टाः | गाजयिषीयास्थाम् | गाजयिषीद्वम् |
| | गाजयिषीय | गाजयिषीवहि | गाजयिषीमहि |
| श्व० | गाजयिता | गाजयितारौ | गाजयितारः |
| | गाजयितासे | गाजयितासाथे | गाजयिताध्वे |
| | गाजयिताहे | गाजयितास्वहे | गाजयितास्महे |
| भ० | गाजयिष्यते | गाजयिष्येते | गाजयिष्यन्ते |
| | गाजयिष्यसे | गाजयिष्येथे | गाजयिष्यध्वे |
| | गाजयिष्ये | गाजयिष्यावहे | गाजयिष्यामहे |
| क्रि० | अगाजयिष्यत | अगाजयिष्येताम् | अगाजयिष्यन्त |
| | अगाजयिष्यथाः | अगाजयिष्येथाम् | अगाजयिष्यध्वम् |
| | अगाजयिष्ये | अगाजयिष्यावहि | अगाजयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (१७५)

172 त्यजं (त्यज्) हानौ

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| व० | त्याजयति | त्याजयतः | त्याजयन्ति |
| | त्याजयसि | त्याजयथः | त्याजयथ |
| | त्याजयामि | त्याजयावः | त्याजयामः |
| स० | त्याजयेत् | त्याजयेताम् | त्याजयेयुः |
| | त्याजयेः | त्याजयेतम् | त्याजयेत |
| | त्याजयेयम् | त्याजयेव | त्याजयेम |
| प० | त्याजयतु | त्याजयतात् | त्याजयताम् |
| | त्याजय | त्याजयतम् | त्याजयत |
| | त्याजयानि | त्याजयाव | त्याजयाम |
| ह्य० | अत्याजयत् | अत्याजयताम् | अत्याजयन् |
| | अत्याजयः | अत्याजयतम् | अत्याजयत |
| | अत्याजयम् | अत्याजयाव | अत्याजयाम |
| अ० | अतित्यजत् | अतित्यजताम् | अतित्यजन् |
| | अतित्यजः | अतित्यजतम् | अतित्यजत |
| | अतित्यजम् | अतित्यजाव | अतित्यजाम |
| प० | त्याजयाञ्चकार | त्याजयाञ्चक्रुः | त्याजयाञ्चक्रुः |
| | त्याजयाञ्चकथं | त्याजयाञ्चक्रुः | त्याजयाञ्चक्रुः |
| | त्याजयाञ्चकार-चक्र | त्याजयाञ्चक्रुव | त्याजयाञ्चक्रुम |
| | त्याजयाम्बभूव | त्याजयामास | |
| आ० | त्याजयात् | त्याजयास्ताम् | त्याजयासुः |
| | त्याजयाः | त्याजयास्तम् | त्याजयास्त |
| | त्याजयासम् | त्याजयास्व | त्याजयास्म |
| श्व० | त्याजयिता | त्याजयितारौ | त्याजयितारः |
| | त्याजयितासि | त्याजयितास्थः | त्याजयितास्थ |
| | त्याजयितास्मि | त्याजयितास्वः | त्याजयितास्मः |
| भ० | त्याजयिष्यति | त्याजयिष्यतः | त्याजयिष्यन्ति |
| | त्याजयिष्यसि | त्याजयिष्यथः | त्याजयिष्यथ |
| | त्याजयिष्यामि | त्याजयिष्यावः | त्याजयिष्यामः |
| क्रि० | अत्याजयिष्यत् | अत्याजयिष्यताम् | अत्याजयिष्यन् |
| | अत्याजयिष्यः | अत्याजयिष्यतम् | अत्याजयिष्यत |
| | अत्याजयिष्यम् | अत्याजयिष्याव | अत्याजयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | त्याजयते | त्याजयेते | त्याजयन्ते |
| | त्याजयसे | त्याजयेथे | त्याजयध्वे |
| | त्याजये | त्याजयावहे | त्याजयामहे |
| स० | त्याजयेत | त्याजयेयाताम् | त्याजयेरन् |
| | त्याजयेथाः | त्याजयेयाथाम् | त्याजयेध्वम् |
| | त्याजयेय | त्याजयेवहि | त्याजयेमहि |
| प० | त्याजयताम् | त्याजयेताम् | त्याजयन्ताम् |
| | त्याजयस्व | त्याजयेथाम् | त्याजयध्वम् |
| | त्याजयै | त्याजयावहे | त्याजयामहे |
| ह्य० | अत्याजयत | अत्याजयेताम् | अत्याजयन्त |
| | अत्याजयथाः | अत्याजयेथाम् | अत्याजयध्वम् |
| | अत्याजये | अत्याजयावहि | अत्याजयामहि |
| अ० | अतित्यजत | अतित्यजेताम् | अतित्यजन्त |
| | अतित्यजथाः | अतित्यजेथाम् | अतित्यजध्वम् |
| | अतित्यजे | अतित्यजावहि | अतित्यजामहि |
| प० | त्याजयाञ्चक्रे | त्याजयाञ्चकाते | त्याजयाञ्चकिरे |
| | त्याजयाञ्चकृषे | त्याजयाञ्चकाथे | त्याजयाञ्चकृद्वे |
| | त्याजयाञ्चक्रे | त्याजयाञ्चकृवहे | त्याजयाञ्चकृमहे |
| | त्याजयाम्बभूव | त्याजयामास | |
| आ० | त्याजयिषीष्ट | त्याजयिषीयास्ताम् | त्याजयिषीरन् |
| | त्याजयिषीष्ठाः | त्याजयिषीयास्थाम् | त्याजयिषीध्वम् |
| | त्याजयिषीय | त्याजयिषीवहि | त्याजयिषीमहि |
| श्व० | त्याजयिता | त्याजयितारौ | त्याजयितारः |
| | त्याजयितासे | त्याजयितासाथे | त्याजयिताध्वे |
| | त्याजयिताहे | त्याजयितास्वहे | त्याजयितास्महे |
| भ० | त्याजयिष्यते | त्याजयिष्येते | त्याजयिष्यन्ते |
| | त्याजयिष्यसे | त्याजयिष्येथे | त्याजयिष्यध्वे |
| | त्याजयिष्ये | त्याजयिष्यावहे | त्याजयिष्यामहे |
| क्रि० | अत्याजयिष्यत | अत्याजयिष्येताम् | अत्याजयिष्यन्त |
| | अत्याजयिष्यथाः | अत्याजयिष्येथाम् | अत्याजयिष्यध्वम् |
| | अत्याजयिष्ये | अत्याजयिष्यावहि | अत्याजयिष्यामहि |

173 षज्जं (सज्ज) सङ्गे

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० सज्जयति | सज्जयतः | सज्जयन्ति |
| सज्जयसि | सज्जयथः | सज्जयथ |
| सज्जयामि | सज्जयावः | सज्जयामः |
| स० सज्जयेत् | सज्जयेताम् | सज्जयेयुः |
| सज्जयेः | सज्जयेतम् | सज्जयेत |
| सज्जयेयम् | सज्जयेव | सज्जयेम |
| प० सज्जयतु | सज्जयतात् | सज्जयताम् |
| सज्जय | सज्जयतात् | सज्जयतम् |
| सज्जयानि | सज्जयाव | सज्जयाम |
| ह्य० असज्जयत् | असज्जयताम् | असज्जयन् |
| असज्जयः | असज्जयतम् | असज्जयत |
| असज्जयम् | असज्जयाव | असज्जयाम |
| अ० अससज्जत् | अससज्जताम् | अससज्जन् |
| अससज्जः | अससज्जतम् | अससज्जत |
| अससज्जम् | अससज्जाव | अससज्जाम |
| प० सज्जयाञ्चकार | सज्जयाञ्चक्रुः | सज्जयाञ्चकुः |
| सज्जयाञ्चकथं | सज्जयाञ्चकथुः | सज्जयाञ्चक |
| सज्जयाञ्चकार-चकर | सज्जयाञ्चकृव | सज्जयाञ्चकृम |
| सज्जयाम्बभूव | । | सज्जयामास |
| आ० सज्ज्यात् | सज्ज्यास्ताम् | सज्ज्यासुः |
| सज्ज्याः | सज्ज्यास्तम् | सज्ज्यास्त |
| सज्ज्यासम् | सज्ज्यास्व | सज्ज्यास्म |
| श्व० सज्जयिता | सज्जयितारौ | सज्जयितारः |
| सज्जयितासि | सज्जयितास्थः | सज्जयितास्थ |
| सज्जयितास्मि | सज्जयितास्वः | सज्जयितास्मः |
| भ० सज्जयिष्यति | सज्जयिष्यतः | सज्जयिष्यन्ति |
| सज्जयिष्यसि | सज्जयिष्यथः | सज्जयिष्यथ |
| सज्जयिष्यामि | सज्जयिष्यावः | सज्जयिष्यामः |
| क्रि० असज्जयिष्यत् | असज्जयिष्यताम् | असज्जयिष्यन् |
| असज्जयिष्यः | असज्जयिष्यतम् | असज्जयिष्यत |
| असज्जयिष्यम् | असज्जयिष्याव | असज्जयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० सज्जयते | सज्जयेते | सज्जयन्ते |
| सज्जयसे | सज्जयेथे | सज्जयध्वे |
| सज्जये | सज्जयावहे | सज्जयामहे |
| स० सज्जयेत | सज्जयेताम् | सज्जयेरन् |
| सज्जयेथाः | सज्जयेथायाम् | सज्जयेध्वम् |
| सज्जयेय | सज्जयेवहि | सज्जयेमहि |
| प० सज्जयताम् | सज्जयेताम् | सज्जयन्ताम् |
| सज्जयस्व | सज्जयेथाम् | सज्जयध्वम् |
| सज्जये | सज्जयावहे | सज्जयामहे |
| ह्य० असज्जयत | असज्जयेताम् | असज्जयन्त |
| असज्जयथाः | असज्जयेथाम् | असज्जयध्वम् |
| असज्जये | असज्जयावहि | असज्जयामहि |
| अ० अससज्जत | अससज्जेताम् | अससज्जन्त |
| अससज्जथाः | अससज्जेथाम् | अससज्जध्वम् |
| अससज्जे | अससज्जावहि | अससज्जामहि |
| प० सज्जयाञ्चके | सज्जयाञ्चकाते | सज्जयाञ्चकिरे |
| सज्जयाञ्चकृषे | सज्जयाञ्चकाये | सज्जयाञ्चकृद्वे |
| सज्जयाञ्चके | सज्जयाञ्चकृवहे | सज्जयाञ्चकृमहे |
| सज्जयाम्बभूव | । | सज्जयामास |
| आ० सज्जयिषीष्ट | सज्जयिषीस्ताम् | सज्जयिषीरन् |
| सज्जयिषीष्ठाः | सज्जयिषीस्थाम् | सज्जयिषीद्वम् |
| | | -ध्वम् |
| सज्जयिषीय | सज्जयिषीवहि | सज्जयिषीमहि |
| श्व० सज्जयिता | सज्जयितारौ | सज्जयितारः |
| सज्जयितासे | सज्जयितासाथे | सज्जयिताध्वे |
| सज्जयिताहे | सज्जयितास्वहे | सज्जयितास्महे |
| भ० सज्जयिष्यते | सज्जयिष्येते | सज्जयिष्यन्ते |
| सज्जयिष्यसे | सज्जयिष्येथे | सज्जयिष्यध्वे |
| सज्जयिष्ये | सज्जयिष्यावहे | सज्जयिष्यामहे |
| क्रि० असज्जयिष्यत | असज्जयिष्येताम् | असज्जयिष्यन्त |
| असज्जयिष्यथाः | असज्जयिष्येथाम् | असज्जयिष्यध्वम् |
| असज्जयिष्ये | असज्जयिष्यावहि | असज्जयिष्यामहि |

॥ अथ टान्ता अष्टाविंशतिः ॥

174 कटे (कट्) वर्षावरणयोः

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | काटयति | काटयतः | काटयन्ति |
| | काटयसि | काटयथः | काटयथ |
| | काटयामि | काटयावः | काटयामः |
| स० | काटयेत् | काटयेताम् | काटयेयुः |
| | काटयेः | काटयेतम् | काटयेत |
| | काटयेयम् | काटयेव | काटयेम |
| प० | काटयतु | काटयतात् | काटयताम् |
| | काटय | काटयतात् | काटयतम् |
| | काटयानि | काटयाव | काटयाम |
| ह्य० | अकाटयत् | अकाटयताम् | अकाटयन् |
| | अकाटयः | अकाटयतम् | अकाटयत |
| | अकाटयम् | अकाटयाव | अकाटयाम |
| अ० | अचीकटत् | अचीकटताम् | अचीकटन् |
| | अचीकटः | अचीकटतम् | अचीकटत |
| | अचीकटम् | अचीकटाव | अचीकटाम |
| प० | काटयाञ्चकार | काटयाञ्चकतुः | काटयाञ्चकुः |
| | काटयाञ्चकथं | काटयाञ्चकथुः | काटयाञ्चक |
| | काटयाञ्चकार-चकर | काटयाञ्चकृव | काटयाञ्चकृम |
| | काटयाम्बभूव | । | काटयामास |
| आ० | काटयात् | काटयास्ताम् | काटयासुः |
| | काटयाः | काटयास्तम् | काटयास्त |
| | काटयासम् | काटयास्व | काटयास्म |
| श्व० | काटयिता | काटयितारौ | काटयितारः |
| | काटयितासि | काटयितास्थः | काटयितास्थ |
| | काटयितास्मि | काटयितास्वः | काटयितास्मः |
| भ० | काटयिष्यति | काटयिष्यतः | काटयिष्यन्ति |
| | काटयिष्यसि | काटयिष्यथः | काटयिष्यथ |
| | काटयिष्यामि | काटयिष्यावः | काटयिष्यामः |
| क्रि० | अकाटयिष्यत् | अकाटयिष्यताम् | अकाटयिष्यन् |
| | अकाटयिष्यः | अकाटयिष्यतम् | अकाटयिष्यत |
| | अकाटयिष्यम् | अकाटयिष्याव | अकाटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | काटयते | काटयेते | काटयन्ते |
| | काटयसे | काटयेथे | काटयध्वे |
| | काटये | काटयावहे | काटयामहे |
| स० | काटयेत | काटयेयाताम् | काटयेरन् |
| | काटयेथाः | काटयेयाथाम् | काटयेध्वम् |
| | काटयेथ | काटयेवहि | काटयेमहि |
| प० | काटयताम् | काटयेताम् | काटयन्ताम् |
| | काटयस्व | काटयेथाम् | काटयध्वम् |
| | काटये | काटयावहे | काटयामहे |
| ह्य० | अकाटयत | अकाटयेताम् | अकाटयन्त |
| | अकाटयथाः | अकाटयेथाम् | अकाटयध्वम् |
| | अकाटये | अकाटयावहि | अकाटयामहि |
| अ० | अचीकटत | अचीकटेताम् | अचीकटन्त |
| | अचीकटथाः | अचीकटेथाम् | अचीकटध्वम् |
| | अचीकटे | अचीकटावहि | अचीकटामहि |
| प० | काटयाञ्चके | काटयाञ्चकाते | काटयाञ्चकिरे |
| | काटयाञ्चकृषे | काटयाञ्चकृथे | काटयाञ्चकृद्वे |
| | काटयाञ्चके | काटयाञ्चकृवहे | काटयाञ्चकृमहे |
| | काटयाम्बभूव | । | काटयामास |
| आ० | काटयिषीष्ट | काटयिषीयास्ताम् | काटयिषीरन् |
| | काटयिषीष्टाः | काटयिषीयास्थाम् | काटयिषीद्वम्-ध्वम् |
| | काटयिषीय | काटयिषीवहि | काटयिषीमहि |
| श्व० | काटयिता | काटयितारौ | काटयितारः |
| | काटयितासे | काटयितासाथे | काटयितान्वे |
| | काटयिताहे | काटयितास्वहे | काटयितास्महे |
| भ० | काटयिष्यते | काटयिष्येते | काटयिष्यन्ते |
| | काटयिष्यसे | काटयिष्येथे | काटयिष्यध्वे |
| | काटयिष्ये | काटयिष्यावहे | काटयिष्यामहे |
| क्रि० | अकाटयिष्यत | अकाटयिष्येताम् | अकाटयिष्यन्त |
| | अकाटयिष्यथाः | अकाटयिष्येथाम् | अकाटयिष्यध्वम् |
| | अकाटयिष्ये | अकाटयिष्यावहि | अकाटयिष्यामहि |

**175 शट (शट्) रुजाविशरणग-
त्यवसातनेषु ।**

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | शाटयति | शाटयतः | शाटयन्ति |
| | शाटयसि | शाटयथः | शाटयथ |
| | शाटयामि | शाटयावः | शाटयामः |
| स० | शाटयेत् | शाटयेताम् | शाटयेयुः |
| | शाटयेः | शाटयेतम् | शाटयेत |
| | शाटयेयम् | शाटयेव | शाटयेम |
| प० | शाटयतु | शाटयतात् | शाटयताम् |
| | शाटय | शाटयतात् | शाटयतम् |
| | शाटयानि | शाटयाव | शाटयाम |
| ह्य० | अशाटयत् | अशाटयताम् | अशाटयन् |
| | अशाटयः | अशाटयतम् | अशाटयत |
| | अशाटयम् | अशाटयाव | अशाटयाम |
| अ० | अशीशटत् | अशीशटताम् | अशीशटन् |
| | अशीशटः | अशीशटतम् | अशीशटत |
| | अशीशटम् | अशीशटाव | अशीशटाम |
| प० | शाटयाञ्चकार | शाटयाञ्चकतुः | शाटयाञ्चकुः |
| | शाटयाञ्चकथे | शाटयाञ्चकथुः | शाटयाञ्चक |
| | शाटयाञ्चकार-चकर | शाटयाञ्चकृव | शाटयाञ्चकृम |
| | शाटयाम्बभूव | । | शाटयामास |
| आ० | शाटयात् | शाटयास्ताम् | शाटयासुः |
| | शाटयाः | शाटयास्तम् | शाटयास्त |
| | शाटयासम् | शाटयास्व | शाटयास्म |
| श्व० | शाटयिता | शाटयितारौ | शाटयितारः |
| | शाटयितासि | शाटयितास्थः | शाटयितास्थ |
| | शाटयितास्मि | शाटयितास्वः | शाटयितास्मः |
| भ० | शाटयिष्यति | शाटयिष्यतः | शाटयिष्यन्ति |
| | शाटयिष्यसि | शाटयिष्यथः | शाटयिष्यथ |
| | शाटयिष्यामि | शाटयिष्यावः | शाटयिष्यामः |
| क्रि० | अशाटयिष्यत् | अशाटयिष्यताम् | अशाटयिष्यन् |
| | अशाटयिष्यः | अशाटयिष्यतम् | अशाटयिष्यत |
| | अशाटयिष्यम् | अशाटयिष्याव | अशाटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | शाटयते | शाटयेते | शाटयन्ते |
| | शाटयसे | शाटयेथे | शाटयध्वे |
| | शाटये | शाटयावहे | शाटयामहे |
| स० | शाटयेत | शाटयेयाताम् | शाटयेरन् |
| | शाटयेथाः | शाटयेयाथाम् | शाटयेध्वम् |
| | शाटयेय | शाटयेवहि | शाटयेमहि |
| प० | शाटयताम् | शाटयेताम् | शाटयन्ताम् |
| | शाटयस्व | शाटयेथाम् | शाटयध्वन् |
| | शाटयै | शाटयावहै | शाटयामहै |
| ह्य० | अशाटयत | अशाटयेताम् | अशाटयन्त |
| | अशाटयथाः | अशाटयेथाम् | अशाटयध्वम् |
| | अशाटये | अशाटयावहि | अशाटयामहि |
| अ० | अशीशटत | अशीशटेताम् | अशीशटन्त |
| | अशीशटथाः | अशीशटेथाम् | अशीशटध्वम् |
| | अशीशटे | अशीशटावहि | अशीशटामहि |
| प० | शाटयाञ्चके | शाटयाञ्चकाते | शाटयाञ्चकिरे |
| | शाटयाञ्चकृषे | शाटयाञ्चकृषे | अशाटयाञ्चकृद्वे |
| | शाटयाञ्चके | शाटयाञ्चकृवहे | शाटयाञ्चकृमहे |
| | शाटयाम्बभूव | । | शाटयामास |
| आ० | शाटयिषीष्ट | शाटयिषीयास्ताम् | शाटयिषीरन् |
| | शाटयिषीष्ठाः | शाटयिषीयास्थाम् | शाटयिषीध्वम्-ध्वम् |
| | शाटयिषीष | शाटयिषीवहि | शाटयिषीमहि |
| श्व० | शाटयिता | शाटयितारौ | शाटयितारः |
| | शाटयितासे | शाटयितासाथे | शाटयिताध्वे |
| | शाटयिताहे | शाटयितास्वहे | शाटयितास्महे |
| भ० | शाटयिष्यते | शाटयिष्येते | शाटयिष्यन्ते |
| | शाटयिष्यसे | शाटयिष्येथे | शाटयिष्यध्वे |
| | शाटयिष्ये | शाटयिष्यावहे | शाटयिष्यामहे |
| क्रि० | अशाटयिष्यत | अशाटयिष्यताम् | अशाटयिष्यन्त |
| | अशाटयिष्यथाः | अशाटयिष्येथाम् | अशाटयिष्यध्वम् |
| | अशाटयिष्ये | अशाटयिष्यावहि | अशाटयिष्यामहि |

176 वट (वट) वेष्टने

| | | |
|------------------------|----------------|---------------|
| व० वाटयति | वाटयतः | वाटयन्ति |
| वाटयसि | वाटयथः | वाटयथ |
| वाटयामि | वाटयावः | वाटयामः |
| स० वाटयेत् | वाटयेताम् | वाटयेयुः |
| वाटयेः | वाटयेतम् | वाटयेत |
| वाटयेयम् | वाटयेव | वाटयेम |
| प० वाटयतु | वाटयतात् | वाटयताम् |
| वाटय | वाटयतात् | वाटयतम् |
| वाटयानि | वाटयाव | वाटयाम |
| ह्य० अवाटयत् | अवाटयताम् | अवाटयन् |
| अवाटयः | अवाटयतम् | अवाटयत |
| अवाटयम् | अवाटयाव | अवाटयाम |
| अ० अवीवटत् | अवीवटताम् | अवीवटन् |
| अवीवटः | अवीवटतम् | अवीवटत |
| अवीवटम् | अवीवटाव | अवीवटाम |
| प० वाटयाश्चक्र | वाटयाश्चक्रुः | वाटयाश्चक्रुः |
| वाटयाश्चक्र्य | वाटयाश्चक्रथुः | वाटयाश्चक्र |
| वाटयाश्चक्र-चक्र | वाटयाश्चक्रव | वाटयाश्चक्रम |
| वाटयाम्बभूव । वाटयामास | | |
| आ० वाटयात् | वाटयास्ताम् | वाटयासुः |
| वाटयाः | वाटयास्तम् | वाटयास्त |
| वाटयासम् | वाटयास्व | वाटयास्म |
| श्र० वाटयिता | वाटयितारौ | वाटयितारः |
| वाटयितासि | वाटयितास्थः | वाटयितास्थ |
| वाटयितास्मि | वाटयितास्वः | वाटयितास्मः |
| भ० वाटयिष्यति | वाटयिष्यतः | वाटयिष्यन्ति |
| वाटयिष्यसि | वाटयिष्यथः | वाटयिष्यथ |
| वाटयिष्यामि | वाटयिष्यावः | वाटयिष्यामः |
| क्रि० अवाटयिष्यत् | अवाटयिष्यताम् | अवाटयिष्यन् |
| अवाटयिष्यः | अवाटयिष्यतम् | अवाटयिष्यत |
| अवाटयिष्यम् | अवाटयिष्याव | अवाटयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० वाटयते | वाटयेते | वाटयन्ते |
| वाटयसे | वाटयेथे | वाटयध्वे |
| वाटये | वाटयावहे | वाटयामहे |
| स० वाटयेत | वाटयेयाताम् | वाटयेरन् |
| वाटयेथाः | वाटयेयाथाम् | वाटयेचम् |
| वाटयेथ | वाटयेवहि | वाटयेमहि |
| प० वाटयताम् | वाटयेताम् | वाटयन्ताम् |
| वाटयस्व | वाटयेथाम् | वाटयध्वम् |
| वाटयै | वाटयावहै | वाटयामहै |
| ह्य० अवाटयत | अवाटयेताम् | अवाटयन्त |
| अवाटयथाः | अवाटयेथाम् | अवाटयध्वम् |
| अवाटये | अवाटयावहि | अवाटयामहि |
| अ० अवीवटत | अवीवटेताम् | अवीवटन्त |
| अवीवटथाः | अवीवटेथाम् | अवीवटध्वम् |
| अवीवटे | अवीवटावहि | अवीवटामहि |
| प० वाटयाश्चक्रे | वाटयाश्चक्रते | वाटयाश्चकिरे |
| वाटयाश्चकृषे | वाटयाश्चक्राथे | वाटयाश्चकृढ्वे |
| वाटयाश्चक्रे | वाटयाश्चकृवहे | वाटयाश्चकृमहे |
| वाटयाम्बभूव । वाटयामास | | |
| आ० वाटयिषीष्ट | वाटयिषीयास्ताम् | वाटयिषीरन् |
| वाटयिषीष्ठाः | वाटयिषीयास्थाम् | वाटयिषीढ्वम् |
| वाटयिषीय | वाटयिषीवहि | वाटयिषीमहि |
| श्र० वाटयिता | वाटयितारौ | वाटयितारः |
| वाटयितासे | वाटयितासाथे | वाटयिताध्वे |
| वाटयिताहे | वाटयितास्वहे | वाटयितास्महे |
| भ० वाटयिष्यते | वाटयिष्येते | वाटयिष्यन्ते |
| वाटयिष्यसे | वाटयिष्येथे | वाटयिष्यध्वे |
| वाटयिष्ये | वाटयिष्यावहे | वाटयिष्यामहे |
| क्रि० अवाटयिष्यत | अवाटयिष्यताम् | अवाटयिष्यन्त |
| अवाटयिष्यथाः | अवाटयिष्येथाम् | अवाटयिष्यध्वम् |
| अवाटयिष्ये | अवाटयिष्यावहि | अवाटयिष्यामहि |

१७७ किट (किट्) उत्रासे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | केटयति | केटयतः | केटयन्ति |
| | केटयसि | केटयथः | केटयथ |
| | केटयामि | केटयावः | केटयामः |
| स० | केटयेत् | केटयेताम् | केटयेयुः |
| | केटयेः | केटयेतम् | केटयेत |
| | केटयेयम् | केटयेव | केटयेम |
| प० | केटयतु | केटयतात् | केटयताम् |
| | केटय | केटयतात् | केटयतम् |
| | केटयानि | केटयाव | केटयाम |
| ह्य० | अकेटयत् | अकेटयताम् | अकेटयन् |
| | अकेटयः | अकेटयतम् | अकेटयत |
| | अकेटयम् | अकेटयाव | अकेटयाम |
| अ० | अचीकिट् | अचीकिटताम् | अचीकिटन् |
| | अचीकिटः | अचीकिटतम् | अचीकिटत |
| | अचीकिटम् | अचीकिटाव | अचीकिटाम |
| प० | केटयाञ्चकार | केटयाञ्चकतुः | केटयाञ्चकुः |
| | केटयाञ्चकर्यं | केटयाञ्चकथुः | केटयाञ्चक |
| | केटयाञ्चकार-चकर | केटयाञ्चकृव | केटयाञ्चकृम |
| | केटयाम्बभूव | केटयामास | |
| आ० | केटयात् | केटयास्ताम् | केटयासुः |
| | केटयाः | केटयास्तम् | केटयास्त |
| | केटयासम् | केटयास्व | केटयासम |
| श्व० | केटयिता | केटयितारौ | केटयितारः |
| | केटयितासि | केटयितास्थः | केटयितास्थ |
| | केटयितास्मि | केटयितास्वः | केटयितास्मः |
| भ० | केटयिष्यति | केटयिष्यतः | केटयिष्यन्ति |
| | केटयिष्यसि | केटयिष्यथः | केटयिष्यथ |
| | केटयिष्यामि | केटयिष्यावः | केटयिष्यामः |
| क्रे० | अकेटयिष्यत् | अकेटयिष्यताम् | अकेटयिष्यन् |
| | अकेटयिष्यः | अकेटयिष्यतम् | अकेटयिष्यत |
| | अकेटयिष्यम् | अकेटयिष्याव | अकेटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | केटयेते | केटयेते | केटयन्ते |
| | केटयसे | केटयेथे | केटयन्थे |
| | केटये | केटयावहे | केटयामहे |
| स० | केटयेत | केटयेयाताम् | केटयेरन् |
| | केटयेथाः | केटयेयाथाम् | केटयेध्वम् |
| | केटयेय | केटयेवहि | केटयेमहि |
| प० | केटयताम् | केटयेताम् | केटयन्ताम् |
| | केटयस्व | केटयेथाम् | केटयध्वम् |
| | केटयै | केटयावहे | केटयामहे |
| ह्य० | अकेटयत | अकेटयेताम् | अकेटयन्त |
| | अकेटयथाः | अकेटयेथाम् | अकेटयध्वम् |
| | अकेटये | अकेटयावहि | अकेटयामहि |
| अ० | अचीकिटत | अचीकिटेताम् | अचीकिटन्त |
| | अचीकिटथाः | अचीकिटेथाम् | अचीकिटध्वम् |
| | अचीकिटे | अचीकिटावहि | अचीकिटामहि |
| प० | केटयाञ्चके | केटयाञ्चकाते | केटयाञ्चकिरे |
| | केटयाञ्चकृषे | केटयाञ्चकथे | केटयाञ्चकृन्वे |
| | केटयाञ्चके | केटयाञ्चकृवहे | केटयाञ्चकृमहे |
| | केटयाम्बभूव | केटयामास | |
| अ० | केटयिषीष्ट | केटयिषीयास्ताम् | केटयिषीरन् |
| | केटयिषीष्टाः | केटयिषीयास्थाम् | केटयिषीध्वम्-ध्वम् |
| | केटयिषीय | केटयिषीवहि | केटयिषीमहि |
| श्व० | केटयिता | केटयितारौ | केटयितारः |
| | केटयितासे | केटयितासाथे | केटयिताध्वे |
| | केटयिताहे | केटयितास्वहे | केटयितास्महे |
| भ० | केटयिष्यते | केटयिष्येते | केटयिष्यन्ते |
| | केटयिष्यसे | केटयिष्येथे | केटयिष्यन्थे |
| | केटयिष्ये | केटयिष्यावहे | केटयिष्यामहे |
| क्रि० | अकेटयिष्यत | अकेटयिष्येताम् | अकेटयिष्यन्त |
| | अकेटयिष्यथाः | अकेटयिष्येथाम् | अकेटयिष्यध्वम् |
| | अकेटयिष्ये | अकेटयिष्यावहि | अकेटयिष्यामहि |

178 खिट (खिट्) उत्रासे

| | | | |
|-------|------------------|----------------|--------------|
| व० | खेयति | खेयतः | खेयन्ति |
| | खेयसि | खेयथः | खेयथ |
| | खेयामि | खेयावः | खेयामः |
| स० | खेयेत् | खेयेताम् | खेयेयुः |
| | खेयेः | खेयेतम् | खेयेत |
| | खेयेयम् | खेयेव | खेयेम |
| प० | खेयतु | खेयतात् | खेयताम् |
| | खेय | खेयतात् | खेयतम् |
| | खेयानि | खेयाव | खेयाम |
| ह्य० | अखेयत् | अखेयताम् | अखेयन् |
| | अखेयः | अखेयतम् | अखेयत |
| | अखेयम् | अखेयाव | अखेयाम |
| अ० | अचीखिटत् | अचीखिटताम् | अचीखिटन् |
| | अचीखिटः | अचीखिटतम् | अचीखिटत |
| | अचीखिटम् | अचीखिटव | अचीखिटाम |
| प० | खेट्याञ्चकार | खेट्याञ्चक्रुः | खेट्याञ्चकुः |
| | खेट्याञ्चकथं | खेट्याञ्चकथुः | खेट्याञ्चक |
| | खेट्याञ्चकार-चकर | खेट्याञ्चकृव | खेट्याञ्चकृम |
| | खेट्याम्बभूव | । | खेट्यामास |
| धा० | खेटयात् | खेटयास्ताम् | खेटयासुः |
| | खेटयाः | खेटयास्तम् | खेटयास्त |
| | खेटयासम् | खेटयास्व | खेटयास्म |
| श्व० | खेटयिता | खेटयितारौ | खेटयितारः |
| | खेटयितासि | खेटयितास्थः | खेटयितास्थ |
| | खेटयितास्मि | खेटयितास्वः | खेटयितास्मः |
| भ० | खेटयिष्यति | खेटयिष्यतः | खेटयिष्यन्ति |
| | खेटयिष्यसि | खेटयिष्यथः | खेटयिष्यथ |
| | खेटयिष्यामि | खेटयिष्यावः | खेटयिष्यामः |
| क्रि० | अखेटयिष्यत् | अखेटयिष्यताम् | अखेटयिष्यन् |
| | अखेटयिष्यः | अखेटयिष्यतम् | अखेटयिष्यत |
| | अखेटयिष्यम् | अखेटयिष्याव | अखेटयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|--------------------|
| व० | खेटयते | खेटयेते | खेटयन्ते |
| | खेटयसे | खेटयेथे | खेटयन्वे |
| | खेटये | खेटयावहे | खेटयामहे |
| स० | खेटयेत | खेटयेयाताम् | खेटयेरन् |
| | खेटयेथाः | खेटयेयाथाम् | खेटयेय्वम् |
| | खेटयेथ | खेटयेवहि | खेटयेमहि |
| प० | खेटयताम् | खेटयेताम् | खेटयन्ताम् |
| | खेटयस्व | खेटयेथाम् | खेटयन्वम् |
| | खेटयै | खेटयावहे | खेटयामहे |
| ह्य० | अखेटयत | अखेटयेताम् | अखेटयन्त |
| | अखेटयथाः | अखेटयेथाम् | अखेटयन्वम् |
| | अखेटये | अखेटयावहि | अखेटयामहि |
| अ० | अचीखिटत | अचीखिटताम् | अचीखिटन्त |
| | अचीखिटथाः | अचीखिटेथाम् | अचीखिटन्वम् |
| | अचीखिते | अचीखिटवहि | अचीखिटामहि |
| प० | खेट्याञ्चके | खेट्याञ्चकाते | खेट्याञ्चकिरे |
| | खेट्याञ्चकृषे | खेट्याञ्चकृषे | खेट्याञ्चकृद्वे |
| | खेट्याञ्चके | खेट्याञ्चकृवहे | खेट्याञ्चकृमहे |
| | खेट्याम्बभूव | । | खेट्यामास |
| आ० | खेटयिषीष्ट | खेटयिषीयास्ताम् | खेटयिषीरन् |
| | खेटयिषीष्ठाः | खेटयिषीयास्थाम् | खेटयिषीद्वम्-च्वम् |
| | खेटयिषीय | खेटयिषीवहि | खेटयिषीमहि |
| श्व० | खेटयिता | खेटयितारौ | खेटयितारः |
| | खेटयितासे | खेटयितासाथे | खेटयितास्वे |
| | खेटयिताहे | खेटयितास्वहे | खेटयितास्महे |
| भ० | खेटयिष्यते | खेटयिष्येते | खेटयिष्यन्ते |
| | खेटयिष्यसे | खेटयिष्येथे | खेटयिष्यन्वे |
| | खेटयिष्ये | खेटयिष्यावहे | खेटयिष्यामहे |
| क्रि० | अखेटयिष्यत | अखेटयिष्यताम् | अखेटयिष्यन्त |
| | अखेटयिष्यथाः | अखेटयिष्येथाम् | अखेटयिष्यन्वम् |
| | अखेटयिष्ये | अखेटयिष्यावहि | अखेटयिष्यामहि |

179 शिट (शिट्) अनादरे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | शेटयति | शेटयतः | शेटयन्ति |
| | शेटयसि | शेटयथः | शेटयथ |
| | शेटयामि | शेटयावः | शेटयामः |
| स० | शेटयेत् | शेटयेताम् | शेटयेयुः |
| | शेटयेः | शेटयेतम् | शेटयेत |
| | शेटयेयम् | शेटयेव | शेटयेम |
| प० | शेटयतु | शेटयतात् | शेटयताम् |
| | शेटय | शेटयतात् | शेटयतम् |
| | शेटयानि | शेटयाव | शेटयाम |
| ह्य० | अशेटयत् | अशेटयताम् | अशेटयन् |
| | अशेटयः | अशेटयतम् | अशेटयत |
| | अशेटयम् | अशेटयाव | अशेटयाम |
| अ० | अशीशिटत् | अशीशिटताम् | अशीशिटन् |
| | अशीशिटः | अशीशिटतम् | अशीशिटत |
| | अशीशिटम् | अशीशिटव | अशीशिटम |
| प० | शेटयाञ्चकार | शेटयाञ्चकतुः | शेटयाञ्चकः |
| | शेटयाञ्चक्यं | शेटयाञ्चक्युः | शेटयाञ्चक |
| | शेटयाञ्चकार-चकर | शेटयाञ्चकृव | शेटयाञ्चकृम |
| | शेटयाम्बभूव | शेटयामास | |
| आ० | शेटयात् | शेटयास्ताम् | शेटयासुः |
| | शेटयाः | शेटयास्तम् | शेटयास्त |
| | शेटयासम् | शेटयास्व | शेटयास्म |
| श्व० | शेटयिता | शेटयितारौ | शेटयितारः |
| | शेटयितासि | शेटयितास्थः | शेटयितास्थ |
| | शेटयितास्मि | शेटयितास्वः | शेटयितास्मः |
| भ० | शेटयिष्यति | शेटयिष्यतः | शेटयिष्यन्ति |
| | शेटयिष्यसि | शेटयिष्यथः | शेटयिष्यथ |
| | शेटयिष्यामि | शेटयिष्यावः | शेटयिष्यामः |
| क्रि० | अशेटयिष्यत् | अशेटयिष्यताम् | अशेटयिष्यन् |
| | अशेटयिष्यः | अशेटयिष्यतम् | अशेटयिष्यत |
| | अशेटयिष्यम् | अशेटयिष्याव | अशेटयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|--------------------|
| व० | शेटयते | शेटयेते | शेटयन्ते |
| | शेटयसे | शेटयेथे | शेटयन्वे |
| | शेटये | शेटयावहे | शेटयामहे |
| स० | शेटयेत | शेटयेयाताम् | शेटयेरन् |
| | शेटयेथाः | शेटयेयाथाम् | शेटयेध्वम् |
| | शेटयेय | शेटयेवहि | शेटयेमहि |
| प० | शेटयताम् | शेटयेताम् | शेटयन्ताम् |
| | शेटयस्व | शेटयेथाम् | शेटयध्वम् |
| | शेटयै | शेटयावहै | शेटयामहै |
| ह्य० | अशेटयत | अशेटयेताम् | अशेटयन्त |
| | अशेटयथाः | अशेटयेथाम् | अशेटयध्वम् |
| | अशेटये | अशेटयावहि | अशेटयामहि |
| अ० | अशीशिटत | अशीशिटताम् | अशीशिटन्त |
| | अशीशिटथाः | अशीशिटेथाम् | अशीशिटध्वम् |
| | अशीशिटे | अशीशिटवहि | अशीशिटमहि |
| प० | शेट्याञ्चके | शेट्याञ्चकृते | शेट्याञ्चकिरे |
| | शेट्याञ्चकृषे | शेट्याञ्चकृथे | शेट्याञ्चकृन्वे |
| | शेट्याञ्चके | शेट्याञ्चकृवहे | शेट्याञ्चकृमहे |
| | शेटयाम्बभूव | शेटयामास | |
| आ० | शेटयिषीष्ट | शेटयिषीष्टाताम् | शेटयिषीरन् |
| | शेटयिषीष्टाः | शेटयिषीयास्थाम् | शेटयिषीद्वम्-ध्वम् |
| | शेटयिषीय | शेटयिषीवहि | शेटयिषीमहि |
| श्व० | शेटयिता | शेटयितारौ | शेटयितारः |
| | शेटयितासे | शेटयितास्थे | शेटयिताध्वे |
| | शेटयिताहे | शेटयितास्वहे | शेटयितास्महे |
| भ० | शेटयिष्यते | शेटयिष्येते | शेटयिष्यन्ते |
| | शेटयिष्यसे | शेटयिष्येथे | शेटयिष्यन्वे |
| | शेटयिष्ये | शेटयिष्यावहे | शेटयिष्यामहे |
| क्रि० | अशेटयिष्यत | अशेटयिष्येताम् | अशेटयिष्यन्त |
| | अशेटयिष्यथाः | अशेटयिष्येथाम् | अशेटयिष्यध्वम् |
| | अशेटयिष्ये | अशेटयिष्यावह | अशेटयिष्यामहि |

१८० षिट (सिट्) अनादरे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | सेटयति | सेटयतः | सेटयन्ति |
| | सेटयसि | सेटयथः | सेटयथ |
| | सेटयामि | सेटयावः | सेटयामः |
| स० | सेटयेत् | सेटयेताम् | सेटयेयुः |
| | सेटयेः | सेटयेतम् | सेटयेत |
| | सेटयेयम् | सेटयेव | सेटयेम |
| प० | सेटयतु | सेटयताम् | सेटयन्तु |
| | सेटय | सेटयतात् | सेटयतम् |
| | सेटयानि | सेटयाव | सेटयाम |
| ह्य० | असेटयत् | असेटयताम् | असेटयन् |
| | असेटयः | असेटयतम् | असेटयत |
| | असेटयम् | असेटयाव | असेटयाम |
| अ० | असीषिट् | असीषिटताम् | असीषिटन् |
| | असीषिटः | असीषिटतम् | असीषिटत |
| | असीषिटम् | असीषिटाव | असीषिटाम |
| प० | सेटयाञ्चकार | सेटयाञ्चकतुः | सेटयाञ्चकुः |
| | सेटयाञ्चकर्थ | सेटयाञ्चकथुः | सेटयाञ्चक |
| | सेटयाञ्चकार-चकर | सेटयाञ्चकृव | सेटयाञ्चकृम |
| | सेटयाञ्चभूव | । सेटयामास | |
| आ० | सेटयात् | सेटयास्ताम् | सेटयास्तुः |
| | सेटयाः | सेटयास्तम् | सेटयास्त |
| | सेटयासम् | सेटयास्व | सेटयास्म |
| श्व० | सेटयिता | सेटयितारौ | सेटयितारः |
| | सेटयितासि | सेटयितास्थः | सेटयितास्थ |
| | सेटयितास्मि | सेटयितास्वः | सेटयितास्मः |
| भ० | सेटयिष्यति | सेटयिष्यतः | सेटयिष्यन्ति |
| | सेटयिष्यसि | सेटयिष्यथः | सेटयिष्यथ |
| | सेटयिष्यामि | सेटयिष्यावः | सेटयिष्यामः |
| क्रि० | असेटयिष्यत् | असेटयिष्यताम् | असेटयिष्यन् |
| | असेटयिष्यः | असेटयिष्यतम् | असेटयिष्यत |
| | असेटयिष्यम् | असेटयिष्याव | असेटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|------------------|
| व० | सेटयते | सेटयेते | सेटयन्ते |
| | सेटयसे | सेटयेये | सेटयन्वे |
| | सेटये | सेटयावहे | सेटयामहे |
| स० | सेटयेत | सेटयेयाताम् | सेटयेरन् |
| | सेटयेथाः | सेटयेयाथाम् | सेटयेष्वम् |
| | सेटयेथ | सेटयेवहि | सेटयेमहि |
| प० | सेटयताम् | सेटयेताम् | सेटयन्ताम् |
| | सेटयस्व | सेटयेथाम् | सेटयन्वम् |
| | सेटयै | सेटयावहै | सेटयामहै |
| ह्य० | असेटयत | असेटयेताम् | असेटयन्त |
| | असेटयथाः | असेटयेथाम् | असेटयन्वम् |
| | असेटये | असेटयावहि | असेटयामहि |
| अ० | असीषिटत | असीषिटेताम् | असीषिटन्त |
| | असीषिटथाः | असीषिटेथाम् | असीषिटन्वम् |
| | असीषिटे | असीषिटावहि | असीषिटमहि |
| प० | सेटयाञ्चके | सेटयाञ्चकते | सेटयाञ्चकिरे |
| | सेटयाञ्चकृषे | सेटयाञ्चकृथे | सेटयाञ्चकृवे |
| | सेटयाञ्चके | सेटयाञ्चकृवहे | सेटयाञ्चकृमहे |
| | सेटयाम्बभूव | । सेटयामास | |
| भ्र० | सेटयिषीष्ट | सेटयिषीयास्ताम् | सेटयिषीरन् |
| | सेटयिषीष्टाः | सेटयिषीयास्थाम् | सेटयिषीद्वम्-वम् |
| | सेटयिषीय | सेटयिषीवहि | सेटयिषीमहि |
| श्व० | सेटयिता | सेटयितारौ | सेटयितारः |
| | सेटयितासे | सेटयितासाथे | सेटयितान्वे |
| | सेटयिताहे | सेटयितास्वहे | सेटयितास्महे |
| भ० | सेटयिष्यते | सेटयिष्येते | सेटयिष्यन्ते |
| | सेटयिष्यसे | सेटयिष्येये | सेटयिष्यन्वे |
| | सेटयिष्ये | सेटयिष्यावहे | सेटयिष्यामहे |
| क्रि० | असेटयिष्यत | असेटयिष्येताम् | असेटयिष्यन्त |
| | असेटयिष्यथाः | असेटयिष्येतम् | असेटयिष्यन्वम् |
| | असेटयिष्ये | असेटयिष्यावहि | असेटयिष्यामहि |

१८१ जट (जट्) संघाते ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० जाटयति | जाटयतः | जाटयन्ति |
| जाटयसि | जाटयथः | जाटयथ |
| जाटयामि | जाटयावः | जाटयामः |
| स० जाटयेत् | जाटयेताम् | जाटयेयुः |
| जाटयेः | जाटयेतम् | जाटयेत |
| जाटयेयम् | जाटयेव | जाटयेम |
| प जाटयतु | जाटयतात् | जाटयताम् जाटयन्तु |
| जाटय | जाटयतात् | जाटयतम् जाटयत |
| जाटयानि | जाटयाव | जाटयाम |
| ह्य० अजाटयत् | अजाटयताम् | अजाटयन् |
| अजाटयः | अजाटयतम् | अजाटयत |
| अजाटयम् | अजाटयाव | अजाटयाम |
| अ० अजीजट् | अजीजटताम् | अजीजटन् |
| अजीजटः | अजीजटतम् | अजीजटत |
| अजीजटम् | अजीजटाव | अजीजटाम |
| प० जाटयाञ्चकार | जाटयाञ्चक्रुः | जाटयाञ्चकुः |
| जाटयाञ्चकथं | जाटयाञ्चकथुः | जाटयाञ्चक |
| जाटयाञ्चकार-चकर | जाटयाञ्चकृव | जाटयाञ्चकृम |
| जाटयाम्बभूव | । | जाटयामास |
| आ० जाटयात् | जाटयास्ताम् | जाटयासुः |
| जाटयाः | जाटयास्तम् | जाटयास्त |
| जाटयासम् | जाटयास्व | जाटयास्म |
| श्व० जाटयिता | जाटयितारौ | जाटयितारः |
| जाटयितासि | जाटयितास्थः | जाटयितास्थ |
| जाटयितास्मि | जाटयितास्वः | जाटयितास्मः |
| भ० जाटयिष्यति | जाटयिष्यतः | जाटयिष्यन्ति |
| जाटयिष्यसि | जाटयिष्यथः | जाटयिष्यथ |
| जाटयिष्यामि | जाटयिष्यावः | जाटयिष्यामः |
| क्रि० अजाटयिष्यत् | अजाटयिष्यताम् | अजाटयिष्यन् |
| अजाटयिष्यः | अजाटयिष्यतम् | अजाटयिष्यत |
| अजाटयिष्यम् | अजाटयिष्याव | अजाटयिष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|--------------------|
| व० जाटयते | जाटयेते | जाटयन्ते |
| जाटयसे | जाटयेथे | जाटयन्थे |
| जाटये | जाटयावहे | जाटयामहे |
| स० जाटयेत | जाटयेयाताम् | जाटयेरन् |
| जाटयेथाः | जाटयेयाथाम् | जाटयेष्वम् |
| जाटयेय | जाटयेवहि | जाटयेमहि |
| प० जाटयताम् | जाटयेताम् | जाटयन्ताम् |
| जाटयस्व | जाटयेथाम् | जाटयष्वम् |
| जाटयै | जाटयावहे | जाटयामहे |
| ह्य० अजाटयत | अजाटयेताम् | अजाटयन्त |
| अजाटयथाः | अजाटयेथाम् | अजाटयष्वम् |
| अजाटये | अजाटयावहि | आटयामहि |
| अ० अजीजटत | अजीजटेताम् | अजीजटन्त |
| अजीजटथाः | अजीजटेथाम् | अजीजटष्वम् |
| अजीजटे | अजीजटावहि | अजीजटामहि |
| प० जाटयाञ्चके | जाटयाञ्चकते | जाटयाञ्चकिरे |
| जाटयाञ्चकृषे | जाटयाञ्चकृथे | जाटयाञ्चकृन्वे |
| जाटयाञ्चके | जाटयाञ्चकृवहे | जाटयाञ्चकृमहे |
| जाटयाम्बभूव | । | जाटयामास |
| अ० जाटयिषीष्ट | जाटयिषीस्ताम् | जाटयिषीरन् |
| जाटयिषीष्टाः | जाटयिषीस्थां | जाटयिषीद्वम्-ध्वम् |
| जाटयिषीय | जाटयिषीवहि | जाटयिषीमहि |
| श्व० जाटयिता | जाटयितारौ | जाटयितारः |
| जाटयितासे | जाटयितासथे | जाटयितान्थे |
| जाटयिताहे | जाटयितास्वहे | जाटयितास्महे |
| भ० जाटयिष्यते | जाटयिष्येते | जाटयिष्यन्ते |
| जाटयिष्यसे | जाटयिष्येथे | जाटयिष्यन्थे |
| जाटयिष्ये | जाटयिष्यावहे | जाटयिष्यामहे |
| क्रि० अजाटयिष्यत | अजाटयिष्येताम् | अजाटयिष्यन्त |
| अजाटयिष्यथाः | अजाटयिष्येथाम् | अजाटयिष्यष्वम् |
| अजाटयिष्ये | अजाटयिष्यावहि | अजाटयिष्यामहि |

182 झट (झट) संघाते

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | झटयति | झटयतः | झटयन्ति |
| | झटयसि | झटयथः | झटयथ |
| | झटयामि | झटयावः | झटयामः |
| स० | झटयेत् | झटयेताम् | झटयेयुः |
| | झटयेः | झटयेतम् | झटयेत |
| | झटयेयम् | झटयेव | झटयेम |
| प० | झटयतु | झटयतात् | झटयताम् |
| | झटय | झटयतात् | झटयतम् |
| | झटयानि | झटयाव | झटयाम |
| ह्य० | अझटयत् | अझटयताम् | अझटयन् |
| | अझटयः | अझटयतम् | अझटयत |
| | अझटयम् | अझटयाव | अझटयाम |
| अ० | अजीझटत् | अजीझटताम् | अजीझटन् |
| | अजीझटः | अजीझटतम् | अजीझटत |
| | अजीझटम् | अजीझटाव | अजीझटाम |
| प० | झटयाञ्चकार | झटयाञ्चकतुः | झटयाञ्चकुः |
| | झटयाञ्चकर्थ | झटयाञ्चकथुः | झटयाञ्चक |
| | झटयाञ्चकार-चकर | झटयाञ्चकृव | झटयाञ्चकृम |
| | झटयाम्बभूव | । | झटयामास |
| आ० | झटयात् | झटयास्ताम् | झटयासुः |
| | झटयाः | झटयास्तम् | झटयास्त |
| | झटयासम् | झटयास्व | झटयासम |
| श्व० | झटयिता | झटयितारौ | झटयितारः |
| | झटयितासि | झटयितास्थः | झटयितास्थ |
| | झटयितास्मि | झटयितास्वः | झटयितास्मः |
| भ० | झटयिष्यति | झटयिष्यतः | झटयिष्यन्ति |
| | झटयिष्यासि | झटयिष्यथः | झटयिष्यथ |
| | झटयिष्यामि | झटयिष्यावः | झटयिष्यामः |
| क्रि० | अझटयिष्यत् | अझटयिष्यताम् | अझटयिष्यन् |
| | अझटयिष्यः | अझटयिष्यतम् | अझटयिष्यत |
| | अझटयिष्यम् | अझटयिष्याव | अझटयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-------------------|
| व० | झटयते | झटयेते | झटयन्ते |
| | झटयसे | झटयेथे | झटयन्वे |
| | झटये | झटयावहे | झटयामहे |
| स० | झटयेत | झटयेयाताम् | झटयेरन् |
| | झटयेथाः | झटयेयाथाम् | झटयेध्वम् |
| | झटयेय | झटयेवहि | झटयेमहि |
| प० | झटयताम् | झटयेताम् | झटयन्ताम् |
| | झटयस्व | झटयेथाम् | झटयध्वम् |
| | झटयै | झटयावहै | झटयामहै |
| ह्य० | अझटयत | अझटयेताम् | अझटयन्त |
| | अझटयथाः | अझटयेथाम् | अझटयध्वम् |
| | अझटये | अझटयावहि | अझटयामहि |
| अ० | अजीझटत | अजीझटेताम् | अजीझटन्त |
| | अजीझटथाः | अजीझटेथाम् | अजीझटध्वम् |
| | अजीझटे | अजीझटावहि | अजीझटामहि |
| प० | झटयाञ्चके | झटयाञ्चकाते | झटयाञ्चकिरे |
| | झटयाञ्चकृषे | झटयाञ्चकाथे | झटयाञ्चकृद्वे |
| | झटयाञ्चके | झटयाञ्चकृवहे | झटयाञ्चकृमहे |
| | झटयाम्बभूव | । | झटयामास |
| आ० | झटयिषीष्ट | झटयिषीयास्ताम् | झटयिषीरन् |
| | झटयिषीष्ठाः | झटयिषीयास्थाम् | झटयिषीद्वम्-व्वम् |
| | झटयिषीय | झटयिषीवहि | झटयिषीमहि |
| श्व० | झटयिता | झटयितारौ | झटयितारः |
| | झटयितासे | झटयितासाथे | झटयिताःवे |
| | झटयिताहे | झटयितास्वहे | झटयितास्महे |
| भ० | झटयिष्यते | झटयिष्येते | झटयिष्यन्ते |
| | झटयिष्यसे | झटयिष्येथे | झटयिष्यन्वे |
| | झटयिष्ये | झटयिष्यावहे | झटयिष्यामहे |
| क्रि० | अझटयिष्यत् | अझटयिष्यताम् | अझटयिष्यन्त |
| | अझटयिष्यथाः | अझटयिष्येथाम् | अझटयिष्यध्वम् |
| | अझटयिष्ये | अझटयिष्यावहि | अझटयिष्यामहि |

॥ ८३ पिट (पिट्) शब्दे च ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| ब० | पेटयति | पेटयतः | पेटयन्ति |
| | पेटयसि | पेटयथः | पेटयथ |
| | पेटयामि | पेटयावः | पेटयामः |
| स० | पेटयेत् | पेटयेताम् | पेटयेयुः |
| | पेटयेः | पेटयेतम् | पेटयेत |
| | पेटयेयम् | पेटयेव | पेटयेम |
| प० | पेटयतु | पेटयतात् | पेटयन्तु |
| | पेटय | पेटयतात् | पेटयतम् |
| | पेटयानि | पेटयाव | पेटयाम |
| ह्य० | अपेटयत् | अपेटयताम् | अपेटयन् |
| | अपेटयः | अपेटयतम् | अपेटयत |
| | अपेटयम् | अपेटयाव | अपेटयाम |
| अ० | अपीपिटत् | अपीपिटताम् | अपीपिटन् |
| | अपीपिटः | अपीपिटतम् | अपीपिटत |
| | अपीपिटम् | अपीपिटाव | अपीपिटाम |
| प० | पेटयाञ्चकार | पेटयाञ्चक्रुः | पेटयाञ्चकुः |
| | पेटयाञ्चकथं | पेटयाञ्चकथुः | पेटयाञ्चक |
| | पेटयाञ्चकार-चक्र | पेटयाञ्चकृव | पेटयाञ्चकृम |
| | पेटयाम्बभूव | । पेटयामास | |
| आ० | पेटयात् | पेटयास्ताम् | पेटयासुः |
| | पेटयाः | पेटयास्तम् | पेटयास्त |
| | पेटयासम् | पेटयास्व | पेटयास्म |
| श्व० | पेटयिता | पेटयितारौ | पेटयितारः |
| | पेटयितासि | पेटयितास्थः | पेटयितास्थ |
| | पेटयितास्मि | पेटयितास्वः | पेटयितास्मः |
| भ० | पेटयिष्यति | पेटयिष्यतः | पेटयिष्यन्ति |
| | पेटयिष्यसि | पेटयिष्यथः | पेटयिष्यथ |
| | पेटयिष्यामि | पेटयिष्यावः | पेटयिष्यामः |
| क्रि० | अपेटयिष्यत् | अपेटयिष्यताम् | अपेटयिष्यन् |
| | अपेटयिष्यः | अपेटयिष्यतम् | अपेटयिष्यत |
| | अपेटयिष्यम् | अपेटयिष्याव | अपेटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | पेटयेते | पेटयेते | पेटयन्ते |
| | पेटयसे | पेटयेथे | पेटयध्वे |
| | पेटये | पेटयावहे | पेटयामहे |
| स० | पेटयेत | पेटयेयाताम् | पेटयेरन् |
| | पेटयेथाः | पेटयेयाथाम् | पेटयेध्वम् |
| | पेटयेय | पेटयेवहि | पेटयेमहि |
| प० | पेटयताम् | पेटयेताम् | पेटयन्ताम् |
| | पेटयस्व | पेटयेथाम् | पेटयध्वम् |
| | पेटयै | पेटयावहै | पेटयामहै |
| ह्य० | अपेटयत | अपेटयेताम् | अपेटयन्त |
| | अपेटयथाः | अपेटयेथाम् | अपेटयध्वम् |
| | अपेटये | अपेटयावहि | अपेटयामहि |
| अ० | अपीपिटत | अपीपिटेताम् | अपीपिटन्त |
| | अपीपिटथाः | अपीपिटेथाम् | अपीपिटध्वम् |
| | अपीपिटे | अपीपिटावहि | अपीपिटामहि |
| प० | पेटयाञ्चक्रे | पेटयाञ्चक्राते | पेटयाञ्चक्रिरे |
| | पेटयाञ्चकृषे | पेटयाञ्चक्राथे | पेटयाञ्चकृन्वे |
| | पेटयाञ्चके | पेटयाञ्चकृवहे | पेटयाञ्चकृमहे |
| | पेटयाम्बभूव | । पेटयामास | |
| अ० | पेटयिषीष्ट | पेटयिषीयास्ताम् | पेटयिषीरन् |
| | पेटयिषीष्ठाः | पेटयिषीयास्थाम् | पेटयिषीध्वम्-ध्वम् |
| | पेटयिषीय | पेटयिषीवहि | पेटयिषीमहि |
| श्व० | पेटयिता | पेटयितारौ | पेटयितारः |
| | पेटयितासे | पेटयितासाथे | पेटयिताध्वे |
| | पेटयिताहे | पेटयितास्वहे | पेटयितास्महे |
| भ० | पेटयिष्यते | पेटयिष्येते | पेटयिष्यन्ते |
| | पेटयिष्यसे | पेटयिष्येथे | पेटयिष्यध्वे |
| | पेटयिष्ये | पेटयिष्यावहे | पेटयिष्यामहे |
| क्रि० | अपेटयिष्यत | अपेटयिष्येताम् | अपेटयिष्यन्त |
| | अपेटयिष्यथाः | अपेटयिष्येथाम् | अपेटयिष्यध्वम् |
| | अपेटयिष्ये | अपेटयिष्यावहि | अपेटयिष्यामहि |

१८४ भट (भट्) भृतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | भाटयति | भाटयतः | भाटयन्ति |
| | भाटयसि | भाटयथः | भाटयथ |
| | भाटयामि | भाटयावः | भाटयामः |
| स० | भाटयेत् | भाटयेताम् | भाटयेयुः |
| | भाटयेः | भाटयेतम् | भाटयेत |
| | भाटयेयम् | भाटयेव | भाटयेम |
| प० | भाटयतु | भाटयतात् | भाटयताम् |
| | भाटय | भाटयतात् | भाटयतम् |
| | भाटयानि | भाटयाव | भाटयाम |
| ह्य० | अभाटयत् | अभाटयताम् | अभाटयन् |
| | अभाटयः | अभाटयतम् | अभाटयत |
| | अभाटयम् | अभाटयाव | अभाटयाम |
| अ० | अबीभटत् | अबीभटताम् | अबीभटन् |
| | अबीभटः | अबीभटतम् | अबीभटत |
| | अबीभटम् | अबीभटाव | अबीभटाम |
| प० | भाटयाञ्चकार | भाटयाञ्चकतुः | भाटयाञ्चकुः |
| | भाटयाञ्चकथं | भाटयाञ्चकथुः | भाटयाञ्चक |
| | भाटयाञ्चकार-चकर | भाटयाञ्चकृव | भाटयाञ्चकृम |
| | भाटयाम्बभूव | । | भाटयामास |
| आ० | भाटयात् | भाटयास्ताम् | भाटयासुः |
| | भाटयाः | भाटयास्तम् | भाटयास्त |
| | भाटयासम् | भाटयास्व | भाटयास्म |
| श्व० | भाटयिता | भाटयितारौ | भाटयितारः |
| | भाटयितासि | भाटयितास्थः | भाटयितास्थ |
| | भाटयितास्मि | भाटयितास्वः | भाटयितास्मः |
| भ० | भाटयिष्यति | भाटयिष्यतः | भाटयिष्यन्ति |
| | भाटयिष्यसि | भाटयिष्यथः | भाटयिष्यथ |
| | भाटयिष्यामि | भाटयिष्यावः | भाटयिष्यामः |
| क्रि० | अभाटयिष्यत् | अभाटयिष्यताम् | अभाटयिष्यन् |
| | अभाटयिष्यः | अभाटयिष्यतम् | अभाटयिष्यत |
| | अभाटयिष्यम् | अभाटयिष्याव | अभाटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | भाटयते | भाटयेते | भाटयन्ते |
| | भाटयसे | भाटयेथे | भाटयध्वे |
| | भाटये | भाटयावहे | भाटयामहे |
| स० | भाटयेत | भाटयेयाताम् | भाटयेरन् |
| | भाटयेथाः | भाटयेयाथाम् | भाटयेध्वम् |
| | भाटयेय | भाटयेवहि | भाटयेमहि |
| प० | भाटयताम् | भाटयेताम् | भाटयन्ताम् |
| | भाटयस्व | भाटयेथाम् | भाटयध्वम् |
| | भाटयै | भाटयावहे | भाटयामहे |
| ह्य० | अभाटयत | अभाटयेताम् | अभाटयन्त |
| | अभाटयथाः | अभाटयेथाम् | अभाटयध्वम् |
| | अभाटये | अभाटयावहि | अभाटयामहि |
| अ० | अबीभटत | अबीभटेताम् | अबीभटन्त |
| | अबीभटथाः | अबीभटेथाम् | अबीभटध्वम् |
| | अबीभटे | अबीभटावहि | अबीभटामहि |
| प० | भाटयाञ्चक्रे | भाटयाञ्चकृते | भाटयाञ्चकृरे |
| | भाटयाञ्चकृषे | भाटयाञ्चकृषे | भाटयाञ्चकृध्वे |
| | भाटयाञ्चक्रे | भाटयाञ्चकृवहे | भाटयाञ्चकृमहे |
| | भाटयाम्बभूव | । | भाटयामास |
| अ० | भाटयिषीष्ट | भाटयिषीयास्ताम् | भाटयिषीरन् |
| | भाटयिषीष्ठाः | भाटयिषीयास्थाम् | भाटयिषीध्वम्-ध्वम् |
| | भाटयिषीय | भाटयिषीवहि | भाटयिषीमहि |
| श्व० | भाटयिता | भाटयितारौ | भाटयितारः |
| | भाटयितासे | भाटयितासाथे | भाटयिताध्वे |
| | भाटयिताहे | भाटयितास्वहे | भाटयितास्महे |
| भ० | भाटयिष्यते | भाटयिष्येते | भाटयिष्यन्ते |
| | भाटयिष्यसे | भाटयिष्येथे | भाटयिष्यध्वे |
| | भाटयिष्ये | भाटयिष्यावहे | भाटयिष्यामहे |
| क्रि० | अभाटयिष्यत | अभाटयिष्येताम् | अभाटयिष्यन्त |
| | अभाटयिष्यथाः | अभाटयिष्येतम् | अभाटयिष्यध्वम् |
| | अभाटयिष्ये | अभाटयिष्यावहि | अभाटयिष्यामहि |

185 नट नट) उल्लाये

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | ताटयति | ताटयतः | ताटयन्ति |
| | ताटयसि | ताटयथः | ताटयथ |
| | ताटयामि | ताटयावः | ताटयामः |
| म० | ताटयेत् | ताटयेताम् | ताटयेयुः |
| | ताटयेः | ताटयेतम् | ताटयेत |
| | ताटयेयम् | ताटयेव | ताटयेम |
| प० | ताटयतु | ताटयतात् | ताटयताम् |
| | ताटय | ताटयतात् | ताटयतम् |
| | ताटयानि | ताटयाव | ताटयाम |
| ह्य० | अताटयत् | अताटयताम् | अताटयन् |
| | अताटयः | अताटयतम् | अताटयत |
| | अताटयम् | अताटयाव | अताटयाम |
| अ० | अतीतयत् | अतीतयताम् | अतीतयन् |
| | अतीतयः | अतीतयतम् | अतीतयत |
| | अतीतयम् | अतीतयाव | अतीतयाम |
| क० | ताटयाञ्चकार | ताटयाञ्चकतुः | ताटयाञ्चकुः |
| | ताटयाञ्चकर्थं | ताटयाञ्चकथुः | ताटयाञ्चक |
| | ताटयाञ्चकार-चकर | ताटयाञ्चकृव | ताटयाञ्चकृम |
| | ताटयाम्बभूव | । | ताटयामास |
| आ० | ताटयात् | ताटयास्ताम् | ताटयासुः |
| | ताटयाः | ताटयास्तम् | ताटयास्त |
| | ताटयासम् | ताटयास्व | ताटयास्म |
| श्व० | ताटयिता | ताटयितारौ | ताटयितारः |
| | ताटयितासि | ताटयितास्थः | ताटयितास्थ |
| | ताटयितास्मि | ताटयितास्वः | ताटयितास्मः |
| भ० | ताटयिष्यति | ताटयिष्यतः | ताटयिष्यन्ति |
| | ताटयिष्यसि | ताटयिष्यथः | ताटयिष्यथ |
| | ताटयिष्यामि | ताटयिष्यावः | ताटयिष्यामः |
| क्रि० | अताटयिष्यत् | अताटयिष्यताम् | अताटयिष्यन् |
| | अताटयिष्यः | अताटयिष्यतम् | अताटयिष्यत |
| | अताटयिष्यम् | अताटयिष्याव | अताटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | ताटयते | ताटयेते | ताटयन्ते |
| | ताटयसे | ताटयेथे | ताटयध्वे |
| | ताटये | ताटयावहे | ताटयामहे |
| स० | ताटयेत | ताटयेयाताम् | ताटयेरन् |
| | ताटयेथाः | ताटयेयाथाम् | ताटयेध्वम् |
| | ताटयेय | ताटयेवहि | ताटयेमहि |
| प० | ताटयताम् | ताटयेताम् | ताटयन्ताम् |
| | ताटयस्व | ताटयेथाम् | ताटयध्वम् |
| | ताटये | ताटयावहे | ताटयामहे |
| ह्य० | अताटयत् | अताटयेताम् | अताटयन्त |
| | अताटयथाः | अताटयेथाम् | अताटयध्वम् |
| | अताटये | अताटयावहि | अताटयामहि |
| अ० | अतीतयत् | अतीतयेताम् | अतीतयन्त |
| | अतीतयथाः | अतीतयेथाम् | अतीतयध्वम् |
| | अतीतये | अतीतयावहि | अतीतयामहि |
| प० | ताटयाञ्चक्रे | ताटयाञ्चकाते | ताटयाञ्चकिरे |
| | ताटयाञ्चकृषे | ताटयाञ्चकृषे | ताटयाञ्चकृड्वे |
| | ताटयाञ्चके | ताटयाञ्चकृवहे | ताटयाञ्चकृमहे |
| | ताटयाम्बभूव | । | ताटयामास |
| आ० | ताटयिषीष्ट | ताटयिषीयास्ताम् | ताटयिषीरन् |
| | ताटयिषीष्ठाः | ताटयिषीयास्थाम् | ताटयिषीड्वम्-ध्वम् |
| | ताटयिषीय | ताटयिषीवहि | ताटयिषीमहि |
| श्व० | ताटयिता | ताटयितारौ | ताटयितारः |
| | ताटयितासे | ताटयितासाथे | ताटयिताध्वे |
| | ताटयिताहे | ताटयितास्वहे | ताटयितास्महे |
| भ० | ताटयिष्यते | ताटयिष्येते | ताटयिष्यन्ते |
| | ताटयिष्यसे | ताटयिष्येथे | ताटयिष्यध्वे |
| | ताटयिष्ये | ताटयिष्यावहे | ताटयिष्यामहे |
| क्रि० | अताटयिष्यत् | अताटयिष्येताम् | अताटयिष्यन्त |
| | अताटयिष्यथाः | अताटयिष्येथाम् | अताटयिष्यध्वम् |
| | अताटयिष्ये | अताटयिष्यावहि | अताटयिष्यामहि |

१८६ खट (खट्) काङ्क्षे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | खाटयति | खाटयतः | खाटयन्ति |
| | खाटयसि | खाटयथः | खाटयथ |
| | खाटयामि | खाटयावः | खाटयामः |
| स० | खाटयेत् | खाटयेताम् | खाटयेयुः |
| | खाटयेः | खाटयेतम् | खाटयेत |
| | खाटयेयम् | खाटयेव | खाटयेम |
| प० | खाटयतु | खाटयतात् | खाटयताम् |
| | खाटय | खाटयतात् | खाटयतम् |
| | खाटयानि | खाटयाव | खाटयाम |
| ह्य० | अखाटयत् | अखाटयताम् | अखाटयन् |
| | अखाटयः | अखाटयतम् | अखाटयत |
| | अखाटयम् | अखाटयाव | अखाटयाम |
| अ० | अचीखटत् | अचीखटताम् | अचीखटन् |
| | अचीखटः | अचीखटतम् | अचीखटत |
| | अचीखटम् | अचीखटाव | अचीखटाम |
| प० | खाटयाञ्चकार | खाटयाञ्चकतुः | खाटयाञ्चकुः |
| | खाटयाञ्चकर्य | खाटयाञ्चकथुः | खाटयाञ्चक |
| | खाटयाञ्चकार-चकर | खाटयाञ्चकृव | खाटयाञ्चकृम |
| | खाटयाम्बभूव | । | खाटयामास |
| आ० | खाटयात् | खाटयास्ताम् | खाटयासुः |
| | खाटयाः | खाटयास्तम् | खाटयास्त |
| | खाटयासम् | खाटयास्व | खाटयासम |
| श्च० | खाटयिता | खाटयितारौ | खाटयितारः |
| | खाटयितासि | खाटयितास्थः | खाटयितास्थ |
| | खाटयितास्मि | खाटयितास्वः | खाटयितास्मः |
| भ० | खाटयिष्यति | खाटयिष्यतः | खाटयिष्यन्ति |
| | खाटयिष्यसि | खाटयिष्यथः | खाटयिष्यथ |
| | खाटयिष्यामि | खाटयिष्यावः | खाटयिष्यामः |
| क्रि० | अखाटयिष्यत् | अखाटयिष्यताम् | अखाटयिष्यन् |
| | अखाटयिष्यः | अखाटयिष्यतम् | अखाटयिष्यत |
| | अखाटयिष्यम् | अखाटयिष्याव | अखाटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| व० | खाटयेते | खाटयेते | खाटयन्ते |
| | खाटयसे | खाटयेथे | खाटयध्वे |
| | खाटये | खाटयावहे | खाटयामहे |
| स० | खाटयेत | खाटयेयाताम् | खाटयेरन् |
| | खाटयेथाः | खाटयेयाथाम् | खाटयेध्वम् |
| | खाटयेय | खाटयेवहि | खाटयेमहि |
| प० | खाटयताम् | खाटयेताम् | खाटयन्ताम् |
| | खाटयस्व | खाटयेथाम् | खाटयध्वम् |
| | खाटयै | खाटयावहे | खाटयामहे |
| ह्य० | अखाटयत | अखाटयेताम् | अखाटयन्त |
| | अखाटयथाः | अखाटयेथाम् | अखाटयध्वम् |
| | अखाटये | अखाटयावहि | अखाटयामहि |
| अ० | अचीखटत | अचीखटेताम् | अचीखटन्त |
| | अचीखटथाः | अचीखटेथाम् | अचीखटध्वम् |
| | अचीखटे | अचीखटावहि | अचीखटामहि |
| प० | खाटयाञ्चक्रे | खाटयाञ्चकृते | खाटयाञ्चकिरे |
| | खाटयाञ्चकृषे | खाटयाञ्चकृथे | खाटयाञ्चकृन्वे |
| | खाटयाञ्चके | खाटयाञ्चकृवहे | खाटयाञ्चकृमहे |
| | खाटयाम्बभूव | । | खाटयामास |
| अ० | खाटयिषीष्ट | खाटयिषीस्ताम् | खाटयिषीरन् |
| | खाटयिषीष्ठाः | खाटयिषीयाथाम् | खाटयिषीध्वम् |
| | खाटयिषीय | खाटयिषीवहि | खाटयिषीमहि |
| श्च० | खाटयिता | खाटयितारौ | खाटयितारः |
| | खाटयितासे | खाटयितासाथे | खाटयिताध्वे |
| | खाटयिताहे | खाटयितास्वहे | खाटयितास्महे |
| भ० | खाटयिष्यते | खाटयिष्येते | खाटयिष्यन्ते |
| | खाटयिष्यसे | खाटयिष्येथे | खाटयिष्यध्वे |
| | खाटयिष्ये | खाटयिष्यावहे | खाटयिष्यामहे |
| क्रि० | अखाटयिष्यत | अखाटयिष्येताम् | अखाटयिष्यन्त |
| | अखाटयिष्यथाः | अखाटयिष्येथाम् | अखाटयिष्यध्वम् |
| | अखाटयिष्ये | अखाटयिष्यावहि | अखाटयिष्यामहि |

187 णट् नट्) नृत्तौ

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| व० नाटयति | नाटयतः | नाटयन्ति |
| नाटयसि | नाटयथः | नाटयथ |
| नाटयामि | नाटयावः | नाटयामः |
| स० नाटयेत् | नाटयेताम् | नाटयेयुः |
| नाटयेः | नाटयेतम् | नाटयेत |
| नाटयेयम् | नाटयेव | नाटयेम |
| प० नाटयतु | नाटयतात् | नाटयताम् |
| नाटय | नाटयतात् | नाटयतम् |
| नाटयानि | नाटयाव | नाटयाम |
| ह्य० अनाटयत् | अनाटयताम् | अनाटयन् |
| अनाटयः | अनाटयतम् | अनाटयत |
| अनाटयम् | अनाटयाव | अनाटयाम |
| अ० अनीनटत् | अनीनटताम् | अनीनटन् |
| अनीनटः | अनीनटतम् | अनीनटत |
| अनीनटम् | अनीनटाव | अनीनटाम |
| प० नाटयाञ्चकार | नाटयाञ्चकतुः | नाटयाञ्चकुः |
| नाटयाञ्चकर्थ | नाटयाञ्चकथुः | नाटयाञ्चक |
| नाटयाञ्चकार-चकर | नाटयाञ्चकृव | नाटयाञ्चकृम |
| नाटयाम्बभूव । नाटयामास | | |
| आ० नाटयात् | नाटयास्ताम् | नाटयासुः |
| नाटयाः | नाटयास्तम् | नाटयास्त |
| नाटयासम् | नाटयास्व | नाटयास्म |
| श्व० नाटयिता | नाटयितारौ | नाटयितारः |
| नाटयितासि | नाटयितास्थः | नाटयितास्थ |
| नाटयितास्मि | नाटयितास्वः | नाटयितास्मः |
| भ० नाटयिष्यति | नाटयिष्यतः | नाटयिष्यन्ति |
| नाटयिष्यसि | नाटयिष्यथः | नाटयिष्यथ |
| नाटयिष्यामि | नाटयिष्यावः | नाटयिष्यामः |
| क्रि० अनाटयिष्यत् | अनाटयिष्यताम् | अनाटयिष्यन् |
| अनाटयिष्यः | अनाटयिष्यतम् | अनाटयिष्यत |
| अनाटयिष्यम् | अनाटयिष्याव | अनाटयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|--------------------|
| व० नाटयते | नाटयेते | नाटयन्ते |
| नाटयसे | नाटयेथे | नाटयध्वे |
| नाटये | नाटयावहे | नाटयामहे |
| स० नाटयेत | नाटयेयाताम् | नाटयेरन् |
| नाटयेथाः | नाटयेयाथाम् | नाटयेध्वम् |
| नाटयेय | नाटयेवहि | नाटयेमहि |
| प० नाटयताम् | नाटयेताम् | नाटयन्ताम् |
| नाटयस्व | नाटयेथाम् | नाटयध्वम् |
| नाटयै | नाटयावहै | नाटयामहे |
| ह्य० अनाटयत | अनाटयेताम् | अनाटयन्त |
| अनाटयथाः | अनाटयेथाम् | अनाटयध्वम् |
| अनाटये | अनाटयावहि | अनाटयामहि |
| अ० अनीनटत् | अनीनटेताम् | अनीनटन्त |
| अनीनटथाः | अनीनटेथाम् | अनीनटध्वम् |
| अनीनटे | अनीनटावहि | अनीनटामहि |
| प० नाटयाञ्चक्रे | नाटयाञ्चकृते | नाटयाञ्चकिरे |
| नाटयाञ्चकृषे | नाटयाञ्चकृथे | नाटयाञ्चकृध्वे |
| नाटयाञ्चक्रे | नाटयाञ्चकृवहे | नाटयाञ्चकृमहे |
| नाटयाम्बभूव । नाटयामास | | |
| आ० नाटयिषीष्ट | नाटयिषीयास्ताम् | नाटयिषीरन् |
| नाटयिषीष्ठाः | नाटयिषीयास्थाम् | नाटयिषीध्वम्-ध्वम् |
| नाटयिषीय | नाटयिषीवहि | नाटयिषीमहि |
| श्व० नाटयिता | नाटयितारौ | नाटयितारः |
| नाटयितासे | नाटयितासाथे | नाटयिताध्वे |
| नाटयिताहे | नाटयितास्वहे | नाटयितास्महे |
| भ० नाटयिष्यते | नाटयिष्येते | नाटयिष्यन्ते |
| नाटयिष्यसे | नाटयिष्येथे | नाटयिष्यध्वे |
| नाटयिष्ये | नाटयिष्यावहे | नाटयिष्यामहे |
| क्रि० अनाटयिष्यत् | अनाटयिष्येताम् | अनाटयिष्यन्त |
| अनाटयिष्यथाः | अनाटयिष्येथाम् | अनाटयिष्यध्वम् |
| अनाटयिष्ये | अनाटयिष्यावहि | अनाटयिष्यामहि |

188 हट (हट) दीप्तौ

| | | | |
|------|-----------------|--------------|-------------|
| व० | हाटयति | हाटयतः | हाटयन्ति |
| | हाटयसि | हाटयथः | हाटयथ |
| | हाटयामि | हाटयावः | हाटयामः |
| स० | हाटयेत् | हाटयेताम् | हाटयेयुः |
| | हाटयेः | हाटयेतम् | हाटयेत |
| | हाटयेयम् | हाटयेव | हाटयेम |
| प० | हाटयतु | हाटयतात् | हाटयताम् |
| | हाटय | हाटयतात् | हाटयतम् |
| | हाटयानि | हाटयाव | हाटयाम |
| ह्य० | अहाटयत् | अहाटयताम् | अहाटयन् |
| | अहाटयः | अहाटयतम् | अहाटयत |
| | अहाटयम् | अहाटयाव | अहाटयाम |
| अ० | अजीहटत् | अजीहटताम् | अजीहटन् |
| | अजीहटः | अजीहटतम् | अजीहटत |
| | अजीहटम् | अजीहटाव | अजीहटाम |
| प० | हाटयाञ्चकार | हाटयाञ्चकतुः | हाटयाञ्चकुः |
| | हाटयाञ्चकथं | हाटयाञ्चकथुः | हाटयाञ्चक |
| | हाटयाञ्चकार-चकर | हाटयाञ्चकृव | हाटयाञ्चकृम |

हाटयाम्बभूव । हाटयामास

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| आ० | हाटयात् | हाटयास्ताम् | हाटयासुः |
| | हाटयाः | हाटयास्तम् | हाटयास्त |
| | हाटयासम् | हाटयास्व | हाटयास्म |
| श्व० | हाटयिता | हाटयितारौ | हाटयितारः |
| | हाटयितासि | हाटयितास्थः | हाटयितास्थ |
| | हाटयितास्मि | हाटयितास्वः | हाटयितास्मः |
| भ० | हाटयिष्यति | हाटयिष्यतः | हाटयिष्यन्ति |
| | हाटयिष्यसि | हाटयिष्यथः | हाटयिष्यथ |
| | हाटयिष्यामि | हाटयिष्यावः | हाटयिष्यामः |
| क्रि० | अहाटयिष्यत् | अहाटयिष्यताम् | अहाटयिष्यन् |
| | अहाटयिष्यः | अहाटयिष्यतम् | अहाटयिष्यत |
| | अहाटयिष्यम् | अहाटयिष्याव | अहाटयिष्याम |

| | | | |
|----|---------|----------|----------|
| व० | हाटयेते | हाटयेते | हाटयन्ते |
| | हाटयसे | हाटयेथे | हाटयन्वे |
| | हाटये | हाटयावहे | हाटयामहे |

| | | | |
|----|----------|-------------|------------|
| स० | हाटयेत | हाटयेयाताम् | हाटयेरन् |
| | हाटयेथाः | हाटयेयाथाम् | हाटयेष्वम् |
| | हाटयेय | हाटयेवहि | हाटयेमहि |

| | | | |
|----|----------|-----------|------------|
| प० | हाटयताम् | हाटयेताम् | हाटयन्ताम् |
| | हाटयस्व | हाटयेथाम् | हाटयष्वम् |
| | हाटयै | हाटयावहै | हाटयामहै |

| | | | |
|------|----------|------------|------------|
| ह्य० | अहाटयत | अहाटयेताम् | अहाटयन्त |
| | अहाटयथाः | अहाटयेथाम् | अहाटयष्वम् |
| | अहाटये | अहाटयावहि | अहाटयामहि |

| | | | |
|----|----------|------------|------------|
| अ० | अजीहटत | अजीहटेताम् | अजीहटन्त |
| | अजीहटथाः | अजीहटेथाम् | अजीहटष्वम् |
| | अजीहटे | अजीहटावहि | अजीहटामहि |

| | | | |
|----|--------------|---------------|----------------|
| प० | हाटयाञ्चके | हाटयाञ्चकते | हाटयाञ्चकिरे |
| | हाटयाञ्चकृषे | हाटयाञ्चकृषे | हाटयाञ्चकृद्वे |
| | हाटयाञ्चके | हाटयाञ्चकृवहे | हाटयाञ्चकृमहे |

हाटयाम्बभूव । हाटयामास

| | | | |
|----|--------------|-----------------|--------------------|
| आ० | हाटयिषीष्ट | हाटयिषीयास्ताम् | हाटयिषीरन् |
| | हाटयिषीष्टाः | हाटयिषीयास्थाम् | हाटयिषीद्वम्-ष्वम् |
| | हाटयिषीय | हाटयिषीवहि | हाटयिषीमहि |

| | | | |
|------|-----------|--------------|--------------|
| श्व० | हाटयिता | हाटयितारौ | हाटयितारः |
| | हाटयितासे | हाटयितासाथे | हाटयिताध्वे |
| | हाटयिताहे | हाटयितास्वहे | हाटयितास्महे |

| | | | |
|----|------------|--------------|--------------|
| भ० | हाटयिष्यते | हाटयिष्येते | हाटयिष्यन्ते |
| | हाटयिष्यसे | हाटयिष्येथे | हाटयिष्यन्वे |
| | हाटयिष्ये | हाटयिष्यावहे | हाटयिष्यामहे |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| क्रि० | अहाटयिष्यत | अहाटयिष्यताम् | अहाटयिष्यन्त |
| | अहाटयिष्यथाः | अहाटयिष्येथाम् | अहाटयिष्यष्वम् |
| | अहाटयिष्ये | अहाटयिष्यावहि | अहाटयिष्यामहि |

189 षट् (सट्)अवयवे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | साटयति | साटयतः | साटयन्ति |
| | साटयसि | साटयथः | साटयथ |
| | साटयामि | साटयावः | साटयामः |
| स० | साटयेत् | साटयेताम् | साटयेयुः |
| | साटयेः | साटयेतम् | साटयेत |
| | साटयेयम् | साटयेव | साटयेम |
| प० | साटयतु | साटयतात् | साटयताम् |
| | साटय | साटयतात् | साटयतम् |
| | साटयानि | साटयाव | साटयाम |
| ह्य० | असाटयत् | असाटयताम् | असाटयन् |
| | असाटयः | असाटयतम् | असाटयत |
| | असाटयम् | असाटयाव | असाटयाम |
| अ० | असीषट् | असीषटाम् | असीषटन् |
| | असीषटः | असीषटतम् | असीषटत |
| | असीषटम् | असीषटाव | असीषटाम |
| प० | साटयाञ्चकार | साटयाञ्चकतुः | साटयाञ्चकुः |
| | साटयाञ्चकर्थ | साटयाञ्चकथुः | साटयाञ्चक |
| | साटयाञ्चकार-चकर | साटयाञ्चकृव | साटयाञ्चकृम |
| | साटयाम्बभूव | । साटयाम्मास | |
| आ० | साटयात् | साटयास्ताम् | साटयासुः |
| | साटयाः | साटयास्तम् | साटयास्त |
| | साटयासम् | साटयास्व | साटयास्म |
| श्व० | साटयिता | साटयितारौ | साटयितारः |
| | साटयितासि | साटयितास्थः | साटयितास्थ |
| | साटयितास्मि | साटयितास्वः | साटयितास्मः |
| भ० | साटयिष्यति | साटयिष्यतः | साटयिष्यन्ति |
| | साटयिष्यसि | साटयिष्यथः | साटयिष्यथ |
| | साटयिष्यामि | साटयिष्यावः | साटयिष्यामः |
| क्रि० | असाटयिष्यत् | असाटयिष्यताम् | असाटयिष्यन् |
| | असाटयिष्यः | असाटयिष्यतम् | असाटयिष्यत |
| | असाटयिष्यम् | असाटयिष्याव | असाटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|--------------------|
| व० | साटयते | साटयेते | साटयन्ते |
| | साटयसे | साटयेथे | साटयध्वे |
| | साटये | साटयावहे | साटयामहे |
| स० | साटयेत | साटयेयाताम् | साटयेरन् |
| | साटयेथाः | साटयेयाथाम् | साटयेध्वम् |
| | साटयेय | साटयेवहि | साटयेमहि |
| प० | साटयताम् | साटयेताम् | साटयन्ताम् |
| | साटयस्व | साटयेथाम् | साटयध्वम् |
| | साटयै | साटयावहै | साटयामहै |
| ह्य० | असाटयत | असाटयेताम् | असाटयन्त |
| | असाटयथाः | असाटयेथाम् | असाटयध्वम् |
| | असाटये | असाटयावहि | असाटयामहि |
| अ० | असीषटत | असीषटेताम् | असीषटन् |
| | असीषटथाः | असीषटेथाम् | असीषटध्वम् |
| | असीषटे | असीषटावहि | असीषटामहि |
| प० | साटयाञ्चक्रे | साटयाञ्चक्राते | साटयाञ्चक्रिरे |
| | साटयाञ्चकृषे | साटयाञ्चकृथे | साटयाञ्चकृत्वे |
| | साटयाञ्चक्रे | साटयाञ्चकृवहे | साटयाञ्चकृमहे |
| | साटयाम्बभूव | । साटयामास | |
| अ० | साटयिषीष्ट | साटयिषीस्ताम् | साटयिषीरन् |
| | साटयिषीष्टाः | साटयिषीस्थां | साटयिषीध्वम्-ध्वम् |
| | साटयिषीय | साटयिषीवहि | साटयिषीमहि |
| श्व० | साटयिता | साटयितारौ | साटयितारः |
| | साटयितासे | साटयितासाथे | साटयिताध्वे |
| | साटयिताहे | साटयितास्वहे | साटयितास्महे |
| भ० | साटयिष्यते | साटयिष्येते | साटयिष्यन्ते |
| | साटयिष्यसे | साटयिष्येथे | साटयिष्यध्वे |
| | साटयिष्ये | साटयिष्यावहे | साटयिष्यामहे |
| क्रि० | असाटयिष्यत | असाटयिष्येताम् | असाटयिष्यन्त |
| | असाटयिष्यथाः | असाटयिष्येतम् | असाटयिष्यध्वम् |
| | असाटयिष्ये | असाटयिष्यावहि | असाटयिष्यामहि |

190 लुट (लुट) विलोटने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | लोटयति | लोटयतः | लोटयन्ति |
| | लोटयसि | लोटयथः | लोटयथ |
| | लोटयामि | लोटयावः | लोटयामः |
| स० | लोटयेत् | लोटयेताम् | लोटयेयुः |
| | लोटयेः | लोटयेतम् | लोटयेत |
| | लोटयेयम् | लोटयेव | लोटयेम |
| प० | लोटयतु | लोटयतात् | लोटयताम् |
| | लोटय | लोटयतात् | लोटयतम् |
| | लोटयानि | लोटयाव | लोटयाम |
| ह्य० | अलोटयत् | अलोटयताम् | अलोटयन् |
| | अलोटयः | अलोटयतम् | अलोटयत |
| | अलोटयम् | अलोटयाव | अलोटयाम |
| अ० | अलुलोटत् | अलुलोटताम् | अलुलोटन् |
| | अलुलोटः | अलुलोटतम् | अलुलोटत |
| | अलुलोटम् | अलुलोटाव | अलुलोटा |
| | अलूलुटत् | अलूलुटेताम् | अलूलुटन् इ० |
| प० | लोटयाञ्चकार | लोटयाञ्चकतुः | लोटयाञ्चकुः |
| | लोटयाञ्चकर्थ | लोटयाञ्चकथुः | लोटयाञ्चक |
| | लोटयाञ्चकार-चकर | लोटयाञ्चकृव | लोटयाञ्चकृम |
| | लोटयाम्बभूव | । लोटयामास | |
| आ० | लोटयात् | लोटयास्ताम् | लोटयासुः |
| | लोटयाः | लोटयास्तम् | लोटयास्त |
| | लोटयासम् | लोटयास्व | लोटयास्म |
| श्व० | लोटयिता | लोटयितारौ | लोटयितारः |
| | लोटयितासि | लोटयितास्थः | लोटयितास्थ |
| | लोटयितास्मि | लोटयितास्वः | लोटयितास्मः |
| भ० | लोटयिष्यति | लोटयिष्यतः | लोटयिष्यन्ति |
| | लोटयिष्यासि | लोटयिष्यथः | लोटयिष्यथ |
| | लोटयिष्यामि | लोटयिष्यावः | लोटयिष्यामः |
| क्रि० | अलोटयिष्यत् | अलोटयिष्यताम् | अलोटयिष्यन् |
| | अलोटयिष्यः | अलोटयिष्यतम् | अलोटयिष्यत |
| | अलोटयिष्यम् | अलोटयिष्याव | अलोटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | लोटयते | लोटयेते | लोटयन्ते |
| | लोटयसे | लोटयेथे | लोटयन्थे |
| | लोटये | लोटयवहे | लोटयामहे |
| स० | लोटयेत | लोटयेयाताम् | लोटयेरन् |
| | लोटयेथाः | लोटयेयाथाम् | लोटयेष्वम् |
| | लोटयेय | लोटयेवहि | लोटयेमहि |
| प० | लोटयताम् | लोटयेताम् | लोटयन्ताम् |
| | लोलोटयस्व | लोटयेथाम् | लोटयन्थ्वम् |
| | लोटयै | लोटयावहै | लोटयामहै |
| ह्य० | अलोटयत | अलोटयेताम् | अलोटयन्त |
| | अलोटयथाः | अलोटयेथाम् | अलोटयन्थ्वम् |
| | अलोटये | अलोटयावहि | अलोटयामहि |
| अ० | अलुलोटत | अलुलोटेताम् | अलुलोटन्त |
| | अलुलोटथाः | अलुलोटेथाम् | अलुलोटेथ्वम् |
| | अलुलोटे | अलुलोटावहि | अलुलोटा |
| | अलूलुटत | अलूलुटेताम् | अलूलुटन्त इ० |
| प० | लोटयाञ्चके | लोटयाञ्चकाते | लोटयाञ्चकिरे |
| | लोटयाञ्चकृषे | लोटयाञ्चकाथे | लोटयाञ्चकृद्वे |
| | लोटयाञ्चके | लोटयाञ्चकृवहे | लोटयाञ्चकृमहे |
| | लोटयाम्बभूव | । लोटयामास | |
| आ० | लोटयिषीष्ट | लोटयिषीयास्ताम् | लोटयिषीरन् |
| | लोटयिषीष्टाः | लोटयिषीयास्थाम् | लोटयिषीद्वम्-ष्वम् |
| | लोटयिषीय | लोटयिषीवहि | लोटयिषीमहि |
| श्व० | लोटयिता | लोटयितारौ | लोटयितारः |
| | लोटयितासे | लोटयितासाथे | लोटयिताथ्वे |
| | लोटयिताहे | लोटयितास्वहे | लोटयितास्महे |
| भ० | लोटयिष्यते | लोटयिष्येते | लोटयिष्यन्ते |
| | लोटयिष्यसे | लोटयिष्येथे | लोटयिष्यन्थ्वे |
| | लोटयिष्ये | लोटयिष्यावहे | लोटयिष्यामहे |
| क्रि० | अलोटयिष्यत | अलोटयिष्येताम् | अलोटयिष्यन्त |
| | अलोटयिष्यथाः | अलोटयिष्येथाम् | अलोटयिष्यन्थ्वम् |
| | अलोटयिष्ये | अलोटयिष्यावहि | अलोटयिष्यामहि |

191 चिट (चिट्) प्रैष्ये

| | | | |
|----|---------|---------|----------|
| व० | चेटयति | चेटयतः | चेटयन्ति |
| | चेटयसि | चेटयथः | चेटयथ |
| | चेटयामि | चेटयावः | चेटयामः |

| | | | |
|----|----------|-----------|----------|
| स० | चेटयेत् | चेटयेताम् | चेटयेयुः |
| | चेटयेः | चेटयेतम् | चेटयेत |
| | चेटयेयम् | चेटयेव | चेटयेम |

| | | | | |
|----|---------|----------|----------|----------|
| प० | चेटयतु | चेटयतात् | चेटयताम् | चेटयन्तु |
| | चेटय | चेटयतात् | चेटयतम् | चेटयत |
| | चेटयानि | चेटयाव | चेटयाम | |

| | | | |
|------|---------|-----------|---------|
| ह्य० | अचेटयत् | अचेटयताम् | अचेटयन् |
| | अचेटयः | अचेटयतम् | अचेटयत |
| | अचेटयम् | अचेटयाव | अचेटयाम |

| | | | |
|----|----------|------------|----------|
| अ० | अचीचिटत् | अचीचिटताम् | अचीचिटन् |
| | अचीचिटः | अचीचिटतम् | अचीचिटत |
| | अचीचिटम् | अचीचिटाव | अचीचिटाम |

| | | | |
|----|-----------------|--------------|-------------|
| प० | चेटयाञ्चकार | चेटयाञ्चकतुः | चेटयाञ्चकुः |
| | चेटयाञ्चकर्ण | चेटयाञ्चकथुः | चेटयाञ्चक |
| | चेटयाञ्चकार-चकर | चेटयाञ्चकृव | चेटयाञ्चकृम |
| | चेटयाम्बभूव | । | चेटयामास |

| | | | |
|----|----------|-------------|----------|
| आ० | चेटयात् | चेटयास्ताम् | चेटयासुः |
| | चेटयाः | चेटयास्तम् | चेटयास्त |
| | चेटयासम् | चेटयास्व | चेटयासम |

| | | | |
|------|-------------|-------------|-------------|
| श्व० | चेटयिता | चेटयितारौ | चेटयितारः |
| | चेटयितासि | चेटयितास्थः | चेटयितास्थ |
| | चेटयितास्मि | चेटयितास्वः | चेटयितास्मः |

| | | | |
|----|-------------|-------------|--------------|
| भ० | चेटयिष्यति | चेटयिष्यतः | चेटयिष्यन्ति |
| | चेटयिष्यासि | चेटयिष्यथः | चेटयिष्यथ |
| | चेटयिष्यामि | चेटयिष्यावः | चेटयिष्यामः |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|-------------|
| क्रि० | अचेटयिष्यत् | अचेटयिष्यताम् | अचेटयिष्यन् |
| | अचेटयिष्यः | अचेटयिष्यतम् | अचेटयिष्यत |
| | अचेटयिष्यम् | अचेटयिष्याव | अचेटयिष्याम |

| | | | |
|----|--------|----------|----------|
| व० | चेटयते | चेटयेते | चेटयन्ते |
| | चेटयसे | चेटयेथे | चेटयन्वे |
| | चेटये | चेटयावहे | चेटयामहे |

| | | | |
|----|----------|-------------|------------|
| स० | चेटयेत | चेटयेयाताम् | चेटयेरन् |
| | चेटयेथाः | चेटयेयाथाम् | चेटयेष्वम् |
| | चेटयेय | चेटयेवहि | चेटयेमहि |

| | | | |
|----|----------|-----------|------------|
| प० | चेटयताम् | चेटयेताम् | चेटयन्ताम् |
| | चेटयस्व | चेटयेथाम् | चेटयष्वम् |
| | चेटयै | चेटयावहे | चेटयामहे |

| | | | |
|------|----------|------------|------------|
| ह्य० | अचेटयत | अचेटयेताम् | अचेटयन्त |
| | अचेटयथाः | अचेटयेथाम् | अचेटयष्वम् |
| | अचेटये | अचेटयावहि | अचेटयामहि |

| | | | |
|----|-----------|-------------|-------------|
| अ० | अचीचिटत | अचीचिटेताम् | अचीचिटन्त |
| | अचीचिटथाः | अचीचिटेथाम् | अचीचिटष्वम् |
| | अचीचिटे | अचीचिटावहि | अचीचिटामहि |

| | | | |
|----|--------------|---------------|----------------|
| प० | चेटयाञ्चके | चेटयाञ्चकाते | चेटयाञ्चकिरे |
| | चेटयाञ्चकृषे | चेटयाञ्चकाथे | चेटयाञ्चकृव्वे |
| | चेटयाञ्चके | चेटयाञ्चकृवहे | चेटयाञ्चकृमहे |
| | चेटयाम्बभूव | । | चेटयामास |

| | | | |
|----|--------------|-----------------|--------------------|
| आ० | चेटयिषीष्ट | चेटयिषीयास्ताम् | चेटयिषीरन् |
| | चेटयिषीष्ठाः | चेटयिषीयास्थाम् | चेटयिषीद्वम्-ध्वम् |
| | चेटयिषीय | चेटयिषीवहि | चेटयिषीमहि |

| | | | |
|------|-----------|--------------|--------------|
| श्व० | चेटयिता | चेटयितारौ | चेटयितारः |
| | चेटयितासे | चेटयितासाथे | चेटयितास्वे |
| | चेटयिताहे | चेटयितास्वहे | चेटयितास्महे |

| | | | |
|----|------------|--------------|--------------|
| भ० | चेटयिष्यते | चेटयिष्येते | चेटयिष्यन्ते |
| | चेटयिष्यसे | चेटयिष्येथे | चेटयिष्यन्वे |
| | चेटयिष्ये | चेटयिष्यावहे | चेटयिष्यामहे |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| क्रि० | अचेटयिष्यत | अचेटयिष्येताम् | अचेटयिष्यन्त |
| | अचेटयिष्यथाः | अचेटयिष्येथाम् | अचेटयिष्यष्वम् |
| | अचेटयिष्ये | अचेटयिष्यावहि | अचेटयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रोलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (१९५)

192 विट (विट्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | वेटयति | वेटयतः | वेटयन्ति |
| | वेटयसि | वेटयथः | वेटयथ |
| | वेटयामि | वेटयावः | वेटयामः |
| स० | वेटयेत् | वेटयेताम् | वेटयेयुः |
| | वेटयेः | वेटयेतम् | वेटयेत |
| | वेटयेयम् | वेटयेव | वेटयेम |
| प० | वेटयतु | वेटयतात् | वेटयताम् |
| | वेटय | वेटयतात् | वेटयतम् |
| | वेटयानि | वेटयाव | वेटयाम |
| ह्य० | अवेटयत् | अवेटयताम् | अवेटयन् |
| | अवेटयः | अवेटयतम् | अवेटयत |
| | अवेटयम् | अवेटयाव | अवेटयाम |
| अ० | अवीविटत् | अवीविटताम् | अवीविटन् |
| | अवीविटः | अवीविटतम् | अवीविटत |
| | अवीविटम् | अवीविटाव | अवीविटाम |
| प० | वेटयाञ्चकार | वेटयाञ्चकतुः | वेटयाञ्चकुः |
| | वेटयाञ्चकर्थ | वेटयाञ्चकथुः | वेटयाञ्चक |
| | वेटयाञ्चकार-चकर | वेटयाञ्चकृव | वेटयाञ्चकृम |
| | वेटयाम्बभूव | । | वेटयामास |
| आ० | वेटयात् | वेटयास्ताम् | वेटयासुः |
| | वेटयाः | वेटयास्तम् | वेटयास्त |
| | वेटयासम् | वेटयास्व | वेटयास्म |
| श्व० | वेटयिता | वेटयितारौ | वेटयितारः |
| | वेटयितासि | वेटयितास्थः | वेटयितास्थ |
| | वेटयितास्मि | वेटयितास्वः | वेटयितास्मः |
| भ० | वेटयिष्यति | वेटयिष्यतः | वेटयिष्यन्ति |
| | वेटयिष्यसि | वेटयिष्यथः | वेटयिष्यथ |
| | वेटयिष्यामि | वेटयिष्यावः | वेटयिष्यामः |
| क्रि० | अवेटयिष्यत् | अवेटयिष्यताम् | अवेटयिष्यन् |
| | अवेटयिष्यः | अवेटयिष्यतम् | अवेटयिष्यत |
| | अवेटयिष्यम् | अवेटयिष्याव | अवेटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| व० | वेटयते | वेटयेते | वेटयन्ते |
| | वेटयसे | वेटयेथे | वेटयन्ध्वे |
| | वेटये | वेटयावहे | वेटयामहे |
| स० | वेटयेत | वेटयेयाताम् | वेटयेरन् |
| | वेटयेथाः | वेटयेयाथाम् | वेटयेध्वम् |
| | वेटयेय | वेटयेवहि | वेटयेमहि |
| प० | वेटयेताम् | वेटयेताम् | वेटयन्ताम् |
| | वेटयस्व | वेटयेथाम् | वेटयध्वम् |
| | वेटयै | वेटयावहै | वेटयामहै |
| ह्य० | अवेटयत | अवेटयेताम् | अवेटयन्त |
| | अवेटयथाः | अवेटयेथाम् | अवेटयध्वम् |
| | अवेटये | अवेटयावहि | अवेटयामहि |
| अ० | अवीविटत | अवीविटेताम् | अवीविटन्त |
| | अवीविटथाः | अवीविटेथाम् | अवीविटध्वम् |
| | अवीविटे | अवीविटावहि | अवीविटामहि |
| प० | वेटयाञ्चके | वेटयाञ्चकते | वेटयाञ्चकिरे |
| | वेटयाञ्चकृषे | वेटयाञ्चकथे | वेटयाञ्चकृन्वे |
| | वेटयाञ्चके | वेटयाञ्चकृवहे | वेटयाञ्चकृमहे |
| | वेटयाम्बभूव | । | वेटयामास |
| अ० | वेटयिषीष्ट | वेटयिषीष्टात् | वेटयिषीरन् |
| | वेटयिषीष्टाः | वेटयिषीयः | वेटयिषीध्वम् |
| | वेटयिषीय | वेटयिषीवहि | वेटयिषीमहि |
| श्व० | वेटयिता | वेटयितारौ | वेटयितारः |
| | वेटयितासे | वेटयितासाथे | वेटयिताध्वे |
| | वेटयिताहे | वेटयितास्वहे | वेटयितास्महे |
| भ० | वेटयिष्यते | वेटयिष्येते | वेटयिष्यन्ते |
| | वेटयिष्यसे | वेटयिष्येथे | वेटयिष्यध्वे |
| | वेटयिष्ये | वेटयिष्यावहे | वेटयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेटयिष्यत | अवेटयिष्येताम् | अवेटयिष्यन्त |
| | अवेटयिष्यथाः | अवेटयिष्येथाम् | अवेटयिष्यध्वम् |
| | अवेटयिष्ये | अवेटयिष्यावहि | अवेटयिष्यामहि |

193 हेट (हेट्) विवाधायाम् ।

| | | | |
|-------|----------------|---------------|--------------|
| व० | हेटयति | हेटयतः | हेटयन्ति |
| | हेटयसि | हेटयथः | हेटयथ |
| | हेटयामि | हेटयावः | हेटयामः |
| स० | हेटयेत् | हेटयेताम् | हेटयेयुः |
| | हेटयेः | हेटयेतम् | हेटयेत |
| | हेटयेयम् | हेटयेव | हेटयेम |
| प० | हेटयतु | हेटयतात् | हेटयताम् |
| | हेटय | हेटयान् | हेटयतम् |
| | हेटयानि | हेटयाव | हेटयाम |
| ह्य० | अहेटयत् | अहेटयताम् | अहेटयन् |
| | अहेटयः | अहेटयतम् | अहेटयत |
| | अहेटयम् | अहेटयाव | अहेटयाम |
| अ० | अजीहिटत् | अजीहिटताम् | अजीहिटन् |
| | अजीहिटः | अजीहिटतम् | अजीहिटत |
| | अजीहिटम् | अजीहिटाव | अजीहिटाम |
| प० | हेटयाञ्चकार | हेटयाञ्चक्रुः | हेटयाञ्चकुः |
| | हेटयाञ्चकथं | हेटयाञ्चकथुः | हेटयाञ्चक |
| | हेटयाञ्चकर-चकर | हेटयाञ्चकृव | हेटयाञ्चकृम |
| | हेटयाम्बभूव | । | हेटयामास |
| आ० | हेटयात् | हेटयास्ताम् | हेटयासुः |
| | हेटयाः | हेटयास्तम् | हेटयास्त |
| | हेटयासम् | हेटयास्व | हेटयास्म |
| श्व० | हेटयिता | हेटयितारौ | हेटयितारः |
| | हेटयितासि | हेटयितास्थः | हेटयितास्थ |
| | हेटयितास्मि | हेटयितास्वः | हेटयितास्मः |
| भ० | हेटयिष्यति | हेटयिष्यतः | हेटयिष्यन्ति |
| | हेटयिष्यसि | हेटयिष्यथः | हेटयिष्यथ |
| | हेटयिष्यामि | हेटयिष्यावः | हेटयिष्यामः |
| क्रि० | अहेटयिष्यत् | अहेटयिष्यताम् | अहेटयिष्यन् |
| | अहेटयिष्यः | अहेटयिष्यतम् | अहेटयिष्यत |
| | अहेटयिष्यम् | अहेटयिष्याव | अहेटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | हेटयते | हेटयते | हेटयन्ते |
| | हेटयसे | हेटयेथे | हेटयन्वे |
| | हेटये | हेटयावहे | हेटयामहे |
| स० | हेटयेत | हेटयेयाताम् | हेटयेरन् |
| | हेटयेथाः | हेटयेयाथाम् | हेटयेष्वम् |
| | हेटयेय | हेटयेवहि | हेटयेमहि |
| प० | हेटयताम् | हेटयेताम् | हेटयन्ताम् |
| | हेटयस्व | हेटयेथाम् | हेटयन्वम् |
| | हेटयै | हेटयावहै | हेटयामहै |
| ह्य० | अहेटयत | अहेटयेताम् | अहेटयन्त |
| | अहेटयथाः | अहेटयेथाम् | अहेटयन्वम् |
| | अहेटये | अहेटयावहि | अहेटयामहि |
| अ० | अजीहिटत् | अजीहिटेताम् | अजीहिटन्त |
| | अजीहिटथाः | अजीहिटेथाम् | अजीहिटन्वम् |
| | अजीहिटे | अजीहिटावहि | अजीहिटामहि |
| प० | हेटयाञ्चक्रे | हेटयाञ्चक्राते | हेटयाञ्चक्रिरे |
| | हेटयाञ्चकृषे | हेटयाञ्चक्राये | हेटयाञ्चकृन्वे |
| | हेटयाञ्चक्रे | हेटयाञ्चकृवहे | हेटयाञ्चकृमहे |
| | हेटयाम्बभूव | । | हेटयामास |
| अ० | हेटयिषीष्ट | हेटयिषीयास्ताम् | हेटयिषीरन् |
| | हेटयिषीष्ठाः | हेटयिषीयास्थाम् | हेटयिषीद्वम्-ध्वम् |
| | हेटयिषीय | हेटयिषीवहि | हेटयिषीमहि |
| श्व० | हेटयिता | हेटयितारौ | हेटयितारः |
| | हेटयितासे | हेटयितासाथे | हेटयितान्वे |
| | हेटयिताहे | हेटयितास्वहे | हेटयितास्महे |
| भ० | हेटयिष्यते | हेटयिष्येते | हेटयिष्यन्ते |
| | हेटयिष्यसे | हेटयिष्येथे | हेटयिष्यन्वे |
| | हेटयिष्ये | हेटयिष्यावहे | हेटयिष्यामहे |
| क्रि० | अहेटयिष्यत | अहेटयिष्येताम् | अहेटयिष्यन्त |
| | अहेटयिष्यथाः | अहेटयिष्येथाम् | अहेटयिष्यन्वम् |
| | अहेटयिष्ये | अहेटयिष्यावहि | अहेटयिष्यामहि |

194 अट् (अट्) गतौ

| | | | |
|-------|----------------|-------------|-------------|
| व० | आटयति | आटयतः | आटयन्ति |
| | आटयसि | आटयथः | आटयथ |
| | आटयामि | आटयावः | आटयामः |
| स० | आटयेत् | आटयेताम् | आटयेयुः |
| | आटयेः | आटयेतम् | आटयेत |
| | आटयेयम् | आटयेव | आटयेम |
| प० | आटयतु | आटयतात् | आटयताम् |
| | आटय | आटयतात् | आटयतम् |
| | आटयानि | आटयाव | आटयाम |
| ह्य० | आटयत् | आटयताम् | आटयन् |
| | आटयः | आटयतम् | आटयत |
| | आटयम् | आटयाव | आटयाम |
| अ० | आटिटत् | आटिटताम् | आटिटन् |
| | आटिटः | आटिटतम् | आटिटत |
| | आटिटम् | आटिटव | आटिटम |
| प० | आटयाञ्चकार | आटयाञ्चकतुः | आटयाञ्चकुः |
| | आटयाञ्चकर्थ | आटयाञ्चकथुः | आटयाञ्चक |
| | आटयाञ्चकार-चकर | आटयाञ्चकृव | आटयाञ्चकृम |
| | आटयाम्बभूव | । | आटयामास |
| आ० | आटयात् | आटयास्ताम् | आटयासुः |
| | आटयाः | आटयास्तम् | आटयास्त |
| | आटयासम् | आटयास्व | आटयास्म |
| श्व० | आटयिता | आटयितारौ | आटयितारः |
| | आटयितासि | आटयितास्थः | आटयितास्थ |
| | आटयितास्मि | आटयितास्वः | आटयितास्मः |
| भ० | आटयिष्यति | आटयिष्यतः | आटयिष्यन्ति |
| | आटयिष्यसि | आटयिष्यथः | आटयिष्यथ |
| | आटयिष्यामि | आटयिष्यावः | आटयिष्यामः |
| क्रि० | आटयिष्यत् | आटयिष्यताम् | आटयिष्यन् |
| | आटयिष्यः | आटयिष्यतम् | आटयिष्यत |
| | आटयिष्यम् | आटयिष्याव | आटयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-------------------|
| व० | आटयेते | आटयेते | आटयन्ते |
| | आटयसे | आटयेथे | आटयध्वे |
| | आटये | आटयावहे | आटयामहे |
| स० | आटयेत | आटयेयाताम् | आटयेरन् |
| | आटयेथाः | आटयेयाथाम् | आटयेध्वम् |
| | आटयेय | आटयेवहि | आटयेमहि |
| प० | आटयताम् | आटयेताम् | आटयन्ताम् |
| | आटयस्व | आटयेथाम् | आटयध्वम् |
| | आटये | आटयावहे | आटयामहे |
| ह्य० | आटयत | आटयेताम् | आटयन्त |
| | आटयथाः | आटयेथाम् | आटयध्वम् |
| | आटये | आटयावहि | आटयामहि |
| अ० | आटिटत | आटिटेताम् | आटिटन्त |
| | आटिटथाः | आटिटेथाम् | आटिटध्वम् |
| | आटिटे | आटिटवहि | आटिटमहि |
| प० | आटयाञ्चके | आटयाञ्चकाते | आटयाञ्चकिरे |
| | आटयाञ्चकृषे | आटयाञ्चकृषे | आटयाञ्चकृद्वे |
| | आटयाञ्चके | आटयाञ्चकृवहे | आटयाञ्चकृमहे |
| | आटयाम्बभूव | । | आटयामास |
| आ० | आटयिषीष्ट | आटयिषीयस्ताम् | आटयिषीरन् |
| | आटयिषीष्ठाः | आटयिषीयास्थाम् | आटयिषीध्वम्-ध्वम् |
| | आटयिषीय | आटयिषीवहि | आटयिषीमहि |
| श्व० | आटयिता | आटयितारौ | आटयितारः |
| | आटयितासे | आटयितासाथे | आटयिताध्वे |
| | आटयिताहे | आटयितास्वहे | आटयितास्महे |
| भ० | आटयिष्यते | आटयिष्येते | आटयिष्यन्ते |
| | आटयिष्यसे | आटयिष्येथे | आटयिष्यध्वे |
| | आटयिष्ये | आटयिष्यावहे | आटयिष्यामहे |
| क्रि० | आटयिष्यत | आटयिष्येताम् | आटयिष्यन्त |
| | आटयिष्यथाः | आटयिष्येथाम् | आटयिष्यध्वम् |
| | आटयिष्ये | आटयिष्यावहि | आटयिष्यामहि |

१९५ पट् (पट्) गतौ

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | पाटयति | पाटयतः | पाटयन्ति |
| | पाटयसि | पाटयथः | पाटयथ |
| | पाटयामि | पाटयावः | पाटयामः |
| स० | पाटयेत् | पाटयेताम् | पाटयेयुः |
| | पाटयेः | पाटयेतम् | पाटयेत |
| | पाटयेयम् | पाटयेव | पाटयेम |
| प० | पाटयतु | पाटयतात् | पाटयताम् |
| | पाटय | पाटयतात् | पाटयतम् |
| | पाटयानि | पाटयाव | पाटयाम |
| ह्य० | अपाटयत् | अपाटयताम् | अपाटयन् |
| | अपाटयः | अपाटयतम् | अपाटयत |
| | अपाटयम् | अपाटयाव | अपाटयाम |
| अ० | अपीपटत् | अपीपटताम् | अपीपटन् |
| | अपीपटः | अपीपटतम् | अपीपटत |
| | अपीपटम् | अपीपटाव | अपीपटाम |
| प० | पाटयाञ्चकार | पाटयाञ्चकतुः | पाटयाञ्चकृः |
| | पाटयाञ्चकर्थं | पाटयाञ्चकथुः | पाटयाञ्चक |
| | पाटयाञ्चकार-चकर | पाटयाञ्चकृव | पाटयाञ्चकृम |
| | पाटयाम्बभूव | । | पाटयामास |
| आ० | पाटयात् | पाटयास्ताम् | पाटयासुः |
| | पाटयाः | पाटयास्तम् | पाटयास्त |
| | पाटयासम् | पाटयास्व | पाटयासम |
| श्व० | पाटयिता | पाटयितारौ | पाटयितारः |
| | पाटयितासि | पाटयितास्थः | पाटयितास्थ |
| | पाटयितास्मि | पाटयितास्वः | पाटयितास्मः |
| भ० | पाटयिष्यति | पाटयिष्यतः | पाटयिष्यन्ति |
| | पाटयिष्यसि | पाटयिष्यथः | पाटयिष्यथ |
| | पाटयिष्यामि | पाटयिष्यावः | पाटयिष्यामः |
| क्रि० | अपाटयिष्यत् | अपाटयिष्यताम् | अपाटयिष्यन् |
| | अपाटयिष्यः | अपाटयिष्यतम् | अपाटयिष्यत |
| | अपाटयिष्यम् | अपाटयिष्याव | अपाटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | पाटयते | पाटयेते | पाटयन्ते |
| | पाटयसे | पाटयेथे | पाटयध्वे |
| | पाटये | पाटयावहे | पाटयामहे |
| स० | पाटयेत | पाटयेयाताम् | पाटयेरन् |
| | पाटयेथाः | पाटयेयाथान् | पाटयेध्वम् |
| | पाटयेय | पाटयेवहि | पाटयेमहि |
| प० | पाटयताम् | पाटयेताम् | पाटयन्ताम् |
| | पाटयस्व | पाटयेथाम् | पाटयध्वम् |
| | पाटयै | पाटयावहै | पाटयामहै |
| ह्य० | अपाटयत | अपाटयेताम् | अपाटयन्त |
| | अपाटयथाः | अपाटयेथाम् | अपाटयध्वम् |
| | अपाटये | अपाटयावहि | अपाटयामहि |
| अ० | अपीपटत | अपीपटेताम् | अपीपटन्त |
| | अपीपटथाः | अपीपटेथाम् | अपीपटध्वम् |
| | अपीपटे | अपीपटावहि | अपीपटामहि |
| प० | पाटयाञ्चके | पाटयाञ्चकते | पाटयाञ्चकिरे |
| | पाटयाञ्चकृषे | पाटयाञ्चकथे | पाटयाञ्चकृद्वे |
| | पाटयाञ्चके | पाटयाञ्चकृवहे | पाटयाञ्चकृमहे |
| | पाटयाम्बभूव | । | पाटयामास |
| आ० | पाटयिषीष्ट | पाटयिषीयास्ताम् | पाटयिषीरन् |
| | पाटयिषीष्ठाः | पाटयिषीयास्थाम् | पाटयिषीद्वम्-ध्वम् |
| | पाटयिषीय | पाटयिषीवहि | पाटयिषीमहि |
| श्व० | पाटयिता | पाटयितारौ | पाटयितारः |
| | पाटयितासे | पाटयितासाथे | पाटयिताध्वे |
| | पाटयिताहे | पाटयितास्वहे | पाटयितास्महे |
| भ० | पाटयिष्यते | पाटयिष्येते | पाटयिष्यन्ते |
| | पाटयिष्यसे | पाटयिष्येथे | पाटयिष्यध्वे |
| | पाटयिष्ये | पाटयिष्यावहे | पाटयिष्यामहे |
| क्रि० | अपाटयिष्यत | अपाटयिष्येताम् | अपाटयिष्यन्त |
| | अपाटयिष्यथाः | अपाटयिष्येथाम् | अपाटयिष्यध्वम् |
| | अपाटयिष्ये | अपाटयिष्यावहि | अपाटयिष्यामहि |

196 इट (इट्) गतौ ।

| | | | |
|-------|----------------|-------------|-------------|
| व० | एटयति | एटयतः | एटयन्ति |
| | एटयसि | एटयथः | एटयथ |
| | एटयामि | एटयावः | एटयामः |
| स० | एटयेत् | एटयेताम् | एटयेयुः |
| | एटयेः | एटयेतम् | एटयेत |
| | एटयेयम् | एटयेव | एटयेम |
| प० | एटयतु | एटयतात् | एटयन्तु |
| | एटय | एटयतात् | एटयतम् |
| | एटयानि | एटयाव | एटयाम |
| ह्य० | ऐटयत् | ऐटयताम् | ऐटयन् |
| | ऐटयः | ऐटयतम् | ऐटयत |
| | ऐटयम् | ऐटयाव | ऐटयाम |
| अ० | ऐटिटत् | ऐटिटताम् | ऐटिटन् |
| | ऐटिटः | ऐटिटतम् | ऐटिटत |
| | ऐटिटम् | ऐटिटव | ऐटिटाम |
| प० | एटयाञ्चकार | एटयाञ्चकतुः | एटयाञ्चकुः |
| | एटयाञ्चकर्थ | एटयाञ्चकथुः | एटयाञ्चक |
| | एटयाञ्चकार-चकर | एटयाञ्चकृव | एटयाञ्चकृम |
| | एटयाञ्चभूव | । | एटयामास |
| भा० | एटयात् | एटयास्ताम् | एटयासुः |
| | एटयाः | एटयास्तम् | एटयास्त |
| | एटयासम् | एटयास्व | एटयास्म |
| श्व० | एटयिता | एटयितारौ | एटयितारः |
| | एटयितासि | एटयितास्थः | एटयितास्थ |
| | एटयितास्मि | एटयितास्वः | एटयितास्मः |
| भ० | एटयिष्यति | एटयिष्यतः | एटयिष्यन्ति |
| | एटयिष्यसि | एटयिष्यथः | एटयिष्यथ |
| | एटयिष्यामि | एटयिष्यावः | एटयिष्यामः |
| क्रि० | ऐटयिष्यत् | ऐटयिष्यताम् | ऐटयिष्यन् |
| | ऐटयिष्यः | ऐटयिष्यतम् | ऐटयिष्यत |
| | ऐटयिष्यम् | ऐटयिष्याव | ऐटयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-------------------|
| व० | एटयते | एटयेते | एटयन्ते |
| | एटयसे | एटयेथे | एटयन्वे |
| | एटये | एटयावहे | एटयामहे |
| स० | एटयेत् | एटयेयाताम् | एटयेरन् |
| | एटयेथाः | एटयेथायाम् | एटयेष्वम् |
| | एटयेय | एटयेवहि | एटयेमहि |
| प० | एटयताम् | एटयेताम् | एटयन्ताम् |
| | एटयस्व | एटयेथाम् | एटयेष्वम् |
| | एटयै | एटयावहे | एटयामहे |
| ह्य० | ऐटयत | ऐटयेताम् | ऐटयन्त |
| | ऐटयथाः | ऐटयेथाम् | ऐटयेष्वम् |
| | ऐटये | ऐटयावहि | ऐटयामहि |
| अ० | ऐटिटत | ऐटिटताम् | ऐटिटन्त |
| | ऐटिटथाः | ऐटिटेथाम् | ऐटिटेष्वम् |
| | ऐटिटै | ऐटिटवहि | ऐटिटमहि |
| प० | एटयाञ्चके | एटयाञ्चकते | एटयाञ्चकिरे |
| | एटयाञ्चकृषे | एटयाञ्चकृषे | एटयाञ्चकृत्वे |
| | एटयाञ्चके | एटयाञ्चकृवहे | एटयाञ्चकृमहे |
| | एटयाम्बभूव | । | एटयामास |
| अ० | एटयिषीष्ट | एटयिषीयास्ताम् | एटयिषीरन् |
| | एटयिषीष्टाः | एटयिषीयास्थाम् | एटयिषीह्वम्-स्वम् |
| | एटयिषीय | एटयिषीवहि | एटयिषीमहि |
| श्व० | एटयिता | एटयितारौ | एटयितारः |
| | एटयितासे | एटयितासाथे | एटयिताष्वे |
| | एटयिताहे | एटयितास्वहे | एटयितास्महे |
| भ० | एटयिष्यते | एटयिष्येते | एटयिष्यन्ते |
| | एटयिष्यसे | एटयिष्येथे | एटयिष्यन्वे |
| | एटयिष्ये | एटयिष्यावहे | एटयिष्यामहे |
| क्रि० | ऐटयिष्यत | ऐटयिष्यताम् | ऐटयिष्यन्त |
| | ऐटयिष्यथाः | ऐटयिष्येथाम् | ऐटयिष्येष्वम् |
| | ऐटयिष्ये | ऐटयिष्यावहि | ऐटयिष्यामहि |

197 किट (किट्) गतौ । किट 177 वङ्गपाणि

198 कट (कट्) गतौ कटे 174 वङ्गपाणि

199 कटु (कण्ट) गतौ ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० कण्टयति | कण्टयतः | कण्टयन्ति |
| कण्टयसि | कण्टयथः | कण्टयथ |
| कण्टयामि | कण्टयावः | कण्टयामः |
| स० कण्टयेत् | कण्टयेताम् | कण्टयेयुः |
| कण्टयेः | कण्टयेतम् | कण्टयेत |
| कण्टयेयम् | कण्टयेव | कण्टयेम |
| प० कण्टयतु | कण्टयतात् | कण्टयताम् |
| कण्टय | कण्टयतात् | कण्टयतम् |
| कण्टयानि | कण्टयाव | कण्टयाम |
| ह्य० अकण्टयत् | अकण्टयताम् | अकण्टयन् |
| अकण्टयः | अकण्टयतम् | अकण्टयत |
| अकण्टयम् | अकण्टयाव | अकण्टयाम |
| अ० अचकण्टत् | अचकण्टताम् | अचकण्टन् |
| अचकण्टः | अचकण्टतम् | अचकण्टत |
| अचकण्टम् | अचकण्टाव | अचकण्टाम |
| प० कण्टयाञ्चकार | कण्टयाञ्चक्रुः | कण्टयाञ्चकुः |
| कण्टयाञ्चकथं | कण्टयाञ्चकथुः | कण्टयाञ्चक |
| कण्टयाञ्चकार-चकार | कण्टयाञ्चकृव | कण्टयाञ्चकृम |
| कण्टयाञ्चभूव | कण्टयामास | |
| आ० कण्टयात् | कण्टयास्ताम् | कण्टयासुः |
| कण्टयाः | कण्टयास्तम् | कण्टयास्त |
| कण्टयासम् | कण्टयास्व | कण्टयास्म |
| श्व० कण्टयिता | कण्टयितारौ | कण्टयितारः |
| कण्टयितासि | कण्टयितास्थः | कण्टयितास्थ |
| कण्टयितास्मि | कण्टयितास्वः | कण्टयितास्मः |
| भ० कण्टयिष्यति | कण्टयिष्यतः | कण्टयिष्यन्ति |
| कण्टयिष्यसि | कण्टयिष्यथः | कण्टयिष्यथ |
| कण्टयिष्यामि | कण्टयिष्यावः | कण्टयिष्यामः |
| क्रि० अकण्टयिष्यत् | अकण्टयिष्यताम् | अकण्टयिष्यन् |
| अकण्टयिष्यः | अकण्टयिष्यतम् | अकण्टयिष्यत |
| अकण्टयिष्यम् | अकण्टयिष्याव | अकण्टयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|---------------------|
| व० कण्टयते | कण्टयेते | कण्टयन्ते |
| कण्टयसे | कण्टयेथे | कण्टयध्वे |
| कण्टये | कण्टयावहे | कण्टयामहे |
| स० कण्टयेत | कण्टयेयाताम् | कण्टयेरन् |
| कण्टयेथाः | कण्टयेयाथाम् | कण्टयेध्वम् |
| कण्टयेथ | कण्टयेवहि | कण्टयेमहि |
| प० कण्टयताम् | कण्टयेताम् | कण्टयन्ताम् |
| कण्टयस्व | कण्टयेथाम् | कण्टयध्वम् |
| कण्टये | कण्टयावहे | कण्टयामहे |
| ह्य० अकण्टयत | अकण्टयेताम् | अकण्टयन्त |
| अकण्टयथाः | अकण्टयेथाम् | अकण्टयध्वम् |
| अकण्टये | अकण्टयावहि | अकण्टयामहि |
| अ० अचकण्टत | अचकण्टेताम् | अचकण्टन्त |
| अचकण्टथाः | अचकण्टेथाम् | अचकण्टध्वम् |
| अचकण्टे | अचकण्टावहि | अचकण्टामहि |
| प० कण्टयाञ्चक्रे | कण्टयाञ्चक्रते | कण्टयाञ्चकिरे |
| कण्टयाञ्चकृपे | कण्टयाञ्चक्राये | कण्टयाञ्चकृन्वे |
| कण्टयाञ्चक्रे | कण्टयाञ्चकृवहे | कण्टयाञ्चकृमहे |
| कण्टयाञ्चभूव | कण्टयामास | |
| अ० कण्टयिषीष्ट | कण्टयिषीयास्ताम् | कण्टयिषीरन् |
| कण्टयिषीष्ठाः | कण्टयिषीयास्थाम् | कण्टयिषीध्वम्-ध्वम् |
| कण्टयिषीय | कण्टयिषीवहि | कण्टयिषीमहि |
| श्व० कण्टयिता | कण्टयितारौ | कण्टयितारः |
| कण्टयितासे | कण्टयितासाथे | कण्टयिताध्वे |
| कण्टयिताहे | कण्टयितास्वहे | कण्टयितास्महे |
| भ० कण्टयिष्यते | कण्टयिष्येते | कण्टयिष्यन्ते |
| कण्टयिष्यसे | कण्टयिष्येथे | कण्टयिष्यध्वे |
| कण्टयिष्ये | कण्टयिष्यावहे | कण्टयिष्यामहे |
| क्रि० अकण्टयिष्यत | अकण्टयिष्यताम् | अकण्टयिष्यन्ते |
| अकण्टयिष्यथाः | अकण्टयिष्येथाम् | अकण्टयिष्यध्वम् |
| अकण्टयिष्ये | अकण्टयिष्यावहि | अकण्टयिष्यामहि |

20। कुट् (कुण्ट) वैकल्ये

| | | | |
|------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | कुण्टयति | कुण्टयतः | कुण्टयन्ति |
| | कुण्टयसि | कुण्टयथः | कुण्टयथ |
| | कुण्टयामि | कुण्टयावः | कुण्टयामः |
| स० | कुण्टयेत् | कुण्टयेताम् | कुण्टयेयुः |
| | कुण्टयेः | कुण्टयेतम् | कुण्टयेत |
| | कुण्टयेयम् | कुण्टयेव | कुण्टयेम |
| प० | कुण्टयतु | कुण्टयतात् | कुण्टयताम् |
| | कुण्टय | कुण्टयतात् | कुण्टयतम् |
| | कुण्टयानि | कुण्टयाव | कुण्टयाम |
| ह्य० | अकुण्टयत् | अकुण्टयताम् | अकुण्टयन् |
| | अकुण्टयः | अकुण्टयतम् | अकुण्टयत |
| | अकुण्टयम् | अकुण्टयाव | अकुण्टयाम |
| अ० | अचुकुण्टत् | अचुकुण्टताम् | अचुकुण्टन् |
| | अचुकुण्टः | अचुकुण्टतम् | अचुकुण्टत |
| | अचुकुण्टम् | अचुकुण्टाव | अचुकुण्टाम |
| प० | कुण्टयाञ्चकार | कुण्टयाञ्चकतुः | कुण्टयाञ्चकुः |
| | कुण्टयाञ्चकथं | कुण्टयाञ्चकथः | कुण्टयाञ्चक |
| | कुण्टयाञ्चकार-चकर | कुण्टयाञ्चकृव | कुण्टयाञ्चकृम |
| | कुण्टयाम्बभूव | कुण्टयामास | |
| आ० | कुण्टयात् | कुण्टयास्ताम् | कुण्टयासुः |
| | कुण्टयाः | कुण्टयास्तम् | कुण्टयास्त |
| | कुण्टयासम् | कुण्टयास्व | कुण्टयासम् |
| श्व० | कुण्टयिता | कुण्टयितारौ | कुण्टयितारः |
| | कुण्टयितासि | कुण्टयितास्यः | कुण्टयितास्व |
| | कुण्टयितास्मि | कुण्टयितास्वः | कुण्टयितास्मः |
| भ० | कुण्टयिष्यति | कुण्टयिष्यतः | कुण्टयिष्यन्ति |
| | कुण्टयिष्यसि | कुण्टयिष्यथः | कुण्टयिष्यथ |
| | कुण्टयिष्यामि | कुण्टयिष्यावः | कुण्टयिष्यामः |
| कि० | अकुण्टयिष्यत् | अकुण्टयिष्यताम् | अकुण्टयिष्यन् |
| | अकुण्टयिष्यः | अकुण्टयिष्यतम् | अकुण्टयिष्यत |
| | अकुण्टयिष्यम् | अकुण्टयिष्याव | अकुण्टयिष्याम |

| | | | |
|------|----------------|-------------------|----------------------|
| व० | कुण्टयते | कुण्टयेते | कुण्टयन्ते |
| | कुण्टयसे | कुण्टयेथे | कुण्टयन्वे |
| | कुण्टये | कुण्टयावहे | कुण्टयामहे |
| स० | कुण्टयेत | कुण्टयेयाताम् | कुण्टयेरन् |
| | कुण्टयेथाः | कुण्टयेयाथाम् | कुण्टयेचम् |
| | कुण्टयेय | कुण्टयेवहि | कुण्टयेमहि |
| प० | कुण्टयताम् | कुण्टयेताम् | कुण्टयन्ताम् |
| | कुण्टयस्व | कुण्टयेथाम् | कुण्टयचम् |
| | कुण्टये | कुण्टयावहे | कुण्टयामहे |
| ह्य० | अकुण्टयत् | अकुण्टयेताम् | अकुण्टयन्त |
| | अकुण्टयथाः | अकुण्टयेथाम् | अकुण्टयचम् |
| | अकुण्टये | अकुण्टयावहि | अकुण्टयामहि |
| अ० | अचुकुण्टत् | अचुकुण्टताम् | अचुकुण्टन्त |
| | अचुकुण्टथाः | अचुकुण्टेथाम् | अचुकुण्टचम् |
| | अचुकुण्टे | अचुकुण्टावहि | अचुकुण्टामहि |
| प० | कुण्टयाञ्चके | कुण्टयाञ्चकते | कुण्टयाञ्चकिरे |
| | कुण्टयाञ्चकृषे | कुण्टयाञ्चकाथे | कुण्टयाञ्चकृद्वे |
| | कुण्टयाञ्चके | कुण्टयाञ्चकृवहे | कुण्टयाञ्चकृमहे |
| | कुण्टयाम्बभूव | कुण्टयामास | |
| आ० | कुण्टयिषीष्ट | कुण्टयिषीयास्ताम् | कुण्टयिषीरन् |
| | कुण्टयिषीष्ठाः | कुण्टयिषीयास्थाम् | कुण्टयिषीद्वम्-ध्वम् |
| | कुण्टयिषीय | कुण्टयिषीवहि | कुण्टयिषीमहि |
| श्व० | कुण्टयिता | कुण्टयितारौ | कुण्टयितारः |
| | कुण्टयितासे | कुण्टयितासाथे | कुण्टयिताध्वे |
| | कुण्टयिताहे | कुण्टयितास्वहे | कुण्टयितास्महे |
| भ० | कुण्टयिष्यते | कुण्टयिष्येते | कुण्टयिष्यन्ते |
| | कुण्टयिष्यसे | कुण्टयिष्येथे | कुण्टयिष्यन्वे |
| | कुण्टयिष्ये | कुण्टयिष्यावहे | कुण्टयिष्यामहे |
| कि० | अकुण्टयिष्यत् | अकुण्टयिष्येताम् | अकुण्टयिष्यन्त |
| | अकुण्टयिष्यथाः | अकुण्टयिष्येथाम् | अकुण्टयिष्यचम् |
| | अकुण्टयिष्ये | अकुण्टयिष्यावहि | अकुण्टयिष्यामहि |

202 મુદ (મુદ) પ્રમર્દને ।

| | | |
|-----------------|---------------|--------------|
| ४० मोटयति | मोटयतः | मोटयान्त |
| मोटयसि | मोटयथः | मोटयथ |
| मोटयामि | मोटयस्वः | मोटयामः |
| स० मोटयेत् | मोटयेताम् | मोटयेयुः |
| मोटैथः | मोटैथितम् | मोटैथत |
| मोटयेयम् | मोटयेव | मोटयेम |
| ५ मोटयतु | मोटयतात् | मोटयताम् |
| मोटय | मोटयतात् | मोटयतम् |
| मोटयति | मोटयाव | मोटयाम |
| ६० अमोटयत् | अमोटयताम् | अमोटयन् |
| अमोटयः | अमोटयतम् | अमोटयत |
| अमोटयम् | अमोटयाव | अमोटयाम |
| ७० अमूसुटत् | अमूसुटताम् | अमूसुटन् |
| अमूसुटः | अमूसुटतम् | अमूसुटत |
| अमूसुटम् | अमूसुटाव | अमूसुटाम |
| मोटयाञ्चकार | मोटयाञ्चकतुः | मोटयाञ्चकुः |
| मोटयाञ्चकर्य | मोटयाञ्चकथुः | मोटयाञ्चक |
| मोटयाञ्चकर-चकर | मोटयाञ्चकृव | मोटयाञ्चकृम |
| मोटयाम्बभूव | मोटयामास | |
| ११० मोटधात् | मोटधास्ताम् | मोटधासुः |
| मोटधाः | मोटधास्ताम् | मोटधास्त |
| मोटधास्तम् | मोटधास्व | मोटधास्म |
| १२० मोटयिता | मोटयितारौ | मोटयितारः |
| मोटयितासि | मोटयितास्थः | मोटयितास्थ |
| मोटयितास्मि | मोटयितास्वः | मोटयितास्मः |
| १३० मोटयिष्यति | मोटयिष्यतः | मोटयिष्यन्ति |
| मोटयिष्यसि | मोटयिष्यथः | मोटयिष्यथ |
| मोटयिष्यामि | मोटयिष्यावः | मोटयिष्यामः |
| १४० अमोटयिष्यत् | अमोटयिष्यताम् | अमोटयिष्यन् |
| अमोटयिष्यः | अमोटयिष्यतम् | अमोटयिष्यत |
| अमोटयिष्यम् | अमोटयिष्याव | अमोटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | मोटयते | मोटयेते | मोटयन्ते |
| | मोटयसे | मोटयेथे | मोटयध्वे |
| | मोटये | मोटयावहे | मोटयामहे |
| स० | मोटयेत् | मोटयेया ताम् | मोटयेरन् |
| | मोटयेथाः | मोटयेयाथाम् | मोटयेष्वम् |
| | मोटयेय | मोटयेवहि | मोटयेमहि |
| प० | मोटयताम् | मोटयेताम् | मोटयन्ताम् |
| | मोटयस्व | मोटयेथाम् | मोटयध्वम् |
| | मोटयै | मोटयावहै | मोटयामहै |
| ह्य० | अमोटयत | अमोटयेताम् | अमोटयन्त |
| | अमोटयथाः | अमोटयेथाम् | अमोटयध्वम् |
| | अमोटये | अमोटयावहि | अमोटयामहि |
| अ० | अमूसुटत | अमूसुटेताम् | अमूसुटन्त |
| | अमूसुट्याः | अमूसुटेथाम् | अमूसुटध्वम् |
| | अमूसुटे | अमूसुटावहि | अमूसुटामहि |
| प० | मोटयाञ्चके | मोटयाञ्चकाते | मोटयाञ्चकिरे |
| | मोटयाञ्चकृषे | मोटयाञ्चक्राथे | मोटयाञ्चकृद्वे |
| | मोटयाञ्चके | मोटयाञ्चकृवहे | मोटयाञ्चकृमहे |
| | मोटयाञ्चभूव | । मोटयामास | |
| अ० | मोटयिषीष्ट | मोटयिषीयास्ताम् | मोटयिषीरन् |
| | मोटयिषीष्ठाः | मोटयिषीयास्थाम् | मोटयिषीद्वम्-ध्वम् |
| | मोटयिषीय | मोटयिषीवहि | मोटयिषीमहि |
| ध० | मोटयिता | मोटयितारौ | मोटयिताः |
| | मोटयितासे | मोटयितासाथे | मोटयिताध्वे |
| | मोटयिताहे | मोटयितास्वहे | मोटयितास्महे |
| भ० | मोटयिष्यते | मोटयिष्येते | मोटयिष्यन्ते |
| | मोटयिष्यसे | मोटयिष्येथे | मोटयिष्यध्वे |
| | मोटयिष्ये | मोटयिष्यावहे | मोटयिष्यामहे |
| क्रि० | अमोटयिष्यत | अमोटयिष्येताम् | अमोटयिष्यन्त |
| | अमोटयिष्यथाः | अमोटयिष्येथाम् | अमोटयिष्यध्वम् |
| | अमोटयिष्ये | अमोटयिष्यावहि | अमोटयिष्यामहि |

203 चुट (चुट्) अल्पीभावे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | चोटयति | चोटयतः | चोटयन्ति |
| | चोटयसि | चोटयथः | चोटयथ |
| | चोटयामि | चोटयावः | चोटयामः |
| स० | चोटयेत् | चोटयेताम् | चोटयेयुः |
| | चोटयेः | चोटयेतम् | चोटयेत |
| | चोटयेयम् | चोटयेव | चोटयेम |
| प० | चोटयतु | चोटयतात् | चोटयताम् |
| | चोटय | चोटयतम् | चोटयत |
| | चोटयानि | चोटयाव | चोटयाम |
| ह्य० | अचोटयत् | अचोटयताम् | अचोटयन् |
| | अचोटयः | अचोटयतम् | अचोटयत |
| | अचोटयम् | अचोटयाव | अचोटयाम |
| अ० | अचूचुटत् | अचूचुटताम् | अचूचुटन् |
| | अचूचुटः | अचूचुटतम् | अचूचुटत |
| | अचूचुटम् | अचूचुटाव | अचूचुटाम |
| प० | चोटयाश्चकार | चोटयाश्चक्रुः | चोटयाश्चक्रुः |
| | चोटयाश्चकथे | चोटयाश्चकथुः | चोटयाश्चक्रुः |
| | चोटयाश्चकार-चकर | चोटयाश्चकृव | चोटयाश्चकृम |
| | चोटयाम्बभूव | चोटयामास | |
| आ० | चोटयत् | चोटयास्ताम् | चोटयासुः |
| | चोटयाः | चोटयास्तम् | चोटयास्त |
| | चोटयासम् | चोटयास्व | चोटयासम |
| श्व० | चोटयिता | चोटयितारौ | चोटयितारः |
| | चोटयितासि | चोटयितास्यः | चोटयितास्य |
| | चोटयितास्मि | चोटयितास्वः | चोटयितास्मः |
| भ० | चोटयिष्यति | चोटयिष्यतः | चोटयिष्यन्ति |
| | चोटयिष्यसि | चोटयिष्यथः | चोटयिष्यथ |
| | चोटयिष्यामि | चोटयिष्यावः | चोटयिष्यामः |
| क्रि० | अचोटयिष्यत् | अचोटयिष्यताम् | अचोटयिष्यन् |
| | अचोटयिष्यः | अचोटयिष्यतम् | अचोटयिष्यत |
| | अचोटयिष्यम् | अचोटयिष्याव | अचोटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | चोटयते | चोटयेते | चोटयन्ते |
| | चोटयसे | चोटयेथे | चोटयन्थे |
| | चोटये | चोटयावहे | चोटयामहे |
| स० | चोटयेत | चोटयेयाताम् | चोटयेरन् |
| | चोटयेथाः | चोटयेयाथाम् | चोटयेष्वम् |
| | चोटयेथ | चोटयेवहि | चोटयेमहि |
| प० | चोटयताम् | चोटयेताम् | चोटयन्ताम् |
| | चोटयस्व | चोटयेथाम् | चोटयेष्वम् |
| | चोटये | चोटयावहे | चोटयामहे |
| ह्य० | अचोटयत् | अचोटयेताम् | अचोटयन्त |
| | अचोटयथाः | अचोटयेथाम् | अचोटयेष्वम् |
| | अचोटये | अचोटयावहि | अचोटयामहि |
| अ० | अचूचुटत | अचूचुटेताम् | अचूचुटन्त |
| | अचूचुटथाः | अचूचुटेथाम् | अचूचुटेष्वम् |
| | अचूचुटे | अचूचुटावहि | अचूचुटामहि |
| प० | चोटयाश्चक्रे | चोटयाश्चक्रते | चोटयाश्चक्रिरे |
| | चोटयाश्चकृषे | चोटयाश्चक्रथे | चोटयाश्चकृवे |
| | चोटयाश्चक्रे | चोटयाश्चकृवहे | चोटयाश्चकृमहे |
| | चोटयाम्बभूव | चोटयामास | |
| आ० | चोटयिषीष्ट | चोटयिषीयास्ताम् | चोटयिषीरन् |
| | चोटयिषीष्ठाः | चोटयिषीयास्थाम् | चोटयिषीद्वम् |
| | चोटयिषीय | चोटयिषीवहि | चोटयिषीमहि |
| श्व० | चोटयिता | चोटयितारौ | चोटयितारः |
| | चोटयितासे | चोटयितासाथे | चोटयिताश्वे |
| | चोटयिताहे | चोटयितास्वहे | चोटयितास्महे |
| भ० | चोटयिष्यते | चोटयिष्येते | चोटयिष्यन्ते |
| | चोटयिष्यसे | चोटयिष्येथे | चोटयिष्यन्थे |
| | चोटयिष्ये | चोटयिष्यावहे | चोटयिष्यामहे |
| क्रि० | अचोटयिष्यत् | अचोटयिष्येताम् | अचोटयिष्यन्त |
| | अचोटयिष्यथाः | अचोटयिष्येथाम् | अचोटयिष्येष्वम् |
| | अचोटयिष्ये | अचोटयिष्यावहि | अचोटयिष्यामहि |

204 चुटु (चुण्ट) अल्पोभावे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० चुण्टयति | चुण्टयतः | चुण्टयन्ति |
| चुण्टयसि | चुण्टयथः | चुण्टयथ |
| चुण्टयामि | चुण्टयावः | चुण्टयामः |
| स० चुण्टयेत् | चुण्टयेताम् | चुण्टयेयुः |
| चुण्टयेः | चुण्टयेतम् | चुण्टयेत |
| चुण्टयेयम् | चुण्टयेव | चुण्टयेम |
| प० चुण्टयतु | चुण्टयतात् | चुण्टयताम् |
| चुण्टय | चुण्टयतात् | चुण्टयतम् |
| चुण्टयानि | चुण्टयाव | चुण्टयाम |
| ह्य० अचुण्टयत् | अचुण्टयताम् | अचुण्टयन् |
| अचुण्टयः | अचुण्टयतम् | अचुण्टयत |
| अचुण्टयम् | अचुण्टयाव | अचुण्टयाम |
| अ० अचुण्टत् | अचुण्टताम् | अचुण्टन् |
| अचुण्टः | अचुण्टतम् | अचुण्टत |
| अचुण्टम् | अचुण्टाव | अचुण्टाम |
| प० चुण्टयाञ्चकार | चुण्टयाञ्चकतुः | चुण्टयाञ्चकुः |
| चुण्टयाञ्चकथं | चुण्टयाञ्चकथुः | चुण्टयाञ्चक |
| चुण्टयाञ्चकार-चकर | चुण्टयाञ्चकव | चुण्टयाञ्चकम् |
| चुण्टयाम्बभूव | । | चुण्टयामास |
| आ० चुण्टयात् | चुण्टयास्ताम् | चुण्टयासुः |
| चुण्टयाः | चुण्टयास्तम् | चुण्टयास्त |
| चुण्टयासम् | चुण्टयास्व | चुण्टयास्म |
| श्व० चुण्टयिता | चुण्टयितारौ | चुण्टयितारः |
| चुण्टयितासि | चुण्टयितास्थः | चुण्टयितास्थ |
| चुण्टयितास्मि | चुण्टयितास्वः | चुण्टयितास्मः |
| भ० चुण्टयिष्यति | चुण्टयिष्यतः | चुण्टयिष्यन्ति |
| चुण्टयिष्यसि | चुण्टयिष्यथः | चुण्टयिष्यथ |
| चुण्टयिष्यामि | चुण्टयिष्यावः | चुण्टयिष्यामः |
| क्रि० अचुण्टयिष्यत् | अचुण्टयिष्यताम् | अचुण्टयिष्यन् |
| अचुण्टयिष्यः | अचुण्टयिष्यतम् | अचुण्टयिष्यत |
| अचुण्टयिष्यम् | अचुण्टयिष्याव | अचुण्टयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|----------------------|
| व० चुण्टयते | चुण्टयते | चुण्टयन्ते |
| चुण्टयसे | चुण्टयेथे | चुण्टयन्थे |
| चुण्टये | चुण्टयावहे | चुण्टयामहे |
| स० चुण्टयेत | चुण्टयेयाताम् | चुण्टयेरन् |
| चुण्टयेथाः | चुण्टयेयाथाम् | चुण्टयेध्वम् |
| चुण्टयेय | चुण्टयेवहि | चुण्टयेमहि |
| प० चुण्टयताम् | चुण्टयेताम् | चुण्टयन्ताम् |
| चुण्टयस्व | चुण्टयेथाम् | चुण्टयध्वम् |
| चुण्टये | चुण्टयावहे | चुण्टयामहे |
| ह्य० अचुण्टयत् | अचुण्टयेताम् | अचुण्टयन्त |
| अचुण्टयथाः | अचुण्टयेथाम् | अचुण्टयध्वम् |
| अचुण्टये | अचुण्टयावहि | अचुण्टयामहि |
| अ० अचुण्टत् | अचुण्टेताम् | अचुण्टन्त |
| अचुण्टथाः | अचुण्टेथाम् | अचुण्टध्वम् |
| अचुण्टे | अचुण्टावहि | अचुण्टामहि |
| प० चुण्टयाञ्चके | चुण्टयाञ्चकाते | चुण्टयाञ्चकिरे |
| चुण्टयाञ्चकषे | चुण्टयाञ्चकाथे | चुण्टयाञ्चकृद्वे |
| चुण्टयाञ्चके | चुण्टयाञ्चकवहे | चुण्टयाञ्चकृमहे |
| चुण्टयाम्बभूव | । | चुण्टयामास |
| आ० चुण्टयिषीष्ट | चुण्टयिषीयास्ताम् | चुण्टयिषीरन् |
| चुण्टयिषीष्ठाः | चुण्टयिषीयास्थाम् | चुण्टयिषीध्वम्-ध्वम् |
| चुण्टयिषीय | चुण्टयिषीवहि | चुण्टयिषीमहि |
| श्व० चुण्टयिता | चुण्टयितारौ | चुण्टयितारः |
| चुण्टयितासे | चुण्टयितासाथे | चुण्टयिताध्वे |
| चुण्टयिताहे | चुण्टयितास्वहे | चुण्टयितास्महे |
| भ० चुण्टयिष्यते | चुण्टयिष्येते | चुण्टयिष्यन्ते |
| चुण्टयिष्यसे | चुण्टयिष्येथे | चुण्टयिष्यन्थे |
| चुण्टयिष्ये | चुण्टयिष्यावहे | चुण्टयिष्यामहे |
| क्रि० अचुण्टयिष्यत् | अचुण्टयिष्येताम् | अचुण्टयिष्यन्त |
| अचुण्टयिष्यथाः | अचुण्टयिष्येथाम् | अचुण्टयिष्यध्वम् |
| अचुण्टयिष्ये | अचुण्टयिष्यावहि | अचुण्टयिष्यामहि |

205 वटु (वण्ट) विभाजने ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------------|
| ब० वण्टयति | वण्टयतः | वण्टयन्ति |
| वण्टयसि | वण्टयथः | वण्टयथ |
| वण्टयामि | वण्टयावः | वण्टयामः |
| स० वण्टयेत् | वण्टयेताम् | वण्टयेयुः |
| वण्टयेः | वण्टयेतम् | वण्टयेत |
| वण्टयेयम् | वण्टयेव | वण्टयेम |
| प० वण्टयतु | वण्टयतात् | वण्टयताम् वण्टयन्तु |
| वण्टय | वण्टयतात् | वण्टयतम् वण्टयत |
| वण्टयानि | वण्टयाव | वण्टयाम |
| ह्य० अवण्टयत् | अवण्टयताम् | अवण्टयन् |
| अवण्टयः | अवण्टयतम् | अवण्टयत |
| अवण्टयम् | अवण्टयाव | अवण्टयाम |
| अ० अववण्टत् | अववण्टताम् | अववण्टन् |
| अववण्टः | अववण्टतम् | अववण्टत |
| अववण्टम् | अववण्टाव | अववण्टाम |
| प० वण्टयाञ्चकार | वण्टयाञ्चकतुः | वण्टयाञ्चकुः |
| वण्टयाञ्चकथं | वण्टयाञ्चकथुः | वण्टयाञ्चक |
| वण्टयाञ्चकार-चकर | वण्टयाञ्चकृव | वण्टयाञ्चकृम |
| वण्टयाम्बभूव | वण्टयामास | |
| आ० वण्टयात् | वण्टयास्ताम् | वण्टयासुः |
| वण्टयाः | वण्टयास्तम् | वण्टयास्त |
| वण्टयासम् | वण्टयास्व | वण्टयास्म |
| श्व० वण्टयिता | वण्टयितारौ | वण्टयितारः |
| वण्टयितासि | वण्टयितास्थः | वण्टयितास्थ |
| वण्टयितास्मि | वण्टयितास्वः | वण्टयितास्मः |
| भ० वण्टयिष्यति | वण्टयिष्यतः | वण्टयिष्यन्ति |
| वण्टयिष्यसि | वण्टयिष्यथः | वण्टयिष्यथ |
| वण्टयिष्यामि | वण्टयिष्यावः | वण्टयिष्यामः |
| क्रि० अवण्टयिष्यत् | अवण्टयिष्यताम् | अवण्टयिष्यन्त |
| अवण्टयिष्यः | अवण्टयिष्यतम् | अवण्टयिष्यत |
| अवण्टयिष्यम् | अवण्टयिष्याव | अवण्टयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| ब० वण्टयते | वण्टयते | वण्टयन्ते |
| वण्टयसे | वण्टयेथे | वण्टयध्वे |
| वण्टये | वण्टयावहे | वण्टयामहे |
| स० वण्टयेत | वण्टयेयाताम् | वण्टयेरन् |
| वण्टयेथाः | वण्टयेयाथाम् | वण्टयेध्वम् |
| वण्टयेय | वण्टयेवहि | वण्टयेमहि |
| प० वण्टयताम् | वण्टयेताम् | वण्टयन्ताम् |
| वण्टयस्व | वण्टयेथम् | वण्टयध्वम् |
| वण्टये | वण्टयावहे | वण्टयामहे |
| ह्य० अवण्टयत | अवण्टयेताम् | अवण्टयन्त |
| अवण्टयथा | अवण्टयेथाम् | अवण्टयध्वम् |
| अवण्टये | अवण्टयावहि | अवण्टयामहि |
| अ० अववण्टत | अववण्टेताम् | अववण्टन्त |
| अववण्टथाः | अववण्टेथाम् | अववण्टध्वम् |
| अववण्टे | अववण्टावहि | अववण्टामहि |
| प० वण्टयाञ्चके | वण्टयाञ्चकते | वण्टयाञ्चकिरे |
| वण्टयाञ्चकृषे | वण्टयाञ्चकृषे | वण्टयाञ्चकृदुवे |
| वण्टयाञ्चके | वण्टयाञ्चकृवहे | वण्टयाञ्चकृमहे |
| वण्टयाम्बभूव | वण्टयामास | |
| आ० वण्टयिषीष्ट | वण्टयिषीयास्ताम् | वण्टयिषीरन् |
| वण्टयिषीष्ठाः | वण्टयिषीयास्थाम् | वण्टयिषीध्वम् |
| वण्टयिषीय | वण्टयिषीवहि | वण्टयिषीमहि |
| श्व० वण्टयिता | वण्टयितारौ | वण्टयितारः |
| वण्टयितासे | वण्टयितसाथे | वण्टयिताध्वे |
| वण्टयिताहे | वण्टयितास्वहे | वण्टयितास्महे |
| भ० वण्टयिष्यते | वण्टयिष्येते | वण्टयिष्यन्ते |
| वण्टयिष्यसे | वण्टयिष्येथे | वण्टयिष्यध्वे |
| वण्टयिष्ये | वण्टयिष्यावहे | वण्टयिष्यामहे |
| क्रि० अवण्टयिष्यत् | अवण्टयिष्येताम् | अवण्टयिष्यन्त |
| अवण्टयिष्यथाः | अवण्टयिष्येथाम् | अवण्टयिष्यध्वम् |
| अवण्टयिष्ये | अवण्टयिष्यावहि | अवण्टयिष्यामहि |

२०६ रुट् रुट् स्नेगे

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------------|
| व० | रुट् यति | रुट् यतः | रुट् यन्ति |
| | रुट् यसि | रुट् यथः | रुट् यथ |
| | रुट् यामि | रुट् यावः | रुट् यामः |
| स० | रुट् येत् | रुट् येताम् | रुट् येयुः |
| | रुट् येः | रुट् येतम् | रुट् येत |
| | रुट् येयम् | रुट् येव | रुट् येम |
| प० | रुट् यतु | रुट् यतात् | रुट् यताम् रुट् यन्तु |
| | रुट् य | रुट् यतात् | रुट् यतम् रुट् यत |
| | रुट् यानि | रुट् याव | रुट् याम |
| ह्य० | अरुट् यत् | अरुट् यताम् | अरुट् यन् |
| | अरुट् यः | अरुट् यतम् | अरुट् यत |
| | अरुट् यम् | अरुट् याव | अरुट् याम |
| अ० | अरुट् टत् | अरुट् टताम् | अरुट् टन् |
| | अरुट् टः | अरुट् टतम् | अरुट् टत |
| | अरुट् टम् | अरुट् टाव | अरुट् टाम |
| प० | रुट् याञ्चकार | रुट् याञ्चक्रुः | रुट् याञ्चकुः |
| | रुट् याञ्चकथं | रुट् याञ्चकथुः | रुट् याञ्चक |
| | रुट् याञ्चकार-चकर | रुट् याञ्चकृव | रुट् याञ्चकृम |
| | रुट् याम्बभूव | रुट् यामास | |
| आ० | रुट् यात् | रुट् यास्ताम् | रुट् यासुः |
| | रुट् याः | रुट् यास्तम् | रुट् यास्त |
| | रुट् यासम् | रुट् यास्व | रुट् यासम |
| श्व० | रुट् यिता | रुट् यितारौ | रुट् यितारः |
| | रुट् यितासि | रुट् यितास्थः | रुट् यितास्थ |
| | रुट् यितास्मि | रुट् यितास्वः | रुट् यितास्मः |
| भ० | रुट् यिष्यति | रुट् यिष्यतः | रुट् यिष्यन्ति |
| | रुट् यिष्यसि | रुट् यिष्यथः | रुट् यिष्यथ |
| | रुट् यिष्यामि | रुट् यिष्यावः | रुट् यिष्यामः |
| क्रि० | अरुट् यिष्यत् | अरुट् यिष्यताम् | अरुट् यिष्यन् |
| | अरुट् यिष्यः | अरुट् यिष्यतम् | अरुट् यिष्यत |
| | अरुट् यिष्यम् | अरुट् यिष्याव | अरुट् यिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | रुट् यते | रुट् यते | रुट् यन्ते |
| | रुट् यसे | रुट् येथे | रुट् यध्वे |
| | रुट् ये | रुट् यावहे | रुट् यामहे |
| स० | रुट् येत | रुट् येताताम् | रुट् येरन् |
| | रुट् येथाः | रुट् येथाम् | रुट् येध्वम् |
| | रुट् येय | रुट् येवहि | रुट् येमहि |
| प० | रुट् यताम् | रुट् येताम् | रुट् यन्ताम् |
| | रुट् यस्व | रुट् येथाम् | रुट् यध्वम् |
| | रुट् ये | रुट् यावहे | रुट् यामहे |
| ह्य० | अरुट् यत | अरुट् येताम् | अरुट् यन्त |
| | अरुट् यथा | अरुट् येथाम् | अरुट् यध्वम् |
| | अरुट् ये | अरुट् यावहि | अरुट् यामहि |
| अ० | अरुट् टत | अरुट् टेताम् | अरुट् टन्त |
| | अरुट् टथाः | अरुट् टेथाम् | अरुट् टध्वम् |
| | अरुट् टे | अरुट् टावहि | अरुट् टामहि |
| प० | रुट् याञ्चके | रुट् याञ्चक्राते | रुट् याञ्चकिरे |
| | रुट् याञ्चकृषे | रुट् याञ्चक्राथे | रुट् याञ्चकृद्वे |
| | रुट् याञ्चके | रुट् याञ्चकृवहे | रुट् याञ्चकृमहे |
| | रुट् याम्बभूव | रुट् यामास | |
| आ० | रुट् यिषीष्ट | रुट् यिषीयास्ताम् | रुट् यिषीरन् |
| | रुट् यिषीष्ठाः | रुट् यिषीयास्थाम् | रुट् यिषीध्वम् |
| | रुट् यिषीय | रुट् यिषीवहि | रुट् यिषीमहि |
| श्व० | रुट् यिता | रुट् यितारौ | रुट् यितारः |
| | रुट् यितासे | रुट् यितासाथे | रुट् यिताध्वे |
| | रुट् यिताहे | रुट् यितास्वहे | रुट् यितास्महे |
| भ० | रुट् यिष्यते | रुट् यिष्येते | रुट् यिष्यन्ते |
| | रुट् यिष्यसे | रुट् यिष्येथे | रुट् यिष्यध्वे |
| | रुट् यिष्ये | रुट् यिष्यावहे | रुट् यिष्यामहे |
| क्रि० | अरुट् यिष्यत | अरुट् यिष्येताम् | अरुट् यिष्यन्त |
| | अरुट् यिष्यथाः | अरुट् यिष्येथाम् | अरुट् यिष्यध्वम् |
| | अरुट् यिष्ये | अरुट् यिष्यावहि | अरुट् यिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (२०७)

207 लुट् (लुण्ट्) स्तेये ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० लुण्टयति | लुण्टयतः | लुण्टयन्ति |
| लुण्टयसि | लुण्टयथः | लुण्टयथ |
| लुण्टयामि | लुण्टयावः | लुण्टयामः |
| स० लुण्टयेत् | लुण्टयेताम् | लुण्टयेयुः |
| लुण्टयेः | लुण्टयेतम् | लुण्टयेत |
| लुण्टयेयम् | लुण्टयेव | लुण्टयेम |
| प० लुण्टयतु | लुण्टयतात् | लुण्टयताम् |
| लुण्टय | लुण्टयतात् | लुण्टयतम् |
| लुण्टयानि | लुण्टयाव | लुण्टयाम |
| ह्य० अलुण्टयत् | अलुण्टयताम् | अलुण्टयन् |
| अलुण्टयः | अलुण्टयतम् | अलुण्टयत |
| अलुण्टयम् | अलुण्टयाव | अलुण्टयाम |
| अ० अलुण्टत् | अलुण्टताम् | अलुण्टन् |
| अलुण्टः | अलुण्टतम् | अलुण्टत |
| अलुण्टम् | अलुण्टाव | अलुण्टाम |
| प० लुण्टयाश्चकार | लुण्टयाश्चक्रुः | लुण्टयाश्चकुः |
| लुण्टयाश्चकथे | लुण्टयाश्चक्रुः | लुण्टयाश्चक |
| लुण्टयाश्चकार-चकार | लुण्टयाश्चकृव | लुण्टयाश्चकृम |
| लुण्टयाम्बभूव | । | लुण्टयामास |
| आ० लुण्टयात् | लुण्टयास्ताम् | लुण्टयासुः |
| लुण्टयाः | लुण्टयास्तम् | लुण्टयास्त |
| लुण्टयासम् | लुण्टयास्व | लुण्टयास |
| श्च० लुण्टयिता | लुण्टयितारौ | लुण्टयितारः |
| लुण्टयितासि | लुण्टयितासथः | लुण्टयितासथ |
| लुण्टयितास्मि | लुण्टयितास्वः | लुण्टयितास्मः |
| भ० लुण्टयिष्यति | लुण्टयिष्यतः | लुण्टयिष्यन्ति |
| लुण्टयिष्यसि | लुण्टयिष्यथः | लुण्टयिष्यथ |
| लुण्टयिष्यामि | लुण्टयिष्यावः | लुण्टयिष्यामः |
| क्रि० अलुण्टयिष्यत् | अलुण्टयिष्यताम् | अलुण्टयिष्यन् |
| अलुण्टयिष्यः | अलुण्टयिष्यतम् | अलुण्टयिष्यत |
| अलुण्टयिष्यम् | अलुण्टयिष्याव | अलुण्टयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| व० लुण्टयते | लुण्टयेते | लुण्टयन्ते |
| लुण्टयसे | लुण्टयेथे | लुण्टयन्वे |
| लुण्टये | लुण्टयावहे | लुण्टयामहे |
| स० लुण्टयेत | लुण्टयेयाताम् | लुण्टयेरन् |
| लुण्टयेथाः | लुण्टयेयाथाम् | लुण्टयेचम् |
| लुण्टयेय | लुण्टयेवहि | लुण्टयेमहि |
| प० लुण्टयताम् | लुण्टयेताम् | लुण्टयन्ताम् |
| लुण्टयस्व | लुण्टयेथाम् | लुण्टयन्वम् |
| लुण्टये | लुण्टयावहे | लुण्टयामहे |
| ह्य० अलुण्टयत | अलुण्टयेताम् | अलुण्टयन्त |
| अलुण्टयथाः | अलुण्टयेथाम् | अलुण्टयन्वम् |
| अलुण्टये | अलुण्टयावहि | अलुण्टयामहि |
| अ० अलुण्टत | अलुण्टेताम् | अलुण्टन्त |
| अलुण्टथाः | अलुण्टेथाम् | अलुण्टन्वम् |
| अलुण्टे | अलुण्टावहि | अलुण्टामहि |
| प० लुण्टयाश्चके | लुण्टयाश्चकाते | लुण्टयाश्चकिरे |
| लुण्टयाश्चकथे | लुण्टयाश्चकाथे | लुण्टयाश्चकृद्वे |
| लुण्टयाश्चके | लुण्टयाश्चकृवहे | लुण्टयाश्चकृमहे |
| लुण्टयाम्बभूव | । | लुण्टयामास |
| आ० लुण्टयिषीष्ट | लुण्टयिषीयास्ताम् | लुण्टयिषीरन् |
| लुण्टयिषीष्ठाः | लुण्टयिषीयास्थाम् | लुण्टयिषीद्वम्-चम् |
| लुण्टयिषीय | लुण्टयिषीवहि | लुण्टयिषीमहि |
| श्च० लुण्टयिता | लुण्टयितारौ | लुण्टयितारः |
| लुण्टयितासे | लुण्टयितासाथे | लुण्टयितास्वे |
| लुण्टयिताहे | लुण्टयितास्वहे | लुण्टयितास्महे |
| भ० लुण्टयिष्यते | लुण्टयिष्येते | लुण्टयिष्यन्ते |
| लुण्टयिष्यसे | लुण्टयिष्येथे | लुण्टयिष्यन्वे |
| लुण्टयिष्ये | लुण्टयिष्यावहे | लुण्टयिष्यामहे |
| क्रि० अलुण्टयिष्यत | अलुण्टयिष्येताम् | अलुण्टयिष्यन्त |
| अलुण्टयिष्यथाः | अलुण्टयिष्येथाम् | अलुण्टयिष्यन्वम् |
| अलुण्टयिष्ये | अलुण्टयिष्यावहि | अलुण्टयिष्यामहि |

208 स्फट (स्फट्) विवरणे

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० स्फटयति | स्फटयतः | स्फटयन्त |
| स्फटयसि | स्फटयथः | स्फटयथ |
| स्फटयामि | स्फटयावः | स्फटयामः |
| स० स्फटयेत् | स्फटयेताम् | स्फटयेयुः |
| स्फटयेः | स्फटयेतम् | स्फटयेत |
| स्फटयेयम् | स्फटयेव | स्फटयेम |
| प० स्फटयतु | स्फटयतात् | स्फटयताम् |
| स्फटय | स्फटयतात | स्फटयतम् |
| स्फटयानि | स्फटयाव | स्फटयाम |
| झ० अस्फटयत् | अस्फटयताम् | अस्फटयन् |
| अस्फटयः | अस्फटयतम् | अस्फटयत |
| अस्फटयम् | अस्फटयाव | अस्फटयाम |
| अ० अपिस्फटत् | अपिस्फटताम् | अपिस्फटन् |
| अपिस्फटः | अपिस्फटतम् | अपिस्फटत |
| अपिस्फटम् | अपिस्फटाव | अपिस्फटाम |
| प० स्फटयाञ्चकार | स्फटयाञ्चक्रतुः | स्फटयाञ्चक्रुः |
| स्फटयाञ्चकथ्य | स्फटयाञ्चक्रथुः | स्फटयाञ्चक्र |
| स्फटयाञ्चकार-चक्र | स्फटयाञ्चक्रव | स्फटयाञ्चक्रम् |
| स्फटयाञ्चभूव | । | स्फटयामास |
| आ० स्फटयात् | स्फटयास्ताम् | स्फटयासुः |
| स्फटयाः | स्फटयास्तम् | स्फटयास्त |
| स्फटयासम् | स्फटयास्व | स्फटयास्म |
| शु० स्फटयिता | स्फटयितारौ | स्फटयितारः |
| स्फटयितासि | स्फटयितास्थः | स्फटयितास्थ |
| स्फटयितास्मि | स्फटयितास्वः | स्फटयितास्मः |
| म० स्फटयिष्यति | स्फटयिष्यतः | स्फटयिष्यन्ति |
| स्फटयिष्यसि | स्फटयिष्यथः | स्फटयिष्यथ |
| स्फटयिष्यामि | स्फटयिष्यावः | स्फटयिष्यामः |
| क० अस्फटयिष्यत् | अस्फटयिष्यताम् | अस्फटयिष्यन् |
| अस्फटयिष्यः | अस्फटयिष्यतम् | अस्फटयिष्यत |
| अस्फटयिष्यम् | अस्फटयिष्याव | अस्फटयिष्याम |
| अ० अपिस्फटत् | अपिस्फटताम् | अपिस्फटन् |
| अपिस्फटः | अपिस्फटतम् | अपिस्फटत |
| अपिस्फटम् | अपिस्फटाव | अपिस्फटाम |

| | | |
|-------------------|------------------|---------------------|
| व० स्फटयते | स्फटयेते | स्फटयन्ते |
| स्फटयसे | स्फटयेथे | स्फटयध्वे |
| स्फटये | स्फटयावहे | स्फटयामहे |
| स० स्फटयेत | स्फटयेयाताम् | स्फटयेरन् |
| स्फटयेथाः | स्फटयेयाथाम् | स्फटयेध्वम् |
| स्फटयेय | स्फटयेवहि | स्फटयेमहि |
| प० स्फटयताम् | स्फटयेताम् | स्फटयन्ताम् |
| स्फटयस्व | स्फटयेथाम् | स्फटयध्वम् |
| स्फटये | स्फटयावहे | स्फटयामहे |
| झ० अस्फटयत | अस्फटयेताम् | अस्फटयन्त |
| अस्फटयथाः | अस्फटयेथाम् | अस्फटयध्वम् |
| अस्फटये | अस्फटयावहि | अस्फटयामहि |
| अ० अपिस्फुटत् | अपिस्फुटेताम् | अपिस्फुटन्त |
| अपिस्फुटथाः | अपिस्फुटेथाम् | अपिस्फुटध्वम् |
| अपिस्फुटे | अपिस्फुटावहि | अपिस्फुटामहि |
| प० स्फटयाञ्चक्रे | स्फटयाञ्चक्राते | स्फटयाञ्चक्रिरे |
| स्फटयाञ्चकृषे | स्फटयाञ्चक्राथे | स्फटयाञ्चकृन्वे |
| स्फटयाञ्चक्रे | स्फटयाञ्चक्रवहे | स्फटयाञ्चकृमहे |
| स्फटयाम्बभूव | । | स्फटयामास |
| अ० स्फटयिषीष्ट | स्फटयिषीयास्ताम् | स्फटयिषीरन् |
| स्फटयिषीष्ठाः | स्फटयिषीयाथाम् | स्फटयिषीद्वम्-ध्वम् |
| स्फटयिषीय | स्फटयिषीवहि | स्फटयिषीमहि |
| श्व० स्फटयिता | स्फटयितारौ | स्फटयितारः |
| स्फटयितासे | स्फटयितासाथे | स्फटयिताध्वे |
| स्फटयिताहे | स्फटयितास्वहे | स्फटयितास्महे |
| भ० स्फटयिष्यते | स्फटयिष्येते | स्फटयिष्यन्ते |
| स्फटयिष्यसे | स्फटयिष्येथे | स्फटयिष्यध्वे |
| स्फटयिष्ये | स्फटयिष्यावहे | स्फटयिष्यामहे |
| क्रि० अस्फटयिष्यत | अस्फटयिष्येताम् | अस्फटयिष्यन्त |
| अस्फटयिष्यथाः | अस्फटयिष्येथाम् | अस्फटयिष्यध्वम् |
| अस्फटयिष्ये | अस्फटयिष्यावहि | अस्फटयिष्यामहि |
| अ० अपिस्फटत् | अपिस्फटताम् | अपिस्फटन्त |
| अपिस्फटथाः | अपिस्फटेथाम् | अपिस्फटध्वम् |
| अपिस्फटे | अपिस्फटावहि | अपिस्फटामहि |

209 स्फुट् (स्फुट्) विसरणे

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------------|
| व० स्फोटयति | स्फोटयतः | स्फोटयन्ति |
| स्फोटयसि | स्फोटयथः | स्फोटयथ |
| स्फोटयामि | स्फोटयावः | स्फोटयामः |
| स० स्फोटयेत् | स्फोटयेताम् | स्फोटयेयुः |
| स्फोटयेः | स्फोटयेतम् | स्फोटयेत |
| स्फोटयेयम् | स्फोटयेव | स्फोटयेम |
| प० स्फोटयतु | स्फोटयतात् | स्फोटयताम् स्फोटयन्तु |
| स्फोटय | स्फोटयतात् | स्फोटयतम् स्फोटयत |
| स्फोटयानि | स्फोटयाव | स्फोटयाम |
| ह्य० अस्फोटयत् | अस्फोटयताम् | अस्फोटयन् |
| अस्फोटयः | अस्फोटयतम् | अस्फोटयत |
| अस्फोटयम् | अस्फोटयाव | अस्फोटयाम |
| अ० अपुस्फुटत् | अपुस्फुटताम् | अपुस्फुटन् |
| अपुस्फुटः | अपुस्फुटतम् | अपुस्फुटत |
| अपुस्फुटम् | अपुस्फुटाव | अपुस्फुटाम |
| प० स्फोटयाञ्चकार | स्फोटयाञ्चक्रतुः | स्फोटयाञ्चक्रुः |
| स्फोटयाञ्चकथं | स्फोटयाञ्चकथुः | स्फोटयाञ्चक |
| स्फोटयाञ्चकार-चकर | स्फोटयाञ्चकृव | स्फोटयाञ्चकृम |
| स्फोटयाञ्चभूव | । | स्फोटयामास |
| आ० स्फोटयात् | स्फोटयास्ताम् | स्फोटयासुः |
| स्फोटयाः | स्फोटयास्तम् | स्फोटयास्त |
| स्फोटयासम् | स्फोटयास्व | स्फोटयास्म |
| श्व० स्फोटयिता | स्फोटयितारौ | स्फोटयितारः |
| स्फोटयितासि | स्फोटयितास्थः | स्फोटयितास्थ |
| स्फोटयितास्मि | स्फोटयितास्वः | स्फोटयितास्मः |
| भ० स्फोटयिष्यति | स्फोटयिष्यतः | स्फोटयिष्यन्ति |
| स्फोटयिष्यसि | स्फोटयिष्यथः | स्फोटयिष्यथे |
| स्फोटयिष्यामि | स्फोटयिष्यावः | स्फोटयिष्यामः |
| क्रि० अस्फोटयिष्यत् | अस्फोटयिष्यताम् | अस्फोटयिष्यन् |
| अस्फोटयिष्यः | अस्फोटयिष्यतम् | अस्फोटयिष्यत |
| अस्फोटयिष्यम् | अस्फोटयिष्याव | अस्फोटयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|----------------------|
| व० स्फोटयते | स्फोटयेते | स्फोटयन्ते |
| स्फोटयसे | स्फोटयेथे | स्फोटयन्थे |
| स्फोटये | स्फोटयावहे | स्फोटयामहे |
| स० स्फोटयेत | स्फोटयेताताम् | स्फोटयेरन् |
| स्फोटयेथाः | स्फोटयेथाताम् | स्फोटयेथ्वम् |
| स्फोटयेय | स्फोटयेवहि | स्फोटयेमहि |
| प० स्फोटयताम् | स्फोटयेताम् | स्फोटयन्ताम् |
| स्फोटयस्व | स्फोटयेथाम् | स्फोटयन्थ्वम् |
| स्फोटयै | स्फोटयावहै | स्फोटयामहै |
| ह्य० अस्फोटयत | अस्फोटयेताम् | अस्फोटयन्त |
| अस्फोटयथाः | अस्फोटयेथाम् | अस्फोटयन्थ्वम् |
| अस्फोटये | अस्फोटयावहि | अस्फोटयामहि |
| अ० अपुस्फुटत | अपुस्फुटेताम् | अपुस्फुटन्त |
| अपुस्फुटथाः | अपुस्फुटेथाम् | अपुस्फुटन्थ्वम् |
| अपुस्फुटे | अपुस्फुटावहि | अपुस्फुटामहि |
| प० स्फोटयाञ्चक्रे | स्फोटयाञ्चक्राते | स्फोटयाञ्चक्रिरे |
| स्फोटयाञ्चकृषे | स्फोटयाञ्चक्राथे | स्फोटयाञ्चकृन्थे |
| स्फोटयाञ्चक्रे | स्फोटयाञ्चकृवहे | स्फोटयाञ्चकृमहे |
| स्फोटयाञ्चभूव | । | स्फोटयामास |
| अ० स्फोटयिषीष्ट | स्फोटयिषीयास्ताम् | स्फोटयिषीरन् |
| स्फोटयिषीष्टाः | स्फोटयिषीयास्ताम् | स्फोटयिषीद्वम्-ध्वम् |
| स्फोटयिषीय | स्फोटयिषीवहि | स्फोटयिषीमहि |
| श्व० स्फोटयिता | स्फोटयितारौ | स्फोटयितारः |
| स्फोटयितासे | स्फोटयितासाथे | स्फोटयिताध्वे |
| स्फोटयिताहे | स्फोटयितास्वहे | स्फोटयितास्महे |
| भ० स्फोटयिष्यते | स्फोटयिष्येते | स्फोटयिष्यन्ते |
| स्फोटयिष्यसे | स्फोटयिष्येथे | स्फोटयिष्यन्थे |
| स्फोटयिष्ये | स्फोटयिष्यावहे | स्फोटयिष्यामहे |
| क्रि० अस्फोटयिष्यत | अस्फोटयिष्येताम् | अस्फोटयिष्यन्त |
| अस्फोटयिष्यथाः | अस्फोटयिष्येथाम् | अस्फोटयिष्यन्थ्वम् |
| अस्फोटयिष्ये | अस्फोटयिष्यावहि | अस्फोटयिष्यामहि |

210 लट् (लट्) बाल्ये ।

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| ब० | लाटयति | लाटयतः | लाटयन्ति |
| | लाटयसि | लाटयथः | लाटयथ |
| | लाटयामि | लाटयावः | लाटयामः |
| स० | लाटयेत् | लाटयेताम् | लाटयेयुः |
| | लाटयेः | लाटयेतम् | लाटयेत |
| | लाटयेयम् | लाटयेव | लाटयेम |
| प० | लाटयतु | लाटयतात् | लाटयताम् |
| | लाटय | लाटयतात् | लाटयतम् |
| | लाटयानि | लाटयाव | लाटयाम |
| | लाटयत् | अलाटयताम् | अलाटयन् |
| | टयः | अलाटयतम् | अलाटयत |
| | यम् | अलाटयाव | अलाटयाम |
| | लट् | अलीलटताम् | अलीलटन् |
| | लीलटः | अलीलटतम् | अलीलटत |
| | लीलटम् | अलीलटाव | अलीलटाम |
| | लट्याश्चकार | लाटयाश्चकतुः | लाटयाश्चकुः |
| | लट्यकर्म | लाटयाश्चकथुः | लाटयाश्चक |
| | लट्यकार-चकर | लाटयाश्चकृव | लाटयाश्चकृम |
| | याम्बभूव | लाटयामास | |
| | लट्यात् | लाटयास्ताम् | लाटयास्तुः |
| | लाटयाः | लाटयास्तम् | लाटयास्त |
| | लाटयासम् | लाटयास्व | लाटयास्म |
| ब० | लाटयिता | लाटयितारौ | लाटयितारः |
| | लाटयितासि | लाटयितास्थः | लाटयितास्थ |
| | लाटयितास्मि | लाटयितास्वः | लाटयितास्मः |
| भ० | लाटयिष्यति | लाटयिष्यतः | लाटयिष्यन्ति |
| | लाटयिष्यसि | लाटयिष्यथः | लाटयिष्यथ |
| | लाटयिष्यामि | लाटयिष्यावः | लाटयिष्यामः |
| क्रि० | अलाटयिष्यत् | अलाटयिष्यताम् | अलाटयिष्यन् |
| | अलाटयिष्यः | अलाटयिष्यतम् | अलाटयिष्यत |
| | अलाटयिष्यम् | अलाटयिष्याव | अलाटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|--------------------|
| व० | लाटयते | लाटयते | लाटयन्ते |
| | लाटयसे | लाटयथे | लाटयन्वे |
| | लाटये | लाटयावहे | लाटयामहे |
| स० | लाटयेत | लाटयेयाताम् | लाटयेरन् |
| | लाटयेथाः | लाटयेयाथाम् | लाटयेष्वम् |
| | लाटयेय | लाटयेवहि | लाटयेमहि |
| प० | लाटयताम् | लाटयेताम् | लाटयन्ताम् |
| | लाटयस्व | लाटयेथाम् | लाटयन्वम् |
| | लाटये | लाटयावहे | लाटयामहे |
| ह्य० | अलाटयत | अलाटयेताम् | अलाटयन्त |
| | अलाटयथाः | अलाटयेथाम् | अलाटयन्वम् |
| | अलाटये | अलाटयावहि | अलाटयामहि |
| अ० | अलीलटत | अलीलटेताम् | अलीलटन्त |
| | अलीलटथाः | अलीलटेथाम् | अलीलटन्वम् |
| | अलीलटे | अलीलटावहि | अलीलटामहि |
| प० | लाटयाश्चके | लाटयाश्चकाते | लाटयाश्चकिरे |
| | लाटयाश्चकृषे | लाटयाश्चकाथे | लाटयाश्चकृवहे |
| | लाटयाश्चके | लाटयाश्चकृवहे | लाटयाश्चकृमहे |
| | लाटयाम्बभूव | लाटयामास | |
| आ० | लाटयिषीष्ट | लाटयिषीस्ताम् | लाटयिषीरन् |
| | लाटयिषीष्ठाः | लाटयिषीस्थां | लाटयिषीद्वम्-ष्वम् |
| | लाटयिषीय | लाटयिषीवहि | लाटयिषीमहि |
| श्व० | लाटयिता | लाटयितारौ | लाटयितारः |
| | लाटयितासे | लाटयितासाथे | लाटयिताध्वे |
| | लाटयिताहे | लाटयितास्वहे | लाटयितास्महे |
| भ० | लाटयिष्यते | लाटयिष्येते | लाटयिष्यन्ते |
| | लाटयिष्यसे | लाटयिष्येथे | लाटयिष्यन्वे |
| | लाटयिष्ये | लाटयिष्यावहे | लाटयिष्यामहे |
| क्रि० | अलाटयिष्यत् | अलाटयिष्येताम् | अलाटयिष्यन्त |
| | अलाटयिष्यथाः | अलाटयिष्येथाम् | अलाटयिष्यन्वम् |
| | अलाटयिष्ये | अलाटयिष्यावहि | अलाटयिष्यामहि |

211 रट् (रट्) परिभाषणे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | राट्यति | राट्यतः | राट्यन्ति |
| | राट्यसि | राट्यथः | राट्यथ |
| | राट्यामि | राट्यावः | राट्यामः |
| स० | राट्येत् | राट्येताम् | राट्येयुः |
| | राट्येः | राट्येतम् | राट्येत |
| | राट्येयम् | राट्येव | राट्येम |
| प० | राट्यतु | राट्यतात् | राट्यताम् |
| | राट्य | राट्यतात् | राट्यतम् |
| | राट्यानि | राट्याव | राट्याम |
| ह्य० | अराट्यत् | अराट्यताम् | अराट्यन् |
| | अराट्यः | अराट्यतम् | अराट्यत |
| | अराट्यम् | अराट्याव | अराट्याम |
| अ० | अरीरट् | अरीरटताम् | अरीरटन् |
| | अरीरटः | अरीरटतम् | अरीरटत |
| | अरीरटम् | अरीरटाव | अरीरटाम |
| प० | राट्याञ्चकार | राट्याञ्चक्रुः | राट्याञ्चकुः |
| | राट्याञ्चकथं | राट्याञ्चकथुः | राट्याञ्चक |
| | राट्याञ्चकार-चकर | राट्याञ्चकृव | राट्याञ्चकृम |
| | राट्याम्बभूष | राट्यामास | |
| आ० | राट्यात् | राट्यास्ताम् | राट्यास्तुः |
| | राट्याः | राट्यास्तम् | राट्यास्त |
| | राट्यामम् | राट्यास्व | राट्यास्म |
| भ० | राट्यिता | राट्यितारौ | राट्यितारः |
| | राट्यितासि | राट्यितास्थः | राट्यितास्थ |
| | राट्यितामि | राट्यितास्वः | राट्यितास्मः |
| भ० | राट्यिष्यति | राट्यिष्यतः | राट्यिष्यन्ति |
| | राट्यिष्यसि | राट्यिष्यथः | राट्यिष्यथ |
| | राट्यिष्यामि | राट्यिष्यावः | राट्यिष्यामः |
| क्रि० | अराट्यिष्यत् | अराट्यिष्यताम् | अराट्यिष्यन् |
| | अराट्यिष्यः | अराट्यिष्यतम् | अराट्यिष्यत |
| | अराट्यिष्यम् | अराट्यिष्याव | अराट्यिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|---------------------|
| व० | राट्यते | राट्येते | राट्यन्ते |
| | राट्यसे | राट्येथे | राट्यन्थे |
| | राट्ये | राट्यावहे | राट्यामहे |
| स० | राट्येत | राट्येताम् | राट्येरन् |
| | राट्येथाः | राट्येथाम् | राट्येथ्वम् |
| | राट्येय | राट्येवहि | राट्येमहि |
| प० | राट्यताम् | राट्येताम् | राट्यन्ताम् |
| | राट्यस्व | राट्येथाम् | राट्येथ्वम् |
| | राट्ये | राट्यावहे | राट्यामहे |
| ह्य० | अराट्यत | अराट्येताम् | अराट्यन्त |
| | अराट्यथाः | अराट्येथाम् | अराट्येथ्वम् |
| | अराट्ये | अराट्यावहि | अराट्यामहि |
| अ० | अरीरट् | अरीरटेताम् | अरीरटन्त |
| | अरीरटथाः | अरीरटेथाम् | अरीरटेथ्वम् |
| | अरीरटे | अरीरटावहि | अरीरटामहि |
| प० | राट्याञ्चके | राट्याञ्चकाते | राट्याञ्चकिरे |
| | राट्याञ्चकृषे | राट्याञ्चकाथे | राट्याञ्चकृद्वे |
| | राट्याञ्चके | राट्याञ्चकृवहे | राट्याञ्चकृमहे |
| | राट्याम्बभूव | राट्यामास | |
| आ० | राट्यिषीष्ट | राट्यिषीयास्ताम् | राट्यिषीरन् |
| | राट्यिषीष्ठाः | राट्यिषीयास्थाम् | राट्यिषीद्वम्-ध्वम् |
| | राट्यिषीय | राट्यिषीवहि | राट्यिषीमहि |
| भ० | राट्यिता | राट्यितारौ | राट्यितारः |
| | राट्यितासे | राट्यितासाथे | राट्यिताथे |
| | राट्यिताहे | राट्यितास्वहे | राट्यितास्महे |
| भ० | राट्यिष्यते | राट्यिष्येते | राट्यिष्यन्ते |
| | राट्यिष्यसे | राट्यिष्येथे | राट्यिष्यन्थे |
| | राट्यिष्ये | राट्यिष्यावहे | राट्यिष्यामहे |
| क्रि० | अराट्यिष्यत | अराट्यिष्येताम् | अराट्यिष्यन्त |
| | अराट्यिष्यथाः | अराट्यिष्येथाम् | अराट्यिष्येथ्वम् |
| | अराट्यिष्ये | अराट्यिष्यावहि | अराट्यिष्यामहि |

॥ अथ ठान्तः सप्तदश ॥

२।२ रठ (रठ्) परिभाषणः ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | राठयति | राठयतः | राठयन्ति |
| | राठयसि | राठयथः | राठयथ |
| | राठयामि | राठयावः | राठयामः |
| स० | राठयेत् | राठयेताम् | राठयेयुः |
| | राठयेः | राठयेतम् | राठयेत |
| | राठयेयम् | राठयेव | राठयेम |
| प० | राठयतु | राठयतात् | राठयताम् |
| | राठय | राठयतात् | राठयतम् |
| | राठयाने | राठयाव | राठयाम |
| ह्य० | अराठयत् | अराठयताम् | अराठयन् |
| | अराठयः | अराठयतम् | अराठयत |
| | अराठयम् | अराठयाव | अराठयाम |
| अ० | अरीरठत् | अरीरठताम् | अरीरठन् |
| | अरीरठः | अरीरठतम् | अरीरठत |
| | अरीरठम् | अरीरठाव | अरीरठाम |
| प० | राठयाञ्चकार | राठयाञ्चक्रुः | राठयाञ्चकुः |
| | राठयाञ्चकथं | राठयाञ्चकथुः | राठयाञ्चक |
| | राठयाञ्चकार-चकर | राठयाञ्चकुव | राठयाञ्चकृम |
| | राठयाम्बभूव | । | राठयामास |
| आ० | राठयात् | राठयास्ताम् | राठयासुः |
| | राठयाः | राठयास्तम् | राठयास्त |
| | राठयासम् | राठयास्व | राठयास्म |
| श्व० | राठयिता | राठयितारौ | राठयितारः |
| | राठयितासि | राठयितास्थः | राठयितास्थ |
| | राठयित स्मि | राठयितास्वः | राठयितास्मः |
| भ० | राठयिष्यति | राठयिष्यतः | राठयिष्यन्ति |
| | राठयिष्यासि | राठयिष्यथः | राठयिष्यथ |
| | राठयिष्यामि | राठयिष्यावः | राठयिष्यामः |
| क्रि० | अराठयिष्यत् | अराठयिष्यताम् | अराठयिष्यन् |
| | अराठयिष्यः | अराठयिष्यतम् | अराठयिष्यत |
| | अराठयिष्यम् | अराठयिष्याव | अराठयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | राठयते | राठयते | राठयन्ते |
| | राठयसे | राठयथे | राठयध्वे |
| | राठये | राठयावहे | राठयामहे |
| स० | राठयेत | राठयेयाताम् | राठयेरन् |
| | राठयेथाः | राठयेयाथाम् | राठयेध्वम् |
| | राठयेय | राठयेवहि | राठयेमहि |
| प० | राठयताम् | राठयेताम् | राठयन्ताम् |
| | राठयस्व | राठयेथाम् | राठयध्वम् |
| | राठये | राठयावहे | राठयामहे |
| ह्य० | अराठयत | अराठयेताम् | अराठयन्त |
| | अराठयथाः | अराठयेथाम् | अराठयध्वम् |
| | अराठये | अराठयावहि | अराठयामहि |
| अ० | अरीरठत | अरीरठेताम् | अरीरठन्त |
| | अरीरठथाः | अरीरठेथाम् | अरीरठध्वम् |
| | अरीरठे | अरीरठावहि | अरीरठामहि |
| प० | राठयाञ्चके | राठयाञ्चकाते | राठयाञ्चकिरे |
| | राठयाञ्चकृषे | राठयाञ्चकथे | राठयाञ्चकृध्वे |
| | राठयाञ्चके | राठयाञ्चकुवहे | राठयाञ्चकृमहे |
| | राठयाम्बभूव | । | राठयामास |
| आ० | राठयिषीष्ट | राठयिषीयास्ताम् | राठयिषीरन् |
| | राठयिषीष्टाः | राठयिषीयास्थाम् | राठयिषीध्वम्-ध्वम् |
| | राठयिषीय | राठयिषीवहि | राठयिषीमहि |
| श्व० | राठयिता | राठयितारौ | राठयितारः |
| | राठयितासे | राठयितासाथे | राठयिताध्वे |
| | राठयितहे | राठयितास्वहे | राठयितास्महे |
| भ० | राठयिष्यते | राठयिष्येते | राठयिष्यन्ते |
| | राठयिष्येते | राठयिष्येथे | राठयिष्यध्वे |
| | राठयिष्ये | राठयिष्यावहे | राठयिष्यामहे |
| क्रि० | अराठयिष्यत | अराठयिष्येताम् | अराठयिष्यन्त |
| | अराठयिष्यथाः | अराठयिष्येथाम् | अराठयिष्यध्वम् |
| | अराठयिष्ये | अराठयिष्यावहि | अराठयिष्यामहि |

213 पठ (पठ्) व्यक्तायां वाचि ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|--------------|
| व० | पाठयति | पाठयतः | पाठयन्ति |
| | पाठयसि | पाठयथः | पाठयथ |
| | पाठयामि | पाठयावः | पाठयामः |
| स० | पाठयेत् | पाठयेताम् | पाठयेयुः |
| | पाठयेः | पाठयेतम् | पाठयेत |
| | पाठयेयम् | पाठयेव | पाठयेम |
| प० | पाठयतु | पाठयतात् | पाठयताम् |
| | पाठय | पाठयतात् | पाठयतम् |
| | पाठयानि | पाठयाव | पाठयाम |
| ह्य० | अपाठयत् | अपाठयताम् | अपाठयन् |
| | अपाठयः | अपाठयतम् | अपाठयत |
| | अपाठयम् | अपाठयाव | अपाठयाम |
| अ० | अपीपठत् | अपीपठताम् | अपीपठन् |
| | अपीपठः | अपीपठतम् | अपीपठत |
| | अपीपठम् | अपीपठाव | अपीपठाम |
| प० | पाठयाञ्चकार | पाठयाञ्चक्रतुः | पाठयाञ्चकुः |
| | पाठयाञ्चकथं | पाठयाञ्चकथुः | पाठयाञ्चक |
| | पाठयाञ्चकार-चकर | पाठयाञ्चकृव | पाठयाञ्चकृम |
| | पाठयाम्बभूव | । | पाठयामास |
| आ० | पाठयात् | पाठयास्ताम् | पाठयासुः |
| | पाठयाः | पाठयास्तम् | पाठयास्त |
| | पाठयासम् | पाठयास्व | पाठयास्म |
| श्व० | पाठयिता | पाठयितारौ | पाठयितारः |
| | पाठयितासि | पाठयितास्थः | पाठयितास्थ |
| | पाठयितास्मि | पाठयितास्वः | पाठयितास्मः |
| भ० | पाठयिष्यति | पाठयिष्यतः | पाठयिष्यन्ति |
| | पाठयिष्यसि | पाठयिष्यथः | पाठयिष्यथ |
| | पाठयिष्यामि | पाठयिष्यावः | पाठयिष्यामः |
| क्रि० | अपाठयिष्यत् | अपाठयिष्यताम् | अपाठयिष्यन् |
| | अपाठयिष्यः | अपाठयिष्यतम् | अपाठयिष्यत |
| | अपाठयिष्यम् | अपाठयिष्याव | अपाठयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | पाठयते | पाठयेते | पाठयन्ते |
| | पाठयसे | पाठयेथे | पाठयन्थे |
| | पाठये | पाठयावहे | पाठयामहे |
| स० | पाठयेत | पाठयेयाताम् | पाठयेरन् |
| | पाठयेथाः | पाठयेयाथाम् | पाठयेथ्वम् |
| | पाठयेथ | पाठयेवहि | पाठयेमहि |
| प० | पाठयताम् | पाठयेताम् | पाठयन्ताम् |
| | पाठयस्व | पाठयेथाम् | पाठयन्वम् |
| | पाठये | पाठयावहै | पाठयामहै |
| ह्य० | अपाठयत | अपाठयेताम् | अपाठयन्त |
| | अपाठयथाः | अपाठयेथाम् | अपाठयन्वम् |
| | अपाठये | अपाठयावहि | अपाठयामहि |
| अ० | अपीपठत | अपीपठेताम् | अपीपठन्त |
| | अपीपठथाः | अपीपठेथाम् | अपीपठन्वम् |
| | अपीपठे | अपीपठावहि | अपीपठामहि |
| प० | पाठयाञ्चके | पाठयाञ्चकाते | पाठयाञ्चकिरे |
| | पाठयाञ्चकृषे | पाठयाञ्चक्राथे | पाठयाञ्चकृद्वे |
| | पाठयाञ्चके | पाठयाञ्चकृवहे | पाठयाञ्चकृमहे |
| | पाठयाम्बभूव | । | पाठयामास |
| आ० | पाठयिषीष्ट | पाठयिषीयास्ताम् | पाठयिषीरन् |
| | पाठयिषीष्टाः | पाठयिषीयास्थाम् | पाठयिषीद्वम् भ्वम् |
| | पाठयिषीय | पाठयिषीवहि | पाठयिषीमहि |
| श्व० | पाठयिता | पाठयितारौ | पाठयितारः |
| | पाठयितासे | पाठयितासाथे | पाठयिताथे |
| | पाठयिताहे | पाठयितास्वहे | पाठयितास्महे |
| भ० | पाठयिष्यते | पाठयिष्येते | पाठयिष्यन्ते |
| | पाठयिष्यसे | पाठयिष्येथे | पाठयिष्यन्थे |
| | पाठयिष्ये | पाठयिष्यावहे | पाठयिष्यामहे |
| क्रि० | अपाठयिष्यत | अपाठयिष्येताम् | अपाठयिष्यन्त |
| | अपाठयिष्यथाः | अपाठयिष्येथाम् | अपाठयिष्यन्वम् |
| | अपाठयिष्ये | अपाठयिष्यावहि | अपाठयिष्यामहि |

२१४ वट (वट्) स्थौल्ये ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वाठयति | वाठयतः | वाठयन्ति |
| वाठयसि | वाठयथः | वाठयथ |
| वाठयामि | वाठयावः | वाठयामः |
| स० वाठयेत् | वाठयेताम् | वाठयेयुः |
| वाठयेः | वाठयेतम् | वाठयेत |
| वाठयेयम् | वाठयेव | वाठयेम |
| ५० वाठयतु | वाठयतात् | वाठयताम् |
| वाठयतु | वाठयतात् | वाठयतम् |
| वाठयन्ति | वाठयाव | वाठयाम |
| अ० अवाठयत् | अवाठयताम् | अवाठयन् |
| अवाठयः | अवाठयतम् | अवाठयत |
| अवाठयाम | अवाठयाव | अवाठयाम |
| अ० अवीवठत् | अवीवठताम् | अवीवठन् |
| अवीवठः | अवीवठतम् | अवीवठत |
| अवीवठम् | अवीवठाव | अवीवठाम |
| प० वाठयाञ्चकार | वाठयाञ्चक्रुः | वाठयाञ्चकुः |
| वाठयाञ्चकथं | वाठयाञ्चक्रुः | वाठयाञ्चक |
| वाठयाञ्चकार-चकर | वाठयाञ्चक्रुव | वाठयाञ्चक्रम |
| वाठयाञ्चभूव | वाठयाञ्चभूव | वाठयाञ्चभूव |
| आ० वाठयात् | वाठयास्ताम् | वाठयासुः |
| वाठयाः | वाठयास्तम् | वाठयास्त |
| वाठयासम् | वाठयास्व | वाठयास्म |
| भ० वाठयिता | वाठयितारौ | वाठयितारः |
| वाठयितासि | वाठयितास्थः | वाठयितास्थ |
| वाठयितास्मि | वाठयितास्वः | वाठयितास्मः |
| भ० वाठयिष्यति | वाठयिष्यतः | वाठयिष्यन्ति |
| वाठयिष्यसि | वाठयिष्यथः | वाठयिष्यथ |
| वाठयिष्यामि | वाठयिष्यावः | वाठयिष्यामः |
| क्रि० अवाठयिष्यत् | अवाठयिष्यताम् | अवाठयिष्यन् |
| अवाठयिष्यः | अवाठयिष्यतम् | अवाठयिष्यत |
| अवाठयिष्यम् | अवाठयिष्याव | अवाठयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० वाठयते | वाठयेते | वाठयन्ते |
| वाठयसे | वाठयेथे | वाठयध्वे |
| वाठये | वाठयावहे | वाठयामहे |
| स० वाठयेत् | वाठयेयाताम् | वाठयेरन् |
| वाठयेथाः | वाठयेयाथाम् | वाठयेध्वम् |
| वाठयेथ | वाठयेवहि | वाठयेमहि |
| प० वाठयताम् | वाठयेताम् | वाठयन्ताम् |
| वाठयस्व | वाठयेथाम् | वाठयध्वम् |
| वाठये | वाठयावहे | वाठयामहे |
| अ० अवाठयत | अवाठयेताम् | अवाठयन्त |
| अवाठयथाः | अवाठयेथाम् | अवाठयध्वम् |
| अवाठये | अवाठयावहि | अवाठयामहि |
| अ० अवीवठत | अवीवठेताम् | अवीवठन्त |
| अवीवठथाः | अवीवठेथाम् | अवीवठध्वम् |
| अवीवठे | अवीवठावहि | अवीवठामहि |
| प० वाठयाञ्चके | वाठयाञ्चक्राते | वाठयाञ्चक्रे |
| वाठयाञ्चकृषे | वाठयाञ्चक्राथे | वाठयाञ्चकृद्धे |
| वाठयाञ्चके | वाठयाञ्चक्रुवहे | वाठयाञ्चक्रमहे |
| वाठयाञ्चभूव | वाठयाञ्चभूव | वाठयाञ्चभूव |
| आ० वाठयिषीष्ट | वाठयिषीयास्ताम् | वाठयिषीरन् |
| वाठयिषीष्ठाः | वाठयिषीयास्थाम् | वाठयिषीध्वम् |
| वाठयिषीय | वाठयिषीवहि | वाठयिषीमहि |
| भ० वाठयिता | वाठयितारौ | वाठयितारः |
| वाठयितासे | वाठयितासाथे | वाठयिताध्वे |
| वाठयिताहे | वाठयितास्वहे | वाठयितास्महे |
| भ० वाठयिष्यते | वाठयिष्येते | वाठयिष्यन्ते |
| वाठयिष्यसे | वाठयिष्येथे | वाठयिष्यध्वे |
| वाठयिष्ये | वाठयिष्यावहे | वाठयिष्यामहे |
| क्रि० अवाठयिष्यत | अवाठयिष्येताम् | अवाठयिष्यन्त |
| अवाठयिष्यथाः | अवाठयिष्येथाम् | अवाठयिष्यध्वम् |
| अवाठयिष्ये | अवाठयिष्यावहि | अवाठयिष्यमहि |

215 मठ (मट्र) मद्निवासयोश्च

| | | | |
|-------|-------------------|---------------|--------------|
| व० | माठयति | माठयतः | माठयन्ति |
| | माठयसि | माठयथः | माठयथ |
| | माठयामि | माठयावः | माठयामः |
| स० | माठयेत् | माठयेताम् | माठयेयुः |
| | माठयेः | माठयेतम् | माठयेत |
| | माठयेयम् | माठयेव | माठयेम |
| प० | माठयतु | माठयतात् | माठयताम् |
| | माठय | माठयतात् | माठयतम् |
| | माठयानि | माठयाव | माठयाम |
| ह्य० | अमाठयत् | अमाठयताम् | अमाठयन् |
| | अमाठयः | अमाठयतम् | अमाठयत |
| | अमाठयम् | अमाठयाव | अमाठयाम |
| अ० | अमीमठत् | अमीमठताम् | अमीमठन् |
| | अमीमठः | अमीमठतम् | अमीमठत |
| | अमीमठम् | अमीमठाव | अमीमठाम |
| प० | माठयाञ्चकार | माठयाञ्चक्रुः | माठयाञ्चकुः |
| | माठयाञ्चकथं | माठयाञ्चकथुः | माठयाञ्चक्र |
| | माठयाञ्चकार-न्वकर | माठयाञ्चकृव | माठयाञ्चकृम |
| | माठयाम्बभूव | । | माठयामास |
| आ० | माठयात् | माठयास्ताम् | माठयासुः |
| | माठयाः | माठयास्तम् | माठयास्त |
| | माठयासम् | माठयास्व | माठयास्म |
| श्व० | माठयिता | माठयितारौ | माठयितारः |
| | माठयितासि | माठयितास्थः | माठयितास्थ |
| | माठयितास्मि | माठयितास्वः | माठयितास्मः |
| भ० | माठयिष्यति | माठयिष्यतः | माठयिष्यन्ति |
| | माठयिष्यसि | माठयिष्यथः | माठयिष्यथ |
| | माठयिष्यामि | माठयिष्यावः | माठयिष्यामः |
| क्रि० | अमाठयिष्यत् | अमाठयिष्यताम् | अमाठयिष्यन् |
| | अमाठयिष्यः | अमाठयिष्यतम् | अमाठयिष्यत |
| | अमाठयिष्यम् | अमाठयिष्याव | अमाठयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-------------------|
| व० | माठयते | माठयेते | माठयन्ते |
| | माठयसे | माठयेथे | माठयन्वे |
| | माठये | माठयावहे | माठयामहे |
| स० | माठयेत | माठयेयाताम् | माठयेरन् |
| | माठयेथाः | माठयेयाथाम् | माठयेध्वम् |
| | माठयेय | माठयेवहि | माठयेमहि |
| प० | माठयताम् | माठयेताम् | माठयन्ताम् |
| | माठयस्व | माठयेथाम् | माठयध्वम् |
| | माठये | माठयावहे | माठयामहे |
| ह्य० | अमाठयत | अमाठयेताम् | अमाठयन्त |
| | अमाठयथाः | अमाठयेथाम् | अमाठयध्वम् |
| | अमाठये | अमाठयावहि | अमाठयामहि |
| अ० | अमीमठत | अमीमठेताम् | अमीमठन्त |
| | अमीमठथाः | अमीमठेथाम् | अमीमठध्वम् |
| | अमीमठे | अमीमठावहि | अमीमठामहि |
| प० | माठयाञ्चक्रे | माठयाञ्चक्राते | माठयाञ्चक्रिरे |
| | माठयाञ्चकृषे | माठयाञ्चक्राथे | माठयाञ्चकृद्वे |
| | माठयाञ्चक्रे | माठयाञ्चकृवहे | माठयाञ्चकृमहे |
| | माठयम्बभूव | । | माठयामास |
| आ० | माठयिषीष्ट | माठयिषीयास्ताम् | माठयिषीरन् |
| | माठयिषीष्टाः | माठयिषीयास्थाम् | माठयिषीद्वम्ब्वम् |
| | माठयिषीय | माठयिषीवहि | माठयिषीमहि |
| श्व० | माठयिता | माठयितारौ | माठयितारः |
| | माठयितासे | माठयितासाथे | माठयिताध्वे |
| | माठयिताहे | माठयितास्वहे | माठयितास्महे |
| भ० | माठयिष्यते | माठयिष्येते | माठयिष्यन्ते |
| | माठयिष्यसे | माठयिष्येथे | माठयिष्यध्वे |
| | माठयिष्ये | माठयिष्यावहे | माठयिष्यामहे |
| क्रि० | अमाठयिष्यत | अमाठयिष्येताम् | अमाठयिष्यन्त |
| | अमाठयिष्यथाः | अमाठयिष्येथाम् | अमाठयिष्यध्वम् |
| | अमाठयिष्ये | अमाठयिष्यावहि | अमाठयिष्यमहि |

216 कठ (कट्) कृच्छ्रजीवने

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० काठयति | काठयतः | काठयन्ति |
| काठयसि | काठयथः | काठयथ |
| काठयामि | काठयावः | काठयामः |
| स० काठयेत् | काठयेताम् | काठयेयुः |
| काठयेः | काठयेतम् | काठयेत |
| काठयेयम् | काठयेव | काठयेम |
| प० काठयतु | काठयतात् | काठयताम् |
| काठय | काठयतात् | काठयतम् |
| काठयानि | काठयाव | काठयाम |
| ह० अकाठयत् | अकाठयताम् | अकाठयन् |
| अकाठयः | अकाठयतम् | अकाठयत |
| अकाठयम् | अकाठयाव | अकाठयाम |
| अ० अचीकठत् | अचीकठताम् | अचीकठन् |
| अचीकठः | अचीकठतम् | अचीकठत |
| अचीकठम् | अचीकठाव | अचीकठाम |
| प० काठयाञ्चकार | काठयाञ्चकतुः | काठयाञ्चकुः |
| काठयाञ्चकथं | काठयाञ्चकथुः | काठयाञ्चक |
| काठयाञ्चकार-चकर | काठयाञ्चकृव | काठयाञ्चकृम |
| काठयाम्बभूव | । | काठयामास |
| आ० काठयात् | काठयास्ताम् | काठयासुः |
| काठयाः | काठयास्तम् | काठयास्त |
| काठयासम् | काठयास्व | काठयास्म |
| श्व० काठयिता | काठयितारौ | काठयितारः |
| काठयितासि | काठयितास्थः | काठयितास्थ |
| काठयितास्मि | काठयितास्वः | काठयितास्मः |
| भ० काठयिष्यति | काठयिष्यतः | काठयिष्यन्ति |
| काठयिष्यसि | काठयिष्यथः | काठयिष्यथ |
| काठयिष्यामि | काठयिष्यावः | काठयिष्यामः |
| क्रि० अकाठयिष्यत् | अकाठयिष्यताम् | अकाठयिष्यन् |
| अकाठयिष्यः | अकाठयिष्यतम् | अकाठयिष्यत |
| अकाठयिष्यम् | अकाठयिष्याव | अकाठयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० काठयते | काठयते | काठयते |
| काठयसे | काठयेथे | काठयन्थे |
| काठये | काठयावहे | काठयामहे |
| स० काठयेत | काठयेयाताम् | काठयेरन् |
| काठयेथाः | काठयेयाथाम् | काठयेष्वम् |
| काठयेय | काठयेवहि | काठयेमहि |
| प० काठयताम् | काठयेताम् | काठयन्ताम् |
| काठयस्व | काठयेथाम् | काठयन्वम् |
| काठयै | काठयावहै | काठयामहै |
| ह० अकाठयत | अकाठयेताम् | अकाठयन्त |
| अकाठयथाः | अकाठयेथाम् | अकाठयन्वम् |
| अकाठये | अकाठयावहि | अकाठयामहि |
| अ० अचीकठत् | अचीकठताम् | अचीकठन्त |
| अचीकठथाः | अचीकठेथाम् | अचीकठन्वम् |
| अचीकठे | अचीकठावहि | अचीकठामहि |
| प० काठयाञ्चके | काठयाञ्चकाते | काठयाञ्चकिरे |
| काठयाञ्चकृषे | काठयाञ्चक्राथे | काठयाञ्चकृद्वे |
| काठयाञ्चके | काठयाञ्चकृवहे | काठयाञ्चकृमहे |
| काठयाम्बभूव | । | काठयामास |
| आ० काठयिषीष्ट | काठयिषीयास्ताम् | काठयिषीरन् |
| काठयिषीष्ठाः | काठयिषीयास्थाम् | काठयिषीद्वम् |
| काठयिषीय | काठयिषीवहि | काठयिषीमहि |
| श्व० काठयिता | काठयितारौ | काठयितारः |
| काठयितासे | काठयितासाथे | काठयिताथे |
| काठयिताहे | काठयितास्वहे | काठयितास्महे |
| भ० काठयिष्यते | काठयिष्येते | काठयिष्यन्ते |
| काठयिष्यसे | काठयिष्येथे | काठयिष्यन्थे |
| काठयिष्ये | काठयिष्यावहे | काठयिष्यामहे |
| क्रि० अकाठयिष्यत | अकाठयिष्येताम् | अकाठयिष्यन्त |
| अकाठयिष्यथाः | अकाठयिष्येथाम् | अकाठयिष्यन्वम् |
| अकाठयिष्ये | अकाठयिष्यावहि | अकाठयिष्यामहि |

217 हठ (हट्) बलात्कारे ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | हाठयति | हाठयतः | हाठयन्ति |
| | हाठयसि | हाठयथः | हाठयथ |
| | हाठयामि | हाठयावः | हाठयामः |
| स० | हाठयेत् | हाठयेताम् | हाठयेयुः |
| | हाठयेः | हाठयेतम् | हाठयेत |
| | हाठयेयम् | हाठयेव | हाठयेम |
| प० | हाठयतु | हाठयतात् | हाठयताम् |
| | हाठय | हाठयतात् | हाठयतम् |
| | हाठयानि | हाठयाव | हाठयाम |
| ह्य० | अहाठयत् | अहाठयताम् | अहाठयन् |
| | अहाठयः | अहाठयतम् | अहाठयत |
| | अहाठयम् | अहाठयाव | अहाठयाम |
| अ० | अजीहट् | अजीहटताम् | अजीहटन् |
| | अजीहटः | अजीहटतम् | अजीहटत |
| | अजीहटम् | अजीहटाव | अजीहटाम |
| प० | हाठयाञ्चकार | हाठयाञ्चक्रतुः | हाठयाञ्चक्रुः |
| | हाठयाञ्चकथं | हाठयाञ्चकथुः | हाठयाञ्चक |
| | हाठयाञ्चकार-चकर | हाठयाञ्चकुव | हाठयाञ्चकृम |
| | हाठयाञ्चभूव | हाठयामास | |
| आ० | हाठयात् | हाठयास्ताम् | हाठयासुः |
| | हाठयाः | हाठयास्तम् | हाठयास्त |
| | हाठयासम् | हाठयास्व | हाठयास्म |
| श्व० | हाठयिता | हाठयितारौ | हाठयितारः |
| | हाठयितासि | हाठयितास्थः | हाठयितास्थ |
| | हाठयितासिम | हाठयितास्वः | हाठयितास्मः |
| भ० | हाठयिष्यति | हाठयिष्यतः | हाठयिष्यन्ति |
| | हाठयिष्यसि | हाठयिष्यथः | हाठयिष्यथ |
| | हाठयिष्यामि | हाठयिष्यावः | हाठयिष्यामः |
| क्रि० | अहाठयिष्यत् | अहाठयिष्यताम् | अहाठयिष्यन् |
| | अहाठयिष्यः | अहाठयिष्यतम् | अहाठयिष्यत |
| | अहाठयिष्यम् | अहाठयिष्याव | अहाठयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-------------------|
| व० | हाठयते | हाठयेते | हाठयन्ते |
| | हाठयसे | हाठयेथे | हाठयन्थे |
| | हाठये | हाठयावहे | हाठयामहे |
| स० | हाठयेत | हाठयेयाताम् | हाठयेरन् |
| | हाठयेथाः | हाठयेयाथाम् | हाठयेध्वम् |
| | हाठयेथ | हाठयेवहि | हाठयेमहि |
| प० | हाठयताम् | हाठयेतम् | हाठयन्ताम् |
| | हाठयस्व | हाठयेथाम् | हाठयन्वम् |
| | हाठयै | हाठयावहै | हाठयामहै |
| ह्य० | अहाठयत | अहाठयेताम् | अहाठयन्त |
| | अहाठयथाः | अहाठयेथाम् | अहाठयन्ध्वम् |
| | अहाठये | अहाठयावहि | अहाठयामहि |
| अ० | अजीहटत | अजीहटेताम् | अजीहटन्त |
| | अजीहटथाः | अजीहटेतम् | अजीहटन्ध्वम् |
| | अजीहटे | अजीहटावहि | अजीहटामहि |
| प० | हाठयाञ्चक्रे | हाठयाञ्चक्राते | हाठयाञ्चक्रिरे |
| | हाठयाञ्चकृषे | हाठयाञ्चक्राथे | हाठयाञ्चकृद्वे |
| | हाठयाञ्चक्रे | हाठयाञ्चकृवहे | हाठयाञ्चकृमहे |
| | हाठयम्भूव | हाठयामस | |
| आ० | हाठयिषीष्ट | हाठयिषीयास्ताम् | हाठयिषीरन् |
| | हाठयिषीष्टाः | हाठयिषीयास्थाम् | हाठयिषीद्वम्भ्वम् |
| | हाठयिषीथ | हाठयिषीवहि | हाठयिषीमहि |
| श्व० | हाठयिता | हाठयितारौ | हाठयितारः |
| | हाठयितासे | हाठयितासाथे | हाठयिताध्वे |
| | हाठयिताहे | हाठयितास्वहे | हाठयितास्महे |
| भ० | हाठयिष्यते | हाठयिष्येते | हाठयिष्यन्ते |
| | हाठयिष्यसे | हाठयिष्येथे | हाठयिष्यन्थे |
| | हाठयिष्ये | हाठयिष्यावहे | हाठयिष्यामहे |
| क्रि० | अहाठयिष्यत | अहाठयिष्यताम् | अहाठयिष्यन्त |
| | अहाठयिष्यथाः | अहाठयिष्येथाम् | अहाठयिष्यन्ध्वम् |
| | अहाठयिष्ये | अहाठयिष्यावहि | अहाठयिष्यामहि |

218 उठ (उट्) उपधाते

| | | | |
|-------|----------------|-------------|-------------|
| व० | ओठयति | ओठयतः | ओठयन्ति |
| | ओठयसि | ओठयथः | ओठयथ |
| | ओठयामि | ओठयावः | ओठयामः |
| स० | ओठयेत् | ओठयेताम् | ओठयेयुः |
| | ओठयेः | ओठयेतम् | ओठयेत |
| | ओठयेयम् | ओठयेव | ओठयेम |
| प० | ओठयतु | ओठयतात् | ओठयताम् |
| | ओठय | ओठयतात् | ओठयतम् |
| | ओठयानि | ओठयाव | ओठयाम |
| ह्य० | ओठयत् | ओठयताम् | ओठयन् |
| | ओठयः | ओठयतम् | ओठयत |
| | ओठयम् | ओठयाव | ओठयाम |
| अ० | ओठिठ् | ओठिठताम् | ओठिठ् |
| | ओठिठः | ओठिठतम् | ओठिठत |
| | ओठिठम् | ओठिठाव | ओठिठाम |
| प० | ओठयाञ्चकार | ओठयाञ्चकतुः | ओठयाञ्चकुः |
| | ओठयाञ्चकर्थ | ओठयाञ्चकथुः | ओठयाञ्चक |
| | ओठयाञ्चकार-चकर | ओठयाञ्चकृव | ओठयाञ्चकृम |
| | ओठयाम्बभूव | ओठयामास | |
| आ० | ओठयात् | ओठयास्ताम् | ओठयासुः |
| | ओठयाः | ओठयास्तम् | ओठयास्त |
| | ओठयासम् | ओठयास्व | ओठयास्म |
| श्व० | ओठयिता | ओठयितारौ | ओठयितारः |
| | ओठयितासि | ओठयितास्थः | ओठयितास्थ |
| | ओठयितास्मि | ओठयितास्वः | ओठयितास्मः |
| भ० | ओठयिष्यति | ओठयिष्यतः | ओठयिष्यन्ति |
| | ओठयिष्यसि | ओठयिष्यथः | ओठयिष्यथ |
| | ओठयिष्यामि | ओठयिष्यावः | ओठयिष्यामः |
| क्रि० | ओठयिष्यत् | ओठयिष्यताम् | ओठयिष्यन् |
| | ओठयिष्यः | ओठयिष्यतम् | ओठयिष्यत |
| | ओठयिष्यम् | ओठयिष्याव | ओठयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | ओठयते | ओठयेते | ओठयन्ते |
| | ओठयसे | ओठयेथे | ओठयध्वे |
| | ओठये | ओठयावहे | ओठयामहे |
| स० | ओठयेत | ओठयेयाताम् | ओठयेरन् |
| | ओठयेथाः | ओठयेयाथाम् | ओठयेध्वम् |
| | ओठयेय | ओठयेवहि | ओठयेमहि |
| प० | ओठयताम् | ओठयेताम् | ओठयन्ताम् |
| | ओठयस्व | ओठयेथाम् | ओठयध्वम् |
| | ओठयै | ओठयावहै | ओठयामहै |
| ह्य० | ओठयत् | ओठयेताम् | ओठयन्त |
| | ओठयथाः | ओठयेथाम् | ओठयध्वम् |
| | ओठये | ओठयावहि | ओठयामहि |
| अ० | ओठिठत | ओठिठेताम् | ओठिठन्त |
| | ओठिठथाः | ओठिठेतम् | ओठिठध्वम् |
| | ओठिठे | ओठिठावहि | ओठिठामहि |
| प० | ओठयाञ्चके | ओठयाञ्चकते | ओठयाञ्चकिरे |
| | ओठयाञ्चकृषे | ओठयाञ्चकृषे | ओठयाञ्चकृद्वे |
| | ओठयाञ्चके | ओठयाञ्चकृवहे | ओठयाञ्चकृमहे |
| | ओठयाम्बभूव | ओठयामास | |
| आ० | ओठयिषीष्ट | ओठयिषीयास्ताम् | ओठयिषीरन् |
| | ओठयिषीष्टाः | ओठयिषीयास्थाम् | ओठयिषीध्वम् |
| | ओठयिषीय | ओठयिषीवहि | ओठयिषीमहि |
| श्व० | ओठयिता | ओठयितारौ | ओठयितारः |
| | ओठयितासे | ओठयितासाथे | ओठयितास्व |
| | ओठयिताहे | ओठयितास्वहे | ओठयितास्महे |
| भ० | ओठयिष्यते | ओठयिष्येते | ओठयिष्यन्ते |
| | ओठयिष्यसे | ओठयिष्येथे | ओठयिष्यध्वे |
| | ओठयिष्ये | ओठयिष्यावहे | ओठयिष्यामहे |
| क्रि० | ओठयिष्यत् | ओठयिष्येताम् | ओठयिष्यन्त |
| | ओठयिष्यथाः | ओठयिष्येथाम् | ओठयिष्यध्वम् |
| | ओठयिष्ये | ओठयिष्यावहि | ओठयिष्यमहि |

219 रुठ (रुट्) उपधाते

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | रोठयति | रोठयतः | रोठयन्ति |
| | रोठयसि | रोठयथः | रोठयथ |
| | रोठयामि | रोठयावः | रोठयामः |
| स० | रोठयेत् | रोठयेताम् | रोठयेयुः |
| | रोठयेः | रोठयेतम् | रोठयेत |
| | रोठयेयम् | रोठयेव | रोठयेम |
| प० | रोठयतु | रोठयतात् | रोठयताम् |
| | रोठय | रोठयतात् | रोठयतम् |
| | रोठयानि | रोठयाव | रोठयाम |
| ल० | अरोठयत् | अरोठयताम् | अरोठयन् |
| | अरोठयः | अरोठयतम् | अरोठयत |
| | अरोठयाम | अरोठयाव | अरोठयाम |
| अ० | अरूठयत् | अरूठयताम् | अरूठयन् |
| | अरूठयः | अरूठयतम् | अरूठयत |
| | अरूठयाम | अरूठयाव | अरूठयाम |
| प० | रोठयाञ्चकार | रोठयाञ्चकतुः | रोठयाञ्चक्रुः |
| | रोठयाञ्चकथं | रोठयाञ्चकथुः | रोठयाञ्चक |
| | रोठयाञ्चकार-चकर | रोठयाञ्चकृव | रोठयाञ्चकृम |
| | रोठयाम्बभूव | । | रोठयामास |
| आ० | रोठयात् | रोठयास्ताम् | रोठयासुः |
| | रोठयाः | रोठयास्तम् | रोठयास्त |
| | रोठयासम् | रोठयास्व | रोठयास्म |
| श्व० | रोठयिता | रोठयितारौ | रोठयितारः |
| | रोठयितासि | रोठयितास्थः | रोठयितास्थ |
| | रोठयितास्मि | रोठयितास्वः | रोठयितास्मः |
| भ० | रोठयिष्यति | रोठयिष्यतः | रोठयिष्यन्ति |
| | रोठयिष्यसि | रोठयिष्यथः | रोठयिष्यथ |
| | रोठयिष्यामि | रोठयिष्यावः | रोठयिष्यामः |
| क्रि० | अरोठयिष्यत् | अरोठयिष्यताम् | अरोठयिष्यन् |
| | अरोठयिष्यः | अरोठयिष्यतम् | अरोठयिष्यत |
| | अरोठयिष्याम | अरोठयिष्याव | अरोठयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-------------------|
| व० | रोठयते | रोठयेते | रोठयन्ते |
| | रोठयसे | रोठयेथे | रोठयथ्वे |
| | रोठये | रोठयावहे | रोठयामहे |
| स० | रोठयेत | रोठयेयाताम् | रोठयेरन् |
| | रोठयेथाः | रोठयेयाथाम् | रोठयेथ्वम् |
| | रोठयेय | रोठयेवहि | रोठयेमहि |
| प० | रोठयताम् | रोठयेताम् | रोठयन्ताम् |
| | रोठयस्व | रोठयेथाम् | रोठयथ्वम् |
| | रोठयै | रोठयावहै | रोठयामहै |
| ल० | अरोठयत | अरोठयेताम् | अरोठयन्त |
| | अरोठयथाः | अरोठयेथाम् | अरोठयथ्वम् |
| | अरोठये | अरोठयावहि | अरोठयामहि |
| अ० | अरूठयत | अरूठयेताम् | अरूठयन्त |
| | अरूठयथाः | अरूठयेथाम् | अरूठयथ्वम् |
| | अरूठये | अरूठयावहि | अरूठयामहि |
| प० | रोठयाञ्चक्रे | रोठयाञ्चकृते | रोठयाञ्चकृरे |
| | रोठयाञ्चकृषे | रोठयाञ्चकृथे | रोठयाञ्चकृद्वे |
| | रोठयाञ्चक्रे | रोठयाञ्चकृवहे | रोठयाञ्चकृमहे |
| | रोठयम्बभूव | । | रोठयामास |
| आ० | रोठयिषीष्ट | रोठयिषीयास्ताम् | रोठयिषीरन् |
| | रोठयिषीष्ठाः | रोठयिषीयास्थाम् | रोठयिषीद्वम्ब्वम् |
| | रोठयिषीच | रोठयिषीवहि | रोठयिषीमहि |
| श्व० | रोठयिता | रोठयितारौ | रोठयितारः |
| | रोठयितासे | रोठयितासाथे | रोठयिताथ्वे |
| | रोठयिताहे | रोठयितास्वहे | रोठयितास्महे |
| भ० | रोठयिष्यते | रोठयिष्येते | रोठयिष्यन्ते |
| | रोठयिष्यसे | रोठयिष्येथे | रोठयिष्यथ्वे |
| | रोठयिष्ये | रोठयिष्यावहे | रोठयिष्यामहे |
| क्रि० | अरोठयिष्यत | अरोठयिष्येताम् | अरोठयिष्यन्त |
| | अरोठयिष्यथाः | अरोठयिष्येथाम् | अरोठयिष्यथ्वम् |
| | अरोठयिष्ये | अरोठयिष्यावहि | अरोठयिष्यमहि |

२२० लुठ (लुट्) उपधाते

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० लोठयति | लोठयतः | लोठयन्ति |
| लोठयसि | लोठयथः | लोठयथ |
| लोठयामि | लोठयावः | लोठयामः |
| स० लोठयेत् | लोठयेताम् | लोठयेयुः |
| लोठयेः | लोठयेतम् | लोठयेत |
| लोठयेयम् | लोठयेव | लोठयेम |
| ल० लं ठयतु | लोठयतांत | लोठयताम् |
| लोठय | लोठयतात | लोठयतम् |
| लोठयानि | लोठयाव | लोठयाम |
| ह्य० अलोठयन् | अलोठयताम् | अलोठयन् |
| अलोठयः | अलोठयतम् | अलोठयत |
| अलोठयम् | अलोठयाव | अलोठयाम |
| अ० अल्लुठत् | अल्लुठताम् | अल्लुठन् |
| अल्लुठः | अल्लुठतम् | अल्लुठत |
| अल्लुठम् | अल्लुठव | अल्लुठम |
| प० लोठयाञ्चकार | लोठयाञ्चकतुः | लोठयाञ्चकुः |
| लोठयाञ्चकथी | लोठयाञ्चकथुः | लोठयाञ्चक |
| लोठयाञ्चकार-चकर | लोठयाञ्चकृव | लोठयाञ्चकृम |
| लोठयाम्बभूव | लोठयामास | |
| आ० लोठयात् | लोठयास्ताम् | लोठयासुः |
| लोठयाः | लोठयास्तम् | लोठयास्त |
| लोठयासम् | लोठयास्व | लोठयास्म |
| श्व० लोठयिता | लोठयितारौ | लोठयितारः |
| लोठयितासि | लोठयितास्थः | लोठयितास्थ |
| लोठयितास्मि | लोठयितास्वः | लोठयितास्मः |
| भ० लोठयिष्यति | लोठयिष्यतः | लोठयिष्यन्ति |
| लोठयिष्यसि | लोठयिष्यथः | लोठयिष्यथ |
| लोठयिष्यामि | लोठयिष्यावः | लोठयिष्यामः |
| क्रि० अलोठयिष्यत् | अलोठयिष्यताम् | अलोठयिष्यन् |
| अलोठयिष्यः | अलोठयिष्यतम् | अलोठयिष्यत |
| अलोठयिष्यम् | अलोठयिष्याव | अलोठयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-------------------|
| व० लोठयते | लोठयेते | लोठयन्ते |
| लोठयसे | लोठयेथे | लोठयन्थे |
| लोठये | लोठयावहे | लोठयामहे |
| स० लोठयेत | लोठयेयाताम् | लोठयेरन् |
| लोठयेथाः | लोठयेयाथाम् | लोठयेष्वम् |
| लोठयेय | लोठयेवहि | लोठयेमहि |
| प० लोठयताम् | लोठयेताम् | लोठयन्ताम् |
| लोठयस्व | लोठयेथाम् | लोठयष्वम् |
| लोठयै | लोठयावहै | लोठयामहै |
| ह्य० अलोठयत | अलोठयेताम् | अलोठयन्त |
| अलोठयथाः | अलोठयेथाम् | अलोठयष्वम् |
| अलोठये | अलोठयावहि | अलोठयामहि |
| अ० अल्लुठत् | अल्लुठेताम् | अल्लुठन्त |
| अल्लुठथाः | अल्लुठेथाम् | अल्लुठष्वम् |
| अल्लुठे | अल्लुठवहि | अल्लुठामहि |
| प० लोठयाञ्चके | लोठयाञ्चकते | लोठयाञ्चकिरे |
| लोठयाञ्चकृषे | लोठयाञ्चक्राथे | लोठयाञ्चकृव |
| लोठयाञ्चके | लोठयाञ्चकृवहे | लोठयाञ्चकृमहे |
| लोठयाम्बभूव | लोठयामस | |
| आ० लोठयिषीष्ट | लोठयिषीयास्ताम् | लोठयिषीरन् |
| लोठयिषीष्टाः | लोठयिषीयास्थाम् | लोठयिषीद्वम्भ्वम् |
| लोठयिषीय | लोठयिषीवहि | लोठयिषीमहि |
| श्व० लोठयिता | लोठयितारौ | लोठयितारः |
| लोठयितासे | लोठयितासाथे | लोठयितान्थे |
| लोठयिताहे | लोठयितास्वहे | लोठयितास्महे |
| भ० लोठयिष्यते | लोठयिष्येते | लोठयिष्यन्ते |
| लोठयिष्यसे | लोठयिष्येथे | लोठयिष्यन्थे |
| लोठयिष्ये | लोठयिष्यावहे | लोठयिष्यामहे |
| क्रि० अलोठयिष्यत् | अलोठयिष्येताम् | अलोठयिष्यन्त |
| अलोठयिष्यथाः | अलोठयिष्येथाम् | अलोठयिष्यष्वम् |
| अलोठयिष्ये | अलोठयिष्यावहि | अलोठयिष्यामहि |

221 पिठ (पिठ्) हिंसासंक्लेशनयोः ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | पेठयति | पेठयतः | पेठयन्ति |
| | पेठयसि | पेठयथः | पेठयथ |
| | पेठयामि | पेठयावः | पेठयामः |
| स० | पेठयेत् | पेठयेताम् | पेठयेयुः |
| | पेठयेः | पेठयेतम् | पेठयेत् |
| | पेठयेयम् | पेठयेव | पेठयेम |
| प० | पेठयतु | पेठयतात् | पेठयताम् |
| | पेठय | पेठयतात् | पेठयतम् |
| | पेठयानि | पेठयाव | पेठयाम |
| ह्य० | अपेठयत् | अपेठयताम् | अपेठयन् |
| | अपेठयः | अपेठयतम् | अपेठयत |
| | अपेठयम् | अपेठयाव | अपेठयाम |
| अ० | अपीपिठत् | अपीपिठताम् | अपीपिठन् |
| | अपीपिठः | अपीपिठतम् | अपीपिठत |
| | अपीपिठम् | अपीपिठाव | अपीपिठाम |
| प० | पेठयाञ्चकार | पेठयाञ्चकतुः | पेठयाञ्चकुः |
| | पेठयाञ्चकर्षे | पेठयाञ्चकथुः | पेठयाञ्चक |
| | पेठयाञ्चकार-चकर | पेठयाञ्चकुव | पेठयाञ्चकुम |
| | पेठयाम्बभूव | । | पेठयामास |
| आ० | पेठयात् | पेठयास्ताम् | पेठयासुः |
| | पेठयाः | पेठयास्तम् | पेठयास्त |
| | पेठयासम् | पेठयास्व | पेठयास्म |
| श्व० | पेठयिता | पेठयितारौ | पेठयितारः |
| | पेठयितासि | पेठयितास्थः | पेठयितास्थ |
| | पेठयितास्मि | पेठयितास्वः | पेठयितास्मः |
| भ० | पेठयिष्यति | पेठयिष्यतः | पेठयिष्यन्ति |
| | पेठयिष्यसि | पेठयिष्यथः | पेठयिष्यथ |
| | पेठयिष्यामि | पेठयिष्यावः | पेठयिष्यामः |
| क्रि० | अपेठयिष्यत् | अपेठयिष्यताम् | अपेठयिष्यन् |
| | अपेठयिष्यः | अपेठयिष्यतम् | अपेठयिष्यत |
| | अपेठयिष्यम् | अपेठयिष्याव | अपेठयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पेठयते | पेठयते | पेठयन्ते |
| | पेठयसे | पेठयेथे | पेठयध्वे |
| | पेठये | पेठयावहे | पेठयामहे |
| स० | पेठयेत् | पेठयेयाताम् | पेठयेरन् |
| | पेठयेथाः | पेठयेथाधाम् | पेठयेध्वम् |
| | पेठयेथ | पेठयेवहि | पेठयेमहि |
| प० | पेठयताम् | पेठयेताम् | पेठयन्ताम् |
| | पेठयस्व | पेठयेथाम् | पेठयध्वम् |
| | पेठयै | पेठयावहै | पेठयामहै |
| ह्य० | अपेठयत | अपेठयेताम् | अपेठयन्त |
| | अपेठयथाः | अपेठयेथाम् | अपेठयध्वम् |
| | अपेठये | अपेठयावहि | अपेठयामहि |
| अ० | अपीपिठत् | अपीपिठताम् | अपीपिठन्त |
| | अपीपिठथाः | अपीपिठेथाम् | अपीपिठध्वम् |
| | अपीपिठे | अपीपिठावहि | अपीपिठामहि |
| प० | पेठयाञ्चके | पेठयाञ्चकते | पेठयाञ्चकिरे |
| | पेठयाञ्चकृषे | पेठयाञ्चकथे | पेठयाञ्चकृद्वे |
| | पेठयाञ्चके | पेठयाञ्चकवहे | पेठयाञ्चकृमहे |
| | पेठयाम्बभूव | । | पेठयामास |
| आ० | पेठयिषीष्ट | पेठयिषीयास्ताम् | पेठयिषीरन् |
| | पेठयिषीष्टाः | पेठयिषीयास्थाम् | पेठयिषीद्वम् |
| | पेठयिषीय | पेठयिषीवहि | पेठयिषीमहि |
| श्व० | पेठयिता | पेठयितारौ | पेठयितारः |
| | पेठयितासे | पेठयितासाथे | पेठयिताध्वे |
| | पेठयिताहे | पेठयितास्वहे | पेठयितास्महे |
| भ० | पेठयिष्यते | पेठयिष्येते | पेठयिष्यन्ते |
| | पेठयिष्यसे | पेठयिष्येथे | पेठयिष्यध्वे |
| | पेठयिष्ये | पेठयिष्यावहे | पेठयिष्यामहे |
| क्रि० | अपेठयिष्यत | अपेठयिष्येताम् | अपेठयिष्यन्त |
| | अपेठयिष्यथाः | अपेठयिष्येथाम् | अपेठयिष्यध्वम् |
| | अपेठयिष्ये | अपेठयिष्यावहि | अपेठयिष्यामहि |

१२ शठ (शट्) कैतवे च ।

| | | | |
|----|----------|-----------|----------|
| व० | शाठयति | शाठयतः | शाठयन्ति |
| | शाठयसि | शाठयथः | शाठयथ |
| | शाठयामि | शाठयावः | शाठयामः |
| स० | शाठयेत् | शाठयेताम् | शाठयेयुः |
| | शाठयेः | शाठयेतम् | शाठयेत |
| | शाठयेयम् | शाठयेव | शाठयेम |

| | | | | |
|----|---------|----------|----------|----------|
| प० | शाठयतु | शाठयतात् | शाठयताम् | शाठयन्तु |
| | शाठय | शाठयतात् | शाठयतम् | शाठयत |
| | शाठयानि | शाठयाव | शाठयाम | |

| | | | |
|------|---------|-----------|---------|
| ह्य० | अशाठयत् | अशाठयताम् | अशाठयन् |
| | अशाठयः | अशाठयतम् | अशाठयत |
| | अशाठयम् | अशाठयाव | अशाठयाम |

| | | | |
|----|---------|-----------|---------|
| अ० | अशीशठत् | अशीशठताम् | अशीशठन् |
| | अशीशठः | अशीशठतम् | अशीशठत |
| | अशीशठम् | अशीशठाव | अशीशठाम |

| | | | |
|----|-----------------|--------------|-------------|
| प० | शाठयाञ्चकार | शाठयाञ्चकतुः | शाठयाञ्चकृः |
| | शाठयाञ्चकर्थ | शाठयाञ्चकथुः | शाठयाञ्चक |
| | शाठयाञ्चकार-चकर | शाठयाञ्चकृव | शाठयाञ्चकृम |
| | शाठयाम्बभूव | । | शाठयामास |

| | | | |
|----|----------|-------------|----------|
| आ० | शाठयात् | शाठयास्ताम् | शाठयासुः |
| | शाठयाः | शाठयास्तम् | शाठयास्त |
| | शाठयासम् | शाठयास्व | शाठयासम |

| | | | |
|------|-------------|-------------|-------------|
| श्व० | शाठयिता | शाठयितारौ | शाठयितारः |
| | शाठयितासि | शाठयितास्थः | शाठयितास्थ |
| | शाठयितास्मि | शाठयितास्वः | शाठयितास्मः |

| | | | |
|----|-------------|-------------|--------------|
| भ० | शाठयिष्यति | शाठयिष्यतः | शाठयिष्यन्ति |
| | शाठयिष्यसि | शाठयिष्यथः | शाठयिष्यथ |
| | शाठयिष्यामि | शाठयिष्यावः | शाठयिष्यामः |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|-------------|
| क्रि० | अशाठयिष्यत् | अशाठयिष्यताम् | अशाठयिष्यन् |
| | अशाठयिष्यः | अशाठयिष्यतम् | अशाठयिष्यत |
| | अशाठयिष्यम् | अशाठयिष्याव | अशाठयिष्याम |

| | | | |
|----|--------|----------|----------|
| व० | शाठयते | शाठयते | शाठयन्ते |
| | शाठयसे | शाठयेथे | शाठयध्वे |
| | शाठये | शाठयावहे | शाठयामहे |

| | | | |
|----|----------|-------------|------------|
| स० | शाठयेत | शाठयेयाताम् | शाठयेरन् |
| | शाठयेथाः | शाठयेयाथाम् | शाठयेध्वम् |
| | शाठयेय | शाठयेवहि | शाठयेमहि |

| | | | |
|----|----------|-----------|------------|
| प० | शाठयताम् | शाठयेताम् | शाठयन्ताम् |
| | शाठयस्व | शाठयेथाम् | शाठयध्वम् |
| | शाठयै | शाठयावहे | शाठयामहे |

| | | | |
|------|---------|------------|------------|
| ह्य० | अशाठयत | अशाठयेताम् | अशाठयन्त |
| | अशाठयथा | अशाठयेथाम् | अशाठयध्वम् |
| | अशाठये | अशाठयावहि | अशाठयामहि |

| | | | |
|----|----------|------------|------------|
| अ० | अशीशठत | अशीशठेताम् | अशीशठन्त |
| | अशीशठथाः | अशीशठेथाम् | अशीशठध्वम् |
| | अशीशठे | अशीशठावहि | अशीशठामहि |

| | | | |
|----|--------------|---------------|---------------|
| प० | शाठयाञ्चके | शाठयाञ्चकाते | शाठयाञ्चक्रे |
| | शाठयाञ्चकृषे | शाठयाञ्चकाथे | शाठयाञ्चकृवे |
| | शाठयाञ्चके | शाठयाञ्चकृवहे | शाठयाञ्चकृमहे |

शाठयाम्बभूव । शाठयामास

| | | | |
|----|--------------|-----------------|--------------|
| आ० | शाठयिषीष्ट | शाठयिषीयास्ताम् | शाठयिषीरन् |
| | शाठयिषीष्ठाः | शाठयिषीयास्थाम् | शाठयिषीध्वम् |

शाठयिषीय शाठयिषीवहि शाठयिषीमहि

| | | | |
|------|-----------|--------------|--------------|
| श्व० | शाठयिता | शाठयितारौ | शाठयितारः |
| | शाठयितासे | शाठयितासाथे | शाठयिताध्वे |
| | शाठयिताहे | शाठयितास्वहे | शाठयितास्महे |

| | | | |
|----|------------|--------------|--------------|
| भ० | शाठयिष्यते | शाठयिष्येते | शाठयिष्यन्ते |
| | शाठयिष्यसे | शाठयिष्येथे | शाठयिष्यध्वे |
| | शाठयिष्ये | शाठयिष्यावहे | शाठयिष्यामहे |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| क्रि० | अशाठयिष्यत | अशाठयिष्येताम् | अशाठयिष्यन्त |
| | अशाठयिष्यथाः | अशाठयिष्येथाम् | अशाठयिष्यध्वम् |
| | अशाठयिष्ये | अशाठयिष्यावहि | अशाठयिष्यामहि |

223 शुठ (शुट्) गतिप्रतीकाते

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|-------------------|
| व० | शोठयति | शोठयतः | शोठयन्ति |
| | शोठयसि | शोठयथः | शोठयथ |
| | शोठयामि | शोठयावः | शोठयामः |
| स० | शोठयेत् | शोठयेताम् | शोठयेयुः |
| | शोठयेः | शोठयेतम् | शोठयेत |
| | शोठयेयम् | शोठयेव | शोठयेम |
| प० | शोठयतु | शोठयतात् | शोठयताम् शोठयन्तु |
| | शोठय | शोठयतात् | शोठयतम् शोठयत |
| | शोठयानि | शोठयाव | शोठयाम |
| ह्य० | अशोठयत् | अशोठयताम् | अशोठयन् |
| | अशोठयः | अशोठयतम् | अशोठयत |
| | अशोठयम् | अशोठयाव | अशोठयाम |
| अ० | अशूशुठत् | अशूशुठताम् | अशूशुठन् |
| | अशूशुठः | अशूशुठतम् | अशूशुठत |
| | अशूशुठम् | अशूशुठाव | अशूशुठाम |
| प० | शोठयाञ्चकार | शोठयाञ्चकतुः | शोठयाञ्चकुः |
| | शोठयाञ्चकर्थ | शोठयाञ्चकथुः | शोठयाञ्चक |
| | शोठयाञ्चकार-चकर | शोठयाञ्चकृव | शोठयाञ्चकृम |
| | शोठयाम्बभूव | । | शोठयामास |
| आ० | शोठयात् | शोठयास्ताम् | शोठयासुः |
| | शोठयाः | शोठयास्तम् | शोठयास्त |
| | शोठयासम् | शोठयास्व | शोठयास्म |
| श्व० | शोठयिता | शोठयितारौ | शोठयितारः |
| | शोठयितासि | शोठयितास्थः | शोठयितास्थ |
| | शोठयितास्मि | शोठयितास्वः | शोठयितास्मः |
| भ० | शोठयिष्यति | शोठयिष्यतः | शोठयिष्यन्ति |
| | शोठयिष्यसि | शोठयिष्यथः | शोठयिष्यथ |
| | शोठयिष्यामि | शोठयिष्यावः | शोठयिष्यामः |
| क्रि० | अशोठयिष्यत् | अशोठयिष्यताम् | अशोठयिष्यन् |
| | अशोठयिष्यः | अशोठयिष्यतम् | अशोठयिष्यत |
| | अशोठयिष्यम् | अशोठयिष्याव | अशोठयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|------------------|
| व० | शोठयते | शोठयते | शोठयन्ते |
| | शोठयसे | शोठयेथे | शोठयन्थे |
| | शोठये | शोठयावहे | शोठयामहे |
| स० | शोठयेत | शोठयेयाताम् | शोठयेरन् |
| | शोठयेथाः | शोठयेयाथाम् | शोठयेय्वम् |
| | शोठयेथ | शोठयेवहि | शोठयेमहि |
| प० | शोठयताम् | शोठयेताम् | शोठयन्ताम् |
| | शोठयस्व | शोठयेथाम् | शोठयन्थ्वम् |
| | शोठये | शोठयावहे | शोठयामहे |
| ह्य० | अशोठयत | अशोठयेताम् | अशोठयन्त |
| | अशोठयथा | अशोठयेथाम् | अशोठयन्थ्वम् |
| | अशोठये | अशोठयावहि | अशोठयामहि |
| अ० | अशूशुठत | अशूशुठेताम् | अशूशुठन्त |
| | अशूशुठथाः | अशूशुठेथाम् | अशूशुठन्थ्वम् |
| | अशूशुठे | अशूशुठावहि | अशूशुठामहि |
| प० | शोठयाञ्चके | शोठयाञ्चकते | शोठयाञ्चकिरे |
| | शोठयाञ्चकृषे | शोठयाञ्चकृथे | शोठयाञ्चकृवहे |
| | शोठयाञ्चके | शोठयाञ्चकृवहे | शोठयाञ्चकृमहे |
| | शोठयाम्बभूव | । | शोठयामास |
| आ० | शोठयिषीष्ट | शोठयिषीयास्ताम् | शोठयिषीरन् |
| | शोठयिषीष्ठाः | शोठयिषीयास्थाम् | शोठयिषीद्वम् |
| | शोठयिषीय | शोठयिषीवहि | शोठयिषीमहि |
| श्व० | शोठयिता | शोठयितारौ | शोठयितारः |
| | शोठयितासे | शोठयितासाथे | शोठयितास्वहे |
| | शोठयिताहे | शोठयितास्वहे | शोठयितास्महे |
| भ० | शोठयिष्यते | शोठयिष्येते | शोठयिष्यन्ते |
| | शोठयिष्यसे | शोठयिष्येथे | शोठयिष्यन्थ्वे |
| | शोठयिष्ये | शोठयिष्यावहे | शोठयिष्यामहे |
| क्रि० | अशोठयिष्यत | अशोठयिष्येताम् | अशोठयिष्यन्त |
| | अशोठयिष्यथाः | अशोठयिष्येथाम् | अशोठयिष्यन्थ्वम् |
| | अशोठयिष्ये | अशोठयिष्यावहि | अशोठयिष्यामहि |

224 कुठु (कुण्ठ) आलस्ये च ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | कुण्ठयति | कुण्ठयतः | कुण्ठयन्ति |
| | कुण्ठयसि | कुण्ठयथः | कुण्ठयथ |
| | कुण्ठयामि | कुण्ठयावः | कुण्ठयामः |
| स० | कुण्ठयेत् | कुण्ठयेताम् | कुण्ठयेयुः |
| | कुण्ठयेः | कुण्ठयेतम् | कुण्ठयेत |
| | कुण्ठयेयम् | कुण्ठयेव | कुण्ठयेम |
| प० | कुण्ठयतु | कुण्ठयतात् | कुण्ठयताम् |
| | कुण्ठय | कुण्ठयतात् | कुण्ठयतम् |
| | कुण्ठयति | कुण्ठयाव | कुण्ठयाम |
| ह० | अकुण्ठयत् | अकुण्ठयताम् | अकुण्ठयन् |
| | अकुण्ठयः | अकुण्ठयतम् | अकुण्ठयत |
| | अकुण्ठयम् | अकुण्ठयाव | अकुण्ठयाम |
| अ० | अचुकुण्ठत् | अचुकुण्ठताम् | अचुकुण्ठन् |
| | अचुकुण्ठः | अचुकुण्ठतम् | अचुकुण्ठत |
| | अचुकुण्ठम् | अचुकुण्ठाव | अचुकुण्ठाम |
| प० | कुण्ठयाञ्चकार | कुण्ठयाञ्चकतुः | कुण्ठयाञ्चकुः |
| | कुण्ठयाञ्चकर्थ | कुण्ठयाञ्चकथुः | कुण्ठयाञ्चक |
| | कुण्ठयाञ्चकार-चकर | कुण्ठयाञ्चकृव | कुण्ठयाञ्चकृम |
| | कुण्ठयाम्बभूव | । | कुण्ठयामास |
| आ० | कुण्ठयात् | कुण्ठयास्ताम् | कुण्ठयासुः |
| | कुण्ठयाः | कुण्ठयास्तम् | कुण्ठयास्त |
| | कुण्ठयासम् | कुण्ठयास्व | कुण्ठयासम |
| श्व० | कुण्ठयिता | कुण्ठयितारौ | कुण्ठयितारः |
| | कुण्ठयितासि | कुण्ठयितास्थः | कुण्ठयितास्थ |
| | कुण्ठयितास्मि | कुण्ठयितास्वः | कुण्ठयितास्मः |
| भ० | कुण्ठयिष्यति | कुण्ठयिष्यतः | कुण्ठयिष्यन्ति |
| | कुण्ठयिष्यसि | कुण्ठयिष्यथः | कुण्ठयिष्यथ |
| | कुण्ठयिष्यामि | कुण्ठयिष्यावः | कुण्ठयिष्यामः |
| क्रि० | अकुण्ठयिष्यत् | अकुण्ठयिष्यताम् | अकुण्ठयिष्यन् |
| | अकुण्ठयिष्यः | अकुण्ठयिष्यतम् | अकुण्ठयिष्यत |
| | अकुण्ठयिष्यम् | अकुण्ठयिष्याव | अकुण्ठयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | कुण्ठयते | कुण्ठयंते | कुण्ठयन्ते |
| | कुण्ठयसे | कुण्ठयेथे | कुण्ठयध्वे |
| | कुण्ठये | कुण्ठयावहे | कुण्ठयामहे |
| स० | कुण्ठयेत | कुण्ठयेयाताम् | कुण्ठयेरन् |
| | कुण्ठयेथाः | कुण्ठयेयाथाम् | कुण्ठयेध्वम् |
| | कुण्ठयेय | कुण्ठयेवहि | कुण्ठयेमहि |
| प० | कुण्ठयताम् | कुण्ठयेताम् | कुण्ठयन्ताम् |
| | कुण्ठयस्व | कुण्ठयेथाम् | कुण्ठयध्वम् |
| | कुण्ठये | कुण्ठयावहै | कुण्ठयामहै |
| ह्य० | अकुण्ठयत | अकुण्ठयेताम् | अकुण्ठयन्त |
| | अकुण्ठयथा | अकुण्ठयेथाम् | अकुण्ठयध्वम् |
| | अकुण्ठये | अकुण्ठयावहि | अकुण्ठयामहि |
| अ० | अचुकुण्ठत | अचुकुण्ठेताम् | अचुकुण्ठन्त |
| | अचुकुण्ठथाः | अचुकुण्ठेथाम् | अचुकुण्ठध्वम् |
| | अचुकुण्ठे | अचुकुण्ठावहि | अचुकुण्ठामहि |
| प० | कुण्ठयाञ्चके | कुण्ठयाञ्चकते | कुण्ठयाञ्चकिरे |
| | कुण्ठयाञ्चकृषे | कुण्ठयाञ्चकथे | कुण्ठयाञ्चकृन्वे |
| | कुण्ठयाञ्चके | कुण्ठयाञ्चकृवहे | कुण्ठयाञ्चकृमहे |
| | कुण्ठयाम्बभूव | । | कुण्ठयामास |
| आ० | कुण्ठयिषीष्ट | कुण्ठयिषीयास्ताम् | कुण्ठयिषीरन् |
| | कुण्ठयिषीष्ठाः | कुण्ठयिषीयास्थाम् | कुण्ठयिषीद्वम् |
| | कुण्ठयिषीय | कुण्ठयिषीवहि | कुण्ठयिषीमहि |
| श्व० | कुण्ठयिता | कुण्ठयितारौ | कुण्ठयितारः |
| | कुण्ठयितासे | कुण्ठयितासाथे | कुण्ठयिताध्वे |
| | कुण्ठयिताहे | कुण्ठयितास्वहे | कुण्ठयितास्महे |
| भ० | कुण्ठयिष्यते | कुण्ठयिष्येते | कुण्ठयिष्यन्ते |
| | कुण्ठयिष्यसे | कुण्ठयिष्येथे | कुण्ठयिष्यध्वे |
| | कुण्ठयिष्ये | कुण्ठयिष्यावहे | कुण्ठयिष्यामहे |
| क्रि० | अकुण्ठयिष्यत | अकुण्ठयिष्येताम् | अकुण्ठयिष्यन्त |
| | अकुण्ठयिष्यथाः | अकुण्ठयिष्येथाम् | अकुण्ठयिष्यध्वम् |
| | अकुण्ठयिष्ये | अकुण्ठयिष्यावहि | अकुण्ठयिष्यामहि |

225 लुट् लुण्ट्) आलस्येच ।

| | | |
|--------------------|----------------|-----------------------|
| ब० लुण्टयति | लुण्टयतः | लुण्टयन्ति |
| लुण्टयसि | लुण्टयथः | लुण्टयथ |
| लुण्टयामि | लुण्टयावः | लुण्टयामः |
| स० लुण्टयेत् | लुण्टयेताम् | लुण्टयेयुः |
| लुण्टयेः | लुण्टयेतम् | लुण्टयेत |
| लुण्टयेयम् | लुण्टयेव | लुण्टयेम |
| प० लुण्टयतु | लुण्टयतात् | लुण्टयताम् लुण्टयन्तु |
| लुण्टय | लुण्टयतात् | लुण्टयतम् लुण्टयत |
| लुण्टयानि | लुण्टयाव | लुण्टयाम |
| ल० लुण्टयत् | लुण्टयताम् | लुण्टयन् |
| लुण्टयः | लुण्टयतम् | लुण्टयत |
| लुण्टयम् | लुण्टयाव | लुण्टयाम |
| अ० लुण्टयत् | लुण्टयताम् | लुण्टयन् |
| लुण्टयः | लुण्टयतम् | लुण्टयत |
| लुण्टयम् | लुण्टयाव | लुण्टयाम |
| प० लुण्टयाश्चकार | लुण्टयाश्चकतुः | लुण्टयाश्चकुः |
| लुण्टयाश्चकथं | लुण्टयाश्चकथुः | लुण्टयाश्चक |
| लुण्टयाश्चकार-चकर | लुण्टयाश्चकव | लुण्टयाश्चकम् |
| लुण्टयाम्बभूव | लुण्टयामास | |
| आ० लुण्टयात् | लुण्टयास्ताम् | लुण्टयास्तुः |
| लुण्टयाः | लुण्टयास्तम् | लुण्टयास्त |
| लुण्टयासम् | लुण्टयास्व | लुण्टयास्म |
| भ० लुण्टयिता | लुण्टयितारौ | लुण्टयितारः |
| लुण्टयितासि | लुण्टयितास्थः | लुण्टयितास्थ |
| लुण्टयितास्मि | लुण्टयितास्वः | लुण्टयितास्मः |
| भ० लुण्टयिष्यति | लुण्टयिष्यतः | लुण्टयिष्यन्ति |
| लुण्टयिष्यसि | लुण्टयिष्यथः | लुण्टयिष्यथ |
| लुण्टयिष्यामि | लुण्टयिष्यावः | लुण्टयिष्यामः |
| क्रि० लुण्टयिष्यत् | लुण्टयिष्यताम् | लुण्टयिष्यन् |
| लुण्टयिष्यः | लुण्टयिष्यतम् | लुण्टयिष्यत |
| लुण्टयिष्यम् | लुण्टयिष्याव | लुण्टयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|-----------------|
| व० लुण्टयते | लुण्टयन्ते | लुण्टयन्ते |
| लुण्टयसे | लुण्टयथे | लुण्टयथे |
| लुण्टये | लुण्टयावहे | लुण्टयामहे |
| स० लुण्टयेत | लुण्टयेताम् | लुण्टयेरन् |
| लुण्टयेथाः | लुण्टयेथायाम् | लुण्टयेथ्वम् |
| लुण्टयेथ | लुण्टयेवहि | लुण्टयेमहि |
| प० लुण्टयताम् | लुण्टयेताम् | लुण्टयन्ताम् |
| लुण्टयस्व | लुण्टयेथाम् | लुण्टयथ्वम् |
| लुण्टये | लुण्टयावहे | लुण्टयामहे |
| ल० लुण्टयत् | लुण्टयेताम् | लुण्टयन्त |
| लुण्टयथाः | लुण्टयेथाम् | लुण्टयथ्वम् |
| लुण्टये | लुण्टयावहि | लुण्टयामहि |
| अ० लुण्टयत् | लुण्टयेताम् | लुण्टयन्त |
| लुण्टयथाः | लुण्टयेथाम् | लुण्टयथ्वम् |
| लुण्टये | लुण्टयावहि | लुण्टयामहि |
| प० लुण्टयाश्चक्रे | लुण्टयाश्चकते | लुण्टयाश्चकिरे |
| लुण्टयाश्चक्रे | लुण्टयाश्चकथे | लुण्टयाश्चकृव |
| लुण्टयाश्चक | लुण्टयाश्चकवहे | लुण्टयाश्चकृमहे |
| लुण्टयाम्बभूव | लुण्टयामास | |
| आ० लुण्टयिषीष्ट | लुण्टयिषीयास्ताम् | लुण्टयिषीरन् |
| लुण्टयिषीष्टाः | लुण्टयिषीयास्याम् | लुण्टयिषीह्वम् |
| लुण्टयिषीय | लुण्टयिषीवहि | लुण्टयिषीमहि |
| भ० लुण्टयिता | लुण्टयितारौ | लुण्टयितारः |
| लुण्टयितासे | लुण्टयितासाथे | लुण्टयिताथ्वे |
| लुण्टयिताहे | लुण्टयितास्वहे | लुण्टयितास्महे |
| भ० लुण्टयिष्यते | लुण्टयिष्येते | लुण्टयिष्यन्ते |
| लुण्टयिष्यसे | लुण्टयिष्येथे | लुण्टयिष्यथ्वे |
| लुण्टयिष्य | लुण्टयिष्यावहे | लुण्टयिष्यामहे |
| क्रि० लुण्टयिष्यत् | लुण्टयिष्येताम् | लुण्टयिष्यन्त |
| लुण्टयिष्यथाः | लुण्टयिष्येथाम् | लुण्टयिष्यथ्वम् |
| लुण्टयिष्ये | लुण्टयिष्यावहि | लुण्टयिष्यामहि |

226 शुट् (शुण्ट्) ओषणे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------------|
| ब० शुण्टयति | शुण्टयतः | शुण्टयन्ति |
| शुण्टयसि | शुण्टयथः | शुण्टयथ |
| शुण्टयामि | शुण्टयावः | शुण्टयामः |
| स० शुण्टयेत् | शुण्टयेताम् | शुण्टयेयुः |
| शुण्टयेः | शुण्टयेतम् | शुण्टयेत |
| शुण्टयेयम् | शुण्टयेव | शुण्टयेम |
| प० शुण्टयतु | शुण्टयतात् | शुण्टयताम् शुण्टयन्तु |
| शुण्टय | शुण्टयतात् | शुण्टयतम् शुण्टयत |
| शुण्टयानि | शुण्टयाव | शुण्टयाम |
| ह्य० अशुण्टयत् | अशुण्टयताम् | अशुण्टयन् |
| अशुण्टयः | अशुण्टयतम् | अशुण्टयत |
| अशुण्टयम् | अशुण्टयाव | अशुण्टयाम |
| अ० अशुण्टत् | अशुण्टताम् | अशुण्टन् |
| अशुण्टः | अशुण्टतम् | अशुण्टत |
| अशुण्टम् | अशुण्टाव | अशुण्टाम |
| प० शुण्टयाञ्चकार | शुण्टयाञ्चक्रुः | शुण्टयाञ्चकुः |
| शुण्टयाञ्चकथं | शुण्टयाञ्चक्रुः | शुण्टयाञ्चक |
| शुण्टयाञ्चकार-चकर | शुण्टयाञ्चकृव | शुण्टयाञ्चकृम |
| शुण्टयाम्बभूव | ! | शुण्टयामास |
| आ० शुण्टयात् | शुण्टयास्ताम् | शुण्टयासुः |
| शुण्टयाः | शुण्टयास्तम् | शुण्टयास्त |
| शुण्टयासम् | शुण्टयास्व | शुण्टयासम |
| श्व० शुण्टयिता | शुण्टयितारौ | शुण्टयितारः |
| शुण्टयितासि | शुण्टयितास्थः | शुण्टयितास्थ |
| शुण्टयितास्मि | शुण्टयितास्वः | शुण्टयितास्मः |
| भ० शुण्टयिष्यति | शुण्टयिष्यतः | शुण्टयिष्यन्ति |
| शुण्टयिष्यसि | शुण्टयिष्यथः | शुण्टयिष्यथ |
| शुण्टयिष्यामि | शुण्टयिष्यावः | शुण्टयिष्यामः |
| क्रि० अशुण्टयिष्यत् | अशुण्टयिष्यताम् | अशुण्टयिष्यन् |
| अशुण्टयिष्यः | अशुण्टयिष्यतम् | अशुण्टयिष्यत |
| अशुण्टयिष्यम् | अशुण्टयिष्याव | अशुण्टयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| ब० शुण्टयते | शुण्टयते | शुण्टयन्ते |
| शुण्टयसे | शुण्टयथे | शुण्टयध्वे |
| शुण्टये | शुण्टयावहे | शुण्टयामहे |
| स० शुण्टयेत | शुण्टयेयाताम् | शुण्टयेरन् |
| शुण्टयेथाः | शुण्टयेयाथाम् | शुण्टयेध्वम् |
| शुण्टयेय | शुण्टयेवहि | शुण्टयेमहि |
| प० शुण्टयताम् | शुण्टयेताम् | शुण्टयन्ताम् |
| शुण्टयस्व | शुण्टयेथाम् | शुण्टयध्वम् |
| शुण्टयै | शुण्टयावहे | शुण्टयामहे |
| ह्य० अशुण्टयत | अशुण्टयेताम् | अशुण्टयन्त |
| अशुण्टयथा | अशुण्टयेथाम् | अशुण्टयध्वम् |
| अशुण्टये | अशुण्टयावहि | अशुण्टयामहि |
| अ० अशुण्टत् | अशुण्टेताम् | अशुण्टन्त |
| अशुण्टथाः | अशुण्टेथाम् | अशुण्टध्वम् |
| अशुण्टे | अशुण्टावहि | अशुण्टामहि |
| प० शुण्टयाञ्चक्रे | शुण्टयाञ्चक्रते | शुण्टयाञ्चकिरे |
| शुण्टयाञ्चकृषे | शुण्टयाञ्चक्राथे | शुण्टयाञ्चकृद्वे |
| शुण्टयाञ्चके | शुण्टयाञ्चकृवहे | शुण्टयाञ्चकृमहे |
| शुण्टयाम्बभूव | ! | शुण्टयामास |
| आ० शुण्टयिषीष्ट | शुण्टयिषीयास्ताम् | शुण्टयिषीरन् |
| शुण्टयिषीष्ठाः | शुण्टयिषीयास्थाम् | शुण्टयिषीध्वम् |
| शुण्टयिषीय | शुण्टयिषीवहि | शुण्टयिषीमहि |
| श्व० शुण्टयिता | शुण्टयितारौ | शुण्टयितारः |
| शुण्टयितासे | शुण्टयितासाथे | शुण्टयिताध्वे |
| शुण्टयिताहे | शुण्टयितास्वहे | शुण्टयितास्महे |
| भ० शुण्टयिष्यते | शुण्टयिष्येते | शुण्टयिष्यन्ते |
| शुण्टयिष्यसे | शुण्टयिष्येथे | शुण्टयिष्यध्वे |
| शुण्टयिष्ये | शुण्टयिष्यावहे | शुण्टयिष्यामहे |
| क्रि० अशुण्टयिष्यत | अशुण्टयिष्येताम् | अशुण्टयिष्यन्त |
| अशुण्टयिष्यथाः | अशुण्टयिष्येथाम् | अशुण्टयिष्यध्वम् |
| अशुण्टयिष्ये | अशुण्टयिष्यावहि | अशुण्टयिष्यामहि |



अ० आठिठत् आठिठताम् आठिठन्
आठिठः आठिठतम् आठिठत
आठिठम् आठिठाव आठिठाम



अ० आठिठत् आठिठताम् आठिठन्
आठिठथाः आठिठथाम् आठिठध्वम्
आठिठे आठिठावहि आठिठामहि

। मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (२२७)

227 अठ (अट्र) गतौ

व० आठयति आठयतः आठयन्ति
आठयसि आठयथः आठयथ
आठयामि आठयावः आठयामः

स० आठयेत् आठयेताम् आठयेयुः
आठयेः आठयेतम् आठयेत
आठयेयम् आठयेव आठयेम

प० आठयतु आठयतात् आठयताम् आठयन्तु
आठय आठयतात् आठयतम् आठयत
आठयानि आठयाव आठयाम

ह्य० आठयत् आठयताम् आठयन्
आठयः आठयतम् आठयत
आठयम् आठयाव आठयाम

अ० अटिठत् अटिठताम् अटिठन्
अटिठः अटिठतम् अटिठत
अटिठम् अटिठाव अटिठाम

प० आठयाञ्चकार आठयाञ्चकतुः आठयाञ्चकुः
आठयाञ्चकथं आठयाञ्चकथुः आठयाञ्चक
आठयाञ्चकार-चकर आठयाञ्चकृव आठयाञ्चकृमहे
आठयाम्बभूव । आठयामास

आ० आठयात् आठयास्ताम् आठयासुः
आठयाः आठयास्तम् आठयास्तं
आठयासम् आठयास्व आठयास्म

श्च० आठयिता आठयितारौ आठयितारः
आठयितासि आठयितास्थः आठयितास्थ
आठयितास्मि आठयितास्वः आठयितास्मः

भ० आठयिष्यति आठयिष्यतः आठयिष्यन्ति
आठयिष्यसि आठयिष्यथः आठयिष्यथ
आठयिष्यामि आठयिष्यावः आठयिष्यामः

क्रि० आठयिष्यत् आठयिष्यताम् आठयिष्यन्
आठयिष्यः आठयिष्यतम् आठयिष्यत
आठयिष्यम् आठयिष्याव आठयिष्याम

व० आठयते आठयेते आठयन्ते
आठयसे आठयेथे आठयध्वे
आठये आठयावहे आठयामहे

स० आठयेत् आठयेयाताम् आठयेरन्
आठयेथाः आठयेयाथाम् आठयेध्वम्
आठयेथ आठयेवहि आठयेमहि

प० आठयताम् आठयेताम् आठयन्ताम्
आठयस्व आठयेथाम् आठयध्वम्
आठये आठयावहे आठयामहे

ह्य० आठयत आठयेताम् आठयन्त
आठयथाः आठयेथाम् आठयध्वम्
आठये आठयावहि आठयामहि

अ० अटिठत् अटिठताम् अटिठन्त

अ० अटिठत् अटिठताम् अटिठन्
अटिठः अटिठतम् अटिठत
अटिठम् अटिठावहि अटिठामहि

प० आठयाञ्चके आठयाञ्चकाते आठयाञ्चकिरे
आठयाञ्चकृषे आठयाञ्चकृषे आठयाञ्चकृव
आठयाञ्चके आठयाञ्चकृवहे आठयाञ्चकृमहे
आठयाम्बभूव । आठयामास

आ० आठयिषीष्ट आठयिषीयास्ताम् आठयिषीरन्
आठयिषीष्टाः आठयिषीयास्याम् आठयिषीध्वम् ध्वम्
आठयिषीथ आठयिषीवहि आठयिषीमहि

श्च० आठयिता आठयितारौ आठयितारः
आठयितासे आठयितासाथे आठयिताध्वे
आठयिताहे आठयितास्वहे आठयितास्महे

भ० आठयिष्यते आठयिष्येते आठयिष्यन्ते
आठयिष्यसे आठयिष्येथे आठयिष्यध्वे
आठयिष्ये आठयिष्यावहे आठयिष्यामहे

क्रि० आठयिष्यत आठयिष्येताम् आठयिष्यन्त
आठयिष्यथाः आठयिष्येथाम् आठयिष्यध्वम्
आठयिष्ये आठयिष्यावहि आठयिष्यामहि

228 रुट् रुट्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|-------------------|
| ब० | रुटयति | रुटयतः | रुटयन्ति |
| | रुटयसि | रुटयथः | रुटयथ |
| | रुटयामि | रुटयावः | रुटयामः |
| स० | रुटयेत् | रुटयेताम् | रुटयेयुः |
| | रुटयेः | रुटयेतम् | रुटयेत |
| | रुटयेयम् | रुटयेव | रुटयेम |
| प० | रुटयतु | रुटयतात् | रुटयताम् रुटयन्तु |
| | रुटय | रुटयतात् | रुटयतम् रुटयत |
| | रुटयानि | रुटयाव | रुटयाम |
| ह्य० | अरुटयत् | अरुटयताम् | अरुटयन् |
| | अरुटयः | अरुटयतम् | अरुटयत |
| | अरुटयम् | अरुटयाव | अरुटयाम |
| अ० | अरुटयत् | अरुटयताम् | अरुटयन् |
| | अरुटयः | अरुटयतम् | अरुटयत |
| | अरुटयम् | अरुटयाव | अरुटयाम |
| प० | रुटयाश्चकार | रुटयाश्चकतुः | रुटयाश्चक्रुः |
| | रुटयाश्चकथं | रुटयाश्चकथुः | रुटयाश्चक |
| | रुटयाश्चकार-चकर | रुटयाश्चकृव | रुटयाश्चकृम |
| | रुटयाम्बभूव | रुटयामास | |
| आ० | रुटयात् | रुटयास्ताम् | रुटयासुः |
| | रुटयाः | रुटयास्तम् | रुटयास्त |
| | रुटयासम् | रुटयास्व | रुटयास्म |
| श्च० | रुटयिता | रुटयितारौ | रुटयितारः |
| | रुटयितासि | रुटयितास्थः | रुटयितास्थ |
| | रुटयितास्मि | रुटयितास्वः | रुटयितास्मः |
| भ० | रुटयिष्यति | रुटयिष्यतः | रुटयिष्यन्ति |
| | रुटयिष्यसि | रुटयिष्यथः | रुटयिष्यथ |
| | रुटयिष्यामि | रुटयिष्यावः | रुटयिष्यामः |
| क्रि० | अरुटयिष्यत् | अरुटयिष्यताम् | अरुटयिष्यन् |
| | अरुटयिष्यः | अरुटयिष्यतम् | अरुटयिष्यत |
| | अरुटयिष्यम् | अरुटयिष्याव | अरुटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रुटयते | रुटयेते | रुटयन्ते |
| | रुटयसे | रुटयेथे | रुटयध्वे |
| | रुटये | रुटयावहे | रुटयामहे |
| स० | रुटयेत | रुटयेयाताम् | रुटयेरन् |
| | रुटयेथाः | रुटयेथाथाम् | रुटयेध्वम् |
| | रुटयेय | रुटयेवह | रुटयेमहि |
| प० | रुटयताम् | रुटयेताम् | रुटयन्ताम् |
| | रुटयस्व | रुटयेथाम् | रुटयध्वम् |
| | रुटये | रुटयावहे | रुटयामहे |
| ह्य० | अरुटयत | अरुटयेताम् | अरुटयन्त |
| | अरुटयथा | अरुटयेथाम् | अरुटयध्वम् |
| | अरुटये | अरुटयावहि | अरुटयामहि |
| अ० | अरुटयत | अरुटयेताम् | अरुटयन्त |
| | अरुटयथाः | अरुटयेथाम् | अरुटयध्वम् |
| | अरुटये | अरुटयावहि | अरुटयामहि |
| प० | रुटयाश्चके | रुटयाश्चकाते | रुटयाश्चकिरे |
| | रुटयाश्चकृथे | रुटयाश्चकाथे | रुटयाश्चकृद्वे |
| | रुटयाश्चके | रुटयाश्चकृवहे | रुटयाश्चकृमहे |
| | रुटयाम्बभूव | रुटयामास | |
| आ० | रुटयिषीष्ट | रुटयिषीयास्ताम् | रुटयिषीरन् |
| | रुटयिषीष्ठाः | रुटयिषीयास्थाम् | रुटयिषीध्वम् |
| | रुटयिषीय | रुटयिषीवहि | रुटयिषीमहि |
| श्च० | रुटयिता | रुटयितारौ | रुटयितारः |
| | रुटयितासे | रुटयितासाथे | रुटयिताध्वे |
| | रुटयिताहे | रुटयितास्वहे | रुटयितास्महे |
| भ० | रुटयिष्यते | रुटयिष्येते | रुटयिष्यन्ते |
| | रुटयिष्यसे | रुटयिष्येथे | रुटयिष्यध्वे |
| | रुटयिष्ये | रुटयिष्यावहे | रुटयिष्यामहे |
| क्रि० | अरुटयिष्यत | अरुटयिष्येताम् | अरुटयिष्यन्त |
| | अरुटयिष्यथाः | अरुटयिष्येथाम् | अरुटयिष्यध्वम् |
| | अरुटयिष्ये | अरुटयिष्यावहि | अरुटयिष्यामहि |

229 पुण्ड (पुण्ड्) प्रमर्दने

| | | |
|---------------------|------------------|----------------|
| व० पुण्डयति | पुण्डयतः | पुण्डयन्ति |
| पुण्डयसि | पुण्डयथः | पुण्डयथ |
| पुण्डयामि | पुण्डयावः | पुण्डयामः |
| स० पुण्डयेत् | पुण्डयेताम् | पुण्डयेयुः |
| पुण्डयेः | पुण्डयेतम् | पुण्डयेत |
| पुण्डयेयम् | पुण्डयेव | पुण्डयेम |
| प० पुण्डयतु | पुण्डयतात् | पुण्डयन्तु |
| पुण्डय | पुण्डयतम् | पुण्डयत |
| पुण्डयानि | पुण्डयाव | पुण्डयाम |
| ह्य० अपुण्डयत् | अपुण्डयताम् | अपुण्डयन् |
| अपुण्डयः | अपुण्डयतम् | अपुण्डयत |
| अपुण्डयम् | अपुण्डयाव | अपुण्डयाम |
| अ० अपुपुण्डत् | अपुपुण्डताम् | अपुपुण्डन् |
| अपुपुण्डः | अपुपुण्डतम् | अपुपुण्डत |
| अपुपुण्डम् | अपुपुण्डाव | अपुपुण्डाम |
| प० पुण्डयाश्चकार | पुण्डयाश्चक्रुः | पुण्डयाश्चकुः |
| पुण्डयाश्चकर्थ | पुण्डयाश्चक्रथुः | पुण्डयाश्चक्र |
| पुण्डयाश्चकार-चकर | पुण्डयाश्चकृव | पुण्डयाश्चकृम |
| पुण्डयाम्बभूव | पुण्डयामास | |
| आ० पुण्डयात् | पुण्डयास्ताम् | पुण्डयासुः |
| पुण्डयाः | पुण्डयास्तम् | पुण्डयास्त |
| पुण्डयासम् | पुण्डयास्व | पुण्डयास्म |
| श्व० पुण्डयिता | पुण्डयितारौ | पुण्डयितारः |
| पुण्डयितासि | पुण्डयितास्थः | पुण्डयितास्थ |
| पुण्डयितास्मि | पुण्डयितास्वः | पुण्डयितास्मः |
| भ० पुण्डयिष्यति | पुण्डयिष्यतः | पुण्डयिष्यन्ति |
| पुण्डयिष्यसि | पुण्डयिष्यथः | पुण्डयिष्यथ |
| पुण्डयिष्यामि | पुण्डयिष्यावः | पुण्डयिष्यामः |
| क्रि० अपुण्डयिष्यत् | अपुण्डयिष्यताम् | अपुण्डयिष्यन् |
| अपुण्डयिष्यः | अपुण्डयिष्यतम् | अपुण्डयिष्यत |
| अपुण्डयिष्यम् | अपुण्डयिष्याव | अपुण्डयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० पुण्डयते | पुण्डयेते | पुण्डयन्ते |
| पुण्डयसे | पुण्डयेथे | पुण्डयन्वे |
| पुण्डये | पुण्डयावहे | पुण्डयामहे |
| स० पुण्डयेत | पुण्डयेयाताम् | पुण्डयेरन् |
| पुण्डयेथाः | पुण्डयेयाथाम् | पुण्डयेध्वम् |
| पुण्डयेय | पुण्डयेवहि | पुण्डयेमहि |
| प० पुण्डयताम् | पुण्डयेताम् | पुण्डयन्ताम् |
| पुण्डयस्व | पुण्डयेथाम् | पुण्डयध्वम् |
| पुण्डये | पुण्डयावहे | पुण्डयामहे |
| ह्य० अपुण्डयत् | अपुण्डयेताम् | अपुण्डयन्त |
| अपुण्डयथाः | अपुण्डयेथाम् | अपुण्डयध्वम् |
| अपुण्डये | अपुण्डयावहि | अपुण्डयामहि |
| अ० अपुपुण्डत | अपुपुण्डेताम् | अपुपुण्डन्त |
| अपुपुण्डथाः | अपुपुण्डेथाम् | अपुपुण्डध्वम् |
| अपुपुण्डे | अपुपुण्डावहि | अपुपुण्डामहि |
| प० पुण्डयाश्चक्रे | पुण्डयाश्चक्राते | पुण्डयाश्चक्रिरे |
| पुण्डयाश्चकृषे | पुण्डयाश्चक्राथे | पुण्डयाश्चकृवहे |
| पुण्डयाश्चक्रे | पुण्डयाश्चकृवहे | पुण्डयाश्चकृमहे |
| पुण्डयाम्बभूव | पुण्डयामास | |
| आ० पुण्डयिषीष्ट | पुण्डयिषीयास्ताम् | पुण्डयिषीरन् |
| पुण्डयिषीष्टाः | पुण्डयिषीयास्याम् | पुण्डयिषीद्वम् |
| पुण्डयिषीय | पुण्डयिषीवहि | पुण्डयिषीमहि |
| श्व० पुण्डयिता | पुण्डयितारौ | पुण्डयितारः |
| पुण्डयितासे | पुण्डयितासाथे | पुण्डयिताध्वे |
| पुण्डयिताहे | पुण्डयितास्वहे | पुण्डयितास्महे |
| भ० पुण्डयिष्यते | पुण्डयिष्येते | पुण्डयिष्यन्ते |
| पुण्डयिष्यसे | पुण्डयिष्येथे | पुण्डयिष्यन्वे |
| पुण्डयिष्ये | पुण्डयिष्यावहे | पुण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अपुण्डयिष्यत् | अपुण्डयिष्येताम् | अपुण्डयिष्यन्त |
| अपुण्डयिष्यथाः | अपुण्डयिष्येथाम् | अपुण्डयिष्यध्वम् |
| अपुण्डयिष्ये | अपुण्डयिष्यावहि | अपुण्डयिष्यामहि |

230 मुड् (मुण्ड) खण्डने च ।

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| ब० मुण्डयति | मुण्डयतः | मुण्डयन्ति |
| मुण्डयसि | मुण्डयथः | मुण्डयथ |
| मुण्डयामि | मुण्डयावः | मुण्डयामः |

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| स० मुण्डयेत् | मुण्डयेताम् | मुण्डयेयुः |
| मुण्डयेः | मुण्डयेतम् | मुण्डयेत |
| मुण्डयेयम् | मुण्डयेव | मुण्डयेम |

| | | | |
|-------------|------------|------------|------------|
| प० मुण्डयतु | मुण्डयतात् | मुण्डयताम् | मुण्डयन्तु |
| मुण्डय | मुण्डयतात् | मुण्डयतम् | मुण्डयत |
| मुण्डयानि | मुण्डयाव | मुण्डयाम | |

| | | |
|----------------|-------------|-----------|
| ह्य० अमुण्डयत् | अमुण्डयताम् | अमुण्डयन् |
| अमुण्डयः | अमुण्डयतम् | अमुण्डयत |
| अमुण्डयम् | अमुण्डयाव | अमुण्डयाम |

| | | |
|---------------|--------------|------------|
| अ० अमुमुण्डत् | अमुमुण्डताम् | अमुमुण्डन् |
| अमुमुण्डः | अमुमुण्डतम् | अमुमुण्डत |
| अमुमुण्डम् | अमुमुण्डाव | अमुमुण्डाम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| प० मुण्डयाञ्चकार | मुण्डयाञ्चक्रतुः | मुण्डयाञ्चक्रुः |
| मुण्डयाञ्चकथं | मुण्डयाञ्चकथुः | मुण्डयाञ्चक्र |
| मुण्डयाञ्चकार-चकर | मुण्डयाञ्चकृव | मुण्डयाञ्चकृम |

मुण्डयाम्बभूव । मुण्डयामास

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० मुण्डयात् | मुण्डयास्ताम् | मुण्डयासुः |
| मुण्डयाः | मुण्डयास्तम् | मुण्डयास्त |
| मुण्डयासम् | मुण्डयास्व | मुण्डयास्म |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| श्व० मुण्डयिता | मुण्डयितारौ | मुण्डयितारः |
| मुण्डयितासि | मुण्डयितास्थः | मुण्डयितास्थ |
| मुण्डयितास्मि | मुण्डयितास्वः | मुण्डयितास्मः |

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| भ० मुण्डयिष्यति | मुण्डयिष्यतः | मुण्डयिष्यन्ति |
| मुण्डयिष्यसि | मुण्डयिष्यथः | मुण्डयिष्यथ |
| मुण्डयिष्यामि | मुण्डयिष्यावः | मुण्डयिष्यामः |

| | | |
|---------------------|-----------------|---------------|
| क्रि० अमुण्डयिष्यत् | अमुण्डयिष्यताम् | अमुण्डयिष्यन् |
| अमुण्डयिष्यः | अमुण्डयिष्यतम् | अमुण्डयिष्यत |
| अमुण्डयिष्यम् | अमुण्डयिष्याव | अमुण्डयिष्याम |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| व० मुण्डयते | मुण्डयते | मुण्डयन्ते |
| मुण्डयसे | मुण्डयेथे | मुण्डयध्वे |
| मुण्डये | मुण्डयावहे | मुण्डयामहे |

| | | |
|-------------|---------------|--------------|
| स० मुण्डयेत | मुण्डयेताताम् | मुण्डयेरन् |
| मुण्डयेथाः | मुण्डयेथाथाम् | मुण्डयेध्वम् |
| मुण्डयेय | मुण्डयेवहि | मुण्डयेमहि |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| प० मुण्डयताम् | मुण्डयेताम् | मुण्डयन्ताम् |
| मुण्डयस्व | मुण्डयेथाम् | मुण्डयध्वम् |
| मुण्डये | मुण्डयावहे | मुण्डयामहे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| ह्य० अमुण्डयत | अमुण्डयेताम् | अमुण्डयन्त |
| अमुण्डयथाः | अमुण्डयेथाम् | अमुण्डयध्वम् |
| अमुण्डये | अमुण्डयावहि | अमुण्डयामहि |

| | | |
|--------------|---------------|---------------|
| अ० अमुमुण्डत | अमुमुण्डेताम् | अमुमुण्डन्त |
| अमुमुण्डथाः | अमुमुण्डेथाम् | अमुमुण्डध्वम् |
| अमुमुण्डे | अमुमुण्डावहि | अमुमुण्डामहि |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| प० मुण्डयाञ्चक्रे | मुण्डयाञ्चक्रते | मुण्डयाञ्चक्रिरे |
| मुण्डयाञ्चकृषे | मुण्डयाञ्चक्राथे | मुण्डयाञ्चकृध्वे |
| मुण्डयाञ्चक्रे | मुण्डयाञ्चकृवहे | मुण्डयाञ्चकृमहे |
| मुण्डयाम्बभूव | मुण्डयामास | |

| | | |
|-----------------|-------------------|----------------------|
| आ० मुण्डयिषीष्ट | मुण्डयिषीयास्ताम् | मुण्डयिषीरन् |
| मुण्डयिषीष्ठाः | मुण्डयिषीयाथाम् | मुण्डयिषीध्वम्-ध्वम् |
| मुण्डयिषीय | मुण्डयिषीवहि | मुण्डयिषीमहि |

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| श्व० मुण्डयिता | मुण्डयितारौ | मुण्डयितारः |
| मुण्डयितासे | मुण्डयितासाथे | मुण्डयिताध्वे |
| मुण्डयिताहे | मुण्डयितास्वहे | मुण्डयितास्महे |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| भ० मुण्डयिष्यते | मुण्डयिष्येते | मुण्डयिष्यन्ते |
| मुण्डयिष्यसे | मुण्डयिष्येथे | मुण्डयिष्यध्वे |
| मुण्डयिष्ये | मुण्डयिष्यावहे | मुण्डयिष्यामहे |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| क्रि० अमुण्डयिष्यत | अमुण्डयिष्येताम् | अमुण्डयिष्यन्त |
| अमुण्डयिष्यथाः | अमुण्डयिष्येथाम् | अमुण्डयिष्यध्वम् |
| अमुण्डयिष्ये | अमुण्डयिष्यावहि | अमुण्डयिष्यामहि |

231 मङ् (मण्ड्) भूषायाम्

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० मण्डयति | मण्डयतः | मण्डयन्ति |
| मण्डयसि | मण्डयथः | मण्डयथ |
| मण्डयामि | मण्डयावः | मण्डयामः |
| स० मण्डयेत् | मण्डयेताम् | मण्डयेयुः |
| मण्डयेः | मण्डयेतम् | मण्डयेत |
| मण्डयेयम् | मण्डयेव | मण्डयेम |
| प० मण्डयतु | मण्डयतात् | मण्डयन्तु |
| मण्डय | मण्डयतम् | मण्डयत |
| मण्डयानि | मण्डयाव | मण्डयाम |
| ह्य० अमण्डयत् | अमण्डयताम् | अमण्डयन् |
| अमण्डयः | अमण्डयतम् | अमण्डयत |
| अमण्डयम् | अमण्डयाव | अमण्डयाम |
| अ० अमण्डत् | अमण्डताम् | अमण्डन् |
| अमण्डः | अमण्डतम् | अमण्डत |
| अमण्डम् | अमण्डाव | अमण्डाम |
| प० मण्डयाञ्चकार | मण्डयाञ्चकतुः | मण्डयाञ्चकुः |
| मण्डयाञ्चकथै | मण्डयाञ्चकथुः | मण्डयाञ्चक |
| मण्डयाञ्चकार-चकर | मण्डयाञ्चकृव | मण्डयाञ्चकृम |
| मण्डयाम्बभूव | । | मण्डयामास |
| आ० मण्डयात् | मण्डयास्ताम् | मण्डयासुः |
| मण्डयाः | मण्डयास्तम् | मण्डयास्त |
| मण्डयासम् | मण्डयास्व | मण्डयाःम |
| श्व० मण्डयिता | मण्डयितारौ | मण्डयितारः |
| मण्डयितासि | मण्डयितास्थः | मण्डयितास्थ |
| मण्डयितास्मि | मण्डयितास्वः | मण्डयितारमः |
| भ० मण्डयिष्यति | मण्डयिष्यतः | मण्डयिष्यन्ति |
| मण्डयिष्यसि | मण्डयिष्यथः | मण्डयिष्यथ |
| मण्डयिष्यामि | मण्डयिष्यावः | मण्डयिष्यामः |
| क्रि० अमण्डयिष्यत् | अमण्डयिष्यताम् | अमण्डयिष्यन् |
| अमण्डयिष्यः | अमण्डयिष्यतम् | अमण्डयिष्यत |
| अमण्डयिष्यम् | अमण्डयिष्याव | अमण्डयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-------------------|
| व० मण्डयते | मण्डयेते | मण्डयन्ते |
| मण्डयते | मण्डयेथे | मण्डयन्थे |
| मण्डये | मण्डयावहे | मण्डयामहे |
| स० मण्डयेत् | मण्डयेयाताम् | मण्डयेरन् |
| मण्डयेथाः | मण्डयेयाथाम् | मण्डयेथ्वम् |
| मण्डयेय | मण्डयेवहि | मण्डयेमहि |
| प० मण्डयताम् | मण्डयेताम् | मण्डयन्ताम् |
| मण्डयस्व | मण्डयेथाम् | मण्डयन्थ्वम् |
| मण्डये | मण्डयावहे | मण्डयामहे |
| ह्य० अमण्डयत् | अमण्डयेताम् | अमण्डयन्त |
| अमण्डयथाः | अमण्डयेथाम् | अमण्डयन्थ्वम् |
| अमण्डये | अमण्डयावहि | अमण्डयामहि |
| अ० अमण्डत् | अमण्डेताम् | अमण्डन्त |
| अमण्डथाः | अमण्डेथाम् | अमण्डन्थ्वम् |
| अमण्डे | अमण्डावहि | अमण्डामहि |
| प० मण्डयाञ्चक्रे | मण्डयाञ्चकृते | मण्डयाञ्चकृरे |
| मण्डयाञ्चकृषे | मण्डयाञ्चकृथे | मण्डयाञ्चकृव |
| मण्डयाञ्चक्रे | मण्डयाञ्चकृवहे | मण्डयाञ्चकृमहे |
| मण्डयाम्बभूव | । | मण्डयामास |
| आ० मण्डयिषीष्ट | मण्डयिषीयास्ताम् | मण्डयिषीरन् |
| मण्डयिषीष्टाः | मण्डयिषीयास्थाम् | मण्डयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| मण्डयिषीय | मण्डयिषीरहि | मण्डयिषीमहि |
| श्व० मण्डयिता | मण्डयितारौ | मण्डयितारः |
| मण्डयितासे | मण्डयितासाथे | मण्डयिताथ्वे |
| मण्डयिताहे | मण्डयितास्वहे | मण्डयितास्महे |
| भ० मण्डयिष्यते | मण्डयिष्येते | मण्डयिष्यन्ते |
| मण्डयिष्यसे | मण्डयिष्येथे | मण्डयिष्यन्थ्वे |
| मण्डयिष्ये | मण्डयिष्यावहे | मण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अमण्डयिष्यत् | अमण्डयिष्येताम् | अमण्डयिष्यन्त |
| अमण्डयिष्यथाः | अमण्डयिष्येथाम् | अमण्डयिष्यन्थ्वम् |
| अमण्डयिष्ये | अमण्डयिष्यावहि | अमण्डयिष्यामहि |

232 गङ् (गण्ड) वदनैकदेशे ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० गण्डयति | गण्डयतः | गण्डयन्ति |
| गण्डयसि | गण्डयथः | गण्डयथ |
| गण्डयामि | गण्डयावः | गण्डयामः |
| स० गण्डयेत् | गण्डयेताम् | गण्डयेयुः |
| गण्डयेः | गण्डयेतम् | गण्डयेत |
| गण्डयेयम् | गण्डयेव | गण्डयेम |
| २० गण्डयतु | गण्डयतात् | गण्डयताम् |
| गण्डय | गण्डयतात् | गण्डयतम् |
| गण्डयानि | गण्डयाव | गण्डयाम |
| ह्य० अगण्डयत् | अगण्डयताम् | अगण्डयन् |
| अगण्डयः | अगण्डयतम् | अगण्डयत |
| अगण्डयम् | अगण्डयाव | अगण्डयाम |
| अ० अजगण्डत् | अजगण्डताम् | अजगण्डन् |
| अजगण्डः | अजगण्डतम् | अजगण्डत |
| अजगण्डम् | अजगण्डाव | अजगण्डाम |
| गण्डयाश्चकार | गण्डयाश्चक्रुः | गण्डयाश्चक्रुः |
| गण्डयाश्चकथे | गण्डयाश्चक्रुः | गण्डयाश्चक्रुः |
| गण्डयाश्चकार-चकर | गण्डयाश्चक्रुव | गण्डयाश्चक्रुम |
| गण्डयाम्बभूव | गण्डयामास | |
| आ० गण्डयात् | गण्डयास्ताम् | गण्डयासुः |
| गण्डयाः | गण्डयास्तम् | गण्डयास्त |
| गण्डयासम् | गण्डयास्व | गण्डयास्म |
| श्व० गण्डयिता | गण्डयितारौ | गण्डयितारः |
| गण्डयितासि | गण्डयितास्थः | गण्डयितास्थ |
| गण्डयितास्मि | गण्डयितास्वः | गण्डयितास्मः |
| भ० गण्डयिष्यति | गण्डयिष्यतः | गण्डयिष्यन्ति |
| गण्डयिष्यसि | गण्डयिष्यथः | गण्डयिष्यथ |
| गण्डयिष्यामि | गण्डयिष्यावः | गण्डयिष्यामः |
| क्रि० अगण्डयिष्यत् | अगण्डयिष्यताम् | अगण्डयिष्यन् |
| अगण्डयिष्यः | अगण्डयिष्यतम् | अगण्डयिष्यत |
| अगण्डयिष्यम् | अगण्डयिष्याव | अगण्डयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|---------------------|
| ब० गण्डयते | गण्डयते | गण्डयन्ते |
| गण्डयसे | गण्डयेथे | गण्डयथ्वे |
| गण्डये | गण्डयावहे | गण्डयामहे |
| स० गण्डयेत | गण्डयेताताम् | गण्डयेरन् |
| गण्डयेथाः | गण्डयेथाथाम् | गण्डयेध्वम् |
| गण्डयेय | गण्डयेवहि | गण्डयेमहि |
| प० गण्डयताम् | गण्डयेताम् | गण्डयन्ताम् |
| गण्डयस्व | गण्डयेथाम् | गण्डयध्वम् |
| गण्डये | गण्डयावहे | गण्डयामहे |
| ह्य० अगण्डयत् | अगण्डयेताम् | अगण्डयन्त |
| अगण्डयथाः | अगण्डयेथाम् | अगण्डयध्वम् |
| अगण्डये | अगण्डयावहि | अगण्डयामहि |
| अ० अजगण्डत् | अजगण्डेताम् | अजगण्डन्त |
| अजगण्डथाः | अजगण्डेथाम् | अजगण्डध्वम् |
| अजगण्डे | अजगण्डावहि | अजगण्डामहि |
| प० गण्डयाश्चके | गण्डयाश्चक्राते | गण्डयाश्चक्रिरे |
| गण्डयाश्चकृषे | गण्डयाश्चक्राथे | गण्डयाश्चकृद्वे |
| गण्डयाश्चके | गण्डयाश्चकृवहे | गण्डयाश्चकृमहे |
| गण्डयाम्बभूव | गण्डयामास | |
| आ० गण्डयिषीष्ट | गण्डयिषीयास्ताम् | गण्डयिषीरन् |
| गण्डयिषीष्ठाः | गण्डयिषीयास्थाम् | गण्डयिषीद्वम्-ध्वम् |
| गण्डयिषीय | गण्डयिषीवहि | गण्डयिषीमहि |
| श्व० गण्डयिता | गण्डयितारौ | गण्डयितारः |
| गण्डयितासे | गण्डयितासथे | गण्डयिताध्वे |
| गण्डयिताहे | गण्डयितास्वहे | गण्डयितास्महे |
| भ० गण्डयिष्यते | गण्डयिष्येते | गण्डयिष्यन्ते |
| गण्डयिष्यसे | गण्डयिष्येथे | गण्डयिष्यध्वे |
| गण्डयिष्ये | गण्डयिष्यावहे | गण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अगण्डयिष्यत् | अगण्डयिष्येताम् | अगण्डयिष्यन्त |
| अगण्डयिष्यथाः | अगण्डयिष्येथाम् | अगण्डयिष्यध्वम् |
| अगण्डयिष्ये | अगण्डयिष्यावहि | अगण्डयिष्यामहि |

233 शौडृ (शौड) गर्वे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | शौडयति | शौडयतः | शौडयन्ति |
| | शौडयसि | शौडयथः | शौडयथ |
| | शौडयामि | शौडमावः | शौडयामः |
| स० | शौडयेत् | शौडयेताम् | शौडयेयुः |
| | शौडयेः | शौडयेतम् | शौडयेत |
| | शौडयेयम् | शौडयेव | शौडयेम |
| प० | शौडयतु | शौडयतात् | शौडयताम् |
| | शौडय | शौडयतात् | शौडयतम् |
| | शौडयानि | शौडयाव | शौडयाम |
| ह्य० | अशौडयत् | अशौडयताम् | अशौडयन् |
| | अशौडयः | अशौडयतम् | अशौडयत |
| | अशौडयम् | अशौडयाव | अशौडयाम |
| अ० | अशुशौडत् | अशुशौडताम् | अशुशौडन् |
| | अशुशौडः | अशुशौडतम् | अशुशौडत |
| | अशुशौडम् | अशुशौडाव | अशुशौडाम |
| प० | शौडयाश्चकार | शौडयाश्चक्रुः | शौडयाश्चक्रुः |
| | शौडयाश्चकथ | शौडयाश्चक्रुः | शौडयाश्चक्रुः |
| | शौडयाश्चकार-चकर | शौडयाश्चक्रुव | शौडयाश्चक्रुम |
| | शौडयाम्बभूव | । | शौडयामास |
| आ० | शौडयात् | शौडयास्ताम् | शौडयासुः |
| | शौडयाः | शौडयास्तम् | शौडयास्त |
| | शौडयासम् | शौडयास्व | शौडयासम् |
| श्व० | शौडयिता | शौडयितारौ | शौडयितारः |
| | शौडयितासि | शौडयितास्थः | शौडयितास्थ |
| | शौडयितास्मि | शौडयितास्वः | शौडयितास्मः |
| म० | शौडयिष्यति | शौडयिष्यतः | शौडयिष्यन्ति |
| | शौडयिष्यसि | शौडयिष्यथः | शौडयिष्यथ |
| | शौडयिष्यामि | शौडयिष्यावः | शौडयिष्यामः |
| क्रि० | अशौडयिष्यत् | अशौडयिष्यताम् | अशौडयिष्यन् |
| | अशौडयिष्यः | अशौडयिष्यतम् | अशौडयिष्यत |
| | अशौडयिष्यम् | अशौडयिष्याव | अशौडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | शौडयेते | शौडयेते | शौडयन्ते |
| | शौडयेसे | शौडयेथे | शौडयेध्वे |
| | शौडये | शौडयावहे | शौडयामहे |
| स० | शौडयेत | शौडयेयाताम् | शौडयेरन् |
| | शौडयेथाः | शौडयेयाथाम् | शौडयेध्वम् |
| | शौडयेय | शौडयेवहि | शौडयेमहि |
| प० | शौडयताम् | शौडयेताम् | शौडयन्ताम् |
| | शौडयस्व | शौडयेथाम् | शौडयध्वम् |
| | शौडये | शौडयावहे | शौडयामहे |
| ह्य० | अशौडयत | अशौडयेताम् | अशौडयन्त |
| | अशौडयथाः | अशौडयेथाम् | अशौडयध्वम् |
| | अशौडये | अशौडयावहि | अशौडयामहि |
| अ० | अशुशौडत | अशुशौडेताम् | अशुशौडन्त |
| | अशुशौडथाः | अशुशौडेथाम् | अशुशौडध्वम् |
| | अशुशौडे | अशुशौडावहि | अशुशौडामहि |
| प० | शौडयाश्चक्रे | शौडयाश्चक्रते | शौडयाश्चक्रिरे |
| | शौडयाश्चकृषे | शौडयाश्चक्राथे | शौडयाश्चकृध्वे |
| | शौडयाश्चक्रे | शौडयाश्चकृवहे | शौडयाश्चकृमहे |
| | शौडयाम्बभूव | । | शौडयामास |
| आ० | शौडयिषीष्ट | शौडयिषीयास्ताम् | शौडयिषीरन् |
| | शौडयिषीष्ठाः | शौडयिषीयास्थाम् | शौडयिषीध्वम्-ध्वम् |
| | शौडयिषीय | शौडयिषीवहि | शौडयिषीमहि |
| श्व० | शौडयिता | शौडयितारौ | शौडयितारः |
| | शौडयितासे | शौडयितासाथे | शौडयिताध्वे |
| | शौडयिताहे | शौडयितास्वहे | शौडयितास्महे |
| म० | शौडयिष्यते | शौडयिष्येते | शौडयिष्यन्ते |
| | शौडयिष्यसे | शौडयिष्येथे | शौडयिष्यध्वे |
| | शौडयिष्ये | शौडयिष्यावहे | शौडयिष्यामहे |
| क्रि० | अशौडयिष्यत | अशौडयिष्येताम् | अशौडयिष्यन्त |
| | अशौडयिष्यथाः | अशौडयिष्येथाम् | अशौडयिष्यध्वम् |
| | अशौडयिष्ये | अशौडयिष्यावहि | अशौडयिष्यामहि |

234 यौङ् (यौङ्) संबन्धे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | यौङ्यति | यौङ्यतः | यौङ्यन्ति |
| | यौङ्यसि | यौङ्यथः | यौङ्यथ |
| | यौङ्यामि | यौङ्यावः | यौङ्यामः |
| स० | यौङ्येत् | यौङ्येताम् | यौङ्येयुः |
| | यौङ्येः | यौङ्येताम् | यौङ्येत |
| | यौङ्येयम् | यौङ्येव | यौङ्येम |
| प० | यौङ्यतु | यौङ्यतात् | यौङ्यन्ताम् |
| | यौङ्य | यौङ्यन् | यौङ्यत |
| | यौङ्यानि | यौङ्याव | यौङ्याम |
| ह्य० | अयौङ्यत् | अयौङ्यताम् | अयौङ्यन् |
| | अयौङ्यः | अयौङ्यतम् | अयौङ्यत |
| | अयौङ्यम् | अयौङ्याव | अयौङ्याम |
| अ० | अयुयौङत् | अयुयौङताम् | अयुयौङन् |
| | अयुयौङः | अयुयौङतम् | अयुयौङत |
| | अयुयौङम् | अयुयौङाव | अयुयौङाम |
| प० | यौङ्याञ्चकार | यौङ्याञ्चकतुः | यौङ्याञ्चकुः |
| | यौङ्याञ्चकथं | यौङ्याञ्चकथुः | यौङ्याञ्चक |
| | यौङ्याञ्चकार-चकर | यौङ्याञ्चकृव | यौङ्याञ्चकृम |
| | यौङ्याम्बभूव | । | यौङ्यामास |
| आ० | यौङ्यात् | यौङ्यास्ताम् | यौङ्यासुः |
| | यौङ्याः | यौङ्यास्तम् | यौङ्यास्त |
| | यौङ्यासम् | यौङ्यास्व | यौङ्यासम् |
| श्व० | यौङ्यिता | यौङ्यितारौ | यौङ्यितारः |
| | यौङ्यितासि | यौङ्यितास्थः | यौङ्यितास्थ |
| | यौङ्यितास्मि | यौङ्यितास्वः | यौङ्यितास्मः |
| भ० | यौङ्यिष्यति | यौङ्यिष्यतः | यौङ्यिष्यन्ति |
| | यौङ्यिष्यसि | यौङ्यिष्यथः | यौङ्यिष्यथ |
| | यौङ्यिष्यामि | यौङ्यिष्यावः | यौङ्यिष्यामः |
| क्रि० | अयौङ्यिष्यत् | अयौङ्यिष्यताम् | अयौङ्यिष्यन् |
| | अयौङ्यिष्यः | अयौङ्यिष्यतम् | अयौङ्यिष्यत |
| | अयौङ्यिष्यम् | अयौङ्यिष्याव | अयौङ्यिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | यौङ्यते | यौङ्येते | यौङ्यन्ते |
| | यौङ्यसे | यौङ्येथे | यौङ्यध्वे |
| | यौङ्ये | यौङ्यावहे | यौङ्यामः |
| स० | यौङ्येत | यौङ्येयाताम् | यौङ्येरन् |
| | यौङ्येथाः | यौङ्येयाथाम् | यौङ्येध्वम् |
| | यौङ्येय | यौङ्येवहि | यौङ्येमहि |
| प० | यौङ्यताम् | यौङ्येताम् | यौङ्यन्ताम् |
| | यौङ्यस्व | यौङ्येथाम् | यौङ्यध्वम् |
| | यौङ्यै | यौङ्यावहे | यौङ्यामहे |
| ह्य० | अयौङ्यत् | अयौङ्येताम् | अयौङ्यन्त |
| | अयौङ्यथाः | अयौङ्येथाम् | अयौङ्यध्वम् |
| | अयौङ्ये | अयौङ्यावहि | अयौङ्यामहि |
| अ० | अयुयौङत | अयुयौङेताम् | अयुयौङन्त |
| | अयुयौङथाः | अयुयौङेथाम् | अयुयौङध्वम् |
| | अयुयौङे | अयुयौङावहि | अयुयौङामहि |
| प० | यौङ्याञ्चके | यौङ्याञ्चकते | यौङ्याञ्चकिरे |
| | यौङ्याञ्चकृष | यौङ्याञ्चकथे | यौङ्याञ्चकृवे |
| | यौङ्याञ्चके | यौङ्याञ्चकृवहे | यौङ्याञ्चकृमहे |
| | यौङ्याम्बभूव | । | यौङ्यामास |
| आ० | यौङ्यिषीष्ट | यौङ्यिषीयास्ताम् | यौङ्यिषीरन् |
| | यौङ्यिषीष्टाः | यौङ्यिषीयास्थाम् | यौङ्यिषीध्वम् |
| | यौङ्यिषीय | यौङ्यिषीवहि | यौङ्यिषीमहि |
| श्व० | यौङ्यिता | यौङ्यितारौ | यौङ्यितारः |
| | यौङ्यितासे | यौङ्यितासथे | यौङ्यिताध्वे |
| | यौङ्यिताहे | यौङ्यितास्वहे | यौङ्यितास्महे |
| भ० | यौङ्यिष्यते | यौङ्यिष्येते | यौङ्यिष्यन्ते |
| | यौङ्यिष्यसे | यौङ्यिष्येथे | यौङ्यिष्यध्वे |
| | यौङ्यिष्ये | यौङ्यिष्यावहे | यौङ्यिष्यामहे |
| क्रि० | अयौङ्यिष्यत् | अयौङ्यिष्येताम् | अयौङ्यिष्यन्त |
| | अयौङ्यिष्यथाः | अयौङ्यिष्येथाम् | अयौङ्यिष्यध्वम् |
| | अयौङ्यिष्ये | अयौङ्यिष्यावहि | अयौङ्यिष्यामहि |

235 मेडृ (मेड्) उन्मादे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | मेडयति | मेडयतः | मेडयन्ति |
| | मेडयसि | मेडयथः | मेडयथ |
| | मेडयामि | मेडयावः | मेडयामः |
| स० | मेडयेत् | मेडयेताम् | मेडयेयुः |
| | मेडयेः | मेडयेतम् | मेडयेत |
| | मेडयेयम् | मेडयेव | मेडयेम |
| प० | मेडयतु | मेडयतात् | मेडयन्तु |
| | मेडय | मेडयतम् | मेडयत |
| | मेडयानि | मेडयाव | मेडयाम |
| ह्य० | अमेडयत् | अमेडयताम् | अमेडयन् |
| | अमेडयः | अमेडयतम् | अमेडयत |
| | अमेडयम् | अमेडयाव | अमेडयाम |
| अ० | अमिमेडत् | अमिमेडताम् | अमिमेडन् |
| | अमिमेडः | अमिमेडतम् | अमिमेडत |
| | अमिमेडम् | अमिमेडाव | अमिमेडाम |
| प० | मेडयाञ्चकार | मेडयाञ्चकतुः | मेडयाञ्चकुः |
| | मेडयाञ्चकर्थ | मेडयाञ्चकथुः | मेडयाञ्चक |
| | मेडयाञ्चकार-चकर | मेडयाञ्चकृव | मेडयाञ्चकृम |
| | मेडयाम्बभूव | मेडयामास | |
| आ० | मेडयात् | मेडयास्ताम् | मेडयासुः |
| | मेडयाः | मेडयास्तम् | मेडयास्त |
| | मेडयासम् | मेडयास्व | मेडयास्म |
| श्व० | मेडयिता | मेडयितारौ | मेडयितारः |
| | मेडयितासि | मेडयितास्थः | मेडयितास्थ |
| | मेडयितास्मि | मेडयितास्वः | मेडयितास्मः |
| भ० | मेडयिष्यति | मेडयिष्यतः | मेडयिष्यन्ति |
| | मेडयिष्यसि | मेडयिष्यथः | मेडयिष्यथ |
| | मेडयिष्यामि | मेडयिष्यावः | मेडयिष्यामः |
| क्रि० | अमेडयिष्यत् | अमेडयिष्यताम् | अमेडयिष्यन् |
| | अमेडयिष्यः | अमेडयिष्यतम् | अमेडयिष्यत |
| | अमेडयिष्यम् | अमेडयिष्याव | अमेडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | मेडयते | मेडयेते | मेडयन्ते |
| | मेडयसे | मेडयेथे | मेडयध्वे |
| | मेडये | मेडयावहे | मेडयामहे |
| स० | मेडयेत | मेडयेयाताम् | मेडयेरन् |
| | मेडयेथाः | मेडयेयाथाम् | मेडयेध्वम् |
| | मेडयेय | मेडयेवहि | मेडयेमहि |
| प० | मेडयताम् | मेडयेताम् | मेडयन्ताम् |
| | मेडयस्व | मेडयेथाम् | मेडयध्वम् |
| | मेडये | मेडयावहे | मेडयामहे |
| ह्य० | अमेडयत् | अमेडयेताम् | अमेडयन्त |
| | अमेडयथाः | अमेडयेथाम् | अमेडयध्वम् |
| | अमेडये | अमेडयावहि | अमेडयामहि |
| अ० | अमिमेडत | अमिमेडेताम् | अमिमेडन्त |
| | अमिमेडथाः | अमिमेडेथाम् | अमिमेडध्वम् |
| | अमिमेडे | अमिमेडावहि | अमिमेडामहि |
| प० | मेडयाञ्चके | मेडयाञ्चकते | मेडयाञ्चकिरे |
| | मेडयाञ्चकृष | मेडयाञ्चकथे | मेडयाञ्चकृवे |
| | मेडयाञ्चके | मेडयाञ्चकृवहे | मेडयाञ्चकृमहे |
| | मेडयाम्बभूव | मेडयामास | |
| आ० | मेडयिषीष्ट | मेडयिषीयास्ताम् | मेडयिषीरन् |
| | मेडयिषीष्ठाः | मेडयिषीयास्थाम् | मेडयिषीध्वम् |
| | मेडयिषीय | मेडयिषीवहि | मेडयिषीमहि |
| श्व० | मेडयिता | मेडयितारौ | मेडयितारः |
| | मेडयितासे | मेडयितासाथे | मेडयिताध्वे |
| | मेडयिताहे | मेडयितास्वहे | मेडयितास्महे |
| भ० | मेडयिष्यते | मेडयिष्येते | मेडयिष्यन्ते |
| | मेडयिष्यसे | मेडयिष्येथे | मेडयिष्यध्वे |
| | मेडयिष्ये | मेडयिष्यावहे | मेडयिष्यामहे |
| क्रि० | अमेडयिष्यत | अमेडयिष्येताम् | अमेडयिष्यन्त |
| | अमेडयिष्यथाः | अमेडयिष्येथाम् | अमेडयिष्यध्वम् |
| | अमेडयिष्ये | अमेडयिष्यावहि | अमेडयिष्यामहि |

२३६ भ्रेड्- (भ्रेड्) उन्मादे-

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------|
| व० भ्रेडयति | भ्रेडयतः | भ्रेडयन्ति |
| भ्रेडयसि | भ्रेडयथः | भ्रेडयथ |
| भ्रेडयामि | भ्रेडयावः | भ्रेडयामः |
| स० भ्रेडयेत् | भ्रेडयेताम् | भ्रेडयेयुः |
| भ्रेडयेः | भ्रेडयेतम् | भ्रेडयेत |
| भ्रेडयेयम् | भ्रेडयेव | भ्रेडयेम |
| प० भ्रेडयतु | भ्रेडयतात् | भ्रेडयताम् |
| भ्रेडय | भ्रेडयतात् | भ्रेडयतम् |
| भ्रेडयानि | भ्रेडयाव | भ्रेडयाम |
| ह्य० अभ्रेडयत् | अभ्रेडयताम् | अभ्रेडयन् |
| अभ्रेडयः | अभ्रेडयतम् | अभ्रेडयत |
| अभ्रेडयम् | अभ्रेडयाव | अभ्रेडयाम |
| अभिभ्रेडत् | अभिभ्रेडताम् | अभिभ्रेडन् |
| अभिभ्रेडः | अभिभ्रेडतम् | अभिभ्रेडत |
| अभिभ्रेडम् | अभिभ्रेडाव | अभिभ्रेडाम |
| भ्रेडयाश्चकार | भ्रेडयाश्चक्रुः | भ्रेडयाश्चक्रुः |
| भ्रेडयाश्चकथं | भ्रेडयाश्चकथुः | भ्रेडयाश्चक |
| भ्रेडयाश्चकार-चकर | भ्रेडयाश्चकृव | भ्रेडयाश्चकृम |
| भ्रेडयाम्बभूव | । | भ्रेडयामास |
| भ्रेडयात् | भ्रेडयास्ताम् | भ्रेडयास्तुः |
| भ्रेडयाः | भ्रेडयास्तम् | भ्रेडयास्त |
| भ्रेडयासम् | भ्रेडयास्व | भ्रेडयासम |
| श्व० भ्रेडयिता | भ्रेडयितारौ | भ्रेडयितारः |
| भ्रेडयितासि | भ्रेडयितास्थः | भ्रेडयितास्थ |
| भ्रेडयितास्मि | भ्रेडयितास्वः | भ्रेडयितास्मः |
| भ० भ्रेडयिष्यति | भ्रेडयिष्यतः | भ्रेडयिष्यन्ति |
| भ्रेडयिष्यसि | भ्रेडयिष्यथः | भ्रेडयिष्यथ |
| भ्रेडयिष्यामि | भ्रेडयिष्यावः | भ्रेडयिष्यामः |
| क्रि० अभ्रेडयिष्यत् | अभ्रेडयिष्यताम् | अभ्रेडयिष्यन् |
| अभ्रेडयिष्यः | अभ्रेडयिष्यतम् | अभ्रेडयिष्यत |
| अभ्रेडयिष्यम् | अभ्रेडयिष्याव | अभ्रेडयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|----------------------|
| व० भ्रेडयते | भ्रेडयेते | भ्रेडयन्ते |
| भ्रेडयसे | भ्रेडयेथे | भ्रेडयध्वे |
| भ्रेडये | भ्रेडयावहे | भ्रेडयामहे |
| स० भ्रेडयेत | भ्रेडयेयाताम् | भ्रेडयेरन् |
| भ्रेडयेथाः | भ्रेडयेयाथाम् | भ्रेडयेध्वम् |
| भ्रेडयेय | भ्रेडयेवहि | भ्रेडयेमहि |
| प० भ्रेडयताम् | भ्रेडयेताम् | भ्रेडयन्ताम् |
| भ्रेडयस्व | भ्रेडयेथाम् | भ्रेडयध्वम् |
| भ्रेडये | भ्रेडयावहे | भ्रेडयामहे |
| ह्य० अभ्रेडयत | अभ्रेडयेताम् | अभ्रेडयन्त |
| अभ्रेडयथाः | अभ्रेडयेथाम् | अभ्रेडयध्वम् |
| अभ्रेडये | अभ्रेडयावहि | अभ्रेडयामहि |
| अ० अमिभ्रेडत | अमिभ्रेडेताम् | अमिभ्रेडन्त |
| अमिभ्रेडथाः | अमिभ्रेडेथाम् | अमिभ्रेडध्वम् |
| अमिभ्रेडे | अमिभ्रेडावहि | अमिभ्रेडामहि |
| प० भ्रेडयाश्चक्रे | भ्रेडयाश्चक्रते | भ्रेडयाश्चक्रिरे |
| भ्रेडयाश्चकृषे | भ्रेडयाश्चक्राये | भ्रेडयाश्चकृद्वे |
| भ्रेडयाश्चक्रे | भ्रेडयाश्चकृवहे | भ्रेडयाश्चकृमहे |
| भ्रेडयाम्बभूव | । | भ्रेडयामास |
| आ० भ्रेडयिषीष्ट | भ्रेडयिषीयास्ताम् | भ्रेडयिषीरन् |
| भ्रेडयिषीष्टाः | भ्रेडयिषीयास्थाम् | भ्रेडयिषीद्वम्-ध्वम् |
| भ्रेडयिषीय | भ्रेडयिषीवहि | भ्रेडयिषीमहि |
| श्व० भ्रेडयिता | भ्रेडयितारौ | भ्रेडयितारः |
| भ्रेडयितासे | भ्रेडयितासाये | भ्रेडयिताध्वे |
| भ्रेडयिताहे | भ्रेडयितास्वहे | भ्रेडयितास्महे |
| भ० भ्रेडयिष्यते | भ्रेडयिष्येते | भ्रेडयिष्यन्ते |
| भ्रेडयिष्यसे | भ्रेडयिष्येथे | भ्रेडयिष्यध्वे |
| भ्रेडयिष्ये | भ्रेडयिष्यावहे | भ्रेडयिष्यामहे |
| क्रि० अभ्रेडयिष्यत | अभ्रेडयिष्येताम् | अभ्रेडयिष्यन्त |
| अभ्रेडयिष्यथाः | अभ्रेडयिष्येथाम् | अभ्रेडयिष्यध्वम् |
| अभ्रेडयिष्ये | अभ्रेडयिष्यावहि | अभ्रेडयिष्यामहि |

237 म्लेङ् (म्लेङ्) उन्मादे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | म्लेङयति | म्लेङयतः | म्लेङयन्ति |
| | म्लेङयसि | म्लेङयथः | म्लेङयथ |
| | म्लेङयामि | म्लेङयावः | म्लेङयामः |
| स० | म्लेङयेत् | म्लेङयेताम् | म्लेङयेयुः |
| | म्लेङयेः | म्लेङयेतम् | म्लेङयेत |
| | म्लेङयेयम् | म्लेङयेव | म्लेङयेम |
| प० | म्लेङयतु | म्लेङयतात् | म्लेङयताम् |
| | म्लेङय | म्लेङयतम् | म्लेङयत |
| | म्लेङयानि | म्लेङयाव | म्लेङयाम |
| ह्य० | अम्लेङयत् | अम्लेङयताम् | अम्लेङयन् |
| | अम्लेङयः | अम्लेङयतम् | अम्लेङयत |
| | अम्लेङयम् | अम्लेङयाव | अम्लेङयाम |
| अ० | अमिम्लेङत् | अमिम्लेङताम् | अमिम्लेङन् |
| | अमिम्लेङः | अमिम्लेङतम् | अमिम्लेङत |
| | अमिम्लेङम् | अमिम्लेङाव | अमिम्लेङाम |
| प० | म्लेङयाञ्चकार | म्लेङयाञ्चक्रुः | म्लेङयाञ्चकुः |
| | म्लेङयाञ्चकथं | म्लेङयाञ्चकथुः | म्लेङयाञ्चक |
| | म्लेङयाञ्चकार-चकर | म्लेङयाञ्चकृव | म्लेङयाञ्चकृम |
| | म्लेङयाम्बभूव | । | म्लेङयामास |
| आ० | म्लेङयात् | म्लेङयास्ताम् | म्लेङयासुः |
| | म्लेङयाः | म्लेङयास्तम् | म्लेङयास्त |
| | म्लेङयासम् | म्लेङयास्व | म्लेङयास्म |
| श्व० | म्लेङयिता | म्लेङयितारौ | म्लेङयितारः |
| | म्लेङयितासि | म्लेङयितास्यः | म्लेङयितास्य |
| | म्लेङयितास्मि | म्लेङयितास्वः | म्लेङयितास्मः |
| भ० | म्लेङयिष्यति | म्लेङयिष्यतः | म्लेङयिष्यन्ति |
| | म्लेङयिष्यसि | म्लेङयिष्यथः | म्लेङयिष्यथ |
| | म्लेङयिष्यामि | म्लेङयिष्यावः | म्लेङयिष्यामः |
| क्रि० | अम्लेङयिष्यत् | अम्लेङयिष्यताम् | अम्लेङयिष्यन् |
| | अम्लेङयिष्यः | अम्लेङयिष्यतम् | अम्लेङयिष्यत |
| | अम्लेङयिष्यम् | अम्लेङयिष्याव | अम्लेङयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | म्लेङयते | म्लेङयेते | म्लेङयन्ते |
| | म्लेङयसे | म्लेङयेथे | म्लेङयध्वे |
| | म्लेङये | म्लेङयावहे | म्लेङयामहे |
| स० | म्लेङयेत | म्लेङयेयाताम् | म्लेङयेरन् |
| | म्लेङयेथाः | म्लेङयेथायाम् | म्लेङयेध्वम् |
| | म्लेङयेथ | म्लेङयेवहि | म्लेङयेमहि |
| प० | म्लेङयताम् | म्लेङयेताम् | म्लेङयन्ताम् |
| | म्लेङयस्व | म्लेङयेथाम् | म्लेङयध्वम् |
| | म्लेङयै | म्लेङयावहै | म्लेङयामहै |
| ह्य० | अम्लेङयत् | अम्लेङयेताम् | अम्लेङयन्त |
| | अम्लेङयथाः | अम्लेङयेथाम् | अम्लेङयध्वम् |
| | अम्लेङये | अम्लेङयावहि | अम्लेङयामहि |
| अ० | अमिम्लेङत | अमिम्लेङेताम् | अमिम्लेङन्त |
| | अमिम्लेङथाः | अमिम्लेङेथाम् | अमिम्लेङध्वम् |
| | अमिम्लेङे | अमिम्लेङावहि | अमिम्लेङामहि |
| प० | म्लेङयाञ्चक्रे | म्लेङयाञ्चक्राते | म्लेङयाञ्चक्रिरे |
| | म्लेङयाञ्चकृषे | म्लेङयाञ्चक्राये | म्लेङयाञ्चकृढे |
| | म्लेङयाञ्चक्रे | म्लेङयाञ्चकृवहे | म्लेङयाञ्चकृमहे |
| | म्लेङयाम्बभूव | । | म्लेङयामास |
| आ० | म्लेङयिषीष्ट | म्लेङयिषीयास्ताम् | म्लेङयिषीरन् |
| | म्लेङयिषीष्टाः | म्लेङयिषीयाथाम् | म्लेङयिषीध्वम् |
| | म्लेङयिषीय | म्लेङयिषीरहि | म्लेङयिषीमहि |
| श्व० | म्लेङयिता | म्लेङयितारौ | म्लेङयितारः |
| | म्लेङयितासे | म्लेङयितासाथे | म्लेङयिताध्वे |
| | म्लेङयिताहे | म्लेङयितास्वहे | म्लेङयितास्महे |
| भ० | म्लेङयिष्यते | म्लेङयिष्येते | म्लेङयिष्यन्ते |
| | म्लेङयिष्यसे | म्लेङयिष्येथे | म्लेङयिष्यध्वे |
| | म्लेङयिष्ये | म्लेङयिष्यावहे | म्लेङयिष्यामहे |
| क्रि० | अम्लेङयिष्यत् | अम्लेङयिष्येताम् | अम्लेङयिष्यन्त |
| | अम्लेङयिष्यथाः | अम्लेङयिष्येथाम् | अम्लेङयिष्यध्वम् |
| | अम्लेङयिष्ये | अम्लेङयिष्यावहिम् | अम्लेङयिष्यामहि |

238 लोड् (लोड्) उन्मादे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | लोडयति | लोडयतः | लोडयन्ति |
| | लोडयसि | लोडयथः | लोडयथ |
| | लोडयामि | लोडयावः | लोडयामः |
| स० | लोडयेत् | लोडयेताम् | लोडयेयुः |
| | लोडयेः | लोडयेतम् | लोडयेत |
| | लोडयेयम् | लोडयेव | लोडयेम |
| प० | लोडयतु | लोडयतात् | लोडयताम् |
| | लोडय | लोडयतात् | लोडयतम् |
| | लोडयानि | लोडयाव | लोडयाम |
| ह्य० | अलोडयत् | अलोडयताम् | अलोडयन् |
| | अलोडयः | अलोडयतम् | अलोडयत |
| | अलोडयम् | अलोडयाव | अलोडयाम |
| अ० | अलुलोडत् | अलुलोडताम् | अलुलोडन् |
| | अलुलोडः | अलुलोडतम् | अलुलोडत |
| | अलुलोडम् | अलुलोडाव | अलुलोडाम |
| प० | लोडयाञ्चकार | लोडयाञ्चकतुः | लोडयाञ्चकुः |
| | लोडयाञ्चकर्थ | लोडयाञ्चकथुः | लोडयाञ्चक |
| | लोडयाञ्चकार-चकर | लोडयाञ्चकृव | लोडयाञ्चकृम |
| | लोडयाम्बभूव | । | लोडयामास |
| आ० | लोडयात् | लोडयास्ताम् | लोडयासुः |
| | लोडयाः | लोडयास्तम् | लोडयास्त |
| | लोडयासम् | लोडयास्व | लोडयास्म |
| श्व० | लोडयिता | लोडयितारौ | लोडयितारः |
| | लोडयितासि | लोडयितास्थः | लोडयितास्थ |
| | लोडयितास्मि | लोडयितास्वः | लोडयितास्मः |
| भ० | लोडयिष्यति | लोडयिष्यतः | लोडयिष्यन्ति |
| | लोडयिष्यसि | लोडयिष्यथः | लोडयिष्यथ |
| | लोडयिष्यामि | लोडयिष्यावः | लोडयिष्यामः |
| क्रि० | अलोडयिष्यत् | अलोडयिष्यताम् | अलोडयिष्यन् |
| | अलोडयिष्यः | अलोडयिष्यतम् | अलोडयिष्यत |
| | अलोडयिष्यम् | अलोडयिष्याव | अलोडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | लोडयते | लोडयते | लोडयन्ते |
| | लोडयसे | लोडयेथे | लोडयध्वे |
| | लोडये | लोडयावहे | लोडयामहे |
| स० | लोडयेत | लोडयेयाताम् | लोडयेरन् |
| | लोडयेथाः | लोडयेयाथाम् | लोडयेध्वम् |
| | लोडयेय | लोडयेवहि | लोडयेमहि |
| प० | लोडयताम् | लोडयेताम् | लोडयन्ताम् |
| | लोडयस्व | लोडयेथाम् | लोडयध्वम् |
| | लोडये | लोडयावहे | लोडयामहे |
| ह्य० | अलोडयत | अलोडयेताम् | अलोडयन्त |
| | अलोडयथाः | अलोडयेथाम् | अलोडयध्वम् |
| | अलोडये | अलोडयावहि | अलोडयामहि |
| अ० | अलुलोडत | अलुलोडेताम् | अलुलोडन्त |
| | अलुलोडथाः | अलुलोडेथाम् | अलुलोडध्वम् |
| | अलुलोडे | अलुलोडावहि | अलुलोडामहि |
| प० | लोडयाञ्चके | लोडयाञ्चकते | लोडयाञ्चकिरे |
| | लोडयाञ्चकृषे | लोडयाञ्चकृषे | लोडयाञ्चकृष्वे |
| | लोडयाञ्चके | लोडयाञ्चकृवहे | लोडयाञ्चकृमहे |
| | लोडयाम्बभूव | । | लोडयामास |
| आ० | लोडयिषीष्ट | लोडयिषीयास्ताम् | लोडयिषीरन् |
| | लोडयिषीष्ठाः | लोडयिषीयास्थाम् | लोडयिषीध्वम् |
| | लोडयिषीय | लोडयिषीवहि | लोडयिषीमहि |
| श्व० | लोडयिता | लोडयितारौ | लोडयितारः |
| | लोडयितासे | लोडयितासाथे | लोडयिताध्वे |
| | लोडयिताहे | लोडयितास्वहे | लोडयितास्महे |
| भ० | लोडयिष्यते | लोडयिष्येते | लोडयिष्यन्ते |
| | लोडयिष्यसे | लोडयिष्येथे | लोडयिष्यध्वे |
| | लोडयिष्ये | लोडयिष्यावहे | लोडयिष्यामहे |
| क्रि० | अलोडयिष्यत | अलोडयिष्येताम् | अलोडयिष्यन्त |
| | अलोडयिष्यथाः | अलोडयिष्येथाम् | अलोडयिष्यध्वम् |
| | अलोडयिष्ये | अलोडयिष्यावहि | अलोडयिष्यामहि |

239 लौडृ (लौड्) उन्मादे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | लौडयति | लौडयतः | लौडयन्ति |
| | लौडयसि | लौडयथः | लौडयथ |
| | लौडयामि | लौडयावः | लौडयामः |
| स० | लौडयेत् | लौडयेताम् | लौडयेयुः |
| | लौडयेः | लौडयेतम् | लौडयेत |
| | लौडयेयम् | लौडयेव | लौडयेम |
| प० | लौडयतु | लौडयतात् | लौडयताम् |
| | लौडयः | लौडयतात् | लौडयतम् |
| | लौडयानि | लौडयाव | लौडयाम |
| ह्य० | अलौडयत् | अलौडयताम् | अलौडयन् |
| | अलौडयः | अलौडयतम् | अलौडयत |
| | अलौडयम् | अलौडयाव | अलौडयाम |
| अ० | अलुलौडत् | अलुलौडताम् | अलुलौडन् |
| | अलुलौडः | अलुलौडतम् | अलुलौडत |
| | अलुलौडम् | अलुलौडाव | अलुलौडाम |
| प० | लौडयाञ्चकार | लौडयाञ्चकतुः | लौडयाञ्चकुः |
| | लौडयाञ्चकर्थ | लौडयाञ्चकथुः | लौडयाञ्चक |
| | लौडयाञ्चकार-चकर | लौडयाञ्चकृव | लौडयाञ्चकृम |
| | लौडयाम्बभूव | । | लौडयामास |
| आ० | लौडयात् | लौडयास्ताम् | लौडयासुः |
| | लौडयाः | लौडयास्तम् | लौडयास्त |
| | लौडयासम् | लौडयास्व | लौडयासम् |
| श्व० | लौडयिता | लौडयितारौ | लौडयितारः |
| | लौडयितासि | लौडयितास्थः | लौडयितास्थ |
| | लौडयितास्मि | लौडयितास्वः | लौडयितास्मः |
| भ० | लौडयिष्यति | लौडयिष्यतः | लौडयिष्यन्ति |
| | लौडयिष्यसि | लौडयिष्यथः | लौडयिष्यथ |
| | लौडयिष्यामि | लौडयिष्यावः | लौडयिष्यामः |
| क्रि० | अलौडयिष्यत् | अलौडयिष्यताम् | अलौडयिष्यन् |
| | अलौडयिष्यः | अलौडयिष्यतम् | अलौडयिष्यत |
| | अलौडयिष्यम् | अलौडयिष्याव | अलौडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| व० | लौडयते | लौडयेते | लौडयन्ते |
| | लौडयसे | लौडयेथे | लौडयन्थे |
| | लौडये | लौडयावहे | लौडयामहे |
| स० | लौडयेत | लौडयेयाताम् | लौडयेरन् |
| | लौडयेथाः | लौडयेयाथाम् | लौडयेध्वम् |
| | लौडयेय | लौडयेवहि | लौडयेमहि |
| प० | लौडयताम् | लौडयेताम् | लौडयन्ताम् |
| | लौडयस्व | लौडयेथाम् | लौडयध्वम् |
| | लौडये | लौडयावहे | लौडयामहे |
| ह्य० | अलौडयत | अलौडयेताम् | अलौडयन्त |
| | अलौडयथाः | अलौडयेथाम् | अलौडयध्वम् |
| | अलौडये | अलौडयावहि | अलौडयामहि |
| अ० | अलुलौडत | अलुलौडेताम् | अलुलौडन्त |
| | अलुलौडथाः | अलुलौडेथाम् | अलुलौडध्वम् |
| | अलुलौडे | अलुलौडावहि | अलुलौडामहि |
| प० | लौडयाञ्चके | लौडयाञ्चकते | लौडयाञ्चकिरे |
| | लौडयाञ्चकृने | लौडयाञ्चकथे | लौडयाञ्चकृद्वे |
| | लौडयाञ्चके | लौडयाञ्चकृवहे | लौडयाञ्चकृमहे |
| | लौडयाम्बभूव | । | लौडयामास |
| आ० | लौडयिषीष्ट | लौडयिषीयास्ताम् | लौडयिषीरन् |
| | लौडयिषीष्टाः | लौडयिषीयास्थाम् | लौडयिषीद्वम्-ध्वम् |
| | लौडयिषीय | लौडयिषीवहि | लौडयिषीमहि |
| श्व० | लौडयिता | लौडयितारौ | लौडयितारः |
| | लौडयितासे | लौडयितासाथे | लौडयिताध्वे |
| | लौडयिताहे | लौडयितास्वहे | लौडयितास्महे |
| भ० | लौडयिष्यते | लौडयिष्यन्ते | लौडयिष्यन्ते |
| | लौडयिष्यसे | लौडयिष्येथे | लौडयिष्यन्थे |
| | लौडयिष्ये | लौडयिष्यावहे | लौडयिष्यामहे |
| क्रि० | अलौडयिष्यत | अलौडयिष्येताम् | अलौडयिष्यन्त |
| | अलौडयिष्यथाः | अलौडयिष्येथाम् | अलौडयिष्यध्वम् |
| | अलौडयिष्ये | अलौडयिष्यावहि | अलौडयिष्यामहि |

240 रोड् (रोड्) अनादरे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | रोडयति | रोडयतः | रोडयन्ति |
| | रोडयसि | रोडयथः | रोडयथ |
| | रोडयामि | रोडयावः | रोडयामः |
| स० | रोडयेत् | रोडयेताम् | रोडयेयुः |
| | रोडयेः | रोडयेतम् | रोडयेत |
| | रोडयेयम् | रोडयेव | रोडयेम |
| प० | रोडयतु | रोडयताम् | रोडयन्तु |
| | रोडय | रोडयतम् | रोडयत |
| | रोडयानि | रोडयाव | रोडयाम |
| ख० | अरोडयत् | अरोडयतान् | अरोडयन् |
| | अरोडयः | अरोडयतम् | अरोडयत |
| | अरोडयम् | अरोडयाव | अरोडयाम |
| अ० | अरोडयत् | अरोडयताम् | अरोडयन् |
| | अरोडयः | अरोडयतम् | अरोडयत |
| | अरोडयम् | अरोडयाव | अरोडयाम |
| प० | रोडयाञ्चकार | रोडयाञ्चकतुः | रोडयाञ्चकुः |
| | रोडयाञ्चकथं | रोडयाञ्चकथुः | रोडयाञ्चक |
| | रोडयाञ्चकार-चकर | रोडयाञ्चकृव | रोडयाञ्चकृम |
| | रोडयाम्बभूव | रोडयामास | |
| आ० | रोडयात् | रोडयास्ताम् | रोडयासः |
| | रोडयाः | रोडयास्तम् | रोडयास्त |
| | रोडयासम् | रोडयास्व | रोडयासम् |
| श्व० | रोडयिता | रोडयितारौ | रोडयितारः |
| | रोडयितासि | रोडयितास्थः | रोडयितास्थ |
| | रोडयितास्मि | रोडयितास्वः | रोडयितास्मः |
| भ० | रोडयिष्यति | रोडयिष्यतः | रोडयिष्यन्ति |
| | रोडयिष्यसि | रोडयिष्यथः | रोडयिष्यथ |
| | रोडयिष्यामि | रोडयिष्यावः | रोडयिष्यामः |
| क्रि० | अरोडयिष्यत् | अरोडयिष्यताम् | अरोडयिष्यन् |
| | अरोडयिष्यः | अरोडयिष्यतम् | अरोडयिष्यत |
| | अरोडयिष्यम् | अरोडयिष्याव | अरोडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रोडयते | रोडयेते | रोडयन्ते |
| | रोडयसे | रोडयेथे | रोडयन्थे |
| | रोडये | रोडयावहे | रोडयामः |
| स० | रोडयेत | रोडयेयाताम् | रोडयेरन् |
| | रोडयेथाः | रोडयेयाथाम् | रोडयेथ्वम् |
| | रोडयेय | रोडयेवहि | रोडयेमहि |
| प० | रोडयताम् | रोडयेताम् | रोडयन्ताम् |
| | रोडयस्व | रोडयेस्वाम् | रोडयन्स्वम् |
| | रोडये | रोडयावहे | रोडयामहे |
| श्व० | अरोडयत् | अरोडयेताम् | अरोडयन्त |
| | अरोडयथाः | अरोडयेथाम् | अरोडयन्वम् |
| | अरोडये | अरोडयावहि | अरोडयामहि |
| अ० | अरोडयत् | अरोडयेताम् | अरोडयन्त |
| | अरोडयथाः | अरोडयेथाम् | अरोडयन्वम् |
| | अरोडये | अरोडयावहि | अरोडयामहि |
| प० | रोडयाञ्चके | रोडयाञ्चकते | रोडयाञ्चकिरे |
| | रोडयाञ्चकृष | रोडयाञ्चकृषे | रोडयाञ्चकृढवे |
| | रोडयाञ्चके | रोडयाञ्चकृवहे | रोडयाञ्चकृमहे |
| | रोडयाम्बभूव | रोडयामास | |
| आ० | रोडयिषीष्ट | रोडयिषीयास्ताम् | रोडयिषीरन् |
| | रोडयिषीष्टाः | रोडयिषीयास्थाम् | रोडयिषीढवम् |
| | रोडयिषीय | रोडयिषीवहि | रोडयिषीमहि |
| श्व० | रोडयिता | रोडयितारौ | रोडयितारः |
| | रोडयितसे | रोडयितासाथे | रोडयिताथ्वे |
| | रोडयिताहे | रोडयितास्वहे | रोडयितास्महे |
| भ० | रोडयिष्यते | रोडयिष्येते | रोडयिष्यन्ते |
| | रोडयिष्यसे | रोडयिष्येथे | रोडयिष्यन्थे |
| | रोडयिष्ये | रोडयिष्यावहे | रोडयिष्यामहे |
| क्रि० | अरोडयिष्यत् | अरोडयिष्येताम् | अरोडयिष्यन्त |
| | अरोडयिष्यथाः | अरोडयिष्येथाम् | अरोडयिष्यन्वम् |
| | अरोडयिष्ये | अरोडयिष्यावहि | अरोडयिष्यामहि |

24। रौड् (रौड्) अनादरे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| थ० | रौडयति | रौडयतः | रौडयन्ति |
| | रौडयसि | रौडयथः | रौडयथ |
| | रौडयामि | रौडयावः | रौडयामः |
| स० | रौडयेत् | रौडयेताम् | रौडयेयुः |
| | रौडयेः | रौडयेतम् | रौडयेत |
| | रौडयेयम् | रौडयेव | रौडयेम |
| प० | रौडयतु | रौडयतात् | रौडयताम् |
| | रौडयः | रौडयतात् | रौडयतम् |
| | रौडयानि | रौडयाव | रौडयाम |
| ह्य० | अरौडयत् | अरौडयताम् | अरौडयन् |
| | अरौडयः | अरौडयतम् | अरौडयन् |
| | अरौडयम् | अरौडयाव | अरौडयाम |
| अ० | अरुरौडत् | अरुरौडताम् | अरुरौडन् |
| | अरुरौडः | अरुरौडताम् | अरुरौडत |
| | अरुरौडम् | अरुरौडाव | अरुरौडाम |
| प० | रौडयाञ्चकार | रौडयाञ्चकतुः | रौडयाञ्चकुः |
| | रौडयाञ्चकर्थ | रौडयाञ्चकथुः | रौडयाञ्चक |
| | रौडयाञ्चकार-चकर | रौडयाञ्चकृव | रौडयाञ्चकृम |
| | रौडयाम्बभूव | रौडयामास | |
| आ० | रौडयात् | रौडयास्ताम् | रौडयास्तुः |
| | रौडयाः | रौडयास्तम् | रौडयास्त |
| | रौडयासम् | रौडयास्व | रौडयास्म |
| श्र० | रौडयिता | रौडयितारौ | रौडयितारः |
| | रौडयितासि | रौडयितास्थः | रौडयितास्थ |
| | रौडयितास्मि | रौडयितास्वः | रौडयितास्मः |
| भ० | रौडयिष्यति | रौडयिष्यतः | रौडयिष्यन्ति |
| | रौडयिष्यसि | रौडयिष्यथः | रौडयिष्यथ |
| | रौडयिष्यामि | रौडयिष्यावः | रौडयिष्यामः |
| क्रि० | अरौडयिष्यत् | अरौडयिष्यताम् | अरौडयिष्यन् |
| | अरौडयिष्यः | अरौडयिष्यतम् | अरौडयिष्यत |
| | अरौडयिष्यम् | अरौडयिष्याव | अरौडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रौडयते | रौडयेते | रौडयन्ते |
| | रौडयसे | रौडयेथे | रौडयध्वे |
| | रौडये | रौडयावहे | रौडयामहे |
| स० | रौडयेत | रौडयेयाताम् | रौडयेरन् |
| | रौडयेथाः | रौडयेथाम् | रौडयेध्वम् |
| | रौडयेय | रौडयेवहि | रौडयेमहि |
| प० | रौडयताम् | रौडयेताम् | रौडयन्ताम् |
| | रौडयस्व | रौडयेथाम् | रौडयध्वम् |
| | रौडये | रौडयावहे | रौडयामहे |
| ह्य० | अरौडयत | अरौडयेताम् | अरौडयन्त |
| | अरौडयथाः | अरौडयेथाम् | अरौडयध्वम् |
| | अरौडये | अरौडयावहि | अरौडयामहि |
| अ० | अरुरौडत | अरुरौडेताम् | अरुरौडन्त |
| | अरुरौडथाः | अरुरौडेथाम् | अरुरौडध्वम् |
| | अरुरौडे | अरुरौडावहि | अरुरौडामहि |
| प० | रौडयाञ्चके | रौडयाञ्चकते | रौडयाञ्चकिरे |
| | रौडयाञ्चकृषे | रौडयाञ्चकृथे | रौडयाञ्चकृद्वे |
| | रौडयाञ्चके | रौडयाञ्चकृवहे | रौडयाञ्चकृमहे |
| | रौडयाम्बभूव | रौडयामास | |
| आ० | रौडयिषीष्ट | रौडयिषीयास्ताम् | रौडयिषीरन् |
| | रौडयिषीष्ठाः | रौडयिषीयास्थाम् | रौडयिषीध्वम् |
| | रौडयिषीय | रौडयिषीवहि | रौडयिषीमहि |
| श्र० | रौडयिता | रौडयितारौ | रौडयितारः |
| | रौडयितासे | रौडयितासाथे | रौडयिताध्वे |
| | रौडयिताहे | रौडयितास्वहे | रौडयितास्महे |
| भ० | रौडयिष्यते | रौडयिष्येते | रौडयिष्यन्ते |
| | रौडयिष्यसे | रौडयिष्येथे | रौडयिष्यध्वे |
| | रौडयिष्ये | रौडयिष्यावहे | रौडयिष्यामहे |
| क्रि० | अरौडयिष्यत | अरौडयिष्येताम् | अरौडयिष्यन्त |
| | अरौडयिष्यथाः | अरौडयिष्येथाम् | अरौडयिष्यध्वम् |
| | अरौडयिष्ये | अरौडयिष्यावहि | अरौडयिष्यामहि |

242 तौडृ (तौड्) अनादरे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| य० तौडयति | तौडयतः | तौडयन्ति |
| तौडयसि | तौडयथः | तौडयथ |
| तौडयामि | तौडयावः | तौडयामः |
| स० तौडयेत् | तौडयेताम् | तौडयेयुः |
| तौडयेः | तौडयेतम् | तौडयेत |
| तौडयेयम् | तौडयेव | तौडयेम |
| प० तौडयतु | तौडयतात् | तौडयताम् |
| तौडय | तौडयतात् | तौडयतम् |
| तौडयानि | तौडयाव | तौडयाम |
| ह्य० अतौडयत् | अतौडयताम् | अतौडयन् |
| अतौडयः | अतौडयतम् | अतौडयन् |
| अतौडयम् | अतौडयाव | अतौडयाम |
| अ० अतुतौडत् | अतुतौडताम् | अतुतौडन् |
| अतुतौडः | अतुतौडतम् | अतुतौडत |
| अतुतौडम् | अतुतौडाव | अतुतौडाम |
| प० तौडयाश्चकार | तौडयाश्चकतुः | तौडयाश्चकुः |
| तौडयाश्चकर्थ | तौडयाश्चकथुः | तौडयाश्चक |
| तौडयाश्चकार-चकर | तौडयाश्चकृव | तौडयाश्चकृम |
| तौडयाम्बभूव | । | तौडयामास |
| आ० तौडयात् | तौडयास्ताम् | तौडयासुः |
| तौडयाः | तौडयास्तम् | तौडयास्त |
| तौडयासम् | तौडयास्व | तौडयास्म |
| श्व० तौडयिता | तौडयितारौ | तौडयितारः |
| तौडयितासि | तौडयितास्थः | तौडयितास्थ |
| तौडयितास्मि | तौडयितास्वः | तौडयितास्मः |
| भ० तौडयिष्यति | तौडयिष्यतः | तौडयिष्यन्ति |
| तौडयिष्यसि | तौडयिष्यथः | तौडयिष्यथ |
| तौडयिष्यामि | तौडयिष्यावः | तौडयिष्यामः |
| क्रि० अतौडयिष्यत् | अतौडयिष्यताम् | अतौडयिष्यन् |
| अतौडयिष्यः | अतौडयिष्यतम् | अतौडयिष्यत |
| अतौडयिष्यम् | अतौडयिष्याव | अतौडयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० तौडयते | तौडयेते | तौडयन्ते |
| तौडयसे | तौडयेथे | तौडयन्वे |
| तौडये | तौडयावहे | तौडयामहे |
| स० तौडयेत | तौडयेयाताम् | तौडयेरन् |
| तौडयेथाः | तौडयेयाथाम् | तौडयेष्वम् |
| तौडयेय | तौडयेवहि | तौडयेमहि |
| प० तौडयताम् | तौडयेताम् | तौडयन्ताम् |
| तौडयस्व | तौडयेथाम् | तौडयष्वम् |
| तौडये | तौडयावहे | तौडयामहे |
| ह्य० अतौडयत | अतौडयेताम् | अतौडयन्त |
| अतौडयथाः | अतौडयेथाम् | अतौडयष्वम् |
| अतौडये | अतौडयावहि | अतौडयामहि |
| अ० अतुतौडत | अतुतौडेताम् | अतुतौडन्त |
| अतुतौडथाः | अतुतौडेथाम् | अतुतौडष्वम् |
| अतुतौडे | अतुतौडावहि | अतुतौडामहि |
| प० तौडयाश्चक्रे | तौडयाश्चकाते | तौडयाश्चक्रिरे |
| तौडयाश्चकृषे | तौडयाश्चकाथे | तौडयाश्चकृद्वे |
| तौडयाश्चक्रे | तौडयाश्चकृवहे | तौडयाश्चकृमहे |
| तौडयाम्बभूव | । | तौडयामास |
| आ० तौडयिषीष्ट | तौडयिषीयास्ताम् | तौडयिषीरन् |
| तौडयिषीष्टाः | तौडयिषीयास्थाम् | तौडयिषीद्वम् |
| तौडयिषीय | तौडयिषीवहि | तौडयिषीमहि |
| श्व० तौडयिता | तौडयितारौ | तौडयितारः |
| तौडयितासे | तौडयितासाथे | तौडयिताध्वे |
| तौडयिताहे | तौडयितास्वहे | तौडयितास्महे |
| भ० तौडयिष्यते | तौडयिष्येते | तौडयिष्यन्ते |
| तौडयिष्यसे | तौडयिष्येथे | तौडयिष्यन्वे |
| तौडयिष्ये | तौडयिष्यावहे | तौडयिष्यामहे |
| क्रि० अतौडयिष्यत | अतौडयिष्येताम् | अतौडयिष्यन्त |
| अतौडयिष्यथाः | अतौडयिष्येथाम् | अतौडयिष्यष्वम् |
| अतौडयिष्ये | अतौडयिष्यावहि | अतौडयिष्यामहि |

243 क्रीड् (क्रीड्) बिहारे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| य० क्रीडयति | क्रीडयतः | क्रीडयन्ति |
| क्रीडयसि | क्रीडयथः | क्रीडयथ |
| क्रीडयामि | क्रीडयावः | क्रीडयामः |
| स० क्रीडयेत् | क्रीडयेताम् | क्रीडयेयुः |
| क्रीडयेः | क्रीडयेतम् | क्रीडयेत |
| क्रीडयेयम् | क्रीडयेव | क्रीडयेम |
| प० क्रीडयतु | क्रीडयतात् | क्रीडयताम् |
| क्रीडय | क्रीडयतात् | क्रीडयतम् |
| क्रीडयानि | क्रीडयाव | क्रीडयाम |
| ह्य० अक्रीडयत् | अक्रीडयताम् | अक्रीडयन् |
| अक्रीडयः | अक्रीडयतम् | अक्रीडयन् |
| अक्रीडयम् | अक्रीडयाव | अक्रीडयाम |
| अ० अचिक्रीडत् | अचिक्रीडताम् | अचिक्रीडन् |
| अचिक्रीडः | अचिक्रीडतम् | अचिक्रीडत |
| अचिक्रीडम् | अचिक्रीडाव | अचिक्रीडाम |
| प० क्रीडयाश्चकार | क्रीडयाश्चकतुः | क्रीडयाश्चकुः |
| क्रीडयाश्चकथं | क्रीडयाश्चकथुः | क्रीडयाश्चक |
| क्रीडयाश्चकार-चकर | क्रीडयाश्चकृव | क्रीडयाश्चकृम |
| क्रीडयाम्बभूव | । | क्रीडयामास |
| आ० क्रीडयात् | क्रीडयास्ताम् | क्रीडयासुः |
| क्रीडयाः | क्रीडयास्तम् | क्रीडयास्त |
| क्रीडयासम् | क्रीडयास्व | क्रीडयासम् |
| श्र० क्रीडयिता | क्रीडयितारौ | क्रीडयितारः |
| क्रीडयितासि | क्रीडयितास्थः | क्रीडयितास्थ |
| क्रीडयितास्मि | क्रीडयितास्वः | क्रीडयितास्मः |
| भ० क्रीडयिष्यति | क्रीडयिष्यतः | क्रीडयिष्यन्ति |
| क्रीडयिष्यसि | क्रीडयिष्यथः | क्रीडयिष्यथ |
| क्रीडयिष्यामि | क्रीडयिष्यावः | क्रीडयिष्यामः |
| क्रि० अक्रीडयिष्यत् | अक्रीडयिष्यताम् | अक्रीडयिष्यन् |
| अक्रीडयिष्यः | अक्रीडयिष्यतम् | अक्रीडयिष्यत |
| अक्रीडयिष्यम् | अक्रीडयिष्याव | अक्रीडयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० क्रीडयते | क्रीडयेते | क्रीडयन्ते |
| क्रीडयसे | क्रीडयेथे | क्रीडयन्थे |
| क्रीडये | क्रीडयावहे | क्रीडयामहे |
| स० क्रीडयेत | क्रीडयेयाताम् | क्रीडयेरन् |
| क्रीडयेथाः | क्रीडयेयाथाम् | क्रीडयेध्वम् |
| क्रीडयेय | क्रीडयेवहि | क्रीडयेमहि |
| प० क्रीडयताम् | क्रीडयेताम् | क्रीडयन्ताम् |
| क्रीडयस्व | क्रीडयेथाम् | क्रीडयध्वम् |
| क्रीडये | क्रीडयावहे | क्रीडयामहे |
| ह्य० अक्रीडयत | अक्रीडयेताम् | अक्रीडयन्त |
| अक्रीडयथाः | अक्रीडयेथाम् | अक्रीडयध्वम् |
| अक्रीडये | अक्रीडयावहि | अक्रीडयामहि |
| अ० अचिक्रीडत | अचिक्रीडताम् | अचिक्रीडन्त |
| अचिक्रीडथाः | अचिक्रीडेथाम् | अचिक्रीडध्वम् |
| अचिक्रीडे | अचिक्रीडावहि | अचिक्रीडामहि |
| प० क्रीडयाश्चक्रे | क्रीडयाश्चकाते | क्रीडयाश्चकिरे |
| क्रीडयाश्चकृषे | क्रीडयाश्चकाथे | क्रीडयाश्चकृद्वे |
| क्रीडयाश्चके | क्रीडयाश्चकृवहे | क्रीडयाश्चकृमहे |
| क्रीडयाम्बभूव | । | क्रीडयामास |
| आ० क्रीडयिषीष्ट | क्रीडयिषीस्ताम् | क्रीडयिषीरन् |
| क्रीडयिषीष्टाः | क्रीडयिषीयास्थाम् | क्रीडयिषीध्वम् |
| क्रीडयिषीय | क्रीडयिषीवहि | क्रीडयिषीमहि |
| श्र० क्रीडयिता | क्रीडयितारौ | क्रीडयितारः |
| क्रीडयितासे | क्रीडयितासाथे | क्रीडयिताध्वे |
| क्रीडयिताहे | क्रीडयितास्वहे | क्रीडयितास्महे |
| भ० क्रीडयिष्यते | क्रीडयिष्येते | क्रीडयिष्यन्ते |
| क्रीडयिष्यसे | क्रीडयिष्येथे | क्रीडयिष्यन्थे |
| क्रीडयिष्ये | क्रीडयिष्यावहे | क्रीडयिष्यामहे |
| क्रि० अक्रीडयिष्यत | अक्रीडयिष्येताम् | अक्रीडयिष्यन्त |
| अक्रीडयिष्यथाः | अक्रीडयिष्येथाम् | अक्रीडयिष्यध्वम् |
| अक्रीडयिष्ये | अक्रीडयिष्यावहि | अक्रीडयिष्यामहि |

244 तुङ् तुङ्) तोडने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | तोडयति | तोडयतः | तोडयन्ति |
| | तोडयसि | तोडयथः | तोडयथ |
| | तोडयामि | तोडयावः | तोडयामः |
| स० | तोडयेत् | तोडयेताम् | तोडयेयुः |
| | तोडयेः | तोडयेतम् | तोडयेत |
| | तोडयेयम् | तोडयेव | तोडयेम |
| प० | तोडयतु | तोडयतात् | तोडयताम् |
| | तोडयतुः | तोडयतात् | तोडयतम् |
| | तोडयानि | तोडयाव | तोडयाम |
| ह्य० | अतोडयत् | अतोडयताम् | अतोडयन् |
| | अतोडयः | अतोडयतम् | अतोडयत |
| | अतोडयम् | अतोडयाव | अतोडयाम |
| भ० | अतुतोडत् | अतुतोडताम् | अतुतोडन् |
| | अतुतोडः | अतुतोडतम् | अतुतोडत |
| | अतुतोडम् | अतुतोडाव | अतुतोडाम |
| प० | तोडयाञ्चकार | तोडयाञ्चकतुः | तोडयाञ्चकुः |
| | तोडयाञ्चकर्थ | तोडयाञ्चकथुः | तोडयाञ्चक |
| | तोडयाञ्चकार-चकर | तोडयाञ्चकृव | तोडयाञ्चकृम |
| | तोडयाम्बभूव | । | तोडयामास |
| भा० | तोडयात् | तोडयास्ताम् | तोडयासुः |
| | तोडयाः | तोडयास्तम् | तोडयास्त |
| | तोडयासम् | तोडयास्व | तोडयास्म |
| श्व० | तोडयिता | तोडयितारौ | तोडयितारः |
| | तोडयितासि | तोडयितास्थः | तोडयितास्थ |
| | तोडयितामि | तोडयितास्वः | तोडयितास्मः |
| भ० | तोडयिष्यति | तोडयिष्यतः | तोडयिष्यन्ति |
| | तोडयिष्यसि | तोडयिष्यथः | तोडयिष्यथ |
| | तोडयिष्यामि | तोडयिष्यावः | तोडयिष्यामः |
| क्रि० | अतोडयिष्यत् | अतोडयिष्यताम् | अतोडयिष्यन् |
| | अतोडयिष्यः | अतोडयिष्यतम् | अतोडयिष्यत |
| | अतोडयिष्यम् | अतोडयिष्याव | अतोडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तोडयते | तोडयेते | तोडयते |
| | तोडयसे | तोडयेथे | तोडयन्वे |
| | तोडये | तोडयावहे | तोडयामहे |
| स० | तोडयेत | तोडयेयाताम् | तोडयेयन् |
| | तोडयेथाः | तोडयेयाथाम | तोडयेयम् |
| | तोडयेय | तोडयेवहि | तोडयेमहि |
| प० | तोडयताम् | तोडयेताम् | तोडयन्ताम् |
| | तोडयस्व | तोडयेथाम् | तोडयन्वम् |
| | तोडये | तोडयावहे | तोडयामहे |
| ह्य० | अतोडयत | अतोडयेताम् | अतोडयन्त |
| | अतोडयथाः | अतोडयेथाम् | अतोडयन्वम् |
| | अतोडये | अतोडयावहि | अतोडयामहि |
| अ० | अतुतोडत | अतुतोडेताम् | अतुतोडन्त |
| | अतुतोडथाः | अतुतोडेथाम् | अतुतोडन्वम् |
| | अतुतोडे | अतुतोडावहि | अतुतोडामहि |
| प० | तोडयाञ्चके | तोडयाञ्चकते | तोडयाञ्चकिरे |
| | तोडयाञ्चकृषे | तोडयाञ्चकथे | तोडयाञ्चकृवहे |
| | तोडयाञ्चके | तोडयाञ्चकृवहे | तोडयाञ्चकृमहे |
| | तोडयाम्बभूव | । | तोडयामास |
| भा० | तोडयिषीष्ट | तोडयिषीयास्ताम् | तोडयिषीरन् |
| | तोडयिषीष्ठाः | तोडयिषीयास्थाम् | तोडयिषीरन्वम् |
| | तोडयिषीय | तोडयिषीवहि | तोडयिषीमहि |
| श्व० | तोडयिता | तोडयितारौ | तोडयितारः |
| | तोडयितासि | तोडयितासाथे | तोडयिताध्वे |
| | तोडयिताहे | तोडयितास्वहे | तोडयितास्महे |
| भ० | तोडयिष्यते | तोडयिष्येते | तोडयिष्यन्ते |
| | तोडयिष्यसे | तोडयिष्येथे | तोडयिष्यन्वे |
| | तोडयिष्ये | तोडयिष्यावहे | तोडयिष्यामहे |
| क्रि० | अतोडयिष्यत | अतोडयिष्यताम् | अतोडयिष्यन्त |
| | अतोडयिष्यथाः | अतोडयिष्येथाम् | अतोडयिष्यन्वम् |
| | अतोडयिष्ये | अतोडयिष्यावहि | अतोडयिष्यामहि |

245 तूङ् (तूङ्) तोडने ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| थ० | तूङ्यति | तूङ्यतः | तूङ्यन्ति |
| | तूङ्यसि | तूङ्यथः | तूङ्यथ |
| | तूङ्यामि | तूङ्यावः | तूङ्यामः |
| स० | तूङ्येत् | तूङ्येताम् | तूङ्येयुः |
| | तूङ्येः | तूङ्येतम् | तूङ्येत |
| | तूङ्येयम् | तूङ्येव | तूङ्येम |
| प० | तूङ्यतु | तूङ्यतात् | तूङ्यताम् |
| | तूङ्य | तूङ्यतात् | तूङ्यतम् |
| | तूङ्यानि | तूङ्याव | तूङ्याम |
| ह्य० | अतूङ्यत् | अतूङ्यताम् | अतूङ्यन् |
| | अतूङ्यः | अतूङ्यतम् | अतूङ्यन् |
| | अतूङ्यम् | अतूङ्याव | अतूङ्याम |
| अ० | अतुतूङ्यत् | अतुतूङ्यताम् | अतुतूङ्यन् |
| | अतुतूङ्यः | अतुतूङ्यतम् | अतुतूङ्यत |
| | अतुतूङ्यम् | अतुतूङ्याव | अतुतूङ्याम |
| प० | तूङ्याश्चकार | तूङ्याश्चक्रतुः | तूङ्याश्चक्रुः |
| | तूङ्याश्चकर्थ | तूङ्याश्चक्रथुः | तूङ्याश्चक्र |
| | तूङ्याश्चकार-चकर | तूङ्याश्चक्रव | तूङ्याश्चक्रम |
| | तूङ्याम्बभूव | । | तूङ्यामास |
| आ० | तूङ्यात् | तूङ्यास्ताम् | तूङ्यास्तुः |
| | तूङ्याः | तूङ्यास्तम् | तूङ्यास्त |
| | तूङ्यासम् | तूङ्यास्व | तूङ्यासम् |
| श्व० | तूङ्यिता | तूङ्यितारौ | तूङ्यितारः |
| | तूङ्यितासि | तूङ्यितास्थः | तूङ्यितास्थ |
| | तूङ्यितास्मि | तूङ्यितास्वः | तूङ्यितास्मः |
| भ० | तूङ्यिष्यति | तूङ्यिष्यतः | तूङ्यिष्यन्ति |
| | तूङ्यिष्यसि | तूङ्यिष्यथः | तूङ्यिष्यथ |
| | तूङ्यिष्यामि | तूङ्यिष्यावः | तूङ्यिष्यामः |
| क्रि० | अतूङ्यिष्यत् | अतूङ्यिष्यताम् | अतूङ्यिष्यन् |
| | अतूङ्यिष्यः | अतूङ्यिष्यतम् | अतूङ्यिष्यत |
| | अतूङ्यिष्यम् | अतूङ्यिष्याव | अतूङ्यिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-----------------|
| व० | तूङ्यते | तूङ्येते | तूङ्यन्ते |
| | तूङ्यसे | तूङ्येथे | तूङ्यन्थे |
| | तूङ्ये | तूङ्यावहे | तूङ्यामहे |
| स० | तूङ्येत | तूङ्येयाताम् | तूङ्येरन् |
| | तूङ्येथाः | तूङ्येयाथाम् | तूङ्येध्वम् |
| | तूङ्येय | तूङ्येवहि | तूङ्येमहि |
| प० | तूङ्यताम् | तूङ्येताम् | तूङ्यन्ताम् |
| | तूङ्यस्व | तूङ्येथाम् | तूङ्यध्वम् |
| | तूङ्यै | तूङ्यावहै | तूङ्यामहै |
| ह्य० | अतूङ्यत् | अतूङ्येताम् | अतूङ्यन्त |
| | अतूङ्यथाः | अतूङ्येथाम् | अतूङ्यध्वम् |
| | अतूङ्ये | अतूङ्यावहि | अतूङ्यामहि |
| अ० | अतुतूङ्यत् | अतुतूङ्येताम् | अतुतूङ्यन्त |
| | अतुतूङ्यथाः | अतुतूङ्येथाम् | अतुतूङ्यध्वम् |
| | अतुतूङ्ये | अतुतूङ्यावहि | अतुतूङ्यामहि |
| प० | तूङ्याश्चक्रे | तूङ्याश्चक्राते | तूङ्याश्चक्रिरे |
| | तूङ्याश्चक्रुवे | तूङ्याश्चक्राथे | तूङ्याश्चक्रुवे |
| | तूङ्याश्चक्रे | तूङ्याश्चक्रुवहे | तूङ्याश्चक्रमहे |
| | तूङ्याम्बभूव | । | तूङ्यामास |
| आ० | तूङ्यिषीष्ट | तूङ्यिषीयास्ताम् | तूङ्यिषीरन् |
| | तूङ्यिषीष्टाः | तूङ्यिषीयास्थाम् | तूङ्यिषीध्वम् |
| | तूङ्यिषीय | तूङ्यिषीवहि | तूङ्यिषीमहि |
| श्व० | तूङ्यिता | तूङ्यितारौ | तूङ्यितारः |
| | तूङ्यितासे | तूङ्यितासाथे | तूङ्यिताध्वे |
| | तूङ्यिताहे | तूङ्यितास्वहे | तूङ्यितास्महे |
| भ० | तूङ्यिष्यते | तूङ्यिष्येते | तूङ्यिष्यन्ते |
| | तूङ्यिष्यसे | तूङ्यिष्येथे | तूङ्यिष्यन्थे |
| | तूङ्यिष्ये | तूङ्यिष्यावहे | तूङ्यिष्यामहे |
| क्रि० | अतूङ्यिष्यत् | अतूङ्यिष्येताम् | अतूङ्यिष्यन्त |
| | अतूङ्यिष्यथाः | अतूङ्यिष्येथाम् | अतूङ्यिष्यध्वम् |
| | अतूङ्यिष्ये | अतूङ्यिष्यावहि | अतूङ्यिष्यामहि |

247 हुङ् (हुङ्) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | हुङयति | हुङयतः | हुङयन्ति |
| | हुङयसि | हुङयथः | हुङयथ |
| | हुङयामि | हुङयावः | हुङयामः |
| स० | हुङयेत् | हुङयेताम् | हुङयेयुः |
| | हुङयेः | हुङयेतम् | हुङयेत |
| | हुङयेयम् | हुङयेव | हुङयेम |
| प० | हुङयतु | हुङयतात् | हुङयताम् |
| | हुङय | हुङयतात् | हुङयतम् |
| | हुङयानि | हुङयाव | हुङयाम |
| ह्य० | अहुङयत् | अहुङयताम् | अहुङयन् |
| | अहुङयः | अहुङयतम् | अहुङयत |
| | अहुङयम् | अहुङयाव | अहुङयाम |
| अ० | अहुङोडत् | अहुङोडताम् | अहुङोडन् |
| | अहुङोडः | अहुङोडतम् | अहुङोडत |
| | अहुङोडम् | अहुङोडाव | अहुङोडाम |
| प० | हुङयाञ्चकार | हुङयाञ्चकतुः | हुङयाञ्चकुः |
| | हुङयाञ्चकर्थे | हुङयाञ्चकथुः | हुङयाञ्चक |
| | हुङयाञ्चकार-चकार | हुङयाञ्चकृव | हुङयाञ्चकृम |
| | हुङयाम्बभूव | हुङयामास | |
| आ० | हुङयात् | हुङयास्ताम् | हुङयासुः |
| | हुङयाः | हुङयास्तम् | हुङयास्त |
| | हुङयासम् | हुङयास्व | हुङयासम् |
| श० | हुङयिता | हुङयितारौ | हुङयितारः |
| | हुङयितासि | हुङयितास्थः | हुङयितास्थ |
| | हुङयितास्मि | हुङयितास्वः | हुङयितास्मः |
| भ० | हुङयिष्यति | हुङयिष्यतः | हुङयिष्यन्ति |
| | हुङयिष्यासि | हुङयिष्यथः | हुङयिष्यथ |
| | हुङयिष्यामि | हुङयिष्यावः | हुङयिष्यामः |
| क्रि० | अहुङयिष्यत् | अहुङयिष्यताम् | अहुङयिष्यन् |
| | अहुङयिष्यः | अहुङयिष्यतम् | अहुङयिष्यत |
| | अहुङयिष्यम् | अहुङयिष्याव | अहुङयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हुङयते | हुङयेते | हुङयन्ते |
| | हुङयसे | हुङयेथे | हुङयन्ध्वे |
| | हुङये | हुङयावहे | हुङयामहे |
| स० | हुङयेत | हुङयेयाताम् | हुङयेरन् |
| | हुङयेथाः | हुङयेयाथाम | हुङयेध्वम् |
| | हुङयेय | हुङयेवहि | हुङयेमहि |
| प० | हुङयताम् | हुङयेताम् | हुङयन्ताम् |
| | हुङयस्व | हुङयेथाम् | हुङयध्वम् |
| | हुङये | हुङयावहे | हुङयामहे |
| ह्य० | अहुङयत् | अहुङयेताम् | अहुङयन्त |
| | अहुङयथाः | अहुङयेथाम् | अहुङयध्वम् |
| | अहुङये | अहुङयावहि | अहुङयामहि |
| अ० | अहुङोडत | अहुङोडेताम् | अहुङोडन्त |
| | अहुङोडथाः | अहुङोडेथाम | अहुङोडध्वम् |
| | अहुङोडे | अहुङोडावहि | अहुङोडामहि |
| प० | हुङयाञ्चके | हुङयाञ्चकाते | हुङयाञ्चकिरे |
| | हुङयाञ्चकृषे | हुङयाञ्चकथे | हुङयाञ्चकृद्वे |
| | हुङयाञ्चके | हुङयाञ्चकृवहे | हुङयाञ्चकृमहे |
| | हुङयाम्बभूव | हुङयामास | |
| आ० | हुङयिषीष्ट | हुङयिषीयास्ताम् | हुङयिषीरन् |
| | हुङयिषीष्टाः | हुङयिषीयास्थाम् | हुङयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | हुङयिषीय | हुङयिषीवहि | हुङयिषीमहि |
| श० | हुङयिता | हुङयितारौ | हुङयितारः |
| | हुङयितासे | हुङयितासाथे | हुङयिताध्वे |
| | हुङयिताहे | हुङयितास्वहे | हुङयितास्महे |
| भ० | हुङयिष्यते | हुङयिष्येते | हुङयिष्यन्ते |
| | हुङयिष्यसे | हुङयिष्येथे | हुङयिष्यन्ध्वे |
| | हुङयिष्ये | हुङयिष्यावहे | हुङयिष्यामहे |
| क्रि० | अहुङयिष्यत् | अहुङयिष्यताम् | अहुङयिष्यन्त |
| | अहुङयिष्यथाः | अहुङयिष्येथाम् | अहुङयिष्यध्वम् |
| | अहुङयिष्ये | अहुङयिष्यावहि | अहुङयिष्यामहि |

248 हृड् (हृड्) गतो ।

| | | | |
|------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | हृडयति | हृडयतः | हृडयन्ति |
| | हृडयसि | हृडयथः | हृडयथ |
| | हृडयामि | हृडयावः | हृडयामः |
| स० | हृडयेत् | हृडयेताम् | हृडयेयुः |
| | हृडयेः | हृडयेतम् | हृडयेत |
| | हृडयेयम् | हृडयेव | हृडयेम |
| प० | हृडयतु | हृडयतात् | हृडयन्तु |
| | हृडय | हृडयतात् | हृडयत |
| | हृडयानि | हृडयाव | हृडयाम |
| ह्य० | अहृडयत् | अहृडयताम् | अहृडयन् |
| | अहृडयः | अहृडयतम् | अहृडयत |
| | अहृडयम् | अहृडयाव | अहृडयाम |
| अ० | अजुहृडत् | अजुहृडताम् | अजुहृडन् |
| | अजुहृडः | अजुहृडतम् | अजुहृडत |
| | अजुहृडम् | अजुहृडाव | अजुहृडाम |
| प० | हृडयाञ्चकार | हृडयाञ्चकतुः | हृडयाञ्चकुः |
| | हृडयाञ्चकथं | हृडयाञ्चकथुः | हृडयाञ्चक |
| | हृडयाञ्चकार-चकर | हृडयाञ्चकृव | हृडयाञ्चकृम |
| | हृडयाम्बभूव | । | हृडयामास |
| आ० | हृडयात् | हृडयास्ताम् | हृडयासुः |
| | हृडयाः | हृडयास्तम् | हृडयास्त |
| | हृडयासम् | हृडयास्व | हृडयास्म |
| श्व० | हृडयिता | हृडयितारौ | हृडयितारः |
| | हृडयितासि | हृडयितास्थः | हृडयितास्थ |
| | हृडयितास्मि | हृडयितास्वः | हृडयितास्मः |
| भ० | हृडयिष्यति | हृडयिष्यतः | हृडयिष्यन्ति |
| | हृडयिष्यसि | हृडयिष्यथः | हृडयिष्यथ |
| | हृडयिष्यामि | हृडयिष्यावः | हृडयिष्यामः |
| कि० | अहृडयिष्यत् | अहृडयिष्यताम् | अहृडयिष्यन्तु |
| | अहृडयिष्यः | अहृडयिष्यतम् | अहृडयिष्यत |
| | अहृडयिष्यम् | अहृडयिष्याव | अहृडयिष्याम |

| | | | |
|------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हृडयते | हृडयते | हृडयते |
| | हृडयसे | हृडयेथे | हृडयध्वे |
| | हृडये | हृडयावहे | हृडयामहे |
| स० | हृडयेत् | हृडयेयाताम् | हृडयेरन् |
| | हृडयेथाः | हृडयेथाथाम् | हृडयेध्वम् |
| | हृडयेय | हृडयेवहि | हृडयेमहि |
| प० | हृडयताम् | हृडयेताम् | हृडयन्ताम् |
| | हृडयस्व | हृडयेथाम् | हृडयध्वम् |
| | हृडये | हृडयावहे | हृडयामहे |
| ह्य० | अहृडयत | अहृडयेताम् | अहृडयन्त |
| | अहृडयथाः | अहृडयेथाम् | अहृडयध्वम् |
| | अहृडये | अहृडयावहि | अहृडयामहि |
| अ० | अजुहृडत् | अजुहृडेताम् | अजुहृडन्त |
| | अजुहृडथाः | अजुहृडेथाम् | अजुहृडध्वम् |
| | अजुहृडे | अजुहृडावहि | अजुहृडामहि |
| प० | हृडयाञ्चके | हृडयाञ्चकते | हृडयाञ्चकिरे |
| | हृडयाञ्चकृषे | हृडयाञ्चकाथे | हृडयाञ्चकृद्वे |
| | हृडयाञ्चके | हृडयाञ्चकृवहे | हृडयाञ्चकृमहे |
| | हृडयाम्बभूव | । | हृडयामास |
| आ० | हृडयिषीष्ट | हृडयिषीयास्ताम् | हृडयिषीरन् |
| | हृडयिषीष्टाः | हृडयिषीयास्थाम् | हृडयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | हृडयिषीय | हृडयिषीवहि | हृडयिषीमहि |
| श्व० | हृडयिता | हृडयितारौ | हृडयितारः |
| | हृडयितासे | हृडयितासाथे | हृडयिताध्वे |
| | हृडयिताहे | हृडयितास्वहे | हृडयितास्महे |
| भ० | हृडयिष्यते | हृडयिष्येते | हृडयिष्यन्ते |
| | हृडयिष्यसे | हृडयिष्येथे | हृडयिष्यध्वे |
| | हृडयिष्ये | हृडयिष्यावहे | हृडयिष्यामहे |
| कि० | अहृडयिष्यत् | अहृडयिष्येताम् | अहृडयिष्यन्त |
| | अहृडयिष्यथाः | अहृडयिष्येथाम् | अहृडयिष्यध्वम् |
| | अहृडयिष्ये | अहृडयिष्यावहि | अहृडयिष्यामहि |

249 हूडु (हूड) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | हूडयति | हूडयतः | हूडयन्ति |
| | हूडयसि | हूडयथः | हूडयथ |
| | हूडयामि | हूडयावः | हूडयामः |
| स० | हूडयेत् | हूडयेताम् | हूडयेयुः |
| | हूडयेः | हूडयेतम् | हूडयेत |
| | हूडयेयम् | हूडयेव | हूडयेम |
| प० | हूडयतु | हूडयतात् | हूडयन्तु |
| | हूडय | हूडयनात् | हूडयत |
| | हूडयानि | हूडयाव | हूडयाम |
| ल० | अहूडयत् | अहूडयताम् | अहूडयन् |
| | अहूडयः | अहूडयतम् | अहूडयत |
| | अहूडयम् | अहूडयाव | अहूडयाम |
| भ० | अजुहूडत् | अजुहूडताम् | अजुहूडन् |
| | अजुहूडः | अजुहूडतम् | अजुहूडत |
| | अजुहूडम् | अजुहूडाव | अजुहूडाम |
| प० | हूडयाञ्चकार | हूडयाञ्चक्रुः | हूडयाञ्चकुः |
| | हूडयाञ्चकथं | हूडयाञ्चकथुः | हूडयाञ्चक |
| | हूडयाञ्चकार-चकर | हूडयाञ्चकृव | हूडयाञ्चकृम |
| | हूडयाम्बभूव | । | हूडयामास |
| आ० | हूडयात् | हूडयास्ताम् | हूडयातुः |
| | हूडयाः | हूडयास्तम् | हूडयास्ति |
| | हूडयासम् | हूडयास्व | हूडयास्म |
| श्व० | हूडयिता | हूडयितारौ | हूडयितारः |
| | हूडयितासि | हूडयितास्थः | हूडयितास्थ |
| | हूडयितास्मि | हूडयितास्वः | हूडयितास्मः |
| भ० | हूडयिष्यति | हूडयिष्यतः | हूडयिष्यन्ति |
| | हूडयिष्यसि | हूडयिष्यथः | हूडयिष्यथ |
| | हूडयिष्यामि | हूडयिष्यावः | हूडयिष्यामः |
| क्रि० | अहूडयिष्यत | अहूडयिष्यताम् | अहूडयिष्यन् |
| | अहूडयिष्य | अहूडयिष्यतम् | अहूडयिष्यत |
| | अहूडयिष्यम् | अहूडयिष्याव | अहूडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हूडयते | हूडयेते | हूडयन्ते |
| | हूडयसे | हूडयेथे | हूडयध्वे |
| | हूडये | हूडयावहे | हूडयामहे |
| स० | हूडयेत | हूडयेयाताम् | हूडयेरन् |
| | हूडयेथाः | हूडयेयाथाम् | हूडयेध्वम् |
| | हूडयेय | हूडयेवहि | हूडयेमहि |
| प० | हूडयताम् | हूडयेताम् | हूडयन्ताम् |
| | हूडयस्व | हूडयेथाम् | हूडयध्वम् |
| | हूडये | हूडयावहे | हूडयामहे |
| ल० | अहूडयत | अहूडयेताम् | अहूडयन्त |
| | अहूडयथाः | अहूडयेथाम् | अहूडयध्वम् |
| | अहूडये | अहूडयावहि | अहूडयामहि |
| अ० | अजुहूडत | अजुहूडेताम् | अजुहूडन्त |
| | अजुहूडथाः | अजुहूडेथाम् | अजुहूडध्वम् |
| | अजुहूडे | अजुहूडावहि | अजुहूडामहि |
| प० | हूडयाञ्चके | हूडयाञ्चक्राते | हूडयाञ्चक्रिरे |
| | हूडयाञ्चकृषे | हूडयाञ्चक्राथे | हूडयाञ्चकृद्वे |
| | हूडयाञ्चके | हूडयाञ्चकृवहे | हूडयाञ्चकृमहे |
| | हूडयाम्बभूव | । | हूडयामास |
| आ० | हूडयिषीष्ट | हूडयिषीयास्ताम् | हूडयिषीरन् |
| | हूडयिषीष्ठाः | हूडयिषीयास्थाम् | हूडयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | हूडयिषीय | हूडयिषीवहि | हूडयिषीमहि |
| श्व० | हूडयिता | हूडयितारौ | हूडयितारः |
| | हूडयितासे | हूडयितासाथे | हूडयिताध्वे |
| | हूडयिताहे | हूडयितास्वहे | हूडयितास्महे |
| भ० | हूडयिष्यते | हूडयिष्येते | हूडयिष्यन्ते |
| | हूडयिष्यसे | हूडयिष्येथे | हूडयिष्यध्वे |
| | हूडयिष्ये | हूडयिष्यावहे | हूडयिष्यामहे |
| क्रि० | अहूडयिष्यत | अहूडयिष्येताम् | अहूडयिष्यन्त |
| | अहूडयिष्यथाः | अहूडयिष्येथाम् | अहूडयिष्यध्वम् |
| | अहूडयिष्ये | अहूडयिष्यावहि | अहूडयिष्यामहि |

250 हौडृ (हौड्) गतो

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | हौडयति | हौडयतः | हौडयन्ति |
| | हौडयसि | हौडयथः | हौडयथ |
| | हौडयामि | हौडयावः | हौडयामः |
| स० | हौडयेत् | हौडयेताम् | हौडयेयुः |
| | हौडयेः | हौडयेतम् | हौडयेत |
| | हौडयेयम् | हौडयेव | हौडयेम |
| प० | हौडयतु | हौडयतात् | हौडयताम् |
| | हौडय | हौडयतात् | हडयतम् |
| | हौडयानि | हौडयाव | हौडयाम |
| ह्य० | अहौडयत् | अहौडयताम् | अहौडयन् |
| | अहौडयः | अहौडयतम् | अहौडयत |
| | अहौडयम् | अहौडयाव | अहौडयाम |
| अ० | अजुहौडत् | अजुहौडताम् | अजुहौडन् |
| | अजुहौडः | अजुहौडतम् | अजुहौडत |
| | अजुहौडम् | अजुहौडाव | अजुहौडाम |
| प० | हौडयाञ्चकार | हौडयाञ्चकतुः | हौडयाञ्चकुः |
| | हौडयाञ्चकर्थ | हौडयाञ्चकथुः | हौडयाञ्चक |
| | हौडयाञ्चकार-चकर | हौडयाञ्चकृव | हौडयाञ्चकृम |
| | हौडयाम्बभूव | । | हौडयामास |
| आ० | हौडयात् | हौडयास्ताम् | हौडयासुः |
| | हौडयाः | हौडयास्तम् | हौडयास्त |
| | हौडयासम् | हौडयास्व | हौडयास्म |
| श्व० | हौडयिता | हौडयितारौ | हौडयितारः |
| | हौडयितासि | हौडयितास्यः | हौडयितास्य |
| | हौडयितास्मि | हौडयितास्वः | हौडयितास्मः |
| भ० | हौडयिष्यति | हौडयिष्यतः | हौडयिष्यन्ति |
| | हौडयिष्यसि | हौडयिष्यथः | हौडयिष्यथ |
| | हौडयिष्यामि | हौडयिष्यावः | हौडयिष्यामः |
| क्रि० | अहौडयिष्यत् | अहौडयिष्यताम् | अहौडयिष्यन् |
| | अहौडयिष्यः | अहौडयिष्यतम् | अहौडयिष्यत |
| | अहौडयिष्यम् | अहौडयिष्याव | अहौडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हौडयते | हौडयेते | हौडयन्ते |
| | हौडयसे | हौडयेथे | हौडयध्वे |
| | हौडये | हौडयावहे | हौडयामहे |
| स० | हौडयेत | हौडयेयाताम् | हौडयेरन् |
| | हौडयेथाः | हौडयेयाथाम् | हौडयेष्वम् |
| | हौडयेय | हौडयेवहि | हौडयेमहि |
| प० | हौडयताम् | हौडयेताम् | हौडयन्ताम् |
| | हौडयस्व | हौडयेथाम् | हौडयष्वम् |
| | हौडये | हौडयावहे | हौडयामहे |
| ह्य० | अहौडयत | अहौडयेताम् | अहौडयन्त |
| | अहौडयथाः | अहौडयेथाम् | अहौडयष्वम् |
| | अहौडये | अहौडयावहि | अहौडयामहि |
| अ० | अजुहौडत | अजुहौडताम् | अजुहौडन्त |
| | अजुहौडथाः | अजुहौडेथाम् | अजुहौडष्वम् |
| | अजुहौडे | अजुहौडावहि | अजुहौडामहि |
| प० | हौडयाञ्चके | हौडयाञ्चकते | हौडयाञ्चकिरे |
| | हौडयाञ्चकृषे | हौडयाञ्चकृथे | हौडयाञ्चकृद्वे |
| | हौडयाञ्चके | हौडयाञ्चकृवहे | हौडयाञ्चकृमहे |
| | हौडयाम्बभूव | । | हौडयामास |
| आ० | हौडयिषीष्ट | हौडयिषीयास्ताम् | हौडयिषीरन् |
| | हौडयिषीष्ठाः | हौडयिषीयास्थाम् | हौडयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | हौडयिषीय | हौडयिषीवहि | हौडयिषीमहि |
| श्व० | हौडयिता | हौडयितारौ | हौडयितारः |
| | हौडयितासे | हौडयितासाथे | हौडयिताध्वे |
| | हौडयिताहे | हौडयितास्वहे | हौडयितास्महे |
| भ० | हौडयिष्यते | हौडयिष्येते | हौडयिष्यन्ते |
| | हौडयिष्यसे | हौडयिष्येथे | हौडयिष्यध्वे |
| | हौडयिष्ये | हौडयिष्यावहे | हौडयिष्यामहे |
| क्रि० | अहौडयिष्यत | अहौडयिष्येताम् | अहौडयिष्यन्त |
| | अहौडयिष्यथाः | अहौडयिष्येथाम् | अहौडयिष्यध्वम् |
| | अहौडयिष्ये | अहौडयिष्यावहि | अहौडयिष्यामहि |

256 कड् (कड्) कार्कश्ये।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० कड्यति | कड्यतः | कड्यन्ति |
| कड्यसि | कड्यथः | कड्यथ |
| कड्यामि | कड्यावः | कड्यामः |
| स० कड्येत् | कड्येताम् | कड्येयुः |
| कड्येः | कड्येतम् | कड्येत |
| कड्येयम् | कड्येव | कड्येम |
| प० कड्यतु | कड्यतात् | कड्यताम् |
| कड्य | कड्यतात् | कड्यतम् |
| कड्यानि | कड्याव | कड्याम |
| ह्य० अकड्यत् | अकड्यताम् | अकड्यन् |
| अकड्यः | अकड्यतम् | अकड्यत |
| अकड्यम् | अकड्याव | अकड्याम |
| अ० अचकड्यत् | अचकड्यताम् | अचकड्यन् |
| अचकड्यः | अचकड्यतम् | अचकड्यत |
| अचकड्यम् | अचकड्याव | अचकड्याम |
| प० कड्याञ्चकार | कड्याञ्चक्रुः | कड्याञ्चक्रुः |
| कड्याञ्चकथं | कड्याञ्चकथुः | कड्याञ्चक्रुः |
| कड्याञ्चकार-चक्र | कड्याञ्चक्रुव | कड्याञ्चक्रुम |
| कड्याम्बभूव | । कड्यामास | |
| आ० कड्यात् | कड्यास्ताम् | कड्यासुः |
| कड्याः | कड्यास्तम् | कड्यास्त |
| कड्यासम् | कड्यास्व | कड्यास्म |
| श्व० कड्यिता | कड्यितारौ | कड्यितारः |
| कड्यितासि | कड्यितास्थः | कड्यितास्थ |
| कड्यितास्मि | कड्यितास्वः | कड्यितास्मः |
| भ० कड्यिष्यति | कड्यिष्यतः | कड्यिष्यन्ति |
| कड्यिष्यसि | कड्यिष्यथः | कड्यिष्यथ |
| कड्यिष्यामि | कड्यिष्यावः | कड्यिष्यामः |
| क्रि० अकड्यिष्यत् | अकड्यिष्यताम् | अकड्यिष्यन् |
| अकड्यिष्यः | अकड्यिष्यतम् | अकड्यिष्यत |
| अकड्यिष्यम् | अकड्यिष्याव | अकड्यिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| व० कड्यते | कड्येते | कड्यन्ते |
| कड्यसे | कड्येथे | कड्यध्वे |
| कड्ये | कड्यावहे | कड्यामहे |
| स० कड्येत | कड्येयाताम् | कड्येरन् |
| कड्येथाः | कड्येयाथाम् | कड्येध्वम् |
| कड्येय | कड्येवहि | कड्येमहि |
| प० कड्यताम् | कड्येताम् | कड्यन्ताम् |
| कड्यस्व | कड्येथाम् | कड्यध्वम् |
| कड्ये | कड्यावहे | कड्यामहे |
| ह्य० अकड्यत | अकड्येताम् | अकड्यन्त |
| अकड्यथाः | अकड्येथाम् | अकड्यध्वम् |
| अकड्ये | अकड्यावहि | अकड्यामहि |
| अ० अचकड्यत | अचकड्येताम् | अचकड्यन्त |
| अचकड्यथाः | अचकड्येथाम् | अचकड्यध्वम् |
| अचकड्ये | अचकड्यावहि | अचकड्यामहि |
| प० कड्याञ्चक्रे | कड्याञ्चक्राते | कड्याञ्चक्रिरे |
| कड्याञ्चक्रुषे | कड्याञ्चक्राथे | कड्याञ्चक्रुद्वे |
| कड्याञ्चक्रे | कड्याञ्चक्रुवहे | कड्याञ्चक्रुमहे |
| कड्याम्बभूव | । कड्यामास | |
| आ० कड्यिषीष्ट | कड्यिषीयास्ताम् | कड्यिषीरन् |
| कड्यिषीष्टाः | कड्यिषीयास्थाम् | कड्यिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| कड्यिषीय | कड्यिषीवहि | कड्यिषीमहि |
| श्व० कड्यिता | कड्यितारौ | कड्यितारः |
| कड्यितासे | कड्यितासाथे | कड्यिताध्वे |
| कड्यिताहे | कड्यितास्वहे | कड्यितास्महे |
| भ० कड्यिष्यते | कड्यिष्येते | कड्यिष्यन्ते |
| कड्यिष्यसे | कड्यिष्येथे | कड्यिष्यध्वे |
| कड्यिष्ये | कड्यिष्यावहे | कड्यिष्यामहे |
| क्रि० अकड्यिष्यत | अकड्यिष्येताम् | अकड्यिष्यन्त |
| अकड्यिष्यथाः | अकड्यिष्येथाम् | अकड्यिष्यध्वम् |
| अकड्यिष्ये | अकड्यिष्यावहि | अकड्यिष्यामहि |

242 विड (विड्) आक्रोशे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| थ० | वेडयति | वेडयतः | वेडयन्ति |
| | वेडयसि | वेडयथः | वेडयथ |
| | वेडयामि | वेडयावः | वेडयामः |
| स० | वेडयेत् | वेडयेताम् | वेडयेयुः |
| | वेडयेः | वेडयेतम् | वेडयेत |
| | वेडयेयम् | वेडयेव | वेडयेम |
| प० | वेडयतु | वेडयतात् | वेडयताम् |
| | वेडय | वेडयतात् | वेडयतम् |
| | वेडयानि | वेडयाव | वेडयाम |
| ह्य० | अवेडयत् | अवेडयताम् | अवेडयन् |
| | अवेडयः | अवेडयतम् | अवेडयत |
| | अवेडयम् | अवेडयाव | अवेडयाम |
| अ० | अवीविडत् | अवीविडताम् | अवीविडन् |
| | अवीविडः | अवीविडतम् | अवीविडत |
| | अवीविडम् | अवीविडाव | अवीविडाम |
| प० | वेडयाश्चकार | वेडयाश्चक्रुः | वेडयाश्चक्रुः |
| | वेडयाश्चकर्तुः | वेडयाश्चक्रुः | वेडयाश्चक्रुः |
| | वेडयाश्चकार-चकर | वेडयाश्चक्रुव | वेडयाश्चक्रुम |
| | वेडयाम्बभूव | वेडयामास | |
| आ० | वेडयात् | वेडयास्ताम् | वेडयासुः |
| | वेडयाः | वेडयास्तम् | वेडयास्त |
| | वेडयासम् | वेडयास्व | वेडयास्म |
| श्र० | वेडयिता | वेडयितारौ | वेडयितारः |
| | वेडयितासि | वेडयितास्थः | वेडयितास्थ |
| | वेडयितास्मि | वेडयितास्वः | वेडयितास्मः |
| भ० | वेडयिष्यति | वेडयिष्यतः | वेडयिष्यन्ति |
| | वेडयिष्यसि | वेडयिष्यथः | वेडयिष्यथ |
| | वेडयिष्यामि | वेडयिष्यावः | वेडयिष्यामः |
| क्रि० | अवेडयिष्यत् | अवेडयिष्यताम् | अवेडयिष्यन् |
| | अवेडयिष्यः | अवेडयिष्यतम् | अवेडयिष्यत |
| | अवेडयिष्यम् | अवेडयिष्याव | अवेडयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | वेडयते | वेडयेते | वेडयन्ते |
| | वेडयसे | वेडयेथे | वेडयन्थे |
| | वेडये | वेडयावहे | वेडयामहे |
| स० | वेडयेत | वेडयेयाताम् | वेडयेरन् |
| | वेडयेथाः | वेडयेथाथाम् | वेडयेध्वम् |
| | वेडयेय | वेडयेयहि | वेडयेमहि |
| प० | वेडयताम् | वेडयताम् | वेडयन्ताम् |
| | वेडयस्व | वेडयेथाम् | वेडयध्वम् |
| | वेडयै | वेडयावहै | वेडयामहै |
| ह्य० | अवेडयत | अवेडयेताम् | अवेडयन्त |
| | अवेडयथाः | अवेडयेथाम् | अवेडयध्वम् |
| | अवेडये | अवेडयावहि | अवेडयामहि |
| अ० | अवीविडत् | अवीविडेताम् | अवीविडन्त |
| | अवीविडथाः | अवीविडेथाम् | अवीविडध्वम् |
| | अवीविडे | अवीविडावहि | अवीविडामहि |
| प० | वेडयाश्चक्रे | वेडयाश्चक्राते | वेडयाश्चक्रिरे |
| | वेडयाश्चक्रुषे | वेडयाश्चक्राथे | वेडयाश्चक्रुद्वे |
| | वेडयाश्चक्रे | वेडयाश्चक्रुवहे | वेडयाश्चक्रुमहे |
| | वेडयाम्बभूव | वेडयामास | |
| आ० | वेडयिषीष्ट | वेडयिषीयास्ताम् | वेडयिषीरन् |
| | वेडयिषीष्ठाः | वेडयिषीयास्थाम् | वेडयिषीध्वम् |
| | वेडयिषीय | वेडयिषीवहि | वेडयिषीमहि |
| श्र० | वेडयिता | वेडयितारौ | वेडयितारः |
| | वेडयितासे | वेडयितासाथे | वेडयिताध्वे |
| | वेडयिताहे | वेडयितास्वहे | वेडयितास्महे |
| भ० | वेडयिष्यते | वेडयिष्येते | वेडयिष्यन्ते |
| | वेडयिष्यसे | वेडयिष्येथे | वेडयिष्यन्थे |
| | वेडयिष्ये | वेडयिष्यावहे | वेडयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेडयिष्यत् | अवेडयिष्येताम् | अवेडयिष्यन्त |
| | अवेडयिष्यथाः | अवेडयिष्येथाम् | अवेडयिष्यध्वम् |
| | अवेडयिष्ये | अवेडयिष्यावहि | अवेडयिष्यामहि |

253 अड (अड्) उद्यमे ।

| | | | |
|-------|----------------|-------------|-------------|
| व० | आडयति | आडयतः | आडयन्ति |
| | आडयसि | आडयथः | आडयथ |
| | आडयामि | आडयावः | आडयामः |
| स० | आडयेत् | आडयेताम् | आडयेयुः |
| | आडयेः | आडयेतम् | आडयेत |
| | आडयेयम् | आडयेव | आडयेम |
| प० | आडयतु | आडयतात् | आडयताम् |
| | आडय | आडयतात् | आडयतम् |
| | आडयानि | आडयाव | आडयाम |
| ह्य० | आडयत् | आडयताम् | आडयन् |
| | आडयः | आडयतम् | आडयत |
| | आडयम् | आडयाव | आडयाम |
| अ० | आडिडत् | आडिडताम् | आडिडन् |
| | आडिडः | आडिडतम् | आडिडत |
| | आडिडम् | आडिडाव | आडिडाम |
| प० | आडयाञ्चकार | आडयाञ्चकतुः | आडयाञ्चकुः |
| | आडयाञ्चकर्थ | आडयाञ्चकथुः | आडयाञ्चक |
| | आडयाञ्चकार-चकर | आडयाञ्चकृव | आडयाञ्चकृम |
| | आडयाम्बभूव | ! | आडयामास |
| आ० | आडयात् | आडयास्ताम् | आडयासुः |
| | आडयाः | आडयास्तम् | आडयास्त |
| | आडयासम् | आडयास्व | आडयास्म |
| श्व० | आडयिता | आडयितारौ | आडयितारः |
| | आडयितासि | आडयितास्थः | आडयितास्थ |
| | आडयितास्मि | आडयितास्वः | आडयितास्मः |
| भ० | आडयिष्यति | आडयिष्यतः | आडयिष्यन्ति |
| | आडयिष्यसि | आडयिष्यथः | आडयिष्यथ |
| | आडयिष्यामि | आडयिष्यावः | आडयिष्यामः |
| क्रि० | आडयिष्यत् | आडयिष्यताम् | आडयिष्यन् |
| | आडयिष्यः | आडयिष्यतम् | आडयिष्यत |
| | आडयिष्यम् | आडयिष्याव | आडयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | आडयेते | आडयेते | आडयन्ते |
| | आडयसे | आडयेथे | आडयध्वे |
| | आडये | आडयावहे | आडयामहे |
| स० | आडयेत | आडयेताताम् | आडयेरन् |
| | आडयेथाः | आडयेयाथाम् | आडयेध्वम् |
| | आडयेय | आडयेवहि | आडयेमहि |
| प० | आडयताम् | आडयेताम् | आडयन्ताम् |
| | आडयस्व | आडयेथाम् | आडयध्वम् |
| | आडयै | आडयावहै | आडयामहै |
| ह्य० | आडयत | आडयेताम् | आडयन्त |
| | आडयथाः | आडयेथाम् | आडयध्वम् |
| | आडये | आडयावहि | आडयामहि |
| अ० | आडिडत | आडिडेताम् | आडिडन्त |
| | आडिडथाः | आडिडेथाम् | आडिडध्वम् |
| | आडिडे | आडिडावहि | आडिडामहि |
| प० | आडयाञ्चके | आडयाञ्चकते | आडयाञ्चकिरे |
| | आडयाञ्चकृषे | आडयाञ्चकृथे | आडयाञ्चकृद्वे |
| | आडयाञ्चके | आडयाञ्चकृवहे | आडयाञ्चकृमहे |
| | आडयाम्बभूव | ! | आडयामास |
| आ० | आडयिषीष्ट | आडयिषीयास्ताम् | आडयिषीरन् |
| | आडयिषीष्ठाः | आडयिषीयास्थाम् | आडयिषीध्वम् |
| | आडयिषीय | आडयिषीवहि | आडयिषीमहि |
| श्व० | आडयिता | आडयितारौ | आडयितारः |
| | आडयितासे | आडयितासाथे | आडयिताध्वे |
| | आडयिताहे | आडयितास्वहे | आडयितास्महे |
| भ० | आडयिष्यते | आडयिष्येते | आडयिष्यन्ते |
| | आडयिष्यसे | आडयिष्येथे | आडयिष्यध्वे |
| | आडयिष्ये | आडयिष्यावहे | आडयिष्यामहे |
| क्रि० | आडयिष्यत् | आडयिष्येताम् | आडयिष्यन्त |
| | आडयिष्यथाः | आडयिष्येथाम् | आडयिष्यध्वम् |
| | आडयिष्ये | आडयिष्यावहि | आडयिष्यामहि |

254 लङ् (लङ्) विलासे ।

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० लालयति | लालयतः | लालयन्ति |
| लालयसि | लालयथः | लालयथ |
| लालयामि | लालयावः | लालयामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० लालयेत् | लालयेताम् | लालयेयुः |
| लालयेः | लालयेतम् | लालयेत |
| लालयेयम् | लालयेव | लालयेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० लालयतु | लालयतात् | लालयताम् | लालयन्तु |
| लालय | लालयतात् | लालयतम् | लालयत |
| लालयानि | लालयाव | लालयाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| ल० अलालयत् | अलालयताम् | अलालयन् |
| अलालयः | अलालयतम् | अलालयत |
| अलालयम् | अलालयाव | अलालयाम |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| अ० अलीललत् | अलीललताम् | अलीललन् |
| अलीललः | अलीललतम् | अलीललत |
| अलीललम् | अलीललाव | अलीललाम |

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| प० लालयाश्चकार | लालयाश्चक्रुः | लालयाश्चक्रुः |
| लालयाश्चकथे | लालयाश्चकथुः | लालयाश्चक |
| लालयाश्चकार-चकर | लालयाश्चकृव | लालयाश्चकृम |
| लालयाश्चभूव | लालयाभास | |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० लाल्यात् | लाल्यास्ताम् | लाल्यामः |
| लाल्याः | लाल्यास्तम् | लाल्यास्त |
| लाल्यासम् | लाल्यास्व | लाल्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| श्व० लालयिता | लालयितारौ | लालयितारः |
| लालयितासि | लालयितास्वः | लालयितास्व |
| लालयितास्मि | लालयितास्वः | लालयितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० लालयिष्यति | लालयिष्यतः | लालयिष्यन्ति |
| लालयिष्यसि | लालयिष्यथः | लालयिष्यथ |
| लालयिष्यामि | लालयिष्यावः | लालयिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अलालयिष्यत् | अलालयिष्यताम् | अलालयिष्यन् |
| अलालयिष्यः | अलालयिष्यतम् | अलालयिष्यत |
| अलालयिष्यम् | अलालयिष्याव | अलालयिष्याम |

| | | |
|-----------|----------|----------|
| व० लालयते | लालयेते | लालयन्ते |
| लालयसे | लालयेथे | लालयध्वे |
| लालये | लालयावहे | लालयामहे |

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| स० लालयेत | लालयेयाताम् | लालयेरन् |
| लालयेथाः | लालयेयाथाम् | लालयेध्वम् |
| लालयेय | लालयेवहि | लालयेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० लालयताम् | लालयेताम् | लालयन्ताम् |
| लालयस्व | लालयेथाम् | लालयध्वम् |
| लालय | लालयावहे | लालयामहे |

| | | |
|-----------|------------|------------|
| ल० अलालयत | अलालयेताम् | अलालयन्त |
| अलालयथाः | अलालयेथाम् | अलालयध्वम् |
| अलालय | अलालयावहि | अलालयामहि |

| | | |
|-----------|------------|------------|
| अ० अलीललत | अलीललताम् | अलीललन्त |
| अलीललथाः | अलीललेथाम् | अलीललध्वम् |
| अलीललले | अलीललावहि | अलीललामहि |

| | | |
|---------------|---------------|----------------|
| प० लालयाश्चके | लालयाश्चकाते | लालयाश्चकिरे |
| लालयाश्चकृषे | लालयाश्चकथे | लालयाश्चकृध्वे |
| लालयाश्चके | लालयाश्चकृवहे | लालयाश्चकृमहे |

लालयाम्भूव । लालयामास

| | | |
|---------------|-----------------|--------------------|
| आ० लालयिषीष्ट | लालयिषीयास्ताम् | लालयिषीरन् |
| लालयिषीष्टाः | लालयिषीयास्ताम् | लालयिषीध्वम्-ध्वम् |
| लालयिषीय | लालयिषीवहि | लालयिषीमहि |

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| श्व० लालयिता | लालयितारौ | लालयितारः |
| लालयितासे | लालयितासाथे | लालयिताध्वे |
| लालयिताहे | लालयितास्वहे | लालयितास्महे |

| | | |
|----------------|--------------|--------------|
| भ० लालयिष्यन्त | लालयिष्येन्त | लालयिष्यन्त |
| लालयिष्यसे | लालयिष्येथे | लालयिष्यध्वे |
| लालयिष्ये | लालयिष्यावहे | लालयिष्यामहे |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| क्रि० अलालयिष्यत | अलालयिष्येताम् | अलालयिष्यन्त |
| अलालयिष्यथाः | अलालयिष्येथाम् | अलालयिष्यध्वम् |
| अलालयिष्ये | अलालयिष्यावहि | अलालयिष्यामहि |

255 कङ् (कण्ड्) मदे ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० कण्डयति | कण्डयतः | कण्डयन्ति |
| कण्डयसि | कण्डयथः | कण्डयथ |
| कण्डयामि | कण्डयावः | कण्डयामः |
| स० कण्डयेत् | कण्डयेताम् | कण्डयेयुः |
| कण्डयेः | कण्डयेतम् | कण्डयेत |
| कण्डयेयम् | कण्डयेव | कण्डयेम |
| प० कण्डयतु | कण्डयतात् | कण्डयन्तु |
| कण्डय | कण्डयतात् | कण्डयतम् |
| कण्डयानि | कण्डयाव | कण्डयाम |
| ह्य० अकण्डयत् | अकण्डयताम् | अकण्डयन् |
| अकण्डयः | अकण्डयतम् | अकण्डयत |
| अकण्डयम् | अकण्डयाव | अकण्डयाम |
| अ० अचकण्डत् | अचकण्डताम् | अचकण्डन् |
| अचकण्डः | अचकण्डतम् | अचकण्डत |
| अचकण्डम् | अचकण्डाव | अचकण्डाम |
| प० कण्डयाञ्चकार | कण्डयाञ्चकतुः | कण्डयाञ्चकुः |
| कण्डयाञ्चकर्थ | कण्डयाञ्चकथुः | कण्डयाञ्चक |
| कण्डयाञ्चकार-चकर | कण्डयाञ्चकुव | कण्डयाञ्चकृम |
| कण्डयाम्बभूव | । कण्डयामास | |
| आ० कण्डयात् | कण्डयास्ताम् | कण्डयासुः |
| कण्डयाः | कण्डयास्तम् | कण्डयास्त |
| कण्डयासम् | कण्डयास्व | कण्डयासम |
| थ० कण्डयिता | कण्डयितारौ | कण्डयितारः |
| कण्डयितासि | कण्डयितास्थः | कण्डयितास्थ |
| कण्डयितास्मि | कण्डयितास्वः | कण्डयितास्मः |
| भ० कण्डयिष्यति | कण्डयिष्यतः | कण्डयिष्यन्ति |
| कण्डयिष्यसि | कण्डयिष्यथः | कण्डयिष्यथ |
| कण्डयिष्यामि | कण्डयिष्यावः | कण्डयिष्यामः |
| क्रि० अकण्डयिष्यत् | अकण्डयिष्यताम् | अकण्डयिष्यन् |
| अकण्डयिष्यः | अकण्डयिष्यतम् | अकण्डयिष्यत |
| अकण्डयिष्यम् | अकण्डयिष्याव | अकण्डयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० कण्डयते | कण्डयते | कण्डयन्ते |
| कण्डयसे | कण्डयेथे | कण्डयन्वे |
| कण्डये | कण्डयावहे | कण्डयामहे |
| स० कण्डयेत | कण्डयेयाताम् | कण्डयेरन् |
| कण्डयेथाः | कण्डयेयाथाम् | कण्डयेध्वम् |
| कण्डयेय | कण्डयेवहि | कण्डयेमहि |
| प० कण्डयताम् | कण्डयेताम् | कण्डयन्ताम् |
| कण्डयस्व | कण्डयेथाम् | कण्डयध्वम् |
| कण्डयै | कण्डयावहै | कण्डयामहै |
| ह्य० अकण्डयत | अकण्डयेताम् | अकण्डयन्त |
| अकण्डयथाः | अकण्डयेथाम् | अकण्डयध्वम् |
| अकण्डये | अकण्डयावहि | अकण्डयामहि |
| अ० अचकण्डत | अचकण्डेताम् | अचकण्डन्त |
| अचकण्डथाः | अचकण्डेथाम् | अचकण्डध्वम् |
| अचकण्डे | अचकण्डावहि | अचकण्डामहि |
| प० कण्डयाञ्चके | कण्डयाञ्चकाते | कण्डयाञ्चकिरे |
| कण्डयाञ्चकृषे | कण्डयाञ्चकथे | कण्डयाञ्चकृद्वे |
| कण्डयाञ्चके | कण्डयाञ्चकृवहे | कण्डयाञ्चकृमहे |
| कण्डयाम्बभूव | । कण्डयामास | |
| आ० कण्डयिषीष्ट | कण्डयिषीयास्ताम् | कण्डयिषीरन् |
| कण्डयिषीष्ठाः | कण्डयिषीयास्थाम् | कण्डयिषीध्वम् |
| कण्डयिषीथ | कण्डयिषीवहि | कण्डयिषीमहि |
| थ० कण्डयिता | कण्डयितारौ | कण्डयितारः |
| कण्डयितासे | कण्डयितासाथे | कण्डयिताध्वे |
| कण्डयिताहे | कण्डयितास्वहे | कण्डयितास्महे |
| भ० कण्डयिष्यते | कण्डयिष्येते | कण्डयिष्यन्ते |
| कण्डयिष्यसे | कण्डयिष्येथे | कण्डयिष्यन्वे |
| कण्डयिष्ये | कण्डयिष्यावहे | कण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अकण्डयिष्यत् | अकण्डयिष्येताम् | अकण्डयिष्यन्त |
| अकण्डयिष्यथाः | अकण्डयिष्येथाम् | अकण्डयिष्यध्वम् |
| अकण्डयिष्य | अकण्डयिष्यावहि | अकण्डयिष्यामहि |

242 खोडृ (खोड्) प्रतीघाते ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| थ० | खोडयति | खोडयतः | खोडयन्ति |
| | खोडयसि | खोडयथः | खोडयथ |
| | खोडयामि | खोडयावः | खोडयामः |
| स० | खोडयेत् | खोडयेताम् | खोडयेयुः |
| | खोडयेः | खोडयेतम् | खोडयेत |
| | खोडयेयम् | खोडयेव | खोडयेम |
| प० | खोडयतु | खोडयतात् | खोडयन्तु |
| | खोडय | खोडयतात् | खोडयतम् |
| | खोडयानि | खोडयाव | खोडयाम |
| ह्य० | अखोडयत् | अखोडयताम् | अखोडयन् |
| | अखोडयः | अखोडयतम् | अखोडयत |
| | अखोडयम् | अखोडयाव | अखोडयाम |
| अ० | अचुखोडत् | अचुखोडताम् | अचुखोडन् |
| | अचुखोडः | अचुखोडतम् | अचुखोडत |
| | अचुखोडम् | अचुखोडाव | अचुखोडाम |
| प० | खोडयाश्चकार | खोडयाश्चकतुः | खोडयाश्चक्रुः |
| | खोडयाश्चकर्थ | खोडयाश्चक्रथुः | खोडयाश्चक्र |
| | खोडयाश्चकार-चकर | खोडयाश्चकृव | खोडयाश्चकृम |
| | खोडयाम्बभूव | । | खोडयामास |
| आ० | खोडयात् | खोडयास्ताम् | खोडयासुः |
| | खोडयाः | खोडयास्तम् | खोडयास्त |
| | खोडयासम् | खोडयास्व | खोडयास्म |
| श्र० | खोडयिता | खोडयितारौ | खोडयितारः |
| | खोडयितासि | खोडयितास्थः | खोडयितास्थ |
| | खोडयितास्मि | खोडयितास्वः | खोडयितास्मः |
| भ० | खोडयिष्यति | खोडयिष्यतः | खोडयिष्यन्ति |
| | खोडयिष्यसि | खोडयिष्यथः | खोडयिष्यथ |
| | खोडयिष्यामि | खोडयिष्यावः | खोडयिष्यामः |
| क्रि० | अखोडयिष्यत् | अखोडयिष्यताम् | अखोडयिष्यन् |
| | अखोडयिष्यः | अखोडयिष्यतम् | अखोडयिष्यत |
| | अखोडयिष्यम् | अखोडयिष्याव | अखोडयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|------------------|
| व० | खोडयते | खोडयंते | खोडयन्ते |
| | खोडयसे | खोडयेथे | खोडयन्थ्वे |
| | खोडये | खोडयावहे | खोडयामहे |
| स० | खोडयेत | खोडयेयाताम् | खोडयेरन् |
| | खोडयेथाः | खोडयेयाथाम् | खोडयेय्वम् |
| | खोडयेय | खोडयेवहि | खोडयेमहि |
| प० | खोडयताम् | खोडयताम् | खोडयन्ताम् |
| | खोडयस्व | खोडयेथाम् | खोडयय्वम् |
| | खोडयै | खोडयावहे | खोडयामहे |
| ह्य० | अखोडयत | अखोडयेताम् | अखोडयन्त |
| | अखोडयथाः | अखोडयेथाम् | अखोडयय्वम् |
| | अखोडये | अखोडयावहि | अखोडयामहि |
| अ० | अचुखोडत | अचुखोडेताम् | अचुखोडन्त |
| | अचुखोडथाः | अचुखोडेथाम् | अचुखोडय्वम् |
| | अचुखोडे | अचुखोडावहि | अचुखोडामहि |
| प० | खोडयाश्चक्रे | खोडयाश्चक्राते | खोडयाश्चक्रिरे |
| | खोडयाश्चक्रथे | खोडयाश्चक्रथे | खोडयाश्चक्रुद्धे |
| | खोडयाश्चक्रे | खोडयाश्चकृवहे | खोडयाश्चकृमहे |
| | खोडयाम्बभूव | खोडयामास | |
| आ० | खोडयिषीष्ट | खोडयिषीयास्ताम् | खोडयिषीरन् |
| | खोडयिषीष्ठाः | खोडयिषीयास्थाम् | खोडयिषीह्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | खोडयिषीय | खोडयिषीवहि | खोडयिषीमहि |
| श्र० | खोडयिता | खोडयितारौ | खोडयितारः |
| | खोडयितासे | खोडयितासाथे | खोडयिताध्वे |
| | खोडयिताहे | खोडयितास्वहे | खोडयितास्महे |
| भ० | खोडयिष्यते | खोडयिष्येते | खोडयिष्यन्ते |
| | खोडयिष्यसे | खोडयिष्येथे | खोडयिष्यन्थ्वे |
| | खोडयिष्ये | खोडयिष्यावहे | खोडयिष्यामहे |
| क्रि० | अखोडयिष्यत | अखोडयिष्येताम् | अखोडयिष्यन्त |
| | अखोडयिष्यथाः | अखोडयिष्येथाम् | अखोडयिष्यय्वम् |
| | अखोडयिष्ये | अखोडयिष्यावहि | अखोडयिष्यामहि |

257 अड्ड (अड्ड्) अभियोगे

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० अड्डयति | अड्डयतः | अड्डयन्ति |
| अड्डयसि | अड्डयथः | अड्डयथ |
| अड्डयामि | अड्डयावः | अड्डयामः |
| स० अड्डयेत् | अड्डयेताम् | अड्डयेयुः |
| अड्डयेः | अड्डयेतम् | अड्डयेत |
| अड्डयेयम् | अड्डयेव | अड्डयेम |
| प० अड्डयतु | अड्डयतात् | अड्डयताम् |
| अड्डय | अड्डयतात् | जड्डयतम् |
| अड्डयान | अड्डयाव | अड्डयाम |
| ह्य० आड्डयत | आड्डयताम् | आड्डयन्तु |
| आड्डयः | आड्डयतम् | आड्डयत |
| आड्डयम् | आड्डयाव | आड्डयाम |
| अ० आड्डिडत् | आड्डिडताम् | आड्डिडन् |
| आड्डिडः | आड्डिडतम् | आड्डिडत |
| आड्डिडम् | आड्डिडाव | आड्डिडाम |
| प० अड्डयाञ्चकार | अड्डयाञ्चक्रुः | अड्डयाञ्चकुः |
| अड्डयाञ्चकथं | अड्डयाञ्चकथुः | अड्डयाञ्चक |
| अड्डयाञ्चकार-चकर | अड्डयाञ्चकृव | अड्डयाञ्चकृम |
| अड्डयाञ्चभूव | । अड्डयामास | |
| आ० अड्डयात् | अड्डयास्ताम् | अड्डयासुः |
| अड्डयाः | अड्डयास्तम् | अड्डयास्त |
| अड्डयासम् | अड्डयास्व | अड्डयास्म |
| श्व० अड्डयिता | अड्डयितारौ | अड्डयितारः |
| अड्डयितासि | अड्डयितास्थः | अड्डयितास्थ |
| अड्डयितास्मि | अड्डयितास्वः | अड्डयितास्मः |
| भ० अड्डयिष्यति | अड्डयिष्यतः | अड्डयिष्यन्ति |
| अड्डयिष्यसि | अड्डयिष्यथः | अड्डयिष्यथ |
| अड्डयिष्यामि | अड्डयिष्यावः | अड्डयिष्यामः |
| क्रि० आड्डयिष्यत् | आड्डयिष्यताम् | आड्डयिष्यन् |
| आड्डयिष्यः | आड्डयिष्यतम् | आड्डयिष्यत |
| आड्डयिष्यम् | आड्डयिष्याव | आड्डयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० अड्डयते | अड्डयेते | अड्डयन्ते |
| अड्डयसे | अड्डयेथे | अड्डयन्त्वे |
| अड्डये | अड्डयावहे | अड्डयामहे |
| स० अड्डयेत | अड्डयेयाताम् | अड्डयेरन् |
| अड्डयेथाः | अड्डयेयाथाम् | अड्डयेष्वम् |
| अड्डयेय | अड्डयेवहि | अड्डयेमहि |
| प० अड्डयताम् | अड्डयेताम् | अड्डयन्ताम् |
| अड्डयस्व | अड्डयेथाम् | अड्डयन्त्वम् |
| अड्डये | अड्डयावहै | अड्डयामहै |
| ह्य० आड्डयत | आड्डयेताम् | आड्डयन्त |
| आड्डयथाः | आड्डयेथाम् | आड्डयन्त्वम् |
| आड्डये | आड्डयावहि | आड्डयामहि |
| अ० आड्डिडत् | आड्डिडेताम् | आड्डिडन्त |
| आड्डिडथाः | आड्डिडेथाम् | आड्डिडन्त्वम् |
| आड्डिडे | आड्डिडावहि | आड्डिडामहि |
| प० अड्डयाञ्चक्रे | अड्डयाञ्चक्राते | अड्डयाञ्चकिरे |
| अड्डयाञ्चकृषे | अड्डयाञ्चक्राथे | अड्डयाञ्चकृद्वे |
| अड्डयाञ्चक्रे | अड्डयाञ्चकृवहे | अड्डयाञ्चकृमहे |
| अड्डयाञ्चभूव | । अड्डयामास | |
| आ० अड्डयिषीष्ट | अड्डयिषीयास्ताम् | अड्डयिषीरन् |
| अड्डयिषीष्टाः | अड्डयिषीयास्थाम् | अड्डयिषीद्वम् |
| अड्डयिषीय | अड्डयिषीवहि | अड्डयिषीमहि |
| श्व० अड्डयिता | अड्डयितारौ | अड्डयितारः |
| अड्डयितासे | अड्डयितासाथे | अड्डयिताप्त्वे |
| अड्डयिताहे | अड्डयितास्वहे | अड्डयितास्महे |
| भ० अड्डयिष्यते | अड्डयिष्येते | अड्डयिष्यन्ते |
| अड्डयिष्यसे | अड्डयिष्येथे | अड्डयिष्यन्त्वे |
| अड्डयिष्ये | अड्डयिष्यावहे | अड्डयिष्यामहे |
| क्रि० आड्डयिष्यत् | आड्डयिष्येताम् | आड्डयिष्यन्त |
| आड्डयिष्यथाः | आड्डयिष्येथाम् | आड्डयिष्यन्त्वम् |
| आड्डयिष्ये | आड्डयिष्यावहि | आड्डयिष्यामहि |

258 चुड्ड (चुड्ड) हावकरणे

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| ब० चुड्डयति | चुड्डयतः | चुड्डयन्ति |
| चुड्डयसि | चुड्डयथः | चुड्डयथ |
| चुड्डयामि | चुड्डयावः | चुड्डयामः |
| स० चुड्डयेत् | चुड्डयेताम् | चुड्डयेयुः |
| चुड्डेः | चुड्डयेतम् | चुड्डयेत |
| चुड्डयेयम् | चुड्डयेव | चुड्डयेम |
| प० चुड्डयतु | चुड्डयतात् | चुड्डयताम् |
| चुड्डय | चुड्डयतात् | चुड्डयतम् |
| चुड्डयानि | चुड्डयाव | चुड्डयाम |
| ख० अचुड्डयत् | अचुड्डयताम् | अचुड्डयन् |
| अचुड्डयः | अचुड्डयतम् | अचुड्डयत |
| अचुड्डयम् | अचुड्डयाव | अचुड्डयाम |
| भ० अचुड्डयत् | अचुड्डयताम् | अचुड्डयन् |
| अचुड्डयः | अचुड्डयतम् | अचुड्डयत |
| अचुड्डयम् | अचुड्डयाव | अचुड्डयाम |
| प० चुड्डयाश्चकार | चुड्डयाश्चकतुः | चुड्डयाश्चकुः |
| चुड्डयाश्चकर्ध | चुड्डयाश्चकधुः | चुड्डयाश्चक |
| चुड्डयाश्चकार-चकर | चुड्डयाश्चकृव | चुड्डयाश्चकृम |
| चुड्डयाम्बभूव | चुड्डयामास | |
| आ० चुड्डयात् | चुड्डयास्ताम् | चुड्डयासुः |
| चुड्डयाः | चुड्डयास्तम् | चुड्डयास्त |
| चुड्डयासम् | चुड्डयास्व | चुड्डयास |
| भ० चुड्डयिता | चुड्डयितारौ | चुड्डयितारः |
| चुड्डयितासि | चुड्डयितास्थः | चुड्डयितास्थ |
| चुड्डयितास्मि | चुड्डयितास्वः | चुड्डयितास्मः |
| भ० चुड्डयिष्यति | चुड्डयिष्यतः | चुड्डयिष्यन्ति |
| चुड्डयिष्यासि | चुड्डयिष्यथः | चुड्डयिष्यथ |
| चुड्डयिष्यामि | चुड्डयिष्यावः | चुड्डयिष्यामः |
| क्रि० अचुड्डयिष्यत् | अचुड्डयिष्यताम् | अचुड्डयिष्यन् |
| अचुड्डयिष्यः | अचुड्डयिष्यतम् | अचुड्डयिष्यत |
| अचुड्डयिष्यम् | अचुड्डयिष्याव | अचुड्डयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| ब० चुड्डयते | चुड्डयेते | चुड्डयन्ते |
| चुड्डयसे | चुड्डयेथे | चुड्डयध्वे |
| चुड्डये | चुड्डयावहे | चुड्डयामहे |
| स० चुड्डयेत | चुड्डयेयाताम् | चुड्डयेरन् |
| चुड्डयेथाः | चुड्डयेयाथाम | चुड्डयेध्वम् |
| चुड्डयेय | चुड्डयेवहि | चुड्डयेमहि |
| प० चुड्डयताम् | चुड्डयेताम् | चुड्डयन्ताम् |
| चुड्डयस्व | चुड्डयेथाम् | चुड्डयध्वम् |
| चुड्डये | चुड्डयावहे | चुड्डयामहे |
| ख० अचुड्डयत | अचुड्डयेताम् | अचुड्डयन्त |
| अचुड्डयथाः | अचुड्डयेथाम् | अचुड्डयध्वम् |
| अचुड्डये | अचुड्डयावहि | अचुड्डयामहि |
| अ० अचुड्डयत | अचुड्डयेताम् | अचुड्डयन्त |
| अचुड्डयथाः | अचुड्डयेथाम् | अचुड्डयध्वम् |
| अ० अचुड्डये | अचुड्डयावहि | अचुड्डयामहि |
| प० चुड्डयाश्चक्रे | चुड्डयाश्चकते | चुड्डयाश्चक्रे |
| चुड्डयाश्चकृषे | चुड्डयाश्चकथे | चुड्डयाश्चकृध्वे |
| चुड्डयाश्चक्रे | चुड्डयाश्चकृवहे | चुड्डयाश्चकृमहे |
| चुड्डयाम्बभूव | चुड्डयामास | |
| आ० चुड्डयिषीष्ट | चुड्डयिषीयास्ताम् | चुड्डयिषीरन् |
| चुड्डयिषीष्टाः | चुड्डयिषीयस्याम् | चुड्डयिषीध्वम् |
| चुड्डयिषीय | चुड्डयिषीवहि | चुड्डयिषीमहि |
| भ० चुड्डयिता | चुड्डयितारौ | चुड्डयितारः |
| चुड्डयितासे | चुड्डयितासाथे | चुड्डयिताध्वे |
| चुड्डयिताहे | चुड्डयितास्वहे | चुड्डयितास्महे |
| भ० चुड्डयिष्यते | चुड्डयिष्येते | चुड्डयिष्यन्ते |
| चुड्डयिष्यसे | चुड्डयिष्येथे | चुड्डयिष्यध्वे |
| चुड्डयिष्ये | चुड्डयिष्यावहे | चुड्डयिष्यामहे |
| क्रि० अचुड्डयिष्यत् | अचुड्डयिष्येताम् | अचुड्डयिष्यन्त |
| अचुड्डयिष्यथाः | अचुड्डयिष्येथाम् | अचुड्डयिष्यध्वम् |
| अचुड्डयिष्ये | अचुड्डयिष्यावहि | अचुड्डयिष्यामहि |

155 लज् (लज्) भर्त्सने

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| ब० लज्जयति | लज्जयतः | लज्जयन्ति |
| लज्जयसि | लज्जयथः | लज्जयथ |
| लज्जयामि | लज्जयावः | लज्जयामः |
| स० लज्जयेत् | लज्जयेताम् | लज्जयेयुः |
| लज्जयेः | लज्जयेतम् | लज्जयेत |
| लज्जयेयम् | लज्जयेव | लज्जयेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० लज्जयतु | लज्जयतात् | लज्जयताम् | लज्जयन्तु |
| लज्जय | लज्जयताम् | लज्जयत | |
| लज्जयानि | लज्जयाव | लज्जयाम | |

| | | |
|---------------|------------|----------|
| ह्य० अलज्जयत् | अलज्जयताम् | अलज्जयन् |
| अलज्जयः | अलज्जयतम् | अलज्जयत |
| अलज्जयम् | अलज्जयाव | अलज्जयाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| अ० अललज्जत् | अललज्जताम् | अललज्जन् |
| अललज्जः | अललज्जतम् | अललज्जत |
| अललज्जम् | अललज्जाव | अललज्जाम |

| | | |
|------------------|----------------|--------------|
| प० लज्जयाञ्चकार | लज्जयाञ्चक्रुः | लज्जयाञ्चकुः |
| लज्जयाञ्चकथं | लज्जयाञ्चकथुः | लज्जयाञ्चक |
| लज्जयाञ्चकार-चकर | लज्जयाञ्चकृव | लज्जयाञ्चकृम |
| लज्जयाम्बभूव | लज्जयामास | |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० लज्ज्यात् | लज्ज्यास्ताम् | लज्ज्यासुः |
| लज्ज्याः | लज्ज्यास्तम् | लज्ज्यास्त |
| लज्ज्यासम् | लज्ज्यास्व | लज्ज्यास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| श्च० लज्जयिता | लज्जयितारौ | लज्जयितारः |
| लज्जयितासि | लज्जयितास्थः | लज्जयितास्थ |
| लज्जयितास्मि | लज्जयितास्वः | लज्जयितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० लज्जयिष्यति | लज्जयिष्यतः | लज्जयिष्यन्ति |
| लज्जयिष्यसि | लज्जयिष्यथः | लज्जयिष्यथ |
| लज्जयिष्यामि | लज्जयिष्यावः | लज्जयिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अलज्जयिष्यत् | अलज्जयिष्यताम् | अलज्जयिष्यन् |
| अलज्जयिष्यः | अलज्जयिष्यतम् | अलज्जयिष्यत |
| अलज्जयिष्यम् | अलज्जयिष्याव | अलज्जयिष्याम |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| व० लज्जयते | लज्जयेते | लज्जयन्ते |
| लज्जयसे | लज्जयेथे | लज्जयध्वे |
| लज्जये | लज्जयावहे | लज्जयामहे |

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| स० लज्जयेत | लज्जयेताम् | लज्जयेरन् |
| लज्जयेथाः | लज्जयेथायाम् | लज्जयेध्वम् |
| लज्जयेथ | लज्जयेवहि | लज्जयेमहि |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| प० लज्जयताम् | लज्जयेताम् | लज्जयन्ताम् |
| लज्जयस्व | लज्जयेथाम् | लज्जयध्वम् |
| लज्जये | लज्जयावहै | लज्जयामहै |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| ह्य० अलज्जयत | अलज्जयेताम् | अलज्जयन्त |
| अलज्जयथाः | अलज्जयेथाम् | अलज्जयध्वम् |
| अलज्जये | अलज्जयावहि | अलज्जयामहि |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| अ० अललज्जत | अललज्जेताम् | अललज्जन्त |
| अललज्जथाः | अललज्जेथाम् | अललज्जध्वम् |
| अललज्जे | अललज्जावहि | अललज्जामहि |

| | | |
|----------------|----------------|-----------------|
| प० लज्जयाञ्चके | लज्जयाञ्चकाते | लज्जयाञ्चकिरे |
| लज्जयाञ्चकृषे | लज्जयाञ्चकाथे | लज्जयाञ्चकृद्वे |
| लज्जयाञ्चके | लज्जयाञ्चकृवहे | लज्जयाञ्चकृमहे |
| लज्जयाम्बभूव | लज्जयामास | |

| | | |
|----------------|------------------|------------------|
| आ० लज्जयिषीष्ट | लज्जयिषीयास्ताम् | लज्जयिषीरन् |
| लज्जयिषीष्ठाः | लज्जयिषीयास्थाम् | लज्जयिषीद्वध्वम् |

| | | |
|-----------|-------------|-------------|
| लज्जयिषीय | लज्जयिषीवहि | लज्जयिषीमहि |
|-----------|-------------|-------------|

| | | |
|---------------|---------------|---------------|
| श्च० लज्जयिता | लज्जयितारौ | लज्जयितारः |
| लज्जयितासे | लज्जयितासाथे | लज्जयिताध्वे |
| लज्जयिताहे | लज्जयितास्वहे | लज्जयितास्महे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० लज्जयिष्यते | लज्जयिष्येते | लज्जयिष्यन्ते |
| लज्जयिष्यसे | लज्जयिष्येथे | लज्जयिष्यध्वे |
| लज्जयिष्ये | लज्जयिष्यावहे | लज्जयिष्यामहे |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| क्रि० अलज्जयिष्यत | अलज्जयिष्येताम् | अलज्जयिष्यन्त |
| अलज्जयिष्यथाः | अलज्जयिष्येथाम् | अलज्जयिष्यध्वम् |
| अलज्जयिष्ये | अलज्जयिष्यावहि | अलज्जयिष्यामहि |

156 तर्ज (तर्ज्) भर्त्सने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------------|
| व० | तर्जयति | तर्जयतः | तर्जयन्ति |
| | तर्जयसि | तर्जयथः | तर्जयथ |
| | तर्जयामि | तर्जयावः | तर्जयामः |
| स० | तर्जयेत् | तर्जयेताम् | तर्जयेयुः |
| | तर्जयेः | तर्जयेतम् | तर्जयेत |
| | तर्जयेयम् | तर्जयेव | तर्जयेम |
| प० | तर्जयतु | तर्जयतात् | तर्जयताम् तर्जयन्तु |
| | तर्जय | तर्जयतम् | तर्जयत |
| | तर्जयानि | तर्जयाव | तर्जयाम |
| ह्य० | अतर्जयत् | अतर्जयताम् | अतर्जयन् |
| | अतर्जयः | अतर्जयतम् | अतर्जयत |
| | अतर्जयम् | अतर्जयाव | अतर्जयाम |
| अ० | अतर्जयत् | अतर्जयताम् | अतर्जयन् |
| | अतर्जयः | अतर्जयतम् | अतर्जयत |
| | अतर्जयम् | अतर्जयाव | अतर्जयाम |
| प० | तर्जयाञ्चकार | तर्जयाञ्चकतुः | तर्जयाञ्चकृः |
| | तर्जयाञ्चकथं | तर्जयाञ्चकथुः | तर्जयाञ्चक |
| | तर्जयाञ्चकार-चकर | तर्जयाञ्चकृव | तर्जयाञ्चकृम |
| | तर्जयाम्बभूव | । तर्जयामास | |
| आ० | तर्ज्यात् | तर्ज्यास्ताम् | तर्ज्यासुः |
| | तर्ज्याः | तर्ज्यास्तम् | तर्ज्यास्त |
| | तर्ज्यासम् | तर्ज्यास्व | तर्ज्यास्म |
| श्च० | तर्जयिता | तर्जयितारौ | तर्जयितारः |
| | तर्जयितासि | तर्जयितास्थः | तर्जयितास्थ |
| | तर्जयितास्मि | तर्जयितास्वः | तर्जयितास्मः |
| भ० | तर्जयिष्यति | तर्जयिष्यतः | तर्जयिष्यन्ति |
| | तर्जयिष्यसि | तर्जयिष्यथः | तर्जयिष्यथ |
| | तर्जयिष्यामि | तर्जयिष्यावः | तर्जयिष्यामः |
| क्रि० | अतर्जयिष्यत् | अतर्जयिष्यताम् | अतर्जयिष्यन् |
| | अतर्जयिष्यः | अतर्जयिष्यतम् | अतर्जयिष्यत |
| | अतर्जयिष्यम् | अतर्जयिष्याव | अतर्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | तर्जयेते | तर्जयेते | तर्जयन्ते |
| | तर्जयेसे | तर्जयेथे | तर्जयध्वे |
| | तर्जये | तर्जयावहे | तर्जयामहे |
| स० | तर्जयेत | तर्जयेताताम् | तर्जयेरन् |
| | तर्जयेथाः | तर्जयेथाताम् | तर्जयेष्वम |
| | तर्जयेय | तर्जयेवहि | तर्जयेमहि |
| प० | तर्जयताम् | तर्जयेताम् | तर्जयन्ताम् |
| | तर्जयस्व | तर्जयेथाम् | तर्जयध्वम् |
| | तर्जये | तर्जयावहे | तर्जयामहे |
| ह्य० | अतर्जयत | अतर्जयेताम् | अतर्जयन्त |
| | अतर्जयथाः | अतर्जयेथाम् | अतर्जयध्वम् |
| | अतर्जये | अतर्जयावहि | अतर्जयामहि |
| अ० | अतर्जयत | अतर्जयेताम् | अतर्जयन्त |
| | अतर्जयथाः | अतर्जयेथाम् | अतर्जयध्वम् |
| | अतर्जये | अतर्जयावहि | अतर्जयामहि |
| प० | तर्जयाञ्चक्रे | तर्जयाञ्चकृते | तर्जयाञ्चकृरे |
| | तर्जयाञ्चकृषे | तर्जयाञ्चकृथे | तर्जयाञ्चकृद्वे |
| | तर्जयाञ्चक्रे | तर्जयाञ्चकृषहे | तर्जयाञ्चकृमहे |
| | तर्जयाम्बभूव | । तर्जयामास | |
| आ० | तर्जयिषीष्ट | तर्जयिषीयास्ताम् | तर्जयिषीरन् |
| | तर्जयिषीष्टाः | तर्जयिषीयास्थाम् | तर्जयिषीद्वम |
| | तर्जयिषीय | तर्जयिषीवहि | तर्जयिषीमहि |
| श्च० | तर्जयिता | तर्जयितारौ | तर्जयितारः |
| | तर्जयितासे | तर्जयितासाथे | तर्जयिताध्वे |
| | तर्जयिताहे | तर्जयितास्वहे | तर्जयितास्महे |
| भ० | तर्जयिष्यते | तर्जयिष्येते | तर्जयिष्यन्ते |
| | तर्जयिष्यसे | तर्जयिष्येथे | तर्जयिष्यध्वे |
| | तर्जयिष्ये | तर्जयिष्यावहे | तर्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अतर्जयिष्यत | अतर्जयिष्येताम् | अतर्जयिष्यन्त |
| | अतर्जयिष्यथाः | अतर्जयिष्येथाम् | अतर्जयिष्यध्वम् |
| | अतर्जयिष्ये | अतर्जयिष्यावहि | अतर्जयिष्यामहि |

261 વણ (વળ) શબ્દે ।

| | | |
|------------------------|----------------|--------------|
| ૧૦ વણયતિ | વાણયતઃ | વાણયન્તિ |
| વાણયસિ | વાણયથઃ | વાણયથ |
| વાણયામિ | વાણયાવઃ | વાણયામઃ |
| ૨૦ વણયેત્ | વાણયેતામ્ | વાણયેયુઃ |
| વાણયેઃ | વાણયેતમ્ | વાણયેત |
| વાણયેયમ્ | વાણયેવ | વાણયેમ |
| ૫૦ વણયતુ | વાણયતાત્ | વાણયતામ્ |
| વાણય | વાણયતમ્ | વાણયત |
| વાણયાનિ | વાણયાવ | વાણયામ |
| ૬૦ અવાણયત્ | અવાણયતામ્ | અવાણયન્ |
| અવાણયઃ | અવાણયતમ્ | અવાણયત |
| અવાણયમ્ | અવાણયાવ | અવાણયામ |
| ૭૦ અવવાણત્ | અવવાણતામ્ | અવવાણન્ |
| અવવાણઃ | અવવાણતમ્ | અવવાણત |
| અવવાણમ્ | અવવાણાવ | અવવાણામ |
| અવીવણત્ | અવીવણતામ્ | અવીવણન્ ૬૦ |
| ૫૦ વાણયાશ્ચકાર | વાણયાશ્ચકરુઃ | વાણયાશ્ચકુઃ |
| વાણયાશ્ચકર્ય | વાણયાશ્ચકર્યુઃ | વાણયાશ્ચક |
| વાણયાશ્ચકાર-ચકર | વાણયાશ્ચકૃત્ | વાણયાશ્ચકૃમ્ |
| વાણયામ્બભૂત । વાણયામાસ | | |
| આ૦ વાણ્યાત્ | વાણ્યાસ્તામ્ | વાણ્યાસુઃ |
| વાણ્યાઃ | વાણ્યાસ્તમ્ | વાણ્યાસ્ત |
| વાણ્યાસમ્ | વાણ્યાસ્વ | વાણ્યાસ્મ |
| ૧૦ વાણયિતા | વાણયિતારૌ | વાણયિતારઃ |
| વાણયિતાસિ | વાણયિતાસ્થઃ | વાણયિતાસ્થ |
| વાણયિતાસ્મિ | વાણયિતાસ્વઃ | વાણયિતાસ્મઃ |
| ૨૦ વાણયિષ્યતિ | વાણયિષ્યતઃ | વાણયિષ્યન્તિ |
| વાણયિષ્યસિ | વાણયિષ્યથઃ | વાણયિષ્યથ |
| વાણયિષ્યામિ | વાણયિષ્યાવઃ | વાણયિષ્યામઃ |
| ૩૦ અવાણયિષ્યત્ | અવાણયિષ્યતામ્ | અવાણયિષ્યન્ |
| અવાણયિષ્યઃ | અવાણયિષ્યતમ્ | અવાણયિષ્યત |
| અવાણયિષ્યમ્ | અવાણયિષ્યાવ | અવાણયિષ્યામ |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| ૧૦ વાણયતે | વાણયેતે | વાણયન્તે |
| વાણયસે | વાણયેથે | વાણયધ્વે |
| વાણયે | વાણયાવહે | વાણયામહે |
| ૨૦ વાણયેત | વાણયેયાતામ્ | વાણયેરન્ |
| વણયેથાઃ | વાણયેયાથામ્ | વાણયેધ્વમ્ |
| વાણયેય | વાણયેવહિ | વાણયેમહિ |
| ૫૦ વાણયતામ્ | વાણયેતામ્ | વાણયન્તામ્ |
| વાણયસ્વ | વાણયેથામ્ | વાણયધ્વમ્ |
| વાણયૈ | વાણયાવહૈ | વાણયામહૈ |
| ૬૦ અવાણયત્ | અવાણયેતામ્ | અવાણયન્ત |
| અવાણયથાઃ | અવાણયેથામ્ | અવાણયધ્વમ્ |
| અવાણયે | અવાણયાવહિ | અવાણયામહિ |
| ૭૦ અવવાણત | અવવાણેતામ્ | અવવાણન્ત |
| અવવાણથાઃ | અવવાણેથામ્ | અવવાણધ્વમ્ |
| અવવાણે | અવવાણાવહિ | અવવાણામહિ |
| અવીવણત | અવીવણેતામ્ | અવીવણન્ત ૬૦ |
| ૫૦ વાણયાશ્ચકે | વાણયાશ્ચકાતે | વાણયાશ્ચકિરે |
| વાણયાશ્ચકૃષે | વાણયાશ્ચકૃથે | વાણયાશ્ચકૃત્વે |
| વાણયાશ્ચકે | વાણયાશ્ચકૃવહે | વાણયાશ્ચકૃમહે |
| વાણયામ્બભૂત । વાણયામાસ | | |
| આ૦ વાણયિષીષ્ટ | વાણયિષીયાસ્તામ્ | વાણયિષીરન્ |
| વાણયિષીષ્ઠાઃ | વાણયિષીયાસ્થામ્ | વાણયિષીધ્વમ્ |
| વાણયિષીય | વાણયિષીવહિ | વાણયિષીમહિ |
| ૧૦ વાણયિતા | વાણયિતારૌ | વાણયિતારઃ |
| વાણયિતાસે | વાણયિતાસાથે | વાણયિતાધ્વે |
| વાણયિતાહે | વાણયિતાસ્વહે | વાણયિતાસ્મહે |
| ૨૦ વાણયિષ્યતે | વાણયિષ્યેતે | વાણયિષ્યન્તે |
| વાણયિષ્યસે | વાણયિષ્યેથે | વાણયિષ્યધ્વે |
| વાણયિષ્યે | વાણયિષ્યાવહે | વાણયિષ્યામહે |
| ૩૦ અવાણયિષ્યત | અવાણયિષ્યેતામ્ | અવાણયિષ્યન્ત |
| અવાણયિષ્યથાઃ | અવાણયિષ્યેથામ્ | અવાણયિષ્યધ્વમ્ |
| અવાણયિષ્યે | અવાણયિષ્યાવહિ | અવાણયિષ્યામહિ |

262 व्रण (व्रण्) शब्दे ।

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| व० व्राणयति | व्राणयतः | व्राणयन्ति |
| व्राणयसि | व्राणयथः | व्राणयथ |
| व्राणयामि | व्राणयावः | व्राणयामः |
| स० व्राणयेत् | व्राणयेताम् | व्राणयेयुः |
| व्राणयेः | व्राणयेतम् | व्राणयेत |
| व्राणयेयम् | व्राणयेव | व्राणयेम |
| प० व्राणयतु | व्राणयतात् | व्राणयताम् |
| व्राणय | व्राणयतात् | व्राणयतम् |
| व्राणयानि | व्राणयाव | व्राणयाम |
| ह्र० अव्राणयत् | अव्राणयताम् | अव्राणयन् |
| अव्राणयः | अव्राणयतम् | अव्राणयत |
| अव्राणयम् | अव्राणयाव | अव्राणयाम |
| अ० अविब्रणत् | अविब्रणताम् | अविब्रणन् |
| अविब्रणः | अविब्रणतम् | अविब्रणत |
| अविब्रणम् | अविब्रणाव | अविब्रणाम |
| प० व्राणयाश्चकार | व्राणयाश्चक्रतुः | व्राणयाश्चक्रुः |
| व्राणयाश्चकर्तुः | व्राणयाश्चक्रुः | व्राणयाश्चक्रुः |
| व्राणयाश्चकार चक्र | व्राणयाश्चक्रुव | व्राणयाश्चक्रुम |
| व्राणयाम्बभूव | व्राणयामास | |
| आ० व्राण्यात् | व्राण्यास्ताम् | व्राण्यासुः |
| व्राण्याः | व्राण्यास्तम् | व्राण्यास्त |
| व्राण्यासम् | व्राण्यास्व | व्राण्यास्म |
| श्व० व्राणयिता | व्राणयितारौ | व्राणयितारः |
| व्राणयितासि | व्राणयितास्थः | व्राणयितास्थ |
| व्राणयितास्मि | व्राणयितास्वः | व्राणयितास्मः |
| भ० व्राणयिष्यति | व्राणयिष्यतः | व्राणयिष्यन्ति |
| व्राणयिष्यसि | व्राणयिष्यथः | व्राणयिष्यथ |
| व्राणयिष्यामि | व्राणयिष्यावः | व्राणयिष्यामः |
| क्रि० अव्राणयिष्यत् | अव्राणयिष्यताम् | अव्राणयिष्यन् |
| अव्राणयिष्यः | अव्राणयिष्यतम् | अव्राणयिष्यत |
| अव्राणयिष्यम् | अव्राणयिष्याव | अव्राणयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|-------------------|
| व० व्राणयते | व्राणयेते | व्राणयन्ते |
| व्राणयसे | व्राणयेथे | व्राणयन्वे |
| व्राणये | व्राणयावहे | व्राणयामहे |
| स० व्राणयेत | व्राणयेयाताम् | व्राणयेरन् |
| व्राणयेथाः | व्राणयेयाथाम् | व्राणयेष्वम् |
| व्राणयेथ | व्राणयेवहि | व्राणयेमहि |
| प० व्राणयताम् | व्राणयेताम् | व्राणयन्ताम् |
| व्राणयस्व | व्राणयेथाम् | व्राणयन्वम् |
| व्राणये | व्राणयावहे | व्राणयामहे |
| ह्र० अव्राणयत | अव्राणयेताम् | अव्राणयन्त |
| अव्राणयथाः | अव्राणयेथाम् | अव्राणयन्वम् |
| अव्राणये | अव्राणयावहि | अव्राणयामहि |
| अ० अविब्रणत | अविब्रणताम् | अविब्रणन्त |
| अविब्रणथाः | अविब्रणथाम् | अविब्रणन्वम् |
| अविब्रणे | अविब्रणावहि | अविब्रणामहि |
| प० व्राणयाश्चक्रे | व्राणयाश्चक्रते | व्राणयाश्चक्रिरे |
| व्राणयाश्चक्रे | व्राणयाश्चक्राये | व्राणयाश्चक्रुव |
| व्राणयाश्चक्रे | व्राणयाश्चक्रुवहे | व्राणयाश्चक्रुमहे |
| व्राणयाम्बभूव | व्राणयामास | |
| आ० व्राणयिषीष्ट | व्राणयिषीयास्ताम् | व्राणयिषीरन् |
| व्राणयिषीष्टाः | व्राणयिषीयाथाम् | व्राणयिषीव्वम् |
| व्राणयिषीय | व्राणयिषीवहि | व्राणयिषीमहि |
| श्व० व्राणयिता | व्राणयितारौ | व्राणयितारः |
| व्राणयितासे | व्राणयितासाथे | व्राणयिताष्वे |
| व्राणयिताहे | व्राणयितास्वहे | व्राणयितास्महे |
| भ० व्राणयिष्यते | व्राणयिष्येते | व्राणयिष्यन्ते |
| व्राणयिष्यसे | व्राणयिष्येथे | व्राणयिष्यन्वे |
| व्राणयिष्य | व्राणयिष्यावहे | व्राणयिष्यामहे |
| क्रि० अव्राणयिष्यत | अव्राणयिष्यताम् | अव्राणयिष्यन्त |
| अव्राणयिष्यथाः | अव्राणयिष्यथाम् | अव्राणयिष्यन्वम् |
| अव्राणयिष्ये | अव्राणयिष्यावहि | अव्राणयिष्यामहि |

263 बाण (बाण्) शब्दे

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| व० बाणयति | बाणयतः | बाणयन्ति |
| बाणयसि | बाणयथः | बाणयथ |
| बाणयामि | बाणयाव | बाणयामः |
| स० बाणयेत् | बाणयेताम् | बाणयेयुः |
| बाणयेः | बाणयेतम् | बाणयेत |
| बाणयेयम् | बाणयेव | बाणयेम |
| प० बाणयतु | बाणयतत् | बाणयताम् |
| बाणय | बाणयतम् | बाणयत |
| बाणयानि | बाणयाव | बाणयाम |
| ह्य० अबाणयत् | अबाणयताम् | अबाणयन् |
| अबाणयः | अबाणयतम् | अबाणयत |
| अबाणयम् | अबाणयाव | अबाणयाम |
| अ० अबीबणत् | अबीबणताम् | अबीबणन् |
| अबीबणः | अबीबणतम् | अबीबणत |
| अबीबणम् | अबीबणाव | अबीबणाम |
| प० बाणयाञ्चकर | बाणयाञ्चकतुः | बाणयाञ्चकुः |
| बाणयाञ्चकर्थ | बाणयाञ्चकथुः | बाणयाञ्चक |
| बाणयाञ्चकार-चकर | बाणयाञ्चकृव | बाणयाञ्चकृम |
| बाणयाम्बभूव । बाणयामास | | |
| आ० बाण्यात् | बाण्यास्ताम् | बाण्यासुः |
| बाण्याः | बाण्यास्तम् | बाण्यास्त |
| बाण्यासम् | बाण्यास्व | बाण्यासम |
| श्व० बाणयिता | बाणयितारौ | बाणयितारः |
| बाणयितामि | बाणयितास्थः | बाणयितास्थ |
| बाणयितास्मि | बाणयितास्वः | बाणयितास्मः |
| भ० बाणयिष्यति | बाणयिष्यतः | बाणयिष्यन्ति |
| बाणयिष्यसि | बाणयिष्यथः | बाणयिष्यथ |
| बाणयिष्यामि | बाणयिष्यावः | बाणयिष्यामः |
| क्रि० अबाणयिष्यत् | अबाणयिष्यताम् | अबाणयिष्यन् |
| अबाणयिष्यः | अबाणयिष्यतम् | अबाणयिष्यत |
| अबाणयिष्यम् | अबाणयिष्याव | अबाणयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० बाणयेते | बाणयेते | बाणयन्ते |
| बाणयसे | बाणयेथे | बाणयध्वे |
| बाणये | बाणयावहे | बाणयामहे |
| स० बाणयेत | बाणयेयाताम् | बाणयेरन् |
| बाणयेथाः | बाणयेयाथाम् | बाणयेध्वम् |
| बाणयेय | बाणयेवहि | बाणयेमहि |
| प० बाणयताम् | बाणयेताम् | बाणयन्ताम् |
| बाणयस्व | बाणयेथाम् | बाणयध्वम् |
| बाणये | बाणयावहे | बाणयामहे |
| ह्य० अबाणयत | अबाणयेताम् | अबाणयन्त |
| अबाणयथाः | अबाणयेथाम् | अबाणयध्वम् |
| अबाणये | अबाणयावहि | अबाणयामहि |
| अ० अबीबणत | अबीबणताम् | अबीबणन्त |
| अबीबणथाः | अबीबणेथाम् | अबीबणध्वम् |
| अबीबणे | अबीबणावहि | अबीबणामहि |
| प० बाणयाञ्चक्रे | बाणयाञ्चकाते | बाणयाञ्चकिरे |
| बाणयाञ्चकृषे | बाणयाञ्चकाथे | बाणयाञ्चकृद्वे |
| बाणयाञ्चके | बाणयाञ्चकृवहे | बाणयाञ्चकृमहे |
| बाणयाम्बभूव । बाणयामास | | |
| आ० बाणयिषीष्ट | बाणयिषीयास्ताम् | बाणयिषीरन् |
| बाणयिषीष्ठाः | बाणयिषीयास्थाम् | बाणयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| बाणयिषीय | बाणयिषीवहि | बाणयिषीमहि |
| श्व० बाणयिता | बाणयितारौ | बाणयितारः |
| बाणयितासे | बाणयितासाथे | बाणयिताध्वे |
| बाणयिताहे | बाणयितास्वहे | बाणयितास्महे |
| भ० बाणयिष्यते | बाणयिष्येते | बाणयिष्यन्ते |
| बाणयिष्यसे | बाणयिष्येथे | बाणयिष्यध्वे |
| बाणयिष्ये | बाणयिष्यावहे | बाणयिष्यामहे |
| क्रि० अबाणयिष्यत | अबाणयिष्येताम् | अबाणयिष्यन्त |
| अबाणयिष्यथाः | अबाणयिष्येथाम् | अबाणयिष्यध्वम् |
| अबाणयिष्ये | अबाणयिष्यावहि | अबाणयिष्यामहि |

264 भण (भण्) शब्दे

| | | | |
|-------|------------------------|----------------|---------------|
| व० | भाणयति | भाणयतः | भाणयन्ति |
| | भाणयसि | भाणयथः | भाणयथ |
| | भाणयामि | भाणयावः | भाणयामः |
| स० | भाणयेत् | भाणयेताम् | भाणयेयुः |
| | भाणयेः | भाणयेतम् | भाणयेत |
| | भाणयेयम् | भाणयेव | भाणयेम |
| प० | भाणयतु | भाणयतात् | भाणयताम् |
| | भाणय | भाणयतम् | भाणयत |
| | भाणयानि | भाणयाव | भाणयाम |
| ह्य० | अभाणयत् | अभाणयताम् | अभाणयन् |
| | अभाणयः | अभाणयतम् | अभाणयत |
| | अभाणयम् | अभाणयाव | अभाणयाम |
| अ० | अबीभणत् | अबीभणताम् | अबीभणन् |
| | अबीभणः | अबीभणतम् | अबीभणत |
| | अबीभणम् | अबीभणाव | अबीभणाम |
| | अबभाणत् | अबभाणताम् | अबभाणन् इ० |
| प० | भाणयाञ्चकार | भाणयाञ्चक्रतुः | भाणयाञ्चक्रुः |
| | भाणयाञ्चकथं | भाणयाञ्चकथुः | भाणयाञ्चक्र |
| | भाणयाञ्चकार-चकर | भाणयाञ्चक्रव | भाणयाञ्चक्रम |
| | भाणयाम्बभूव । भाणयामास | | |
| आ० | भाण्यात् | भाण्यास्ताम् | भाण्यासुः |
| | भाण्याः | भाण्यास्तम् | भाण्यास्त |
| | भाण्यासम् | भाण्यास्व | भाण्यास्म |
| श्व० | भाणयिता | भाणयितारौ | भाणयितारः |
| | भाणयितासि | भाणयितास्थः | भाणयितास्थ |
| | भाणयितास्मि | भाणयितास्वः | भाणयितास्मः |
| भ० | भाणयिष्यति | भाणयिष्यतः | भाणयिष्यन्ति |
| | भाणयिष्यसि | भाणयिष्यथः | भाणयिष्यथ |
| | भाणयिष्यामि | भाणयिष्यावः | भाणयिष्यामः |
| क्रि० | अभाणयिष्यत् | अभाणयिष्यताम् | अभाणयिष्यन् |
| | अभाणयिष्यः | अभाणयिष्यतम् | अभाणयिष्यत |
| | अभाणयिष्यम् | अभाणयिष्याव | अभाणयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | भाणयते | भाणयते | भाणयन्ते |
| | भाणयसे | भाणयेथे | भाणयध्वे |
| | भाणये | भाणयावहे | भाणयामहे |
| स० | भाणयेत | भाणयेयाताम् | भाणयेरन् |
| | भाणयेथाः | भाणयेथाम् | भाणयेध्वम् |
| | भाणयेय | भाणयेवहि | भाणयेमहि |
| प० | भाणयताम् | भाणयेताम् | भाणयन्ताम् |
| | भाणयस्व | भाणयेथास्व | भाणयध्वम् |
| | भाणये | भाणयावहे | भाणयामहे |
| ह्य० | अभाणयत | अभाणयेताम् | अभाणयन्त |
| | अभाणयथाः | अभाणयेथाम् | अभाणयध्वम् |
| | अभाणये | अभाणयावहि | अभाणयामहि |
| अ० | अबीभणत | अबीभणताम् | अबीभणन्त |
| | अबीभणथाः | अबीभणेथाम् | अबीभणध्वम् |
| | अबीभणे | अबीभणावहि | अबीभणामहि |
| | अबभाणत | अबभाणताम् | अबभाणन्त इ० |
| प० | भाणयाञ्चक्रे | भाणयाञ्चक्राते | भाणयाञ्चकिरे |
| | भाणयाञ्चकृषे | भाणयाञ्चकृषे | भाणयाञ्चकृद्वे |
| | भाणयाञ्चक्रे | भाणयाञ्चकृवहे | भाणयाञ्चकृमहे |
| | भाणयाम्बभूव । भाणयामास | | |
| आ० | भाणयिषीष्ट | भाणयिषीयास्ताम् | भाणयिषीरन् |
| | भाणयिषीष्टाः | भाणयिषीयास्थाम् | भाणयिषीद्वम् |
| | भाणयिषीय | भाणयिषीवहि | भाणयिषीमहि |
| श्व० | भाणयिता | भाणयितारौ | भाणयितारः |
| | भाणयितासे | भाणयितासाथे | भाणयिताध्वे |
| | भाणयिताहे | भाणयितास्वहे | भाणयितास्महे |
| भ० | भाणयिष्यते | भाणयिष्येते | भाणयिष्यन्ते |
| | भाणयिष्यसे | भाणयिष्येथे | भाणयिष्यध्वे |
| | भाणयिष्ये | भाणयिष्यावहे | भाणयिष्यामहे |
| क्रि० | अभाणयिष्यत | अभाणयिष्येताम् | अभाणयिष्यन्त |
| | अभाणयिष्यथाः | अभाणयिष्येथाम् | अभाणयिष्यध्वम् |
| | अभाणयिष्ये | अभाणयिष्यावहि | अभाणयिष्यामहि |

265 अण (अण्) शब्दे ।

| | | | |
|----|--------|--------|---------|
| व० | अणयति | अणयतः | अणयन्ति |
| | अणयसि | अणयथः | अणयथ |
| | अणयामि | अणयावः | अणयामः |

| | | | |
|----|---------|----------|---------|
| स० | अणयेत् | अणयेताम् | अणयेयुः |
| | अणये | अणयेतम् | अणयेत |
| | अणयेयम् | अणयेव | अणयेम |

| | | | | |
|----|--------|---------|---------|---------|
| प० | अणयतु | अणयतात् | अणयताम् | अणयन्तु |
| | अणय | अणयतात् | अणयतम् | अणयत |
| | अणयानि | अणयाव | अणयाम | |

| | | | |
|------|--------|----------|--------|
| ह्य० | अअणयत् | अअणयताम् | अअणयन् |
| | अअणयः | अअणयतम् | अअणयत |
| | अअणयम् | अअणयाव | अअणयाम |

| | | | |
|----|---------|-----------|---------|
| अ० | अविअणत् | अविअणताम् | अविअणन् |
| | अविअणः | अविअणतम् | अविअणत |
| | अविअणम् | अविअणाव | अविअणाम |

| | | | |
|---|-----------------|-------------|--------------|
| प | अणयाश्चकार | अणयाश्चतुः | अणयाश्चक्रुः |
| | अणयाश्चकथं | अणयाश्चकथुः | अणयाश्चक |
| | अणयाश्चकार चक्र | अणयाश्चकृव | अणयाश्चकृम |
| | अणयाश्चभूव | अणयाश्चमास | |

| | | | |
|-----|----------|-------------|----------|
| भा० | अण्यात् | अण्यास्ताम् | अण्यासुः |
| | अण्याः | अण्यास्तम् | अण्यास्त |
| | अण्यासम् | अण्यास्व | अण्यास्म |

| | | | |
|------|------------|------------|------------|
| क्ष० | अणयिता | अणयितारौ | अणयितारः |
| | अणयितासि | अणयितास्थः | अणयितास्थ |
| | अणयितास्मि | अणयितास्वः | अणयितास्मः |

| | | | |
|----|------------|------------|-------------|
| भ० | अणयिष्यति | अणयिष्यतः | अणयिष्यन्ति |
| | अणयिष्यसि | अणयिष्यथः | अणयिष्यथ |
| | अणयिष्यामि | अणयिष्यावः | अणयिष्यामः |

| | | | |
|-------|------------|--------------|------------|
| क्रि० | अअणयिष्यत् | अअणयिष्यताम् | अअणयिष्यन् |
| | अअणयिष्यः | अअणयिष्यतम् | अअणयिष्यत |
| | अअणयिष्यम् | अअणयिष्याव | अअणयिष्याम |

| | | | |
|----|-------|--------|---------|
| व० | अणयते | अणयते | अणयन्ते |
| | अणयसे | अणयेथे | अणयध्वे |
| | अणये | अणयाहे | अणयामहे |

| | | | |
|----|---------|------------|-----------|
| स० | अणयेत | अणयेयताम् | अणयेरन् |
| | अणयेथाः | अणयेयाथाम् | अणयेय्वम् |
| | अणयेय | अणयेवहि | अणयेमहि |

| | | | |
|----|---------|----------|-----------|
| प० | अणयताम् | अणयेताम् | अणयन्ताम् |
| | अणयस्व | अणयेथन् | अणयध्वम् |
| | अणयै | अणयावहे | अणयामहे |

| | | | |
|------|---------|-----------|-----------|
| ह्य० | अअणयत | अअणयेताम् | अअणयन्त |
| | अअणयथाः | अअणयेथाम् | अअणयध्वम् |
| | अअणये | अअणयावहि | अअणयामहि |

| | | | |
|----|----------|------------|------------|
| अ० | अविअणत् | अविअणताम् | अविअणन्त |
| | अविअणथाः | अविअणेथाम् | अविअणध्वम् |
| | अविअणे | अविअणावहि | अविअणामहि |

| | | | |
|----|-------------|--------------|---------------|
| प० | अणयाश्चके | अणयाश्चकाते | अणयाश्चकिरे |
| | अणयाश्चकृषे | अणयाश्चकृथे | अणयाश्चकृद्वे |
| | अणयाश्चके | अणयाश्चकृवहे | अणयाश्चकृमहे |
| | अणयाश्चभूव | अणयाश्चमास | |

| | | | |
|-----|-------------|----------------|-------------|
| भा० | अणयिषीष्ट | अणयिषीयास्ताम् | अणयिषीरन् |
| | अणयिषीष्ठाः | अणयिषीयास्थाम् | अणयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |

| | | | |
|--|---------|-----------|-----------|
| | अणयिषीय | अणयिषीवहि | अणयिषीमहि |
|--|---------|-----------|-----------|

| | | | |
|------|----------|-------------|-------------|
| क्ष० | अणयिता | अणयितारौ | अणयितारः |
| | अणयितासे | अणयितासाथे | अणयिताध्वे |
| | अणयिताहे | अणयितास्वहे | अणयितास्महे |

| | | | |
|----|-----------|-------------|-------------|
| भ० | अणयिष्यते | अणयिष्येते | अणयिष्यन्ते |
| | अणयिष्यसे | अणयिष्येथे | अणयिष्यध्वे |
| | अणयिष्ये | अणयिष्यावहे | अणयिष्यामहे |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|---------------|
| क्रि० | अअणयिष्यत | अअणयिष्येताम् | अअणयिष्यन्त |
| | अअणयिष्यथाः | अअणयिष्येथाम् | अअणयिष्यध्वम् |
| | अअणयिष्ये | अअणयिष्यावहि | अअणयिष्यामहि |

266 मण (मण्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|--------------|
| व० | माणयति | माणयतः | माणयन्ति |
| | माणयसि | माणयथः | माणयथ |
| | माणयामि | माणयावः | माणयामः |
| स० | माणयेत् | माणयेताम् | माणयेयुः |
| | माणयेः | माणयेतम् | माणयेत |
| | माणयेयम् | माणयेव | माणयेम |
| प० | माणयतु | माणयतात् | माणयताम् |
| | माणय | माणयतम् | माणयत |
| | माणयानि | माणयाव | माणयाम |
| ह्य० | अमाणयत् | अमाणयताम् | अमाणयन् |
| | अमाणयः | अमाणयतम् | अमाणयत |
| | अमाणयम् | अमाणयाव | अमाणयाम |
| अ० | अमीमणत् | अमीमणताम् | अमीमणन् |
| | अमीमणः | अमीमणतम् | अमीमणत |
| | अमीमणम् | अमीमणाव | अमीमणाम |
| प० | माणयाश्चकार | माणयाश्चकतुः | माणयाश्चकुः |
| | माणयाश्चकर्थे | माणयाश्चकथुः | माणयाश्चक |
| | माणयाश्चकार-चकर | माणयाश्चकृव | माणयाश्चकृम |
| | माणयाम्बभूव । माणयामास | | |
| आ० | माण्यात् | माण्यास्ताम् | माण्यासुः |
| | माण्याः | माण्यास्तम् | माण्यास्त |
| | माण्यासम् | माण्यास्व | माण्यास्म |
| श्व० | माणयिता | माणयितारौ | माणयितारः |
| | माणयितासि | माणयितास्थः | माणयितास्थ |
| | माणयितास्मि | माणयितास्वः | माणयितास्मः |
| भ० | माणयिष्यति | माणयिष्यतः | माणयिष्यन्ति |
| | माणयिष्यसि | माणयिष्यथः | माणयिष्यथ |
| | माणयिष्यामि | माणयिष्यावः | माणयिष्यामः |
| क्रि० | अमाणयिष्यत् | अमाणयिष्यताम् | अमाणयिष्यन् |
| | अमाणयिष्यः | अमाणयिष्यतम् | अमाणयिष्यत |
| | अमाणयिष्यम् | अमाणयिष्याव | अमाणयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | माणयेते | माणयेते | माणयन्ते |
| | माणयसे | माणयेथे | माणयध्वे |
| | माणये | माणयावहे | माणयामहे |
| स० | माणयेत | माणयेयाताम् | माणयेरन् |
| | माणयेथाः | माणयेयाथाम् | माणयेध्वम् |
| | माणयेय | माणयेवहि | माणयेमहि |
| प० | माणयताम् | माणयेताम् | माणयन्ताम् |
| | माणयस्व | माणयेथाम् | माणयध्वम् |
| | माणये | माणयावहे | माणयामहे |
| ह्य० | अमाणयत | अमाणयेताम् | अमाणयन्त |
| | अमाणयथाः | अमाणयेथाम् | अमाणयध्वम् |
| | अमाणये | अमाणयावहि | अमाणयामहि |
| अ० | अमीमणत | अमीमणताम् | अमीमणन्त |
| | अमीमणथाः | अमीमणथाम् | अमीमणध्वम् |
| | अमीमणे | अमीमणावहि | अमीमणामहि |
| प० | माणयाश्चक्रे | माणयाश्चकृते | माणयाश्चक्रिरे |
| | माणयाश्चकृषे | माणयाश्चकृषे | माणयाश्चकृद्वे |
| | माणयाश्चक्रे | माणयाश्चकृवहे | माणयाश्चकृमहे |
| | माणयाम्बभूव । माणयामास | | |
| आ० | माणयिषीष्ट | माणयिषीथास्ताम् | माणयिषीरन् |
| | माणयिषीष्ठाः | माणयिषीथास्थाम् | माणयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | माणयिषीय | माणयिषीवहि | माणयिषीमहि |
| श्व० | माणयिता | माणयितारौ | माणयितारः |
| | माणयितासे | माणयितारस्थे | माणयिताध्वे |
| | माणयिताहे | माणयितास्वहे | माणयितास्महे |
| भ० | माणयिष्येते | माणयिष्येते | माणयिष्यन्ते |
| | माणयिष्यसे | माणयिष्येथे | माणयिष्यध्वे |
| | माणयिष्ये | माणयिष्यावहे | माणयिष्यामहे |
| क्रि० | अमाणयिष्यत | अमाणयिष्येताम् | अमाणयिष्यन्त |
| | अमाणयिष्यथाः | अमाणयिष्येथाम् | अमाणयिष्यध्वम् |
| | अमाणयिष्ये | अमाणयिष्यावहि | अमाणयिष्यामहि |

267 धण (धण्) शब्दे ।

| | | |
|-------------------|-----------------|---------------|
| व० धाणयति | धाणयतः | धाणयन्ति |
| धाणयसि | धाणयथः | धाणयथ |
| धाणयामि | धाणयावः | धाणयामः |
| स० धाणयेत् | धाणयेताम् | धाणयेयुः |
| धाणयेः | धाणयेतम् | धाणयेत |
| धाणयेयम् | धाणयेव | धाणयेम |
| प० धाणयेतु | धाणयतात् | धाणयन्तु |
| धाणय | धाणयतम् | धाणयत |
| धाणयानि | धाणयाव | धाणयाम |
| ह्य० अधाणयत् | अधाणयताम् | अधाणयन् |
| अधाणयः | अधाणयतम् | अधाणयत |
| अधाणयम् | अधाणयाव | अधाणयाम |
| अ० अदीधणत् | अदीधणताम् | अदीधणन् |
| अदीधणः | अदीधणतम् | अदीधणत |
| अदीधणम् | अदीधणाव | अदीधणाम |
| प० धाणयाञ्चक्र | धाणयाञ्चक्रुः | धाणयाञ्चक्रुः |
| धाणयाञ्चक्र्य | धाणयाञ्चक्र्युः | धाणयाञ्चक्र |
| धाणयाञ्चकार-चक्र | धाणयाञ्चक्रुव | धाणयाञ्चक्रम |
| धाणयाञ्चभूव | धाणयामास | |
| आ० धाण्यात् | धाण्यास्ताम् | धाण्यासुः |
| धाण्याः | धाण्यास्तम् | धाण्यास्त |
| धाण्यासम् | धाण्यास्व | धाण्यास्म |
| श्व० धाणयिता | धाणयितारौ | धाणयितारः |
| धाणयितामि | धाणयितास्थः | धाणयितास्थ |
| धाणयितास्मि | धाणयितास्वः | धाणयितास्मः |
| भ० धाणयिष्यति | धाणयिष्यतः | धाणयिष्यन्ति |
| धाणयिष्यसि | धाणयिष्यथः | धाणयिष्यथ |
| धाणयिष्यामि | धाणयिष्यावः | धाणयिष्यामः |
| क्रि० अधाणयिष्यत् | अधाणयिष्यताम् | अधाणयिष्यन् |
| अधाणयिष्यः | अधाणयिष्यतम् | अधाणयिष्यत |
| अधाणयिष्यम् | अधाणयिष्याव | अधाणयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|------------------|
| व० धाणयते | धाणयेते | धाणयन्ते |
| धाणयसे | धाणयेथे | धाणयध्वे |
| धाणये | धाणयावहे | धाणयामहे |
| स० धाणयेत | धाणयेयाताम् | धाणयेरन् |
| धाणयेथाः | धाणयेयाथाम् | धाणयेध्वम् |
| धाणयेय | धाणयेवहि | धाणयेमहि |
| प० धाणयताम् | धाणयेताम् | धाणयन्ताम् |
| धाणयस्व | धाणयेथाम् | धाणयध्वम् |
| धाणयै | धाणयावहै | धाणयामहै |
| ह्य० अधाणयत | अधाणयेताम् | अधाणयन्त |
| अधाणयथाः | अधाणयेथाम् | अधाणयध्वम् |
| अधाणये | अधाणयावहि | अधाणयामहि |
| अ० अदीधणत | अदीधणताम् | अदीधणन्त |
| अदीधणथाः | अदीधणथाम् | अदीधणध्वम् |
| अदीधणे | अदीधणावहि | अदीधणामहि |
| प० धाणयाञ्चक्रे | धाणयाञ्चक्रते | धाणयाञ्चक्रिरे |
| धाणयाञ्चक्रेषु | धाणयाञ्चक्राये | धाणयाञ्चक्रुद्वे |
| धाणयाञ्चक्रे | धाणयाञ्चक्रुहे | धाणयाञ्चक्रमहे |
| धाणयाञ्चभूव | धाणयामास | |
| आ० धाणयिषीष्ट | धाणयिषीयास्ताम् | धाणयिषीरन् |
| धाणयिषीष्ठाः | धाणयिषीयास्थाम् | धाणयिषीद्वम् |
| धाणयिषीय | धाणयिषीवहि | धाणयिषीमहि |
| श्व० धाणयिता | धाणयितारौ | धाणयितारः |
| धाणयितासे | धाणयितासाथे | धाणयिताध्वे |
| धाणयिताहे | धाणयितास्वहे | धाणयितास्महे |
| भ० धाणयिष्यते | धाणयिष्येते | धाणयिष्यन्ते |
| धाणयिष्यसे | धाणयिष्येथे | धाणयिष्यध्वे |
| धाणयिष्ये | धाणयिष्यावहे | धाणयिष्यामहे |
| क्रि० अधाणयिष्यत् | अधाणयिष्येताम् | अधाणयिष्यन्त |
| अधाणयिष्यथाः | अधाणयिष्येथाम् | अधाणयिष्यध्वम् |
| अधाणयिष्ये | अधाणयिष्यावहि | अधाणयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया । (२६७)

268 ध्वण (ध्वण्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|----------------------------|------------------|-----------------|
| व० | ध्वाणयति | ध्वाणयतः | ध्वाणयन्ति |
| | ध्वाणयसि | ध्वाणयथः | ध्वाणयथ |
| | ध्वाणयामि | ध्वाणयावः | ध्वाणयामः |
| स० | ध्वाणयेत् | ध्वाणयेताम् | ध्वाणयेयुः |
| | ध्वाणयेः | ध्वाणयेतम् | ध्वाणयेत |
| | ध्वाणयेयम् | ध्वाणयेव | ध्वाणयेम |
| प० | ध्वाणयतु | ध्वाणयतात् | ध्वाणयताम् |
| | ध्वाणय | ध्वाणयतम् | ध्वाणयत |
| | ध्वाणयानि | ध्वाणयाव | ध्वाणयाम |
| ह्य० | अध्वाणयत् | अध्वाणयताम् | अध्वाणयन् |
| | अध्वाणयः | अध्वाणयतम् | अध्वाणयत |
| | अध्वाणयम् | अध्वाणयाव | अध्वाणयाम |
| अ० | अदिध्वणत् | अदिध्वणताम् | अदिध्वणन् |
| | अदिध्वणः | अदिध्वणतम् | अदिध्वणत |
| | अदिध्वणम् | अदिध्वणाव | अदिध्वणाम |
| प० | ध्वाणयाञ्चकार | ध्वाणयाञ्चक्रतुः | ध्वाणयाञ्चक्रुः |
| | ध्वाणयाञ्चकर्थे | ध्वाणयाञ्चकथुः | ध्वाणयाञ्चक |
| | ध्वाणयाञ्चकार-चकर | ध्वाणयाञ्चकृव | ध्वाणयाञ्चकृम |
| | ध्वाणयाम्बभूव । ध्वाणयामास | | |
| आ० | ध्वाण्यात् | ध्वाण्यास्ताम् | ध्वाण्यासुः |
| | ध्वाण्याः | ध्वाण्यास्तम् | ध्वाण्यास्त |
| | ध्वाण्यासम् | ध्वाण्यास्व | ध्वाण्यास्म |
| श्व० | ध्वाणयिता | ध्वाणयितारौ | ध्वाणयितारः |
| | ध्वाणयितासि | ध्वाणयितास्थः | ध्वाणयितास्थ |
| | ध्वाणयितास्मि | ध्वाणयितास्वः | ध्वाणयितास्मः |
| भ० | ध्वाणयिष्यति | ध्वाणयिष्यतः | ध्वाणयिष्यन्ति |
| | ध्वाणयिष्यसि | ध्वाणयिष्यथः | ध्वाणयिष्यथ |
| | ध्वाणयिष्यामि | ध्वाणयिष्यावः | ध्वाणयिष्यामः |
| क्रि० | अध्वाणयिष्यत् | अध्वाणयिष्यताम् | अध्वाणयिष्यन् |
| | अध्वाणयिष्यः | अध्वाणयिष्यतम् | अध्वाणयिष्यत |
| | अध्वाणयिष्यम् | अध्वाणयिष्याव | अध्वाणयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------------------|---------------------|------------------|
| व० | ध्वाणयते | ध्वाणयेते | ध्वाणयन्ते |
| | ध्वाणयसे | ध्वाणयेथे | ध्वाणयध्वे |
| | ध्वाणये | ध्वाणयावहे | ध्वाणयामहे |
| स० | ध्वाणयेत | ध्वाणयेयाताम् | ध्वाणयेरन् |
| | ध्वाणयेथाः | ध्वाणयेयाथाम् | ध्वाणयेध्वम् |
| | ध्वाणयेय | ध्वाणयेवहि | ध्वाणयेमहि |
| प० | ध्वाणयताम् | ध्वाणयेताम् | ध्वाणयन्ताम् |
| | ध्वाणयस्व | ध्वाणयेथाम् | ध्वाणयध्वम् |
| | ध्वाणये | ध्वाणयावहे | ध्वाणयामहे |
| ह्य० | अध्वाणयत | अध्वाणयेताम् | अध्वाणयन्त |
| | अध्वाणयथाः | अध्वाणयेथाम् | अध्वाणयध्वम् |
| | अध्वाणये | अध्वाणयावहि | अध्वाणयामहि |
| अ० | अदिध्वणत | अदिध्वणेताम् | अदिध्वणन्त |
| | अदिध्वणथाः | अदिध्वणेथाम् | अदिध्वणध्वम् |
| | अदिध्वणे | अदिध्वणावहि | अदिध्वणामहि |
| प० | ध्वाणयाञ्चके | ध्वाणयाञ्चक्राते | ध्वाणयाञ्चकिरे |
| | ध्वाणयाञ्चकृषे | ध्वाणयाञ्चक्रथे | ध्वाणयाञ्चकृढ्वे |
| | ध्वाणयाञ्चके | ध्वाणयाञ्चकृवहे | ध्वाणयाञ्चकृमहे |
| | ध्वाणयाम्बभूव । ध्वाणयामास | | |
| आ० | ध्वाणयिषीष्ट | ध्वाणयिषीष्टास्ताम् | ध्वाणयिषीरन् |
| | ध्वाणयिषीष्टाः | ध्वाणयिषीष्टास्थाम् | ध्वाणयिषीढ्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | ध्वाणयिषीय | ध्वाणयिषीवहि | ध्वाणयिषीमहि |
| श्व० | ध्वाणयिता | ध्वाणयितारौ | ध्वाणयितारः |
| | ध्वाणयितासे | ध्वाणयितासाथे | ध्वाणयिताध्वे |
| | ध्वाणयिताहे | ध्वाणयितास्वहे | ध्वाणयितास्महे |
| भ० | ध्वाणयिष्यते | ध्वाणयिष्येते | ध्वाणयिष्यन्ते |
| | ध्वाणयिष्यसे | ध्वाणयिष्येथे | ध्वाणयिष्यध्वे |
| | ध्वाणयिष्ये | ध्वाणयिष्यावहे | ध्वाणयिष्यामहे |
| क्रि० | अध्वाणयिष्यत | अध्वाणयिष्येताम् | अध्वाणयिष्यन्त |
| | अध्वाणयिष्यथाः | अध्वाणयिष्येथाम् | अध्वाणयिष्यध्वम् |
| | अध्वाणयिष्ये | अध्वाणयिष्यावहि | अध्वाणयिष्यामहि |

269 ध्रण (ध्रण्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|--------------|
| व० | धाणयति | धाणयतः | धाणयन्ति |
| | धाणयसि | धाणयथः | धाणयथ |
| | धाणयामि | धाणयावः | धाणयामः |
| स० | धाणयेत् | धाणयेताम् | धाणयेयुः |
| | धाणयेः | धाणयेतम् | धाणयेत |
| | धाणयेयम् | धाणयेव | धाणयेम |
| प० | धाणयतु | धाणयतात् | धाणयताम् |
| | धाणय | धाणयतम् | धाणयत |
| | धाणयानि | धाणयाव | धाणयाम |
| ह्य० | अधाणयत् | अधाणयताम् | अधाणयन् |
| | अधाणयः | अधाणयतम् | अधाणयत |
| | अधाणयम् | अधाणयाव | अधाणयाम |
| अ० | अदिध्रणत् | अदिध्रणताम् | अदिध्रणन् |
| | अदिध्रणः | अदिध्रणतम् | अदिध्रणत |
| | अदिध्रणम् | अदिध्रणाव | अदिध्रणाम |
| प० | धाणयाञ्चकार | धाणयाञ्चक्रुः | धाणयाञ्चकुः |
| | धाणयाञ्चकथं | धाणयाञ्चकथुः | धाणयाञ्चक |
| | धाणयाञ्चकार-चकर | धाणयाञ्चकृव | धाणयाञ्चकृम |
| | धाणयाम्बभूव । धाणयामास | | |
| आ० | धाण्यात् | धाण्यास्ताम् | धाण्यासुः |
| | धाण्याः | धाण्यास्तम् | धाण्यास्त |
| | धाण्यासम् | धाण्यास्व | धाण्यास्म |
| श्व० | धाणयिता | धाणयितारौ | धाणयितारः |
| | धाणयितासि | धाणयितास्थः | धाणयितास्थ |
| | धाणयितास्मि | धाणयितास्वः | धाणयितास्मः |
| भ० | धाणयिष्यति | धाणयिष्यतः | धाणयिष्यन्ति |
| | धाणयिष्यसि | धाणयिष्यथः | धाणयिष्यथ |
| | धाणयिष्यामि | धाणयिष्यावः | धाणयिष्यामः |
| क्रि० | अधाणयिष्यत् | अधाणयिष्यताम् | अधाणयिष्यन् |
| | अधाणयिष्यः | अधाणयिष्यतम् | अधाणयिष्यत |
| | अधाणयिष्यम् | अधाणयिष्यान | अधाणयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | धाणयते | धाणयेते | धाणयन्ते |
| | धाणयसे | धाणयेथे | धाणयध्वे |
| | धाणये | धाणयावहे | धाणयामहे |
| स० | धाणयेत | धाणयेयाताम् | धाणयेरन् |
| | धाणयेथाः | धाणयेयाथाम् | धाणयेध्वम् |
| | धाणयेय | धाणयेवहि | धाणयेमहि |
| प० | धाणयताम् | धाणयेताम् | धाणयन्ताम् |
| | धाणयस्व | धाणयेथाम् | धाणयध्वम् |
| | धाणये | धाणयावहे | धाणयामहे |
| ह्य० | अधाणयत | अधाणयेताम् | अधाणयन्त |
| | अधाणयथाः | अधाणयेथाम् | अधाणयध्वम् |
| | अधाणये | अधाणयावहि | अधाणयामहि |
| अ० | अदिध्रणत | अदिध्रणेताम् | अदिध्रणन्त |
| | अदिध्रणथाः | अदिध्रणेतथाम् | अदिध्रणध्वम् |
| | अदिध्रणे | अदिध्रणावहि | अदिध्रणामहि |
| प० | धाणयाञ्चक्रे | धाणयाञ्चक्रते | धाणयाञ्चकिरे |
| | धाणयाञ्चकृषे | धाणयाञ्चक्राये | धाणयाञ्चकृद्वे |
| | धाणयाञ्चक्रे | धाणयाञ्चकृवहे | धाणयाञ्चकृमहे |
| | धाणयाम्बभूव । धाणयामास | | |
| आ० | धाणयिषीष्ट | धाणयिषीयास्ताम् | धाणयिषीरन् |
| | धाणयिषीष्टाः | धाणयिषीयास्थाम् | धाणयिषीध्वम् |
| | धाणयिषीय | धाणयिषीवहि | धाणयिषीमहि |
| श्व० | धाणयिता | धाणयितारौ | धाणयितारः |
| | धाणयितासे | धाणयितासाथे | धाणयिताध्वे |
| | धाणयिताहे | धाणयितास्वहे | धाणयितास्महे |
| भ० | धाणयिष्यते | धाणयिष्येते | धाणयिष्यन्ते |
| | धाणयिष्यसे | धाणयिष्येथे | धाणयिष्यध्वे |
| | धाणयिष्ये | धाणयिष्यावहे | धाणयिष्यामहे |
| क्रि० | अधाणयिष्यत | अधाणयिष्येताम् | अधाणयिष्यन्त |
| | अधाणयिष्यथाः | अधाणयिष्येतथाम् | अधाणयिष्यध्वम् |
| | अधाणयिष्ये | अधाणयिष्यावहि | अधाणयिष्यामहि |

270 कण (कण्) शब्दे

| | | | |
|-------|------------------|---------------|-------------------|
| ब० | काणयति | काणयतः | काणयन्ति |
| | काणयसि | काणयथः | काणयथ |
| | काणयामि | काणयावः | काणयामः |
| स० | काणयेत् | काणयेताम् | काणयेयुः |
| | काणयेः | काणयेतम् | काणयेत |
| | काणयेयम् | काणयेव | काणयेम |
| प० | काणयतु | काणयतात् | काणयताम् काणयन्तु |
| | काणय | काणयतात् | काणयतम् काणयत |
| | काणयानि | काणयाव | काणयाम |
| ह्य० | अकाणयत् | अकाणयताम् | अकाणयन् |
| | अकाणयः | अकाणयतम् | अकाणयत |
| | अकाणयम् | अकाणयाव | अकाणयाम |
| अ० | अचकाणत् | अचकाणताम् | अचकाणन् |
| | अचकाणः | अचकाणतम् | अचकाणत |
| | अचकाणम् | अचकाणाव | अचकाणाम |
| | अचिकणत् | अचिकणताम् | अचिकणन् इ० |
| प० | काणयाञ्चकार | काणयाञ्चक्रुः | काणयाञ्चक्रुः |
| | काणयाञ्चकथं | काणयाञ्चकथुः | काणयाञ्चक |
| | काणयाञ्चकार चक्र | काणयाञ्चकृव | काणयाञ्चकृम |
| | काणयाञ्चभूव | । | काणयामास |
| आ० | काण्यात् | काण्यास्ताम् | काण्यासुः |
| | काण्याः | काण्यास्तम् | काण्यास्त |
| | काण्यासम् | काण्यास्व | काण्यास्म |
| श्च० | काणयिता | काणयितारौ | काणयितारः |
| | काणयितासि | काणयितास्थः | काणयितास्थ |
| | काणयितास्मि | काणयितास्वः | काणयितास्मः |
| भ० | काणयिष्यति | काणयिष्यतः | काणयिष्यन्ति |
| | काणयिष्यसि | काणयिष्यथः | काणयिष्यथ |
| | काणयिष्यामि | काणयिष्यावः | काणयिष्यामः |
| क्रि० | अकाणयिष्यत् | अकाणयिष्यताम् | अकाणयिष्यन् |
| | अकाणयिष्यः | अकाणयिष्यतम् | अकाणयिष्यत |
| | अकाणयिष्यम् | अकाणयिष्याव | अकाणयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| व० | काणयते | काणयेते | काणयन्ते |
| | काणयसे | काणयेथे | काणयन्वे |
| | काणये | काणयावहे | काणयामहे |
| स० | काणयेत | काणयेयाताम् | काणयेरन् |
| | काणयेथाः | काणयेयाथाम् | काणयेष्वम् |
| | काणयेय | काणयेवहि | काणयेमहि |
| प० | काणयताम् | काणयेताम् | काणयन्ताम् |
| | काणयस्व | काणयेथाम् | काणयष्वम् |
| | काणयै | काणयावहै | काणयामहे |
| ह्य० | अकाणयत | अकाणयेताम् | अकाणयन्त |
| | अकाणयथाः | अकाणयेथाम् | अकाणयष्वम् |
| | अकाणये | अकाणयावहि | अकाणयामहि |
| अ० | अचकाणत | अचकाणेताम् | अचकाणन्त |
| | अचकाणथाः | अचकाणेशाम् | अचकाणष्वम् |
| | अचकाणे | अचकाणावहि | अचकाणामहि |
| | अचिकणत | अचिकणेताम् | अचिकणन्त इ० |
| प० | काणयाञ्चके | काणयाञ्चकाते | काणयाञ्चकिरे |
| | काणयाञ्चकृषे | काणयाञ्चकाथे | काणयाञ्चकृद्वे |
| | काणयाञ्चके | काणयाञ्चकृवहे | काणयाञ्चकृमहे |
| | काणयाञ्चभूव | काणयामास | |
| आ० | काणयिषीष्ट | काणयिषीयस्ताम् | काणयिषीरन् |
| | काणयिषीष्ठाः | काणयिषीयस्थाम् | काणयिषीद्वम् |
| | | | वम् |
| | काणयिषीय | काणयिषीवहि | काणयिषीमहि |
| श्च० | काणयिता | काणयितारौ | काणयितारः |
| | काणयितासे | काणयितासाथे | काणयिताध्वे |
| | काणयिताहे | काणयितास्वहे | काणयितास्महे |
| भ० | काणयिष्यते | काणयिष्येते | काणयिष्यन्ते |
| | काणयिष्यसे | काणयिष्येथे | काणयिष्यन्वे |
| | काणयिष्ये | काणयिष्यावहे | काणयिष्यामहे |
| क्रि० | अकाणयिष्यत | अकाणयिष्येताम् | अकाणयिष्यन्त |
| | अकाणयिष्यथाः | अकाणयिष्येथाम् | अकाणयिष्यष्वम् |
| | अकाणयिष्ये | अकाणयिष्यावहि | अकाणयिष्यामहि |

271 कवण (कवण्) शब्दे ।

| | | |
|-----------------|------------------|-----------------|
| व० क्वाणयति | क्वाणयतः | क्वाणयन्ति |
| क्वाणयसि | क्वाणयथः | क्वाणयथ |
| क्वाणयामि | क्वाणयावः | क्वाणयामः |
| स० क्वाणयेत् | क्वाणयेताम् | क्वाणयेयुः |
| क्वाणयेः | क्वाणयेतम् | क्वाणयेत |
| क्वाणयेयम् | क्वाणयेव | क्वाणयेम |
| क्वाणयतु | क्वाणयतात् | क्वाणयताम् |
| क्वाणय | क्वाणयतः | क्वाणयतम् |
| क्वाणयानि | क्वाणयाव | क्वाणयाम |
| अक्वाणयत् | अक्वाणयताम् | अक्वाणयन् |
| अक्वाणयः | अक्वाणयतम् | अक्वाणयत |
| अक्वाणयम् | अक्वाणयाव | अक्वाणयाम |
| अचिक्वणत् | अचिक्वणताम् | अचिक्वणन् |
| चिक्वणः | अचिक्वणतम् | अचिक्वणत |
| चिक्वणम् | अचिक्वणाव | अचिक्वणाम |
| ।याञ्चकार | क्वाणयाञ्चक्रतुः | क्वाणयाञ्चक्रुः |
| णयाञ्चकथं | क्वाणयाञ्चक्रथुः | क्वाणयाञ्चक्र |
| क्वाणयाञ्चकार | चक्र | क्वाणयाञ्चक्रव |
| क्वाणयाञ्चक्रम् | | क्वाणयाञ्चक्रम् |
| क्वाणयाम्भूव | । क्वाणयामास | |
| क्वाण्यत् | क्वाण्यस्ताम् | क्वाण्यसुः |
| क्वाण्याः | क्वाण्यस्तम् | क्वाण्यस्त |
| क्वाण्यसम् | क्वाण्यस्व | क्वाण्यस्म |
| क्वाणयिता | क्वाणयितारौ | क्वाणयितारः |
| क्वाणयितासि | क्वाणयितास्थः | क्वाणयितास्थ |
| क्वाणयितास्मि | क्वाणयितास्वः | क्वाणयितास्मः |
| क्वाणयिष्यति | क्वाणयिष्यतः | क्वाणयिष्यन्ति |
| क्वाणयिष्यसि | क्वाणयिष्यथः | क्वाणयिष्यथ |
| क्वाणयिष्यामि | क्वाणयिष्यावः | क्वाणयिष्यामः |
| क्वाणयिष्यत् | अक्वाणयिष्यताम् | अक्वाणयिष्यन् |
| अक्वाणयिष्यः | अक्वाणयिष्यतम् | अक्वाणयिष्यत |
| अक्वाणयिष्यम् | अक्वाणयिष्याव | अक्वाणयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | क्वाणयते | क्वाणयेते | क्वाणयन्ते |
| | क्वाणयसे | क्वाणयेथे | क्वाणयध्वे |
| | क्वाणये | क्वाणयावहे | क्वाणयामहे |
| स० | क्वाणयेत | क्वाणयेयाताम् | क्वाणयेरन् |
| | क्वाणयेथाः | क्वाणयेयाथाम् | क्वाणयेध्वम् |
| | क्वाणयेथ | क्वाणयेवहि | क्वाणयेमहि |
| प० | क्वाणयताम् | क्वाणयेताम् | क्वाणयन्ताम् |
| | क्वाणयस्व | क्वाणयेथाम् | क्वाणयध्वम् |
| | क्वाणयै | क्वाणयावहै | क्वाणयामहै |
| ह्य० | अक्वाणयत | अक्वाणयेताम् | अक्वाणयन्त |
| | अक्वाणयथाः | अक्वाणयेथाम् | अक्वाणयध्वम् |
| | अक्वाणये | अक्वाणयावहि | अक्वाणयामहि |
| अ० | अचिक्वणत | अचिक्वणेताम् | अचिक्वणन्त |
| | अचिक्वणथाः | अचिक्वणेतथाम् | अचिक्वणध्वम् |
| | अचिक्वणे | अचिक्वणैवहि | अचिक्वणामहि |
| प० | क्वाणयाञ्चके | क्वाणयाञ्चकाते | क्वाणयाञ्चकिरे |
| | क्वाणयाञ्चकृषे | क्वाणयाञ्चकृषे | क्वाणयाञ्चकृद्वे |
| | क्वाणयाञ्चके | क्वाणयाञ्चकृवहे | क्वाणयाञ्चकृमहे |
| | क्वाणयाम्बभूव | क्वाणयामास | |
| आ० | क्वाणयिषीष्ट | क्वाणयिषीयास्ताम् | क्वाणयिषीरन् |
| | क्वाणयिषीष्टाः | क्वाणयिषीयास्थाम् | क्वाणयिषीद्वम् |
| | क्वाणयिषीय | क्वाणयिषीवहि | क्वाणयिषीमहि |
| श्च० | क्वाणयिता | क्वाणयितारौ | क्वाणयितारः |
| | क्वाणयितासे | क्वाणयितासाथे | क्वाणयिताध्वे |
| | क्वाणयिताहे | क्वाणयितास्वहे | क्वाणयितामहे |
| भ० | क्वाणयिष्यते | क्वाणयिष्येते | क्वाणयिष्यन्ते |
| | क्वाणयिष्यसे | क्वाणयिष्येथे | क्वाणयिष्यध्वे |
| | क्वाणयिष्ये | क्वाणयिष्यावहे | क्वाणयिष्यामहे |
| क्रि० | अक्वाणयिष्यत | अक्वाणयिष्येताम् | अक्वाणयिष्यन्त |
| | अक्वाणयिष्यथाः | अक्वाणयिष्येथाम् | अक्वाणयिष्यध्वम् |
| | अक्वाणयिष्ये | अक्वाणयिष्यावहि | अक्वाणयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते शतुर० द्वि० भागे णिगन्तपक्रिया । (२७१)

272 चण (चण्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|--------------------|---------------|---------------|
| व० | चाणयति | चाणयतः | चाणयन्ति |
| | चाणयसि | चाणयथः | चाणयथ |
| | चाणयामि | चाणयावः | चाणयामः |
| स० | चाणयेत् | चाणयेताम् | चाणयेयुः |
| | चाणयेः | चाणयेतम् | चाणयेत |
| | चाणयेयम् | चाणयेव | चाणयेम |
| प० | चाणयतु | चाणयतात् | चाणयताम् |
| | चाणय | चाणयतात् | चाणयतम् |
| | चाणयानि | चाणयाव | चाणयाम |
| ह्य० | अचाणयत् | अचाणयताम् | अचाणयन् |
| | अचाणयः | अचाणयतम् | अचाणयत |
| | अचाणयम् | अचाणयाव | अचाणयाम |
| अ० | अचीचणत् | अचीचणताम् | अचीचणन् |
| | अचीचणः | अचीचणतम् | अचीचणत |
| | अचीचणम् | अचीचणाव | अचीचणाम |
| प० | चाणयाश्चकार | चाणयाश्चक्रुः | चाणयाश्चकुः |
| | चाणयाश्चकथं | चाणयाश्चक्रुः | चाणयाश्चक्रुः |
| | चाणयाश्चकार-चक्रुः | चाणयाश्चक्रुव | चाणयाश्चक्रुम |
| | चाणयाम्बभूव | । | चाणयाभास |
| आ० | चाण्यात् | चाण्यास्ताम् | चाण्यासुः |
| | चाण्याः | चाण्यास्तम् | चाण्यास्त |
| | चाण्यासम् | चाण्यास्व | चाण्यास्म |
| ध्व० | चाणयिता | चाणयितारौ | चाणयितारः |
| | चाणयितासि | चाणयितास्थः | चाणयितास्थ |
| | चाणयितास्मि | चाणयितास्वः | चाणयितास्मः |
| भ० | चाणयिष्यति | चाणयिष्यतः | चाणयिष्यन्ति |
| | चाणयिष्यसि | चाणयिष्यथः | चाणयिष्यथ |
| | चाणयिष्यामि | चाणयिष्यावः | चाणयिष्यामः |
| क्रि० | अचाणयिष्यत् | अचाणयिष्यताम् | अचाणयिष्यन् |
| | अचाणयिष्यः | अचाणयिष्यतम् | अचाणयिष्यत |
| | अचाणयिष्यम् | अचाणयिष्याव | अचाणयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|------------------|
| व० | चाणयते | चाणयेते | चाणयन्ते |
| | चाणयसे | चाणयेथे | चाणयन्वे |
| | चाणये | चाणयावहे | चाणयामहे |
| स० | चाणयेत | चाणयेयाताम् | चाणयेरन् |
| | चाणयेथाः | चाणयेयाथाम् | चाणयेध्वम् |
| | चाणयेय | चाणयेवहि | चाणयेमहि |
| प० | चाणयताम् | चाणयेताम् | चाणयन्ताम् |
| | चाणयस्व | चाणयेथाम् | चाणयध्वम् |
| | चाणये | चाणयावहे | चाणयामहे |
| ह्य० | अचाणयत | अचाणयेताम् | अचाणयन्त |
| | अचाणयथाः | अचाणयेथाम् | अचाणयध्वम् |
| | अचाणये | अचाणयावहि | अचाणयामहि |
| अ० | अचीचणत | अचीचणेताम् | अचीचणन्त |
| | अचीचणथाः | अचीचणेथाम् | अचीचणध्वम् |
| | अचीचणे | अचीचणावहि | अचीचणामहि |
| प० | चाणयाश्चक्रे | चाणयाश्चक्रते | चाणयाश्चक्रिरे |
| | चाणयाश्चक्रुः | चाणयाश्चक्राथे | चाणयाश्चक्रुद्वे |
| | चाणयाश्चक्रे | चाणयाश्चक्रुवहे | चाणयाश्चक्रुमहे |
| | चाणयाम्बभूव | चाणयामास | |
| आ० | चाणयिषीष्ट | चाणयिषीयास्ताम् | चाणयिषीरन् |
| | चाणयिषीष्टाः | चाणयिषीयाथाम् | चाणयिषीध्वम् |
| | चाणयिषीय | चाणयिषीवहि | चाणयिषीमहि |
| ध्व० | चाणयिता | चाणयितारौ | चाणयितारः |
| | चाणयितासे | चाणयितासाथे | चाणयिताध्वे |
| | चाणयिताहे | चाणयितावहे | चाणयितामहे |
| भ० | चाणयिष्यते | चाणयिष्येते | चाणयिष्यन्ते |
| | चाणयिष्यसे | चाणयिष्येथे | चाणयिष्यन्वे |
| | चाणयिष्ये | चाणयिष्यावहे | चाणयिष्यामहे |
| क्रि० | अचाणयिष्यत | अचाणयिष्येताम् | अचाणयिष्यन्त |
| | अचाणयिष्यथाः | अचाणयिष्येथाम् | अचाणयिष्यध्वम् |
| | अचाणयिष्ये | अचाणयिष्यावहि | अचाणयिष्यामहि |

273 ओणृ (ओण्) अपनयने ।

| | | |
|------------------|-------------|-------------|
| व० ओणयति | ओणयतः | ओणयन्ति |
| ओणयसि | ओणयथः | ओणयथ |
| ओणयामि | ओणयावः | ओणयामः |
| स० ओणयेत् | ओणयेताम् | ओणयेयुः |
| ओणयः | ओणयेतम् | ओणयेत |
| ओणयेयम् | ओणयेव | ओणयेम |
| प० ओणयतु | ओणयतात् | ओणयताम् |
| ओणय | ओणयतात् | ओणयतम् |
| ओणयानि | ओणयाव | ओणयाम |
| ह्य० औणयत् | औणयताम् | औणयन् |
| औणयः | औणयतम् | औणयत |
| औणयम् | औणयाव | औणयाम |
| अ० औणिणत् | औणिणताम् | औणिणन् |
| औणिणः | औणिणतम् | औणिणत |
| औणिणम् | औणिणाव | औणिणाम |
| प० ओणयाञ्चकार | ओणयाञ्चकतुः | ओणयाञ्चकुः |
| ओणयाञ्चकथं | ओणयाञ्चकथुः | ओणयाञ्चक |
| ओणयाञ्चकार च करः | ओणयाञ्चकृन् | ओणयाञ्चकृम |
| ओणयाम्बभूव | । ओणयामास | |
| आ० ओण्यात् | ओण्यास्ताम् | ओण्यासुः |
| ओण्याः | ओण्यास्तम् | ओण्यास्त |
| ओण्यासम् | ओण्यास्व | ओण्यास्म |
| श्व० ओणयिता | ओणयितारौ | ओणयितारः |
| ओणयितासि | ओणयितास्थः | ओणयितास्थ |
| ओणयितास्मि | ओणयितास्वः | ओणयितास्मः |
| भ० ओणयिष्यति | ओणयिष्यतः | ओणयिष्यन्ति |
| ओणयिष्यसि | ओणयिष्यथः | ओणयिष्यथ |
| ओणयिष्यामि | ओणयिष्यावः | ओणयिष्यामः |
| क्रि० औण यष्यत् | औणयिष्यताम् | औणयिष्यन् |
| औणयिष्यः | औणयिष्यतम् | औणयिष्यत |
| औणयिष्यम् | औणयिष्याव | औणयिष्याम |

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| व० ओणयते | ओणयेते | ओणयन्ते |
| ओणयसे | ओणयेथे | ओणयध्वे |
| ओणये | ओणयावहे | ओणयामहे |
| स० ओणयेत् | ओणयेताम् | ओणयेरन् |
| ओणयेथाः | ओणयेथायाम् | ओणयेध्वम् |
| ओणयेय | ओणयेवहि | ओणयेमहि |
| प० ओणयताम् | ओणयेताम् | ओणयन्ताम् |
| ओणयस्व | ओणयेथम् | ओणयध्वम् |
| ओणये | ओणयावहे | ओणयामहे |
| ह्य० औणयत | औणयेताम् | औणयन्त |
| औणयथाः | औणयेथाम् | औणयध्वम् |
| औणये | औणयावहि | औणयामहि |
| अ० औणिणत | औणिणेताम् | औणिणन्त |
| औणिणथाः | औणिणेथाम् | औणिणध्वम् |
| औणिणे | औणिणावहि | औणिणामहि |
| प० ओणयाञ्चके | ओणयाञ्चकते | ओणयाञ्चकिरे |
| ओणयाञ्चकृषे | ओणयाञ्चकृष्ये | ओणयाञ्चकृद्भवे |
| ओणयाञ्चके | ओणयाञ्चकृबहे | ओणयाञ्चकृमहे |
| ओणयाम्बभूव | ओणयामास | |
| आ० ओणयिषीष्ट | ओणयिषीयास्ताम् | ओणयिषीरन् |
| ओणयिषीष्टाः | ओणयिषीयास्थाम् | ओणयिषीध्वम् |
| ओणयिषीय | ओणयिषीवहि | ओणयिषीमहि |
| श्व० ओणयिता | ओणयितारौ | ओणयितारः |
| ओणयितासे | ओणयितासाथे | ओणयिताध्वे |
| ओणयिताहे | ओणयितास्वहे | ओणयितास्महे |
| भ० ओणयिष्यते | ओणयिष्येते | ओणयिष्यन्ते |
| ओणयिष्यसे | ओणयिष्येथे | ओणयिष्यध्वे |
| ओणयिष्ये | ओणयिष्यावहे | ओणयिष्यामहे |
| क्रि० औणयिष्यत | औणयिष्येताम् | औणयिष्यन्त |
| औणयिष्यथाः | औणयिष्येथाम् | औणयिष्यध्वम् |
| औणयिष्ये | औणयिष्यावहि | औणयिष्यामहि |

274 शोण (शोण्) वर्णगत्योः

| | | | |
|-------|------------------|----------------|-------------------|
| व० | शोणयति | शोणयतः | शोणयन्ति |
| | शोणयसि | शोणयथः | शोणयथ |
| | शोणयामि | शोणयावः | शोणयामः |
| स० | शोणयेत् | शोणयेताम् | शोणयेयुः |
| | शोणयेः | शोणयेतम् | शोणयेत |
| | शोणयेयम् | शोणयेव | शोणयेम |
| प० | शोणयतु | शोणयतात् | शोणयताम् शोणयन्तु |
| | शोणय | शोणयतात् | शोणयतम् शोणयत |
| | शोणयानि | शोणयाव | शोणयाम |
| ह्य० | अशोणयत् | अशोणयताम् | अशोणयन् |
| | अशोणयः | अशोणयतम् | अशोणयत |
| | अशोणयम् | अशोणयाव | अशोणयाम |
| अ० | अशुशोणत् | अशुशोणताम् | अशुशोणन् |
| | अशुशोणः | अशुशोणतम् | अशुशोणत |
| | अशुशोणम् | अशुशोणाव | अशुशोणाम |
| प० | शोणयाञ्चकार | शोणयाञ्चक्रतुः | शोणयाञ्चकुः |
| | शोणयाञ्चकर्थ | शोणयाञ्चक्रथुः | शोणयाञ्चक |
| | शोणयाञ्चकार-चक्र | शोणयाञ्चक्रव | शोणयाञ्चक्रम |
| | शोणयाम्बभूव | । | शोणयामास |
| आ० | शोण्यात् | शोण्यास्ताम् | शोण्यासुः |
| | शोण्याः | शोण्यास्तम् | शोण्यास्त |
| | शोण्यासम् | शोण्यास्व | शोण्यास्म |
| श्व० | शोणयिता | शोणयितारौ | शोणयितारः |
| | शोणयितासि | शोणयितास्थः | शोणयितास्थ |
| | शोणयितास्मि | शोणयितास्वः | शोणयितास्मः |
| भ० | शोणयिष्यति | शोणयिष्यतः | शोणयिष्यन्ति |
| | शोणयिष्यसि | शोणयिष्यथः | शोणयिष्यथ |
| | शोणयिष्यामि | शोणयिष्यावः | शोणयिष्यामः |
| क्रि० | अशोणयिष्यत् | अशोणयिष्यताम् | अशोणयिष्यन् |
| | अशोणयिष्यः | अशोणयिष्यतम् | अशोणयिष्यत |
| | अशोणयिष्यम् | अशोणयिष्याव | अशोणयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शोणयते | शोणयेते | शोणयन्ते |
| | शोणयसे | शोणयेथे | शोणयध्वं |
| | शोणये | शोणयावहे | शोणयामहे |
| स० | शोणयेत | शोणयेताम् | शोणयेरन् |
| | शोणयेथाः | शोणयेथाम् | शोणयेध्वम् |
| | शोणयेय | शोणयेवहि | शोणयेमहि |
| प० | शोणयताम् | शोणयेताम् | शोणयन्ताम् |
| | शोणयस्व | शोणयेथाम् | शोणयध्वम् |
| | शोणये | शोणयावहे | शोणयामहे |
| ह्य० | अशोणयत | अशोणयेताम् | अशोणयन्त |
| | अशोणयथाः | अशोणयेथाम् | अशोणयध्वम् |
| | अशोणये | अशोणयावहि | अशोणयामहि |
| अ० | अशुशोणत | अशुशोणेताम् | अशुशोणन्त |
| | अशुशोणथाः | अशुशोणेथाम् | अशुशोणध्वम् |
| | अशुशोणे | अशुशोणावहि | अशुशोणामहि |
| प० | शोणयाञ्चक्रे | शोणयाञ्चक्रते | शोणयाञ्चकिरे |
| | शोणयाञ्चकृषे | शोणयाञ्चक्रथे | शोणयाञ्चकृद्वे |
| | शोणयाञ्चक्रे | शोणयाञ्चक्रवहे | शोणयाञ्चक्रमहे |
| | शोणयाम्बभूव | शोणयामास | |
| आ० | शोणयिषीष्ट | शोणयिषीयास्ताम् | शोणयिषीरन् |
| | शोणयिषीष्टाः | शोणयिषीयास्थाम् | शोणयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | शोणयिषीय | शोणयिषीवहि | शोणयिषीमहि |
| श्व० | शोणयिता | शोणयितारौ | शोणयितारः |
| | शोणयितासे | शोणयितासाथे | शोणयिताध्वे |
| | शोणयिताहे | शोणयितास्वहे | शोणयितास्महे |
| भ० | शोणयिष्यते | शोणयिष्येते | शोणयिष्यन्ते |
| | शोणयिष्यसे | शोणयिष्येथे | शोणयिष्यध्वे |
| | शोणयिष्ये | शोणयिष्यावहे | शोणयिष्यामहे |
| क्रि० | अशोणयिष्यत | अशोणयिष्येताम् | अशोणयिष्यन्त |
| | अशोणयिष्यथाः | अशोणयिष्येथाम् | अशोणयिष्यध्वम् |
| | अशोणयिष्ये | अशोणयिष्यावहि | अशोणयिष्यामहि |

275 श्रोणृ (श्रोणृ) सङ्घाते

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| व० | श्रोणयति | श्रोणयतः | श्रोणयन्ति |
| | श्रोणयसि | श्रोणयथः | श्रोणयथ |
| | श्रोणयामि | श्रोणयावः | श्रोणयामः |
| स० | श्रोणयेत् | श्रोणयेताम् | श्रोणयेयुः |
| | श्रोणयेः | श्रोणयेतम् | श्रोणयेत |
| | श्रोणयेसम् | श्रोणयेव | श्रोणयेम |
| प० | श्रोणयन्तु | श्रोणयतात् | श्रोणयताम् |
| | श्रोणयन् | श्रोणयतम् | श्रोणयत |
| | श्रोणयन्ति | श्रोणयाव | श्रोणयाम |
| ह्य० | अश्रोणयत् | अश्रोणयताम् | अश्रोणयन् |
| | अश्रोणयः | अश्रोणयतम् | अश्रोणयत |
| | अश्रोणयम् | अश्रोणयाव | अश्रोणयाम |
| अ० | अशुश्रोणत् | अशुश्रोणताम् | अशुश्रोणन् |
| | अशुश्रोणः | अशुश्रोणतम् | अशुश्रोणत |
| | अशुश्रोणम् | अशुश्रोणाव | अशुश्रोणाम |
| प० | श्रोणयाञ्चकार | श्रोणयाञ्चकतुः | श्रोणयाञ्चकुः |
| | श्रोणयाञ्चकर्थे | श्रोणयाञ्चकथुः | श्रोणयाञ्चक |
| | श्रोणयाञ्चकार-चक्र | श्रोणयाञ्चकृव | श्रोणयाञ्चकृम |
| | श्रोणयाम्बभूव | श्रोणयामास | |
| आ० | श्रोण्यात् | श्रोण्यास्ताम् | श्रोण्यासुः |
| | श्रोण्याः | श्रोण्यास्तम् | श्रोण्यास्त |
| | श्रोण्यासम् | श्रोण्यास्व | श्रोण्यास्म |
| श्व० | श्रोणयिता | श्रोणयितारौ | श्रोणयितारः |
| | श्रोणयितासि | श्रोणयितास्थः | श्रोणयितास्थ |
| | श्रोणयितास्मि | श्रोणयितास्वः | श्रोणयितास्मः |
| भ० | श्रोणयिष्यति | श्रोणयिष्यतः | श्रोणयिष्यन्ति |
| | श्रोणयिष्यसि | श्रोणयिष्यथः | श्रोणयिष्यथ |
| | श्रोणयिष्यामि | श्रोणयिष्यावः | श्रोणयिष्यामः |
| क्रि० | अश्रोणयिष्यत् | अश्रोणयिष्यताम् | अश्रोणयिष्यन् |
| | अश्रोणयिष्यः | अश्रोणयिष्यतम् | अश्रोणयिष्यत |
| | अश्रोणयिष्यम् | अश्रोणयिष्याव | अश्रोणयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | श्रोणयते | श्रोणयेते | श्रोणयन्ते |
| | श्रोणयसे | श्रोणयेथे | श्रोणयध्वे |
| | श्रोणये | श्रोणयावहे | श्रोणयामहे |
| स० | श्रोणयेत | श्रोणयेयाताम् | श्रोणयेरन् |
| | श्रोणयेथाः | श्रोणयेयाथाम् | श्रोणयेध्वम् |
| | श्रोणयेय | श्रोणयेवहि | श्रोणयेमहि |
| प० | श्रोणयताम् | श्रोणयेताम् | श्रोणयन्ताम् |
| | श्रोणयस्व | श्रोणयेथाम् | श्रोणयध्वम् |
| | श्रोणये | श्रोणयावहे | श्रोणयामहे |
| ह्य० | अश्रोणयत | अश्रोणयेताम् | अश्रोणयन्त |
| | अश्रोणयथाः | अश्रोणयेथाम् | अश्रोणयध्वम् |
| | अश्रोणये | अश्रोणयावहि | अश्रोणयामहि |
| अ० | अशुश्रोणत | अशुश्रोणेताम् | अशुश्रोणन्त |
| | अशुश्रोणथाः | अशुश्रोणेत्याम् | अशुश्रोणध्वम् |
| | अशुश्रोणे | अशुश्रोणावहि | अशुश्रोणामहि |
| प० | श्रोणयाञ्चके | श्रोणयाञ्चकाते | श्रोणयाञ्चकिरे |
| | श्रोणयाञ्चकृवे | श्रोणयाञ्चकाथे | श्रोणयाञ्चकृद्वे |
| | श्रोणयाञ्चके | श्रोणयाञ्चकृवहे | श्रोणयाञ्चकृमहे |
| | श्रोणयाम्बभूव | श्रोणयामास | |
| आ० | श्रोणयिषीष्ट | श्रोणयिषीयास्ताम् | श्रोणयिषीरन् |
| | श्रोणयिषीष्ठाः | श्रोणयिषीयास्याम् | श्रोणयिषीद्वम् |
| | श्रोणयिषीय | श्रोणयिषीवहि | श्रोणयिषीमहि |
| श्व० | श्रोणयिता | श्रोणयितारौ | श्रोणयितारः |
| | श्रोणयितासे | श्रोणयितसाथे | श्रोणयिताध्वे |
| | श्रोणयिताहे | श्रोणयितास्वहे | श्रोणयितास्महे |
| भ० | श्रोणयिष्यते | श्रोणयिष्येते | श्रोणयिष्यन्ते |
| | श्रोणयिष्यसे | श्रोणयिष्येथे | श्रोणयिष्यध्वे |
| | श्रोणयिष्ये | श्रोणयिष्यावहे | श्रोणयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्रोणयिष्यत | अश्रोणयिष्येताम् | अश्रोणयिष्यन्त |
| | अश्रोणयिष्यथाः | अश्रोणयिष्येथाम् | अश्रोणयिष्यध्वम् |
| | अश्रोणयिष्ये | अश्रोणयिष्यावहि | अश्रोणयिष्यामहि |

276 इलोणृ (इलोण्) सङ्घाते

| | | | |
|-------|--------------------------|----------------|---------------------|
| व० | इलोणयति | इलोणयतः | इलोणयन्ति |
| | इलोणयसि | इलोणयथः | इलोणयथ |
| | इलोणयामि | इलोणयावः | इलोणयामः |
| स० | इलोणयेत् | इलोणयेताम् | इलोणयेयुः |
| | इलोणयेः | इलोणयेतम् | इलोणयेत |
| | इलोणयेयम् | इलोणयेव | इलोणयेम |
| प० | इलोणयतु | इलोणयतात् | इलोणयताम् इलोणयन्तु |
| | इलोणय | इलोणयतम् | इलोणयत |
| | इलोणयानि | इलोणयाव | इलोणयाम |
| ह्य० | अइलोणयत् | अइलोणयताम् | अइलोणयन् |
| | अइलोणयः | अइलोणयतम् | अइलोणयत |
| | अइलोणयम् | अइलोणयाव | अइलोणयाम |
| अ० | अशुइलोणत् | अशुइलोणताम् | अशुइलोणन् |
| | अशुइलोणः | अशुइलोणतम् | अशुइलोणत |
| | अशुइलोणम् | अशुइलोणाव | अशुइलोणाम |
| प० | इलोणयाञ्चकार | इलोणयाञ्चकतुः | इलोणयाञ्चकुः |
| | इलोणयाञ्चकर्थ | इलोणयाञ्चकथुः | इलोणयाञ्चक |
| | इलोणयाञ्चकार-चकर | इलोणयाञ्चकृव | इलोणयाञ्चकृम |
| | इलोणयाम्बभूव । इलोणयामास | | |
| आ० | इलोण्यात् | इलोण्यास्ताम् | इलोण्यासुः |
| | इलोण्याः | इलोण्यास्तम् | इलोण्यास्त |
| | इलोण्यासम् | इलोण्यास्व | इलोण्यासम |
| श्व० | इलोणयिता | इलोणयितारौ | इलोणयितारः |
| | इलोणयितासि | इलोणयितास्थः | इलोणयितास्थ |
| | इलोणयितास्मि | इलोणयितास्वः | इलोणयितास्मः |
| भ० | इलोणयिष्यति | इलोणयिष्यतः | इलोणयिष्यन्ति |
| | इलोणयिष्यसि | इलोणयिष्यथः | इलोणयिष्यथ |
| | इलोणयिष्यामि | इलोणयिष्यावः | इलोणयिष्यामः |
| क्रि० | अइलोणयिष्यत् | अइलोणयिष्यताम् | अइलोणयिष्यन् |
| | अइलोणयिष्यः | अइलोणयिष्यतम् | अइलोणयिष्यत |
| | अइलोणयिष्यम् | अइलोणयिष्यव | अइलोणयिष्यम |

| | | | |
|-------|--------------------------|------------------|-----------------|
| व० | इलोणयते | इलोणयेते | इलोणयन्ते |
| | इलोणयसे | इलोणयेथे | इलोणयन्वे |
| | इलोणये | इलोणयावहे | इलोणयामहे |
| स० | इलोणयेत | इलोणयेयाताम् | इलोणयेरन् |
| | इलोणयेथाः | इलोणयेयाथाम् | इलोणयेष्वम् |
| | इलोणयेथ | इलोणयेवहि | इलोणयेमहि |
| प० | इलोणयताम् | इलोणयेताम् | इलोणयन्ताम् |
| | इलोणयस्व | इलोणयेथाम् | इलोणयष्वम् |
| | इलोणयै | इलोणयावहै | इलोणयामहै |
| ह्य० | अइलोणयत | अइलोणयेताम् | अइलोणयन्त |
| | अइलोणयथाः | अइलोणयेथाम् | अइलोणयष्वम् |
| | अइलोणये | अइलोणयावहि | अइलोणयामहि |
| अ० | अशुइलोणत | अशुइलोणेताम् | अशुइलोणन्त |
| | अशुइलोणथाः | अशुइलोणेशाम् | अशुइलोणष्वम् |
| | अशुइलोणे | अशुइलोणावहि | अशुइलोणामहि |
| प० | इलोणयाञ्चके | इलोणयाञ्चकाते | इलोणयाञ्चकिरे |
| | इलोणयाञ्चकृषे | इलोणयाञ्चकृषे | इलोणयाञ्चकृद्वे |
| | इलोणयाञ्चके | इलोणयाञ्चकृवहे | इलोणयाञ्चकृमहे |
| | इलोणयाम्बभूव । इलोणयामास | | |
| आ० | इलोणयिषीष्ट | इलोणयिषीयास्ताम् | इलोणयिषीरन् |
| | इलोणयिषीष्टाः | इलोणयिषीयास्थाम् | इलोणयिषीढ्वम् |
| | इलोणयिषीय | इलोणयिषीवहि | इलोणयिषीमहि |
| श्व० | इलोणयिता | इलोणयितारौ | इलोणयितारः |
| | इलोणयितासे | इलोणयितासाथे | इलोणयिताष्वे |
| | इलोणयिताहे | इलोणयितास्वहे | इलोणयितास्महे |
| भ० | इलोणयिष्यते | इलोणयिष्येते | इलोणयिष्यन्ते |
| | इलोणयिष्यसे | इलोणयिष्येथे | इलोणयिष्यन्वे |
| | इलोणयिष्ये | इलोणयिष्यावहे | इलोणयिष्यामहे |
| क्रि० | अइलोणयिष्यत | अइलोणयिष्येताम् | अइलोणयिष्यन्त |
| | अइलोणयिष्यथाः | अइलोणयिष्येथाम् | अइलोणयिष्यष्वम् |
| | अइलोणयिष्ये | अइलोणयिष्यावहि | अइलोणयिष्यामहि |

277 पैणृ (पैण्) गतिप्रेरः स्लेणवणेष्णु

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | पैणयति | पैणयतः | पैणयन्ति |
| | पैणयसि | पैणयथः | पैणयथ |
| | पैणयामि | पैणयावः | पैणयामः |
| स० | पैणयेत् | पैणयेताम् | पैणयेयुः |
| | पैणयेः | पैणयेतम् | पैणयेत |
| | पैणयेयम् | पैणयेष | पैणयेम |
| प० | पैणयतु | पैणयतात् | पैणयताम् |
| | पैणय | पैणयतात् | पैणयतम् |
| | पैणयानि | पैणयाव | पैणयाम |
| झ० | अपैणयत् | अपैणयताम् | अपैणयन् |
| | अपैणयः | अपैणयतम् | अपैणयत |
| | अपैणयम् | अपैणयाव | अपैणयाम |
| अ० | अपिपैणत् | अपिपैणताम् | अपिपैणन् |
| | अपिपैणः | अपिपैणतम् | अपिपैणत |
| | अपिपैणम् | अपिपैणाव | अपिपैणाम |
| प | पैणयाञ्चकार | पैणयाञ्चक्रतुः | पैणयाञ्चक्रुः |
| | पैणयाञ्चकथं | पैणयाञ्चक्रथुः | पैणयाञ्चक्र |
| | पैणयाञ्चकार चक्र | पैणयाञ्चक्रुव | पैणयाञ्चक्रम |
| | पैणयाञ्चभूव | । | पैणयामास |
| आ० | पैण्यात् | पैण्यास्ताम् | पैण्यासुः |
| | पैण्याः | पैण्यास्तम् | पैण्यास्त |
| | पैण्यासम् | पैण्यास्व | पैण्यास्म |
| क्ष० | पैणयिता | पैणयितारौ | पैणयितारः |
| | पैणयितासि | पैणयितास्थः | पैणयितास्थ |
| | पैणयितास्मि | पैणयितास्वः | पैणयितास्मः |
| भ० | पैणयिष्यति | पैणयिष्यतः | पैणयिष्यन्ति |
| | पैणयिष्यसि | पैणयिष्यथः | पैणयिष्यथ |
| | पैणयिष्यामि | पैणयिष्यावः | पैणयिष्यामः |
| क्रि० | अपैणयिष्यत् | अपैणयिष्यताम् | अपैणयिष्यन् |
| | अपैणयिष्यः | अपैणयिष्यतम् | अपैणयिष्यत |
| | अपैणयिष्यम् | अपैणयिष्याव | अपैणयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पैणयते | पैणयेते | पैणयन्ते |
| | पैणयसे | पैणयेथे | पैणयध्वे |
| | पैणये | पैणयावहे | पैणयामहे |
| स० | पैणयेत | पैणयेयाताम् | पैणयेरन् |
| | पैणयेथाः | पैणयेथाथाम् | पैणयेध्वम् |
| | पैणयेय | पैणयेवहि | पैणयेमहि |
| प० | पैणयताम् | पैणयेताम् | पैणयन्ताम् |
| | पैणयस्व | पैणयेथाम् | पैणयध्वम् |
| | पैणये | पैणयावहे | पैणयामहे |
| ह्य० | अपैणयत | अपैणयेताम् | अपैणयन्त |
| | अपैणयथाः | अपैणयेथाम् | अपैणयध्वम् |
| | अपैणये | अपैणयावहि | अपैणयामहि |
| अ० | अपिपैणत | अपिपैणताम् | अपिपैणन्त |
| | अपिपैणथाः | अपिपैणेथाम् | अपिपैणध्वम् |
| | अपिपैणे | अपिपैणावहि | अपिपैणामहि |
| प० | पैणयाञ्चके | पैणयाञ्चक्राते | पैणयाञ्चक्रिरे |
| | पैणयाञ्चकृषे | पैणयाञ्चक्राथे | पैणयाञ्चकृद्वे |
| | पैणयाञ्चके | पैणयाञ्चकृवहे | पैणयाञ्चकृमहे |
| | पैणयाञ्चभूव | पैणयामास | |
| आ० | पैणयिषीष्ट | पैणयिषीयास्ताम् | पैणयिषीरन् |
| | पैणयिषीष्टाः | पैणयिषीयास्थाम् | पैणयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | पैणयिषीय | पैणयिषीवहि | पैणयिषीमहि |
| क्ष० | पैणयिता | पैणयितारौ | पैणयितारः |
| | पैणयितासे | पैणयितासाथे | पैणयिताध्वे |
| | पैणयिताहे | पैणयितास्वहे | पैणयितास्महे |
| भ० | पैणयिष्यते | पैणयिष्येते | पैणयिष्यन्ते |
| | पैणयिष्यसे | पैणयिष्येथे | पैणयिष्यध्वे |
| | पैणयिष्ये | पैणयिष्यावहे | पैणयिष्यामहे |
| क्रि० | अपैणयिष्यत | अपैणयिष्येताम् | अपैणयिष्यन्त |
| | अपैणयिष्यथाः | अपैणयिष्येथाम् | अपैणयिष्यध्वम् |
| | अपैणयिष्ये | अपैणयिष्यावहि | अपैणयिष्यामहि |

॥ अथ तान्ता दश ॥

278 चितै (चित्) संज्ञाने ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | चेतयति | चेतयतः | चेतयन्ति |
| | चेतयसि | चेतयथः | चेतयथ |
| | चेतयामि | चेतयावः | चेतयामः |
| स० | चेतयेत् | चेतयेताम् | चेतयेयुः |
| | चेतयेः | चेतयेतम् | चेतयेत |
| | चेतयेयम् | चेतयेव | चेतयेम |
| प० | चेतयतु | चेतयतात् | चेतयताम् |
| | चेतय | चेतयतात् | चेतयतम् |
| | चेतयानि | चेतयाव | चेतयाम |
| ह्य० | अचेतयत् | अचेतयताम् | अचेतयन् |
| | अचेतयः | अचेतयतम् | अचेतयत |
| | अचेतयम् | अचेतयाव | अचेतयाम |
| अ० | अचीचितत् | अचीचितताम् | अचीचितन् |
| | अचीचितः | अचीचिततम् | अचीचितत |
| | अचीचितम् | अचीचिताव | अचीचिताम |
| प० | चेतयाञ्चकार | चेतयाञ्चक्रतुः | चेतयाञ्चक्रुः |
| | चेतयाञ्चकथं | चेतयाञ्चकथुः | चेतयाञ्चक |
| | चेतयाञ्चकार-चकर | चेतयाञ्चकृव | चेतयाञ्चकृम |
| | चेतयाम्बभूव | । | चेतयामास |
| आ० | चेत्यात् | चेत्यास्ताम् | चेत्यास्तुः |
| | चेत्याः | चेत्यास्तम् | चेत्यास्त |
| | चेत्यासम् | चेत्यास्व | चेत्यास्म |
| श्व० | चेतयिता | चेतयितारौ | चेतयितारः |
| | चेतयितासि | चेतयितास्थः | चेतयितास्थ |
| | चेतयितास्मि | चेतयितास्वः | चेतयितास्मः |
| भ० | चेतयिष्यति | चेतयिष्यतः | चेतयिष्यन्ति |
| | चेतयिष्यसि | चेतयिष्यथः | चेतयिष्यथ |
| | चेतयिष्यामि | चेतयिष्यावः | चेतयिष्यामः |
| क्रि० | अचेतयिष्यत् | अचेतयिष्यताम् | अचेतयिष्यन् |
| | अचेतयिष्यः | अचेतयिष्यतम् | अचेतयिष्यत |
| | अचेतयिष्यम् | अचेतयिष्याव | अचेतयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | चेतयते | चेतयेते | चेतयन्ते |
| | चेतयसे | चेतयेथे | चेतयध्वे |
| | चेतये | चेतयावहे | चेतयामहे |
| स० | चेतयेत | चेतयेयाताम् | चेतयेरन् |
| | चेतयेथाः | चेतयेयाथाम् | चेतयेध्वम् |
| | चेतयेय | चेतयेवहि | चेतयेमहि |
| प० | चेतयताम् | चेतयेताम् | चेतयन्ताम् |
| | चेतयस्व | चेतयेथाम् | चेतयध्वम् |
| | चेतयै | चेतयावहै | चेतयामहै |
| ह्य० | अचेतयत | अचेतयेताम् | अचेतयन्त |
| | अचेतयथाः | अचेतयेथाम् | अचेतयध्वम् |
| | अचेतये | अचेतयावहि | अचेतयामहि |
| अ० | अचीचितत | अचीचितेताम् | अचीचितन्त |
| | अचीचितथाः | अचीचितेथाम् | अचीचितध्वम् |
| | अचीचिते | अचीचितावहि | अचीचितामहि |
| प० | चेतयाञ्चक्रे | चेतयाञ्चक्राते | चेतयाञ्चक्रिरे |
| | चेतयाञ्चकृषे | चेतयाञ्चकृषे | चेतयाञ्चकृद्वे |
| | चेतयाञ्चक्रे | चेतयाञ्चकृवहे | चेतयाञ्चकृमहे |
| | चेतयाम्बभूव | । | चेतयामास |
| आ० | चेतयिषीष्ट | चेतयिषीयास्ताम् | चेतयिषीरन् |
| | चेतयिषीष्टाः | चेतयिषीयास्थाम् | चेतयिषीद्वम् |
| | चेतयिषीय | चेतयिषीवहि | चेतयिषीमहि |
| श्व० | चेतयिता | चेतयितारौ | चेतयितारः |
| | चेतयितासे | चेतयितासाथे | चेतयिताध्वे |
| | चेतयिताहे | चेतयितास्वहे | चेतयितास्महे |
| भ० | चेतयिष्यते | चेतयिष्येते | चेतयिष्यन्ते |
| | चेतयिष्यसे | चेतयिष्येथे | चेतयिष्यध्वे |
| | चेतयिष्ये | चेतयिष्यावहे | चेतयिष्यामहे |
| क्रि० | अचेतयिष्यत् | अचेतयिष्येताम् | अचेतयिष्यन्त |
| | अचेतयिष्यथाः | अचेतयिष्येथाम् | अचेतयिष्यध्वम् |
| | अचेतयिष्ये | अचेतयिष्यावहि | अचेतयिष्यामहि |

(२७८) ॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥

279 अत (अत्) सातत्यगमने

| | | |
|----------------|--------------|--------------|
| व० आतयति | आतयत | आतर्यान्त |
| आतयसि | आतयथः | आतयथ |
| आतयामि | आतयावः | आतयामः |
| स० आतयत् | आतयेताम् | आतयेयुः |
| आतयेः | आतयेतम् | आतयेत |
| आतयेयम् | आतयेव | आतयेम |
| प० आतयतु | आतयतात् | आतयताम् |
| आतय | आतयतम् | आतयत |
| आतयानि | आतयाव | आतयाम |
| श० आतयत् | आतयताम् | आतयन् |
| आतयः | आतयतम् | आतयत |
| आतयम् | आतयाव | आतयाम |
| अ० आतितत् | आतितताम् | आतितन् |
| आतितः | आतिततम् | आतितत |
| आतितम् | आतिताव | आतिताम |
| प० आतयाञ्चकार | आतयाञ्चक्रुः | आतयाञ्चक्रुः |
| आतयाञ्चकथं | आतयाञ्चक्रुः | आतयाञ्चक्रुः |
| आतयाञ्चकार-चकर | आतयाञ्चक्रुव | आतयाञ्चक्रुम |

आतयाम्बभूव । आतयामास

| | | |
|-----------------|-------------|-------------|
| अ० आत्यात् | आत्यास्ताम् | आत्यासुः |
| आत्याः | आत्यास्तम् | आत्यास्त |
| आत्यासम् | आत्यास्व | आत्यास्म |
| श्व० आतयिता | आतयितारौ | आतयितारः |
| आतयितासि | आतयितास्यः | आतयितास्य |
| आतयितास्मि | आतयितास्वः | आतयितास्मः |
| भ० आतयिष्यति | आतयिष्यतः | आतयिष्यन्ति |
| आतयिष्यसि | आतयिष्यथः | आतयिष्यथ |
| आतयिष्यामि | आतयिष्यावः | आतयिष्यामः |
| क्रि० आतयिष्यत् | आतयिष्यताम् | आतयिष्यन् |
| आतयिष्यः | आतयिष्यतम् | आतयिष्यत |
| आतयिष्यम् | आतयिष्याव | आतयिष्याम |

| | | |
|----------------------|----------------|---------------|
| व० आतयेते | आतयेते | आतयन्ते |
| आतयसे | आतयेथे | आतयध्वे |
| आतये | आतयावहे | आतयामहे |
| स० आतयेत | आतयेयाताम् | आतयेरन् |
| आतयेथाः | आतयेयाथाम् | आतयेध्वम् |
| आतयेय | आतयेवहि | आतयेमहि |
| प० आतयताम् | आतयेताम् | आतयन्ताम् |
| आतयस्व | आतयेथाम् | आतयध्वम् |
| आतये | आतयावहे | आतयामहे |
| ह्य० आतयत | आतयेताम् | आतयन्त |
| आतयथाः | आतयेथाम् | आतयध्वम् |
| आतये | आतयावहि | आतयामहि |
| अ० आतितत | आतितेताम् | आतितन्त |
| आतितथाः | आतितेथाम् | आतितध्वम् |
| आतिते | आतितावहि | आतितामहि |
| प० आतयाञ्चक्रे | आतयाञ्चक्राते | आतयाञ्चक्रिरे |
| आतयाञ्चकृषे | आतयाञ्चक्राथे | आतयाञ्चकृद्वे |
| आतयाञ्चक्रे | आतयाञ्चकृवहे | आतयाञ्चकृमहे |
| आतयाम्बभूव । आतयामास | | |
| आ० आतयिषीष्ट | आतयिषीयास्ताम् | आतयिषीरन् |
| आतयिषीष्टाः | आतयिषीयास्थाम् | आतयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| आतयिषीय | आतयिषीवहि | आतयिषीमहि |
| श्व० आतयिता | आतयितारौ | आतयितारः |
| आतयितासे | आतयितासाथे | आतयिताध्वे |
| आतयिताहे | आतयितास्वहे | आतयितास्महे |
| भ० आतयिष्यते | आतयिष्येते | आतयिष्यन्ते |
| आतयिष्यसे | आतयिष्येथे | आतयिष्यध्वे |
| आतयिष्ये | आतयिष्यावहे | आतयिष्यामहे |
| क्रि० आतयिष्यत | आतयिष्येताम् | आतयिष्यन्त |
| आतयिष्यथाः | आतयिष्येथाम् | आतयिष्यध्वम् |
| आतयिष्ये | आतयिष्यावहि | आतयिष्यामहि |

280 च्युतृ (च्युतृ) आसेचने

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------|
| व० च्योतयति | च्योतयतः | च्योतयन्ति |
| च्योतयसि | च्योतयथः | च्योतयथ |
| च्योतयामि | च्योतयावः | च्योतयामः |
| स० च्योतयेत् | च्योतयेताम् | च्योतयेयुः |
| च्योतयेः | च्योतयेतम् | च्योतयेत |
| च्योतयेयम् | च्योतयेव | च्योतयेम |
| प० च्योतयतु | च्योतयतात् | च्योतयताम् |
| च्योतय | च्योतयतात् | च्योतयतम् |
| च्योतयानि | च्योतयाव | च्योतयाम |
| ह्य० अच्योतयत् | अच्योतयताम् | अच्योतयन् |
| अच्योतयः | अच्योतयतम् | अच्योतयत |
| अच्योतयम् | अच्योतयाव | अच्योतयाम |
| अ० अच्युतत् | अच्युतताम् | अच्युतन् |
| अच्युतः | अच्युततम् | अच्युतत |
| अच्युतम् | अच्युताव | अच्युताम |
| प० च्योतयाश्चकार | च्योतयाश्चक्रुः | च्योतयाश्चक्रुः |
| च्योतयाश्चकथे | च्योतयाश्चकथुः | च्योतयाश्चक |
| च्योतयाश्चकार-चकर | च्योतयाश्चकृव | च्योतयाश्चकृम |
| च्योतयाम्बभूव | । | च्योतयामास |
| आ० च्योत्यात् | च्योत्यास्ताम् | च्योत्यासुः |
| च्योत्याः | च्योत्यास्तम् | च्योत्यास्त |
| च्योत्यासम् | च्योत्यास्व | च्योत्यास्म |
| क्ष० च्योतयिता | च्योतयितारौ | च्योतयितारः |
| च्योतयितासि | च्योतयितास्थः | च्योतयितास्थ |
| च्योतयितास्मि | च्योतयितास्वः | च्योतयितास्मः |
| भ० च्योतयिष्यति | च्योतयिष्यतः | च्योतयिष्यन्ति |
| च्योतयिष्यसि | च्योतयिष्यथः | च्योतयिष्यथ |
| च्योतयिष्यामि | च्योतयिष्यावः | च्योतयिष्यामः |
| क्रि० अच्योतयिष्यत् | अच्योतयिष्यताम् | अच्योतयिष्यन् |
| अच्योतयिष्यः | अच्योतयिष्यतम् | अच्योतयिष्यत |
| अच्योतयिष्यम् | अच्योतयिष्याव | अच्योतयिष्याम |

| | | |
|---------------------|------------------|------------------|
| व० च्योतयते | च्योतयेते | च्योतयन्ते |
| च्योतयसे | च्योतयेथे | च्योतयन्त्रे |
| च्योतये | च्योतयावहे | च्योतयामहे |
| स० च्योतयेत | च्योतयेताम् | च्योतयेरन् |
| च्योतयेथाः | च्योतयेथायाम् | च्योतयेध्वम् |
| च्योतयेथ | च्योतयेवहि | च्योतयेमहि |
| प० च्योतयताम् | च्योतयेताम् | च्योतयन्ताम् |
| च्योतयस्व | च्योतयेथाम् | च्योतयध्वम् |
| च्योतये | च्योतयावहे | च्योतयामहे |
| ह्य० अच्योतयत | अच्योतयेताम् | अच्योतयन्त |
| अच्योतयथाः | अच्योतयेथाम् | अच्योतयध्वम् |
| अच्योतये | अच्योतयावहि | अच्योतयामहि |
| अ० अच्युत | अच्युतेताम् | अच्युतन्त |
| अच्युतथाः | अच्युतेथाम् | अच्युतध्वम् |
| अच्युते | अच्युतावहि | अच्युतामहि |
| प० च्योतयाश्चक्रे | च्योतयाश्चक्राते | च्योतयाश्चक्रिरे |
| च्योतयाश्चकृषे | च्योतयाश्चक्राथे | च्योतयाश्चकृत्वे |
| च्योतयाश्चक्रे | च्योतयाश्चकृवहे | च्योतयाश्चकृमहे |
| च्योतयाम्बभूव | । | च्योतयामास |
| आ० च्योतयिषीष्ट | च्योतयिषीस्ताम् | च्योतयिषीरन् |
| च्योतयिषीष्टाः | च्योतयिषीस्थां | च्योतयिषीध्वम् |
| च्योतयिषीय | च्योतयिषीवहि | च्योतयिषीमहि |
| क्ष० च्योतयिता | च्योतयितारौ | च्योतयितारः |
| च्योतयितासे | च्योतयितासाथे | च्योतयितास्व |
| च्योतयिताहे | च्योतयितास्वहे | च्योतयितास्महे |
| भ० च्योतयिष्यते | च्योतयिष्येते | च्योतयिष्यन्ते |
| च्योतयिष्यसे | च्योतयिष्येथे | च्योतयिष्यध्वम् |
| च्योतयिष्ये | च्योतयिष्यावहे | च्योतयिष्यामहे |
| क्रि० अच्योतयिष्यते | अच्योतयिष्येताम् | अच्योतयिष्यन्त |
| अच्योतयिष्यथाः | अच्योतयिष्येथाम् | अच्योतयिष्यध्वम् |
| अच्योतयिष्ये | अच्योतयिष्यावहि | अच्योतयिष्यामहि |

281 चुटु (चुत) क्षरणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० चोतयति | चोतयतः | चोतयन्ति |
| चोतयसि | चोतयथः | चोतयथ |
| चोतयामि | चोत यावः | चोतयामः |
| स० चोतयेत् | चोतयेताम् | चोतयेयुः |
| चोतयेः | चोतयेतम् | चोतयेत |
| चोतयेयम् | चोतयेव | चोतयेम |
| प० चोतयतु | चोतयतात् | चोतयताम् |
| चोतय | चोतयतम् | चोतयत |
| चोतयानि | चोतयाव | चोतयाम |
| झ० अचोतयत् | अचोतयताम् | अचोतयन् |
| अचोतयः | अचोतयतम् | अचोतयत |
| अचोतयम् | अचोतयाव | अचोतयाम |
| अ० अचूचुतत् | अचूचुतताम् | अचूचुतन् |
| अचूचुतः | अचूचुततम् | अचूचुतत |
| अचूचुतम् | अचूचुताव | अचूचुताम |
| प० चोतयाञ्चकार | चोतयाञ्चकतुः | चोतयाञ्चकुः |
| चोतयाञ्चकार्य | चोतयाञ्चकथुः | चोतयाञ्चक |
| चोतयाञ्चकार-चकर | चोतयाञ्चकृव | चोतयाञ्चकृम |
| चोतयाम्बभूव । | चोतयामास | |
| अ० चोत्यात् | चोत्यास्ताम् | चोत्यासुः |
| चोत्याः | चोत्यास्तम् | चोत्यास्त |
| चोत्यासम् | चोत्यास्व | चोत्यास्म |
| श्व० चोतयिता | चोतयितारौ | चोतयितारः |
| चोतयितासि | चोतयितास्थः | चोतयितास्थ |
| चोतयितास्मि | चोतयितास्वः | चोतयितास्मः |
| भ० चोतयिष्यति | चोतयिष्यतः | चोतयिष्यन्ति |
| चोतयिष्यसि | चोतयिष्यथः | चोतयिष्यथ |
| चोतयिष्यामि | चोतयिष्यावः | चोतयिष्यामः |
| क्रि० अचोतयिष्यत् | अचोतयिष्यताम् | अचोतयिष्यन् |
| अचोतयिष्यः | अचोतयिष्यतम् | अचोतयिष्यत |
| अचोतयिष्यम् | अचोतयिष्याव | अचोतयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० चोतयते | चोतयेते | चोतयन्ते |
| चोतयसे | चोतयेथे | चोतयध्वे |
| चोतये | चोतयावहे | चोतयामहे |
| स० चोतयेत | चोतयेयाताम् | चोतयेरन् |
| चोतयेथाः | चोतयेयाथाम् | चोतयेध्वम् |
| चोतयेय | चोतयेवहि | चोतयेमहि |
| प० चोतयताम् | चोतयेताम् | चोतयन्ताम् |
| चोतयस्व | चोतयेथाम् | चोतयध्वम् |
| चोतयै | चोतयावहे | चोतयामहे |
| ह्य० अचोतयत | अचोतयेताम् | अचोतयन्त |
| अचोतयथाः | अचोतयेथाम् | अचोतयध्वम् |
| अचोतये | अचोतयावहि | अचोतयामहि |
| अ० अचूचुतत् | अचूचुतेताम् | अचूचुतन्त |
| अचूचुतथाः | अचूचुतेथाम् | अचूचुतध्वम् |
| अचूचुते | अचूचुतावहि | अचूचुतामहि |
| प० चोतयाञ्चक्रे | चोतयाञ्चकाते | चोतयाञ्चकिरे |
| चोतयाञ्चकृषे | चोतयाञ्चकाथे | चोतयाञ्चकृद्वे |
| चोतयाञ्चके | चोतयाञ्चकृवहे | चोतयाञ्चकृम |
| चोतयाम्बभूव । | चोतयामास | |
| आ० चोतयिषीष्ट | चोतयिषीयास्ताम् | चोतयिषीरन् |
| चोतयिषीष्ठाः | चोतयिषीयास्याम् | चोतयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| चोतयिषीय | चोतयिषीवहि | चोतयिषीमहि |
| श्व० चोतयिता | चोतयितारौ | चोतयितारः |
| चोतयितासे | चोतयितासाथे | चोतयिताध्वे |
| चोतयिताहे | चोतयितास्वहे | चोतयितास्महे |
| भ० चोतयिष्यते | चोतयिष्येते | चोतयिष्यन्ते |
| चोतयिष्यसे | चोतयिष्येथे | चोतयिष्यध्वे |
| चोतयिष्ये | चोतयिष्यावहे | चोतयिष्यामहे |
| क्रि० अचोतयिष्यत | अचोतयिष्येताम् | अचोतयिष्यन्त |
| अचोतयिष्यथाः | अचोतयिष्येथाम् | अचोतयिष्यध्वम् |
| अचोतयिष्ये | अचोतयिष्यावहि | अचोतयिष्यामहि |

182 स्तुट् (स्तुत्) क्षरणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| ब० | क्षोतयति | क्षोतयतः | क्षोतयन्ति |
| | क्षोतयसि | क्षोतयथः | क्षोतयथ |
| | क्षोतयामि | क्षोतयावः | क्षोतयामः |
| स० | क्षोतयेत् | क्षोनयेताम् | क्षोतयेयुः |
| | क्षोतयं | क्षोतयेतम् | क्षोतयेत |
| | क्षोतयेयम् | क्षोतयेव | क्षोतयेम |
| प० | क्षोतयतु | क्षोतयतात् | क्षोतयताम् |
| | क्षोतय | क्षोतयतात् | क्षोतयतम् |
| | क्षोतयानि | क्षोतयाव | क्षोतयाम |
| अ० | क्षोतयत् | क्षोतयताम् | क्षोतयन् |
| | क्षोतयः | क्षोतयतम् | क्षोतयत |
| | क्षोतयम् | क्षोतयाव | क्षोतयाम |
| अ० | अक्षुत्तुत् | अक्षुत्तताम् | अक्षुत्तन् |
| | अक्षुत्तुतः | अक्षुत्तुतम् | अक्षुत्तुत |
| | अक्षुत्तुतम् | अक्षुत्तुताव | अक्षुत्तुताम |
| प्र० | क्षोतयाश्चकार | क्षोतयाश्चक्रुः | क्षोतयाश्चक्रुः |
| | क्षोतयाश्चकर्त्तु | क्षोतयाश्चक्रुः | क्षोतयाश्चक्रुः |
| | क्षोतयाश्चकार-चकर | क्षोतयाश्चक्रुव | क्षोतयाश्चक्रुम |
| | क्षोतयाम्बभूव | क्षोतयामास | |
| आ० | क्षोत्यात् | क्षोत्यास्ताम् | क्षोत्यासुः |
| | क्षोत्याः | क्षोत्यास्तम् | क्षोत्यास्त |
| | क्षोत्यासम् | क्षोत्यास्व | क्षोत्यास्म |
| श्व० | क्षोतयिता | क्षोतयितारौ | क्षोतयितारः |
| | क्षोतयितासि | क्षोतयितास्थः | क्षोतयितास्थ |
| | क्षोतयितास्मि | क्षोतयितास्वः | क्षोतयितास्मः |
| भ० | क्षोतयिष्यति | क्षोतयिष्यतः | क्षोतयिष्यन्ति |
| | क्षोतयिष्यसि | क्षोतयिष्यथः | क्षोतयिष्यथ |
| | क्षोतयिष्यामि | क्षोतयिष्यावः | क्षोतयिष्यामः |
| क्रि० | अक्षोतयिष्यत् | अक्षोतयिष्यताम् | अक्षोतयिष्यन्त |
| | अक्षोतयिष्यः | अक्षोतयिष्यतम् | अक्षोतयिष्यत |
| | अक्षोतयिष्यम् | अक्षोतयिष्याव | अक्षोतयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | क्षोतयते | क्षोतयेते | क्षोतयन्ते |
| | क्षोतयसे | क्षोतयेथे | क्षोतयध्वे |
| | क्षोतये | क्षोतयावहे | क्षोतयामहे |
| स० | क्षोतयेत | क्षोतयेयाताम् | क्षोतयेरन् |
| | क्षोतयेथाः | क्षोतयेयाथाम् | क्षोतयेध्वम् |
| | क्षोतयेय | क्षोतयेवहि | क्षोतयेमहि |
| प० | क्षोतयताम् | क्षोतयेताम् | क्षोतयन्ताम् |
| | क्षोतयस्व | क्षोतयेथाम् | क्षोतयध्वम् |
| | क्षोतयै | क्षोतयावहे | क्षोतयामहे |
| प्र० | अक्षोतयत | अक्षोतयेताम् | अक्षोतयन्त |
| | अक्षोतयथाः | अक्षोतयेथाम् | अक्षोतयध्वम् |
| | अक्षोतये | अक्षोतयावहि | अक्षोतयामहि |
| अ० | अक्षुत्तुत | अक्षुत्तुताम् | अक्षुत्तुन्त |
| | अक्षुत्तुताः | अक्षुत्तुथाम् | अक्षुत्तुतध्वम् |
| | अक्षुत्तुते | अक्षुत्तुतावहि | अक्षुत्तुतामहि |
| प० | क्षोतयाश्चके | क्षोतयाश्चकाते | क्षोतयाश्चकिरे |
| | क्षोतयाश्चकृषे | क्षोतयाश्चक्राथे | क्षोतयाश्चकृद्वे |
| | क्षोतयाश्चके | क्षोतयाश्चकृवहे | क्षोतयाश्चकृमहे |
| | क्षोतयाम्बभूव | क्षोतयामास | |
| आ० | क्षोतयिषीष्ट | क्षोतयिषीयास्ताम् | क्षोतयिषीरत् |
| | क्षोतयिषीष्टाः | क्षोतयिषीयास्थाम् | क्षोतयिषीद्वम् |
| | क्षोतयिषीय | क्षोतयिषीवहि | क्षोतयिषीमहि |
| श्व० | क्षोतयिता | क्षोतयितारौ | क्षोतयितारः |
| | क्षोतयितासि | क्षोतयितास्थे | क्षोतयिताध्वे |
| | क्षोतयिताहे | क्षोतयितास्वहे | क्षोतयितास्महे |
| भ० | क्षोतयिष्यते | क्षोतयिष्येते | क्षोतयिष्यन्ते |
| | क्षोतयिष्यसे | क्षोतयिष्येथे | क्षोतयिष्यध्वे |
| | क्षोतयिष्ये | क्षोतयिष्यावहे | क्षोतयिष्यामहे |
| क्रि० | अक्षोतयिष्यत | अक्षोतयिष्येताम् | अक्षोतयिष्यन्त |
| | अक्षोतयिष्यथाः | अक्षोतयिष्येथाम् | अक्षोतयिष्यध्वम् |
| | अक्षोतयिष्ये | अक्षोतयिष्यावहि | अक्षोतयिष्यामहि |

283 ऋयुतृ (ऋयुतृ) क्षरणे

| | | | |
|----|-----------|------------|-----------|
| व० | ऋयोतयति | ऋयोतयतः | ऋयोतयन्ति |
| | ऋयोतयसि | ऋयोतयथः | ऋयोतयथ |
| | ऋयोतयामि | ऋयोतयावः | ऋयोतयामः |
| स० | ऋयोतयेत् | ऋयोतयेताम् | ऋयोतयेयुः |
| | ऋयोतयेः | ऋयोतयेतम् | ऋयोतयेत |
| | ऋयोतयेयम् | ऋयोतयेव | ऋयोतयेम |

प० ऋयोतयतु ऋयोतयतात् ऋयोतयताम् ऋयोतयन्तु
ऋयोतय ऋयोतयतात् ऋयोतयतम् ऋयोतयत
ऋयोतयानि ऋयोतयाव ऋयोतयाम

ह्य० अऋयोतयत् अऋयोतयताम् अऋयोतयन्
अऋयोतयः अऋयोतयतम् अऋयोतयत
अऋयोतयम् अऋयोतयाव अऋयोतयाम

अ० अचुऋयुतत् अचुऋयुतताम् अचुऋयुतन्
अचुऋयुतः अचुऋयुततम् अचुऋयुतत
अचुऋयुतम् अचुऋयुताव अचुऋयुताम

प० ऋयोतयाञ्चकार ऋयोतयाञ्चकतुः ऋयोतयाञ्चकुः
ऋयोतयाञ्चकर्थं ऋयोतयाञ्चकथुः ऋयोतयाञ्चक
ऋयोतयाञ्चकार-चकर ऋयोतयाञ्चकृव ऋयोतयाञ्चकृम
ऋयोतयाञ्चभूव । ऋयोतयामास

आ० ऋयोत्यात् ऋयोत्यास्ताम् ऋयोत्यासुः
ऋयोत्याः ऋयोत्यास्तम् ऋयोत्यास्त
ऋयोत्यासम् ऋयोत्यास्व ऋयोत्यास्म

श्व० ऋयोतयिता ऋयोतयितारौ ऋयोतयितारः
ऋयोतयितासि ऋयोतयितास्थः ऋयोतयितास्थ
ऋयोतयितास्मि ऋयोतयितास्वः ऋयोतयितास्मः

भ० ऋयोतयिष्यति ऋयोतयिष्यतः ऋयोतयिष्यन्ति
ऋयोतयिष्यसि ऋयोतयिष्यथः ऋयोतयिष्यथ
ऋयोतयिष्यामि ऋयोतयिष्यावः ऋयोतयिष्यामः

क्रि० अऋयोतयिष्यत् अऋयोतयिष्यताम् अऋयोतयिष्यन्
अऋयोतयिष्यः अऋयोतयिष्यतम् अऋयोतयिष्यत
अऋयोतयिष्यम् अऋयोतयिष्याव अऋयोतयिष्याम

व० ऋयोतयेते ऋयोतयेते ऋयोतयन्ते
ऋयोतयसे ऋयोतयेथे ऋयोतयन्वे
ऋयोतये ऋयोतयावहे ऋयोतयामहे

स० ऋयोतयेत ऋयोतयेयाताम् ऋयोतयेरन्
ऋयोतयेथाः ऋयोतयेयाथाम् ऋयोतयेष्वम्
ऋयोतयेय ऋयोतयेवहि ऋयोतयेमहि

प० ऋयोतयताम् ऋयोतयेताम् ऋयोतयन्ताम्
ऋयोतयस्व ऋयोतयेथाम् ऋयोतयष्वम्
ऋयोतये ऋयोतयावहे ऋयोतयामहे

ह्य० अऋयोतयत अऋयोतयेताम् अऋयोतयन्त
अऋयोतयथाः अऋयोतयेथाम् अऋयोतयष्वम्
अऋयोतये अऋयोतयावहि अऋयोतयामहि

अ० अचुऋयुत अचुऋ तैताम् अचुऋयुतन्त
अचुऋयुतथाः अचुऋयुतेथाम् अचुऋयुतष्वम्
अचुऋयुते अचुऋयुतावहि अचुऋयुतामहि

प० ऋयोतयाञ्चके ऋयोतयाञ्चकते ऋयोतयाञ्चकिरे
ऋयोतयाञ्चकृषे ऋयोतयाञ्चकाये ऋयोतयाञ्चकृवे
ऋयोतयाञ्चके ऋयोतयाञ्चकृवहे ऋयोतयाञ्चकृमहे
ऋयोतयाञ्चभूव । ऋयोतयामास

आ० ऋयोतयिषीष्ट ऋयोतयिषीयास्ताम् ऋयोतयिषीरन्
ऋयोतयिषीष्टाः ऋयोतयिषीयास्थाम् ऋयोतयिषीह्वम्
ऋयोतयिषीय ऋयोतयिषीवहि ऋयोतयिषीमहि

श्व० ऋयोतयिता ऋयोतयितारौ ऋयोतयितारः
ऋयोतयितासे ऋयोतयितासाथे ऋयोतयितास्वे
ऋयोतयिताहे ऋयोतयितास्वहे ऋयोतयितास्महे

भ० ऋयोतयिष्यते ऋयोतयिष्येते ऋयोतयिष्यन्ते
ऋयोतयिष्यसे ऋयोतयिष्येथे ऋयोतयिष्येष्वम्
ऋयोतयिष्ये ऋयोतयिष्यावहे ऋयोतयिष्यामहे

क्रि० अऋयोतयिष्यत् अऋयोतयिष्येताम् अऋयोतयिष्यन्त
अऋयोतयिष्यथाः अऋयोतयिष्येथाम् अऋयोतयिष्येष्वम्
अऋयोतयिष्ये अऋयोतयिष्यावहि अऋयोतयिष्याम

284 जुट् (जुत्) भासने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | जोतयति | जोतयतः | जोतयन्ति |
| | जोतयसि | जोतयथः | जोतयथ |
| | जोतयामि | जोतयावः | जोतयामः |
| स० | जोतयेत् | जोतयेताम् | जोतयेयुः |
| | जोतयेः | जोतयेतम् | जोतयेत |
| | जोतयेयम् | जोतयेव | जोतयेम |
| प० | जोतयतु | जोतयतात् | जोतयताम् |
| | जोतय | जोतयतात् | जोतयतम् |
| | जोतयानि | जोतयाव | जोतयाम |
| ह्य० | अजोतयत् | अजोतयताम् | अजोतयन् |
| | अजोतयः | अजोतयतम् | अजोतयत |
| | अजोतयम् | अजोतयाव | अजोतयाम |
| भ० | अजुजुतत् | अजुजुताम् | अजुजुतन् |
| | अजुजुतः | अजुजुततम् | अजुजुतत |
| | अजुजुतम् | अजुजुताव | अजुजुताम् |
| ५० | जोतयाञ्चकार | जोतयाञ्चकतुः | जोतयाञ्चकुः |
| | जोतयाञ्चकर्थ | जोतयाञ्चकथुः | जोतयाञ्चक |
| | जोतयाञ्चकार-चकर | जोतयाञ्चकृव | जोतयाञ्चकम् |
| | जोतयाम्बभूव | । | जोतयामास |
| आ० | जोत्यात् | जोत्यास्ताम् | जोत्यासुः |
| | जोत्याः | जोत्यास्तम् | जोत्यास्त |
| | जोत्यासम् | जोत्यास्व | जोत्यास्म |
| ध० | जोतयिता | जोतयितारौ | जोतयितारः |
| | जोतयितासि | जोतयितास्थः | जोतयितास्थ |
| | जोतयितास्मि | जोतयितास्वः | जोतयितास्मः |
| भ० | जोतयिष्यति | जोतयिष्यतः | जोतयिष्यन्ति |
| | जोतयिष्यसि | जोतयिष्यथः | जोतयिष्यथ |
| | जोतयिष्यामि | जोतयिष्यावः | जोतयिष्यामः |
| क्रि० | अजोतयिष्यत् | अजोतयिष्यताम् | अजोतयिष्यन् |
| | अजोतयिष्यः | अजोतयिष्यतम् | अजोतयिष्यत |
| | अजोतयिष्यम् | अजोतयिष्याव | अजोतयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | जोतयते | जोतयेत | जोतयन्ते |
| | जोतयसे | जोतयेथे | जोतयध्वे |
| | जोतये | जोतयावहे | जोतयामहे |
| स० | जोतयेत | जोतयेयताम् | जोतयेरन् |
| | जोतयेथाः | जोतयेयाथाम् | जोतयेध्वम् |
| | जोतयेथ | जोतयेवहि | जोतयेमहि |
| प० | जोतयताम् | जोतयेताम् | जोतयन्ताम् |
| | जोतयस्व | जोतयेथाम् | जोतयध्वम् |
| | जोतये | जोतयावहे | जोतयामहे |
| ह्य० | अजोतयत | अजोतयेताम् | अजोतयन्त |
| | अजोतयथाः | अजोतयेथाम् | अजोतयध्वम् |
| | अजोतये | अजोतयावहि | अजोतयामहि |
| अ० | अजुजुतत | अजुजुतेताम् | अजुजुतन्त |
| | अजुजुतथाः | अजुजुतेथाम् | अजुजुतध्वम् |
| | अजुजुते | अजुजुतावहि | अजुजुतामहि |
| प० | जोतयाञ्चक्रे | जोतयाञ्चकृते | जोतयाञ्चकिरे |
| | जोतयाञ्चकृषे | जोतयाञ्चकृथे | जोतयाञ्चकृध्वे |
| | जोतयाञ्चक्रे | जोतयाञ्चकृवहे | जोतयाञ्चकृमहे |
| | जोतयाम्बभूव | । | जोतयामास |
| आ० | जोतयिषीष्ट | जोतयिषीयास्ताम् | जोतयिषीरन् |
| | जोतयिषीष्ठाः | जोतयिषीयास्थाम् | जोतयिषीध्वम् |
| | जोतयिषीय | जोतयिषीवहि | जोतयिषीमहि |
| ध० | जोतयिता | जोतयितारौ | जोतयितारः |
| | जोतयितासे | जोतयितासाथे | जोतयिताध्वे |
| | जोतयिताहे | जोतयितास्वहे | जोतयितास्महे |
| भ० | जोतयिष्यते | जोतयिष्येते | जोतयिष्यन्ते |
| | जोतयिष्यसे | जोतयिष्येथे | जोतयिष्यध्वे |
| | जोतयिष्ये | जोतयिष्यावहे | जोतयिष्यामहे |
| क्रि० | अजोतयिष्यत | अजोतयिष्येताम् | अजोतयिष्यन्त |
| | अजोतयिष्यथाः | अजोतयिष्येथाम् | अजोतयिष्यध्वम् |
| | अजोतयिष्ये | अजोतयिष्यावहि | अजोतयिष्यामहि |

285 अतु (अन्त) बन्धने ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० अन्तयति | अन्तयतः | अन्तयन्ति |
| अन्तयसि | अन्तयथः | अन्तयथ |
| अन्तयामि | अन्तयावः | अन्तयामः |
| स० अन्तयेत् | अन्तयेताम् | अन्तयेयुः |
| अन्तयेः | अन्तयेतम् | अन्तयेत |
| अन्तयेयम् | अन्तयेव | अन्तयेम |
| प० अन्तयतु | अन्तयतात् | अन्तयताम् |
| अन्तय | अन्तयतात् | अन्तयतम् |
| अन्तयानि | अन्तयाव | अन्तयाम |
| ह्य० आन्तयत् | आन्तयताम् | आन्तयन् |
| आन्तयः | आन्तयतम् | आन्तयत |
| आन्तयम् | आन्तयाव | आन्तयाम |
| अ० आन्तितत् | आन्तितताम् | आन्तितन् |
| आन्तितः | आन्तिततम् | आन्तितत |
| आन्तितम् | आन्तिताव | आन्तिताम |
| प० अन्तयाश्चकार | अन्तयाश्चक्रुः | अन्तयाश्चकुः |
| अन्तयाश्चकथ | अन्तयाश्चक्रुः | अन्तयाश्चक |
| अन्तयाश्चकार-चकर | अन्तयाश्चकृव | अन्तयाश्चकृम |
| अन्तयाम्बभूव | । | अन्तयामास |
| आ० अन्त्यात् | अन्त्यास्ताम् | अन्त्यासुः |
| अन्त्याः | अन्त्यास्तम् | अन्त्यास्त |
| अन्त्यासम् | अन्त्यास्व | अन्त्यास्म |
| श्व० अन्तयिता | अन्तयितारौ | अन्तयितारः |
| अन्तयितासि | अन्तयितास्थः | अन्तयितास्थ |
| अन्तयितास्मि | अन्तयितास्वः | अन्तयितास्मः |
| अ० अन्तयिष्यति | अन्तयिष्यतः | अन्तयिष्यन्ति |
| अन्तयिष्यसि | अन्तयिष्यथः | अन्तयिष्यथ |
| अन्तयिष्यामि | अन्तयिष्यावः | अन्तयिष्यामः |
| क्रि० आन्तयिष्यत् | आन्तयिष्यताम् | आन्तयिष्यन् |
| आन्तयिष्यः | आन्तयिष्यतम् | आन्तयिष्यत |
| आन्तयिष्यम् | आन्तयिष्याव | आन्तयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० अन्तयेते | अन्तयेते | अन्तयन्ते |
| अन्तयेसे | अन्तयेथे | अन्तयेथ्वे |
| अन्तये | अन्तयावहे | अन्तयामहे |
| स० अन्तयेत | अन्तयेयाताम् | अन्तयेरन् |
| अन्तयेथाः | अन्तयेयाथाम् | अन्तयेथ्वम् |
| अन्तयेथ | अन्तयेवहि | अन्तयेमहि |
| प० अन्तयताम् | अन्तयेताम् | अन्तयन्ताम् |
| अन्तयस्व | अन्तयेथाम् | अन्तयश्वम् |
| अन्तये | अन्तयावहै | अन्तयामहै |
| ह्य० आन्तयत | आन्तयेताम् | आन्तयन्त |
| आन्तयथाः | आन्तयेथाम् | आन्तयश्वम् |
| आन्तये | आन्तयावहि | आन्तयामहि |
| अ० आन्तितत | आन्तितेताम् | आन्तितन् |
| आन्तितथाः | आन्तितेथाम् | आन्तितश्वम् |
| आन्तिते | आन्तितावहि | आन्तितामहि |
| प० अन्तयाश्चके | अन्तयाश्चक्राते | अन्तयाश्चकिरे |
| अन्तयाश्चकृषे | अन्तयाश्चक्राये | अन्तयाश्चकृद्वे |
| अन्तयाश्चके | अन्तयाश्चकृवहे | अन्तयाश्चकृमहे |
| अन्तयाम्बभूव | । | अन्तयामास |
| आ० अन्तयिषीष्ट | अन्तयिषीयास्ताम् | अन्तयिषीरन् |
| अन्तयिषीष्टाः | अन्तयिषीयास्थाम् | अन्तयिषीह्वम् |
| अन्तयिषीय | अन्तयिषीवहि | अन्तयिषीमहि |
| श्व० अन्तयिता | अन्तयितारौ | अन्तयितारः |
| अन्तयितासे | अन्तयितासाथे | अन्तयिताथ्वे |
| अन्तयिताहे | अन्तयितास्वहे | अन्तयितास्महे |
| अ० अन्तयिष्यते | अन्तयिष्येते | अन्तयिष्यन्ते |
| अन्तयिष्यसे | अन्तयिष्येथे | अन्तयिष्यथ्वे |
| अन्तयिष्ये | अन्तयिष्यावहे | अन्तयिष्यामहे |
| क्रि० आन्तयिष्यत् | आन्तयिष्येताम् | आन्तयिष्यन्त |
| आन्तयिष्यथाः | आन्तयिष्येथाम् | आन्तयिष्यश्वम् |
| आन्तयिष्ये | आन्तयिष्यावहि | आन्तयिष्यामहि |

286 कित (कित) निवासे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | केतयति | केतयः | केतयन्ति |
| | केतयसि | केतयथ | केतयथ |
| | केतयामि | केतयावः | केतयामः |
| स० | केतयेत् | केतयेताम् | केतयेयुः |
| | केतयेः | केतयेतम् | केतयेत |
| | केतयेयम् | केतयेव | केतयेम |
| प० | केतयतु | केतयतात् | केतयताम् |
| | केतय | केतयतम् | केतयत |
| | केतयानि | केतयाव | केतयाम |
| ह्य० | अकेतयत् | अकेतयताम् | अकेतयन् |
| | अकेतयः | अकेतयतम् | अकेतयत |
| | अकेतयम् | अकेतयाव | अकेतयाम |
| अ० | अचीकितत् | अचीकितताम् | अचीकितन् |
| | अचीकितः | अचीकिततम् | अचीकितत |
| | अचीकितम् | अचीकिताव | अचीकिताम |
| प० | केतयाश्चकार | केतयाश्चक्रुः | केतयाश्चकुः |
| | केतयाश्चकथं | केतयाश्चक्रुः | केतयाश्चक्रुः |
| | केतयाश्चकार-चकर | केतयाश्चक्रुव | केतयाश्चक्रुम |
| | केतयाम्बभूव | केतयामास | |
| आ० | केत्यात् | केत्यास्ताम् | केत्यासुः |
| | केत्याः | केत्यास्तम् | केत्यास्त |
| | केत्यासम् | केत्यास्व | केत्यास्म |
| श्च० | केतयिता | केतयितारौ | केतयितारः |
| | केतयितासि | केतयितास्थः | केतयितास्थ |
| | केतयितास्मि | केतयितास्वः | केतयितास्मः |
| भ० | केतयिष्यति | केतयिष्यतः | केतयिष्यन्ति |
| | केतयिष्यसि | केतयिष्यथः | केतयिष्यथ |
| | केतयिष्यामि | केतयिष्यावः | केतयिष्यामः |
| क्रि० | अकेतयिष्यत् | अकेतयिष्यताम् | अकेतयिष्यन् |
| | अकेतयिष्यः | अकेतयिष्यतम् | अकेतयिष्यत |
| | अकेतयिष्याम् | अकेतयिष्याव | अकेतयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | केतयते | केतयेते | केतयन्ते |
| | केतयसे | केतयेथे | केतयध्वे |
| | केतये | केतयावहे | केतयामहे |
| स० | केतयेत | केतयेताम् | केतयेरन् |
| | केतयेथाः | केतयेयाथाम् | केतयेध्वम् |
| | केतयेय | केतयेवहि | केतयेमहि |
| प० | केतयताम् | केतयेताम् | केतयन्ताम् |
| | केतयस्व | केतयेथाम् | केतयध्वम् |
| | केतयै | केतयावहै | केतयामहै |
| ह्य० | अकेतयत | अकेतयेताम् | अकेतयन्त |
| | अकेतयथः | अकेतयेथाम् | अकेतयध्वम् |
| | अकेतये | अकेतयावहि | अकेतयामहि |
| अ० | अचीकितत | अचीकितेताम् | अचीकितन्त |
| | अचीकितथाः | अचीकितेथाम् | अचीकितध्वम् |
| | अचीकिते | अचीकितावहि | अचीकितामहि |
| प० | केतयाश्चक्रे | केतयाश्चक्राते | केतयाश्चक्रिरे |
| | केतयाश्चकृषे | केतयाश्चक्राथे | केतयाश्चकृद्वे |
| | केतयाश्चक्रे | केतयाश्चकृवहे | केतयाश्चकृमहे |
| | केतयाम्बभूव | केतयामास | |
| आ० | केतयिषीष्ट | केतयिषीयास्ताम् | केतयिषीरन् |
| | केतयिषीष्ठाः | केतयिषीयास्थाम् | केतयिषीध्वम् |
| | केतयिषीय | केतयिषीवहि | केतयिषीमहि |
| श्च० | केतयिता | केतयितारौ | केतयितारः |
| | केतयितासे | केतयितासाथे | केतयिताध्वे |
| | केतयिताहे | केतयितास्वहे | केतयितास्महे |
| भ० | केतयिष्यते | केतयिष्येते | केतयिष्यन्ते |
| | केतयिष्यसे | केतयिष्येथे | केतयिष्यध्वे |
| | केतयिष्ये | केतयिष्यावहे | केतयिष्यामहे |
| क्रि० | अकेतयिष्यत | अकेतयिष्येताम् | अकेतयिष्यन्त |
| | अकेतयिष्यथाः | अकेतयिष्येथाम् | अकेतयिष्यध्वम् |
| | अकेतयिष्ये | अकेतयिष्यावहि | अकेतयिष्यामहि |

287 कृत (कृत्) घृणागतिस्पर्धेषु ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | अर्तयति | अर्तयतः | अर्तयन्ति |
| | अर्तयसि | अर्तयथः | अर्तयथ |
| | अर्तयामि | अर्तयावः | अर्तयामः |
| स० | अर्तयेत् | अर्तयेताम् | अर्तयेयुः |
| | अर्तयेः | अर्तयेतम् | अर्तयेत |
| | अर्तयेयम् | अर्तयेव | अर्तयेम |
| प० | अर्तयतु | अर्तयतात् | अर्तयन्तु |
| | अर्तय | अर्तयतात् | अर्तयतम् |
| | अर्तयानि | अर्तयाव | अर्तयाम |
| ह्य० | आर्तयत् | आर्तयताम् | आर्तयन् |
| | आर्तयः | आर्तयतम् | आर्तयत |
| | आर्तयम् | आर्तयाव | आर्तयाम |
| अ० | आर्तितत् | आर्तितताम् | आर्तितन् |
| | आर्तितः | आर्तिततम् | आर्तितत |
| | आर्तितम् | आर्तिताव | आर्तिताम |
| ए० | अर्तयाश्चकार | अर्तयाश्चकतुः | अर्तयाश्चकुः |
| | अर्तयाश्चकथ | अर्तयाश्चकथुः | अर्तयाश्चक |
| | अर्तयाश्चकार-चकर | अर्तयाश्चकृव | अर्तयाश्चकृम |
| | अर्तयाम्बभूव | । | अर्तयामास |
| आ० | अर्त्यात् | अर्त्यास्ताम् | अर्त्यासुः |
| | अर्त्याः | अर्त्यास्तम् | अर्त्यास्त |
| | अर्त्यामम् | अर्त्यास्व | अर्त्यास्म |
| श्व० | अर्तयिता | अर्तयितारौ | अर्तयितारः |
| | अर्तयितासि | अर्तयितास्थः | अर्तयितास्थ |
| | अर्तयितास्मि | अर्तयितास्वः | अर्तयितास्मः |
| भ० | अर्तयिष्यति | अर्तयिष्यतः | अर्तयिष्यन्ति |
| | अर्तयिष्यसि | अर्तयिष्यथः | अर्तयिष्यथ |
| | अर्तयिष्यामि | अर्तयिष्यावः | अर्तयिष्यामः |
| क्रि० | आर्तयिष्यत् | आर्तयिष्यताम् | आर्तयिष्यन् |
| | आर्तयिष्यः | आर्तयिष्यतम् | आर्तयिष्यत |
| | आर्तयिष्यम् | आर्तयिष्याव | आर्तयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | अर्तयेते | अर्तयेते | अर्तयन्ते |
| | अर्तयेसे | अर्तयेथे | अर्तयन्वे |
| | अर्तये | अर्तयावहे | अर्तयामहे |
| स० | अर्तयेत | अर्तयेताताम् | अर्तयेरन् |
| | अर्तयेथाः | अर्तयेथाताम् | अर्तयेध्वम् |
| | अर्तयेय | अर्तयेवहि | अर्तयेमहि |
| प० | अर्तयेताम् | अर्तयेताम् | अर्तयन्ताम् |
| | अर्तयेस्व | अर्तयेथाम् | अर्तयेध्वम् |
| | अर्तये | अर्तयावहे | अर्तयामहे |
| ह्य० | आर्तयत | आर्तयेताम् | आर्तयन्त |
| | आर्तयथाः | आर्तयेथाम् | आर्तयेध्वम् |
| | आर्तये | आर्तयावह | आर्तयामहि |
| अ० | आर्तितत | आर्तितेताम् | आर्तितन्त |
| | आर्तितथाः | आर्तितेथाम् | आर्तितध्वम् |
| | आर्तिते | आर्तितावहि | आर्तितामहि |
| प० | अर्तयाश्चक्रे | अर्तयाश्चकृते | अर्तयाश्चकृरे |
| | अर्तयाश्चकृषे | अर्तयाश्चकृथे | अर्तयाश्चकृद्वे |
| | अर्तयाश्चक्रे | अर्तयाश्चकृवहे | अर्तयाश्चकृमहे |
| | अर्तयाम्बभूव | । | अर्तयामास |
| आ० | अर्तयिषीष्ट | अर्तयिषीयास्ताम् | अर्तयिषीरन् |
| | अर्तयिषीष्टाः | अर्तयिषीयास्थाम् | अर्तयिषीद्वम् |
| | अर्तयिषीय | अर्तयिषीवहि | अर्तयिषीमहि |
| श्व० | अर्तयिता | अर्तयितारौ | अर्तयितारः |
| | अर्तयितासे | अर्तयितासाथे | अर्तयिताध्वे |
| | अर्तयिताहे | अर्तयितास्वहे | अर्तयितास्महे |
| भ० | अर्तयिष्यते | अर्तयिष्येते | अर्तयिष्यन्ते |
| | अर्तयिष्यसे | अर्तयिष्येथे | अर्तयिष्यन्वे |
| | अर्तयिष्ये | अर्तयिष्यावहे | अर्तयिष्यामहे |
| क्रि० | आर्तयिष्यत | आर्तयिष्येताम् | आर्तयिष्यन्त |
| | आर्तयिष्यथाः | आर्तयिष्येथाम् | आर्तयिष्यध्वम् |
| | आर्तयिष्ये | आर्तयिष्यावहि | आर्तयिष्यामहि |

अथ धान्ताः षट् ॥

288 कुथु (कुन्थ्) हिसासंक्लेशनयो

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | कुन्थयति | कुन्थयताः | कुन्थयन्ति |
| | कुन्थयसि | कुन्थयथः | कुन्थयथ |
| | कुन्थयामि | कुन्थयावः | कुन्थयामः |
| स० | कुन्थयेत् | कुन्थयेताम् | कुन्थयेयुः |
| | कुन्थयेः | कुन्थयेतम् | कुन्थयेत |
| | कुन्थयेयम् | कुन्थयेव | कुन्थयेम |
| प० | कुन्थयतु | कुन्थयतात् | कुन्थयताम् |
| | कुन्थय | कुन्थयतम् | कुन्थयत |
| | कुन्थयानि | कुन्थयाव | कुन्थयाम |
| ह्य० | अकुन्थयत् | अकुन्थयताम् | अकुन्थयन् |
| | अकुन्थयः | अकुन्थयतम् | अकुन्थयत |
| | अकुन्थयम् | अकुन्थयाव | अकुन्थयाम |
| अ० | अचुकुन्थत् | अचुकुन्थताम् | अचुकुन्थन् |
| | अचुकुन्थः | अचुकुन्थतम् | अचुकुन्थत |
| | अचुकुन्थम् | अचुकुन्थाव | अचुकुन्थाम |
| प० | कुन्थयाञ्चकार | कुन्थयाञ्चक्रतुः | कुन्थयाञ्चक्रुः |
| | कुन्थयाञ्चकर्थ | कुन्थयाञ्चक्रथुः | कुन्थयाञ्चक्र |
| | कुन्थयाञ्चकार-चकर | कुन्थयाञ्चक्रव | कुन्थयाञ्चक्रम |
| | कुन्थयाम्बभूव । | कुन्थयामास | |
| भा० | कुन्थ्यात् | कुन्थ्यास्ताम् | कुन्थ्यासुः |
| | कुन्थ्याः | कुन्थ्यास्तम् | कुन्थ्यास्त |
| | कुन्थ्यासम् | कुन्थ्यास्व | कुन्थ्यास्म |
| श्व० | कुन्थयिता | कुन्थयितारौ | कुन्थयितारः |
| | कुन्थयितासि | कुन्थयितास्यः | कुन्थयितास्थ |
| | कुन्थयितास्मि | कुन्थयितास्वः | कुन्थयितास्मः |
| भ० | कुन्थयिष्यति | कुन्थयिष्यतः | कुन्थयिष्यन्ति |
| | कुन्थयिष्यसि | कुन्थयिष्यथः | कुन्थयिष्यथ |
| | कुन्थयिष्यामि | कुन्थयिष्यावः | कुन्थयिष्यामः |
| क्रि० | अकुन्थयिष्यत् | अकुन्थयिष्यताम् | अकुन्थयिष्यन् |
| | अकुन्थयिष्यः | अकुन्थयिष्यतम् | अकुन्थयिष्यत |
| | अकुन्थयिष्यम् | अकुन्थयिष्याव | अकुन्थयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|--------------------|
| व० | कुन्थयेते | कुन्थयेते | कुन्थयन्ते |
| | कुन्थयसे | कुन्थयेथे | कुन्थयन्वे |
| | कुन्थये | कुन्थयावहे | कुन्थयामहे |
| स० | कुन्थयेत | कुन्थयेयाताम् | कुन्थयेरन् |
| | कुन्थयेथाः | कुन्थयेथाथाम् | कुन्थयेध्वम् |
| | कुन्थयेय | कुन्थयेवहि | कुन्थयेमहि |
| प० | कुन्थयताम् | कुन्थयेताम् | कुन्थयन्ताम् |
| | कुन्थयस्व | कुन्थयेथाम् | कुन्थयध्वम् |
| | कुन्थये | कुन्थयावहे | कुन्थयामहे |
| ह्य० | अकुन्थयत | अकुन्थयेताम् | अकुन्थयन्त |
| | अकुन्थयथाः | अकुन्थयेथाम् | अकुन्थयध्वम् |
| | अकुन्थये | अकुन्थयावहि | अकुन्थयामहि |
| अ० | अचुकुन्थत | अचुकुन्थेताम् | अचुकुन्थन्त |
| | अचुकुन्थथाः | अचुकुन्थेथाम् | अचुकुन्थध्वम् |
| | अचुकुन्थे | अचुकुन्थावहि | अचुकुन्थामहि |
| प० | कुन्थयाञ्चक्रे | कुन्थयाञ्चक्राते | कुन्थयाञ्चक्रिरे |
| | कुन्थयाञ्चक्रूपे | कुन्थयाञ्चक्राथे | कुन्थयाञ्चक्रुद्वे |
| | कुन्थयाञ्चक्रे | कुन्थयाञ्चक्रवहे | कुन्थयाञ्चक्रमहे |
| | कुन्थयाम्बभूव । | कुन्थयामास | |
| भा० | कुन्थयिषीष्ट | कुन्थयिषीयास्ताम् | कुन्थयिषीरन् |
| | कुन्थयिषीष्टाः | कुन्थयिषीयास्याम् | कुन्थयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | कुन्थयिषीय | कुन्थयिषीवहि | कुन्थयिषीमहि |
| श्व० | कुन्थयिता | कुन्थयितारौ | कुन्थयितारः |
| | कुन्थयितासे | कुन्थयितासाथे | कुन्थयिताध्वे |
| | कुन्थयिताहे | कुन्थयितास्वहे | कुन्थयितास्महे |
| भ० | कुन्थयिष्यते | कुन्थयिष्येते | कुन्थयिष्यन्ते |
| | कुन्थयिष्यसे | कुन्थयिष्येथे | कुन्थयिष्यध्वे |
| | कुन्थयिष्ये | कुन्थयिष्यावहे | कुन्थयिष्यामहे |
| क्रि० | अकुन्थयिष्यत | अकुन्थयिष्येताम् | अकुन्थयिष्यन्त |
| | अकुन्थयिष्यथाः | अकुन्थयिष्येथाम् | अकुन्थयिष्यध्वम् |
| | अकुन्थयिष्ये | अकुन्थयिष्यावहि | अकुन्थयिष्यामहि |

289 पुथु (पुन्थ्) हिंसासंक्लेशनयोः

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| व० पुन्थयति | पुन्थयताः | पुन्थयन्ति |
| पुन्थयसि | पुन्थयथः | पुन्थयथ |
| पुन्थयामि | पुन्थयावः | पुन्थयामः |
| स० पुन्थयेत् | पुन्थयेताम् | पुन्थयेयुः |
| पुन्थयेः | पुन्थयेतम् | पुन्थयेत |
| पुन्थयेयम् | पुन्थयेव | पुन्थयेम |
| प० पुन्थयतु | पुन्थयतात् | पुन्थयताम् |
| पुन्थय | पुन्थयतम् | पुन्थयत |
| पुन्थयानि | पुन्थयाव | पुन्थयाम |
| ह्य० अपुन्थयत् | अपुन्थयताम् | अपुन्थयन् |
| अपुन्थयः | अपुन्थयतम् | अपुन्थयत |
| अपुन्थयम् | अपुन्थयाव | अपुन्थयाम |
| अ० अपुपुन्थत् | अपुपुन्थताम् | अपुपुन्थन् |
| अपुपुन्थः | अपुपुन्थतम् | अपुपुन्थत |
| अपुपुन्थम् | अपुपुन्थाव | अपुपुन्थाम |
| प० पुन्थयाञ्चकार | पुन्थयाञ्चक्रतुः | पुन्थयाञ्चक्रुः |
| पुन्थयाञ्चकथं | पुन्थयाञ्चकथुः | पुन्थयाञ्चक |
| पुन्थयाञ्चकार-चकर | पुन्थयाञ्चकृव | पुन्थयाञ्चकृम |
| पुन्थयाम्बभूव | पुन्थयामास | |
| अ० पुन्थ्यात् | पुन्थ्यास्ताम् | पुन्थ्यास्तुः |
| पुन्थ्याः | पुन्थ्यास्तम् | पुन्थ्यास्त |
| पुन्थ्यासम् | पुन्थ्यास्व | पुन्थ्यास्म |
| श्व० पुन्थयिता | पुन्थयितारौ | पुन्थयितारः |
| पुन्थयितासि | पुन्थयितासथः | पुन्थयितास्थ |
| पुन्थयितास्मि | पुन्थयितास्वः | पुन्थयितास्मः |
| भ० पुन्थयिष्यति | पुन्थयिष्यतः | पुन्थयिष्यन्ति |
| पुन्थयिष्यसि | पुन्थयिष्यथः | पुन्थयिष्यथ |
| पुन्थयिष्यामि | पुन्थयिष्यावः | पुन्थयिष्यामः |
| क्रि० अपुन्थयिष्यत् | अपुन्थयिष्यताम् | अपुन्थयिष्यन् |
| अपुन्थयिष्यः | अपुन्थयिष्यतम् | अपुन्थयिष्यत |
| अपुन्थयिष्यम् | अपुन्थयिष्याव | अपुन्थयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० पुन्थयते | पुन्थयेते | पुन्थयन्ते |
| पुन्थयसे | पुन्थयेथे | पुन्थयध्वे |
| पुन्थये | पुन्थयावहे | पुन्थयामहे |
| स० पुन्थयेत् | पुन्थयेताम् | पुन्थयेरन् |
| पुन्थयेथाः | पुन्थयेथाथाम् | पुन्थयेध्वम् |
| पुन्थयेय | पुन्थयेवहि | पुन्थयेमहि |
| प० पुन्थयताम् | पुन्थयेताम् | पुन्थयन्ताम् |
| पुन्थयस्व | पुन्थयेथाम् | पुन्थयध्वम् |
| पुन्थये | पुन्थयावहे | पुन्थयामहे |
| ह्य० अपुन्थयत | अपुन्थयेताम् | अपुन्थयन्त |
| अपुन्थयथाः | अपुन्थयेथाम् | अपुन्थयध्वम् |
| अपुन्थये | अपुन्थयावहि | अपुन्थयामहि |
| अ० अपुपुन्थत | अपुपुन्थेताम् | अपुपुन्थन्त |
| अपुपुन्थथाः | अपुपुन्थेथाम् | अपुपुन्थध्वम् |
| अपुपुन्थे | अपुपुन्थावहि | अपुपुन्थामहि |
| प० पुन्थयाञ्चक्रे | पुन्थयाञ्चक्राते | पुन्थयाञ्चक्रिरे |
| पुन्थयाञ्चकृषे | पुन्थयाञ्चक्राथे | पुन्थयाञ्चकृद्धे |
| पुन्थयाञ्चक्रे | पुन्थयाञ्चकृवहे | पुन्थयाञ्चकृमहे |
| पुन्थयाम्बभूव | पुन्थयामास | |
| आ० पुन्थयिषीष्ट | पुन्थयिषीयास्ताम् | पुन्थयिषीरन् |
| पुन्थयिषीष्टाः | पुन्थयिषीयास्थाम् | पुन्थयिषीध्वम् |
| पुन्थयिषीय | पुन्थयिषीवहि | पुन्थयिषीमहि |
| श्व० पुन्थयिता | पुन्थयितारौ | पुन्थयितारः |
| पुन्थयितासे | पुन्थयितासाथे | पुन्थयिताध्वे |
| पुन्थयिताहे | पुन्थयितास्वहे | पुन्थयितास्महे |
| भ० पुन्थयिष्यते | पुन्थयिष्येते | पुन्थयिष्यन्ते |
| पुन्थयिष्यसे | पुन्थयिष्येथे | पुन्थयिष्यध्वे |
| पुन्थयिष्ये | पुन्थयिष्यावहे | पुन्थयिष्यामहे |
| क्रि० अपुन्थयिष्यत | अपुन्थयिष्येताम् | अपुन्थयिष्यन्त |
| अपुन्थयिष्यथाः | अपुन्थयिष्येथाम् | अपुन्थयिष्यध्वम् |
| अपुन्थयिष्ये | अपुन्थयिष्यावहि | अपुन्थयिष्यामहि |

290 लुथु (लुन्थ) हिंसासंक्लेशनयोः

| | | |
|----------------------------|-----------------|-----------------------|
| व० लुन्थयति | लुन्थयतः | लुन्थयन्ति |
| लुन्थयसि | लुन्थयथः | लुन्थयथ |
| लुन्थयामि | लुन्थयावः | लुन्थयामः |
| स० लुन्थयेत् | लुन्थयेताम् | लुन्थयेयुः |
| लुन्थयेः | लुन्थयेतम् | लुन्थयेत |
| लुन्थयेयम् | लुन्थयेव | लुन्थयेम |
| प० लुन्थयतु | लुन्थयतात् | लुन्थयताम् लुन्थयन्तु |
| लुन्थय | लुन्थयतम् | लुन्थयत |
| लुन्थयानि | लुन्थयाव | लुन्थयाम |
| ह्य० अलुन्थयत् | अलुन्थयताम् | अलुन्थयन् |
| अलुन्थयः | अलुन्थयतम् | अलुन्थयत |
| अलुन्थयम् | अलुन्थयाव | अलुन्थयाम |
| अ० अलुलुन्थत् | अलुलुन्थताम् | अलुलुन्थन् |
| अलुलुन्थः | अलुलुन्थतम् | अलुलुन्थत |
| अलुलुन्थम् | अलुलुन्थाव | अलुलुन्थाम |
| प० लुन्थयाञ्चकार | लुन्थयाञ्चकतुः | लुन्थयाञ्चकुः |
| लुन्थयाञ्चकर्थं | लुन्थयाञ्चकथुः | लुन्थयाञ्चक |
| लुन्थयाञ्चकार-चकर | लुन्थयाञ्चकृव | लुन्थयाञ्चकृम |
| लुन्थयाम्बभूव । लुन्थयामास | | |
| अ० लुन्थ्यात् | लुन्थ्यास्ताम् | लुन्थ्यासुः |
| लुन्थ्याः | लुन्थ्यास्तम् | लुन्थ्यास्त |
| लुन्थ्यासम् | लुन्थ्यास्व | लुन्थ्यास्म |
| श्व० लुन्थयिता | लुन्थयितारौ | लुन्थयितारः |
| लुन्थयितासि | लुन्थयितास्यः | लुन्थयितास्य |
| लुन्थयितास्मि | लुन्थयितास्वः | लुन्थयितास्मः |
| भ० लुन्थयिष्यति | लुन्थयिष्यतः | लुन्थयिष्यन्ति |
| लुन्थयिष्यसि | लुन्थयिष्यथः | लुन्थयिष्यथ |
| लुन्थयिष्यामि | लुन्थयिष्यावः | लुन्थयिष्यामः |
| क्रि० अलुन्थयिष्यत् | अलुन्थयिष्यताम् | अलुन्थयिष्यन् |
| अलुन्थयिष्यः | अलुन्थयिष्यतम् | अलुन्थयिष्यत |
| अलुन्थयिष्यम् | अलुन्थयिष्याव | अलुन्थयिष्याम |

| | | |
|----------------------------|-------------------|------------------|
| व० लुन्थयते | लुन्थयेते | लुन्थयन्ते |
| लुन्थयसे | लुन्थयेथे | लुन्थयध्वे |
| लुन्थये | लुन्थयावहे | लुन्थयामहे |
| स० लुन्थयेत | लुन्थयेयाताम् | लुन्थयेरन् |
| लुन्थयेथाः | लुन्थयेयाथाम् | लुन्थयेध्वम् |
| लुन्थयेय | लुन्थयेवहि | लुन्थयेमहि |
| प० लुन्थयताम् | लुन्थयेताम् | लुन्थयन्ताम् |
| लुन्थयस्व | लुन्थयेथाम् | लुन्थयध्वम् |
| लुन्थयै | लुन्थयावहै | लुन्थयामहै |
| ह्य० अलुन्थयत | अलुन्थयेताम् | अलुन्थयन्त |
| अलुन्थयथाः | अलुन्थयेथाम् | अलुन्थयध्वम् |
| अलुन्थये | अलुन्थयावहि | अलुन्थयामहि |
| अ० अलुलुन्थत | अलुलुन्थेताम् | अलुलुन्थन्त |
| अलुलुन्थथाः | अलुलुन्थेथाम् | अलुलुन्थध्वम् |
| अलुलुन्थे | अलुलुन्थावहि | अलुलुन्थामहि |
| प० लुन्थयाञ्चक्रे | लुन्थयाञ्चकृते | लुन्थयाञ्चकिरे |
| लुन्थयाञ्चकृषे | लुन्थयाञ्चकृषे | लुन्थयाञ्चकृद्वे |
| लुन्थयाञ्चक्रे | लुन्थयाञ्चकृवहे | लुन्थयाञ्चकृमहे |
| लुन्थयाम्बभूव । लुन्थयामास | | |
| आ० लुन्थयिषीष्ट | लुन्थयिषीयास्ताम् | लुन्थयिषीरन् |
| लुन्थयिषीष्टाः | लुन्थयिषीयास्थाप् | लुन्थयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| लुन्थयिषीय | लुन्थयिषीवहि | लुन्थयिषीमहि |
| श्व० लुन्थयिता | लुन्थयितारौ | लुन्थयितारः |
| लुन्थयितासे | लुन्थयितासाथे | लुन्थयिताध्वे |
| लुन्थयिताहे | लुन्थयितास्वहे | लुन्थयितास्महे |
| भ० लुन्थयिष्यते | लुन्थयिष्येते | लुन्थयिष्यन्ते |
| लुन्थयिष्यसे | लुन्थयिष्येथे | लुन्थयिष्यध्वे |
| लुन्थयिष्ये | लुन्थयिष्यावहे | लुन्थयिष्यामहे |
| क्रि० अलुन्थयिष्यत | अलुन्थयिष्येताम् | अलुन्थयिष्यन्त |
| अलुन्थयिष्यथाः | अलुन्थयिष्येथाम् | अलुन्थयिष्यध्वम् |
| अलुन्थयिष्ये | अलुन्थयिष्यावहि | अलुन्थयिष्यामहि |

291 मथु (मन्थ्) हिंसासंक्लेशानयोः

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० मन्थयति | मन्थयतः | मन्थयन्ति |
| मन्थयसि | मन्थयथः | मन्थयथ |
| मन्थयामि | मन्थयावः | मन्थयामः |
| त० मन्थयेत् | मन्थयेताम् | मन्थयेयुः |
| मन्थयेः | मन्थयेतम् | मन्थयेत |
| मन्थयेयम् | मन्थयेव | मन्थयेम |
| ल० मन्थयतु | मन्थयतात् | मन्थयताम् |
| मन्थय | मन्थयताम् | मन्थयत |
| मन्थयानि | मन्थयाव | मन्थयाम |
| अ० अमन्थयत् | अमन्थयताम् | अमन्थयन् |
| अमन्थयः | अमन्थयतम् | अमन्थयत |
| अमन्थयम् | अमन्थयाव | अमन्थयाम |
| अ० अममन्थत् | अममन्थताम् | अममन्थन् |
| अममन्थः | अममन्थतम् | अममन्थत |
| अममन्थम् | अममन्थाव | अममन्थाम |
| प० मन्थयाञ्चकार | मन्थयाञ्चक्रुः | मन्थयाञ्चकुः |
| मन्थयाञ्चकथं | मन्थयाञ्चकथुः | मन्थयाञ्चक |
| मन्थयाञ्चकार-चकर | मन्थयाञ्चकुव | मन्थयाञ्चकृम |
| मन्थयाम्बभूव | मन्थयामास | |
| अ० मन्थ्यात् | मन्थ्यास्ताम् | मन्थ्यासुः |
| मन्थ्याः | मन्थ्यास्तम् | मन्थ्यास्त |
| मन्थ्यासम् | मन्थ्यास्व | मन्थ्यास्म |
| श्व० मन्थयिता | मन्थयितारौ | मन्थयितारः |
| मन्थयितासि | मन्थयितास्थः | मन्थयितास्थ |
| मन्थयितास्मि | मन्थयितास्वः | मन्थयितास्मः |
| भ० मन्थयिष्यति | मन्थयिष्यतः | मन्थयिष्यन्ति |
| मन्थयिष्यसि | मन्थयिष्यथः | मन्थयिष्यथ |
| मन्थयिष्यामि | मन्थयिष्यावः | मन्थयिष्यामः |
| क्रि० अमन्थयिष्यत् | अमन्थयिष्यताम् | अमन्थयिष्यन् |
| अमन्थयिष्यः | अमन्थयिष्यतम् | अमन्थयिष्यत |
| अमन्थयिष्यम् | अमन्थयिष्याव | अमन्थयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० मन्थयते | मन्थयेते | मन्थयन्ते |
| मन्थयसे | मन्थयेथे | मन्थयध्वे |
| मन्थये | मन्थयावहे | मन्थयामहे |
| स० मन्थयेत | मन्थयेयताम् | मन्थयेरन् |
| मन्थयेथाः | मन्थयेयाथाम् | मन्थयेध्वम् |
| मन्थयेय | मन्थयेवहि | मन्थयेमहि |
| प० मन्थयताम् | मन्थयेताम् | मन्थयन्ताम् |
| मन्थयस्व | मन्थयेथाम् | मन्थयध्वम् |
| मन्थयै | मन्थयावहे | मन्थयामहे |
| ह्य० अमन्थयत | अमन्थयेताम् | अमन्थयन्त |
| अमन्थयथाः | अमन्थयेथाम् | अमन्थयध्वम् |
| अमन्थये | अमन्थयावहि | अमन्थयामहि |
| अ० अममन्थत | अममन्थेताम् | अममन्थन्त |
| अममन्थथाः | अममन्थेथाम् | अममन्थध्वम् |
| अममन्थे | अममन्थावहि | अममन्थामहि |
| प० मन्थयाञ्चक्रे | मन्थयाञ्चक्राते | मन्थयाञ्चक्रिरे |
| मन्थयाञ्चकृषे | मन्थयाञ्चक्राये | मन्थयाञ्चकृद्वे |
| मन्थयाञ्चक्रे | मन्थयाञ्चकृवहे | मन्थयाञ्चकृमहे |
| मन्थयाम्बभूव | मन्थयामास | |
| आ० मन्थयिषीष्ट | मन्थयिषीयास्ताम् | मन्थयिषीरन् |
| मन्थयिषीष्ठाः | मन्थयिषीयास्थाम् | मन्थयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| मन्थयिषीय | मन्थयिषीवहि | मन्थयिषीमहि |
| श्व० मन्थयिता | मन्थयितारौ | मन्थयितारः |
| मन्थयितासे | मन्थयितासाथे | मन्थयिताध्वे |
| मन्थयिताहे | मन्थयितास्वहे | मन्थयितास्महे |
| भ० मन्थयिष्यते | मन्थयिष्येते | मन्थयिष्यन्ते |
| मन्थयिष्यसे | मन्थयिष्येथे | मन्थयिष्यध्वे |
| मन्थयिष्ये | मन्थयिष्यावहे | मन्थयिष्यामहे |
| क्रि० अमन्थयिष्यत | अमन्थयिष्येताम् | अमन्थयिष्यन्त |
| अमन्थयिष्यथाः | अमन्थयिष्येथाम् | अमन्थयिष्यध्वम् |
| अमन्थयिष्ये | अमन्थयिष्यावहि | अमन्थयिष्यामहि |

292 मन्थ (मन्थ्) हिंसा संक्लेशानयोः ।

मथु 291 द्दरूपाणि

293 माथु (मान्थु) हिंसासंक्लेशनयोः

| | | |
|----------------------------|-----------------|----------------|
| ब० मान्थयति | मान्थयतः | मान्थयन्ति |
| मान्थयसि | मान्थयथः | मान्थयथ |
| मान्थयामि | मान्थयावः | मान्थयामः |
| स० मान्थयेत् | मान्थयेताम् | मान्थयेयुः |
| मान्थयेः | मान्थयेतम् | मान्थयेत |
| मान्थयेयम् | मान्थयेव | मान्थयेम |
| प० मान्थयतु | मान्थयतात् | मान्थयताम् |
| मान्थय | मान्थयतम् | मान्थयत |
| मान्थयानि | मान्थयाव | मान्थयाम |
| ह्य० अमान्थयत् | अमान्थयताम् | अमान्थयन् |
| अमान्थयः | अमान्थयतम् | अमान्थयत |
| अमान्थयम् | अमान्थयाव | अमान्थयाम |
| अ० अममान्थत् | अममान्थताम् | अममान्थन् |
| अममान्थः | अममान्थतम् | अममान्थत |
| अममान्थम् | अममान्थाव | अममान्थाम |
| प० मान्थयाञ्चकार | मान्थयाञ्चकतुः | मान्थयाञ्चकुः |
| मान्थयाञ्चकर्त्तुः | मान्थयाञ्चकथुः | मान्थयाञ्चक |
| मान्थयाञ्चकार-चकर | मान्थयाञ्चकृव | मान्थयाञ्चकृम |
| मान्थयाम्बभूव । मान्थयामास | | |
| अ० मान्थ्यात् | मान्थ्यास्ताम् | मान्थ्यासुः |
| मान्थ्याः | मान्थ्यास्तम् | मान्थ्यास्त |
| मान्थ्यासम् | मान्थ्यास्व | मान्थ्यास्म |
| श्व० मान्थयिता | मान्थयितारौ | मान्थयितारः |
| मान्थयितासि | मान्थयितासथः | मान्थयितास्थ |
| मान्थयितास्मि | मान्थयितास्वः | मान्थयितास्मः |
| अ० मान्थयिष्यति | मान्थयिष्यतः | मान्थयिष्यन्ति |
| मान्थयिष्यसि | मान्थयिष्यथः | मान्थयिष्यथ |
| मान्थयिष्यामि | मान्थयिष्यावः | मान्थयिष्यामः |
| क्रि० अमान्थयिष्यत् | अमान्थयिष्यताम् | अमान्थयिष्यन् |
| अमान्थयिष्यः | अमान्थयिष्यतम् | अमान्थयिष्यत |
| अमान्थयिष्यम् | अमान्थयिष्याव | अमान्थयिष्याम |

| | | |
|----------------------------|-------------------|------------------|
| ब० मान्थयते | मान्थयेते | मान्थयन्ते |
| मान्थयसे | मान्थयेथे | मान्थयध्वे |
| मान्थये | मान्थयावहे | मान्थयामहे |
| स० मान्थयेत | मान्थयेताताम् | मान्थयेरन् |
| मान्थयेथाः | मान्थयेथाथाम् | मान्थयेध्वम् |
| मान्थयेय | मान्थयेवहि | मान्थयेमहि |
| प० मान्थयताम् | मान्थयेताम् | मान्थयन्ताम् |
| मान्थयस्व | मान्थयेथाम् | मान्थयध्वम् |
| मान्थये | मान्थयावहे | मान्थयामहे |
| ह्य० अमान्थयत | अमान्थयेताम् | अमान्थयन्त |
| अमान्थयथाः | अमान्थयेथाम् | अमान्थयध्वम् |
| अमान्थये | अमान्थयावहि | अमान्थयामहि |
| अ० अममान्थत | अममान्थेताम् | अममान्थन्त |
| अममान्थथाः | अममान्थेथाम् | अममान्थध्वम् |
| अममान्थे | अममान्थावहि | अममान्थामहि |
| प० मान्थयाञ्चक्रे | मान्थयाञ्चकाते | मान्थयाञ्चकिरे |
| मान्थयाञ्चकृषे | मान्थयाञ्चकृषे | मान्थयाञ्चकृद्वे |
| मान्थयाञ्चक्रे | मान्थयाञ्चकृवहे | मान्थयाञ्चकृमहे |
| मान्थयाम्बभूव । मान्थयामास | | |
| आ० मान्थयिषीष्ट | मान्थयिषीयास्ताम् | मान्थयिषीरन् |
| मान्थयिषीष्ठाः | मान्थयिषीयास्थाप् | मान्थयिषीध्वम् |
| मान्थयिषीय | मान्थयिषीवहि | मान्थयिषीमहि |
| श्व० मान्थयिता | मान्थयितारौ | मान्थयितारः |
| मान्थयितासे | मान्थयितासापे | मान्थयिताध्वे |
| मान्थयिताहे | मान्थयितास्वहे | मान्थयितास्महे |
| अ० मान्थयिष्यते | मान्थयिष्येते | मान्थयिष्यन्ते |
| मान्थयिष्यसे | मान्थयिष्येथे | मान्थयिष्यध्वे |
| मान्थयिष्ये | मान्थयिष्यावहे | मान्थयिष्यामहे |
| क्रि० अमान्थयिष्यत | अमान्थयिष्येताम् | अमान्थयिष्यन्त |
| अमान्थयिष्यथाः | अमान्थयिष्येथाम् | अमान्थयिष्यध्वम् |
| अमान्थयिष्ये | अमान्थयिष्यावहि | अमान्थयिष्यामहि |

(૨૧૧) મુનિશ્રીલાવણ્યવિ૦ વિરચિતે ધાતુર૦ દ્વિ૦ ભાગે ણિગન્તપ્રક્રિયા

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| વ૦ વાદયતે | વાદયેતે | વાદયન્તે |
| વાદયસે | વાદયેથે | વાદયધ્વે |
| વાદયે | વાદયાવહે | વાદયામહે |
| સ૦ વાદયેત | વાદયેયાતામ્ | વાદયેરન્ |
| વાદયેથાઃ | વાદયેયાથામ્ | વાદયેધ્વમ્ |
| વાદયેય | વાદયેવહિ | વાદયેમહિ |
| પ૦ વાદયતામ્ | વાદયેતામ્ | વાદયન્તામ્ |
| વાદયસ્વ | વાદયેથામ્ | વાદયધ્વમ્ |
| વાદયૈ | વાદયાવહૈ | વાદયામહૈ |
| અ૦ અવાદયત | અવાદયેતામ્ | અવાદયન્ત |
| અવાદયથાઃ | અવાદયેથામ્ | અવાદયધ્વમ્ |
| અવાદયે | અવાદયાવહિ | અવાદયામહિ |
| અ૦ અવીવદત | અવીવદેતામ્ | અવીવદન્ત |
| અવીવદથાઃ | અવીવદેથામ્ | અવીવદધ્વમ્ |
| અવીવદે | અવીવદાવહિ | અવીવદામહિ |
| પ૦ વાદયાશ્ચક્રે | વાદયાશ્ચક્રાતે | વાદયાશ્ચક્રિરે |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| વાદયાશ્ચક્રે | વાદયાશ્ચક્રાથે | વાદયાશ્ચક્રદ્વે |
| વાદયાશ્ચક્રે | વાદયાશ્ચક્રવહે | વાદયાશ્ચક્રમહે |
| વાદયાશ્ચક્રભૂવ | વાદયામાસ | |
| આ૦ વાદયિષીષ્ટ | વાદયિષીયાસ્તામ્ | વાદયિષીરન્ |
| વાદયિષીષ્ટાઃ | વાદયિષીયાસ્થામ્ | વાદયિષીધ્વમ્ |
| | | હ્વમ્ |
| વાદયિષીય | વાદયિષીવહિ | વાદયિષીમહિ |
| શ્વ૦ વાદયિતા | વાદયિતારૌ | વાદયિતારઃ |
| વાદયિતાસે | વાદયિતાશયે | વાદયિતાધ્વે |
| વાદયિતાહે | વાદયિતાસ્વહે | વાદયિતાસ્મહે |
| મ૦ વાદયિષ્યતે | વાદયિષ્યેતે | વાદયિષ્યન્તે |
| વાદયિષ્યસે | વાદયિષ્યેથે | વાદયિષ્યધ્વે |
| વાદયિષ્યે | વાદયિષ્યાવહે | વાદયિષ્યામહે |
| ક્રિ૦ અવાદયિષ્યત | અવાદયિષ્યેતામ્ | અવાદયિષ્યન્ત |
| અવાદયિષ્યથાઃ | અવાદયિષ્યેથામ્ | અવાદયિષ્યધ્વમ્ |
| અવાદયિષ્યે | અવાદયિષ્યાવહિ | અવાદયિષ્યામહિ |

॥ अथ दान्ताः षड्विंशतिः ॥

294 खाद खाद) भक्षणे

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------------|--------------|
| व० | खादयति | खादयतः | खादयन्ति |
| | खादयसि | खादयथः | खादयथ |
| | खादयामि | खादयावः | खादयामः |
| स० | खादयेत् | खादयेताम् | खादयेयुः |
| | खादयेः | खादयेतम् | खादयेत |
| | खादयेयम् | खादयेव | खादयेम |
| प० | खादयतु | खादयतात् | खादयताम् |
| | खादय | खादयतात् | खादयतम् |
| | खादयानि | खादयाव | खादयाम |
| ह्य० | अखादयत् | अखादयताम् | अखादयन् |
| | अखादयः | अखादयतम् | अखादयत |
| | अखादयम् | अखादयाव | अखादयाम |
| अ० | अचखादत् | अचखादताम् | अचखादन् |
| | अचखादः | अचखादतम् | अचखादत |
| | अचखादम् | अचखादाव | अचखादाम |
| प | खादयाञ्चकार | खादयाञ्चक्रुः | खादयाञ्चकुः |
| | खादयाञ्चकथं | खादयाञ्चक्रुः | खादयाञ्चक |
| | खादयाञ्चकार चकर | खादयाञ्चक्रुः | खादयाञ्चकृम |
| | खादयाम्बभूव | । | खादयामास |
| आ० | खाद्यात् | खाद्यास्ताम् | खाद्यासुः |
| | खाद्याः | खाद्यास्तम् | खाद्यास्त |
| | खाद्यासम् | खाद्यास्व | खाद्यास्म |
| क्ष० | खादयिता | खादयितारौ | खादयितारः |
| | खादयितासि | खादयितास्थः | खादयितास्थ |
| | खादयितास्मि | खादयितास्वः | खादयितास्मः |
| भ० | खादयिष्यति | खादयिष्यतः | खादयिष्यन्ति |
| | खादयिष्यसि | खादयिष्यथः | खादयिष्यथ |
| | खादयिष्यामि | खादयिष्यावः | खादयिष्यामः |
| क्रि० | अखादयिष्यत् | अखादयिष्यताम् | अखादयिष्यन् |
| | अखादयिष्यः | अखादयिष्यतम् | अखादयिष्यत |
| | अखादयिष्यम् | अखादयिष्याव | अखादयिष्याम |
| | भक्षणे | खादिधातुर्नास्तिनेपदी | |

295 बद् (बद्ध) स्थर्गे

| | | | |
|-------|---|---------------|--------------|
| व० | बादयति | बादयतः | बादयन्ति |
| | बादयसि | बादयथः | बादयथ |
| | बादयामि | बादयावः | बादयामः |
| स० | बादयेत् | बादयेताम् | बादयेयुः |
| | बादयेः | बादयेतम् | बादयेत |
| | बादयेयम् | बादयेव | बादयेम |
| प० | बादयतु | बादयतात् | बादयताम् |
| | बादय | बादयतम् | बादयत |
| | बादयानि | बादयाव | बादयाम |
| ह्य० | अबादयत् | अबादयताम् | अबादयन् |
| | अबादयः | अबादयतम् | अबादयत |
| | अबादयम् | अबादयाव | अबादयाम |
| अ० | अबीबदत् | अबीबदताम् | अबीबदन् |
| | अबीबदः | अबीबदतम् | अबीबदत |
| | अबीबदम् | अबीबदाव | अबीबदाम |
| प० | बादयाञ्चकार | बादयाञ्चक्रुः | बादयाञ्चकुः |
| | बादयाञ्चकथं | बादयाञ्चक्रुः | बादयाञ्चक |
| | बादयाञ्चकार-चकर | बादयाञ्चक्रुः | बादयाञ्चकृम |
| | बादयाम्बभूव | । | बादयामास |
| आ० | बाद्यात् | बाद्यास्ताम् | बाद्यासुः |
| | बाद्याः | बाद्यास्तम् | बाद्यास्त |
| | बाद्यासम् | बाद्यास्व | बाद्यास्म |
| क्ष० | बादयिता | बादयितारौ | बादयितारः |
| | बादयितासि | बादयितास्थः | बादयितास्थ |
| | बादयितास्मि | बादयितास्वः | बादयितास्मः |
| भ० | बादयिष्यति | बादयिष्यतः | बादयिष्यन्ति |
| | बादयिष्यसि | बादयिष्यथः | बादयिष्यथ |
| | बादयिष्यामि | बादयिष्यावः | बादयिष्यामः |
| क्रि० | अबादयिष्यत् | अबादयिष्यताम् | अबादयिष्यन् |
| | अबादयिष्यः | अबादयिष्यतम् | अबादयिष्यत |
| | अबादयिष्यम् | अबादयिष्याव | अबादयिष्याम |
| | इत्यादि सर्वाणि रूपाणि पूर्ववत् ज्ञेयम् | | |

296 खद (खद्) हिंसायाञ्च

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | खादयति | खादयतः | खादयन्ति |
| | खादयसि | खादयथः | खादयथ |
| | खादयामि | खादयावः | खादयामः |
| स० | खादयेत् | खादयेताम् | खादयेयुः |
| | खादयेः | खादयेतम् | खादयेत |
| | खादयेयम् | खादयेव | खादयेम |
| प० | खादयतु | खादयतात् | खादयताम् |
| | खादय | खादयतात् | खादयतम् |
| | खादयानि | खादयाव | खादयाम |
| ह्य० | अखादयत् | अखादयताम् | अखादयन् |
| | अखादयः | अखादयतम् | अखादयत |
| | अखादयम् | अखादयाव | अखादयाम |
| अ० | अचीखदत् | अचीखदताम् | अचीखदन् |
| | अचीखदः | अचीखदतम् | अचीखदत |
| | अचीखदम् | अचीखदाव | अचीखदाम |
| प० | खादयाञ्चकार | खादयाञ्चक्रुः | खादयाञ्चकुः |
| | खादयाञ्चकथं | खादयाञ्चकथुः | खादयाञ्चक |
| | खादयाञ्चकार चकर | खादयाञ्चकुव | खादयाञ्चकृम |
| | खादयाम्बभूव | । | खादयामास |
| आ० | खाद्यात् | खाद्यास्ताम् | खाद्यासुः |
| | खाद्याः | खाद्यास्तम् | खाद्यास्त |
| | खाद्यासम् | खाद्यास्व | खाद्यास्म |
| क्ष० | खादयिता | खादयितारौ | खादयितारः |
| | खादयितासि | खादयितास्यः | खादयितास्य |
| | खादयितास्मि | खादयितास्वः | खादयितास्मः |
| भ० | खादयिष्यति | खादयिष्यतः | खादयिष्यन्ति |
| | खादयिष्यसि | खादयिष्यथः | खादयिष्यथ |
| | खादयिष्यामि | खादयिष्यावः | खादयिष्यामः |
| क्रि० | अखादयिष्यत् | अखादयिष्यताम् | अखादयिष्यन् |
| | अखादयिष्यः | अखादयिष्यतम् | अखादयिष्यत |
| | अखादयिष्यम् | अखादयिष्याव | अखादयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | खादयते | खादयेते | खादयन्ते |
| | खादयसे | खादयेथे | खादयध्वे |
| | खादये | खादयावहे | खादयामहे |
| स० | खादयेत | खादयेयाताम् | खादयेरन् |
| | खादयेथाः | खादयेयाथाम् | खादयेचम |
| | खादयेय | खादयेवहि | खादयेमहि |
| प० | खादयताम् | खादयेताम् | खादयन्ताम् |
| | खादयस्व | खादयेथाम् | खादयचम |
| | खादयै | खादयावहै | खादयामहै |
| ह्य० | अखादयत | अखादयेताम् | अखादयन्त |
| | अखादयथाः | अखादयेथाम् | अखादयध्वम् |
| | अखादये | अखादयावहि | अखादयामहि |
| अ० | अचीखदत | अचीखदेताम् | अचीखदन्त |
| | अचीखदथाः | अचीखदेथाम् | अचीखदध्वम् |
| | अचीखदे | अचीखदावहि | अचीखदामहि |
| प० | खादयाञ्चके | खादयाञ्चकाते | खादयाञ्चकिरे |
| | खादयाञ्चकृषे | खादयाञ्चक्राथे | खादयाञ्चकृद्वे |
| | खादयाञ्चके | खादयाञ्चकृबहे | खादयाञ्चकृमहे |
| | खादयाम्बभूव | खादयामास | |
| आ० | खादयिषीष्ट | खादयिषीयास्ताम् | खादयिषीरन् |
| | खादयिषीष्ठाः | खादयिषीयाथाम् | खादयिषीध्वम् |
| | खादयिषीय | खादयिषीवहि | खादयिषीमहि |
| क्ष० | खादयिता | खादयितारौ | खादयितारः |
| | खादयितासे | खादयितासाथे | खादयिताध्वे |
| | खादयिताहे | खादयितास्वहे | खादयितास्महे |
| भ० | खादयिष्यते | खादयिष्येते | खादयिष्यन्ते |
| | खादयिष्यसे | खादयिष्येथे | खादयिष्यध्वे |
| | खादयिष्ये | खादयिष्यावहे | खादयिष्यामहे |
| क्रि० | अखादयिष्यत् | अखादयिष्येताम् | अखादयिष्यन्त |
| | अखादयिष्यथाः | अखादयिष्येथाम् | अखादयिष्यध्वम् |
| | अखादयिष्ये | अखादयिष्यावहि | अखादयिष्यामहि |

297 गद (गद्) व्यक्तायाम् वाचि

| | | | |
|-------|------------------------|----------------|---------------|
| व० | गादयति | गादयतः | गादयन्ति |
| | गादयसि | गादयथः | गादयथ |
| | गादयामि | गादयावः | गादयामः |
| स० | गादयेत् | गादयेताम् | गादयेयुः |
| | गादयेः | गादयेतम् | गादयेत |
| | गादयेयम् | गादयेव | गादयेम |
| प० | गादयतु | गादयतात् | गादयताम् |
| | गादय | गादयतम् | गादयत |
| | गादयानि | गादयाव | गादयाम |
| ह्य० | अगादयत् | अगादयताम् | अगादयन् |
| | अगादयः | अगादयतम् | अगादयत |
| | अगादयम् | अगादयाव | अगादयाम |
| अ० | अजीगदत् | अजीगदताम् | अजीगदन् |
| | अजीगदः | अजीगदतम् | अजीगदत |
| | अजीगदम् | अजीगदाव | अजीगदाम |
| प० | गादयाञ्चकार | गादयाञ्चक्रतुः | गादयाञ्चक्रुः |
| | गादयाञ्चकथं | गादयाञ्चकथुः | गादयाञ्चक |
| | गादयाञ्चकार-चकर | गादयाञ्चकृव | गादयाञ्चकृम |
| | गादयाम्बभूव । गादयामास | | |
| आ० | गाद्यात् | गाद्यास्ताम् | गाद्यासुः |
| | गाद्याः | गाद्यास्तम् | गाद्यास्त |
| | गाद्यासम् | गाद्यास्व | गाद्यास्म |
| श्व० | गादयिता | गादयितारौ | गादयितारः |
| | गादयितासि | गादयितास्थः | गादयितास्थ |
| | गादयितास्मि | गादयितास्वः | गादयितास्मः |
| भ० | गादयिष्यति | गादयिष्यतः | गादयिष्यन्ति |
| | गादयिष्यसि | गादयिष्यथः | गादयिष्यथ |
| | गादयिष्यामि | गादयिष्यावः | गादयिष्यामः |
| क्रि० | अगादयिष्यत् | अगादयिष्यताम् | अगादयिष्यन् |
| | अगादयिष्यः | अगादयिष्यतम् | अगादयिष्यत |
| | अगादयिष्यम् | अगादयिष्याव | अगादयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | गादयते | गादयेते | गादयन्ते |
| | गादयसे | गादयेथे | गादयन्वे |
| | गादये | गादयावहे | गादयामहे |
| स० | गादयेत् | गादयेयाताम् | गादयेरन् |
| | गादयेथाः | गादयेयाथाम् | गादयेष्वम् |
| | गादयेय | गादयेवहि | गादयेमहि |
| प० | गादयताम् | गादयेताम् | गादयन्ताम् |
| | गादयस्व | गादयेथाम् | गादयन्वम् |
| | गादयै | गादयावहै | गादयामहै |
| ह्य० | अगादयत | अगादयेताम् | अगादयन्त |
| | अगादयथाः | अगादयेथाम् | अगादयन्वम् |
| | अगादये | अगादयावहि | अगादयामहि |
| अ० | अजीगदत | अजीगदेताम् | अजीगदन्त |
| | अजीगदथाः | अजीगदेथाम् | अजीगदन्वम् |
| | अजीगदे | अजीगदावहि | अजीगदामहि |
| प० | गादयाञ्चक्रे | गादयाञ्चक्राते | गादयाञ्चक्रिरे |
| | गादयाञ्चक्रे | गादयाञ्चक्राथे | गादयाञ्चक्रुव |
| | गादयाञ्चक्रे | गादयाञ्चक्रवहे | गादयाञ्चक्रमहे |
| | गादयाम्बभूव । गादयामास | | |
| आ० | गादयिषीष्ट | गादयिषीस्ताम् | गादयिषीरन् |
| | गादयिषीष्ठाः | गादयिषीष्ठाथाम् | गादयिषीङ्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | गादयिषीय | गादयिषीवहि | गादयिषीमहि |
| श्व० | गादयिता | गादयितारौ | गादयितारः |
| | गादयितासे | गादयितासाथे | गादयिताध्वे |
| | गादयिताहे | गादयितास्वहे | गादयितास्महे |
| भ० | गादयिष्यते | गादयिष्येते | गादयिष्यन्ते |
| | गादयिष्यसे | गादयिष्येथे | गादयिष्यन्वे |
| | गादयिष्ये | गादयिष्यावहे | गादयिष्यामहे |
| क्रि० | अगादयिष्यत | अगादयिष्येताम् | अगादयिष्यन्त |
| | अगादयिष्यथाः | अगादयिष्येथाम् | अगादयिष्यन्वम् |
| | अगादयिष्ये | अगादयिष्यावहि | अगादयिष्यामहि |

298 रद (रद्) विलेखने ।

| | | | |
|-------|-------------------------|---------------|--------------|
| ६० | रादयति | रादयतः | रादयन्ति |
| | रादयसि | रादयथः | रादयथ |
| | रादयामि | रादयावः | रादयामः |
| स० | रादयेत् | रादयेताम् | रादयेयुः |
| | रादयः | रादयेतम् | रादयेत |
| | रादयेयम् | रादयेव | रादयेम |
| प० | रादयतु | रादयतात् | रादयन्तु |
| | रादय | रादयतम् | रादयत |
| | रादयानि | रादयाव | रादयाम |
| ह्य० | अरादयत् | अरादयताम् | अरादयन् |
| | अरादयः | अरादयतम् | अरादयत |
| | अरादयम् | अरादयाव | अरादयाम |
| अ० | अरीरदत् | अरीरदताम् | अरीरदन् |
| | अरीरदः | अरीरदतम् | अरीरदत |
| | अरीरदम् | अरीरदाव | अरीरदाम |
| प० | रादयाञ्चकार | रादयाञ्चक्रुः | रादयाञ्चकः |
| | रादयाञ्चकथं | रादयाञ्चकथुः | रादयाञ्चक |
| | रादयाञ्चकार-चकर | रादयाञ्चकृव | रादयाञ्चकृम |
| | रादयाम्बभूव । रादयामासि | | |
| आ० | राद्यात् | राद्यास्ताम् | राद्यासुः |
| | राद्याः | राद्यास्तम् | राद्यास्त |
| | राद्यासम् | राद्यास्व | राद्यास्म |
| श्व० | रादयिता | रादयितारौ | रादयितारः |
| | रादयितासि | रादयितास्थः | रादयितास्थ |
| | रादयितासि | रादयितास्वः | रादयितास्मः |
| भ० | रादयिष्यति | रादयिष्यतः | रादयिष्यन्ति |
| | रादयिष्यसि | रादयिष्यथः | रादयिष्यथ |
| | रादयिष्यामि | रादयिष्यावः | रादयिष्यामः |
| क्रि० | अरादयिष्यत् | अरादयिष्यताम् | अरादयिष्यन् |
| | अरादयिष्यः | अरादयिष्यतम् | अरादयिष्यत |
| | अरादयिष्यम् | अरादयिष्याव | अरादयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | रादयते | रादयेते | रादयन्ते |
| | रादयसे | रादयेथे | रादयध्वे |
| | रादये | रादयावहे | रादयामहे |
| स० | रादयेत | रादयेयाताम् | रादयेरन् |
| | रादयेथाः | रादयेयाथाम् | रादयेध्वम् |
| | रादयेय | रादयेवहि | रादयेमहि |
| प० | रादयताम् | रादयेताम् | रादयन्ताम् |
| | रादयस्व | रादयेथाम् | रादयध्वम् |
| | रादये | रादयावहे | रादयामहे |
| ह्य० | अरादयत् | अरादयेताम् | अरादयन्त |
| | अरादयथाः | अरादयेथाम् | अरादयध्वम् |
| | अरादये | अरादयावहि | अरादयामहि |
| अ० | अरीरदत् | अरीरदेताम् | अरीरदन्त |
| | अरीरदथाः | अरीरदेथाम् | अरीरदध्वम् |
| | अरीरदे | अरीरदावहि | अरीरदामहि |
| प० | रादयाञ्चके | रादयाञ्चक्राते | रादयाञ्चक्रिरे |
| | रादयाञ्चकृषे | रादयाञ्चक्राथ | रादयाञ्चकृध्वे |
| | रादयाञ्चके | रादयाञ्चकृवहे | रादयाञ्चकृमहे |
| | रादयाम्बभूव । रादयामास | | |
| आ० | रादयिषीष्ट | रादयिषीयास्ताम् | रादयिषीरन् |
| | रादयिषीष्टाः | रादयिषीयास्थाम् | रादयिषीध्वम् |
| | ध्वम् | | |
| | रादयिषीय | रादयिषीवहि | रादयिषीमहि |
| श्व० | रादयिता | रादयितारौ | रादयितारः |
| | रादयितासे | रादयितास्थे | रादयिताध्वे |
| | रादयिताहे | रादयितास्वहे | रादयितास्महे |
| भ० | रादयिष्यते | रादयिष्येते | रादयिष्यन्ते |
| | रादयिष्यसे | रादयिष्येथे | रादयिष्यध्वे |
| | रादयिष्ये | रादयिष्यावहे | रादयिष्यामहे |
| क्रि० | अरादयिष्यत् | अरादयिष्येताम् | अरादयिष्यन्त |
| | अरादयिष्यथाः | अरादयिष्येथाम् | अरादयिष्यध्वम् |
| | अरादयिष्ये | अरादयिष्यावहि | अरादयिष्यामहि |

299 णद (नद्) अव्यक्ते शब्दे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | नादयति | नादयतः | नादयन्ति |
| | नादयसि | नादयथः | नादयथ |
| | नादयामि | नादयावः | नादयामः |
| स० | नादयेत् | नादयेताम् | नादयेयुः |
| | नादयेः | नादयेतम् | नादयेत |
| | नादयेयम् | नादयेव | नादयेम |
| प० | नादयतु | नादयतात् | नादयन्तु |
| | नादय | नादयतम् | नादयत |
| | नादयानि | नादयाव | नादयाम |
| ह्य० | अनादयत् | अनादयताम् | अनादयन् |
| | अनादयः | अनादयतम् | अनादयत |
| | अनादयम् | अनादयाव | अनादयाम |
| अ० | अनीनदत् | अनीनदताम् | अनीनदन् |
| | अनीनदः | अनीनदतम् | अनीनदत |
| | अनीनदम् | अनीनदाव | अनीनदाम |
| प० | नादयाञ्चकार | नादयाञ्चकतुः | नादयाञ्चकुः |
| | नादयाञ्चकथं | नादयाञ्चकथुः | नादयाञ्चक |
| | नादयाञ्चकार-चकर | नादयाञ्चकृव | नादयाञ्चकृम |
| | नादयाम्बभूव | नादयामास | |
| आ० | नाद्यात् | नाद्यास्ताम् | नाद्यासुः |
| | नाद्याः | नाद्यास्तम् | नाद्यास्त |
| | नाद्यासम् | नाद्यास्व | नाद्यास्म |
| श्र० | नादयिता | नादयितारौ | नादयितारः |
| | नादयितासि | नादयितास्थः | नादयितास्थ |
| | नादयितास्मि | नादयितास्वः | नादयितास्मः |
| भ० | नादयिष्यति | नादयिष्यतः | नादयिष्यन्ति |
| | नादयिष्यसि | नादयिष्यथः | नादयिष्यथ |
| | नादयिष्यामि | नादयिष्यावः | नादयिष्यामः |
| क्रि० | अनादयिष्यत् | अनादयिष्यताम् | अनादयिष्यन् |
| | अनादयिष्यः | अनादयिष्यतम् | अनादयिष्यत |
| | अनादयिष्यम् | अनादयिष्याव | अनादयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | नादयते | नादयेते | नादयन्ते |
| | नादयसे | नादयेथे | नादयन्वे |
| | नादये | नादयावहे | नादयामहे |
| स० | नादयेत | नादयेयाताम् | नादयेरन् |
| | नादयेथाः | नादयेयाथाम् | नादयेध्वम् |
| | नादयेय | नादयेवहि | नादयेमहि |
| प० | नादयताम् | नादयेताम् | नादयन्ताम् |
| | नादयस्व | नादयेथाम् | नादयध्वम् |
| | नादयै | नादयावहै | नादयामहै |
| ह्य० | अनादयत | आदयेताम् | अनादयन्त |
| | अनादयथाः | अनादयेथाम् | अनादयध्वम् |
| | अनादये | आदयावहि | अनादयामहि |
| अ० | अनीनदत् | अनीनदेताम् | अनीनदन्त |
| | अनीनदथाः | अनीनदेथाम् | अनीनदध्वम् |
| | अनीनदे | अनीनदावहि | अनीनदामहि |
| प० | नादयाञ्चके | नादयाञ्चकते | नादयाञ्चकिरे |
| | नादयाञ्चकृपे | नादयाञ्चकृथे | नादयाञ्चकृद्वे |
| | नादयाञ्चके | नादयाञ्चकृवहे | नादयाञ्चकृमहे |
| | नादयाम्बभूव | नादयामास | |
| आ० | नादयिषीष्ट | नादयिषीयास्ताम् | नादयिषीरन् |
| | नादयिषीष्ठाः | नादयिषीयास्थाम् | नादयिषीह्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | नादयिषीय | नादयिषीवहि | नादयिषीमहि |
| श्र० | नादयिता | नादयितारौ | नादयितारः |
| | नादयितासे | नादयितासाथे | नादयितास्वे |
| | नादयिताहे | नादयितास्वहे | नादयितास्महे |
| भ० | नादयिष्यते | नादयिष्येते | नादयिष्यन्ते |
| | नादयिष्यसे | नादयिष्येथे | नादयिष्यध्वे |
| | नादयिष्ये | नादयिष्यावहे | नादयिष्यामहे |
| क्रि० | अनादयिष्यत | अनादयिष्येताम् | अनादयिष्यन्त |
| | अनादयिष्यथाः | अनादयिष्येथाम् | अनादयिष्यध्वम् |
| | अनादयिष्ये | अनादयिष्यावहि | अनादयिष्यामहि |

300 क्षिवेददा (क्षिवद्) अङ्गवते शब्दे

| | | | |
|-------|---------------------|--------------------|-------------------|
| व० | क्ष्वेदयति | क्ष्वेदयतः | क्ष्वेदयन्ति |
| | क्ष्वेदयसि | क्ष्वेदयथः | क्ष्वेदयथ |
| | क्ष्वेदयामि | क्ष्वेदयावः | क्ष्वेदयामः |
| स० | क्ष्वेदयेत् | क्ष्वेदयेताम् | क्ष्वेदय्युः |
| | क्ष्वेदयेः | क्ष्वेदयेतम् | क्ष्वेदयेत |
| | क्ष्वेदयेयम् | क्ष्वेदयेव | क्ष्वेदयेम |
| प० | क्ष्वेदयतु | क्ष्वेदयतात् | क्ष्वेदयताम् |
| | क्ष्वेदय | क्ष्वेदयतम् | क्ष्वेदयत |
| | क्ष्वेदयानि | क्ष्वेदयाव | क्ष्वेदयाम |
| ह्य० | अक्ष्वेदयत् | अक्ष्वेदयताम् | अक्ष्वेदयन् |
| | अक्ष्वेदयः | अक्ष्वेदयतम् | अक्ष्वेदयत |
| | अक्ष्वेदयम् | अक्ष्वेदयाव | अक्ष्वेदयाम |
| अ० | अचिक्ष्वेदत् | अचिक्ष्वेदताम् | अचिक्ष्वेदन् |
| | अचिक्ष्वेदः | अचिक्ष्वेदतम् | अचिक्ष्वेदत |
| | अचिक्ष्वेदम् | अचिक्ष्वेदाव | अचिक्ष्वेदाम |
| प० | क्ष्वेदयाञ्चकार | क्ष्वेदयाञ्चक्रतुः | क्ष्वेदयाञ्चक्रुः |
| | क्ष्वेदयाञ्चकथं | क्ष्वेदयाञ्चकथुः | क्ष्वेदयाञ्चक्र |
| | क्ष्वेदयाञ्चकार-चकर | क्ष्वेदयाञ्चकृव | क्ष्वेदयाञ्चकृम |
| | क्ष्वेदयाम्बभूव । | क्ष्वेदयामास | |
| आ० | क्ष्वेद्यात् | क्ष्वेद्यास्ताम् | क्ष्वेद्यासुः |
| | क्ष्वेद्याः | क्ष्वेद्यास्तम् | क्ष्वेद्यास्त |
| | क्ष्वेद्यासम् | क्ष्वेद्यास्व | क्ष्वेद्यास्म |
| श्व० | क्ष्वेदयिता | क्ष्वेदयितारौ | क्ष्वेदयितारः |
| | क्ष्वेदयितामि | क्ष्वेदयितास्थः | क्ष्वेदयितास्थ |
| | क्ष्वेदयितास्मि | क्ष्वेदयितास्वः | क्ष्वेदयितास्मः |
| भ० | क्ष्वेदयिष्यति | क्ष्वेदयिष्यतः | क्ष्वेदयिष्यन्ति |
| | क्ष्वेदयिष्यसि | क्ष्वेदयिष्यथः | क्ष्वेदयिष्यथ |
| | क्ष्वेदयिष्यामि | क्ष्वेदयिष्यावः | क्ष्वेदयिष्यामः |
| क्रि० | अक्ष्वेदयिष्यत् | अक्ष्वेदयिष्यताम् | अक्ष्वेदयिष्यन् |
| | अक्ष्वेदयिष्यः | अक्ष्वेदयिष्यतम् | अक्ष्वेदयिष्यत |
| | अक्ष्वेदयिष्यम् | अक्ष्वेदयिष्याव | अक्ष्वेदयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------------|---------------------|--------------------|
| व | क्ष्वेदयते | क्ष्वेदयते | क्ष्वेदयन्ते |
| | क्ष्वेदयसे | क्ष्वेदयथे | क्ष्वेदयध्वे |
| | क्ष्वेदये | क्ष्वेदयावहे | क्ष्वेदयामहे |
| स० | क्ष्वेदयेत् | क्ष्वेदयेयाताम् | क्ष्वेदयेरन् |
| | क्ष्वेदयेथाः | क्ष्वेदयेयाथाम् | क्ष्वेदयेध्वम् |
| | क्ष्वेदयेय | क्ष्वेदयेवहि | क्ष्वेदयेमहि |
| प० | क्ष्वेदयताम् | क्ष्वेदयेताम् | क्ष्वेदयन्ताम् |
| | क्ष्वेदयस्व | क्ष्वेदयेथाम् | क्ष्वेदयध्वम् |
| | क्ष्वेदये | क्ष्वेदयावहे | क्ष्वेदयामहे |
| ह्य० | अक्ष्वेदयत् | अक्ष्वेदयेताम् | अक्ष्वेदयन्त |
| | अक्ष्वेदयथाः | अक्ष्वेदयेथाम् | अक्ष्वेदयध्वम् |
| | अक्ष्वेदये | अक्ष्वेदयावहि | अक्ष्वेदयामहि |
| अ० | अचिक्ष्वेदत् | अचिक्ष्वेदेताम् | अचिक्ष्वेदन्त |
| | अचिक्ष्वेदथाः | अचिक्ष्वेदेथाम् | अचिक्ष्वेदध्वम् |
| | अचिक्ष्वेदे | अचिक्ष्वेदावहि | अचिक्ष्वेदामहि |
| प० | क्ष्वेदयाञ्चके | क्ष्वेदयाञ्चक्राते | क्ष्वेदयाञ्चक्रिरे |
| | क्ष्वेदयाञ्चकृषे | क्ष्वेदयाञ्चक्राथे | क्ष्वेदयाञ्चकृद्वे |
| | क्ष्वेदयाञ्चके | क्ष्वेदयाञ्चकृवहे | क्ष्वेदयाञ्चकृमहे |
| | क्ष्वेदयाम्बभूव । | क्ष्वेदयामास | |
| आ० | क्ष्वेदयिषीष्ट | क्ष्वेदयिषीयास्ताम् | क्ष्वेदयिषीरन् |
| | क्ष्वेदयिषीष्ठाः | क्ष्वेदयिषीयास्थाम् | क्ष्वेदयिषीध्वम् |
| | क्ष्वेदयिषीय | क्ष्वेदयिषीवहि | क्ष्वेदयिषीमहि |
| श्व० | क्ष्वेदयिता | क्ष्वेदयितारौ | क्ष्वेदयितारः |
| | क्ष्वेदयितासे | क्ष्वेदयितासाथे | क्ष्वेदयिताध्वे |
| | क्ष्वेदयिताहे | क्ष्वेदयितास्वहे | क्ष्वेदयितास्महे |
| भ० | क्ष्वेदयिष्यते | क्ष्वेदयिष्येते | क्ष्वेदयिष्यन्ते |
| | क्ष्वेदयिष्यसे | क्ष्वेदयिष्यथे | क्ष्वेदयिष्यध्वे |
| | क्ष्वेदयिष्ये | क्ष्वेदयिष्यावहे | क्ष्वेदयिष्यामहे |
| क्रि० | अक्ष्वेदयिष्यत् | अक्ष्वेदयिष्यताम् | अक्ष्वेदयिष्यन्त |
| | अक्ष्वेदयिष्यथाः | अक्ष्वेदयिष्यथाम् | अक्ष्वेदयिष्यध्वम् |
| | अक्ष्वेदयिष्ये | अक्ष्वेदयिष्यावहि | अक्ष्वेदयिष्यामहि |

301 अर्द (अर्द) गतियाचनयोः

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | अर्दयति | अर्दयतः | अर्दयन्ति |
| | अर्दयसि | अर्दयथः | अर्दयथ |
| | अर्दयामि | अर्दयावः | अर्दयामः |
| स० | अर्दयेत् | अर्दयेताम् | अर्दयेयुः |
| | अर्दयेः | अर्दयेतम् | अर्दयेत |
| | अर्दयेयम् | अर्दयेव | अर्दयेम |
| प० | अर्दयतु | अर्दयतात् | अर्दयन्तु |
| | अर्दय | अर्दयतम् | अर्दयत |
| | अर्दयानि | अर्दयाव | अर्दयाम |
| ह्य० | आर्दयत् | आर्दयताम् | आर्दयन् |
| | आर्दयः | आर्दयतम् | आर्दयत |
| | आर्दयम् | आर्दयाव | आर्दयाम |
| अ० | आर्दिदत् | आर्दिदताम् | आर्दिदन् |
| | आर्दिदः | आर्दिदतम् | आर्दिदत |
| | आर्दिदम् | आर्दिदाव | आर्दिदाम |
| प० | अर्दयाञ्चकार | अर्दयाञ्चकतुः | अर्दयाञ्चकुः |
| | अर्दयाञ्चकथं | अर्दयाञ्चकथुः | अर्दयाञ्चक |
| | अर्दयाञ्चकार-चकर | अर्दयाञ्चकृव | अर्दयाञ्चकृम |
| | अर्दयाञ्चभूव | । | अर्दयामास |
| आ० | अर्दयात् | अर्दयास्ताम् | अर्दयास्तुः |
| | अर्दयाः | अर्दयास्तम् | अर्दयास्त |
| | अर्दयासम् | अर्दयास्व | अर्दयास्म |
| श्व० | अर्दयिता | अर्दयितारौ | अर्दयितारः |
| | अर्दयितासि | अर्दयितास्थः | अर्दयितास्थ |
| | अर्दयितास्मि | अर्दयितास्वः | अर्दयितास्मः |
| भ० | अर्दयिष्यति | अर्दयिष्यतः | अर्दयिष्यन्ति |
| | अर्दयिष्यसि | अर्दयिष्यथः | अर्दयिष्यथ |
| | अर्दयिष्यामि | अर्दयिष्यावः | अर्दयिष्यामः |
| क्रि० | आर्दयिष्यत् | आर्दयिष्यताम् | आर्दयिष्यन् |
| | आर्दयिष्यः | आर्दयिष्यतम् | आर्दयिष्यत |
| | आर्दयिष्यम् | आर्दयिष्याव | आर्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | अर्दयेते | अर्दयेते | अर्दयन्ते |
| | अर्दयेसे | अर्दयेथे | अर्दयेध्वे |
| | अर्दये | अर्दयावहे | अर्दयामहे |
| स० | अर्दयेत | अर्दयेयाताम् | अर्दयेरन् |
| | अर्दयेथाः | अर्दयेयाथाम् | अर्दयेध्वम् |
| | अर्दयेय | अर्दयेवहि | अर्दयेमहि |
| प० | अर्दयेताम् | अर्दयेताम् | अर्दयन्ताम् |
| | अर्दयेस्व | अर्दयेथाम् | अर्दयेध्वम् |
| | अर्दये | अर्दयावहे | अर्दयामहे |
| ह्य० | आर्दयत | आर्दयेताम् | आर्दयन्त |
| | आर्दयथाः | आर्दयेथाम् | आर्दयेध्वम् |
| | आर्दये | आर्दयावहि | आर्दयामहि |
| अ० | आर्दिदत | आर्दिदेताम् | आर्दिदन्त |
| | आर्दिदथाः | आर्दिदेथाम् | आर्दिदध्वम् |
| | आर्दिदे | आर्दिदावहि | आर्दिदामहि |
| प० | अर्दयाञ्चके | अर्दयाञ्चकते | अर्दयाञ्चकिरे |
| | अर्दयाञ्चकृषे | अर्दयाञ्चकृथे | अर्दयाञ्चकृद्वे |
| | अर्दयाञ्चके | अर्दयाञ्चकृवहे | अर्दयाञ्चकृमहे |
| | अर्दयाम्भूव | । | अर्दयामास |
| आ० | अर्दयिषीष्ट | अर्दयिषीयास्ताम् | अर्दयिषीरन् |
| | अर्दयिषीष्टाः | अर्दयिषीयास्थाम् | अर्दयिषीद्वम् |
| | अर्दयिषीय | अर्दयिषीवहि | अर्दयिषीमहि |
| श्व० | अर्दयिता | अर्दयितारौ | अर्दयितारः |
| | अर्दयितासे | अर्दयितासाथे | अर्दयिताध्वे |
| | अर्दयिताहे | अर्दयितास्वहे | अर्दयितास्महे |
| भ० | अर्दयिष्यते | अर्दयिष्येते | अर्दयिष्यन्ते |
| | अर्दयिष्यसे | अर्दयिष्येथे | अर्दयिष्यध्वे |
| | अर्दयिष्ये | अर्दयिष्यावहे | अर्दयिष्यामहे |
| क्रि० | आर्दयिष्यत | आर्दयिष्येताम् | आर्दयिष्यन्त |
| | आर्दयिष्यथाः | आर्दयिष्येथाम् | आर्दयिष्यध्वम् |
| | आर्दयिष्ये | आर्दयिष्यावहि | आर्दयिष्यामहि |

302 णर्द (नर्द्) शब्दे

| | | |
|--------------------------|-----------------|----------------|
| ष० नर्दयति | नर्दयतः | नर्दयन्ति |
| नर्दयसि | नर्दयथः | नर्दयथ |
| नर्दयामि | नर्दयावः | नर्दयामः |
| स० नर्दयेत् | नर्दयेताम् | नर्दयेयुः |
| नर्दयेः | नर्दयेतम् | नर्दयेत |
| नर्दयेयम् | नर्दयेयव | नर्दयेयम |
| प० नर्दयतु | नर्दयतात् | नर्दयन्तु |
| नर्दय | नर्दयतम् | नर्दयत |
| नर्दयानि | नर्दयाव | नर्दयाम |
| ह्य० अनर्दयत् | अनर्दयताम् | अनर्दयम् |
| अनर्दयः | अनर्दयतम् | अनर्दयत |
| अनर्दयम् | अनर्दयाव | अनर्दयाम |
| अ० अननर्दत् | अननर्दताम् | अननर्दन् |
| अननर्दः | अननर्दतम् | अननर्दत |
| अननर्दम् | अननर्दाव | अननर्दाम |
| प० नर्दयाञ्चकार | नर्दयाञ्चक्रतुः | नर्दयाञ्चक्रुः |
| नर्दयाञ्चकथं | नर्दयाञ्चकथुः | नर्दयाञ्चक्र |
| नर्दयाञ्चकार-चकर | नर्दयाञ्चकृव | नर्दयाञ्चकृम |
| नर्दयाम्बभूव । नर्दयामास | | |
| आ० नर्दात् | नर्दास्ताम् | नर्दासुः |
| नर्दाः | नर्दास्तम् | नर्दास्त |
| नर्दासम् | नर्दास्व | नर्दास्म |
| श्व० नर्दयिता | नर्दयितारौ | नर्दयितारः |
| नर्दयितासि | नर्दयितास्थः | नर्दयितास्थ |
| नर्दयितास्मि | नर्दयितास्वः | नर्दयितास्मः |
| भ० नर्दयिष्यति | नर्दयिष्यतः | नर्दयिष्यन्ति |
| नर्दयिष्य स | नर्दयिष्यथः | नर्दयिष्यथ |
| नर्दयिष्यामि | नर्दयिष्यावः | नर्दयिष्यामः |
| क्रि० अनर्दयिष्यत् | अनर्दयिष्यताम् | अनर्दयिष्यन् |
| अनर्दयिष्यः | अनर्दयिष्यतम् | अनर्दयिष्यत |
| अनर्दयिष्यम् | अनर्दयिष्याव | अनर्दयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|------------------|-----------------|
| व० नर्दयते | नर्दयेते | नर्दयन्ते |
| नर्दयसे | नर्दयेथे | नर्दयध्वे |
| नर्दये | नर्दयावहे | नर्दयामहे |
| स० नर्दयेत | नर्दयेयाताम् | नर्दयेरन् |
| नर्दयेथाः | नर्दयेयाथाम् | नर्दयेध्वम् |
| नर्दयेथ | नर्दयवहि | नर्दयेमहि |
| प० नर्दयताम् | नर्दयेताम् | नर्दयन्ताम् |
| नर्दयस्व | नर्दयेथाम् | नर्दयेध्वम् |
| नर्दये | नर्दयावहे | नर्दयामहे |
| ह्य० अनर्दयत | अनर्दयेताम् | अनर्दयन्त |
| अनर्दयथाः | अनर्दयेथाम् | अनर्दयेध्वम् |
| अनर्दये | अनर्दयावहि | अनर्दयामहि |
| अ० अननर्दत् | अननर्देताम् | अननर्दन्त |
| अननर्दथाः | अननर्देथाम् | अननर्देध्वम् |
| अननर्दे | अननर्दवहि | अननर्दमहि |
| प० नर्दयाञ्चक्रे | नर्दयाञ्चकाते | नर्दयाञ्चकिरे |
| नर्दयाञ्चकृषे | नर्दयाञ्चकृषे | नर्दयाञ्चकृव्वे |
| नर्दयाञ्चक्रे | नर्दयाञ्चकृवहे | नर्दयाञ्चकृमहे |
| नर्दयाम्बभूव । नर्दयामास | | |
| आ० नर्दयिषीष्ट | नर्दयिषीयास्ताम् | नर्दयिषीरन् |
| नर्दयिषीष्टाः | नर्दयिषीयास्थाम् | नर्दयिषीध्वम् |
| नर्दयिषीय | नर्दयिषीवहि | नर्दयिषीमहि |
| श्व० नर्दयिता | नर्दयितारौ | नर्दयितारः |
| नर्दयितासे | नर्दयिताथे | नर्दयिताध्वे |
| नर्दयिताहे | नर्दयितास्वहे | नर्दयितास्महे |
| भ० नर्दयिष्यते | नर्दयिष्येते | नर्दयिष्यन्ते |
| नर्दयिष्यसे | नर्दयिष्येथे | नर्दयिष्य वे |
| नर्दयिष्ये | नर्दयिष्यावहे | नर्दयिष्यामहे |
| क्रि० अनर्दयिष्यत | अनर्दयिष्येताम् | अनर्दयिष्यन्त |
| अनर्दयिष्यथाः | अनर्दयिष्येथाम् | अनर्दयिष्यध्वम् |
| अनर्दयिष्ये | अनर्दयिष्यावहि | अनर्दयिष्यामहि |

304 गर्द (गर्द] शब्दे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | गर्दयति | गर्दयतः | गर्दयन्ति |
| | गर्दयसि | गर्दयथः | गर्दयथ |
| | गर्दयामि | गर्दयावः | गर्दयामः |
| स० | गर्दयेत् | गर्दयेताम् | गर्दयेयुः |
| | गर्दयेः | गर्दयेतम् | गर्दयेत |
| | गर्दयेयम् | गर्दयेव | गर्दयेम |
| प० | गर्दयतु | गर्दयतात् | गर्दयताम् |
| | गर्दय | गर्दयतात् | गर्दयतम् |
| | गर्दयानि | गर्दयाव | गर्दयाम |
| ह्य० | अगर्दयत् | अगर्दयताम् | अगर्दयन् |
| | अगर्दयः | अगर्दयतम् | अगर्दयत |
| | अगर्दयम् | अगर्दयाव | अगर्दयाम |
| अ० | अजगर्दत् | अजगर्दताम् | अजगर्दन् |
| | अजगर्दः | अजगर्दतम् | अजगर्दत |
| | अजगर्दम् | अजगर्दाव | अजगर्दाम |
| प० | गर्दयाञ्चकार | गर्दयाञ्चकतुः | गर्दयाञ्चकुः |
| | गर्दयाञ्चकथे | गर्दयाञ्चकथुः | गर्दयाञ्चक |
| | गर्दयाञ्चकार-चकर | गर्दयाञ्चकव | गर्दयाञ्चकम् |
| | गर्दयाम्बभूव | । | गर्दयामास |
| आ० | गर्द्यात् | गर्द्यास्ताम् | गर्द्यासुः |
| | गर्द्याः | गर्द्यास्तम् | गर्द्यास्त |
| | गर्द्यासम् | गर्द्यास्व | गर्द्यास्म |
| श्व० | गर्दयिता | गर्दयितारौ | गर्दयितारः |
| | गर्दयितसि | गर्दयितास्थः | गर्दयितास्थ |
| | गर्दयितास्मि | गर्दयितास्वः | गर्दयितास्मः |
| भ० | गर्दयिष्यति | गर्दयिष्यतः | गर्दयिष्यन्ति |
| | गर्दयिष्यसि | गर्दयिष्यथः | गर्दयिष्यथ |
| | गर्दयिष्यामि | गर्दयिष्यावः | गर्दयिष्यामः |
| क्रि० | अगर्दयिष्यत् | अगर्दयिष्यताम् | अगर्दयिष्यन् |
| | अगर्दयिष्यः | अगर्दयिष्यतम् | अगर्दयिष्यत |
| | अगर्दयिष्यम् | अगर्दयिष्याव | अगर्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | गर्दयते | गर्दयेते | गर्दयन्ते |
| | गर्दयसे | गर्दयेथे | गर्दयन्वे |
| | गर्दये | गर्दयावहे | गर्दयामहे |
| स० | गर्दयेत | गर्दयेयाताम् | गर्दयेरन् |
| | गर्दयेथाः | गर्दयेयाथाम् | गर्दयेध्वम् |
| | गर्दयेय | गर्दयेवहि | गर्दयेमहि |
| प० | गर्दयताम् | गर्दयेताम् | गर्दयन्ताम् |
| | गर्दयस्व | गर्दयेथाम् | गर्दयध्वम् |
| | गर्दये | गर्दयावहे | गर्दयामहे |
| ह्य० | अगर्दयत | अगर्दयेताम् | अगर्दयन्त |
| | अगर्दयथाः | अगर्दयेथाम् | अगर्दयध्वम् |
| | अगर्दये | अगर्दयावहि | अगर्दयामहि |
| अ० | अजगर्दत् | अजगर्देताम् | अजगर्दन्त |
| | अजगर्दथाः | अजगर्देथाम् | अजगर्दध्वम् |
| | अजगर्दे | अजगर्दावहि | अजगर्दामहि |
| प० | गर्दयाञ्चके | गर्दयाञ्चकाते | गर्दयाञ्चक्रे |
| | गर्दयाञ्चकृषे | गर्दयाञ्चकृथे | गर्दयाञ्चकृद्वे |
| | गर्दयाञ्चके | गर्दयाञ्चकृवहे | गर्दयाञ्चकृमहे |
| | गर्दयाम्बभूव | । | गर्दयामास |
| आ० | गर्दयिषीष्ट | गर्दयिषीयास्ताम् | गर्दयिषीरन् |
| | गर्दयिषीष्ठाः | गर्दयिषीयास्थाम् | गर्दयिषीध्वम् |
| | गर्दयिषीय | गर्दयिषीवहि | गर्दयिषीमहि |
| श्व० | गर्दयिता | गर्दयितारौ | गर्दयितारः |
| | गर्दयितासे | गर्दयिताताथे | गर्दयिताध्वे |
| | गर्दयिताहे | गर्दयितास्वहे | गर्दयितास्महे |
| भ० | गर्दयिष्यते | गर्दयिष्येते | गर्दयिष्यन्ते |
| | गर्दयिष्यसे | गर्दयिष्येथे | गर्दयिष्यन्वे |
| | गर्दयिष्ये | गर्दयिष्यावहे | गर्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अगर्दयिष्यत | अगर्दयिष्येताम् | अगर्दयिष्यन्त |
| | अगर्दयिष्यथाः | अगर्दयिष्येथाम् | अगर्दयिष्यध्वम् |
| | अगर्दयिष्ये | अगर्दयिष्यावहि | अगर्दयिष्यामहि |

305 तर्द (तर्द्] हिंसायां ।

| | | | |
|------|------------------|----------------|---------------|
| व० | तर्दयति | तर्दयतः | तर्दयन्ति |
| | तर्दयसि | तर्दयथः | तर्दयथ |
| | तर्दयामि | तर्दयावः | तर्दयामः |
| स० | तर्दयेत् | तर्दयेताम् | तर्दयेयुः |
| | तर्दयेः | तर्दयेतम् | तर्दयेत |
| | तर्दयेयम् | तर्दयेव | तर्दयेम |
| प० | तर्दयतु | तर्दयतात् | तर्दयताम् |
| | तर्दय | तर्दयतात् | तर्दयतम् |
| | तर्दयानि | तर्दयाव | तर्दयाम |
| झ० | अतर्दयत् | अतर्दयताम् | अतर्दयन् |
| | अतर्दयः | अतर्दयतम् | अतर्दयत |
| | अतर्दयम् | अतर्दयाव | अतर्दयाम |
| ञ० | अतर्दयत् | अतर्दयताम् | अतर्दयन् |
| | अतर्दयः | अतर्दयतम् | अतर्दयत |
| | अतर्दयम् | अतर्दयाव | अतर्दयाम |
| ट० | तर्दयाश्चकार | तर्दयाश्चक्रुः | तर्दयाश्चकुः |
| | तर्दयाश्चकथे | तर्दयाश्चक्रुः | तर्दयाश्चक्र |
| | तर्दयाश्चकार-चकर | तर्दयाश्चक्रुव | तर्दयाश्चक्रम |
| | तर्दयाम्यभूव | । | तर्दयामास |
| आ० | तर्दयात् | तर्दयास्ताम् | तर्दयासुः |
| | तर्दयाः | तर्दयास्तम् | तर्दयास्त |
| | तर्दयासम् | तर्दयास्व | तर्दयास्म |
| श्व० | तर्दयिता | तर्दयितारौ | तर्दयितारः |
| | तर्दयितासि | तर्दयितास्थः | तर्दयितास्थ |
| | तर्दयितास्मि | तर्दयितास्वः | तर्दयितास्मः |
| भ० | तर्दयिष्यति | तर्दयिष्यतः | तर्दयिष्यन्ति |
| | तर्दयिष्यसि | तर्दयिष्यथः | तर्दयिष्यथ |
| | तर्दयिष्यामि | तर्दयिष्यावः | तर्दयिष्यामः |
| कि० | अतर्दयिष्यत् | अतर्दयिष्यताम् | अतर्दयिष्यन् |
| | अतर्दयिष्यः | अतर्दयिष्यतम् | अतर्दयिष्यत |
| | अतर्दयिष्यम् | अतर्दयिष्याव | अतर्दयिष्याम |

| | | | |
|------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | तर्दयते | तर्दयेते | तर्दयन्ते |
| | तर्दयसे | तर्दयेथे | तर्दयध्वे |
| | तर्दये | तर्दयावहे | तर्दयामहे |
| स० | तर्दयेत | तर्दयेयाताम् | तर्दयेरन् |
| | तर्दयेथाः | तर्दयेयाथाम् | तर्दयेध्वम् |
| | तर्दयेय | तर्दयेवहि | तर्दयेमहि |
| प० | तर्दयताम् | तर्दयेताम् | तर्दयन्ताम् |
| | तर्दयस्व | तर्दयेथाम् | तर्दयध्वम् |
| | तर्दये | तर्दयावहे | तर्दयामहे |
| झ० | अतर्दयत | अतर्दयेताम् | अतर्दयन्त |
| | अतर्दयेथाः | अतर्दयेथाम् | अतर्दयध्वम् |
| | अतर्दये | अतर्दयावहि | अतर्दयामहि |
| ञ० | अतर्दयत | अतर्दयेताम् | अतर्दयन्त |
| | अतर्दयेथाः | अतर्दयेथाम् | अतर्दयध्वम् |
| | अतर्दये | अतर्दयावहि | अतर्दयामहि |
| ट० | तर्दयाश्चके | तर्दयाश्चक्राते | तर्दयाश्चक्रिरे |
| | तर्दयाश्चकृषे | तर्दयाश्चक्राथे | तर्दयाश्चकृद्वे |
| | तर्दयाश्चके | तर्दयाश्चक्रुवहे | तर्दयाश्चक्रमहे |
| | तर्दयाम्यभूव | । | तर्दयामास |
| आ० | तर्दयिषीष्ट | तर्दयिषीयास्ताम् | तर्दयिषीरन् |
| | तर्दयिषीष्ठाः | तर्दयिषीयास्थाम् | तर्दयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | तर्दयिषीय | तर्दयिषीवहि | तर्दयिषीमहि |
| श्व० | तर्दयिता | तर्दयितारौ | तर्दयितारः |
| | तर्दयितासे | तर्दयिताताथे | तर्दयिताध्वे |
| | तर्दयिताहे | तर्दयितास्वहे | तर्दयितास्महे |
| भ० | तर्दयिष्यते | तर्दयिष्येते | तर्दयिष्यन्ते |
| | तर्दयिष्यसे | तर्दयिष्येथे | तर्दयिष्यध्वे |
| | तर्दयिष्ये | तर्दयिष्यावहे | तर्दयिष्यामहे |
| कि० | अतर्दयिष्यत | अतर्दयिष्येताम् | अतर्दयिष्यन्त |
| | अतर्दयिष्यथाः | अतर्दयिष्येथाम् | अतर्दयिष्यध्वम् |
| | अतर्दयिष्ये | अतर्दयिष्यावहि | अतर्दयिष्यामहि |

306 कर्द (कर्द) कुत्सिते शब्दे ।

| | | |
|------------------------|----------------|----------------|
| व० कर्दयति | कर्दयतः | कर्दयन्ति |
| कर्दयमि | कर्दयथः | कर्दयथ |
| कर्दयामि | कर्दयावः | कर्दयामः |
| स० कर्दयेत् | कर्दयेताम् | कर्दयेयुः |
| कर्दयेः | कर्दयेतम् | कर्दयेत |
| कर्दयेयम् | कर्दयेव | कर्दयेम |
| प० कर्दयन्तु कर्दयतात् | कर्दयताम् | कर्दयन्तु |
| कर्दव | कर्दयतात् | कर्दयतम् |
| कर्दयन्ति | कर्दयाव | कर्दयाम |
| ह्य० अकर्दयत् | अकर्दयताम् | अकर्दयन् |
| अकर्दयः | अकर्दयतम् | अकर्दयत |
| अकर्दयम् | अकर्दयाव | अकर्दयाम |
| अ० अचकर्दत् | अचकर्दताम् | अचकर्दन् |
| अचकर्दः | अचकर्दतम् | अचकर्दत |
| अचकर्दम् | अचकर्दाव | अचकर्दाम |
| प० कर्दयाञ्चकार | कर्दयाञ्चक्रुः | कर्दयाञ्चक्रुः |
| कर्दयाञ्चकथ | कर्दयाञ्चकथुः | कर्दयाञ्चक |
| कर्दयाञ्चकार-चकर | कर्दयाञ्चक्रुः | कर्दयाञ्चक्रम |
| कर्दयाञ्चभूव | कर्दयामास | |
| आ० कर्दात् | कर्दास्ताम् | कर्दासुः |
| कर्दाः | कर्दास्तम् | कर्दास्त |
| कर्दासम् | कर्दास्व | कर्दास्म |
| श्व० कर्दयिता | कर्दयितारौ | कर्दयितारः |
| कर्दयितासि | कर्दयितास्थः | कर्दयितास्थ |
| कर्दयितास्मि | कर्दयितास्वः | कर्दयितास्मः |
| भ० कर्दयिष्यति | कर्दयिष्यतः | कर्दयिष्यन्ति |
| कर्दयिष्यसि | कर्दयिष्यथः | कर्दयिष्यथ |
| कर्दयिष्यामि | कर्दयिष्यावः | कर्दयिष्यामः |
| क्रि० अकर्दयिष्यत् | अकर्दयिष्यताम् | अकर्दयिष्यन् |
| अकर्दयिष्यः | अकर्दयिष्यतम् | अकर्दयिष्यत |
| अकर्दयिष्यम् | अकर्दयिष्याव | अकर्दयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| व० कर्दयेते | कर्दयेते | कर्दयन्ते |
| कर्दयेसे | कर्दयेथे | कर्दयन्वे |
| कर्दये | कर्दयावहे | कर्दयामहे |
| स० कर्दयेय | कर्दयेयाताम् | कर्दयेरन् |
| कर्दयेथाः | कर्दयेयाथाम | कर्दयेष्वम् |
| कर्दयेय | कर्दयेवहि | कर्दयेमहि |
| प० कर्दयताम् | कर्दयेताम् | यर्दयन्ताम् |
| कर्दयस्व | कर्दयेथाम् | कर्दयष्वम् |
| कर्दये | कर्दयावहे | कर्दयामहे |
| ह्य० अकर्दयत | अकर्दयताम् | अकर्दयन्त |
| अकर्दयथाः | अकर्दयेथाम् | अकर्दयष्वम् |
| अकर्दये | अकर्दयावहि | अकर्दयामहि |
| अ० अचकर्दत् | अचकर्दताम् | अचकर्दन्त |
| अचकर्दथाः | अचकर्दथाम् | अचकर्दष्वम् |
| अचकर्दे | अचकर्दावहि | अचकर्दामहि |
| प० कर्दयाञ्चक्रे | कर्दयाञ्चकते | कर्दयाञ्चक्रिरे |
| कर्दयाञ्चकृषे | कर्दयाञ्चकथे | कर्दयाञ्चकृष्ट्वे |
| कर्दयाञ्चक्रे | कर्दयाञ्चकृवहे | कर्दयाञ्चकृमहे |
| कर्दयाञ्चभूव | कर्दयामास | |
| आ० कर्दयिषीष्ट | कर्दयिषीयास्ताम् | कर्दयिषीरन् |
| कर्दयिषीष्टाः | कर्दयिषीयास्थाम् | कर्दयिषीष्ट्वम् |
| कर्दयिषीय | कर्दयिषीवाह | कर्दयिषीमहि |
| श्व० कर्दयिता | कर्दयितारौ | कर्दयितारः |
| कर्दयितासे | कर्दयितामथे | कर्दयितास्वे |
| कर्दयितहे | कर्दयितास्वहे | कर्दयितास्महे |
| भ० कर्दयिष्यते | कर्दयिष्यते | कर्दयिष्यन्ते |
| कर्दयिष्यसे | कर्दयिष्यथे | कर्दयिष्यथे |
| कर्दयिष्ये | कर्दयिष्यावहे | कर्दयिष्यामहे |
| क्रि० अकर्दयिष्यत | अकर्दयिष्यताम् | अकर्दयिष्यन्त |
| अकर्दयिष्यथाः | अकर्दयिष्यथाम् | अकर्दयिष्यष्वम् |
| अकर्दयिष्ये | अकर्दयिष्यावहि | अकर्दयिष्यामहि |

307 खर्द (खर्द) दशने ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० खर्दयति | खर्दयतः | खर्दयन्ति |
| खर्दयसि | खर्दयथः | खर्दयथ |
| खर्दयामि | खर्दयावः | खर्दयामः |
| स० खर्दयेत् | खर्दयेताम् | खर्दयेयुः |
| खर्दयेः | खर्दयेतम् | खर्दयेत |
| खर्दयेयम् | खर्दयेव | खर्दयेम |
| प० खर्दयतु | खर्दयतात् | खर्दयन्तु |
| खर्दव | खर्दयतात् | खर्दयतम् |
| खर्दयानि | खर्दयाव | खर्दयाम |
| ह्य० अखर्दयत् | अखर्दयताम् | अखर्दयन् |
| अखर्दयः | अखर्दयतम् | अखर्दयत |
| अखर्दयम् | अखर्दयाव | अखर्दयाम |
| अ० अचखर्दत् | अचखर्दताम् | अचखर्दन् |
| अचखर्दः | अचखर्दतम् | अचखर्दत |
| अचखर्दम् | अचखर्दाव | अचखर्दाम |
| प० खर्दयाञ्चकार | खर्दयाञ्चकतुः | खर्दयाञ्चकुः |
| खर्दयाञ्चकथं | खर्दयाञ्चकथुः | खर्दयाञ्चक |
| खर्दयाञ्चकार-चकर | खर्दयाञ्चकृ | खर्दयाञ्चकृम |
| खर्दयाम्बभूव | खर्दयामास | |
| आ० खर्द्यात् | खर्द्यास्ताम् | खर्द्यासुः |
| खर्द्याः | खर्द्यास्तम् | खर्द्यास्त |
| खर्द्यासम् | खर्द्यास्व | खर्द्यास्म |
| श्व० खर्दयिता | खर्दयितारौ | खर्दयितारः |
| खर्दयितासि | खर्दयितास्थः | खर्दयितास्थ |
| खर्दयितास्मि | खर्दयितास्वः | खर्दयितास्मः |
| भ० खर्दयिष्यति | खर्दयिष्यतः | खर्दयिष्यन्ति |
| खर्दयिष्यसि | खर्दयिष्यथः | खर्दयिष्यथ |
| खर्दयिष्यामि | खर्दयिष्यावः | खर्दयिष्यामः |
| क्रि० अखर्दयिष्यत् | अखर्दयिष्यताम् | अखर्दयिष्यन् |
| अखर्दयिष्यः | अखर्दयिष्यतम् | अखर्दयिष्यत |
| अखर्दयिष्यम् | अखर्दयिष्याव | अखर्दयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० खर्दयेते | खर्दयेते | खर्दयन्ते |
| खर्दयसे | खर्दयेथे | खर्दयध्वे |
| खर्दये | खर्दयावहे | खर्दयामहे |
| स० खर्दयेत | खर्दयेयाताम् | खर्दयेरन् |
| खर्दयेथाः | खर्दयेयाथाम् | खर्दयेध्वम् |
| खर्दयेय | खर्दयेवहि | खर्दयेमहि |
| प० खर्दयेताम् | खर्दयेताम् | खर्दयन्ताम् |
| खर्दयस्व | खर्दयेथाम् | खर्दयध्वम् |
| खर्दये | खर्दयावहे | खर्दयामहे |
| ह्य० अखर्दयत | अखर्दयेताम् | अखर्दयन्त |
| अखर्दयथाः | अखर्दयेथाम् | अखर्दयध्वम् |
| अखर्दये | अखर्दयावहि | अखर्दयामहि |
| अ० अचखर्दत | अचखर्देताम् | अचखर्दन्त |
| अचखर्दथाः | अचखर्देथाम् | अचखर्दध्वम् |
| अचखर्दे | अचखर्दावहि | अचखर्दामहि |
| प० खर्दयाञ्चके | खर्दयाञ्चकते | खर्दयाञ्चकृते |
| खर्दयाञ्चकृषे | खर्दयाञ्चकृथे | खर्दयाञ्चकृध्वे |
| खर्दयाञ्चके | खर्दयाञ्चकृवहे | खर्दयाञ्चकृमहे |
| खर्दयाम्बभूव | खर्दयामास | |
| आ० खर्दयिषीष्ट | खर्दयिषीयास्ताम् | खर्दयिषीरन् |
| खर्दयिषीष्टाः | खर्दयिषीयाथाम् | खर्दयिषीध्वम् |
| खर्दयिषीय | खर्दयिषीवहि | खर्दयिषीमहि |
| श्व० खर्दयिता | खर्दयितारौ | खर्दयितारः |
| खर्दयितासे | खर्दयितासाथे | खर्दयिताध्वे |
| खर्दयितहे | खर्दयितास्वहे | खर्दयितास्महे |
| भ० खर्दयिष्यते | खर्दयिष्येते | खर्दयिष्यन्ते |
| खर्दयिष्यसे | खर्दयिष्येथे | खर्दयिष्यध्वे |
| खर्दयिष्ये | खर्दयिष्यावहे | खर्दयिष्यामहे |
| क्रि० अखर्दयिष्यत | अखर्दयिष्येताम् | अखर्दयिष्यन्त |
| अखर्दयिष्यथाः | अखर्दयिष्येथाम् | अखर्दयिष्यध्वम् |
| अखर्दयिष्ये | अखर्दयिष्यावहि | अखर्दयिष्यामहि |

308 अद् (अन्द्) बन्धने ।

| | | | |
|-------|--------------------------|-----------------|---------------------|
| व० | अन्दयति | अन्दयतः | अन्दयन्ति |
| | अन्दयसि | अन्दयथः | अन्दयथ |
| | अन्दयामि | अन्दयावः | अन्दयामः |
| स० | अन्दयेत् | अन्दयेताम् | अन्दयेयुः |
| | अन्दयेः | अन्दयेतम् | अन्दयेत |
| | अन्दयेयम् | अन्दयेव | अन्दयेम |
| प० | अन्दयतु | अन्दयतात् | अन्दयताम् अन्दयन्तु |
| | अन्दय | अन्दयतम् | अन्दयत |
| | अन्दयानि | अन्दयाव | अन्दयाम |
| ह्य० | आन्दयत् | आन्दयताम् | आन्दयन् |
| | आन्दयः | आन्दयतम् | आन्दयत |
| | आन्दयम् | आन्दयाव | आन्दयाम |
| अ० | आन्दिदत् | आन्दिदताम् | आन्दिदन् |
| | आन्दिदः | आन्दिदतम् | आन्दिदत |
| | आन्दिदम् | आन्दिदाव | आन्दिदाम |
| प० | अन्दयाश्चकार | अन्दयाश्चक्रतुः | अन्दयाश्चक्रुः |
| | अन्दयाश्चकर्ष | अन्दयाश्चक्रथुः | अन्दयाश्चक्र |
| | अन्दयाश्चकार-चक्र | अन्दयाश्चक्रव | अन्दयाश्चक्रम |
| | अन्दयाम्बभूव । अन्दयामास | | |
| आ० | अन्धात् | अन्धास्ताम् | अन्धासुः |
| | अन्धाः | अन्धास्ताम् | अन्धास्त |
| | अन्धासम् | अन्धास्व | अन्धास्म |
| भ० | अन्दयिता | अन्दयितारौ | अन्दयितारः |
| | अन्दयितासि | अन्दयितास्थः | अन्दयितास्थ |
| | अन्दयितास्मि | अन्दयितास्वः | अन्दयितास्मः |
| भ० | अन्दयिष्यति | अन्दयिष्यतः | अन्दयिष्यन्ति |
| | अन्दयिष्यसि | अन्दयिष्यथः | अन्दयिष्यथ |
| | अन्दयिष्यामि | अन्दयिष्यावः | अन्दयिष्यामः |
| क्रि० | आन्दयिष्यत् | आन्दयिष्यताम् | आन्दयिष्यन् |
| | आन्दयिष्यः | आन्दयिष्यतम् | आन्दयिष्यत |
| | आन्दयिष्यम् | आन्दयिष्याव | आन्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------------------|------------------|-----------------|
| व० | अन्दयते | अन्दयेते | अन्दयन्ते |
| | अन्दयसे | अन्दयेथे | अन्दयध्वे |
| | अन्दये | अन्दयावहे | अन्दयामहे |
| स० | अन्दयेत् | अन्दयेयाताम् | अन्दयेरन् |
| | अन्दयेथाः | अन्दयेयाथाम् | अन्दयेध्वम् |
| | अन्दयेय | अन्दयेवहि | अन्दयेमहि |
| प० | अन्दयताम् | अन्दयेताम् | अन्दयन्ताम् |
| | अन्दयस्व | अन्दयेथाम् | अन्दयध्वम् |
| | अन्दये | अन्दयावहे | अन्दयामहे |
| ह्य० | आन्दयत | आन्दयेताम् | आन्दयन्त |
| | आन्दयथाः | आन्दयेथाम् | आन्दयध्वम् |
| | आन्दये | आन्दयावहि | आन्दयामहि |
| अ० | आन्दिदत् | आन्दिदेताम् | आन्दिदन्त |
| | आन्दिदथाः | आन्दिदेथाम् | आन्दिदध्वम् |
| | आन्दिदे | आन्दिदावहि | आन्दिदामहि |
| प० | अन्दयाश्चके | अन्दयाश्चक्रते | अन्दयाश्चक्रिरे |
| | अन्दयाश्चकृषे | अन्दयाश्चक्रथे | अन्दयाश्चकृद्वे |
| | अन्दयाश्चके | अन्दयाश्चक्रवहे | अन्दयाश्चक्रमहे |
| | अन्दयाम्बभूव । अन्दयामास | | |
| आ० | अन्दयिषीष्ट | अन्दयिषीयास्ताम् | अन्दयिषीरन् |
| | अन्दयिषीष्ठाः | अन्दयिषीयास्थाम् | अन्दयिषीध्वम् |
| | अन्दयिषीय | अन्दयिषीवहि | अन्दयिषीमहि |
| श्व० | अन्दयिता | अन्दयितारौ | अन्दयितारः |
| | अन्दयितासे | अन्दयितासाथे | अन्दयिताध्वे |
| | अन्दयिताहे | अन्दयितास्वहे | अन्दयितास्महे |
| भ० | अन्दयिष्यते | अन्दयिष्येते | अन्दयिष्यन्ते |
| | अन्दयिष्यसे | अन्दयिष्येथे | अन्दयिष्यध्वे |
| | अन्दयिष्ये | अन्दयिष्यावहे | अन्दयिष्यामहे |
| क्रि० | आन्दयिष्यत् | आन्दयिष्येताम् | आन्दयिष्यन्त |
| | आन्दयिष्यथाः | आन्दयिष्येथाम् | आन्दयिष्यध्वम् |
| | आन्दयिष्ये | आन्दयिष्यावहि | आन्दयिष्यामहि |

309 इकु (इन्दु) परमैश्वर्ये

| | | | |
|-------|--------------------------|----------------|---------------|
| ब० | इन्दयन्ति | इन्दयतः | इन्दयन्ति |
| | इन्दयसि | इन्दयथः | इन्दयथ |
| | इन्दयामि | इन्दयावः | इन्दयामः |
| स० | इन्दयेत् | इन्दयेताम् | इन्दयेयुः |
| | इन्दयेः | इन्दयेतम् | इन्दयेत |
| | इन्दयेयम् | इन्दयेन | इन्दयेम |
| प० | इन्दयतु | इन्दयतात् | इन्दयन्तु |
| | इन्दय | इन्दयतम् | इन्दयत |
| | इन्दयानि | इन्दयाव | इन्दयाम |
| ह्य० | ऐन्दयत् | ऐन्दयताम् | ऐन्दयन् |
| | ऐन्दयः | ऐन्दयतम् | ऐन्दयत |
| | ऐन्दयम् | ऐन्दयाव | ऐन्दयाम |
| अ० | ऐन्दिदत् | ऐन्दिदताम् | ऐन्दिदन् |
| | ऐन्दिद | ऐन्दिदतम् | ऐन्दिदत |
| | ऐन्दिदम् | ऐन्दिदाव | ऐन्दिदाम |
| प० | इन्दयाञ्चकार | इन्दयाञ्चकतुः | इन्दयाञ्चकुः |
| | इन्दयाञ्चकथं | इन्दयाञ्चकथुः | इन्दयाञ्चक |
| | इन्दयाञ्चकार-चकर | इन्दयाञ्चकृव | इन्दयाञ्चकृम |
| | इन्दयाम्बभूव । इन्दयामास | | |
| आ० | इन्दयात् | इन्दयास्ताम् | इन्दयासुः |
| | इन्दयाः | इन्दयास्तम् | इन्दयास्त |
| | इन्दयासम् | इन्दयास्व | इन्दयासम |
| श्व० | इन्दयिता | इन्दयितारो | इन्दयितारः |
| | इन्दयितासि | इन्दयितास्थः | इन्दयितास्थ |
| | इन्दयितास्मि | इन्दयितास्वः | इन्दयितास्मः |
| भ० | इन्दयिष्यति | इन्दयिष्यतः | इन्दयिष्यन्ति |
| | इन्दयिष्यसि | इन्दयिष्यथः | इन्दयिष्यथ |
| | इन्दयिष्यामि | इन्दयिष्यावः | इन्दयिष्यामः |
| क्रि० | पेन्दयिष्यत् | पेन्दयिष्यताम् | पेन्दयिष्यन् |
| | पेन्दयिष्यः | पेन्दयिष्यतम् | पेन्दयिष्यत |
| | पेन्दयिष्यम् | पेन्दयिष्याव | पेन्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------------------|------------------|-----------------|
| ब० | इन्दयते | इन्दयेते | इन्दयन्ते |
| | इन्दयसे | इन्दयेथे | इन्दयध्वे |
| | इन्दये | इन्दयावहे | इन्दयामहे |
| सस | इन्दयेत | इन्दयेयाताम् | इन्दयेरन् |
| | इन्दयेथाः | इन्दयेयाथाम् | इन्दयेध्वम् |
| | इन्दयेय | इन्दयेवहि | इन्दयेमहि |
| प० | इन्दयताम् | इन्दयेताम् | इन्दयन्ताम् |
| | इन्दयस्व | इन्दयेथाम् | इन्दयध्वम् |
| | इन्दयै | इन्दयावहै | इन्दयामहै |
| ह्य० | पेन्दयत् | पेन्दयेताम् | पेन्दयन्त |
| | पेन्दयथाः | पेन्दयेथाम् | पेन्दयध्वम् |
| | पेन्दये | पेन्दयावहि | पेन्दयामहि |
| अ० | पेन्दिदत् | पेन्दिदेताम् | पेन्दिदन्त |
| | पेन्दिदथाः | पेन्दिदेथाम् | पेन्दिदध्वम् |
| | पेन्दिदे | पेन्दिदावहि | पेन्दिदामहि |
| प० | इन्दयाञ्चके | इन्दयाञ्चकाते | इन्दयाचक्रिरे |
| | इन्दयाञ्चकृषे | इन्दयाञ्चकाथे | इन्दयाञ्चकृढ्वे |
| | इन्दयाञ्चके | इन्दयाञ्चकृवहे | इन्दयाञ्चकृमहे |
| | इन्दयाम्बभूव । इन्दयामास | | |
| आ० | इन्दयिषीष्ट | इन्दयिषीयास्ताम् | इन्दयिषीरन् |
| | इन्दयिषीष्टाः | इन्दयिषीयाथाम् | इन्दयिषीध्वम् |
| | इन्दयिषीय | इन्दयिषीवहि | इन्दयिषीमहि |
| श्व० | इन्दयिता | इन्दयितारौ | इन्दयितारः |
| | इन्दयितासे | इन्दयितासाथे | इन्दयिताध्वे |
| | इन्दयिताहे | इन्दयितास्वहे | इन्दयितास्महे |
| भ० | इन्दयिष्यते | इन्दयिष्येते | इन्दयिष्यन्ते |
| | इन्दयिष्यसे | इन्दयिष्येथे | इन्दयिष्यध्वे |
| | इन्दयिष्ये | इन्दयिष्यावहे | इन्दयिष्यामहे |
| क्रि० | पेन्दयिष्यत | पेन्दयिष्येताम् | पेन्दयिष्यन्त |
| | पेन्दयिष्यथाः | पेन्दयिष्येथाम् | पेन्दयिष्यध्वम् |
| | पेन्दयिष्ये | पेन्दयिष्यावहि | पेन्दयिष्यामहि |

310 विदु (विन्द्) अवयवे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | विन्दयति | विन्दयतः | विन्दयन्ति |
| | विन्दयसि | विन्दयथः | विन्दयथ |
| | विन्दयामि | विन्दयावः | विन्दयामः |
| स० | विन्दयेत् | विन्दयेताम् | विन्दयेयुः |
| | विन्दयेः | विन्दयेताम् | विन्दयेत |
| | विन्दयेयम् | विन्दयेव | विन्दयेम |
| प० | विन्दयतु | विन्दयतात् | विन्दयन्तु |
| | विन्दय | विन्दयतम् | विन्दयत |
| | विन्दयानि | विन्दयावः | विन्दयाम |
| ह्य० | अविन्दयत् | अविन्दयताम् | अविन्दयन् |
| | अविन्दयः | अविन्दयतम् | अविन्दयत |
| | अविन्दयम् | अविन्दयाव | अविन्दयाम |
| अ० | अविविन्दत् | अविविन्दताम् | अविविन्दन् |
| | अविविन्दः | अविविन्दतम् | अविविन्दत |
| | अविविन्दम् | अविविन्दाव | अविविन्दाम |
| प० | विन्दयाञ्चकार | विन्दयाञ्चकतुः | विन्दयाञ्चकुः |
| | विन्दयाञ्चकथे | विन्दयाञ्चकथुः | विन्दयाञ्चक |
| | विन्दयाञ्चकार-चकर | विन्दयाञ्चकृव | विन्दयाञ्चकृम |
| | विन्दयाम्बभूव | विन्दयामास | |
| आ० | विन्दयात् | विन्दयास्ताम् | विन्दयासुः |
| | विन्दयाः | विन्दयास्तम् | विन्दयास्त |
| | विन्दयासम् | विन्दयास्व | विन्दयास्म |
| श्व० | विन्दयिता | विन्दयितारौ | विन्दयितारः |
| | विन्दयितासि | विन्दयितास्थः | विन्दयितास्थ |
| | विन्दयितास्मि | विन्दयितास्वः | विन्दयितास्मः |
| भ० | विन्दयिष्यति | विन्दयिष्यतः | विन्दयिष्यन्ति |
| | विन्दयिष्यसि | विन्दयिष्यथः | विन्दयिष्यथ |
| | विन्दयिष्यामि | विन्दयिष्यावः | विन्दयिष्यामः |
| क्रि० | अविन्दयिष्यत् | अविन्दयिष्यताम् | अविन्दयिष्यन् |
| | अविन्दयिष्यः | अविन्दयिष्यतम् | अविन्दयिष्यत |
| | अविन्दयिष्यम् | अविन्दयिष्याव | अविन्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | विन्दयते | विन्दयते | विन्दयन्ते |
| | विन्दयसे | विन्दयेथे | विन्दयध्वे |
| | विन्दये | विन्दयावहे | विन्दयामहे |
| स० | विन्दयेत | विन्दयेयाताम् | विन्दयेरन् |
| | विन्दयेथाः | विन्दयेयाथाम् | विन्दयेध्वम् |
| | विन्दयेथ | विन्दयेवहि | विन्दयेमहि |
| प० | विन्दयताम् | विन्दयेताम् | विन्दयन्ताम् |
| | विन्दयस्व | विन्दयेथाम् | विन्दयध्वम् |
| | विन्दये | विन्दयावहे | विन्दयामहे |
| अ० | अविन्दयत | अविन्दयेताम् | अविन्दयन्त |
| | अविन्दयथाः | अविन्दयेथाम् | अविन्दयध्वम् |
| | अविन्दये | अविन्दयावहि | अविन्दयामहि |
| अ० | अविविन्दत | अविविन्देताम् | अविविन्दन्त |
| | अविविन्दथाः | अविविन्देथाम् | अविविन्दध्वम् |
| | अविविन्दे | अविविन्दावहि | अविविन्दामहि |
| प० | विन्दयाञ्चक्रे | विन्दयाञ्चकृते | विन्दयाञ्चकिरे |
| | विन्दयाञ्चकृषे | विन्दयाञ्चकृथे | विन्दयाञ्चकृद्वे |
| | विन्दयाञ्चक्रे | विन्दयाञ्चकृवहे | विन्दयाञ्चकृमहे |
| | विन्दयाम्बभूव | विन्दयामास | |
| आ० | विन्दयिषीष्ट | विन्दयिषीस्ताम् | विन्दयिषीरन् |
| | विन्दयिषीष्टाः | विन्दयिषीयास्थाम् | विन्दयिषीढवम् |
| | विन्दयिषीय | विन्दयिषीवहि | विन्दयिषीमहि |
| श्व० | विन्दयिता | विन्दयितारौ | विन्दयितारः |
| | विन्दयितासे | विन्दयितासथे | विन्दयिताध्वे |
| | विन्दयिताहे | विन्दयितास्वहे | विन्दयितास्महे |
| भ० | विन्दयिष्यते | विन्दयिष्येते | विन्दयिष्यन्ते |
| | विन्दयिष्यसे | विन्दयिष्येथे | विन्दयिष्यध्वे |
| | विन्दयिष्ये | विन्दयिष्यावहे | विन्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अविन्दयिष्यत | अविन्दयिष्येताम् | अविन्दयिष्यन्त |
| | अविन्दयिष्यथाः | अविन्दयिष्येथाम् | अविन्दयिष्यध्वम् |
| | अविन्दयिष्ये | अविन्दयिष्यावहि | अविन्दयिष्यामहि |

311 णिदु (निन्द) कुत्सायाम्

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० निन्दयति | निन्दयतः | निन्दयन्ति |
| निन्दयसि | निन्दयथः | निन्दयथ |
| निन्दयामि | निन्दयावः | निन्दयामः |
| स० निन्दयेत् | निन्दयेताम् | निन्दयेयुः |
| निन्दयेः | निन्दयेतम् | निन्दयेत |
| निन्दयेयम् | निन्दयेव | निन्दयेम |
| प० निन्दयतु | निन्दयतात् | निन्दयन्तु |
| निन्दय | ” | निन्दयतम् |
| निन्दयानि | निन्दयाव | निन्दयाम |
| ह्य० अनिन्दयत् | अनिन्दयताम् | अनिन्दयन् |
| अनिन्दयः | अनिन्दयतम् | अनिन्दयत |
| अनिन्दयम् | अनिन्दयाव | अनिन्दयाम |
| अ० अनिनिन्दत् | अनिनिन्दताम् | अनिनिन्दन् |
| अनिनिन्दः | अनिनिन्दतम् | अनिनिन्दत |
| अनिनिन्दम् | अनिनिन्दाव | अनिनिन्दा |
| प० निन्दयाञ्चकार | निन्दयाञ्चकतुः | निन्दयाञ्चकुः |
| निन्दयाञ्चकर्थ | निन्दयाञ्चकथुः | निन्दयाञ्चक |
| निन्दयाञ्चकार-चकर | निन्दयाञ्चकृव | निन्दयाञ्चकृम |
| निन्दयाम्बभूव | । | निन्दयामास |
| आ० निन्दयात् | निन्दयास्ताम् | निन्दयासुः |
| निन्दयाः | निन्दयास्तम् | निन्दयास्त |
| निन्दयासम | निन्दयास्व | निन्दयास्म |
| श्व० निन्दयिता | निन्दयितारौ | निन्दयितारः |
| निन्दयितासि | निन्दयितास्थः | निन्दयितास्थ |
| निन्दयितास्मि | निन्दयितास्वः | निन्दयितास्मः |
| भ० निन्दयिष्यति | निन्दयिष्यतः | निन्दयिष्यन्ति |
| निन्दयिष्यसि | निन्दयिष्यथः | निन्दयिष्यथ |
| निन्दयिष्यामि | निन्दयिष्यावः | निन्दयिष्यामः |
| क्रि० अनिन्दयिष्यत् | अनिन्दयिष्यताम् | अनिन्दयिष्यन् |
| अनिन्दयिष्यः | अनिन्दयिष्यतम् | अनिन्दयिष्यत |
| अनिन्दयिष्यम् | अनिन्दयिष्याव | अनिन्दयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० निन्दयते | निन्दयेते | निन्दयन्ते |
| निन्दयसे | निन्दयेथे | निन्दयन्वे |
| निन्दये | निन्दयावहे | निन्दयामहे |
| स० निन्दयेत | निन्दयेताताम् | निन्दयेरन् |
| निन्दयेथाः | निन्दयेथाथाम् | निन्दयेध्वम् |
| निन्दयेय | निन्दयेवहि | निन्दयेमहि |
| प० निन्दयताम् | निन्दयेताम् | निन्दयन्ताम् |
| निन्दयस्व | निन्दयेथाम् | निन्दयध्वम् |
| निन्दये | निन्दयावहे | निन्दयामहे |
| ह्य० अनिन्दयत | अनिन्दयेताम् | अनिन्दयन्त |
| अनिन्दयथाः | अनिन्दयेथाम् | अनिन्दयध्वम् |
| अनिन्दये | अनिन्दयावहि | अनिन्दयामहि |
| अ० अनिनिन्दत | अनिनिन्देताम् | अनिनिन्दन्त |
| अनिनिन्दथाः | अनिनिन्देथाम् | अनिनिन्दध्वम् |
| अनिनिन्दे | अनिनिन्दावहि | अनिनिन्दा |
| प० निन्दयाञ्चक्रे | निन्दयाञ्चकाते | निन्दयाञ्चकिरे |
| निन्दयाञ्चकृषे | निन्दयाञ्चकाथे | निन्दयाञ्चकृद्वे |
| निन्दयाञ्चके | निन्दयाञ्चकृवहे | निन्दयाञ्चकृमहे |
| निन्दयाम्बभूव | । | निन्दयामास |
| आ० निन्दयिषीष्ट | निन्दयिषीयास्ताम् | निन्दयिषीरन् |
| निन्दयिषीष्ठाः | निन्दयिषीयास्थाम् | निन्दयिषीह्वम् |
| निन्दयिषीय | निन्दयिषीवहि | निन्दयिषीमहि |
| श्व० निन्दयिता | निन्दयितारौ | निन्दयितारः |
| निन्दयितासे | निन्दयितासाथे | निन्दयिताध्वे |
| निन्दयिताहे | निन्दयितास्वहे | निन्दयितास्महे |
| भ० निन्दयिष्यते | निन्दयिष्येते | निन्दयिष्यन्ते |
| निन्दयिष्यसे | निन्दयिष्येथे | निन्दयिष्यन्वे |
| निन्दयिष्ये | निन्दयिष्यावहे | निन्दयिष्यामहे |
| क्रि० अनिन्दयिष्यत | अनिन्दयिष्येताम् | अनिन्दयिष्यन्त |
| अनिन्दयिष्यथाः | अनिन्दयिष्येथाम् | अनिन्दयिष्यध्वम् |
| अनिन्दयिष्ये | अनिन्दयिष्यावहि | अनिन्दयिष्यामहि |

312 दुण्डु (नन्द्) समृद्धौ

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० नन्दयति | नन्दयतः | नन्दयन्ति |
| नन्दयसि | नन्दयथः | नन्दयथ |
| नन्दयामि | नन्दयावः | नन्दयामः |
| स० नन्दयेत् | नन्दयेताम् | नन्दयेयुः |
| नन्दयेः | नन्दयेतम् | नन्दयेत |
| नन्दयेयम् | नन्दयेव | नन्दयेम |
| प० नन्दयतु | नन्दयतात् | नन्दयताम् |
| नन्दय | „ | नन्दयतम् |
| नन्दयानि | नन्दयाव | नन्दयाम |
| ह्य० अनन्दयत् | अनन्दयताम् | अनन्दयन् |
| अनन्दयः | अनन्दयतम् | अनन्दयत |
| अनन्दयम् | अनन्दयाव | अनन्दयाम |
| अ० अननन्दत् | अननन्दताम् | अननन्दन् |
| अननन्दः | अननन्दतम् | अननन्दत |
| अननन्दम् | अननन्दाव | अननन्दाम |
| प० नन्दयाश्चकार | नन्दयाश्चक्रुः | नन्दयाश्चक्रुः |
| नन्दयाश्चकर्थ | नन्दयाश्चक्रुः | नन्दयाश्चक्रुः |
| नन्दयाश्चकार-चकर | नन्दयाश्चक्रुव | नन्दयाश्चक्रुम |
| नन्दयाम्बभूव | । | नन्दयामास |
| आ० नन्दयात् | नन्दयास्ताम् | नन्दयासुः |
| नन्दयाः | नन्दयास्तम् | नन्दयास्त |
| नन्दयासम् | नन्दयास्व | नन्दयास्म |
| श्व० नन्दयिता | नन्दयितारौ | नन्दयितारः |
| नन्दयितासि | नन्दयितास्थः | नन्दयितास्थ |
| नन्दयितास्मि | नन्दयितास्वः | नन्दयितास्मः |
| भ० नन्दयिष्यति | नन्दयिष्यतः | नन्दयिष्यन्ति |
| नन्दयिष्यसि | नन्दयिष्यथः | नन्दयिष्यथ |
| नन्दयिष्यामि | नन्दयिष्यावः | नन्दयिष्यामः |
| क्रि० अनन्दयिष्यत् | अनन्दयिष्यताम् | अनन्दयिष्यन् |
| अनन्दयिष्यः | अनन्दयिष्यतम् | अनन्दयिष्यत |
| अनन्दयिष्यम् | अनन्दयिष्याव | अनन्दयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० नन्दयते | नन्दयेते | नन्दयन्ते |
| नन्दयसे | नन्दयेथे | नन्दयध्वे |
| नन्दये | नन्दयावहे | नन्दयामहे |
| स० नन्दयेत | नन्दयेयाताम् | नन्दयेरन् |
| नन्दयेथाः | नन्दयेयाथाम् | नन्दयेध्वम् |
| नन्दयेय | नन्दयेवहि | नन्दयेमहि |
| प० नन्दयताम् | नन्दयेताम् | नन्दयन्ताम् |
| नन्दयस्व | नन्दयेथाम् | नन्दयध्वम् |
| नन्दयै | नन्दयावहै | नन्दयामहै |
| ह्य० अनन्दयत | अनन्दयेताम् | अनन्दयन्त |
| अनन्दयथाः | अनन्दयेथाम् | अनन्दयध्वम् |
| अनन्दये | अनन्दयावहि | अनन्दयामहि |
| अ० अननन्दत | अननन्देताम् | अननन्दन्त |
| अननन्दथाः | अननन्देथाम् | अननन्दध्वम् |
| अननन्दे | अननन्दावहि | अननन्दामहि |
| प० नन्दयाश्चक्रे | नन्दयाश्चक्राते | नन्दयाश्चक्रिरे |
| नन्दयाश्चक्रेषु | नन्दयाश्चक्राथे | नन्दयाश्चक्रुव |
| नन्दयाश्चक्रे | नन्दयाश्चक्रुवहे | नन्दयाश्चक्रुमहे |
| नन्दयाश्चक्रुव | । | नन्दयामास |
| आ० नन्दयिषीष्ट | नन्दयिषीयास्ताम् | नन्दयिषीरन् |
| नन्दयिषीष्ठाः | नन्दयिषीयास्थाम् | नन्दयिषीवम् |
| नन्दयिषीय | नन्दयिषीवहि | नन्दयिषीमहि |
| श्व० नन्दयिता | नन्दयितारौ | नन्दयितारः |
| नन्दयितासे | नन्दयितासाथे | नन्दयिताध्वे |
| नन्दयिताहे | नन्दयितास्वहे | नन्दयितास्महे |
| भ० नन्दयिष्यते | नन्दयिष्येते | नन्दयिष्यन्ते |
| नन्दयिष्यसे | नन्दयिष्येथे | नन्दयिष्यध्वे |
| नन्दयिष्ये | नन्दयिष्यावहे | नन्दयिष्यामहे |
| क्रि० अनन्दयिष्यत् | अनन्दयिष्येताम् | अनन्दयिष्यन्त |
| अनन्दयिष्यथाः | अनन्दयिष्येथाम् | अनन्दयिष्यध्वम् |
| अनन्दयिष्ये | अनन्दयिष्यावहि | अनन्दयिष्यामहि |

313 चट् (चन्द) दीप्त्याह्लादनयोः

| | | |
|--------------------|----------------|---------------------|
| व० चन्दयन्ति | चन्दयतः | चन्दयन्ति |
| चन्दयसि | चन्दयथः | चन्दयथ |
| चन्दयामि | चन्दयावः | चन्दयामः |
| स० चन्दयेत् | चन्दयेताम् | चन्दयेयुः |
| चन्दयेः | चन्दयेताम् | चन्दयेत |
| चन्दयेयम् | चन्दयेव | चन्दयेम |
| १० चन्दयतु | चन्दयतात् | चन्दयताम् चन्दयन्तु |
| चन्दय | चन्दयतम् | चन्दयत |
| चन्दयानि | चन्दयाव | चन्दयाम |
| ह्य० अचन्दयत् | अचन्दयताम् | अचन्दयन् |
| अचन्दयः | अचन्दयतम् | अचन्दयत |
| अचन्दयम् | अचन्दयाव | अचन्दयाम |
| अ० अचचन्दत् | अचचन्दताम् | अचचन्दन् |
| अचचन्दः | अचचन्दतम् | अचचन्दत |
| अचचन्दम् | अचचन्दाव | अचचन्दाम |
| प० चन्दयाञ्चकार | चन्दयाञ्चक्रुः | चन्दयाञ्चक्रुः |
| चन्दयाञ्चकथं | चन्दयाञ्चकथुः | चन्दयाञ्चक |
| चन्दयाञ्चकार-चकर | चन्दयाञ्चकृव | चन्दयाञ्चकृम |
| चन्दयाम्बभूव | चन्दयामास | |
| आ० चन्दयात् | चन्दयास्ताम् | चन्दयासुः |
| चन्दयाः | चन्दयास्तम् | चन्दयास्त |
| चन्दयासम् | चन्दयास्व | चन्दयास्म |
| श्च० चन्दयिता | चन्दयितारो | चन्दयितारः |
| चन्दयितासि | चन्दयितास्थः | चन्दयितास्थ |
| चन्दयितास्मि | चन्दयितास्वः | चन्दयितास्मः |
| भ० चन्दयिष्यति | चन्दयिष्यतः | चन्दयिष्यन्ति |
| चन्दयिष्यसि | चन्दयिष्यथः | चन्दयिष्यथ |
| चन्दयिष्यामि | चन्दयिष्यावः | चन्दयिष्यामः |
| क्रि० अचन्दयिष्यत् | अचन्दयिष्यताम् | अचन्दयिष्यन् |
| अचन्दयिष्यः | अचन्दयिष्यतम् | अचन्दयिष्यत |
| अचन्दयिष्यम् | अचन्दयिष्याव | अचन्दयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० चन्दयते | चन्दयेते | चन्दयन्ते |
| चन्दयसे | चन्दयेथे | चन्दयावे |
| चन्दये | चन्दयावहे | चन्दयामहे |
| सस चन्दयेत | चन्दयेयाताम् | चन्दयेरन् |
| चन्देयाः | चन्दयेयाथाम् | चन्दयेष्वम् |
| चन्दयेय | चन्दयेवहि | चन्दयेमहि |
| प० चन्दयताम् | चन्दयेताम् | चन्दयन्ताम् |
| चन्दयस्व | चन्दयेथाम् | चन्देष्वम् |
| चन्दये | चन्दयावहे | चन्दयामहे |
| ह्य० अचन्दयत | अचन्दयेताम् | अचन्दयन्त |
| अचन्दयथाः | अचन्दयेथाम् | अचन्दयेष्वम् |
| अचन्दये | अचन्दयावहि | अचन्दयामहि |
| अ० अचचन्दत् | अचचन्देताम् | अचचन्दन्त |
| अचचन्दथाः | अचचन्देथाम् | अचचन्देष्वम् |
| अचचन्दे | अचचन्दावहि | अचचन्दामहि |
| प० चन्दयाञ्चके | चन्दयाञ्चकृते | चन्दयाञ्चकृन्ते |
| चन्दयाञ्चकृषे | चन्दयाञ्चकृथे | चन्दयाञ्चकृष्वे |
| चन्दयाञ्चके | चन्दयाञ्चकृवहे | चन्दयाञ्चकृमहे |
| चन्दयाम्बभूव | चन्दयामास | |
| आ० चन्दयिषीष्ट | चन्दयिषीयास्ताम् | चन्दयिषीरन् |
| चन्दयिषीष्टाः | चन्दयिषीयास्थाम् | चन्दयिषीष्वम् |
| चन्दयिषीय | चन्दयिषीवहि | चन्दयिषीमहि |
| श्च० चन्दयिता | चन्दयितारौ | चन्दयितारः |
| चन्दयितासे | चन्दयितामाथे | चन्दयितावे |
| चन्दयिताहे | चन्दयितास्वहे | चन्दयितास्महे |
| भ० चन्दयिष्यते | चन्दयिष्येते | चन्दयिष्यन्ते |
| चन्दयिष्यसे | चन्दयिष्यथे | चन्दयिष्यष्वे |
| चन्दयिष्ये | चन्दयिष्यावहे | चन्दयिष्यामहे |
| क्रि० अचन्दयिष्यत | अचन्दयिष्यताम् | अचन्दयिष्यन्त |
| अचन्दयिष्यथाः | अचन्दयिष्येथाम् | अचन्दयिष्येष्वम् |
| अचन्दयिष्ये | अचन्दयिष्यावहि | अचन्दयिष्यामहि |

314 प्रदु (प्रन्द्) चेष्टायाम्

| | | | |
|-------|--------------------|-------------------|------------------|
| ब० | प्रन्दयति | प्रन्दयतः | प्रन्दयन्ति |
| | प्रन्दयसि | प्रन्दयथः | प्रन्दयथ |
| | प्रन्दयामि | प्रन्दयावः | प्रन्दयामः |
| स० | प्रन्दयेत् | प्रन्दयेताम् | प्रन्दयेयुः |
| | प्रन्दयेः | प्रन्दयेतम् | प्रन्दयेत |
| | प्रन्दयेयम् | प्रन्दयेव | प्रन्दयेम |
| प० | प्रन्दयतु | प्रन्दयतात् | प्रन्दयताम् |
| | प्रन्दय | प्रन्दयतम् | प्रन्दयत |
| | प्रन्दयानि | प्रन्दयाव | प्रन्दयाम |
| ह्य० | अप्रन्दयत् | अप्रन्दयताम् | अप्रन्दयन् |
| | अप्रन्दयः | अप्रन्दयतम् | अप्रन्दयत |
| | अप्रन्दयम् | अप्रन्दयाव | अप्रन्दयाम |
| अ० | अतप्रन्दत् | अतप्रन्दताम् | अतप्रन्दन् |
| | अतप्रन्दः | अतप्रन्दतम् | अतप्रन्दत |
| | अतप्रन्दम् | अतप्रन्दाव | अतप्रन्दाम |
| प० | प्रन्दयाश्चकार | प्रन्दयाश्चक्रतुः | प्रन्दयाश्चक्रुः |
| | प्रन्दयाश्चकर्ष | प्रन्दयाश्चक्रथुः | प्रन्दयाश्चक्र |
| | प्रन्दयाश्चकार-चकर | प्रन्दयाश्चकृव | प्रन्दयाश्चकृम |
| | प्रन्दयाम्बभूव | । | प्रन्दयामास |
| आ० | प्रन्दयात् | प्रन्दयास्ताम् | प्रन्दयासुः |
| | प्रन्दयाः | प्रन्दयास्तम् | प्रन्दयास्त |
| | प्रन्दयासम् | प्रन्दयास्व | प्रन्दयासम् |
| श्व० | प्रन्दयिता | प्रन्दयितारौ | प्रन्दयितारः |
| | प्रन्दयितासि | प्रन्दयितास्थः | प्रन्दयिताश्च |
| | प्रन्दयितास्मि | प्रन्दयितास्वः | प्रन्दयितास्मः |
| म० | प्रन्दयिष्यति | प्रन्दयिष्यतः | प्रन्दयिष्यन्ति |
| | प्रन्दयिष्यसि | प्रन्दयिष्यथः | प्रन्दयिष्यथ |
| | प्रन्दयिष्यामि | प्रन्दयिष्यावः | प्रन्दयिष्यामः |
| क्रि० | अप्रन्दयिष्यत् | अप्रन्दयिष्यताम् | अप्रन्दयिष्यन् |
| | अप्रन्दयिष्यः | अप्रन्दयिष्यतम् | अप्रन्दयिष्यत |
| | अप्रन्दयिष्यम् | अप्रन्दयिष्याव | अप्रन्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|--------------------|--------------------|
| व० | प्रन्दयति | प्रन्दयतः | प्रन्दयन्ति |
| | प्रन्दयसि | प्रन्दयथः | प्रन्दयथ |
| | प्रन्दयामि | प्रन्दयावः | प्रन्दयामः |
| स० | प्रन्दयेत् | प्रन्दयेताम् | प्रन्दयेयुः |
| | प्रन्दयेथाः | प्रन्दयेथायाम् | प्रन्दयेष्वम् |
| | प्रन्दयेय | प्रन्दयेवहि | प्रन्दयेमहि |
| प० | प्रन्दयताम् | प्रन्दयेताम् | प्रन्दयन्ताम् |
| | प्रन्दयस्व | प्रन्दयेथाम् | प्रन्दयेष्वम् |
| | प्रन्दयै | प्रन्दयावहे | प्रन्दयामहे |
| ह्य० | अप्रन्दयत | अप्रन्दयेताम् | अप्रन्दयन्त |
| | अप्रन्दयथाः | अप्रन्दयेथाम् | अप्रन्दयेष्वम् |
| | अप्रन्दये | अप्रन्दयावहि | अप्रन्दयामहि |
| अ० | अतप्रन्दत् | अतप्रन्दताम् | अतप्रन्दन् |
| | अतप्रन्दथाः | अतप्रन्देथाम् | अतप्रन्देष्वम् |
| | अतप्रन्दे | अतप्रन्दावहि | अतप्रन्दामहि |
| प० | प्रन्दयाश्चक्रे | प्रन्दयाश्चक्रते | प्रन्दयाश्चक्रिरे |
| | प्रन्दयाश्चकृषे | प्रन्दयाश्चक्राथे | प्रन्दयाश्चकृद्वे |
| | प्रन्दयाश्चक्रे | प्रन्दयाश्चक्रवहे | प्रन्दयाश्चकृमहे |
| | प्रन्दयाम्बभूव | । | प्रन्दयामास |
| आ० | प्रन्दयिषीष्ट | प्रन्दयिषीयास्ताम् | प्रन्दयिषीरन् |
| | प्रन्दयिषीष्ठाः | प्रन्दयिषीयास्थाम् | प्रन्दयिषीद्वम् |
| | प्रन्दयिषीय | प्रन्दयिषीवहि | प्रन्दयिषीमहि |
| श्व० | प्रन्दयिता | प्रन्दयितारौ | प्रन्दयितारः |
| | प्रन्दयितासि | प्रन्दयितास्थः | प्रन्दयिताश्च |
| | प्रन्दयितास्मि | प्रन्दयितास्वः | प्रन्दयितास्मः |
| म० | प्रन्दयिष्यते | प्रन्दयिष्यते | प्रन्दयिष्यन्ते |
| | प्रन्दयिष्यसे | प्रन्दयिष्यथे | प्रन्दयिष्यध्वे |
| | प्रन्दयिष्य | प्रन्दयिष्यवहे | प्रन्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्रैन्दयिष्यत् | अप्रैन्दयिष्यताम् | अप्रैन्दयिष्यन्त |
| | अप्रैन्दयिष्यथाः | अप्रैन्दयिष्येथाम् | अप्रैन्दयिष्यध्वम् |
| | अप्रैन्दयिष्ये | अप्रैन्दयिष्यावहि | अप्रैन्दयिष्यामहि |

315 कटु (कन्द्) रोदनाहानयोः

| | | |
|--------------------------|----------------|---------------------|
| व० कन्दयन्ति | कन्दयतः | कन्दयन्ति |
| कन्दयसि | कन्दयथः | कन्दयथ |
| कन्दयामि | कन्दयावः | कन्दयामः |
| स० कन्दयेत् | कन्दयेताम् | कन्दयेयुः |
| कन्दयेः | कन्दयेतम् | कन्दयेत |
| कन्दयेयम् | कन्दयेव | कन्दयेम |
| प० कन्दयतु | कन्दयतात् | कन्दयताम् कन्दयन्तु |
| कन्दय | कन्दयतम् | कन्दयत |
| कन्दयानि | कन्दयाव | कन्दयाम |
| ह्य० अकन्दयत् | अकन्दयताम् | अकन्दयन् |
| अकन्दयः | अकन्दयतम् | अकन्दयत |
| अकन्दयम् | अकन्दयाव | अकन्दयाम |
| अ० अचकन्दत् | अचकन्दताम् | अचकन्दन् |
| अचकन्दः | अचकन्दतम् | अचकन्दत |
| अचकन्दम् | अचकन्दाव | अचकन्दाम |
| प० कन्दयाश्चकार | कन्दयाश्चकतुः | कन्दयाश्चकुः |
| कन्दयाश्चकर्त्तुं | कन्दयाश्चकथुः | कन्दयाश्च क |
| कन्दयाश्चकार-चकर | कन्दयाश्चकृव | कन्दयाश्चकृम |
| कन्दयाम्बभूव । कन्दयामास | | |
| आ० कन्दयात् | कन्दयास्ताम् | कन्दयासुः |
| कन्दयाः | कन्दयास्तम् | कन्दयास्त |
| कन्दयासम् | कन्दयास्व | कन्दयास्म |
| श्व० कन्दयिता | कन्दयितारो | कन्दयितारः |
| कन्दयितासि | कन्दयितास्थः | कन्दयितास्थ |
| कन्दयितास्मि | कन्दयितास्वः | कन्दयितास्मः |
| भ० कन्दयिष्यति | कन्दयिष्यतः | कन्दयिष्यन्ति |
| कन्दयिष्यसि | कन्दयिष्यथः | कन्दयिष्यथ |
| कन्दयिष्यामि | कन्दयिष्यावः | कन्दयिष्यामः |
| क्रि० अकन्दयिष्यत् | अकन्दयिष्यताम् | अकन्दयिष्यन्त |
| अकन्दयिष्यः | अकन्दयिष्यतम् | अकन्दयिष्यत |
| अकन्दयिष्यम् | अकन्दयिष्याव | अकन्दयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|------------------|-----------------|
| व० कन्दयते | कन्दयेते | कन्दयन्ते |
| कन्दयसे | कन्दयेथे | कन्दयध्वे |
| कन्दये | कन्दयावहे | कन्दयामहे |
| सस कन्दयेत | कन्दयेयाताम् | कन्दयेरन् |
| कन्देथाः | कन्दयेयाथाम् | कन्दयेध्वम् |
| कन्दयेय | कन्दयेवहि | कन्दयेमहि |
| प० कन्दयताम् | कन्दयेताम् | कन्दयन्ताम् |
| कन्दयस्व | कन्दयेथाम् | कन्दयध्वम् |
| कन्दयै | कन्दयावहै | कन्दयामहै |
| ह्य० अकन्दयत | अकन्दयेताम् | अकन्दयन्त |
| अकन्दयथाः | अकन्दयेथाम् | अकन्दयध्वम् |
| अकन्दये | अकन्दयावहि | अकन्दयामहि |
| अ० अचकन्दत | अचकन्देताम् | अचकन्दन्त |
| अचकन्दथाः | अचकन्देथाम् | अचकन्दध्वम् |
| अचकन्दे | अचकन्दावहि | अचकन्दामहि |
| प० कन्दयाश्चक्रे | कन्दयाश्चकते | कन्दयाश्चकिरे |
| कन्दयाश्चकृषे | कन्दयाश्चकथे | कन्दयाश्चकृव |
| कन्दयाश्चक्रे | कन्दयाश्चकृवहे | कन्दयाश्चकृमहे |
| कन्दयाम्बभूव । कन्दयामास | | |
| आ० कन्दयिषीष्ट | कन्दयिषीयास्ताम् | कन्दयिषीरन् |
| कन्दयिषीष्ठाः | कन्दयिषीयाथाम् | कन्दयिषीह्वम् |
| ध्वम् | | |
| कन्दयिषीय | कन्दयिषीवहि | कन्दयिषीमहि |
| श्व० कन्दयिता | कन्दयितारौ | कन्दयितारः |
| कन्दयितासे | कन्दयितासाथे | कन्दयिताध्वे |
| कन्दयिताहे | कन्दयितास्वहे | कन्दयितास्महे |
| भ० कन्दयिष्यते | कन्दयिष्येते | कन्दयिष्यन्ते |
| कन्दयिष्यसे | कन्दयिष्येथे | कन्दयिष्यध्वे |
| कन्दयिष्ये | कन्दयिष्यावहे | कन्दयिष्यामहे |
| क्रि० अकन्दयिष्यत | अकन्दयिष्येताम् | अकन्दयिष्यन्त |
| अकन्दयिष्यथाः | अकन्दयिष्येथाम् | अकन्दयिष्यध्वम् |
| अकन्दयिष्ये | अकन्दयिष्यावहि | अकन्दयिष्यामहि |

316 कृद् (क्रन्द्) रोदनाहानयोः

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| व० | क्रन्दयन्ति | क्रन्दयतः | क्रन्दयन्ति |
| | क्रन्दयसि | क्रन्दयथः | क्रन्दयथ |
| | क्रन्दयामि | क्रन्दयावः | क्रन्दयामः |
| स० | क्रन्दयेत् | क्रन्दयेताम् | क्रन्दयेयुः |
| | क्रन्दयेः | क्रन्दयेतम् | क्रन्दयेत |
| | क्रन्दयेयम् | क्रन्दयेव | क्रन्दयेम |
| प० | क्रन्दयतु | क्रन्दयतात् | क्रन्दयताम् |
| | क्रन्दय | क्रन्दयतम् | क्रन्दयत |
| | क्रन्दयानि | क्रन्दयाव | क्रन्दयाम |
| ह्य० | अक्रन्दयत् | अक्रन्दयताम् | अक्रन्दयन् |
| | अक्रन्दयः | अक्रन्दयतम् | अक्रन्दयत |
| | अक्रन्दयम् | अक्रन्दयाव | अक्रन्दयाम |
| अ० | अचक्रन्दत् | अचक्रन्दताम् | अचक्रन्दन् |
| | अचक्रन्दः | अचक्रन्दतम् | अचक्रन्दत |
| | अचक्रन्दम् | अचक्रन्दाव | अचक्रन्दाम |
| प० | क्रन्दयाश्चकार | क्रन्दयाश्चकतुः | क्रन्दयाश्चकुः |
| | क्रन्दयाश्चकर्थ | क्रन्दयाश्चकथुः | क्रन्दयाश्चक |
| | क्रन्दयाश्चकार-चकर | क्रन्दयाश्चकृव | क्रन्दयाश्चकृम |
| | क्रन्दयाम्बभूव | क्रन्दयामास | |
| आ० | क्रन्दयात् | क्रन्दयास्ताम् | क्रन्दयासुः |
| | क्रन्दयाः | क्रन्दयास्तम् | क्रन्दयास्त |
| | क्रन्दयासाम् | क्रन्दयास्व | क्रन्दयास्म |
| श्व० | क्रन्दयिता | क्रन्दयितारो | क्रन्दयितारः |
| | क्रन्दयितासि | क्रन्दयितास्थः | क्रन्दयितास्थ |
| | क्रन्दयितास्मि | क्रन्दयितास्वः | क्रन्दयितास्मः |
| भ० | क्रन्दयिष्यति | क्रन्दयिष्यतः | क्रन्दयिष्यन्ति |
| | क्रन्दयिष्यसि | क्रन्दयिष्यथः | क्रन्दयिष्यथ |
| | क्रन्दयिष्यामि | क्रन्दयिष्यावः | क्रन्दयिष्यामः |
| क्रि० | अक्रन्दयिष्यत् | अक्रन्दयिष्यताम् | अक्रन्दयिष्यन् |
| | अक्रन्दयिष्यः | अक्रन्दयिष्यतम् | अक्रन्दयिष्यत |
| | अक्रन्दयिष्यम् | अक्रन्दयिष्याव | अक्रन्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | क्रन्दयते | क्रन्दयेते | क्रन्दयन्ते |
| | क्रन्दयसे | क्रन्दयेथे | क्रन्दयध्वे |
| | क्रन्दये | क्रन्दयावहे | क्रन्दयामहे |
| सस | क्रन्दयेत | क्रन्दयेयाताम् | क्रन्दयेरन् |
| | क्रन्देथाः | क्रन्दयेथाथाम् | क्रन्दयेध्वम् |
| | क्रन्दयेय | क्रन्दयेवहि | क्रन्दयेमहि |
| प० | क्रन्दयताम् | क्रन्दयेताम् | क्रन्दयन्ताम् |
| | क्रन्दयस्व | क्रन्दयेथाम् | क्रन्दयध्वम् |
| | क्रन्दये | क्रन्दयावहै | क्रन्दयामहै |
| ह्य० | अक्रन्दयत | अक्रन्दयेताम् | अक्रन्दयन्त |
| | अक्रन्दयथाः | अक्रन्दयेथाम् | अक्रन्दयध्वम् |
| | अक्रन्दये | अक्रन्दयावहि | अक्रन्दयामहि |
| अ० | अचक्रन्दत | अचक्रन्देताम् | अचक्रन्दन्त |
| | अचक्रन्दथाः | अचक्रन्देथाम् | अचक्रन्दध्वम् |
| | अचक्रन्दे | अचक्रन्दावहि | अचक्रन्दामहि |
| प० | क्रन्दयाश्चक्रे | क्रन्दयाश्चक्राते | क्रन्दयाश्चक्रिरे |
| | क्रन्दयाश्चकृषे | क्रन्दयाश्चक्राये | क्रन्दयाश्चकृङ्वे |
| | क्रन्दयाश्चक्रे | क्रन्दयाश्चकृवहे | क्रन्दयाश्चकृमहे |
| | क्रन्दयाम्बभूव | क्रन्दयामास | |
| आ० | क्रन्दयिषीष्ट | क्रन्दयिषीयास्ताम् | क्रन्दयिषीरन् |
| | क्रन्दयिषीष्ठाः | क्रन्दयिषीयास्थाम् | क्रन्दयिषीह्वम् |
| | क्रन्दयिषीय | क्रन्दयिषीवहि | क्रन्दयिषीमहि |
| श्व० | क्रन्दयिता | क्रन्दयितारौ | क्रन्दयितारः |
| | क्रन्दयेतासे | क्रन्दयितासाथे | क्रन्दयिताध्वे |
| | क्रन्दयिताहे | क्रन्दयितास्वहे | क्रन्दयितास्महे |
| भ० | क्रन्दयिष्यते | क्रन्दयिष्येते | क्रन्दयिष्यन्ते |
| | क्रन्दयिष्यसे | क्रन्दयिष्येथे | क्रन्दयिष्यध्वे |
| | क्रन्दयिष्ये | क्रन्दयिष्यावहे | क्रन्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अक्रन्दयिष्यत | अक्रन्दयिष्येताम् | अक्रन्दयिष्यन्त |
| | अक्रन्दयिष्यथाः | अक्रन्दयिष्येथाम् | अक्रन्दयिष्यध्वम् |
| | अक्रन्दयिष्ये | अक्रन्दयिष्यावहि | अक्रन्दयिष्यामहि |

317 कलदु (कलन्द) रोदनाहानयोः

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० कलन्दयन्ति | कलन्दयतः | कलन्दयन्ति |
| कलन्दयसि | कलन्दयथः | कलन्दयथ |
| कलन्दयामि | कलन्दयावः | कलन्दयामः |
| स० कलन्दयेत् | कलन्दयेताम् | कलन्दयेयुः |
| कलन्दयेः | कलन्दयेतम् | कलन्दयेत |
| कलन्दयेयम् | कलन्दयेव | कलन्दयेम |
| प० कलन्दयतु | कलन्दयतात् | कलन्दयताम् |
| कलन्दय | कलन्दयतम् | कलन्दयत |
| कलन्दयानि | कलन्दयाव | कलन्दयाम |
| ह्य० अकलन्दयत् | अकलन्दयताम् | अकलन्दयन् |
| अकलन्दयः | अकलन्दयतम् | अकलन्दयत |
| अकलन्दयम् | अकलन्दयाव | अकलन्दयाम |
| अ० अचकलन्दत् | अचकलन्दताम् | अचकलन्दन् |
| अचकलन्दः | अचकलन्दतम् | अचकलन्दत |
| अचकलन्दम् | अचकलन्दाव | अचकलन्दाम |
| प० कलन्दयाश्चकार | कलन्दयाश्चक्रुः | कलन्दयाश्चकुः |
| कलन्दयाश्चकथे | कलन्दयाश्चक्रुः | कलन्दयाश्चक |
| कलन्दयाश्चकार-चकार | कलन्दयाश्चक्रुव | कलन्दयाश्चकृम |
| कलन्दयाम्बभूव | कलन्दयामास | |
| आ० कलन्दयात् | कलन्दयास्ताम् | कलन्दयासुः |
| कलन्दयाः | कलन्दयास्तम् | कलन्दयास्त |
| कलन्दयासाम् | कलन्दयास्व | कलन्दयासम |
| श्व० कलन्दयिता | कलन्दयितारो | कलन्दयितारः |
| कलन्दयितारि | कलन्दयितास्थः | कलन्दयितास्थ |
| कलन्दयितास्मि | कलन्दयितास्वः | कलन्दयितास्मः |
| भ० कलन्दयिष्यति | कलन्दयिष्यतः | कलन्दयिष्यन्ति |
| कलन्दयिष्यसि | कलन्दयिष्यथः | कलन्दयिष्यथ |
| कलन्दयिष्यामि | कलन्दयिष्यावः | कलन्दयिष्यामः |
| क्रि० अकलन्दयिष्यत् | अकलन्दयिष्यताम् | अकलन्दयिष्यन् |
| अकलन्दयिष्यः | अकलन्दयिष्यतम् | अकलन्दयिष्यत |
| अकलन्दयिष्यम् | अकलन्दयिष्याव | अकलन्दयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|-------------------|
| व० कलन्दयेते | कलन्दयेते | कलन्दयन्ते |
| कलन्दयेसे | कलन्दयेथे | कलन्दयेध्वे |
| कलन्दये | कलन्दयावहे | कलन्दयामहे |
| सस कलन्दयेतु | कलन्दयेयाताम् | कलन्दयेरन् |
| कलन्दयेथाः | कलन्दयेयाथाम् | कलन्दयेध्वम् |
| कलन्दयेय | कलन्दयेवहि | कलन्दयेमहि |
| प० कलन्दयताम् | कलन्दयेताम् | कलन्दयन्ताम् |
| कलन्दयस्व | कलन्दयेथाम् | कलन्दयध्वम् |
| कलन्दये | कलन्दयावहै | कलन्दयामहै |
| ह्य० अकलन्दयत | अकलन्दयेताम् | अकलन्दयन्त |
| अकलन्दयथा | अकलन्दयेथाम् | अकलन्दयध्वम् |
| अकलन्दये | अकलन्दयावहि | अकलन्दयामहि |
| अ० अचकलन्दत | अचकलन्देताम् | अचकलन्दन्त |
| अचकलन्दथाः | अचकलन्देथाम् | अचकलन्दध्वम् |
| अचकलन्दे | अचकलन्दावहि | अचकलन्दामहि |
| प० कलन्दयाश्चक्रे | कलन्दयाश्चक्राते | कलन्दयाश्चक्रिरे |
| कलन्दयाश्चक्रुः | कलन्दयाश्चक्राथे | कलन्दयाश्चक्रुव |
| कलन्दयाश्चक्रे | कलन्दयाश्चक्रुवहे | कलन्दयाश्चक्रुमहे |
| कलन्दयाम्बभूव | कलन्दयामास | |
| आ० कलन्दयिषीष्ट | कलन्दयिषीयास्ताम् | कलन्दयिषीरन् |
| कलन्दयिषीष्टाः | कलन्दयिषीयाथाम् | कलन्दयिषीध्वम् |
| कलन्दयिषीय | कलन्दयिषीवहि | कलन्दयिषीमहि |
| श्व० कलन्दयिता | कलन्दयितारो | कलन्दयितारः |
| कलन्दयितासे | कलन्दयितासाथे | कलन्दयिताध्वे |
| कलन्दयिताहे | कलन्दयितास्वहे | कलन्दयितास्महे |
| भ० कलन्दयिष्यते | कलन्दयिष्येते | कलन्दयिष्यन्ते |
| कलन्दयिष्यसे | कलन्दयिष्येथे | कलन्दयिष्यध्वे |
| कलन्दयिष्ये | कलन्दयिष्यावहे | कलन्दयिष्यामहे |
| क्रि० अकलन्दयिष्यत | अकलन्दयिष्येताम् | अकलन्दयिष्यन्त |
| अकलन्दयिष्यथाः | अकलन्दयिष्येथाम् | अकलन्दयिष्यध्वम् |
| अकलन्दयिष्ये | अकलन्दयिष्यावहि | अकलन्दयिष्यामहि |

318 विलदु (विलन्द) परिदेवने ।

| | | |
|----------------------|------------------|-----------------|
| व० विलन्दयति | विलन्दयतः | विलन्दयन्ति |
| विलन्दयसि | विलन्दयथः | विलन्दयथ |
| विलन्दयामि | विलन्दयावः | विलन्दयामः |
| स० विलन्दयेत् | विलन्दयेताम् | विलन्दयेयुः |
| विलन्दयेः | विलन्दयेताम् | विलन्दयेत |
| विलन्दयेयम् | विलन्दयेव | विलन्दयेम |
| प० विलन्दयतु | विलन्दयतात् | विलन्दयताम् |
| विलन्दयतु | विलन्दयतात् | विलन्दयतम् |
| विलन्दयतु | विलन्दयतम् | विलन्दयत |
| विलन्दयानि | विलन्दयाव | विलन्दयाम |
| ह्य० अविलन्दयत् | अविलन्दयताम् | अविलन्दयन् |
| अविलन्दयः | अविलन्दयतम् | अविलन्दयत |
| अविलन्दयम् | अविलन्दयाव | अविलन्दयाम |
| अ० अचिविलन्दत् | अचिविलन्दताम् | अचिविलन्दन् |
| अचिविलन्दः | अचिविलन्दतम् | अचिविलन्दत |
| अचिविलन्दम् | अचिविलन्दाव | अचिविलन्दा |
| प० विलन्दयाश्चकार | विलन्दयाश्चक्रुः | विलन्दयाश्चकुः |
| विलन्दयाश्चकथं | विलन्दयाश्चकथुः | विलन्दयाश्चक |
| विलन्दयाश्चकार-चकर | विलन्दयाश्चकृव | विलन्दयाश्चकृव |
| विलन्दयाम्बभूव | विलन्दयामास | |
| आ० विलन्धात् | विलन्धास्ताम् | विलन्धासुः |
| विलन्धाः | विलन्धास्तम् | विलन्धास्त |
| विलन्धासम् | विलन्धास्व | विलन्धासम् |
| भ० विलन्दयिता | विलन्दयितारौ | विलन्दयितारः |
| विलन्दयितासि | विलन्दयितास्थः | विलन्दयितास्थ |
| विलन्दयितास्मि | विलन्दयितास्वः | विलन्दयितास्मः |
| भ० विलन्दयिष्यति | विलन्दयिष्यतः | विलन्दयिष्यन्ति |
| विलन्दयिष्यसि | विलन्दयिष्यथः | विलन्दयिष्यथ |
| विलन्दयिष्यामि | विलन्दयिष्यावः | विलन्दयिष्यामः |
| क्रि० अविलन्दयिष्यत् | अविलन्दयिष्यताम् | अविलन्दयिष्यन् |
| अविलन्दयिष्यः | अविलन्दयिष्यतम् | अविलन्दयिष्यत |
| अविलन्दयिष्यम् | अविलन्दयिष्याव | अविलन्दयिष्याम |

| | | |
|---------------------|--------------------|-------------------|
| व० विलन्दयते | विलन्दयते | विलन्दयन्ते |
| विलन्दयसे | विलन्दयेथे | विलन्दयावे |
| विलन्दये | विलन्दयावहे | विलन्दयामहे |
| स० विलन्दयेत | विलन्दयेयाताम् | विलन्दयेरन् |
| विलन्दयेथाः | विलन्दयेयाथाम् | विलन्दयेध्वम् |
| विलन्दयेथ | विलन्दयेवहि | विलन्दयेमहि |
| प० विलन्दयताम् | विलन्दयेताम् | विलन्दयन्ताम् |
| विलन्दयस्व | विलन्दः थाम् | विलन्दयध्वम् |
| विलन्दये | विलन्दयावहे | विलन्दयामहे |
| ह्य० अविलन्दयत | अविलन्दयेताम् | अविलन्दयन्त |
| अविलन्दयथाः | अविलन्दयेथाम् | अविलन्दयध्वम् |
| अविलन्दये | अविलन्दयावहि | अविलन्दयामहि |
| अ० अचिविलन्दत | अचिविलन्देताम् | अचिविलन्दन्त |
| अचिविलन्दथाः | अचिविलन्देथाम् | अचिविलन्दध्वम् |
| अचिविलन्दे | अचिविलन्दावहि | अचिविलन्दामहि |
| प० विलन्दयाश्चके | विलन्दयाश्चकते | विलन्दयाश्चकिरे |
| विलन्दयाश्चकृषे | विलन्दयाश्चकृषे | विलन्दयाश्चकृढ्वे |
| विलन्दयाश्चके | विलन्दयाश्चकृवहे | विलन्दयाश्चकृमहे |
| विलन्दयाम्बभूव | विलन्दयामास | |
| आ० विलन्दयिषीष्ट | विलन्दयिषीयास्ताम् | विलन्दयिषीरन् |
| विलन्दयिषीष्टाः | विलन्दयिषीयास्थाम् | विलन्दयिषीध्वम् |
| विलन्दयिषीय | विलन्दयिषीवहि | विलन्दयिषीमहि |
| भ० विलन्दयिता | विलन्दयितारौ | विलन्दयितारः |
| विलन्दयितासे | विलन्दयितासाथे | विलन्दयितास्वे |
| विलन्दयिताहे | विलन्दयितास्वहे | विलन्दयितास्महे |
| भ० विलन्दयिष्यते | विलन्दयिष्येते | विलन्दयिष्यन्ते |
| विलन्दयिष्यसे | विलन्दयिष्येथे | विलन्दयिष्यध्वे |
| विलन्दयिष्ये | विलन्दयिष्यावहे | विलन्दयिष्यामहे |
| क्रि० अविलन्दयिष्यत | अविलन्दयिष्येताम् | अविलन्दयिष्यन्त |
| अविलन्दयिष्यथाः | अविलन्दयिष्येथाम् | अविलन्दयिष्यध्वम् |
| अविलन्दयिष्ये | अविलन्दयिष्यावहि | अविलन्दयिष्यामहि |

319 स्कन्दं (स्कन्द) गतिशोषणयोः

| | | | |
|-------|---------------------|------------------|-----------------|
| व० | स्कन्दयति | स्कन्दयतः | स्कन्दयन्ति |
| | स्कन्दयसि | स्कन्दयथः | स्कन्दयथ |
| | स्कन्दयामि | स्कन्दयावः | स्कन्दयामः |
| स० | स्कन्दयेत् | स्कन्दयेताम् | स्कन्दयेयुः |
| | स्कन्दयेः | स्कन्दयेतम् | स्कन्दयेत |
| | स्कन्दयेयम् | स्कन्दयेव | स्कन्दयेम |
| प० | स्कन्दयतु | स्कन्दयतात् | स्कन्दयताम् |
| | स्कन्दय | स्कन्दयतात् | स्कन्दयतम् |
| | स्कन्दयानि | स्कन्दयाव | स्कन्दयाम |
| ह्य० | अस्कन्दयत् | अस्कन्दयताम् | अस्कन्दयन् |
| | अस्कन्दयः | अस्कन्दयतम् | अस्कन्दयत |
| | अस्कन्दयम् | अस्कन्दयाव | अस्कन्दयाम |
| अ० | अचस्कन्दत् | अचस्कन्दताम् | अचस्कन्दन् |
| | अचस्कन्दः | अचस्कन्दतम् | अचस्कन्दत |
| | अचस्कन्दम् | अचस्कन्दाव | अचस्कन्दाम |
| प० | स्कन्दयाश्चकार | स्कन्दयाश्चकतुः | स्कन्दयाश्चकुः |
| | स्कन्दयाश्चकर्त्तुः | स्कन्दयाश्चकथुः | स्कन्दयाश्चक |
| | स्कन्दयाश्चकार | चकर | स्कन्दयाश्चकुव |
| | स्कन्दयाम्बभूव | । | स्कन्दयामास |
| आ० | स्कन्द्यात् | स्कन्द्यास्ताम् | स्कन्द्यासुः |
| | स्कन्द्याः | स्कन्द्यास्तम् | स्कन्द्यास्त |
| | स्कन्द्यासम् | स्कन्द्यास्व | स्कन्द्यास्म |
| श्व० | स्कन्दयिता | स्कन्दयितारौ | स्कन्दयितारः |
| | स्कन्दयितासि | स्कन्दयितास्यः | स्कन्दयितास्थ |
| | स्कन्दयितास्मि | स्कन्दयितास्वः | स्कन्दयितास्मः |
| भ० | स्कन्दयिष्यति | स्कन्दयिष्यतः | स्कन्दयिष्यन्ति |
| | स्कन्दयिष्यसि | स्कन्दयिष्यथः | स्कन्दयिष्यथ |
| | स्कन्दयिष्यामि | स्कन्दयिष्यावः | स्कन्दयिष्यामः |
| क्रि० | अस्कन्दयिष्यत् | अस्कन्दयिष्यताम् | अस्कन्दयिष्यन् |
| | अस्कन्दयिष्यः | अस्कन्दयिष्यतम् | अस्कन्दयिष्यत |
| | अस्कन्दयिष्यम् | अस्कन्दयिष्याव | अस्कन्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | स्कन्दयते | स्कन्दयेते | स्कन्दयन्ते |
| | स्कन्दयसे | स्कन्दयेथे | स्कन्दयध्वे |
| | स्कन्दये | स्कन्दयावहे | स्कन्दयामहे |
| स० | स्कन्दयेत | स्कन्दयेयाताम् | स्कन्दयेरन् |
| | स्कन्दयेथाः | स्कन्दयेयाथाम् | स्कन्दयेध्वम् |
| | स्कन्दयेय | स्कन्दयेवहि | स्कन्दयेमहि |
| प० | स्कन्दयताम् | स्कन्दयेताम् | स्कन्दयन्ताम् |
| | स्कन्दयस्व | स्कन्दयेथाम् | स्कन्दयध्वम् |
| | स्कन्दयै | स्कन्दयावहे | स्कन्दयामहे |
| ह्य० | अस्कन्दयत | अस्कन्दयेताम् | अस्कन्दयन्त |
| | अस्कन्दयथाः | अस्कन्दयेथाम् | अस्कन्दयध्वम् |
| | अस्कन्दये | अस्कन्दयावहि | अस्कन्दयामहि |
| अ० | अचस्कन्दत | अचस्कन्देताम् | अचस्कन्दन्त |
| | अचस्कन्दथाः | अचस्कन्देथाम् | अचस्कन्दध्वम् |
| | अचस्कन्दे | अचस्कन्दावहि | अचस्कन्दामहि |
| प० | स्कन्दयाश्चक्रे | स्कन्दयाश्चकृते | स्कन्दयाश्चकिरे |
| | स्कन्दयाश्चकृषे | स्कन्दयाश्चकृथे | स्कन्दयाश्चकृध्वे |
| | स्कन्दयाश्चक्रे | स्कन्दयाश्चकृवहे | स्कन्दयाश्चकृमहे |
| | स्कन्दयाम्बभूव | स्कन्दयामास | |
| आ० | स्कन्दयिषीष्ट | स्कन्दयिषीयास्ताम् | स्कन्दयिषीरन् |
| | स्कन्दयिषीष्ठाः | स्कन्दयिषीयास्थाम् | स्कन्दयिषीध्वम् |
| | स्कन्दयिषीय | स्कन्दयिषीवहि | स्कन्दयिषीमहि |
| श्व० | स्कन्दयिता | स्कन्दयितारौ | स्कन्दयितारः |
| | स्कन्दयितासे | स्कन्दयितासाथे | स्कन्दयिताध्वे |
| | स्कन्दयिताहे | स्कन्दयितास्वहे | स्कन्दयितास्महे |
| भ० | स्कन्दयिष्यते | स्कन्दयिष्येते | स्कन्दयिष्यन्ते |
| | स्कन्दयिष्यस | स्कन्दयिष्येथे | स्कन्दयिष्यध्वे |
| | स्कन्दयिष्ये | स्कन्दयिष्यावहे | स्कन्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्कन्दयिष्यत | अस्कन्दयिष्येताम् | अस्कन्दयिष्यन्त |
| | अस्कन्दयिष्यथाः | अस्कन्दयिष्येथाम् | अस्कन्दयिष्यध्वम् |
| | अस्कन्दयिष्ये | अस्कन्दयिष्यावहि | अस्कन्दयिष्यामहि |

320 षिधू (सिधू) गत्याम्

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|--------------|
| व० | सेधयन्ति | सेधयतः | सेधयन्ति |
| | सेधयसि | सेधयथः | सेधयथ |
| | सेधयामि | सेधयावः | सेधयामः |
| स० | सेधयेत् | सेधयेताम् | सेधयेयुः |
| | सेधयेः | सेधयेतम् | सेधयेत |
| | सेधयेयम् | सेधयेव | सेधयेम |
| प० | सेधयतु | सेधयतात् | सेधयन्तु |
| | सेधय | सेधयतम् | सेधयत |
| | सेधयानि | सेधयाव | सेधयाम |
| ह्य० | असेधयत् | असेधयताम् | असेधयन् |
| | असेधयः | असेधयतम् | असेधयत |
| | असेधयम् | असेधयाव | असेधयाम |
| अ० | असीषिधत् | असीषिधताम् | असीषिधन् |
| | असीषिधः | असीषिधतम् | असीषिधत |
| | असीषिधम् | असीषिधाव | असीषिधाम |
| प० | सेधयाञ्चकार | सेधयाञ्चकतुः | सेधयाञ्चकुः |
| | सेधयाञ्चकर्थ | सेधयाञ्चकथुः | सेधयाञ्चक |
| | सेधयाञ्चकार-चकर | सेधयाञ्चकृव | सेधयाञ्चकृम |
| | सेधयाम्बभूव । सेधयामास | | |
| आ० | सेध्यात् | सेध्यास्ताम् | सेध्याष्टुः |
| | सेध्याः | सेध्यास्तम् | सेध्यास्त |
| | सेध्यासम् | सेध्यास्व | सेध्यास्म |
| श्व० | सेधयिता | सेधयितारो | सेधयितारः |
| | सेधयितासि | सेधयितास्थः | सेधयितास्थ |
| | सेधयितास्मि | सेधयितास्वः | सेधयितास्मः |
| भ० | सेधयिष्यति | सेधयिष्यतः | सेधयिष्यन्ति |
| | सेधयिष्यसि | सेधयिष्यथः | सेधयिष्यथ |
| | सेधयिष्यामि | सेधयिष्यावः | सेधयिष्यामः |
| क्रि० | असेधयिष्यत् | असेधयिष्यताम् | असेधयिष्यन् |
| | असेधयिष्यः | असेधयिष्यतम् | असेधयिष्यत |
| | असेधयिष्यम् | असेधयिष्याव | असेधयिष्याम |

| | | | |
|-------|--|-----------------|----------------|
| व० | सेधयते | सेधयेते | सेधयन्ते |
| | सेधयसे | सेधयेथे | सेधयध्वे |
| | सेधये | सेधयावहे | सेधयामहे |
| सस | सेधयेत | सेधयेयाताम् | सेधयेरन् |
| | सेधयेथाः | सेधयेयाथाम् | सेधयेध्वम् |
| | सेधयेय | सेधयेवहि | सेधयेमहि |
| प० | सेधयताम् | सेधयेताम् | सेधयन्ताम् |
| | सेधयस्व | सेधयेथाम् | सेधयध्वम् |
| | सेधयै | सेधयावहै | सेधयामहै |
| ह्य० | असेधयत | असेधयेताम् | असेधयन्त |
| | असेधयथाः | असेधयेथाम् | असेधयध्वम् |
| | असेधये | असेधयावहि | असेधयामहि |
| अ० | असीषिधत् | असीषिधेताम् | असीषिधन्त |
| | असीषिधथाः | असीषिधेथाम् | असीषिधध्वम् |
| | असीषिधे | असीषिधावहि | असीषिधामहि |
| प० | सेधयाञ्चके | सेधयाञ्चकाते | सेधयाञ्चकिरे |
| | सेधयाञ्चकृषे | सेधयाञ्चक्राथे | सेधयाञ्चकृद्वे |
| | सेधयाञ्चक्र | सेधयाञ्चकृवहे | सेधयाञ्चकृमहे |
| | सेधयाम्बभूव । सेधयामास | | |
| आ० | सेधयिषीष्ट | सेधयिषीयास्ताम् | सेधयिषीरन् |
| | सेधयिषीष्टाः | सेधयिषीयास्याम् | सेधयिषीद्वम् |
| | ध्वम् | | |
| | सेधयिषीय | सेधयिषीवहि | सेधयिषीमहि |
| श्व० | सेधयिता | सेधयितारौ | सेधयितारः |
| | सेधयितासे | सेधयितासाथे | सेधयिताध्वे |
| | सेधयिताहे | सेधयितास्वहे | सेधयितास्महे |
| भ० | सेधयिष्यते | सेधयिष्येते | सेधयिष्यन्ते |
| | सेधयिष्यसे | सेधयिष्येथे | सेधयिष्यध्वे |
| | सेधयिष्ये | सेधयिष्यावहे | सेधयिष्यामहे |
| क्रि० | असेधयिष्यत | असेधयिष्येताम् | असेधयिष्यन्त |
| | असेधयिष्यथाः | असेधयिष्येथाम् | असेधयिष्यध्वम् |
| | असेधयिष्ये | असेधयिष्यावहि | असेधयिष्यामहि |
| 321 | षिधौ [सिधू] शास्त्रमांङ्गल्ययोः । षिधू | | |
| | 320 वद्रपाणि | | |

322 शुन्ध (शुन्धू) शुद्धौ ।

| | | |
|----------------------------|-----------------|-----------------------|
| ब० शुन्धयति | शुन्धयतः | शुन्धयन्ति |
| शुन्धयसि | शुन्धयथः | शुन्धयथ |
| शुन्धयामि | शुन्धयावः | शुन्धयामः |
| स० शुन्धयेत् | शुन्धयेताम् | शुन्धयेयुः |
| शुन्धयेः | शुन्धयेतम् | शुन्धयेत |
| शुन्धयेयम् | शुन्धयेव | शुन्धयेम |
| प० शुन्धयतु | शुन्धयतात् | शुन्धयताम् शुन्धयन्तु |
| शुन्धय | शुन्धयतम् | शुन्धयत |
| शुन्धयानि | शुन्धयाव | शुन्धयाम |
| ह्य० अशुन्धयत् | अशुन्धयताम् | अशुन्धयन् |
| अशुन्धयः | अशुन्धयतम् | अशुन्धयत |
| अशुन्धयम् | अशुन्धयाव | अशुन्धयाम |
| अ० अशुन्धयत् | अशुन्धयताम् | अशुन्धयन् |
| अशुन्धयः | अशुन्धयतम् | अशुन्धयत |
| अशुन्धयम् | अशुन्धयाव | अशुन्धयाम |
| प० शुन्धयाञ्चकार | शुन्धयाञ्चकतुः | शुन्धयाञ्चकुः |
| शुन्धयाञ्चकथं | शुन्धयाञ्चकथुः | शुन्धयाञ्चक |
| शुन्धयाञ्चकार-चकर | शुन्धयाञ्चकृव | शुन्धयाञ्चकृम |
| शुन्धयाम्बभूव । शुन्धयामास | | |
| आ० शुन्ध्यात् | शुन्ध्यास्ताम् | शुन्ध्यासुः |
| शुन्ध्याः | शुन्ध्यास्तम् | शुन्ध्यास्त |
| शुन्ध्यासम् | शुन्ध्यास्व | शुन्ध्यास्म |
| श्र० शुन्धयिता | शुन्धयितारौ | शुन्धयितारः |
| शुन्धयितासि | शुन्धयितास्थः | शुन्धयितास्थ |
| शुन्धयितास्मि | शुन्धयितास्वः | शुन्धयितास्मः |
| भ० शुन्धयिष्यति | शुन्धयिष्यतः | शुन्धयिष्यन्ति |
| शुन्धयिष्यसि | शुन्धयिष्यथः | शुन्धयिष्यथ |
| शुन्धयिष्यामि | शुन्धयिष्यावः | शुन्धयिष्यामः |
| क्रि० अशुन्धयिष्यत् | अशुन्धयिष्यताम् | अशुन्धयिष्यन्त |
| अशुन्धयिष्यः | अशुन्धयिष्यतम् | अशुन्धयिष्यत |
| अशुन्धयिष्यम् | अशुन्धयिष्याव | अशुन्धयिष्याम |

| | | |
|----------------------------|-------------------|------------------|
| व० शुन्धयते | शुन्धयेते | शुन्धयन्ते |
| शुन्धयसे | शुन्धयेथे | शुन्धयन्वे |
| शुन्धये | शुन्धयावहे | शुन्धयामहे |
| स० शुन्धयेत | शुन्धयेयाताम् | शुन्धयेरन् |
| शुन्धयेथाः | शुन्धयेयाथाम् | शुन्धयेष्वम् |
| शुन्धयेय | शुन्धयेवहि | शुन्धयेमहि |
| प० शुन्धयताम् | शुन्धयेताम् | शुन्धयन्ताम् |
| शुन्धयस्व | शुन्धयेथाम् | शुन्धयष्वम् |
| शुन्धयै | शुन्धयावहै | शुन्धयामहै |
| ह्य० अशुन्धयत | अशुन्धयेताम् | अशुन्धयन्त |
| अशुन्धयथाः | अशुन्धयेथाम् | अशुन्धयष्वम् |
| अशुन्धये | अशुन्धयावहि | अशुन्धयामहि |
| अ० अशुन्धयत | अशुन्धयेताम् | अशुन्धयन्त |
| अशुन्धयथाः | अशुन्धयेथाम् | अशुन्धयष्वम् |
| अशुन्धये | अशुन्धयावहि | अशुन्धयामहि |
| प० शुन्धयाञ्चके | शुन्धयाञ्चकाते | शुन्धयाञ्चकृरे |
| शुन्धयाञ्चकृषे | शुन्धयाञ्चकाथे | शुन्धयाञ्चकृद्वे |
| शुन्धयाञ्चके | शुन्धयाञ्चकृवहे | शुन्धयाञ्चकृमहे |
| शुन्धयाम्बभूव । शुन्धयामास | | |
| आ० शुन्धयिषीष्ट | शुन्धयिषीयास्ताम् | शुन्धयिषीरन् |
| शुन्धयिषीष्ठाः | शुन्धयिषीयास्थाम् | शुन्धयिषीद्वम् |
| ध्वम् | | |
| शुन्धयिषीय | शुन्धयिषीवहि | शुन्धयिषीमहि |
| श्र० शुन्धयिता | शुन्धयितारौ | शुन्धयितारः |
| शुन्धयितासे | शुन्धयितासाथे | शुन्धयिताध्वे |
| शुन्धयिताहे | शुन्धयितास्वहे | शुन्धयितास्महे |
| भ० शुन्धयिष्यते | शुन्धयिष्येते | शुन्धयिष्यन्ते |
| शुन्धयिष्यसे | शुन्धयिष्येथे | शुन्धयिष्यन्वे |
| शुन्धयिष्ये | शुन्धयिष्यावहे | शुन्धयिष्यामहे |
| क्रि० अशुन्धयिष्यत | अशुन्धयिष्येताम् | अशुन्धयिष्यन्त |
| अशुन्धयिष्यथाः | अशुन्धयिष्येथाम् | अशुन्धयिष्यष्वम् |
| अशुन्धयिष्ये | अशुन्धयिष्यावहि | अशुन्धयिष्यामहि |

॥ अथ नान्ता नव ॥

323 स्तन (स्तन्) शब्दे

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | स्तनयति | स्तनयतः | स्तनयन्ति |
| | स्तनयसि | स्तनयथः | स्तनयथ |
| | स्तनयामि | स्तनयावः | स्तनयामः |
| स० | स्तनयेत् | स्तनयेताम् | स्तनयेयुः |
| | स्तनयेः | स्तनयेतम् | स्तनयेत |
| | स्तनयेयम् | स्तनयेव | स्तनयेम |
| प० | स्तनयतु | स्तनयतात् | स्तनयताम् |
| | स्तनय | स्तनयतम् | स्तनयत |
| | स्तनयानि | स्तनयाव | स्तनयाम |
| ह्य० | अस्तनयत् | अस्तनयताम् | अस्तनयम् |
| | अस्तनयः | अस्तनयतम् | अस्तनयत |
| | अस्तनयम् | अस्तनयाव | अस्तनयाम |
| अ० | अतिस्तनत् | अतिस्तनताम् | अतिस्तनन् |
| | अतिस्तनः | अतिस्तनतम् | अतिस्तनत |
| | अतिस्तनम् | अतिस्तनाव | अतिस्तनाम |
| प० | स्तनयाञ्चकार | स्तनयाञ्चक्रतुः | स्तनयाञ्चक्रुः |
| | स्तनयाञ्चकर्थ | स्तनयाञ्चक्रथुः | स्तनयाञ्चक्र |
| | स्तनयाञ्चकार-चकर | स्तनयाञ्चक्रव | स्तनयाञ्चक्रम |
| | स्तनयाम्बभूव | स्तनयामास | |
| आ० | स्तन्यात् | स्तन्यास्ताम् | स्तन्यासुः |
| | स्तन्याः | स्तन्यास्तम् | स्तन्यास्त |
| | स्तन्यासम् | स्तन्यास्व | स्तन्यास्म |
| श्व० | स्तनयिता | स्तनयितारौ | स्तनयितारः |
| | स्तनयितासि | स्तनयितास्थः | स्तनयितास्थ |
| | स्तनयितास्मि | स्तनयितास्वः | स्तनयितास्मः |
| भ० | स्तनयिष्यति | स्तनयिष्यतः | स्तनयिष्यन्ति |
| | स्तनयिष्यसि | स्तनयिष्यथः | स्तनयिष्यथ |
| | स्तनयिष्यामि | स्तनयिष्यावः | स्तनयिष्यामः |
| क्रि० | अस्तनयिष्यत् | अस्तनयिष्यताम् | अस्तनयिष्यन् |
| | अस्तनयिष्यः | अस्तनयिष्यतम् | अस्तनयिष्यत |
| | अस्तनयिष्यम् | अस्तनयिष्याव | अस्तनयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | स्तनयते | स्तनयेते | स्तनयन्ते |
| | स्तनयसे | स्तनयेथे | स्तनयध्वे |
| | स्तनये | स्तनयावहे | स्तनयामहे |
| स० | स्तनयेत | स्तनयेयाताम् | स्तनयेरन् |
| | स्तनयेथाः | स्तनयेथाथाम् | स्तनयेध्वम् |
| | स्तनयेय | स्तनयेवहि | स्तनयेमहि |
| प० | स्तनयताम् | स्तनयेताम् | स्तनयन्ताम् |
| | स्तनयस्व | स्तनयेथाम् | स्तनयध्वम् |
| | स्तनयै | स्तनयावहै | स्तनयामहै |
| ह्य० | अस्तनयत | अस्तनयेताम् | अस्तनयन्त |
| | अस्तनयथाः | अस्तनयेथाम् | अस्तनयध्वम् |
| | अस्तनये | अस्तनयावहि | अस्तनयामहि |
| अ० | अतिस्तनत | अतिस्तनेताम् | अतिस्तनन्त |
| | अतिस्तनथाः | अतिस्तनेथाम् | अतिस्तनध्वम् |
| | अतिस्तने | अतिस्तनावहि | अतिस्तनामहि |
| प० | स्तनयाञ्चक्रे | स्तनयाञ्चक्राते | स्तनयाञ्चक्रिरे |
| | स्तनयाञ्चकृषे | स्तनयाञ्चक्राथे | स्तनयाञ्चकृध्वे |
| | स्तनयाञ्चक्रे | स्तनयाञ्चकृवहे | स्तनयाञ्चकृमहे |
| | स्तनयाम्बभूव | स्तनयामास | |
| आ० | स्तनयिषीष्ट | स्तनयिषीयास्ताम् | स्तनयिषीरन् |
| | स्तनयिषीष्ठाः | स्तनयिषीयास्थाम् | स्तनयिषीध्वम् |
| | स्तनयिषीय | स्तनयिषीवहि | स्तनयिषीमहि |
| श्व० | स्तनयिता | स्तनयितारौ | स्तनयितारः |
| | स्तनयितासे | स्तनयिताथे | स्तनयिताध्वे |
| | स्तनयिताहे | स्तनयितास्वहे | स्तनयितास्महे |
| भ० | स्तनयिष्यते | स्तनयिष्येते | स्तनयिष्यन्ते |
| | स्तनयिष्यसे | स्तनयिष्येथे | स्तनयिष्यध्वे |
| | स्तनयिष्ये | स्तनयिष्यावहे | स्तनयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तनयिष्यत | अस्तनयिष्येताम् | अस्तनयिष्यन्त |
| | अस्तनयिष्यथाः | अस्तनयिष्येथाम् | अस्तनयिष्यध्वम् |
| | अस्तनयिष्ये | अस्तनयिष्यावहि | अस्तनयिष्यामहि |

324 धन (धन्) शब्दे ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| ब० धानयति | धानयतः | धानयन्ति |
| धानयसि | धानयथः | धानयथ |
| धानयामि | धानयावः | धानयामः |
| स० धानयेत् | धानयेताम् | धानयेयुः |
| धानयेः | धानयेतम् | धानयेत |
| धानयेयम् | धानयेव | धानयेम |
| प० धानयतु | धानयतात् | धानयताम् |
| धानय | धानयतम् | धानयत |
| धानयानि | धानयाव | धानयाम |
| ह्य० अधानयत् | अधानयताम् | अधानयन् |
| अधानयः | अधानयतम् | अधानयत |
| अधानयम् | अधानयाव | अधानयाम |
| अ० अदीधनत् | अदीधनताम् | अदीधनन् |
| अदीधनः | अदीधनतम् | अदीधनत |
| अदीधनम् | अदीधनाव | अदीधनाम |
| प० धानयाञ्चकार | धानयाञ्चक्रतुः | धानयाञ्चक्रुः |
| धानयाञ्चकथं | धानयाञ्चक्रथुः | धानयाञ्चक्र |
| धानयाञ्चकारन्वकर | धानयाञ्चक्रव | धानयाञ्चक्रम |
| धानयाम्बभूव | धानयामास | |
| आ० धान्यात् | धान्यास्ताम् | धान्यासुः |
| धान्याः | धान्यास्तम् | धान्यास्त |
| धान्यासम | धान्यास्व | धान्यास्म |
| क्ष० धानयिता | धानयितारौ | धानयितारः |
| धानयितासि | धानयितास्थः | धानयितास्थ |
| धानयितास्मि | धानयितास्वः | धानयितास्मः |
| भ० धानयिष्यति | धानयिष्यतः | धानयिष्यन्ति |
| धानयिष्यसि | धानयिष्यथः | धानयिष्यथ |
| धानयिष्यामि | धानयिष्यावः | धानयिष्यामः |
| क्रि० अधानयिष्यत् | अधानयिष्यताम् | अधानयिष्यन् |
| अधानयिष्यः | अधानयिष्यतम् | अधानयिष्यत |
| अधानयिष्यम् | अधानयिष्याव | अधानयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० धानयते | धानयते | धानयन्ते |
| धानयसे | धानयेथे | धानयध्वे |
| धानये | धानयावहे | धानयामहे |
| स० धानयेत | धानयेयाताम् | धानयेरन् |
| धानयेथाः | धानयेयाथाम् | धानयेध्वम् |
| धानयेय | धानयेवहि | धानयेमहि |
| प० धानयताम् | धानयेताम् | धानयन्ताम् |
| धानयस्व | धानयेथाम् | धानयध्वम् |
| धानये | धानयावहे | धानयामहे |
| ह्य० अधानयत | अधानयेताम् | अधानयन्त |
| अधानयथाः | अधानयेथाम् | अधानयध्वम् |
| अधानये | अधानयावहि | अधानयामहि |
| अ० अदीधनत | अदीधनेताम् | अदीधनन्त |
| अदीधनथाः | अदीधनेथाम् | अदीधनध्वम् |
| अदीधने | अदीधनावहि | अदीधनामहि |
| प० धानयाञ्चक्रे | धानयाञ्चक्राते | धानयाञ्चकिरे |
| धानयाञ्चकृषे | धानयाञ्चक्राथे | धानयाञ्चकृढ्वे |
| धानयाञ्चक्रे | धानयाञ्चकृवहे | धानयाञ्चकृमहे |
| धानयाम्बभूव | धानयामास | |
| आ० धानयिषीष्ट | धानयिषीयास्ताम् | धानयिषीरन् |
| धानयिषीष्टाः | धानयिषीयास्थाम् | धानयिषीढ्वम् |
| धानयिषीय | धानयिषीवहि | धानयिषीमहि |
| श्व० धानयिता | धानयितारौ | धानयितारः |
| धानयितासे | धानयितासाथे | धानयिताध्वे |
| धानयिताहे | धानयितास्वहे | धानयितास्महे |
| भ० धानयिष्यते | धानयिष्येते | धानयिष्यन्ते |
| धानयिष्यसे | धानयिष्येथे | धानयिष्यध्वे |
| धानयिष्ये | धानयिष्यावहे | धानयिष्यामहे |
| क्रि० अधानयिष्यत | अधानयिष्येताम् | अधानयिष्यन्त |
| अधानयिष्यथाः | अधानयिष्येथाम् | अधानयिष्यध्वम् |
| अधानयिष्ये | अधानयिष्यावहि | अधानयिष्यामहि |

(३१८) ॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया. ॥

324 धन (धन्) शब्दे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० धानयति | धानयतः | धानयन्ति |
| धानयसि | धानयथः | धानयथ |
| धानयामि | धानयावः | धानयामः |
| स० धानयेत् | धानयेताम् | धानयेयुः |
| धानयेः | धानयेताम् | धानयेत |
| धानयेयम् | धानयेव | धानयेम |
| प० धानयतु | धानयतात् | धानयन्तु |
| धानय | धानयतम् | धानयत |
| धानयानि | धानयाव | धानयाम |
| ह्य० अधानयत् | अधानयताम् | अधानयन् |
| अधानयः | अधानयताम् | अधानयत |
| अधानयम् | अधानयाव | अधानयाम |
| अ० अदीधनत् | अदीधनताम् | अदीधनन् |
| अदीधनः | अदीधनताम् | अदीधनत |
| अदीधनम् | अदीधनाव | अदीधनाम |
| प० धानयाञ्चकार | धानयाञ्चकतुः | धानयाञ्चकुः |
| धानयाञ्चकर्थ | धानयाञ्चकथुः | धानयाञ्चक |
| धानयाञ्चकार-चकर | धानयाञ्चकृव | धानयाञ्चकृम |
| धानयाम्बभूव | धानयामाव | |
| आ० धान्यात् | धान्यास्ताम् | धान्यासुः |
| धान्याः | धान्यास्तम् | धान्यास्त |
| धान्यासम | धान्यास्व | धान्यास्म |
| श्व० धानयिता | धानयितारौ | धानयितारः |
| धानयितासि | धानयितास्थः | धानयितास्थ |
| धानयितास्मि | धानयितास्वः | धानयितास्मः |
| भ० धानयिष्यति | धानयिष्यतः | धानयिष्यन्ति |
| धानयिष्यसि | धानयिष्यथः | धानयिष्यथ |
| धानयिष्यामि | धानयिष्यावः | धानयिष्यामः |
| क्रि० अधानयिष्यत् | अधानयिष्यताम् | अधानयिष्यन् |
| अधानयिष्यः | अधानयिष्यताम् | अधानयिष्यत |
| अधानयिष्यम् | अधानयिष्याव | अधानयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० धानयते | धानयेते | धानयन्ते |
| धानयसे | धानयेथे | धानयध्वे |
| धानये | धानयावहे | धानयामहे |
| स० धानयेत | धानयेयाताम् | धानयेरन् |
| धानयेथाः | धानयेयाथाम् | धानयेध्वम् |
| धानयेय | धानयेवहि | धानयेमहि |
| प० धानयताम् | धानयेताम् | धानयन्ताम् |
| धानयस्व | धानयेथाम् | धानयध्वम् |
| धानयै | धानयावहै | धानयामहै |
| ह्य० अधानयत | अधानयेताम् | अधानयन्त |
| अधानयथाः | अधानयेथाम् | अधानयध्वम् |
| अधानये | अधानयावहि | अधानयामहि |
| अ० अदीधनत | अदीधनेताम् | अदीधनन्त |
| अदीधनथाः | अदीधनेथाम् | अदीधनध्वम् |
| अदीधने | अदीधनावहि | अदीधनामहि |
| प० धानयाञ्चक्रे | धानयाञ्चकाते | धानयाञ्चकिरे |
| धानयाञ्चकृषे | धानयाञ्चकाथे | धानयाञ्चकृद्वे |
| धानयाञ्चक्रे | धानयाञ्चकृवहे | धानयाञ्चकृमहे |
| धानयाम्बभूव | धानयामास | |
| आ० धानयिषीष्ट | धानयिषीयास्ताम् | धानयिषीरन् |
| धानयिषीष्ठाः | धानयिषीयास्थाम् | धानयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| धानयिषीय | धानयिषीवहि | धानयिषीमहि |
| श्व० धानयिता | धानयितारौ | धानयितारः |
| धानयितासे | धानयितासाथे | धानयिताध्वे |
| धानयिताहे | धानयितास्वहे | धानयितास्महे |
| भ० धानयिष्यते | धानयिष्येते | धानयिष्यन्ते |
| धानयिष्यसे | धानयिष्येथे | धानयिष्यध्वे |
| धानयिष्ये | धानयिष्यावहे | धानयिष्यामहे |
| क्रि० अधानयिष्यत | अधानयिष्येताम् | अधानयिष्यन्त |
| अधानयिष्यथाः | अधानयिष्येथाम् | अधानयिष्यध्वम् |
| अधानयिष्ये | अधानयिष्यावहि | अधानयिष्यामहि |

325 ध्वन (ध्वन्) शब्दे

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० ध्वनयति | ध्वनयतः | ध्वनयन्ति |
| ध्वनयसि | ध्वनयथः | ध्वनयथ |
| ध्वनयामि | ध्वनयावः | ध्वनयामः |
| स० ध्वनयेत् | ध्वनयेताम् | ध्वनयेयुः |
| ध्वनयेः | ध्वनयेतम् | ध्वनयेत |
| ध्वनयेयम् | ध्वनयेव | ध्वनयेम |
| प० ध्वनयतु | ध्वनयतात् | ध्वनयताम् |
| ध्वनय | ध्वनयतम् | ध्वनयत |
| ध्वनयानि | ध्वनयाव | ध्वनयाम |
| ह० अध्वनयत् | अध्वनयताम् | अध्वनयन् |
| अध्वनयः | अध्वनयतम् | अध्वनयत |
| अध्वनयम् | अध्वनयाव | अध्वनयाम |
| अ० अदिध्वनत् | अदिध्वनताम् | अदिध्वनन् |
| अदिध्वनः | अदिध्वनतम् | अदिध्वनत |
| अदिध्वनम् | अदिध्वनाव | अदिध्वनाम |
| प० ध्वनयाश्चकार | ध्वनयाश्चक्रुः | ध्वनयाश्चक्रुः |
| ध्वनयाश्चकर्थ | ध्वनयाश्चक्रुः | ध्वनयाश्चक्रुः |
| ध्वनयाश्चकार-कर | ध्वनयाश्चक्रुव | ध्वनयाश्चक्रुम |
| ध्वनयाम्बभूव | ध्वनयामास | |
| भा० ध्वन्यात् | ध्वन्यास्ताम् | ध्वन्यासुः |
| ध्वन्याः | ध्वन्यास्तम् | ध्वन्यास्त |
| ध्वन्यासम् | ध्वन्यास्व | ध्वन्यास्म |
| श्व० ध्वनयिता | ध्वनयितारौ | ध्वनयितारः |
| ध्वनयितासि | ध्वनयितास्थः | ध्वनयितास्थ |
| ध्वनयितास्मि | ध्वनयितास्वः | ध्वनयितास्मः |
| भ० ध्वनयिष्यति | ध्वनयिष्यतः | ध्वनयिष्यन्ति |
| ध्वनयिष्यसि | ध्वनयिष्यथः | ध्वनयिष्यथ |
| ध्वनयिष्यामि | ध्वनयिष्यावः | ध्वनयिष्यामः |
| क्रि० अध्वनयिष्यत् | अध्वनयिष्यताम् | अध्वनयिष्यन् |
| अध्वनयिष्यः | अध्वनयिष्यतम् | अध्वनयिष्यत |
| अध्वनयिष्यम् | अध्वनयिष्याव | अध्वनयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० ध्वनयते | ध्वनयेते | ध्वनयन्ते |
| ध्वनयसे | ध्वनयेथे | ध्वनयध्वे |
| ध्वनये | ध्वनयावहे | ध्वनयामहे |
| स० ध्वनयेत् | ध्वनयेयाताम् | ध्वनयेरन् |
| ध्वनयेथाः | ध्वनयेयाथाम् | ध्वनयेध्वम् |
| ध्वनयेय | ध्वनयेवहि | ध्वनयेमहि |
| प० ध्वनयताम् | ध्वनयेताम् | ध्वनयन्ताम् |
| ध्वनयस्व | ध्वनयेथाम् | ध्वनयध्वम् |
| ध्वनयै | ध्वनयावहे | ध्वनयामहे |
| ह० अध्वनयत | अध्वनयेताम् | अध्वनयन्त |
| अध्वनयथाः | अध्वनयेथाम् | अध्वनयध्वम् |
| अध्वनये | अध्वनयावहि | अध्वनयामहि |
| अ० अदिध्वनत | अदिध्वनेताम् | अदिध्वनन्त |
| अदिध्वनथाः | अदिध्वनेथाम् | अदिध्वनध्वम् |
| अदिध्वने | अदिध्वनावहि | अदिध्वनामहि |
| प० ध्वनयाश्चक्रे | ध्वनयाश्चक्रते | ध्वनयाश्चकिरे |
| ध्वनयाश्चक्रे | ध्वनयाश्चक्रथे | ध्वनयाश्चकृद्वे |
| ध्वनयाश्चक्रे | ध्वनयाश्चकृवहे | ध्वनयाश्चकृमहे |
| ध्वनयाम्बभूव | ध्वनयामास | |
| भा० ध्वनयिषीष्ट | ध्वनयिषीयास्ताम् | ध्वनयिषीरन् |
| ध्वनयिषीष्ठाः | ध्वनयिषीयास्थाम् | ध्वनयिषीध्वम् |
| ध्वनयिषीय | ध्वनयिषीवहि | ध्वनयिषीमहि |
| श्व० ध्वनयिता | ध्वनयितारौ | ध्वनयितारः |
| ध्वनयितासे | ध्वनयितासाथे | ध्वनयिताध्वे |
| ध्वनयिताहे | ध्वनयितावहे | ध्वनयितास्महे |
| भ० ध्वनयिष्यते | ध्वनयिष्येते | ध्वनयिष्यन्ते |
| ध्वनयिष्यसे | ध्वनयिष्येथे | ध्वनयिष्यध्वे |
| ध्वनयिष्ये | ध्वनयिष्यावहे | ध्वनयिष्यामहे |
| क्रि० अध्वनयिष्यत | अध्वनयिष्यताम् | अध्वनयिष्यन्त |
| अध्वनयिष्यथाः | अध्वनयिष्येथाम् | अध्वनयिष्यध्वम् |
| अध्वनयिष्ये | अध्वनयिष्यावहि | अध्वनयिष्यामहि |

326 चन (चन्) शब्दे

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० चानयति | चानयतः | चानयन्ति |
| चानयसि | चानयथः | चानयथ |
| चानयामि | चानयावः | चानयामः |
| स० चानयेत् | चानयेताम् | चानयेयुः |
| चानयेः | चानयेतम् | चानयेत |
| चानयेयम् | चानयेव | चानयेम |
| प० चानयतु | चानयतात् | चानयताम् |
| चानय | चानयतम् | चानयत |
| चानयानि | चानयाव | चानयाम |
| ह्य० अचानयत् | अचानयताम् | अचानयन् |
| अचानयः | अचानयतम् | अचानयत |
| अचानयम् | अचानयाव | अचानयाम |
| अ० अचीचनत् | अचीचनताम् | अचीचनन् |
| अचीचनः | अचीचनतम् | अचीचनत |
| अचीचनम् | अचीचनाव | अचीचनाम |
| प० चानयाश्चकार | चानयाश्चक्रुः | चानयाश्चकुः |
| चानयाश्चकर्त्तुः | चानयाश्चक्रुः | चानयाश्चकुः |
| चानयाश्चकार-कर | चानयाश्चक्रुव | चानयाश्चकुव |
| चानयाम्बभूव | चानयामास | |
| आ० चान्यात् | चान्यास्ताम् | चान्यासुः |
| चान्याः | चान्यास्तम् | चान्यास्त |
| चान्यासम् | चान्यास्व | चान्यास्म |
| भ० चानयिता | चानयितारौ | चानयितारः |
| चानयितासि | चानयितास्थः | चानयितास्थ |
| चानयितास्मि | चानयितास्वः | चानयितास्मः |
| भ० चानयिष्यति | चानयिष्यतः | चानयिष्यन्ति |
| चानयिष्यसि | चानयिष्यथः | चानयिष्यथ |
| चानयिष्यामि | चानयिष्यावः | चानयिष्यामः |
| क्रि० अचानयिष्यत् | अचानयिष्यताम् | अचानयिष्यन् |
| अचानयिष्यः | अचानयिष्यतम् | अचानयिष्यत |
| अचानयिष्यम् | अचानयिष्याव | अचानयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| व० चानयते | चानयेते | चानयन्ते |
| चानयसे | चानयेथे | चानयध्वे |
| चानये | चानयावहे | चानयामहे |
| स० चानयेत् | चानयेयाताम् | चानयेरन् |
| चानयेथाः | चानयेयाथाम् | चानयेध्वम् |
| चानयेय | चानयेवहि | चानयेमहि |
| प० चानयताम् | चानयेताम् | चानयन्ताम् |
| चानयस्व | चानयेथाम् | चानयध्वम् |
| चानये | चानयावहे | चानयामहे |
| ह्य० अचानयत | अचानयेताम् | अचानयन्त |
| अचानयथाः | अचानयेथाम् | अचानयध्वम् |
| अचानये | अचानयावहि | अचानयामहि |
| अ० अचीचनत | अचीचनेताम् | अचीचनन्त |
| अचीचनथाः | अचीचनेथाम् | अचीचनध्वम् |
| अचीचने | अचीचनावहि | अचीचनामहि |
| प० चानयाश्चक्रे | चानयाश्चक्राते | चानयाश्चक्रिरे |
| चानयाश्चक्रे | चानयाश्चक्राथे | चानयाश्चक्रुवे |
| चानयाश्चक्रे | चानयाश्चक्रुवहे | चानयाश्चक्रुमहे |
| चानयाम्बभूव | चानयामास | |
| आ० चानयिषीष्ट | चानयिषीयास्ताम् | चानयिषीरन् |
| चानयिषीष्ठाः | चानयिषीयास्थाम् | चानयिषीध्वम् |
| चानयिषीय | चानयिषीवहि | चानयिषीमहि |
| भ० चानयिता | चानयितारौ | चानयितारः |
| चानयितासे | चानयितासाथे | चानयिताध्वे |
| चानयिताहे | चानयितावहे | चानयितामहे |
| भ० चानयिष्यते | चानयिष्येते | चानयिष्यन्ते |
| चानयिष्यसे | चानयिष्येथे | चानयिष्यध्वे |
| चानयिष्ये | चानयिष्यावहे | चानयिष्यामहे |
| क्रि० अचानयिष्यत | अचानयिष्येताम् | अचानयिष्यन्त |
| अचानयिष्यथाः | अचानयिष्येथाम् | अचानयिष्यध्वम् |
| अचानयिष्ये | अचानयिष्यावहि | अचानयिष्यामहि |

[हिंसायां चानयति-इत्यादि]

327 स्वन (स्वन) शब्दे ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| ब० स्वनयति | स्वनयतः | स्वनयन्ति |
| स्वनयसि | स्वनयथः | स्वनयथ |
| स्वनयामि | स्वनयावः | स्वनयामः |
| स० स्वनयेत् | स्वनयेताम् | स्वनयेयुः |
| स्वनयेः | स्वनयेतम् | स्वनयेत |
| स्वनयेयम् | स्वनयेव | स्वनयेम |
| प० स्वनयतु | स्वनयतात् | स्वनयताम् |
| स्वनय | स्वनयतम् | स्वनयत |
| स्वनयानि | स्वनयाव | स्वनयाम |
| ह्य० अस्वनयत् | अस्वनयताम् | अस्वनयन् |
| अस्वनयः | अस्वनयतम् | अस्वनयत |
| अस्वनयम् | अस्वनयाव | अस्वनयाम |
| अ० असिस्वनत् | असिस्वनताम् | असिस्वनन् |
| असिस्वनः | असिस्वनतम् | असिस्वनत |
| असिस्वनम् | असिस्वनाव | असिस्वनाम |
| प० स्वनयाश्चकार | स्वनयाश्चक्रुः | स्वनयाश्चक्रुः |
| स्वनयाश्चकर्थ | स्वनयाश्चक्रथुः | स्वनयाश्चक्र |
| स्वनयाश्चकार-चकर | स्वनयाश्चक्रुव | स्वनयाश्चक्रुम |
| स्वनयाम्बभूव | स्वनयामास | |
| आ० स्वन्यात् | स्वन्यास्ताम् | स्वन्यासुः |
| स्वन्याः | स्वन्यास्तम् | स्वन्यास्त |
| स्वन्यासम् | स्वन्यास्व | स्वन्यास्म |
| थ० स्वनयिता | स्वनयितारौ | स्वनयितारः |
| स्वनयितासि | स्वनयितास्थः | स्वनयितास्थ |
| स्वनयितास्मि | स्वनयितास्वः | स्वनयितास्मः |
| भ० स्वनयिष्यति | स्वनयिष्यतः | स्वनयिष्यन्ति |
| स्वनयिष्यसि | स्वनयिष्यथः | स्वनयिष्यथ |
| स्वनयिष्यामि | स्वनयिष्यावः | स्वनयिष्यामः |
| क्रि० अस्वनयिष्यत् | अस्वनयिष्यताम् | अस्वनयिष्यन् |
| अस्वनयिष्यः | अस्वनयिष्यतम् | अस्वनयिष्यत |
| अस्वनयिष्यम् | अस्वनयिष्याव | अस्वनयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| ब० स्वनयते | स्वनयेते | स्वनयन्ते |
| स्वनयसे | स्वनयेथे | स्वनयध्वे |
| स्वनये | स्वनयावहे | स्वनयामहे |
| स० स्वनयेत | स्वनयेयाताम् | स्वनयेरन् |
| स्वनयेथाः | स्वनयेयाथाम् | स्वनयेध्वम् |
| स्वनयेय | स्वनयेवहि | स्वनयेमहि |
| प० स्वनयताम् | स्वनयेताम् | स्वनयन्ताम् |
| स्वनयस्व | स्वनयेथाम् | स्वनयध्वम् |
| स्वनयै | स्वनयावहै | स्वनयामहै |
| ह्य० अस्वनयत | अस्वनयेताम् | अस्वनयन्त |
| अस्वनयथाः | अस्वनयेथाम् | अस्वनयध्वम् |
| अस्वनये | अस्वनयावहि | अस्वनयामहि |
| अ० असिस्वनत | असिस्वनेताम् | असिस्वनन्त |
| असिस्वनथाः | असिस्वनेथाम् | असिस्वनध्वम् |
| असिस्वने | असिस्वनावहि | असिस्वनामहि |
| प० स्वनयाश्चक्रे | स्वनयाश्चक्रते | स्वनयाश्चक्रिरे |
| स्वनयाश्चक्रुषे | स्वनयाश्चक्रथे | स्वनयाश्चक्रुवे |
| स्वनयाश्चक्रे | स्वनयाश्चक्रुवहे | स्वनयाश्चक्रुमहे |
| स्वनयाम्बभूव | स्वनयामास | |
| आ० स्वनयिषीष्ट | स्वनयिषीयास्ताम् | स्वनयिषीरन् |
| स्वनयिषीष्ठाः | स्वनयिषीयास्थाम् | स्वनयिषीढ्वम् |
| स्वनयिषीय | स्वनयिषीवहि | स्वनयिषीमहि |
| थ० स्वनयिता | स्वनयितारौ | स्वनयितारः |
| स्वनयितासे | स्वनयितासाथे | स्वनयिताध्वे |
| स्वनयिताहे | स्वनयितास्वहे | स्वनयितास्महे |
| भ० स्वनयिष्यते | स्वनयिष्येते | स्वनयिष्यन्ते |
| स्वनयिष्यसे | स्वनयिष्येथे | स्वनयिष्यध्वे |
| स्वनयिष्ये | स्वनयिष्यावहे | स्वनयिष्यामहे |
| क्रि० अस्वनयिष्यत | अस्वनयिष्येताम् | अस्वनयिष्यन्त |
| अस्वनयिष्यथाः | अस्वनयिष्येथाम् | अस्वनयिष्यध्वम् |
| अस्वनयिष्ये | अस्वनयिष्यावहि | अस्वनयिष्यामहि |

328 वन (वन्) शब्दे ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| ब० वानयति | वानयतः | वानयन्ति |
| वानयसि | वानयथः | वानयथ |
| वानयामि | वानयावः | वानयामः |
| स० वानयेत् | वानयेताम् | वानयेयुः |
| वानयेः | वानयेतम् | वानयेत |
| वानयेयम् | वानयेव | वानयेम |
| प० वानयतु | वानयतात् | वानयतम् |
| वानय | ॥ | वानयतम् |
| वानयानि | वानयाव | वानयाम |
| ह्य० अवानयत् | अवानयताम् | अवानयन् |
| अवानयः | अवानयतम् | अवानयत |
| अवानयम् | अवानयाव | अवानयाम |
| अ० अवीवनत् | अवीवनताम् | अवीवनन् |
| अवीवनः | अवीवनतम् | अवीवनत |
| अवीवनम् | अवीवनाव | अवीवनाम |
| प० वानयाश्चकार | वानयाश्चक्रतुः | वानयाश्चक्रुः |
| वानयाश्चकर्थ | वानयाश्चक्रथुः | वानयाश्चक्र |
| वानयाश्चकार-चकर | वानयाश्चक्रव | वानयाश्चक्रुम |
| वानयाम्यभूव | । | वानयामास |
| आ० वान्यात् | वान्यास्ताम् | वान्यासुः |
| वान्याः | वान्यास्तम् | वान्यास्त |
| वान्यासम् | वान्यास्व | वान्यास्म |
| श्व० वानयिता | वानयितारौ | वानयितारः |
| वानयितासि | वानयितास्थः | वानयितास्थ |
| वानयितास्मि | वानयितास्वः | वानयितास्मः |
| भ० वानयिष्यति | वानयिष्यतः | वानयिष्यन्ति |
| वानयिष्यसि | वानयिष्यथः | वानयिष्यथ |
| वानयिष्यामि | वानयिष्यावः | वानयिष्यामः |
| क्रि० अवानयिष्यत् | अवानयिष्यताम् | अवानयिष्यन् |
| अवानयिष्यः | अवानयिष्यतम् | अवानयिष्यत |
| अवानयिष्यम् | अवानयिष्याव | अवानयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| व० वानयते | वानयेते | वानयन्ते |
| वानयसे | वानयेथे | वानयध्वे |
| वानये | वानयावहे | वानयामहे |
| स० वानयेत | वानयेयाताम् | वानयेरन् |
| वानयेथाः | वानयेथाथाम् | वानयेध्वम् |
| वानयेय | वानयेवहि | वानयेमहि |
| प० वानयताम् | वानयेताम् | वानयन्ताम् |
| वानयस्व | वानयेथाम् | वानयध्वम् |
| वानयै | वानयावहै | वानयामहै |
| ह्य० अवानयत | अवानयेताम् | अवानयन्त |
| अवानयथाः | अवानयेथाम् | अवानयध्वम् |
| अवानये | अवानयावहि | अवानयामहि |
| अ० अवीवनत् | अवीवनेताम् | अवीवनन्त |
| अवीवनथाः | अवीवनेथाम् | अवीवनध्वम् |
| अवीवने | अवीवनावहि | अवीवनामहि |
| प० वानयाश्चक्रे | वानयाश्चक्राते | वानयाश्चक्रिरे |
| वानयाश्चक्रुषे | वानयाश्चक्राथे | वानयाश्चक्रुद्वे |
| वानयाश्चक्रे | वानयाश्चक्रवहे | वानयाश्चक्रुमहे |
| वानयाम्यभूव | । | वानयामास |
| आ० वानयिषीष्ट | वानयिषीयास्ताम् | वानयिषीरन् |
| वानयिषीष्टाः | वानयिषीयास्थाम् | वानयिषीद्वम् |
| वानयिषीय | वानयिषीवहि | वानयिषीमहि |
| श्व० वानयिता | वानयितारौ | वानयितारः |
| वानयितासे | वानयितासाथे | वानयिताध्वे |
| वानयिताहे | वानयितास्वहे | वानयितास्महे |
| भ० वानयिष्यते | वानयिष्येते | वानयिष्यन्ते |
| वानयिष्यसे | वानयिष्येथे | वानयिष्यध्वे |
| वानयिष्ये | वानयिष्यावहे | वानयिष्यामहे |
| क्रि० अवानयिष्यत | अवानयिष्येताम् | अवानयिष्यन्त |
| अवानयिष्यथाः | अवानयिष्येथाम् | अवानयिष्यध्वम् |
| अवानयिष्ये | अवानयिष्यावहि | अवानयिष्यामहि |

330 षन (सन्) भक्तौ ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | सानयति | सानयतः | सानयन्ति |
| | सानयसि | सानयथः | सानयथ |
| | सानयामि | सानयावः | सानयामः |
| स० | सानयेत् | सानयेताम् | सानयेयुः |
| | सानयेः | सानयेतम् | सानयेत |
| | सानयेयम् | सानयेव | सानयेम |
| प० | सानयतु | सानयतात् | सानयताम् |
| | सानय | सानयतम् | सानयत |
| | सानयानि | सानयाव | सानयाम |
| ह्य० | असानयत् | असानयताम् | असानयन् |
| | असानयः | असानयतम् | असानयत |
| | असानयम् | असानयाव | असानयाम |
| अ० | असीषणत् | असीषणताम् | असीषणन् |
| | असीषणः | असीषणतम् | असीषणत |
| | असीषणम् | असीषणाव | असीषणाम |
| प० | सानयाश्चकार | सानयाश्चक्रुः | सानयाश्चकुः |
| | सानयाश्चकर्त्तुः | सानयाश्चक्रुः | सानयाश्चक्रुः |
| | सानयाश्चकार-चकर | सानयाश्चक्रुव | सानयाश्चक्रुम |
| | सानयाश्चक्रुव | सानयाश्चक्रुम | सानयाश्चक्रुम |
| आ० | सान्यात् | सान्यास्ताम् | सान्यास्तुः |
| | सान्याः | सान्यास्तम् | सान्यास्त |
| | सान्यासम् | सान्यास्व | सान्यास्म |
| श्व० | सानयिता | सानयितारौ | सानयितारः |
| | सानयितासि | सानयितास्थः | सानयितास्थ |
| | सानयितास्मि | सानयितास्वः | सानयितास्मः |
| भ० | सानयिष्यति | सानयिष्यतः | सानयिष्यन्ति |
| | सानयिष्यसि | सानयिष्यथः | सानयिष्यथ |
| | सानयिष्यामि | सानयिष्यावः | सानयिष्यामः |
| क्रि० | असानयिष्यत् | असानयिष्यताम् | असानयिष्यन् |
| | असानयिष्यः | असानयिष्यतम् | असानयिष्यत |
| | असानयिष्यम् | असानयिष्याव | असानयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|-----------------|
| व० | सानयते | सानयेते | सानयन्ते |
| | सानयसे | सानयेथे | सानयध्वे |
| | सानये | सानयावहे | सानयामहे |
| स० | सानयेत | सानयेयाताम् | सानयेरन् |
| | सानयेथाः | सानयेथाथाम् | सानयेध्वम् |
| | सानयेय | सानयेवहि | सानयेमहि |
| प० | सानयताम् | सानयेताम् | सानयन्ताम् |
| | सानयस्व | सानयेथाम् | सानयध्वम् |
| | सानये | सानयावहे | सानयामहे |
| ह्य० | असानयत | असानयेताम् | असानयन्त |
| | असानयथाः | असानयेथाम् | असानयध्वम् |
| | असानये | असानयावहि | असानयामहि |
| अ० | असीषणत् | असीषणेताम् | असीषणन्त |
| | असीषणथाः | असीषणेथाम् | असीषणध्वम् |
| | असीषणे | असीषणावहि | असीषणामहि |
| प० | सानयाश्चक्रे | सानयाश्चक्रते | सानयाश्चक्रिरे |
| | सानयाश्चक्रेषु | सानयाश्चक्राथे | सानयाश्चक्रुव |
| | सानयाश्चक्रे | सानयाश्चक्रुवहे | सानयाश्चक्रुमहे |
| | सानयाश्चक्रुव | सानयाश्चक्रुम | सानयाश्चक्रुम |
| आ० | सानयिषीष्ट | सानयिषीयास्ताम् | सानयिषीरन् |
| | सानयिषीष्टाः | सानयिषीयास्थाम् | सानयिषीड्वम् |
| | सानयिषीय | सानयिषीवहि | सानयिषीमहि |
| श्व० | सानयिता | सानयितारौ | सानयितारः |
| | सानयितासे | सानयितासाथे | सानयिताध्वे |
| | सानयिताहे | सानयितास्वहे | सानयितास्महे |
| भ० | सानयिष्यते | सानयिष्येते | सानयिष्यन्ते |
| | सानयिष्यसे | सानयिष्येथे | सानयिष्यध्वे |
| | सानयिष्ये | सानयिष्यावहे | सानयिष्यामहे |
| क्रि० | असानयिष्यत् | असानयिष्येताम् | असानयिष्यन्त |
| | असानयिष्यथाः | असानयिष्येथाम् | असानयिष्यध्वम् |
| | असानयिष्ये | असानयिष्यावहि | असानयिष्यामहि |

331 कनै (कन्) दीप्तिकान्तिगतिषु

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० कानयति | कानयतः | कानयन्ति |
| कानयसि | कानयथः | कानयथ |
| कानयामि | कानयावः | कानयामः |
| स० कानयेत् | कानयेताम् | कानयेयुः |
| कानयेः | कानयेतम् | कानयेत |
| कानयेयम् | कानयेव | कानयेम |
| प० कानयतु | कानयतात् | कानयताम् |
| कानय | „ | कानयतम् |
| कानयानि | कानयाव | कानयाम |
| ह्य० अकानयत् | अकानयताम् | अकानयन् |
| अकानयः | अकानयतम् | अकानयत |
| अकानयम् | अकानयाव | अकानयाम |
| अ० अचीकनत् | अचीकनताम् | अचीकनन् |
| अचीकनः | अचीकनतम् | अचीकनत |
| अचीकनम् | अचीकनाव | अचीकनाम |
| प० कानयाञ्चकार | कानयाञ्चकतुः | कानयाञ्चकुः |
| कानयाञ्चकर्थ | कानयाञ्चकथुः | कानयाञ्चक |
| कानयाञ्चकार-चकर | कानयाञ्चकृव | कानयाञ्चकृम |
| कानयाम्बभूव | । | कानयामास |
| आ० कान्यात् | कान्यास्ताम् | कान्यासुः |
| कान्याः | कान्यास्तम् | कान्यास्त |
| कान्यासम् | कान्यास्व | कान्यासम |
| श्व० कानयिता | कानयितारौ | कानयितारः |
| कानयितासि | कानयितास्थः | कानयितास्थ |
| कानयितास्मि | कानयितास्वः | कानयितास्मः |
| भ० कानयिष्यति | कानयिष्यतः | कानयिष्यन्ति |
| कानयिष्यसि | कानयिष्यथः | कानयिष्यथ |
| कानयिष्यामि | कानयिष्यावः | कानयिष्यामः |
| क्रि० अकानयिष्यत् | अकानयिष्यताम् | अकानयिष्यन् |
| अकानयिष्यः | अकानयिष्यतम् | अकानयिष्यत |
| अकानयिष्यम् | अकानयिष्याव | अकानयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० कानयते | कानयेते | कानयन्ते |
| कानयसे | कानयेथे | कानयध्वे |
| कानये | कानयावहे | कानयामहे |
| स० कानयेत | कानयेयाताम् | कानयेरन् |
| कानयेथाः | कानयेयाथाम् | कानयेष्वम् |
| कानयेय | कानयेवहि | कानयेमहि |
| प० कानयताम् | कानयेताम् | कानयन्ताम् |
| कानयस्व | कानयेथाम् | कानयध्वम् |
| कानयै | कानयावहै | कानयामहै |
| ह्य० अकानयत | अकानयेताम् | अकानयन्त |
| अकानयथाः | अकानयेथाम् | अकानयध्वम् |
| अकानये | अकानयावहि | अकानयामहि |
| अ० अचीकनत | अचीकनेताम् | अचीकनन्त |
| अचीकनथाः | अचीकनेथाम् | अचीकनध्वम् |
| अचीकने | अचीकनावहि | अचीकनामहि |
| प० कानयाञ्चके | कानयाञ्चकाते | कानयाञ्चक्रिरे |
| कानयाञ्चकृषे | कानयाञ्चकाथे | कानयाञ्चकृट्वे |
| कानयाञ्चके | कानयाञ्चकृवहे | कानयाञ्चकृमहे |
| कानयाम्बभूव | । | कानयामास |
| आ० कानयिषीष्ट | कानयिषीयास्ताम् | कानयिषीरन् |
| कानयिषीष्ठाः | कानयिषीयास्थाम् | कानयिषीद्वम् |
| कानयिषीय | कानयिषीवहि | कानयिषीमहि |
| श्व० कानयिता | कानयितारौ | कानयितारः |
| कानयितासे | कानयितासाथे | कानयिताध्वे |
| कानयिताहे | कानयितास्वहे | कानयितास्महे |
| भ० कानयिष्यते | कानयिष्येते | कानयिष्यन्ते |
| कानयिष्यसे | कानयिष्येथे | कानयिष्यध्वे |
| कानयिष्ये | कानयिष्यावहे | कानयिष्यामहे |
| क्रि० अकानयिष्यत | अकानयिष्येताम् | अकानयिष्यन्त |
| अकानयिष्यथाः | अकानयिष्येथाम् | अकानयिष्यध्वम् |
| अकानयिष्ये | अकानयिष्यावहि | अकानयिष्यामहि |

॥ अथ पान्ताः पञ्चदश ॥

332 गुणौ (गुप्-गोपाय्) रक्षणे ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|-----------------------|
| व० | गोपाययति | गोपाययतः | गोपाययन्ति |
| | गोपाययसि | गोपाययथः | गोपाययथ |
| | गोपाययामि | गोपाययावः | गोपाययामः |
| स० | गोपाययेत् | गोपाययेताम् | गोपाययेयुः |
| | गोपाययेः | गोपाययेतम् | गोपाययेत |
| | गोपाययेयम् | गोपाययेव | गोपाययेम |
| प० | गोपाययतु | गोपाययतात् | गोपाययताम् गोपाययन्तु |
| | गोपायय | „ गोपाययतम् | गोपाययत |
| | गोपाययानि | गोपाययाव | गोपाययाम |
| ह्य० | अगोपाययत् | अगोपाययताम् | अगोपाययन् |
| | अगोपाययः | अगोपाययतम् | अगोपाययत |
| | अगोपाययम् | अगोपाययाव | अगोपाययाम |
| अ० | अजुगोपायत् | अजुगोपायताम् | अजुगोपायन् |
| | अजुगोपायः | अजुगोपायतम् | अजुगोपायत |
| | अजुगोपायम् | अजुगोपायाव | अजुगोपायाम |
| प० | गोपाययाञ्चकार | गोपाययाञ्चक्रुः | गोपाययाञ्चकुः |
| | गोपाययाञ्चकथं | गोपाययाञ्चक्रुः | गोपाययाञ्चक |
| | गोपाययाञ्चकार-कर | गोपाययाञ्चकृव | गोपाययाञ्चकृम |
| | गोपाययाम्बभूव | गोपाययामास | |
| आ० | गोपाय्यात् | गोपाय्यास्ताम् | गोपाय्यास्तुः |
| | गोपाय्याः | गोपाय्यास्तम् | गोपाय्यास्त |
| | गोपाय्यासम् | गोपाय्यास्व | गोपाय्यास्म |
| श्व० | गोपाययिता | गोपाययितारौ | गोपाययितारः |
| | गोपाययितासि | गोपाययितास्थः | गोपाययितास्थ |
| | गोपाययितास्मि | गोपाययितास्वः | गोपाययितास्मः |
| भ० | गोपाययिष्यति | गोपाययिष्यतः | गोपाययिष्यन्ति |
| | गोपाययिष्यसि | गोपाययिष्यथः | गोपाययिष्यथ |
| | गोपाययिष्यामि | गोपाययिष्यावः | गोपाययिष्यामः |
| क्रि० | अगोपाययिष्यत् | अगोपाययिष्यताम् | अगोपाययिष्यन् |
| | अगोपाययिष्यः | अगोपाययिष्यतम् | अगोपाययिष्यत |
| | अगोपाययिष्यम् | अगोपाययिष्याव | अगोपाययिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|-------------------|------------------|
| व० | गोपाययेते | गोपाययेते | गोपाययन्ते |
| | गोपाययेसे | गोपाययेथे | गोपाययध्वे |
| | गोपायये | गोपाययावहे | गोपाययामहे |
| स० | गोपाययेत | गोपाययेताम् | गोपाययेरन् |
| | गोपाययेथाः | गोपाययेथायाम् | गोपाययेध्वम् |
| | गोपाययेथ | गोपाययेवहि | गोपाययेमहि |
| प० | गोपाययताम् | गोपाययेताम् | गोपाययन्ताम् |
| | गोपाययस्व | गोपाययेथाम् | गोपाययध्वम् |
| | गोपायये | गोपाययावहे | गोपाययामहे |
| ह्य० | अगोपाययत | अगोपाययेताम् | अगोपाययन्त |
| | अगोपाययथाः | अगोपाययेथाम् | अगोपाययध्वम् |
| | अगोपायये | अगोपाययावहि | अगोपाययामहि |
| अ० | अजुगोपायत | अजुगोपायेताम् | अजुगोपायन्त |
| | अजुगोपायथाः | अजुगोपायेथाम् | अजुगोपायध्वम् |
| | अजुगोपाये | अजुगोपायावहि | अजुगोपायामहि |
| प० | गोपाययाञ्चक्रुः | गोपाययाञ्चक्रते | गोपाययाञ्चक्रिरे |
| | गोपाययाञ्चकृषे | गोपाययाञ्चक्राथे | गोपाययाञ्चकृद्वे |
| | गोपाययाञ्चके | गोपाययाञ्चकृवहे | गोपाययाञ्चकृमहे |
| | गोपाययाम्बभूव | गोपाययामास | |
| आ० | गोपाययिषीष्ट | गोपाययिषीयास्ताम् | गोपाययिषीरन् |
| | गोपाययिषीष्टाः | गोपाययिषीयास्ताम् | गोपाययिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | गोपाययिषीय | गोपाययिषीवहि | गोपाययिषीमहि |
| श्व० | गोपाययिता | गोपाययितारौ | गोपाययितारः |
| | गोपाययितासे | गोपाययितासाथे | गोपाययितास्वे |
| | गोपाययिताहे | गोपाययितास्वहे | गोपाययितास्महे |
| भ० | गोपाययिष्यते | गोपाययिष्येते | गोपाययिष्यन्ते |
| | गोपाययिष्यसे | गोपाययिष्येथे | गोपाययिष्यध्वे |
| | गोपाययिष्ये | गोपाययिष्यावहे | गोपाययिष्यामहे |
| क्रि० | अगोपाययिष्यत् | अगोपाययिष्येताम् | अगोपाययिष्यन्त |
| | अगोपाययिष्यथाः | अगोपाययिष्येथाम् | अगोपाययिष्यध्वम् |
| | अगोपाययिष्ये | अगोपाययिष्यावहि | अगोपाययिष्यामहि |

332 गुपौ (गुप्-गोपाय्) रक्षणे ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|--------------|
| व० | गोपयति | गोपयतः | गोपयन्ति |
| | गोपयसि | गोपययः | गोपयथ |
| | गोपयामि | गोपयावः | गोपयामः |
| स० | गोपयेत् | गोपयेताम् | गोपयेयुः |
| | गोपयेः | गोपयेतम् | गोपयेत |
| | गोपयेयम् | गोपयेव | गोपयेम |
| प० | गोपयतु | गोपयतात् | गोपयताम् |
| | गोपय | „ | गोपयतम् |
| | गोपयानि | गोपयाव | गोपयाम |
| ह्य० | अगोपयत् | अगोपयताम् | अगोपयम् |
| | अगोपयः | अगोपयतम् | अगोपयत |
| | अगोपयम् | अगोपयाव | अगोपयाम |
| अ० | अजुगुपत् | अजुगुपताम् | अजुगुपन् |
| | अजुगुपः | अजुगुपतम् | अजुगुपत |
| | अजुगुपम् | अजुगुपाव | अजुगुपाम |
| प० | गोपयाञ्चकार | गोपयाञ्चक्रुः | गोपयाञ्चकुः |
| | गोपयाञ्चकथं | गोपयाञ्चकथुः | गोपयाञ्चक |
| | गोपयाञ्चकार-कर | गोपयाञ्चकृव | गोपयाञ्चकृम |
| | गोपयाम्बभूव । गोपयामास | | |
| आ० | गोप्यात् | गोप्यास्ताम् | गोप्यासुः |
| | गोप्याः | गोप्यास्तम् | गोप्यास्त |
| | गोप्यासम् | गोप्यास्व | गोप्यास्म |
| श्व० | गोपयिता | गोपयितारौ | गोपयितारः |
| | गोपयितसि | गोपयितास्थः | गोपयितास्थ |
| | गोपयितास्मि | गोपयितास्वः | गोपयितास्मः |
| भ० | गोपयिष्यति | गोपयिष्यतः | गोपयिष्यन्ति |
| | गोपयिष्यसि | गोपयिष्यथः | गोपयिष्यथ |
| | गोपयिष्यामि | गोपयिष्यावः | गोपयिष्यामः |
| क्रि० | अगोपयिष्यत् | अगोपयिष्यताम् | अगोपयिष्यन् |
| | अगोपयिष्यः | अगोपयिष्यतम् | अगोपयिष्यत |
| | अगोपयिष्यम् | अगोपयिष्याव | अगोपयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | गोपयते | गोपयेते | गोपयन्ते |
| | गोपयसे | गोपयेथे | गोपयध्वे |
| | गोपये | गोपयावहे | गोपयामहे |
| स० | गोपयेत | गोपयेयाताम् | गोपयेरन् |
| | गोपयेथाः | गोपयेयाथाम् | गोपयेध्वम् |
| | गोपयेय | गोपयेवहि | गोपयेमहि |
| प० | गोपयताम् | गोपयेताम् | गोपयन्ताम् |
| | गोपयस्व | गोपयेथाम् | गोपयध्वम् |
| | गोपये | गोपयावहे | गोपयामहे |
| ह्य० | अगोपयत | अगोपयेताम् | अगोपयन्त |
| | अगोपयथाः | अगोपयेथाम् | अगोपयध्वम् |
| | अगोपये | अगोपयावहि | अगोपयामहि |
| अ० | अजुगुपत | अजुगुपेताम् | अजुगुपन्त |
| | अजुगुपथाः | अजुगुपेथाम् | अजुगुपध्वम् |
| | अजुगुपे | अजुगुपावहि | अजुगुपामहि |
| प० | गोपयाञ्चक्रे | गोपयाञ्चक्राते | गोपयाञ्चक्रिरे |
| | गोपयाञ्चकृषे | गोपयाञ्चक्राथे | गोपयाञ्चकृद्वे |
| | गोपयाञ्चक्रे | गोपयाञ्चकृवहे | गोपयाञ्चकृमहे |
| | गोपयाम्बभूव । गोपयामास | | |
| आ० | गोपयिषीष्ट | गोपयिषीयास्ताम् | गोपयिषीरन् |
| | गोपयिषीष्टाः | गोपयिषीयास्थाम् | गोपयिषीद्वम् |
| | ध्वम् | | |
| | गोपयिषीय | गोपयिषीवहि | गोपयिषीमहि |
| श्व० | गोपयिता | गोपयितारौ | गोपयितारः |
| | गोपयितासे | गोपयितासाथे | गोपयिताध्वे |
| | गोपयिताहे | गोपयितास्वहे | गोपयितास्महे |
| भ० | गोपयिष्यते | गोपयिष्येते | गोपयिष्यन्ते |
| | गोपयिष्यसे | गोपयिष्येथे | गोपयिष्यध्वे |
| | गोपयिष्ये | गोपयिष्यावहे | गोपयिष्यामहे |
| क्रि० | अगोपयिष्यत | अगोपयिष्येताम् | अगोपयिष्यन्त |
| | अगोपयिष्यथाः | अगोपयिष्येथाम् | अगोपयिष्यध्वम् |
| | अगोपयिष्ये | अगोपयिष्यावहि | अगोपयिष्यामहि |

३३४ धूप (धूप) संतापे ।

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| व० धूपाययति | धूपाययतः | धूपाययन्ति |
| धूपाययसि | धूपाययसः | धूपाययस्य |
| धूपाययामि | धूपाययावः | धूपाययामः |
| स० धूपाययेत् | धूपाययेताम् | धूपाययेयुः |
| धूपाययेः | धूपाययेतम् | धूपाययेत |
| धूपाययेयम् | धूपाययेव | धूपाययेम |

| | | | |
|-------------|------------|------------|------------|
| प० धूपाययतु | धूपाययतात् | धूपाययताम् | धूपाययन्तु |
| धूपायय | ॥ | धूपाययतम् | धूपाययत |
| धूपाययानि | धूपाययाव | धूपाययाम | |

| | | |
|------------------|---------------|-------------|
| ह्य० अ० धूपाययत् | अ० धूपाययताम् | अ० धूपाययम् |
| अ० धूपाययः | अ० धूपाययतम् | अ० धूपाययत |
| अ० धूपाययम् | अ० धूपाययाव | अ० धूपाययाम |

| | | |
|----------------|---------------|-------------|
| अ० अ० धूपाययत् | अ० धूपाययताम् | अ० धूपाययन् |
| अ० धूपाययः | अ० धूपाययतम् | अ० धूपाययत |
| अ० धूपाययम् | अ० धूपाययाव | अ० धूपाययाम |

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| प० धूपाययाञ्चकार | धूपाययाञ्चकतुः | धूपाययाञ्चकः |
| धूपाययाञ्चकर्थ | धूपाययाञ्चकथुः | धूपाययाञ्चक |
| धूपाययाञ्चकार-कर | धूपाययाञ्चकव | धूपाययाञ्चकम् |
| धूपाययाम्बभूव । | धूपाययामास | |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० धूपाय्यात् | धूपाय्यास्ताम् | धूपाय्यासुः |
| धूपाय्याः | धूपाय्यास्तम् | धूपाय्यास्त |
| धूपाय्यासम् | धूपाय्यास्व | धूपाय्यास्म |

| | | |
|----------------|---------------|----------------|
| श्व० धूपाययिता | धूपाययितारौ | धूपाययितारः |
| धूपाययितासि | धूपाययितास्थः | धूपाययितास्थ |
| धूपाययितास्मि | धूपाययितास्वः | धूपाययितास्महे |

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| भ० धूपाययिष्यति | धूपाययिष्यतः | धूपाययिष्यन्ति |
| धूपाययिष्यसि | धूपाययिष्यथः | धूपाययिष्यथ |
| धूपाययिष्यामि | धूपाययिष्यावः | धूपाययिष्यामः |

| | | |
|-----------------------|-------------------|-----------------|
| क्रि० अ० धूपाययिष्यत् | अ० धूपाययिष्यताम् | अ० धूपाययिष्यन् |
| अ० धूपाययिष्यः | अ० धूपाययिष्यतम् | अ० धूपाययिष्यत |
| अ० धूपाययिष्यम् | अ० धूपाययिष्याव | अ० धूपाययिष्याम |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| अ० अ० अ० धूपाययत् | अ० धूपाययताम् | अ० धूपाययन् |
| अ० धूपाययः | अ० धूपाययतम् | अ० धूपाययत |
| अ० धूपाययम् | अ० धूपाययाव | अ० धूपाययाम |

| | | |
|-------------|------------|-------------|
| व० धूपाययते | धूपाययेते | धूपाययन्ते |
| धूपाययसे | धूपाययेथे | धूपाययस्वहे |
| धूपायये | धूपाययावहे | धूपाययामहे |

| | | |
|-------------|---------------|--------------|
| स० धूपाययेत | धूपाययेताम् | धूपाययेरन् |
| धूपाययेथाः | धूपाययेथायाम् | धूपाययेध्वम् |
| धूपाययेय | धूपाययेवहि | धूपाययेमहि |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| प० धूपाययताम् | धूपाययेताम् | धूपाययन्ताम् |
| धूपाययस्व | धूपाययेथाम् | धूपाययध्वम् |
| धूपायये | धूपाययावहे | धूपाययामहे |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| ह्य० अ० धूपाययत | अ० धूपाययेताम् | अ० धूपाययन्त |
| अ० धूपाययथाः | अ० धूपाययेथाम् | अ० धूपाययध्वम् |
| अ० धूपायये | अ० धूपाययावहि | अ० धूपाययामहि |

| | | |
|---------------|----------------|----------------|
| अ० अ० धूपाययत | अ० धूपाययेताम् | अ० धूपाययन्त |
| अ० धूपाययथाः | अ० धूपाययेथाम् | अ० धूपाययध्वम् |
| अ० धूपायये | अ० धूपाययावहि | अ० धूपाययामहि |

| | | |
|-------------------|--------------------|------------------|
| प० धूपाययाञ्चक्रे | धूपाययाञ्चक्रेताम् | धूपाययाञ्चकिरे |
| धूपाययाञ्चकृषे | धूपाययाञ्चकथे | धूपाययाञ्चकृद्वे |
| धूपाययाञ्चक्रे | धूपाययाञ्चकृवहे | धूपाययाञ्चकृमहे |
| धूपाययाम्बभूव । | धूपाययामास | |

| | | |
|-----------------|-------------------|----------------|
| आ० धूपाययिषीष्ट | धूपाययिषीयास्ताम् | धूपाययिषीरन् |
| धूपाययिषीष्ठाः | धूपाययिषीयास्थाम् | धूपाययिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| धूपाययिषीय | धूपाययिषीवहि | धूपाययिषीमहि |
| श्व० धूपाययिता | धूपाययितारौ | धूपाययितारः |
| धूपाययितासे | धूपाययितासाथे | धूपाययितास्वहे |
| धूपाययिताहे | धूपाययितास्वहे | धूपाययितास्महे |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| भ० धूपाययिष्यते | धूपाययिष्येते | धूपाययिष्यन्ते |
| धूपाययिष्यसे | धूपाययिष्येथे | धूपाययिष्यथ्वे |
| धूपाययिष्ये | धूपाययिष्यावहे | धूपाययिष्यामहे |

| | | |
|-----------------------|--------------------|--------------------|
| क्रि० अ० धूपाययिष्यत् | अ० धूपाययिष्यताम् | अ० धूपाययिष्यन् |
| अ० धूपाययिष्यथाः | अ० धूपाययिष्येथाम् | अ० धूपाययिष्यध्वम् |
| अ० धूपाययिष्ये | अ० धूपाययिष्यावहि | अ० धूपाययिष्यामहि |

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| अ० अ० अ० धूपाययत् | अ० धूपाययताम् | अ० धूपाययन् |
| अ० धूपाययथाः | अ० धूपाययेथाम् | अ० धूपाययध्वम् |
| अ० धूपायये | अ० धूपाययावहि | अ० धूपाययामहि |

334 धृप् (धृप्) संतापे ।

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| ब० धूपयति | धूपयतः | धूपयन्ति |
| धूपयसि | धूपयथः | धूपयथ |
| धूपयामि | धूपयावः | धूपयामः |
| स० धूपयेत् | धूपयेताम् | धूपयेयुः |
| धूपयेः | धूपयेतम् | धूपयेत |
| धूपयेयम् | धूपयेव | धूपयेम |
| प० धूपयतु | धूपयतात् | धूपयताम् |
| धूपय | ” | धूपयतम् |
| धूपयानि | धूपयाव | धूपयाम |
| ह्य० अधूपयत् | अधूपयताम् | अधूपयम् |
| अधूपयः | अधूपयतम् | अधूपयत |
| अधूपयम् | अधूपयाव | अधूपयाम |
| अ० अदूधुपत् | अदूधुपताम् | अदूधुपन् |
| अदूधुपः | अदूधुपतम् | अदूधुपत |
| अदूधुपम् | अदूधुपाव | अदूधुपाम |
| प० धूपयाञ्चकार | धूपयाञ्चकतुः | धूपयाञ्चकुः |
| धूपयाञ्चकथं | धूपयाञ्चकथुः | धूपयाञ्चक |
| धूपयाञ्चकार-कर | धूपयाञ्चकृव | धूपयाञ्चकृम |
| धूपयाञ्चभूव । धूपयामास | | |
| आ० धूप्यात् | धूप्यास्ताम् | धूप्यासुः |
| धूप्याः | धूप्यास्तम् | धूप्यास्त |
| धूप्यासम् | धूप्यास्व | धूप्यास्म |
| श्च० धूपयिता | धूपयितारौ | धूपयितारः |
| धूपयितासि | धूपयितास्थः | धूपयितास्थ |
| धूपयितास्मि | धूपयितास्वः | धूपयितास्मः |
| भ० धूपयिष्यति | धूपयिष्यतः | धूपयिष्यन्ति |
| धूपयिष्यसि | धूपयिष्यथः | धूपयिष्यथ |
| धूपयिष्यामि | धूपयिष्यावः | धूपयिष्यामः |
| क्रि० अधूपयिष्यत् | अधूपयिष्यताम् | अधूपयिष्यन् |
| अधूपयिष्यः | अधूपयिष्यतम् | अधूपयिष्यत |
| अधूपयिष्यम् | अधूपयिष्याव | अधूपयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० धूपयते | धूपयेते | धूपयन्ते |
| धूपयसे | धूपयेथे | धूपयध्वे |
| धूपये | धूपयावहे | धूपयामहे |
| स० धूपयेत | धूपयेयाताम् | धूपयेरन् |
| धूपयेथाः | धूपयेयाथाम् | धूपयेष्वम् |
| धूपयेय | धूपयेवहि | धूपयेमहि |
| प० धूपयताम् | धूपयेताम् | धूपयन्ताम् |
| धूपयस्व | धूपयेथाम् | धूपयष्वम् |
| धूपयै | धूपयावहे | धूपयामहे |
| ह्य० अधूपयत | अधूपयेताम् | अधूपयन्त |
| अधूपयथाः | अधूपयेथाम् | अधूपयष्वम् |
| अधूपये | अधूपयावहि | अधूपयामहि |
| अ० अदूधुपत | अदूधुपेताम् | अदूधुपन्त |
| अदूधुपथाः | अदूधुपेथाम् | अदूधुपष्वम् |
| अदूधुपे | अदूधुपावहि | अदूधुपामहि |
| प० धूपयाञ्चके | धूपयाञ्चकाते | धूपयाञ्चकिरे |
| धूपयाञ्चकृवे | धूपयाञ्चकथे | धूपयाञ्चकृद्वे |
| धूपयाञ्चके | धूपयाञ्चकृवहे | धूपयाञ्चकृमहे |
| धूपयाञ्चभूव । धूपयामास | | |
| आ० धूपयिषीष्ट | धूपयिषीयास्ताम् | धूपयिषीरन् |
| धूपयिषीष्टाः | धूपयिषीयास्थाम् | धूपयिषीद्वम् |
| ध्वम् | | |
| धूपयिषीय | धूपयिषीवहि | धूपयिषीमहि |
| श्च० धूपयिता | धूपयितारौ | धूपयितारः |
| धूपयितासे | धूपयितासाथे | धूपयिताध्वे |
| धूपयिताहे | धूपयितास्वहे | धूपयितास्महे |
| भ० धूपयिष्यते | धूपयिष्येते | धूपयिष्यन्ते |
| धूपयिष्यसे | धूपयिष्येथे | धूपयिष्यध्वे |
| धूपयिष्ये | धूपयिष्यावहे | धूपयिष्यामहे |
| क्रि० अधूपयिष्यत् | अधूपयिष्येताम् | अधूपयिष्यन्त |
| अधूपयिष्यथाः | अधूपयिष्येथाम् | अधूपयिष्यष्वम् |
| अधूपयिष्ये | अधूपयिष्यावहि | अधूपयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (३२९)

333 तपं (तप्) सन्तापे ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|---------------|
| व० | तापयति | तापयतः | तापयन्ति |
| | तापयसि | तापयथः | तापयथ |
| | तापयामि | तापयावः | तापयामः |
| स० | तापयेत् | तापयेताम् | तापयेयुः |
| | तापयेः | तापयेतम् | तापयेत |
| | तापयेयम् | तापयेव | तापयेम |
| प० | तापयतु | तापयतात् | तापयन्तु |
| | तापय | तापयतम् | तापयत |
| | तापयानि | तापयाव | तापयाम |
| झ० | अतापयत् | अतापयताम् | अतापयन् |
| | अतापयः | अतापयतम् | अतापयत |
| | अतापयम् | अतापयाव | अतापयाम |
| ञ० | अतीतपत् | अतीतपताम् | अतीतपन् |
| | अतीतपः | अतीतपतम् | अतीतपत |
| | अतीतपम् | अतीतपाव | अतीतपाम |
| प० | तापयाञ्चकार | तापयाञ्चक्रुः | तापयाञ्चक्रुः |
| | तापयाञ्चकथं | तापयाञ्चकथुः | तापयाञ्चक |
| | तापयाञ्चकार-चकर | तापयाञ्चकृव | तापयाञ्चकृम |
| | तापयाम्बभूव । तापयामास | | |
| आ० | ताप्यात् | ताप्यास्ताम् | ताप्यासुः |
| | ताप्याः | ताप्यास्तम् | ताप्यास्त |
| | ताप्यासम् | ताप्यास्व | ताप्यास्म |
| श्व० | तापयिता | तापयितारौ | तापयितारः |
| | तापयितासि | तापयितास्थः | तापयितास्थ |
| | तापयितास्मि | तापयितास्वः | तापयितास्मः |
| भ० | तापयिष्यति | तापयिष्यतः | तापयिष्यन्ति |
| | तापयिष्यसि | तापयिष्यथः | तापयिष्यथ |
| | तापयिष्यामि | तापयिष्यावः | तापयिष्यामः |
| क्रि० | अतापयिष्यत् | अतापयिष्यताम् | अतापयिष्यन् |
| | अतापयिष्यः | अतापयिष्यतम् | अतापयिष्यत |
| | अतापयिष्यम् | अतापयिष्याव | अतापयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | तापयते | तापयेते | तापयन्ते |
| | तापयसे | तापयेथे | तापयध्वे |
| | तापये | तापयावहे | तापयामहे |
| स० | तापयेत | तापयेयाताम् | तापयेरन् |
| | तापयेथाः | तापयेयाथाम् | तापयेध्वम् |
| | तापयेथ | तापयेवहि | तापयेमहि |
| प० | तापयताम् | तापयेताम् | तापयन्ताम् |
| | तापयस्व | तापयेथाम् | तापयध्वम् |
| | तापयै | तापयावहै | तापयामहै |
| ह्य० | अतापयत | अतापयेताम् | अतापयन्त |
| | अतापयथाः | अतापयेथाम् | अतापयध्वम् |
| | अतापये | अतापयावहि | अतापयामहि |
| अ० | अतीतपत | अतीतपेताम् | अतीतपन्त |
| | अतीतपथाः | अतीतपेथाम् | अतीतपध्वम् |
| | अतीतपे | अतीतपावहि | अतीतपामहि |
| प० | तापयाञ्चक्रे | तापयाञ्चक्रते | तापयाञ्चक्रिरे |
| | तापयाञ्चकृषे | तापयाञ्चक्रये | तापयाञ्चकृद्वे |
| | तापयाञ्चक्रे | तापयाञ्चकृवहे | तापयाञ्चकृमहे |
| | तापयाम्बभूव । तापयामास | | |
| आ० | तापयिषीष्ट | तापयिषीयास्ताम् | तापयिषीरन् |
| | तापयिषीष्ठाः | तापयिषीयाथाम् | तापयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | तापयिषीय | तापयिषीवहि | तापयिषीमहि |
| श्व० | तापयिता | तापयितारौ | तापयितारः |
| | तापयितासे | तापयितासाथे | तापयिताध्वे |
| | तापयिताहे | तापयितास्वहे | तापयितास्महे |
| भ० | तापयिष्यते | तापयिष्येते | तापयिष्यन्ते |
| | तापयिष्यसे | तापयिष्येथे | तापयिष्यध्वे |
| | तापयिष्ये | तापयिष्यावहे | तापयिष्यामहे |
| क्रि० | अतापयिष्यत् | अतापयिष्येताम् | अतापयिष्यन्त |
| | अतापयिष्यथाः | अतापयिष्येथाम् | अतापयिष्यध्वम् |
| | अतापयिष्ये | अतापयिष्यावहि | अतापयिष्यामहि |

(३३०) ॥ मुनिश्रीलवण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥

335 रप (रप्) व्यक्ते वचने

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|---------------|
| व० | रापयति | रापयतः | रापयन्ति |
| | रापयसि | रापयथः | रापयथ |
| | रापयामि | रापयावः | रापयामः |
| स० | रापयेत् | रापयेताम् | रापयेयुः |
| | रापयेः | रापयेतम् | रापयेत |
| | रापयेयम् | रापयेव | रापयेम |
| प० | रापयतु | रापयतात् | रापयन्तु |
| | रापय | रापयतम् | रापयत |
| | रापयार्ण | रापयाव | रापयाम |
| ह्य० | अरापयत् | अरापयताम् | अरापयन् |
| | अरापयः | अरापयतम् | अरापयत |
| | अरापयम् | अरापयाव | अरापयाम |
| अ० | अरीरपत् | अरीरपताम् | अरीरपन् |
| | अरीरपः | अरीरपतम् | अरीरपत |
| | अरीरपम् | अरीरपाव | अरीरपाम |
| प० | रापयाञ्चकार | रापयाञ्चक्रुः | रापयाञ्चक्रुः |
| | रापयाञ्चकथं | रापयाञ्चकथुः | रापयाञ्चक्र |
| | रापयाञ्चकार-चकर | रापयाञ्चकृव | रापयाञ्चकृम |
| | रापयाम्बभूव । रापयामास | | |
| आ० | राप्यात् | राप्यास्ताम् | राप्यासुः |
| | राप्याः | राप्यास्तम् | राप्यास्त |
| | राप्यासम् | राप्यास्व | राप्यास्म |
| श्व० | रापयिता | रापयितारौ | रापयितारः |
| | रापयिताधि | रापयितास्थः | रापयितास्थ |
| | रापयितास्मि | रापयितास्वः | रापयितास्मः |
| भ० | रापयिष्यति | रापयिष्यतः | रापयिष्यन्ति |
| | रापयिष्यसि | रापयिष्यथः | रापयिष्यथ |
| | रापयिष्यामि | रापयिष्यावः | रापयिष्यामः |
| क्रि० | अरापयिष्यत् | अरापयिष्यताम् | अरापयिष्यन् |
| | अरापयिष्यः | अरापयिष्यतम् | अरापयिष्यत |
| | अरापयिष्यम् | अरापयिष्याव | अरापयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | रापयते | रापयते | रापयन्ते |
| | रापयसे | रापयथे | रापयध्वे |
| | रापये | रापयावहे | रापयामहे |
| स० | रापयेत | रापयेयातम् | रापयेरन् |
| | रापयेथाः | रापयेयाथाम् | रापयेध्वम् |
| | रापयेय | रापयेव हि | रापयेम हि |
| प० | रापयताम् | रापयेताम् | रापयन्ताम् |
| | रापयस्व | रापयेथाम् | रापयध्वम् |
| | रापयै | रापयावहे | रापयामहे |
| ह्य० | अरापयत | अरापयेताम् | अरापयन्त |
| | अरापयथाः | अरापयेथाम् | अरापयध्वम् |
| | अरापये | अरापयावहि | अरापयामहि |
| अ० | अरीरपत | अरीरपेताम् | अरीरपन्त |
| | अरीरपथाः | अरीरपेथाम् | अरीरपध्वम् |
| | अरीरपे | अरीरपावहि | अरीरपामहि |
| प० | रापयाञ्चक्रे | रापयाञ्चक्रते | रापयाञ्चक्रिरे |
| | रापयाञ्चकृषे | रापयाञ्चक्रथे | रापयाञ्चकृद्वे |
| | रापयाञ्चक्रे | रापयाञ्चकृवहे | रापयाञ्चकृमहे |
| | रापयाम्बभूव । रापयामास | | |
| आ० | रापयिषीष्ट | रापयिषीयास्ताम् | रापयिषीरन् |
| | रापयिषीष्टाः | रापयिषीयास्थाम् | रापयिषीद्वम् |
| | ध्वम् | | |
| | रापयिषीय | रापयिषीवहि | रापयिषीमहि |
| श्व० | रापयिता | रापयितारौ | रापयितारः |
| | रापयितास्ते | रापयितासाथे | रापयिताध्वे |
| | रापयिताहे | रापयितास्वहे | रापयितास्महे |
| भ० | रापयिष्यते | रापयिष्येते | रापयिष्यन्ते |
| | रापयिष्यते | रापयिष्येथे | रापयिष्यध्वे |
| | रापयिष्ये | रापयिष्यावहे | रापयिष्यामहे |
| क्रि० | अरापयिष्यत | अरापयिष्येताम् | अरापयिष्यन्त |
| | अरापयिष्यथाः | अरापयिष्येथाम् | अरापयिष्यध्वम् |
| | अरापयिष्ये | अरापयिष्यावहि | अरापयिष्यामहि |

५ अ० अलीलपत अलीलपताम् अलीलपन् इ०

५ अ० अलीलपत अलीलपेताम् अलीलपन्त इ०

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (३३१)

336 लप (लप्) व्यक्त वचने

| | | | |
|-------|------------------------|----------------|--------------|
| ब० | लापयति | लापयतः | लापयन्ति |
| | लापयसि | लापयथः | लापयथ |
| | लापयामि | लापयावः | लापयामः |
| स० | लापयेत् | लापयेताम् | लापयेयुः |
| | लापयेः | लापयेतम् | लापयेत |
| | लापयेयम् | लापयेव | लापयेम |
| ए० | लापयतु | लापयतात् | लापयन्तु |
| | लापय | लापयतम् | लापयत |
| | लापयानि | लापयाव | लापयाम |
| ह्य० | अलापयत् | अलापयताम् | अलापयन् |
| | अलापयः | अलापयतम् | अलापयत |
| | अलापयम् | अलापयाव | अलापयाम |
| अ० | अललापत् | अललापताम् | अललापन् |
| | अललापः | अललापतम् | अललापत |
| ५ | अललापम् | अललापाव | अललापाम |
| प० | लापयाञ्चकार | लापयाञ्चक्रतुः | लापयाञ्चकुः |
| | लापयाञ्चकथं | लापयाञ्चक्रथुः | लापयाञ्चक |
| | लापयाञ्चकार-चकर | लापयाञ्चकृव | लापयाञ्चकृम |
| | लापयाम्बभूव । लापयामास | | |
| आ० | लाप्यात् | लाप्यास्ताम् | लाप्यासुः |
| | लाप्याः | लाप्यास्तम् | लाप्यास्त |
| | लाप्यासम् | लाप्यास्व | लाप्यास्म |
| श्व० | लापयिता | लापयितारौ | लापयितारः |
| | लापयितासि | लापयितास्थः | लापयितास्थ |
| | लापयितास्मि | लापयितास्वः | लापयितास्मः |
| भ० | लापयिष्यति | लापयिष्यतः | लापयिष्यन्ति |
| | लापयिष्यसि | लापयिष्यथः | लापयिष्यथ |
| | लापयिष्यामि | लापयिष्यावः | लापयिष्यामः |
| क्रि० | अलापयिष्यत् | अलापयिष्यताम् | अलापयिष्यन् |
| | अलापयिष्यः | अलापयिष्यतम् | अलापयिष्यत |
| | अलापयिष्यम् | अलापयिष्याव | अलापयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | लापयते | लापयते | लापयन्ते |
| | लापयसे | लापयेथे | लापयध्वे |
| | लापये | लापयावहे | लापयामहे |
| स० | लापयेत | लापयेयाताम् | लापयेरन् |
| | लापयेथाः | लापयेयाथाम् | लापयेध्वम् |
| | लापयेय | लापयेवहि | लापयेमहि |
| प० | लापयताम् | लापयेताम् | लापयन्ताम् |
| | लापयस्व | लापयेथाम् | लापयध्वम् |
| | लापयै | लापयावहै | लापयामहै |
| ह्य० | अलापयत | अलापयेताम् | अलापयन्त |
| | अलापयथाः | अलापयेथाम् | अलापयध्वम् |
| | अलापये | अलापयावहि | अलापयामहि |
| अ० | अललापत | अललापेताम् | अललापन्त |
| | अललापथाः | अललापेथाम् | अललापध्वम् |
| | अललापे | अललापावहि | अललापामहि |
| ५ | | | |
| प० | लापयाञ्चक्रे | लापयाञ्चक्राते | लापयाञ्चकिरे |
| | लापयाञ्चकृषे | लापयाञ्चक्राथे | लापयाञ्चकृध्वे |
| | लापयाञ्चक्रे | लापयाञ्चकृवहे | लापयाञ्चकृमहे |
| | लापयाम्बभूव । लापयामास | | |
| आ० | लापयिषीष्ट | लापयिषीयास्ताम् | लापयिषीरन् |
| | लापयिषीष्ठाः | लापयिषीयास्थाम् | लापयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | लापयिषीय | लापयिषीवहि | लापयिषीमहि |
| श्व० | लापयिता | लापयितारौ | लापयितारः |
| | लापयितासे | लापयितासाथे | लापयिताध्वे |
| | लापयिताहे | लापयितास्वहे | लापयितास्महे |
| भ० | लापयिष्यते | लापयिष्येते | लापयिष्यन्ते |
| | लापयिष्यसे | लापयिष्येथे | लापयिष्यध्वे |
| | लापयिष्ये | लापयिष्यावहे | लापयिष्यामहे |
| क्रि० | अलापयिष्यत | अलापयिष्येताम् | अलापयिष्यन्त |
| | अलापयिष्यथाः | अलापयिष्येथाम् | अलापयिष्यध्वम् |
| | अलापयिष्ये | अलापयिष्यावहि | अलापयिष्यामहि |

337 जल्प (जल्प्) व्यक्ते वचने

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० जल्पयति | जल्पयतः | जल्पयन्ति |
| जल्पयसि | जल्पयथः | जल्पयथ |
| जल्पयामि | जल्पयावः | जल्पयामः |
| स० जल्पयेत् | जल्पयेताम् | जल्पयेयुः |
| जल्पयेः | जल्पयेतम् | जल्पयेत |
| जल्पयेयम् | जल्पयेव | जल्पयेम |
| प० जल्पयतु | जल्पयतात् | जल्पयताम् |
| जल्पय | „ | जल्पयतम् |
| जल्पयानि | जल्पयाव | जल्पयाम |
| ह्य० अजल्पयत् | अजल्पयताम् | अजल्पयन् |
| अजल्पयः | अजल्पयतम् | अजल्पयत |
| अजल्पयम् | अजल्पयाव | अजल्पयाम |
| अ० अजजल्पत् | अजजल्पताम् | अजजल्पन् |
| अजजल्पः | अजजल्पतम् | अजजल्पत |
| अजजल्पम् | अजजल्पाव | अजजल्पाम |
| प० जल्पयाञ्चकार | जल्पयाञ्चक्रुः | जल्पयाञ्चकुः |
| जल्पयाञ्चकथं | जल्पयाञ्चकथुः | जल्पयाञ्चक |
| जल्पयाञ्चकार-कर | जल्पयाञ्चकृव | जल्पयाञ्चकृम |
| जल्पयाञ्चभूव | जल्पयामास | |
| आ० जल्प्यात् | जल्प्यास्ताम् | जल्प्यासुः |
| जल्प्याः | जल्प्यास्तम् | जल्प्यास्त |
| जल्प्यासम् | जल्प्यास्व | जल्प्यास्म |
| श्व० जल्पयिता | जल्पयितारौ | जल्पयितारः |
| जल्पयितासि | जल्पयितास्थः | जल्पयितास्थ |
| जल्पयितास्मि | जल्पयितास्वः | जल्पयितास्मः |
| भ० जल्पयिष्यति | जल्पयिष्यतः | जल्पयिष्यन्ति |
| जल्पयिष्यसि | जल्पयिष्यथः | जल्पयिष्यथ |
| जल्पयिष्यामि | जल्पयिष्यावः | जल्पयिष्यामः |
| क्रि० अजल्पयिष्यत् | अजल्पयिष्यतम् | अजल्पयिष्यन् |
| अजल्पयिष्यः | अजल्पयिष्यतम् | अजल्पयिष्यत |
| अजल्पयिष्यम् | अजल्पयिष्याव | अजल्पयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० जल्पयते | जल्पयेते | जल्पयन्ते |
| जल्पयसे | जल्पयेथे | जल्पयध्वे |
| जल्पये | जल्पयावहे | जल्पयामहे |
| स० जल्पयेत | जल्पयेताताम् | जल्पयेरन् |
| जल्पयेथाः | जल्पयेथाथाम् | जल्पयेध्वम् |
| जल्पयेय | जल्पयेवहि | जल्पयेमहि |
| प० जल्पयताम् | जल्पयेताम् | जल्पयन्ताम् |
| जल्पयस्व | जल्पयेथाम् | जल्पयध्वम् |
| जल्पये | जल्पावहे | जल्पयामहे |
| ह्य० अजल्पयत | अजल्पयेताम् | अजल्पयन्त |
| अजल्पयथाः | अजल्पयेथाम् | अजल्पयध्वम् |
| अजल्पये | अजल्पयावहि | अजल्पयामहि |
| अ० अजजल्पत | अजजल्पेताम् | अजजल्पन्त |
| अजजल्पथाः | अजजल्पेथाम् | अजजल्पध्वम् |
| अजजल्पे | अजजल्पावहि | अजजल्पामहि |
| प० जल्पयाञ्चके | जल्पयाञ्चकाते | जल्पयाञ्चकिरे |
| जल्पयाञ्चकृषे | जल्पयाञ्चकथे | जल्पयाञ्चकृद्वे |
| अल्पयाञ्चके | जल्पयाञ्चकृद्वे | जल्पयाञ्चकृमहे |
| जल्पयाम्बभूव | जल्पयामास | |
| आ० जल्पयिषीष्ट | जल्पयिषीयास्ताम् | जल्पयिषीरन् |
| जल्पयिषीष्ठाः | जल्पयिषीयास्थाम् | जल्पयिषीढ्वम् |
| जल्पयिषीय | जल्पयिषीवहि | जल्पयिषीमहि |
| श्व० जल्पयिता | जल्पयितारौ | जल्पयितारः |
| जल्पयितासे | जल्पयितासाथे | जल्पयिताध्वे |
| जल्पयिताहे | जल्पयितास्वहे | जल्पयितास्महे |
| भ० जल्पयिष्यते | जल्पयिष्येते | जल्पयिष्यन्ते |
| जल्पयिष्यसे | जल्पयिष्येथे | जल्पयिष्यध्वे |
| जल्पयिष्ये | जल्पयिष्यावहे | जल्पयिष्यामहे |
| क्रि० अजल्पयिष्यत | अजल्पयिष्येताम् | अजल्पयिष्यन्त |
| अजल्पयिष्यथाः | अजल्पयिष्येथाम् | अजल्पयिष्यध्वम् |
| अजल्पयिष्ये | अजल्पयिष्यावहि | अजल्पयिष्यामहि |

338 जप (जप्) मानसे च ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|--------------|
| व० | जापयति | जापयतः | जापयन्ति |
| | जापयसि | जापयथः | जापयथ |
| | जापयामि | जापयावः | जापयामः |
| स० | जापयेत् | जापयेताम् | जापयेयुः |
| | जापयेः | जापयेतम् | जापयेत |
| | जापयेयम् | जापयेव | जापयेम |
| प० | जापयतु | जापयतात् | जापयताम् |
| | जापय | जापयतम् | जापयत |
| | जापयानि | जापयाव | जापयाम |
| झ० | अजापयत् | अजापयताम् | अजापयन् |
| | अजापयः | अजापयतम् | अजापयत |
| | अजापयम् | अजापयाव | अजापयाम |
| ञ० | अजीजपत् | अजीजपताम् | अजीजपन् |
| | अजीजपः | अजीजपतम् | अजीजपत |
| | अजीजपम् | अजीजपाव | अजीजपाम |
| ट० | जापयाञ्चकार | जापयाञ्चकतुः | जापयाञ्चकुः |
| | जापयाञ्चकर्थ | जापयाञ्चकथुः | जापयाञ्चक |
| | जापयाञ्चकर-चकर | जापयाञ्चकृव | जापयाञ्चकृम |
| | जापयाञ्चभूव । जापयामास | | |
| भा० | जाप्यात् | जाप्यास्ताम् | जाप्यासुः |
| | जाप्याः | जाप्यास्तम् | जाप्यास्त |
| | जाप्यासम् | जाप्यास्व | जाप्यास्म |
| श्व० | जापयिता | जापयितारौ | जापयितारः |
| | जापयितासि | जापयितास्थः | जापयितास्थ |
| | जापयितास्मि | जापयितास्वः | जापयितास्मः |
| भ० | जापयिष्यति | जापयिष्यतः | जापयिष्यन्ति |
| | जापयिष्यसि | जापयिष्यथः | जापयिष्यथ |
| | जापयिष्यामि | जापयिष्यावः | जापयिष्यामः |
| क्रि० | अजापयिष्यत् | अजापयिष्यताम् | अजापयिष्यन् |
| | अजापयिष्यः | अजापयिष्यतम् | अजापयिष्यत |
| | अजापयिष्यम् | अजापयिष्याव | अजापयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | जापयते | जापयते | जापयन्ते |
| | जापयसे | जापयथे | जापयध्वे |
| | जापये | जापयावहे | जापयामहे |
| स० | जापयेत | जापयेयाताम् | जापयेरन् |
| | जापयेथाः | जापयेथाथाम् | जापयेध्वम् |
| | जापयेथ | जापयेवहि | जापयेमहि |
| प० | जापयताम् | जापयेताम् | जापयन्ताम् |
| | जापयस्व | जापयेथाम् | जापयध्वम् |
| | जापये | जापयावहे | जापयामहे |
| ह्य० | अजापयत | अजापयेताम् | अजापयन्त |
| | अजापयथाः | अजापयेथाम् | अजापयध्वम् |
| | अजापये | अजापयावहि | अजापयामहि |
| अ० | अजीजपत | अजीजपेताम् | अजीजपन्त |
| | अजीजपथाः | अजीजपेथाम् | अजीजपध्वम् |
| | अजीजपे | अजीजपावहि | अजीजपामहि |
| प० | जापयाञ्चके | जापयाञ्चकाते | जापयाञ्चकिरे |
| | जापयाञ्चकृषे | जापयाञ्चकाथे | जापयाञ्चकृद्वे |
| | जापयाञ्चके | जापयाञ्चकृवहे | जापयाञ्चकृमहे |
| | जापयाञ्चभूव । जापयामास | | |
| आ० | जापयिषीष्ट | जापयिषीयास्ताम् | जापयिषीरन् |
| | जापयिषीष्टाः | जापयिषीयास्थाम् | जापयिषीध्वम् |
| | जापयिषीय | जापयिषीवहि | जापयिषीमहि |
| श्व० | जापयिता | जापयितारौ | जापयितारः |
| | जापयितासे | जापयितासाथे | जापयिताध्वे |
| | जापयिताहे | जापयितास्वहे | जापयितास्महे |
| भ० | जापयिष्यते | जापयिष्येते | जापयिष्यन्ते |
| | जापयिष्यसे | जापयिष्येथे | जापयिष्यध्वे |
| | जापयिष्ये | जापयिष्यावहे | जापयिष्यामहे |
| क्रि० | अजापयिष्यत | अजापयिष्येताम् | अजापयिष्यन्त |
| | अजापयिष्यथाः | अजापयिष्येथाम् | अजापयिष्यध्वम् |
| | अजापयिष्ये | अजापयिष्यावहि | अजापयिष्यामहि |

339 चप (चप्) सान्त्वने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|-------------------|
| व० | चापयति | चापयतः | चापयन्ति |
| | चापयसि | चापयथः | चापयथ |
| | चापयामि | चापयावः | चापयामः |
| स० | चापयेत् | चापयेताम् | चापयेयुः |
| | चापयेः | चापयेतम् | चापयेत |
| | चापयेयम् | चापयेव | चापयेम |
| प० | चापयतुं | चापयतात् | चापयताम् चापयन्तु |
| | चापय | चापयतात् | चापयतम् चापयत |
| | चापयानि | चापयाव | चापयाम |
| ह्य० | अचापयत् | अचापयताम् | अचापयन् |
| | अचापयः | अचापयतम् | अचापयत |
| | अचापयम् | अचापयाव | अचापयाम |
| अ० | अचीचपत् | अचीचपताम् | अचीचपन् |
| | अचीचपः | अचीचपतम् | अचांचपत |
| | अचीचपम् | अचीचपाव | अचीचपाम |
| प० | चापयाञ्चकार | चापयाञ्चकतुः | चापयाञ्चकुः |
| | चापयाञ्चकर्थ | चापयाञ्चकथुः | चापयाञ्चक |
| | चापयाञ्चकार-चकर | चापयाञ्चकुव | चापयाञ्चकृम |
| | चापयाम्बभूव | । | चापयामास |
| आ० | चाप्यात् | चाप्यास्ताम् | चाप्यासुः |
| | चाप्याः | चाप्यास्तम् | चाप्यास्त |
| | चाप्यासम् | चाप्यास्व | चाप्यास्म |
| श्च० | चापयिता | चापयितारौ | चापयितारः |
| | चापयितासि | चापयितास्थः | चापयितास्थ |
| | चापयितास्मि | चापयितास्वः | चापयितास्मः |
| भ० | चापयिष्यति | चापयिष्यतः | चापयिष्यन्ति |
| | चापयिष्यसि | चापयिष्यथः | चापयिष्यथ |
| | चापयिष्यामि | चापयिष्यावः | चापयिष्यामः |
| क्रि० | अचापयिष्यत् | अचापयिष्यताम् | अचापयिष्यन् |
| | अचापयिष्यः | अचापयिष्यतम् | अचापयिष्यत |
| | अचापयिष्यम् | अचापयिष्याव | अचापयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | चापयते | चापयेते | चापयन्ते |
| | चापयसे | चापयेथे | चापयध्वे |
| | चापये | चापयावहे | चापयामहे |
| स० | चापयेत | चापयेयाताम् | चापयेरन् |
| | चापयेथाः | चापयेयाथाम् | चापयेध्वम् |
| | चापयेथ | चापयेवहि | चापयेमहि |
| प० | चापयताम् | चापयेताम् | चापयन्ताम् |
| | चापयस्व | चापयेथाम् | चापयध्वम् |
| | चापयै | चापयावहै | चापयामहै |
| ह्य० | अचापयत | अचापयेताम् | अचापयन्त |
| | अचापयथाः | अचापयेथाम् | अचापयध्वम् |
| | अचापये | अचापयावहि | अचापयामहि |
| अ० | अचीचपत | अचीचपेताम् | अचीचपन्त |
| | अचीचपथाः | अचीचपेथाम् | अचीचपध्वम् |
| | अचीचपे | अचीचपावहि | अचीचपामहि |
| प० | चापयाञ्चक्रे | चापयाञ्चक्राते | चापयाञ्चक्रिरे |
| | चापयाञ्चकृषे | चापयाञ्चक्रथे | चापयाञ्चकृद्वे |
| | चापयाञ्चके | चापयाञ्चकृवहे | चापयाञ्चकृमहे |
| | चापयाम्बभूव | चापयामास | |
| आ० | चापयिषीष्ट | चापयिषीयास्ताम् | चापयिषीरन् |
| | चापयिषीष्ठाः | चापयिषीयास्थाम् | चापयिषीड्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | चापयिषीय | चापयिषीवहि | चापयिषीमहि |
| श्च० | चापयिता | चापयितारौ | चापयितारः |
| | चापयितासे | चापयितासाथे | चापयिताध्वे |
| | चापयिताहे | चापयितास्वहे | चापयितास्महे |
| भ० | चापयिष्यते | चापयिष्येते | चापयिष्यन्ते |
| | चापयिष्यसे | चापयिष्येथे | चापयिष्यध्वे |
| | चापयिष्ये | चापयिष्यावहे | चापयिष्यामहे |
| क्रि० | अचापयिष्यत | अचापयिष्येताम् | अचापयिष्यन्त |
| | अचापयिष्यथाः | अचापयिष्येथाम् | अचापयिष्यध्वम् |
| | अचापयिष्ये | अचापयिष्यावहि | अचापयिष्यामहि |

341 सृष्टं (सृप्) गतौ

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | सर्पयति | सर्पयतः | सर्पयन्ति |
| | सर्पयसि | सर्पयथः | सर्पयथ |
| | सर्पयामि | सर्पयावः | सर्पयामः |
| स० | सर्पयेत् | सर्पयेताम् | सर्पयेयुः |
| | सर्पयेः | सर्पयेतम् | सर्पयेत |
| | सर्पयेयम् | सर्पयेव | सर्पयेम |
| प० | सर्पयेतु | सर्पयेतात् | सर्पयन्तु |
| | सर्पय | सर्पयतम् | सर्पयत |
| | सर्पयाणि | सर्पयाव | सर्पयाम |
| ह्य० | असर्पयत् | असर्पयताम् | असर्पयन् |
| | असर्पयः | असर्पयतम् | असर्पयत |
| | असर्पयम् | असर्पयाव | असर्पयाम |
| अ० | अससर्पत् | अससर्पताम् | अससर्पन् |
| | अससर्पः | अससर्पतम् | अससर्पत |
| | अससर्पम् | अससर्पाव | अससर्पाम |
| | असीसृपत् | असीसृपताम् | असीसृपन् इ० |
| प० | सर्पयाञ्चकार | सर्पयाञ्चकतुः | सर्पयाञ्चकुः |
| | सर्पयाञ्चकथं | सर्पयाञ्चकथुः | सर्पयाञ्चक |
| | सर्पयाञ्चकार-कर | सर्पयाञ्चकृव | सर्पयाञ्चकृम |
| | सर्पयाम्बभूव । | सर्पयामास | |
| आ० | सर्प्यात् | सर्प्यास्ताम् | सर्प्यासुः |
| | सर्प्याः | सर्प्यास्तम् | सर्प्यास्त |
| | सर्प्यासम् | सर्प्यास्व | सर्प्यास्म |
| श्व० | सर्पयिता | सर्पयितारौ | सर्पयितारः |
| | सर्पयितासि | सर्पयितास्थः | सर्पयितास्थ |
| | सर्पयितास्मि | सर्पयितास्वः | सर्पयितास्मः |
| भ० | सर्पयिष्यति | सर्पयिष्यतः | सर्पयिष्यन्ति |
| | सर्पयिष्यसि | सर्पयिष्यथः | सर्पयिष्यथ |
| | सर्पयिष्यामि | सर्पयिष्यावः | सर्पयिष्यामः |
| क्रि० | असर्पयिष्यत् | असर्पयिष्यताम् | असर्पयिष्यन् |
| | असर्पयिष्यः | असर्पयिष्यतम् | असर्पयिष्यत |
| | असर्पयिष्यम् | असर्पयिष्याव | असर्पयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|-----------------|
| व० | सर्पयेते | सर्पयेते | सर्पयन्ते |
| | सर्पयसे | सर्पयथे | सर्पयध्वं |
| | सर्पये | सर्पयावहे | सर्पयामहे |
| स० | सर्पयेत | सर्पयेयाताम् | सर्पयेरन् |
| | सर्पयेथाः | सर्पयेयाथाम् | सर्पयेध्वम् |
| | सर्पयेय | सर्पयेवहि | सर्पयेमहि |
| प० | सर्पयेताम् | सर्पयेताम् | सर्पयन्ताम् |
| | सर्पयेस्व | सर्पयेथाम् | सर्पयेध्वम् |
| | सर्पये | सर्पयावहे | सर्पयामहे |
| ह्य० | असर्पयत | असर्पयेताम् | असर्पयन्त |
| | असर्पयथाः | असर्पयेथाम् | असर्पयेध्वम् |
| | असर्पये | असर्पयावहि | असर्पयामहि |
| अ० | अससर्पत | अससर्पेताम् | अससर्पन्त |
| | अससर्पथाः | अससर्पेथाम् | अससर्पध्वम् |
| | अससर्पे | अससर्पावहि | अससर्पामहि |
| | असीसृपत | असीसृपेताम् | असीसृपन्त इ० |
| प० | सर्पयाञ्चके | सर्पयाञ्चकाते | सर्पयाञ्चकिरे |
| | सर्पयाञ्चकृषे | सर्पयाञ्चकृषे | सर्पयाञ्चकृद्वे |
| | सर्पयाञ्चके | सर्पयाञ्चकृवहे | सर्पयाञ्चकृमहे |
| | सर्पयाम्बभूव । | सर्पयामास | |
| आ० | सर्पयिषीष्ट | सर्पयिषीयास्ताम् | सर्पयिषीरन् |
| | सर्पयिषीष्ठाः | सर्पयिषीयास्थाम् | सर्पयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | सर्पयिषीय | सर्पयिषीवहि | सर्पयिषीमहि |
| श्व० | सर्पयिता | सर्पयितारौ | सर्पयितारः |
| | सर्पयितासे | सर्पयितासाथे | सर्पयिताध्वे |
| | सर्पयिताहे | सर्पयितास्वहे | सर्पयितास्महे |
| भ० | सर्पयिष्यते | सर्पयिष्येते | सर्पयिष्यन्ते |
| | सर्पयिष्यसे | सर्पयिष्येथे | सर्पयिष्यध्वे |
| | सर्पयिष्ये | सर्पयिष्यावहे | सर्पयिष्यामहे |
| क्रि० | असर्पयिष्यत | असर्पयिष्येताम् | असर्पयिष्यन्त |
| | असर्पयिष्यथाः | असर्पयिष्येथाम् | असर्पयिष्यध्वम् |
| | असर्पयिष्ये | असर्पयिष्यावहि | असर्पयिष्यामहि |

340 षप् (सप्) समवाये

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|---------------|
| व० | सापयति | सापयतः | सापयन्ति |
| | सापयसि | सापयथः | सापयथ |
| | सापयामि | सापयावः | सापयामः |
| स० | सापयेत् | सापयेताम् | सापयेयुः |
| | सापयेः | सापयेतम् | सापयेत |
| | सापयेयम् | सापयेव | सापयेम |
| प० | सापयतु | सापयतात् | सापयताम् |
| | सापय | सापयतम् | सापयत |
| | सापयानि | सापयाव | सापयाम |
| ह्य० | असापयत् | असापयताम् | असापयन् |
| | असापयः | असापयतम् | असापयत |
| | असापयम् | असापयाव | असापयाम |
| अ० | असीषत् | असीषताम् | असीषन् |
| | असीषपः | असीषपतम् | असीषपत |
| | असीषपषम् | असीषपाव | असीषपाम |
| प० | सापयाञ्चकार | सापयाञ्चक्रुः | सापयाञ्चक्रुः |
| | सापयाञ्चकथं | सापयाञ्चकथुः | सापयाञ्चक |
| | सापयाञ्चकार-कर | सापयाञ्चकृव | सापयाञ्चकृम |
| | सापयाम्बभूव । सापयामास | | |
| आ० | साप्यात् | साप्यास्ताम् | साप्यासुः |
| | साप्याः | साप्यास्तम् | साप्यास्त |
| | साप्यासम् | साप्यास्व | साप्यास्म |
| श्व० | सापयिता | सापयितारौ | सापयितारः |
| | सापयितासि | सापयितास्थः | सापयितास्थ |
| | सापयितास्मि | सापयितास्वः | सापयितास्मः |
| भ० | सापयिष्यति | सापयिष्यतः | सापयिष्यन्ति |
| | सापयिष्यसि | सापयिष्यथः | सापयिष्यथ |
| | सापयिष्यामि | सापयिष्यावः | सापयिष्यामः |
| क्रि० | असापयिष्यत् | असापयिष्यताम् | असापयिष्यन् |
| | असापयिष्यः | असापयिष्यतम् | असापयिष्यत |
| | असापयिष्यम् | असापयिष्याव | असापयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|-----------------|
| व० | सापयते | सापयेते | सापयन्ते |
| | सापयसे | सापयेथे | सापयन्वे |
| | सापये | सापयावहे | सापयामहे |
| स० | सापयेत | सापयेयाताम् | सापयेरन् |
| | सापयेथाः | सापयेयाथाम् | सापयेष्वम् |
| | सापयेथ | सापयेवहि | सापयेमहि |
| प० | सापयताम् | सापयेताम् | सापयन्ताम् |
| | सापयस्व | सापयेथाम् | सापयष्वम् |
| | सापयै | सापयावहै | सापयामहै |
| ह्य० | असापयत | असापयेताम् | असापयन्त |
| | असापयथाः | असापयेथाम् | असापयष्वम् |
| | असापये | असापयावहि | असापयामहि |
| अ० | असीषत् | असीषेताम् | असीषन्त |
| | असीषपथाः | असीषेथाम् | असीषपष्वम् |
| | असीषे | असीषपावहि | असीषपामहि |
| प० | सापयाञ्चके | सापयाञ्चक्राते | सापयाञ्चकिरे |
| | सापयाञ्चकृषे | सापयाञ्चक्राथे | सापयाञ्चकृद् वे |
| | सापयाञ्चके | सापयाञ्चकृवहे | सापयाञ्चकृमहे |
| | सापयाम्बभूव । सापयामास | | |
| आ० | सापयिषीष्ट | सापयिषीयास्ताम् | सापयिषीरन् |
| | सापयिषीष्टाः | सापयिषीयास्थाम् | सापयिषीड्वम् |
| | सापयिषीय | सापयिषीवहि | सापयिषीमहि |
| श्व० | सापयिता | सापयितारौ | सापयितारः |
| | सापयितासे | सापयितासाथे | सापयिताध्वे |
| | सापयिताहे | सापयितास्वहे | सापयितास्महे |
| भ० | सापयिष्यते | सापयिष्येते | सापयिष्यन्ते |
| | सापयिष्यसे | सापयिष्येथे | सापयिष्यन्वे |
| | सापयिष्ये | सापयिष्यावहे | सापयिष्यामहे |
| क्रि० | असापयिष्यत् | असापयिष्यताम् | असापयिष्यन्त |
| | असापयिष्यथाः | असापयिष्येथाम् | असापयिष्यष्वम् |
| | असापयिष्ये | असापयिष्यावहि | असापयिष्यामहि |

342 चुप (चुप्) मन्दायां गतौ

| | | | |
|-------|----------------|---------------|-------------------|
| व० | चोपयति | चोपयतः | चोपयन्ति |
| | चोपयसि | चोपयथः | चोपयथ |
| | चोपयामि | चोपयावः | चोपयामः |
| स | चोपयत् | चोपयेताम् | चोपयेयुः |
| | चोपयेः | चोपयेतम् | चोपयेत |
| | चोपयेयम् | चोपयेव | चोपयेम |
| १० | चोपयतु | चोपयतात् | चोपयताम् चोपयन्तु |
| | चोपय | चोपयतात् | चोपयतम् चोपयत |
| | चोपयानि | चोपयाव | चोपयाम |
| श० | अचोपयत् | अचोपयताम् | अचोपयन् |
| | अचोपयः | अचोपयतम् | अचोपयत |
| | अचोपयम् | अचोपयाव | अचोपयाम |
| अ० | अचूचुपत् | अचूचुपताम् | अचूचुपन् |
| | अचूचुपः | अचूचुपतम् | अचूचुपत |
| | अचूचुपम् | अचूचुपाव | अचूचुपाम |
| प | चोपयाञ्चकार | चोपयाञ्चक्रुः | चोपयाञ्चकुः |
| | चोपयाञ्चकथं | चोपयाञ्चकथुः | चोपयाञ्चक |
| | चोपयाञ्चकर-चकर | चोपयाञ्चकुव | चोपयाञ्चकृम |
| | चोपयाम्बभूव | । | चोपयामास |
| आ० | चोप्यात् | चोप्यास्ताम् | चोप्यासुः |
| | चोप्याः | चोप्यास्तम् | चोप्यास्त |
| | चोप्यासम् | चोप्यास्व | चोप्यास्म |
| श्च० | चोपयिता | चोपयितारौ | चोपयितारः |
| | चोपयितासि | चोपयितास्यः | चोपयितास्य |
| | चोपयितास्मि | चोपयितास्वः | चोपयितास्मः |
| भ० | चोपयिष्यति | चोपयिष्यतः | चोपयिष्यन्ति |
| | चोपयिष्यसि | चोपयिष्यथः | चोपयिष्यथ |
| | चोपयिष्यामि | चोपयिष्यावः | चोपयिष्यामः |
| क्रि० | अचोपयिष्यत् | अचोपयिष्यताम् | अचोपयिष्यन् |
| | अचोपयिष्यः | अचोपयिष्यतम् | अचोपयिष्यत |
| | अचोपयिष्यम् | अचोपयिष्याव | अचोपयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | चोपयते | चोपयेतै | चोपयन्ते |
| | चोपयसे | चोपयेथे | चोपयध्वे |
| | चोपये | चोपयावहे | चोपयामहे |
| स० | चोपयेत | चोपयेयताम् | चोपयेरन् |
| | चोपयेथाः | चोपयेयाथाम् | चोपयेध्वम् |
| | चोपयेय | चोपयेवहि | चोपयेमहि |
| १० | चोपयताम् | चोपयेताम् | चोपयन्ताम् |
| | चोपयस्व | चोपयेथाम् | चोपयध्वम् |
| | चोपयै | चोपयावहै | चोपयामहै |
| ह्य० | अचोपयत | अचोपयेताम् | अचोपयन्त |
| | अचोपयथाः | अचोपयेथाम् | अचोपयध्वम् |
| | अचोपये | अचोपयावहि | अचोपयामहि |
| अ० | अचूचुपत् | अचूचुपेताम् | अचूचुपन्त |
| | अचूचुपथाः | अचूचुपेथाम् | अचूचुपध्वम् |
| | अचूचुपे | अचूचुपावहि | अचूचुपामहि |
| १० | चोपयाञ्चक्रे | चोपयाञ्चक्रते | चोपयाञ्चक्रिरे |
| | चोपयाञ्चकृषे | चोपयाञ्चकृषे | चोपयाञ्चकृद्वे |
| | चोपयाञ्चक्रे | चोपयाञ्चकृवहे | चोपयाञ्चकृमहे |
| | चोपयाम्बभूव | चोपयामास | |
| आ० | चोपयिषीष्ट | चोपयिषीयास्ताम् | चोपयिषीरन् |
| | चोपयिषीष्टाः | चोपयिषीयास्थाम् | चोपयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | चोपयिषीय | चोपयिषीवहि | चोपयिषीमहि |
| श्च० | चोपयिता | चोपयितारौ | चोपयितारः |
| | चोपयितासे | चोपयितासाथे | चोपयिताध्वे |
| | चोपयिताहे | चोपयितास्वहे | चोपयितास्महे |
| भ० | चोपयिष्यते | चोपयिष्येते | चोपयिष्यन्ते |
| | चोपयिष्यसे | चोपयिष्येथे | चोपयिष्यध्वे |
| | चोपयिष्ये | चोपयिष्यावहे | चोपयिष्यामहे |
| क्रि० | अचोपयिष्यत् | अचोपयिष्येताम् | अचोपयिष्यन्त |
| | अचोपयिष्यथाः | अचोपयिष्येथाम् | अचोपयिष्यध्वम् |
| | अचोपयिष्ये | अचोपयिष्यावहि | अचोपयिष्यमहि |

343 तुप् (तुप्) हिसायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | तोपयति | तोपयतः | तोपयन्ति |
| | तोपयसि | तोपयथः | तोपयथ |
| | तोपयामि | तोपयावः | तोपयामः |
| स० | तोपयेत् | तोपयेताम् | तोपयेयुः |
| | तोपयेः | तोपयेताम् | तोपयेत |
| | तोपयेयम् | तोपयेव | तोपयेम |
| प० | तोपयतु | तोपयतात् | तोपयन्तु |
| | तोपय | तोपयतम् | तोपयत |
| | तोपयानि | तोपयाव | तोपयाम |
| ल० | अतोपयत् | अतोपयताम् | अतोपयन् |
| | अतोपयः | अतोपयतम् | अतोपयत |
| | अतोपयम् | अतोपयाव | अतोपयाम |
| अ० | अतुपत् | अतुपताम् | अतुपन् |
| | अतुपः | अतुपतम् | अतुपत |
| | अतुपम् | अतुपाव | अतुपाम |
| प० | तोपयाञ्चकार | तोपयाञ्चक्रुः | तोपयाञ्चकुः |
| | तोपयाञ्चकथे | तोपयाञ्चकथुः | तोपयाञ्चक |
| | तोपयाञ्चकार-चकर | तोपयाञ्चकृव | तोपयाञ्चकृम |
| | तोपयाम्बभूव | तोपयामास | |
| आ० | तोप्यात् | तोप्यास्ताम् | तोप्यासुः |
| | तोप्याः | तोप्यास्तम् | तोप्यास्त |
| | तोप्यासम् | तोप्यास्व | तोप्यास्म |
| श्व० | तोपयिता | तोपयितारौ | तोपयितारः |
| | तोपयितासि | तोपयितास्थः | तोपयितास्थ |
| | तोपयितास्मि | तोपयितास्वः | तोपयितास्मः |
| भ० | तोपयिष्यति | तोपयिष्यतः | तोपयिष्यन्ति |
| | तोपयिष्यसि | तोपयिष्यथः | तोपयिष्यथ |
| | तोपयिष्यामि | तोपयिष्यावः | तोपयिष्यामः |
| क्रि० | अतोपयिष्यत् | अतोपयिष्यताम् | अतोपयिष्यन् |
| | अतोपयिष्यः | अतोपयिष्यतम् | अतोपयिष्यत |
| | अतोपयिष्यम् | अतोपिष्यिवा | अतोपयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तोपयते | तोपयेते | तोपयन्ते |
| | तोपयसे | तोपयेथे | तोपयध्वे |
| | तोपये | तोपयावहे | तोपयामहे |
| स० | तोपयेत | तोपयेयाताम् | तोपयेरन् |
| | तोपयेथाः | तोपयेयाथाम् | तोपयेध्वम् |
| | तोपयेथ | तोपयेवहि | तोपयेमहि |
| प० | तोपयताम् | तोपयेताम् | तोपयन्ताम् |
| | तोपयस्व | तोपयेथाम् | तोपयध्वम् |
| | तोपये | तोपयावहे | तोपयामहे |
| ह्य० | अतोपयत | अतोपयेताम् | अतोपयन्त |
| | अतोपयथाः | अतोपयेथाम् | अतोपयध्वम् |
| | अतोपये | अतोपयावहि | अतोपयामहि |
| अ० | अतुपुपत् | अतुपुपताम् | अतुपुपन्त |
| | अतुपुपथाः | अतुपुपेथाम् | अतुपुपध्वम् |
| | अतुपुपे | अतुपुपावहि | अतुपुपामहि |
| प० | तोपयाञ्चके | तोपयाञ्चकते | तोपयाञ्चक्रिरे |
| | तोपयाञ्चकृषे | तोपयाञ्चकथे | तोपयाञ्चकृद्वे |
| | तोपयाञ्चके | तोपयाञ्चकृवहे | तोपयाञ्चकृमहे |
| | तोपयाम्बभूव | तोपयामास | |
| आ० | तोपयिषीष्ट | तोपयिषीयास्ताम् | तोपयिषीरन् |
| | तोपयिषीष्ठाः | तोपयिषीयास्थाम् | तोपयिषीध्वम् |
| | तोपयिषीय | तोपयिषीवहि | तोपयिषीमहि |
| श्व० | तोपयिता | तोपयितारौ | तोपयितारः |
| | तोपयितासे | तोपयितासाथे | तोपयिताध्वे |
| | तोपयिताहे | तोपयितास्वहे | तोपयितास्महे |
| भ० | तोपयिष्यते | तोपयिष्येते | तोपयिष्यन्ते |
| | तोपयिष्यसे | तोपयिष्येथे | तोपयिष्यध्वे |
| | तोपयिष्ये | तोपयिष्यावहे | तोपयिष्यामहे |
| क्रि० | अतोपयिष्यत | अतोपयिष्येताम् | अतोपयिष्यन्त |
| | अतोपयिष्यथाः | अतोपयिष्येथाम् | अतोपयिष्यध्वम् |
| | अतोपयिष्ये | अतोपयिष्यावहि | अतोपयिष्यामहि |

344 तुम्प (तुम्प्) हिंसायाम् ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० तुम्पयति | तुम्पयतः | तुम्पयन्ति |
| तुम्पयति | तुम्पयथः | तुम्पयथ |
| तुम्पयामि | तुम्पयावः | तुम्पयामः |
| स० तुम्पयेत् | तुम्पयेताम् | तुम्पयेयुः |
| तुम्पयेः | तुम्पयेतम् | तुम्पयेत |
| तुम्पयेष्वम् | तुम्पयेष्व | तुम्पयेम |
| प० तुम्पयतु | तुम्पयतात् | तुम्पयन्तु |
| तुम्पय | तुम्पयतात् | तुम्पयत |
| तुम्पयानि | तुम्पयाव | तुम्पयाम |
| अ० अतुम्पयत् | अतुम्पयताम् | अतुम्पयन् |
| अतुम्पयः | अतुम्पयतम् | अतुम्पयत |
| अतुम्पयम् | अतुम्पयाव | अतुम्पयाम |
| अ० अतुम्पयत् | अतुम्पयताम् | अतुम्पयन् |
| अतुम्पयः | अतुम्पयतम् | अतुम्पयत |
| अतुम्पयम् | अतुम्पयाव | अतुम्पयाम |
| प० तुम्पयाञ्चकार | तुम्पयाञ्चकतुः | तुम्पयाञ्चकुः |
| तुम्पयाञ्चकथं | तुम्पयाञ्चकथुः | तुम्पयाञ्चक |
| तुम्पयाञ्चकार-चकर | तुम्पयाञ्चकृव | तुम्पयाञ्चकृम |
| तुम्पयाञ्चभूव | तुम्पयाञ्चमास | |
| आ० तुम्पयत् | तुम्पयास्ताम् | तुम्पयासुः |
| तुम्पयाः | तुम्पयास्तम् | तुम्पयास्त |
| तुम्पयासम् | तुम्पयास्व | तुम्पयासम |
| अ० तुम्पयिता | तुम्पयितारौ | तुम्पयितारः |
| तुम्पयितासि | तुम्पयितास्थः | तुम्पयितास्थ |
| तुम्पयितास्मि | तुम्पयितास्वः | तुम्पयितासमः |
| अ० तुम्पयिष्यति | तुम्पयिष्यतः | तुम्पयिष्यन्ति |
| तुम्पयिष्यसि | तुम्पयिष्यथः | तुम्पयिष्यथ |
| तुम्पयिष्यामि | तुम्पयियावः | तुम्पयिष्यामः |
| क्रि० अतुम्पयिष्यत | अतुम्पयिष्यताम् | अतुम्पयिष्यन्त |
| अतुम्पयिष्यथः | अतुम्पयिष्यतम् | अतुम्पयिष्यत |
| अतुम्पयिष्यम् | अतुम्पयिष्याव | अतुम्पयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० तुम्पयते | तुम्पयेते | तुम्पयन्ते |
| तुम्पयसे | तुम्पयेथे | तुम्पयन्थे |
| तुम्पये | तुम्पयावहे | तुम्पयामहे |
| स० तुम्पयेत | तुम्पयेताम् | तुम्पयेरन् |
| तुम्पयेथाः | तुम्पयेथायाम् | तुम्पयेष्वम् |
| तुम्पयेय | तुम्पयेवहि | तुम्पयेमहि |
| प० तुम्पयताम् | तुम्पयेताम् | तुम्पयन्ताम् |
| तुम्पयस्व | तुम्पयेथाम् | तुम्पयन्वम् |
| तुम्पये | तुम्पयावहे | तुम्पयामहे |
| अ० अतुम्पयत | अतुम्पयेताम् | अतुम्पयन्त |
| अतुम्पयथाः | अतुम्पयेथाम् | अतुम्पयन्वम् |
| अतुम्पये | अतुम्पयावहि | अतुम्पयामहि |
| अ० अतुम्पयत | अतुम्पयेताम् | अतुम्पयन्त |
| अतुम्पयथाः | अतुम्पयेथाम् | अतुम्पयन्वम् |
| अतुम्पये | अतुम्पयावहि | अतुम्पयामहि |
| प० तुम्पयाञ्चके | तुम्पयाञ्चकते | तुम्पयाञ्चकिरे |
| तुम्पयाञ्चकृवे | तुम्पयाञ्चकृथे | तुम्पयाञ्चकृद्वे |
| तुम्पयाञ्चके | तुम्पयाञ्चकृवहे | तुम्पयाञ्चकृमहे |
| तुम्पयाञ्चभूव | तुम्पयाञ्चमास | |
| आ० तुम्पयिषीष्ट | तुम्पयिषीयास्ताम् | तुम्पयिषीरन् |
| तुम्पयिषीष्टाः | तुम्पयिषीयास्थाम् | तुम्पयिषीद्वम् |
| तुम्पयिषीय | तुम्पयिषीवहि | तुम्पयिषीमहि |
| अ० तुम्पयिता | तुम्पयितारौ | तुम्पयितारः |
| तुम्पयितासे | तुम्पयितासाथे | तुम्पयितास्वहे |
| तुम्पयिताहे | तुम्पयितास्वहे | तुम्पयितासमहे |
| अ० तुम्पयिष्यते | तुम्पयिष्येते | तुम्पयिष्यन्ते |
| तुम्पयिष्यसे | तुम्पयिष्येथे | तुम्पयिष्यन्थे |
| तुम्पयिष्ये | तुम्पयिष्यावहे | तुम्पयिष्यामहे |
| क्रि० अतुम्पयिष्यत | अतुम्पयिष्येताम् | अतुम्पयिष्यन्त |
| अतुम्पयिष्यथाः | अतुम्पयिष्येथाम् | अतुम्पयिष्यन्वम् |
| अतुम्पयिष्ये | अतुम्पयिष्यावहि | अतुम्पयिष्यामहि |

345 डुप (डुप्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | त्रोपयति | त्रोपयतः | त्रोपयन्ति |
| | त्रोपयसि | त्रोपयथः | त्रोपयथ |
| | त्रोपयामि | त्रोपयावः | त्रोपयामः |
| स० | त्रोपयेत् | त्रोपयेताम् | त्रोपयेयुः |
| | त्रोपयेः | त्रोपयेतम् | त्रोपयेत |
| | त्रोपयेयम् | त्रोपयेव | त्रोपयेम |
| प० | त्रोपयतु | त्रोपयतात् | त्रोपयन्तु |
| | त्रोपय | त्रोपयतात् | त्रोपयतम् |
| | त्रोपयति | त्रोपयाव | त्रोपयाम |
| ह्य० | अत्रोपयत् | अत्रोपयताम् | अत्रोपयन् |
| | अत्रोपयः | अत्रोपयतम् | अत्रोपयत |
| | अत्रोपयम् | अत्रोपयाव | अत्रोपयाम |
| अ० | अतुनुपत् | अतुनुपताम् | अतुनुपन् |
| | अतुनुपः | अतुनुपतम् | अतुनुपत |
| | अतुनुपाम् | अतुनुपाव | अतुनुपाम |
| प० | त्रोपयाञ्चकार | त्रोपयाञ्चकतुः | त्रोपयाञ्चकुः |
| | त्रोपयाञ्चकथं | त्रोपयाञ्चकथुः | त्रोपयाञ्चक |
| | त्रोपयाञ्चकार-चकर | त्रोपयाञ्चकच | त्रोपयाञ्चकम |
| | त्रोपयाम्बभूव | । | त्रोपयामास |
| आ० | त्रोप्यात् | त्रोप्यास्ताम् | त्रोप्यासुः |
| | त्रोप्याः | त्रोप्यास्तम् | त्रोप्यास्त |
| | त्रोप्यासम् | त्रोप्यास्व | त्रोप्यासम |
| श्व० | त्रोपयिता | त्रोपयितारौ | त्रोपयितारः |
| | त्रोपयितासि | त्रोपयितास्थः | त्रोपयितास्थ |
| | त्रोपयितास्मि | त्रोपयितास्वः | त्रोपयितास्मः |
| भ० | त्रोपयिष्यति | त्रोपयिष्यतः | त्रोपयिष्यन्ति |
| | त्रोपयिष्यसि | त्रोपयिष्यथः | त्रोपयिष्यथ |
| | त्रोपयिष्यामि | त्रोपयिष्यावः | त्रोपयिष्यामः |
| कि० | अत्रोपयिष्यत् | अत्रोपयिष्यताम् | अत्रोपयिष्यन् |
| | अत्रोपयिष्यः | अत्रोपयिष्यतम् | अत्रोपयिष्यत |
| | अत्रोपयिष्यम् | अत्रोपयिष्याव | अत्रोपयिष्याम |

| | | | |
|------|----------------|---------------------|------------------|
| ब० | त्रोपयते | त्रोपयेते | त्रोपयन्ते |
| | त्रोपयसे | त्रोपयेथे | त्रोपयध्वे |
| | त्रोपये | त्रोपयावहे | त्रोपयामहे |
| स० | त्रोपयेत | त्रोपयेयाताम् | त्रोपयेरन् |
| | त्रोपयेथाः | त्रोपयेथथाम् | त्रोपयेध्वम् |
| | त्रोपयेथ | त्रोपयेवहि | त्रोपयेमहि |
| प० | त्रोपयताम् | त्रोपयेताम् | त्रोपयन्ताम् |
| | त्रोपयस्व | त्रोपयेथाम् | त्रोपयध्वम |
| | त्रोपये | त्रोपयावहे | त्रोपयामहे |
| ह्य० | अत्रोपयत | अत्रोपयेताम् | अत्रोपयन्त |
| | अत्रोपयथाः | अत्रोपयेथाम् | अत्रोपयध्वम् |
| | अत्रोपये | अत्रोपयावहि | अत्रोपयामहि |
| अ० | अतुनुपत् | अतुनुपेताम् | अतुनुपन्त |
| | अतुनुपथाः | अतुनुपेथाम् | अतुनुपध्वम् |
| | अतुनुपे | अतुनुपावहि | अतुनुपामहि |
| प० | त्रोपयाञ्चके | त्रोपयाञ्चकते | त्रोपयाञ्चक्रे |
| | त्रोपयाञ्चकृषे | त्रोपयाञ्चकृषे | त्रोपयाञ्चकृदवे |
| | त्रोपयाञ्चके | त्रोपयाञ्चकृवहे | त्रोपयाञ्चकृमहे |
| | त्रोपयाम्बभूव | । | त्रोपयामास |
| आ० | त्रोपयिषीष्ट | त्रोपयिषीष्टास्ताम् | त्रोपयिषीरन् |
| | त्रोपयिषीष्टाः | त्रोपयिषीष्टथाम् | त्रोपयिषीध्वम् |
| | त्रोपयिषीय | त्रोपयिषीवहि | त्रोपयिषीमहि |
| श्व० | त्रोपयिता | त्रोपयितारौ | त्रोपयितारः |
| | त्रोपयितासे | त्रोपयितासाथे | त्रोपयिताध्वे |
| | त्रोपयिताहे | त्रोपयितास्वहे | त्रोपयितास्महे |
| भ० | त्रोपयिष्यते | त्रोपयिष्येते | त्रोपयिष्यन्ते |
| | त्रोपयिष्यसे | त्रोपयिष्येथे | त्रोपयिष्यध्वे |
| | त्रोपयिष्ये | त्रोपयिष्यावहे | त्रोपयिष्यामहे |
| कि० | अत्रोपयिष्यत | अत्रोपयिष्येताम् | अत्रोपयिष्यन्त |
| | अत्रोपयिष्यथाः | अत्रोपयिष्येथाम् | अत्रोपयिष्यध्वम् |
| | अत्रोपयिष्ये | अत्रोपयिष्यावहि | अत्रोपयिष्यामहि |

346 वृष्प (वृष्प) हिंसायाम् ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० वृष्पयति | वृष्पयतः | वृष्पयन्ति |
| वृष्पयसि | वृष्पयथः | वृष्पयथ |
| वृष्पयामि | वृष्पयावः | वृष्पयामः |
| स० वृष्पयेत् | वृष्पयेताम् | वृष्पयेयुः |
| वृष्पयेः | वृष्पयेतम् | वृष्पयेत |
| वृष्पयेयम् | वृष्पयेव | वृष्परेम |
| प० वृष्पयतु | वृष्पयतात् | वृष्पयताम् |
| वृष्पय | वृष्पयतात् | वृष्पयतम् |
| वृष्पयति | वृष्पयाव | वृष्पयाम |
| ह्य० वृष्पयत् | वृष्पयताम् | वृष्पयन् |
| वृष्पयः | वृष्पयतम् | वृष्पयत |
| वृष्पयम् | वृष्पयाव | वृष्पयाम |
| अ० अतुवृष्पत् | अतुवृष्पताम् | अतुवृष्पन् |
| अतुवृष्पः | अतुवृष्पतम् | अतुवृष्पत |
| अतुवृष्पम् | अतुवृष्पाव | अतुवृष्पाम |
| प० वृष्पयाञ्चकार | वृष्पयाञ्चकतुः | वृष्पयाञ्चकुः |
| वृष्पयाञ्चकथं | वृष्पयाञ्चकथुः | वृष्पयाञ्चक |
| वृष्पयाञ्चकार-चकर | वृष्पयाञ्चकृव | वृष्पयाञ्चकृम |
| वृष्पयाम्बभूव | वृष्पयामास | |
| आ० वृष्प्यात् | वृष्प्यास्ताम् | वृष्प्यासुः |
| वृष्प्याः | वृष्प्यास्तम् | वृष्प्यास्त |
| वृष्प्यासम् | वृष्प्यास्व | वृष्प्यासम |
| श्व० वृष्पयिता | वृष्पयितारौ | वृष्पयितारः |
| वृष्पयितासि | वृष्पयितास्थः | वृष्पयितास्थ |
| वृष्पयितास्मि | वृष्पयितास्वः | वृष्पयितासम |
| भ० वृष्पयिष्यति | वृष्पयिष्यतः | वृष्पयिष्यन्ति |
| वृष्पयिष्यसि | वृष्पयिष्यथः | वृष्पयिष्यथ |
| वृष्पयिष्यामि | वृष्पयिष्यावः | वृष्पयिष्यामः |
| क्रि० वृष्पयिष्यत् | वृष्पयिष्यताम् | वृष्पयिष्यन् |
| वृष्पयिष्यः | वृष्पयिष्यतम् | वृष्पयिष्यत |
| वृष्पयिष्यम् | वृष्पयिष्याव | वृष्पयिष्याम |

| | | |
|--------------------|---------------------|------------------|
| व० वृष्पयते | वृष्पयेते | वृष्पयन्ते |
| वृष्पयसे | वृष्पयेथे | वृष्पयध्वे |
| वृष्पये | वृष्पयावहे | वृष्पयामहे |
| स० वृष्पयेत | वृष्पयेताम् | वृष्पयेरन् |
| वृष्पयेथाः | वृष्पयेथायाम् | वृष्पयेध्वम् |
| वृष्पयेथ | वृष्पयेवहि | वृष्पयेमहि |
| प० वृष्पयताम् | वृष्पयेताम् | वृष्पयन्ताम् |
| वृष्पयस्व | वृष्पयेथाम् | वृष्पयध्वम् |
| वृष्पये | वृष्पयावह | वृष्पयामहै |
| ह्य० वृष्पयत | वृष्पयेताम् | वृष्पयन्त |
| वृष्पयथाः | वृष्पयेथाम् | वृष्पयध्वम् |
| वृष्पये | वृष्पयावहि | वृष्पयामहि |
| अ० अतुवृष्पत | अतुवृष्पेताम् | अतुवृष्पन्त |
| अतुवृष्पथाः | अतुवृष्पेथाम् | अतुवृष्पध्वम् |
| अतुवृष्पे | अतुवृष्पावहि | अतुवृष्पामहि |
| प० वृष्पयाञ्चके | वृष्पयाञ्चकते | वृष्पयाञ्चकिरे |
| वृष्पयाञ्चकृषे | वृष्पयाञ्चकृषे | वृष्पयाञ्चकृद्वे |
| वृष्पयाञ्चके | वृष्पयाञ्चकृवहे | वृष्पयाञ्चकृमहे |
| वृष्पयाम्बभूव | वृष्पयामास | |
| आ० वृष्पयिषीष्ट | वृष्पयिषीष्टास्ताम् | वृष्पयिषीरन् |
| वृष्पयिषीष्टाः | वृष्पयिषीष्टास्थाम् | वृष्पयिषीध्वम् |
| वृष्पयिषीय | वृष्पयिषीवहि | वृष्पयिषीमहि |
| श्व० वृष्पयिता | वृष्पयितारौ | वृष्पयितारः |
| वृष्पयितासे | वृष्पयितासाथे | वृष्पयिताध्वे |
| वृष्पयिताहे | वृष्पयितास्वहे | वृष्पयितासमहे |
| भ० वृष्पयिष्यते | वृष्पयिष्येते | वृष्पयिष्यन्ते |
| वृष्पयिष्यसे | वृष्पयिष्येथे | वृष्पयिष्यध्वे |
| वृष्पयिष्ये | वृष्पयिष्यावहे | वृष्पयिष्यामहे |
| क्रि० वृष्पयिष्यत् | वृष्पयिष्येताम् | वृष्पयिष्यन्त |
| वृष्पयिष्यथाः | वृष्पयिष्येथाम् | वृष्पयिष्यध्वम् |
| वृष्पयिष्ये | वृष्पयिष्यावहि | वृष्पयिष्यामहि |

॥ अथ फान्ताः सप्त ॥

347 तुफ (तुफ्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | तोफयति | तोफयतः | तोफयन्ति |
| | तोफयसि | तोफयथः | तोफयथ |
| | तोफयामि | तोफयावः | तोफयामः |
| स० | तोफयेत् | तोफयेताम् | तोफयेयुः |
| | तोफयेः | तोफयेतम् | तोफयेत |
| | तोफयेयम् | तोफयेव | तोफयेम |
| प० | तोफयतु | तोफयतात् | तोफयताम् |
| | तोफय | तोफयतात् | तोफयतम् |
| | तोफयानि | तोफयाव | तोफयाम |
| झ० | अतोफयत् | अतोफयताम् | अतोफयन् |
| | अतोफयः | अतोफयतम् | अतोफयत |
| | अतोफयम् | अतोफयाव | अतोफयाम |
| ञ० | अतुतुफत् | अतुतुफताम् | अतुतुफन् |
| | अतुतुफः | अतुतुफतम् | अतुतुफत |
| | अतुतुफम् | अतुतुफाव | अतुतुफाम |
| प० | तोफयाश्चकार | तोफयाश्चक्रुः | तोफयाश्चक्रुः |
| | तोफयाश्चकर्थ | तोफयाश्चक्रथुः | तोफयाश्चक्र |
| | तोफयाश्चकार-चक्र | तोफयाश्चक्रुव | तोफयाश्चक्रुम |
| | तोफयाम्बभूव | । | तोफयामास |
| आ० | तोफयात् | तोफयास्ताम् | तोफयासुः |
| | तोफयाः | तोफयास्तम् | तोफयास्त |
| | तोफयासम् | तोफयास्व | तोफयास्म |
| इ० | तोफयिता | तोफयितारौ | तोफयितारः |
| | तोफयितासि | तोफयितास्थः | तोफयितास्थ |
| | तोफयितास्मि | तोफयितास्वः | तोफयितास्मः |
| भ० | तोफयिष्यति | तोफयिष्यतः | तोफयिष्यन्ति |
| | तोफयिष्यसि | तोफयिष्यथः | तोफयिष्यथ |
| | तोफयिष्यामि | तोफयिष्यावः | तोफयिष्यामः |
| क्रि० | अतोफयिष्यत् | अतोफयिष्यताम् | अतोफयिष्यन् |
| | अतोफयिष्यः | अतोफयिष्यतम् | अतोफयिष्यत |
| | अतोफयिष्यम् | अतोफयिष्याव | अतोफयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तोफयते | तोफयेते | तोफयन्ते |
| | तोफयसे | तोफयेथे | तोफयध्वे |
| | तोफये | तोफयावहे | तोफयामहे |
| स० | तोफयेत | तोफयेयाताम् | तोफयेरन् |
| | तोफयेथाः | तोफयेयाथाम् | तोफयेध्वम् |
| | तोफयेय | तोफयेवहि | तोफयेमहि |
| प० | तोफयताम् | तोफयेताम् | तोफयन्ताम् |
| | तोफयस्व | तोफयेथाम् | तोफयध्वम् |
| | तोफये | तोफयावहे | तोफयामहे |
| झ० | अतोफयत | अतोफयेताम् | अतोफयन्त |
| | अतोफयथाः | अतोफयेथाम् | अतोफयध्वम् |
| | अतोफये | अतोफयावहि | अतोफयामहि |
| ञ० | अतुतुफत | अतुतुफताम् | अतुतुफन्त |
| | अतुतुफथाः | अतुतुफेथाम् | अतुतुफध्वम् |
| | अतुतुफे | अतुतुफावहि | अतुतुफामहि |
| प० | तोफयाश्चके | तोफयाश्चकाते | तोफयाश्चकिरे |
| | तोफयाश्चकृषे | तोफयाश्चक्राथे | तोफयाश्चकृद्वे |
| | तोफयाश्चके | तोफयाश्चकृवहे | तोफयाश्चकृमहे |
| | तोफयाम्बभूव | । | तोफयामास |
| आ० | तोफयिषीष्ट | तोफयिषीयास्ताम् | तोफयिषीरन् |
| | तोफयिषीष्टाः | तोफयिषीयास्थाम् | तोफयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | तोफयिषीय | तोफयिषीवहि | तोफयिषीमहि |
| इ० | तोफयिता | तोफयितारौ | तोफयितारः |
| | तोफयितासे | तोफयितासाथे | तोफयिताध्वे |
| | तोफयिताहे | तोफयितास्वहे | तोफयितास्महे |
| भ० | तोफयिष्यते | तोफयिष्येते | तोफयिष्यन्ते |
| | तोफयिष्यसे | तोफयिष्येथे | तोफयिष्यध्वे |
| | तोफयिष्ये | तोफयिष्यावहे | तोफयिष्यामहे |
| क्रि० | अतोफयिष्यत | अतोफयिष्येताम् | अतोफयिष्यन्त |
| | अतोफयिष्यथाः | अतोफयिष्येथाम् | अतोफयिष्यध्वम् |
| | अतोफयिष्ये | अतोफयिष्यावहि | अतोफयिष्यामहि |

348 तुम्फ (तुम्फ) हिंसायाम्

| | | |
|---------------------|----------------|----------------|
| व० तुम्फयति | तुम्फयतः | तुम्फयन्ति |
| तुम्फयसि | तुम्फयथः | तुम्फयथ |
| तुम्फयामि | तुम्फयावः | तुम्फयामः |
| स० तुम्फयेत् | तुम्फयेताम् | तुम्फयेयुः |
| तुम्फयेः | तुम्फयेतम् | तुम्फयेत |
| तुम्फयेयम् | तुम्फयेव | तुम्फयेम |
| प० तुम्फयतु | तुम्फयतात् | तुम्फयताम् |
| तुम्फय | तुम्फयतम् | तुम्फयत |
| तुम्फयानि | तुम्फयाव | तुम्फयाम |
| ह्य० अतुम्फयत् | अतुम्फयताम् | अतुम्फयन् |
| अतुम्फयः | अतुम्फयतम् | अतुम्फयत |
| अतुम्फयम् | अतुम्फयाव | अतुम्फयाम |
| अ० अतुम्फत् | अतुम्फताम् | अतुम्फन् |
| अतुम्फः | अतुम्फतम् | अतुम्फत |
| अतुम्फम् | अतुम्फाव | अतुम्फाम |
| प० तुम्फयाञ्चकार | तुम्फयाञ्चकतुः | तुम्फयाञ्चकुः |
| तुम्फयाञ्चकथं | तुम्फयाञ्चकथुः | तुम्फयाञ्चक |
| तुम्फयाञ्चकार-कर | तुम्फयाञ्चकृव | तुम्फयाञ्चकृम |
| तुम्फयाम्बभूव | तुम्फयामास | |
| आ० तुम्फयात् | तुम्फयास्ताम् | तुम्फयासुः |
| तुम्फयाः | तुम्फयास्तम् | तुम्फयास्त |
| तुम्फयासम् | तुम्फयास्व | तुम्फयास्म |
| श्व० तुम्फयिता | तुम्फयितारौ | तुम्फयितारः |
| तुम्फयितासि | तुम्फयितास्थः | तुम्फयितास्थ |
| तुम्फयितास्मि | तुम्फयितास्वः | तुम्फयितास्मः |
| भ० तुम्फयिष्यति | तुम्फयिष्यतः | तुम्फयिष्यन्ति |
| तुम्फयिष्यसि | तुम्फयिष्यथः | तुम्फयिष्यथ |
| तुम्फयिष्यामि | तुम्फयिष्यावः | तुम्फयिष्यामः |
| क्रि० अतुम्फयिष्यत् | अतुम्फयिष्यतम् | अतुम्फयिष्यन् |
| अतुम्फयिष्यः | अतुम्फयिष्यतम् | अतुम्फयिष्यत |
| अतुम्फयिष्यम् | अतुम्फयिष्याव | अतुम्फयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० तुम्फयते | तुम्फयेते | तुम्फयन्ते |
| तुम्फयसे | तुम्फयेथे | तुम्फयध्वे |
| तुम्फये | तुम्फयावहे | तुम्फयामहे |
| स० तुम्फयेत | तुम्फयेयाताम् | तुम्फयेरन् |
| तुम्फयेथाः | तुम्फयेयाथाम् | तुम्फयेध्वम् |
| तुम्फयेय | तुम्फयेवहि | तुम्फयेमहि |
| प० तुम्फयताम् | तुम्फयेताम् | तुम्फयन्ताम् |
| तुम्फयस्व | तुम्फयेथाम् | तुम्फयध्वम् |
| तुम्फये | तुम्फयावहे | तुम्फयामहे |
| ह्य० अतुम्फयत | अतुम्फयेताम् | अतुम्फयन्त |
| अतुम्फयथाः | अतुम्फयेथाम् | अतुम्फयध्वम् |
| अतुम्फये | अतुम्फयावहि | अतुम्फयामहि |
| अ० अतुम्फत | अतुम्फेताम् | अतुम्फन्त |
| अतुम्फथाः | अतुम्फेथाम् | अतुम्फध्वम् |
| अतुम्फे | अतुम्फावहि | अतुम्फामहि |
| प० तुम्फयाञ्चके | तुम्फयाञ्चकते | तुम्फयाञ्चकिरे |
| तुम्फयाञ्चकृषे | तुम्फयाञ्चकृषे | तुम्फयाञ्चकृध्वे |
| तुम्फयाञ्चके | तुम्फयाञ्चकृवहे | तुम्फयाञ्चकृमहे |
| तुम्फयाम्बभूव | तुम्फयामास | |
| आ० तुम्फयिषीष्ट | तुम्फयिषीस्ताम् | तुम्फयिषीरन् |
| तुम्फयिषीष्ठाः | तुम्फयिषीयाम् | तुम्फयिषीध्वम् |
| तुम्फयिषीय | तुम्फयिषीवहि | तुम्फयिषीमहि |
| श्व० तुम्फयिता | तुम्फयितारौ | तुम्फयितारः |
| तुम्फयितासे | तुम्फयितासाथे | तुम्फयिताध्वे |
| तुम्फयिताहे | तुम्फयितास्वहे | तुम्फयितास्महे |
| भ० तुम्फयिष्यते | तुम्फयिष्येते | तुम्फयिष्यन्ते |
| तुम्फयिष्यसे | तुम्फयिष्येथे | तुम्फयिष्यध्वे |
| तुम्फयिष्ये | तुम्फयिष्यावहे | तुम्फयिष्यामहे |
| क्रि० अतुम्फयिष्यत | अतुम्फयिष्येताम् | अतुम्फयिष्यन्त |
| अतुम्फयिष्यथाः | अतुम्फयिष्येथाम् | अतुम्फयिष्यध्वम् |
| अतुम्फयिष्ये | अतुम्फयिष्यावहि | अतुम्फयिष्यामहि |

349 वृफ(वृफ्) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|----------------------------|-----------------|----------------|
| ब० | त्रोफयति | त्रोफयतः | त्रोफयन्ति |
| | त्रोफयसि | त्रोफयथः | त्रोफयथ |
| | त्रोफयामि | त्रोफयावः | त्रोफयामः |
| स० | त्रोफयेत् | त्रोफयेताम् | त्रोफयेयुः |
| | त्रोफयेः | त्रोफयेतम् | त्रोफयेत |
| | त्रोफयेयम् | त्रोफयेव | त्रोफयेम |
| प० | त्रोफयतु | त्रोफयतात् | त्रोफयताम् |
| | त्रोफय | त्रोफयतम् | त्रोफयत |
| | त्रोफयाणि | त्रोफयाव | त्रोफयाम |
| ह्य० | अत्रोफयत् | अत्रोफयताम् | अत्रोफयन् |
| | अत्रोफयः | अत्रोफयतम् | अत्रोफयत |
| | अत्रोफयम् | अत्रोफयाव | अत्रोफयाम |
| अ० | अतुत्रुफत् | अतुत्रुफताम् | अतुत्रुफन् |
| | अतुत्रुफः | अतुत्रुफतम् | अतुत्रुफत |
| | अतुत्रुफम् | अतुत्रुफाव | अतुत्रुफाम |
| प० | त्रोफयाञ्चकार | त्रोफयाञ्चकतुः | त्रोफयाञ्चकुः |
| | त्रोफयाञ्चकथं | त्रोफयाञ्चकथुः | त्रोफयाञ्चक |
| | त्रोफयाञ्चकार-वकर | त्रोफयाञ्चकृव | त्रोफयाञ्चकृम |
| | त्रोफयाम्बभूव । त्रोफयामास | | |
| आ० | त्रोफ्यात् | त्रोफ्यास्ताम् | त्रांफ्यासुः |
| | त्रोफ्याः | त्रोफ्यास्तम् | त्रांफ्यास्त |
| | त्रोफ्यासम् | त्रोफ्यास्व | त्रांफ्यासम |
| श्व० | त्रोफयिता | त्रोफयितारौ | त्रोफयितारः |
| | त्रोफयितासि | त्रोफयितास्थः | त्रोफयितास्थ |
| | त्रोफयितास्मि | त्रोफयितास्वः | त्रोफयितास्मः |
| भ० | त्रोफयिष्यति | त्रोफयिष्यतः | त्रोफयिष्यन्ति |
| | त्रोफयिष्यसि | त्रोफयिष्यथः | त्रोफयिष्यथ |
| | त्रोफयिष्यामि | त्रोफयिष्यावः | त्रोफयिष्यामः |
| क्रि० | अत्रोफयिष्यत् | अत्रोफयिष्यताम् | अत्रोफयिष्यन् |
| | अत्रोफयिष्यः | अत्रोफयिष्यतम् | अत्रोफयिष्यत |
| | अत्रोफयिष्यम् | अत्रोफयिष्याव | अत्रोफयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------------------|-------------------|------------------|
| व० | त्रोफयते | त्रोफयेते | त्रोफयन्ते |
| | त्रोफयसे | त्रोफयेथे | त्रोफयध्वे |
| | त्रोफये | त्रोफयावहे | त्रोफयामहे |
| स० | त्रोफयेत | त्रोफयेयाताम् | त्रोफयेरन् |
| | त्रोफयेथाः | त्रोफयेयाथाम् | त्रोफयेष्वम् |
| | त्रोफयेय | त्रोफयेवहि | त्रोफयेमहि |
| प० | त्रोफयताम् | त्रोफयेताम् | त्रोफयन्ताम् |
| | त्रोफयस्व | त्रोफयेथाम् | त्रोफयध्वम् |
| | त्रोफयै | त्रोफयावहै | त्रोफयामहै |
| ह्य० | अत्रोफयत | अत्रोफयेताम् | अत्रोफयन्त |
| | अत्रोफयथाः | अत्रोफयेथाम् | अत्रोफयध्वम् |
| | अत्रोफये | अत्रोफयावहि | अत्रोफयामहि |
| अ० | अतुत्रुफत | अतुत्रुफताम् | अतुत्रुफन्त |
| | अतुत्रुफथाः | अतुत्रुफेथाम् | अतुत्रुफध्वम् |
| | अतुत्रुफे | अतुत्रुफावहि | अतुत्रुफामहि |
| प० | त्रोफयाञ्चक्रे | त्रोफयाञ्चक्राते | त्रोफयाञ्चक्रिरे |
| | त्रोफयाञ्चकृषे | त्रोफयाञ्चकृथे | त्रोफयाञ्चकृध्वे |
| | त्रोफयाञ्चक्रे | त्रोफयाञ्चकृवहे | त्रोफयाञ्चकृमहे |
| | त्रोफयाम्बभूव । त्रोफयामास | | |
| आ० | त्रोफयिषीष्ट | त्रोफयिषीयास्ताम् | त्रांफयिषीरन् |
| | त्रोफयिषीष्ठाः | त्रोफयिषीयास्थाम् | त्रांफयिषीध्वम् |
| | त्रोफयिषीय | त्रोफयिषीवहि | त्रोफयिषीमहि |
| श्व० | त्रोफयिता | त्रोफयितारौ | त्रोफयितारः |
| | त्रोफयितासे | त्रोफयितासाथे | त्रोफयिताध्वे |
| | त्रोफयिताहे | त्रोफयितास्वहे | त्रोफयितास्महे |
| भ० | त्रोफयिष्यते | त्रोफयिष्येते | त्रोफयिष्यन्ते |
| | त्रोफयिष्यसे | त्रोफयिष्येथे | त्रोफयिष्यध्वे |
| | त्रोफयिष्ये | त्रोफयिष्यावहे | त्रोफयिष्यामहे |
| क्रि० | अत्रोफयिष्यत | अत्रोफयिष्येताम् | अत्रोफयिष्यन्त |
| | अत्रोफयिष्यथाः | अत्रोफयिष्येथाम् | अत्रोफयिष्यध्वम् |
| | अत्रोफयिष्ये | अत्रोफयिष्यावहि | अत्रोफयिष्यामहि |

350 वुम्फ (वुम्फ्) हिंसायाम्

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------------|
| व० वुम्फयति | वुम्फयतः | वुम्फयन्ति |
| वुम्फयसि | वुम्फयथः | वुम्फयथ |
| वुम्फयामि | वुम्फयावः | वुम्फयामः |
| स० वुम्फयेत् | वुम्फयेताम् | वुम्फयेयुः |
| वुम्फयेः | वुम्फयेतम् | वुम्फयेत |
| वुम्फयेयम् | वुम्फयेव | वुम्फयेम |
| प० वुम्फयतु | वुम्फयतात् | वुम्फयताम् वुम्फयन्तु |
| वुम्फय | वुम्फयतात् | वुम्फयतम् वुम्फयत |
| वुम्फयाणि | वुम्फयाव | वुम्फयाम |
| ह्य० अवुम्फयत् | अवुम्फयताम् | अवुम्फयन् |
| अवुम्फयः | अवुम्फयतम् | अवुम्फयत |
| अवुम्फयम् | अवुम्फयाव | अवुम्फयाम |
| अ० अतुवुम्फत् | अतुवुम्फताम् | अतुवुम्फन् |
| अतुवुम्फः | अतुवुम्फतम् | अतुवुम्फत |
| अतुवुम्फम् | अतुवुम्फाव | अतुवुम्फाम |
| प० वुम्फयाञ्चकार | वुम्फयाञ्चकतुः | वुम्फयाञ्चकुः |
| वुम्फयाञ्चकथं | वुम्फयाञ्चकथुः | वुम्फयाञ्चक |
| वुम्फयाञ्चकार चकर | वुम्फयाञ्चकृव | वुम्फयाञ्चकृमहे |
| वुम्फयाम्बभूव | वुम्फयामास | |
| आ० वुम्फयात् | वुम्फयास्ताम् | वुम्फयासुः |
| वुम्फयाः | वुम्फयास्तम् | वुम्फयास्त |
| वुम्फयासम् | वुम्फयास्व | वुम्फयास |
| श० वुम्फयिता | वुम्फयितारौ | वुम्फयितारः |
| वुम्फयितासि | वुम्फयितास्थः | वुम्फयितास्थ |
| वुम्फयितास्मि | वुम्फयितास्वः | वुम्फयितास्मः |
| भ० वुम्फयिष्यति | वुम्फयिष्यतः | वुम्फयिष्यन्ति |
| वुम्फयिष्यसि | वुम्फयिष्यथः | वुम्फयिष्यथ |
| वुम्फयिष्यामि | वुम्फयिष्यावः | वुम्फयिष्यामः |
| क्रि० अवुम्फयिष्यत् | अवुम्फयिष्यताम् | अवुम्फयिष्यन् |
| अवुम्फयिष्यः | अवुम्फयिष्यतम् | अवुम्फयिष्यत |
| अवुम्फयिष्यम् | अवुम्फयिष्याव | अवुम्फयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० वुम्फयते | वुम्फयेते | वुम्फयन्ते |
| वुम्फयसे | वुम्फयेथे | वुम्फयध्वे |
| वुम्फये | वुम्फयावहे | वुम्फयामहे |
| स० वुम्फयेत | वुम्फयेयाताम् | वुम्फयेरन् |
| वुम्फयेथाः | वुम्फयेयाथाम् | वुम्फयेध्वम् |
| वुम्फयेय | वुम्फयेवहि | वुम्फयेमहि |
| प० वुम्फयताम् | वुम्फयेताम् | वुम्फयन्ताम् |
| वुम्फयस्व | वुम्फयेथाम् | वुम्फयध्वम् |
| वुम्फयै | वुम्फयावहै | वुम्फयामहै |
| ह्य० अवुम्फयत | अवुम्फयेताम् | अवुम्फयन्त |
| अवुम्फयथाः | अवुम्फयेथाम् | अवुम्फयध्वम् |
| अवुम्फये | अवुम्फयावहि | अवुम्फयामहि |
| अ० अतुवुम्फत | अतुवुम्फेताम् | अतुवुम्फन्त |
| अतुवुम्फथाः | अतुवुम्फेथाम् | अतुवुम्फध्वम् |
| अतुवुम्फे | अतुवुम्फावहि | अतुवुम्फामहि |
| प० वुम्फयाञ्चके | वुम्फयाञ्चकते | वुम्फयाञ्चकिरे |
| वुम्फयाञ्चकृषे | वुम्फयाञ्चकथे | वुम्फयाञ्चकृद्वे |
| वुम्फयाञ्चके | वुम्फयाञ्चकृवहे | वुम्फयाञ्चकृमहे |
| वुम्फयाम्बभूव | वुम्फयामास | |
| आ० वुम्फयिषीष्ट | वुम्फयिषीयास्ताम् | वुम्फयिषीरन् |
| वुम्फयिषीष्ठाः | वुम्फयिषीयास्थाम् | वुम्फयिषीध्वम् |
| वुम्फयिषीय | वुम्फयिषीवहि | वुम्फयिषीमहि |
| श० वुम्फयिता | वुम्फयितारौ | वुम्फयितारः |
| वुम्फयितासे | वुम्फयितासाथे | वुम्फयिताध्वे |
| वुम्फयिताहे | वुम्फयितास्वहे | वुम्फयितास्महे |
| भ० वुम्फयिष्यते | वुम्फयिष्येते | वुम्फयिष्यन्ते |
| वुम्फयिष्यसे | वुम्फयिष्येथे | वुम्फयिष्यध्वे |
| वुम्फयिष्ये | वुम्फयिष्यवहे | वुम्फयिष्यामहे |
| क्रि० अवुम्फयिष्यत | अवुम्फयिष्येताम् | अवुम्फयिष्यन्त |
| अवुम्फयिष्यथाः | अवुम्फयिष्येथाम् | अवुम्फयिष्यध्वम् |
| अवुम्फयिष्ये | अवुम्फयिष्यवहि | अवुम्फयिष्यामहि |

351 वर्ष (वर्ष) गतौ ।

[illegible]

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | वर्कयेते | वर्कयेते | वर्कयन्ते |
| | वर्कयसे | वर्कयेथे | वर्कयध्वे |
| | वर्कये | वर्कयावहे | वर्कयामहे |
| स० | वर्कयेत | वर्कयेयाताम् | वर्कयेरन् |
| | वर्कयेथाः | वर्कयेयाथाम् | वर्कयेध्वम् |
| | वर्कयेथ | वर्कयेवहि | वर्कयेमहि |
| प० | वर्कयताम् | वर्कयेताम् | वर्कयन्ताम् |
| | वर्कयस्व | वर्कयेथाम् | वर्कयध्वम् |
| | वर्कये | वर्कयावहे | वर्कयामहे |
| ह्य० | अवर्कयत | अवर्कयेताम् | अवर्कयन्त |
| | अवर्कयथाः | अवर्कयेथाम् | अवर्कयध्वम् |
| | अवर्कये | अवर्कयावहि | अवर्कयमहि |
| अ० | अववर्कत | अववर्कताम् | अववर्कन्त |
| | अववर्कथाः | अववर्कथाम् | अववर्कध्वम् |
| | अववर्के | अववर्कवहि | अववर्कमहि |
| प० | वर्कयाञ्चके | वर्कयाञ्चकाते | वर्कयाञ्चकिरे |
| | वर्कयाञ्चकृषे | वर्कयाञ्चक्राथे | वर्कयाञ्चकुर्वे |
| | वर्कयाञ्चके | वर्कयाञ्चकृवहे | वर्कयाञ्चक्रमहे |
| | वर्कयाम्बभूव | वर्कयामास | |
| आ० | वर्कयिषीष्ट | वर्कयिषीयास्ताम् | वर्कयिषीरन् |
| | वर्कयिषीष्टाः | वर्कयिषीयास्थाम् | वर्कयिषीध्वम् |
| | वर्कयिषीय | वर्कयिषीवहि | वर्कयिषीमहि |
| श्च० | वर्कयिता | वर्कयितारौ | वर्कयितारः |
| | वर्कयितासे | वर्कयितासाथे | वर्कयिताध्वे |
| | वर्कयिताहे | वर्कयितास्वहे | वर्कयितास्महे |
| अ० | वर्कयिष्यते | वर्कयिष्येते | वर्कयिष्यन्ते |
| | वर्कयिष्यसे | वर्कयिष्येथे | वर्कयिष्यध्वे |
| | वर्कयिष्ये | वर्कयिष्यावहे | वर्कयिष्यामहे |
| क्रि० | अवर्कयिष्यत | अवर्कयिष्यताम् | अवर्कयिष्यन्त |
| | अवर्कयिष्यथाः | अवर्कयिष्येथाम् | अवर्कयिष्यध्वम् |
| | अवर्कयिष्ये | अवर्कयिष्यावहि | अवर्कयिष्यामहि |

३५२ रफ् (रफ्) गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० राफयति | राफयतः | राफयन्ति |
| राफयसि | राफयथः | राफयथ |
| राफयामि | राफयावः | राफयामः |
| स० राफयेत् | राफयेताम् | राफयेयुः |
| राफयेः | राफयेतम् | राफयेत |
| राफयेयम् | राफयेव | राफयेम |
| प० राफयतु | राफयतात् | राफयताम् |
| राफय | राफयतम् | राफयत |
| राफयानि | राफयाव | राफयाम |
| ह्य० अराफयत् | अराफयताम् | अराफयन् |
| अराफयः | अराफयतम् | अराफयत |
| अराफयम् | अराफयाव | अराफयाम |
| अ० अरीरफत् | अरीरफताम् | अरीरफन् |
| अरीरफः | अरीरफतम् | अरीरफत |
| अरीरफम् | अरीरफव | अरीरफाम |
| प० राफयाञ्चकार | राफयाञ्चक्रुः | राफयाञ्चक्रुः |
| राफयाञ्चकथं | राफयाञ्चकथुः | राफयाञ्चक |
| राफयाञ्चकार-कर | राफयाञ्चकृव | राफयाञ्चकृम |
| राफयाञ्चभूव | राफयामास | |
| आ० राफयात् | राफयास्ताम् | राफयास्तुः |
| राफयाः | राफयास्तम् | राफयास्त |
| राफयासम् | राफयास्व | राफयास्म |
| श्व० राफयिता | राफयितारौ | राफयितारः |
| राफयितासि | राफयितास्थः | राफयितास्थ |
| राफयितास्मि | राफयितास्वः | राफयितास्मः |
| भ० राफयिष्यति | राफयिष्यतः | राफयिष्यन्ति |
| राफयिष्यसि | राफयिष्यथः | राफयिष्यथ |
| राफयिष्यामि | राफयिष्यावः | राफयिष्यामः |
| क्रि० अराफयिष्यत् | अराफयिष्यताम् | अराफयिष्यन् |
| अराफयिष्यः | अराफयिष्यतम् | अराफयिष्यत |
| अराफयिष्यम् | अराफयिष्याव | अराफयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| व० राफयते | राफयेते | राफयन्ते |
| राफयसे | राफयेथे | राफयध्वे |
| राफये | राफयावहे | राफयामहे |
| स० राफयेत | राफयेयाताम् | राफयेयन् |
| राफयेथाः | राफयेयाथाम् | राफयेध्वम् |
| राफयेथ | राफयेवहि | राफयेमहि |
| प० राफयताम् | राफयेताम् | राफयन्ताम् |
| राफयस्व | राफयेथाम् | राफयध्वम् |
| राफयै | राफयावहे | राफयामहे |
| ह्य० अराफयत | अराफयेताम् | अराफयन्त |
| अराफयथाः | अराफयेथाम् | अराफयध्वम् |
| अराफये | अराफयावहि | अराफयमहि |
| अ० अरीरफत् | अरीरफेताम् | अरीरफन्त |
| अरीरफथाः | अरीरफेथाम् | अरीरफध्वम् |
| अरीरफे | अरीरफवहि | अरीरफमहि |
| प० राफयाञ्चक्रे | राफयाञ्चक्राते | राफयाञ्चक्रिरे |
| राफयाञ्चकृषे | राफयाञ्चक्राथे | राफयाञ्चकृद्ध्वे |
| राफयाञ्चक्रे | राफयाञ्चकृवहे | राफयाञ्चकृमहे |
| राफयाञ्चभूव | राफयामास | |
| आ० राफयिषीष्ट | राफयिषीयास्ताम् | राफयिषीरन् |
| राफयिषीष्टाः | राफयिषीयास्थाम् | राफयिषीद्भवम् |
| राफयिषीय | राफयिषीवहि | राफयिषीमहि |
| श्व० राफयिता | राफयितारौ | राफयितारः |
| राफयितासे | राफयितासाथे | राफयिताध्वे |
| राफयिताहे | राफयितास्वहे | राफयितास्महे |
| भ० राफयिष्यते | राफयिष्येते | राफयिष्यन्ते |
| राफयिष्यसे | राफयिष्येथे | राफयिष्यध्वे |
| राफयिष्ये | राफयिष्यावहे | राफयिष्यामहे |
| क्रि० अराफयिष्यत | अराफयिष्येताम् | अराफयिष्यन्त |
| आफयिष्यथाः | अराफयिष्येथाम् | अराफयिष्यध्वम् |
| आफयिष्ये | अराफयिष्यावहि | अराफयिष्यामहि |

353 रफु (रम्फु) गतौ ।

| | | | |
|-------|---------------|----------------|---------------|
| ब० | रम्फयति | रम्फयतः | रम्फयन्ति |
| | रम्फयसि | रम्फयथः | रम्फयथ |
| | रम्फयामि | रम्फयावः | रम्फयामः |
| स० | रम्फयेत् | रम्फयेताम् | रम्फयेयुः |
| | रम्फयेः | रम्फयेतम् | रम्फयेत |
| | रम्फयेयम् | रम्फयेव | रम्फयेम |
| प० | रम्फयतु | रम्फयतात् | रम्फयताम् |
| | रम्फय | रम्फयतात् | रम्फयताम् |
| | रम्फयाणि | रम्फयाव | रम्फयाम |
| ह्य० | अरम्फयत् | अरम्फयताम् | अरम्फयन् |
| | अरम्फयः | अरम्फयतम् | अरम्फयत |
| | अरम्फयम् | अरम्फयाव | अरम्फयाम |
| अ० | अररम्फत् | अररम्फताम् | अररम्फन् |
| | अररम्फः | अररम्फतम् | अररम्फत |
| | अररम्फम् | अररम्फाव | अररम्फाम |
| प | रम्फयाञ्चकार | रम्फयाञ्चकतुः | रम्फयाञ्चकुः |
| | रम्फयाञ्चकर्थ | रम्फयाञ्चकथुः | रम्फयाञ्चक |
| | रम्फयाञ्चकार | चकर | रम्फयाञ्चकुव |
| | रम्फयाम्बभूव | । | रम्फयामास |
| आ० | रम्फयात् | रम्फयास्ताम् | रम्फयासुः |
| | रम्फयाः | रम्फयास्तम् | रम्फयास्त |
| | रम्फयासम् | रम्फयास्व | रम्फयास्म |
| श्च० | रम्फयिता | रम्फयितारौ | रम्फयितारः |
| | रम्फयितासि | रम्फयितास्थः | रम्फयितास्थ |
| | रम्फयितास्मि | रम्फयितास्वः | रम्फयितास्मः |
| भ० | रम्फयिष्यति | रम्फयिष्यतः | रम्फयिष्यन्ति |
| | रम्फयिष्यसि | रम्फयिष्यथः | रम्फयिष्यथ |
| | रम्फयिष्यामि | रम्फयिष्यावः | रम्फयिष्यामः |
| क्रि० | अरम्फयिष्यत् | अरम्फयिष्यताम् | अरम्फयिष्यन् |
| | अरम्फयिष्यः | अरम्फयिष्यतम् | अरम्फयिष्यत |
| | अरम्फयिष्यम् | अरम्फयिष्याव | अरम्फयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | रम्फयते | रम्फयेते | रम्फयन्ते |
| | रम्फयसे | रम्फयेथे | रम्फयध्वे |
| | रम्फये | रम्फयावहे | रम्फयामहे |
| स० | रम्फयेत | रम्फयेयाताम् | रम्फयेरन् |
| | रम्फयेथाः | रम्फयेयाथाम् | रम्फयेध्वम् |
| | रम्फयेय | रम्फयेवहि | रम्फयेमहि |
| प० | रम्फयताम् | रम्फयेताम् | रम्फयन्ताम् |
| | रम्फयस्व | रम्फयेथाम् | रम्फयध्वम् |
| | रम्फयै | रम्फयावहै | रम्फयामहै |
| ह्य० | अरम्फयत | अरम्फयेताम् | अरम्फयन्त |
| | अरम्फयथाः | अरम्फयेथाम् | अरम्फयध्वम् |
| | अरम्फये | अरम्फयावहि | अरम्फयामहि |
| अ० | अररम्फत | अररम्फेताम् | अररम्फन्त |
| | अररम्फथाः | अररम्फेथाम् | अररम्फध्वम् |
| | अररम्फे | अररम्फावहि | अररम्फामहि |
| प० | रम्फयाञ्चक्रे | रम्फयाञ्चक्राते | रम्फयाञ्चक्रिरे |
| | रम्फयाञ्चकृषे | रम्फयाञ्चक्राथे | रम्फयाञ्चकृद्वे |
| | रम्फयाञ्चक्रे | रम्फयाञ्चकृवहे | रम्फयाञ्चकृमहे |
| | रम्फयाम्बभूव | रम्फयामास | |
| आ० | रम्फयिषीष्ट | रम्फयिषीयास्ताम् | रम्फयिषीरन् |
| | रम्फयिषीष्ठाः | रम्फयिषीयास्थाम् | रम्फयिषीद्वम् |
| | | | श्चम् |
| | रम्फयिषीय | रम्फयिषीवहि | रम्फयिषीमहि |
| श्च० | रम्फयिता | रम्फयितारौ | रम्फयितारः |
| | रम्फयितासे | रम्फयितासाथे | रम्फयिताध्वे |
| | रम्फयिताहे | रम्फयितास्वहे | रम्फयितास्महे |
| भ० | रम्फयिष्यते | रम्फयिष्येते | रम्फयिष्यन्ते |
| | रम्फयिष्यसे | रम्फयिष्येथे | रम्फयिष्यध्वे |
| | रम्फयिष्ये | रम्फयिष्यावहे | रम्फयिष्यामहे |
| क्रि० | अरम्फयिष्यत | अरम्फयिष्येताम् | अरम्फयिष्यन्त |
| | अरम्फयिष्यथाः | अरम्फयिष्येथाम् | अरम्फयिष्यध्वम् |
| | अरम्फयिष्ये | अरम्फयिष्यावहि | अरम्फयिष्यामहि |

॥ अथ वान्ता अष्टादश

354 अर्ब(अर्ब) गतौ ।

| | | | |
|-------|--------------------------|-----------------|----------------|
| व० | अर्बयति | अर्बयतः | अर्बयन्ति |
| | अर्बयसि | अर्बयथः | अर्बयथ |
| | अर्बयामि | अर्बयावः | अर्बयामः |
| स० | अर्बयेत् | अर्बयेताम् | अर्बयेयुः |
| | अर्बयेः | अर्बयेतम् | अर्बयेत |
| | अर्बयेयम् | अर्बयेव | अर्बयेम |
| प० | अर्बयतु | अर्बयतात् | अर्बयताम् |
| | अर्बय | अर्बयतम् | अर्बयत |
| | अर्बयाणि | अर्बयाव | अर्बयाम |
| ह्य० | आर्बयत् | आर्बयताम् | आर्बयन् |
| | आर्बयः | आर्बयतम् | आर्बयत |
| | आर्बयम् | आर्बयाव | आर्बयाम |
| अ० | आर्बिवत् | आर्बिवताम् | आर्बिवन् |
| | आर्बिवः | आर्बिवतम् | आर्बिवत |
| | आर्बिवम् | आर्बिवाम् | आर्बिवाम |
| प० | अर्बयाश्चकार | अर्बयाश्चक्रतुः | अर्बयाश्चक्रुः |
| | अर्बयाश्चकथे | अर्बयाश्चकथुः | अर्बयाश्चक |
| | अर्बयाश्चकार-चकर | अर्बयाश्चकृव | अर्बयाश्चकृम |
| | अर्बयाम्बभूव । अर्बयामास | | |
| आ० | अर्ब्यात् | अर्ब्यास्ताम् | अर्ब्यासुः |
| | अर्ब्याः | अर्ब्यास्तम् | अर्ब्यास्त |
| | अर्ब्यासम् | अर्ब्यास्व | अर्ब्यास्म |
| श्व० | अर्बयिता | अर्बयितारौ | अर्बयितारः |
| | अर्बयितासि | अर्बयितास्थः | अर्बयितास्थ |
| | अर्बयितास्मि | अर्बयितास्वः | अर्बयितास्मः |
| भ० | अर्बयिष्यति | अर्बयिष्यतः | अर्बयिष्यन्ति |
| | अर्बयिष्यसि | अर्बयिष्यथः | अर्बयिष्यथ |
| | अर्बयिष्यामि | अर्बयिष्यावः | अर्बयिष्यामः |
| क्रि० | आर्बयिष्यत् | आर्बयिष्यताम् | आर्बयिष्यन् |
| | आर्बयिष्यः | आर्बयिष्यतम् | आर्बयिष्यत |
| | आर्बयिष्यम् | आर्बयिष्याव | आर्बयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------------------|------------------|------------------|
| व० | अर्बयेते | अर्बयेते | अर्बयन्ते |
| | अर्बयेसे | अर्बयेथे | अर्बयन्थे |
| | अर्बये | अर्बयावहे | अर्बयामहे |
| स० | अर्बयेत | अर्बयेयाताम् | अर्बयेरन् |
| | अर्बयेथाः | अर्बयेयाथाम् | अर्बयेथ्वम् |
| | अर्बयेय | अर्बयेवहि | अर्बयेमहि |
| प० | अर्बयेताम् | अर्बयेताम् | अर्बयन्ताम् |
| | अर्बयस्व | अर्बयेथाम् | अर्बयन्थ्वम् |
| | अर्बये | अर्बयावहै | अर्बयामहै |
| ह्य० | आर्बयत | आर्बयेताम् | आर्बयन्त |
| | आर्बयथाः | आर्बयेथाम् | आर्बयन्थ्वम् |
| | आर्बये | आर्बयावहि | आर्बयामहि |
| अ० | आर्बिवत् | आर्बिवेताम् | आर्बिवन्त |
| | आर्बिवथाः | आर्बिवेथाम् | आर्बिवन्थ्वम् |
| | आर्बिवे | आर्बिवावहि | आर्बिवामहि |
| प० | अर्बयाश्चक्रे | अर्बयाश्चक्राते | अर्बयाश्चक्रिरे |
| | अर्बयाश्चक्रुषे | अर्बयाश्चक्रुषे | अर्बयाश्चक्रुवै |
| | अर्बयाश्चक्रे | अर्बयाश्चक्रुवहे | अर्बयाश्चक्रुमहे |
| | अर्बयाम्बभूव । अर्बयामास | | |
| शा० | अर्बयिषीष्ट | अर्बयिषीयास्ताम् | अर्बयिषीरन् |
| | अर्बयिषीष्टाः | अर्बयिषीयास्थाम् | अर्बयिषीह्वम् |
| | ध्वम् | | |
| | अर्बयिषीय | अर्बयिषीवहि | अर्बयिषीमहि |
| श्व० | अर्बयिता | अर्बयितारौ | अर्बयितारः |
| | अर्बयितासे | अर्बयितासाथे | अर्बयिताथ्वे |
| | अर्बयिताहे | अर्बयितास्वहे | अर्बयितास्महे |
| भ० | अर्बयिष्यते | अर्बयिष्येते | अर्बयिष्यन्ते |
| | अर्बयिष्यसे | अर्बयिष्येथे | अर्बयिष्यन्थे |
| | अर्बयिष्ये | अर्बयिष्यावहे | अर्बयिष्यामहे |
| क्रि० | आर्बयिष्यत | आर्बयिष्यताम् | आर्बयिष्यन्त |
| | आर्बयिष्यथाः | आर्बयिष्येथाम् | आर्बयिष्यन्थ्वम् |
| | आर्बयिष्ये | आर्बयिष्यावहि | आर्बयिष्यामहि |

355 कर्ब (कर्ब) गतौ

| | | | |
|-------|--------------------------|----------------|---------------|
| ब० | कर्बयति | कर्बयतः | कर्बयन्ति |
| | कर्बयसि | कर्बयथः | कर्बयथ |
| | कर्बयामि | कर्बयावः | कर्बयामः |
| स० | कर्बयेत् | कर्बयेताम् | कर्बयेयुः |
| | कर्बयेः | कर्बयेतम् | कर्बयेत |
| | कर्बयेयम् | कर्बयेव | कर्बयेम |
| प० | कर्बयतु | कर्बयतात् | कर्बयन्तु |
| | कर्बय | कर्बयतम् | कर्बयत |
| | कर्बयानि | कर्बयाव | कर्बयाम |
| ह्य० | अकर्बयत् | अकर्बयताम् | अकर्बयन् |
| | अकर्बयः | अकर्बयतम् | अकर्बयत |
| | अकर्बयम् | अकर्बयाव | अकर्बयाम |
| अ० | अचकर्बत् | अचकर्बताम् | अचकर्बन् |
| | अचकर्बः | अचकर्बतम् | अचकर्बत |
| | अचकर्बम् | अचकर्बाव | अचकर्बाम |
| प० | कर्बयाञ्चकार | कर्बयाञ्चक्रुः | कर्बयाञ्चकुः |
| | कर्बयाञ्चकथं | कर्बयाञ्चकथुः | कर्बयाञ्चक |
| | कर्बयाञ्चकार-चकर | कर्बयाञ्चकृव | कर्बयाञ्चकृम |
| | कर्बयाम्बभूव । कर्बयामास | | |
| आ० | कर्ब्यात् | कर्ब्यास्ताम् | कर्ब्यासुः |
| | कर्ब्याः | कर्ब्यास्तम् | कर्ब्यास्त |
| | कर्ब्यासम् | कर्ब्यास्व | कर्ब्यास्म |
| श्व० | कर्बयिता | कर्बयितारौ | कर्बयितारः |
| | कर्बयितासि | कर्बयितास्थः | कर्बयितास्थ |
| | कर्बयितास्मि | कर्बयितास्वः | कर्बयितास्मः |
| भ० | कर्बयिष्यति | कर्बयिष्यतः | कर्बयिष्यन्ति |
| | कर्बयिष्यसि | कर्बयिष्यथः | कर्बयिष्यथ |
| | कर्बयिष्यामि | कर्बयिष्यावः | कर्बयिष्यामः |
| क्रि० | अकर्बयिष्यत् | अकर्बयिष्यताम् | अकर्बयिष्यन् |
| | अकर्बयिष्यः | अकर्बयिष्यतम् | अकर्बयिष्यत |
| | अकर्बयिष्यम् | अकर्बयिष्याव | अकर्बयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------------------|------------------|-----------------|
| व० | कर्बयते | कर्बयेते | कर्बयन्ते |
| | कर्बयसे | कर्बयेथे | कर्बयन्ते |
| | कर्बये | कर्बयावहे | कर्बयामहे |
| स० | कर्बयेत | कर्बयेयाताम् | कर्बयेरन् |
| | कर्बयेथाः | कर्बयेयाथाम् | कर्बयेध्वम् |
| | कर्बयेय | कर्बयेवहि | कर्बयेमहि |
| प० | कर्बयताम् | कर्बयेताम् | कर्बयन्ताम् |
| | कर्बयस्व | कर्बयेथाम् | कर्बयध्वम् |
| | कर्बये | कर्बयावहे | कर्बयामहे |
| ह्य० | अकर्बयत | अकर्बयेताम् | अकर्बयन्त |
| | अकर्बयथाः | अकर्बयेथाम् | अकर्बयध्वम् |
| | अकर्बये | अकर्बयावहि | अकर्बयामहि |
| अ० | अचकर्बत | अचकर्बेताम् | अचकर्बन्त |
| | अचकर्बथाः | अचकर्बेथाम् | अचकर्बध्वम् |
| | अचकर्बे | अचकर्बावहि | अचकर्बामहि |
| प० | कर्बयाञ्चक्रे | कर्बयाञ्चकाते | कर्बयाञ्चकिरे |
| | कर्बयाञ्चकृषे | कर्बयाञ्चक्राथे | कर्बयाञ्चकृद्वे |
| | कर्बयाञ्चके | कर्बयाञ्चकृवहे | कर्बयाञ्चकृमहे |
| | कर्बयाम्बभूव । कर्बयामास | | |
| आ० | कर्बयिषीष्ट | कर्बयिषीयास्ताम् | कर्बयिषीरन् |
| | कर्बयिषीष्टाः | कर्बयिषीयास्थाम् | कर्बयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | कर्बयिषीय | कर्बयिषीवहि | कर्बयिषीमहि |
| श्व० | कर्बयिता | कर्बयितारौ | कर्बयितारः |
| | कर्बयितासे | कर्बयितासाथे | कर्बयिताध्वे |
| | कर्बयिताहे | कर्बयितास्वहे | कर्बयितास्महे |
| भ० | कर्बयिष्यते | कर्बयिष्येते | कर्बयिष्यन्ते |
| | कर्बयिष्यसे | कर्बयिष्येथे | कर्बयिष्यध्वे |
| | कर्बयिष्ये | कर्बयिष्यावहे | कर्बयिष्यामहे |
| क्रि० | अकर्बयिष्यत | अकर्बयिष्येताम् | अकर्बयिष्यन्त |
| | अकर्बयिष्यथाः | अकर्बयिष्येथाम् | अकर्बयिष्यध्वम् |
| | अकर्बयिष्ये | अकर्बयिष्यावहि | अकर्बयिष्यामहि |

356 खर्व (खब्) गतौ

| | | | |
|-------|--------------------------|----------------|----------------|
| व० | खर्वयति | खर्वयतः | खर्वयन्ति |
| | खर्वयसि | खर्वयथः | खर्वयथ |
| | खर्वयामि | खर्वयावः | खर्वयामः |
| स० | खर्वयेत् | खर्वयेताम् | खर्वयेयुः |
| | खर्वयेः | खर्वयेतम् | खर्वयेत |
| | खर्वयेयम् | खर्वयेव | खर्वयेम |
| प० | खर्वयतु | खर्वयतात् | खर्वयन्तु |
| | खर्वय | खर्वयतम् | खर्वयत |
| | खर्वयान | खर्वयाव | खर्वयाम |
| ह्य० | अखर्वयत् | अखर्वयताम् | अखर्वयन् |
| | अखर्वयः | अखर्वयतम् | अखर्वयत |
| | अखर्वयम् | अखर्वयाव | अखर्वयाम |
| अ० | अचखर्वत् | अचखर्वताम् | अचखर्वन् |
| | अचखर्वः | अचखर्वतम् | अचखर्वत |
| | अचखर्वम् | अचखर्वव | अचखर्वाम |
| प० | खर्वयाश्चकार | खर्वयाश्चक्रुः | खर्वयाश्चक्रुः |
| | खर्वयाश्चकथं | खर्वयाश्चक्रुः | खर्वयाश्चक्रुः |
| | खर्वयाश्चकार-चकर | खर्वयाश्चक्रुव | खर्वयाश्चक्रुम |
| | खर्वयाम्बभूव । खर्वयामास | | |
| आ० | खर्व्यात् | खर्व्यास्ताम् | खर्व्यासुः |
| | खर्व्याः | खर्व्यास्तम् | खर्व्यास्त |
| | खर्व्यासम् | खर्व्यास्व | खर्व्यास्म |
| श्च० | खर्वयिता | खर्वयितारौ | खर्वयितारः |
| | खर्वयितासि | खर्वयितास्थः | खर्वयितास्थ |
| | खर्वयितास्मि | खर्वयितास्वः | खर्वयितास्मः |
| भ० | खर्वयिष्यति | खर्वयिष्यतः | खर्वयिष्यन्ति |
| | खर्वयिष्यसि | खर्वयिष्यथः | खर्वयिष्यथ |
| | खर्वयिष्यामि | खर्वयिष्यावः | खर्वयिष्यामः |
| क्रि० | अखर्वयिष्यत् | अखर्वयिष्यताम् | अखर्वयिष्यन् |
| | अखर्वयिष्यः | अखर्वयिष्यतम् | अखर्वयिष्यत |
| | अखर्वयिष्यम् | अखर्वयिष्याव | अखर्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------------------------|------------------|------------------|
| व० | खर्वयते | खर्वयते | खर्वयन्ते |
| | खर्वयसे | खर्वयथे | खर्वयध्वे |
| | खर्वये | खर्वयावहे | खर्वयामहे |
| स० | खर्वयेत | खर्वयेयाताम् | खर्वयेरन् |
| | खर्वयेथाः | खर्वयेयाथाम् | खर्वयेध्वम् |
| | खर्वयेय | खर्वयेवहि | खर्वयेमहि |
| प० | खर्वयताम् | खर्वयेताम् | खर्वयन्ताम् |
| | खर्वयस्व | खर्वयेथाम् | खर्वयध्वम् |
| | खर्वये | खर्वयावहे | खर्वयामहे |
| ह्य० | अखर्वयत | अखर्वयेताम् | अखर्वयन्त |
| | अखर्वयथाः | अखर्वयेथाम् | अखर्वयध्वम् |
| | अखर्वये | अखर्वयावहि | अखर्वयामहि |
| अ० | अचखर्वत् | अचखर्वताम् | अचखर्वन्त |
| | अचखर्वथाः | अचखर्वेथाम् | अचखर्वध्वम् |
| | अचखर्वे | अचखर्वावहि | अचखर्वामहि |
| प० | खर्वयाश्चक्रे | खर्वयाश्चक्रते | खर्वयाश्चक्रिरे |
| | खर्वयाश्चक्रेषु | खर्वयाश्चक्रथे | खर्वयाश्चक्रुव |
| | खर्वयाश्चक्रे | खर्वयाश्चक्रुवहे | खर्वयाश्चक्रुमहे |
| | खर्वयाम्बभूव । खर्वयामास | | |
| आ० | खर्वयिषीष्ट | खर्वयिषीयास्ताम् | खर्वयिषीरन् |
| | खर्वयिषीष्टाः | खर्वयिषीयास्थाम् | खर्वयिषीह्वम् |
| | खर्वयिषीय खर्वयिषीवहि खर्वयिषीमहि | | |
| श्च० | खर्वयिता | खर्वयितारौ | खर्वयितारः |
| | खर्वयितासे | खर्वयितासाथे | खर्वयिताध्वे |
| | खर्वयिताहे | खर्वयितास्वहे | खर्वयितास्महे |
| भ० | खर्वयिष्यते | खर्वयिष्येते | खर्वयिष्यन्ते |
| | खर्वयिष्यसे | खर्वयिष्येथे | खर्वयिष्यध्वे |
| | खर्वयिष्ये | खर्वयिष्यावहे | खर्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अखर्वयिष्यत | अखर्वयिष्येताम् | अखर्वयिष्यन्त |
| | अखर्वयिष्यथाः | अखर्वयिष्येथाम् | अखर्वयिष्यध्वम् |
| | अखर्वयिष्ये | अखर्वयिष्यावहि | अखर्वयिष्यामहि |

357 गर्ब(गर्ब्) गतौ ।

| | | |
|--------------------------|----------------|---------------|
| ब० गर्बयति | गर्बयतः | गर्बयन्ति |
| गर्बयति | गर्बयथः | गर्बयथ |
| गर्बयामि | गर्बयावः | गर्बयामः |
| स० गर्बयेत् | गर्बयेताम् | गर्बयेयुः |
| गर्बयेः | गर्बयेतम् | गर्बयेत |
| गर्बयेयम् | गर्बयेव | गर्बयेम |
| प० गर्बयतु | गर्बयतात् | गर्बयताम् |
| गर्बय | गर्बयतम् | गर्बयत |
| गर्बयाणि | गर्बयाव | गर्बयाम |
| ह्य० अगर्बयत् | अगर्बयताम् | अगर्बयन् |
| अगर्बयः | अगर्बयतम् | अगर्बयत |
| अगर्बयम् | अगर्बयाव | अगर्बयाम |
| अ० अजगर्बत् | अजगर्बताम् | अजगर्बन् |
| अजगर्बः | अजगर्बतम् | अजगर्बत |
| अजगर्बम् | अजगर्बाव | अजगर्बाम |
| प० गर्बयाश्चकार | गर्बयाश्चकतुः | गर्बयाश्चकुः |
| गर्बयाश्चकथ | गर्बयाश्चकथुः | गर्बयाश्चक |
| गर्बयाश्चकार-चकर | गर्बयाश्चकृव | गर्बयाश्चकृम |
| गर्बयाम्बभूव । गर्बयामास | | |
| आ० गर्ब्यात् | गर्ब्यास्ताम् | गर्ब्यासुः |
| गर्ब्याः | गर्ब्यास्तम् | गर्ब्यास्त |
| गर्ब्यासम् | गर्ब्यास्व | गर्ब्यास्म |
| भ० गर्बयिता | गर्बयितारौ | गर्बयितारः |
| गर्बयितासि | गर्बयितास्थः | गर्बयितास्थ |
| गर्बयितास्मि | गर्बयितास्वः | गर्बयितास्मः |
| भ० गर्बयिष्यति | गर्बयिष्यतः | गर्बयिष्यन्ति |
| गर्बयिष्यति | गर्बयिष्यथः | गर्बयिष्यथ |
| गर्बयिष्यामि | गर्बयिष्यावः | गर्बयिष्यामः |
| क्रि० अगर्बयिष्यत् | अगर्बयिष्यताम् | अगर्बयिष्यन् |
| अगर्बयिष्यः | अगर्बयिष्यतम् | अगर्बयिष्यत |
| अगर्बयिष्यम् | अगर्बयिष्याव | अगर्बयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|------------------|-----------------|
| व० गर्बयेते | गर्बयेते | गर्बयन्ते |
| गर्बयेसे | गर्बयेथे | गर्बयध्वे |
| गर्बये | गर्बयावहे | गर्बयामहे |
| स० गर्बयेत | गर्बयेयाताम् | गर्बयेरन् |
| गर्बयेथाः | गर्बयेयाथाम् | गर्बयेध्वम् |
| गर्बयेय | गर्बयेवहि | गर्बयेमहि |
| प० गर्बयताम् | गर्बयेताम् | गर्बयन्ताम् |
| गर्बयस्व | गर्बयेथाम् | गर्बयध्वम् |
| गर्बये | गर्बयावहै | गर्बयामहै |
| ह्य० अगर्बयत | अगर्बयेताम् | अगर्बयन्त |
| अगर्बयथाः | अगर्बयेथाम् | अगर्बयध्वम् |
| अगर्बये | अगर्बयावहि | अगर्बयामहि |
| अ० अजगर्बत | अजगर्बेताम् | अजगर्बन्त |
| अजगर्बथाः | अजगर्बेथाम् | अजगर्बध्वम् |
| अजगर्बे | अजगर्बावहि | अजगर्बामहि |
| प० गर्बयाश्चक्रे | गर्बयाश्चकृते | गर्बयाश्चक्रिरे |
| गर्बयाश्चकृषे | गर्बयाश्चकृथे | गर्बयाश्चकृद्वे |
| गर्बयाश्चक्रे | गर्बयाश्चकृवहे | गर्बयाश्चकृमहे |
| गर्बयाम्बभूव । गर्बयामास | | |
| आ० गर्बयिषीष्ट | गर्बयिषीयास्ताम् | गर्बयिषीरन् |
| गर्बयिषीष्टाः | गर्बयिषीयास्थाम् | गर्बयिषीह्वम् |
| ध्वम् | | |
| गर्बयिषीय | गर्बयिषीवहि | गर्बयिषीमहि |
| भ० गर्बयिता | गर्बयितारौ | गर्बयितारः |
| गर्बयितासे | गर्बयितासाथे | गर्बयिताध्वे |
| गर्बयिताहे | गर्बयितास्वहे | गर्बयितास्महे |
| भ० गर्बयिष्यते | गर्बयिष्येते | गर्बयिष्यन्ते |
| गर्बयिष्यसे | गर्बयिष्येथे | गर्बयिष्यध्वे |
| गर्बयिष्ये | गर्बयिष्यावहे | गर्बयिष्यामहे |
| क्रि० अगर्बयिष्यत | अगर्बयिष्येताम् | अगर्बयिष्यन्त |
| अगर्बयिष्यथाः | अगर्बयिष्येथाम् | अगर्बयिष्यध्वम् |
| अगर्बयिष्ये | अगर्बयिष्यावहि | अगर्बयिष्यामहि |

358 चर्ब (चर्ब) गतौ

| | | | |
|----|------------------|----------------|--------------|
| ५० | चर्बयति | चर्बयतः | चर्बयन्ति |
| | चर्बयसि | चर्बयथः | चर्बयथ |
| | चर्बयामि | चर्बयावः | चर्बयामः |
| | चर्बयेत् | चर्बयेताम् | चर्बयेयुः |
| | चर्बयेः | चर्बयेतम् | चर्बयेत |
| | चर्बयेयम् | चर्बयेव | चर्बयेम |
| ५० | चर्बयतु | चर्बयतात् | चर्बयताम् |
| | चर्बय | चर्बयतम् | चर्बयत |
| | चर्बयाणि | चर्बयाव | चर्बयाम |
| ५० | अचर्बयत् | अचर्बयताम् | अचर्बयन् |
| | अचर्बयः | अचर्बयतम् | अचर्बयत |
| | अचर्बयम् | अचर्बयाव | अचर्बयाम |
| ५० | अचर्बयत् | अचर्बयताम् | अचर्बयन् |
| | अचर्बयः | अचर्बयतम् | अचर्बयत |
| | अचर्बयम् | अचर्बयाव | अचर्बयाम |
| ५० | चर्बयाश्चकार | चर्बयाश्चक्रुः | चर्बयाश्चकुः |
| | चर्बयाश्चकथे | चर्बयाश्चक्रुः | चर्बयाश्चक |
| | चर्बयाश्चकार-चकर | चर्बयाश्चकृव | चर्बयाश्चकृम |

चर्बयाम्बभूव । चर्बयामास

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| आ० | चर्ब्यात् | चर्ब्यास्ताम् | चर्ब्यासुः |
| | चर्ब्याः | चर्ब्यास्तम् | चर्ब्यास्त |
| | चर्ब्यासम् | चर्ब्यास्व | चर्ब्यास्म |
| श्च० | चर्बयिता | चर्बयितारौ | चर्बयितारः |
| | चर्बयितासि | चर्बयितास्थः | चर्बयितास्थ |
| | चर्बयितास्मि | चर्बयितास्वः | चर्बयितास्मः |
| भ० | चर्बयिष्यति | चर्बयिष्यतः | चर्बयिष्यन्ति |
| | चर्बयिष्यसि | चर्बयिष्यथः | चर्बयिष्यथ |
| | चर्बयिष्यामि | चर्बयिष्यावः | चर्बयिष्यामः |
| क्रि० | अचर्बयिष्यत् | अचर्बयिष्यताम् | अचर्बयिष्यन् |
| | अचर्बयिष्यः | अचर्बयिष्यतम् | अचर्बयिष्यत |
| | अचर्बयिष्यम् | अचर्बयिष्याव | अचर्बयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | चर्बयते | चर्बयेते | चर्बयन्ते |
| | चर्बयसे | चर्बयेथे | चर्बयन्वे |
| | चर्बये | चर्बयान्वहे | चर्बयामहे |
| स० | चर्बयेत | चर्बयेयाताम् | चर्बयेरन् |
| | चर्बयेथाः | चर्बयेयाथाम् | चर्बयेष्वम् |
| | चर्बयेय | चर्बयेवहि | चर्बयेमहि |
| प० | चर्बयताम् | चर्बयेताम् | चर्बयन्ताम् |
| | चर्बयस्व | चर्बयेथाम् | चर्बयन्वम् |
| | चर्बये | चर्बयावहे | चर्बयामहे |
| ह्य० | अचर्बयत | अचर्बयेताम् | अचर्बयन्त |
| | अचर्बयथाः | अचर्बयेथाम् | अचर्बयन्वम् |
| | अचर्बये | अचर्बयावहि | अचर्बयामहि |
| अ० | अचर्बयत् | अचर्बयेताम् | अचर्बयन्त |
| | अचर्बयथाः | अचर्बयेथाम् | अचर्बयन्वम् |
| | अचर्बये | अचर्बयावहि | अचर्बयामहि |
| प० | चर्बयाश्चक्रे | चर्बयाश्चक्रते | चर्बयाश्चक्रे |
| | चर्बयाश्चकृषे | चर्बयाश्चक्रथे | चर्बयाश्चकृवहे |
| | चर्बयाश्चक्रे | चर्बयाश्चकृवहे | चर्बयाश्चकृमहे |
| | चर्बयाम्बभूव | चर्बयामास | |
| आ० | चर्बयिषीष्ट | चर्बयिषीयास्ताम् | चर्बयिषीरन् |
| | चर्बयिषीष्टाः | चर्बयिषीयास्थाम् | चर्बयिषीव्वम् |
| | चर्बयिषीय | चर्बयिषीवहि | चर्बयिषीमहि |
| श्च० | चर्बयिता | चर्बयितारौ | चर्बयितारः |
| | चर्बयितासे | चर्बयितासाथे | चर्बयितान्वे |
| | चर्बयिताहे | चर्बयितास्वहे | चर्बयितास्महे |
| भ० | चर्बयिष्यते | चर्बयिष्येते | चर्बयिष्यन्ते |
| | चर्बयिष्यसे | चर्बयिष्येथे | चर्बयिष्यन्वे |
| | चर्बयिष्ये | चर्बयिष्यावहे | चर्बयिष्यामहे |
| क्रि० | अचर्बयिष्यत् | अचर्बयिष्येताम् | अचर्बयिष्यन्त |
| | अचर्बयिष्यथाः | अचर्बयिष्येथाम् | अचर्बयिष्यन्वम् |
| | अचर्बयिष्ये | अचर्बयिष्यावहि | अचर्बयिष्यामहि |

359 तर्ब (तर्ब) गतौ

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| ब० | तर्बयति | तर्बयतः | तर्बयन्ति |
| | तर्बयसि | तर्बयथः | तर्बयथ |
| | तर्बयामि | तर्बयावः | तर्बयामः |
| स० | तर्बयेत् | तर्बयेताम् | तर्बयेयुः |
| | तर्बयेः | तर्बयेतम् | तर्बयेत |
| | तर्बयेयम् | तर्बयेव | तर्बयेम |
| प० | तर्बयतु | तर्बयतात् | तर्बयताम् |
| | तर्बय | तर्बयतम् | तर्बयत |
| | तर्बयाणि | तर्बयाव | तर्बयाम |
| ह्य० | अतर्बयत् | अतर्बयताम् | अतर्बयन् |
| | अतर्बयः | अतर्बयतम् | अतर्बयत |
| | अतर्बयम् | अतर्बयाव | अतर्बयाम |
| अ० | अतर्बयत् | अतर्बयताम् | अतर्बयन् |
| | अतर्बयः | अतर्बयतम् | अतर्बयत |
| | अतर्बयम् | अतर्बयाव | अतर्बयाम |
| प० | तर्बयाश्चकार | तर्बयाश्चक्रुः | तर्बयाश्चक्रुः |
| | तर्बयाश्चकथं | तर्बयाश्चक्रुः | तर्बयाश्चक्रुः |
| | तर्बयाश्चकार-चकर | तर्बयाश्चक्रुव | तर्बयाश्चक्रुम |
| | तर्बयाम्बभूव | तर्बयामास | |
| आ० | तर्ब्यात् | तर्ब्यास्ताम् | तर्ब्यास्तुः |
| | तर्ब्याः | तर्ब्यास्तम् | तर्ब्यास्त |
| | तर्ब्यासम् | तर्ब्यास्व | तर्ब्यास्मि |
| श्व० | तर्बयिता | तर्बयितारौ | तर्बयितारः |
| | तर्बयितासि | तर्बयितास्थः | तर्बयितास्थ |
| | तर्बयितास्मि | तर्बयितास्वः | तर्बयितास्मः |
| भ० | तर्बयिष्यति | तर्बयिष्यतः | तर्बयिष्यन्ति |
| | तर्बयिष्यसि | तर्बयिष्यथः | तर्बयिष्यथ |
| | तर्बयिष्यामि | तर्बयिष्यावः | तर्बयिष्यामः |
| क्रि० | अतर्बयिष्यत् | अतर्बयिष्यताम् | अतर्बयिष्यन् |
| | अतर्बयिष्यः | अतर्बयिष्यतम् | अतर्बयिष्यत |
| | अतर्बयिष्यम् | अतर्बयिष्याव | अतर्बयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| ब० | तर्बयते | तर्बयेते | तर्बयन्ते |
| | तर्बयसे | तर्बयेथे | तर्बयन्वे |
| | तर्बये | तर्बयावहे | तर्बयामहे |
| स० | तर्बयेत | तर्बयेयाताम् | तर्बयेरन् |
| | तर्बयेथाः | तर्बयेयाथाम् | तर्बयेध्वम् |
| | तर्बयेय | तर्बयेवहि | तर्बयेमहि |
| प० | तर्बयताम् | तर्बयेताम् | तर्बयन्ताम् |
| | तर्बयस्व | तर्बयेथाम् | तर्बयध्वम् |
| | तर्बये | तर्बयावहे | तर्बयामहे |
| ह्य० | अतर्बयत | अतर्बयेताम् | अतर्बयन्त |
| | अतर्बयथाः | अतर्बयेथाम् | अतर्बयध्वम् |
| | अतर्बये | अतर्बयावहि | अतर्बयामहि |
| अ० | अतर्बयत | अतर्बयेताम् | अतर्बयन्त |
| | अतर्बयथाः | अतर्बयेथाम् | अतर्बयध्वम् |
| | अतर्बये | अतर्बयावहि | अतर्बयामहि |
| प० | तर्बयाश्चक्रे | तर्बयाश्चक्राते | तर्बयाश्चक्रिरे |
| | तर्बयाश्चक्रेषे | तर्बयाश्चक्राथे | तर्बयाश्चक्रुद्वे |
| | तर्बयाश्चक्रे | तर्बयाश्चक्रुवहे | तर्बयाश्चक्रुमहे |
| | तर्बयाम्बभूव | तर्बयामास | |
| आ० | तर्बयिषीष्ट | तर्बयिषीयास्ताम् | तर्बयिषीरन् |
| | तर्बयिषीष्ठाः | तर्बयिषीयास्थाम् | तर्बयिषीद्वम् |
| | तर्बयिषीय | तर्बयिषीवहि | तर्बयिषीमहि |
| श्व० | तर्बयिता | तर्बयितारौ | तर्बयितारः |
| | तर्बयितासे | तर्बयितासाथे | तर्बयिताध्वे |
| | तर्बयिताहे | तर्बयितास्वहे | तर्बयितास्महे |
| भ० | तर्बयिष्यते | तर्बयिष्येते | तर्बयिष्यन्ते |
| | तर्बयिष्यसे | तर्बयिष्येथे | तर्बयिष्यध्वे |
| | तर्बयिष्ये | तर्बयिष्यावहे | तर्बयिष्यामहे |
| क्रि० | अतर्बयिष्यत | अतर्बयिष्येताम् | अतर्बयिष्यन्त |
| | अतर्बयिष्यथाः | अतर्बयिष्येथाम् | अतर्बयिष्यध्वम् |
| | अतर्बयिष्ये | अतर्बयिष्यावहि | अतर्बयिष्यामहि |

360 नर्ब (नर्ब्) गतौ

| | | |
|--------------------------|----------------|----------------|
| १० नर्बयति | नर्बयतः | नर्बयन्ति |
| नर्बयसि | नर्बयथः | नर्बयथ |
| नर्बयामि | नर्बयावः | नर्बयामः |
| नर्बयेत् | नर्बयेताम् | नर्बयेयुः |
| नर्बयेः | नर्बयेतम् | नर्बयेत |
| नर्बयेयम् | नर्बयेव | नर्बयेम |
| ५० नर्बयतु | नर्बयतात् | नर्बयन्तु |
| नर्बय | नर्बयतम् | नर्बयत |
| नर्बयाणि | नर्बयाव | नर्बयाम |
| ६० अनर्बयत | अनर्बयताम् | अनर्बयन् |
| अनर्बयः | अनर्बयतम् | अनर्बयत |
| अनर्बयम् | अनर्बयाव | अनर्बयाम |
| ७० अननर्बत | अननर्बताम् | अननर्बन् |
| अननर्बः | अननर्बतम् | अननर्बत |
| अननर्बम् | अननर्बाव | अननर्बाम |
| ८० नर्बयाश्चकार | नर्बयाश्चक्रुः | नर्बयाश्चक्रुः |
| नर्बयाश्चकथ | नर्बयाश्चक्रुः | नर्बयाश्चक्रुः |
| नर्बयाश्चकार-चकर | नर्बयाश्चक्रुव | नर्बयाश्चक्रुम |
| नर्बयाम्बभूव । नर्बयामास | | |
| ९० नर्ब्यात् | नर्ब्यास्ताम् | नर्ब्यासुः |
| नर्ब्याः | नर्ब्यास्तम् | नर्ब्यास्त |
| नर्ब्यासम् | नर्ब्यास्व | नर्ब्यास्म |
| १० नर्बयिता | नर्बयितारौ | नर्बयितारः |
| नर्बयितासि | नर्बयितासथः | नर्बयितास्थ |
| नर्बयितास्मि | नर्बयितास्वः | नर्बयितास्मः |
| ११० नर्बयिष्यति | नर्बयिष्यतः | नर्बयिष्यन्ति |
| नर्बयिष्यसि | नर्बयिष्यथः | नर्बयिष्यथ |
| नर्बयिष्यामि | नर्बयिष्यावः | नर्बयिष्यामः |
| क्रि० अनर्बयिष्यत् | अनर्बयिष्यताम् | अनर्बयिष्यन् |
| अनर्बयिष्यः | अनर्बयिष्यतम् | अनर्बयिष्यत |
| अनर्बयिष्यम् | अनर्बयिष्याव | अनर्बयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|------------------|------------------|
| व० नर्बयते | नर्बयेते | नर्बयन्ते |
| नर्बयसे | नर्बयेथे | नर्बयध्वे |
| नर्बये | नर्बयावहे | नर्बयामहे |
| स० नर्बयेत | नर्बयेयाताम् | नर्बयेरन् |
| नर्बयेथाः | नर्बयेयाथाम् | नर्बयेध्वम् |
| नर्बयेथ | नर्बयेवहि | नर्बयेमहि |
| ५० नर्बयताम् | नर्बयेताम् | नर्बयन्ताम् |
| नर्बयस्व | नर्बयेथाम् | नर्बयध्वम् |
| नर्बये | नर्बयावहे | नर्बयामहे |
| ह्य० अनर्बयत | अनर्बयेताम् | अनर्बयन्त |
| अनर्बयथाः | अनर्बयेथाम् | अनर्बयध्वम् |
| अनर्बये | अनर्बयावहि | अनर्बयामहि |
| अ० अननर्बत | अननर्बताम् | अननर्बन्त |
| अननर्बथाः | अननर्बेथाम् | अननर्बध्वम् |
| अननर्बे | अननर्बावहि | अननर्बामहि |
| ५० नर्बयाश्चक्रे | नर्बयाश्चक्राते | नर्बयाश्चक्रिरे |
| नर्बयाश्चक्रेषु | नर्बयाश्चक्राथे | नर्बयाश्चक्रुव |
| नर्बयाश्चक्रे | नर्बयाश्चक्रुवहे | नर्बयाश्चक्रुमहे |
| नर्बयाम्बभूव । नर्बयामास | | |
| आ० नर्बयिषीष्ट | नर्बयिषीस्ताम् | नर्बयिषीरन् |
| नर्बयिषीष्टाः | नर्बयिषीस्थां | नर्बयिषीड्वम् |
| ध्वम् | | |
| नर्बयिषीय | नर्बयिषीवहि | नर्बयिषीमहि |
| १० नर्बयिता | नर्बयितारौ | नर्बयितारः |
| नर्बयितासे | नर्बयितासाथे | नर्बयिताध्वे |
| नर्बयिताहे | नर्बयितास्वहे | नर्बयितास्महे |
| ११० नर्बयिष्यते | नर्बयिष्येते | नर्बयिष्यन्ते |
| नर्बयिष्यसे | नर्बयिष्येथे | नर्बयिष्यध्वे |
| नर्बयिष्ये | नर्बयिष्यावहे | नर्बयिष्यामहे |
| क्रि० अनर्बयिष्यत् | अनर्बयिष्यताम् | अनर्बयिष्यन्त |
| अनर्बयिष्यथाः | अनर्बयिष्येथाम् | अनर्बयिष्यध्वम् |
| अनर्बयिष्ये | अनर्बयिष्यावहि | अनर्बयिष्यामहि |

362 बर्ब (बर्ब) गतौ ।

| | | | |
|-------|---------------|---------------------|----------------|
| ब० | बर्बयति | बर्बयतः | बर्बयन्ति |
| | बर्बयसि | बर्बयथः | बर्बयथ |
| | बर्बयामि | बर्बयावः | बर्बयामः |
| स० | बर्बयेत् | बर्बयेताम् | बर्बयेयुः |
| | बर्बयेः | बर्बयेतम् | बर्बयेत |
| | बर्बयेयम् | बर्बयेव | बर्बयेम |
| प० | बर्बयेतु | बर्बयेतात् | बर्बयेन्तु |
| | बर्बय | बर्बयेतात् | बर्बयेत |
| | बर्बयाणि | बर्बयाव | बर्बयाम |
| ह्य० | अबर्बयत् | अबर्बयताम् | अबर्बयन् |
| | अबर्बयः | अबर्बयतम् | अबर्बयत |
| | अबर्बयम् | अबर्बयाव | अबर्बयाम |
| अ० | अबर्बयत् | अबर्बयताम् | अबर्बयन् |
| | अबर्बयः | अबर्बयतम् | अबर्बयत |
| | अबर्बयम् | अबर्बयाव | अबर्बयाम |
| प० | बर्बयाश्चकार | बर्बयाश्चक्रुः | बर्बयाश्चक्रुः |
| | बर्बयाश्चकथ्य | बर्बयाश्चकथुः | बर्बयाश्चक्रु |
| | बर्बयाश्चकार | चक्र बर्बयाश्चक्रुव | बर्बयाश्चक्रुम |
| | बर्बयाम्बभूव | । | बर्बयामास |
| आ० | बर्बयात् | बर्बयास्ताम् | बर्बयासुः |
| | बर्बयाः | बर्बयास्तम् | बर्बयास्त |
| | बर्बयासम् | बर्बयास्व | बर्बयास्म |
| श्व० | बर्बयिता | बर्बयितारौ | बर्बयितारः |
| | बर्बयितासि | बर्बयितास्थः | बर्बयितास्थ |
| | बर्बयितास्मि | बर्बयितास्वः | बर्बयितास्मः |
| भ० | बर्बयिष्यति | बर्बयिष्यतः | बर्बयिष्यन्ति |
| | बर्बयिष्यसि | बर्बयिष्यथः | बर्बयिष्यथ |
| | बर्बयिष्यामि | बर्बयिष्यावः | बर्बयिष्यामः |
| क्रि० | अबर्बयिष्यत् | अबर्बयिष्यताम् | अबर्बयिष्यन् |
| | अबर्बयिष्यः | अबर्बयिष्यतम् | अबर्बयिष्यत |
| | अबर्बयिष्यम् | अबर्बयिष्याव | अबर्बयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-------------------|
| व० | बर्बयते | बर्बयेते | बर्बयन्ते |
| | बर्बयसे | बर्बयेथे | बर्बयध्वे |
| | बर्बये | बर्बयावहे | बर्बयामहे |
| स० | बर्बयेत | बर्बयेयाताम् | बर्बयेरन् |
| | बर्बयेथाः | बर्बयेयाथाम् | बर्बयेध्वम् |
| | बर्बयेय | बर्बयेवहि | बर्बयेमहि |
| प० | बर्बयताम् | बर्बयेताम् | बर्बयन्ताम् |
| | बर्बयस्व | बर्बयेथाम् | बर्बयध्वम् |
| | बर्बये | बर्बयावहे | बर्बयामहे |
| ह्य० | अबर्बयत | अबर्बयेताम् | अबर्बयन्त |
| | अबर्बयथाः | अबर्बयेथाम् | अबर्बयध्वम् |
| | अबर्बये | अबर्बयावहि | अबर्बयामहि |
| अ० | अबर्बयत | अबर्बयेताम् | अबर्बयन्त |
| | अबर्बयथाः | अबर्बयेथाम् | अबर्बयध्वम् |
| | अबर्बये | अबर्बयावहि | अबर्बयामहि |
| प० | बर्बयाश्चक्रे | बर्बयाश्चक्रते | बर्बयाश्चक्रिरे |
| | बर्बयाश्चक्रे | बर्बयाश्चक्राथे | बर्बयाश्चक्रुद्वे |
| | बर्बयाश्चक्रे | बर्बयाश्चक्रुवहे | बर्बयाश्चक्रुमहे |
| | बर्बयाम्बभूव | बर्बयामास | |
| आ० | बर्बयिषीष्ट | बर्बयिषीयास्ताम् | बर्बयिषीरन् |
| | बर्बयिषीष्टाः | बर्बयिषीयास्थाम् | बर्बयिषीध्वम् |
| | बर्बयिषीय | बर्बयिषीवहि | बर्बयिषीमहि |
| श्व० | बर्बयिता | बर्बयितारौ | बर्बयितारः |
| | बर्बयितासे | बर्बयितासाथे | बर्बयिताध्वे |
| | बर्बयिताहे | बर्बयितास्वहे | बर्बयितास्महे |
| भ० | बर्बयिष्यते | बर्बयिष्येते | बर्बयिष्यन्ते |
| | बर्बयिष्यसे | बर्बयिष्येथे | बर्बयिष्यध्वे |
| | बर्बयिष्ये | बर्बयिष्यावहे | बर्बयिष्यामहे |
| क्रि० | अबर्बयिष्यत | अबर्बयिष्येताम् | अबर्बयिष्यन्त |
| | अबर्बयिष्यथाः | अबर्बयिष्येथाम् | अबर्बयिष्यध्वम् |
| | अबर्बयिष्ये | अबर्बयिष्यावहि | अबर्बयिष्यामहि |

361 पर्व (पर्व) गतौ

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| १० पर्वयति | पर्वयतः | पर्वयन्ति |
| पर्वयसि | पर्वयथः | पर्वयथ |
| पर्वयामि | पर्वयावः | पर्वयामः |
| पर्वयेत् | पर्वयेताम् | पर्वयेयुः |
| पर्वयेः | पर्वयेतम् | पर्वयेत |
| पर्वयेयम् | पर्वयेव | पर्वयेम |
| प० पर्वयतु | पर्वयतात् | पर्वयन्तु |
| पर्वय | पर्वयतम् | पर्वयत |
| पर्वयाणि | पर्वयाव | पर्वयाम |
| ४० अपर्वयत् | अपर्वयताम् | अपर्वयन् |
| अपर्वयः | अपर्वयतम् | अपर्वयत |
| अपर्वयम् | अपर्वयाव | अपर्वयाम |
| अ० अपपर्वत् | अपपर्वताम् | अपपर्वन् |
| अपपर्वः | अपपर्वतम् | अपपर्वत |
| अपपर्वम् | अपपर्वाव | अपपर्वाम |
| प० पर्वयाश्चकार | पर्वयाश्चक्रुः | पर्वयाश्चकुः |
| पर्वयाश्चक्ये | पर्वयाश्चक्रुः | पर्वयाश्चक्रुः |
| पर्वयाश्चकर-चकर | पर्वयाश्चकृव | पर्वयाश्चकृम |
| पर्वयाम्बभूव । | | |
| आ० पर्व्यात् | पर्व्यास्ताम् | पर्व्यासुः |
| पर्व्याः | पर्व्यास्तम् | पर्व्यास्त |
| पर्व्यासम् | पर्व्यास्व | पर्व्यास्म |
| ५० पर्वयिता | पर्वयितारौ | पर्वयितारः |
| पर्वयितासि | पर्वयितास्थः | पर्वयितास्थ |
| पर्वयितास्मि | पर्वयितास्वः | पर्वयितास्मः |
| अ० पर्वयिष्यति | पर्वयिष्यतः | पर्वयिष्यन्ति |
| पर्वयिष्यसि | पर्वयिष्यथः | पर्वयिष्यथ |
| पर्वयिष्यामि | पर्वयिष्यावः | पर्वयिष्यामः |
| क्रि० अपपर्वयिष्यत् | अपपर्वयिष्यताम् | अपपर्वयिष्यन्त |
| अपपर्वयिष्यः | अपपर्वयिष्यतम् | अपपर्वयिष्यत |
| अपपर्वयिष्यम् | अपपर्वयिष्याव | अपपर्वयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|------------------|------------------|
| व० पर्वयते | पर्वयेते | पर्वयन्ते |
| पर्वयसे | पर्वयेथे | पर्वयध्वे |
| पर्वये | पर्वयावहे | पर्वयामहे |
| स० पर्वयेत | पर्वयेयाताम् | पर्वयेरन् |
| पर्वयेथाः | पर्वयेयाथाम् | पर्वयेध्वम् |
| पर्वयेथ | पर्वयेवहि | पर्वयेमहि |
| प० पर्वयताम् | पर्वयेताम् | पर्वयन्ताम् |
| पर्वयस्व | पर्वयेथाम् | पर्वयध्वम् |
| पर्वये | पर्वयावहे | पर्वयामहे |
| ४० अपपर्वयत् | अपपर्वयेताम् | अपपर्वयन्त |
| अपपर्वयथाः | अपपर्वयेथाम् | अपपर्वयध्वम् |
| अपपर्वये | अपपर्वयावहि | अपपर्वयामहि |
| अ० अपपर्वत् | अपपर्वताम् | अपपर्वन्त |
| अपपर्वथाः | अपपर्वेथाम् | अपपर्वध्वम् |
| अपपर्वे | अपपर्वेवहि | अपपर्वेमहि |
| प० पर्वयाश्चक्रे | पर्वयाश्चक्राते | पर्वयाश्चक्रिरे |
| पर्वयाश्चकृषे | पर्वयाश्चक्राये | पर्वयाश्चकृद्वे |
| पर्वयाश्चक्रे | पर्वयाश्चकृवहे | पर्वयाश्चकृमहे |
| पर्वयाम्बभूव । पर्वयामास | | |
| आ० पर्वयिषीष्ट | पर्वयिषीयास्ताम् | पर्वयिषीरन् |
| पर्वयिषीष्ठाः | पर्वयिषीयाथाम् | पर्वयिषीध्वम् |
| पर्वयिषीमहि | | |
| ५० पर्वयिता | पर्वयितारौ | पर्वयितारः |
| पर्वयितासे | पर्वयितासाथे | पर्वयिताध्वे |
| पर्वयिताहे | पर्वयितास्वहे | पर्वयितास्महे |
| अ० पर्वयिष्यते | पर्वयिष्येते | पर्वयिष्यन्ते |
| पर्वयिष्यसे | पर्वयिष्येथे | पर्वयिष्यध्वे |
| पर्वयिष्ये | पर्वयिष्यावहे | पर्वयिष्यामहे |
| क्रि० अपपर्वयिष्यत् | अपपर्वयिष्येताम् | अपपर्वयिष्यन्त |
| अपपर्वयिष्यथाः | अपपर्वयिष्येथाम् | अपपर्वयिष्यध्वम् |
| अपपर्वयिष्ये | अपपर्वयिष्यावहि | अपपर्वयिष्यामहि |

363 शर्ब (शर्ब) गतौ ।

| | | |
|--------------------|-----------------|---------------|
| व० शर्बयति | शर्बयतः | शर्बयन्ति |
| शर्बयसि | शर्बयथः | शर्बयथ |
| शर्बयामि | शर्बयावः | शर्बयामः |
| स० शर्बयेत् | शर्बयेताम् | शर्बयेयुः |
| शर्बयेः | शुबयेतम् | शर्बयेत |
| शर्बयेयम् | शर्बयेव | शर्बयेम |
| प० शर्बयतु | शर्बयतात् | शर्बयताम् |
| शर्बय | शर्बयतात् | शर्बयतम् |
| शर्बयाणि | शर्बयाव | शर्बयाम |
| ह्य० अशर्बयत् | अशर्बयताम् | अशर्बयन् |
| अशर्बयः | अशर्बयतम् | अशर्बयत |
| अशर्बयम् | अशर्बयाव | अशर्बयाम |
| अ० अशर्बयत् | अशर्बयताम् | अशर्बयन् |
| अशर्बयः | अशर्बयतम् | अशर्बयत |
| अशर्बयम् | अशर्बयाव | अशर्बयाम |
| प० शर्बयाश्चकार | शर्बयाश्चक्रुः | शर्बयाश्चकुः |
| शर्बयाश्चकथ | शर्बयाश्चक्रथुः | शर्बयाश्चक |
| शर्बयाश्चकार-चकर | शर्बयाश्चकृव | शर्बयाश्चकृम |
| शर्बयाम्बभूव | | शर्बयामास |
| आ० शर्बय्यात् | शर्बय्यास्ताम् | शर्बय्यासुः |
| शर्बय्याः | शर्बय्यास्तम् | शर्बय्यास्त |
| शर्बय्यासम् | शर्बय्यास्व | शर्बय्यास्मि |
| श्व० शर्बयिता | शर्बयितारौ | शर्बयितारः |
| शर्बयितासि | शर्बयितास्थः | शर्बयितास्थ |
| शर्बयितास्मि | शर्बयितास्वः | शर्बयितास्मः |
| भ० शर्बयिष्यति | शर्बयिष्यतः | शर्बयिष्यन्ति |
| शर्बयिष्यसि | शर्बयिष्यथः | शर्बयिष्यथ |
| शर्बयिष्यामि | शर्बयिष्यावः | शर्बयिष्यामः |
| क्रि० अशर्बयिष्यत् | अशर्बयिष्यताम् | अशर्बयिष्यन् |
| अशर्बयिष्यः | अशर्बयिष्यतम् | अशर्बयिष्यत |
| अशर्बयिष्यम् | अशर्बयिष्याव | अशर्बयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० शर्बयेते | शर्बयेते | शर्बयन्ते |
| शर्बयसे | शर्बयेथे | शर्बयध्वे |
| शर्बये | शर्बयावहे | शर्बयामहे |
| स० शर्बयेत | शर्बयेयाताम् | शर्बयेरन् |
| शर्बयेथाः | शर्बयेयाथाम् | शर्बयेध्वम् |
| शर्बयेथ | शर्बयेवहि | शर्बयेमहि |
| प० शर्बयेताम् | शर्बयेताम् | शर्बयन्ताम् |
| शर्बयस्व | शर्बयेथाम् | शर्बयध्वम् |
| शर्बये | शर्बयावहे | शर्बयामहे |
| ह्य० अशर्बयत | अशर्बयेताम् | अशर्बयन्त |
| अशर्बयथाः | अशर्बयेथाम् | अशर्बयध्वम् |
| अशर्बये | अशर्बयावहि | अशर्बयामहि |
| अ० अशर्बयत | अशर्बयेताम् | अशर्बयन्त |
| अशर्बयथाः | अशर्बयेथाम् | अशर्बयध्वम् |
| अशर्बये | अशर्बयावहि | अशर्बयामहि |
| प० शर्बयाश्चक्रे | शर्बयाश्चक्राते | शर्बयाश्चक्रिरे |
| शर्बयाश्चकृषे | शर्बयाश्चक्राथे | शर्बयाश्चकृद्वे |
| शर्बयाश्चक्रे | शर्बयाश्चकृवहे | शर्बयाश्चकृमहे |
| शर्बयाम्बभूव | | शर्बयामास |
| आ० शर्बयिषीष्ट | शर्बयिषीयस्ताम् | शर्बयिषीरन् |
| शर्बयिषीष्ठाः | शर्बयिषीयास्थाम् | शर्बयिषीद्वम् |
| शर्बयिषीय | शर्बयिषीवहि | शर्बयिषीमहि |
| श्व० शर्बयिता | शर्बयितारौ | शर्बयितारः |
| शर्बयितासे | शर्बयितासाथे | शर्बयिताध्वे |
| शर्बयिताहे | शर्बयितास्वहे | शर्बयितास्महे |
| भ० शर्बयिष्यते | शर्बयिष्येते | शर्बयिष्यन्ते |
| शर्बयिष्यसे | शर्बयिष्येथे | शर्बयिष्यध्वे |
| शर्बयिष्ये | शर्बयिष्यावहे | शर्बयिष्यामहे |
| क्रि० अशर्बयिष्यत | अशर्बयिष्यताम् | अशर्बयिष्यन्त |
| अशर्बयिष्यथाः | अशर्बयिष्येथाम् | अशर्बयिष्यध्वम् |
| अशर्बयिष्ये | अशर्बयिष्यावहि | अशर्बयिष्यामहि |

364 सर्व (सर्व) गतौ ।

| | | | |
|-------|--------------|---------------------|----------------|
| व० | सर्वयति | सर्वयतः | सर्वयन्ति |
| | सर्वयसि | सर्वयथः | सर्वयथ |
| | सर्वयामि | सर्वयावः | सर्वयामः |
| स० | सर्वयेत् | सर्वयेताम् | सर्वयेयुः |
| | सर्वयेः | सर्वयेतम् | सर्वयेत |
| | सर्वयेयम् | सर्वयेव | सर्वयेम |
| प० | सर्वयतु | सर्वयतात् | सर्वयन्तु |
| | सर्वय | सर्वयतात् | सर्वयत |
| | सर्वयाणि | सर्वयाव | सर्वयाम |
| ह्य० | असर्वयत् | असर्वयताम् | असर्वयन् |
| | असर्वयः | असर्वयतम् | असर्वयत |
| | असर्वयम् | असर्वयाव | असर्वयाम |
| अ० | अससर्वत् | अससर्वताम् | अससर्वन् |
| | अससर्वः | अससर्वतम् | अससर्वत |
| | अससर्वम् | अससर्वाव | अससर्वाम |
| प | सर्वयाश्चकार | सर्वयाश्चक्रतुः | सर्वयाश्चक्रुः |
| | सर्वयाश्चकथं | सर्वयाश्चकथुः | सर्वयाश्चक्र |
| | सर्वयाश्चकार | चक्र सर्वयाश्चक्रुव | सर्वयाश्चक्रुम |
| | सर्वयाम्बभूव | । | सर्वयामास |
| आ० | सर्व्यात् | सर्व्यास्ताम् | सर्व्यासुः |
| | सर्व्याः | सर्व्यास्तम् | सर्व्यास्त |
| | सर्व्यासम् | सर्व्यास्व | सर्व्यास्म |
| श्च० | सर्वयिता | सर्वयितारौ | सर्वयितारः |
| | सर्वयितासि | सर्वयितास्थः | सर्वयितास्थ |
| | सर्वयितास्मि | सर्वयितास्वः | सर्वयितास्मः |
| भ० | सर्वयिष्यति | सर्वयिष्यतः | सर्वयिष्यन्ति |
| | सर्वयिष्यसि | सर्वयिष्यथः | सर्वयिष्यथ |
| | सर्वयिष्यामि | सर्वयिष्यावः | सर्वयिष्यामः |
| क्रि० | असर्वयिष्यत् | असर्वयिष्यताम् | असर्वयिष्यन् |
| | असर्वयिष्यः | असर्वयिष्यतम् | असर्वयिष्यत |
| | असर्वयिष्यम् | असर्वयिष्याव | असर्वयिष्याम |

| | | | |
|------|-----------------|------------------|------------------|
| व० | सर्वयेते | सर्वयेते | सर्वयेन्ते |
| | सर्वयेसे | सर्वयेथे | सर्वयेथ्वे |
| | सर्वये | सर्वयावहे | सर्वयामहे |
| स० | सर्वयेत | सर्वयेयाताम् | सर्वयेरन् |
| | सर्वयेथाः | सर्वयेयाथाम् | सर्वयेथ्वम् |
| | सर्वयेय | सर्वयेवहि | सर्वयेमहि |
| प० | सर्वयताम् | सर्वयेताम् | सर्वयन्ताम् |
| | सर्वयस्व | सर्वयेथाम् | सर्वयथ्वम् |
| | सर्वये | सर्वयावहे | सर्वयामहे |
| ह्य० | असर्वयत | असर्वयेताम् | असर्वयन्त |
| | असर्वयथाः | असर्वयेथाम् | असर्वयथ्वम् |
| | असर्वये | असर्वयावहि | असर्वयामहि |
| अ० | अससर्वत् | अससर्वेताम् | अससर्वन्त |
| | अससर्वथाः | अससर्वेथाम् | अससर्वथ्वम् |
| | अससर्वे | अससर्वावहि | अससर्वामहि |
| प० | सर्वयाश्चक्रे | सर्वयाश्चक्रते | सर्वयाश्चक्रिरे |
| | सर्वयाश्चक्रेषु | सर्वयाश्चक्राथे | सर्वयाश्चक्रुव |
| | सर्वयाश्चक्रे | सर्वयाश्चक्रुवहे | सर्वयाश्चक्रुमहे |
| | सर्वयाम्बभूव | सर्वयामास | |
| आ० | सर्वयिषीष्ट | सर्वयिषीयास्ताम् | सर्वयिषीरन् |
| | सर्वयिषीष्ठाः | सर्वयिषीयास्थाम् | सर्वयिषीढ्वम् |

सर्वयिषीय सर्वयिषीवहि सर्वयिषीमहि

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| श्च० | सर्वयिता | सर्वयितारौ | सर्वयितारः |
| | सर्वयितासे | सर्वयितासाथे | सर्वयिताथ्वे |
| | सर्वयिताहे | सर्वयितास्वहे | सर्वयितास्महे |
| भ० | सर्वयिष्यते | सर्वयिष्येते | सर्वयिष्यन्ते |
| | सर्वयिष्यसे | सर्वयिष्येथे | सर्वयिष्येथ्वे |
| | सर्वयिष्ये | सर्वयिष्यावहे | सर्वयिष्यामहे |
| क्रि० | असर्वयिष्यत | असर्वयिष्येताम् | असर्वयिष्यन्त |
| | असर्वयिष्यथाः | असर्वयिष्येथाम् | असर्वयिष्यथ्वम् |
| | असर्वयिष्ये | असर्वयिष्यावहि | असर्वयिष्यामहि |

365 सर्व (सर्व) गतौ । सर्व 364 वद्रपाणि

358 रि(रिम्ब्) गतौ ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| ब० रिम्बयति | रिम्बयतः | रिम्बयन्ति |
| रिम्बयसि | रिम्बयथः | रिम्बयथ |
| रिम्बयामि | रिम्बयावः | रिम्बयामः |
| स० रिम्बयेत् | रिम्बयेताम् | रिम्बयेयुः |
| रिम्बयेः | रिम्बयेतम् | रिम्बयेत |
| रिम्बयेयम् | रिम्बयेव | रिम्बयेम |
| प० रिम्बयतु | रिम्बयतात् | रिम्बयताम् |
| रिम्बय | रिम्बयतात् | रिम्बयतम् |
| रिम्बयाणि | रिम्बयाव | रिम्बयाम |
| ह्य० अरिम्बयत् | अरिम्बयताम् | अरिम्बयन् |
| अरिम्बयः | अरिम्बयतम् | अरिम्बयत |
| अरिम्बयम् | अरिम्बयाव | अरिम्बयाम |
| अ० अरिर्रिम्बत् | अरिर्रिम्बताम् | अरिर्रिम्बन् |
| अरिर्रिम्बः | अरिर्रिम्बतम् | अरिर्रिम्बत |
| अरिर्रिम्बम् | अरिर्रिम्बाव | अरिर्रिम्बाम |
| प० रिम्बयाञ्चकार | रिम्बयाञ्चकतुः | रिम्बयाञ्चकुः |
| रिम्बयाञ्चकथं | रिम्बयाञ्चकथुः | रिम्बयाञ्चक |
| रिम्बयाञ्चकार चकर | रिम्बयाञ्चकुव | रिम्बयाञ्चकुम |
| रिम्बयाम्बभूव | । | रिम्बयामास |
| आ० रिम्ब्यात् | रिम्ब्यास्ताम् | रिम्ब्यासुः |
| रिम्ब्याः | रिम्ब्यास्तम् | रिम्ब्यास्त |
| रिम्ब्यासम् | रिम्ब्यास्व | रिम्ब्यास्म |
| श्व० रिम्बयिता | रिम्बयितारौ | रिम्बयितारः |
| रिम्बयितासि | रिम्बयितास्थः | रिम्बयितास्थ |
| रिम्बयितास्मि | रिम्बयितास्वः | रिम्बयितास्मः |
| भ० रिम्बयिष्यति | रिम्बयिष्यतः | रिम्बयिष्यन्ति |
| रिम्बयिष्यसि | रिम्बयिष्यथः | रिम्बयिष्यथ |
| रिम्बयिष्यामि | रिम्बयिष्यावः | रिम्बयिष्यामः |
| क्रि० अरिम्बयिष्यत् | अरिम्बयिष्यताम् | अरिम्बयिष्यन् |
| अरिम्बयिष्यः | अरिम्बयिष्यतम् | अरिम्बयिष्यत |
| अरिम्बयिष्यम् | अरिम्बयिष्याव | अरिम्बयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|-------------------|------------------|
| व० रिम्बयते | रिम्बयेते | रिम्बयन्ते |
| रिम्बयसे | रिम्बयेथे | रिम्बयध्वे |
| रिम्बये | रिम्बयावहे | रिम्बयामहे |
| स० रिम्बयेत | रिम्बयेयाताम् | रिम्बयेरन् |
| रिम्बयेथाः | रिम्बयेयाथाम् | रिम्बयेध्वम् |
| रिम्बयेथ | रिम्बयेवहि | रिम्बयेमहि |
| प० रिम्बयताम् | रिम्बयेताम् | रिम्बयन्ताम् |
| रिम्बयस्व | रिम्बयेथाम् | रिम्बयध्वम् |
| रिम्बयै | रिम्बयावहै | रिम्बयामहै |
| ह्य० अरिम्बयत | अरिम्बयेताम् | अरिम्बयन्त |
| अरिम्बयथाः | अरिम्बयेथाम् | अरिम्बयध्वम् |
| अरिम्बये | अरिम्बयावहि | अरिम्बयामहि |
| अ० अरिर्रिम्बत | अरिर्रिम्बेताम् | अरिर्रिम्बन्त |
| अरिर्रिम्बथाः | अरिर्रिम्बेथाम् | अरिर्रिम्बध्वम् |
| अरिर्रिम्बे | अरिर्रिम्बावहि | अरिर्रिम्बामहि |
| प० रिम्बयाञ्चक्रे | रिम्बयाञ्चक्राते | रिम्बयाञ्चक्रिरे |
| रिम्बयाञ्चकृषे | रिम्बयाञ्चक्राथे | रिम्बयाञ्चकृद्वे |
| रिम्बयाञ्चक्रे | रिम्बयाञ्चकृवहे | रिम्बयाञ्चकृमहे |
| रिम्बयाम्बभूव रिम्बयामास | | |
| आ० रिम्बयिषीष्ट | रिम्बयिषीयास्ताम् | रिम्बयिषीरन् |
| रिम्बयिषीष्टाः | रिम्बयिषीयास्थाम् | रिम्बयिषीद्वम् |
| ध्वम् | | |
| रिम्बयिषीय | रिम्बयिषीवहि | रिम्बयिषीमहि |
| श्व० रिम्बयिता | रिम्बयितारौ | रिम्बयितारः |
| रिम्बयितासे | रिम्बयितासाथे | रिम्बयिताध्वे |
| रिम्बयिताहे | रिम्बयितास्वहे | रिम्बयितास्महे |
| भ० रिम्बयिष्यते | रिम्बयिष्येते | रिम्बयिष्यन्ते |
| रिम्बयिष्यसे | रिम्बयिष्येथे | रिम्बयिष्यध्वे |
| रिम्बयिष्ये | रिम्बयिष्यावहे | रिम्बयिष्यामहे |
| क्रि० अरिम्बयिष्यत् | अरिम्बयिष्येताम् | अरिम्बयिष्यन्त |
| अरिम्बयिष्यथाः | अरिम्बयिष्येथाम् | अरिम्बयिष्यध्वम् |
| अरिम्बयिष्ये | अरिम्बयिष्यावहि | अरिम्बयिष्यामहि |

367 रधु (रम्भ्) गतौ

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | रम्भयति | रम्भयतः | रम्भयन्ति |
| | रम्भयसि | रम्भयथः | रम्भयथ |
| | रम्भयामि | रम्भयावः | रम्भयामः |
| स० | रम्भयेत् | रम्भयेताम् | रम्भयेयुः |
| | रम्भयेः | रम्भयेतम् | रम्भयेत |
| | रम्भयेयम् | रम्भयेव | रम्भयेम |
| प० | रम्भयतु | रम्भयतात् | रम्भयताम् |
| | रम्भय | रम्भयतात् | रम्भयतम् |
| | रम्भयाणि | रम्भयाव | रम्भयाम |
| झ० | अरम्भयत् | अरम्भयताम् | अरम्भयन् |
| | अरम्भयः | अरम्भयतम् | अरम्भयत |
| | अरम्भयम् | अरम्भयाव | अरम्भयाम |
| ञ० | अरम्भयत् | अरम्भयताम् | अरम्भयन् |
| | अरम्भयः | अरम्भयतम् | अरम्भयत |
| | अरम्भयम् | अरम्भयाव | अरम्भयाम |
| ट० | रम्भयाश्चकार | रम्भयाश्चकतुः | रम्भयाश्चकुः |
| | रम्भयाश्चकथुः | रम्भयाश्चकथुः | रम्भयाश्चकथुः |
| | रम्भयाश्चकार-चकर | रम्भयाश्चकुव | रम्भयाश्चकृमहे |
| | रम्भयाम्भभूव | रम्भयामास | |
| आ० | रम्भ्यात् | रम्भ्यास्ताम् | रम्भ्यासुः |
| | रम्भ्याः | रम्भ्यास्तम् | रम्भ्यास्त |
| | रम्भ्यासम् | रम्भ्यास्व | रम्भ्यास्म |
| भ० | रम्भयिता | रम्भयितारौ | रम्भयितारः |
| | रम्भयितासि | रम्भयितास्थः | रम्भयितास्थ |
| | रम्भयितास्मि | रम्भयितास्वः | रम्भयितास्महे |
| म० | रम्भयिष्यति | रम्भयिष्यतः | रम्भयिष्यन्ति |
| | रम्भयिष्यसि | रम्भयिष्यथः | रम्भयिष्यथ |
| | रम्भयिष्यामि | रम्भयिष्यावः | रम्भयिष्यामः |
| क्रि० | अरम्भयिष्यत् | अरम्भयिष्यताम् | अरम्भयिष्यन् |
| | अरम्भयिष्यः | अरम्भयिष्यतम् | अरम्भयिष्यत |
| | अरम्भयिष्यम् | अरम्भयिष्याव | अरम्भयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | रम्भयते | रम्भयेते | रम्भयन्ते |
| | रम्भयसे | रम्भयेथे | रम्भयध्वे |
| | रम्भये | रम्भयावहे | रम्भयामहे |
| स० | रम्भयेत | रम्भयेयाताम् | रम्भयेरन् |
| | रम्भयेथाः | रम्भयेयाथाम् | रम्भयेध्वम् |
| | रम्भयेय | रम्भयेवहि | रम्भयेमहि |
| प० | रम्भयताम् | रम्भयेताम् | रम्भयन्ताम् |
| | रम्भयस्व | रम्भयेथाम् | रम्भयध्वम् |
| | रम्भयै | रम्भयावहै | रम्भयामहै |
| ह्य० | अरम्भयत | अरम्भयेताम् | अरम्भयन्त |
| | अरम्भयथाः | अरम्भयेथाम् | अरम्भयध्वम् |
| | अरम्भये | अरम्भयावहि | अरम्भयामहि |
| अ० | अरम्भयत | अरम्भयेताम् | अरम्भयन्त |
| | अरम्भयथाः | अरम्भयेथाम् | अरम्भयध्वम् |
| | अरम्भये | अरम्भयावहि | अरम्भयामहि |
| प० | रम्भयाश्चके | रम्भयाश्चकाते | रम्भयाश्चकिरे |
| | रम्भयाश्चकृषे | रम्भयाश्चकाथे | रम्भयाश्चकृद्वे |
| | रम्भयाश्चके | रम्भयाश्चकृवहे | रम्भयाश्चकृमहे |
| | रम्भयाम्भभूव | रम्भयामास | |
| आ० | रम्भयिषीष्ट | रम्भयिषीयास्ताम् | रम्भयिषीरन् |
| | रम्भयिषीष्टाः | रम्भयिषीयास्थाम् | रम्भयिषीध्वम् |
| | रम्भयिषीय | रम्भयिषीवहि | रम्भयिषीमहि |
| भ० | रम्भयिता | रम्भयितारौ | रम्भयितारः |
| | रम्भयितासे | रम्भयितासाथे | रम्भयिताध्वे |
| | रम्भयिताहे | रम्भयितास्वहे | रम्भयितास्महे |
| म० | रम्भयिष्यते | रम्भयिष्येते | रम्भयिष्यन्ते |
| | रम्भयिष्यसे | रम्भयिष्येथे | रम्भयिष्यध्वे |
| | रम्भयिष्ये | रम्भयिष्यावहे | रम्भयिष्यामहे |
| क्रि० | अरम्भयिष्यत | अरम्भयिष्येताम् | अरम्भयिष्यन्त |
| | अरम्भयिष्यथाः | अरम्भयिष्येथाम् | अरम्भयिष्यध्वम् |
| | अरम्भयिष्ये | अरम्भयिष्यावहि | अरम्भयिष्यामहि |

368 कुबु (कुम्ब) आच्छादने

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| व० | कुम्बयति | कुम्बयते | कुम्बयन्ते |
| | कुम्बयसे | कुम्बयेथे | कुम्बयध्वे |
| | कुम्बये | कुम्बयावहे | कुम्बयामहे |
| स० | कुम्बयेत् | कुम्बयेताम् | कुम्बयेयुः |
| | कुम्बयेः | कुम्बयेतम् | कुम्बयेत |
| | कुम्बयेयम् | कुम्बयेव | कुम्बयेम |
| प० | कुम्बयतु | कुम्बयतात् | कुम्बयताम् |
| | कुम्बय | कुम्बयतात् | कुम्बयतम् |
| | कुम्बयानि | कुम्बयाव | कुम्बयाम |
| ह्य० | अकुम्बयत् | अकुम्बयताम् | अकुम्बयन् |
| | अकुम्बयः | अकुम्बयतम् | अकुम्बयत |
| | अकुम्बयम् | अकुम्बयाव | अकुम्बयाम |
| अ० | अचुकुम्बत् | अचुकुम्बताम् | अचुकुम्बन् |
| | अचुकुम्बः | अचुकुम्बतम् | अचुकुम्बत |
| | अचुकुम्बम् | अचुकुम्बाव | अचुकुम्बाम |
| क० | कुम्बयाश्चकार | कुम्बयाश्चकतुः | कुम्बयाश्चक्रुः |
| | कुम्बयाश्चकर्ष | कुम्बयाश्चक्रथुः | कुम्बयाश्चक्र |
| | कुम्बयाश्चकार चक्र | कुम्बयाश्चकृव | कुम्बयाश्चकृम |
| | कुम्बयाम्बभूव | कुम्बयामास | |
| आ० | कुम्ब्यात् | कुम्ब्यास्ताम् | कुम्ब्यासुः |
| | कुम्ब्याः | कुम्ब्यास्तम् | कुम्ब्यास्त |
| | कुम्ब्यासम् | कुम्ब्यास्व | कुम्ब्यास्म |
| श्व० | कुम्बयिता | कुम्बयितारौ | कुम्बयितारः |
| | कुम्बयितासि | कुम्बयितास्थः | कुम्बयितास्थ |
| | कुम्बयितास्मि | कुम्बयितास्वः | कुम्बयितास्मः |
| भ० | कुम्बयिष्यति | कुम्बयिष्यतः | कुम्बयिष्यन्ति |
| | कुम्बयिष्यसि | कुम्बयिष्यथः | कुम्बयिष्यथ |
| | कुम्बयिष्यामि | कुम्बयिष्यावः | कुम्बयिष्यामः |
| क्रि० | अकुम्बयिष्यत् | अकुम्बयिष्यताम् | अकुम्बयिष्यन् |
| | अकुम्बयिष्यः | अकुम्बयिष्यतम् | अकुम्बयिष्यत |
| | अकुम्बयिष्यम् | अकुम्बयिष्याव | अकुम्बयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | कुम्बयते | कुम्बयेते | कुम्बयन्ते |
| | कुम्बयसे | कुम्बयेथे | कुम्बयध्वे |
| | कुम्बये | कुम्बयावहे | कुम्बयामहे |
| स० | कुम्बयेत् | कुम्बयेयाताम् | कुम्बयेरन् |
| | कुम्बयेथाः | कुम्बयेयाथाम् | कुम्बयेध्वम् |
| | कुम्बयेय | कुम्बयेवहि | कुम्बयेमहि |
| प० | कुम्बयताम् | कुम्बयेताम् | कुम्बयन्ताम् |
| | कुम्बयस्व | कुम्बयेथाम् | कुम्बयध्वम् |
| | कुम्बयै | कुम्बयावहै | कुम्बयामहै |
| ह्य० | अकुम्बयत | अकुम्बयेताम् | अकुम्बयन्त |
| | अकुम्बयथाः | अकुम्बयेथाम् | अकुम्बयध्वम् |
| | अकुम्बये | अकुम्बयावहि | अकुम्बयामहि |
| अ० | अचुकुम्बत | अचुकुम्बेताम् | अचुकुम्बन्त |
| | अचुकुम्बथाः | अचुकुम्बेथाम् | अचुकुम्बध्वम् |
| | अचुकुम्बे | अचुकुम्बावहि | अचुकुम्बामहि |
| प० | कुम्बयाश्चक्रे | कुम्बयाश्चक्राते | कुम्बयाश्चक्रिरे |
| | कुम्बयाश्चकृषे | कुम्बयाश्चक्राथे | कुम्बयाश्चकृद्वे |
| | कुम्बयाश्चक्रे | कुम्बयाश्चकृवहे | कुम्बयाश्चकृमहे |
| | कुम्बयाम्बभूव | कुम्बयामास | |
| आ० | कुम्बयिषीष्ट | कुम्बयिषीयास्ताम् | कुम्बयिषीरन् |
| | कुम्बयिषीष्ठाः | कुम्बयिषीयास्थाम् | कुम्बयिषीध्वम् |
| | कुम्बयिषीय | कुम्बयिषीवहि | कुम्बयिषीमहि |
| श्व० | कुम्बयिता | कुम्बयितारौ | कुम्बयितारः |
| | कुम्बयितासे | कुम्बयितासाथे | कुम्बयिताध्वे |
| | कुम्बयिताहे | कुम्बयितास्वहे | कुम्बयितास्महे |
| भ० | कुम्बयिष्यते | कुम्बयिष्येते | कुम्बयिष्यन्ते |
| | कुम्बयिष्यसे | कुम्बयिष्येथे | कुम्बयिष्यध्वे |
| | कुम्बयिष्ये | कुम्बयिष्यावहे | कुम्बयिष्यामहे |
| क्रि० | अकुम्बयिष्यत | अकुम्बयिष्येताम् | अकुम्बयिष्यन्त |
| | अकुम्बयिष्यथाः | अकुम्बयिष्येथाम् | अकुम्बयिष्यध्वम् |
| | अकुम्बयिष्ये | अकुम्बयिष्यावहि | अकुम्बयिष्यामहि |

369 लुव (लुम्ब) अर्दने

| | | |
|----------------------------|------------------|-----------------|
| व० लुम्बयति | लुम्बयतः | लुम्बयन्ति |
| लुम्बयसि | लुम्बयथः | लुम्बयथ |
| लुम्बयामि | लुम्बयावः | लुम्बयामः |
| ल० लुम्बयेत् | लुम्बयेताम् | लुम्बयेयुः |
| लुम्बयेः | लुम्बयेतम् | लुम्बयेत |
| लुम्बयेयम् | लुम्बयेव | लुम्बयेम |
| प० लुम्बयतु | लुम्बयतात | लुम्बयताम् |
| लुम्बय | लुम्बयतम् | लुम्बयत |
| लुम्बयानि | लुम्बयाव | लुम्बयाम |
| ह्य० अलुम्बयत | अलुम्बयताम् | अलुम्बयन् |
| अलुम्बयः | अलुम्बयतम् | अलुम्बयत |
| अलुम्बयम् | अलुम्बयाव | अलुम्बयाम |
| अ० अलुम्बत | अलुम्बताम् | अलुम्बन् |
| अलुम्बः | अलुम्बतम् | अलुम्बत |
| अलुम्बम् | अलुम्बाव | अलुम्बाम |
| प० लुम्बयाञ्चकार | लुम्बयाञ्चक्रतुः | लुम्बयाञ्चक्रुः |
| लुम्बयाञ्चकर्ण | लुम्बयाञ्चक्रथुः | लुम्बयाञ्चक्र |
| लुम्बयाञ्चकार-चकर | लुम्बयाञ्चकृव | लुम्बयाञ्चकृम |
| लुम्बयाम्बभूव । लुम्बयामास | | |
| आ० लुम्ब्यात् | लुम्ब्यास्ताम् | लुम्ब्यासुः |
| लुम्ब्याः | लुम्ब्यास्तम् | लुम्ब्यास्त |
| लुम्ब्यासम् | लुम्ब्यास्व | लुम्ब्यास्म |
| श्च० लुम्बयिता | लुम्बयितारौ | लुम्बयितारः |
| लुम्बयितासि | लुम्बयितास्थः | लुम्बयितास्थ |
| लुम्बयितास्मि | लुम्बयितास्वः | लुम्बयितास्मः |
| भ० लुम्बयिष्यति | लुम्बयिष्यतः | लुम्बयिष्यन्ति |
| लुम्बयिष्यसि | लुम्बयिष्यथः | लुम्बयिष्यथ |
| लुम्बयिष्यामि | लुम्बयिष्यावः | लुम्बयिष्यामः |
| क्रि० अलुम्बयिष्यत | अलुम्बयिष्यताम् | अलुम्बयिष्यन्त |
| अलुम्बयिष्यथः | अलुम्बयिष्यतम् | अलुम्बयिष्यत |
| अलुम्बयिष्यम् | अलुम्बयिष्याव | अलुम्बयिष्याम |

| | | |
|----------------------------|-------------------|------------------|
| व० लुम्बयेते | लुम्बयेते | लुम्बयन्ते |
| लुम्बयेसे | लुम्बयेथे | लुम्बयन्वे |
| लुम्बये | लुम्बयावहे | लुम्बयामहे |
| स० लुम्बयेत | लुम्बयेयाताम् | लुम्बयेरन् |
| लुम्बयेथाः | लुम्बयेयाथाम | लुम्बयेष्वम |
| लुम्बयेय | लुम्बयेवहि | लुम्बयेमहि |
| प० लुम्बयताम् | लुम्बयेताम् | लुम्बयन्ताम् |
| लुम्बयस्व | लुम्बयेथाम | लुम्बयष्वम |
| लुम्बये | लुम्बयावहे | लुम्बयामहे |
| ह्य० अलुम्बयत | अलुम्बयेताम् | अलुम्बयन्त |
| अलुम्बयथाः | अलुम्बयेथाम | अलुम्बयष्वम |
| अलुम्बये | अलुम्बयावहि | अलुम्बयामहि |
| अ० अलुम्बत | अलुम्बेताम् | अलुम्बन्त |
| अलुम्बथाः | अलुम्बेथाम | अलुम्बष्वम |
| अलुम्बे | अलुम्बावहि | अलुम्बामहि |
| प० लुम्बयाञ्चक्रे | लुम्बयाञ्चक्राते | लुम्बयाञ्चक्रिरे |
| लुम्बयाञ्चकृषे | लुम्बयाञ्चक्राथे | लुम्बयाञ्चकृद्वे |
| लुम्बयाञ्चक्रे | लुम्बयाञ्चकृवहे | लुम्बयाञ्चकृमहे |
| लुम्बयाम्बभूव । लुम्बयामास | | |
| आ० लुम्बयिषीष्ट | लुम्बयिषीयास्ताम् | लुम्बयिषीरन् |
| लुम्बयिषीष्टाः | लुम्बयिषीयास्थाम | लुम्बयिषीद्वम् |
| लुम्बयिषीय | लुम्बयिषीवहि | लुम्बयिषीमहि |
| श्च० लुम्बयिता | लुम्बयितारौ | लुम्बयितारः |
| लुम्बयितासे | लुम्बयितासाथे | लुम्बयिताध्वे |
| लुम्बयिताहे | लुम्बयितास्वहे | लुम्बयितास्महे |
| भ० लुम्बयिष्यते | लुम्बयिष्येते | लुम्बयिष्यन्ते |
| लुम्बयिष्यसे | लुम्बयिष्येथे | लुम्बयिष्यन्वे |
| लुम्बयिष्ये | लुम्बयिष्यावहे | लुम्बयिष्यामहे |
| क्रि० अलुम्बयिष्यत | अलुम्बयिष्येताम् | अलुम्बयिष्यन्त |
| अलुम्बयिष्यथाः | अलुम्बयिष्येथाम | अलुम्बयिष्यष्वम |
| अलुम्बयिष्ये | अलुम्बयिष्यावहि | अलुम्बयिष्यामहि |

370 तुब् (तुम्) अर्दने ।

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|----------------|
| व० | तुम्बयति | तुम्बयतः | तुम्बयन्ति |
| | तुम्बयसि | तुम्बयथः | तुम्बयथ |
| | तुम्बयामि | तुम्बयावः | तुम्बयामः |
| स० | तुम्बयेत् | तुम्बयेताम् | तुम्बयेयुः |
| | तुम्बयेः | तुम्बयेतम् | तुम्बयेत |
| | तुम्बयेयम् | तुम्बयेव | तुम्बयेम |
| प० | तुम्बयतु | तुम्बयतात् | तुम्बयताम् |
| | तुम्बय | तुम्बयतात् | तुम्बयतम् |
| | तुम्बयानि | तुम्बयाव | तुम्बयाम |
| ह्य० | अतुम्बयत् | अतुम्बयताम् | अतुम्बयन् |
| | अतुम्बयः | अतुम्बयतम् | अतुम्बयत |
| | अतुम्बयम् | अतुम्बयाव | अतुम्बयाम |
| अ० | अतुम्बत् | अतुम्बताम् | अतुम्बन् |
| | अतुम्बः | अतुम्बतम् | अतुम्बत |
| | अतुम्बम् | अतुम्बाव | अतुम्बाम |
| प० | तुम्बयाञ्चकार | तुम्बयाञ्चकतुः | तुम्बयाञ्चकुः |
| | तुम्बयाञ्चकर्थ | तुम्बयाञ्चकथुः | तुम्बयाञ्चक |
| | तुम्बयाञ्चकार | चकर | तुम्बयाञ्चकव |
| | तुम्बयाम्बभूव | । | तुम्बयामास |
| आ० | तुम्ब्यात् | तुम्ब्यास्ताम् | तुम्ब्यासुः |
| | तुम्ब्याः | तुम्ब्यास्तम् | तुम्ब्यास्त |
| | तुम्ब्यासम् | तुम्ब्यास्व | तुम्ब्यास्म |
| श्व० | तुम्बयिता | तुम्बयितारौ | तुम्बयितारः |
| | तुम्बयितासि | तुम्बयितास्थः | तुम्बयितास्थ |
| | तुम्बयितास्मि | तुम्बयितास्वः | तुम्बयितास्महे |
| भ० | तुम्बयिष्यति | तुम्बयिष्यतः | तुम्बयिष्यन्ति |
| | तुम्बयिष्यसि | तुम्बयिष्यथः | तुम्बयिष्यथ |
| | तुम्बयिष्यामि | तुम्बयिष्यावः | तुम्बयिष्यामः |
| क्रि० | अतुम्बयिष्यत् | अतुम्बयिष्यताम् | अतुम्बयिष्यन् |
| | अतुम्बयिष्यः | अतुम्बयिष्यतम् | अतुम्बयिष्यत |
| | अतुम्बयिष्यम् | अतुम्बयिष्याव | अतुम्बयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | तुम्बयते | तुम्बयेते | तुम्बयन्ते |
| | तुम्बयसे | तुम्बयेथे | तुम्बयध्वे |
| | तुम्बये | तुम्बयावहे | तुम्बयामहे |
| स० | तुम्बयेत | तुम्बयेयाताम् | तुम्बयेरन् |
| | तुम्बयेथाः | तुम्बयेयाथाम् | तुम्बयेध्वम् |
| | तम्बयेय | तुम्बयेवहि | तुम्बयेमहि |
| प० | तुम्बयताम् | तुम्बयेताम् | तुम्बयन्ताम् |
| | तुम्बयस्व | तुम्बयेथाम् | तुम्बयध्वम् |
| | तुम्बयै | तुम्बयावहै | तुम्बयामहै |
| ह्य० | अतुम्बयत | अतुम्बयेताम् | अतुम्बयन्त |
| | अतुम्बयथाः | अतुम्बयेथाम् | अतुम्बयध्वम् |
| | अतुम्बये | अतुम्बयावहि | अतुम्बयामहि |
| अ० | अतुम्बत् | अतुम्बेताम् | अतुम्बन्त |
| | अतुम्बथाः | अतुम्बेथाम् | अतुम्बध्वम् |
| | अतुम्बे | अतुम्बावहि | अतुम्बामहि |
| प० | तुम्बयाञ्चके | तुम्बयाञ्चकाते | तुम्बयाञ्चकिरे |
| | तुम्बयाञ्चकृषे | तुम्बयाञ्चकाथे | तुम्बयाञ्चकृद्वे |
| | तुम्बयाञ्चके | तुम्बयाञ्चकृवहे | तुम्बयाञ्चकृमहे |
| | तुम्बयाम्बभूव | तुम्बयामास | |
| आ० | तुम्बयिषीष्ट | तुम्बयिषीयास्ताम् | तुम्बयिषीरन् |
| | तुम्बयिषीष्टाः | तुम्बयिषीयास्थाम् | तुम्बयिषीध्वम् |
| | तुम्बयिषीय | तुम्बयिषीवहि | तुम्बयिषीमहि |
| श्व० | तुम्बयिता | तुम्बयितारौ | तुम्बयितारः |
| | तुम्बयितासे | तुम्बयितासाथे | तुम्बयिताध्वे |
| | तुम्बयिताहे | तुम्बयितास्वहे | तुम्बयितास्महे |
| भ० | तुम्बयिष्यते | तुम्बयिष्येते | तुम्बयिष्यन्ते |
| | तुम्बयिष्यसे | तुम्बयिष्येथे | तुम्बयिष्यध्वे |
| | तुम्बयिष्ये | तुम्बयिष्यावहे | तुम्बयिष्यामहे |
| क्रि० | अतुम्बयिष्यत | अतुम्बयिष्येताम् | अतुम्बयिष्यन्त |
| | अतुम्बयिष्यथाः | अतुम्बयिष्येथाम् | अतुम्बयिष्यध्वम् |
| | अतुम्बयिष्ये | अतुम्बयिष्यावहि | अतुम्बयिष्यामहि |

371 चुबु (चुम्ब) वक्त्रसंगोमे

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| १० चुम्बयति | चुम्बयतः | चुम्बयन्ति |
| चुम्बयसि | चुम्बयथः | चुम्बयथ |
| चुम्बयामि | चुम्बयावः | चुम्बयामः |
| ११ चुम्बयेत् | चुम्बयेताम् | चुम्बयेयुः |
| चुम्बयेः | चुम्बयेतम् | चुम्बयेत |
| चुम्बयेयम् | चुम्बयेय | चुम्बयेयम् |
| ५० चुम्बयतु | चुम्बयतात् | चुम्बयताम् |
| चुम्बय | चुम्बयतम् | चुम्बयत |
| चुम्बयानि | चुम्बयाव | चुम्बयाम |
| ५१ अचुम्बयत् | अचुम्बयताम् | अचुम्बयन् |
| अचुम्बयः | अचुम्बयतम् | अचुम्बयत |
| अचुम्बयम् | अचुम्बयाव | अचुम्बयाम |
| अ१ अचुम्बत | अचुम्बताम् | अचुम्बन् |
| अचुम्बः | अचुम्बतम् | अचुम्बत |
| अचुम्बम् | अचुम्बाव | अचुम्बाम |
| ५० चुम्बयाश्चकार | चुम्बयाश्चक्रुः | चुम्बयाश्चक्रुः |
| चुम्बयाश्चकर्ष | चुम्बयाश्चक्रुः | चुम्बयाश्चक्रुः |
| चुम्बयाश्चकार-चकर | चुम्बयाश्चक्रुव | चुम्बयाश्चक्रुम |
| चुम्बयाम्बभूव | चुम्बयामास | |
| आ० चुम्ब्यात् | चुम्ब्यास्ताम् | चुम्ब्यासुः |
| चुम्ब्याः | चुम्ब्यास्तम् | चुम्ब्यास्त |
| चुम्ब्यासम् | चुम्ब्यास्व | चुम्ब्यास्म |
| ५ चुम्बयिता | चुम्बयितारौ | चुम्बयितारः |
| चुम्बयितासि | चुम्बयितास्थः | चुम्बयितास्थ |
| चुम्बयितास्मि | चुम्बयितास्वः | चुम्बयितास्मः |
| भ० चुम्बयिष्यति | चुम्बयिष्यतः | चुम्बयिष्यन्ति |
| चुम्बयिष्यसि | चुम्बयिष्यथः | चुम्बयिष्यथ |
| चुम्बयिष्यामि | चुम्बयिष्यावः | चुम्बयिष्यामः |
| कि० अचुम्बयिष्यत् | अचुम्बयिष्यताम् | अचुम्बयिष्यन् |
| अचुम्बयिष्यः | अचुम्बयिष्यतम् | अचुम्बयिष्यत |
| अचुम्बयिष्यम् | अचुम्बयिष्याव | अचुम्बयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-------------------|--------------------|
| व० चुम्बयेते | चुम्बयेते | चुम्बयन्ते |
| चुम्बयसे | चुम्बयेथे | चुम्बयध्वे |
| चुम्बये | चुम्बयावहे | चुम्बयामहे |
| स० चुम्बयेत | चुम्बयेताम् | चुम्बयेरन् |
| चुम्बयेथाः | चुम्बयेथायाम् | चुम्बयेध्वम् |
| चुम्बयेय | चुम्बयेवहि | चुम्बयेमहि |
| ५० चुम्बयताम् | चुम्बयेताम् | चुम्बयन्ताम् |
| चुम्बयस्व | चुम्बयेथाम् | चुम्बयध्वम् |
| चुम्बयै | चुम्बयावहे | चुम्बयामहे |
| ५१ अचुम्बयत | अचुम्बयेताम् | अचुम्बयन्त |
| अचुम्बयथाः | अचुम्बयेथाम् | अचुम्बयध्वम् |
| अचुम्बये | अचुम्बयावहि | अचुम्बयामहि |
| अ० अचुचुम्बत | अचुचुम्बेताम् | अचुचुम्बन्त |
| अचुचुम्बथाः | अचुचुम्बेथाम् | अचुचुम्बध्वम् |
| अचुचुम्बे | अचुचुम्बावहि | अचुचुम्बामहि |
| ५० चुम्बयाश्चक्रे | चुम्बयाश्चक्राते | चुम्बयाश्चक्रिरे |
| चुम्बयाश्चक्रुषे | चुम्बयाश्चक्राये | चुम्बयाश्चक्रुद्वे |
| चुम्बयाश्चक्रे | चुम्बयाश्चक्रुवहे | चुम्बयाश्चक्रुमहे |
| चुम्बयाम्बभूव | चुम्बयामास | |
| आ० चुम्बयिषीष्ट | चुम्बयिषीयास्ताम् | चुम्बयिषीरन् |
| चुम्बयिषीष्टाः | चुम्बयिषीयास्थाम् | चुम्बयिषीध्वम् |
| चुम्बयिषीय | चुम्बयिषीवहि | चुम्बयिषीमहि |
| ५ चुम्बयिता | चुम्बयितारौ | चुम्बयितारः |
| चुम्बयितासे | चुम्बयितासाथे | चुम्बयिताध्वे |
| चुम्बयिताहे | चुम्बयितास्वहे | चुम्बयितास्महे |
| भ० चुम्बयिष्यते | चुम्बयिष्येते | चुम्बयिष्यन्ते |
| चुम्बयिष्यसे | चुम्बयिष्येथे | चुम्बयिष्यध्वे |
| चुम्बयिष्ये | चुम्बयिष्यावहे | चुम्बयिष्यामहे |
| कि० अचुम्बयिष्यत | अचुम्बयिष्येताम् | अचुम्बयिष्यन्त |
| अचुम्बयिष्यथाः | अचुम्बयिष्येथाम् | अचुम्बयिष्यध्वम् |
| अचुम्बयिष्ये | अचुम्बयिष्यावहि | अचुम्बयिष्यामहि |

॥ अथ भान्ता अष्टौ ॥

372 सृभू (सृभू) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | सर्भयति | सर्भयतः | सर्भयन्ति |
| | सर्भयसि | सर्भयथः | सर्भयथ |
| | सर्भयामि | सर्भयावः | सर्भयामः |
| स० | सर्भयेत् | सर्भयेताम् | सर्भयेयुः |
| | सर्भयेः | सर्भयेतम् | सर्भयेत |
| | सर्भयेयम् | सर्भयेव | सर्भयेम |
| प० | सर्भयतु | सर्भयतात् | सर्भयताम् |
| | सर्भय | सर्भयतम् | सर्भयत |
| | सर्भयाणि | सर्भयाव | सर्भयाम |
| ह्य० | असर्भयत् | असर्भयताम् | असर्भयन् |
| | असर्भयः | असर्भयतम् | असर्भयत |
| | असर्भयम् | असर्भयाव | असर्भयाम |
| अ० | असीसृभत | असीसृभताम् | असीसृभन् |
| | असीसृभ | असीसृभतम् | असीसृभत |
| | असीसृभम् | असीसृभाव | असीसृभाम |
| | अससर्भत् | अससर्भताम् | अससर्भन् इ० |
| प० | सर्भयाञ्चकार | सर्भयाञ्चक्रुः | सर्भयाञ्चक्रुः |
| | सर्भयाञ्चकथं | सर्भयाञ्चक्रथुः | सर्भयाञ्चक्र |
| | सर्भयाञ्चकार चकर | सर्भयाञ्चक्रव | सर्भयाञ्चक्रम |
| | सर्भयाम्बभूव । | सर्भयामास | |
| आ० | सर्भ्यात् | सर्भ्यास्ताम् | सर्भ्यासुः |
| | सर्भ्याः | सर्भ्यास्तम् | सर्भ्यास्त |
| | सर्भ्यासाम् | सर्भ्यास्व | सर्भ्यास्म |
| श्व० | सर्भयिता | सर्भयितारौ | सर्भयितारः |
| | सर्भयितासि | सर्भयितास्थः | सर्भयितास्थ |
| | सर्भयितास्मि | सर्भयितास्वः | सर्भयितास्मः |
| भ० | सर्भयिष्यति | सर्भयिष्यतः | सर्भयिष्यन्ति |
| | सर्भयिष्यसि | सर्भयिष्यथः | सर्भयिष्यथ |
| | सर्भयिष्यामि | सर्भयिष्यावः | सर्भयिष्यामः |
| क्रि० | असर्भयिष्यत् | असर्भयिष्यताम् | असर्भयिष्यन् |
| | असर्भयिष्यः | असर्भयिष्यतम् | असर्भयिष्यत |
| | असर्भयिष्यम् | असर्भयिष्याव | असर्भयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|-----------------|
| व | सर्भयते | सर्भयेते | सर्भयन्ते |
| | सर्भयसे | सर्भयेथे | सर्भयध्वे |
| | सर्भये | सर्भयावहे | सर्भयामहे |
| स० | सर्भयेत | सर्भयेयाताम् | सर्भयेरन् |
| | सर्भयेथाः | सर्भयेयाथाम | सर्भयेध्वम् |
| | सर्भयेय | सर्भयेवहि | सर्भयेमहि |
| प० | सर्भयताम् | सर्भयेताम् | सर्भयन्ताम् |
| | सर्भयस्व | सर्भयेथाम | सर्भयध्वम् |
| | सर्भये | सर्भयावहे | सर्भयामहे |
| ह्य० | असर्भयत् | असर्भयेताम् | असर्भयन्त |
| | असर्भयेथाः | असर्भयेथाम | असर्भयध्वम् |
| | असर्भये | असर्भयावहि | असर्भयामहि |
| अ० | असीसृभत | असीसृभेताम् | असीसृभन्त |
| | असीसृभथाः | असीसृभेथाम | असीसृभध्वम् |
| | असीसृभे | असीसृभावहि | असीसृभामहि |
| | अससर्भत् | अससर्भेताम् | अससर्भन्त इ० |
| प० | सर्भयाञ्चक्रे | सर्भयाञ्चक्राते | सर्भयाञ्चक्रिरे |
| | सर्भयाञ्चकृषे | सर्भयाञ्चक्राथे | सर्भयाञ्चकृध्वे |
| | सर्भयाञ्चक्रे | सर्भयाञ्चक्रवहे | सर्भयाञ्चक्रमहे |
| | सर्भयाम्बभूव । | सर्भयामास | |
| आ० | सर्भयिषीष्ट | सर्भयिषीयास्ताम् | सर्भयिषीरन् |
| | सर्भयिषीष्टाः | सर्भयिषीयास्थाम | सर्भयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | सर्भयिषीय | सर्भयिषीवहि | सर्भयिषीमहि |
| श्व० | सर्भयिता | सर्भयितारौ | सर्भयितारः |
| | सर्भयितासे | सर्भयितासथे | सर्भयिताध्वे |
| | सर्भयिताहे | सर्भयितास्वहे | सर्भयितास्महे |
| भ० | सर्भयिष्यते | सर्भयिष्येते | सर्भयिष्यन्ते |
| | सर्भयिष्यसे | सर्भयिष्येथे | सर्भयिष्यध्वे |
| | सर्भयिष्ये | सर्भयिष्यावहे | सर्भयिष्यामहे |
| क्रि० | असर्भयिष्यत् | असर्भयिष्येताम् | असर्भयिष्यन्त |
| | असर्भयिष्यथाः | असर्भयिष्येथाम | असर्भयिष्यध्वम् |
| | असर्भयिष्ये | असर्भयिष्यावहि | असर्भयिष्यामहि |

373 सुम्भू (सुम्भू) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | सुम्भयति | सुम्भयतः | सुम्भयन्ति |
| | सुम्भयसि | सुम्भयथः | सुम्भयथ |
| | सुम्भयामि | सुम्भयावः | सुम्भयामः |
| स० | सुम्भयेत् | सुम्भयेताम् | सुम्भयेयुः |
| | सुम्भयेः | सुम्भयेतम् | सुम्भयेत |
| | सुम्भयेयम् | सुम्भयेव | सुम्भयेम |
| प० | सुम्भयतु | सुम्भयतात् | सुम्भयताम् |
| | सुम्भय | सुम्भयतम् | सुम्भयत |
| | सुम्भयाणि | सुम्भयाव | सुम्भयाम |
| ह्य० | असुम्भयत | असुम्भयताम् | असुम्भयन्त |
| | असुम्भयः | असुम्भयतम् | असुम्भयत |
| | असुम्भयम् | असुम्भयाव | असुम्भयाम |
| अ | असुम्भन्त | असुम्भन्ताम् | असुम्भन्त |
| | असुम्भन्तः | असुम्भन्तम् | असुम्भन्त |
| | असुम्भन्म | असुम्भन्माव | असुम्भन्माम |
| प० | सुम्भयाञ्चकार | सुम्भयाञ्चकतु | सुम्भयाञ्चकुः |
| | सुम्भयाञ्चकथं | सुम्भयाञ्चकथुः | सुम्भयाञ्चक |
| | सुम्भयाञ्चकार-कर | सुम्भयाञ्चकृव | सुम्भयाञ्चकृम |
| | सुम्भयाम्बभूव | सुम्भयामास | |
| आ० | सुम्भ्यात् | सुम्भ्यास्ताम् | सुम्भ्यासुः |
| | सुम्भ्याः | सुम्भ्यास्तम् | सुम्भ्यास्त |
| | सुम्भ्यासम् | सुम्भ्यास्व | सुम्भ्यास्म |
| ध० | सुम्भयिता | सुम्भयितारौ | सुम्भयितारः |
| | सुम्भयितारसि | सुम्भयितारस्थ | सुम्भयितारस्थ |
| | सुम्भयितारस्मि | सुम्भयितारस्वः | सुम्भयितारस्मः |
| भ० | सुम्भयिष्यति | सुम्भयिष्यतः | सुम्भयिष्यन्ति |
| | सुम्भयिष्यसि | सुम्भयिष्यथः | सुम्भयिष्यथ |
| | सुम्भयिष्यामि | सुम्भयिष्यावः | सुम्भयिष्यामः |
| क्रि० | असुम्भयिष्यत् | असुम्भयिष्यताम् | असुम्भयिष्यन्त |
| | असुम्भयिष्यः | असुम्भयिष्यतम् | असुम्भयिष्यत |
| | असुम्भयिष्यम् | असुम्भयिष्याव | असुम्भयिष्याम |

374 स्त्रिभू धातोरामनेपदरूपाणि

| | | | |
|-------|------------------|---------------------|------------------------|
| व० | स्त्रेभयते | स्त्रेभयेते | स्त्रेभयन्ते |
| | स्त्रेभयसे | स्त्रेभयेथे | स्त्रेभयध्वे |
| | स्त्रेभये | स्त्रेभयावहे | स्त्रेभयामहे |
| स० | स्त्रेभयेत् | स्त्रेभयेयाताम् | स्त्रेभयेरन् |
| | स्त्रेभयेथाः | स्त्रेभयेथाथाम् | स्त्रेभयेध्वम् |
| | स्त्रेभयेय | स्त्रेभयेवहि | स्त्रेभयेमहि |
| प० | स्त्रेभयताम् | स्त्रेभयेताम् | स्त्रेभयन्ताम् |
| | स्त्रेभयस्व | स्त्रेभयेथाम् | स्त्रेभयध्वम् |
| | स्त्रेभयै | स्त्रेभयावहे | स्त्रेभयामहे |
| ह्य० | अस्त्रेभयत | अस्त्रेभयेताम् | अस्त्रेभयन्त |
| | अस्त्रेभयथाः | अस्त्रेभयेथाम् | अस्त्रेभयध्वम् |
| | अस्त्रेभये | अस्त्रेभयावहि | अस्त्रेभयामहि |
| अ० | असिस्त्रिभत | असिस्त्रिभेताम् | असिस्त्रिभन्त |
| | असिस्त्रिभथाः | असिस्त्रिभेथाम् | असिस्त्रिभध्वम् |
| | असिस्त्रिभे | असिस्त्रिभावहि | असिस्त्रिभामहि |
| प० | स्त्रेभयाञ्चके | स्त्रेभयाञ्चकाते | स्त्रेभयाञ्चकिरे |
| | स्त्रेभयाञ्चकृषे | स्त्रेभयाञ्चकाथे | स्त्रेभयाञ्चकृद्वे |
| | स्त्रेभयाञ्चके | स्त्रेभयाञ्चकृवहे | स्त्रेभयाञ्चकृमहे |
| | स्त्रेभयाम्बभूव | स्त्रेभयामास | |
| आ० | स्त्रेभयिषीष्ट | स्त्रेभयिषीयास्ताम् | स्त्रेभयिषीरन् |
| | स्त्रेभयिषीष्ठाः | स्त्रेभयिषीयास्थाम् | स्त्रेभयिषीध्वम् ध्वम् |
| | स्त्रेभयिषीय | स्त्रेभयिषीवहि | स्त्रेभयिषीमहि |
| ध० | स्त्रेभयिता | स्त्रेभयितारौ | स्त्रेभयितारः |
| | स्त्रेभयितासे | स्त्रेभयितासाथे | स्त्रेभयिताध्वे |
| | स्त्रेभयिताहे | स्त्रेभयितास्वहे | स्त्रेभयितास्महे |
| भ० | स्त्रेभयिष्यते | स्त्रेभयिष्येते | स्त्रेभयिष्यन्ते |
| | स्त्रेभयिष्यसे | स्त्रेभयिष्येथे | स्त्रेभयिष्यध्वे |
| | स्त्रेभयिष्ये | स्त्रेभयिष्यावहे | स्त्रेभयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्त्रेभयिष्यत् | अस्त्रेभयिष्येताम् | अस्त्रेभयिष्यन्त |
| | अस्त्रेभयिष्यथाः | अस्त्रेभयिष्येथाम् | अस्त्रेभयिष्यध्वम् |
| | अस्त्रेभयिष्ये | अस्त्रेभयिष्यावहि | अस्त्रेभयिष्यामहि |

(३६८) ॥ मुनिश्रोलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया॥

374 लिम् (लिम्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|------------------|------------------|-----------------|
| ब० | ल्लेभयति | ल्लेभयतः | ल्लेभयन्ति |
| | ल्लेभयसि | ल्लेभयथः | ल्लेभयथ |
| | ल्लेभयामि | ल्लेभयावः | ल्लेभयामः |
| स० | ल्लेभयेत् | ल्लेभयेताम् | ल्लेभयेयुः |
| | ल्लेभयेः | ल्लेभयेतम् | ल्लेभयेत |
| | ल्लेभयेयम् | ल्लेभयेव | ल्लेभयेम |
| प० | ल्लेभयतु | ल्लेभयतात् | ल्लेभयताम् |
| | ल्लेभय | ल्लेभयतम् | ल्लेभयत |
| | ल्लेभयाणि | ल्लेभयाव | ल्लेभयाम |
| अ० | अल्लेभयत् | अल्लेभयताम् | अल्लेभयन् |
| | अल्लेभयः | अल्लेभयतम् | अल्लेभयत |
| | अल्लेभयम् | अल्लेभयाव | अल्लेभयाम |
| अ० | असिल्लिभत् | असिल्लिभताम् | असिल्लिभन् |
| | असिल्लिभः | असिल्लिभतम् | असिल्लिभत |
| | असिल्लिभम् | असिल्लिभाव | असिल्लिभाम |
| प० | ल्लेभयाञ्चकार | ल्लेभयाञ्चक्रतुः | ल्लेभयाञ्चक्रुः |
| | ल्लेभयाञ्चकथं | ल्लेभयाञ्चकथुः | ल्लेभयाञ्चक्र |
| | ल्लेभयाञ्चकार-कर | ल्लेभयाञ्चकृव | ल्लेभयाञ्चकृम |
| | ल्लेभयाञ्चभूव | ल्लेभयामास | |
| आ० | ल्लेभ्यात् | ल्लेभ्यास्ताम् | ल्लेभ्यासुः |
| | ल्लेभ्याः | ल्लेभ्यास्तम् | ल्लेभ्यास्त |
| | ल्लेभ्यासम् | ल्लेभ्यास्व | ल्लेभ्यास्म |
| भ० | ल्लेभयिता | ल्लेभयितारौ | ल्लेभयितारः |
| | ल्लेभयितासि | ल्लेभयितास्थः | ल्लेभयितास्थ |
| | ल्लेभयितास्मि | ल्लेभयितास्वः | ल्लेभयितास्मः |
| भ० | ल्लेभयिष्यति | ल्लेभयिष्यतः | ल्लेभयिष्यन्ति |
| | ल्लेभयिष्यसि | ल्लेभयिष्यथः | ल्लेभयिष्यथ |
| | ल्लेभयिष्यामि | ल्लेभयिष्यावः | ल्लेभयिष्यामः |
| क्रि० | अल्लेभयिष्यत् | अल्लेभयिष्यताम् | अल्लेभयिष्यन् |
| | अल्लेभयिष्यः | अल्लेभयिष्यतम् | अल्लेभयिष्यत |
| | अल्लेभयिष्यम् | अल्लेभयिष्याव | अल्लेभयिष्याम |

373 सृम्भ् (सृम्भ्) हिंसायाम् ।

आत्मनेपदरूपाणि

| | | | |
|-------|----------------|---------------------|------------------|
| ब० | सृम्भयते | सृम्भयेते | सृम्भयन्ते |
| | सृम्भयसे | सृम्भयेथे | सृम्भयध्वे |
| | सृम्भये | सृम्भयावहे | सृम्भयामहे |
| स० | सृम्भयेत | सृम्भयेयाताम् | सृम्भयेरन् |
| | सृम्भयेथाः | सृम्भयेथायाम् | सृम्भयेध्वम् |
| | सृम्भयेय | सृम्भयेवहि | सृम्भयेमहि |
| प० | सृम्भयताम् | सृम्भयेताम् | सृम्भयन्ताम् |
| | सृम्भयस्व | सृम्भयेथाम् | सृम्भयध्वम् |
| | सृम्भयै | सृम्भयावहै | सृम्भयामहै |
| ह्य० | असृम्भयत | असृम्भयेताम् | असृम्भयन्त |
| | असृम्भयथाः | असृम्भयेथाम् | असृम्भयध्वम् |
| | असृम्भये | असृम्भयावहि | असृम्भयामहि |
| अ० | असृम्भत | असृम्भेताम् | असृम्भन्त |
| | असृम्भथाः | असृम्भेथाम् | असृम्भध्वम् |
| | असृम्भे | असृम्भावहि | असृम्भामहि |
| प० | सृम्भयाञ्चके | सृम्भयाञ्चक्राते | सृम्भयाञ्चक्रिरे |
| | सृम्भयाञ्चकृषे | सृम्भयाञ्चक्राथे | सृम्भयाञ्चकृद्धे |
| | सृम्भयाञ्चके | सृम्भयाञ्चकृवहे | सृम्भयाञ्चकृमहे |
| | सृम्भयाञ्चभूव | सृम्भयामास | |
| आ० | सृम्भयिषीष्ट | सृम्भयिषीष्टास्ताम् | सृम्भयिषीरन् |
| | सृम्भयिषीष्टाः | सृम्भयिषीष्टायाम् | सृम्भयिषीध्वम् |
| | सृम्भयिषीय | सृम्भयिषीवहि | सृम्भयिषीमहि |
| भ० | सृम्भयिता | सृम्भयितारौ | सृम्भयितारः |
| | सृम्भयितासे | सृम्भयितासाथे | सृम्भयिताध्वे |
| | सृम्भयिताहे | सृम्भयितास्वहे | सृम्भयितास्महे |
| भ० | सृम्भयिष्यते | सृम्भयिष्येते | सृम्भयिष्यन्ते |
| | सृम्भयिष्यसे | सृम्भयिष्येथे | सृम्भयिष्यध्वे |
| | सृम्भयिष्ये | सृम्भयिष्यावहे | सृम्भयिष्यामहे |
| क्रि० | असृम्भयिष्यत् | असृम्भयिष्येताम् | असृम्भयिष्यन्त |
| | असृम्भयिष्यथाः | असृम्भयिष्येथाम् | असृम्भयिष्यध्वम् |
| | असृम्भयिष्ये | असृम्भयिष्यवहि | असृम्भयिष्यामहि |

377 शुम्भ (शुम्भ्) भाषणे च

| | | | |
|------|----------------------------|------------------|----------------|
| १० | शुम्भयति | शुम्भयतः | शुम्भयन्ति |
| | शुम्भयसि | शुम्भयथः | शुम्भयथ |
| | शुम्भयामि | शुम्भयावः | शुम्भयामः |
| स० | शुम्भयेत् | शुम्भयेताम् | शुम्भयेयुः |
| | शुम्भयेः | शुम्भयेतम् | शुम्भयेत |
| | शुम्भयेयम् | शुम्भयेव | शुम्भयेम |
| प० | शुम्भयतु | शुम्भयतात् | शुम्भयताम् |
| | शुम्भय | „ | शुम्भयतम् |
| | शुम्भयानि | शुम्भयाव | शुम्भयाम |
| ह्य० | ० शुम्भयत् | ० शुम्भयताम् | ० शुम्भयन् |
| | ० शुम्भयः | ० शुम्भयतम् | ० शुम्भयत |
| | ० शुम्भयम् | ० शुम्भयाव | ० शुम्भयाम |
| अ० | अ शुम्भत् | अ शुम्भताम् | अ शुम्भन् |
| | अ शुम्भः | अ शुम्भतम् | अ शुम्भत |
| | अ शुम्भम् | अ शुम्भाव | अ शुम्भाम |
| प० | शुम्भयाङ्कवार | शुम्भयाङ्कत्रुः | शुम्भयाङ्ककुः |
| | शुम्भयाङ्ककथं | शुम्भयाङ्ककथुः | शुम्भयाङ्कक |
| | शुम्भयाङ्कवार-कर | शुम्भयाङ्कवृव | शुम्भयाङ्कवृम |
| | शुम्भयाम्बभूव । शुम्भयामास | | |
| आ० | शुम्भ्यात् | शुम्भ्यास्त् ।म् | शुम्भ्यासुः |
| | शुम्भ्याः | शुम्भ्यास्तम् | शुम्भ्यास्त |
| | शुम्भ्यासम् | शुम्भ्यास्व | शुम्भ्यास्म |
| भ० | शुम्भयिता | शुम्भयितारौ | शुम्भयितारः |
| | शुम्भयितासि | शुम्भयितास्थ | शुम्भयितास्थ |
| | शुम्भयितास्मि | शुम्भयितास्वः | शुम्भयितास्मः |
| भ० | शुम्भयिष्यति | शुम्भयिष्यतः | शुम्भयिष्यन्ति |
| | शुम्भयिष्यसि | शुम्भयिष्यथः | शुम्भयिष्यथ |
| | शुम्भयिष्यामि | शुम्भयिष्यावः | शुम्भयिष्यामः |
| वि० | ० शुम्भयिष्यत् | ० शुम्भयिष्यताम् | ० शुम्भयिष्यन् |
| | ० शुम्भयिष्यः | ० शुम्भयिष्यतम् | ० शुम्भयिष्यत |
| | ० शुम्भयिष्यम् | ० शुम्भयिष्याव | ० शुम्भयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | शुम्भयते | शुम्भयेते | शुम्भयन्ते |
| | शुम्भयस्ते | शुम्भयेथे | शुम्भयध्वे |
| | शुम्भये | शुम्भयावहे | शुम्भयामहे |
| स० | शुम्भयेत | शुम्भयेयाताम् | शुम्भयेरन् |
| | शुम्भयेथाः | शुम्भयेथायाम् | शुम्भयेध्वम् |
| | शुम्भयेय | शुम्भयेवहि | शुम्भयेमहि |
| प० | शुम्भयताम् | शुम्भयेताम् | शुम्भयन्ताम् |
| | शुम्भयस्व | शुम्भयेथाम् | शुम्भयध्वम् |
| | शुम्भये | शुम्भयावहै | शुम्भयामहै |
| ह्य० | अशुम्भयत | अशुम्भयेताम् | अशुम्भयन्त |
| | अशुम्भयथाः | अशुम्भयेथाम् | अशुम्भयध्वम् |
| | अशुम्भये | अशुम्भयावहि | अशुम्भयामहि |
| अ० | अशुम्भत | अशुम्भेताम् | अशुम्भन्त |
| | अशुम्भथाः | अशुम्भेथाम् | अशुम्भध्वम् |
| | अशुम्भे | अशुम्भावहि | अशुम्भामहि |
| प० | शुम्भयाञ्चक्रे | शुम्भयाञ्चक्राते | शुम्भयाञ्चक्रिरे |
| | शुम्भयाञ्चकृषे | शुम्भयाञ्चक्राथे | शुम्भयाञ्चकृत्वहे |
| | शुम्भयाञ्चक्रे | शुम्भयाञ्चकृवहे | शुम्भयाञ्चकृमहे |
| | शुम्भयाम्बभूव | शुम्भयामास | |
| आ० | शुम्भयिषीष्ट | शुम्भयिषीयास्ताम् | शुम्भयिषीरन् |
| | शुम्भयिषीष्ठाः | शुम्भयिषीयास्थाम् | शुम्भयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | शुम्भयिषीय | शुम्भयिषीवहि | शुम्भयिषीमहि |
| श्र० | शुम्भयिता | शुम्भयितारौ | शुम्भयितारः |
| | शुम्भयितासे | शुम्भयितासाथे | शुम्भयिताध्वे |
| | शुम्भयिताहे | शुम्भयितास्वहे | शुम्भयितास्महे |
| भ० | शुम्भयिष्यते | शुम्भयिष्येते | शुम्भयिष्यन्ते |
| | शुम्भयिष्यसे | शुम्भयिष्येथे | शुम्भयिष्यध्वे |
| | शुम्भयिष्ये | शुम्भयिष्यावहे | शुम्भयिष्यामहे |
| क्रि० | अशुम्भयिष्यत | अशुम्भयिष्येताम् | अशुम्भयिष्यन्त |
| | अशुम्भयिष्यथाः | अशुम्भयिष्येथाम् | अशुम्भयिष्यध्वम् |
| | अशुम्भयिष्ये | अशुम्भयिष्यावहि | अशुम्भयिष्यामहि |

376 भर्भ (भर्भ) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | भर्भयति | भर्भयतः | भर्भयन्ति |
| | भर्भयसि | भर्भयथः | भर्भयथ |
| | भर्भयामि | भर्भयावः | भर्भयामः |
| स० | भर्भयेत् | भर्भयेताम् | भर्भयेयुः |
| | भर्भयेः | भर्भयेतम् | भर्भयेत |
| | भर्भयेयम् | भर्भयेव | भर्भयेम |
| प० | भर्भयतु | भर्भयतात् | भर्भयताम् |
| | भर्भय | भर्भयतम् | भर्भयत |
| | भर्भयाणि | भर्भयाव | भर्भयाम |
| ह्य० | अभर्भयत् | अभर्भयताम् | अभर्भयन् |
| | अभर्भयः | अभर्भयतम् | अभर्भयत |
| | अभर्भयम् | अभर्भयाव | अभर्भयाम |
| अ० | अबभर्भत् | अबभर्भताम् | अबभर्भन् |
| | अबभर्भः | अबभर्भतम् | अबभर्भत |
| | अबभर्भम् | अबभर्भाव | अबभर्भाम |
| प० | भर्भयाञ्चकार | भर्भयाञ्चकतुः | भर्भयाञ्चकुः |
| | भर्भयाञ्चकथं | भर्भयाञ्चकथुः | भर्भयाञ्चक |
| | भर्भयाञ्चकार-चकर | भर्भयाञ्चकृव | भर्भयाञ्चकृम |
| | भर्भयाम्बभूव | भर्भयामास | |
| भा० | भर्भ्यात् | भर्भ्यास्ताम् | भर्भ्यासुः |
| | भर्भ्याः | भर्भ्यास्तम् | भर्भ्यास्त |
| | भर्भ्यासाम् | भर्भ्यास्व | भर्भ्यास्म |
| भ० | भर्भयिता | भर्भयितारौ | भर्भयितारः |
| | भर्भयितासि | भर्भयितास्थः | भर्भयितास्थ |
| | भर्भयितास्मि | भर्भयितास्वः | भर्भयितास्मः |
| भ० | भर्भयिष्यति | भर्भयिष्यतः | भर्भयिष्यन्ति |
| | भर्भयिष्यसि | भर्भयिष्यथः | भर्भयिष्यथ |
| | भर्भयिष्यामि | भर्भयिष्यावः | भर्भयिष्यामः |
| क्रि० | अभर्भयिष्यत् | अभर्भयिष्यताम् | अभर्भयिष्यन् |
| | अभर्भयिष्यः | अभर्भयिष्यतम् | अभर्भयिष्यत |
| | अभर्भयिष्यम् | अभर्भयिष्याव | अभर्भयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | भर्भयेते | भर्भयेते | भर्भयन्ते |
| | भर्भयसे | भर्भयेथे | भर्भयध्वे |
| | भर्भये | भर्भयावहे | भर्भयामहे |
| स० | भर्भयेत | भर्भयेताताम् | भर्भयेरन् |
| | भर्भयेथाः | भर्भयेथायाम् | भर्भयेध्वम् |
| | भर्भयेय | भर्भयेवहि | भर्भयेमहि |
| प० | भर्भयताम् | भर्भयेताम् | भर्भयन्ताम् |
| | भर्भयस्व | भर्भयेथाम् | भर्भयध्वम् |
| | भर्भये | भर्भयावहै | भर्भयामहै |
| ह्य० | अभर्भयत | अभर्भयेताम् | अभर्भयन्त |
| | अभर्भयथाः | अभर्भयेथाम् | अभर्भयध्वम् |
| | अभर्भये | अभर्भयावहि | अभर्भयामहि |
| अ० | अबभर्भत | अबभर्भेताम् | अबभर्भन्त |
| | अबभर्भथाः | अबभर्भेथाम् | अबभर्भध्वम् |
| | अबभर्भे | अबभर्भवहि | अबभर्भामहि |
| प० | भर्भयाञ्चक्रे | भर्भयाञ्चकाते | भर्भयाञ्चक्रे |
| | भर्भयाञ्चकृवे | भर्भयाञ्चकृये | भर्भयाञ्चकृवे |
| | भर्भयाञ्चक्रे | भर्भयाञ्चकृवहे | भर्भयाञ्चकृमहे |
| | भर्भयाम्बभूव | भर्भयामास | |
| आ० | भर्भयिषीष्ट | भर्भयिषीयास्ताम् | भर्भयिषीरन् |
| | भर्भयिषीष्टाः | भर्भयिषीयास्थाम् | भर्भयिषीध्वम् |
| | भर्भयिषीय | भर्भयिषीवहि | भर्भयिषीमहि |
| भ० | भर्भयिता | भर्भयितारौ | भर्भयितारः |
| | भर्भयितासे | भर्भयितासाथे | भर्भयिताध्वे |
| | भर्भयिताहे | भर्भयितास्वहे | भर्भयितास्महे |
| भ० | भर्भयिष्यते | भर्भयिष्येते | भर्भयिष्यन्ते |
| | भर्भयिष्यसे | भर्भयिष्येथे | भर्भयिष्यध्वे |
| | भर्भयिष्ये | भर्भयिष्यावहे | भर्भयिष्यामहे |
| क्रि० | अभर्भयिष्यत | अभर्भयिष्येताम् | अभर्भयिष्यन्त |
| | अभर्भयिष्यथाः | अभर्भयिष्येथाम् | अभर्भयिष्यध्वम् |
| | अभर्भयिष्ये | अभर्भयिष्यावहि | अभर्भयिष्यामहि |

375 सिम्भू (सिम्भू) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|-----------------|
| व० | सिम्भयति | सिम्भयतः | सिम्भयन्ति |
| | सिम्भयसि | सिम्भयथः | सिम्भयथ |
| | सिम्भयामि | सिम्भयावः | सिम्भयामः |
| स० | सिम्भयेत् | सिम्भयेताम् | सिम्भयेयुः |
| | सिम्भयेः | सिम्भयेतम् | सिम्भयेत |
| | सिम्भयेयम् | सिम्भयेव | सिम्भयेम |
| प० | सिम्भयतु | सिम्भयतात् | सिम्भयन्तु |
| | सिम्भय | सिम्भयतम् | सिम्भयत |
| | सिम्भयामि | सिम्भयाव | सिम्भयाम |
| ह्य० | असिम्भयत् | असिम्भयताम् | असिम्भयन् |
| | असिम्भयः | असिम्भयतम् | असिम्भयत |
| | असिम्भयम् | असिम्भयाव | असिम्भयाम |
| अ० | असिषिम्भत् | असिषिम्भताम् | असिषिम्भन् |
| | असिषिम्भः | असिषिम्भतम् | असिषिम्भत |
| | असिषिम्भम् | असिषिम्भाव | असिषिम्भाम |
| प० | सिम्भयाञ्चकार | सिम्भयाञ्चक्रत् | सिम्भयाञ्चक्रुः |
| | सिम्भयाञ्चकथं | सिम्भयाञ्चकथुः | सिम्भयाञ्चक |
| | सिम्भयाञ्चकार-कर | सिम्भयाञ्चकृव | सिम्भयाञ्चकृम |
| | सिम्भयाम्भूव । | सिम्भयामास | |
| आ० | सिम्भ्यात् | सिम्भ्यास्ताम् | सिम्भ्यासुः |
| | सिम्भ्याः | सिम्भ्यास्तम् | सिम्भ्यास्त |
| | सिम्भ्यासम् | सिम्भ्यास्व | सिम्भ्यास्म |
| श्व० | सिम्भयिता | सिम्भयितारौ | सिम्भयितारः |
| | सिम्भयितासि | सिम्भयितास्यः | सिम्भयितास्य |
| | सिम्भयितास्मि | सिम्भयितास्वः | सिम्भयितास्मः |
| भ० | सिम्भयिष्यति | सिम्भयिष्यतः | सिम्भयिष्यन्ति |
| | सिम्भयिष्यसि | सिम्भयिष्यथः | सिम्भयिष्यथ |
| | सिम्भयिष्यामि | सिम्भयिष्यावः | सिम्भयिष्यामः |
| क्रि० | असिम्भयिष्यत् | असिम्भयिष्यताम् | असिम्भयिष्यन् |
| | असिम्भयिष्यथः | असिम्भयिष्यतम् | असिम्भयिष्यत |
| | असिम्भयिष्यम् | असिम्भयिष्याव | असिम्भयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | सिम्भयते | सिम्भयेते | सिम्भयन्ते |
| | सिम्भयसे | सिम्भयेथे | सिम्भयन्वे |
| | सिम्भये | सिम्भयावहे | सिम्भेयामहे |
| स० | सिम्भयेत् | सिम्भयेयाताम् | सिम्भयेरन् |
| | सिम्भयेथाः | सिम्भयेयाथाम् | सिम्भयेय्वम् |
| | सिम्भयेय | सिम्भयेवहि | सिम्भयेमहि |
| प० | सिम्भयताम् | सिम्भयेताम् | सिम्भयन्ताम् |
| | सिम्भयस्व | सिम्भयेथाम् | सिम्भयन्वम् |
| | सिम्भयै | सिम्भयावहै | सिम्भयामहै |
| ह्य० | असिम्भयत | असिम्भयेताम् | असिम्भयन्त |
| | असिम्भयथाः | असिम्भयेथाम् | असिम्भयन्वम् |
| | असिम्भये | असिम्भयावहि | असिम्भयामहि |
| अ० | असिषिम्भत | असिषिम्भेताम् | असिषिम्भन्त |
| | असिषिम्भथाः | असिषिम्भेथाम् | असिषिम्भन्वम् |
| | असिषिम्भे | असिषिम्भावहि | असिषिम्भामहि |
| प० | सिम्भयाञ्चके | सिम्भयाञ्चक्राते | सिम्भयाञ्चक्रिरे |
| | सिम्भयाञ्चकृषे | सिम्भयाञ्चक्राये | सिम्भयाञ्चकृद्वे |
| | सिम्भयाञ्चके | सिम्भयाञ्चकृवहे | सिम्भयाञ्चकृमहे |
| | सिम्भयाम्भूव । | सिम्भयामास | |
| आ० | सिम्भयिषीष्ट | सिम्भयिषीयास्ताम् | सिम्भयिषीरन् |
| | सिम्भयिषीष्टाः | सिम्भयिषीयास्थाम् | सिम्भयिषीद्वम् |
| | सिम्भयिषीय | सिम्भयिषीवहि | सिम्भयिषीमहि |
| श्व० | सिम्भयिता | सिम्भयितारौ | सिम्भयितारः |
| | सिम्भयितासे | सिम्भयितासाथे | सिम्भयिताश्वे |
| | सिम्भयिताहे | सिम्भयितास्वहे | सिम्भयितास्महे |
| भ० | सिम्भयिष्यते | सिम्भयिष्येते | सिम्भयिष्यन्ते |
| | सिम्भयिष्यसे | सिम्भयिष्येथे | सिम्भयिष्यन्वे |
| | सिम्भयिष्ये | सिम्भयिष्यावहे | सिम्भयिष्यामहे |
| क्रि० | असिम्भयिष्यत | असिम्भयिष्येताम् | असिम्भयिष्यन्त |
| | असिम्भयिष्यथाः | असिम्भयिष्येथाम् | असिम्भयिष्यन्वम् |
| | असिम्भयिष्ये | असिम्भयिष्यावहि | असिम्भयिष्यामहि |

378 यभ (यभ) मैथुने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|-------------------|
| ब० | याभयति | याभयतः | याभयन्ति |
| | याभयसि | याभयथः | याभयथ |
| | याभयामि | याभयावः | याभयामः |
| स० | याभयेत् | याभयेताम् | याभयेयुः |
| | याभयेः | याभयेतम् | याभयेत |
| | याभयेयम् | याभयेव | याभयेम |
| प० | याभयतु | याभयतात् | याभयताम् याभयन्तु |
| | याभय | याभयतम् | याभयत |
| | याभयानि | याभयाव | याभयाम |
| ह्य० | अयाभयत् | अयाभयताम् | अयाभयन् |
| | अयाभयः | अयाभयतम् | अयाभयत |
| | अयाभयम् | अयाभयाव | अयाभयाम |
| अ० | अयीयभत् | अयीयभताम् | अयीयभन् |
| | अयीयभः | अयीयभतम् | अयीयभत |
| | अयीयभम् | अयीयभाव | अयीयभाम |
| प० | याभयाञ्चकार | याभयाञ्चक्रुः | याभयाञ्चकुः |
| | याभयाञ्चकथे | याभयाञ्चकथुः | याभयाञ्चक |
| | याभयाञ्चकार-चकर | याभयाञ्चकृव | याभयाञ्चकृम |
| | याभयाञ्चभूव | याभयाञ्चभूव | याभयाञ्चभूव |
| भा० | याभ्यात् | याभ्यास्ताम् | याभ्यासुः |
| | याभ्याः | याभ्यास्तम् | याभ्यास्त |
| | याभ्यासाम् | याभ्यास्व | याभ्यास्म |
| श्व० | याभयिता | याभयितारौ | याभयितारः |
| | याभयितासि | याभयितास्थः | याभयितास्थ |
| | याभयितास्मि | याभयितास्वः | याभयितास्मः |
| भ० | याभयिष्यति | याभयिष्यतः | याभयिष्यन्ति |
| | याभयिष्यसि | याभयिष्यथः | याभयिष्यथ |
| | याभयिष्यामि | याभयिष्यावः | याभयिष्यामः |
| क्रि० | अयाभयिष्यत् | अयाभयिष्यताम् | अयाभयिष्यन् |
| | अयाभयिष्यः | अयाभयिष्यतम् | अयाभयिष्यत |
| | अयाभयिष्यम् | अयाभयिष्याव | अयाभयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | याभयते | याभयेते | याभयन्ते |
| | याभयसे | याभयेथे | याभयध्वे |
| | याभये | याभयावहे | याभयामहे |
| स० | याभयेत | याभयेयाताम् | याभयेरन् |
| | याभयेथाः | याभयेयाथाम् | याभयेष्वम् |
| | याभयेय | याभयेवहि | याभयेमहि |
| प० | याभयताम् | याभयेताम् | याभयन्ताम् |
| | याभयस्व | याभयेथाम् | याभयध्वम् |
| | याभये | याभयावहे | याभयामहे |
| ह्य० | अयाभयत | अयाभयेताम् | अयाभयन्त |
| | अयाभयथाः | अयाभयेथाम् | अयाभयध्वम् |
| | अयाभये | अयाभयावहि | अयाभयामहि |
| अ० | अयीयभत | अयीयभेताम् | अयीयभन्त |
| | अयीयभथाः | अयीयभेथाम् | अयीयभध्वम् |
| | अयीयभे | अयीयभावहि | अयीयभामहि |
| प० | याभयाञ्चके | याभयाञ्चकृते | याभयाञ्चकिरे |
| | याभयाञ्चकृषे | याभयाञ्चकृषे | याभयाञ्चकृद्वे |
| | याभयाञ्चके | याभयाञ्चकृवहे | याभयाञ्चकृमहे |
| | याभयाञ्चभूव | याभयाञ्चभूव | याभयाञ्चभूव |
| भा० | याभयिषीष्ट | याभयिषीयास्ताम् | याभयिषीरन् |
| | याभयिषीष्टाः | याभयिषीयास्थाम् | याभयिषीध्वम् |
| | याभयिषीय | याभयिषीवहि | याभयिषीमहि |
| श्व० | याभयिता | याभयितारौ | याभयितारः |
| | याभयितासे | याभयितासाथे | याभयिताध्वे |
| | याभयिताहे | याभयितास्वहे | याभयितास्महे |
| भ० | याभयिष्यते | याभयिष्येते | याभयिष्यन्ते |
| | याभयिष्यसे | याभयिष्येथे | याभयिष्यध्वे |
| | याभयिष्ये | याभयिष्यावहे | याभयिष्यामहे |
| क्रि० | अयाभयिष्यत् | अयाभयिष्येताम् | अयाभयिष्यन्त |
| | अयाभयिष्यथाः | अयाभयिष्येथाम् | अयाभयिष्यध्वम् |
| | अयाभयिष्ये | अयाभयिष्यावहि | अयाभयिष्यामहि |

379 जभ (जभ्-जम्भ)

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------|----------------|
| व० | जम्भयति | जम्भयतः | जम्भयन्ति |
| | जम्भयसि | जम्भयथः | जम्भयथ |
| | जम्भयामि | जम्भयावः | जम्भयामः |
| स० | जम्भयेत् | जम्भयेताम् | जम्भयेयुः |
| | जम्भयेः | जम्भयेतम् | जम्भयेत |
| | जम्भयेयम् | जम्भयेव | जम्भयेम |
| प० | जम्भयतु | जम्भयतात् | जम्भयताम् |
| | जम्भय | जम्भयतम् | जम्भयत |
| | जम्भयानि | जम्भयाव | जम्भयाम |
| ह्य० | अजम्भयत् | अजम्भयताम् | अजम्भयन् |
| | अजम्भयः | अजम्भयतम् | अजम्भयत |
| | अजम्भयम् | अजम्भयाव | अजम्भयाम |
| अ० | अजजम्भत् | अजजम्भताम् | अजजम्भन् |
| | अजजम्भः | अजजम्भतम् | अजजम्भत |
| | अजजम्भम् | अजजम्भाव | अजजम्भाम |
| प० | जम्भयाश्चकार | जम्भयाश्चक्रतुः | जम्भयाश्चक्रुः |
| | जम्भयाश्चक्रथे | जम्भयाश्चक्रथुः | जम्भयाश्चक्र |
| | जम्भयाश्चक्र-कर | जम्भयाश्चक्रव | जम्भयाश्चक्रम |
| | जम्भयाम्बभूव । | जम्भयामास | |
| आ० | जम्भ्यात् | जम्भ्यास्ताम् | जम्भ्यास्तुः |
| | जम्भ्याः | जम्भ्यास्तम् | जम्भ्यास्त |
| | जम्भ्यासम् | जम्भ्यास्व | जम्भ्यास्म |
| थ० | जम्भयिता | जम्भयितारौ | जम्भयितारः |
| | जम्भयितासि | जम्भयितास्थ | जम्भयितास्थ |
| | जम्भयितारिम | जम्भयितास्वः | जम्भयितास्मः |
| भ० | जम्भयिष्यति | जम्भयिष्यतः | जम्भयिष्यन्ति |
| | जम्भयिष्यसि | जम्भयिष्यथः | जम्भयिष्यथ |
| | जम्भयिष्यामि | जम्भयिष्यावः | जम्भयिष्यामः |
| क्रि० | अजम्भयिष्यत् | अजम्भयिष्यताम् | अजम्भयिष्यन् |
| | अजम्भयिष्यः | अजम्भयिष्यतम् | अजम्भयिष्यत |
| | अजम्भयिष्यम् | अजम्भयिष्याव | अजम्भयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| व० | जम्भयते | जम्भयेते | जम्भयन्ते |
| | जम्भयसे | जम्भयेथे | जम्भयध्वे |
| | जम्भये | जम्भयावहे | जम्भयामहे |
| स० | जम्भयेत | जम्भयेयाताम् | जम्भयेरन् |
| | जम्भयेथाः | जम्भयेयाथाम् | जम्भयेष्वम् |
| | जम्भयेय | जम्भयेवहि | जम्भयेमहि |
| प० | जम्भयताम् | जम्भयेताम् | जम्भयन्ताम् |
| | जम्भयस्व | जम्भयेथाम् | जम्भयध्वम् |
| | जम्भयै | जम्भयावहै | जम्भयामहै |
| ह्य० | अजम्भयत | अजम्भयेताम् | अजम्भयन्त |
| | अजम्भयथाः | अजम्भयेथाम् | अजम्भयध्वम् |
| | अजम्भये | अजम्भयावहि | अजम्भयामहि |
| अ० | अजजम्भत | अजजम्भेताम् | अजजम्भन्त |
| | अजजम्भथाः | अजजम्भेथाम् | अजजम्भध्वम् |
| | अजजम्भे | अजजम्भावहि | अजजम्भामहि |
| प० | जम्भयाश्चक्रे | जम्भयाश्चक्राते | जम्भयाश्चक्रिरे |
| | जम्भयाश्चक्रुषे | जम्भयाश्चक्राथे | जम्भयाश्चक्रुध्वे |
| | जम्भयाश्चक्रे | जम्भयाश्चक्रुवहे | जम्भयाश्चक्रमहे |
| | जम्भयाम्बभूव । | जम्भयामास | |
| आ० | जम्भयिषीष्ट | जम्भयिषीयास्ताम् | जम्भयिषीरन् |
| | जम्भयिषीष्ठाः | जम्भयिषीयास्थाम् | जम्भयिषीध्वम् |
| | जम्भयिषीय | जम्भयिषीवहि | जम्भयिषीमहि |
| थ० | जम्भयिता | जम्भयितारौ | जम्भयितारः |
| | जम्भयितासे | जम्भयितासाथे | जम्भयिताध्वे |
| | जम्भयिताहे | जम्भयितास्वहे | जम्भयितास्महे |
| भ० | जम्भयिष्यते | जम्भयिष्येते | जम्भयिष्यन्ते |
| | जम्भयिष्यसे | जम्भयिष्येथे | जम्भयिष्यध्वे |
| | जम्भयिष्ये | जम्भयिष्यावहे | जम्भयिष्यामहे |
| क्रि० | अजम्भयिष्यत | अजम्भयिष्येताम् | अजम्भयिष्यन्त |
| | अजम्भयिष्यथाः | अजम्भयिष्येथाम् | अजम्भयिष्यध्वम् |
| | अजम्भयिष्ये | अजम्भयिष्यावहि | अजम्भयिष्यामहि |

॥ अथ मान्ताः सप्तदश ॥

380 चम् (चम्) अदने ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| १० चामयति | चामयतः | चामयन्ति |
| चामयसि | चामयथः | चामयथ |
| चामयामि | चामयावः | चामयामः |
| स० चामयेत् | चामयेताम् | चामयेयुः |
| चामयेः | चामयेतम् | चामयेत |
| चामयेयम् | चामयेव | चामयेम |
| प० चामयतु | चामयतात् | चामयताम् |
| चामय | „ | चामयतम् |
| चामयानि | चामयाव | चामयाम |
| ह्य० अचामयत् | अचामयताम् | अचामयन् |
| अचामयः | अचामयतम् | अचामयत |
| अचामयम् | अचामयाव | अचामयाम |
| अ० अचीचमत् | अचीचमताम् | अचीचमन् |
| अचीचमः | अचीचमतम् | अचीचमत |
| अचीचमम् | अचीचमाव | अचीचमाम |
| प० चामयाश्चकार | चामयाश्चक्रतुः | चामयाश्चक्रुः |
| चामयाश्चकर्थ | चामयाश्चक्रथुः | चामयाश्चक्र |
| चामयाश्चकार-चकर | चामयाश्चकृव | चामयाश्चकृम |
| चामयाश्चभूव | „ | चामयामास |
| आ० चाम्यात् | चाम्यास्ताम् | चाम्यासुः |
| चाम्याः | चाम्यास्तम् | चाम्यास्त |
| चाम्यासम् | चाम्यास्व | चाम्यास्म |
| श्व० चामयिता | चामयितारौ | चामयितारः |
| चामयितासि | चामयितास्थः | चामयितास्थ |
| चामयितास्मि | चामयितास्वः | चामयितास्मः |
| भ० चामयिष्यति | चामयिष्यतः | चामयिष्यन्ति |
| चामयिष्यसि | चामयिष्यथः | चामयिष्यथ |
| चामयिष्यामि | चामयिष्यावः | चामयिष्यामः |
| क्रि० अचामयिष्यत् | अचामयिष्यताम् | अचामयिष्यन् |
| अचामयिष्यः | अचामयिष्यतम् | अचामयिष्यत |
| अचामयिष्यम् | अचामयिष्याव | अचामयिष्याम |

381 छम् (छम्) अदने ।

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| १० छमयति | छमयतः | छमयन्ति |
| छमयसि | छमयथः | छमयथ |
| छमयामि | छमयावः | छमयामः |
| स० छमयेत् | छमयेताम् | छमयेयुः |
| छमयेः | छमयेतम् | छमयेत |
| छमयेयम् | छमयेव | छमयेम |
| प० छमयतु | छमयतात् | छमयताम् |
| छमय | „ | छमयतम् |
| छमयामि | छमयाव | छमयाम |
| ह्य० अछमयत् | अछमयताम् | अछमयन् |
| अछमयः | अछमयतम् | अछमयत |
| अछमयम् | अछमयाव | अछमयाम |
| अ० अचिच्छमत् | अचिच्छमताम् | अचिच्छमन् |
| अचिच्छमः | अचिच्छमतम् | अचिच्छमत |
| अचिच्छमम् | अचिच्छमाव | अचिच्छमाम |
| प० छमयाश्चकार | छमयाश्चक्रतुः | छमयाश्चक्रुः |
| छमयाश्चकर्थ | छमयाश्चक्रथुः | छमयाश्चक्र |
| छमयाश्चकार-चकर | छमयाश्चकृव | छमयाश्चकृम |
| छमयाश्चभूव | „ | छमयामास |
| आ० छम्यात् | छम्यास्ताम् | छम्यासुः |
| छम्याः | छम्यास्तम् | छम्यास्त |
| छम्यासम् | छम्यास्व | छम्यास्म |
| श्व० छमयिता | छमयितारौ | छमयितारः |
| छमयितासि | छमयितास्थः | छमयितास्थ |
| छमयितास्मि | छमयितास्वः | छमयितास्मः |
| भ० छमयिष्यति | छमयिष्यतः | छमयिष्यन्ति |
| छमयिष्यसि | छमयिष्यथः | छमयिष्यथ |
| छमयिष्यामि | छमयिष्यावः | छमयिष्यामः |
| क्रि० अछमयिष्यत् | अछमयिष्यताम् | अछमयिष्यन् |
| अछमयिष्यः | अछमयिष्यतम् | अछमयिष्यत |
| अछमयिष्यम् | अछमयिष्याव | अछमयिष्याम |

382 जम् (जम्) अदने

| | | | |
|-------|---------------|---------------|--------------|
| व० | जमयति | जमयतः | जमयन्ति |
| | जमयसि | जमयथः | जमयथ |
| | जमयामि | जमयावः | जमयामः |
| स० | जमयेत् | जमयेताम् | जमयेयुः |
| | जमयेः | जमयेतम् | जमयेत |
| | जमयेयम् | जमयेव | जमयेम |
| प० | जमयतु | जमयतात् | जमयन्तु |
| | जमय | जमयतम् | जमयत |
| | जमयानि | जमयाव | जमयाम |
| ह्य० | अजमयत् | अजमयताम् | अजमयन् |
| | अजमयः | अजमयतम् | अजमयत |
| | अजमयम् | अजमयाव | अजमयाम |
| अ० | अजीजमत | अजीजमताम् | अजीजमन् |
| | अजीजमः | अजीजमतम् | अजीजमत |
| | अजीजमम् | अजीजमाव | अजीजमाम |
| प० | जमयाञ्चकार | जमयाञ्चक्रतुः | जमयाञ्चक्रुः |
| | जमयाञ्चकथं | जमयाञ्चक्रथुः | जमयाञ्चक्र |
| | जमयाञ्चकार-कर | जमयाञ्चक्रव | जमयाञ्चक्रम |
| | जमयाञ्चभूव | जमयामास | |
| आ० | जम्यात् | जम्यास्ताम् | जम्यासुः |
| | जम्याः | जम्यास्तम् | जम्यास्त |
| | जम्यासम् | जम्यास्व | जम्यास्म |
| श्व० | जमयिता | जमयितारौ | जमयितारः |
| | जमयितासि | जमयितास्थः | जमयितास्थ |
| | जमयितास्मि | जमयितास्वः | जमयितास्मः |
| भ० | जमयिष्यति | जमयिष्यतः | जमयिष्यन्ति |
| | जमयिष्यसि | जमयिष्यथः | जमयिष्यथ |
| | जमयिष्यामि | जमयिष्यावः | जमयिष्यामः |
| क्रि० | अजमयिष्यत् | अजमयिष्यतम् | अजमयिष्यन् |
| | अजमयिष्यः | अजमयिष्यतम् | अजमयिष्यत |
| | अजमयिष्यम् | अजमयिष्याव | अजमयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | जमयते | जमयेते | जमयन्ते |
| | जमयसे | जमयेथे | जमयध्वे |
| | जमये | जमयावहे | जमयामहे |
| स० | जमयेत् | जमयेयाताम् | जमयेरन् |
| | जमयेथाः | जमयेयाथाम् | जमयेष्वम् |
| | जमयेय | जमयेवहि | जमयेमहि |
| प० | जमयताम् | जमयेताम् | जमयन्ताम् |
| | जमयस्व | जमयेथाम् | जमयध्वम् |
| | जमये | जमयावहे | जमयामहे |
| ह्य० | अजमयत | अजमयेताम् | अजमयन्त |
| | अजमयथाः | अजमयेथाम् | अजमयध्वम् |
| | अजमये | अजमयावहि | अजमयामहि |
| अ० | अजीजमत | अजीजमेताम् | अजीजमन्त |
| | अजीजमथाः | अजीजमेथाम् | अजीजमध्वम् |
| | अजीजमे | अजीजमावहि | अजीजमामहि |
| प० | जमयाञ्चक्रे | जमयाञ्चक्राते | जमयाञ्चक्रिरे |
| | जमयाञ्चकृषे | जमयाञ्चक्राथे | जमयाञ्चकृद्वे |
| | जमयाञ्चक्रे | जमयाञ्चकृवहे | जमयाञ्चकृमहे |
| | जमयाञ्चभूव | जमयामास | |
| आ० | जमयिषीष्ट | जमयिषीयास्ताम् | जमयिषीरन् |
| | जमयिषीष्टाः | जमयिषीयाथाम् | जमयिषीध्वम् |
| | जमयिषीय | जमयिषीवहि | जमयिषीमहि |
| श्व० | जमयिता | जमयितारौ | जमयितारः |
| | जमयितासे | जमयितासाथे | जमयिताध्वे |
| | जमयिताहे | जमयितावहे | जमयितास्महे |
| भ० | जमयिष्यते | जमयिष्येते | जमयिष्यन्ते |
| | जमयिष्यसे | जमयिष्येथे | जमयिष्यध्वे |
| | जमयिष्ये | जमयिष्यावहे | जमयिष्यामहे |
| क्रि० | अजमयिष्यत | अजमयिष्येताम् | अजमयिष्यन्त |
| | अजमयिष्यथाः | अजमयिष्येथाम् | अजमयिष्यध्वम् |
| | अजमयिष्ये | अजमयिष्यावहि | अजमयिष्यामहि |

384 जिम् (जिम्) अदने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | जेमयति | जेमयतः | जेमयन्ति |
| | जेमयसि | जेमयथः | जेमयथ |
| | जेमयामि | जेमयावः | जेमयामः |
| स० | जेमयेत् | जेमयेताम् | जेमयेयुः |
| | जेमयेः | जेमयेतम् | जेमयेत |
| | जेमयेयम् | जेमयेव | जेमयेम |
| प० | जेमयतु | जेमयतात् | जेमयताम् |
| | जेमय | जेमयतम् | जेमयत |
| | जेमयानि | जेमयाव | जेमयाम |
| ह्य० | अजेमयत् | अजेमयताम् | अजेमयन् |
| | अजेमयः | अजेमयतम् | अजेमयत |
| | अजेमयम् | अजेमयाव | अजेमयाम |
| अ० | अजीजिमत् | अजीजिमताम् | अजीजिमन् |
| | अजीजिमः | अजीजिमतम् | अजीजिमत |
| | अजीजिमम् | अजीजिमाव | अजीजिमाम |
| प० | जेमयाञ्चकार | जेमयाञ्चक्रुः | जेमयाञ्चकुः |
| | जेमयाञ्चकर्थ | जेमयाञ्चकथुः | जेमयाञ्चक |
| | जेमयाञ्चकार-चकर | जेमयाञ्चकृव | जेमयाञ्चकृम |
| | जेमयाञ्चभूव | जेमयामास | |
| आ० | जेम्यात् | जेम्यास्ताम् | जेम्यासुः |
| | जेम्याः | जेम्यास्तम् | जेम्यास्त |
| | जेम्यासम् | जेम्यास्व | जेम्यास्म |
| श्व० | जेमयिता | जेमयितारौ | जेमयितारः |
| | जेमयितासि | जेमयितास्थः | जेमयितास्थ |
| | जेमयितास्मि | जेमयितास्वः | जेमयितास्मः |
| भ० | जेमयिष्यात् | जेमयिष्यतः | जेमयिष्यन्ति |
| | जेमयिष्यसि | जेमयिष्यथः | जेमयिष्यथ |
| | जेमयिष्यामि | जेमयिष्यावः | जेमयिष्यामः |
| क्रि० | अजेमयिष्यत् | अजेमयिष्यताम् | अजेमयिष्यन् |
| | अजेमयिष्यः | अजेमयिष्यतम् | अजेमयिष्यत |
| | अजेमयिष्यम् | अजेमयिष्याव | अजेमयिष्याम |

383 झम् (झम्) अदने

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | झमयति | झमयतः | झमयन्ति |
| | झमयसि | झमयथः | झमयथ |
| | झमयामि | झमयावः | झमयामः |
| स० | झमयेत् | झमयेताम् | झमयेयुः |
| | झमयेः | झमयेतम् | झमयेत |
| | झमयेयम् | झमयेव | झमयेम |
| प० | झमयतु | झमयतात् | झमयताम् |
| | झमय | झमयतम् | झमयत |
| | झमयानि | झमयाव | झमयाम |
| ह्य० | अझमयत् | अझमयताम् | अझमयन् |
| | अझमयः | अझमयतम् | अझमयत |
| | अझमयम् | अझमयाव | अझमयाम |
| अ० | अजीझमत् | अजीझमताम् | अजीझमन् |
| | अजीझमः | अजीझमतम् | अजीझमत |
| | अजीझमम् | अजीझमाव | अजीझमाम |
| प० | झमयाञ्चकार | झमयाञ्चक्रुः | झमयाञ्चकुः |
| | झमयाञ्चकर्थ | झमयाञ्चकथुः | झमयाञ्चक |
| | झमयाञ्चकार-चकर | झमयाञ्चकृव | झमयाञ्चकृम |
| | झमयाञ्चभूव | झमयामास | |
| आ० | झम्यात् | झम्यास्ताम् | झम्यासुः |
| | झम्याः | झम्यास्तम् | झम्यास्त |
| | झम्यासम् | झम्यास्व | झम्यास्म |
| श्व० | झमयिता | झमयितारौ | झमयितारः |
| | झमयितासि | झमयितास्थः | झमयितास्थ |
| | झमयितास्मि | झमयितास्वः | झमयितास्मः |
| भ० | झमयिष्यति | झमयिष्यतः | झमयिष्यन्ति |
| | झमयिष्यसि | झमयिष्यथः | झमयिष्यथ |
| | झमयिष्यामि | झमयिष्यावः | झमयिष्यामः |
| क्रि० | अझमयिष्यत् | अझमयिष्यताम् | अझमयिष्यन् |
| | अझमयिष्यः | अझमयिष्यतम् | अझमयिष्यत |
| | अझमयिष्यम् | अझमयिष्याव | अझमयिष्याम |

385 क्रमू (क्रम्) पादविक्षेपे

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------|----------------|
| ब० | क्रमयति | क्रमयतः | क्रमयन्ति |
| | क्रमयसि | क्रमयथः | क्रमयथ |
| | क्रमयामि | क्रमयावः | क्रमयामः |
| स० | क्रमयेत् | क्रमयेताम् | क्रमयेयुः |
| | क्रमयेः | क्रमयेतम् | क्रमयेत |
| | क्रमयेथम् | क्रमयेव | क्रमयेम |
| प० | क्रमयतु | क्रमयतात् | क्रमयताम् |
| | क्रमय | क्रमयतम् | क्रमयत |
| | क्रमयाणि | क्रमयाव | क्रमयाम |
| ह्य० | अक्रमयत् | अक्रमयताम् | अक्रमयन्त |
| | अक्रमयः | अक्रमयथम् | अक्रमयथ |
| | अक्रमयम | अक्रमयाव | अक्रमयाम |
| अ० | अचिक्रमत् | अचिक्रमताम् | अचिक्रमन् |
| | अचिक्रमः | अचिक्रमतम् | अचिक्रमत |
| | अचिक्रमम् | अचिक्रमाव | अचिक्रमाम |
| प० | क्रमयाञ्चकार | क्रमयाञ्चक्रतुः | क्रमयाञ्चक्रुः |
| | क्रमयाञ्चकर्तुः | क्रमयाञ्चक्रुः | क्रमयाञ्चक्रुः |
| | क्रमयाञ्चकार | चकर | क्रमयाञ्चक्रुव |
| | क्रमयाञ्चक्रुव | | क्रमयाञ्चक्रुम |
| | क्रमयाञ्चक्रुव | | क्रमयामास |
| आ० | क्रम्यात् | क्रम्यास्ताम् | क्रम्यासुः |
| | क्रम्याः | क्रम्यास्तम् | क्रम्यास्त |
| | क्रम्यासम् | क्रम्यास्व | क्रम्यास्म |
| श्च० | क्रमयिता | क्रमयितारौ | क्रमयितारः |
| | क्रमयितासि | क्रमयितास्थः | क्रमयितास्थ |
| | क्रमयितास्मि | क्रमयितास्वः | क्रमयितास्मः |
| भ० | क्रमयिष्यति | क्रमयिष्यतः | क्रमयिष्यन्ति |
| | क्रमयिष्यसि | क्रमयिष्यथः | क्रमयिष्यथ |
| | क्रमयिष्यामि | क्रमयिष्यावः | क्रमयिष्यामः |
| क्रि० | अक्रमयिष्यत् | अक्रमयिष्यताम् | अक्रमयिष्यन्त |
| | अक्रमयिष्यः | अक्रमयिष्यतम् | अक्रमयिष्यत |
| | अक्रमयिष्यम् | अक्रमयिष्याव | अक्रमयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-----------------|
| ब० | क्रमयते | क्रमयेते | क्रमयन्ते |
| | क्रमयसे | क्रमयेथे | क्रमयथ्वे |
| | क्रमये | क्रमयावहे | क्रमयामहे |
| स० | क्रमयेत | क्रमयेयाताम् | क्रमयेरन् |
| | क्रमयेथाः | क्रमयेयाथाम् | क्रमयेष्वम् |
| | क्रमयेथ | क्रमयेवहि | क्रमयेमहि |
| प० | क्रमयताम् | क्रमयेताम् | क्रमयन्ताम् |
| | क्रमयस्व | क्रमयेथाम् | क्रमयध्वम् |
| | क्रमयै | क्रमयावहै | क्रमयामहै |
| ह्य० | अक्रमयत | अक्रमयेताम् | अक्रमयन्त |
| | अक्रमयथाः | अक्रमयेथाम् | अक्रमयध्वम् |
| | अक्रमये | अक्रमयावहि | अक्रमयामहि |
| अ० | अचिक्रमत | अचिक्रमेताम् | अचिक्रमन्त |
| | अचिक्रमथाः | अचिक्रमेथाम् | अचिक्रमध्वम् |
| | अचिक्रमे | अचिक्रमावहि | अचिक्रमामहि |
| प० | क्रमयाञ्चक्रे | क्रमयाञ्चक्राते | क्रमयाञ्चक्रिरे |
| | क्रमयाञ्चकृषे | क्रमयाञ्चक्राथे | क्रमयाञ्चकृव्वे |
| | क्रमयाञ्चक्रे | क्रमयाञ्चकृवहे | क्रमयाञ्चकृमहे |
| | क्रमयाञ्चकृव्वे | | क्रमयामास |
| आ० | क्रमयिषीष्ट | क्रमयिषीयास्ताम् | क्रमयिषीरन् |
| | क्रमयिषीष्ठाः | क्रमयिषीयास्थाम् | क्रमयिषीड्वम् |
| | क्रमयिषीय | क्रमयिषीवहि | क्रमयिषीमहि |
| श्च० | क्रमयिता | क्रमयितारौ | क्रमयितारः |
| | क्रमयितासे | क्रमयितासाथे | क्रमयिताध्वे |
| | क्रमयिताहे | क्रमयितास्वहे | क्रमयितास्महे |
| भ० | क्रमयिष्यते | क्रमयिष्येते | क्रमयिष्यन्ते |
| | क्रमयिष्यसे | क्रमयिष्येथे | क्रमयिष्यध्वे |
| | क्रमयिष्ये | क्रमयिष्यावहे | क्रमयिष्यामहे |
| क्रि० | अक्रमयिष्यत | अक्रमयिष्येताम् | अक्रमयिष्यन्त |
| | अक्रमयिष्यथाः | अक्रमयिष्येथाम् | अक्रमयिष्यध्वम् |
| | अक्रमयिष्ये | अक्रमयिष्यावहि | अक्रमयिष्यामहि |

387 यम् (यम्) उपरमे।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० यमयति | यमयतः | यमयन्ति |
| यमयसि | यमयथः | यमयथ |
| यमयामि | यमयावः | यमयामः |
| स० यमयेत् | यमयेताम् | यमयेयुः |
| यमयेः | यमयेतम् | यमयेत |
| यमयेयम् | यमयेव | यमयेम |
| प० यमयतु | यमयतात् | यमयताम् |
| यमय | यमयतम् | यमयत |
| यमयानि | यमयाव | यमयाम |
| ह्य० अयमयत् | अयमयताम् | अयमयन् |
| अयमयः | अयमयतम् | अयमयत |
| अयमयम् | अयमयाव | अयमयाम |
| अ० अयीयमत | अयीयमताम् | अयीयमन् |
| अयीयमः | अयीयमतम् | अयीयमत |
| अयीयमम् | अयीयमाव | अयीयमाम |
| प० यमयाञ्चकार | यमयाञ्चकतुः | यमयाञ्चकुः |
| यमयाञ्चकथं | यमयाञ्चकथुः | यमयाञ्चक |
| यमयाञ्चकार-चकर | यमयाञ्चकृव | यमयाञ्चकृम |
| यमयाम्बभूव । | यमयामास | |
| आ० यम्यात् | यम्यास्ताम् | यम्यास्तुः |
| यम्याः | यम्यास्तम् | यम्यास्त |
| यम्यासम् | यम्यास्व | यम्यास्म |
| श्व० यमयिता | यमयितारौ | यमयितारः |
| यमयितासि | यमयितास्थः | यमयितास्थ |
| यमयितास्मि | यमयितास्वः | यमयितास्मः |
| भ० यमयिष्यति | यमयिष्यतः | यमयिष्यन्ति |
| यमयिष्यसि | यमयिष्यथः | यमयिष्यथ |
| यमयिष्यामि | यमयिष्यावः | यमयिष्यामः |
| क्रि० अयमयिष्यत् | अयमयिष्यताम् | अयमयिष्यन् |
| अयमयिष्यः | अयमयिष्यतम् | अयमयिष्यत |
| अयमयिष्यम् | अयमयिष्याव | अयमयिष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| ब० यमयेते | यमयेते | यमयन्ते |
| यमयसे | यमयेथे | यमयध्वे |
| यमये | यमयावहे | यमयामहे |
| स० यमयेत | यमयेताताम् | यमयेरन् |
| यमयेथाः | यमयेथाथाम् | यमयेध्वम् |
| यमयेय | यमयेवहि | यमयेमहि |
| प० यमयेताम् | यमयेताम् | यमयन्ताम् |
| यमयस्व | यमयेथाम् | यमयध्वम् |
| यमये | यमयावहे | यमयामहे |
| ह्य० अयमयत | अयमयेताम् | अयमयन्त |
| अयमयथाः | अयमयेथाम् | अयमयध्वम् |
| अयमय | अयमयावहि | अयमयामहि |
| अ० अयीयमत | अयीयताताम् | अयीयमन्त |
| अयीयमथाः | अयीयमेथाम् | अयीयमध्वम् |
| अयीयमे | अयीयमावहि | अयीयमामहि |
| प० यमयाञ्चके | यमयाञ्चकृते | यमयाञ्चकिरे |
| यमयाञ्चकृषे | यमयाञ्चकृथे | यमयाञ्चकृध्वे |
| यमयाञ्चके | यमयाञ्चकृवहे | यमयाञ्चकृमहे |
| यमयाम्बभूव । | यमयामास | |
| आ० यमयिषीष्ट | यमयिषीयास्ताम् | यमयिषीरन् |
| यमयिषीष्ठाः | यमयिषीयास्थाम् | यमयिषीध्वम् |
| यमयिषीय | यमयिषीवहि | यमयिषीमहि |
| श्व० यमयिता | यमयितारौ | यमयितारः |
| यमयितासे | यमयितासाथे | यमयिताध्वे |
| यमयिताहे | यमयितास्वहे | यमयितास्महे |
| भ० यमयिष्यते | यमयिष्येते | यमयिष्यन्ते |
| यमयिष्यसे | यमयिष्येथे | यमयिष्यध्वे |
| यमयिष्ये | यमयिष्यावहे | यमयिष्यामहे |
| क्रि० अयमयिष्यत् | अयमयिष्यताम् | अयमयिष्यन्त |
| अयमयिष्यथाः | अयमयिष्येथाम् | अयमयिष्यध्वम् |
| अयमयिष्ये | अयमयिष्यावहि | अयमयिष्यामहि |

387 स्यम् (स्यम्) शब्दे

| | | | |
|------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | स्यमर्थत | स्यमयतः | स्यमयन्ति |
| | स्यमयसि | स्यमयुथः | स्यमयथ |
| | स्यमयामि | स्यमयावः | स्यमयामः |
| स० | स्यमयेत् | स्यमयेताम् | स्यमयेयुः |
| | स्यमयेः | स्यमयेतम् | स्यमयेत |
| | स्यमयेयम् | स्यमयेव | स्यमयेम |
| प० | स्यमयतु | स्यमयतात् | स्यमयन्तु |
| | स्यमय | स्यमयतम् | स्यमयत |
| | स्यमयानि | स्यमयाव | स्यमयाम |
| ह्य० | अस्यमयत् | अस्यमयताम् | अस्यमयन् |
| | अस्यमयः | अस्यमयतम् | अस्यमयत |
| | अस्यमयम् | अस्यमयाव | अस्यमयाम |
| अ० | असिस्स्यमत् | असिस्स्यमताम् | असिस्स्यमन् |
| | असिस्स्यमः | असिस्स्यमतम् | असिस्स्यमत |
| | असिस्स्यमम् | असिस्स्यमाव | असिस्स्यमाम |
| प० | स्यमयाञ्चकार | स्यमयाञ्चक्रतुः | स्यमयाञ्चक्रुः |
| | स्यमयाञ्चकर्थ | स्यमयाञ्चक्रयुः | स्यमयाञ्चक |
| | स्यमयाञ्चकार-चकर | स्यमयाञ्चक्रव | स्यमयाञ्चक्रम |
| | स्यमयाम्बभूव | स्यमयामास | |
| आ० | स्यम्यात् | स्यम्यास्ताम् | स्यम्यातुः |
| | स्यम्याः | स्यम्यास्तम् | स्यम्यास्त |
| | स्यम्यासम् | स्यम्यास्व | स्यम्यास्म |
| श्व० | स्यमयिता | स्यमयितारौ | स्यमयितारः |
| | स्यमयितासि | स्यमयितास्थः | स्यमयितास्थ |
| | स्यमयितास्मि | स्यमयितास्वः | स्यमयितास्मः |
| भ० | स्यमयिष्यति | स्यमयिष्यतः | स्यमयिष्यन्ति |
| | स्यमयिष्यसि | स्यमयिष्यथः | स्यमयिष्यथ |
| | स्यमयिष्यामि | स्यमयिष्यावः | स्यमयिष्यामः |
| कि० | अस्यमयिष्यत् | अस्यमयिष्यताम् | अस्यमयिष्यन् |
| | अस्यमयिष्यः | अस्यमयिष्यतम् | अस्यमयिष्यत |
| | अस्यमयिष्यम् | अस्यमयिष्याव | अस्यमयिष्याम |

| | | | |
|------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | स्यमयते | स्यमयेते | स्यमयन्ते |
| | स्यमयसे | स्यमयेथे | स्यमयध्वे |
| | स्यमये | स्यमयावहे | स्यमयामहे |
| स० | स्यमयेत | स्यमयेयाताम् | स्यमयेरन् |
| | स्यमयेथाः | स्यमयेयाथाम् | स्यमयेध्वम् |
| | स्यमयेय | स्यमयेवहि | स्यमयेमहि |
| प० | स्यमयताम् | स्यमयेताम् | स्यमयन्ताम् |
| | स्यमयस्व | स्यमयेथाम् | स्यमयध्वम् |
| | स्यमयै | स्यमयावहै | स्यमयामहै |
| ह्य० | अस्यमयत | अस्यमयेताम् | अस्यमयन्त |
| | अस्यमयथाः | अस्यमयेथाम् | अस्यमयध्वम् |
| | अस्यमये | अस्यमयावहि | अस्यमयामहि |
| अ० | असिस्स्यमत | असिस्स्यमेताम् | असिस्स्यमन्त |
| | असिस्स्यमथाः | असिस्स्यमेथाम् | असिस्स्यमध्वम् |
| | असिस्स्यमे | असिस्स्यमावहि | असिस्स्यमामहि |
| प० | स्यमयाञ्चके | स्यमयाञ्चक्रते | स्यमयाञ्चक्रिरे |
| | स्यमयाञ्चकृषे | स्यमयाञ्चक्राये | स्यमयाञ्चकृद्वे |
| | स्यमयाञ्चके | स्यमयाञ्चक्रवहे | स्यमयाञ्चक्रमहे |
| | स्यमयाम्बभूव | स्यमयामास | |
| आ० | स्यमयिषीष्ट | स्यमयिषीयास्ताम् | स्यमयिषीरन् |
| | स्यमयिषीष्ठाः | स्यमयिषीयाथाम् | स्यमयिषीध्वम् |
| | स्यमयिषीय | स्यमयिषीवहि | स्यमयिषीमहि |
| श्व० | स्यमयिता | स्यमयितारौ | स्यमयितारः |
| | स्यमयितासे | स्यमयितामाथे | स्यमयिताध्वे |
| | स्यमयिताहे | स्यमयितास्वहे | स्यमयितास्महे |
| भ० | स्यमयिष्यते | स्यमयिष्येते | स्यमयिष्यन्ते |
| | स्यमयिष्यसे | स्यमयिष्येथे | स्यमयिष्यध्वे |
| | स्यमयिष्ये | स्यमयिष्यावहे | स्यमयिष्यामहे |
| कि० | अस्यमयिष्यत | अस्यमयिष्येताम् | अस्यमयिष्यन्त |
| | अस्यमयिष्यथाः | अस्यमयिष्येथाम् | अस्यमयिष्यध्वम् |
| | अस्यमयिष्ये | अस्यमयिष्यावहि | अस्यमयिष्यामहि |

388 णमं (नम्) प्रह्वत्वे ।
(३८०) ॥ मुनिश्रोलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥

388 णमं (नम्) ह्रस्वे

| | | |
|------------------|--------------|-----------------|
| ब० नमयति | नमयतः | नमयन्ति |
| नमयसि | नमयथः | नमयथ |
| नमयामि | नमयावः | नमयामः |
| स० नमयेत् | नमयेताम् | नमयेयुः |
| नमयेः | नमयेतम् | नमयेत |
| नमयेयम् | नमयेव | नमयेम |
| प० नमयतु | नमयतात् | नमयताम् नमयन्तु |
| नमय | नमयतम् | नमयत |
| नमयानि | नमयाव | नमयाम |
| ह्य० अनमयत् | अनमयताम् | अनमयन् |
| अनमयः | अनमयतम् | अनमयत |
| अनमयम् | अनमयाव | अनमयाम |
| अ० अनीनमत् | अनीनमताम् | अनीनमन् |
| अनीनमः | अनीनमतम् | अनीनमत |
| अनीनमम् | अनीनमाव | अनीनमाम |
| प० नमयाञ्चकार | नमयाञ्चक्रुः | नमयाञ्चक्रुः |
| नमयाञ्चकथं | नमयाञ्चकथुः | नमयाञ्चक |
| नमयाञ्चकार-कर | नमयाञ्चकृव | नमयाञ्चकृम |
| नमयाञ्चभूव | नमयामास | |
| आ० नम्यात् | नम्यास्ताम् | नम्यासुः |
| नम्याः | नम्यास्तम् | नम्यास्त |
| नम्यासम् | नम्यास्व | नम्यास्म |
| श्व० नमयिता | नमयितारौ | नमयितारः |
| नमयितासि | नमयितास्थः | नमयितास्थ |
| नमयितास्मि | नमयितास्वः | नमयितास्मः |
| भ० नमयिष्यति | नमयिष्यतः | नमयिष्यन्ति |
| नमयिष्यसि | नमयिष्यथः | नमयिष्यथ |
| नमयिष्यामि | नमयिष्यावः | नमयिष्यामः |
| क्रि० अनमयिष्यत् | अनमयिष्यताम् | अनमयिष्यन् |
| अनमयिष्यः | अनमयिष्यतम् | अनमयिष्यत |
| अनमयिष्यम् | अनमयिष्याव | अनमयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० नमयते | नमयेते | नमयन्ते |
| नमयसे | नमयेथे | नमयध्वे |
| नमये | नमयावहे | नमयामहे |
| स० नमयेत | नमयेयाताम् | नमयेरन् |
| नमयेथाः | नमयेयाथाम् | नमयेष्वम् |
| नमयेय | नमयेवहि | नमयेमहि |
| प० नमयताम् | नमयेताम् | नमयन्ताम् |
| नमयस्व | नमयेथाम् | नमयध्वम् |
| नमये | नमयावहे | नमयामहे |
| ह्य० अनमयत | अनमयेताम् | अनमयन्त |
| अनमयथाः | अनमयेथाम् | अनमयध्वम् |
| अनमये | अनमयावहि | अनमयामहि |
| अ० अनीनमत | अनीनमेताम् | अनीनमन्त |
| अनीनमथाः | अनीनमेथाम् | अनीनमध्वम् |
| अनीनमे | अनीनमावहि | अनीनमामहि |
| प० नमयाञ्चके | नमयाञ्चकाते | नमयाञ्चक्रिरे |
| नमयाञ्चकृषे | नमयाञ्चक्राथे | नमयाञ्चकृद्वे |
| नमयाञ्चके | नमयाञ्चकृवहे | नमयाञ्चकृमहे |
| नमयाञ्चभूव | नमयामास | |
| आ० नमयिषीष्ट | नमयिषीयास्ताम् | नमयिषीरन् |
| नमयिषीष्टाः | नमयिषीयास्थाम् | नमयिषीद्वम् |
| नमयिषीय | नमयिषीवहि | नमयिषीमहि |
| श्व० नमयिता | नमयितारौ | नमयितारः |
| नमयितासे | नमयितासाथे | नमयिताध्वम् |
| नमयिताहे | नमयितास्वहे | नमयितास्महे |
| भ० नमयिष्यते | नमयिष्येते | नमयिष्यन्ते |
| नमयिष्यसे | नमयिष्येथे | नमयिष्यध्वे |
| नमयिष्ये | नमयिष्यावहे | नमयिष्यामहे |
| क्रि० अनमयिष्यत | अनमयिष्यताम् | अनमयिष्यन्त |
| अनमयिष्यथाः | अनमयिष्येथाम् | अनमयिष्यध्वम् |
| अनमयिष्ये | अनमयिष्यावहि | अनमयिष्यामहि |

नामयति । नाणयतः । नामयन्ति । इत्यादिन्यपि

389 धम (सम्) वैकल्ये ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | समयति | समयतः | समयन्ति |
| | समयसि | समयथः | समयथ |
| | समयामि | समयावः | समयामः |
| स० | समयेत् | समयेताम् | समयेयुः |
| | समयेः | समयेतम् | समयेत |
| | समयेयम् | समयेव | समयेम |
| प० | समयतु | समयतात् | समयताम् |
| | समय | समयतम् | समयत |
| | समयानि | समयाव | समयाम |
| ह्य० | असमयत् | असमयताम् | असमयन् |
| | असमयः | असमयतम् | असमयत |
| | असमयम् | असमयाव | असमयाम |
| अ० | असीषमत् | असीषमताम् | असीषमन् |
| | असीषमः | असीषमतम् | असीषमत |
| | असीषमम् | असीषमाव | असीषमाम |
| प० | समयाञ्चकार | समयाञ्चक्रतुः | समयाञ्चक्रुः |
| | समयाञ्चकर्त्तुः | समयाञ्चक्रथुः | समयाञ्चक्र |
| | समयाञ्चकार चक्र | समयाञ्चक्रव | समयाञ्चक्रम |
| | समयाञ्चभूव | समयामास | |
| आ० | सम्यात् | सम्यास्ताम् | सम्यासुः |
| | सम्याः | सम्यास्तम् | सम्यास्त |
| | सम्यासाम् | सम्यास्व | सम्यास्म |
| श्व० | समयिता | समयितारौ | समयितारः |
| | समयितासि | समयितास्थः | समयितास्थ |
| | समयितास्मि | समयितास्वः | समयितास्मः |
| भ० | समयिष्यति | समयिष्यतः | समयिष्यन्ति |
| | समयिष्यसि | समयिष्यथः | समयिष्यथ |
| | समयिष्यामि | समयिष्यावः | समयिष्यामः |
| क्रि० | असमयिष्यत् | असमयिष्यताम् | असमयिष्यन् |
| | असमयिष्यः | असमयिष्यतम् | असमयिष्यत |
| | असमयिष्यम् | असमयिष्याव | असमयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | समयते | समयेते | समयन्ते |
| | समयसे | समयेथे | समयध्वे |
| | समये | समयावहे | समयामहे |
| स० | समयेत | समयेयाताम् | समयेरन् |
| | समयेथाः | समयेयाथाम् | समयेध्वम् |
| | समयेय | समयेवहि | समयेमहि |
| प० | समयताम् | समयेताम् | समयन्ताम् |
| | समयस्व | समयेथाम् | समयध्वम् |
| | समय | समयावहे | समयामहे |
| ह्य० | असमयत | असमयेताम् | असमयन्त |
| | असमयथाः | असमयेथाम् | असमयध्वम् |
| | असमये | असमयावहि | असमयामहि |
| अ० | असीषमत | असीषमेताम् | असीषमन्त |
| | असीषमथाः | असीषमेथाम् | असीषमध्वम् |
| | असीषमे | असीषमावहि | असीषमामहि |
| प० | समयाञ्चके | समयाञ्चक्रते | समयाञ्चक्रिरे |
| | समयाञ्चकृषे | समयाञ्चक्राथे | समयाञ्चकृद्वे |
| | समयाञ्चके | समयाञ्चकृवहे | समयाञ्चकृमहे |
| | समयाञ्चभूव | समयामास | |
| आ० | समयिषीष्ट | समयिषीयास्ताम् | समयिषीरन् |
| | समयिषीष्टाः | समयिषीयास्थाम् | समयिषीध्वम् |
| | समयिषीय | समयिषीवहि | समयिषीमहि |
| श्व० | समयिता | समयितारौ | समयितारः |
| | समयितासे | समयितासाथे | समयिताध्वे |
| | समयिताहे | समयितास्वहे | समयितास्महे |
| भ० | समयिष्यते | समयिष्येते | समयिष्यन्ते |
| | समयिष्यसे | समयिष्येथे | समयिष्यध्वे |
| | समयिष्ये | समयिष्यावहे | समयिष्यामहे |
| क्रि० | असमयिष्यत् | असमयिष्येताम् | असमयिष्यन्त |
| | असमयिष्यथाः | असमयिष्येथाम् | असमयिष्यध्वम् |
| | असमयिष्ये | असमयिष्यावहि | असमयिष्यामहि |

390 छम (स्तम्) वैकल्ये ।

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|----------------|
| ब० | स्तमयति | स्तमयतः | स्तमयन्ति |
| | स्तमयसि | स्तमयथः | स्तमयथ |
| | स्तमयामि | स्तमयावः | स्तमयामः |
| स० | स्तमयेत् | स्तमयेताम् | स्तमयेयुः |
| | स्तमयेः | स्तमयेतम् | स्तमयेत |
| | स्तमयेयम् | स्तमयेव | स्तमयेम |
| प० | स्तमयतु | स्तमयतात् | स्तमयताम् |
| | स्तमय | स्तमयतम् | स्तमयत |
| | स्तमयामि | स्तमयाव | स्तमयाम |
| ह्य० | अस्तमयत् | अस्तमयताम् | अस्तमयन् |
| | अतमयः | अस्तमयतम् | अस्तमयत |
| | अतमयम् | अस्तमयाव | अस्तमयाम |
| अ० | अतिष्ठत् | अतिष्ठताम् | अतिष्ठन् |
| | अतिष्ठमः | अतिष्ठमतम् | अतिष्ठत |
| | अतिष्ठमम् | अतिष्ठमाव | अतिष्ठमाम |
| प० | स्तमयाश्चकार | स्तमयाश्चक्रुः | स्तमयाश्चक्रुः |
| | स्तमयाश्चकर्त्तुः | स्तमयाश्चक्रुः | स्तमयाश्चक्रुः |
| | स्तमयाश्चकार-कर | स्तमयाश्चक्रुव | स्तमयाश्चक्रुम |
| | स्तमयाश्चक्रुव | स्तमयाश्चक्रुम | स्तमयाश्चक्रुम |
| आ० | स्तम्यात् | स्तम्यास्ताम् | स्तम्यास्तुः |
| | स्तम्याः | स्तम्यास्तम् | स्तम्यास्त |
| | स्तम्यासम् | स्तम्यास्व | स्तम्यास्म |
| श्च० | स्तमयिता | स्तमयितारौ | स्तमयितारः |
| | स्तमयितासि | स्तमयितासथः | स्तमयितास्थ |
| | स्तमयितामि | स्तमयितास्वः | स्तमयितास्मः |
| भ० | स्तमयिष्यति | स्तमयिष्यतः | स्तमयिष्यन्ति |
| | स्तमयिष्यसि | स्तमयिष्यथः | स्तमयिष्यथ |
| | स्तमयिष्यामि | स्तमयिष्यावः | स्तमयिष्यामः |
| क्रि० | अस्तमयिष्यत् | अस्तमयिष्यताम् | अस्तमयिष्यन् |
| | अस्तमयिष्यः | अस्तमयिष्यतम् | अस्तमयिष्यत |
| | अस्तमयिष्यम् | अस्तमयिष्याव | अस्तमयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| ब० | स्तमयते | स्तमयेते | स्तमयन्ते |
| | स्तमयसे | स्तमयेथे | स्तमयन्थे |
| | स्तमये | स्तमयावहे | स्तमयामहे |
| स० | स्तमयेत् | स्तमयेयाताम् | स्तमयेरन् |
| | स्तमयेथाः | स्तमयेयाथाम् | स्तमयेष्वम् |
| | स्तमयेथ | स्तमयेवहि | स्तमयेमहि |
| प० | स्तमयताम् | स्तमयेताम् | स्तमयन्ताम् |
| | स्तमयस्व | स्तमयेथाम् | स्तमयष्वम् |
| | स्तमये | स्तमयावहे | स्तमयामहे |
| ह्य० | अस्तमयत | अस्तमयेताम् | अस्तमयन्त |
| | अस्तमयथाः | अस्तमयेथाम् | अस्तमयष्वम् |
| | अस्तमये | अस्तमयावहि | अस्तमयामहि |
| अ० | अतिष्ठत् | अतिष्ठेताम् | अतिष्ठन्त |
| | अतिष्ठमथाः | अतिष्ठेथाम् | अतिष्ठमष्वम् |
| | अतिष्ठमे | अतिष्ठमावहि | अतिष्ठमामहि |
| प० | स्तमयाश्चक्रे | स्तमयाश्चक्राते | स्तमयाश्चक्रिरे |
| | स्तमयाश्चक्रुषे | स्तमयाश्चक्राथे | स्तमयाश्चक्रुद्वे |
| | स्तमयाश्चक्रे | स्तमयाश्चक्रुवहे | स्तमयाश्चक्रुमहे |
| | स्तमयाश्चक्रुव | स्तमयाश्चक्रुम | स्तमयाश्चक्रुम |
| आ० | स्तमयिषीष्ट | स्तमयिषीयास्ताम् | स्तमयिषीरन् |
| | स्तमयिषीष्टाः | स्तमयिषीयास्थाम् | स्तमयिषीद्वम् |
| | स्तमयिषीय | स्तमयिषीवहि | स्तमयिषीमहि |
| श्च० | स्तमयिता | स्तमयितारौ | स्तमयितारः |
| | स्तमयितासे | स्तमयितासाथे | स्तमयितास्व |
| | स्तमयिताहे | स्तमयितास्वहे | स्तमयितास्महे |
| भ० | स्तमयिष्यते | स्तमयिष्येते | स्तमयिष्यन्ते |
| | स्तमयिष्यसे | स्तमयिष्येथे | स्तमयिष्यन्थे |
| | स्तमयिष्ये | स्तमयिष्यावहे | स्तमयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तमयिष्यत् | अस्तमयिष्येताम् | अस्तमयिष्यन्त |
| | अस्तमयिष्यथाः | अस्तमयिष्येथाम् | अस्तमयिष्यष्वम् |
| | अस्तमयिष्ये | अस्तमयिष्यावहि | अस्तमयिष्यामहि |

39। अम (अम्) शब्दभक्तयोः ।

| | | | |
|-------|---------------|-------------|-------------|
| ब० | आमयति | आमयतः | आमयन्ति |
| | आमयसि | आमययः | आमयथ |
| | आमयामि | आमयावः | आमयामः |
| स० | आमयेत् | आमयेताम् | आमयेयुः |
| | आमयेः | आमयेतम् | आमयेत |
| | आमयेथम् | आमयेव | आमयेम |
| प० | आमयतु | आमयतात् | आमयताम् |
| | आमय | आमयतम् | आमयत |
| | आमयानि | आमयाव | आमयाम |
| ल० | आमयत | आमयताम् | आमयन् |
| | आमयः | आमयतम् | आमयत |
| | आमयम् | आमयाव | आमयाम |
| अ | आमिमन् | आमिमताम् | आमिमन् |
| | आमिमः | आमिमतः | आमिमत |
| | आमिमम् | आमिमाव | आमिमाम |
| प० | आमयाञ्चकार | आमयाञ्चकतु | आमयाञ्चकुः |
| | आमयाञ्चकर्थ | आमयाञ्चकथुः | आमयाञ्चक |
| | आमयाञ्चकार-कर | आमयाञ्चकृव | आमयाञ्चकृम |
| | आमयाञ्चभूव | आमयामास | |
| भा० | आम्यात् | आम्यास्ताम् | आम्यासुः |
| | आम्याः | आम्यास्तम् | आम्यास्त |
| | आम्यासम् | आम्यास्व | आम्यास्म |
| श्व० | आमयिता | आमयितारौ | आमयितारः |
| | आमयितासि | आमयितास्थः | आमयितास्थ |
| | आमयितास्मि | आमयितास्वः | आमयितास्मः |
| भ० | आमयिष्यति | आमयिष्यतः | आमयिष्यन्ति |
| | आमयिष्यसि | आमयिष्यथः | आमयिष्यथ |
| | आमयिष्यामि | आमयिष्यावः | आमयिष्यामः |
| क्रि० | आमयिष्यत् | आमयिष्यताम् | आमयिष्यन् |
| | आमयिष्यः | आमयिष्यतम् | आमयिष्यत |
| | आमयिष्यम् | आमयिष्याव | आमयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | आमयते | आमयेते | आमयन्ते |
| | आमयसे | आमयेथे | आमयध्वे |
| | आमये | आमयावहे | आमयामहे |
| स० | आमयेत | आमयेताम् | आमयेरन् |
| | आमयेथाः | आमयेथाम् | आमयेध्वम् |
| | आमयेय | आमयेवहि | आमयेमहि |
| प० | आमयताम् | आमयेताम् | आमयन्ताम् |
| | आमयस्व | आमयेथाम् | आमयध्वम् |
| | आमयै | आमयावहे | आमयामहे |
| ल० | आमयत | आमयेताम् | आमयन्त |
| | आमयथाः | आमयेथाम् | आमयध्वम् |
| | आमये | आमयावहि | आमयामहि |
| अ० | आमिमत | आमिमेताम् | आमिमन्त |
| | आमिमथाः | आमिमेथाम् | आमिमध्वम् |
| | आमिमे | आमिमावहि | आमिमामहि |
| प० | आमयाञ्चके | आमयाञ्चकते | आमयाञ्चकिरे |
| | आमयाञ्चकृषे | आमयाञ्चकृषे | आमयाञ्चकृष्टे |
| | आमयाञ्चके | आमयाञ्चकृवहे | आमयाञ्चकृमहे |
| | आमयाञ्चभूव | आमयामास | |
| आ० | आमयिषीष्ट | आमयिषीयास्ताम् | आमयिषीरन् |
| | आमयिषीष्टाः | आमयिषीयास्थाम् | आमयिषीध्वम् |
| | आमयिषीय | आमयिषीवहि | आमयिषीमहि |
| श्व० | आमयिता | आमयितारौ | आमयितारः |
| | आमयितासे | आमयितासाथे | आमयिताध्वे |
| | आमयिताहे | आमयितास्वहे | आमयितास्महे |
| भ० | आमयिष्यते | आमयिष्यते | आमयिष्यन्ते |
| | आमयिष्यसे | आमयिष्यथे | आमयिष्यध्वे |
| | आमयिष्ये | आमयिष्यावहे | आमयिष्यमहे |
| क्रि० | आमयिष्यत | आमयिष्यताम् | आमयिष्यन्त |
| | आमयिष्यथाः | आमयिष्येथाम् | आमयिष्यध्वम् |
| | आमयिष्ये | आमयिष्यावहि | आमयिष्यमहि |

392—अम (अम्) गतौ । अम 391 वदपाणि

393 द्रम (द्रम्) गतौ

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------------|
| ब० | द्रमयति | द्रमयतः | द्रमयन्ति |
| | द्रमयसि | द्रमयथः | द्रमयथ |
| | द्रमयामि | द्रमयावः | द्रमयामः |
| स० | द्रमयेत् | द्रमयेताम् | द्रमयेयुः |
| | द्रमयेः | द्रमयेतम् | द्रमयेत |
| | द्रमयेयम् | द्रमयेव | द्रमयेम |
| प० | द्रमयतु | द्रमयतात् | द्रमयताम् द्रमयन्तु |
| | द्रमय | द्रमयतम् | द्रमयत |
| | द्रमयाणि | द्रमयाव | द्रमयाम |
| ह्य० | अद्रमयत् | अद्रमयताम् | अद्रमयन् |
| | अद्रमयः | अद्रमयतम् | अद्रमयत |
| | अद्रमयम् | अद्रमयाव | अद्रमयाम |
| अ० | अदिद्रमत् | अदिद्रमताम् | अदिद्रमन् |
| | अदिद्रमः | अदिद्रमतम् | अदिद्रमत |
| | अदिद्रमम् | अदिद्रमाव | अदिद्रमाम |
| प० | द्रमयाञ्चकार | द्रमयाञ्चक्रुः | द्रमयाञ्चक्रुः |
| | द्रमयाञ्चकथं | द्रमयाञ्चक्रुः | द्रमयाञ्चक्र |
| | द्रमयाञ्चकार-कर | द्रमयाञ्चकृव | द्रमयाञ्चकृम |
| | द्रमयाञ्चभूव | द्रमयाभास | |
| आ० | द्रम्यात् | द्रम्यास्ताम् | द्रम्यासुः |
| | द्रम्याः | द्रम्यास्तम् | द्रम्यास्त |
| | द्रम्यासम् | द्रम्यास्व | द्रम्यास्म |
| श्व० | द्रमयिता | द्रमयितारौ | द्रमयितारः |
| | द्रमयितासि | द्रमयितास्थः | द्रमयितास्थ |
| | द्रमयितास्मि | द्रमयितास्वः | द्रमयितास्मः |
| भ० | द्रमयिष्यति | द्रमयिष्यतः | द्रमयिष्यन्ति |
| | द्रमयिष्यसि | द्रमयिष्यथः | द्रमयिष्यथ |
| | द्रमयिष्यामि | द्रमयिष्यावः | द्रमयिष्यामः |
| क्रि० | अद्रमयिष्यत् | अद्रमयिष्यताम् | अद्रमयिष्यन् |
| | अद्रमयिष्यः | अद्रमयिष्यतम् | अद्रमयिष्यत |
| | अद्रमयिष्यम् | अद्रमयिष्याव | अद्रमयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | द्रमयते | द्रमयेते | द्रमयन्ते |
| | द्रमयसे | द्रमयेथे | द्रमयाञ्चे |
| | द्रमये | द्रमयावहे | द्रमयामहे |
| स० | द्रमयेत् | द्रमयेयाताम् | द्रमयेयन् |
| | द्रमयेथाः | द्रमयेयाथाम् | द्रमयेष्वम् |
| | द्रमयेय | द्रमयेवहि | द्रमयेमहि |
| प० | द्रमयताम् | द्रमयेताम् | द्रमयन्ताम् |
| | द्रमयस्व | द्रमयेथाम् | द्रमयष्वम् |
| | द्रमयै | द्रमयावहै | द्रमयामहै |
| ह्य० | अद्रमयत् | अद्रमयेताम् | अद्रमयन्त |
| | अद्रमयथाः | अद्रमयेथाम् | अद्रमयष्वम् |
| | अद्रमये | अद्रमयावहि | अद्रमयामहि |
| अ० | अदिद्रमत | अदिद्रमेताम् | अदिद्रमन्त |
| | अदिद्रमथाः | अदिद्रमेथाम् | अदिद्रमष्वम् |
| | अदिद्रमे | अदिद्रमावहि | अदिद्रमामहि |
| प० | द्रमयाञ्चके | द्रमयाञ्चकाते | द्रमयाञ्चकिरे |
| | द्रमयाञ्चकृषे | द्रमयाञ्चक्राये | द्रमयाञ्चकृवै |
| | द्रमयाञ्चके | द्रमयाञ्चकृवहे | द्रमयाञ्चकृमहे |
| | द्रमयाञ्चभूव | द्रमयाभास | |
| आ० | द्रमयिषीष्ट | द्रमयिषीयास्ताम् | द्रमयिषीरन् |
| | द्रमयिषीष्ठाः | द्रमयिषीयास्थाम् | द्रमयिषीद्वम् |
| | द्रमयिषीय | द्रमयिषीवहि | द्रमयिषीमहि |
| श्व० | द्रमयिता | द्रमयितारौ | द्रमयितारः |
| | द्रमयितासे | द्रमयितासाथे | द्रमयिताष्वे |
| | द्रमयिताहे | द्रमयितास्वहे | द्रमयितास्महे |
| भ० | द्रमयिष्यते | द्रमयिष्येते | द्रमयिष्यन्ते |
| | द्रमयिष्यसे | द्रमयिष्येथे | द्रमयिष्यष्वे |
| | द्रमयिष्ये | द्रमयिष्यावहे | द्रमयिष्यामहे |
| क्रि० | अद्रमयिष्यत् | अद्रमयिष्यताम् | अद्रमयिष्यन्त |
| | अद्रमयिष्यथाः | अद्रमयिष्येथाम् | अद्रमयिष्यष्वम् |
| | अद्रमयिष्ये | अद्रमयिष्यावहि | अद्रमयिष्यामहि |

394 हम् हम् गतौ

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|----------------|
| व० | हम्भयति | हम्भयतः | हम्भयन्ति |
| | हम्भयसि | हम्भयथः | हम्भयथ |
| | हम्भयामि | हम्भयावः | हम्भयानः |
| स० | हम्भयते | हम्भयेताम् | हम्भयेयुः |
| | हम्भयेः | हम्भयेतम् | हम्भयेत |
| | हम्भयेयम् | हम्भयेव | हम्भयेम |
| प० | हम्भयतु | हम्भयतात | हम्भयताम् |
| | हम्भय | हम्भयतम् | हम्भयत |
| | हम्भयानि | हम्भयाव | हम्भयाम |
| थ० | अहम्भयत् | अहम्भयताम् | अहम्भयन् |
| | अहम्भयः | अहम्भयतम् | अहम्भयत |
| | अहम्भयम् | अहम्भयाव | अहम्भयाम |
| अ० | अजहम्भत | अजहम्भताम् | अजहम्भन् |
| | अजहम्भः | अजहम्भतम् | अजहम्भत |
| | अजहम्भम् | अजहम्भाव | अजहम्भाम |
| प० | हम्भयाश्चकार | हम्भयाश्चक्रुः | हम्भयाश्चक्रुः |
| | हम्भयाश्चकथे | हम्भयाश्चक्रुः | हम्भयाश्चक्रुः |
| | हम्भयाश्चकार-कर | हम्भयाश्चक्रुव | हम्भयाश्चक्रुम |
| | हम्भयाश्चभूव | हम्भयाश्चभूव | हम्भयाश्चभूव |
| आ० | हम्भयात् | हम्भयास्ताम् | हम्भयासुः |
| | हम्भयाः | हम्भयास्तम् | हम्भयास्त |
| | हम्भयासम् | हम्भयास्व | हम्भयास्म |
| थ० | हम्भयता | हम्भयतारौ | हम्भयतारः |
| | हम्भयतास | हम्भयतास्थ | हम्भयतास्थ |
| | हम्भयतास्मि | हम्भयतास्व | हम्भयतास्मः |
| भ० | हम्भयिष्यति | हम्भयिष्यतः | हम्भयिष्यन्ति |
| | हम्भयिष्यसि | हम्भयिष्यथः | हम्भयिष्यथ |
| | हम्भयिष्यामि | हम्भयिष्यावः | हम्भयिष्यामः |
| क्रि० | अहम्भयिष्यत् | अहम्भयिष्यतम् | अहम्भयिष्यन् |
| | अहम्भयिष्यः | अहम्भयिष्यतम् | अहम्भयिष्यत |
| | अहम्भयिष्यम् | अहम्भयिष्याव | अहम्भयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| व० | हम्भयते | हम्भयेते | हम्भयन्ते |
| | हम्भयसे | हम्भयेथे | हम्भयध्वे |
| | हम्भये | हम्भयावहे | हम्भयामहे |
| स० | हम्भयेत | हम्भयेयाताम् | हम्भयेरन् |
| | हम्भयेथा | हम्भयेयाथाम | हम्भयेध्वम् |
| | हम्भयेय | हम्भयेवहि | हम्भयेमहि |
| प० | हम्भयेताम् | हम्भयेताम् | हम्भयन्ताम् |
| | हम्भयस्व | हम्भयेथाम | हम्भयध्वम् |
| | हम्भय | हम्भयाव | हम्भयामहे |
| थ० | अहम्भयत | अहम्भयेताम् | अहम्भयन्त |
| | अहम्भयथाः | अहम्भयेथाम | अहम्भयध्वम् |
| | अहम्भये | अहम्भयावहि | अहम्भयामहि |
| अ० | अजहम्भत | अजहम्भेताम् | अजहम्भन्त |
| | अजहम्भथाः | अजहम्भेथाम | अजहम्भध्वम् |
| | अजहम्भे | अजहम्भवाहि | अजहम्भामहि |
| प० | हम्भयाश्चक्रे | हम्भयाश्चक्रते | हम्भयाश्चक्रिरे |
| | हम्भयाश्चक्रेषु | हम्भयाश्चक्राथे | हम्भयाश्चक्रुद्वे |
| | हम्भयाश्चक्रे | हम्भयाश्चक्रुवहे | हम्भयाश्चक्रुमहे |
| | हम्भयाश्चभूव | हम्भयाश्चभूव | हम्भयाश्चभूव |
| आ० | हम्भयिषीष्ट | हम्भयिषीष्टाताम् | हम्भयिषीरन् |
| | हम्भयिषीष्टाः | हम्भयिषीष्टाथाम | हम्भयिषीध्वम् |
| | हम्भयिषीय | हम्भयिषीवहि | हम्भयिषीमहि |
| थ० | हम्भयिता | हम्भयितारौ | हम्भयितारः |
| | हम्भयितासे | हम्भयितास्थे | हम्भयिताध्वे |
| | हम्भयिताहे | हम्भयितास्वहे | हम्भयितास्महे |
| भ० | हम्भयिष्यते | हम्भयिष्येते | हम्भयिष्यन्ते |
| | हम्भयिष्यसे | हम्भयिष्येथे | हम्भयिष्यध्वे |
| | हम्भयिष्ये | हम्भयिष्यावहे | हम्भयिष्यामहे |
| क्रि० | अहम्भयिष्यत् | अहम्भयिष्यतम् | अहम्भयिष्यन् |
| | अहम्भयिष्यथाः | अहम्भयिष्येथाम | अहम्भयिष्यध्वम् |
| | अहम्भयिष्ये | अहम्भयिष्यावहि | अहम्भयिष्यामहि |

395 मीम् मोम्) गतौ

| | | |
|------------------------|---------------|-------------------|
| ब० मीमयति | मीमयतः | मीमयन्ति |
| मीमयसि | मीमयथः | मीमयथ |
| मीमयाभि | मीमयावः | मीमयामः |
| स० मीमयेत् | मीमयेताम् | मीमयेयुः |
| मीमयेः | मीमयेतम् | मीमयेत |
| मीमयेयम् | मीमयेव | मीमयेम |
| प० मीमयतु | मीमयतात् | मीमयताम् मीमयन्तु |
| मीमय | „ | मीमयतम् मीमयत |
| मीमयानि | मीमयाव | मीमयाम |
| अ० अमीमयत् | अमीमयताम् | अमीमयन् |
| अमीमयः | अमीमयतम् | अमीमयत |
| अमीमयम् | अमीमयाव | अमीमयाम |
| अ० अमिमीमत् | अमिमीमताम् | अमिमीमन् |
| अमिमीमः | अमिमीमतम् | अमिमीमत |
| अमिमीमम् | अमिमीमाव | अमिमीमाम |
| प० मीमयाश्चकार | मीमयाश्चक्रुः | मीमयाश्चक्रुः |
| मीमयाश्चकथं | मीमयाश्चक्रुः | मीमयाश्चक्रुः |
| मीमयाश्चकार-कर | मीमयाश्चक्रुव | मीमयाश्चक्रुम |
| मीमयाश्चभूव । मीमयामास | | |
| आ० मीम्यात् | मीम्यास्ताम् | मीम्यासुः |
| मीम्याः | मीम्यास्तम् | मीम्यास्त |
| मीम्यासम् | मीम्यास्व | मीम्यास्म |
| श्व० मीमयिता | मीमयितारौ | मीमयितारः |
| मीमयितासि | मीमयितास्यः | मीमयितास्य |
| मीमयितास्मि | मीमयितास्वः | मीमयितास्मः |
| भ० मीमयिष्यति | मीमयिष्यतः | मीमयिष्यन्ति |
| मीमयिष्यसि | मीमयिष्यथः | मीमयिष्यथ |
| मीमयिष्यामि | मीमयिष्यावः | मीमयिष्यामः |
| क्रि० अमीमयिष्यत् | अमीमयिष्यताम् | अमीमयिष्यन् |
| अमीमयिष्यः | अमीमयिष्यतम् | अमीमयिष्यत |
| अमीमयिष्यम् | अमीमयिष्याव | अमीमयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|------------------|
| ब० मीमयते | मीमयेते | मीमयन्ते |
| मीमयसे | मीमयेथे | मीमयन्थे |
| मीमये | मीमयावहे | मीमयामहे |
| स० मीमयेत् | मीमयेयाताम् | मीमयेरन् |
| मीमयेथाः | मीमयेयाथाम् | मीमयेध्वम् |
| मीमयेथ | मीमयेवहि | मीमयेमहि |
| प० मीमयताम् | मीमयेताम् | मीमयन्ताम् |
| मीमयस्व | मीमयेथाम् | मीमयध्वम् |
| मीमये | मीमयावहे | मीमयामहे |
| ह्य० अमीमयत | अमीमयेताम् | अमीमयन्त |
| अमीमयथाः | अमीमयेथाम् | अमीमयध्वः |
| अमीमये | अमीमयावहि | अमीमयामहि |
| अ० अमिमीमत | अमिमीमेताम् | अमिमीमन्त |
| अमिमीमथाः | अमिमीमेथाम् | अमिमीमध्वम् |
| अमिमीमे | अमिमीमावहि | अमिमीमामहि |
| प० मीमयाश्चक्रे | मीमयाश्चक्राते | मीमयाश्चक्रिरे |
| मीमयाश्चक्रे | मीमयाश्चक्राथे | मीमयाश्चक्रुद्वे |
| मीमयाश्चक्रे | मीमयाश्चक्रुवहे | मीमयाश्चक्रुमहे |
| मीमयाश्चभूव । मीमयामास | | |
| आ० मीमयिषीष्ट | मीमयिषीयास्ताम् | मीमयिषीरन् |
| मीमयिषीष्ठाः | मीमयिषीयाथाम् | मीमयिषीध्वम् |
| मीमयिषीय | | |
| मीमयिषीवहि | मीमयिषीमहि | |
| श्व० मीमयिता | मीमयितारौ | मीमयितारः |
| मीमयितासे | मीमयितासाथे | मीमयिताध्वे |
| मीमयिताहे | मीमयितास्वहे | मीमयितास्महे |
| भ० मीमयिष्यते | मीमयिष्येते | मीमयिष्यन्ते |
| मीमयिष्यसे | मीमयिष्येथे | मीमयिष्यन्थे |
| मीमयिष्ये | मीमयिष्यावहे | मीमयिष्यामहे |
| क्रि० अमीमयिष्यत | अमीमयिष्येताम् | अमीमयिष्यन्त |
| अमीमयिष्यथाः | अमीमयिष्येथाम् | अमीमयिष्यध्वम् |
| अमीमयिष्ये | अमीमयिष्यावहि | अमीमयिष्यामहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विगर्चिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया । (३८७)

396 गम्लं गम्) गतौ

| | | | |
|-------|----------------------|--------------|-----------------|
| व० | गमयति | गमयतः | गमयन्ति |
| | गमयसि | गमयथः | गमयथ |
| | गमयामि | गमयावः | गमयामः |
| स० | गमयेत् | गमयेताम् | गमयेयुः |
| | गमयेः | गमयेतम् | गमयेत |
| | गमयेयम् | गमयेव | गमयेम |
| प० | गमयतु | गमयतात् | गमयताम् गमयन्तु |
| | गमय | „ | गमयतम् गमयत |
| | गमयानि | गमयाव | गमयाम |
| ह्य० | अगमयत् | अगमयताम् | अगमयन् |
| | अगमयः | अगमयतम् | अगमयत |
| | अगमयम् | अगमयाव | अगमयाम |
| अ० | अजीगमत् | अजीगमताम् | अजीगमन् |
| | अजीगमः | अजीगमतम् | अजीगमत |
| | अजीगमम् | अजीगमाव | अजीगमाम |
| प० | गमयाञ्चकार | गमयाञ्चक्रुः | गमयाञ्चक्रुः |
| | गमयाञ्चकथं | गमयाञ्चकथुः | गमयाञ्चक |
| | गमयाञ्चकार-कर | गमयाञ्चकृव | गमयाञ्चकृम |
| | गमयाञ्चभूव । गमयामास | | |
| आ० | गम्यात् | गम्यास्ताम् | गम्यासुः |
| | गम्याः | गम्यास्तम् | गम्यास्त |
| | गम्यास्म | गम्यास्व | गम्यास्म |
| श्व० | गमयिता | गमयितारौ | गमयितारः |
| | गमयितासि | गमयितास्थः | गमयितास्थ |
| | गमयितास्मि | गमयितास्वः | गमयितास्मः |
| भ० | गमयिष्यति | गमयिष्यतः | गमयिष्यन्ति |
| | गमयिष्यसि | गमयिष्यथः | गमयिष्यथ |
| | गमयिष्यामि | गमयिष्यावः | गमयिष्यामः |
| क्रि० | अगमयिष्यत् | अगमयिष्यताम् | अगमयिष्यन् |
| | अगमयिष्यः | अगमयिष्यतम् | अगमयिष्यत |
| | अगमयिष्यम् | अगमयिष्याव | अगमयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------------|----------------|---------------|
| व० | गमयते | गमयेते | गमयन्ते |
| | गमयसे | गमयेथे | गमयध्वे |
| | गमये | गमयावहे | गमयामहे |
| स० | गमयेत् | गमयेयाताम् | गमयेरन् |
| | गमयेथा. | गमयेयाथाम् | गमयेष्वम् |
| | गमयेय | गमयेवहि | गमयेमहि |
| प | गमयताम् | गमयेताम् | गमयन्ताम् |
| | गमयस्व | गमयेथाम् | गमयष्वम् |
| | गमये | गमयावहे | गमयामहे |
| ह्य० | अगमयत | अगमयेताम् | अगमयन्त |
| | अगमयथाः | अगमयेथाम् | अगमयध्वम् |
| | अगमये | अगमयावहि | अगमयामहि |
| अ० | अजीगमत | अजीगमेताम् | अजीगमन्त |
| | अजीगमथाः | अजीगमेथाम् | अजीगमध्वम् |
| | अजीगमे | अजीगमावहि | अजीगमामहि |
| प० | गमयाञ्चक्रे | गमयाञ्चक्राते | गमयाञ्चक्रिरे |
| | गमयाञ्चकृषे | गमयाञ्चक्राथे | गमयाञ्चकृद्वे |
| | गमयाञ्चक्रे | गमयाञ्चकृवहे | गमयाञ्चकृमहे |
| | गमयाञ्चभूव । गमयामास | | |
| आ० | गमयिषीष्ट | गमयिषीयास्ताम् | गमयिषीरन् |
| | गमयिषीष्ठाः | गमयिषीयास्थाम् | गमयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | गमयिषीय | गमयिषीवहि | गमयिषीमहि |
| श्व० | गमयिता | गमयितारौ | गमयितारः |
| | गमयितासे | गमयितासाथे | गमयिताध्वं |
| | गमयिताहे | गमयितास्वहे | गमयितास्महे |
| भ० | गमयिष्येते | गमयिष्येते | गमयिष्यन्ते |
| | गमयिष्यसे | गमयिष्येथे | गमयिष्यध्वे |
| | गमयिष्ये | गमयिष्यावहे | गमयिष्यामहे |
| क्रि० | अगमयिष्यत | अगमयिष्यताम् | अगमयिष्यन्त |
| | अगमयिष्यथाः | अगमयिष्येथाम् | अगमयिष्यध्वम् |
| | अगमयिष्ये | अगमयिष्यावहि | अगमयिष्यामहि |

॥ अथ गान्ता अष्टौ ॥

३९७ ह्य (ह्य) क्लान्तौ च ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | हाययति | हाययतः | हाययन्ति |
| | हाययसि | हाययथः | हाययथ |
| | हाययाभि | हाययावः | हाययामः |
| स० | हाययेत् | हाययेताम् | हाययेयुः |
| | हाययेः | हाययेतम् | हाययेत |
| | हाययेयम् | हाययेव | हाययेम |
| प० | हाययतु | हाययतात् | हाययताम् |
| | हायय | हाययतम् | हाययत |
| | हाययानि | हाययाव | हाययाम |
| अ० | अहाययत् | अहाययताम् | अहाययन् |
| | अहाययः | अहाययतम् | अहाययत |
| | अहाययम् | अहाययाव | अहाययाम |
| अ० | अजीहयत् | अजीहयताम् | अजीहयन् |
| | अजीहयः | अजीहयतम् | अजीहयत |
| | अजीहयम् | अजीहयाव | अजीहयाम |
| प० | हाययाश्चकार | हाययाश्चक्रुः | हाययाश्चकुः |
| | हाययाश्चकर्थ | हाययाश्चक्रुः | हाययाश्चक्रुः |
| | हाययाश्चकार-चकर | हाययाश्चकृव | हाययाश्चकृम |
| | हाययाश्चभूव | हाययामास | |
| आ० | हाययात् | हाययास्ताम् | हाययासुः |
| | हाययाः | हाययास्तम् | हाययास्त |
| | हाययासम् | हाययास्व | हाययास्म |
| अ० | हाययिता | हाययितारौ | हाययितारः |
| | हाययितासि | हाययितास्यः | हाययितास्य |
| | हाययितास्मि | हाययितास्वः | हाययितास्मः |
| भ० | हाययिष्यति | हाययिष्यतः | हाययिष्यन्ति |
| | हाययिष्यसि | हाययिष्यथः | हाययिष्यथ |
| | हाययिष्यामि | हाययिष्यावः | हाययिष्यामः |
| क्रि० | अहाययिष्यत् | अहाययिष्यताम् | अहाययिष्यन् |
| | अहाययिष्यः | अहाययिष्यतम् | अहाययिष्यत |
| | अहाययिष्यम् | अहाययिष्याव | अहाययिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हाययेते | हाययेते | हाययन्ते |
| | हाययेसे | हाययेथे | हाययन्थे |
| | हायये | हाययावहे | हाययामहे |
| स० | हाययेत | हाययेयाताम् | हाययेरन् |
| | हाययेथाः | हाययेयाथाम | हाययेध्वम् |
| | हाययेथ | हाययेवहि | हाययेमहि |
| प० | हाययताम् | हाययेताम् | हाययन्ताम् |
| | हाययस्व | हाययेथाम् | हाययध्वम् |
| | हायये | हाययावहे | हाययामहे |
| ह्य० | अहाययत् | अहाययेताम् | अहाययन्त |
| | अहाययथाः | अहाययेथाम् | अहाययध्वम् |
| | अहायये | अहाययावहि | अहाययामहि |
| अ० | अजीहयत् | अजीहयेताम् | अजीहयन्त |
| | अजीहयथाः | अजीहयेथाम् | अजीहयध्वम् |
| | अजीहये | अजीहयावहि | अजीहयामहि |
| प० | हाययाश्चक्रे | हाययाश्चक्रते | हाययाश्चक्रे |
| | हाययाश्चक्रे | हाययाश्चक्रये | हाययाश्चकृवहे |
| | हाययाश्चक्रे | हाययाश्चकृवहे | हाययाश्चकृमहे |
| | हाययाश्चभूक | हाययामास | |
| आ | हाययिषीष्ट | हाययिषीयास्ताम् | हाययिषीरन् |
| | हाययिषीष्ठाः | हाययिषीयास्थाम् | हाययिषीध्वम् |
| | हाययिषीथ | हाययिषीवहि | हाययिषीमहि |
| अ० | हाययिता | हाययितारौ | हाययितारः |
| | हाययितासे | हाययितासथे | हाययिताध्वे |
| | हाययिताहे | हाययितास्वहे | हाययितास्महे |
| भ० | हाययिष्यते | हाययिष्येते | हाययिष्यन्ते |
| | हाययिष्यसे | हाययिष्येथे | हाययिष्यध्वे |
| | हाययिष्ये | हाययिष्यावहे | हाययिष्यामहे |
| क्रि० | अहाययिष्यत् | अहाययिष्येताम् | अहाययिष्यन्त |
| | अहाययिष्यथाः | अहाययिष्येथाम् | अहाययिष्यध्वम् |
| | अहाययिष्ये | अहाययिष्यावहि | अहाययिष्यामहि |

398 हर्ग (हर्ग क्लान्तौ च ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | हर्ग यति | हर्ग यतः | हर्ग यन्ति |
| | हर्ग यसि | हर्ग यस्यः | हर्ग यस्य |
| | हर्ग यामि | हर्ग यावः | हर्ग यामः |
| स० | हर्ग येत् | हर्ग येताम् | हर्ग येयुः |
| | हर्ग येः | हर्ग येतम् | हर्ग येत |
| | हर्ग येयम् | हर्ग ये | हर्ग येम |
| प० | हर्ग यतु | हर्ग यतात् | हर्ग यन्तु |
| | हर्ग य | हर्ग यतम् | हर्ग यत |
| | हर्ग याणि | हर्ग याव | हर्ग याम |
| ह्य० | अहर्ग यत् | अहर्ग यताम् | अहर्ग यन् |
| | अहर्ग यः | अहर्ग यतम् | अहर्ग यत |
| | अहर्ग यम् | अहर्ग याव | अहर्ग याम |
| अ० | अजहर्ग यत् | अजहर्ग यताम् | अजहर्ग यन् |
| | अजहर्ग यः | अजहर्ग यतम् | अजहर्ग यत |
| | अजहर्ग यम् | अजहर्ग याव | अजहर्ग याम |
| प० | हर्ग याञ्चकार | हर्ग याञ्चक्रुः | हर्ग याञ्चकुः |
| | हर्ग याञ्चकथ | हर्ग याञ्चकथुः | हर्ग याञ्चक |
| | हर्ग याञ्चकर-चकर | हर्ग याञ्चकृव | हर्ग याञ्चकृम |
| | हर्ग याञ्चभूव । | हर्ग यामास | |
| आ० | हर्ग यात् | हर्ग यास्ताम् | हर्ग यासुः |
| | हर्ग याः | हर्ग यास्तम् | हर्ग यास्त |
| | हर्ग यासम् | हर्ग यास्व | हर्ग यास्म |
| भ० | हर्ग यिता | हर्ग यितारौ | हर्ग यितारः |
| | हर्ग यितासि | हर्ग यितास्यः | हर्ग यितास्थ |
| | हर्ग यितास्मि | हर्ग यितास्वः | हर्ग यितास्मः |
| भ० | हर्ग यिष्यति | हर्ग यिष्यतः | हर्ग यिष्यन्ति |
| | हर्ग यिष्यसि | हर्ग यिष्यथः | हर्ग यिष्यथ |
| | हर्ग यिष्यामि | हर्ग यिष्यावः | हर्ग यिष्यामः |
| क्रि० | अहर्ग यिष्यत् | अहर्ग यिष्यताम् | अहर्ग यिष्यन् |
| | अहर्ग यिष्यः | अहर्ग यिष्यतम् | अहर्ग यिष्यत |
| | अहर्ग यिष्यम् | अहर्ग यिष्याव | अहर्ग यिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|------------------|
| व | हर्ग यते | हर्ग येते | हर्ग यन्ते |
| | हर्ग यसे | हर्ग येये | हर्ग यन्वे |
| | हर्ग ये | हर्ग यावहे | हर्ग यामहे |
| स | हर्ग येत् | हर्ग येयाताम् | हर्ग येरन् |
| | हर्ग येथाः | हर्ग येयाथाम् | हर्ग येष्म |
| | हर्ग येय | हर्ग येवहि | हर्ग येमहि |
| प० | हर्ग यताम् | हर्ग येताम् | हर्ग यन्ताम् |
| | हर्ग यस्व | हर्ग येथाम् | हर्ग यष्म |
| | हर्ग ये | हर्ग यावहे | हर्ग यामहे |
| ह्य० | अहर्ग यत | अहर्ग येताम् | अहर्ग यन्त |
| | अहर्ग यथाः | अहर्ग येथाम् | अहर्ग यष्म |
| | अहर्ग ये | अहर्ग यावह | हर्ग यामहि |
| अ० | अजहर्ग यत | अजहर्ग येताम् | अजहर्ग यन्त |
| | अजहर्ग यथाः | अजहर्ग येथाम् | अजहर्ग यष्म |
| | अजहर्ग ये | अजहर्ग यावहि | अजहर्ग यामहि |
| प० | हर्ग याञ्चके | हर्ग याञ्चकते | हर्ग याञ्चकिरे |
| | हर्ग याञ्चकृषे | हर्ग याञ्चकृषे | हर्ग याञ्चकृद्वे |
| | हर्ग याञ्चके | हर्ग याञ्चकृवहे | हर्ग याञ्चकृमहे |
| | हर्ग याञ्चभूव । | हर्ग यामास | |
| आ० | हर्ग यिषीष्ट | हर्ग यिषीयस्ताम् | हर्ग यिषीरन् |
| | हर्ग यिषीष्ठाः | हर्ग यिषीयाथाम् | हर्ग यिषीद्वम् |
| | हर्ग यिषीय | हर्ग यिषीवहि | हर्ग यिषीमहि |
| भ० | हर्ग यिता | हर्ग यितारौ | हर्ग यितारः |
| | हर्ग यितासे | हर्ग यितासाये | हर्ग यितास्वे |
| | हर्ग यिताहे | हर्ग यितास्वहे | हर्ग यितास्महे |
| भ० | हर्ग यिष्यते | हर्ग यिष्येते | हर्ग यिष्यन्ते |
| | हर्ग यिष्यसे | हर्ग यिष्येये | हर्ग यिष्यन्वे |
| | हर्ग यिष्ये | हर्ग यिष्यावहे | हर्ग यिष्यामहे |
| क्रि० | अहर्ग यिष्यत् | अहर्ग यिष्येताम् | अहर्ग यिष्यन्त |
| | अहर्ग यिष्यथाः | अहर्ग यिष्येथाम् | अहर्ग यिष्यष्म |
| | अहर्ग यिष्ये | अहर्ग यिष्यावह | अहर्ग यिष्यामहि |

399 मव्य (मव्यू) बन्धने

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० मव्ययति | मव्ययतः | मव्ययन्ति |
| मव्ययति | मव्ययथः | मव्ययथ |
| मव्ययामि | मव्ययावः | मव्ययामः |
| स० मव्ययेत् | मव्ययेताम् | मव्ययेयुः |
| मव्ययेः | मव्ययेतम् | मव्ययेत |
| मव्ययेयम् | मव्ययेव | मव्ययेम |
| प० मव्ययतु | मव्ययतात् | मव्ययन्तु |
| मव्यय | मव्ययतम् | मव्ययत |
| मव्ययानि | मव्ययाव | मव्ययाम |
| ह्य० अमव्ययत् | अमव्ययताम् | अमव्ययन् |
| अमव्ययः | अमव्ययतम् | अमव्ययत |
| अमव्ययम् | अमव्ययाव | अमव्ययाम |
| अ० अममव्यत् | अममव्यताम् | अममव्यन् |
| अममव्यः | अममव्यतम् | अममव्यत |
| अममव्यम् | अममव्याव | अममव्याम |
| प० मव्ययाञ्चकार | मव्ययाञ्चक्रतुः | मव्ययाञ्चक्रुः |
| मव्ययाञ्चकथं | मव्ययाञ्चकथुः | मव्ययाञ्चक |
| मव्ययाञ्चकार-चकर | मव्ययाञ्चकृव | मव्ययाञ्चकृम |
| मव्ययाम्बभूव | मव्ययामास | |
| आ० मव्ययात् | मव्ययास्ताम् | मव्ययासुः |
| मव्ययाः | मव्ययास्तम् | मव्ययास्त |
| मव्ययासाम् | मव्ययास्व | मव्ययास्म |
| श्व० मव्ययिता | मव्ययितारौ | मव्ययितारः |
| मव्ययितासि | मव्ययितास्थः | मव्ययितास्थ |
| मव्ययितास्मि | मव्ययितास्वः | मव्ययितास्मः |
| भ० मव्ययिष्यति | मव्ययिष्यतः | मव्ययिष्यन्ति |
| मव्ययिष्यति | मव्ययिष्यथः | मव्ययिष्य |
| मव्ययिष्यामि | मव्ययिष्यावः | मव्ययिष्यामः |
| क्रि० अमव्ययिष्यत् | अमव्ययिष्यताम् | अमव्ययिष्यन्त |
| अमव्ययिष्यः | अमव्ययिष्यतम् | अमव्ययिष्यत |
| अमव्ययिष्यम् | अमव्ययिष्याव | अमव्ययिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० मव्ययते | मव्ययेते | मव्ययन्ते |
| मव्ययसे | मव्ययेथे | मव्ययध्वे |
| मव्यये | मव्ययावहे | मव्ययामहे |
| स० मव्ययेत | मव्ययेयाताम् | मव्ययेरन् |
| मव्ययेथाः | मव्ययेयाथाम् | मव्ययेष्वम् |
| मव्ययेय | मव्ययेवहि | मव्ययेमहि |
| प० मव्ययताम् | मव्ययेताम् | मव्ययन्ताम् |
| मव्ययस्व | मव्ययेथाम् | मव्ययष्वम् |
| मव्यये | मव्ययावहे | मव्ययामहे |
| ह्य० अमव्ययत | अमव्ययेताम् | अमव्ययन्त |
| अमव्ययथाः | अमव्ययेथाम् | अमव्ययष्वम् |
| अमव्यये | अमव्ययावहि | अमव्ययामहि |
| अ० अममव्यत | अममव्येताम् | अममव्यन्त |
| अममव्यथाः | अममव्येथाम् | अममव्यष्वम् |
| अममव्ये | अममव्यावहि | अममव्यामहि |
| प० मव्ययाञ्चक्रे | मव्ययाञ्चक्राते | मव्ययाञ्चक्रिरे |
| मव्ययाञ्चकृषे | मव्ययाञ्चक्राथे | मव्ययाञ्चकृद्वे |
| मव्ययाञ्चक्रे | मव्ययाञ्चकृवहे | मव्ययाञ्चकृमहे |
| मव्ययाम्बभूव | मव्ययामास | |
| आ० मव्ययिषीष्ट | मव्ययिषीयास्ताम् | मव्ययिषीरन् |
| मव्ययिषीष्टाः | मव्ययिषीयास्थाम् | मव्ययिषीह्वम् |
| मव्ययिषीय | मव्ययिषीवहि | मव्ययिषीमहि |
| श्व० मव्ययिता | मव्ययितारौ | मव्ययितारः |
| मव्ययितासे | मव्ययितासाथे | मव्ययिताध्वे |
| मव्ययिताहे | मव्ययितास्वहे | मव्ययितास्महे |
| भ० मव्ययिष्यते | मव्ययिष्येते | मव्ययिष्यन्ते |
| मव्ययिष्यसे | मव्ययिष्येथे | मव्ययिष्यध्वे |
| मव्ययिष्ये | मव्ययिष्यावहे | मव्ययिष्यामहे |
| क्रि० अमव्ययिष्यत् | अमव्ययिष्यताम् | अमव्ययिष्यन्त |
| अमव्ययिष्यथाः | अमव्ययिष्येथाम् | अमव्ययिष्येष्वम् |
| अमव्ययिष्ये | अमव्ययिष्यावहि | अमव्ययिष्यामहि |

[illegible]

| | | | |
|------|--------------------|---------------------|----------------------|
| वठ | सूक्ष्म्ययेते | सूक्ष्म्ययेते | सूक्ष्म्ययन्ते |
| | सूक्ष्म्ययसे | सूक्ष्म्ययेथे | सूक्ष्म्ययन्म |
| | सूक्ष्म्यये | सूक्ष्म्ययावहे | सूक्ष्म्ययामहे |
| स० | सूक्ष्म्ययेत | सूक्ष्म्ययेताताम् | सूक्ष्म्ययेरन् |
| | सूक्ष्म्ययेथाः | सूक्ष्म्ययेथायाम् | सूक्ष्म्ययेथन्म |
| | सूक्ष्म्ययेय | सूक्ष्म्ययेवहि | सूक्ष्म्ययेमहि |
| प० | सूक्ष्म्ययेताम् | सूक्ष्म्ययेताम् | सूक्ष्म्ययन्ताम् |
| | सूक्ष्म्ययस्व | सूक्ष्म्ययेथाम् | सूक्ष्म्ययन्म |
| | सूक्ष्म्यये | सूक्ष्म्ययावहे | सूक्ष्म्ययामहे |
| ह्य० | असूक्ष्म्ययत | असूक्ष्म्ययेताम् | असूक्ष्म्ययन्त |
| | असूक्ष्म्ययथाः | असूक्ष्म्ययेथाम् | असूक्ष्म्ययन्म |
| | असूक्ष्म्यये | असूक्ष्म्ययावहि | असूक्ष्म्ययामहि |
| अ० | असुसूक्ष्म्ययत | असुसूक्ष्म्ययेताम् | असुसूक्ष्म्ययन्त |
| | असुसूक्ष्म्ययथाः | असुसूक्ष्म्ययेथाम् | असुसूक्ष्म्ययन्म |
| | असुसूक्ष्म्यये | असुसूक्ष्म्ययावहि | असुसूक्ष्म्ययामहि |
| प० | सूक्ष्म्ययाञ्चक्रे | सूक्ष्म्ययाञ्चकृते | सूक्ष्म्ययाञ्चकिरे |
| | सूक्ष्म्ययाञ्चकृषे | सूक्ष्म्ययाञ्चकाधे | सूक्ष्म्ययाञ्चकृद्वे |
| | सूक्ष्म्ययाञ्चक्रे | सूक्ष्म्ययाञ्चकृवहे | सूक्ष्म्ययाञ्चकृमहे |
| | सूक्ष्म्ययाम्बभूव | सूक्ष्म्ययामास | |

आ० सूक्ष्मयिषीष्ट सूक्ष्मयिषीयास्ताम् सूक्ष्मयिषीरन्
 सूक्ष्मयिषीष्ठाः सूक्ष्मयिषीयास्थां सूक्ष्मयिषीह्वम्
 ष्वम्

सूक्ष्मं यिषीय सूक्ष्मं यिषीवहि सूक्ष्मं यिषीमहि

४० सूक्ष्मयिता सूक्ष्मयितारौ सूक्ष्मयितारः
 सूक्ष्मयितासे सूक्ष्मयितासाथे सूक्ष्मयितास्थे
 सूक्ष्मयिताहे सूक्ष्मयितास्वहे सूक्ष्मयितास्महे

म० सूक्ष्मं विष्यते सूक्ष्मं विष्यते सूक्ष्मं विष्यन्ते
 सूक्ष्मं विष्यसे सूक्ष्मं विष्येथे सूक्ष्मं विष्यन्वे
 सूक्ष्मं विष्ये सूक्ष्मं विष्यावहे सूक्ष्मं विष्यामहे

कि० असूक्ष्मं यिष्यत असूक्ष्मं यिष्येताम् असूक्ष्मं यिष्यन्त
 असूक्ष्मं यिष्यथाः असूक्ष्मं यिष्येधाम् असूक्ष्मं यिष्यन्धम्
 असूक्ष्मं यिष्ये असूक्ष्मं यिष्यावहि असूक्ष्मं यिष्यामहि

40। ईक्ष्य (ईक्ष्ये) ईक्ष्यायाम् :

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|------------------|
| व० | ईक्ष्ययति | ईक्ष्ययतः | ईक्ष्ययन्ति |
| | ईक्ष्ययसि | ईक्ष्ययथः | ईक्ष्ययथ |
| | ईक्ष्ययामि | ईक्ष्ययावः | ईक्ष्ययामः |
| स० | ईक्ष्ययेत् | ईक्ष्ययेताम् | ईक्ष्ययेयुः |
| | ईक्ष्ययेः | ईक्ष्ययेतम् | ईक्ष्ययेत |
| | ईक्ष्ययेयम् | ईक्ष्ययेव | ईक्ष्ययेम |
| प० | ईक्ष्ययतु | ईक्ष्ययतात् | ईक्ष्ययताम् |
| | ईक्ष्यय | ईक्ष्ययतम् | ईक्ष्ययत |
| | ईक्ष्ययानि | ईक्ष्ययाव | ईक्ष्ययाम |
| ल्य० | ऐक्ष्ययत् | ऐक्ष्ययताम् | ऐक्ष्ययन्त |
| | ऐक्ष्ययः | ऐक्ष्ययतम् | ऐक्ष्ययत |
| | ऐक्ष्ययम् | ऐक्ष्ययाव | ऐक्ष्ययाम |
| भ० | ऐचिक्ष्यत् | ऐचिक्ष्यताम् | ऐचिक्ष्यन्त |
| | ऐचिक्ष्य | ऐचिक्ष्यतम् | ऐचिक्ष्यत |
| | ऐचिक्ष्यम् | ऐचिक्षयाव | ऐचिक्षयाम |
| प- | ईक्ष्ययाञ्चकार | ईक्ष्ययाञ्चकतुः | ईक्ष्ययाञ्चकुः |
| | ईक्ष्ययाञ्चकथं | ईक्ष्ययाञ्चकथुः | ईक्ष्ययाञ्चक |
| | ईक्ष्ययाञ्चकार-चकर | ईक्ष्ययाञ्चकृव | ईक्ष्ययाञ्चकृमहे |
| | ईक्ष्ययाम्बभूव | ईक्ष्ययामास | |
| आ० | ईक्ष्ययात् | ईक्ष्ययास्ताम् | ईक्ष्ययासुः |
| | ईक्ष्ययाः | ईक्ष्ययास्तम् | ईक्ष्ययास्त |
| | ईक्ष्ययासाम् | ईक्ष्ययास्व | ईक्ष्ययास्म |
| भ० | ईक्ष्ययिता | ईक्ष्ययितारौ | ईक्ष्ययितारः |
| | ईक्ष्ययितासि | ईक्ष्ययितास्थः | ईक्ष्ययितास्थ |
| | ईक्ष्ययितास्मि | ईक्ष्ययितास्वः | ईक्ष्ययितास्मः |
| भ० | ईक्ष्ययिष्यति | ईक्ष्ययिष्यतः | ईक्ष्ययिष्यन्ति |
| | ईक्ष्ययिष्यसि | ईक्ष्ययिष्यथः | ईक्ष्ययिष्यथ |
| | ईक्ष्ययिष्यामि | ईक्ष्ययिष्यावः | ईक्ष्ययिष्यामः |
| क्रि० | ऐक्ष्ययिष्यत् | ऐक्ष्ययिष्यताम् | ऐक्ष्ययिष्यन्त |
| | ऐक्ष्ययिष्यः | ऐक्ष्ययिष्यतम् | ऐक्ष्ययिष्यत |
| | ऐक्ष्ययिष्यम् | ऐक्ष्ययिष्याव | ऐक्ष्ययिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | ईक्ष्ययते | ईक्ष्ययेते | ईक्ष्ययन्ते |
| | ईक्ष्ययसे | ईक्ष्ययेथे | ईक्ष्ययध्वम् |
| | ईक्ष्यये | ईक्ष्ययावहे | ईक्ष्ययामहे |
| स० | ईक्ष्ययेत | ईक्ष्ययेयाताम् | ईक्ष्ययेरन्त |
| | ईक्ष्ययेथाः | ईक्ष्ययेयाथाम् | ईक्ष्ययेध्वम् |
| | ईक्ष्ययेय | ईक्ष्ययेवहि | ईक्ष्ययेमहि |
| प० | ईक्ष्ययेताम् | ईक्ष्ययेताम् | ईक्ष्ययेन्ताम् |
| | ईक्ष्ययेस्व | ईक्ष्ययेथाम् | ईक्ष्ययेध्वम् |
| | ईक्ष्यये | ईक्ष्ययावहे | ईक्ष्ययामहे |
| ल्य० | ऐक्ष्ययत् | ऐक्ष्ययेताम् | ऐक्ष्ययन्त |
| | ऐक्ष्ययथाः | ऐक्ष्ययेथाम् | ऐक्ष्ययेध्वम् |
| | ऐक्ष्यये | ऐक्ष्ययावहे | ऐक्ष्ययामहे |
| अ० | ऐचिक्ष्यत् | ऐचिक्ष्येताम् | ऐचिक्ष्यन्त |
| | ऐचिक्ष्यथाः | ऐचिक्ष्येथाम् | ऐचिक्ष्यध्वम् |
| | ऐचिक्ष्ये | ऐचिक्षयावहि | ऐचिक्षयामहि |
| प | ईक्ष्ययाञ्चके | ईक्ष्ययाञ्चकते | ईक्ष्ययाञ्चक्रे |
| | ईक्ष्ययाञ्चकृषे | ईक्ष्ययाञ्चकृषे | ईक्ष्ययाञ्चकृष्वे |
| | ईक्ष्ययाञ्चकृ | ईक्ष्ययाञ्चकृवहे | ईक्ष्ययाञ्चकृमहे |
| | ईक्ष्ययाम्बभूव | ईक्ष्ययामास | |
| आ० | ईक्ष्ययिषीष्ट | ईक्ष्ययिषीयास्ताम् | ईक्ष्ययिषीरन्त |
| | ईक्ष्ययिषीष्ठाः | ईक्ष्ययिषीयाथाम् | ईक्ष्ययिषीध्वम् |
| | ईक्ष्ययिषीय | ईक्ष्ययिषीवहि | ईक्ष्ययिषीमहि |
| भ० | ईक्ष्ययिता | ईक्ष्ययितारौ | ईक्ष्ययितारः |
| | ईक्ष्ययितासे | ईक्ष्ययितासाथे | ईक्ष्ययिताध्वे |
| | ईक्ष्ययिताहे | ईक्ष्ययितास्वहे | ईक्ष्ययितास्महे |
| भ० | ईक्ष्ययिष्यते | ईक्ष्ययिष्येते | ईक्ष्ययिष्यन्ते |
| | ईक्ष्ययिष्यसे | ईक्ष्ययिष्येथे | ईक्ष्ययिष्यध्वे |
| | ईक्ष्ययिष्ये | ईक्ष्ययिष्यावहे | ईक्ष्ययिष्यामहे |
| क्रि० | ऐक्ष्ययिष्यत् | ऐक्ष्ययिष्येताम् | ऐक्ष्ययिष्यन्त |
| | ऐक्ष्ययिष्यथाः | ऐक्ष्ययिष्येथाम् | ऐक्ष्ययिष्यध्वम् |
| | ऐक्ष्ययिष्ये | ऐक्ष्ययिष्यावहि | ऐक्ष्ययिष्यामहि |

403 शुच्यै (शुच्य्) अभिषवे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| व | शुच्ययति | शुच्ययतः | शुच्ययन्ति |
| | शुच्ययसि | शुच्ययथः | शुच्ययथ |
| | शुच्ययामि | शुच्ययावः | शुच्ययामः |
| स | शुच्ययेत् | शुच्ययेताम् | शुच्ययेयुः |
| | शुच्ययेः | शुच्ययेतम् | शुच्ययेत |
| | शुच्ययेयम् | शुच्ययेव | शुच्ययेम |
| प० | शुच्ययतु | शुच्ययतात् | शुच्ययन्तु |
| | शुच्यय | „ | शुच्ययतम् |
| | शुच्ययानि | शुच्ययाव | शुच्ययाम |
| झ० | अशुच्ययत् | अशुच्ययताम् | अशुच्ययन् |
| | अशुच्ययः | अशुच्ययतम् | अशुच्ययत |
| | अशुच्ययम् | अशुच्ययाव | अशुच्ययम |
| ञ० | अशुशुच्यत् | अशुशुच्यताम् | अशुशुच्यन् |
| | अशुशुच्यः | अशुशुच्यतम् | अशुशुच्यत |
| | अशुशुच्यम् | अशुशुच्याव | अशुशुच्यम |
| प० | शुच्ययाश्चकार | शुच्ययाश्चक्रुः | शुच्ययाश्चकुः |
| | शुच्ययाश्चकथं | शुच्ययाश्चकथुः | शुच्ययाश्चक |
| | शुच्ययाश्चकार-चकर | शुच्ययाश्चकृव | शुच्ययाश्चकृम |
| | शुच्ययाश्चभूव | शुच्ययामास | |
| भा० | शुच्ययात् | शुच्ययास्ताम् | शुच्ययासुः |
| | शुच्ययाः | शुच्ययास्तम् | शुच्ययास्त |
| | शुच्ययासम् | शुच्ययास्व | शुच्ययास्म |
| भ० | शुच्ययिता | शुच्ययितारौ | शुच्ययितारः |
| | शुच्ययितासि | शुच्ययितास्थः | शुच्ययितास्थ |
| | शुच्ययितास्मि | शुच्ययितास्वः | शुच्ययितास्मः |
| भ० | अशुच्ययिष्यति | अशुच्ययिष्यतः | अशुच्ययिष्यन्ति |
| | अशुच्ययिष्यसि | अशुच्ययिष्यथः | अशुच्ययिष्यथ |
| | अशुच्ययिष्यामि | अशुच्ययिष्यावः | अशुच्ययिष्यामः |
| क्रि० | अशुच्ययिष्यत् | अशुच्ययिष्यताम् | अशुच्ययिष्यन् |
| | अशुच्ययिष्यः | अशुच्ययिष्यतम् | अशुच्ययिष्यत |
| | अशुच्ययिष्यम् | अशुच्ययिष्याव | अशुच्ययिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|-------------------|
| व० | शुच्ययते | शुच्ययेते | शुच्ययन्ते |
| | शुच्ययसे | शुच्ययेथे | शुच्ययन्थे |
| | शुच्यये | शुच्ययावहे | शुच्ययामहे |
| स० | शुच्ययेत | शुच्ययेताताम् | शुच्ययेरन् |
| | शुच्ययेथाः | शुच्ययेथाथाम् | शुच्ययेष्वम् |
| | शुच्ययेय | शुच्ययेवहि | शुच्ययेमहि |
| प | शुच्ययताम् | शुच्ययेताम् | शुच्ययन्ताम् |
| | शुच्ययस्व | शुच्ययेथाम् | शुच्ययस्वम् |
| | शुच्यये | शुच्ययावहे | शुच्ययामहे |
| झ० | अशुच्ययत् | अशुच्ययेताम् | अशुच्ययन्त |
| | अशुच्ययथाः | अशुच्ययेथाम् | अशुच्ययस्वम् |
| | अशुच्यये | अशुच्ययेवहि | अशुच्ययामहि |
| ञ० | अशुशुच्ययत् | अशुशुच्ययेताम् | अशुशुच्ययन्त |
| | अशुशुच्ययथाः | अशुशुच्ययेथाम् | अशुशुच्ययस्वम् |
| | अशुशुच्यये | अशुशुच्ययेवहि | अशुशुच्ययामहि |
| प० | शुच्ययाश्चक्रे | शुच्ययाश्चक्राते | शुच्ययाश्चक्रे |
| | शुच्ययाश्चक्रेषु | शुच्ययाश्चक्राये | शुच्ययाश्चक्रुवहे |
| | शुच्ययाश्चक्रे | शुच्ययाश्चक्रुवहे | शुच्ययाश्चक्रमहे |
| | शुच्ययाश्चभूव | शुच्ययामास | |
| भा | शुच्ययिषीष्ट | शुच्ययिषीयास्ताम् | शुच्ययिषीरन् |
| | शुच्ययिषीष्ठाः | शुच्ययिषीयास्थाम् | शुच्ययिषीद्वम् |
| | | | श्वम् |
| | शुच्ययिषीय | शुच्ययिषीवहि | शुच्ययिषीमहि |
| भ० | शुच्ययिता | शुच्ययितारौ | शुच्ययितारः |
| | शुच्ययितासे | शुच्ययितासाथे | शुच्ययितास्वहे |
| | शुच्ययिताहे | शुच्ययितास्वहे | शुच्ययितास्महे |
| भ० | अशुच्ययिष्यते | अशुच्ययिष्येते | अशुच्ययिष्यन्ते |
| | अशुच्ययिष्यसे | अशुच्ययिष्येथे | अशुच्ययिष्यन्थे |
| | अशुच्ययिष्ये | अशुच्ययिष्यावहे | अशुच्ययिष्यामहे |
| क्रि० | अशुच्ययिष्यत् | अशुच्ययिष्येताम् | अशुच्ययिष्यन्त |
| | अशुच्ययिष्यथाः | अशुच्ययिष्येथाम् | अशुच्ययिष्यस्वम् |
| | अशुच्ययिष्ये | अशुच्ययिष्यावहि | अशुच्ययिष्यामहि |

404 चुच्यै (चुच्य अभिषवे ।

| | | |
|--------------------|-----------------|-----------------------|
| व० चुच्ययति | चुच्ययतः | चुच्ययन्ति |
| चुच्ययसि | चुच्ययथः | चुच्ययथ |
| चुच्ययामि | चुच्ययावः | चुच्ययामः |
| स० चुच्ययेत् | चुच्ययेताम् | चुच्ययेयुः |
| चुच्ययेः | चुच्ययेतम् | चुच्ययेत |
| चुच्ययेयम् | चुच्ययेव | चुच्ययेम |
| प० चुच्ययतु | चुच्ययतात् | चुच्ययताम् चुच्ययन्तु |
| चुच्यय | चुच्ययतम् | चुच्ययत |
| चुच्ययानि | चुच्ययाव | चुच्ययाम |
| झ० अचुच्ययत | अचुच्ययताम् | अचुच्ययन् |
| अचुच्ययः | अचुच्ययतम् | अचुच्ययत |
| अचुच्ययम् | अचुच्ययाव | अचुच्ययाम |
| अ० अचुच्ययत | अचुच्ययताम् | अचुच्ययन् |
| अचुच्ययः | अचुच्ययतम् | अचुच्ययत |
| अचुच्ययम् | अचुच्ययाव | अचुच्ययाम |
| प० चुच्ययाश्चकार | चुच्ययाश्चक्रुः | चुच्ययाश्चकुः |
| चुच्ययाश्चकथं | चुच्ययाश्चकथुः | चुच्ययाश्चक |
| चुच्ययाश्चकार-चकर | चुच्ययाश्चकृव | चुच्ययाश्चकृम |
| चुच्ययाम्बभूव | चुच्ययामास | |
| भा० चुच्ययात् | चुच्ययास्ताम् | चुच्ययासुः |
| चुच्ययाः | चुच्ययास्तम् | चुच्ययास्त |
| चुच्ययासम् | चुच्ययास्व | चुच्ययास्म |
| भ० चुच्ययिता | चुच्ययितारौ | चुच्ययितारः |
| चुच्ययितासि | चुच्ययितास्थः | चुच्ययितास्थ |
| चुच्ययितास्मि | चुच्ययितास्वः | चुच्ययितास्मः |
| भ० चुच्ययिष्यति | चुच्ययिष्यतः | चुच्ययिष्यन्ति |
| चुच्ययिष्यसि | चुच्ययिष्यथः | चुच्ययिष्यथ |
| चुच्ययिष्यामि | चुच्ययिष्यावः | चुच्ययिष्यामः |
| क्रि० अचुच्ययिष्यत | अचुच्ययिष्यताम् | अचुच्ययिष्यन् |
| अचुच्ययिष्यथः | अचुच्ययिष्यतम् | अचुच्ययिष्यत |
| अचुच्ययिष्यम् | अचुच्ययिष्याव | अचुच्ययिष्याम |

| | | |
|---------------|---------------|---------------|
| य० चुच्ययते | चुच्ययेते | चुच्ययन्ते |
| चुच्ययसे | चुच्ययेथे | चुच्ययन्थे |
| चुच्यये | चुच्ययावहे | चुच्ययामहे |
| स० चुच्ययेत | चुच्ययेताताम् | चुच्ययेरन् |
| चुच्ययेथाः | चुच्ययेथाथः | चुच्ययेष्वम् |
| चुच्ययेय | चुच्ययेवहि | चुच्ययेमहि |
| प० चुच्ययताम् | चुच्ययेताम् | चुच्ययन्ताम् |
| चुच्ययस्व | चुच्ययेथाम् | चुच्ययन्थ्वम् |
| चुच्यये | चुच्ययावहे | चुच्ययामहे |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| झ० अचुच्ययत | अचुच्ययेताम् | अचुच्ययन्त |
| अचुच्ययथाः | अचुच्ययेथाम् | अचुच्ययन्थ्वम् |
| अचुच्यये | अचुच्ययावहि | अचुच्ययामहि |
| अ० अचुच्ययत | अचुच्ययेताम् | अचुच्ययन्त |
| अचुच्ययथाः | अचुच्ययेथाम् | अचुच्ययन्थ्वम् |
| अचुच्यये | अचुच्ययावहि | अचुच्ययामहि |
| प० चुच्ययाश्चक्रे | चुच्ययाश्चक्राते | चुच्ययाश्चक्रिरे |
| चुच्ययाश्चकृषे | चुच्ययाश्चक्राथे | चुच्ययाश्चकृध्वे |
| चुच्ययाश्चक्रे | चुच्ययाश्चकृवहे | चुच्ययाश्चकृमहे |
| चुच्ययाम्बभूव | चुच्ययामास | |

| | | |
|----------------|-------------------|----------------|
| आ चुच्ययिषीष्ट | चुच्ययिषीयास्ताम् | चुच्ययिषीरन् |
| चुच्ययिषीष्ठाः | चुच्ययिषीयास्थाम् | चुच्ययिषीध्वम् |
| चुच्ययिषीय | चुच्ययिषीवहि | चुच्ययिषीमहि |

| | | |
|--------------|----------------|----------------|
| भ० चुच्ययिता | चुच्ययितारौ | चुच्ययितारः |
| चुच्ययितासे | चुच्ययितामथे | चुच्ययिताध्वे |
| चुच्ययिताहे | चुच्ययितास्वहे | चुच्ययितास्महे |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| भ० चुच्ययिष्यते | चुच्ययिष्येते | चुच्ययिष्यन्ते |
| चुच्ययिष्यसे | चुच्ययिष्येथे | चुच्ययिष्यन्थे |
| चुच्ययिष्ये | चुच्ययिष्यावहे | चुच्ययिष्यामहे |

| | | |
|--------------------|-----------------|---------------|
| क्रि० अचुच्ययिष्यत | अचुच्ययिष्यताम् | अचुच्ययिष्यन् |
| अचुच्ययिष्यथः | अचुच्ययिष्यतम् | अचुच्ययिष्यत |
| अचुच्ययिष्यम् | अचुच्ययिष्याव | अचुच्ययिष्याम |

॥ अथ रान्ता अष्टौ ॥

405 त्सर (त्मर्) छद्मगतौ

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| व० | त्सारयति | त्सारयतः | त्सारयन्ति |
| | त्सारयसि | त्सारयथः | त्सारयथ |
| | त्सारयामि | त्सारयावः | त्सारयामः |
| स० | त्सारयेत् | त्सारयेताम् | त्सारयेयुः |
| | त्सारयेः | त्सारयेतम् | त्सारयेत |
| | त्सारयेचम् | त्सारयेव | त्सारयेम |
| प० | त्सारयतु | त्सारयताम् | त्सारयन्तु |
| | त्सारय | त्सारयतम् | त्सारयत |
| | त्सारयाणि | त्सारयाव | त्सारयाम |
| ह्य० | त्सारयत् | त्सारयताम् | त्सारयन् |
| | त्सारयः | त्सारयतम् | त्सारयत |
| | त्सारयम् | त्सारयाव | त्सारयाम |
| अ० | अत्तिस्सरत् | अत्तिस्सरताम् | अत्तिस्सरन् |
| | अत्तिस्सरः | अत्तिस्सरतम् | अत्तिस्सरत |
| | अत्तिस्सरम् | अत्तिस्सराव | अत्तिस्सराम |
| प० | त्सारयाञ्चकार | त्सारयाञ्चकतुः | त्सारयाञ्चकुः |
| | त्सारयाञ्चकर्थ | त्सारयाञ्चकथुः | त्सारयाञ्चक |
| | त्सारयाञ्चकार चक्र | त्सारयाञ्चकृव | त्सारयाञ्चकृम |
| | त्सारयाञ्चभूव | त्सारयामास | |
| आ० | त्सार्यात् | त्सार्यास्ताम् | त्सार्यासुः |
| | त्सार्याः | त्सार्यास्तम् | त्सार्यास्त |
| | त्सार्यासिम् | त्सार्यास्व | त्सार्यास्मि |
| श्व० | त्सारयिता | त्सारयितारौ | त्सारयितारः |
| | त्सारयितासि | त्सारयितास्थः | त्सारयितास्थ |
| | त्सारयितास्मि | त्सारयितास्वः | त्सारयितास्मः |
| भ० | त्सारयिष्यति | त्सारयिष्यतः | त्सारयिष्यन्ति |
| | त्सारयिष्यसि | त्सारयिष्यथः | त्सारयिष्यथ |
| | त्सारयिष्यामि | त्सारयिष्यावः | त्सारयिष्यामः |
| क्रि० | अत्सारयिष्यत् | अत्सारयिष्यताम् | अत्सारयिष्यन् |
| | अत्सारयिष्यः | अत्सारयिष्यतम् | अत्सारयिष्यत |
| | अत्सारयिष्यम् | अत्सारयिष्याव | अत्सारयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | त्सारयेते | त्सारयेते | त्सारयन्ते |
| | त्सारयेसे | त्सारयेथे | त्सारयन्वे |
| | त्सारये | त्सारयेहे | त्सारयामहे |
| स० | त्सारयेत | त्सारयेयाताम् | त्सारयेरन् |
| | त्सारयेथाः | त्सारयेयाथाम | त्सारयेष्वम् |
| | त्सारयेय | त्सारयेयहे | त्सारयेमहे |
| प० | त्सारयेताम् | त्सारयेताम् | त्सारयन्ताम् |
| | त्सारयेस्व | त्सारयेथाम | त्सारयेष्वम् |
| | त्सारये | त्सारयावहे | त्सारयामहे |
| ह्य० | अत्सारयत | अत्सारयेताम् | अत्सारयन्त |
| | अत्सारयथाः | अत्सारयेथान् | अत्सारयेष्वम् |
| | अत्सारये | अत्सारयावहे | अत्सारयामहे |
| अ० | अत्तिस्सरत | अत्तिस्सरेताम् | अत्तिस्सरन्त |
| | अत्तिस्सरथाः | अत्तिस्सरेथाम् | अत्तिस्सरेष्वम् |
| | अत्तिस्सरे | अत्तिस्सरावहे | अत्तिस्सरामहे |
| प० | त्सारयाञ्चक्रे | त्सारयाञ्चक्रेते | त्सारयाञ्चकिरे |
| | त्सारयाञ्चकृष | त्सारयाञ्चकृथे | त्सारयाञ्चकृवहे |
| | त्सारयाञ्चक | त्सारयाञ्चकृवहे | त्सारयाञ्चकृमहे |
| | त्सारयाम्बभूव | त्सारयामास | |
| आ० | त्सारयिषीष्ट | त्सारयिषीयास्ताम् | त्सारयिषीरन् |
| | त्सारयिषीष्टाः | त्सारयिषीयास्थाम् | त्सारयिषीष्टम् |
| | त्सारयिषीय | त्सारयिषीवहे | त्सारयिषीमहे |
| श्व० | त्सारयिता | त्सारयितारौ | त्सारयितारः |
| | त्सारयितासे | त्सारयितासाथे | त्सारयिताध्वे |
| | त्सारयिताहे | त्सारयितास्वहे | त्सारयितास्महे |
| भ० | त्सारयिष्यते | त्सारयिष्येते | त्सारयिष्यन्ते |
| | त्सारयिष्यसे | त्सारयिष्येथे | त्सारयिष्यन्वे |
| | त्सारयिष्ये | त्सारयिष्याव | त्सारयिष्यामहे |
| क्रि० | अत्सारयिष्यत् | अत्सारयिष्येताम् | अत्सारयिष्यन्त |
| | अत्सारयिष्यथाः | अत्सारयिष्येथाम् | अत्सारयिष्येष्वम् |
| | अत्सारयिष्ये | अत्सारयिष्यावहे | अत्सारयिष्यामहे |

406 कमर (कमर्) ह०छने

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|----------------|
| ० | कमारयति | कमारयतिः | कमारयन्ति |
| | कमारयसि | कमारयथः | कमारयथ |
| | कमारयामि | कमारयावः | कमारयामः |
| स० | कमारयेत् | कमारयेताम् | कमारयेयुः |
| | कमारयेः | कमारयेतम् | कमारयेत |
| | कमारयेयम् | कमारयेव | कमारयेम |
| प० | कमारयतु | कमारयतान् | कमारयन्तु |
| | कमारय | कमारयतम् | कमारयत |
| | कमारयाणि | कमारयव | कमारयाम |
| ह्य० | अकमारयत् | अकमारयताम् | अकमारयन् |
| | अकमारयः | अकमारयतम् | अकमारयत |
| | अकमारयम् | अकमारयाव | अकमारयाम |
| अ० | अचिकमरत् | अचिकमरताम् | अचिकमरन् |
| | अचिकमरः | अचिकमरतम् | अचिकमरत |
| | अचिकमरम् | अचिकमराव | अचिकमराम |
| प० | अकमारयश्चकार | अकमारयश्चक्रतु | अकमारयश्चक्रुः |
| | अकमारयश्चकथे | अकमारयश्चकथु | अकमारयश्चक्र |
| | अकमारयश्चकार-चक्र | अकमारयश्चक्रव | अकमारयश्चक्रम |
| | अकमारयाम्भभव | अकमारयामास | |
| आ० | कमारयात् | कमारयास्ताम् | कमारयासुः |
| | कमारयाः | कमारयास्तम् | कमारयास्त |
| | कमारयासम् | कमारयास्व | कमारयास्म |
| श्च० | कमारयिता | कमारयितारौ | कमारयितारः |
| | कमारयितासि | कमारयितास्थः | कमारयितास्थ |
| | कमारयितास्मि | कमारयितास्व | कमारयितास्मः |
| अ० | कमारयिष्यति | कमारयिष्यतः | कमारयिष्यन्ति |
| | कमारयिष्यसि | कमारयिष्यथः | कमारयिष्यथ |
| | कमारयिष्यामि | कमारयिष्यावः | कमारयिष्यामः |
| क्रि० | अकमारयिष्यत् | अकमारयिष्यताम् | अकमारयिष्यन् |
| | अकमारयिष्यः | अकमारयिष्यतम् | अकमारयिष्यत |
| | अकमारयिष्यम् | अकमारयिष्याव | अकमारयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | कमारयते | कमारयते | कमारयन्ते |
| | कमारयसे | कमारयेथे | कमारयन्थे |
| | कमारये | कमारयावहे | कमारयामहे |
| स० | कमारयेत् | कमारयेयाताम् | कमारयेयन् |
| | कमारयेथाः | कमारयेयाथाम् | कमारयेय्वम् |
| | कमारयेय | कमारयेवहि | कमारयेयमहि |
| प० | कमारयताम् | कमारयेताम् | कमारयन्ताम् |
| | कमारयस्व | कमारयेथाम् | कमारयध्वम् |
| | कमारये | कमारयावहे | कमारयामहे |
| ह्य० | अकमारयत् | अकमारयेताम् | अकमारयन्त |
| | अकमारयथाः | अकमारयेथाम् | अकमारयध्वम् |
| | अकमारये | अकमारयावहि | अकमारयामहि |
| अ० | अचिकमरत् | अचिकमरेताम् | अचिकमरन्त |
| | अचिकमरथा | अचिकमरेथा | अचिकमरध्वम् |
| | अचिकमरे | अचिकमरावह | अचिकमरामहि |
| प० | कमारयश्चक्रे | कमारयाश्चक्राते | कमारयाश्चक्रिरे |
| | कमारयाश्चक्रे | कमारयाश्चक्राथे | कमारयाश्चक्रुवे |
| | कमारयाश्चक्रे | कमारयाश्चक्रुहे | कमारयाश्चक्रुमहे |
| | कमारयाश्चक्रुव | कमारयामास | |
| आ० | कमारयिषीष्ट | कमारयिषीयास्ताम् | कमारयिषीरन् |
| | कमारयिषीष्ठाः | कमारयिषीयस्ताम् | कमारयिषीध्वम् |
| | कमारयिषीय | कमारयिषीवहि | कमारयिषीमहि |
| श्च० | कमारयिता | कमारयितारौ | कमारयितारः |
| | कमारयितासे | कमारयितासाथे | कमारयिताध्वे |
| | कमारयिताहे | कमारयितास्वह | कमारयितास्महे |
| अ० | कमारयिष्यते | कमारयिष्येते | कमारयिष्यन्ते |
| | कमारयिष्यसे | कमारयिष्येथे | कमारयिष्यन्थे |
| | कमारयिष्ये | कमारयिष्यावहे | कमारयिष्यामहे |
| क्रि० | अकमारयिष्यत् | अकमारयिष्येताम् | अकमारयिष्यन्त |
| | अकमारयिष्यथाः | अकमारयिष्येथाम् | अकमारयिष्यध्वम् |
| | अकमारयिष्ये | अकमारयिष्यावहि | अकमारयिष्यामहि |

407 अञ्ज (अञ्ज) गतौ

| | | |
|-------------------|---------------|---------------------|
| व० अञ्जयति | अञ्जयतः | अञ्जयन्ति |
| अञ्जयसि | अञ्जयमः | अञ्जयथ |
| अञ्जयामि | अञ्जयावः | अञ्जयामः |
| स० अञ्जयेत् | अञ्जयेताम् | अञ्जयेयुः |
| अञ्जयेः | अञ्जयेतम् | अञ्जयेत |
| अञ्जयेयम् | अञ्जयेव | अञ्जयेम |
| प० अञ्जयतु | अञ्जयतात् | अञ्जयताम् अञ्जयन्तु |
| अञ्जय | अञ्जयतम् | अञ्जयत |
| अञ्जयाणि | अञ्जयाव | अञ्जयाम |
| ह्य० आञ्जयत् | आञ्जयताम् | आञ्जयन् |
| आञ्जयः | आञ्जयतम् | आञ्जयत |
| आञ्जयम् | आञ्जयाव | आञ्जयाम |
| अ० आविञ्जत् | आविञ्जताम् | आविञ्जन् |
| आविञ्जः | आविञ्जतः | आविञ्जत |
| आविञ्जम् | आविञ्जाव | आविञ्जाम |
| प० अञ्जयाश्चकार | अञ्जयाश्चकतुः | अञ्जयाश्चकुः |
| तञ्जयाश्चकर्त्तुः | अञ्जयाश्चकथुः | अञ्जयाश्चक |
| अञ्जयाश्चकार-कर | अञ्जयाश्चकृव | अञ्जयाश्चकृम |
| अञ्जयाम्बभूव | अञ्जयामास | |
| आ० अञ्जयात् | अञ्जयास्ताम् | अञ्जयासुः |
| अञ्जयाः | अञ्जयास्तम् | अञ्जयास्त |
| अञ्जयासम् | अञ्जयास्व | अञ्जयास्म |
| य० अञ्जयिता | अञ्जयितारौ | अञ्जयितारः |
| अञ्जयितासि | अञ्जयितास्थः | अञ्जयितास्थ |
| अञ्जयितास्मि | अञ्जयितास्वः | अञ्जयितास्मः |
| भ० अञ्जयिष्यति | अञ्जयिष्यतः | अञ्जयिष्यन्ति |
| अञ्जयिष्यसि | अञ्जयिष्यथः | अञ्जयिष्यथ |
| अञ्जयिष्यामि | अञ्जयिष्यावः | अञ्जयिष्यामः |
| क्रि० आञ्जयिष्यत् | आञ्जयिष्यताम् | आञ्जयिष्यन् |
| अञ्जयिष्यः | आञ्जयिष्यतम् | आञ्जयिष्यत |
| अञ्जयिष्यम् | आञ्जयिष्याव | आञ्जयिष्याम |

| | | |
|-------------|-----------|-----------|
| व० अञ्जयेते | अञ्जयेते | अञ्जयन्ते |
| अञ्जयेसे | अञ्जयेथे | अञ्जयन्वे |
| अञ्जये | अञ्जयावहे | अञ्जयामहे |

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| स० अञ्जयेत | अञ्जयेयाताम् | अञ्जयेरन् |
| अञ्जयेथाः | अञ्जयेयथाम् | अञ्जयेन्वम् |
| अञ्जयेय | अञ्जयेवहि | अञ्जयेमहि |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| प० अञ्जयताम् | अञ्जयेताम् | अञ्जयन्ताम् |
| अञ्जयस्व | अञ्जयेथाम् | अञ्जयन्वम् |
| अञ्जये | अञ्जयावहे | अञ्जयामहे |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| ह्य० आञ्जयत | आञ्जयेताम् | आञ्जयन्त |
| आञ्जयथाः | आञ्जयेथाम् | आञ्जयन्वम् |
| आञ्जये | आञ्जयावहि | आञ्जयामहि |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| अ० आविञ्जत | आविञ्जेताम् | आविञ्जन्त |
| आविञ्जथाः | आविञ्जेथाम् | आविञ्जन्वम् |
| आविञ्जे | आविञ्जावहि | आविञ्जामहि |

| | | |
|------------------|----------------|-----------------|
| प० अञ्जयाश्चक्रे | अञ्जयाश्चकते | अञ्जयाश्चकिरे |
| अञ्जयाश्चकृषे | अञ्जयाश्चकथे | अञ्जयाश्चकृद्वे |
| अञ्जयाश्चक्रे | अञ्जयाश्चकृवहे | अञ्जयाश्चकृमहे |

अञ्जयाम्बभूव । अञ्जयामास

| | | |
|----------------|------------------|---------------------|
| आ० अञ्जयिषीष्ट | अञ्जयिषीयास्ताम् | अञ्जयिषीरन् |
| अञ्जयिषीष्ठाः | अञ्जयिषीयास्थाम् | अञ्जयिषीद्वम् ष्वम् |
| अञ्जयिषीय | अञ्जयिषीवहि | अञ्जयिषीमहि |

| | | |
|-------------|---------------|---------------|
| य० अञ्जयिता | अञ्जयितारौ | अञ्जयितारः |
| अञ्जयितासे | अञ्जयितासाथे | अञ्जयिताश्वे |
| अञ्जयिताहे | अञ्जयितास्वहे | अञ्जयितास्महे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० अञ्जयिष्यते | अञ्जयिष्येते | अञ्जयिष्यन्ते |
| अञ्जयिष्यसे | अञ्जयिष्येथे | अञ्जयिष्यन्वे |
| अञ्जयिष्ये | अञ्जयिष्यावहे | अञ्जयिष्यामहे |

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| क्रि० आञ्जयिष्यत् | आञ्जयिष्येताम् | आञ्जयिष्यन्त |
| आञ्जयिष्यथाः | आञ्जयिष्येथाम् | आञ्जयिष्यन्वम् |
| आञ्जयिष्ये | आञ्जयिष्यावहि | आञ्जयिष्यमहि |

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया ॥ (३९९)

408 वञ्ज (वञ्ज्) गतौ

| | | |
|--------------------------|----------------|----------------|
| व० वञ्जयति | वञ्जयतः | वञ्जयन्ति |
| वञ्जयसि | वञ्जयसः | वञ्जयथ |
| वञ्जयामि | वञ्जयावः | वञ्जयासुः |
| स० वञ्जयेत् | वञ्जयेताम् | वञ्जयेयुः |
| वञ्जयेः | वञ्जयेतम् | वञ्जयेत |
| वञ्जयम् | वञ्जयव | वञ्जयेम |
| प० वञ्जयतु | वञ्जयतात् | वञ्जयताम् |
| वञ्जय | वञ्जयतम् | वञ्जयत |
| वञ्जयाणि | वञ्जयाव | वञ्जयाम |
| अ० वञ्जयत | वञ्जयताम् | वञ्जयन्त |
| वञ्जयः | वञ्जयतम् | वञ्जयत |
| वञ्जयम् | वञ्जयाव | वञ्जयाम |
| अ० अववञ्जन् | वञ्जयताम् | वञ्जयन्त |
| वञ्जयः | वञ्जयतम् | वञ्जयत |
| वञ्जयम् | वञ्जयाव | वञ्जयाम |
| प० वञ्जयाश्चकार | वञ्जयाश्चक्रुः | वञ्जयाश्चक्रुः |
| वञ्जयाश्चकथे | वञ्जयाश्चकथुः | वञ्जयाश्चक्रुः |
| वञ्जयाश्चकार-कर | वञ्जयाश्चक्रुव | वञ्जयाश्चक्रुम |
| वञ्जयाम्बभूव । वञ्जयामास | | |
| आ० वञ्जयात् | वञ्जयास्ताम् | वञ्जयासुः |
| वञ्जयाः | वञ्जयास्तम् | वञ्जयास्त |
| वञ्जयासम् | वञ्जयास्व | वञ्जयासम् |
| अ० वञ्जयिता | वञ्जयितारौ | वञ्जयितारः |
| वञ्जयितासि | वञ्जयितास्य | वञ्जयितास्य |
| वञ्जयितास्मि | वञ्जयितास्वः | वञ्जयितास्मः |
| अ० वञ्जयिष्यति | वञ्जयिष्यतः | वञ्जयिष्यन्ति |
| वञ्जयिष्यसि | वञ्जयिष्यथः | वञ्जयिष्यथ |
| वञ्जयिष्यामि | वञ्जयिष्यावः | वञ्जयिष्यामः |
| क्रि० वञ्जयिष्यत् | वञ्जयिष्यताम् | वञ्जयिष्यन्त |
| वञ्जयिष्यः | वञ्जयिष्यतम् | वञ्जयिष्यत |
| वञ्जयिष्यम् | वञ्जयिष्याव | वञ्जयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|------------------|---------------------|
| व० वञ्जयते | वञ्जयेते | वञ्जयन्ते |
| वञ्जयसे | वञ्जयेथे | वञ्जयध्वे |
| वञ्जये | वञ्जयावहे | वञ्जयामहे |
| स० वञ्जयेत् | वञ्जयेयाताम् | वञ्जयेरन् |
| वञ्जयेथाः | वञ्जयेयाथाम् | वञ्जयेध्वम् |
| वञ्जयेथ | वञ्जयेवहि | वञ्जयेमहि |
| प० वञ्जयताम् | वञ्जयेताम् | वञ्जयन्ताम् |
| वञ्जयस्व | वञ्जयेथाम् | वञ्जयध्वम् |
| वञ्जये | वञ्जयावहे | वञ्जयामहे |
| अ० वञ्जयत | वञ्जयेताम् | वञ्जयन्त |
| वञ्जयथाः | वञ्जयेथाम् | वञ्जयध्वम् |
| वञ्जये | वञ्जयावहि | वञ्जयामहि |
| अ० अववञ्जत | वञ्जयेताम् | वञ्जयन्त |
| वञ्जयथाः | वञ्जयेथाम् | वञ्जयध्वम् |
| वञ्जये | वञ्जयावहि | वञ्जयामहि |
| प० वञ्जयाश्चक्रे | वञ्जयाश्चक्रते | वञ्जयाश्चक्रिरे |
| वञ्जयाश्चकथे | वञ्जयाश्चक्रथे | वञ्जयाश्चक्रुहे |
| वञ्जयाश्चक्रे | वञ्जयाश्चक्रुवहे | वञ्जयाश्चक्रुमहे |
| वञ्जयाम्बभूव । वञ्जयामास | | |
| आ० वञ्जयिषीष्ट | वञ्जयिषीयास्ताम् | वञ्जयिषीरन् |
| वञ्जयिषीष्टाः | वञ्जयिषीयास्थाम् | वञ्जयिषीध्वम् ध्वम् |
| वञ्जयिषीय | वञ्जयिषीवहि | वञ्जयिषीमहि |
| अ० वञ्जयिता | वञ्जयितारौ | वञ्जयितारः |
| वञ्जयितासे | वञ्जयितासाथे | वञ्जयिताध्वे |
| वञ्जयिताहे | वञ्जयितास्वहे | वञ्जयितास्महे |
| अ० वञ्जयिष्यते | वञ्जयिष्येते | वञ्जयिष्यन्ते |
| वञ्जयिष्यसे | वञ्जयिष्येथे | वञ्जयिष्यध्वे |
| वञ्जयिष्ये | वञ्जयिष्यावहे | वञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० अववञ्जयित | वञ्जयिष्येताम् | वञ्जयिष्यन्त |
| वञ्जयिष्यथाः | वञ्जयिष्येथाम् | वञ्जयिष्यध्वम् |
| वञ्जयिष्ये | वञ्जयिष्यावहि | वञ्जयिष्यमहि |

409 मञ्ज (मञ्ज) गतौ

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | मञ्जयति | मञ्जयतः | मञ्जयन्ति |
| | मञ्जयसि | मञ्जयस्यः | मञ्जयथ |
| | मञ्जयामि | मञ्जयावः | मञ्जयामः |
| स० | मञ्जयेत् | मञ्जयेताम् | मञ्जयेयुः |
| | मञ्जयेः | मञ्जयेतम् | मञ्जयेत |
| | मञ्जयेयम् | मञ्जयेव | मञ्जयेम |
| प० | मञ्जयतु | मञ्जयतात् | मञ्जयताम् |
| | मञ्जय | मञ्जयतम् | मञ्जयत |
| | मञ्जयाणि | मञ्जयाव | मञ्जयाम |
| ह्य० | अमञ्जयत् | अमञ्जयताम् | अमञ्जयन् |
| | अमञ्जयः | अमञ्जयतम् | अमञ्जयत |
| | अमञ्जयम् | अमञ्जयाव | अमञ्जयाम |
| अ | अममञ्जत् | अममञ्जताम् | अममञ्जन् |
| | अममञ्जः | अममञ्जत | अममञ्जत |
| | अममञ्जम् | अममञ्जाव | अममञ्जाम |
| प० | मञ्जयाश्चकार | मञ्जयाश्चकतुः | मञ्जयाश्चकुः |
| | मञ्जयाश्चकर्तुः | मञ्जयाश्चकथुः | मञ्जयाश्चक |
| | मञ्जयाश्चकार-कर | मञ्जयाश्चकुव | मञ्जयाश्चकुम |
| | मञ्जयाम्बभूव | मञ्जयामास | |
| आ० | मञ्जयात् | मञ्जयास्ताम् | मञ्जयासुः |
| | मञ्जयाः | मञ्जयास्तम् | मञ्जयास्त |
| | मञ्जयासम् | मञ्जयासव | मञ्जयासम् |
| श्च० | मञ्जयिता | मञ्जयितारौ | मञ्जयितारः |
| | मञ्जयितासि | मञ्जयितास्य | मञ्जयितास्य |
| | मञ्जयितास्मि | मञ्जयितास्वः | मञ्जयितास्मः |
| भ० | मञ्जयिष्यति | मञ्जयिष्यतः | मञ्जयिष्यन्ति |
| | मञ्जयिष्यसि | मञ्जयिष्यथः | मञ्जयिष्यथ |
| | मञ्जयिष्यामि | मञ्जयिष्यावः | मञ्जयिष्यामः |
| क्रि० | अमञ्जयिष्यत् | अमञ्जयिष्यताम् | अमञ्जयिष्यन् |
| | अमञ्जयिष्यः | अमञ्जयिष्यतम् | अमञ्जयिष्यत |
| | अमञ्जयिष्यम् | अमञ्जयिष्याव | अमञ्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|---------------------|
| व० | मञ्जयते | मञ्जयेते | मञ्जयन्ते |
| | मञ्जयसे | मञ्जयेथे | मञ्जयध्वे |
| | मञ्जये | मञ्जयावहे | मञ्जयामहे |
| स० | मञ्जयेत् | मञ्जयेयाताम् | मञ्जयेरन् |
| | मञ्जयेथाः | मञ्जयेयाथाम | मञ्जयेष्वम् |
| | मञ्जयेय | मञ्जयेवाहि | मञ्जयेमहि |
| प० | मञ्जयताम् | मञ्जयेताम् | मञ्जयन्ताम् |
| | मञ्जयस्व | मञ्जयेथाम | मञ्जयध्वम् |
| | मञ्जये | मञ्जयावहे | मञ्जयामहे |
| ह्य० | अमञ्जयत | अमञ्जयेताम् | अमञ्जयन्त |
| | अमञ्जयथाः | अमञ्जयेथाम | अमञ्जयध्वम् |
| | अमञ्जये | अमञ्जयावहि | अमञ्जयामहि |
| अ० | अममञ्जत | अममञ्जेताम् | अममञ्जन्त |
| | अममञ्जथाः | अममञ्जेथाम | अममञ्जध्वम् |
| | अममञ्जे | अममञ्जावहि | अममञ्जामहि |
| व० | मञ्जयाश्चक्रे | मञ्जयाश्चकते | मञ्जयाश्चकिरे |
| | मञ्जयाश्चक्रे | मञ्जयाश्चकथे | मञ्जयाश्चकृद् |
| | मञ्जयाश्चक्रे | मञ्जयाश्चकृवहे | मञ्जयाश्चकृमहे |
| | मञ्जयाम्बभूव | मञ्जयामास | |
| आ० | मञ्जयिषीष्ट | मञ्जयिषीयास्ताम् | मञ्जयिषीरन् |
| | मञ्जयिषीष्ठाः | मञ्जयिषीयास्थाम | मञ्जयिषीद्वम् ध्वम् |
| | मञ्जयिषीय | मञ्जयिषीवहि | मञ्जयिषीमहि |
| श्च० | मञ्जयिता | मञ्जयितारौ | मञ्जयितारः |
| | मञ्जयितासे | मञ्जयितासाथे | मञ्जयिता-वे |
| | मञ्जयिताहे | मञ्जयितास्वहे | मञ्जयितास्महे |
| भ० | मञ्जयिष्यते | मञ्जयिष्येते | मञ्जयिष्यन्ते |
| | मञ्जयिष्यसे | मञ्जयिष्येथे | मञ्जयिष्यध्वे |
| | मञ्जयिष्ये | मञ्जयिष्यावहे | मञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अमञ्जयिष्यत | अमञ्जयिष्येताम् | अमञ्जयिष्यन्त |
| | अमञ्जयिष्यथाः | अमञ्जयिष्येथाम | अमञ्जयिष्यध्वम् |
| | अमञ्जयिष्ये | अमञ्जयिष्यावहि | अमञ्जयिष्यमहि |

410 चर चर् भक्षणे च ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|--------------|
| व | चारयति | चारयतः | चारयन्ति |
| | चारय स | चारयथः | चारयथ |
| | चारयामि | चारयावः | चारयामः |
| स | चारयेत् | चारयेताम् | चारयेयुः |
| | चारयेः | चारयेतम् | चारयेत |
| | चारयेयम् | चारयेव | चारयेम |
| प० | चारयतु | चारयतात् | चारयताम् |
| | चारय | चारयतम् | चारयन्तु |
| | चारयणि | चारयाव | चारयाम |
| ह्य० | अचारयत् | अचारयताम् | अचारयन् |
| | अचारयः | अचारयतम् | अचारयत |
| | अचारयम् | अचारयाव | अचारयाम |
| अ० | अचीचरत् | अचीचरताम् | अचीचरन् |
| | अचीचरः | अचीचरतम् | अचीचरत |
| | अचीचरम् | अचीचराव | अचीचराम |
| प० | चारयाञ्चकार | चारयाञ्चक्रुः | चारयाञ्चकुः |
| | चरयाञ्चकर्थ | चारयाञ्चक्रथुः | चारयाञ्चक |
| | चारयाञ्चकार-चकर | चारयाञ्चकृव | चारयाञ्चकृम |
| | चारयाम्बभूव | । | चारयामास |
| आ० | चार्यात् | चार्यास्ताम् | चार्यासुः |
| | चार्याः | चार्यास्तम् | चार्यास्त |
| | चार्यासम् | चार्यास्व | चार्यास्म |
| य० | चारयिता | चारयितारौ | चारयितारः |
| | चारयितासि | चारयितास्थः | चारयितास्थ |
| | चारयितास्मि | चारयितास्व | चारयितास्मः |
| भ० | चारयिष्यति | चारयिष्यतः | चारयिष्यन्ति |
| | चारयिष्यसि | चारयिष्यथः | चारयिष्यथ |
| | चारयिष्यमि | चारयिष्यावः | चारयिष्यामः |
| क्रि० | अचारयिष्यत् | अचारयिष्यताम् | अचारयिष्यन् |
| | अचारयिष्यः | अचारयिष्यतम् | अचारयिष्यत |
| | अचारयिष्यम् | अचारयिष्याव | अचारयिष्याम |

411 धोरृ (धोर्) गतेश्चातुर्वे

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|--------------|
| व० | धोरयति | धोरयतः | धोरयन्ति |
| | धोरयसि | धोरयथः | धोरयथ |
| | धोरयामि | धोरयावः | धोरयामः |
| स० | धोरयेत् | धोरयताम् | धोरयेयुः |
| | धोरयेः | धोरयेतम् | धोरयेत |
| | धोरयेयम् | धोरयेव | धोरयेम |
| प० | धोरयतु | धोरयतात् | धोरयताम् |
| | धोरय | धोरयतम् | धोरयन्तु |
| | धोरयाणि | धोरयाव | धोरयाम |
| ह्य० | अधोरयत् | अधोरयताम् | अधोरयन् |
| | अधोरयः | अधोरयतम् | अधोरयत |
| | अधोरयम् | अधोरयाव | अधोरयाम |
| अ० | अदुधोरत् | अदुधोरताम् | अदुधोरन् |
| | अदुधोरः | अदुधोरतम् | अदुधोरत |
| | अदुधोरम् | अदुधोराव | अदुधोराम |
| प० | धोरयाञ्चकार | धोरयाञ्चक्रुः | धोरयाञ्चकुः |
| | धोरयाञ्चकर्थ | धोरयाञ्चक्रथुः | धोरयाञ्चक |
| | धोरयाञ्चकार-चकर | धोरयाञ्चकृव | धोरयाञ्चकृम |
| | धोरयाम्बभूव | । | धोरयामास |
| आ० | धोर्यात् | धोर्यास्ताम् | धोर्यासुः |
| | धोर्याः | धोर्यास्तम् | धोर्यास्त |
| | धोर्यासम् | धोर्यास्व | धोर्यास्म |
| य० | धोरयिता | धोरयितारौ | धोरयितारः |
| | धोरयितासि | धोरयितास्थः | धोरयितास्थ |
| | धोरयितास्मि | धोरयितास्व | धोरयितास्मः |
| भ० | धोरयिष्यति | धोरयिष्यतः | धोरयिष्यन्ति |
| | धोरयिष्यसि | धोरयिष्यथः | धोरयिष्यथ |
| | धोरयिष्यमि | धोरयिष्यावः | धोरयिष्यामः |
| क्रि० | अधोरयिष्यत् | अधोरयिष्यताम् | अधोरयिष्यन् |
| | अधोरयिष्यः | अधोरयिष्यतम् | अधोरयिष्यत |
| | अधोरयिष्यम् | अधोरयिष्याव | अधोरयिष्याम |

आत्मनेपदरूपाणि

| | | |
|--|---------|----------|
| धोरयते | धोरयेते | धोरयन्ते |
| धोरयेत । धोरयताम् । अधोरयत । अदुधोरत । इत्यादि | | |

412 खारु (खोर) प्रतीघाते । गतेरित्य नुवर्त्तते ॥

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० खोरयति | खोरयतः | खोरयन्ति |
| खोरयसि | खोरयथः | खोरयथ |
| खोरयामि | खोरयावः | खोरयामः |
| स० खोरयेत् | खोरयेताम् | खोरयेयुः |
| खोरयेः | खोरयेतम् | खोरयेत |
| खोरयेयम् | खोरयेव | खोरयेम |
| प० खोरयतु | खोरयतात् | खोरयताम् |
| खोरय | खोरयतम् | खोरयत |
| खोरयाणि | खोरयाव | खोरयाम |
| ह्य० अखोग्यत् | अखोरयताम् | अखोरयन् |
| अखोरयः | अखोरयतम् | अखोरयत |
| अखोरयम् | अखोरयाव | अखोरयाम |
| अ० अचुखोरत् | अचुखोरताम् | अचुखोरन् |
| अचुखोरः | अचुखोरतम् | अचुखोरत |
| अचुखोरम् | अचुखोराव | अचुखोराम |
| प० खोरयाश्चकार | खोरयाश्चक्रुः | खोरयाश्चक्रुः |
| खोरयाश्चकर्ष | खोरयाश्चक्रुः | खोरयाश्चक्रुः |
| खोरयाश्चकार चक्र | खोरयाश्चक्रुव | खोरयाश्चक्रुम |
| खोरयाम्बभूव | खोरयामस | |
| आ० खोर्यात् | खोर्यास्ताम् | खोर्यास्तुः |
| खोर्याः | खोर्यास्तम् | खोर्यास्त |
| खोर्यासम् | खोर्यास्व | खोर्यास्म |
| श्व० खोरयिता | खोरयितारौ | खोरयितारः |
| खोरयितासि | खोरयितास्थः | खोरयितास्थ |
| खोरयितास्मि | खोरयितास्वः | खोरयितास्मः |
| भ० खोरयिष्यति | खोरयिष्यतः | खोरयिष्यन्ति |
| खोरयिष्यसि | खोरयिष्यथः | खोरयिष्यथ |
| खोरयिष्यामि | खोरयिष्यावः | खोरयिष्यामः |
| क्रि० अखोरयिष्यत् | अखोरयिष्यताम् | अखोरयिष्यन् |
| अखोरयिष्यः | अखोरयिष्यतम् | अखोरयिष्यत |
| अखोरयिष्यम् | अखोरयिष्याव | अखोरयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ब० खोरयते | खोरयेते | खोरयः ते |
| खोरयसे | खोरयेथे | खोरयध्वे |
| खोरये | खोरयावहे | खोरयामहे |
| स० खोरयेत | खोरयेयाताम् | खोरयेरन् |
| खोरयेथाः | खोरयेयाथाम | खोरयेध्वम् |
| खोरयेय | खोरये र्हि | खोरयेमहि |
| प० खोरयताम् | खोरयेताम् | खोरयन्ताम् |
| खोरयस्व | खोरयेथाम् | खोरयध्वम् |
| खोरयै | खोरयावहै | खोरयामहै |
| ह्य० अखोरयत | अखोरयेताम् | अखोरयन्त |
| अखोरयथाः | अखोरयेथाम् | अखोरयध्वम् |
| अखोरये | अखोरयावहि | अखोरयामहि |
| अ० अचुखोरत | अचुखोरेताम् | अचुखोरन्त |
| अचुखोरथाः | अचुखोरेथाम् | अचुखोरध्वम् |
| अचुखोरे | अचुखोरावहि | अचुखोरामहि |
| प० खोरयाश्चक्रे | खोरयाश्चक्रते | खोरयाश्चक्रिरे |
| खोरयाश्चकृष | खोरयाश्चक्रये | खोरयाश्चकृद्वे |
| खोरयाश्चक्रे | खोरयाश्चकृवहे | खोरयाश्चकृमहे |
| खोरयाम्बभूव | खोरयामास | |
| आ० खोरयिषीष्ट | खोरयिषीयास्ताम् | खोरयिषीरन् |
| खोरयिषीष्टाः | खोरयिषीयास्थाम् | खोरयिषीध्वम् |
| खोरयिषीय | खोरयिषीवहि | खोरयिषीमहि |
| श्व० खोरयिता | खोरयितारौ | खोरयितारः |
| खोरयितासे | खोरयितासाथे | खोरयिताध्वे |
| खोरयिताहे | खोरयितास्वहे | खोरयितास्महे |
| भ० खोरयिष्यते | खोरयिष्येते | खोरयिष्यन्ते |
| खोरयिष्यसे | खोरयिष्येथे | खोरयिष्यध्वे |
| खोरयिष्ये | खोरयिष्याव | खोरयिष्यामहे |
| क्रि० अखोरयिष्यत | अखोरयिष्येताम् | अखोरयिष्यन्त |
| अखोरयिष्यथाः | अखोरयिष्येथाम् | अखोरयिष्यध्वम् |
| अखोरयिष्ये | अखोरयिष्यावहि | अखोरयिष्यामहि |

॥ अथ लान्ता श्रुत्वारिशत् ॥

413 दल (दल विशरणे ।

| | | |
|-----------------------|----------------|--------------|
| ब० दालयति | दालयतः | दालयन्ति |
| दालयसि | दालयथः | दालयथ |
| दालयामि | दालयावः | दालयामः |
| स० दालयेत् | दालयेताम् | दालयेयुः |
| दालयेः | दालयेतम् | दालयेत |
| दालयेयम् | दालयेव | दालयेम |
| प० दालयतु | दालयतान् | दालयन्तु |
| दालय | दालयतात | दालयतम् |
| दालयनि | दालयाव | दालयाम |
| ह्य० अ० दालयत् | अदालयताम् | अदालयन् |
| अ० दालयः | अदालयतम् | अदालयत |
| अदालयम् | अदालयाव | अदालयाम |
| अ० अदीदलत् | अदीदलताम् | अदीदलन् |
| अ० अदीदलः | अदीदलतम् | अदीदलत |
| अदीदलम् | अदीदलाव | अदीदलाम |
| प० दालयाश्चकार | दालयाश्चक्रुः | दालयाश्चकुः |
| दालयाश्चकर्थ | दालयाश्चक्रथुः | दालयाश्चक्र |
| दालयाश्चकार-चकर | दालयाश्चकृव | दालयाश्चकृम |
| दालयाम्भूव । दालयामास | | |
| आ० दाल्यात् | दाल्यास्ताम् | दाल्यास्तुः |
| दाल्याः | दाल्यास्तम् | दाल्यास्त |
| दाल्यासम् | दाल्यास्व | दाल्यास्म |
| ध० दालयिता | दालयितारौ | दालयितारः |
| दालयितासि | दालयितास्थः | दालयितास्थ |
| दालयितास्मि | दालयितास्वः | दालयितास्मः |
| भ० दालयिष्यति | दालयिष्यतः | दालयिष्यन्ति |
| दालयिष्यसि | दालयिष्यथः | दालयिष्यथ |
| दालयिष्यामि | दालयिष्यावः | दालयिष्यामः |
| क्रि० अ० दालयिष्यत् | अदालयिष्यताम् | अदालयिष्यन् |
| अदालयिष्यः | अदालयिष्यतम् | अदालयिष्यत |
| अदालयिष्यम् | अदालयिष्याव | अदालयिष्याम |

| | | |
|-----------------------|-----------------|----------------|
| ब० दालयते | दालयेते | दालयन्ते |
| दालयसे | दालयेथे | दालयन्वे |
| दालये | दालयावहे | दालयामहे |
| स० दालयेत | दालयेयाताम् | दालयेरन् |
| दालयेथाः | दालयेयाथाम् | दालयेष्वम् |
| दालयेथ | दालयेवहि | दालयेमहि |
| प० दालयताम् | दालयेताम् | दालयन्ताम् |
| दालयस्व | दालयेथाम् | दालयन्वम् |
| दालये | दालयावहे | दालयामहे |
| ह्य० अ० दालयत् | अदालयेताम् | अदालयन्त |
| अ० दालयथाः | अदालयेथाम् | अदालयन्वम् |
| अ० दालये | अदालयावहि | अदालयामहि |
| अ० अदीदलत् | अदीदलेताम् | अदीदलन्त |
| अ० अदीदलथाः | अदीदलेथाम् | अदीदलन्वम् |
| अदीदले | अदीदलावहि | अदीदलामहि |
| प० दालयाश्चक्रे | दालयाश्चक्रते | दालयाश्चक्रिरे |
| दालयाश्चकृषे | दालयाश्चक्रथे | दालयाश्चकृवहे |
| दालयाश्चक्रे | दालयाश्चकृवहे | दालयाश्चकृवहे |
| दालयाम्भूव । दालयामास | | |
| आ० दालयिषीष्ट | दालयिषीयास्ताम् | दालयिषीरन् |
| दालयिषीष्टाः | दालयिषीयास्थाम् | दालयिषीव्वम् |
| दालयिषीष्ट | दालयिषीवहि | दालयिषीमहि |
| ध० दालयिता | दालयितारौ | दालयितारः |
| दालयितासे | दालयितासाथे | दालयिताध्वे |
| दालयिताहे | दालयितास्वहे | दालयितास्महे |
| भ० दालयिष्यते | दालयिष्येते | दालयिष्यन्ते |
| दालयिष्यसे | दालयिष्येथे | दालयिष्यन्वे |
| दालयिष्ये | दालयिष्यावहे | दालयिष्यामहे |
| क्रि० अ० दालयिष्यत् | अदालयिष्येताम् | अदालयिष्यन्त |
| अदालयिष्यथाः | अदालयिष्येथाम् | अदालयिष्यन्वम् |
| अदालयिष्ये | अदालयिष्यावहि | अदालयिष्यामहि |

414 जिफला (फल्) विशरणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० फालयति | फालयतः | फालयन्ति |
| फालयसि | फालयथः | फालयथ |
| फालयामि | फालयावः | फालयामः |
| स० फालयेत् | फालयेताम् | फालयेयुः |
| फालयेः | फालयेतम् | फालयेत |
| फालयेयम् | फालयेव | फालयेम |
| प० फालयतु | फालयतात् | फालयताम् |
| फालय | फालयतात् | फालयतम् |
| फालयानि | फालयाव | फालयाम |
| ह्य० अफालयत् | अफालयताम् | अफालयन् |
| अफालयः | अफालयतम् | अफालयत |
| अफालयम् | अफालयाव | अफालयाम |
| अ० अपीफलत् | अपीफलताम् | अपीफलन् |
| अपीफलः | अपीफलतम् | अपीफलत |
| अपीफलम् | अपीफलाव | अपीफलाम |
| प० फालयाञ्चकार | फालयाञ्चकतुः | फालयाञ्चकुः |
| फालयाञ्चकर्थ | फालयाञ्चकथुः | फालयाञ्चक |
| फालयाञ्चकार-चकर | फालयाञ्चकृव | फालयाञ्चकृम |
| फालयाञ्चभूव | फालयामास | |
| आ० फाल्यात् | फाल्यास्ताम् | फाल्यासुः |
| फाल्याः | फाल्यास्तम् | फाल्यास्त |
| फाल्यासम् | फाल्यास्व | फाल्यास्म |
| श्च० फालयिता | फालयितारौ | फालयितारः |
| फालयितासि | फालयितास्थः | फालयितास्थ |
| फालयितास्मि | फालयितास्वः | फालयितास्मः |
| भ० फालयिष्यति | फालयिष्यतः | फालयिष्यन्ति |
| फालयिष्यसि | फालयिष्यथः | फालयिष्यथ |
| फालयिष्यामि | फालयिष्यावः | फालयिष्यामः |
| क्रि० अफालयिष्यत् | अफालयिष्यताम् | अफालयिष्यन् |
| अफालयिष्यः | अफालयिष्यतम् | अफालयिष्यत |
| अफालयिष्यम् | अफालयिष्याव | अफालयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ब० फालयते | फालयेते | फालयन्ते |
| फालयसे | फालयेथे | फालयध्वे |
| फालये | फालयावहे | फालयामहे |
| स० फालयेत | फालयेयाताम् | फालयेरन् |
| फालयेथाः | फालयेयाथाम् | फालयेष्वम् |
| फालयेय | फालयेवहि | फालयेमहि |
| प० फालयताम् | फालयेताम् | फालयन्ताम् |
| फालयस्व | फालयेथाम् | फालयध्वम् |
| फालये | फालयावहे | फालयामहे |
| ह्य० अफालयत | अफालयेताम् | अफालयन्त |
| अफालयथाः | अफालयेथाम् | अफालयध्वम् |
| अफालये | अफालयावहि | अफालयामहि |
| अ० अपीफलत | अपीफलेताम् | अपीफलन्त |
| अपीफलथाः | अपीफलेथाम् | अपीफलध्वम् |
| अपीफले | अपीफलावहि | अपीफामहि |
| प० फालयाञ्चके | फालयाञ्चकते | फालयाञ्चकिरे |
| फालयाञ्चकृषे | फालयाञ्चकथे | फालयाञ्चकृवहे |
| फालयाञ्चके | फालयाञ्चकृवहे | फालयाञ्चकृवहे |
| फालयाञ्चभूव | फालयामास | |
| आ० फालयिषीष्ट | फालयिषीयास्ताम् | फालयिषीरन् |
| फालयिषीष्टाः | फालयिषीयास्थाम् | फालयिषीध्वम् |
| फालयिषीय | फालयिषीवहि | फालयिषीमहि |
| श्च० फालयिता | फालयितारौ | फालयितारः |
| फालयितासे | फालयितासथे | फालयिताध्वे |
| फालयिताहे | फालयितास्वहे | फालयितास्महे |
| भ० फालयिष्यते | फालयिष्येते | फालयिष्यन्ते |
| फालयिष्यसे | फालयिष्येथे | फालयिष्यध्वे |
| फालयिष्ये | फालयिष्यावहे | फालयिष्यामहे |
| क्रि० अफालयिष्यत | अफालयिष्येताम् | अफालयिष्यन्त |
| अफालयिष्यथाः | अफालयिष्येथाम् | अफालयिष्यध्वम् |
| अफालयिष्ये | अफालयिष्यावहि | अफालयिष्यामहि |

| 415 मील (मील निमेषगे | | | | व० | मीलयते | मीलयेते | मीलयन्ते |
|-----------------------|-----------------|---------------|--------------|-------|--------------|-----------------|----------------|
| १० | मीलयति | मीलयतः | मीलयन्ति | | मीलयसे | मीलयथे | मीलयन्वे |
| | मीलयसि | मीलयथः | मीलयथ | | मीलये | मीलयावहे | मीलयामहे |
| | मीलयासि | मीलयावः | मीलयासः | स० | मीलयेत | मीलयेयाताम् | मीलयेरन् |
| स० | मीलयेत् | मीलयेताम् | मीलयेयुः | | मीलयेथाः | मीलयेयाथाम् | मीलयेध्वम् |
| | मीलयेः | मीलयेतम् | मीलयेत | | मीलयेय | मीलयेवहि | मीलयेमहि |
| | मीलयेयम् | मीलयेव | मीलयेम | प० | मीलयताम् | मीलयेताम् | मीलयन्ताम् |
| प | मीलयतु | मीलयतात् | मीलयताम् | | मीलयस्व | मीलयेथाम् | मीलयध्वम् |
| | मीलय | मीलयतम् | मीलयत | | मीलये | मीलयावहे | मीलयामहे |
| | मीलयानि | मीलयाव | मीलयास | ह्य० | अमीलयत | अमीलयेताम् | अमीलयन्त |
| ह्य० | अमीलयत् | अमीलयताम् | अमीलयन् | | अमीलयथाः | अमीलयेथाम् | अमीलयध्वम् |
| | अमीलयः | अमीलयतम् | अमीलयत | | अमीलये | अमीलयावहि | अमीलयामहि |
| | अमीलयम् | अमीलयाव | अमीलयास | अ० | अमिलीलत | अमिलीलेताम् | अमिलीलन्त |
| अ० | अमिलीलत् | अमिलीलताम् | अमिलीलन् | | अमिलीलथाः | अमिलीलेथाम् | अमिलीलध्वम् |
| | अमिलीलः | अमिलीलतम् | अमिलीलत | | अमिलिले | अमिलीलवहि | अमिलीलमहि |
| | अमिलीलम् | अमिलीलव | अमिलीलस | | अमिलिलत | अमिलिलेताम् | अमिलिलन्त इ० |
| | अमिलिलत् | अमिलिलताम् | अमिलिलन् इ० | प० | मीलयाञ्चके | मीलयाञ्चकते | मीलयाञ्चकिरे |
| प० | मीलयाञ्चकार | मीलयाञ्चकतु | मीलयाञ्चकः | | मीलयाञ्चकृषे | मीलयाञ्चकृषे | मीलयाञ्चकृष्वे |
| | मीलयाञ्चकथं | मीलयाञ्चकथुः | मीलयाञ्चक | | मीलयाञ्चके | मीलयाञ्चकृवहे | मीलयाञ्चकृमहे |
| | मीलयाञ्चकार-चकर | मीलयाञ्चकृव | मीलयाञ्चकृम | | मीलयाञ्चभूव | मीलयामास | |
| | मीलयाञ्चभूव | मीलयामास | | आ० | मीलयिषीष्ट | मीलयिषीयास्ताम् | मीलयिषीरन् |
| आ० | मील्यात् | मील्यास्ताम् | मील्यासुः | | मीलयिषीष्टाः | मीलयिषीयःस्थाम् | मीलयिषीध्वम् |
| | मील्याः | मील्यास्तम् | मील्यास्त | | मीलयिषीय | मीलयिषीवहि | मीलयिषीमहि |
| | मील्यासम् | मील्यास्व | मील्यासम् | अ० | मीलयिता | मीलयितारौ | मीलयितारः |
| अ० | मीलयिता | मीलयितारौ | मीलयितारः | | मीलयितासे | मीलयितासाथे | मीलयिताध्वे |
| | मीलयितासि | मीलयितास्थः | मीलयितास्थ | | मीलयिताहे | मीलयितास्वहे | मीलयितास्महे |
| | मीलयितास्मि | मीलयितास्व | मीलयितास्मः | भ० | मीलयिष्यते | मीलयिष्येते | मीलयिष्यन्ते |
| भ० | मीलयिष्यति | मीलयिष्यतः | मीलयिष्यन्ति | | मीलयिष्यसे | मीलयिष्येथे | मीलयिष्यध्वे |
| | मीलयिष्यसि | मीलयिष्यथः | मीलयिष्यथ | | मीलयिष्ये | मीलयिष्यावहे | मीलयिष्यामहे |
| | मीलयिष्यामि | मीलयिष्यावः | मीलयिष्यामः | क्रि० | अमीलयिष्यत | अमीलयिष्येताम् | अमीलयिष्यन्त |
| क्रि० | अमीलयिष्यत् | अमीलयिष्यताम् | अमीलयिष्यन् | | अमीलयिष्यथाः | अमीलयिष्येथाम् | अमीलयिष्यध्वम् |
| | अमीलयिष्यः | अमीलयिष्यतम् | अमीलयिष्यत | | अमीलयिष्ये | अमीलयिष्यावहि | अमीलयिष्यामहि |
| | अमीलयिष्यम् | अमीलयिष्याव | अमीलयिष्याम | | | | |

416 इमील (इमील्) निमेषजे

| | | | |
|------|------------------|----------------|---------------------|
| ० | इमीलयति | इमीलयतः | इमीलयन्ति |
| | इमीलयसि | इमीलयथः | इमीलयथ |
| | इमीलयामि | इमीलयावः | इमीलयामः |
| स | इमीलयेत् | इमीलयेताम् | इमीलयेयुः |
| | इमीलयेः | इमीलयेतम् | इमीलयेत |
| | इमीलयेयम् | इमीलयेव | इमीलयेम |
| प | इमीलयतु | इमीलयतात् | इमीलयताम् इमीलयन्तु |
| | इमीलय | इमीलयतम् | इमीलयत |
| | इमीलयाति | इमीलयाव | इमीलयाति |
| ह | अइमीलयत् | अइमीलयताम् | अइमीलयन् |
| | अइमीलयः | अइमीलयतम् | अइमीलयत |
| | अइमीलयम् | अइमीलयाव | अइमीलयाम |
| अ | अशिश्मिलत् | अशिश्मिलताम् | अशिश्मिलन् |
| | अशिश्मिलः | अशिश्मिलतम् | अशिश्मिलत |
| | अशिश्मिलम् | अशिश्मिलाव | अशिश्मिलाम |
| प | इमीलयाञ्चकार | इमीलयाञ्चक्रुः | इमीलयाञ्चक्रुः |
| | इमीलयाञ्चकथं | इमीलयाञ्चकथुः | इमीलयाञ्चक्रुः |
| | इमीलयाञ्चकार-चकर | इमीलयाञ्चकृव | इमीलयाञ्चकृम |
| | इमीलयाञ्चभूव | इमीलयामास | |
| भा | इमील्यात् | इमील्यास्ताम् | इमील्यासुः |
| | इमील्याः | इमील्यास्तम् | इमील्यास्त |
| | इमील्यासम् | इमील्यास्व | इमील्यास्म |
| भ | इमीलयिता | इमीलयितारौ | इमीलयितारः |
| | इमीलयितासि | इमीलयितास्थः | इमीलयितास्थ |
| | इमीलयितास्मि | इमीलयितास्व | इमीलयितास्मः |
| भ | इमीलयिष्यति | इमीलयिष्यतः | इमीलयिष्यन्ति |
| | इमीलयिष्यसि | इमीलयिष्यथः | इमीलयिष्यथ |
| | इमीलयिष्यामि | इमीलयिष्यावः | इमीलयिष्यामः |
| क्रि | अइमीलयिष्यत् | अइमीलयिष्यताम् | अइमीलयिष्यन् |
| | अइमीलयिष्यः | अइमीलयिष्यतम् | अइमीलयिष्यत |
| | अइमीलयिष्यम् | अइमीलयिष्याव | अइमीलयिष्याम |

| | | | |
|------|---------------|-----------------|-----------------|
| व | इमीलयते | इमीलयेते | इमीलयेन्ते |
| | इमीलयसे | इमीलयेथे | इमीलयध्वे |
| | इमीलये | इमीलयावहे | इमीलयामहे |
| स | इमीलयेत | इमीलयेताम् | इमीलयेरन् |
| | इमीलयेथाः | इमीलयेथायाम् | इमीलयेष्वम् |
| | इमीलयेय | इमीलयेवहि | इमीलयेमहि |
| प | इमीलयताम् | इमीलयेताम् | इमीलयन्ताम् |
| | इमीलयस्व | इमीलयेथाम् | इमीलयध्वम् |
| | इमीलये | इमीलयावहे | इमीलयामहे |
| ह | अइमीलयत | अइमीलयेताम् | अइमीलयन्त |
| | अइमीलयथाः | अइमीलयेथाम् | अइमीलयध्वम् |
| | अइमीलये | अइमीलयावहि | अइमीलयामहि |
| अ | अशिश्मिलत | अशिश्मिलेताम् | अशिश्मिलन्त |
| | अशिश्मिलथाः | अशिश्मिलेथाम् | अशिश्मिलध्वम् |
| | अशिश्मिले | अशिश्मिलावहि | अशिश्मिलामहि |
| प | इमीलयाञ्चके | इमीलयाञ्चकृते | इमीलयाञ्चकिरे |
| | इमीलयाञ्चकृषे | इमीलयाञ्चकृषे | इमीलयाञ्चकृद्वे |
| | इमीलयाञ्चके | इमीलयाञ्चकृवहे | इमीलयाञ्चकृमहे |
| | इमीलयाञ्चभूव | इमीलयाञ्चमास | |
| भा | इमीलयिषीष्ट | इमीलयिषीष्यताम् | इमीलयिषीरन् |
| | इमीलयिषीष्ठाः | इमीलयिषीष्यथाम् | इमीलयिषीध्वम् |
| | इमीलयिषीय | इमीलयिषीवहि | इमीलयिषीमहि |
| भ | इमीलयिता | इमीलयितारौ | इमीलयितारः |
| | इमीलयितासे | इमीलयितसाथे | इमीलयिताध्वे |
| | इमीलयिताहे | इमीलयितास्वहे | इमीलयितास्महे |
| भ | इमीलयिष्यते | इमीलयिष्येते | इमीलयिष्यन्ते |
| | इमीलयिष्यसे | इमीलयिष्येथे | इमीलयिष्यध्वे |
| | इमीलयिष्ये | इमीलयिष्यावहे | इमीलयिष्यामहे |
| क्रि | अइमीलयिष्यत् | अइमीलयिष्येताम् | अइमीलयिष्यन्त |
| | अइमीलयिष्यथाः | अइमीलयिष्येथाम् | अइमीलयिष्यध्वम् |
| | अइमीलयिष्ये | अइमीलयिष्यावहि | अइमीलयिष्यामहि |

417 स्मील (स्मील्) निमेषणे

| | | |
|----------------------|-----------------|-----------------------|
| ० स्मीलयति | स्मीलयतः | स्मीलयन्ति |
| स्मीलयसि | स्मीलयथः | स्मीलयथ |
| स्मीलयामि | स्मीलयावः | स्मीलयामः |
| स० स्मीलयेत् | स्मीलयेताम् | स्मीलयेयुः |
| स्मीलयेः | स्मीलयेतम् | स्मीलयेत |
| स्मीलयेयम् | स्मीलयेव | स्मीलयेम |
| प० स्मीलयतु | स्मीलयतात | स्मीलयताम् स्मीलयन्तु |
| स्मीलय | स्मीलयतम् | स्मीलयत |
| स्मीलयानि | स्मीलयाव | स्मीलयाम |
| ह्य० ३ स्मीलयत् | अस्मीलयताम् | अस्मीलयन् |
| अस्मीलयः | अस्मीलयतम् | अस्मीलयत |
| अस्मीलयम् | अस्मीलयाव | अस्मीलयाम |
| अ० ३ स्मिस्मलत् | अस्मिस्मलताम् | अस्मिस्मलन् |
| अस्मिस्मलः | अस्मिस्मलतम् | अस्मिस्मलत |
| अस्मिस्मलम् | अस्मिस्मलाव | अस्मिस्मलाम |
| प० स्मीलयाञ्चकार | स्मीलयाञ्चक्रुः | स्मीलयाञ्चक्रुः |
| स्मीलयाञ्चकथं | स्मीलयाञ्चकथुः | स्मीलयाञ्चक्रुः |
| स्मीलयाञ्चकार-चक्रुः | स्मीलयाञ्चक्रुः | स्मीलयाञ्चक्रुः |
| स्मीलयाञ्चभूव | स्मीलयामास | |
| भा० स्मील्यात् | स्मील्यास्ताम् | स्मील्यासुः |
| स्मील्याः | स्मील्यास्तम् | स्मील्यास्त |
| स्मील्यासम् | स्मील्यास्व | स्मील्यास्म |
| भ० स्मीलयिता | स्मीलयितारौ | स्मीलयितारः |
| स्मीलयितासि | स्मीलयितास्थः | स्मीलयितास्थ |
| स्मीलयितास्मि | स्मीलयितास्व | स्मीलयितास्म |
| भ० स्मीलयिष्यति | स्मीलयिष्यतः | स्मीलयिष्यन्ति |
| स्मीलयिष्यसि | स्मीलयिष्यथः | स्मीलयिष्यथ |
| स्मीलयिष्यामि | स्मीलयिष्यावः | स्मीलयिष्यामः |
| क्रि० ३ स्मीलयिष्यत् | अस्मीलयिष्यताम् | अस्मीलयिष्यन् |
| अस्मीलयिष्यः | अस्मीलयिष्यतम् | अस्मीलयिष्यत |
| अस्मीलयिष्यम् | अस्मीलयिष्याव | अस्मीलयिष्याम |

| | | |
|----------------------|-------------------|------------------|
| व० स्मीलयते | स्मीलयते | स्मीलयन्ते |
| स्मीलयसे | स्मीलयथे | स्मीलयध्वे |
| स्मीलये | स्मीलयावहे | स्मीलयामहे |
| स० स्मीलयेत | स्मीलयेयाताम् | स्मीलयेरन् |
| स्मीलयेथाः | स्मीलयेयाथाम | स्मीलयेध्वम् |
| स्मीलयेथ | स्मीलयेवहि | स्मीलयेमहि |
| प० स्मीलयताम् | स्मीलयेताम् | स्मीलयन्ताम् |
| स्मीलयस्व | स्मीलयेथाम | स्मीलयध्वम् |
| स्मीलये | स्मीलयावहे | स्मीलयामहे |
| ह्य० ३ स्मीलयत | अस्मीलयेताम् | अस्मीलयन्त |
| अस्मीलयथाः | अस्मीलयेथाम | अस्मीलयध्वम् |
| अस्मीलये | अस्मीलयावहि | अस्मीलयामहि |
| अ० असिस्मिलत् | असिस्मिलेताम् | असिस्मिलन्त |
| असिस्मिलथाः | असिस्मिलेथाम | असिस्मिलध्वम् |
| असिस्मिले | असिस्मिलावहि | असिस्मिलामहि |
| प स्मीलयाञ्चके | स्मीलयाञ्चकाते | स्मीलयाञ्चकिरे |
| स्मीलयाञ्चकृषे | स्मीलयाञ्चकृषाये | स्मीलयाञ्चकृष्वे |
| स्मीलयाञ्चके | स्मीलयाञ्चकृवहे | स्मीलयाञ्चकृमहे |
| स्मीलयाञ्चभूव | स्मीलयामास | |
| आ० स्मीलयिषीष्ट | स्मीलयिषीयास्ताम् | स्मीलयिषीरन् |
| स्मीलयिषीष्टाः | स्मीलयिषीयस्थां | स्मीलयिषीध्वम् |
| स्मीलयिषीय | स्मीलयिषीवहि | स्मीलयिषीमहि |
| भ० स्मीलयिता | स्मीलयितारौ | स्मीलयितारः |
| स्मीलयितासे | स्मीलयितासाथे | स्मीलयिताध्वे |
| स्मीलयिताहे | स्मीलयितास्वहे | स्मीलयितास्महे |
| भ० स्मीलयिष्यते | स्मीलयिष्येते | स्मीलयिष्यन्ते |
| स्मीलयिष्यसे | स्मीलयिष्यथे | स्मीलयिष्यध्वे |
| स्मीलयिष्ये | स्मीलयिष्यावहे | स्मीलयिष्यामहे |
| क्रि० ३ स्मीलयिष्यत् | अस्मीलयिष्यताम् | अस्मीलयिष्यन्त |
| अस्मीलयिष्यः | अस्मीलयिष्यतम् | अस्मीलयिष्यत |
| अस्मीलयिष्यम् | अस्मीलयिष्याव | अस्मीलयिष्याम |

419 क्षमील (क्षमील्) निमेषणे

| | | |
|-----------------------|-------------------|-------------------------|
| क्षमीलयति | क्षमीलयतः | क्षमीलयन्ति |
| क्षमीलयसि | क्षमीलयथः | क्षमीलयथ |
| क्षमीलामि | क्षमीलावः | क्षमीलयामः |
| स क्षमीलयेत् | क्षमीलयेताम् | क्षमीलयेयुः |
| क्षमीलयेः | क्षमीलयेतम् | क्षमीलयेत |
| क्षमीलयेयम् | क्षमीलयेव | क्षमीलयेम |
| प क्षमीलयतु | क्षमीलयतात् | क्षमीलयताम् क्षमीलयन्तु |
| क्षमीलय | क्षमीलयतम् | क्षमीलयत |
| क्षमीलयाणि | क्षमीलयाव | क्षमीलयाम |
| अ० ३ क्षमीलयत् | अक्षमीलयताम् | अक्षमीलयन् |
| अक्षमीलयः | अक्षमीलयतम् | अक्षमीलयत |
| अक्षमीलयम् | अक्षमीलयाव | अक्षमीलयाम |
| अ० अचिक्षिमलत् | अचिक्षिमलताम् | अचिक्षिमलन् |
| अचिक्षिमलः | अचिक्षिमलतम् | अचिक्षिमलत |
| अचिक्षिमलम् | अचिक्षिमलाव | अचिक्षिमलाम |
| प० क्षमीलयाञ्चकार | क्षमीलयाञ्चक्रतुः | क्षमीलयाञ्चक्रुः |
| क्षमीलयाञ्चकथं | क्षमीलयाञ्चकथुः | क्षमीलयाञ्चक्रुः |
| क्षमीलयाञ्चकार-चक्र | क्षमीलयाञ्चक्रव | क्षमीलयाञ्चक्रुम |
| क्षमीलयाम्बभूव । | क्षमीलयामास | |
| आ० क्षमील्यात् | क्षमील्यास्ताम् | क्षमील्यासुः |
| क्षमील्याः | क्षमील्यास्तम् | क्षमील्यास्त |
| क्षमील्यासम् | क्षमील्यास्व | क्षमील्यास्म |
| अ० क्षमीलयिता | क्षमीलयितारौ | क्षमीलयितारः |
| क्षमीलयितासि | क्षमीलयितास्थः | क्षमीलयितास्थ |
| क्षमीलयितास्मि | क्षमीलयितास्व | क्षमीलयितास्मः |
| अ० क्षमीलयिष्यति | क्षमीलयिष्यतः | क्षमीलयिष्यन्ति |
| क्षमीलयिष्यसि | क्षमीलयिष्यथः | क्षमीलयिष्यथ |
| क्षमीलयिष्यामि | क्षमीलयिष्यावः | क्षमीलयिष्यामः |
| क्रि० ३ क्षमीलयिष्यत् | अक्षमीलयिष्यताम् | अक्षमीलयिष्यन् |
| अक्षमीलयिष्यः | अक्षमीलयिष्यतम् | अक्षमीलयिष्यत |
| अक्षमीलयिष्यम् | अक्षमीलयिष्याव | अक्षमीलयिष्याम |

| | | |
|-----------------------|--------------------|-------------------|
| वः क्षमीलयते | क्षमीलयेते | क्षमीलयन्ते |
| क्षमीलयसे | क्षमीलयेथे | क्षमीलयध्वे |
| क्षमीलये | क्षमीलयावहे | क्षमीलयामहे |
| स० क्षमीलयेत | क्षमीलयेथाताम् | क्षमीलयेरन् |
| क्षमीलयेथाः | क्षमीलयेथाथाम् | क्षमीलयेध्वम् |
| क्षमीलयेथ | क्षमीलयेवहि | क्षमीलयेमहि |
| प० क्षमीलयताम् | क्षमीलयेताम् | क्षमीलयन्ताम् |
| क्षमीलयस्व | क्षमीलयेथाम् | क्षमीलयध्वम् |
| क्षमीलये | क्षमीलयावहै | क्षमीलयामहै |
| ह्य० ३ क्षमीलयत | अक्षमीलयेताम् | अक्षमीलयन्त |
| अक्षमीलयथाः | अक्षमीलयेथाम् | अक्षमीलयध्वम् |
| अक्षमीलये | अक्षमीलयावहि | अक्षमीलयामहि |
| अ० अचिक्षिमलत् | अचिक्षिमलेताम् | अचिक्षिमलन्त |
| अचिक्षिमलथाः | अचिक्षिमलेथाम् | अचिक्षिमलध्वम् |
| अचिक्षिमले | अचिक्षिमलावहि | अचिक्षिमलामहि |
| प क्षमीलयाञ्चके | क्षमीलयाञ्चक्राते | क्षमीलयाञ्चक्रिरे |
| क्षमीलयाञ्चकृषे | क्षमीलयाञ्चक्राये | क्षमीलयाञ्चकृद्वे |
| क्षमीलयाञ्चके | क्षमीलयाञ्चकृवहे | क्षमीलयाञ्चकृमहे |
| क्षमीलयाञ्चभूव । | क्षमीलयामास | |
| आ० क्षमीलयिषीष्ट | क्षमीलयिषीयास्ताम् | क्षमीलयिषीरन् |
| क्षमीलयिषीष्टाः | क्षमीलयिषीयास्थाम् | क्षमीलयिषीध्वम् |
| क्षमीलयिषीय | क्षमीलयिषीवहि | क्षमीलयिषीमहि |
| अ० क्षमीलयिता | क्षमीलयितारौ | क्षमीलयितारः |
| क्षमीलयितासे | क्षमीलयितासाथे | क्षमीलयिताध्वे |
| क्षमीलयिताहे | क्षमीलयितास्वहे | क्षमीलयितास्महे |
| अ० क्षमीलयिष्यते | क्षमीलयिष्येते | क्षमीलयिष्यन्ते |
| क्षमीलयिष्यसे | क्षमीलयिष्येथे | क्षमीलयिष्यध्वे |
| क्षमीलयिष्ये | क्षमीलयिष्यावहे | क्षमीलयिष्यामहे |
| क्रि० ३ क्षमीलयिष्यत् | अक्षमीलयिष्येताम् | अक्षमीलयिष्यन्त |
| अक्षमीलयिष्यः | अक्षमीलयिष्येथाम् | अक्षमीलयिष्यध्वम् |
| अक्षमीलयिष्यम् | अक्षमीलयिष्यावहि | अक्षमीलयिष्यामहि |

419 पील (पील्) प्रतिष्ठम्भे

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| ब० पीलयति | पीलयतः | पीलयन्ति |
| पीलयसि | पीलयथः | पीलयथ |
| पीलयामि | पीलयावः | पीलयामः |
| स० पीलयेत् | पीलयेताम् | पीलयेयुः |
| पीलयेः | पीलयेतम् | पीलयेत |
| पीलयेयम् | पीलयेव | पीलयेम |
| प० पीलयतु | पीलयतात् | पीलयताम् |
| पीलय | पीलयतम् | पीलयत |
| पीलयानि | पीलयाव | पीलयाम |
| ह्य० अपीलयत् | अपीलयताम् | अपीलयन् |
| अपीलयः | अपीलयतम् | अपीलयत |
| अपीलयम् | अपीलयाव | अपीलयाम |
| अ० अपीपिलत् | अपीपिलताम् | अपीपिलन् |
| अपीपिलः | अपीपिलतम् | अपीपिलत |
| अपीपिलम् | अपीपिलाव | अपीपिलाम |
| प० पीलयाञ्चकार | पीलयाञ्चक्रुः | पीलयाञ्चकुः |
| पीलयाञ्चकथं | पीलयाञ्चकथुः | पीलयाञ्चक |
| पीलयाञ्चकार-चकर | पीलयाञ्चकृव | पीलयाञ्चकृम |
| पीलयाञ्चभूव । पीलयामास | | |
| आ० पील्यात् | पील्यास्ताम् | पील्यासुः |
| पील्याः | पील्यास्तम् | पील्यास्त |
| पील्यासम् | पील्यास्व | पील्यास्म |
| श्व० पीलयिता | पीलयितारौ | पीलयितारः |
| पीलयितासि | पीलयितास्थः | पीलयितास्थ |
| पीलयितास्मि | पीलयितास्वः | पीलयितास्मः |
| भ० पीलयिष्यति | पीलयिष्यतः | पीलयिष्यन्ति |
| पीलयिष्यसि | पीलयिष्यथः | पीलयिष्यथ |
| पीलयिष्यामि | पीलयिष्यावः | पीलयिष्यामः |
| क्रि० अपीलियिष्यत् | अपीलयिष्यताम् | अपीलयिष्यन् |
| अपीलयिष्यः | अपीलयिष्यतम् | अपीलयिष्यत |
| अपीलयिष्यम् | अपीलयिष्याव | अपीलयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० पीलयते | पीलयेते | पीलयन्ते |
| पीलयसे | पीलयेथे | पीलयध्वे |
| पीलये | पीलयावहे | पीलयामहे |
| स० पीलयेत | पीलयेयाताम् | पीलयेरन् |
| पीलयेथाः | पीलयेयाथाम् | पीलयेष्वम् |
| पीलयेय | पीलयेवहि | पीलयेमहि |
| प० पीलयताम् | पीलयेताम् | पीलयन्ताम् |
| पीलयस्व | पीलयेथाम् | पीलयध्वम् |
| पीलये | पीलयावहे | पीलयामहे |
| ह्य० अपीलयत | अपीलयेताम् | अपीलयन्त |
| अपीलयथाः | अपीलयेथाम् | अपीलयध्वम् |
| अपीलये | अपीलयावहि | अपीलयामहि |
| अ० अपीपिलत | अपीपिलेताम् | अपीपिलन्त |
| अपीपिलथाः | अपीपिलेथाम् | अपीपिलध्वम् |
| अपीपिले | अपीपिलावहि | अपीपिलामहि |
| प० पीलयाञ्चक्रे | पीलयाञ्चक्राते | पीलयाञ्चक्रिरे |
| पीलयाञ्चकृषे | पीलयाञ्चक्राथे | पीलयाञ्चकृद्वे |
| पीलयाञ्चक्रे | पीलयाञ्चकृवहे | पीलयाञ्चकृमहे |
| पीलयाञ्चभूव । पीलयामास | | |
| अ० पीलयिषीष्ट | पीलयिषीयास्ताम् | पीलयिषीरन् |
| पीलयिषीष्ठाः | पीलयिषीयाथाम् | पीलयिषीध्वम् |
| पीलयिषीय | पीलयिषीवहि | पीलयिषीमहि |
| श्व० पीलयिता | पीलयितारौ | पीलयितारः |
| पीलयितासे | पीलयितासाथे | पीलयिताध्वे |
| पीलयिताहे | पीलयितास्वहे | पीलयितास्महे |
| भ० पीलयिष्यते | पीलयिष्येते | पीलयिष्यन्ते |
| पीलयिष्यसे | पीलयिष्येथे | पीलयिष्यध्वे |
| पीलयिष्ये | पीलयिष्यावहे | पीलयिष्यामहे |
| क्रि० अपीलियिष्यत | अपीलयिष्येताम् | अपीलयिष्यन्त |
| अपीलयिष्यथाः | अपीलयिष्येथाम् | अपीलयिष्यध्वम् |
| अपीलयिष्ये | अपीलयिष्यावहि | अपीलयिष्यामहि |

420 णील (नील्) वर्णे ।

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| १० नीलञ्चति | नीलयतः | नीलयन्ति |
| नीलयसि | नीलयथः | नीलयथ |
| नीलयाभि | नीलयावः | नीलयामः |
| २० नीलयेत् | नीलयेताम् | नीलयेयुः |
| नीलयेः | नीलयेतम् | नीलयेत |
| नीलयेयम् | नीलयेव | नीलयेम |
| ५० नीलयतु | नीलयतात् | नीलयताम् |
| नीलय | नीलयतम् | नीलयत |
| नीलयानि | नीलयाव | नीलयाम |
| ६० अनीलयत् | अनीलयताम् | अनीलयन् |
| अनीलयः | अनीलयतम् | अनीलयत |
| अनीलयम् | अनीलयाव | अनीलयाम |
| ७० अनीनिलत् | अनीनिलताम् | अनीनिलन् |
| अनीनिलः | अनीनिलतम् | अनीनिलत |
| अनीनिलम् | अनीनिलाव | अनीनिलाम |
| ८० नीलयाञ्चकार | नीलयाञ्चकतुः | नीलयाञ्चकुः |
| नीलयाञ्चकर्थ | नीलयाञ्चकथुः | नीलयाञ्चक |
| नीलयाञ्चकार-चकर | नीलयाञ्चकृव | नीलयाञ्चकृम |
| नीलयाञ्चभूव । नीलयामास | | |
| ९० नील्यात् | नील्यास्ताम् | नील्यासुः |
| नील्याः | नील्यास्तम् | नील्यास्त |
| नील्यासम् | नील्यास्व | नील्यास्म |
| १० नीलयिता | नीलयितारौ | नीलयितारः |
| नीलयितासि | नीलयितास्थः | नीलयितास्थ |
| नीलयितास्मि | नीलयितास्वः | नीलयितास्मः |
| ११० नीलयिष्यति | नीलयिष्यतः | नीलयिष्यन्ति |
| नीलयिष्यसि | नीलयिष्यथः | नीलयिष्यथ |
| नीलयिष्यामि | नीलयिष्यावः | नीलयिष्यामः |
| क्रि० अनीलयिष्यत् | अनीलयिष्यताम् | अनीलयिष्यन् |
| अनीलयिष्यः | अनीलयिष्यतम् | अनीलयिष्यत |
| अनीलयिष्यम् | अनीलयिष्याव | अनीलयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० नीलयते | नीलयेते | नीलयन्ते |
| नीलयसे | नीलयेथे | नीलयध्वे |
| नीलये | नीलयावहे | नीलयामहे |
| स० नीलयेत | नीलयेयाताम् | नीलयेरन् |
| नीलयेथाः | नीलयेयाथाम् | नीलयेध्वम् |
| नीलयेय | नीलयेवहि | नीलयेमहि |
| प० नीलयताम् | नीलयेताम् | नीलयन्ताम् |
| नीलयस्व | नीलयेथाम् | नीलयध्वम् |
| नीलये | नीलयावहै | नीलयामहै |
| ह्य० अनीलयत | अनीलयेताम् | अनीलयन्त |
| अनीलयथाः | अनीलयेथाम् | अनीलयध्वम् |
| अनीलये | अनीलयावहि | अनीलयामहि |
| अ० अनीनिलत | अनीनिलेताम् | अनीनिलन्त |
| अनीनिलथाः | अनीनिलेथाम् | अनीनिलध्वम् |
| अनीनिले | अनीनिलावहि | अनीनिलामहि |
| प० नीलयाञ्चके | नीलयाञ्चकाते | नीलयाञ्चकिरे |
| नीलयाञ्चकृषे | नीलयाञ्चकृषे | नीलयाञ्चकृद्वे |
| नीलयाञ्चके | नीलयाञ्चकृवहे | नीलयाञ्चकृमहे |
| नीलयाञ्चभूव । नीलयामास | | |
| भा० नीलयिषीष्ट | नीलयिषीयास्ताम् | नीलयिषीरन् |
| नीलयिषीष्ठाः | नीलयिषीयास्थाम् | नीलयिषीध्वम् |
| नीलयिषीय | नीलयिषीवहि | नीलयिषीमहि |
| क्ष० नीलयिता | नीलयितारौ | नीलयितारः |
| नीलयितासे | नीलयितासाथे | नीलयिताध्वे |
| नीलयिताहे | नीलयितास्वहे | नीलयितास्महे |
| भ० नीलयिष्यते | नीलयिष्येते | नीलयिष्यन्ते |
| नीलयिष्यसे | नीलयिष्येथे | नीलयिष्यध्वे |
| नीलयिष्ये | नीलयिष्यावहे | नीलयिष्यामहे |
| क्रि० अनीलयिष्यत् | अनीलयिष्येताम् | अनीलयिष्यन्त |
| अनीलयिष्यथाः | अनीलयिष्येथाम् | अनीलयिष्यध्वम् |
| अनीलयिष्ये | अनीलयिष्यावहि | अनीलयिष्यामहि |

421 शील (शील) समाधौ ।

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| ब० शीलयति | शीलयतः | शीलयन्ति |
| शीलयासि | शीलयथः | शीलयथ |
| शीलयामि | शीलयावः | शीलयामः |
| स० शीलयेत् | शीलयेताम् | शीलयेयुः |
| शीलयेः | शीलयेतम् | शीलयेत |
| शीलयेथम् | शीलयेव | शीलयेम |
| प० शीलयतु | शीलयतात् | शीलयताम् |
| शीलय | शीलयतम् | शीलयत |
| शील्यानि | शील्याव | शीलयाम |
| ह्य० अशीलयत् | अशीलयताम् | अशीलयन् |
| अशीलयः | अशीलयतम् | अशीलयत |
| अशीलयम् | अशीलयाव | अशीलयाम |
| भ० अशीशिलत् | अशीशिलताम् | अशीशिलन् |
| अशीशिलः | अशीशिलतम् | अशीशिलत |
| अशीशिलम् | अशीशिलाव | अशीशिलाम |
| प० शीलयाञ्चकार | शीलयाञ्चक्रुः | शीलयाञ्चकुः |
| शीलयाञ्चकथे | शीलयाञ्चक्रुः | शीलयाञ्चकृ |
| शीलयाञ्चकर-चकर | शीलयाञ्चकृव | शीलयाञ्चकृम |
| शीलयाम्बभूव । शीलयासास | | |
| आ० शीलयात् | शील्यास्ताम् | शील्यासुः |
| शील्याः | शील्यास्तम् | शील्यास्त |
| शील्यासम् | शील्यास्व | शील्यास्म |
| श्व० शीलयिता | शीलयितारौ | शीलयितारः |
| शीलयितासि | शीलयितास्थः | शीलयितास्थ |
| शीलयितास्मि | शीलयितास्वः | शीलयितास्मः |
| भ० शीलयिष्यति | शीलयिष्यतः | शीलयिष्यन्ति |
| शीलयिष्यसि | शीलयिष्यथः | शीलयिष्यथ |
| शीलयिष्यामि | शीलयिष्यावः | शीलयिष्यामः |
| क्रि० अशीलयिष्यत् | अशीलयिष्यताम् | अशीलयिष्यन् |
| अशीलयिष्यः | अशीलयिष्यतम् | अशीलयिष्यत |
| अशीलयिष्यम् | अशीलयिष्याव | अशीलयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० शीलयेते | शीलयेते | शीलयन्ते |
| शीलयसे | शीलयेथे | शीलयध्वे |
| शीलये | शीलयावहे | शीलयामहे |
| स० शीलयेत | शीलयेयाताम् | शीलयेरन् |
| शीलयेथाः | शीलयेयाथाम् | शीलयेध्वम् |
| शीलयेथ | शीलयेवहि | शीलयेमहि |
| प० शीलयताम् | शीलयेताम् | शीलयन्ताम् |
| शीलयस्व | शीलयेथाम् | शीलयध्वम् |
| शीलये | शीलयावहे | शीलयामहे |
| ह्य० अशीलयत | अशीलयेताम् | अशीलयन्त |
| अशीलयथाः | अशीलयेथाम् | अशीलयध्वम् |
| अशीलये | अशीलयावहि | अशीलयामहि |
| अ० अशीशिलत् | अशीशिलेताम् | अशीशिलन्त |
| अशीशिलथाः | अशीशिलेथाम् | अशीशिलध्वम् |
| अशीशिले | अशीशिलावहि | अशीशिलामहि |
| प० शीलयाञ्चक्रे | शीलयाञ्चक्राते | शीलयाञ्चक्रिरे |
| शीलयाञ्चकृषे | शीलयाञ्चक्राथे | शीलयाञ्चकृद्वे |
| शीलयाञ्चक्रे | शीलयाञ्चकृवहे | शीलयाञ्चकृमहे |
| शीलयाम्बभूव । शीलयासास | | |
| आ० शीलयिषीष्ट | शीलयिषीयास्ताम् | शीलयिषीरन् |
| शीलयिषीष्टाः | शीलयिषीयास्थाम् | शीलयिषीध्वम् |
| शीलयिषीय | शीलयिषीवहि | शीलयिषीमहि |
| श्व० शीलयिता | शीलयितारौ | शीलयितारः |
| शीलयितासे | शीलयितासाथे | शीलयिताध्वे |
| शीलयिताहे | शीलयितास्वहे | शीलयितास्महे |
| भ० शीलयिष्यते | शीलयिष्येते | शीलयिष्यन्ते |
| शीलयिष्यसे | शीलयिष्येथे | शीलयिष्यध्वे |
| शीलयिष्ये | शीलयिष्यावहे | शीलयिष्यामहे |
| क्रि० अशीलयिष्यत् | अशीलयिष्येताम् | अशीलयिष्यन्त |
| अशीलयिष्यथाः | अशीलयिष्येथाम् | अशीलयिष्यध्वम् |
| अशीलयिष्ये | अशीलयिष्यावहि | अशीलयिष्यामहि |

422 कील (कील्) बन्धे ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|--------------|
| ० | कीलयति | कीलयतः | कीलयन्ति |
| | कीलयसि | कीलयथः | कीलयथ |
| | कीलयामि | कीलयावः | कीलयामः |
| स० | कीलयेत् | कीलयेताम् | कीलयेयुः |
| | कीलयेः | कीलयेतम् | कीलयेत |
| | कीलयेयम् | कीलयेव | कीलयेम |
| प | कीलयतु | कीलयतात् | कीलयताम् |
| | कीलय | कीलयतम् | कीलयत |
| | कीलयानि | कीलयाव | कीलयाम |
| ह्य० | अकीलयत् | अकीलयताम् | अकीलयन् |
| | अकीलयः | अकीलयतम् | अकीलयत |
| | अकीलयम् | अकीलयाव | अकीलयाम |
| अ० | अचीकिलत् | अचीकिलताम् | अचीकिलन् |
| | अचीकिलः | अचीकिलतम् | अचीकिलत |
| | अचीकिलम् | अचीकिलाव | अचीकिलाम |
| प० | कीलयाञ्चकार | कीलयाञ्चकतुः | कीलयाञ्चकुः |
| | कीलयाञ्चकथै | कीलयाञ्चकथुः | कीलयाञ्चक |
| | कीलयाञ्चकार-चकर | कीलयाञ्चकृव | कीलयाञ्चकृम |
| | कीलयाम्बभूव । कीलयामास | | |
| आ० | कील्यात् | कील्यास्ताम् | कील्यासुः |
| | कील्याः | कील्यास्तम् | कील्यास्त |
| | कील्यासम् | कील्यास्व | कील्यास्म |
| ध० | कीलयिता | कीलयितारौ | कीलयितारः |
| | कीलयितासि | कीलयितास्थः | कीलयितास्थ |
| | कीलयितासिम् | कीलयितास्व | कीलयितास्मः |
| भ० | कीलयिष्यति | कीलयिष्यतः | कीलयिष्यन्ति |
| | कीलयिष्यसि | कीलयिष्यथः | कीलयिष्यथ |
| | कीलयिष्यामि | कीलयिष्यावः | कीलयिष्यामः |
| क्रि० | अकीलयिष्यत् | अकीलयिष्यताम् | अकीलयिष्यन् |
| | अकीलयिष्यः | अकीलयिष्यतम् | अकीलयिष्यत |
| | अकीलयिष्यम् | अकीलयिष्याव | अकीलयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | कीलयते | कीलयेते | कीलयन्ते |
| | कीलयसे | कीलयेथे | कीलयध्वे |
| | कीलये | कीलयावहे | कीलयामहे |
| स० | कीलयेत | कीलयेयाताम् | कीलयेरन् |
| | कीलयेथाः | कीलयेयाथाम् | कीलयेष्वम |
| | कीलयेय | कीलयेवहि | कीलयेमहि |
| प० | कीलयताम् | कीलयेताम् | कीलयन्ताम् |
| | कीलयस्व | कीलयेथाम् | कीलयध्वम |
| | कीलये | कीलयावहै | कीलयामहै |
| ह्य० | अकीलयत | अकीलयेताम् | अकीलयन्त |
| | अकीलयथाः | अकीलयेथाम् | अकीलयध्वम् |
| | अकीलये | अकीलयावहि | अकीलयामहि |
| अ० | अचीकिलत् | अचीकिलेताम् | अचीकिलन्त |
| | अचीकिलथाः | अचीकिलेथाम् | अचीकिलध्वम् |
| | अचीकिले | अचीकिलावहि | अचीकिलामहि |
| प० | कीलयाञ्चके | कीलयाञ्चकते | कीलयाञ्चकिरे |
| | कीलयाञ्चकृषे | कीलयाञ्चकृषे | कीलयाञ्चकृद्वे |
| | कीलयाञ्चके | कीलयाञ्चकृवहे | कीलयाञ्चकृमहे |
| | कीलयाम्बभूव । कीलयामास | | |
| आ० | कीलयिषीष्ट | कीलयिषीयास्ताम् | कीलयिषीरन् |
| | कीलयिषीष्टाः | कीलयिषीयास्थाम् | कीलयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | कीलयिषीय | कीलयिषीवहि | कीलयिषीमहि |
| ध० | कीलयिता | कीलयितारौ | कीलयितारः |
| | कीलयितासे | कीलयितासाथे | कीलयिताध्वे |
| | कीलयिताहे | कीलयितास्वहे | कीलयितास्महे |
| भ० | कीलयिष्यते | कीलयिष्येते | कीलयिष्यन्ते |
| | कीलयिष्यसे | कीलयिष्येथे | कीलयिष्यध्वे |
| | कीलयिष्ये | कीलयिष्यावहे | कीलयिष्यामहे |
| क्रि० | अकीलयिष्यत् | अकीलयिष्येताम् | अकीलयिष्यन्त |
| | अकीलयिष्यथाः | अकीलयिष्येथाम् | अकीलयिष्यध्वम् |
| | अकीलयिष्ये | अकीलयिष्यावहि | अकीलयिष्यामहि |

423 कूल (कूल्) आवरणे ।

| | | |
|------------------------|----------------|---------------|
| ब० कूलयति | कूलयतः | कूलयन्ति |
| कूलयसि | कूलयथः | कूलयथ |
| कूलयामि | कूलयावः | कूलयामः |
| स० कूलयेत् | कूलयेताम् | कूलयेयुः |
| कूलयेः | कूलयेतम् | कूलयेत |
| कूलयेयम् | कूलयेव | कूलयेम |
| प० कूलयतु | कूलयतात् | कूलयताम् |
| कूलय | कूलयतात् | कूलयतम् |
| कूलयानि | कूलयाव | कूलयाम |
| ह्य० अकूलयत् | अकूलयताम् | अकूलयन् |
| अकूलयः | अकूलयतम् | अकूलयत |
| अकूलयम् | अकूलयाव | अकूलयाम |
| अ० अचूकूलत् | अचूकूलताम् | अचूकूलन् |
| अचूकूलः | अचूकूलतम् | अचूकूलत |
| अचूकूलम् | अचूकूलाव | अचूकूलाम |
| प० कूलयाञ्चकार | कूलयाञ्चक्रतुः | कूलयाञ्चक्रुः |
| कूलयाञ्चकर्तुं | कूलयाञ्चक्रथुः | कूलयाञ्चक्र |
| कूलयाञ्चकार-चकर | कूलयाञ्चक्रव | कूलयाञ्चक्रम |
| कूलयाम्बभूव । कूलयामास | | |
| आ० कूल्यात् | कूल्यास्ताम् | कूल्यासुः |
| कूल्याः | कूल्यास्तम् | कूल्यास्त |
| कूल्यासम् | कूल्यास्व | कूल्यासम |
| थ० कूलयिता | कूलयितारौ | कूलयितारः |
| कूलयितासि | कूलयितास्थः | कूलयितास्थ |
| कूलयितास्मि | कूलयितास्वः | कूलयितास्मः |
| भ० कूलयिष्यति | कूलयिष्यतः | कूलयिष्यन्ति |
| कूलयिष्यसि | कूलयिष्यथः | कूलयिष्यथ |
| कूलयिष्यामि | कूलयिष्यावः | कूलयिष्यामः |
| क्रि० अकूलयिष्यत् | अकूलयिष्यताम् | अकूलयिष्यन् |
| अकूलयिष्यः | अकूलयिष्यतम् | अकूलयिष्यत |
| अकूलयिष्यम् | अकूलयिष्याव | अकूलयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|-----------------|
| ब० कूलयते | कूलयते | कूलयन्ते |
| कूलयसे | कूलयथे | कूलयथ्वे |
| कूलये | कूलयावहे | कूलयामहे |
| स० कूलयेत | कूलयेताम् | कूलयेरन् |
| कूलयेथाः | कूलयेथायाम् | कूलयेष्वम् |
| कूलयेथ | कूलयेवहि | कूलयेमहि |
| प० कूलयताम् | कूलयेताम् | कूलयन्ताम् |
| कूलयस्व | कूलयेथाम् | कूलयथ्वम् |
| कूलये | कूलयावहे | कूलयामहे |
| ह्य० अकूलयत | अकूलयताम् | अकूलयन्त |
| अकूलयथाः | अकूलयेथाम् | अकूलयेष्वम् |
| अकूलये | अकूलयावहि | अकूलयामहि |
| अ० अचूकूलत् | अचूकूलताम् | अचूकूलन्त |
| अचूकूलथाः | अचूकूलेथाम् | अचूकूलेष्वम् |
| अचूकूले | अचूकूलावहि | अचूकूलामहि |
| प० कूलयाञ्चके | कूलयाञ्चकाते | कूलयाञ्चकिरं |
| कूलयाञ्चकृषे | कूलयाञ्चक्राथे | कूलयाञ्चक्रद्वे |
| कूलयाञ्चके | कूलयाञ्चक्रवहे | कूलयाञ्चक्रवहे |
| कूलयाम्बभूव । कूलयामास | | |
| आ० कूलयिषीष्ट | कूलयिषीयास्ताम् | कूलयिषीरन् |
| कूलयिषीष्टाः | कूलयिषीयास्थाम् | कूलयिषीद्वम् |
| थ्वम् | | |
| कूलयिषीय | कूलयिषीवहि | कूलयिषीमहि |
| थ्व० कूलयिता | कूलयितारौ | कूलयितारः |
| कूलयितासे | कूलयितासथे | कूलयिताथ्वे |
| कूलयिताहे | कूलयितास्वहे | कूलयितास्महे |
| भ० कूलयिष्यते | कूलयिष्येते | कूलयिष्यन्ते |
| कूलयिष्यसे | कूलयिष्येथे | कूलयिष्यथ्वे |
| कूलयिष्ये | कूलयिष्यावहे | कूलयिष्यामहे |
| क्रि० अकूलयिष्यत् | अकूलयिष्येताम् | अकूलयिष्यन्त |
| अकूलयिष्यथाः | अकूलयिष्येथाम् | अकूलयिष्येष्वम् |
| अकूलयिष्ये | अकूलयिष्यवहि | अकूलयिष्यामहि |

424 शल (शल्) रुजायाम् ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|--------------|
| ब० | शलयति | शलयतः | शलयन्ति |
| | शलयसि | शलयथः | शलयथ |
| | शलयामि | शलयावः | शलयामः |
| स० | शलयेत् | शलयेताम् | शलयेयुः |
| | शलयेः | शलयेतम् | शलयेत |
| | शलयेयम् | शलयेव | शलयेम |
| प० | शलयतु | शलयतात् | शलयताम् |
| | शलय | शलयतात् | शलयतम् |
| | शलयानि | शलयाव | शलयाम |
| ह्य० | अशलयत् | अशलयताम् | अशलयन् |
| | अशलयः | अशलयतम् | अशलयत |
| | अशलयम् | अशलयाव | अशलयाम |
| अ० | अशलुत् | अशलुताम् | अशलुन् |
| | अशलुलः | अशलुलम् | अशलुलत |
| | अशलुलम् | अशलुलाव | अशलुलाम |
| प० | शलयाश्चकार | शलयाश्चक्रुः | शलयाश्चकुः |
| | शलयाश्चकर्णं | शलयाश्चक्रुः | शलयाश्चक्रुः |
| | शलयाश्चकार-चकर | शलयाश्चक्रव | शलयाश्चक्रुम |
| | शलयाश्चभूव | शलयामास | |
| आ० | शल्यात् | शल्यास्ताम् | शल्यासुः |
| | शल्याः | शल्यास्तम् | शल्यास्त |
| | शल्यासम् | शल्यास्व | शल्यासम |
| श्व० | शलयिता | शलयितारौ | शलयितारः |
| | शलयितासि | शलयितास्थः | शलयितास्थ |
| | शलयितास्मि | शलयितास्वः | शलयितास्मः |
| भ० | शलयिष्यति | शलयिष्यतः | शलयिष्यन्ति |
| | शलयिष्यसि | शलयिष्यथः | शलयिष्यथ |
| | शलयिष्यामि | शलयिष्यावः | शलयिष्यामः |
| क्रि० | अशलयिष्यत् | अशलयिष्यताम् | अशलयिष्यन् |
| | अशलयिष्यः | अशलयिष्यतम् | अशलयिष्यत |
| | अशलयिष्यम् | अशलयिष्याव | अशलयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|----------------|----------------|
| ब० | शलयेते | शलयेते | शलयन्ते |
| | शलयेसे | शलयेथे | शलयेध्वे |
| | शलये | शलयावहे | शलयामहे |
| स० | शलयेत | शलयेयाताम् | शलयेरन् |
| | शलयेथाः | शलयेयाथाम् | शलयेध्वम् |
| | शलयेय | शलयेवहि | शलयेमहि |
| प० | शलयताम् | शलयेताम् | शलयन्ताम् |
| | शलयस्व | शलयेथाम् | शलयेध्वम् |
| | शलये | शलयावहे | शलयामहे |
| ह्य० | अशलयत | अशलयेताम् | अशलयन्त |
| | अशलयथाः | अशलयेथाम् | अशलयेध्वम् |
| | अशलये | अशलयावहि | अशलयामहि |
| अ० | अशलुलत | अशलुलेताम् | अशलुलन्त |
| | अशलुलथाः | अशलुलेथाम् | अशलुलेध्वम् |
| | अशलुले | अशलुलावहि | अशलुलामहि |
| प० | शलयाश्चक्रे | शलयाश्चक्राते | शलयाश्चक्रिरे |
| | शलयाश्चक्रेषु | शलयाश्चक्रथे | शलयाश्चकृद्वे |
| | शलयाश्चक्रे | शलयाश्चक्रवहे | शलयाश्चक्रुमहे |
| | शलयाश्चभूव | शलयामास | |
| आ० | शलयिषीष्ट | शलयिषीयास्ताम् | शलयिषीरन् |
| | शलयिषीष्टाः | शलयिषीयास्थाम् | शलयिषीध्वम् |
| | शलयिषीय | शलयिषीवहि | शलयिषीमहि |
| श्व० | शलयिता | शलयितारौ | शलयितारः |
| | शलयितासे | शलयितासथे | शलयिताध्वे |
| | शलयिताहे | शलयितास्वहे | शलयितास्महे |
| भ० | शलयिष्यते | शलयिष्येते | शलयिष्यन्ते |
| | शलयिष्यसे | शलयिष्येथे | शलयिष्यध्वे |
| | शलयिष्ये | शलयिष्यावहे | शलयिष्यामहे |
| क्रि० | अशलयिष्यत | अशलयिष्येताम् | अशलयिष्यन्त |
| | अशलयिष्यथाः | अशलयिष्येथाम् | अशलयिष्यध्वम् |
| | अशलयिष्ये | अशलयिष्यावहि | अशलयिष्यामहि |

425 तूल (तूल) निष्कर्षे ।

| | | | |
|-------|----------------|---------------|--------------|
| ब० | तूलयति | तूलयतः | तूलयन्ति |
| | तूलयसि | तूलयथः | तूलयथ |
| | तूलयामि | तूलयावः | तूलयामः |
| स० | तूलयेत् | तूलयेताम् | तूलयेयुः |
| | तूलयेः | तूलयेतम् | तूलयेत |
| | तूलयेयम् | तूलयेव | तूलयेम |
| प० | तूलयतु | तूलयतात् | तूलयताम् |
| | तूलय | तूलयतात् | तूलयतम् |
| | तूलयानि | तूलयाव | तूलयाम |
| ह्य० | अतूलयत् | अतूलयताम् | अतूलयन् |
| | अतूलयः | अतूलयतम् | अतूलयत |
| | अतूलयम् | अतूलयाव | अतूलयाम |
| अ० | अतुलत् | अतुलताम् | अतुलन् |
| | अतुलः | अतुलतम् | अतुलत |
| | अतुलम् | अतुलाव | अतुलाम |
| प० | तूलाश्चकार | तूलाश्चकतुः | तूलाश्चकुः |
| | तूलाश्चकर्थ | तूलाश्चकथुः | तूलाश्चक |
| | तूलाश्चकार-चकर | तूलाश्चकृव | तूलाश्चकृम |
| | तूलाश्चभूव | तूलाश्चभूव | तूलाश्चभूव |
| आ० | तूलात् | तूलास्ताम् | तूलाष्टः |
| | तूलाः | तूलास्तम् | तूलास्त |
| | तूलासम् | तूलास्व | तूलास्म |
| अ० | तूलयिता | तूलयितारौ | तूलयितारः |
| | तूलयितासि | तूलयितास्थः | तूलयितास्थ |
| | तूलयितास्मि | तूलयितास्वः | तूलयितास्मः |
| भ० | तूलयिष्यति | तूलयिष्यतः | तूलयिष्यन्ति |
| | तूलयिष्यसि | तूलयिष्यथः | तूलयिष्यथ |
| | तूलयिष्यामि | तूलयिष्यावः | तूलयिष्यामः |
| क्रि० | अतूलयिष्यत् | अतूलयिष्यताम् | अतूलयिष्यन् |
| | अतूलयिष्यः | अतूलयिष्यतम् | अतूलयिष्यत |
| | अतूलयिष्यम् | अतूलयिष्याव | अतूलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|------------------|
| ब० | तूलयेते | तूलयेते | तूलयन्ते |
| | तूलयसे | तूलयेथे | तूलयन्वे |
| | तूलये | तूलयावहे | तूलयामहे |
| स० | तूलयेत | तूलयेताताम् | तूलयेरन् |
| | तूलयेथाः | तूलयेथाताम् | तूलयेष्वम् |
| | तूलयेथ | तूलयेवहि | तूलयेमहि |
| प० | तूलयताम् | तूलयेताम् | तूलयन्ताम् |
| | तूलयस्व | तूलयेथाम् | तूलयन्ध्वम् |
| | तूलयै | तूलयावहे | तूलयामहे |
| ह्य० | अतूलयत | अतूलयेताम् | अतूलयन्त |
| | अतूलयथाः | अतूलयेथाम् | अतूलयन्ध्वम् |
| | अतूलये | अतूलयावहि | अतूलयामहि |
| अ० | अतुलत् | अतुलेताम् | अतुलन्त |
| | अतुलथाः | अतुलेथाम् | अतुलन्ध्वम् |
| | अतुले | अतुलावहि | अतुलामहि |
| प० | तूलाश्चके | तूलाश्चकते | तूलाश्चकिरे |
| | तूलाश्चकृषे | तूलाश्चकृथे | तूलाश्चकृव |
| | तूलाश्चके | तूलाश्चकृवहे | तूलाश्चकृवहे |
| | तूलाश्चभूष | तूलाश्चभूष | तूलाश्चभूष |
| आ० | तूलयिषीष्ट | तूलयिषीयास्ताम् | तूलयिषीरन् |
| | तूलयिषीष्टाः | तूलयिषीयास्ताम् | तूलयिषीव्वम् |
| | तूलयिषीय | तूलयिषीवहि | तूलयिषीमहि |
| अ० | तूलयिता | तूलयितारौ | तूलयितारः |
| | तूलयितासे | तूलयितासाथे | तूलयितास्वे |
| | तूलयिताहे | तूलयितास्वहे | तूलयितास्महे |
| भ० | तूलयिष्यते | तूलयिष्येते | तूलयिष्यन्ते |
| | तूलयिष्यसे | तूलयिष्येथे | तूलयिष्यन्वे |
| | तूलयिष्ये | तूलयिष्यावहे | तूलयिष्यामहे |
| क्रि० | अतूलयिष्यत | अतूलयिष्येताम् | अतूलयिष्यन्त |
| | अतूलयिष्यथाः | अतूलयिष्येथाम् | अतूलयिष्यन्ध्वम् |
| | अतूलयिष्ये | अतूलयिष्यावहि | अतूलयिष्यामहि |

426 पूल (पूल्) सङ्घाते ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | पूलयति | पूलयतः | पूलयन्ति |
| | पूलयसि | पूलयथः | पूलयथ |
| | पूलयामि | पूलायवः | पूलायामः |
| स० | पूलयेत् | पूलयेताम् | पूलयेयुः |
| | पूलयेः | पूलयेतम् | पूलयेत |
| | पूलयेयम् | पूलयेव | पूलयेम |
| प० | पूलयतु | पूलयतात् | पूलयताम् |
| | पूलय | पूलयतात् | पूलयतम् |
| | पूलायनि | पूलायव | पूलायाम |
| ह्य० | अपूलयत् | अपूलयताम् | अपूलयन् |
| | अपूलयः | अपूलयतम् | अपूलयत |
| | अपूलयम् | अपूलायव | अपूलायाम |
| अ० | अपूपुलत् | अपूपुलताम् | अपूपुलन् |
| | अपूपुलः | अपूपुलतम् | अपूपुलत |
| | अपूपुलम् | अपूपुलाव | अपूपुलायाम |
| प० | पूलायश्चकार | पूलायश्चक्रुः | पूलायश्चकुः |
| | पूलायश्चकथे | पूलायश्चकथुः | पूलायश्चक |
| | पूलायश्चकार-चकर | पूलायश्चकृव | पूलायश्चकृम |
| | पूलायाम्बभूव | पूलायामास | |
| आ० | पूल्यात् | पूल्यास्ताम् | पूल्यासुः |
| | पूल्याः | पूल्यास्तम् | पूल्यास्त |
| | पूल्यासम् | पूल्यास्व | पूल्यास्म |
| श्व० | पूलयिता | पूलयितारौ | पूलयितारः |
| | पूलयितासि | पूलयितास्थः | पूलयितास्थ |
| | पूलयितास्मि | पूलयितास्वः | पूलयितास्मः |
| भ० | पूलयिष्यति | पूलयिष्यतः | पूलयिष्यन्ति |
| | पूलयिष्यसि | पूलयिष्यथः | पूलयिष्यथ |
| | पूलयिष्यामि | पूलयिष्यावः | पूलयिष्यामः |
| क्रि० | अपूलयिष्यत् | अपूलयिष्यताम् | अपूलयिष्यन् |
| | अपूलयिष्यः | अपूलयिष्यतम् | अपूलयिष्यत |
| | अपूलयिष्यम् | अपूलयिष्याव | अपूलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | पूलयेते | पूलयेते | पूलयन्ते |
| | पूलयसे | पूलयेथे | पूलयध्वे |
| | पूलये | पूलायवहे | पूलायामहे |
| स० | पूलयेत | पूलयेयाताम् | पूलयेरन् |
| | पूलयेथाः | पूलयेयाथाम् | पूलयेध्वम् |
| | पूलयेय | पूलयेवहि | पूलयेमहि |
| प० | पूलयताम् | पूलयेताम् | पूलयन्ताम् |
| | पूलयस्व | पूलयेथाम् | पूलयध्वम् |
| | पूलये | पूलायवहे | पूलायामहे |
| ह्य० | अपूलयत | अपूलयेताम् | अपूलयन्त |
| | अपूलयथाः | अपूलयेथाम् | अपूलयध्वम् |
| | अपूलये | अपूलायवहि | अपूलायामहि |
| अ० | अपूपुलत | अपूपुलेताम् | अपूपुलन्त |
| | अपूपुलथाः | अपूपुलेथाम् | अपूपुलध्वम् |
| | अपूपुले | अपूपुलावहि | अपूपुलायामहि |
| प० | पूलायश्चके | पूलायश्चकते | पूलायश्चकिरे |
| | पूलायश्चकृषे | पूलायश्चकृथे | पूलायश्चकृद्वे |
| | पूलायश्चके | पूलायश्चकृवहे | पूलायश्चकृवहे |
| | पूलायाम्बभूव | पूलायामास | |
| आ० | पूलयिषीष्ट | पूलयिषीयास्ताम् | पूलयिषीरन् |
| | पूलयिषीष्ठाः | पूलयिषीयास्थाम् | पूलयिषीध्वम् |
| | पूलयिषीथ | पूलयिषीवहि | पूलयिषीमहि |
| श्व० | पूलयिता | पूलयितारौ | पूलयितारः |
| | पूलयितासे | पूलयितासाथे | पूलयिताध्वे |
| | पूलयिताहे | पूलयितास्वहे | पूलयितास्महे |
| भ० | पूलयिष्यते | पूलयिष्येते | पूलयिष्यन्ते |
| | पूलयिष्यसे | पूलयिष्येथे | पूलयिष्यध्वे |
| | पूलयिष्ये | पूलयिष्यावहे | पूलयिष्यामहे |
| क्रि० | अपूलयिष्यत | अपूलयिष्येताम् | अपूलयिष्यन्त |
| | अपूलयिष्यथाः | अपूलयिष्येथाम् | अपूलयिष्यध्वम् |
| | अपूलयिष्ये | अपूलयिष्यावहि | अपूलयिष्यामहि |

427 मूल (मूल) प्रतिष्ठायाम् ।

| | | | |
|-------|--------------------------|----------------|----------------|
| व० | मूलयति | मूलयतः | मूलयन्ति |
| | मूलयसि | मूलयथः | मूलयथ |
| | मूलयामि | मूलयावः | मूलयामः |
| स० | मूलयेत् | मूलयेताम् | मूलयेयुः |
| | मूलयेः | मूलयेतम् | मूलयेत |
| | मूलयेयम् | मूलयेव | मूलयेम |
| प० | मूलयतु | मूलयतात् | मूलयताम् |
| | मूलय | मूलयतात् | मूलयतम् |
| | मूलयानि | मूलयाव | मूलयाम |
| ह्य० | अमूलयत् | अमूलयताम् | अमूलयन् |
| | अमूलयः | अमूलयतम् | अमूलयत |
| | अमूलयम् | अमूलयाव | अमूलयाम |
| भ० | अमूलयत् | अमूलयताम् | अमूलयन् |
| | अमूलयः | अमूलयतम् | अमूलयत |
| | अमूलयम् | अमूलयाव | अमूलयाम |
| प० | मूल्याश्चकार | मूल्याश्चक्रुः | मूल्याश्चकुः |
| | मूल्याश्चकर्त्तुं | मूल्याश्चक्रुः | मूल्याश्चक |
| | मूल्याश्चकार-चकार | मूल्याश्चक्रुव | मूल्याश्चक्रुम |
| | मूल्याम्बभूव । मूल्यामास | | |
| आ० | मूल्यात् | मूल्यास्ताम् | मूल्यासुः |
| | मूल्याः | मूल्यास्तम् | मूल्यास्त |
| | मूल्यासम् | मूल्यास्व | मूल्यास्म |
| श्च० | मूलयिता | मूलयितारौ | मूलयितारः |
| | मूलयितासि | मूलयितास्थः | मूलयितास्थ |
| | मूलयितास्मि | मूलयितास्वः | मूलयितास्मः |
| भ० | मूलयिष्यति | मूलयिष्यतः | मूलयिष्यन्ति |
| | मूलयिष्यसि | मूलयिष्यथः | मूलयिष्यथ |
| | मूलयिष्यामि | मूलयिष्यावः | मूलयिष्यामः |
| क्रि० | अमूलयिष्यत् | अमूलयिष्यताम् | अमूलयिष्यन् |
| | अमूलयिष्यः | अमूलयिष्यतम् | अमूलयिष्यत |
| | अमूलयिष्यम् | अमूलयिष्याव | अमूलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------------------|-----------------|-----------------|
| व० | मूलयते | मूलयेते | मूलयन्ते |
| | मूलयसे | मूलयेथे | मूलयध्वे |
| | मूलये | मूलयावहे | मूलयामहे |
| स० | मूलयेत् | मूलयेयाताम् | मूलयेरन् |
| | मूलयेथाः | मूलयेयाथाम् | मूलयेध्वम् |
| | मूलयेय | मूलयेवहि | मूलयेमहि |
| प० | मूलयताम् | मूलयेताम् | मूलयन्ताम् |
| | मूलयस्व | मूलयेथाम् | मूलयध्वम् |
| | मूलये | मूलयावहे | मूलयामहे |
| ह्य० | अमूलयत | अमूलयेताम् | अमूलयन्त |
| | अमूलयथाः | अमूलयेथाम् | अमूलयध्वम् |
| | अमूलये | अमूलयावहि | अमूलयामहि |
| अ० | अमूलयत् | अमूलयेताम् | अमूलयन्त |
| | अमूलयथाः | अमूलयेथाम् | अमूलयध्वम् |
| | अमूलये | अमूलयावहि | अमूलयामहि |
| प० | मूल्याश्चके | मूल्याश्चक्राते | मूल्याश्चक्रिरे |
| | मूल्याश्चकृषे | मूल्याश्चक्रथे | मूल्याश्चकृद्वे |
| | मूल्याश्चके | मूल्याश्चकृवहे | मूल्याश्चकृमहे |
| | मूल्याम्बभूव । मूल्यामास | | |
| आ० | मूलयिषीष्ट | मूलयिषीयास्ताम् | मूलयिषीरन् |
| | मूलयिषीष्टाः | मूलयिषीयास्थाम् | मूलयिषीध्वम् |
| | मूलयिषीय | मूलयिषीवहि | मूलयिषीमहि |
| श्च० | मूलयिता | मूलयितारौ | मूलयितारः |
| | मूलयितासे | मूलयितासाथे | मूलयिताध्वे |
| | मूलयिताहे | मूलयितास्वहे | मूलयितास्महे |
| भ० | मूलयिष्यते | मूलयिष्येते | मूलयिष्यन्ते |
| | मूलयिष्यसे | मूलयिष्येथे | मूलयिष्यध्वे |
| | मूलयिष्ये | मूलयिष्यावहे | मूलयिष्यामहे |
| क्रि० | अमूलयिष्यत् | अमूलयिष्येताम् | अमूलयिष्यन्त |
| | अमूलयिष्यथाः | अमूलयिष्येथाम् | अमूलयिष्यध्वम् |
| | अमूलयिष्ये | अमूलयिष्यावहि | अमूलयिष्यामहि |

429 फुल्ल (फुल्) विकसने ।

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------------|
| ब० फुल्लयति | फुल्लयतः | फुल्लयान्त |
| फुल्लयसि | फुल्लयथः | फुल्लयथ |
| फुल्लयामि | फुल्लयावः | फुल्लयामः |
| स० फुल्लयेत् | फुल्लयेताम् | फुल्लयेयुः |
| फुल्लयेः | फुल्लयेतम् | फुल्लयेत |
| फुल्लयेयम् | फुल्लयेव | फुल्लयेम |
| प० फुल्लयतु | फुल्लयतात् | फुल्लयताम् फुल्लयन्तु |
| फुल्लय | फुल्लयतम् | फुल्लयत |
| फुल्लयानि | फुल्लयाव | फुल्लयाम |
| ह्य० अफुल्लयत् | अफुल्लयताम् | अफुल्लयन् |
| अफुल्लयः | अफुल्लयतम् | अफुल्लयत |
| अफुल्लयम् | अफुल्लयाव | अफुल्लयाम |
| भ० अपुफुल्लत् | अपुफुल्लताम् | अपुफुल्लन् |
| अपुफुल्लः | अपुफुल्लतम् | अपुफुल्लत |
| अपुफुल्लम् | अपुफुल्लाव | अपुफुल्लाम |
| प० फुल्लयाञ्चकार | फुल्लयाञ्चकतुः | फुल्लयाञ्चकः |
| फुल्लयाञ्चकथं | फुल्लयाञ्चकथुः | फुल्लयाञ्चक |
| फुल्लयाञ्चकार-चकर | फुल्लयाञ्चकृव | फुल्लयाञ्चकृम |
| फुल्लयाम्बभूव । | फुल्लयामास | |
| भा० फुल्लयात् | फुल्लयास्ताम् | फुल्लयासुः |
| फुल्लयाः | फुल्लयास्तम् | फुल्लयास्त |
| फुल्लयासम् | फुल्लयास्व | फुल्लयासम |
| श्व० फुल्लयिता | फुल्लयितारौ | फुल्लयितारः |
| फुल्लयितासि | फुल्लयितास्थः | फुल्लयितास्थ |
| फुल्लयितास्मि | फुल्लयितास्वः | फुल्लयितास्मः |
| भ० फुल्लयिष्यति | फुल्लयिष्यतः | फुल्लयिष्यन्ति |
| फुल्लयिष्यसि | फुल्लयिष्यथः | फुल्लयिष्यथ |
| फुल्लयिष्यामि | फुल्लयिष्याद् | फुल्लयिष्यामः |
| क्रि० अफुल्लयिष्यत् | अफुल्लयिष्यताम् | अफुल्लयिष्यन् |
| अफुल्लयिष्यः | अफुल्लयिष्यतम् | अफुल्लयिष्यत |
| अफुल्लयिष्यम् | अफुल्लयिष्याव | अफुल्लयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० फुल्लयेते | फुल्लयेते | फुल्लयन्ते |
| फुल्लयेसे | फुल्लयेथे | फुल्लयध्वे |
| फुल्लये | फुल्लयावहे | फुल्लयामहे |
| स० फुल्लयेत | फुल्लयेयाताम् | फुल्लयेरन् |
| फुल्लयेथाः | फुल्लयेयाथाम् | फुल्लयेष्वम् |
| फुल्लयेय | फुल्लयेवहि | फुल्लयेमहि |
| प० फुल्लयताम् | फुल्लयेताम् | फुल्लयन्ताम् |
| फुल्लयस्व | फुल्लयेथाम् | फुल्लयध्वम् |
| फुल्लयै | फुल्लयावहै | फुल्लयामहै |
| ह्य० अफुल्लयत | अफुल्लयेताम् | अफुल्लयन्त |
| अफुल्लयथाः | अफुल्लयेथाम् | अफुल्लयध्वम् |
| अफुल्लये | अफुल्लयावहि | अफुल्लयामहि |
| अ० अपुफुल्लत | अपुफुल्लेताम् | अपुफुल्लन्त |
| अपुफुल्लथाः | अपुफुल्लेथाम् | अपुफुल्लध्वम् |
| अपुफुल्ले | अपुफुल्लावहि | अपुफुल्लामहि |
| प० फुल्लयाञ्चके | फुल्लयाञ्चकाते | फुल्लयाञ्चकिरे |
| फुल्लयाञ्चकृषे | फुल्लयाञ्चकाथे | फुल्लयाञ्चकृद्वे |
| फुल्लयाञ्चके | फुल्लयाञ्चकृवहे | फुल्लयाञ्चकृमहे |
| फुल्लयाम्बभूव । | फुल्लयामास | |
| आ० फुल्लयिषीष्ट | फुल्लयिषीयास्ताम् | फुल्लयिषीरन् |
| फुल्लयिषीष्ठाः | फुल्लयिषीयास्थाम् | फुल्लयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| फुल्लयिषीय | फुल्लयिषीवहि | फुल्लयिषीमहि |
| श्व० फुल्लयिता | फुल्लयितारौ | फुल्लयितारः |
| फुल्लयितासे | फुल्लयितासाथे | फुल्लयितास्वे |
| फुल्लयिताहे | फुल्लयितास्वहे | फुल्लयितास्महे |
| भ० फुल्लयिष्यते | फुल्लयिष्येते | फुल्लयिष्यन्ते |
| फुल्लयिष्यसे | फुल्लयिष्येथे | फुल्लयिष्यध्वे |
| फुल्लयिष्ये | फुल्लयिष्यावहे | फुल्लयिष्यामहे |
| क्रि० अफुल्लयिष्यत | अफुल्लयिष्येताम् | अफुल्लयिष्यन्त |
| अफुल्लयिष्यथाः | अफुल्लयिष्येथाम् | अफुल्लयिष्यध्वम् |
| अफुल्लयिष्ये | अफुल्लयिष्यावहि | अफुल्लयिष्यामहि |

430 चुल्ल (चुल्) हावकरणे ।

| | | |
|----------------------------|-----------------|-----------------------|
| ब० चुल्लयति | चुल्लयतः | चुल्लयन्ति |
| चुल्लयसि | चुल्लयथः | चुल्लयथ |
| चुल्लयामि | चुल्लयावः | चुल्लयामः |
| स० चुल्लयेत् | चुल्लयेताम् | चुल्लयेयुः |
| चुल्लयेः | चुल्लयेतम् | चुल्लयेत |
| चुल्लयेयम् | चुल्लयेव | चुल्लयेम |
| प० चुल्लयतु | चुल्लयतात् | चुल्लयताम् चुल्लयन्तु |
| चुल्लय | चुल्लयतम् | चुल्लयत |
| चुल्लयानि | चुल्लयाव | चुल्लयाम |
| ह्य० अचुल्लयत् | अचुल्लयताम् | अचुल्लयन् |
| अचुल्लयः | अचुल्लयतम् | अचुल्लयत |
| अचुल्लयम् | अचुल्लयाव | अचुल्लयाम |
| अ० अचुल्लत् | अचुल्लताम् | अचुल्लन् |
| अचुल्लः | अचुल्लतम् | अचुल्लत |
| अचुल्लम् | अचुल्लाव | अचुल्लाम |
| प० चुल्लयाश्चकार | चुल्लयाश्चक्रुः | चुल्लयाश्चकुः |
| चुल्लयाश्चकथं | चुल्लयाश्चकथुः | चुल्लयाश्चक |
| चुल्लयाश्चकार-चकर | चुल्लयाश्चकृव | चुल्लयाश्चकृम |
| चुल्लयाम्बभूव । चुल्लयामास | | |
| भा० चुल्ल्यात् | चुल्ल्यास्ताम् | चुल्ल्यासुः |
| चुल्ल्याः | चुल्ल्यास्तम् | चुल्ल्यास्त |
| चुल्ल्यासम् | चुल्ल्यास्व | चुल्ल्यास्म |
| भ० चुल्लयिता | चुल्लयितारौ | चुल्लयितारः |
| चुल्लयितासि | चुल्लयितास्थः | चुल्लयितास्थ |
| चुल्लयितास्मि | चुल्लयितास्वः | चुल्लयितास्मः |
| भ० चुल्लयिष्यति | चुल्लयिष्यतः | चुल्लयिष्यन्ति |
| चुल्लयिष्यसि | चुल्लयिष्यथः | चुल्लयिष्यथ |
| चुल्लयिष्यामि | चुल्लयिष्यावः | चुल्लयिष्यामः |
| क्रि० अचुल्लयिष्यत् | अचुल्लयिष्यताम् | अचुल्लयिष्यन् |
| अचुल्लयिष्यः | अचुल्लयिष्यतम् | अचुल्लयिष्यत |
| अचुल्लयिष्यम् | अचुल्लयिष्याव | अचुल्लयिष्याम |

| | | |
|----------------------------|-------------------|------------------|
| ब० चुल्लयेते | चुल्लयेते | चुल्लयन्ते |
| चुल्लयेसे | चुल्लयेथे | चुल्लयथ्वे |
| चुल्लये | चुल्लयावहे | चुल्लयामहे |
| स० चुल्लयेत | चुल्लयेयाताम् | चुल्लयेरन् |
| चुल्लयेथाः | चुल्लयेयाथाम् | चुल्लयेष्वम् |
| चुल्लयेय | चुल्लयेवहि | चुल्लयेमहि |
| प० चुल्लयताम् | चुल्लयेताम् | चुल्लयन्ताम् |
| चुल्लयस्व | चुल्लयेथाम् | चुल्लयष्वम् |
| चुल्लये | चुल्लयावहे | चुल्लयामहे |
| ह्य० अचुल्लयत | अचुल्लयेताम् | अचुल्लयन्त |
| अचुल्लयथाः | अचुल्लयेथाम् | अचुल्लयष्वम् |
| अचुल्लये | अचुल्लयावहि | अचुल्लयामहि |
| अ० अचुल्लत् | अचुल्लेताम् | अचुल्लन्त |
| अचुल्लथाः | अचुल्लेथाम् | अचुल्लष्वम् |
| अचुल्ले | अचुल्लावहि | अचुल्लामहि |
| प० चुल्लयाश्चके | चुल्लयाश्चकाते | चुल्लयाश्चकिरे |
| चुल्लयाश्चकृषे | चुल्लयाश्चक्राये | चुल्लयाश्चकृद्वे |
| चुल्लयाश्चके | चुल्लयाश्चकृवहे | चुल्लयाश्चकृमहे |
| चुल्लयाम्बभूव । चुल्लयामास | | |
| भा० चुल्लयिषीष्ट | चुल्लयिषीयास्ताम् | चुल्लयिषीरन् |
| चुल्लयिषीष्ठाः | चुल्लयिषीयास्थाम् | चुल्लयिषीद्वम् |
| चुल्लयिषीय | चुल्लयिषीवहि | चुल्लयिषीमहि |
| भ० चुल्लयिता | चुल्लयितारौ | चुल्लयितारः |
| चुल्लयितासे | चुल्लयितासाथे | चुल्लयिताष्वे |
| चुल्लयिताहे | चुल्लयितास्वहे | चुल्लयितास्महे |
| भ० चुल्लयिष्यते | चुल्लयिष्येते | चुल्लयिष्यन्ते |
| चुल्लयिष्यसे | चुल्लयिष्येथे | चुल्लयिष्यथ्वे |
| चुल्लयिष्ये | चुल्लयिष्यावहे | चुल्लयिष्यामहे |
| क्रि० अचुल्लयिष्यत | अचुल्लयिष्येताम् | अचुल्लयिष्यन्त |
| अचुल्लयिष्यथाः | अचुल्लयिष्येथाम् | अचुल्लयिष्यष्वम् |
| अचुल्लयिष्ये | अचुल्लयिष्यावहि | अचुल्लयिष्यामहि |

43। चिल्ल (चिरल्) शैथिल्ये ।

| | | |
|----------------------------|-----------------|-----------------------|
| व० चिल्लयति | चिल्लयतः | चिल्लयन्ति |
| चिल्लयसि | चिल्लयथः | चिल्लयथ |
| चिल्लयामि | चिल्लयावः | चिल्लयामः |
| स० चिल्लयेत् | चिल्लयेताम् | चिल्लयेयुः |
| चिल्लयेः | चिल्लयेतम् | चिल्लयेत |
| चिल्लयेयम् | चिल्लयेव | चिल्लयेम |
| प० चिल्लयतु | चिल्लयतात् | चिल्लयताम् चिल्लयन्तु |
| चिल्लय | चिल्लयतम् | चिल्लयत |
| चिल्लयानि | चिल्लयाव | चिल्लयाम |
| ह्य० अचिल्लयत् | अचिल्लयताम् | अचिल्लयन् |
| अचिल्लयः | अचिल्लयतम् | अचिल्लयत |
| अचिल्लयम् | अचिल्लयाव | अचिल्लयाम |
| अ० अचिल्लत् | अचिल्लताम् | अचिल्लन् |
| अचिल्लः | अचिल्लतम् | अचिल्लत |
| अचिल्लम् | अचिल्लाव | अचिल्लाम |
| ष० चिल्लयाञ्चकार | चिल्लयाञ्चकतुः | चिल्लयाञ्चकुः |
| चिल्लयाञ्चकथं | चिल्लयाञ्चकथुः | चिल्लयाञ्चक |
| चिल्लयाञ्चकार-चकर | चिल्लयाञ्चकृव | चिल्लयाञ्चकृम |
| चिल्लयाम्बभूव । चिल्लयामास | | |
| आ० चिल्ल्यात् | चिल्ल्यास्ताम् | चिल्ल्यासुः |
| चिल्ल्याः | चिल्ल्यास्ताम् | चिल्ल्यास्त |
| चिल्ल्यासम् | चिल्ल्यास्व | चिल्ल्यास्म |
| झ० चिल्लयिता | चिल्लयितारौ | चिल्लयितारः |
| चिल्लयितासि | चिल्लयितास्थः | चिल्लयितास्थ |
| चिल्लयितास्मि | चिल्लयितास्वः | चिल्लयितास्मः |
| भ० चिल्लयिष्यति | चिल्लयिष्यतः | चिल्लयिष्यन्ति |
| चिल्लयिष्यसि | चिल्लयिष्यथः | चिल्लयिष्यथ |
| चिल्लयिष्यामि | चिल्लयिष्यावः | चिल्लयिष्यामः |
| क्रि० अचिल्लयिष्यत् | अचिल्लयिष्यताम् | अचिल्लयिष्यन् |
| अचिल्लयिष्यः | अचिल्लयिष्यतम् | अचिल्लयिष्यत |
| अचिल्लयिष्यम् | अचिल्लयिष्याव | अचिल्लयिष्याम |

| | | |
|----------------------------|-------------------|------------------|
| व० चिल्लयते | चिल्लयेते | चिल्लयन्ते |
| चिल्लयसे | चिल्लयेथे | चिल्लयध्वे |
| चिल्लये | चिल्लयावहे | चिल्लयामहे |
| स० चिल्लयेत् | चिल्लयेयाताम् | चिल्लयेरन् |
| चिल्लयेथाः | चिल्लयेयाथाम् | चिल्लयेध्वम् |
| चिल्लयेय | चिल्लयेवहि | चिल्लयेमहि |
| प० चिल्लयताम् | चिल्लयेताम् | चिल्लयन्ताम् |
| चिल्लयस्व | चिल्लयेथाम् | चिल्लयध्वम् |
| चिल्लये | चिल्लयावहे | चिल्लयामहे |
| ह्य० अचिल्लयत | अचिल्लयेताम् | अचिल्लयन्त |
| अचिल्लयथाः | अचिल्लयेथाम् | अचिल्लयध्वम् |
| अचिल्लये | अचिल्लयावहि | अचिल्लयामहि |
| अ० अचिल्लत् | अचिल्लेताम् | अचिल्लन्त |
| अचिल्लथाः | अचिल्लेथाम् | अचिल्लध्वम् |
| अचिल्ले | अचिल्लावहि | अचिल्लामहि |
| प० चिल्लयाञ्चके | चिल्लयाञ्चकते | चिल्लयाञ्चकिरे |
| चिल्लयाञ्चकृषे | चिल्लयाञ्चकृथे | चिल्लयाञ्चकृद्वे |
| चिल्लयाञ्चक | चिल्लयाञ्चकृवहे | चिल्लयाञ्चकृमहे |
| चिल्लयाम्बभूव । चिल्लयामास | | |
| आ० चिल्लयिषीष्ट | चिल्लयिषीयास्ताम् | चिल्लयिषीरन् |
| चिल्लयिषीष्टाः | चिल्लयिषीयास्थाम् | चिल्लयिषीध्वम् |
| चिल्लयिषीय | चिल्लयिषीवहि | चिल्लयिषीमहि |
| झ० चिल्लयिता | चिल्लयितारौ | चिल्लयितारः |
| चिल्लयितासे | चिल्लयितासाथे | चिल्लयिताध्वे |
| चिल्लयिताहे | चिल्लयितास्वहे | चिल्लयितास्महे |
| भ० चिल्लयिष्यते | चिल्लयिष्येते | चिल्लयिष्यन्ते |
| चिल्लयिष्यसे | चिल्लयिष्येथे | चिल्लयिष्यध्वे |
| चिल्लयिष्ये | चिल्लयिष्यावहे | चिल्लयिष्यामहे |
| क्रि० अचिल्लयिष्यत् | अचिल्लयिष्येताम् | अचिल्लयिष्यन्त |
| अचिल्लयिष्यथाः | अचिल्लयिष्येथाम् | अचिल्लयिष्यध्वम् |
| अचिल्लयिष्ये | अचिल्लयिष्यावहि | अचिल्लयिष्यमहि |

432 पेलृ (पेलृ) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|--------------|
| व० | पेलयति | पेलयतः | पेलयन्ति |
| | पेलयसि | पेलयथः | पेलयथ |
| | पेलयामि | पेलयावः | पेलयामः |
| स० | पेलयेत् | पेलयेताम् | पेलयेयुः |
| | पेलयेः | पेलयेतम् | पेलयेत |
| | पेलयेयम् | पेलयेव | पेलयेम |
| प० | पेलयन्तु | पेलयतात् | पेलयन्तु |
| | पेलयन्तु | पेलयतात् | पेलयतम् |
| | पेलयन्ति | पेलयाव | पेलयाम |
| ह्य० | अपेलयत् | अपेलयताम् | अपेलयन् |
| | अपेलयः | अपेलयतम् | अपेलयत |
| | अपेलयम् | अपेलयाव | अपेलयाम |
| ठ० | अपिपेलत् | अपिपेलताम् | अपिपेलन् |
| | अपिपेलः | अपिपेलतम् | अपिपेलत |
| | अपिपेलम् | अपिपेलाव | अपिपेलाम |
| प० | पेलयाञ्चकार | पेलयाञ्चक्रुः | पेलयाञ्चकुः |
| | पेलयाञ्चकथं | पेलयाञ्चकथुः | पेलयाञ्चक |
| | पेलयाञ्चकार-चकर | पेलयाञ्चकृव | पेलयाञ्चकृम |
| | पेलयाम्बभूव । पेलयामास | | |
| आ० | पेल्यात् | पेल्यास्ताम् | पेल्यासुः |
| | पेल्याः | पेल्यास्तम् | पेल्यास्त |
| | पेल्यासम् | पेल्यास्व | पेल्यास्म |
| श्व० | पेलयिता | पेलयितारौ | पेलयितारः |
| | पेलयितासि | पेलयितास्थः | पेलयितास्थ |
| | पेलयितास्मि | पेलयितास्वः | पेलयितास्मः |
| भ० | पेलयिष्यति | पेलयिष्यतः | पेलयिष्यन्ति |
| | पेलयिष्यसि | पेलयिष्यथः | पेलयिष्यथ |
| | पेलयिष्यामि | पेलयिष्यावः | पेलयिष्यामः |
| क्रि० | अपेलयिष्यत् | अपेलयिष्यताम् | अपेलयिष्यन् |
| | अपेलयिष्यः | अपेलयिष्यतम् | अपेलयिष्यत |
| | अपेलयिष्यम् | अपेलयिष्याव | अपेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | पेलयते | पेलयते | पेलयन्ते |
| | पेलयसे | पेलयथे | पेलयध्वे |
| | पेलये | पेलयावहे | पेलयामहे |
| स० | पेलयेत | पेलयेयाताम् | पेलयेरन् |
| | पेलयेथाः | पेलयेयाथाम् | पेलयेध्वम् |
| | पेलयेथ | पेलयेवहि | पेलयेमहि |
| प० | पेलयताम् | पेलयेताम् | पेलयन्ताम् |
| | पेलयस्व | पेलयेथाम् | पेलयध्वम् |
| | पेलये | पेलयावहे | पेलयामहे |
| ह्य० | अपेलयत | अपेलयेताम् | अपेलयन्त |
| | अपेलयथाः | अपेलयेथाम् | अपेलयध्वम् |
| | अपेलये | अपेलेवहि | अपेलयामहि |
| अ० | अपिपेलत् | अपिपेलेताम् | अपिपेलन्त |
| | अपिपेलथाः | अपिपेलेथाम् | अपिपेलध्वम् |
| | अपिपेल | अपिपेलावहि | अपिपेलामहि |
| प० | पेलयाञ्चक्रे | पेलयाञ्चक्राते | पेलयाञ्चक्रिरे |
| | पेलयाञ्चकृषे | पेलयाञ्चक्राथे | पेलयाञ्चकृध्वे |
| | पेलयाञ्चक्रे | पेलयाञ्चकृवहे | पेलयाञ्चकृमहे |
| | पेलयाम्बभूव । पेलयामास | | |
| आ० | पेलयिषीष्ट | पेलयिषीयास्ताम् | पेलयिषीरन् |
| | पेलयिषीष्टाः | पेलयिषीयास्थाम् | पेलयिषीध्वम् |
| | पेलयिषीय | | |
| | पेलयिषीय | पेलयिषीवहि | पेलयिषीमहि |
| श्व० | पेलयिता | पेलयितारौ | पेलयितारः |
| | पेलयितासे | पेलयितासाथे | पेलयिताध्वे |
| | पेलयिताहे | पेलयितास्वहे | पेलयितास्महे |
| भ० | पेलयिष्यते | पेलयिष्येते | पेलयिष्यन्ते |
| | पेलयिष्यसे | पेलयिष्येथे | पेलयिष्यध्वे |
| | पेलयिष्ये | पेलयिष्यावहे | पेलयिष्यामहे |
| क्रि० | अपेलयिष्यत् | अपेलयिष्येताम् | अपेलयिष्यन्त |
| | अपेलयिष्यथाः | अपेलयिष्येथाम् | अपेलयिष्यध्वम् |
| | अपेलयिष्ये | अपेलयिष्यावहि | अपेलयिष्यामहि |

433 फेल् (फेल्) गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० फेलयति | फेलयतः | फेलयन्ति |
| फेलयसि | फेलयथः | फेलयथ |
| फेलयामि | फेलयावः | फेलयामः |
| स० फेलयेत् | फेलयेताम् | फेलयेयुः |
| फेलयेः | फेलयेतम् | फेलयेत |
| फेलयेयम् | फेलयेव | फेलयेम |
| प० फेलयतु | फेलयतात् | फेलयताम् |
| फेल्य | फेलयतात् | फेलयतम् |
| फेलयानि | फेलयाव | फेलयाम |
| ह्य० अफेलयत् | अफेलयताम् | अफेलयन् |
| अफेलयः | अफेलयतम् | अफेलयत |
| अफेलयम् | अफेलयाव | अफेलयाम |
| अ० अपिफेलत् | अपिफेलताम् | अपिफेलन् |
| अपिफेल | अपिफेलतम् | अपिफेलत |
| अपिफेलम् | अपिफेलाव | अपिफेलाम |
| प० फेलयाश्चकार | फेलयाश्चक्रुः | फेलयाश्चकुः |
| फेलयाश्चकर्ष | फेलयाश्चक्रुः | फेलयाश्चक्रुः |
| फेलयाश्चकार-चक्र | फेलयाश्चक्रुः | फेलयाश्चक्रुः |
| फेलयाश्चभूव | फेलयाश्चभूव | फेलयाश्चभूव |
| आ० फेल्यात् | फेल्यास्ताम् | फेल्यासुः |
| फेल्याः | फेल्यास्तम् | फेल्यास्त |
| फेल्यासम् | फेल्यास्व | फेल्यास्म |
| श्च० फेलयिता | फेलयितारौ | फेलयितारः |
| फेलयितासि | फेलयितास्यः | फेलयितास्थ |
| फेलयितास्मि | फेलयितास्वः | फेलयितास्मः |
| भ० फेलयिष्यति | फेलयिष्यतः | फेलयिष्यन्ति |
| फेलयिष्यसि | फेलयिष्यथः | फेलयिष्यथ |
| फेलयिष्यामि | फेलयिष्यावः | फेलयिष्यामः |
| क्रि० अफेलयिष्यत् | अफेलयिष्यताम् | अफेलयिष्यन् |
| अफेलयिष्यः | अफेलयिष्यतम् | अफेलयिष्यत |
| अफेलयिष्यम् | अफेलयिष्याव | अफेलयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० फेलयते | फेलयेते | फेलयन्ते |
| फेलयसे | फेलयेथे | फेलयन्थे |
| फेलये | फेलयावहे | फेलयामहे |
| स० फेलयेत | फेलयेथाताम् | फेलयेरन् |
| फेलयेथाः | फेलयेथायाम् | फेलयेध्वम् |
| फेलयेथ | फेलयेवहि | फेलयेमहि |
| प० फेलयताम् | फेलयेताम् | फेलयन्ताम् |
| फेलयस्व | फेलयेथाम् | फेलयध्वम् |
| फेलये | फेलयावहे | फेलयामहे |
| ह्य० अफेलयत | अफेलयेताम् | अफेलयन्त |
| अफेलयथाः | अफेलयेथाम् | अफेलयध्वम् |
| अफेलये | अफेलयावहि | अफेलयामहि |
| अ० अपिफेलत | अपिफेलेताम् | अपिफेलन्त |
| अपिफेलथाः | अपिफेलेथाम् | अपिफेलध्वम् |
| अपिफेले | अपिफेलावहि | अपिफेलामहि |
| प० फेलयाश्चक्रे | फेलयाश्चक्राते | फेलयाश्चक्रिरे |
| फेलयाश्चकृषे | फेलयाश्चक्राये | फेलयाश्चकृद्वे |
| फेलयाश्चक्रे | फेलयाश्चकृवहे | फेलयाश्चकृमहे |
| फेलयाश्चभूव | फेलयाश्चभूव | फेलयाश्चभूव |
| आ० फेलयिषीष्ट | फेलयिषीयास्ताम् | फेलयिषीरन् |
| फेलयिषीष्टाः | फेलयिषीयास्थाम् | फेलयिषीध्वम् |
| फेलयिषीय | फेलयिषीवहि | फेलयिषीमहि |
| श्च० फेलयिता | फेलयितारौ | फेलयितारः |
| फेलयितासे | फेलयितासाथे | फेलयिताध्वे |
| फेलयिताहे | फेलयितास्वहे | फेलयितास्महे |
| भ० फेलयिष्यते | फेलयिष्येते | फेलयिष्यन्ते |
| फेलयिष्यसे | फेलयिष्येथे | फेलयिष्यन्थे |
| फेलयिष्ये | फेलयिष्यावहे | फेलयिष्यामहे |
| क्रि० अफेलयिष्यत् | अफेलयिष्येताम् | अफेलयिष्यन्त |
| अफेलयिष्यथाः | अफेलयिष्येथाम् | अफेलयिष्यध्वम् |
| अफेलयिष्ये | अफेलयिष्यवहि | अफेलयिष्यामहि |

434 शेलृ (,शेलृ) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | शेलयति | शेलयतः | शेलयन्ति |
| | शेलयसि | शेलयथः | शेलयथ |
| | शेलयामि | शेलयावः | शेलयामः |
| स० | शेलयेत् | शेलयेताम् | शेलयेयुः |
| | शेलयेः | शेलयेतम् | शेलयेत |
| | शेलयेयम् | शेलयेव | शेलयेम |
| प० | शेलयतु | शेलयतात् | शेलयताम् |
| | शेलय | शेलयतात् | शेलयतम् |
| | शेलयानि | शेलयाव | शेलयाम |
| ह्य० | अशेलयत् | अशेलयताम् | अशेलयन् |
| | अशेलयः | अशेलयतम् | अशेलयत |
| | अशेलयम् | अशेलयाव | अशेलयाम |
| अ० | अशिशेलत् | अशिशेलताम् | अशिशेलन् |
| | अशिशेलः | अशिशेलतम् | अशिशेलत |
| | अशिशेलम् | अशिशेलव | अशिशेलाम |
| प० | शेलयाञ्चकार | शेलयाञ्चक्रतुः | शेलयाञ्चक्रुः |
| | शेलयाञ्चकर्थ | शेलयाञ्चक्रथुः | शेलयाञ्चक्र |
| | शेलयाञ्चकार-चकर | शेलयाञ्चक्रव | शेलयाञ्चक्रम |
| | शेलयाम्बभूव | । | शेलयामास |
| आ० | शेल्यात् | शेल्यास्ताम् | शेल्यासुः |
| | शेल्याः | शेल्यास्तम् | शेल्यास्त |
| | शेल्यासम् | शेल्यास्व | शेल्यास्म |
| श्व० | शेलयिता | शेलयितारौ | शेलयितारः |
| | शेलयितासि | शेलयितास्थः | शेलयितास्थ |
| | शेलयितास्मि | शेलयितास्वः | शेलयितास्मः |
| भ० | शेलयिष्यति | शेलयिष्यतः | शेलयिष्यन्ति |
| | शेलयिष्यसि | शेलयिष्यथः | शेलयिष्यथ |
| | शेलयिष्यामि | शेलयिष्यावः | शेलयिष्यामः |
| क्रि० | अशेलयिष्यत् | अशेलयिष्यताम् | अशेलयिष्यन् |
| | अशेलयिष्यः | अशेलयिष्यतम् | अशेलयिष्यत |
| | अशेलयिष्यम् | अशेलयिष्याव | अशेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शेलयते | शेलयेते | शेलयन्ते |
| | शेलयसे | शेलयेथे | शेलयध्वे |
| | शेलये | शेलयावहे | शेलयामहे |
| स० | शेलयेत | शेलयेयाताम् | शेलयेरन् |
| | शेलयेथाः | शेलयेथाथाम् | शेलयेध्वम् |
| | शेलयेय | शेलयेवहि | शेलयेमहि |
| प० | शेलयताम् | शेलयेताम् | शेलयन्ताम् |
| | शेलयस्व | शेलयेथाम् | शेलयध्वम् |
| | शेलये | शेलयावहे | शेलयामहे |
| ह्य० | अशेलयत | अशेलयेताम् | अशेलयन्त |
| | अशेलयथाः | अशेलयेथाम् | अशेलयध्वम् |
| | अशेलये | अशेलयावहि | अशेलयामहि |
| अ० | अशिशेलत् | अशिशेलेताम् | अशिशेलन्त |
| | अशिशेलथाः | अशिशेलेथाम् | अशिशेलध्वम् |
| | अशिशेले | अशिशेलावहि | अशिशेलामहि |
| प० | शेलयाञ्चके | शेलयाञ्चक्रते | शेलयाञ्चक्रिरे |
| | शेलयाञ्चकृषे | शेलयाञ्चक्रथे | शेलयाञ्चक्रुवे |
| | शेलयाञ्चके | शेलयाञ्चकृवहे | शेलयाञ्चक्रमहे |
| | शेलयाम्बभूव | । | शेलयामास |
| आ० | शेलयिषीष्ट | शेलयिषीयास्ताम् | शेलयिषीरन् |
| | शेलयिषीष्टाः | शेलयिषीयास्थाम् | शेलयिषीध्वम् |
| | शेलयिषीय | शेलयिषीवहि | शेलयिषीमहि |
| श्व० | शेलयिता | शेलयितारौ | शेलयितारः |
| | शेलयितासे | शेलयिताराथे | शेलयिताध्वे |
| | शेलयिताहे | शेलयितास्वहे | शेलयितास्महे |
| भ० | शेलयिष्यते | शेलयिष्येते | शेलयिष्यन्ते |
| | शेलयिष्यसे | शेलयिष्येथे | शेलयिष्यध्वे |
| | शेलयिष्ये | शेलयिष्यावहे | शेलयिष्यामहे |
| क्रि० | अशेलयिष्यत | अशेलयिष्येताम् | अशेलयिष्यन्त |
| | अशेलयिष्यथाः | अशेलयिष्येथाम् | अशेलयिष्यध्वम् |
| | अशेलयिष्ये | अशेलयिष्यावहि | अशेलयिष्यामहि |

435 षेल् (सेल्) गतौ ।

| | | | |
|-------|--------------------------|----------------|--------------|
| ब० | सेलयति | सेलयतः | सेलयन्ति |
| | सेल्यसि | सेलयथः | सेलयथ |
| | सेल्यामि | सेल्यारः | सेल्यामः |
| स० | सेलयेत् | सेलयेताम् | सेलयेयुः |
| | सेलयेः | सेलयेतम् | सेलयेत |
| | सेलयेयम् | सेलयेव | सेलयेम |
| प० | सेलयतु | सेलयतात् | सेलयताम् |
| | सेलय | सेलयतम् | सेलयत |
| | सेल्यानि | सेल्याव | सेल्याम |
| ह्य० | असेलयत् | असेल्यताम् | असेलयन् |
| | असेलयः | असेलयतम् | असेलयत |
| | असेलयम् | असेल्यारः | असेल्याम |
| अ० | असिषेलत् | असिषेलताम् | असिषेलन् |
| | असिषेलः | असिषेलतम् | असिषेलत |
| | असिषेलम् | असिषेलव | असिषेलाम |
| प० | सेल्यारकृत् | सेल्यारकृतुः | सेल्यारकृः |
| | सेल्यारकृत्य | सेल्यारकृत्युः | सेल्यारकृ |
| | सेल्यारकृत्-चकर | सेल्यारकृतव | सेल्यारकृतम् |
| | सेल्यारम्भू । सेल्यारमास | | |
| आ० | सेल्यस्त | सेल्यस्ताम् | सेल्यस्तुः |
| | सेल्यः | सेल्यस्तम् | सेल्यस्त |
| | सेल्यसम् | सेल्यस्व | सेल्यस्म |
| भ० | सेलयिता | सेलयितारौ | सेलयितारः |
| | सेलयितासि | सेलयितास्थः | सेलयितास्थ |
| | सेलयितास्मि | सेलयितास्वः | सेलयितास्मः |
| म० | सेलयिष्यति | सेलयिष्यतः | सेलयिष्यन्ति |
| | सेलयिष्यसि | सेलयिष्यथः | सेलयिष्यथ |
| | सेलयिष्यामि | सेलयिष्यारः | सेलयिष्यामः |
| क्रि० | असेलयिष्यत् | असेलयिष्यताम् | असेलयिष्यन् |
| | असेलयिष्यः | असेलयिष्यतम् | असेलयिष्यत |
| | असेलयिष्यम् | असेलयिष्यारः | असेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------------------|-----------------|----------------|
| ब० | सेल्यते | सेल्येते | सेल्यन्ते |
| | सेल्यसे | सेल्येथे | सेल्यथ्वे |
| | सेल्ये | सेल्यारवहे | सेल्यारमहे |
| स० | सेल्येत | सेल्येयाताम् | सेल्येरन् |
| | सेल्येथाः | सेल्येयाथाम् | सेल्येथ्वम् |
| | सेल्येय | सेल्येवहि | सेल्येमहि |
| प० | सेल्यताम् | सेल्येताम् | सेल्यन्ताम् |
| | सेल्यस्व | सेल्येथाम् | सेल्यथ्वम् |
| | सेल्यै | सेल्यारवहै | सेल्यारमहै |
| ह्य० | असेल्यत | असेल्येताम् | असेल्यन्त |
| | असेल्यथाः | असेल्येथाम् | असेल्यथ्वम् |
| | असेल्ये | असेल्यारवहि | असेल्यारमहि |
| अ० | असिषेलत | असिषेलेताम् | असिषेलन्त |
| | असिषेलथाः | असिषेलेथाम् | असिषेलथ्वम् |
| | असिषेले | असिषेलेवहि | असिषेलेमहि |
| प० | सेल्यारकृते | सेल्यारकृताते | सेल्यारकृकिरे |
| | सेल्यारकृषे | सेल्यारकृथाये | सेल्यारकृद्वे |
| | सेल्यारकृते | सेल्यारकृवहे | सेल्यारकृमहे |
| | सेल्यारम्भू । सेल्यारमास | | |
| आ० | सेलयिषीष्ट | सेलयिषीयास्ताम् | सेलयिषीरन् |
| | सेलयिषीष्ठाः | सेलयिषीयास्थाम् | सेलयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | सेलयिषीय | सेलयिषीवहि | सेलयिषीमहि |
| भ० | सेलयिता | सेलयितारौ | सेलयितारः |
| | सेलयितासे | सेलयितासाथे | सेलयिताथ्वे |
| | सेलयिताहे | सेलयितास्वहे | सेलयितास्महे |
| म० | सेलयिष्यते | सेलयिष्येते | सेलयिष्यन्ते |
| | सेलयिष्यसे | सेलयिष्येथे | सेलयिष्यथ्वे |
| | सेलयिष्ये | सेलयिष्यारवहे | सेलयिष्यारमहे |
| क्रि० | असेलयिष्यत | असेलयिष्येताम् | असेलयिष्यन्त |
| | असेलयिष्यथाः | असेलयिष्येथाम् | असेलयिष्यथ्वम् |
| | असेलयिष्ये | असेलयिष्यारवहि | असेलयिष्यारमहि |

436 सेल् (सेल्) गतौ ।

| | | | |
|------|------------------------|----------------|--------------|
| ब० | सेलयति | सेलयतः | सेलयन्ति |
| | सेलयसि | सेलयथः | सेलयथ |
| | सेलयामि | सेलयावः | सेलयामः |
| स० | सेलयेत् | सेलयेताम् | सेलयेयुः |
| | सेलयेः | सेलयेतम् | सेलयेत |
| | सेलयेयम् | सेलयेव | सेलयेम |
| प | सेलयतु | सेलयतात् | सेलयतान् |
| | सेलय | सेलयतात् | सेलयत |
| | सेलयानि | सेलयाव | सेलयाम |
| ह्य० | असेलयत | असेलयताम् | असेलयन् |
| | असेलयः | असेलयतम् | असेलयत |
| | असेलयम् | असेलयाव | असेलयाम |
| अ० | असिसेलत् | असिसेलताम् | असिसेलन् |
| | असिसेलः | असिसेलतम् | असिसेलत |
| | असिसेलम् | असिसेलाव | असिसेलाम |
| प० | सेलयाञ्चकार | सेलयाञ्चक्रुः | सेलयाञ्चकुः |
| | सेलयाञ्चकथं | सेलयाञ्चक्रथुः | सेलयाञ्चक्र |
| | सेलयाञ्चकार-चकर | सेलयाञ्चकृव | सेलयाञ्चकृम |
| | सेलयाञ्चभूव । सेलयामास | | |
| आ० | सेल्यात् | सेल्यास्ताम् | सेल्यासुः |
| | सेल्याः | सेल्यास्तम् | सेल्यास्त |
| | सेल्यासम् | सेल्यास्व | सेल्यास्म |
| थ० | सेलयिता | सेलयितारौ | सेलयितारः |
| | सेलयितासि | सेलयितास्थः | सेलयितास्थ |
| | सेलयितास्मि | सेलयितास्वः | सेलयितास्मः |
| भ० | सेलयिष्यति | सेलयिष्यतः | सेलयिष्यन्ति |
| | सेलयिष्यसि | सेलयिष्यथः | सेलयिष्यथ |
| | सेलयिष्यामि | सेलयिष्यावः | सेलयिष्यामः |
| क्र० | असेलयिष्यत् | असेलयिष्यताम् | असेलयिष्यन् |
| | असेलयिष्य | असेलयिष्यतम् | असेलयिष्यत |
| | असेलयिष्यम् | असेलयिष्याव | असेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|----------------|----------------|
| ब० | सेलयेते | सेलयेते | सेलयन्ते |
| | सेलयसे | सेलयेथे | सेलयध्वे |
| | सेलये | सेलयावहे | सेलयामहे |
| स० | सेलयेत | सेलयेयाताम् | सेलयेरन् |
| | सेलयेथाः | सेलयेयाथाम् | सेलयेध्वम् |
| | सेलयेथ | सेलयेवहि | सेलयेमहि |
| प० | सेलबताम् | सेलयेताम् | सेलयन्ताम् |
| | सेलयस्व | सेलयेथाम् | सेलयध्वम् |
| | सेलयै | सेलयावहै | सेलयामहै |
| ह्य० | असेलयत | असेलयेताम् | असेलयन्त |
| | असेलयथाः | असेलयेथाम् | असेलयध्वम् |
| | असेलये | असेलयावहि | असेलयामहि |
| अ | असिसेलत | असिसेलेताम् | असिसेलन्त |
| | असिसेलथाः | असिसेलेथाम् | असिसेलध्वम् |
| | असिसेले | असिसेलावहि | असिसेलामहि |
| प० | सेलयाञ्चक्रे | सेलयाञ्चक्रते | सेलयाञ्चक्रिरे |
| | सेलयाञ्चकृषे | सेलयाञ्चक्राथे | सेलयाञ्चकृध्वे |
| | सेलयाञ्चक्रे | सेलयाञ्चकृवहे | सेलयाञ्चकृमहे |
| | सेलयाञ्चभूव । सेलयामास | | |
| आ० | सेलयिषीष्ट | सेलयिषीस्ताम् | सेलयिषीरन् |
| | सेलयिषीष्टाः | सेलयिषीस्थाः | सेलयिषीध्वम् |
| | सेलयिषीय | सेलयिषीवहि | सेलयिषीमहि |
| थ० | सेलयिता | सेलयितारौ | सेलयितारः |
| | सेलयितासे | सेलयितासाथे | सेलयिताध्वे |
| | सेलयिताहे | सेलयितास्वहे | सेलयितास्महे |
| भ० | सेलयिष्यते | सेलयिष्येते | सेलयिष्यन्ते |
| | सेलयिष्यसे | सेलयिष्येथे | सेलयिष्यध्वे |
| | सेलयिष्ये | सेलयिष्यावहे | सेलयिष्यामहे |
| क्रि० | असेलयिष्यत | असेलयिष्येताम् | असेलयिष्यन्त |
| | असेलयिष्यथाः | असेलयिष्येथाम् | असेलयिष्यध्वम् |
| | असेलयिष्ये | असेलयिष्यावहि | असेलयिष्यामहि |

437 वेह् (वेहल्) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | वेह्यति | वेह्यतः | वेह्यन्ति |
| | वेह्यसि | वेह्यथः | वेह्यथ |
| | वेह्यामि | वेह्यावः | वेह्यामः |
| स० | वेह्येत् | वेह्येताम् | वेह्येयुः |
| | वेह्यः | वेह्येतम् | वेह्येत |
| | वेह्येयम् | वेह्येयव | वेह्येयम् |
| प० | वेह्यतु | वेह्यतात् | वेह्यन्तु |
| | वेह्य | वेह्यतात् | वेह्यतम् |
| | वेह्यानि | वेह्याव | वेह्याम |
| ह्य० | अवेह्यत् | अवेह्यताम् | अवेह्यन् |
| | अवेह्यः | अवेह्यतम् | अवेह्यत |
| | अवेह्यम् | अवेह्याव | अवेह्याम |
| अ० | अविवेह्यत् | अविवेह्यताम् | अविवेह्यन् |
| | अविवेह्यः | अविवेह्यतम् | अविवेह्यत |
| | अविवेह्यम् | अविवेह्याव | अविवेह्याम |
| प० | वेह्याञ्चकार | वेह्याञ्चकतुः | वेह्याञ्चकुः |
| | वेह्याञ्चकथं | वेह्याञ्चकथुः | वेह्याञ्चक |
| | वेह्याञ्चकार-चकर | वेह्याञ्चकृव | वेह्याञ्चकृम |
| | वेह्याम्बभूव | वेह्यामास | |
| आ० | वेह्यात् | वेह्यास्ताम् | वेह्यासुः |
| | वेह्याः | वेह्यास्तम् | वेह्यास्त |
| | वेह्यासम् | वेह्यासव | वेह्यासम् |
| श्व० | वेह्यिता | वेह्यितारौ | वेह्यितारः |
| | वेह्यितासि | वेह्यितास्थः | वेह्यितास्थ |
| | वेह्यितास्मि | वेह्यितास्वः | वेह्यितास्मः |
| भ० | वेह्यिष्यति | वेह्यिष्यतः | वेह्यिष्यन्ति |
| | वेह्यिष्यसि | वेह्यिष्यथः | वेह्यिष्यथ |
| | वेह्यिष्यामि | वेह्यिष्यावः | वेह्यिष्यामः |
| क्रि० | अवेह्यिष्यत् | अवेह्यिष्यताम् | अवेह्यिष्यन् |
| | अवेह्यिष्यः | अवेह्यिष्यतम् | अवेह्यिष्यत |
| | अवेह्यिष्यम् | अवेह्यिष्याव | अवेह्यिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | वेह्यते | वेह्येते | वेह्यन्ते |
| | वेह्यसे | वेह्येथे | वेह्यध्वे |
| | वेह्ये | वेह्यावहे | वेह्यामहे |
| स० | वेह्येत | वेह्येयाताम् | वेह्येरन् |
| | वेह्येथाः | वेह्येयाथाम् | वेह्येध्वम् |
| | वेह्येय | वेह्येवहि | वेह्येमहि |
| प० | वेह्यताम् | वेह्येताम् | वेह्यन्ताम् |
| | वेह्यस्व | वेह्येथाम् | वेह्यध्वम् |
| | वेह्यै | वेह्यावहै | वेह्यामहै |
| ह्य० | अवेह्यत | अवेह्येताम् | अवेह्यन्त |
| | अवेह्यथाः | अवेह्येथाम् | अवेह्यध्वम् |
| | अवेह्ये | अवेह्यावहि | अवेह्यामहि |
| अ० | अविवेह्यत | अविवेह्येताम् | अविवेह्यन्त |
| | अविवेह्यथाः | अविवेह्येथाम् | अविवेह्यध्वम् |
| | अविवेह्ये | अविवेह्यावहि | अविवेह्यामहि |
| प० | वेह्याञ्चक्रे | वेह्याञ्चकृते | वेह्याञ्चक्रिरे |
| | वेह्याञ्चकृषे | वेह्याञ्चकृथे | वेह्याञ्चकृध्वे |
| | वेह्याञ्चक्रे | वेह्याञ्चकृवहे | वेह्याञ्चकृमहे |
| | वेह्याम्बभूव | वेह्यामास | |
| आ० | वेह्यिषीष्ट | वेह्यिषीयास्ताम् | वेह्यिषीरन् |
| | वेह्यिषीष्टाः | वेह्यिषीयास्थाम् | वेह्यिषीध्वम् |
| | वेह्यिषीय | वेह्यिषीवहि | वेह्यिषीमहि |
| श्व० | वेह्यिता | वेह्यितारौ | वेह्यितारः |
| | वेह्यितासे | वेह्यितासाथे | वेह्यिताध्वे |
| | वेह्यिताहे | वेह्यितास्वहे | वेह्यितास्महे |
| भ० | वेह्यिष्यते | वेह्यिष्येते | वेह्यिष्यन्ते |
| | वेह्यिष्यसे | वेह्यिष्येथे | वेह्यिष्यध्वे |
| | वेह्यिष्ये | वेह्यिष्यावहे | वेह्यिष्यामहे |
| क्रि० | अवेह्यिष्यत | अवेह्यिष्येताम् | अवेह्यिष्यन्त |
| | अवेह्यिष्यथाः | अवेह्यिष्येथाम् | अवेह्यिष्यध्वम् |
| | अवेह्यिष्ये | अवेह्यिष्यावहि | अवेह्यिष्यामहि |

438 सल (सल्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | सालयति | सालयतः | सालयन्ति |
| | सालयसि | सालयथः | सालयथ |
| | सालयामि | सालयावः | सालयामः |
| स० | सालयेत् | सालयेताम् | सालयेयुः |
| | सालयेः | सालयेतम् | सालयेत |
| | सालयेयम् | सालयेव | सालयेम |
| प० | सालयतु | सालयतात् | सालयताम् |
| | सालय | सालयतात् | सालयतम् |
| | सालयानि | सालयाव | सालयाम |
| ह्य० | असालयत् | असालयताम् | असालयन् |
| | असालयः | असालयतम् | असालयत |
| | असालयम् | असालयाव | असालयाम |
| अ० | असीसलत् | असीसलताम् | असीसलन् |
| | असीसलः | असीसलतम् | असीसलत |
| | असीसलम् | असीसलाव | असीसलाम |
| प० | सालयाञ्चकार | सालयाञ्चक्रुः | सालयाञ्चक्रुः |
| | सालयाञ्चकथं | सालयाञ्चकथुः | सालयाञ्चक |
| | सालयाञ्चकार-चकर | सालयाञ्चकृव | सालयाञ्चकृम |
| | सालयाम्बभूव | सालयामास | |
| आ० | साल्यात् | साल्यास्ताम् | साल्यासुः |
| | साल्याः | साल्यास्तम् | साल्यास्त |
| | साल्यासम् | साल्यास्व | साल्यास्म |
| श्व० | सालयिता | सालयितारौ | सालयितारः |
| | सालयितासि | सालयितास्थः | सालयितास्थ |
| | सालयितास्मि | सालयितास्वः | सालयितास्मः |
| भ० | सालयिष्यति | सालयिष्यतः | सालयिष्यन्ति |
| | सालयिष्यसि | सालयिष्यथः | सालयिष्यथ |
| | सालयिष्यामि | सालयिष्यावः | सालयिष्यामः |
| क्रि० | असालयिष्यत् | असालयिष्यताम् | असालयिष्यन् |
| | असालयिष्यः | असालयिष्यतम् | असालयिष्यत |
| | असालयिष्यम् | असालयिष्याव | असालयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | सालयते | सालयेते | सालयन्ते |
| | सा लयसे | सालयेथे | सालयन्वे |
| | सालये | सालयावहे | सालयामहे |
| स० | सालयेत | सालयेयाताम् | सालयेरन् |
| | सालयेथाः | सालयेयाथाम् | सालयेध्वम् |
| | सालयेय | सालयेवहि | सालयेमहि |
| प० | सालयताम् | सालयेताम् | सालयन्ताम् |
| | सालयस्व | सालयेथाम् | सालयध्वम् |
| | सालयै | सालयावहे | सालयामहे |
| ह्य० | असालयत | असालयेताम् | असालयन्त |
| | असालयथाः | असालयेथाम् | असालयध्वम् |
| | असालये | असालयावहि | असालयामहि |
| अ० | असीसलत | असीसलेताम् | असीसलन्त |
| | असीसलथाः | असीसलेथाम् | असीसलध्वम् |
| | असीसले | असीसलावहि | असीसलामहि |
| प० | सालयाञ्चके | सालयाञ्चकाते | सालयाञ्चकिरे |
| | सालयाञ्चकृषे | सालयाञ्चकृषे | सालयाञ्चकृव |
| | सालयाञ्चके | सालयाञ्चकृवहे | सालयाञ्चकृमहे |
| | सालयाम्बभूव | सालयामास | |
| आ० | सालयिषीष्ट | सालयिषीयास्ताम् | सालयिषीरन् |
| | सालयिषीष्टाः | सालयिषीयास्थाम् | सालयिषीध्वम् |
| | सालयिषीय | सालयिषीवहि | सालयिषीमहि |
| श्व० | सालयिता | सालयितारौ | सालयितारः |
| | सालयितासे | सालयितासाथे | सालयिताध्वे |
| | सालयिताहे | सालयितास्वहे | सालयितास्महे |
| भ० | सालयिष्यते | सालयिष्येते | सालयिष्यन्ते |
| | सालयिष्यसे | सालयिष्येथे | सालयिष्यन्वे |
| | सालयिष्ये | सालयिष्यावहे | सालयिष्यामहे |
| क्रि० | असालयिष्यत | असालयिष्येताम् | असालयिष्यन्त |
| | असालयिष्यथाः | असालयिष्येथाम् | असालयिष्यध्वम् |
| | असालयिष्ये | असालयिष्यावहि | असालयिष्यामहि |

439 तिल (तिल्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | तेलयति | तेलयतः | तेलयन्ति |
| | तेलयसि | तेलयथः | तेलयथ |
| | तेलयाभि | तेलयावः | तेलयामः |
| स० | तेलयेत् | तेलयेताम् | तेलयेयुः |
| | तेलयेः | तेलयेताम् | तेलयेत |
| | तेलयेयम् | तेलयेव | तेलयेम |
| प० | तेलयतु | तेलयतात् | तेलयन्तु |
| | तेलय | तेलयतात् | तेलयत |
| | तेल्यानि | तेलयाव | तेलयाम |
| ह्य० | अतेलयत् | अतेलयताम् | अतेलयन् |
| | अतेलयः | अतेलयतम् | अतेलयत |
| | अतेलयम् | अतेल्याव | अतेलयाम |
| अ० | अतीतिल् | अतीतिल्ताम् | अतीतिल् |
| | अतीतिल् | अतीतिल्तम् | अतीतिलत |
| | अतीतिल्म् | अतीतिल्व | अतीतिलाम |
| प० | तेलयाञ्चकार | तेलयाञ्चक्रुः | तेलयाञ्चकुः |
| | तेलयाञ्चकथं | तेलयाञ्चकथुः | तेलयाञ्चक |
| | तेलयाञ्चकार-चकर | तेलयाञ्चकृव | तेलयाञ्चकृम |
| | तेलयाञ्चभूव | तेलयामास | |
| आ० | तेल्यात् | तेल्यास्ताम् | तेल्यासुः |
| | तेल्याः | तेल्यास्तम् | तेल्यास्त |
| | तेल्यासम् | तेल्यास्व | तेल्यास्म |
| श्च० | तेलयिता | तेलयितारौ | तेलयितारः |
| | तेलयितासि | तेलयितास्थः | तेलयितास्थ |
| | तेलयितास्मि | तेलयितास्वः | तेलयितास्मः |
| भ० | तेलयिष्यति | तेलयिष्यतः | तेलयिष्यन्ति |
| | तेलयिष्यसि | तेलयिष्यथः | तेलयिष्यथ |
| | तेलयिष्यामि | तेलयिष्यावः | तेलयिष्यामः |
| क्रि० | अतेलयिष्यत् | अतेलयिष्यताम् | अतेलयिष्यन् |
| | अतेलयिष्यः | अतेलयिष्यतम् | अतेलयिष्यत |
| | अतेलयिष्यम् | अतेलयिष्याव | अतेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तेलयते | तेलयते | तेलयन्ते |
| | तेलयसे | तेलयथे | तेलयथे |
| | तेलये | तेलयावहे | तेलयावहे |
| स० | तेलयेत | तेलयेयाताम् | तेलयेरन् |
| | तेलयेथाः | तेलयेयाथाम् | तेलयेध्वम् |
| | तेलयेय | तेलयेवहि | तेलयेमहि |
| प० | तेलयताम् | तेलयेताम् | तेलयन्ताम् |
| | तेलयस्व | तेलयेथाम् | तेलयध्वम् |
| | तेलये | तेलयावहे | तेलयामहे |
| ह्य० | अतेलयत | अतेलयेताम् | अतेलयन्त |
| | अतेलयथाः | अतेलयेथाम् | अतेलयध्वम् |
| | अतेलये | अतेलयावहि | अतेलयामहि |
| अ० | अतीतिलत | अतीतिलेताम् | अतीतिलन्त |
| | अतीतिलथाः | अतीतिलेथाम् | अतीतिलध्वम् |
| | अतीतिले | अतीतिलावहि | अतीतिलामहि |
| प० | तेलयाञ्चक्रे | तेलयाञ्चक्राते | तेलयाञ्चक्रिरे |
| | तेलयाञ्चकृषे | तेलयाञ्चक्राथे | तेलयाञ्चकृव |
| | तेलयाञ्चके | तेलयाञ्चकृवहे | तेलयाञ्चकृमहे |
| | तेलयाञ्चभूव | तेलयामास | |
| आ० | तेलयिषीष्ट | तेलयिषीयास्ताम् | तेलयिषीरन् |
| | तेलयिषीष्टाः | तेलयिषीयाथाम् | तेलयिषीध्वम् |
| | तेलयिषीय | तेलयिषीवहि | तेलयिषीमहि |
| श्च० | तेलयिता | तेलयितारौ | तेलयितारः |
| | तेलयितासे | तेलयितासाथे | तेलयिताध्वे |
| | तेलयिताहे | तेलयितास्वहे | तेलयितास्महे |
| भ० | तेलयिष्यते | तेलयिष्येते | तेलयिष्यन्ते |
| | तेलयिष्यसे | तेलयिष्येथे | तेलयिष्यध्वे |
| | तेलयिष्ये | तेलयिष्यावहे | तेलयिष्यामहे |
| क्रि० | अतेलयिष्यत | अतेलयिष्येताम् | अतेलयिष्यन्त |
| | अतेलयिष्यथाः | अतेलयिष्येथाम् | अतेलयिष्यध्वम् |
| | अतेलयिष्ये | अतेलयिष्यावहि | अतेलयिष्यामहि |

440 तिल्ल (तिल्ल) गतौ ।

| | | | |
|-------|----------------------------|-----------------|----------------|
| ३० | तिल्लयति | तिल्लयतः | तिल्लयन्ति |
| | तिल्लयसि | तिल्लयथः | तिल्लयथ |
| | तिल्लयामि | तिल्लयावः | तिल्लयामः |
| स० | तिल्लयेत् | तिल्लयेताम् | तिल्लयेयुः |
| | तिल्लयेः | तिल्लयेतम् | तिल्लयेत |
| | तिल्लयेयम् | तिल्लयेव | तिल्लयेम |
| प० | तिल्लयतु | तिल्लयतात् | तिल्लयताम् |
| | तिल्लय | तिल्लयतम् | तिल्लयत |
| | तिल्लयानि | तिल्लयाव | तिल्लयाम |
| ह्य० | अतिल्लयत् | अतिल्लयताम् | अतिल्लयन् |
| | अतिल्लयः | अतिल्लयतम् | अतिल्लयत |
| | अतिल्लयम् | अतिल्लयाव | अतिल्लयाम |
| अ० | अतिल्लयत् | अतिल्लयताम् | अतिल्लयन् |
| | अतिल्लयः | अतिल्लयतम् | अतिल्लयत |
| | अतिल्लयम् | अतिल्लयाव | अतिल्लयाम |
| प० | तिल्लयाञ्चकार | तिल्लयाञ्चकतुः | तिल्लयाञ्चकुः |
| | तिल्लयाञ्चकथं | तिल्लयाञ्चकथुः | तिल्लयाञ्चक |
| | तिल्लयाञ्चकार-चकार | तिल्लयाञ्चकुव | तिल्लयाञ्चकम् |
| | तिल्लयाम्बभूव । तिल्लयामास | | |
| आ० | तिल्लयात् | तिल्लयास्ताम् | तिल्लयासुः |
| | तिल्लयाः | तिल्लयास्तम् | तिल्लयास्त |
| | तिल्लयासम् | तिल्लयास्व | तिल्लयास्म |
| श्व० | तिल्लयिता | तिल्लयितारौ | तिल्लयितारः |
| | तिल्लयितासि | तिल्लयितास्थः | तिल्लयितास्थ |
| | तिल्लयितास्मि | तिल्लयितास्वः | तिल्लयितास्मः |
| भ० | तिल्लयिष्यति | तिल्लयिष्यतः | तिल्लयिष्यन्ति |
| | तिल्लयिष्यसि | तिल्लयिष्यथः | तिल्लयिष्यथ |
| | तिल्लयिष्यामि | तिल्लयिष्यावः | तिल्लयिष्यामः |
| क्रि० | अतिल्लयिष्यत् | अतिल्लयिष्यताम् | अतिल्लयिष्यन् |
| | अतिल्लयिष्यः | अतिल्लयिष्यतम् | अतिल्लयिष्यत |
| | अतिल्लयिष्यम् | अतिल्लयिष्याव | अतिल्लयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------------------|-------------------|------------------|
| ४० | तिल्लयते | तिल्लयेते | तिल्लयन्ते |
| | तिल्लयसे | तिल्लयेथे | तिल्लयध्वे |
| | तिल्लये | तिल्लयावहे | तिल्लयामहे |
| स० | तिल्लयेत | तिल्लयेयाताम् | तिल्लयेरन् |
| | तिल्लयेथाः | तिल्लयेयाथाम् | तिल्लयेध्वम् |
| | तिल्लयेय | तिल्लयेवहि | तिल्लयेमहि |
| प० | तिल्लयताम् | तिल्लयेताम् | तिल्लयन्ताम् |
| | तिल्लयस्व | तिल्लयेथाम् | तिल्लयध्वम् |
| | तिल्लये | तिल्लयावहै | तिल्लयामहै |
| ह्य० | अतिल्लयत | अतिल्लयेताम् | अतिल्लयन्त |
| | अतिल्लयथाः | अतिल्लयेथाम् | अतिल्लयध्वम् |
| | अतिल्लये | अतिल्लयावहि | अतिल्लयामहि |
| अ० | अतिल्लयत | अतिल्लयेताम् | अतिल्लयन्त |
| | अतिल्लयथाः | अतिल्लयेथाम् | अतिल्लयध्वम् |
| | अतिल्लये | अतिल्लयावहि | अतिल्लयामहि |
| प० | तिल्लयाञ्चक्रे | तिल्लयाञ्चक्रेते | तिल्लयाञ्चकिरे |
| | तिल्लयाञ्चकृषे | तिल्लयाञ्चकृषे | तिल्लयाञ्चकृद्वे |
| | तिल्लयाञ्चक्रे | तिल्लयाञ्चकृवहे | तिल्लयाञ्चकृमहे |
| | तिल्लयाम्बभूव । तिल्लयामास | | |
| आ० | तिल्लयिषीष्ट | तिल्लयिषीयास्ताम् | तिल्लयिषीरन् |
| | तिल्लयिषीष्ठाः | तिल्लयिषीयास्थाम् | तिल्लयिषीध्वम् |
| | तिल्लयिषीय | तिल्लयिषीवहि | तिल्लयिषीमहि |
| श्व० | तिल्लयिता | तिल्लयितारौ | तिल्लयितारः |
| | तिल्लयितासे | तिल्लयितासाथे | तिल्लयिताध्वे |
| | तिल्लयिताहे | तिल्लयितास्वहे | तिल्लयितास्महे |
| भ० | तिल्लयिष्यते | तिल्लयिष्येते | तिल्लयिष्यन्ते |
| | तिल्लयिष्यसे | तिल्लयिष्येथे | तिल्लयिष्यध्वे |
| | तिल्लयिष्ये | तिल्लयिष्यावहे | तिल्लयिष्यामहे |
| क्रि० | अतिल्लयिष्यत | अतिल्लयिष्येताम् | अतिल्लयिष्यन्त |
| | अतिल्लयिष्यथाः | अतिल्लयिष्येथाम् | अतिल्लयिष्यध्वम् |
| | अतिल्लयिष्ये | अतिल्लयिष्यावहि | अतिल्लयिष्यामहि |

441 पल्ल (पल्ल) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|---------------|
| व० | पल्लयति | पल्लयतः | पल्लयन्ति |
| | पल्लयसि | पल्लयथः | पल्लयथ |
| | पल्लयामि | पल्लयावः | पल्लयामः |
| स० | पल्लयेत् | पल्लयेताम् | पल्लयेयुः |
| | पल्लयेः | पल्लयेतम् | पल्लयेत |
| | पल्लयेयम् | पल्लयेव | पल्लयेम |
| प० | पल्लयतु | पल्लयतात् | पल्लयताम् |
| | पल्लय | पल्लयतम् | पल्लयत |
| | पल्लयानि | पल्लयाव | पल्लयाम |
| ह्य० | अपल्लयत् | अपल्लयताम् | अपल्लयन् |
| | अपल्लयः | अपल्लयतम् | अपल्लयत |
| | अपल्लयम् | अपल्लयाव | अपल्लयाम |
| भ० | अपपल्लत् | अपपल्लताम् | अपपल्लन् |
| | अपपल्लः | अपपल्लतम् | अपपल्लत |
| | अपपल्लम् | अपपल्लाव | अपपल्लाम |
| प० | पल्लयाञ्चकार | पल्लयाञ्चक्रुः | पल्लयाञ्चकुः |
| | पल्लयाञ्चकथं | पल्लयाञ्चकथुः | पल्लयाञ्चक |
| | पल्लयाञ्चकार-चक्र | पल्लयाञ्चकृव | पल्लयाञ्चकृम |
| | पल्लयाञ्चभूव । | पल्लयामास | |
| भा० | पल्ल्यात् | पल्ल्यास्ताम् | पल्ल्यासुः |
| | पल्ल्याः | पल्ल्यास्तम् | पल्ल्यास्त |
| | पल्ल्यासम् | पल्ल्यास्व | पल्ल्यास्म |
| श्व० | पल्लयिता | पल्लयितारौ | पल्लयितारः |
| | पल्लयितासि | पल्लयितास्थः | पल्लयितास्थ |
| | पल्लयितास्मि | पल्लयितास्वः | पल्लयितास्मः |
| भ० | पल्लयिष्यति | पल्लयिष्यतः | पल्लयिष्यन्ति |
| | पल्लयिष्यसि | पल्लयिष्यथः | पल्लयिष्यथ |
| | पल्लयिष्यामि | पल्लयिष्यावः | पल्लयिष्यामः |
| क्रि० | अपल्लयिष्यत् | अपल्लयिष्यताम् | अपल्लयिष्यन् |
| | अपल्लयिष्यः | अपल्लयिष्यतम् | अपल्लयिष्यत |
| | अपल्लयिष्यम् | अपल्लयिष्याव | अपल्लयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|-----------------|
| व० | पल्लयेते | पल्लयेते | पल्लयन्ते |
| | पल्लयेसे | पल्लयेथे | पल्लयन्थे |
| | पल्लये | पल्लयावहे | पल्लयामहे |
| स० | पल्लयेत | पल्लयेताताम् | पल्लयेरन् |
| | पल्लयेथाः | पल्लयेथाथाम् | पल्लयेष्वम् |
| | पल्लयेय | पल्लयेवहि | पल्लयेमहि |
| प० | पल्लयताम् | पल्लयेताम् | पल्लयन्ताम् |
| | पल्लयस्व | पल्लयेथाम् | पल्लयध्वम् |
| | पल्लये | पल्लयावहै | पल्लयामहै |
| ह्य० | अपल्लयत | अपल्लयेताम् | अपल्लयन्त |
| | अपल्लयथाः | अपल्लयेथाम् | अपल्लयध्वम् |
| | अपल्लये | अपल्लयावहि | अपल्लयामहि |
| भ० | अपपल्लत | अपपल्लेताम् | अपपल्लन्त |
| | अपपल्लथाः | अपपल्लेथाम् | अपपल्लध्वम् |
| | अपपल्ले | अपपल्लावहि | अपपल्लामहि |
| प० | पल्लयाञ्चके | पल्लयाञ्चकाते | पल्लयाञ्चकिरे |
| | पल्लयाञ्चकृषे | पल्लयाञ्चकृथे | पल्लयाञ्चकृद्वे |
| | पल्लयाञ्चके | पल्लयाञ्चकृवहे | पल्लयाञ्चकृमहे |
| | पल्लयाञ्चभूव । | पल्लयामास | |
| भा० | पल्लयिषीष्ट | पल्लयिषीयास्ताम् | पल्लयिषीरन् |
| | पल्लयिषीष्टाः | पल्लयिषीयास्थाम् | पल्लयिषीद्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | पल्लयिषीय | पल्लयिषीवहि | पल्लयिषीमहि |
| श्व० | पल्लयिता | पल्लयितारौ | पल्लयितारः |
| | पल्लयितासे | पल्लयितासाथे | पल्लयिताथे |
| | पल्लयिताहे | पल्लयितास्वहे | पल्लयितास्महे |
| भ० | पल्लयिष्यते | पल्लयिष्येते | पल्लयिष्यन्ते |
| | पल्लयिष्यसे | पल्लयिष्येथे | पल्लयिष्यध्वे |
| | पल्लयिष्ये | पल्लयिष्यावहे | पल्लयिष्यामहे |
| क्रि० | अपल्लयिष्यत | अपल्लयिष्येताम् | अपल्लयिष्यन्त |
| | अपल्लयिष्यथाः | अपल्लयिष्येथाम् | अपल्लयिष्यध्वम् |
| | अपल्लयिष्ये | अपल्लयिष्यावहि | अपल्लयिष्यामहि |

४४२ वेल् (वेल्) गतौ ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| च० | वेल्थति | वेल्थतः | वेल्थन्ति |
| | वेल्थसि | वेल्थथः | वेल्थथ |
| | वेल्थामि | वेल्थावः | वेल्थामः |
| स० | वेल्थेत् | वेल्थेताम् | वेल्थेयुः |
| | वेल्थेः | वेल्थेतम् | वेल्थेत |
| | वेल्थेयम् | वेल्थेव | वेल्थेम |
| प० | वेल्थयु | वेल्थयात् | वेल्थयाम् |
| | वेल्थ | वेल्थतम् | वेल्थत |
| | वेल्थानि | वेल्थाव | वेल्थाम |
| ह्य० | अवेल्थत् | अवेल्थताम् | अवेल्थन् |
| | अवेल्थः | अवेल्थतम् | अवेल्थत |
| | अवेल्थम् | अवेल्थाव | अवेल्थाम |
| अ० | अविवेल्थत् | अविवेल्थताम् | अविवेल्थन् |
| | अविवेल्थः | अविवेल्थतम् | अविवेल्थत |
| | अविवेल्थम् | अविवेल्थाव | अविवेल्थाम |
| प० | वेल्थ्याञ्चकार | वेल्थ्याञ्चकतुः | वेल्थ्याञ्चकुः |
| | वेल्थ्याञ्चकथं | वेल्थ्याञ्चकथुः | वेल्थ्याञ्चक |
| | वेल्थ्याञ्चकार-चकर | वेल्थ्याञ्चकृव | वेल्थ्याञ्चकृम |
| | वेल्थ्याम्बभूव | वेल्थ्यामास | |
| आ० | वेल्थ्यात् | वेल्थ्यास्ताम् | वेल्थ्यासुः |
| | वेल्थ्याः | वेल्थ्यास्तम् | वेल्थ्यास्त |
| | वेल्थ्यासम् | वेल्थ्यास्व | वेल्थ्यास्म |
| श्व० | वेल्थयिता | वेल्थयितारौ | वेल्थयितारः |
| | वेल्थयितासि | वेल्थयितास्थः | वेल्थयितास्थ |
| | वेल्थयितास्मि | वेल्थयितास्वः | वेल्थयितास्मः |
| भ० | वेल्थिष्यति | वेल्थिष्यतः | वेल्थिष्यन्ति |
| | वेल्थिष्यसि | वेल्थिष्यथः | वेल्थिष्यथ |
| | वेल्थिष्यामि | वेल्थिष्यावः | वेल्थिष्यामः |
| क्रि० | अवेल्थिष्यत् | अवेल्थिष्यताम् | अवेल्थिष्यन् |
| | अवेल्थिष्यः | अवेल्थिष्यतम् | अवेल्थिष्यत |
| | अवेल्थिष्यम् | अवेल्थिष्याव | अवेल्थिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| व० | वेल्थते | वेल्थेते | वेल्थन्ते |
| | वेल्थसे | वेल्थेथे | वेल्थध्वे |
| | वेल्थे | वेल्थावहे | वेल्थामहे |
| स० | वेल्थेत | वेल्थेयाताम् | वेल्थेरन् |
| | वेल्थेथाः | वेल्थेयाथाम् | वेल्थेध्वम् |
| | वेल्थेय | वेल्थेवहि | वेल्थेमहि |
| प० | वेल्थताम् | वेल्थेताम् | वेल्थन्ताम् |
| | वेल्थस्व | वेल्थेयाम् | वेल्थध्वम् |
| | वेल्थै | वेल्थावहै | वेल्थामहै |
| ह्य० | अवेल्थत | अवेल्थेताम् | अवेल्थन्त |
| | अवेल्थथाः | अवेल्थेथाम् | अवेल्थध्वम् |
| | अवेल्थे | अवेल्थावहि | अवेल्थामहि |
| अ० | अविवेल्थत | अविवेल्थेताम् | अविवेल्थन्त |
| | अविवेल्थथाः | अविवेल्थेथाम् | अविवेल्थध्वम् |
| | अविवेल्थे | अविवेल्थावहि | अविवेल्थामहि |
| प० | वेल्थ्याञ्चके | वेल्थ्याञ्चकते | वेल्थ्याञ्चकिरे |
| | वेल्थ्याञ्चकृषे | वेल्थ्याञ्चकृषे | वेल्थ्याञ्चकृद्वे |
| | वेल्थ्याञ्चके | वेल्थ्याञ्चकृवहे | वेल्थ्याञ्चकृमहे |
| | वेल्थ्याम्बभूव | वेल्थ्यामास | |
| आ० | वेल्थिषीष्ट | वेल्थिषीयास्ताम् | वेल्थिषीरन् |
| | वेल्थिषीष्टाः | वेल्थिषीयास्थाम् | वेल्थिषीध्वम् |
| | वेल्थिषीय | वेल्थिषीवहि | वेल्थिषीमहि |
| श्व० | वेल्थयिता | वेल्थयितारौ | वेल्थयितारः |
| | वेल्थयितासे | वेल्थयितासाथे | वेल्थयिताध्वे |
| | वेल्थयिताहे | वेल्थयितास्वहे | वेल्थयितास्महे |
| भ० | वेल्थिष्यते | वेल्थिष्येते | वेल्थिष्यन्ते |
| | वेल्थिष्यसे | वेल्थिष्येथे | वेल्थिष्यध्वे |
| | वेल्थिष्ये | वेल्थिष्यावहे | वेल्थिष्यामहे |
| क्रि० | अवेल्थिष्यत | अवेल्थिष्येताम् | अवेल्थिष्यन्त |
| | अवेल्थिष्यथाः | अवेल्थिष्येथाम् | अवेल्थिष्यध्वम् |
| | अवेल्थिष्ये | अवेल्थिष्यावहि | अवेल्थिष्यामहि |

443 वेल् (वेल्) चलने ।

| | | | |
|-------|--------------------------|-----------------|----------------|
| १० | वेलयति | वेलयतः | वेलयन्ति |
| | वेलयसि | वेलयथः | वेलयथ |
| | वेलयामि | वेलयावः | वेलयामः |
| स० | वेलयेत् | वेलयेताम् | वेलयेयुः |
| | वेलयेः | वेलयेतम् | वेलयेत |
| | वेलयेयम् | वेल् १व | वेलयेम |
| प० | वेलयतु | वेलयतात् | वेलयन्तु |
| | वेलय | वेलयतम् | वेलयत |
| | वेलयानि | वेलयाव | वेलयाम |
| ह्य० | अवेलयत् | अवेलयताम् | अवेलयन् |
| | अवेलयः | अवेलयतम् | अवेलयत |
| | अवेलयम् | अवेलयाव | अवेलयाम |
| अ० | अविवेलत् | अविवेलताम् | अविवेलन् |
| | अविवेलः | अविवेलतम् | अविवेलत |
| | अविवेलम् | अवेवेलाव | अविवेलाम |
| प० | वेल्याञ्चकार | वेल्याञ्चक्रतुः | वेल्याञ्चक्रुः |
| | वेल्याञ्चकर्थ | वेल्याञ्चक्रथुः | वेल्याञ्चक्र |
| | वेल्याञ्चकार-चकर | वेल्याञ्चक्रव | वेल्याञ्चक्रम |
| | वेल्याम्बभूव । वेल्यामास | | |
| आ० | वेल्यात् | वेल्यास्ताम् | वेल्यासुः |
| | वेल्याः | वेल्यास्तम् | वेल्यास्त |
| | वेल्यासम् | वेल्यास्व | वेल्यास्म |
| श्च० | वेलयिता | वेलयितारौ | वेलयितारः |
| | वेलयितासि | वेलयितास्थः | वेलयितास्थ |
| | वेलयितास्मि | वेलयितास्वः | वेलयितास्मः |
| भ० | वेलयिष्यति | वेलयिष्यतः | वेलयिष्यन्ति |
| | वेलयिष्यसि | वेलयिष्यथः | वेलयिष्यथ |
| | वेलयिष्यामि | वेलयिष्यावः | वेलयिष्यामः |
| क्लि० | अवेलयिष्यत् | अवेलयिष्यताम् | अवेलयिष्यन् |
| | अवेलयिष्यः | अवेलयिष्यतम् | अवेलयिष्यत |
| | अवेलयिष्यम् | अवेलयिष्याव | अवेलयिष्याम |

444 चेल् (चेल्) चलने ।

| | | | |
|-------|--------------------------|-----------------|----------------|
| १० | चेलयति | चेलयतः | चेलयन्ति |
| | चेलयसि | चेलयथः | चेलयथ |
| | चेलयामि | चेलयावः | चेलयामः |
| स० | चेलयेत् | चेलयेताम् | चेलयेयुः |
| | चेलयेः | चेलयेतम् | चेलयेत |
| | चेलयेयम् | चेलयेव | चेलयेम |
| प० | चेलयतु | चेलयतात् | चेलयन्तु |
| | चेलय | चेलयतात् | चेलयत |
| | चेलयानि | चेलयाव | चेलयाम |
| ह्य० | अचेलयत् | अचेलयताम् | अचेलयन् |
| | अचेलयः | अचेलयतम् | अचेलयत |
| | अचेलयम् | अचेलयाव | अचेलयाम |
| अ० | अचिचेल् | अचिचेल्ताम् | अचिचेल्न् |
| | अचिचेल्ः | अचिचेल्तम् | अचिचेल्त |
| | अचिचेल्म् | अचिचेलाव | अचिचेलाम |
| प० | चेल्याञ्चकार | चेल्याञ्चक्रतुः | चेल्याञ्चक्रुः |
| | चेल्याञ्चकर्थ | चेल्याञ्चक्रथुः | चेवयाञ्चक्र |
| | चेल्याञ्चकार-चकर | चेल्याञ्चक्रव | चेल्याञ्चक्रम |
| | चेल्याम्बभूव । चेल्यामास | | |
| आ० | चेल्यात् | चेल्यास्ताम् | चेल्यासुः |
| | चेल्याः | चेल्यास्तम् | चेल्यास्त |
| | चेल्यासम् | चेल्यास्व | चेल्यास्म |
| श्च० | चेलयिता | चेलयितारौ | चेलयितारः |
| | चेलयितासि | चेलयितास्थः | चेलयितास्थ |
| | चेलयितास्मि | चेलयितास्वः | चेलयितास्मः |
| भ० | चेलयिष्यति | चेलयिष्यतः | चेलयिष्यन्ति |
| | चेलयिष्यसि | चेलयिष्यथः | चेलयिष्यथ |
| | चेलयिष्यामि | चेलयिष्यावः | चेलयिष्यामः |
| क्लि० | अचेलयिष्यत् | अचेलयिष्यताम् | अचेलयिष्यन् |
| | अचेलयिष्यः | अचेलयिष्यतम् | अचेलयिष्यत |
| | अचेलयिष्यम् | अचेलयिष्याव | अचेलयिष्याम |

446 क्वेल् (क्वेल्) चलने ।

| | | | |
|------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | क्वेलयति | क्वेलयतः | क्वेलयन्ति |
| | क्वेलयसि | क्वेलयथः | क्वेलयथ |
| | क्वेलयामि | क्वेलयावः | क्वेलयामः |
| स० | क्वेलयेत् | क्वेलयेताम् | क्वेलयेयुः |
| | क्वेलयेः | क्वेलयेतम् | क्वेलयेत |
| | क्वेलयेयम् | क्वेलयेव | क्वेलयेम |
| प० | क्वेलयतु | क्वेलयतात् | क्वेलयताम् |
| | क्वेलय | क्वेलयतात् | क्वेलयतम् |
| | क्वेलयानि | क्वेलयाव | क्वेलयाम |
| ह्य० | अक्वेलयत् | अक्वेलयताम् | अक्वेलयन् |
| | अक्वेलयः | अक्वेलयतम् | अक्वेलयत |
| | अक्वेलयम् | अक्वेलयाव | अक्वेलयाम |
| अ० | अचिक्वेल् | अचिक्वेल्ताम् | अचिक्वेल् |
| | अचिक्वेल् | अचिक्वेल्तम् | अचिक्वेल्त |
| | अचिक्वेल्म् | अचिक्वेल्वाव | अचिक्वेल्म |
| प० | क्वेलयाश्चकार | क्वेलयाश्चक्रुः | क्वेलयाश्चक्रुः |
| | क्वेलयाश्चकथं | क्वेलयाश्चक्रुः | क्वेलयाश्चक्रुः |
| | क्वेलयाश्चकार-चकर | क्वेलयाश्चक्रुव | क्वेलयाश्चक्रुम |
| | क्वेलयाम्बभूव | क्वेलयामास | |
| भा० | क्वेल्तात् | क्वेल्तास्ताम् | क्वेल्तासुः |
| | क्वेल्ताः | क्वेल्तास्तम् | क्वेल्तास्त |
| | क्वेल्तासम् | क्वेल्तास्व | क्वेल्तास्म |
| श्व० | क्वेल्थिता | क्वेल्थितारौ | क्वेल्थितारः |
| | क्वेल्थितासि | क्वेल्थितास्थः | क्वेल्थितास्थ |
| | क्वेल्थितास्मि | क्वेल्थितास्वः | क्वेल्थितास्मः |
| भ० | क्वेल्थिष्यति | क्वेल्थिष्यतः | क्वेल्थिष्यन्ति |
| | क्वेल्थिष्यसि | क्वेल्थिष्यथः | क्वेल्थिष्यथ |
| | क्वेल्थिष्यामि | क्वेल्थिष्यावः | क्वेल्थिष्यामः |
| क्र० | अक्वेल्थिष्यत् | अक्वेल्थिष्यताम् | अक्वेल्थिष्यन् |
| | अक्वेल्थिष्यः | अक्वेल्थिष्यतम् | अक्वेल्थिष्यत |
| | अक्वेल्थिष्यम् | अक्वेल्थिष्याव | अक्वेल्थिष्याम |

445 केल् (केल्) चलने

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | केलयति | केलयतः | केलयन्ति |
| | केलयसि | केलयथः | केलयथ |
| | केलयाभि | केलयावः | केलयामः |
| स० | केलयेत् | केलयेताम् | केलयेयुः |
| | केलयेः | केलयेतम् | केलयेत |
| | केलयेयम् | केलयेव | केलयेम |
| प० | केलयतु | केलयतात् | केलयताम् |
| | केलय | केलयतात् | केलयतम् |
| | केलयानि | केलयाव | केलयाम |
| ह्य० | अकेलयत् | अकेलयताम् | अकेलयन् |
| | अकेलयः | अकेलयतम् | अकेलयत |
| | अकेलयम् | अकेलयाव | अकेलयाम |
| अ० | अचिकेल् | अचिकेल्ताम् | अचिकेल् |
| | अचिकेल् | अचिकेल्तम् | अचिकेल्त |
| | अचिकेल्म् | अचिकेल्वाव | अचिकेल्म |
| प० | केलयाश्चकार | केलयाश्चक्रुः | केलयाश्चक्रुः |
| | केलयाश्चकथं | केलयाश्चक्रुः | केलयाश्चक्रुः |
| | केलयाश्चकार-चकर | केलयाश्चक्रुव | केलयाश्चक्रुम |
| | केलयाम्बभूव | केलयामास | |
| भा० | केल्तात् | केल्तास्ताम् | केल्तासुः |
| | केल्ताः | केल्तास्तम् | केल्तास्त |
| | केल्तासम् | केल्तास्व | केल्तास्म |
| श्व० | केल्थिता | केल्थितारौ | केल्थितारः |
| | केल्थितासि | केल्थितास्थः | केल्थितास्थ |
| | केल्थितास्मि | केल्थितास्वः | केल्थितास्मः |
| भ० | केल्थिष्यति | केल्थिष्यतः | केल्थिष्यन्ति |
| | केल्थिष्यसि | केल्थिष्यथः | केल्थिष्यथ |
| | केल्थिष्यामि | केल्थिष्यावः | केल्थिष्यामः |
| क्रि० | अकेल्थिष्यत् | अकेल्थिष्यताम् | अकेल्थिष्यन् |
| | अकेल्थिष्यः | अकेल्थिष्यतम् | अकेल्थिष्यत |
| | अकेल्थिष्यम् | अकेल्थिष्याव | अकेल्थिष्याम |

448 स्खल (स्खल्) चलने ।

| | | | |
|------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | स्खालयति | स्खालयतः | स्खालयन्ति |
| | स्खालयसि | स्खालयथः | स्खालयथ |
| | स्खालयामि | स्खालयावः | स्खालयामः |
| स० | स्खालयेत् | स्खालयेताम् | स्खालयेयुः |
| | स्खालयेः | स्खालयेतम् | स्खालयेत |
| | स्खालयेयम् | स्खालयेव | स्खालयेम |
| प० | स्खालयतु | स्खालयतात् | स्खालयताम् |
| | स्खालय | स्खालयतात् | स्खालयतम् |
| | स्खालयानि | स्खालयाव | स्खालयाम |
| ह्य० | अस्खालयत् | अस्खालयताम् | अस्खालयन् |
| | अस्खालयः | अस्खालयतम् | अस्खालयत |
| | अस्खालयम् | अस्खालयाव | अस्खालयाम |
| अ० | अचिस्खलत् | अचिस्खलताम् | अचिस्खलन् |
| | अचिस्खलः | अचिस्खलतम् | अचिस्खलत |
| | अचिस्खलम् | अचिस्खलाव | अचिस्खलाम |
| प० | स्खालयाञ्चकार | स्खालयाञ्चक्रुः | स्खालयाञ्चकुः |
| | स्खालयाञ्चकर्थ | स्खालयाञ्चक्रुः | स्खालयाञ्चक |
| | स्खालयाञ्चकार-चकर | स्खालयाञ्चकृव | स्खालयाञ्चकृम |
| | स्खालयाञ्चभूव | स्खालयामास | |
| आ० | स्खाल्यात् | स्खाल्यास्ताम् | स्खाल्यासुः |
| | स्खाल्याः | स्खाल्यास्तम् | स्खाल्यास्त |
| | स्खाल्यासम् | स्खाल्यास्व | स्खाल्यास्म |
| श्व० | स्खालयिता | स्खालयितारौ | स्खालयितारः |
| | स्खालयितासि | स्खालयितास्थः | स्खालयितास्थ |
| | स्खालयितास्मि | स्खालयितास्वः | स्खालयितास्मः |
| भ० | स्खालयिष्यति | स्खालयिष्यतः | स्खालयिष्यन्ति |
| | स्खालयिष्यसि | स्खालयिष्यथः | स्खालयिष्यथ |
| | स्खालयिष्यामि | स्खालयिष्यावः | स्खालयिष्यामः |
| क्र० | अस्खालयिष्यत् | अस्खालयिष्यताम् | अस्खालयिष्यन् |
| | अस्खालयिष्यः | अस्खालयिष्यतम् | अस्खालयिष्यत |
| | अस्खालयिष्यम् | अस्खालयिष्याव | अस्खालयिष्याम |

447 खेल (खेल) चलने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | खेलयति | खेलयतः | खेलयन्ति |
| | खेलयसि | खेलयथः | खेलयथ |
| | खेलयामि | खेलयावः | खेलयामः |
| स० | खेलयेत् | खेलयेताम् | खेलयेयुः |
| | खेलयेः | खेलयेतम् | खेलयेत |
| | खेलयेयम् | खेलयेव | खेलयेम |
| प० | खेलयतु | खेलयतात् | खेलयताम् |
| | खेलय | खेलयतात् | खेलयतम् |
| | खेलयानि | खेलयाव | खेलयाम |
| ह्य० | अखेलयत् | अखेलयताम् | अखेलयन् |
| | अखेलयः | अखेलयतम् | अखेलयत |
| | अखेलयम् | अखेलयाव | अखेलयाम |
| अ० | अचिखेलत् | अचिखेलताम् | अचिखेलन् |
| | अचिखेलः | अचिखेलतम् | अचिखेलत |
| | अचिखेलम् | अचिखेलाव | अचिखेलाम |
| प० | खेलयाञ्चकार | खेलयाञ्चक्रुः | खेलयाञ्चकुः |
| | खेलयाञ्चकर्थ | खेलयाञ्चक्रुः | खेलयाञ्चक |
| | खेलयाञ्चकार-चकर | खेलयाञ्चकृव | खेलयाञ्चकृम |
| | खेलयाञ्चभूव | खेलयामास | |
| आ० | खेल्यात् | खेल्यास्ताम् | खेल्यासुः |
| | खेल्याः | खेल्यास्तम् | खेल्यास्त |
| | खेल्यासम् | खेल्यास्व | खेल्यास्म |
| श्व० | खेलयिता | खेलयितारौ | खेलयितारः |
| | खेलयितासि | खेलयितास्थः | खेलयितास्थ |
| | खेलयितास्मि | खेलयितास्वः | खेलयितास्मः |
| भ० | खेलयिष्यति | खेलयिष्यतः | खेलयिष्यन्ति |
| | खेलयिष्यसि | खेलयिष्यथः | खेलयिष्यथ |
| | खेलयिष्यामि | खेलयिष्यावः | खेलयिष्यामः |
| क्रि० | अखेलयिष्यत् | अखेलयिष्यताम् | अखेलयिष्यन् |
| | अखेलयिष्यः | अखेलयिष्यतम् | अखेलयिष्यत |
| | अखेलयिष्यम् | अखेलयिष्याव | अखेलयिष्याम |

449 खल (खल्) संचये च ।

| | | | |
|------|------------------------|----------------|---------------|
| व० | खालयति | खालयतः | खालयन्ति |
| | खालयसि | खालयथः | खालयथ |
| | खालयामि | खालयावः | खालयामः |
| ख० | खालयेत् | खालयेताम् | खालयेयुः |
| | खालयेः | खालयेतम् | खालयेत |
| | खालयेयम् | खालयेव | खालयेम |
| प० | खालयतु | खालयतात् | खालयताम् |
| | खालय | खालयतात् | खालयतम् |
| | खालयानि | खालयाव | खालयाम |
| ह्य० | अखालयत् | अखालयताम् | अखालयन् |
| | अखालयः | अखालयतम् | अखालयत |
| | अखालयम् | अखालयाव | अखालयाम |
| अ० | अचीखलत् | अचीखलताम् | अचीखलन् |
| | अचीखलः | अचीखलतम् | अचीखलत |
| | अचीखलम् | अचीखलाव | अचीखलाम |
| प० | खालयाञ्चकार | खालयाञ्चक्रतुः | खालयाञ्चक्रुः |
| | खालयाञ्चकथं | खालयाञ्चक्रथुः | खालयाञ्चक्रु |
| | खालयाञ्चकार-चकर | खालयाञ्चकृव | खालयाञ्चकृम |
| | खालयाम्बभूव । चालयामास | | |
| आ० | खाल्यात् | खाल्यास्ताम् | खाल्यासुः |
| | खाल्याः | खाल्यास्तम् | खाल्यास्त |
| | खाल्यासम् | खाल्यास्व | खाल्यास्म |
| भ० | खालयिता | खालयितारौ | खालयितारः |
| | खालयितासि | खालयितासथः | खालयितासथ |
| | खालयितास्मि | खालयितास्वः | खालयितास्मः |
| भ० | खालयिष्यति | खालयिष्यतः | खालयिष्यन्ति |
| | खालयिष्यसि | खालयिष्यथः | खालयिष्यथ |
| | खालयिष्यामि | खालयिष्यावः | खालयिष्यामः |
| क्र० | अखालयिष्यत् | अखालयिष्यताम् | अखालयिष्यन् |
| | अखालयिष्यः | अखालयिष्यतम् | अखालयिष्यत |
| | अखालयिष्यम् | अखालयिष्याव | अखालयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | खालयते | खालयेते | खालयन्ते |
| | खालयसे | खालयेथे | खालयध्वे |
| | खालये | खालयावहे | खालयामहे |
| स० | खालयेत | खालयेयाताम् | खालयेरन् |
| | खालयेथाः | खालयेयाथाम् | खालयेध्वम् |
| | खालयेथ | खालयेवहि | खालयेमहि |
| प० | खालयताम् | खालयेताम् | खालयन्ताम् |
| | खालयस्व | खालयेथाम् | खालयध्वम् |
| | खालयै | खालयावहे | खालयामहे |
| ह्य० | अखालयत् | अखालयेताम् | अखालयन्त |
| | अखालयथाः | अखालयेथाम् | अखालयध्वम् |
| | अखालये | अखालयावहि | अखालयामहि |
| अ | अचीखलत् | अचीखलेताम् | अचीखलन्त |
| | अचीखलथाः | अचीखलेथाम् | अचीखलध्वम् |
| | अचीखले | अचीखलावहि | अचीखलानहि |
| प० | खालयाञ्चके | खालयाञ्चक्रते | खालयाञ्चकिरे |
| | खालयाञ्चकृषे | खालयाञ्चक्राथे | खालयाञ्चकृद्वे |
| | खालयाञ्चके | खालयाञ्चकृवहे | खालयाञ्चकृमहे |
| | खालयाम्बभूव । खालयामास | | |
| आ० | खालयिषीष्ट | खालयिषीयास्ताम् | खालयिषीरन् |
| | खालयिषीष्टाः | खालयिषीयास्थाम् | खालयिषीद्वम् |
| | खालयिषीय | खालयिषीवहि | खालयिषीमहि |
| भ्व० | खालयिता | खालयितारौ | खालयितारः |
| | खालयितासे | खालयितासाथे | खालयिताध्वे |
| | खालयिताहे | खालयितास्वहे | खालयितास्महे |
| भ० | खालयिष्यते | खालयिष्येते | खालयिष्यन्ते |
| | खालयिष्यसे | खालयिष्येथे | खालयिष्यध्वे |
| | खालयिष्ये | खालयिष्यावहे | खालयिष्यामहे |
| क्रि० | अखालयिष्यत् | अखालयिष्येताम् | अखालयिष्यन्त |
| | अखालयिष्यथाः | अखालयिष्येथाम् | अखालयिष्यध्वम् |
| | अखालयिष्ये | अखालयिष्यावहि | अखालयिष्यामहि |

450 श्वल (श्वल्) आशुगतौ ।

| | | | |
|------|------------------------|----------------------|--------------------|
| व० | प्रश्वालयति | प्रश्वालयतः | प्रश्वालयन्ति |
| | प्रश्वालयसि | प्रश्वालयथः | प्रश्वालयथ |
| | प्रश्वालयामि | प्रश्वाल्यावः | प्रश्वालयामः |
| स० | प्रश्वालयेत् | प्रश्वालयेताम् | प्रश्वालयेयुः |
| | प्रश्वालयेः | प्रश्वालयेतम् | प्रश्वालयेत |
| | प्रश्वालयेयम् | प्रश्वालयेव | प्रश्वालयेम |
| प० | प्रश्वालयतु | प्रश्वालयतात् | प्रश्वालयताम् |
| | प्रश्वाल्य | प्रश्वाल्यतात् | प्रश्वाल्यतम् |
| | प्रश्वालयानि | प्रश्वाल्याव | प्रश्वालयाम |
| ह्य० | अप्रश्वालयत् | अप्रश्वालयताम् | अप्रश्वालयन्त |
| | अप्रश्वालयः | अप्रश्वालयतम् | अप्रश्वालयत |
| | अप्रश्वालयम् | अप्रश्वाल्याव | अप्रश्वालयाम |
| अ० | अशिप्रश्वलत् | अशिप्रश्वलताम् | अशिप्रश्वलन्त |
| | अशिप्रश्वलः | अशिप्रश्वलतम् | अशिप्रश्वलत |
| | अशिप्रश्वलम् | अशिप्रश्वालाव | अशिप्रश्वालाम |
| प० | प्रश्वाल्याञ्चकार | प्रश्वाल्याञ्चक्रुः | प्रश्वाल्याञ्चकुः |
| | प्रश्वाल्याञ्चकथं | प्रश्वाल्याञ्चक्रथुः | प्रश्वाल्याञ्चक |
| | प्रश्वाल्याञ्चकार-चक्र | प्रश्वाल्याञ्चकृव | प्रश्वाल्याञ्चकृम |
| | प्रश्वाल्याम्बभूव | । | प्रश्वालयासास |
| अ० | प्रश्वाल्यात् | प्रश्वाल्यास्ताम् | प्रश्वाल्यासुः |
| | प्रश्वाल्याः | प्रश्वाल्यास्तम् | प्रश्वाल्यास्त |
| | प्रश्वाल्यासम् | प्रश्वाल्यास्व | प्रश्वाल्यास्म |
| श्व० | प्रश्वालयिता | प्रश्वालयितारौ | प्रश्वालयितारः |
| | प्रश्वालयितासि | प्रश्वालयितास्थः | प्रश्वालयितारथ |
| | प्रश्वालयितासिम् | प्रश्वालयितास्वः | प्रश्वालयितास्मः |
| भ० | प्रश्वालियिष्यति | प्रश्वालियिष्यतः | प्रश्वालियिष्यन्ति |
| | प्रश्वालियिष्यसि | प्रश्वालियिष्यथः | प्रश्वालियिष्यथ |
| | प्रश्वालियिष्यामि | प्रश्वालियिष्यावः | प्रश्वालियिष्यामः |
| क० | अप्रश्वालियिष्यत् | अप्रश्वालियिष्यताम् | अप्रश्वालियिष्यन्त |
| | अप्रश्वालियिष्यः | अप्रश्वालियिष्यतम् | अप्रश्वालियिष्यत |
| | अप्रश्वालियिष्यम् | अप्रश्वालियिष्याव | अप्रश्वालियिष्याम |

| | | | |
|------|--------------------|----------------------|----------------------|
| व० | प्रश्वालयेते | प्रश्वालयेते | प्रश्वालयेन्ते |
| | प्रश्वालयेसे | प्रश्वालयेथे | प्रश्वालयेष्वे |
| | प्रश्वालये | प्रश्वाल्यावहे | प्रश्वालयामहे |
| स० | प्रश्वालयेत | प्रश्वालयेयाताम् | प्रश्वालयेरन् |
| | प्रश्वालयेथाः | प्रश्वालयेयाथाम् | प्रश्वालयेष्वम् |
| | प्रश्वालयेय | प्रश्वालयेवहि | प्रश्वालयेमहि |
| प० | प्रश्वालयेताम् | प्रश्वालयेताम् | प्रश्वालयेन्ताम् |
| | प्रश्वालयेस्व | प्रश्वालयेथाम् | प्रश्वालयेष्वम् |
| | प्रश्वालये | प्रश्वाल्यावहे | प्रश्वालयामहे |
| ह्य० | अप्रश्वालयेत | अप्रश्वालयेताम् | अप्रश्वालयेन्त |
| | अप्रश्वालयेथाः | अप्रश्वालयेथाम् | अप्रश्वालयेष्वम् |
| | अप्रश्वालये | अप्रश्वाल्यावहि | अप्रश्वालयामहि |
| अ० | अशिप्रश्वलत् | अशिप्रश्वलेताम् | अशिप्रश्वलन्त |
| | अशिप्रश्वलाः | अशिप्रश्वलेथाम् | अशिप्रश्वलेष्वम् |
| | अशिप्रश्वले | अशिप्रश्वालावहि | अशिप्रश्वालामहि |
| प० | प्रश्वाल्याञ्चक्रे | प्रश्वाल्याञ्चकते | प्रश्वाल्याञ्चकिरे |
| | प्रश्वाल्याञ्चकृषे | प्रश्वाल्याञ्चकृथे | प्रश्वाल्याञ्चकृवहे |
| | प्रश्वाल्याञ्चके | प्रश्वाल्याञ्चकृवहे | प्रश्वाल्याञ्चकृमहे |
| | प्रश्वाल्याम्बभूव | । | प्रश्वालयासास |
| अ० | प्रश्वालयिषीष्ट | प्रश्वालयिषीयास्ताम् | प्रश्वालयिषीरन् |
| | प्रश्वालयिषीष्ठाः | प्रश्वालयिषीयाथाम् | प्रश्वालयिषीह्वम् |
| | प्रश्वालयिषीय | प्रश्वालयिषीवहि | प्रश्वालयिषीमहि |
| श्व० | प्रश्वालयिता | प्रश्वालयितारौ | प्रश्वालयितारः |
| | प्रश्वालयितासे | प्रश्वालयितासाथे | प्रश्वालयिताष्वे |
| | प्रश्वालयिताहे | प्रश्वालयितास्वहे | प्रश्वालयितास्महे |
| भ० | प्रश्वालयिष्येते | प्रश्वालयिष्येते | प्रश्वालयिष्यन्ते |
| | प्रश्वालयिष्येसे | प्रश्वालयिष्येथे | प्रश्वालयिष्येष्वे |
| | प्रश्वालयिष्ये | प्रश्वालयिष्यावहे | प्रश्वालयिष्यामहे |
| कि० | अप्रश्वालयिष्यत | अप्रश्वालयिष्येताम् | अप्रश्वालयिष्यन्त |
| | अप्रश्वालयिष्यथाः | अप्रश्वालयिष्येथाम् | अप्रश्वालयिष्येष्वम् |
| | अप्रश्वालयिष्ये | अप्रश्वालयिष्यावहि | अप्रश्वालयिष्यामहि |

45। श्वल् (श्वल्) आगु गतौ

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| ० | श्वल्लयति | श्वल्लयतः | श्वल्लयन्ति |
| | श्वल्लयसि | श्वल्लयथः | श्वल्लयथ |
| | श्वल्लयामि | श्वल्लयावः | श्वल्लयामः |
| स० | श्वल्लयेत् | श्वल्लयेताम् | श्वल्लयेयुः |
| | श्वल्लयेः | श्वल्लयेतम् | श्वल्लयेत |
| | श्वल्लयेयम् | श्वल्लयेव | श्वल्लयेम |
| प | श्वल्लयतु | श्वल्लयतात | श्वल्लयताम् |
| | श्वल्लय | श्वल्लयतम् | श्वल्लयत |
| | श्वल्लयानि | श्वल्लयाव | श्वल्लयाम |
| ह्य० | अश्वल्लयत् | अश्वल्लयताम् | अश्वल्लयन् |
| | अश्वल्लयः | अश्वल्लयतम् | अश्वल्लयत |
| | अश्वल्लयम् | अश्वल्लयाव | अश्वल्लयाम |
| अ० | अशश्वल्लत् | अशश्वल्लताम् | अशश्वल्लन् |
| | अशश्वल्लः | अशश्वल्लतम् | अशश्वल्लत |
| | अशश्वल्लम् | अशश्वल्लाव | अशश्वल्लाम |
| प० | श्वल्लयाञ्चकार | श्वल्लयाञ्चकतुः | श्वल्लयाञ्चकः |
| | श्वल्लयाञ्चकथे | श्वल्लयाञ्चकथुः | श्वल्लयाञ्चक |
| | श्वल्लयाञ्चकार-चकर | श्वल्लयाञ्चकृव | श्वल्लयाञ्चकृम |
| | श्वल्लयाञ्चभूव | श्वल्लयामास | |
| आ० | श्वल्ल्यात् | श्वल्ल्यास्ताम् | श्वल्ल्यासुः |
| | श्वल्ल्याः | श्वल्ल्यास्तम् | श्वल्ल्यास्त |
| | श्वल्ल्यासम् | श्वल्ल्यास्व | श्वल्ल्यास्म |
| भ० | श्वल्लयिता | श्वल्लयितारौ | श्वल्लयितारः |
| | श्वल्लयितासि | श्वल्लयितास्थः | श्वल्लयितास्थ |
| | श्वल्लयितास्मि | श्वल्लयितास्व | श्वल्लयितास्मः |
| भ० | श्वल्लयिष्यति | श्वल्लयिष्यतः | श्वल्लयिष्यन्ति |
| | श्वल्लयिष्यसि | श्वल्लयिष्यथः | श्वल्लयिष्यथ |
| | श्वल्लयिष्यामि | श्वल्लयिष्यावः | श्वल्लयिष्यामः |
| क्रि० | अश्वल्लयिष्यत् | अश्वल्लयिष्यताम् | अश्वल्लयिष्यन् |
| | अश्वल्लयिष्यः | अश्वल्लयिष्यतम् | अश्वल्लयिष्यत |
| | अश्वल्लयिष्यम् | अश्वल्लयिष्याव | अश्वल्लयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | श्वल्लयते | श्वल्लयेते | श्वल्लयन्ते |
| | श्वल्लयसे | श्वल्लयेथे | श्वल्लयध्वे |
| | श्वल्लये | श्वल्लयावहे | श्वल्लयामहे |
| स० | श्वल्लयेत् | श्वल्लयेयाताम् | श्वल्लयेरन् |
| | श्वल्लयेथाः | श्वल्लयेयाथाम् | श्वल्लयेध्वम् |
| | श्वल्लयेय | श्वल्लयेवहि | श्वल्लयेमहि |
| प० | श्वल्लयताम् | श्वल्लयेताम् | श्वल्लयन्ताम् |
| | श्वल्लयस्व | श्वल्लयेथाम् | श्वल्लयध्वम् |
| | श्वल्लये | श्वल्लयावहे | श्वल्लयामहे |
| ह्य० | अश्वल्लयत | अश्वल्लयेताम् | अश्वल्लयन्त |
| | अश्वल्लयथाः | अश्वल्लयेथाम् | अश्वल्लयध्वम् |
| | अश्वल्लये | अश्वल्लयावहि | अश्वल्लयामहि |
| अ० | अशश्वल्लत | अशश्वल्लेताम् | अशश्वल्लन्त |
| | अशश्वल्लथाः | अशश्वल्लेथाम् | अशश्वल्लध्वम् |
| | अशश्वल्ले | अशश्वल्लावहि | अशश्वल्लामहि |
| प० | श्वल्लयाञ्चके | श्वल्लयाञ्चकते | श्वल्लयाञ्चकिरे |
| | श्वल्लयाञ्चक्रे | श्वल्लयाञ्चकाथे | श्वल्लयाञ्चकृव |
| | श्वल्लयाञ्चके | श्वल्लयाञ्चकृवहे | श्वल्लयाञ्चकृमहे |
| | श्वल्लयाञ्चभूव | श्वल्लयामास | |
| आ० | श्वल्लयिषीष्ट | श्वल्लयिषीयास्ताम् | श्वल्लयिषीरन् |
| | श्वल्लयिषीष्ठाः | श्वल्लयिषीयास्थाम् | श्वल्लयिषीध्वम् |
| | श्वल्लयिषीय | श्वल्लयिषीवहि | श्वल्लयिषीमहि |
| भ० | श्वल्लयिता | श्वल्लयितारौ | श्वल्लयितारः |
| | श्वल्लयितासे | श्वल्लयितासाथे | श्वल्लयिताध्वे |
| | श्वल्लयिताहे | श्वल्लयितावहे | श्वल्लयितास्महे |
| भ० | श्वल्लयिष्यते | श्वल्लयिष्येते | श्वल्लयिष्यन्ते |
| | श्वल्लयिष्यसे | श्वल्लयिष्येथे | श्वल्लयिष्यध्वे |
| | श्वल्लयिष्ये | श्वल्लयिष्यावहे | श्वल्लयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्वल्लयिष्यत् | अश्वल्लयिष्येताम् | अश्वल्लयिष्यन्त |
| | अश्वल्लयिष्यथाः | अश्वल्लयिष्येथाम् | अश्वल्लयिष्यध्वम् |
| | अश्वल्लयिष्ये | अश्वल्लयिष्यावहि | अश्वल्लयिष्यामहि |

452 गल् (गल्) अदने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | गालयति | गालयतः | गालयन्ति |
| | गालयसि | गालयथः | गालयथ |
| | गालयामि | गालयावः | गालयामः |
| स० | गालयेत् | गालयेताम् | गालयेयुः |
| | गालयेः | गालयेतम् | गालयेत |
| | गालयेयम् | गालयेव | गालयेम |
| प० | गालयतु | गालयतात् | गालयताम् |
| | गालय | गालयतम् | गालयत |
| | गालयानि | गालयाव | गालयाम |
| ह्य० | अगालयत् | अगालयताम् | अगालयन् |
| | अगालयः | अगालयतम् | अगालयत |
| | अगालयम् | अगालयाव | अगालयाम |
| अ० | अजीगलत् | अजीगलताम् | अजीगलन् |
| | अजीगलः | अजीगलतम् | अजीगलत |
| | अजीगलम् | अजीगलाव | अजीगलाम |
| प० | गालयाञ्चकार | गालयाञ्चकतुः | गालयाञ्चकुः |
| | गालयाञ्चकथं | गालयाञ्चकथुः | गालयाञ्चक |
| | गालयाञ्चकार-चकर | गालयाञ्चकृव | गालयाञ्चकृम |
| | गालयाम्बभूव | गालयामास | |
| आ० | गाल्यात् | गाल्यास्ताम् | गाल्यासुः |
| | गाल्याः | गाल्यास्तम् | गाल्यास्त |
| | गाल्यासम् | गाल्यास्व | गाल्यास्म |
| श्च० | गालयिता | गालयितारौ | गालयितारः |
| | गालयितासि | गालयितास्थः | गालयितास्थ |
| | गालयितास्मि | गालयितास्वः | गालयितास्मः |
| भ० | गालयिष्यति | गालयिष्यतः | गालयिष्यन्ति |
| | गालयिष्यसि | गालयिष्यथः | गालयिष्यथ |
| | गालयिष्यामि | गालयिष्यावः | गालयिष्यामः |
| क्रि० | अगालयिष्यत् | अगालयिष्यताम् | अगालयिष्यन् |
| | अगालयिष्यः | अगालयिष्यतम् | अगालयिष्यत |
| | अगालयिष्यम् | अगालयिष्याव | अगालयिष्याम |

॥ अथ वान्ताः सप्तत्रिंशत् ॥

453 चर्व (चर्व) अदने

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | चर्वयति | चर्वयतः | चर्वयन्ति |
| | चर्वयसि | चर्वयथः | चर्वयथ |
| | चर्वयामि | चर्वयावः | चर्वयामः |
| स० | चर्वयेत् | चर्वयेताम् | चर्वयेयुः |
| | चर्वयेः | चर्वयेतम् | चर्वयेत |
| | चर्वयेयम् | चर्वयेव | चर्वयेम |
| प० | चर्वयतु | चर्वयतात् | चर्वयताम् |
| | चर्वय | चर्वयतम् | चर्वयत |
| | चर्वयानि | चर्वयाव | चर्वयाम |
| ह्य० | अचर्वयत् | अचर्वयताम् | अचर्वयन् |
| | अचर्वयः | अचर्वयतम् | अचर्वयत |
| | अचर्वयम् | अचर्वयाव | अचर्वयाम |
| अ० | अचचर्वत् | अचचर्वताम् | अचचर्वन् |
| | अचचर्वः | अचचर्वतम् | अचचर्वत |
| | अचचर्वम् | अचचर्वाव | अचचर्वाम |
| प० | चर्वयाञ्चकार | चर्वयाञ्चकतुः | चर्वयाञ्चकुः |
| | चर्वयाञ्चकथं | चर्वयाञ्चकथुः | चर्वयाञ्चक |
| | चर्वयाञ्चकार-चकर | चर्वयाञ्चकृव | चर्वयाञ्चकृम |
| | चर्वयाम्बभूव | चर्वयामास | |
| आ० | चर्व्यात् | चर्व्यास्ताम् | चर्व्यासुः |
| | चर्व्याः | चर्व्यास्तम् | चर्व्यास्त |
| | चर्व्यासम् | चर्व्यास्व | चर्व्यास्म |
| श्च० | चर्वयिता | चर्वयितारौ | चर्वयितारः |
| | चर्वयितासि | चर्वयितास्थः | चर्वयितास्थ |
| | चर्वयितास्मि | चर्वयितास्वः | चर्वयितास्मः |
| भ० | चर्वयिष्यति | चर्वयिष्यतः | चर्वयिष्यन्ति |
| | चर्वयिष्यसि | चर्वयिष्यथः | चर्वयिष्यथ |
| | चर्वयिष्यामि | चर्वयिष्यावः | चर्वयिष्यामः |
| क्रि० | अचर्वयिष्यत् | अचर्वयिष्यताम् | अचर्वयिष्यन् |
| | अचर्वयिष्यः | अचर्वयिष्यतम् | अचर्वयिष्यत |
| | अचर्वयिष्यम् | अचर्वयिष्याव | अचर्वयिष्याम |

453 पूर्व (पूर्व) प्ररणे

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------|
| ब० पूर्वयति | पूर्वयतः | पूर्वयन्ति |
| पूर्वयसि | पूर्वयथः | पूर्वयथ |
| पूर्वयामि | पूर्वयावः | पूर्वयामः |
| स० पूर्वयेत् | पूर्वयेताम् | पूर्वयेयुः |
| पूर्वयेः | पूर्वयेतम् | पूर्वयेत |
| पूर्वयेयम् | पूर्वयेव | पूर्वयेयम् |
| प० पूर्वयन्तु | पूर्वयतात् | पूर्वयताम् |
| पूर्वय | पूर्वयतात् | पूर्वयतम् |
| पूर्वयाणि | पूर्वयाव | पूर्वयाम |
| ह्य० अपूर्वयत् | अपूर्वयताम् | अपूर्वयन् |
| अपूर्वयः | अपूर्वयतम् | अपूर्वयत |
| अपूर्वयम् | अपूर्वयाव | अपूर्वयाम |
| अ० अपुपूर्वत् | अपुपूर्वताम् | अपुपूर्वन् |
| अपुपूर्वः | अपुपूर्वतम् | अपुपूर्वत |
| अपुपूर्वम् | अपुपूर्वाव | अपुपूर्वाम |
| प० पूर्वयाश्चकार | पूर्वयाश्चक्रुः | पूर्वयाश्चक्रुः |
| पूर्वयाश्चक्य | पूर्वयाश्चक्रुः | पूर्वयाश्चक्रुः |
| पूर्वयाश्चकार-चक्र | पूर्वयाश्चक्रव | पूर्वयाश्चक्रम् |
| पूर्वयाम्बभूव | पूर्वयामास | |
| आ० पूर्वायत् | पूर्वास्ताम् | पूर्वायुः |
| पूर्वायः | पूर्वास्तम् | पूर्वास्त |
| पूर्वासम् | पूर्वास्व | पूर्वास्म |
| श० पूर्वयिता | पूर्वयितारौ | पूर्वयितारः |
| पूर्वयितासि | पूर्वयितास्थः | पूर्वयितास्थ |
| पूर्वयितास्मि | पूर्वयितास्वः | पूर्वयितास्मः |
| भ० पूर्वयिष्यति | पूर्वयिष्यतः | पूर्वयिष्यन्ति |
| पूर्वयिष्यसि | पूर्वयिष्यथः | पूर्वयिष्यथ |
| पूर्वयिष्यामि | पूर्वयिष्यावः | पूर्वयिष्यामः |
| क्रि० अपूर्वयिष्यत् | अपूर्वयिष्यताम् | अपूर्वयिष्यन् |
| अपूर्वयिष्यः | अपूर्वयिष्यतम् | अपूर्वयिष्यत |
| अपूर्वयिष्यम् | अपूर्वयिष्याव | अपूर्वयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|-------------------|
| व० पूर्वयते | पूर्वयेते | पूर्वयन्ते |
| पूर्वयसे | पूर्वयेथे | पूर्वयन्थे |
| पूर्वये | पूर्वयावहे | पूर्वयामहे |
| स० पूर्वयेत् | पूर्वयेयाताम् | पूर्वयेरन् |
| पूर्वयेथाः | पूर्वयेयाताम् | पूर्वयेष्वम् |
| पूर्वयेय | पूर्वयेवहि | पूर्वयेमहि |
| प० पूर्वयताम् | पूर्वयेताम् | पूर्वयन्ताम् |
| पूर्वयस्व | पूर्वयेथाम् | पूर्वयेष्वम् |
| पूर्वये | पूर्वयावहे | पूर्वयामहे |
| ह्य० अपूर्वयत | अपूर्वयेताम् | अपूर्वयन्त |
| अपूर्वयथाः | अपूर्वयेथाम् | अपूर्वयेष्वम् |
| अपूर्वये | अपूर्वयावहि | अपूर्वयामहि |
| अ० अपुपूर्वत् | अपुपूर्वताम् | अपुपूर्वन्त |
| अपुपूर्वथाः | अपुपूर्वथाम् | अपुपूर्वेष्वम् |
| अपुपूर्वे | अपुपूर्वावहि | अपुपूर्वामहि |
| प० पूर्वयाश्चक्रे | पूर्वयाश्चक्रते | पूर्वयाश्चक्रिरे |
| पूर्वयाश्चकृषे | पूर्वयाश्चक्राथे | पूर्वयाश्चक्रुवहे |
| पूर्वयाश्चक्रे | पूर्वयाश्चक्रवहे | पूर्वयाश्चक्रुमहे |
| पूर्वयाम्बभूव | पूर्वयामास | |
| आ० पूर्वयिषीष्ट | पूर्वयिषीयास्ताम् | पूर्वयिषीरन् |
| पूर्वयिषीष्ठाः | पूर्वयिषीयास्याम् | पूर्वयिषीढ्वम् |
| | | चम |
| पूर्वयिषीय | पूर्वयिषीवहि | पूर्वयिषीमहि |
| श० पूर्वयिता | पूर्वयितारौ | पूर्वयितारः |
| पूर्वयितासे | पूर्वयितासाथे | पूर्वयितास्वहे |
| पूर्वयिताहे | पूर्वयितास्वहे | पूर्वयितास्महे |
| भ० पूर्वयिष्यते | पूर्वयिष्येते | पूर्वयिष्यन्ते |
| पूर्वयिष्यसे | पूर्वयिष्येथे | पूर्वयिष्यन्थे |
| पूर्वयिष्ये | पूर्वयिष्यावहे | पूर्वयिष्यामहे |
| क्रि० अपूर्वयिष्यत् | अपूर्वयिष्येताम् | अपूर्वयिष्यन्त |
| अपूर्वयिष्यथाः | अपूर्वयिष्येथाम् | अपूर्वयिष्येष्वम् |
| अपूर्वयिष्ये | अपूर्वयिष्यावहि | अपूर्वयिष्यामहि |

455 पर्व (पर्व) पूरणे ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० पर्वयति | पर्वयतः | पर्वयन्ति |
| पर्वयसि | पर्वयथः | पर्वयथ |
| पर्वयामि | पर्वयावः | पर्वयामः |
| स० पर्वयेत् | पर्वयेताम् | पर्वयेयुः |
| पर्वयेः | पर्वयेतम् | पर्वयेत |
| पर्वयेयम् | पर्वयेव | पर्वयेम |
| प० पर्वयन्तु | पर्वयतात् | पर्वयन्तु |
| पर्वय | पर्वयताप् | पर्वयत |
| पर्वयाणि | पर्वयाव | पर्वयाम |
| झ० अपर्वयत् | अपर्वयताम् | अपर्वयन् |
| अपर्वयः | अपर्वयतम् | अपर्वयत |
| अपर्वयम् | अपर्वयाव | अपर्वयाम |
| झ० अपपर्वत् | अपपर्वताम् | अपपर्वन् |
| अपपर्वः | अपपर्वतम् | अपपर्वत |
| अपपर्वम् | अपपर्वाव | अपपर्वाम |
| ण० पर्वयाश्चकार | पर्वयाश्चक्रुः | पर्वयाश्चक्रुः |
| पर्वयाश्चकथं | पर्वयाश्चक्रुः | पर्वयाश्चक्रुः |
| पर्वयाश्चकार-चक्र | पर्वयाश्चक्रुव | पर्वयाश्चक्रुम |
| पर्वयाम्बभूव | पर्वयामास | |
| आ० पर्व्यात् | पर्व्यास्ताम् | पर्व्यासुः |
| पर्व्याः | पर्व्यास्तम् | पर्व्यास्त |
| पर्व्यासम् | पर्व्यास्व | पर्व्यास्म |
| श्व० पर्वयिता | पर्वयितारौ | पर्वयितारः |
| पर्वयितासि | पर्वयितास्थः | पर्वयितास्थ |
| पर्वयितास्मि | पर्वयितास्वः | पर्वयितास्मः |
| अ० पर्वयिष्यति | पर्वयिष्यतः | पर्वयिष्यन्ति |
| पर्वयिष्यसि | पर्वयिष्यथः | पर्वयिष्यथ |
| पर्वयिष्यामि | पर्वयिष्यावः | पर्वयिष्यामः |
| क्रि० अपर्वयिष्यत् | अपर्वयिष्यताम् | अपर्वयिष्यन् |
| अपर्वयिष्यः | अपर्वयिष्यतम् | अपर्वयिष्यत |
| अपर्वयिष्यम् | अपर्वयिष्याव | अपर्वयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० पर्वयते | पर्वयेते | पर्वयन्ते |
| पर्वयसे | पर्वयेथे | पर्वयध्वे |
| पर्वये | पर्वयावहे | पर्वयामहे |
| स० पर्वयेत | पर्वयेयाताम् | पर्वयेरन् |
| पर्वयेथाः | पर्वयेयाथाम् | पर्वयेध्वम् |
| पर्वयेय | पर्वयेवहि | पर्वयेमहि |
| प० पर्वयताम् | पर्वयेताम् | पर्वयन्ताम् |
| पर्वयस्व | पर्वयेथाम् | पर्वयध्वम् |
| पर्वये | पर्वयावहे | पर्वयामहे |
| ह्य० अपर्वयत | अपर्वयेताम् | अपर्वयन्त |
| अपर्वयथाः | अपर्वयेथाम् | अपर्वयध्वम् |
| अपर्वये | अपर्वयावहि | अपर्वयामहि |
| क० अपपर्वत | अपतर्वेताम् | अपपर्वन्त |
| अपपर्वथाः | अपपर्वेथाम् | अपपर्वध्वम् |
| अपपर्वे | अपपर्वावहि | अपपर्वामहि |
| प० पर्वयाश्चक्रे | पर्वयाश्चक्राते | पर्वयाश्चक्रिरे |
| पर्वयाश्चकृषे | पर्वयाश्चक्राये | पर्वयाश्चकृद्वे |
| पर्वयाश्चक्रे | पर्वयाश्चकृवहे | पर्वयाश्चकृमहे |
| पर्वयाम्बभूव | पर्वयामास | |
| आ० पर्वयिषीष्ट | पर्वयिषीयास्ताम् | पर्वयिषीरन् |
| पर्वयिषीष्टाः | पर्वयिषीयास्थाम् | पर्वयिषीध्वम् |
| पर्वयिषीय | पर्वयिषीवहि | पर्वयिषीमहि |
| श्व० पर्वयिता | पर्वयितारौ | पर्वयितारः |
| पर्वयितासे | पर्वयितासाथे | पर्वयिताध्वे |
| पर्वयिताहे | पर्वयितास्वहे | पर्वयितास्महे |
| अ० पर्वयिष्यते | पर्वयिष्येते | पर्वयिष्यन्ते |
| पर्वयिष्यसे | पर्वयिष्येथे | पर्वयिष्यध्वे |
| पर्वयिष्ये | पर्वयिष्यावहे | पर्वयिष्यामहे |
| क्रि० अपर्वयिष्यत् | अपर्वयिष्येताम् | अपर्वयिष्यन्त |
| अपर्वयिष्यथाः | अपर्वयिष्येथाम् | अपर्वयिष्यध्वम् |
| अपर्वयिष्ये | अपर्वयिष्यावहि | अपर्वयिष्यामहि |

456 मर्व मर्व) पूरणे ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| ब० मर्वयति | मर्वयतः | मर्वयन्ति |
| मर्वयसि | मर्वयथः | मर्वयथ |
| मर्वयामि | मर्वयावः | मर्वयामः |
| स० मर्वयेत् | मर्वयेताम् | मर्वयेयुः |
| मर्वयेः | मर्वयेतम् | मर्वयेत |
| मर्वयेयम् | मर्वयेव | मर्वयेम |
| प० मर्वयतु | मर्वयतात् | मर्वयन्तु |
| मर्वय | मर्वयतात् | मर्वयताम् |
| मर्वयाणि | मर्वयाव | मर्वयाम |
| ह्य० अमर्वयत् | अमर्वयताम् | अमर्वयन् |
| अमर्वयः | अमर्वयतम् | अमर्वयत |
| अमर्वयम् | अमर्वयाव | अमर्वयाम |
| अ० अममर्वत् | अममर्वताम् | अममर्वन् |
| अममर्वः | अममर्वतम् | अममर्वत |
| अममर्वम् | अममर्वाव | अममर्वाम |
| प० मर्वयाश्चकार | मर्वयाश्चकृतुः | मर्वयाश्चक्रुः |
| मर्वयाश्चकर्थ | मर्वयाश्चक्रथुः | मर्वयाश्चक्र |
| मर्वयाश्चकार-चकर | मर्वयाश्चक्रव | मर्वयाश्चक्रम |
| मर्वयाम्बभूव | मर्वयामास | |
| भा० मर्व्यात् | मर्व्यास्ताम् | मर्व्यासुः |
| मर्व्याः | मर्व्यास्तम् | मर्व्यास्त |
| मर्व्यासम् | मर्व्यास्व | मर्व्यास्म |
| भ० मर्वयिता | मर्वयितारो | मर्वयितारः |
| मर्वयितासि | मर्वयितास्वः | मर्वयितस्थ |
| मर्वयितास्म | मर्वयितास्वः | मर्वयेतास्मः |
| भा० मर्वयिष्यत् | मर्वयिष्यतः | मर्वयिष्यन्त |
| मर्वयिष्यसि | मर्वयिष्यथः | मर्वयिष्यथ |
| मर्वयिष्यामि | मर्वयिष्यावः | मर्वयिष्यामः |
| क्रि० अमर्वयिष्यत् | अमर्वयिष्यताम् | अमर्वयिष्यन् |
| अमर्वयिष्यः | अमर्वयिष्यतम् | अमर्वयिष्यत |
| अमर्वयिष्यम् | अमर्वयिष्याव | अमर्वयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० मर्वयते | मर्वयते | मर्वयन्ते |
| मर्वयसे | मर्वयथे | मर्वयन्वे |
| मर्वये | मर्वयावहे | मर्वयामहे |
| स० मर्वयेत् | मर्वयेताताम् | मर्वयेरन् |
| मर्वयेथा | मर्वयेथाताम् | मर्वयेध्वम् |
| मर्वयेय | मर्वयेवहि | मर्वयेमहि |
| प० मर्वयताम् | मर्वयेताम् | मर्वयन्ताम् |
| मर्वयस्व | मर्वयेथाम | मर्वयध्वम् |
| मर्वये | मर्वयावहे | मर्वयामहे |
| ह्य० अमर्वयत | अमर्वयेताम् | अमर्वयन्त |
| अमर्वयथाः | अमर्वयेथाम् | अमर्वयध्वम् |
| अमर्वये | अमर्वयावहि | अमर्वयामहि |
| अ० अममर्वत् | अममर्वेता | अममर्वन्त |
| अममर्वथाः | अममर्वेथाम् | अममर्वध्वम् |
| अममर्वे | अममर्वावहि | अममर्वामहि |
| प० मर्वयाश्चक्रे | मर्वयाश्चक्राते | मर्वयाश्चक्रिरे |
| मर्वयाश्चक्रुषे | मर्वयाश्चक्राथे | मर्वयाश्चक्रुवहे |
| मर्वयाश्चक्रे | मर्वयाश्चक्रवहे | मर्वयाश्चक्रमहे |
| मर्वयाम्बभूव | मर्वयामास | |
| आ० मर्वयिषीष्ट | मर्वयिषीयास्ताम् | मर्वयिषीरन् |
| मर्वयिषीष्टाः | मर्वयिषीयास्ताम् | मर्वयिषीरुवम् |
| मर्वयिषीय | मर्वयिषीवहि | मर्वयिषीमह |
| भ० मर्वयिता | मर्वयितारो | मर्वयितारः |
| मर्वयितासे | मर्वयितसाथे | मर्वयितावे |
| मर्वयिताहे | मर्वयितस्वहे | मर्वयितास्महे |
| भ० मर्वयिष्यते | मर्वयिष्येते | मर्वयिष्यन्ते |
| मर्वयिष्यसे | मर्वयिष्येथे | मर्वयिष्ये |
| मर्वयिष्ये | मर्वयिष्यावहे | मर्वयिष्यामहे |
| क्रि० अमर्वयिष्यत | अमर्वयिष्येताम् | अमर्वयिष्यन्त |
| अमर्वयिष्यथाः | अमर्वयिष्येथाम् | अमर्वयिष्यध्वम् |
| अमर्वयिष्ये | अमर्वयिष्यावहि | अमर्वयिष्यामहि |

457 मर्व (मर्व गतौ । मर्व 456 वदपाणि

458 धव् (धन्व) गतौ

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० धन्वयति | धन्वयतः | धन्वयन्ति |
| धन्वयसि | धन्वयथः | धन्वयथ |
| धन्वयामि | धन्वयावः | धन्वयामः |
| स० धन्वयेत् | धन्वयेताम् | धन्वयेयुः |
| धन्वयेः | धन्वयेतम् | धन्वयेत |
| धन्वयेयम् | धन्वयेव | धन्वयेम |
| प० धन्वयतु | धन्वयतात् | धन्वयताम् |
| धन्वय | धन्वयतम् | धन्वयत |
| धन्वयानि | धन्वयाव | धन्वयाम |
| ह्य० अधन्वयत् | अधन्वयताम् | अधन्वयन् |
| अधन्वयः | अधन्वयतम् | अधन्वयत |
| अधन्वयम् | अधन्वयाव | अधन्वयाम |
| अ० अदधन्वत् | अदधन्वताम् | अदधन्वन् |
| अदधन्वः | अदधन्वतम् | अदधन्वत |
| अदधन्वम् | अदधन्वाव | अदधन्वाम |
| प० धन्वयाञ्चकार | धन्वयाञ्चकतुः | धन्वयाञ्चकुः |
| धन्वयाञ्चकर्थे | धन्वयाञ्चकथुः | धन्वयाञ्चक |
| धन्वयाञ्चकार-चकर | धन्वयाञ्चकृव | धन्वयाञ्चकृम |
| धन्वयाम्बभूव | धन्वयामास | |
| आ० धन्व्यात् | धन्व्यास्ताम् | धन्व्यासुः |
| धन्व्याः | धन्व्यास्तम् | धन्व्यास्त |
| धन्व्यासम् | धन्व्यास्व | धन्व्यासम |
| श्व० धन्वयिता | धन्वयितारौ | धन्वयितारः |
| धन्वयितासि | धन्वयितास्थः | धन्वयितास्थ |
| धन्वयितास्मि | धन्वयितास्वः | धन्वयितास्मः |
| भ० धन्वयिष्यति | धन्वयिष्यतः | धन्वयिष्यन्ति |
| धन्वयिष्यसि | धन्वयिष्यथः | धन्वयिष्यथ |
| धन्वयिष्यामि | धन्वयिष्यावः | धन्वयिष्यामः |
| कि० अधन्वयिष्यत् | अधन्वयिष्यताम् | अधन्वयिष्यन् |
| अधन्वयिष्यः | अधन्वयिष्यतम् | अधन्वयिष्यत |
| अधन्वयिष्यम् | अधन्वयिष्याव | अधन्वयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| व० धन्वयते | धन्वयेते | धन्वयन्ते |
| धन्वयसे | धन्वयेथे | धन्वयध्वे |
| धन्वये | धन्वयावहे | धन्वयामहे |
| स० धन्वयेत | धन्वयेयाताम् | धन्वयेरन् |
| धन्वयेथाः | धन्वयेयाथाम् | धन्वयेध्वम् |
| धन्वयेय | धन्वयेवहि | धन्वयेमहि |
| प० धन्वयताम् | धन्वयेताम् | धन्वयन्ताम् |
| धन्वयस्व | धन्वयेथाम् | धन्वयध्वम् |
| धन्वये | धन्वयावहे | धन्वयामहे |
| ह्य० अधन्वयत | अधन्वयेताम् | अधन्वयन्त |
| अधन्वयथाः | अधन्वयेथाम् | अधन्वयध्वम् |
| अधन्वये | अधन्वयावहि | अधन्वयामहि |
| अ० अदधन्वत | अदधन्वेताम् | अदधन्वन्त |
| अदधन्वथाः | अदधन्वेथाम् | अदधन्वध्वम् |
| अदधन्वे | अदधन्वावहि | अदधन्वामहि |
| प० धन्वयाञ्चक्रे | धन्वयाञ्चकाते | धन्वयाञ्चकिरे |
| धन्वयाञ्चकृषे | धन्वयाञ्चकाथे | धन्वयाञ्चकृद्वे |
| धन्वयाञ्चके | धन्वयाञ्चकृवहे | धन्वयाञ्चकृमहे |
| धन्वयाम्बभूव | धन्वयामास | |
| आ० धन्वयिषीष्ट | धन्वयिषीयास्ताम् | धन्वयिषीरन् |
| धन्वयिषीष्ठाः | धन्वयिषीयास्थाम् | धन्वयिषीद्वम् |
| धन्वयिषीय | धन्वयिषीवहि | धन्वयिषीमहि |
| श्व० धन्वयिता | धन्वयितारौ | धन्वयितारः |
| धन्वयितासे | धन्वयितासाथे | धन्वयिताध्वे |
| धन्वयिताहे | धन्वयितास्वहे | धन्वयितास्महे |
| भ० धन्वयिष्यते | धन्वयिष्येते | धन्वयिष्यन्ते |
| धन्वयिष्यसे | धन्वयिष्येथे | धन्वयिष्यध्वे |
| धन्वयिष्ये | धन्वयिष्यावहे | धन्वयिष्यामहे |
| कि० अधन्वयिष्यत | अधन्वयिष्येताम् | अधन्वयिष्यन्त |
| अधन्वयिष्यथाः | अधन्वयिष्येथाम् | अधन्वयिष्यध्वम् |
| अधन्वयिष्ये | अधन्वयिष्यावहि | अधन्वयिष्यामहि |

459 शव (शब् गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|--------------|--------------|
| ब० | शवयति | शवयतः | शवयन्ति |
| | शवयसि | शवयथः | शवयथ |
| | शवयामि | शवयावः | शवयामः |
| स० | शवयेत् | शवयेताम् | शवयेयुः |
| | शवयेः | शवयेतम् | शवयेत |
| | शवयेयम् | शवयेव | शवयेम |
| प० | शवयतु | शवयतात् | शवयताम् |
| | शवय | शवयतम् | शवयत |
| | शवयानि | शवयाव | शवयाम |
| झ० | अशवयत् | अशवयताम् | अशवयन् |
| | अशवयः | अशवयतम् | अशवयत |
| | अशवयम् | अशवयाव | अशवयाम |
| भ० | अशीशवत् | अशीशवताम् | अशीशवन् |
| | अशीशवः | अशीशवतम् | अशीशवत |
| | अशीशवम् | अशीशवाव | अशीशवाम |
| प० | शवयाश्चकार | शवयाश्चकतुः | शवयाश्चक्रुः |
| | शवयाश्चकर्त्तुः | शवयाश्चक्रुः | शवयाश्चक्रुः |
| | शवयाश्चकार-चकर | शवयाश्चकृव | शवयाश्चकृम |
| | शवयाम्भूव | शवयामास | |
| आ० | शव्यात् | शव्यास्ताम् | शव्यासुः |
| | शव्याः | शव्यास्तम् | शव्यास्त |
| | शव्यासम् | शव्यास्व | शव्यास्म |
| श्व० | शवयिता | शवयितारौ | शवयितारः |
| | शवयितासि | शवयितास्थः | शवयितास्थ |
| | शवयितास्म | शवयितास्वः | शवयितास्मः |
| अ० | शवयिष्यति | शवयिष्यतः | शवयिष्यन्ति |
| | शवयिष्यसि | शवयिष्यथः | शवयिष्यथ |
| | शवयिष्यामि | शवयिष्यावः | शवयिष्यामः |
| क्रि० | अशवयिष्यत् | अशवयिष्यताम् | अशवयिष्यन् |
| | अशवयिष्यः | अशवयिष्यतम् | अशवयिष्यत |
| | अशवयिष्यम् | अशवयिष्याव | अशवयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | शवयते | शवयेते | शवयन्ते |
| | शवयसे | शवयेथे | शवयध्वे |
| | शवये | शवयावहे | शवयामहे |
| स० | शवयेत | शवयेयाताम् | शवयेरन् |
| | शवयेथाः | शवयेयाथाम् | शवयेध्वम् |
| | शवयेथ | शवयेवहि | शवयेमहि |
| प० | शवयताम् | शवयेताम् | शवयन्ताम् |
| | शवयस्व | शवयेथाम् | शवयध्वम् |
| | शवये | शवयावहे | शवयामहे |
| ह्य० | अशवयत | अशवयेताम् | अशवयन्त |
| | अशवयथाः | अशवयेथाम् | अशवयध्वम् |
| | अशवये | अशवयावहि | अशवयामहि |
| अ० | अशीशवत | अशीशवेताम् | अशीशवन्त |
| | अशीशवथाः | अशीशवेथाम् | अशीशवध्वम् |
| | अशीशवे | अशीशवावहि | अशीशवामहि |
| प० | शवयाश्चक्रे | शवयाश्चक्राते | शवयाश्चक्रिरे |
| | शवयाश्चकृषे | शवयाश्चक्राथे | शवयाश्चकृद्वे |
| | शवयाश्चक्रे | शवयाश्चकृवहे | शवयाश्चकृमहे |
| | शवयाम्भूव | शवयामास | |
| आ० | शवयिषीष्ट | शवयिषीयास्ताम् | शवयिषीरन् |
| | शवयिषीष्ठाः | शवयिषीयास्थाम् | शवयिषीध्वम् |
| | शवयिषीय | शवयिषीवहि | शवयिषीमहि |
| श्व० | शवयिता | शवयितारौ | शवयितारः |
| | शवयितासे | शवयितासाथे | शवयिताध्वे |
| | शवयिताहे | शवयितास्वहे | शवयितास्महे |
| अ० | शवयिष्यते | शवयिष्येते | शवयिष्यन्ते |
| | शवयिष्यसे | शवयिष्येथे | शवयिष्यध्वे |
| | शवयिष्ये | शवयिष्यावहे | शवयिष्यामहे |
| क्रि० | अशवयिष्यत् | अशवयिष्येताम् | अशवयिष्यन्त |
| | अशवयिष्यथाः | अशवयिष्येथाम् | अशवयिष्यध्वम् |
| | अशवयिष्ये | अशवयिष्यावहि | अशवयिष्यामहि |

461 खर्व (खर्व) दर्पे ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|---------------|
| व० | खर्वयति | खर्वयतः | खर्वयन्ति |
| | खर्वयसि | खर्वयथः | खर्वयथ |
| | खर्वयामि | खर्वयावः | खर्वयामः |
| स० | खर्वयेत् | खर्वयेताम् | खर्वयेयुः |
| | खर्वयेः | खर्वयेतम् | खर्वयेत |
| | खर्वयेयम् | खर्वयेव | खर्वयेम |
| प० | खर्वयतु | खर्वयतात् | खर्वयताम् |
| | खर्वय | खर्वयतात् | खर्वयतम् |
| | खर्वयाणि | खर्वयाव | खर्वयाम |
| ह्य० | अखर्वयत् | अखर्वयताम् | अखर्वयन् |
| | अखर्वयः | अखर्वयतम् | अखर्वयत |
| | अखर्वयम् | अखर्वयाव | अखर्वयाम |
| अ० | अचखर्वत् | अचखर्वताम् | अचखर्वन् |
| | अचखर्वः | अचखर्वतम् | अचखर्वत |
| | अचखर्वम् | अचखर्वाव | अचखर्वाम |
| प० | खर्वयाश्चकार | खर्वयाश्चकतुः | खर्वयाश्चकुः |
| | खर्वयाश्चक्य | खर्वयाश्चक्रथुः | खर्वयाश्चक्र |
| | खर्वयाश्चकार-चकर | खर्वयाश्चकृव | खर्वयाश्चकृम |
| | खर्वयाम्बभूव | खर्वयामास | |
| भा० | खर्व्यात् | खर्व्यास्ताम् | खर्व्यासुः |
| | खर्व्याः | खर्व्यास्तम् | खर्व्यास्त |
| | खर्व्यासम् | खर्व्यास्व | खर्व्यास्म |
| भ० | खर्वयिता | खर्वयितारौ | खर्वयितारः |
| | खर्वयितासि | खर्वयितास्थः | खर्वयितास्थ |
| | खर्वयितास्मि | खर्वयितास्वः | खर्वयितास्मः |
| भ० | खर्वयिष्यति | खर्वयिष्यतः | खर्वयिष्यन्ति |
| | खर्वयिष्यसि | खर्वयिष्यथः | खर्वयिष्यथ |
| | खर्वयिष्यामि | खर्वयिष्यावः | खर्वयिष्यामः |
| क्रि० | अखर्वयिष्यत् | अखर्वयिष्यताम् | अखर्वयिष्यन् |
| | अखर्वयिष्यः | अखर्वयिष्यतम् | अखर्वयिष्यत |
| | अखर्वयिष्यम् | अखर्वयिष्याव | अखर्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | खर्वयेते | खर्वयेते | खर्वयन्ते |
| | खर्वयसे | खर्वयथे | खर्वयथे |
| | खर्वये | खर्वयावहे | खर्वयामहे |
| स० | खर्वयेत | खर्वयेयाताम् | खर्वयेरन् |
| | खर्वयेथाः | खर्वयेयाथाम् | खर्वयेध्वम् |
| | खर्वयेय | खर्वयेवहि | खर्वयेमहि |
| प० | खर्वयेताम् | खर्वयेताम् | खर्वयन्ताम् |
| | खर्वयस्व | खर्वयेथाम् | खर्वयध्वम् |
| | खर्वये | खर्वयावहे | खर्वयामहे |
| ह्य० | अखर्वयत | अखर्वयेताम् | अखर्वयन्त |
| | अखर्वयथाः | अखर्वयेथाम् | अखर्वयध्वम् |
| | अखर्वये | अखर्वयावहि | अखर्वयामहि |
| अ० | अचखर्वत | अचखर्वेताम् | अचखर्वन्त |
| | अचखर्वथाः | अचखर्वेथाम् | अचखर्वध्वम् |
| | अचखर्वे | अचखर्वावहि | अचखर्वामहि |
| प० | खर्वयाश्चके | खर्वयाश्चक्राते | खर्वयाश्चकिरे |
| | खर्वयाश्चकृषे | खर्वयाश्चक्राथे | खर्वयाश्चकृद्वे |
| | खर्वयाश्चक्र | खर्वयाश्चकृवहे | खर्वयाश्चकृमहे |
| | खर्वयाम्बभूव | खर्वयामास | |
| भा० | खर्वयिषीष्ट | खर्वयिषीयास्ताम् | खर्वयिषीरन् |
| | खर्वयिषीष्ठाः | खर्वयिषीयास्थाम् | खर्वयिषीद्वम् |
| | खर्वयिषीय | खर्वयिषीवहि | खर्वयिषीमह |
| भ० | खर्वयिता | खर्वयितारौ | खर्वयितारः |
| | खर्वयितासे | खर्वयितासाथे | खर्वयिताथे |
| | खर्वयिताहे | खर्वयितास्वहे | खर्वयितास्महे |
| भ० | खर्वयिष्यते | खर्वयिष्येते | खर्वयिष्यन्ते |
| | खर्वयिष्यसे | खर्वयिष्यथे | खर्वयिष्ये |
| | खर्वयिष्ये | खर्वयिष्यावहे | खर्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अखर्वयिष्यत | अखर्वयिष्येताम् | अखर्वयिष्यन्त |
| | अखर्वयिष्यथाः | अखर्वयिष्येथाम् | अखर्वयिष्यध्वम् |
| | अखर्वयिष्ये | अखर्वयिष्यावहि | अखर्वयिष्यामहि |

462 गर्व (गर्व) दर्प ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | गर्वयति | गर्वयतः | गर्वयन्ति |
| | गर्वयसि | गर्वयथः | गर्वयथ |
| | गर्वयामि | गर्वयावः | गर्वयामः |
| स० | गर्वयेत् | गर्वयेताम् | गर्वयेयुः |
| | गर्वयेः | गर्वयेतम् | गर्वयेत |
| | गर्वयेयम् | गर्वयेव | गर्वयेम |
| प० | गर्वयतु | गर्वयतात् | गर्वयताम् |
| | गर्वय | गर्वयतम् | गर्वयत |
| | गर्वयाणि | गर्वयाव | गर्वयाम |
| ह्य० | अगर्वयत् | अगर्वयताम् | अगर्वयन् |
| | अगर्वयः | अगर्वयतम् | अगर्वयत |
| | अगर्वयम् | अगर्वयाव | अगर्वयाम |
| अ० | अजगर्वत् | अजगर्वताम् | अजगर्वन् |
| | अजगर्वः | अजगर्वतम् | अजगर्वत |
| | अजगर्वम् | अजगर्वाव | अजगर्वाम |
| प० | गर्वयाश्चकार | गर्वयाश्चक्रतुः | गर्वयाश्चक्रुः |
| | गर्वयाश्चकथे | गर्वयाश्चक्रथुः | गर्वयाश्चक्र |
| | गर्वयाश्चकार-चकर | गर्वयाश्चक्रव | गर्वयाश्चक्रम |
| | गर्वयाम्बभूव | गर्वयामास | |
| आ० | गर्व्यात् | गर्व्यास्ताम् | गर्व्यासुः |
| | गर्व्याः | गर्व्यास्तम् | गर्व्यास्त |
| | गर्व्यासम् | गर्व्यास्व | गर्व्यास्म |
| श्च० | गर्वयिता | गर्वयितारौ | गर्वयितारः |
| | गर्वयितासि | गर्वयितास्थः | गर्वयितास्थ |
| | गर्वयितास्मि | गर्वयितास्वः | गर्वयितास्मः |
| भ० | गर्वयिष्यति | गर्वयिष्यतः | गर्वयिष्यन्ति |
| | गर्वयिष्यसि | गर्वयिष्यथः | गर्वयिष्यथ |
| | गर्वयिष्यामि | गर्वयिष्यावः | गर्वयिष्यामः |
| क्रि० | अगर्वयिष्यत् | अगर्वयिष्यताम् | अगर्वयिष्यन् |
| | अगर्वयिष्यः | अगर्वयिष्यतम् | अगर्वयिष्यत |
| | अगर्वयिष्यम् | अगर्वयिष्याव | अगर्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-----------------|
| व० | गर्वयेते | गर्वयेते | गर्वयन्ते |
| | गर्वयसे | गर्वयेथे | गर्वयध्वे |
| | गर्वये | गर्वयावहे | गर्वयामहे |
| स० | गर्वयेत | गर्वयेयाताम् | गर्वयेरन् |
| | गर्वयेथाः | गर्वयेयाथाम् | गर्वयेध्वम् |
| | गर्वयेय | गर्वयेवहि | गर्वयेमहि |
| प० | गर्वयताम् | गर्वयेताम् | गर्वयन्ताम् |
| | गर्वयस्व | गर्वयेथाम् | गर्वयध्वम् |
| | गर्वये | गर्वयावहे | गर्वयामहे |
| ह्य० | अगर्वयत् | अगर्वयेताम् | अगर्वयन्त |
| | अगर्वयथाः | अगर्वयेथाम् | अगर्वयध्वम् |
| | अगर्वये | अगर्वयावहि | अगर्वयामहि |
| अ० | अजगर्वत् | अजगर्वेताम् | अजगर्वन्त |
| | अजगर्वथाः | अजगर्वेथाम् | अजगर्वध्वम् |
| | अजगर्वे | अजगर्वावहि | अजगर्वामहि |
| प० | गर्वयाश्चक्रे | गर्वयाश्चक्रते | गर्वयाश्चक्रिरे |
| | गर्वयाश्चक्रुषे | गर्वयाश्चक्राये | गर्वयाश्चक्रुव |
| | गर्वयाश्चक्रे | गर्वयाश्चक्रवहे | गर्वयाश्चक्रमहे |
| | गर्वयाम्बभूव | गर्वयामास | |
| आ० | गर्वयिषीष्ट | गर्वयिषीयास्ताम् | गर्वयिषीरन् |
| | गर्वयिषीष्ठाः | गर्वयिषीयास्थाम् | गर्वयिषीध्वम् |
| | गर्वयिषीय | गर्वयिषीवहि | गर्वयिषीमहि |
| श्च० | गर्वयिता | गर्वयितारौ | गर्वयितारः |
| | गर्वयितासे | गर्वयितासाथे | गर्वयिताध्वे |
| | गर्वयिताहे | गर्वयितास्वहे | गर्वयितास्महे |
| भ० | गर्वयिष्यते | गर्वयिष्येते | गर्वयिष्यन्ते |
| | गर्वयिष्यसे | गर्वयिष्येथे | गर्वयिष्यध्वे |
| | गर्वयिष्ये | गर्वयिष्यावहे | गर्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अगर्वयिष्यत् | अगर्वयिष्येताम् | अगर्वयिष्यन्त |
| | अगर्वयिष्यथाः | अगर्वयिष्येथाम् | अगर्वयिष्यध्वम् |
| | अगर्वयिष्ये | अगर्वयिष्यावहि | अगर्वयिष्यामहि |

460 कर् (कर्) दर्पे ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| १० कर् यति | कर् यतः | कर् यन्ति |
| कर् यस्ति | कर् यथः | कर् यथ |
| कर् यामि | कर् यावः | कर् यामः |
| २० कर् येत् | कर् येताम् | कर् येयुः |
| कर् येयः | कर् येतम् | कर् येत |
| कर् येयम् | कर् येव | कर् येम |
| ३० कर् यतु | कर् यतात् | कर् यताम् |
| कर् य | कर् यतात् | कर् यतम् |
| कर् यणि | कर् याव | कर् याम |
| ४० अकर् यत् | अकर् यताम् | अकर् यन्तु |
| अकर् यः | अकर् यतम् | अकर् यत |
| अकर् यम् | अकर् याव | अकर् याम |
| ५० अचकर् त् | अचकर् ताम् | अचकर् न् |
| अचकर् तः | अचकर् तम् | अचकर् त |
| अचकर् तम् | अचकर् तव | अचकर् तम |
| ६० कर् याश्चकार | कर् याश्चक्रतुः | कर् याश्चक्रुः |
| कर् याश्चकर्षे | कर् याश्चक्रधुः | कर् याश्चक्र |
| कर् याश्चकार-चकर | कर् याश्चक्रव | कर् याश्चक्रम |
| कर् याम्बभूव | कर् यामास | |
| ७० कर् यात् | कर् यास्ताम् | कर् यासुः |
| कर् याः | कर् यास्तम् | कर् यास्त |
| कर् यासम् | कर् यास्व | कर् यास्म |
| ८० कर् यिता | कर् यितारौ | कर् यितारः |
| कर् यितासि | कर् यितास्थः | कर् यितस्थ |
| कर् यितास्मि | कर् यितास्वः | कर् यितास्मः |
| ९० कर् यिष्यते | कर् यिष्यतः | कर् यिष्यन्त |
| कर् यिष्यसि | कर् यिष्यथः | कर् यिष्यथ |
| कर् यिष्यामि | कर् यिष्यावः | कर् यिष्यामः |
| क्रि० अकर् यिष्यत् | अकर् यिष्यताम् | अकर् यिष्यन्त |
| अकर् यिष्यः | अकर् यिष्यतम् | अकर् यिष्यत |
| अकर् यिष्यम् | अकर् यिष्याव | अकर् यिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| १० कर् यते | कर् येते | कर् यन्ते |
| कर् यसे | कर् येथे | कर् यन्वे |
| कर् ये | कर् यावहे | कर् यामहे |
| २० कर् येत | कर् येताताम् | कर् येरन् |
| कर् येथाः | कर् येथाथाम् | कर् येथम् |
| कर् येथ | कर् येवहि | कर् येमहि |
| ३० कर् येताम् | कर् येताम् | कर् यन्ताम् |
| कर् येस्व | कर् येथाम् | कर् यन्वम् |
| कर् ये | कर् यावहे | कर् यामहे |
| ४० अकर् यत | अकर् येताम् | अकर् यन्त |
| अकर् यथाः | अकर् येथाम् | अकर् यन्म |
| अकर् ये | अकर् यावहि | अकर् यामहि |
| ५० अचकर् त | अचकर् तेताम् | अचकर् न्त |
| अचकर् थाः | अचकर् थेथाम् | अचकर् थम् |
| अचकर् वे | अचकर् वावहि | अचकर् वामहि |
| ६० कर् याश्चक्रे | कर् याश्चक्राते | कर् याश्चक्रिरे |
| कर् याश्चक्रुषे | कर् याश्चक्राथे | कर् याश्चक्रुवहे |
| कर् याश्चक्रे | कर् याश्चक्रवहे | कर् याश्चक्रमहे |
| कर् याम्बभूव | कर् यामास | |
| ७० कर् यिषीष्ट | कर् यिषीयास्ताम् | कर् यिषीरन् |
| कर् यिषीष्ठाः | कर् यिषीयास्थाम् | कर् यिषीवम् |
| कर् यिषीय | कर् यिषीवहि | कर् यिषीमहे |
| ८० कर् यिता | कर् यितारौ | कर् यितारः |
| कर् यितासे | कर् यितासाथे | कर् यितास्वे |
| कर् यिताहे | कर् यितास्वहे | कर् यितास्महे |
| ९० कर् यिष्यते | कर् यिष्येते | कर् यिष्यन्ते |
| कर् यिष्यसे | कर् यिष्येथे | कर् यिष्यन्वे |
| कर् यिष्ये | कर् यिष्यावहे | कर् यिष्यामहे |
| क्रि० अकर् यिष्यत् | अकर् यिष्येताम् | अकर् यिष्यन्त |
| अकर् यिष्यथाः | अकर् यिष्येथाम् | अकर् यिष्यन्म |
| अकर् यिष्ये | अकर् यिष्येवहि | अकर् यिष्यामहि |

463 छिब (छिब्) निरसने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | छेवयति | छेवयतः | छेवयन्ति |
| | छेवयसि | छेवयथः | छेवयथ |
| | छेवयामि | छेवयावः | छेवयामः |
| स० | छेवयेत् | छेवयेताम् | छेवयेयुः |
| | छेवयेः | छेवयेतम् | छेवयेत |
| | छेवयेयम् | छेवयेव | छेवयेम |
| प० | छेवयतु | छेवयतात् | छेवयताम् |
| | छेवय | छेवयतात् | छेवयतम् |
| | छेवयानि | छेवयाव | छेवयाम |
| ह्य० | अछेवयत् | अछेवयताम् | अछेवयन् |
| | अछेवयः | अछेवयतम् | अछेवयत |
| | अछेवयम् | अछेवयाव | अछेवयाम |
| अ० | अतिछिबत् | अतिछिबताम् | अतिछिबन् |
| | अतिछिबः | अतिछिबतम् | अतिछिबत |
| | अतिछिबम् | अतिछिबाव | अतिछिबाम |
| | अतिछिबत् | अतिछिबताम् | अतिछिबन् |
| | अतिछिबः | अतिछिबतम् | अतिछिबत |
| | अतिछिबम् | अतिछिबाव | अतिछिबाम |
| प० | छेवयाञ्चकार | छेवयाञ्चक्रुः | छेवयाञ्चकुः |
| | छेवयाञ्चकथं | छेवयाञ्चक्रुः | छेवयाञ्चक |
| | छेवयाञ्चकार-चकर | छेवयाञ्चक्रुव | छेवयाञ्चक्रम |
| | छेवयाञ्चभूव | छेवयामास | |
| भा० | छेव्यात् | छेव्यास्ताम् | छेव्यासुः |
| | छेव्याः | छेव्यास्तम् | छेव्यास्त |
| | छेव्यासम् | छेव्यास्व | छेव्यास्म |
| ध० | छेवयिता | छेवयितारौ | छेवयितारः |
| | छेवयितासि | छेवयितास्यः | छेवयितास्य |
| | छेवयितास्मि | छेवयितास्वः | छेवयितास्मः |
| भ० | छेवयिष्यति | छेवयिष्यतः | छेवयिष्यन्ति |
| | छेवयिष्यसि | छेवयिष्यथः | छेवयिष्यथ |
| | छेवयिष्यामि | छेवयिष्यावः | छेवयिष्यामः |
| क्रि० | अछेवयिष्यत् | अछेवयिष्यताम् | अछेवयिष्यन् |
| | अछेवयिष्यः | अछेवयिष्यतम् | अछेवयिष्यत |
| | अछेवयिष्यम् | अछेवयिष्याव | अछेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | छेवयते | छेवयेते | छेवयन्ते |
| | छेवयसे | छेवयंथे | छेवयवे |
| | छेवये | छेवयावहे | छेवयामहे |
| स० | छेवयेत | छेवयेयाताम् | छेवयेरन् |
| | छेवयेथाः | छेवयेथायाम् | छेवयेध्वम् |
| | छेवयेय | छेवयेवहि | छेवयेमहि |
| प० | छेवयताम् | छेवयेताम् | छेवयन्ताम् |
| | छेवयस्व | छेवयेथाम् | छेवयध्वम् |
| | छेवयै | छेवयावहै | छेवयामहै |
| ह्य० | अछेवयत | अछेवयेताम् | अछेवयन्त |
| | अछेवयथाः | अछेवयेथाम् | अछेवयध्वम् |
| | अछेवये | अछेवयावहि | अछेवयामहि |
| अ० | अतिछिबत | अतिछिबेताम् | अतिछिबन्त |
| | अतिछिबथाः | अतिछिबेथाम् | अतिछिबध्वम् |
| | अतिछिबे | अतिछिबावहि | अतिछिबामहि |
| प० | छेवयाञ्चके | छेवयाञ्चक्राते | छेवयाञ्चकिरे |
| | छेवयाञ्चकृषे | छेवयाञ्चक्राथे | छेवयाञ्चकृद्वे |
| | छेवयाञ्चके | छेवयाञ्चकृवहे | छेवयाञ्चकृमहे |
| | छेवयाञ्चभूव | छेवयामास | |
| भा० | छेवयिषीष्ट | छेवयिषीयास्ताम् | छेवयिषीरन् |
| | छेवयिषीष्टाः | छेवयिषीयास्थाम् | छेवयिषीद्वम् |
| | छेवयिषीय | छेवयिषीवहि | छेवयिषीमहि |
| ध० | छेवयिता | छेवयितारौ | छेवयितारः |
| | छेवयितासे | छेवयितासाथे | छेवयितास्वे |
| | छेवयिताहे | छेवयितास्वहे | छेवयितास्महे |
| भ० | छेवयिष्यते | छेवयिष्येते | छेवयिष्यन्ते |
| | छेवयिष्यसे | छेवयिष्येथे | छेवयिष्येध्वम् |
| | छेवयिष्ये | छेवयिष्यावहे | छेवयिष्यामहे |
| क्रि० | अछेवयिष्यत् | अछेवयिष्येताम् | अछेवयिष्यन्त |
| | अछेवयिष्यथाः | अछेवयिष्येथाम् | अछेवयिष्यध्वम् |
| | अछेवयिष्ये | अछेवयिष्यावहि | अछेवयिष्यामहि |

464 क्षिवू (क्षिव निरसने

| | | | |
|-------|----------------------------|-----------------|-----------------|
| व | क्षेवयति | क्षेवयतः | क्षेवयन्ति |
| | क्षेवयसि | क्षेवयसि | क्षेवयथ |
| | क्षेवयामि | क्षेवयामः | क्षेवयामः |
| स० | क्षेवयेत् | क्षेवयेताम् | क्षेवयेयुः |
| | क्षेवयेः | क्षेवयेतम् | क्षेवयेत |
| | क्षेवयेयम् | क्षेवयेम | क्षेवयेम |
| प० | क्षेवयतु | क्षेवयतात् | क्षेवयन्तु |
| | क्षेवय | क्षेवयतम् | क्षेवयत |
| | क्षेवयाणि | क्षेवयाव | क्षेवयाम |
| ह्य० | अक्षेवयत् | अक्षेवयताम् | अक्षेवयन् |
| | अक्षेवयः | अक्षेवयतम् | अक्षेवयत |
| | अक्षेवयम् | अक्षेवयाम | अक्षेवयाम |
| अ० | अचिक्षिवत् | अचिक्षिवताम् | अचिक्षिवन् |
| | अचिक्षिवः | अचिक्षिवतम् | अचिक्षिवत |
| | अचिक्षिवम् | अचिक्षिवाव | अचिक्षियाम |
| प० | क्षेवयाश्चकार | क्षेवयाश्चकृतुः | क्षेवयाश्चक्रुः |
| | क्षेवयाश्चक्रे | क्षेवयाश्चक्रुः | क्षेवयाश्चक्र |
| | क्षेवयाश्चकार-चक्र | क्षेवयाश्चक्रव | क्षेवयाश्चक्रम् |
| | क्षेवयाम्बभूव ! क्षेवयामास | | |
| आ० | क्षेव्यात् | क्षेव्यास्ताम् | क्षेव्यासुः |
| | क्षेव्याः | क्षेव्यास्तम् | क्षेव्यास्त |
| | क्षेव्यासम् | क्षेव्यास्व | क्षेव्यास्म |
| भ० | क्षेवयिता | क्षेवयितारौ | क्षेवयितारः |
| | क्षेवयितासि | क्षेवयितास्थः | क्षेवयितास्थ |
| | क्षेवयितास्मि | क्षेवयितास्वः | क्षेवयितास्मः |
| भ | क्षेवयिष्यति | क्षेवयिष्यतः | क्षेवयिष्यन्ति |
| | क्षेवयिष्यसि | क्षेवयिष्यथः | क्षेवयिष्यथ |
| | क्षेवयिष्यामि | क्षेवयिष्यावः | क्षेवयिष्यामः |
| क्रि० | अक्षेवयिष्यत् | अक्षेवयिष्यताम् | अक्षेवयिष्यन्तु |
| | अक्षेवयिष्यः | अक्षेवयिष्यतम् | अक्षेवयिष्यन् |
| | अक्षेवयिष्यम् | अक्षेवयिष्याव | अक्षेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------------------|-------------------|-------------------|
| व० | क्षेवयेते | क्षेवयेते | क्षेवयन्ते |
| | क्षेवयेते | क्षेवयेथे | क्षेवयन्थे |
| | क्षेवये | क्षेवयावहे | क्षेवयामहे |
| स | क्षेवयेत | क्षेवयेताताम् | क्षेवयरन |
| | क्षेवयेयाः | क्षेवयेयाथाम | क्षेवयेय्वम् |
| | क्षेवयेय | क्षेवयेयवहि | क्षेवयेयमहि |
| प | क्षेवयताम् | क्षेवयेताम् | क्षेवयन्ताम् |
| | क्षेवयन्व | क्षेवयेथाम् | क्षेवयन्वम् |
| | क्षेवय | क्षेवयावहे | क्षेवयामहे |
| ह्य० | अक्षेवयत | अक्षेवयेताम् | अक्षेवयन्त |
| | अक्षेवयथाः | अक्षेवयेथाम | अक्षेवयन्वम् |
| | अक्षेवये | अक्षेवयावहि | अक्षेवयामहि |
| भ० | अचिक्षिवत् | अचिक्षिवेताम् | अचिक्षिवन्त |
| | अचिक्षिवथाः | अचिक्षिवेथाम् | अचिक्षिवन्वम् |
| | अचिक्षिवे | अचिक्षिवावहि | अचिक्षिवामहि |
| प० | क्षेवयाश्चक्रे | क्षेवयाश्चक्रते | क्षेवयाश्चक्रिरे |
| | क्षेवयाश्चक्रुः | क्षेवयाश्चक्राथे | क्षेवयाश्चक्रुवहे |
| | क्षेवयाश्चक्रे | क्षेवयाश्चक्रवहे | क्षेवयाश्चक्रमहे |
| | क्षेवयाम्बभूव । क्षेवयामास | | |
| आ० | क्षेवयिषीष्ट | क्षेवयिषीयस्ताम् | क्षेवयिषीरन् |
| | क्षेवयिषीष्टाः | क्षेवयिषीयास्थाम् | क्षेवयिषीव्वम् |
| | क्षेवयिषीय | क्षेवयिषीवहि | क्षेवयिषीमहि |
| भ० | क्षेवयिता | क्षेवयितारौ | क्षेवयितारः |
| | क्षेवयितासे | क्षेवयितामाथे | क्षेवयितावहे |
| | क्षेवयिताहे | क्षेवयितास्वहे | क्षेवयितास्महे |
| भ | क्षेवयिष्यते | क्षेवयिष्येते | क्षेवयिष्यन्ते |
| | क्षेवयिष्यसे | क्षेवयिष्यथे | क्षेवयिष्यन्थे |
| | क्षेवयिष्ये | क्षेवयिष्यावहे | क्षेवयिष्यामहे |
| क्रि० | अक्षेवयिष्यत् | अक्षेवयिष्यताम् | अक्षेवयिष्यन्तु |
| | अक्षेवयिष्यथा | अक्षेवयिष्येथाम् | अक्षेवयिष्यन्वम् |
| | अक्षेवयिष्ये | अक्षेवयिष्यावहि | अक्षेवयिष्यामहि |

465 जीव (जीव्) प्राणधारणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|-------------------|
| व० | जीवयति | जीवयतः | जीवयन्ति |
| | जीवयसि | जीवयथः | जीवयथ |
| | जीवयामि | जीवयावः | जीवयामः |
| स० | जीवयेत् | जीवयेताम् | जीवयेयुः |
| | जीवयेः | जीवयेतम् | जीवयेत |
| | जीवयेयम् | जीवयेव | जीवयेम |
| प० | जीवयतु | जीवयतात् | जीवयताम् जीवयन्तु |
| | जीवय | जीवयतम् | जीवयत |
| | जीवयानि | जीवयाव | जीवयाम |
| ह्य० | अजीवयत् | अजीवयताम् | अजीवयन् |
| | अजीवयः | अजीवयतम् | अजीवयत |
| | अजीवयम् | अजीवयाव | अजीवयाम |
| अ० | अजीजिवत् | अजीजिवताम् | अजीजिवन् |
| | अजीजिवः | अजीजिवतम् | अजीजिवत |
| | अजीजिवम् | अजीजिदाव | अजीजिवाम |
| | अजिजीवत् | अजिजीवताम् | अजिजीवन् इ० |
| प० | जीवयाश्चकार | जीवयाश्चक्रतुः | जीवयाश्चक्रुः |
| | जीवयाश्चकथं | जीवयाश्चकथुः | जीवयाश्चक्रुः |
| | जीवयाश्चकार-चकर | जीवयाश्चक्रुव | जीवयाश्चक्रुम |
| | जीवयाम्बभूव | जीवयामास | |
| आ० | जीव्यात् | जीव्यास्ताम् | जीव्यातुः |
| | जीव्याः | जीव्यास्ताम् | जीव्यास्त |
| | जीव्यासम् | जीव्यास्व | जीव्यास्म |
| श्च० | जीवयिता | जीवयितारौ | जीवयितारः |
| | जीवयितासि | जीवयितास्थः | जीवयितास्थ |
| | जीवयितास्मि | जीवयितास्वः | जीवयितास्मः |
| भ० | जीवयिष्यति | जीवयिष्यतः | जीवयिष्यन्ति |
| | जीवयिष्यसि | जीवयिष्यथः | जीवयिष्यथ |
| | जीवयिष्यामि | जीवयिष्यावः | जीवयिष्यामः |
| क्रि० | अजीवयिष्यत् | अजीवयिष्यताम् | अजीवयिष्यन् |
| | अजीवयिष्यः | अजीवयिष्यतम् | अजीवयिष्यत |
| | अजीवयिष्यम् | अजीवयिष्याव | अजीवयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|----------------|----------------|
| व० | जीवयते | जीवयते | जीवयन्ते |
| | जीवयसे | जीवयथे | जीवयध्वे |
| | जीवये | जीवयावहे | जीवयामहे |
| स० | जीवयेत | जीवयेयाताम् | जीवयेरन् |
| | जीवयेथाः | जीवयेयाथाम् | जीवयेष्वम् |
| | जीवयेथ | जीवयेवहि | जीवयेमहि |
| प० | जीवयताम् | जीवयेताम् | जीवयस्ताम् |
| | जीवयस्व | जीवयेथाम् | जीवयष्वम् |
| | जीवये | जीवयावहे | जीवयामहे |
| ह्य० | अजीवयत् | अजीवयेताम् | अजीवयन्त |
| | अजीवयथाः | अजीवयेथाम् | अजीवयष्वम् |
| | अजीवये | अजीवयावहि | अजीवयामहि |
| अ० | अजीजिवत् | अजीजिवेताम् | अजीजिवन्त |
| | अजीजिवथाः | अजीजिवेथाम् | अजीजिवष्वम् |
| | अजीजिवे | अजीजिवावहि | अजीजिवामहि |
| | अजिजीवत् | अजिजीवेताम् | अजिजीवन्त इ० |
| प० | जीवयाश्चक्रे | जीवयाश्चक्रते | जीवयाश्चक्रिरे |
| | जीवयाश्चकृषे | जीवयाश्चकथे | जीवयाश्चकृद्वे |
| | जीवयाश्चक्रे | जीवयाश्चकृवहे | जीवयाश्चकृमहे |
| | जीवयाम्बभूव । | जीवयामास | |
| आ० | जीवयिषीष्ट | जीवयिषीस्ताम् | जीवयिषीरन् |
| | जीवयिषीष्टाः | जीवयिषीस्ताम् | जीवयिषीद्वम् |
| | जीवयिषीय | जीवयिषीवहि | जीवयिषीमहि |
| श्च० | जीवयिता | जीवयितारौ | जीवयितारः |
| | जीवयितासे | जीवयितासाथे | जीवयिताध्वे |
| | जीवयिताहे | जीवयितास्वहे | जीवयितास्महे |
| म० | जीवयिष्यते | जीवयिष्येते | जीवयिष्यन्ते |
| | जीवयिष्यसे | जीवयिष्यथे | जीवयिष्यध्वे |
| | जीवयिष्ये | जीवयिष्यावहे | जीवयिष्यामहे |
| क्रि० | अजीवयिष्यत् | अजीवयिष्येताम् | अजीवयिष्यन्त |
| | अजीवयिष्यथाः | अजीवयिष्येथाम् | अजीवयिष्यष्वम् |
| | अजीवयिष्ये | अजीवयिष्यावहि | अजीवयिष्यामहि |

(अणिनि प्राणिकर्तृकादस्माणिणि आत्मनेपदं नदभवति)

466 पीव (पीव्) स्थौल्ये ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|---------------|
| व० | पीवयति | पीवयतः | पीवयन्ति |
| | पीवयसि | पीवयथः | पीवयथ |
| | पीवयामि | पीवयावः | पीवयामः |
| स० | पीवयेत् | पीवयेताम् | पीवयेयुः |
| | पीवयेः | पीवयेतम् | पीवयेत |
| | पीवयेयम् | पीवयेव | पीवयेम |
| प० | पीवयतु | पीवयतात् | पीवयताम् |
| | पीवय | पीवयतम् | पीवयत |
| | पीवयानि | पीवयाव | पीवयाम |
| ह्र० | अपीवयत् | अपीवयताम् | अपीवयन् |
| | अपीवयः | अपीवयतम् | अपीवयत |
| | अपीवयम् | अपीवयाव | अपीवयाम |
| अ० | अपीविवत् | अपीविवताम् | अपीविवन् |
| | अपीविवः | अपीविवतम् | अपीविवत |
| | अपीविवम् | अपीवियाव | अपीवियाम |
| प० | पीवयाश्चकार | पीवयाश्चक्रुः | पीवयाश्चक्रुः |
| | पीवयाश्चकथं | पीवयाश्चकथुः | पीवयाश्चक |
| | पीवयाश्चकार-चकर | पीवयाश्चक्रुव | पीवयाश्चक्रुम |
| | पीवयाम्बभूव ! पीवयामास | | |
| आ० | पीव्यात् | पीव्यास्ताम् | पीव्यासुः |
| | पीव्याः | पीव्यास्तम् | पीव्यास्त |
| | पीव्यासम् | पीव्यास्व | पीव्यास्म |
| अ० | पीवयिता | पीवयितारौ | पीवयितारः |
| | पीवयितासि | पीवयितास्थः | पीवयितास्थ |
| | पीवयितास्मि | पीवयितास्वः | पीवयितास्मः |
| अ० | पीवयिष्यति | पीवयिष्यतः | पीवयिष्यन्ति |
| | पीवयिष्यसि | पीवयिष्यथः | पीवयिष्यथ |
| | पीवयिष्यामि | पीवयिष्यावः | पीवयिष्यामः |
| क्रि० | अपीवयिष्यत् | अपीवयिष्यताम् | अपीवयिष्यन् |
| | अपीवयिष्यः | अपीवयिष्यतम् | अपीवयिष्यत |
| | अपीवयिष्यम् | अपीवयिष्याव | अपीवयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | पीवयते | पीवयेते | पीवयन्ते |
| | पीवयसे | पीवयेथे | पीवयध्वे |
| | पीवये | पीवयावहे | पीवयामहे |
| स० | पीवयेत | पीवयेयाताम् | पीवयेरन् |
| | पीवयेथाः | पीवयेयाथाम् | पीवयेध्वम् |
| | पीवयेय | पीवयेवहि | पीवयेमहि |
| प० | पीवयताम् | पीवयेताम् | पीवयन्ताम् |
| | पीवयस्व | पीवयेथाम् | पीवयध्वम् |
| | पीवयै | पीवयावहै | पीवयामहै |
| ह्र० | अपीवयत् | अपीवयेताम् | अपीवयन्त |
| | अपीवयथाः | अपीवयेथाम् | अपीवयध्वम् |
| | अपीवये | अपीवयावहि | अपीवयामहि |
| अ० | अपीपिवत् | अपीपिवेताम् | अपीपिवन्त |
| | अपीपिवथाः | अपीपिवेथाम् | अपीपिवध्वम् |
| | अपीपिवे | अपीपिवावहि | अपीपियामहि |
| प० | पीवयाश्चक्रे | पीवयाश्चक्राते | पीवयाश्चक्रिरे |
| | पीवयाश्चक्रे | पीवयाश्चक्रथे | पीवयाश्चक्रुवे |
| | पीवयाश्चक्रे | पीवयाश्चक्रवहे | पीवयाश्चक्रमहे |
| | पीवयाम्बभूव । पीवयामास | | |
| आ० | पीवयिषीष्ट | पीवयिषीयास्ताम् | पीवयिषीरन् |
| | पीवयिषीष्ठाः | पीवयिषीयास्याम् | पीवयिषीध्वम् |
| | पीवयिषीय | पीवयिषीवहि | पीवयिषीमहि |
| अ० | पीवयिता | पीवयितारौ | पीवयितारः |
| | पीवयितासे | पीवयितासाथे | पीवयिताध्वे |
| | पीवयिताहे | पीवयितास्वहे | पीवयितास्महे |
| अ० | पीवयिष्यते | पीवयिष्येते | पीवयिष्यन्ते |
| | पीवयिष्यसे | पीवयिष्येथे | पीवयिष्यध्वे |
| | पीवयिष्ये | पीवयिष्यावहे | पीवयिष्यामहे |
| क्रि० | अपीवयिष्यत् | अपीवयिष्येताम् | अपीवयिष्यन्त |
| | अपीवयिष्यथाः | अपीवयिष्येथाम् | अपीवयिष्यध्वम् |
| | अपीवयिष्ये | अपीवयिष्यावहि | अपीवयिष्यामहि |

467 मीव (मीव्) स्थौल्ये ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | मीवयति | मीवयतः | मीवयन्ति |
| | मीवयसि | मीवयथः | मीवयथ |
| | मीवयामि | मीवयावः | मीवयामः |
| स० | मीवयेत् | मीवयेताम् | मीवयेयुः |
| | मीवयेः | मीवयेतम् | मीवयेत |
| | मीवयेयम् | मीवयेव | मीवयेम |
| प० | मीवयतु | मीवयतात् | मीवयताम् |
| | मीवय | मीवयतम् | मीवयत |
| | मीवयामि | मीवयाव | मीवयाम |
| ह्य० | अमीवयत् | अमीवयताम् | अमीवयन् |
| | अमीवयः | अमीवयतम् | अमीवयत |
| | अमीवयम् | अमीवयाव | अमीवयाम |
| अ० | अमीमिवत् | अमीमिवताम् | अमीमिवन् |
| | अमीमिवः | अमीमिवतम् | अमीमिवत |
| | अमीमिवम् | अमीमिवाव | अमीमिवाम |
| य० | मीवयाश्चकार | मीवयाश्चक्रुः | मीवयाश्चक्रुः |
| | मीवयाश्चकथं | मीवयाश्चक्रुः | मीवयाश्चक्रुः |
| | मीवयाश्चकार-चकर | मीवयाश्चक्रुव | मीवयाश्चक्रुम |
| | मीवयाश्चभूव | मीवयामास | |
| भा० | मीव्यात् | मीव्यास्ताम् | मीव्यासुः |
| | मीव्याः | मीव्यास्तम् | मीव्यास्त |
| | मीव्यासम् | मीव्यास्व | मीव्यास्म |
| भ० | मीवयिता | मीवयितारौ | मीवयितारः |
| | मीवयितासि | मीवयितास्थः | मीवयितास्थ |
| | मीवयितास्मि | मीवयितास्वः | मीवयितास्मः |
| भ० | मीवयिष्यति | मीवयिष्यतः | मीवयिष्यन्ति |
| | मीवयिष्यसि | मीवयिष्यथः | मीवयिष्यथ |
| | मीवयिष्यामि | मीवयिष्यावः | मीवयिष्यामः |
| क्रि० | अमीवयिष्यत् | अमीवयिष्यताम् | अमीवयिष्यन् |
| | अमीवयिष्यः | अमीवयिष्यतम् | अमीवयिष्यत |
| | अमीवयिष्यम् | अमीवयिष्याव | अमीवयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|-----------------|
| व० | मीवयते | मीवयेते | मीवयन्ते |
| | मीवयसे | मीवयेथे | मीवयन्थे |
| | मीवये | मीवयावहे | मीवयामहे |
| स० | मीवयेत | मीवयेयाताम् | मीवयेरन् |
| | मीवयेथाः | मीवयेयाथाम् | मीवयेचम् |
| | मीवयेय | मीवयेवहि | मीवयेमहि |
| प० | मीवयताम् | मीवयेताम् | मीवयन्ताम् |
| | मीवयस्व | मीवयेथाम् | मीवयन्थम् |
| | मीवयै | मीवयावहै | मीवयामहै |
| ह्य० | अमीवयत | अमीवयेताम् | अमीवयन्त |
| | अमीवयथाः | अमीवयेथाम् | अमीवयन्थम् |
| | अमीवये | अमीवयावहि | अमीवयामहि |
| अ० | अमीमिवत् | अमीमिवेताम् | अमीमिवन्त |
| | अमीमिवथाः | अमीमिवेथाम् | अमीमिवन्थम् |
| | अमीमिवे | अमीमिवावहि | अमीमिवामहि |
| प० | मीवयाश्चक्रे | मीवयाश्चक्रते | मीवयाश्चक्रिरे |
| | मीवयाश्चक्रुषे | मीवयाश्चक्राथे | मीवयाश्चक्रुवे |
| | मीवयाश्चक्रे | मीवयाश्चक्रुवहे | मीवयाश्चक्रुमहे |
| | मीवयाम्बभूव | मीवयामास | |
| भा० | मीवयिषीष्ट | मीवयिषीयास्ताम् | मीवयिषीरन् |
| | मीवयिषीष्टाः | मीवयिषीयास्थाम् | मीवयिषीद्बम् |
| | | | ध्वम् |
| | मीवयिषीय | मीवयिषीवहि | मीवयिषीमहि |
| भ० | मीवयिता | मीवयितारौ | मीवयितारः |
| | मीवयितासे | मीवयितासाथे | मीवयिताध्वे |
| | मीवयिताहे | मीवयितास्वहे | मीवयितास्महे |
| भ० | मीवयिष्यते | मीवयिष्येते | मीवयिष्यन्ते |
| | मीवयिष्यसे | मीवयिष्येथे | मीवयिष्यन्थे |
| | मीवयिष्ये | मीवयिष्यावहे | मीवयिष्यामहे |
| क्रि० | अमीवयिष्यत् | अमीवयिष्येताम् | अमीवयिष्यन्त |
| | अमीवयिष्यथाः | अमीवयिष्येथाम् | अमीवयिष्यन्थम् |
| | अमीवयिष्ये | अमीवयिष्यावहि | अमीवयिष्यामहि |

468 तीव (तीव्) स्थौल्ये ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० तीवयति | तीवयतः | तीवयन्ति |
| तीवयसि | तीवयथः | तीवयथ |
| तीवयामि | तीवयावः | तीवयामः |
| स० तीवयेत् | तीवयेताम् | तीवयेयुः |
| तीवयेः | तीवयेतम् | तीवयेत |
| तीवयेयम् | तीवयेव | तीवयेम |
| प० तीवयतु | तीवयतात् | तीवयन्तु |
| तीवय | तीवयतात् | तीवयतम् |
| तीवयानि | तीवयाव | तीवयाम |
| ह्य० अतीवयत् | अतीवयताम् | अतीवयन् |
| अतीवयः | अतीवयतम् | अतीवयत |
| अतीवयम् | अतीवयाव | अतीवयाम |
| अ० अतीतिवत् | अतीतिवताम् | अतीतिवन् |
| अतीतिवः | अतीतिवतम् | अतीतिवत |
| अतीतिवम् | अतीतिवाव | अतीतिवाम |
| प० तीवयाञ्चकार | तीवयाञ्चक्रुः | तीवयाञ्चकुः |
| तीवयाञ्चकथं | तीवयाञ्चक्रुः | तीवयाञ्चक्र |
| तीवयाञ्चकार-चकर | तीवयाञ्चकृव | तीवयाञ्चकृम |
| तीवयाञ्चभूव | । | तीवयामास |
| आ० तीव्यात् | तीव्यास्ताम् | तीव्यासुः |
| तीव्याः | तीव्यास्तम् | तीव्यास्त |
| तीव्यासम् | तीव्यास्व | तीव्यास्म |
| श्व० तीवयिता | तीवयितारौ | तीवयितारः |
| तीवयितासि | तीवयितास्थः | तीवयितास्थ |
| तीवयितास्मि | तीवयितास्वः | तीवयितास्मः |
| भ० तीवयिष्यति | तीवयिष्यतः | तीवयिष्यन्ति |
| तीवयिष्यसि | तीवयिष्यथः | तीवयिष्यथ |
| तीवयिष्यामि | तीवयिष्यावः | तीवयिष्यामः |
| क्रि० अतीवयिष्यत् | अतीवयिष्यताम् | अतीवयिष्यन् |
| अतीवयिष्यः | अतीवयिष्यतम् | अतीवयिष्यत |
| अतीवयिष्यम् | अतीवयिष्याव | अतीवयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० तीवयते | तीवयेते | तीवयन्ते |
| तीवयसे | तीवयेथे | तीवयध्वे |
| तीवये | तीवयावहे | तीवयामहे |
| स० तीवयेत | तीवयेयाताम् | तीवयेरन् |
| तीवयेथाः | तीवयेयाथाम् | तीवयेध्वम् |
| तीवयेय | तीवयेवहि | तीवयेमहि |
| प० तीवयताम् | तीवयेताम् | तीवयन्ताम् |
| तीवयस्व | तीवयेथाम् | तीवयध्वम् |
| तीवयै | तीवयावहै | तीवयामहै |
| ह्य० अतीवयत | अतीवयेताम् | अतीवयन्त |
| अतीवयथाः | अतीवयेथाम् | अतीवयध्वम् |
| अतीवये | अतीवयावहि | अतीवयामहि |
| अ० अतीतिवत | अतीतिवेताम् | अतीतिवन्त |
| अतीतिवथाः | अतीतिवेथाम् | अतीतिवध्वम् |
| अतीतिवे | अतीतिवावहि | अतीतिवामहि |
| प० तीवयाञ्चक्रे | तीवयाञ्चक्राते | तीवयाञ्चक्रिरे |
| तीवयाञ्चकृषे | तीवयाञ्चक्राथे | तीवयाञ्चकृढवे |
| तीवयाञ्चक्रे | तीवयाञ्चकृवहे | तीवयाञ्चकृमहे |
| तीवयाञ्चभूव | । | तीवयामास |
| आ० तीवयिषीष्ट | तीवयिषीयास्ताम् | तीवयिषीरन् |
| तीवयिषीष्टाः | तीवयिषीयास्थाम् | तीवयिषीढ्वम् |
| तीवयिषीय | तीवयिषीवहि | तीवयिषीमहि |
| श्व० तीवयिता | तीवयितारौ | तीवयितारः |
| तीवयितासे | तीवयितासाथे | तीवयिताध्वे |
| तीवयिताहे | तीवयितास्वहे | तीवयितास्महे |
| भ० तीवयिष्यते | तीवयिष्येते | तीवयिष्यन्ते |
| तीवयिष्यसे | तीवयिष्येथे | तीवयिष्यध्वे |
| तीवयिष्ये | तीवयिष्यावहे | तीवयिष्यामहे |
| क्रि० अतीवयिष्यत | अतीवयिष्येताम् | अतीवयिष्यन्त |
| अतीवयिष्यथाः | अपीवयिष्येथाम् | अतीवयिष्यध्वम् |
| अतीवयिष्ये | अतीवयिष्यावहि | अतीवयिष्यामहि |

469 नीव (नीव्) स्थौल्ये ।

| | | | |
|------|------------------------|---------------|--------------|
| ब० | नीवयति | नीवयतः | नीवयन्ति |
| | नीवयसि | नीवयथः | नीवयथ |
| | नीवयामि | नीवयावः | नीवयामः |
| ख० | नीवयेत् | नीवयेताम् | नीवयेयुः |
| | नीवयेः | नीवयेतम् | नीवयेत |
| | नीवयेयम् | नीवयेव | नीवयेम |
| प० | नीवयतु | नीवयतात् | नीवयताम् |
| | नीवय | नीवयतम् | नीवयत |
| | नीवयानि | नीवयाव | नीवयाम |
| झ० | अनीवयत् | अनीवयताम् | अनीवयन् |
| | अनीवयः | अनीवयतम् | अनीवयत |
| | अनीवयम् | अनीवयाव | अनीवयाम |
| अ० | अनीनिवत् | अनीनिवताम् | अनीनिवन् |
| | अनीनिवः | अनीनिवतम् | अनीनिवत |
| | अनीनिवम् | अनीनिवाव | अनीनिवाम |
| ष० | नीवयाञ्चकार | नीवयाञ्चकतुः | नीवयाञ्चकुः |
| | नीवयाञ्चकर्थ | नीवयाञ्चकथुः | नीवयाञ्चक |
| | नीवयाञ्चकार-चकर | नीवयाञ्चकृव | नीवयाञ्चकृम |
| | नीवयाम्बभूव ! नीवयामास | | |
| आ० | नीव्यात् | नीव्यास्ताम् | नीव्यासुः |
| | नीव्याः | नीव्यास्तम् | नीव्यास्त |
| | नीव्यासम् | नीव्यास्व | नीव्यास्म |
| श्व० | नीवयिता | नीवयितारौ | नीवयितारः |
| | नीवयितासि | नीवयितास्थः | नीवयितास्थ |
| | नीवयितास्मि | नीवयितास्वः | नीवयितास्मः |
| भ० | नीवयिष्यति | नीवयिष्यतः | नीवयिष्यन्ति |
| | नीवयिष्यसि | नीवयिष्यथः | नीवयिष्यथ |
| | नीवयिष्यामि | नीवयिष्यावः | नीवयिष्यामः |
| क० | अनीवयिष्यत् | अनीवयिष्यताम् | अनीवयिष्यन् |
| | अनीवयिष्यः | अनीवयिष्यतम् | अनीवयिष्यत |
| | अनीवयिष्यम् | अनीवयिष्याव | अनीवयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | नीवयते | नीवयेते | नीवयन्ते |
| | नीवयसे | नीवयेथे | नीवयध्वे |
| | नीवये | नीवयावहे | नीवयामहे |
| स० | नीवयेत | नीवयेयाताम् | नीवयेरन् |
| | नीवयेथाः | नीवयेथाथाम् | नीवयेध्वम् |
| | नीवयेय | नीवयेवहि | नीवयेमहि |
| प० | नीवयताम् | नीवयेताम् | नीवयन्ताम् |
| | नीवयस्व | नीवयेथाम् | नीवयध्वम् |
| | नीवये | नीवयावहे | नीवयामहे |
| हा० | अनीवयत | अनीवयेताम् | अनीवयन्त |
| | अनीवयथाः | अनीवयेथाम् | अनीवयध्वम् |
| | अनीवये | अनीवयावहि | अनीवयामहि |
| अ० | अनीनिवत | अनीनिवेताम् | अनीनिवन्त |
| | अनीनिवथाः | अनीनिवेथाम् | अनीनिवध्वम् |
| | अनीनिवे | अनीनिवावहि | अनीनिवामहि |
| प० | नीवयाञ्चक्रे | नीवयाञ्चकृते | नीवयाञ्चकृरे |
| | नीवयाञ्चकृषे | नीवयाञ्चकृथे | नीवयाञ्चकृध्वे |
| | नीवयाञ्चक्रे | नीवयाञ्चकृवहे | नीवयाञ्चकृमहे |
| | नीवयाम्बभूव ! नीवयामास | | |
| आ० | नीवयिषीष्ट | नीवयिषीस्ताम् | नीवयिषीरन् |
| | नीवयिषीष्ठाः | नीवयिषीस्थाथाम् | नीवयिषीध्वम् |
| | नीवयिषीम | नीवयिषीवहि | नीवयिषीमहि |
| श्व० | नीवयिता | नीवयितारौ | नीवयितारः |
| | नीवयितासे | नीवयितासाथे | नीवयिताध्वे |
| | नीवयिताहे | नीवयितास्वहे | नीवयितास्महे |
| भ० | नीवयिष्यते | नीवयिष्येते | नीवयिष्यन्ते |
| | नीवयिष्यसे | नीवयिष्येथे | नीवयिष्यध्वे |
| | नीवयिष्ये | नीवयिष्यावहे | नीवयिष्यामहे |
| क्रि० | अनीवयिष्यत | अनीवयिष्येताम् | अनीवयिष्यन्त |
| | अनीवयिष्यथाः | अनीवयिष्येथाम् | अनीवयिष्यध्वम् |
| | अनीवयिष्ये | अनीवयिष्यावहि | अनीवयिष्यामहि |

471 ऊर्व (ऊर्व) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| ब० | ऊर्वयति | ऊर्वयतः | ऊर्वयन्ति |
| | ऊर्वयसि | ऊर्वयथः | ऊर्वयथ |
| | ऊर्वयामि | ऊर्वयावः | ऊर्वयामः |
| स० | ऊर्वयेत् | ऊर्वयेताम् | ऊर्वयेयुः |
| | ऊर्वयेः | ऊर्वयेतम् | ऊर्वयेत |
| | ऊर्वयेयम् | ऊर्वयेव | ऊर्वयेम |
| प० | ऊर्वयतु | ऊर्वयतात् | ऊर्वयताम् |
| | ऊर्वय | ऊर्वयतात् | ऊर्वयतम् |
| | ऊर्वयाणि | ऊर्वयाव | ऊर्वयाम |
| ह्य० | और्वयत् | और्वयताम् | और्वयन् |
| | और्वयः | और्वयतम् | और्वयत |
| | और्वयम् | और्वयाव | और्वयाम |
| भ० | और्विवत् | और्विवताम् | और्विवन् |
| | और्विवः | और्विवतम् | और्विवत |
| | और्विवम् | और्विवाव | और्विवाम |
| प० | ऊर्वयाश्चकार | ऊर्वयाश्चकतुः | ऊर्वयाश्चकुः |
| | ऊर्वयाश्चकथं | ऊर्वयाश्चकथुः | ऊर्वयाश्चक |
| | ऊर्वयाश्चकार-चकर | ऊर्वयाश्चकृव | ऊर्वयाश्चकृम |
| | ऊर्वयाम्बभूव | । | ऊर्वयामास |
| भा० | ऊर्व्यात् | ऊर्व्यास्ताम् | ऊर्व्यासुः |
| | ऊर्व्याः | ऊर्व्यास्तम् | ऊर्व्यास्त |
| | ऊर्व्यासम् | ऊर्व्यास्व | ऊर्व्यास्म |
| श्व० | ऊर्वयिता | ऊर्वयितारौ | ऊर्वयितारः |
| | ऊर्वयितासि | ऊर्वयितास्थः | ऊर्वयितास्थ |
| | ऊर्वयितास्मि | ऊर्वयितास्वः | ऊर्वयितास्मः |
| म० | ऊर्वयिष्यति | ऊर्वयिष्यतः | ऊर्वयिष्यन्ति |
| | ऊर्वयिष्यसि | ऊर्वयिष्यथः | ऊर्वयिष्यथ |
| | ऊर्वयिष्यामि | ऊर्वयिष्यावः | ऊर्वयिष्यामः |
| क्रि० | और्वयिष्यत् | और्वयिष्यताम् | और्वयिष्यन् |
| | और्वयिष्यः | और्वयिष्यतम् | और्वयिष्यत |
| | और्वयिष्यम् | और्वयिष्याव | और्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | ऊर्वयेते | ऊर्वयेते | ऊर्वयन्ते |
| | ऊर्वयसे | ऊर्वयेथे | ऊर्वयन्वे |
| | ऊर्वये | ऊर्वयावहे | ऊर्वयामहे |
| स० | ऊर्वयेत | ऊर्वयेयाताम् | ऊर्वयेरन् |
| | ऊर्वयेथाः | ऊर्वयेयाथाम् | ऊर्वयेध्वम् |
| | ऊर्वयेय | ऊर्वयेवहि | ऊर्वयेमहि |
| प० | ऊर्वयताम् | ऊर्वयेताम् | ऊर्वयन्ताम् |
| | ऊर्वयस्व | ऊर्वयेथाम् | ऊर्वयध्वम् |
| | ऊर्वये | ऊर्वयावहे | ऊर्वयामहे |
| ह्य० | और्वयत | और्वयेताम् | और्वयन्त |
| | और्वयथाः | और्वयेथाम् | और्वयध्वम् |
| | और्वये | और्वयावहि | और्वयामहि |
| भ० | और्विवत | और्विवेताम् | और्विवन्त |
| | और्विवथाः | और्विवेथाम् | और्विवध्वम् |
| | और्विवे | और्विवावहि | और्विवामहि |
| प० | ऊर्वयाश्चक्रे | ऊर्वयाश्चक्रते | ऊर्वयाश्चक्रिरे |
| | ऊर्वयाश्चकृषे | ऊर्वयाश्चक्राथे | ऊर्वयाश्चकृद्बे |
| | ऊर्वयाश्चक्रे | ऊर्वयाश्चकृवहे | ऊर्वयाश्चकृमहे |
| | ऊर्वयाम्बभूव | । | ऊर्वयामास |
| भा० | ऊर्वयिषीष्ट | ऊर्वयिषीयास्ताम् | ऊर्वयिषीरन् |
| | ऊर्वयिषीष्टाः | ऊर्वयिषीयास्थाम् | ऊर्वयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | ऊर्वयिषीय | ऊर्वयिषीवहि | ऊर्वयिषीमहि |
| श्व० | ऊर्वयिता | ऊर्वयितारौ | ऊर्वयितारः |
| | ऊर्वयितासे | ऊर्वयितासाथे | ऊर्वयिताध्वे |
| | ऊर्वयिताहे | ऊर्वयितास्वहे | ऊर्वयितास्महे |
| भ० | ऊर्वयिष्यते | ऊर्वयिष्येते | ऊर्वयिष्यन्ते |
| | ऊर्वयिष्यसे | ऊर्वयिष्येथे | ऊर्वयिष्यध्वे |
| | ऊर्वयिष्ये | ऊर्वयिष्यावहे | ऊर्वयिष्यामहे |
| क्रि० | और्वयिष्यत | और्वयिष्येताम् | और्वयिष्यन्त |
| | और्वयिष्यथाः | और्वयिष्येथाम् | और्वयिष्यध्वम् |
| | और्वयिष्ये | और्वयिष्यावहि | और्वयिष्यामहि |

471 तुर्वै (तूर्व) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| १० | तूर्वयति | तूर्वयतः | तूर्वयन्ति |
| | तूर्वयसि | तूर्वयथः | तूर्वयथ |
| | तूर्वयामि | तूर्वयावः | तूर्वयामः |
| स० | तूर्वयेत् | तूर्वयेताम् | तूर्वयेयुः |
| | तूर्वयेः | तूर्वयेतम् | तूर्वयेत |
| | तूर्वयेयम् | तूर्वयेव | तूर्वयेम |
| प० | तूर्वयतु | तूर्वयतात् | तूर्वयन्तु |
| | तूर्वय | तूर्वयतात् | तूर्वयतम् |
| | तूर्वयाणि | तूर्वयाव | तूर्वयाम |
| ह्य० | अतूर्वयत् | अतूर्वयेताम् | अतूर्वयन् |
| | अतूर्वयः | अतूर्वयतम् | अतूर्वयत |
| | अतूर्वयम् | अतूर्वयाव | अतूर्वयाम |
| अ० | अतुर्वयत् | अतुर्वयेताम् | अतुर्वयन् |
| | अतुर्वयः | अतुर्वयतम् | अतुर्वयत |
| | अतुर्वयम् | अतुर्वयाव | अतुर्वयाम |
| प० | तूर्वयाश्चकार | तूर्वयाश्चक्रुः | तूर्वयाश्चक्रुः |
| | तूर्वयाश्चकथ | तूर्वयाश्चक्रुः | तूर्वयाश्चक्रुः |
| | तूर्वयाश्चकार-चक्र | तूर्वयाश्चक्रुव | तूर्वयाश्चक्रुम |
| | तूर्वयाम्बभूव | । | तूर्वयामास |
| भा० | तूर्व्यात् | तूर्व्यास्ताम् | तूर्व्यासुः |
| | तूर्व्याः | तूर्व्यास्ताम् | तूर्व्यास्त |
| | तूर्व्यासम् | तूर्व्यास्व | तूर्व्यास्म |
| श्व० | तूर्वयिता | तूर्वयितारौ | तूर्वयितारः |
| | तूर्वयितासि | तूर्वयितास्यः | तूर्वयितास्य |
| | तूर्वयितास्मि | तूर्वयितास्वः | तूर्वयितास्मः |
| भ० | तूर्वयिष्यति | तूर्वयिष्यतः | तूर्वयिष्यन्ति |
| | तूर्वयिष्यसि | तूर्वयिष्यथः | तूर्वयिष्यथ |
| | तूर्वयिष्यामि | तूर्वयिष्यावः | तूर्वयिष्यामः |
| क्रि० | अतूर्वयिष्यत् | अतूर्वयिष्यताम् | अतूर्वयिष्यन् |
| | अतूर्वयिष्यः | अतूर्वयिष्यतम् | अतूर्वयिष्यत |
| | अतूर्वयिष्यम् | अतूर्वयिष्याव | अतूर्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|--------------------|
| व० | तूर्वयते | तूर्वयेते | तूर्वयन्ते |
| | तूर्वयसे | तूर्वयेथे | तूर्वयन्वे |
| | तूर्वये | तूर्वयावहे | तूर्वयामहे |
| स० | तूर्वयेत | तूर्वयेयाताम् | तूर्वयेरन् |
| | तूर्वयेथाः | तूर्वयेयाथाम् | तूर्वयेध्वम् |
| | तूर्वयेय | तूर्वयेवहि | तूर्वयेमहि |
| प० | तूर्वयेताम् | तूर्वयेताम् | तूर्वयन्ताम् |
| | तूर्वयेस्व | तूर्वयेथाम् | तूर्वयेध्वम् |
| | तूर्वये | तूर्वयावहे | तूर्वयामहे |
| ह्य० | अतूर्वयत | अतूर्वयेताम् | अतूर्वयन्त |
| | अतूर्वयथाः | अतूर्वयेथाम् | अतूर्वयेध्वम् |
| | अतूर्वये | अतूर्वयावहि | अतूर्वयामहि |
| अ० | अतुर्वयत् | अतुर्वयेताम् | अतुर्वयन्त |
| | अतुर्वयथाः | अतुर्वयेथाम् | अतुर्वयेध्वम् |
| | अतुर्वये | अतुर्वयावहि | अतुर्वयामहि |
| प० | तूर्वयाश्चक्रे | तूर्वयाश्चक्रते | तूर्वयाश्चक्रिरे |
| | तूर्वयाश्चक्रुषे | तूर्वयाश्चक्राथे | तूर्वयाश्चक्रुद्वे |
| | तूर्वयाश्चक्रे | तूर्वयाश्चक्रुवहे | तूर्वयाश्चक्रुमहे |
| | तूर्वयाम्बभूव | । | तूर्वयामास |
| आ० | तूर्वयिषीष्ट | तूर्वयिषीयास्ताम् | तूर्वयिषीरन् |
| | तूर्वयिषीष्टाः | तूर्वयिषीयास्थाम् | तूर्वयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | तूर्वयिषीय | तूर्वयिषीवहि | तूर्वयिषीमहि |
| श्व० | तूर्वयिता | तूर्वयितारौ | तूर्वयितारः |
| | तूर्वयितासे | तूर्वयितासाथे | तूर्वयिताध्वे |
| | तूर्वयिताहे | तूर्वयितास्वहे | तूर्वयितास्महे |
| भ० | तूर्वयिष्यते | तूर्वयिष्येते | तूर्वयिष्यन्ते |
| | तूर्वयिष्यसे | तूर्वयिष्येथे | तूर्वयिष्यध्वे |
| | तूर्वयिष्ये | तूर्वयिष्यावहे | तूर्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अतूर्वयिष्यत् | अतूर्वयिष्यताम् | अतूर्वयिष्यन्त |
| | अतूर्वयिष्यथाः | अतूर्वयिष्येथाम् | अतूर्वयिष्यध्वम् |
| | अतूर्वयिष्ये | अतूर्वयिष्यावहि | अतूर्वयिष्यामहि |

472 थुर्व (थूर्व) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | थूर्वयति | थूर्वयतः | थूर्वयन्ति |
| | थूर्वयसि | थूर्वयथः | थूर्वयथ |
| | थूर्वयामि | थूर्वयावः | थूर्वयामः |
| स० | थूर्वयेत् | थूर्वयेताम् | थूर्वयेयुः |
| | थूर्वयेः | थूर्वयेतम् | थूर्वयेत |
| | थूर्वयेयम् | थूर्वयेव | थूर्वयेम |
| प० | थूर्वयतु | थूर्वयतात् | थूर्वयताम् |
| | थूर्वय | थूर्वयतात् | थूर्वयतम् |
| | थूर्वयाणि | थूर्वयाव | थूर्वयाम |
| ह्य० | अथूर्वयत् | अथूर्वयताम् | अथूर्वयन् |
| | अथूर्वयः | अथूर्वयतम् | अथूर्वयत |
| | अथूर्वयम् | अथूर्वयाव | अथूर्वयाम |
| अ० | अतुथूर्वत् | अतुथूर्वताम् | अतुथूर्वन् |
| | अतुथूर्वः | अतुथूर्वतम् | अतुथूर्वत |
| | अतुथूर्वम् | अतुथूर्वाव | अतुथूर्वाम |
| प० | थूर्वयाञ्चकार | थूर्वयाञ्चकतुः | थूर्वयाञ्चकुः |
| | थूर्वयाञ्चकथं | थूर्वयाञ्चकथुः | थूर्वयाञ्चक |
| | थूर्वयाञ्चकार-चकर | थूर्वयाञ्चकृव | थूर्वयाञ्चकृम |
| | थूर्वयाम्बभूव | । | थूर्वयामास |
| आ० | थूर्व्यात् | थूर्व्यास्ताम् | थूर्व्यासुः |
| | थूर्व्याः | थूर्व्यास्तम् | थूर्व्यास्त |
| | थूर्व्यासम् | थूर्व्यास्व | थूर्व्यास्म |
| थ० | थूर्वयिता | थूर्वयितारौ | थूर्वयितारः |
| | थूर्वयितासि | थूर्वयितास्थः | थूर्वयितास्थ |
| | थूर्वयितास्मि | थूर्वयितास्वः | थूर्वयितास्मः |
| भ० | थूर्वयिष्यति | थूर्वयिष्यतः | थूर्वयिष्यन्ति |
| | थूर्वयिष्यसि | थूर्वयिष्यथः | थूर्वयिष्यथ |
| | थूर्वयिष्यामि | थूर्वयिष्यावः | थूर्वयिष्यामः |
| क्रि० | अथूर्वयिष्यत् | अथूर्वयिष्यताम् | अथूर्वयिष्यन् |
| | अथूर्वयिष्यः | अथूर्वयिष्यतम् | अथूर्वयिष्यत |
| | अथूर्वयिष्यम् | अथूर्वयिष्याव | अथूर्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | थूर्वयेते | थूर्वयेते | थूर्वयन्ते |
| | थूर्वयसे | थूर्वयथे | थूर्वयध्वे |
| | थूर्वये | थूर्वयावहे | थूर्वयामहे |
| स० | थूर्वयेत | थूर्वयेताताम् | थूर्वयेरन् |
| | थूर्वयेथाः | थूर्वयेथाताम् | थूर्वयेध्वम् |
| | थूर्वयेथ | थूर्वयेवहि | थूर्वयेमहि |
| प० | थूर्वयेताम् | थूर्वयेताम् | थूर्वयन्ताम् |
| | थूर्वयस्व | थूर्वयेथाम् | थूर्वयध्वम् |
| | थूर्वये | थूर्वयावहे | थूर्वयामहे |
| ह्य० | अथूर्वयत | अथूर्वयेताम् | अथूर्वयन्त |
| | अथूर्वयथाः | अथूर्वयेथाम् | अथूर्वयध्वम् |
| | अथूर्वये | अथूर्वयावहि | अथूर्वयामहि |
| अ० | अतुथूर्वत् | अतुथूर्वेताम् | अतुथूर्वन्त |
| | अतुथूर्वथाः | अतुथूर्वेथाम् | अतुथूर्वध्वम् |
| | अतुथूर्वे | अतुथूर्वावहि | अतुथूर्वमहि |
| प० | थूर्वयाञ्चके | थूर्वयाञ्चकाते | थूर्वयाञ्चकिरे |
| | थूर्वयाञ्चकृवे | थूर्वयाञ्चकृथे | थूर्वयाञ्चकृध्वे |
| | थूर्वयाञ्चके | थूर्वयाञ्चकृवहे | थूर्वयाञ्चकृमहे |
| | थूर्वयाम्बभूव | । | थूर्वयामास |
| आ० | थूर्वयिषीष्ट | थूर्वयिषीयास्ताम् | थूर्वयिषीरन् |
| | थूर्वयिषीष्टाः | थूर्वयिषीयास्थाम् | थूर्वयिषीध्वम् |
| | थूर्वयिषीय | थूर्वयिषीवहि | थूर्वयिषीमहि |
| थ० | थूर्वयिता | थूर्वयितारौ | थूर्वयितारः |
| | थूर्वयितासे | थूर्वयितासाथे | थूर्वयिताध्वे |
| | थूर्वयिताहे | थूर्वयितास्वहे | थूर्वयितास्महे |
| भ० | थूर्वयिष्यते | थूर्वयिष्येते | थूर्वयिष्यन्ते |
| | थूर्वयिष्यसे | थूर्वयिष्यथे | थूर्वयिष्यध्वे |
| | थूर्वयिष्ये | थूर्वयिष्यावहे | थूर्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अथूर्वयिष्यत् | अथूर्वयिष्येताम् | अथूर्वयिष्यन्त |
| | अथूर्वयिष्यथाः | अथूर्वयिष्येथाम् | अथूर्वयिष्यध्वम् |
| | अथूर्वयिष्ये | अथूर्वयिष्यावहि | अथूर्वयिष्यामहि |

473 दुर्वे (दूर्व) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | दूर्वयति | दूर्वयतः | दूर्वयन्ति |
| | दूर्वयसि | दूर्वयथः | दूर्वयथ |
| | दूर्वयामि | दूर्वयावः | दूर्वयामः |
| स० | दूर्वयेत् | दूर्वयेताम् | दूर्वयेयुः |
| | दूर्वयेः | दूर्वयेतम् | दूर्वयेत |
| | दूर्वयेयम् | दूर्वयेव | दूर्वयेम |
| प० | दूर्वयतु | दूर्वयतात् | दूर्वयन्तु |
| | दूर्वय | दूर्वयतात् | दूर्वयतम् |
| | दूर्वयाणि | दूर्वयाव | दूर्वयाम |
| ह्य० | अदूर्वयत् | अदूर्वयताम् | अदूर्वयन् |
| | अदूर्वयः | अदूर्वयतम् | अदूर्वयत |
| | अदूर्वयम् | अदूर्वयाव | अदूर्वयाम |
| अ० | अदुदूर्वत् | अदुदूर्वताम् | अदुदूर्वन् |
| | अदुदूर्वः | अदुदूर्वतम् | अदुदूर्वत |
| | अदुदूर्वम् | अदुदूर्वाव | अदुदूर्वाम |
| प० | दूर्वयाञ्चकार | दूर्वयाञ्चकतुः | दूर्वयाञ्चकुः |
| | दूर्वयाञ्चकथं | दूर्वयाञ्चकथुः | दूर्वयाञ्चक |
| | दूर्वयाञ्चकार-चकर | दूर्वयाञ्चकृव | दूर्वयाञ्चकृम |
| | दूर्वयाम्बभूव | । | दूर्वयामास |
| आ० | दूर्व्यात् | दूर्व्यास्ताम् | दूर्व्यासुः |
| | दूर्व्याः | दूर्व्यास्तम् | दूर्व्यास्त |
| | दूर्व्यासम् | दूर्व्यास्व | दूर्व्यास्म |
| श्व० | दूर्वयिता | दूर्वयितारौ | दूर्वयितारः |
| | दूर्वयितासि | दूर्वयितास्थः | दूर्वयितास्थ |
| | दूर्वयितास्मि | दूर्वयितास्वः | दूर्वयितास्मः |
| भ० | दूर्वयिष्यति | दूर्वयिष्यतः | दूर्वयिष्यन्ति |
| | दूर्वयिष्यसि | दूर्वयिष्यथः | दूर्वयिष्यथ |
| | दूर्वयिष्यामि | दूर्वयिष्यावः | दूर्वयिष्यामः |
| क्रि० | अदूर्वयिष्यत् | अदूर्वयिष्यताम् | अदूर्वयिष्यन् |
| | अदूर्वयिष्यः | अदूर्वयिष्यतम् | अदूर्वयिष्यत |
| | अदूर्वयिष्यम् | अदूर्वयिष्याव | अदूर्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | दूर्वयते | दूर्वयेते | दूर्वयन्ते |
| | दूर्वयसे | दूर्वयेथे | दूर्वयध्वे |
| | दूर्वये | दूर्वयावहे | दूर्वयामहे |
| स० | दूर्वयेत | दूर्वयेयाताम् | दूर्वयेरन् |
| | दूर्वयेथाः | दूर्वयेयाथाम् | दूर्वयेध्वम् |
| | दूर्वयेय | दूर्वयेवहि | दूर्वयेमहि |
| प० | दूर्वयताम् | दूर्वयेताम् | दूर्वयन्ताम् |
| | दूर्वयस्व | दूर्वयेथाम् | दूर्वयध्वम् |
| | दूर्वये | दूर्वयावहे | दूर्वयामहे |
| ह्य० | अदूर्वयत | अदूर्वयेताम् | अदूर्वयन्त |
| | अदूर्वयथाः | अदूर्वयेथाम् | अदूर्वयध्वम् |
| | अदूर्वये | अदूर्वयावहि | अदूर्वयामहि |
| अ० | अदुदूर्वत | अदुदूर्वेताम् | अदुदूर्वन्त |
| | अदुदूर्वथाः | अदुदूर्वेथाम् | अदुदूर्वध्वम् |
| | अदुदूर्वे | अदुदूर्वावहि | अदुदूर्वामहि |
| प० | दूर्वयाञ्चके | दूर्वयाञ्चकाते | दूर्वयाञ्चकिरे |
| | दूर्वयाञ्चकृषे | दूर्वयाञ्चकृषे | दूर्वयाञ्चकृध्वे |
| | दूर्वयाञ्चके | दूर्वयाञ्चकृवहे | दूर्वयाञ्चकृमहे |
| | दूर्वयाम्बभूव | । | दूर्वयामास |
| आ० | दूर्वयिषीष्ट | दूर्वयिषीयास्ताम् | दूर्वयिषीरन् |
| | दूर्वयिषीष्टाः | दूर्वयिषीयास्थाम् | दूर्वयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | दूर्वयिषीय | दूर्वयिषीवहि | दूर्वयिषीमहि |
| श्व० | दूर्वयिता | दूर्वयितारौ | दूर्वयितारः |
| | दूर्वयितासे | दूर्वयितासाथे | दूर्वयिताध्वे |
| | दूर्वयिताहे | दूर्वयितास्वहे | दूर्वयितामहे |
| भ० | दूर्वयिष्यते | दूर्वयिष्येते | दूर्वयिष्यन्ते |
| | दूर्वयिष्यसे | दूर्वयिष्येथे | दूर्वयिष्यध्वे |
| | दूर्वयिष्ये | दूर्वयिष्यावहे | दूर्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अदूर्वयिष्यत | अदूर्वयिष्यताम् | अदूर्वयिष्यन्त |
| | अदूर्वयिष्यथाः | अदूर्वयिष्येथाम् | अदूर्वयिष्यध्वम् |
| | अदूर्वयिष्ये | अदूर्वयिष्यावहि | अदूर्वयिष्यामहि |

474 धूर्व (धूर्व) हिंसायाम् ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| ब० धूर्वयति | धूर्वयतः | धूर्वयन्ति |
| धूर्वयसि | धूर्वयथः | धूर्वयथ |
| धूर्वयामि | धूर्वयावः | धूर्वयामः |
| स० धूर्वयेत् | धूर्वयेताम् | धूर्वयेयुः |
| धूर्वयेः | धूर्वयेतम् | धूर्वयेत |
| धूर्वयेयम् | धूर्वयेव | धूर्वयेम |
| प० धूर्वयतु | धूर्वयतात् | धूर्वयन्तु |
| धूर्वय | धूर्वयतात् | धूर्वयतम् |
| धूर्वयाणि | धूर्वयाव | धूर्वयाम |
| ह्य० अधूर्वयत् | अधूर्वयताम् | अधूर्वयन् |
| अधूर्वयः | अधूर्वयतम् | अधूर्वयत |
| अधूर्वयम् | अधूर्वयाव | अधूर्वयाम |
| अ० अदुधूर्वत् | अदुधूर्वताम् | अदुधूर्वन् |
| अदुधूर्वः | | अदुधूर्वत |
| अदुधूर्वम् | अदुधूर्वाव | अदुधूर्वाम |
| प० धूर्वयाञ्चकार | धूर्वयाञ्चकतुः | धूर्वयाञ्चकुः |
| धूर्वयाञ्चक्य | धूर्वयाञ्चकथुः | धूर्वयाञ्चक |
| धूर्वयाञ्चकार-चकर | धूर्वयाञ्चकव | धूर्वयाञ्चकम् |
| धूर्वयाम्बभूव | । | धूर्वयामास |
| आ० धूर्व्यात् | धूर्व्यास्ताम् | धूर्व्यासुः |
| धूर्व्याः | धूर्व्यास्तम् | धूर्व्यास्त |
| धूर्व्यासम् | धूर्व्यास्व | धूर्व्यास्म |
| श्व० धूर्वयिता | धूर्वयितारौ | धूर्वयितारः |
| धूर्वयितासि | धूर्वयितास्थः | धूर्वयितास्थ |
| धूर्वयितास्मि | धूर्वयितास्वः | धूर्वयितास्मः |
| भ० धूर्वयिष्यति | धूर्वयिष्यतः | धूर्वयिष्यन्ति |
| धूर्वयिष्यसि | धूर्वयिष्यथः | धूर्वयिष्यथ |
| धूर्वयिष्यामि | धूर्वयिष्यावः | धूर्वयिष्यामः |
| क्रि० अधूर्वयिष्यत् | अधूर्वयिष्यताम् | अधूर्वयिष्यन् |
| अधूर्वयिष्यः | अधूर्वयिष्यतम् | अधूर्वयिष्यत |
| अधूर्वयिष्यम् | अधूर्वयिष्याव | अधूर्वयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० धूर्वयते | धूर्वयेते | धूर्वयन्ते |
| धूर्वयसे | धूर्वयेथे | धूर्वयध्वे |
| धूर्वये | धूर्वयावहे | धूर्वयामहे |
| स० धूर्वयेत | धूर्वयेताताम् | धूर्वयेरन् |
| धूर्वयेथाः | धूर्वयेयाथाम् | धूर्वयेध्वम् |
| धूर्वयेय | धूर्वयेवहि | धूर्वरेमहि |
| प० धूर्वयताम् | धूर्वयेताम् | धूर्वयन्ताम् |
| धूर्वयस्व | धूर्वयेथाम् | धूर्वयध्वम् |
| धूर्वये | धूर्वयावहे | धूर्वयामहे |
| ह्य० अधूर्वयत | अधूर्वयेताम् | अधूर्वयन्त |
| अधूर्वयथाः | अधूर्वयेथाम् | अधूर्वयध्वम् |
| अधूर्वये | अधूर्वयावहि | अधूर्वयामहि |
| अ० अदुधूर्वत् | अदुधूर्वेताम् | अदुधूर्वन्त |
| अदुधूर्वथाः | अदुधूर्वेथाम् | अदुधूर्वध्वम् |
| अदुधूर्वे | अदुधूर्वावहि | अदुधूर्वामहि |
| प० धूर्वयाञ्चक्रे | धूर्वयाञ्चकते | धूर्वयाञ्चकिरे |
| धूर्वयाञ्चक्रे | धूर्वयाञ्चकथे | धूर्वयाञ्चकृवहे |
| धूर्वयाञ्चक | धूर्वयाञ्चकवहे | धूर्वयाञ्चकम्हे |
| धूर्वयाम्बभूव | । | धूर्वयामास |
| आ० धूर्वयिषीष्ट | धूर्वयिषीयास्ताम् | धूर्वयिषीरन् |
| धूर्वयिषीष्टाः | धूर्वयिषीयास्थाम् | धूर्वयिषीढवम् |
| धूर्वयिषीय | धूर्वयिषीवहि | धूर्वयिषीमहि |
| श्व० धूर्वयिता | धूर्वयितारौ | धूर्वयितारः |
| धूर्वयितासे | धूर्वयितासाथे | धूर्वयिताध्वे |
| धूर्वयिताहे | धूर्वयितास्वहे | धूर्वयितास्महे |
| भ० धूर्वयिष्यते | धूर्वयिष्येते | धूर्वयिष्यन्ते |
| धूर्वयिष्यसे | धूर्वयिष्येथे | धूर्वयिष्यध्वम् |
| धूर्वयिष्ये | धूर्वयिष्यावहे | धूर्वयिष्यामहे |
| क्रि० अधूर्वयिष्यत् | अधूर्वयिष्येताम् | अधूर्वयिष्यन्त |
| अधूर्वयिष्यथाः | अधूर्वयिष्येथाम् | अधूर्वयिष्यध्वम् |
| अधूर्वयिष्ये | अधूर्वयिष्यावहि | अधूर्वयिष्यामहि |

475 जूर्वै (जूर्व) हिंसायाम्

| | | |
|-------------------|-----------------|---------------|
| व० जूर्वयति | जूर्वयतः | जूर्वयन्ति |
| जूर्वयसि | जूर्वयथः | जूर्वयथ |
| जूर्वयामि | जूर्वयावः | जूर्वयामः |
| स० जूर्वयेत् | जूर्वयेताम् | जूर्वयेयुः |
| जूर्वयेः | जूर्वयेतम् | जूर्वयेत |
| जूर्वयेयम् | जूर्वयेव | जूर्वयेम |
| प० जूर्वयतु | जूर्वयतात् | जूर्वयताम् |
| जूर्वय | जूर्वयतम् | जूर्वयत |
| जूर्वयाणि | जूर्वयाव | जूर्वयाम |
| ह्य० अजूर्वयत् | अजूर्वयताम् | अजूर्वयन् |
| अजूर्वयः | अजूर्वयतम् | अजूर्वयत |
| अजूर्वयम् | अजूर्वयाव | अजूर्वयाम |
| अ० अजुजूर्वत् | अजुजूर्वताम् | अजुजूर्वन् |
| अजुजूर्वः | अजुजूर्वतम् | अजुजूर्वत |
| अजुजूर्वम् | अजुजूर्वाव | अजुजूर्वाम |
| प० जूर्वयाश्चकार | जूर्वयाश्चक्रुः | जूर्वयाश्चकुः |
| जूर्वयाश्चकथं | जूर्वयाश्चक्रुः | जूर्वयाश्चक्र |
| जूर्वयाश्चकार-चकर | जूर्वयाश्चकृव | जूर्वयाश्चकृम |
| जूर्वयाश्चभूव | जूर्वयामास | |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० जूर्व्यात् | जूर्व्यास्ताम् | जूर्व्यासुः |
| जूर्व्याः | जूर्व्यास्तम् | जूर्व्यास्त |
| जूर्व्यासम् | जूर्व्यास्व | जूर्व्यास्म |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| श्व० जूर्वयिता | जूर्वयितारौ | जूर्वयितारः |
| जूर्वयितासि | जूर्वयितास्थः | जूर्वयितास्थ |
| जूर्वयितास्मि | जूर्वयितास्वः | जूर्वयितास्मः |

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| म० जूर्वयिष्यति | जूर्वयिष्यतः | जूर्वयिष्यन्ति |
| जूर्वयिष्यसि | जूर्वयिष्यथः | जूर्वयिष्यथ |
| जूर्वयिष्यामि | जूर्वयिष्यावः | जूर्वयिष्यामः |

| | | |
|---------------------|-----------------|---------------|
| क्रि० अजूर्वयिष्यत् | अजूर्वयिष्यताम् | अजूर्वयिष्यन् |
| अजूर्वयिष्यः | अजूर्वयिष्यतम् | अजूर्वयिष्यत |
| अजूर्वयिष्यम् | अजूर्वयिष्याव | अजूर्वयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० जूर्वयेते | जूर्वयेते | जूर्वयन्ते |
| जूर्वयेसे | जूर्वयेथे | जूर्वयन्वे |
| जूर्वये | जूर्वयावहे | जूर्वयामहे |
| स० जूर्वयेत | जूर्वयेयाताम् | जूर्वयेरन् |
| जूर्वयेथाः | जूर्वयेयाथाम् | जूर्वयेष्वम् |
| जूर्वयेय | जूर्वयेवहि | जूर्वयेमहि |
| प० जूर्वयेताम् | जूर्वयेताम् | जूर्वयन्ताम् |
| जूर्वयेस्व | जूर्वयेथाम् | जूर्वयेष्वम् |
| जूर्वये | जूर्वयावहे | जूर्वयामहे |
| ह्य० अजूर्वयत | अजूर्वयेताम् | अजूर्वयन्त |
| अजूर्वयथाः | अजूर्वयेथाम् | अजूर्वयेष्वम् |
| अजूर्वये | अजूर्वयावहि | अजूर्वयामहि |
| अ० अजुजूर्वत | अजुजूर्वेताम् | अजुजूर्वन्त |
| अजुजूर्वथाः | अजुजूर्वेथाम् | अजुजूर्वेष्वम् |
| अजुजूर्वे | अजुजूर्वावहि | अजुजूर्वामहि |
| प० जूर्वयाश्चक्रे | जूर्वयाश्चक्रते | जूर्वयाश्चकिरे |
| जूर्वयाश्चकृषे | जूर्वयाश्चक्राथे | जूर्वयाश्चकृद्वे |
| जूर्वयाश्चक्रे | जूर्वयाश्चकृवहे | जूर्वयाश्चकृमहे |
| जूर्वयाश्चभूव | जूर्वयामास | |

| | | |
|-----------------|-------------------|--------------------|
| आ० जूर्वयिषीष्ट | जूर्वयिषीयास्ताम् | जूर्वयिषीरन् |
| जूर्वयिषीष्टाः | जूर्वयिषीयास्थाम् | जूर्वयिषीद्वेष्वम् |

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| जूर्वयिषीय | जूर्वयिषीवहि | जूर्वयिषीमहि |
| श्व० जूर्वयिता | जूर्वयितारौ | जूर्वयितारः |
| जूर्वयितासे | जूर्वयितासाथे | जूर्वयिताष्वे |
| जूर्वयिताहे | जूर्वयितास्वहे | जूर्वयितास्महे |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| म० जूर्वयिष्यते | जूर्वयिष्येते | जूर्वयिष्यन्ते |
| जूर्वयिष्यसे | जूर्वयिष्येथे | जूर्वयिष्यन्वे |
| जूर्वयिष्ये | जूर्वयिष्यावहे | जूर्वयिष्यामहे |

| | | |
|---------------------|------------------|-------------------|
| क्रि० अजूर्वयिष्यत् | अजूर्वयिष्यताम् | अजूर्वयिष्यन्त |
| अजूर्वयिष्यथाः | अजूर्वयिष्येथाम् | अजूर्वयिष्येष्वम् |
| अजूर्वयिष्ये | अजूर्वयिष्यावहि | अजूर्वयिष्यामहि |

477 भव् (भव्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|------|-----------------|---------------|-------------------|
| ब० | भव्यति | भव्यतः | भव्यन्ति |
| | भव्यसि | भव्यथः | भव्यथ |
| | भव्यामि | भव्यावः | भव्यामः |
| स० | भव्येत् | भव्येताम् | भव्येयुः |
| | भव्येः | भव्येतम् | भव्येत |
| | भव्येयम् | भव्येव | भव्येम |
| प० | भव्यतु | भव्यतात् | भव्यताम् भव्यन्तु |
| | भव्य | भव्यतम् | भव्यत |
| | भव्याणि | भव्याव | भव्याम |
| ह्य० | अभव्यत् | अभव्यताम् | अभव्यन् |
| | अभव्यः | अभव्यतम् | अभव्यत |
| | अभव्यम् | अभव्याव | अभव्याम |
| अ० | अभव्यत् | अभव्यताम् | अभव्यन् |
| | अभव्यः | अभव्यतम् | अभव्यत |
| | अभव्यम् | अभव्याव | अभव्याम |
| प० | भव्यञ्चकार | भव्यञ्चक्रुः | भव्यञ्चक्रुः |
| | भव्यञ्चकथे | भव्यञ्चक्रुः | भव्यञ्चक्रुः |
| | भव्यञ्चकार-चक्र | भव्यञ्चक्रुव | भव्यञ्चक्रुम |
| | भव्याम्बभूव | भव्यामास | |
| आ० | भव्यात् | भव्यास्ताम् | भव्यासुः |
| | भव्याः | भव्यास्ताम् | भव्यास्त |
| | भव्यासम् | भव्यास्व | भव्यास्म |
| श्व० | भव्यिता | भव्यितारौ | भव्यितारः |
| | भव्यितासि | भव्यितास्थः | भव्यितास्थ |
| | भव्यितास्मि | भव्यितास्वः | भव्यितास्मः |
| भ० | भव्यिष्यति | भव्यिष्यतः | भव्यिष्यन्ति |
| | भव्यिष्यसि | भव्यिष्यथः | भव्यिष्यथ |
| | भव्यिष्यामि | भव्यिष्यावः | भव्यिष्यामः |
| क० | अभव्यिष्यत् | अभव्यिष्यताम् | अभव्यिष्यन् |
| | अभव्यिष्यः | अभव्यिष्यतम् | अभव्यिष्यत |
| | अभव्यिष्यम् | अभव्यिष्याव | अभव्यिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | भव्यते | भव्येते | भव्यन्ते |
| | भव्यसे | भव्येथे | भव्यध्वे |
| | भव्ये | भव्यावहे | भव्यामहे |
| स० | भव्येत | भव्येयाताम् | भव्येरन् |
| | भव्येथाः | भव्येयाथाम् | भव्येध्वम् |
| | भव्येय | भव्येवहि | भव्येमहि |
| प० | भव्यताम् | भव्येताम् | भव्यन्ताम् |
| | भव्यस्व | भव्येथाम् | भव्यध्वम् |
| | भव्ये | भव्यावहे | भव्यामहे |
| ह्य० | अभव्यत | अभव्येताम् | अभव्यन्त |
| | अभव्यथाः | अभव्येथाम् | अभव्यध्वम् |
| | अभव्ये | अभव्यावहि | अभव्यामहि |
| अ० | अभव्यत | अभव्येताम् | अभव्यन्त |
| | अभव्यथाः | अभव्येथाम् | अभव्यध्वम् |
| | अभव्ये | अभव्यावहि | अभव्यामहि |
| प० | भव्यञ्चक्रे | भव्यञ्चक्रते | भव्यञ्चक्रिरे |
| | भव्यञ्चकृषे | भव्यञ्चक्रथे | भव्यञ्चक्रुवहे |
| | भव्यञ्चक्रे | भव्यञ्चक्रवहे | भव्यञ्चक्रुमहे |
| | भव्याम्बभूव | भव्यामास | |
| आ० | भव्यिषीष्ट | भव्यिषीयास्ताम् | भव्यिषीरन् |
| | भव्यिषीष्टाः | भव्यिषीयाथाम् | भव्यिषीध्वम् |
| | भव्यिषीय | भव्यिषीवहि | भव्यिषीमहि |
| श्व० | भव्यिता | भव्यितारौ | भव्यितारः |
| | भव्यितासे | भव्यितास्थि | भव्यिताध्वे |
| | भव्यिताहे | भव्यितास्वहे | भव्यितास्महे |
| भ० | भव्यिष्यते | भव्यिष्येते | भव्यिष्यन्ते |
| | भव्यिष्यसे | भव्यिष्येथे | भव्यिष्यध्वे |
| | भव्यिष्ये | भव्यिष्यावहे | भव्यिष्यामहे |
| क्रि० | अभव्यिष्यत | अभव्यिष्येताम् | अभव्यिष्यन्त |
| | अभव्यिष्यथाः | अभव्यिष्येथाम् | अभव्यिष्यध्वम् |
| | अभव्यिष्ये | अभव्यिष्यावहि | अभव्यिष्यामहि |

476 अवै (अव) हिंसायाम् ।

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| व० अवयति | अवयतः | अवयन्ति |
| अवयसि | अवयथः | अवयथ |
| अवयामि | अवयावः | अवयामः |
| स० अवयेत् | अवयेताम् | अवयेयुः |
| अवयेः | अवयेतम् | अवयेत |
| अवयेयम् | अवयेव | अवयेम |
| प० अवयतु | अवयतात् | अवयन्तु |
| अवय | अवयतात् | अवयत |
| अवयाणि | अवयाव | अवयाम |
| ह्य० आवयत् | आवयताम् | आवयन् |
| आवयः | आवयतम् | आवयत |
| आवयम् | आवयाव | आवयाम |
| अ० आविवत् | आविवताम् | आविवन् |
| आविवः | आविवतम् | आविवत |
| आविवम् | आविवान | आविवाम |
| प० अवयाञ्चकार | अवयाञ्चकतुः | अवयाञ्चकुः |
| अवयाञ्चकथे | अवयाञ्चकथे | अवयाञ्चक |
| अवयाञ्चकम् | अवयाञ्चकम् | अवयाञ्चकम् |
| अवयाञ्चक-चकर | अवयाञ्चकव | अवयाञ्चकम् |
| अवयाम्भूव | अवयामास | |
| आ० अव्यात् | अव्यास्ताम् | अव्यासुः |
| अव्याः | अव्यास्तम् | अव्यास्त |
| अव्यासम् | अव्यास्व | अव्यास्म |
| श्र० अव्यिता | अव्यितारौ | अव्यितारः |
| अव्यितासि | अव्यितास्यः | अव्यितास्य |
| अव्यितास्मि | अव्यितास्वः | अव्यितास्मः |
| अ० अव्यिष्यति | अव्यिष्यतः | अव्यिष्यन्ति |
| अव्यिष्यसि | अव्यिष्यथः | अव्यिष्यथ |
| अव्यिष्यामि | अव्यिष्यावः | अव्यिष्यामः |
| क्रि० आव्यिष्यत् | आव्यिष्यताम् | आव्यिष्यन् |
| आव्यिष्यः | आव्यिष्यतम् | आव्यिष्यत |
| आव्यिष्यम् | आव्यिष्याव | आव्यिष्याम |

| | | |
|-----------------|-----------------|---------------|
| व० अवयेते | अवयेते | अवयेन्ते |
| अवयेसे | अवयेथे | अवयेध्वे |
| अवये | अवयावहे | अवयामहे |
| स० अवयेत | अवयेयाताम् | अवयेरन् |
| अवयेथाः | अवयेयाथाम् | अवयेध्वम |
| अवयेय | अवयेवहि | अवयेमहि |
| प० अव्येताम् | अव्येताम् | अव्येन्ताम् |
| अव्येस्व | अव्येथाम् | अव्येध्वम् |
| अव्ये | अवयावहे | अवयामहे |
| ह्य० आवयत | आवयेताम् | आवयन्त |
| आवयथाः | आवयेथाम् | आवयेध्वम् |
| आवये | आवयावहि | आवयामहि |
| अ० आविवत | आविवेताम् | आविवन्त |
| आविवेथाः | आविवेथाम् | आविवेध्वम् |
| आविवे | आविवेवहि | आविवेमहि |
| प० अवयाञ्चके | अवयाञ्चकाते | अवयाञ्चकिरे |
| अवयाञ्चकथे | अवयाञ्चकथे | अवयाञ्चकृद्दे |
| अवयाञ्चके | अवयाञ्चकवहे | अवयाञ्चकम्हे |
| अवयाम्भूव | अवयामास | |
| आ० अव्यिषीष्ट | अव्यिषीयास्ताम् | अव्यिषीरन् |
| अव्यिषीष्टाः | अव्यिषीयास्थाम् | अव्यिषीध्वम् |
| अव्यिषीय | अव्यिषीवहि | अव्यिषीमहि |
| श्र० अव्यिता | अव्यितारौ | अव्यितारः |
| अव्यितासे | अव्यितासथे | अव्यिताध्वे |
| अव्यिताहे | अव्यितास्वहे | अव्यितास्महे |
| अ० अव्यिष्यते | अव्यिष्येते | अव्यिष्यन्ते |
| अव्यिष्यसे | अव्यिष्येथे | अव्यिष्यध्वे |
| अव्यिष्ये | अव्यिष्यावहे | अव्यिष्यामहे |
| क्रि० आव्यिष्यत | आव्यिष्येताम् | आव्यिष्यन्त |
| आव्यिष्यथाः | आव्यिष्येथाम् | आव्यिष्यध्वम् |
| आव्यिष्ये | आव्यिष्यावहि | आव्यिष्यामहि |

478 शर्व (शर्व) हिंसायाम् ।

| | | |
|------------|----------|-----------|
| ब० शर्वयति | शर्वयतः | शर्वयन्ति |
| शर्वयसि | शर्वयथः | शर्वयथ |
| शर्वयामि | शर्वयावः | शर्वयामः |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| ब० शर्वयेत् | शर्वयेताम् | शर्वयेयुः |
| शर्वयेः | शर्वयेतम् | शर्वयेत |
| शर्वयेयम् | शर्वयेव | शर्वयेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० शर्वयतु | शर्वयतात् | शर्वयताम् | शर्वयन्तु |
| शर्वयथ | शर्वयतात् | शर्वयतम् | शर्वयत |
| शर्वयाणि | शर्वयाव | शर्वयाम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| ब० अशर्वयत् | अशर्वयताम् | अशर्वयन् |
| अशर्वयः | अशर्वयतम् | अशर्वयत |
| अशर्वयम् | अशर्वयाव | अशर्वयाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| अ० अशशर्वत् | अशशर्वताम् | अशशर्वन् |
| अशशर्वः | अशशर्वतम् | अशशर्वत |
| अशशर्वम् | अशशर्वाव | अशशर्वाम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| प० शर्वयाश्चकार | शर्वयाश्चक्रतुः | शर्वयाश्चक्रुः |
| शर्वयाश्चकथं | शर्वयाश्चकथुः | शर्वयाश्चक्र |
| शर्वयाश्चकार-चकर | शर्वयाश्चकृव | शर्वयाश्चकृम |

शर्वयाम्बभूव । शर्वयामास

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० शर्व्यात् | शर्व्यास्ताम् | शर्व्यासुः |
| शर्व्याः | शर्व्यास्तम् | शर्व्यास्त |
| शर्व्यासम् | शर्व्यास्व | शर्व्यास्म |

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| ब० शर्वयिता | शर्वयितारौ | शर्वयितारः |
| शर्वयितासि | शर्वयितास्थः | शर्वयितास्थ |
| शर्वयितास्मि | शर्वयितास्वः | शर्वयितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० शर्वयिष्यति | शर्वयिष्यतः | शर्वयिष्यन्ति |
| शर्वयिष्यसि | शर्वयिष्यथः | शर्वयिष्यथ |
| शर्वयिष्यामि | शर्वयिष्यावः | शर्वयिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अशर्वयिष्यत् | अशर्वयिष्यताम् | अशर्वयिष्यन् |
| अशर्वयिष्यः | अशर्वयिष्यतम् | अशर्वयिष्यत |
| अशर्वयिष्यम् | अशर्वयिष्याव | अशर्वयिष्याम |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| ब० शर्वयते | शर्वयेते | शर्वयन्ते |
| शर्वयसे | शर्वयेथे | शर्वयध्वे |
| शर्वये | शर्वयावहे | शर्वयामहे |

| | | |
|------------|--------------|------------|
| स० शर्वयेत | शर्वयेताताम् | शर्वयेरन् |
| शर्वयेथाः | शर्वयेथायाम् | शर्वयेध्वम |
| शर्वयेय | शर्वयेवहि | शर्वयेमहि |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| प० शर्वयताम् | शर्वयेताम् | शर्वयन्ताम् |
| शर्वयस्व | शर्वयेथाम् | शर्वयध्वम् |
| शर्वये | शर्वयावहे | शर्वयामहे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| ह्य० अशर्वयत | अशर्वयेताम् | अशर्वयन्त |
| अशर्वयथाः | अशर्वयेथाम् | अशर्वयध्वम् |
| अशर्वये | अशर्वयावहि | अशर्वयामहि |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| अ० अशशर्वत् | अशशर्वताम् | अशशर्वन्त |
| अशशर्वथाः | अशशर्वेथाम् | अशशर्वध्वम् |
| अशशर्वे | अशशर्वावहि | अशशर्वामहि |

| | | |
|------------------|------------------|------------------|
| प० शर्वयाश्चक्रे | शर्वयाश्चक्राते | शर्वयाश्चक्रिरे |
| शर्वयाश्चक्रुषे | शर्वयाश्चक्राथे | शर्वयाश्चक्रुवे |
| शर्वयाश्चक्रे | शर्वयाश्चक्रुवहे | शर्वयाश्चक्रुमहे |
| शर्वयाम्बभूव । | शर्वयामास | |

| | | |
|----------------|------------------|---------------|
| आ० शर्वयिषीष्ट | शर्वयिषीयास्ताम् | शर्वयिषीरन् |
| शर्वयिषीष्ठाः | शर्वयिषीयास्थाम् | शर्वयिषीध्वम् |

| | | |
|-----------|-------------|-------------|
| शर्वयिषीय | शर्वयिषीवहि | शर्वयिषीमहि |
|-----------|-------------|-------------|

| | | |
|-------------|--------------|--------------|
| भ० शर्वयिता | शर्वयितारौ | शर्वयितारः |
| शर्वयितासे | शर्वयितासाथे | शर्वयिताध्वे |
| शर्वयिताहे | शर्वयितावहे | शर्वयितामहे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० शर्वयिष्यते | शर्वयिष्येते | शर्वयिष्यन्ते |
| शर्वयिष्यसे | शर्वयिष्येथे | शर्वयिष्यध्वे |
| शर्वयिष्ये | शर्वयिष्यावहे | शर्वयिष्यामहे |

| | | |
|--------------------|-----------------|-----------------|
| क्रि० अशर्वयिष्यत् | अशर्वयिष्यताम् | अशर्वयिष्यन्त |
| अशर्वयिष्यथाः | अशर्वयिष्येथाम् | अशर्वयिष्यध्वम् |
| अशर्वयिष्ये | अशर्वयिष्यावहि | अशर्वयिष्यामहि |

47५ ध्रुवै (मुर्व) बन्धने ।

| | | | |
|------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | मूर्वयति | मूर्वयतः | मूर्वयन्ति |
| | मूर्वयसि | मूर्वयथः | मूर्वयथ |
| | मूर्वयामि | मूर्वयावः | मूर्वयामः |
| स० | मूर्वयेत् | मूर्वयेताम् | मूर्वयेयुः |
| | मूर्वयेः | मूर्वयेतम् | मूर्वयेत |
| | मूर्वयेयम् | मूर्वयेव | मूर्वयेम |
| प० | मूर्वयतु | मूर्वयतात् | मूर्वयताम् |
| | मूर्वय | मूर्वयतम् | मूर्वयत |
| | मूर्वयाणि | मूर्वयाव | मूर्वयाम |
| ह्य० | अमूर्वयत् | अमूर्वयताम् | अमूर्वयन् |
| | अमूर्वयः | अमूर्वयतम् | अमूर्वयत |
| | अमूर्वयम् | अमूर्वयाव | अमूर्वयाम |
| अ० | अमुमूर्वत् | अमुमूर्वताम् | अमुमूर्वन् |
| | अमुमूर्वः | अमुमूर्वतम् | अमुमूर्वत |
| | अमुमूर्वम् | अमुमूर्वाव | अमुमूर्वाम |
| प० | मूर्वयाञ्चकार | मूर्वयाञ्चकतुः | मूर्वयाञ्चकुः |
| | मूर्वयाञ्चकथे | मूर्वयाञ्चकथुः | मूर्वयाञ्चक |
| | मूर्वयाञ्चकार-चकर | मूर्वयाञ्चकृव | मूर्वयाञ्चकृम |
| | मूर्वयाम्बभूव | मूर्वयामास | |
| भा० | मूर्व्यात् | मूर्व्यास्ताम् | मूर्व्यासुः |
| | मूर्व्याः | मूर्व्यास्तम् | मूर्व्यास्त |
| | मूर्व्यासम् | मूर्व्यास्व | मूर्व्यास्म |
| श्व० | मूर्वयिता | मूर्वयितारौ | मूर्वयितारः |
| | मूर्वयितासि | मूर्वयितास्थः | मूर्वयितास्थ |
| | मूर्वयितास्मि | मूर्वयितास्वः | मूर्वयितास्मः |
| भ० | मूर्वयिष्यति | मूर्वयिष्यतः | मूर्वयिष्यन्ति |
| | मूर्वयिष्यसि | मूर्वयिष्यथः | मूर्वयिष्यथ |
| | मूर्वयिष्यामि | मूर्वयिष्यावः | मूर्वयिष्यामः |
| क० | अमूर्वयिष्यत् | अमूर्वयिष्यताम् | अमूर्वयिष्यन् |
| | अमूर्वयिष्यः | अमूर्वयिष्यतम् | अमूर्वयिष्यत |
| | अमूर्वयिष्यम् | अमूर्वयिष्याव | अमूर्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | मूर्वयते | मूर्वयेते | मूर्वयन्ते |
| | मूर्वयसे | मूर्वयेथे | मूर्वयध्वे |
| | मूर्वये | मूर्वयावहे | मूर्वयामहे |
| स० | मूर्वयेत | मूर्वयेयाताम् | मूर्वयेरन् |
| | मूर्वयेथाः | मूर्वयेथायाम् | मूर्वयेध्वम् |
| | मूर्वयेय | मूर्वयेवहि | मूर्वयेमहि |
| प० | मूर्वयताम् | मूर्वयेताम् | मूर्वयन्ताम् |
| | मूर्वयस्व | मूर्वयेथाम् | मूर्वयध्वम् |
| | मूर्वये | मूर्वयावहे | मूर्वयामहे |
| ह्य० | अमूर्वयत | अमूर्वयेताम् | अमूर्वयन्त |
| | अमूर्वयथाः | अमूर्वयेथाम् | अमूर्वयध्वप् |
| | अमूर्वये | अमूर्वयावहि | अमूर्वयामहि |
| अ० | अमुमूर्वत् | अमुमूर्वेताम् | अमुमूर्वन्त |
| | अमुमूर्वथाः | अमुमूर्वेथाम् | अमुमूर्वध्वम् |
| | अमुमूर्वे | अमुमूर्वावहि | अमुमूर्वामहि |
| प० | मूर्वयाञ्चके | मूर्वयाञ्चकाते | मूर्वयाञ्चकिरे |
| | मूर्वयाञ्चकृषे | मूर्वयाञ्चकृथे | मूर्वयाञ्चकृढवे |
| | मूर्वयाञ्चके | मूर्वयाञ्चकृवहे | मूर्वयाञ्चकृमहे |
| | मूर्वयाञ्चभूव | मूर्वयामास | |
| आ० | मूर्वयिषीष्ट | मूर्वयिषीयास्ताम् | मूर्वयिषीरन् |
| | मूर्वयिषीष्ठाः | मूर्वयिषीयास्थाम् | मूर्वयिषीध्वम् |
| | मूर्वयिषीय | मूर्वयिषीवहि | मूर्वयिषीमहि |
| श्व० | मूर्वयिता | मूर्वयितारौ | मूर्वयितारः |
| | मूर्वयितासे | मूर्वयितासाथे | मूर्वयिताध्वे |
| | मूर्वयिताहे | मूर्वयितास्वहे | मूर्वयितास्महे |
| भ० | मूर्वयिष्यते | मूर्वयिष्येते | मूर्वयिष्यन्ते |
| | मूर्वयिष्यसे | मूर्वयिष्येथे | मूर्वयिष्यध्वे |
| | मूर्वयिष्ये | मूर्वयिष्यावहे | मूर्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अमूर्वयिष्यत | अमूर्वयिष्येताम् | अमूर्वयिष्यन्त |
| | अमूर्वयिष्यथाः | अमूर्वयिष्येथाम् | अमूर्वयिष्यध्वम् |
| | अमूर्वयिष्ये | अमूर्वयिष्यावहि | अमूर्वयिष्यामहि |

480 मव (मव्) बन्धने ।

| | | | |
|------|-----------------|---------------|---------------|
| ब० | मावयति | मावयतः | मावयन्ति |
| | मावयसि | मावयथः | मावयथ |
| | मावयामि | मावयावः | मावयामः |
| स० | मावयेत् | मावयेताम् | मावयेयुः |
| | मावयेः | मावयेतम् | मावयेत |
| | मावयेयम् | मावयेव | मावयेम |
| प० | मावयतु | मावयतात् | मावयताम् |
| | मावय | मावयतम् | मावयत |
| | मावयानि | मावयाव | मावयाम |
| ह्य० | अमावयत् | अमावयताम् | अमावयन् |
| | अमावयः | अमावयतम् | अमावयत |
| | अमावयम् | अमावयाव | अमावयाम |
| अ० | अमीमवत् | अमीमवताम् | अमीमवन् |
| | अमीमवः | अमीमवतम् | अमीमवत |
| | अमीमवम् | अमीमदाव | अमीमवाम |
| प० | मावयाञ्चकार | मावयाञ्चक्रुः | मावयाञ्चक्रुः |
| | मावयाञ्चकथं | मावयाञ्चकथुः | मावयाञ्चक |
| | मावयाञ्चकार-चकर | मावयाञ्चक्रुव | मावयाञ्चक्रुम |
| | मावयाम्बभूव | मावयामास | |
| आ० | माव्यात् | माव्यास्ताम् | माव्यासुः |
| | माव्याः | माव्यास्तम् | माव्यास्त |
| | माव्यासम् | माव्यास्व | माव्यास्म |
| श्च० | मावयिता | मावयितारौ | मावयितारः |
| | मावयितासि | मावयितास्थः | मावयितास्थ |
| | मावयितास्मि | मावयितास्वः | मावयितास्मः |
| भ० | मावयिष्यति | मावयिष्यतः | मावयिष्यन्ति |
| | मावयिष्यसि | मावयिष्यथः | मावयिष्यथ |
| | मावयिष्यामि | मावयिष्यावः | मावयिष्यामः |
| क० | अमावयिष्यत् | अमावयिष्यताम् | अमावयिष्यन् |
| | अमावयिष्यः | अमावयिष्यतम् | अमावयिष्यत |
| | अमावयिष्यम् | अमावयिष्याव | अमावयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | मावयते | मावयेते | मावयन्ते |
| | मावयसे | मावयेथे | मावयध्वे |
| | मावये | मावयावहे | मावयामहे |
| स० | मावयेत | मावयेयाताम् | मावयेरन् |
| | मावयेथाः | मावयेयाथाम् | मावयेध्वम् |
| | मावयेय | मावयेवहि | मावयेमहि |
| प० | मावयताम् | मावयेताम् | मावयन्ताम् |
| | मावयस्व | मावयेथाम् | मावयध्वम् |
| | मावये | मावयावहे | मावयामहे |
| ह्य० | अमावयत | अमावयेताम् | अमावयन्त |
| | अमावयथाः | अमावयेथाम् | अमावयध्वम् |
| | अमावये | अमावयावहि | अमावयामहि |
| अ० | अमीमवत | अमीमवेताम् | अमीमवन्त |
| | अमीमवथाः | अमीमवेथाम् | अमीमध्वम् |
| | अमीमवे | अमीमवावहि | अमीमवामहि |
| प० | मावयाञ्चक्रे | मावयाञ्चक्राते | मावयाञ्चक्रिरे |
| | मावयाञ्चकृषे | मावयाञ्चक्राथे | मावयाञ्चकृद्वे |
| | मावयाञ्चक्रे | मावयाञ्चकृवहे | मावयाञ्चकृमहे |
| | मावयाम्बभूव | मावयामास | |
| आ० | मावयिषीष्ट | मावयिषीयास्ताम् | मावयिषीरन् |
| | मावयिषीष्ठाः | मावयिषीयास्थाम् | मावयिषीध्वम् |
| | मावयिषीय | मावयिषीवहि | मावयिषीमहि |
| श्च० | मावयिता | मावयितारौ | मावयितारः |
| | मावयितासे | मावयितासाथे | मावयिताध्वे |
| | मावयिताहे | मावयितास्वहे | मावयितास्महे |
| भ० | मावयिष्यते | मावयिष्येते | मावयिष्यन्ते |
| | मावयिष्यसे | मावयिष्येथे | मावयिष्यध्वे |
| | मावयिष्ये | मावयिष्यावहे | मावयिष्यामहे |
| क्रि० | अमावयिष्यत | अमावयिष्येताम् | अमावयिष्यन्त |
| | अमावयिष्यथाः | अमावयिष्येथाम् | अमावयिष्यध्वम् |
| | अमावयिष्ये | अमावयिष्यवहि | अमावयिष्यामहि |

४४। गुर्वै (गुर्व) उद्यमे

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------------|
| ब० | गुर्वयति | गुर्वयतः | गुर्वयन्ति |
| | गुर्वयसि | गुर्वयथः | गुर्वयथ |
| | गुर्वयामि | गुर्वयावः | गुर्वयामः |
| स० | गुर्वयेत् | गुर्वयेताम् | गुर्वयेयुः |
| | गुर्वयेः | गुर्वयेतम् | गुर्वयेत |
| | गुर्वयेयम् | गुर्वयेव | गुर्वयेम |
| प० | गुर्वयतु | गुर्वयतात् | गुर्वयताम् गुर्वयन्तु |
| | गुर्वय | गुर्वयतम् | गुर्वयत |
| | गुर्वयाणि | गुर्वयाव | गुर्वयाम |
| प्र० | अगुर्वयत् | अगुर्वयताम् | अगुर्वयन् |
| | अगुर्वयः | अगुर्वयतम् | अगुर्वयत |
| | अगुर्वयम् | अगुर्वयाव | अगुर्वयाम |
| अ० | अजुगुर्वत् | अजुगुर्वताम् | अजुगुर्वन् |
| | अजुगुर्वः | अजुगुर्वतम् | अजुगुर्वत |
| | अजुगुर्वम् | अजुगुर्वाव | अजुगुर्वाम |
| प० | गुर्वयाञ्चकार | गुर्वयाञ्चक्रुः | गुर्वयाञ्चक्रुः |
| | गुर्वयाञ्चकथं | गुर्वयाञ्चक्रुः | गुर्वयाञ्चक्रुः |
| | गुर्वयाञ्चकार-चकर | गुर्वयाञ्चक्रुव | गुर्वयाञ्चक्रुम |
| | गुर्वयाम्बभूव | गुर्वयामास | |
| आ० | गुर्व्यात् | गुर्व्यास्ताम् | गुर्व्यास्तुः |
| | गुर्व्याः | गुर्व्यास्तम् | गुर्व्यास्त |
| | गुर्व्यासम् | गुर्व्यास्व | गुर्व्यास्म |
| श्व० | गुर्वयिता | गुर्वयितारौ | गुर्वयितारः |
| | गुर्वयितासि | गुर्वयितास्थः | गुर्वयितास्थ |
| | गुर्वयितारिस्मि | गुर्वयितास्वः | गुर्वयितास्मः |
| भ० | गुर्वयिष्यति | गुर्वयिष्यतः | गुर्वयिष्यन्ति |
| | गुर्वयिष्यसि | गुर्वयिष्यथः | गुर्वयिष्यथ |
| | गुर्वयिष्यामि | गुर्वयिष्यावः | गुर्वयिष्यामः |
| क्रि० | अगुर्वयिष्यत् | अगुर्वयिष्यताम् | अगुर्वयिष्यन् |
| | अगुर्वयिष्यः | अगुर्वयिष्यतम् | अगुर्वयिष्यत |
| | अगुर्वयिष्यम् | अगुर्वयिष्याव | अगुर्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | गुर्वयते | गुर्वयेते | गुर्वयन्ते |
| | गुर्वयसे | गुर्वयेथे | गुर्वयन्वे |
| | गुर्वये | गुर्वयावहे | गुर्वयामहे |
| स० | गुर्वयेत | गुर्वयेयाताम् | गुर्वयेरन् |
| | गुर्वयेथाः | गुर्वयेथायाम् | गुर्वयेष्वम् |
| | गुर्वयेय | गुर्वयेवहि | गुर्वयेमहि |
| प० | गुर्वयताम् | गुर्वयेताम् | गुर्वयन्ताम् |
| | गुर्वयन्व | गुर्वयेथाम् | गुर्वयन्वम् |
| | गुर्वये | गुर्वयावहे | गुर्वयामहे |
| ह्य० | अगुर्वयत | अगुर्वयेताम् | अगुर्वयन्त |
| | अगुर्वयथाः | अगुर्वयेथाम् | अगुर्वयन्वम् |
| | अगुर्वये | अगुर्वयावहि | अगुर्वयामहि |
| अ० | अजुगुर्वत् | अजुगुर्वेताम् | अजुगुर्वन्त |
| | अजुगुर्वथाः | अजुगुर्वेथाम् | अजुगुर्वन्वम् |
| | अजुगुर्वे | अजुगुर्वावहि | अजुगुर्वामहि |
| प० | गुर्वयाञ्चके | गुर्वयाञ्चक्राते | गुर्वयाञ्चक्रिरे |
| | गुर्वयाञ्चकृषे | गुर्वयाञ्चक्राथे | गुर्वयाञ्चकृद्वे |
| | गुर्वयाञ्चके | गुर्वयाञ्चकृवहे | गुर्वयाञ्चकृमहे |
| | गुर्वयाम्बभूव | गुर्वयामास | |
| आ० | गुर्वयिषीष्ट | गुर्वयिषीयास्ताम् | गुर्वयिषीरन् |
| | गुर्वयिषीष्ठाः | गुर्वयिषीयास्थाम् | गुर्वयिषीद्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | गुर्वयिषीय | गुर्वयिषीवहि | गुर्वयिषीमहि |
| श्व० | गुर्वयिता | गुर्वयितारौ | गुर्वयितारः |
| | गुर्वयितासे | गुर्वयितासाथे | गुर्वयिताच्वे |
| | गुर्वयिताहे | गुर्वयितास्वहे | गुर्वयितास्महे |
| भ० | गुर्वयिष्यते | गुर्वयिष्येते | गुर्वयिष्यन्ते |
| | गुर्वयिष्यसे | गुर्वयिष्येथे | गुर्वयिष्यन्वे |
| | गुर्वयिष्ये | गुर्वयिष्यावहे | गुर्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अगुर्वयिष्यत् | अगुर्वयिष्यताम् | अगुर्वयिष्यन्त |
| | अगुर्वयिष्यथाः | अगुर्वयिष्येथाम् | अगुर्वयिष्यन्वम् |
| | अगुर्वयिष्ये | अगुर्वयिष्यावहि | अगुर्वयिष्यामहि |

482 पिबु (पिन्व्) सेवने

| | | | |
|-------|----------------------------|-----------------|----------------|
| ५० | पिन्वयति | पिन्वयतः | पिन्वयन्ति |
| | पिन्वयसि | पिन्वयथः | पिन्वयथ |
| | पिन्वयामि | पिन्वयावः | पिन्वयामः |
| स० | पिन्वयेत् | पिन्वयेताम् | पिन्वयेयुः |
| | पिन्वयेः | पिन्वयेतम् | पिन्वयेत |
| | पिन्वयेयम् | पिन्वयेव | पिन्वयेम |
| प० | पिन्वयतु | पिन्वयतात् | पिन्वयताम् |
| | पिन्वय | पिन्वयतम् | पिन्वयत |
| | पिन्वयानि | पिन्वयाव | पिन्वयाम |
| ह्य० | अपिन्वयत् | अपिन्वयताम् | अपिन्वयन् |
| | अपिन्वयः | अपिन्वयतम् | अपिन्वयत |
| | अपिन्वयम् | अपिन्वयाव | अपिन्वयाम |
| अ० | अपिपिन्वत् | अपिपिन्वताम् | अपिपिन्वन् |
| | अपिपिन्वः | अपिपिन्वतम् | अपिपिन्वत |
| | अपिपिन्वम् | अपिपिन्वाव | अपिपिन्वाम |
| प० | पिन्वयाञ्चकार | पिन्वयाञ्चक्रुः | पिन्वयाञ्चकुः |
| | पिन्वयाञ्चकथं | पिन्वयाञ्चकथुः | पिन्वयाञ्चक |
| | पिन्वयाञ्चकार-चकर | पिन्वयाञ्चकृव | पिन्वयाञ्चकृम |
| | पिन्वयाम्बभूव ! पिन्वयामास | | |
| आ० | पिन्व्यात् | पिन्व्यास्ताम् | पिन्व्यासुः |
| | पिन्व्याः | पिन्व्यास्तम् | पिन्व्यास्त |
| | पिन्व्यासम् | पिन्व्यास्व | पिन्व्यास्म |
| श्र० | पिन्वयिता | पिन्वयितारौ | पिन्वयितारः |
| | पिन्वयितासि | पिन्वयितास्थः | पिन्वयितास्थ |
| | पिन्वयितास्मि | पिन्वयितास्वः | पिन्वयितास्मः |
| अ० | पिन्वयिष्यति | पिन्वयिष्यतः | पिन्वयिष्यन्ति |
| | पिन्वयिष्यसि | पिन्वयिष्यथः | पिन्वयिष्यथ |
| | पिन्वयिष्यामि | पिन्वयिष्यावः | पिन्वयिष्यामः |
| क्रि० | अपिन्वयिष्यत् | अपिन्वयिष्यताम् | अपिन्वयिष्यन् |
| | अपिन्वयिष्यः | अपिन्वयिष्यतम् | अपिन्वयिष्यत |
| | अपिन्वयिष्यम् | अपिन्वयिष्याव | अपिन्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------------------|-------------------|------------------|
| व० | पिन्वयते | पिन्वयेते | पिन्वयन्ते |
| | पिन्वयसे | पिन्वयेथे | पिन्वयध्वे |
| | पिन्वये | पिन्वयावहे | पिन्वयामहे |
| स० | पिन्वयेत | पिन्वयेयाताम् | पिन्वयेरन् |
| | पिन्वयेथाः | पिन्वयेथाथाम् | पिन्वयेध्वम् |
| | पिन्वयेय | पिन्वयेवहि | पिन्वयेमहि |
| प० | पिन्वयताम् | पिन्वयेताम् | पिन्वयन्ताम् |
| | पिन्वयस्व | पिन्वयेथाम् | पिन्वयध्वम् |
| | पिन्वये | पिन्वयावहै | पिन्वयामहै |
| ह्य० | अपिन्वयत् | अपिन्वयेताम् | अपिन्वयन्त |
| | अपिन्वयथाः | अपिन्वयेथाम् | अपिन्वयध्वप् |
| | अपिन्वये | अपिन्वयावहि | अपिन्वयामहि |
| अ० | अपिपिन्वत् | अपिपिन्वेताम् | अपिपिन्वन्त |
| | अपिपिन्वथाः | अपिपिन्वेथाम् | अपिपिन्वध्वम् |
| | अपिपिन्वे | अपिपिन्वावहि | अपिपिन्वामहि |
| प० | पिन्वयाञ्चक्रे | पिन्वयाञ्चक्राते | पिन्वयाञ्चक्रिरे |
| | पिन्वयाञ्चकृषे | पिन्वयाञ्चक्राथे | पिन्वयाञ्चकृद्वे |
| | पिन्वयाञ्चक्रे | पिन्वयाञ्चकृवहे | पिन्वयाञ्चकृमहे |
| | पिन्वयाम्बभूव । पिन्वयामास | | |
| आ० | पिन्वयिषीष्ट | पिन्वयिषीयास्ताम् | पिन्वयिषीरन् |
| | पिन्वयिषीष्ठाः | पिन्वयिषीयास्थाम् | पिन्वयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | पिन्वयिषीय | पिन्वयिषीवहि | पिन्वयिषीमहि |
| श्र० | पिन्वयिता | पिन्वयितारौ | पिन्वयितारः |
| | पिन्वयितासे | पिन्वयितासाथे | पिन्वयिताध्वे |
| | पिन्वयिताहे | पिन्वयितावहे | पिन्वयितास्महे |
| अ० | पिन्वयिष्यते | पिन्वयिष्येते | पिन्वयिष्यन्ते |
| | पिन्वयिष्यसे | पिन्वयिष्येथे | पिन्वयिष्यध्वे |
| | पिन्वयिष्ये | पिन्वयिष्यावहे | पिन्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अपिन्वयिष्यत् | अपिन्वयिष्येताम् | अपिन्वयिष्यन्त |
| | अपिन्वयिष्यथाः | अपिन्वयिष्येथाम् | अपिन्वयिष्यध्वम् |
| | अपिन्वयिष्ये | अपिन्वयिष्यावहि | अपिन्वयिष्यामहि |

483 मिवु (मिन्व्) सेचने

| | | | |
|----|------------|-------------|------------|
| व० | मिन्वयति | मिन्वयतः | मिन्वयन्ति |
| | मिन्वयसि | मिन्वयथः | मिन्वयथ |
| | मिन्वयामि | मिन्वयावः | मिन्वयामः |
| स० | मिन्वयेत् | मिन्वयेताम् | मिन्वयेयुः |
| | मिन्वयेः | मिन्वयेतम् | मिन्वयेत |
| | मिन्वयेयम् | मिन्वयेव | मिन्वयेम |

| | | | | |
|----|-----------|------------|------------|------------|
| प० | मिन्वयतु | मिन्वयतात् | मिन्वयताम् | मिन्वयन्तु |
| | मिन्वय | मिन्वयतम् | मिन्वयत | |
| | मिन्वयानि | मिन्वयाव | मिन्वयाम | |

| | | | |
|------|-----------|-------------|-----------|
| ह्य० | अमिन्वयत् | अमिन्वयताम् | अमिन्वयन् |
| | अमिन्वयः | अमिन्वयतम् | अमिन्वयत |
| | अमिन्वयम् | अमिन्वयाव | अमिन्वयाम |

| | | | |
|----|------------|--------------|------------|
| अ० | अमिमिन्वत् | अमिमिन्वताम् | अमिमिन्वन् |
| | अमिमिन्वः | अमिमिन्वतम् | अमिमिन्वत |
| | अमिमिन्वम् | अमिमिन्वाव | अमिमिन्वाम |

| | | | |
|----|----------------------------|-----------------|---------------|
| प० | मिन्वयाञ्चकार | मिन्वयाञ्चक्रुः | मिन्वयाञ्चकुः |
| | मिन्वयाञ्चकथं | मिन्वयाञ्चकथुः | मिन्वयाञ्चक |
| | मिन्वयाञ्चकार-चकर | मिन्वयाञ्चकृव | मिन्वयाञ्चकृम |
| | मिन्वयाम्बभूव : मिन्वयामास | | |

| | | | |
|----|-------------|----------------|-------------|
| आ० | मिन्व्यात् | मिन्व्यास्ताम् | मिन्व्यासुः |
| | मिन्व्याः | मिन्व्यास्ताम् | मिन्व्यास्त |
| | मिन्व्यासम् | मिन्व्यास्व | मिन्व्यासम |

| | | | |
|------|---------------|---------------|---------------|
| श्च० | मिन्वयिता | मिन्वयितारौ | मिन्वयितारः |
| | मिन्वयितासि | मिन्वयितास्थः | मिन्वयितास्थ |
| | मिन्वयितास्मि | मिन्वयितास्वः | मिन्वयितास्मः |

| | | | |
|----|---------------|---------------|----------------|
| अ० | मिन्वयिष्यति | मिन्वयिष्यतः | मिन्वयिष्यन्ति |
| | मिन्वयिष्यसि | मिन्वयिष्यथः | मिन्वयिष्यथ |
| | मिन्वयिष्यामि | मिन्वयिष्यावः | मिन्वयिष्यामः |

| | | | |
|-----|---------------|-----------------|---------------|
| कि० | अमिन्वयिष्यत् | अमिन्वयिष्यताम् | अमिन्वयिष्यन् |
| | अमिन्वयिष्यः | अमिन्वयिष्यतम् | अमिन्वयिष्यत |
| | अमिन्वयिष्यम् | अमिन्वयिष्याव | अमिन्वयिष्याम |

| | | | |
|----|-----------|------------|------------|
| व० | मिन्वयेते | मिन्वयेते | मिन्वयन्ते |
| | मिन्वयेसे | मिन्वयेथे | मिन्वयन्वे |
| | मिन्वये | मिन्वयावहे | मिन्वयामहे |

| | | | |
|----|------------|---------------|-------------|
| स० | मिन्वयेत | मिन्वयेताताम् | मिन्वयेरन् |
| | मिन्वयेथाः | मिन्वयेथाताम् | मिन्वयेष्वम |
| | मिन्वयेय | मिन्वयेवहि | मिन्वयेमहि |

| | | | |
|----|------------|-------------|---------------|
| प० | मिन्वयताम् | मिन्वयेताम् | मिन्वयन्ताम् |
| | मिन्वयस्व | मिन्वयेषाम् | मिन्वयन्स्वम् |
| | मिन्वये | मिन्वयावहे | मिन्वयामहे |

| | | | |
|------|------------|--------------|----------------|
| ह्य० | अमिन्वयत | अमिन्वयेताम् | अमिन्वयन्त |
| | अमिन्वयथाः | अमिन्वयेथाम् | अमिन्वयन्स्वम् |
| | अमिन्वये | अमिन्वयावहि | अमिन्वयामहि |

| | | | |
|----|-------------|---------------|-----------------|
| अ० | अमिमिन्वत | अमिमिन्वेताम् | अमिमिन्वन्त |
| | अमिमिन्वथाः | अमिमिन्वेथाम् | अमिमिन्वन्स्वम् |
| | अमिमिन्वे | अमिमिन्वावहि | अमिमिन्वामहि |

| | | | |
|----|----------------------------|-----------------|------------------|
| प० | मिन्वयाञ्चके | मिन्वयाञ्चकृते | मिन्वयाञ्चकिरे |
| | मिन्वयाञ्चकृषे | मिन्वयाञ्चकृषे | मिन्वयाञ्चकृद्वे |
| | मिन्वयाञ्चके | मिन्वयाञ्चकृवहे | मिन्वयाञ्चकृमहे |
| | मिन्वयाम्बभूव । मिन्वयामास | | |

| | | | |
|----|----------------|-------------------|---------------|
| आ० | मिन्वयिषीष्ट | मिन्वयिषीयास्ताम् | मिन्वयिषीस्व |
| | मिन्वयिषीष्टाः | मिन्वयिषीयास्थाम् | मिन्वयिषीद्वम |
| | | | ध्वम |

| | | | |
|------|-------------|----------------|----------------|
| | मिन्वयिषीय | मिन्वयिषीवहि | मिन्वयिषीमहि |
| श्च० | मिन्वयिता | मिन्वयितारौ | मिन्वयितारः |
| | मिन्वयितासे | मिन्वयितासाथे | मिन्वयितास्वे |
| | मिन्वयिताहे | मिन्वयितास्वहे | मिन्वयितास्महे |

| | | | |
|----|--------------|----------------|----------------|
| अ० | मिन्वयिष्यते | मिन्वयिष्येते | मिन्वयिष्यन्ते |
| | मिन्वयिष्यसे | मिन्वयिष्येथे | मिन्वयिष्यन्वे |
| | मिन्वयिष्ये | मिन्वयिष्यावहे | मिन्वयिष्यामहे |

| | | | |
|-----|----------------|------------------|--------------------|
| कि० | अमिन्वयिष्यत् | अमिन्वयिष्येताम् | अमिन्वयिष्यन्त |
| | अमिन्वयिष्यथाः | अमिन्वयिष्येथाम् | अमिन्वयिष्यन्स्वम् |
| | अमिन्वयिष्ये | अमिन्वयिष्यावहि | अमिन्वयिष्यामहि |

484 निवृ (निन्वृ , सेचने

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------------|
| व० | निन्वयति | निन्वयतः | निन्वयन्ति |
| | निन्वयसि | निन्वयथः | निन्वयथ |
| | निन्वयामि | निन्वयावः | निन्वयामः |
| स० | निन्वयेत् | निन्वयेताम् | निन्वयेयुः |
| | निन्वयेः | निन्वयेतम् | निन्वयेत |
| | निन्वयेयम् | निन्वयेव | निन्वयेम |
| प० | निन्वयतु | निन्वयतात् | निन्वयताम् निन्वयन्तु |
| | निन्वय | निन्वयतम् | निन्वयत |
| | निन्वयानि | निन्वयाव | निन्वयाम |
| ह्य० | अनिन्वयत् | अनिन्वयताम् | अनिन्वयन् |
| | अनिन्वयः | अनिन्वयतम् | अनिन्वयत |
| | अनिन्वयम् | अनिन्वयाव | अनिन्वयाम |
| अ० | अनिनिन्वत् | अनिनिन्वताम् | अनिनिन्वन् |
| | अनिनिन्वः | अनिनिन्वतम् | अनिनिन्वत |
| | अनिनिन्वम् | अनिनिन्वाव | अनिनिन्वाम |
| प० | निन्वयाश्चकार | निन्वयाश्चक्रुः | निन्वयाश्चक्रुः |
| | निन्वयाश्चकथे | निन्वयाश्चकथुः | निन्वयाश्चक्रुः |
| | निन्वयाश्चकार-चक्र | निन्वयाश्चक्रुव | निन्वयाश्चक्रुम |
| | निन्वयाश्चभूव | निन्वयामास | |
| आ० | निन्व्यात् | निन्व्यास्ताम् | निन्व्यासुः |
| | निन्व्याः | निन्व्यास्तम् | निन्व्यास्त |
| | निन्व्यासम् | निन्व्यास्व | निन्व्यास्प |
| थ० | निन्वयिता | निन्वयितारो | निन्वयितारः |
| | निन्वयितासि | निन्वयितास्थः | निन्वयितास्थ |
| | निन्वयितास्मि | निन्वयितास्वः | निन्वयितास्मः |
| भ० | निन्वयिष्यति | निन्वयिष्यतः | निन्वयिष्यन्ति |
| | निन्वयिष्यसि | निन्वयिष्यथः | निन्वयिष्यथ |
| | निन्वयिष्यामि | निन्वयिष्यावः | निन्वयिष्यामः |
| क्रि० | अनिन्वयिष्यत् | अनिन्वयिष्यताम् | अनिन्वयिष्यन् |
| | अनिन्वयिष्यः | अनिन्वयिष्यतम् | अनिन्वयिष्यत |
| | अनिन्वयिष्यम् | अनिन्वयिष्याव | अनिन्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|-------------------|--------------------|
| व० | निन्वयते | निन्वयेते | निन्वयन्ते |
| | निन्वयसे | निन्वयेथे | निन्वयस्व |
| | निन्वये | निन्वयावहे | निन्वयामहे |
| स० | निन्वयेत | निन्वयेयाताम् | निन्वयेरन् |
| | निन्वयेथाः | निन्वयेयाथाम् | निन्वयेष्वम् |
| | निन्वयेथ | निन्वयेवहि | निन्वयेमहि |
| प० | निन्वयताम् | निन्वयेताम् | निन्वयन्ताम् |
| | निन्वयस्व | निन्वयेथाम् | निन्वयेष्वम् |
| | निन्वये | निन्वयावहे | निन्वयामहे |
| ह्य० | अनिन्वयत | अनिन्वयेताम् | अनिन्वयन्त |
| | अनिन्वयथाः | अनिन्वयेथाम् | अनिन्वयेष्वम् |
| | अनिन्वये | अनिन्वयावहि | अनिन्वयामहि |
| अ० | अनिनिन्वत | अनिनिन्वेताम् | अनिनिन्वन्त |
| | अनिनिन्वथाः | अनिनिन्वेथाम् | अनिनिन्वेष्वम् |
| | अनिनिन्वे | अनिनिन्वावहि | अनिनिन्वामहि |
| प० | निन्वयाश्चक्रे | निन्वयाश्चक्रते | निन्वयाश्चक्रिरे |
| | निन्वयाश्चक्रुः | निन्वयाश्चक्राथे | निन्वयाश्चक्रुद्वे |
| | निन्वयाश्चक्रे | निन्वयाश्चक्रुवहे | निन्वयाश्चक्रुमहे |
| | निन्वयाश्चभूव | निन्वयामास | |
| आ० | निन्वयिषीष्ट | निन्वयिषीयास्ताम् | निन्वयिषीरन् |
| | निन्वयिषीष्टाः | निन्वयिषीयास्थाम् | निन्वयिषीड्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | निन्वयिषीय | निन्वयिषीवहि | निन्वयिषीमहि |
| थ० | निन्वयिता | निन्वयितारो | निन्वयितारः |
| | निन्वयितासे | निन्वयितासाथे | निन्वयिताष्वे |
| | निन्वयिताहे | निन्वयितास्वहे | निन्वयितामहे |
| भ० | निन्वयिष्यते | निन्वयिष्येते | निन्वयिष्यन्ते |
| | निन्वयिष्यसे | निन्वयिष्येथे | निन्वयिष्यस्व |
| | निन्वयिष्ये | निन्वयिष्यवहे | निन्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अनिन्वयिष्यत | अनिन्वयिष्येताम् | अनिन्वयिष्यन्त |
| | अनिन्वयिष्यथाः | अनिन्वयिष्येथाम् | अनिन्वयिष्येष्वम् |
| | अनिन्वयिष्ये | अनिन्वयिष्यवहि | अनिन्वयिष्यामहि |

485 हिबु (हिन्व्) प्रीणने ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| ब० | हिन्वयति | हिन्वयतः | हिन्वयन्ति |
| | हिन्वयसि | हिन्वयथः | हिन्वयथ |
| | हिन्वयामि | हिन्वयावः | हिन्वयामः |
| स० | हिन्वयेत् | हिन्वयेताम् | हिन्वयेयुः |
| | हिन्वयेः | हिन्वयेतम् | हिन्वयेत |
| | हिन्वयेयम् | हिन्वयेव | हिन्वयेम |
| प० | हिन्वयतु | हिन्वयतात् | हिन्वयताम् |
| | हिन्वय | हिन्वयतात् | हिन्वयतम् |
| | हिन्वयानि | हिन्वयाव | हिन्वयाम |
| श० | अहिन्वयत् | अहिन्वयताम् | अहिन्वयन् |
| | अहिन्वयः | अहिन्वयतम् | अहिन्वयत |
| | अहिन्वयम् | अहिन्वयाव | अहिन्वयाम |
| अ० | अजि हिन्वत् | अजि हिन्वताम् | अजि हिन्वन् |
| | अजिहन्व | अजिहन्वताम् | अजिहन्वत |
| | अजिहन्विम् | अजिहन्वाव | अजिहन्वाम |
| प० | हिन्वयाश्चकार | हिन्वयाश्चक्रुः | हिन्वयाश्चक्रुः |
| | हिन्वयाश्चकर्थ | हिन्वयाश्चक्रुः | हिन्वयाश्चक्रुः |
| | हिन्वयाश्चकारन्चकर | हिन्वयाश्चक्रुव | हिन्वयाश्चक्रुम |
| | हिन्वयाम्बभूव | हिन्वयामास | |
| भा० | हिन्व्यात् | हिन्व्यास्ताम् | हिन्व्यासुः |
| | हिन्व्याः | हिन्व्यास्तम् | हिन्व्यास्त |
| | हिन्व्यासम् | हिन्व्यास्व | हिन्व्यास्म |
| प्र० | हिन्वयिता | हिन्वयितारौ | हिन्वयितारः |
| | हिन्वयितासि | हिन्वयितास्थः | हिन्वयितास्थ |
| | हिन्वयितास्मि | हिन्वयितास्वः | हिन्वयितास्मः |
| भ० | हिन्वयिष्यति | हिन्वयिष्यतः | हिन्वयिष्यन्ति |
| | हिन्वयिष्यसि | हिन्वयिष्यथः | हिन्वयिष्यथ |
| | हिन्वयिष्यामि | हिन्वयिष्यावः | हिन्वयिष्यामः |
| क्रि० | अहिन्वयिष्यत् | अहिन्वयिष्यताम् | अहिन्वयिष्यन् |
| | अहिन्वयिष्यः | अहिन्वयिष्यतम् | अहिन्वयिष्यत |
| | अहिन्वयिष्यम् | अहिन्वयिष्याव | अहिन्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------------|-------------------|-------------------|
| व० | हिन्वयते | हिन्वयेते | हिन्वयन्ते |
| | हिन्वयसे | हिन्वयेथे | हिन्वयध्वे |
| | हिन्वये | हिन्वयावहे | हिन्वयामहे |
| स० | हिन्वयेत | हिन्वयेयाताम् | हिन्वयेरन् |
| | हिन्वयेथाः | हिन्वयेयाथाम् | हिन्वयेध्वम् |
| | हिन्वयेय | हिन्वयेवहि | हिन्वयेमहि |
| प० | हिन्वयताम् | हिन्वयेताम् | हिन्वयन्ताम् |
| | हिन्वयस्व | हिन्वयेथाम् | हिन्वयध्वम् |
| | हिन्वयै | हिन्वयावहे | हिन्वयामहे |
| श० | अहिन्वयत | अहिन्वयेताम् | अहिन्वयन्त |
| | अहिन्वयथाः | अहिन्वयेथाम् | अहिन्वयध्वम् |
| | अहिन्वये | अहिन्वयावहि | अहिन्वयामहि |
| अ० | अजि हिन्वत | अजि हिन्वेताम् | अजि हिन्वन्त |
| | अजि हिन्वथाः | अजि हिन्वेथाम् | अजि हिन्वध्वम् |
| | अजि हिन्वे | अजि हिन्वावहि | अजि हिन्वामहि |
| प० | हिन्वयाश्चक्रे | हिन्वयाश्चक्रते | हिन्वयाश्चक्रिरे |
| | हिन्वयाश्चक्रेषु | हिन्वयाश्चक्रथे | हिन्वयाश्चक्रुवहे |
| | हिन्वयाश्चक्रुवहे | हिन्वयाश्चक्रुमहे | |
| | हिन्वयाम्बभूव | हिन्वयामास | |
| भा० | हिन्वयिषीष्ट | हिन्वयिषीयास्ताम् | हिन्वयिषीरन् |
| | हिन्वयिषीष्ठाः | हिन्वयिषीयास्थाम् | हिन्वयिषीध्वम् |
| | हिन्वयिषीय | हिन्वयिषीवहि | हिन्वयिषीमहि |
| प्र० | हिन्वयिता | हिन्वयितारौ | हिन्वयितारः |
| | हिन्वयितासे | हिन्वयितासाथे | हिन्वयिताध्वे |
| | हिन्वयिताहे | हिन्वयितास्वहे | हिन्वयितास्महे |
| भ० | हिन्वयिष्यते | हिन्वयिष्येते | हिन्वयिष्यन्ते |
| | हिन्वयिष्यसे | हिन्वयिष्येथे | हिन्वयिष्यध्वे |
| | हिन्वयिष्ये | हिन्वयिष्यावहे | हिन्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अहिन्वयिष्यत | अहिन्वयिष्येताम् | अहिन्वयिष्यन्त |
| | अहिन्वयिष्यथाः | अहिन्वयिष्येथाम् | अहिन्वयिष्यध्वम् |
| | अहिन्वयिष्ये | अहिन्वयिष्यावहि | अहिन्वयिष्यामहि |

486 दिव् (दिन्व्) प्रीणने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| ब० | दिन्वयति | दिन्वयतः | दिन्वयन्ति |
| | दिन्वयसि | दिन्वयथः | दिन्वयथ |
| | दिन्वयामि | दिन्वयावः | दिन्वयामः |
| स० | दिन्वयेत् | दिन्वयेताम् | दिन्वयेयुः |
| | दिन्वयेः | दिन्वयेतम् | दिन्वयेत |
| | दिन्वयेयाम् | दिन्वयेव | दिन्वयेम |
| प० | दिन्वयतु | दिन्वयतात् | दिन्वयताम् |
| | दिन्वय | दिन्वयतात् | दिन्वयतम् |
| | दिन्वयानि | दिन्वयाव | दिन्वयाम |
| ह्य० | अदिन्वयत् | अदिन्वयताम् | अदिन्वयन् |
| | अदिन्वयः | अदिन्वयतम् | अदिन्वयत |
| | अदिन्वयम् | अदिन्वयाव | अदिन्वयाम |
| अ० | अदिदिन्वत् | अदिदिन्वताम् | अदिदिन्वन् |
| | अदिदिन्वः | अदिदिन्वतम् | अदिदिन्वत |
| | अदिदिन्वम् | अदिदिन्वाव | अदिदिन्वाम |
| प० | दिन्वयाश्चकार | दिन्वयाश्चक्रुः | दिन्वयाश्चकुः |
| | दिन्वयाश्चकथं | दिन्वयाश्चक्रुः | दिन्वयाश्चक्रुः |
| | दिन्वयाश्चकार-चकर | दिन्वयाश्चक्रुव | दिन्वयाश्चक्रुम |
| | दिन्वयाम्बभूव | । | दिन्वयामास |
| भा० | दिन्व्यात् | दिन्व्यास्ताम् | दिन्व्यासुः |
| | दिन्व्याः | दिन्व्यास्तम् | दिन्व्यास्त |
| | दिन्व्यासम् | दिन्व्यास्व | दिन्व्यास्म |
| श्व० | दिन्वयिता | दिन्वयितारौ | दिन्वयितारः |
| | दिन्वयितासि | दिन्वयितास्थः | दिन्वयितास्थ |
| | दिन्वयितास्मि | दिन्वयितास्वः | दिन्वयितास्मः |
| भ० | दिन्वयिष्यति | दिन्वयिष्यतः | दिन्वयिष्यन्ति |
| | दिन्वयिष्यसि | दिन्वयिष्यथः | दिन्वयिष्यथ |
| | दिन्वयिष्यामि | दिन्वयिष्यावः | दिन्वयिष्यामः |
| क्रि० | अदिन्वयिष्यत् | अदिन्वयिष्यताम् | अदिन्वयिष्यन् |
| | अदिन्वयिष्यः | अदिन्वयिष्यतम् | अदिन्वयिष्यत |
| | अदिन्वयिष्यम् | अदिन्वयिष्याव | अदिन्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|-------------------|
| व० | दिन्वयते | दिन्वयेते | दिन्वयन्ते |
| | दिन्वयसे | दिन्वयेथे | दिन्वयन्वे |
| | दिन्वये | दिन्वयावहे | दिन्वयामहे |
| स० | दिन्वयेत | दिन्वयेयाताम् | दिन्वयेरन् |
| | दिन्वयेथाः | दिन्वयेयाथाम् | दिन्वयेध्वम् |
| | दिन्वयेय | दिन्वयेवहि | दिन्वयेमहि |
| प० | दिन्वयताम् | दिन्वयेताम् | दिन्वयन्ताम् |
| | दिन्वयस्व | दिन्वयेथाम् | दिन्वयध्वम् |
| | दिन्वयै | दिन्वयावहे | दिन्वयामहे |
| ह्य० | अदिन्वयत | अदिन्वयेताम् | अदिन्वयन्त |
| | अदिन्वयथाः | अदिन्वयेथाम् | अदिन्वयध्वम् |
| | अदिन्वये | अदिन्वयावहि | अदिन्वयामहि |
| अ० | अदिदिन्वत | अदिदिन्वेताम् | अदिदिन्वन्त |
| | अदिदिन्वथाः | अदिदिन्वेथाम् | अदिदिन्वध्वम् |
| | अदिदिन्वे | अदिदिन्वावहि | अदिदिन्वामहि |
| प० | दिन्वयाश्चक्रे | दिन्वयाश्चक्रते | दिन्वयाश्चक्रिरे |
| | दिन्वयाश्चक्रुवे | दिन्वयाश्चक्राथे | दिन्वयाश्चक्रुवहे |
| | दिन्वयाश्चक्रे | दिन्वयाश्चक्रुवहे | दिन्वयाश्चक्रुमहे |
| | दिन्वयाम्बभूव | । | दिन्वयामास |
| आ० | दिन्वयिषीष्ट | दिन्वयिषीयास्ताम् | दिन्वयिषीरन् |
| | दिन्वयिषीष्टाः | दिन्वयिषीयास्थाम् | दिन्वयिषीध्वम् |
| | दिन्वयिषीय | दिन्वयिषीवहि | दिन्वयिषीमहि |
| श्व० | दिन्वयिता | दिन्वयितारौ | दिन्वयितारः |
| | दिन्वयितासे | दिन्वयितासाथे | दिन्वयिताध्वे |
| | दिन्वयिताहे | दिन्वयितास्वहे | दिन्वयितास्महे |
| भ० | दिन्वयिष्यते | दिन्वयिष्येते | दिन्वयिष्यन्ते |
| | दिन्वयिष्यसे | दिन्वयिष्येथे | दिन्वयिष्यन्वे |
| | दिन्वयिष्ये | दिन्वयिष्यावहे | दिन्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अदिन्वयिष्यत् | अदिन्वयिष्येताम् | अदिन्वयिष्यन्त |
| | अदिन्वयिष्यथाः | अदिन्वयिष्येथाम् | अदिन्वयिष्यध्वम् |
| | अदिन्वयिष्ये | अदिन्वयिष्यावहि | अदिन्वयिष्यामहि |

487 जिबु (जिन्व्) प्रीणने ।

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| ब० जिन्वयति | जिन्वयतः | जिन्वयन्ति |
| जिन्वयसि | जिन्वयथः | जिन्वयथ |
| जिन्वयामि | जिन्वयावः | जिन्वयामः |
| स० जिन्वयेत् | जिन्वयेताम् | जिन्वयेयुः |
| जिन्वयेः | जिन्वयेतम् | जिन्वयेत |
| जिन्वयेयम् | जिन्वयेव | जिन्वयेम |

| | | | |
|-------------|------------|------------|------------|
| प० जिन्वयतु | जिन्वयतात् | जिन्वयताम् | जिन्वयन्तु |
| जिन्वय | जिन्वयतात् | जिन्वयतम् | जिन्वयत |
| जिन्वयानि | जिन्वयाव | जिन्वयाम | |

| | | |
|----------------|-------------|-----------|
| ह्य० अजिन्वयत् | अजिन्वयताम् | अजिन्वयन् |
| अजिन्वयः | अजिन्वयतम् | अजिन्वयत |
| अजिन्वयम् | अजिन्वयाव | अजिन्वयाम |

| | | |
|---------------|--------------|------------|
| अ० अजिजिन्वत् | अजिजिन्वताम् | अजिजिन्वन् |
| अजिजिन्वः | अजिजिन्वतम् | अजिजिन्वत |
| अजिजिन्वम् | अजिजिन्वाव | अजिजिन्वाम |

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| प० जिन्वयाञ्चकार | जिन्वयाञ्चकतुः | जिन्वयाञ्चकुः |
| जिन्वयाञ्चकथं | जिन्वयाञ्चकथुः | जिन्वयाञ्चक |
| जिन्वयाञ्चकार-चकर | जिन्वयाञ्चकृव | जिन्वयाञ्चकृम |
| जिन्वयाञ्चभूव | । | जिन्वयामास |

| | | |
|--------------|----------------|-------------|
| आ० जिन्वयात् | जिन्व्यास्ताम् | जिन्व्यासुः |
| जिन्वयाः | जिन्व्यास्तम् | जिन्व्यास्त |
| जिन्वयासम् | जिन्व्यास्व | जिन्व्यास्म |

| | | |
|---------------|---------------|---------------|
| अ० जिन्वयिता | जिन्वयितारौ | जिन्वयितारः |
| जिन्वयितासि | जिन्वयितास्थः | जिन्वयितास्थ |
| जिन्वयितास्मि | जिन्वयितास्वः | जिन्वयितास्मः |

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| भ० जिन्वयिष्यति | जिन्वयिष्यतः | जिन्वयिष्यन्ति |
| जिन्वयिष्यसि | जिन्वयिष्यथः | जिन्वयिष्यथ |
| जिन्वयिष्यामि | जिन्वयिष्यावः | जिन्वयिष्यामः |

| | | |
|---------------------|-----------------|---------------|
| क्रि० अजिन्वयिष्यत् | अजिन्वयिष्यताम् | अजिन्वयिष्यन् |
| अजिन्वयिष्यः | अजिन्वयिष्यतम् | अजिन्वयिष्यत |
| अजिन्वयिष्यम् | अजिन्वयिष्याव | अजिन्वयिष्याम |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| व० जिन्वयते | जिन्वयेते | जिन्वयन्ते |
| जिन्वयसे | जिन्वयेथे | जिन्वयध्वे |
| जिन्वये | जिन्वयावहे | जिन्वयामहे |

| | | |
|-------------|---------------|-------------|
| स० जिन्वयेत | जिन्वयेयाताम् | जिन्वयेरन् |
| जिन्वयेथाः | जिन्वयेयाथाम् | जिन्वयेध्वम |
| जिन्वयेय | जिन्वयेवहि | जिन्वयेमहि |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| प० जिन्वयताम् | जिन्वयेताम् | जिन्वयन्ताम् |
| जिन्वयस्व | जिन्वयेथाम् | जिन्वयध्वम् |
| जिन्वयै | जिन्वयावहे | जिन्वयामहे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| ह्य० अजिन्वयत | अजिन्वयेताम् | अजिन्वयन्त |
| अजिन्वयथाः | अजिन्वयेथाम् | अजिन्वयध्वम् |
| अजिन्वये | अजिन्वयावहि | अजिन्वयामहि |

| | | |
|--------------|---------------|---------------|
| अ० अजिजिन्वत | अजिजिन्वेताम् | अजिजिन्वन्त |
| अजिजिन्वथाः | अजिजिन्वेथाम् | अजिजिन्वध्वम् |
| अजिजिन्वे | अजिजिन्वावहि | अजिजिन्वामहि |

| | | |
|-----------------|-----------------|------------------|
| प० जिन्वयाञ्चके | जिन्वयाञ्चकते | जिन्वयाञ्चकिरे |
| जिन्वयाञ्चकृषे | जिन्वयाञ्चकृषे | जिन्वयाञ्चकृष्वे |
| जिन्वयाञ्चके | जिन्वयाञ्चकृवहे | जिन्वयाञ्चकृमहे |
| जिन्वयाञ्चभूव | । | जिन्वयामास |

| | | |
|-----------------|-------------------|----------------|
| आ० जिन्वयिषीष्ट | जिन्वयिषीयास्ताम् | जिन्वयिषीरन् |
| जिन्वयिषीष्टाः | जिन्वयिषीयास्थाम् | जिन्वयिषीध्वम् |

| | | |
|------------|--------------|--------------|
| जिन्वयिषीय | जिन्वयिषीवहि | जिन्वयिषीमहि |
|------------|--------------|--------------|

| | | |
|--------------|----------------|----------------|
| अ० जिन्वयिता | जिन्वयितारौ | जिन्वयितारः |
| जिन्वयितासे | जिन्वयितासथे | जिन्वयिताध्वे |
| जिन्वयिताहे | जिन्वयितास्वहे | जिन्वयितास्महे |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| भ० जिन्वयिष्यते | जिन्वयिष्येते | जिन्वयिष्यन्ते |
| जिन्वयिष्यसे | जिन्वयिष्येथे | जिन्वयिष्यध्वे |
| जिन्वयिष्ये | जिन्वयिष्यावहे | जिन्वयिष्यामहे |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| क्रि० अजिन्वयिष्यत | अजिन्वयिष्येताम् | अजिन्वयिष्यन्त |
| अजिन्वयिष्यथाः | अजिन्वयिष्येथाम् | अजिन्वयिष्यध्वम् |
| अजिन्वयिष्ये | अजिन्वयिष्यावहि | अजिन्वयिष्यामहि |

488 इवु (इन्वृ) व्याप्तौ च ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व | इन्वयति | इन्वयतः | इन्वयन्ति |
| | इन्वयसि | इन्वयथः | इन्वयथ |
| | इन्वयामि | इन्वयावः | इन्वयामः |
| स | इन्वयेत् | इन्वयेताम् | इन्वयेयुः |
| | इन्वयेः | इन्वयेतम् | इन्वयेत |
| | इन्वयेयम् | इन्वयेव | इन्वयेम |
| प० | इन्वयतु | इन्वयतात् | इन्वयताम् |
| | इन्वय | इन्वयतात् | इन्वयतम् |
| | इन्वयानि | इन्वयाव | इन्वयाम |
| भा० | ऐन्वयत् | ऐन्वयताम् | ऐन्वयन् |
| | ऐन्वयः | ऐन्वयतम् | ऐन्वयत |
| | ऐन्वयम् | ऐन्वयाव | ऐन्वयाम |
| अ० | ऐन्विवत् | ऐन्विवताम् | ऐन्विवन् |
| | ऐन्विवः | ऐन्विवतम् | ऐन्विवत |
| | ऐन्विवम् | ऐन्विवाव | ऐन्विवाम |
| म० | इन्वयाञ्चकार | इन्वयाञ्चकतुः | इन्वयाञ्चकुः |
| | इन्वयाञ्चकथं | इन्वयाञ्चकथुः | इन्वयाञ्चक |
| | इन्वयाञ्चकार-चकर | इन्वयाञ्चकृव | इन्वयाञ्चकृम |
| | इन्वयाम्बभूव | । | इन्वयामास |
| भा० | इन्व्यात् | इन्व्यास्ताम् | इन्व्यासुः |
| | इन्व्याः | इन्व्यास्तम् | इन्व्यास्त |
| | इन्व्यासम् | इन्व्यास्व | इन्व्यास्म |
| श्र० | इन्वयिता | इन्वयितारौ | इन्वयितारः |
| | इन्वयितासि | इन्वयितास्थः | इन्वयितास्थ |
| | इन्वयितास्मि | इन्वयितास्वः | इन्वयितास्मः |
| भ० | इन्वयिष्यति | इन्वयिष्यतः | इन्वयिष्यन्ति |
| | इन्वयिष्यसि | इन्वयिष्यथः | इन्वयिष्यथ |
| | इन्वयिष्यामि | इन्वयिष्यावः | इन्वयिष्यामः |
| क्रि० | ऐन्वयिष्यत् | ऐन्वयिष्यताम् | ऐन्वयिष्यन् |
| | ऐन्वयिष्यः | ऐन्वयिष्यतम् | ऐन्वयिष्यत |
| | ऐन्वयिष्यम् | ऐन्वयिष्याव | ऐन्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | इन्वयते | इन्वयेते | इन्वयन्ते |
| | इन्वयसे | इन्वयेथे | इन्वयन्त्वे |
| | इन्वये | इन्वयावहे | इन्वयामहे |
| स० | इन्वयेत | इन्वयेयाताम् | इन्वयेरन् |
| | इन्वयेथाः | इन्वयेयाथाम् | इन्वयेथ्वम |
| | इन्वयेय | इन्वयेवहि | इन्वयेमहि |
| प० | इन्वयताम् | इन्वयेताम् | इन्वयन्ताम् |
| | इन्वयस्व | इन्वयेथाम् | इन्वयन्ध्वम् |
| | इन्वये | इन्वयावहे | इन्वयामहे |
| भा० | ऐन्वयत | ऐन्वयेताम् | ऐन्वयन्त |
| | ऐन्वयथाः | ऐन्वयेथाम् | ऐन्वयथ्वम् |
| | ऐन्वये | ऐन्वयावहि | ऐन्वयामहि |
| अ० | ऐन्विवत | ऐन्विवेताम् | ऐन्विवन्त |
| | ऐन्विवथाः | ऐन्विवेथाम् | ऐन्विवथ्वम् |
| | ऐन्विवे | ऐन्विवावहि | ऐन्विवामहि |
| प० | इन्वयाञ्चके | इन्वयाञ्चकते | इन्वयाञ्चकिरे |
| | इन्वयाञ्चकृषे | इन्वयाञ्चकृषे | इन्वयाञ्चकृष्वे |
| | इन्वयाञ्चके | इन्वयाञ्चकृवहे | इन्वयाञ्चकृमहे |
| | इन्वयाम्बभूव | । | इन्वयामास |
| आ० | इन्वयिषीष्ट | इन्वयिषीयास्ताम् | इन्वयिषीरन् |
| | इन्वयिषीष्टाः | इन्वयिषीयास्थाम् | इन्वयिषीद्वम् |
| | इन्वयिषीय | इन्वयिषीवहि | इन्वयिषीमहि |
| श्र० | इन्वयिता | इन्वयितारौ | इन्वयितारः |
| | इन्वयितासे | इन्वयितासाथे | इन्वयिताध्वे |
| | इन्वयिताहे | इन्वयितास्वहे | इन्वयितास्महे |
| भ० | इन्वयिष्यते | इन्वयिष्येते | इन्वयिष्यन्ते |
| | इन्वयिष्यसे | इन्वयिष्येथे | इन्वयिष्यध्वे |
| | इन्वयिष्ये | इन्वयिष्यावहे | इन्वयिष्यामहे |
| क्रि० | ऐन्वयिष्यत् | ऐन्वयिष्येताम् | ऐन्वयिष्यन्त |
| | ऐन्वयिष्यथाः | ऐन्वयिष्येथाम् | ऐन्वयिष्यध्वम् |
| | ऐन्वयिष्ये | ऐन्वयिष्यावहि | ऐन्वयिष्यामहि |

489 अव (अव् , रक्षणगतिकान्ति ।

प्रतिपत्तयवगमनप्रवेष्टाश्रयणस्वाम्यर्थयाचनक्रियेच्छा-
दीप्त्यवाप्त्यालिङ्गनहिंसादहनभाववृद्धिषु ।

| | | | |
|-------|---------------|-------------|-------------|
| व० | आवयति | आवयतः | आवयन्ति |
| | आवयसि | आवयथः | आवयथ |
| | आवयामि | आवयावः | आवयामः |
| स० | आवयेत् | आवयेताम् | आवयेयुः |
| | आवयेः | आवयेतम् | आवयेत |
| | आवयेयम् | आवयेव | आवयेम |
| प० | आवयतु | आवयतात् | आवयताम् |
| | आवय | आवयतम् | आवयत |
| | आवयानि | आवयाव | आवयाम |
| श० | आवयत् | आवयताम् | आवयन् |
| | आवयः | आवयतम् | आवयत |
| | आवयम् | आवयाव | आवयाम |
| भ० | आविवत् | आविवताम् | आविवन् |
| | आविवः | आविवतम् | आविवत |
| | आविवम् | आविवाव | आविवाम |
| प० | आवयाञ्चकार | आवयाञ्चकतुः | आवयाञ्चकः |
| | आवयाञ्चकर्थ | आवयाञ्चकथुः | आवयाञ्चक |
| | आवयाञ्चकर-चकर | आवयाञ्चकृव | आवयाञ्चकृम |
| | आवयाम्बभूव | आवयामास | |
| भा० | आव्यात् | आव्यास्ताम् | आव्यासुः |
| | आव्याः | आव्यास्तम् | आव्यास्त |
| | आव्यासम् | आव्यास्व | आव्यास्म |
| श्व० | आवयिता | आवयितारौ | आवयितारः |
| | आवयितासि | आवयितास्थः | आवयितास्थ |
| | आवयितास्मि | आवयितास्वः | आवयितास्मः |
| भ० | आवयिष्यति | आवयिष्यतः | आवयिष्यन्ति |
| | आवयिष्यसि | आवयिष्यथः | आवयिष्यथ |
| | आवयिष्यामि | आवयिष्यावः | आवयिष्यामः |
| क्रि० | आवयिष्यत् | आवयिष्यताम् | आवयिष्यन् |
| | आवयिष्यः | आवयिष्यतम् | आवयिष्यत |
| | आवयिष्यम् | आवयिष्याव | आवयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|---------------|
| व० | आवयेते | आवयेते | आवयन्ते |
| | आवयेते | आवयेथे | आवयन्वे |
| | आवये | आवयावहे | आवयामहे |
| स० | आवयेत | आवयेयाताम् | आवयेरन् |
| | आवयेथाः | आवयेयाधाम् | आवयेध्वम् |
| | आवयेय | आवयेवहि | आवयेमहि |
| प० | आवयताम् | आवयेताम् | आवयन्ताम् |
| | आवयस्व | आवयेथाम् | आवयध्वम् |
| | आवये | आवयावहे | आवयामहे |
| श्व० | आवयत | आवयेताम् | आवयन्त |
| | आवयथाः | आवयेथाम् | आवयध्वप् |
| | आवये | आवयावहि | आवयामहि |
| भ० | आविवेत | आविवेताम् | आविवन्त |
| | आविवेथाः | आविवेथाम् | आविवध्वम् |
| | आविवे | आविवेवहि | आविवामहि |
| प० | आवयाञ्चके | आवयाञ्चकते | आवयाञ्चक्रिरे |
| | आवयाञ्चकृषे | आवयाञ्चकृथे | आवयाञ्चकृवहे |
| | आवयाञ्चक्रे | आवयाञ्चकृवहे | आवयाञ्चकृमहे |
| | आवयाम्बभूव | आवयामास | |
| भा० | आवयिषीष्ट | आवयिषीयस्ताम् | आवयिषीरन् |
| | आवयिषीष्टाः | आवयिषीयस्थाम् | आवयिषीह्वम् |
| | आवयिषीय | आवयिषीवहि | आवयिषीमहि |
| श्व० | आवयिता | आवयितारौ | आवयितारः |
| | आवयितासे | आवयितासाथे | आवयिताध्वे |
| | आवयिताहे | आवयितावहे | आवयितामहे |
| भ० | आवयिष्यते | आवयिष्येते | आवयिष्यन्ते |
| | आवयिष्यसे | आवयिष्येथे | आवयिष्यन्वे |
| | आवयिष्ये | आवयिष्यावहे | आवयिष्यामहे |
| क्रि० | आवयिष्यत | आवयिष्येताम् | आवयिष्यन्त |
| | आवयिष्यथाः | आवयिष्येथाम् | आवयिष्यध्वम् |
| | आवयिष्ये | आवयिष्यावहि | आवयिष्यामहि |

॥ अथ शान्ताः सप्त ॥
490 कश (कश्) शब्दे

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० काशयति | काशयतः | काशयन्ति |
| काशयसि | काशयथः | काशयथ |
| काशयामि | काशयावः | काशयामः |
| स० काशयेत् | काशयेताम् | काशयेयुः |
| काशयेः | काशयेतम् | काशयेत |
| काशयेयम् | काशयेव | काशयेम |
| प० काशयतु | काशयतात् | काशयताम् |
| काशय | काशयतात् | काशयतम् |
| काशयानि | काशयाव | काशयाम |
| ह्य० अकाशयत् | अकाशयताम् | अकाशयन्तु |
| अकाशयः | अकाशयतम् | अकाशयत |
| अकाशयम् | अकाशयाव | अकाशयाम |
| अ० अचीकशत् | अचीकशताम् | अचीकशन्तु |
| अचीकशः | अचीकशतम् | अचीकशत |
| अचीकशम् | अचीकशाव | अचीकशाम |
| प० काशयाश्चकार | काशयाश्चकृतुः | काशयाश्चकुः |
| काशयाश्चकथं | काशयाश्चकथुः | काशयाश्चक |
| काशयाश्चकार-चकर | काशयाश्चकृव | काशयाश्चकृम |
| काशयाम्बभूव | काशयामास | |
| भा० काश्यात् | काश्यास्ताम् | काश्यासुः |
| काश्याः | काश्यास्तम् | काश्यास्त |
| काश्यासम् | काश्यास्व | काश्यास्म |
| श्व० काशयिता | काशयितारौ | काशयितारः |
| काशयितासि | काशयितास्थः | काशयितास्थ |
| काशयितास्मि | काशयितास्वः | काशयितास्मः |
| भ० काशयिष्यति | काशयिष्यतः | काशयिष्यन्ति |
| काशयिष्यसि | काशयिष्यथः | काशयिष्यथ |
| काशयिष्यामि | काशयिष्यावः | काशयिष्यामः |
| क्रि० अकाशयिष्यत् | अकाशयिष्यताम् | अकाशयिष्यन्तु |
| अकाशयिष्यः | अकाशयिष्यतम् | अकाशयिष्यत |
| अकाशयिष्यम् | अकाशयिष्याव | अकाशयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| व० काशयते | काशयेते | काशयन्ते |
| काशयसे | काशयेथे | काशयन्वे |
| काशये | काशयावहे | काशयामहे |
| स० काशयेत | काशयेताम् | काशयेरन् |
| काशयेथाः | काशयेथाम् | काशयेध्वम् |
| काशयेय | काशयेवहि | काशयेमहि |
| प० काशयताम् | काशयेताम् | काशयन्ताम् |
| काशयस्व | काशयेथाम् | काशयन्वम् |
| काशयै | काशयावहे | काशयामहे |
| ह्य० अकाशयत | अकाशयेताम् | अकाशयन्त |
| अकाशयथाः | अकाशयेथाम् | अकाशयन्ध्वम् |
| अकाशये | अकाशयावहि | अकाशयामहि |
| अ० अचीकशत | अचीकशेताम् | अचीकशन्त |
| अचीकशथाः | अचीकशेथाम् | अचीकशन्ध्वम् |
| अचीकशे | अचीकशावहि | अचीकशामहि |
| प० काशयाश्चक्रे | काशयाश्चकृते | काशयाश्चकिरे |
| काशयाश्चकृषे | काशयाश्चकृथे | काशयाश्चकृध्वे |
| काशयाश्चकं | काशयाश्चकृवहे | काशयाश्चकृमहे |
| काशयाम्बभूव | काशयामास | |
| भा० काशयिषीष्ट | काशयिषीयास्ताम् | काशयिषीरन् |
| काशयिषीष्टाः | काशयिषीयास्याम् | काशयिषीध्वम् |
| काशयिषीय | काशयिषीवहि | काशयिषीमहि |
| श्व० काशयिता | काशयितारौ | काशयितारः |
| काशयितासे | काशयितासथे | काशयिताध्वे |
| काशयिताहे | काशयितास्वहे | काशयितास्महे |
| भ० काशयिष्यते | काशयिष्येते | काशयिष्यन्ते |
| काशयिष्यसे | काशयिष्येथे | काशयिष्यन्ध्वे |
| काशयिष्ये | काशयिष्यावहे | काशयिष्यामहे |
| क्रि० अकाशयिष्यत | अकाशयिष्येताम् | अकाशयिष्यन्त |
| अकाशयिष्यथाः | अकाशयिष्येथाम् | अकाशयिष्यन्ध्वम् |
| अकाशयिष्ये | अकाशयिष्यावहि | अकाशयिष्यामहि |

49। मिश (मिशृ) रोषे च

| | | | |
|-----|-----------------|---------------|--------------|
| व० | मेशयति | मेशयतः | मेशयन्ति |
| | मेशयसि | मेशयथः | मेशयथ |
| | मेशयामि | मेशयावः | मेशयामः |
| स० | मेशयेत् | मेशयेताम् | मेशयेयुः |
| | मेशयेः | मेशयेतम् | मेशयेत् |
| | मेशयेयम् | मेशयेव | मेशयेम |
| प० | मेशयतु | मेशयतात् | मेशयन्तु |
| | मेशय | मेशयतम् | मेशयत् |
| | मेशयन्ति | मेशयाव | मेशयाम |
| ह्य | अमेशयत् | अमेशयताम् | अमेशयन् |
| | अमेशयः | अमेशयतम् | अमेशयत् |
| | अमेशयम् | अमेशयाव | अमेशयाम |
| अ० | अमीमिशत् | अमीमिशताम् | अमीमिशन् |
| | अमीमिशः | अमीमिशतम् | अमीमिशत् |
| | अमीमिशम् | अमीमिशाव | अमीमिशाम |
| प० | मेशयाञ्चकार | मेशयाञ्चक्रुः | मेशयाञ्चकुः |
| | मेशयाञ्चकथं | मेशयाञ्चक्रुः | मेशयाञ्चक |
| | मेशयाञ्चकार-चकर | मेशयाञ्चक्रुव | मेशयाञ्चक्रम |

मेशयाम्बभूव । मेशयामास

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| आ० | मेश्यात् | मेश्यास्ताम् | मेश्यासुः |
| | मेश्याः | मेश्यास्तम् | मेश्यास्त |
| | मेश्यासम् | मेश्यास्व | मेश्यासम् |
| भ | मेशयिता | मेशयितारौ | मेशयितारः |
| | मेशयितासि | मेशयितास्थः | मेशयितास्थ |
| | मेशयितास्मि | मेशयितास्वः | मेशयितास्मः |
| भ० | मेशयिष्यति | मेशयिष्यतः | मेशयिष्यन्ति |
| | मेशयिष्यसि | मेशयिष्यथः | मेशयिष्यथ |
| | मेशयिष्यामि | मेशयिष्यावः | मेशयिष्यामः |
| क्रि० | अमेशयिष्यत | अमेशयिष्यताम् | अमेशयिष्यन् |
| | अमेशयिष्यः | अमेशयिष्यतम् | अमेशयिष्यत् |
| | अमेशयिष्यम् | अमेशयिष्याव | अमेशयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | मेशयते | मेशयेते | मेशयन्ते |
| | मेशयसे | मेशयेथे | मेशयध्वे |
| | मेशये | मेशयावहे | मेशयामहे |
| स० | मेशयेत | मेशयेताताम् | मेशयेरन् |
| | मेशयेथाः | मेशयेथाताम् | मेशयेष्वम् |
| | मेशयेय | मेशयेवहि | मेशयेमहि |
| प० | मेशयताम् | मेशयेताम् | मेशयन्ताम् |
| | मेशयस्व | मेशयेशाम् | मेशयिष्वम् |
| | मेशये | मेशयवहे | मेशयामहे |
| ह्य० | अमेशयत | अमेशयेताम् | अमेशयन्त |
| | अमेशयथाः | अमेशयेथाम् | अमेशयिष्वम् |
| | अमेशये | अमेशयावहि | अमेशयामहि |
| अ | अमीमिशत | अमीमिशेताम् | अमीमिशन्त |
| | अमीमिशथाः | अमीमिशेथाम् | अमीमिशिष्वम् |
| | अमीमिशे | अमीमिशावहि | अमीमिशामहि |
| प० | मेशयाञ्चके | मेशयाञ्चक्रते | मेशयाञ्चकिरे |
| | मेशयाञ्चकृषे | मेशयाञ्चक्राये | मेशयाञ्चकृद्वे |
| | मेशयाञ्चके | मेशयाञ्चकृवहे | मेशयाञ्चकृमहे |
| | मेशयाम्बभूव | मेशयामास | |
| आ | मेशयिषीष्ट | मेशयिषीयास्ताम् | मेशयिषीरन् |
| | मेश यषीष्टाः | मेशयिषीयास्थाः | मेशयिषीद्वम् |
| | मेशयिषीय | मेशयिषीवहि | मेशयिषीमहि |
| भ० | मेशयिता | मेशयितारौ | मेशयितारः |
| | मेशयितासे | मेशयिताऽथे | मेशयिताध्वे |
| | मेशयिताहे | मेशयितास्वहे | मेशयितास्महे |
| भ० | मेशयिष्यते | मेशयिष्येते | मेशयिष्यन्ते |
| | मेशयिष्यसे | मेशयिष्येथे | मेशयिष्यध्वे |
| | मेशयिष्ये | मेशयिष्यावहे | मेशयिष्यामहे |
| क्रि० | अमेशयिष्यत | अमेशयिष्येताम् | अमेशयिष्यन्त |
| | अमेशयिष्यथाः | अमेशयिष्येथाम् | अमेशयिष्यिष्वम् |
| | अमेशयिष्ये | अमेशयिष्यावहि | अमेशयिष्यामहि |

492 मश (मश्) शब्दे

| | | | |
|-------|----------------|---------------|--------------|
| व० | माशयति | माशयतः | माशयन्ति |
| | माशयसि | माशयथः | माशयथ |
| | माशयामि | माशयावः | माशयामः |
| स० | माशयेत् | माशयेताम् | माशयेयुः |
| | माशयेः | माशयेतम् | माशयेत |
| | माशयेयम् | माशयेव | माशयेम |
| प० | माशयतु | माशयतान् | माशयताम् |
| | माशय | माशयतम् | माशयत |
| | माशयानि | माशयाव | माशयाम |
| लृ० | अमाशयत् | अमाशयताम् | अमाशयन् |
| | अमाशयः | अमाशयतम् | अमाशयत |
| | अमाशयम् | अमाशयाव | अमाशयाम |
| लृ० | अमीमशत् | अमीमशताम् | अमीमशन् |
| | अमीमशः | अमीमशतम् | अमीमशत |
| | अमीमशम् | अमीमशाव | अमीमशाम |
| प० | माशयश्चकार | माशयश्चक्रुः | माशयश्चकुः |
| | माशयश्चकर्थ | माशयश्चक्रुः | माशयश्चक |
| | माशयश्चकार-चकर | माशयश्चकृव | माशयश्चकृम |
| | माशयाम्बभूव | माशयामास | |
| आ० | माश्यात् | माश्यास्ताम् | माश्यास्तुः |
| | माश्याः | माश्यास्तम् | माश्यास्त |
| | माश्यासम् | माश्यास्व | माश्यास्म |
| श्व० | माशयिता | माशयितारौ | माशयितारः |
| | माशयितासि | माशयितास्थः | माशयितास्थ |
| | माशयितास्मि | माशयितास्वः | माशयितास्मः |
| भ० | माशयिष्यति | माशयिष्यतः | माशयिष्यन्ति |
| | माशयिष्यसि | माशयिष्यथः | माशयिष्यथ |
| | माशयिष्यामि | माशयिष्यावः | माशयिष्यामः |
| क्रि० | अमाशयिष्यत् | अमाशयिष्यताम् | अमाशयिष्यन् |
| | अमाशयिष्यः | अमाशयिष्यतम् | अमाशयिष्यत |
| | अमाशयिष्यम् | अमाशयिष्याव | अमाशयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | माशयते | माशयेते | माशयन्ते |
| | माशयसे | माशयेथे | माशयन्वे |
| | माशये | माशयावहे | माशयामहे |
| स० | माशयेत | माशयेयाताम् | माशयेरन् |
| | माशयेथाः | माशयेयाथाम् | माशयेष्वम् |
| | माशयेय | माशयेवहि | माशयेमहि |
| प० | माशयताम् | माशयेताम् | माशयन्ताम् |
| | माशयस्व | माशयेथाम् | माशयष्वम् |
| | माशयै | माशयावहे | माशयामहे |
| लृ० | अमाशयत | अमाशयेताम् | अमाशयन्त |
| | अमाशयथाः | अमाशयेथाम् | अमाशयष्वम् |
| | अमाशये | अमाशयावहि | अमाशयामहि |
| अ० | अमीमशत | अमीमशेताम् | अमीमशन्त |
| | अमीमशथाः | अमीमशेथाम् | अमीमशष्वम् |
| | अमीमशे | अमीमशावहि | अमीमशामहि |
| प० | माशयाश्चक्रे | माशयाश्चक्रते | माशयाश्चक्रे |
| | माशयाश्चकृषे | माशयाश्चक्रथे | माशयाश्चकृद्वे |
| | माशयाश्चक्रे | माशयाश्चकृवहे | माशयाश्चकृमहे |
| | माशयाम्बभूव | माशयामास | |
| आ० | माशयिषीष्ट | माशयिषीयास्ताम् | माशयिषीरन् |
| | माशयिषीष्ठाः | माशयिषीयास्थाम् | माशयिषीद्वम् |
| | माशयिषीय | माशयिषीवहि | माशयिषीमहि |
| श्व० | माशयिता | माशयितारौ | माशयितारः |
| | माशयितासे | माशयिताथे | माशयिताप्वे |
| | माशयिताहे | माशयितास्वहे | माशयितास्महे |
| भ० | माशयिष्यते | माशयिष्येते | माशयिष्यन्ते |
| | माशयिष्यसे | माशयिष्येथे | माशयिष्यन्वे |
| | माशयिष्ये | माशयिष्यावहे | माशयिष्यामहे |
| क्रि० | अमाशयिष्यत | अमाशयिष्येताम् | अमाशयिष्यन्त |
| | अमाशयिष्यथाः | अमाशयिष्येथाम् | अमाशयिष्यष्वम् |
| | अमाशयिष्ये | अमाशयिष्यावहि | अमाशयिष्यामहि |

493 शश (शश्) प्लुतिगतौ

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | शशयति | शशयतः | शशयन्ति |
| | शशयसि | शशयथः | शशयथ |
| | शशयामि | शशयावः | शशयामः |
| स० | शशयेत् | शशयेताम् | शशयेयुः |
| | शशयेः | शशयेतम् | शशयेत |
| | शशयेयम् | शशयेव | शशयेम |
| प० | शशयतु | शशयतात् | शशयताम् |
| | शशय | शशयतात् | शशयतम् |
| | शशयानि | शशयाव | शशयाम |
| ह्य० | अशशयत् | अशशयताम् | अशशयन् |
| | अशशयः | अशशयतम् | अशशयत |
| | अशशयम् | अशशयाव | अशशयाम |
| अ० | अशीशशत् | अशीशशताम् | अशीशशन् |
| | अशीशशः | अशीशशतम् | अशीशशत |
| | अशीशशम् | अशीशशाव | अशीशशाम |
| प० | शशयाम्बकार | शशयाम्बकतुः | शशयाम्बकुः |
| | शशयाम्बकर्थे | शशयाम्बकथुः | शशयाम्बक |
| | शशयाम्बकार-चकर | शशयाम्बकृव | शशयाम्बकृम |
| | शशयाम्बभूव | । | शशयामास |
| आ० | शश्यात् | शश्यास्ताम् | शश्यास्तुः |
| | शश्याः | शश्यास्तम् | शश्यास्त |
| | शश्यासम् | शश्यास्व | शश्यास्म |
| श्व० | शशयिता | शशयितारौ | शशयितारः |
| | शशयितासि | शशयितास्थः | शशयिताथ |
| | शशयितास्मि | शशयितास्वः | शशयितास्मः |
| भ० | शशयिष्यति | शशयिष्यतः | शशयिष्यन्ति |
| | शशयिष्यसि | शशयिष्यथः | शशयिष्यथ |
| | शशयिष्यामि | शशयिष्यावः | शशयिष्यामः |
| क्रि० | अशशयिष्यत् | अशशयिष्यताम् | अशशयिष्यन् |
| | अशशयिष्यः | अशशयिष्यतम् | अशशयिष्यत |
| | अशशयिष्यम् | अशशयिष्याव | अशशयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | शशयते | शशयेते | शशयन्ते |
| | शशयसे | शशयेथे | शशयध्वे |
| | शशये | शशयावहे | शशयामहे |
| स० | शशयेत | शशयेयाताम् | शशयेरन् |
| | शशयेथाः | शशयेयाथाम् | शशयेयम् |
| | शशयेय | शशयवहि | शशयेमहि |
| प० | शशयताम् | शशयेताम् | शशयन्ताम् |
| | शशयस्व | शशयेयाम् | शशयध्वम् |
| | शशयै | शशयावहै | शशयामहै |
| ह्य० | अशशयत | अशशयेताम् | अशशयन्त |
| | अशशयथाः | अशशयेथाम् | अशशयध्वम् |
| | अशशये | अशशयावहि | अशशयामहि |
| अ० | अशीशशत | अशीशशताम् | अशीशशन्त |
| | अशीशशथाः | अशीशशेयाम् | अशीशशध्वम् |
| | अशीशशे | अशीशशावहि | अशीशशामहि |
| प० | शशयाम्बक्रे | शशयाम्बकृते | शशयाम्बकृरे |
| | शशयाम्बकृषे | शशयाम्बकृषे | शशयाम्बकृह्वे |
| | शशयाम्बक्रे | शशयाम्बकृवहे | शशयाम्बकृमहे |
| | शशयाम्बभूव | । | शशयामास |
| आ० | शशयिषीष्ट | शशयिषीयास्ताम् | शशयिषीस्तुः |
| | शशयिषीष्टाः | शशयिषीयास्याम् | शशयिषीह्वम् |
| | शशयिषीय | शशयिषीवहि | शशयिषीमहि |
| श्व० | शशयिता | शशयितारौ | शशयितारः |
| | शशयितासे | शशयितासाथे | शशयिताध्वे |
| | शशयिताहे | शशयितास्वहे | शशयितास्महे |
| भ० | शशयिष्यते | शशयिष्येते | शशयिष्यन्ते |
| | शशयिष्यसे | शशयिष्येथे | शशयिष्यध्वे |
| | शशयिष्ये | शशयिष्यावहे | शशयिष्यामहे |
| क्रि० | अशशयिष्यत | अशशयिष्यताम् | अशशयिष्यन्त |
| | अशशयिष्यथाः | अशशयिष्येथाम् | अशशयिष्यध्वम् |
| | अशशयिष्ये | अशशयिष्यावहि | अशशयिष्यामहि |

494 णिशा (निश् समाधौ ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | नेशयति | नेशयतः | नेशयन्ति |
| | नेशयसि | नेशयथः | नेशयथ |
| | नेशयामि | नेशयावः | नेशयामः |
| स० | नेशयेत् | नेशयेताम् | नेशयेयुः |
| | नेशयेः | नेशयेतम् | नेशयेत |
| | नेशयेयम् | नेशयेव | नेशयेम |
| प० | नेशयतु | नेशयतात् | नेशयताम् |
| | नेशय | नेशयनात् | नेशयतम् |
| | नेशयन्ति | नेशयाव | नेशयाम |
| ह्य० | नेशयन् | नेशयताम् | नेशयन् |
| | अनेशय | अनेशयतम् | अनेशयत |
| | अनेशयम् | अनेशयाव | अनेशयाम |
| अ० | अनीनिशत् | अनीनिशताम् | अनीनिशन् |
| | अनीनिशः | अनीनिशतम् | अनीनिशत |
| | अनीनिशम् | अनीनिशाव | अनीनिशाम |
| प० | नेशयाञ्चकार | नेशयाञ्चकतुः | नेशयाञ्चकुः |
| | नेशयाञ्चकथं | नेशयाञ्चकथु | नेशयाञ्चक |
| | नेशयाञ्चकार-चक्र | नेशयाञ्चकृव | नेशयाञ्चकृम |
| | नेशयाम्बभूव | नेशयामास | |
| आ० | नेशयत् | नेश्यास्ताम् | नेश्यसु |
| | नेश्याः | नेश्यास्तम् | नेश्यास्त |
| | नेश्यासम् | नेश्यास्व | नेश्यासम् |
| भ्य० | नेशयिता | नेशयितारौ | नेशयितारः |
| | नेशयिता स | नेशयितास्थः | नेशयितास्थ |
| | नेशयिता स्मि | नेशयितास्वः | नेशयितास्मः |
| भ० | नेशयिष्यति | नेशयिष्यतः | नेशयिष्यन्ति |
| | नेशयिष्यसि | नेशयिष्यथः | नेशयिष्यथ |
| | नेशयिष्यामि | नेशयिष्यावः | नेशयिष्यामः |
| क्रि० | अनेशयिष्यत् | अनेशयिष्यताम् | अनेशयिष्यन् |
| | अनेशयिष्यः | अनेशयिष्यतम् | अनेशयिष्यत |
| | | अनेशयिष्याव | अनेशयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | नेशयते | नेशयेते | नेशयन्ते |
| | नेशयसे | नेशयेथे | नेशयन्वे |
| | नेशये | नेशयावहे | नेशयामहे |
| स० | नेशयेत | नेशयेयाताम् | नेशयेरन् |
| | नेशयेथाः | नेशयेयाथाम् | नेशयेध्वम् |
| | नेशयेय | नेशयवहि | नेशयेमहि |
| प० | नेशयताम् | नेशयेताम् | नेशयन्ताम् |
| | नेशयस्व | नेशयेथाम् | नेशयन्वम् |
| | नेशये | नेशयावहे | नेशयामहे |
| ह्य० | अनेशयत | अनेशयेताम् | अनेशयन्त |
| | अनेशयथाः | अनेशयेथाम् | अनेशयन्वम् |
| | अनेशये | अनेशयावहि | अनेशयमहि |
| अ० | अनीनिशत् | अनीनिशताम् | अनीनिशन्त |
| | अनीनिशथाः | अनीनिशेथाम् | अनीनिशन्वम् |
| | अनीनिशे | अनीनिशावहि | अनीनिशामहि |
| प० | नेशयाञ्चक्रे | नेशयाञ्चकते | नेशयाञ्चक्रे |
| | नेशयाञ्चकृषे | नेशयाञ्चकृषे | नेशयाञ्चकृषे |
| | नेशयाञ्चके | नेशयाञ्चकृवहे | नेशयाञ्चकृमहे |
| | नेशयाम्बभूव | नेशयामास | |
| आ० | नेशयिषीष्ट | नेशयिषीयास्ताम् | नेशयिषीरन् |
| | नेशयिषीष्ठाः | नेशयिषीयास्थाम् | नेशयिषीध्वम् |
| | नेशयिषीय | नेशयिषीवहि | नेशयिषीमहि |
| भ्य० | नेशयिता | नेशयितारौ | नेशयितारः |
| | नेशयितासे | नेशयितापाथे | नेशयिताध्वे |
| | नेशयिताह | नेशयितास्वहे | नेशयितास्महे |
| भ० | नेशयिष्यते | नेशयिष्येते | नेशयिष्यन्ते |
| | नेशयिष्यसे | नेशयिष्येथे | नेशयिष्यन्वे |
| | नेशयिष्ये | नेशयिष्यावहे | नेशयिष्यामहे |
| क्रि० | अनेशयिष्यत् | अनेशयिष्येताम् | अनेशयिष्यन्त |
| | अनेशयिष्यथाः | अनेशयिष्येथाम् | अनेशयिष्यन्वम् |
| | अनेशयिष्ये | अनेशयिष्यावहि | अनेशयिष्यामहि |

495 दृशं (दृश्) प्रेक्षणे

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | दर्शयति | दर्शयतः | दर्शयन्ति |
| | दर्शयसि | दर्शयथः | दर्शयथ |
| | दर्शयामि | दर्शयावः | दर्शयामः |
| स० | दर्शयेत् | दर्शयेताम् | दर्शयेयुः |
| | दर्शयेः | दर्शयेतम् | दर्शयेत |
| | दर्शयेयम् | दर्शयेव | दर्शयेम |
| प० | दर्शयतु | दर्शयतात् | दर्शयताम् |
| | दर्शय | दर्शयतम् | दर्शयत |
| | दर्शयणि | दर्शयाव | दर्शयाम |
| ह्य० | अदर्शयत् | अदर्शयताम् | अदर्शयन् |
| | अदर्शयः | अदर्शयतम् | अदर्शयत |
| | अदर्शयाम् | अदर्शयाव | अदर्शयाम |
| भ० | अदीदृशत् | अदीदृशताम् | अदीदृशन् |
| | अदीदृशः | अदीदृशतम् | अदीदृशत |
| | अदीदृशाम् | अदीदृशाव | अदीदृशाम |
| | अददर्शत् | अददर्शताम् | अददर्शन् इ० |
| प० | दर्शयाञ्चकार | दर्शयाञ्चक्रतुः | दर्शयाञ्चक्रुः |
| | दर्शयाञ्चकथं | दर्शयाञ्चक्रथुः | दर्शयाञ्चक |
| | दर्शयाञ्चकार-चकर | दर्शयाञ्चकृव | दर्शयाञ्चकृम |
| | दर्शयाञ्चभूव | दर्शयामास | |
| आ० | दर्श्यात् | दर्श्यास्ताम् | दर्श्यास्तुः |
| | दर्श्याः | दर्श्यास्तम् | दर्श्यास्त |
| | दर्श्यासाम् | दर्श्यास्व | दर्श्यास्म |
| श्च० | दर्शयिता | दर्शयितारौ | दर्शयितारः |
| | दर्शयितासि | दर्शयितास्थः | दर्शयितास्थ |
| | दर्शयितास्मि | दर्शयितास्वः | दर्शयितास्मः |
| भ० | दर्शयिष्यति | दर्शयिष्यतः | दर्शयिष्यन्ति |
| | दर्शयिष्यसि | दर्शयिष्यथः | दर्शयिष्यथ |
| | दर्शयिष्यामि | दर्शयिष्यावः | दर्शयिष्यामः |
| क्रि० | अदर्शयिष्यत् | अदर्शयिष्यताम् | अदर्शयिष्यन् |
| | अदर्शयिष्यः | अदर्शयिष्यतम् | अदर्शयिष्यत |
| | अदर्शयिष्याम् | अदर्शयिष्याव | अदर्शयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-------------------|-----------------|
| व० | दर्शयते | दर्शयते | दर्शयन्ते |
| | दर्शयसे | दर्शयेथे | दर्शयन्वे |
| | दर्शये | दर्शयावहे | दर्शयामहे |
| स० | दर्शयेत् | दर्शयेयाताम् | दर्शयेरन् |
| | दर्शयेथाः | दर्शयेथायाम् | दर्शयेयाम् |
| | दर्शयेय | दर्शयेवहि | दर्शयेमहि |
| प० | दर्शयताम् | दर्शयेताम् | दर्शयन्ताम् |
| | दर्शयस्व | दर्शयेथाम् | दर्शयध्वम् |
| | दर्शये | दर्शयावहे | दर्शयामहे |
| ह्य० | अदर्शयत | अदर्शयेताम् | अदर्शयन्त |
| | अदर्शयथाः | अदर्शयेथाम् | अदर्शयध्वम् |
| | अदर्शये | अदर्शयावहि | अदर्शयामहि |
| अ० | अदीदृशत | अदीदृशताम् | अदीदृशन्त |
| | अदीदृशथाः | अदीदृशेथाम् | अदीदृशध्वम् |
| | अदीदृशे | अदीदृशावहि | अदीदृशामहि |
| प० | दर्शयाञ्चके | दर्शयाञ्चक्राते | दर्शयाञ्चक्रिरे |
| | दर्शयाञ्चकृवे | दर्शयाञ्चक्राये | दर्शयाञ्चकृवहे |
| | दर्शयाञ्चके | दर्शयाञ्चकृवहे | दर्शयाञ्चकृमहे |
| | दर्शयाञ्चभूव | दर्शयामास | |
| आ० | दर्शयिषीष्ट | दर्शयिषीयास्ताम् | दर्शयिषीरन् |
| | दर्शयिषीष्ठाः | दर्शयिषीयाःस्थाम् | दर्शयिषीध्वम् |
| | दर्शयिषीय | दर्शयिषीवहि | दर्शयिषीमहि |
| श्च० | दर्शयिता | दर्शयितारौ | दर्शयितारः |
| | दर्शयितासे | दर्शयितासाथे | दर्शयिताध्वे |
| | दर्शयिताहे | दर्शयितास्वहे | दर्शयितास्महे |
| भ० | दर्शयिष्यते | दर्शयिष्येते | दर्शयिष्यन्ते |
| | दर्शयिष्यसे | दर्शयिष्येथे | दर्शयिष्यन्वे |
| | दर्शयिष्ये | दर्शयिष्यावहे | दर्शयिष्यामहे |
| क्रि० | अदर्शयिष्यत् | अदर्शयिष्येताम् | अदर्शयिष्यन्त |
| | अदर्शयिष्यथाः | अदर्शयिष्येथाम् | अदर्शयिष्यध्वम् |
| | अदर्शयिष्ये | अदर्शयिष्यावहि | अदर्शयिष्यामहि |

496 दंशं (दश) दशने

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | दंशयति | दंशयतः | दंशयन्ति |
| | दंशयसि | दंशयथः | दंशयथ |
| | दंशयामि | दंशयावः | दंशयामः |
| स० | दंशयेत् | दंशयेताम् | दंशयेयुः |
| | दंशयेः | दंशयेतम् | दंशयेत |
| | दंशयेयम् | दंशयेव | दंशयेम |
| प० | दंशयतु | दंशयतात् | दंशयन्तु |
| | दंशय | दंशयतात् | दंशयतम् |
| | दंशयानि | दंशयाव | दंशयाम |
| ह्य० | अदंशयत् | अदंशयताम् | अदंशयन् |
| | अदंशयः | अदंशयतम् | अदंशयत |
| | अदंशयम् | अदंशयाव | अदंशयाम |
| अ० | अददंशत् | अददंशताम् | अददंशन् |
| | अददंशः | अददंशतम् | अददंशत |
| | अददंशम् | अददंशाव | अददंशाम |
| प० | दंशयाञ्चकार | दंशयाञ्चक्रुः | दंशयाञ्चकुः |
| | दंशयाञ्चकथे | दंशयाञ्चक्रुः | दंशयाञ्चक्र |
| | दंशयाञ्चकारन्वकर | दंशयाञ्चक्रुव | दंशयाञ्चक्रम |
| | दंशयाञ्चभूष | । | दंशयामास |
| आ० | दंश्यात् | दंश्यास्ताम् | दंश्यासुः |
| | दंश्याः | दंश्यास्तम् | दंश्यास्त |
| | दंश्यासम् | दंश्यास्व | दंश्यास्म |
| श्व० | दंशयिता | दंशयितारौ | दंशयितारः |
| | दंशयितासि | दंशयितास्थः | दंशयितास्थ |
| | दंशयितास्मि | दंशयितास्वः | दंशयितास्मः |
| भ० | दंशयिष्यति | दंशयिष्यतः | दंशयिष्यन्ति |
| | दंशयिष्यसि | दंशयिष्यथः | दंशयिष्यथ |
| | दंशयिष्यामि | दंशयिष्यावः | दंशयिष्यामः |
| क्रि० | अदंशयिष्यत् | अदंशयिष्यताम् | अदंशयिष्यन् |
| | अदंशयिष्यः | अदंशयिष्यतम् | अदंशयिष्यत |
| | अदंशयिष्यम् | अदंशयिष्याव | अदंशयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | दंशयते | दंशयेते | दंशयन्ते |
| | दंशयसे | दंशयेथे | दंशयध्वे |
| | दंशये | दंशयावहे | दंशयामहे |
| स० | दंशयेत | दंशयेयाताम् | दंशयेरन् |
| | दंशयेथाः | दंशयेयाथाम् | दंशयेध्वम् |
| | दंशयेय | दंशयेवहि | दंशयेमहि |
| प० | दंशयताम् | दंशयेताम् | दंशयन्ताम् |
| | दंशयस्व | दंशयेथाम् | दंशयध्वम् |
| | दंशये | दंशयावहे | दंशयामहे |
| ह्य० | अदंशयत | अदंशयेताम् | अदंशयन्त |
| | अदंशयथाः | अदंशयेथाम् | अदंशयध्वम् |
| | अदंशये | अदंशयावहि | अदंशयामहि |
| अ० | अददंशत | अददंशेताम् | अददंशन्त |
| | अददंशथाः | अददंशेथाम् | अददंशध्वम् |
| | अददंशे | अददंशावहि | अददंशामहि |
| प० | दंशयाञ्चके | दंशयाञ्चकाते | दंशयाञ्चकिरे |
| | दंशयाञ्चकृषे | दंशयाञ्चक्राथे | दंशयाञ्चकृढ्वे |
| | दंशयाञ्चक्र | दंशयाञ्चक्रवहे | दंशयाञ्चक्रमहे |
| | दंशयाञ्चभूष | । | दंशयामास |
| आ० | दंशयिषीष्ट | दंशयिषीयास्ताम् | दंशयिषीरन् |
| | दंशयिषीष्टाः | दंशयिषीयास्याम् | दंशयिषीढ्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | दंशयिषीय | दंशयिषीवहि | दंशयिषीमहि |
| श्व० | दंशयिता | दंशयितारौ | दंशयितारः |
| | दंशयितासे | दंशयितासाथे | दंशयिताध्वे |
| | दंशयिताहे | दंशयितास्वहे | दंशयितास्महे |
| भ० | दंशयिष्यते | दंशयिष्येते | दंशयिष्यन्ते |
| | दंशयिष्यसे | दंशयिष्येथे | दंशयिष्यध्वे |
| | दंशयिष्ये | दंशयिष्यावहे | दंशयिष्यामहे |
| क्रि० | अदंशयिष्यत | अदंशयिष्येताम् | अदंशयिष्यन्त |
| | अदंशयिष्यथाः | अदंशयिष्येथाम् | अदंशयिष्यध्वम् |
| | अदंशयिष्ये | अदंशयिष्यावहि | अदंशयिष्यामहि |

॥ अथ घान्ता एकवत्वारिंशत् ॥

497 घुष्ट (घुष्) शब्दे

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| घ० घोषयति | घोषयतः | घोषयन्ति |
| घोषयसि | घोषयथः | घोषयथ |
| घोषयामि | घोषयावः | घोषयामः |
| स० घोषयेत् | घोषयेताम् | घोषयेयुः |
| घोषयेः | घोषयेतम् | घोषयेत |
| घोषयेयम् | घोषयेव | घोषयेम |
| ० घोषयतु | घोषयतात् | घोषयताम् |
| घोषय | घोषयतात् | घोषयतम् |
| घोषयाणि | घोषयाव | घोषयाम |
| ह्य० अघोषयत् | अघोषयताम् | अघोषयन् |
| अघोषयः | अघोषयतम् | अघोषयत |
| अघोषयम् | अघोषयाव | अघोषयाम |
| अ० अजुघुषत् | अजुघुषताम् | अजुघुषन् |
| अजुघुषः | अजुघुषतम् | अजुघुषत |
| अजुघुषम् | अजुघुषाव | अजुघुषाम |
| प० घोषयाञ्चकार | घोषयाञ्चक्रुः | घोषयाञ्चक्रुः |
| घोषयाञ्चकथं | घोषयाञ्चक्रुः | घोषयाञ्चक्रुः |
| घोषयाञ्चकार-चक्र | घोषयाञ्चक्रुः | घोषयाञ्चक्रुः |
| घोषयाम्बभूव | घोषयामास | |
| आ० घोष्यात् | घोष्यास्ताम् | घोष्यासुः |
| घोष्याः | घोष्यास्तम् | घोष्यास्त |
| घोष्यासम् | घोष्यास्व | घोष्यास्म |
| भ० घोषयिता | घोषयितारौ | घोषयितारः |
| घोषयितासि | घोषयितास्थः | घोषयितास्थ |
| घोषयिताहिम् | घोषयितास्वः | घोषयितास्मः |
| भ० घोषयिष्यति | घोषयिष्यतः | घोषयिष्यन्ति |
| घोषयिष्यसि | घोषयिष्यथः | घोषयिष्यथ |
| घोषयिष्यामि | घोषयिष्यावः | घोषयिष्यामः |
| क्रि० अघोषयिष्यत् | अघोषयिष्यताम् | अघोषयिष्यन् |
| अघोषयिष्यः | अघोषयिष्यतम् | अघोषयिष्यत |
| अघोषयिष्यम् | अघोषयिष्याव | अघोषयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| व० घोषयते | घोषयेते | घोषयन्ते |
| घोषयसे | घोषयेथे | घोषयध्वे |
| घोषये | घोषयावहे | घोषयामहे |
| स० घोषयेत् | घोषयेयाताम् | घोषयेरन् |
| घोषयेथाः | घोषयेयाथाम् | घोषयेष्वम् |
| घोषयेय | घोषयेवहि | घोषयेमहि |
| प० घोषयताम् | घोषयेताम् | घोषयन्ताम् |
| घोषयस्व | घोषयेथाम् | घोषयध्वम् |
| घोषये | घोषयावहै | घोषयामहै |
| ह्य० अघोषयत | अघोषयेताम् | अघोषयन्त |
| अघोषयथाः | अघोषयेथाम् | अघोषयध्वम् |
| अघोषये | अघोषयावहि | अघोषयामहि |
| अ० अजुघुषत | अजुघुषताम् | अजुघुषन्त |
| अजुघुषथाः | अजुघुषेथाम् | अजुघुषध्वम् |
| अजुघुषे | अजुघुषावहि | अजुघुषामहि |
| प० घोषयाञ्चक्रे | घोषयाञ्चक्राते | घोषयाञ्चक्रिरे |
| घोषयाञ्चक्रषे | घोषयाञ्चक्राथे | घोषयाञ्चक्रुद्वे |
| घोषयाञ्चक्रे | घोषयाञ्चक्रवहे | घोषयाञ्चक्रमहे |
| घोषयाम्बभूव | घोषयामास | |
| आ० घोषयिषीष्ट | घोषयिषीयास्ताम् | घोषयिषीरन् |
| घोषयिषीष्ठाः | घोषयिषीयास्थाम् | घोषयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| घोषयिषीय | घोषयिषीवहि | घोषयिषीमहि |
| भ० घोषयिता | घोषयितारौ | घोषयितारः |
| घोषयितासे | घोषयितारस्थे | घोषयिताध्वे |
| घोषयिताहे | घोषयितास्वहे | घोषयितास्महे |
| भ० घोषयिष्यते | घोषयिष्येते | घोषयिष्यन्ते |
| घोषयिष्यसे | घोषयिष्येथे | घोषयिष्यध्वे |
| घोषयिष्ये | घोषयिष्यावहे | घोषयिष्यामहे |
| क्रि० अघोषयिष्यत | अघोषयिष्येताम् | अघोषयिष्यन्त |
| अघोषयिष्यथाः | अघोषयिष्येथाम् | अघोषयिष्यध्वम् |
| अघोषयिष्ये | अघोषयिष्यावहि | अघोषयिष्यामहि |

498 चूष (चूष्) पाने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | चूषयति | चूषयतः | चूषयन्ति |
| | चूषयसि | चूषयथः | चूषयथ |
| | चूषयामि | चूषयावः | चूषयामः |
| स० | चूषयेत् | चूषयेताम् | चूषयेयुः |
| | चूषयेः | चूषयेतम् | चूषयेत |
| | चूषयेयम् | चूषयेव | चूषयेम |
| प० | चूषयतु | चूषयतात् | चूषयताम् |
| | चूषय | चूषयतः | चूषयतम् |
| | चूषयाणि | चूषयाव | चूषयाम |
| ह्य० | अचूषयत् | अचूषयताम् | अचूषयन् |
| | अचूषयः | अचूषयतम् | अचूषयत |
| | अचूषयम् | अचूषयाव | अचूषयाम |
| अ० | अचूषयत् | अचूषयताम् | अचूषयन् |
| | अचूषयः | अचूषयतम् | अचूषयत |
| | अचूषयम् | अचूषयाव | अचूषयाम |
| प० | चूषयाञ्चकार | चूषयाञ्चक्रुः | चूषयाञ्चकुः |
| | चूषयाञ्चकथं | चूषयाञ्चकथुः | चूषयाञ्चक |
| | चूषयाञ्चकार-चकर | चूषयाञ्चकृव | चूषयाञ्चकृम |
| | चूषयाम्बभूव | चूषयामाव | |
| आ० | चूष्यात् | चूष्यास्ताम् | चूष्यासुः |
| | चूष्याः | चूष्यास्तम् | चूष्यास्त |
| | चूष्यासम् | चूष्यास्व | चूष्यास्म |
| श्व० | चूषयिता | चूषयितारौ | चूषयितारः |
| | चूषयितासि | चूषयितास्थः | चूषयितास्थ |
| | चूषयितास्मि | चूषयितास्वः | चूषयितास्मः |
| भ० | चूषयिष्यति | चूषयिष्यतः | चूषयिष्यन्ति |
| | चूषयिष्यसि | चूषयिष्यथः | चूषयिष्यथ |
| | चूषयिष्यामि | चूषयिष्यावः | चूषयिष्यामः |
| क्रि० | अचूषयिष्यत् | अचूषयिष्यताम् | अचूषयिष्यन् |
| | अचूषयिष्यः | अचूषयिष्यतम् | अचूषयिष्यत |
| | अचूषयिष्यम् | अचूषयिष्याव | अचूषयिष्याम |

499 तूष (तूष्) तृष्टौ ।

| | | | |
|------------------------|-----------------|---------------|------------------|
| व० | तूषयति | तूषयतः | तूषयन्ति |
| | तूषयसि | तूषयथः | तूषयथ |
| | तूषयामि | तूषयावः | तूषयामः |
| स० | तूषयेत् | तूषयेताम् | तूषयेयुः |
| | तूषयेः | तूषयेतम् | तूषयेत |
| | तूषयेयम् | तूषयेव | तूषयेम |
| प० | तूषयतु | तूषयतात् | तूषयताम् |
| | तूषय | तूषयतः | तूषयतम् |
| | तूषयाणि | तूषयाव | तूषयाम |
| ह्य० | अतूषयत् | अतूषयताम् | अतूषयन् |
| | अतूषयः | अतूषयतम् | अतूषयत |
| | अतूषयम् | अतूषयाव | अतूषयाम |
| भ० | अतूषयत् | अतूषयताम् | अतूषयन् |
| | अतूषयः | अतूषयतम् | अतूषयत |
| | अतूषयम् | अतूषयाव | अतूषयाम |
| प० | तूषयाञ्चकार | तूषयाञ्चक्रुः | तूषयाञ्चकुः |
| | तूषयाञ्चकथं | तूषयाञ्चकथुः | तूषयाञ्चक |
| | तूषयाञ्चकार-चकर | तूषयाञ्चकृव | तूषयाञ्चकृम |
| | तूषयाम्बभूव | तूषयामाव | |
| आ० | तूष्यात् | तूष्यास्ताम् | तूष्यासुः |
| | तूष्याः | तूष्यास्तम् | तूष्यास्त |
| | तूष्यासम् | तूष्यास्व | तूष्यास्म |
| श्व० | तूषयिता | तूषयितारौ | तूषयितारः |
| | तूषयितासि | तूषयितास्थः | तूषयितास्थ |
| | तूषयितास्मि | तूषयितास्वः | तूषयितास्मः |
| भ० | तूषयिष्यति | तूषयिष्यतः | तूषयिष्यन्ति |
| | तूषयिष्यसि | तूषयिष्यथः | तूषयिष्यथ |
| | तूषयिष्यामि | तूषयिष्यावः | तूषयिष्यामः |
| क्रि० | अतूषयिष्यत् | अतूषयिष्यताम् | अतूषयिष्यन् |
| | अतूषयिष्यः | अतूषयिष्यतम् | अतूषयिष्यत |
| | अतूषयिष्यम् | अतूषयिष्याव | अतूषयिष्याम |
| ॥ अथ अःत्मनेपदरूपाणि ॥ | | | |
| व० | तूषयते | तूषयेते | तूषयन्ते |
| | तूषयसे | तूषयेथे | तूषयध्वे |
| | तूषये | तूषयावहे | तूषयामहे इत्यादि |

500 पूष (पूष्) वृद्धौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | पूषयति | पूषयतः | पूषयन्ति |
| | पूषयसि | पूषयथः | पूषयथ |
| | पूषयामि | पूषयावः | पूषयामः |
| स० | पूषयेत् | पूषयेताम् | पूषयेयुः |
| | पूषयेः | पूषयेतम् | पूषयेत |
| | पूषयेयम् | पूषयेव | पूषयेम |
| प० | पूषयतु | पूषयतात् | पूषयताम् |
| | पूषय | पूषयतात् | पूषयतम् |
| | पूषयाणि | पूषयाव | पूषयाम |
| ह्य० | अपूषयत् | अपूषयताम् | अपूषयन् |
| | अपूषयः | अपूषयतम् | अपूषयत |
| | अपूषयम् | अपूषयाव | अपूषयाम |
| ल० | अपूषयत् | अपूषयताम् | अपूषयन् |
| | अपूषयः | अपूषयतम् | अपूषयत |
| | अपूषयम् | अपूषयाव | अपूषयाम |
| प० | पूषयाञ्चकार | पूषयाञ्चकतुः | पूषयाञ्चकुः |
| | पूषयाञ्चकथं | पूषयाञ्चकथुः | पूषयाञ्चक |
| | पूषयाञ्चकार-चकर | पूषयाञ्चकृव | पूषयाञ्चकृम |
| | पूषयाञ्चभूव | । | पूषयामास |
| आ० | पूष्यात् | पूष्यास्ताम् | पूष्यातुः |
| | पूष्याः | पूष्यास्तम् | पूष्यास्त |
| | पूष्यासम् | पूष्यास्व | पूष्यास्म |
| श्व० | पूषयिता | पूषयितारौ | पूषयितारः |
| | पूषयितासि | पूषयितास्थः | पूषयितास्थ |
| | पूषयितास्मि | पूषयितास्वः | पूषयितास्मः |
| भ० | पूषयिष्यति | पूषयिष्यतः | पूषयिष्यन्ति |
| | पूषयिष्यसि | पूषयिष्यथः | पूषयिष्यथ |
| | पूषयिष्यामि | पूषयिष्यावः | पूषयिष्यामः |
| क्रि० | अपूषयिष्यत् | अपूषयिष्यताम् | अपूषयिष्यन् |
| | अपूषयिष्यः | अपूषयिष्यतम् | अपूषयिष्यत |
| | अपूषयिष्यम् | अपूषयिष्याव | अपूषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पूषयते | पूषयेते | पूषयन्ते |
| | पूषयसे | पूषयेथे | पूषयध्वे |
| | पूषये | पूषयावहे | पूषयामहे |
| स० | पूषयेत् | पूषयेयाताम् | पूषयेरन् |
| | पूषयेथाः | पूषयेयाथाम् | पूषयेध्वम् |
| | पूषयेय | पूषयेवहि | पूषयेमहि |
| प० | पूषयताम् | पूषयेताम् | पूषयन्ताम् |
| | पूषयस्व | पूषयेथाम् | पूषयध्वम् |
| | पूषायै | पूषयावहे | पूषयामहे |
| ह्य० | अपूषयत | अपूषयेताम् | अपूषयन्त |
| | अपूषयथाः | अपूषयेथाम् | अपूषयध्वम् |
| | अपूषये | अपूषयावहि | अपूषयामहि |
| ल० | अपूषयत | अपूषयेताम् | अपूषयन्त |
| | अपूषयथाः | अपूषयेथाम् | अपूषयध्वम् |
| | अपूषये | अपूषयावहि | अपूषयामहि |
| प० | पूषयाञ्चक्रे | पूषयाञ्चकृते | पूषयाञ्चकृरे |
| | पूषयाञ्चकृषे | पूषयाञ्चकृथे | पूषयाञ्चकृध्वे |
| | पूषयाञ्चके | पूषयाञ्चकृवहे | पूषयाञ्चकृमहे |
| | पूषयाञ्चभूव | । | पूषयामास |
| आ० | पूषयिषीष्ट | पूषयिषीयास्ताम् | पूषयिषीरन् |
| | पूषयिषीष्ठाः | पूषयिषीयास्थाम् | पूषयिषीध्वम् |
| | पूषयिषीय | पूषयिषीवहि | पूषयिषीमहि |
| श्व० | पूषयिता | पूषयितारौ | पूषयितारः |
| | पूषयितासे | पूषयितासाथे | पूषयिताध्वे |
| | पूषयिताहे | पूषयितास्वहे | पूषयितास्महे |
| भ० | पूषयिष्यते | पूषयिष्येते | पूषयिष्यन्ते |
| | पूषयिष्यसे | पूषयिष्येथे | पूषयिष्यध्वे |
| | पूषयिष्ये | पूषयिष्यावहे | पूषयिष्यामहे |
| क्रि० | अपूषयिष्यत् | अपूषयिष्येताम् | अपूषयिष्यन्त |
| | अपूषयिष्यथाः | अपूषयिष्येथाम् | अपूषयिष्यध्वम् |
| | अपूषयिष्ये | अपूषयिष्यावहि | अपूषयिष्यामहि |

501 लुष (लुष्) स्तये ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० लोषयति | लोषयतः | लोषयन्ति |
| लोषयसि | लोषयथः | लोषयथ |
| लोषयामि | लोषयावः | लोषयामः |
| स० लोषयेत् | लोषयेताम् | लोषयेयुः |
| लोषयेः | लोषयेतम् | लोषयेत |
| लोषयेयम् | लोषयेव | लोषयेम |
| प० लोषयतु | लोषयतात् | लोषयन्तु |
| लोषय | लोषयतात् | लोषयतम् |
| लोषयाणि | लोषयाव | लोषयाम |
| ह० अलोषयत् | अलोषयताम् | अलोषयन् |
| अलोषयः | अलोषयतम् | अलोषयत |
| अलोषयम् | अलोषयाव | अलोषयाम |
| अ० अल्लुषत् | अल्लुषताम् | अल्लुषन् |
| अल्लुषः | अल्लुषतम् | अल्लुषत |
| अल्लुषम् | अल्लुषाव | अल्लुषाम |
| प० लोषयाञ्चकार | लोषयाञ्चक्रुः | लोषयाञ्चकुः |
| लोषयाञ्चकथं | लोषयाञ्चक्रुः | लोषयाञ्चक |
| लोषयाञ्चकार-चक्र | लोषयाञ्चक्रुव | लोषयाञ्चक्रम |
| लोषयाम्बभूव | लोषयामास | |
| आ० लोष्यात् | लोष्यास्ताम् | लोष्यासुः |
| लोष्याः | लोष्यास्तम् | लोष्यास्त |
| लोष्यासम् | लोष्यास्व | लोष्यास्म |
| श्व० लोषयिता | लोषयितारौ | लोषयितारः |
| लोषयितासि | लोषयितास्थः | लोषयितास्थ |
| लोषयितास्मि | लोषयितास्वः | लोषयितास्मः |
| भ० लोषयिष्यति | लोषयिष्यतः | लोषयिष्यन्ति |
| लोषयिष्यसि | लोषयिष्यथः | लोषयिष्यथ |
| लोषयिष्यामि | लोषयिष्यावः | लोषयिष्यामः |
| क्रि० अलोषयिष्यत् | अलोषयिष्यताम् | अलोषयिष्यन् |
| अलोषयिष्यः | अलोषयिष्यतम् | अलोषयिष्यत |
| अलोषयिष्यम् | अलोषयिष्याव | अलोषयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० लोषयते | लोषयेते | लोषयन्ते |
| लोषयसे | लोषयेथे | लोषयध्वे |
| लोषये | लोषयावहे | लोषयामहे |
| स० लोषयेत | लोषयेयाताम् | लोषयेरन् |
| लोषयेथाः | लोषयेयाथाम् | लोषयेय्वम् |
| लोषयेथ | लोषयेवहि | लोषयेमहि |
| प० लोषयताम् | लोषयेतम् | लोषयन्ताम् |
| लोषयस्व | लोषयेथाम् | लोषयध्वम् |
| लोषयै | लोषयावहै | लोषयामहै |
| ह्य० अलोषयत | अलोषयेताम् | अलोषयन्त |
| अलोषयथाः | अलोषयेथाम् | अलोषयध्वम् |
| अलोषये | अलोषयावहि | अलोषयामहि |
| अ० अल्लुषत् | अल्लुषेताम् | अल्लुषन्त |
| अल्लुषथाः | अल्लुषेथाम् | अल्लुषध्वम् |
| अल्लुषे | अल्लुषावहि | अल्लुषामहि |
| प० लोषयाञ्चक्रे | लोषयाञ्चक्राते | लोषयाञ्चकिरे |
| लोषयाञ्चकृषे | लोषयाञ्चक्राथे | लोषयाञ्चकृद्वे |
| लोषयाञ्चक्रे | लोषयाञ्चकृवहे | लोषयाञ्चकृमहे |
| लोषयाम्बभूव | लोषयामास | |
| आ० लोषयिषीष्ट | लोषयिषीयास्ताम् | लोषयिषीरन् |
| लोषयिषीष्टाः | लोषयिषीयास्थाम् | लोषयिषीढवम् |
| | | ध्वम् |
| लोषयिषीय | लोषयिषीवहि | लोषयिषीमहि |
| श्व० लोषयिता | लोषयितारौ | लोषयितारः |
| लोषयितासे | लोषयितासाथे | लोषयिताध्वे |
| लोषयिताहे | लोषयितास्वहे | लोषयितास्महे |
| भ० लोषयिष्यते | लोषयिष्येते | लोषयिष्यन्ते |
| लोषयिष्यसे | लोषयिष्येथे | लोषयिष्यध्वे |
| लोषयिष्ये | लोषयिष्यावहे | लोषयिष्यामहे |
| क्रि० अलोषयिष्यत् | अलोषयिष्येताम् | अलोषयिष्यन्त |
| अलोषयिष्यथाः | अलोषयिष्येथाम् | अलोषयिष्यध्वम् |
| अलोषयिष्ये | अलोषयिष्यावहि | अलोषयिष्यामहि |

502 मूष (मूष्) स्तेये ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | मूषयति | मूषयतः | मूषयन्ति |
| | मूषयसि | मूषयथः | मूषयथ |
| | मूषयामि | मूषयावः | मूषयामः |
| स० | मूषयेत् | मूषयेताम् | मूषयेयुः |
| | मूषयेः | मूषयेतम् | मूषयेत |
| | मूषयेयम् | मूषयेव | मूषयेम |
| प० | मूषयतु | मूषयतात् | मूषयन्तु |
| | मूषय | मूषयतात् | मूषयतम् |
| | मूषयाणि | मूषयाव | मूषयाम |
| ह्य० | अमूषयत् | अमूषयताम् | अमूषयन् |
| | अमूषयः | अमूषयतम् | अमूषयत |
| | अमूषयम् | अमूषयाव | अमूषयाम |
| अ० | अमूषुषत् | अमूषुषताम् | अमूषुषन् |
| | अमूषुषः | अमूषुषतम् | अमूषुषत |
| | अमूषुषम् | अमूषुषाव | अमूषुषाम |
| प० | मूषयाञ्चकार | मूषयाञ्चकतुः | मूषयाञ्चकुः |
| | मूषयाञ्चकर्थ | मूषयाञ्चकशुः | मूषयाञ्चक |
| | मूषयाञ्चकार-चकर | मूषयाञ्चकव | मूषयाञ्चकम् |
| | मूषयाम्बभूव | । | मूषयामास |
| आ० | मूष्यात् | मूष्यास्ताम् | मूष्यासुः |
| | मूष्याः | मूष्यास्तम् | मूष्यास्त |
| | मूष्यासम् | मूष्यास्व | मूष्यास्म |
| श्व० | मूषयिता | मूषयितारौ | मूषयितारः |
| | मूषयितासि | मूषयितास्थः | मूषयितास्थ |
| | मूषयितास्मि | मूषयितास्वः | मूषयितास्मः |
| भ० | मूषयिष्यति | मूषयिष्यतः | मूषयिष्यन्ति |
| | मूषयिष्यसि | मूषयिष्यथः | मूषयिष्यथ |
| | मूषयिष्यामि | मूषयिष्यावः | मूषयिष्यामः |
| क्रि० | अमूषयिष्यत् | अमूषयिष्यताम् | अमूषयिष्यन् |
| | अमूषयिष्यः | अमूषयिष्यतम् | अमूषयिष्यत |
| | अमूषयिष्यम् | अमूषयिष्याव | अमूषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | मूषयते | मूषयेते | मूषयन्ते |
| | मूषयसे | मूषयेथे | मूषयध्वे |
| | मूषये | मूषयावहे | मूषयामहे |
| स० | मूषयेत | मूषयेयाताम् | मूषयेरन् |
| | मूषयेशः | मूषयेयाथाम् | मूषयेध्वम् |
| | मूषयेय | मूषयेवहि | मूषयेमहि |
| प० | मूषयताम् | मूषयेताम् | मूषयन्ताम् |
| | मूषयस्व | मूषयेथाम् | मूषयध्वम् |
| | मूषयै | मूषयावहै | मूषयामहै |
| ह्य० | अमूषयत | अमूषयेताम् | अमूषयन्त |
| | अमूषयथाः | अमूषयेथाम् | अमूषयध्वम् |
| | अमूषये | अमूषयावहि | अमूषयामहि |
| अ० | अमूषुषत | अमूषुषेताम् | अमूषुषन्त |
| | अमूषुषथाः | अमूषुषेथाम् | अमूषुषध्वम् |
| | अमूषुषे | अमूषुषावहि | अमूषुषामहि |
| प० | मूषयाञ्चक्रे | मूषयाञ्चकृते | मूषयाञ्चकिरे |
| | मूषयाञ्चकृषे | मूषयाञ्चकृषे | मूषयाञ्चकृढवे |
| | मूषयाञ्चके | मूषयाञ्चकृवहे | मूषयाञ्चकृमहे |
| | मूषयाम्बभूव | । | मूषयामास |
| आ० | मूषयिषीष्ट | मूषयिषीयास्ताम् | मूषयिषीरन् |
| | मूषयिषीष्ठाः | मूषयिषीयास्थाम् | मूषयिषीढ्वम् |
| | मूषयिषीय | मूषयिषीवहि | मूषयिषीमहि |
| श्व० | मूषयिता | मूषयितारौ | मूषयितारः |
| | मूषयितासे | मूषयितासाथे | मूषयिताध्वे |
| | मूषयिताहे | मूषयितास्वहे | मूषयितास्महे |
| भ० | मूषयिष्यते | मूषयिष्येते | मूषयिष्यन्ते |
| | मूषयिष्यसे | मूषयिष्येथे | मूषयिष्यध्वे |
| | मूषयिष्ये | मूषयिष्यावहे | मूषयिष्यामहे |
| क्रि० | अमूषयिष्यत | अमूषयिष्येताम् | अमूषयिष्यन्त |
| | अमूषयिष्यथाः | अमूषयिष्येथाम् | अमूषयिष्यध्वम् |
| | अमूषयिष्ये | अमूषयिष्यावहि | अमूषयिष्यामहि |

503 वृष (सूष्) प्रसवे ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० सूषयति | सूषयतः | सूषयन्ति |
| सूषयसि | सूषयथः | सूषयथ |
| सूषयामि | सूषयावः | सूषयामः |
| स० सूषयेत् | सूषयेताम् | सूषयेयुः |
| सूषयेः | सूषयेतम् | सूषयेत |
| सूषयेयम् | सूषयेव | सूषयेम |
| प० सूषयतु | सूषयतात् | सूषयताम् |
| सूषय | सूषयतात् | सूषयतम् |
| सूषयाणि | सूषयाव | सूषयाम |
| ह्य० असूषयत् | असूषयताम् | असूषयन् |
| असूषयः | असूषयतम् | असूषयत |
| असूषयम् | असूषयाव | असूषयाम |
| अ० असूषुषत् | असूषुषताम् | असूषुषन् |
| असूषुषः | असूषुषतम् | असूषुषत |
| असूषुषम् | असूषुषाव | असूषुषाम |
| प० सूषयाञ्चकार | सूषयाञ्चक्रुः | सूषयाञ्चक्रुः |
| सूषयाञ्चकथं | सूषयाञ्चक्रुः | सूषयाञ्चक्रुः |
| सूषयाञ्चकार-चक्र | सूषयाञ्चक्रुव | सूषयाञ्चक्रुम |
| सूषयाम्बभूव | सूषयामास | |
| भा० सूष्यात् | सूष्यास्ताम् | सूष्यासुः |
| सूष्याः | सूष्यास्तम् | सूष्यास्त |
| सूष्यासम् | सूष्यास्व | सूष्यास्म |
| श्व० सूषयिता | सूषयितारौ | सूषयितारः |
| सूषयितासि | सूषयितास्थः | सूषयितास्थ |
| सूषयितास्मि | सूषयितास्वः | सूषयितास्मः |
| भ० सूषयिष्यति | सूषयिष्यतः | सूषयिष्यन्ति |
| सूषयिष्यसि | सूषयिष्यथः | सूषयिष्यथ |
| सूषयिष्यामि | सूषयिष्यावः | सूषयिष्यामः |
| क्रि० असूषयिष्यत् | असूषयिष्यताम् | असूषयिष्यन् |
| असूषयिष्यः | असूषयिष्यतम् | असूषयिष्यत |
| असूषयिष्यम् | असूषयिष्याव | असूषयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| ब० सूषयते | सूषयेते | सूषयन्ते |
| सूषयसे | सूषयेथे | सूषयध्वे |
| सूषये | सूषयावहे | सूषयामहे |
| स० सूषयेत् | सूषयेयाताम् | सूषयेरन् |
| सूषयेथः | सूषयेयाथाम् | सूषयेध्वम् |
| सूषयेय | सूषयेवहि | सूषयेमहि |
| प० सूषयताम् | सूषयेताम् | सूषयन्ताम् |
| सूषयस्व | सूषयेथाम् | सूषयध्वम् |
| सूषयै | सूषयावहै | सूषयामहै |
| ह्य० असूषयत | असूषयेताम् | असूषयन्त |
| असूषयथाः | असूषयेथाम् | असूषयध्वम् |
| असूषये | असूषयावहि | असूषयामहि |
| अ० असूषुषत | असूषुषेताम् | असूषुषन्त |
| असूषुषथाः | असूषुषेथाम् | असूषुषध्वम् |
| असूषुषे | असूषुषावहि | असूषुषामहि |
| प० सूषयाञ्चक्रे | सूषयाञ्चक्राते | सूषयाञ्चक्रिरे |
| सूषयाञ्चकृषे | सूषयाञ्चक्राये | सूषयाञ्चक्रुवे |
| सूषयाञ्चक्रे | सूषयाञ्चक्रुवहे | सूषयाञ्चक्रुमहे |
| सूषयाम्बभूव | सूषयामास | |
| भा० सूषयिषीष्ट | सूषयिषीयास्ताम् | सूषयिषीरन् |
| सूषयिषीष्ठाः | सूषयिषीयास्थाम् | सूषयिषीडध्वम् |
| सूषयिषीय | सूषयिषीवहि | सूषयिषीमहि |
| श्व० सूषयिता | सूषयितारौ | सूषयितारः |
| सूषयितासे | सूषयितासाये | सूषयिताध्वे |
| सूषयिताहे | सूषयितास्वहे | सूषयितास्महे |
| भ० सूषयिष्यते | सूषयिष्येते | सूषयिष्यन्ते |
| सूषयिष्यसे | सूषयिष्येथे | सूषयिष्यध्वे |
| सूषयिष्ये | सूषयिष्येवहे | सूषयिष्यामहे |
| क्रि० असूषयिष्यत | असूषयिष्येताम् | असूषयिष्यन्त |
| असूषयिष्यथाः | असूषयिष्येथाम् | असूषयिष्यध्वम् |
| असूषयिष्ये | असूषयिष्येवहि | असूषयिष्यामहि |

504 ऊष (ऊष्) रजायाम् ।

| | | | |
|-------|----------------|-------------|-------------|
| व० | ऊषयति | ऊषयतः | ऊषयन्ति |
| | ऊषयसि | ऊषयथः | ऊषयथ |
| | ऊषयामि | ऊषयावः | ऊषयामः |
| स० | ऊषयेत् | ऊषयेताम् | ऊषयेयुः |
| | ऊषयेः | ऊषयेतम् | ऊषयेत |
| | ऊषयेयम् | ऊषयेव | ऊषयेम |
| प० | ऊषयतु | ऊषयतात् | ऊषयताम् |
| | ऊषय | ऊषयतात् | ऊषयतम् |
| | ऊषयाणि | ऊषयाव | ऊषयाम |
| ह्य० | औषयत् | औषयताम् | औषयन् |
| | औषयः | औषयतम् | औषयत |
| | औषयम् | औषयाव | औषयाम |
| अ० | औषिषत् | औषिषताम् | औषिषन् |
| | औषिषः | औषिषतम् | औषिषत |
| | औषिषम् | औषिषाव | औषिषाम |
| प० | ऊषयाञ्चकार | ऊषयाञ्चकतुः | ऊषयाञ्चकुः |
| | ऊषयाञ्चकथं | ऊषयाञ्चकथुः | ऊषयाञ्चक |
| | ऊषयाञ्चकार-चकर | ऊषयाञ्चकृव | ऊषयाञ्चकृम |
| | ऊषयाम्बभूव | । | ऊषयामास |
| आ० | ऊष्यात् | ऊष्यास्ताम् | ऊष्यासुः |
| | ऊष्याः | ऊष्यास्तम् | ऊष्यास्त |
| | ऊष्यासम् | ऊष्यास्व | ऊष्यास्म |
| श्व० | ऊषयिता | ऊषयितारौ | ऊषयितारः |
| | ऊषयितासि | ऊषयितास्थः | ऊषयितास्थ |
| | ऊषयितास्मि | ऊषयितास्वः | ऊषयितास्मः |
| भ० | ऊषयिष्यति | ऊषयिष्यतः | ऊषयिष्यन्ति |
| | ऊषयिष्यसि | ऊषयिष्यथः | ऊषयिष्यथ |
| | ऊषयिष्यामि | ऊषयिष्यावः | ऊषयिष्यामः |
| क्रि० | औषयिष्यत् | औषयिष्यताम् | औषयिष्यन् |
| | औषयिष्यः | औषयिष्यतम् | औषयिष्यत |
| | औषयिष्यम् | औषयिष्याव | औषयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | ऊषयते | ऊषयेते | ऊषयन्ते |
| | ऊषयसे | ऊषयेथे | ऊषयध्वे |
| | ऊषये | ऊषयावहे | ऊषयामहे |
| स० | ऊषयेत् | ऊषयेयाताम् | ऊषयेरन् |
| | ऊषयेथाः | ऊषयेयाथाम् | ऊषयेष्वम् |
| | ऊषयेय | ऊषयेवहि | ऊषयेमहि |
| प० | ऊषयताम् | ऊषयेताम् | ऊषयन्ताम् |
| | ऊषयस्व | ऊषयेथाम् | ऊषयस्वम् |
| | ऊषय | ऊषयावहै | ऊषयामहै |
| ह्य० | औषयत् | औषयेताम् | औषयन्त |
| | औषयथाः | औषयेथाम् | औषयध्वम् |
| | औषये | औषयावहि | औषयामहि |
| अ० | औषिषत् | औषिषताम् | औषिषन्त |
| | औषिषथाः | औषिषेथाम् | औषिषध्वम् |
| | औषिषे | औषिषावहि | औषिषामहि |
| प० | ऊषयाञ्चके | ऊषयाञ्चकाते | ऊषयाञ्चकिरे |
| | ऊषयाञ्चकृषे | ऊषयाञ्चकृषे | ऊषयाञ्चकृद्वे |
| | ऊषयाञ्चक | ऊषयाञ्चकृवहे | ऊषयाञ्चकृमहे |
| | ऊषयाम्बभूव | । | ऊषयामास |
| आ० | ऊषयिषीष्ट | ऊषयिषीयास्ताम् | ऊषयिषीरन् |
| | ऊषयिषीष्ठाः | ऊषयिषीयास्थाम् | ऊषयिषीढ्वम् |
| | ऊषयिषीय | ऊषयिषीवहि | ऊषयिषीमहि |
| श्व० | ऊषयिता | ऊषयितारौ | ऊषयितारः |
| | ऊषयितासे | ऊषयितासाथे | ऊषयिताध्वे |
| | ऊषयिताहे | ऊषयितास्वहे | ऊषयितास्महे |
| भ० | ऊषयिष्यते | ऊषयिष्येते | ऊषयिष्यन्ते |
| | ऊषयिष्यसे | ऊषयिष्येथे | ऊषयिष्यध्वे |
| | ऊषयिष्ये | ऊषयिष्यावहे | ऊषयिष्यामहे |
| क्रि० | औषयिष्यत् | औषयिष्येताम् | औषयिष्यन्त |
| | औषयिष्यथाः | औषयिष्येथाम् | औषयिष्यध्वम् |
| | औषयिष्ये | औषयिष्यावहि | औषयिष्यामहि |

505 ईष (ईष्) ऊच्छं

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | ईषयति | ईषयतः | ईषयन्ति |
| | ईषयसि | ईषयथः | ईषयथ |
| | ईषयामि | ईषयावः | ईषयामः |
| स० | ईषयेत् | ईषयेताम् | ईषयेयुः |
| | ईषयेः | ईषयेतम् | ईषयेत |
| | ईषयेयम् | ईषयेव | ईषयेम |
| प० | ईषयतु | ईषयतात् | ईषयताम् |
| | ईषय | ईषयतात् | ईषयतम् |
| | ईषयाणि | ईषयाव | ईषयाम |
| ह्य० | ऐषयत् | ऐषयताम् | ऐषयन्त |
| | ऐषयः | ऐषयतम् | ऐषयत |
| | ऐषयम् | ऐषयाव | ऐषयाम |
| अ० | ऐषिषत् | ऐषिषताम् | ऐषिषन्त |
| | ऐषिषः | ऐषिषतम् | ऐषिषत |
| | ऐषिषम् | ऐषिषाव | ऐषिषाम |
| प० | ईषयाञ्चकार | ईषयाञ्चकतुः | ईषयाञ्चकुः |
| | ईषयाञ्चकथं | ईषयाञ्चकथुः | ईषयाञ्चक |
| | ईषयाञ्चकार-चकर | ईषयाञ्चकृव | ईषयाञ्चकृम |
| | ईषयाम्बभूव | । | ईषयामास |
| आ० | ईष्यात् | ईष्यास्ताम् | ईष्यासुः |
| | ईष्याः | ईष्यास्तम् | ईष्यास्त |
| | ईष्यासम् | ईष्यास्व | ईष्यासम् |
| अ० | ईषयिता | ईषयितारौ | ईषयितारः |
| | ईषयितासि | ईषयितास्थः | ईषयितास्थ |
| | ईषयितास्मि | ईषयितास्वः | ईषयितास्मः |
| म० | ईषयिष्यति | ईषयिष्यतः | ईषयिष्यन्ति |
| | ईषयिष्यसि | ईषयिष्यथः | ईषयिष्यथ |
| | ईषयिष्यामि | ईषयिष्यावः | ईषयिष्यामः |
| क्रि० | येषयिष्यत् | येषयिष्यताम् | येषयिष्यन्त |
| | येषयिष्यः | येषयिष्यतम् | येषयिष्यत |
| | येषयिष्यम् | येषयिष्याव | येषयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | ईषयते | ईषयेते | ईषयन्ते |
| | ईषयसे | ईषयेथे | ईषयध्वे |
| | ईषये | ईषयावहे | ईषयामहे |
| स० | ईषयेत | ईषयेयाताम् | ईषयेरन् |
| | ईषयेथाः | ईषयेथायाम् | ईषयेध्वम् |
| | ईषयेय | ईषयेवहि | ईषयेमहि |
| प० | ईषयताम् | ईषयेताम् | ईषयन्ताम् |
| | ईषयस्व | ईषयेथाम् | ईषयध्वम् |
| | ईषयै | ईषयावहे | ईषयामहे |
| ह्य० | ऐषयत | ऐषयेताम् | ऐषयन्त |
| | ऐषयथाः | ऐषयेथाम् | ऐषयध्वम् |
| | ऐषये | ऐषयावहि | ऐषयामहि |
| अ० | ऐषिषत | ऐषिषेताम् | ऐषिषन्त |
| | ऐषिषथाः | ऐषिषेथाम् | ऐषिषध्वम् |
| | ऐषिषे | ऐषिषावहि | ऐषिषामहि |
| प० | ईषयाञ्चक्रे | ईषयाञ्चकृते | ईषयाञ्चकृरे |
| | ईषयाञ्चकृषे | ईषयाञ्चकृषे | ईषयाञ्चकृद्वे |
| | ईषयाञ्चक्रे | ईषयाञ्चकृवहे | ईषयाञ्चकृमहे |
| | ईषयाम्बभूव | । | ईषयामास |
| आ० | ईषयिषीष्ट | ईषयिषीयास्ताम् | ईषयिषीरन् |
| | ईषयिषीष्ठाः | ईषयिषीयास्थाम् | ईषयिषीडवम् |
| | | | ध्वम् |
| | ईषयिषीय | ईषयिषीवहि | ईषयिषीमहि |
| अ० | ईषयिता | ईषयितारौ | ईषयितारः |
| | ईषयितासे | ईषयितासाथे | ईषयिताध्वे |
| | ईषयिताहे | ईषयितास्वहे | ईषयितास्महे |
| अ० | ईषयिष्यते | ईषयिष्येते | ईषयिष्यन्ते |
| | ईषयिष्यसे | ईषयिष्येथे | ईषयिष्यध्वे |
| | ईषयिष्ये | ईषयिष्यावहे | ईषयिष्यामहे |
| क्रि० | येषयिष्यत | येषयिष्येताम् | येषयिष्यन्त |
| | येषयिष्यथाः | येषयिष्येथाम् | येषयिष्यध्वम् |
| | येषयिष्ये | येषयिष्यावहि | येषयिष्यामहि |

506 कृषं (कृष्) विलेखने ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० कर्षयति | कर्षयतः | कर्षयन्ति |
| कर्षयसि | कर्षयथः | कर्षयथ |
| कर्षयामि | कर्षयावः | कर्षयामः |
| स० कर्षयेत् | कर्षयेताम् | कर्षयेयुः |
| कर्षयेः | कर्षयेतम् | कर्षयेत |
| कर्षयेयम् | कर्षयेव | कर्षयेम |
| प० कर्षयतु | कर्षयतात् | कर्षयताम् |
| कर्षय | कर्षयतात् | कर्षयतम् |
| कर्षयाणि | कर्षयाव | कर्षयाम |
| ह्य० अकर्षयत् | अकर्षयताम् | अकर्षयन् |
| अकर्षयः | अकर्षयतम् | अकर्षयत |
| अकर्षयम् | अकर्षयाव | अकर्षयाम |
| अ० अचीकृषत् | अचीकृषताम् | अचीकृषन् |
| अचीकृषः | अचीकृषतम् | अचीकृषत |
| अचीकृषम् | अचीकृषाव | अचीकृषाम |
| अचकर्षत् | अचकर्षताम् | अचकर्षन् ३० |
| प० कर्षयाञ्चकार | कर्षयाञ्चकतुः | कर्षयाञ्चकुः |
| कर्षयाञ्चकथं | कर्षयाञ्चकथुः | कर्षयाञ्चक |
| कर्षयाञ्चकार-चकर | कर्षयाञ्चकृव | कर्षयाञ्चकृम |
| कर्षयाम्बभूव | कर्षयामास | |
| आ० कर्ष्यात् | कर्ष्यास्ताम् | कर्ष्यासुः |
| कर्ष्याः | कर्ष्यास्तम् | कर्ष्यास्त |
| कर्ष्यासम् | कर्ष्यास्व | कर्ष्यास्म |
| श्व० कर्षयिता | कर्षयितारौ | कर्षयितारः |
| कर्षयितासि | कर्षयितास्थः | कर्षयितास्थ |
| कर्षयितास्मि | कर्षयितास्वः | कर्षयितास्मः |
| भ० कर्षयिष्यति | कर्षयिष्यतः | कर्षयिष्यन्ति |
| कर्षयिष्यसि | कर्षयिष्यथः | कर्षयिष्यथ |
| कर्षयिष्यामि | कर्षयिष्यावः | कर्षयिष्यामः |
| क्रि० अकर्षयिष्यत् | अकर्षयिष्यताम् | अकर्षयिष्यन् |
| अकर्षयिष्यः | अकर्षयिष्यतम् | अकर्षयिष्यत |
| अकर्षयिष्यम् | अकर्षयिष्याव | अकर्षयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० कर्षयते | कर्षयेते | कर्षयन्ते |
| कर्षयसे | कर्षयेथे | कर्षयथ्वे |
| कर्षये | कर्षयावहे | कर्षयामहे |
| स० कर्षयेत | कर्षयेयाताम् | कर्षयेरन् |
| कर्षयेथाः | कर्षयेथाथाम् | कर्षयेथ्वम् |
| कर्षयेय | कर्षयेवहि | कर्षयेमहि |
| प० कर्षयताम् | कर्षयेताम् | कर्षयन्ताम् |
| कर्षयस्व | कर्षयेथाम् | कर्षयथ्वम् |
| कर्षयै | कर्षयावहै | कर्षयामहै |
| ह्य० अकर्षयत | अकर्षयेताम् | अकर्षयन्त |
| अकर्षयथाः | अकर्षयेथाम् | अकर्षयथ्वम् |
| अकर्षये | अकर्षयावहि | अकर्षयामहि |
| अ० अचीकृषत | अचीकृषेताम् | अचीकृषन्त |
| अचीकृषथाः | अचीकृषेथाम् | अचीकृषथ्वम् |
| अचीकृषे | अचीकृषावहि | अचीकृषामहि |
| अचकर्षत | अचकर्षेताम् | अचकर्षन्त ३० |
| प० कर्षयाञ्चक्रे | कर्षयाञ्चकृते | कर्षयाञ्चकिरे |
| कर्षयाञ्चकृषे | कर्षयाञ्चकृषे | कर्षयाञ्चकृषे |
| कर्षयाञ्चक्रे | कर्षयाञ्चकृवहे | कर्षयाञ्चकृमहे |
| कर्षयाम्बभूव | कर्षयामास | |
| आ० कर्षयिषीष्ट | कर्षयिषीयास्ताम् | कर्षयिषीरन् |
| कर्षयिषीष्टाः | कर्षयिषीयास्थाम् | कर्षयिषीवम् |
| | | थ्वम् |
| कर्षयिषीय | कर्षयिषीवहि | कर्षयिषीमहि |
| श्व० कर्षयिता | कर्षयितारौ | कर्षयितारः |
| कर्षयितासे | कर्षयितासथे | कर्षयिताध्वे |
| कर्षयिताहे | कर्षयितास्वहे | कर्षयितास्महे |
| भ० कर्षयिष्यते | कर्षयिष्येते | कर्षयिष्यन्ते |
| कर्षयिष्यसे | कर्षयिष्येथे | कर्षयिष्यथ्वे |
| कर्षयिष्ये | कर्षयिष्यावडे | कर्षयिष्यामहे |
| क्रि० अकर्षयिष्यत | अकर्षयिष्येताम् | अकर्षयिष्यन्त |
| अकर्षयिष्यथाः | अकर्षयिष्येथाम् | अकर्षयिष्यथ्वम् |
| अकर्षयिष्ये | अकर्षयिष्यावहि | अकर्षयिष्यामहि |

507 कष (कष्) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | काषयति | काषयतः | काषयन्ति |
| | काषयसि | काषयथः | काषयथ |
| | काषयामि | काषयावः | काषयामः |
| स० | काषयेत् | काषयेताम् | काषयेयुः |
| | काषयेः | काषयेतम् | काषयेत |
| | काषयेयम् | काषयेव | काषयेम |
| प० | काषयतु | काषयतात् | काषयताम् |
| | काषय | काषयतात् | काषयतम् |
| | काष्याणि | काष्याव | काष्याम |
| ह्य० | अकाषयत् | अकाषयताम् | अकाषयन् |
| | अकाषयः | अकाषयतम् | अकाषयत |
| | अकाषयम् | अकाषयाव | अकाषयाम |
| अ० | अचीकषत् | अचीकषताम् | अचीकषन् |
| | अचीकषः | अचीकषतम् | अचीकषत |
| | अचीकषम् | अचीकषाव | अचीकषाम |
| | अचिकषत् | अचिकषताम् | अचिकषन् इ० |
| प० | काषयाञ्चकार | काषयाञ्चक्रुः | काषयाञ्चक्रुः |
| | काषयाञ्चकथं | काषयाञ्चक्रुः | काषयाञ्चक्रुः |
| | काषयाञ्चकार-चक्र | काषयाञ्चक्रुव | काषयाञ्चक्रुम |
| | काषयाञ्चभूव | काषयामास | |
| आ० | काष्यात् | काष्यास्ताम् | काष्यासुः |
| | काष्याः | काष्यास्तम् | काष्यास्त |
| | काष्यासम् | काष्यास्व | काष्यास्म |
| श्व० | काषयिता | काषयितारौ | काषयितारः |
| | काषयितासि | काषयितारथः | काषयितास्थ |
| | काषयितास्मि | काषयितारवः | काषयितास्मः |
| भ० | काषयिष्यति | काषयिष्यतः | काषयिष्यन्ति |
| | काषयिष्यसि | काषयिष्यथः | काषयिष्यथ |
| | काषयिष्यामि | काषयिष्यावः | काषयिष्यामः |
| क्रि० | अकाषयिष्यत् | अकाषयिष्यताम् | अकाषयिष्यन् |
| | अकाषयिष्यः | अकाषयिष्यतम् | अकाषयिष्यत |
| | अकाषयिष्यम् | अकाषयिष्याव | अकाषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | काषयते | काषयेते | काषयन्ते |
| | काषयसे | काषयेथे | काषयध्वे |
| | काषये | काषयावहे | काषयामहे |
| स० | काषयेत् | काषयेयाताम् | काषयेरन् |
| | काषयेथाः | काषयेयाथाम् | काषयेध्वम् |
| | काषयेय | काषयेवहि | काषयेमहि |
| प० | काषयताम् | काषयेताम् | काषयन्ताम् |
| | काषयस्व | काषयेथाम् | काषयध्वम् |
| | काषयै | काषयावहै | काषयामहै |
| ह्य० | अकाषयत | अकाषयेताम् | अकाषयन्त |
| | अकाषयथाः | अकाषयेथाम् | अकाषयध्वम् |
| | अकाषये | अकाषयावहि | अकाषयामहि |
| अ० | अचीकषत | अचीकषेताम् | अचीकषन्त |
| | अचीकषथाः | अचीकषेथाम् | अचीकषध्वम् |
| | अचीकषे | अचीकषावहि | अचीकषामहि |
| | अचिकषत | अचिकषेताम् | अचिकषन्त इ० |
| प० | काषयाञ्चक्रे | काषयाञ्चक्राते | काषयाञ्चक्रिरे |
| | काषयाञ्चकृषे | काषयाञ्चक्राथे | काषयाञ्चकृद्वे |
| | काषयाञ्चक्रे | काषयाञ्चकृवहे | काषयाञ्चकृमहे |
| | काषयाञ्चभूव | काषयामास | |
| आ० | काषयिषीष्ट | काषयिषीयास्ताम् | काषयिषीरन् |
| | काषयिषीष्टाः | काषयिषीयास्थाम् | काषयिषीढवम् |
| | काषयिषीय | काषयिषीवहि | काषयिषीमहि |
| श्व० | काषयिता | काषयितारौ | काषयितारः |
| | काषयितासे | काषयितासाथे | काषयिताध्वे |
| | काषयितहे | काषयितास्वहे | काषयितास्महे |
| भ० | काषयिष्यते | काषयिष्येते | काषयिष्यन्ते |
| | काषयिष्यसे | काषयिष्येथे | काषयिष्यध्वे |
| | काषयिष्ये | काषयिष्यावहे | काषयिष्यामहे |
| क्रि० | अकाषयिष्यत | अकाषयिष्येताम् | अकाषयिष्यन्त |
| | अकाषयिष्यथाः | अकाषयिष्येथाम् | अकाषयिष्यध्वम् |
| | अकाषयिष्ये | अकाषयिष्यावहि | अकाषयिष्यामहि |

508 शेष (शेष) हिंसायाम्

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| ४० शेषयति | शेषयतः | शेषयन्ति |
| शेषयसि | शेषयथः | शेषयथ |
| शेषयामि | शेषयावः | शेषयामः |
| स० शेषयेत् | शेषयेताम् | शेषयेयुः |
| शेषयेः | शेषयेतम् | शेषयेत |
| शेषयेयम् | शेषयेव | शेषयेम |
| प० शेषयतु | शेषयतात् | शेषयन्तु |
| शेषय | शेषयतात् | शेषयत |
| शेषयाणि | शेषयाव | शेषयाम |
| ह्य० अशेषयत् | अशेषयताम् | अशेषयन् |
| अशेषयः | अशेषयतम् | अशेषयत |
| अशेषयम् | अशेषयाव | अशेषयाम |
| अ० अशीशिषत् | अशीशिषताम् | अशीशिषन् |
| अशीशिषः | अशीशिषतम् | अशीशिषत |
| अशीशिषम् | अशीशिषाव | अशीशिषाम |
| प० शेषयाञ्चकार | शेषयाञ्चक्रतुः | शेषयाञ्चक्रुः |
| शेषयाञ्चकथं | शेषयाञ्चकथुः | शेषयाञ्चक |
| शेषयाञ्चकार-चकर | शेषयाञ्चकृव | शेषयाञ्चकृम |
| शेषयाम्बभूव | । शेषयामास | |
| आ० शेष्यात् | शेष्यास्ताम् | शेष्यासुः |
| शेष्याः | शेष्यस्तम् | शेष्यास्त |
| शेष्यासम् | शेष्यास्व | शेष्यास्म |
| स० शेषयिता | शेषयितारौ | शेषयितारः |
| शेषयितासि | शेषयितास्थः | शेषयितास्थ |
| शेषयितास्मि | शेषयितास्वः | शेषयितास्मः |
| अ० शेषयिष्यति | शेषयिष्यतः | शेषयिष्यन्ति |
| शेषयिष्यसि | शेषयिष्यथः | शेषयिष्यथ |
| शेषयिष्यामि | शेषयिष्यावः | शेषयिष्यामः |
| क्रि० अशेषयिष्यत् | अशेषयिष्यताम् | अशेषयिष्यन् |
| अशेषयिष्यः | अशेषयिष्यतम् | अशेषयिष्यत |
| अशेषयिष्यम् | अशेषयिष्याव | अशेषयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० शेषयते | शेषयते | शेषयन्ते |
| शेषयसे | शेषयेथे | शेषयध्वे |
| शेषये | शेषयावहे | शेषयामहे |
| स० शेषयेत् | शेषयेयाताम् | शेषयेरन् |
| शेषयेथाः | शेषयेयाथाम् | शेषयेध्वम् |
| शेषयेय | शेषयेवहि | शेषयेमहि |
| प० शेषयताम् | शेषयेताम् | शेषयन्ताम् |
| शेषयस्व | शेषयेथाम् | शेषयध्वम् |
| शेषयै | शेषयावहै | शेषयामहै |
| ह्य० अशेषयत | अशेषयेताम् | अशेषयन्त |
| अशेषयथाः | अशेषयेथाम् | अशेषयध्वम् |
| अशेषये | अशेषयावहि | अशेषयामहि |
| अ० अशीशिषत | अशीशिषेताम् | अशीशिषन्त |
| अशीशिषथाः | अशीशिषेथाम् | अशीशिषध्वम् |
| अशीशिषे | अशीशिषेवहि | अशीशिषेमहि |
| प० शेषयाञ्चक्रे | शेषयाञ्चक्रते | शेषयाञ्चक्रिरे |
| शेषयाञ्चकृषे | शेषयाञ्चकृषे | शेषयाञ्चकृद्वे |
| शेषयाञ्चके | शेषयाञ्चकृवहे | शेषयाञ्चकृमहे |
| शेषयाम्बभूव | । शेषयामास | |
| आ० शेषयिषीष्ट | शेषयिषीयास्ताम् | शेषयिषीरन् |
| शेषयिषीष्ठाः | शेषयिषीयास्थाम् | शेषयिषीढवम् |
| | | ध्वम् |
| शेषयिषीय | शेषयिषीवहि | शेषयिषीमहि |
| श्व० शेषयिता | शेषयितारौ | शेषयितारः |
| शेषयितासे | शेषयितासाथे | शेषयिताध्वे |
| शेषयिताहे | शेषयितास्वहे | शेषयितास्महे |
| अ० शेषयिष्यते | शेषयिष्येते | शेषयिष्यन्ते |
| शेषयिष्यसे | शेषयिष्येथे | शेषयिष्यध्वे |
| शेषयिष्ये | शेषयिष्यावहे | शेषयिष्याम |
| क्रि० अशेषयिष्यत् | अशेषयिष्येताम् | अशेषयिष्यन्त |
| अशेषयिष्यथाः | अशेषयिष्येथाम् | अशेषयिष्यध्वम् |
| अशेषयिष्ये | अशेषयिष्यावहि | अशेषयिष्यामहि |

509 जष (जष्) हिंसायाम् ।

| | | |
|------------|-----------|----------|
| ब० जाषयति | जाषयतः | जाषयन्ति |
| जाषयसि | जाषयथः | जाषयथ |
| जाषयामि | जाषयावः | जाषयामः |
| स० जाषयेत् | जाषयेताम् | जाषयेयुः |
| जाषयेः | जाषयेतम् | जाषयेत |
| जाषयेयम् | जाषयेव | जाषयेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० जाषयतु | जाषयतात् | जाषयताम् | जाषयन्तु |
| जाषय | जाषयतात् | जाषयतम् | जाषयत |
| जाषयाणि | जाषयाव | जाषयाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| ह० अजाषयत् | अजाषयताम् | अजाषयन् |
| अजाषयः | अजाषयतम् | अजाषयत |
| अजाषयम् | अजाषयाव | अजाषयाम |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| अ० अजीजषत् | अजीजषताम् | अजीजषन् |
| अजीजषः | अजीजषतम् | अजीजषत |
| अजीजषम् | अजीजषाव | अजीजषाम |

| | | |
|-----------------|-----------------|--------------|
| प० जाषयाञ्चकार | जाषयाञ्चक्रुः | जाषयाञ्चकुः |
| जाषयाञ्चकथं | जाषयाञ्चक्रुथुः | जाषयाञ्चक्र |
| जाषयाञ्चकार-चकर | जाषयाञ्चक्रुव | जाषयाञ्चक्रम |

जाषयाम्बभूव । जाषयामास

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० जाष्यात् | जाष्यास्ताम् | जाष्यासुः |
| जाष्याः | जाष्यास्तम् | जाष्यास्त |
| जाष्यासम् | जाष्यास्व | जाष्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| श्व० जाषयिता | जाषयितारौ | जाषयितारः |
| जाषयितासि | जाषयितास्थः | जाषयितास्थ |
| जाषयितास्मि | जाषयितास्वः | जाषयितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० जाषयिष्यति | जाषयिष्यतः | जाषयिष्यन्ति |
| जाषयिष्यसि | जाषयिष्यथः | जाषयिष्यथ |
| जाषयिष्यामि | जाषयिष्यावः | जाषयिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अजाषयिष्यत् | अजाषयिष्यताम् | अजाषयिष्यन् |
| अजाषयिष्यः | अजाषयिष्यतम् | अजाषयिष्यत |
| अजाषयिष्यम् | अजाषयिष्याव | अजाषयिष्याम |

| | | |
|-----------|----------|----------|
| व० जाषयते | जाषयेते | जाषयन्ते |
| जाषयसे | जाषयेथे | जाषयध्वे |
| जाषये | जाषयावहे | जाषयामहे |

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| स० जाषयेत | जाषयेयाताम् | जाषयेरन् |
| जाषयेथाः | जाषयेयाथाम् | जाषयेध्वम् |
| जाषयेय | जाषयेवहि | जाषयेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० जाषयताम् | जाषयेताम् | जाषयन्ताम् |
| जाषयस्व | जाषयेथाम् | जाषयध्वम् |
| जाषयै | जाषयावहै | जाषयामहै |

| | | |
|-----------|------------|------------|
| ह० अजाषयत | अजाषयेताम् | अजाषयन्त |
| अजाषयथाः | अजाषयेथाम् | अजाषयध्वम् |
| अजाषये | अजाषयावहि | अजाषयामहि |

| | | |
|-----------|------------|------------|
| अ० अजीजषत | अजीजषताम् | अजीजषन्त |
| अजीजषथाः | अजीजषेथाम् | अजीजषध्वम् |
| अजीजषे | अजीजषावहि | अजीजषामहि |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| प० जाषयाञ्चक्रे | जाषयाञ्चक्राते | जाषयाञ्चक्रिरे |
| जाषयाञ्चकृषे | जाषयाञ्चक्राथे | जाषयाञ्चकृह्वे |
| जाषयाञ्चक्रे | जाषयाञ्चकृवहे | जाषयाञ्चकृमहे |

जाषयाम्बभूव । जाषयामास

| | | |
|---------------|-----------------|--------------|
| आ० जाषयिषीष्ट | जाषयिषीयास्ताम् | जाषयिषीरन् |
| जाषयिषीष्ठाः | जाषयिषीयास्थाम् | जाषयिषीह्वम् |
| | | ध्वम् |

| | | |
|----------|------------|------------|
| जाषयिषीय | जाषयिषीवहि | जाषयिषीमहि |
|----------|------------|------------|

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| श्व० जाषयिता | जाषयितारौ | जाषयितारः |
| जाषयितासे | जाषयितासाथे | जाषयिताध्वे |
| जाषयिताहे | जाषयितास्वहे | जाषयितास्महे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ० जाषयिष्यते | जाषयिष्येते | जाषयिष्यन्ते |
| जाषयिष्यसे | जाषयिष्येथे | जाषयिष्यध्वे |
| जाषयिष्ये | जाषयिष्यावहे | जाषयिष्यामहे |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| क्रि० अजाषयिष्यत | अजाषयिष्येताम् | अजाषयिष्यन्त |
| अजाषयिष्यथाः | अजाषयिष्येथाम् | अजाषयिष्यध्वम् |
| अजाषयिष्ये | अजाषयिष्यावहि | अजाषयिष्यामहि |

510 झष (झष्) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|-----------------|--------------|--------------|
| व० | झषयति | झषयतः | झषयन्ति |
| | झषयसि | झषयथः | झषयथ |
| | झषयामि | झषयावः | झषयामः |
| स० | झषयेत् | झषयेताम् | झषयेयुः |
| | झषयेः | झषयेतम् | झषयेत |
| | झषयेयम् | झषयेव | झषयेम |
| प० | झषयतु | झषयतात् | झषयताम् |
| | झषय | झषयतात् | झषयतम् |
| | झषयाणि | झषयाव | झषयाम |
| ह्य० | अझषयत् | अझषयताम् | अझषयन् |
| | अझषयः | अझषयतम् | अझषयत |
| | अझषयम् | अझषयाव | अझषयाम |
| अ० | अजीझषत् | अजीझषताम् | अजीझषन् |
| | अजीझषः | अजीझषतम् | अजीझषत |
| | अजीझषम् | अजीझषाव | अजीझषाम |
| प० | झषयाञ्चकार | झषयाञ्चक्रुः | झषयाञ्चक्रुः |
| | झषयाञ्चकथं | झषयाञ्चकथुः | झषयाञ्चक |
| | झषयाञ्चकार-चक्र | झषयाञ्चकृव | झषयाञ्चकृम |
| | झषयाम्बभूव | । | झषयामास |
| आ० | झष्यात् | झष्यास्ताम् | झष्यासुः |
| | झष्याः | झष्यास्तम् | झष्यास्त |
| | झष्यासम् | झष्यास्व | झष्यास्म |
| झ० | झषयिता | झषयितारौ | झषयितारः |
| | झषयितासि | झषयितास्थः | झषयितास्थ |
| | झषयितास्मि | झषयितास्वः | झषयितास्मः |
| भ० | झषयिष्यति | झषयिष्यतः | झषयिष्यन्ति |
| | झषयिष्यसि | झषयिष्यथः | झषयिष्यथ |
| | झषयिष्यामि | झषयिष्यावः | झषयिष्यामः |
| क्रि० | अझषयिष्यत् | अझषयिष्यताम् | अझषयिष्यन् |
| | अझषयिष्यः | अझषयिष्यतम् | अझषयिष्यत |
| | अझषयिष्यम् | अझषयिष्याव | अझषयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | झषयते | झषयेते | झषयन्ते |
| | झषयसे | झषयेथे | झषयन्वे |
| | झषये | झषयावहे | झषयामहे |
| स० | झषयेत | झषयेयाताम् | झषयेरन् |
| | झषयेथाः | झषयेयाथाम् | झषयेध्वम् |
| | झषयेय | झषयेवहि | झषयेमहि |
| प० | झषयताम् | झषयेताम् | झषयन्ताम् |
| | झषयस्व | झषयेथाम् | झषयध्वम् |
| | झषयै | झषयावहै | झषयामहै |
| ह्य० | अझषयत् | अझषयेताम् | अझषयन्त |
| | अझषयथाः | अझषयेथाम् | अझषयध्वम् |
| | अझषये | अझषयावहि | अझषयामहि |
| अ० | अजीझषत | अजीझषेताम् | अजीझषन्त |
| | अजीझषथाः | अजीझषेथाम् | अजीझषध्वम् |
| | अजीझषे | अजीझषावहि | अजीझषामहि |
| प० | झषयाञ्चक्रे | झषयाञ्चक्राते | झषयाञ्चकिरे |
| | झषयाञ्चकृषे | झषयाञ्चक्राथे | झषयाञ्चकृद्वे |
| | झषयाञ्चक्रे | झषयाञ्चकृवहे | झषयाञ्चकृमहे |
| | झषयाम्बभूव | । | झषयामास |
| आ० | झषयिषीष्ट | झषयिषीयास्ताम् | झषयिषीरन् |
| | झषयिषीष्टाः | झषयिषीयास्थाम् | झषयिषीध्वम् |
| | झषयिषीय | झषयिषीवहि | झषयिषीमहि |
| झ० | झषयिता | झषयितारौ | झषयितारः |
| | झषयितासे | झषयितासाधे | झषयिताध्वे |
| | झषयिताहे | झषयितास्वहे | झषयितास्महे |
| भ० | झषयिष्यते | झषयिष्येते | झषयिष्यन्ते |
| | झषयिष्यसे | झषयिष्येथे | झषयिष्यन्वे |
| | झषयिष्ये | झषयिष्यावहे | झषयिष्यामहे |
| क्रि० | अझषयिष्यत् | अझषयिष्येताम् | अझषयिष्यन्त |
| | अझषयिष्यथाः | अझषयिष्येथाम् | अझषयिष्यध्वम् |
| | अझषयिष्ये | अझषयिष्यावहि | अझषयिष्यामहि |

511 वष (वष्) हिंसायाम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० वाषयति | वाषयतः | वाषयन्ति |
| वाषयसि | वाषयथः | वाषयथ |
| वाषयामि | वाषयावः | वाषयामः |
| स० वाषयेत् | वाषयेताम् | वाषयेयुः |
| वाषयेः | वाषयेतम् | वाषयेत |
| वाषयेयम् | वाषयेव | वाषयेम |
| ० वाषयतु | वाषयतात् | वाषयन्तु |
| वाषय | वाषयतात् | वाषयत |
| वाषयाणि | वाषयाव | वाषयाम |
| ह्य० अवाषयत् | अवाषयताम् | अवाषयन् |
| अवाषयः | अवाषयतम् | अवाषयत |
| अवाषयम् | अवाषयाव | अवाषयाम |
| अ० अवीवषत् | अवीवषताम् | अवीवषन् |
| अवीवषः | अवीवषतम् | अवीवषत |
| अवीवषम् | अवीवषाव | अवीवषाम |
| प० वाषयाञ्चकार | वाषयाञ्चक्रुः | वाषयाञ्चक्रुः |
| वाषयाञ्चकथं | वाषयाञ्चक्रुः | वाषयाञ्चक्रुः |
| वाषयाञ्चकार-चकर | वाषयाञ्चक्रुव | वाषयाञ्चक्रुम |
| वाषयाम्बभूव | वाषयामास | |
| भा० वाष्यात् | वाष्यास्ताम् | वाष्यासुः |
| वाष्याः | वाष्यास्तम् | वाष्यास्त |
| वाष्यासम् | वाष्यास्व | वाष्यास्म |
| श्र० वाषयिता | वाषयितारौ | वाषयितारः |
| वाषयितासि | वाषयितास्थः | वाषयितास्थ |
| वाषयितास्मि | वाषयितास्वः | वाषयितास्मः |
| भ० वाषयिष्यति | वाषयिष्यतः | वाषयिष्यन्ति |
| वाषयिष्यसि | वाषयिष्यथः | वाषयिष्यथ |
| वाषयिष्यामि | वाषयिष्यावः | वाषयिष्यामः |
| क्रि० अवाषयिष्यत् | अवाषयिष्यताम् | अवाषयिष्यन् |
| अवाषयिष्यः | अवाषयिष्यतम् | अवाषयिष्यत |
| अवाषयिष्यम् | अवाषयिष्याव | अवाषयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| व० वाषयते | वाषयेते | वाषयन्ते |
| वाषयसे | वाषयेथे | वाषयध्वे |
| वाषये | वाषयावहे | वाषयामहे |
| स० वाषयेत | वाषयेयाताम् | वाषयेरन् |
| वाषयेथः | वाषयेयाथाम् | वाषयेष्वम् |
| वाषयेय | वाषयेवहि | वाषयेमहि |
| प० वाषयताम् | वाषयेताम् | वाषयन्ताम् |
| वाषयस्व | वाषयेथाम् | वाषयध्वम् |
| वाषयै | वाषयावहै | वाषयामहै |
| ह्य० अवाषयत | अवाषयेताम् | अवाषयन्त |
| अवाषयथाः | अवाषयेथाम् | अवाषयध्वम् |
| अवाषये | अवाषयावहि | अवाषयामहि |
| अ० अवीवषत | अवीवषेताम् | अवीवषन्त |
| अवीवषथाः | अवीवषेथाम् | अवीवषध्वम् |
| अवीवषे | अवीवषावहि | अवीवषामहि |
| प० वाषयाञ्चक्रे | वाषयाञ्चक्राते | वाषयाञ्चक्रिरे |
| वाषयाञ्चक्रेषे | वाषयाञ्चक्राये | वाषयाञ्चक्रुवे |
| वाषयाञ्चक्रे | वाषयाञ्चक्रुवहे | वाषयाञ्चक्रुमहे |
| वाषयाम्बभूव | वाषयामास | |
| भा० वाषयिषीष्ट | वाषयिषीयास्ताम् | वाषयिषीरन् |
| वाषयिषीष्ठाः | वाषयिषीयास्थाम् | वाषयिषीड्वम् |
| | | ध्वम् |
| वाषयिषीय | वाषयिषीवहि | वाषयिषीमहि |
| श्र० वाषयिता | वाषयितारौ | वाषयितारः |
| वाषयितासे | वाषयितासथे | वाषयिताध्वे |
| वाषयिताहे | वाषयितास्वहे | वाषयितास्महे |
| भ० वाषयिष्यते | वाषयिष्येते | वाषयिष्यन्ते |
| वाषयिष्यसे | वाषयिष्येथे | वाषयिष्यध्वे |
| वाषयिष्ये | वाषयिष्यावहे | वाषयिष्यामहे |
| क्रि० अवाषयिष्यत | अवाषयिष्येताम् | अवाषयिष्यन्त |
| अवाषयिष्यथाः | अवाषयिष्येथाम् | अवाषयिष्यध्वम् |
| अवाषयिष्ये | अवाषयिष्यावहि | अवाषयिष्यामहि |

512 मष (मष्) हिंसायाप ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० माषयति | माषयतः | माषयन्ति |
| माषयसि | माषयथः | माषयथ |
| माषयामि | माषयावः | माषयामः |
| स० माषयेत् | माषयेताम् | माषयेयुः |
| माषयेः | माषयेतम् | माषयेत |
| माषयेयम् | माषयेव | माषयेम |
| प० माषयतु | माषयतात् | माषयन्तु |
| माषय | माषयतात् | माषयत |
| माषयाणि | माषयाव | माषयाम |
| ह्य० अमाषयत् | अमाषयताम् | अमाषयन् |
| अमाषयः | अमाषयतम् | अमाषयत |
| अमाषयम् | अमाषयाव | अमाषयाम |
| अ० अमीमषत् | अमीमषताम् | अमीमषन् |
| अमीमषः | अमीमषतम् | अमीमषत |
| अमीमषम् | अमीमषाव | अमीमषाम |
| प० माषयाञ्चकार | माषयाञ्चकतुः | माषयाञ्चकुः |
| माषयाञ्चकृ | माषयाञ्चकथुः | माषयाञ्चक |
| माषयाञ्चकार-चकर | माषयाञ्चकृव | माषयाञ्चकृम |
| माषयाम्बभूव | । | माषयामास |
| आ० माष्यात् | माष्यास्ताम् | माष्यासुः |
| माष्याः | माष्यास्तम् | माष्यास्त |
| माष्यासम् | माष्यास्व | माष्यास्म |
| श्र० माषयिता | माषयितारौ | माषयितारः |
| माषयितासि | माषयितास्थः | माषयितास्थ |
| माषयितास्मि | माषयितास्वः | माषयितास्मः |
| भ० माषयिष्यति | माषयिष्यतः | माषयिष्यन्ति |
| माषयिष्यसि | माषयिष्यथः | माषयिष्यथ |
| माषयिष्यामि | माषयिष्यावः | माषयिष्यामः |
| क्रि० अमाषयिष्यत् | अमाषयिष्यताम् | अमाषयिष्यन् |
| अमाषयिष्यः | अमाषयिष्यतम् | अमाषयिष्यत |
| अमाषयिष्यम् | अमाषयिष्याव | अमाषयिष्याम |

| | | |
|------------------|-------------------|----------------|
| ब० माषयते | माषयते | माषयन्ते |
| माषयसे | माषयेथे | माषयध्वे |
| माषये | माषयावहे | माषयामहे |
| स० माषयेत | माषयेयाताम् | माषयेरन् |
| माषयेथाः | माषयेयाथाम् | माषयेष्वम् |
| माषयेय | माषयेवहि | माषयेमहि |
| प० माषयताम् | माषयेताम् | माषयन्ताम् |
| माषयस्व | माषयेथाम् | माषयध्वम् |
| माषयै | माषयावहै | माषयामहै |
| ह्य० अमाषयत | अमाषयेताम् | अमाषयन्त |
| अमाषयथाः | अमाषयेथाम् | अमाषयध्वम् |
| अमाषये | अमाषयावहि | अमाषयामहि |
| अ० अमीमषत | अमीमषेताम् | अमीमषन्त |
| अमीमषथाः | अमीमषेथाम् | अमीमषध्वम् |
| अमीमषे | अमीमषावहि | अमीमषामहि |
| प० माषयाञ्चक्रे | माषयाञ्चकाते | माषयाञ्चकिरे |
| माषयाञ्चकृषे | माषयाञ्चकाये | माषयाञ्चकृद्वे |
| माषयाञ्चके | माषयाञ्चकृवहे | माषयाञ्चकृमहे |
| माषयाम्बभूव | । | माषयामास |
| आ० माषयिषीष्ट | माषयिषीष्टास्ताम् | माषयिषीरन् |
| माषयिषीष्ठाः | माषयिषीष्टास्थाम् | माषयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| माषयिषीय | माषयिषीवहि | माषयिषीमहि |
| श्र० माषयिता | माषयितारौ | माषयितारः |
| माषयितासे | माषयितासाथे | माषयिताध्वे |
| माषयिताहे | माषयितास्वहे | माषयितास्महे |
| भ० माषयिष्यते | माषयिष्येते | माषयिष्यन्ते |
| माषयिष्यसे | माषयिष्येथे | माषयिष्यध्वे |
| माषयिष्ये | माषयिष्यावहे | माषयिष्यामहे |
| क्रि० अमाषयिष्यत | अमाषयिष्येताम् | अमाषयिष्यन्त |
| अमाषयिष्यथाः | अमाषयिष्येथाम् | अमाषयिष्यध्वम् |
| अमाषयिष्ये | अमाषयिष्यावहि | अमाषयिष्यामहि |

513 मुष (मुष्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | मोषयति | मोषयतः | मोषयन्ति |
| | मोषयसि | मोषयथः | मोषयथ |
| | मोषयामि | मोषयावः | मोषयामः |
| स० | मोषयेत् | मोषयेताम् | मोषयेयुः |
| | मोषयेः | मोषयेतम् | मोषयेत |
| | मोषयेयम् | मोषयेव | मोषयेम |
| प० | मोषयतु | मोषयतात् | मोषयताम् |
| | मोषय | मोषयतात् | मोषयतम् |
| | मोषयाणि | मोषयाव | मोषयाम |
| ह्य० | अमोषयत् | अमोषयताम् | अमोषयन् |
| | अमोषयः | अमोषयतम् | अमोषयत |
| | अमोषयम् | अमोषयाव | अमोषयाम |
| अ० | अमूमुषत् | अमूमुषताम् | अमूमुषन् |
| | अमूमुषः | अमूमुषतम् | अमूमुषत |
| | अमूमुषम् | अमूमुषाव | अमूमुषाम |
| प० | मोषयाञ्चकार | मोषयाञ्चक्रुः | मोषयाञ्चक्रुः |
| | मोषयाञ्चकथं | मोषयाञ्चक्रुः | मोषयाञ्चक्रुः |
| | मोषयाञ्चकार-चकर | मोषयाञ्चक्रुव | मोषयाञ्चक्रुम |
| | मोषयाम्बभूव | मोषयामास | |
| आ० | मोष्यात् | मोष्यास्ताम् | मोष्यासुः |
| | मोष्याः | मोष्यास्तम् | मोष्यास्त |
| | मोष्यासम् | मोष्यास्व | मोष्यास्म |
| श्च० | मोषयिता | मोषयितारौ | मोषयितारः |
| | मोषयितासि | मोषयितास्थः | मोषयितास्थ |
| | मोषयितास्मि | मोषयितास्वः | मोषयितास्मः |
| भ० | मोषयिष्यति | मोषयिष्यतः | मोषयिष्यन्ति |
| | मोषयिष्यसि | मोषयिष्यथः | मोषयिष्यथ |
| | मोषयिष्यामि | मोषयिष्यावः | मोषयिष्यामः |
| क्रि० | अमोषयिष्यत् | अमोषयिष्यताम् | अमोषयिष्यन् |
| | अमोषयिष्यः | अमोषयिष्यतम् | अमोषयिष्यत |
| | अमोषयिष्यम् | अमोषयिष्याव | अमोषयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | मोषयते | मोषयेते | मोषयन्ते |
| | मोषयसे | मोषयेथे | मोषयध्वे |
| | मोषये | मोषयावहे | मोषयामहे |
| स० | मोषयेत् | मोषयेयाताम् | मोषयेरन् |
| | मोषयेथाः | मोषयेथाम् | मोषयेध्वम् |
| | मोषयेय | मोषयेवहि | मोषयेमहि |
| प० | मोषयताम् | मोषयेताम् | मोषयन्ताम् |
| | मोषयस्व | मोषयेथाम् | मोषयध्वम् |
| | मोषयै | मोषयावहे | मोषयामहे |
| ह्य० | अमोषयत | अमोषयेताम् | अमोषयन्त |
| | अमोषयथाः | अमोषयेथाम् | अमोषयध्वम् |
| | अमोषये | अमोषयावहि | अमोषयामहि |
| अ० | अमूमुषत | अमूमुषेताम् | अमूमुषन्त |
| | अमूमुषथाः | अमूमुषेथाम् | अमूमुषध्वम् |
| | अमूमुषे | अमूमुषावहि | अमूमुषामहि |
| प० | मोषयाञ्चक्रे | मोषयाञ्चक्राते | मोषयाञ्चक्रिरे |
| | मोषयाञ्चक्रुषे | मोषयाञ्चक्राथे | मोषयाञ्चक्रुध्वे |
| | मोषयाञ्चक्रे | मोषयाञ्चक्रुवहे | मोषयाञ्चक्रुमहे |
| | मोषयाम्बभूव | मोषयामास | |
| आ० | मोषयिषीष्ट | मोषयिषीयास्ताम् | मोषयिषीरन् |
| | मोषयिषीष्ठाः | मोषयिषीयास्थाम् | मोषयिषीध्वम् |
| | मोषयिषीय | मोषयिषीवहि | मोषयिषीमहि |
| श्च० | मोषयिता | मोषयितारौ | मोषयितारः |
| | मोषयितासे | मोषयितासथे | मोषयिताध्वे |
| | मोषयिताहे | मोषयितास्वहे | मोषयितास्महे |
| भ० | मोषयिष्यते | मोषयिष्येते | मोषयिष्यन्ते |
| | मोषयिष्यसे | मोषयिष्येथे | मोषयिष्यध्वे |
| | मोषयिष्ये | मोषयिष्यावहे | मोषयिष्यामहे |
| क्रि० | अमोषयिष्यत् | अमोषयिष्येताम् | अमोषयिष्यन्त |
| | अमोषयिष्यथाः | अमोषयिष्येथाम् | अमोषयिष्यध्वम् |
| | अमोषयिष्ये | अमोषयिष्यावहि | अमोषयिष्यामहि |

5।4 रूप (रूप) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | रोषयति | रोषयतः | रोषयन्ति |
| | रोषयसि | रोषयथः | रोषयथ |
| | रोषयामि | रोषयावः | रोषयामः |
| स० | रोषयेत् | रोषयेताम् | रोषयेयुः |
| | रोषयेः | रोषयेतम् | रोषयेत |
| | रोषयेयम् | रोषयेव | रोषयेम |
| प० | रोषयतु | रोषयतात् | रोषयताम् |
| | रोषय | रोषयतात् | रोषयतम् |
| | रोषयाणि | रोषयाव | रोषयाम |
| ह्य० | अरोषयत् | अरोषयताम् | अरोषयन् |
| | अरोषयः | अरोषयतम् | अरोषयत |
| | अरोषयम् | अरोषयाव | अरोषयाम |
| अ० | अरूषत् | अरूषताम् | अरूषन् |
| | अरूषः | अरूषतम् | अरूषत |
| | अरूषम् | अरूषाव | अरूषाम |
| प० | रोषयाञ्चकार | रोषयाञ्चकतुः | रोषयाञ्चक्रुः |
| | रोषयाञ्चकथ | रोषयाञ्चकथुः | रोषयाञ्चक्र |
| | रोषयाञ्चकार-चक्र | रोषयाञ्चकृव | रोषयाञ्चकृम |
| | रोषयाम्बभूव | । | रोषयामास |
| आ० | रोष्यात् | रोष्यास्ताम् | रोष्यासुः |
| | रोष्याः | रोष्यास्तम् | रोष्यास्त |
| | रोष्यासम् | रोष्यास्व | रोष्यास्म |
| श्र० | रोषयिता | रोषयितारौ | रोषयितारः |
| | रोषयितासि | रोषयितास्थः | रोषयितास्थ |
| | रोषयितास्मि | रोषयितास्वः | रोषयितास्मः |
| भ० | रोषयिष्यति | रोषयिष्यतः | रोषयिष्यन्ति |
| | रोषयिष्यसि | रोषयिष्यथः | रोषयिष्यथ |
| | रोषयिष्यामि | रोषयिष्यावः | रोषयिष्यामः |
| क्रि० | अरोषयिष्यत् | अरोषयिष्यताम् | अरोषयिष्यन् |
| | अरोषयिष्यः | अरोषयिष्यतम् | अरोषयिष्यत |
| | अरोषयिष्यम् | अरोषयिष्याव | अरोषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | रोषयते | रोषयेते | रोषयन्ते |
| | रोषयसे | रोषयेथे | रोषयध्वे |
| | रोषये | रोषयावहे | रोषयामहे |
| स० | रोषयेत | रोषयेयाताम् | रोषयेरन् |
| | रोषयेथाः | रोषयेयाथाम् | रोषयेध्वम् |
| | रोषयेय | रोषयेवहि | रोषयेमहि |
| प० | रोषयताम् | रोषयेताम् | रोषयन्ताम् |
| | रोषयस्व | रोषयेथाम् | रोषयध्वम् |
| | रोषयै | रोषयावहै | रोषयामहै |
| ह्य० | अरोषयत | अरोषयेताम् | अरोषयन्त |
| | अरोषयथाः | अरोषयेथाम् | अरोषयध्वम् |
| | अरोषये | अरोषयावहि | अरोषयामहि |
| अ० | अरूषत | अरूषेताम् | अरूषन्त |
| | अरूषथाः | अरूषेथाम् | अरूषध्वम् |
| | अरूषे | अरूषावहि | अरूषामहि |
| प० | रोषयाञ्चके | रोषयाञ्चकाते | रोषयाञ्चकिरे |
| | रोषयाञ्चकृषे | रोषयाञ्चकृषे | रोषयाञ्चकृड्वे |
| | रोषयाञ्चके | रोषयाञ्चकृवहे | रोषयाञ्चकृमहे |
| | रोषयाम्बभूव | । | रोषयामास |
| आ० | रोषयिषीष्ट | रोषयिषीयास्ताम् | रोषयिषीरन् |
| | रोषयिषीष्टाः | रोषयिषीयास्थाम् | रोषयिषीध्वम् |
| | रोषयिषीय | रोषयिषीवहि | रोषयिषीमहि |
| भ० | रोषयिता | रोषयितारौ | रोषयितारः |
| | रोषयितासे | रोषयितासाथे | रोषयिताध्वे |
| | रोषयिताहे | रोषयितास्वहे | रोषयितास्महे |
| भ० | रोषयिष्यते | रोषयिष्येते | रोषयिष्यन्ते |
| | रोषयिष्यसे | रोषयिष्येथे | रोषयिष्यध्वे |
| | रोषयिष्ये | रोषयिष्यावहे | रोषयिष्यामहे |
| क्रि० | अरोषयिष्यत | अरोषयिष्येताम् | अरोषयिष्यन्त |
| | अरोषयिष्यथाः | अरोषयिष्येथाम् | अरोषयिष्यध्वम् |
| | अरोषयिष्ये | अरोषयिष्यावहि | अरोषयिष्यामहि |

515 रिष (रिष्) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| ब० | रेषयति | रेषयतः | रेषयन्ति |
| | रेषयसि | रेषयथः | रेषयथ |
| | रेषयामि | रेषयावः | रेषयामः |
| स० | रेषयेत् | रेषयेताम् | रेषयेयुः |
| | रेषयेः | रेषयेतम् | रेषयेत |
| | रेषयेयम् | रेषयेव | रेषयेम |
| प० | रेषयतु | रेषयतात् | रेषयताम् |
| | रेषय | रेषयतात् | रेषयतम् |
| | रेषयाणि | रेषयाव | रेषयाम |
| ह्य० | अरेषयत् | अरेषयताम् | अरेषयन् |
| | अरेषयः | अरेषयतम् | अरेषयत |
| | अरेषयम् | अरेषयाव | अरेषयाम |
| अ० | अरीरिषत् | अरीरिषताम् | अरीरिषन् |
| | अरीरिषः | अरीरिषतम् | अरीरिषत |
| | अरीरिषम् | अरीरिषाव | अरीरिषाम |
| प० | रेषयाञ्चक्र | रेषयाञ्चक्रतुः | रेषयाञ्चक्रुः |
| | रेषयाञ्चकथ | रेषयाञ्चकथुः | रेषयाञ्चक |
| | रेषयाञ्चकार-चकर | रेषयाञ्चकृव | रेषयाञ्चकृम |
| | रेषयाम्बभूव | । | रेषयामास |
| भा० | रेष्यात् | रेष्यास्ताम् | रेष्यासुः |
| | रेष्याः | रेष्यास्तम् | रेष्यास्त |
| | रेष्यासम् | रेष्यास्व | रेष्यास्म |
| श्व० | रेषयिता | रेषयितारौ | रेषयितारः |
| | रेषयितासि | रेषयितास्थः | रेषयितास्थ |
| | रेषयितास्मि | रेषयितास्वः | रेषयितास्मः |
| भ० | रेषयिष्यति | रेषयिष्यतः | रेषयिष्यन्ति |
| | रेषयिष्यसि | रेषयिष्यथः | रेषयिष्यथ |
| | रेषयिष्यामि | रेषयिष्यावः | रेषयिष्यामः |
| क्रि० | अरेषयिष्यत् | अरेषयिष्यताम् | अरेषयिष्यन् |
| | अरेषयिष्यः | अरेषयिष्यतम् | अरेषयिष्यत |
| | अरेषयिष्यम् | अरेषयिष्याव | अरेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | रेषयते | रेषयते | रेषयन्ते |
| | रेषयसे | रेषयेथे | रेषयध्वे |
| | रेषये | रेषयावहे | रेषयामहे |
| स० | रेषयेत | रेषयेयाताम् | रेषयेरन् |
| | रेषयेयाः | रेषयेयाथाम् | रेषयेष्वम् |
| | रेषयेय | रेषयेवहि | रेषयेमहि |
| प० | रेषयताम् | रेषयेताम् | रेषयन्ताम् |
| | रेषयस्व | रेषयेथाम् | रेषयध्वम् |
| | रेषयै | रेषयावहै | रेषयामहै |
| ह्य० | अरेषयत | अरेषयेताम् | अरेषयन्त |
| | अरेषयथाः | अरेषयेथाम् | अरेषयध्वम् |
| | अरेषये | अरेषयावहि | अरेषयामहि |
| अ० | अरीरिषत | अरीरिषेताम् | अरीरिषन्त |
| | अरीरिषथाः | अरीरिषेथाम् | अरीरिषध्वम् |
| | अरीरिषे | अरीरिषावहि | अरीरिषामहि |
| प० | रेषयाञ्चक्रे | रेषयाञ्चक्राते | रेषयाञ्चक्रिरे |
| | रेषयाञ्चकृषे | रेषयाञ्चक्राथे | रेषयाञ्चकृड्वे |
| | रेषयाञ्चके | रेषयाञ्चकृवहे | रेषयाञ्चकृमहे |
| | रेषयाम्बभूव | । | रेषयामास |
| भा० | रेषयिषीष्ट | रेषयिषीयास्ताम् | रेषयिषीरन् |
| | रेषयिषीष्ठाः | रेषयिषीयास्थाम् | रेषयिषीड्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | रेषयिषीय | रेषयिषीवहि | रेषयिषीमहि |
| श्व० | रेषयिता | रेषयितारौ | रेषयितारः |
| | रेषयितासे | रेषयितासाथे | रेषयिताध्वे |
| | रेषयिताहे | रेषयितास्वहे | रेषयितास्महे |
| भ० | रेषयिष्यते | रेषयिष्येते | रेषयिष्यन्ते |
| | रेषयिष्यसे | रेषयिष्येथे | रेषयिष्यध्वे |
| | रेषयिष्ये | रेषयिष्यावहे | रेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अरेषयिष्यत् | अरेषयिष्येताम् | अरेषयिष्यन्त |
| | अरेषयिष्यथाः | अरेषयिष्येथाम् | अरेषयिष्यध्वम् |
| | अरेषयिष्ये | अरेषयिष्यावहि | अरेषयिष्यामहि |

516 यूष (यूष्) हिंसायाम्

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० यूषयति | यूषयतः | यूषयन्ति |
| यूषयसि | यूषयथः | यूषयथ |
| यूषयामि | यूषयावः | यूषयामः |
| स० यूषयेत् | यूषयेताम् | यूषयेयुः |
| यूषयेः | यूषयेतम् | यूषयेत |
| यूषयेयम् | यूषयेव | यूषयेम |
| प० यूषयतु | यूषयतात् | यूषयताम् |
| यूषय | यूषयतात् | यूषयतम् |
| यूषयाणि | यूषयाव | यूषयाम |
| ह्य० अयूषयत् | अयूषयताम् | अयूषयन् |
| अयूषयः | अयूषयतम् | अयूषयत |
| अयूषयम् | अयूषयाव | अयूषयाम |
| अ० अयूषयत् | अयूषयताम् | अयूषयन् |
| अयूषयः | अयूषयतम् | अयूषयत |
| अयूषयम् | अयूषयाव | अयूषयाम |
| प० यूषयाञ्चकार | यूषयाञ्चक्रुः | यूषयाञ्चक्रुः |
| यूषयाञ्चकथ | यूषयाञ्चक्रुः | यूषयाञ्चक्रुः |
| यूषयाञ्चकार-चक्र | यूषयाञ्चक्रुव | यूषयाञ्चक्रुम |
| यूषयाम्भूव | यूषयामास | |
| आ० यूष्यात् | यूष्यास्ताम् | यूष्यासुः |
| यूष्याः | यूष्यास्तम् | यूष्यास्त |
| यूष्यासम् | यूष्यास्व | यूष्यास्म |
| श० यूषयिता | यूषयितारौ | यूषयितारः |
| यूषयितासि | यूषयितास्थः | यूषयितास्थ |
| यूषयितासिम् | यूषयितास्वः | यूषयितास्मः |
| भ० यूषयिष्यति | यूषयिष्यतः | यूषयिष्यन्ति |
| यूषयिष्यसि | यूषयिष्यथः | यूषयिष्यथ |
| यूषयिष्यामि | यूषयिष्यावः | यूषयिष्यामः |
| क्रि० अयूषयिष्यत् | अयूषयिष्यताम् | अयूषयिष्यन् |
| अयूषयिष्यः | अयूषयिष्यतम् | अयूषयिष्यत |
| अयूषयिष्यम् | अयूषयिष्याव | अयूषयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|------------------|
| व० यूषयते | यूषयते | यूषयन्ते |
| यूषयसे | यूषयथे | यूषयस्वे |
| यूषये | यूषयावहे | यूषयामहे |
| स० यूषयेत | यूषयेयाताम् | यूषयेरन् |
| यूषयेथाः | यूषयेयाथाम् | यूषयेध्वम् |
| यूषयेथ | यूषयेवहि | यूषयेमहि |
| प० यूषयताम् | यूषयेताम् | यूषयन्ताम् |
| यूषयस्व | यूषयेथाम् | यूषयध्वम् |
| यूषय | यूषयावहे | यूषयामहे |
| ह्य० अयूषयत् | अयूषयेताम् | अयूषयन्त |
| अयूषयथाः | अयूषयेथाम् | अयूषयध्वम् |
| अयूषये | अयूषयावहि | अयूषयामहि |
| अ० अयूषयत् | अयूषयेताम् | अयूषयन्त |
| अयूषयथाः | अयूषयेथाम् | अयूषयध्वम् |
| अयूषये | अयूषयावहि | अयूषयामहि |
| प० यूषयाञ्चक्रे | यूषयाञ्चक्रते | यूषयाञ्चक्रिरे |
| यूषयाञ्चक्रे | यूषयाञ्चक्रथे | यूषयाञ्चक्रुर्वि |
| यूषयाञ्चक्रे | यूषयाञ्चक्रवहे | यूषयाञ्चक्रुमहे |
| यूषयाम्भूव | यूषयामास | |
| आ० यूषयिषीष्ट | यूषयिषीष्टाताम् | यूषयिषीरन् |
| यूषयिषीष्टाः | यूषयिषीष्टाथाम् | यूषयिषीध्वम् |
| यूषयिषीय | यूषयिषीवहि | यूषयिषीमहि |
| भ० यूषयिता | यूषयितारौ | यूषयितारः |
| यूषयितासे | यूषयितासाथे | यूषयिताध्वे |
| यूषयिताहे | यूषयितास्वहे | यूषयितास्महे |
| भ० यूषयिष्यते | यूषयिष्येते | यूषयिष्यन्ते |
| यूषयिष्यसे | यूषयिष्यथे | यूषयिष्यस्वे |
| यूषयिष्ये | यूषयिष्यवहे | यूषयिष्यामहे |
| क्रि० अयूषयिष्यत् | अयूषयिष्यताम् | अयूषयिष्यन्त |
| अयूषयिष्यथाः | अयूषयिष्यथाम् | अयूषयिष्यध्वम् |
| अयूषयिष्ये | अयूषयिष्यवहि | अयूषयिष्यामहि |



अ० अजुषत

अजुषताम्

अजुषन्

अजुषः

अजुषतम्

अजुषत

अजुषम्

अजुषाव

अजुषाम

(५००)

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

॥

अ० अजुषत

अजुषेताम्

अजुषन्त

अजुषथाः

अजुषेथाम्

अजुषध्वम्

अजुषे

अजुषावहि

अजुषामहि

517 जूष (जूष) हिंसायाम्

| | | |
|------------|-----------|----------|
| ब० जूषयति | जूषयतः | जूषयन्ति |
| जूषयसि | जूषयथः | जूषयथ |
| जूषयामि | जूषयावः | जूषयामः |
| स० जूषयेत् | जूषयेताम् | जूषयेयुः |
| जूषयेः | जूषयेतम् | जूषयेत |
| जूषयेयम् | जूषयेव | जूषयेम |
| प० जूषयतु | जूषयतात् | जूषयताम् |
| जूषय | जूषयतात् | जूषयतम् |
| जूषयाणि | जूषयाव | जूषयाम |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| ब० अजूषयत् | अजूषयताम् | अजूषयन्त |
| अजूषयः | अजूषयतम् | अजूषयत |
| अजूषयम् | अजूषयाव | अजूषयाम |



अ० अजुषत

अजुषताम्

अजुषन्त

अजुषः

अजुषतम्

अजुषत

अजुषम्

अजुषाव

अजुषाम

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| प० जूषयाञ्चक्रे | जूषयाञ्चक्रतुः | जूषयाञ्चक्रुः |
| जूषयाञ्चकथ | जूषयाञ्चकथुः | जूषयाञ्चक |
| जूषयाञ्चकार-चकर | जूषयाञ्चकृव | जूषयाञ्चकृम |

जूषयाम्भूव । जूषयामास

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० जूष्यात् | जूष्यास्ताम् | जूष्यासुः |
| जूष्याः | जूष्यास्तम् | जूष्यास्त |
| जूष्यासम् | जूष्यास्व | जूष्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| श्र० जूषयिता | जूषयितारौ | जूषयितारः |
| जूषयितासि | जूषयितास्थः | जूषयितास्थ |
| जूषयितास्मि | जूषयितास्वः | जूषयितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| अ० जूषयिष्यति | जूषयिष्यतः | जूषयिष्यन्ति |
| जूषयिष्यसि | जूषयिष्यथः | जूषयिष्यथ |
| जूषयिष्यामि | जूषयिष्यावः | जूषयिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| क्रि० अजूषयिष्यत् | अजूषयिष्यताम् | अजूषयिष्यन्त |
| अजूषयिष्यः | अजूषयिष्यतम् | अजूषयिष्यत |
| अजूषयिष्यम् | अजूषयिष्याव | अजूषयिष्याम |

| | | |
|-----------|----------|----------|
| ब० जूषयते | जूषयते | जूषयन्ते |
| जूषयसे | जूषयेथे | जूषयध्वे |
| जूषये | जूषयावहे | जूषयामहे |

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| स० जूषयेत | जूषयेयाताम् | जूषयेरन् |
| जूषयेथाः | जूषयेयाथाम् | जूषयेध्वम् |
| जूषयेय | जूषयेवहि | जूषयेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० जूषयताम् | जूषयेताम् | जूषयन्ताम् |
| जूषयस्व | जूषयेथाम् | जूषयध्वम् |
| जूषये | जूषयावहे | जूषयामहे |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| ह्य० अजूषयत | अजूषयेताम् | अजूषयन्त |
| अजूषयथाः | अजूषयेथाम् | अजूषयध्वम् |
| अजूषये | अजूषयावहि | अजूषयामहि |

| | | |
|----------|-----------|-----------|
| अ० अजुषत | अजुषेताम् | अजुषन्त |
| अजुषथाः | अजुषेथाम् | अजुषध्वम् |
| अजुषे | अजुषावहि | अजुषामहि |

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| प० जूषयाञ्चक्रे | जूषयाञ्चक्रते | जूषयाञ्चकिरे |
| जूषयाञ्चकृषे | जूषयाञ्चकाथे | जूषयाञ्चकृढ्वे |
| जूषयाञ्चके | जूषयाञ्चकृवहे | जूषयाञ्चकृमहे |
| जूषयाम्भूव | जूषयामास | |

| | | |
|---------------|-----------------|--------------|
| आ० जूषयिषीष्ट | जूषयिषीयास्ताम् | जूषयिषीरन् |
| जूषयिषीष्ठाः | जूषयिषीयाथाम् | जूषयिषीध्वम् |
| जूषयिषीय | जूषयिषीवहि | जूषयिषीमहि |

| | | |
|--------------|--------------|-------------|
| श्र० जूषयिता | जूषयितारौ | जूषयितारः |
| जूषयितासे | जूषयितासाथे | जूषयिताध्वे |
| जूषयिताहे | जूषयितास्वहे | जूषयितामहे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| अ० जूषयिष्यते | जूषयिष्येते | जूषयिष्यन्ते |
| जूषयिष्यसे | जूषयिष्येथे | जूषयिष्यध्वे |
| जूषयिष्ये | जूषयिष्यावहे | जूषयिष्यामहे |

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| क्रि० अजूषयिष्यत् | अजूषयिष्येताम् | अजूषयिष्यन्त |
| अजूषयिष्यथाः | अजूषयिष्येथाम् | अजूषयिष्यध्वम् |
| अजूषयिष्ये | अजूषयिष्यावहि | अजूषयिष्यामहि |

518 शष् (शष्) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ४० | शाषयति | शाषयतः | शाषयन्ति |
| | शाषयसि | शाषयथः | शाषयथ |
| | शाषयामि | शाषयावः | शाषयामः |
| स० | शाषयेत् | शाषयेताम् | शाषयेयुः |
| | शाषयेः | शाषयेतम् | शाषयेत |
| | शाषयेयम् | शाषयेव | शाषयेम |
| प० | शाषयतु | शाषयतात् | शाषयताम् |
| | शाषय | शाषयतः | शाषयतम् |
| | शाषयाणि | शाषयाव | शाषयाम |
| ह्य० | अशाषयत् | अशाषयताम् | अशाषयन् |
| | अशाषयः | अशाषयतम् | अशाषयत |
| | अशाषयम् | अशाषयाव | अशाषयाम |
| अ० | अशीशषत् | अशीशषताम् | अशीशषन् |
| | अशीशषः | अशीशषतम् | अशीशषत |
| | अशीशषम् | अशीशषाव | अशीशषाम |
| प० | शाषयाञ्चकार | शाषयाञ्चकतुः | शाषयाञ्चकुः |
| | शाषयाञ्चकर्थ | शाषयाञ्चकथुः | शाषयाञ्चक |
| | शाषयाञ्चकार-चकर | शाषयाञ्चकृव | शाषयाञ्चकृम |
| | शाषयाञ्चभूव | । | शाषयामास |
| आ० | शाष्यात् | शाष्यास्ताम् | शाष्यासुः |
| | शाष्याः | शाष्यास्तम् | शाष्यास्त |
| | शाष्यासम् | शाष्यास्व | शाष्यास्म |
| त्व० | शाषयिता | शाषयितारौ | शाषयितारः |
| | शाषयितासि | शाषयितास्थः | शाषयितास्थ |
| | शाषयितास्मि | शाषयितास्वः | शाषयितास्मः |
| म० | शाषयिष्यति | शाषयिष्यतः | शाषयिष्यन्ति |
| | शाषयिष्यसि | शाषयिष्यथः | शाषयिष्यथ |
| | शाषयिष्यामि | शाषयिष्यावः | शाषयिष्यामः |
| क्रि० | अशाषयिष्यत् | अशाषयिष्यताम् | अशाषयिष्यन् |
| | अशाषयिष्यः | अशाषयिष्यतम् | अशाषयिष्यत |
| | अशाषयिष्यम् | अशाषयिष्याव | अशाषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शाषयते | शाषयेते | शाषयन्ते |
| | शाषयसे | शाषयेथे | शाषयध्वे |
| | शाषये | शाषयावहे | शाषयामहे |
| स० | शाषयेत | शाषयेयाताम् | शाषयेरन् |
| | शाषयेथाः | शाषयेयाथाम् | शाषयेध्वम् |
| | शाषयेय | शाषयेवहि | शाषयेमहि |
| प० | शाषयताम् | शाषयेताम् | शाषयन्ताम् |
| | शाषयस्व | शाषयेथाम् | शाषयध्वम् |
| | शाषयै | शाषयावहे | शाषयामहे |
| ह्य० | अशाषयत | अशाषयेताम् | अशाषयन्त |
| | अशाषयथाः | अशाषयेथाम् | अशाषयध्वम् |
| | अशाषये | अशाषयावहि | अशाषयामहि |
| अ० | अशीशषत | अशीशषेताम् | अशीशषत |
| | अशीशषथाः | अशीशषेथाम् | अशीशषध्वम् |
| | अशीशषे | अशीशषावहि | अशीशषामहि |
| प० | शाषयाञ्चक्रे | शाषयाञ्चकते | शाषयाञ्चकिरे |
| | शाषयाञ्चकृषे | शाषयाञ्चक्राये | शाषयाञ्चकृद्वे |
| | शाषयाञ्चके | शाषयाञ्चकृवहे | शाषयाञ्चकृमहे |
| | शाषयाम्बभूव | । | शाषयामास |
| आ० | शाषयिषीष्ट | शाषयिषीयास्ताम् | शाषयिषीरन् |
| | शाषयिषीष्ठाः | शाषयिषीयास्थाम् | शाषयिषीह्वम् |
| | शाषयिषीय | शाषयिषीवहि | शाषयिषीमहि |
| श्व० | शाषयिता | शाषयितारौ | शाषयितारः |
| | शाषयितासे | शाषयितासाथे | शाषयिताध्वे |
| | शाषयिताहे | शाषयितास्वहे | शाषयितास्महे |
| भ० | शाषयिष्यते | शाषयिष्येते | शाषयिष्यन्ते |
| | शाषयिष्यसे | शाषयिष्येथे | शाषयिष्यध्वे |
| | शाषयिष्ये | शाषयिष्यावहे | शाषयिष्यामहे |
| क्रि० | अशाषयिष्यत | अशाषयिष्येताम् | अशाषयिष्यन्त |
| | अशाषयिष्यथाः | अशाषयिष्येथाम् | अशाषयिष्यध्वः |
| | अशाषयिष्ये | अशाषयिष्यावहि | अशाषयिष्यामहि |

519 चष (चष्) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | चाषयति | चाषयतः | चाषयन्ति |
| | चाषयसि | चाषयथः | चाषयथ |
| | चाषयामि | चाषयावः | चाषयामः |
| स० | चाषयेत् | चाषयेताम् | चाषयेयुः |
| | चाषयेः | चाषयेतम् | चाषयेत |
| | चाषयेयम् | चाषयेव | चाषयेम |
| प० | चाषयतु | चाषयतात् | चाषयताम् |
| | चाषय | चाषयतात् | चाषयतम् |
| | चाषयाणि | चाषयाव | चाषयाम |
| ह्य० | अचाषयत् | अचाषयताम् | अचाषयन् |
| | अचाषयः | अचाषयतम् | अचाषयत |
| | अचाषयम् | अचाषयाव | अचाषयाम |
| अ० | अचीचषत् | अचीचषताम् | अचीचषन् |
| | अचीचषः | अचीचषतम् | अचीचषत |
| | अचीचषम् | अचीचषाव | अचीचषाम |
| प० | चाषयाञ्चकार | चाषयाञ्चकतुः | चाषयाञ्चकुः |
| | चाषयाञ्चकर्थे | चाषयाञ्चकथुः | चाषयाञ्चक |
| | चाषयाञ्चकार-चकर | चाषयाञ्चकृव | चाषयाञ्चकृमः |
| | चाषयाम्बभूव | । | चाषयामास |
| भा० | चाष्यात् | चाष्यास्ताम् | चाष्यासुः |
| | चाष्याः | चाष्यास्तम् | चाष्यास्त |
| | चाष्यासम् | चाष्यास्व | चाष्यास्म |
| च० | चाषयिता | चाषयितारौ | चाषयितारः |
| | चाषयितासि | चाषयितास्थः | चाषयितास्थ |
| | चाषयितास्मि | चाषयितास्वः | चाषयितास्मः |
| म० | चाषयिष्यति | चाषयिष्यतः | चाषयिष्यन्ति |
| | चाषयिष्यसि | चाषयिष्यथः | चाषयिष्यथ |
| | चाषयिष्यामि | चाषयिष्यावः | चाषयिष्यामः |
| क्रि० | अचाषयिष्यत् | अचाषयिष्यताम् | अचाषयिष्यन् |
| | अचाषयिष्यः | अचाषयिष्यतम् | अचाषयिष्यत |
| | अचाषयिष्यम् | अचाषयिष्याव | अचाषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | चाषयते | चाषयते | चाषयन्ते |
| | चाषयसे | चाषयथे | चाषयध्वे |
| | चाषये | चाषयावहे | चाषयामहे |
| स० | चाषयेत | चाषयेशताम् | चाषयेरन् |
| | चाषयेथाः | चाषयेयाथाम् | चाषयेध्वम् |
| | चाषयेय | चाषयेवहि | चाषयेमहि |
| प० | चाषयताम् | चाषयेताम् | चाषयन्ताम् |
| | चाषयस्व | चाषयेथाम् | चाषयध्वम् |
| | चाषयै | चाषयावहै | चाषयामहै |
| ह्य० | अचाषयत | अचाषयेताम् | अचाषयन्त |
| | अचाषयथाः | अचाषयेथाम् | अचाषयध्वम् |
| | अचाषये | अचाषयावहि | अचाषयामहि |
| अ० | अचीचषत | अचीचषेताम् | अचीचषन्त |
| | अचीचषथाः | अचीचषेथाम् | अचीचषध्वम् |
| | अचीचषे | अचीचषावहि | अचीचषामहि |
| प० | चाषयाञ्चके | चाषयाञ्चकृते | चाषयाञ्चकिरे |
| | चाषयाञ्चकृषे | चाषयाञ्चकृथा | चाषयाञ्चकृत्वे |
| | चाषयाञ्चके | चाषयाञ्चकृवहे | चाषयाञ्चकृमहे |
| | चाषयाम्बभूव | । | चाषयामास |
| भा० | चाषयिषीष्ट | चाषयिषीयास्ताम् | चाषयिषीरन् |
| | चाषयिषीष्ठाः | चाषयिषीयास्थाम् | चाषयिषीध्वम् |
| | चाषयिषीय | चाषयिषीवहि | चाषयिषीमहि |
| च० | चाषयिता | चाषयितारौ | चाषयितारः |
| | चाषयितासे | चाषयितासाथे | चाषयिताध्वे |
| | चाषयिताहे | चाषयितास्वहे | चाषयितास्महे |
| म० | चाषयिष्यते | चाषयिष्येते | चाषयिष्यन्ते |
| | चाषयिष्यसे | चाषयिष्येथे | चाषयिष्यध्वे |
| | चाषयिष्ये | चाषयिष्यावहे | चाषयिष्यामहे |
| क्रि० | अचाषयिष्यत | अचाषयिष्येताम् | अचाषयिष्यन्त |
| | अचाषयिष्यथाः | अचाषयिष्येथाम् | अचाषयिष्यध्वम् |
| | अचाषयिष्ये | अचाषयिष्यावह | अचाषयिष्यामह |

520 वृष (वृष्) संघाते च

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० वर्षयति | वर्षयतः | वर्षयन्ति |
| वर्षयसि | वर्षयथः | वर्षयथ |
| वर्षयामि | वर्षयावः | वर्षयामः |
| स० वर्षयेत् | वर्षयेताम् | वर्षयेयुः |
| वर्षयेः | वर्षयेतम् | वर्षयेत |
| वर्षयेयम् | वर्षयेव | वर्षयेम |
| प० वर्षयतु | वर्षयतात् | वर्षयताम् |
| वर्षय | वर्षयतात् | वर्षयतम् |
| वर्षयाणि | वर्षयाव | वर्षयाम |
| ह्य० अवर्षयत् | अवर्षयताम् | अवर्षयन् |
| अवर्षयः | अवर्षयतम् | अवर्षयत |
| अवर्षयम् | अवर्षयाव | अवर्षयाम |
| अ० अवीवृषत् | अवीवृषताम् | अवीवृषन् |
| अवीवृषः | अवीवृषतम् | अवीवृषत |
| अवीवृषम् | अवीवृषाव | अवीवृषाम |
| अववर्षत् | अववर्षताम् | अववर्षन् ३० |
| प० वर्षयाश्चकार | वर्षयाश्चक्रुः | वर्षयाश्चक्रुः |
| वर्षयाश्चकथे | वर्षयाश्चक्रुः | वर्षयाश्चक्रुः |
| वर्षयाश्चकार-चक्र | वर्षयाश्चक्रुव | वर्षयाश्चक्रुम |
| वर्षयाम्बभूव | वर्षयामास | |
| आ० वष्यात् | वष्यास्ताम् | वष्यासुः |
| वष्याः | वष्यास्तम् | वष्यास्त |
| वष्यासम् | वष्यास्व | वष्यास्मि |
| श्व० वर्षयिता | वर्षयितारो | वर्षयितारः |
| वर्षयितासि | वर्षयितास्थः | वर्षयितास्थ |
| वर्षयितास्मि | वर्षयितास्वः | वर्षयितास्मः |
| म० वर्षयिष्यति | वर्षयिष्यतः | वर्षयिष्यन्ति |
| वर्षयिष्यसि | वर्षयिष्यथः | वर्षयिष्यथ |
| वर्षयिष्यामि | वर्षयिष्यावः | वर्षयिष्यामः |
| क्रि० अवर्षयिष्यत् | अवर्षयिष्यताम् | अवर्षयिष्यन् |
| अवर्षयिष्यः | अवर्षयिष्यतम् | अवर्षयिष्यत |
| अवर्षयिष्यम् | अवर्षयिष्याव | अवर्षयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० वर्षयते | वर्षयेते | वर्षयन्ते |
| वर्षयते | वर्षयेथे | वर्षयन्ते |
| वर्षये | वर्षयावहे | वर्षयामहे |
| स० वर्षयेत | वर्षयेयाताम् | वर्षयेरन् |
| वर्षयेथाः | वर्षयेयाथाम् | वर्षयेचम् |
| वर्षयेय | वर्षयेवहि | वर्षयेमहि |
| प० वर्षयताम् | वर्षयेताम् | वर्षयन्ताम् |
| वर्षयस्व | वर्षयेथाम् | वर्षयचम् |
| वर्षये | वर्षयावहे | वर्षयामहे |
| ह्य० अवर्षयत | अवर्षयेताम् | अवर्षयन्त |
| अवर्षयथाः | अवर्षयेथाम् | अवर्षयचम् |
| अवर्षये | अवर्षयावहि | अवर्षयामहि |
| अ० अवीवृषत | अवीवृषेताम् | अवीवृषन्त |
| अवीवृषथाः | अवीवृषेथाम् | अवीवृषचम् |
| अवीवृषे | अवीवृषावहि | अवीवृषामहि |
| अववर्षत | अववर्षेताम् | अववर्षन्त ३० |
| प० वर्षयाश्चक्रे | वर्षयाश्चक्रते | वर्षयाश्चक्रिरे |
| वर्षयाश्चक्रेषे | वर्षयाश्चक्रथे | वर्षयाश्चक्रुवे |
| वर्षयाश्चक्रे | वर्षयाश्चक्रुवहे | वर्षयाश्चक्रुमहे |
| वर्षयाम्बभूव | वर्षयामास | |
| आ० वर्षयिषीष्ट | वर्षयिषीयास्ताम् | वर्षयिषीरन् |
| वर्षयिषीष्ठाः | वर्षयिषीयास्थाम् | वर्षयिषीढवम् |
| वर्षयिषीय | वर्षयिषीवहि | वर्षयिषीमहि |
| श्व० वर्षयिता | वर्षयितारो | वर्षयितारः |
| वर्षयितासे | वर्षयितासाथे | वर्षयिताध्वे |
| वर्षयिताहे | वर्षयितास्वहे | वर्षयितास्महे |
| म० वर्षयिष्यते | वर्षयिष्येते | वर्षयिष्यन्ते |
| वर्षयिष्यसे | वर्षयिष्येथे | वर्षयिष्यन्ते |
| वर्षयिष्ये | वर्षयिष्यावहे | वर्षयिष्यामहे |
| क्रि० अवर्षयिष्यत | अवर्षयिष्येताम् | अवर्षयिष्यन्त |
| अवर्षयिष्यथाः | अवर्षयिष्येथाम् | अवर्षयिष्यचम् |
| अवर्षयिष्ये | अवर्षयिष्यावहि | अवर्षयिष्यामहि |

521 भाष (भाष्) भर्त्सने

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० भाषयति | भाषयतः | भाषयन्ति |
| भाषयसि | भाषयथः | भाषयथ |
| भाषयामि | भाषयावः | भाषयामः |
| स० भाषयेत् | भाषयेताम् | भाषयेयुः |
| भाषयेः | भाषयेतम् | भाषयेत |
| भाषयेयम् | भाषयेव | भाषयेम |
| प० भाषयतु | भाषयतात् | भाषयताम् |
| भाषय | भाषयतात् | भाषयतम् |
| भाषयाणि | भाषयाव | भाषयाम |
| ह्य० अभाषयत् | अभाषयताम् | अभाषयन् |
| अभाषयः | अभाषयतम् | अभाषयत |
| अभाषयम् | अभाषयाव | अभाषयाम |
| अ० अवीमषत् | अवीमषताम् | अवीमषन् |
| अवीमषः | अवीमषतम् | अवीमषत |
| अवीमषम् | अवीमषाव | अवीमषाम |
| प० भाषयाञ्चकार | भाषयाञ्चकतुः | भाषयाञ्चकुः |
| भाषयाञ्चकथे | भाषयाञ्चकथुः | भाषयाञ्चक |
| भाषयाञ्चकार-चकर | भाषयाञ्चकृव | भाषयाञ्चकृम |
| भाषयाञ्चभूव | भाषयामाव | |
| आ० भाष्यात् | भाष्यास्ताम् | भाष्यासुः |
| भाष्याः | भाष्यास्तम् | भाष्यास्त |
| भाष्यासम् | भाष्यास्व | भाष्यासम |
| ख० भाषयिता | भाषयितारौ | भाषयितारः |
| भाषयितासि | भाषयितास्थः | भाषयितास्थ |
| भाषयितास्मि | भाषयितास्वः | भाषयितास्मः |
| म० भाषयिष्यति | भाषयिष्यतः | भाषयिष्यन्ति |
| भाषयिष्यसि | भाषयिष्यथः | भाषयिष्यथ |
| भाषयिष्यामि | भाषयिष्यावः | भाषयिष्यामः |
| क्रि० अभाषयिष्यत् | अभाषयिष्यताम् | अभाषयिष्यन् |
| अभाषयिष्यः | अभाषयिष्यतम् | अभाषयिष्यत |
| अभाषयिष्यम् | अभाषयिष्याव | अभाषयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० भाषयते | भाषयेते | भाषयन्ते |
| भाषयसे | भाषयेथे | भाषयध्वे |
| भाषये | भाषयावहे | भाषयामहे |
| स० भाषयेत | भाषयेयाताम् | भाषयेरन् |
| भाषयेथाः | भाषयेयाथाम् | भाषयेध्वम् |
| भाषयेय | भाषयेवहि | भाषयेमहि |
| प० भाषयताम् | भाषयेताम् | भाषयन्ताम् |
| भाषयस्व | भाषयेथाम् | भाषयध्वम् |
| भाषयै | भाषयावहै | भाषयामहै |
| ह्य० अभाषयत | अभाषयेताम् | अभाषयन्त |
| अभाषयथाः | अभाषयेथाम् | अभाषयध्वम् |
| अभाषये | अभाषयावहि | अभाषयामहि |
| अ० अवीमषत | अवीमषेताम् | अवीमषन्त |
| अवीमषथाः | अवीमषेथाम् | अवीमषध्वम् |
| अवीमषे | अवीमषावहि | अवीमषामहि |
| प० भाषयाञ्चके | भाषयाञ्चकते | भाषयाञ्चकिरे |
| भाषयाञ्चकृषे | भाषयाञ्चकृथे | भाषयाञ्चकृवे |
| भाषयाञ्चके | भाषयाञ्चकृवहे | भाषयाञ्चकृमहे |
| भाषयाञ्चभूव | भाषयामाव | |
| आ० भाषयिषीष्ट | भाषयिषीयास्ताम् | भाषयिषीरन् |
| भाषयिषीष्ठाः | भाषयिषीयास्थाम् | भाषयिषीड्वम् |
| | | ध्वम् |
| भाषयिषीय | भाषयिषीवहि | भाषयिषीमहि |
| ख० भाषयिता | भाषयितारौ | भाषयितारः |
| भाषयितासे | भाषयितासाथे | भाषयिताध्वे |
| भाषयिताहे | भाषयितास्वहे | भाषयितास्महे |
| म० भाषयिष्यते | भाषयिष्येते | भाषयिष्यन्ते |
| भाषयिष्यसे | भाषयिष्येथे | भाषयिष्यध्वे |
| भाषयिष्ये | भाषयिष्यावहे | भाषयिष्यामहे |
| क्रि० अभाषयिष्यत् | अभाषयिष्येताम् | अभाषयिष्यन्त |
| अभाषयिष्यथाः | अभाषयिष्येथाम् | अभाषयिष्यध्वम् |
| अभाषयिष्ये | अभाषयिष्यावहि | अभाषयिष्यामहि |

522 જિષ્ (જિષ્) સેચને ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| જ૦ | જેષ્યતિ | જેષ્યતઃ | જેષ્યન્તિ |
| | જેષ્યસિ | જેષ્યથઃ | જેષ્યથ |
| | જેષ્યામિ | જેષ્યાવઃ | જેષ્યામઃ |
| સ૦ | જેષ્યેત્ | જેષ્યેતામ્ | જેષ્યેયુઃ |
| | જેષ્યેઃ | જેષ્યેતમ્ | જેષ્યેત |
| | જેષ્યેયમ્ | જેષ્યેવ | જેષ્યેમ |
| પ૦ | જેષ્યતુ | જેષ્યતાત્ | જેષ્યતામ્ |
| | જેષ્ય | જેષ્યતાત્ | જેષ્યતમ્ |
| | જેષ્યાણિ | જેષ્યાવ | જેષ્યામ |
| હ૦ | અજેષ્યત્ | અજેષ્યતામ્ | અજેષ્યન્ |
| | અજેષ્યઃ | અજેષ્યતમ્ | અજેષ્યત |
| | અજેષ્યમ્ | અજેષ્યાવ | અજેષ્યામ |
| ઘ૦ | અજીજિષત્ | અજીજિષતામ્ | અજીજિષન્ |
| | અજીજિષઃ | અજીજિષતમ્ | અજીજિષત |
| | અજીજિષમ્ | અજીજિષાવ | અજીજિષામ |
| ઞ૦ | જેષ્યાશ્ચકાર | જેષ્યાશ્ચક્રુઃ | જેષ્યાશ્ચક્રુઃ |
| | જેષ્યાશ્ચકર્થ | જેષ્યાશ્ચક્રુઃ | જેષ્યાશ્ચક્ર |
| | જેષ્યાશ્ચકાર-ચકર | જેષ્યાશ્ચક્રવ | જેષ્યાશ્ચક્રમ |
| | જેષ્યાશ્ચક્રમૂવ | જેષ્યામાસ | |
| ઞ૦ | જેષ્યાત્ | જેષ્યાસ્તામ્ | જેષ્યાસુઃ |
| | જેષ્યાઃ | જેષ્યાસ્તમ્ | જેષ્યાસ્ત |
| | જેષ્યાસમ્ | જેષ્યાસ્વ | જેષ્યાસ્મ |
| શ૦ | જેષ્યિતા | જેષ્યિતારૌ | જેષ્યિતારઃ |
| | જેષ્યિતાસિ | જેષ્યિતાસ્થઃ | જેષ્યિતાસ્થ |
| | જેષ્યિતાસ્મિ | જેષ્યિતાસ્વઃ | જેષ્યિતાસ્મઃ |
| શ૦ | જેષ્યિષ્યતિ | જેષ્યિષ્યતઃ | જેષ્યિષ્યન્તિ |
| | જેષ્યિષ્યસિ | જેષ્યિષ્યથઃ | જેષ્યિષ્યથ |
| | જેષ્યિષ્યામિ | જેષ્યિષ્યાવઃ | જેષ્યિષ્યામઃ |
| ક્રિ૦ | અજેષ્યિષ્યત્ | અજેષ્યિષ્યતામ્ | અજેષ્યિષ્યન્ |
| | અજેષ્યિષ્યઃ | અજેષ્યિષ્યતમ્ | અજેષ્યિષ્યત |
| | અજેષ્યિષ્યમ્ | અજેષ્યિષ્યાવ | અજેષ્યિષ્યામ |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-----------------|
| વ૦ | જેષ્યતે | જેષ્યેતે | જેષ્યન્તે |
| | જેષ્યતે | જેષ્યેયે | જેષ્યધ્વે |
| | જેષ્યે | જેષ્યાવહે | જેષ્યામહે |
| સ૦ | જેષ્યેત | જેષ્યેયાતામ્ | જેષ્યેયન્ |
| | જેષ્યેથાઃ | જેષ્યેયાથામ્ | જેષ્યેયમ્ |
| | જેષ્યેય | જેષ્યેવહિ | જેષ્યેમહિ |
| પ૦ | જેષ્યતામ્ | જેષ્યેતામ્ | જેષ્યન્તામ્ |
| | જેષ્યસ્વ | જેષ્યેથામ્ | જેષ્યધ્વમ્ |
| | જેષ્યે | જેષ્યાવહે | જેષ્યામહે |
| હ૦ | અજેષ્યત | અજેષ્યેતામ્ | અજેષ્યન્ત |
| | અજેષ્યથાઃ | અજેષ્યેથામ્ | અજેષ્યધ્વમ્ |
| | અજેષ્યે | અજેષ્યાવહિ | અજેષ્યામહિ |
| ઘ૦ | અજીજિષત | અજીજિષેતામ્ | અજીજિષન્ત |
| | અજીજિષથાઃ | અજીજિષેથામ્ | અજીજિષધ્વમ્ |
| | અજીજિષે | અજીજિષાવહિ | અજીજિષામહિ |
| પ૦ | જેષ્યાશ્ચક્રે | જેષ્યાશ્ચક્રાતે | જેષ્યાશ્ચક્રિરે |
| | જેષ્યાશ્ચક્રુષે | જેષ્યાશ્ચક્રાયે | જેષ્યાશ્ચક્રુવે |
| | જેષ્યાશ્ચક્રે | જેષ્યાશ્ચક્રુવહે | જેષ્યાશ્ચક્રમહે |
| | જેષ્યાશ્ચક્રમૂવ | જેષ્યામાસ | |
| ઞ૦ | જેષ્યિષીષ્ટ | જેષ્યિષીષ્ટાસ્તામ્ | જેષ્યિષીરન્ |
| | જેષ્યિષીષ્ટાઃ | જેષ્યિષીષ્ટાસ્થામ્ | જેષ્યિષીષ્ટવમ્ |
| | જેષ્યિષીય | જેષ્યિષીવહિ | જેષ્યિષીમહિ |
| શ૦ | જેષ્યિતા | જેષ્યિતારૌ | જેષ્યિતારઃ |
| | જેષ્યિતાસે | જેષ્યિતાસાયે | જેષ્યિતાધ્વે |
| | જેષ્યિતાહે | જેષ્યિતાસ્વહે | જેષ્યિતાસ્મહે |
| શ૦ | જેષ્યિષ્યતે | જેષ્યિષ્યેતે | જેષ્યિષ્યન્તે |
| | જેષ્યિષ્યસે | જેષ્યિષ્યેયે | જેષ્યિષ્યધ્વે |
| | જેષ્યિષ્યે | જેષ્યિષ્યાવહે | જેષ્યિષ્યામહે |
| ક્રિ૦ | અજેષ્યિષ્યત | અજેષ્યિષ્યેતામ્ | અજેષ્યિષ્યન્ |
| | અજેષ્યિષ્યથાઃ | અજેષ્યિષ્યેથામ્ | અજેષ્યિષ્યધ્વમ્ |
| | અજેષ્યિષ્યે | અજેષ્યિષ્યાવહિ | અજેષ્યિષ્યામહિ |

523 विष् (विष्) सेचने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | वेषयति | वेषयतः | वेषयन्ति |
| | वेषयसि | वेषयथः | वेषयन्थ |
| | वेषयामि | वेषयावः | वेषयामः |
| स० | वेषयेत् | वेषयेताम् | वेषयेयुः |
| | वेषयेः | वेषयेतम् | वेषयेत |
| | वेषयेयम् | वेषयेव | वेषयेम |
| प० | वेषयतु | वेषयतात् | वेषयन्तु |
| | वेषय | वेषयतात् | वेषयत |
| | वेषयाणि | वेषयाव | वेषयाम |
| ह्य० | अवेषयत् | अवेषयताम् | अवेषयन् |
| | अवेषयः | अवेषयतम् | अवेषयत |
| | अवेषयम् | अवेषयाव | अवेषयाम |
| अ० | अवीविषत् | अवीविषताम् | अवीविषन् |
| | अवीविषः | अवीविषतम् | अवीविषत |
| | अवीविषम् | अवीविषाव | अवीविषाम |
| प० | वेषयाञ्चकार | वेषयाञ्चक्रुः | वेषयाञ्चकुः |
| | वेषयाञ्चकथं | वेषयाञ्चकथुः | वेषयाञ्चक |
| | वेषयाञ्चकार-चकर | वेषयाञ्चकृव | वेषयाञ्चकृम |
| | वेषयाम्बभूव | । | वेषयामास |
| भा० | वेष्वात् | वेष्वास्ताम् | वेष्वासुः |
| | वेष्वाः | वेष्वास्तम् | वेष्वास्त |
| | वेष्वासम् | वेष्वास्व | वेष्वास्म |
| श्व० | वेषयिता | वेषयितारौ | वेषयितारः |
| | वेषयितासि | वेषयितास्थः | वेषयितास्थ |
| | वेषयितास्मि | वेषयितास्वः | वेषयितास्मः |
| भ० | वेषयिष्यति | वेषयिष्यतः | वेषयिष्यन्ति |
| | वेषयिष्यसि | वेषयिष्यथः | वेषयिष्यथ |
| | वेषयिष्यामि | वेषयिष्यावः | वेषयिष्यामः |
| क्रि० | अवेषयिष्यत् | अवेषयिष्यताम् | अवेषयिष्यन् |
| | अवेषयिष्यः | अवेषयिष्यतम् | अवेषयिष्यत |
| | अवेषयिष्यम् | अवेषयिष्याव | अवेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | वेषयते | वेषयेते | वेषयन्ते |
| | वेषयसे | वेषयेथे | वेषयन्थे |
| | वेषये | वेषयावहे | वेषयामहे |
| स० | वेषयेत् | वेषयेयाताम् | वेषयेरन् |
| | वेषयेथाः | वेषयेयाथाम् | वेषयेष्वम् |
| | वेषयेय | वेषयेवहि | वेषयेमहि |
| प० | वेषयताम् | वेषयेताम् | वेषयन्ताम् |
| | वेषयस्व | वेषयेथाम् | वेषयन्वम् |
| | वेषये | वेषयावहै | वेषयामहै |
| ह्य० | अवेषयत | अवेषयेताम् | अवेषयन्त |
| | अवेषयथाः | अवेषयेथाम् | अवेषयन्वम् |
| | अवेषये | अवेषयावहि | अवेषयामहि |
| अ० | अवीविषत | अवीविषेताम् | अवीविषन्त |
| | अवीविषथाः | अवीविषेथाम् | अवीविषन्वम् |
| | अवीविषे | अवीविषावहि | अवीविषामहि |
| प० | वेषयाञ्चक्रे | वेषयाञ्चक्राते | वेषयाञ्चक्रिरे |
| | वेषयाञ्चकृषे | वेषयाञ्चकृषे | वेषयाञ्चकृढ्वे |
| | वेषयाञ्चक्रे | वेषयाञ्चकृवहे | वेषयाञ्चकृमहे |
| | वेषयाम्बभूव | । | वेषयामास |
| भा० | वेषयिषीष्ट | वेषयिषीयास्ताम् | वेषयिषीरन् |
| | वेषयिषीष्ठाः | वेषयिषीयास्थाम् | वेषयिषीढ्वम् |
| | | | वेषयिषीमहि |
| | वेषयिषीय | वेषयिषीवहि | वेषयिषीमहि |
| श्व० | वेषयिता | वेषयितारौ | वेषयितारः |
| | वेषयितासे | वेषयितासाथे | वेषयिताध्वे |
| | वेषयिताहे | वेषयितास्वहे | वेषयितास्महे |
| भ० | वेषयिष्यते | वेषयिष्येते | वेषयिष्यन्ते |
| | वेषयिष्यसे | वेषयिष्येथे | वेषयिष्यन्थे |
| | वेषयिष्ये | वेषयिष्यावहे | वेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेषयिष्यत् | अवेषयिष्येताम् | अवेषयिष्यन्त |
| | अवेषयिष्यथाः | अवेषयिष्येथाम् | अवेषयिष्यन्वम् |
| | अवेषयिष्ये | अवेषयिष्यावहि | अवेषयिष्यामहि |

524 मिष् (मिष्) सेचने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | मेषयति | मेषयतः | मेषयन्ति |
| | मेषयसि | मेषयथः | मेषयथ |
| | मेषयामि | मेषयावः | मेषयामः |
| स० | मेषयेत् | मेषयेताम् | मेषयेयुः |
| | मेषयेः | मेषयेतम् | मेषयेत |
| | मेषयेयम् | मेषयेव | मेषयेम |
| प० | मेषयतु | मेषयतात् | मेषयताम् |
| | मेषय | मेषयतात् | मेषयतम् |
| | मेषयाणि | मेषयाव | मेषयाम |
| ह्य० | अमेषयत् | अमेषयताम् | अमेषयन् |
| | अमेषयः | अमेषयतम् | अमेषयत |
| | अमेषयम् | अमेषयाव | अमेषयाम |
| अ० | अमीमिषत् | अमीमिषताम् | अमीमिषन् |
| | अमीमिषः | अमीमिषतम् | अमीमिषत |
| | अमीमिषम् | अमीमिषाव | अमीमिषाम |
| प० | मेषयाञ्चकार | मेषयाञ्चकतुः | मेषयाञ्चक्रुः |
| | मेषयाञ्चकर्थ | मेषयाञ्चकथुः | मेषयाञ्चक्र |
| | मेषयाञ्चकार-चकर | मेषयाञ्चकृव | मेषयाञ्चकृम |
| | मेषयाम्बभूव | । | मेषयामास |
| आ० | मेष्यात् | मेष्यास्ताम् | मेष्यासुः |
| | मेष्याः | मेष्यास्तम् | मेष्यास्त |
| | मेष्यासम् | मेष्यास्व | मेष्यास्म |
| श्व० | मेषयिता | मेषयितारौ | मेषयितारः |
| | मेषयितासि | मेषयितास्थः | मेषयितास्थ |
| | मेषयितास्मि | मेषयितास्वः | मेषयितास्मः |
| भ० | मेषयिष्यति | मेषयिष्यतः | मेषयिष्यन्ति |
| | मेषयिष्यसि | मेषयिष्यथः | मेषयिष्यथ |
| | मेषयिष्यामि | मेषयिष्यावः | मेषयिष्यामः |
| क्रि० | अमेषयिष्यत् | अमेषयिष्यताम् | अमेषयिष्यन् |
| | अमेषयिष्यः | अमेषयिष्यतम् | अमेषयिष्यत |
| | अमेषयिष्यम् | अमेषयिष्याव | अमेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | मेषयते | मेषयते | मेषयन्ते |
| | मेषयसे | मेषयेथे | मेषयध्वे |
| | मेषये | मेषयावहे | मेषयामहे |
| स० | मेषयेत | मेषयेयाताम् | मेषयेयन् |
| | मेषयेथाः | मेषयेयाथाम् | मेषयेध्वम् |
| | मेषयेय | मेषयेवहि | मेषयेमहि |
| प० | मेषयताम् | मेषयेताम् | मेषयन्ताम् |
| | मेषयस्व | मेषयेथाम् | मेषयध्वम् |
| | मेषयै | मेषयावहै | मेषयामहै |
| ह्य० | अमेषयत | अमेषयेताम् | अमेषयन्त |
| | अमेषयथाः | अमेषयेथाम् | अमेषयध्वम् |
| | अमेषये | अमेषयावहि | अमेषयामहि |
| अ० | अमीमिषत | अमीमिषेताम् | अमीमिषन्त |
| | अमीमिषथाः | अमीमिषेथाम् | अमीमिषध्वम् |
| | अमीमिषे | अमीमिषावहि | अमीमिषामहि |
| प० | मेषयाञ्चके | मेषयाञ्चकते | मेषयाञ्चक्रे |
| | मेषयाञ्चकृषे | मेषयाञ्चकृषे | मेषयाञ्चकृव्वे |
| | मेषयाञ्चके | मेषयाञ्चकृवहे | मेषयाञ्चकृमहे |
| | मेषयाम्बभूव | । | मेषयामास |
| आ० | मेषयिषीष्ट | मेषयिषीयास्ताम् | मेषयिषीरन् |
| | मेषयिषीष्टाः | मेषयिषीयास्थाम् | मेषयिषीह्वम् |
| | मेषयिषीय | मेषयिषीवहि | मेषयिषीमहि |
| श्व० | मेषयिता | मेषयितारौ | मेषयितारः |
| | मेषयितासे | मेषयितासथे | मेषयिताध्वे |
| | मेषयिताहे | मेषयितास्वहे | मेषयितास्महे |
| भ० | मेषयिष्यते | मेषयिष्येत | मेषयिष्यन्ते |
| | मेषयिष्यसे | मेषयिष्येथे | मेषयिष्यध्वे |
| | मेषयिष्ये | मेषयिष्यावहे | मेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अमेषयिष्यत | अमेषयिष्येताम् | अमेषयिष्यन्त |
| | अमेषयिष्यथाः | अमेषयिष्येथाम् | अमेषयिष्यध्वम् |
| | अमेषयिष्ये | अमेषयिष्यावहि | अमेषयिष्यामहि |

525 निष् (निष्) सेचने ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| ब० | नेषयति | नेषयतः | नेषयन्ति |
| | नेषयसि | नेषयथः | नेषयथ |
| | नेषयामि | नेषयावः | नेषयामः |
| स० | नेषयेत् | नेषयेताम् | नेषयेयुः |
| | नेषयेः | नेषयेतम् | नेषयेत |
| | नेषयेयम् | नेषयेव | नेषयेम |
| प० | नेषयतु | नेषयतात् | नेषयताम् |
| | नेषय | नेषयतात् | नेषयतम् |
| | नेषयाणि | नेषयाव | नेषयाम |
| ह्य० | अनेषयत् | अनेषयताम् | अनेषयन् |
| | अनेषयः | अनेषयतम् | अनेषयत |
| | अनेषयम् | अनेषयाव | अनेषयाम |
| अ० | अनीनिषत् | अनीनिषताम् | अनीनिषन् |
| | अनीनिषः | अनीनिषतम् | अनीनिषत |
| | अनीनिषम् | अनीनिषाव | अनीनिषाम |
| प० | नेषयाञ्चकार | नेषयाञ्चक्रुः | नेषयाञ्चकुः |
| | नेषयाञ्चकथ | नेषयाञ्चकथुः | नेषयाञ्चक |
| | नेषयाञ्चकार-चक्र | नेषयाञ्चक्रव | नेषयाञ्चक्रम |
| | नेषयाम्बभूव | । | नेषयामास |
| आ० | नेष्यात् | नेष्यास्ताम् | नेष्यासुः |
| | नेष्याः | नेष्यास्तम् | नेष्यास्त |
| | नेष्यासम् | नेष्यास्व | नेष्यास्म |
| श्र० | नेषयिता | नेषयितारौ | नेषयितारः |
| | नेषयितासि | नेषयितास्थः | नेषयितास्थ |
| | नेषयितास्मि | नेषयितास्वः | नेषयितास्मः |
| भ० | नेषयिष्यति | नेषयिष्यतः | नेषयिष्यन्ति |
| | नेषयिष्यसि | नेषयिष्यथः | नेषयिष्यथ |
| | नेषयिष्यामि | नेषयिष्यावः | नेषयिष्यामः |
| क्रि० | अनेषयिष्यत् | अनेषयिष्यताम् | अनेषयिष्यन् |
| | अनेषयिष्यः | अनेषयिष्यतम् | अनेषयिष्यत |
| | अनेषयिष्यम् | अनेषयिष्याव | अनेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | नेषयते | नेषयेते | नेषयन्ते |
| | नेषयसे | नेषयेथे | नेषयध्वे |
| | नेषये | नेषयावहे | नेषयामहे |
| स० | नेषयेत | नेषयेयाताम् | नेषयेरन् |
| | नेषयेथाः | नेषयेयाथाम् | नेषयेष्वम् |
| | नेषयेथ | नेषयेवहि | नेषयेमहि |
| प० | नेषयताम् | नेषयेताम् | नेषयन्ताम् |
| | नेषयस्व | नेषयेथाम् | नेषयध्वम् |
| | नेषयै | नेषयावहै | नेषयामहै |
| ह्य० | अनेषयत | अनेषयेताम् | अनेषयन्त |
| | अनेषयथाः | अनेषयेथाम् | अनेषयध्वम् |
| | अनेषये | अनेषयावहि | अनेषयामहि |
| अ० | अनीनिषत | अनीनिषेताम् | अनीनिषन्त |
| | अनीनिषथाः | अनीनिषेथाम् | अनीनिषध्वम् |
| | अनीनिषे | अनीनिषावहि | अनीनिषामहि |
| प० | नेषयाञ्चके | नेषयाञ्चकाते | नेषयाञ्चकिरे |
| | नेषयाञ्चकृषे | नेषयाञ्चकृषे | नेषयाञ्चकृष्वे |
| | नेषयाञ्चके | नेषयाञ्चकृवहे | नेषयाञ्चकृमहे |
| | नेषयाम्बभूव | । | नेषयामास |
| आ० | नेषयिषीष्ट | नेषयिषीयास्ताम् | नेषयिषीरन् |
| | नेषयिषीष्ठाः | नेषयिषीयास्थाम् | नेषयिषीध्वम् |
| | नेषयिषीय | नेषयिषीवहि | नेषयिषीमहि |
| श्र० | नेषयिता | नेषयितारौ | नेषयितारः |
| | नेषयितासे | नेषयितासाथे | नेषयिताध्वे |
| | नेषयिताहे | नेषयितास्वहे | नेषयितास्महे |
| भ० | नेषयिष्यते | नेषयिष्येते | नेषयिष्यन्ते |
| | नेषयिष्यसे | नेषयिष्येथे | नेषयिष्यध्वे |
| | नेषयिष्ये | नेषयिष्यावहे | नेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अनेषयिष्यत | अनेषयिष्येताम् | अनेषयिष्यन्त |
| | अनेषयिष्यथाः | अनेषयिष्येथाम् | अनेषयिष्यध्वम् |
| | अनेषयिष्ये | अनेषयिष्यावहि | अनेषयिष्यामहि |

528 पृष्ठ (पृष्ठ) सेचने

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|----------------|
| व० | पर्षयति | पर्षयतः | पर्षयन्ति |
| | पर्षयसि | पर्षयथः | पर्षयथ |
| | पर्षयामि | पर्षयावः | पर्षयामः |
| स० | पर्षयेत् | पर्षयेताम् | पर्षयेयुः |
| | पर्षयेः | पर्षयेतम् | पर्षयेत |
| | पर्षयेयम् | पर्षयेव | पर्षयेम |
| प० | पर्षयतु | पर्षयतात् | पर्षयताम् |
| | पर्षय | पर्षयतःत् | पर्षयतम् |
| | पर्षयाणि | पर्षयाव | पर्षयाम |
| ह्र० | अपर्षयत् | अपर्षयताम् | अपर्षयन् |
| | अपर्षयः | अपर्षयतम् | अपर्षयत |
| | अपर्षयम् | अपर्षयाव | अपर्षयाम |
| अ० | अपीपृषत् | अपीपृषताम् | अपीपृषन् |
| | अपीपृषः | अपीपृषतम् | अपीपृषत |
| | अपीपृषम् | अपीपृषाव | अपीपृषाम |
| | अपपृषत् | अपपृषताम् | अपपृषन् इ० |
| प० | पर्षयाञ्चकार | पर्षयाञ्चक्रुः | पर्षयाञ्चक्रुः |
| | पर्षयाञ्चकथ | पर्षयाञ्चक्रुः | पर्षयाञ्चक्रुः |
| | पर्षयाञ्चकार-चक्र | पर्षयाञ्चक्रुव | पर्षयाञ्चक्रुम |
| | पर्षयाम्बभूव | । | पर्षयामास |
| आ० | पर्ष्यात् | पर्ष्यास्ताम् | पर्ष्यासुः |
| | पर्ष्याः | पर्ष्यास्तम् | पर्ष्यास्त |
| | पर्ष्यासिम् | पर्ष्यास्व | पर्ष्यास्मि |
| श्र० | पर्षयिता | पर्षयितारो | पर्षयितारः |
| | पर्षयितासि | पर्षयितास्थः | पर्षयितास्थ |
| | पर्षयितास्मि | पर्षयितास्वः | पर्षयितास्मः |
| म० | पर्षयिष्यति | पर्षयिष्यतः | पर्षयिष्यन्ति |
| | पर्षयिष्यसि | पर्षयिष्यथः | पर्षयिष्यथ |
| | पर्षयिष्यामि | पर्षयिष्यावः | पर्षयिष्यामः |
| क्रि० | अपर्षयिष्यत् | अपर्षयिष्यताम् | अपर्षयिष्यन् |
| | अपर्षयिष्यः | अपर्षयिष्यतम् | अपर्षयिष्यत |
| | अपर्षयिष्यम् | अपर्षयिष्याव | अपर्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | पर्षयते | पर्षयेते | पर्षयन्ते |
| | पर्षयसे | पर्षयेथे | पर्षयध्वे |
| | पर्षये | पर्षयावहे | पर्षयामहे |
| स० | पर्षयेत् | पर्षयेयाताम् | पर्षयेरन् |
| | पर्षयेथाः | पर्षयेयाथाम् | पर्षयेध्वम् |
| | पर्षयेथ | पर्षयेवहि | पर्षयेमहि |
| प० | पर्षयताम् | पर्षयेताम् | पर्षयन्ताम् |
| | पर्षयस्व | पर्षयेथाम् | पर्षयध्वम् |
| | पर्षये | पर्षयावहे | पर्षयामहे |
| ह्र० | अपर्षयत् | अपर्षयेताम् | अपर्षयन्त |
| | अपर्षयथाः | अपर्षयेथाम् | अपर्षयध्वम् |
| | अपर्षये | अपर्षयावहि | अपर्षयामहि |
| अ० | अपीपृषत् | अपीपृषेताम् | अपीपृषन्त |
| | अपीपृषथाः | अपीपृषेथाम् | अपीपृषध्वम् |
| | अपीपृषे | अपीपृषावहि | अपीपृषामहि |
| | अपपृषत् | अपपृषेताम् | अपपृषन्त इ० |
| प० | पर्षयाञ्चके | पर्षयाञ्चक्रते | पर्षयाञ्चकिरे |
| | पर्षयाञ्चकृषे | पर्षयाञ्चक्राथे | पर्षयाञ्चकृध्वे |
| | पर्षयाञ्चके | पर्षयाञ्चक्रवहे | पर्षयाञ्चक्रमहे |
| | पर्षयाम्बभूव | । | पर्षयामास |
| आ० | पर्षयिषीष्ट | पर्षयिषीयास्ताम् | पर्षयिषीरन् |
| | पर्षयिषीष्टाः | पर्षयिषीयास्याम् | पर्षयिषीध्वम् |
| | पर्षयिषीय | पर्षयिषीवहि | पर्षयिषीमहि |
| श्र० | पर्षयिता | पर्षयितारो | पर्षयितारः |
| | पर्षयितासे | पर्षयितासाथे | पर्षयिताध्वे |
| | पर्षयिताहे | पर्षयितास्वहे | पर्षयितामहे |
| भ० | पर्षयिष्यते | पर्षयिष्येते | पर्षयिष्यन्ते |
| | पर्षयिष्यसे | पर्षयिष्येथे | पर्षयिष्यध्वे |
| | पर्षयिष्ये | पर्षयिष्यावहे | पर्षयिष्यामहे |
| क्रि० | अपर्षयिष्यत् | अपर्षयिष्येताम् | अपर्षयिष्यन्त |
| | अपर्षयिष्यथाः | अपर्षयिष्येथाम् | अपर्षयिष्यध्वम् |
| | अपर्षयिष्ये | अपर्षयिष्यावहि | अपर्षयिष्यामहि |

528 मृष्ट (मृष्) सहने च

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० मर्षयति | मर्षयतः | मर्षयन्ति |
| मर्षयसि | मर्षयथः | मर्षयथ |
| मर्षयामि | मर्षयावः | मर्षयामः |
| स० मर्षयेत् | मर्षयेताम् | मर्षयेयुः |
| मर्षयेः | मर्षयेतम् | मर्षयेत |
| मर्षयेयम् | मर्षयेव | मर्षयेम |
| प० मर्षयतु | मर्षयतात् | मर्षयताम् |
| मर्षय | मर्षयतात् | मर्षयतम् |
| मर्षयाणि | मर्षयाव | मर्षयाम |
| ह्य० अमर्षयत् | अमर्षयताम् | अमर्षयन् |
| अमर्षयः | अमर्षयतम् | अमर्षयत |
| अमर्षयम् | अमर्षयाव | अमर्षयाम |
| अ० अमीमृषत् | अमीमृषताम् | अमीमृषन् |
| अमीमृषः | अमीमृषताम् | अमीमृषत |
| अमीमृषम् | अमीमृषाव | अमीमृषाम |
| अममर्षत् | अममर्षताम् | अममर्षन् इ० |
| प० मर्षयाञ्चकार | मर्षयाञ्चक्रुः | मर्षयाञ्चकुः |
| मर्षयाञ्चकथं | मर्षयाञ्चकथुः | मर्षयाञ्चक |
| मर्षयाञ्चकार-चकर | मर्षयाञ्चकृव | मर्षयाञ्चकृम |
| मर्षयाम्बभूव | । | मर्षयामास |
| आ० मर्ष्यात् | मर्ष्यास्ताम् | मर्ष्यासुः |
| मर्ष्याः | मर्ष्यास्तम् | मर्ष्यास्त |
| मर्ष्यासम् | मर्ष्यास्व | मर्ष्यास्म |
| श्व० मर्षयिता | मर्षयितारौ | मर्षयितारः |
| मर्षयितासि | मर्षयितास्थः | मर्षयितास्थ |
| मर्षयितास्मि | मर्षयितास्वः | मर्षयितास्मः |
| म० मर्षयिष्यति | मर्षयिष्यतः | मर्षयिष्यन्ति |
| मर्षयिष्यसि | मर्षयिष्यथः | मर्षयिष्यथ |
| मर्षयिष्यामि | मर्षयिष्यावः | मर्षयिष्यामः |
| क्रि० अमर्षयिष्यत् | अमर्षयिष्यताम् | अमर्षयिष्यन् |
| अमर्षयिष्यः | अमर्षयिष्यतम् | अमर्षयिष्यत |
| अमर्षयिष्यम् | अमर्षयिष्याव | अमर्षयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| व० मर्षयेते | मर्षयेते | मर्षयन्ते |
| मर्षयसे | मर्षयेथे | मर्षयध्वे |
| मर्षये | मर्षयावहे | मर्षयामहे |
| स० मर्षयेत | मर्षयेताताम् | मर्षयेरन् |
| मर्षयेथाः | मर्षयेथाताम् | मर्षयेध्वम् |
| मर्षयेथ | मर्षयेवहि | मर्षयेमहि |
| प० मर्षयताम् | मर्षयेताम् | मर्षयन्ताम् |
| मर्षयस्व | मर्षयेथाम् | मर्षयध्वम् |
| मर्षये | मर्षयावहे | मर्षयामहे |
| ह्य० अमर्षयत | अमर्षयेताम् | अमर्षयन्त |
| अमर्षयथाः | अमर्षयेथाम् | अमर्षयध्वम् |
| अमर्षये | अमर्षयावहि | अमर्षयामहि |
| अ० अमीमृषत | अमीमृषेताम् | अमीमृषन्त |
| अमीमृषथाः | अमीमृषेथाम् | अमीमृषध्वम् |
| अमीमृषे | अमीमृषावहि | अमीमृषामहि |
| अममर्षत | अममर्षेताम् | अममर्षन्त इ० |
| प० मर्षयाञ्चक्रे | मर्षयाञ्चक्रते | मर्षयाञ्चक्रे |
| मर्षयाञ्चक्रेषे | मर्षयाञ्चक्राथे | मर्षयाञ्चक्रेष्वे |
| मर्षयाञ्चक्रे | मर्षयाञ्चकृवहे | मर्षयाञ्चकृमहे |
| मर्षयाम्बभूव | । | मर्षयामास |
| आ० मर्षयिषीष्ट | मर्षयिषीयास्ताम् | मर्षयिषीरन् |
| मर्षयिषीष्टाः | मर्षयिषीयास्थाम् | मर्षयिषीध्वम् |
| मर्षयिषीय | मर्षयिषीवहि | मर्षयिषीमहि |
| श्व० मर्षयिता | मर्षयितारौ | मर्षयितारः |
| मर्षयितासे | मर्षयितासाथे | मर्षयिताध्वे |
| मर्षयिताहे | मर्षयितास्वहे | मर्षयितास्महे |
| अ० मर्षयिष्यते | मर्षयिष्येते | मर्षयिष्यन्ते |
| मर्षयिष्यसे | मर्षयिष्येथे | मर्षयिष्यध्वे |
| मर्षयिष्ये | मर्षयिष्यावहे | मर्षयिष्यामहे |
| क्रि० अमर्षयिष्यत | अमर्षयिष्येताम् | अमर्षयिष्यन्त |
| अमर्षयिष्यथाः | अमर्षयिष्येथाम् | अमर्षयिष्यध्वम् |
| अमर्षयिष्ये | अमर्षयिष्यावहि | अमर्षयिष्यामहि |

529 उष् (उष्) दाहे ।

| | | | |
|-------|----------------|---------------|-------------|
| व० | ओषयति | ओषयतः | ओषयन्ति |
| | ओषयसि | ओषयथः | ओषयथ |
| | ओषयामि | ओषयावः | ओषयामः |
| स० | ओषयेत् | ओषयेताम् | ओषयेयुः |
| | ओषयेः | ओषयेतम् | ओषयेत |
| | ओषयेयम् | ओषयेव | ओषयेम |
| प० | ओषयतु | ओषयतात् | ओषयताम् |
| | ओषय | ओषयतात् | ओषयतम् |
| | ओषयाणि | ओषयाव | ओषयाम |
| ह्य० | औषयत् | औषयताम् | औषयन् |
| | औषयः | औषयतम् | औषयत |
| | औषयम् | औषयाव | औषयाम |
| अ० | औषिषत् | औषिषताम् | औषिषन् |
| | औषिषः | औषिषतम् | औषिषत |
| | औषिषम् | औषिषाव | औषिषाम |
| प० | ओषयाञ्चकार | ओषयाञ्चक्रुः | ओषयाञ्चकुः |
| | ओषयाञ्चकथं | ओषयाञ्चक्रथुः | ओषयाञ्चक |
| | ओषयाञ्चकार-चकर | ओषयाञ्चकृव | ओषयाञ्चकृम |
| | ओषयाम्बभूव | । | ओषयामास |
| आ० | ओष्यात् | ओष्यास्ताम् | ओष्यासुः |
| | ओष्याः | ओष्यास्तम् | ओष्यास्त |
| | ओष्यासम् | ओष्यास्व | ओष्यास्म |
| न्व० | ओषयिता | ओषयितारौ | ओषयितारः |
| | ओषयितासि | ओषयितास्थः | ओषयितास्थ |
| | ओषयितास्मि | ओषयितास्वः | ओषयितास्मः |
| म० | ओषयिष्यति | ओषयिष्यतः | ओषयिष्यन्ति |
| | ओषयिष्यसि | ओषयिष्यथः | ओषयिष्यथ |
| | ओषयिष्यामि | ओषयिष्यावः | ओषयिष्यामः |
| क्रि० | औषयिष्यत् | औषयिष्यताम् | औषयिष्यन् |
| | औषयिष्यः | औषयिष्यतम् | औषयिष्यत |
| | औषयिष्यम् | औषयिष्याव | औषयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | ओषयते | ओषयंते | ओषयन्ते |
| | ओषयसे | ओषयेये | ओषयध्वे |
| | ओषये | ओषयावहे | ओषयामहे |
| स० | ओषयेत | ओषयेयाताम् | ओषयेरन् |
| | ओषयेथाः | ओषयेयाथाम् | ओषयेध्वम् |
| | ओषयेय | ओषयेवहि | ओषयेमहि |
| प० | ओषयताम् | ओषयेताम् | ओषयन्ताम् |
| | ओषयस्व | ओषयेथाम् | ओषयध्वम् |
| | ओषयै | ओषयावहै | ओषयामहै |
| ह्य० | औषयत | औषयेताम् | औषयन्त |
| | औषयथाः | औषयेथाम् | औषयध्वम् |
| | औषये | औषयावहि | औषयामहि |
| अ० | औषिषत | औषिषेताम् | औषिषन्त |
| | औषिषथाः | औषिषेथाम् | औषिषध्वम् |
| | औषिषे | औषिषावहि | औषिषामहि |
| प० | ओषयाञ्चक्रे | ओषयाञ्चक्रते | ओषयाञ्चकिरे |
| | ओषयाञ्चकृषे | ओषयाञ्चक्राथे | ओषयाञ्चकृद्वे |
| | ओषयाञ्चक्रे | ओषयाञ्चकृवहे | ओषयाञ्चकृमहे |
| | ओषयाम्बभूव | । | ओषयामास |
| आ० | ओषयिषीष्ट | ओषयिषीयास्ताम् | ओषयिषीरन् |
| | ओषयिषीष्ठाः | ओषयिषीयास्थाम् | ओषयिषीद्वम् |
| | ओषयिषीय | ओषयिषीवहि | ओषयिषीमहि |
| श्व० | ओषयिता | ओषयितारौ | ओषयितारः |
| | ओषयितासे | ओषयितासाथे | ओषयिताध्वे |
| | ओषयिताहे | ओषयितास्वहे | ओषयितास्महे |
| भ० | ओषयिष्यते | ओषयिष्येते | ओषयिष्यन्ते |
| | ओषयिष्यसे | ओषयिष्येये | ओषयिष्यध्वे |
| | ओषयिष्ये | ओषयिष्यावहे | ओषयिष्यामहे |
| क्रि० | औषयिष्यत | औषयिष्येताम् | औषयिष्यन्त |
| | औषयिष्यथाः | औषयिष्येथाम् | औषयिष्यध्वम् |
| | औषयिष्ये | औषयिष्यावहि | औषयिष्यामहि |

530 शिष् (शिष्) दाहे ।

| | | | |
|-------|-----------------------|------------------|------------------|
| व० | श्रेषयति | श्रेषयतः | श्रेषयन्ति |
| | श्रेषयसि | श्रेषयथः | श्रेषयथ |
| | श्रेषयामि | श्रेषयावः | श्रेषयामः |
| स० | श्रेषयेत् | श्रेषयेताम् | श्रेषयेयुः |
| | श्रेषयेः | श्रेषयेतम् | श्रेषयेत |
| | श्रेषयेयम् | श्रेषयेव | श्रेषयेस |
| प० | श्रेषयतु | श्रेषयतात् | श्रेषयताम् |
| | श्रेषय | श्रेषयतात् | श्रेषयतम् |
| | श्रेषयाणि | श्रेषयाव | श्रेषयाम |
| ह्य० | अश्रेषयत् | अश्रेषयताम् | अश्रेषयन् |
| | अश्रेषयः | अश्रेषयतम् | अश्रेषयत |
| | अश्रेषयम् | अश्रेषयाव | अश्रेषयाम |
| अ० | अशिशिषत् | अशिशिषताम् | अशिशिषन् |
| | अशिशिषः | अशिशिषतम् | अशिशिषत |
| | अशिशिषम् | अशिशिषाव | अशिशिषाम |
| प० | अश्रेषयाञ्चकार | अश्रेषयाञ्चक्रुः | अश्रेषयाञ्चक्रुः |
| | अश्रेषयाञ्चकथे | अश्रेषयाञ्चक्रुः | अश्रेषयाञ्चक्रुः |
| | अश्रेषयाञ्चकार-चक्रुः | अश्रेषयाञ्चक्रुः | अश्रेषयाञ्चक्रुः |
| | अश्रेषयाम्बभूव | । | अश्रेषयामास |
| आ० | श्रेष्यात् | श्रेष्यास्ताम् | श्रेष्यासुः |
| | श्रेष्याः | श्रेष्यास्तम् | श्रेष्यास्त |
| | श्रेष्यासम् | श्रेष्यास्व | श्रेष्यास्म |
| श्व० | श्रेषयिता | श्रेषयितारौ | श्रेषयितारः |
| | श्रेषयितासि | श्रेषयितास्थः | श्रेषयितास्थ |
| | श्रेषयितास्मि | श्रेषयितास्वः | श्रेषयितास्मः |
| म० | अश्रेषयिष्यति | अश्रेषयिष्यतः | अश्रेषयिष्यन्ति |
| | अश्रेषयिष्यसि | अश्रेषयिष्यथः | अश्रेषयिष्यथ |
| | अश्रेषयिष्यामि | अश्रेषयिष्यावः | अश्रेषयिष्यामः |
| क्रि० | अश्रेषयिष्यत् | अश्रेषयिष्यताम् | अश्रेषयिष्यन् |
| | अश्रेषयिष्यः | अश्रेषयिष्यतम् | अश्रेषयिष्यत |
| | अश्रेषयिष्यम् | अश्रेषयिष्याव | अश्रेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|------------------|
| व० | श्रेषयते | श्रेषयेते | श्रेषयन्ते |
| | श्रेषयसे | श्रेषयेथे | श्रेषयध्वे |
| | श्रेषये | श्रेषयावहे | श्रेषयामहे |
| स० | श्रेषयेत | श्रेषयेयाताम् | श्रेषयेरन् |
| | श्रेषयेथाः | श्रेषयेयाथाम् | श्रेषयेध्वम् |
| | श्रेषयेय | श्रेषयेवहि | श्रेषयेमहि |
| प० | श्रेषयताम् | श्रेषयेताम् | श्रेषयन्ताम् |
| | श्रेषयस्व | श्रेषयेथाम् | श्रेषयध्वम् |
| | श्रेषयै | श्रेषयावहै | श्रेषयामहै |
| ह्य० | अश्रेषयत | अश्रेषयेताम् | अश्रेषयन्त |
| | अश्रेषयथाः | अश्रेषयेथाम् | अश्रेषयध्वम् |
| | अश्रेषये | अश्रेषयावहि | अश्रेषयामहि |
| अ० | अशिशिषत् | अशिशिषेताम् | अशिशिषन्त |
| | अशिशिषथाः | अशिशिषेथाम् | अशिशिषध्वम् |
| | अशिशिषे | अशिशिषावहि | अशिशिषामहि |
| प० | श्रेषयाञ्चक्रे | श्रेषयाञ्चक्रते | श्रेषयाञ्चकिरे |
| | श्रेषयाञ्चकृषे | श्रेषयाञ्चक्राथे | श्रेषयाञ्चकृद्वे |
| | श्रेषयाञ्चक्रे | श्रेषयाञ्चकृवहे | श्रेषयाञ्चकृमहे |
| | श्रेषयाम्बभूव | । | श्रेषयामास |
| आ० | अश्रेषयिषीष्ट | अश्रेषयिषीस्ताम् | अश्रेषयिषीरन् |
| | अश्रेषयिषीष्ठाः | अश्रेषयिषीस्थाम् | अश्रेषयिषीध्वम् |
| | अश्रेषयिषीय | अश्रेषयिषीवहि | अश्रेषयिषीमहि |
| श्व० | अश्रेषयिता | अश्रेषयितारौ | अश्रेषयितारः |
| | अश्रेषयितासे | अश्रेषयितासाथे | अश्रेषयिताध्वे |
| | अश्रेषयिताहे | अश्रेषयितास्वहे | अश्रेषयितास्महे |
| म० | अश्रेषयिष्यते | अश्रेषयिष्येते | अश्रेषयिष्यन्ते |
| | अश्रेषयिष्यसे | अश्रेषयिष्येथे | अश्रेषयिष्यध्वे |
| | अश्रेषयिष्ये | अश्रेषयिष्यावहे | अश्रेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्रेषयिष्यत् | अश्रेषयिष्येताम् | अश्रेषयिष्यन्त |
| | अश्रेषयिष्यथाः | अश्रेषयिष्येथाम् | अश्रेषयिष्यध्वम् |
| | अश्रेषयिष्ये | अश्रेषयिष्यावहि | अश्रेषयिष्यामहि |

६३१ श्लिष् (श्लिष्) दाहे ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| ब० | श्लेषयति | श्लेषयतः | श्लेषयन्ति |
| | श्लेषयसि | श्लेषयथः | श्लेषयथ |
| | श्लेषयामि | श्लेषयावः | श्लेषयामः |
| स० | श्लेषयेत् | श्लेषयेताम् | श्लेषयेयुः |
| | श्लेषयेः | श्लेषयेतम् | श्लेषयेत |
| | श्लेषयेयम् | श्लेषयेव | श्लेषयेम |
| प० | श्लेषयतु | श्लेषयतात् | श्लेषयन्तु |
| | श्लेषय | श्लेषयतः | श्लेषयत |
| | श्लेषयाणि | श्लेषयाव | श्लेषयाम |
| ल० | अश्लेषयत् | अश्लेषयताम् | अश्लेषयन् |
| | अश्लेषयः | अश्लेषयतम् | अश्लेषयत |
| | अश्लेषयम् | अश्लेषयाव | अश्लेषयाम |
| भ० | अश्लिषत् | अश्लिषताम् | अश्लिषन् |
| | अश्लिषः | अश्लिषतम् | अश्लिषत |
| | अश्लिषम् | अश्लिषाव | अश्लिषाम |
| प० | श्लेषयाश्चकार | श्लेषयाश्चक्रुः | श्लेषयाश्चक्रुः |
| | श्लेषयाश्चक्रे | श्लेषयाश्चक्रुः | श्लेषयाश्चक्रुः |
| | श्लेषयाश्चकार-चक्र | श्लेषयाश्चक्रुव | श्लेषयाश्चक्रुम |
| | श्लेषयाम्बभूव | । | श्लेषयामास |
| भा० | श्लेष्यात् | श्लेष्यास्ताम् | श्लेष्यासुः |
| | श्लेष्याः | श्लेष्यास्तम् | श्लेष्यास्त |
| | श्लेष्यासम् | श्लेष्यास्व | श्लेष्यास्म |
| श्व० | श्लेषयिता | श्लेषयितारौ | श्लेषयितारः |
| | श्लेषयितासि | श्लेषयितास्यः | श्लेषयितास्य |
| | श्लेषयितास्मि | श्लेषयितास्वः | श्लेषयितास्मः |
| म० | श्लेषयिष्यति | श्लेषयिष्यतः | श्लेषयिष्यन्ति |
| | श्लेषयिष्यसि | श्लेषयिष्यथः | श्लेषयिष्यथ |
| | श्लेषयिष्यामि | श्लेषयिष्यावः | श्लेषयिष्यामः |
| क्रि० | अश्लेषयिष्यत् | अश्लेषयिष्यताम् | अश्लेषयिष्यन् |
| | अश्लेषयिष्यः | अश्लेषयिष्यतम् | अश्लेषयिष्यत |
| | अश्लेषयिष्यम् | अश्लेषयिष्याव | अश्लेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|-------------------|
| व० | श्लेषयते | श्लेषयेते | श्लेषयन्ते |
| | श्लेषयसे | श्लेषयेथे | श्लेषयन्थे |
| | श्लेषये | श्लेषयावहे | श्लेषयामहे |
| स० | श्लेषयेत् | श्लेषयेयाताम् | श्लेषयेरन् |
| | श्लेषयेथाः | श्लेषयेयाथाम् | श्लेषयेय्वम् |
| | श्लेषयेथ | श्लेषयेवहि | श्लेषयेमहि |
| प० | श्लेषयताम् | श्लेषयेताम् | श्लेषयन्ताम् |
| | श्लेषयस्व | श्लेषयेथाम् | श्लेषयन्वम् |
| | श्लेषयै | श्लेषयावहै | श्लेषयामहै |
| ल० | अश्लेषयत | अश्लेषयेताम् | अश्लेषयन्त |
| | अश्लेषयथाः | अश्लेषयेथाम् | अश्लेषयन्वम् |
| | अश्लेषये | अश्लेषयावहि | अश्लेषयामहि |
| भ० | अश्लिषत् | अश्लिषेताम् | अश्लिषन्त |
| | अश्लिषथाः | अश्लिषेथाम् | अश्लिषन्वम् |
| | अश्लिषे | अश्लिषावहि | अश्लिषामहि |
| प० | श्लेषयाश्चक्रे | श्लेषयाश्चक्रते | श्लेषयाश्चक्रिरे |
| | श्लेषयाश्चक्रुषे | श्लेषयाश्चक्राथे | श्लेषयाश्चक्रुवै |
| | श्लेषयाश्चक्रे | श्लेषयाश्चक्रुवहे | श्लेषयाश्चक्रुमहे |
| | श्लेषयाम्बभूव | । | श्लेषयामास |
| भा० | श्लेषयिषीष्ट | श्लेषयिषीयास्ताम् | श्लेषयिषीरन् |
| | श्लेषयिषीष्ठाः | श्लेषयिषीयास्थाम् | श्लेषयिषीढ्वम् |
| | श्लेषयिषीय | श्लेषयिषीवहि | श्लेषयिषीमहि |
| श्व० | श्लेषयिता | श्लेषयितारौ | श्लेषयितारः |
| | श्लेषयितासे | श्लेषयितासाथे | श्लेषयितास्वै |
| | श्लेषयिताहे | श्लेषयितास्वहे | श्लेषयितास्महे |
| भ० | श्लेषयिष्यते | श्लेषयिष्येते | श्लेषयिष्यन्ते |
| | श्लेषयिष्यसे | श्लेषयिष्येथे | श्लेषयिष्यन्थे |
| | श्लेषयिष्ये | श्लेषयिष्यावहे | श्लेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्लेषयिष्यत् | अश्लेषयिष्येताम् | अश्लेषयिष्यन्त |
| | अश्लेषयिष्यथाः | अश्लेषयिष्येथाम् | अश्लेषयिष्यन्वम् |
| | अश्लेषयिष्ये | अश्लेषयिष्यावहि | अश्लेषयिष्यामहि |

532 प्रुषू (प्रुषू) दाहे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० | प्रोषयति | प्रोषयतः | प्रोषयन्ति |
| | प्रोषयसि | प्रोषयथः | प्रोषयथ |
| | प्रोषयामि | प्रोषयावः | प्रोषयामः |
| स० | प्रोषयेत् | प्रोषयेताम् | प्रोषयेयुः |
| | प्रोषयेः | प्रोषयेतम् | प्रोषयेत |
| | प्रोषयेयम् | प्रोषयेव | प्रोषयेम |
| प० | प्रोषयतु | प्रोषयतात् | प्रोषयन्तु |
| | प्रोषय | प्रोषयतात् | प्रोषयत |
| | प्रोषयाणि | प्रोषयाव | प्रोषयाम |
| ह्य० | अप्रोषयत् | अप्रोषयताम् | अप्रोषयन् |
| | अप्रोषयः | अप्रोषयतम् | अप्रोषयत |
| | अप्रोषयम् | अप्रोषयाव | अप्रोषयाम |
| अ० | अपुप्रुषत् | अपुप्रुषताम् | अपुप्रुषन् |
| | अपुप्रुषः | अपुप्रुषतम् | अपुप्रुषत |
| | अपुप्रुषम् | अपुप्रुषाव | अपुप्रुषाम |
| प० | प्रोषयाञ्चकार | प्रोषयाञ्चक्रुः | प्रोषयाञ्चक्रुः |
| | प्रोषयाञ्चकथं | प्रोषयाञ्चकथुः | प्रोषयाञ्चक्रु |
| | प्रोषयाञ्चकार-चकर | प्रोषयाञ्चक्रुव | प्रोषयाञ्चक्रुम |
| | प्रोषयाञ्चभूव | । प्रोषयामास | |
| आ० | प्रोष्यात् | प्रोष्यास्ताम् | प्रोष्यासुः |
| | प्रोष्याः | प्रोष्यास्तम् | प्रोष्यास्त |
| | प्रोष्यास्म | प्रोष्यास्व | प्रोष्यास्म |
| श्च० | प्रोषयिता | प्रोषयितारौ | प्रोषयितारः |
| | प्रोषयितासि | प्रोषयितास्थः | प्रोषयितास्थ |
| | प्रोषयितास्मि | प्रोषयितास्वः | प्रोषयितास्मः |
| म० | प्रोषयिष्यति | प्रोषयिष्यतः | प्रोषयिष्यन्ति |
| | प्रोषयिष्यसि | प्रोषयिष्यथः | प्रोषयिष्यथ |
| | प्रोषयिष्यामि | प्रोषयिष्यावः | प्रोषयिष्यामः |
| क्रि० | अप्रोषयिष्यत् | अप्रोषयिष्यताम् | अप्रोषयिष्यन् |
| | अप्रोषयिष्यः | अप्रोषयिष्यतम् | अप्रोषयिष्यत |
| | अप्रोषयिष्यम् | अप्रोषयिष्याव | अप्रोषयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|--------------------|
| व० | प्रोषयते | प्रोषयेते | प्रोषयन्ते |
| | प्रोषयसे | प्रोषयेथे | प्रोषयध्वे |
| | प्रोषये | प्रोषयावहे | प्रोषयामहे |
| स० | प्रोषयेत | प्रोषयेयाताम् | प्रोषयेरन् |
| | प्रोषयेथाः | प्रोषयेयाथाम् | प्रोषयेध्वम् |
| | प्रोषयेय | प्रोषयेवहि | प्रोषयेमहि |
| प० | प्रोषयताम् | प्रोषयेताम् | प्रोषयन्ताम् |
| | प्रोषयस्व | प्रोषयेथाम् | प्रोषयध्वम् |
| | प्रोषयै | प्रोषयावहे | प्रोषयामहे |
| ह्य० | अप्रोषयत | अप्रोषयेताम् | अप्रोषयन्त |
| | अप्रोषयथाः | अप्रोषयेथाम् | अप्रोषयध्वम् |
| | अप्रोषये | अप्रोषयावहि | अप्रोषयामहि |
| अ० | अपुप्रुषत | अपुप्रुषेताम् | अपुप्रुषन्त |
| | अपुप्रुषथाः | अपुप्रुषेथाम् | अपुप्रुषध्वम् |
| | अपुप्रुषे | अपुप्रुषावहि | अपुप्रुषामहि |
| प० | प्रोषयाञ्चक्रे | प्रोषयाञ्चक्रते | प्रोषयाञ्चक्रिरे |
| | प्रोषयाञ्चक्रुषे | प्रोषयाञ्चक्राये | प्रोषयाञ्चक्रुद्वे |
| | प्रोषयाञ्चक्रे | प्रोषयाञ्चक्रवहे | प्रोषयाञ्चक्रमहे |
| | प्रोषयाम्भूव | । प्रोषयामास | |
| आ० | प्रोषयिषीष्ट | प्रोषयिषीयास्ताम् | प्रोषयिषीरन् |
| | प्रोषयिषीष्ठाः | प्रोषयिषीयास्थाम् | प्रोषयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | प्रोषयिषीय | प्रोषयिषीवहि | प्रोषयिषीमहि |
| श्च० | प्रोषयिता | प्रोषयितारौ | प्रोषयितारः |
| | प्रोषयितासे | प्रोषयितासथे | प्रोषयिताध्वे |
| | प्रोषयिताहे | प्रोषयितास्वहे | प्रोषयितास्महे |
| म० | प्रोषयिष्यते | प्रोषयिष्येते | प्रोषयिष्यन्ते |
| | प्रोषयिष्यसे | प्रोषयिष्येथे | प्रोषयिष्यध्वे |
| | प्रोषयिष्ये | प्रोषयिष्यावहे | प्रोषयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्रोषयिष्यत | अप्रोषयिष्येताम् | अप्रोषयिष्यन्त |
| | अप्रोषयिष्यथाः | अप्रोषयिष्येथाम् | अप्रोषयिष्यध्वम् |
| | अप्रोषयिष्ये | अप्रोषयिष्यावहि | अप्रोषयिष्यामहि |

533 लुष् (लुष्) दाहे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| ब० | लोषयति | लोषयतः | लोषयन्ति |
| | लोषयसि | लोषयथः | लोषयथ |
| | लोषयामि | लोषयावः | लोषयामः |
| स० | लोषयेत् | लोषयेताम् | लोषयेयुः |
| | लोषयेः | लोषयेतम् | लोषयेत |
| | लोषयेयम् | लोषयेव | लोषयेम |
| प० | लोषयतु | लोषयतात् | लोषयताम् |
| | लोषय | लोषयतात् | लोषयतम् |
| | लोषयाणि | लोषयाव | लोषयाम |
| ह्य० | अलोषयत् | अलोषयताम् | अलोषयन् |
| | अलोषयः | अलोषयतम् | अलोषयत |
| | अलोषयम् | अलोषयाव | अलोषयाम |
| अ० | अपुलुषत् | अपुलुषताम् | अपुलुषन् |
| | अपुलुषः | अपुलुषतम् | अपुलुषत |
| | अपुलुषम् | अपुलुषाव | अपुलुषाम |
| प० | लोषयाञ्चकार | लोषयाञ्चक्रुः | लोषयाञ्चकुः |
| | लोषयाञ्चकथं | लोषयाञ्चक्रुः | लोषयाञ्चक्र |
| | लोषयाञ्चकार-चक्र | लोषयाञ्चक्रुव | लोषयाञ्चक्रुम |
| | लोषयाम्बभूव | । | लोषयामास |
| भा० | लोष्यात् | लोष्यास्ताम् | लोष्यासुः |
| | लोष्याः | लोष्यास्तम् | लोष्यास्त |
| | लोष्यासम् | लोष्यास्व | लोष्यास्म |
| श्च० | लोषयिता | लोषयितारौ | लोषयितारः |
| | लोषयितासि | लोषयितास्थः | लोषयितास्थ |
| | लोषयितास्मि | लोषयितास्वः | लोषयितास्मः |
| भ० | लोषयिष्यति | लोषयिष्यतः | लोषयिष्यन्ति |
| | लोषयिष्यसि | लोषयिष्यथः | लोषयिष्यथ |
| | लोषयिष्यामि | लोषयिष्यावः | लोषयिष्यामः |
| क्रि० | अलोषयिष्यत् | अलोषयिष्यताम् | अलोषयिष्यन् |
| | अलोषयिष्यः | अलोषयिष्यतम् | अलोषयिष्यत |
| | अलोषयिष्यम् | अलोषयिष्याव | अलोषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | लोषयते | लोषयेते | लोषयन्ते |
| | लोषयसे | लोषयेथे | लोषयध्वे |
| | लोषये | लोषयावहे | लोषयामहे |
| स० | लोषयेत | लोषयेयाताम् | लोषयेरन् |
| | लोषयेथाः | लोषयेयाथाम् | लोषयेध्वम् |
| | लोषयेय | लोषयेवहि | लोषयेमहि |
| प० | लोषयताम् | लोषयेताम् | लोषयन्ताम् |
| | लोषयस्व | लोषयेथाम् | लोषयध्वम् |
| | लोषयै | लोषयावहै | लोषयामहै |
| ह्य० | अलोषयत | अलोषयेताम् | अलोषयन्त |
| | अलोषयथाः | अलोषयेथाम् | अलोषयध्वम् |
| | अलोषये | अलोषयावहि | अलोषयामहि |
| अ० | अपुलुषत | अपुलुषेताम् | अपुलुषन्त |
| | अपुलुषथाः | अपुलुषेथाम् | अपुलुषध्वम् |
| | अपुलुषे | अपुलुषावहि | अपुलुषामहि |
| प० | लोषयाञ्चक्रे | लोषयाञ्चक्राते | लोषयाञ्चक्रिरे |
| | लोषयाञ्चकृषे | लोषयाञ्चक्रथे | लोषयाञ्चकृद्वे |
| | लोषयाञ्चक्रे | लोषयाञ्चक्रवहे | लोषयाञ्चक्रमहे |
| | लोषयाम्बभव | । | लोषयामास |
| आ० | लोषयिषीष्ट | लोषयिषीयास्ताम् | लोषयिषीरन् |
| | लोषयिषीष्ठाः | लोषयिषीयास्थाम् | लोषयिषीध्वम् |
| | लोषयिषीय | लोषयिषीवहि | लोषयिषीमहि |
| श्च० | लोषयिता | लोषयितारौ | लोषयितारः |
| | लोषयितासे | लोषयितासाथ | लोषयिताध्वे |
| | लोषयिताहे | लोषयितास्वहे | लोषयितास्महे |
| भ० | लोषयिष्यते | लोषयिष्येते | लोषयिष्यन्ते |
| | लोषयिष्यसे | लोषयिष्येथे | लोषयिष्यध्वे |
| | लोषयिष्ये | लोषयिष्यावहे | लोषयिष्यामहे |
| क्रि० | अलोषयिष्यत | अलोषयिष्येताम् | अलोषयिष्यन्त |
| | अलोषयिष्यथाः | अलोषयिष्येथाम् | अलोषयिष्यध्वम् |
| | अलोषयिष्ये | अलोषयिष्यावहि | अलोषयिष्यामहि |



अ० अजीघृषत् अजीघृषताम् अजीघृषन्
अजीघृषः अजीघृषतम् अजीघृषत
अजीघृषम् अजीघृषाव अजीघृषाम्

अ० अजीघृषत् अजीघृषेताम् अजीघृषन्त
अजीघृषथाः अजीघृषेथाम् अजीघृषध्वम्
अजीघृषे अजीघृषावहि अजीघृषामहि



(५१४)

मुनिश्रीलावण्यवि० वरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

534 घृष (घृष्) संहर्षे ।

ब० घर्षयति घर्षयतः घर्षयन्ति
घर्षयसि घर्षयथः घर्षयथ
घर्षयामि घर्षयावः घर्षयामः
स० घर्षयेत् घर्षयेताम् घर्षयेयुः
घर्षयेः घर्षयेतम् घर्षयेत
घर्षयेयम् घर्षयेव घर्षयेम

प० घर्षयतु घर्षयतात् घर्षयताम् घर्षयन्तु
घर्षय घर्षयतात् घर्षयतम् घर्षयत
घर्षयाणि घर्षयाव घर्षयाम

ह्य० अघर्षयत् अघर्षयताम् अघर्षयन्
अघर्षयः अघर्षयतम् अघर्षयत
अघर्षयम् अघर्षयाव अघर्षयाम

~~अ० अजीघर्षत् अजीघर्षताम् अजीघर्षन्
अजीघर्षः अजीघर्षतम् अजीघर्षत
अजीघर्षम् अजीघर्षाव अजीघर्षाम्~~

अजघर्षत् अजघर्षताम् अजघर्षन् इ०

प० घर्षयाञ्चकार घर्षयाञ्चकतुः घर्षयाञ्चकुः
घर्षयाञ्चकथे घर्षयाञ्चकथुः घर्षयाञ्चक
घर्षयाञ्चकार-चकर घर्षयाञ्चकृव घर्षयाञ्चकृम

घर्षयाम्बभूव । घर्षयामास

भा० घर्ष्यात् घर्ष्यास्ताम् घर्ष्यासुः
घर्ष्याः घर्ष्यास्तम् घर्ष्यास्त
घर्ष्यासम् घर्ष्यास्व घर्ष्यास्म

श्व० घर्षयिता घर्षयितारौ घर्षयितारः
घर्षयितासि घर्षयितास्थः घर्षयितास्थ
घर्षयितास्मि घर्षयितास्वः घर्षयितास्मः

भ० घर्षयिष्यति घर्षयिष्यतः घर्षयिष्यन्ति
घर्षयिष्यसि घर्षयिष्यथः घर्षयिष्यथ
घर्षयिष्यामि घर्षयिष्यावः घर्षयिष्यामः

क्रि० अघर्षयिष्यत् अघर्षयिष्यताम् अघर्षयिष्यन्
अघर्षयिष्यः अघर्षयिष्यतम् अघर्षयिष्यत
अघर्षयिष्यम् अघर्षयिष्याव अघर्षयिष्याम

व० घर्षयते घर्षयते घर्षयन्ते
घर्षयसे घर्षयथे घर्षयध्वे
घर्षये घर्षयावहे घर्षयामहे
स० घर्षयेत घर्षयेयाताम् घर्षयेरन्
घर्षयेथाः घर्षयेयाथाम् घर्षयेध्वम्
घर्षयेथ घर्षयेवहि घर्षयेमहि
प० घर्षयताम् घर्षयेताम् घर्षयन्ताम्
घर्षयस्व घर्षयेथाम् घर्षयध्वम्
घर्षये घर्षयावहे घर्षयामहे

ह्य० अघर्षयत अघर्षयेताम् अघर्षयन्त
अघर्षयथाः अघर्षयेथाम् अघर्षयध्वम्
अघर्षये अघर्षयावहि अघर्षयामहि

~~अ० अजीघर्षत् अजीघर्षेताम् अजीघर्षन्त
अजीघर्षथाः अजीघर्षेथाम् अजीघर्षध्वम्
अजीघर्षे अजीघर्षावहि अजीघर्षामहि~~

अजघर्षत् अजघर्षताम् अजघर्षन्त इ०

प० घर्षयाञ्चक्रे घर्षयाञ्चकृते घर्षयाञ्चकृरे
घर्षयाञ्चकृषे घर्षयाञ्चकृथे घर्षयाञ्चकृध्वे
घर्षयाञ्चक्रे घर्षयाञ्चकृवहे घर्षयाञ्चकृमहे
घर्षयाम्बभूव । घर्षयामास

भा० घर्षयिषीष्ट घर्षयिषीयास्ताम् घर्षयिषीरन्
घर्षयिषीष्टाः घर्षयिषीयास्थाम् घर्षयिषीध्वम्
घर्षयिषीय घर्षयिषीवहि घर्षयिषीमहि

श्व० घर्षयिता घर्षयितारौ घर्षयितारः
घर्षयितासे घर्षयितासाथे घर्षयिताध्वे
घर्षयिताहे घर्षयितास्वहे घर्षयितामहे

भ० घर्षयिष्यते घर्षयिष्येते घर्षयिष्यन्ते
घर्षयिष्यसे घर्षयिष्येथे घर्षयिष्यध्वे
घर्षयिष्ये घर्षयिष्यावहे घर्षयिष्यामहे

क्रि० अघर्षयिष्यत् अघर्षयिष्येताम् अघर्षयिष्यन्त
अघर्षयिष्यथाः अघर्षयिष्येथाम् अघर्षयिष्यध्वम्
अघर्षयिष्ये अघर्षयिष्यावहि अघर्षयिष्यामहि



535 हृष् (हृष्) अलीके ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | हृषयति | हृषयतः | हृषयन्ति |
| | हृषयसि | हृषयथः | हृषयथ |
| | हृषयामि | हृषयावः | हृषयामः |
| स० | हृषयेत् | हृषयेताम् | हृषयेयुः |
| | हृषयेः | हृषयेतम् | हृषयेत |
| | हृषयेयम् | हृषयेव | हृषयेम |
| प० | हृषयतु | हृषयतात् | हृषयताम् |
| | हृषय | हृषयतात् | हृषयतम् |
| | हृषयाणि | हृषयाव | हृषयाम् |
| ल० | अहृषयत् | अहृषयताम् | अहृषयन् |
| | अहृषयः | अहृषयतम् | अहृषयत |
| | अहृषयम् | अहृषयाव | अहृषयाम |
| श० | अजीहृषत् | अजीहृषताम् | अजीहृषन् |
| | अजीहृषः | अजीहृषतम् | अजीहृषत |
| | अजीहृषम् | अजीहृषाव | अजीहृषाम |
| | अजहृषत् | अजहृषताम् | अजहृषन् इ० |
| प० | हृषयाञ्चकार | हृषयाञ्चक्रतुः | हृषयाञ्चक्रुः |
| | हृषयाञ्चकथं | हृषयाञ्चक्रथुः | हृषयाञ्चक्र |
| | हृषयाञ्चकार-चक्र | हृषयाञ्चक्रव | हृषयाञ्चक्रम् |
| | हृषयाम्बभूव | । | हृषयामास |
| भा० | हृष्यात् | हृष्यास्ताम् | हृष्यासुः |
| | हृष्याः | हृष्यास्तम् | हृष्यास्त |
| | हृष्यासम् | हृष्यास्व | हृष्यास्म |
| य० | हृषयिता | हृषयितारौ | हृषयितारः |
| | हृषयितासि | हृषयितास्थः | हृषयितास्थ |
| | हृषयितास्मि | हृषयितास्वः | हृषयितास्मः |
| म० | हृषयिष्यति | हृषयिष्यतः | हृषयिष्यन्ति |
| | हृषयिष्यसि | हृषयिष्यथः | हृषयिष्यथ |
| | हृषयिष्यामि | हृषयिष्यावः | हृषयिष्यामः |
| क्रि० | अहृषयिष्यत् | अहृषयिष्यताम् | अहृषयिष्यन् |
| | अहृषयिष्यः | अहृषयिष्यतम् | अहृषयिष्यत |
| | अहृषयिष्यम् | अहृषयिष्याव | अहृषयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | हृषयते | हृषयेते | हृषयन्ते |
| | हृषयसे | हृषयेथे | हृषयध्वे |
| | हृषये | हृषयावहे | हृषयामहे |
| स० | हृषयेत् | हृषयेयाताम् | हृषयेरन् |
| | हृषयेथाः | हृषयेयाथाम् | हृषयेध्वम् |
| | हृषयेय | हृषयेवहि | हृषयेमहि |
| प० | हृषयताम् | हृषयेताम् | हृषयन्ताम् |
| | हृषयस्व | हृषयेथाम् | हृषयध्वम् |
| | हृषये | हृषयावहे | हृषयामहे |
| ल० | अहृषयत् | अहृषयेताम् | अहृषयन्त |
| | अहृषयथाः | अहृषयेथाम् | अहृषयध्वम् |
| | अहृषये | अहृषयावहि | अहृषयामहि |
| श० | अजीहृषत् | अजीहृषेताम् | अजीहृषन्त |
| | अजीहृषथाः | अजीहृषेथाम् | अजीहृषध्वम् |
| | अजीहृषे | अजीहृषावहि | अजीहृषामहि |
| | अजहृषत् | अजहृषेताम् | अजहृषन्त इ० |
| प० | हृषयाञ्चक्रे | हृषयाञ्चक्रते | हृषयाञ्चक्रिरे |
| | हृषयाञ्चक्रुषे | हृषयाञ्चक्रथे | हृषयाञ्चक्रुध्वे |
| | हृषयाञ्चक्रे | हृषयाञ्चक्रवहे | हृषयाञ्चक्रमहे |
| | हृषयाम्बभूव | । | हृषयामास |
| भा० | हृषयिषीष्ट | हृषयिषीयास्ताम् | हृषयिषीरन् |
| | हृषयिषीष्टाः | हृषयिषीयास्थाम् | हृषयिषीध्वम् |
| | हृषयिषीय | हृषयिषीवहि | हृषयिषीमहि |
| य० | हृषयिता | हृषयितारौ | हृषयितारः |
| | हृषयितासे | हृषयितासाथे | हृषयिताध्वे |
| | हृषयिताहे | हृषयितास्वहे | हृषयितास्महे |
| म० | हृषयिष्यते | हृषयिष्येते | हृषयिष्यन्ते |
| | हृषयिष्यसे | हृषयिष्येथे | हृषयिष्यध्वे |
| | हृषयिष्ये | हृषयिष्यावहे | हृषयिष्यामहे |
| क्रि० | अहृषयिष्यत् | अहृषयिष्येताम् | अहृषयिष्यन्त |
| | अहृषयिष्यथाः | अहृषयिष्येथाम् | अहृषयिष्यध्वम् |
| | अहृषयिष्ये | अहृषयिष्यावहि | अहृषयिष्यामहि |

536 पुष (पुष्) पुष्टौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| ब० | पोषयति | पोषयतः | पोषयन्ति |
| | पोषयसि | पोषयथः | पोषयथ |
| | पोषयामि | पोषयावः | पोषयामः |
| स० | पोषयेत् | पोषयेताम् | पोषयेयुः |
| | पोषयेः | पोषयेताम् | पोषयेत |
| | पोषयेयम् | पोषयेव | पोषयेम |
| प० | पोषयतु | पोषयतात् | पोषयन्तु |
| | पोषय | पोषयतात् | पोषयत |
| | पोषयाणि | पोषयाव | पोषयाम |
| ह्य० | अपोषयत् | अपोषयताम् | अपोषयन् |
| | अपोषयः | अपोषयताम् | अपोषयत |
| | अपोषयम् | अपोषयाव | अपोषयाम |
| अ० | अपूषत् | अपूषताम् | अपूषन् |
| | अपूषः | अपूषताम् | अपूषत |
| | अपूषम् | अपूषाव | अपूषाम |
| प० | पोषयाञ्चकार | पोषयाञ्चक्रतुः | पोषयाञ्चक्रुः |
| | पोषयाञ्चकथं | पोषयाञ्चकथुः | पोषयाञ्चक |
| | पोषयाञ्चकार-चकर | पोषयाञ्चकृव | पोषयाञ्चकृम |
| | पोषयाम्बभूव | । | पोषयामास |
| आ० | पोष्यात् | पोष्यास्ताम् | पोष्यासुः |
| | पोष्याः | पोष्यास्ताम् | पोष्यास्त |
| | पोष्यासम् | पोष्यास्व | पोष्यास्म |
| श्व० | पोषयिता | पोषयितारौ | पोषयितारः |
| | पोषयितासि | पोषयितास्थः | पोषयितास्थ |
| | पोषयितास्मि | पोषयितास्वः | पोषयितास्मः |
| अ० | पोषयिष्यति | पोषयिष्यतः | पोषयिष्यन्ति |
| | पोषयिष्यसि | पोषयिष्यथः | पोषयिष्यथ |
| | पोषयिष्यामि | पोषयिष्यावः | पोषयिष्यामः |
| क्रि० | अपोषयिष्यत् | अपोषयिष्यताम् | अपोषयिष्यन् |
| | अपोषयिष्यः | अपोषयिष्यताम् | अपोषयिष्यत |
| | अपोषयिष्यम् | अपोषयिष्याव | अपोषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | पोषयते | पोषयेते | पोषयन्ते |
| | पोषयसे | पोषयेथे | पोषयध्वे |
| | पोषये | पोषयावहे | पोषयामहे |
| स० | पोषयेत | पोषयेयाताम् | पोषयेरन् |
| | पोषयेथाः | पोषयेयाथाम् | पोषयेध्वम् |
| | पोषयेय | पोषयेवहि | पोषयेमहि |
| प० | पोषयताम् | पोषयेताम् | पोषयन्ताम् |
| | पोषयस्व | पोषयेथाम् | पोषयध्वम् |
| | पोषयै | पोषयावहै | पोषयामहै |
| ह्य० | अपोषयत | अपोषयेताम् | अपोषयन्त |
| | अपोषयथाः | अपोषयेथाम् | अपोषयध्वम् |
| | अपोषये | अपोषयावहि | अपोषयामहि |
| अ० | अपूषत | अपूषेताम् | अपूषन्त |
| | अपूषथाः | अपूषेथाम् | अपूषध्वम् |
| | अपूषे | अपूषावहि | अपूषामहि |
| प० | पोषयाञ्चके | पोषयाञ्चकाते | पोषयाञ्चकिरे |
| | पोषयाञ्चकृषे | पोषयाञ्चक्राथे | पोषयाञ्चकृड्वे |
| | पोषयाञ्चके | पोषयाञ्चकृवहे | पोषयाञ्चकृमहे |
| | पोषयाम्बभूव | । | पोषयामास |
| आ० | पोषयिषीष्ट | पोषयिषीयास्ताम् | पोषयिषीरन् |
| | पोषयिषीष्टाः | पोषयिषीयास्थाम् | पोषयिषीड्वम् |
| | पोषयिषीय | पोषयिषीवहि | पोषयिषीमहि |
| श्व० | पोषयिता | पोषयितारौ | पोषयितारः |
| | पोषयितासे | पोषयितासाथे | पोषयिताध्वे |
| | पोषयिताहे | पोषयितास्वहे | पोषयितास्महे |
| अ० | पोषयिष्यते | पोषयिष्येते | पोषयिष्यन्ते |
| | पोषयिष्यसे | पोषयिष्येथे | पोषयिष्यध्वे |
| | पोषयिष्ये | पोषयिष्यावहे | पोषयिष्यामहे |
| क्रि० | अपोषयिष्यत | अपोषयिष्येताम् | अपोषयिष्यन्त |
| | अपोषयिष्यथाः | अपोषयिष्येथाम् | अपोषयिष्यध्वम् |
| | अपोषयिष्ये | अपोषयिष्यावहि | अपोषयिष्यामहि |

ॐ अ० अवृमुषत् अवृमुषताम् अवृमुषन् अ० अवृमुषत् अवृमुषताम् अवृमुषन् ॥
 अवृमुषः अवृमुषतम् अवृमुषत अवृमुषः अवृमुषताम् अवृमुषतम्
 अवृमुषम् अवृमुषाव अवृमुषाम अवृमुषे अवृमुषावहि अवृमुषामहि

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते० धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (५१९)

537 भूष (भूष्) अलङ्कारे ।

| | | |
|--------------|-----------|----------|
| व० भूषयति | भूषयतः | भूषयन्ति |
| भूषयसि | भूषयथः | भूषयथ |
| भूषयामि | भूषयावः | भूषयामः |
| स० भूषयेत् | भूषयेताम् | भूषयेयुः |
| भूषयेः | भूषयेतम् | भूषयेत |
| भूषयेयम् | भूषयेव | भूषयेम |
| प० भूषयतु | भूषयतात् | भूषयताम् |
| भूषय | भूषयतात् | भूषयतम् |
| भूषयाणि | भूषयाव | भूषयाम |
| प्र० अभूषयत् | अभूषयताम् | अभूषयन् |
| अभूषयः | अभूषयतम् | अभूषयत |
| अभूषयम् | अभूषयाव | अभूषयाम |

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| व० भूषयते | भूषयते | भूषयन्ते |
| भूषयसे | भूषयेथे | भूषयध्वे |
| भूषये | भूषयावहे | भूषयामहे |
| स० भूषयेत | भूषयेयाताम् | भूषयेरन् |
| भूषयेथाः | भूषयेयाथाम् | भूषयेध्वम् |
| भूषयेय | भूषयेवहि | भूषयेमहि |
| प० भूषयताम् | भूषयेताम् | भूषयन्ताम् |
| भूषयस्व | भूषयेथाम् | भूषयध्वम् |
| भूषये | भूषयावहे | भूषयामहे |
| ह्य० अभूषयत् | अभूषयेताम् | अभूषयन्त |
| अभूषयथाः | अभूषयेथाम् | अभूषयध्वम् |
| अभूषये | अभूषयावहि | अभूषयामहि |

| | | |
|-------------|------------|-------------|
| अ० अवृमुषत् | अवृमुषताम् | अवृमुषन् ॥ |
| अवृमुषः | अवृमुषताम् | अवृमुषध्वम् |
| अवृमुषम् | अवृमुषावहि | अवृमुषामहि |

| | | |
|-----------------|--------------|----------------|
| प० भूषयाञ्चक्रे | भूषयाञ्चकते | भूषयाञ्चकिरे |
| भूषयाञ्चकृषे | भूषयाञ्चकाथे | भूषयाञ्चकृध्वे |
| भूषयाञ्चके | भूषयाञ्चकवहे | भूषयाञ्चकमहे |
| भूषयाम्बभूव | भूषयामास | |

| | | |
|---------------|-----------------|--------------|
| आ० भूषयिषीष्ट | भूषयिषीयास्ताम् | भूषयिषीरन् |
| भूषयिषीष्ठाः | भूषयिषीयास्थाम् | भूषयिषीध्वम् |
| भूषयिषीय | भूषयिषीवहि | भूषयिषीमहि |

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| अ० भूषयिता | भूषयितारौ | भूषयितारः |
| भूषयितासे | भूषयितासाथे | भूषयिताध्वे |
| भूषयिताहे | भूषयितास्वहे | भूषयितामहे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| म० भूषयिष्यते | भूषयिष्यते | भूषयिष्यन्ते |
| भूषयिष्यस | भूषयिष्येथे | भूषयिष्यध्वे |
| भूषयिष्ये | भूषयिष्यावहे | भूषयिष्यामहे |

| | | |
|-------------------|---------------|----------------|
| क्रि० अभूषयिष्यत् | अभूषयिष्यताम् | अभूषयिष्यन् |
| अभूषयिष्यः | अभूषयिष्यताम् | अभूषयिष्यध्वम् |
| अभूषयिष्यम् | अभूषयिष्यावहि | अभूषयिष्यामहि |

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| अ० अवृमुषत् | अवृमुषताम् | अवृमुषन् |
| अवृमुषः | अवृमुषताम् | अवृमुषत |
| अवृमुषम् | अवृमुषाव | अवृमुषाम |
| प० भूषयाञ्चकार | भूषयाञ्चकतुः | भूषयाञ्चकः |
| भूषयाञ्चकार्थे | भूषयाञ्चकथुः | भूषयाञ्चक |
| भूषयाञ्चकार-चक्र | भूषयाञ्चकृव | भूषयाञ्चकृम |
| भूषयाम्बभूव | भूषयामास | |
| आ० भूष्यात् | भूष्यास्ताम् | भूष्यासुः |
| भूष्याः | भूष्यास्तम् | भूष्यास्त |
| भूष्यासम् | भूष्यास्व | भूष्यासम् |
| अ० भूषयिता | भूषयितारौ | भूषयितारः |
| भूषयितासि | भूषयितास्थः | भूषयितास्थ |
| भूषयितास्मि | भूषयितास्वः | भूषयितासम् |
| म० भूषयिष्यति | भूषयिष्यतः | भूषयिष्यन्ति |
| भूषयिष्यसि | भूषयिष्यथः | भूषयिष्यथ |
| भूषयिष्यामि | भूषयिष्यावः | भूषयिष्यामः |
| क्रि० अभूषयिष्यत् | अभूषयिष्यताम् | अभूषयिष्यन् |
| अभूषयिष्यः | अभूषयिष्यताम् | अभूषयिष्यत |
| अभूषयिष्यम् | अभूषयिष्याव | अभूषयिष्याम |

॥ अथ सान्तास्त्रयादेश ॥

538 तसु (तंसू) अलङ्कारे ।

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|---------------|
| व० | तंस्यति | तंस्यतः | तंस्यन्ति |
| | तंस्यसि | तंस्यथः | तंस्यथ |
| | तंस्यामि | तंस्यावः | तंस्यामः |
| स० | तंस्येत् | तंस्येताम् | तंस्येयुः |
| | तंस्येः | तंस्येतम् | तंस्येत |
| | तंस्येयम् | तंस्येव | तंस्येम |
| प० | तंस्यतु | तंस्यतात् | तंस्यन्तु |
| | तंस्य | तंस्यतात् | तंस्यत |
| | तंस्यानि | तंस्याव | तंस्याम |
| ह्य० | अतंस्यत् | अतंस्यताम् | अतंस्यन् |
| | अतंस्यः | अतंस्यतम् | अतंस्यत |
| | अतंस्यम् | अतंस्याव | अतंस्याम |
| भ० | अततंसत् | अततंसताम् | अततंसन् |
| | अततंसः | अततंसतम् | अततंसत |
| | अततंसम् | अततंसव | अततंसाम |
| प० | तंस्याञ्चकार | तंस्याञ्चक्रुः | तंस्याञ्चकुः |
| | तंस्याञ्चक्ये | तंस्याञ्चक्युः | तंस्याञ्चक |
| | तंस्याञ्चकार-चक्र | तंस्याञ्चकृव | तंस्याञ्चकृम |
| | तंस्याम्बभूव | । तंस्यामास | |
| भा० | तंस्यात् | तंस्यास्ताम् | तंस्यासुः |
| | तंस्याः | तंस्यास्तम् | तंस्यास्त |
| | तंस्यासम् | तंस्यास्व | तंस्यास्म |
| श्व० | तंस्यिता | तंस्यितारौ | तंस्यितारः |
| | तंस्यितासि | तंस्यितास्थः | तंस्यितास्थ |
| | तंस्यितास्मि | तंस्यितास्वा | तंस्यितास्मः |
| भ० | तंस्यिष्यति | तंस्यिष्यतः | तंस्यिष्यन्ति |
| | तंस्यिष्यसि | तंस्यिष्यथः | तंस्यिष्यथ |
| | तंस्यिष्यामि | तंस्यिष्यावः | तंस्यिष्यामः |
| क्रि० | अतंस्यिष्यत् | अतंस्यिष्यताम् | अतंस्यिष्यन् |
| | अतंस्यिष्यः | अतंस्यिष्यतम् | अतंस्यिष्यत |
| | अतंस्यिष्यम् | अतंस्यिष्याव | अतंस्यिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | तंस्यते | तंस्येते | तंस्यन्ते |
| | तंस्यसे | तंस्येथे | तंस्यध्वे |
| | तंस्ये | तंस्यावहे | तंस्यामहे |
| स० | तंस्येत | तंस्येयाताम् | तंस्येरन् |
| | तंस्येथाः | तंस्येयाथाम् | तंस्येय्वम् |
| | तंस्येय | तंस्येवहि | तंस्येमहि |
| प० | तंस्यताम् | तंस्येताम् | तंस्यन्ताम् |
| | तंस्यस्व | तंस्येथाम् | तंस्यय्वम् |
| | तंस्यै | तंस्यावहै | तंस्यामहै |
| ह्य० | अतंस्यत | अतंस्येताम् | अतंस्यन्त |
| | अतंस्यथाः | अतंस्येथाम् | अतंस्यय्वम् |
| | अतंस्ये | अतंस्यावहि | अतंस्यामहि |
| अ० | अततंसत | अततंसेताम् | अततंसन्त |
| | अततंसथाः | अततंसेथाम् | अततंसय्वम् |
| | अततंसे | अततंसवहि | अततंसामहि |
| प० | तंस्याञ्चक्रे | तंस्याञ्चक्रते | तंस्याञ्चकिरे |
| | तंस्याञ्चकृषे | तंस्याञ्चकृथा | तंस्याञ्चकृद्वे |
| | तंस्याञ्चक्रे | तंस्याञ्चकृवहे | तंस्याञ्चकृमहे |
| | तंस्याम्बभूव | । तंस्यामास | |
| आ० | तंस्यिषीष्ट | तंस्यिषीयास्ताम् | तंस्यिषीरन् |
| | तंस्यिषीष्ठाः | तंस्यिषीयास्थाम् | तंस्यिषीद्वम् |
| | तंस्यिषीय | तंस्यिषीवहि | तंस्यिषीमहि |
| श्वस | तंस्यिता | तंस्यितारौ | तंस्यितारः |
| | तंस्यितासे | तंस्यितासाथे | तंस्यिताध्वे |
| | तंस्यिताहे | तंस्यितास्वहे | तंस्यितास्महे |
| भ० | तंस्यिष्यते | तंस्यिष्येते | तंस्यिष्यन्ते |
| | तंस्यिष्यसे | तंस्यिष्येथे | तंस्यिष्यध्वे |
| | तंस्यिष्ये | तंस्यिष्यावहे | तंस्यिष्यामहे |
| क्रि० | अतंस्यिष्यत | अतंस्यिष्येताम् | अतंस्यिष्यन्त |
| | अतंस्यिष्यथाः | अतंस्यिष्येथाम् | अतंस्यिष्यय्वम् |
| | अतंस्यिष्ये | अतंस्यिष्यावहि | अतंस्यिष्यामहि |

539 तुस (तुस्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | तोसयति | तोसयतः | तोसयन्ति |
| | तोसयसि | तोसयथः | तोसयथ |
| | तोसयामि | तोसयावः | तोसयामः |
| स० | तोसयेत् | तोसयेताम् | तोसयेयुः |
| | तोसयैः | तोसयेतम् | तोसयेत |
| | तोसयेयम् | तोसयेव | तोसयेम |
| प० | तोसयतु | तोसयतात् | तोसयताम् |
| | तोसय | तोसयतात् | तोसयतम् |
| | तोसयानि | तोसयाव | तोसयाम |
| ह्य० | अतोसयत् | अतोसयताम् | अतोसयन् |
| | अतोसयः | अतोसयतम् | अतोसयत |
| | अतोसयम् | अतोसयाव | अतोसयाम |
| अ० | अतूतुसत् | अतूतुसताम् | अतूतुसन् |
| | अतूतुसः | अतूतुसतम् | अतूतुसत |
| | अतूतुसम् | अतूतुसाव | अतूतुसाम |
| प० | तोसयाञ्चकार | तोसयाञ्चक्रथुः | तोसयाञ्चक्रुः |
| | तोसयाञ्चकथे | तोसयाञ्चक्रथुः | तोसयाञ्चक्र |
| | तोसयाञ्चकार-चकर | तोसयाञ्चक्रव | तोसयाञ्चक्रम |
| | तोसयाम्बभूव | । | तोसयामास |
| भा० | तोस्यात् | तोस्यास्ताम् | तोस्यासुः |
| | तोस्याः | तोस्यास्तम् | तोस्यास्त |
| | तोस्यासम् | तोस्यासव | तोस्यासम |
| श्व० | तोसयिता | तोसयितारौ | तोसयितारः |
| | तोसयितासि | तोसयितास्थः | तोसयितास्थ |
| | तोसयितास्मि | तोसयितास्वः | तोसयितास्मः |
| भ० | तोसयिष्यति | तोसयिष्यतः | तोसयिष्यन्ति |
| | तोसयिष्यसि | तोसयिष्यथः | तोसयिष्यथ |
| | तोसयिष्यामि | तोसयिष्यावः | तोसयिष्यामः |
| क्रि० | अतोसयिष्यत् | अतोसयिष्यताम् | अतोसयिष्यन् |
| | अतोसयिष्यः | अतोसयिष्यतम् | अतोसयिष्यत |
| | अतोसयिष्यम् | अतोसयिष्याव | अतोसयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|----------------|
| व० | तोसयते | तोसयेते | तोसयन्ते |
| | तोसयसे | तोसयेथे | तोसयध्वे |
| | तोसये | तोसयावहे | तोसयामहे |
| स० | तोसयेत | तोसयेयाताम् | तोसयेरन् |
| | तोसयेथाः | तोसयेयाथाम् | तोसयेध्वम् |
| | तोसयेय | तोसयेवहि | तोसयेमहि |
| प० | तोसयताम् | तोसयेताम् | तोसयन्ताम् |
| | तोसयस्व | तोसयेथाम् | तोसयध्वम् |
| | तोसयै | तोसयावहै | तोसयामहै |
| ह्य० | अतोसयत | अतोसयेताम् | अतोसयन्त |
| | अतोसयथाः | अतोसयेथाम् | अतोसयध्वम् |
| | अतोसये | अतोसयावहि | अतोसयामहि |
| अ० | अतूतुसत | अतूतुसेताम् | अतूतुसन्त |
| | अतूतुसथाः | अतूतुसेथाम् | अतूतुसध्वम् |
| | अतूतुसे | अतूतुसावहि | अतूतुसामहि |
| प० | तोसयाञ्चक्रे | तोसयाञ्चक्रात | तोसयाञ्चकिरे |
| | तोसयाञ्चक्रथे | तोसयाञ्चक्राथे | तोसयाञ्चक्रुवे |
| | तोसयाञ्चक्रे | तोसयाञ्चक्रवहे | तोसयाञ्चक्रमहे |
| | तोसयाम्बभूव | । | तोसयामास |
| आ० | तोसयिषीष्ट | तोसयिषीयास्ताम् | तोसयिषीरन् |
| | तोसयिषीष्टाः | तोसयिषीयास्थाम् | तोसयिषीध्वम् |
| | तोसयिषीय | तोसयिषीवहि | तोसयिषीमहि |
| श्वस | तोसयिता | तोसयितारौ | तोसयितारः |
| | तोसयितासे | तोसयितासाथे | तोसयिताध्वे |
| | तोसयिताहे | तोसयितास्वहे | तोसयितास्महे |
| भ० | तोसयिष्यते | तोसयिष्येते | तोसयिष्यन्ते |
| | तोसयिष्यसे | तोसयिष्येथे | तोसयिष्यध्वे |
| | तोसयिष्ये | तोसयिष्यावहे | तोसयिष्यामहे |
| क्रि० | अतोसयिष्यत | अतोसयिष्येताम् | अतोसयिष्यन्त |
| | अतोसयिष्यथाः | अतोसयिष्येथाम् | अतोसयिष्यध्वम् |
| | अतोसयिष्ये | अतोसयिष्यावहि | अतोसयिष्यामहि |

540 हस (हस्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | हासयति | हासयतः | हासयन्ति |
| | हासयसि | हासयथः | हासयथ |
| | हासयामि | हासयावः | हासयामः |
| स० | हासयेत् | हासयेताम् | हासयेयुः |
| | हासयेः | हासयेतम् | हासयेत |
| | हासयेयम् | हासयेव | हासयेम |
| प० | हासयतु | हासयतात् | हासयन्तु |
| | हासय | हासयतात् | हासयतम् |
| | हासयानि | हासयाव | हासयाम |
| ह्य० | अहासयत् | अहासयताम् | अहासयन् |
| | अहासयः | अहासयतम् | अहासयत |
| | अहासयम् | अहासयाव | अहासयाम |
| अ० | अजिहसत् | अजिहसताम् | अजिहसन् |
| | अजिहसः | अजिहसतम् | अजिहसत |
| | अजिहसम् | अजिहसाव | अजिहसाम |
| प० | हासयाञ्चकार | हासयाञ्चक्रुः | हासयाञ्चकुः |
| | हासयाञ्चकथं | हासयाञ्चकथुः | हासयाञ्चक |
| | हासयाञ्चकार-चकर | हासयाञ्चकृव | हासयाञ्चकृम |
| | हासयाञ्चभूव | हासयामास | |
| आ० | हास्यात् | हास्यास्ताम् | हास्यासुः |
| | हास्याः | हास्यास्तम् | हास्यास्त |
| | हास्यासम् | हास्यास्व | हास्यास्म |
| श्व० | हासयिता | हासयितारौ | हासयितारः |
| | हासयितासि | हासयितास्थः | हासयितास्थ |
| | हासयितास्मि | हासयितास्वः | हासयितास्मः |
| भ० | हासयिष्यति | हासयिष्यतः | हासयिष्यन्ति |
| | हासयिष्यसि | हासयिष्यथः | हासयिष्यथ |
| | हासयिष्यामि | हासयिष्यावः | हासयिष्यामः |
| क्रि० | अहासयिष्यत् | अहासयिष्यताम् | अहासयिष्यन् |
| | अहासयिष्यः | अहासयिष्यतम् | अहासयिष्यत |
| | अहासयिष्यम् | अहासयिष्याव | अहासयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|------------------|
| व० | हासयते | हासयेते | हासयन्ते |
| | हासयसे | हासयेथे | हासयध्वे |
| | हासये | हास्यावहे | हासयामहे |
| स० | हासयेत | हासयेयाताम् | हासयेरन् |
| | हासयेथाः | हासयेयाथाम् | हासयेष्वम् |
| | हासयेय | हासयेवहि | हासयेमहि |
| प० | हासयताम् | हासयेताम् | हासयन्ताम् |
| | हासयस्व | हासयेथाम् | हासयन्वम् |
| | हासये | हास्यावहे | हासयामहे |
| ह्य० | अहासयत | अहासयेताम् | अहासयन्त |
| | अहासयथाः | अहासयेथाम् | अहासयन्ध्वम् |
| | अहासये | अहासयावहि | अहासयामहि |
| अ० | अजिहसत | अजिहसेताम् | अजिहसन्त |
| | अजिहसथाः | अजिहसेथाम् | अजिहसन्ध्वम् |
| | अजिहसे | अजिहसावहि | अजिहसामहि |
| प० | हासयाञ्चके | हासयाञ्चकाते | हासयाञ्चकिरे |
| | हासयाञ्चकृषे | हासयाञ्चकृथे | हासयाञ्चकृद्वे |
| | हासयाञ्चके | हासयाञ्चकृवहे | हासयाञ्चकृमहे |
| | हासयाञ्चभूव | हासयामास | |
| आ० | हासयिषीष्ट | हासयिषीयास्ताम् | हासयिषीरन् |
| | हासयिषीष्ठाः | हासयिषीयाथाम् | हासयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | हासयिषीय | हासयिषीवहि | हासयिषीमहि |
| श्वस | हामयिता | हासयितारौ | हासयितारः |
| | हासयितासे | हासयितासाथे | हासयिताध्वे |
| | हासयिताहे | हासयितास्वहे | हासयितास्महे |
| भ० | हासयिष्यते | हासयिष्येते | हासयिष्यन्ते |
| | हासयिष्यसे | हासयिष्येथे | हासयिष्यध्वे |
| | हासयिष्ये | हासयिष्यावहे | हासयिष्यामहे |
| क्रि० | अहासयिष्यत | अहासयिष्येताम् | अहासयिष्यन्त |
| | अहासयिष्यथाः | अहासयिष्येथाम् | अहासयिष्यन्ध्वम् |
| | अहासयिष्ये | अहासयिष्यावहि | अहासयिष्यामहि |

541 हस (हस्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | हासयति | हासयतः | हासयन्ति |
| | हासयसि | हासयथः | हासयथ |
| | हासयामि | हासयावः | हासयामः |
| स० | हासयेत् | हासयेताम् | हासयेयुः |
| | हासयेः | हासयेतम् | हासयेत |
| | हासयेयम् | हासयेव | हासयेम |
| प० | हासयतु | हासयतात | हासयताम् |
| | हासय | हासयतात | हासयतम् |
| | हासयानि | हासयाव | हासयाम |
| ह्य० | अहासयत् | अहासयताम् | अहासयन् |
| | अहासयः | अहासयतम् | अहासयत |
| | अहासयम् | अहासयाव | अहासयाम |
| अ० | अजिहसत् | अजिहसताम् | अजिहसन् |
| | अजिहसः | अजिहसतम् | अजिहसत |
| | अजिहसम् | अजिहसाव | अजिहसाम |
| प० | हासयाञ्चकार | हासयाञ्चक्रुः | हासयाञ्चकुः |
| | हासयाञ्चकथं | हासयाञ्चक्रुः | हासयाञ्चक |
| | हासयाञ्चकार-चक्र | हासयाञ्चकृव | हासयाञ्चकृम |
| | हासयाम्भूव | हासयामास | |
| भा० | हास्यात् | हास्यास्ताम् | हास्यासुः |
| | हास्याः | हास्यास्तम् | हास्यास्त |
| | हास्यासम् | हास्यास्व | हास्यास्म |
| श्व० | हासयिता | हासयितारौ | हासयितारः |
| | हासयितासि | हासयितास्थः | हासयितास्थ |
| | हासयितास्मि | हासयितास्वः | हासयितास्मः |
| भ० | हासयिष्यति | हासयिष्यतः | हासयिष्यन्ति |
| | हासयिष्यसि | हासयिष्यथः | हासयिष्यथ |
| | हासयिष्यामि | हासयिष्यावः | हासयिष्यामः |
| क्रि० | अहासयिष्यत् | अहासयिष्यताम् | अहासयिष्यन् |
| | अहासयिष्यः | अहासयिष्यतम् | अहासयिष्यत |
| | अहासयिष्यम् | अहासयिष्याव | अहासयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हासयते | हासयेते | हासयन्ते |
| | हासयसे | हासयेथे | हासयध्वे |
| | हासये | हासयावहे | हासयामहे |
| स० | हासयेत | हासयेयाताम् | हासयेरन् |
| | हासयेथाः | हासयेयाथाम् | हासयेध्वम् |
| | हासयेय | हासयेवहि | हासयेमहि |
| प० | हासयताम् | हासयेताम् | हासयन्ताम् |
| | हासयस्व | हासयेथाम् | हासयध्वम् |
| | हासये | हासयावहे | हासयामहे |
| ह्य० | अहासयत | अहासयेताम् | अहासयन्त |
| | अहासयथाः | अहासयेथाम् | अहासयध्वम् |
| | अहासये | अहासयावहि | अहासयामहि |
| अ० | अजिहसत | अजिहसेताम् | अजिहसन्त |
| | अजिहसथाः | अजिहसेथाम् | अजिहसध्वम् |
| | अजिहसे | अजिहसावहि | अजिहसामहि |
| प० | हासयाञ्चके | हासयाञ्चक्राते | हासयाञ्चक्रिरे |
| | हासयाञ्चकृपे | हासयाञ्चक्राये | हासयाञ्चकृद्वे |
| | हासयाञ्चके | हासयाञ्चकृयहे | हासयाञ्चकृमहे |
| | हासयाम्भूव | हासयामास | |
| भा० | हासयिषीष्ट | हासयिषीयास्ताम् | हासयिषीरन् |
| | हासयिषीष्टाः | हासयिषीयास्थाम् | हासयिषीद्वम् |
| | हासयिषीय | हासयिषीवहि | हासयिषीमहि |
| श्व० | हासयिता | हासयितारौ | हासयितारः |
| | हासयितासे | हासयितास्थे | हासयिताध्वे |
| | हासयिताहे | हासयितास्वहे | हासयितास्महे |
| भ० | हासयिष्येते | हासयिष्येते | हासयिष्यन्ते |
| | हासयिष्यसे | हासयिष्येथे | हासयिष्यध्वे |
| | हासयिष्ये | हासयिष्यावहे | हासयिष्यामहे |
| क्रि० | अहासयिष्यत | अहासयिष्येताम् | अहासयिष्यन्त |
| | अहासयिष्यथाः | अहासयिष्येथाम् | अहासयिष्यध्वम् |
| | अहासयिष्ये | अहासयिष्यावहि | अहासयिष्यामहि |

542 रस (रस्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | रासयति | रासयतः | रासयन्ति |
| | रासयसि | रासयथः | रासयथ |
| | रासयामि | रासयावः | रासयामः |
| स० | रासयेत् | रासयेताम् | रासयेयुः |
| | रासयेः | रासयेतम् | रासयेत |
| | रासयेथम् | रासयेव | रासयेम |
| प० | रासयतु | रासयतात् | रासयताम् |
| | रासय | रासयतात | रासयतम् |
| | रासयानि | रासयाव | रासयाम |
| ह्य० | अरासयत् | अरासयताम् | अरासयन् |
| | अरासयः | अरासयतम् | अरासयत |
| | अरासयम् | अरासयाव | अरासयाम |
| अ० | अरीरसत् | अरीरसताम् | अरीरसन् |
| | अरीरसः | अरीरसतम् | अरीरसत |
| | अरीरसम् | अरीरसाव | अरीरसाम |
| प० | रास्याञ्चकार | रास्याञ्चक्रुः | रास्याञ्चक्रुः |
| | रास्याञ्चकथं | रास्याञ्चकथुः | रास्याञ्चक |
| | रास्याञ्चकार-चकर | रास्याञ्चकृव | रास्याञ्चकृम |
| | रास्याम्बभूव | । | रास्यामास |
| आ० | रास्यात् | रास्यास्ताम् | रास्यासुः |
| | रास्याः | रास्यास्तम् | रास्यास्त |
| | रास्यासम् | रास्यास्व | रास्यास्म |
| श्च० | रासयिता | रासयितारौ | रासयितारः |
| | रासयितासि | रासयितास्थ | रासयितास्थ |
| | रासयितास्मि | रासयितास्वः | रासयितास्मः |
| भ० | रासयिष्यति | रासयिष्यतः | रासयिष्यन्ति |
| | रासयिष्यसि | रासयिष्यथः | रासयिष्यथ |
| | रासयिष्यामि | रासयिष्यावः | रासयिष्यामः |
| क्रि० | अरासयिष्यत् | अरासयिष्यताम् | अरासयिष्यन् |
| | अरासयिष्यः | अरासयिष्यतम् | अरासयिष्यत |
| | अरासयिष्यम् | अरासयिष्याव | अरासयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| व० | रासयते | रासयेते | रासयन्ते |
| | रासयसे | रासयेथे | रासयध्वे |
| | रासये | रासयावहे | रासयामहे |
| स० | रासयेत | रासयेथाताम् | रासयेरन् |
| | रासयेथाः | रासयेथाथाम | रासयेध्वम् |
| | रासयेथ | रासयेवहि | रासयेमहि |
| प० | रासयताम् | रासयेताम् | रासयन्ताम् |
| | रासयस्व | रासयेथाम् | रासयध्वम् |
| | रासये | रासयावहे | रासयामहे |
| ह्य० | अरासयत | अरासयेताम् | अरासयन्त |
| | अरासयथाः | अरासयेथाम् | अरासयध्वम् |
| | अरासये | अरासयावहि | अरासयामहि |
| अ० | अरीरसत | अरीरसेताम् | अरीरसन्त |
| | अरीरसथाः | अरीरसेथाम् | अरीरसध्वम् |
| | अरीरसे | अरीरसावहि | अरीरसामहि |
| प० | रास्याञ्चक्रे | रास्याञ्चक्राते | रास्याञ्चक्रिरे |
| | रास्याञ्चकृषे | रास्याञ्चकृथे | रास्याञ्चकृद्वे |
| | रास्याञ्चक्रे | रास्याञ्चकृवहे | रास्याञ्चकृमहे |
| | रास्याम्बभूव | । | रास्यामास |
| आ० | रासयिषीष्ट | रासयिषीयास्तम् | रासयिषीरन् |
| | रासयिषीष्टाः | रासयिषीयास्थाम् | रासयिषीध्वम् |
| | रासयिषीय | रासयिषीवहि | रासयिषीमहि |
| श्च० | रासयिता | रासयितारौ | रासयितारः |
| | रासयितासे | रासयितासाथे | रासयिताध्वे |
| | रासयिताहे | रासयितास्वहे | रासयितास्महे |
| भ० | रासयिष्यते | रासयिष्येते | रासयिष्यन्ते |
| | रासयिष्यसे | रासयिष्येथे | रासयिष्यध्वे |
| | रासयिष्ये | रासयिष्यावहे | रासयिष्यामहे |
| क्रि० | अरासयिष्यत | अरासयिष्येताम् | अरासयिष्यन्त |
| | अरासयिष्यथाः | अरासयिष्येथाम् | अरासयिष्यध्वम् |
| | अरासयिष्ये | अरासयिष्यावहि | अरासयिष्यामहि |

543 लस (लस्) श्लेषणक्रीडनयोः ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | लासयति | लासयतः | लासयन्ति |
| | लासयसि | लासयथः | लासयथ |
| | लासयामि | लासयावः | लासयामः |
| स० | लासयेत् | लासयेताम् | लासयेयुः |
| | लासयेः | लासयेतम् | लासयेत |
| | लासयेयम् | लासयेव | लासयेम |
| प० | लासयतु | लासयतात् | लासयताम् |
| | लासय | लासयतात् | लासयतम् |
| | लासयानि | लासयाव | लासयाम |
| ह्य० | अलासयत् | अलासयताम् | अलासयन् |
| | अलासयः | अलासयतम् | अलासयत |
| | अलासयम् | अलासयाव | अलासयाम |
| अ० | अलीलसत् | अलीलसताम् | अलीलसन् |
| | अलीलसः | अलीलसतम् | अलीलसत |
| | अलीलसम् | अलीलसाव | अलीलसाम |
| प० | लासयाञ्चकार | लासयाञ्चक्रथुः | लासयाञ्चक्रुः |
| | लासयाञ्चकथं | लासयाञ्चक्रथुः | लासयाञ्चक्र |
| | लासयाञ्चकार-चकर | लासयाञ्चकृव | लासयाञ्चकृम |
| | लासयाम्बभूव | लासयामास | |
| आ० | लास्यात् | लास्यास्ताम् | लास्याथुः |
| | लास्याः | लास्यास्तम् | लास्यास्त |
| | लास्यासम् | लास्यास्व | लास्यास्म |
| श्व० | लासयिता | लासयितारौ | लासयितारः |
| | लासयितासि | लासयितास्थः | लासयितास्थ |
| | लासयितास्मि | लासयितास्वः | लासयितास्मः |
| भ० | लासयिष्यति | लासयिष्यतः | लासयिष्यन्ति |
| | लासयिष्यसि | लासयिष्यथः | लासयिष्यथ |
| | लासयिष्यामि | लासयिष्यावः | लासयिष्यामः |
| क्रि० | अलासयिष्यत् | अलासयिष्यताम् | अलासयिष्यन् |
| | अलासयिष्यः | अलासयिष्यतम् | अलासयिष्यत |
| | अलासयिष्यम् | अलासयिष्याव | अलासयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | लासयते | लासयेते | लासयन्ते |
| | लासयसे | लासयेथे | लासयध्वे |
| | लासये | लास्यावहे | लास्यामहे |
| स० | लासयेत | लासयेयाताम् | लासयेरन् |
| | लासयेथाः | लासयेयाथाम् | लासयेध्वम् |
| | लासयेय | लासयेवहि | लासयेमहि |
| प० | लासयताम् | लासयेताम् | लासयन्ताम् |
| | लासयस्व | लासयेथाम् | लासयध्वम् |
| | लासयै | लास्यावहै | लास्यामहै |
| ह्य० | अलासयत | अलासयेताम् | अलासयन्त |
| | अलासयथाः | अलासयेथाम् | अलासयध्वम् |
| | अलासये | अलासयावहि | अलासयामहि |
| अ० | अलीलसत | अलीलसेताम् | अलीलसन्त |
| | अलीलसथाः | अलीलसेथाम् | अलीलसध्वम् |
| | अलीलसे | अलीलसावहि | अलीलसामहि |
| प० | लासयाञ्चक्रे | लासयाञ्चक्राते | लासयाञ्चक्रिरे |
| | लासयाञ्चकृषे | लासयाञ्चक्रथे | लासयाञ्चकृध्वे |
| | लासयाञ्चक्रे | लासयाञ्चकृवहे | लासयाञ्चकृमहे |
| | लासयाम्बभूव | लासयामास | |
| आ० | लासयिषीष्ट | लासयिषीयास्ताम् | लासयिषीरन् |
| | लासयिषीष्टाः | लासयिषीयाथाम् | लासयिषीध्वम् |
| | लासयिषीय | लासयिषीवहि | लासयिषीमहि |
| श्वस | लासयिता | लासयितारौ | लासयितारः |
| | लासयितासे | लासयितासाथे | लासयिताध्वे |
| | लासयिताहे | लासयितास्वहे | लासयितास्महे |
| भ० | लासयिष्यते | लासयिष्येते | लासयिष्यन्ते |
| | लासयिष्यसे | लासयिष्येथे | लासयिष्यध्वे |
| | लासयिष्ये | लासयिष्यावहे | लासयिष्यामहे |
| क्रि० | अलासयिष्यत | अलासयिष्येताम् | अलासयिष्यन्त |
| | अलासयिष्यथाः | अलासयिष्येथाम् | अलासयिष्यध्वम् |
| | अलासयिष्ये | अलासयिष्यावहि | अलासयिष्यामहि |

544 घस्लृ (घस्) अदने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | घासयति | घासयतः | घासयन्ति |
| | घासयसि | घासयथः | घासयथ |
| | घासयामि | घासयावः | घासयामः |
| स० | घासयेत् | घासयेताम् | घासयेयुः |
| | घासयेः | घासयेतम् | घासयेत |
| | घासयेयम् | घासयेव | घासयेम |
| प० | घासयतु | घासयतात् | घासयताम् |
| | घासय | घासयतात् | घासयतम् |
| | घासयानि | घासयाव | घासयाम |
| ह्य० | अघासयत् | अघासयताम् | अघासयन् |
| | अघासयः | अघासयतम् | अघासयत |
| | अघासयम् | अघासयाव | अघासयाम |
| अ० | अजीघसत् | अजीघसताम् | अजीघसन् |
| | अजीघसः | अजीघसतम् | अजीघसत |
| | अजीघसम् | अजीघसाव | अजीघसाम |
| प० | घासयाञ्चकार | घासयाञ्चक्रुः | घासयाञ्चकुः |
| | घासयाञ्चकथं | घासयाञ्चक्रुः | घासयाञ्चक |
| | घासयाञ्चकार-चकर | घासयाञ्चकृव | घासयाञ्चकृम |
| | घासयाञ्चभूव | । | घासयामास |
| आ० | घास्यात् | घास्यास्ताम् | घास्यासुः |
| | घास्याः | घास्यास्तम् | घास्यास्त |
| | घास्यासम् | घास्यास्व | घास्यास्म |
| श्र० | घासयिता | घासयितारौ | घासयितारः |
| | घासयितासि | घासयितास्थः | घासयितास्थ |
| | घासयितास्मि | घासयितास्वः | घासयितास्मः |
| भ० | घासयिष्यति | घासयिष्यतः | घासयिष्यन्ति |
| | घासयिष्यसि | घासयिष्यथः | घासयिष्यथ |
| | घासयिष्यामि | घासयिष्यावः | घासयिष्यामः |
| क्रि० | अघासयिष्यत् | अघासयिष्यताम् | अघासयिष्यन् |
| | अघासयिष्यः | अघासयिष्यतम् | अघासयिष्यत |
| | अघासयिष्यम् | अघासयिष्याव | अघासयिष्याम |

545 हसे (हस्) हसने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | हासयति | हासयतः | हासयन्ति |
| | हासयसि | हासयथः | हासयथ |
| | हासयामि | हासयावः | हासयामः |
| स० | हासयेत् | हासयेताम् | हासयेयुः |
| | हासयेः | हासयेतम् | हासयेत |
| | हासयेयम् | हासयेव | हासयेम |
| प० | हासयतु | हासयतात् | हासयताम् |
| | हासय | हासयतात् | हासयतम् |
| | हासयानि | हासयाव | हासयाम |
| ह्य० | अहासयत् | अहासयताम् | अहासयन् |
| | अहासयः | अहासयतम् | अहासयत |
| | अहासयम् | अहासयाव | अहासयाम |
| अ० | अजीहसत् | अजीहसताम् | अजीहसन् |
| | अजीहसः | अजीहसतम् | अजीहसत |
| | अजीहसम् | अजीहसाव | अजीहसाम |
| प० | हासयाञ्चकार | हासयाञ्चक्रुः | हासयाञ्चकुः |
| | हासयाञ्चकथं | हासयाञ्चक्रुः | हासयाञ्चक |
| | हासयाञ्चकार-चकर | हासयाञ्चकृव | हासयाञ्चकृम |
| | हासयाञ्चभूव | । | हासयामास |
| आ० | हास्यात् | हास्यास्ताम् | हास्यासुः |
| | हास्याः | हास्यास्तम् | हास्यास्त |
| | हास्यासम् | हास्यास्व | हास्यास्म |
| श्र० | हासयिता | हासयितारौ | हासयितारः |
| | हासयितासि | हासयितास्थः | हासयितास्थ |
| | हासयितास्मि | हासयितास्वः | हासयितास्मः |
| भ० | हासयिष्यति | हासयिष्यतः | हासयिष्यन्ति |
| | हासयिष्यसि | हासयिष्यथः | हासयिष्यथ |
| | हासयिष्यामि | हासयिष्यावः | हासयिष्यामः |
| क्रि० | अहासयिष्यत् | अहासयिष्यताम् | अहासयिष्यन् |
| | अहासयिष्यः | अहासयिष्यतम् | अहासयिष्यत |
| | अहासयिष्यम् | अहासयिष्याव | अहासयिष्याम |

546 पिस् (पिस्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | पेसयति | पेसयतः | पेसयन्ति |
| | पेसयसि | पेसयथः | पेसयथ |
| | पेसयामि | पेसयावः | पेसयानः |
| स० | पेसयेत् | पेसयेताम् | पेसयेयुः |
| | पेसयेः | पेसयेतम् | पेसयेत |
| | पेसयेयम् | पेसयेव | पेसयेम |
| प० | पेसयतु | पेसयतात् | पेसयन्तु |
| | पेसय | पेसयतात | पेसयत |
| | पेसयानि | पेसयाव | पेसयाम |
| ह्य० | अपेसयत् | अपेसयताम् | अपेसयन् |
| | अपेसयः | अपेसयतम् | अपेसयत |
| | अपेसयम् | अपेसयाव | अपेसयाम |
| अ० | अपिपेसत् | अपिपेसताम् | अपिपेसन् |
| | अपिपेसः | अपिपेसतम् | अपिपेसत |
| | अपिपेसम् | अपिपेसाव | अपिपेसाम |
| प० | पेसयाञ्चकार | पेसयाञ्चक्रुः | पेसयाञ्चकुः |
| | पेसयाञ्चक० | पेसयाञ्चकथुः | पेसयाञ्चक |
| | पेसयाञ्चकार-चकर | पेसयाञ्चकृव | पेसयाञ्चकृम |
| | पेसयाञ्चभूव | । | पेसयामास |
| आ० | पेस्यात् | पेस्यास्ताम् | पेस्यासुः |
| | पेस्याः | पेस्यास्तम् | पेस्यास्त |
| | पेस्यासम् | पेस्यास्व | पेस्यास्म |
| भ० | पेसयिता | पेसयितारौ | पेसयितारः |
| | पेसयितासि | पेसयितास्थः | पेसयितास्थ |
| | पेसयितास्मि | पेसयितास्वः | पेसयितास्मः |
| भ० | पेसयिष्यति | पेसयिष्यतः | पेसयिष्यन्ति |
| | पेसयिष्यसि | पेसयिष्यथः | पेसयिष्यथ |
| | पेसयिष्यामि | पेसयिष्यावः | पेसयिष्यामः |
| क्रि० | अपेसयिष्यत् | अपेसयिष्यताम् | अपेसयिष्यन् |
| | अपेसयिष्यः | अपेसयिष्यतम् | अपेसयिष्यत |
| | अपेसयिष्यम् | अपेसयिष्याव | अपेसयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पेसयते | पेसयेते | पेसयन्ते |
| | पेसयसे | पेसयेथे | पेसयध्वे |
| | पेसये | पेसयावहे | पेसयामहे |
| स० | पेसयेत | पेसयेयाताम् | पेसयेरन् |
| | पेसयेथाः | पेसयेथाथाम | पेसयेध्वम् |
| | पेसयेय | पेसयेवहि | पेसयेमहि |
| प० | पेसयताम् | पेसयेताम् | पेसयन्ताम् |
| | पेसयस्व | पेसयेथाम् | पेसयध्वम् |
| | पेसये | पेसयावहे | पेसयामहे |
| ह्य० | अपेसयत् | अपेसयेताम् | अपेसयन्त |
| | अपेसयथाः | अपेसयेथाम् | अपेसयध्वम् |
| | अपेये | अपेसयावहि | अपेसयामहि |
| अ० | अपिपेसत् | अपिपेसेताम् | अपिपेसन्त |
| | अपिपेसथाः | अपिपेसेथाम् | अपिपेसध्वम् |
| | अपिपेसे | अपिपेसावहि | अपिपेसामहि |
| प० | पेसयाञ्चके | पेसयाञ्चकाते | पेसयाञ्चकिरे |
| | पेसयाञ्चकृषे | पेसयाञ्चकृथाये | पेसयाञ्चकृद्वे |
| | पेसयाञ्चके | पेसयाञ्चकृवहे | पेसयाञ्चकृमहे |
| | पेसयाञ्चभूव | । | पेसयामास |
| आ० | पेसयिषीष्ट | पेसयिषीयास्ताम् | पेसयिषीरन् |
| | पेसयिषीष्टाः | पेसयिषीयास्थाम् | पेसयिषीद्वम् |
| | पेसयिषीय | पेसयिषीवहि | पेसयिषीमहि |
| भ० | पेसयित | पेसयितारौ | पेसयितारः |
| | पेसयितासे | पेसयितासथे | पेसयिताध्वे |
| | पेसयिताहे | पेसयितास्वहे | पेसयितास्महे |
| भ० | पेसयिष्यते | पेसयिष्येते | पेसयिष्यन्ते |
| | पेसयिष्यसे | पेसयिष्येथे | पेसयिष्यध्वे |
| | पेसयिष्ये | पेसयिष्यावहे | पेसयिष्यामहे |
| क्रि० | अपेसयिष्यत् | अपेसयिष्येताम् | अपेसयिष्यन्त |
| | अपेसयिष्यथाः | अपेसयिष्येथाम् | अपेसयिष्यध्वम् |
| | अपेसयिष्ये | अपेसयिष्यावहि | अपेसयिष्यामहि |

548 वेस् (वेस्) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | वेस्यति | वेस्यतः | वेस्यन्ति |
| | वेस्यसि | वेस्यथः | वेस्यथ |
| | वेस्यामि | वेस्यावः | वेस्यामः |
| स० | वेस्येत् | वेस्येताम् | वेस्येयुः |
| | वेस्येः | वेस्येतम् | वेस्येत |
| | वेस्येयम् | वेस्येव | वेस्येम |
| प० | वेस्यतु | वेस्यतात् | वेस्यताम् |
| | वेस्य | वेस्यतात् | वेस्यतम् |
| | वेस्यानि | वेस्याव | वेस्याम |
| ह्य० | अवेस्यत् | अवेस्यताम् | अवेस्यन्तु |
| | अवेस्यः | अवेस्यताम् | अवेस्यत |
| | अवेस्यम् | अवेस्याव | अवेस्याम |
| अ० | अविवेसत् | अविवेसताम् | अविवेसन् |
| | अविवेसः | अविवेसताम् | अविवेसत |
| | अविवेसम् | अविवेसाव | अविवेसाम |
| प० | वेस्याञ्चकार | वेस्याञ्चक्रुः | वेस्याञ्चक्रुः |
| | वेस्याञ्चकथ | वेस्याञ्चकथुः | वेस्याञ्चक |
| | वेस्याञ्चकार-चकर | वेस्याञ्चकृव | वेस्याञ्चकृम |
| | वेस्याम्बभूव | वेस्यामास | |
| आ० | वेस्यात् | वेस्यास्ताम् | वेस्यासुः |
| | वेस्याः | वेस्यास्ताम् | वेस्यास्त |
| | वेस्यासम् | वेस्यास्व | वेस्यास्म |
| झ० | वेसयिता | वेसयितारौ | वेसयितारः |
| | वेसयितासि | वेसयितास्थः | वेसयितास्थ |
| | वेसयितास्मि | वेसयितास्वः | वेसयितास्मः |
| म० | वेसयिष्यति | वेसयिष्यतः | वेसयिष्यन्ति |
| | वेसयिष्यसि | वेसयिष्यथः | वेसयिष्यथ |
| | वेसयिष्यामि | वेसयिष्यावः | वेसयिष्यामः |
| क्रि० | अवेसयिष्यत् | अवेसयिष्यताम् | अवेसयिष्यन्तु |
| | अवेसयिष्यः | अवेसयिष्यताम् | अवेसयिष्यत |
| | अवेसयिष्यम् | अवेसयिष्याव | अवेसयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| व० | वेस्यते | वेस्येते | वेस्यन्ते |
| | वेस्यथे | वेस्येथे | वेस्यध्वे |
| | वेस्ये | वेस्यावहे | वेस्यामहे |
| स० | वेस्येत | वेस्येयाताम् | वेस्येरन् |
| | वेस्येथाः | वेस्येयाथाम् | वेस्येध्वम् |
| | वेस्येय | वेस्येवहि | वेस्येमहि |
| प० | वेस्यताम् | वेस्येताम् | वेस्यन्ताम् |
| | वेस्यस्व | वेस्येथाम् | वेस्यध्वम् |
| | वेस्ये | वेस्यावहे | वेस्यामहे |
| ह्य० | अवेस्यत | अवेस्येताम् | अवेस्यन्त |
| | अवेस्यथाः | अवेस्येथाम् | अवेस्यध्वम् |
| | अवेस्ये | अवेस्यावहि | अवेस्यामहि |
| अ० | अविवेसत् | अविवेसेताम् | अविवेसन्त |
| | अविवेसथाः | अविवेसेथाम् | अविवेसध्वम् |
| | अविवेसे | अविवेसावहि | अविवेसामहि |
| प० | वेस्याञ्चक्रे | वेस्याञ्चक्राते | वेस्याञ्चक्रिरे |
| | वेस्याञ्चकृषे | वेस्याञ्चक्राथे | वेस्याञ्चकृद्वे |
| | वेस्याञ्चक्रे | वेस्याञ्चकृवहे | वेस्याञ्चकृमहे |
| | वेस्याम्बभूव | वेस्यामास | |
| आ० | वेसयिषीष्ट | वेसयिषीयास्तम् | वेसयिषीरन् |
| | वेसयिषीष्ठाः | वेसयिषीयास्थाम् | वेसयिषीद्वम् |
| | वेसयिषीय | वेसयिषीवहि | वेसयिषीमहि |
| झ० | वेसयिता | वेसयितारौ | वेसयितारः |
| | वेसयितासे | वेसयितामाथे | वेसयिताध्वे |
| | वेसयितापे | वेसयितास्वहे | वेसयितास्महे |
| म० | वेसयिष्यते | वेसयिष्येते | वेसयिष्यन्ते |
| | वेसयिष्यसे | वेसयिष्येथे | वेसयिष्यध्वे |
| | वेसयिष्ये | वेसयिष्यावहे | वेसयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेसयिष्यत् | अवेसयिष्येताम् | अवेसयिष्यन्तु |
| | अवेसयिष्यथाः | अवेसयिष्येथाम् | अवेसयिष्यध्वम् |
| | अवेसयिष्ये | अवेसयिष्यावहि | अवेसयिष्यामहि |

549 शस् (शस्) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | शासयति | शासयतः | शासयन्ति |
| | शासयसि | शासयथः | शासयथ |
| | शासयामि | शासयावः | शासयानः |
| स० | शासयेत् | शासयेताम् | शासयेयुः |
| | शासयेः | शासयेतम् | शासयेत |
| | शासयेयम् | शासयेव | शासयेम |
| प० | शासयतु | शासयतात् | शासयन्तु |
| | शासय | शासयतात | शासयतम् |
| | शासयानि | शासयाव | शासयाम |
| ह्य० | अशासयत् | अशासयताम् | अशासयन् |
| | अशासयः | अशासयतम् | अशासयत |
| | अशासयम् | अशासयाव | अशासयाम |
| अ० | अशीशसत् | अशीशसताम् | अशीशसन् |
| | अशीशसः | अशीशसतम् | अशीशसत |
| | अशीशसम् | अशीशसाव | अशीशसाम |
| प० | शासयाञ्चकार | शासयाञ्चक्रुः | शासयाञ्चक्रुः |
| | शासयाञ्चकथं | शासयाञ्चकथुः | शासयाञ्चक्रु |
| | शासयाञ्चकार-चकर | शासयाञ्चकृव | शासयाञ्चकृम |
| | शासयाञ्चभूव | शासयामास | |
| भा० | शास्यात् | शास्यास्ताम् | शास्यासुः |
| | शास्याः | शास्यास्तम् | शास्यास्त |
| | शास्यास्म | शास्यास्व | शास्यास्म |
| श्व० | शासयिता | शासयितारौ | शासयितारः |
| | शासयितासि | शासयितास्थः | शासयितास्थ |
| | शासयितास्मि | शासयितास्वः | शासयितास्मः |
| भ० | शासयिष्यति | शासयिष्यतः | शासयिष्यन्ति |
| | शासयिष्यसि | शासयिष्यथः | शासयिष्यथ |
| | शासयिष्यामि | शासयिष्यावः | शासयिष्यामः |
| क्रि० | अशासयिष्यत् | अशासयिष्यताम् | अशासयिष्यन् |
| | अशासयिष्यः | अशासयिष्यतम् | अशासयिष्यत |
| | अशासयिष्यम् | अशासयिष्याव | अशासयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| व० | शासयते | शासयेते | शासयन्ते |
| | शासयसे | शासयेथे | शासयध्वे |
| | शासये | शासयावहे | शासयामहे |
| स० | शासयेत | शासयेयताम् | शासयेरन् |
| | शासयेथाः | शासयेयथाम् | शासयेध्वम् |
| | शासयेय | शासयेवहि | शासयेमहि |
| प० | शासयताम् | शासयेताम् | शासयन्ताम् |
| | शासयस्व | शासयेथाम् | शासयध्वम् |
| | शासयै | शासयावहे | शासयामहे |
| ह्य० | अशासयत | अशासयेताम् | अशासयन्त |
| | अशासयथाः | अशासयेथाम् | अशासयध्वम् |
| | अशासये | अशासयावहि | अशासयामहि |
| अ० | अशीशसत | अशीशसेताम् | अशीशसन्त |
| | अशीशसथाः | अशीशसेथाम् | अशीशसध्वम् |
| | अशीशसे | अशीशसावहि | अशीशसामहि |
| प० | शासयाञ्चक्रे | शासयाञ्चक्रते | शासयाञ्चक्रिरे |
| | शासयाञ्चकृषे | शासयाञ्चकृष्ये | शासयाञ्चकृद्वे |
| | शासयाञ्चक्रे | शासयाञ्चकृवहे | शासयाञ्चकृमहे |
| | शासयाञ्चभूव | शासयामास | |
| आ० | शासयिषीष्ट | शासयिषीयस्ताम् | शासयिषीरन् |
| | शासयिषीष्ठाः | शासयिषीयस्थाम् | शासयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | शासयिषीय | शासयिषीवहि | शासयिषीमहि |
| श्व० | शासयिता | शासयितारौ | शासयितारः |
| | शासयितासे | शासयितामाथे | शासयिताध्वे |
| | शासयिताहे | शासयितास्वहे | शासयितास्महे |
| भ० | शासयिष्यते | शासयिष्येते | शासयिष्यन्ते |
| | शासयिष्यसे | शासयिष्येथे | शासयिष्यध्वे |
| | शासयिष्ये | शासयिष्यावहे | शासयिष्यामहे |
| क्रि० | अशासयिष्यत | अशासयिष्येताम् | अशासयिष्यन्त |
| | अशासयिष्यथाः | अशासयिष्येथाम् | अशासयिष्यध्वम् |
| | अशासयिष्ये | अशासयिष्यावहि | अशासयिष्यामहि |

550 शंस्र (शंस्र) स्तुतौ च ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| ब० | शंस्रयति | शंस्रयतः | शंस्रयन्ति |
| | शंस्रयसि | शंस्रयथः | शंस्रयथ |
| | शंस्रयामि | शंस्रयावः | शंस्रयामः |
| स० | शंस्रयेत् | शंस्रयेताम् | शंस्रयेयुः |
| | शंस्रयेः | शंस्रयेतम् | शंस्रयेत |
| | शंस्रयेयम् | शंस्रयेव | शंस्रयेम |
| प० | शंस्रयतु | शंस्रयतात् | शंस्रयताम् |
| | शंस्रय | शंस्रयतात् | शंस्रयतम् |
| | शंस्रयानि | शंस्रयाव | शंस्रयाम |
| ह्य० | अशंस्रयत् | अशंस्रयताम् | अशंस्रयन् |
| | अशंस्रयः | अशंस्रयतम् | अशंस्रयत |
| | अशंस्रयम् | अशंस्रयाव | अशंस्रयाम |
| भ० | अशंस्रयत् | अशंस्रयताम् | अशंस्रयन् |
| | अशंस्रयः | अशंस्रयतम् | अशंस्रयत |
| | अशंस्रयम् | अशंस्रयाव | अशंस्रयाम |
| प० | शंस्रयाश्चकार | शंस्रयाश्चक्रथुः | शंस्रयाश्चक्रुः |
| | शंस्रयाश्चकथे | शंस्रयाश्चक्रथुः | शंस्रयाश्चक्र |
| | शंस्रयाश्चकार-चक्र | शंस्रयाश्चक्रव | शंस्रयाश्चक्रम |
| | शंस्रयाम्बभूव | । | शंस्रयामास |
| भा० | शंस्रयात् | शंस्रयास्ताम् | शंस्रयास्तुः |
| | शंस्रयाः | शंस्रयास्तम् | शंस्रयास्त |
| | शंस्रयासम् | शंस्रयास्व | शंस्रयास्म |
| श्व० | शंस्रयिता | शंस्रयितारौ | शंस्रयितारः |
| | शंस्रयितासि | शंस्रयितास्थः | शंस्रयितास्थ |
| | शंस्रयितास्मि | शंस्रयितास्वः | शंस्रयितास्मः |
| भ० | शंस्रयिष्यति | शंस्रयिष्यतः | शंस्रयिष्यन्ति |
| | शंस्रयिष्यसि | शंस्रयिष्यथः | शंस्रयिष्यथ |
| | शंस्रयिष्यामि | शंस्रयिष्यावः | शंस्रयिष्यामः |
| क्रि० | अशंस्रयिष्यत् | अशंस्रयिष्यताम् | अशंस्रयिष्यन् |
| | अशंस्रयिष्यः | अशंस्रयिष्यतम् | अशंस्रयिष्यत |
| | अशंस्रयिष्यम् | अशंस्रयिष्याव | अशंस्रयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|---------------------|--------------------|
| व० | शंस्रयेते | शंस्रयेते | शंस्रयन्ते |
| | शंस्रयसे | शंस्रयेथे | शंस्रयध्वे |
| | शंस्रये | शंस्रयावहे | शंस्रयामहे |
| स० | शंस्रयेत | शंस्रयेयाताम् | शंस्रयेरन् |
| | शंस्रयेथाः | शंस्रयेयाथाम् | शंस्रयेध्वम् |
| | शंस्रयेय | शंस्रयेवहि | शंस्रयेमहि |
| प० | शंस्रयताम् | शंस्रयेताम् | शंस्रयन्ताम् |
| | शंस्रयस्व | शंस्रयेथाम् | शंस्रयध्वम् |
| | शंस्रये | शंस्रयावहै | शंस्रयामहै |
| ह्य० | अशंस्रयत | अशंस्रयेताम् | अशंस्रयन्त |
| | अशंस्रयथाः | अशंस्रयेथाम् | अशंस्रयध्वम् |
| | अशंस्रये | अशंस्रयावहि | अशंस्रयामहि |
| अ० | अशंस्रयत | अशंस्रयेताम् | अशंस्रयन्त |
| | अशंस्रयथाः | अशंस्रयेथाम् | अशंस्रयध्वम् |
| | अशंस्रये | अशंस्रयावहि | अशंस्रयामहि |
| प० | शंस्रयाश्चक्रे | शंस्रयाश्चक्राते | शंस्रयाश्चक्रिरे |
| | शंस्रयाश्चक्रे | शंस्रयाश्चक्राये | शंस्रयाश्चक्रुह्वे |
| | शंस्रयाश्चक्रे | शंस्रयाश्चक्रवहे | शंस्रयाश्चक्रमहे |
| | शंस्रयाम्बभूव | । | शंस्रयामास |
| भा० | शंस्रयिषीष्ट | शंस्रयिषीष्टान्ताम् | शंस्रयिषीरन् |
| | शंस्रयिषीष्टाः | शंस्रयिषीष्टास्थाम् | शंस्रयिषीह्वम् |
| | शंस्रयिषीय | शंस्रयिषीवहि | शंस्रयिषीमहि |
| श्वस | शंस्रयिता | शंस्रयितारौ | शंस्रयितारः |
| | शंस्रयितासे | शंस्रयितासाथे | शंस्रयिताध्वे |
| | शंस्रयिताहे | शंस्रयितास्वहे | शंस्रयितामहे |
| भ० | शंस्रयिष्यते | शंस्रयिष्येते | शंस्रयिष्यन्ते |
| | शंस्रयिष्यसे | शंस्रयिष्येथे | शंस्रयिष्यध्वे |
| | शंस्रयिष्ये | शंस्रयिष्यावहे | शंस्रयिष्यामहे |
| क्रि० | अशंस्रयिष्यत् | अशंस्रयिष्यताम् | अशंस्रयिष्यन्त |
| | अशंस्रयिष्यथाः | अशंस्रयिष्येथाम् | अशंस्रयिष्यध्वम् |
| | अशंस्रयिष्ये | अशंस्रयिष्यावहि | अशंस्रयिष्यामहि |

॥ अथ हान्ताः पञ्चदश ॥

55। मिहं (मिह्) सेचने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | मेहयति | मेहयतः | मेहयन्ति |
| | मेहयसि | मेहयथः | मेहयथ |
| | मेहयामि | मेहयावः | मेहयामः |
| स० | मेहयेत् | मेहयेताम् | मेहयेयुः |
| | मेहयेः | मेहयेतम् | मेहयेत |
| | मेहयेयम् | मेहयेव | मेहयेम |
| प० | मेहयतु | मेहयतात् | मेहयताम् |
| | मेहय | मेहयतात् | मेहयताम् |
| | मेहयानि | मेहयाव | मेहयाम |
| ह्य० | अमेहयत् | अमेहयताम् | अमेहयन् |
| | अमेहयः | अमेहयतम् | अमेहयत |
| | अमेहयम् | अमेहयाव | अमेहयाम |
| अ० | अमीमिहत् | अमीमिहताम् | अमीमिहन् |
| | अमीमिहः | अमीमिहतम् | अमीमिहत |
| | अमीमिहम् | अमीमिहाव | अमीमिहाम |
| प० | मेहयाञ्चकार | मेहयाञ्चकतुः | मेहयाञ्चकुः |
| | मेहयाञ्चकर्थ | मेहयाञ्चकथुः | मेहयाञ्चक |
| | मेहयाञ्चकार-चकर | मेहयाञ्चकृव | मेहयाञ्चकृम |
| | मेहयाम्बभूव | मेहयामास | |
| आ० | मेहयात् | मेहयास्ताम् | मेहयासुः |
| | मेहयाः | मेहयास्तम् | मेहयास्त |
| | मेहयासम् | मेहयास्व | मेहयास्म |
| श्व० | मेहयिता | मेहयितारौ | मेहयितारः |
| | मेहयितासि | मेहयितास्थः | मेहयितास्थ |
| | मेहयितास्मि | मेहयितास्वः | मेहयितास्मः |
| भ० | मेहयिष्यति | मेहयिष्यतः | मेहयिष्यन्ति |
| | मेहयिष्यसि | मेहयिष्यथः | मेहयिष्यथ |
| | मेहयिष्यामि | मेहयिष्यावः | मेहयिष्यामः |
| क्रि० | अमेहयिष्यत् | अमेहयिष्यताम् | अमेहयिष्यन् |
| | अमेहयिष्यः | अमेहयिष्यतम् | अमेहयिष्यत |
| | अमेहयिष्यम् | अमेहयिष्याव | अमेहयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | मेहयते | मेहयेते | मेहयन्ते |
| | मेहयसे | मेहयेये | मेहयध्वे |
| | मेहये | मेहयावहे | मेहयामहे |
| स० | मेहयेत् | मेहयेयाताम् | मेहयेयन् |
| | मेहयेथाः | मेहयेयाथाम् | मेहयेय्वम् |
| | मेहयेय | मेहयेवहि | मेहयेमहि |
| प० | मेहयताम् | मेहयेताम् | मेहयन्ताम् |
| | मेहयस्व | मेहयेथाम् | मेहयध्वम् |
| | मेहयै | मेहयावहै | मेहयामहे |
| ह्य० | अमेहयत् | अमेहयेताम् | अमेहयन्त |
| | अमेहयथाः | अमेहयेथाम् | अमेहयध्वम् |
| | अमेहये | अमेहयावहि | अमेहयामहि |
| अ० | अमीमिहत | अमीमिहेताम् | अमीमिहन्त |
| | अमीमिहथाः | अमीमिहेथाम् | अमीमिहध्वम् |
| | अमीमिहे | अमीमिहावहि | अमीमिहामहि |
| प० | मेहयाञ्चके | मेहयाञ्चकते | मेहयाञ्चकिरे |
| | मेहयाञ्चकृषे | मेहयाञ्चकृषे | मेहयाञ्चकृवे |
| | मेहयाञ्चके | मेहयाञ्चकृवहे | मेहयाञ्चकृमहे |
| | मेहयाम्बभूव | मेहयामास | |
| आ० | मेहयिषीष्ट | मेहयिषीयास्ताम् | मेहयिषीरन् |
| | मेहयिषीष्ठाः | मेहयिषीयास्थाम् | मेहयिषीद्वम् |
| | मेहयिषीय | मेहयिषीवहि | मेहयिषीमहि |
| श्व० | मेहयिता | मेहयितारौ | मेहयितारः |
| | मेहयितासे | मेहयितासाथे | मेहयिताध्वे |
| | मेहयिताहे | मेहयितास्वहे | मेहयितास्महे |
| भ० | मेहयिष्यते | मेहयिष्येते | मेहयिष्यन्ते |
| | मेहयिष्यसे | मेहयिष्येथे | मेहयिष्यध्वे |
| | मेहयिष्ये | मेहयिष्यावहे | मेहयिष्यामहे |
| क्रि० | अमेहयिष्यत् | अमेहयिष्येताम् | अमेहयिष्यन्त |
| | अमेहयिष्यथाः | अमेहयिष्येथाम् | अमेहयिष्यध्वम् |
| | अमेहयिष्ये | अमेहयिष्यावहि | अमेहयिष्यामहि |

552 दहं (दह्) भस्मीकरणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० दाहयति | दाहयतः | दाहयन्ति |
| दाहयसि | दाहयथः | दाहयथ |
| दाहयामि | दाहयार्वः | दाहयामः |
| ब० दाहयेत् | दाहयेताम् | दाहयेयुः |
| दाहयेः | दाहयेतम् | दाहयेत |
| दाहयेयम् | दाहयेव | दाहयेम |
| प० दाहयतु | दाहयतात् | दाहयन्तु |
| दाहय | दाहयतात् | दाहयतम् |
| दाहयानि | दाहयाव | दाहयाम |
| भा० अदाहयत् | अदाहयताम् | अदाहयन् |
| अदाहयः | अदाहयतम् | अदाहयत |
| अदाहयम् | अदाहयाव | अदाहयाम |
| भ० अदीदहत् | अदीदहताम् | अदीदहन् |
| अदीदहः | अदीदहतम् | अदीदहत |
| अदीदहम् | अदीदहाव | अदीदहाम |
| प० दाहयाञ्चकार | दाहयाञ्चक्रुः | दाहयाञ्चकुः |
| दाहयाञ्चकथं | दाहयाञ्चक्रुः | दाहयाञ्चक |
| दाहयाञ्चकार-चक्र | दाहयाञ्चकृन् | दाहयाञ्चकृम |
| दाहयाञ्चभूव | दाहयामास | |
| भा० दाहयात् | दाहयास्ताम् | दाहयासुः |
| दाहयाः | दाहयास्तम् | दाहयास्त |
| दाहयासम् | दाहयास्व | दाहयास्म |
| ख० दाहयिता | दाहयितारौ | दाहयितारः |
| दाहयितासि | दाहयितास्थः | दाहयितास्थ |
| दाहयितास्मि | दाहयितास्वः | दाहयितास्मः |
| भ० दाहयिष्यति | दाहयिष्यतः | दाहयिष्यन्ति |
| दाहयिष्यसि | दाहयिष्यथः | दाहयिष्यथ |
| दाहयिष्यामि | दाहयिष्यावः | दाहयिष्यामः |
| क्रि० अदाहयिष्यत् | अदाहयिष्यताम् | अदाहयिष्यन् |
| अदाहयिष्यः | अदाहयिष्यतम् | अदाहयिष्यत |
| अदाहयिष्यम् | अदाहयिष्याव | अदाहयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० दाहयते | दाहयेते | दाहयन्ते |
| दाहयसे | दाहयेथे | दाहयन्थे |
| दाहये | दाहयावहे | दाहयामहे |
| स० दाहयेत | दाहयेयाताम् | दाहयेरन् |
| दाहयेथाः | दाहयेयाथाम् | दाहयेष्वम् |
| दाहयेय | दाहयेवहि | दाहयेमहि |
| प० दाहयताम् | दाहयेताम् | दाहयन्ताम् |
| दाहयस्व | दाहयेथाम् | दाहयष्वम् |
| दाहये | दाहयावहे | दाहयामहे |
| भा० अदाहयत् | अदाहयेताम् | अदाहयन्त |
| अदाहयथाः | अदाहयेथाम् | अदाहयष्वम् |
| अदाहये | अदाहयावहि | अदाहयामहि |
| भ० अदीदहत | अदीदहेताम् | अदीदहन्त |
| अदीदहथाः | अदीदहेथाम् | अदीदहष्वम् |
| अदीदहे | अदीदहावहि | अदीदहामहि |
| प० दाहयाञ्चक्रे | दाहयाञ्चक्राते | दाहयाञ्चक्रिरे |
| दाहयाञ्चकृषे | दाहयाञ्चक्राथे | दाहयाञ्चकृद्वे |
| दाहयाञ्चक्रे | दाहयाञ्चकृवहे | दाहयाञ्चकृमहे |
| दाहयाञ्चभूव | दाहयामास | |
| भा० दाहयिषीष्ट | दाहयिषीयास्ताम् | दाहयिषीरन् |
| दाहयिषीष्टाः | दाहयिषीयास्थाम् | दाहयिषीद्वम् |
| दाहयिषीय | दाहयिषीवहि | दाहयिषीमहि |
| ख० दाहयिता | दाहयितारौ | दाहयितारः |
| दाहयितासे | दाहयितासाथे | दाहयितास्व |
| दाहयिताहे | दाहयितास्वहे | दाहयितास्महे |
| भ० दाहयिष्यते | दाहयिष्येते | दाहयिष्यन्ते |
| दाहयिष्यसे | दाहयिष्येथे | दाहयिष्यन्थे |
| दाहयिष्ये | दाहयिष्यवहे | दाहयिष्यामहे |
| क्रि० अदाहयिष्यत् | अदाहयिष्येताम् | अदाहयिष्यन्त |
| अदाहयिष्यथाः | अदाहयिष्येथाम् | अदाहयिष्यष्वम् |
| अदाहयिष्ये | अदाहयिष्यवहि | अदाहयिष्यामहि |

553 चह (चह) कल्कने ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| ब० | चाहयति | चाहयतः | चाहयन्ति |
| | चाहयसि | चाहयथः | चाहयथ |
| | चाहयामि | चाहयावः | चाहयामः |
| स० | चाहयेत् | चाहयेताम् | चाहयेयुः |
| | चाहयेः | चाहयेतम् | चाहयेत |
| | चाहयेयम् | चाहयेव | चाहयेम |
| प० | चाहयतु | चाहयतात् | चाहयताम् |
| | चाहय | चाहयतात् | चाहयतम् |
| | चाहयानि | चाहयाव | चाहयाम |
| ह्य० | अचाहयत् | अचाहयताम् | अचाहयन्त |
| | अचाहयः | अचाहयतम् | अचाहयत |
| | अचाहयम् | अचाहयाव | अचाहयाम |
| भ० | अचीचहत् | अचीचहताम् | अचीचहन् |
| | अचीचहः | अचीचहतम् | अचीचहत |
| | अचीचहम् | अचीचहाव | अचीचहाम |
| प० | चाहयाश्चकार | चाहयाश्चकतुः | चाहयाश्चकुः |
| | चाहयाश्चकथं | चाहयाश्चकथुः | चाहयाश्चक |
| | चाहयाश्चकार, चकर | चाहयाश्चकृन् | चाहयाश्चकृम |
| | चाहयाश्चभूव | । | चाहयामास |
| आ० | चाहयात् | चाहयास्ताम् | चाहयास्तुः |
| | चाहयाः | चाहयास्तम् | चाहयास्त |
| | चाहयासम् | चाहयास्व | चाहयासम् |
| श्च० | चाहयिता | चाहयितारौ | चाहयितारः |
| | चाहयितासि | चाहयितास्थः | चाहयितास्थ |
| | चाहयितास्मि | चाहयितास्वः | चाहयितास्मः |
| भ० | चाहयिष्यति | चाहयिष्यतः | चाहयिष्यन्ति |
| | चाहयिष्यसि | चाहयिष्यथः | चाहयिष्यथ |
| | चाहयिष्यामि | चाहयिष्यावः | चाहयिष्यामः |
| क्रि० | अचाहयिष्यत् | अचाहयिष्यताम् | अचाहयिष्यन् |
| | अचाहयिष्यः | अचाहयिष्यतम् | अचाहयिष्यत |
| | अचाहयिष्यम् | अचाहयिष्याव | अचाहयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | चाहयते | चाहयेते | चाहयन्ते |
| | चाहयसे | चाहयेथे | चाहयध्वे |
| | चाहये | चाहयावहे | चाहयामहे |
| स० | चाहयेत | चाहयेयाताम् | चाहयेन |
| | चाहयेथाः | चाहयेयाथाम् | चाहयेय्वम् |
| | चाहयेय | चाहयेवहि | चाहयेमहि |
| प० | चाहयताम् | चाहयेताम् | चाहयन्ताम् |
| | चाहयस्व | चाहयेथाम् | चाहयध्वम् |
| | चाहये | चाहयावहे | चाहयामहे |
| ह्य० | अचाहयत | अचाहयेताम् | अचाहयन्त |
| | अचाहयथाः | अचाहयेथाम् | अचाहयध्वम् |
| | अचाहये | अचाहयावहि | अचाहयामहि |
| भ० | अचीचहत | अचीचहेताम् | अचीचहन्त |
| | अचीचहथाः | अचीचहेथाम् | अचीचहध्वम् |
| | अचीचहे | अचीचहावहि | अचीचहामहि |
| प० | चाहयाश्चक्रे | चाहयाश्चक्राते | चाहयाश्चक्रिरे |
| | चाहयाश्चकृषे | चाहयाश्चक्राथे | चाहयाश्चकृध्वे |
| | चाहयाश्चक्रे | चाहयाश्चकृवहे | चाहयाश्चकृमहे |
| | चाहयाश्चभूव | । | चाहयामास |
| आ० | चाहयिषीष्ट | चाहयिषीयास्ताम् | चाहयिषीरन् |
| | चाहयिषीष्टाः | चाहयिषीयास्थाम् | चाहयिषीद्वम् |
| | चाहयिषीय | चाहयिषीवहि | चाहयिषीमहि |
| श्च० | चाहयिता | चाहयितारौ | चाहयितारः |
| | चाहयितासे | चाहयितासाथे | चाहयिताध्वे |
| | चाहयिताहे | चाहयितास्वहे | चाहयितास्महे |
| भ० | चाहयिष्यते | चाहयिष्येते | चाहयिष्यन्ते |
| | चाहयिष्यसे | चाहयिष्येथे | चाहयिष्यध्वे |
| | चाहयिष्ये | चाहयिष्यावहे | चाहयिष्यामहे |
| क्रि० | अचाहयिष्यत | अचाहयिष्येताम् | अचाहयिष्यन्त |
| | अचाहयिष्यथाः | अचाहयिष्येथाम् | अचाहयिष्यध्वम् |
| | अचाहयिष्ये | अचाहयिष्यावहि | अचाहयिष्यामहि |

554 रह (रह) त्यागे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | राहयति | राहयतः | राहयन्ति |
| | राहयसि | राहयथः | राहयथ |
| | राहयामि | राहयावः | राहयामः |
| स० | राहयेत् | राहयेताम् | राहयेयुः |
| | राहयेः | राहयेताम् | राहयेत |
| | राहयेयम् | राहयेव | राहयेम |
| प० | राहयतु | राहयतात् | राहयताम् |
| | राहय | राहयतात् | राहयतम् |
| | राहयाणि | राहयाव | राहयाम |
| ह्य० | अराहयत् | अराहयताम् | अराहयन् |
| | अराहयः | अराहयतम् | अराहयत |
| | अराहयम् | अराहयाव | अराहयाम |
| अ० | अरीरहत् | अरीरहताम् | अरीरहन् |
| | अरीरहः | अरीरहतम् | अरीरहत |
| | अरीरहम् | अरीरहाव | अरीरहाम |
| प० | राहयाञ्चकार | राहयाञ्चकतुः | राहयाञ्चकुः |
| | राहयाञ्चकर्थ | राहयाञ्चकथुः | राहयाञ्चक |
| | राहयाञ्चकारःचकर | राहयाञ्चकृव | राहयाञ्चकृम |
| | राहयाञ्चभूव | । राहयामास | |
| आ० | राहयात् | राहयास्ताम् | राहयासुः |
| | राहयाः | राहयास्तम् | राहयास्त |
| | राहयासम् | राहयास्व | राहयास्म |
| श्व० | राहयिता | राहयितारौ | राहयितारः |
| | राहयितासि | राहयितास्थः | राहयितास्थ |
| | राहयितास्मि | राहयितास्वः | राहयितास्मः |
| भ० | राहयिष्यति | राहयिष्यतः | राहयिष्यन्ति |
| | राहयिष्यसि | राहयिष्यथः | राहयिष्यथ |
| | राहयिष्यामि | राहयिष्यावः | राहयिष्यामः |
| क्रि० | अराहयिष्यत् | अराहयिष्यताम् | अराहयिष्यन् |
| | अराहयिष्यः | अराहयिष्यतम् | अराहयिष्यत |
| | अराहयिष्यम् | अराहयिष्याव | अराहयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | राहयेते | राहयेते | राहयन्ते |
| | राहयेसे | राहयेथे | राहयन्वे |
| | राहये | राहयावहे | राहयामहे |
| स० | राहयेत | राहयेयाताम् | राहयेरन् |
| | राहयेथाः | राहयेयाथाम् | राहयेष्वम् |
| | राहयेय | राहयेवहि | राहयेमहि |
| प० | राहयताम् | राहयेताम् | राहयन्ताम् |
| | राहयस्व | राहयेथाम् | राहयन्वम् |
| | राहये | राहयावहे | राहयामहे |
| ह्य० | अराहयत | अराहयेताम् | अराहयन्त |
| | अराहयथाः | अराहयेथाम् | अराहयन्वम् |
| | अराहये | अराहयावहि | अराहयामहि |
| अ० | अरीरहत | अरीरहेताम् | अरीरहन्त |
| | अरीरहथाः | अरीरहेथाम् | अरीरहन्वम् |
| | अरीरहे | अरीरहावहि | अरीरहामहि |
| प० | राहयाञ्चके | राहयाञ्चकते | राहयाञ्चकिरे |
| | राहयाञ्चकृषे | राहयाञ्चकृषे | राहयाञ्चकृद्वे |
| | राहयाञ्चके | राहयाञ्चकृवहे | राहयाञ्चकृमहे |
| | राहयाञ्चभूव | । राहयामास | |
| आ० | राहयिषीष्ट | राहयिषीयास्ताम् | राहयिषीरन् |
| | राहयिषीष्ठाः | राहयिषीयास्थाम् | राहयिषीद्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | राहयिषीय | राहयिषीवहि | राहयिषीमहि |
| श्व० | राहयिता | राहयितारौ | राहयितारः |
| | राहयितासे | राहयितासाथे | राहयिताष्वे |
| | राहयिताहे | राहयितास्वहे | राहयितास्महे |
| भ० | राहयिष्यते | राहयिष्येते | राहयिष्यन्ते |
| | राहयिष्यसे | राहयिष्येथे | राहयिष्यन्वे |
| | राहयिष्ये | राहयिष्यावहे | राहयिष्यामहे |
| क्रि० | अराहयिष्यत् | अराहयिष्येताम् | अराहयिष्यन्त |
| | अराहयिष्यथाः | अराहयिष्येथाम् | अराहयिष्यन्वम् |
| | अराहयिष्ये | अराहयिष्यावहि | अराहयिष्यामहि |

555 रहु (रहं) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|--------------|-------------|
| व० | रहयति | रहयतः | रहयन्ति |
| | रहयसि | रहयथः | रहयथ |
| | रहयामि | रहयावः | रहयामः |
| स० | रहयेत् | रहयेताम् | रहयेयुः |
| | रहयेः | रहयेतम् | रहयेत |
| | रहयेयम् | रहयेव | रहयेम |
| प० | रहयतु | रहयतात् | रहयन्तु |
| | रहय | रहयतात् | रहयतम् |
| | रहयाणि | रहयाव | रहयाम |
| ह्य० | अरहयत् | अरहयताम् | अरहयन् |
| | अरहयः | अरहयतम् | अरहयत |
| | अरहयम् | अरहयाव | अरहयाम |
| भ० | अररहत् | अररहताम् | अररहन् |
| | अररहः | अररहतम् | अररहत |
| | अररहम् | अररहाव | अररहाम |
| प० | रहयाञ्चकार | रहयाञ्चकतुः | रहयाञ्चकुः |
| | रहयाञ्चकथं | रहयाञ्चकथुः | रहयाञ्चक |
| | रहयाञ्चकार; चकर | रहयाञ्चकृव | रहयाञ्चकृम |
| | रहयाम्बभूव | । | रहयामास |
| आ० | रहयात् | रहयास्ताम् | रहयासुः |
| | रहयाः | रहयास्तम् | रहयास्त |
| | रहयासम् | रहयास्व | रहयास्म |
| श्व० | रहयिता | रहयितारौ | रहयितारः |
| | रहयितासि | रहयितास्थः | रहयितास्थ |
| | रहयितास्मि | रहयितास्वः | रहयितास्मः |
| भ० | रहयिष्यति | रहयिष्यतः | रहयिष्यन्ति |
| | रहयिष्यसि | रहयिष्यथः | रहयिष्यथ |
| | रहयिष्यामि | रहयिष्यावः | रहयिष्यामः |
| क्रि० | अरहयिष्यत् | अरहयिष्यताम् | अरहयिष्यन् |
| | अरहयिष्यः | अरहयिष्यतम् | अरहयिष्यत |
| | अरहयिष्यम् | अरहयिष्याव | अरहयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | रहयते | रहयेते | रहयन्ते |
| | रहयसे | रहयेथे | रहयध्वे |
| | रहये | रहयावहे | रहयामहे |
| स० | रहयेत | रहयेयाताम् | रहयेरन् |
| | रहयेथाः | रहयेयाथाम् | रहयेय्वम् |
| | रहयेय | रहयेवहि | रहयेमहि |
| प० | रहयताम् | रहयेताम् | रहयन्ताम् |
| | रहयस्व | रहयेथाम् | रहयध्वम् |
| | रहये | रहयावहे | रहयामहे |
| ह्य० | अरहयत | अरहयेताम् | अरहयन्त |
| | अरहयथाः | अरहयेथाम् | अरहयेय्वम् |
| | अरहये | अरहयावहि | अरहयामहि |
| अ० | अररहत | अररहेताम् | अररहन्त |
| | अररहथाः | अररहेथाम् | अररहध्वम् |
| | अररहे | अररहावहि | अररहामहि |
| प० | रहयाञ्चके | रहयाञ्चकते | रहयाञ्चकिरे |
| | रहयाञ्चकृषे | रहयाञ्चकृषे | रहयाञ्चकृद्वे |
| | रहयाञ्चके | रहयाञ्चकृवहे | रहयाञ्चकृमहे |
| | रहयाम्बभूव | । | रहयामास |
| आ० | रहयिषीष्ट | रहयिषीयास्ताम् | रहयिषीरन् |
| | रहयिषीष्टाः | रहयिषीयास्थाम् | रहयिषीद्वम् |
| | रहयिषीय | रहयिषीवहि | रहयिषीमहि |
| श्व० | रहयिता | रहयितारौ | रहयितारः |
| | रहयितासे | रहयितासाथे | रहयिताध्वे |
| | रहयिताहे | रहयितास्वहे | रहयितास्महे |
| भ० | रहयिष्यते | रहयिष्येते | रहयिष्यन्ते |
| | रहयिष्यसे | रहयिष्येथे | रहयिष्यध्वे |
| | रहयिष्ये | रहयिष्यावहे | रहयिष्यामहे |
| क्रि० | अरहयिष्यत | अरहयिष्येताम् | अरहयिष्यन्त |
| | अरहयिष्यथाः | अरहयिष्येथाम् | अरहयिष्यध्वम् |
| | अरहयिष्ये | अरहयिष्यावहि | अरहयिष्यामहि |

556 दह (दह्) वृद्धौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | दह्यति | दह्यतः | दह्यन्ति |
| | दह्यसि | दह्यथः | दह्यथ |
| | दह्यामि | दह्यावः | दह्यामः |
| स० | दह्येत् | दह्येताम् | दह्येयुः |
| | दह्येः | दह्येतम् | दह्येत |
| | दह्येयम् | दह्येव | दह्येम |
| प० | दह्यतु | दह्यतात् | दह्यताम् |
| | दह्य | दह्यतात् | दह्यतम् |
| | दह्याणि | दह्याव | दह्याम |
| ह्य० | अदह्यत् | अदह्यताम् | अदह्यन् |
| | अदह्यः | अदह्यतम् | अदह्यत |
| | अदह्यम् | अदह्याव | अदह्याम |
| अ० | अदीदहत् | अदीदहताम् | अदीदहन् |
| | अदीदहः | अदीदहतम् | अदीदहत |
| | अदीदहम् | अदीदहाव | अदीदहाम |
| | अददहत् | अददहताम् | अददहन् ३० |
| प० | दह्यान्मकार | दह्यान्मकतुः | दह्यान्मकुः |
| | दह्यान्मकर्ण | दह्यान्मकथुः | दह्यान्मक |
| | दह्यान्मकार-चकर | दह्यान्मकृव | दह्यान्मकृम |
| | दह्यान्मभूव | । | दह्यान्मास |
| आ० | दह्यात् | दह्यास्ताम् | दह्यास्तुः |
| | दह्याः | दह्यास्तम् | दह्यास्त |
| | दह्यासम् | दह्यास्व | दह्यास्म |
| भ० | दह्यिता | दह्यितारौ | दह्यितारः |
| | दह्यितासि | दह्यितास्थः | दह्यितास्थ |
| | दह्यितास्मि | दह्यितास्वः | दह्यितास्मः |
| भ० | दह्यिष्यति | दह्यिष्यतः | दह्यिष्यन्ति |
| | दह्यिष्यसि | दह्यिष्यथः | दह्यिष्यथ |
| | दह्यिष्यामि | दह्यिष्यावः | दह्यिष्यामः |
| क्रि० | अदह्यिष्यत् | अदह्यिष्यताम् | अदह्यिष्यन् |
| | अदह्यिष्यः | अदह्यिष्यतम् | अदह्यिष्यत |
| | अदह्यिष्यम् | अदह्यिष्याव | अदह्यिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | दह्येते | दह्येते | दह्यन्ते |
| | दह्यसे | दह्येथे | दह्यन्थे |
| | दह्ये | दह्यावहे | दह्यामहे |
| स० | दह्येत | दह्येयाताम् | दह्येरन् |
| | दह्येथाः | दह्येयाथाम् | दह्येथ्वम् |
| | दह्येय | दह्येवहि | दह्येमहि |
| प० | दह्यताम् | दह्येताम् | दह्यन्ताम् |
| | दह्यस्व | दह्येथाम् | दह्येथ्वम् |
| | दह्यै | दह्यावहे | दह्यामहे |
| ह्य० | अदह्येत | अदह्येताम् | अदह्यन्त |
| | अदह्येथाः | अदह्येथाम् | अदह्येथ्वम् |
| | अदह्ये | अदह्यावहि | अदह्यामहि |
| अ० | अदीदह्यत | अदीदह्यताम् | अदीदह्यन्त |
| | अदीदह्यथाः | अदीदह्येथाम् | अदीदह्येथ्वम् |
| | अदीदह्ये | अदीदह्यावहि | अदीदह्यामहि |
| | अददह्यत | अददह्यताम् | अददह्यन्त ३० |
| प० | दह्यान्मक्रे | दह्यान्मकृते | दह्यान्मकृरे |
| | दह्यान्मकृषे | दह्यान्मकृथे | दह्यान्मकृवे |
| | दह्यान्मक्रे | दह्यान्मकृवहे | दह्यान्मकृमहे |
| | दह्यान्मभूव | । | दह्यान्मास |
| आ० | दह्यिषीष्ट | दह्यिषीयास्ताम् | दह्यिषीरन् |
| | दह्यिषीष्ठाः | दह्यिषीयास्थाम् | दह्यिषीह्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | दह्यिषीय | दह्यिषीवहि | दह्यिषीमहि |
| भ० | दह्यिता | दह्यितारौ | दह्यितारः |
| | दह्यितासे | दह्यितासाथे | दह्यिताथ्वे |
| | दह्यिताहे | दह्यितास्वहे | दह्यितास्महे |
| भ० | दह्यिष्यते | दह्यिष्येते | दह्यिष्यन्ते |
| | दह्यिष्यसे | दह्यिष्येथे | दह्यिष्यन्थे |
| | दह्यिष्ये | दह्यिष्यावहे | दह्यिष्यामहे |
| क्रि० | अदह्यिष्यत | अदह्यिष्येताम् | अदह्यिष्यन्त |
| | अदह्यिष्यथाः | अदह्यिष्येथाम् | अदह्यिष्येथ्वम् |
| | अदह्यिष्ये | अदह्यिष्यावहि | अदह्यिष्यामहि |

560 दृ (दृ) दृ

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | दृह्यति | दृह्यतः | दृह्यन्ति |
| | दृह्यसि | दृह्यथः | दृह्यथ |
| | दृह्यामि | दृह्यावः | दृह्यामः |
| स० | दृह्येत् | दृह्येताम् | दृह्येयुः |
| | दृह्येः | दृह्येतम् | दृह्येत |
| | दृह्येयम् | दृह्येव | दृह्येम |
| प० | दृह्यतु | दृह्यतात् | दृह्यताम् |
| | दृह्य | दृह्यतात् | दृह्यतम् |
| | दृह्याति | दृह्याव | दृह्याम |
| ह्य० | अदृह्यत् | अदृह्यताम् | अदृह्यन् |
| | अदृह्यः | अदृह्यतम् | अदृह्यत |
| | अदृह्यम् | अदृह्याव | अदृह्याम |
| अ० | अदृह्यत् | अदृह्यताम् | अदृह्यन् |
| | अदृह्यः | अदृह्यतम् | अदृह्यत |
| | अदृह्यम् | अदृह्याव | अदृह्याम |
| प० | दृह्याश्चकार | दृह्याश्चक्रुः | दृह्याश्चकुः |
| | दृह्याश्चकथं | दृह्याश्चकथुः | दृह्याश्चक |
| | दृह्याश्चकार-चकर | दृह्याश्चकृव | दृह्याश्चकृम |
| | दृह्याम्बभूव | । | दृह्यामास |
| आ० | दृह्यात् | दृह्यास्ताम् | दृह्यासुः |
| | दृह्याः | दृह्यास्तम् | दृह्यास्त |
| | दृह्यासम् | दृह्यास्व | दृह्यास्म |
| भ० | दृह्यिता | दृह्यितारौ | दृह्यितारः |
| | दृह्यितासि | दृह्यितास्थः | दृह्यितास्थ |
| | दृह्यितास्मि | दृह्यितास्वः | दृह्यितास्मः |
| भ० | दृह्यिष्यति | दृह्यिष्यतः | दृह्यिष्यन्ति |
| | दृह्यिष्यसि | दृह्यिष्यथः | दृह्यिष्यथ |
| | दृह्यिष्यामि | दृह्यिष्यावः | दृह्यिष्यामः |
| क्रि० | अदृह्यिष्यत् | अदृह्यिष्यताम् | अदृह्यिष्यन् |
| | अदृह्यिष्यः | अदृह्यिष्यतम् | अदृह्यिष्यत |
| | अदृह्यिष्यम् | अदृह्यिष्याव | अदृह्यिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| व० | दृह्यते | दृह्येते | दृह्यन्ते |
| | दृह्यसे | दृह्येथे | दृह्यन्थे |
| | दृह्ये | दृह्यावहे | दृह्यामहे |
| स० | दृह्येत | दृह्येयाताम् | दृह्येरन् |
| | दृह्येथाः | दृह्येयाथाम् | दृह्येथन् |
| | दृह्येथ | दृह्येवहि | दृह्येमहि |
| प० | दृह्यताम् | दृह्येताम् | दृह्यन्ताम् |
| | दृह्यस्व | दृह्येथाम् | दृह्यन्थ्वम् |
| | दृह्यै | दृह्यावहै | दृह्यामहै |
| ह्य० | अदृह्यत | अदृह्येताम् | अदृह्यन्त |
| | अदृह्यथाः | अदृह्येथाम् | अदृह्यन्थ्वम् |
| | अदृह्ये | अदृह्यावहि | अदृह्यामहि |
| अ० | अदृह्यत | अदृह्येताम् | अदृह्यन्त |
| | अदृह्यथाः | अदृह्येथाम् | अदृह्यन्थ्वम् |
| | अदृह्ये | अदृह्यावहि | अदृह्यामहि |
| प० | दृह्याश्चक्रे | दृह्याश्चक्राते | दृह्याश्चक्रिरे |
| | दृह्याश्चक्रुषे | दृह्याश्चक्राये | दृह्याश्चक्रुद्वे |
| | दृह्याश्चक्रे | दृह्याश्चक्रुवहे | दृह्याश्चक्रुमहे |
| | दृह्याम्बभूव | । | दृह्यामास |
| आ० | दृह्यिषीष्ट | दृह्यिषीयास्ताम् | दृह्यिषीन् |
| | दृह्यिषीष्ठाः | दृह्यिषीयास्याम् | दृह्यिषीध्वम् |
| | दृह्यिषीय | दृह्यिषीवहि | दृह्यिषीमहि |
| भ० | दृह्यिता | दृह्यितारौ | दृह्यितारः |
| | दृह्यितासे | दृह्यितासाथे | दृह्यितास्वे |
| | दृह्यिताहे | दृह्यितास्वहे | दृह्यितास्महे |
| भ० | दृह्यिष्यते | दृह्यिष्येते | दृह्यिष्यन्ते |
| | दृह्यिष्यसे | दृह्यिष्येथे | दृह्यिष्यन्थे |
| | दृह्यिष्ये | दृह्यिष्यावहे | दृह्यिष्यामहे |
| क्रि० | अदृह्यिष्यत | अदृह्यिष्येताम् | अदृह्यिष्यन्त |
| | अदृह्यिष्यथाः | अदृह्यिष्येथाम् | अदृह्यिष्यन्थ्वम् |
| | अदृह्यिष्ये | अदृह्यिष्यावहि | अदृह्यिष्यामहि |

558 वृह (वृह) वृद्धौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | वर्हयति | वर्हयतः | वर्हयन्ति |
| | वर्हयसि | वर्हयथः | वर्हयथ |
| | वर्हयामि | वर्हयावः | वर्हयामः |
| स० | वर्हयेत् | वर्हयेताम् | वर्हयेयुः |
| | वर्हयेः | वर्हयेतम् | वर्हयेत |
| | वर्हयेयम् | वर्हयेव | वर्हयेम |
| प० | वर्हयतु | वर्हयतात् | वर्हयन्तु |
| | वर्हय | वर्हयतात् | वर्हयत |
| | वर्हयाणि | वर्हयाव | वर्हयाम |
| ह्य० | अवर्हयत् | अवर्हयताम् | अवर्हयन् |
| | अवर्हयः | अवर्हयतम् | अवर्हयत |
| | अवर्हयम् | अवर्हयाव | अवर्हयाम |
| अ० | अवीवृहत् | अवीवृहताम् | अवीवृहन् |
| | अवीवृहः | अवीवृहतम् | अवीवृहत |
| ॐ | अवीवृहम् | अवीवृहाव | अवीवृहाम |
| प० | वर्हयाञ्चकार | वर्हयाञ्चकतुः | वर्हयाञ्चकुः |
| | वर्हयाञ्चकथं | वर्हयाञ्चकथुः | वर्हयाञ्चक |
| | वर्हयाञ्चकार-चकर | वर्हयाञ्चकृव | वर्हयाञ्चकृम |
| | वर्हयाम्बभूव | । | वर्हयामास |
| आ० | वर्हयात् | वर्हयास्ताम् | वर्हयासुः |
| | वर्हयाः | वर्हयास्तम् | वर्हयास्त |
| | वर्हयासम् | वर्हयास्व | वर्हयास्म |
| श्व० | वर्हयिता | वर्हयितारौ | वर्हयितारः |
| | वर्हयितासि | वर्हयितास्थः | वर्हयितास्थ |
| | वर्हयितास्मि | वर्हयितास्वः | वर्हयितास्मः |
| भ० | वर्हयिष्यति | वर्हयिष्यतः | वर्हयिष्यन्ति |
| | वर्हयिष्यसि | वर्हयिष्यथः | वर्हयिष्यथ |
| | वर्हयिष्यामि | वर्हयिष्यावः | वर्हयिष्यामः |
| क्रि० | अवर्हयिष्यत् | अवर्हयिष्यताम् | अवर्हयिष्यन् |
| | अवर्हयिष्यः | अवर्हयिष्यतम् | अवर्हयिष्यत |
| | अवर्हयिष्यम् | अवर्हयिष्याव | अवर्हयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | वर्हयते | वर्हयेते | वर्हयन्ते |
| | वर्हयसे | वर्हयेथे | वर्हयध्वे |
| | वर्हये | वर्हयावहे | वर्हयामहे |
| स० | वर्हयेत | वर्हयेयाताम् | वर्हयेरन् |
| | वर्हयेथाः | वर्हयेयाथाम् | वर्हयेध्वम् |
| | वर्हयेय | वर्हयेवहि | वर्हयेमहि |
| प० | वर्हयताम् | वर्हयेताम् | वर्हयन्ताम् |
| | वर्हयस्व | वर्हयेथाम् | वर्हयध्वम् |
| | वर्हये | वर्हयावहे | वर्हयामहे |
| ह्य० | अवर्हयत | अवर्हयेताम् | अवर्हयन्त |
| | अवर्हयथाः | अवर्हयेथाम् | अवर्हयध्वम् |
| | अवर्हये | अवर्हयावहि | अवर्हयामहि |
| अ० | अवीवृहत | अवीवृहेताम् | अवीवृहन्त |
| | अवीवृहथाः | अवीवृहेथाम् | अवीवृहध्वम् |
| | अवीवृहे | अवीवृहावहि | अवीवृहामहि |
| प० | वर्हयाञ्चक्रे | वर्हयाञ्चकते | वर्हयाञ्चकिरे |
| | वर्हयाञ्चकृषे | वर्हयाञ्चकृषे | वर्हयाञ्चकृद्वे |
| | वर्हयाञ्चक्रे | वर्हयाञ्चकृवहे | वर्हयाञ्चकृमहे |
| | वर्हयाम्बभूव | । | वर्हयामास |
| आ० | वर्हयिषीष्ट | वर्हयिषीयास्ताम् | वर्हयिषीरन् |
| | वर्हयिषीष्टाः | वर्हयिषीयास्थाम् | वर्हयिषीध्वम् |
| | वर्हयिषीय | वर्हयिषीवहि | वर्हयिषीमहि |
| श्व० | वर्हयिता | वर्हयितारौ | वर्हयितारः |
| | वर्हयितासे | वर्हयितासाथे | वर्हयिताध्वे |
| | वर्हयिताहे | वर्हयितास्वहे | वर्हयितास्महे |
| भ० | वर्हयिष्यते | वर्हयिष्येते | वर्हयिष्यन्ते |
| | वर्हयिष्यसे | वर्हयिष्येथे | वर्हयिष्यध्वे |
| | वर्हयिष्ये | वर्हयिष्यावहे | वर्हयिष्यामहे |
| क्रि० | अवर्हयिष्यत | अवर्हयिष्येताम् | अवर्हयिष्यन्त |
| | अवर्हयिष्यथाः | अवर्हयिष्येथाम् | अवर्हयिष्यध्वम् |
| | अवर्हयिष्ये | अवर्हयिष्यावहि | अवर्हयिष्यामहि |

| | | |
|------------|------------|------------|
| अ० अववृहत् | अववृहेताम् | अववृहन्त |
| अववृहथाः | अववृहेथाम् | अववृहध्वम् |
| अववृहे | अववृहेवाहि | अववृहेमहि |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

(५३९)

560 वृहृ (वृहृ) शब्दे च ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० वृहृति | वृहृतः | वृहृन्ति |
| वृहृसि | वृहृत्यः | वृहृत्यथ |
| वृहृमि | वृहृवावः | वृहृत्यामः |
| स० वृहृयेत् | वृहृयेताम् | वृहृयेयुः |
| वृहृये | वृहृयेतम् | वृहृयेत |
| वृहृयेयम् | वृहृयेव | वृहृयेम |
| प० वृहृत्यु | वृहृत्यात् | वृहृत्याम् |
| वृहृत्य | वृहृत्यात् | वृहृत्याम् |
| वृहृयिणि | वृहृयि | वृहृयामि |
| ह्य० अवृहृत्य | अवृहृत्याम् | अवृहृत्यन् |
| अवृहृत्यः | अवृहृत्यतम् | अवृहृत्यत |
| अवृहृत्यम् | अवृहृत्याव | अवृहृत्याम |
| अ० अववृहृत् | अववृहृताम् | अववृहृन् |
| अववृहृहः | अववृहृतम् | अववृहृत |
| अववृहृम् | अववृहृवाव | अववृहृम |
| प० वृहृयाञ्चकार | वृहृयाञ्चक्रुः | वृहृयाञ्चक्रुः |
| वृहृयाञ्चकथं | वृहृयाञ्चकथुः | वृहृयाञ्चक |
| वृहृयाञ्चकार-चकर | वृहृयाञ्चकृव | वृहृयाञ्चकृम |
| वृहृयाञ्चकृव | । | वृहृयामास |
| आ० वृहृयात् | वृहृयास्ताम् | वृहृयासुः |
| वृहृयाः | वृहृयास्तम् | वृहृयास्त |
| वृहृयासम् | वृहृयास्व | वृहृयास्म |
| भ० वृहृयिता | वृहृयितारौ | वृहृयितारः |
| वृहृयितासि | वृहृयितास्थः | वृहृयितास्थ |
| वृहृयितास्मि | वृहृयितास्वः | वृहृयितास्मः |
| भ० वृहृयिष्यति | वृहृयिष्यतः | वृहृयिष्यन्ति |
| वृहृयिष्यसि | वृहृयिष्यथः | वृहृयिष्यथ |
| वृहृयिष्यामि | वृहृयिष्यावः | वृहृयिष्यामः |
| क्रि० अवृहृयिष्यत् | अवृहृयिष्यताम् | अवृहृयिष्यन् |
| अवृहृयिष्यः | अवृहृयिष्यतम् | अवृहृयिष्यत |
| अवृहृयिष्यम् | अवृहृयिष्याव | अवृहृयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० वृहृते | वृहृयेते | वृहृयन्ते |
| वृहृसे | वृहृयेथे | वृहृयध्वे |
| वृहृये | वृहृयावहे | वृहृत्यामहे |
| स० वृहृयेत् | वृहृयेताम् | वृहृयेरन् |
| वृहृयेथाः | वृहृयेथाम् | वृहृयेध्वन् |
| वृहृयेय | वृहृयेवहि | वृहृयेमहि |
| प० वृहृयताम् | वृहृयेताम् | वृहृयन्ताम् |
| वृहृयस्व | वृहृयेथाम् | वृहृयध्वम् |
| वृहृये | वृहृयावहे | वृहृत्यामहे |
| ह्य० अवृहृत्य | अवृहृयेताम् | अवृहृत्यन्त |
| अवृहृत्यथाः | अवृहृयेथाम् | अवृहृत्यध्वम् |
| अवृहृत्ये | अवृहृयावहि | अवृहृत्यामहि |
| अ० अवृहृत् | अवृहृताम् | अवृहृन्त |
| अवृहृथाः | अवृहृथाम् | अवृहृध्वम् |
| अवृहृ | अवृहृवाहि | अवृहृमहि |
| प० वृहृयाञ्चक्रे | वृहृयाञ्चक्राते | वृहृयाञ्चक्रिरे |
| वृहृयाञ्चकृषे | वृहृयाञ्चक्राथे | वृहृयाञ्चकृद्वे |
| वृहृयाञ्चक्रे | वृहृयाञ्चकृवहे | वृहृयाञ्चकृमहे |
| वृहृयाञ्चकृव | । | वृहृयामास |
| आ० वृहृयिषीष्ट | वृहृयिषीयास्ताम् | वृहृयिषीरन् |
| वृहृयिषीष्टाः | वृहृयिषीयास्थाम् | वृहृयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| वृहृयिषीय | वृहृयिषीवहि | वृहृयिषीमहि |
| भ० वृहृयिता | वृहृयितारौ | वृहृयितारः |
| वृहृयितासे | वृहृयितासाथे | वृहृयिताध्वे |
| वृहृयिताहे | वृहृयितास्वहे | वृहृयितास्महे |
| भ० वृहृयिष्यते | वृहृयिष्येते | वृहृयिष्यन्ते |
| वृहृयिष्यसे | वृहृयिष्येथे | वृहृयिष्यध्वे |
| वृहृयिष्ये | वृहृयिष्यावहे | वृहृयिष्यामहे |
| क्रि० अवृहृयिष्यत् | अवृहृयिष्येताम् | अवृहृयिष्यन्त |
| अवृहृयिष्यथाः | अवृहृयिष्येथाम् | अवृहृयिष्यध्वम् |
| अवृहृयिष्ये | अवृहृयिष्यावहि | अवृहृयिष्यामहि |

56। उहृ (उहृ) अर्दने ।

| | | |
|-----------------|---------------|--------------|
| व० ओहयति | ओहयतः | ओहयन्ति |
| ओहयसि | ओहयथः | ओहयथ |
| ओहयामि | ओहयावः | ओहयामः |
| स० ओहयेत् | ओहयेताम् | ओहयेयुः |
| ओहयेः | ओहयेतम् | ओहयेत |
| ओहयेयम् | ओहयेव | ओहयेम |
| प० ओहयतु | ओहयतात् | ओहयताम् |
| ओहय | ओहयतात् | ओहयतम् |
| ओहयानि | ओहयाव | ओहयाम |
| ह्य० औहयत् | औहयताम् | औहयन् |
| औहयः | औहयतम् | औहयत |
| औहयम् | औहयाव | औहयाम |
| अ० औजिहत् | औजिहताम् | औजिहन् |
| औजिहः | औजिहतम् | औजिहत |
| औजिहम् | औजिहाव | औजिहाम |
| प० ओहयाञ्चकार | ओहयाञ्चक्रतुः | ओहयाञ्चक्रुः |
| ओहयाञ्चकथं | ओहयाञ्चकथुः | ओहयाञ्चक्र |
| ओहयाञ्चकार-चक्र | ओहयाञ्चक्रव | ओहयाञ्चक्रम |
| ओहयाञ्चभूव | ओहयामास | |
| आ० ओहयात् | ओहयास्ताम् | ओहयासुः |
| ओहयाः | ओहयास्तम् | ओहयास्त |
| ओहयासम् | ओहयासव | ओहयासम |
| श्र० ओहयिता | ओहयितारौ | ओहयितारः |
| ओहयितासि | ओहयितास्थः | ओहयितास्थ |
| ओहयितासि | ओहयितास्वः | ओहयितास्मः |
| भ० ओहयिष्यति | ओहयिष्यतः | ओहयिष्यन्त |
| ओहयिष्यसि | ओहयिष्यथः | ओहयिष्यथ |
| ओहयिष्यामि | ओहयिष्यावः | ओहयिष्यामः |
| क्रि० औहयिष्यत् | औहयिष्यताम् | औहयिष्यन् |
| औहयिष्यः | औहयिष्यतम् | औहयिष्यत |
| औहयिष्यम् | औहयिष्याव | औहयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० ओहयते | ओहयेते | ओहयन्ते |
| ओहयसे | ओहयेथे | ओहयध्वे |
| ओहये | ओहयावहे | ओहयामहे |
| स० ओहयेतः | ओहयेयाताम् | ओहयेरन् |
| ओहयेथाः | ओहयेयाथाम् | ओहयेध्वन् |
| ओहयेय | ओहयेवहि | ओहयेमहि |
| प० ओहयताम् | ओहयेताम् | ओहयन्ताम् |
| ओहयस्व | ओहयेथाम् | ओहयध्वम् |
| ओहये | ओहयावहे | ओहयामहे |
| ह्य० औहयत | औहयेताम् | औहयन्त |
| औहयथाः | औहयेथाम् | औहयध्वम् |
| औहये | औहयावहि | औहयामहि |
| अ० औजिहत | औजिहेताम् | औजिहन्त |
| औजिहथाः | औजिहेथाम् | औजिहध्वम् |
| औजिहे | औजिहावहि | औजिहामहि |
| प० ओहयाञ्चके | ओहयाञ्चक्राते | ओहयाञ्चक्रिरे |
| ओहयाञ्चकृषे | ओहयाञ्चक्राथे | ओहयाञ्चकृद्वे |
| ओहयाञ्चके | ओहयाञ्चक्रवहे | ओहयाञ्चक्रमहे |
| ओहयाञ्चभूव | ओहयामास | |
| आ० ओहयिषीष्ट | ओहयिषीयास्ताम् | ओहयिषीरन् |
| ओहयिषीष्टाः | ओहयिषीयास्थाम् | ओहयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| ओहयिषीय | ओहयिषीवहि | ओहयिषीमहि |
| श्र० ओहयिता | ओहयितारौ | ओहयितारः |
| ओहयितासे | ओहयितासाथे | ओहयिताध्वे |
| ओहयिताहे | ओहयितास्वहे | ओहयितास्महे |
| भ० ओहयिष्यते | ओहयिष्येते | ओहयिष्यन्ते |
| ओहयिष्यसे | ओहयिष्येथे | ओहयिष्यध्वे |
| ओहयिष्ये | ओहयिष्यावहे | ओहयिष्यामहे |
| क्रि० औहयिष्यत् | औहयिष्येताम् | औहयिष्यन्त |
| औहयिष्यथाः | औहयिष्येथाम् | औहयिष्यध्वम् |
| औहयिष्ये | औहयिष्यावहि | औहयिष्यामहि |

562 तुहृ (तुह्) अर्दने ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | तोहयति | तोहयतः | तोहयन्ति |
| | तोहयसि | तोहयथः | तोहयथ |
| | तोहयामि | तोहयावः | तोहयामः |
| स० | तोहयेत् | तोहयेताम् | तोहयेयुः |
| | तोहयेः | तोहयेतम् | तोहयेत |
| | तोहयेयम् | तोहयेव | तोहयेम |
| प० | तोहयतु | तोहयतात् | तोहयताम् |
| | तोहय | तोहयतात् | तोहयतम् |
| | तोहयानि | तोहयाव | तोहयाम |
| लृ० | अतोहयत् | अतोहयताम् | अतोहयन् |
| | अतोहयः | अतोहयतम् | अतोहयत |
| | अतोहयम् | अतोहयाव | अतोहयाम |
| भ० | अतूहयत् | अतूहयताम् | अतूहयन् |
| | अतूहयः | अतूहयतम् | अतूहयत |
| | अतूहयम् | अतूहयाव | अतूहयाम |
| प्र० | तोहयाश्चकार | तोहयाश्चकतुः | तोहयाश्चकुः |
| | तोहयाश्चकथं | तोहयाश्चकथः | तोहयाश्चक |
| | तोहयाश्चकार; चकर | तोहयाश्चकृव | तोहयाश्चकृम |
| | तोहयाम्बभूव | तोहयामास | |
| आ० | तोहयात् | तोहयास्ताम् | तोहयासुः |
| | तोहयाः | तोहयास्तम् | तोहयास्त |
| | तोहयासम् | तोहयास्व | तोहयास्म |
| भ० | तोहयिता | तोहयितारौ | तोहयितारः |
| | तोहयितासि | तोहयितास्थः | तोहयितास्थ |
| | तोहयितास्मि | तोहयितास्वः | तोहयितास्मः |
| भ० | तोहयिष्यति | तोहयिष्यतः | तोहयिष्यन्ति |
| | तोहयिष्यसि | तोहयिष्यथः | तोहयिष्यथ |
| | तोहयिष्यामि | तोहयिष्यावः | तोहयिष्यामः |
| क्रि० | अतोहयिष्यत् | अतोहयिष्यताम् | अतोहयिष्यन् |
| | अतोहयिष्यः | अतोहयिष्यतम् | अतोहयिष्यत |
| | अतोहयिष्यम् | अतोहयिष्याव | अतोहयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तोहयते | तोहयेते | तोहयन्ते |
| | तोहयसे | तोहयेथे | तोहयध्वे |
| | तोहये | तोहयावहे | तोहयामहे |
| स० | तोहयेत | तोहयेयाताम् | तोहयेरन् |
| | तोहयेथाः | तोहयेयाथाम् | तोहयेष्वम् |
| | तोहयेय | तोहयेवहि | तोहयेमहि |
| प० | तोहयताम् | तोहयेताम् | तोहयन्ताम् |
| | तोहयस्व | तोहयेथाम् | तोहयध्वम् |
| | तोहये | तोहयावहे | तोहयामहे |
| लृ० | अतोहयत | अतोहयेताम् | अतोहयन्त |
| | अतोहयथाः | अतोहयेथाम् | अतोहयध्वम् |
| | अतोहये | अतोहयावहि | अतोहयामहि |
| अ० | अतूहयत | अतूहयेताम् | अतूहयन्त |
| | अतूहयथाः | अतूहयेथाम् | अतूहयध्वम् |
| | अतूहये | अतूहयावहि | अतूहयामहि |
| प० | तोहयाश्चके | तोहयाश्चकते | तोहयाश्चक्रिरे |
| | तोहयाश्चकृषे | तोहयाश्चकृथे | तोहयाश्चकृध्वे |
| | तोहयाश्चके | तोहयाश्चकृवहे | तोहयाश्चकृमहे |
| | तोहयाम्बभू | तोहयामास | |
| आ० | तोहयिषीष्ट | तोहयिषीयास्ताम् | तोहयिषीरन् |
| | तोहयिषीष्टाः | तोहयिषीयास्थाम् | तोहयिषीध्वम् |
| | तोहयिषीय | तोहयिषीवहि | तोहयिषीमहि |
| भ० | तोहयिता | तोहयितारौ | तोहयितारः |
| | तोहयितसे | तोहयितासाथे | तोहयिताध्वे |
| | तोहयिताहे | तोहयितावहे | तोहयितामहे |
| भ० | तोहयिष्यते | तोहयिष्येते | तोहयिष्यन्ते |
| | तोहयिष्यसे | तोहयिष्येथे | तोहयिष्यध्वे |
| | तोहयिष्ये | तोहयिष्यावहे | तोहयिष्यामहे |
| क्रि० | अतोहयिष्यत | अतोहयिष्येताम् | अतोहयिष्यन्त |
| | अतोहयिष्यथाः | अतोहयिष्येथाम् | अतोहयिष्यध्वम् |
| | अतोहयिष्ये | अतोहयिष्यावहि | अतोहयिष्यामहि |

563 दुहृ (दुह्) अर्दने ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | दोहयति | दोहयतः | दोहयन्ति |
| | दोहयसि | दोहयथः | दोहयथ |
| | दोहयामि | दोहयावः | दोहयामः |
| स० | दोहयेत् | दोहयेताम् | दोहयेयुः |
| | दोहयेः | दोहयेतम् | दोहयेत |
| | दोहयेयम् | दोहयेव | दोहयेम |
| प० | दोहयतु | दोहयतात् | दोहयताम् |
| | दोहय | दोहयतात् | दोहयतम् |
| | दोहयानि | दोहयाव | दोहयाम |
| ह्य० | अदोहयत् | अदोहयताम् | अदोहयन् |
| | अदोहयः | अदोहयतम् | अदोहयत |
| | अदोहयम् | अदोहयाव | अदोहयाम |
| अ० | अदूदुहत् | अदूदुहताम् | अदूदुहन् |
| | अदूदुहः | अदूदुहतम् | अदूदुहत |
| | अदूदुहम् | अदूदुहाव | अदूदुहाम |
| प० | दोहयाञ्चकार | दोहयाञ्चक्रुः | दोहयाञ्चकुः |
| | दोहयाञ्चकथं | दोहयाञ्चकथुः | दोहयाञ्चक |
| | दोहयाञ्चकार, चकर | दोहयाञ्चकृव | दोहयाञ्चकृम |
| | दोहयाम्बभूव | । | दोहयामास |
| आ० | दोहयात् | दोहयास्ताम् | दोहयासुः |
| | दोहयाः | दोहयास्तम् | दोहयास्त |
| | दोहयासम् | दोहयास्व | दोहयास्म |
| श्व० | दोहयिता | दोहयितारौ | दोहयितारः |
| | दोहयितासि | दोहयितास्थः | दोहयितास्थ |
| | दोहयितास्मि | दोहयितास्वः | दोहयितास्मः |
| अ० | दोहयिष्यति | दोहयिष्यतः | दोहयिष्यन्ति |
| | दोहयिष्यसि | दोहयिष्यथः | दोहयिष्यथ |
| | दोहयिष्यामि | दोहयिष्यावः | दोहयिष्यामः |
| क्रि० | अदोहयिष्यत् | अदोहयिष्यताम् | अदोहयिष्यन् |
| | अदोहयिष्यः | अदोहयिष्यतम् | अदोहयिष्यत |
| | अदोहयिष्यम् | अदोहयिष्याव | अदोहयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | दोहयते | दोहयेते | दोहयन्ते |
| | दोहयसे | दोहयेथे | दोहयन्वे |
| | दोहये | दोहयावहे | दोहयामहे |
| स० | दोहयेत | दोहयेयाताम् | दोहयेरन् |
| | दोहयेथाः | दोहयेयाथाम् | दोहयेचम् |
| | दोहयेय | दोहयेवहि | दोहयेमहि |
| प० | दोहयताम् | दोहयेताम् | दोहयन्ताम् |
| | दोहयस्व | दोहयेथाम् | दोहयन्वम् |
| | दोहयै | दोहयावहै | दोहयामहै |
| ह्य० | अदोहयत | अदोहयेताम् | अदोहयन्त |
| | अदोहयथाः | अदोहयेथाम् | अदोहयन्वम् |
| | अदोहये | अदोहयावहि | अदोहयामहि |
| अ० | अदूदुहत् | अदूदुहेताम् | अदूदुहन्त |
| | अदूदुहथाः | अदूदुहेथाम् | अदूदुहन्वम् |
| | अदूदुहे | अदूदुहावहि | अदूदुहामहि |
| प० | दोहयाञ्चके | दोहयाञ्चकते | दोहयाञ्चकिरे |
| | दोहयाञ्चकृषे | दोहयाञ्चकृषे | दोहयाञ्चकृद्वे |
| | दोहयाञ्चके | दोहयाञ्चकृवहे | दोहयाञ्चकृमहे |
| | दोहयाम्बभूव | । | दोहयामास |
| आ० | दोहयिषीष्ट | दोहयिषीयास्ताम् | दोहयिषीरन् |
| | दोहयिषीष्टाः | दोहयिषीयास्थाम् | दोहयिषीद्वम् |
| | दोहयिषीय | दोहयिषीवहि | दोहयिषीमहि |
| श्व० | दोहयिता | दोहयितारौ | दोहयितारः |
| | दोहयितासे | दोहयितासाथे | दोहयिताध्वे |
| | दोहयिताहे | दोहयितास्वहे | दोहयितास्महे |
| अ० | दोहयिष्यते | दोहयिष्येते | दोहयिष्यन्ते |
| | दोहयिष्यसे | दोहयिष्येथे | दोहयिष्यन्वे |
| | दोहयिष्ये | दोहयिष्यावहे | दोहयिष्यामहे |
| क्रि० | अदोहयिष्यत् | अदोहयिष्येताम् | अदोहयिष्यन्त |
| | अदोहयिष्यथाः | अदोहयिष्येथाम् | अदोहयिष्यन्वम् |
| | अदोहयिष्ये | अदोहयिष्याव्रहि | अदोहयिष्यामहि |

564 अर्ह (अर्ह) पूजायाम् ।

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| ब० अर्हयति | अर्हयतः | अर्हयन्ति |
| अर्हयसि | अर्हयथः | अर्हयथ |
| अर्हयामि | अर्हयावः | अर्हयामः |
| स० अर्हयेत् | अर्हयेताम् | अर्हयेयुः |
| अर्हयेः | अर्हयेतम् | अर्हयेत |
| अर्हयेयम् | अर्हयेव | अर्हयेम |
| प० अर्हयतु | अर्हयतात् | अर्हयताम् |
| अर्हय | अर्हयतात् | अर्हयतम् |
| अर्हयाणि | अर्हयाव | अर्हयाम |
| ह० आर्हयत् | आर्हयताम् | आर्हयन् |
| आर्हयः | आर्हयतम् | आर्हयत |
| आर्हयम् | आर्हयाव | आर्हयाम |
| अ० आर्जिहत् | आर्जिहताम् | आर्जिहन् |
| आर्जिहः | आर्जिहतम् | आर्जिहत |
| आर्जिहम् | आर्जिहाव | आर्जिहाम |
| प० अर्हयाश्चकार | अर्हयाश्चक्रुः | अर्हयाश्चकुः |
| अर्हयाश्चकथं | अर्हयाश्चक्रुः | अर्हयाश्चक |
| अर्हयाश्चकारः | अर्हयाश्चक्रुः | अर्हयाश्चक्रुम |
| अर्हयाम्बभूव | । | अर्हयामास |
| आ० अर्हयार्हत् | अर्हयार्हताम् | अर्हयार्हसुः |
| अर्हयार्हः | अर्हयार्हताम् | अर्हयार्हस्त |
| अर्हयार्हम् | अर्हयार्हस्व | अर्हयार्हस्म |
| अ० अर्हयिता | अर्हयितारौ | अर्हयितारः |
| अर्हयितासि | अर्हयितास्थः | अर्हयितास्थ |
| अर्हयितास्मि | अर्हयितास्वः | अर्हयितास्मः |
| अ० अर्हयिष्यति | अर्हयिष्यतः | अर्हयिष्यन्ति |
| अर्हयिष्यसि | अर्हयिष्यथः | अर्हयिष्यथ |
| अर्हयिष्यामि | अर्हयिष्यावः | अर्हयिष्यामः |
| क्रि० आर्हयिष्यत् | आर्हयिष्यताम् | आर्हयिष्यन् |
| आर्हयिष्यः | आर्हयिष्यतम् | आर्हयिष्यत |
| आर्हयिष्यम् | आर्हयिष्याव | आर्हयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| व० अर्हयते | अर्हयते | अर्हयन्ते |
| अर्हयसे | अर्हयेथे | अर्हयध्वे |
| अर्हये | अर्हयावहे | अर्हयामहे |
| स० अर्हयेत | अर्हयेताताम् | अर्हयेरन् |
| अर्हयेथाः | अर्हयेथायाम् | अर्हयेष्वम् |
| अर्हयेय | अर्हयेवहि | अर्हयेमहि |
| प० अर्हयताम् | अर्हयेताम् | अर्हयन्ताम् |
| अर्हयस्व | अर्हयेयाम् | अर्हयध्वम् |
| अर्हये | अर्हयावहे | अर्हयामहे |
| ह० आर्हयत | आर्हयेताम् | आर्हयन्त |
| आर्हयथाः | आर्हयेथाम् | आर्हयेष्वम् |
| आर्हये | अर्हयावहि | अर्हयामहि |
| अ० आर्जिहत् | आर्जिहेताम् | आर्जिहन्त |
| आर्जिहथाः | आर्जिहेथाम् | आर्जिहध्वम् |
| आर्जिहे | आर्जिहावहि | आर्जिहामहि |
| प० अर्हयाश्चक्रे | अर्हयाश्चक्राते | अर्हयाश्चक्रिरे |
| अर्हयाश्चक्रुषे | अर्हयाश्चक्राये | अर्हयाश्चक्रुद्वे |
| अर्हयाश्चक्रे | अर्हयाश्चक्रुवहे | अर्हयाश्चक्रुमहे |
| अर्हयाम्बभूव | । | अर्हयामास |
| आ० अर्हयिषीष्ट | अर्हयिषीयास्ताम् | अर्हयिषीरन् |
| अर्हयिषीष्टाः | अर्हयिषीयास्थाम् | अर्हयिषीद्वम् |
| अर्हयिषीय | अर्हयिषीवहि | अर्हयिषीमहि |
| अ० अर्हयिता | अर्हयितारौ | अर्हयितारः |
| अर्हयितासे | अर्हयितासाथे | अर्हयिताध्वे |
| अर्हयिताहे | अर्हयितास्वहे | अर्हयितास्महे |
| अ० अर्हयिष्यते | अर्हयिष्येते | अर्हयिष्यन्ते |
| अर्हयिष्यसे | अर्हयिष्येथे | अर्हयिष्यध्वे |
| अर्हयिष्ये | अर्हयिष्यावहे | अर्हयिष्यामहे |
| क्रि० आर्हयिष्यत् | आर्हयिष्येताम् | आर्हयिष्यन्त |
| आर्हयिष्यथाः | आर्हयिष्येथाम् | आर्हयिष्यध्वम् |
| आर्हयिष्ये | आर्हयिष्यावहि | आर्हयिष्यामहि |

565 मह (मह्) पूजायाम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० माहयति | माहयतः | माहयन्ति |
| माहयसि | माहयथः | माहयथ |
| माहयामि | माहयावः | माहयामः |
| स० माहयेत् | माहयेताम् | माहयेयुः |
| माहयेः | माहयेतम् | माहयेत |
| माहयेयम् | माहयेव | माहयेम |
| प० माहयतु | माहयतात् | माहयताम् |
| माहय | माहयतात् | माहयतम् |
| माहयानि | माहयाव | माहयाम |
| ह्य० अमाहयत् | अमाहयताम् | अमाहयन् |
| अमाहयः | अमाहयतम् | अमाहयत |
| अमाहयम् | अमाहयाव | अमाहयाम |
| अ० अमीमहत् | अमीमहताम् | अमीमहन् |
| अमीमहः | अमीमहतम् | अमीमहत |
| अमीमहम् | अमीमहाव | अमीमहाम |
| प० माहयाञ्चकार | माहयाञ्चकतुः | माहयाञ्चकुः |
| माहयाञ्चकथं | माहयाञ्चकथुः | माहयाञ्चक |
| माहयाञ्चकरः चकर | माहयाञ्चकृव | माहयाञ्चकृम |
| माहयाम्बभूव | । | माहयामास |
| आ० माहयात् | माहयास्ताम् | माहयासुः |
| माहयाः | माहयास्तम् | माहयास्त |
| माहयासम् | माहयास्व | माहयास्म |
| श्व० माहयिता | माहयितारौ | माहयितारः |
| माहयितासि | माहयितास्थः | माहयितास्थ |
| माहयितास्मि | माहयितास्वः | माहयितास्मः |
| भ० माहयिष्यति | माहयिष्यतः | माहयिष्यन्ति |
| माहयिष्यसि | माहयिष्यथः | माहयिष्यथ |
| माहयिष्यामि | माहयिष्यावः | माहयिष्यामः |
| क्रि० अमाहयिष्यत् | अमाहयिष्यताम् | अमाहयिष्यन् |
| अमाहयिष्यः | अमाहयिष्यतम् | अमाहयिष्यत |
| अमाहयिष्यम् | अमाहयिष्याव | अमाहयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० माहयते | माहयेते | माहयन्ते |
| माहयसे | माहयेथे | माहयध्वे |
| माहये | माहयावहे | माहयामहे |
| स० माहयेत | माहयेयाताम् | माहयेरन् |
| माहयेथाः | माहयेयाथाम् | माहयेध्वम् |
| माहयेय | माहयेवहि | माहयेमहि |
| प० माहयेताम् | माहयेताम् | माहयन्ताम् |
| माहयस्व | माहयेथाम् | माहयध्वम् |
| माहयै | माहयावहै | माहयामहै |
| ह्य० अमाहयत | अमाहयेताम् | अमाहयन्त |
| अमाहयथाः | अमाहयेथाम् | अमाहयध्वम् |
| अमाहये | अमाहयावहि | अमाहयामहि |
| अ० अमीमहत | अमीमहेताम् | अमीमहन्त |
| अमीमहथाः | अमीमहेथाम् | अमीमहध्वम् |
| अमीमहे | अमीमहावहि | अमीमहामहि |
| प० माहयाञ्चके | माहयाञ्चकाते | माहयाञ्चकिरे |
| माहयाञ्चकृषे | माहयाञ्चकाथे | माहयाञ्चकृदवे |
| माहयाञ्चके | माहयाञ्चकृवहे | माहयाञ्चकृमहे |
| माहयाम्बभूव | । | माहयामास |
| आ० माहयिषीष्ट | माहयिषीयास्ताम् | माहयिषीरन् |
| माहयिषीष्ठाः | माहयिषीयास्थाम् | माहयिषीध्वम् |
| माहयिषीय | माहयिषीवहि | माहयिषीमहि |
| श्व० माहयिता | माहयितारौ | माहयितारः |
| माहयितासे | माहयितासाथे | माहयिताध्वे |
| माहयिताहे | माहयितास्वहे | माहयितास्महे |
| भ० माहयिष्यते | माहयिष्येते | माहयिष्यन्ते |
| माहयिष्यसे | माहयिष्येथे | माहयिष्यध्वे |
| माहयिष्ये | माहयिष्यावहे | माहयिष्यामहे |
| क्रि० अमाहयिष्यत | अमाहयिष्येताम् | अमाहयिष्यन्त |
| अमाहयिष्यथाः | अमाहयिष्येथाम् | अमाहयिष्यध्वम् |
| अमाहयिष्ये | अमाहयिष्यावहि | अमाहयिष्यामहि |

॥ अथ क्षान्ता विंशति ॥

566 उक्ष (उक्ष) सेचने ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० उक्षयति | उक्षयतः | उक्षयन्ति |
| उक्षयसि | उक्षयथः | उक्षयथ |
| उक्षयामि | उक्षयावः | उक्षयामः |
| स० उक्षयेत् | उक्षयेताम् | उक्षयेयुः |
| उक्षयेः | उक्षयेतम् | उक्षयेत |
| उक्षयेयम् | उक्षयेव | उक्षयेम |
| प० उक्षयतु | उक्षयतात् | उक्षयताम् |
| उक्षय | उक्षयतात् | उक्षयतम् |
| उक्षयाणि | उक्षयाव | उक्षयाम |
| ह्य० औक्षयत् | औक्षयताम् | औक्षयन् |
| औक्षयः | औक्षयतम् | औक्षयत |
| औक्षयम् | औक्षयाव | औक्षयाम |
| अ० औचिक्षत् | औचिक्षताम् | औचिक्षन् |
| औचिक्षः | औचिक्षतम् | औचिक्षत |
| औचिक्षम् | औचिक्षाव | औचिक्षाम |
| प० उक्षयाञ्चकार | उक्षयाञ्चक्रुः | उक्षयाञ्चकुः |
| उक्षयाञ्चकथ | उक्षयाञ्चकथुः | उक्षयाञ्चक |
| उक्षयाञ्चकार-चकर | उक्षयाञ्चकृव | उक्षयाञ्चकृम |
| उक्षयाम्बभूव | । | उक्षयामास |
| अ० उक्षयात् | ः क्ष्यास्ताम् | उक्ष्यासुः |
| उक्ष्याः | उक्ष्यास्ताम् | उक्ष्यास्त |
| उक्ष्यासम् | उक्ष्यास्व | उक्ष्यास्म |
| श्च० उक्षयिता | उक्षयितारौ | उक्षयितारः |
| उक्षयितासि | उक्षयितास्थः | उक्षयितास्थ |
| उक्षयितास्मि | उक्षयितास्वः | उक्षयितास्मः |
| भ० उक्षयिष्यति | उक्षयिष्यतः | उक्षयिष्यन्ति |
| उक्षयिष्यसि | उक्षयिष्यथः | उक्षयिष्यथ |
| उक्षयिष्यामि | उक्षयिष्यावः | उक्षयिष्यामः |
| क्रि० औक्षयिष्यत् | औक्षयिष्यताम् | औक्षयिष्यन् |
| औक्षयिष्यः | औक्षयिष्यतम् | औक्षयिष्यत |
| औक्षयिष्यम् | औक्षयिष्याव | औक्षयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० उक्षयेते | उक्षयेते | उक्षयन्ते |
| उक्षयसे | उक्षयेथे | उक्षयध्वे |
| उक्षये | उक्षयावहे | उक्षयामहे |
| स० उक्षयेत | उक्षयेयाताम् | उक्षयेरन् |
| उक्षयेथाः | उक्षयेयाथाम् | उक्षयेध्वम् |
| उक्षयेय | उक्षयेवहि | उक्षयेमहि |
| प० उक्षयताम् | उक्षयेताम् | उक्षयन्ताम् |
| उक्षयस्व | उक्षयेथाम् | उक्षयध्वम् |
| उक्षयै | उक्षयावहै | उक्षयामहै |
| ह्य० औक्षयत | औक्षयेताम् | औक्षयन्त |
| औक्षयथाः | औक्षयेथाम् | औक्षयध्वम् |
| औक्षये | औक्षयावहि | औक्षयामहि |
| अ० औचिक्षत | औचिक्षेताम् | औचिक्षन्त |
| औचिक्षथाः | औचिक्षेथाम् | औचिक्षध्वम् |
| औचिक्षे | औचिक्षावहि | औचिक्षामहि |
| प० उक्षयाञ्चक्रे | उक्षयाञ्चकृते | उक्षयाञ्चकिरे |
| उक्षयाञ्चकृषे | उक्षयाञ्चकृषे | उक्षयाञ्चकृद्वे |
| उक्षयाञ्चक्रे | उक्षयाञ्चकृवहे | उक्षयाञ्चकृमहे |
| उक्षयाम्बभूव | । | उक्षयामास |
| आ० उक्षयिषीष्ट | उक्षयिषीयास्ताम् | उक्षयिषीरन् |
| उक्षयिषीष्टाः | उक्षयिषीयास्थाम् | उक्षयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| उक्षयिषीय | उक्षयिषीवहि | उक्षयिषीमहि |
| श्च० उक्षयिता | उक्षयितारौ | उक्षयितारः |
| उक्षयितासे | उक्षयितासाथे | उक्षयिताध्वे |
| उक्षयिताहे | उक्षयितास्वहे | उक्षयितास्महे |
| भ० उक्षयिष्यते | उक्षयिष्येते | उक्षयिष्यन्ते |
| उक्षयिष्यसे | उक्षयिष्येथे | उक्षयिष्यध्वे |
| उक्षयिष्ये | उक्षयिष्यावहे | उक्षयिष्यामहे |
| क्रि० औक्षयिष्यत् | औक्षयिष्यताम् | औक्षयिष्यन्त |
| औक्षयिष्यथाः | औक्षयिष्येथाम् | औक्षयिष्यध्वम् |
| औक्षयिष्ये | औक्षयिष्यावहि | औक्षयिष्यामहि |

567 रक्ष (रक्ष्) पालने ।

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० रक्षयति | रक्षयतः | रक्षयन्ति |
| रक्षयसि | रक्षयथः | रक्षयथ |
| रक्षयामि | रक्षयावः | रक्षयामः |
| स० रक्षयेत् | रक्षयेताम् | रक्षयेयुः |
| रक्षयेः | रक्षयेतम् | रक्षयेत |
| रक्षयेयम् | रक्षयेव | रक्षयेम |
| प० रक्षयतु | रक्षयतात् | रक्षयताम् |
| रक्षय | रक्षयतात् | रक्षयतम् |
| रक्षयानि | रक्षयाव | रक्षयाम |
| ह्य० अरक्षयत् | अरक्षयताम् | अरक्षयन् |
| अरक्षयः | अरक्षयतम् | अरक्षयत |
| अरक्षयम् | अरक्षयाव | अरक्षयाम |
| अ० अरक्षत् | अरक्षताम् | अरक्षन् |
| अरक्षः | अरक्षतम् | अरक्षत |
| अरक्षम् | अरक्षाव | अरक्षाम |
| प० रक्षयाञ्चकार | रक्षयाञ्चक्रुः | रक्षयाञ्चकुः |
| रक्षयाञ्चकथं | रक्षयाञ्चकथुः | रक्षयाञ्चक |
| रक्षयाञ्चकार-चकर | रक्षयाञ्चकृव | रक्षयाञ्चकृम |
| रक्षयाम्बभूव | । | रक्षयामास |
| अ० रक्ष्यात् | रक्ष्यास्ताम् | रक्ष्यासुः |
| रक्ष्याः | रक्ष्यास्तम् | रक्ष्यास्त |
| रक्ष्यासम् | रक्ष्यास्व | रक्ष्यास्म |
| अ० रक्षयिता | रक्षयितारौ | रक्षयितारः |
| रक्षयितासि | रक्षयितास्थः | रक्षयितास्थ |
| रक्षयितास्मि | रक्षयितास्वः | रक्षयितास्मः |
| ० रक्षयिष्यति | रक्षयिष्यतः | रक्षयिष्यन्ति |
| रक्षयिष्यसि | रक्षयिष्यथः | रक्षयिष्यथ |
| रक्षयिष्यामि | रक्षयिष्यावः | रक्षयिष्यामः |
| अरक्षयिष्यत् | अरक्षयिष्यताम् | अरक्षयिष्यन् |
| अरक्षयिष्यः | अरक्षयिष्यतम् | अरक्षयिष्यत |
| अरक्षयिष्यम् | अरक्षयिष्याव | अरक्षयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० रक्षयते | रक्षयते | रक्षयन्ते |
| रक्षयसे | रक्षयेथे | रक्षयध्वे |
| रक्षये | रक्षयावहे | रक्षयामहे |
| स० रक्षयेत् | रक्षयेयाताम् | रक्षयेरन् |
| रक्षयेथाः | रक्षयेयाथाम् | रक्षयेध्वम् |
| रक्षयेय | रक्षयेवहि | रक्षयेमहि |
| प० रक्षयताम् | रक्षयेताम् | रक्षयन्ताम् |
| रक्षयस्व | रक्षयेथाम् | रक्षयध्वम् |
| रक्षयै | रक्षयावहे | रक्षयामहे |
| ह्य० अरक्षयत | अरक्षयेताम् | अरक्षयन्त |
| अरक्षयथाः | अरक्षयेथाम् | अरक्षयध्वम् |
| अरक्षये | अरक्षयावहि | अरक्षयामहि |
| अ० अरक्षत् | अरक्षेताम् | अरक्षन्त |
| अरक्षथाः | अरक्षेथाम् | अरक्षध्वम् |
| अरक्षे | अरक्षावहि | अरक्षामहि |
| प० रक्षयाञ्चके | रक्षयाञ्चकते | रक्षयाञ्चकिरे |
| रक्षयाञ्चकृषे | रक्षयाञ्चकृषे | रक्षयाञ्चकृडवे |
| रक्षयाञ्चके | रक्षयाञ्चकृवहे | रक्षयाञ्चकृमहे |
| रक्षयाम्बभूव | । | रक्षयामास |
| आ० रक्षयिषीष्ट | रक्षयिषीयास्ताम् | रक्षयिषीरन् |
| रक्षयिषीष्टाः | रक्षयिषीयास्थाम् | रक्षयिषीड्वम् |
| | | ध्वम् |
| रक्षयिषीय | रक्षयिषीवहि | रक्षयिषीमहि |
| अ० रक्षयिता | रक्षयितारौ | रक्षयितारः |
| रक्षयितासे | रक्षयितासाथे | रक्षयिताध्वे |
| रक्षयिताहे | रक्षयितास्वहे | रक्षयितास्महे |
| अ० रक्षयिष्यते | रक्षयिष्येते | रक्षयिष्यन्ते |
| रक्षयिष्यसे | रक्षयिष्येथे | रक्षयिष्यध्वे |
| रक्षयिष्ये | रक्षयिष्यावहे | रक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अरक्षयिष्यत | अरक्षयिष्येताम् | अरक्षयिष्यन्त |
| अरक्षयिष्यथाः | अरक्षयिष्येथाम् | अरक्षयिष्यध्वम् |
| अरक्षयिष्ये | अरक्षयिष्यावहि | अरक्षयिष्यामहि |

568 मक्ष मक्ष) सङ्घाते ।

| | | |
|--------------------|-----------------|---------------|
| व० मक्षयति | मक्षयतः | मक्षयन्ति |
| मक्षयति | मक्षयथः | मक्षयथ |
| मक्षयामि | मक्षयावः | मक्षयामः |
| स० मक्षयेत् | मक्षयेताम् | मक्षयेयुः |
| मक्षयेः | मक्षयितम् | मक्षयेत |
| मक्षयेयम् | मक्षयेव | मक्षयेम |
| प० मक्षयतु | मक्षयतात् | मक्षयताम् |
| मक्षय | मक्षयतात् | मक्षयतम् |
| मक्षयाणि | मक्षयाव | मक्षयाम |
| ह्य० अमक्षयत् | अमक्षयताम् | अमक्षयन् |
| अमक्षयः | अमक्षयतम् | अमक्षयन् |
| अमक्षयम् | अमक्षयाव | अमक्षयाम |
| अ० अममक्षत् | अममक्षताम् | अममक्षन् |
| अममक्षः | अममक्षतम् | अममक्षत |
| अममक्षम् | अममक्षाव | अममक्षाम |
| प० मक्षयाञ्चकार | मक्षयाञ्चक्रतुः | मक्षयाञ्चकुः |
| मक्षयाञ्चकर्थ | मक्षयाञ्चक्रथुः | मक्षयाञ्चक्र |
| मक्षयाञ्चकार-चक्र | मक्षयाञ्चक्रव | मक्षयाञ्चक्रम |
| मक्षयाम्बभूव | । | मक्षयामास |
| अ० मक्ष्यात् | मक्ष्यास्ताम् | मक्ष्यासु. |
| मक्ष्याः | मक्ष्यास्ताम् | मक्ष्यास्त |
| मक्ष्यासम् | मक्ष्यास्व | मक्ष्यास्म |
| अ० मक्षयिता | मक्षयितारौ | मक्षयितारः |
| मक्षयितासि | मक्षयितास्थः | मक्षयितास्थ |
| मक्षयितास्मि | मक्षयितास्वः | मक्षयितास्मः |
| भ० मक्षयिष्यति | मक्षयिष्यतः | मक्षयिष्यन्ति |
| मक्षयिष्यसि | मक्षयिष्यथः | मक्षयिष्यथ |
| मक्षयिष्यामि | मक्षयिष्यावः | मक्षयिष्यामः |
| क्रि० अमक्षयिष्यत् | अमक्षयिष्यताम् | अमक्षयिष्यन् |
| अमक्षयिष्यः | अमक्षयिष्यतम् | अमक्षयिष्यत |
| अमक्षयिष्यम् | अमक्षयिष्याव | अमक्षयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० मक्षयते | मक्षयेते | मक्षयन्ते |
| मक्षयसे | मक्षयेथे | मक्षयन्वे |
| मक्षये | मक्षयावहे | मक्षयामहे |
| स० मक्षयेत् | मक्षयेयाताम् | मक्षयेरन् |
| मक्षयेथाः | मक्षयेयाथाम् | मक्षयेध्वम् |
| मक्षयेय | मक्षयेवहि | मक्षयेमहि |
| प० मक्षयताम् | मक्षयेताम् | मक्षयन्ताम् |
| मक्षयस्व | मक्षयेथाम् | मक्षयध्वम् |
| मक्षयै | मक्षयावहे | मक्षयामहे |
| ह्य० अमक्षयत् | अमक्षयेताम् | अमक्षयन्त |
| अमक्षयथाः | अमक्षयेथाम् | अमक्षयध्वम् |
| अमक्षये | अमक्षयावहि | अमक्षयामहि |
| अ० अममक्षत् | अममक्षेताम् | अममक्षन्त |
| अममक्षथाः | अममक्षेथाम् | अममक्षध्वम् |
| अममक्षे | अममक्षावहि | अममक्षामहि |
| प० मक्षयाञ्चक्रे | मक्षयाञ्चक्रते | मक्षयाञ्चक्रिरे |
| मक्षयाञ्चकृषे | मक्षयाञ्चक्राये | मक्षयाञ्चकृढवे |
| मक्षयाञ्चक्रे | मक्षयाञ्चकृवहे | मक्षयाञ्चकृमहे |
| मक्षयाम्बभूव | । | मक्षयामास |
| आ० मक्षयिषीष्ट | मक्षयिषीयास्ताम् | मक्षयिषीरन् |
| मक्षयिषीष्टाः | मक्षयिषीयास्थाम् | मक्षयिषीह्वम् |
| | | ध्वम् |
| मक्षयिषीय | मक्षयिषीवहि | मक्षयिषीमहि |
| अ० मक्षयिता | मक्षयितारौ | मक्षयितारः |
| मक्षयितासे | मक्षयितासाथे | मक्षयिताध्वे |
| मक्षयिताहे | मक्षयितास्वहे | मक्षयितास्महे |
| भ० मक्षयिष्यते | मक्षयिष्येते | मक्षयिष्यन्ते |
| मक्षयिष्यते | मक्षयिष्येथे | मक्षयिष्यन्वे |
| मक्षयिष्ये | मक्षयिष्यावहे | मक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अमक्षयिष्यत् | अमक्षयिष्येताम् | अमक्षयिष्यन्त |
| अमक्षयिष्यथाः | अमक्षयिष्येथाम् | अमक्षयिष्यध्वम् |
| अमक्षयिष्ये | अमक्षयिष्यावहि | अमक्षयिष्यामहि |

569 मुक्ष (मुक्ष्) संघाते ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० मुक्षयति | मुक्षयतः | मुक्षयन्ति |
| मुक्षयसि | मुक्षयथः | मुक्षयथ |
| मुक्षयामि | मुक्षयामः | मुक्षयामः |
| स० मुक्षयेत् | मुक्षयेताम् | मुक्षयेयुः |
| मुक्षयेः | मुक्षयेतम् | मुक्षयेत |
| मुक्षयेयम् | मुक्षयेव | मुक्षयेम |
| प० मुक्षयतु | मुक्षयतात् | मुक्षयताम् |
| मुक्षय | मुक्षयतात् | मुक्षयतम् |
| मुक्षयाणि | मुक्षयाव | मुक्षयाम |
| ह्य० अमुक्षयत् | अमुक्षयताम् | अमुक्षयन् |
| अमुक्षयः | अमुक्षयतम् | अमुक्षयत |
| अमुक्षयम् | अमुक्षयाव | अमुक्षयाम |
| अ० अमुक्षत् | अमुक्षताम् | अमुक्षन् |
| अमुक्षः | अमुक्षतम् | अमुक्षत |
| अमुक्षम् | अमुक्षाव | अमुक्षाम |
| प० मुक्षयाञ्चकार | मुक्षयाञ्चकतुः | मुक्षयाञ्चकुः |
| मुक्षयाञ्चकथं | मुक्षयाञ्चकथुः | मुक्षयाञ्चक |
| मुक्षयाञ्चकार-चकर | मुक्षयाञ्चकृव | मुक्षयाञ्चकृम |
| मुक्षयाम्बभूव | । | मुक्षयामास |
| अ० मुक्ष्यात् | मुक्ष्यास्ताम् | मुक्ष्यासुः |
| मुक्ष्याः | मुक्ष्यास्तम् | मुक्ष्यास्त |
| मुक्ष्यासम् | मुक्ष्यास्व | मुक्ष्यास्म |
| अ० मुक्षयिता | मुक्षयितारौ | मुक्षयितारः |
| मुक्षयितासि | मुक्षयितास्थः | मुक्षयितास्थ |
| मुक्षयितास्मि | मुक्षयितास्वः | मुक्षयितास्मः |
| अ० मुक्षयिष्यति | मुक्षयिष्यतः | मुक्षयिष्यन्ति |
| मुक्षयिष्यसि | मुक्षयिष्यथः | मुक्षयिष्यथ |
| मुक्षयिष्यामि | मुक्षयिष्यावः | मुक्षयिष्यामः |
| क्रि० अमुक्षयिष्यत् | अमुक्षयिष्यताम् | अमुक्षयिष्यन् |
| अमुक्षयिष्यः | अमुक्षयिष्यतम् | अमुक्षयिष्यत |
| अमुक्षयिष्यम् | अमुक्षयिष्याव | अमुक्षयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० मुक्षयते | मुक्षयेते | मुक्षयन्ते |
| मुक्षयसे | मुक्षयेथे | मुक्षयन्वे |
| मुक्षये | मुक्षयावहे | मुक्षयामहे |
| स० मुक्षयेत | मुक्षयेयाताम् | मुक्षयेरन् |
| मुक्षयेथाः | मुक्षयेयाथाम् | मुक्षयेष्वम् |
| मुक्षयेय | मुक्षयेवहि | मुक्षयेमहि |
| प० मुक्षयताम् | मुक्षयेताम् | मुक्षयन्ताम् |
| मुक्षयस्व | मुक्षयेथाम् | मुक्षयष्वम् |
| मुक्षये | मुक्षयावहे | मुक्षयामहे |
| ह्य० अमुक्षयत | अमुक्षयेताम् | अमुक्षयन्त |
| अमुक्षयथाः | अमुक्षयेथाम् | अमुक्षयष्वम् |
| अमुक्षये | अमुक्षयावहि | अमुक्षयामहि |
| अ० अमुक्षत् | अमुक्षेताम् | अमुक्षन्त |
| अमुक्षथाः | अमुक्षेथाम् | अमुक्षष्वम् |
| अमुक्षे | अमुक्षावहि | अमुक्षामहि |
| प० मुक्षयाञ्चक्रे | मुक्षयाञ्चकृते | मुक्षयाञ्चकिरे |
| मुक्षयाञ्चकृषे | मुक्षयाञ्चकृथे | मुक्षयाञ्चकृवे |
| मुक्षयाञ्चक्रे | मुक्षयाञ्चकृवहे | मुक्षयाञ्चकृमहे |
| मुक्षयाम्बभूव | । | मुक्षयामास |
| आ० मुक्षयिषीष्ट | मुक्षयिषीयास्ताम् | मुक्षयिषीरन् |
| मुक्षयिषीष्ठाः | मुक्षयिषीयास्थाम् | मुक्षयिषीह्वम् |
| मुक्षयिषीथ | मुक्षयिषीवहि | मुक्षयिषीमहि |
| अ० मुक्षयिता | मुक्षयितारौ | मुक्षयितारः |
| मुक्षयितासे | मुक्षयितासथे | मुक्षयिताध्वे |
| मुक्षयिताहे | मुक्षयितास्वहे | मुक्षयितास्महे |
| अ० मुक्षयिष्यते | मुक्षयिष्येते | मुक्षयिष्यन्ते |
| मुक्षयिष्यसे | मुक्षयिष्येथे | मुक्षयिष्यन्वे |
| मुक्षयिष्ये | मुक्षयिष्यावहे | मुक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अमुक्षयिष्यत् | अमुक्षयिष्येताम् | अमुक्षयिष्यन्ते |
| अमुक्षयिष्यथाः | अमुक्षयिष्येथाम् | अमुक्षयिष्यष्वम् |
| अमुक्षयिष्ये | अमुक्षयिष्येवहि | अमुक्षयिष्यामहि |

570 अक्षौ अक्ष) व्याप्तौ च ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| ब० | अक्षयति | अक्षयतः | अक्षयन्ति |
| | अक्षयसि | अक्षयथः | अक्षयथ |
| | अक्षयामि | अक्षयावः | अक्षयामः |
| स० | अक्षयेत् | अक्षयेताम् | अक्षयेयुः |
| | अक्षयेः | अक्षयेतम् | अक्षयेत |
| | अक्षयेयम् | अक्षयेव | अक्षयेम |
| प० | अक्षयतु | अक्षयतात् | अक्षयताम् |
| | अक्षय | अक्षयतात् | अक्षयतम् |
| | अक्षयाणि | अक्षयाव | अक्षयाम |
| ह्य० | आक्षयत् | आक्षयताम् | आक्षयन् |
| | आक्षयः | आक्षयतम् | आक्षयत |
| | आक्षयम् | आक्षयाव | आक्षयाम |
| अ० | आचिक्षत् | आचिक्षताम् | आचिक्षन् |
| | आचिक्षः | आचिक्षतम् | आचिक्षत |
| | आचिक्षम् | आचिक्षाव | आचिक्षाम |
| प० | अक्षयाञ्चकार | अक्षयाञ्चकतुः | अक्षयाञ्चकुः |
| | अक्षयाञ्चकथ | अक्षयाञ्चकथः | अक्षयाञ्चक |
| | अक्षयाञ्चकार-चकर | अक्षयाञ्चकृव | अक्षयाञ्चकृम |
| | अक्षयाम्बभूव | अक्षयामास | |
| आ० | अक्षयात् | अक्षयास्ताम् | अक्षयासुः |
| | अक्षयाः | अक्षयास्तम् | अक्षयास्त |
| | अक्षयासम् | अक्षयास्व | अक्षयास्म |
| भ० | अक्षयिता | अक्षयितारौ | अक्षयितारः |
| | अक्षयितासि | अक्षयितास्थः | अक्षयितास्थ |
| | अक्षयितास्मि | अक्षयितास्वः | अक्षयितास्मः |
| भ० | अक्षयिष्यति | अक्षयिष्यतः | अक्षयिष्यन्ति |
| | अक्षयिष्यसि | अक्षयिष्यथः | अक्षयिष्यथ |
| | अक्षयिष्यामि | अक्षयिष्यावः | अक्षयिष्यामः |
| क्रि० | आक्षयिष्यत् | आक्षयिष्यताम् | आक्षयिष्यन् |
| | आक्षयिष्यः | आक्षयिष्यतम् | आक्षयिष्यत |
| | आक्षयिष्यम् | आक्षयिष्याव | आक्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|----------------|
| व० | अक्षयते | अक्षयेते | अक्षयन्ते |
| | अक्षयसे | अक्षयेषे | अक्षयन्ते |
| | अक्षये | अक्षयावहे | अक्षयामहे |
| स० | अक्षयेत | अक्षयेयाताम् | अक्षयेरन् |
| | अक्षयेथाः | अक्षयेयाथाम् | अक्षयेष्वम् |
| | अक्षयेथ | अक्षयेवहि | अक्षयेमहि |
| प० | अक्षयताम् | अक्षयेताम् | अक्षयन्ताम् |
| | अक्षयस्व | अक्षयेथाम् | अक्षयन्वम् |
| | अक्षयै | अक्षयावहै | अक्षयामहै |
| ह्य० | आक्षयत | आक्षयेताम् | आक्षयन्त |
| | आक्षयथाः | आक्षयेथाम् | आक्षयन्वम् |
| | आक्षये | आक्षयावहि | आक्षयामहि |
| अ० | आचिक्षत् | आचिक्षेताम् | आचिक्षन्त |
| | आचिक्षथाः | आचिक्षेथाम् | आचिक्षन्वम् |
| | आचिक्षे | आचिक्षावहि | आचिक्षामहि |
| प० | अक्षयाञ्चक्रे | अक्षयाञ्चकृते | अक्षयाञ्चकिरे |
| | अक्षयाञ्चकृषे | अक्षयाञ्चकृथे | अक्षयाञ्चकृवे |
| | अक्षयाञ्चक्रे | अक्षयाञ्चकृवहे | अक्षयाञ्चकृमहे |
| | अक्षयाम्बभूव | अक्षयामास | |
| आ० | अक्षयिषीष्ट | अक्षयिषीयास्ताम् | अक्षयिषीरन् |
| | अक्षयिषीष्ठाः | अक्षयिषीयाथाम् | अक्षयिषीन्वम् |
| | अक्षयिषीय | अक्षयिषीवहि | अक्षयिषीमहि |
| भ० | अक्षयिता | अक्षयितारौ | अक्षयितारः |
| | अक्षयितासे | अक्षयितासाथे | अक्षयितास्व |
| | अक्षयिताहे | अक्षयितास्वहे | अक्षयितास्महे |
| भ० | अक्षयिष्यते | अक्षयिष्येते | अक्षयिष्यन्ते |
| | अक्षयिष्यसे | अक्षयिष्येषे | अक्षयिष्यन्ते |
| | अक्षयिष्ये | अक्षयिष्यावहे | अक्षयिष्यामहे |
| क्रि० | आक्षयिष्यत् | आक्षयिष्येताम् | आक्षयिष्यन्त |
| | आक्षयिष्यथाः | आक्षयिष्येथाम् | आक्षयिष्यन्वम् |
| | आक्षयिष्ये | आक्षयिष्यावहि | आक्षयिष्यामहि |

571 तक्षी (तक्ष्) तनूकरणे ।

| | | |
|--------------------------|----------------|---------------|
| व० तक्षयति | तक्षयतः | तक्षयन्ति |
| तक्षयसि | तक्षयथः | तक्षयथ |
| तक्षयामि | तक्षयावः | तक्षयामः |
| स० तक्षयेत् | तक्षयेताम् | तक्षयेयुः |
| तक्षयेः | तक्षयेतम् | तक्षयेत |
| तक्षयेयम् | तक्षयेव | तक्षयेम |
| प० तक्षयतु | तक्षयतात् | तक्षयताम् |
| तक्षय | तक्षयतात् | तक्षयतम् |
| तक्षयाणि | तक्षयाव | तक्षयाम |
| ह्य० अतक्षयत् | अतक्षयताम् | अतक्षयन् |
| अतक्षयः | अतक्षयतम् | अतक्षयत |
| अतक्षयम् | अतक्षयाव | अतक्षयाम |
| अ० अतक्षत् | अतक्षताम् | अतक्षन् |
| अतक्षः | अतक्षतम् | अतक्षत |
| अतक्षम् | अतक्षाव | अतक्षाम |
| प० तक्षयाञ्चकार | तक्षयाञ्चकतुः | तक्षयाञ्चकुः |
| तक्षयाञ्चकथं | तक्षयाञ्चकथुः | तक्षयाञ्चक |
| तक्षयाञ्चकार-चकर | तक्षयाञ्चचकृव | तक्षयाञ्चकृम |
| तक्षयाम्बभूव । तक्षयामास | | |
| भा० तक्ष्यात् | तक्ष्यास्ताम् | तक्ष्यासुः |
| तक्ष्याः | तक्ष्यस्ताम् | तक्ष्यास्त |
| तक्ष्यासम् | तक्ष्यास्व | तक्ष्यास्म |
| श्व० तक्षयिता | तक्षयितारौ | तक्षयितारः |
| तक्षयितासि | तक्षयितास्थः | तक्षयितास्थ |
| तक्षयितास्मि | तक्षयितास्वः | तक्षयितास्मः |
| भ० तक्षयिष्यति | तक्षयिष्यतः | तक्षयिष्यन्ति |
| तक्षयिष्यसि | तक्षयिष्यथः | तक्षयिष्यथ |
| तक्षयिष्यामि | तक्षयिष्यावः | तक्षयिष्यामः |
| क्रि० अतक्षयिष्यत् | अतक्षयिष्यताम् | अतक्षयिष्यन् |
| अतक्षयिष्यः | अतक्षयिष्यतम् | अतक्षयिष्यत |
| अतक्षयिष्यम् | अतक्षयिष्याव | अतक्षयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|------------------|-----------------|
| व० तक्षयते | तक्षयते | तक्षयन्ते |
| तक्षयसे | तक्षयेथे | तक्षयध्वे |
| तक्षये | तक्षयावहे | तक्षयामहे |
| स० तक्षयेत | तक्षयेयाताम् | तक्षयेरन् |
| तक्षयेथाः | तक्षयेयाथाम् | तक्षयेष्वम् |
| तक्षयेय | तक्षयेवहि | तक्षयेमहि |
| प० तक्षयताम् | तक्षयेताम् | तक्षयन्ताम् |
| तक्षयस्व | तक्षयेथाम् | तक्षयेष्वम् |
| तक्षयै | तक्षयावहै | तक्षयामहै |
| ह्य० अतक्षयत | अतक्षयेताम् | अतक्षयन्त |
| अतक्षयथाः | अतक्षयेथाम् | अतक्षयध्वम् |
| अतक्षये | अतक्षयावहि | अतक्षयामहि |
| अ० अतक्षत | अतक्षेताम् | अतक्षन्त |
| अतक्षथाः | अतक्षेथाम् | अतक्षध्वम् |
| अतक्षे | अतक्षावहि | अतक्षामहि |
| प० तक्षयाञ्चक्रे | तक्षयाञ्चक्रेते | तक्षयाञ्चक्रेरे |
| तक्षयाञ्चकृषे | तक्षयाञ्चकृषे | तक्षयाञ्चकृषे |
| तक्षयाञ्चके | तक्षयाञ्चकृवहे | तक्षयाञ्चकृमहे |
| तक्षयाम्बभूव । तक्षयामास | | |
| भा० तक्षयिषीष्ट | तक्षयिषीयास्ताम् | तक्षयिषीरन् |
| तक्षयिषीष्ठाः | तक्षयिषीयास्थाम् | तक्षयिषीध्वम् |
| तक्षयिषीष्वन् | | |
| तक्षयिषीय | तक्षयिषीवहि | तक्षयिषीमहि |
| श्व० तक्षयिता | तक्षयितारौ | तक्षयितारः |
| तक्षयितासे | तक्षयितासाथे | तक्षयिताध्वे |
| तक्षयिताहे | तक्षयितास्वहे | तक्षयितास्महे |
| भ० तक्षयिष्यते | तक्षयिष्येते | तक्षयिष्यन्ते |
| तक्षयिष्यसे | तक्षयिष्येथे | तक्षयिष्यध्वे |
| तक्षयिष्ये | तक्षयिष्यावहे | तक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अतक्षयिष्यत | अतक्षयिष्येताम् | अतक्षयिष्यन्त |
| अतक्षयिष्यथाः | अतक्षयिष्येथाम् | अतक्षयिष्यध्वम् |
| अतक्षयिष्ये | अतक्षयिष्यावहि | अतक्षयिष्यामहि |

572 त्वक्षी त्वक्ष) तनूकरणे ।

| | | |
|----------------------|------------------|------------------|
| ब० त्वक्षयति | त्वक्षयतः | त्वक्षयन्ति |
| त्वक्षयसि | त्वक्षयथः | त्वक्षयथ |
| त्वक्षयामि | त्वक्षयावः | त्वक्षयामः |
| स० त्वक्षयेत् | त्वक्षयेताम् | त्वक्षयेयुः |
| त्वक्षयेः | त्वक्षयेतम् | त्वक्षयेत |
| त्वक्षयेयम् | त्वक्षयेव | त्वक्षयेम |
| प० त्वक्षयतु | त्वक्षयतात् | त्वक्षयन्तु |
| त्वक्षय | त्वक्षयतात् | त्वक्षयतम् |
| त्वक्षयाणि | त्वक्षयाव | त्वक्षयाम |
| ह्य० अत्वक्षयत् | अत्वक्षयताम् | अत्वक्षयन् |
| अत्वक्षयः | अत्वक्षयतम् | अत्वक्षयत |
| अत्वक्षयम् | अत्वक्षयाव | अत्वक्षयाम |
| अ० अतत्वक्षत् | अतत्वक्षताम् | अतत्वक्षन् |
| अतत्वक्षः | अतत्वक्षतम् | अतत्वक्षत |
| अतत्वक्षम् | अतत्वक्षाव | अतत्वक्षाम |
| प० त्वक्षयाञ्चकार | त्वक्षयाञ्चक्रुः | त्वक्षयाञ्चक्रुः |
| त्वक्षयाञ्चकथ | त्वक्षयाञ्चक्रथः | त्वक्षयाञ्चक्र |
| त्वक्षयाञ्चकार-चकर | त्वक्षयाञ्चक्रव | त्वक्षयाञ्चक्रम |
| त्वक्षयाम्बभूव | । | त्वक्षयामास |
| भा० त्वक्ष्यात् | त्वक्ष्यास्ताम् | त्वक्ष्यासुः |
| त्वक्ष्याः | त्वक्ष्यास्तम् | त्वक्ष्यास्त |
| त्वक्ष्यासम् | त्वक्ष्यास्व | त्वक्ष्यासम |
| भ० त्वक्षयिता | त्वक्षयितारौ | त्वक्षयितारः |
| त्वक्षयितासि | त्वक्षयितास्थः | त्वक्षयितास्थ |
| त्वक्षयितास्मि | त्वक्षयितास्वः | त्वक्षयितास्मः |
| भ० त्वक्षयिष्यति | त्वक्षयिष्यतः | त्वक्षयिष्यन्ति |
| त्वक्षयिष्यसि | त्वक्षयिष्यथः | त्वक्षयिष्यथ |
| त्वक्षयिष्यामि | त्वक्षयिष्यावः | त्वक्षयिष्यामः |
| क्रि० अत्वक्षयिष्यत् | अत्वक्षयिष्यताम् | अत्वक्षयिष्यन् |
| अत्वक्षयिष्यः | अत्वक्षयिष्यतम् | अत्वक्षयिष्यत |
| अत्वक्षयिष्यम् | अत्वक्षयिष्याव | अत्वक्षयिष्याम |

| | | |
|---------------------|--------------------|-------------------|
| ब० त्वक्षयते | त्वक्षयेते | त्वक्षयन्ते |
| त्वक्षयसे | त्वक्षयेथे | त्वक्षयध्वे |
| त्वक्षये | त्वक्षयावहे | त्वक्षयामहे |
| स० त्वक्षयेत | त्वक्षयेयाताम् | त्वक्षयेरन् |
| त्वक्षयेथाः | त्वक्षयेयाथाम् | त्वक्षयेध्वम् |
| त्वक्षयेय | त्वक्षयेवहि | त्वक्षयेमहि |
| प० त्वक्षयताम् | त्वक्षयेताम् | त्वक्षयन्ताम् |
| त्वक्षयस्व | त्वक्षयेथाम् | त्वक्षयध्वम् |
| त्वक्षये | त्वक्षयावहे | त्वक्षयामहे |
| ह्य० अत्वक्षयत | अत्वक्षयेताम् | अत्वक्षयन्त |
| अत्वक्षयथाः | अत्वक्षयेथाम् | अत्वक्षयध्वम् |
| अत्वक्षये | अत्वक्षयावहि | अत्वक्षयामहि |
| अ० अतत्वक्षत | अतत्वक्षेताम् | अतत्वक्षन्त |
| अतत्वक्षथाः | अतत्वक्षेथाम् | अतत्वक्षध्वम् |
| अतत्वक्षे | अतत्वक्षावहि | अतत्वक्षामहि |
| प० त्वक्षयाञ्चक्रे | त्वक्षयाञ्चक्राते | त्वक्षयाञ्चक्रिरे |
| त्वक्षयाञ्चकृषे | त्वक्षयाञ्चक्राथे | त्वक्षयाञ्चकृद्वे |
| त्वक्षयाञ्चक्रे | त्वक्षयाञ्चक्रुवहे | त्वक्षयाञ्चक्रमहे |
| त्वक्षयाम्बभूव | । | त्वक्षयामास |
| आ० त्वक्षयिषीष्ट | त्वक्षयिषीयास्ताम् | त्वक्षयिषीरन् |
| त्वक्षयिषीष्ठाः | त्वक्षयिषीयास्थाम् | त्वक्षयिषीध्वम् |
| त्वक्षयिषीय | त्वक्षयिषीवहि | त्वक्षयिषीमहि |
| भ० त्वक्षयिता | त्वक्षयितारौ | त्वक्षयितारः |
| त्वक्षयितासे | त्वक्षयितासाथे | त्वक्षयिताध्वे |
| त्वक्षयिताहे | त्वक्षयितास्वहे | त्वक्षयितास्महे |
| भ० त्वक्षयिष्यते | त्वक्षयिष्येते | त्वक्षयिष्यन्ते |
| त्वक्षयिष्यसे | त्वक्षयिष्येथे | त्वक्षयिष्यध्वे |
| त्वक्षयिष्ये | त्वक्षयिष्यावहे | त्वक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अत्वक्षयिष्यत | अत्वक्षयिष्येताम् | अत्वक्षयिष्यन्त |
| अत्वक्षयिष्यथाः | अत्वक्षयिष्येथाम् | अत्वक्षयिष्यध्वम् |
| अत्वक्षयिष्ये | अत्वक्षयिष्यावहि | अत्वक्षयिष्यामहि |

573 णिङ् (निङ्) चुम्बने ।

| | | | |
|-------|--|--|--|
| ५० | निक्षयति निक्षयसि निक्षयामि | निक्षयतः निक्षयथः निक्षयावः | निक्षयन्ति निक्षयथ निक्षयामः |
| स० | निक्षयेत् निक्षयेः निक्षयेयम् | निक्षयेताम् निक्षयेतम् निक्षयेव | निक्षयेयुः निक्षयेत निक्षयेम |
| प० | निक्षयतु निक्षय निक्षयाणि | निक्षयतात् निक्षयतात् निक्षयाव | निक्षयन्तु निक्षयत निक्षयाम |
| ह्य० | अनिक्षयत् अनिक्षयः अनिक्षयम् | अनिक्षयताम् अनिक्षयताम् अनिक्षयाव | अनिक्षयन् अनिक्षयत अनिक्षयाम |
| अ० | अनिनिक्षत् अनिनिक्षः अनिनिक्षम् | अनिनिक्षताम् अनिनिक्षताम् अनिनिक्षाव | अनिनिक्षन् अनिनिक्षत अनिनिक्षाम |
| प० | निक्षयाञ्चकार निक्षयाञ्चकर्थः निक्षयाञ्चकार-चक्र | निक्षयाञ्चकतुः निक्षयाञ्चकः निक्षयाञ्चकृव | निक्षयाञ्चकुः निक्षयाञ्चक निक्षयाञ्चकृम |
| भा० | निक्षयात् निक्षयाः निक्षयासम् | निक्षयास्ताम् निक्षयास्तम् निक्षयास्व | निक्षयासुः निक्षयास्त निक्षयास्म |
| श्र० | निक्षयिता निक्षयितासि निक्षयितास्मि | निक्षयितारौ निक्षयितास्थः निक्षयितास्वः | निक्षयितारः निक्षयितास्थ निक्षयितास्मः |
| भ० | निक्षयिष्यति निक्षयिष्यसि निक्षयिष्यामि | निक्षयिष्यतः निक्षयिष्यथः निक्षयिष्यावः | निक्षयिष्यन्ति निक्षयिष्यथ निक्षयिष्यामः |
| क्रि० | अनिक्षयिष्यत् अनिक्षयिष्यः अनिक्षयिष्यम् | अनिक्षयिष्यताम् अनिक्षयिष्यतम् अनिक्षयिष्याव | अनिक्षयिष्यन् अनिक्षयिष्यत अनिक्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|---|---|---|
| व० | निक्षयते निक्षयसे निक्षये | निक्षयेते निक्षयेथे निक्षयावहे | निक्षयन्ते निक्षयध्वे निक्षयामहे |
| स० | निक्षयेत निक्षयेथाः निक्षयेथ | निक्षयेयाताम् निक्षयेयाथाम् निक्षयेवहि | निक्षयेरन् निक्षयेध्वम् निक्षयेमहि |
| प० | निक्षयताम् निक्षयस्व निक्षयै | निक्षयेताम् निक्षयेथाम् निक्षयावहै | निक्षयन्ताम् निक्षयध्वम् निक्षयामहै |
| ह्य० | अनिक्षयत अनिक्षयथाः अनिक्षये | अनिक्षयेताम् अनिक्षयेथाम् अनिक्षयावहि | अनिक्षयन्त अनिक्षयध्वम् अनिक्षयामहि |
| अ० | अनिनिक्षत अनिनिक्षथाः अनिनिक्षे | अनिनिक्षेताम् अनिनिक्षेथाम् अनिनिक्षावहि | अनिनिक्षन्त अनिनिक्षध्वम् अनिनिक्षामहि |
| प० | निक्षयाञ्चके निक्षयाञ्चकृषे निक्षयाञ्चके | निक्षयाञ्चक्राते निक्षयाञ्चक्राथे निक्षयाञ्चकृवहे | निक्षयाञ्चकिरे निक्षयाञ्चकृढ्वे निक्षयाञ्चकृमहे |
| | निक्षयाम्बभूव | निक्षयामास | |
| भा० | निक्षयिषीष्ट निक्षयिषीष्टाः | निक्षयिषीयास्ताम् निक्षयिषीयास्याम | निक्षयिषीरन् निक्षयिषीढ्वम् |
| | निक्षयिषीय | निक्षयिषीवहि | निक्षयिषीमहि |
| श्र० | निक्षयिता निक्षयितासे निक्षयिताहे | निक्षयितारौ निक्षयितासाथे निक्षयितास्वहे | निक्षयितारः निक्षयिताध्वे निक्षयितास्महे |
| भ० | निक्षयिष्यते निक्षयिष्यसे निक्षयिष्ये | निक्षयिष्येते निक्षयिष्येथे निक्षयिष्यावहे | निक्षयिष्यन्ते निक्षयिष्यध्वे निक्षयिष्यामहे |
| क्रि० | अनिक्षयिष्यत् अनिक्षयिष्यथाः अनिक्षयिष्ये | अनिक्षयिष्येताम् अनिक्षयिष्येथाम् अनिक्षयिष्यावहि | अनिक्षयिष्यन्त अनिक्षयिष्यध्वम् अनिक्षयिष्यामहि |

574 तृक्ष (तृक्ष) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | तृक्षयति | तृक्षयतः | तृक्षयन्ति |
| | तृक्षयसि | तृक्षयथः | तृक्षयथ |
| | तृक्षयामि | तृक्षयाः | तृक्षयामः |
| स० | तृक्षयेत् | तृक्षयेताम् | तृक्षयेयुः |
| | तृक्षयेः | तृक्षयेतम् | तृक्षयेत |
| | तृक्षयेयम् | तृक्षयेव | तृक्षयेम |
| प० | तृक्षयतु | तृक्षयतात् | तृक्षयन्तु |
| | तृक्षय | तृक्षयतात् | तृक्षयत |
| | तृक्षयाणि | तृक्षयाव | तृक्षयाम |
| ह्य० | अतृक्षयत् | अतृक्षयताम् | अतृक्षयन् |
| | अतृक्षयः | अतृक्षयतम् | अतृक्षयत |
| | अतृक्षयम् | अतृक्षयाव | अतृक्षयाम |
| अ० | अतृक्षेत् | अतृक्षेताम् | अतृक्षेयुः |
| | अतृक्षेः | अतृक्षेतम् | अतृक्षेत |
| | अतृक्षेयम् | अतृक्षेव | अतृक्षेयम |
| प० | तृक्षयाञ्चकार | तृक्षयाञ्चकतुः | तृक्षयाञ्चकुः |
| | तृक्षयाञ्चकर्थ | तृक्षयाञ्चकथुः | तृक्षयाञ्चक |
| | तृक्षयाञ्चकार-चकर | तृक्षयाञ्चकव | तृक्षयाञ्चकम |
| | तृक्षयाम्बभूव | । तृक्षयामास | |
| आ० | तृक्ष्यात् | तृक्ष्यास्ताम् | तृक्ष्यासुः |
| | तृक्ष्याः | तृक्ष्यास्तम् | तृक्ष्यास्त |
| | तृक्ष्यासम् | तृक्ष्यास्व | तृक्ष्यास्म |
| श्र० | तृक्षयिता | तृक्षयितारौ | तृक्षयितारः |
| | तृक्षयितासि | तृक्षयितास्थः | तृक्षयितास्थ |
| | तृक्षयितास्मि | तृक्षयितास्वः | तृक्षयितास्मः |
| भ० | तृक्षयिष्यति | तृक्षयिष्यतः | तृक्षयिष्यन्ति |
| | तृक्षयिष्यसि | तृक्षयिष्यथः | तृक्षयिष्यथ |
| | तृक्षयिष्यामि | तृक्षयिष्यावः | तृक्षयिष्यामः |
| क्रि० | अतृक्षयिष्यत् | अतृक्षयिष्यताम् | अतृक्षयिष्यन् |
| | अतृक्षयिष्यः | अतृक्षयिष्यतम् | अतृक्षयिष्यत |
| | अतृक्षयिष्यम् | अतृक्षयिष्याव | अतृक्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | तृक्षयते | तृक्षयते | तृक्षयन्ते |
| | तृक्षयसे | तृक्षयथे | तृक्षयथे |
| | तृक्षये | तृक्षयावहे | तृक्षयामहे |
| स० | तृक्षयेत | तृक्षयेयाताम् | तृक्षयेयन् |
| | तृक्षयेथाः | तृक्षयेयाथाम् | तृक्षयेय्वम् |
| | तृक्षयेय | तृक्षयेवहि | तृक्षयेमहि |
| प० | तृक्षयताम् | तृक्षयेताम् | तृक्षयन्ताम् |
| | तृक्षयस्व | तृक्षयेथाम् | तृक्षयय्वम् |
| | तृक्षयै | तृक्षयावहे | तृक्षयामहे |
| ह्य० | अतृक्षयत | अतृक्षयेताम् | अतृक्षयन्त |
| | अतृक्षयथाः | अतृक्षयेथाम् | अतृक्षयय्वम् |
| | अतृक्षये | अतृक्षयावहि | अतृक्षयमहि |
| अ० | अतृक्षेत | अतृक्षेताम् | अतृक्षेयन् |
| | अतृक्षेथाः | अतृक्षेथाम् | अतृक्षेय्वम् |
| | अतृक्षेत | अतृक्षेवहि | अतृक्षेमहि |
| प० | तृक्षयाञ्चके | तृक्षयाञ्चकते | तृक्षयाञ्चकिरे |
| | तृक्षयाञ्चकृषे | तृक्षयाञ्चकृषे | तृक्षयाञ्चकृद्वे |
| | तृक्षयाञ्चके | तृक्षयाञ्चकवहे | तृक्षयाञ्चकमहे |
| | तृक्षयाम्बभूव | । तृक्षयामास | |
| आ० | तृक्षयिषीष्ट | तृक्षयिषीयास्ताम् | तृक्षयिषीरन् |
| | तृक्षयिषीष्टाः | तृक्षयिषीयास्थाम् | तृक्षयिषीद्वम् |
| | तृक्षयिषीय | तृक्षयिषीवहि | तृक्षयिषीमहि |
| श्र० | तृक्षयिता | तृक्षयितारौ | तृक्षयितारः |
| | तृक्षयितासे | तृक्षयितासाथे | तृक्षयिताथे |
| | तृक्षयिताहे | तृक्षयितास्वहे | तृक्षयितास्महे |
| भ० | तृक्षयिष्यते | तृक्षयिष्येते | तृक्षयिष्यन्ते |
| | तृक्षयिष्यसे | तृक्षयिष्यथे | तृक्षयिष्यथे |
| | तृक्षयिष्ये | तृक्षयिष्यावहे | तृक्षयिष्यामहे |
| क्रि० | अतृक्षयिष्यत | अतृक्षयिष्येताम् | अतृक्षयिष्यन्त |
| | अतृक्षयिष्यथाः | अतृक्षयिष्येथाम् | अतृक्षयिष्यय्वम् |
| | अतृक्षयिष्ये | अतृक्षयिष्यावहि | अतृक्षयिष्यामहि |

575 स्तृक्ष (स्तृक्ष) गतौ ।

| | | |
|----------------------|-------------------|------------------|
| ४० स्तृक्षयति | स्तृक्षयतः | स्तृक्षयन्ति |
| स्तृक्षयसि | स्तृक्षयथः | स्तृक्षयथ |
| स्तृक्षयामि | स्तृक्षयावः | स्तृक्षयामः |
| स० स्तृक्षयेत् | स्तृक्षयेताम् | स्तृक्षयेयुः |
| स्तृक्षयेः | स्तृक्षयेतम् | स्तृक्षयेत |
| स्तृक्षयेयम् | स्तृक्षयेव | स्तृक्षयेम |
| प० स्तृक्षयतु | स्तृक्षयतात् | स्तृक्षयताम् |
| स्तृक्षय | स्तृक्षयतात् | स्तृक्षयतम् |
| स्तृक्षयाणि | स्तृक्षयाव | स्तृक्षयाम |
| ह्य० अस्तृक्षयत | अस्तृक्षयताम् | अस्तृक्षयन् |
| अस्तृक्षयः | अस्तृक्षयतम् | अस्तृक्षयत |
| अस्तृक्षयम् | अस्तृक्षयाव | अस्तृक्षयाम |
| अ० अतस्तृक्षत | अतस्तृक्षताम् | अतस्तृक्षन् |
| अतस्तृक्षः | अतस्तृक्षतम् | अतस्तृक्षत |
| अतस्तृक्षम् | अतस्तृक्षाव | अतस्तृक्षाम |
| प० स्तृक्षयाञ्चकार | स्तृक्षयाञ्चकतुः | स्तृक्षयाञ्चकुः |
| स्तृक्षयाञ्चकथ | स्तृक्षयाञ्चकथः | स्तृक्षयाञ्चक |
| स्तृक्षयाञ्चकार-चकर | स्तृक्षयाञ्चकृव | स्तृक्षयाञ्चकृम |
| स्तृक्षयाम्बभूव | स्तृक्षयामास | |
| भा० स्तृक्ष्यात् | स्तृक्ष्यास्ताम् | स्तृक्ष्यायुः |
| स्तृक्ष्याः | स्तृक्ष्यातम् | स्तृक्ष्यात |
| स्तृक्ष्यासम् | स्तृक्ष्यास्व | स्तृक्ष्याम |
| श्व० स्तृक्षयिता | स्तृक्षयितारौ | स्तृक्षयितारः |
| स्तृक्षयितासि | स्तृक्षयितास्थः | स्तृक्षयितास्थ |
| स्तृक्षयितास्मि | स्तृक्षयितास्वः | स्तृक्षयितास्मः |
| भ० स्तृक्षयिष्यति | स्तृक्षयिष्यतः | स्तृक्षयिष्यन्ति |
| स्तृक्षयिष्यसि | स्तृक्षयिष्यथः | स्तृक्षयिष्यथ |
| स्तृक्षयिष्यामि | स्तृक्षयिष्यावः | स्तृक्षयिष्यामः |
| क्रि० अस्तृक्षयिष्यत | अस्तृक्षयिष्यताम् | अस्तृक्षयिष्यन् |
| अस्तृक्षयिष्यः | अस्तृक्षयिष्यतम् | अस्तृक्षयिष्यत |
| अस्तृक्षयिष्यम् | अस्तृक्षयिष्याव | अस्तृक्षयिष्याम |

| | | |
|----------------------|---------------------|---------------------|
| व० स्तृक्षयते | स्तृक्षयते | स्तृक्षयन्ते |
| स्तृक्षयसे | स्तृक्षयथे | स्तृक्षयथ्वे |
| स्तृक्षये | स्तृक्षयावहे | स्तृक्षयामहे |
| स० स्तृक्षयेत | स्तृक्षयेयाताम् | स्तृक्षयेरन् |
| स्तृक्षयेथाः | स्तृक्षयेयाथाम् | स्तृक्षयेष्वम् |
| स्तृक्षयेय | स्तृक्षयेवहि | स्तृक्षयेमहि |
| प० स्तृक्षयताम् | स्तृक्षयेताम् | स्तृक्षयन्ताम् |
| स्तृक्षयस्व | स्तृक्षयेथाम् | स्तृक्षयेष्वम् |
| स्तृक्षयै | स्तृक्षयावहे | स्तृक्षयामहे |
| ह्य० अस्तृक्षयत | अस्तृक्षयेताम् | अस्तृक्षयन्त |
| अस्तृक्षयथाः | अस्तृक्षयेथाम् | अस्तृक्षयेष्वम् |
| अस्तृक्षये | अस्तृक्षयावहि | अस्तृक्षयामहि |
| अ० अतरस्तृक्षत | अतरस्तृक्षताम् | अतरस्तृक्षन्त |
| अतरस्तृक्षथाः | अतरस्तृक्षेथाम् | अतरस्तृक्षेष्वम् |
| अतरस्तृक्षे | अतरस्तृक्षावहि | अतरस्तृक्षामहि |
| प० स्तृक्षयाञ्चक्रे | स्तृक्षयाञ्चकृते | स्तृक्षयाञ्चकृरे |
| स्तृक्षयाञ्चकृषे | स्तृक्षयाञ्चकृथे | स्तृक्षयाञ्चकृवहे |
| स्तृक्षयाञ्चक्रे | स्तृक्षयाञ्चकृवहे | स्तृक्षयाञ्चकृमहे |
| स्तृक्षयाम्बभूव | स्तृक्षयामास | |
| भा० स्तृक्षयिषीष्ट | स्तृक्षयिषीस्ताम् | स्तृक्षयिषीरन् |
| स्तृक्षयिषीष्टाः | स्तृक्षयिषीयास्थाम् | स्तृक्षयिषीवम् |
| स्तृक्षयिषीय | स्तृक्षयिषीवहि | स्तृक्षयिषीमहि |
| श्व० स्तृक्षयिता | स्तृक्षयितारौ | स्तृक्षयितारः |
| स्तृक्षयितासे | स्तृक्षयितासाथे | स्तृक्षयिताथ्वे |
| स्तृक्षयिताहे | स्तृक्षयितास्वहे | स्तृक्षयितामहे |
| भ० स्तृक्षयिष्यते | स्तृक्षयिष्येते | स्तृक्षयिष्यन्ते |
| स्तृक्षयिष्यसे | स्तृक्षयिष्यथे | स्तृक्षयिष्यथ्वे |
| स्तृक्षयिष्ये | स्तृक्षयिष्यावहे | स्तृक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अस्तृक्षयिष्यत | अस्तृक्षयिष्येताम् | अस्तृक्षयिष्यन्त |
| अस्तृक्षयिष्यथाः | अस्तृक्षयिष्येथाम् | अस्तृक्षयिष्येष्वम् |
| अस्तृक्षयिष्ये | अस्तृक्षयिष्यावहि | अस्तृक्षयिष्यामहि |

576 णक्ष नक्ष) गतौ ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० नक्षयति | नक्षयतः | नक्षयन्ति |
| नक्षयसि | नक्षयथः | नक्षयथ |
| नक्षयामि | नक्षयावः | नक्षयामः |
| स० नक्षयेत् | नक्षयेताम् | नक्षयेयुः |
| नक्षयेः | नक्षयेतम् | नक्षयेत |
| नक्षयेयम् | नक्षयेव | नक्षयेम |
| प० नक्षयतु | नक्षयतात् | नक्षयन्तु |
| नक्षय | नक्षयतात् | नक्षयतम् |
| नक्षयाणि | नक्षयाव | नक्षयाम |
| ह्य० अनक्षयत् | अनक्षयताम् | अनक्षयन् |
| अनक्षयः | अनक्षयतम् | अनक्षयत |
| अनक्षयम् | अनक्षयाव | अनक्षयाम |
| अ० अननक्षत् | अननक्षताम् | अननक्षन् |
| अननक्षः | अननक्षतम् | अननक्षत |
| अननक्षम् | अननक्षाव | अननक्षाम |
| प० नक्षयाञ्चकार | नक्षयाञ्चकृतः | नक्षयाञ्चकुः |
| नक्षयाञ्चकथ | नक्षयाञ्चकथुः | नक्षयाञ्चक |
| नक्षयाञ्चकार-चकर | नक्षयाञ्चकृव | नक्षयाञ्चकृम |
| नक्षयाम्बभूव | । | नक्षयामास |
| आ० नक्ष्यात् | नक्ष्यास्ताम् | नक्ष्यासुः |
| नक्ष्याः | नक्ष्यास्तम् | नक्ष्यास्त |
| नक्ष्यासम् | नक्ष्यास्व | नक्ष्यासम |
| श्व० नक्षयिता | नक्षयितारौ | नक्षयितारः |
| नक्षयितासि | नक्षयितास्थः | नक्षयितास्थ |
| नक्षयितास्मि | नक्षयितास्वः | नक्षयितास्मः |
| भ० नक्षयिष्यति | नक्षयिष्यतः | नक्षयिष्यन्ति |
| नक्षयिष्यसि | नक्षयिष्यथः | नक्षयिष्यथ |
| नक्षयिष्यामि | नक्षयिष्यावः | नक्षयिष्यामः |
| क्रि० अनक्षयिष्यत् | अनक्षयिष्यताम् | अनक्षयिष्यन् |
| अनक्षयिष्यः | अनक्षयिष्यतम् | अनक्षयिष्यत |
| अनक्षयिष्यम् | अनक्षयिष्याव | अनक्षयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० नक्षयते | नक्षयेते | नक्षयन्ते |
| नक्षयसे | नक्षयेथे | नक्षयध्वे |
| नक्षये | नक्षयावहे | नक्षयामहे |
| स० नक्षयेत | नक्षयेयाताम् | नक्षयेरन् |
| नक्षयेथाः | नक्षयेयाथाम् | नक्षयेध्वम् |
| नक्षयेय | नक्षयेवहि | नक्षयेमहि |
| प० नक्षयताम् | नक्षयेताम् | नक्षयन्ताम् |
| नक्षयस्व | नक्षयेथाम् | नक्षयध्वम् |
| नक्षयै | नक्षयावहै | नक्षयामहै |
| ह्य० अनक्षयत | अनक्षयेताम् | अनक्षयन्त |
| अनक्षयथाः | अनक्षयेथाम् | अनक्षयध्वम् |
| अनक्षये | अनक्षयावहि | अनक्षयामहि |
| अ० अननक्षत | अननक्षेताम् | अननक्षन्त |
| अननक्षथाः | अननक्षेथाम् | अननक्षध्वम् |
| अननक्षे | अननक्षावहि | अननक्षामहि |
| प० नक्षयाञ्चके | नक्षयाञ्चकृते | नक्षयाञ्चकिरे |
| नक्षयाञ्चकृषे | नक्षयाञ्चकाथे | नक्षयाञ्चकृद्वे |
| नक्षयाञ्चके | नक्षयाञ्चकृवहे | नक्षयाञ्चकृमहे |
| नक्षयाम्बभूव | । | नक्षयामास |
| आ० नक्षयिषीष्ट | नक्षयिषीयास्ताम् | नक्षयिषीरन् |
| नक्षयिषीष्टाः | नक्षयिषीयास्थाम् | नक्षयिषीध्वम् |
| नक्षयिषीय | नक्षयिषीवहि | नक्षयिषीमहि |
| श्व० नक्षयिता | नक्षयितारौ | नक्षयितारः |
| नक्षयितासे | नक्षयितासाथे | नक्षयिताध्वे |
| नक्षयिताहे | नक्षयितास्वहे | नक्षयितास्महे |
| भ० नक्षयिष्यते | नक्षयिष्येते | नक्षयिष्यन्ते |
| नक्षयिष्यसे | नक्षयिष्येथे | नक्षयिष्यध्वे |
| नक्षयिष्ये | नक्षयिष्यावहे | नक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अनक्षयिष्यत | अनक्षयिष्येताम् | अनक्षयिष्यन्त |
| अनक्षयिष्यथाः | अनक्षयिष्येथाम् | अनक्षयिष्यध्वम् |
| अनक्षयिष्ये | अनक्षयिष्यावहि | अनक्षयिष्यामहि |

(५५६) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया।

577 वक्ष (वक्ष्) रोषे ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------------|
| व० वक्षयति | वक्षयतः | वक्षयन्ति |
| वक्षयसि | वक्षयथः | वक्षयथ |
| वक्षयामि | वक्षयावः | वक्षयामः |
| स० वक्षयेत् | वक्षयेताम् | वक्षयेयुः |
| वक्षयेः | वक्षयेतम् | वक्षयेत |
| वक्षयेयम् | वक्षयेव | वक्षयेम |
| प० वक्षयतु | वक्षयतात् | वक्षयताम् वक्षयन्तु |
| वक्षय | वक्षयतात् | वक्षयतम् वक्षयत |
| वक्षयाणि | वक्षयाव | वक्षयाम |
| ह्य० अवक्षयत् | अवक्षयताम् | अवक्षयन् |
| अवक्षयः | अवक्षयतम् | अवक्षयत |
| अवक्षयम् | अवक्षयाव | अवक्षयाम |
| अ० अववक्षत् | अववक्षताम् | अववक्षन् |
| अववक्षः | अववक्षतम् | अववक्षत |
| अववक्षम् | अववक्षाव | अववक्षाम |
| वक्षयाञ्चकार | वक्षयाञ्चकतुः | वक्षयाञ्चकुः |
| वक्षयाञ्चकर्थ | वक्षयाञ्चकयुः | वक्षयाञ्चक |
| वक्षयाञ्चकार-चकर | वक्षयाञ्चकृव | वक्षयाञ्चकृम |
| वक्षयाम्बभूव | । | वक्षयामास |
| अ० वक्ष्यात् | वक्ष्यास्ताम् | वक्ष्यातुः |
| वक्ष्याः | वक्ष्यास्तम् | वक्ष्यास्त |
| वक्ष्यासम् | वक्ष्यास्व | वक्ष्यास्म |
| श्व० वक्षयिता | वक्षयितारौ | वक्षयितारः |
| वक्षयितासि | वक्षयितास्थः | वक्षयितास्थ |
| वक्षयितास्मि | वक्षयितास्वः | वक्षयितास्मः |
| भ० वक्षयिष्यति | वक्षयिष्यतः | वक्षयिष्यन्ति |
| वक्षयिष्यसि | वक्षयिष्यथः | वक्षयिष्यथ |
| वक्षयिष्यामि | वक्षयिष्यावः | वक्षयिष्यामः |
| क्रि० अवक्षयिष्यत् | अवक्षयिष्यताम् | अवक्षयिष्यन् |
| अवक्षयिष्यः | अवक्षयिष्यतम् | अवक्षयिष्यत |
| अवक्षयिष्यम् | अवक्षयिष्याव | अवक्षयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| व० वक्षयते | वक्षयेते | वक्षयन्ते |
| वक्षयसे | वक्षयेथे | वक्षयन्त्वे |
| वक्षये | वक्षयावहे | वक्षयामहे |
| स० वक्षयेत | वक्षयेयाताम् | वक्षयेरन् |
| वक्षयेथाः | वक्षयेयाथाम् | वक्षयेष्वम् |
| वक्षयेय | वक्षयेवहि | वक्षयेमहि |
| प० वक्षयताम् | वक्षयेताम् | वक्षयन्ताम् |
| वक्षयस्व | वक्षयेथाम् | वक्षयन्त्वम् |
| वक्षये | वक्षयावहे | वक्षयामहे |
| ह्य० अवक्षयत | अवक्षयेताम् | अवक्षयन्त |
| अवक्षयथाः | अवक्षयेथाम् | अवक्षयन्त्वम् |
| अवक्षये | अवक्षयावहि | अवक्षयामहि |
| अ० अववक्षत | अववक्षेताम् | अववक्षन्त |
| अववक्षथाः | अववक्षेथाम् | अववक्षन्त्वम् |
| अववक्षे | अववक्षावहि | अववक्षामहि |
| प० वक्षयाञ्चक्रे | वक्षयाञ्चकाते | वक्षयाञ्चकिरे |
| वक्षयाञ्चकृषे | वक्षयाञ्चकाथे | वक्षयाञ्चकृद्वे |
| वक्षयाञ्चके | वक्षयाञ्चकृवहे | वक्षयाञ्चकृमहे |
| वक्षयाम्बभूव | । | वक्षयामास |
| आ० वक्षयिषीष्ट | वक्षयिषीयास्ताम् | वक्षयिषीरन् |
| वक्षयिषीष्टाः | वक्षयिषीयास्थाम् | वक्षयिषीद्वम् |
| | | वक्षयिषीमहि |
| वक्षयिषीय | वक्षयिषीवहि | वक्षयिषीमहि |
| श्व० वक्षयिता | वक्षयितारौ | वक्षयितारः |
| वक्षयितासे | वक्षयितासाथे | वक्षयितध्वे |
| वक्षयिताहे | वक्षयितास्वहे | वक्षयितास्महे |
| भ० वक्षयिष्यते | वक्षयिष्येते | वक्षयिष्यन्ते |
| वक्षयिष्यसे | वक्षयिष्येथे | वक्षयिष्यन्त्वे |
| वक्षयिष्ये | वक्षयिष्यावहे | वक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अवक्षयिष्यत | अवक्षयिष्येताम् | अवक्षयिष्यन्त |
| अवक्षयिष्यथाः | अवक्षयिष्येथाम् | अवक्षयिष्यन्त्वम् |
| अवक्षयिष्ये | अवक्षयिष्यावहि | अवक्षयिष्यामहि |

578 त्यक्ष (त्यक्ष्) त्वचने । त्यक्षौ 572 वक्षपाणि

579 सूक्ष् (सूक्ष्) अनादरे ।

| | | |
|--------------------|-----------------|-----------------|
| व० सूक्ष्यति | सूक्ष्यतः | सूक्ष्यन्ति |
| क्ष्यति | सूक्ष्यथः | सूक्ष्यथ |
| सूक्ष्यामि | सूक्ष्यावः | सूक्ष्यामः |
| स० सूक्ष्येत् | सूक्ष्येताम् | सूक्ष्येयुः |
| सूक्ष्येः | सूक्ष्येतम् | सूक्ष्येत |
| सूक्ष्येयम् | सूक्ष्येव | सूक्ष्येम |
| प० सूक्ष्यतु | सूक्ष्यतात् | सूक्ष्यताम् |
| सूक्ष्य | सूक्ष्यतात् | सूक्ष्यतम् |
| सूक्ष्याणि | सूक्ष्याव | सूक्ष्याम |
| ह्य० असूक्ष्यत् | असूक्ष्यताम् | असूक्ष्यन् |
| असूक्ष्यः | असूक्ष्यतम् | असूक्ष्यत |
| असूक्ष्यम् | असूक्ष्याव | असूक्ष्याम |
| अ० असूक्ष्यत् | असूक्ष्यताम् | असूक्ष्यन् |
| असूक्ष्यः | असूक्ष्यतम् | असूक्ष्यत |
| असूक्ष्यम् | असूक्ष्याव | असूक्ष्याम |
| प० सूक्ष्याच्चकार | सूक्ष्याच्चकतुः | सूक्ष्याच्चकृः |
| सूक्ष्याच्चकम् | सूक्ष्याच्चकथुः | सूक्ष्याच्चक |
| सूक्ष्याच्चकार-चकर | सूक्ष्याच्चकृव | सूक्ष्याच्चकृम |
| सूक्ष्याच्चभूव | सूक्ष्यामास | |
| आ० सूक्ष्यात् | सूक्ष्यास्ताम् | सूक्ष्यासुः |
| सूक्ष्याः | सूक्ष्यास्तम् | सूक्ष्यास्त |
| सूक्ष्यासम् | सूक्ष्यास्व | सूक्ष्यास्म |
| भ० सूक्ष्यिता | सूक्ष्यितारौ | सूक्ष्यितारः |
| सूक्ष्यितासि | सूक्ष्यितास्थः | सूक्ष्यितास्थ |
| सूक्ष्यितास्मि | सूक्ष्यितास्वः | सूक्ष्यितास्मः |
| भ० सूक्ष्यिष्यति | सूक्ष्यिष्यतः | सूक्ष्यिष्यन्ति |
| सूक्ष्यिष्यसि | सूक्ष्यिष्यथः | सूक्ष्यिष्यथ |
| सूक्ष्यिष्यामि | सूक्ष्यिष्यावः | सूक्ष्यिष्यामः |
| क्रि० असूक्ष्यितु | असूक्ष्यित्याम् | असूक्ष्यित्यन् |
| असूक्ष्यित्यः | असूक्ष्यित्यतम् | असूक्ष्यित्यत |
| असूक्ष्यित्यम् | असूक्ष्यित्यव | असूक्ष्यित्याम |

| | | |
|--------------------|--------------------|--------------------|
| व० सूक्ष्यते | सूक्ष्येते | सूक्ष्यन्ते |
| सूक्ष्यसे | सूक्ष्येथे | सूक्ष्यथ्वे |
| सूक्ष्ये | सूक्ष्यावहे | सूक्ष्यामहे |
| स० सूक्ष्येत | सूक्ष्येयाताम् | सूक्ष्येयन् |
| सूक्ष्येथाः | सूक्ष्येयाथाम् | सूक्ष्येथ्वम् |
| सूक्ष्येय | सूक्ष्येयवहि | सूक्ष्येयमहि |
| प० सूक्ष्यताम् | सूक्ष्येताम् | सूक्ष्यन्ताम् |
| सूक्ष्यस्व | सूक्ष्येथाम् | सूक्ष्यथ्वम् |
| सूक्ष्ये | सूक्ष्यावहे | सूक्ष्यामहे |
| ह्य० असूक्ष्यत् | असूक्ष्येताम् | असूक्ष्यन्त |
| असूक्ष्यथाः | असूक्ष्येथाम् | असूक्ष्यथ्वम् |
| असूक्ष्ये | असूक्ष्यावहि | असूक्ष्यामहि |
| अ० असूक्ष्यत् | असूक्ष्येताम् | असूक्ष्यन्त |
| असूक्ष्यथाः | असूक्ष्येथाम् | असूक्ष्यथ्वम् |
| असूक्ष्ये | असूक्ष्यावहि | असूक्ष्यामहि |
| प० सूक्ष्याच्चक्रे | सूक्ष्याच्चक्राते | सूक्ष्याच्चक्रिरे |
| सूक्ष्यच्चक्रे | सूक्ष्याच्चक्राथे | सूक्ष्याच्चक्रुवहे |
| सूक्ष्याच्चक्रे | सूक्ष्याच्चक्रुवहे | सूक्ष्याच्चक्रुमहे |
| सूक्ष्याच्चभूव | सूक्ष्यामास | |
| आ० सूक्ष्यिषीष्ट | सूक्ष्यिषीयास्ताम् | सूक्ष्यिषीरन् |
| सूक्ष्यिषीष्टाः | सूक्ष्यिषीयास्थाम् | सूक्ष्यिषीवम् |
| सूक्ष्यिषीय | सूक्ष्यिषीवहि | सूक्ष्यिषीमहि |
| भ० सूक्ष्यिता | सूक्ष्यितारौ | सूक्ष्यितारः |
| सूक्ष्यितासे | सूक्ष्यितासाथे | सूक्ष्यिताथ्वे |
| सूक्ष्यिताहे | सूक्ष्यितास्वहे | सूक्ष्यितास्महे |
| भ० सूक्ष्यिष्यते | सूक्ष्यिष्येते | सूक्ष्यिष्यन्ते |
| सूक्ष्यिष्यसे | सूक्ष्यिष्येथे | सूक्ष्यिष्यथ्वे |
| सूक्ष्यिष्ये | सूक्ष्यिष्यावहे | सूक्ष्यिष्यामहे |
| क्रि० असूक्ष्यितु | असूक्ष्यित्याम् | असूक्ष्यित्यन्त |
| असूक्ष्यित्यथाः | असूक्ष्यित्येथाम् | असूक्ष्यित्यथ्वम् |
| असूक्ष्यित्ये | असूक्ष्यित्यावहि | असूक्ष्यित्यामहि |

580 काक्षु (काङ्क्ष) काङ्क्षायाम् ।

| | | |
|-----------------------|-------------------|------------------|
| व० काङ्क्षयति | काङ्क्षयतः | काङ्क्षयन्ति |
| काङ्क्षयसि | काङ्क्षयथः | काङ्क्षयथ |
| काङ्क्षामि | काङ्क्षयानः | काङ्क्षयामः |
| स० काङ्क्षेत् | काङ्क्षेताम् | काङ्क्षेयुः |
| काङ्क्षेयः | काङ्क्षेयतम् | काङ्क्षेयत |
| काङ्क्षेयम् | काङ्क्षेयव | काङ्क्षेयम् |
| प० काङ्क्षयतु | काङ्क्षयतात् | काङ्क्षयताम् |
| काङ्क्षय | काङ्क्षयतात् | काङ्क्षयतम् |
| काङ्क्षयाणि | काङ्क्षयाव | काङ्क्षयाम |
| श० अकाङ्क्षयत् | अकाङ्क्षयताम् | अकाङ्क्षयन् |
| अकाङ्क्षयः | अकाङ्क्षयतम् | अकाङ्क्षयत |
| अकाङ्क्षयम् | अकाङ्क्षयाव | अकाङ्क्षयाम |
| भ० अचकाङ्क्षत् | अचकाङ्क्षताम् | अचकाङ्क्षन् |
| अचकाङ्क्षः | अचकाङ्क्षतम् | अचकाङ्क्षत |
| अचकाङ्क्षम् | अचकाङ्क्षाव | अचकाङ्क्षाम |
| प० काङ्क्षयाञ्चकार | काङ्क्षयाञ्चकतुः | काङ्क्षयाञ्चकुः |
| काङ्क्षयाञ्चकथं | काङ्क्षयाञ्चकथुः | काङ्क्षयाञ्चक |
| काङ्क्षयाञ्चकार-चकर | काङ्क्षयाञ्चकृव | काङ्क्षयाञ्चकृम |
| काङ्क्षयाम्भव | काङ्क्षयामाव | |
| भा० काङ्क्षयात् | काङ्क्षयाताम् | काङ्क्षयातुः |
| काङ्क्षयाः | काङ्क्षयातम् | काङ्क्षयास्त |
| काङ्क्षयासम् | काङ्क्षयास्व | काङ्क्षयासम् |
| भ० काङ्क्षयिता | काङ्क्षयितारौ | काङ्क्षयितारः |
| काङ्क्षयितासि | काङ्क्षयितास्यः | काङ्क्षयितास्य |
| काङ्क्षयितामि | काङ्क्षयितास्वः | काङ्क्षयितास्मः |
| म० काङ्क्षयिष्यति | काङ्क्षयिष्यतः | काङ्क्षयिष्यन्ति |
| काङ्क्षयिष्यसि | काङ्क्षयिष्यथः | काङ्क्षयिष्यथ |
| काङ्क्षयिष्यामि | काङ्क्षयिष्यावः | काङ्क्षयिष्यामः |
| क्रि० अकाङ्क्षयिष्यत् | अकाङ्क्षयिष्यताम् | अकाङ्क्षयिष्यन् |
| अकाङ्क्षयिष्यः | अकाङ्क्षयिष्यतम् | अकाङ्क्षयिष्यत |
| अकाङ्क्षयिष्यम् | अकाङ्क्षयिष्याव | अकाङ्क्षयिष्याम |

| | | |
|-----------------------|---------------------|--------------------|
| व० काङ्क्षयते | काङ्क्षयते | काङ्क्षयन्ते |
| काङ्क्षयसे | काङ्क्षयसे | काङ्क्षयस्व |
| काङ्क्षये | काङ्क्षयावहे | काङ्क्षयामहे |
| स० काङ्क्षेत् | काङ्क्षेयताम् | काङ्क्षेयन् |
| काङ्क्षेयथाः | काङ्क्षेयथा | काङ्क्षेयम् |
| काङ्क्षेयय | काङ्क्षेयवहि | काङ्क्षेयमहि |
| प० काङ्क्षयताम् | काङ्क्षयताम् | काङ्क्षयन्ताम् |
| काङ्क्षयस्व | काङ्क्षेयथाम् | काङ्क्षयस्वम् |
| काङ्क्षये | काङ्क्षयावहे | काङ्क्षयामहे |
| श० अकाङ्क्षयत् | अकाङ्क्षेयताम् | अकाङ्क्षयन्त |
| अकाङ्क्षयथाः | अकाङ्क्षेयथाम् | अकाङ्क्षयस्वम् |
| अकाङ्क्षये | अकाङ्क्षयावहि | अकाङ्क्षयामहि |
| भ० अचकाङ्क्षत् | अचकाङ्क्षताम् | अचकाङ्क्षन्त |
| अचकाङ्क्षयाः | अचकाङ्क्षेयथाम् | अचकाङ्क्षस्वम् |
| अचकाङ्क्षे | अचकाङ्क्षयावहि | अचकाङ्क्षामहि |
| प० काङ्क्षयाञ्चके | काङ्क्षयाञ्चकते | काङ्क्षयाञ्चक्रे |
| काङ्क्षयाञ्चकृषे | काङ्क्षयाञ्चकथे | काङ्क्षयाञ्चकृद्वे |
| काङ्क्षयाञ्चके | काङ्क्षयाञ्चकृवहे | काङ्क्षयाञ्चकृमहे |
| काङ्क्षयाम्भव | काङ्क्षयामाव | |
| भा० काङ्क्षयिषीष्ट | काङ्क्षयिषीयास्ताम् | काङ्क्षयिषीरम् |
| काङ्क्षयिषीष्टाः | काङ्क्षयिषीयास्थाम् | काङ्क्षयिषीवम् |
| काङ्क्षयिषीय | काङ्क्षयिषीवहि | काङ्क्षयिषीमहि |
| भ० काङ्क्षयिता | काङ्क्षयितारौ | काङ्क्षयितारः |
| काङ्क्षयितासे | काङ्क्षयितासाये | काङ्क्षयितास्व |
| काङ्क्षयिताहे | काङ्क्षयितास्वहे | काङ्क्षयितास्महे |
| म० काङ्क्षयिष्यते | काङ्क्षयिष्येते | काङ्क्षयिष्यन्ते |
| काङ्क्षयिष्यसे | काङ्क्षयिष्यसे | काङ्क्षयिष्यस्व |
| काङ्क्षयिष्ये | काङ्क्षयिष्यावहे | काङ्क्षयिष्यामहे |
| क्रि० अकाङ्क्षयिष्यत् | अकाङ्क्षयिष्यताम् | अकाङ्क्षयिष्यन्त |
| अकाङ्क्षयिष्यथाः | अकाङ्क्षयिष्येयथाम् | अकाङ्क्षयिष्यस्वम् |
| अकाङ्क्षयिष्ये | अकाङ्क्षयिष्यावहि | अकाङ्क्षयिष्यामहि |

58। वाङ् वाङ्क्ष) काङ्क्षायाम् ।

| | | |
|---------------------|------------------|------------------|
| व० वाङ्क्षयति | वाङ्क्षयतः | वाङ्क्षयन्ति |
| वाङ्क्षयसि | वाङ्क्षयथः | वाङ्क्षयथ |
| वाङ्क्षयामि | वाङ्क्षयावः | वाङ्क्षयामः |
| स० वाङ्क्षयेत् | वाङ्क्षयेताम् | वाङ्क्षयेयुः |
| वाङ्क्षयेः | वाङ्क्षयेतम् | वाङ्क्षयेत |
| वाङ्क्षयेयम् | वाङ्क्षयेव | वाङ्क्षयेम |
| प० वाङ्क्षयतु | वाङ्क्षयतात् | वाङ्क्षयन्तु |
| वाङ्क्षय | वाङ्क्षयतात् | वाङ्क्षयत |
| वाङ्क्षयाणि | वाङ्क्षयाव | वाङ्क्षयाम |
| ह्य० अवाङ्क्षयत् | अवाङ्क्षयताम् | अवाङ्क्षयन् |
| अवाङ्क्षयः | अवाङ्क्षयतम् | अवाङ्क्षयत |
| अवाङ्क्षयम् | अवाङ्क्षयाव | अवाङ्क्षयाम |
| अ० अवाङ्क्षत् | अवाङ्क्षताम् | अवाङ्क्षन् |
| अवाङ्क्षः | अवाङ्क्षतम् | अवाङ्क्षत |
| अवाङ्क्षम् | अवाङ्क्षाव | अवाङ्क्षाम |
| प० वाङ्क्षयाच्चकार | वाङ्क्षयाच्चकतुः | वाङ्क्षयाच्चकुः |
| वाङ्क्षयाच्चकर्थ | वाङ्क्षयाच्चकथुः | वाङ्क्षयाच्चक |
| वाङ्क्षयाच्चकार-चकर | वाङ्क्षयाच्चकृव | वाङ्क्षयाच्चकृम |
| वाङ्क्षयाम्बभूव | वाङ्क्षयामास | |
| अ० वाङ्क्षयत् | वाङ्क्षयताम् | वाङ्क्षयासुः |
| वाङ्क्षयाः | वाङ्क्षयस्तम् | वाङ्क्षयस्त |
| वाङ्क्षयसम् | वाङ्क्षयस्व | वाङ्क्षयस्म |
| भ० वाङ्क्षयिता | वाङ्क्षयितारौ | वाङ्क्षयितारः |
| वाङ्क्षयितासि | वाङ्क्षयितास्यः | वाङ्क्षयितास्य |
| वाङ्क्षयितामि | वाङ्क्षयितास्वः | वाङ्क्षयितास्मः |
| भ० वाङ्क्षयिष्यति | वाङ्क्षयिष्यतः | वाङ्क्षयिष्यन्ति |
| वाङ्क्षयिष्यसि | वाङ्क्षयिष्यथः | वाङ्क्षयिष्यथ |
| वाङ्क्षयिष्यामि | वाङ्क्षयिष्यावः | वाङ्क्षयिष्यामः |
| क्रि० अवाङ्क्षयितु | अवाङ्क्षयितुम् | अवाङ्क्षयितुम् |
| अवाङ्क्षयिष्यः | अवाङ्क्षयिष्यतम् | अवाङ्क्षयिष्यत |
| अवाङ्क्षयिष्यम् | अवाङ्क्षयिष्याव | अवाङ्क्षयिष्याम |

| | | |
|-------------------|---------------------|---------------------|
| व० वाङ्क्षयते | वाङ्क्षयेते | वाङ्क्षयन्ते |
| वाङ्क्षयसे | वाङ्क्षयेथे | वाङ्क्षयन्वे |
| वाङ्क्षये | वाङ्क्षयावहे | वाङ्क्षयामहे |
| स० वाङ्क्षयेत् | वाङ्क्षयेयाताम् | वाङ्क्षयेरन् |
| वाङ्क्षयेथाः | वाङ्क्षयेयाथाम् | वाङ्क्षयेध्वम् |
| वाङ्क्षयेय | वाङ्क्षयेवहि | वाङ्क्षयेमहि |
| प० वाङ्क्षयताम् | वाङ्क्षयेताम् | वाङ्क्षयन्ताम् |
| वाङ्क्षयस्व | वाङ्क्षयेथाम् | वाङ्क्षयध्वम् |
| वाङ्क्षये | वाङ्क्षयावहे | वाङ्क्षयामहे |
| ह्य० अवाङ्क्षयत | अवाङ्क्षयेताम् | अवाङ्क्षयन्त |
| अवाङ्क्षयथाः | अवाङ्क्षयेथाम् | अवाङ्क्षयध्वम् |
| अवाङ्क्षये | अवाङ्क्षयेवहि | अवाङ्क्षयामहि |
| अ० अवाङ्क्षत् | अवाङ्क्षेताम् | अवाङ्क्षन्त |
| अवाङ्क्षथाः | अवाङ्क्षेथाम् | अवाङ्क्षध्वम् |
| अवाङ्क्षे | अवाङ्क्षेवहि | अवाङ्क्षामहि |
| प० वाङ्क्षयाच्चके | वाङ्क्षयाच्चकते | वाङ्क्षयाच्चक्रे |
| वाङ्क्षयाच्चकृषे | वाङ्क्षयाच्चकृषे | वाङ्क्षयाच्चकृष |
| वाङ्क्षयाच्चके | वाङ्क्षयाच्चकृवहे | वाङ्क्षयाच्चकृ |
| वाङ्क्षयाम्बभूव | वाङ्क्षयामास | |
| आ० वाङ्क्षयिषीष्ट | वाङ्क्षयिषीष्टाताम् | वाङ्क्षयिषीरन् |
| वाङ्क्षयिषीष्टाः | वाङ्क्षयिषीष्टाथाम् | वाङ्क्षयिषीष्टध्वम् |
| वाङ्क्षयिषीय | वाङ्क्षयिषीवहि | वाङ्क्षयिषीमहि |
| भ० वाङ्क्षयिता | वाङ्क्षयितारौ | वाङ्क्षयितारः |
| वाङ्क्षयितासे | वाङ्क्षयितास्ये | वाङ्क्षयितध्वे |
| वाङ्क्षयिताहे | वाङ्क्षयितास्वहे | वाङ्क्षयितास्महे |
| भ० वाङ्क्षयिष्यते | वाङ्क्षयिष्येते | वाङ्क्षयिष्यन्ते |
| वाङ्क्षयिष्यसे | वाङ्क्षयिष्येथे | वाङ्क्षयिष्य |
| वाङ्क्षयिष्ये | वाङ्क्षयिष्यावहे | वाङ्क्षयिष्यामहि |
| क्रि० अवाङ्क्षयित | अवाङ्क्षयितुम् | अवाङ्क्षयितुम् |
| अवाङ्क्षयिष्यः | अवाङ्क्षयिष्यतम् | अवाङ्क्षयिष्यत |
| अवाङ्क्षयिष्यम् | अवाङ्क्षयिष्याव | अवाङ्क्षयिष्याम |

582 माक्ष्) काङ्क्षायाम् ।

| | | |
|-----------------------|-------------------|------------------|
| व० माङ्क्षयति | माङ्क्षयतः | माङ्क्षयन्ति |
| माङ्क्षयसि | माङ्क्षयथः | माङ्क्षयथ |
| माङ्क्षयामि | माङ्क्षयावः | माङ्क्षयामः |
| स० माङ्क्षयेत् | माङ्क्षयेताम् | माङ्क्षयेयुः |
| माङ्क्षयेः | माङ्क्षयेतम् | माङ्क्षयेत |
| माङ्क्षयेयम् | माङ्क्षयेव | माङ्क्षयेम |
| प० माङ्क्षयतु | माङ्क्षयतात् | माङ्क्षयताम् |
| माङ्क्षय | माङ्क्षयतात् | माङ्क्षयत |
| माङ्क्षयाणि | माङ्क्षयाव | माङ्क्षयाम |
| ह्य० अमाङ्क्षयत् | अमाङ्क्षयताम् | अमाङ्क्षयन् |
| अमाङ्क्षयः | अमाङ्क्षयतम् | अमाङ्क्षयत |
| अमाङ्क्षयम् | अमाङ्क्षयाव | अमाङ्क्षयाम |
| अ० अममाङ्क्षत् | अममाङ्क्षताम् | अममाङ्क्षन् |
| अममाङ्क्षः | अममाङ्क्षतम् | अममाङ्क्षत |
| अममाङ्क्षम् | अममाङ्क्षयाव | अममाङ्क्षयाम |
| प० माङ्क्षयाञ्चकार | माङ्क्षयाञ्चकतुः | माङ्क्षयाञ्चकुः |
| माङ्क्षयाञ्चक्य | माङ्क्षयाञ्चकथुः | माङ्क्षयाञ्चक |
| माङ्क्षयाञ्चकार-चकर | माङ्क्षयाञ्चकृव | माङ्क्षयाञ्चकृम |
| माङ्क्षयाम्बभूव | । | माङ्क्षयामास |
| अ० माङ्क्षयात् | माङ्क्षयास्ताम् | माङ्क्षयासुः |
| माङ्क्षयाः | माङ्क्षयास्तम् | माङ्क्षयास्त |
| माङ्क्षयासम् | माङ्क्षयास्व | माङ्क्षयास्म |
| श्व० माङ्क्षयिता | माङ्क्षयितारौ | माङ्क्षयितारः |
| माङ्क्षयितासि | माङ्क्षयितास्यः | माङ्क्षयितास्य |
| माङ्क्षयितास्मि | माङ्क्षयितास्वः | माङ्क्षयितास्मः |
| अ० माङ्क्षयिष्यति | माङ्क्षयिष्यतः | माङ्क्षयिष्यन्ति |
| माङ्क्षयिष्यसि | माङ्क्षयिष्यथः | माङ्क्षयिष्यथ |
| माङ्क्षयिष्यामि | माङ्क्षयिष्यावः | माङ्क्षयिष्यामः |
| क्रि० अमाङ्क्षयिष्यत् | अमाङ्क्षयिष्यताम् | अमाङ्क्षयिष्यन् |
| अमाङ्क्षयिष्यः | अमाङ्क्षयिष्यतम् | अमाङ्क्षयिष्यत |
| अमाङ्क्षयिष्यम् | अमाङ्क्षयिष्याव | अमाङ्क्षयिष्याम |

| | | |
|-----------------------|---------------------|--------------------|
| व० माङ्क्षयते | माङ्क्षयते | माङ्क्षयन्ते |
| माङ्क्षयसे | माङ्क्षयेथे | माङ्क्षयध्वे |
| माङ्क्षये | माङ्क्षयावहे | माङ्क्षयामहे |
| स० माङ्क्षयेत् | माङ्क्षयेयाताम् | माङ्क्षयेरन् |
| माङ्क्षयेथाः | माङ्क्षयेयाथाम् | माङ्क्षयेध्वम् |
| माङ्क्षयेय | माङ्क्षयेवहि | माङ्क्षयेमहि |
| प० माङ्क्षयताम् | माङ्क्षयेताम् | माङ्क्षयन्ताम् |
| माङ्क्षयस्व | माङ्क्षयेथाम् | माङ्क्षयध्वम् |
| माङ्क्षये | माङ्क्षयावहे | माङ्क्षयामहे |
| ह्य० अमाङ्क्षयत | अमाङ्क्षयेताम् | अमाङ्क्षयन्त |
| अमाङ्क्षयथाः | अमाङ्क्षयेथाम् | अमाङ्क्षयध्वम् |
| अमाङ्क्षये | अमाङ्क्षयावहि | अमाङ्क्षयामहि |
| अ० अममाङ्क्षत् | अममाङ्क्षताम् | अममाङ्क्षन्त |
| अममाङ्क्षथाः | अममाङ्क्षथाम् | अममाङ्क्षध्वम् |
| अममाङ्क्षे | अममाङ्क्षावहि | अममाङ्क्षामहि |
| प० माङ्क्षयाञ्चक्रे | माङ्क्षयाञ्चकते | माङ्क्षयाञ्चकिरे |
| माङ्क्षयाञ्चकृषे | माङ्क्षयाञ्चकृषे | माङ्क्षयाञ्चकृद्वे |
| माङ्क्षयाञ्चक्रे | माङ्क्षयाञ्चकृवहे | माङ्क्षयाञ्चकृमहे |
| माङ्क्षयाम्बभूव | । | माङ्क्षयामास |
| आ० माङ्क्षयिषीष्ट | माङ्क्षयिषीयास्ताम् | माङ्क्षयिषीरन् |
| माङ्क्षयिषीष्ठाः | माङ्क्षयिषीयास्थाम् | माङ्क्षयिषीध्वम् |
| माङ्क्षयिषीय | माङ्क्षयिषीवहि | माङ्क्षयिषीमहि |
| श्व० माङ्क्षयिता | माङ्क्षयितारौ | माङ्क्षयितारः |
| माङ्क्षयितासे | माङ्क्षयितास्ये | माङ्क्षयितध्वे |
| माङ्क्षयिताहे | माङ्क्षयितास्वहे | माङ्क्षयितास्महे |
| अ० माङ्क्षयिष्यते | माङ्क्षयिष्येते | माङ्क्षयिष्यन्ते |
| माङ्क्षयिष्यसे | माङ्क्षयिष्येथे | माङ्क्षयिष्यध्वे |
| माङ्क्षयिष्ये | माङ्क्षयिष्यवहे | माङ्क्षयिष्यमहे |
| क्रि० अमाङ्क्षयिष्यत् | अमाङ्क्षयिष्यताम् | अमाङ्क्षयिष्यन्त |
| अमाङ्क्षयिष्यथाः | अमाङ्क्षयिष्येथाम् | अमाङ्क्षयिष्यध्वम् |
| अमाङ्क्षयिष्ये | अमाङ्क्षयिष्यवहि | अमाङ्क्षयिष्यमहि |

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------------|------------------------|
| व० | द्राड्क्षयते | द्राड्क्षयेते | द्राड्क्षयन्ते |
| | द्राड्क्षयसे | द्राड्क्षयेथे | द्राड्क्षयन्थे |
| | द्राड्क्षये | द्राड्क्षयावहे | द्राड्क्षयामहे |
| स० | द्राड्क्षयेत | द्राड्क्षयेयाताम् | द्राड्क्षयेरन् |
| | द्राड्क्षयेथाः | द्राड्क्षयेयाथाम् | द्राड्क्षयेध्वम् |
| | द्राड्क्षयेय | द्राड्क्षयेवहि | द्राड्क्षयेमहि |
| प० | द्राड्क्षयताम् | द्राड्क्षयेताम् | द्राड्क्षयन्ताम् |
| | द्राड्क्षयस्व | द्राड्क्षयेथाम् | द्राड्क्षयध्वम् |
| | द्राड्क्षये | द्राड्क्षयावहे | द्राड्क्षयामहे |
| ह्य० | अद्राड्क्षयत | अद्राड्क्षयेताम् | अद्राड्क्षयन्त |
| | अद्राड्क्षयथाः | अद्राड्क्षयेथाम् | अद्राड्क्षयध्वम् |
| | अद्राड्क्षये | अद्राड्क्षयावहि | अद्राड्क्षयामहि |
| अ० | अदद्राड्क्षत | अदद्राड्क्षेताम् | अदद्राड्क्षन्त |
| | अदद्राड्क्षथाः | अदद्राड्क्षेथाम् | अदद्राड्क्षध्वम् |
| | अदद्राड्क्षे | अदद्राड्क्षवहि | अदद्राड्क्षामहि |
| प० | द्राड्क्षयाञ्चके | द्राड्क्षयाञ्चकते | द्राड्क्षयाञ्चकिरे |
| | द्राड्क्षयाञ्चकृषे | द्राड्क्षयाञ्चकथे | द्राड्क्षयाञ्चकृन्वे |
| | द्राड्क्षयाञ्चके | द्राड्क्षयाञ्चकवहे | द्राड्क्षयाञ्चकृमहे |
| | द्राड्क्षयान्वभूव | । | द्राड्क्षयामास |
| आ० | द्राड्क्षयिषीष्ट | द्राड्क्षयिषीयास्ताम् | द्राड्क्षयिषीरन् |
| | द्राड्क्षयिषीष्ठाः | द्राड्क्षयिषीयास्थाम् | द्राड्क्षयिषीध्वम् |
| | द्राड्क्षयिषीय | द्राड्क्षयिषीवहि | द्राड्क्षयिषीमहि |
| श्र० | द्राड्क्षयिता | द्राड्क्षयितारौ | द्राड्क्षयितारः |
| | द्राड्क्षयितासे | द्राड्क्षयितासथे | द्राड्क्षयितासन्ते |
| | द्राड्क्षयिताहे | द्राड्क्षयितास्वहे | द्राड्क्षयितास्महे |
| भ० | द्राड्क्षयिष्यते | द्राड्क्षयिष्येते | द्राड्क्षयिष्यन्ते |
| | द्राड्क्षयिष्यसे | द्राड्क्षयिष्येथे | द्राड्क्षयिष्यन्थे |
| | द्राड्क्षयिष्ये | द्राड्क्षयिष्यावहे | द्राड्क्षयिष्यामहे |
| क्रि० | अद्राड्क्षयिष्यत | अद्राड्क्षयिष्येताम् | अद्राड्क्षयिष्यन्त |
| | अद्राड्क्षयिष्यथाः | अद्राड्क्षयिष्येथाम् | अद्राड्क्षयिष्यन्ध्वम् |
| | अद्राड्क्षयिष्ये | अद्राड्क्षयिष्यावहि | अद्राड्क्षयिष्यामहि |

584 ब्राह्म (ब्राह्म) घोरवासिते च
(६६२) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि भागे णिगन्तप्रक्रिया

584 ब्राह्म (ब्राह्म) काङ्क्षायाम् ।

| | | | |
|-------|---------------------|-------------------|------------------|
| व० | ब्राह्मयति | ब्राह्मयतः | ब्राह्मयन्ति |
| | ब्राह्मयसि | ब्राह्मयथः | ब्राह्मयथ |
| | ब्राह्मयामि | ब्राह्मयावः | ब्राह्मयामः |
| स० | ब्राह्मयेत् | ब्राह्मयेताम् | ब्राह्मयेयुः |
| | ब्राह्मयेः | ब्राह्मयेतम् | ब्राह्मयेत |
| | ब्राह्मयेयम् | ब्राह्मयेव | ब्राह्मयेम |
| प० | ब्राह्मयतु | ब्राह्मयतात् | ब्राह्मयताम् |
| | ब्राह्मयतुः | ब्राह्मयताम् | ब्राह्मयन्तु |
| | ब्राह्मयाणि | ब्राह्मयाव | ब्राह्मयाम |
| ह्य० | अब्राह्मयत् | अब्राह्मयताम् | अब्राह्मयन् |
| | अब्राह्मयः | अब्राह्मयतम् | अब्राह्मयत |
| | अब्राह्मयम् | अब्राह्मयाव | अब्राह्मयाम |
| अ० | अब्राह्मयत् | अब्राह्मयताम् | अब्राह्मयन् |
| | अब्राह्मयः | अब्राह्मयतम् | अब्राह्मयत |
| | अब्राह्मयम् | अब्राह्मयाव | अब्राह्मयाम |
| प० | ब्राह्मयाञ्चकार | ब्राह्मयाञ्चक्रुः | ब्राह्मयाञ्चकुः |
| | ब्राह्मयाञ्चकथं | ब्राह्मयाञ्चकथुः | ब्राह्मयाञ्चक |
| | ब्राह्मयाञ्चकार-चकर | ब्राह्मयाञ्चकृव | ब्राह्मयाञ्चकृम |
| | ब्राह्मयाञ्चभूव | । | ब्राह्मयामास |
| आ० | ब्राह्मयान् | ब्राह्मयान्ताम् | ब्राह्मयान्तुः |
| | ब्राह्मयाः | ब्राह्मयान्तम् | ब्राह्मयान्त |
| | ब्राह्मयासम् | ब्राह्मयास्व | ब्राह्मयास्म |
| श्व० | ब्राह्मयिता | ब्राह्मयितारौ | ब्राह्मयितारः |
| | ब्राह्मयितासि | ब्राह्मयितास्यः | ब्राह्मयितास्य |
| | ब्राह्मयितास्मि | ब्राह्मयितास्वः | ब्राह्मयितास्मः |
| भ० | ब्राह्मयिष्यति | ब्राह्मयिष्यतः | ब्राह्मयिष्यन्ति |
| | ब्राह्मयिष्यसि | ब्राह्मयिष्यथः | ब्राह्मयिष्यथ |
| | ब्राह्मयिष्यामि | ब्राह्मयिष्यावः | ब्राह्मयिष्यामः |
| क्रि० | अब्राह्मयिष्यत् | अब्राह्मयिष्यताम् | अब्राह्मयिष्यन् |
| | अब्राह्मयिष्यः | अब्राह्मयिष्यतम् | अब्राह्मयिष्यत |
| | अब्राह्मयिष्यम् | अब्राह्मयिष्याव | अब्राह्मयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|---------------------|--------------------|
| व० | ब्राह्मयते | ब्राह्मयते | ब्राह्मयन्ते |
| | ब्राह्मयसे | ब्राह्मयथे | ब्राह्मयथ्वे |
| | ब्राह्मये | ब्राह्मयावहे | ब्राह्मयामहे |
| स० | ब्राह्मयेत् | ब्राह्मयेयाताम् | ब्राह्मयेरन् |
| | ब्राह्मयेथाः | ब्राह्मयेयाथाम् | ब्राह्मयेष्वम् |
| | ब्राह्मयेय | ब्राह्मयेवहि | ब्राह्मयेमहि |
| प० | ब्राह्मयताम् | ब्राह्मयेताम् | ब्राह्मयन्ताम् |
| | ब्राह्मयस्व | ब्राह्मयेथाम् | ब्राह्मयवम् |
| | ब्राह्मये | ब्राह्मयावहे | ब्राह्मयामहे |
| ह्य० | अब्राह्मयत् | अब्राह्मयेताम् | अब्राह्मयन्त |
| | अब्राह्मयथाः | अब्राह्मयेथाम् | अब्राह्मयेष्वम् |
| | अब्राह्मये | अब्राह्मयावहि | अब्राह्मयेमहि |
| अ० | अदब्राह्मयत् | अदब्राह्मयेताम् | अदब्राह्मयन्त |
| | अदब्राह्मयथाः | अदब्राह्मयेथाम् | अदब्राह्मयेष्वम् |
| | अदब्राह्मये | अदब्राह्मयावहि | अदब्राह्मयेमहि |
| प० | ब्राह्मयाञ्चक्रे | ब्राह्मयाञ्चक्राते | ब्राह्मयाञ्चकिरे |
| | ब्राह्मयाञ्चकृषे | ब्राह्मयाञ्चक्राथे | ब्राह्मयाञ्चकृद्वे |
| | ब्राह्मयाञ्चक्रे | ब्राह्मयाञ्चकृवहे | ब्राह्मयाञ्चकृमहे |
| | ब्राह्मयाञ्चभूव | । | ब्राह्मयामास |
| आ० | ब्राह्मयिषीष्ट | ब्राह्मयिषीयास्ताम् | ब्राह्मयिषीरन् |
| | ब्राह्मयिषीष्ठाः | ब्राह्मयिषीयास्याम् | ब्राह्मयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | ब्राह्मयिषीय | ब्राह्मयिषीवहि | ब्राह्मयिषीमहि |
| श्व० | ब्राह्मयिता | ब्राह्मयितारौ | ब्राह्मयितारः |
| | ब्राह्मयितासे | ब्राह्मयितासथे | ब्राह्मयिताथ्वे |
| | ब्राह्मयिताहे | ब्राह्मयितास्वहे | ब्राह्मयितास्महे |
| भ० | ब्राह्मयिष्यते | ब्राह्मयिष्येते | ब्राह्मयिष्यन्ते |
| | ब्राह्मयिष्यसे | ब्राह्मयिष्यथे | ब्राह्मयिष्यथ्वे |
| | ब्राह्मयिष्ये | ब्राह्मयिष्यावहे | ब्राह्मयिष्यामहे |
| क्रि० | अब्राह्मयिष्यत् | अब्राह्मयिष्येताम् | अब्राह्मयिष्यन्त |
| | अब्राह्मयिष्यथाः | अब्राह्मयिष्येथाम् | अब्राह्मयिष्यध्वम् |
| | अब्राह्मयिष्ये | अब्राह्मयिष्यावहि | अब्राह्मयिष्यामहि |

586 ध्वाथु (ध्वाङ्थ) काङ्क्षायाम् ।

| | | | |
|-------|----------------------|-------------------|------------------|
| ४० | धाङ्क्षयति | धाङ्क्षयतः | धाङ्क्षयन्ति |
| | धाङ्क्षयसि | धाङ्क्षयथः | धाङ्क्षयथ |
| | धाङ्क्षयामि | धाङ्क्षयावः | धाङ्क्षयामः |
| स० | धाङ्क्षयेत् | धाङ्क्षयेताम् | धाङ्क्षयेयुः |
| | धाङ्क्षयेः | धाङ्क्षयेतम् | धाङ्क्षयेत |
| | धाङ्क्षयेयम् | धाङ्क्षयेव | धाङ्क्षयेम |
| प० | धाङ्क्षयतु | धाङ्क्षयतात् | धाङ्क्षयताम् |
| | धाङ्क्षय | धाङ्क्षयतात् | धाङ्क्षयतम् |
| | धाङ्क्षयाणि | धाङ्क्षयाव | धाङ्क्षयाम |
| ल० | अधाङ्क्षयत् | अधाङ्क्षयताम् | अधाङ्क्षयन् |
| | अधाङ्क्षयः | अधाङ्क्षयतम् | अधाङ्क्षयत |
| | अधाङ्क्षयम् | अधाङ्क्षयाव | अधाङ्क्षयाम |
| अ० | अदधाङ्क्षत् | अदधाङ्क्षताम् | अदधाङ्क्षन् |
| | अदधाङ्क्षः | अदधाङ्क्षतम् | अदधाङ्क्षत |
| | अदधाङ्क्षम् | अदधाङ्क्षाव | अदधाङ्क्षाम |
| प० | धाङ्क्षयाञ्चकार | धाङ्क्षयाञ्चक्रुः | धाङ्क्षयाञ्चकः |
| | धाङ्क्षयाञ्चक्य | धाङ्क्षयाञ्चक्युः | धाङ्क्षयाञ्चक |
| | धाङ्क्षयाञ्चकार-चक्र | धाङ्क्षयाञ्चकृव | धाङ्क्षयाञ्चकृम |
| | धाङ्क्षयाम्बभूव | । | धाङ्क्षयामास |
| भा० | धाङ्क्ष्यात् | धाङ्क्ष्यास्ताम् | धाङ्क्ष्यासु |
| | धाङ्क्ष्याः | धाङ्क्ष्यास्तम् | धाङ्क्ष्यास्त |
| | धाङ्क्ष्यासम् | धाङ्क्ष्यास्व | धाङ्क्ष्यास्म |
| श० | धाङ्क्षयिता | धाङ्क्षयितारी | धाङ्क्षयितारः |
| | धाङ्क्षयितासि | धाङ्क्षयितास्थः | धाङ्क्षयितास्थ |
| | धाङ्क्षयितास्मि | धाङ्क्षयितास्वः | धाङ्क्षयितास्मः |
| भ० | धाङ्क्षयिष्यति | धाङ्क्षयिष्यतः | धाङ्क्षयिष्यन्ति |
| | धाङ्क्षयिष्यसि | धाङ्क्षयिष्यथः | धाङ्क्षयिष्यथ |
| | धाङ्क्षयिष्यामि | धाङ्क्षयिष्यावः | धाङ्क्षयिष्यामः |
| क्रि० | अधाङ्क्षयिष्यत् | अधाङ्क्षयिष्यताम् | अधाङ्क्षयिष्यन् |
| | अधाङ्क्षयिष्यः | अधाङ्क्षयिष्यतम् | अधाङ्क्षयिष्यत |
| | अधाङ्क्षयिष्यम् | अधाङ्क्षयिष्याव | अधाङ्क्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|---------------------|--------------------|
| व० | धाङ्क्षयते | धाङ्क्षयेते | धाङ्क्षयन्ते |
| | धाङ्क्षयते | धाङ्क्षयेथे | धाङ्क्षयन्वे |
| | धाङ्क्षये | धाङ्क्षयावहे | धाङ्क्षयामहे |
| स० | धाङ्क्षयेत | धाङ्क्षयेयाताम् | धाङ्क्षयेरन् |
| | धाङ्क्षयेथाः | धाङ्क्षयेथाम् | धाङ्क्षयेध्वम् |
| | धाङ्क्षयेथ | धाङ्क्षयेवहि | धाङ्क्षयेमहि |
| प० | धाङ्क्षयताम् | धाङ्क्षयेताम् | धाङ्क्षयन्ताम् |
| | धाङ्क्षयस्व | धाङ्क्षयेथाम् | धाङ्क्षयध्वम् |
| | धाङ्क्षयै | धाङ्क्षयावहे | धाङ्क्षयामहे |
| ह्य० | अधाङ्क्षयत | अधाङ्क्षयेताम् | अधाङ्क्षयन्त |
| | अधाङ्क्षयथाः | अधाङ्क्षयेथाम् | अधाङ्क्षयध्वम् |
| | अधाङ्क्षये | अधाङ्क्षयावहि | अधाङ्क्षयामहि |
| अ० | अधाङ्क्षेत | अधाङ्क्षेताम् | अधाङ्क्षेन्त |
| | अधाङ्क्षेथाः | अधाङ्क्षेथाम् | अधाङ्क्षेध्वम् |
| | अधाङ्क्षे | अधाङ्क्षेवहि | अधाङ्क्षेमहि |
| प० | धाङ्क्षयाञ्चक्रे | धाङ्क्षयाञ्चकृते | धाङ्क्षयाञ्चकिरे |
| | धाङ्क्षयाञ्चकृषे | धाङ्क्षयाञ्चकृषे | धाङ्क्षयाञ्चकृद्वे |
| | धाङ्क्षयाञ्चक्रे | धाङ्क्षयाञ्चकृवहे | धाङ्क्षयाञ्चकृमहे |
| | धाङ्क्षयाम्भूव | धाङ्क्षयामास | |
| आ० | धाङ्क्षयिषीष्ट | धाङ्क्षयिषीयास्ताम् | धाङ्क्षयिषीरन् |
| | धाङ्क्षयिषीष्ठाः | धाङ्क्षयिषीयास्थाम् | धाङ्क्षयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | धाङ्क्षयिषीय | धाङ्क्षयिषीवहि | धाङ्क्षयिषीमहि |
| श्च० | धाङ्क्षयिता | धाङ्क्षयितारौ | धाङ्क्षयितारः |
| | धाङ्क्षयितासे | धाङ्क्षयितासाथे | धाङ्क्षयिताध्वे |
| | धाङ्क्षयिताहे | धाङ्क्षयितास्वहे | धाङ्क्षयितास्महे |
| भ० | धाङ्क्षयिष्यते | धाङ्क्षयिष्येते | धाङ्क्षयिष्यन्ते |
| | धाङ्क्षयिष्यसे | धाङ्क्षयिष्येथे | धाङ्क्षयिष्यध्वे |
| | धाङ्क्षयिष्ये | धाङ्क्षयिष्यवहे | धाङ्क्षयिष्यामहे |
| क्रि० | अधाङ्क्षयिष्यत | अधाङ्क्षयिष्येताम् | अधाङ्क्षयिष्यन्त |
| | अधाङ्क्षयिष्यथाः | अधाङ्क्षयिष्येथाम् | अधाङ्क्षयिष्यध्वम् |
| | अधाङ्क्षयिष्ये | अधाङ्क्षयिष्यवहि | अधाङ्क्षयिष्यामहि |

586 गांडू (गा) गतौ । गै 37 शब्दे इति वदूपाणि

587 ण्मिडू (स्मि) ईषद्धसने । प्रयोक्तु-

रस्वार्थे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० स्माययति | स्माययतः | स्माययन्ति |
| स्माययसि | स्माययथः | स्माययथ |
| स्माययामि | स्माययावः | स्माययामः |
| स० स्माययेत् | स्माययेताम् | स्माययेयुः |
| स्माययेः | स्माययेताम् | स्माययेत |
| स्माययेयम् | स्माययेव | स्माययेम |
| प० स्माययतु | स्माययतात् | स्माययताम् |
| स्मायय | स्माययतात् | स्माययतम् |
| स्माययानि | स्माययाव | स्माययाम |
| ह्य० अस्माययत् | अस्माययताम् | अस्माययन् |
| अस्माययः | अस्माययतम् | अस्माययत |
| अस्माययम् | अस्माययाव | अस्माययाम |
| अ० अस्मिष्मयत् | अस्मिष्मयताम् | अस्मिष्मयन् |
| अस्मिष्मयः | अस्मिष्मयतम् | अस्मिष्मयत |
| अस्मिष्मयम् | अस्मिष्मयाव | अस्मिष्मयाम |
| प० स्माययाञ्चकार | स्माययाञ्चकतुः | स्माययाञ्चकुः |
| स्माययाञ्चकथे | स्माययाञ्चकथुः | स्माययाञ्चक |
| स्माययाञ्चकार-चकर | स्माययाञ्चकृव | स्माययाञ्चकृम |
| स्माययाम्बभूव | स्माययामास | |
| आ० स्माय्यात् | स्माय्यास्ताम् | स्माय्यासुः |
| स्माय्याः | स्माय्यास्तम् | स्माय्यास्त |
| स्माय्यासम् | स्माय्यास्व | स्माय्यास्म |
| भ० स्माययिता | स्माययितारौ | स्माययितारः |
| स्माययितासि | स्माययितास्थः | स्माययितास्थ |
| स्माययितास्मि | स्माययितास्वः | स्माययितास्मः |
| भ० स्माययिष्यति | स्माययिष्यतः | स्माययिष्यन्ति |
| स्माययिष्यसि | स्माययिष्यथः | स्माययिष्यथ |
| स्माययिष्यामि | स्माययिष्यावः | स्माययिष्यामः |
| क्रि० अस्माययिष्यत् | अस्माययिष्यताम् | अस्माययिष्यन् |
| अस्माययिष्यः | अस्माययिष्यतम् | अस्माययिष्यत |
| अस्माययिष्यम् | अस्माययिष्याव | अस्माययिष्याम |

| | | |
|---|-------------------|------------------|
| च० स्माययते | स्माययेते | स्माययन्ते |
| स्माययसे | स्माययेथे | स्माययध्वे |
| स्मायये | स्माययावहे | स्माययामहे |
| स० स्माययेत | स्माययेयाताम् | स्माययेरन् |
| स्माययेथाः | स्माययेयाथाम् | स्माययेध्वम् |
| स्माययेथ | स्माययेवहि | स्माययेमहि |
| प० स्माययताम् | स्माययेताम् | स्माययन्ताम् |
| स्माययस्व | स्माययेथाम् | स्माययध्वम् |
| स्मायये | स्माययावहै | स्माययामहै |
| ह्य० अस्माययत | अस्माययेताम् | अस्माययन्त |
| अस्माययथाः | अस्माययेथाम् | अस्माययध्वम् |
| अस्मायये | अस्माययावहि | अस्माययामहि |
| अ० अस्मिष्मयत | अस्मिष्मयेताम् | अस्मिष्मयन्त |
| अस्मिष्मयथाः | अस्मिष्मयेथाम् | अस्मिष्मयध्वम् |
| अस्मिष्मये | अस्मिष्मयावहि | अस्मिष्मयामहि |
| प० स्माययाञ्चक | स्माययाञ्चकाते | स्माययाञ्चकिरे |
| स्माययाञ्चकृषे | स्माययाञ्चकाये | स्माययाञ्चकृव |
| स्माययाञ्चके | स्माययाञ्चकृवहे | स्माययाञ्चकृमहे |
| स्माययाम्बभूव | स्माययामास | |
| आ० स्माययिषीष्ट | स्माययिषीयास्ताम् | स्माययिषीरन् |
| स्माययिषीष्टाः | स्माययिषीयास्थाम् | स्माययिषीध्वम् |
| स्माययिषीय | स्माययिषीवहि | स्माययिषीमहि |
| भ० स्माययिता | स्माययितारौ | स्माययितारः |
| स्माययितासे | स्माययितासाथे | स्माययिताध्वे |
| स्माययिताहे | स्माययितास्वहे | स्माययितास्महे |
| भ० स्माययिष्यते | स्माययिष्येते | स्माययिष्यन्ते |
| स्माययिष्यसे | स्माययिष्येथे | स्माययिष्यध्वे |
| स्माययिष्ये | स्माययिष्यावहे | स्माययिष्यामहे |
| क्रि० अस्माययिष्यत् | अस्माययिष्येताम् | अस्माययिष्यन्त |
| अस्माययिष्यथाः | अस्माययिष्येथाम् | अस्माययिष्यध्वम् |
| अस्माययिष्ये | अस्माययिष्यावहि | अस्माययिष्यामहि |
| प्रयोक्तुः स्वार्थे तु- | | |
| स्मिडः प्रयोक्तुरित्वात्वे आत्मनेपदे च मुण्डो विस्मा- | | |
| पयते डे व्यसिष्मपत । | | |

588 डीङ् (डी) विहायसां गतौ ।

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० डाययति | डाययतः | डाययन्ति |
| डाययसि | डाययथः | डाययथ |
| डाययामि | डाययावः | डाययामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० डाययेत् | डाययेताम् | डाययेयुः |
| डाययेः | डाययेतम् | डाययेत |
| डाययेयम् | डाययेव | डाययेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० डाययतु | डाययतात् | डाययताम् | डाययन्तु |
| डायय | डाययतात् | डाययतम् | डाययत |
| डाययानि | डाययाव | डाययाम | |

| | | |
|--------------|-----------|---------|
| ह्य० अडाययत् | अडाययताम् | अडाययन् |
| अडाययः | अडाययतम् | अडाययत |
| अडाययम् | अडाययाव | अडाययाम |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| अ० अडीडयत् | अडीडयताम् | अडीडयन् |
| अडीडयः | अडीडयतम् | अडीडयत |
| अडीडयम् | अडीडयाव | अडीडयाम |

| | | |
|------------------|---------------|---------------|
| प० डाययाञ्चकार | डाययाञ्चक्रुः | डाययाञ्चकुः |
| डाययाञ्चकथं | डाययाञ्चक्रुः | डाययाञ्चक्रु |
| डाययाञ्चकार, चकर | डाययाञ्चक्रुव | डाययाञ्चक्रुम |
| डाययाम्बभूव | डाययामास | |

| | | |
|--------------|--------------|-----------|
| भा० डाय्यात् | डाय्यास्ताम् | डाय्यासुः |
| डाय्याः | डाय्यास्तम् | डाय्यास्त |
| डाय्यासम् | डाय्यास्व | डाय्यासम |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| भ० डाययिता | डाययितारौ | डाययितारः |
| डाययितासि | डाययितास्थः | डाययितास्थ |
| डाययितास्मि | डाययितास्वः | डाययितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० डाययिष्यति | डाययिष्यतः | डाययिष्यन्ति |
| डाययिष्यसि | डाययिष्यथः | डाययिष्यथ |
| डाययिष्यामि | डाययिष्यावः | डाययिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अडाययिष्यत् | अडाययिष्यताम् | अडाययिष्यन् |
| अडाययिष्यः | अडाययिष्यतम् | अडाययिष्यत |
| अडाययिष्यम् | अडाययिष्याव | अडाययिष्याम |

| | | |
|-----------|----------|----------|
| व० डाययते | डाययते | डाययन्ते |
| डाययसे | डाययथे | डाययध्वे |
| डायये | डाययावहे | डाययामहे |

| | | |
|-----------|-----------|------------|
| स० डाययेत | डाययेताम् | डाययेरन् |
| डाययेथाः | डाययेथाम् | डाययेध्वम् |
| डाययेय | डाययेवहि | डाययेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० डाययताम् | डाययेताम् | डाययन्ताम् |
| डाययस्व | डाययेथाम् | डाययध्वम् |
| डायये | डाययावहे | डाययामहे |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| ह्य० अडाययत | अडाययेताम् | अडाययन्त |
| अडाययथाः | अडाययेथाम् | अडाययध्वम् |
| अडायये | अडाययावहि | अडाययामहि |

| | | |
|-----------|-----------|------------|
| अ० अडीडयत | अडीडेताम् | अडीडयन्त |
| अडीडयथाः | अडीडेथाम् | अडीडयध्वम् |
| अडीडये | अडीडयावहि | अडीडयामहि |

| | | |
|---------------|----------------|----------------|
| प० डाययाञ्चके | डाययाञ्चक्रते | डाययाञ्चक्रिरे |
| डाययाञ्चकृषे | डाययाञ्चक्राथे | डाययाञ्चकृद्वे |
| डाययाञ्चके | डाययाञ्चकृवहे | डाययाञ्चकृमहे |
| डाययाम्बभूव | डाययामास | |

| | | |
|----------------|-----------------|--------------|
| भा० डाययिषीष्ट | डाययिषीयास्ताम् | डाययिषीरन् |
| डाययिषीष्ठाः | डाययिषीयास्थाम् | डाययिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |

| | | |
|------------|--------------|--------------|
| डाययिषीय | डाययिषीवहि | डाययिषीमहि |
| भ० डाययिता | डाययितारौ | डाययितारः |
| डाययितासे | डाययितासाथे | डाययिताध्वे |
| डाययिताहे | डाययितास्वहे | डाययितास्महे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ० डाययिष्यते | डाययिष्येते | डाययिष्यन्ते |
| डाययिष्यसे | डाययिष्यथे | डाययिष्यध्वे |
| डाययिष्ये | डाययिष्यावहे | डाययिष्यामहे |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| क्रि० अडाययिष्यत | अडाययिष्येताम् | अडाययिष्यन्त |
| अडाययिष्यथाः | अडाययिष्येथाम् | अडाययिष्यध्वम् |
| अडाययिष्ये | अडाययिष्यावहि | अडाययिष्यामहि |

उकारान्ता एकादश

589 उङ् (उ) गतौ । 489 अच वद्रूपा ण



अ० अचूकवत्

अचूकवताम्

अचूकान्

अचूकवः

अचूकवतम्

अचूकवत

अचूकवम्

अचूकवाव

अचूकवाम

अ० अचूकवत्

अचूकवेताम्

अचूकयन्त

अचूकवथाः

अचूकवेताम्

अचूकवधम्

अचूकवे

अचूकवावहि

अचूकवामहि

(५६६)

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

590 कुंङ् (कु) शब्दे । !

ब० कावयति कावयतः कावयन्ति
कावयसि कावयथः कावयथ
कावयामि कावयावः कावयामः

स० कावयेत् कावयेताम् कावयेयुः
कावयेः कावयेतम् कावयेत
कावयेयम् कावयेव कावयेम

य० कावयतु कावयतात् कावयताम् कावयन्तु
कावय कावयतात् कावयतम् कावयत
कावयानि कावयाव कावयाम

ह्य० अकावयत् अकावयताम् अकावयन्
अकावयः अकावयतम् अकावयत
अकावयम् अकावयाव अकावयाम

~~अ० अचीकवत् अचीकवताम् अचीकवन्~~
~~अचीकवः अचीकवतम् अचीकवत~~
~~अचीकवम् अचीकवाव अचीकवाम~~

१० कावयाश्चकार कावयाश्चकतुः कावयाश्चक्रुः
कावयाश्चकथ कावयाश्चकथुः कावयाश्चक्र
कावयाश्चकार-चक्र कावयाश्चक्रुव कावयाश्चक्रुम

कावयाम्बभूव । कावयामास

भा० काव्यात् काव्यास्ताम् काव्यास्तुः
काव्याः काव्यास्ताम् काव्यास्त
काव्यासम् काव्यास्व काव्यास्म

श्व० कावयिता कावयितारौ कावयितारः
कावयितासि कावयितास्थः कावयितास्थ
कावयितामि कावयितास्वः कावयितास्मः

भ० कावयिष्यति कावयिष्यतः कावयिष्यन्ति
कावयिष्यसि कावयिष्यथः कावयिष्यथ
कावयिष्यामि कावयिष्यावः कावयिष्यामः

क्रि० अकावयिष्यत् अकावयिष्यताम् अकावयिष्यन्
अकावयिष्यः अकावयिष्यतम् अकावयिष्यत
अकावयिष्यम् अकावयिष्यव अकावयिष्यम

व० कावयते कावयेते कावयन्ते
कावयसे कावयेथे कावयन्वे
कावये कावयावहे कावयामहे

स० कावयेत कावयेयाताम् कावयेरन्
कावयेथाः कावयेयाथाम् कावयेचम्
कावयेथ कावयेवहि कावयेमहि

प० कावयताम् कावयेताम् कावयन्ताम्
कावयस्व कावयेथाम् कावयध्वम्
कावये कावयावहे कावयामहे

ह्य० अकावयत अकावयेताम् अकावयन्त
अकावयथाः अकावयेथाम् अकावयध्वम्
अकावये अकावयावहि अकावयामहि

~~अ० अचीकवत् अचीकवेताम् अचीकवन्त~~
~~अचीकवथाः अचीकवेथाम् अचीकवध्वम्~~
~~अचीकवे अचीकवावहि अचीकवामहि~~

प० कावयाश्चक्रे कावयाश्चक्राते कावयाश्चकिरे
कावयाश्चक्रेवे कावयाश्चक्राथे कावयाश्चक्रुवे
कावयाश्चक्रे कावयाश्चक्रुवहे कावयाश्चक्रुमहे
कावयाम्बभूव । कावयामास

भा० कावयिषीष्ट कावयिषीयास्ताम् कावयिषीरन्
कावयिषीष्ठाः कावयिषीयास्थाम् कावयिषीरुवम्
ध्वम्

कावयिषीय कावयिषीवहि कावयिषीमहि

श्व० कावयिता कावयितारौ कावयितारः
कावयितासे कावयितास्थे कावयिताश्चे
कावयिताहे कावयितास्वहे कावयितास्महे

भ० कावयिष्यते कावयिष्येते कावयिष्यन्ते
कावयिष्यसे कावयिष्येथे कावयिष्यध्वे
कावयिष्ये कावयिष्यावहे कावयिष्यामहे

क्रि० अकावयिष्यत् अकावयिष्यताम् अकावयिष्यन्त
अकावयिष्यथाः अकावयिष्येथाम् अकावयिष्यध्वम्
अकावयिष्ये अकावयिष्यावहि अकावयिष्यामहि

ॐ अजुगवत् अजुगवताम् अजुगरन् अजुगवत अजुगवेताम् अजुगवन्त ॐ
 अजुगवः अजुगवतम् अजुगवत अजुगवाः अजुगवेताम् अजुगवध्वम्
 अजुगवम् अजुगवाव अजुगवाम अजुगवे अजुगवावहि अजुगवामहि
 मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (५६७)

591 गुंङ् (गु) शब्दे ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० गावयति | गावयतः | गावयन्ति |
| गावयसि | गावयथः | गावयथ |
| गावयामि | गावयावः | गावयामः |
| स० गावयेत् | गावयेताम् | गावयेयुः |
| गावयेः | गावयेतम् | गावयेत |
| गावयेयम् | गावयेव | गावयेम |
| प० गावयतु | गावयतात् | गावयताम् |
| गावय | गावयतात् | गावयतम् |
| गावयानि | गावयाव | गावयाम |
| ह्य० अगावयत् | अगावयताम् | अगावयन्त |
| अगावयः | अगावयतम् | अगावयत |
| अगावयम् | अगावयाव | अगावयाम |
| अ० अजीगवत् | अजीगवताम् | अजीगवन्त |
| अजीगवः | अजीगवतम् | अजीगवत |
| अजीगवम् | अजीगवाव | अजीगवाम |
| प० गावयाञ्चक्र | गावयाञ्चक्रतुः | गावयाञ्चक्रुः |
| गावयाञ्चकर्थे | गावयाञ्चक्रथुः | गावयाञ्चक्र |
| गावयाञ्चकार-चक्र | गावयाञ्चक्रव | गावयाञ्चक्रम |
| गावयाम्बभूव | । | गावयामास |
| आ० गाव्यात् | गाव्यास्ताम् | गाव्यासुः |
| गाव्यरः | गाव्यास्तम् | गाव्यास्त |
| गाव्यासम् | गाव्यास्व | गाव्यास्म |
| श्व० गावयिता | गावयितारौ | गावयितारः |
| गावयितास | गावयितास्थः | गावयितास्थ |
| गावयितास्मि | गावयितास्वः | गावयितास्मः |
| भ० गावयिष्यति | गावयिष्यतः | गावयिष्यन्ति |
| गावयिष्यसि | गावयिष्यथः | गावयिष्यथ |
| गावयिष्यामि | गावयिष्यावः | गावयिष्यामः |
| क्रि० अगावयिष्यत् | अगावयिष्यताम् | अगावयिष्यन्त |
| अगावयिष्यः | अगावयिष्यतम् | अगावयिष्यत |
| अगावयिष्यम् | अगावयिष्याव | अगावयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० गावयते | गावयेते | गावयन्ते |
| गावयसे | गावयेथे | गावयध्वे |
| गावये | गावयावहे | गावयामहे |
| स० गावयेत | गावयेयाताम् | गावयेरन् |
| गावयेथाः | गावयेयाथाम् | गावयेध्वम् |
| गावयेय | गावयेवहि | गावयेमहि |
| प० गावयताम् | गावयेताम् | गावयन्ताम् |
| गावयस्व | गावयेथाम् | गावयध्वम् |
| गावये | गावयावहे | गावयामहे |
| ह्य० अगावयत | अगावयेताम् | अगावयन्त |
| अगावयथाः | अगावयेथाम् | अगावयध्वम् |
| अगावये | अगावयावहि | अगावयामहि |
| अ० अजीगवत् | अजीगवेताम् | अजीगवन्त |
| अजीगवथाः | अजीगवेथाम् | अजीगवध्वम् |
| अजीगवे | अजीगवावहि | अजीगवामहि |
| प० गावयाञ्चक्रे | गावयाञ्चक्रते | गावयाञ्चक्रिरे |
| गावयाञ्चकृषे | गावयाञ्चक्रथे | गावयाञ्चकृध्वे |
| गावयाञ्चक्रे | गावयाञ्चक्रवहे | गावयाञ्चक्रमहे |
| गावयाम्बभूव | । | गावयामास |
| आ० गावयिषीष्ट | गावयिषीयास्ताम् | गावयिषीरन् |
| गावयिषीष्टाः | गावयिषीयाथाम् | गावयिषीध्वम् |
| गावयिषीय | गावयिषीवहि | गावयिषीमहि |
| श्व० गावयिता | गावयितारौ | गावयितारः |
| गावयितासे | गावयितासाथे | गावयिताध्वे |
| गावयिताहे | गावयितास्वहे | गावयितास्महे |
| भ० गावयिष्यते | गावयिष्येते | गावयिष्यन्ते |
| गावयिष्यसे | गावयिष्येथे | गावयिष्यध्वे |
| गावयिष्ये | गावयिष्यावहे | गावयिष्यामहे |
| क्रि० अगावयिष्यत् | अगावयिष्येताम् | अगावयिष्यन्त |
| अगावयिष्यथाः | अगावयिष्येथाम् | अगावयिष्यध्वम् |
| अगावयिष्ये | अगावयिष्यावहि | अगावयिष्यामहि |

अ० अजूषवत्
अजूषवः
अजूषवम्

अजूषवताम्
अजूषवतम्
अजूषवाव
अजूषवन्
अजूषवत
अजूषवाम

अ० अजूषवत्
अजूषवथाः
अजूषवे

अजूषवेताम्
अजूषवेथाम्
अजूषवावहि
अजूषवन्त
अजूषवन्तम्
अजूषवामहि

(५६८)

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

592 पुंङ् (घु) शब्दे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० घावयति | घावयतः | घावयन्ति |
| घावयसि | घावयथः | घावयथ |
| घावयामि | घावयावः | घावयामः |
| स० घावयेत् | घावयेताम् | घावयेयुः |
| घावयेः | घावयेतम् | घावयेत् |
| घावयेयम् | घावयेव | घावयेम |
| प० घावयतु | घावयतात् | घावयताम् |
| घावयतु | घावयतात् | घावयतम् |
| घावयानि | घावयाव | घावयाम |
| ह्य० अघावयत् | अघावयताम् | अघावयन् |
| अघावयः | अघावयतम् | अघावयत |
| अघावयम् | अघावयाव | अघावयाम |
| अ० अजीघवत् | अजीघवताम् | अजीघवन् |
| अजीघवः | अजीघवतम् | अजीघवत |
| अजीघवम् | अजीघवाव | अजीघवाम |
| प० घावयाञ्चकार | घावयाञ्चकतुः | घावयाञ्चकुः |
| घावयाञ्चकर्थ | घावयाञ्चकथुः | घावयाञ्चक |
| घावयाञ्चकार-चकर | घावयाञ्चकृव | घावयाञ्चकृम |
| घावयाम्बभूव | । | घावयामास |
| आ० घाव्यात् | घाव्यास्ताम् | घाव्यासुः |
| घाव्याः | घाव्यास्तम् | घाव्यास्त |
| घाव्यासम् | घाव्यास्व | घाव्यासम |
| श्व० घावयिता | घावयितारौ | घावयितारः |
| घावयितासि | घावयितास्थः | घावयितास्थ |
| घावयितासि | घावयितास्वः | घावयितास्मः |
| म० घावयिष्यति | घावयिष्यतः | घावयिष्यन्ति |
| घावयिष्यसि | घावयिष्यथः | घावयिष्यथ |
| घावयिष्यामि | घावयिष्यावः | घावयिष्यामः |
| क्रि० अघावयिष्यत् | अघावयिष्यताम् | अघावयिष्यन् |
| अघावयिष्यः | अघावयिष्यतम् | अघावयिष्यत |
| अघावयिष्यम् | अघावयिष्याव | अघावयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० घावयते | घावयेते | घावयन्ते |
| घावयसे | घावयेथे | घावयध्वे |
| घावये | घावयावहे | घावयामहे |
| स० घावयेत | घावयेयाताम् | घावयेरन् |
| घावयेथा | घावयेथायाम् | घावयेष्वम् |
| घावयेय | घावयेवहि | घावयेमहि |
| प० घावयताम् | घावयेताम् | घावयन्ताम् |
| घावयस्व | घावयेथाम् | घावयध्वम् |
| घावये | घावयावहे | घावयामहे |
| ह्य० अघावयत | अघावयेताम् | अघावयन्त |
| अघावयथाः | अघावयेथाम् | अघावयध्वम् |
| अघावये | अघावयावहि | अघावयामहि |
| अ० अजीघवन्त | अजीघवेताम् | अजीघवन्त |
| अजीघवथाः | अजीघवेथाम् | अजीघवध्वम् |
| अजीघवे | अजीघवावहि | अजीघवामहि |
| प० घावयाञ्चके | घावयाञ्चकते | घावयाञ्चक्रे |
| घावयाञ्चकृषे | घावयाञ्चकृथे | घावयाञ्चकृध्वे |
| घावयाञ्चके | घावयाञ्चकृवहे | घावयाञ्चकृमहे |
| घावयाम्बभूव | । | घावयामास |
| आ० घावयिषीष्ट | घावयिषीयास्ताम् | घावयिषीरन् |
| घावयिषीष्ठाः | घावयिषीयास्थाम् | घावयिषीध्वम् |
| घावयिषीय | घावयिषीवहि | घावयिषीमहि |
| श्व० घावयिता | घावयितारौ | घावयितारः |
| घावयितासे | घावयितास्थे | घावयिताध्वे |
| घावयिताहे | घावयितास्वहे | घावयितास्महे |
| म० घावयिष्यते | घावयिष्येते | घावयिष्यन्ते |
| घावयिष्यसे | घावयिष्येथे | घावयिष्यध्वे |
| घावयिष्ये | घावयिष्यावहे | घावयिष्यामहे |
| क्रि० अघावयिष्यत | अघावयिष्येताम् | अघावयिष्यन्त |
| अघावयिष्यथाः | अघावयिष्येथाम् | अघावयिष्यध्वम् |
| अघावयिष्ये | अघावयिष्यावहि | अघावयिष्यामहि |

ॐ अ० अजूडवत् अजूडवेताम् अजूडवन्त
अजूडवः अजूडवतम् अजूडवत
अजूडवम् अजूडवाव अजूडवाम

अ० अजूडवत् अजूडवेताम् अजूडवन्त ५
अजूडवथाः अजूडवेथाम् अजूडवध्वम्
अजूडवे अजूडवावहि अजूडवामहि

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे निगन्तप्रक्रिया (५६९)

593 डुङ् (डु) शब्दे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० डावयति | डावयतः | डावयन्ति |
| डावयसि | डावयथः | डावयथ |
| डावयामि | डावयावः | डावयामः |
| स० डावयेत् | डावयेताम् | डावयेयुः |
| डावयेः | डावयेतम् | डावयेत |
| डावयेयाम् | डावयेव | डावयेम |
| प० डावयतु | डावयतात् | डावयताम् |
| डावय | डावयतात् | डावयतम् |
| डावयानि | डावयाव | डावयाम |
| ह्य० अडावयत् | अडावयताम् | अडावयन्त |
| अडावयः | अडावयतम् | अडावयत |
| अडावयाम् | अडावयाव | अडावयाम |
| अ० अजीडवत् | अजीडवेताम् | अजीडवन्त |
| अजीडवः | अजीडवेताम् | अजीडवध्वम् |
| अजीडवम् | अजीडवाव | अजीडवाम |
| प० डावयाञ्चकार | डावयाञ्चकतुः | डावयाञ्चकुः |
| डावयाञ्चकथं | डावयाञ्चकथुः | डावयाञ्चक |
| डावयाञ्चकार-चकर | डावयाञ्चकृव | डावयाञ्चकृम |
| डावयाम्बभूव | डावयामास | |
| भा० डाव्यात् | डाव्यास्ताम् | डाव्यासुः |
| डाव्याः | डाव्यास्तम् | डाव्यास्त |
| डाव्यासम् | डाव्यास्व | डाव्यासम् |
| ध० डावयिता | डावयितारौ | डावयितारः |
| डावयितासि | डावयितास्थः | डावयितास्थ |
| डावयितास्मि | डावयितास्वः | डावयितास्मः |
| भ० डावयिष्यति | डावयिष्यतः | डावयिष्यन्ति |
| डावयिष्यसि | डावयिष्यथः | डावयिष्यथ |
| डावयिष्यामि | डावयिष्यावः | डावयिष्यामः |
| क्रि० अडावयिष्यत् | अडावयिष्यताम् | अडावयिष्यन्त |
| अडावयिष्यः | अडावयिष्यतम् | अडावयिष्यत |
| अडावयिष्यम् | अडावयिष्याव | अडावयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० डावयते | डावयेते | डावयन्ते |
| डावयसे | डावयेथे | डावयध्वे |
| डावये | डावयावहे | डावयामहे |
| स० डावयेत | डावयेयाताम् | डावयेरन्त |
| डावयेथाः | डावयेयाथाम् | डावयेध्वम् |
| डावयेथ | डावयेवहि | डावयेमहि |
| प० डावयताम् | डावयेताम् | डावयन्ताम् |
| डावयस्व | डावयेथाम् | डावयध्वम् |
| डावयै | डावयावहे | डावयामहे |
| ह्य० अडावयत | अडावयेताम् | अडावयन्त |
| अडावयथाः | अडावयेथाम् | अडावयध्वम् |
| अडावये | अडावयावहि | अडावयामहि |
| अ० अजीडवत् | अजीडवेताम् | अजीडवन्त |
| अजीडवथाः | अजीडवेथाम् | अजीडवध्वम् |
| अजीडवे | अजीडवावहि | अजीडवामहि |
| प० डावयाञ्चक्रे | डावयाञ्चकृते | डावयाञ्चकृते |
| डावयाञ्चकृषे | डावयाञ्चकृषे | डावयाञ्चकृद्वे |
| डावयाञ्चक्रे | डावयाञ्चकृवहे | डावयाञ्चकृमहे |
| डावयाम्बभूव | डावयामास | |
| भा० डावयिषीष्ट | डावयिषीयास्ताम् | डावयिषीरन्त |
| डावयिषीष्टाः | डावयिषीयास्ताम् | डावयिषीह्वम् |
| डावयिषीय | डावयिषीवहि | डावयिषीमहि |
| ध० डावयिता | डावयितारौ | डावयितारः |
| डावयितासे | डावयितासाथे | डावयिताध्वे |
| डावयिताहे | डावयितास्वहे | डावयितास्महे |
| भ० डावयिष्यते | डावयिष्येते | डावयिष्यन्ते |
| डावयिष्यसे | डावयिष्येथे | डावयिष्यध्वे |
| डावयिष्ये | डावयिष्यावहे | डावयिष्यामहे |
| क्रि० अडावयिष्यत् | अडावयिष्येताम् | अडावयिष्यन्त |
| अडावयिष्यथाः | अडावयिष्येथाम् | अडावयिष्यध्वम् |
| अडावयिष्ये | अडावयिष्यावहि | अडावयिष्यामहि |

595 च्युङ् (च्यु) गतौ ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| ब० | च्यावयति | च्यावयतः | च्यावयन्ति |
| | च्यावयसि | च्यावयथः | च्यावयथ |
| | च्यावयामि | च्यावयावः | च्यावयामः |
| स० | च्यावयेत् | च्यावयेताम् | च्यावयेयुः |
| | च्यावयेः | च्यावयेतम् | च्यावयेत |
| | च्यावयेयम् | च्यावयेव | च्यावयेम |
| प० | च्यावयतु | च्यावयतात् | च्यावयन्तु |
| | च्यावय | च्यावयतात् | च्यावयतम् |
| | च्यावयानि | च्यावयाव | च्यावयाव |
| ह्य० | अच्यावयत् | अच्यावयताम् | अच्यावयन् |
| | अच्यावयः | अच्यावयतम् | अच्यावयत |
| | अच्यावयम् | अच्यावयाव | अच्यावयाम |
| अ० | अचिच्यवत् | अचिच्यवताम् | अचिच्यवन् |
| | अचिच्यवः | अचिच्यवतम् | अचिच्यवत |
| | अचिच्यवम् | अचिच्यवाव | अचिच्यवाम |
| | अचुच्यवत् | अचुच्यवताम् | अचुच्यवन् इ० |
| प० | च्यावयाञ्चकार | च्यावयाञ्चक्रुः | च्यावयाञ्चक्रुः |
| | च्यावयाञ्चकथं | च्यावयाञ्चक्रथुः | च्यावयाञ्चक्र |
| | च्यावयाञ्चकार-चक्र | च्यावयाञ्चक्रव | च्यावयाञ्चक्रुम |
| | च्यावयाञ्चभूव | । | च्यावयामास |
| आ० | च्याव्यात् | च्याव्यास्ताम् | च्याव्यासुः |
| | च्याव्याः | च्याव्यास्तम् | च्याव्यास्त |
| | च्याव्यासम् | च्याव्यास्व | च्याव्यास्म |
| श्व० | च्यावयिता | च्यावयितारौ | च्यावयितारः |
| | च्यावयितासि | च्यावयितास्थः | च्यावयितास्थ |
| | च्यावयितास्मि | च्यावयितास्वः | च्यावयितास्मः |
| अ० | च्यावयिष्यति | च्यावयिष्यतः | च्यावयिष्यन्ति |
| | च्यावयिष्यसि | च्यावयिष्यथः | च्यावयिष्यथ |
| | च्यावयिष्यामि | च्यावयिष्यावः | च्यावयिष्यामः |
| क्रि० | अच्यावयिष्यत् | अच्यावयिष्यताम् | अच्यावयिष्यन् |
| | अच्यावयिष्यः | अच्यावयिष्यतम् | अच्यावयिष्यत |
| | अच्यावयिष्यम् | अच्यावयिष्याव | अच्यावयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | च्यावयते | च्यावयेते | च्यावयन्ते |
| | च्यावयसे | च्यावयेथे | च्यावयध्वे |
| | च्यावये | च्यावयावहे | च्यावयामहे |
| स० | च्यावयेत | च्यावयेयाताम् | च्यावयेरन् |
| | च्यावयेथाः | च्यावयेयाथाम् | च्यावयेध्वम् |
| | च्यावयेय | च्यावयेवहि | च्यावयेमहि |
| प० | च्यावयताम् | च्यावयेताम् | च्यावयन्ताम् |
| | च्यावयस्व | च्यावयेश्चाम् | च्यावयध्वम् |
| | च्यावयै | च्यावयावहै | च्यावयामहै |
| ह्य० | अच्यावयत | अच्यावयेताम् | अच्यावयन्त |
| | अच्यावयथाः | अच्यावयेथाम् | अच्यावयध्वम् |
| | अच्यावये | अच्यावयावहि | अच्यावयामहि |
| अ० | अचिच्यवत् | अचिच्यवेताम् | अचिच्यवत |
| | अचिच्यवथाः | अचिच्यवेथाम् | अचिच्यवध्वम् |
| | अचिच्यवे | अचिच्यवावहि | अचिच्यवामहि |
| | अचुच्यवत् | अचुच्यवेताम् | अचुच्यवन्त इ० |
| प० | च्यावयाञ्चके | च्यावयाञ्चकते | च्यावयाञ्चकिरे |
| | च्यावयाञ्चकृषे | च्यावयाञ्चकृथे | च्यावयाञ्चकृद्वे |
| | च्यावयाञ्चके | च्यावयाञ्चकृवहे | च्यावयाञ्चकृमहे |
| | च्यावयाञ्चभूव | । | च्यावयामास |
| आ० | च्यावयिषीष्ट | च्यावयिषीयास्ताम् | च्यावयिषीरन् |
| | च्यावयिषीष्ठाः | च्यावयिषीयास्थाम् | च्यावयिषीध्वम् |
| | च्यावयिषीय | च्यावयिषीवहि | च्यावयिषीमहि |
| श्व० | च्यावयिता | च्यावयितारौ | च्यावयितारः |
| | च्यावयितासे | च्यावयितासाथे | च्यावयिताध्वे |
| | च्यावयिताहे | च्यावयितास्वहे | च्यावयितास्महे |
| अ० | च्यावयिष्यते | च्यावयिष्येते | च्यावयिष्यन्ते |
| | च्यावयिष्यसे | च्यावयिष्येथे | च्यावयिष्यध्वे |
| | च्यावयिष्ये | च्यावयिष्यावहे | च्यावयिष्यामहे |
| क्रि० | अच्यावयिष्यत् | अच्यावयिष्येताम् | अच्यावयिष्यन्त |
| | अच्यावयिष्यथाः | अच्यावयिष्येथाम् | अच्यावयिष्यध्वम् |
| | अच्यावयिष्ये | अच्यावयिष्यावहि | अच्यावयिष्यामहि |

595 ज्युङ् (ज्यु) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------------|
| व० | ज्यावयति | ज्यावयतः | ज्यावयन्ति |
| | ज्यावयसि | ज्यावयथः | ज्यावयथ |
| | ज्यावयामि | ज्यावयावः | ज्यावयामः |
| स० | ज्यावयेत् | ज्यावयेताम् | ज्यावयेयुः |
| | ज्यावयेः | ज्यावयेतम् | ज्यावयेत |
| | ज्यावयेयम् | ज्यावयेव | ज्यावयेम |
| प० | ज्यावयतु | ज्यावयतात् | ज्यावयताम् ज्यावयन्तु |
| | ज्यावय | ज्यावयतात् | ज्यावयतम् ज्यावयत |
| | ज्यावयानि | ज्यावयाव | ज्यावयाव |
| ह्य० | अज्यावयत् | अज्यावयताम् | अज्यावयन् |
| | अज्यावयः | अज्यावयतम् | अज्यावयत |
| | अज्यावयम् | अज्यावयाव | अज्यावयाम |
| अ० | अजुज्यवत् | अजुज्यवताम् | अजुज्यवन् |
| | अजुज्यवः | अजुज्यवतम् | अजुज्यवत |
| | अजुज्यवम् | अजुज्यवाव | अजुज्यवाम |
| प | ज्यावयाश्चकार | ज्यावयाश्चक्रुः | ज्यावयाश्चक्रुः |
| | ज्यावयाश्चकथे | ज्यावयाश्चकथुः | ज्यावयाश्चक |
| | ज्यावयाश्चकार-चकर | ज्यावयाश्चकृव | ज्यावयाश्चकृम |
| | ज्यावयाम्बभूव | । ज्यावयामास | |
| आ० | ज्याव्यात् | ज्याव्यास्ताम् | ज्याव्यासुः |
| | ज्याव्याः | ज्याव्यास्तम् | ज्याव्यास्त |
| | ज्याव्यासम् | ज्याव्यास्व | ज्याव्यास्म |
| श्व० | ज्यावयिता | ज्यावयितारौ | ज्यावयितारः |
| | ज्यावयितारि | ज्यावयितार्यः | ज्यावयितार्य |
| | ज्यावयितारि | ज्यावयितार्यः | ज्यावयितार्यः |
| भ० | ज्यावयिष्यति | ज्यावयिष्यतः | ज्यावयिष्यन्ति |
| | ज्यावयिष्यसि | ज्यावयिष्यथः | ज्यावयिष्यथ |
| | ज्यावयिष्यामि | ज्यावयिष्यावः | ज्यावयिष्यामः |
| क्रि० | अज्यावयिष्यत् | अज्यावयिष्यताम् | अज्यावयिष्यन् |
| | अज्यावयिष्यः | अज्यावयिष्यतम् | अज्यावयिष्यत |
| | अज्यावयिष्यम् | अज्यावयिष्यावः | अज्यावयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | ज्यावयेते | ज्यावयेते | ज्यावयन्ते |
| | ज्यावयेसे | ज्यावयेथे | ज्यावयेथे |
| | ज्यावये | ज्यावयावहे | ज्यावयामहे |
| स० | ज्यावयेत | ज्यावयेयाताम् | ज्यावयेरन् |
| | ज्यावयेथाः | ज्यावयेयाथाम् | ज्यावयेथ्वम् |
| | ज्यावयेय | ज्यावयेवहि | ज्यावयेमहि |
| प० | ज्यावयताम् | ज्यावयताम् | ज्यावयन्ताम् |
| | ज्यावयस्व | ज्यावयेथाम् | ज्यावयथ्वम् |
| | ज्यावये | ज्यावयावहे | ज्यावयामहे |
| ह्य० | अज्यावयत | अज्यावयेताम् | अज्यावयन्त |
| | अज्यावयथाः | अज्यावयेथाम् | अज्यावयथ्वम् |
| | अज्यावये | अज्यावयावहि | अज्यावयामहि |
| अ० | अजुज्यवत | अजुज्यवेताम् | अजुज्यवन्त |
| | अजुज्यवथाः | अजुज्यवेथाम् | अजुज्यवथ्वम् |
| | अजुज्यवे | अजुज्यवावहि | अजुज्यवामहि |
| प० | ज्यावयाश्चक्रे | ज्यावयाश्चक्रते | ज्यावयाश्चक्रिरे |
| | ज्यावयाश्चकृषे | ज्यावयाश्चक्रथे | ज्यावयाश्चकृन्वे |
| | ज्यावयाश्चक्रे | ज्यावयाश्चकृवहे | ज्यावयाश्चकृमहे |
| | ज्यावयाश्चभूव | । ज्यावयामास | |
| आ० | ज्यावयिषीष्ट | ज्यावयिषीयास्ताम् | ज्यावयिषीरन् |
| | ज्यावयिषीष्टाः | ज्यावयिषीयाथाम् | ज्यावयिषीथ्वम् |
| | ज्यावयिषीय | ज्यावयिषीवहि | ज्यावयिषीमहि |
| श्व० | ज्यावयिता | ज्यावयितारौ | ज्यावयितारः |
| | ज्यावयितासे | ज्यावयितार्ये | ज्यावयिताथ्वे |
| | ज्यावयिताहे | ज्यावयितास्वहे | ज्यावयितास्महे |
| भ० | ज्यावयिष्यते | ज्यावयिष्यते | ज्यावयिष्यन्ते |
| | ज्यावयिष्यसे | ज्यावयिष्यथे | ज्यावयिष्यथ्वे |
| | ज्यावयिष्ये | ज्यावयिष्यावहे | ज्यावयिष्यामहे |
| क्रि० | अज्यावयिष्यत | अज्यावयिष्येताम् | अज्यावयिष्यन्त |
| | अज्यावयिष्यथाः | अज्यावयिष्येथाम् | अज्यावयिष्यथ्वम् |
| | अज्यावयिष्ये | अज्यावयिष्यावहि | अज्यावयिष्यामहि |

596 जुङ् (जु) गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० जादरति | ज वरतः | जादरन्ति |
| जावयसि | जावयथः | जावयथ |
| जावयामि | जावयावः | जावयामः |
| स० जावयेत् | जावयेताम् | जावयेयुः |
| जावयेः | जावयेतम् | जावयेत |
| जावयेयम् | जावयेव | जावयेम |
| प० जावयतु | जावयतात् | जावयताम् |
| जावय | जावयतात् | जावयतम् |
| जावयानि | जावयाव | जावयाव |
| ह्य० ङ जादरत | ङ जावयताम् | ङ जावयन्त |
| ङ जादयः | ङ जावयतम् | ङ जावयत |
| ङ जावयम् | ङ जावयाव | ङ जावयाम |
| अ० अजीजवत् | अजीजवताम् | अजीजवन् |
| अजीजवः | अजीजवतम् | अजीजवत |
| अजीजवम् | अजीजवाव | अजीजवाम |
| प० जावयाञ्चकार | जावयाञ्चकतुः | जावयाञ्चकुः |
| जावयाञ्चकथं | जावयाञ्चकथुः | जावयाञ्चक |
| जावयाञ्चकार-चकर | जावयाञ्चकृव | जावयाञ्चकृम |
| जावयाम्बभूव | जावयामास | |
| आ० जाव्यात् | जाव्यास्ताम् | जाव्यासुः |
| जावयाः | जाव्यास्तम् | जाव्यास्त |
| जाव्यासम् | जाव्यास्व | जाव्यास्व |
| श्व० जावयिता | जावयितारौ | जावयितारः |
| जावयितासि | जावयितास्थः | जावयितास्थ |
| जावयितास्मि | जावयितास्वः | जावयितास्मः |
| भ० जावयिष्यति | जावयिष्यतः | जावयिष्यन्ति |
| जावयिष्यसि | जावयिष्यथः | जावयिष्यथ |
| जावयिष्यामि | जावयिष्यावः | जावयिष्यामः |
| क्रि० अजावयिष्यत् | अजावयिष्यताम् | अजावयिष्यन् |
| अजावयिष्यः | अजावयिष्यतम् | अजावयिष्यत |
| अजावयिष्यम् | अजावयिष्याव | अजावयिष्याम |

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| व० जावयते | जावयेते | जावयन्ते |
| जावयसे | जावयेथे | जावयध्वे |
| जावये | जावयावहे | जावयामहे |
| स० जावयेत | जावयेयाताम् | जावयेरन् |
| जावयेथाः | जावयेयाथाम् | जावयेध्वम् |
| जावयेय | जावयेवहि | जावयेमहि |
| प० जावयताम् | जावयेताम् | जावयन्ताम् |
| जावयस्व | जावयेथाम् | जावयध्वम् |
| जादयै | जावयावहे | जावयामहे |
| ह्य० अजावयत | अजावयेताम् | अजावयन्त |
| अजावयथाः | अजावयेथाम् | अजावयध्वम् |
| अजावये | अजावयावहि | अजावयामहि |
| अ० अजीजवत | अजीजवेताम् | अजीजवन्त |
| अजीजवथाः | अजीजवेथाम् | अजीजवध्वम् |
| अजीजवे | अजीजवावहि | अजीजवामहि |
| प० जावयाञ्चक्रे | जावयाञ्चक्रेति | जावयाञ्चक्रेरे |
| जावयाञ्चकृषे | जावयाञ्चकृषे | जावयाञ्चकृषे |
| जावयाञ्चक्रे | जावयाञ्चकृवहे | जावयाञ्चकृमहे |
| जावयाम्बभूव | जावयामास | |
| आ० जावयिषीष्ट | जावयिषीस्ताम् | जावयिषीरन् |
| जावयिषीष्ठाः | जावयिषीषारथाम् | जावयिषीध्वम् |
| जावयिषीथ | जावयिषीवहि | जावयिषीमहि |
| श्व० जावयिता | जावयितारौ | जावयितारः |
| जावयितासे | जावयितास्थे | जावयिताध्वे |
| जावयिताहे | जावयितारवहे | जावयितास्महे |
| भ० जावयिष्यते | जावयिष्यते | जावयिष्यन्ते |
| जावयिष्यसे | जावयिष्यथे | जावयिष्यध्वे |
| जावयिष्ये | जावयिष्यावहे | जावयिष्यामहे |
| क्रि० अजावयिष्यत् | अजावयिष्यताम् | अजावयिष्यन्त |
| अजावयिष्यथाः | अजावयिष्येथाम् | अजावयिष्यध्वम् |
| अजावयिष्ये | अजावयिष्यावहि | अजावयिष्यामहि |

597 मुङ् (मु) गतौ ।

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| १० प्रावयति | प्रावयतः | प्रावयन्ति |
| प्रावयसि | प्रावयथः | प्रावयथ |
| प्रावयामि | प्रावयावः | प्रावयामः |
| २० प्रावयेत् | प्रावयेताम् | प्रावयेयुः |
| प्रावयेः | प्रावयेतम् | प्रावयेत |
| प्रावयेयम् | प्रावयेव | प्रावयेम |

५० प्रावयतु प्रावयतात् प्रावयताम् प्रावयन्तु

प्रावय प्रावयतात् प्रावयतम् प्रावयत

प्रावयाणि प्रावयाव प्रावयाम

| | | |
|--------------|-------------|-----------|
| ६० अप्रावयत् | अप्रावयताम् | अप्रावयन् |
| अप्रावयः | अप्रावयतम् | अप्रावयत |
| अप्रावयम् | अप्रावयाव | अप्रावयाम |

| | | |
|--------------|-------------|-----------|
| अ० अपिप्रवत् | अपिप्रवताम् | अपिप्रवन् |
| अपिप्रवः | अपिप्रवतम् | अपिप्रवत |
| अपिप्रवम् | अपिप्रवाव | अपिप्रवाम |

अपुप्रवत् अपुप्रवताम् अपुप्रवन् इ०

| | | |
|--------------------|-----------------|-----------------|
| ७० प्रावयाश्चकार | प्रावयाश्चक्रुः | प्रावयाश्चक्रुः |
| प्रावयाश्चकथं | प्रावयाश्चक्रुः | प्रावयाश्चक्रुः |
| प्रावयाश्चकार-चक्र | प्रावयाश्चक्रुव | प्रावयाश्चक्रुम |

प्रावयाम्भुव प्रावयामास

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| अ० प्राव्यात् | प्राव्यास्ताम् | प्राव्यासुः |
| प्राव्याः | प्राव्यास्तम् | प्राव्यास्त |
| प्राव्यासम् | प्राव्यास्व | प्राव्यास्म |

१० प्रावयिता प्रावयितारौ प्रावयितार

प्रावयितासि प्रावयितास्थः प्रावयितास्थ

प्रावयितास्मि प्रावयितास्वः प्रावयितास्मः

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| अ० प्रावयिष्यति | प्रावयिष्यतः | प्रावयिष्यन्ति |
| प्रावयिष्यसि | प्रावयिष्यथः | प्रावयिष्यथ |
| प्रावयिष्यामि | प्रावयिष्यावः | प्रावयिष्यामः |

| | | |
|---------------------|-----------------|---------------|
| क्रि० अप्रावयिष्यत् | अप्रावयिष्यताम् | अप्रावयिष्यन् |
| अप्रावयिष्यः | अप्रावयिष्यतम् | अप्रावयिष्यत |
| अप्रावयिष्यम् | अप्रावयिष्याव | अप्रावयिष्याम |

598 प्लुङ् (प्लु) गतौ ।

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| १० प्लावयति | प्लावयतः | प्लावयन्ति |
| प्लावयसि | प्लावयथः | प्लावयथ |
| प्लावयामि | प्लावयावः | प्लावयामः |

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| २० प्लावयेत् | प्लावयेताम् | प्लावयेयुः |
| प्लावयेः | प्लावयेतम् | प्लावयेत |
| प्लावयेयम् | प्लावयेव | प्लावयेम |

५० प्लावयतु प्लावयतात् प्लावयताम् प्लावयन्तु
प्लावय प्लावयतात् प्लावयतम् प्लावयत
प्लावयाणि प्लावयाव प्लावयाम

| | | |
|--------------|-------------|-----------|
| ६० अप्लावयत् | अप्लावयताम् | अप्लावयन् |
| अप्लावयः | अप्लावयतम् | अप्लावयत |
| अप्लावयम् | अप्लावयाव | अप्लावयाम |

| | | |
|--------------|-------------|-----------|
| अ० अपिप्लवत् | अपिप्लवताम् | अपिप्लवन् |
| अपिप्लवः | अपिप्लवतम् | अपिप्लवत |
| अपिप्लवम् | अपिप्लवाव | अपिप्लवाम |

अपुप्लवत् अपुप्लवताम् अपुप्लवन् इ०

| | | | |
|-------|----------------------|-----------------|-----------------|
| प० | प्लावयाश्चकार | प्लावयाश्चक्रुः | प्लावयाश्चक्रुः |
| | प्लावयाश्चकथे | प्लावयाश्चक्रुः | प्लावयाश्चक्रुः |
| | प्लावयाश्चकार-चक्रुः | प्लावयाश्चक्रुः | प्लावयाश्चक्रुः |
| | प्लावयाम्बभूव | प्लावयामास | |
| आ० | प्लाव्यात् | प्लाव्यास्ताम् | प्लाव्यासुः |
| | प्लाव्याः | प्लाव्यास्ताम् | प्लाव्यास्त |
| | प्लाव्यासम् | प्लाव्यास्व | प्लाव्यास्म |
| श्र० | प्लावयिता | प्लावयितारौ | प्लावयितारः |
| | प्लावयितासि | प्लावयितास्यः | प्लावयितास्य |
| | प्लावयितास्मि | प्लावयितास्वः | प्लावयितास्वः |
| भ० | प्लावयिष्यति | प्लावयिष्यतः | प्लावयिष्यन्ति |
| | प्लावयिष्यसि | प्लावयिष्यथः | प्लावयिष्यथ |
| | प्लावयिष्यामि | प्लावयिष्यावः | प्लावयिष्यामः |
| क्रि० | अप्लावयिष्यत् | अप्लावयिष्यताम् | अप्लावयिष्यन् |
| | अप्लावयिष्यथः | अप्लावयिष्यताम् | अप्लावयिष्यन्त |
| | अप्लावयिष्याम् | अप्लावयिष्याव | अप्लावयिष्याम |
| इ० | प्लावयते | प्लावयेते | प्लावयन्ते |
| | प्लावयते | प्लावयेथे | प्लावयध्वे |
| | प्लावये | प्लावयावहे | प्लावयामहे |
| स० | प्लावयेत् | प्लावयेथाताम् | प्लावयेरन् |
| | प्लावयेथाः | प्लावयेथाताम् | प्लावयेथाम |
| | प्लावयेथ | प्लावयेवहि | प्लावयेमहि |
| प० | प्लावयताम् | प्लावयेताम् | प्लावयन्ताम् |
| | प्लावयस्व | प्लावयेथाम् | प्लावयध्वम् |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| | प्लावये | प्लावयावहे | प्लावयाहि |
| ह्य० | अप्लावयत | अप्लावयेताम् | अप्लावयन्त |
| | अप्लावयथाः | अप्लावयेथाम् | अप्लावयध्वम् |
| | अप्लावये | अप्लावयेवहि | अप्लावयामहि |
| अ० | अपिलवत | अपिलवेताम् | अपिलवन्त |
| | अपिलवथाः | अपिलवेथाम् | अपिलवध्वम् |
| | अपिलवे | अपिलवावहि | अपिलवामहि |
| | अपुप्लवत | अपुप्लवेताम् | अपुप्लवन्त इ० |
| प० | प्लावयाश्चक्रे | प्लावयाश्चक्राते | प्लावयाश्चक्रिरे |
| | प्लावयाश्चकृषे | प्लावयाश्चक्राथे | प्लावयाश्चकृध्वे |
| | प्लावयाश्चक्रे | प्लावयाश्चकृवहे | प्लावयाश्चकृमहे |
| | प्लावयाम्बभूव | प्लावयामास | |
| आ० | प्लावयिषीष्ट | प्लावयिषीयास्ताम् | प्लावयिषीरन् |
| | प्लावयिषीष्टाः | प्लावयिषीयास्थाम् | प्लावयिषीध्वम् |
| | प्लावयिषीय | प्लावयिषीवहि | प्लावयिषीमहि |
| श्र० | प्लावयिता | प्लावयितारौ | प्लावयितारः |
| | प्लावयितासे | प्लावयितासाथे | प्लावयिताध्वे |
| | प्लावयिताहे | प्लावयितास्वहे | प्लावयितास्महे |
| भ० | प्लावयिष्यते | प्लावयिष्येते | प्लावयिष्यन्ते |
| | प्लावयिष्यसे | प्लावयिष्येथे | प्लावयिष्यध्वे |
| | प्लावयिष्ये | प्लावयिष्यावहे | प्लावयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्लावयिष्यत् | अप्लावयिष्येताम् | अप्लावयिष्यन्त |
| | अप्लावयिष्यथः | अप्लावयिष्येथाम् | अप्लावयिष्यध्वम् |
| | अप्लावयिष्ये | अप्लावयिष्यावहि | अप्लावयिष्यामहि |

599 रुड् (रु) रेषणे च । चकारद्वतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | रावयति | रावयतः | रावयन्ति |
| | रावयसि | रावयथः | रावयथ |
| | रावयामि | रावयावः | रावयामः |
| स० | रावयेत् | रावयेताम् | रावयेयुः |
| | रावयेः | रावयेतम् | रावयेत |
| | रावयेयम् | रावयेव | रावयेम |
| प० | रावयतु | रावयतात् | रावयन्तु |
| | रावय | रावयतात् | रावयत |
| | रावयाणि | रावयाव | रावयाम |
| ह्य० | अरावयत् | अरावयताम् | अरावयन् |
| | अरावयः | अरावयतम् | अरावयत |
| | अरावयम् | अरावयाव | अरावयाम |
| अ० | अरीरवत् | अरीरवताम् | अरीरवन् |
| | अरीरवः | अरीरवतम् | अरीरवत |
| | अरीरवम् | अरीरवाव | अरीरवाम |
| प० | रावयाञ्चकार | रावयाञ्चक्रुः | रावयाञ्चकुः |
| | रावयाञ्चकथं | रावयाञ्चकथुः | रावयाञ्चक |
| | रावयाञ्चकार-चकर | रावयाञ्चकुव | रावयाञ्चक्रम |
| | रावयाम्बभूव | । | रावयामास |
| आ० | राव्यात् | राव्यास्ताम् | राव्यासुः |
| | राव्याः | राव्यास्तम् | राव्यास्त |
| | राव्यासम् | राव्यास्व | राव्यास्म |
| व० | रावयिता | रावयितारौ | रावयितारः |
| | रावयितासि | रावयितास्थः | रावयितास्थ |
| | रावयितास्मि | रावयितास्वः | रावयितास्मः |
| भ० | रावयिष्यति | रावयिष्यतः | रावयिष्यन्ति |
| | रावयिष्यसि | रावयिष्यथः | रावयिष्यथ |
| | रावयिष्यामि | रावयिष्यावः | रावयिष्यामः |
| क्रि० | अरावयिष्यत् | अरावयिष्यताम् | अरावयिष्यन् |
| | अरावयिष्यः | अरावयिष्यतम् | अरावयिष्यत |
| | अरावयिष्यम् | अरावयिष्याव | अरावयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रावयते | रावयेते | रावयन्ते |
| | रावयसे | रावयेथे | रावयध्वे |
| | रावये | रावयावहे | रावयामहे |
| स० | रावयेत | रावयेयाताम् | रावयेरन् |
| | रावयेथाः | रावयेयाथाम् | रावयेध्वम् |
| | रावयेथ | रावयेवहि | रावयेमहि |
| प० | रावयताम् | रावयेताम् | रावयन्ताम् |
| | रावयस्व | रावयेथाम् | रावयध्वम् |
| | रावयै | रावयावहै | रावयामहै |
| ह्य० | अरावयत | अरावयेताम् | अरावयन्त |
| | अरावयथाः | अरावयेथाम् | अरावयध्वम् |
| | अरावये | अरावयावहि | अरावयामहि |
| अ० | अरीरवत् | अरीरवेताम् | अरीरवन्त |
| | अरीरवथाः | अरीरवेथाम् | अरीरवध्वम् |
| | अरीरवे | अरीरवावहि | अरीरवामहि |
| प० | रावयाञ्चके | रावयाञ्चकते | रावयाञ्चकिरे |
| | रावयाञ्चकषे | रावयाञ्चक्राथे | रावयाञ्चकृवहे |
| | रावयाञ्चक्रे | रावयाञ्चकृवहे | रावयाञ्चक्रमहे |
| | रावयाम्बभूव | । | रावयामास |
| आ० | रावयिषीष्ट | रावयिषीयास्ताम् | रावयिषीरन् |
| | रावयिषीष्टाः | रावयिषीयास्थाम् | रावयिषीड्वम् |
| | रावयिषीथ | रावयिषीवहि | रावयिषीमहि |
| व० | रावयिता | रावयितारौ | रावयितारः |
| | रावयितासे | रावयितासाथे | रावयिताध्वे |
| | रावयिताहे | रावयितास्वहे | रावयितास्महे |
| भ० | रावयिष्यते | रावयिष्येते | रावयिष्यन्ते |
| | रावयिष्यसे | रावयिष्येथे | रावयिष्यध्वे |
| | रावयिष्ये | रावयिष्यावहे | रावयिष्यामहे |
| क्रि० | अरावयिष्यत | अरावयिष्येताम् | अरावयिष्यन्त |
| | अरावयिष्यथाः | अरावयिष्येथाम् | अरावयिष्यध्वम् |
| | अरावयिष्ये | अरावयिष्यावहि | अरावयिष्यामहि |

॥ अथ उदन्तौ ॥

600 पृष्ठ (पू) पवने ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० पावयति | पावयतः | पावयन्ति |
| पावयसि | पावयथः | पावयथ |
| पावयामि | पावयावः | पावयामः |
| स० पावयेत् | पावयेताम् | पावयेयुः |
| पावयेः | पावयेतम् | पावयेत |
| पावयेयम् | पावयेव | पावयेम |
| प० पावयतु | पावयतात् | पावयताम् |
| पावय | पावयतात् | पावयतम् |
| पावयानि | पावयाव | पावयाम |
| ह्य० अपावयत् | अपावयताम् | अपावयन् |
| अपावयः | अपावयतम् | अपावयत |
| अपावयम् | अपावयाव | अपावयाम |
| अ० अपीपवत् | अपीपवताम् | अपीपवन् |
| अपीपवः | अपीपवतम् | अपीपवत |
| अपीपवम् | अपीपवाव | अपीपवाम |
| प० पावयाञ्चकार | पावयाञ्चक्रुः | पावयाञ्चक्रुः |
| पावयाञ्चकथं | पावयाञ्चकथुः | पावयाञ्चक्र |
| पावयाञ्चकार-चक्र | पावयाञ्चक्रव | पावयाञ्चक्रम |
| पावयाञ्चभूव | पावयाञ्चभूव | पावयाञ्चभूव |
| आ० पाव्यात् | पाव्यास्ताम् | पाव्यासुः |
| पाव्याः | पाव्यास्तम् | पाव्यास्त |
| पाव्यासम् | पाव्यास्व | पाव्यास्म |
| व० पावयिता | पावयितारौ | पावयितारः |
| पावयितासि | पावयितास्थः | पावयितास्थ |
| पावयितास्मि | पावयितास्वः | पावयितास्मः |
| अ० पावयिष्यति | पावयिष्यतः | पावयिष्यन्ति |
| पावयिष्यसि | पावयिष्यथः | पावयिष्यथ |
| पावयिष्यामि | पावयिष्यावः | पावयिष्यामः |
| क्रि० अपावयिष्यत् | अपावयिष्यताम् | अपावयिष्यन् |
| अपावयिष्यः | अपावयिष्यतम् | अपावयिष्यत |
| अपावयिष्यम् | अपावयिष्याव | अपावयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० पावयते | पावयेते | पावयन्ते |
| पावयसे | पावयेथे | पावयध्वे |
| पावये | पावयावहे | पावयामहे |
| स० पावयेत | पावयेयाताम् | पावयेरन् |
| पावयेथाः | पावयेयाथाम् | पावयेध्वम् |
| पावयेय | पावयेवहि | पावयेमहि |
| प० पावयताम् | पावयेताम् | पावयन्ताम् |
| पावयस्व | पावयेथाम् | पावयध्वम् |
| पावयै | पावयावहै | पावयामहै |
| ह्य० अपावयत | अपावयेताम् | अपावयन्त |
| अपावयथाः | अपावयेथाम् | अपावयध्वम् |
| अपावये | अपावयावहि | अपावयामहि |
| अ० अपीपवत | अपीपवेताम् | अपीपवन्त |
| अपीपवथाः | अपीपवेथाम् | अपीपवध्वम् |
| अपीपवे | अपीपवावहि | अपीपवामहि |
| प० पावयाञ्चक्रे | पावयाञ्चक्राते | पावयाञ्चकिरे |
| पावयाञ्चकृषे | पावयाञ्चक्राथे | पावयाञ्चकृध्वे |
| पावयाञ्चक्रे | पावयाञ्चकृवहे | पावयाञ्चकृमहे |
| पावयाञ्चभूव | पावयाञ्चभूव | पावयाञ्चभूव |
| आ० पावयिषीष्ट | पावयिषीयास्ताम् | पावयिषीरन् |
| पावयिषीष्टाः | पावयिषीयस्थाम् | पावयिषीढवम् |
| पावयिषीय | पावयिषीवहि | पावयिषीमहि |
| व० पावयिता | पावयितारौ | पावयितारः |
| पावयितासि | पावयितासाथे | पावयिताध्वे |
| पावयिताहे | पावयितास्वहे | पावयितास्महे |
| अ० पावयिष्यते | पावयिष्येते | पावयिष्यन्ते |
| पावयिष्यसे | पावयिष्येथे | पावयिष्यध्वे |
| पावयिष्ये | पावयिष्यावहे | पावयिष्यामहे |
| क्रि० अपावयिष्यत | अपावयिष्येताम् | अपावयिष्यन्त |
| अपावयिष्यथाः | अपावयिष्येथाम् | अपावयिष्यध्वम् |
| अपावयिष्ये | अपावयिष्यावहि | अपावयिष्यामहि |

601 मू० (मू) बन्धने । 480 भव वदपान

602 धृङ् (धृ) अविध्वंसने ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० धारयति | धारयतः | धारयन्ति |
| धारयसि | धारयथः | धारयथ |
| धारयामि | धारयावः | धारयामः |
| स० धारयेत् | धारयेताम् | धारयेयुः |
| धारयेः | धारयेतम् | धारयेत |
| धारयेगम् | धारयेव | धारयेम |
| प० धारयतु | धारयतात् | धारयताम् |
| धारय | धारयतात् | धारयतम् |
| धारया ण | धारयाव | धारयाम |
| ह्य० अधारयत् | अधारयताम् | अधारयन् |
| अधारयः | अधारयतम् | अधारयत |
| अधारयम् | अधारयाव | अधारयाम |
| अ० अदीधरत् | अदीधरताम् | अदीधरन् |
| अदीधरः | अदीधरतम् | अदीधरत |
| अदीधरम् | अदीधराव | अदीधराम |
| प० धारयाञ्चकार | धारयाञ्चक्रतुः | धारयाञ्चक्रुः |
| धारयाञ्चकथं | धारयाञ्चकथुः | धारयाञ्चक्र |
| धारयाञ्चकार-चक्र | धारयाञ्चक्रव | धारयाञ्चक्रम |
| धारयाम्बभूव | धारयामास | |
| आ० धार्यात् | धार्यास्ताम् | धार्यासुः |
| धार्याः | धार्यास्तम् | धार्यास्त |
| धार्यासम् | धार्यास्व | धार्यास्म |
| श्व० धारयिता | धारयितारौ | धारयितारः |
| धारयितासि | धारयितास्थः | धारयितास्थ |
| धारयितास्मि | धारयितास्वः | धारयितास्मः |
| भ० धारयिष्यति | धारयिष्यतः | धारयिष्यन्ति |
| धारयिष्यसि | धारयिष्यथः | धारयिष्यथ |
| धारयिष्यामि | धारयिष्यावः | धारयिष्यामः |
| क्रि० अधारयिष्यत् | अधारयिष्यताम् | अधारयिष्यन् |
| अधारयिष्यः | अधारयिष्यतम् | अधारयिष्यत |
| अधारयिष्यम् | अधारयिष्याव | अधारयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| व० धारयते | धारयेते | धारयन्ते |
| धारयसे | धारयेथे | धारयन्वे |
| धारये | धारयावहे | धारयामहे |
| स० धारयेत | धारयेयाताम् | धारयेरन् |
| धारयेथाः | धारयेयाथाम् | धारयेध्वम् |
| धारयेय | धारयेवहि | धारयेमहि |
| प० धारयताम् | धारयेताम् | धारयन्ताम् |
| धारयस्व | धारयेथाम् | धारयध्वम् |
| धारये | धारयावहे | धारयामहे |
| ह्य० अधारयत | अधारयेताम् | अधारयन्त |
| अधारयथाः | अधारयेथाम् | अधारयध्वम् |
| अधारये | अधारयावहि | अधारयामहि |
| अ० अदीधरत् | अदीधरेताम् | अदीधरन्त |
| अदीधरथाः | अदीधरेथाम् | अदीधरध्वम् |
| अदीधरे | अदीधरावहि | अदीधरामहि |
| प० धारयाञ्चके | धारयाञ्चक्राते | धारयाञ्चक्रिरे |
| धारयाञ्चकृषे | धारयाञ्चक्राथे | धारयाञ्चक्रुद्वे |
| धारयाञ्चके | धारयाञ्चक्रवहे | धारयाञ्चक्रमहे |
| धारयाम्बभूव | धारयामास | |
| आ० धारयिषीष्ट | धारयिषीयास्ताम् | धारयिषीरन् |
| धारयिषीष्ठाः | धारयिषीयास्थाम् | धारयिषीह्वम् |
| | | चम् |
| धारयिषीय | धारयिषीवहि | धारयिषीमहि |
| श्व० धारयिता | धारयितारौ | धारयितारः |
| धारयितासे | धारयितासाथे | धारयिताध्वे |
| धारयिताहे | धारयितास्वहे | धारयितास्महे |
| भ० धारयिष्यते | धारयिष्येते | धारयिष्यन्ते |
| धारयिष्यसे | धारयिष्येथे | धारयिष्यन्वे |
| धारयिष्ये | धारयिष्यावहे | धारयिष्यामहे |
| क्रि० अधारयिष्यत | अधारयिष्येताम् | अधारयिष्यन्त |
| अधारयिष्यथाः | अधारयिष्येथाम् | अधारयिष्यध्वम् |
| अधारयिष्ये | अधारयिष्यावहि | अधारयिष्यामहि |

॥ अतः परावेदन्तौ द्वौ ॥
603 मेंडू (मे) प्रतिदाने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | मापयति | मापयतः | मापयन्ति |
| | मापयसि | मापयथः | मापयथ |
| | मापयामि | मापयावः | मापयामः |
| स | मापयेत् | मापयेताम् | मापयेयुः |
| | मापयेः | मापयेतम् | मापयेत |
| | मापयेयम् | मापयेत्र | मापयेम |
| प० | मापयतु | मापयतात् | मापयताम् |
| | मापय | मापयतात् | मापयतम् |
| | मापयानि | मापयाव | मापयाम |
| ह्य० | अमापयत् | अमापयताम् | अमापयन् |
| | अमापयः | अमापयतम् | अमापयत |
| | अमापयम् | अमापयाव | अमापयाम |
| अ० | अमीमपत् | अमीमपताम् | अमीमपन् |
| | अमीमपः | अमीमपतम् | अमीमपत |
| | अमीमपम् | अमीमपाव | अमीमपाम |
| प० | मापयाञ्चकार | मापयाञ्चकतुः | मापयाञ्चकुः |
| | मापयाञ्चकर्थ | मापयाञ्चकथुः | मापयाञ्चक |
| | मापयाञ्चकार-चकर | मापयाञ्चकृव | मापयाञ्चकृम |
| | मापयाञ्चभूव | । | मापयामास |
| आ० | माप्यात् | माप्यास्ताम् | माप्यासुः |
| | माप्याः | माप्यास्तम् | माप्यास्त |
| | माप्यासम् | माप्यास्व | माप्यास्म |
| श्व० | मापयिता | मापयितारौ | मापयितारः |
| | मापयितामि | मापयितास्थः | मापयितास्थ |
| | मापयितास्मि | मापयितास्त्रः | मापयितास्मः |
| भ० | मापयिष्यति | मापयिष्यतः | मापयिष्यन्ति |
| | मापयिष्यसि | मापयिष्यथः | मापयिष्यथ |
| | मापयिष्यामि | मापयिष्यावः | मापयिष्यामः |
| क्रि० | अमापयिष्यत् | अमापयिष्यताम् | अमापयिष्यन् |
| | अमापयिष्यः | अमापयिष्यतम् | अमापयिष्यत |
| | अमापयिष्यम् | अमापयिष्याव | अमापयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | मापयते | मापयेते | मापयन्ते |
| | मापयसे | मापयेथे | मापयध्वे |
| | मापये | मापयावहे | मापयामहे |
| स० | मापयेत | मापयेयाताम् | मापयेरन् |
| | मापयेथाः | मापयेयाथाम् | मापयेध्वम् |
| | मापयेथ | मापयेवहि | मापयामहि |
| प० | मापयताम् | मापयेताम् | मापयन्ताम् |
| | मापयस्व | मापयेथाम् | मापयध्वम् |
| | मापये | मापयावहे | मापयामहे |
| ह्य० | अमापयत | अमापयेताम् | अमापयन्त |
| | अमापयथाः | अमापयेथाम् | अमापयध्वम् |
| | अमापये | अमापयावहि | अमापयामहि |
| अ० | अमीमपत | अमीमपेताम् | अमीमपन्त |
| | अमीमपथाः | अमीमपेथाम् | अमीमपध्वम् |
| | अमीमपे | अमीमपावहि | अमीमपामहि |
| प० | मापयाञ्चक्रे | मापयाञ्चक्राते | मापयाञ्चकिरे |
| | मापयाञ्चकृषे | मापयाञ्चक्राथे | मापयाञ्चकृद्धवे |
| | मापयाञ्चक्रे | मापयाञ्चकृवहे | मापयाञ्चकृमहे |
| | मापयाञ्चभूव | । | मापयामास |
| आ० | मापयिषीष्ट | मापयिषीयास्ताम् | मापयिषीरन् |
| | मापयिषीष्ठाः | मापयिषीयास्थाम् | मापयिषीध्वम् |
| | मापयिषीय | मापयिषीवहि | मापयिषीमहि |
| श्व० | मापयिता | मापयितारौ | मापयितारः |
| | मापयितासे | मापयितासाथे | मापयिताध्वे |
| | मापयिताहे | मापयितास्वहे | मापयितास्महे |
| भ० | मापयिष्यते | मापयिष्येते | मापयिष्यन्ते |
| | मापयिष्यसे | मापयिष्येथे | मापयिष्यध्वे |
| | मापयिष्ये | मापयिष्यावहे | मापयिष्यामहे |
| क्रि० | अमापयिष्यत | अमापयिष्येताम् | अमापयिष्यन्त |
| | अमापयिष्यथाः | अमापयिष्येथाम् | अमापयिष्यध्वम् |
| | अमापयिष्ये | अमापयिष्यावहि | अमापयिष्यामहि |

॥ अर्थदन्तास्त्रयः ॥

605 त्रै (त्रै) पालने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० | त्रापयति | त्रापयतः | त्रापयन्ति |
| | त्रापयसि | त्रापयथः | त्रापयथ |
| | त्रापयामि | त्रापयावः | त्रापयामः |
| स० | त्रापयेत् | त्रापयेताम् | त्रापयेयुः |
| | त्रापयेः | त्रापयेतम् | त्रापयेत |
| | त्रापयेयम् | त्रापयेव | त्रापयेम |
| प० | त्रापयतु | त्रापयतात् | त्रापयताम् |
| | त्रापय | त्रापयतात् | त्रापयतम् |
| | त्रापयाणि | त्रापयाव | त्रापयाम |
| ह्य० | अत्रापयत् | अत्रापयताम् | अत्रापयन् |
| | अत्रापयः | अत्रापयतम् | अत्रापयत |
| | अत्रापयम् | अत्रापयाव | अत्रापयाम |
| अ० | अतित्रपत् | अतित्रपताम् | अतित्रपन् |
| | अतित्रपः | अतित्रपतम् | अतित्रपत |
| | अतित्रपम् | अतित्रपाव | अतित्रपाम |
| प० | त्रापयाश्चकार | त्रापयाश्चक्रुः | त्रापयाश्चक्रुः |
| | त्रापयाश्चकर्थ | त्रापयाश्चक्रुः | त्रापयाश्चक्रुः |
| | त्रापयाश्चकार-चकर | त्रापयाश्चक्रुव | त्रापयाश्चक्रुम |
| | त्रापयाम्बभूव | । | त्रापयामास |
| आ० | त्राप्यात् | त्राप्यास्ताम् | त्राप्यासुः |
| | त्राप्याः | त्राप्यास्तम् | त्राप्यास्त |
| | त्राप्यासम् | त्राप्यास्व | त्राप्यास्म |
| श्व० | त्रापयिता | त्रापयितारौ | त्रापयितारः |
| | त्रापयितासि | त्रापयितास्थः | त्रापयितास्थ |
| | त्रापयितासिम् | त्रापयितास्वः | त्रापयितास्मः |
| भ० | त्रापयिष्यति | त्रापयिष्यतः | त्रापयिष्यन्ति |
| | त्रापयिष्यसि | त्रापयिष्यथः | त्रापयिष्यथ |
| | त्रापयिष्यामि | त्रापयिष्यावः | त्रापयिष्यामः |
| क्रि० | अत्रापयिष्यत् | अत्रापयिष्यताम् | अत्रापयिष्यन् |
| | अत्रापयिष्यः | अत्रापयिष्यतम् | अत्रापयिष्यत |
| | अत्रापयिष्यम् | अत्रापयिष्याव | अत्रापयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|--------------------|
| व० | त्रापयते | त्रापयेते | त्रापयन्ते |
| | त्रापयसे | त्रापयेथे | त्रापयध्वे |
| | त्रापये | त्रापयावहे | त्रापयामहे |
| स० | त्रापयेत | त्रापयेयाताम् | त्रापयेरन् |
| | त्रापयेथाः | त्रापयेयाथाम् | त्रापयेष्वम् |
| | त्रापयेय | त्रापयेवहि | त्रापयामहि |
| प० | त्रापयताम् | त्रापयेताम् | त्रापयन्ताम् |
| | त्रापयस्व | त्रापयेथाम् | त्रापयध्वम् |
| | त्रापये | त्रापयावहे | त्रापयामहे |
| ह्य० | अत्रापयत | अत्रापयेताम् | अत्रापयन्त |
| | अत्रापयथाः | अत्रापयेथाम् | अत्रापयध्वम् |
| | अत्रापये | अत्रापयावहि | अत्रापयामहि |
| अ० | अतित्रपत | अतित्रपेताम् | अतित्रपन्त |
| | अतित्रपथाः | अतित्रपेथाम् | अतित्रपध्वम् |
| | अतित्रपे | अतित्रपावहि | अतित्रपामहि |
| प० | त्रापयाश्चक्रे | त्रापयाश्चक्राते | त्रापयाश्चक्रिरे |
| | त्रापयाश्चक्रुषे | त्रापयाश्चक्राये | त्रापयाश्चक्रुद्वे |
| | त्रापयाश्चक्रे | त्रापयाश्चक्रुवहे | त्रापयाश्चक्रुमहे |
| | त्रापयाम्बभूव | । | त्रापयामास |
| आ० | त्रापयिषीष्ट | त्रापयिषीयास्ताम् | त्रापयिषीरन् |
| | त्रापयिषीष्ठाः | त्रापयिषीयास्थाम् | त्रापयिषीध्वम् |
| | त्रापयिषीय | त्रापयिषीवहि | त्रापयिषीमहि |
| श्व० | त्रापयिता | त्रापयितारौ | त्रापयितारः |
| | त्रापयितासे | त्रापयितासाथे | त्रापयिताध्वे |
| | त्रापयिताहे | त्रापयितास्वहे | त्रापयितास्महे |
| भ० | त्रापयिष्यते | त्रापयिष्येते | त्रापयिष्यन्ते |
| | त्रापयिष्यसे | त्रापयिष्येथे | त्रापयिष्यध्वे |
| | त्रापयिष्ये | त्रापयिष्यावहे | त्रापयिष्यामहे |
| क्रि० | अत्रापयिष्यत | अत्रापयिष्येताम् | अत्रापयिष्यन्त |
| | अत्रापयिष्यथाः | अत्रापयिष्येथाम् | अत्रापयिष्यध्वम् |
| | अत्रापयिष्ये | अत्रापयिष्यावहि | अत्रापयिष्यामहि |

606 श्यैङ् (श्यै) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | श्यापयति | श्यापयतः | श्यापयन्ति |
| | श्यापयसि | श्यापयथः | श्यापयथ |
| | श्यापयामि | श्यापयावः | श्यापयामः |
| स० | श्यापयेत् | श्यापयेताम् | श्यापयेयुः |
| | श्यापयेः | श्यापयेतम् | श्यापयेत |
| | श्यापयेयम् | श्यापयेव | श्यापयेम |
| प० | श्यापयतु | श्यापयतात् | श्यापयताम् |
| | श्यापय | श्यापयतात् | श्यापयतम् |
| | श्यापयानि | श्यापयाव | श्यापयाम |
| ह्य० | अश्यापयत् | अश्यापयताम् | अश्यापयन् |
| | अश्यापयः | अश्यापयतम् | अश्यापयत |
| | अश्यापयम् | अश्यापयाव | अश्यापयाम |
| अ० | अशिश्यत् | अशिश्यताम् | अशिश्यन् |
| | अशिश्यपः | अशिश्यतम् | अशिश्यत |
| | अशिश्यम् | अशिश्पाव | अशिश्यपाम |
| प० | श्यापयाञ्चकार | श्यापयाञ्चक्रुः | श्यापयाञ्चकुः |
| | श्यापयाञ्चकथं | श्यापयाञ्चकथुः | श्यापयाञ्चक |
| | श्यापयाञ्चकार-चकर | श्यापयाञ्चकृव | श्यापयाञ्चकृम |
| | श्यापयाम्बभूव | । | श्यापयामास |
| आ० | श्याप्यात् | श्याप्यास्ताम् | श्याप्यासुः |
| | श्याप्याः | श्याप्यास्तम् | श्याप्यास्त |
| | श्याप्यासम् | श्याप्यास्व | श्याप्यास्म |
| श्व० | श्यापयिता | श्यापयितारौ | श्यापयितारः |
| | श्यापयितासि | श्यापयितास्थः | श्यापयितास्थ |
| | श्यापयितास्मि | श्यापयितास्वः | श्यापयितास्मः |
| भ० | श्यापयिष्यति | श्यापयिष्यतः | श्यापयिष्यन्ति |
| | श्यापयिष्यसि | श्यापयिष्यथः | श्यापयिष्यथ |
| | श्यापयिष्यामि | श्यापयिष्यावः | श्यापयिष्यामः |
| क्रि० | अश्यापयिष्यत् | अश्यापयिष्यताम् | अश्यापयिष्यन् |
| | अश्यापयिष्यः | अश्यापयिष्यतम् | अश्यापयिष्यत |
| | अश्यापयिष्यम् | अश्यापयिष्याव | अश्यापयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | श्यापयते | श्यापयेते | श्यापयन्ते |
| | श्यापयसे | श्यापयेथे | श्यापयध्वे |
| | श्यापये | श्यापयावहे | श्यापयामहे |
| स० | श्यापयेत | श्यापयेयाताम् | श्यापयेरन् |
| | श्यापयेथाः | श्यापयेयाथाम् | श्यापयेध्वम् |
| | श्यापयेय | श्यापयेवहि | श्यापयामहि |
| प० | श्यापयताम् | श्यापयेताम् | श्यापयन्ताम् |
| | श्यापयस्व | श्यापयेथाम् | श्यापयध्वम् |
| | श्यापयै | श्यापयावहै | श्यापयामहै |
| ह्य० | अश्यापयत | अश्यापयेताम् | अश्यापयन्त |
| | अश्यापयथाः | अश्यापयेथाम् | अश्यापयध्वम् |
| | अश्यापये | अश्यापयावहि | अश्यापयामहि |
| अ० | अशिश्यत | अशिश्येताम् | अशिश्यन्त |
| | अशिश्यथाः | अशिश्येथाम् | अशिश्यध्वम् |
| | अशिश्ये | अशिश्यपावहि | अशिश्यपामहि |
| प० | श्यापयाञ्चके | श्यापयाञ्चक्राते | श्यापयाञ्चकिरे |
| | श्यापयाञ्चकृषे | श्यापयाञ्चकृषे | श्यापयाञ्चकृद्वे |
| | श्यापयाञ्चके | श्यापयाञ्चकृवहे | श्यापयाञ्चकृमहे |
| | श्यापयाम्बभूव | । | श्यापयामास |
| आ० | श्यापयिषीष्ट | श्यापयिषीयास्ताम् | श्यापयिषीरन् |
| | श्यापयिषीष्ठाः | श्यापयिषीयास्थाम् | श्यापयिषीद्वम् |
| | श्यापयिषीय | श्यापयिषीवहि | श्यापयिषीमहि |
| श्व० | श्यापयिता | श्यापयितारौ | श्यापयितारः |
| | श्यापयितासे | श्यापयितासाधे | श्यापयिताध्वे |
| | श्यापयिताहे | श्यापयितास्वहे | श्यापयितास्महे |
| भ० | श्यापयिष्यते | श्यापयिष्येते | श्यापयिष्यन्ते |
| | श्यापयिष्यसे | श्यापयिष्येथे | श्यापयिष्यध्वे |
| | श्यापयिष्ये | श्यापयिष्यावहे | श्यापयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्यापयिष्यत | अश्यापयिष्येताम् | अश्यापयिष्यन्त |
| | अश्यापयिष्यथाः | अश्यापयिष्येथाम् | अश्यापयिष्यध्वम् |
| | अश्यापयिष्ये | अश्यापयिष्यावहि | अश्यापयिष्यामहि |

607 चै (चै) वृद्धौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | प्यापयति | प्यापयतः | प्यापयन्ति |
| | प्यापयसि | प्यापयथः | प्यापयथे |
| | प्यापयामि | प्यापयावः | प्यापयामः |
| स० | प्यापयेत् | प्यापयेताम् | प्यापयेयुः |
| | प्यापयेः | प्यापयेतम् | प्यापयेत |
| | प्यापयेयम् | प्यापयेव | प्यापयेम |
| प० | प्यापयतु | प्यापयतात् | प्यापयताम् |
| | प्यापय | प्यापयतात् | प्यापयतम् |
| | प्यापयानि | प्यापयाव | प्यापयाम |
| ह्य० | अप्यापयत् | अप्यापयताम् | अप्यापयन् |
| | अप्यापयः | अप्यापयतम् | अप्यापयत |
| | अप्यापयम् | अप्यापयाव | अप्यापयाम |
| अ० | अपिप्यपत् | अपिप्यपताम् | अपिप्यपन् |
| | अपिप्यपः | अपिप्यपतम् | अपिप्यपत |
| | अपिप्यपम् | अपिप्यपाव | अपिप्यपाम |
| प० | प्यापयाञ्चकार | प्यापयाञ्चक्रुः | प्यापयाञ्चकुः |
| | प्यापयाञ्चकथं | प्यापयाञ्चकथुः | प्यापयाञ्चक्र |
| | प्यापयाञ्चकार-चकर | प्यापयाञ्चकृव | प्यापयाञ्चकृम |
| | प्यापयाम्बभूव | । | प्यापयानास |
| आ० | प्याप्यात् | प्याप्यास्ताम् | प्याप्यासुः |
| | प्याप्याः | प्याप्यास्तम् | प्याप्यास्त |
| | प्याप्यासम् | प्याप्यास्व | प्याप्यास्म |
| श्व० | प्यापयिता | प्यापयितारौ | प्यापयितारः |
| | प्यापयितासि | प्यापयितास्थः | प्यापयितास्थ |
| | प्यापयितास्मि | प्यापयितास्वः | प्यापयितास्मः |
| भ० | प्यापयिष्यति | प्यापयिष्यतः | प्यापयिष्यन्ति |
| | प्यापयिष्यसि | प्यापयिष्यथः | प्यापयिष्यथ |
| | प्यापयिष्यामि | प्यापयिष्यावः | प्यापयिष्यामः |
| क्रि० | अप्यापयिष्यत् | अप्यापयिष्यताम् | अप्यापयिष्यन् |
| | अप्यापयिष्यः | अप्यापयिष्यतम् | अप्यापयिष्यत |
| | अप्यापयिष्यम् | अप्यापयिष्याव | अप्यापयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | प्यापयते | प्यापयेते | प्यापयन्ते |
| | प्यापयसे | प्यापयेथे | प्यापयध्वे |
| | प्यापये | प्यापयावहे | प्यापयामहे |
| स० | प्यापयेत | प्यापयेयताम् | प्यापयेरन् |
| | प्यापयेथाः | प्यापयेयाथाम् | प्यापयेध्वम् |
| | प्यापयेयं | प्यापयेवहि | प्यापयेमहि |
| प० | प्यापयताम् | प्यापयेताम् | प्यापयन्ताम् |
| | प्यापयस्व | प्यापयेथाम् | प्यापयध्वम् |
| | प्यापये | प्यापयावहे | प्यापयामहे |
| ह्य० | अप्यापयत | अप्यापयेताम् | अप्यापयन्त |
| | अप्यापयथाः | अप्यापयेथाम् | अप्यापयध्वम् |
| | अप्यापये | अप्यापयावहि | अप्यापयामहि |
| अ० | अपिप्यपत् | अपिप्यपेताम् | अपिप्यपन्त |
| | अपिप्यपथाः | अपिप्यपेथाम् | अपिप्यध्वम् |
| | अपिप्यपे | अपिप्यपावहि | अपिप्यपामहि |
| प० | प्यापयाञ्चक्रे | प्यापयाञ्चक्राते | प्यापयाञ्चक्रिरे |
| | प्यापयाञ्चकृषे | प्यापयाञ्चक्राथे | प्यापयाञ्चकृद्वे |
| | प्यापयाञ्चक्रे | प्यापयाञ्चकृवहे | प्यापयाञ्चकृमहे |
| | प्यापयाम्बभूव | । | प्यापयामास |
| आ० | प्यापयिषीष्ट | प्यापयिषीयास्ताम् | प्यापयिषीरन् |
| | प्यापयिषीष्ठाः | प्यापयिषीयास्थाम् | प्यापयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | प्यापयिषीय | प्यापयिषीवहि | प्यापयिषीमहि |
| श्व० | प्यापयिता | प्यापयितारौ | प्यापयितारः |
| | प्यापयितासे | प्यापयितास्थे | प्यापयिताध्वे |
| | प्यापयिताहे | प्यापयितास्वहे | प्यापयितास्महे |
| भ० | प्यापयिष्यते | प्यापयिष्येते | प्यापयिष्यन्ते |
| | प्यापयिष्यसे | प्यापयिष्येथे | प्यापयिष्यध्वे |
| | प्यापयिष्ये | प्यापयिष्यावहे | प्यापयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्यापयिष्यत् | अप्यापयिष्येताम् | अप्यापयिष्यन्त |
| | अप्यापयिष्यथाः | अप्यापयिष्येथाम् | अप्यापयिष्यध्वम् |
| | अप्यापयिष्ये | अप्यापयिष्यामहि | अप्यापयिष्यामहि |

॥ अथ कान्ता एकोनविंशत् ॥

608 वकुङ् (वकुङ्) कौटिल्ये ।

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० वङ्कयति | वङ्कयतः | वङ्कयन्ति |
| वङ्कयसि | वङ्कयथः | वङ्कयथ |
| वङ्कयामि | वङ्कयावः | वङ्कयामः |
| स० वङ्कयेत् | वङ्कयेताम् | वङ्कयेयुः |
| वङ्कयेः | वङ्कयेतम् | वङ्कयेत |
| वङ्कयेयम् | वङ्कयेव | वङ्कयेम |
| प० वङ्कयतु | वङ्कयतात् | वङ्कयताम् |
| वङ्कय | वङ्कयतात् | वङ्कयतम् |
| वङ्कयानि | वङ्कयाव | वङ्कयाम |
| ह्य० अवङ्कयत् | अवङ्कयताम् | अवङ्कयन् |
| अवङ्कयः | अवङ्कयतम् | अवङ्कयत |
| अवङ्कयम् | अवङ्कयाव | अवङ्कयाम |
| अ० अववङ्कत् | अववङ्कताम् | अववङ्कन् |
| अववङ्कः | अववङ्कतम् | अववङ्कत |
| अववङ्कम् | अववङ्काव | अववङ्काम |
| प० वङ्कयाश्चकार | वङ्कयाश्चकृतः | वङ्कयाश्चकुः |
| वङ्कयाश्चकर्थ | वङ्कयाश्चकथुः | वङ्कयाश्चक |
| वङ्कयाश्चकार-नकर | वङ्कयाश्चकृव | वङ्कयाश्चकृम |
| वङ्कयाम्बभूव | वङ्कयामास | |
| भा० वङ्कयात् | वङ्कयास्ताम् | वङ्कयासुः |
| वङ्कयाः | वङ्कयास्तम् | वङ्कयास्त |
| वङ्कयासम् | वङ्कयास्व | वङ्कयास्म |
| श्व० वङ्कयिता | वङ्कयितारौ | वङ्कयितारः |
| वङ्कयितासि | वङ्कयितास्थः | वङ्कयितास्थ |
| वङ्कयितास्मि | वङ्कयितास्वः | वङ्कयितास्मः |
| वङ्कयिष्यति | वङ्कयिष्यतः | वङ्कयिष्यन्ति |
| वङ्कयिष्यसि | वङ्कयिष्यथः | वङ्कयिष्यथ |
| वङ्कयिष्यामि | वङ्कयिष्यावः | वङ्कयिष्यामः |
| अवङ्कयिष्यत् | अवङ्कयिष्यताम् | अवङ्कयिष्यन् |
| अवङ्कयिष्यः | अवङ्कयिष्यतम् | अवङ्कयिष्यत |
| अवङ्कयिष्यम् | अवङ्कयिष्याव | अवङ्कयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० वङ्कयते | वङ्कयेते | वङ्कयन्ते |
| वङ्कयसे | वङ्कयेथे | वङ्कयध्वे |
| वङ्कये | वङ्कयावहे | वङ्कयामहे |
| स० वङ्कयेत | वङ्कयेयाताम् | वङ्कयेरन् |
| वङ्कयेथाः | वङ्कयेयाथाम् | वङ्कयेध्वम् |
| सङ्कयेय | वङ्कयेवहि | वङ्कयेमहि |
| प० वङ्कयेताम् | वङ्कयेताम् | वङ्कयन्ताम् |
| वङ्कयस्व | वङ्कयेथाम् | वङ्कयध्वम् |
| वङ्कये | वङ्कयावहे | वङ्कयामहे |
| ह्य० अवङ्कयत | अवङ्कयेताम् | अवङ्कयन्त |
| अवङ्कयथाः | अवङ्कयेथाम् | अवङ्कयध्वम् |
| अवङ्कये | अवङ्कयावहि | अवङ्कयामहि |
| अ० अववङ्कत | अववङ्कतेताम् | अववङ्कन्त |
| अववङ्कथाः | अववङ्कथेथाम् | अववङ्कध्वम् |
| अववङ्कते | अववङ्कावहि | अववङ्कामहि |
| प० वङ्कयाश्चक्रे | वङ्कयाश्चक्राते | वङ्कयाश्चकिरे |
| वङ्कयाश्चकृषे | वङ्कयाश्चक्राये | वङ्कयाश्चकृद्वे |
| वङ्कयाश्चक्रे | वङ्कयाश्चकृवहे | वङ्कयाश्चकृमहे |
| वङ्कयाम्बभूव | वङ्कयामास | |
| भा० वङ्कयिषीष्ट | वङ्कयिषीयास्ताम् | वङ्कयिषीरन् |
| वङ्कयिषीष्ठाः | वङ्कयिषीयास्ताम् | वङ्कयिषीध्वम् |
| वङ्कयिषीय | वङ्कयिषीवहि | वङ्कयिषीमहि |
| श्व० वङ्कयिता | वङ्कयितारौ | वङ्कयितारः |
| वङ्कयितासे | वङ्कयितासाथे | वङ्कयिताध्वे |
| वङ्कयिताहे | वङ्कयितास्वहे | वङ्कयितास्महे |
| अ० वङ्कयिष्यते | वङ्कयिष्येते | वङ्कयिष्यन्ते |
| वङ्कयिष्यसे | वङ्कयिष्येथे | वङ्कयिष्यध्वे |
| वङ्कयिष्ये | वङ्कयिष्यावहे | वङ्कयिष्यामहे |
| क्रि० अवङ्कयिष्यत | अवङ्कयिष्येताम् | अवङ्कयिष्यन्त |
| अवङ्कयिष्यथाः | अवङ्कयेथेथाम् | अवङ्कयिष्यध्वम् |
| अवङ्कयिष्ये | अवङ्कयिष्यावहि | अवङ्कयिष्यामहि |

609 मकुङ् (मङ्क्) मण्डने ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० मङ्कयति | मङ्कयतः | मङ्कयन्ति |
| मङ्कयसि | मङ्कयथः | मङ्कयथ |
| मङ्कयामि | मङ्कयावः | मङ्कयामः |
| स० मङ्कयेत् | मङ्कयेताम् | मङ्कयेयुः |
| मङ्कयेः | मङ्कयेतम् | मङ्कयेत |
| मङ्कयेयम् | मङ्कयेव | मङ्कयेम |
| प० मङ्कयतु | मङ्कयतात् | मङ्कयन्तु |
| मङ्कय | मङ्कयतात् | मङ्कयतम् |
| मङ्कयानि | मङ्कयाव | मङ्कयाम |
| ह्य० अमङ्कयत् | अमङ्कयताम् | अमङ्कयन् |
| अमङ्कयः | अमङ्कयतम् | अमङ्कयत |
| अमङ्कयम् | अमङ्कयाव | अमङ्कयाम |
| अ० अममङ्कत् | अममङ्कताम् | अममङ्कन् |
| अममङ्कः | अममङ्कतम् | अममङ्कत |
| अममङ्कम् | अममङ्काव | अममङ्काम |
| प० मङ्कयाश्चकार | मङ्कयाश्चक्रुः | मङ्कयाश्चक्रुः |
| मङ्कयाश्चकर्थं | मङ्कयाश्चक्रथुः | मङ्कयाश्चक्र |
| मङ्कयाश्चकार-नकर | मङ्कयाश्चक्रव | मङ्कयाश्चक्रम |
| मङ्कयाम्बभूव | मङ्कयामास | |
| आ० मङ्कयात् | मङ्कयास्ताम् | मङ्कयासुः |
| मङ्कयाः | मङ्कयास्तम् | मङ्कयास्त |
| मङ्कयासम् | मङ्कयास्व | मङ्कयास्म |
| प० मङ्कयिता | मङ्कयितारौ | मङ्कयितारः |
| मङ्कयितासि | मङ्कयितास्थः | मङ्कयितास्थ |
| मङ्कयितास्मि | मङ्कयितास्वः | मङ्कयितास्मः |
| भ० मङ्कयिष्यति | मङ्कयिष्यतः | मङ्कयिष्यन्ति |
| मङ्कयिष्यसि | मङ्कयिष्यथः | मङ्कयिष्यथ |
| मङ्कयिष्यामि | मङ्कयिष्यावः | मङ्कयिष्यामः |
| क्रि० अमङ्कयिष्यत् | अमङ्कयिष्यताम् | अमङ्कयिष्यन् |
| अमङ्कयिष्यः | अमङ्कयिष्यतम् | अमङ्कयिष्यत |
| अमङ्कयिष्यम् | अमङ्कयिष्याव | अमङ्कयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| व० मङ्कयते | मङ्कयेते | मङ्कयन्ते |
| मङ्कयसे | मङ्कयेथे | मङ्कयध्वे |
| मङ्कये | मङ्कयावहे | मङ्कयामहे |
| स० मङ्कयेत | मङ्कयेयाताम् | मङ्कयेरन् |
| मङ्कयेथाः | मङ्कयेयाथाम् | मङ्कयेध्वम् |
| मङ्कयेय | मङ्कयेवहि | मङ्कयेमहि |
| प० मङ्कयताम् | मङ्कयेताम् | मङ्कयन्ताम् |
| मङ्कयस्व | मङ्कयेथाम् | मङ्कयध्वम् |
| मङ्कये | मङ्कयावहे | मङ्कयामहे |
| ह्य० अमङ्कयत | अमङ्कयेताम् | अमङ्कयन्त |
| अमङ्कयथाः | अमङ्कयेथाम् | अमङ्कयध्वम् |
| अमङ्कये | अमङ्कयावहि | अमङ्कयमहि |
| अ० अममङ्कत | अममङ्कयेताम् | अममङ्कन्त |
| अममङ्कथाः | अममङ्कयेथाम् | अममङ्कध्वम् |
| अममङ्क | अममङ्कावहि | अममङ्कामहि |
| प० मङ्कयाश्चक्रे | मङ्कयाश्चक्रते | मङ्कयाश्चक्रिरे |
| मङ्कयाश्चक्रुषे | मङ्कयाश्चक्रथे | मङ्कयाश्चक्रुध्वे |
| मङ्कयाश्चक्र | मङ्कयाश्चक्रवहे | मङ्कयाश्चक्रमहे |
| मङ्कयाम्बभूव | मङ्कयामास | |
| आ० मङ्कयिषीष्ट | मङ्कयिषीयास्ताम् | मङ्कयिषीरन् |
| मङ्कयिषीष्टाः | मङ्कयिषीयास्ताम् | मङ्कयिषीध्वम् |
| मङ्कयिषीय | मङ्कयिषीवहि | मङ्कयिषीमहि |
| प० मङ्कयिता | मङ्कयितारौ | मङ्कयितारः |
| मङ्कयितासे | मङ्कयितासाथे | मङ्कयिताध्वे |
| मङ्कयिताहे | मङ्कयितास्वहे | मङ्कयितास्महे |
| स० मङ्कयिष्यते | मङ्कयिष्येते | मङ्कयिष्यन्ते |
| मङ्कयिष्यसे | मङ्कयिष्येथे | मङ्कयिष्यध्वे |
| मङ्कयिष्ये | मङ्कयिष्यावहे | मङ्कयिष्यामहे |
| क्रि० अमङ्कयिष्यत | अमङ्कयिष्येताम् | अमङ्कयिष्यन्त |
| अमङ्कयिष्यथाः | अमङ्कयिष्येथाम् | अमङ्कयिष्यध्वम् |
| अमङ्कयिष्ये | अमङ्कयिष्यावहि | अमङ्कयिष्यामहि |

610 अकुङ् (अङ्क्) लक्षणे ।

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| ३० अङ्कयति | अङ्कयतः | अङ्कयन्ति |
| अङ्कयसि | अङ्कयथः | अङ्कयथ |
| अङ्कयामि | अङ्कयावः | अङ्कयामः |
| स० अङ्कयेत् | अङ्कयेताम् | अङ्कयेयुः |
| अङ्कयेः | अङ्कयेताम् | अङ्कयेत |
| अङ्कयेयम् | अङ्कयेव | अङ्कयेम |
| ५० अङ्कयतु | अङ्कयतात् | अङ्कयताम् |
| अङ्कय | अङ्कयतात् | अङ्कयतम् |
| अङ्कयानि | अङ्कयाव | अङ्कयाम |
| ६० आङ्कयत् | आङ्कयताम् | आङ्कयन् |
| आङ्कयः | आङ्कयतम् | आङ्कयत |
| आङ्कयम् | आङ्कयाव | आङ्कयाम |
| ७० आङ्किकत् | आङ्किकताम् | आङ्किकन् |
| आङ्किकः | आङ्किकतम् | आङ्किकत |
| आङ्किकम् | आङ्किकाव | आङ्किकाम |
| ८० अङ्कयाश्चकार | अङ्कयाश्चक्रुः | अङ्कयाश्चक्रुः |
| अङ्कयाश्चकथे | अङ्कयाश्चकथुः | अङ्कयाश्चक्रु |
| अङ्कयाश्चकार-चक्र | अङ्कयाश्चक्रुव | अङ्कयाश्चक्रुम |
| अङ्कयाम्बभूव | अङ्कयामास | |
| ९० अङ्कयात् | अङ्कयास्ताम् | अङ्कयासुः |
| अङ्कयाः | अङ्कयास्तम् | अङ्कयास्त |
| अङ्कयासम् | अङ्कयास्व | अङ्कयास्म |
| १० अङ्कयिता | अङ्कयितारौ | अङ्कयितारः |
| अङ्कयितासि | अङ्कयितास्थः | अङ्कयितास्थ |
| अङ्कयितास्मि | अङ्कयितास्वः | अङ्कयितास्मः |
| ११० अङ्कयिष्यति | अङ्कयिष्यतः | अङ्कयिष्यन्ति |
| अङ्कयिष्यसि | अङ्कयिष्यथः | अङ्कयिष्यथ |
| अङ्कयिष्यामि | अङ्कयिष्यावः | अङ्कयिष्यामः |
| क्रि० आङ्कयिष्यत् | आङ्कयिष्यताम् | आङ्कयिष्यन् |
| आङ्कयिष्यः | आङ्कयिष्यतम् | आङ्कयिष्यत |
| आङ्कयिष्यम् | आङ्कयिष्याव | आङ्कयिष्याम |

| | | |
|-------------------|--------------------|------------------|
| व० कङ्कयते | अङ्कयेते | अङ्कयन्ते |
| अङ्कयसे | अङ्कयेथे | अङ्कयध्वे |
| अङ्कये | अङ्कयावहे | अङ्कयामहे |
| स० अङ्कयेत | अङ्कयेयाताम् | अङ्कयेरन् |
| अङ्कयेथाः | अङ्कयेयाथाम् | अङ्कयेध्वम् |
| अङ्कयेय | अङ्कयेवहि | अङ्कयेमहि |
| ५० अङ्कयताम् | अङ्कयेताम् | अङ्कयन्ताम् |
| अङ्कयस्व | अङ्कयेथाम् | अङ्कयध्वम् |
| अङ्कये | अङ्कयावहे | अङ्कयामहे |
| ६० आङ्कयत | आङ्कयेताम् | आङ्कयन्त |
| आङ्कयथाः | आङ्कयेथाम् | आङ्कयध्वम् |
| आङ्कये | आङ्कयावहि | आङ्कयामहि |
| अ० आङ्किकत् | आङ्किकेताम् | आङ्किकन्त |
| आङ्किकथाः | आङ्किकेथाम् | आङ्किकध्वम् |
| आङ्किके | आङ्किकावहि | आङ्किकामहि |
| ८० अङ्कयाश्चक्रे | अङ्कयाश्चक्रादे | अङ्कयाश्चक्रिरे |
| अङ्कयाश्चक्रे | अङ्कयाश्चक्राथे | अङ्कयाश्चक्रुव |
| अङ्कयाश्चक्रे | अङ्कयाश्चक्रुवहे | अङ्कयाश्चक्रुमहे |
| अङ्कयाम्बभूव | अङ्कयामास | |
| आ० अङ्कयिषीष्ट | अङ्कयिषीष्टास्ताम् | अङ्कयिषीरन् |
| अङ्कयिषीष्टाः | अङ्कयिषीष्टास्ताम् | अङ्कयिषीड्वम् |
| | | भ्वम् |
| अङ्कयिषीय | अङ्कयिषीवहि | अङ्कयिषीमहि |
| १० अङ्कयिता | अङ्कयितारौ | अङ्कयितारः |
| अङ्कयितासे | अङ्कयितासाथे | अङ्कयिताध्वे |
| अङ्कयिताहे | अङ्कयितास्वहे | अङ्कयितास्महे |
| ११० अङ्कयिष्यते | अङ्कयिष्येते | अङ्कयिष्यन्ते |
| अङ्कयिष्यसे | अङ्कयिष्येथे | अङ्कयिष्यध्वे |
| अङ्कयिष्ये | अङ्कयिष्यावहे | अङ्कयिष्यामहे |
| क्रि० आङ्कयिष्यत् | आङ्कयिष्येताम् | आङ्कयिष्यन्त |
| आङ्कयिष्यथाः | आङ्कयिष्येथाम् | आङ्कयिष्यध्वम् |
| आङ्कयिष्ये | आङ्कयिष्यावहि | आङ्कयिष्यामहि |

611 शीकृङ् (शीक्) सेचने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | शीकयति | शीकयतः | शीकयन्ति |
| | शीकयसि | शीकयथः | शीकयथ |
| | शीकयामि | शीकयावः | शीकयामः |
| स० | शीकयेत् | शीकयेताम् | शीकयेयुः |
| | शीकयेः | शीकयेतम् | शीकयेत |
| | शीकयेयम् | शीकयेव | शीकयेम |
| प० | शीकयतु | शीकयतात् | शीकयताम् |
| | शीकय | शीकयतात् | शीकयतम् |
| | शीकयानि | शीकयाव | शीकयाम |
| ह्य० | अशीकयत् | अशीकयताम् | अशीकयन् |
| | अशीकयः | अशीकयतम् | अशीकयत |
| | अशीकयम् | अशीकयाव | अशीकयाम |
| अ० | अशिशीकत् | अशिशीकताम् | अशिशीकन् |
| | अशिशीकः | अशिशीकतम् | अशिशीकत |
| | अशिशीकम् | अशिशीकाव | अशिशीकाम |
| प० | शीकयाञ्चकार | शीकयाञ्चकतुः | शीकयाञ्चकुः |
| | शीकयाञ्चकर्थे | शीकयाञ्चकथुः | शीकयाञ्चक |
| | शीकयाञ्चकार-चकर | शीकयाञ्चकृव | शीकयाञ्चकृम |
| | शीकयाम्बभूव | । | शीकयामास |
| आ० | शीकयात् | शीकयास्ताम् | शीकयासुः |
| | शीकयाः | शीकयास्तम् | शीकयास्त |
| | शीकयासम् | शीकयास्व | शीकयास्म |
| क्ष० | शीकयिता | शीकयितारौ | शीकयितारः |
| | शीकयितासि | शीकयितास्थः | शीकयितास्थ |
| | शीकयितास्मि | शीकयितास्वः | शीकयितास्मः |
| भ० | शीकयिष्यति | शीकयिष्यतः | शीकयिष्यन्ति |
| | शीकयिष्यसि | शीकयिष्यथः | शीकयिष्यथ |
| | शीकयिष्यामि | शीकयिष्यावः | शीकयिष्यामः |
| क्रि० | अशीकयिष्यत् | अशीकयिष्यताम् | अशीकयिष्यन् |
| | अशीकयिष्यः | अशीकयिष्यतम् | अशीकयिष्यत |
| | अशीकयिष्यम् | अशीकयिष्याव | अशीकयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शीकयते | शीकयेते | शीकयन्ते |
| | शीकयसे | शीकयेथे | शीकयस्वे |
| | शीकये | शीकयावहे | शीकयामहे |
| स० | शीकयेत | शीकयेयाताम् | शीकयेरन् |
| | शीकयेथाः | शीकयेयाथाम् | शीकयेध्वम् |
| | शीकयेय | शीकयेवहि | शीकयेमहि |
| प० | शीकयताम् | शीकयेताम् | शीकयन्ताम् |
| | शीकयस्व | शीकयेथाम् | शीकयध्वम् |
| | शीकयै | शीकयावहै | शीकयामहै |
| ह्य० | अशीकयत | अशीकयेताम् | अशीकयन्त |
| | अशीकयथाः | अशीकयेथाम् | अशीकयध्वम् |
| | अशीकये | अशीकयावहि | अशीकयामहि |
| अ० | अशिशीकत | अशिशीकेताम् | अशिशीकन्त |
| | अशिशीकथाः | अशिशीकेथाम् | अशिशीकध्वम् |
| | अशिशीकि | अशिशीकावहि | अशिशीकामहि |
| प० | शीकयाञ्चके | शीकयाञ्चकते | शीकयाञ्चकिरे |
| | शीकयाञ्चकृपे | शीकयाञ्चकृपे | शीकयाञ्चकृद्वे |
| | शीकयाञ्चके | शीकयाञ्चकृवहे | शीकयाञ्चकृमहे |
| | शीकयाम्बभूव | । | शीकयामास |
| आ० | शीकयिषीष्ट | शीकयिषीयास्ताम् | शीकयिषीरन् |
| | शीकयिषीष्ठाः | शीकयिषीयास्थाम् | शीकयिषीध्वम् |
| | शीकयिषीय | शीकयिषीवहि | शीकयिषीमहि |
| क्ष० | शीकयिता | शीकयितारौ | शीकयितारः |
| | शीकयितासे | शीकयितासाथे | शीकयिताध्वे |
| | शीकयिताहे | शीकयितास्वहे | शीकयितास्महे |
| भ० | शीकयिष्यते | शीकयिष्येते | शीकयिष्यन्ते |
| | शीकयिष्यसे | शीकयिष्येथे | शीकयिष्यध्वे |
| | शीकयिष्ये | शीकयिष्यावहे | शीकयिष्यामहे |
| क्रि० | अशीकयिष्यत | अशीकयिष्येताम् | अशीकयिष्यन्त |
| | अशीकयिष्यथाः | अशीकयिष्येथाम् | अशीकयिष्यध्वम् |
| | अशीकयिष्ये | अशीकयिष्यावहि | अशीकयिष्यामहि |

612 लोक् (लोक्) दर्शने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|-------------------|
| ब० | लोकयति | लोकयतः | लोकयन्ति |
| | लोकयसि | लोकयथः | लोकयथ |
| | लोकयामि | लोकयावः | लोकयामः |
| स० | लोकयेत् | लोकयेताम् | लोकयेयुः |
| | लोकयेः | लोकयेतम् | लोकयेत |
| | लोकयेयम् | लोकयेव | लोकयेम |
| प० | लोकयतु | लोकयतात् | लोकयताम् लोकयन्तु |
| | लोकय | लोकयतात् | लोकयतम् लोकयत |
| | लोकयानि | लोकयाव | लोकयाम |
| ह्य० | अलोकयत् | अलोकयताम् | अलोकयन् |
| | अलोकयः | अलोकयतम् | अलोकयत |
| | अलोकयम् | अलोकयाव | अलोकयाम |
| अ० | अलुलोकत् | अलुलोकताम् | अलुलोकन् |
| | अलुलोकः | अलुलोकतम् | अलुलोक्त |
| | अलुलोकम् | अलुलोकाव | अलुलोकाम |
| प० | लोकयाञ्चकार | लोकयाञ्चक्रुः | लोकयाञ्चकुः |
| | लोकयाञ्चकथं | लोकयाञ्चकथुः | लोकयाञ्चक |
| | लोकयाञ्चकार-चकर | लोकयाञ्चकुव | लोकयाञ्चकृम |
| | लोकयाम्बभूव | । | लोकयामास |
| आ० | लोकयात् | लोकयास्ताम् | लोकयासुः |
| | लोकयाः | लोकयास्तम् | लोकयास्त |
| | लोकयासम् | लोकयास्व | लोकयास्म |
| श्च० | लोकयिता | लोकयितारौ | लोकयितारः |
| | लोकयितासि | लोकयितास्थः | लोकयितास्थ |
| | लोकयितास्मि | लोकयितास्वः | लोकयितास्मः |
| भ० | लोकयिष्यति | लोकयिष्यतः | लोकयिष्यन्ति |
| | लोकयिष्यसि | लोकयिष्यथः | लोकयिष्यथ |
| | लोकयिष्यामि | लोकयिष्यावः | लोकयिष्यामः |
| क्रि० | अलोकयिष्यत् | अलोकयिष्यताम् | अलोकयिष्यन् |
| | अलोकयिष्यः | अलोकयिष्यतम् | अलोकयिष्यत |
| | अलोकयिष्यम् | अलोकयिष्याव | अलोकयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | लोकयते | लोकयेते | लोकयन्ते |
| | लोकयसे | लोकयेथे | लोकयध्वे |
| | लोकये | लोकयावहे | लोकयामहे |
| स० | लोकयेत | लोकयेयाताम् | लोकयेरन् |
| | लोकयेथाः | लोकयेयाथाम् | लोकयेध्वम् |
| | लोकयेय | लोकयेवहि | लोकयेमहि |
| प० | लोकयताम् | लोकयेताम् | लोकयन्ताम् |
| | लोकयस्व | लोकयेथाम् | लोकयध्वम् |
| | लोकयै | लोकयावहै | लोकयामहै |
| ह्य० | अलोकयत | अलोकयेताम् | अलोकयन्त |
| | अलोकयथाः | अलोकयेथाम् | अलोकयध्वम् |
| | अलोकये | अलोकयावहि | अलोकयामहि |
| अ० | अलुलोकत | अलुलोकेताम् | अलुलोकन्त |
| | अलुलोकथाः | अलुलोकेथाम् | अलुलोकध्वम् |
| | अलुलोके | अलुलोकावहि | अलुलोकामहि |
| प० | लोकयाञ्चक्रे | लोकयाञ्चक्राते | लोकयाञ्चक्रिरे |
| | लोकयाञ्चकृषे | लोकयाञ्चकथे | लोकयाञ्चकृढ्वे |
| | लोकयाञ्चक्रे | लोकयाञ्चकृवहे | लोकयाञ्चकृमहे |
| | लोकयाम्बभूव | । | लोकयामास |
| आ० | लोकयिषीष्ट | लोकयिषीयास्ताम् | लोकयिषीरन् |
| | लोकयिषीष्ठाः | लोकयिषीयाथाम् | लोकयिषीध्वम् |
| | लोकयिषीय | लोकयिषीवहि | लोकयिषीमहि |
| श्च० | लोकयिता | लोकयितारौ | लोकयितारः |
| | लोकयितासे | लोकयितासाथे | लोकयिताध्वे |
| | लोकयिताहे | लोकयितास्वहे | लोकयितास्महे |
| भ० | लोकयिष्यते | लोकयिष्येते | लोकयिष्यन्ते |
| | लोकयिष्यसे | लोकयिष्येथे | लोकयिष्यध्वे |
| | लोकयिष्ये | लोकयिष्यावहे | लोकयिष्यामहे |
| क्रि० | अलोकयिष्यत | अलोकयिष्येताम् | अलोकयिष्यन्त |
| | अलोकयिष्यथाः | अलोकयिष्येथाम् | अलोकयिष्यध्वम् |
| | अलोकयिष्ये | अलोकयिष्यावहि | अलोकयिष्यामहि |

613 श्लोकृद् (श्लोकृ) संघाते ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------------|
| व० | श्लोकयति | श्लोकयतः | श्लोकयन्ति |
| | श्लोकयसि | श्लोकयथः | श्लोकयथ |
| | श्लोकयामि | श्लोकयावः | श्लोकयामः |
| स० | श्लोकयेत् | श्लोकयेताम् | श्लोकयेयुः |
| | श्लोकयेः | श्लोकयेतम् | श्लोकयेत |
| | श्लोकयेयम् | श्लोकयेव | श्लोकयेम |
| प० | श्लोकयतु | श्लोकयतात् | श्लोकयताम् श्लोकयन्तु |
| | श्लोकय | श्लोकयतात् | श्लोकयतम् श्लोकयत |
| | श्लोकयानि | श्लोकयाव | श्लोकयाम |
| ह्य० | अश्लोकयत् | अश्लोकयताम् | अश्लोकयन् |
| | अश्लोकयः | अश्लोकयतम् | अश्लोकयत |
| | अश्लोकयम् | अश्लोकयाव | अश्लोकयाम |
| अ० | अशुश्लोकत् | अशुश्लोकताम् | अशुश्लोकन् |
| | अशुश्लोकः | अशुश्लोकतम् | अशुश्लोकत |
| | अशुश्लोकम् | अशुश्लोकाव | अशुश्लोकाम |
| प० | श्लोकयाञ्चकार | श्लोकयाञ्चक्रतुः | श्लोकयाञ्चक्रुः |
| | श्लोकयाञ्चकथं | श्लोकयाञ्चकथुः | श्लोकयाञ्चक |
| | श्लोकयाञ्चकार-चकर | श्लोकयाञ्चकृव | श्लोकयाञ्चकृम |
| | श्लोकयाम्बभूव | । | श्लोकयामास |
| आ० | श्लोक्यात् | श्लोक्यास्ताम् | श्लोक्यासुः |
| | श्लोक्याः | श्लोक्यास्तम् | श्लोक्यास्त |
| | श्लोक्यासम् | श्लोक्यास्व | श्लोक्यास्म |
| ध० | श्लोकयिता | श्लोकयितारौ | श्लोकयितारः |
| | श्लोकयितासि | श्लोकयितारथः | श्लोकयितारथ |
| | श्लोकयितास्मि | श्लोकयितारवः | श्लोकयितारस्मः |
| भ० | श्लोकयिष्यति | श्लोकयिष्यतः | श्लोकयिष्यन्ति |
| | श्लोकयिष्यसि | श्लोकयिष्यथः | श्लोकयिष्यथ |
| | श्लोकयिष्यामि | श्लोकयिष्यावः | श्लोकयिष्यामः |
| क्रि० | अश्लोकयिष्यत् | अश्लोकयिष्यताम् | अश्लोकयिष्यन्तु |
| | अश्लोकयिष्यः | अश्लोकयिष्यतम् | अश्लोकयिष्यत |
| | अश्लोकयिष्यम् | अश्लोकयिष्याव | अश्लोकयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | श्लोकयते | श्लोकयेते | श्लोकयन्ते |
| | श्लोकयसे | श्लोकयेथे | श्लोकयध्वे |
| | श्लोकये | श्लोकयावहे | श्लोकयामहे |
| स० | श्लोकयेत | श्लोकयेयाताम् | श्लोकयेरन् |
| | श्लोकयेथाः | श्लोकयेयाथाम् | श्लोकयेध्वम् |
| | श्लोकयेय | श्लोकयेवहि | श्लोकयेमहि |
| प० | श्लोकयताम् | श्लोकयेताम् | श्लोकयन्ताम् |
| | श्लोकयस्व | श्लोकयेथाम् | श्लोकयध्वम् |
| | श्लोकये | श्लोकयावहे | श्लोकयामहे |
| ह्य० | अश्लोकयत | अश्लोकयेताम् | अश्लोकयन्त |
| | अश्लोकयथाः | अश्लोकयेथाम् | अश्लोकयध्वम् |
| | अश्लोकये | अश्लोकयावहि | अश्लोकयामहि |
| अ० | अशुश्लोकत | अशुश्लोकेताम् | अशुश्लोकन्त |
| | अशुश्लोकथाः | अशुश्लोकेथाम् | अशुश्लोकध्वम् |
| | अशुश्लोके | अशुश्लोकावहि | अशुश्लोकामहि |
| प० | श्लोकयाञ्चके | श्लोकयाञ्चक्राते | श्लोकयाञ्चकिरे |
| | श्लोकयाञ्चकृषे | श्लोकयाञ्चक्राथे | श्लोकयाञ्चकृद्वे |
| | श्लोकयाञ्चके | श्लोकयाञ्चक्रवहे | श्लोकयाञ्चक्रमहे |
| | श्लोकयाम्बभूव | । | श्लोकयामास |
| आ० | श्लोकयिषीष्ट | श्लोकयिषीयास्ताम् | श्लोकयिषीरन् |
| | श्लोकयिषीष्टाः | श्लोकयिषीयास्थाम् | श्लोकयिषीद्वम् |
| | श्लोकयिषीय | श्लोकयिषीवहि | श्लोकयिषीमहि |
| ध० | श्लोकयिता | श्लोकयितारौ | श्लोकयितारः |
| | श्लोकयितासे | श्लोकयितासाथे | श्लोकयिताध्वे |
| | श्लोकयिताहे | श्लोकयितास्वहे | श्लोकयितास्महे |
| भ० | श्लोकयिष्यते | श्लोकयिष्येते | श्लोकयिष्यन्ते |
| | श्लोकयिष्यसे | श्लोकयिष्येथे | श्लोकयिष्यध्वे |
| | श्लोकयिष्ये | श्लोकयिष्यावहे | श्लोकयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्लोकयिष्यत | अश्लोकयिष्यताम् | अश्लोकयिष्यन्त |
| | अश्लोकयिष्यथाः | अश्लोकयिष्येथाम् | अश्लोकयिष्यध्वम् |
| | अश्लोकयिष्ये | अश्लोकयिष्यावहि | अश्लोकयिष्यामहि |

641 ड्रेकृङ् (ड्रेक्) शब्दोत्साहे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | ड्रेकयति | ड्रेकयतः | ड्रेकयन्ति |
| | ड्रेकयसि | ड्रेकयथः | ड्रेकयथ |
| | ड्रेकयामि | ड्रेकयावः | ड्रेकयामः |
| स० | ड्रेकयेत् | ड्रेकयेताम् | ड्रेकयेयुः |
| | ड्रेकयेः | ड्रेकयेतम् | ड्रेकयेत |
| | ड्रेकयेयम् | ड्रेकयेव | ड्रेकयेम |
| प० | ड्रेकयतु | ड्रेकयतात् | ड्रेकयताम् |
| | ड्रेकय | ड्रेकयतात् | ड्रेकयतम् |
| | ड्रेकयाणि | ड्रेकयाव | ड्रेकयाम |
| ह्य० | अड्रेकयत् | अड्रेकयताम् | अड्रेकयन् |
| | अड्रेकयः | अड्रेकयतम् | अड्रेकयत |
| | अड्रेकयम् | अड्रेकयाव | अड्रेकयाम |
| अ० | अदिड्रेकत् | अदिड्रेकताम् | अदिड्रेकन् |
| | अदिड्रेकः | अदिड्रेकतम् | अदिड्रेकत |
| | अदिड्रेकम् | अदिड्रेकाव | अदिड्रेकाम |
| प० | ड्रेकयाञ्चकार | ड्रेकयाञ्चकतुः | ड्रेकयाञ्चकुः |
| | ड्रेकयाञ्चकथं | ड्रेकयाञ्चकथुः | ड्रेकयाञ्चक |
| | ड्रेकयाञ्चकार-चकर | ड्रेकयाञ्चकुव | ड्रेकयाञ्चकृम |
| | ड्रेकयाम्बभूव | ड्रेकयामास | |
| भा० | ड्रेकयात् | ड्रेकयास्ताम् | ड्रेकयासुः |
| | ड्रेकयाः | ड्रेकयास्तम् | ड्रेकयास्त |
| | ड्रेकयासम् | ड्रेकयास्व | ड्रेकयास्म |
| श्व० | ड्रेकयिता | ड्रेकयितारौ | ड्रेकयितारः |
| | ड्रेकयितासि | ड्रेकयितास्थः | ड्रेकयितास्थ |
| | ड्रेकयितास्मि | ड्रेकयितास्वः | ड्रेकयितास्मः |
| भ० | ड्रेकयिष्यति | ड्रेकयिष्यतः | ड्रेकयिष्यन्ति |
| | ड्रेकयिष्यसि | ड्रेकयिष्यथः | ड्रेकयिष्यथ |
| | ड्रेकयिष्यामि | ड्रेकयिष्यावः | ड्रेकयिष्यामः |
| क्रि० | अड्रेकयिष्यत् | अड्रेकयिष्यताम् | अड्रेकयिष्यन् |
| | अड्रेकयिष्यः | अड्रेकयिष्यतम् | अड्रेकयिष्यत |
| | अड्रेकयिष्यम् | अड्रेकयिष्याव | अड्रेकयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | ड्रेकयते | ड्रेकयेते | ड्रेकयन्ते |
| | ड्रेकयसे | ड्रेकयेथे | ड्रेकयन्थ्वे |
| | ड्रेकये | ड्रेकयावहे | ड्रेकयामहे |
| स० | ड्रेकयेत | ड्रेकयेयाताम् | ड्रेकयेरन् |
| | ड्रेकयेथाः | ड्रेकयेयाथाम् | ड्रेकयेध्वम् |
| | ड्रेकयेय | ड्रेकयेवहि | ड्रेकयेमहि |
| प० | ड्रेकयताम् | ड्रेकयेताम् | ड्रेकयन्ताम् |
| | ड्रेकयस्व | ड्रेकयेथाम् | ड्रेकयध्वम् |
| | ड्रेकयै | ड्रेकयावहे | ड्रेकयामहे |
| ह्य० | अड्रेकयत | अड्रेकयेताम् | अड्रेकयन्त |
| | अड्रेकयथाः | अड्रेकयेथाम् | अड्रेकयध्वम् |
| | अड्रेकये | अड्रेकयावहि | अड्रेकयामहि |
| अ० | अदिड्रेकत् | अदिड्रेकेताम् | अदिड्रेकन्त |
| | अदिड्रेकथाः | अदिड्रेकेथाम् | अदिड्रेकध्वम् |
| | अदिड्रेके | अदिड्रेकावहि | अदिड्रेकामहि |
| प० | ड्रेकयाञ्चके | ड्रेकयाञ्चकाते | ड्रेकयाञ्चकिरे |
| | ड्रेकयाञ्चकृषे | ड्रेकयाञ्चकाथे | ड्रेकयाञ्चकृद्वे |
| | ड्रेकयाञ्चके | ड्रेकयाञ्चकुवहे | ड्रेकयाञ्चकृमहे |
| | ड्रेकयाम्बभूव | ड्रेकयामास | |
| आ० | ड्रेकयिषीष्ट | ड्रेकयिषीयास्ताम् | ड्रेकयिषीरन् |
| | ड्रेकयिषीष्टाः | ड्रेकयिषीयास्थाम् | ड्रेकयिषीह्वम् |
| | ड्रेकयिषीय | ड्रेकयिषीवहि | ड्रेकयिषीमहि |
| श्व० | ड्रेकयिता | ड्रेकयितारौ | ड्रेकयितारः |
| | ड्रेकयितासे | ड्रेकयितासाथे | ड्रेकयिताध्वे |
| | ड्रेकयिताहे | ड्रेकयितास्वहे | ड्रेकयितास्महे |
| भ० | ड्रेकयिष्यते | ड्रेकयिष्येते | ड्रेकयिष्यन्ते |
| | ड्रेकयिष्यसे | ड्रेकयिष्येथे | ड्रेकयिष्यन्थ्वे |
| | ड्रेकयिष्ये | ड्रेकयिष्यावहे | ड्रेकयिष्यामहे |
| क्रि० | अड्रेकयिष्यत् | अड्रेकयिष्येताम् | अड्रेकयिष्यन्त |
| | अड्रेकयिष्यथाः | अड्रेकयिष्येथाम् | अड्रेकयिष्यध्वम् |
| | अड्रेकयिष्ये | अड्रेकयिष्यावहि | अड्रेकयिष्यामहि |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (५८९)

615 धेकृङ् (धेक्) शब्दोत्साहे ।

| | | |
|-------------------|---------------|-----------------|
| व० धेकयति | धेकयतः | धेकयन्ति |
| धेकयसि | धेकयथः | धेकयथ |
| धेकयामि | धेकयावः | धेकयामः |
| स० धेकयेत् | धेकयेताम् | धेकयेयुः |
| धेकयेः | धेकयेतम् | धेकयेत |
| धेकयेयम् | धेकयेव | धेकयेम |
| प० धेकयतु | धेकयतात् | धेकयताम् |
| धेकय | धेकयतात् | धेकयतम् |
| धेकयाणि | धेकयाव | धेकयाम |
| ह्य० अधेकयत् | अधेकयताम् | अधेकयन् |
| अधेकयः | अधेकयतम् | अधेकयत |
| अधेकयम् | अधेकयाव | अधेकयाम |
| अ० अदिधेकत् | अदिधेकताम् | अदिधेकन् |
| अदिधेकः | अदिधेकतम् | अदिधेकत |
| अदिधेकम् | अदिधेकाव | अदिधेकाम |
| प० धेकयाश्चकार | धेकयाश्चक्रुः | धेकयाश्चकुः ३० |
| आ० धेक्यात् | धेक्यास्ताम् | धेक्यासुः ३० |
| भ० धेकयिता | धेकयितारौ | धेकयितारः ३० |
| भ० धेकयिष्यति | धेकयिष्यतः | धेकयिष्यन्ति ३० |
| क्रि० अधेकयिष्यत् | अधेकयिष्यताम् | अधेकयिष्यन् ३० |

| | | |
|------------------|-----------------|-------------------|
| व० धेकयेते | धेकयेते | धेकयन्ते |
| धेकयसे | धेकयेथे | धेकयध्वे |
| धेकये | धेकयावहे | धेकयामहे |
| स० धेकयेत | धेकयेताताम् | धेकयेरन् |
| धेकयेथाः | धेकयेथाताम् | धेकयेध्वम् |
| धेकयेय | धेकयेवहि | धेकयेमहि |
| प० धेकयताम् | धेकयेताम् | धेकयन्ताम् |
| धेकयस्व | धेकयेथाम् | धेकयध्वम् |
| धेकयै | धेकयावहै | धेकयामहै |
| ह्य० अधेकयत | अधेकयेताम् | अधेकयन्त |
| अधेकयथाः | अधेकयेथाम् | अधेकयध्वम् |
| अधेकये | अधेकयावहि | अधेकयामहि |
| अ० अदिधेकत | अदिधेकताम् | अदिधेकन्त |
| अदिधेकथाः | अदिधेकथाम् | अदिधेकध्वम् |
| अदिधेके | अदिधेकावहि | अदिधेकामहि |
| प० धेकयाश्चक्रे | धेकयाश्चक्राते | धेकयाश्चक्रिरे ३० |
| आ० धेकयिषीष्ट | धेकयिषीयास्ताम् | धेकयिषीरन् ३० |
| भ० धेकयिता | धेकयितारौ | धेकयितारः ३० |
| भ० धेकयिष्यते | धेकयिष्येते | धेकयिष्यन्ते ३० |
| क्रि० अधेकयिष्यत | अधेकयिष्येताम् | अधेकयिष्यन्त ३० |

616 रेकृङ् (रेक्) शङ्कायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | रेकयति | रेकयतः | रेकयन्ति |
| | रेकयसि | रेकयथः | रेकयथ |
| | रेकयामि | रेकयावः | रेकयामः |
| स० | रेकयेत् | रेकयेताम् | रेकयेयुः |
| | रेकयेः | रेकयेतम् | रेकयेत |
| | रेकयेयम् | रेकयेव | रेकयेम |
| प० | रेकयतु | रेकयतात् | रेकयताम् |
| | रेकय | रेकयतात् | रेकयतम् |
| | रेकयाणि | रेकयाव | रेकयाम |
| ह्य० | अरेकयत् | अरेकयताम् | अरेकयन् |
| | अरेकयः | अरेकयतम् | अरेकयत |
| | अरेकयम् | अरेकयाव | अरेकयाम |
| अ० | अरिरेकत् | अरिरेकताम् | अरिरेकन् |
| | अरिरेकः | अरिरेकतम् | अरिरेकत |
| | अरिरेकम् | अरिरेकाव | अरिरेकाम |
| प० | रेकयाञ्चकार | रेकयाञ्चकतुः | रेकयाञ्चकुः |
| | रेकयाञ्चकथं | रेकयाञ्चकथुः | रेकयाञ्चक |
| | रेकयाञ्चकार-चकर | रेकयाञ्चकुव | रेकयाञ्चकुन |
| | रेकयाम्बभूव | । | रेकयामास |
| आ० | रेकयात् | रेकयास्ताम् | रेकयासुः |
| | रेकयाः | रेकयास्तम् | रेकयास्त |
| | रेकयासम् | रेकयास्व | रेकयासम |
| श्व० | रेकयिता | रेकयितारौ | रेकयितारः |
| | रेकयितासि | रेकयितास्यः | रेकयितास्थ |
| | रेकयितास्मि | रेकयितास्वः | रेकयितास्मः |
| भ० | रेकयिष्यति | रेकयिष्यतः | रेकयिष्यन्ति |
| | रेकयिष्यसि | रेकयिष्यथः | रेकयिष्यथ |
| | रेकयिष्यामि | रेकयिष्यावः | रेकयिष्यामः |
| क्रि० | अरेकयिष्यत् | अरेकयिष्यताम् | अरेकयिष्यन् |
| | अरेकयिष्यः | अरेकयिष्यतम् | अरेकयिष्यत |
| | अरेकयिष्यम् | अरेकयिष्याव | अरेकयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रेकयते | रेकयेते | रेकयन्ते |
| | रेकयसे | रेकयेथे | रेकयन्वे |
| | रेकये | रेकयावहे | रेकयामहे |
| स० | रेकयेत | रेकयेयाताम् | रेकयेरन् |
| | रेकयेथाः | रेकयेयाथाम् | रेकयेष्वम |
| | रेकयेय | रेकयेवहि | रेकयेमहि |
| प० | रेकयताम् | रेकयेताम् | रेकयन्ताम् |
| | रेकयस्व | रेकयेथाम् | रेकयष्वम |
| | रेकयै | रेकयावहे | रेकयामहे |
| ह्य० | अरेकयत | अरेकयेताम् | अरेकयन्त |
| | अरेकययाः | अरेकयेथाम् | अरेकयष्वम |
| | अरेकये | अरेकयावहि | अरेकयामहि |
| अ० | अरिरेकत | अरिरेकेताम् | अरिरेकन्त |
| | अरिरेकथाः | अरिरेकेथाम् | अरिरेकष्वम |
| | अरिरेके | अरिरेकावहि | अरिरेकामहि |
| प० | रेकयाञ्चके | रेकयाञ्चकते | रेकयाञ्चकिरे |
| | रेकयाञ्चकृषे | रेकयाञ्चकथे | रेकयाञ्चकृद्वे |
| | रेकयाञ्चके | रेकयाञ्चकृवहे | रेकयाञ्चकृमहे |
| | रेकयाम्बभूव | । | रेकयामास |
| आ० | रेकयिषीष्ट | रेकयिषीयास्ताम् | रेकयिषीरन् |
| | रेकयिषीष्ठाः | रेकयिषीयास्थाम् | रेकयिषीद्वम |
| | | | ध्वम |
| | रेकयिषीय | रेकयिषीवहि | रेकयिषीमहि |
| श्व० | रेकयिता | रेकयितारौ | रेकयितारः |
| | रेकयितासे | रेकयितासाथे | रेकयिताध्वे |
| | रेकयिताहे | रेकयितास्वहे | रेकयितास्महे |
| भ० | रेकयिष्यते | रेकयिष्येते | रेकयिष्यन्ते |
| | रेकयिष्यसे | रेकयिष्येथे | रेकयिष्यन्वे |
| | रेकयिष्ये | रेकयिष्यावहे | रेकयिष्यामहे |
| क्रि० | अरेकयिष्यत | अरेकयिष्येताम् | अरेकयिष्यन्त |
| | अरेकयिष्यथाः | अरेकयिष्येथाम् | अरेकयिष्यष्वम |
| | अरेकयिष्ये | अरेकयिष्यावहि | अरेकयिष्यमहि |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (५९१)

617 शकुङ् (शङ्क्) शङ्कायाम् ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | शङ्कयति | शङ्कयतः | शङ्कयन्ति |
| | शङ्कयसि | शङ्कयथः | शङ्कयथ |
| | शङ्कयामि | शङ्कयावः | शङ्कयामः |
| स० | शङ्कयेत् | शङ्कयेताम् | शङ्कयेयुः |
| | शङ्कयेः | शङ्कयेतम् | शङ्कयेत |
| | शङ्कयेयम् | शङ्कयेव | शङ्कयेम |
| प० | शङ्कयतु | शङ्कयतात् | शङ्कयताम् |
| | शङ्कय | शङ्कयतात् | शङ्कयतम् |
| | शङ्कयानि | शङ्कयाव | शङ्कयाम |
| ह्य० | अशङ्कयत् | अशङ्कयताम् | अशङ्कयन् |
| | अशङ्कयः | अशङ्कयतम् | अशङ्कयत |
| | अशङ्कयम् | अशङ्कयाव | अशङ्कयाम |
| अ० | अशशङ्कत् | अशशङ्कताम् | अशशङ्कन् |
| | अशशङ्कः | अशशङ्कतम् | अशशङ्कत |
| | अशशङ्कम् | अशशङ्काव | अशशङ्काम |
| प० | शङ्कयाञ्चकार | शङ्कयाञ्चक तुः | शङ्कयाञ्चकुः |
| | शङ्कयाञ्चकर्थ | शङ्कयाञ्चकथुः | शङ्कयाञ्चक |
| | शङ्कयाञ्चकार-चकर | शङ्कयाञ्चकृव | शङ्कयाञ्चकृम |
| | शङ्कयाम्बभूव | । | शङ्कयामास |
| आ० | शङ्कयात् | शङ्कयास्ताम् | शङ्कयासुः |
| | शङ्कयाः | शङ्कयास्तम् | शङ्कयास्त |
| | शङ्कयासम् | शङ्कयास्व | शङ्कयास्म |
| श्व० | शङ्कयिता | शङ्कयितारौ | शङ्कयितारः |
| | शङ्कयितासि | शङ्कयितास्थः | शङ्कयितास्थ |
| | शङ्कयितास्मि | शङ्कयितास्वः | शशङ्कयितास्मः |
| भ० | शङ्कयिष्यति | शङ्कयिष्यतः | शङ्कयिष्यन्ति |
| | शङ्कयिष्यसि | शङ्कयिष्यथः | शङ्कयिष्यथ |
| | शङ्कयिष्यामि | शङ्कयिष्यावः | शङ्कयिष्यामः |
| क्रि० | अशङ्कयिष्यत् | अशङ्कयिष्यताम् | अशङ्कयिष्यन् |
| | अशङ्कयिष्यः | अशङ्कयिष्यतम् | अशङ्कयिष्यत |
| | अशङ्कयिष्यम् | अशङ्कयिष्याव | अशङ्कयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| व० | शङ्कयते | शङ्कयेते | शङ्कयन्ते |
| | शङ्कयसे | शङ्कयेथे | शङ्कयन्वे |
| | शङ्कये | शङ्कयावहे | शङ्कयामहे |
| स० | शङ्कयेत | शङ्कयेयाताम् | शङ्कयेरन् |
| | शङ्कयेथाः | शङ्कयेयाथाम् | शङ्कयेध्वम् |
| | शङ्कयेय | शङ्कयेवहि | शङ्कयेमहि |
| प० | शङ्कयताम् | शङ्कयेताम् | शङ्कयन्ताम् |
| | शङ्कयस्व | शङ्कयेथाम् | शङ्कयध्वम् |
| | शङ्कयै | शङ्कयावहै | शङ्कयामहै |
| ह्य० | अशङ्कयत | अशङ्कयेताम् | अशङ्कयन्त |
| | अशङ्कयथाः | अशङ्कयेथाम् | अशङ्कयध्वम् |
| | अशङ्कये | अशङ्कयावहि | अशङ्कयामहि |
| अ० | अशशङ्कत | अशशङ्केताम् | अशशङ्कन्त |
| | अशशङ्कथाः | अशशङ्केथाम् | अशशङ्कध्वम् |
| | अशशङ्के | अशशङ्कावहि | अशशङ्कामहि |
| प० | शङ्कयाञ्चके | शङ्कयाञ्चकादे | शङ्कयाञ्चकिरे |
| | शङ्कयाञ्चकृपे | शङ्कयाञ्चकाये | शङ्कयाञ्चकृद्वे |
| | शङ्कयाञ्चके | शङ्कयाञ्चकृवहे | शङ्कयाञ्चकृमहे |
| | शङ्कयाम्बभूव | । | शङ्कयामास |
| आ० | शङ्कयिषीष्ट | शङ्कयिषीष्ताम् | शङ्कयिषीरन् |
| | शङ्कयिषीष्ठाः | शङ्कयिषीष्ताम् | शङ्कयिषीध्वम् |
| | शङ्कयिषीय | शङ्कयिषीवहि | शङ्कयिषीमहि |
| श्व० | शङ्कयिता | शङ्कयितारौ | शङ्कयितारः |
| | शङ्कयितासे | शङ्कयितासाथे | शङ्कयिताध्वे |
| | शङ्कयिताहे | शङ्कयितास्वहे | शङ्कयितास्महे |
| भ० | शङ्कयिष्यते | शङ्कयिष्येते | शङ्कयिष्यन्ते |
| | शङ्कयिष्यसे | शङ्कयिष्येथे | शङ्कयिष्यध्वे |
| | शङ्कयिष्ये | शङ्कयिष्यावहे | शङ्कयिष्यामहे |
| क्रि० | अशङ्कयिष्यत | अशङ्कयिष्येताम् | अशङ्कयिष्यन्त |
| | अशङ्कयिष्यथाः | अशङ्कयिष्येथाम् | अशङ्कयिष्यध्वम् |
| | अशङ्कयिष्ये | अशङ्कयिष्यावहि | अशङ्कयिष्यामहि |

618 ककि (कक्) लौल्ये ।

| | | | |
|------|------------------|----------------|-------------------|
| ब० | काकयति | काकयतः | काकयन्ति |
| | काकयसि | काकयथः | काकयथ |
| | काकयामि | काकयावः | काकयामः |
| स० | काकयेत् | काकयेताम् | काकयेयुः |
| | काकयेः | काकयेताम् | काकयेत |
| | काकयेयम् | काकयेव | काकयेम |
| प० | काकयतु | काकयतात् | काकयताम् काकयन्तु |
| | काकय | काकयतात् | काकयतम् काकयत |
| | काकयानि | काकयाव | काकयाम |
| ह्य० | अकाकयत् | अकाकयताम् | अकाकयन् |
| | अकाकयः | अकाकयतम् | अकाकयत |
| | अकाकयम् | अकाकयाव | अकाकयाम |
| अ० | अचीककत् | अचीककताम् | अचीककन् |
| | अचीककः | अचीककतम् | अचीककत |
| | अचीककम् | अचीककव | अचीककाम |
| प० | काकयाश्चकार | काकयाश्चक्रतुः | काकयाश्चक्रुः |
| | काकयाश्चकर्षे | काकयाश्चक्रुः | काकयाश्चक्रुः |
| | काकयाश्चकार-चक्र | काकयाश्चक्रुव | काकयाश्चक्रुम |
| | काकयाम्बभूव | । | काकयामास |
| अ० | काक्यात् | काक्यास्ताम् | काक्यासुः |
| | काक्याः | काक्यास्तम् | काक्यास्त |
| | काक्यासम् | काक्यास्व | काक्यासम |
| ० | काकयिता | काकयितारौ | काकयितारः |
| | काकयितासि | काकयितास्थः | काकयितास्थ |
| | काकयितास्मि | काकयितास्वः | काकयितास्मः |
| | काकयिष्यति | काकयिष्यतः | काकयिष्यन्ति |
| | काकयिष्यसि | काकयिष्यथः | काकयिष्यथ |
| | काकयिष्यामि | काकयिष्यावः | काकयिष्यामः |
| । | अकाकयिष्यत् | अकाकयिष्यताम् | अकाकयिष्यन् |
| | अकाकयिष्यः | अकाकयिष्यतम् | अकाकयिष्यत |
| | अकाकयिष्यम् | अकाकयिष्याव | अकाकयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| ब० | काकयते | काकयेते | काकयन्ते |
| | काकयसे | काकयेथे | काकयध्वे |
| | काकये | काकयावहे | काकयामहे |
| स० | काकयेत | काकयेयाताम् | काकयेरन् |
| | काकयेथाः | काकयेयाथाम् | काकयेध्वम् |
| | काकयेथ | काकयेवहि | काकयेमहि |
| प० | काकयताम् | काकयेताम् | काकयन्ताम् |
| | काकयस्व | काकयेथाम् | काकयध्वम् |
| | काकयै | काकयावहै | काकयामहै |
| ह्य० | अकाकयत | अकाकयेताम् | अकाकयन्त |
| | अकाकयथाः | अकाकयेथाम् | अकाकयध्वम् |
| | अकाकये | अकाकयावहि | अकाकयामहि |
| अ० | अचीककत | अचीककेताम् | अचीककन्त |
| | अचीककथाः | अचीककेथाम् | अचीककध्वम् |
| | अचीकके | अचीककावहि | अचीककामहि |
| प० | काकयाश्चक्रे | काकयाश्चक्राते | काकयाश्चक्रिरे |
| | काकयाश्चक्रुषे | काकयाश्चक्राथे | काकयाश्चक्रुध्वे |
| | काकयाश्चक्रे | काकयाश्चक्रुवहे | काकयाश्चक्रुमहे |
| | काकयाम्बभूव | । | काकयामास |
| आ० | काकयिषीष्ट | काकयिषीयास्ताम् | काकयिषीरन् |
| | काकयिषीष्टाः | काकयिषीयास्थाम् | काकयिषीध्वम् |
| | काकयिषीय | काकयिषीवहि | काकयिषीमहि |
| श्व० | काकयिता | काकयितारौ | काकयितारः |
| | काकयितासे | काकयितासाथे | काकयिताध्वे |
| | काकयिताहे | काकयितास्वहे | काकयितास्महे |
| भ० | काकयिष्यते | काकयिष्येते | काकयिष्यन्ते |
| | काकयिष्यसे | काकयिष्येथे | काकयिष्यध्वे |
| | काकयिष्ये | काकयिष्यावहे | काकयिष्यामहे |
| क्रि० | अकाकयिष्यत | अकाकयिष्येताम् | अकाकयिष्यन्त |
| | अकाकयिष्यथाः | अकाकयिष्येथाम् | अकाकयिष्यध्वम् |
| | अकाकयिष्ये | अकाकयिष्यावहि | अकाकयिष्यामहि |

6 0 कुकि (कुक्) आदाने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | कोकयति | कोकयतः | कोकयन्ति |
| | कोकयसि | कोकयथः | कोकयथ |
| | कोकयामि | कोकयावः | कोकयामः |
| स० | कोकयेत् | कोकयेताम् | कोकयेयुः |
| | कोकयेः | कोकयेतम् | कोकयेत |
| | कोकयेयम् | कोकयेव | कोकयेम |
| प० | कोकयतु | कोकयतात् | कोकयताम् |
| | कोकयः | कोकयतात् | कोकयतम् |
| | कोकयानि | कोकयाव | कोकयाम |
| ह्य० | अकोकयत् | अकोकयताम् | अकोकयन् |
| | अकोकयः | अकोकयतम् | अकोकयत |
| | अकोकयम् | अकोकयाव | अकोकयाम |
| अ० | अचूकत् | अचूकताम् | अचूकन् |
| | अचूकः | अचूकतम् | अचूकत |
| | अचूकम् | अचूककाव | अचूककाम |
| प० | कोकयाश्चकर | कोकयाश्चक्रुः | कोकयाश्चकुः |
| | कोकयाश्चकथे | कोकयाश्चक्रुः | कोकयाश्चक्र |
| | कोकयाश्चकार-चकर | कोकयाश्चक्रुव | कोकयाश्चक्रम |
| | कोकयाम्बभूव | कोकयामास | |
| भा० | कोकयात् | कोकयास्ताम् | कोकयासुः |
| | कोकयाः | कोकयास्तम् | कोकयास्त |
| | कोकयासम् | कोकयास्व | कोकयासम् |
| भ० | कोकयिता | कोकयितारौ | कोकयितारः |
| | कोकयितासि | कोकयितास्थः | कोकयितास्व |
| | कोकयितास्मिन् | कोकयितास्वः | कोकयितास्म |
| अ० | कोकयिष्यति | कोकयिष्यतः | कोकयिष्यन्ति |
| | कोकयिष्यसि | कोकयिष्यथः | कोकयिष्यथ |
| | कोकयिष्यामि | कोकयिष्यावः | कोकयिष्यामः |
| क्रि० | अकोकयिष्यत् | अकोकयिष्यताम् | अकोकयिष्यन् |
| | अकोकयिष्यः | अकोकयिष्यतम् | अकोकयिष्यत |
| | अकोकयिष्यम् | अकोकयिष्याव | अकोकयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|----------------|
| ब० | कोकयते | कोकयेते | काकयन्ते |
| | कोकयसे | कोकयेथे | कोकयन्थे |
| | कोकये | कोकयावहे | कोकयामहे |
| स० | कोकयेत | कोकयेयाताम् | कोकयेरन् |
| | कोकयेथाः | कोकयेयाथम् | कोकयेष्वम् |
| | कोकयेय | कोकयेवहि | कोकयेमहि |
| प० | कोकयताम् | कोकयेताम् | कोकयन्ताम् |
| | कोकयस्व | कोकयेथाम् | कोकयस्वम् |
| | कोकये | कोकयावहे | कोकयामहे |
| ह्य० | अकोकयत् | अकोकयेताम् | अकोकयन्त |
| | अकोकयथाः | अकोकयेथाम् | अकोकयस्वम् |
| | अकोकये | अकोकयावहि | अकोकयामहि |
| अ० | अचूकत | अचूक्रेताम् | अचूकन्त |
| | अचूकथाः | अचूक्रेथाम् | अचूकस्वम् |
| | अचूक्रे | अचूक्रेवावहि | अचूक्रेकामहि |
| प० | कोकयाश्चक्रे | कोकयाश्चक्रते | कोकयाश्चक्रिरे |
| | कोकयाश्चक्रेषु | कोकयाश्चक्राये | कोकयाश्चक्रुवे |
| | कोकयाश्चक्रे | अकोकयाश्चक्रुवहे | कोकयाश्चक्रमहे |
| | कोकयाम्बभूव | कोकयामास | |
| भा० | कोकयिषीष्ट | कोकयिषीयास्ताम् | कोकयिषीन् |
| | कोकयिषीष्टाः | कोकयिषीयास्थाम् | कोकयिषीद्वम् |
| | कोकयिषीय | कोकयिषीवहि | कोकयिषीमहि |
| भ० | कोकयिता | कोकयितारौ | कोकयितारः |
| | कोकयितासे | कोकयितासाथे | कोकयितास्व |
| | कोकयिताहे | कोकयितास्वहे | कोकयितास्महे |
| अ० | कोकयिष्यते | कोकयिष्येते | कोकयिष्यन्ते |
| | कोकयिष्यसे | कोकयिष्येथे | कोकयिष्यन्थे |
| | कोकयिष्ये | कोकयिष्यावहे | कोकयिष्यामहे |
| क्रि० | अकोकयिष्यत | अकोकयिष्येताम् | अकोकयिष्यन्त |
| | अकोकयिष्यथाः | अकोकयिष्येथाम् | अकोकयिष्यस्वम् |
| | अकोकयिष्ये | अकोकयिष्यावहि | अकोकयिष्यामहि |

625 श्रकुङ् (श्रङ्कु) गतौ ।

| | | |
|-----------------------|-------------------|------------------|
| ब० श्रङ्कुयति | श्रङ्कुयतः | श्रङ्कुयन्ति |
| श्रङ्कुयसि | श्रङ्कुयथः | श्रङ्कुयथ |
| श्रङ्कुयामि | श्रङ्कुयावः | श्रङ्कुयामः |
| स० श्रङ्कुयेत् | श्रङ्कुयेताम् | श्रङ्कुयेयुः |
| श्रङ्कुयेः | श्रङ्कुयेतम् | श्रङ्कुयेत |
| श्रङ्कुयेयम् | श्रङ्कुयेव | श्रङ्कुयेम |
| प० श्रङ्कुयतु | श्रङ्कुयतात् | श्रङ्कुयताम् |
| श्रङ्कुय | श्रङ्कुयतात् | श्रङ्कुयतम् |
| श्रङ्कुयाणि | श्रङ्कुयाव | श्रङ्कुयाम |
| ह्य० अश्रङ्कुयत् | अश्रङ्कुयताम् | अश्रङ्कुयन् |
| अश्रङ्कुयः | अश्रङ्कुयतम् | अश्रङ्कुयत |
| अश्रङ्कुयम् | अश्रङ्कुयाव | अश्रङ्कुयाम |
| अ० अश्रङ्कुय | अश्रङ्कुयताम् | अश्रङ्कुयन् |
| अश्रङ्कुयः | अश्रङ्कुयतम् | अश्रङ्कुयत |
| अश्रङ्कुयम् | अश्रङ्कुयाव | अश्रङ्कुयाम |
| प० श्रङ्कुयाञ्चकार | श्रङ्कुयाञ्चकतुः | श्रङ्कुयाञ्चकुः |
| श्रङ्कुयाञ्चकथं | श्रङ्कुयाञ्चकथुः | श्रङ्कुयाञ्चक |
| श्रङ्कुयाञ्चकार-चकर | श्रङ्कुयाञ्चकृव | श्रङ्कुयाञ्चकृम |
| श्रङ्कुयाम्बभूव | श्रङ्कुयामास | |
| आ० श्रङ्कुयात् | श्रङ्कुयास्ताम् | श्रङ्कुयासुः |
| श्रङ्कुयाः | श्रङ्कुयास्तम् | श्रङ्कुयास्त |
| श्रङ्कुयासम् | श्रङ्कुयास्व | श्रङ्कुयास्म |
| श्र० श्रङ्कुयिता | श्रङ्कुयितारौ | श्रङ्कुयितारः |
| श्रङ्कुयितासि | श्रङ्कुयितास्यः | श्रङ्कुयितास्य |
| श्रङ्कुयितास्मि | श्रङ्कुयितास्वः | श्रङ्कुयितास्मः |
| अ० श्रङ्कुयिष्यति | श्रङ्कुयिष्यतः | श्रङ्कुयिष्यन्ति |
| श्रङ्कुयिष्यसि | श्रङ्कुयिष्यथः | श्रङ्कुयिष्यथ |
| श्रङ्कुयिष्यामि | श्रङ्कुयिष्यावः | श्रङ्कुयिष्यामः |
| क्रि० अश्रङ्कुयिष्यत् | अश्रङ्कुयिष्यताम् | अश्रङ्कुयिष्यन् |
| अश्रङ्कुयिष्यः | अश्रङ्कुयिष्यतम् | अश्रङ्कुयिष्यत |
| अश्रङ्कुयिष्यम् | अश्रङ्कुयिष्याव | अश्रङ्कुयिष्याम |

| | | |
|----------------------|---------------------|--------------------|
| व० श्रङ्कुयते | श्रङ्कुयते | श्रङ्कुयन्ते |
| श्रङ्कुयसे | श्रङ्कुयथे | श्रङ्कुयध्वे |
| श्रङ्कुये | श्रङ्कुयावहे | श्रङ्कुयामहे |
| स० श्रङ्कुयेत | श्रङ्कुययाताम् | श्रङ्कुयेरन् |
| श्रङ्कुयेथाः | श्रङ्कुययाथाम् | श्रङ्कुयेध्वम् |
| श्रङ्कुयेय | श्रङ्कुयेवहि | श्रङ्कुयेमहि |
| प० श्रङ्कुयताम् | श्रङ्कुयेताम् | श्रङ्कुयन्ताम् |
| श्रङ्कुयस्व | श्रङ्कुयथाम् | श्रङ्कुयध्वम् |
| श्रङ्कुये | श्रङ्कुयावहे | श्रङ्कुयामहे |
| ह्य० अश्रङ्कुयत | अश्रङ्कुयेताम् | अश्रङ्कुयन्त |
| अश्रङ्कुयथाः | अश्रङ्कुयेथाम् | अश्रङ्कुयध्वम् |
| अश्रङ्कुये | अश्रङ्कुयावहि | अश्रङ्कुयामहि |
| अ० अश्रङ्कुयत | अश्रङ्कुयेताम् | अश्रङ्कुयन्त |
| अश्रङ्कुयथाः | अश्रङ्कुयेथाम् | अश्रङ्कुयध्वम् |
| अश्रङ्कुये | अश्रङ्कुयावहि | अश्रङ्कुयामहि |
| प० श्रङ्कुयाञ्चके | श्रङ्कुयाञ्चकृते | श्रङ्कुयाञ्चकिरे |
| श्रङ्कुयाञ्चकृषे | श्रङ्कुयाञ्चकृथे | श्रङ्कुयाञ्चकृध्वे |
| श्रङ्कुयाञ्चके | श्रङ्कुयाञ्चकृवहे | श्रङ्कुयाञ्चकृमहे |
| श्रङ्कुयाम्बभूव | श्रङ्कुयामास | |
| आ० श्रङ्कुयिषीष्ट | श्रङ्कुयिषीयास्ताम् | श्रङ्कुयिषीरन् |
| श्रङ्कुयिषीष्टाः | श्रङ्कुयिषीयास्ताम् | श्रङ्कुयिषीध्वम् |
| श्रङ्कुयिषीय | श्रङ्कुयिषीवहि | श्रङ्कुयिषीमहि |
| श्र० श्रङ्कुयिता | श्रङ्कुयितारौ | श्रङ्कुयितारः |
| श्रङ्कुयितासे | श्रङ्कुयितास्ये | श्रङ्कुयिताध्वे |
| श्रङ्कुयिताहे | श्रङ्कुयितास्वहे | श्रङ्कुयितास्महे |
| अ० श्रङ्कुयिष्यते | श्रङ्कुयिष्यते | श्रङ्कुयिष्यन्ते |
| श्रङ्कुयिष्यसे | श्रङ्कुयिष्यथे | श्रङ्कुयिष्यध्वे |
| श्रङ्कुयिष्ये | श्रङ्कुयिष्यावहे | श्रङ्कुयिष्यामहे |
| क्रि० अश्रङ्कुयिष्यत | अश्रङ्कुयिष्यताम् | अश्रङ्कुयिष्यन्त |
| अश्रङ्कुयिष्यथाः | अश्रङ्कुयिष्यथाम् | अश्रङ्कुयिष्यध्वम् |
| अश्रङ्कुयिष्ये | अश्रङ्कुयिष्यावहि | अश्रङ्कुयिष्यामहि |

62। चकि (चक्) तृप्तिप्रतीपातयोः ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | चकयति | चकयतः | चकयन्ति |
| | चकयसि | चकयथः | चकयथ |
| | चकयामि | चकयावः | चकयामः |
| स० | चकयेत् | चकयेताम् | चकयेयुः |
| | चकयेः | चकयेतम् | चकयेत |
| | चकयेथम् | चकयेव | चकयेम |
| प० | चकयतु | चकयतात् | चकयन्तु |
| | चकय | चकयतात् | चकयतम् |
| | चकयानि | चकयाव | चकयाम |
| ह्य० | अचकयत् | अचकयताम् | अचकयन् |
| | अचकयः | अचकयतम् | अचकयत |
| | अचकयम् | अचकयाव | अचकयाम |
| अ० | अचीचकत् | अचीचकताम् | अचीचकन् |
| | अचीचकः | अचीचकतम् | अचीचकत |
| | अचीचकम् | अचीचकाव | अचीचकाम |
| प० | चकयाञ्चकार | चकयाञ्चकतुः | चकयाञ्चकुः |
| | चकयाञ्चकथं | चकयाञ्चकथुः | चकयाञ्चक |
| | चकयाञ्चकार-चकर | चकयाञ्चकृव | चकयाञ्चकृम |
| | चकयाम्बभूव | । | चकयामास |
| आ० | चकयात् | चकयास्ताम् | चकयासुः |
| | चकयाः | चकयास्तम् | चकयास्त |
| | चकयासम् | चकयास्व | चकयास्म |
| श्च० | चकयिता | चकयितारौ | चकयितारः |
| | चकयितासि | चकयितास्थः | चकयितास्थ |
| | चकयितास्मि | चकयितास्वः | चकयितास्मः |
| भ० | चकयिष्यति | चकयिष्यतः | चकयिष्यन्ति |
| | चकयिष्यसि | चकयिष्यथः | चकयिष्यथ |
| | चकयिष्यामि | चकयिष्यावः | चकयिष्यामः |
| क्रि० | अचकयिष्यत् | अचकयिष्यताम् | अचकयिष्यन् |
| | अचकयिष्यः | अचकयिष्यतम् | अचकयिष्यत |
| | अचकयिष्यम् | अचकयिष्याव | अचकयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | चकयते | चकयेते | चकयन्ते |
| | चकयसे | चकयेथे | चकयन्वे |
| | चकये | चकयावहे | चकयामहे |
| स० | चकयेत | चकयेयाताम् | चकयेरन् |
| | चकयेथाः | चकयेयाथाम् | चकयेष्वम् |
| | चकयेय | चकयेवहि | चकयेमहि |
| प० | चकयताम् | चकयेताम् | चकयन्ताम् |
| | चकयस्व | चकयेथाम् | चकयन्वम् |
| | चकये | चकयावहे | चकयामहे |
| ह्य० | अचकयत | अचकयेताम् | अचकयन्त |
| | अचकयथाः | अचकयेथाम् | अचकयन्वम् |
| | अचकये | अचकयावहि | अचकयामहि |
| अ० | अचीचकत | अचीचकेताम् | अचीचकन्त |
| | अचीचकथाः | अचीचकेथाम् | अचीचकन्वम् |
| | अचीचके | अचीचकावहि | अचीचकामहि |
| प० | चकयाञ्चके | चकयाञ्चकाते | चकयाञ्चकिरे |
| | चकयाञ्चकृषे | चकयाञ्चकाथे | चकयाञ्चकृद्वे |
| | चकयाञ्चके | चकयाञ्चकृवहे | चकयाञ्चकृमहे |
| | चकयाम्बभूव | । | चकयामास |
| आ० | चकयिषीष्ट | चकयिषीयास्ताम् | चकयिषीरन् |
| | चकयिषीष्ठाः | चकयिषीयास्थाम् | चकयिषीद्वम् |
| | | | चम |
| | चकयिषीय | चकयिषीवहि | चकयिषीमहि |
| श्च० | चकयिता | चकयितारौ | चकयितारः |
| | चकयितासे | चकयितासाथे | चकयितास्वे |
| | चकयिताहे | चकयितास्वहे | चकयितास्महे |
| भ० | चकयिष्यते | चकयिष्येते | चकयिष्यन्ते |
| | चकयिष्यसे | चकयिष्येथे | चकयिष्यन्वे |
| | चकयिष्ये | चकयिष्यावहे | चकयिष्यामहे |
| क्रि० | अचकयिष्यत | अचकयिष्येताम् | अचकयिष्यन्त |
| | अचकयिष्यथाः | अचकयिष्येथाम् | अचकयिष्यन्वम् |
| | अचकयिष्ये | अचकयिष्यवहि | अचकयिष्यामहि |

622 कङ्क (कङ्क) गतौ ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| ब० कङ्कयति | कङ्कयतः | कङ्कयन्ति |
| कङ्कयसि | कङ्कयथः | कङ्कयथ |
| कङ्कयामि | कङ्कयावः | कङ्कयामः |
| स० कङ्कयेत् | कङ्कयेताम् | कङ्कयेयुः |
| कङ्कयेः | कङ्कयेतम् | कङ्कयेत |
| कङ्कयेयम् | कङ्कयेव | कङ्कयेम |
| प० कङ्कयतु | कङ्कयतात् | कङ्कयताम् |
| कङ्कय | कङ्कयतात् | कङ्कयतम् |
| कङ्कयानि | कङ्कयाव | कङ्कयाम |
| ह्य० अकङ्कयत् | अकङ्कयताम् | अकङ्कयन् |
| अकङ्कयः | अकङ्कयतम् | अकङ्कयत |
| अकङ्कयम् | अकङ्कयाव | अकङ्कयाम |
| अ० अचकङ्कत् | अचकङ्कताम् | अचकङ्कन् |
| अचकङ्कः | अचकङ्कतम् | अचकङ्कत |
| अचकङ्कम् | अचकङ्काव | अचकङ्काम |
| क० कङ्कयाश्चकार | कङ्कयाश्चक्रुः | कङ्कयाश्चकुः |
| कङ्कयाश्चकथे | कङ्कयाश्चक्रुः | कङ्कयाश्चक |
| कङ्कयाश्चकार-चक्र | कङ्कयाश्चक्रुव | कङ्कयाश्चक्रम |
| कङ्कयाम्बभूव | । | कङ्कयामास |
| १० कङ्कयात् | कङ्कयास्ताम् | कङ्कयासुः |
| कङ्कयाः | कङ्कयास्तम् | कङ्कयास्त |
| कङ्कयासम् | कङ्कयास्व | कङ्कयास्म |
| कङ्कयिता | कङ्कयितारौ | कङ्कयितारः |
| कङ्कयितासि | कङ्कयितास्थः | कङ्कयितास्थ |
| कङ्कयितासिम् | कङ्कयितास्वः | कङ्कयितास्मः |
| कङ्कयिष्यति | कङ्कयिष्यतः | कङ्कयिष्यन्ति |
| कङ्कयिष्यसि | कङ्कयिष्यथः | कङ्कयिष्यथ |
| कङ्कयिष्यामि | कङ्कयिष्यावः | कङ्कयिष्यामः |
| कि० अकङ्कयिष्यत् | अकङ्कयिष्यताम् | अकङ्कयिष्यन् |
| अकङ्कयिष्यः | अकङ्कयिष्यतम् | अकङ्कयिष्यत |
| अकङ्कयिष्यम् | अकङ्कयिष्याव | अकङ्कयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-------------------|
| ब० कङ्कयते | कङ्कयेते | कङ्कयन्ते |
| कङ्कयसे | कङ्कयेथे | कङ्कयध्वे |
| कङ्कये | कङ्कयावहे | कङ्कयामहे |
| स० कङ्कयेत | कङ्कयेयाताम् | कङ्कयेरन् |
| कङ्कयेथाः | कङ्कयेयाथाम् | कङ्कयेध्वम् |
| कङ्कयेय | कङ्कयेवहि | कङ्कयेमहि |
| प० कङ्कयताम् | कङ्कयेताम् | कङ्कयन्ताम् |
| कङ्कयस्व | कङ्कयेथाम् | कङ्कयध्वम् |
| कङ्कये | कङ्कयावहे | कङ्कयामहे |
| ह्य० अकङ्कयत | अकङ्कयेताम् | अकङ्कयन्त |
| अकङ्कयथाः | अकङ्कयेथाम् | अकङ्कयध्वम् |
| अकङ्कये | अकङ्कयावहि | अकङ्कयामहि |
| अ० अचकङ्कत | अचकङ्कताम् | अचकङ्कन्त |
| अचकङ्कथाः | अचकङ्कथाम् | अचकङ्कध्वम् |
| अचकङ्के | अचकङ्कावहि | अचकङ्कामहि |
| प० कङ्कयाश्चक्रे | कङ्कयाश्चक्राते | कङ्कयाश्चकिरे |
| कङ्कयाश्चक्रुषे | कङ्कयाश्चक्राथे | कङ्कयाश्चक्रुध्वे |
| कङ्कयाश्चक्रे | कङ्कयाश्चक्रुवहे | कङ्कयाश्चक्रमहे |
| कङ्कयाम्बभूव | । | कङ्कयामास |
| आ० कङ्कयिषीष्ट | कङ्कयिषीयास्ताम् | कङ्कयिषीरन् |
| कङ्कयिषीष्ठाः | कङ्कयिषीयास्थाम् | कङ्कयिषीध्वम् |
| कङ्कयिषीय | कङ्कयिषीवहि | कङ्कयिषीमहि |
| श्व० कङ्कयिता | कङ्कयितारौ | कङ्कयितारः |
| कङ्कयितासे | कङ्कयितासाथे | कङ्कयिताध्वे |
| कङ्कयिताहे | कङ्कयितास्वहे | कङ्कयितास्महे |
| भ० कङ्कयिष्यते | कङ्कयिष्येते | कङ्कयिष्यन्ते |
| कङ्कयिष्यसे | कङ्कयिष्येथे | कङ्कयिष्यध्वे |
| कङ्कयिष्ये | कङ्कयिष्यावहे | कङ्कयिष्यामहे |
| कि० अकङ्कयिष्यत | अकङ्कयिष्येताम् | अकङ्कयिष्यन्त |
| अकङ्कयिष्यथाः | अकङ्कयिष्येथाम् | अकङ्कयिष्यध्वम् |
| अकङ्कयिष्ये | अकङ्कयिष्यावहि | अकङ्कयिष्यामहि |

623 श्वकुङ् (श्वङ्क्) गतौ ।

| | | | |
|-------|----------------------|------------------|-----------------|
| व० | श्वङ्कयति | श्वङ्कयतः | श्वङ्कयन्ति |
| | श्वङ्कयसि | श्वङ्कयथः | श्वङ्कयथ |
| | श्वङ्कयामि | श्वङ्कयावः | श्वङ्कयामः |
| स० | श्वङ्कयेत् | श्वङ्कयेताम् | श्वङ्कयेयुः |
| | श्वङ्कयेः | श्वङ्कयेतम् | श्वङ्कयेत |
| | श्वङ्कयेयम् | श्वङ्कयेव | श्वङ्कयेम |
| प० | श्वङ्कयतु | श्वङ्कयतात् | श्वङ्कयताम् |
| | श्वङ्कय | श्वङ्कयतात् | श्वङ्कयतम् |
| | श्वङ्कयानि | श्वङ्कयाव | श्वङ्कयाम |
| ह्य० | अश्वङ्कयत् | अश्वङ्कयताम् | अश्वङ्कयन् |
| | अश्वङ्कयः | अश्वङ्कयतम् | अश्वङ्कयत |
| | अश्वङ्कयम् | अश्वङ्कयाव | अश्वङ्कयाम |
| अ० | अशश्वङ्कत् | अशश्वङ्कताम् | अशश्वङ्कन् |
| | अशश्वङ्कः | अशश्वङ्कतम् | अशश्वङ्कत |
| | अशश्वङ्कम् | अशश्वङ्काव | अशश्वङ्काम |
| ग० | श्वङ्कयाश्चकार | श्वङ्कयाश्चकतुः | श्वङ्कयाश्चकुः |
| | श्वङ्कयाश्चकथे | श्वङ्कयाश्चकथुः | श्वङ्कयाश्चक |
| | श्वङ्कयाश्चकार-न्चकर | श्वङ्कयाश्चकुव | श्वङ्कयाश्चकृम |
| | श्वङ्कयाम्बभूव | । | श्वङ्कयामास |
| आ० | श्वङ्कयात् | श्वङ्कयास्ताम् | श्वङ्कयासुः |
| | श्वङ्कयाः | श्वङ्कयास्तम् | श्वङ्कयास्त |
| | श्वङ्कयासम् | श्वङ्कयास्व | श्वङ्कयास्म |
| श्व० | श्वङ्कयिता | श्वङ्कयितारौ | श्वङ्कयितारः |
| | श्वङ्कयितासि | श्वङ्कयितास्थः | श्वङ्कयितास्थ |
| | श्वङ्कयितास्मि | श्वङ्कयितास्वः | श्वङ्कयितास्मः |
| भ० | श्वङ्कयिष्यति | श्वङ्कयिष्यतः | श्वङ्कयिष्यन्ति |
| | श्वङ्कयिष्यसि | श्वङ्कयिष्यथः | श्वङ्कयिष्यथ |
| | श्वङ्कयिष्यामि | श्वङ्कयिष्यावः | श्वङ्कयिष्यामः |
| क्रि० | अश्वङ्कयिष्यत् | अश्वङ्कयिष्यताम् | अश्वङ्कयिष्यन् |
| | अश्वङ्कयिष्यः | अश्वङ्कयिष्यतम् | अश्वङ्कयिष्यत |
| | अश्वङ्कयिष्यम् | अश्वङ्कयिष्याव | अश्वङ्कयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | श्वङ्कयते | श्वङ्कयेते | श्वङ्कयन्ते |
| | श्वङ्कयसे | श्वङ्कयेथे | श्वङ्कयध्वे |
| | श्वङ्कये | श्वङ्कयावहे | श्वङ्कयामहे |
| स० | श्वङ्कयेत | श्वङ्कयेताताम् | श्वङ्कयेरन् |
| | श्वङ्कयेथाः | श्वङ्कयेथाथाम् | श्वङ्कयेध्वम् |
| | श्वङ्कयेथ | श्वङ्कयेवहि | श्वङ्कयेमहि |
| प० | श्वङ्कयताम् | श्वङ्कयेताम् | श्वङ्कयन्ताम् |
| | श्वङ्कयस्व | श्वङ्कयेथाम् | श्वङ्कयध्वम् |
| | श्वङ्कये | श्वङ्कयावहे | श्वङ्कयामहे |
| ह्य० | अश्वङ्कयत | अश्वङ्कयेताम् | अश्वङ्कयन्त |
| | अश्वङ्कयथाः | अश्वङ्कयेथाम् | अश्वङ्कयध्वम् |
| | अश्वङ्कये | अश्वङ्कयावहि | अश्वङ्कयामहि |
| अ० | अशश्वङ्कत | अशश्वङ्क्रेताम् | अशश्वङ्कन्त |
| | अशश्वङ्कथाः | अशश्वङ्क्रेथाम् | अशश्वङ्कध्वम् |
| | अशश्वङ्क्रे | अशश्वङ्कावहि | अशश्वङ्कामहि |
| प० | श्वङ्कयाश्चक्रे | श्वङ्कयाश्चक्राते | श्वङ्कयाश्चक्रिरे |
| | श्वङ्कयाश्चक्रे | श्वङ्कयाश्चक्राथे | श्वङ्कयाश्चकृद्वे |
| | श्वङ्कयाश्चक्रे | श्वङ्कयाश्चक्रुवहे | श्वङ्कयाश्चकृमहे |
| | श्वङ्कयाम्बभूव | । | श्वङ्कयामास |
| आ० | श्वङ्कयिषीष्ट | श्वङ्कयिषीयास्ताम् | श्वङ्कयिषीरन् |
| | श्वङ्कयिषीष्टाः | श्वङ्कयिषीयास्ताम् | श्वङ्कयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | श्वङ्कयिषीथ | श्वङ्कयिषीवहि | श्वङ्कयिषीमहि |
| श्व० | श्वङ्कयिता | श्वङ्कयितारौ | श्वङ्कयितारः |
| | श्वङ्कयितासे | श्वङ्कयितासाथे | श्वङ्कयिताध्वे |
| | श्वङ्कयिताहे | श्वङ्कयितास्वहे | श्वङ्कयितास्महे |
| भ० | श्वङ्कयिष्यते | श्वङ्कयिष्येते | श्वङ्कयिष्यन्ते |
| | श्वङ्कयिष्यसे | श्वङ्कयिष्येथे | श्वङ्कयिष्यध्वे |
| | श्वङ्कयिष्ये | श्वङ्कयिष्यावहे | श्वङ्कयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्वङ्कयिष्यत | अश्वङ्कयिष्येताम् | अश्वङ्कयिष्यन्त |
| | अश्वङ्कयिष्यथाः | अश्वङ्कयिष्येथाम् | अश्वङ्कयिष्यध्वम् |
| | अश्वङ्कयिष्ये | अश्वङ्कयिष्यावहि | अश्वङ्कयिष्यामहि |

624 त्रङ्कु (त्रङ्कु) गतौ ।

| | | |
|----------------------|-------------------------|-----------------|
| ख० त्रङ्कयति | त्रङ्कयतः | त्रङ्कयन्ति |
| त्रङ्कयसि | त्रङ्कयथः | त्रङ्कयथ |
| त्रङ्कयामि | त्रङ्कयावः | त्रङ्कयामः |
| स० त्रङ्कयेत् | त्रङ्कयेताम् | त्रङ्कयेयुः |
| त्रङ्कयेः | त्रङ्कयेतम् | त्रङ्कयेत |
| त्रङ्कयेयम् | त्रङ्कयेव | त्रङ्कयेम |
| प० त्रङ्कयतु | त्रङ्कयतात् त्रङ्कयताम् | त्रङ्कयन्तु |
| त्रङ्कय | त्रङ्कयतात् त्रङ्कयतम् | त्रङ्कयत |
| त्रङ्कयाणि | त्रङ्कयाव | त्रङ्कयाम |
| ह्य० अत्रङ्कयत् | अत्रङ्कयताम् | अत्रङ्कयन् |
| अत्रङ्कयः | अत्रङ्कयतम् | अत्रङ्कयत |
| अत्रङ्कयम् | अत्रङ्कयाव | अत्रङ्कयाम |
| अ० अतत्रङ्कत् | अतत्रङ्कताम् | अतत्रङ्कन् |
| अतत्रङ्कः | अतत्रङ्कतम् | अतत्रङ्कत |
| अतत्रङ्कम् | अतत्रङ्काव | अतत्रङ्काम |
| प० त्रङ्कयाश्चकार | त्रङ्कयाश्चक्रुः | त्रङ्कयाश्चकुः |
| त्रङ्कयाश्चकथं | त्रङ्कयाश्चक्रुः | त्रङ्कयाश्चक |
| त्रङ्कयाश्चकार-चकर | त्रङ्कयाश्चक्रुव | त्रङ्कयाश्चक्रम |
| त्रङ्कयाम्बभूव | । | त्रङ्कयामास |
| आ० त्रङ्कयात् | त्रङ्कयास्ताम् | त्रङ्कयासुः |
| त्रङ्कयाः | त्रङ्कयास्तम् | त्रङ्कयास्त |
| त्रङ्कयासम् | त्रङ्कयास्व | त्रङ्कयास्म |
| ख० त्रङ्कयिता | त्रङ्कयितारौ | त्रङ्कयितारः |
| त्रङ्कयितासि | त्रङ्कयितास्यः | त्रङ्कयितास्थ |
| त्रङ्कयितास्मि | त्रङ्कयितास्वः | त्रङ्कयितास्मः |
| भ० त्रङ्कयिष्यति | त्रङ्कयिष्यतः | त्रङ्कयिष्यन्ति |
| त्रङ्कयिष्यसि | त्रङ्कयिष्यथः | त्रङ्कयिष्यथ |
| त्रङ्कयिष्यामि | त्रङ्कयिष्यावः | त्रङ्कयिष्यामः |
| क्रि० अत्रङ्कयिष्यत् | अत्रङ्कयिष्यताम् | अत्रङ्कयिष्यन् |
| अत्रङ्कयिष्यः | अत्रङ्कयिष्यतम् | अत्रङ्कयिष्यत |
| अत्रङ्कयिष्यम् | अत्रङ्कयिष्याव | अत्रङ्कयिष्याम |

| | | |
|----------------------|--------------------|-------------------|
| व० त्रङ्कयते | त्रङ्कयेते | त्रङ्कयन्ते |
| त्रङ्कयसे | त्रङ्कयेथे | त्रङ्कयध्वे |
| त्रङ्कये | त्रङ्कयावहे | त्रङ्कयामहे |
| स० त्रङ्कयेत | त्रङ्कयेताम् | त्रङ्कयेरन् |
| त्रङ्कयेथाः | त्रङ्कयेथायाम् | त्रङ्कयेध्वम् |
| त्रङ्कयेय | त्रङ्कयेवहि | त्रङ्कयेमहि |
| प० त्रङ्कयताम् | त्रङ्कयेताम् | त्रङ्कयन्ताम् |
| त्रङ्कयस्व | त्रङ्कयेथाम् | त्रङ्कयध्वम् |
| त्रङ्कये | त्रङ्कयावहे | त्रङ्कयामहे |
| ह्य० अत्रङ्कयत | अत्रङ्कयेताम् | अत्रङ्कयन्त |
| अत्रङ्कयथाः | अत्रङ्कयेथाम् | अत्रङ्कयध्वम् |
| अत्रङ्कये | अत्रङ्कयावहि | अत्रङ्कयामहि |
| अ० अतत्रङ्कत | अतत्रङ्केताम् | अतत्रङ्कन्त |
| अतत्रङ्कथाः | अतत्रङ्केथाम् | अतत्रङ्कध्वम् |
| अतत्रङ्के | अतत्रङ्कावहि | अतत्रङ्कामहि |
| प० त्रङ्कयाश्चक्रे | त्रङ्कयाश्चक्रते | त्रङ्कयाश्चक्रिरे |
| त्रङ्कयाश्चकृथे | त्रङ्कयाश्चक्रथे | त्रङ्कयाश्चकृध्वे |
| त्रङ्कयाश्चक्रे | त्रङ्कयाश्चक्रवहे | त्रङ्कयाश्चक्रमहे |
| त्रङ्कयाम्बभूव | । | त्रङ्कयामास |
| आ० त्रङ्कयिषीष्ट | त्रङ्कयिषीयास्ताम् | त्रङ्कयिषीरन् |
| त्रङ्कयिषीष्टाः | त्रङ्कयिषीयास्ताम् | त्रङ्कयिषीध्वम् |
| त्रङ्कयिषीय | त्रङ्कयिषीवहि | त्रङ्कयिषीमहि |
| ख० त्रङ्कयिता | त्रङ्कयितारौ | त्रङ्कयितारः |
| त्रङ्कयितासे | त्रङ्कयितासाथे | त्रङ्कयिताध्वे |
| त्रङ्कयिताहे | त्रङ्कयितास्वहे | त्रङ्कयितास्महे |
| भ० त्रङ्कयिष्यते | त्रङ्कयिष्येते | त्रङ्कयिष्यन्ते |
| त्रङ्कयिष्यसे | त्रङ्कयिष्यथे | त्रङ्कयिष्यध्वे |
| त्रङ्कयिष्ये | त्रङ्कयिष्यावहे | त्रङ्कयिष्यामहे |
| क्रि० अत्रङ्कयिष्यत् | अत्रङ्कयिष्येताम् | अत्रङ्कयिष्यन्त |
| अत्रङ्कयिष्यथाः | अत्रङ्कयिष्येथाम् | अत्रङ्कयिष्यध्वम् |
| अत्रङ्कयिष्ये | अत्रङ्कयिष्यावहि | अत्रङ्कयिष्यामहि |

620 वृक्कि (वृक्) आदाने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | वर्कयति | वर्कयतः | वर्कयन्ति |
| | वर्कयसि | वर्कयथः | वर्कयथ |
| | वर्कयामि | वर्कयावः | वर्कयामः |
| स० | वर्कयेत् | वर्कयेताम् | वर्कयेयुः |
| | वर्कयेः | वर्कयेतम् | वर्कयेत |
| | वर्कयेयम् | वर्कयेव | वर्कयेम |
| प० | वर्कयतु | वर्कयतात् | वर्कयताम् |
| | वर्कय | वर्कयतात् | वर्कयतम् |
| | वर्कयाणि | वर्कयाव | वर्कयाम |
| ह्य० | अवर्कयत् | अवर्कयताम् | अवर्कयन् |
| | अवर्कयः | अवर्कयतम् | अवर्कयत |
| | अवर्कयम् | अवर्कयाव | अवर्कयाम |
| अ० | अववर्कत् | अववर्कताम् | अववर्कन् |
| | अववर्कः | अववर्कतम् | अववर्कत |
| | अववर्कम् | अववर्काव | अववर्काम |
| | अवीवृकत् | अवीवृकताम् | अवीवृकन् |
| प० | वर्कयाश्चकार | वर्कयाश्चक्रुः | वर्कयाश्चक्रुः |
| | वर्कयाश्चकथे | वर्कयाश्चकथुः | वर्कयाश्चक |
| | वर्कयाश्चकार-चकर | वर्कयाश्चक्रुव | वर्कयाश्चक्रम |
| | वर्कयाम्बभूव | । | वर्कयामास |
| भा० | वर्क्यात् | वर्क्यास्ताम् | वर्क्यासुः |
| | वर्क्याः | वर्क्यास्तम् | वर्क्यास्त |
| | वर्क्यासम् | वर्क्यास्व | वर्क्यास्म |
| भ० | वर्कयिता | वर्कयितारौ | वर्कयितारः |
| | वर्कयितासि | वर्कयितास्थः | वर्कयितास्थ |
| | वर्कयितास्मि | वर्कयितास्वः | वर्कयितास्मः |
| भ० | वर्कयिष्यति | वर्कयिष्यतः | वर्कयिष्यन्ति |
| | वर्कयिष्यसि | वर्कयिष्यथः | वर्कयिष्यथ |
| | वर्कयिष्यामि | वर्कयिष्यावः | वर्कयिष्यामः |
| क्रि० | अवर्कयिष्यत् | अवर्कयिष्यताम् | अवर्कयिष्यन् |
| | अवर्कयिष्यः | अवर्कयिष्यतम् | अवर्कयिष्यत |
| | अवर्कयिष्यम् | अवर्कयिष्याव | अवर्कयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | वर्कयते | वर्कयते | वर्कयन्ते |
| | वर्कयसे | वर्कयेथे | वर्कयध्वे |
| | वर्कये | वर्कयावहे | वर्कयामहे |
| स० | वर्कयेत | वर्कयेताताम् | वर्कयेरन् |
| | वर्कयेथाः | वर्कयेथाथाम् | वर्कयेध्वम् |
| | वर्कयेय | वर्कयेवहि | वर्कयेमहि |
| प० | वर्कयताम् | वर्कयेताम् | वर्कयन्ताम् |
| | वर्कयस्व | वर्कयेथाम् | वर्कयध्वम् |
| | वर्कये | वर्कयावहे | वर्कयामहे |
| ह्य० | अवर्कयत | अवर्कयेताम् | अवर्कयन्त |
| | अवर्कयथाः | अवर्कयेथाम् | अवर्कयध्वम् |
| | अवर्कये | अवर्कयावहि | अवर्कयामहि |
| अ० | अववर्कत | अववर्कताम् | अववर्कन्त |
| | अववर्कथाः | अववर्कथाम् | अववर्कध्वम् |
| | अववर्के | अववर्कवहि | अववर्कमहि |
| | अवीवृकत | अवीवृकताम् | अवीवृकन्त |
| प० | वर्कयाश्चक्रे | वर्कयाश्चक्राते | वर्कयाश्चक्रिरे |
| | वर्कयाश्चक्रे | वर्कयाश्चक्राथे | वर्कयाश्चक्रुव |
| | वर्कयाश्चक्रे | वर्कयाश्चक्रुवहे | वर्कयाश्चक्रमहे |
| | वर्कयाम्बभूव | । | वर्कयामास |
| आ० | वर्कयिषीष्ट | वर्कयिषीयास्ताम् | वर्कयिषीरन् |
| | वर्कयिषीष्टाः | वर्कयिषीयास्थाम् | वर्कयिषीध्वम् |
| | वर्कयिषीय | वर्कयिषीवहि | वर्कयिषीमहि |
| भ० | वर्कयिता | वर्कयितारौ | वर्कयितारः |
| | वर्कयितासे | वर्कयितासाथे | वर्कयिताध्वे |
| | वर्कयिताहे | वर्कयितास्वहे | वर्कयितास्महे |
| भ० | वर्कयिष्यते | वर्कयिष्येते | वर्कयिष्यन्ते |
| | वर्कयिष्यसे | वर्कयिष्येथे | वर्कयिष्यध्वे |
| | वर्कयिष्ये | वर्कयिष्यावहे | वर्कयिष्यामहे |
| क्रि० | अवर्कयिष्यत | अवर्कयिष्यताम् | अवर्कयिष्यन्त |
| | अवर्कयिष्यथाः | अवर्कयिष्येथाम् | अवर्कयिष्यध्वम् |
| | अवर्कयिष्ये | अवर्कयिष्यावहि | अवर्कयिष्यामहि |

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | शलङ्कयति | शलङ्कयतः | शलङ्कयन्तु |
| | शलङ्कयसि | शलङ्कयथः | शलङ्कयथ |
| | शलङ्कयामि | शलङ्कयावः | शलङ्कयामः |
| स० | शलङ्कयेत् | शलङ्कयेताम् | शलङ्कयेयुः |
| | शलङ्कयेः | शलङ्कयेतम् | शलङ्कयेत |
| | शलङ्कयेथम् | शलङ्कयेव | शलङ्कयेम |
| प० | शलङ्कयतु | शलङ्कयतात् | शलङ्कयताम् |
| | शलङ्कय | शलङ्कयतात् | शलङ्कयतम् |
| | शलङ्कयानि | शलङ्कयाव | शलङ्कयाम |
| ख० | अशलङ्कयत् | अशलङ्कयताम् | अशलङ्कयन् |
| | अशलङ्कयः | अशलङ्कयतम् | अशलङ्कयत |
| | अशलङ्कयम् | अशलङ्कयाव | अशलङ्कयाम |
| भ० | अशलङ्कन् | अशलङ्कन्ताम् | अशलङ्कन् |
| | अशलङ्क | अशलङ्कतम् | अशलङ्कत |
| | अशलङ्कम् | अशलङ्काव | अशलङ्काम |
| प० | शलङ्कयाञ्चकार | शलङ्कयाञ्चतु | शलङ्कयाञ्चकुः |
| | शलङ्कयाञ्चकथं | शलङ्कयाञ्चकथुः | शलङ्कयाञ्चक |
| | शलङ्कयाञ्चकार-नकर | शलङ्कयाञ्चकृव | शलङ्कयाञ्चकृम |
| | शलङ्कयाम्बभूव | शलङ्कयामास | |
| आ० | शलङ्कयात् | शलङ्कयास्ताम् | शलङ्कयासुः |
| | शलङ्कयाः | शलङ्कयास्तम् | शलङ्कयास्त |
| | शलङ्कयासम् | शलङ्कयास्व | शलङ्कयास्म |
| ख० | शलङ्कयिता | शलङ्कयित री | शलङ्कयितारः |
| | शलङ्कयितासि | शलङ्कयितास्थः | शलङ्कयितास्थ |
| | शलङ्कयितास्मि | शलङ्कयितास्वः | शलङ्कयितास्मः |
| भ० | शलङ्कयिष्यति | शलङ्कयिष्यतः | शलङ्कयिष्यन्ति |
| | शलङ्कयिष्यामि | शलङ्कयिष्यथः | शलङ्कयिष्यथ |
| | शलङ्कयिष्यामि | शलङ्कयिष्यावः | शलङ्कयिष्यामः |
| क्रि० | अशलङ्कयिष्यत् | अशलङ्कयिष्यताम् | अशलङ्कयिष्यन् |
| | अशलङ्कयिष्य | अशलङ्कयिष्यतम् | अशलङ्कयिष्यत |
| | अशलङ्कयिष्यम् | अशलङ्कयिष्याव | अशलङ्कयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | शलङ्कते | शलङ्कते | शलङ्कन्ते |
| | शलङ्कसे | शलङ्कये | शलङ्कयन्वे |
| | शलङ्क्यं | शलङ्क्यावहे | शलङ्क्यामहे |
| स० | शलङ्कं त | शलङ्कं याताम् | शलङ्कयेरन् |
| | शलङ्कं थाः | शलङ्कं थाः म | शलङ्कयेध्वम् |
| | शलङ्कयेथ | शलङ्कयेवहि | शलङ्कयेमहि |
| प० | शलङ्क्यताम् | शलङ्क्येताम् | शलङ्क्यन्ताम् |
| | शलङ्क्यस्व | शलङ्क्येथाम् | शलङ्क्यध्वम् |
| | शलङ्क्ये | शलङ्क्यावहे | शलङ्क्यामहे |
| ह्य० | अशलङ्क्यत | अशलङ्क्येताम् | अशलङ्क्यन्त |
| | अशलङ्क्यथाः | अशलङ्क्येथाम् | अशलङ्क्यध्वम् |
| | अशलङ्क्ये | अशलङ्क्यावहि | अशलङ्क्यामहि |
| अ० | अशलङ्क्यत | अशलङ्क्येताम् | अशलङ्क्यन्त |
| | अशलङ्क्यथाः | अशलङ्क्येथाम् | अशलङ्क्यध्वम् |
| | अशलङ्क्ये | अशलङ्क्यावहि | अशलङ्क्यामहि |
| प० | शलङ्क्याञ्चके | शलङ्क्याञ्चक्रादे | शलङ्क्याञ्चक्रिरे |
| | शलङ्क्याञ्चकृषे | शलङ्क्याञ्चक्रथे | शलङ्क्याञ्चकृवे |
| | शलङ्क्याञ्चक | शलङ्क्याञ्चकृहे | शलङ्क्याञ्चकृमहे |
| | शलङ्क्याञ्चकृषू | शलङ्क्यामास | |
| आ० | शलङ्क्यिषीष्ट | शलङ्क्यिषीयास्ताम् | शलङ्क्यिषीगन् |
| | शलङ्क्यिषीष्टाः | शलङ्क्यिषीयास्ताम् | शलङ्क्यिषीध्वम् |
| | शलङ्क्यिषीय | शलङ्क्यिषीवहि | शलङ्क्यिषीमहि |
| न० | शलङ्क्यिता | शलङ्क्यितारौ | शलङ्क्यितारः |
| | शलङ्क्यितासे | शलङ्क्यितामाथे | शलङ्क्यिताध्वे |
| | शलङ्क्यिताहे | शलङ्क्यितास्वहे | शलङ्क्यितास्महे |
| भ० | शलङ्क्यिष्यते | शलङ्क्यिष्येते | शलङ्क्यिष्यन्ते |
| | शलङ्क्यिष्यसे | शलङ्क्यिष्यथे | शलङ्क्यिष्यध्वे |
| | शलङ्क्यिष्ये | शलङ्क्यिष्यावहे | शलङ्क्यिष्यामहे |
| क्रि० | अशलङ्क्यिष्यत | अशलङ्क्यिष्येताम् | अशलङ्क्यिष्यन्त |
| | अशलङ्क्यिष्यथाः | अशलङ्क्यिष्येथाम् | अशलङ्क्यिष्यध्वम् |
| | अशलङ्क्यिष्ये | अशलङ्क्यिष्यावहि | अशलङ्क्यिष्यामहि |

627 ढौकङ् (ढौक्) गती ।

| | | |
|-----------------|---------------|-------------------|
| व० ढौकयति | ढौकयतः | ढौकयन्ति |
| कौकयसि | ढौकयथः | ढौकयथ |
| ढौकयामि | ढौकयावः | ढौकयामः |
| स० ढौकयेत् | ढौकयेताम् | ढौकयेयुः |
| ढौकयेः | ढौकयेतम् | ढौकयेत |
| ढौकयेयम् | ढौकयेव | ढौकयेम |
| प० ढौकयतु | ढौकयतात् | ढौकयताम् ढौकयन्तु |
| ढौकय | ढौकयतात् | ढौकयतम् ढौकयत |
| ढौकयानि | ढौकयाव | ढौकयान |
| ह्य० अढौकयत् | अढौकयताम् | अढौकयन् |
| अढौकयः | अढौकयतम् | अढौकयत |
| अढौकयम् | अढौकयाव | अढौकयाम |
| अ० अडुढौकत् | अडुढौकताम् | अडुढौकन् |
| अडुढौकः | अडुढौकतम् | अडुढौकत |
| अडुढौकम् | अडुढौकाव | अडुढौकाम |
| प० ढौकयाञ्चकार | ढौकयाञ्चक्रुः | ढौकयाञ्चकुः |
| ढौकयाञ्चकथं | ढौकयाञ्चकथुः | ढौकयाञ्चक |
| ढौकयाञ्चकार-चकर | ढौकयाञ्चकृव | ढौकयाञ्चकृम |
| ढौकयाम्बभूव | ढौकयामास | |
| आ० ढौक्यात् | ढौक्यास्ताम् | ढौक्यासुः |
| ढौक्याः | ढौक्यास्तम् | ढौक्यास्त |
| ढौक्यासम् | ढौक्यास्व | ढौक्यास्त |
| श्व० ढौकयिता | ढौकयितारी | ढौकयितारः |
| ढौकयितासि | ढौकयितास्थः | ढौकयितास्थ |
| ढौकयितास्मि | ढौकयितास्वः | ढौकयितास्मः |
| भ० ढौकयिष्यति | ढौकयिष्यतः | ढौकयिष्यन्ति |
| ढौकयिष्यसि | ढौकयिष्यथः | ढौकयिष्यथ |
| ढौकयिष्यामि | ढौकयिष्यावः | ढौकयिष्यामः |
| कि० अढौकयिष्यत् | अढौकयिष्यताम् | अढौकयिष्यन् |
| अढौकयिष्यः | अढौकयिष्यतम् | अढौकयिष्यत |
| अढौकयिष्यम् | अढौकयिष्याव | अढौकयिष्याम |

| | | |
|----------------|-----------------|----------------|
| ब० ढौकयते | ढौकयेते | ढौकयन्ते |
| ढौकयसे | ढौकयेथे | ढौकयन्थे |
| ढौकये | ढौकयावहे | ढौकयामहे |
| स० ढौकयेत | ढौकयेयाताम् | ढौकयेरन् |
| ढौकयेथाः | ढौकयेयाथाम् | ढौकयेध्वम् |
| ढौकयेय | ढौकयेवहि | ढौकयेमहि |
| प० ढौकयताम् | ढौकयेताम् | ढौकयन्ताम् |
| ढौकयस्व | ढौकयेथाम् | ढौकयध्वम् |
| ढौकये | ढौकयावहे | ढौकयामहे |
| ह्य० अढौकयत | अढौकयेताम् | अढौकयन्त |
| अढौकयथाः | अढौकयेथाम् | अढौकयध्वम् |
| अढौकये | अढौकयावहि | अढौकयामहि |
| अ० अडुढौकत | अडुढौकताम् | अडुढौकन्त |
| अडुढौकथाः | अडुढौकथाम् | अडुढौकध्वम् |
| अडुढौके | अडुढौकावहि | अडुढौकामहि |
| प० ढौकयाञ्चके | ढौकयाञ्चक्रते | ढौकयाञ्चकिरे |
| ढौकयाञ्चकृषे | ढौकयाञ्चक्राथे | ढौकयाञ्चकृद्वे |
| ढौकयाञ्चके | ढौकयाञ्चकृवहे | ढौकयाञ्चकृमहे |
| ढौकयाम्बभूव | ढौकयामास | |
| आ० ढौकयिषीष्ट | ढौकयिषीयास्ताम् | ढौकयिषीरन् |
| ढौकयिषीष्टाः | ढौकयिषीयास्थाम् | ढौकयिषीध्वम् |
| ढौकयिषीय | ढौकयिषीवहि | ढौकयिषीमहि |
| श्व० ढौकयिता | ढौकयितारी | ढौकयितारः |
| ढौकयितासे | ढौकयितासाथे | ढौकयिताध्वे |
| ढौकयिताहे | ढौकयितास्वहे | ढौकयितास्महे |
| भ० ढौकयिष्यते | ढौकयिष्येते | ढौकयिष्यन्ते |
| ढौकयिष्यसे | ढौकयिष्येथे | ढौकयिष्यध्वे |
| ढौकयिष्ये | ढौकयिष्यावहे | ढौकयिष्यामहे |
| कि० अढौकयिष्यत | अढौकयिष्यताम् | अढौकयिष्यन्त |
| अढौकयिष्यथाः | अढौकयिष्येथाम् | अढौकयिष्यध्वम् |
| अढौकयिष्ये | अढौकयिष्यावहि | अढौकयिष्यामहि |

(६०२) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते० धातुर० द्वि० भागे णिगन्तर्पक्रिया

628 त्रौकृङ् (त्रौक्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | त्रौकयति | त्रौकयतः | त्रौकयन्ति |
| | त्रौकयसि | त्रौकयथः | त्रौकयथ |
| | त्रौकयामि | त्रौकयावः | त्रौकयामः |
| स० | त्रौकयेत् | त्रौकयेताम् | त्रौकयेयुः |
| | त्रौकयेः | त्रौकयेतम् | त्रौकयेत |
| | त्रौकयेयम् | त्रौकयेव | त्रौकयेम |
| प० | त्रौकयतु | त्रौकयतात् | त्रौकयताम् |
| | त्रौकय | त्रौकयतात् | त्रौकयतम् |
| | त्रौकयाणि | त्रौकयाव | त्रौकयाम |
| ह्य० | अत्रौकयत् | अत्रौकयताम् | अत्रौकयन् |
| | अत्रौकयः | अत्रौकयतम् | अत्रौकयत |
| | अत्रौकयम् | अत्रौकयाव | अत्रौकयाम |
| अ० | अतुत्रौकत् | अतुत्रौकताम् | अतुत्रौकन् |
| | अतुत्रौकः | अतुत्रौकतम् | अतुत्रौकत |
| | अतुत्रौकम् | अतुत्रौकाव | अतुत्रौकाम |
| प० | त्रौकयाश्चकार | त्रौकयाश्चकतुः | त्रौकयाश्चकुः |
| | त्रौकयाश्चकथ | त्रौकयाश्चकथुः | त्रौकयाश्चक |
| | त्रौकयाश्चकार-चकर | त्रौकयाश्चकृव | त्रौकयाश्चकृम |
| | त्रौकयाम्बभूव | । | त्रौकयामास |
| आ० | त्रौकयात् | त्रौकयास्ताम् | त्रौकयामुः |
| | त्रौकयाः | त्रौकयास्तम् | त्रौकयास्त |
| | त्रौकयासम् | त्रौकयास्व | त्रौकयास्त |
| श्व० | त्रौकयिता | त्रौकयितारौ | त्रौकयितारः |
| | त्रौकयितासि | त्रौकयितास्थः | त्रौकयितास्थ |
| | त्रौकयितासिम् | त्रौकयितास्वः | त्रौकयितास्मः |
| भ० | त्रौकयिष्यति | त्रौकयिष्यतः | त्रौकयिष्यन्ति |
| | त्रौकयिष्यसि | त्रौकयिष्यथः | त्रौकयिष्यथ |
| | त्रौकयिष्यामि | त्रौकयिष्यावः | त्रौकयिष्यामः |
| क्रि० | अत्रौकयिष्यत् | अत्रौकयिष्यताम् | अत्रौकयिष्यन् |
| | अत्रौकयिष्यः | अत्रौकयिष्यतम् | अत्रौकयिष्यत |
| | अत्रौकयिष्यम् | अत्रौकयिष्याव | अत्रौकयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | त्रौकयते | त्रौकयेते | त्रौकयन्ते |
| | त्रौकयसे | त्रौकयेथे | त्रौकयध्वे |
| | त्रौकये | त्रौकयावहे | त्रौकयामहे |
| प० | त्रौकयेत | त्रौकयेयाताम् | त्रौकयेरन् |
| | त्रौकयेथाः | त्रौकयेयाथाम् | त्रौकयेध्वम् |
| | त्रौकयेय | त्रौकयेवहि | त्रौकयेमहि |
| प० | त्रौकयताम् | त्रौकयेताम् | त्रौकयन्ताम् |
| | त्रौकयथ | त्रौकयेथाम् | त्रौकयध्वम् |
| | त्रौकये | त्रौकयावहे | त्रौकयामहे |
| ह्य० | अत्रौकयत | अत्रौकयेताम् | अत्रौकयन्त |
| | अत्रौकयथाः | अत्रौकयेथाम् | अत्रौकयध्वम् |
| | अत्रौकये | अत्रौकयावहि | अत्रौकयामहि |
| अ० | अतुत्रौकत | अतुत्रौकेताम् | अतुत्रौकन्त |
| | अतुत्रौकथाः | अतुत्रौकेथाम् | अतुत्रौकध्वम् |
| | अतुत्रौके | अतुत्रौकावहि | अतुत्रौकामहि |
| प० | त्रौकयाश्चक्रे | त्रौकयाश्चक्राते | त्रौकयाश्चक्रिरे |
| | त्रौकयाश्चकृषे | त्रौकयाश्चक्राये | त्रौकयाश्चकृध्वे |
| | त्रौकयाश्चक्रे | त्रौकयाश्चकृवहे | त्रौकयाश्चकृमहे |
| | त्रौकयाम्बभूव | । | त्रौकयामास |
| आ० | त्रौकयिषीष्ट | त्रौकयिषीयास्ताम् | त्रौकयिषीरन् |
| | त्रौकयिषीष्टाः | त्रौकयिषीयास्थाम् | त्रौकयिषीध्वम् |
| | त्रौकयिषीय | त्रौकयिषीवहि | त्रौकयिषीमहि |
| श्व० | त्रौकयिता | त्रौकयितारौ | त्रौकयितारः |
| | त्रौकयितासे | त्रौकयितासाथे | त्रौकयिताध्वे |
| | त्रौकयिताहे | त्रौकयितास्वहे | त्रौकयितास्महे |
| भ० | त्रौकयिष्यते | त्रौकयिष्येते | त्रौकयिष्यन्ते |
| | त्रौकयिष्यसे | त्रौकयिष्येथे | त्रौकयिष्यध्वे |
| | त्रौकयिष्ये | त्रौकयिष्यावहे | त्रौकयिष्यामहे |
| क्रि० | अत्रौकयिष्यत् | अत्रौकयिष्यताम् | अत्रौकयिष्यन्त |
| | अत्रौकयिष्यथाः | अत्रौकयिष्येथाम् | अत्रौकयिष्यध्वम् |
| | अत्रौकयिष्ये | अत्रौकयिष्यावहि | अत्रौकयिष्यामहि |

629 च्वष्कि (च्वष्कु) गतौ ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-------------------------|
| व० | च्वष्कयति | च्वष्कयतः | च्वष्कयन्ति |
| | च्वष्कयसि | च्वष्कयथः | च्वष्कयथ |
| | च्वष्कयामि | च्वष्कयावः | च्वष्कयामः |
| स० | च्वष्कयेत् | च्वष्कयेताम् | च्वष्कयेयुः |
| | च्वष्कयेः | च्वष्कयेतम् | च्वष्कयेत |
| | च्वष्कयेयम् | च्वष्कयेव | च्वष्कयेम |
| प० | च्वष्कयतु | च्वष्कयतात् | च्वष्कयताम् च्वष्कयन्तु |
| | च्वष्कय | च्वष्कयतात् | च्वष्कयतम् च्वष्कयत |
| | च्वष्कयाणि | च्वष्कयाव | च्वष्कयाम |
| ह्य० | अच्वष्कयत् | अच्वष्कयताम् | अच्वष्कयन् |
| | अच्वष्कयः | अच्वष्कयतम् | अच्वष्कयत |
| | अच्वष्कयम् | अच्वष्कयाव | अच्वष्कयाम |
| अ० | अषच्वष्कत् | अषच्वष्कताम् | अषच्वष्कन् |
| | अषच्वष्कः | अषच्वष्कतम् | अषच्वष्कत |
| | अषच्वष्कम् | अषच्वष्काव | अषच्वष्काम |
| प० | च्वष्कयाञ्चकार | च्वष्कयाञ्चक्रुः | च्वष्कयाञ्चकुः |
| | च्वष्कयाञ्चकथं | च्वष्कयाञ्च कथुः | च्वष्कयाञ्चक |
| | च्वष्कयाञ्चकार-चकर | च्वष्कयाञ्चकृव | च्वष्कयाञ्चकृम |
| | च्वष्कयाम्बभूव | च्वष्कयामास | |
| अ१० | च्वष्क्यात् | च्वष्क्यास्ताम् | च्वष्क्यासुः |
| | च्वष्क्याः | च्वष्क्यास्तम् | च्वष्क्यास्त |
| | च्वष्क्यासम् | च्वष्क्यास्व | च्वष्क्यास्त |
| श्च० | च्वष्कयिता | च्वष्कयितारौ | च्वष्कयितारः |
| | च्वष्कयितासि | च्वष्कयितास्थः | च्वष्कयितास्थ |
| | च्वष्कयितास्मि | च्वष्कयितास्वः | च्वष्कयितास्मः |
| भ० | च्वष्कयिष्यति | च्वष्कयिष्यतः | च्वष्कयिष्यन्ति |
| | च्वष्कयिष्यसि | च्वष्कयिष्यथः | च्वष्कयिष्यथ |
| | च्वष्कयिष्यामि | च्वष्कयिष्यावः | च्वष्कयिष्यामः |
| क्रि० | अच्वष्कयिष्यत् | अच्वष्कयिष्यताम् | अच्वष्कयिष्यन् |
| | अच्वष्कयिष्यः | अच्वष्कयिष्यतम् | अच्वष्कयिष्यत |
| | अच्वष्कयिष्यम् | अच्वष्कयिष्याव | अच्वष्कयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| ब० | च्वष्कयते | च्वष्कयेते | च्वष्कयन्ते |
| | च्वष्कयसे | च्वष्कयेथे | च्वष्कयध्वे |
| | च्वष्कये | च्वष्कयावहे | च्वष्कयामहे |
| स० | च्वष्कयेत | च्वष्कयेयाताम् | च्वष्कयेरन् |
| | च्वष्कयेथाः | च्वष्कयेयाथाम् | च्वष्कयेध्वम् |
| | च्वष्कयेय | च्वष्कयेवहि | च्वष्कयेमहि |
| प० | च्वष्कयताम् | च्वष्कयेताम् | च्वष्कयन्ताम् |
| | च्वष्कयस्व | च्वष्कयेथाम् | च्वष्कयध्वम् |
| | च्वष्कये | च्वष्कयावहे | च्वष्कयामहे |
| ह्य० | अच्वष्कयत | अच्वष्कयेताम् | अच्वष्कयन्त |
| | अच्वष्कयथाः | अच्वष्कयेथाम् | अच्वष्कयध्वम् |
| | अच्वष्कये | अच्वष्कयावहि | अच्वष्कयामहि |
| अ० | अषच्वष्कत | अषच्वष्कताम् | अषच्वष्कन्त |
| | अषच्वष्कथाः | अषच्वष्कथाम् | अषच्वष्कध्वम् |
| | अषच्वष्के | अषच्वष्कावहि | अषच्वष्कामहि |
| प० | च्वष्कयाञ्चक्रे | च्वष्कयाञ्चक्राते | च्वष्कयाञ्चक्रिरे |
| | च्वष्कयाञ्चकृषे | च्वष्कयाञ्चक्राथे | च्वष्कयाञ्चकृध्वे |
| | च्वष्कयाञ्चक्रे | च्वष्कयाञ्चकृवहे | च्वष्कयाञ्चकृमहे |
| | च्वष्कयाम्बभूव | च्वष्कयामास | |
| आ० | च्वष्कयिषीष्ट | च्वष्कयिषीयास्ताम् | च्वष्कयिषीरन् |
| | च्वष्कयिषीष्टाः | च्वष्कयिषीयास्थाम् | च्वष्कयिषीध्वम् |
| | च्वष्कयिषीय | च्वष्कयिषीवहि | च्वष्कयिषीमहि |
| श्च० | च्वष्कयिता | च्वष्कयितारौ | च्वष्कयितारः |
| | च्वष्कयितासे | च्वष्कयितासाथे | च्वष्कयिताध्वे |
| | च्वष्कयिताहे | च्वष्कयितास्वहे | च्वष्कयितास्महे |
| भ० | च्वष्कयिष्यते | च्वष्कयिष्येते | च्वष्कयिष्यन्ते |
| | च्वष्कयिष्यसे | च्वष्कयिष्येथे | च्वष्कयिष्यध्वे |
| | च्वष्कयिष्ये | च्वष्कयिष्यावहे | च्वष्कयिष्यामहे |
| क्रि० | अच्वष्कयिष्यत | अच्वष्कयिष्येताम् | अच्वष्कयिष्यन्त |
| | अच्वष्कयिष्यथाः | अच्वष्कयिष्येथाम् | अच्वष्कयिष्यध्वम् |
| | अच्वष्कयिष्ये | अच्वष्कयिष्यावहि | अच्वष्कयिष्यामहि |

630 वस्कि (वस्कि) गतौ ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० वस्कयति | वस्कयतः | वस्कयन्ति |
| वस्कयसि | वस्कयथः | वस्कयथ |
| वस्कयामि | वस्कयावः | वस्कयामः |
| ख० वस्कयेत् | वस्कयेताम् | वस्कयेयुः |
| वस्कयेः | वस्कयेतम् | वस्कयेत |
| वस्कयेयम् | वस्कयेव | वस्कयेम |
| प० वस्कयतु | वस्कयतात् | वस्कयताम् |
| वस्कय | वस्कयतात् | वस्कयतम् |
| वस्कयानि | वस्कयाव | वस्कयाम |
| ख० अवस्कयत् | अवस्कयताम् | अवस्कयन् |
| अवस्कयः | अवस्कयतम् | अवस्कयत |
| अवस्कयम् | अवस्कयाव | अवस्कयाम |
| अ० अववस्कत् | अववस्कताम् | अववस्कन् |
| अववस्कः | अववस्कतम् | अववस्कत |
| अववस्कम् | अववस्काव | अववस्काम |
| प० वस्कयाञ्चकार | वस्कयाञ्चक्रुः | वस्कयाञ्चकुः |
| वस्कयाञ्चकथं | वस्कयाञ्चक्रुः | वस्कयाञ्चक |
| वस्कयाञ्चकार-चकर | वस्कयाञ्चक्रुव | वस्कयाञ्चक्रम |
| वस्कयाम्बभूव | । | वस्कयामास |
| आ० वस्कयात् | वस्कयास्ताम् | वस्कयायुः |
| वस्कयाः | वस्कयास्तम् | वस्कयास्त |
| वस्कयासम् | वस्कयास्व | वस्कयास्त |
| श्व० वस्कयिता | वस्कयितारौ | वस्कयितारः |
| वस्कयितासि | वस्कयितस्थः | वस्कयितास्थ |
| वस्कयितास्मि | वस्कयितास्वः | वस्कयितास्मः |
| भ० वस्कयिष्यति | वस्कयिष्यतः | वस्कयिष्यन्ति |
| वस्कयिष्यसि | वस्कयिष्यथः | वस्कयिष्यथ |
| वस्कयिष्यामि | वस्कयिष्यावः | वस्कयिष्यामः |
| क्रि० अवस्कयिष्यत् | अवस्कयिष्यताम् | अवस्कयिष्यन् |
| अवस्कयिष्यः | अवस्कयिष्यतम् | अवस्कयिष्यत |
| अवस्कयिष्यम् | अवस्कयिष्याव | अवस्कयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| ब० वस्कयते | वस्कयेते | वस्कयन्ते |
| वस्कयसे | वस्कयेथे | वस्कयध्वे |
| वस्कये | वस्कयावहे | वस्कयामहे |
| स० वस्कयेत | वस्कयेयाताम् | वस्कयेरन् |
| वस्कयेथाः | वस्कयेयाथाम् | वस्कयेध्वम् |
| वस्कयेय | वस्कयेवहि | वस्कयेमहि |
| प० वस्कयताम् | वस्कयेताम् | वस्कयन्ताम् |
| वस्कयस्व | वस्कयेथाम् | वस्कयध्वम् |
| वस्कये | वस्कयावहे | वस्कयामहे |
| ह्य० अवस्कयत | अवस्कयेताम् | अवस्कयन्त |
| अवस्कयथाः | अवस्कयेथाम् | अवस्कयध्वम् |
| अवस्कये | अवस्कयावहि | अवस्कयामहि |
| अ० अववस्कत | अववस्केताम् | अववस्कन्त |
| अववस्कथाः | अववस्केथाम् | अववस्कध्वम् |
| अववस्के | अववस्कावहि | अववस्कामहि |
| प० वस्कयाञ्चक्रे | वस्कयाञ्चक्राते | वस्कयाञ्चकिरे |
| वस्कयाञ्चकृषे | वस्कयाञ्चक्राये | वस्कयाञ्चकृद्वे |
| वस्कयाञ्चक्रे | वस्कयाञ्चक्रवहे | वस्कयाञ्चक्रमहे |
| वस्कयाम्बभूव | । | वस्कयामास |
| आ० वस्कयिषीष्ट | वस्कयिषीयास्ताम् | वस्कयिषीरन् |
| वस्कयिषीष्टाः | वस्कयिषीयास्थाम् | वस्कयिषीध्वम् |
| वस्कयिषीय | वस्कयिषीवहि | वस्कयिषीमहि |
| श्व० वस्कयिता | वस्कयितारौ | वस्कयितारः |
| वस्कयितासे | वस्कयितासथे | वस्कयिताध्वे |
| वस्कयिताहे | वस्कयितास्वहे | वस्कयितास्महे |
| भ० वस्कयिष्यते | वस्कयिष्येते | वस्कयिष्यन्ते |
| वस्कयिष्यसे | वस्कयिष्येथे | वस्कयिष्यध्वे |
| वस्कयिष्ये | वस्कयिष्यावहे | वस्कयिष्यामहे |
| क्रि० अवस्कयिष्यत | अवस्कयिष्येताम् | अवस्कयिष्यन्त |
| अवस्कयिष्यथाः | अवस्कयिष्येथाम् | अवस्कयिष्यध्वम् |
| अवस्कयिष्ये | अवस्कयिष्यावहि | अवस्कयिष्यामहि |

63। मस्क (मस्क) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | मस्कयति | मस्कयतः | मस्कयन्ति |
| | मस्कयसि | मस्कयथः | मस्कयथ |
| | मस्कयामि | मस्कयावः | मस्कयामः |
| स० | मस्कयेत् | मस्कयेताम् | मस्कयेयुः |
| | मस्कयेः | मस्कयेतम् | मस्कयेत |
| | मस्कयेयम् | मस्कयेव | मस्कयेम |
| प० | मस्कयतु | मस्कयतात् | मस्कयताम् |
| | मस्कय | मस्कयतात् | मस्कयतम् |
| | मस्कयानि | मस्कयाव | मस्कयाम |
| ह्य० | अमस्कयत् | अमस्कयताम् | अमस्कयन् |
| | अमस्कयः | अमस्कयतम् | अमस्कयत |
| | अमस्कयम् | अमस्कयाव | अमस्कयाम |
| अ० | अममस्कत् | अममस्कताम् | अममस्कन् |
| | अममस्कः | अममस्कतम् | अममस्कत |
| | अममस्कम् | अममस्काव | अममस्काम |
| प० | मस्कयाश्चकार | मस्कयाश्चकतुः | मस्कयाश्चकुः |
| | मस्कयाश्चकथं | मस्कयाश्चकथुः | मस्कयाश्चक्र |
| | मस्कयाश्चकार-चकर | मस्कयाश्चकुव | मस्कयाश्चकुन |
| | मस्कयाम्बभूव | । | मस्कयामास |
| आ० | मस्कयात् | मस्कयास्ताम् | मस्कयासुः |
| | मस्कयाः | मस्कयास्तम् | मस्कयास्त |
| | मस्कयासम् | मस्कयास्व | मस्कयास्म |
| श्च० | मस्कयिता | मस्कयितारौ | मस्कयितारः |
| | मस्कयितासि | मस्कयितास्थः | मस्कयितास्थ |
| | मस्कयितास्मि | मस्कयितास्वः | मस्कयितास्मः |
| भ० | मस्कयिष्यति | मस्कयिष्यतः | मस्कयिष्यन्ति |
| | मस्कयिष्यसि | मस्कयिष्यथः | मस्कयिष्यथ |
| | मस्कयिष्यामि | मस्कयिष्यावः | मस्कयिष्यामः |
| क्रि० | अमस्कयिष्यत् | अमस्कयिष्यताम् | अमस्कयिष्यन् |
| | अमस्कयिष्य | अमस्कयिष्यतम् | अमस्कयिष्यत |
| | अमस्कयिष्यम् | अमस्कयिष्याव | अमस्कयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | मस्कयते | मस्कयेते | मस्कयन्ते |
| | मस्कयसे | मस्कयेथे | मस्कयध्वे |
| | मस्कये | मस्कयावहे | मस्कयामहे |
| स० | मस्कयेत | मस्कयेयाताम् | मस्कयेरन् |
| | मस्कयेथाः | मस्कयेयाथाम् | मस्कयेध्वम् |
| | मस्कयेथ | मस्कयेवहि | मस्कयेमहि |
| प० | मस्कयताम् | मस्कयेताम् | मस्कयन्ताम् |
| | मस्कयस्व | मस्कयेथाम् | मस्कयध्वम् |
| | मस्कये | मस्कयावहे | मस्कयामहे |
| ह्य० | अमस्कयत | अमस्कयेताम् | अमस्कयन्त |
| | अमस्कयथाः | अमस्कयेथाम् | अमस्कयध्वम् |
| | अमस्कये | अमस्कयावहि | अमस्कयामहि |
| अ० | अममस्कत | अममस्केताम् | अममस्कन्त |
| | अममस्कथाः | अममस्केथाम् | अममस्कध्वम् |
| | अममस्के | अममस्कावहि | अममस्कामहि |
| प० | मस्कयाश्चक्रे | मस्कयाश्चक्राते | मस्कयाश्चकिरे |
| | मस्कयाश्चकृषे | मस्कयाश्चक्राथे | मस्कयाश्चकृध्वे |
| | मस्कयाश्चक्रे | मस्कयाश्चकृवहे | मस्कयाश्चकृमहे |
| | मस्कयाम्बभूव | । | मस्कयामास |
| आ० | मस्कयिषीष्ट | मस्कयिषीयास्ताम् | मस्कयिषीरन् |
| | मस्कयिषीष्ठाः | मस्कयिषीयास्थाम् | मस्कयिषीध्वम् |
| | मस्कयिषीय | मस्कयिषीवहि | मस्कयिषीमहि |
| श्च० | मस्कयिता | मस्कयितारौ | मस्कयितारः |
| | मस्कयितासे | मस्कयितासाथे | मस्कयिताध्वे |
| | मस्कयिताहे | मस्कयितास्वहे | मस्कयितास्महे |
| भ० | मस्कयिष्यते | मस्कयिष्येते | मस्कयिष्यन्ते |
| | मस्कयिष्यसे | मस्कयिष्येथे | मस्कयिष्यध्वे |
| | मस्कयिष्ये | मस्कयिष्यावहे | मस्कयिष्यामहे |
| क्रि० | अमस्कयिष्यत | अमस्कयिष्येताम् | अमस्कयिष्यन्त |
| | अमस्कयिष्यथाः | अमस्कयिष्येथाम् | अमस्कयिष्यध्वम् |
| | अमस्कयिष्ये | अमस्कयिष्यावहि | अमस्कयिष्यामहि |

632 f ह (तिक्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | तेकयति | तेकयतः | तेकयन्ति |
| | तेकयसि | तेकयथः | तेकयथ |
| | तेकयामि | तेकयावः | तेकयामः |
| स० | तेकयेत् | तेकयेताम् | तेकयेयुः |
| | तेकयेः | तेकयेतम् | तेकयेत |
| | तेकयेयम् | तेकयेव | तेकयेम |
| प० | तेकयतु | तेकयतात् | तेकयताम् |
| | तेकय | तेकयतात् | तेकयतम् |
| | तेकयानि | तेकयाव | तेकयाम |
| ह्य० | अतेकयत् | अतेकयताम् | अतेकयन् |
| | अतेकयः | अतेकयतम् | अतेकयत |
| | अतेकयम् | अतेकयाव | अतेकयाम |
| अ० | अतीतिकत् | अतीतिकताम् | अतीतिकन् |
| | अतीतिकः | अतीतिकतम् | अतीतिकत |
| | अतीतिकम् | अतीतिकाव | अतीतिकाम |
| प० | तेकयाश्चकार | तेकयाश्चकतुः | तेकयाश्चकुः |
| | तेकयाश्चकथ | तेकयाश्चकथुः | तेकयाश्चक |
| | तेकयाश्चकार-चकर | तेकयाश्चकृव | तेकयाश्चकृम |
| | तेकयाम्बभूव | । | तेकयामास |
| आ० | तेकयात् | तेकयास्ताम् | तेकयासुः |
| | तेकयाः | तेकयास्तम् | तेकयास्त |
| | तेकयासम् | तेकयास्व | तेकयास्म |
| श्व० | तेकयिता | तेकयितारौ | तेकयितारः |
| | तेकयितासि | तेकयितास्थः | तेकयितास्थ |
| | तेकयितास्मि | तेकयितास्वः | तेकयितास्मः |
| भ० | तेकयिष्यति | तेकयिष्यतः | तेकयिष्यन्ति |
| | तेकयिष्यसि | तेकयिष्यथः | तेकयिष्यथ |
| | तेकयिष्यामि | तेकयिष्यावः | तेकयिष्यामः |
| क्रि० | अतेकयिष्यत् | अतेकयिष्यताम् | अतेकयिष्यन् |
| | अतेकयिष्यः | अतेकयिष्यतम् | अतेकयिष्यत |
| | अतेकयिष्यम् | अतेकयिष्याव | अतेकयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तेकयते | तेकयेते | तेकयन्ते |
| | तेकयसे | तेकयेथे | तेकयध्वे |
| | तेकये | तेकयावहे | तेकयामहे |
| स० | तेकयेत | तेकयेयाताम् | तेकयेरन् |
| | तेकयेथाः | तेकयेयाथाम् | तेकयेध्वम् |
| | तेकयेय | तेकयेवहि | तेकयेमहि |
| प० | तेकयताम् | तेकयेताम् | तेकयन्ताम् |
| | तेकयस्व | तेकयेथाम् | तेकयध्वम् |
| | तेकये | तेकयावहे | तेकयामहे |
| ह्य० | अतेकयत | अतेकयेताम् | अतेकयन्त |
| | अतेकयथाः | अतेकयेथाम् | अतेकयध्वम् |
| | अतेकये | अतेकयावहि | अतेकयामहि |
| अ० | अतीतिकत् | अतीतिकेताम् | अतीतिकन्त |
| | अतीतिकथाः | अतीतिकेथाम् | अतीतिकध्वम् |
| | अतीतिके | अतीतिकावहि | अतीतिकामहि |
| प० | तेकयाश्चक्रे | तेकयाश्चकाते | तेकयाश्चकिरे |
| | तेकयाश्चकृषे | तेकयाश्चकाथे | तेकयाश्चकृद्वे |
| | तेकयाश्चक्रे | तेकयाश्चकृवहे | तेकयाश्चकृमहे |
| | तेकयाम्बभूव | । | तेकयामास |
| आ० | तेकयिषीष्ट | तेकयिषीयास्ताम् | तेकयिषीरन् |
| | तेकयिषीष्टाः | तेकयिषीयास्थाम् | तेकयिषीध्वम् |
| | तेकयिषीय | तेकयिषीवहि | तेकयिषीमहि |
| श्व० | तेकयिता | तेकयितारौ | तेकयितारः |
| | तेकयितासे | तेकयितासाथे | तेकयिताध्वे |
| | तेकयिताहे | तेकयितास्वहे | तेकयितामहे |
| भ० | तेकयिष्यते | तेकयिष्येते | तेकयिष्यन्ते |
| | तेकयिष्यसे | तेकयिष्येथे | तेकयिष्यध्वे |
| | तेकयिष्ये | तेकयिष्यावहे | तेकयिष्यामहे |
| क्रि० | अतेकयिष्यत् | अतेकयिष्येताम् | अतेकयिष्यन्त |
| | अतेकयिष्यथाः | अतेकयिष्येथाम् | अतेकयिष्यध्वम् |
| | अतेकयिष्ये | अतेकयिष्यावहि | अतेकयिष्यामहि |

633 टिकि (टिक्) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| ब० | टेकयति | टेकयतः | टेकयन्ति |
| | टेकयसि | टेकयथः | टेकयथ |
| | टेकयामि | टेकयावः | टेकयामः |
| स० | टेकयेत् | टेकयेताम् | टेकयेयुः |
| | टेकयेः | टेकयेतम् | टेकयेत |
| | टेकयेयम् | टेकयेव | टेकयेम |
| प० | टेकयतु | टेकयतात् | टेकयन्तु |
| | टेकय | टेकयतात् | टेकयत |
| | टेकयानि | टेकयाव | टेकयाम |
| ह्य० | अटेकयत् | अटेकयताम् | अटेकयन् |
| | अटेकयः | अटेकयतम् | अटेकयत |
| | अटेकयम् | अटेकयाव | अटेकयाम |
| अ० | अटीटिकत् | अटीटिकताम् | अटीटिकन् |
| | अटीटिकः | अटीटिकतम् | अटीटिकन |
| | अटीटिकम् | अटीटिकाव | अटीटिकाम |
| प० | टेकयाञ्चकार | टेकयाञ्चकतुः | टेकयाञ्चकुः |
| | टेकयाञ्चकर्थ | टेकयाञ्चकथुः | टेकयाञ्चक |
| | टेकयाञ्चकार-चक्र | टेकयाञ्चकृव | टेकयाञ्चकृम |
| | टेकयाम्बभूव | । | टेकयामास |
| आ० | टेक्यात् | टेक्यास्ताम् | टेक्यासुः |
| | टेक्याः | टेक्यास्तम् | टेक्यास्त |
| | टेक्यासम् | टेक्यास्व | टेक्यास्म |
| श्व० | टेकयिता | टेकयितारौ | टेकयितारः |
| | टेकयितासि | टेकयितासथः | टेकयितासथ |
| | टेकयितास्मि | टेकयितास्वः | टेकयितास्मः |
| भ० | टेकयिष्यति | टेकयिष्यतः | टेकयिष्यन्ति |
| | टेकयिष्यसि | टेकयिष्यथः | टेकयिष्यथ |
| | टेकयिष्यामि | टेकयिष्यावः | टेकयिष्यामः |
| क्रि० | अटेकयिष्यत् | अटेकयिष्यताम् | अटेकयिष्यन् |
| | अटेकयिष्यः | अटेकयिष्यतम् | अटेकयिष्यत |
| | अटेकयिष्यम् | अटेकयिष्याव | अटेकयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | टेकयते | टेकयेते | टेकयन्ते |
| | टेकयसे | टेकयेथे | टेकयध्वे |
| | टेकये | टेकयावहे | टेकयामहे |
| स० | टेकयेत | टेकयेयाताम् | टेकयेरन् |
| | टेकयेथाः | टेकयेयाथाम् | टेकयेष्वम |
| | टेकयेय | टेकयेवहि | टेकयेमहि |
| प० | टेकयताम् | टेकयेताम् | टेकयन्ताम् |
| | टेकयस्व | टेकयेथाम् | टेकयष्वम् |
| | टेकये | टेकयावहे | टेकयामहे |
| ह्य० | अटेकयत | अटेकयेताम् | अटेकयन्त |
| | अटेकयथाः | अटेकयेथाम् | अटेकयध्वम् |
| | अटेकये | अटेकयावहि | अटेकयामहि |
| अ० | अटीटिकत | अटीटिकेताम् | अटीटिकन्त |
| | अटीटिकथाः | अटीटिकेथाम् | अटीटिकध्वम् |
| | अटीटिके | अटीटिकावहि | अटीटिकामहि |
| प० | टेकयाञ्चके | टेकयाञ्चकाते | टेकयाञ्चकिरे |
| | टेकयाञ्चकृषे | टेकयाञ्चकाथे | टेकयाञ्चकृद्वे |
| | टेकयाञ्चके | टेकयाञ्चकृवहे | टेकयाञ्चकृमहे |
| | टेकयाम्बभूव | । | टेकयामास |
| आ० | टेकयिषीष्ट | टेकयिषीयास्ताम् | टेकयिषीरन् |
| | टेकयिषीष्टाः | टेकयिषीयास्थाम् | टेकयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | टेकयिषीय | टेकयिषीवहि | टेकयिषीमहि |
| श्व० | टेकयिता | टेकयितारौ | टेकयितारः |
| | टेकयितासे | टेकयितासाथे | टेकयिताध्वे |
| | टेकयिताहे | टेकयितास्वहे | टेकयितास्महे |
| भ० | टेकयिष्यते | टेकयिष्यते | टेकयिष्यन्ते |
| | टेकयिष्यसे | टेकयिष्येथे | टेकयिष्यध्वे |
| | टेकयिष्ये | टेकयिष्यावहे | टेकयिष्यामहे |
| क्रि० | अटेकयिष्यत | अटेकयिष्येताम् | अटेकयिष्यन्त |
| | अटेकयिष्यथाः | अटेकयिष्येथाम् | अटेकयिष्यध्वम् |
| | अटेकयिष्ये | अटेकयिष्यावहि | अटेकयिष्यामहि |

634 टीकङ् (टीक्) गतौ ।

| | | |
|-----------------|---------------|--------------|
| ३० टीकयति | टीकयतः | टीकयन्ति |
| टीकयसि | टीकयथः | टीकयथ |
| टीकयामि | टीकयावः | टीकयामः |
| स० टीकयेत् | टीकयेताम् | टीकयेयुः |
| टीकयेः | टीकयेतम् | टीकयेत |
| टीकयेयम् | टीकयेव | टीकयेम |
| ५० टीकयतु | टीकयताम् | टीकयन्तु |
| टीकय | टीकयतात् | टीकयतम् |
| टीकयानि | टीकयाव | टीकयाम |
| ४० अटीकयत् | अटीकयताम् | अटीकयन् |
| अटीकयः | अटीकयतम् | अटीकयत |
| अटीकयम् | अटीकयाव | अटीकयाम |
| अ० अटिटीकत् | अटिटीकताम् | अटिटीकन् |
| अटिटीकः | अटिटीकतम् | अटिटीकत |
| अटिटीकम् | अटिटीकाव | अटिटीकाम |
| ५० टीकयाञ्चकार | टीकयाञ्चकतुः | टीकयाञ्चकुः |
| टीकयाञ्चकर्थ | टीकयाञ्चकथुः | टीकयाञ्चक |
| टीकयाञ्चकार-चकर | टीकयाञ्चकृव | टीकयाञ्चकृम |
| टीकयाञ्चभूव | । | टीकयामास |
| आ० टीकयात् | टीकयास्ताम् | टीकयासुः |
| टीकयाः | टीकयास्तम् | टीकयास्त |
| टीकयासम् | टीकयास्व | टीकयास्म |
| ३० टीकयिता | टीकयितारौ | टीकयितारः |
| टीकयितासि | टीकयितास्थः | टीकयितास्थ |
| टीकयितास्मि | टीकयितास्वः | टीकयितास्मः |
| अ० टीकयिष्यति | टीकयिष्यतः | टीकयिष्यन्ति |
| टीकयिष्यसि | टीकयिष्यथः | टीकयिष्यथ |
| टीकयिष्यामि | टीकयिष्यावः | टीकयिष्यामः |
| ५० अटीकयिष्यत् | अटीकयिष्यताम् | अटीकयिष्यन् |
| अटीकयिष्यः | अटीकयिष्यतम् | अटीकयिष्यत |
| अटीकयिष्यम् | अटीकयिष्याव | अटीकयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० टीकयते | टीकयेते | टीकयन्ते |
| टीकयसे | टीकयेथे | टीकयध्वे |
| टीकये | टीकयावहे | टीकयामहे |
| स० टीकयेत | टीकयेयाताम् | टीकयेरन् |
| टीकयेथाः | टीकयेयाथाम् | टीकयेध्वम् |
| टीकयेय | टीकयेवहि | टीकयेमहि |
| ५० टीकयताम् | टीकयेताम् | टीकयन्ताम् |
| टीकयस्व | टीकयेथाम् | टीकयध्वम् |
| टीकयै | टीकयावहे | टीकयामहे |
| ४० अटीकयत | अटीकयेताम् | अटीकयन्त |
| अटीकयथाः | अटीकयेथाम् | अटीकयध्वम् |
| अटीकयै | अटीकयावहि | अटीकयामहि |
| अ० अटिटीकत | अटिटीकेताम् | अटिटीकन्त |
| अटिटीकथाः | अटिटीकेथाम् | अटिटीकध्वम् |
| अटिटीके | अटिटीकावहि | अटिटीकामहि |
| ५० टीकयाञ्चके | टीकयाञ्चकते | टीकयाञ्चकिरे |
| टीकयाञ्चकृषे | टीकयाञ्चकाये | टीकयाञ्चकृद्वे |
| टीकयाञ्चके | टीकयाञ्चकृवहे | टीकयाञ्चकृमहे |
| टीकयाञ्चभूव | । | टीकयामास |
| आ० टीकयिषीष्ट | टीकयिषीयास्ताम् | टीकयिषीरन् |
| टीकयिषीष्ठाः | टीकयिषीयास्थाम् | टीकयिषीध्वम् |
| टीकयिषीय | टीकयिषीवहि | टीकयिषीमहि |
| ३० टीकयिता | टीकयितारौ | टीकयितारः |
| टीकयितासे | टीकयितासाथे | टीकयिताध्वे |
| टीकयिताहे | टीकयितास्वहे | टीकयितास्महे |
| अ० टीकयिष्यते | टीकयिष्येते | टीकयिष्यन्ते |
| टीकयिष्यसे | टीकयिष्येथे | टीकयिष्यध्वे |
| टीकयिष्ये | टीकयिष्यावहे | टीकयिष्यामहे |
| क्रि० अटीकयिष्यत | अटीकयिष्येताम् | अटीकयिष्यन्त |
| अटीकयिष्यथाः | अटीकयिष्येथाम् | अटीकयिष्यध्वम् |
| अटीकयिष्ये | अटीकयिष्यावहि | अटीकयिष्यामहि |

635 सेकृङ् (सेक्) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|---------------|
| ब० | सेकयति | सेकयतः | सेकयन्ति |
| | सेकयसि | सेकयथः | सेकयथ |
| | सेकयामि | सेकयावः | सेकयामः |
| स० | सेकयेत् | सेकयेताम् | सेकयेयुः |
| | सेकयेः | सेकयेतम् | सेकयेत |
| | सेकयेयम् | सेकयेव | सेकयेम |
| प० | सेकयतु | सेकयतात् | सेकयताम् |
| | सेकय | सेकयतात् | सेकयतम् |
| | सेकयानि | सेकयान् | सेकयाम |
| ह्य० | असेकयत् | असेकयताम् | असेकयन् |
| | असेकयः | असेकयतम् | असेकयत |
| | असेकयम् | असेकयाव | असेकयाम |
| अ० | अमिसेकत् | अमिसेकताम् | अमिसेकन् |
| | अमिसेकः | अमिसेकतम् | अमिसेकत |
| | अमिसेकम् | अमिसेकाव | अमिसेकाम |
| प० | सेकयाञ्चक्र | सेकयाञ्चक्रुः | सेकयाञ्चक्रः |
| | सेकयाञ्चक्र्य | सेकयाञ्चक्र्युः | सेकयाञ्चक्र |
| | सेकयाञ्चकार-चक्र | सेकयाञ्चक्रव | सेकयाञ्चक्रुः |
| | सेकयाम्बभूव | सेकयामास | |
| आ० | सेकयात् | सेकयास्ताम् | सेकयासुः |
| | सेकयाः | सेकयास्तम् | सेकयास्त |
| | सेकयासम् | सेकयास्व | सेकयास्म |
| भ० | सेकयिता | सेकयितारौ | सेकयितारः |
| | सेकयितासि | सेकयितास्यः | सेकयितास्य |
| | सेकयितास्मि | सेकयितास्वः | सेकयितास्मः |
| भ० | सेकयिष्यति | सेकयिष्यतः | सेकयिष्यन्ते |
| | सेकयिष्यसि | सेकयिष्यथः | सेकयिष्यथ |
| | सेकयिष्यामि | सेकयिष्यावः | सेकयिष्यामः |
| क्रि० | असेकयिष्यत् | असेकयिष्यताम् | असेकयिष्यन् |
| | असेकयिष्यः | असेकयिष्यतम् | असेकयिष्यत |
| | असेकयिष्यम् | असेकयिष्याव | असेकयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | सेकयते | सेकयते | सेकयन्ते |
| | सेकयसे | सेकयेथे | सेकयध्वे |
| | सेकये | सेकयावहे | सेकयामहे |
| स० | सेकयेत | सेकयेयाताम् | सेकयेरन् |
| | सेकयेथाः | सेकयेयाथाम् | सेकयेध्वम् |
| | सेकयेथ | सेकयेवहि | सेकयेमहि |
| प० | सेकयताम् | सेकयेताम् | सेकयन्ताम् |
| | सेकयस्व | सेकयेथाम् | सेकयध्वम् |
| | सेकये | सेकयावहे | सेकयामहे |
| ह्य० | असेकयत | असेकयेताम् | असेकयन्त |
| | असेकयथाः | असेकयेथाम् | असेकयध्वम् |
| | असेकये | असेकयावहि | असेकयामहि |
| अ० | असिसेकत | असिसेकेताम् | असिसेकन्त |
| | असिसेकथाः | असिसेकेथाम् | असिसेकध्वम् |
| | असिसेके | असिसेकावहि | असिसेकामहि |
| प० | सेकयाञ्चके | सेकयाञ्चकाते | सेकयाञ्चकिरे |
| | सेकयाञ्चक्रे | सेकयाञ्चक्राथे | सेकयाञ्चक्रुवे |
| | सेकयाञ्चके | सेकयाञ्चक्रुवहे | सेकयाञ्चक्रुमहे |
| | सेकयाम्बभूव | सेकयामास | |
| आ० | सेकयिषीष्ट | सेकयिषीयास्ताम् | सेकयिषीरन् |
| | सेकयिषीष्ठाः | सेकयिषीयाथाम् | सेकयिषीध्वम् |
| | सेकयिषीय | सेकयिषीवहि | सेकयिषीमहि |
| भ० | सेकयिता | सेकयितारौ | सेकयितारः |
| | सेकयितासे | सेकयितासाथे | सेकयिताध्वे |
| | सेकयिताहे | सेकयितास्वहे | सेकयितास्महे |
| भ० | सेकयिष्यते | सेकयिष्येते | सेकयिष्यन्ते |
| | सेकयिष्यसे | सेकयिष्येथे | सेकयिष्यध्वे |
| | सेकयिष्ये | सेकयिष्यावहे | सेकयिष्यामहे |
| क्रि० | असेकयिष्यत | असेकयिष्येताम् | असेकयिष्यन्त |
| | असेकयिष्यथाः | असेकयिष्येथाम् | असेकयिष्यध्वम् |
| | असेकयिष्ये | असेकयिष्यावहि | असेकयिष्यमहि |

(६१०) मुनिश्रोलावप्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| 636 सैकृड् (सकृ) गतौ । | | | | व० | स्वकयते | स्वकयेते | स्वकयन्ते |
|------------------------|--------------|-----------------|-------------------|-------|---------------|------------------|--------------------|
| व० | स्वकयति | स्वकयतः | स्वकयन्ति | | स्वकयसे | स्वकयेथे | स्वकयध्वे |
| | स्वकयसि | स्वकयथः | स्वकयथ | | स्वकये | स्वकयावहे | स्वकयामहे |
| | स्वकयामि | स्वकयावः | स्वकयामः | स० | स्वकयेत | स्वकयेयाताम् | स्वकयेरन् |
| स० | स्वकयेत् | स्वकयेताम् | स्वकयेयुः | | स्वकयेथाः | स्वकयेथायाम् | स्वकयेध्वम् |
| | स्वकयेः | स्वकयेतम् | स्वकयेत | | स्वकयेय | स्वकयेवहि | स्वकयेमहि |
| | स्वकयेयम् | स्वकयेव | स्वकयेम | प० | स्वकयताम् | स्वकयेताम् | स्वकयन्ताम् |
| प० | स्वकयतु | स्वकयतात् | स्वकयताम् | | स्वकयस्व | स्वकयेथाम् | स्वकयध्वम् |
| | स्वकय | स्वकयतात् | स्वकयतम् | | स्वकये | स्वकयावहे | स्वकयामहे |
| | स्वकयाणि | स्वकयाव | स्वकयाम | ह्य० | अस्वकयत | अस्वकयेताम् | अस्वकयन्त |
| ० | अस्वकयत् | अस्वकयताम् | अस्वकयन् | | अस्वकयथाः | अस्वकयेथाम् | अस्वकयध्वम् |
| | अस्वकयः | अस्वकयतम् | अस्वकयत | | अस्वकये | अस्वकयावहि | अस्वकयामहि |
| | अस्वकयम् | अस्वकयाव | अस्वकयाम | अ० | असिस्वकत | असिस्वकेताम् | असिस्वकन्त |
| अ० | असिस्वकत् | असिस्वकेताम् | असिस्वकन् | | असिस्वकथाः | असिस्वकेथाम् | असिस्वकध्वम् |
| | असिस्वकः | असिस्वकतम् | असिस्वकत | | असिस्वके | असिस्वकावहि | असिस्वकामहि |
| | असिस्वकम् | असिस्वकाव | असिस्वकाम | प० | स्वकयाश्चक्रे | स्वकयाश्चक्राते | स्वकयाश्चक्रिरे इ० |
| प० | स्वकयाश्चकार | स्वकयाश्चक्रतुः | स्वकयाश्चक्रुः इ० | आ० | स्वकयिषीष्ट | स्वकयिषीयास्ताम् | स्वकयिषीरन् इ० |
| आ० | स्वकयात् | स्वकयास्ताम् | स्वकयासुः इ० | भ० | स्वकयिता | स्वकयितारौ | स्वकयितारः इ० |
| भ० | स्वकयिता | स्वकयितारौ | स्वकयितारः इ० | भ० | स्वकयिष्यते | स्वकयिष्येते | स्वकयिष्यन्ते इ० |
| भ० | स्वकयिष्यति | स्वकयिष्यतः | स्वकयिष्यन्ति इ० | क्रि० | अस्वकयिष्यत | अस्वकयिष्येताम् | अस्वकयिष्यन्त इ० |
| क्रि० | अस्वकयिष्यत् | अस्वकयिष्यताम् | अस्वकयिष्यन् इ० | | | | |

॥ अथ घान्ता नव ॥

637 रघुङ् (रङ्घ्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|----------------|
| व० | रङ्घयति | रङ्घयतः | रङ्घयन्ति |
| | रङ्घयसि | रङ्घयथः | रङ्घयथ |
| | रङ्घयामि | रङ्घयावः | रङ्घयामः |
| स० | रङ्घयेत् | रङ्घयेताम् | रङ्घयेयुः |
| | रङ्घयेः | रङ्घयेतम् | रङ्घयेत |
| | रङ्घयेयम् | रङ्घयेव | रङ्घयेम |
| प० | रङ्घयतु | रङ्घयतात् | रङ्घयन्तु |
| | रङ्घय | रङ्घयतात् | रङ्घयत |
| | रङ्घयाणि | रङ्घयाव | रङ्घयाम |
| झ० | अरङ्घयत् | अरङ्घयताम् | अरङ्घयन् |
| | अरङ्घयः | अरङ्घयतम् | अरङ्घयत |
| | अरङ्घयम् | अरङ्घयाव | अरङ्घयाम |
| ञ० | अररङ्घत् | अररङ्घताम् | अररङ्घन् |
| | अररङ्घः | अररङ्घतम् | अररङ्घत |
| | अररङ्घम् | अररङ्घाव | अररङ्घाम |
| प० | रङ्घयाश्चकार | रङ्घयाश्चक्रुः | रङ्घयाश्चक्रुः |
| | रङ्घयाश्चकर्त्तुं | रङ्घयाश्चक्रुः | रङ्घयाश्चक्रुः |
| | रङ्घयाश्चकार-चकर | रङ्घयाश्चक्रुव | रङ्घयाश्चक्रुम |
| | रङ्घयाम्बभूव | । | रङ्घयामास |
| आ० | रङ्घ्यात् | रङ्घ्यास्ताम् | रङ्घ्यासुः |
| | रङ्घ्याः | रङ्घ्यास्तम् | रङ्घ्यास्त |
| | रङ्घ्यासम् | रङ्घ्यास्व | रङ्घ्यास्म |
| इ० | रङ्घयिता | रङ्घयितारौ | रङ्घयितारः |
| | रङ्घयितासि | रङ्घयितास्थः | रङ्घयितास्थ |
| | रङ्घयितामि | रङ्घयितास्वः | रङ्घयितास्मः |
| भ० | रङ्घयिष्यति | रङ्घयिष्यतः | रङ्घयिष्यन्ति |
| | रङ्घयिष्यसि | रङ्घयिष्यथः | रङ्घयिष्यथ |
| | रङ्घयिष्यामि | रङ्घयिष्यावः | रङ्घयिष्यामः |
| क्रि० | अरङ्घयिष्यत् | अरङ्घयिष्यताम् | अरङ्घयिष्यन् |
| | अरङ्घयिष्यः | अरङ्घयिष्यतम् | अरङ्घयिष्यत |
| | अरङ्घयिष्यम् | अरङ्घयिष्याव | अरङ्घयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| व० | रङ्घयते | रङ्घयेते | रङ्घयन्ते |
| | रङ्घयसे | रङ्घयेथे | रङ्घयध्वे |
| | रङ्घये | रङ्घयावहे | रङ्घयामहे |
| स० | रङ्घयेत | रङ्घयेयाताम् | रङ्घयेरन् |
| | रङ्घयेथाः | रङ्घयेयाथाम् | रङ्घयेध्वम् |
| | रङ्घयेय | रङ्घयेवहि | रङ्घयेमहि |
| प० | रङ्घयताम् | रङ्घयेताम् | रङ्घयन्ताम् |
| | रङ्घयस्व | रङ्घयेयाम् | रङ्घयध्वम् |
| | रङ्घये | रङ्घयावहे | रङ्घयामहे |
| ह्य० | अरङ्घयत | अरङ्घयेताम् | अरङ्घयन्त |
| | अरङ्घयथाः | अरङ्घयेथाम् | अरङ्घयध्वम् |
| | अरङ्घये | अरङ्घयावहि | अरङ्घयामहि |
| अ० | अररङ्घत | अररङ्घेताम् | अररङ्घन्त |
| | अररङ्घथाः | अररङ्घेथाम् | अररङ्घध्वम् |
| | अररङ्घे | अररङ्घावहि | अररङ्घामहि |
| प० | रङ्घयाश्चक्रे | रङ्घयाश्चक्राते | रङ्घयाश्चक्रिरे |
| | रङ्घयाश्चक्रुषे | रङ्घयाश्चक्राये | रङ्घयाश्चक्रुद्वे |
| | रङ्घयाश्चक्रे | रङ्घयाश्चक्रवहे | रङ्घयाश्चक्रमहे |
| | रङ्घयाम्बभूव | । | रङ्घयामास |
| आ० | रङ्घयिषीष्ट | रङ्घयिषीयास्ताम् | रङ्घयिषीरन् |
| | रङ्घयिषीष्टाः | रङ्घयिषीयास्थाम् | रङ्घयिषीद्वम् |
| | रङ्घयिषीय | रङ्घयिषीवहि | रङ्घयिषीमहि |
| इ० | रङ्घयिता | रङ्घयितारौ | रङ्घयितारः |
| | रङ्घयितासे | रङ्घयितासाथे | रङ्घयिताध्वे |
| | रङ्घयिताहि | रङ्घयितास्वहे | रङ्घयितास्महे |
| भ० | रङ्घयिष्यते | रङ्घयिष्येते | रङ्घयिष्यन्ते |
| | रङ्घयिष्यसे | रङ्घयिष्येथे | रङ्घयिष्यध्वे |
| | रङ्घयिष्ये | रङ्घयिष्यावहे | रङ्घयिष्यामहे |
| क्रि० | अरङ्घयिष्यत | अरङ्घयिष्येताम् | अरङ्घयिष्यन्त |
| | अरङ्घयिष्यथाः | अरङ्घयिष्येथाम् | अरङ्घयिष्यध्वम् |
| | अरङ्घयिष्ये | अरङ्घयिष्यावहि | अरङ्घयिष्यामहि |

638 लघुङ् (लङ्घ्) गतौ । भोजननिवृत्तावपि

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | लङ्घयति | लङ्घयतः | लङ्घयन्ति |
| | लङ्घयसि | लङ्घयथः | लङ्घयथ |
| | लङ्घयामि | लङ्घयावः | लङ्घयामः |
| स० | लङ्घयेत् | लङ्घयेताम् | लङ्घयेयुः |
| | लङ्घयेः | लङ्घयेतम् | लङ्घयेत |
| | लङ्घयेयम् | लङ्घयेव | लङ्घयेम |
| प० | लङ्घयतु | लङ्घयतात् | लङ्घयताम् |
| | लङ्घय | लङ्घयतात् | लङ्घयतम् |
| | लङ्घयत | लङ्घयतम् | लङ्घयत |
| | लङ्घयानि | लङ्घयाव | लङ्घयाम |
| ह्य० | अलङ्घयत् | अलङ्घयताम् | अलङ्घयन् |
| | अलङ्घयः | अलङ्घयतम् | अलङ्घयत |
| | अलङ्घयम् | अलङ्घयाव | अलङ्घयाम |
| भ० | अलङ्घयत् | अलङ्घयताम् | अलङ्घयन् |
| | अलङ्घयः | अलङ्घयतम् | अलङ्घयत |
| | अलङ्घयम् | अलङ्घयाव | अलङ्घयाम |
| प० | लङ्घयाश्चकार | लङ्घयाश्चकतुः | लङ्घयाश्चकुः |
| | लङ्घयाश्चकथं | लङ्घयाश्चकथः | लङ्घयाश्चकथम् |
| | लङ्घयाश्चकार-चकर | लङ्घयाश्चकृव | लङ्घयाश्चकृम |
| | लङ्घयाम्बभूव | लङ्घयामास | |
| भा० | लङ्घ्यात् | लङ्घ्यास्ताम् | लङ्घ्यासुः |
| | लङ्घ्याः | लङ्घ्यास्तम् | लङ्घ्यास्त |
| | लङ्घ्यासम् | लङ्घ्यास्व | लङ्घ्यासम् |
| क्ष० | लङ्घयिता | लङ्घयितारौ | लङ्घयितारः |
| | लङ्घयितासि | लङ्घयितास्थः | लङ्घयितास्थ |
| | लङ्घयितामि | लङ्घयितास्वः | लङ्घयितासम् |
| भ० | लङ्घयिष्यति | लङ्घयिष्यतः | लङ्घयिष्यन्ति |
| | लङ्घयिष्यसि | लङ्घयिष्यथः | लङ्घयिष्यथ |
| | लङ्घयिष्यामि | लङ्घयिष्यावः | लङ्घयिष्यामः |
| क्रि० | अलङ्घयिष्यत् | अलङ्घयिष्यताम् | अलङ्घयिष्यन् |
| | अलङ्घयिष्यः | अलङ्घयिष्यतम् | अलङ्घयिष्यत |
| | अलङ्घयिष्यम् | अलङ्घयिष्याव | अलङ्घयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | लङ्घयते | लङ्घयेते | लङ्घयन्ते |
| | लङ्घयसे | लङ्घयेथे | लङ्घयन्वे |
| | लङ्घये | लङ्घयावहे | लङ्घयामहे |
| स० | लङ्घयेत | लङ्घयेयाताम् | लङ्घयेरन् |
| | लङ्घयेथाः | लङ्घयेयाथाम् | लङ्घयेथ्वम् |
| | लङ्घयेय | लङ्घयेवहि | लङ्घयेमहि |
| प० | लङ्घयताम् | लङ्घयेताम् | लङ्घयन्ताम् |
| | लङ्घयस्व | लङ्घयेथाम् | लङ्घयन्वम् |
| | लङ्घये | लङ्घयावहे | लङ्घयामहे |
| ह्य० | अलङ्घयत | अलङ्घयेताम् | अलङ्घयन्त |
| | अलङ्घयथाः | अलङ्घयेथाम् | अलङ्घयन्वम् |
| | अलङ्घये | अलङ्घयावहि | अलङ्घयामहि |
| भ० | अलङ्घयत | अलङ्घयेताम् | अलङ्घयन्त |
| | अलङ्घयथाः | अलङ्घयेथाम् | अलङ्घयन्वम् |
| | अलङ्घये | अलङ्घयावहि | अलङ्घयामहि |
| प० | लङ्घयाश्चक्रे | लङ्घयाश्चक्रते | लङ्घयाश्चकिरे |
| | लङ्घयाश्चकृषे | लङ्घयाश्चकृथे | लङ्घयाश्चकृध्वे |
| | लङ्घयाश्चक्रे | लङ्घयाश्चकृवहे | लङ्घयाश्चकृमहे |
| | लङ्घयाम्बभूव | लङ्घयामास | |
| भा० | लङ्घयिषीष्ट | लङ्घयिषीयास्ताम् | लङ्घयिषीरन् |
| | लङ्घयिषीष्ठाः | लङ्घयिषीयास्थाम् | लङ्घयिषीध्वम् |
| | लङ्घयिषीय | लङ्घयिषीवहि | लङ्घयिषीमहि |
| क्ष० | लङ्घयिता | लङ्घयितारौ | लङ्घयितारः |
| | लङ्घयितासे | लङ्घयितासथे | लङ्घयिताध्वे |
| | लङ्घयिताहे | लङ्घयितास्वहे | लङ्घयितासमहे |
| भ० | लङ्घयिष्यते | लङ्घयिष्येते | लङ्घयिष्यन्ते |
| | लङ्घयिष्यसे | लङ्घयिष्येथे | लङ्घयिष्यन्वे |
| | लङ्घयिष्ये | लङ्घयिष्यावहे | लङ्घयिष्यामहे |
| क्रि० | अलङ्घयिष्यत् | अलङ्घयिष्येताम् | अलङ्घयिष्यन्त |
| | अलङ्घयिष्यथाः | अलङ्घयिष्येथाम् | अलङ्घयिष्यन्वम् |
| | अलङ्घयिष्ये | अलङ्घयिष्यावहि | अलङ्घयिष्यामहि |

639 अङ्घ्र (अङ्घ्र) गत्याक्षेपे ।

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० अङ्घ्रयति | अङ्घ्रयतः | अङ्घ्रयन्ति |
| अङ्घ्रयसि | अङ्घ्रयथः | अङ्घ्रयथ |
| अङ्घ्रयामि | अङ्घ्रयावः | अङ्घ्रयामः |
| स० अङ्घ्रयेत् | अङ्घ्रयेताम् | अङ्घ्रयेयुः |
| अङ्घ्रयेः | अङ्घ्रयेतम् | अङ्घ्रयेत |
| अङ्घ्रयेयम् | अङ्घ्रयेव | अङ्घ्रयेम |
| प० अङ्घ्रयतु | अङ्घ्रयतात् | अङ्घ्रयन्तु |
| अङ्घ्रय | अङ्घ्रयतात् | अङ्घ्रयतम् |
| अङ्घ्रयानि | अङ्घ्रयाव | अङ्घ्रयाम |
| ह्य० आङ्घ्रयत् | आङ्घ्रयताम् | आङ्घ्रयन् |
| आङ्घ्रयः | आङ्घ्रयतम् | आङ्घ्रयत |
| आङ्घ्रयम् | आङ्घ्रयाव | आङ्घ्रयाम |
| अ० आङ्घ्रिषत् | आङ्घ्रिषताम् | आङ्घ्रिषन् |
| आङ्घ्रिषः | आङ्घ्रिषतम् | आङ्घ्रिषत |
| आङ्घ्रिषम् | आङ्घ्रिषाव | आङ्घ्रिषाम |
| प० अङ्घ्रयाञ्चकार | अङ्घ्रयाञ्चक्रतुः | अङ्घ्रयाञ्चक्रुः |
| अङ्घ्रयाञ्चकथं | अङ्घ्रयाञ्चकथुः | अङ्घ्रयाञ्चक |
| अङ्घ्रयाञ्चकार-चकर | अङ्घ्रयाञ्चक्रुव | अङ्घ्रयाञ्चक्रुम |
| अङ्घ्रयाम्बभूव | । | अङ्घ्रयामास |
| भा० अङ्घ्र्यात् | अङ्घ्र्यास्ताम् | अङ्घ्र्यासुः |
| अङ्घ्र्याः | अङ्घ्र्यास्तम् | अङ्घ्र्यास्त |
| अङ्घ्र्यासम् | अङ्घ्र्यास्व | अङ्घ्र्यासम |
| श्व० अङ्घ्रयिता | अङ्घ्रयितारौ | अङ्घ्रयितारः |
| अङ्घ्रयितासि | अङ्घ्रयितास्थः | अङ्घ्रयितास्थ |
| अङ्घ्रयितास्मि | अङ्घ्रयितास्वः | अङ्घ्रयितास्मः |
| भ० अङ्घ्रयिष्यति | अङ्घ्रयिष्यतः | अङ्घ्रयिष्यन्ति |
| अङ्घ्रयिष्यसि | अङ्घ्रयिष्यथः | अङ्घ्रयिष्यथ |
| अङ्घ्रयिष्यामि | अङ्घ्रयिष्यावः | अङ्घ्रयिष्यामः |
| क्रि० आङ्घ्रयिष्यत् | आङ्घ्रयिष्यताम् | आङ्घ्रयिष्यन् |
| आङ्घ्रयिष्यः | आङ्घ्रयिष्यतम् | आङ्घ्रयिष्यत |
| आङ्घ्रयिष्यम् | आङ्घ्रयिष्याव | आङ्घ्रयिष्याम |

| | | |
|---------------------|--------------------|--------------------|
| व० अङ्घ्रयते | अङ्घ्रयेते | अङ्घ्रयन्ते |
| अङ्घ्रयसे | अङ्घ्रयेथे | अङ्घ्रयध्वे |
| अङ्घ्रये | अङ्घ्रयावहे | अङ्घ्रयामहे |
| स० अङ्घ्रयेत | अङ्घ्रयेयाताम् | अङ्घ्रयेरन् |
| अङ्घ्रयेथाः | अङ्घ्रयेयाथाम् | अङ्घ्रयेध्वम् |
| अङ्घ्रयेय | अङ्घ्रयेवहि | अङ्घ्रयेमहि |
| प० अङ्घ्रयताम् | अङ्घ्रयेताम् | अङ्घ्रयन्ताम् |
| अङ्घ्रयस्व | अङ्घ्रयेथाम् | अङ्घ्रयध्वम् |
| अङ्घ्रये | अङ्घ्रयावहे | अङ्घ्रयामहे |
| ह्य० आङ्घ्रयत् | आङ्घ्रयेताम् | आङ्घ्रयन्त |
| आङ्घ्रयथाः | आङ्घ्रयेथाम् | आङ्घ्रयध्वम् |
| आङ्घ्रये | आङ्घ्रयावहि | आङ्घ्रयामहि |
| अ० आङ्घ्रिषत् | आङ्घ्रिषेताम् | आङ्घ्रिषन्त |
| आङ्घ्रिषथाः | आङ्घ्रिषेथाम् | आङ्घ्रिषध्वम् |
| आङ्घ्रिषे | आङ्घ्रिषावहि | आङ्घ्रिषामहि |
| प० अङ्घ्रयाञ्चक्रे | अङ्घ्रयाञ्चक्रते | अङ्घ्रयाञ्चक्रिरे |
| अङ्घ्रयाञ्चक्रेषे | अङ्घ्रयाञ्चक्रथे | अङ्घ्रयाञ्चक्रुवहे |
| अङ्घ्रयाञ्चक्रे | अङ्घ्रयाञ्चक्रवहे | अङ्घ्रयाञ्चक्रुमहे |
| अङ्घ्रयाम्बभूव | । | अङ्घ्रयामास |
| आ० अङ्घ्रयिषीष्ट | अङ्घ्रयिषीयास्ताम् | अङ्घ्रयिषीरन् |
| अङ्घ्रयिषीष्टाः | अङ्घ्रयिषीयाथाम् | अङ्घ्रयिषीध्वम् |
| अङ्घ्रयिषीय | अङ्घ्रयिषीवहि | अङ्घ्रयिषीमहि |
| श्व० अङ्घ्रयिता | अङ्घ्रयितारौ | अङ्घ्रयितारः |
| अङ्घ्रयितासे | अङ्घ्रयितास्थे | अङ्घ्रयिताध्वे |
| अङ्घ्रयिताहे | अङ्घ्रयितास्वहे | अङ्घ्रयितास्महे |
| भ० अङ्घ्रयिष्यते | अङ्घ्रयिष्येते | अङ्घ्रयिष्यन्ते |
| अङ्घ्रयिष्यसे | अङ्घ्रयिष्येथे | अङ्घ्रयिष्यध्वे |
| अङ्घ्रयिष्ये | अङ्घ्रयिष्यावहे | अङ्घ्रयिष्यामहे |
| क्रि० आङ्घ्रयिष्यत् | आङ्घ्रयिष्येताम् | आङ्घ्रयिष्यन्त |
| आङ्घ्रयिष्यथाः | आङ्घ्रयिष्येथाम् | आङ्घ्रयिष्यध्वम् |
| आङ्घ्रयिष्ये | आङ्घ्रयिष्यावहि | आङ्घ्रयिष्यामहि |

586 वधुङ् (वङ्) गत्याक्षेपे ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० वङ्घयति | वङ्घयतः | वङ्घयन्ति |
| वङ्घयसि | वङ्घयथः | वङ्घयथ |
| वङ्घयामि | वङ्घयावः | वङ्घयामः |
| स० वङ्घयेत् | वङ्घयेताम् | वङ्घयेयुः |
| वङ्घयेः | वङ्घयेतम् | वङ्घयेत |
| वङ्घयेयम् | वङ्घयेव | वङ्घयेम |
| प० वङ्घयतु | वङ्घयतात् | वङ्घयन्तु |
| वङ्घय वङ्घयतात् | वङ्घयतम् | वङ्घयत |
| वङ्घयानि | वङ्घयाव | वङ्घयाम |
| ह्य० अवङ्घयत् | अवङ्घयताम् | अवङ्घयन् |
| अवङ्घयः | अवङ्घयतम् | अवङ्घयत |
| अवङ्घयम् | अवङ्घयाव | अवङ्घयाम |
| अ० अववङ्घत् | अववङ्घताम् | अववङ्घन् |
| अववङ्घः | अववङ्घतम् | अववङ्घत |
| अववङ्घम् | अववङ्घाव | अववङ्घाम |
| प० वङ्घयाञ्चकार | वङ्घयाञ्चक्रुः | वङ्घयाञ्चकुः |
| वङ्घयाञ्चकथं | वङ्घयाञ्चकथुः | वङ्घयाञ्चक |
| वङ्घयाञ्चकार-चकर | वङ्घयाञ्चकृव | वङ्घयाञ्चकृम |
| वङ्घयाम्बभूव | । | वङ्घयामास |
| भा० वङ्घ्यात् | वङ्घ्यास्ताम् | वङ्घ्यासुः |
| वङ्घ्याः | वङ्घ्यास्तम् | वङ्घ्यास्त |
| वङ्घ्यासम् | वङ्घ्यास्व | वङ्घ्यास्म |
| श्व० वङ्घयिता | वङ्घयितारौ | वङ्घयितारः |
| वङ्घयितासि | वङ्घयितास्थः | वङ्घयितास्थ |
| वङ्घयितास्मि | वङ्घयितास्वः | वङ्घयितास्मः |
| भ० वङ्घयिष्यति | वङ्घयिष्यतः | वङ्घयिष्यन्ति |
| वङ्घयिष्यसि | वङ्घयिष्यथः | वङ्घयिष्यथ |
| वङ्घयिष्यामि | वङ्घयिष्यावः | वङ्घयिष्यामः |
| क्रि० अवङ्घयिष्यत् | अवङ्घयिष्यताम् | अवङ्घयिष्यन् |
| अवङ्घयिष्यः | अवङ्घयिष्यतम् | अवङ्घयिष्यत |
| अवङ्घयिष्यम् | अवङ्घयिष्याव | अवङ्घयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० वङ्घयते | वङ्घयेते | वङ्घयन्ते |
| वङ्घयसे | वङ्घयेथे | वङ्घयन्थे |
| वङ्घये | वङ्घयावहे | वङ्घयामहे |
| स० वङ्घयेत् | वङ्घयेयाताम् | वङ्घयेरन् |
| वङ्घयेथाः | वङ्घयेयाथाम् | वङ्घयेथ्वम् |
| वङ्घयेय | वङ्घयेवहि | वङ्घयेमहि |
| प० वङ्घयताम् | वङ्घयेताम् | वङ्घयन्ताम् |
| वङ्घयस्व | वङ्घयेथाम् | वङ्घयथ्वम् |
| वङ्घयै | वङ्घयावहे | वङ्घयामहे |
| ह्य० अवङ्घयत | अवङ्घयेताम् | अवङ्घयन्त |
| अवङ्घयथाः | अवङ्घयेथाम् | अवङ्घयथ्वम् |
| अवङ्घये | अवङ्घयावहि | अवङ्घयामहि |
| अ० अववङ्घत | अववङ्घेताम् | अववङ्घन्त |
| अववङ्घथाः | अववङ्घेथाम् | अववङ्घथ्वम् |
| अववङ्घे | अववङ्घावहि | अववङ्घामहि |
| प० वङ्घयाञ्चक्रे | वङ्घयाञ्चक्रते | वङ्घयाञ्चकिरे |
| वङ्घयाञ्चकृषे | वङ्घयाञ्चक्राथे | वङ्घयाञ्चकृद्वे |
| वङ्घयाञ्चके | वङ्घयाञ्चकृवहे | वङ्घयाञ्चकृमहे |
| वङ्घयाम्बभूव | । | वङ्घयामास |
| आ० वङ्घयिषीष्ट | वङ्घयिषीयारताम् | वङ्घयिषीरन् |
| वङ्घयिषीष्ठाः | वङ्घयिषीयास्याम् | वङ्घयिषीद्वम् |
| वङ्घयिषीय | वङ्घयिषीवहि | वङ्घयिषीमहि |
| श्व० वङ्घयिता | वङ्घयितारौ | वङ्घयितारः |
| वङ्घयितासे | वङ्घयितासाथे | वङ्घयिताथ्वे |
| वङ्घयिताहे | वङ्घयितास्वहे | वङ्घयितास्महे |
| भ० वङ्घयिष्यते | वङ्घरि६ ते | वङ्घयिष्यन्ते |
| वङ्घयिष्यसे | वङ्घरि६ प्रेथे | वङ्घयिष्यन्थे |
| वङ्घयिष्ये | वङ्घयिष्यावहे | वङ्घरि६ महे |
| क्रि० अवङ्घयिष्यत् | अवङ्घयिष्येताम् | अवङ्घयिष्यन्त |
| अवङ्घयिष्यथाः | अवङ्घरि६ थाम् | अवङ्घरि६ थ्वम् |
| अवङ्घयिष्ये | अवङ्घरि६ यावहि | अवङ्घयिष्यामहि |

64। मङ्घृ (मङ्घृ) केतवेच ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | मङ्घयति | मङ्घयतः | मङ्घयन्ति |
| | मङ्घयसि | मङ्घयथः | मङ्घयथ |
| | मङ्घयामि | मङ्घयावः | मङ्घयामः |
| स० | मङ्घयेत् | मङ्घयेताम् | मङ्घयेयुः |
| | मङ्घयेथः | मङ्घयेतम् | मङ्घयेत |
| | मङ्घयेयम् | मङ्घयेव | मङ्घयेम |
| प० | मङ्घयतु | मङ्घयतात् | मङ्घयताम् |
| | मङ्घयन्तु | मङ्घयतातु | मङ्घयताम् |
| | मङ्घयानि | मङ्घयाव | मङ्घयाम |
| ह्र० | अमङ्घयत् | अमङ्घयताम् | अमङ्घयन् |
| | अमङ्घयः | अमङ्घयतम् | अमङ्घयत |
| | अमङ्घयम् | अमङ्घयाव | अमङ्घयाम |
| अ० | अमङ्घयत् | अमङ्घयताम् | अमङ्घयन् |
| | अमङ्घयः | अमङ्घयतम् | अमङ्घयत |
| | अमङ्घयम् | अमङ्घयाव | अमङ्घयाम |
| प० | मङ्घयाञ्चकार | मङ्घयाञ्चकतुः | मङ्घयाञ्चकुः |
| | मङ्घयाञ्चकथं | मङ्घयाञ्चकथुः | मङ्घयाञ्चक |
| | मङ्घयाञ्चकार-चकर | मङ्घयाञ्चकृव | मङ्घयाञ्चकृम |
| | मङ्घयाञ्चभूव | मङ्घयाञ्चमास | |
| आ० | मङ्घ्यात् | मङ्घ्यास्ताम् | मङ्घ्यासुः |
| | मङ्घ्याः | मङ्घ्यास्तम् | मङ्घ्यास्त |
| | मङ्घ्यासम् | मङ्घ्यास्व | मङ्घ्यास्म |
| श० | मङ्घयिता | मङ्घयितारौ | मङ्घयिताः |
| | मङ्घयितासि | मङ्घयितास्थः | मङ्घयितास्थ |
| | मङ्घयितामि | मङ्घयितास्वः | मङ्घयितास्मः |
| भ० | मङ्घयिष्यति | मङ्घयिष्यतः | मङ्घयिष्यन्ति |
| | मङ्घयिष्यसि | मङ्घयिष्यथः | मङ्घयिष्यथ |
| | मङ्घयिष्यामि | मङ्घयिष्यावः | मङ्घयिष्यामः |
| क्रि० | अमङ्घयिष्यत् | अमङ्घयिष्यताम् | अमङ्घयिष्यन् |
| | अमङ्घयिष्यः | अमङ्घयिष्यतम् | अमङ्घयिष्यत |
| | अमङ्घयिष्यम् | अमङ्घयिष्याव | अमङ्घयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | मङ्घयते | मङ्घयंते | मङ्घयन्ते |
| | मङ्घयसे | मङ्घयेथे | मङ्घयध्वे |
| | मङ्घये | मङ्घयावहे | मङ्घयामहे |
| स० | मङ्घयेत | मङ्घयेयाताम् | मङ्घयेरन् |
| | मङ्घयेथाः | मङ्घयेयाथाम | मङ्घयेध्वम् |
| | मङ्घयेथ | मङ्घयेवहि | मङ्घयेमहि |
| प० | मङ्घयताम् | मङ्घयेताम् | मङ्घयन्ताम् |
| | मङ्घयस्व | मङ्घयेथाम् | मङ्घयध्वम् |
| | मङ्घये | मङ्घयावहे | मङ्घयामहे |
| ह्र० | अमङ्घयत | अमङ्घयेताम् | अमङ्घयन्त |
| | अमङ्घयथाः | अमङ्घयेथाम् | अमङ्घयध्वम् |
| | अमङ्घये | अमङ्घयावहि | अमङ्घयामहि |
| अ० | अमङ्घयत | अमङ्घयेताम् | अमङ्घयन्त |
| | अमङ्घयथाः | अमङ्घयेथाम् | अमङ्घयध्वम् |
| | अमङ्घये | अमङ्घयावहि | अमङ्घयामहि |
| प० | मङ्घयाञ्चके | मङ्घयाञ्चकते | मङ्घयाञ्चक्रे |
| | मङ्घयाञ्चक्रे | मङ्घयाञ्चकथे | मङ्घयाञ्चकृवे |
| | मङ्घयाञ्चके | मङ्घयाञ्चकृवहे | मङ्घयाञ्चकृमहे |
| | मङ्घयाञ्चभूव | मङ्घयाञ्चमास | |
| आ० | मङ्घयिषीष्ट | मङ्घयिषीस्ताम् | मङ्घयिषीरन् |
| | मङ्घयिषीष्टाः | मङ्घयिषीयास्ताम् | मङ्घयिषीह्वम् |
| | मङ्घयिषीय | मङ्घयिषीवहि | मङ्घयिषीमहि |
| ध० | मङ्घयिता | मङ्घयितारौ | मङ्घयिताः |
| | मङ्घयितासे | मङ्घयितासथे | मङ्घयिताध्वे |
| | मङ्घयिताहे | मङ्घयितास्वहे | मङ्घयितास्महे |
| भ० | मङ्घयिष्यते | मङ्घयिष्यंते | मङ्घयिष्यन्ते |
| | मङ्घयिष्यसे | मङ्घयिष्येथे | मङ्घयिष्यध्वे |
| | मङ्घयिष्ये | मङ्घयिष्यवहे | मङ्घयिष्यामहे |
| क्रि० | अमङ्घयिष्यत | अमङ्घयिष्यताम् | अमङ्घयिष्यन्त |
| | अमङ्घयिष्यथाः | अमङ्घयिष्येथाम् | अमङ्घयिष्यध्वम् |
| | अमङ्घयिष्ये | अमङ्घयिष्यवहि | अमङ्घयिष्यामहि |

642 राघृङ् (राघ) सामर्थ्ये ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० राघयति | राघयतः | राघयन्ति |
| राघयसि | राघयथः | राघयथ |
| राघयामि | राघयावः | राघयानः |
| स० राघयेत् | राघयेताम् | राघयेयुः |
| राघयेः | राघयेतम् | राघयेत |
| राघयेयम् | राघयेव | राघयेम |
| प० राघयतु | राघयतात् | राघयन्तु |
| राघय | राघयतात् | राघयत |
| राघयणि | राघयाव | राघयाम |
| ह्य० अराघयत् | अराघयताम् | अराघयन् |
| अराघयः | अराघयतम् | अराघयन् |
| अराघयम् | अराघयाव | अराघयाम |
| अ० अरराघत् | अरराघताम् | अरराघन् |
| अरराघः | अरराघतम् | अरराघत |
| अरराघम् | अरराघाव | अरराघाम |
| प० राघयाञ्चकार | राघयाञ्चकतु | राघयाञ्चकुः |
| राघयाञ्चकथ | राघयाञ्चकथुः | राघयाञ्चक |
| राघयाञ्चकार-चकर | राघयाञ्चकथ | राघयाञ्चकम् |
| राघयाम्बभूव | राघयामास | |
| आ० राघ्यत् | राघ्यस्ताम् | राघ्यासुः |
| राघ्याः | राघ्यस्तम् | राघ्यास्त |
| राघ्यासम् | राघ्यास्व | राघ्यास्म |
| श्व० राघयिता | राघयितारौ | राघयितारः |
| राघयितासि | राघयितास्थः | राघयितास्थ |
| राघयितास्मि | राघयितास्वः | राघयितास्मः |
| अ० राघयिष्यति | राघयिष्यतः | राघयिष्यन्ति |
| राघयिष्यसि | राघयिष्यथः | राघयिष्यथ |
| राघयिष्यामि | राघयिष्यावः | राघयिष्यामः |
| क्रि० अराघयिष्यत् | अराघयिष्यताम् | अराघयिष्यन् |
| अराघयिष्यः | अराघयिष्यतम् | अराघयिष्यत |
| अराघयिष्यम् | अराघयिष्याव | अराघयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| व० राघयते | राघयते | राघयन्ते |
| राघयो | राघये | राघध्वे |
| राघये | राघयावहे | राघयामहे |
| स० राघयेत | राघयेताम् | राघयेरन् |
| राघयेथाः | राघयेथायाम् | राघयेध्वम् |
| राघयेय | राघयेवहि | राघयेमहि |
| प० राघयताम् | राघयेताम् | राघयन्ताम् |
| राघयस्व | राघयेध्वम् | राघयध्वम् |
| राघयै | राघयावहे | राघयामहे |
| ह्य० अराघयत | अराघयेताम् | अराघयन्त |
| अराघयथाः | अराघयेथाम् | अराघयध्वम् |
| अराघये | अराघयावहि | अराघयामहि |
| अ० अरराघत | अरराघेताम् | अरराघन्त |
| अरराघथाः | अरराघेथाम् | अरराघध्वम् |
| अरराघे | अरराघावहि | अरराघामहि |
| प० राघयाञ्चक्रे | राघयाञ्चक्रेते | राघयाञ्चक्रेरे |
| राघयाञ्चक्रेषे | राघयाञ्चक्रेषे | राघयाञ्चक्रेष्वे |
| राघयाञ्चक्रे | राघयाञ्चक्रेवहे | राघयाञ्चक्रेमहे |
| राघयाम्बभूव | राघयामास | |
| आ० राघयिषीष्ट | राघयिषीस्ताम् | राघयिषीरन् |
| राघयिषीष्टाः | राघयिषीयास्थाम् | राघयिषीध्वम् |
| राघयिषीथ | राघयिषीवहि | राघयिषीमहि |
| श्व० राघयिता | राघयितारौ | राघयितारः |
| राघयितासे | राघयितास्थे | राघयितध्वे |
| राघयिताहे | राघयितस्थे | राघयितास्महे |
| अ० राघयिष्यते | राघयिष्येते | राघयिष्यन्ते |
| राघयिष्यसे | राघयिष्येथे | राघयिष्यध्वे |
| राघयिष्ये | राघयिष्यावहे | राघयिष्यमहे |
| क्रि० अराघयिष्यत | अराघयिष्यताम् | अराघयिष्यन्त |
| अराघयिष्यथाः | अराघयिष्यथाम् | अराघयिष्यध्वम् |
| अराघयिष्ये | अराघयिष्यावहि | अराघयिष्यामहि |

643 लाघट् (लाघ्) सामर्थ्ये ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| ब० लाघयति | लाघयतः | लाघयन्ति |
| लाघयसि | लाघयथः | लाघयथ |
| लाघयामि | लाघयावः | लाघयामः |
| स० लाघयेत् | लाघयेताम् | लाघयेयुः |
| लाघयेः | लाघयेतम् | लाघयेत |
| लाघयेयम् | लाघयेव | लाघयेम |
| प० लाघयतु | लाघयतात् | लाघयताम् लाघयन्तु |
| लाघय | लाघयतात् | लाघयतम् लाघयत |
| लाघयानि | लाघयाव | लाघयाम |
| झ० अलाघयत् | अलाघयताम् | अलाघयन् |
| अलाघयः | अलाघयतम् | अलाघयत |
| अलाघयाम् | अलाघयाव | अलाघयाम |
| भ० अललाघत् | अललाघताम् | अललाघन् |
| अललाघः | अललाघतम् | अललाघत |
| अललाघम् | अललाघाव | अललाघाम |
| प० लाघयाश्चकार | लाघयाश्चक्रुः | लाघयाश्चक्रुः |
| लाघयाश्चकथं | लाघयाश्चक्रुः | लाघयाश्चक्रुः |
| लाघयाश्चकार-चकर | लाघयाश्चक्रुव | लाघयाश्चक्रुम |
| लाघयाम्बभूव | । | लाघयामास |
| भा० लाघ्यात् | लाघ्यास्ताम् | लाघ्यासुः |
| लाघ्याः | लाघ्यास्तम् | लाघ्यास्त |
| लाघ्यासम् | लाघ्यास्व | लाघ्यास्म |
| श्च० लाघयिता | लाघयितारौ | लाघयितारः |
| लाघयितासि | लाघयितास्थः | लाघयितास्थ |
| लाघयितास्मि | लाघयितास्वः | लाघयितास्मः |
| भ० लाघयिष्यति | लाघयिष्यतः | लाघयिष्यन्ति |
| लाघयिष्यसि | लाघयिष्यथः | लाघयिष्यथ |
| लाघयिष्यामि | लाघयिष्यावः | लाघयिष्यामः |
| क्रि० अलाघयिष्यत् | अलाघयिष्यताम् | अलाघयिष्यन् |
| अलाघयिष्यः | अलाघयिष्यतम् | अलाघयिष्यत |
| अलाघयिष्यम् | अलाघयिष्याव | अलाघयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| ब० लाघयते | लाघयेते | लाघयन्ते |
| लाघयसे | लाघयेथे | लाघयन्थे |
| लाघये | लाघयावहे | लाघयामहे |
| स० लाघयेत | लाघयेयाताम् | लाघयेरन् |
| लाघयेथाः | लाघयेयाथाम् | लाघयेथ्वम् |
| लाघयेथ | लाघयेवहि | लाघयेमहि |
| प० लाघयताम् | लाघयेताम् | लाघयन्ताम् |
| लाघयस्व | लाघयेथाम् | लाघयन्थ्वम् |
| लाघये | लाघयावहे | लाघयामहे |
| झ० अलाघयत | अलाघयेताम् | अलाघयन्त |
| अलाघयथाः | अलाघयेथाम् | अलाघयन्थ्वम् |
| अलाघये | अलाघयावहि | अलाघयामहि |
| भ० अललाघत | अललाघेताम् | अललाघन्त |
| अललाघथाः | अललाघेथाम् | अललाघन्थ्वम् |
| अललाघे | अललाघावहि | अललाघामहि |
| प० लाघयाश्चक्र | लाघयाश्चक्रते | लाघयाश्चक्रिरे |
| लाघयाश्चक्रुषे | लाघयाश्चक्राथे | लाघयाश्चक्रुद्वे |
| लाघयाश्चक्रे | लाघयाश्चक्रुवहे | लाघयाश्चक्रुमहे |
| लाघयाम्बभूव | । | लाघयामास |
| भा० लाघयिषीष्ट | लाघयिषीयास्ताम् | लाघयिषीरन् |
| लाघयिषीष्टाः | लाघयिषीयास्थाम् | लाघयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| लाघयिषीय | लाघयिषीवहि | लाघयिषीमहि |
| श्च० लाघयिता | लाघयितारौ | लाघयितारः |
| लाघयितासे | लाघयितासाथे | लाघयिताथ्वे |
| लाघयिताहे | लाघयितास्वहे | लाघयितामहे |
| भ० लाघयिष्यते | लाघयिष्येते | लाघयिष्यन्ते |
| लाघयिष्यसे | लाघयिष्येथे | लाघयिष्यन्थ्वे |
| लाघयिष्ये | लाघयिष्यावहे | लाघयिष्यामहे |
| क्रि० अलाघयिष्यत | अलाघयिष्येताम् | अलाघयिष्यन्त |
| अलाघयिष्यथाः | अलाघयिष्येथाम् | अलाघयिष्यन्थ्वम् |
| अलाघयिष्ये | अलाघयिष्यावहि | अलाघयिष्यामहि |

644 द्राघृह् (द्राघ्) आयासे च ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| ब० द्राघयति | द्राघयतः | द्राघयन्ति |
| द्राघयसि | द्राघयथः | द्राघयथ |
| द्राघयामि | द्राघयावः | द्राघयामः |
| स० द्राघयेत् | द्राघयेताम् | द्राघयेयुः |
| द्राघयेः | द्राघयेतम् | द्राघयेत |
| द्राघयेयम् | द्राघयेव | द्राघयेम |
| प० द्राघयतु | द्राघयतात् | द्राघयन्तु |
| द्राघय | द्राघयतात् | द्राघयत |
| द्राघयाणि | द्राघयाव | द्राघयाम |
| ह्य० अद्राघयत् | अद्राघयताम् | अद्राघयन् |
| अद्राघयः | अद्राघयतम् | अद्राघयत |
| अद्राघयम् | अद्राघयाव | अद्राघयाम |
| अ० अदद्राघत् | अदद्राघताम् | अदद्राघन् |
| अदद्राघः | अदद्राघतम् | अदद्राघत |
| अदद्राघम् | अदद्राघाव | अदद्राघाम |
| प० द्राघयाञ्चकार | द्राघयाञ्चकतुः | द्राघयाञ्चकुः |
| द्राघयाञ्चकर्थे | द्राघयाञ्चकशुः | द्राघयाञ्चक |
| द्राघयाञ्चकार-चकर | द्राघयाञ्चकृव | द्राघयाञ्चकृम |
| द्राघयाञ्चभूव | । | द्राघयामास |
| भा० द्राघ्यात् | द्राघ्यास्ताम् | द्राघ्यासुः |
| द्राघ्याः | द्राघ्यास्तम् | द्राघ्यास्त |
| द्राघ्यासम् | द्राघ्यास्व | द्राघ्यास्म |
| श्व० द्राघयिता | द्राघयितारौ | द्राघयितारः |
| द्राघयितासि | द्राघयितास्थः | द्राघयितास्थ |
| द्राघयितास्मि | द्राघयितास्वः | द्राघयितास्मः |
| भ० द्राघयिष्यति | द्राघयिष्यतः | द्राघयिष्यन्ति |
| द्राघयिष्यसि | द्राघयिष्यथः | द्राघयिष्यथ |
| द्राघयिष्यामि | द्राघयिष्यावः | द्राघयिष्यामः |
| क्रि० अद्राघयिष्यत् | अद्राघयिष्यताम् | अद्राघयिष्यन् |
| अद्राघयिष्यः | अद्राघयिष्यतम् | अद्राघयिष्यत |
| अद्राघयिष्यम् | अद्राघयिष्याव | अद्राघयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० द्राघयते | द्राघयते | द्राघयन्ते |
| द्राघयसे | द्राघयेथे | द्राघयध्वे |
| द्राघये | द्राघयावहे | द्राघयामहे |
| स० द्राघयेत | द्राघयेयाताम् | द्राघयेरन् |
| द्राघयेथाः | द्राघयेयाथाम् | द्राघयेध्वम् |
| द्राघयेय | द्राघयेवहि | द्राघयेमहि |
| प० द्राघयताम् | द्राघयेताम् | द्राघयन्ताम् |
| द्राघयस्व | द्राघयेथाम् | द्राघयध्वम् |
| द्राघये | द्राघयावहे | द्राघयामहे |
| ह्य० अद्राघयत | अद्राघयेताम् | अद्राघयन्त |
| अद्राघयथाः | अद्राघयेथाम् | अद्राघयध्वम् |
| अद्राघये | अद्राघयावहि | अद्राघयामहि |
| अ० अदद्राघत | अदद्राघेताम् | अदद्राघन्त |
| अदद्राघथाः | अदद्राघेथाम् | अदद्राघध्वम् |
| अदद्राघ | अदद्राघावहि | अदद्राघामहि |
| प० द्राघयाञ्चक्रे | द्राघयाञ्चकृते | द्राघयाञ्चकिरे |
| द्राघयाञ्चकृषे | द्राघयाञ्चकृथे | द्राघयाञ्चकृध्वे |
| द्राघयाञ्चक्रे | द्राघयाञ्चकृवहे | द्राघयाञ्चकृमहे |
| द्राघयाञ्चभूव | । | द्राघयामास |
| आ० द्राघयिषीष्ट | द्राघयिषीयास्ताम् | द्राघयिषीरन् |
| द्राघयिषीष्टाः | द्राघयिषीयास्थाम् | द्राघयिषीध्वम् |
| द्राघयिषीय | द्राघयिषीवहि | द्राघयिषीमहि |
| श्व० द्राघयिता | द्राघयितारौ | द्राघयितारः |
| द्राघयितासे | द्राघयितासथे | द्राघयिताध्वे |
| द्राघयिताहे | द्राघयितास्वहे | द्राघयितास्महे |
| भ० द्राघयिष्यते | द्राघयिष्येते | द्राघयिष्यन्ते |
| द्राघयिष्यसे | द्राघयिष्येथे | द्राघयिष्यध्वे |
| द्राघयिष्ये | द्राघयिष्यावहे | द्राघयिष्यामहे |
| क्रि० अद्राघयिष्यत् | अद्राघयिष्येताम् | अद्राघयिष्यन्त |
| अद्राघयिष्यथाः | अद्राघयिष्येथाम् | अद्राघयिष्यध्वम् |
| अद्राघयिष्ये | अद्राघयिष्यावहि | अद्राघयिष्यामहि |

645 श्लाघृङ् (श्लाघ्) कथने ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| व० | श्लाघयति | श्लाघयतः | श्लाघयन्ति |
| | श्लाघयसि | श्लाघयथाः | श्लाघयथ |
| | श्लाघयामि | श्लाघयामः | श्लाघयामः |
| स० | श्लाघयेत् | श्लाघयेताम् | श्लाघयेयुः |
| | श्लाघयेः | श्लाघयेताम् | श्लाघयेत |
| | श्लाघयेयम् | श्लाघयेव | श्लाघयेम |
| प० | श्लाघयतु | श्लाघयतात् | श्लाघयताम् |
| | श्लाघय | श्लाघयतात् | श्लाघयत |
| | श्लाघयानि | श्लाघयाव | श्लाघयाम |
| झ० | अश्लाघयत् | अश्लाघयताम् | अश्लाघयन् |
| | अश्लाघयः | अश्लाघयतम् | अश्लाघयत |
| | अश्लाघयम् | अश्लाघयाव | अश्लाघयाम |
| ञ० | अशश्लाघत् | अशश्लाघताम् | अशश्लाघन् |
| | अशश्लाघः | अशश्लाघतम् | अशश्लाघत |
| | अशश्लाघम् | अशश्लाघाव | अशश्लाघाम |
| प० | श्लाघयाञ्चकार | श्लाघयाञ्चकतुः | श्लाघयाञ्चकुः |
| | श्लाघयाञ्चकथं | श्लाघयाञ्चकथुः | श्लाघयाञ्चक |
| | श्लाघयाञ्चकारन्चकर | श्लाघयाञ्चकृव | श्लाघयाञ्चकृमहे |
| | श्लाघयाम्बभूव | श्लाघयामास | |
| आ० | श्लाघ्यात् | श्लाघ्यास्ताम् | श्लाघ्यासुः |
| | श्लाघ्याः | श्लाघ्यास्तम् | श्लाघ्यास्त |
| | श्लाघ्यासम् | श्लाघ्यास्व | श्लाघ्यास्म |
| श्व० | श्लाघयिता | श्लाघयितारौ | श्लाघयितारः |
| | श्लाघयितासि | श्लाघयितास्थः | श्लाघयितास्थ |
| | श्लाघयितास्मि | श्लाघयितास्वः | श्लाघयितास्मः |
| भ० | श्लाघयिष्यति | श्लाघयिष्यतः | श्लाघयिष्यन्ति |
| | श्लाघयिष्यसि | श्लाघयिष्यथः | श्लाघयिष्यथ |
| | श्लाघयिष्यामि | श्लाघयिष्यावः | श्लाघयिष्यामः |
| क्रि० | अश्लाघयिष्यत् | अश्लाघयिष्यताम् | अश्लाघयिष्यन् |
| | अश्लाघयिष्यः | अश्लाघयिष्यतम् | अश्लाघयिष्यत |
| | अश्लाघयिष्यम् | अश्लाघयिष्याव | अश्लाघयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | श्लाघयते | श्लाघयेते | श्लाघयन्ते |
| | श्लाघयसे | श्लाघयेथे | श्लाघयन्थे |
| | श्लाघये | श्लाघयावहे | श्लाघयामहे |
| स० | श्लाघयेत | श्लाघयेताम् | श्लाघयेरन् |
| | श्लाघयेथाः | श्लाघयेथाम् | श्लाघयेष्वम् |
| | श्लाघयेय | श्लाघयेवहि | श्लाघयेमहि |
| प० | श्लाघयताम् | श्लाघयेताम् | श्लाघयन्ताम् |
| | श्लाघयस्व | श्लाघयेथाम् | श्लाघयन्थम् |
| | श्लाघये | श्लाघयावहे | श्लाघयामहे |
| झ० | अश्लाघयत | अश्लाघयेताम् | अश्लाघयन्त |
| | अश्लाघयथाः | अश्लाघयेथाम् | अश्लाघयन्थम् |
| | अश्लाघये | अश्लाघयावहि | अश्लाघयामहि |
| ञ० | अशश्लाघत | अशश्लाघेताम् | अशश्लाघन्त |
| | अशश्लाघथाः | अशश्लाघेथाम् | अशश्लाघन्थम् |
| | अशश्लाघे | अशश्लाघावहि | अशश्लाघामहि |
| प० | श्लाघयाञ्चक्रे | श्लाघयाञ्चकाले | श्लाघयाञ्चकाले |
| | श्लाघयाञ्चकृषे | श्लाघयाञ्चकृषे | श्लाघयाञ्चकृषे |
| | श्लाघयाञ्चक्रे | श्लाघयाञ्चकृवहे | श्लाघयाञ्चकृमहे |
| | श्लाघयाम्बभूव | श्लाघयामास | |
| आ० | श्लाघयिषीष्ट | श्लाघयिषीयास्ताम् | श्लाघयिषीरन् |
| | श्लाघयिषीष्टाः | श्लाघयिषीयाथाम् | श्लाघयिषीद्वम् |
| | श्लाघयिषीय | श्लाघयिषीवहि | श्लाघयिषीमहि |
| श्व० | श्लाघयिता | श्लाघयितारौ | श्लाघयितारः |
| | श्लाघयितासे | श्लाघयितास्थे | श्लाघयितास्व |
| | श्लाघयिताहे | श्लाघयिताम्वहे | श्लाघयितास्महे |
| भ० | श्लाघयिष्यते | श्लाघयिष्येते | श्लाघयिष्यन्ते |
| | श्लाघयिष्यसे | श्लाघयिष्येथे | श्लाघयिष्यन्थे |
| | श्लाघयिष्ये | श्लाघयिष्यावहे | श्लाघयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्लाघयिष्यत | अश्लाघयिष्येताम् | अश्लाघयिष्यन्त |
| | अश्लाघयिष्यथाः | अश्लाघयिष्येथाम् | अश्लाघयिष्यन्थम् |
| | अश्लाघयिष्ये | अश्लाघयिष्यावहि | अश्लाघयिष्यामहि |

646 लोचृङ् (लोच्) दर्शने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | लोचयति | लोचयतः | लोचयन्ति |
| | लोचयसि | लोचयथः | लोचयथ |
| | लोचयामि | लोचयावः | लोचयामः |
| इ० | लोचयेत् | लोचयेताम् | लोचयेयुः |
| | लोचयेः | लोचयेतम् | लोचयेत |
| | लोचयेयम् | लोचयेव | लोचयेम |
| प० | लोचयतु | लोचयतात् | लोचयताम् |
| | लोचय | लोचयतात् | लोचयतम् |
| | लोचयानि | लोचयाव | लोचयाम |
| ह्य० | अलोचयत् | अलोचयताम् | अलोचयन् |
| | अलोचयः | अलोचयतम् | अलोचयत |
| | अलोचयम् | अलोचयाव | अलोचयाम |
| अ० | अलुलोचत् | अलुलोचताम् | अलुलोचन् |
| | अलुलोचः | अलुलोचतम् | अलुलोचत |
| | अलुलोचम् | अलुलोचाव | अलुलोचाम |
| प० | लोचयाञ्चकार | लोचयाञ्चक्रुः | लोचयाञ्चकुः |
| | लोचयाञ्चकथं | लोचयाञ्चकथुः | लोचयाञ्चक |
| | लोचयाञ्चकार-चकर | लोचयाञ्चकृव | लोचयाञ्चकृम |
| | लोचयाम्बभूव | । | लोचयामास |
| आ० | लोच्यात् | लोच्यास्ताम् | लोच्यासुः |
| | लोच्याः | लोच्यास्तम् | लोच्यास्त |
| | लोच्यासम् | लोच्यास्व | लोच्यास्म |
| श्व० | लोचयिता | लोचयितारौ | लोचयितारः |
| | लोचयितासि | लोचयितास्थः | लोचयितास्थ |
| | लोचयितास्मि | लोचयितास्वः | लोचयितास्मः |
| भ० | लोचयिष्यति | लोचयिष्यतः | लोचयिष्यन्ति |
| | लोचयिष्यसि | लोचयिष्यथः | लोचयिष्यथ |
| | लोचयिष्यामि | लोचयिष्यावः | लोचयिष्यामः |
| क्रि० | अलोचयिष्यत् | अलोचयिष्यताम् | अलोचयिष्यन् |
| | अलोचयिष्यः | अलोचयिष्यतम् | अलोचयिष्यत |
| | अलोचयिष्यम् | अलोचयिष्याव | अलोचयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | लोचयते | लोचयेते | लोचयन्ते |
| | लोचयसे | लोचयेथे | लोचयध्वे |
| | लोचये | लोचयावहे | लोचयामहे |
| स० | लोचयेत | लोचयेताम् | लोचयेरन् |
| | लोचयेथाः | लोचयेथाम् | लोचयेध्वम् |
| | लोचयेय | लोचयेवहि | लोचयेमहि |
| प० | लोचयताम् | लोचयेताम् | लोचयन्ताम् |
| | लोचयस्व | लोचयेथाम् | लोचयध्वम् |
| | लोचये | लोचयावहे | लोचयामहे |
| ह्य० | अलोचयत | अलोचयेताम् | अलोचयन्त |
| | अलोचयथाः | अलोचयेथाम् | अलोचयध्वम् |
| | अलोचये | अलोचयावहि | अलोचयामहि |
| अ० | अलुलोचत | अलुलोचेताम् | अलुलोचन्त |
| | अलुलोचथाः | अलुलोचेथाम् | अलुलोचध्वम् |
| | अलुलोच | अलुलोचावहि | अलुलोचामहि |
| प० | लोचयाञ्चक्रे | लोचयाञ्चक्रते | लोचयाञ्चकिरे |
| | लोचयाञ्चकृषे | लोचयाञ्चक्राये | लोचयाञ्चकृद्वे |
| | लोचयाञ्चक्रे | लोचयाञ्चकृवहे | लोचयाञ्चकृमहे |
| | लोचयाम्बभूव | । | लोचयामास |
| आ० | लोचयिषीष्ट | लोचयिषीयास्ताम् | लोचयिषीरन् |
| | लोचयिषीष्ठाः | लोचयिषीयास्थाम् | लोचयिषीध्वम् |
| | लोचयिषीय | लोचयिषीवहि | लोचयिषीमहि |
| श्व० | लोचयिता | लोचयितारौ | लोचयितारः |
| | लोचयितासे | लोचयितासाथे | लोचयिताध्वे |
| | लोचयिताहे | लोचयितास्वहे | लोचयितास्महे |
| भ० | लोचयिष्यते | लोचयिष्येते | लोचयिष्यन्ते |
| | लोचयिष्यसे | लोचयिष्येथे | लोचयिष्यध्वे |
| | लोचयिष्ये | लोचयिष्यावहे | लोचयिष्यामहे |
| क्रि० | अलोचयिष्यत | अलोचयिष्येताम् | अलोचयिष्यन्त |
| | अलोचयिष्यथाः | अलोचयिष्येथाम् | अलोचयिष्यध्वम् |
| | अलोचयिष्ये | अलोचयिष्यावहि | अलोचयिष्यामहि |

647 षचि (सच्) सेचने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | साचयति | साचयतः | साचयन्ति |
| | साचयसि | साचयथः | साचयथ |
| | साचयामि | साचयावः | साचयामः |
| स० | साचयेत् | साचयेताम् | साचयेयुः |
| | साचयेः | साचयेतम् | साचयेत |
| | साचयेयम् | साचयेव | साचयेम |
| प० | साचयतु | साचयतात् | साचयताम् |
| | साचय | साचयतात् | साचयतम् |
| | साचयानि | साचयाव | साचयाम |
| ह्य० | असाचयत् | असाचयताम् | असाचयन् |
| | असाचयः | असाचयतम् | असाचयत |
| | असाचयम् | असाचयाव | असाचयाम |
| अ० | असीषचत् | असीषचताम् | असीषचन् |
| | असीषचः | असीषचतम् | असीषचत |
| | असीषचम् | असीषचाव | असीषचाम |
| प० | साचयाञ्चकार | साचयाञ्चक्रुः | साचयाञ्चकुः |
| | साचयाञ्चकथं | साचयाञ्चकथुः | साचयाञ्चक |
| | साचयाञ्चकार-चकर | साचयाञ्चकृव | साचयाञ्चकृम |
| | साचयाम्बभूव | । | साचयामास |
| आ० | साच्यात् | साच्यास्ताम् | साच्यासुः |
| | साच्याः | साच्यास्तम् | साच्यास्त |
| | साच्यासम् | साच्यास्व | साच्यास्म |
| श्व० | साचयिता | साचयितारौ | साचयितारः |
| | साचयितासि | साचयितास्थः | साचयितास्थ |
| | साचयितास्मि | साचयितास्वः | साचयितास्मः |
| भ० | साचयिष्यति | साचयिष्यतः | साचयिष्यन्ति |
| | साचयिष्यसि | साचयिष्यथः | साचयिष्यथ |
| | साचयिष्यामि | साचयिष्यावः | साचयिष्यामः |
| क्रि० | असाचयिष्यत् | असाचयिष्यताम् | असाचयिष्यन् |
| | असाचयिष्यः | असाचयिष्यतम् | असाचयिष्यत |
| | असाचयिष्यम् | असाचयिष्याव | असाचयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | साचयते | साचयेते | साचयन्ते |
| | साचयसे | साचयेथे | साचयध्वे |
| | साचये | साचयावहे | साचयामहे |
| स० | साचयेत | साचयेयाताम् | साचयेरन् |
| | साचयेथाः | साचयेयाथाम् | साचयेध्वम् |
| | साचयेच | साचयेवहि | साचयेमहि |
| प० | साचयताम् | साचयेताम् | साचयन्ताम् |
| | साचयस्व | साचयेथाम् | साचयध्वम् |
| | साचयै | साचयावहै | साचयामहै |
| ह्य० | असाचयत | असाचयेताम् | असाचयन्त |
| | असाचयथाः | असाचयेथाम् | असाचयध्वम् |
| | असाचये | असाचयावहि | असाचयामहि |
| अ० | असीषचत | असीषचेताम् | असीषचन्त |
| | असीषचथाः | असीषचेथाम् | असीषचध्वम् |
| | असीषचे | असीषचावहि | असीषचामहि |
| प० | साचयाञ्चके | साचयाञ्चकाते | साचयाञ्चकिरे |
| | साचयाञ्चकृषे | साचयाञ्चकाथे | साचयाञ्चकृद्वे |
| | साचयाञ्चके | साचयाञ्चकृवहे | साचयाञ्चकृमहे |
| | साचयाम्बभूव | । | साचयामास |
| आ० | साचयिषीष्ट | साचयिषीस्ताम् | साचयिषीरन् |
| | साचयिषीष्ठाः | साचयिषीयास्थाम् | साचयिषीद्वम् |
| | साचयिषीय | साचयिषीवहि | साचयिषीमहि |
| श्व० | साचयिता | साचयितारौ | साचयितारः |
| | साचयितासे | साचयितासाथे | साचयिताध्वे |
| | साचयिताहे | साचयितारहे | साचयितास्महे |
| भ० | साचयिष्यते | साचयिष्येते | साचयिष्यन्ते |
| | साचयिष्यसे | साचयिष्येथे | साचयिष्यध्वे |
| | साचयिष्ये | साचयिष्यावहे | साचयिष्यामहे |
| क्रि० | असाचयिष्यत | असाचयिष्येताम् | असाचयिष्यन्त |
| | असाचयिष्यथाः | असाचयिष्येथाम् | असाचयिष्यध्वम् |
| | असाचयिष्ये | असाचयिष्यावहि | असाचयिष्यामहि |

648 शचि (शच्) व्यक्तायां वाचि ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|-------------------|
| व० | शाचयति | शाचयतः | शाचयन्ति |
| | शाचयसि | शाचयथः | शाचयथ |
| | शाचयामि | शाचयावः | शाचयामः |
| स० | शाचयेत् | शाचयेताम् | शाचयेयुः |
| | शाचयेः | शाचयेतम् | शाचयेत |
| | शाचयेयम् | शाचयेव | शाचयेम |
| प० | शाचयतु | शाचयतात् | शाचयताम् शाचयन्तु |
| | शाचय | शाचयतात् | शाचयतम् शाचयत |
| | शाचयानि | शाचयाव | शाचयाम |
| ह्य० | अशाचयत् | अशाचयताम् | अशाचयन् |
| | अशाचयः | अशाचयतम् | अशाचयत |
| | अशाचयम् | अशाचयाव | अशाचयाम |
| अ० | अशीशचत् | अशीशचताम् | अशीशचन् |
| | अशीशचः | अशीशचतम् | अशीशचत |
| | अशीशचम् | अशीशचाव | अशीशचाम |
| प० | शाचयाञ्चकार | शाचयाञ्चकतुः | शाचयाञ्चकुः |
| | शाचयाञ्चकर्थ | शाचयाञ्चकथुः | शाचयाञ्चक |
| | शाचयाञ्चकार-चकर | शाचयाञ्चकृव | शाचयाञ्चकृम |
| | शाचयाम्बभूव | । | शाचयामास |
| आ० | शाच्यात् | शाच्यास्ताम् | शाच्यासुः |
| | शाच्याः | शाच्यास्तम् | शाच्यास्त |
| | शाच्यासम् | शाच्यास्व | शाच्यास्म |
| श्च० | शाचयिता | शाचयितारौ | शाचयितारः |
| | शाचयितासि | शाचयितास्थः | शाचयितास्थ |
| | शाचयितास्मि | शाचयितास्वः | शाचयितास्मः |
| भ० | शाचयिष्यति | शाचयिष्यतः | शाचयिष्यन्ति |
| | शाचयिष्यसि | शाचयिष्यथः | शाचयिष्यथ |
| | शाचयिष्यामि | शाचयिष्यावः | शाचयिष्यामः |
| क्रि० | अशाचयिष्यत् | अशाचयिष्यताम् | अशाचयिष्यन् |
| | अशाचयिष्यः | अशाचयिष्यतम् | अशाचयिष्यत |
| | अशाचयिष्यम् | अशाचयिष्याव | अशाचयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शाचयते | शाचयेते | शाचयन्ते |
| | शाचयसे | शाचयेथे | शाचयन्थे |
| | शाचये | शाचयावहे | शाचयामहे |
| स० | शाचयेत | शाचयेयाताम् | शाचयेरन् |
| | शाचयेथाः | शाचयेयाथाम् | शाचयेध्वम् |
| | शाचयेम | शाचयेवहि | शाचयेमहि |
| प० | शाचयताम् | शाचयेताम् | शाचयन्ताम् |
| | शाचयस्व | शाचयेथाम् | शाचयध्वम् |
| | शाचये | शाचयावहै | शाचयामहै |
| ह्य० | अशाचयत | अशाचयेताम् | अशाचयन्त |
| | अशाचयथाः | अशाचयेथाम् | अशाचयध्वम् |
| | अशाचये | अशाचयावहि | अशाचयामहि |
| अ० | अशीशचत | अशीशचेताम् | अशीशचन्त |
| | अशीशचथाः | अशीशचेथाम् | अशीशचध्वम् |
| | अशीशचे | अशीशचावहि | अशीशचामहि |
| प० | शाचयाञ्चक्रे | शाचयाञ्चक्राते | शाचयाञ्चक्रिरे |
| | शाचयाञ्चकृषे | शाचयाञ्चक्राथे | शाचयाञ्चकृध्वे |
| | शाचयाञ्चक्रे | शाचयाञ्चकृवहे | शाचयाञ्चकृमहे |
| | शाचयाम्बभूव | । | शाचयामास |
| आ० | शाचयिषीष्ट | शाचयिषीयास्ताम् | शाचयिषीरन् |
| | शाचयिषीष्टाः | शाचयिषीयास्थाम् | शाचयिषीध्वम् |
| | शाचयिषीय | शाचयिषीवहि | शाचयिषीमहि |
| श्च० | शाचयिता | शाचयितारौ | शाचयितारः |
| | शाचयितासे | शाचयितासाथे | शाचयिताध्वे |
| | शाचयिताहे | शाचयितास्वहे | शाचयितास्महे |
| भ० | शाचयिष्यते | शाचयिष्येते | शाचयिष्यन्ते |
| | शाचयिष्यसे | शाचयिष्येथे | शाचयिष्यध्वे |
| | शाचयिष्ये | शाचयिष्यावहे | शाचयिष्यामहे |
| क्रि० | अशाचयिष्यत | अशाचयिष्येताम् | अशाचयिष्यन्त |
| | अशाचयिष्यथाः | अशाचयिष्येथाम् | अशाचयिष्यध्वम् |
| | अशाचयिष्ये | अशाचयिष्यावहि | अशाचयिष्यामहि |

649 कचि (कच्) बन्धने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|-------------------|
| व० | काचयति | काचयतः | काचयन्ति |
| | काचयसि | काचयथः | काचयथ |
| | काचयामि | काचयावः | काचयामः |
| स० | काचयेत् | काचयेताम् | काचयेयुः |
| | काचयेः | काचयेतम् | काचयेत |
| | काचयेयम् | काचयेव | काचयेम |
| प० | काचयतु | काचयतात् | काचयताम् काचयन्तु |
| | काचय | काचयतात् | काचयतम् काचयत |
| | काचयानि | काचयाव | काचयाम |
| ह्य० | अकाचयत् | अकाचयताम् | अकाचयन् |
| | अकाचयः | अकाचयतम् | अकाचयत |
| | अकाचयम् | अकाचयाव | अकाचयाम |
| अ० | अचीकचत् | अचीकचताम् | अचकचन् |
| | अचीकचः | अचीकचतम् | अचीकचत |
| | अचीकचम् | अचीकचाव | अचीकचाम |
| प० | काचयाञ्चकार | काचयाञ्चक्रुः | काचयाञ्चकुः |
| | काचयाञ्चकथं | काचयाञ्चकथुः | काचयाञ्चक |
| | काचयाञ्चकार-चकर | काचयाञ्चकृव | काचयाञ्चकृम |
| | काचयाम्बभूव | । | काचयामास |
| आ० | काच्यात् | काच्यास्ताम् | काच्यासुः |
| | काच्याः | काच्यास्तम् | काच्यास्त |
| | काच्यासम् | काच्यास्व | काच्यास्म |
| श्व० | काचयिता | काचयितारौ | काचयितारः |
| | काचयितासि | काचयितास्थः | काचयितास्थ |
| | काचयितामि | काचयितास्त्रः | काचयितास्मः |
| भ० | काचयिष्यति | काचयिष्यतः | काचयिष्यन्ति |
| | काचयिष्यसि | काचयिष्यथः | काचयिष्यथ |
| | काचयिष्यामि | काचयिष्यावः | काचयिष्यामः |
| क्रि० | अकाचयिष्यत् | अकाचयिष्यताम् | अकाचयिष्यन् |
| | अकाचयिष्यः | अकाचयिष्यतम् | अकाचयिष्यत |
| | अकाचयिष्यम् | अकाचयिष्याव | अकाचयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | काचयते | काचयेते | काचयन्ते |
| | काचयसे | काचयेथे | काचयध्वे |
| | काचये | काचयावहे | काचयामहे |
| स० | काचयेत् | काचयेयाताम् | काचयेरन् |
| | काचयेथाः | काचयेयाथाम् | काचयेध्वम् |
| | काचयेय | काचयेवहि | काचयेमहि |
| प० | काचयताम् | काचयेताम् | काचयन्ताम् |
| | काचयस्व | काचयेथाम् | काचयध्वम् |
| | काचयै | काचयावहै | काचयामहै |
| ह्य० | अकाचयत | अकाचयेताम् | अकाचयन्त |
| | अकाचयथाः | अकाचयेथाम् | अकाचयध्वम् |
| | अकाचये | अकाचयावहि | अकाचयामहि |
| अ० | अचीकचत | अचीकचेताम् | अचीकचन्त |
| | अचीकचथाः | अचीकचेथाम् | अचीकचध्वम् |
| | अचीकचे | अचीकचावहि | अचीकचामहि |
| प० | काचयाञ्चक्रे | काचयाञ्चक्राते | काचयाञ्चकिरे |
| | काचयाञ्चकृषे | काचयाञ्चक्राये | काचयाञ्चकृद्वे |
| | काचयाञ्चके | काचयाञ्चकृवहे | काचयाञ्चकृमहे |
| | काचयाम्बभूव | । | काचयामास |
| आ० | काचयिषीष्ट | काचयिषीयास्ताम् | काचयिषीरन् |
| | काचयिषीष्ठाः | काचयिषीयास्थाम् | काचयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | काचयिषीय | काचयिषीवहि | काचयिषीमहि |
| श्व० | काचयिता | काचयितारौ | काचयितारः |
| | काचयितासे | काचयितासाथे | काचयिताध्वे |
| | काचयिताहे | काचयितास्वहे | काचयितास्महे |
| भ० | काचयिष्यते | काचयिष्येते | काचयिष्यन्ते |
| | काचयिष्यसे | काचयिष्येथे | काचयिष्यध्वे |
| | काचयिष्ये | काचयिष्यावहे | काचयिष्यामहे |
| क्रि० | अकाचयिष्यत | अकाचयिष्येताम् | अकाचयिष्यन्त |
| | अकाचयिष्यथाः | अकाचयिष्येथाम् | अकाचयिष्यध्वम् |
| | अकाचयिष्ये | अकाचयिष्यावहि | अकाचयिष्यामहि |

650 कचुङ् (कञ्च्) दीप्तौ ।

| | | | |
|-------|------------------|--------------------|---------------------|
| व० | कञ्चयति | कञ्चयतः | कञ्चयन्त |
| | कञ्चयसि | कञ्चयथः | कञ्चयथ |
| | कञ्चयामि | कञ्चयावः | कञ्चयामः |
| स० | कञ्चयेत् | कञ्चयेताम् | कञ्चयेयुः |
| | कञ्चयेः | कञ्चयेतम् | कञ्चयेत |
| | कञ्चयेयम् | कञ्चयेव | कञ्चयेम |
| प० | कञ्चयतु | कञ्चयतात् | कञ्चयताम् कञ्चयन्तु |
| | कञ्चय | कञ्चयतात् कञ्चयतम् | कञ्चयत |
| | कञ्चयानि | कञ्चयाव | कञ्चयाम |
| लृ० | कञ्चयत् | कञ्चयताम् | कञ्चयन् |
| | कञ्चयः | कञ्चयतम् | कञ्चयत |
| | कञ्चयम् | कञ्चयाव | कञ्चयाम |
| अ० | कञ्चञ्चत् | कञ्चञ्चताम् | कञ्चञ्चन् |
| | कञ्चञ्चः | कञ्चञ्चतम् | कञ्चञ्चत |
| | कञ्चञ्चम् | कञ्चञ्चाव | कञ्चञ्चाम |
| प० | कञ्चयाञ्चकार | कञ्चयाञ्चक्रतुः | कञ्चयाञ्चकुः |
| | कञ्चयाञ्चकर्षे | कञ्चयाञ्चक्रधुः | कञ्चयाञ्चक्र |
| | कञ्चयाञ्चकार-नकर | कञ्चयाञ्चकुव | कञ्चयाञ्चक्रम |
| | कञ्चयाञ्चभूव | । | कञ्चयाभास |
| आ० | कञ्च्यात् | कञ्च्यारताम् | कञ्च्यासुः |
| | कञ्च्याः | कञ्च्यारतम् | कञ्च्यारत |
| | कञ्च्यास्म | कञ्च्यास्व | कञ्च्यास्म |
| श्च० | कञ्चयितः | कञ्चयितारौ | कञ्चयितारः |
| | कञ्चयितासि | कञ्चयितास्थः | कञ्चयितास्थः |
| | कञ्चयितास्मि | कञ्चयितारवः | कञ्चयितारमः |
| अ० | कञ्चदियाति | कञ्चदियेतः | कञ्चयिष्यति |
| | कञ्चयिष्यसि | कञ्चयिष्यथः | कञ्चयिष्यथ |
| | कञ्चयिष्यामि | कञ्चदिष्यावः | कञ्चयिष्यामः |
| प्रि० | कञ्चदियत् | कञ्चदियताम् | कञ्चयिष्यन् |
| | कञ्चदियः | कञ्चदियतम् | कञ्चयिष्यत |
| | कञ्चदियम् | कञ्चदियाव | कञ्चदियाम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० कञ्चयते | कञ्चयेते | कञ्चयन्ते |
| कञ्चयसे | कञ्चयेथे | कञ्चयन्वे |
| कञ्चये | कञ्चयावहे | कञ्चयामहे |
| स० कञ्चयेत | कञ्चयेयाताम् | कञ्चयेरन् |
| कञ्चयेथाः | कञ्चयेयाथाम् | कञ्चयेध्वम् |
| कञ्चयेम | कञ्चयेवहि | कञ्चयेमहि |
| प० कञ्चयताम् | कञ्चयेताम् | कञ्चयन्ताम् |
| कञ्चयस्व | कञ्चयेथाम् | कञ्चयध्वम् |
| कञ्चयै | कञ्चयावहै | कञ्चयामहै |
| ह्य० अकञ्चयत | अकञ्चयेताम् | अकञ्चयन्त |
| अकञ्चयथाः | अकञ्चयेथाम् | अकञ्चयध्वम् |
| अकञ्चये | अकञ्चयावहि | अकञ्चयामहि |
| अ० अचकञ्चत | अचकञ्चेताम् | अचकञ्चन्त |
| अचकञ्चथाः | अचकञ्चेथाम् | अचकञ्चध्वम् |
| अचकञ्चे | अचकञ्चावहि | अचकञ्चामहि |
| प० कञ्चयाञ्चक्रे | कञ्चयाञ्चक्राते | कञ्चयाञ्चकिरे |
| कञ्चयाञ्चकृषे | कञ्चयाञ्चक्राये | कञ्चयाञ्चकृद्वे |
| कञ्चयाञ्चक्रे | कञ्चयाञ्चकृवहे | कञ्चयाञ्चकृमहे |
| कञ्चयाग्वभूव | कञ्चयामास | |
| आ० कञ्चयिषीष्ट | कञ्चयिषीयास्ताम् | कञ्चयिषीरन् |
| कञ्चयिषीष्ठाः | कञ्चयिषीयाथाम् | कञ्चयिषीद्रवम् |
| | | ध्वम् |
| कञ्चयिषीय | कञ्चयिषीवहि | कञ्चयिषीमहि |
| श्च० कञ्चयिता | कञ्चयितारौ | कञ्चयितारः |
| कञ्चयितासे | कञ्चयितासाथे | कञ्चयिताध्वे |
| कञ्चयिताहे | कञ्चयितास्वहे | कञ्चयितामहे |
| म० कञ्चयिष्यते | कञ्चयिष्येते | कञ्चयिष्यन्ते |
| कञ्चयिष्यसे | कञ्चयिष्येथे | कञ्चयिष्यध्वे |
| कञ्चयिष्ये | कञ्चयिष्यावहे | कञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० अकञ्चयिष्यत | अकञ्चयिष्येताम् | अकञ्चयिष्यन्त |
| अकञ्चयिष्यथाः | अकञ्चयिष्येथाम् | अकञ्चयिष्यध्वम् |
| अकञ्चयिष्ये | अकञ्चयिष्यावहि | अकञ्चयिष्यामहि |

65। श्वचि (श्वच्) गतौ

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| व० | श्वाचयति | श्वाचयतः | श्वाचयन्ति |
| | श्वाचयसि | श्वाचयथः | श्वाचयथ |
| | श्वाचयामि | श्वाचयावः | श्वाचयामः |
| स० | श्वाचयेत् | श्वाचयेताम् | श्वाचयेयुः |
| | श्वाचयेः | श्वाचयेतम् | श्वाचयेत |
| | श्वाचयेयम् | श्वाचयेव | श्वाचयेम |
| प० | श्वाचयतु | श्वाचयतात् | श्वाचयताम् |
| | श्वाचय | श्वाचयतात् | श्वाचयतम् |
| | श्वाचयानि | श्वाचयाव | श्वाचयाम |
| ह्य० | अश्वाचयत् | अश्वाचयताम् | अश्वाचयन् |
| | अश्वाचयः | अश्वाचयतम् | अश्वाचयत |
| | अश्वाचयम् | अश्वाचयाव | अश्वाचयाम |
| अ० | अशिश्चत् | अशिश्चताम् | अशिश्चन् |
| | अशिश्चः | अशिश्चतम् | अशिश्चत |
| | अशिश्चम् | अशिश्चाव | अशिश्चाम |
| प० | श्वाचयाश्चकार | श्वाचयाश्चक्रतुः | श्वाचयाश्चक्रुः |
| | श्वाचयाश्चकथे | श्वाचयाश्चक्रथुः | श्वाचयाश्चक्र |
| | श्वाचयाश्चकार-चक्र | श्वाचयाश्चक्रव | श्वाचयाश्चक्रम |
| | श्वाचयाश्चभूव | । श्वाचयामास | |
| आ० | श्वाच्यात् | श्वाच्यास्ताम् | श्वाच्यासुः |
| | श्वाच्याः | श्वाच्यास्तम् | श्वाच्यास्त |
| | श्वाच्यासम् | श्वाच्यााव | श्वाच्यासम् |
| श्व० | श्वाचयिता | श्वाचयितारौ | श्वाचयितारः |
| | श्वाचयितासि | श्वाचयितास्थः | श्वाचयितास्थ |
| | श्वाचयितास्मि | श्वाचयितारवः | श्वाचयितारमः |
| भ० | श्वाचयिष्यति | श्वाचयिष्यतः | श्वाचयिष्यन्ति |
| | श्वाचयिष्यसि | श्वाचयिष्यथः | श्वाचयिष्यथ |
| | श्वाचयिष्यामि | श्वाचयिष्यावः | श्वाचयिष्यामः |
| त्रि० | अश्वाचयिष्यत् | अश्वाचयिष्यताम् | अश्वाचयिष्यन् |
| | अश्वाचयिष्यः | अश्वाचयिष्यतम् | अश्वाचयिष्यत |
| | अश्वाचयिष्यम् | अश्वाचयिष्याव | अश्वाचयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | श्वाचयेते | श्वाचयेते | श्वाचयन्ते |
| | श्वाचयसे | श्वाचयेथे | श्वाचयध्वे |
| | श्वाचये | श्वाचयावहे | श्वाचयामहे |
| स० | श्वाचयेत | श्वाचयेयाताम् | श्वाचयेरन् |
| | श्वाचयेथाः | श्वाचयेयाथाम् | श्वाचयेध्वम् |
| | श्वाचयेम | श्वाचयेवहि | श्वाचयेमहि |
| प० | श्वाचयताम् | श्वाचयेताम् | श्वाचयन्ताम् |
| | श्वाचयस्व | श्वाचयेथाम् | श्वाचयध्वम् |
| | श्वाचये | श्वाचयावहे | श्वाचयामहे |
| ह्य० | अश्वाचयत् | अश्वाचयेताम् | अश्वाचयन्त |
| | अश्वाचयथाः | अश्वाचयेथाम् | अश्वाचयध्वम् |
| | अश्वाचये | अश्वाचयावहि | अश्वाचयामहि |
| अ० | अशिश्चत् | अशिश्चेताम् | अशिश्चन्त |
| | अशिश्चथाः | अशिश्चेथाम् | अशिश्चध्वम् |
| | अशिश्चे | अशिश्चावहि | अशिश्चामहि |
| प० | श्वाचयाश्चक्रे | श्वाचयाश्चक्राते | श्वाचयाश्चक्रिरे |
| | श्वाचयाश्चकृषे | श्वाचयाश्चकृथे | श्वाचयाश्चकृध्वे |
| | श्वाचयाश्चक्रे | श्वाचयाश्चकृवहे | श्वाचयाश्चकृमहे |
| | श्वाचयाश्चभूव | । श्वाचयामास | |
| आ० | श्वाचयिषीष्ट | श्वाचयिषीष्टाताम् | श्वाचयिषीरन् |
| | श्वाचयिषीष्टाः | श्वाचयिषीष्टाथाम् | श्वाचयिषीष्टध्वम् |
| | श्वाचयिषीष्टे | श्वाचयिषीष्टवहि | श्वाचयिषीष्टमहि |
| श्व० | श्वाचयिता | श्वाचयितारौ | श्वाचयितारः |
| | श्वाचयितासे | श्वाचयितासाथे | श्वाचयिताध्वे |
| | श्वाचयिताहे | श्वाचयिताह्वे | श्वाचयितास्महे |
| भ० | श्वाचयिष्येते | श्वाचयिष्येते | श्वाचयिष्यन्ते |
| | श्वाचयिष्यसे | श्वाचयिष्येथे | श्वाचयिष्यध्वे |
| | श्वाचयिष्ये | श्वाचयिष्यावहे | श्वाचयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्वाचयिष्यत् | अश्वाचयिष्येताम् | अश्वाचयिष्यन्त |
| | अश्वाचयिष्यथाः | अश्वाचयिष्येथाम् | अश्वाचयिष्यध्वम् |
| | अश्वाचयिष्ये | अश्वाचयिष्यावहि | अश्वाचयिष्यामहि |

(६२६) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते० धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

652 श्वञ्च् (श्वञ्च्) गतौ

| | | |
|----------------------|-------------------|------------------|
| व० श्वञ्चयति | श्वञ्चयतः | श्वञ्चयन्ति |
| श्वञ्चयसि | श्वञ्चयथः | श्वञ्चयथ |
| श्वञ्चयामि | श्वञ्चयावः | श्वञ्चयामः |
| स० श्वञ्चयेत् | श्वञ्चयेताम् | श्वञ्चयेयुः |
| श्वञ्चयेः | श्वञ्चयेतम् | श्वञ्चयेत |
| श्वञ्चयेयम् | श्वञ्चयेव | श्वञ्चयेम |
| प० श्वञ्चयतु | श्वञ्चयतात् | श्वञ्चयताम् |
| श्वञ्चय | श्वञ्चयतात् | श्वञ्चयतम् |
| श्वञ्चयानि | श्वञ्चयाव | श्वञ्चयाम |
| ह्य० अश्वञ्चयत् | अश्वञ्चयताम् | अश्वञ्चयन् |
| अश्वञ्चयः | अश्वञ्चयतम् | अश्वञ्चयत |
| अश्वञ्चयम् | अश्वञ्चयाव | अश्वञ्चयाम |
| अ० अशश्वञ्चत् | अशश्वञ्चताम् | अशश्वञ्चन् |
| अशश्वञ्चः | अशश्वञ्चतम् | अशश्वञ्चत |
| अशश्वञ्चम् | अशश्वञ्चाव | अशश्वञ्चाम |
| प० श्वञ्चयाञ्चकार | श्वञ्चयाञ्चक्रतुः | श्वञ्चयाञ्चक्रुः |
| श्वञ्चयाञ्चकथं | श्वञ्चयाञ्चकथुः | श्वञ्चयाञ्चक |
| श्वञ्चयाञ्चकारः चकर | श्वञ्चयाञ्चकृव | श्वञ्चयाञ्चकृम |
| श्वञ्चयाम्भूव | । | श्वञ्चयामास |
| आ० श्वञ्चयात् | श्वञ्चयास्ताम् | श्वञ्चयासुः |
| श्वञ्चयाः | श्वञ्चयास्तम् | श्वञ्चयास्त |
| श्वञ्चयासम् | श्वञ्चयास्व | श्वञ्चयास्म |
| श्व० श्वञ्चयिताः | श्वञ्चयितारौ | श्वञ्चयितारः |
| श्वञ्चयितासि | श्वञ्चयितास्थः | श्वञ्चयितास्थ |
| श्वञ्चयितास्मि | श्वञ्चयितास्वः | श्वञ्चयितास्मः |
| भ० श्वञ्चयिष्यति | श्वञ्चयिष्यतः | श्वञ्चयिष्यन्ति |
| श्वञ्चयिष्यसि | श्वञ्चयिष्यथः | श्वञ्चयिष्यथ |
| श्वञ्चयिष्यामि | श्वञ्चयिष्यावः | श्वञ्चयिष्यामः |
| क्रि० अश्वञ्चयिष्यत् | अश्वञ्चयिष्यताम् | अश्वञ्चयिष्यन् |
| अश्वञ्चयिष्यः | अश्वञ्चयिष्यतम् | अश्वञ्चयिष्यत |
| अश्वञ्चयिष्यम् | अश्वञ्चयिष्याव | अश्वञ्चयिष्याम |

| | | |
|---------------------|--------------------|-------------------|
| व० श्वञ्चयते | श्वञ्चयेते | श्वञ्चयन्ते |
| श्वञ्चयसे | श्वञ्चयेथे | श्वञ्चयध्वे |
| श्वञ्चये | श्वञ्चयावहे | श्वञ्चयामहे |
| स० श्वञ्चयेत् | श्वञ्चयेयाताम् | श्वञ्चयेरन् |
| श्वञ्चयेथाः | श्वञ्चयेयाथाम् | श्वञ्चयेध्वम् |
| श्वञ्चयेम | श्वञ्चयेवहि | श्वञ्चयेमहि |
| प० श्वञ्चयताम् | श्वञ्चयेताम् | श्वञ्चयन्ताम् |
| श्वञ्चयस्व | श्वञ्चयेथाम् | श्वञ्चयध्वम् |
| श्वञ्चयै | श्वञ्चयावहै | श्वञ्चयामहै |
| ह्य० अश्वञ्चयत | अश्वञ्चयेताम् | अश्वञ्चयन्त |
| अश्वञ्चयथाः | अश्वञ्चयेथाम् | अश्वञ्चयध्वम् |
| अश्वञ्चये | अश्वञ्चयावहि | अश्वञ्चयामहि |
| अ० अशश्वञ्चत | अशश्वञ्चेताम् | अशश्वञ्चन्त |
| अशश्वञ्चथाः | अशश्वञ्चेथाम् | अशश्वञ्चध्वम् |
| अशश्वञ्चे | अशश्वञ्चावहि | अशश्वञ्चामहि |
| प० श्वञ्चयाञ्चके | श्वञ्चयाञ्चक्राते | श्वञ्चयाञ्चकिरे |
| श्वञ्चयाञ्चकृषे | श्वञ्चयाञ्चक्राथे | श्वञ्चयाञ्चकृद्वे |
| श्वञ्चयाञ्चके | श्वञ्चयाञ्चकृवहे | श्वञ्चयाञ्चकृमहे |
| श्वञ्चयाम्भूव | । | श्वञ्चयामास |
| आ० श्वञ्चयिषीष्ट | श्वञ्चयिषीयास्ताम् | श्वञ्चयिषीरन् |
| श्वञ्चयिषीष्टाः | श्वञ्चयिषीयास्थाम् | श्वञ्चयिषीध्वम् |
| श्वञ्चयिषीय | श्वञ्चयिषीवहि | श्वञ्चयिषीमहि |
| श्व० श्वञ्चयिता | श्वञ्चयितारौ | श्वञ्चयितारः |
| श्वञ्चयितासे | श्वञ्चयितासाथे | श्वञ्चयिताध्वे |
| श्वञ्चयिताहे | श्वञ्चयितास्वहे | श्वञ्चयितास्महे |
| भ० श्वञ्चयिष्यते | श्वञ्चयिष्येते | श्वञ्चयिष्यन्ते |
| श्वञ्चयिष्यसे | श्वञ्चयिष्येथे | श्वञ्चयिष्यध्वे |
| श्वञ्चयिष्ये | श्वञ्चयिष्यावहे | श्वञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० अश्वञ्चयिष्यत | अश्वञ्चयिष्येताम् | अश्वञ्चयिष्यन्त |
| अश्वञ्चयिष्यथाः | अश्वञ्चयिष्येथाम् | अश्वञ्चयिष्यध्वम् |
| अश्वञ्चयिष्ये | अश्वञ्चयिष्यावहि | अश्वञ्चयिष्यामहि |

653 वर्चि (वर्च्) दीप्तौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | वर्चयति | वर्चयतः | वर्चयन्ति |
| | वर्चयसि | वर्चयथः | वर्चयथ |
| | वर्चयामि | वर्चयावः | वर्चयामः |
| स० | वर्चयेत् | वर्चयेताम् | वर्चयेयुः |
| | वर्चयेः | वर्चयेताम् | वर्चयेत |
| | वर्चयेयम् | वर्चयेव | वर्चयेम |
| प० | वर्चयतु | वर्चयताम् | वर्चयन्तु |
| | वर्चय | वर्चयताम् | वर्चयत |
| | वर्चयानि | वर्चयाव | वर्चयाम |
| झ० | अवर्चयत् | अवर्चयताम् | अवर्चयन् |
| | अवर्चयः | अवर्चयतम् | अवर्चयत |
| | अवर्चयम् | अवर्चयाव | अवर्चयाम |
| अ० | अवर्चयत् | अवर्चयताम् | अवर्चयन् |
| | अवर्चयः | अवर्चयतम् | अवर्चयत |
| | अवर्चयम् | अवर्चयाव | अवर्चयाम |
| प० | वर्चयाश्चकार | वर्चयाश्चक्रुः | वर्चयाश्चक्रुः |
| | वर्चयाश्चकथं | वर्चयाश्चकथुः | वर्चयाश्चक्रुः |
| | वर्चयाश्चकार-चकर | वर्चयाश्चक्रुव | वर्चयाश्चक्रुम |
| | वर्चयाम्बभूव | । | वर्चयामास |
| आ० | वर्चयात् | वर्चयास्ताम् | वर्चयासुः |
| | वर्चयाः | वर्चयास्तम् | वर्चयास्त |
| | वर्चयासम् | वर्चयास्व | वर्चयास्म |
| झ० | वर्चयिता | वर्चयितारौ | वर्चयितारः |
| | वर्चयितासि | वर्चयितास्थः | वर्चयितास्थ |
| | वर्चयितामि | वर्चयितास्वः | वर्चयितास्मः |
| अ० | वर्चयिष्यति | वर्चयिष्यतः | वर्चयिष्यन्ति |
| | वर्चयिष्यसि | वर्चयिष्यथः | वर्चयिष्यथ |
| | वर्चयिष्यामि | वर्चयिष्यावः | वर्चयिष्यामः |
| क्रि० | अवर्चयिष्यत् | अवर्चयिष्यताम् | अवर्चयिष्यन् |
| | अवर्चयिष्यः | अवर्चयिष्यतम् | अवर्चयिष्यत |
| | अवर्चयिष्यम् | अवर्चयिष्याव | अवर्चयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | वर्चयते | वर्चयते | वर्चयन्ते |
| | वर्चयसे | वर्चयेथे | वर्चयध्वे |
| | वर्चये | वर्चयावहे | वर्चयामहे |
| स० | वर्चयेत | वर्चयेयाताम् | वर्चयेरन् |
| | वर्चयेथाः | वर्चयेयाथाम् | वर्चयेध्वम् |
| | वर्चयेय | वर्चयेवहि | वर्चयेमहि |
| प० | वर्चयताम् | वर्चयेताम् | वर्चयन्ताम् |
| | वर्चयस्व | वर्चयेथाम् | वर्चयध्वम् |
| | वर्चये | वर्चयावहे | वर्चयामहे |
| झ० | अवर्चयत | अवर्चयेताम् | अवर्चयन्त |
| | अवर्चयथाः | अवर्चयेथाम् | अवर्चयध्वम् |
| | अवर्चये | अवर्चयावहि | अवर्चयामहि |
| अ० | अवर्चयत | अवर्चयेताम् | अवर्चयन्त |
| | अवर्चयथाः | अवर्चयेथाम् | अवर्चयध्वम् |
| | अवर्चये | अवर्चयावहि | अवर्चयामहि |
| प० | वर्चयाश्चक्रे | वर्चयाश्चक्राते | वर्चयाश्चक्रिरे |
| | वर्चयाश्चक्रुषे | वर्चयाश्चक्राथे | वर्चयाश्चक्रुद्वे |
| | वर्चयाश्चक्रे | वर्चयाश्चक्रुवहे | वर्चयाश्चक्रुमहे |
| | वर्चयाम्बभूव | । | वर्चयामास |
| आ० | वर्चयिषीष्ट | वर्चयिषीष्टास्ताम् | वर्चयिषीरन् |
| | वर्चयिषीष्टाः | वर्चयिषीष्टाथाम् | वर्चयिषीद्वम् |
| | वर्चयिषीष्ट | वर्चयिषीष्टावहि | वर्चयिषीमहि |
| झ० | वर्चयिता | वर्चयितारौ | वर्चयितारः |
| | वर्चयितासे | वर्चयितासाथे | वर्चयिताध्वे |
| | वर्चयिताहे | वर्चयितास्वहे | वर्चयितास्महे |
| अ० | वर्चयिष्यते | वर्चयिष्येते | वर्चयिष्यन्ते |
| | वर्चयिष्यसे | वर्चयिष्येथे | वर्चयिष्यध्वे |
| | वर्चयिष्ये | वर्चयिष्यावहे | वर्चयिष्यामहे |
| क्रि० | अवर्चयिष्यत् | अवर्चयिष्येताम् | अवर्चयिष्यन्त |
| | अवर्चयिष्यथाः | अवर्चयिष्येथाम् | अवर्चयिष्यध्वम् |
| | अवर्चयिष्ये | अवर्चयिष्यावहि | अवर्चयिष्यामहि |

654 मचि (मच्) कल्कने

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | माचयति | माचयतः | माचयन्ति |
| | माचयस्ति | माचयथः | माचयथ |
| | माचयामि | माचयावः | माचयामः |
| स० | माचयेत् | माचयेताम् | माचयेयुः |
| | माचयेः | माचयेतम् | माचयेत |
| | माचयेयम् | माचयेव | माचयेम |
| प० | माचयतु | माचयतात् | माचयताम् |
| | माचय | माचयतात् | माचयतम् |
| | माचयानि | माचयाव | माचयाम |
| ह्य० | अमाचयत् | अमाचयताम् | अमाचयन् |
| | अमाचयः | अमाचयतम् | अमाचयत |
| | अमाचयम् | अमाचयाव | अमाचयाम |
| अ० | अमीमचत् | अमीमचताम् | अमीमचन् |
| | अमीमचः | अमीमचतम् | अमीमचत |
| | अमीमचम् | अमीमचाव | अमीमचाम |
| प० | माचयाञ्चकार | माचयाञ्चक्रतुः | माचयाञ्चक्रुः |
| | माचयाञ्चकथं | माचयाञ्चकथुः | माचयाञ्चक |
| | माचयाञ्चकार-चकर | माचयाञ्चकृव | माचयाञ्चकृम |
| | माचयाञ्चभूव | । | माचयामास |
| आ० | माच्यात् | माच्यास्ताम् | माच्यासुः |
| | माच्याः | माच्यास्तम् | माच्यास्त |
| | माच्यासम् | माच्यास्व | माच्यास्म |
| श्च० | माचयिता | माचयितारौ | माचयितारः |
| | माचयितासि | माचयितास्थः | माचयितास्थ |
| | माचयितास्मि | माचयितास्वः | माचयितास्मः |
| भ० | माचयिष्यति | माचयिष्यतः | माचयिष्यन्ति |
| | माचयिष्यसि | माचयिष्यथः | माचयिष्यथ |
| | माचयिष्यामि | माचयिष्यावः | माचयिष्यामः |
| क्रि० | अमाचयिष्यत् | अमाचयिष्यताम् | अमाचयिष्यन् |
| | अमाचयिष्यः | अमाचयिष्यतम् | अमाचयिष्यत |
| | अमाचयिष्यम् | अमाचयिष्याव | अमाचयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | माचयते | माचयेते | माचयन्ते |
| | माचयसे | माचयेथे | माचयध्वे |
| | माचये | माचयावहे | माचयामहे |
| स० | माचयेत | माचयेयाताम् | माचयेरन् |
| | माचयेथाः | माचयेयाथाम् | माचयेध्वम् |
| | माचयेम | माचयेवहि | माचयेमहि |
| प० | माचयताम् | माचयेताम् | माचयन्ताम् |
| | माचयस्व | माचयेथाम् | माचयध्वम् |
| | माचयै | माचयावहै | माचयामहै |
| ह्य० | अमाचयत | अमाचयेताम् | अमाचयन्त |
| | अमाचयथाः | अमाचयेथाम् | अमाचयध्वम् |
| | अमाचये | अमाचयावहि | अमाचयामहि |
| अ० | अमीमचत | अमीमचेताम् | अमीमचन्त |
| | अमीमचथाः | अमीमचेथाम् | अमीमचध्वम् |
| | अमीमचे | अमीमचावहि | अमीमचामहि |
| प० | माचयाञ्चक्रे | माचयाञ्चक्राते | माचयाञ्चक्रिरे |
| | माचयाञ्चकृषे | माचयाञ्चक्राथे | माचयाञ्चकृद्वे |
| | माचयाञ्चक्रे | माचयाञ्चकृवहे | माचयाञ्चकृमहे |
| | माचयाञ्चभूव | । | माचयामास |
| आ० | माचयिषीष्ट | माचयिषीयास्ताम् | माचयिषीरन् |
| | माचयिषीष्टाः | माचयिषीयास्थाम् | माचयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | माचयिषीय | माचयिषीवहि | माचयिषीमहि |
| श्च० | माचयिता | माचयितारौ | माचयितारः |
| | माचयितासे | माचयितासाथे | माचयिताध्वे |
| | माचयिताहे | माचयितास्त्रहे | माचयितास्महे |
| भ० | माचयिष्यते | माचयिष्येते | माचयिष्यन्ते |
| | माचयिष्यसे | माचयिष्येथे | माचयिष्यध्वे |
| | माचयिष्ये | माचयिष्यावहे | माचयिष्यामहे |
| क्रि० | अमाचयिष्यत | अमाचयिष्येताम् | अमाचयिष्यन्त |
| | अमाचयिष्यथाः | अमाचयिष्येथाम् | अमाचयिष्यध्वम् |
| | अमाचयिष्ये | अमाचयिष्यावहि | अमाचयिष्यामहि |

655 मुचुङ् (मुञ्च) । 111 मुञ्चवद्रूपाणि

656 मचुङ् (मञ्च) धारणोच्छ्रायपूजनेषु ।

॥ 110 मञ्चवद्रूपाणि ॥

657 पञ्चुङ् (पञ्च्) व्यक्तीकरणे।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|---------------------|
| व० | पञ्चयति | पञ्चयतः | पञ्चयन्ति |
| | पञ्चयसि | पञ्चयथः | पञ्चयथ |
| | पञ्चयामि | पञ्चयावः | पञ्चयामः |
| स० | पञ्चयेत् | पञ्चयेताम् | पञ्चयेयुः |
| | पञ्चयेः | पञ्चयेतम् | पञ्चयेत |
| | पञ्चयेयम् | पञ्चयेव | पञ्चयेम |
| प० | पञ्चयतु | पञ्चयतात् | पञ्चयताम् पञ्चयन्तु |
| | पञ्चय | पञ्चयतात् | पञ्चयतम् पञ्चयत |
| | पञ्चयानि | पञ्चयाव | पञ्चयाम |
| ह्य० | अपञ्चयत् | अपञ्चयताम् | अपञ्चयन् |
| | अपञ्चयः | अपञ्चयतम् | अपञ्चयत |
| | अपञ्चयम् | अपञ्चयाव | अपञ्चयाम |
| अ० | अपपञ्चत् | अपपञ्चताम् | अपपञ्चन् |
| | अपपञ्चः | अपपञ्चतम् | अपपञ्चत |
| | अपपञ्चम् | अपपञ्चाव | अपपञ्चाम |
| प० | पञ्चयाश्चकार | पञ्चयाश्चक्रुः | पञ्चयाश्चक्रुः |
| | पञ्चयाश्चकर्थं | पञ्चयाश्चक्रथुः | पञ्चयाश्चक्र |
| | पञ्चयाश्चकार-चकर | पञ्चयाश्चक्रुव | पञ्चयाश्चक्रुम |
| | पञ्चयाम्बभूव | | पञ्चयामास |
| आ० | पञ्चयात् | पञ्चयास्ताम् | पञ्चयासुः |
| | पञ्चयाः | पञ्चयास्तम् | पञ्चयास्त |
| | पञ्चयासम् | पञ्चयास्व | पञ्चयास्म |
| श्व० | पञ्चयिता | पञ्चयितारौ | पञ्चयितारः |
| | पञ्चयितासि | पञ्चयितास्थः | पञ्चयितास्थ |
| | पञ्चयितास्मि | पञ्चयितास्वः | पञ्चयितास्मः |
| भ० | पञ्चयिष्यति | पञ्चयिष्यतः | पञ्चयिष्यन्ति |
| | पञ्चयिष्यसि | पञ्चयिष्यथः | पञ्चयिष्यथ |
| | पञ्चयिष्यामि | पञ्चयिष्यावः | पञ्चयिष्यामः |
| क्रि० | अपञ्चयिष्यत् | अपञ्चयिष्यताम् | अपञ्चयिष्यन् |
| | अपञ्चयिष्यः | अपञ्चयिष्यतम् | अपञ्चयिष्यत |
| | अपञ्चयिष्यम् | अपञ्चयिष्याव | अपञ्चयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| व० | पञ्चयते | पञ्चयेते | पञ्चयन्ते |
| | पञ्चयसे | पञ्चयेथे | पञ्चयन्वे |
| | पञ्चये | पञ्चयावहे | पञ्चयामहे |
| स० | पञ्चयेत | पञ्चयेयाताम् | पञ्चयेरन् |
| | पञ्चयेथाः | पञ्चयेयाथाम् | पञ्चयेध्वम् |
| | पञ्चयेय | पञ्चयेवहि | पञ्चयेमहि |
| प० | पञ्चयताम् | पञ्चयेताम् | पञ्चयन्ताम् |
| | पञ्चयस्व | पञ्चयेथाम् | पञ्चयध्वम् |
| | पञ्चयै | पञ्चयावहे | पञ्चयामहे |
| ह्य० | अपञ्चयत | अपञ्चयेताम् | अपञ्चयन्त |
| | अपञ्चयथाः | अपञ्चयेथाम् | अपञ्चयध्वम् |
| | अपञ्चये | अपञ्चयावहि | अपञ्चयामहि |
| अ० | अपपञ्चत् | अपपञ्चेताम् | अपपञ्चन्त |
| | अपपञ्चथाः | अपपञ्चेथाम् | अपपञ्चध्वम् |
| | अपपञ्चे | अपपञ्चावहि | अपपञ्चामहि |
| प० | पञ्चयाश्चक्रे | पञ्चयाश्चक्राते | पञ्चयाश्चक्रिरे |
| | पञ्चयाश्चक्रुषे | पञ्चयाश्चक्राथे | पञ्चयाश्चक्रुध्वे |
| | पञ्चयाश्चक्रे | पञ्चयाश्चक्रुवहे | पञ्चयाश्चक्रुमहे |
| | पञ्चयाम्बभूव | | पञ्चयामास |
| आ० | पञ्चयिषीष्ट | पञ्चयिषीयास्ताम् | पञ्चयिषीरन् |
| | पञ्चयिषीष्टाः | पञ्चयिषीयास्थाम् | पञ्चयिषीध्वम् |
| | पञ्चयिषीय | पञ्चयिषीवहि | पञ्चयिषीमहि |
| श्व० | पञ्चयिता | पञ्चयितारौ | पञ्चयितारः |
| | पञ्चयितासे | पञ्चयितासाथे | पञ्चयिताध्वे |
| | पञ्चयिताहि | पञ्चयितास्वहे | पञ्चयितास्महे |
| भ० | पञ्चयिष्यते | पञ्चयिष्येते | पञ्चयिष्यन्ते |
| | पञ्चयिष्यसे | पञ्चयिष्येथे | पञ्चयिष्यन्वे |
| | पञ्चयिष्ये | पञ्चयिष्यावहे | पञ्चयिष्यामहे |
| क्रि० | अपञ्चयिष्यत | अपञ्चयिष्येताम् | अपञ्चयिष्यन्त |
| | अपञ्चयिष्यथाः | अपञ्चयिष्येथाम् | अपञ्चयिष्यध्वम् |
| | अपञ्चयिष्ये | अपञ्चयिष्यावहि | अपञ्चयिष्यामहि |

(६३०) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते० धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

658 ष्टुचि (ष्टुच्) प्रसादे।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| ब० | स्तोचयति | स्तोचयतः | स्तोचयन्ति |
| | स्तोचयसि | स्तोचयथः | स्तोचयथ |
| | स्तोचयामि | स्तोचयावः | स्तोचयामः |
| स० | स्तोचयेत् | स्तोचयेताम् | स्तोचयेयुः |
| | स्तोचयेः | स्तोचयेतम् | स्तोचयेत |
| | स्तोचयेयम् | स्तोचयेव | स्तोचयेम |
| प० | स्तोचयतु | स्तोचयतात् | स्तोचयताम् |
| | स्तोचयतु | स्तोचयतात् | स्तोचयतम् |
| | स्तोचयानि | स्तोचयाव | स्तोचयाम |
| झ० | अस्तोचयत् | अस्तोचयताम् | अस्तोचयन् |
| | अस्तोचयः | अस्तोचयताम् | अस्तोचयत |
| | अस्तोचयम् | अस्तोचयाव | अस्तोचयाम |
| अ० | अतुष्टुचत् | अतुष्टुचताम् | अतुष्टुचन् |
| | अतुष्टुचः | अतुष्टुचतम् | अतुष्टुचत |
| | अतुष्टुचम् | अतुष्टुचाव | अतुष्टुचाम |
| प० | स्तोचयाञ्चकार | स्तोचयाञ्चक्रुः | स्तोचयाञ्चकुः |
| | स्तोचयाञ्चकथं | स्तोचयाञ्चकथुः | स्तोचयाञ्चकम् |
| | स्तोचयाञ्चकार-चक्र | स्तोचयाञ्चकुव | स्तोचयाञ्चकुम |
| | स्तोचयाम्बभूव | स्तोचयामास | |
| आ० | स्तोच्यात् | स्तोच्यास्ताम् | स्तोच्यासुः |
| | स्तोच्याः | स्तोच्यास्ताम् | स्तोच्यास्त |
| | स्तोच्यासम् | स्तोच्यासव | स्तोच्यासम् |
| श्र० | स्तोचयिताः | स्तोचयितारौ | स्तोचयितारः |
| | स्तोचयितासि | स्तोचयितास्थः | स्तोचयितास्थ |
| | स्तोचयितास्मि | स्तोचयितास्वः | स्तोचयितास्मः |
| अ० | स्तोचयिष्यति | स्तोचयिष्यतः | स्तोचयिष्यन्ति |
| | स्तोचयिष्यसि | स्तोचयिष्यथः | स्तोचयिष्यथ |
| | स्तोचयिष्यामि | स्तोचयिष्यावः | स्तोचयिष्यामः |
| क्रि० | अस्तोचयिष्यत् | अस्तोचयिष्यताम् | अस्तोचयिष्यन् |
| | अस्तोचयिष्यः | अस्तोचयिष्यतम् | अस्तोचयिष्यत |
| | अस्तोचयिष्यम् | अस्तोचयिष्याव | अस्तोचयिष्याम |
| ब० | स्तोचयते | स्तोचयते | स्तोचयन्ते |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| | स्तोचये | स्तोचयेथे | स्तोचयध्वे |
| | स्तोचये | स्तोचयावहे | स्तोचयामहे |
| स० | स्तोचयेत | स्तोचयेयाताम् | स्तोचयेरन् |
| | स्तोचयेथाः | स्तोचयेयाथाम् | स्तोचयेय्वम् |
| | स्तोचयेव | स्तोचयेवहि | स्तोचयेमहि |
| प० | स्तोचयताम् | स्तोचयेताम् | स्तोचयन्ताम् |
| | स्तोचयस्व | स्तोचयेथाम् | स्तोचयध्वम् |
| | स्तोचयै | स्तोचयावहै | स्तोचयामहै |
| झ० | अस्तोचयत | अस्तोचयेताम् | अस्तोचयन्त |
| | अस्तोचयथाः | अस्तोचयेथाम् | अस्तोचयध्वम् |
| | अस्तोचये | अस्तोचयावहि | अस्तोचयामहि |
| अ० | अतुष्टुचत् | अतुष्टुचेताम् | अतुष्टुचन्त |
| | अतुष्टुचथाः | अतुष्टुचेथाम् | अतुष्टुचध्वम् |
| | अतुष्टुचे | अतुष्टुचावहि | अतुष्टुचामहि |
| प० | स्तोचयाञ्चक्रे | स्तोचयाञ्चक्राते | स्तोचयाञ्चक्रिरे |
| | स्तोचयाञ्चकृषे | स्तोचयाञ्चक्राथे | स्तोचयाञ्चकृद्वे |
| | स्तोचयाञ्चक्रे | स्तोचयाञ्चकृवहे | स्तोचयाञ्चकृमहे |
| | स्तोचयाम्बभूव | स्तोचयामास | |
| आ० | स्तोचयिषीष्ट | स्तोचयिषीयास्ताम् | स्तोचयिषीरन् |
| | स्तोचयिषीष्टाः | स्तोचयिषीयास्थाम् | स्तोचयिषीहवम् |
| | स्तोचयिषीय | स्तोचयिषीवहि | स्तोचयिषीमहि |
| श्र० | स्तोचयिता | स्तोचयितारौ | स्तोचयितारः |
| | स्तोचयितासे | स्तोचयितासाथे | स्तोचयिताध्वे |
| | स्तोचयिताहे | स्तोचयिताह्वे | स्तोचयितास्महे |
| अ० | स्तोचयिष्यते | स्तोचयिष्येते | स्तोचयिष्यन्ते |
| | स्तोचयिष्यसे | स्तोचयिष्येथे | स्तोचयिष्यध्वे |
| | स्तोचयिष्ये | स्तोचयिष्यावहे | स्तोचयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तोचयिष्यत | अस्तोचयिष्येताम् | अस्तोचयिष्यन्त |
| | अस्तोचयिष्यथाः | अस्तोचयिष्येथाम् | अस्तोचयिष्यध्व |
| | अस्तोचयिष्ये | अस्तोचयिष्यावहि | अस्तोचयिष्यामहि |

॥ अथ जागता नम सेदश्च ॥

656 एज् (एज्) दाप्ताः ॥ 58 एज् व पाणि ।
मा भवाने जजदत्र ऋदित्करणे जपकात्रित्यादापि द्वित्वात्प्रा-
गेव ह्रस्वः प्राप्त ऋदित्वेन निषिध्यते ।

660 भ्रेजृ (भ्रेजू) दीर्घो ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | भ्रेजयति | भ्रेजयतः | भ्रेजयन्ति |
| | भ्रेजयसि | भ्रेजयथः | भ्रेजयथ |
| | भ्रेजयामि | भ्रेजयावः | भ्रेजयामः |
| स० | भ्रेजयेत् | भ्रेजयेताम् | भ्रेजयेयुः |
| | भ्रेजयेः | भ्रेजयेतम् | भ्रेजयेत |
| | भ्रेजयेयम् | भ्रेजयेव | भ्रेजयेम |
| प० | भ्रेजयतु | भ्रेजयतात् | भ्रेजयताम् |
| | भ्रेजय | भ्रेजयतात् | भ्रेजयतम् |
| | भ्रेजयानि | भ्रेजयाव | भ्रेजयाम |
| ह्य० | अभ्रेजयत् | अभ्रेजयताम् | अभ्रेजयन्त |
| | अभ्रेजयः | अभ्रेजयतम् | अभ्रेजयत |
| | अभ्रेजयम् | अभ्रेजयाव | अभ्रेजयाम |
| अ० | अभिभ्रेजत् | अभिभ्रेजताम् | अभिभ्रेजन्त |
| | अभिभ्रेजः | अभिभ्रेजतम् | अभिभ्रेजत |
| | अभिभ्रेजम् | अभिभ्रेजाव | अभिभ्रेजाम |
| य० | भ्रेजयाश्चकार | भ्रेजयाश्चक्रुः | भ्रेजयाश्चकुः |
| | भ्रेजयाश्चकथ | भ्रेजयाश्चक्रुः | भ्रेजयाश्चक |
| | भ्रेजयाश्चकार-चकर | भ्रेजयाश्चकुव | भ्रेजयाश्चकुम |
| | भ्रेजयाम्बभूव | भ्रेजयामास | |
| भा० | भ्रेज्यात् | भ्रेज्यास्ताम् | भ्रेज्यासुः |
| | भ्रेज्याः | भ्रेज्यास्तम् | भ्रेज्यास्त |
| | भ्रेज्यासम् | भ्रेज्यास्व | भ्रेज्यास्म |
| भ० | भ्रेजयिता | भ्रेजयितारौ | भ्रेजयितारः |
| | भ्रेजयितासि | भ्रेजयितारथः | भ्रेजयितारथ |
| | भ्रेजयितास्मि | भ्रेजयितारवः | भ्रेजयितास्मः |
| भ० | भ्रेजयिष्यति | भ्रेजयिष्यतः | भ्रेजयिष्यन्ति |
| | भ्रेजयिष्यसि | भ्रेजयिष्यथः | भ्रेजयिष्यथ |
| | भ्रेजयिष्यामि | भ्रेजयिष्यावः | भ्रेजयिष्यामः |
| क्रि० | अभ्रेजयिष्यत् | अभ्रेजयिष्यताम् | अभ्रेजयिष्यन्त |
| | अभ्रेजयिष्यः | अभ्रेजयिष्यतम् | अभ्रेजयिष्यत |
| | अभ्रेजयिष्यम् | अभ्रेजयिष्याव | अभ्रेजयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | भ्रेजयेते | भ्रेजयेते | भ्रेजयन्ते |
| | भ्रेजयसे | भ्रेजयेथे | भ्रेजयध्वे |
| | भ्रेजये | भ्रेजयावहे | भ्रेजयामहे |
| स० | भ्रेजयेत | भ्रेजयेयाताम् | भ्रेजयेयन् |
| | भ्रेजयेथाः | भ्रेजयेयाथाम् | भ्रेजयेष्वम् |
| | भ्रेजयेय | भ्रेजयेवहि | भ्रेजयेमहि |
| प० | भ्रेजयताम् | भ्रेजयेताम् | भ्रेजयन्ताम् |
| | भ्रेजयस्व | भ्रेजयेथाम् | भ्रेजयष्वम् |
| | भ्रेजये | भ्रेजयावहे | भ्रेजयामहे |
| ह्य० | अभ्रेजयत | अभ्रेजयेताम् | अभ्रेजयन्त |
| | अभ्रेजयथाः | अभ्रेजयेथाम् | अभ्रेजयष्वम् |
| | अभ्रेजये | अभ्रेजयावहि | अभ्रेजयामहि |
| अ० | अभिभ्रेजत् | अभिभ्रेजेताम् | अभिभ्रेजन्त |
| | अभिभ्रेजथाः | अभिभ्रेजेथाम् | अभिभ्रेजष्वम् |
| | अभिभ्रेजे | अभिभ्रेजावहि | अभिभ्रेजामहि |
| प० | भ्रेजयाश्चके | भ्रेजयाश्चक्राते | भ्रेजयाश्चक्रिरे |
| | भ्रेजयाश्चकृषे | भ्रेजयाश्चक्राये | भ्रेजयाश्चकृवहे |
| | भ्रेजयाश्चके | भ्रेजयाश्चकृवहे | भ्रेजयाश्चकृमहे |
| | भ्रेजयाम्बभूव | भ्रेजयामास | |
| भा० | भ्रेजयिषीष्ट | भ्रेजयिषीयास्ताम् | भ्रेजयिषीरन् |
| | भ्रेजयिषीष्ठाः | भ्रेजयिषीयास्थाम् | भ्रेजयिषीढ्वम् |
| | भ्रेजयिषीय | भ्रेजयिषीवहि | भ्रेजयिषीमहि |
| भ० | भ्रेजयिता | भ्रेजयितारौ | भ्रेजयितारः |
| | भ्रेजयितासे | भ्रेजयितासाथे | भ्रेजयिताध्वे |
| | भ्रेजयिताहे | भ्रेजयितास्वहे | भ्रेजयितास्महे |
| भ० | भ्रेजयिष्यते | भ्रेजयिष्येते | भ्रेजयिष्यन्ते |
| | भ्रेजयिष्यसे | भ्रेजयिष्येथे | भ्रेजयिष्यध्वे |
| | भ्रेजयिष्ये | भ्रेजयिष्यावहे | भ्रेजयिष्यामहे |
| क्रि० | अभ्रेजयिष्यत् | अभ्रेजयिष्येताम् | अभ्रेजयिष्यन्त |
| | अभ्रेजयिष्यथाः | अभ्रेजयिष्येथाम् | अभ्रेजयिष्यष्वम् |
| | अभ्रेजयिष्ये | अभ्रेजयिष्यावहि | अभ्रेजयिष्यामहि |

66। आजि [आज्) दीप्तौ

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| व० आजयति | आजयतः | आजयन्ति |
| आजयसि | आजयथः | आजयथ |
| आजयामि | आजयावः | आजयामः |
| स० आजयेत् | आजयेताम् | आजयेयुः |
| आजयेः | आजयेतम् | आजयेत |
| आजयेवम् | आजयेव | आजयेम |
| प० आजयतु | आजयतात् | आजयताम् |
| आजय | आजयतात् | आजयतम् |
| आजयानि | आजयाव | आजयाम |
| ह० अआजयत् | अआजयताम् | अआजयन् |
| अआजयः | अआजयतम् | अआजयत |
| अआजयम् | अआजयाव | अआजयाम |
| अ० अबिभ्रजत् | अबिभ्रजताम् | अबिभ्रजन् |
| अबिभ्रजः | अबिभ्रजतम् | अबिभ्रजत |
| अबिभ्रजम् | अबिभ्रजाव | अबिभ्रजाम |
| अवभ्राजत् | अवभ्राजताम् | अवभ्राजन् इ० |
| प० आजयाञ्चकार | आजयाञ्चकतुः | आजयाञ्चकः |
| आजयाञ्चकर्थ | आजयाञ्चकथुः | आजयाञ्चक |
| आजयाञ्चकार-चकर | आजयाञ्चकव | आजयाञ्चकम् |
| आजयाम्बभूव | । | आजयामास |
| भा० आज्यात् | आज्यास्ताम् | आज्यासुः |
| आज्याः | आज्यास्तम् | आज्यास्त |
| आज्यासम् | आज्याव | आज्यास्म |
| आजयिता | आजयितारौ | आजयितारः |
| आजयितासि | आजयितास्थः | आजयितास्थ |
| आजयितास्मि | आजयितास्वः | आजयितास्मः |
| भ० आजयिष्यति | आजयिष्यतः | आजयिष्यन्ति |
| आजयिष्यसि | आजयिष्यथः | आजयिष्यथ |
| आजयिष्यामि | आजयिष्यावः | आजयिष्यामः |
| क्रि० अआजयिष्यत् | अआजयिष्यताम् | अआजयिष्यन् |
| अआजयिष्यः | अआजयिष्यतम् | अआजयिष्यत |
| अआजयिष्यम् | अआजयिष्याव | अआजयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० आजयते | आजयेते | आजयन्ते |
| आजयसे | आजयेथे | आजयन्थे |
| आजये | आजयावहे | आजयामहे |
| स० आजयेत | आजयेयाताम् | आजयेरन् |
| आजयेथाः | आजयेयाथाम | आजयेष्वम् |
| आजयेय | आजयेवहि | आजयेमहि |
| प० आजयताम् | आजयेताम् | आजयन्ताम् |
| आजयस्व | आजयेथाम् | आजयस्वम् |
| आजये | आजयावहे | आजयामहे |
| ह० अआजयत | अआजयेताम् | अआजयन्त |
| अआजयथाः | अआजयेथाम् | अआजयन्थम् |
| अआजये | अआजयावहि | अआजयामहि |
| अ० अबिभ्रजत | अबिभ्रजेताम् | अबिभ्रजन्त |
| अबिभ्रजथाः | अबिभ्रजेथाम् | अबिभ्रजन्थम् |
| अबिभ्रजे | अबिभ्रजावहि | अबिभ्रजामहि |
| अवभ्राजत | अवभ्राजेतम् | अवभ्राजन्त इ० |
| प० आजयाञ्चक्रे | आजयाञ्चकते | आजयाञ्चक्रे |
| आजयाञ्चकृषे | आजयाञ्चकृषे | आजयाञ्चकृद्वे |
| आजयाञ्चक | आजयाञ्चकृवहे | आजयाञ्चकृमहे |
| आजयाम्बभूव | । | आजयामास |
| भा० आजयिषीष्ट | आजयिषीयास्ताम् | आजयिषीरन् |
| आजयिषीष्टाः | आजयिषीयास्थाम् | आजयिषीद्वम् |
| | | स्वम् |
| आजयिषीय | आजयिषीवहि | आजयिषीमहि |
| व० आजयिता | आजयितारौ | आजयितारः |
| आजयितासे | आजयितासथे | आजयिताथे |
| आजयिताहे | आजयितास्वहे | आजयितास्महे |
| भ० आजयिष्यते | आजयिष्येते | आजयिष्यन्ते |
| आजयिष्यसे | आजयिष्येथे | आजयिष्यन्थे |
| आजयिष्ये | आजयिष्यावहे | आजयिष्यामहे |
| क्रि० अआजयिष्यत | अआजयिष्येताम् | अआजयिष्यन्त |
| अआजयिष्यथाः | अआजयिष्येथाम् | अआजयिष्यन्थम् |
| अआजयिष्ये | अआजयिष्यावहि | अआजयिष्यामहि |

662 इज् (इज्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | इजयति | इजयतः | इजयन्ति |
| | इजयसि | इजयथः | इजयथ |
| | इजयामि | इजयावः | इजयामः |
| स० | इजयेत् | इजयेताम् | इजयेयुः |
| | इजयेः | इजयेतम् | इजयेत |
| | इजयेयम् | इजयेव | इजयेम |
| प० | इजयतु | इजयतात् | इजयताम् |
| | इजय | इजयतात् | इजयतम् |
| | इजयानि | इजयाव | इजयाम |
| ल० | ऐजयत् | ऐजयताम् | ऐजयन् |
| | ऐजयः | ऐजयतम् | ऐजयत |
| | ऐजयम् | ऐजयाव | ऐजयाम |
| भ० | ऐजिजत् | ऐजिजताम् | ऐजिजन् |
| | ऐजिजः | ऐजिजतम् | ऐजिजत |
| | ऐजिजम् | ऐजिजाव | ऐजिजाम |
| प० | इजयाश्चकार | इजयाश्चक्रतुः | इजयाश्चक्रुः |
| | इजयाश्चकर्त्तुः | इजयाश्चक्रुः | इजयाश्चक्रुः |
| | इजयाश्चकार-चकर | इजयाश्चक्रुव | इजयाश्चक्रुम |
| | इजयाम्बभूव | इजयामास | |
| भा० | इज्यात् | इज्यास्ताम् | इज्यासुः |
| | इज्याः | इज्यास्तम् | इज्यास्त |
| | इज्यासम् | इज्यास्व | इज्यास्म |
| भ० | इजयिता | इजयितारो | इजयितारः |
| | इजयितासि | इजयितास्थः | इजयितास्थ |
| | इजयितास्मि | इजयितास्वः | इजयितास्मः |
| भ० | इजयिष्यति | इजयिष्यतः | इजयिष्यन्ति |
| | इजयिष्यसि | इजयिष्यथः | इजयिष्यथ |
| | इजयिष्यामि | इजयिष्यावः | इजयिष्यामः |
| क्रि० | पेजयिष्यत् | पेजयिष्यताम् | पेजयिष्यन् |
| | पेजयिष्यः | पेजयिष्यतम् | पेजयिष्यत |
| | पेजयिष्यम् | पेजयिष्याव | पेजयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|----------------|-----------------|
| ब० | इजयते | इजयंते | इजयन्ते |
| | इजयसे | इजयेथे | इजयध्वे |
| | इजये | इजयावहे | इजयामहे |
| स० | इजयेत | इजयेयाताम् | इजयेरन् |
| | इजयेथाः | इजयेयाथाम् | इजयेष्वम् |
| | इजयेय | इजयेवहि | इजयेमहि |
| प० | इजयताम् | इजयेताम् | इजयन्ताम् |
| | इजयस्व | इजयेथाम् | इजयष्वम् |
| | इजयै | इजयावहै | इजयामहै |
| ल० | पेजयत | पेजयेताम् | पेजयन्त |
| | पेजयथाः | पेजयेथाम् | पेजयष्वम् |
| | पेजये | पेजयावहि | पेजयामहि |
| भ० | पेजिजत | पेजिजेताम् | पेजिजन्त |
| | पेजिजथाः | पेजिजेथाम् | पेजिजष्वम् |
| | पेजिजे | पेजिजावहि | पेजिजामहि |
| प० | इजयाश्चक्रे | इजयाश्चक्राते | इजयाश्चक्रिरे |
| | इजयाश्चक्रुषे | इजयाश्चक्राये | इजयाश्चक्रुद्वे |
| | इजयाश्चक्रे | इजयाश्चक्रुवहे | इजयाश्चक्रुमहे |
| | इजयाम्बभूव | इजयामास | |
| भा० | इजयिषीष्ट | इजयिषीयास्ताम् | इजयिषीरन् |
| | इजयिषीष्टः | इजयिषीयास्थाम् | इजयिषीद्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | इजयिषीय | इजयिषीवहि | इजयिषीमहि |
| भ० | इजयिता | इजयितारो | इजयितारः |
| | इजयितासे | इजयितासाथे | इजयिताध्वे |
| | इजयिताहे | इजयितास्वहे | इजयितास्महे |
| भ० | इजयिष्यते | इजयिष्येते | इजयिष्यन्ते |
| | इजयिष्यसे | इजयिष्येथे | इजयिष्यध्वे |
| | इजयिष्ये | इजयिष्यावहे | इजयिष्यामहे |
| क्रि० | पेजयिष्यत | पेजयिष्येताम् | पेजयिष्यन्त |
| | पेजयिष्यथाः | पेजयिष्येथाम् | पेजयिष्यष्वम् |
| | पेजयिष्ये | पेजयिष्यावहि | पेजयिष्यामहि |

(६३४) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते० धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

663 ईजि (ईजू) कुत्सने च ।

| | | | |
|-------|----------------|-------------|-------------|
| ब० | ईजयति | ईजयतः | ईजयन्ति |
| | ईजयसि | ईजयथः | ईजयथ |
| | ईजयामि | ईजयावः | ईजयामः |
| स० | ईजयेत् | ईजयेताम् | ईजयेयुः |
| | ईजयेः | ईजयेतम् | ईजयेत |
| | ईजयेथम् | ईजयेव | ईजयेम |
| प० | ईजयतु | ईजयतात् | ईजयतु |
| | ईजय | ईजयतात् | ईजयत |
| | ईजयानि | ईजयाव | ईजयाम |
| ह्य० | ऐजयत् | ऐजयताम् | ऐजयन् |
| | ऐजयः | ऐजयतम् | ऐजयत |
| | ऐजयम् | ऐजयाव | ऐजयाम |
| भ० | ऐजिजत् | ऐजिजताम् | ऐजिजन् |
| | ऐजिजः | ऐजिजतम् | ऐजिजत |
| | ऐजिजम् | ऐजिजाव | ऐजिजाम |
| य० | ईजयाञ्चकार | ईजयाञ्चकतुः | ईजयाञ्चकुः |
| | ईजयाञ्चकथ | ईजयाञ्चकथुः | ईजयाञ्चक |
| | ईजयाञ्चकार-चकर | ईजयाञ्चकृव | ईजयाञ्चकृम |
| | ईजयाम्बभूव | । | ईजयामास |
| आ० | ईज्यात् | ईज्यास्ताम् | ईज्यासुः |
| | ईज्याः | ईज्यास्तम् | ईज्यास्त |
| | ईज्यासम् | ईज्यास्व | ईज्यासम् |
| श्र० | ईजयिता | ईजयितारौ | ईजयितारः |
| | ईजयितासि | ईजयितास्थः | ईजयितास्थ |
| | ईजयितास्मि | ईजयितास्वः | ईजयितास्मः |
| भ० | ईजयिष्यति | ईजयिष्यतः | ईजयिष्यन्ति |
| | ईजयिष्यसि | ईजयिष्यथः | ईजयिष्यथ |
| | ईजयिष्यामि | ईजयिष्यावः | ईजयिष्यामः |
| क्रि० | ऐजयिष्यत् | ऐजयिष्यताम् | ऐजयिष्यन् |
| | ऐजयिष्यः | ऐजयिष्यतम् | ऐजयिष्यत |
| | ऐजयिष्यम् | ऐजयिष्याव | ऐजयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | ईजयते | ईजयते | ईजयन्ते |
| | ईजयसे | ईजयेथे | ईजयध्वे |
| | ईजये | ईजयावहे | ईजयामहे |
| स० | ईजयेत | ईजयेयाताम् | ईजयेरन् |
| | ईजयेथाः | ईजयेयाथाम् | ईजयेध्वम् |
| | ईजयेय | ईजयेवहि | ईजयेमहि |
| प० | ईजयताम् | ईजयेताम् | ईजयन्ताम् |
| | ईजयस्व | ईजयेथाम् | ईजयध्वम् |
| | ईजयै | ईजयावहै | ईजयामहै |
| ह्य० | ऐजयत | ऐजयेताम् | ऐजयन्त |
| | ऐजयथाः | ऐजयेथाम् | ऐजयध्वम् |
| | ऐजये | ऐजयावहि | ऐजयामहि |
| भ० | ऐजिजत | ऐजिजेताम् | ऐजिजन्त |
| | ऐजिजथाः | ऐजिजेथाम् | ऐजिजध्वम् |
| | ऐजिजे | ऐजिजावहि | ऐजिजामहि |
| प० | ईजयाञ्चके | ईजयाञ्चकाते | ईजयाञ्चकिरे |
| | ईजयाञ्चकृषे | ईजयाञ्चक्राये | ईजयाञ्चकृद्वे |
| | ईजयाञ्चके | ईजयाञ्चकृवहे | ईजयाञ्चकृमहे |
| | ईजयाम्बभूव | । | ईजयामास |
| आ० | ईजयिषीष्ट | ईजयिषीयास्ताम् | ईजयिषीरन् |
| | ईजयिषीष्टाः | ईजयिषीयास्थाम् | ईजयिषीध्वम् |
| | ईजयिषीय | ईजयिषीवहि | ईजयिषीमहि |
| श्र० | ईजयिता | ईजयितारौ | ईजयितारः |
| | ईजयितासे | ईजयितासथे | ईजयितास्वे |
| | ईजयिताहे | ईजयितास्वहे | ईजयितास्महे |
| भ० | ईजयिष्यते | ईजयिष्येते | ईजयिष्यन्ते |
| | ईजयिष्यसे | ईजयिष्येथे | ईजयिष्यध्वे |
| | ईजयिष्ये | ईजयिष्यावहे | ईजयिष्यामहे |
| क्रि० | ऐजयिष्यत | ऐजयिष्येताम् | ऐजयिष्यन्त |
| | ऐजयिष्यथाः | ऐजयिष्येथाम् | ऐजयिष्यध्वम् |
| | ऐजयिष्ये | ऐजयिष्यावहि | ऐजयिष्यामहि |

664 कृजि (कृजू) गतिस्थानार्ज नोपार्ज नेषु ।

॥ 142 अर्ज वद्रूपाणि ॥

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (६३५)

665 ऋजुंङ् (ऋज्ज्) भर्जने ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|---------------|
| व० | ऋज्जयति | ऋज्जयतः | ऋज्जयन्ति |
| | ऋज्जयसि | ऋज्जयथः | ऋज्जयथ |
| | ऋज्जयामि | ऋज्जयावः | ऋज्जयामः |
| स० | ऋज्जयेत् | ऋज्जयेताम् | ऋज्जयेयुः |
| | ऋज्जयेः | ऋज्जयेतम् | ऋज्जयेत |
| | ऋज्जयेयम् | ऋज्जयेव | ऋज्जयेम |
| प० | ऋज्जयतु | ऋज्जयतात् | ऋज्जयताम् |
| | ऋज्जय | ऋज्जयतात् | ऋज्जयतम् |
| | ऋज्जयानि | ऋज्जयाव | ऋज्जयाम |
| ह्य० | आर्ज्जयत् | आर्ज्जयताम् | आर्ज्जयन् |
| | आर्ज्जयः | आर्ज्जयतम् | आर्ज्जयत |
| | आर्ज्जयम् | आर्ज्जयाव | आर्ज्जयाम |
| भ० | आर्ज्जिजत् | आर्ज्जिजताम् | आर्ज्जिजन् |
| | आर्ज्जिजः | आर्ज्जिजतम् | आर्ज्जिजत |
| | आर्ज्जिजम् | आर्ज्जिजाव | आर्ज्जिजाम |
| य० | ऋज्जयाञ्चकार | ऋज्जयाञ्चकतुः | ऋज्जयाञ्चकुः |
| | ऋज्जयाञ्चकर्थ | ऋज्जयाञ्चकथुः | ऋज्जयाञ्चक |
| | ऋज्जयाञ्चकार-चकर | ऋज्जयाञ्चकुव | ऋज्जयाञ्चकृम |
| | ऋज्जयाञ्चभूव | । | ऋज्जयामास |
| आ० | ऋज्ज्यात् | ऋज्ज्यास्ताम् | ऋज्ज्यासुः |
| | ऋज्ज्याः | ऋज्ज्यास्तम् | ऋज्ज्यास्त |
| | ऋज्ज्यासम् | ऋज्ज्यास्व | ऋज्ज्यास्म |
| श्च० | ऋज्जयिता | ऋज्जयितारौ | ऋज्जयितारः |
| | ऋज्जयितासि | ऋज्जयितास्थः | ऋज्जयितास्थ |
| | ऋज्जयितास्मि | ऋज्जयितास्वः | ऋज्जयितास्मः |
| भ० | ऋज्जयिष्यति | ऋज्जयिष्यतः | ऋज्जयिष्यन्ति |
| | ऋज्जयिष्यसि | ऋज्जयिष्यथः | ऋज्जयिष्यथ |
| | ऋज्जयिष्यामि | ऋज्जयिष्यावः | ऋज्जयिष्यामः |
| क्रि० | आर्ज्जयिष्यत् | आर्ज्जयिष्यताम् | आर्ज्जयिष्यन् |
| | आर्ज्जयिष्यः | आर्ज्जयिष्यतम् | आर्ज्जयिष्यत |
| | आर्ज्जयिष्यम् | आर्ज्जयिष्याव | आर्ज्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | ऋज्जयते | ऋज्जयेते | ऋज्जयन्ते |
| | ऋज्जयसे | ऋज्जयेथे | ऋज्जयध्वे |
| | ऋज्जये | ऋज्जयावहे | ऋज्जयामहे |
| स० | ऋज्जयेत् | ऋज्जयेयाताम् | ऋज्जयेरन् |
| | ऋज्जयेथाः | ऋज्जयेयाथाम् | ऋज्जयेध्वम् |
| | ऋज्जयेय | ऋज्जयेवहि | ऋज्जयेमहि |
| प० | ऋज्जयताम् | ऋज्जयेताम् | ऋज्जयन्ताम् |
| | ऋज्जयस्व | ऋज्जयेथाम् | ऋज्जयध्वम् |
| | ऋज्जये | ऋज्जयावहे | ऋज्जयामहे |
| ह्य० | आर्ज्जयत | आर्ज्जयेताम् | आर्ज्जयन्त |
| | आर्ज्जयथाः | आर्ज्जयेथाम् | आर्ज्जयध्वम् |
| | आर्ज्जये | आर्ज्जयावहि | आर्ज्जयामहि |
| भ० | आर्ज्जिजत | आर्ज्जिजेताम् | आर्ज्जिजन्त |
| | आर्ज्जिजथाः | आर्ज्जिजेथाम् | आर्ज्जिजध्वम् |
| | आर्ज्जिजे | आर्ज्जिजावहि | आर्ज्जिजामहि |
| प० | ऋज्जयाञ्चके | ऋज्जयाञ्चकाते | ऋज्जयाञ्चक्रे |
| | ऋज्जयाञ्चकृषे | ऋज्जयाञ्चकृषे | ऋज्जयाञ्चकृद्वे |
| | ऋज्जयाञ्चके | ऋज्जयाञ्चकृवहे | ऋज्जयाञ्चकृमहे |
| | ऋज्जयाञ्चभूव | । | ऋज्जयामास |
| आ० | ऋज्जयिषीष्ट | ऋज्जयिषीयास्ताम् | ऋज्जयिषीरन् |
| | ऋज्जयिषीष्टाः | ऋज्जयिषीयास्थाम् | ऋज्जयिषीध्वम् |
| | ऋज्जयिषीय | ऋज्जयिषीवहि | ऋज्जयिषीमहि |
| श्च० | ऋज्जयितः | ऋज्जयितारौ | ऋज्जयितारः |
| | ऋज्जयितासे | ऋज्जयितासाथे | ऋज्जयिताध्वे |
| | ऋज्जयिताहे | ऋज्जयितास्वहे | ऋज्जयितास्महे |
| भ० | ऋज्जयिष्यते | ऋज्जयिष्येते | ऋज्जयिष्यन्ते |
| | ऋज्जयिष्यसे | ऋज्जयिष्येथे | ऋज्जयिष्यध्वे |
| | ऋज्जयिष्ये | ऋज्जयिष्यावहे | ऋज्जयिष्यामहे |
| क्रि० | आर्ज्जयिष्यत् | आर्ज्जयिष्येताम् | आर्ज्जयिष्यन्त |
| | आर्ज्जयिष्यथाः | आर्ज्जयिष्येथाम् | आर्ज्जयिष्यध्वम् |
| | आर्ज्जयिष्ये | आर्ज्जयिष्यावहि | आर्ज्जयिष्यामहि |

666 भृजैङ् (भृज्) भर्जने ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| ब० | भर्जयति | भर्जयतः | भर्जयन्ति |
| | भर्जयसि | भर्जयथः | भर्जयथ |
| | भर्जयामि | भर्जयावः | भर्जयामः |
| स० | भर्जयेत् | भर्जयेताम् | भर्जयेयुः |
| | भर्जयेः | भर्जयेतम् | भर्जयेत |
| | भर्जयेयम् | भर्जयेव | भर्जयेम |
| ष० | भर्जयतु | भर्जयतात् | भर्जयन्तु |
| | भर्जय | भर्जयतात् | भर्जयतम् |
| | भर्जयानि | भर्जयाव | भर्जयाम |
| ह्य० | अभर्जयत् | अभर्जयताम् | अभर्जयन् |
| | अभर्जयः | अभर्जयतम् | अभर्जयत |
| | अभर्जयम् | अभर्जयाव | अभर्जयाम |
| अ० | अभर्जयत् | अभर्जयताम् | अभर्जयन् |
| | अभर्जयः | अभर्जयतम् | अभर्जयत |
| | अभर्जयम् | अभर्जयाव | अभर्जयाम |
| | अभीभृजत् | अभीभृजताम् | अभीभृजन् इ० |
| य० | भर्जयाश्चकार | भर्जयाश्चक्रतुः | भर्जयाश्चक्रुः |
| | भर्जयाश्चकथ | भर्जयाश्चक्रथुः | भर्जयाश्चक्र |
| | भर्जयाश्चकार-चकर | भर्जयाश्चक्रव | भर्जयाश्चक्रुम |
| | भर्जयाम्बभूव | । | भर्जयामास |
| आ० | भर्ज्यात् | भर्ज्यास्ताम् | भर्ज्यासुः |
| | भर्ज्याः | भर्ज्यास्तम् | भर्ज्यास्त |
| | भर्ज्यासम् | भर्ज्यास्व | भर्ज्यास्म |
| श्व० | भर्जयिता | भर्जयितारौ | भर्जयितारः |
| | भर्जयितासि | भर्जयितास्थः | भर्जयितास्थ |
| | भर्जयितास्मि | भर्जयितास्वः | भर्जयितास्मः |
| भ० | भर्जयिष्यति | भर्जयिष्यतः | भर्जयिष्यन्ति |
| | भर्जयिष्यसि | भर्जयिष्यथः | भर्जयिष्यथ |
| | भर्जयिष्यामि | भर्जयिष्यावः | भर्जयिष्यामः |
| क्रि० | अभर्जयिष्यत् | अभर्जयिष्यताम् | अभर्जयिष्यन् |
| | अभर्जयिष्यः | अभर्जयिष्यतम् | अभर्जयिष्यत |
| | अभर्जयिष्यम् | अभर्जयिष्याव | अभर्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| ब० | भर्जयते | भर्जयते | भर्जयन्ते |
| | भर्जयसे | भर्जयेथे | भर्जयध्वे |
| | भर्जये | भर्जयावहे | भर्जयामहे |
| स० | भर्जयेत | भर्जयेयाताम् | भर्जयेरन् |
| | भर्जयेथाः | भर्जयेयाथाम् | भर्जयेध्वम् |
| | भर्जयेय | भर्जयेवहि | भर्जयेमहि |
| प० | भर्जयताम् | भर्जयेताम् | भर्जयन्ताम् |
| | भर्जयस्व | भर्जयेथाम् | भर्जयध्वम् |
| | भर्जये | भर्जयावहै | भर्जयामहै |
| ह्य० | अभर्जयत | अभर्जयेताम् | अभर्जयन्त |
| | अभर्जयथाः | अभर्जयेथाम् | अभर्जयध्वम् |
| | अभर्जये | अभर्जयावहि | अभर्जयामहि |
| अ० | अभर्जयत | अभर्जयेताम् | अभर्जयन्त |
| | अभर्जयथाः | अभर्जयेथाम् | अभर्जयध्वम् |
| | अभर्जये | अभर्जयावहि | अभर्जयामहि |
| | अभीभृजत | अभीभृजेताम् | अभीभृजन्त इ० |
| प० | भर्जयाश्चक्रे | भर्जयाश्चक्राते | भर्जयाश्चक्रिरे |
| | भर्जयाश्चकृषे | भर्जयाश्चक्राथे | भर्जयाश्चकृध्वे |
| | भर्जयाश्चक्रे | भर्जयाश्चक्रवहे | भर्जयाश्चक्रमहे |
| | भर्जयाम्बभूव | । | भर्जयामास |
| आ० | भर्जयिषीष्ट | भर्जयिषीयास्ताम् | भर्जयिषीरन् |
| | भर्जयिषीष्टाः | भर्जयिषीयास्थाम् | भर्जयिषीध्वम् |
| | भर्जयिषीय | भर्जयिषीवहि | भर्जयिषीमहि |
| श्व० | भर्जयिता | भर्जयितारौ | भर्जयितारः |
| | भर्जयितासे | भर्जयितासथे | भर्जयिताध्वे |
| | भर्जयिताहे | भर्जयितास्वहे | भर्जयितास्महे |
| भ० | भर्जयिष्यते | भर्जयिष्येते | भर्जयिष्यन्ते |
| | भर्जयिष्यसे | भर्जयिष्येथे | भर्जयिष्यध्वे |
| | भर्जयिष्ये | भर्जयिष्यावहे | भर्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अभर्जयिष्यत | अभर्जयिष्येताम् | अभर्जयिष्यन्त |
| | अभर्जयिष्यथाः | अभर्जयिष्येथाम् | अभर्जयिष्यध्वम् |
| | अभर्जयिष्ये | अभर्जयिष्यावहि | अभर्जयिष्यामहि |

667 તિજિ (તિજૂ) ક્ષમાનિશાનયોઃ ।

| | | | |
|------|------------------|----------------|---------------|
| વ૦ | તેજયતિ | તેજયતઃ | તેજયન્તિ |
| | તેજયસિ | તેજયથઃ | તેજયથ |
| | તેજયામિ | તેજયાવઃ | તેજયામઃ |
| મ૦ | તેજયેત્ | તેજયેતામ્ | તેજયેયુઃ |
| | તેજયેઃ | તેજયેતમ્ | તેજયેત |
| | તેજયેયમ્ | તેજયેવ | તેજયેમ |
| પ૦ | તેજયતુ | તેજયતાત્ | તેજયતામ્ |
| | તેજયઃ | તેજયતમ્ | તેજયત |
| | તેજયામિ | તેજયાવ | તેજયામ |
| હ૦ | અતેજયત્ | અતેજયતામ્ | અતેજયમ્ |
| | અતેજયઃ | અતેજયતમ્ | અતેજયત |
| | અતેજયમ્ | અતેજયાવ | અતેજયામ |
| અ૦ | અતીતિજત્ | અતીતિજતામ્ | અતીતિજન્ |
| | અતીતિજઃ | અતીતિજતમ્ | અતીતિજત |
| | અતીતિજમ્ | અતીતિજાવ | અતીતિજામ |
| પ૦ | તેજયાશ્ચક્ર | તેજયાશ્ચક્રતુઃ | તેજયાશ્ચક્રુઃ |
| | તેજયાશ્ચક્રથ | તેજયાશ્ચક્રથુઃ | તેજયાશ્ચક્ર |
| | તેજયાશ્ચક્ર-ચક્ર | તેજયાશ્ચક્રવ | તેજયાશ્ચક્રમ |
| | તેજયાશ્ચક્રભૂ | તેજયામાસ | |
| આ૦ | તેજ્યાત્ | તેજ્યાસ્તામ્ | તેજ્યાસુઃ |
| | તેજ્યાઃ | તેજ્યાસ્તમ્ | તેજ્યાસ્ત |
| | તેજ્યાસમ્ | તેજ્યાસ્વ | તેજ્યાસ્મ |
| શ્વ૦ | તેજયિતા | તેજયિતારૌ | તેજયિતારઃ |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|----------------|
| | તેજયિતાસિ | તેજયિતાસ્થઃ | તેજયિતાસ્થ |
| | તેજયિતાસ્મિ | તેજયિતાસ્વઃ | તેજયિતાસ્મઃ |
| મ૦ | તેજયિષ્યતિ | તેજયિષ્યતઃ | તેજયિષ્યન્તિ |
| | તેજયિષ્યસિ | તેજયિષ્યથઃ | તેજયિષ્યથ |
| | તેજયિષ્યામિ | તેજયિષ્યાવઃ | તેજયિષ્યામઃ |
| ક્રિ૦ | અતેજયિષ્યત્ | અતેજયિષ્યતામ્ | અતેજયિષ્યન્ |
| | અતેજયિષ્યઃ | અતેજયિષ્યતમ્ | અતેજયિષ્યત |
| | અતેજયિષ્યમ્ | અતેજયિષ્યાવ | અતેજયિષ્યામ |
| વ૦ | તેજયતે | તેજયેતે | તેજયન્તે |
| | તેજયસે | તેજયેથે | તેજયન્થે |
| | તેજયે | તેજયાવહે | તેજયામહે |
| સ૦ | તેજયેત | તેજયેયાતામ્ | તેજયેરન્ |
| | તેજયેથાઃ | તેજયેયાથામ્ | તેજયેષ્વમ્ |
| | તેજયેય | તેજયેવહિ | તેજયેમહિ |
| પ૦ | તેજયતમ્ | તેજયેતામ્ | તેજયન્તામ્ |
| | તેજયસ્વ | તેજયેશ્વામ્ | તેજયશ્વમ્ |
| | તેજયૈ | તેજયાવહે | તેજયામહે |
| હ૦ | અતેજયત | અતેજયેતામ્ | અતેજયન્ત |
| | અતેજયથાઃ | અતેજયેશ્વામ્ | અતેજયશ્વમ્ |
| | અતેજયે | અતેજયાવહિ | અતેજયામહિ |
| અ૦ | અતીતિજત | અતીતિજેતામ્ | અતીતિજન્ત |
| | અતીતિજથાઃ | અતીતિજેશ્વામ્ | અતીતિજશ્વમ્ |
| | અતીતિજે | અતીતિજાવહિ | અતીતિજામહિ |
| પ૦ | તેજયાશ્ચક્ર | તેજયાશ્ચક્રતે | તેજયાશ્ચક્રિરે |

| | | |
|----------------|-----------------|----------------|
| तेजयाञ्चकृषे | तेजयाञ्चक्राये | तेजयाञ्चकृद्वे |
| तेजयाञ्चक्रे | तेजयाञ्चकृवहे | तेजयाञ्चकृमहे |
| तेजयाम्बभूव | । तेजयामास | |
| भा० तेजयिषीष्ट | तेजयिषीयास्ताम् | तेजयिषीरन् |
| तेजयिषीष्ठाः | तेजयिषीयास्थाम् | तेजयिषीद्वषम् |

ध्वम्

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| तेजयिषीय | तेजयिषीवहि | तेजयिषीमहि |
| श्र० तेजयिता | तेजयितारौ | तेजयितारः |
| तेजयितासे | तेजयितासाथे | तेजयिताध्ये |
| तेजयिताहे | तेजयितास्वहे | तेजयितास्महे |
| भ० तेजयिष्यते | तेजयिष्येते | तेजयिष्यन्ते |
| तेजयिष्यसे | तेजयिष्येथे | तेजयिष्यध्वे |
| तेजयिष्ये | तेजयिष्यावहे | तेजयिष्यामहे |
| क्रि० अतेजयिष्यत | अतेजयिष्येताम् | अतेजयिष्यन्त |
| अतेजयिष्यथाः | अतेजयिष्येथाम् | अतेजयिष्यध्वम् |
| अतेजयिष्ये | अतेजयिष्यावहि | अतेजयिष्यामहि |

क्षमायाम्-तितिक्षयति-इत्यादि

॥ अथ टान्ताः सप्त ॥

668 घट्टि (घट्ट) चलने ।

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| ब० घट्टयति | घट्टयतः | घट्टयन्ति |
| घट्टयसि | घट्टयथः | घट्टयथ |
| घट्टयामि | घट्टयावः | घट्टयामः |
| स० घट्टयेत् | घट्टयेताम् | घट्टयेयुः |
| घट्टयेः | घट्टयेतम् | घट्टयेत |
| घट्टयेयम् | घट्टयेव | घट्टयेम |
| प० घट्टयतु | घट्टयतात् | घट्टयताम् |
| | | घट्टयन्तु |

| | | | |
|--------------------|----------------|---------------|--------|
| घट्टय | घट्टयतात् | घट्टयतम् | घट्टयत |
| अट्टयानि | अट्टयाव | अट्टयाम | |
| भा० अघट्टयत् | अघट्टयताम् | अघट्टयन् | |
| अघट्टयः | अघट्टयतम् | अघट्टयत | |
| अघट्टयम् | अघट्टयाव | अघट्टयाम | |
| भा० अजघट्टत् | अजघट्टताम् | अजघट्टन् | |
| अजघट्टः | अजघट्टतम् | अजघट्टत | |
| अजघट्टम् | अजघट्टाव | अजघट्टाम | |
| प० घट्टयाञ्चकार | घट्टयाञ्चकतुः | घट्टयाञ्चकुः | |
| घट्टयाञ्चकर्थ | घट्टयाञ्चकथुः | घट्टयाञ्चक | |
| घट्टयाञ्चकार-चकर | घट्टयाञ्चकृव | घट्टयाञ्चकृम | |
| घट्टयाम्बभूव | । घट्टयामास | | |
| भा० घट्टयात् | घट्टयास्ताम् | घट्टयासुः | |
| घट्टयाः | घट्टयास्तम् | घट्टयास्त | |
| घट्टयासम् | घट्टयास्व | घट्टयास्म | |
| श्र० घट्टयिता | घट्टयितारौ | घट्टयितारः | |
| घट्टयितासि | घट्टयितास्थः | घट्टयितास्थ | |
| घट्टयितास्मि | घट्टयितास्वः | घट्टयितास्मः | |
| भ० घट्टयिष्यति | घट्टयिष्यतः | घट्टयिष्यन्ति | |
| घट्टयिष्यसि | घट्टयिष्यथः | घट्टयिष्यथ | |
| घट्टयिष्यामि | घट्टयिष्यावः | घट्टयिष्यामः | |
| क्रि० अघट्टयिष्यत् | अघट्टयिष्यताम् | अघट्टयिष्यन् | |
| अघट्टयिष्यः | अघट्टयिष्यतम् | अघट्टयिष्यत | |
| अघट्टयिष्यम् | अघट्टयिष्याव | अघट्टयिष्याम | |

670 चेष्टि (चेष्ट्) चेष्टायाम् ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| व० | चेष्टयति | चेष्टयतः | चेष्टयन्ति |
| | चेष्टयसि | चेष्टयथः | चेष्टयथ |
| | चेष्टयामि | चेष्टयावः | चेष्टयामः |
| स० | चेष्टयेत् | चेष्टयेताम् | चेष्टयेयुः |
| | चेष्टयेः | चेष्टयेतम् | चेष्टयेत |
| | चेष्टयेयम् | चेष्टयेव | चेष्टयेम |
| प० | चेष्टयतु | चेष्टयतात् | चेष्टयताम् |
| | चेष्टय | चेष्टयतात् | चेष्टयतम् |
| | चेष्टयानि | चेष्टयाव | चेष्टयाम |
| ह्य० | अचेष्टयत् | अचेष्टयताम् | अचेष्टयन् |
| | अचेष्टयः | अचेष्टयतम् | अचेष्टयत |
| | अचेष्टयम् | अचेष्टयाव | अचेष्टयाम |
| अ० | अचिचेष्टत् | अचिचेष्टताम् | अचिचेष्टन् |
| | अचिचेष्टः | अचिचेष्टतम् | अचिचेष्टत |
| | अचिचेष्टम् | अचिचेष्टाव | अचिचेष्टाम |
| | अचचेष्टत् | अचचेष्टताम् | अचचेष्टन् इ० |
| प० | चेष्टयाश्चकार | चेष्टयाश्चक्रुः | चेष्टयाश्चक्रुः |
| | चेष्टयाश्चकथे | चेष्टयाश्चक्रुः | चेष्टयाश्चक्रुः |
| | चेष्टयाश्चकार-चक्र | चेष्टयाश्चक्रुव | चेष्टयाश्चक्रुम |
| | चेष्टयाम्बभूव | । चेष्टयामास | |
| आ० | चेष्टयात् | चेष्टयास्ताम् | चेष्टयासुः |
| | चेष्टयाः | चेष्टयास्तम् | चेष्टयास्त |
| | चेष्टयासम् | चेष्टयास्व | चेष्टयासम |
| श्र० | चेष्टयिता | चेष्टयितारौ | चेष्टयितारः |
| | चेष्टयितासि | चेष्टयितास्थः | चेष्टयितास्थ |
| | चेष्टयितास्मि | चेष्टयितास्वः | चेष्टयितास्मः |
| भ० | चेष्टयिष्यति | चेष्टयिष्यतः | चेष्टयिष्यन्ति |
| | चेष्टयिष्यसि | चेष्टयिष्यथः | चेष्टयिष्यथ |
| | चेष्टयिष्यामि | चेष्टयिष्यावः | चेष्टयिष्यामः |
| क्रि० | अचेष्टयिष्यत् | अचेष्टयिष्यताम् | अचेष्टयिष्यन् |
| | अचेष्टयिष्यः | अचेष्टयिष्यतम् | अचेष्टयिष्यत |
| | अचेष्टयिष्यम् | अचेष्टयिष्याव | अचेष्टयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|---------------------|--------------------|
| व० | चेष्टयते | चेष्टयेते | चेष्टयन्ते |
| | चेष्टयसे | चेष्टयेथे | चेष्टयन्थे |
| | चेष्टये | चेष्टयावहे | चेष्टयामहे |
| स० | चेष्टयेत | चेष्टयेताताम् | चेष्टयेरन् |
| | चेष्टयेथाः | चेष्टयेथाताम् | चेष्टयेष्वम् |
| | चेष्टयेय | चेष्टयेवहि | चेष्टयेमहि |
| प० | चेष्टयताम् | चेष्टयेताम् | चेष्टयन्ताम् |
| | चेष्टयस्व | चेष्टयेथाम् | चेष्टयन्वम् |
| | चेष्टये | चेष्टयावहे | चेष्टयामहे |
| ह्य० | अचेष्टयत् | अचेष्टयेताम् | अचेष्टयन्त |
| | अचेष्टयथाः | अचेष्टयेथाम् | अचेष्टयन्वम् |
| | अचेष्टये | अचेष्टयावहि | अचेष्टयामहि |
| अ० | अचिचेष्टत् | अचिचेष्टेताम् | अचिचेष्टन्त |
| | अचिचेष्टथाः | अचिचेष्टेथाम् | अचिचेष्टन्वम् |
| | अचिचेष्टे | अचिचेष्टावहि | अचिचेष्टामहि |
| | अचचेष्टत् | अचचेष्टेताम् | अचचेष्टन्त इ० |
| प० | चेष्टयाश्चक्रे | चेष्टयाश्चक्रते | चेष्टयाश्चक्रिरे |
| | चेष्टयाश्चक्रुषे | चेष्टयाश्चक्राथे | चेष्टयाश्चक्रुद्वे |
| | चेष्टयाश्चक्रे | चेष्टयाश्चक्रवहे | चेष्टयाश्चक्रमहे |
| | चेष्टयाम्बभूव | । चेष्टयामास | |
| आ० | चेष्टयिषीष्ट | चेष्टयिषीष्टास्ताम् | चेष्टयिषीरन् |
| | चेष्टयिषीष्टाः | चेष्टयिषीष्टास्थाम् | चेष्टयिषीद्वम् |
| | | | थ्वम् |
| | चेष्टयिषीय | चेष्टयिषीवहि | चेष्टयिषीमहि |
| श्र० | चेष्टयिता | चेष्टयितारौ | चेष्टयितारः |
| | चेष्टयितासे | चेष्टयितासाथे | चेष्टयिताथ्वे |
| | चेष्टयिताहे | चेष्टयितास्वहे | चेष्टयितास्महे |
| भ० | चेष्टयिष्यते | चेष्टयिष्येते | चेष्टयिष्यन्ते |
| | चेष्टयिष्यसे | चेष्टयिष्येथे | चेष्टयिष्यन्थे |
| | चेष्टयिष्ये | चेष्टयिष्यावहे | चेष्टयिष्यामहे |
| क्रि० | अचेष्टयिष्यत् | अचेष्टयिष्येताम् | अचेष्टयिष्यन्त |
| | अचेष्टयिष्यथाः | अचेष्टयिष्येथाम् | अचेष्टयिष्यन्वम् |
| | अचेष्टयिष्ये | अचेष्टयिष्यावहि | अचेष्टयिष्यामहि |

671 गोष्टि (गोष्) सङ्कृते

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------------|
| ब० गोष्टयति | गोष्टयतः | गोष्टयन्ति |
| गोष्टयसि | गोष्टयथः | गोष्टयथ |
| गोष्टयामि | गोष्टयावः | गोष्टयामः |
| स० गोष्टयेत् | गोष्टयेताम् | गोष्टयेयुः |
| गोष्टयेः | गोष्टयेतम् | गोष्टयेत |
| गोष्टयेयम् | गोष्टयेव | गोष्टयेम |
| प० गोष्टयतु | गोष्टयतात् | गोष्टयताम् गोष्टयन्तु |
| गोष्टय | गोष्टयतात् | गोष्टयतम् गोष्टयत |
| गोष्टयानि | गोष्टयाव | गोष्टयाम |
| अ० अगोष्टयत् | अगोष्टयताम् | अगोष्टयन् |
| अगोष्टयः | अगोष्टयतम् | अगोष्टयत |
| अगोष्टयम् | अगोष्टयाव | अगोष्टयाम |
| अ० अजुगोष्टत् | अजुगोष्टताम् | अजुगोष्टन् |
| अजुगोष्टः | अजुगोष्टतम् | अजुगोष्टत |
| अजुगोष्टम् | अजुगोष्टाव | अजुगोष्टाम |
| प० गोष्टयाश्चकार | गोष्टयाश्चक्रुः | गोष्टयाश्चक्रुः |
| गोष्टयाश्चकथं | गोष्टयाश्चक्रुः | गोष्टयाश्चक्रुः |
| गोष्टयाश्चकार-चक्र | गोष्टयाश्चक्रुव | गोष्टयाश्चक्रुम |
| गोष्टयाम्बभूव | । गोष्टयामास | |
| गोष्टयात् | गोष्टयास्ताम् | गोष्टयास्तुः |
| गोष्टयाः | गोष्टयास्तम् | गोष्टयास्त |
| गोष्टयासम् | गोष्टयास्व | गोष्टयास्म |
| अ० गोष्टयिता | गोष्टयितारौ | गोष्टयितारः |
| गोष्टयितासि | गोष्टयितास्थः | गोष्टयितास्थ |
| गोष्टयितास्मि | गोष्टयितास्वः | गोष्टयितास्मः |
| अ० गोष्टयिष्यति | गोष्टयिष्यतः | गोष्टयिष्यन्ति |
| गोष्टयिष्यसि | गोष्टयिष्यथः | गोष्टयिष्यथ |
| गोष्टयिष्यामि | गोष्टयिष्यावः | गोष्टयिष्यामः |
| क्रि० अगोष्टयिष्यत् | अगोष्टयिष्यताम् | अगोष्टयिष्यन् |
| अगोष्टयिष्यः | अगोष्टयिष्यतम् | अगोष्टयिष्यत |
| अगोष्टयिष्यम् | अगोष्टयिष्याव | अगोष्टयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| ब० गोष्टयते | गोष्टयेते | गोष्टयन्ते |
| गोष्टयसे | गोष्टयेथे | गोष्टयन्वे |
| गोष्टये | गोष्टयावहे | गोष्टयामहे |
| स० गोष्टयेत | गोष्टयेयाताम् | गोष्टयेरन् |
| गोष्टयेथाः | गोष्टयेयाथाम् | गोष्टयेचम् |
| गोष्टयेथ | गोष्टयेवहि | गोष्टयेमहि |
| प० गोष्टयताम् | गोष्टयेताम् | गोष्टयन्ताम् |
| गोष्टयस्व | गोष्टयेथाम् | गोष्टयन्वम् |
| गोष्टये | गोष्टयावहे | गोष्टयामहे |
| अ० अगोष्टयत | अगोष्टयेताम् | अगोष्टयन्त |
| अगोष्टयथाः | अगोष्टयेथाम् | अगोष्टयन्वम् |
| अगोष्टये | अगोष्टयावहि | अगोष्टयामहि |
| अ० अजुगोष्टत | अजुगोष्टताम् | अजुगोष्टन्त |
| अजुगोष्टथाः | अजुगोष्टेथाम् | अजुगोष्टन्वम् |
| अजुगोष्टे | अजुगोष्टावहि | अजुगोष्टामहि |
| प० गोष्टयाश्चक्रे | गोष्टयाश्चक्रते | गोष्टयाश्चक्रिरे |
| गोष्टयाश्चक्रुषे | गोष्टयाश्चक्राथे | गोष्टयाश्चक्रुद्वे |
| गोष्टयाश्चक्रे | गोष्टयाश्चक्रुवहे | गोष्टयाश्चक्रुमहे |
| गोष्टयाम्बभूव | । गोष्टयामास | |
| अ० गोष्टयिषीष्ट | गोष्टयिषीयास्ताम् | गोष्टयिषीरन् |
| गोष्टयिषीष्टाः | गोष्टयिषीयास्थाम् | गोष्टयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| गोष्टयिषीय | गोष्टयिषीवहि | गोष्टयिषीमहि |
| अ० गोष्टयिता | गोष्टयितारौ | गोष्टयितारः |
| गोष्टयितासे | गोष्टयितासाथे | गोष्टयितास्वे |
| गोष्टयिताहे | गोष्टयितास्वहे | गोष्टयितास्महे |
| अ० गोष्टयिष्यते | गोष्टयिष्येते | गोष्टयिष्यन्ते |
| गोष्टयिष्यसे | गोष्टयिष्येथे | गोष्टयिष्यन्वे |
| गोष्टयिष्ये | गोष्टयिष्यावहे | गोष्टयिष्यामहे |
| क्रि० अगोष्टयिष्यत | अगोष्टयिष्यताम् | अगोष्टयिष्यन्त |
| अगोष्टयिष्यथाः | अगोष्टयिष्येथाम् | अगोष्टयिष्यन्वम् |
| अगोष्टयिष्ये | अगोष्टयिष्यावहि | अगोष्टयिष्यामहि |

672 लोटि (लोट्) संघाते

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------------|
| ब० लोटयति | लोष्टयतः | लोष्टयन्ति |
| लोष्टयसि | लोष्टयथः | लोष्टयथ |
| लोष्टयामि | लोष्टयावः | लोष्टयामः |
| स० लोटयेत् | लोष्टयेताम् | लोष्टयेयुः |
| लोष्टयेः | लोष्टयेतम् | लोष्टयेत |
| लोष्टयेयम् | लोष्टयेव | लोष्टयेम |
| प० लोटयतु | लोष्टयतात् | लोष्टयताम् लोष्टयन्तु |
| लोष्टय | लोष्टयतात् | लोष्टयतम् लोष्टयत |
| लोष्टयानि | लोष्टयाव | लोष्टयाम |
| झ० अलोष्टयत् | अलोष्टयताम् | अलोष्टयन् |
| अलोष्टयः | अलोष्टयतम् | अलोष्टयत |
| अलोष्टयम् | अलोष्टयाव | अलोष्टयाम |
| भ० अलुलोष्टत् | अलुलोष्टताम् | अलुलोष्टन् |
| अलुलोष्टः | अलुलोष्टतम् | अलुलोष्टत |
| अलुलोष्टम् | अलुलोष्टाव | अलुलोष्टाम |
| प० लोष्टयाश्चकार | लोष्टयाश्चक्रुः | लोष्टयाश्चक्रुः |
| लोष्टयाश्चकथं | लोष्टयाश्चक्रुः | लोष्टयाश्चक्रुः |
| गोष्टयाश्चकार-चक्र | लोष्टयाश्चक्रुः | लोष्टयाश्चक्रुः |
| लोष्टयाश्चक्रुः | लोष्टयाश्चक्रुः | लोष्टयाश्चक्रुः |
| आ० लोष्टयात् | लोष्टयास्ताम् | लोष्टयासुः |
| लोष्टयाः | लोष्टयास्तम् | लोष्टयास्त |
| लोष्टयासम् | लोष्टयास्व | लोष्टयास्म |
| श० लोष्टयिता | लोष्टयितारौ | लोष्टयितारः |
| लोष्टयितासि | लोष्टयितास्थः | लोष्टयितास्थ |
| लोष्टयितास्मि | लोष्टयितास्वः | लोष्टयितास्मः |
| भ० लोष्टयिष्यति | लोष्टयिष्यतः | लोष्टयिष्यन्ति |
| लोष्टयिष्यसि | लोष्टयिष्यथः | लोष्टयिष्यथ |
| लोष्टयिष्यामि | लोष्टयिष्यावः | लोष्टयिष्यामः |
| क्रि० अलोष्टयिष्यत् | अलोष्टयिष्यताम् | अलोष्टयिष्यन् |
| अलोष्टयिष्यः | अलोष्टयिष्यतम् | अलोष्टयिष्यत |
| अलोष्टयिष्यम् | अलोष्टयिष्याव | अलोष्टयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|-------------------|
| व० लोष्टयते | लोष्टयेते | लोष्टयन्ते |
| लोष्टयसे | लोष्टयेथे | लोष्टयन्वे |
| लोष्टये | लोष्टयावहे | लोष्टयामहे |
| स० लोष्टयेत | लोष्टयेयाताम् | लोष्टयेरन् |
| लोष्टयेथाः | लोष्टयेयाथाम् | लोष्टयेष्वम् |
| लोष्टयेय | लोष्टयेवहि | लोष्टयेमहि |
| प० लोष्टयताम् | लोष्टयेताम् | लोष्टयन्ताम् |
| लोष्टयस्व | लोष्टयेथाम् | लोष्टयन्वम् |
| लोष्टयै | लोष्टयावहे | लोष्टयामहे |
| झ० अलोष्टयत | अलोष्टयेताम् | अलोष्टयन्त |
| अलोष्टयथाः | अलोष्टयेथाम् | अलोष्टयन्वम् |
| अलोष्टये | अलोष्टयावहि | अलोष्टयामहि |
| भ० अलुलोष्टत | अलुलोष्टेताम् | अलुलोष्टन्त |
| अलुलोष्टथाः | अलुलोष्टेथाम् | अलुलोष्टन्वम् |
| अलुलोष्ट | अलुलोष्टावहि | अलुलोष्टामहि |
| प० लोष्टयाश्चक्रे | लोष्टयाश्चक्रते | लोष्टयाश्चक्रिरे |
| लोष्टयाश्चक्रुषे | लोष्टयाश्चक्रथे | लोष्टयाश्चक्रुवे |
| लोष्टयाश्चक्रे | लोष्टयाश्चक्रुवहे | लोष्टयाश्चक्रुमहे |
| लोष्टयाम्बभूव | लोष्टयामास | |
| आ० लोष्टयिषीष्ट | लोष्टयिषीयास्ताम् | लोष्टयिषीरन् |
| लोष्टयिषीष्ठाः | लोष्टयिषीयास्थाम् | लोष्टयिषीद्वम् |
| लोष्टयिषीय | लोष्टयिषीवहि | लोष्टयिषीमहि |
| श० लोष्टयिता | लोष्टयितारौ | लोष्टयितारः |
| लोष्टयितासे | लोष्टयितासाथे | लोष्टयितास्व |
| लोष्टयिताहे | लोष्टयितास्वहे | लोष्टयितास्महे |
| भ० लोष्टयिष्यते | लोष्टयिष्येते | लोष्टयिष्यन्ते |
| लोष्टयिष्यसे | लोष्टयिष्येथे | लोष्टयिष्यन्वे |
| लोष्टयिष्ये | लोष्टयिष्यावहे | लोष्टयिष्यामहे |
| क्रि० अलोष्टयिष्यत | अलोष्टयिष्येताम् | अलोष्टयिष्यन्त |
| अलोष्टयिष्यथाः | अलोष्टयिष्येथाम् | अलोष्टयिष्यन्वम् |
| अलोष्टयिष्ये | अलोष्टयिष्यावहि | अलोष्टयिष्यामहि |

673 वेष्टि (वेष्टृ) वेष्टने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | वेष्टयति | वेष्टयतः | वेष्टयन्ति |
| | वेष्टयसि | वेष्टयथः | वेष्टयथ |
| | वेष्टयामि | वेष्टयावः | वेष्टयामः |
| स० | वेष्टयेत् | वेष्टयेताम् | वेष्टयेयुः |
| | वेष्टयेः | वेष्टयेतम् | वेष्टयेत |
| | वेष्टयेयम् | वेष्टयेव | वेष्टयेम |
| प० | वेष्टयतु | वेष्टयतात् | वेष्टयताम् |
| | वेष्टय | वेष्टयतात् | वेष्टयतम् |
| | वेष्टयानि | वेष्टयाव | वेष्टयाम |
| ल० | अवेष्टयत् | अवेष्टयताम् | अवेष्टयन् |
| | अवेष्टयः | अवेष्टयतम् | अवेष्टयत |
| | अवेष्टयम् | अवेष्टयाव | अवेष्टयाम |
| भ० | अविवेष्टत् | अविवेष्टताम् | अविवेष्टन् |
| | अविवेष्टः | अविवेष्टतम् | अविवेष्टत |
| | अविवेष्टम् | अविवेष्टाव | अविवेष्टाम |
| | अववेष्टत् | अववेष्टताम् | अववेष्टन् इ० |
| प० | वेष्टयाञ्चकार | वेष्टयाञ्चक्रुः | वेष्टयाञ्चकुः |
| | वेष्टयाञ्चकथी | वेष्टयाञ्चकथुः | वेष्टयाञ्चक |
| | वेष्टयाञ्चकार-चकर | वेष्टयाञ्चकृव | वेष्टयाञ्चकृम |
| | वेष्टयाम्बभूव | वेष्टयामास | |
| आ० | वेष्टयात् | वेष्टयास्ताम् | वेष्टयासुः |
| | वेष्टयाः | वेष्टयास्तम् | वेष्टयास्त |
| | वेष्टयासम् | वेष्टयास्व | वेष्टयास्म |
| भ० | वेष्टयिता | वेष्टयितारौ | वेष्टयितारः |
| | वेष्टयितासि | वेष्टयितास्थः | वेष्टयितास्थ |
| | वेष्टयितास्मि | वेष्टयितास्वः | वेष्टयितास्मः |
| भ० | वेष्टयिष्यति | वेष्टयिष्यतः | वेष्टयिष्यन्ति |
| | वेष्टयिष्यसि | वेष्टयिष्यथः | वेष्टयिष्यथ |
| | वेष्टयिष्यामि | वेष्टयिष्यावः | वेष्टयिष्यामः |
| क्रि० | अवेष्टयिष्यत् | अवेष्टयिष्यताम् | अवेष्टयिष्यन् |
| | अवेष्टयिष्यः | अवेष्टयिष्यतम् | अवेष्टयिष्यत |
| | अवेष्टयिष्यम् | अवेष्टयिष्याव | अवेष्टयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | वेष्टयते | वेष्टयेते | वेष्टयन्ते |
| | वेष्टयसे | वेष्टयेथे | वेष्टयध्वे |
| | वेष्टये | वेष्टयावहे | वेष्टयामहे |
| स० | वेष्टयेत | वेष्टयेयाताम् | वेष्टयेरन् |
| | वेष्टयेथाः | वेष्टयेयाथाम् | वेष्टयेध्वम् |
| | वेष्टयेय | वेष्टयेवहि | वेष्टयेमहि |
| प० | वेष्टयताम् | वेष्टयेताम् | वेष्टयन्ताम् |
| | वेष्टयस्व | वेष्टयेथाम् | वेष्टयध्वम् |
| | वेष्टयै | वेष्टयावहै | वेष्टयामहै |
| ल० | अवेष्टयत | अवेष्टयेताम् | अवेष्टयन्त |
| | अवेष्टयथाः | अवेष्टयेथाम् | अवेष्टयध्वम् |
| | अवेष्टये | अवेष्टयावहि | अवेष्टयामहि |
| भ० | अविवेष्टत | अविवेष्टताम् | अविवेष्टन्त |
| | अविवेष्टथाः | अविवेष्टेथाम् | अविवेष्टध्वम् |
| | अविवेष्टे | अविवेष्टावहि | अविवेष्टामहि |
| | अववेष्टयत | अववेष्टेताम् | अववेष्टन्त इ० |
| प० | वेष्टयाञ्चक्रे | वेष्टयाञ्चक्राते | वेष्टयाञ्चकिरे |
| | वेष्टयाञ्चकृषे | वेष्टयाञ्चक्राथे | वेष्टयाञ्चकृद्वे |
| | वेष्टयाञ्चक्रे | वेष्टयाञ्चकृवहे | वेष्टयाञ्चकृमहे |
| | वेष्टयाम्बभूव | वेष्टयामास | |
| आ० | वेष्टयिषीष्ट | वेष्टयिषीयस्ताम् | वेष्टयिषीरम् |
| | वेष्टयिषीष्ठाः | वेष्टयिषीयास्याम् | वेष्टयिषीद्वम् |
| | वेष्टयिषीय | वेष्टयिषीवहि | वेष्टयिषीमहि |
| भ० | वेष्टयिता | वेष्टयितारौ | वेष्टयितारः |
| | वेष्टयितासे | वेष्टयितासाथे | वेष्टयिताध्वे |
| | वेष्टयिताहे | वेष्टयितास्वहे | वेष्टयितास्महे |
| भ० | वेष्टयिष्यते | वेष्टयिष्यते | वेष्टयिष्यन्ते |
| | वेष्टयिष्यसे | वेष्टयिष्येथे | वेष्टयिष्यध्वे |
| | वेष्टयिष्ये | वेष्टयिष्यावहे | वेष्टयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेष्टयिष्यत | अवेष्टयिष्येताम् | अवेष्टयिष्यन्त |
| | अवेष्टयिष्यथाः | अवेष्टयिष्येथाम् | अवेष्टयिष्यध्वम् |
| | अवेष्टयिष्ये | अवेष्टयिष्यानहि | अवेष्टयिष्यामहि |

७७४ अट्टि (अट्) हिंसातिक्रमयोः ।

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० अट्टयति | अट्टयतः | अट्टयन्ति |
| अट्टयसि | अट्टयथः | अट्टयथ |
| अट्टयामि | अट्टयावः | अट्टयामः |
| स० अट्टयेत् | अट्टयेताम् | अट्टयेयुः |
| अट्टयेः | अट्टयेतम् | अट्टयेत |
| अट्टयेयम् | अट्टयेव | अट्टयेम |
| प० अट्टयतु | अट्टयतात् | अट्टयताम् |
| अट्टय | अट्टयतात् | अट्टयतम् |
| अट्टयानि | अट्टयाव | अट्टयाम |
| ह्य० आट्टयत् | आट्टयताम् | आट्टयन् |
| आट्टयः | आट्टयतम् | आट्टयत |
| आट्टयम् | आट्टयाव | आट्टयाम |
| अ० आट्टित् | आट्टिताम् | आट्टित् |
| आट्टितः | आट्टितम् | आट्टित |
| आट्टितम् | आट्टिताव | आट्टिताम |
| प० अट्टयाञ्चकार | अट्टयाञ्चक्रतुः | अट्टयाञ्चक्रुः |
| अट्टयाञ्चकर्त्तुः | अट्टयाञ्चक्रथुः | अट्टयाञ्चक्रुः |
| अट्टयाञ्चकार-चक्र | अट्टयाञ्चक्रव | अट्टयाञ्चक्रुम |
| अट्टयाञ्चभूव | । | अट्टयामास |
| भा० अट्टयात् | अट्टयास्ताम् | अट्टयासुः |
| अट्टयाः | अट्टयास्तम् | अट्टयास्त |
| अट्टयासम् | अट्टयास्व | अट्टयासम |
| भ० अट्टयिता | अट्टयितारौ | अट्टयितारः |
| अट्टयितासि | अट्टयितास्यः | अट्टयितास्य |
| अट्टयितास्मि | अट्टयितास्वः | अट्टयितास्मः |
| भ० अट्टयिष्यति | अट्टयिष्यतः | अट्टयिष्यन्ति |
| अट्टयिष्यसि | अट्टयिष्यथः | अट्टयिष्यथ |
| अट्टयिष्यामि | अट्टयिष्यावः | अट्टयिष्यामः |
| क्रि० आट्टयिष्यत् | आट्टयिष्यताम् | आट्टयिष्यन् |
| आट्टयिष्यः | आट्टयिष्यतम् | आट्टयिष्यत |
| आट्टयिष्यम् | आट्टयिष्याव | आट्टयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० अट्टयेते | अट्टयेते | अट्टयन्ते |
| अट्टयेसे | अट्टयेथे | अट्टयन्थे |
| अट्टये | अट्टयावहे | अट्टयामहे |
| स० अट्टयेत | अट्टयेयाताम् | अट्टयेरन् |
| अट्टयेथाः | अट्टयेयाथाम् | अट्टयेष्वम् |
| अट्टयेय | अट्टयेवहि | अट्टयेमहि |
| प० अट्टयताम् | अट्टयेताम् | अट्टयन्ताम् |
| अट्टयस्व | अट्टयेथाम् | अट्टयन्थ्वम् |
| अट्टये | अट्टयावहै | अट्टयामहै |
| ह्य० आट्टयत् | आट्टयेताम् | आट्टयन्त |
| आट्टयथाः | आट्टयेथाम् | आट्टयन्थ्वम् |
| आट्टये | आट्टयावहि | आट्टयामहि |
| अ० आट्टित | आट्टितेताम् | आट्टितन्त |
| आट्टितथाः | आट्टितेथाम् | आट्टितन्थ्वम् |
| आट्टिते | आट्टितावहि | आट्टितामहि |
| प० अट्टयाञ्चक्रे | अट्टयाञ्चक्राते | अट्टयाञ्चक्रिरे |
| अट्टयाञ्चक्रे | अट्टयाञ्चक्रथे | अट्टयाञ्चक्रुवे |
| अट्टयाञ्चक्रे | अट्टयाञ्चक्रवहे | अट्टयाञ्चक्रुमहे |
| अट्टयाञ्चभूव | । | अट्टयामास |
| भा० अट्टयिषीष्ट | अट्टयिषीयास्ताम् | अट्टयिषीरन् |
| अट्टयिषीष्टाः | अट्टयिषीयास्थाम् | अट्टयिषीरन्थ्वम् |
| अट्टयिषीय | अट्टयिषीवहि | अट्टयिषीमहि |
| श्व० अट्टयिता | अट्टयितारौ | अट्टयितारः |
| अट्टयितासे | अट्टयितासथे | अट्टयिताध्वे |
| अट्टयिताहे | अट्टयितास्वहे | अट्टयितास्महे |
| भ० अट्टयिष्यते | अट्टयिष्येते | अट्टयिष्यन्ते |
| अट्टयिष्यसे | अट्टयिष्येथे | अट्टयिष्यन्थे |
| अट्टयिष्ये | अट्टयिष्यावहे | अट्टयिष्यामहे |
| क्रि० आट्टयिष्यत् | आट्टयिष्येताम् | आट्टयिष्यन्त |
| आट्टयिष्यथाः | आट्टयिष्येथाम् | आट्टयिष्यन्थ्वम् |
| आट्टयिष्ये | आट्टयिष्यावहि | आट्टयिष्यामहि |

॥ अथ ढान्ताः सप्त ॥

675 एठि (एठ्) विवाधायाम् ।

| | | | |
|----|----------------|-------------|------------|
| ब० | एठयति | एठयतः | एठयन्ति |
| | एठयसि | एठयथः | एठयथ |
| | एठयामि | एठयावः | एठयामः |
| स० | एठयेत् | एठयेताम् | एठयेयुः |
| | एठयेः | एठयेतम् | एठयेत |
| | एठयेयम् | एठयेव | एठयेम |
| प० | एठयतु | एठयतात् | एठयताम् |
| | एठय | एठयतात् | एठयतम् |
| | एठयानि | एठयाव | एठयाम |
| झ० | पेठयत् | पेठयताम् | पेठयन् |
| | पेठयः | पेठयतम् | पेठयत |
| | पेठयम् | पेठयाव | पेठयाम |
| ञ० | पेटिठत् | पेटिठताम् | पेटिठन् |
| | पेटिठः | पेटिठतम् | पेटिठत |
| | पेटिठम् | पेटिठाव | पेटिठाम |
| ष० | एठयाञ्चकार | एठयाञ्चकतुः | एठयाञ्चकुः |
| | एठयाञ्चकथं | एठयाञ्चकथुः | एठयाञ्चक |
| | एठयाञ्चकार-चकर | एठयाञ्चकृव | एठयाञ्चकृम |

एठयाम्बभूव । एठयामास

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| भा० | एठयात् | एठयास्ताम् | एठयासुः |
| | एठयाः | एठयास्तम् | एठयास्त |
| | एठयासम् | एठयास्व | एठयास्म |
| भ० | एठयिता | एठयितारौ | एठयितारः |
| | एठयितासि | एठयितास्यः | एठयितास्य |
| | एठयितास्मि | एठयितास्वः | एठयितास्मः |
| भ० | एठयिष्यति | एठयिष्यतः | एठयिष्यन्ति |
| | एठयिष्यसि | एठयिष्यथः | एठयिष्यथ |
| | एठयिष्यामि | एठयिष्यावः | एठयिष्यामः |
| क्रि० | पेठयिष्यत् | पेठयिष्यताम् | पेठयिष्यन् |
| | पेठयिष्यः | पेठयिष्यतम् | पेठयिष्यत |
| | पेठयिष्यम् | पेठयिष्याव | पेठयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| ब० | एठयते | एठयेते | एठयन्ते |
| | एठयसे | एठयेथे | एठयन्थे |
| | एठये | एठयावहे | एठयामहे |
| स० | एठयेत | एठयेयाताम् | एठयेरन् |
| | एठयेथाः | एठयेथायाम् | एठयेचम |
| | एठयेय | एठयेवहि | एठयेमहि |
| प० | एठयताम् | एठयेताम् | एठयन्ताम् |
| | एठयस्व | एठयेथाम् | एठयन्वम |
| | एठयै | एठयावहै | एठयामहै |
| झ० | पेठयत | पेठयेताम् | पेठयन्त |
| | पेठयथाः | पेठयेथाम् | पेठयन्म |
| | पेठये | पेठयावहि | पेठयामहि |
| ञ० | पेटिठत | पेटिठेताम् | पेटिठन्त |
| | पेटिठथाः | पेटिठेथाम् | पेटिठन्म |
| | पेटिठे | पेटिठावहि | पेटिठामहि |
| प० | एठयाञ्चक्रे | एठयाञ्चक्रेते | एठयाञ्चक्रेरे |
| | एठयाञ्चकृषे | एठयाञ्चकृषे | एठयाञ्चकृद्वे |
| | एठयाञ्चक्रे | एठयाञ्चकृवहे | एठयाञ्चकृमहे |
| | एठयाम्बभूव | । | एठयामास |
| आ० | एठयिषीष्ट | एठयिषीयास्ताम् | एठयिषीरन् |
| | एठयिषीष्ठाः | एठयिषीयास्थाम् | एठयिषीद्वम |
| | | | चम |
| | एठयिषीय | एठयिषीवहि | एठयिषीमहि |
| भ० | एठयिता | एठयितारौ | एठयितारः |
| | एठयितासे | एठयितासाथे | एठयिताथे |
| | एठयिताहे | एठयितास्वहे | एठयितास्महे |
| भ० | एठयिष्यते | एठयिष्येते | एठयिष्यन्ते |
| | एठयिष्यसे | एठयिष्येथे | एठयिष्यन्थे |
| | एठयिष्ये | एठयिष्यावहे | एठयिष्यामहे |
| क्रि० | पेठयिष्यत् | पेठयिष्येताम् | पेठयिष्यन्त |
| | पेठयिष्यथाः | पेठयिष्येथाम् | पेठयिष्यन्म |
| | पेठयिष्ये | पेठयिष्यावहि | पेठयिष्यामहि |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (६४५)

676 हेठि (हेठ्) विभाषायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|--------------|
| १० | हेठयति | हेठयतः | हेठयन्ति |
| | हेठयसि | हेठयथः | हेठयथ |
| | हेठयामि | हेठयावः | हेठयामः |
| स० | हेठयेत् | हेठयेताम् | हेठयेयुः |
| | हेठयेः | हेठयेतम् | हेठयेत |
| | हेठयेयम् | हेठयेव | हेठयेम |
| प० | हेठयतु | हेठयतात् | हेठयन्तु |
| | हेठय | हेठयतात् | हेठयत |
| | हेठयानि | हेठयाव | हेठयाम |
| झ० | अहेठयत् | अहेठयताम् | अहेठयन् |
| | अहेठयः | अहेठयतम् | अहेठयत |
| | अहेठयम् | अहेठयाव | अहेठयाम |
| ञ० | अजीहिठत् | अजीहिठताम् | अजीहिठन् |
| | अजीहिठः | अजीहिठतम् | अजीहिठत |
| | अजीहिठम् | अजीहिठाव | अजीहिठाम |
| प० | हेठयाश्चकार | हेठयाश्चक्रुः | हेठयाश्चकुः |
| | हेठयाश्चकर्थ | हेठयाश्चक्रथुः | हेठयाश्चक |
| | हेठयाश्चकार-चकर | हेठयाश्चकृव | हेठयाश्चकृम |
| | हेठयाम्बभूव | हेठयामास | |
| आ० | हेठयात् | हेठयास्ताम् | हेठयासुः |
| | हेठयाः | हेठयास्ताम् | हेठयास्त |
| | हेठयासम् | हेठयास्व | हेठयास्म |
| इ० | हेठयिता | हेठयितारौ | हेठयितारः |
| | हेठयितासि | हेठयितास्थः | हेठयितास्थ |
| | हेठयितासि | हेठयितास्वः | हेठयितास्मः |
| उ० | हेठयिष्यति | हेठयिष्यतः | हेठयिष्यन्ति |
| | हेठयिष्यसि | हेठयिष्यथः | हेठयिष्यथ |
| | हेठयिष्यामि | हेठयिष्यावः | हेठयिष्यामः |
| क्रि० | अहेठयिष्यत् | अहेठयिष्यताम् | अहेठयिष्यन् |
| | अहेठयिष्यः | अहेठयिष्यतम् | अहेठयिष्यत |
| | अहेठयिष्यम् | अहेठयिष्याव | अहेठयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|------------------|
| १० | हेठयते | हेठयेते | हेठयन्ते |
| | हेठयसे | हेठयेथे | हेठयन्थे |
| | हेठये | हेठयावहे | हेठयामहे |
| स० | हेठयेत | हेठयेयाताम् | हेठयेरन् |
| | हेठयेथाः | हेठयेयाथाम् | हेठयेथम् |
| | हेठयेय | हेठयेवहि | हेठयेमहि |
| प० | हेठयताम् | हेठ येताम् | हेठयन्ताम् |
| | हेठयस्व | हेठयेथाम् | हेठयन्थम् |
| | हेठयै | हेठयावहे | हेठयामहे |
| झ० | अहेठयत् | अहेठयेताम् | अहेठयन्त |
| | अहेठयथाः | अहेठयेथाम् | अहेठयन्थम् |
| | अहेठये | अहेठयावहि | अहेठयामहि |
| ञ० | अजीहिठत् | अजीहिठताम् | अजीहिठन्त |
| | अजीहिठथाः | अजीहिठेथाम् | अजीहिठेथम् |
| | अजीहिठे | अजीहिठावहि | अजीहिठामहि |
| प० | हेठयाश्चक्रे | हेठयाश्चक्राते | हेठयाश्चक्रिरे |
| | हेठयाश्चकृषे | हेठयाश्चक्रथे | हेठयाश्चक्रुद्वे |
| | हेठयाश्चक्रे | हेठयाश्चकृवहे | हेठयाश्चकृमहे |
| | हेठयाम्बभूव | हेठयामास | |
| आ० | हेठयिषीष्ट | हेठयिषीयास्ताम् | हेठयिषीरन् |
| | हेठयिषीष्ठाः | हेठयिषीयास्थाम् | हेठयिषीद्वम् |
| | हेठयिषीय | हेठयिषीवहि | हेठयिषीमहि |
| इ० | हेठयिता | हेठयितारौ | हेठयितारः |
| | हेठयितासे | हेठयितासाथे | हेठयिताथे |
| | हेठयिताहे | हेठयितास्वहे | हेठयितास्महे |
| उ० | हेठयिष्यते | हेठयिष्येते | हेठयिष्यन्ते |
| | हेठयिष्यसे | हेठयिष्येथे | हेठयिष्यन्थे |
| | हेठयिष्ये | हेठयिष्यावहे | हेठयिष्यामहे |
| क्रि० | अहेठयिष्यत् | अहेठयिष्येताम् | अहेठयिष्यन्त |
| | अहेठयिष्यथाः | अहेठयिष्येथाम् | अहेठयिष्यन्थम् |
| | अहेठयिष्ये | अहेठयिष्यावहि | अहेठयिष्यामहि |

677 मठ् (मण्) शोके ।-

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| ब० मण्ठयति | मण्ठयतः | मण्ठयन्ति |
| मण्ठयसि | मण्ठयथः | मण्ठयथ |
| मण्ठयामि | मण्ठयावः | मण्ठयामः |
| स० मण्ठयेत् | मण्ठयेताम् | मण्ठयेयुः |
| मण्ठयेः | मण्ठयेतम् | मण्ठयेत |
| मण्ठयेयम् | मण्ठयेव | मण्ठयेम |
| प० मण्ठयतु | मण्ठयतात् | मण्ठयताम् |
| मण्ठय | मण्ठयतात् | मण्ठयतम् |
| मण्ठयानि | मण्ठयाव | मण्ठयाम |
| ह्य० अमण्ठयत् | अमण्ठयताम् | अमण्ठयन् |
| अमण्ठयः | अमण्ठयतम् | अमण्ठयत |
| अमण्ठयम् | अमण्ठयाव | अमण्ठयाम |
| अ० अममण्ठत् | अममण्ठताम् | अममण्ठन् |
| अममण्ठः | अममण्ठतम् | अममण्ठत |
| अममण्ठम् | अममण्ठाव | अममण्ठाम |
| प० मण्ठयाञ्चकार | मण्ठयाञ्चकतुः | मण्ठयाञ्चकुः |
| मण्ठयाञ्चकर्थ | मण्ठयाञ्चकथुः | मण्ठयाञ्चक |
| मण्ठयाञ्चकार-चकर | मण्ठयाञ्चकृव | मण्ठयाञ्चकृम |
| मण्ठयाम्बभूव | । | मण्ठयामास |
| आ० मण्ठयात् | मण्ठयास्ताम् | मण्ठयासुः |
| मण्ठयाः | मण्ठयास्तम् | मण्ठयास्त |
| मण्ठयासम् | मण्ठयास्व | मण्ठयास्म |
| थ० मण्ठयिता | मण्ठयितारी | मण्ठयितारः |
| मण्ठयितासि | मण्ठयितास्थः | मण्ठयितास्थ |
| मण्ठयितास्मि | मण्ठयितास्वः | मण्ठयितास्मः |
| अ० मण्ठयिष्यति | मण्ठयिष्यतः | मण्ठयिष्यन्ति |
| मण्ठयिष्यसि | मण्ठयिष्यथः | मण्ठयिष्यथ |
| मण्ठयिष्यामि | मण्ठयिष्यावः | मण्ठयिष्यामः |
| कि० अमण्ठयिष्यत् | अमण्ठयिष्यताम् | अमण्ठयिष्यन् |
| अमण्ठयिष्यः | अमण्ठयिष्यतम् | अमण्ठयिष्यत |
| अमण्ठयिष्यम् | अमण्ठयिष्याव | अमण्ठयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| व० मण्ठयते | मण्ठयेते | मण्ठयन्ते |
| मण्ठयसे | मण्ठयेथे | मण्ठयध्वे |
| मण्ठये | मण्ठयावहे | मण्ठयामहे |
| स० मण्ठयेत | मण्ठयेयाताम् | मण्ठयेरन् |
| मण्ठयेथाः | मण्ठयेयाथाम् | मण्ठयेध्वम् |
| मण्ठयेथ | मण्ठयेवहि | मण्ठयेमहि |
| प० मण्ठयताम् | मण्ठयेताम् | मण्ठयन्ताम् |
| मण्ठयस्व | मण्ठयेथाम् | मण्ठयध्वम् |
| मण्ठये | मण्ठयावहे | मण्ठयामहे |
| ह्य० अमण्ठयत | अमण्ठयेताम् | अमण्ठयन्त |
| अमण्ठयथाः | अमण्ठयेथाम् | अमण्ठयध्वम् |
| अमण्ठये | अमण्ठयावहि | अमण्ठयामहि |
| अ० अममण्ठत | अममण्ठेताम् | अममण्ठन्त |
| अममण्ठथाः | अममण्ठेथाम् | अममण्ठध्वम् |
| अममण्ठे | अममण्ठावहि | अममण्ठामहि |
| प० मण्ठयाञ्चक्रे | मण्ठयाञ्चकृते | मण्ठयाञ्चक्रे |
| मण्ठयाञ्चकृषे | मण्ठयाञ्चकृथे | मण्ठयाञ्चकृद्वे |
| मण्ठयाञ्चक्रे | मण्ठयाञ्चकृवहे | मण्ठयाञ्चकृमहे |
| मण्ठयाम्बभूव | । | मण्ठयामास |
| आ० मण्ठयिषीष्ट | मण्ठयिषीयास्ताम् | मण्ठयिषीरन् |
| मण्ठयिषीष्टाः | मण्ठयिषीयास्थाम् | मण्ठयिषीढवम् |
| | | ध्वम् |
| मण्ठयिषीथ | मण्ठयिषीवहि | मण्ठयिषीमहि |
| थ० मण्ठयिता | मण्ठयितारी | मण्ठयितारः |
| मण्ठयितासे | मण्ठयितामाथे | मण्ठयिताध्वे |
| मण्ठयिताहे | मण्ठयितास्वहे | मण्ठयितास्महे |
| अ० मण्ठयिष्यते | मण्ठयिष्येते | मण्ठयिष्यन्ते |
| मण्ठयिष्यसे | मण्ठयिष्येथे | मण्ठयिष्यध्वे |
| मण्ठयिष्ये | मण्ठयिष्यावहे | मण्ठयिष्यामहे |
| कि० अमण्ठयिष्यत | अमण्ठयिष्येताम् | अमण्ठयिष्यन्त |
| अमण्ठयिष्यथाः | अमण्ठयिष्येथाम् | अमण्ठयिष्यध्वम् |
| अमण्ठयिष्ये | अमण्ठयिष्यावहि | अमण्ठयिष्यामहि |

678 कठु (कण्ठ) शोके ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० कण्ठयति | कण्ठयतः | कण्ठयन्ति |
| कण्ठयसि | कण्ठयथः | कण्ठयथ |
| कण्ठयामि | कण्ठयावः | कण्ठयामः |
| स० कण्ठयेत् | कण्ठयेताम् | कण्ठयेयुः |
| कण्ठयेः | कण्ठयेतम् | कण्ठयेत |
| कण्ठयेयम् | कण्ठयेव | कण्ठयेम |
| प० कण्ठयतु | कण्ठयतात् | कण्ठयताम् |
| कण्ठय | कण्ठयतात् | कण्ठयतम् |
| कण्ठयानि | कण्ठयाव | कण्ठयाम |
| ह्य० अकण्ठयत् | अकण्ठयताम् | अकण्ठयन् |
| अकण्ठयः | अकण्ठयतम् | अकण्ठयत |
| अकण्ठयम् | अकण्ठयाव | अकण्ठयाम |
| अ० अचकण्ठत् | अचकण्ठताम् | अचकण्ठन् |
| अचकण्ठः | अचकण्ठतम् | अचकण्ठत |
| अचकण्ठम् | अचकण्ठाव | अचकण्ठाम |
| प० कण्ठयाञ्चकार | कण्ठयाञ्चकतुः | कण्ठयाञ्चकुः |
| कण्ठयाञ्चक्ये | कण्ठयाञ्चक्युः | कण्ठयाञ्चक |
| कण्ठयाञ्चकार-चकर | कण्ठयाञ्चकृव | कण्ठयाञ्चकृम |
| कण्ठयाम्बभूव | कण्ठयामास | |
| आ० कण्ठयात् | कण्ठयास्ताम् | कण्ठयासुः |
| कण्ठयाः | कण्ठयास्तम् | कण्ठयास्त |
| कण्ठयासम् | कण्ठयास्व | कण्ठयास्म |
| भ० कण्ठयिता | कण्ठयितारौ | कण्ठयितारः |
| कण्ठयितासि | कण्ठयितारथः | कण्ठयितास्थ |
| कण्ठयितास्मि | कण्ठयितास्वः | कण्ठयितास्मः |
| भ० कण्ठयिष्यति | कण्ठयिष्यतः | कण्ठयिष्यन्ति |
| कण्ठयिष्यसि | कण्ठयिष्यथः | कण्ठयिष्यथ |
| कण्ठयिष्यामि | कण्ठयिष्यावः | कण्ठयिष्यामः |
| क्रि० अकण्ठयिष्यत् | अकण्ठयिष्यताम् | अकण्ठयिष्यन् |
| अकण्ठयिष्यः | अकण्ठयिष्यतम् | अकण्ठयिष्यत |
| अकण्ठयिष्यम् | अकण्ठयिष्याव | अकण्ठयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० कण्ठयते | कण्ठयेते | कण्ठयन्ते |
| कण्ठयसे | कण्ठयेथे | कण्ठयध्वे |
| कण्ठये | कण्ठयावहे | कण्ठयामहे |
| स० कण्ठयेत | कण्ठयेयाताम् | कण्ठयेरन् |
| कण्ठयेथाः | कण्ठयेयाथाम् | कण्ठयेध्वम् |
| कण्ठयेय | कण्ठयेवहि | कण्ठयेमहि |
| प० कण्ठयताम् | कण्ठयेताम् | कण्ठयन्ताम् |
| कण्ठयस्व | कण्ठयेथाम् | कण्ठयध्वम् |
| कण्ठयै | कण्ठयावहै | कण्ठयामहै |
| ह्य० अकण्ठयत | अकण्ठयेताम् | अकण्ठयन्त |
| अकण्ठयथाः | अकण्ठयेथाम् | अकण्ठयध्वम् |
| अकण्ठये | अकण्ठयावहि | अकण्ठयामहि |
| अ० अचकण्ठत | अचकण्ठेताम् | अचकण्ठन्त |
| अचकण्ठथाः | अचकण्ठेथाम् | अचकण्ठध्वम् |
| अचकण्ठे | अचकण्ठावहि | अचकण्ठामहि |
| प० कण्ठयाञ्चक्रे | कण्ठयाञ्चकृते | कण्ठयाञ्चकृरे |
| कण्ठयाञ्चकृचे | कण्ठयाञ्चकृथे | कण्ठयाञ्चकृध्वे |
| कण्ठयाञ्चक्रे | कण्ठयाञ्चकृषहे | कण्ठयाञ्चकृमहे |
| कण्ठयाम्बभूव | कण्ठयामास | |
| आ० कण्ठयिषीष्ट | कण्ठयिषीयास्ताम् | कण्ठयिषीरन् |
| कण्ठयिषीष्टाः | कण्ठयिषीयास्थाम् | कण्ठयिषीध्वम् |
| कण्ठयिषीय | कण्ठयिषीवहि | कण्ठयिषीमहि |
| भ० कण्ठयिता | कण्ठयितारौ | कण्ठयितारः |
| कण्ठयितासे | कण्ठयितासाथे | कण्ठयिताध्वे |
| कण्ठयिताहे | कण्ठयितास्वहे | कण्ठयितास्महे |
| भ० कण्ठयिष्यते | कण्ठयिष्येते | कण्ठयिष्यन्ते |
| कण्ठयिष्यसे | कण्ठयिष्येथे | कण्ठयिष्यध्वे |
| कण्ठयिष्ये | कण्ठयिष्यावहे | कण्ठयिष्यामहे |
| क्रि० अकण्ठयिष्यत | अकण्ठयिष्येताम् | अकण्ठयिष्यन्त |
| अकण्ठयिष्यथाः | अकण्ठयिष्येथाम् | अकण्ठयिष्यध्वम् |
| अकण्ठयिष्ये | अकण्ठयिष्यावहि | अकण्ठयिष्यमहि |

679 मुठ् (मुण्) पलायने ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| ब० मुण्ठयति | मुण्ठयतः | मुण्ठयन्ति |
| मुण्ठयसि | मुण्ठयथः | मुण्ठयथ |
| मुण्ठयामि | मुण्ठयावः | मुण्ठयामः |
| स० मुण्ठयेत् | मुण्ठयेताम् | मुण्ठयेयुः |
| मुण्ठयेः | मुण्ठयेतम् | मुण्ठयेत |
| मुण्ठयेयम् | मुण्ठयेव | मुण्ठयेम |
| प० मुण्ठयतु | मुण्ठयतात् | मुण्ठयताम् |
| मुण्ठय | मुण्ठयतात् | मुण्ठयतम् |
| मुण्ठयानि | मुण्ठयाव | मुण्ठयाम |
| अ० अमुण्ठयत् | अमुण्ठयताम् | अमुण्ठयन् |
| अमुण्ठयः | अमुण्ठयतम् | अमुण्ठयत |
| अमुण्ठयम् | अमुण्ठयाव | अमुण्ठयाम |
| अ० अमुमुण्ठत् | अमुमुण्ठताम् | अमुमुण्ठन् |
| अमुमुण्ठः | अमुमुण्ठतम् | अमुमुण्ठत |
| अमुमुण्ठम् | अमुमुण्ठाव | अमुमुण्ठाम |
| प० मुण्ठयाश्चकार | मुण्ठयाश्चकतुः | मुण्ठयाश्चकुः |
| मुण्ठयाश्चकथं | मुण्ठयाश्चकथुः | मुण्ठयाश्चक |
| मुण्ठयाश्चकार-चकर | मुण्ठयाश्चकृव | मुण्ठयाश्चकृम |
| मुण्ठयाम्यभूव | । | मुण्ठयामास |
| आ० मुण्ठयात् | मुण्ठयास्ताम् | मुण्ठयासुः |
| मुण्ठयाः | मुण्ठयास्तम् | मुण्ठयास्त |
| मुण्ठयासम् | मुण्ठयास्व | मुण्ठयास्म |
| अ० मुण्ठयिता | मुण्ठयितारौ | मुण्ठयितारः |
| मुण्ठयितासि | मुण्ठयितास्थः | मुण्ठयितास्थ |
| मुण्ठयितास्मि | मुण्ठयितास्वः | मुण्ठयितास्मः |
| अ० मुण्ठयिष्यति | मुण्ठयिष्यतः | मुण्ठयिष्यन्ति |
| मुण्ठयिष्यसि | मुण्ठयिष्यथः | मुण्ठयिष्यथ |
| मुण्ठयिष्यामि | मुण्ठयिष्यावः | मुण्ठयिष्यामः |
| क्रि० अमुण्ठयिष्यत् | अमुण्ठयिष्यताम् | अमुण्ठयिष्यन् |
| अमुण्ठयिष्यः | अमुण्ठयिष्यतम् | अमुण्ठयिष्यत |
| अमुण्ठयिष्यम् | अमुण्ठयिष्याव | अमुण्ठयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० मुण्ठयते | मुण्ठयेते | मुण्ठयन्ते |
| मुण्ठयसे | मुण्ठयेथे | मुण्ठयध्वे |
| मुण्ठये | मुण्ठयावहे | मुण्ठयामहे |
| स० मुण्ठयेत | मुण्ठयेयाताम् | मुण्ठयेरन् |
| मुण्ठयेथाः | मुण्ठयेयाथाम् | मुण्ठयेध्वम् |
| मुण्ठयेय | मुण्ठयेवहि | मुण्ठयेमहि |
| प० मुण्ठयताम् | मुण्ठयेताम् | मुण्ठयन्ताम् |
| मुण्ठयस्व | मुण्ठयेथाम् | मुण्ठयध्वम् |
| मुण्ठये | मुण्ठयावहे | मुण्ठयामहे |
| ह्य० अमुण्ठयत | अमुण्ठयेताम् | अमुण्ठयन्त |
| अमुण्ठयथाः | अमुण्ठयेथाम् | अमुण्ठयध्वम् |
| अमुण्ठये | अमुण्ठयावहि | अमुण्ठयामहि |
| अ० अमुमुण्ठत | अमुमुण्ठेताम् | अमुमुण्ठन्त |
| अमुमुण्ठथाः | अमुमुण्ठेथाम् | अमुमुण्ठध्वम् |
| अमुमुण्ठे | अमुमुण्ठावहि | अमुमुण्ठामहि |
| प० मुण्ठयाश्चक्रे | मुण्ठयाश्चकृते | मुण्ठयाश्चक्रे |
| मुण्ठयाश्चकृषे | मुण्ठयाश्चकृथे | मुण्ठयाश्चकृवहे |
| मुण्ठयाश्चक्रे | मुण्ठयाश्चकृवहे | मुण्ठयाश्चकृमहे |
| मुण्ठयाम्यभूव | । | मुण्ठयामास |
| आ० मुण्ठयिषीष्ट | मुण्ठयिषीयास्ताम् | मुण्ठयिषीरन् |
| मुण्ठयिषीष्ठाः | मुण्ठयिषीयास्थाम् | मुण्ठयिषीध्वम् |
| मुण्ठयिषीय | मुण्ठयिषीवहि | मुण्ठयिषीमहि |
| अ० मुण्ठयिता | मुण्ठयितारौ | मुण्ठयितारः |
| मुण्ठयितासे | मुण्ठयितासाथे | मुण्ठयिताध्वे |
| मुण्ठयिताहे | मुण्ठयितास्वहे | मुण्ठयितास्महे |
| अ० मुण्ठयिष्यते | मुण्ठयिष्येते | मुण्ठयिष्यन्ते |
| मुण्ठयिष्यसे | मुण्ठयिष्येथे | मुण्ठयिष्यध्वे |
| मुण्ठयिष्ये | मुण्ठयिष्यावहे | मुण्ठयिष्यामहे |
| क्रि० अमुण्ठयिष्यत | अमुण्ठयिष्येताम् | अमुण्ठयिष्यन्त |
| अमुण्ठयिष्यथाः | अमुण्ठयिष्येथाम् | अमुण्ठयिष्यध्वम् |
| अमुण्ठयिष्ये | अमुण्ठयिष्यावहि | अमुण्ठयिष्यामहि |

670 वटुङ् (वण्ट्) एकचर्यायाम् ।

| | | |
|----------------------|----------------|----------------|
| व० वण्टयति | वण्टयतः | वण्टयन्ति |
| वण्टयसि | वण्टयथः | वण्टयथ |
| वण्टयामि | वण्टयावः | वण्टयामः |
| स० वण्टयेत् | वण्टयेताम् | वण्टयेयुः |
| वण्टयेः | वण्टयेतम् | वण्टयेत |
| वण्टयेयम् | वण्टयेव | वण्टयेम |
| प० वण्टयतु | वण्टयतात् | वण्टयताम् |
| वण्टय | वण्टयतात् | वण्टयतम् |
| वण्टयानि | वण्टयाव | वण्टयाम |
| ह्र० अवण्टयत् | अवण्टयताम् | अवण्टयन् |
| अवण्टयः | अवण्टयतम् | अवण्टयत |
| अवण्टयम् | अवण्टयाव | अवण्टयाम |
| अ० अववण्टत् | अववण्टताम् | अववण्टन् |
| अववण्टः | अववण्टतम् | अववण्टत |
| अववण्टम् | अववण्टाव | अववण्टाम |
| प० वण्टयाञ्चकार | वण्टयाञ्चक्रुः | वण्टयाञ्चक्रुः |
| वण्टयाञ्चकथं | वण्टयाञ्चकथुः | वण्टयाञ्चक |
| वण्टयाञ्चकार-चकर | वण्टयाञ्चकृव | वण्टयाञ्चकृम |
| वण्टयाञ्चभूव | वण्टयाञ्चभूव | वण्टयाञ्चभूव |
| आ० वण्टयात् | वण्टयास्ताम् | वण्टयास्तुः |
| वण्टयाः | वण्टयास्तम् | वण्टयास्त |
| वण्टयासम् | वण्टयास्व | वण्टयास्म |
| श० वण्टयिता | वण्टयितारौ | वण्टयितारः |
| वण्टयितासि | वण्टयितास्थः | वण्टयितास्थ |
| वण्टयितास्मि | वण्टयितास्वः | वण्टयितास्मः |
| अ० वण्टयिष्यति | वण्टयिष्यतः | वण्टयिष्यन्ति |
| वण्टयिष्यसि | वण्टयिष्यथः | वण्टयिष्यथ |
| वण्टयिष्यामि | वण्टयिष्यावः | वण्टयिष्यामः |
| क्रि० व० वण्टयिष्यत् | अवण्टयिष्यताम् | अवण्टयिष्यन् |
| अवण्टयिष्यः | अवण्टयिष्यतम् | अवण्टयिष्यत |
| अवण्टयिष्यम् | अवण्टयिष्याव | अवण्टयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० वण्टयते | वण्टयेते | वण्टयन्ते |
| वण्टयसे | वण्टयेथे | वण्टयथ्वे |
| वण्टये | वण्टयावहे | वण्टयामहे |
| स० वण्टयेत | वण्टयेयाताम् | वण्टयेरन् |
| वण्टयेथाः | वण्टयेयाथाम् | वण्टयेष्वम् |
| वण्टयेय | वण्टयेवहि | वण्टयेमहि |
| प० वण्टयताम् | वण्टयेताम् | वण्टयन्ताम् |
| वण्टयस्व | वण्टयेथाम् | वण्टयथ्वम् |
| वण्टये | वण्टयावहे | वण्टयामहे |
| ह्र० अवण्टयत् | अवण्टयेताम् | अवण्टयन्त |
| अवण्टयथाः | अवण्टयेथाम् | अवण्टयथ्वम् |
| अवण्टये | अवण्टयावहि | अवण्टयामहि |
| अ० अववण्टत् | अववण्टेताम् | अववण्टन्त |
| अववण्टथाः | अववण्टेथाम् | अववण्टथ्वम् |
| अववण्टे | अववण्टावहि | अववण्टामहि |
| प० वण्टयाञ्चक्रे | वण्टयाञ्चक्राते | वण्टयाञ्चक्रिरे |
| वण्टयाञ्चकृषे | वण्टयाञ्चक्राथे | वण्टाञ्चकृष्वे |
| वण्टयाञ्चक्रे | वण्टयाञ्चकृवहे | वण्टयाञ्चकृमहे |
| वण्टयाञ्चभूव | वण्टयाञ्चभूव | वण्टयाञ्चभूव |
| आ० वण्टयिषीष्ट | वण्टयिषीयास्ताम् | वण्टयिषीरन् |
| वण्टयिषीष्टाः | वण्टयिषीयास्थाम् | वण्टयिषीष्वम् |
| वण्टयिषीय | वण्टयिषीवहि | वण्टयिषीमहि |
| श० वण्टयिता | वण्टयितारौ | वण्टयितारः |
| वण्टयितासे | वण्टयितासाथे | वण्टयिताथ्वे |
| वण्टयिताहे | वण्टयितास्वहे | वण्टयितास्महे |
| अ० वण्टयिष्यते | वण्टयिष्येते | वण्टयिष्यन्ते |
| वण्टयिष्यसे | वण्टयिष्येथे | वण्टयिष्यथ्वे |
| वण्टयिष्ये | वण्टयिष्यावहे | वण्टयिष्यामहे |
| क्रि० अवण्टयिष्यत् | अवण्टयिष्येताम् | अवण्टयिष्यन्त |
| अवण्टयिष्यथाः | अवण्टयिष्येथाम् | अवण्टयिष्यथ्वम् |
| अवण्टयिष्ये | अवण्टयिष्यावहि | अवण्टयिष्यामहि |

681 अठुक् (अण्) गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| १० अण्ठयति | अण्ठयतः | अण्ठयन्ति |
| अण्ठयसि | अण्ठयथः | अण्ठयथ |
| अण्ठयामि | अण्ठयावः | अण्ठयामः |
| स० अण्ठयेत् | अण्ठयेताम् | अण्ठयेयुः |
| अण्ठयेः | अण्ठयेतम् | अण्ठयेत |
| अण्ठयेयम् | अण्ठयेव | अण्ठयेम |
| प० अण्ठयतु | अण्ठयतात् | अण्ठयताम् |
| अण्ठय | अण्ठयतात् | अण्ठयतम् |
| अण्ठयानि | अण्ठयाव | अण्ठयाम |
| भा० आण्ठयत् | आण्ठयताम् | आण्ठयन् |
| आण्ठयः | आण्ठयतम् | आण्ठयत |
| आण्ठयम् | आण्ठयाव | आण्ठयाम |
| अ० आण्ठितु | आण्ठिताम् | आण्ठितुन् |
| आण्ठितः | आण्ठितम् | आण्ठित |
| आण्ठितम् | आण्ठिताव | आण्ठिताम |
| प० अण्ठयाञ्चकार | अण्ठयाञ्चकतुः | अण्ठयाञ्चकुः |
| अण्ठयाञ्चकथे | अण्ठयाञ्चकथुः | अण्ठयाञ्चक |
| अण्ठयाञ्चकार-चकर | अण्ठयाञ्चकृव | अण्ठयाञ्चकृम |
| अण्ठयाम्बभूव । | अण्ठयामास | |
| भा० अण्ठयात् | अण्ठयास्ताम् | अण्ठयासुः |
| अण्ठयाः | अण्ठयास्तम् | अण्ठयास्त |
| अण्ठयासम् | अण्ठयास्व | अण्ठयास्म |
| श० अण्ठयिता | अण्ठयितारौ | अण्ठयितारः |
| अण्ठयितासि | अण्ठयितास्थः | अण्ठयितास्थ |
| अण्ठयितास्मि | अण्ठयितास्वः | अण्ठयितास्मः |
| अ० अण्ठयिष्यति | अण्ठयिष्यतः | अण्ठयिष्यन्ति |
| अण्ठयिष्यसि | अण्ठयिष्यथः | अण्ठयिष्यथ |
| अण्ठयिष्यामि | अण्ठयिष्यावः | अण्ठयिष्यामः |
| क्रि० आण्ठयिष्यत् | आण्ठयिष्यताम् | आण्ठयिष्यन् |
| आण्ठयिष्यः | आण्ठयिष्यतम् | आण्ठयिष्यत |
| आण्ठयिष्यम् | आण्ठयिष्याव | आण्ठयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० अण्ठयते | अण्ठयते | अण्ठयन्ते |
| अण्ठयसे | अण्ठयेथे | अण्ठयन्थे |
| अण्ठये | अण्ठयावहे | अण्ठयामहे |
| स० अण्ठयेत | अण्ठयेयाताम् | अण्ठयेरन् |
| अण्ठयेथाः | अण्ठयेयाथाम् | अण्ठयेष्वम् |
| अण्ठयेय | अण्ठयेवहि | अण्ठयेमहि |
| प० अण्ठयताम् | अण्ठयेताम् | अण्ठयन्ताम् |
| अण्ठयस्व | अण्ठयेथाम् | अण्ठयष्वम् |
| अण्ठये | अण्ठयावहे | अण्ठयामहे |
| भा० आण्ठयत् | आण्ठयेताम् | आण्ठयन्त |
| आण्ठयथाः | आण्ठयेथाम् | आण्ठयष्वम् |
| आण्ठये | आण्ठयावहि | आण्ठयामहि |
| अ० आण्ठित | आण्ठितेताम् | आण्ठितन्त |
| आण्ठिताः | आण्ठितेथाम् | आण्ठितष्वम् |
| आण्ठिते | आण्ठितावहि | आण्ठितामहि |
| प० अण्ठयाञ्चके | अण्ठयाञ्चकृते | अण्ठयाञ्चकृरे |
| अण्ठयाञ्चकृषे | अण्ठयाञ्चकृषे | अण्ठयाञ्चकृद्वे |
| अण्ठयाञ्चके | अण्ठयाञ्चकृवहे | अण्ठयाञ्चकृमहे |
| अण्ठयाम्बभूव । | अण्ठयामास | |
| भा० अण्ठयिषीष्ट | अण्ठयिषीयास्ताम् | अण्ठयिषीरन् |
| अण्ठयिषीष्टाः | अण्ठयिषीयास्थाम् | अण्ठयिषीद्वम् |
| | | अण्ठयिषीमहि |
| अण्ठयिषीय | अण्ठयिषीवहि | अण्ठयिषीमहि |
| श० अण्ठयिता | अण्ठयितारौ | अण्ठयितारः |
| अण्ठयितासे | अण्ठयितासाथे | अण्ठयिताच्चे |
| अण्ठयिताहे | अण्ठयितास्वहे | अण्ठयितास्महे |
| अ० अण्ठयिष्यते | अण्ठयिष्येते | अण्ठयिष्यन्ते |
| अण्ठयिष्यसे | अण्ठयिष्येथे | अण्ठयिष्यन्थे |
| अण्ठयिष्ये | अण्ठयिष्यावहे | अण्ठयिष्यामहे |
| क्रि० आण्ठयिष्यत् | आण्ठयिष्येताम् | आण्ठयिष्यन्त |
| आण्ठयिष्यथाः | आण्ठयिष्येथाम् | आण्ठयिष्यष्वम् |
| आण्ठयिष्ये | आण्ठयिष्यावहि | आण्ठयिष्यामहि |

॥ अथ ढान्तास्यो विंशतिः ॥

682 पडुङ् [पण्ड्] गतौ ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० पण्डयति | पण्डयतः | पण्डयन्ति |
| पण्डयसि | पण्डयथः | पण्डयथ |
| पण्डयामि | पण्डयावः | पण्डयामः |
| स० पण्डयेत् | पण्डयेताम् | पण्डयेयुः |
| पण्डयेः | पण्डयेतम् | पण्डयेत |
| पण्डयेयम् | पण्डयेव | पण्डयेम |
| प० पण्डयतु | पण्डयतात् | पण्डयताम् |
| पण्डय | पण्डयतम् | पण्डयत |
| पण्डयानि | पण्डयाव | पण्डयाम |
| ह्य० अपण्डयत् | अपण्डयताम् | अपण्डयन् |
| अपण्डयः | अपण्डयतम् | अपण्डयत |
| अपण्डयम् | अपण्डयाव | अपण्डयाम |
| अ० अपण्डत् | अपण्डताम् | अपण्डन् |
| अपण्डः | अपण्डतम् | अपण्डत |
| अपण्डम् | अपण्डाव | अपण्डाम |
| प० पण्डयाञ्चकार | पण्डयाञ्चक्रुः | पण्डयाञ्चक्रुः |
| पण्डयाञ्चकथं | पण्डयाञ्चक्रुः | पण्डयाञ्चक्रुः |
| पण्डयाञ्चकार-चकर | पण्डयाञ्चक्रुव | पण्डयाञ्चक्रुम |
| पण्डयाम्बभूव | पण्डयामास | |
| आ० पण्डयात् | पण्डयास्ताम् | पण्डयासुः |
| पण्डयाः | पण्डयास्तम् | पण्डयास्त |
| पण्डयासम् | पण्डयास्व | पण्डयास्म |
| श्र० पण्डयिता | पण्डयितारौ | पण्डयितारः |
| पण्डयितासि | पण्डयितास्थः | पण्डयितास्थ |
| पण्डयितास्मि | पण्डयितास्वः | पण्डयितास्मः |
| भ० पण्डयिष्यति | पण्डयिष्यतः | पण्डयिष्यन्ति |
| पण्डयिष्यसि | पण्डयिष्यथः | पण्डयिष्यथ |
| पण्डयिष्यामि | पण्डयिष्यावः | पण्डयिष्यामः |
| क्रि० अपण्डयिष्यत् | अपण्डयिष्यताम् | अपण्डयिष्यन् |
| अपण्डयिष्यः | अपण्डयिष्यतम् | अपण्डयिष्यत |
| अपण्डयिष्यम् | अपण्डयिष्याव | अपण्डयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| व० पण्डयते | पण्डयेते | पण्डयन्ते |
| पण्डयसे | पण्डयेथे | पण्डयध्वे |
| पण्डये | पण्डयावहे | पण्डयामहे |
| स० पण्डयेत | पण्डयेयाताम् | पण्डयेरन् |
| पण्डयेथाः | पण्डयेयाथाम् | पण्डयेष्वम् |
| पण्डयेय | पण्डयेवहि | पण्डयेमहि |
| प० पण्डयताम् | पण्डयेताम् | पण्डयन्ताम् |
| पण्डयस्व | पण्डयेथाम् | पण्डयध्वम् |
| पण्डये | पण्डयावहे | पण्डयामहे |
| ह्य० अपण्डयत | अपण्डयेताम् | अपण्डयन्त |
| अपण्डयथाः | अपण्डयेथाम् | अपण्डयध्वम् |
| अपण्डये | अपण्डयावहि | अपण्डयामहि |
| अ० अपण्डत | अपण्डेताम् | अपण्डन्त |
| अपण्डथाः | अपण्डेथाम् | अपण्डध्वम् |
| अपण्डे | अपण्डावहि | अपण्डामहि |
| प० पण्डयाञ्चक्रे | पण्डयाञ्चक्रेते | पण्डयाञ्चक्रेरे |
| पण्डयाञ्चक्रे | पण्डयाञ्चक्रेथे | पण्डयाञ्चक्रेध्वे |
| पण्डयाञ्चक्रे | पण्डयाञ्चक्रेवहे | पण्डयाञ्चक्रेमहे |
| पण्डयाम्बभूव | पण्डयामास | |
| आ० पण्डयिषीष्ट | पण्डयिषीयास्ताम् | पण्डयिषीरन् |
| पण्डयिषीष्टाः | पण्डयिषीयास्थाम् | पण्डयिषीध्वम् |
| पण्डयिषीय | पण्डयिषीवहि | पण्डयिषीमहि |
| श्र० पण्डयिता | पण्डयितारौ | पण्डयितारः |
| पण्डयितासे | पण्डयितासाथे | पण्डयिताध्वे |
| पण्डयिताहे | पण्डयितास्वहे | पण्डयितास्महे |
| भ० पण्डयिष्यते | पण्डयिष्येते | पण्डयिष्यन्ते |
| पण्डयिष्यसे | पण्डयिष्येथे | पण्डयिष्यध्वे |
| पण्डयिष्ये | पण्डयिष्यावहे | पण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अपण्डयिष्यत | अपण्डयिष्येताम् | अपण्डयिष्यन्त |
| अपण्डयिष्यथाः | अपण्डयिष्येथाम् | अपण्डयिष्यध्वम् |
| अपण्डयिष्ये | अपण्डयिष्यावहि | अपण्डयिष्यामहि |

683 हुङ् (हुङ्) संघाते ।

| | | |
|-------------|-----------|-----------|
| ३० हुङ् यति | हुङ् यतः | हुङ् यति |
| हुङ् यसि | हुङ् यथः | हुङ् यथ |
| हुङ् यामि | हुङ् यावः | हुङ् यामः |

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| स० हुङ् येत् | हुङ् येताम् | हुङ् येयुः |
| हुङ् येः | हुङ् येतम् | हुङ् येत |
| हुङ् येयम् | हुङ् येव | हुङ् येम |

| | | | |
|-------------|------------|------------|------------|
| प० हुङ् यतु | हुङ् यतात् | हुङ् यताम् | हुङ् यन्तु |
| हुङ् य | हुङ् यतात् | हुङ् यतम् | हुङ् यत |
| हुङ् यानि | हुङ् याव | हुङ् याम | |

| | | |
|--------------|-------------|-----------|
| झ० अहुङ् यत् | अहुङ् यताम् | अहुङ् यन् |
| अहुङ् यः | अहुङ् यतम् | अहुङ् यत |
| अहुङ् यम् | अहुङ् याव | अहुङ् याम |

| | | |
|--------------|-------------|-----------|
| भ० अजुङ् डत् | अजुङ् डताम् | अजुङ् डन् |
| अजुङ् डः | अजुङ् डतम् | अजुङ् डत |
| अजुङ् डम् | अजुङ् डाव | अजुङ् डाम |

| | | |
|-------------------|-----------------|---------------|
| १० हुङ् याञ्चकार | हुङ् याञ्चक्रुः | हुङ् याञ्चकुः |
| हुङ् याञ्चकथं | हुङ् याञ्चकथुः | हुङ् याञ्चक |
| हुङ् याञ्चकार-चकर | हुङ् याञ्चकृव | हुङ् याञ्चकृम |
| हुङ् याम्बभूव । | हुङ् यामास | |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० हुङ् यात् | हुङ् यास्ताम् | हुङ् यासुः |
| हुङ् याः | हुङ् यास्तम् | हुङ् यास्त |
| हुङ् यासम् | हुङ् यास्व | हुङ् यास्म |

| | | |
|---------------|---------------|---------------|
| श० हुङ् यिता | हुङ् यितारौ | हुङ् यितारः |
| हुङ् यितासि | हुङ् यितास्थः | हुङ् यितास्थ |
| हुङ् यितास्मि | हुङ् यितास्वः | हुङ् यितास्मः |

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| भ० हुङ् यिष्यति | हुङ् यिष्यतः | हुङ् यिष्यन्ति |
| हुङ् यिष्यसि | हुङ् यिष्यथः | हुङ् यिष्यथ |
| हुङ् यिष्यामि | हुङ् यिष्यावः | हुङ् यिष्यामः |

| | | |
|------------------|-----------------|---------------|
| क० अहुङ् यिष्यत् | अहुङ् यिष्यताम् | अहुङ् यिष्यन् |
| अहुङ् यिष्यः | अहुङ् यिष्यतम् | अहुङ् यिष्यत |
| अहुङ् यिष्यम् | अहुङ् यिष्याव | अहुङ् यिष्याम |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| व० हुङ् यते | हुङ् येते | हुङ् यन्ते |
| हुङ् यसे | हुङ् येथे | हुङ् यध्वे |
| हुङ् ये | हुङ् यावहे | हुङ् यामहे |

| | | |
|-------------|---------------|--------------|
| स० हुङ् येत | हुङ् येयाताम् | हुङ् येरन् |
| हुङ् येथाः | हुङ् येयाथाम् | हुङ् येध्वम् |
| हुङ् येय | हुङ् येवहि | हुङ् येमहि |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| प० हुङ् यताम् | हुङ् येताम् | हुङ् यन्ताम् |
| हुङ् यस्व | हुङ् येथाम् | हुङ् यध्वम् |
| हुङ् ये | हुङ् यावहे | हुङ् यामहे |

| | | |
|-------------|--------------|--------------|
| झ० अहुङ् यत | अहुङ् येताम् | अहुङ् यन्त |
| अहुङ् यथाः | अहुङ् येथाम् | अहुङ् यध्वम् |
| अहुङ् ये | अहुङ् यावहि | अहुङ् यामहि |

| | | |
|-------------|--------------|--------------|
| अ० अजुङ् डत | अजुङ् डताम् | अजुङ् डन्त |
| अजुङ् डथाः | अजुङ् डेथाम् | अजुङ् डध्वम् |
| अजुङ् डे | अजुङ् डावहि | अजुङ् डामहि |

| | | |
|-----------------|-----------------|------------------|
| प० हुङ् याञ्चके | हुङ् याञ्चक्रते | हुङ् याञ्चकिरे |
| हुङ् याञ्चकृषे | हुङ् याञ्चकृथे | हुङ् याञ्चकृध्वे |
| हुङ् याञ्चके | हुङ् याञ्चकृवहे | हुङ् याञ्चकृमहे |
| हुङ् याम्बभूव । | हुङ् यामास | |

| | | |
|-----------------|-------------------|----------------|
| आ० हुङ् यिषीष्ट | हुङ् यिषीयास्ताम् | हुङ् यिषीरन् |
| हुङ् यिषीष्ठाः | हुङ् यिषीयाथाम् | हुङ् यिषीध्वम् |

| | | |
|------------|--------------|--------------|
| हुङ् यिषीय | हुङ् यिषीवहि | हुङ् यिषीमहि |
|------------|--------------|--------------|

| | | |
|--------------|----------------|----------------|
| श० हुङ् यिता | हुङ् यितारौ | हुङ् यितारः |
| हुङ् यितासे | हुङ् यितास्थे | हुङ् यिताध्वे |
| हुङ् यिताहे | हुङ् यितास्वहे | हुङ् यितास्महे |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| भ० हुङ् यिष्यते | हुङ् यिष्येते | हुङ् यिष्यन्ते |
| हुङ् यिष्यसे | हुङ् यिष्येथे | हुङ् यिष्यध्वं |
| हुङ् यिष्ये | हुङ् यिष्यावहे | हुङ् यिष्यामहे |

| | | |
|---------------------|------------------|------------------|
| क्रि० अहुङ् यिष्यत् | अहुङ् यिष्यताम् | अहुङ् यिष्यन्त |
| अहुङ् यिष्यथाः | अहुङ् यिष्येथाम् | अहुङ् यिष्यध्वम् |
| अहुङ् यिष्ये | अहुङ् यिष्यावहि | अहुङ् यिष्यामहि |

684 पिण्ड् [पिण्ड्] संधाते ।

| | | | |
|-------|----------------------|-----------------|-----------------|
| ब० | पिण्डयति | पिण्डयतः | पिण्डयन्ति |
| | पिण्डयसि | पिण्डयथः | पिण्डयय |
| | पिण्डयामि | पिण्डयावः | पिण्डयामः |
| स० | पिण्डयेत् | पिण्डयेताम् | पिण्डयेयुः |
| | पिण्डयेः | पिण्डयेतम् | पिण्डयेत |
| | पिण्डयेयम् | पिण्डयेव | पिण्डयेम |
| प० | पिण्डयतु | पिण्डयतात् | पिण्डयताम् |
| | पिण्डय | पिण्डयतम् | पिण्डयत |
| | पिण्डयानि | पिण्डयाव | पिण्डयाम |
| ह्य० | अपिण्डयत् | अपिण्डयताम् | अपिण्डयन् |
| | अपिण्डयः | अपिण्डयतम् | अपिण्डयत |
| | अपिण्डयम् | अपिण्डयाव | अपिण्डयाम |
| अ० | अपिपिण्डत् | अपिपिण्डताम् | अपिपिण्डन् |
| | अपिपिण्डः | अपिपिण्डतम् | अपिपिण्डत |
| | अपिपिण्डम् | अपिपिण्डाव | अपिपिण्डाम |
| प० | पिण्डयाञ्चकार | पिण्डयाञ्चक्रुः | पिण्डयाञ्चक्रुः |
| | पिण्डयाञ्चकथं | पिण्डयाञ्चक्रुः | पिण्डयाञ्चक्रुः |
| | पिण्डयाञ्चकार-चक्रुः | पिण्डयाञ्चक्रुः | पिण्डयाञ्चक्रुः |
| | पिण्डयाम्बभूव | पिण्डयामास | |
| आ० | पिण्डयात् | पिण्डयास्ताम् | पिण्डयासुः |
| | पिण्डयाः | पिण्डयास्तम् | पिण्डयास्त |
| | पिण्डयासम् | पिण्डयास्व | पिण्डयास्म |
| श्च० | पिण्डयिता | पिण्डयितारौ | पिण्डयितारः |
| | पिण्डयितासि | पिण्डयितास्थः | पिण्डयितास्थ |
| | पिण्डयितास्मि | पिण्डयितास्वः | पिण्डयितास्मः |
| अ० | पिण्डयिष्यति | पिण्डयिष्यतः | पिण्डयिष्यन्ति |
| | पिण्डयिष्यसि | पिण्डयिष्यथः | पिण्डयिष्यथ |
| | पिण्डयिष्यामि | पिण्डयिष्यावः | पिण्डयिष्यामः |
| क्रि० | अपिण्डयिष्यत् | अपिण्डयिष्यताम् | अपिण्डयिष्यन् |
| | अपिण्डयिष्य | अपिण्डयिष्यतम् | अपिण्डयिष्यत |
| | अपिण्डयिष्यम् | अपिण्डयिष्याव | अपिण्डयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | पिण्डयते | पिण्डयेते | पिण्डयन्ते |
| | पिण्डयसे | पिण्डयेथे | पिण्डयध्वे |
| | पिण्डये | पिण्डयावहे | पिण्डयामहे |
| स० | पिण्डयेत | पिण्डयेयाताम् | पिण्डयेरन् |
| | पिण्डयेथाः | पिण्डयेयाथाम् | पिण्डयेध्वम् |
| | पिण्डयेय | पिण्डयेवहि | पिण्डयेमहि |
| प० | पिण्डयताम् | पिण्डयेताम् | पिण्डयन्ताम् |
| | पिण्डयस्व | पिण्डयेथाम् | पिण्डयध्वम् |
| | पिण्डये | पिण्डयावहे | पिण्डयामहे |
| ह्य० | अपिण्डयत | अपिण्डयेताम् | अपिण्डयन्त |
| | अपिण्डयथाः | अपिण्डयेथाम् | अपिण्डयध्वम् |
| | अपिण्डये | अपिण्डयावहि | अपिण्डयामहि |
| अ० | अपिपिण्डत | अपिपिण्डताम् | अपिपिण्डन्त |
| | अपिपिण्डथाः | अपिपिण्डेथाम् | अपिपिण्डध्वम् |
| | अपिपिण्डे | अपिपिण्डावहि | अपिपिण्डामहि |
| प० | पिण्डयाञ्चके | पिण्डयाञ्चकाते | पिण्डयाञ्चकिरे |
| | पिण्डयाञ्चक्रे | पिण्डयाञ्चक्राथे | पिण्डयाञ्चकृद्वे |
| | पिण्डयाञ्चके | पिण्डयाञ्चक्रुहे | पिण्डयाञ्चक्रमहे |
| | पिण्डयाम्बभूव | पिण्डयामास | |
| आ० | पिण्डयिषीष्ट | पिण्डयिषीयास्ताम् | पिण्डयिषीरन् |
| | पिण्डयिषीष्ठाः | पिण्डयिषीयास्थाम् | पिण्डयिषीध्वम् |
| | पिण्डयिषीय | पिण्डयिषीवहि | पिण्डयिषीमहि |
| श्च० | पिण्डयिता | पिण्डयितारौ | पिण्डयितारः |
| | पिण्डयितासे | पिण्डयितासाथे | पिण्डयिताध्वे |
| | पिण्डयिताहे | पिण्डयितास्वहे | पिण्डयितास्महे |
| अ० | पिण्डयिष्यते | पिण्डयिष्येते | पिण्डयिष्यन्ते |
| | पिण्डयिष्यसे | पिण्डयिष्येथे | पिण्डयिष्यध्वे |
| | पिण्डयिष्ये | पिण्डयिष्यावहे | पिण्डयिष्यामहे |
| क्रि० | अपिण्डयिष्यत् | अपिण्डयिष्येताम् | अपिण्डयिष्यन्त |
| | अपिण्डयिष्यथाः | अपिण्डयिष्येथाम् | अपिण्डयिष्यध्वम् |
| | अपिण्डयिष्ये | अपिण्डयिष्यावहि | अपिण्डयिष्यामहि |

685 शङुङ् (शण्ड्) रुजायाञ्च

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० शण्डयति | शण्डयतः | शण्डयन्ति |
| शण्डयसि | शण्डयथः | शण्डयथ |
| शण्डयामि | शण्डयावः | शण्डयामः |
| स० शण्डयेत् | शण्डयेताम् | शण्डयेयुः |
| शण्डयेः | शण्डयेतम् | शण्डयेत |
| शण्डयेयम् | शण्डयेव | शण्डयेम |
| प० शण्डयतु | शण्डयतात् | शण्डयताम् |
| शण्डय | शण्डयतात् | शण्डयतम् |
| शण्डयानि | शण्डयाव | शण्डयाम |
| झ० अशण्डयत् | अशण्डयताम् | अशण्डयन् |
| अशण्डयः | अशण्डयतम् | अशण्डयत |
| अशण्डयम् | अशण्डयाव | अशण्डयाम |
| झ० अशण्डत् | अशण्डताम् | अशण्डन् |
| अशण्डः | अशण्डतम् | अशण्डत |
| अशण्डम् | अशण्डाव | अशण्डाम |
| प० शण्डयाञ्चकार | शण्डयाञ्चकतुः | शण्डयाञ्चकुः |
| शण्डयाञ्चकथं | शण्डयाञ्चकथुः | शण्डयाञ्चक |
| शण्डयाञ्चकार-चकर | शण्डयाञ्चकृव | शण्डयाञ्चकृम |
| शण्डयाम्बभूव । | शण्डयामास | |
| आ० शण्डयात् | शण्डयास्ताम् | शण्डयासुः |
| शण्डयाः | शण्डयास्तम् | शण्डयास्त |
| शण्डयासम् | शण्डयास्व | शण्डयास्म |
| श्र० शण्डयिता | शण्डयितारौ | शण्डयितारः |
| शण्डयितासि | शण्डयितास्थः | शण्डयितास्थ |
| शण्डयितास्मि | शण्डयितास्वः | शण्डयितास्मः |
| भ० शण्डयिष्यति | शण्डयिष्यतः | शण्डयिष्यन्ति |
| शण्डयिष्यसि | शण्डयिष्यथः | शण्डयिष्यथ |
| शण्डयिष्यामि | शण्डयिष्यावः | शण्डयिष्यामः |
| क्रि० अशण्डयिष्यत् | अशण्डयिष्यताम् | अशण्डयिष्यन् |
| अशण्डयिष्यः | अशण्डयिष्यतम् | अशण्डयिष्यत |
| अशण्डयिष्यम् | अशण्डयिष्याव | अशण्डयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| व० शण्डयते | शण्डयेते | शण्डयन्ते |
| शण्डयसे | शण्डयेथे | शण्डयन्थे |
| शण्डये | शण्डयावहे | शण्डयामहे |
| स० शण्डयेत | शण्डयेयाताम् | शण्डयेरन् |
| शण्डयेथाः | शण्डयेयाथाम् | शण्डयेध्वम् |
| शण्डयेय | शण्डयेवहि | शण्डयेमहि |
| प० शण्डयताम् | शण्डयेताम् | शण्डयन्ताम् |
| शण्डयस्व | शण्डयेथाम् | शण्डयन्ध्वम् |
| शण्डयै | शण्डयावहे | शण्डयामहे |
| झ० अशण्डयत | अशण्डयेताम् | अशण्डयन्त |
| अशण्डयथाः | अशण्डयेथाम् | अशण्डयन्ध्वम् |
| अशण्डये | अशण्डयावहि | अशण्डयामहि |
| झ० अशण्डत | अशण्डेताम् | अशण्डन्त |
| अशण्डथाः | अशण्डेथाम् | अशण्डेध्वम् |
| अशण्डे | अशण्डावहि | अशण्डामहि |
| प० शण्डयाञ्चके | शण्डयाञ्चकते | शण्डयाञ्चक्रे |
| शण्डयाञ्चकृषे | शण्डयाञ्चकृषे | शण्डाञ्चकृद्वे |
| शण्डयाञ्चके | शण्डयाञ्चकृवहे | शण्डयाञ्चकृमहे |
| शण्डयाम्बभूव । | शण्डयामास | |
| आ० शण्डयिषीष्ट | शण्डयिषीयास्ताम् | शण्डयिषीरन् |
| शण्डयिषीष्ठाः | शण्डयिषीयास्थाम् | शण्डयिषीद्वम् |
| शण्डयिषीय | शण्डयिषीवहि | शण्डयिषीमहि |
| श्र० शण्डयिता | शण्डयितारौ | शण्डयितारः |
| शण्डयितासे | शण्डयितासाथे | शण्डयिताध्वे |
| शण्डयिताहे | शण्डयितास्वहे | शण्डयितास्महे |
| भ० शण्डयिष्यते | शण्डयिष्येते | शण्डयिष्यन्ते |
| शण्डयिष्यसे | शण्डयिष्येथे | शण्डयिष्यन्ध्वे |
| शण्डयिष्ये | शण्डयिष्यावहे | शण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अशण्डयिष्यत | अशण्डयिष्यताम् | अशण्डयिष्यन्त |
| अशण्डयिष्यथाः | अशण्डयिष्येथाम् | अशण्डयिष्यन्ध्वम् |
| अशण्डयिष्ये | अशण्डयिष्यावहि | अशण्डयिष्यामहि |

०८६ तडुङ् [तण्ड्] ताडने

| | | |
|--|----------------|----------------|
| व० तण्डयति | तण्डयतः | तण्डयन्ति |
| तण्डयसि | तण्डयथः | तण्डयथ |
| तण्डयामि | तण्डयावः | तण्डयामः |
| स० तण्डयेत् | तण्डयेताम् | तण्डयेयुः |
| तण्डयेः | तण्डयेतम् | तण्डयेत |
| तण्डयेयम् | तण्डयेव | तण्डयेम |
| प० तण्डयतु | तण्डयतात् | तण्डयताम् |
| तण्डय | तण्डयतम् | तण्डयत |
| तण्डयानि | तण्डयाव | तण्डयाम |
| ह्य० अतण्डयत् | अतण्डयताम् | अतण्डयन् |
| अतण्डयः | अतण्डयतम् | अतण्डयत |
| अतण्डयम् | अतण्डयाव | अतण्डयाम |
| अ० अततण्डत् | अततण्डताम् | अततण्डन् |
| अततण्डः | अततण्डतम् | अततण्डत |
| अततण्डम् | अततण्डाव | अततण्डाम |
| प० तण्डयाञ्चकार | तण्डयाञ्चक्रुः | तण्डयाञ्चक्रुः |
| तण्डयाञ्चकथं | तण्डयाञ्चकथुः | तण्डयाञ्चक |
| तण्डयाञ्चकार-चकर तण्डयाञ्चक्रुव तण्डयाञ्चक्रुम | | |
| तण्डयाञ्चभूव । तण्डयामास | | |
| आ० तण्डयात् | तण्डयास्ताम् | तण्डयासुः |
| तण्डयाः | तण्डयास्तम् | तण्डयास्त |
| तण्डयासाम् | तण्डयास्व | तण्डयास्म |
| श्व० तण्डयिता | तण्डयितारौ | तण्डयितारः |
| तण्डयितासि | तण्डयितास्थः | तण्डयितास्थ |
| तण्डयितास्मि | तण्डयितास्वः | तण्डयितास्मः |
| अ० तण्डयिष्यति | तण्डयिष्यतः | तण्डयिष्यन्ति |
| तण्डयिष्यसि | तण्डयिष्यथः | तण्डयिष्यथ |
| तण्डयिष्यामि | तण्डयिष्यावः | तण्डयिष्यामः |
| क्रि० अतण्डयिष्यत् | अतण्डयिष्यताम् | अतण्डयिष्यन् |
| अतण्डयिष्यः | अतण्डयिष्यतम् | अतण्डयिष्यत |
| अतण्डयिष्यम् | अतण्डयिष्याव | अतण्डयिष्याम |

| | | |
|-----------------------------------|------------------|------------------|
| व० तण्डयते | तण्डयेते | तण्डयन्ते |
| तण्डयसे | तण्डयेथे | तण्डयन्थे |
| तण्डये | तण्डयावहे | तण्डयामहे |
| स० तण्डयेत | तण्डयेयाताम् | तण्डयेरन् |
| तण्डयेथाः | तण्डयेयाथाम् | तण्डयेष्वम् |
| तण्डयेय | तण्डयेवहि | तण्डयेमहि |
| प० तण्डयताम् | तण्डयेताम् | तण्डयन्ताम् |
| तण्डयस्व | तण्डयेथाम् | तण्डयेष्वम् |
| तण्डयै | तण्डयावहै | तण्डयामहै |
| ह्य० अतण्डयत | अतण्डयेताम् | अतण्डयन्त |
| अतण्डयथाः | अतण्डयेथाम् | अतण्डयेष्वम् |
| अतण्डये | अतण्डयावहि | अतण्डयामहि |
| अ० अततण्डत | अततण्डेताम् | अततण्डन्त |
| अततण्डथाः | अततण्डेथाम् | अततण्डेष्वम् |
| अततण्डे | अततण्डावहि | अततण्डामहि |
| प० तण्डयाञ्चके | तण्डयाञ्चक्राते | तण्डयाञ्चक्रिरे |
| तण्डयाञ्चकृषे | तण्डयाञ्चक्राथे | तण्डयाञ्चक्रुवे |
| तण्डयाञ्चके | तण्डयाञ्चक्रुवहे | तण्डयाञ्चक्रुमहे |
| तण्डयाञ्चभूव । तण्डयामास | | |
| आ० तण्डयिषीष्ट | तण्डयिषीयारताम् | तण्डयिषीरन् |
| तण्डयिषीष्ठाः | तण्डयिषीयास्थाम् | तण्डयिषीद्वम् |
| तण्डयिषीय तण्डयिषीवहि तण्डयिषीमहि | | |
| श्व० तण्डयिता | तण्डयितारौ | तण्डयितारः |
| तण्डयितासे | तण्डयितासाथे | तण्डयितास्व |
| तण्डयिताहे | तण्डयितास्वहे | तण्डयितास्महे |
| भ० तण्डयिष्यते | तण्डयिष्येते | तण्डयिष्यन्ते |
| तण्डयिष्यसे | तण्डयिष्येथे | तण्डयिष्येष्वे |
| तण्डयिष्ये | तण्डयिष्यावहे | तण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अतण्डयिष्यत | अतण्डयिष्येताम् | अतण्डयिष्यन्त |
| अतण्डयिष्यथाः | अतण्डयिष्येथाम् | अतण्डयिष्येष्वम् |
| अतण्डयिष्ये | अतण्डयिष्यावहि | अतण्डयिष्यामहि |

689 खुण्ड् [खुण्ड्] गतिवैकल्ये

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| व० खुण्डयति | खुण्डयतः | खुण्डयन्ति |
| खुण्डयसि | खुण्डयथः | खुण्डयथ |
| खुण्डयामि | खुण्डयावः | खुण्डयामः |
| स० खुण्डयेत् | खुण्डयेताम् | खुण्डयेयुः |
| खुण्डयेः | खुण्डयेतम् | खुण्डयेत |
| खुण्डयेयम् | खुण्डयेव | खुण्डयेम |
| प० खुण्डयतु | खुण्डयतात् | खुण्डयताम् |
| खुण्डय | खुण्डयतम् | खुण्डयत |
| खुण्डयानि | खुण्डयाव | खुण्डयाम |
| ह्य० अखुण्डयत् | अखुण्डयताम् | अखुण्डयन् |
| अखुण्डयः | अखुण्डयतम् | अखुण्डयत |
| अखुण्डयम् | अखुण्डयाव | अखुण्डयाम |
| अ० अचुखुण्डत् | अचुखुण्डताम् | अचुखुण्डन् |
| अचुखुण्डः | अचुखुण्डतम् | अचुखुण्डत |
| अचुखुण्डम् | अचुखुण्डाव | अचुखुण्डाम |
| प० खुण्डयाञ्चकार | खुण्डयाञ्चक्रतुः | खुण्डयाञ्चक्रुः |
| खुण्डयाञ्चकथं | खुण्डयाञ्चकथुः | खुण्डयाञ्चक |
| खुण्डयाञ्चकार-चकर | खुण्डयाञ्चकृव | खुण्डयाञ्चकृम |
| खुण्डयाम्बभूव | खुण्डयामास | |
| भा० खुण्डयात् | खुण्डयास्ताम् | खुण्डयासुः |
| खुण्डयाः | खुण्डयास्तम् | खुण्डयास्त |
| खुण्डयासम् | खुण्डयास्व | खुण्डयास्म |
| श्व० खुण्डयिता | खुण्डयितारौ | खुण्डयितारः |
| खुण्डयितासि | खुण्डयितास्थः | खुण्डयितास्थ |
| खुण्डयितास्मि | खुण्डयितास्वः | खुण्डयितास्मः |
| भ० खुण्डयिष्यति | खुण्डयिष्यतः | खुण्डयिष्यन्ति |
| खुण्डयिष्यसि | खुण्डयिष्यथः | खुण्डयिष्यथ |
| खुण्डयिष्यामि | खुण्डयिष्यावः | खुण्डयिष्यामः |
| क्रि० अखुण्डयिष्यत् | अखुण्डयिष्यताम् | अखुण्डयिष्यन् |
| अखुण्डयिष्यः | अखुण्डयिष्यतम् | अखुण्डयिष्यत |
| अखुण्डयिष्यम् | अखुण्डयिष्याव | अखुण्डयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० खुण्डयते | खुण्डयेते | खुण्डयन्ते |
| खुण्डयसे | खुण्डयेथे | खुण्डयध्वे |
| खुण्डये | खुण्डयावहे | खुण्डयामहे |
| स० खुण्डयेत | खुण्डयेयाताम् | खुण्डयेरन् |
| खुण्डयेथाः | खुण्डयेयाथाम् | खुण्डयेध्वम् |
| खुण्डयेय | खुण्डयेवहि | खुण्डयेमहि |
| प० खुण्डयताम् | खुण्डयेताम् | खुण्डयन्ताम् |
| खुण्डयस्व | खुण्डयेथाम् | खुण्डयध्वम् |
| खुण्डये | खुण्डयावहे | खुण्डयामहे |
| ह्य० अखुण्डयत | अखुण्डयेताम् | अखुण्डयन्त |
| अखुण्डयथाः | अखुण्डयेथाम् | अखुण्डयध्वम् |
| अखुण्डये | अखुण्डयावहि | अखुण्डयामहि |
| अ० अचुखुण्डत | अचुखुण्डताम् | अचुखुण्डन्त |
| अचुखुण्डथाः | अचुखुण्डेथाम् | अचुखुण्डध्वम् |
| अचुखुण्डे | अचुखुण्डावहि | अचुखुण्डामहि |
| प० खुण्डयाञ्चक्रे | खुण्डयाञ्चकते | खुण्डयाञ्चकिरे |
| खुण्डयाञ्चकृषे | खुण्डयाञ्चकृषे | खुण्डयाञ्चकृद्वे |
| खुण्डयाञ्चके | खुण्डयाञ्चकृवहे | खुण्डयाञ्चकृमहे |
| खुण्डयाम्बभूव | खुण्डयामास | |
| आ० खुण्डयिषीष्ट | खुण्डयिषीयास्ताम् | खुण्डयिषीरन् |
| खुण्डयिषीष्ठाः | खुण्डयिषीयास्थाम् | खुण्डयिषीद्वम् |
| खुण्डयिषीय | खुण्डयिषीवहि | खुण्डयिषीमहि |
| श्व० खुण्डयिता | खुण्डयितारौ | खुण्डयितारः |
| खुण्डयितासे | खुण्डयितासाथे | खुण्डयिताध्वे |
| खुण्डयिताहे | खुण्डयितास्वहे | खुण्डयितास्महे |
| भ० खुण्डयिष्यते | खुण्डयिष्येते | खुण्डयिष्यन्ते |
| खुण्डयिष्यसे | खुण्डयिष्येथे | खुण्डयिष्यध्वे |
| खुण्डयिष्ये | खुण्डयिष्यावहे | खुण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अखुण्डयिष्यत् | अखुण्डयिष्येताम् | अखुण्डयिष्यन्त |
| अखुण्डयिष्यथाः | अखुण्डयिष्येथाम् | अखुण्डयिष्यध्वम् |
| अखुण्डयिष्ये | अखुण्डयिष्यावहि | अखुण्डयिष्यामहि |

688 खण्डु (खण्ड्) मन्थे ।

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| ६० खण्डयति | खण्डयतः | खण्डयन्ति |
| खण्डयसि | खण्डयथः | खण्डयथ |
| खण्डयामि | खण्डयावः | खण्डयामः |
| खण्डयेत् | खण्डयेताम् | खण्डयेयुः |
| खण्डयेः | खण्डयेतम् | खण्डयेत |
| खण्डयेयम् | खण्डयेव | खण्डयेम |
| ५० खण्डयतु | खण्डयतात् | खण्डयताम् |
| खण्डय | खण्डयतात् | खण्डयतम् |
| खण्डयानि | खण्डयाव | खण्डयाम |
| ४० अखण्डयत् | अखण्डयताम् | अखण्डयन् |
| अखण्डयः | अखण्डयतम् | अखण्डयत |
| अखण्डयम् | अखण्डयाव | अखण्डयाम |
| ३० अचखण्डत् | अचखण्डताम् | अचखण्डन् |
| अचखण्डः | अचखण्डतम् | अचखण्डत |
| अचखण्डम् | अचखण्डाव | अचखण्डाम |
| २० खण्डयाश्चकार | खण्डयाश्चक्रुः | खण्डयाश्चकुः |
| खण्डयाश्चकर्तुः | खण्डयाश्चक्रुः | खण्डयाश्चक |
| खण्डयाश्चकार-चकर | खण्डयाश्चकृव | खण्डयाश्चकृम |
| खण्डयाम्भूव | खण्डयामास | |
| १० खण्डयात् | खण्डयास्ताम् | खण्डयासुः |
| खण्डयाः | खण्डयास्तम् | खण्डयास्त |
| खण्डयासम् | खण्डयास्व | खण्डयास्म |
| ९० खण्डयिता | खण्डयितारौ | खण्डयितारः |
| खण्डयितासि | खण्डयितास्थः | खण्डयितास्थ |
| खण्डयितास्मि | खण्डयितास्वः | खण्डयितास्मः |
| ८० खण्डयिष्यति | खण्डयिष्यतः | खण्डयिष्यन्ति |
| खण्डयिष्यसि | खण्डयिष्यथः | खण्डयिष्यथ |
| खण्डयिष्यामि | खण्डयिष्यावः | खण्डयिष्यामः |
| ७० अखण्डयिष्यत् | अखण्डयिष्यताम् | अखण्डयिष्यन् |
| अखण्डयिष्यः | अखण्डयिष्यतम् | अखण्डयिष्यत |
| अखण्डयिष्यम् | अखण्डयिष्याव | अखण्डयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| ६० खण्डयते | खण्डयते | खण्डयन्ते |
| खण्डयसे | खण्डयेथे | खण्डयन्वे |
| खण्डये | खण्डयावहे | खण्डयामहे |
| ५० खण्डयेत | खण्डयेयाताम् | खण्डयेरन् |
| खण्डयेथाः | खण्डयेयाथाम् | खण्डयेध्वम् |
| खण्डयेय | खण्डयेवहि | खण्डयेमहि |
| ४० खण्डयताम् | खण्डयेताम् | खण्डयन्ताम् |
| खण्डयस्व | खण्डयेथाम् | खण्डयध्वम् |
| खण्डये | खण्डयावहे | खण्डयामहे |
| ३० अखण्डयत | अखण्डयेताम् | अखण्डयन्त |
| अखण्डयथाः | अखण्डयेथाम् | अखण्डयध्वम् |
| अखण्डये | अखण्डयावहि | अखण्डयामहि |
| २० अचखण्डत | अचखण्डेताम् | अचखण्डन्त |
| अचखण्डथाः | अचखण्डेथाम् | अचखण्डध्वम् |
| अचखण्डे | अचखण्डावहि | अचखण्डामहि |
| १० खण्डयाश्चक्रे | खण्डयाश्चक्रते | खण्डयाश्चक्रिरे |
| खण्डयाश्चकृषे | खण्डयाश्चक्रथे | खण्डयाश्चकृध्वे |
| खण्डयाश्चक्रे | खण्डयाश्चकृवहे | खण्डयाश्चकृमहे |
| खण्डयाम्भूव | खण्डयामास | |
| ९० खण्डयिषीष्ट | खण्डयिषीयास्ताम् | खण्डयिषीरन् |
| खण्डयिषीष्टाः | खण्डयिषीयास्थाम् | खण्डयिषीध्वम् |
| खण्डयिषीय | खण्डयिषीवहि | खण्डयिषीमहि |
| ८० खण्डयिता | खण्डयितारौ | खण्डयितारः |
| खण्डयितासे | खण्डयितासाथे | खण्डयिताध्वे |
| खण्डयिताहे | खण्डयितास्वहे | खण्डयितास्महे |
| ७० खण्डयिष्यते | खण्डयिष्येते | खण्डयिष्यन्ते |
| खण्डयिष्यसे | खण्डयिष्येथे | खण्डयिष्यध्वे |
| खण्डयिष्ये | खण्डयिष्यावहे | खण्डयिष्यामहे |
| ६० अखण्डयिष्यत | अखण्डयिष्येताम् | अखण्डयिष्यन्त |
| अखण्डयिष्यथाः | अखण्डयिष्येथाम् | अखण्डयिष्यध्वम् |
| अखण्डयिष्ये | अखण्डयिष्यावहि | अखण्डयिष्यामहि |

(६२८) मुनिश्रीलावण्य वि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

690 कुण्ड (कुण्ड्) दाहे ।

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| ब० कुण्डयति | कुण्डयतः | कुण्डयन्ति |
| कुण्डयसि | कुण्डयथः | कुण्डयथ |
| कुण्डयामि | कुण्डयावः | कुण्डयामः |
| स० कुण्डयेत् | कुण्डयेताम् | कुण्डयेयुः |
| कुण्डयेः | कुण्डयेतम् | कुण्डयेत |
| कुण्डयेयम् | कुण्डयेव | कुण्डयेम |
| व० कुण्डयतु | कुण्डयतात् | कुण्डयताम् |
| कुण्डय | कुण्डयतात् | कुण्डयतम् |
| कुण्डयानि | कुण्डयाव | कुण्डयाम |
| अ० अकुण्डयत् | अकुण्डयताम् | अकुण्डयन् |
| अकुण्डयः | अकुण्डयतम् | अकुण्डयत |
| अकुण्डयम् | अकुण्डयाव | अकुण्डयाम |
| अ० अचुकुण्डत् | अचुकुण्डताम् | अचुकुण्डन् |
| अचुकुण्डः | अचुकुण्डतम् | अचुकुण्डत |
| अचुकुण्डम् | अचुकुण्डाव | अचुकुण्डाम |
| १० कुण्डयाश्चकार | कुण्डयाश्चक्रुः | कुण्डयाश्चकुः |
| कुण्डयाश्चकथं | कुण्डयाश्चक्रथुः | कुण्डयाश्चक्र |
| कुण्डयाश्चकार-चकर | कुण्डयाश्चक्रुव | कुण्डयाश्चक्रुम |
| कुण्डयाम्भूव । | कुण्डयामास | |
| आ० कुण्डयात् | कुण्डयास्ताम् | कुण्डयासुः |
| कुण्डयाः | कुण्डयास्तम् | कुण्डयास्त |
| कुण्डयासम् | कुण्डयास्व | कुण्डयास्म |
| अ० कुण्डयिता | कुण्डयितारौ | कुण्डयितारः |
| कुण्डयितासि | कुण्डयितास्यः | कुण्डयितास्य |
| कुण्डयितास्मि | कुण्डयितास्वः | कुण्डयितास्मः |
| अ० कुण्डयिष्यति | कुण्डयिष्यतः | कुण्डयिष्यन्ति |
| कुण्डयिष्यसि | कुण्डयिष्यथः | कुण्डयिष्यथ |
| कुण्डयिष्यामि | कुण्डयिष्यावः | कुण्डयिष्यामः |
| क्रि० अकुण्डयिष्यन् | अकुण्डयिष्यताम् | अकुण्डयिष्यन् |
| अकुण्डयिष्यः | अकुण्डयिष्यतम् | अकुण्डयिष्यत |
| अकुण्डयिष्यम् | अकुण्डयिष्याव | अकुण्डयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| ब० कुण्डयेते | कुण्डयेते | कुण्डयन्ते |
| कुण्डयसे | कुण्डयेथे | कुण्डयन्वे |
| कुण्डये | कुण्डयावहे | कुण्डयामहे |
| स० कुण्डयेत | कुण्डयेयाताम् | कुण्डयेरन् |
| कुण्डयेथाः | कुण्डयेयाथाम् | कुण्डयेष्वम् |
| कुण्डयेथ | कुण्डयेवहि | कुण्डयेमहि |
| प० कुण्डयताम् | कुण्डयेताम् | कुण्डयन्ताम् |
| कुण्डयस्व | कुण्डयेथाम् | कुण्डयन्वम् |
| कुण्डये | कुण्डयावहे | कुण्डयामहे |
| ह्य० अकुण्डयत | अकुण्डयेताम् | अकुण्डयन्त |
| अकुण्डयथाः | अकुण्डयेथाम् | अकुण्डयन्वम् |
| अकुण्डये | अकुण्डयावहि | अकुण्डयामहि |
| अ० अचुकुण्डत | अचुकुण्डेताम् | अचुकुण्डन्त |
| अचुकुण्डथाः | अचुकुण्डेथाम् | अचुकुण्डन्वम् |
| अचुकुण्डे | अचुकुण्डावहि | अचुकुण्डामहि |
| प० कुण्डयाश्चक्रे | कुण्डयाश्चक्रते | कुण्डयाश्चक्रिरे |
| कुण्डयाश्चक्रुषे | कुण्डयाश्चक्रथे | कुण्डयाश्चक्रुद्वे |
| कुण्डयाश्चक्रे | कुण्डयाश्चक्रवहे | कुण्डयाश्चक्रुमहे |
| कुण्डयाम्भूव । | कुण्डयामास | |
| आ० कुण्डयिषीष्ट | कुण्डयिषीयास्ताम् | कुण्डयिषीरन् |
| कुण्डयिषीष्टाः | कुण्डयिषीयास्याम् | कुण्डयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| कुण्डयिषीय | कुण्डयिषीवहि | कुण्डयिषीमहि |
| अ० कुण्डयिता | कुण्डयितारौ | कुण्डयितारः |
| कुण्डयितासे | कुण्डयितासाथे | कुण्डयिताष्वे |
| कुण्डयिताहे | कुण्डयितास्वहे | कुण्डयितास्महे |
| अ० कुण्डयिष्यते | कुण्डयिष्येते | कुण्डयिष्यन्ते |
| कुण्डयिष्यसे | कुण्डयिष्येथे | कुण्डयिष्यन्वे |
| कुण्डयिष्ये | कुण्डयिष्यावहे | कुण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अकुण्डयिष्यत | अकुण्डयिष्येताम् | अकुण्डयिष्यन्त |
| अकुण्डयिष्यथाः | अकुण्डयिष्येथाम् | अकुण्डयिष्यन्वम् |
| अकुण्डयिष्ये | अकुण्डयिष्यावहि | अकुण्डयिष्यामहि |

691 वडुङ् (वण्ड्) वेष्टने ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० वण्डयति | वण्डयतः | वण्डयन्ति |
| वण्डयसि | वण्डयथः | वण्डयथ |
| वण्डयामि | वण्डयावः | वण्डयामः |
| स० वण्डयेत् | वण्डयेताम् | वण्डयेयुः |
| वण्डयेः | वण्डयेतम् | वण्डयेत |
| वण्डयेयम् | वण्डयेव | वण्डयेम |
| प० वण्डयतु | वण्डयतात् | वण्डयताम् |
| वण्डय | वण्डयतात् | वण्डयतम् |
| वण्डयानि | वण्डयाव | वण्डयाम |
| ह्य० अवण्डयत् | अवण्डयताम् | अवण्डयन् |
| अवण्डयः | अवण्डयतम् | अवण्डयत |
| अवण्डयम् | अवण्डयाव | अवण्डयाम |
| अ० अवण्डत् | अवण्डताम् | अवण्डन् |
| अवण्डः | अवण्डतम् | अवण्डत |
| अवण्डम् | अवण्डाव | अवण्डाम |
| प० वण्डयाश्चकार | वण्डयाश्चक्रुः | वण्डयाश्चक्रुः |
| वण्डयाश्चकथं | वण्डयाश्चक्रुः | वण्डयाश्चक्रुः |
| वण्डयाश्चकार-चक्र | वण्डयाश्चक्रुव | वण्डयाश्चक्रुम |
| वण्डयम्बभू | वण्डयामास | |
| आ० वण्डयात् | वण्डयास्ताम् | वण्डयासुः |
| वण्डयाः | वण्डयास्तम् | वण्डयास्त |
| वण्डयासम् | वण्डयास्व | वण्डयास्म |
| अ० वण्डयिता | वण्डयितारौ | वण्डयितारः |
| वण्डयितासि | वण्डयितास्थः | वण्डयितास्थ |
| वण्डयितास्मि | वण्डयितास्वः | वण्डयितास्मः |
| अ० वण्डयिष्यति | वण्डयिष्यतः | वण्डयिष्यन्ति |
| वण्डयिष्यसि | वण्डयिष्यथः | वण्डयिष्यथ |
| वण्डयिष्यामि | वण्डयिष्यावः | वण्डयिष्यामः |
| क्रि० अवण्डयिष्यत् | अवण्डयिष्यताम् | अवण्डयिष्यन् |
| अवण्डयिष्यः | अवण्डयिष्यतम् | अवण्डयिष्यत |
| अवण्डयिष्यम् | अवण्डयिष्याव | अवण्डयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० वण्डयते | वण्डयेते | वण्डयन्ते |
| वण्डयसे | वण्डयेथे | वण्डयध्वे |
| वण्डये | वण्डयावहे | वण्डयामहे |
| स० वण्डयेत | वण्डयेयाताम् | वण्डयेरन् |
| वण्डयेथाः | वण्डयेयाथाम् | वण्डयेध्वन् |
| वण्डयेय | वण्डयेवहि | वण्डयेमहि |
| प० वण्डयताम् | वण्डयेताम् | वण्डयन्ताम् |
| वण्डयस्व | वण्डयेथाम् | वण्डयध्वम् |
| वण्डये | वण्डयावहे | वण्डयामहे |
| ह्य० अवण्डयत | अवण्डयेताम् | अवण्डयन्त |
| अवण्डयथाः | अवण्डयेथाम् | अवण्डयध्वम् |
| अवण्डये | अवण्डयावहि | अवण्डयामहि |
| अ० अवण्डत | अवण्डेताम् | अवण्डन्त |
| अवण्डथा | अवण्डेथाम् | अवण्डध्वम् |
| अवण्डे | अवण्डावहि | अवण्डामहि |
| प० वण्डयाश्चक्रे | वण्डयाश्चक्रते | वण्डयाश्चक्रिरे |
| वण्डयाश्चक्रे | वण्डयाश्चक्राथे | वण्डयाश्चक्रुदे |
| वण्डयाश्चक्रे | वण्डयाश्चक्रुवहे | वण्डयाश्चक्रुमहे |
| वण्डयाम्बभूव | वण्डयास | |
| आ० वण्डयिषीष्ट | वण्डयिषीयास्ताम् | वण्डयिषीरन् |
| वण्डयिषीष्टाः | वण्डयिषीयास्याम् | वण्डयिषीध्वम् |
| वण्डयिषीय | वण्डयिषीवहि | वण्डयिषीमहि |
| अ० वण्डयिता | वण्डयितारौ | वण्डयितारः |
| वण्डयितासे | वण्डयितासाथे | वण्डयिताध्वे |
| वण्डयिताहे | वण्डयितास्वहे | वण्डयितास्महे |
| अ० वण्डयिष्यते | वण्डयिष्येते | वण्डयिष्यन्ते |
| वण्डयिष्यसे | वण्डयिष्येथे | वण्डयिष्यध्वे |
| वण्डयिष्ये | वण्डयिष्यावहे | वण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अवण्डयिष्यत् | अवण्डयिष्यताम् | अवण्डयिष्यन्त |
| अवण्डयिष्यथाः | अवण्डयिष्येथाम् | अवण्डयिष्यध्वम् |
| अवण्डयिष्ये | अवण्डयिष्यावहि | अवण्डयिष्यामहि |

693 भण्ड (भण्ड) परिभाषणे

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| ब० भण्डयति | भण्डयतः | भण्डयन्ति |
| भण्डयसि | भण्डयथः | भण्डयथ |
| भण्डयामि | भण्डयावः | भण्डयामः |
| स० भण्डयेत् | भण्डयेताम् | भण्डयेयुः |
| भण्डयेः | भण्डयेतम् | भण्डयेत |
| भण्डयेयम् | भण्डयेव | भण्डयेम |
| प० भण्डयतु | भण्डयतात् | भण्डयताम् |
| भण्डय | भण्डयतात् | भण्डयतम् |
| भण्डयानि | भण्डयाव | भण्डयाम |
| अ० अभण्डयत् | अभण्डयताम् | अभण्डयन् |
| अभण्डयः | अभण्डयतम् | अभण्डयत |
| अभण्डयम् | अभण्डयाव | अभण्डयाम |
| अ० अवभण्डत् | अवभण्डताम् | अवभण्डन् |
| अवभण्डः | अवभण्डतम् | अवभण्डत |
| अवभण्डम् | अवभण्डाव | अवभण्डाम |
| १० भण्डयाश्चकार | भण्डयाश्चक्रतुः | भण्डयाश्चक्रुः |
| भण्डयाश्चकरी | भण्डयाश्चक्रथुः | भण्डयाश्चक्र |
| भण्डयाश्चकार-चकर | भण्डयाश्चक्रव | भण्डयाश्चक्रम |
| भण्डयाम्बभूव | भण्डयामास | |
| पा० भण्डयात् | भण्डयास्ताम् | भण्डयासुः |
| भण्डयाः | भण्डयास्तम् | भण्डयास्त |
| भण्डयासम् | भण्डयास्व | भण्डयासम |
| श्र० भण्डयिता | भण्डयितारौ | भण्डयितारः |
| भण्डयितासि | भण्डयितास्थः | भण्डयितास्थ |
| भण्डयितास्मि | भण्डयितास्वः | भण्डयितास्मः |
| भ० भण्डयिष्यति | भण्डयिष्यतः | भण्डयिष्यन्ति |
| भण्डयिष्यसि | भण्डयिष्यथः | भण्डयिष्यथ |
| भण्डयिष्यामि | भण्डयिष्यावः | भण्डयिष्यामः |
| क्रि० अभण्डयिष्यत् | अभण्डयिष्यताम् | अभण्डयिष्यन् |
| अभण्डयिष्यः | अभण्डयिष्यतम् | अभण्डयिष्यत |
| अभण्डयिष्यम् | अभण्डयिष्याव | अभण्डयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| व० भण्डयते | भण्डयेते | भण्डयन्ते |
| भण्डयसे | भण्डयेथे | भण्डयन्थे |
| भण्डये | भण्डयावहे | भण्डयामहे |
| स० भण्डयेत | भण्डयेयाताम् | भण्डयेरन् |
| भण्डयेथाः | भण्डयेयाथाम् | भण्डयेय्वम् |
| भण्डयेय | भण्डयेवहि | भण्डयेमहि |
| प० भण्डयताम् | भण्डयेताम् | भण्डयन्ताम् |
| भण्डयस्व | भण्डयेथाम् | भण्डयन्थ्वम् |
| भण्डयै | भण्डयावहै | भण्डयामहै |
| ह्य० अभण्डयत | अभण्डयेताम् | अभण्डयन्त |
| अभण्डयथाः | अभण्डयेथाम् | अभण्डयन्थ्वम् |
| अभण्डये | अभण्डयावहि | अभण्डयामहि |
| अ० अवभण्डत | अवभण्डेताम् | अवभण्डन्त |
| अवभण्डथाः | अवभण्डेथाम् | अवभण्डन्थ्वम् |
| अवभण्डे | अवभण्डावहि | अवभण्डामहि |
| प० भण्डयाश्चक्रे | भण्डयाश्चक्राते | भण्डयाश्चक्रिरे |
| भण्डयाश्चक्रुषे | भण्डयाश्चक्राथे | भण्डयाश्चक्रुध्वे |
| भण्डयाश्चक्रे | भण्डयाश्चक्रवहे | भण्डयाश्चक्रमहे |
| भण्डयाम्बभूव | भण्डयामास | |
| आ० भण्डयिषीष्ट | भण्डयिषीयास्ताम् | भण्डयिषीरन् |
| भण्डयिषीष्टाः | भण्डयिषीयास्थाम् | भण्डयिषीध्वम् |
| भण्डयिषीय | भण्डयिषीवहि | भण्डयिषीमहि |
| श्र० भण्डयिता | भण्डयितारौ | भण्डयितारः |
| भण्डयितासे | भण्डयितासाथे | भण्डयिताथ्वे |
| भण्डयिताहे | भण्डयितास्वहे | भण्डयितास्महे |
| भ० भण्डयिष्यते | भण्डयिष्येते | भण्डयिष्यन्ते |
| भण्डयिष्यसे | भण्डयिष्येथे | भण्डयिष्यन्थ्वे |
| भण्डयिष्ये | भण्डयिष्यावहे | भण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अभण्डयिष्यत | अभण्डयिष्येताम् | अभण्डयिष्यन्त |
| अभण्डयिष्यथाः | अभण्डयिष्येथाम् | अभण्डयिष्यन्थ्वम् |
| अभण्डयिष्ये | अभण्डयिष्यावहि | अभण्डयिष्यामहि |

694 मड्ड (मुण्ड) मज्जने सुट्ट २३० खण्डने

च ॥ इतिवहुपाणि ।

६९५ तुडङ् (तुण्ड्) तोडने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| ब० | तुण्डयति | तुण्डयतः | तुण्डयन्ति |
| | तुण्डयसि | तुण्डयथः | तुण्डयथ |
| | तुण्डयामि | तुण्डयावः | तुण्डयामः |
| स० | तुण्डयेत् | तुण्डयेताम् | तुण्डयेयुः |
| | तुण्डयेः | तुण्डयेतम् | तुण्डयेत |
| | तुण्डयेयम् | तुण्डयेव | तुण्डयेम |
| प० | तुण्डयतु | तुण्डयतात् | तुण्डयताम् |
| | तुण्डय | तुण्डयतात् | तुण्डयतम् |
| | तुण्डयानि | तुण्डयाव | तुण्डयाम |
| झ० | अतुण्डयत् | अतुण्डयताम् | अतुण्डयन् |
| | अतुण्डयः | अतुण्डयतम् | अतुण्डयत |
| | अतुण्डयम् | अतुण्डयाव | अतुण्डयाम |
| अ० | अतुण्डत् | अतुण्डताम् | अतुण्डन् |
| | अतुण्डः | अतुण्डतम् | अतुण्डत |
| | अतुण्डम् | अतुण्डाव | अतुण्डाम |
| प० | तुण्डयाश्चकार | तुण्डयाश्चक्रुः | तुण्डयाश्चक्रुः |
| | तुण्डयाश्चकथं | तुण्डयाश्चक्रुः | तुण्डयाश्चक्रुः |
| | तुण्डयाश्चकार-चकर | तुण्डयाश्चक्रुव | तुण्डयाश्चक्रुम |
| | तुण्डयाम्बभूव | तुण्डयामास | |
| भा० | तुण्डयात् | तुण्डयास्ताम् | तुण्डयासुः |
| | तुण्डयाः | तुण्डयास्तम् | तुण्डयास्त |
| | तुण्डयासम् | तुण्डयास्व | तुण्डयास्म |
| भ० | तुण्डयिता | तुण्डयितारौ | तुण्डयितारः |
| | तुण्डयितासि | तुण्डयितास्यः | तुण्डयितास्य |
| | तुण्डयितास्मि | तुण्डयितास्वः | तुण्डयितास्मः |
| भ० | तुण्डयिष्यति | तुण्डयिष्यतः | तुण्डयिष्यन्ति |
| | तुण्डयिष्यसि | तुण्डयिष्यथः | तुण्डयिष्यथ |
| | तुण्डयिष्यामि | तुण्डयिष्यावः | तुण्डयिष्यामः |
| क्रि० | अतुण्डयिष्यत् | अतुण्डयिष्यताम् | अतुण्डयिष्यन् |
| | अतुण्डयिष्यः | अतुण्डयिष्यतम् | अतुण्डयिष्यत |
| | अतुण्डयिष्यम् | अतुण्डयिष्याव | अतुण्डयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|--------------------|
| व० | तुण्डयते | तुण्डयते | तुण्डयन्ते |
| | तुण्डयसे | तुण्डयेथे | तुण्डयन्थे |
| | तुण्डये | तुण्डयावहे | तुण्डयामहे |
| स० | तुण्डयेत् | तुण्डयेयाताम् | तुण्डयेरन् |
| | तुण्डयेथाः | तुण्डयेयाथाम् | तुण्डयेध्वम् |
| | तुण्डयेय | तुण्डयेवहि | तुण्डयेमहि |
| प० | तुण्डयताम् | तुण्डयेताम् | तुण्डयन्ताम् |
| | तुण्डयस्व | तुण्डयेथाम् | तुण्डयध्वम् |
| | तुण्डयै | तुण्डयावहै | तुण्डयामहै |
| झ० | अतुण्डयत | अतुण्डयेताम् | अतुण्डयन्त |
| | अतुण्डयथाः | अतुण्डयेथाम् | अतुण्डयध्वम् |
| | अतुण्डये | अतुण्डयावहि | अतुण्डयामहि |
| अ० | अतुण्डत् | अतुण्डेताम् | अतुण्डन्त |
| | अतुण्डथाः | अतुण्डेथाम् | अतुण्डध्वम् |
| | अतुण्डे | अतुण्डावहि | अतुण्डामहि |
| प० | तुण्डयाश्चक्रे | तुण्डयाश्चक्राते | तुण्डयाश्चक्रिरे |
| | तुण्डयाश्चक्रुषे | तुण्डयाश्चक्राथे | तुण्डयाश्चक्रुध्वे |
| | तुण्डयाश्चक्रे | तुण्डयाश्चक्रुवहे | तुण्डयाश्चक्रुमहे |
| | तुण्डयाम्बभूव | तुण्डयामास | |
| भा० | तुण्डयिषीष्ट | तुण्डयिषीयास्ताम् | तुण्डयिषीरन् |
| | तुण्डयिषीष्टाः | तुण्डयिषीयास्थाम् | तुण्डयिषीध्वम् |
| | तुण्डयिषीय | तुण्डयिषीवहि | तुण्डयिषीमहि |
| भ० | तुण्डयिता | तुण्डयितारौ | तुण्डयितारः |
| | तुण्डयितासे | तुण्डयितासाथे | तुण्डयिताध्वे |
| | तुण्डयिताहे | तुण्डयितास्वहे | तुण्डयितास्महे |
| भ० | तुण्डयिष्यते | तुण्डयिष्येते | तुण्डयिष्यन्ते |
| | तुण्डयिष्यसे | तुण्डयिष्येथे | तुण्डयिष्यन्थे |
| | तुण्डयिष्ये | तुण्डयिष्यावहे | तुण्डयिष्यामहे |
| क्रि० | अतुण्डयिष्यत् | अतुण्डयिष्येताम् | अतुण्डयिष्यन्त |
| | अतुण्डयिष्यथाः | अतुण्डयिष्येथाम् | अतुण्डयिष्यध्वम् |
| | अतुण्डयिष्ये | अतुण्डयिष्यावहि | अतुण्डयिष्यामहि |

696 भुण्ड (भुण्ड) । वरणे

| | | |
|--------------------|-------------------|-----------------|
| १० भुण्डयति | भुण्डयतः | भुण्डयन्ति |
| भुण्डयसि | भुण्डयथः | भुण्डयथ |
| भुण्डयामि | भुण्डयावः | भुण्डयामः |
| २० भुण्डयेत् | भुण्डयेताम् | भुण्डयेयुः |
| भुण्डयेः | भुण्डयेतम् | भुण्डयेत |
| भुण्डयेयम् | भुण्डयेव | भुण्डयेम |
| ३० भुण्डयतु | भुण्डयतात् | भुण्डयताम् |
| भुण्डय | भुण्डयतात् | भुण्डयतम् |
| भुण्डयानि | भुण्डयाव | भुण्डयाम |
| ४० अ० भुण्डयत् | अ० भुण्डयताम् | अ० भुण्डयन् |
| अ० भुण्डयः | अ० भुण्डयतम् | अ० भुण्डयत |
| अ० भुण्डयम् | अ० भुण्डयाव | अ० भुण्डयाम |
| ५० अ० भुण्डयत् | अ० भुण्डयताम् | अ० भुण्डयन् |
| अ० भुण्डयः | अ० भुण्डयतम् | अ० भुण्डयत |
| अ० भुण्डयम् | अ० भुण्डयाव | अ० भुण्डयाम |
| ६० भुण्डयिष्यति | भुण्डयिष्यतः | भुण्डयिष्यन्ति |
| भुण्डयिष्यसि | भुण्डयिष्यथः | भुण्डयिष्यथ |
| भुण्डयिष्यामि | भुण्डयिष्यावः | भुण्डयिष्यामः |
| ७० अ० भुण्डयिष्यत् | अ० भुण्डयिष्यताम् | अ० भुण्डयिष्यन् |
| अ० भुण्डयिष्यः | अ० भुण्डयिष्यतम् | अ० भुण्डयिष्यत |
| अ० भुण्डयिष्यम् | अ० भुण्डयिष्याव | अ० भुण्डयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|---------------------|
| ८० भुण्डयते | भुण्डयेते | भुण्डयन्ते |
| भुण्डयसे | भुण्डयेथे | भुण्डयन्थे |
| भुण्डये | भुण्डयावहे | भुण्डयामहे |
| ९० भुण्डयेत | भुण्डयेयाताम् | भुण्डयेरन् |
| भुण्डयेथाः | भुण्डयेयाथाम | भुण्डयेष्वम् |
| भुण्डयेथ | भुण्डयेवहि | भुण्डयेमहि |
| १० भुण्डयताम् | भुण्डयेताम् | भुण्डयन्ताम् |
| भुण्डयस्व | भुण्डयेथाम | भुण्डयेष्वम् |
| भुण्डये | भुण्डयावहे | भुण्डयामहे |
| ११० अ० भुण्डयत | अ० भुण्डयेताम् | अ० भुण्डयन्त |
| अ० भुण्डयथाः | अ० भुण्डयेथाम | अ० भुण्डयेष्वम् |
| अ० भुण्डये | अ० भुण्डयावहि | अ० भुण्डयामहि |
| १२० अ० भुण्डयत | अ० भुण्डयेताम् | अ० भुण्डयन्त |
| अ० भुण्डयथाः | अ० भुण्डयेथाम | अ० भुण्डयेष्वम् |
| अ० भुण्डये | अ० भुण्डयावहि | अ० भुण्डयामहि |
| १३० भुण्डयाश्चक्रे | भुण्डयाश्चक्रते | भुण्डयाश्चक्रिरे |
| भुण्डयाश्चक्रुः | भुण्डयाश्चक्रथे | भुण्डयाश्चक्रुवहे |
| भुण्डयाश्चक्रे | भुण्डयाश्चक्रवहे | भुण्डयाश्चक्रमहे |
| भुण्डयाम्बभूव | भुण्डयामास | |
| १४० भुण्डयिषीष्ट | भुण्डयिषीयास्ताम् | भुण्डयिषीरन् |
| भुण्डयिषीष्टाः | भुण्डयिषीयास्याम् | भुण्डयिषीरुवम् |
| भुण्डयिषीय | भुण्डयिषीवहि | भुण्डयिषीमहि |
| १५० भुण्डयिता | भुण्डयितारौ | भुण्डयितारः |
| भुण्डयितासे | भुण्डयितासाथे | भुण्डयिताष्वे |
| भुण्डयिताहे | भुण्डयितास्वहे | भुण्डयितास्महे |
| १६० भुण्डयिष्यते | भुण्डयिष्येते | भुण्डयिष्यन्ते |
| भुण्डयिष्यसे | भुण्डयिष्येथे | भुण्डयिष्येष्वम् |
| भुण्डयिष्ये | भुण्डयिष्यावहे | भुण्डयिष्यामहे |
| १७० अ० भुण्डयिष्यत् | अ० भुण्डयिष्यताम् | अ० भुण्डयिष्यन् |
| अ० भुण्डयिष्यथाः | अ० भुण्डयिष्येथाम | अ० भुण्डयिष्येष्वम् |
| अ० भुण्डयिष्ये | अ० भुण्डयिष्यावहि | अ० भुण्डयिष्यामहि |

६९७ चडुङ् (चण्ड्) कोपे ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० चण्डयति | चण्डयतः | चण्डयन्ति |
| चण्डयसि | चण्डयथः | चण्डयथ |
| चण्डयामि | चण्डयावः | चण्डयामः |
| स० चण्डयेत् | चण्डयेताम् | चण्डयेयुः |
| चण्डयेः | चण्डयेतम् | चण्डयेत |
| चण्डयेयम् | चण्डयेव | चण्डयेम |
| प० चण्डयतु | चण्डयतात् | चण्डयतानु |
| चण्डय | चण्डयतात् | चण्डयतम् |
| चण्डयानि | चण्डयाव | चण्डयाम |
| ह्य० अचण्डयत् | अचण्डयताम् | अचण्डयन् |
| अचण्डयः | अचण्डयतम् | अचण्डयत |
| अचण्डयम् | अचण्डयाव | अचण्डयाम |
| भ० अचचण्डत् | अचचण्डताम् | अचचण्डन् |
| अचचण्डः | अचचण्डतम् | अचचण्डत |
| अचचण्डम् | अचचण्डाव | अचचण्डाम |
| प० चण्डयाश्चकार | चण्डयाश्चक्रुः | चण्डयाश्चक्रुः |
| चण्डयाश्चकर्तुः | चण्डयाश्चक्रुः | चण्डयाश्चक्रुः |
| चण्डयाश्चकार-चकर | चण्डयाश्चक्रुव | चण्डयाश्चक्रुम |
| चण्डयाम्बभूव | । | चण्डयामास |
| भा० चण्डयात् | चण्डयास्ताम् | चण्डयासुः |
| चण्डयाः | चण्डयास्तम् | चण्डयास्त |
| चण्डयासम् | चण्डयास्व | चण्डयास्म |
| च० चण्डयिता | चण्डयितारौ | चण्डयितारः |
| चण्डयितासि | चण्डयितास्थः | चण्डयितास्थ |
| चण्डयितास्मि | चण्डयितास्वः | चण्डयितास्मः |
| भ० चण्डयिष्यति | चण्डयिष्यतः | चण्डयिष्यन्ति |
| चण्डयिष्यसि | चण्डयिष्यथः | चण्डयिष्यथ |
| चण्डयिष्यामि | चण्डयिष्यावः | चण्डयिष्यामः |
| क्रि० अचण्डयिष्यत् | अचण्डयिष्यताम् | अचण्डयिष्यन् |
| अचण्डयिष्यः | अचण्डयिष्यतम् | अचण्डयिष्यत |
| अचण्डयिष्यम् | अचण्डयिष्याव | अचण्डयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| ब० चण्डयते | चण्डयेते | चण्डयन्ते |
| चण्डयसे | चण्डयेथे | चण्डयन्वे |
| चण्डये | चण्डयावहे | चण्डयामहे |
| स० चण्डयेत | चण्डयेयाताम् | चण्डयेरन् |
| चण्डयेथाः | चण्डयेयाथाम् | चण्डयेध्वम् |
| चण्डयेय | चण्डयेवहि | चण्डयेमहि |
| प० चण्डयताम् | चण्डयेताम् | चण्डयन्ताम् |
| चण्डयस्व | चण्डयेथाम् | चण्डयध्वम् |
| चण्डयै | चण्डयावहे | चण्डयामहे |
| ह्य० अचण्डयत | अचण्डयेताम् | अचण्डयन्त |
| अचण्डयथाः | अचण्डयेथाम् | अचण्डयध्वम् |
| अचण्डये | अचण्डयावहि | अचण्डयामहि |
| भ० अचचण्डत | अचचण्डताम् | अचचण्डन्त |
| अचचण्डथाः | अचचण्डेथाम् | अचचण्डध्वम् |
| अचचण्डे | अचचण्डावहि | अचचण्डामहि |
| प० चण्डयाश्चक्रे | चण्डयाश्चक्राते | चण्डयाश्चक्रिरे |
| चण्डयाश्चक्रुषे | चण्डयाश्चक्राथे | चण्डयाश्चक्रुवहे |
| चण्डयाश्चक्रे | चण्डयाश्चक्रुवहे | चण्डयाश्चक्रुमहे |
| चण्डयाम्बभूव | । | चण्डयामास |
| भा० चण्डयिषीष्ट | चण्डयिषीयास्ताम् | चण्डयिषीरन् |
| चण्डयिषीष्ठाः | चण्डयिषीयास्थाम् | चण्डयिषीध्वम् |
| चण्डयिषीय | चण्डयिषीवहि | चण्डयिषीमहि |
| च० चण्डयिता | चण्डयितारौ | चण्डयितारः |
| चण्डयितासे | चण्डयितासाथे | चण्डयिताध्वे |
| चण्डयिताहे | चण्डयितास्वहे | चण्डयितास्महे |
| भ० चण्डयिष्यते | चण्डयिष्येते | चण्डयिष्यन्ते |
| चण्डयिष्यसे | चण्डयिष्येथे | चण्डयिष्यन्वे |
| चण्डयिष्ये | चण्डयिष्यावहे | चण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अचण्डयिष्यत | अचण्डयिष्यताम् | अचण्डयिष्यन्त |
| अचण्डयिष्यथाः | अचण्डयिष्येथाम् | अचण्डयिष्यध्वम् |
| अचण्डयिष्ये | अचण्डयिष्यावहि | अचण्डयिष्यामहि |

698 द्राडृक् (द्राड्) विशरणे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|------------------|
| व० द्राडयति | द्राडयतः | द्राडयन्ति |
| द्राडयसि | द्राडयथः | द्राडयथ |
| द्राडयामि | द्राडयावः | द्राडयामः |
| स० द्राडयेत् | द्राडयेताम् | द्राडयेयुः |
| द्राडयेः | द्राडयेतम् | द्राडयेत |
| द्राडयेयम् | द्राडयेव | द्राडयेम |
| प० द्राडयतु | द्राडयतात् | द्राडयताम् |
| द्राडय | द्राडयतात् | द्राडयतम् |
| द्राडयानि | द्राडयाव | द्राडयाम |
| झ० अद्राडयत् | अद्राडयताम् | अद्राडयन् |
| अद्राडयः | अद्राडयतम् | अद्राडयत |
| अद्राडयम् | अद्राडयाव | अद्राडयाम |
| ञ० अदद्राडत् | अदद्राडताम् | अदद्राडन् |
| अदद्राडः | अदद्राडतम् | अदद्राडत |
| अदद्राडम् | अदद्राडाव | अदद्राडाम |
| ट० द्राडयाश्चकार | द्राडयाश्चक्रुः | द्राडयाश्चकुः |
| द्राडयाश्चकथे | द्राडयाश्चक्रुः | द्राडयाश्चक |
| द्राडयाश्चकार-चकर | द्राडयाश्चक्रुव | द्राडयाश्चक्रमहे |
| द्राडयाम्बभूव | । | द्राडयामास |
| भा० द्राडयात् | द्राडयास्ताम् | द्राडयासुः |
| द्राडयाः | द्राडयास्तम् | द्राडयास्त |
| द्राडयासम् | द्राडयास्व | द्राडयास्म |
| भ० द्राडयिता | द्राडयितारौ | द्राडयितारः |
| द्राडयितासि | द्राडयितास्यः | द्राडयितास्य |
| द्राडयितास्मि | द्राडयितास्वः | द्राडयितास्मः |
| भ० द्राडयिष्यति | द्राडयिष्यतः | द्राडयिष्यन्ति |
| द्राडयिष्यसि | द्राडयिष्यथः | द्राडयिष्यथ |
| द्राडयिष्यामि | द्राडयिष्यावः | द्राडयिष्यामः |
| क्रि० अद्राडयिष्यत् | अद्राडयिष्यताम् | अद्राडयिष्यन् |
| अद्राडयिष्यः | अद्राडयिष्यतम् | अद्राडयिष्यत |
| अद्राडयिष्यम् | अद्राडयिष्याव | अद्राडयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|--------------------|
| व० द्राडयते | द्राडयेते | द्राडयन्ते |
| द्राडयसे | द्राडयेथे | द्राडयन्थे |
| द्राडये | द्राडयावहे | द्राडयामहे |
| स० द्राडयेत | द्राडयेयाताम् | द्राडयेरन् |
| द्राडयेथाः | द्राडयेयाथाम् | द्राडयेध्वम् |
| द्राडयेय | द्राडयेवहि | द्राडयेमहि |
| प० द्राडयताम् | द्राडयेताम् | द्राडयन्ताम् |
| द्राडयस्व | द्राडयेथाम् | द्राडयन्ध्वम् |
| द्राडयै | द्राडयावहे | द्राडयामहे |
| झ० अद्राडयत | अद्राडयेताम् | अद्राडयन्त |
| अद्राडयथाः | अद्राडयेथाम् | अद्राडयन्ध्वम् |
| अद्राडये | अद्राडयावहि | अद्राडयामहि |
| ञ० अदद्राडत | अदद्राडेताम् | अदद्राडन्त |
| अदद्राडथाः | अदद्राडेथाम् | अदद्राडन्ध्वम् |
| अदद्राडे | अदद्राडावहि | अदद्राडामहि |
| प० द्राडयाश्चक्रे | द्राडयाश्चक्राते | द्राडयाश्चक्रिरे |
| द्राडयाश्चकृषे | द्राडयाश्चक्राथे | द्राडयाश्चकृद्वे |
| द्राडयाश्चक्रे | द्राडयाश्चकृवहे | द्राडयाश्चक्रमहे |
| द्राडयाम्बभूव | । | द्राडयामास |
| भा० द्राडयिषीष्ट | द्राडयिषीयास्ताम् | द्राडयिषीरन् |
| द्राडयिषीष्ठाः | द्राडयिषीयास्थाम् | द्राडयिषीद्वम् |
| द्राडयिषीय | द्राडयिषीवहि | द्राडयिषीमहि |
| भ० द्राडयिता | द्राडयितारौ | द्राडयितारः |
| द्राडयितासे | द्राडयितासाथे | द्राडयिताध्वे |
| द्राडयिताहे | द्राडयितास्वहे | द्राडयितास्महे |
| भ० द्राडयिष्यते | द्राडयिष्येते | द्राडयिष्यन्ते |
| द्राडयिष्यसे | द्राडयिष्येथे | द्राडयिष्यन्ध्वे |
| द्राडयिष्ये | द्राडयिष्यावहे | द्राडयिष्यामहे |
| क्रि० अद्राडयिष्यत् | अद्राडयिष्येताम् | अद्राडयिष्यन्त |
| अद्राडयिष्यथाः | अद्राडयिष्येथाम् | अद्राडयिष्यन्ध्वम् |
| अद्राडयिष्ये | अद्राडयिष्यावहि | अद्राडयिष्यामहि |

698 ध्राडृङ् (ध्राड्) विशरणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | ध्राडयति | ध्राडयतः | ध्राडयन्ति |
| | ध्राडयसि | ध्राडयथः | ध्राडयथ |
| | ध्राडयामि | ध्राडयावः | ध्राडयामः |
| स० | ध्राडयेत् | ध्राडयेताम् | ध्राडयेयुः |
| | ध्राडयेः | ध्राडयेतम् | ध्राडयेत |
| | ध्राडयेयम् | ध्राडयेव | ध्राडयेम |
| प० | ध्राडयतु | ध्राडयतात् | ध्राडयताम् |
| | ध्राडय | ध्राडयतात् | ध्राडयतम् |
| | ध्राडयानि | ध्राडयाव | ध्राडयाम |
| ह्य० | अध्राडयत् | अध्राडयताम् | अध्राडयन् |
| | अध्राडयः | अध्राडयतम् | अध्राडयत |
| | अध्राडयम् | अध्राडयाव | अध्राडयाम |
| अ० | अदध्राडत् | अदध्राडताम् | अदध्राडन् |
| | अदध्राडः | अदध्राडतम् | अदध्राडत |
| | अदध्राडम् | अदध्राडाव | अदध्राडाम |
| प | ध्राडयाञ्चकार | ध्राडयाञ्चकतुः | ध्राडयाञ्चकुः |
| | ध्राडयाञ्चकर्थं | ध्राडयाञ्चकथुः | ध्राडयाञ्चक |
| | ध्राडयाञ्चकार-चकर | ध्राडयाञ्चकृव | ध्राडयाञ्चकृम |
| | ध्राडयाम्बभूव | । | ध्राडयामास |
| आ० | ध्राडयात् | ध्राडयास्ताम् | ध्राडयासुः |
| | ध्राडयाः | ध्राडयास्तम् | ध्राडयास्त |
| | ध्राडयासम् | ध्राडयास्व | ध्राडयास्म |
| ष० | ध्राडयिता | ध्राडयितारौ | ध्राडयितारः |
| | ध्राडयितासि | ध्राडयितास्थः | ध्राडयितास्थ |
| | ध्राडयितास्मि | ध्राडयितास्वः | ध्राडयितास्मः |
| भ० | ध्राडयिष्यति | ध्राडयिष्यतः | ध्राडयिष्यन्ति |
| | ध्राडयिष्यसि | ध्राडयिष्यथः | ध्राडयिष्यथ |
| | ध्राडयिष्यामि | ध्राडयिष्यावः | ध्राडयिष्यामः |
| क्रि० | अध्राडयिष्यत् | अध्राडयिष्यताम् | अध्राडयिष्यन् |
| | अध्राडयिष्यः | अध्राडयिष्यतम् | अध्राडयिष्यत |
| | अध्राडयिष्यम् | अध्राडयिष्याव | अध्राडयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | ध्राडयते | ध्राडयेते | ध्राडयन्ते |
| | ध्राडयसे | ध्राडयेथे | ध्राडयन्वे |
| | ध्राडये | ध्राडयावहे | ध्राडयामहे |
| स० | ध्राडयेत | ध्राडयेयाताम् | ध्राडयेरन् |
| | ध्राडयेथाः | ध्राडयेयाथाम् | ध्राडयेध्वम् |
| | ध्राडयेय | ध्राडयेवहि | ध्राडयेमहि |
| प० | ध्राडयताम् | ध्राडयेताम् | ध्राडयन्ताम् |
| | ध्राडयस्व | ध्राडयेथाम् | ध्राडयध्वम् |
| | ध्राडये | ध्राडयावहे | ध्राडयामहे |
| ह्य० | अध्राडयत | अध्राडयेताम् | अध्राडयन्त |
| | अध्राडयथाः | अध्राडयेथाम् | अध्राडयध्वम् |
| | अध्राडये | अध्राडयावहि | अध्राडयामहि |
| अ० | अदध्राडत | अदध्राडेताम् | अदध्राडन्त |
| | अदध्राडथाः | अदध्राडेथाम् | अदध्राडध्वम् |
| | अदध्राडे | अदध्राडावहि | अदध्राडामहि |
| प० | ध्राडयाञ्चके | ध्राडयाञ्चकाते | ध्राडयाञ्चकिरे |
| | ध्राडयाञ्चकृषे | ध्राडयाञ्चकृष्ये | ध्राडयाञ्चकृद्वे |
| | ध्राडयाञ्चके | ध्राडयाञ्चकृवहे | ध्राडयाञ्चकृमहे |
| | ध्राडयाम्बभूव | । | ध्राडयामास |
| आ० | ध्राडयिषीष्ट | ध्राडयिषीस्ताम् | ध्राडयिषीरन् |
| | ध्राडयिषीष्ठाः | ध्राडयिषीस्थाम् | ध्राडयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | ध्राडयिषीय | ध्राडयिषीवहि | ध्राडयिषीमहि |
| ष० | ध्राडयिता | ध्राडयितारौ | ध्राडयितारः |
| | ध्राडयितासे | ध्राडयितासाथे | ध्राडयिताध्वे |
| | ध्राडयिताहे | ध्राडयितास्वहे | ध्राडयितास्महे |
| भ० | ध्राडयिष्यते | ध्राडयिष्येते | ध्राडयिष्यन्ते |
| | ध्राडयिष्यसे | ध्राडयिष्येथे | ध्राडयिष्यन्वे |
| | ध्राडयिष्ये | ध्राडयिष्यावहे | ध्राडयिष्यामहे |
| क्रि० | अध्राडयिष्यत | अध्राडयिष्येताम् | अध्राडयिष्यन्त |
| | अध्राडयिष्यथाः | अध्राडयिष्येथाम् | अध्राडयिष्यध्वम् |
| | अध्राडयिष्ये | अध्राडयिष्यावहि | अध्राडयिष्यामहि |

700 शाड् (शाड्) श्लाघायाम्

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ६० शाडयति | शाडयतः | शाडयन्ति |
| शाडयसि | शाडयथः | शाडयथ |
| शाडयामि | शाडयावः | शाडयामः |
| स० शाडयेत् | शाडयेताम् | शाडयेयुः |
| शाडयेः | शाडयेतम् | शाडयेत |
| शाडयेयम् | शाडयेव | शाडयेम |
| प० शाडयतु | शाडयतात् | शाडयताम् |
| शाडय | शाडयतात् | शाडयतम् |
| शाडयानि | शाडयाव | शाडयाम |
| ह० अशाडयत् | अशाडयताम् | अशाडयन् |
| अशाडयः | अशाडयतम् | अशाडयत |
| अशाडयम् | अशाडयाव | अशाडयाम |
| भ० अशाडात् | अशाडाताम् | अशाडान् |
| अशाडाः | अशाडातम् | अशाडात |
| अशाडाम | अशाडाव | अशाडाम |
| प० शाडयाश्चकार | शाडयाश्चक्रुः | शाडयाश्चकुः |
| शाडयाश्चकथं | शाडयाश्चक्रुः | शाडयाश्चक्रुः |
| शाडयाश्चकार-चक्र | शाडयाश्चकृव | शाडयाश्चकृम |
| शाडयाम्बभूव | । | शाडयामास |
| आ० शाडयात् | शाडयास्ताम् | शाडयासुः |
| शाडयाः | शाडयास्तम् | शाडयास्त |
| शाडयासम् | शाडयास्व | शाडयासम् |
| भ० शाडयिता | शाडयितारौ | शाडयितारः |
| शाडयितासि | शाडयितास्थः | शाडयितास्थ |
| शाडयितास्मि | शाडयितास्वः | शाडयितास्मः |
| भ० शाडयिष्यति | शाडयिष्यतः | शाडयिष्यन्ति |
| शाडयिष्यसि | शाडयिष्यथः | शाडयिष्यथ |
| शाडयिष्यामि | शाडयिष्यावः | शाडयिष्यामः |
| क्रि० अशाडयिष्यत् | अशाडयिष्यताम् | अशाडयिष्यन् |
| अशाडयिष्यः | अशाडयिष्यतम् | अशाडयिष्यत |
| अशाडयिष्यम् | अशाडयिष्याव | अशाडयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० शाडयते | शाडयेते | शाडयन्ते |
| शाडयसे | शाडयेथे | शाडयध्वे |
| शाडये | शाडयावहे | शाडयामहे |
| स० शाडयेत | शाडयेताताम् | शाडयेरन् |
| शाडयेथाः | शाडयेथायाम् | शाडयेध्वम् |
| शाडयेय | शाडयेवहि | शाडयेमहि |
| प० शाडयताम् | शाडयेताम् | शाडयन्ताम् |
| शाडयस्व | शाडयेयाम् | शाडयध्वम् |
| शाडये | शाडयावहे | शाडयामहे |
| ह० अशाडयत | अशाडयेताम् | अशाडयन्त |
| अशाडयथाः | अशाडयेथाम् | अशाडयध्वम् |
| अशाडये | अशाडयावहि | अशाडयामहि |
| भ० अशाडात् | अशाडाताम् | अशाडान्त |
| अशाडायाः | अशाडायेथाम् | अशाडाध्वम् |
| अशाडा | अशाडावहि | अशाडामहि |
| प० शाडयाश्चक्रे | शाडयाश्चकृते | शाडयाश्चक्रिरे |
| शाडयाश्चकृषे | शाडयाश्चकृमथे | शाडयाश्चकृद्वे |
| शाडयाश्चक | शाडयाश्चकृवहे | शाडयाश्चकृमहे |
| शाडयाम्बभूव | । | शाडयामास |
| आ० शाडयिषीष्ट | शाडयिषीयास्ताम् | शाडयिषीरन् |
| शाडयिषीष्टाः | शाडयिषीयास्थाम् | शाडयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| शाडयिषीय | शाडयिषीवहि | शाडयिषीमहि |
| भ० शाडयिता | शाडयितारौ | शाडयितारः |
| शाडयितासे | शाडयितासाथे | शाडयिताध्वे |
| शाडयिताहे | शाडयितास्वहे | शाडयितास्महे |
| भ० शाडयिष्यते | शाडयिष्येते | शाडयिष्यन्ते |
| शाडयिष्यसे | शाडयिष्येथे | शाडयिष्यध्वे |
| शाडयिष्ये | शाडयिष्यावहे | शाडयिष्यामहे |
| क्रि० अशाडयिष्यत् | अशाडयिष्येताम् | अशाडयिष्यन्त |
| अशाडयिष्यथाः | अशाडयिष्येथाम् | अशाडयिष्यध्वम् |
| अशाडयिष्ये | अशाडयिष्यावहि | अशाडयिष्यामहि |

701 वाङ् (वाङ्) आप्लाव्ये ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० वाङ्यति | वाङ्यतः | वाङ्यन्ति |
| वाङ्यसि | वाङ्यथः | वाङ्यथ |
| वाङ्यमि | वाङ्यावः | वाङ्यामः |
| स० वाङ्येत् | वाङ्येताम् | वाङ्येयुः |
| वाङ्येः | वाङ्येतम् | वाङ्येत |
| वाङ्येयम् | वाङ्येव | वाङ्येम |
| प० वाङ्यन्तु | वाङ्यतात | वाङ्यताम् |
| वाङ्य | वाङ्यतात | वाङ्यतम् |
| वाङ्यन्ति | वाङ्याव | वाङ्याम |
| ह्य० अवाङ्यत् | अवाङ्यताम् | अवाङ्यन् |
| अवाङ्यः | अवाङ्यतम् | अवाङ्यत |
| अवाङ्यम् | अवाङ्याव | अवाङ्याम |
| अ० अववाङ्यत् | अववाङ्यताम् | अववाङ्यन् |
| अववाङ्यः | अववाङ्यतम् | अववाङ्यत |
| अववाङ्यम् | अववाङ्याव | अववाङ्याम |
| प० वाङ्यश्चकार | वाङ्यश्चक्रुः | वाङ्यश्चक्रुः |
| वाङ्यश्चक्रथ | वाङ्यश्चक्रथुः | वाङ्यश्चक्र |
| वाङ्यश्चकार-चक्र | वाङ्यश्चक्रव | वाङ्यश्चक्रम् |
| वाङ्याम्बभूव | वाङ्यामास | |
| भा० वाङ्यत् | वाङ्यताम् | वाङ्यतुः |
| वाङ्यः | वाङ्यताम् | वाङ्यत |
| वाङ्यसम् | वाङ्यस्व | वाङ्यस्म |
| भ० वाङ्यिता | वाङ्यितारौ | वाङ्यितारः |
| वाङ्यितासि | वाङ्यितास्थः | वाङ्यितास्थ |
| वाङ्यितास्मि | वाङ्यितास्वः | वाङ्यितास्मः |
| भ० वाङ्यिष्यति | वाङ्यिष्यतः | वाङ्यिष्यन्ति |
| वाङ्यिष्यसि | वाङ्यिष्यथः | वाङ्यिष्यथ |
| वाङ्यिष्यामि | वाङ्यिष्यावः | वाङ्यिष्यामः |
| क्रि० अवाङ्यिष्यत् | अवाङ्यिष्यताम् | अवाङ्यिष्यन् |
| अवाङ्यिष्यः | अवाङ्यिष्यतम् | अवाङ्यिष्यत |
| अवाङ्यिष्यम् | अवाङ्यिष्याव | अवाङ्यिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० वाङ्यते | वाङ्येते | वाङ्यन्ते |
| वाङ्यसे | वाङ्येथे | वाङ्यध्वे |
| वाङ्ये | वाङ्यावहे | वाङ्यामहे |
| स० वाङ्येत | वाङ्येयाताम् | वाङ्येरन् |
| वाङ्येथाः | वाङ्येयाथाम् | वाङ्येध्वम् |
| वाङ्येय | वाङ्येवहि | वाङ्येमहि |
| प० वाङ्यताम् | वाङ्येताम् | वाङ्यन्ताम् |
| वाङ्यस्व | वाङ्येथाम् | वाङ्यध्वम् |
| वाङ्ये | वाङ्यावहे | वाङ्यामहे |
| ह्य० अवाङ्यत् | अवाङ्येताम् | अवाङ्यन्त |
| अवाङ्यथाः | अवाङ्येथाम् | अवाङ्यध्वम् |
| अवाङ्ये | अवाङ्येवहि | अवाङ्येमहि |
| अ० अववाङ्यत् | अववाङ्येताम् | अववाङ्यन्त |
| अववाङ्यथाः | अववाङ्येथाम् | अववाङ्यध्वम् |
| अववाङ्ये | अववाङ्येवहि | अववाङ्येमहि |
| प० वाङ्यश्चक्रे | वाङ्यश्चक्राते | वाङ्यश्चक्रिरे |
| वाङ्यश्चक्रथे | वाङ्यश्चक्राथे | वाङ्यश्चक्रुत्वे |
| वाङ्यश्चक्र | वाङ्यश्चक्रवहे | वाङ्यश्चक्रमहे |
| वाङ्याम्बभूव | वाङ्यामास | |
| भा० वाङ्यिषीष्ट | वाङ्यिषीयास्ताम् | वाङ्यिषीरन् |
| वाङ्यिषीष्टाः | वाङ्यिषीयास्ताम् | वाङ्यिषीध्वम् |
| वाङ्यिषीय | वाङ्यिषीवहि | वाङ्यिषीमहि |
| भ० वाङ्यिता | वाङ्यितारौ | वाङ्यितारः |
| वाङ्यितासे | वाङ्यितासाथे | वाङ्यिताध्वे |
| वाङ्यिताहे | वाङ्यितास्वहे | वाङ्यितास्महे |
| भ० वाङ्यिष्यते | वाङ्यिष्येते | वाङ्यिष्यन्ते |
| वाङ्यिष्यसे | वाङ्यिष्येथे | वाङ्यिष्यध्वे |
| वाङ्यिष्ये | वाङ्यिष्यावहे | वाङ्यिष्यामहे |
| क्रि० अवाङ्यिष्यत् | अवाङ्यिष्येताम् | अवाङ्यिष्यन्त |
| अवाङ्यिष्यथाः | अवाङ्यिष्येथाम् | अवाङ्यिष्यध्वम् |
| अवाङ्यिष्ये | अवाङ्यिष्यावहि | अवाङ्यिष्यामहि |

702 हेडृङ् (हेड्) अनादरे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | हेडयति | हेडयतः | हेडयन्ति |
| | हेडयसि | हेडयथः | हेडयथ |
| | हेडयामि | हेडयावः | हेडयामः |
| स० | हेडयेत् | हेडयेताम् | हेडयेयुः |
| | हेडयेः | हेडयेतम् | हेडयेत |
| | हेडयेयम् | हेडयेव | हेडयेम |
| प० | हेडयतु | हेडयतात् | हेडयन्तु |
| | हेडय | हेडयतात् | हेडयतम् |
| | हेडयानि | हेडयाव | हेडयाम |
| ल० | अहेडयत् | अहेडयताम् | अहेडयन् |
| | अहेडयः | अहेडयतम् | अहेडयत |
| | अहेडयम् | अहेडयाव | अहेडयाम |
| अ० | अजिहेडत् | अजिहेडताम् | अजिहेडन् |
| | अजिहेडः | अजिहेडतम् | अजिहेडत |
| | अजिहेडम् | अजिहेडाव | अजिहेडाम |
| प | हेडयाश्चकार | हेडयाश्चकतुः | हेडयाश्चकुः |
| | हेडयाश्चकर्थ | हेडयाश्चकथुः | हेडयाश्चक |
| | हेडयाश्चकार-चकर | हेडयाश्चकृव | हेडयाश्चकृम |
| | हेडयाम्बभूव | हेडयामास | |
| आ० | हेडयात् | हेडयास्ताम् | हेडयासुः |
| | हेडयाः | हेडयास्तम् | हेडयास्त |
| | हेडयासम् | हेडयास्व | हेडयास्म |
| श्च० | हेडयिता | हेडयितारौ | हेडयितारः |
| | हेडयितासि | हेडयितास्थः | हेडयितास्थ |
| | हेडयितास्मि | हेडयितास्वः | हेडयितास्मः |
| अ० | हेडयिष्यति | हेडयिष्यतः | हेडयिष्यन्ति |
| | हेडयिष्यसि | हेडयिष्यथः | हेडयिष्यथ |
| | हेडयिष्यामि | हेडयिष्यावः | हेडयिष्यामः |
| क्रि० | अहेडयिष्यत् | अहेडयिष्यताम् | अहेडयिष्यन् |
| | अहेडयिष्यः | अहेडयिष्यतम् | अहेडयिष्यत |
| | अहेडयिष्यम् | अहेडयिष्याव | अहेडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हेडयेते | हेडयेते | हेडयन्ते |
| | हेडयेसे | हेडयेथे | हेडयन्वे |
| | हेडये | हेडयावहे | हेडयामहे |
| स० | हेडयेत | हेडयेयाताम् | हेडयेरन् |
| | हेडयेथाः | हेडयेयाथाम् | हेडयेष्वम् |
| | हेडयेय | हेडयेवहि | हेडयेमहि |
| प० | हेडयताम् | हेडयेताम् | हेडयन्ताम् |
| | हेडयस्व | हेडयेथाम् | हेडयष्वम् |
| | हेडये | हेडयावहे | हेडयामहे |
| ल० | अहेडयत् | अहेडयेतम् | अहेडयन्त |
| | अहेडयथाः | अहेडयेथाम् | अहेडयष्वम् |
| | अहेडये | अहेडयावहि | अहेडयामहि |
| अ० | अजिहेडत | अजिहेडेताम् | अजिहेडन्त |
| | अजिहेडथाः | अजिहेडेथाम् | अजिहेडष्वम् |
| | अजिहेडे | अजिहेडावहि | अजिहेडामहि |
| प० | हेडयाश्चके | हेडयाश्चक्राते | हेडयाश्चकिरे |
| | हेडयाश्चकृषे | हेडयाश्चक्राथे | हेडयाश्चकृव्वे |
| | हेडयाश्चके | हेडयाश्चकृवहे | हेडयाश्चकृमहे |
| | हेडयाम्बभूव | हेडयामास | |
| आ० | हेडयिषीष्ट | हेडयिषीयास्ताम् | हेडयिषीरन् |
| | हेडयिषीष्ठाः | हेडयिषीयास्थाम् | हेडयिषीव्वम् |
| | हेडयिषीय | हेडयिषीवहि | हेडयिषीमहि |
| अ० | हेडयिता | हेडयितारौ | हेडयितारः |
| | हेडयितासे | हेडयितासाथे | हेडयिताष्वे |
| | हेडयिताहे | हेडयितास्वहे | हेडयितास्महे |
| अ० | हेडयिष्यते | हेडयिष्येते | हेडयिष्यन्ते |
| | हेडयिष्यसे | हेडयिष्येथे | हेडयिष्यष्वे |
| | हेडयिष्ये | हेडयिष्यावहे | हेडयिष्यामहे |
| क्रि० | अहेडयिष्यत | अहेडयिष्येतम् | अहेडयिष्यन्त |
| | अहेडयिष्यथाः | अहेडयिष्येथाम् | अहेडयिष्यष्वम् |
| | अहेडयिष्ये | अहेडयिष्यावहि | अहेडयिष्यामहि |

703 होडृङ् (होड्) अनादरे रूपाणि त्वस्य

हुड् 247 गतौ वृत्तिवज्जोयानि ॥

704 हिङ्ङु (हिङ्ङ) गतौ च ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | हिङ्ङयति | हिङ्ङयतः | हिङ्ङयन्ति |
| | हिङ्ङयसि | हिङ्ङयथः | हिङ्ङयथ |
| | हिङ्ङयामि | हिङ्ङयावः | हिङ्ङयामः |
| स० | हिङ्ङयेत् | हिङ्ङयेताम् | हिङ्ङयेयुः |
| | हिङ्ङयेः | हिङ्ङयेतम् | हिङ्ङयेत |
| | हिङ्ङयेयम् | हिङ्ङयेव | हिङ्ङयेम |
| प० | हिङ्ङयतु | हिङ्ङयतात् | हिङ्ङयताम् |
| | हिङ्ङय | हिङ्ङयतात् | हिङ्ङयतम् |
| | हिङ्ङयानि | हिङ्ङयाव | हिङ्ङयाम |
| ह्य० | अहिङ्ङयत् | अहिङ्ङयताम् | अहिङ्ङयन् |
| | अहिङ्ङयः | अहिङ्ङयतम् | अहिङ्ङयत |
| | अहिङ्ङयम् | अहिङ्ङयाव | अहिङ्ङयाम |
| अ० | अजिहिङ्ङत् | अजिहिङ्ङताम् | अजिहिङ्ङन् |
| | अजिहिङ्ङः | अजिहिङ्ङतम् | अजिहिङ्ङत |
| | अजिहिङ्ङम् | अजिहिङ्ङाव | अजिहिङ्ङाम |
| प० | हिङ्ङयाश्चकार | हिङ्ङयाश्चक्रतुः | हिङ्ङयाश्चक्रुः |
| | हिङ्ङयाश्चक्रथ | हिङ्ङयाश्चक्रथुः | हिङ्ङयाश्चक्रु |
| | हिङ्ङयाश्चकार-चकर | हिङ्ङयाश्चक्रव | हिङ्ङयाश्चक्रुम |
| | हिङ्ङयाम्बभूव | हिङ्ङयामास | |
| आ० | हिङ्ङयात् | हिङ्ङयास्ताम् | हिङ्ङयासुः |
| | हिङ्ङयाः | हिङ्ङयास्तम् | हिङ्ङयास्त |
| | हिङ्ङयासम् | हिङ्ङयास्व | हिङ्ङयास्म |
| भ० | हिङ्ङयिता | हिङ्ङयितारौ | हिङ्ङयितारः |
| | हिङ्ङयितासि | हिङ्ङयितास्थः | हिङ्ङयितास्थ |
| | हिङ्ङयितास्मि | हिङ्ङयितास्वः | हिङ्ङयितास्मः |
| भ० | हिङ्ङयिष्यति | हिङ्ङयिष्यतः | हिङ्ङयिष्यन्ति |
| | हिङ्ङयिष्यसि | हिङ्ङयिष्यथः | हिङ्ङयिष्यथ |
| | हिङ्ङयिष्यामि | हिङ्ङयिष्यावः | हिङ्ङयिष्यामः |
| क्रि० | अहिङ्ङयिष्यत् | अहिङ्ङयिष्यताम् | अहिङ्ङयिष्यन् |
| | अहिङ्ङयिष्यः | अहिङ्ङयिष्यतम् | अहिङ्ङयिष्यत |
| | अहिङ्ङयिष्यम् | अहिङ्ङयिष्याव | अहिङ्ङयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|-------------------|-------------------|
| व० | हिङ्ङयते | हिङ्ङयते | हिङ्ङयन्ते |
| | हिङ्ङयसे | हिङ्ङयसे | हिङ्ङयसे |
| | हिङ्ङये | हिङ्ङयावहे | हिङ्ङयामहे |
| स० | हिङ्ङयेत | हिङ्ङयेयाताम् | हिङ्ङयेरन् |
| | हिङ्ङयेथाः | हिङ्ङयेयाथाम् | हिङ्ङयेध्वम् |
| | हिङ्ङयेय | हिङ्ङयेवहि | हिङ्ङयेमहि |
| प० | हिङ्ङयताम् | हिङ्ङयेताम् | हिङ्ङयन्ताम् |
| | हिङ्ङयस्व | हिङ्ङयेथाम् | हिङ्ङयध्वम् |
| | हिङ्ङये | हिङ्ङयावहे | हिङ्ङयामहे |
| ह्य० | अहिङ्ङयत | अहिङ्ङयेताम् | अहिङ्ङयन्त |
| | अहिङ्ङयथाः | अहिङ्ङयेथाम् | अहिङ्ङयध्वम् |
| | अहिङ्ङये | अहिङ्ङयावहि | अहिङ्ङयामहि |
| अ० | अजिहिङ्ङत् | अजिहिङ्ङताम् | अजिहिङ्ङन्त |
| | अजिहिङ्ङथाः | अजिहिङ्ङेथाम् | अजिहिङ्ङध्वम् |
| | अजिहिङ्ङे | अजिहिङ्ङावहि | अजिहिङ्ङामहि |
| प० | हिङ्ङयाश्चके | हिङ्ङयाश्चक्राते | हिङ्ङयाश्चक्रिरे |
| | हिङ्ङयाश्चक्रथे | हिङ्ङयाश्चक्राथे | हिङ्ङयाश्चक्रुवे |
| | हिङ्ङयाश्चके | हिङ्ङयाश्चक्रवहे | हिङ्ङयाश्चक्रुमहे |
| | हिङ्ङयाम्बभूव | हिङ्ङयामास | |
| आ० | हिङ्ङयिषीष्ट | हिङ्ङयिषीयास्ताम् | हिङ्ङयिषीरन् |
| | हिङ्ङयिषीष्टाः | हिङ्ङयिषीयाथाम् | हिङ्ङयिषीध्वम् |
| | हिङ्ङयिषीय | हिङ्ङयिषीवहि | हिङ्ङयिषीमहि |
| भ० | हिङ्ङयिता | हिङ्ङयितारौ | हिङ्ङयितारः |
| | हिङ्ङयितासे | हिङ्ङयितासाथे | हिङ्ङयिताध्वे |
| | हिङ्ङयिताहे | हिङ्ङयितास्वहे | हिङ्ङयितास्महे |
| भ० | हिङ्ङयिष्यते | हिङ्ङयिष्येते | हिङ्ङयिष्यन्ते |
| | हिङ्ङयिष्यसे | हिङ्ङयिष्यथे | हिङ्ङयिष्यसे |
| | हिङ्ङयिष्ये | हिङ्ङयिष्यावहे | हिङ्ङयिष्यामहे |
| क्रि० | अहिङ्ङयिष्यत | अहिङ्ङयिष्येताम् | अहिङ्ङयिष्यन्त |
| | अहिङ्ङयिष्यथाः | अहिङ्ङयिष्येथाम् | अहिङ्ङयिष्यध्वम् |
| | अहिङ्ङयिष्ये | अहिङ्ङयिष्यावहि | अहिङ्ङयिष्यामहि |

705 घिण्डु (घिण्) ग्रहणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० घिणयति | घिणयतः | घिणयन्ति |
| घिणयसि | घिणयथः | घिणयथ |
| घिणयामि | घिणयावः | घिणयामः |
| स० घिणयेत् | घिणयेताम् | घिणयेयुः |
| घिणयेः | घिणयेतम् | घिणयेत |
| घिणयेयम् | घिणयेव | घिणयेम |
| प० घिणयतु | घिणयतात् | घिणयन्तु |
| घिणय | घिणयतात् | घिणयत |
| घिणयानि | घिणयाव | घिणयान |
| ह्य० अघिणयत् | अघिणयताम् | अघिणयन् |
| अघिणयः | अघिणयतम् | अघिणयत |
| अघिणयम् | अघिणयाव | अघिणयाम |
| अ० अजिघिण | अजिघिणतम् | अजिघिणन् |
| अजिघिणः | अजिघिणतम् | अजिघिणत |
| अजिघिणम् | अजिघिणाव | अजिघिणाम |
| प० घिणयाञ्चकार | घिणयाञ्चक्रुः | घिणयाञ्चकुः |
| घिणयाञ्च कथं | घिणयाञ्चकथुः | घिणयाञ्चक |
| घिणयाञ्चकार-चकर | घिणयाञ्चकुव | घिणयाञ्चकुम |
| घिणयाञ्चभूव | घिणयामास | |
| आ० घिणयत् | घिणयताम् | घिणयासुः |
| घिणयाः | घिणयास्तम् | घिणयास्त |
| घिणयासम् | घिणयास्व | घिणयास्म |
| श्व० घिणयिता | घिणयितारौ | घिणयितारः |
| घिणयितासि | घिणयितास्थः | घिणयितास्थ |
| घिणयितास्मि | घिणयितास्वः | घिणयितास्मः |
| अ० घिणयिष्यति | घिणयिष्यतः | घिणयिष्यन्ति |
| घिणयिष्यसि | घिणयिष्यथः | घिणयिष्यथ |
| घिणयिष्यामि | घिणयिष्यावः | घिणयिष्यामः |
| क्रि० अघिणयिष्यत् | अघिणयिष्यताम् | अघिणयिष्यन् |
| अघिणयिष्यः | अघिणयिष्यतम् | अघिणयिष्यत |
| अघिणयिष्यम् | अघिणयिष्याव | अघिणयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० घिणयते | घिणयेते | घिणयन्ते |
| घिणयसे | घिणयेथे | घिणयध्वे |
| घिणये | घिणयावहे | घिणयामहे |
| स० घिणयेत | घिणयेयाताम् | घिणयेरन् |
| घिणयेथाः | घिणयेयाथाम् | घिणयेध्वम् |
| घिणयेथ | घिणयेवहि | घिणयेमहि |
| प० घिणयताम् | घिणयेताम् | घिणयन्ताम् |
| घिणयस्व | घिणयेथाम् | घिणयध्वम् |
| घिणयै | घिणयावहे | घिणयामहे |
| ह्य० अघिणयत | अघिणयेताम् | अघिणयन्त |
| अघिणयथाः | अघिणयेथाम् | अघिणयध्वम् |
| अघिणये | अघिणयावहि | अघिणयामहि |
| अ० अजिघिणत | अजिघिणेताम् | अजिघिणन्त |
| अजिघिणथाः | अजिघिणेथाम् | अजिघिणध्वम् |
| अजिघिणे | अजिघिणावहि | अजिघिणामहि |
| प० घिणयाञ्चक्रे | घिणयाञ्चक्रेते | घिणयाञ्चकिरे |
| घिणयाञ्चकृषे | घिणयाञ्चकृषे | घिणयाञ्चकृध्वे |
| घिणयाञ्चक्रे | घिणयाञ्चकृवहे | घिणयाञ्चकृमहे |
| घिणयाम्बभूव | घिणयामास | |
| आ० घिणयिषीष्ट | घिणयिषीयास्ताम् | घिणयिषीरन् |
| घिणयिषीष्टाः | घिणयिषीयास्थाम् | घिणयिषीध्वम् |
| घिणयिषीय | घिणयिषीवहि | घिणयिषीमहि |
| श्व० घिणयिता | घिणयितारौ | घिणयितारः |
| घिणयितासे | घिणयितासाथे | घिणयिताध्वे |
| घिणयिताहे | घिणयितास्वहे | घिणयितास्महे |
| अ० घिणयिष्यते | घिणयिष्येते | घिणयिष्यन्ते |
| घिणयिष्यसे | घिणयिष्येथे | घिणयिष्यध्वे |
| घिणयिष्ये | घिणयिष्यावहे | घिणयिष्यामहे |
| क्रि० अघिणयिष्यत | अघिणयिष्येताम् | अघिणयिष्यन्त |
| अघिणयिष्यथाः | अघिणयिष्येथाम् | अघिणयिष्यध्वम् |
| अघिणयिष्ये | अघिणयिष्यावहि | अघिणयिष्यामहि |

706 घुण्ङ् (घुण्) ग्रहणे ।

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| व० घुणयति | घुणयतः | घुणयन्ति |
| घुणयसि | घुणयथः | घुणयथ |
| घुणयामि | घुणयावः | घुणयामः |
| स० घुणयेत् | घुणयेताम् | घुणयेयुः |
| घुणयेः | घुणयेतम् | घुणयेत |
| घुणयेयम् | घुणयेव | घुणयेम |
| प० घुणयतु | घुणयतात् | घुणयताम् |
| घुणय | घुणयतात् | घुणयतम् |
| घुणयानि | घुणयाव | घुणयाम |
| ह० अघुणयत् | अघुणयताम् | अघुणयन् |
| अघुणयः | अघुणयतम् | अघुणयत |
| अघुणयम् | अघुणयाव | अघुणयाम |
| अ० अजुघुणत् | अजुघुणताम् | अजुघुणन् |
| अजुघुणः | अजुघुणतम् | अजुघुणत |
| अजुघुणम् | अजुघुणाव | अजुघुणाम |
| प० घुणयाञ्चकार | घुणयाञ्चकतुः | घुणयाञ्चकुः |
| घुणयाञ्चकर्थ | घुणयाञ्चकथुः | घुणयाञ्चक |
| घुणयाञ्चकार-चकर | घुणयाञ्चकृव | घुणयाञ्चकृम |
| घुणयाम्बभूव । घुणयामास | | |
| आ० घुणयात् | घुणयास्ताम् | घुणयासुः |
| घुणयाः | घुणयास्तम् | घुणयास्त |
| घुणयासम् | घुणयास्व | घुणयास्म |
| अ० घुणयिता | घुणयितारौ | घुणयितारः |
| घुणयितासि | घुणयितास्थः | घुणयितास्थ |
| घुणयितास्मि | घुणयितास्वः | घुणयितास्मः |
| अ० घुणयिष्यति | घुणयिष्यतः | घुणयिष्यन्ति |
| घुणयिष्यसि | घुणयिष्यथः | घुणयिष्यथ |
| घुणयिष्यामि | घुणयिष्यावः | घुणयिष्यामः |
| क्रि० अघुणयिष्यत् | अघुणयिष्यताम् | अघुणयिष्यन् |
| अघुणयिष्यः | अघुणयिष्यतम् | अघुणयिष्यत |
| अघुणयिष्यम् | अघुणयिष्याव | अघुणयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० घुणयते | घुणयेते | घुणयन्ते |
| घुणयसे | घुणयेथे | घुणयन्त्वे |
| घुणये | घुणयावहे | घुणयामहे |
| स० घुणयेत् | घुणयेयाताम् | घुणयेरन् |
| घुणयेथाः | घुणयेयाथाम् | घुणयेध्वम् |
| घुणयेय | घुणयेवहि | घुणयेमहि |
| प० घुणयताम् | घुणयेताम् | घुणयन्ताम् |
| घुणयस्व | घुणयेथाम् | घुणयध्वम् |
| घुणये | घुणयावहे | घुणयामहे |
| ह० अघुणयत | अघुणयेताम् | अघुणयन्त |
| अघुणयथाः | अघुणयेथाम् | अघुणयध्वम् |
| अघुणये | अघुणयावहि | अघुणयामहि |
| अ० अजुघुणत | अजुघुणेताम् | अजुघुणन्त |
| अजुघुणथाः | अजुघुणेत्याम् | अजुघुणध्वम् |
| अजुघुणे | अजुघुणावहि | अजुघुणामहि |
| प० घुणयाञ्चक्रे | घुणयाञ्चक्रते | घुणयाञ्चक्रे |
| घुणयाञ्चकृषे | घुणयाञ्चकृथे | घुणयाञ्चकृवहे |
| घुणयाञ्चक्रे | घुणयाञ्चकृवहे | घुणयाञ्चकृमहे |
| घुणयाम्बभूत । घुणयामास | | |
| आ० घुणयिषीष्ट | घुणयिषीयास्ताम् | घुणयिषीरन् |
| घुणयिषीष्ठाः | घुणयिषीयास्थाम् | घुणयिषीध्वम् |
| घुणयिषीथ | घुणयिषीवहि | घुणयिषीमहि |
| अ० घुणयिता | घुणयितारौ | घुणयितारः |
| घुणयितासे | घुणयितासाथे | घुणयिताध्वे |
| घुणयिताहे | घुणयितास्वहे | घुणयितास्महे |
| अ० णयिष्यते | घुणयिष्येते | घुणयिष्यन्ते |
| घुणयिष्यसे | घुणयिष्येथे | घुणयिष्यन्त्वे |
| घुणयिष्ये | घुणयिष्यावहे | घुणयिष्यामहे |
| क्रि० अघुणयिष्यत | अघुणयिष्येताम् | अघुणयिष्यन्त |
| अघुणयिष्यथाः | अघुणयिष्येथाम् | अघुणयिष्यध्वम् |
| अघुणयिष्ये | अघुणयिष्यावहि | अघुणयिष्यामहि |

707 घृणुङ् (घृण्) ग्रहणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| १० घृणयति | घृणयतः | घृणयन्ति |
| घृणयसि | घृणयथः | घृणयथ |
| घृणयामि | घृणयावः | घृणयामः |
| स० घृणयेत् | घृणयेताम् | घृणयेयुः |
| घृणयेः | घृणयेतम् | घृणयेत |
| घृणयेयम् | घृणयेव | घृणयेम |
| १० घृणयतु | घृणयतात् | घृणयताम् |
| घृणय | घृणयतात् | घृणयतम् |
| घृणयानि | घृणयाव | घृणयाम |
| १० अघृणयत् | अघृणयताम् | अघृणयन् |
| अघृणयः | अघृणयतम् | अघृणयत |
| अघृणयम् | अघृणयाव | अघृणयाम |
| अ० अजघृणत् | अजघृणताम् | अजघृणन् |
| अजघृणः | अजघृणतम् | अजघृणत |
| अजघृणम् | अजघृणाव | अजघृणाम |
| १० घृणयाञ्चकार | घृणयाञ्चक्रुः | घृणयाञ्चक्रुः |
| घृणयाञ्चकथ | घृणयाञ्चक्रुः | घृणयाञ्चक्रुः |
| घृणयाञ्चकार-चक्र | घृणयाञ्चक्रुव | घृणयाञ्चक्रुम |
| घृणयाञ्चभूव | घृणयामास | |
| आ० घृणयात् | घृणयास्ताम् | घृणयासुः |
| घृणयाः | घृणयास्तम् | घृणयास्त |
| घृणयासम् | घृणयास्व | घृणयास्म |
| १० घृणयिता | घृणयितारौ | घृणयितारः |
| घृणयितासि | घृणयितास्थः | घृणयितास्थ |
| घृणयितास्मि | घृणयितास्वः | घृणयितास्मः |
| अ० घृणयिष्यति | घृणयिष्यतः | घृणयिष्यन्ति |
| घृणयिष्यसि | घृणयिष्यथः | घृणयिष्यथ |
| घृणयिष्यामि | घृणयिष्यावः | घृणयिष्यामः |
| क्रि० अघृणयिष्यत् | अघृणयिष्यताम् | अघृणयिष्यन् |
| अघृणयिष्यः | अघृणयिष्यतम् | अघृणयिष्यत |
| अघृणयिष्यम् | अघृणयिष्याव | अघृणयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| व० घृणयते | घृणयेते | घृणयन्ते |
| घृणयसे | घृणयेथे | घृणयध्वे |
| घृणये | घृणयावहे | घृणयामहे |
| स० घृणयेत | घृणयेयाताम् | घृणयेरन् |
| घृणयेथाः | घृणयेयाथाम | घृणयेध्वम् |
| घृणयेय | घृणयेवहि | घृणयेमहि |
| १० घृणयताम् | घृणयेताम् | घृणयन्ताम् |
| घृणयस्व | घृणयेथाम् | घृणयध्वम् |
| घृणये | घृणयावहे | घृणयामहे |
| १० अघृणयत | अघृणयेताम् | अघृणयन्त |
| अघृणयथाः | अघृणयेथाम | अघृणयध्वम् |
| अघृणये | अघृणयावहि | अघृणयामहि |
| अ० अजघृणत | अजघृणेताम् | अजघृणन्त |
| अजघृणथाः | अजघृणेताम् | अजघृणध्वम् |
| अजघृणे | अजघृणावहि | अजघृणामहि |
| १० घृणयाञ्चक्रे | घृणयाञ्चक्रते | घृणयाञ्चकिरे |
| घृणयाञ्चक्रुषे | घृणयाञ्चक्रये | घृणयाञ्चक्रुवे |
| घृणयाञ्चक्रे | घृणयाञ्चक्रुवहे | घृणयाञ्चक्रुमहे |
| घृणयाञ्चभूव | घृणयामास | |
| आ० घृणयिषीष्ट | घृणयिषीयास्ताम् | घृणयिषीरन् |
| घृणयिषीष्टाः | घृणयिषीयास्थाम् | घृणयिषीद्वम् |
| घृणयिषीय | घृणयिषीवहि | घृणयिषीमहि |
| १० घृणयिता | घृणयितारौ | घृणयितारः |
| घृणयितासे | घृणयितासाथे | घृणयिताध्वे |
| घृणयिताहे | घृणयितास्वहे | घृणयितास्महे |
| अ० घृणयिष्यते | घृणयिष्येते | घृणयिष्यन्ते |
| घृणयिष्यसे | घृणयिष्येथे | घृणयिष्यध्वे |
| घृणयिष्ये | घृणयिष्यवहे | घृणयिष्यामहे |
| क्रि० अघृणयिष्यत | अघृणयिष्येताम् | अघृणयिष्यन्त |
| अघृणयिष्यथाः | अघृणयिष्येथाम् | अघृणयिष्यध्वम् |
| अघृणयिष्ये | अघृणयिष्यावहि | अघृणयिष्यामहि |

708 दुगि (दुष्) भ्रमणे ।

| | | | |
|-------|--------------------|----------------|---------------|
| ब० | घोणयति | घोणयतः | घोणयन्ति |
| | घोणयसि | घोणयथः | घोणयथ |
| | घोणयामि | घोणयावः | घोणयामः |
| स० | घोणयेत् | घोणयेताम् | घोणयेयुः |
| | घोणयेः | घोणयेतम् | घोणयेत |
| | घोणयेयम् | घोणयेव | घोणयेम |
| प० | घोणयतु | घोणयतात् | घोणयताम् |
| | घोणय | घोणयतात् | घोणयतम् |
| | घोणयानि | घोणयाव | घोणयाम |
| झ० | अघोणयत् | अघोणयताम् | अघोणयन् |
| | अघोणयः | अघोणयतम् | अघोणयत |
| | अघोणयम् | अघोणयाव | अघोणयाम |
| ञ० | अजुघुणत् | अजुघुणताम् | अजुघुणन् |
| | अजुघुणः | अजुघुणतम् | अजुघुणत |
| | अजुघुणम् | अजुघुणाव | अजुघुणाम |
| ट० | घोणयाश्चकार | घोणयाश्चक्रतुः | घोणयाश्चक्रुः |
| | घोणयाश्चकथ | घोणयाश्चक्रथुः | घोणयाश्चक्र |
| | घोणयाश्चकार-श्चक्र | घोणयाश्चक्रव | घोणयाश्चक्रम |
| | घोणयाम्बभूव | घोणयामास | |
| भा० | घोण्यात् | घोण्यास्ताम् | घोण्यासुः |
| | घोण्याः | घोण्यास्तम् | घोण्यास्त |
| | घोण्यासम् | घोण्यास्व | घोण्यारम |
| भ० | घोणयिता | घोणयितारौ | घोणयितारः |
| | घोणयितासि | घोणयितास्थः | घोणयितास्थ |
| | घोणयितास्मि | घोणयितास्वः | घोणयितास्मः |
| भ० | घोणयिष्यति | घोणयिष्यतः | घोणयिष्यन्ति |
| | घोणयिष्यसि | घोणयिष्यथः | घोणयिष्यथ |
| | घोणयिष्यामि | घोणयिष्यावः | घोणयिष्यामः |
| क्रि० | अघोणयिष्यत् | अघोणयिष्यताम् | अघोणयिष्यन् |
| | अघोणयिष्यः | अघोणयिष्यतम् | अघोणयिष्यत |
| | अघोणयिष्यम् | अघोणयिष्याव | अघोणयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| व० | घोणयते | घोणयेते | घोणयन्ते |
| | घोणयसे | घोणयेथे | घोणयन्वे |
| | घोणये | घोणयावहे | घोणयामहे |
| स० | घोणयेत | घोणयेयाताम् | घोणयेरन् |
| | घोणयेथाः | घोणयेयाथाम् | घोणयेष्वम् |
| | घोणयेय | घोणयेवहि | घोणयेमहि |
| प० | घोणयताम् | घोणयेताम् | घोणयन्ताम् |
| | घोणयस्व | घोणयेथाम् | घोणयष्वम् |
| | घोणये | घोणयावहे | घोणयामहे |
| झ० | अघोणयत | अघोणयेताम् | अघोणयन्त |
| | अघोणयथाः | अघोणयेथाम् | अघोणयष्वम् |
| | अघोणये | अघोणयावहि | अघोणयामहि |
| ञ० | अजुघुणत | अजुघुणेताम् | अजुघुणन्त |
| | अजुघुणथाः | अजुघुणथाम् | अजुघुणष्वम् |
| | अजुघुणे | अजुघुणावहि | अजुघुणामहि |
| प० | घोणयाश्चके | घोणयाश्चक्रते | घोणयाश्चक्रिरे |
| | घोणयाश्चकृषे | घोणयाश्चक्राथे | घोणयाश्चकृद्वे |
| | घोणयाश्चके | घोणयाश्चकृवहे | घोणयाश्चकृमहे |
| | घोणयाम्बभूव | घोणयामास | |
| भा० | घोणयिषीष्ट | घोणयिषीस्ताम् | घोणयिषीरन् |
| | घोणयिषीष्टाः | घोणयिषीस्याम् | घोणयिषीद्वम् |
| | घोणयिषीय | घोणयिषीवहि | घोणयिषीमहि |
| भ० | घोणयिता | घोणयितारौ | घोणयितारः |
| | घोणयितासे | घोणयितासाथे | घोणयिताच्चे |
| | घोणयिताहे | घोणयितास्वहे | घोणयितास्महे |
| भ० | घोणयिष्यते | घोणयिष्येते | घोणयिष्यन्ते |
| | घोणयिष्यसे | घोणयिष्येथे | घोणयिष्यन्वे |
| | घोणयिष्ये | घोणयिष्यावहे | घोणयिष्यामहे |
| क्रि० | अघोणयिष्यत | अघोणयिष्येताम् | अघोणयिष्यन्त |
| | अघोणयिष्यथाः | अघोणयिष्यथाम् | अघोणयिष्यष्वम् |
| | अघोणयिष्ये | अघोणयिष्यावहि | अघोणयिष्यामहि |

709 घृणि (घूर्ण) भ्रमणे ।

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| १० घूर्णयति | घूर्णयतः | घूर्णयन्ति |
| घूर्णयसि | घूर्णयथः | घूर्णयथ |
| घूर्णयामि | घूर्णयावः | घूर्णयामः |
| स० घूर्णयेत् | घूर्णयेताम् | घूर्णयेयुः |
| घूर्णयेः | घूर्णयेतम् | घूर्णयेत |
| घूर्णयेयम् | घूर्णयेव | घूर्णयेम |
| १० घूर्णयतु | घूर्णयतात् | घूर्णयताम् |
| घूर्णयः | घूर्णयतात् | घूर्णयताम् |
| घूर्णयानि | घूर्णयाव | घूर्णयाम |
| १० अघूर्णयत् | अघूर्णयताम् | अघूर्णयन् |
| अघूर्णयः | अघूर्णयतम् | अघूर्णयत |
| अघूर्णयम् | अघूर्णयाव | अघूर्णयाम |
| १० अजुघूर्णत् | अजुघूर्णताम् | अजुघूर्णन् |
| अजुघूर्णः | अजुघूर्णतम् | अजुघूर्णत |
| अजुघूर्णम् | अजुघूर्णाव | अजुघूर्णाम |
| १० घूर्णयाञ्चकार | घूर्णयाञ्चक्रतुः | घूर्णयाञ्चक्रुः |
| घूर्णयाञ्चकार्य | घूर्णयाञ्चक्रथुः | घूर्णयाञ्चक्र |
| घूर्णयाञ्चकार-चक्र | घूर्णयाञ्चक्रव | घूर्णयाञ्चक्रम |
| घूर्णयाम्भूव | घूर्णयामास | |
| १० घूर्णयात् | घूर्णयास्ताम् | घूर्णयासु |
| घूर्णयाः | घूर्णयास्तम् | घूर्णयास्त |
| घूर्णयासम् | घूर्णयास्व | घूर्णयास्म |
| १० घूर्णयिता | घूर्णयितारौ | घूर्णयितारः |
| घूर्णयितासि | घूर्णयितास्यः | घूर्णयितास्य |
| घूर्णयितास्मि | घूर्णयितास्वः | घूर्णयितास्मः |
| १० घूर्णयिष्यति | घूर्णयिष्यतः | घूर्णयिष्यन्ति |
| घूर्णयिष्यसि | घूर्णयिष्यथः | घूर्णयिष्यथ |
| घूर्णयिष्यामि | घूर्णयिष्यावः | घूर्णयिष्यामः |
| १० अघूर्णयिष्यत् | अघूर्णयिष्यताम् | अघूर्णयिष्यन् |
| अघूर्णयिष्यः | अघूर्णयिष्यतम् | अघूर्णयिष्यत |
| अघूर्णयिष्यम् | अघूर्णयिष्याव | अघूर्णयिष्याम |

| | | |
|------------------|-------------------|------------------|
| १० घूर्णयते | घूर्णयते | घूर्णयन्ते |
| घूर्णयसे | घूर्णयथे | घूर्णयथे |
| घूर्णयथे | घूर्णयावहे | घूर्णयामहे |
| स० घूर्णयेत | घूर्णयेयाताम् | घूर्णयेरन् |
| घूर्णयेथाः | घूर्णयेयाथाम | घूर्णयेध्वम् |
| घूर्णयेथ | घूर्णयेवहि | घूर्णयेमहि |
| १० घूर्णयताम् | घूर्णयेताम् | घूर्णयन्ताम् |
| घूर्णयस्व | घूर्णयेथाम | घूर्णयध्वम् |
| घूर्णये | घूर्णयावहे | घूर्णयामहे |
| १० अघूर्णयत् | अघूर्णयेताम् | अघूर्णयन्त |
| अघूर्णयथाः | अघूर्णयेथाम | अघूर्णयध्वम् |
| अघूर्णये | अघूर्णयावहि | अघूर्णयामहि |
| अ० अजुघूर्णत् | अजुघूर्णताम् | अजुघूर्णन्त |
| अजुघूर्णथाः | अजुघूर्णथाम | अजुघूर्णध्वम् |
| अजुघूर्ण | अजुघूर्णावहि | अजुघूर्णामहि |
| १० घूर्णयाञ्चके | घूर्णयाञ्चक्राते | घूर्णयाञ्चक्रिरे |
| घूर्णयाञ्चकृषे | घूर्णयाञ्चक्राये | घूर्णयाञ्चक्रुहे |
| घूर्णयाञ्चके | घूर्णयाञ्चक्रवहे | घूर्णयाञ्चक्रमहे |
| घूर्णयाम्भूव | घूर्णयामास | |
| १० घूर्णयिषीष्ट | घूर्णयिषीयास्ताम् | घूर्णयिषीरन् |
| घूर्णयिषीष्टाः | घूर्णयिषीयास्थाम | घूर्णयिषीध्वम् |
| घूर्णयिषीय | घूर्णयिषीवहि | घूर्णयिषीमहि |
| १० घूर्णयिता | घूर्णयितारौ | घूर्णयितारः |
| घूर्णयितसे | घूर्णयितासाथे | घूर्णयिताध्वे |
| घूर्णयिताहे | घूर्णयितास्वहे | घूर्णयितास्महे |
| १० घूर्णयिष्यते | घूर्णयिष्यते | घूर्णयिष्यन्ते |
| घूर्णयिष्यसे | घूर्णयिष्यथे | घूर्णयिष्यध्वे |
| घूर्णयिष्ये | घूर्णयिष्यावहे | घूर्णयिष्यामहे |
| १० अघूर्णयिष्यत् | अघूर्णयिष्यताम् | अघूर्णयिष्यन्त |
| अघूर्णयिष्यथाः | अघूर्णयिष्यथाम | अघूर्णयिष्यध्वम् |
| अघूर्णयिष्ये | अघूर्णयिष्यावहि | अघूर्णयिष्यामहि |

710 पणि (पण्) व्यवहारस्तुत्योः ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| ब० | पाणयति | पाणयतः | पाणयन्ति |
| | पाणयसि | पाणयथः | पाणयथ |
| | पाणयामि | पाणयावः | पाणयामः |
| स० | पाणयेत् | पाणयेताम् | पाणयेयुः |
| | पाणयेः | पाणयेतम् | पाणयेत |
| | पाणयेथम् | पाणयेव | पाणयेम |
| प० | पाणयतु | पाणयतात् | पाणयताम् |
| | पाणययः | पाणययात् | पाणययतम् |
| | पाणयानि | पाणयाव | पाणयाम |
| ह्य० | अपाणयत् | अपाणयताम् | अपाणयन् |
| | अपाणयः | अपाणयतम् | अपाणयत |
| | अपाणयम् | अपाणयाव | अपाणयाम |
| अ० | अपीपणत् | अपीपणताम् | अपीपणन् |
| | अपीपणः | अपीपणतम् | अपीपणत |
| | अपीपणम् | अपीपणाव | अपीपणाम |
| प० | पाणयाश्चकार | पाणयाश्चक्रुः | पाणयाश्चक्रुः |
| | पाणयाश्चकथ | पाणयाश्चक्रुः | पाणयाश्चक्रुः |
| | पाणयाश्चकार-चक्र | पाणयाश्चक्रुव | पाणयाश्चक्रुम |
| | पाणयाम्बभूव | पाणयामास | |
| आ० | पाणयात् | पाणयास्ताम् | पाणयास्तुः |
| | पाणयाः | पाणयास्तम् | पाणयास्त |
| | पाणयासम् | पाणयास्व | पाणयास्म |
| श्र० | पाणयिता | पाणयितारौ | पाणयितारः |
| | पाणयितासि | पाणयितास्थः | पाणयितास्थ |
| | पाणयितास्मि | पाणयितास्वः | पाणयितास्मः |
| भ० | पाणयिष्यति | पाणयिष्यतः | पाणयिष्यन्ति |
| | पाणयिष्यसि | पाणयिष्यथः | पाणयिष्यथ |
| | पाणयिष्यामि | पाणयिष्यावः | पाणयिष्यामः |
| क्रि० | अपाणयिष्यत् | अपाणयिष्यताम् | अपाणयिष्यन् |
| | अपाणयिष्यः | अपाणयिष्यतम् | अपाणयिष्यत |
| | अपाणयिष्यम् | अपाणयिष्याव | अपाणयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | पाणयते | पाणयते | पाणयन्ते |
| | पाणयसे | पाणयेथे | पाणयध्वे |
| | पाणये | पाणयावहे | पाणयामहे |
| स० | पाणयेत | पाणयेयाताम् | पाणयेरन् |
| | पाणयेथाः | पाणयेयाथाम् | पाणयेध्वम् |
| | पाणयेय | पाणयेवहि | पाणयेमहि |
| प० | पाणयताम् | पाणयेताम् | पाणयन्ताम् |
| | पाणयस्व | पाणयेथाम् | पाणयध्वम् |
| | पाणये | पाणयावहे | पाणयामहे |
| ह्य० | अपाणयत | अपाणयेताम् | अपाणयन्त |
| | अपाणयथाः | अपाणयेथाम् | अपाणयध्वम् |
| | अपाणये | अपाणयावहि | अपाणयामहि |
| अ० | अपीपणत | अपीपणताम् | अपीपणन्त |
| | अपीपणथाः | अपीपणेथाम् | अपीपणध्वम् |
| | अपीपणे | अपीपणवहि | अपीपणामहि |
| प० | पाणयाश्चक्रे | पाणयाश्चक्रते | पाणयाश्चक्रिरे |
| | पाणयाश्चक्रुषे | पाणयाश्चक्रथे | पाणयाश्चक्रुध्वे |
| | पाणयाश्चक्रे | पाणयाश्चक्रुवहे | पाणयाश्चक्रुमहे |
| | पाणयाम्बभूव | पाणयामास | |
| आ० | पाणयिषीष्ट | पाणयिषीयास्ताम् | पाणयिषीरन् |
| | पाणयिषीष्ठाः | पाणयिषीयाथाम् | पाणयिषीध्वम् |
| | पाणयिषीय | पाणयिषीवहि | पाणयिषीमहि |
| श्र० | पाणयिता | पाणयितारौ | पाणयितारः |
| | पाणयितासे | पाणयितासाथे | पाणयिताध्वे |
| | पाणयिताहे | पाणयितास्वहे | पाणयितास्महे |
| भ० | पाणयिष्यते | पाणयिष्येते | पाणयिष्यन्ते |
| | पाणयिष्यसे | पाणयिष्येथे | पाणयिष्यध्वे |
| | पाणयिष्ये | पाणयिष्यावहे | पाणयिष्यामहे |
| क्रि० | अपाणयिष्यत | अपाणयिष्येताम् | अपाणयिष्यन्त |
| | अपाणयिष्यथाः | अपाणयिष्येथाम् | अपाणयिष्यध्वम् |
| | अपाणयिष्ये | अपाणयिष्यावहि | अपाणयिष्यामहि |

॥ अथ तान्तास्त्रयः ॥

711 यतैर् (यत्) प्रयत्ने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | यातयति | यातयतः | यातयन्ति |
| | यातयसि | यातयथः | यातयथ |
| | यातयामि | यातयावः | यातयामः |
| स० | यातयेत् | यातयेताम् | यातयेयुः |
| | यातयेः | यातयेतम् | यातयेत |
| | यातयेयम् | यातयेव | यातयेम |
| प० | यातयतु | यातयतात् | यातयताम् |
| | यातय | यातयतात् | यातयतम् |
| | यातयानि | यातयाव | यातयाम |
| ह्य० | अयातयत् | अयातयताम् | अयातयन् |
| | अयातयः | अयातयतम् | अयातयत |
| | अयातयम् | अयातयाव | अयातयाम |
| अ० | अयीयतत् | अयीयतताम् | अयीयतन् |
| | अयीयतः | अयीयततम् | अयीयतत |
| | अयीयतम् | अयीयताव | अयीयताम |
| प० | यातयाञ्चकार | यातयाञ्चक्रुः | यातयाञ्चकुः |
| | यातयाञ्चकथ | यातयाञ्चक्रुः | यातयाञ्चक |
| | यातयाञ्चकार-चकर | यातयाञ्चक्रुव | यातयाञ्चक्रम |
| | यातयाम्बभूव । | यातयामास | |
| आ० | यात्यात् | यात्यास्ताम् | यात्यासुः |
| | यात्याः | यात्यास्तम् | यात्यास्त |
| | यात्यासम् | यात्यास्व | यात्यास्म |
| श्व० | यातयिता | यातयितारौ | यातयितारः |
| | यातयितासि | यातयितास्थः | यातयितास्थ |
| | यातयितास्मि | यातयितास्वः | यातयितास्मः |
| भ० | यातयिष्यति | यातयिष्यतः | यातयिष्यन्ति |
| | यातयिष्यसि | यातयिष्यथः | यातयिष्यथ |
| | यातयिष्यामि | यातयिष्यावः | यातयिष्यामः |
| क्रि० | अयातयिष्यत् | अयातयिष्यताम् | अयातयिष्यन् |
| | अयातयिष्यः | अयातयिष्यतम् | अयातयिष्यत |
| | अयातयिष्यम् | अयातयिष्याव | अयातयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | यातयते | यातयेते | यातयन्ते |
| | यातयसे | यातयेथे | यातयध्वे |
| | यातये | यातयावहे | यातयामहे |
| स० | यातयेत | यातयेयाताम् | यातयेरन् |
| | यातयेथाः | यातयेयाथाम् | यातयेध्वम् |
| | यातयेय | यातयेवहि | यातयेमहि |
| प० | यातयताम् | यातयेताम् | यातयन्ताम् |
| | यातयस्व | यातयेथाम् | यातयध्वम् |
| | यातयै | यातयावहै | यातयामहे |
| ह्य० | अयातयत | अयातयेताम् | अयातयन्त |
| | अयातयथाः | अयातयेथाम् | अयातयध्वम् |
| | अयातये | अयातयावहि | अयातयामहि |
| अ० | अयीयतत | अयीयतेताम् | अयीयतन्त |
| | अयीयतथाः | अयीयतेथाम् | अयीयतध्वम् |
| | अयीयते | अयीयतावहि | अयीयतामहि |
| प० | यातयाञ्चके | यातयाञ्चक्राते | यातयाञ्चकिरे |
| | यातयाञ्चकृषे | यातयाञ्चक्राथे | यातयाञ्चकृद्वे |
| | यातयाञ्चके | यातयाञ्चकृवहे | यातयाञ्चक्रमहे |
| | यातयाम्बभूव | यातयामास | |
| आ० | यातयिषीष्ट | यातयिषीयास्ताम् | यातयिषीरन् |
| | यातयिषीष्ठाः | यातयिषीयास्थाम् | यातयिषीध्वम् |
| | यातयिषीय | यातयिषीवहि | यातयिषीमहि |
| श्व० | यातयिता | यातयितारौ | यातयितारः |
| | यातयितासे | यातयितासाथे | यातयिताध्वे |
| | यातयिताहे | यातयितास्वहे | यातयितास्महे |
| भ० | यातयिष्यते | यातयिष्येते | यातयिष्यन्ते |
| | यातयिष्यसे | यातयिष्येथे | यातयिष्यध्वे |
| | यातयिष्ये | यातयिष्यावहे | यातयिष्यामहे |
| क्रि० | अयातयिष्यत | अयातयिष्येताम् | अयातयिष्यन्त |
| | अयातयिष्यथाः | अयातयिष्येथाम् | अयातयिष्यध्वम् |
| | अयातयिष्ये | अयातयिष्यावहि | अयातयिष्यामहि |

712 युतृङ् (युत्) भासने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | योतयति | योतयतः | योतयन्ति |
| | योतयसि | योतयथः | योतयथ |
| | योतयामि | योतयावः | योतयामः |
| स० | योतयेत् | योतयेताम् | योतयेयुः |
| | योतयेः | योतयेतम् | योतयेत |
| | योतयेयम् | योतयेव | योतयेम |
| प० | योतयतु | योतयतात् | योतयताम् |
| | योतय | योतयतात् | योतयतम् |
| | योतयानि | योतय व | योतयाम |
| ह्य० | अयोतयत् | अयोतयताम् | अयोतयन् |
| | अयोतयः | अयोतयतम् | अयोतयत |
| | अयोतयम् | अयोतयाव | अयोतयाम |
| अ० | अयुयोतत् | अयुयोतताम् | अयुयोतन् |
| | अयुयोतः | अयुयोततम् | अयुयोतत |
| | अयुयोतम् | अयुयोताव | अयुयोताम |
| प० | योतयाञ्चकार | योतयाञ्चक्रुः | योतयाञ्चकुः |
| | योतयाञ्चकथ | योतयाञ्चकथुः | योतयाञ्चक |
| | योतयाञ्चकार-चकर | योतयाञ्चक्रुव | योतयाञ्चक्रम |
| | योतयाञ्चभूव | । | योतयामास |
| आ० | योत्यात् | योत्यास्ताम् | योत्यासुः |
| | योत्याः | योत्यास्तम् | योत्यास्त |
| | योत्यास्म | योत्यास्व | योत्यास्म |
| श्व० | योतयिता | योतयितारौ | योतयितारः |
| | योतयितासि | योतयितास्थः | योतयितास्थ |
| | योतयितास्मि | योतयितास्वः | योतयितास्मः |
| भ० | योतयिष्यति | योतयिष्यतः | योतयिष्यन्ति |
| | योतयिष्यसि | योतयिष्यथः | योतयिष्यथ |
| | योतयिष्यामि | योतयिष्यावः | योतयिष्यामः |
| क्रि० | अयोतयिष्यत् | अयोतयिष्यताम् | अयोतयिष्यन् |
| | अयोतयिष्यः | अयोतयिष्यतम् | अयोतयिष्यत |
| | अयोतयिष्यम् | अयोतयिष्याव | अयोतयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | योतयते | योतयेते | योतयन्ते |
| | योतयसे | योतयथे | योतयन्वे |
| | योतये | योतयावहे | योतयामहे |
| स० | योतयेत | योतयेयाताम् | योतयेरन् |
| | योतयेथाः | योतयेयाथाम् | योतयेष्वम् |
| | योतयेय | योतयेवहि | योतयेमहि |
| प० | योतयताम् | योतयेताम् | योतयन्ताम् |
| | योतयस्व | योतयेथाम् | योतयष्वम् |
| | योतयै | योतयावहै | योतयामहै |
| ह्य० | अयोतयत | अयोतयेताम् | अयोतयन्त |
| | अयोतयथाः | अयोतयेथाम् | अयोतयष्वम् |
| | अयोतये | अयोतयावहि | अयोतयामहि |
| अ० | अयुयोतत | अयुयोतेताम् | अयुयोतन्त |
| | अयुयोतथाः | अयुयोतेथाम् | अयुयोतष्वम् |
| | अयुयोते | अयुयोतावहि | अयुयोतामहि |
| प० | योतयाञ्चक्रे | योतयाञ्चक्राते | योतयाञ्चकिरे |
| | योतयाञ्चकृषे | योतयाञ्चक्राथे | योतयाञ्चकृद्वे |
| | योतयाञ्चक्रे | योतयाञ्चकृवहे | योतयाञ्चकृमहे |
| | योतयाञ्चभूव | । | योतयामास |
| आ० | योतयिषीष्ट | योतयिषीयास्ताम् | योतयिषीरन् |
| | योतयिषीष्ठाः | योतयिषीयास्थाम् | योतयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | योतयिषीय | योतयिषीवहि | योतयिषीमहि |
| श्व० | योतयिता | योतयितारौ | योतयितारः |
| | योतयितासे | योतयितासाथे | योतयिताध्वे |
| | योतयिताहे | योतयितास्वहे | योतयितास्महे |
| भ० | योतयिष्यते | योतयिष्येते | योतयिष्यन्ते |
| | योतयिष्यसे | योतयिष्येथे | योतयिष्यध्वे |
| | योतयिष्ये | योतयिष्यावहे | योतयिष्यामहे |
| क्रि० | अयोतयिष्यत | अयोतयिष्येताम् | अयोतयिष्यन्त |
| | अयोतयिष्यथाः | अयोतयिष्येथाम् | अयोतयिष्यध्वम् |
| | अयोतयिष्ये | अयोतयिष्यावहि | अयोतयिष्यामहि |

713 जुत् (जुत्) भासने ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| १० जोतयति | जोतयतः | जोतयन्ति |
| जोतयसि | जोतयथः | जोतयथ |
| जोतयामि | जोतयावः | जोतयामः |
| स० जोतयेत् | जोतयेताम् | जोतयेयुः |
| जोतयेः | जोतयेतम् | जोतयेत |
| जोतयेयम् | जोतयेव | जोतयेम |
| प० जोतयतु | जोतयतात् | जोतयताम् |
| जोतय | जोतयतात् | जोतयतम् |
| जोतयानि | जोतय व | जोतयाम |
| १०० अजोतयत् | अजोतयताम् | अजोतयन् |
| अजोतयः | अजोतयतम् | अजोतयत |
| अजोतयम् | अजोतयाव | अजोतयाम |
| अ० अजुजोतत् | अजुजोतताम् | अजुजोतन् |
| अजुजोतः | अजुजोततम् | अजुजोतत |
| अजुजोतम् | अजुजोताव | अजुजोताम |
| प० जोतयाश्चकार | जोतयाश्चक्रुः | जोतयाश्चकुः |
| जोतयाश्चकथ | जोतयाश्चक्रुः | जोतयाश्चक |
| जोतयाश्चकार-चकर | जोतयाश्चक्रव | जोतयाश्चक्रुम |
| जोतयाम्बभूष | । | जोतयामास |
| आ० जोत्यात् | जोत्यास्ताम् | जोत्यासुः |
| ओत्याः | ओत्यास्तम् | जोत्यास्त |
| जोत्यास्तम् | ओत्यास्व | जोत्यास्म |
| श्व० जोतयिता | जोतयितारौ | जोतयितारः |
| जोतयितासि | जोतयितास्थः | जोतयितास्थ |
| जोतयितास्मि | जोतयितास्वः | जोतयितास्मः |
| भ० जोतयिष्यति | जोतयिष्यतः | जोतयिष्यन्ति |
| जोतयिष्यसि | जोतयिष्यथः | जोतयिष्यथ |
| जोतयिष्यामि | जोतयिष्यावः | जोतयिष्यामः |
| क्रि० अजोतयिष्यत् | अजोतयिष्यताम् | अजोतयिष्यन् |
| अजोतयिष्यः | अजोतयिष्यतम् | अजोतयिष्यत |
| अजोतयिष्यम् | अजोतयिष्याव | अजोतयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| व० जोतयते | जोतयते | जोतयन्ते |
| जोतयसे | जोतयथे | जोतयध्वे |
| जोतये | जोतयावहे | जोतयामहे |
| स० जोतयेत | जोतयेयाताम् | जोतयेग्न |
| जोतयेथाः | जोतयेयाथाम् | जोतयेध्वम् |
| जोतयेय | जोतयेवहि | जोतयेमहि |
| प० जोतयताम् | जोतयेताम् | जोतयन्ताम् |
| जोतयस्व | जोतयेथाम् | जोतयध्वम् |
| जोतये | जोतयावहे | जोतयामहे |
| १०० अजोतयत | अजोतयेताम् | अजोतयन्त |
| अजोतयथाः | अजोतयेथाम् | अजोतयध्वम् |
| अजोतये | अजोतयावहि | अजोतयामहि |
| अ० अजुजोतत | अजुजोतेताम् | अजुजोतन्त |
| अजुजोतथाः | अजुजोतेथाम् | अजुजोतध्वम् |
| अजुजोते | अजुजोतावहि | अजुजोतामहि |
| प० जोतयाश्चक्रे | जोतयाश्चक्रते | जोतयाश्चक्रिरे |
| जोतयाश्चक्रुषे | जोतयाश्चक्राथे | जोतयाश्चक्रुध्वे |
| जोतयाश्चक्रे | जोतयाश्चक्रुवहे | जोतयाश्चक्रुमहे |
| जोतयाम्बभूव | । | जोतयामास |
| आ० जोतयिषीष्ट | जोतयिषीयास्ताम् | जोतयिषीरन् |
| जोतयिषीष्ठाः | जोतयिषीयास्थाम् | जोतयिषीध्वम् |
| जोतयिषीय | जोतयिषीवहि | जोतयिषीमहि |
| श्व० जोतयिता | जोतयितारौ | जोतयितारः |
| जोतयितासे | जोतयितासाथे | जोतयिताध्वे |
| जोतयिताहे | जोतयितास्वहे | जोतयितास्महे |
| भ० जोतयिष्यते | जोतयिष्येते | जोतयिष्यन्ते |
| जोतयिष्यसे | जोतयिष्येथे | जोतयिष्यध्वे |
| जोतयिष्ये | जोतयिष्यावहे | जोतयिष्यामहे |
| क्रि० अजोतयिष्यत | अजोतयिष्येताम् | अजोतयिष्यन्त |
| अजोतयिष्यथाः | अजोतयिष्येथाम् | अजोतयिष्यध्वम् |
| अजोतयिष्ये | अजोतयिष्यावहि | अजोतयिष्यामहि |

अथ धान्ताः षट्

714 विथृङ् [विथृ] याचने

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| १० वेथयति | वेथयतः | वेथयन्ति |
| वेथयसि | वेथयथः | वेथयथ |
| वेथयामि | वेथयावः | वेथयामः |
| स० वेथयेत् | वेथयेताम् | वेथयेयुः |
| वेथयेः | वेथयेतम् | वेथयेत |
| वेथयेयम् | वेथयेव | वेथयेम |
| प० वेथयतु | वेथयतात् | वेथयताम् |
| वेथय | वेथयतम् | वेथयत |
| वेथयानि | वेथयाव | वेथयाम |
| ह्य० अवेथयत् | अवेथयताम् | अवेथयन् |
| अवेथयः | अवेथयतम् | अवेथयत |
| अवेथयम् | अवेथयाव | अवेथयाम |
| अ० अविवेथत् | अविवेथताम् | अविवेथन् |
| अविवेथः | अविवेथतम् | अविवेथत |
| अविवेथम् | अविवेथाव | अविवेथाम |
| प वेथयाञ्चकार | वेथयाञ्चक्रुः | वेथयाञ्चकुः |
| वेथयाञ्चकथं | वेथयाञ्चकथुः | वेथयाञ्चक |
| वेथयाञ्चकार-चकर | वेथयाञ्चकृव | वेथयाञ्चकृम |
| वेथयाञ्चभूव । वेथयामास | | |
| आ० वेथ्यात् | वेथ्यास्ताम् | वेथ्यासुः |
| वेथ्याः | वेथ्यारतम् | वेथ्यास्त |
| वेथ्यासम् | वेथ्यास्व | वेथ्यास्म |
| थ० वेथयिता | वेथयितारौ | वेथयितारः |
| वेथयितासि | वेथयितास्थः | वेथयितास्थ |
| वेथयितास्मि | वेथयितारवः | वेथयितास्मः |
| भ० वेथयिष्यति | वेथयिष्यतः | वेथयिष्यन्ति |
| वेथयिष्यसि | वेथयिष्यथः | वेथयिष्यथ |
| वेथयिष्यामि | वेथयिष्यावः | वेथयिष्यामः |
| क्रि० अवेथयिष्यत् | अवेथयिष्यताम् | अवेथयिष्यन् |
| अवेथयिष्यः | अवेथयिष्यतम् | अवेथयिष्यत |
| अवेथयिष्यम् | अवेथयिष्याव | अवेथयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० वेथयते | वेथयेते | वेथयन्ते |
| वेथयसे | वेथयेथे | वेथयन्वे |
| वेथये | वेथयावहे | वेथयामहे |
| स० वेथयेत | वेथयेताम् | वेथयेयुः |
| वेथयेथाः | वेथयेथाम् | वेथयेथ्वम् |
| वेथयेय | वेथयेवहि | वेथयेमहि |
| प० वेथयताम् | वेथयेताम् | वेथयन्ताम् |
| वेथयस्व | वेथयेथाम् | वेथयन्वम् |
| वेथये | वेथयावहे | वेथयामहे |
| ह्य० अवेथयत | अवेथयेताम् | अवेथयन्त |
| अवेथयथाः | अवेथयेथाम् | अवेथयन्वम् |
| अवेथये | अवेथयावहि | अवेथयामहि |
| अ० अविवेथत | अविवेथेताम् | अविवेथन्त |
| अविवेथथाः | अविवेथेथाम् | अविवेथन्वम् |
| अविवेथे | अविवेथावहि | अविवेथामहि |
| प० वेथयाञ्चक्रे | वेथयाञ्चक्राते | वेथयाञ्चक्रे |
| वेथयाञ्चकृषे | वेथयाञ्चक्राये | वेथयाञ्चकृवहे |
| वेथयाञ्चके | वेथयाञ्चकृवहे | वेथयाञ्चकृमहे |
| वेथयाञ्चभूव । वेथयामास | | |
| आ० वेथयिषीष्ट | वेथयिषीयास्ताम् | वेथयिषीरन् |
| वेथयिषीष्टाः | वेथयिषीयास्थाम् | वेथयिषीष्ट्वम् |
| वेथयिषीय | वेथयिषीवहि | वेथयिषीमहि |
| थ० वेथयिता | वेथयितारौ | वेथयितारः |
| वेथयितासे | वेथयितासाथे | वेथयितास्वे |
| वेथयिताहे | वेथयितास्वहे | वेथयितास्महे |
| भ० वेथयिष्यते | वेथयिष्यन्ते | वेथयिष्यन्ते |
| वेथयिष्यसे | वेथयिष्यथे | वेथयिष्यन्वे |
| वेथयिष्ये | वेथयिष्यावहे | वेथयिष्यामहे |
| क्रि० अवेथयिष्यत् | अवेथयिष्यताम् | अवेथयिष्यन् |
| अवेथयिष्यथाः | अवेथयिष्येथाम् | अवेथयिष्यन्वम् |
| अवेथयिष्ये | अवेथयिष्यावहि | अवेथयिष्यामहि |

715 वेथृङ् (वेथृ) याचने । ह्यणि तस्य 714 विथृङ् दवसेयान् ।

716 नाथङ् [नाथ्] उपतापैश्वर्याशीःषु च

| | | |
|------------|-----------|----------|
| ३० नाथयति | नाथयतः | नाथयन्ति |
| नाथयसि | नाथयथः | नाथयथ |
| नाथयामि | नाथयावः | नाथयामः |
| स० नाथवेत् | नाथयेताम् | नाथयेयुः |
| नाथयेः | नाथयेतम् | नाथयेत |
| नाथयेयम् | नाथयेव | नाथयेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० नाथयतु | नाथयतात् | नाथयताम् | नाथयन्तु |
| नाथय | ” | नाथयतम् | नाथयत |
| नाथयानि | नाथयाव | नाथयाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| अ० अनाथयत् | अनाथयताम् | अनाथयन् |
| अनाथयः | अनाथयतम् | अनाथयत |
| अनाथयम् | अनाथयाव | अनाथयाम |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| अ० अननाथत् | अननाथताम् | अननाथन् |
| अननाथः | अननाथतम् | अननाथत |
| अननाथम् | अननाथाव | अननाथाम |

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| प नाथयाञ्चकार | नाथयाञ्चकतुः | नाथयाञ्चकुः |
| नाथयाञ्चकर्थ | नाथयाञ्चकथः | नाथयाञ्चक |
| नाथयाञ्चकार-चक्र | नाथयाञ्चकृव | नाथयाञ्चकृम |

नाथयाम्बभूव । नथयामास

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० नाथ्यात् | नाथ्यास्ताम् | नाथ्यासुः |
| नाथ्याः | नाथ्यास्तम् | नाथ्यास्त |
| नाथ्यासम् | नाथ्यास्व | नाथ्यास्म |

| | | |
|-------------|--------------|-------------|
| अ० नाथयिता | नाथयितारौ | नाथयितारः |
| नाथयितासि | ध० ययितास्थः | नाथयितास्थ |
| नाथयितास्मि | नाथयितास्वः | नाथयितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| अ० नाथयिष्यति | नाथयिष्यतः | नाथयिष्यन्ति |
| नाथयिष्यसि | नाथयिष्यथः | नाथयिष्यथ |
| नाथयिष्यामि | नाथयिष्यावः | नाथयिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अनाथयिष्यत् | अनाथयिष्यताम् | अनाथयिष्यन् |
| अनाथयिष्यः | अनाथयिष्यतम् | अनाथयिष्यत |
| अनाथयिष्यम् | अनाथयिष्याव | अनाथयिष्याम |

| | | |
|-----------|----------|----------|
| व० नाथयते | नाथयेते | नाथयन्ते |
| नाथयसे | नाथयेथे | नाथयध्वे |
| नाथये | नाथयावहे | नाथयामहे |

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| स० नाथयेत | नाथयेताताम् | नाथयेरन् |
| नाथयेथाः | नाथयेथाताम् | नाथयेध्वम् |
| नाथयेय | नाथयेवहि | नाथयेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० नाथयताम् | नाथयेताम् | नाथयन्ताम् |
| नाथयस्व | नाथयेथाम् | नाथयध्वम् |
| नाथये | नाथयावहै | नाथयामहै |

| | | |
|------------|------------|------------|
| ह्य अनाथयत | अनाथयेताम् | अनाथयन्त |
| अनाथयथाः | अनाथयेथाम् | अनाथयध्वम् |
| अनाथये | अनाथयावहि | अनाथयामहि |

| | | |
|-----------|------------|------------|
| अ० अननाथत | अननाथेताम् | अननाथन्त |
| अननाथथाः | अननाथेथाम् | अननाथध्वम् |
| अननाथे | अननाथावहि | अननाथामहि |

| | | |
|---------------|---------------|----------------|
| प० नाथयाञ्चके | नाथयाञ्चकाते | नाथयाञ्चकिरे |
| नाथयाञ्चकृषे | नाथयाञ्चकथे | नाथयाञ्चकृद्वे |
| नाथयाञ्चके | नाथयाञ्चकृवहे | नाथयाञ्चकृमहे |

नाथयाम्बभूव । नाथयामास

| | | |
|---------------|-----------------|--------------|
| आ० नाथयिषीष्ट | नाथयिषीयास्ताम् | नाथयिषीरन् |
| नाथयिषीष्ठाः | नाथयिषीयास्थाम् | नाथयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |

| | | |
|----------|------------|------------|
| नाथयिषीथ | नाथयिषीवहि | नाथयिषीमहि |
|----------|------------|------------|

| | | |
|------------|--------------|--------------|
| अ० नाथयिता | नाथयितारौ | नाथयितारः |
| नाथयितासे | नाथयितासाथे | नाथयिताध्वे |
| नाथयिताहे | नाथयितास्वहे | नाथयितास्महे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| अ० नाथयिष्यते | नाथयिष्येते | नाथयिष्यन्ते |
| नाथयिष्यसे | नाथयिष्येथे | नाथयिष्यध्वे |
| नाथयिष्ये | नाथयिष्यावहे | नाथयिष्यामहे |

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| क्रि० अनाथयिष्यत् | अनाथयिष्यताम् | अनाथयिष्यन्त |
| अनाथयिष्यथाः | अनाथयिष्येथाम् | अनाथयिष्यध्वम् |
| अनाथयिष्ये | अनाथयिष्यावहि | अनाथयिष्यामहि |

717 अथुङ्क [अन्थ्] शैथिल्ये ।

| | | | |
|-------|--------------------------|---------------|---------------------|
| ब० | अन्थयति | अन्थयतः | अन्थयन्ति |
| | अन्थयसि | अन्थयथः | अन्थयथ |
| | अन्थयामि | अन्थयावः | अन्थयामः |
| स० | अन्थयेत् | अन्थयेताम् | अन्थयेयुः |
| | अन्थयेः | अन्थयेतम् | अन्थयेत |
| | अन्थयेयम् | अन्थयेव | अन्थयेम |
| प० | अन्थयतु | अन्थयतात् | अन्थयताम् अन्थयन्तु |
| | अन्थय | अन्थयतम् | अन्थयत |
| | अन्थयानि | अन्थयाव | अन्थयाम |
| ह्य० | अन्थयत् | अन्थयताम् | अन्थयन् |
| | अन्थयः | अन्थयतम् | अन्थयत |
| | अन्थयम् | अन्थयाव | अन्थयाम |
| अ० | अशन्थत् | अशन्थताम् | अशन्थन् |
| | अशन्थः | अशन्थतम् | अशन्थत |
| | अशन्थम् | अशन्थाव | अशन्थाम |
| प० | अन्थयाञ्चकार | अन्थयाञ्चकतुः | अन्थयाञ्चकुः |
| | अन्थयाञ्चकर्थ | अन्थयाञ्चकथुः | अन्थयाञ्चक |
| | अन्थयाञ्चकार-चकर | अन्थयाञ्चकृव | अन्थयाञ्चकृम |
| | अन्थयाम्बभूव । अन्थयामास | | |
| आ० | अन्थ्यात् | अन्थ्यास्ताम् | अन्थ्यासुः |
| | अन्थ्याः | अन्थ्यास्तम् | अन्थ्यास्त |
| | अन्थ्यासम् | अन्थ्यास्व | अन्थ्यासम |
| च० | अन्थयिता | अन्थयितारौ | अन्थयितारः |
| | अन्थयितासि | अन्थयितास्थः | अन्थयितास्थ |
| | अन्थयितास्मि | अन्थयितास्वः | अन्थयितास्मः |
| भ० | अन्थयिष्यति | अन्थयिष्यतः | अन्थयिष्यन्ति |
| | अन्थयिष्यसि | अन्थयिष्यथः | अन्थयिष्यथ |
| | अन्थयिष्यामि | अन्थयिष्यावः | अन्थयिष्यामः |
| क्रि० | अन्थयिष्यत् | अन्थयिष्यताम् | अन्थयिष्यन् |
| | अन्थयिष्यः | अन्थयिष्यतम् | अन्थयिष्यत |
| | अन्थयिष्यम् | अन्थयिष्याव | अन्थयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------------------|------------------|------------------|
| व० | अन्थयते | अन्थयेते | अन्थयन्ते |
| | अन्थयसे | अन्थयेथे | अन्थयन्वे |
| | अन्थये | अन्थयावहे | अन्थयामहे |
| स० | अन्थयेत | अन्थयेयाताम् | अन्थयेरन् |
| | अन्थयेथाः | अन्थयेयाथाम् | अन्थयेष्वम् |
| | अन्थयेथ | अन्थयेवहि | अन्थयेमहि |
| प० | अन्थयताम् | अन्थयेताम् | अन्थयन्ताम् |
| | अन्थयस्व | अन्थयेथाम् | अन्थयेष्वम् |
| | अन्थये | अन्थयावहै | अन्थयामहै |
| ह्य० | अशन्थयत | अशन्थयेताम् | अशन्थयन्त |
| | अशन्थयथाः | अशन्थयेथाम् | अशन्थयेष्वम् |
| | अशन्थये | अशन्थयावहि | अशन्थयामहि |
| अ० | अशन्थयत | अशन्थयेताम् | अशन्थयन्त |
| | अशन्थयथाः | अशन्थयेथाम् | अशन्थयेष्वम् |
| | अशन्थये | अशन्थयावहि | अशन्थयामहि |
| प० | अन्थयाञ्चके | अन्थयाञ्चकाते | अन्थयाञ्चकिरे |
| | अन्थयाञ्चकृषे | अन्थयाञ्चकाये | अन्थयाञ्चकृद्वे |
| | अन्थयाञ्चके | अन्थयाञ्चकृवहे | अन्थयाञ्चकृमहे |
| | अन्थयाम्बभूव । अन्थयामास | | |
| आ० | अन्थयिषीष्ट | अन्थयिषीयास्ताम् | अन्थयिषीरन् |
| | अन्थयिषीष्टाः | अन्थयिषीयास्थाम् | अन्थयिषीद्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | अन्थयिषीय | अन्थयिषीवहि | अन्थयिषीमहि |
| च० | अन्थयिता | अन्थयितारौ | अन्थयितारः |
| | अन्थयितासे | अन्थयितासाथे | अन्थयिताश्चै |
| | अन्थयिताहे | अन्थयितास्वहे | अन्थयितास्महे |
| भ० | अन्थयिष्यते | अन्थयिष्येते | अन्थयिष्यन्ते |
| | अन्थयिष्यसे | अन्थयिष्येथे | अन्थयिष्यन्वे |
| | अन्थयिष्ये | अन्थयिष्यावहे | अन्थयिष्यामहे |
| क्रि० | अशन्थयिष्यत | अशन्थयिष्येताम् | अशन्थयिष्यन्त |
| | अशन्थयिष्यथाः | अशन्थयिष्येथाम् | अशन्थयिष्येष्वम् |
| | अशन्थयिष्ये | अशन्थयिष्यावहि | अशन्थयिष्यामहि |

718 ग्रथुङ् [ग्रन्थ] कौटिल्ये ।

| | | |
|------------------------------|-------------------|-----------------|
| ब० ग्रन्थयति | ग्रन्थयतः | ग्रन्थयन्ति |
| ग्रन्थयसि | ग्रन्थययः | ग्रन्थयथ |
| ग्रन्थयामि | ग्रन्थयावः | ग्रन्थयामः |
| स० ग्रन्थयेत् | ग्रन्थयेताम् | ग्रन्थयेयुः |
| ग्रन्थयेः | ग्रन्थयेतम् | ग्रन्थयेत |
| ग्रन्थयेयम् | ग्रन्थयेव | ग्रन्थयेम |
| प० ग्रन्थयतु | ग्रन्थयतात् | ग्रन्थयताम् |
| ग्रन्थय | ग्रन्थयतम् | ग्रन्थयत |
| ग्रन्थयानि | ग्रन्थयाव | ग्रन्थयाम |
| भा० अग्रन्थयत् | अग्रन्थयताम् | अग्रन्थयन् |
| अग्रन्थयः | अग्रन्थयतम् | अग्रन्थयत |
| अग्रन्थयम् | अग्रन्थयाव | अग्रन्थयाम |
| अ० अजग्रन्थयत् | अजग्रन्थयताम् | अजग्रन्थयन् |
| अजग्रन्थयः | अजग्रन्थयतम् | अजग्रन्थयत |
| अजग्रन्थयम् | अजग्रन्थयाव | अजग्रन्थयाम |
| प० ग्रन्थयाज्ञकार | ग्रन्थयाज्ञकतु | ग्रन्थयाज्ञकः |
| ग्रन्थयाज्ञकर्तुः | ग्रन्थयाज्ञकर्तुः | ग्रन्थयाज्ञक |
| ग्रन्थयाज्ञकार-चकर | ग्रन्थयाज्ञकृव | ग्रन्थयाज्ञकृम |
| ग्रन्थयाम्बभूव । ग्रन्थयामास | | |
| भा० ग्रन्थ्यात् | ग्रन्थ्यास्ताम् | ग्रन्थ्यासुः |
| ग्रन्थ्याः | ग्रन्थ्यास्तम् | ग्रन्थ्यास्त |
| ग्रन्थ्यासम् | ग्रन्थ्यास्व | ग्रन्थ्यास्म |
| श्व० ग्रन्थयिता | ग्रन्थयितारौ | ग्रन्थयितारः |
| ग्रन्थयितासि | ग्रन्थयितास्थः | ग्रन्थयितास्थः |
| ग्रन्थयितास्मि | ग्रन्थयितास्वः | ग्रन्थयितास्मः |
| भ० ग्रन्थयिष्यति | ग्रन्थयिष्यतः | ग्रन्थयिष्यन्ति |
| ग्रन्थयिष्यसि | ग्रन्थयिष्यथः | ग्रन्थयिष्यथ |
| ग्रन्थयिष्यामि | ग्रन्थयिष्यावः | ग्रन्थयिष्यामः |
| क्रि० अग्रन्थयिष्यत् | अग्रन्थयिष्यताम् | अग्रन्थयिष्यन् |
| अग्रन्थयिष्यः | अग्रन्थयिष्यतम् | अग्रन्थयिष्यत |
| अग्रन्थयिष्यम् | अग्रन्थयिष्याव | अग्रन्थयिष्याम |

| | | |
|------------------------------|--------------------|-------------------|
| व० ग्रन्थयते | ग्रन्थयेते | ग्रन्थयन्ते |
| ग्रन्थयसे | ग्रन्थयेथे | ग्रन्थयावे |
| ग्रन्थये | ग्रन्थयावहे | ग्रन्थयामहे |
| स० ग्रन्थयेत | ग्रन्थयेयाताम् | ग्रन्थयेरन् |
| ग्रन्थयेथाः | ग्रन्थयेयाथाम् | ग्रन्थयेध्वम |
| ग्रन्थयेय | ग्रन्थयेवहि | ग्रन्थयेमहि |
| प० ग्रन्थयताम् | ग्रन्थयेताम् | ग्रन्थयन्ताम् |
| ग्रन्थयस्व | ग्रन्थयेथाम् | ग्रन्थयध्वम |
| ग्रन्थये | ग्रन्थयावहै | ग्रन्थयामहै |
| हा० अग्रन्थयत | अग्रन्थयेताम् | अग्रन्थयन्त |
| अग्रन्थयथाः | अग्रन्थयेथाम् | अग्रन्थयध्वम् |
| अग्रन्थये | अग्रन्थयावहि | अग्रन्थयामहि |
| अ० अजग्रन्थयत | अजग्रन्थयेताम् | अजग्रन्थयन्त |
| अजग्रन्थयथाः | अजग्रन्थयेथाम् | अजग्रन्थयध्वम |
| अजग्रन्थये | अजग्रन्थयावहि | अजग्रन्थयामहि |
| प० ग्रन्थयाज्ञक्रे | ग्रन्थयाज्ञकृते | ग्रन्थयाज्ञकृत्रे |
| ग्रन्थयाज्ञकृषे | ग्रन्थयाज्ञकृष्ये | ग्रन्थयाज्ञकृष्वे |
| ग्रन्थयाज्ञक्रे | ग्रन्थयाज्ञकृवहे | ग्रन्थयाज्ञकृमहे |
| ग्रन्थयाम्बभूव । ग्रन्थयामास | | |
| भा० ग्रन्थयिषीष्ट | ग्रन्थयिषीयास्ताम् | ग्रन्थयिषीरन् |
| ग्रन्थयिषीष्टाः | ग्रन्थयिषीयास्थाम् | ग्रन्थयिषीष्टम् |
| ग्रन्थयिषीय | ग्रन्थयिषीवहि | ग्रन्थयिषीमहि |
| श्व० ग्रन्थयिता | ग्रन्थयितारौ | ग्रन्थयितारः |
| ग्रन्थयितासे | ग्रन्थयितासाथे | ग्रन्थयिताध्वे |
| ग्रन्थयिताहे | ग्रन्थयितास्वहे | ग्रन्थयितास्महे |
| भ० ग्रन्थयिष्यते | ग्रन्थयिष्येते | ग्रन्थयिष्यन्ते |
| ग्रन्थयिष्यसे | ग्रन्थयिष्येथे | ग्रन्थयिष्येथे |
| ग्रन्थयिष्ये | ग्रन्थयिष्यावहे | ग्रन्थयिष्यामहे |
| क्रि० अग्रन्थयिष्यत | अग्रन्थयिष्येताम् | अग्रन्थयिष्यन्त |
| अग्रन्थयिष्यथाः | अग्रन्थयिष्येथाम् | अग्रन्थयिष्यध्वम् |
| अग्रन्थयिष्ये | अग्रन्थयिष्यावहि | अग्रन्थयिष्यामहि |

719 कथि [कथ्] श्लाघायाम् ।

| | | |
|----------------------|--------------|--------------|
| ब० कथयति | कथयतः | कथयन्ति |
| कथयसि | कथयथः | कथयथ |
| कथयामि | कथयावः | कथयामः |
| स० कथयेत् | कथयेताम् | कथयेयुः |
| कथयेः | कथयेतम् | कथयेत |
| कथयेयम् | कथयेव | कथयेम |
| प० कथयतु | कथयतात् | कथयताम् |
| कथय | कथयतम् | कथयत |
| कथयानि | कथयाव | कथयाम |
| ह्य० अकथयत् | अकथयताम् | अकथयन् |
| अकथयः | अकथयतम् | अकथयत |
| अकथयम् | अकथयाव | अकथयाम |
| अ० अचकथत् | अचकथताम् | अचकथन् |
| अचकथः | अचकथतम् | अचकथत |
| अचकथम् | अचकथाव | अचकथाम |
| प वत्थयाञ्चकार | कथयाञ्चक्रुः | कथयाञ्चक्रुः |
| कथयाञ्चकर्तुं | कथयाञ्चक्रुः | कथयाञ्चक्रुः |
| कथयाञ्चकार-चकर | कथयाञ्चक्रुव | कथयाञ्चक्रुम |
| कथयाम्बभूव । कथयामास | | |
| आ० कथ्यात् | कथ्यास्ताम् | कथ्यासुः |
| वत्थ्याः | कथ्यास्तम् | कथ्यास्त |
| कथ्यासम् | कथ्यास्व | कथ्यास्म |
| श्व० कथयिता | कथयितारौ | कथयितारः |
| कथयितासि | कथयितास्थः | कथयितास्थ |
| कथयितास्मि | कथयितास्वः | कथयितास्मः |
| भ० कथयिष्यति | कथयिष्यतः | कथयिष्यन्ति |
| कथयिष्यसि | कथयिष्यथः | कथयिष्यथ |
| कथयिष्यामि | कथयिष्यावः | कथयिष्यामः |
| क्रि० अकथयिष्यत् | अकथयिष्यताम् | अकथयिष्यन् |
| अकथयिष्यः | अकथयिष्यतम् | अकथयिष्यत |
| अकथयिष्यम् | अकथयिष्याव | अकथयिष्याम |

| | | |
|----------------------|----------------|---------------|
| व० कथयते | कथयेते | कथयन्ते |
| कथयसे | कथयेथे | कथयन्थे |
| कथये | कथयावहे | कथयामहे |
| स० कथयेत | कथयेयाताम् | कथयेरन् |
| कथयेथाः | कथयेयाथाम् | कथयेध्वम् |
| कथयेय | कथयेवहि | कथयेमहि |
| प० कथयताम् | कथयेताम् | कथयन्ताम् |
| कथयस्व | कथयेथाम् | कथयध्वम् |
| कथयै | कथयावहै | कथयामहै |
| ह्य० अकथयत | अकथयेताम् | अकथयन्त |
| अकथयथाः | अकथयेथाम् | अकथयध्वम् |
| अकथये | अकथयावहि | अकथयामहि |
| अ० अचकथत | अचकथेताम् | अचकथन्त |
| अचकथथाः | अचकथेथाम् | अचकथध्वम् |
| अचकथे | अचकथावहि | अचकथामहि |
| प० कथयाञ्चके | कथयाञ्चक्राते | कथयाञ्चक्रिरे |
| कथयाञ्चकृषे | कथयाञ्चक्राये | कथयाञ्चकृद्वे |
| कथयाञ्चके | कथयाञ्चकृवहे | कथयाञ्चकृमहे |
| कथयाम्बभूव । कथयामास | | |
| आ० कथयिषीष्ट | कथयिषीयास्ताम् | कथयिषीरन् |
| कथयिषीष्टाः | कथयिषीयास्थाम् | कथयिषीद्वम् |
| ध्वम् | | |
| कथयिषीय | कथयिषीवहि | कथयिषीमहि |
| श्व० कथयिता | कथयितारौ | कथयितारः |
| कथयितासे | कथयितासाथे | कथयिताध्वे |
| कथयिताहे | कथयितास्वहे | कथयितास्महे |
| भ० कथयिष्यते | कथयिष्येते | कथयिष्यन्ते |
| कथयिष्यसे | कथयिष्येथे | कथयिष्यन्थे |
| कथयिष्ये | कथयिष्यावहे | कथयिष्यामहे |
| क्रि० अकथयिष्यत | अकथयिष्येताम् | अकथयिष्यन्त |
| अकथयिष्यथाः | अकथयिष्येथाम् | अकथयिष्यध्वम् |
| अकथयिष्ये | अकथयिष्यावहि | अकथयिष्यामहि |

॥ अथ दान्ता एकविंशतिः ॥

720 शिवदुङ् (शिवन्द्) श्वैत्ये ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| ब० | शिवन्दयति | शिवन्दयतः | शिवन्दयन्ति |
| | शिवन्दयसि | शिवन्दयथः | शिवन्दयथ |
| | शिवन्दयामि | शिवन्दयावः | शिवन्दयामः |
| स० | शिवन्दयेत् | शिवन्दयेताम् | शिवन्दयेयुः |
| | शिवन्दयेः | शिवन्दयेतम् | शिवन्दयेत |
| | शिवन्दयेयम् | शिवन्दयेव | शिवन्दयेम |
| प० | शिवन्दयतु | शिवन्दयतात् | शिवन्दयताम् |
| | शिवन्दय | शिवन्दयतात् | शिवन्दयतम् |
| | शिवन्दयानि | शिवन्दयाव | शिवन्दयाम |
| ह्य० | अशिवन्दयत् | अशिवन्दयताम् | अशिवन्दयन् |
| | अशिवन्दयः | अशिवन्दयतम् | अशिवन्दयत |
| | अशिवन्दयम् | अशिवन्दयाव | अशिवन्दयाम |
| अ० | अशिशिवन्दत् | अशिशिवन्दताम् | अशिशिवन्दन् |
| | अशिशिवन्दः | अशिशिवन्दतम् | अशिशिवन्दत |
| | अशिशिवन्दम् | अशिशिवन्दाव | अशिशिवन्दाम |
| प० | शिवन्दयाञ्चकार | शिवन्दयाञ्चकतुः | शिवन्दयाञ्चकुः |
| | शिवन्दयाञ्चकर्थ | शिवन्दयाञ्चकथुः | शिवन्दयाञ्चक |
| | शिवन्दयाञ्चकार-चकर | शिवन्दयाञ्चकृव | शिवन्दयाञ्चकृम |
| | शिवन्दयाञ्चभूव | । शिवन्दयामास | |
| आ० | शिवन्द्यात् | शिवन्द्यास्ताम् | शिवन्द्यासुः |
| | शिवन्द्याः | शिवन्द्यास्तम् | शिवन्द्यास्त |
| | शिवन्द्यासम् | शिवन्द्यास्व | शिवन्द्यास्म |
| श्व० | शिवन्दयिता | शिवन्दयितारौ | शिवन्दयितारः |
| | शिवन्दयितासि | शिवन्दयितास्थः | शिवन्दयितास्थ |
| | शिवन्दयितास्मि | शिवन्दयितास्वः | शिवन्दयितास्मः |
| भ० | शिवन्दयिष्यति | शिवन्दयिष्यतः | शिवन्दयिष्यन्ति |
| | शिवन्दयिष्यसि | शिवन्दयिष्यथः | शिवन्दयिष्यथ |
| | शिवन्दयिष्यामि | शिवन्दयिष्यावः | शिवन्दयिष्यामः |
| क्रि० | अशिवन्दयिष्यत् | अशिवन्दयिष्यताम् | अशिवन्दयिष्यन् |
| | अशिवन्दयिष्यः | अशिवन्दयिष्यतम् | अशिवन्दयिष्यत |
| | अशिवन्दयिष्यम् | अशिवन्दयिष्याव | अशिवन्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | शिवन्दयते | शिवन्दयेते | शिवन्दयन्ते |
| | शिवन्दयसे | शिवन्दयेथे | शिवन्दयध्वे |
| | शिवन्दये | शिवन्दयावहे | शिवन्दयामहे |
| स० | शिवन्दयेत | शिवन्दयेयाताम् | शिवन्दयेरन् |
| | शिवन्दयेथाः | शिवन्दयेयाथाम् | शिवन्दयेध्वम् |
| | शिवन्दयेय | शिवन्दयेवहि | शिवन्दयेमहि |
| प० | शिवन्दयताम् | शिवन्दयेताम् | शिवन्दयन्ताम् |
| | शिवन्दयस्व | शिवन्दयेथाम् | शिवन्दयध्वम् |
| | शिवन्दये | शिवन्दयावहै | शिवन्दयामहै |
| ह्य० | अशिवन्दयत | अशिवन्दयेताम् | अशिवन्दयन्त |
| | अशिवन्दयथाः | अशिवन्दयेथाम् | अशिवन्दयध्वम् |
| | अशिवन्दये | अशिवन्दयावहि | अशिवन्दयामहि |
| अ० | अशिशिवन्दत | अशिशिवन्देताम् | अशिशिवन्दन्त |
| | अशिशिवन्दथाः | अशिशिवन्देथाम् | अशिशिवन्दध्वम् |
| | अशिशिवन्दे | अशिशिवन्दावहि | अशिशिवन्दामहि |
| प० | शिवन्दयाञ्चक्रे | शिवन्दयाञ्चक्राते | शिवन्दयाञ्चक्रिरे |
| | शिवन्दयाञ्चकृषे | शिवन्दयाञ्चक्राथे | शिवन्दयाञ्चकृद्वे |
| | शिवन्दयाञ्चक्रे | शिवन्दयाञ्चकृवहे | शिवन्दयाञ्चकृमहे |
| | शिवन्दयाञ्चभूव | । शिवन्दयामास | |
| आ० | शिवन्दयिषीष्ट | शिवन्दयिषीयास्ताम् | शिवन्दयिषीरन् |
| | शिवन्दयिषीष्टाः | शिवन्दयिषीयास्थाम् | शिवन्दयिषीध्वम् |
| | शिवन्दयिषीय | शिवन्दयिषीवहि | शिवन्दयिषीमहि |
| श्व० | शिवन्दयिता | शिवन्दयितारौ | शिवन्दयितारः |
| | शिवन्दयिताऽ | शिवन्दयितासऽथे | शिवन्दयिताध्वे |
| | शिवन्दयिताहे | शिवन्दयितासऽवहे | शिवन्दयिताऽमहे |
| भ० | शिवन्दयिष्यते | शिवन्दयिष्येते | शिवन्दयिष्यन्ते |
| | शिवन्दयिष्यसे | शिवन्दयिष्येथे | शिवन्दयिष्यध्वे |
| | शिवन्दयिष्ये | शिवन्दयिष्यावहे | शिवन्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अशिवन्दयिष्यत | अशिवन्दयिष्येताम् | अशिवन्दयिष्यन्त |
| | अशिवन्दयिष्यथाः | अशिवन्दयिष्येथाम् | अशिवन्दयिष्यध्वम् |
| | अशिवन्दयिष्ये | अशिवन्दयिष्यावहि | अशिवन्दयिष्यामहि |

72। वदुङ् [वन्द्] स्तुत्यभिवादनयोः ।

| | | |
|--------------------------|----------------|---------------------|
| ब० वन्दयति | वन्दयतः | वन्दयन्ति |
| वन्दयसि | वन्दयथः | वन्दयथ |
| वन्दयामि | वन्दयावः | वन्दयामः |
| स० वन्दयेत् | वन्दयेताम् | वन्दयेयुः |
| वन्दयेः | वन्दयेतम् | वन्दयेत |
| वन्दयेयम् | वन्दयेव | वन्दयेम |
| प० वन्दयतु | वन्दयतात् | वन्दयताम् वन्दयन्तु |
| वन्दय | „ | वन्दयतम् वन्दयत |
| वन्दयानि | वन्दयाव | वन्दयाम |
| ह्य० अवन्दयत् | अवन्दयताम् | अवन्दयन् |
| अवन्दयः | अवन्दयतम् | अवन्दयत |
| अवन्दयम् | अवन्दयाव | अवन्दयाम |
| अ० अववन्दत् | अववन्दताम् | अववन्दन् |
| अववन्दः | अववन्दतम् | अववन्दत |
| अववन्दम् | अववन्दाव | अववन्दाम |
| प० वन्दयाञ्चकार | वन्दयाञ्चकतुः | वन्दयाञ्चक्रुः |
| वन्दयाञ्चकथं | वन्दयाञ्चकथुः | वन्दयाञ्चक |
| वन्दयाञ्चकार-चकर | वन्दयाञ्चकृव | वन्दयाञ्चकृम |
| वन्दयाम्बभूव । वन्दयामास | | |
| भा० वन्द्यात् | वन्द्यास्ताम् | वन्द्यासुः |
| वन्द्याः | वन्द्यास्तम् | वन्द्यास्त |
| वन्द्यासम् | वन्द्यास्व | वन्द्यास्म |
| भ० वन्दयिता | वन्दयितारौ | वन्दयितारः |
| वन्दयितासि | वन्दयितास्थः | वन्दयितास्थ |
| वन्दयितास्मि | वन्दयितास्वः | वन्दयितास्मः |
| भ० वन्दयिष्यति | वन्दयिष्यतः | वन्दयिष्यन्ति |
| वन्दयिष्यसि | वन्दयिष्यथः | वन्दयिष्यथ |
| वन्दयिष्यामि | वन्दयिष्यावः | वन्दयिष्यामः |
| क्रि० अवन्दयिष्यत् | अवन्दयिष्यताम् | अवन्दयिष्यन् |
| अवन्दयिष्यः | अवन्दयिष्यतम् | अवन्दयिष्यत |
| अवन्दयिष्यम् | अवन्दयिष्याव | अवन्दयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|------------------|-----------------|
| व० वन्दयते | वन्दयेते | वन्दयन्ते |
| वन्दयसे | वन्दयेथे | वन्दयन्वे |
| वन्दये | वन्दयावहे | वन्दयामहे |
| स० वन्दयेत | वन्दयेयाताम् | वन्दयेरन् |
| वन्दयेथाः | वन्दयेयाथाम् | वन्दयेध्वम् |
| वन्दयेय | वन्दयेवहि | वन्दयेमहि |
| प० वन्दयताम् | वन्दयेताम् | वन्दयन्ताम् |
| वन्दयस्व | वन्दयेथाम् | वन्दयध्वम् |
| वन्दये | वन्दयावहै | वन्दयामहै |
| ह्य० अवन्दयत | अवन्दयेताम् | अवन्दयन्त |
| अवन्दयथाः | अवन्दयेथाम् | अवन्दयध्वम् |
| अवन्दये | अवन्दयावहि | अवन्दयामहि |
| अ० अववन्दत | अववन्देताम् | अववन्दन्त |
| अववन्दथाः | अववन्देथाम् | अववन्दध्वम् |
| अववन्दे | अववन्दावहि | अववन्दामहि |
| प० वन्दयाञ्चके | वन्दयाञ्चकाते | वन्दयाञ्चकिरे |
| वन्दयाञ्चकृषे | वन्दयाञ्चकृषे | वन्दयाञ्चकृवहे |
| वन्दयाञ्चके | वन्दयाञ्चकृवहे | वन्दयाञ्चकृमहे |
| वन्दयाम्बभूव । वन्दयामास | | |
| आ० वन्दयिषीष्ट | वन्दयिषीयास्ताम् | वन्दयिषीरन् |
| वन्दयिषीष्टाः | वन्दयिषीयास्थाम् | वन्दयिषीह्वम् |
| ध्वम् | | |
| वन्दयिषीय | वन्दयिषीवहि | वन्दयिषीमहि |
| श्र० वन्दयिता | वन्दयितारौ | वन्दयितारः |
| वन्दयितासे | वन्दयितासाथे | वन्दयिताध्वे |
| वन्दयिताहे | वन्दयितास्वहे | वन्दयितास्महे |
| भ० वन्दयिष्यते | वन्दयिष्येते | वन्दयिष्यन्ते |
| वन्दयिष्यसे | वन्दयिष्येथे | वन्दयिष्यन्वे |
| वन्दयिष्ये | वन्दयिष्यावहे | वन्दयिष्यामहे |
| क्रि० अवन्दयिष्यत् | अवन्दयिष्येताम् | अवन्दयिष्यन्त |
| अवन्दयिष्यथाः | अवन्दयिष्येथाम् | अवन्दयिष्यध्वम् |
| अवन्दयिष्ये | अवन्दयिष्यावहि | अवन्दयिष्यामहि |

722 भदुङ् (भन्द) सुखकर्याणयोः

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | भन्दयति | भन्दयतः | भन्दयन्ति |
| | भन्दयसि | भन्दयथः | भन्दयथ |
| | भन्दयामि | भन्दयावः | भन्दयामः |
| स० | भन्दयेत् | भन्दयेताम् | भन्दयेयुः |
| | भन्दयेः | भन्दयेतम् | भन्दयेत |
| | भन्दयेयम् | भन्दयेव | भन्दयेद |
| प० | भन्दयतु | भन्दयतात् | भन्दयताम् |
| | भन्दय | भन्दयतात् | भन्दयतम् |
| | भन्दयानि | भन्दयाव | भन्दयाम |
| ह्य० | अभन्दयत् | अभन्दयताम् | अभन्दयन् |
| | अभन्दयः | अभन्दयतम् | अभन्दयत |
| | अभन्दयम् | अभन्दयाव | अभन्दयाम |
| अ० | अबभन्दत् | अबभन्दताम् | अबभन्दन् |
| | अबभन्दः | अबभन्दतम् | अबभन्दत |
| | अबभन्दम् | अबभन्दाव | अबभन्दाम |
| प० | भन्दयाञ्चकार | भन्दयाञ्चक्रुः | भन्दयाञ्चकुः |
| | भन्दयाञ्चकथं | भन्दयाञ्चकथुः | भन्दयाञ्चक |
| | भन्दयाञ्चकार-चकर | भन्दयाञ्चक्रुव | भन्दयाञ्चकूम |
| | भन्दयाम्बभूव | । | भन्दयामास |
| आ० | भन्धात् | भन्धास्ताम् | भन्धासुः |
| | भन्धाः | भन्धास्तम् | भन्धास्त |
| | भन्धासम् | भन्धास्व | भन्धासम् |
| श्व० | भन्दयिता | भन्दयितारौ | भन्दयितारः |
| | भन्दयितासि | भन्दयितास्थः | भन्दयितास्थ |
| | भन्दयितास्मि | भन्दयितास्वः | भन्दयितास्मः |
| भ० | भन्दयिष्यति | भन्दयिष्यतः | भन्दयिष्यन्ति |
| | भन्दयिष्यसि | भन्दयिष्यथः | भन्दयिष्यथ |
| | भन्दयिष्यामि | भन्दयिष्यावः | भन्दयिष्यामः |
| क्रि० | अभन्दयिष्यत् | अभन्दयिष्यताम् | अभन्दयिष्यन् |
| | अभन्दयिष्यः | अभन्दयिष्यतम् | अभन्दयिष्यत |
| | अभन्दयिष्यम् | अभन्दयिष्याव | अभन्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | भन्दयते | भन्दयेते | भन्दयन्ते |
| | भन्दयसे | भन्दयेथे | भन्दयध्वे |
| | भन्दये | भन्दयावहे | भन्दयामहे |
| स० | भन्दयेत | भन्दयेयाताम् | भन्दयेरन् |
| | भन्दयेथाः | भन्दयेयाथाम् | भन्दयेध्वम् |
| | भन्दयेय | भन्दयेवहि | भन्दयेमहि |
| प० | भन्दयताम् | भन्दयेताम् | भन्दयन्ताम् |
| | भन्दयस्व | भन्दयेथाम् | भन्दयध्वम् |
| | भन्दयै | भन्दयावहै | भन्दयामहै |
| ह्य० | अभन्दयत | अभन्दयेताम् | अभन्दयन्त |
| | अभन्दयथाः | अभन्दयेथाम् | अभन्दयध्वम् |
| | अभन्दये | अभन्दयावहि | अभन्दयामहि |
| अ० | अबभन्दत | अबभन्देताम् | अबभन्दन्त |
| | अबभन्दथाः | अबभन्देथाम् | अबभन्दध्वम् |
| | अबभन्दे | अबभन्दावहि | अबभन्दामहि |
| प० | भन्दयाञ्चक्रे | भन्धयाञ्चक्राते | भन्दयाञ्चकिरे |
| | भन्दयाञ्चकृषे | भन्दयाञ्चक्राथे | भन्दयाञ्चकृड्वे |
| | भन्दयाञ्चके | भन्दयाञ्चक्रवहे | भन्दयाञ्चकूमहे |
| | भन्दयाम्बभूव | । | भन्दयामास |
| आ० | भन्दयिषीष्ट | भन्दयिषीयास्ताम् | भन्दयिषीरन् |
| | भन्दयिषीष्ठाः | भन्दयिषीयास्थाम् | भन्दयिषीह्वम् |
| | भन्दयिषीय | भन्दयिषीवहि | भन्दयिषीमहि |
| श्व० | भन्दयिता | भन्दयितारौ | भन्दयितारः |
| | भन्दयितासे | भन्दयितासाथे | भन्दयिताध्वे |
| | भन्दयिताहे | भन्दयितास्वहे | भन्दयितास्महे |
| भ० | भन्दयिष्यते | भन्दयिष्येते | भन्दयिष्यन्ते |
| | भन्दयिष्यसे | भन्दयिष्येथे | भन्दयिष्यध्वे |
| | भन्दयिष्ये | भन्दयिष्यावहे | भन्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अभन्दयिष्यत | अभन्दयिष्येताम् | अभन्दयिष्यन्त |
| | अभन्दयिष्यथाः | अभन्दयिष्येथाम् | अभन्दयिष्यध्वम् |
| | अभन्दयिष्ये | अभन्दयिष्यावहि | अभन्दयिष्यामहि |

723 मनुङ् (मन्द्) स्तुतिभोद मदस्वप्न गतिषु

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० मन्दयति | मन्दयतः | मन्दयन्ति |
| मन्दयसि | मन्दयथः | मन्दयथ |
| मन्दयामि | मन्दयावः | मन्दयामः |
| स० मन्दयेत् | मन्दयेताम् | मन्दयेयुः |
| मन्दयेः | मन्दयेतम् | मन्दयेत |
| मन्दयेयम् | मन्दयेव | मन्दयेद् |
| प० मन्दयतु | मन्दयतात् | मन्दयन्तु |
| मन्दय | मन्दयतात् | मन्दयतम् |
| मन्दयानि | मन्दयाव | मन्दयाम |
| ह्य० अमन्दयत् | अमन्दयताम् | अमन्दयन् |
| अमन्दय | अमन्दयतम् | अमन्दयत |
| अमन्दयम् | अमन्दयाव | अमन्दयाम |
| अ० अममन्दत् | अममन्दताम् | अममन्दन् |
| अममन्दः | अममन्दतम् | अममन्दत |
| अममन्दम् | अममन्दाव | अममन्दाम |
| प० मन्दयाञ्चकार | मन्दयाञ्चक्रतुः | मन्दयाञ्चक्रुः |
| मन्दयाञ्चकर्ष | मन्दयाञ्चक्रथुः | मन्दयाञ्चक्रु |
| मन्दयाञ्चकार-चकर | मन्दयाञ्चक्रव | मन्दयाञ्चक्रुम |
| मन्दयाम्बभूव | मन्दयामास | |
| आ० मन्धात् | मन्धास्ताम् | मन्ध सुः |
| मन्धाः | मन्धास्तम् | मन्धास्त |
| मन्धासम् | मन्धास्व | मन्धास्म |
| श्व० मन्दयिता | मन्दयितारौ | मन्दयितारः |
| मन्दयितासि | मन्दयितास्थः | मन्दयितास्थ |
| मन्दयितास्मि | मन्दयितास्वः | मन्दयितास्मः |
| भ० मन्दयिष्यति | मन्दयिष्यतः | मन्दयिष्यन्ति |
| मन्दयिष्यसि | मन्दयिष्यथः | मन्दयिष्यथ |
| मन्दयिष्यामि | मन्दयिष्यावः | मन्दयिष्यामः |
| क्रि० अमन्दयिष्यत् | अमन्दयिष्यताम् | अमन्दयिष्यन् |
| अमन्दयिष्यः | अमन्दयिष्यतम् | अमन्दयिष्यत |
| अमन्दयिष्यम् | अमन्दयिष्याव | अमन्दयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० मन्दयते | मन्दयेते | मन्दयन्ते |
| मन्दयसे | मन्दयेथे | मन्दयध्वे |
| मन्दये | मन्दयावहे | मन्दयामहे |
| स० मन्दयेत | मन्दयेयाताम् | मन्दयेरन् |
| मन्दयेथाः | मन्दयेयाथाम् | मन्दयेध्वम् |
| मन्दयेय | मन्दयेवहि | मन्दयेमहि |
| प० मन्दयताम् | मन्दयेताम् | मन्दयन्ताम् |
| मन्दयस्व | मन्दयेथाम् | मन्दयध्वम् |
| मन्दये | मन्दयावहै | मन्दयामहै |
| ह्य० अमन्दयत | अमन्दयेताम् | अमन्दयन्त |
| अमन्दयथाः | अमन्दयेथाम् | अमन्दयध्वम् |
| अमन्दये | अमन्दयावहि | अमन्दयामहि |
| अ० अममन्दत | अममन्देताम् | अममन्दन्त |
| अममन्दथाः | अममन्देथाम् | अममन्दध्वम् |
| अममन्दे | अममन्दावहि | अममन्दामहि |
| प० मन्दयाञ्चक्रे | मन्धयाञ्चक्रते | मन्दयाञ्चक्रिरे |
| मन्दयाञ्चकृषे | मन्दयाञ्चक्राथे | मन्दयाञ्चकृध्वे |
| मन्दयाञ्चक्रे | मन्दयाञ्चक्रवहे | मन्दयाञ्चक्रमहे |
| मन्दयाम्बभूव | मन्दयामास | |
| आ० मन्दयिषीष्ट | मन्दयिषीयास्ताम् | मन्दयिषीरन् |
| मन्दयिषीष्ठाः | मन्दयिषीयास्थाम् | मन्दयिषीध्वम् |
| मन्दयिषीय | मन्दयिषीवहि | मन्दयिषीमहि |
| श्व० मन्दयिता | मन्दयितारौ | मन्दयितारः |
| मन्दयितासि | मन्दयितास्थे | मन्दयिताध्वे |
| मन्दयिताहे | मन्दयितास्वहे | मन्दयितास्महे |
| भ० मन्दयिष्यते | मन्दयिष्येते | मन्दयिष्यन्ते |
| मन्दयिष्यसे | मन्दयिष्येथे | मन्दयिष्यध्वे |
| मन्दयिष्ये | मन्दयिष्यावहे | मन्दयिष्यामहे |
| क्रि० अमन्दयिष्यत | अमन्दयिष्येताम् | अमन्दयिष्यन्त |
| अमन्दयिष्यथाः | अमन्दयिष्येथाम् | अमन्दयिष्यध्वम् |
| अमन्दयिष्ये | अमन्दयिष्यावहि | अमन्दयिष्यामहि |

724 स्पदुङ् (स्पन्द्) किञ्चिच्चलने ।

| | | | |
|-------|--------------------|-------------------|------------------|
| ब० | स्पन्दयति | स्पन्दयतः | स्पन्दयन्ति |
| | स्पन्दयसि | स्पन्दयथः | स्पन्दयथ |
| | स्पन्दयामि | स्पन्दयावः | स्पन्दयामः |
| स० | स्पन्दयेत् | स्पन्दयेताम् | स्पन्दयेयुः |
| | स्पन्दयेः | स्पन्दयेतम् | स्पन्दयेत |
| | स्पन्दयेयम् | स्पन्दयेव | स्पन्दयेम |
| प० | स्पन्दयतु | स्पन्दयतात् | स्पन्दयताम् |
| | स्पन्दय | स्पन्दयतात् | स्पन्दयतम् |
| | स्पन्दयानि | स्पन्दयाव | स्पन्दयाम |
| ह्य० | अस्पन्दयत् | अस्पन्दयताम् | अस्पन्दयन् |
| | अस्पन्दयः | अस्पन्दयतम् | अस्पन्दयत |
| | अस्पन्दयम् | अस्पन्दयाव | अस्पन्दयाम |
| अ० | अपस्पन्दत् | अपस्पन्दताम् | अपस्पन्दन् |
| | अपस्पन्दः | अपस्पन्दतम् | अपस्पन्दत |
| | अपस्पन्दम् | अपस्पन्दाव | अपस्पन्दाम |
| प० | स्पन्दयाञ्चकार | स्पन्दयाञ्चक्रतुः | स्पन्दयाञ्चक्रुः |
| | स्पन्दयाञ्चकथं | स्पन्दयाञ्चकथुः | स्पन्दयाञ्चक |
| | स्पन्दयाञ्चकार-चकर | स्पन्दयाञ्चक्रुव | स्पन्दयाञ्चक्रम |
| | स्पन्दयाम्बभूव | । | स्पन्दयामास |
| आ० | स्पन्द्यात् | स्पन्द्यास्ताम् | स्पन्द्यासुः |
| | स्पन्द्याः | स्पन्द्यास्ताम् | स्पन्द्यास्त |
| | स्पन्द्यासम् | स्पन्द्यास्व | स्पन्द्यास्म |
| श्व० | स्पन्दयिता | स्पन्दयितारौ | स्पन्दयितारः |
| | स्पन्दयितासि | स्पन्दयितास्थः | स्पन्दयितास्थ |
| | स्पन्दयितास्मि | स्पन्दयितास्वः | स्पन्दयितास्मः |
| भ० | स्पन्दयिष्यति | स्पन्दयिष्यतः | स्पन्दयिष्यन्ति |
| | स्पन्दयिष्यसि | स्पन्दयिष्यथः | स्पन्दयिष्यथ |
| | स्पन्दयिष्यामि | स्पन्दयिष्यावः | स्पन्दयिष्यामः |
| क्रि० | अस्पन्दयिष्यत् | अस्पन्दयिष्यताम् | अस्पन्दयिष्यन् |
| | अस्पन्दयिष्यः | अस्पन्दयिष्यतम् | अस्पन्दयिष्यत |
| | अस्पन्दयिष्यम् | अस्पन्दयिष्याव | अस्पन्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | स्पन्दयते | स्पन्दयेते | स्पन्दयन्ते |
| | स्पन्दयसे | स्पन्दयेथे | स्पन्दयध्वे |
| | स्पन्दये | स्पन्दयावहे | स्पन्दयामहे |
| स० | स्पन्दयेत | स्पन्दयेयाताम् | स्पन्दयेरन् |
| | स्पन्दयेथाः | स्पन्दयेयाथाम् | स्पन्दयेध्वम् |
| | स्पन्दयेय | स्पन्दयेवहि | स्पन्दयेमहि |
| प० | स्पन्दयताम् | स्पन्दयेताम् | स्पन्दयन्ताम् |
| | स्पन्दयस्व | स्पन्दयेथाम् | स्पन्दयध्वम् |
| | स्पन्दयै | स्पन्दयावहै | स्पन्दयामहै |
| ह्य० | अस्पन्दयत | अस्पन्दयेताम् | अस्पन्दयन्त |
| | अस्पन्दयथाः | अस्पन्दयेथाम् | अस्पन्दयध्वम् |
| | अस्पन्दये | अस्पन्दयावहि | अस्पन्दयामहि |
| अ० | अपस्पन्दत | अपस्पन्देताम् | अपस्पन्दन्त |
| | अपस्पन्दथाः | अपस्पन्देथाम् | अपस्पन्दध्वम् |
| | अपस्पन्दे | अपस्पन्दावहि | अपस्पन्दामहि |
| प० | स्पन्दयाञ्चक्रे | स्पन्दयाञ्चक्राते | स्पन्दयाञ्चक्रिरे |
| | स्पन्दयाञ्चकृषे | स्पन्दयाञ्चक्राथे | स्पन्दयाञ्चकृद्धे |
| | स्पन्दयाञ्चक्रे | स्पन्दयाञ्चकृवहे | स्पन्दयाञ्चक्रमहे |
| | स्पन्दयाम्बभूव | । | स्पन्दयामास |
| आ० | स्पन्दयिषीष्ट | स्पन्दयिषीयास्ताम् | स्पन्दयिषीरन् |
| | स्पन्दयिषीष्टाः | स्पन्दयिषीयास्थाम् | स्पन्दयिषीह्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | स्पन्दयिषीय | स्पन्दयिषीवहि | स्पन्दयिषीमहि |
| श्व० | स्पन्दयिता | स्पन्दयितारौ | स्पन्दयितारः |
| | स्पन्दयितासे | स्पन्दयितासथे | स्पन्दयिताध्वे |
| | स्पन्दयिताहे | स्पन्दयितास्वहे | स्पन्दयितास्महे |
| भ० | स्पन्दयिष्यते | स्पन्दयिष्येते | स्पन्दयिष्यन्ते |
| | स्पन्दयिष्यसे | स्पन्दयिष्येथे | स्पन्दयिष्यध्वे |
| | स्पन्दयिष्ये | स्पन्दयिष्यावहे | स्पन्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्पन्दयिष्यत | अस्पन्दयिष्येताम् | अस्पन्दयिष्यन्त |
| | अस्पन्दयिष्यथाः | अस्पन्दयिष्येथाम् | अस्पन्दयिष्यध्वम् |
| | अस्पन्दयिष्ये | अस्पन्दयिष्यावहि | अस्पन्दयिष्यामहि |

725 किलदुङ् (किलन्द) परिदेवने । 318 किलदु वद्वाणि

726 मुदि (मुद्) हर्षे ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|--------------|
| व० | मोदयति | मोदयतः | मोदयन्ति |
| | मोदयसि | मोदयथः | मोदयथ |
| | मोदयामि | मोदयावः | मोदयामः |
| स० | मोदयेत् | मोदयेताम् | मोदयेयुः |
| | मोदयेः | मोदयेतम् | मोदयेत |
| | मोदयेयम् | मोदयेव | मोदयेम |
| प० | मोदयतु | मोदयतात् | मोदयताम् |
| | मोदय | मोदयतम् | मोदयत |
| | मोदयानि | मोदयाव | मोदयाम |
| ह्य० | अमोदयत् | अमोदयताम् | अमोदयन् |
| | अमोदयः | अमोदयतम् | अमोदयत |
| | अमोदयम् | अमोदयाव | अमोदयाम |
| अ० | अमूमुदत् | अमूमुदताम् | अमूमुदन् |
| | अमूमुदः | अमूमुदतम् | अमूमुदत |
| | अमूमुदम् | अमूमुदाव | अमूमुदाम |
| प० | मोदयाञ्चकार | मोदयाञ्चक्रतुः | मोदयाञ्चकुः |
| | मोदयाञ्चकथं | मोदयाञ्चकथुः | मोदयाञ्चक |
| | मोदयाञ्चकार-चकर | मोदयाञ्चकृव | मोदयाञ्चकृम |
| | मोदयाम्बभूव । | मोदयामास | |
| आ० | मोद्यात् | मोद्यास्ताम् | मोद्यासुः |
| | मोद्याः | मोद्यास्तम् | मोद्यास्त |
| | मोद्यासम् | मोद्यास्व | मोद्यास्म |
| श्र० | मोदयिता | मोदयितारौ | मोदयितार |
| | मोदयितासि | मोदयितास्थः | मोदयितास्थ |
| | मोदयितास्मि | मोदयितास्वः | मोदयितास्मः |
| भ० | मोदयिष्यति | मोदयिष्यतः | मोदयिष्यन्ति |
| | मोदयिष्यसि | मोदयिष्यथः | मोदयिष्यथ |
| | मोदयिष्यामि | मोदयिष्यावः | मोदयिष्यामः |
| क्रि० | अमोदयिष्यत् | अमोदयिष्यताम् | अमोदयिष्यन् |
| | अमोदयिष्यः | अमोदयिष्यतम् | अमोदयिष्यत |
| | अमोदयिष्यम् | अमोदयिष्याव | अमोदयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|----------------|
| व० | मोदयते | मोदयेते | मोदयन्ते |
| | मोदयसे | मोदयेथे | मोदयध्वे |
| | मोदये | मोदयावहे | मोदयामहे |
| स० | मोदयेत | मोदयेयाताम् | मोदयेरन् |
| | मोदयेथाः | मोदयेयाथाम् | मोदयेय्वम् |
| | मोदयेय | मोदयेवहि | मोदयेमहि |
| प० | मोदयताम् | मोदयेताम् | मोदयन्ताम् |
| | मोदयस्व | मोदयेथाम् | मोदयध्वम् |
| | मोदये | मोदयावहे | मोदयामहे |
| ह्य० | अमोदयत | अमोदयेताम् | अमोदयन्त |
| | अमोदयथाः | अमोदयेथाम् | अमोदयध्वम् |
| | अमोदये | अमोदयावहि | अमोदयामहि |
| अ० | अमूमुदत | अमूमुदेताम् | अमूमुदन्त |
| | अमूमुदथाः | अमूमुदेथाम् | अमूमुदध्वम् |
| | अमूमुदे | अमूमुदावहि | अमूमुदामहि |
| प० | मोदयाञ्चके | मोदयाञ्चक्राते | मोदयाञ्चकिरे |
| | मोदयाञ्चकृषे | मोदयाञ्चक्राथे | मोदयाञ्चकृद्वे |
| | मोदयाञ्चके | मोदयाञ्चकृवहे | मोदयाञ्चकृमहे |
| | मोदयाञ्चभूव । | मोदयामास | |
| आ० | मोदयिषीष्ट | मोदयिषीयास्ताम् | मोदयिषीरन् |
| | मोदयिषीष्ठाः | मोदयिषीयाथाम् | मोदयिषीद्वम् |
| | | | मोदयिषीमहि |
| | मोदयिषीय | मोदयिषीवहि | मोदयिषीमहि |
| श्र० | मोदयिता | मोदयितारौ | मोदयितारः |
| | मोदयितासे | मोदयितासाथे | मोदयिताध्वे |
| | मोदयिताहे | मोदयितास्वहे | मोदयितास्महे |
| भ० | मोदयिष्यते | मोदयिष्येते | मोदयिष्यन्ते |
| | मोदयिष्यसे | मोदयिष्येथे | मोदयिष्यध्वे |
| | मोदयिष्ये | मोदयिष्यावहे | मोदयिष्यामहे |
| क्रि० | अमोदयिष्यत | अमोदयिष्येताम् | अमोदयिष्यन्त |
| | अमोदयिष्यथाः | अमोदयिष्येथाम् | अमोदयिष्यध्वम् |
| | अमोदयिष्ये | अमोदयिष्यावहि | अमोदयिष्यामहि |

727 दाद (दद्) दाने

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० दादयति | दादयतः | दादयन्ति |
| दादयसि | दादयथः | दादयथ |
| दादयामि | दादयावः | दादयामः |
| स० दादयेत् | दादयेताम् | दादयेयुः |
| दादयेः | दादयेतम् | दादयेत |
| दादयेयम् | दादयेव | दादयेम |
| प० दादयतु | दादयताम् | दादयन्तु |
| दादय | दादयतम् | दादयत |
| दादयानि | दादयाव | दादयाम |
| ह्य० अदादयत् | अदादयताम् | अदादयन् |
| अदादयः | अदादयतम् | अदादयत |
| अदादयम् | अदादयाव | अदादयाम |
| अ० अदीददत् | अदीददताम् | अदीददन् |
| अदीददः | अदीददतम् | अदीददत |
| अदीददम् | अदीददाव | अदीददाम |
| प० दादयाञ्चकार | दादयाञ्चरुः | दादयाञ्चकुः |
| दादयाञ्चकथं | दादयाञ्चथुः | दादयाञ्चक |
| दादयाञ्चकार-चकर | दादयाञ्चकृव | दादयाञ्चकृम |
| दादयाम्बभूव | दादयामास | |
| त० दादयत् | दादयताम् | दादयसुः |
| दादयाः | दादयास्तम् | दादयास्त |
| दादयासम् | दादयास्व | दादयास्म |
| श्व० दादयिता | दादयितागै | दादयितारः |
| दादयितासि | दादयितास्थः | दादयितास्थ |
| दादयितास्मि | दादयितास्वः | दादयितास्मः |
| भ० दादयिष्यति | दादयिष्यतः | दादयिष्यन्ति |
| दादयिष्यसि | दादयिष्यथः | दादयिष्यथ |
| दादयिष्यामि | दादयिष्यावः | दादयिष्यामः |
| क्रि० अदादयिष्यत् | अदादयिष्यताम् | अदादयिष्यन् |
| अदादयिष्यः | अदादयिष्यतम् | अदादयिष्यत |
| अदादयिष्यम् | अदादयिष्याव | अदादयिष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| व० दादयते | दादयते | दादयन्ते |
| दादयसे | दादयेथे | दादयथे |
| दादये | दादयावहे | दादयामहे |
| स० दादयेत | दादयेताम् | दादयेरन् |
| दादयेथाः | दादयेथाम् | दादयेध्वम् |
| दादयेथ | दादयेवहि | दादयेमहि |
| प० दादयताम् | दादयेताम् | दादयन्ताम् |
| दादय | दादयथम् | दादयध्वम् |
| दादये | दादयावहे | दादयामहे |
| ह्य० अदादयत | अदादयेताम् | अदादयन्त |
| अदादयथाः | अदादयेथाम् | अदादयध्वम् |
| अदादये | अदादयवहि | अदादयामहि |
| अ० अदीददत | अदीददेताम् | अदीददन्त |
| अदीददथाः | अदीददेथाम् | अदीददध्वम् |
| अदीददे | अदीददावहि | अदीददामहि |
| प० दादयाञ्चके | दादयाञ्चकृते | दादयाञ्चकृरे |
| दादयाञ्चकृषे | दादयाञ्चकृषे | दादयाञ्चकृध्वे |
| दादयाञ्चके | दादयाञ्चकृवहे | दादयाञ्चकृमहे |
| दादयाम्बभूव | दादयामास | |
| आ० दादयिषीष्ट | दादयिषीष्टताम् | दादयिषीरन् |
| दादयिषीष्ठाः | दादयिषीष्टथाम् | दादयिषीध्वम् |
| दादयिषीय | दादयिषीवहि | दादयिषीमहि |
| व० दादयिता | दादयितारौ | दादयितारः |
| दादयितासे | दादयितासाथे | दादयिताध्वे |
| दादयिताहे | दादयितास्वहे | दादयितास्महे |
| भ० दादयिष्यते | दादयिष्येते | दादयिष्यन्ते |
| दादयिष्यसे | दादयिष्येथे | दादयिष्यध्वे |
| दादयिष्ये | दादयिष्यवहे | दादयिष्यामहे |
| क्रि० अदादयिष्यत | अदादयिष्यताम् | अदादयिष्यन्त |
| अदादयिष्यथाः | अदादयिष्यथाम् | अदादयिष्यध्वम् |
| अदादयिष्ये | अदादयिष्यवहि | अदादयिष्यामहि |

728 हदिं (हद्) परिषोत्सर्गे

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|----------------|
| व० | हादयति | हादयतः | हादयन्ति |
| | हादयसि | हादयथः | हादयय |
| | हादयामि | हादयावः | हादयामः |
| स० | हादयेत् | हादयेताम् | हादयेयुः |
| | हादयेः | हादयेतम् | हादयेत |
| | हादयेयम् | हादयेव | हादयेम |
| प० | हादयतु | हादयतात् | हादयताम् |
| | हादय | हादयतम् | हादयत |
| | हादयानि | हादयाव | हादयाम |
| ल० | अहादयत् | अहादयताम् | अहादयन् |
| | अहादयः | अहादयतम् | अहादयत |
| | अहादयम् | अहादयाव | अहादयाम |
| अ० | अजीहदत् | अजीहदताम् | अजीहदन् |
| | अजीहदः | अजीहदतम् | अजीहदत |
| | अजीहदम् | अजीहदाव | अजीहदाम |
| प० | हादयाञ्च कार | हादयाञ्च क्तुः | हादयाञ्च क्तुः |
| | हादयाञ्च कर्त्तुः | हादयाञ्च क्तुः | हादयाञ्च क्तुः |
| | हादयाञ्च कार-चकर | हादयाञ्च क्तुव | हादयाञ्च क्तुम |
| | हादयाञ्च भूव | हादयामास | |
| आ० | हाद्यात् | हाद्यास्ताम् | हाद्यासुः |
| | हाद्याः | हाद्यास्तम् | हाद्यास्त |
| | हाद्यासम् | हाद्यास्व | हाद्यास्म |
| भ० | हादयिता | हादयितारौ | हादयितारः |
| | हादयितासि | हादयितास्थः | हादयितास्थ |
| | हादयितास्मि | हादयितास्वः | हादयितास्मः |
| भ० | हादयिष्यति | हादयिष्यतः | हादयिष्यन्ति |
| | हादयिष्यसि | हादयिष्यथः | हादयिष्यथ |
| | हादयिष्यामि | हादयिष्यावः | हादयिष्यामः |
| क्रि० | अहादयिष्यत् | अहादयिष्यताम् | अहादयिष्यन् |
| | अहादयिष्यः | अहादयिष्यतम् | अहादयिष्यत |
| | अहादयिष्यम् | अहादयिष्याव | अहादयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हादयते | हादयेते | हादयन्ते |
| | हादयसे | हादयेथे | हादयध्वे |
| | हादये | हादयावहे | हादयामहे |
| स० | हादयेत | हादयेयाताम् | हादयेरन् |
| | हादयेथाः | हादयेयाथाम् | हादयेय्वम् |
| | हादयेथ | हादयेवहि | हादयेमहि |
| प० | हादयताम् | हादयेताम् | हादयन्ताम् |
| | हादयस्व | हादयेथाम् | हादयध्वम् |
| | हादये | हादयावहे | हादयामहे |
| ल० | अहादयत | अहादयेताम् | अहादयन्त |
| | अहादयथाः | अहादयेथाम् | अहादयध्वम् |
| | अहादये | अहादयावहि | अहादयामहि |
| अ० | अजीहदत् | अजीहदेताम् | अजीहदन्त |
| | अजीहदथाः | अजीहदेथाम् | अजीहदध्वम् |
| | अजीहदे | अजीहदावहि | अजीहदामहि |
| प० | हादयाञ्चक्रे | हादयाञ्चक्राते | हादयाञ्चक्रिरे |
| | हादयाञ्चकृषे | हादयाञ्चक्राथे | हादयाञ्चकृद्धे |
| | हादयाञ्चक्रे | हादयाञ्चकृवहे | हादयाञ्चकृमहे |
| | हादयाम्बभूव | हादयामास | |
| आ० | हादयिषीष्ट | हादयिषीयास्ताम् | हादयिषीरन् |
| | हादयिषीष्ठाः | हादयिषीयास्थम् | हादयिषीध्वम् |
| | हादयिषीय | हादयिषीवहि | हादयिषीमहि |
| भ० | हादयिता | हादयितारौ | हादयितारः |
| | हादयितासे | हादयितासाथे | हादयिताध्वे |
| | हादयिताहे | हादयितास्वहे | हादयितास्महे |
| भ० | हादयिष्यते | हादयिष्येदे | हादयिष्यन्ते |
| | हादयिष्यसे | हादयिष्येथे | हादयिष्यध्वे |
| | हादयिष्ये | हादयिष्यावहे | हादयिष्यामहे |
| क्रि० | अहादयिष्यत | अहादयिष्येताम् | अहादयिष्यन्त |
| | अहादयिष्यथाः | अहादयिष्येथाम् | अहादयिष्यध्वम् |
| | अहादयिष्ये | अहादयिष्यावहि | अहादयिष्यामहि |

729 ज्वदि (स्वद्) आस्वादने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | स्वादयति | स्वादयतः | स्वादयन्ति |
| | स्वादयसि | स्वादयथः | स्वादयथ |
| | स्वादयामि | स्वादयावः | स्वादयामः |
| स० | स्वादयेत् | स्वादयेताम् | स्वादयेयुः |
| | स्वादयेः | स्वादयेतम् | स्वादयेत |
| | स्वादयेयम् | स्वादयेव | स्वादयेम |
| प० | स्वादयतु | स्वादयतत् | स्वादयताम् |
| | स्वादय | स्वादयतम् | स्वादयत |
| | स्वादयानि | स्वादयाव | स्वादयाम |
| ल० | अस्वादयत् | अस्वादयतम् | अस्वादयन् |
| | अस्वादयः | अस्वादयतम् | अस्वादयत |
| | अस्वादयम् | अस्वादयाव | अस्वादयाम |
| अ० | असिष्वदत् | असिष्वदताम् | असिष्वदन् |
| | असिष्वदः | असिष्वदतम् | असिष्वदत |
| | असिष्वदम् | असिष्वदाव | असिष्वदाम |
| प० | स्वादयाञ्चकार | स्वादयाञ्चकतुः | स्वादयाञ्चकुः |
| | स्वादयाञ्चकथे | स्वादयाञ्चकथुः | स्वादयाञ्चक |
| | स्वादयाञ्चकार-चकर | स्वादयाञ्चकृव | स्वादयाञ्चकृम |
| | स्वादयाम्बभूव | स्वादयामास | |
| भा० | स्वाद्यात् | स्वाद्यास्तम् | स्वाद्यासुः |
| | स्वाद्याः | स्वाद्यास्तम् | स्वाद्यास्त |
| | स्वाद्यासम् | स्वाद्यास्व | स्वाद्यास्म |
| श्व० | स्वादयिता | स्वादयितागै | स्वादयितारः |
| | स्वादयितासि | स्वादयितास्थः | स्वादयितास्थ |
| | स्वादयितास्मि | स्वादयितास्वः | स्वादयितास्मः |
| भ० | स्वादयिष्यति | स्वादयिष्यतः | स्वादयिष्यन्ति |
| | स्वादयिष्यसि | स्वादयिष्यथः | स्वादयिष्यथ |
| | स्वादयिष्यामि | स्वादयिष्यावः | स्वादयिष्यामः |
| क्रि० | अस्वादयिष्यत् | अस्वादयिष्यताम् | अस्वादयिष्यन् |
| | अस्वादयिष्यः | अस्वादयिष्यतम् | अस्वादयिष्यत |
| | अस्वादयिष्यम् | अस्वादयिष्याव | अस्वादयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|---------------------|------------------|
| व० | स्वादयते | स्वादयेते | स्वादयन्ते |
| | स्वादयसे | स्वादयेथे | स्वादयध्वे |
| | स्वादये | स्वादयावहे | स्वादयामहे |
| स० | स्वादयेत् | स्वादयेयाताम् | स्वादयेरन् |
| | स्वादयेथाः | स्वादयेयाथाम् | स्वादयेध्वम् |
| | स्वादयेथ | स्वादयेवहि | स्वादयेमहि |
| प० | स्वादयताम् | स्वादयेताम् | स्वादयन्ताम् |
| | स्वादयस्व | स्वादयेथम् | स्वादयध्वम् |
| | स्वादये | स्वादयवहै | स्वादयामहै |
| ल० | अस्वादयत | अस्वादयेताम् | अस्वादयन्त |
| | अस्वादयथाः | अस्वादयेथाम् | अस्वादयध्वम् |
| | अस्वादये | अस्वादयावहि | अस्वादयामहि |
| अ० | असिष्वदत् | असिष्वदेताम् | असिष्वदन्त |
| | असिष्वदथाः | असिष्वदेथाम् | असिष्वदध्वम् |
| | असिष्वदे | असिष्वदावहि | असिष्वदामहि |
| प० | स्वादयाञ्चके | स्वादयाञ्चक्राते | स्वादयाञ्चक्रिरे |
| | स्वादयाञ्चकृषे | स्वादयाञ्चक्राथे | स्वादयाञ्चकृध्वे |
| | स्वादयाञ्चके | स्वादयाञ्चकृवहे | स्वादयाञ्चकृमहे |
| | स्वादयाम्बभूव | स्वादयामास | |
| भा० | स्वादयिषीष्ट | स्वादयिषीष्टास्ताम् | स्वादयिषीरन् |
| | स्वादयिषीष्टाः | स्वादयिषीष्टास्थाम् | स्वादयिषीध्वम् |
| | स्वादयिषीय | स्वादयिषीवहि | स्वादयिषीमहि |
| श्व० | स्वादयिता | स्वादयितारौ | स्वादयितारः |
| | स्वादयितासे | स्वादयितासथे | स्वादयिताध्वे |
| | स्वादयिताहे | स्वादयितास्वहे | स्वादयितास्महे |
| भ० | स्वादयिष्यते | स्वादयिष्येते | स्वादयिष्यन्ते |
| | स्वादयिष्यसे | स्वादयिष्येथे | स्वादयिष्यध्वे |
| | स्वादयिष्ये | स्वादयिष्यावहे | स्वादयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्वादयिष्यत् | अस्वादयिष्येताम् | अस्वादयिष्यन्त |
| | अस्वादयिष्यथाः | अस्वादयिष्येथाम् | अस्वादयिष्यध्वम् |
| | अस्वादयिष्ये | अस्वादयिष्यवहि | अस्वादयिष्यामहि |

731 स्वाद (स्वाद्) आस्वादने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | स्वादयति | स्वादयतः | स्वादयन्ति |
| | स्वादयसि | स्वादयथः | स्वादयथ |
| | स्वादयामि | स्वादयावः | स्वादयामः |
| स० | स्वादयेत् | स्वादयेताम् | स्वादयेयुः |
| | स्वादयेः | स्वादयेतम् | स्वादयेत |
| | स्वादयेयम् | स्वादयेव | स्वादयेम |
| प० | स्वादयतु | स्वादयतात् | स्वादयताम् |
| | स्वादय | स्वादयत त् | स्वादयतम् |
| | स्वादयानि | स्वादयाव | स्वादयाम |
| ह्य० | अस्वादयत् | अस्वादयताम् | अस्वादयन् |
| | अस्वादयः | अस्वादयतम् | अस्वादयत |
| | अस्वादयम् | अस्वादयाव | अस्वादयाम |
| अ० | असिस्वदत् | असिस्वदताम् | असिस्वदन् |
| | असिस्वदः | असिस्वदतम् | असिस्वदत |
| | असिस्वदम् | असिस्वदाव | असिस्वदाम |
| प० | स्वादयाञ्चकार | स्वादयाञ्चकतुः | स्वादयाञ्चकुः |
| | स्वादयाञ्चकर्थ | स्वादयाञ्चकथुः | स्वादयाञ्चक |
| | स्वादयाञ्चकार-चकर | स्वादयाञ्चकृव | स्वादयाञ्चकृम |
| | स्वादयाम्बभूव | । | स्वादयामास |
| आ० | स्वाद्यात् | स्वाद्यास्ताम् | स्वाद्यासुः |
| | स्वाद्याः | स्वाद्यास्तम् | स्वाद्यास्त |
| | स्वाद्यासम् | स्वाद्यास्व | स्वाद्यासम् |
| श्व० | स्वादयिता | स्वादयितारौ | स्वादयितारः |
| | स्वादयितासि | स्वादयितास्थः | स्वादयितास्थ |
| | स्वादयितास्मि | स्वादयितास्वः | स्वादयितास्मः |
| भ० | स्वादयिष्यति | स्वादयिष्यतः | स्वादयिष्यन्ति |
| | स्वादयिष्यसि | स्वादयिष्यथः | स्वादयिष्यथ |
| | स्वादयिष्यामि | स्वादयिष्यावः | स्वादयिष्यामः |
| क्रि० | अस्वादयिष्यत् | अस्वादयिष्यताम् | अस्वादयिष्यन् |
| | अस्वादयिष्यः | अस्वादयिष्यतम् | अस्वादयिष्यत |
| | अस्वादयिष्यम् | अस्वादयिष्याव | अस्वादयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्वादयते | स्वादयते | स्वादयन्ते |
| | स्वादयसे | स्वादयेथे | स्वादयध्वे |
| | स्वादये | स्वादयावहे | स्वादयामहे |
| स० | स्वादयेत | स्वादयेयाताम् | स्वादयेरन् |
| | स्वादयेथाः | स्वादयेयाथाम् | स्वादयेध्वम् |
| | स्वादयेय | स्वादयेवहि | स्वादयेमहि |
| प० | स्वादयताम् | स्वादयेताम् | स्वादयन्ताम् |
| | स्वादयस्व | स्वादयेथाम् | स्वादयध्वम् |
| | स्वादये | स्वादयावहे | स्वादयामहे |
| ह्य० | अस्वादयत् | अस्वादयेताम् | अस्वादयन्त |
| | अस्वादयथाः | अस्वादयेथाम् | अस्वादयध्वम् |
| | अस्वादये | अस्वादयावहि | अस्वादयामहि |
| अ० | असिस्वदत् | असिस्वदेताम् | असिस्वदन्त |
| | असिस्वदथाः | असिस्वदेथाम् | असिस्वदध्वम् |
| | असिस्वदे | असिस्वदावहि | असिस्वदामहि |
| प० | स्वादयाञ्चके | स्वादयाञ्चकते | स्वादयाञ्चक्रे |
| | स्वादयाञ्चकृषे | स्वादयाञ्चकृथे | स्वादयाञ्चकृध्वे |
| | स्वादयाञ्चके | स्वादयाञ्चकृवहे | स्वादयाञ्चकृमहे |
| | स्वादयाम्बभूव | । | स्वादयामास |
| आ० | स्वादयिषीष्ट | स्वादयिषीयास्ताम् | स्वादयिषीरन् |
| | स्वादयिषीष्ठाः | स्वादयिषीयास्थाम् | स्वादयिषीध्वम् |
| | स्वादयिषीय | स्वादयिषीवहि | स्वादयिषीमहि |
| श्व० | स्वादयिता | स्वादयितारौ | स्वादयितारः |
| | स्वादयितासे | स्वादयितासाथे | स्वादयिताध्वे |
| | स्वादयिताहे | स्वादयितास्वहे | स्वादयितास्महे |
| भ० | स्वादयिष्यते | स्वादयिष्येते | स्वादयिष्यन्ते |
| | स्वादयिष्यसे | स्वादयिष्येथे | स्वादयिष्यध्वे |
| | स्वादयिष्ये | स्वादयिष्यावहे | स्वादयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्वादयिष्यत् | अस्वादयिष्येताम् | अस्वादयिष्यन्त |
| | अस्वादयिष्यथाः | अस्वादयिष्येथाम् | अस्वादयिष्यध्वम् |
| | अस्वादयिष्ये | अस्वादयिष्यावहि | अस्वादयिष्यामहि |

730 स्वर्दि (स्वर्द) आस्वादाने ।

(६९४) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

730 कूर्दि (कूर्द) क्रीडायाप्त ।

| | | |
|----------------------|-------------------|------------------|
| व० स्वर्दयति | स्वर्दयतः | स्वर्दयन्ति |
| स्वर्दयसि | स्वर्दयथः | स्वर्दयथ |
| स्वर्दयामि | स्वर्दयावः | स्वर्दयामः |
| स० स्वर्दयेत् | स्वर्दयेताम् | स्वर्दयेयुः |
| स्वर्दयेः | स्वर्दयेतम् | स्वर्दयेत |
| स्वर्दयेयम् | स्वर्दयेव | स्वर्दयेम |
| प० स्वर्दयन्तु | स्वर्दयतात् | स्वर्दयताम् |
| स्वर्दय | स्वर्दयतात् | स्वर्दयतम् |
| स्वर्दयानि | स्वर्दयाव | स्वर्दयाम |
| ह्य० अस्वर्दयत् | अस्वर्दयताम् | अस्वर्दयन् |
| अस्वर्दयः | अस्वर्दयतम् | अस्वर्दयत |
| अस्वर्दयम् | अस्वर्दयाव | अस्वर्दयाम |
| अ० अस्वर्दयत् | अस्वर्दयताम् | अस्वर्दयन् |
| अस्वर्दयः | अस्वर्दयतम् | अस्वर्दयत |
| अस्वर्दयम् | अस्वर्दयाव | अस्वर्दयाम |
| प० स्वर्दयाञ्चकार | स्वर्दयाञ्चक्रतुः | स्वर्दयाञ्चक्रुः |
| स्वर्दयाञ्चकथं | स्वर्दयाञ्चकथुः | स्वर्दयाञ्चक |
| स्वर्दयाञ्चकार-चकर | स्वर्दयाञ्चकृव | स्वर्दयाञ्चकृम |
| स्वर्दयाम्बभूव | । | स्वर्दयामास |
| आ० स्वर्दयात् | स्वर्दयास्ताम् | स्वर्दयासुः |
| स्वर्दयाः | स्वर्दयास्ताम् | स्वर्दयास्त |
| स्वर्दयासम् | स्वर्दयास्व | स्वर्दयास्म |
| श्व० स्वर्दयिता | स्वर्दयितारौ | स्वर्दयितारः |
| स्वर्दयितासि | स्वर्दयितास्थः | स्वर्दयितास्थ |
| स्वर्दयितास्मि | स्वर्दयितास्वः | स्वर्दयितास्मः |
| भ० स्वर्दयिष्यति | स्वर्दयिष्यतः | स्वर्दयिष्यन्ति |
| स्वर्दयिष्यसि | स्वर्दयिष्यथः | स्वर्दयिष्यथ |
| स्वर्दयिष्यामि | स्वर्दयिष्यावः | स्वर्दयिष्यामः |
| क्रि० अस्वर्दयिष्यत् | अस्वर्दयिष्यताम् | अस्वर्दयिष्यन्त |
| अस्वर्दयिष्यः | अस्वर्दयिष्यतम् | अस्वर्दयिष्यत |
| अस्वर्दयिष्यम् | अस्वर्दयिष्याव | अस्वर्दयिष्याम |

| | | |
|----------------------|--------------------|-------------------|
| व० स्वर्दयेते | स्वर्दयेते | स्वर्दयन्ते |
| स्वर्दयेसे | स्वर्दयेथे | स्वर्दयध्वे |
| स्वर्दये | स्वर्दयावहे | स्वर्दयामहे |
| स० स्वर्दयेत | स्वर्दयेयाताम् | स्वर्दयेरन् |
| स्वर्दयेथाः | स्वर्दयेयाथाम् | स्वर्दयेध्वम् |
| स्वर्दयेथ | स्वर्दयेवहि | स्वर्दयेमहि |
| प० स्वर्दयताम् | स्वर्दयेताम् | स्वर्दयन्ताम् |
| स्वर्दयस्व | स्वर्दयेथाम् | स्वर्दयध्वम् |
| स्वर्दये | स्वर्दयावहै | स्वर्दयामहै |
| ह्य० अस्वर्दयत् | अस्वर्दयेताम् | अस्वर्दयन्त |
| अस्वर्दयथाः | अस्वर्दयेथाम् | अस्वर्दयध्वम् |
| अस्वर्दये | अस्वर्दयावहि | अस्वर्दयामहि |
| अ० असिस्वर्दत | असिस्वर्दताम् | असिस्वर्दन्त |
| असिस्वर्दथाः | असिस्वर्दथाम् | असिस्वर्दध्वम् |
| असिस्वर्दे | असिस्वर्दवहि | असिस्वर्दमहि |
| प० स्वर्दयाञ्चक्रे | स्वर्दयाञ्चक्राते | स्वर्दयाञ्चक्रिरे |
| स्वर्दयाञ्चकृषे | स्वर्दयाञ्चक्राथे | स्वर्दयाञ्चकृह्वे |
| स्वर्दयाञ्चक्रे | स्वर्दयाञ्चकृवहे | स्वर्दयाञ्चकृमहे |
| स्वर्दयाम्बभूव | । | स्वर्दयामास |
| आ० स्वर्दयिषीष्ट | स्वर्दयिषीयास्ताम् | स्वर्दयिषीन् |
| स्वर्दयिषीष्ठाः | स्वर्दयिषीयास्थाः | स्वर्दयिषीह्वम् |
| | | ध्वम् |
| स्वर्दयिषीय | स्वर्दयिषीवहि | स्वर्दयिषीमहि |
| श्व० स्वर्दयिता | स्वर्दयितारौ | स्वर्दयितारः |
| स्वर्दयितासे | स्वर्दयितासाथे | स्वर्दयिताध्वे |
| स्वर्दयिताहे | स्वर्दयितास्वहे | स्वर्दयितास्महे |
| भ० स्वर्दयिष्यते | स्वर्दयिष्येते | स्वर्दयिष्यन्ते |
| स्वर्दयिष्यसे | स्वर्दयिष्येथे | स्वर्दयिष्यध्वे |
| स्वर्दयिष्ये | स्वर्दयिष्यावहे | स्वर्दयिष्यामहे |
| क्रि० अस्वर्दयिष्यत् | अस्वर्दयिष्येताम् | अस्वर्दयिष्यन्त |
| अस्वर्दयिष्यथाः | अस्वर्दयिष्येथाम् | अस्वर्दयिष्यध्वम् |
| अस्वर्दयिष्ये | अस्वर्दयिष्यावहि | अस्वर्दयिष्यामहि |

732 उर्दि (ऊर्द्) मानक्रीडनयोश्च ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| ब० | ऊर्दयति | ऊर्दयतः | ऊर्दयन्ति |
| | ऊर्दयसि | ऊर्दयथः | ऊर्दयथ |
| | ऊर्दयामि | ऊर्दयावः | ऊर्दयामः |
| स० | ऊर्दयेत् | ऊर्दयेताम् | ऊर्दयेयुः |
| | ऊर्दयेः | ऊर्दयेतम् | ऊर्दयेत |
| | ऊर्दयेयम् | ऊर्दयेव | ऊर्दयेम |
| प० | ऊर्दयतु | ऊर्दयतात् | ऊर्दयताम् |
| | ऊर्दय | ऊर्दयतात् | ऊर्दयतम् |
| | ऊर्दयानि | ऊर्दयाव | ऊर्दयाम |
| ह्य० | और्दयत् | और्दयताम् | और्दयन् |
| | और्दयः | और्दयतम् | और्दयत |
| | और्दयम् | और्दयाव | और्दयाम |
| अ० | और्दिदत् | और्दिदताम् | और्दिदन् |
| | और्दिदः | और्दिदतम् | और्दिदत |
| | और्दिदम् | और्दिदाव | और्दिदाम |
| प० | ऊर्दयाच्चकाद | ऊर्दयाच्चकतुः | ऊर्दयाच्चकुः |
| | ऊर्दयाच्चकथं | ऊर्दयाच्चकथुः | ऊर्दयाच्चक |
| | ऊर्दयाच्चकार-चकर | ऊर्दयाच्चकृव | ऊर्दयाच्चकृम |
| | ऊर्दयाम्बभूव | । | ऊर्दयामास |
| आ० | ऊर्द्यात् | ऊर्द्यास्ताम् | ऊर्द्यासुः |
| | ऊर्द्याः | ऊर्द्यास्तम् | ऊर्द्यास्त |
| | ऊर्द्यासम् | ऊर्द्यास्व | ऊर्द्यास्म |
| श्व० | ऊर्दयिता | ऊर्दयितारौ | ऊर्दयितारः |
| | ऊर्दयितासि | ऊर्दयितास्थः | ऊर्दयितास्थ |
| | ऊर्दयितास्म | ऊर्दयितास्वः | ऊर्दयितास्मः |
| भ० | ऊर्दयिष्यत् | ऊर्दयिष्यतः | ऊर्दयिष्यन्त |
| | ऊर्दयिष्यसि | ऊर्दयिष्यथः | ऊर्दयिष्यथ |
| | ऊर्दयिष्यामि | ऊर्दयिष्यावः | ऊर्दयिष्यामः |
| क्रि० | और्दयिष्यत् | और्दयिष्यताम् | और्दयिष्यन् |
| | और्दयिष्यः | और्दयिष्यतम् | और्दयिष्यत |
| | और्दयिष्यम् | और्दयिष्याव | और्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | ऊर्दयते | ऊर्दयते | ऊर्दयन्ते |
| | ऊर्दयसे | ऊर्दयेथे | ऊर्दयन्ते |
| | ऊर्दये | ऊर्दयावहे | ऊर्दयामहे |
| स० | ऊर्दयेत | ऊर्दयेताम् | ऊर्दयेयुः |
| | ऊर्दयेथाः | ऊर्दयेथायाम् | ऊर्दयेथ्वम् |
| | ऊर्दयेथ | ऊर्दयेवहि | ऊर्दयेमहि |
| प० | ऊर्दयताम् | ऊर्दयेताम् | ऊर्दयन्ताम् |
| | ऊर्दयस्व | ऊर्दयेथाम् | ऊर्दयथ्वम् |
| | ऊर्दये | ऊर्दयावहे | ऊर्दयामहे |
| ह्य० | और्दयत् | और्दयेताम् | और्दयन्त |
| | और्दयथाः | और्दयेथाम् | और्दयथ्वम् |
| | और्दये | और्दयावहि | और्दयामहि |
| अ० | और्दिदत् | और्दिदेताम् | और्दिदन्त |
| | और्दिदथाः | और्दिदेथाम् | और्दिदथ्वम् |
| | और्दिदे | और्दिदावहि | और्दिदामहि |
| प० | ऊर्दयाच्चके | ऊर्दयाच्चकाते | ऊर्दयाच्चकिरे |
| | ऊर्दयाच्चकृषे | ऊर्दयाच्चकाथे | ऊर्दयाच्चकृद्धे |
| | ऊर्दयाच्चके | ऊर्दयाच्चकृद्धे | ऊर्दयाच्चकृद्धे |
| | ऊर्दयाम्बभूव | । | ऊर्दयामास |
| आ० | ऊर्दयिषीष्ट | ऊर्दयिषीयास्ताम् | ऊर्दयिषीन् |
| | ऊर्दयिषीष्टाः | ऊर्दयिषीयास्थाः | ऊर्दयिषीह्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | ऊर्दयिषीय | ऊर्दयिषीवहि | ऊर्दयिषीमहि |
| श्व० | ऊर्दयिता | ऊर्दयितारौ | ऊर्दयितारः |
| | ऊर्दयितसे | ऊर्दयितासाथे | ऊर्दयितध्वे |
| | ऊर्दयिताहे | ऊर्दयितास्वहे | ऊर्दयितास्महे |
| भ० | ऊर्दयिष्यते | ऊर्दयिष्येते | ऊर्दयिष्यन्ते |
| | ऊर्दयिष्यसे | ऊर्दयिष्येथे | ऊर्दयिष्यध्वे |
| | ऊर्दयिष्ये | ऊर्दयिष्यावहे | ऊर्दयिष्यामहे |
| क्रि० | और्दयिष्यत् | और्दयिष्येताम् | और्दयिष्यन्त |
| | और्दयिष्यथाः | और्दयिष्येथाम् | और्दयिष्यथ्वम् |
| | और्दयिष्ये | और्दयिष्यावहि | और्दयिष्यामहि |

733 कृदि (कृद्) क्रीडायाम् ।

| | | |
|-----------------|---------------|--------------|
| ब० कृदयति | कृदयतः | कृदयन्ति |
| कृदयसि | कृदयथः | कृदयथ |
| कृदयामि | कृदयावः | कृदयामः |
| स० कृदयेत् | कृदयेताम् | कृदयेयुः |
| कृदयेः | कृदयेतम् | कृदयेत |
| कृदयेयम् | कृदयेव | कृदयेम |
| प० कृदयतु | कृदयतात् | कृदयताम |
| कृदय | कृदयतात् | कृदयतम् |
| कृदयानि | कृदयाव | कृदयाम |
| ह्य० अकृदयत् | अकृदयताम् | अकृदयन् |
| अकृदयः | अकृदयतम् | अकृदयत |
| अकृदयम् | अकृदयाव | अकृदयाम |
| अ० अचुकृदत् | अचुकृदताम् | अचुकृदन् |
| अचुकृदः | अचुकृदतम् | अचुकृदत |
| अचुकृदम् | अचुकृदव | अचुकृदम |
| प० कृदयाश्चकार | कृदयाश्चक्रुः | कृदयाश्चकुः |
| कृदयाश्चकथ | कृदयाश्चक्रुः | कृदयाश्चक |
| कृदयाश्चकार-चकर | कृदयाश्चक्रुव | कृदयाश्चक्रम |

कृदयाम्बभूव । कृदयामास

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| भा० कृद्यात् | कृद्यास्ताम् | कृद्यासुः |
| कृद्याः | कृद्यास्तम् | कृद्यास्त |
| कृद्यासम् | कृद्यास्व | कृद्यास्म |
| भ० कृदयिता | कृदयितारौ | कृदयितारः |
| कृदयितासि | कृदयितास्थः | कृदयितास्थ |
| कृदयितास्मि | कृदयितास्वः | कृदयितास्मः |
| भ० कृदयिष्यति | कृदयिष्यतः | कृदयिष्यन्ति |
| कृदयिष्यसि | कृदयिष्यथः | कृदयिष्यथ |
| कृदयिष्यामि | कृदयिष्यावः | कृदयिष्यामः |
| क्रि० अकृदयिष्यत् | अकृदयिष्यताम् | अकृदयिष्यन् |
| अकृदयिष्यः | अकृदयिष्यतम् | अकृदयिष्यत |
| अकृदयिष्यम् | अकृदयिष्याव | अकृदयिष्याम |

| | | |
|-----------------|-----------------|------------------|
| ब० कृदयते | कृदयते | कृदयन्ते |
| कृदयसे | कृदयेथे | कृदयध्वे |
| कृदये | कृदयावहे | कृदयामहे |
| स० कृदयेत | कृदयेयाताम् | कृदयेरन् |
| कृदयेथाः | कृदयेयाथाम् | कृदयेध्वम् |
| कृदयेय | कृदयेवहि | कृदयेमहि |
| प० कृदयताम् | कृदयेताम् | कृदयन्ताम् |
| कृदयस्व | कृदयेथाम् | कृदयध्वम् |
| कृदये | कृदयावहे | कृदयामहे |
| ह्य० अकृदयत | अकृदयेताम् | अकृदयन्त |
| अकृदयेथाः | अकृदयेथाम् | अकृदयेध्वम् |
| अकृदये | अकृदयावहि | अकृदयामहि |
| अ० अचुकृदत | अचुकृदताम् | अचुकृदन्त |
| अचुकृदथाः | अचुकृदथाम् | अचुकृदध्वम् |
| अचुकृदे | अचुकृदवहि | अचुकृदमहि |
| प० कृदयाश्चक्रे | कृदयाश्चक्राते | कृदयाश्चक्रिरे |
| कृदयाश्चक्रुषे | कृदयाश्चक्राथे | कृदयाश्चक्रुध्वे |
| कृदयाश्चक्रे | कृदयाश्चक्रुवहे | कृदयाश्चक्रुमहे |

कृदयाम्बभूव । कृदयामास

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| आ० कृदयिषीष्ट | कृदयिषीयास्ताम् | कृदयिषीन् |
| कृदयिषीष्टाः | कृदयिषीयास्थाम् | कृदयिषीध्वम् |
| कृदयिषीय | कृदयिषीवहि | कृदयिषीमहि |
| भ० कृदयिता | कृदयितारौ | कृदयितारः |
| कृदयितासे | कृदयितासाथे | कृदयिताध्वे |
| कृदयिताहे | कृदयितास्वहे | कृदयितास्महे |
| भ० कृदयिष्यते | कृदयिष्येते | कृदयिष्यन्ते |
| कृदयिष्यसे | कृदयिष्येथे | कृदयिष्यध्वे |
| कृदयिष्ये | कृदयिष्यावहे | कृदयिष्यामहे |
| क्रि० अकृदयिष्यत | अकृदयिष्येताम् | अकृदयिष्यन्त |
| अकृदयिष्यथाः | अकृदयिष्येथाम् | अकृदयिष्यध्वम् |
| अकृदयिष्ये | अकृदयिष्यावहि | अकृदयिष्यामहि |

734 गुर्दि (गूर्दे) क्रीडायाम् ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | गूर्दयति | गूर्दयतः | गूर्दयन्ति |
| | गूर्दयसि | गूर्दयथः | गूर्दयथ |
| | गूर्दयामि | गूर्दयावः | गूर्दयामः |
| स० | गूर्दयेत् | गूर्दयेताम् | गूर्दयेयुः |
| | गूर्दयेः | गूर्दयेतम् | गूर्दयेत |
| | गूर्दयेयम् | गूर्दयेव | गूर्दयेम |
| प० | गूर्दयतु | गूर्दयतात् | गूर्दयताम् |
| | गूर्दय | गूर्दयतात् | गूर्दयतम् |
| | गूर्दयानि | गूर्दयाव | गूर्दयाम |
| ह्य० | अगूर्दयत् | अगूर्दयताम् | अगूर्दयन् |
| | अगूर्दयः | अगूर्दयतम् | अगूर्दयत |
| | अगूर्दयम् | अगूर्दयाव | अगूर्दयाम |
| अ० | अजुगूर्दत् | अजुगूर्दताम् | अजुगूर्दन् |
| | अजुगूर्दः | अजुगूर्दतम् | अजुगूर्दत |
| | अजुगूर्दम् | अजुगूर्दाव | अजुगूर्दाम |
| प० | गूर्दयाञ्चकार | गूर्दयाञ्चकतुः | गूर्दयाञ्चकुः |
| | गूर्दयाञ्चकथं | गूर्दयाञ्चकथुः | गूर्दयाञ्चक |
| | गूर्दयाञ्चकार-चकर | गूर्दयाञ्चकव | गूर्दयाञ्चकम् |
| | गूर्दयाम्बभूव | । | गूर्दयामास |
| भा० | गूर्द्यात् | गूर्द्यास्ताम् | गूर्द्यासुः |
| | गूर्द्याः | गूर्द्यास्तम् | गूर्द्यास्त |
| | गूर्द्यासम् | गूर्द्यास्व | गूर्द्यास्म |
| श्व० | गूर्दयिता | गूर्दयितारौ | गूर्दयितारः |
| | गूर्दयितासि | गूर्दयितास्थः | गूर्दयितास्थ |
| | गूर्दयितास्मि | गूर्दयितास्वः | गूर्दयितास्मः |
| म० | गूर्दयिष्यति | गूर्दयिष्यतः | गूर्दयिष्यन्ति |
| | गूर्दयिष्यसि | गूर्दयिष्यथः | गूर्दयिष्यथ |
| | गूर्दयिष्यामि | गूर्दयिष्यावः | गूर्दयिष्यामः |
| क्रि० | अगूर्दयिष्यत् | अगूर्दयिष्यताम् | अगूर्दयिष्यन् |
| | अगूर्दयिष्यः | अगूर्दयिष्यतम् | अगूर्दयिष्यत |
| | अगूर्दयिष्यम् | अगूर्दयिष्याव | अगूर्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| ब० | गूर्दयते | गूर्दयते | गूर्दयन्ते |
| | गूर्दयसे | गूर्दयेथे | गूर्दयध्वे |
| | गूर्दये | गूर्दयावहे | गूर्दयामहे |
| स० | गूर्दयेत | गूर्दयेयाताम् | गूर्दयेरन् |
| | गूर्दयेथाः | गूर्दयेयाथाम् | गूर्दयेध्वम् |
| | गूर्दयेथ | गूर्दयेवहि | गूर्दयेमहि |
| प० | गूर्दयताम् | गूर्दयेताम् | गूर्दयन्ताम् |
| | गूर्दयस्व | गूर्दयेथाम् | गूर्दयध्वम् |
| | गूर्दये | गूर्दयावहै | गूर्दयामहै |
| ह्य० | अगूर्दयत | अगूर्दयेताम् | अगूर्दयन्त |
| | अगूर्दयेथाः | अगूर्दयेथाम् | अगूर्दयध्वम् |
| | अगूर्दये | अगूर्दयावहि | अगूर्दयामहि |
| अ० | अजुगूर्दत | अजुगूर्देताम् | अजुगूर्दन्त |
| | अजुगूर्दथाः | अजुगूर्देथाम् | अजुगूर्दध्वम् |
| | अजुगूर्दे | अजुगूर्दावहि | अजुगूर्दामहि |
| प० | गूर्दयाञ्चके | गूर्दयाञ्चकाते | गूर्दयाञ्चकिरे |
| | गूर्दयाञ्चकृषे | गूर्दयाञ्चकृषे | गूर्दयाञ्चकृद्वे |
| | गूर्दयाञ्चके | गूर्दयाञ्चकृवहे | गूर्दयाञ्चकृमहे |
| | गूर्दयाम्बभूव | । | गूर्दयामास |
| भा० | गूर्दयिषीष्ट | गूर्दयिषीयास्ताम् | गूर्दयिषीरन् |
| | गूर्दयिषीष्टाः | गूर्दयिषीयास्थाम् | गूर्दयिषीध्वम् |
| | गूर्दयिषीय | गूर्दयिषीवहि | गूर्दयिषीमहि |
| श्व० | गूर्दयिता | गूर्दयितारौ | गूर्दयितारः |
| | गूर्दयितासे | गूर्दयितासाथे | गूर्दयिताध्वे |
| | गूर्दयिताहे | गूर्दयितास्वहे | गूर्दयितास्महे |
| म० | गूर्दयिष्यते | गूर्दयिष्येते | गूर्दयिष्यन्ते |
| | गूर्दयिष्यसे | गूर्दयिष्येथे | गूर्दयिष्यध्वे |
| | गूर्दयिष्ये | गूर्दयिष्यावहे | गूर्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अगूर्दयिष्यत् | अगूर्दयिष्येताम् | अगूर्दयिष्यन्त |
| | अगूर्दयिष्यथाः | अगूर्दयिष्येथाम् | अगूर्दयिष्यध्वम् |
| | अगूर्दयिष्ये | अगूर्दयिष्यावहि | अगूर्दयिष्यामहि |

735 गुदि (गुद्) क्रीडायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|--------------|
| ब० | गोदयति | गोदयतः | गोदयन्ति |
| | गोदयसि | गोदयथः | गोदयथ |
| | गोदयामि | गोदयावः | गोदयामः |
| स० | गोदयेत् | गोदयेताम् | गोदयेयुः |
| | गोदयेः | गोदयेतम् | गोदयेत |
| | गोदयेयम् | गोदयेव | गोदयेम |
| प० | गोदयतु | गोदयतात् | गोदयन्तु |
| | गोदय | गोदयतम् | गोदयत |
| | गोदयानि | गोदयाव | गोदयाम |
| ह्य० | अगोदयत् | अगोदयताम् | अगोदयन् |
| | अगोदयः | अगोदयतम् | अगोदयत |
| | अगोदयम् | अगोदयाव | अगोदयाम |
| अ० | अजुगुदत् | अजुगुदताम् | अजुगुदन् |
| | अजुगुदः | अजुगुदतम् | अजुगुदत |
| | अजुगुदम् | अजुगुदाव | अजुगुदाम |
| प० | गोदयाञ्चकार | गोदयाञ्च व तुः | गोदयाञ्च कृः |
| | गोदयाञ्चकथं | गोदयाञ्च कथुः | गोदयाञ्च क |
| | गोदयाञ्चकार-चकर | गोदयाञ्चकृव | गोदयाञ्चकृम |
| | गोदयाञ्चभूव | गोदयामास | |
| आ० | गोद्यात् | गोद्यास्ताम् | गोद्यासुः |
| | गोद्याः | गोद्यास्तम् | गोद्यास्त |
| | गोद्यासम् | गोद्यास्व | गोद्यास्म |
| श्व० | गोदयिता | गोदयितारौ | गोदयितारः |
| | गोदयितासि | गोदयितास्थः | गोदयितास्थ |
| | गोदयितास्मि | गोदयितास्वः | गोदयितास्मः |
| भ० | गोदयिष्यति | गोदयिष्यतः | गोदयिष्यन्ति |
| | गोदयिष्यसि | गोदयिष्यथः | गोदयिष्यथ |
| | गोदयिष्यामि | गोदयिष्यावः | गोदयिष्यामः |
| क्रि० | अगोदयिष्यत् | अगोदयिष्यताम् | अगोदयिष्यन् |
| | अगोदयिष्यः | अगोदयिष्यतम् | अगोदयिष्यत |
| | अगोदयिष्यम् | अगोदयिष्याव | अगोदयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | गोदयते | गोदयते | गोदयन्ते |
| | गोदयसे | गोदयथे | गोदयध्वे |
| | गोदये | गोदयावहे | गोदयामहे |
| स० | गोदयेत | गोदयेयाताम् | गोदयेरन् |
| | गोदयेथाः | गोदयेयाथाम् | गोदयेध्वम् |
| | गोदयेय | गोदयेवहि | गोदयेमहि |
| प० | गोदयताम् | गोदयेताम् | गोदयन्ताम् |
| | गोदस्व | गोदथाम् | गोदयध्वम् |
| | गोदये | गोदयावहे | गोदयामहे |
| ह्य० | अगोदयत | अगोदयेताम् | अगोदयन्त |
| | अगोदयथा | अगोदयेथाम् | अगोदयध्वम् |
| | अगोदये | अगोदयावहि | अगोदयामहि |
| अ० | अजुगुदत् | अजुगुदेताम् | अजुगुदन्त |
| | अजुगुदथाः | अजुगुदेथाम् | अजुगुदध्वम् |
| | अजुगुदे | अजुगुदावहि | अजुगुदामहि |
| प० | गोदयाञ्चके | गोदयाञ्चक्राते | गोदयाञ्चक्रिरे |
| | गोदयाञ्चकृषे | गोदयाञ्चक्राथे | गोदयाञ्चकृध्वे |
| | गोदयाञ्चके | गोदयाञ्चकृवहे | गोदयाञ्चकृमहे |
| | गोदयाञ्चभूव | गोदयामास | |
| आ० | गोदयिषीष्ट | गोदयिषीयास्ताम् | गोदयिषीरन् |
| | गोदयिषीष्टाः | गोदयिषीयास्थाम् | गोदयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | गोदयिषीय | गोदयिषीवहि | गोदयिषीमहि |
| भ० | गोदयिता | गोदयितारौ | गोदयितारः |
| | गोदयितासे | गोदयितासाथे | गोदयिताध्वे |
| | गोदयिताहे | गोदयितास्वहे | गोदयितास्महे |
| भ० | गोदयिष्यते | गोदयिष्येदे | गोदयिष्यन्ते |
| | गोदयिष्यसे | गोदयिष्येथे | गोदयिष्यध्वे |
| | गोदयिष्ये | गोदयिष्यावहे | गोदयिष्यामहे |
| क्रि० | अगोदयिष्यत् | अगोदयिष्येताम् | अगोदयिष्यन्त |
| | अगोदयिष्यथाः | अगोदयिष्येथाम् | अगोदयिष्यध्वम् |
| | अगोदयिष्ये | अगोदयिष्यावहि | अगोदयिष्यामहि |

736 वृद्धि (सूद्) क्षरणे ।

| | | | |
|-------|----------------|----------------|---------------|
| ब० | सूदयति | सूदयतः | सूदयन्ति |
| | सूदयसि | सूदयथः | सूदयथ |
| | सूदयामि | सूदयावः | सूदयामः |
| स० | सूदयेत् | सूदयेताम् | सूदयेयुः |
| | सूदयेः | सूदयेतम् | सूदयेत |
| | सूदयेयम् | सूदयेव | सूदयेम |
| प० | सूदयतु | सूदयतात् | सूदयताम् |
| | सूदय | सूदयतम् | सूदयत |
| | सूदयानि | सूदयाव | सूदयाम |
| ह्य० | असूदयत् | असूदयताम् | असूदयन् |
| | असूदयः | असूदयतम् | असूदयत |
| | असूदयम् | असूदयाव | असूदयाम |
| अ० | असूषुदत् | असूषुदताम् | असूषुदन् |
| | असूषुदः | असूषुदतम् | असूषुदत |
| | असूषुदम् | असूषुदाव | असूषुदाम |
| प० | सूदयाञ्चकार | सूदयाञ्चक्रतुः | सूदयाञ्चक्रुः |
| | सूदयाञ्चकथं | सूदयाञ्चकथुः | सूदयाञ्चक |
| | सूदयाञ्चकर-चकर | सूदयाञ्चकृव | सूदयाञ्चकृम |
| | सूदयाम्बभूव | । | सूदयमास |
| आ० | सूयात् | सूयास्ताम् | सूयासुः |
| | सूयाः | सूयास्तम् | सूयास्त |
| | सूयासम् | सूयास्व | सूयास्म |
| भ० | सूदयिता | सूदयितारौ | सूदयितारः |
| | सूदयितासि | सूदयितास्यः | सूदयितास्य |
| | सूदयितास्मि | सूदयितास्वः | सूदयितास्मः |
| भ० | सूदयिष्यति | सूदयिष्यतः | सूदयिष्यन्ति |
| | सूदयिष्यसि | सूदयिष्यथः | सूदयिष्यथ |
| | सूदयिष्यामि | सूदयिष्यावः | सूदयिष्यामः |
| क्रि० | असूदयिष्यत् | असूदयिष्यताम् | असूदयिष्यन् |
| | असूदयिष्यः | असूदयिष्यतम् | असूदयिष्यत |
| | असूदयिष्यम् | असूदयिष्याव | असूदयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | सूदयते | सूदयेते | सूदयन्ते |
| | सूदयसे | सूदयेथे | सूदयध्वे |
| | सूदये | सूदयावहे | सूदयामहे |
| स० | सूदयेत | सूदयेयाताम् | सूदयेरन् |
| | सूदयेथाः | सूदयेयाथाम् | सूदयेध्वम् |
| | सूदयेय | सूदयेवहि | सूदयेमहि |
| प० | सूदयताम् | सूदयेताम् | सूदयन्ताम् |
| | सूदयस्व | सूदयेथाम् | सूदयध्वम् |
| | सूदयै | सूदयावहै | सूदयामहै |
| ह्य० | असूदयत | असूदयेताम् | असूदयन्त |
| | असूदयथाः | असूदयेथाम् | असूदयध्वम् |
| | असूदये | असूदयावहि | असूदयामहि |
| अ० | असूषुदत | असूषुदेताम् | असूषुदन्त |
| | असूषुदथाः | असूषुदेथाम् | असूषुदध्वम् |
| | असूषुदे | असूषुदावहि | असूषुदामहि |
| प० | सूदयाञ्चक्रे | सूदयाञ्चक्राते | सूदयाञ्चक्रिरे |
| | सूदयाञ्चकृषे | सूदयाञ्चक्राथे | सूदयाञ्चकृवहे |
| | सूदयाञ्चक्रे | सूदयाञ्चकृवहे | सूदयाञ्चकृमहे |
| | सूदयाम्बभूव | । | सूदयमास |
| आ० | सूदयिषीष्ट | सूदयिषीयास्ताम् | सूदयिषीरन् |
| | सूदयिषीष्ठाः | सूदयिषीयास्थाम् | सूदयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | सूदयिषीय | सूदयिषीवहि | सूदयिषीमहि |
| भ० | सूदयिता | सूदयितारौ | सूदयितारः |
| | सूदयितासे | सूदयितासाथे | सूदयिताध्वे |
| | सूदयिताहे | सूदयितास्वहे | सूदयितास्महे |
| भ० | सूदयिष्यते | सूदयिष्येते | सूदयिष्यन्ते |
| | सूदयिष्यसे | सूदयिष्येथे | सूदयिष्यध्वे |
| | सूदयिष्ये | सूदयिष्यावहे | सूदयिष्यामहे |
| क्रि० | असूदयिष्यत | असूदयिष्येताम् | असूदयिष्यन्त |
| | असूदयिष्यथाः | असूदयिष्येथाम् | असूदयिष्यध्वम् |
| | असूदयिष्ये | असूदयिष्यावहि | असूदयिष्यामहि |

737 हादि (हाद्) शब्दे

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | हादयति | हादयतः | हादयन्ति |
| | हादयसि | हादयथः | हादयथ |
| | हादयामि | हादयावः | हादयामः |
| स० | हादयेत् | हादयेताम् | हादयेयुः |
| | हादयेः | हादयेतम् | हादयेत |
| | हादयेयम् | हादयेव | हादयेम |
| प० | हादयतु | हादयतात् | हादयन्तु |
| | हादय | हादयतात् | ह दयतम् |
| | हादयानि | हादयाव | हादयाम |
| ह्य० | अहादयत् | अहादयताम् | अहादयन् |
| | अहादयः | अहादयतम् | अहादयत |
| | अहादयम् | अहादयाव | अहादयाम |
| अ० | अजिहदत् | अजिहदताम् | अजिहदन् |
| | अजिहदः | अजिहदतम् | अजिहदत |
| | अजिहदम् | अजिहदाव | अजिहदाम |
| प० | हादयाञ्चकार | हादयाञ्चक्रतुः | हादयाञ्चक्रुः |
| | हादयाञ्चकथ | हादयाञ्चक्रथुः | हादयाञ्चक्र |
| | हादयाञ्चकार-चकर | हादयाञ्चकृव | हादयाञ्चकृम |
| | हादयाम्बभूव | । | हादयामास |
| आ० | हाद्यात् | हाद्यास्ताम् | हाद्यासुः |
| | हाद्याः | हाद्यास्तम् | हाद्यास्त |
| | हाद्यासम् | हाद्यास्व | हाद्यास्म |
| भ० | हादयिता | हादयितारौ | हादयितारः |
| | हादयितासि | हादयितास्थः | हादयितास्थ |
| | हादयितास्मि | हादयितास्वः | हादयितास्मः |
| भ० | हादयिष्यति | हादयिष्यतः | हादयिष्यन्ति |
| | हादयिष्यसि | हादयिष्यथः | हादयिष्यथ |
| | हादयिष्यामि | हादयिष्यावः | हादयिष्यामः |
| क्रि० | अहादयिष्यत् | अहादयिष्यताम् | अहादयिष्यन् |
| | अहादयिष्यः | अहादयिष्यतम् | अहादयिष्यत |
| | अहादयिष्यम् | अहादयिष्याव | अहादयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हादयते | हादयते | हादयन्ते |
| | हादयसे | हादयेथे | हादयध्वे |
| | हादये | हादयावहे | हादयामहे |
| स० | हादयेत | हादयेयाताम् | हादयेरन् |
| | हादयेथाः | हादयेयाथाम् | हादयेध्वम् |
| | हादयेय | हादयेवहि | हादयेमहि |
| प० | हादयताम् | हादयेताम् | हादयन्ताम् |
| | हादयस्व | हादयेथाम् | हादयध्वम् |
| | हादये | हादयावहे | हादयामहे |
| ह्य० | अहादयत | अहादयेताम् | अहादयन्त |
| | अहादयथाः | अहादयेथाम् | अहादयध्वम् |
| | अहादये | अहादयावहि | अहादयामहि |
| अ० | अजिहदत् | अजिहदेताम् | अजिहदन्त |
| | अजिहदथाः | अजिहदेथाम् | अजिहदध्वम् |
| | अजिहदे | अजिहदावहि | अजिहदामहि |
| प० | हादयाञ्चके | हादयाञ्चकाते | हादयाञ्चकिरे |
| | हादयाञ्चकृषे | हादयाञ्चकाथे | हादयाञ्चकृद्वे |
| | हादयाञ्चके | हादयाञ्चकृवहे | हादयाञ्चकृमहे |
| | हादयाम्बभूव | । | हादयामास |
| आ० | हादयिषीष्ट | हादयिषीयास्ताम् | हादयिषीगन् |
| | हादयिषीष्टाः | हादयिषीयास्थाः | हादयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | हादयिषीय | हादयिषीवहि | हादयिषीमहि |
| भ० | हादयिता | हादयितारौ | हादयितारः |
| | हादयितासे | हादयितासाथे | हादयिताध्वे |
| | हादयिताहे | हादयितास्वहे | हादयितास्महे |
| भ० | हादयिष्यते | हादयिष्येते | हादयिष्यन्ते |
| | हादयिष्यसे | हादयिष्येथे | हादयिष्यध्वे |
| | हादयिष्ये | हादयिष्यावहे | हादयिष्यामहे |
| क्रि० | अहादयिष्यत् | अहादयिष्येताम् | अहादयिष्यन्त |
| | अहादयिष्यथाः | अहादयिष्येथाम् | अहादयिष्यध्वम् |
| | अहादयिष्ये | अहादयिष्यावहि | अहादयिष्यामहि |

738 हादैइ (हाद्) सुखे च ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | हादयति | हादयतः | हादयन्ति |
| | हादयसि | हादयथः | हादयथ |
| | हादयामि | हादयावः | हादयामः |
| स० | हादयेत् | हादयेताम् | हादयेयुः |
| | हादयेः | हादयेतम् | हादयेत |
| | हादयेयम् | हादयेव | हादयेम |
| प० | हादयतु | हादयतात् | हादयन्तु |
| | हादय | हादयतम् | हादयत |
| | हादयानि | हादयाव | हादयाम |
| स० | अहादयत् | अहादयताम् | अहादयन् |
| | अहादयः | अहादयतम् | अहादयत |
| | अहादयम् | अहादयाव | अहादयाम |
| अ० | अजिह्वदत् | अजिह्वदताम् | अजिह्वदन् |
| | अजिह्वदः | अजिह्वदतम् | अजिह्वदत |
| | अजिह्वदम् | अजिह्वदाव | अजिह्वदाम |
| प० | हादयाश्चकार | हादयाश्चकारतुः | हादयाश्चक्रुः |
| | हादयाश्चकथे | हादयाश्चकथुः | हादयाश्चक |
| | हादयाश्चकार-चकर | हादयाश्चकृव | हादयाश्चकृम |
| | हादयाम्बभूव | हादयामास | |
| भा० | हाद्यात् | हाद्यास्ताम् | हाद्यासुः |
| | हाद्याः | हाद्यास्तम् | हाद्यास्त |
| | हाद्यासम् | हाद्यास्व | हाद्यास्म |
| भ० | हादयिता | हादयितारौ | हादयितारः |
| | हादयितासि | हादयितास्थः | हादयितास्थ |
| | हादयितास्मि | हादयितास्वः | हादयितास्मः |
| भ० | हादयिष्यति | हादयिष्यतः | हादयिष्यन्ति |
| | हादयिष्यसि | हादयिष्यथः | हादयिष्यथ |
| | हादयिष्यामि | हादयिष्यावः | हादयिष्यामः |
| क्रि० | हादयिष्यत् | अहादयिष्यताम् | अहादयिष्यन् |
| | अहादयिष्यः | अहादयिष्यतम् | अहादयिष्यत |
| | अहादयिष्यम् | अहादयिष्याव | अहादयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हादयते | हादयेते | हादयन्ते |
| | हादयसे | हादयेथे | हादयन्वे |
| | हादये | हादयावहे | हादयामहे |
| स० | हादयेत | हादयेयाताम् | हादयेरन् |
| | हादयेथाः | हादयेयाथाम् | हादयेय्वम् |
| | हादयेय | हादयेवहि | हादयेमहि |
| प० | हादयताम् | हादयेताम् | हादयन्ताम् |
| | हादयस्व | हादयेथाम् | हादयन्वम् |
| | हादये | हादयावहे | हादयामहे |
| स० | अहादयत | अहादयेताम् | अहादयन्त |
| | अहादयथाः | अहादयेथाम् | अहादयन्वम् |
| | अहादये | अहादयावहि | अहादयामहि |
| अ० | अजिह्वदत् | अजिह्वदेताम् | अजिह्वदन्त |
| | अजिह्वदथाः | अजिह्वदेथाम् | अजिह्वदन्वम् |
| | अजिह्वदे | अजिह्वदावहि | अजिह्वदामहि |
| प० | हादयाश्चक्रे | हादयाश्चक्राते | हादयाश्चक्रिरे |
| | हादयाश्चकृषे | हादयाश्चक्राये | हादयाश्चकृष्टे |
| | हादयाश्चक्रे | हादयाश्चकृवहे | हादयाश्चकृमहे |
| | हादयाम्बभूव | हादयामास | |
| भा० | हादयिषीष्ट | हादयिषीयास्ताम् | हादयिषीरन् |
| | हादयिषीष्टाः | हादयिषीयास्थाम् | हादयिषीव्वम् |
| | हादयिषीय | हादयिषीवहि | हादयिषीमहि |
| भ० | हादयिता | हादयितारौ | हादयितारः |
| | हादयितासे | हादयितासाथे | हादयिताच्चे |
| | हादयिताहे | हादयितास्वहे | हादयितास्महे |
| भ० | हादयिष्यते | हादयिष्येते | हादयिष्यन्ते |
| | हादयिष्यसे | हादयिष्येथे | हादयिष्यन्वे |
| | हादयिष्ये | हादयिष्यावहे | हादयिष्यामहे |
| क्रि० | अहादयिष्यत् | अहादयिष्येताम् | अहादयिष्यन्त |
| | अहादयिष्यथाः | अहादयिष्येथाम् | अहादयिष्यन्वम् |
| | अहादयिष्ये | अहादयिष्यावहि | अहादयिष्यामहि |

739 पर्दि (पर्द) कुत्सिते शब्दे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | पर्दयति | पर्दयतः | पर्दयन्ति |
| | पर्दयसि | पर्दयथः | पर्दयथ |
| | पर्दयामि | पर्दयावः | पर्दयामः |
| स० | पर्दयेत् | पर्दयेताम् | पर्दयेयुः |
| | पर्दयेः | पर्दयेतम् | पर्दयेत |
| | पर्दयेयम् | पर्दयेव | पर्दयेम |
| प० | पर्दयतु | पर्दयतात् | पर्दयताम् |
| | पर्दय | पर्दयतात् | पर्दयतम् |
| | पर्दयानि | पर्दयाव | पर्दयाम |
| ह्य० | अपर्दयत् | अपर्दयताम् | अपर्दयन् |
| | अपर्दयः | अपर्दयतम् | अपर्दयत |
| | अपर्दयम् | अपर्दयाव | अपर्दयाम |
| अ० | अपपर्दत् | अपपर्दताम् | अपपर्दन् |
| | अपपर्दः | अपपर्दतम् | अपपर्दत |
| | अपपर्दम् | अपपर्दाव | अपपर्दाम |
| प० | पर्दयाश्चकार | पर्दयाश्चक्रुः | पर्दयाश्चकुः |
| | पर्दयाश्चकर्थ | पर्दयाश्चक्रुः | पर्दयाश्चक |
| | पर्दयाश्चकार-चकर | पर्दयाश्चकृव | पर्दयाश्चकृम |
| | पर्दयाम्बभूव | । | पर्दयामास |
| आ० | पर्दात् | पर्दास्ताम् | पर्दासुः |
| | पर्दाः | पर्दास्तम् | पर्दास्त |
| | पर्दासम् | पर्दास्व | पर्दास्म |
| श्च० | पर्दयिता | पर्दयितारौ | पर्दयितारः |
| | पर्दयितासि | पर्दयितास्थः | पर्दयितास्थ |
| | पर्दयितास्मि | पर्दयितास्वः | पर्दयितास्मः |
| भ० | पर्दयिष्यति | पर्दयिष्यतः | पर्दयिष्यन्ति |
| | पर्दयिष्यसि | पर्दयिष्यथः | पर्दयिष्यथ |
| | पर्दयिष्यामि | पर्दयिष्यावः | पर्दयिष्यामः |
| क्रि० | अपर्दयिष्यत् | अपर्दयिष्यताम् | अपर्दयिष्यन् |
| | अपर्दयिष्यः | अपर्दयिष्यतम् | अपर्दयिष्यत |
| | अपर्दयिष्यम् | अपर्दयिष्याव | अपर्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|------------------|
| ब० | पर्दयेते | पर्दयेते | पर्दयन्ते |
| | पर्दयेसे | पर्दयेथे | पर्दयन्थे |
| | पर्दये | पर्दयावहे | पर्दयामहे |
| स० | पर्दयेत | पर्दयेताताम् | पर्दयेरन् |
| | पर्दयेथाः | पर्दयेथाताम् | पर्दयेथ्वम् |
| | पर्दयेय | पर्दयेवहि | पर्दयेमहि |
| प० | पर्दयताम् | पर्दयेताम् | पर्दयन्ताम् |
| | पर्दयस्व | पर्दयेथाम् | पर्दयन्वम् |
| | पर्दये | पर्दयावहै | पर्दयामहै |
| ह्य० | अपर्दयत | अपर्दयेताम् | अपर्दयन्त |
| | अपर्दयथाः | अपर्दयेथाम् | अपर्दयन्वम् |
| | अपर्दये | अपर्दयावहि | अपर्दयामहि |
| अ० | अपपर्दत | अपपर्देताम् | अपपर्दन्त |
| | अपपर्दथाः | अपपर्देथाम् | अपपर्दन्वम् |
| | अपपर्दे | अपपर्दावहि | अपपर्दामहि |
| प० | पर्दयाश्चक्रे | पर्दयाश्चक्रते | पर्दयाश्चक्रिरे |
| | पर्दयाश्चकृषे | पर्दयाश्चक्राथे | पर्दयाश्चक्रुवहे |
| | पर्दयाश्चक्रे | पर्दयाश्चकृवहे | पर्दयाश्चकृमहे |
| | पर्दयाम्बभूव | । | पर्दयामास |
| आ० | पर्दयिषीष्ट | पर्दयिषीयास्ताम् | पर्दयिषीगन् |
| | पर्दयिषीष्टाः | पर्दयिषीयास्ताम् | पर्दयिषीवम् |
| | | | च्वम् |
| | पर्दयिषीय | पर्दयिषीवहि | पर्दयिषीमहि |
| श्च० | पर्दयिता | पर्दयितारौ | पर्दयितारः |
| | पर्दयितासे | पर्दयितासाथे | पर्दयिताच्चे |
| | पर्दयिताहे | पर्दयितास्वहे | पर्दयितास्महे |
| भ० | पर्दयिष्यते | पर्दयिष्येते | पर्दयिष्यन्ते |
| | पर्दयिष्यसे | पर्दयिष्येथे | पर्दयिष्यन्थे |
| | पर्दयिष्ये | पर्दयिष्यावहे | पर्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अपर्दयिष्यत् | अपर्दयिष्येताम् | अपर्दयिष्यन्त |
| | अपर्दयिष्यथाः | अपर्दयिष्येथाम् | अपर्दयिष्यन्वम् |
| | अपर्दयिष्ये | अपर्दयिष्यावहि | अपर्दयिष्यामहि |

740 स्कुदुह (स्कुन्द्) आपवणे ।

| | | | |
|-------|----------------------|--------------------|---------------------------|
| ब० | स्कुन्दयति | स्कुन्दयतः | स्कुन्दयन्ति |
| | स्कुन्दयसि | स्कुन्दयथः | स्कुन्दयथ |
| | स्कुन्दयामि | स्कुन्दयावः | स्कुन्दयामः |
| स० | स्कुन्दयेत् | स्कुन्दयेताम् | स्कुन्दयेयुः |
| | स्कुन्दयेः | स्कुन्दयेतम् | स्कुन्दयेत |
| | स्कुन्दयेयम् | स्कुन्दयेव | स्कुन्दयेम |
| प० | स्कुन्दयतु | स्कुन्दयतात् | स्कुन्दयताम् स्कुन्दयन्तु |
| | स्कुन्दय | स्कुन्दयतात् | स्कुन्दयतम् स्कुन्दयत |
| | स्कुन्दयानि | स्कुन्दयाव | स्कुन्दयाम |
| ह्य० | अस्कुन्दयत् | अस्कुन्दयताम् | अस्कुन्दयन् |
| | अस्कुन्दयः | अस्कुन्दयतम् | अस्कुन्दयत |
| | अस्कुन्दयम् | अस्कुन्दयाव | अस्कुन्दयाम |
| अ० | अचुस्कुन्दत् | अचुस्कुन्दताम् | अचुस्कुन्दन् |
| | अचुस्कुन्दः | अचुस्कुन्दतम् | अचुस्कुन्दत |
| | अचुस्कुन्दम् | अचुस्कुन्दाव | अचुस्कुन्दाव |
| प० | स्कुन्दयाश्चकार | स्कुन्दयाश्चक्रतुः | स्कुन्दयाश्चक्रुः |
| | स्कुन्दयाश्चकर्त्तुः | स्कुन्दयाश्चक्रथुः | स्कुन्दयाश्चक्र |
| | स्कुन्दयाश्चकार-चक्र | स्कुन्दयाश्चक्रव | स्कुन्दयाश्चक्रम् |
| | स्कुन्दयाम्बभूव | । | स्कुन्दयामास |
| आ० | स्कुन्दात् | स्कुन्दास्ताम् | स्कुन्दासुः |
| | स्कुन्दाः | स्कुन्दास्तम् | स्कुन्दास्त |
| | स्कुन्दासम् | स्कुन्दास्व | स्कुन्दास्म |
| भ० | स्कुन्दयिता | स्कुन्दयितारौ | स्कुन्दयितारः |
| | स्कुन्दयितासि | स्कुन्दयितास्थः | स्कुन्दयितास्थ |
| | स्कुन्दयितास्मि | स्कुन्दयितास्वः | स्कुन्दयितास्मः |
| भ० | स्कुन्दयिष्यति | स्कुन्दयिष्यतः | स्कुन्दयिष्यन्ति |
| | स्कुन्दयिष्यसि | स्कुन्दयिष्यथः | स्कुन्दयिष्यथ |
| | स्कुन्दयिष्यामि | स्कुन्दयिष्यावः | स्कुन्दयिष्यामः |
| क्रि० | अस्कुन्दयिष्यत् | अस्कुन्दयिष्यताम् | अस्कुन्दयिष्यन् |
| | अस्कुन्दयिष्यः | अस्कुन्दयिष्यतम् | अस्कुन्दयिष्यत |
| | अस्कुन्दयिष्यम् | अस्कुन्दयिष्याव | अस्कुन्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------------|---------------------|---------------------|
| व० | स्कुन्दयते | स्कुन्दयेते | स्कुन्दयन्ते |
| | स्कुन्दयसे | स्कुन्दयेथे | स्कुन्दयन्वे |
| | स्कुन्दये | स्कुन्दयावहे | स्कुन्दयामहे |
| स० | स्कुन्दयेत | स्कुन्दयेयाताम् | स्कुन्दयेरन् |
| | स्कुन्दयेथाः | स्कुन्दयेयाथाम् | स्कुन्दयेध्वम् |
| | स्कुन्दयेय | स्कुन्दयेवहि | स्कुन्दयेमहि |
| प० | स्कुन्दयताम् | स्कुन्दयेताम् | स्कुन्दयन्ताम् |
| | स्कुन्दयस्व | स्कुन्दयेथाम् | स्कुन्दयध्वम् |
| | स्कुन्दयै | स्कुन्दयावहै | स्कुन्दयामहै |
| ह्य० | अस्कुन्दयत | अस्कुन्दयेताम् | अस्कुन्दयन्त |
| | अस्कुन्दयथाः | अस्कुन्दयेथाम् | अस्कुन्दयध्वम् |
| | अस्कुन्दये | अस्कुन्दयावहि | अस्कुन्दयामहि |
| अ० | अचुस्कुन्दत | अचुस्कुन्देताम् | अचुस्कुन्दन्त |
| | अचुस्कुन्दाथाः | अचुस्कुन्देथाम् | अचुस्कुन्दध्वम् |
| | अचुस्कुन्दे | अचुस्कुन्दावहि | अचुस्कुन्दामहि |
| प० | स्कुन्दयाश्चक्र | स्कुन्दयाश्चक्राते | स्कुन्दयाश्चक्रिरे |
| | स्कुन्दयाश्चक्रुषे | स्कुन्दयाश्चक्रुषे | स्कुन्दयाश्चक्रुषे |
| | स्कुन्दयाश्चक्रे | स्कुन्दयाश्चक्रुवहे | स्कुन्दयाश्चक्रुमहे |
| | स्कुन्दयाम्बभूव | । | स्कुन्दयामास |
| आ० | स्कुन्दयिषीष्ट | स्कुन्दयिषीयास्ताम् | स्कुन्दयिषीरन् |
| | स्कुन्दयिषीष्ठाः | स्कुन्दयिषीयास्थाम् | स्कुन्दयिषीध्वम् |
| | स्कुन्दयिषीय | स्कुन्दयिषीवहि | स्कुन्दयिषीमहि |
| भ० | स्कुन्दयिता | स्कुन्दयितारौ | स्कुन्दयितारः |
| | स्कुन्दयितासे | स्कुन्दयितासथे | स्कुन्दयिताध्वे |
| | स्कुन्दयिताहे | स्कुन्दयितास्वहे | स्कुन्दयितास्महे |
| भ० | स्कुन्दयिष्यते | स्कुन्दयिष्येते | स्कुन्दयिष्यन्ते |
| | स्कुन्दयिष्यसे | स्कुन्दयिष्येथे | स्कुन्दयिष्यन्वे |
| | स्कुन्दयिष्ये | स्कुन्दयिष्यावहे | स्कुन्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्कुन्दयिष्यत् | अस्कुन्दयिष्येताम् | अस्कुन्दयिष्यन्त |
| | अस्कुन्दयिष्यथाः | अस्कुन्दयिष्येथाम् | अस्कुन्दयिष्यध्वम् |
| | अस्कुन्दयिष्ये | अस्कुन्दयिष्यावहि | अस्कुन्दयिष्यामहि |

॥ अथ धान्ताः सप्त ॥

741 एधि (एध्) वृद्धौ

| | | |
|-----------------|-------------|-------------|
| ब० एधयति | एधयतः | एधयन्ति |
| एधयसि | एधयथः | एधयथ |
| एधयामि | एधयावः | एधयामः |
| स० एधयेत् | एधयेताम् | एधयेयुः |
| एधयेः | एधयेतम् | एधयेत |
| एधयेयम् | एधयेव | एधयेम |
| प० एधयतु | एधयतात् | एधयताम् |
| एधय | एधयतम् | एधयत |
| एधयानि | एधयाव | एधयाम |
| झ० ऐधयत् | ऐधयताम् | ऐधयन् |
| ऐधयः | ऐधयतम् | ऐधयत |
| ऐधयम् | ऐधयाव | ऐधयाम |
| ञ० ऐदिधत् | ऐदिधताम् | ऐदिधन् |
| ऐदिधः | ऐदिधतम् | ऐदिधत |
| ऐदिधम् | ऐदिधाव | ऐदिधाम |
| प० एधयाञ्चकार | एधयाञ्चकतुः | एधयाञ्चकुः |
| एधयाञ्चकथं | एधयाञ्चकथुः | एधयाञ्चक |
| एधयाञ्चकार-चकर | एधयाञ्चकृव | एधयाञ्चकृम |
| एधयाम्बभूव | एधयामास | |
| आ० एध्यात् | एध्यास्ताम् | एध्यासुः |
| एध्याः | एध्यास्तम् | एध्यास्त |
| एध्यासम् | एध्यास्व | एध्यास्म |
| श० एधयिता | एधयितारौ | एधयितारः |
| एधयितासि | एधयितास्थः | एधयितास्थ |
| एधयितास्मि | एधयितास्वः | एधयितास्मः |
| भ० एधयिष्यति | एधयिष्यतः | एधयिष्यन्ति |
| एधयिष्यसि | एधयिष्यथः | एधयिष्यथ |
| एधयिष्यामि | एधयिष्यावः | एधयिष्यामः |
| क्रि० ऐधयिष्यत् | ऐधयिष्यताम् | ऐधयिष्यन् |
| ऐधयिष्यः | ऐधयिष्यतम् | ऐधयिष्यत |
| ऐधयिष्यम् | ऐधयिष्याव | ऐधयिष्याम |

| | | |
|----------------------|----------------|-----------------|
| ब० एधयेते | एधयेते | एधयन्ते |
| एधयसे | एधयेथे | एधयध्वे |
| एधये | एधयावहे | एधयामहे |
| स० एधयेत | एधयेताताम् | एधयेरन् |
| एधयेथाः | एधयेथाथाम् | एधयेध्वम् |
| एधयेय | एधयेवहि | एधयेमहि |
| प० एधयताम् | एधयेताम् | एधयन्ताम् |
| एधयस्व | एधयेथाम् | एधयध्वम् |
| एधये | एधयावहे | एधयामहे |
| झ० ऐधयत | ऐधयेताम् | ऐधयन्त |
| ऐधयथाः | ऐधयेथाम् | ऐधयध्वम् |
| ऐधये | ऐधयावहि | ऐधयामहि |
| ञ० ऐदिधत | ऐदिधेताम् | ऐदिधन्त |
| ऐदिधथाः | ऐदिधेथाम् | ऐदिधध्वम् |
| ऐदिधे | ऐदिधावहि | ऐदिधामहि |
| प० एधयाञ्चक्रे | एधयाञ्चक्राते | एधयाञ्चक्रिरे |
| एधयाञ्चकृषे | एधयाञ्चक्राथे | एधयाञ्चक्रुध्वे |
| एधयाञ्चक्रे | एधयाञ्चक्रुवहे | एधयाञ्चक्रुमहे |
| एधयाम्बभूव । एधयामास | | |
| आ० एधयिषीष्ट | एधयिषीयास्ताम् | एधयिषीरन् |
| एधयिषीष्ठाः | एधयिषीयास्थाम् | एधयिषीध्वम् |
| ध्वम् | | |
| एधयिषीय | एधयिषीवहि | एधयिषीमहि |
| श० एधयिता | एधयितारौ | एधयितारः |
| एधयितासे | एधयितासाथे | एधयिताध्वे |
| एधयितहे | एधयितास्वहे | एधयितास्महे |
| भ० एधयिष्यते | एधयिष्येते | एधयिष्यन्ते |
| एधयिष्यसे | एधयिष्येथे | एधयिष्यध्वे |
| एधयिष्ये | एधयिष्यावहे | एधयिष्यामहे |
| क्रि० ऐधयिष्यत | ऐधयिष्येताम् | ऐधयिष्यन्त |
| ऐधयिष्यथाः | ऐधयिष्येथाम् | ऐधयिष्यध्वम् |
| ऐधयिष्ये | ऐधयिष्यावहि | ऐधयिष्यामहि |

742 स्पृद्धि (स्पृद्ध) संघर्ष

| | | | |
|-------|---------------------|-------------------|---------------------------|
| व० | स्पृद्धयति | स्पृद्धयतः | स्पृद्धयन्ति |
| | स्पृद्धयसि | स्पृद्धयथः | स्पृद्धयथ |
| | स्पृद्धयामि | स्पृद्धयावः | स्पृद्धयामः |
| स० | स्पृद्धयेत् | स्पृद्धयेताम् | स्पृद्धयेयुः |
| | स्पृद्धयेः | स्पृद्धयेतम् | स्पृद्धयेत |
| | स्पृद्धयेयम् | स्पृद्धयेव | स्पृद्धयेम |
| प० | स्पृद्धयतु | स्पृद्धयतात् | स्पृद्धयताम् स्पृद्धयन्तु |
| | स्पृद्धय | स्पृद्धयतम् | स्पृद्धयत |
| | स्पृद्धयानि | स्पृद्धयाव | स्पृद्धयाम |
| ह्य० | अस्पृद्धयत् | अस्पृद्धयताम् | अस्पृद्धयन् |
| | अस्पृद्धयः | अस्पृद्धयतम् | अस्पृद्धयत |
| | अस्पृद्धयम् | अस्पृद्धयाव | अस्पृद्धयाम |
| अ० | अस्पृद्धयत् | अस्पृद्धयताम् | अस्पृद्धयन् |
| | अस्पृद्धयः | अस्पृद्धयतम् | अस्पृद्धयत |
| | अस्पृद्धयम् | अस्पृद्धयाव | अस्पृद्धयाम |
| प० | स्पृद्धयाश्चकार | स्पृद्धयाश्चक्रुः | स्पृद्धयाश्चक्रुः |
| | स्पृद्धयाश्चकथ | स्पृद्धयाश्चकथुः | स्पृद्धयाश्चक्रुः |
| | स्पृद्धयाश्चकार-चकर | स्पृद्धयाश्चक्रुव | स्पृद्धयाश्चक्रुम |
| | स्पृद्धयाम्बभूव | । | स्पृद्धयामास |
| आ० | स्पृद्धयात् | स्पृद्धयास्ताम् | स्पृद्धयासुः |
| | स्पृद्धयाः | स्पृद्धयास्तम् | स्पृद्धयास्त |
| | स्पृद्धयासम् | स्पृद्धयास्व | स्पृद्धयास्म |
| भ० | स्पृद्धयिता | स्पृद्धयितारौ | स्पृद्धयितारः |
| | स्पृद्धयितासि | स्पृद्धयितास्थः | स्पृद्धयितास्थ |
| | स्पृद्धयितास्मि | स्पृद्धयितास्वः | स्पृद्धयितास्मः |
| म० | स्पृद्धयिष्यति | स्पृद्धयिष्यतः | स्पृद्धयिष्यन्ति |
| | स्पृद्धयिष्यसि | स्पृद्धयिष्यथः | स्पृद्धयिष्यथ |
| | स्पृद्धयिष्यामि | स्पृद्धयिष्यावः | स्पृद्धयिष्यामः |
| क्रि० | अस्पृद्धयिष्यत् | अस्पृद्धयिष्यताम् | अस्पृद्धयिष्यन् |
| | अस्पृद्धयिष्यः | अस्पृद्धयिष्यतम् | अस्पृद्धयिष्यत |
| | अस्पृद्धयिष्यम् | अस्पृद्धयिष्याव | अस्पृद्धयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|---------------------|---------------------|
| व० | स्पृद्धयेते | स्पृद्धयेते | स्पृद्धयन्ते |
| | स्पृद्धयेसे | स्पृद्धयेथे | स्पृद्धयन्वे |
| | स्पृद्धये | स्पृद्धयावहे | स्पृद्धयामहे |
| स० | स्पृद्धयेत | स्पृद्धयेयाताम् | स्पृद्धयेरन् |
| | स्पृद्धयेथाः | स्पृद्धयेयाथाम् | स्पृद्धयेध्वम् |
| | स्पृद्धयेथ | स्पृद्धयेवहि | स्पृद्धयेमहि |
| प० | स्पृद्धयताम् | स्पृद्धयेताम् | स्पृद्धयन्ताम् |
| | स्पृद्धयस्व | स्पृद्धयेथाम् | स्पृद्धयध्वम् |
| | स्पृद्धये | स्पृद्धयावहे | स्पृद्धयामहे |
| ह्य० | अस्पृद्धयत | अस्पृद्धयेताम् | अस्पृद्धयन्त |
| | अस्पृद्धयथाः | अस्पृद्धयेथाम् | अस्पृद्धयध्वम् |
| | अस्पृद्धये | अस्पृद्धयावहि | अस्पृद्धयामहि |
| अ० | अस्पृद्धयत् | अस्पृद्धयेताम् | अस्पृद्धयन्त |
| | अस्पृद्धयथाः | अस्पृद्धयेथाम् | अस्पृद्धयध्वम् |
| | अस्पृद्धये | अस्पृद्धयावहि | अस्पृद्धयामहि |
| प० | स्पृद्धयाश्चक्रे | स्पृद्धयाश्चक्राते | स्पृद्धयाश्चक्रिरे |
| | स्पृद्धयाश्चकृषे | स्पृद्धयाश्चक्राथे | स्पृद्धयाश्चकृद्वे |
| | स्पृद्धयाश्चक्रे | स्पृद्धयाश्चक्रुवहे | स्पृद्धयाश्चक्रुमहे |
| | स्पृद्धयाम्बभूव | । | स्पृद्धयामास |
| आ० | स्पृद्धयिषीष्ट | स्पृद्धयिषीयास्ताम् | स्पृद्धयिषीरन् |
| | स्पृद्धयिषीष्ठाः | स्पृद्धयिषीयास्थाम् | स्पृद्धयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | स्पृद्धयिषीय | स्पृद्धयिषीवहि | स्पृद्धयिषीमहि |
| भ० | स्पृद्धयिता | स्पृद्धयितारौ | स्पृद्धयितारः |
| | स्पृद्धयितासे | स्पृद्धयितासाथे | स्पृद्धयिताध्वे |
| | स्पृद्धयिताहे | स्पृद्धयितास्वहे | स्पृद्धयितास्महे |
| म० | स्पृद्धयिष्यते | स्पृद्धयिष्येते | स्पृद्धयिष्यन्ते |
| | स्पृद्धयिष्यसे | स्पृद्धयिष्येथे | स्पृद्धयिष्यन्वे |
| | स्पृद्धयिष्ये | स्पृद्धयिष्यावहे | स्पृद्धयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्पृद्धयिष्यत् | अस्पृद्धयिष्येताम् | अस्पृद्धयिष्यन्त |
| | अस्पृद्धयिष्यथाः | अस्पृद्धयिष्येथाम् | अस्पृद्धयिष्यध्वम् |
| | अस्पृद्धयिष्ये | अस्पृद्धयिष्यावहि | अस्पृद्धयिष्यामहि |

743 गाधृङ् (गाध्) प्रतिष्ठालिप्साग्रन्थेषु

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० गाधयति | गाधयतः | गाधयन्ति |
| गाधयसि | गाधयथः | गाधयथ |
| गाधयामि | गाधयावः | गाधयामः |
| स० गाधयेत् | गाधयेताम् | गाधयेयुः |
| गाधयेः | गाधयेतम् | गाधयेत |
| गाधयेयम् | गाधयेव | गाधयेम |
| प० गाधयतु | गाधयतात् | गाधयन्तु |
| गाधय | गाधयतम् | गाधयत |
| गाधयानि | गाधयाव | गाधयाम |
| ह्य० अगाधयत् | अगाधयताम् | अगाधयन् |
| अगाधयः | अगाधयतम् | अगाधयत |
| अगाधयम् | अगाधयाव | अगाधयाम |
| अ० अजगाधत् | अजगाधताम् | अजगाधन् |
| अजगाधः | अजगाधतम् | अजगाधत |
| अजगाधम् | अजगाधाव | अजगाधाम |
| प० गाधयाञ्चकार | गाधयाञ्चकतुः | गाधयाञ्चकुः |
| गाधयाञ्चकर्थ | गाधयाञ्चकथुः | गाधयाञ्चक |
| गाधयाञ्चकार-चकर | गाधयाञ्चकृव | गाधयाञ्चकृम |
| गाधयाम्बभूव | । | गाधयामास |
| आ० गाध्यात् | गाध्यास्ताम् | गाध्यासुः |
| गाध्याः | गाध्यास्तम् | गाध्यास्त |
| गाध्यासम् | गाध्यास्व | गाध्यास्म |
| अ० गाधयिता | गाधयितारौ | गाधयितारः |
| गाधयितासि | गाधयितास्थः | गाधयितास्थ |
| गाधयितास्मि | गाधयितास्वः | गाधयितास्मः |
| भ० गाधयिष्यति | गाधयिष्यतः | गाधयिष्यन्ति |
| गाधयिष्यसि | गाधयिष्यथः | गाधयिष्यथ |
| गाधयिष्यामि | गाधयिष्यावः | गाधयिष्यामः |
| क्रि० अगाधयिष्यत् | अगाधयिष्यताम् | अगाधयिष्यन् |
| अगाधयिष्यः | अगाधयिष्यतम् | अगाधयिष्यत |
| अगाधयिष्यम् | अगाधयिष्याव | अगाधयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| व० गाधयते | गाधयते | गाधयन्ते |
| गाधयसे | गाधयेथे | गाधयन्त्वे |
| गाधये | गाधयावहे | गाधयामहे |
| स० गाधयेत् | गाधयेयाताम् | गाधयेरन् |
| गाधयेथाः | गाधयेयाथाम् | गाधयेध्वम् |
| गाधयेय | गाधयेवहि | गाधयेमहि |
| प० गाधयताम् | गाधयेताम् | गाधयन्ताम् |
| गाधयस्व | गाधयेथाम् | गाधयन्ध्वम् |
| गाधये | गाधयावहे | गाधयामहे |
| ह्य० अगाधयत | अगाधयेताम् | अगाधयन्त |
| अगाधयथाः | अगाधयेथाम् | अगाधयन्ध्वम् |
| अगाधये | अगाधयावहि | अगाधयामहि |
| अ० अजगाधत | अजगाधेताम् | अजगाधन्त |
| अजगाधथाः | अजगाधेथाम् | अजगाधन्ध्वम् |
| अजगाधे | अजगाधावहि | अजगाधामहि |
| प० गाधयाञ्चके | गाधयाञ्चकाते | गाधयाञ्चकिरे |
| गाधयाञ्चकृषे | गाधयाञ्चकृषे | गाधयाञ्चकृद्वे |
| गाधयाञ्चके | गाधयाञ्चकृवहे | गाधयाञ्चकृमहे |
| गाधयाम्बभूव | । | गाधयामास |
| आ० गाधयिषीष्ट | गाधयिषीयास्ताम् | गाधयिषीरन् |
| गाधयिषीष्टाः | गाधयिषीयास्थाम् | गाधयिषीड्वम् |
| गाधयिषीय | गाधयिषीवहि | गाधयिषीमहि |
| अ० गाधयिता | गाधयितारौ | गाधयितारः |
| गाधयितासे | गाधयितासाथे | गाधयिताध्वे |
| गाधयिताहे | गाधयितास्वहे | गाधयितास्महे |
| भ० गाधयिष्यते | गाधयिष्येते | गाधयिष्यन्ते |
| गाधयिष्यसे | गाधयिष्येथे | गाधयिष्यन्ध्वे |
| गाधयिष्ये | गाधयिष्यावहे | गाधयिष्यामहे |
| क्रि० अगाधयिष्यत | अगाधयिष्येताम् | अगाधयिष्यन्त |
| अगाधयिष्यथाः | अगाधयिष्येथाम् | अगाधयिष्यन्ध्वम् |
| अगाधयिष्ये | अगाधयिष्यावहि | अगाधयिष्यामहि |

744 बाधृ [बाध्] रोटने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | बाधयति | बाधयतः | बाधयन्ति |
| | बाधयसि | बाधयथः | बाधयथ |
| | बाधयामि | बाधयावः | बाधयामः |
| स० | बाधयेत् | बाधयेताम् | बाधयेयुः |
| | बाधयेः | बाधयेतम् | बाधयेत |
| | बाधयेयम् | बाधयेव | बाधयेम |
| प० | बाधयतु | बाधयतात् | बाधयन्तु |
| | बाधय | बाधयतात् | बाधयत |
| | बाधयानि | बाधयाव | बाधयाम |
| ह्य० | अबाधयत् | अबाधयताम् | अबाधयन् |
| | अबाधयः | अबाधयतम् | अबाधयत |
| | अबाधयम् | अबाधयाव | अबाधयाम |
| अ० | अबबाधत् | अबबाधताम् | अबबाधन् |
| | अबबाधः | अबबाधतम् | अबबाधत |
| | अबबाधम् | अबबाधाव | अबबाधाम |
| प० | बाधयाञ्चकार | बाधयाञ्चवतुः | बाधयाञ्चकः |
| | बाधयाञ्चकर्थ | बाधयाञ्चकथुः | बाधयाञ्चक |
| | बाधयाञ्चकार-चकर | बाधयाञ्चकृव | बाधयाञ्चकृम |
| | बाधयाम्बभूव | । | बाधयामास |
| आ० | बाध्यात् | बाध्यास्ताम् | बाध्यासुः |
| | बाध्याः | बाध्यास्तम् | बाध्यास्त |
| | बाध्यासम् | बाध्यास्व | बाध्यास्म |
| श्व० | बाधयिता | बाधयितारौ | बाधयितारः |
| | बाधयितासि | बाधयितास्थः | बाधयितास्थ |
| | बाधयितास्मि | बाधयितास्वः | बाधयितास्मः |
| भ० | बाधयिष्यति | बाधयिष्यतः | बाधयिष्यन्ति |
| | बाधयिष्यसि | बाधयिष्यथः | बाधयिष्यथ |
| | बाधयिष्यामि | बाधयिष्यावः | बाधयिष्यामः |
| क्रि० | अबाधयिष्यत् | अबाधयिष्यताम् | अबाधयिष्यन् |
| | अबाधयिष्यः | अबाधयिष्यतम् | अबाधयिष्यत |
| | अबाधयिष्यम् | अबाधयिष्याव | अबाधयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|------------------|----------------|
| व० | बाधयते | बाधयेते | बाधयन्ते |
| | बाधयसे | बाधयेथे | बाधयस्व |
| | बाधये | बाधयवहे | बाधयामहे |
| स० | बाधयेत | बाधयेयाताम् | बाधयेरन् |
| | बाधयेथाः | बाधयेयाथाम् | बाधयेध्वम् |
| | बाधयेय | बाधयेवहि | बाधयेमहि |
| प० | बाधयताम् | बाधयेताम् | बाधयन्ताम् |
| | बाधयस्व | बाधयेथाम् | बाधयध्वम् |
| | बाधये | बाधयावहे | बाधयामहे |
| ह्य० | अब बाधयत | अबाधयेताम् | अबाधयन्त |
| | अबाधयथाः | अबाधयेथाम् | अबाधयध्वम् |
| | अबाधये | अबाधयावहि | अबाधयामहि |
| अ० | अबबाधत | अबबाधेताम् | अबबाधन्त |
| | अबबाधथाः | अबबाधेथाम् | अबबाधध्वम् |
| | अबबाधे | अबबाधावहि | अबबाधामहि |
| प० | बाधयाञ्चके | बाधयाञ्चकाते | बाधयाञ्चकिरे |
| | बाधयाञ्चकृषे | बाधयाञ्चकृषे | बाधयाञ्चकृद्वे |
| | बाधयाञ्चके | बाधयाञ्चकृवहे | बाधयाञ्चकृमहे |
| | बाधयाम्बभूव | । | बाधयामास |
| आ० | बाधयिषीष्ट | बाधयिषीयास्ताम् | बाधयिषीरन् |
| | बाधयिषीष्टाः | बाधयिषीयाःस्थाम् | बाधयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | बाधयिषीय | बाधयिषीवहि | बाधयिषीमहि |
| श्व० | बाधयिता | बाधयितारौ | बाधयितारः |
| | बाधयितसे | बाधयितसाथे | बाधयिताध्वे |
| | बाधयिताहे | बाधयितास्वहे | बाधयितास्महे |
| भ० | बाधयिष्यते | बाधयिष्येते | बाधयिष्यन्ते |
| | बाधयिष्यसे | बाधयिष्येथे | बाधयिष्यध्वे |
| | बाधयिष्ये | बाधयिष्यावहे | बाधयिष्यामहे |
| क्रि० | अबाधयिष्यत | अबाधयिष्येताम् | अबाधयिष्यन्त |
| | अबाधयिष्यथाः | अबाधयिष्येथाम् | अबाधयिष्यध्वम् |
| | अबाधयिष्ये | अबाधयिष्यावहि | अबाधयिष्यामहि |

745 दधि (दध्) धारणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० दधयति | दाधयतः | दाधयन्ति |
| दाधयसि | दाधयथः | दाधयथ |
| दाधयामि | दाधयावः | दाधयामः |
| स० दधयेत् | दाधयेताम् | दाधयेयुः |
| दाधयेः | दाधयेतम् | दाधयेत |
| दाधयेयम् | दाधयेव | दाधयेम |
| प० दधयतु | दाधयतात् | दाधयन्तु |
| दाधय | दाधयतम् | दाधयत |
| दाधयानि | दाधयाव | दाधयाम |
| भा० अदाधयत् | अदाधयताम् | अदाधयन् |
| अदाधयः | अदाधयतम् | अदाधयत |
| अदाधयम् | अदाधयाव | अदाधयाम |
| अ० अदीदधत् | अदीदधताम् | अदीदधन् |
| अदीदधः | अदीदधतम् | अदीदधत |
| अदीदधम् | अदीदधाव | अदीदधाम |
| प० दाधयाञ्चकार | दाधयाञ्चकतुः | दाधयाञ्चकुः |
| दाधयाञ्चकथं | दाधयाञ्चकथुः | दाधयाञ्चक |
| दाधयाञ्चकार-चकर | दाधयाञ्चकृव | दाधयाञ्चकृम |
| दाधयाम्बभूव | । | दाधयामास |
| भा० दाध्यात् | दाध्यास्ताम् | दाध्यासुः |
| दाध्याः | दाध्यास्तम् | दाध्यास्त |
| दाध्यासम् | दाध्यास्व | दाध्यास्म |
| श० दाधयिता | दाधयितारौ | दाधयितारः |
| दाधयितासि | दाधयितास्थः | दाधयितास्थ |
| दाधयितास्मि | दाधयितास्वः | दाधयितास्मः |
| भ० दाधयिष्यति | दाधयिष्यतः | दाधयिष्यन्ति |
| दाधयिष्यसि | दाधयिष्यथः | दाधयिष्यथ |
| दाधयिष्यामि | दाधयिष्यावः | दाधयिष्यामः |
| क्रि० अदाधयिष्यत् | अदाधयिष्यताम् | अदाधयिष्यन् |
| अदाधयिष्यः | अदाधयिष्यतम् | अदाधयिष्यत |
| अदाधयिष्यम् | अदाधयिष्याव | अदाधयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ब० दाधयते | दाधयेते | दाधयन्ते |
| दाधयसे | दाधयेथे | दाधयन्वे |
| दाधये | दाधयावहे | दाधयामहे |
| स० दाधयेत | दाधयेयाताम् | दाधयेरन् |
| दाधयेथाः | दाधयेयाथाम् | दाधयेध्वम् |
| दाधयेय | दाधयेवहि | दाधयेमहि |
| प० दाधयताम् | दाधयेताम् | दाधयन्ताम् |
| दाधयस्व | दाधयेथाम् | दाधयध्वम् |
| दाधयै | दाधयावहे | दाधयामहे |
| भा० अदाधयत | अदाधयेताम् | अदाधयन्त |
| अदाधयथाः | अदाधयेथाम् | अदाधयध्वम् |
| अदाधये | अदाधयावहि | अदाधयामहि |
| अ० अदीदधत | अदीदधेताम् | अदीदधन्त |
| अदीदधथाः | अदीदधेथाम् | अदीदधध्वम् |
| अदीदधे | अदीदधावहि | अदीदधामहि |
| प० दाधयाञ्चक्रे | दाधयाञ्चकाते | दाधयाञ्चकिरे |
| दाधयाञ्चकृषे | दाधयाञ्चकाथे | दाधयाञ्चकृद्वे |
| दाधयाञ्चक्रे | दाधयाञ्चकृवहे | दाधयाञ्चकृमहे |
| दाधयाम्बभूव | । | दाधयामास |
| भा० दाधयिषीष्ट | दाधयिषीयास्ताम् | दाधयिषीरन् |
| दाधयिषीष्ठाः | दाधयिषीयास्थाम् | दाधयिषीद्वम् |
| दाधयिषीय | दाधयिषीवहि | दाधयिषीमहि |
| श० दाधयिता | दाधयितारौ | दाधयितारः |
| दाधयितासे | दाधयितासाथे | दाधयिताध्वे |
| दाधयिताहे | दाधयितास्वहे | दाधयितास्महे |
| भ० दाधयिष्यते | दाधयिष्येते | दाधयिष्यन्ते |
| दाधयिष्यसे | दाधयिष्येथे | दाधयिष्यन्वे |
| दाधयिष्ये | दाधयिष्यावहे | दाधयिष्यामहे |
| क्रि० अदाधयिष्यत | अदाधयिष्येताम् | अदाधयिष्यन्त |
| अदाधयिष्यथाः | अदाधयिष्येथाम् | अदाधयिष्यध्वम् |
| अदाधयिष्ये | अदाधयिष्यावहि | अदाधयिष्यामहि |

746 बधि [बध] बन्धने ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| ब० | बाधयति | बाधयतः | बाधयन्ति |
| | बाधयसि | बाधयथः | बाधयथ |
| | बाधयामि | बाधयावः | बाधयामः |
| स० | बाधयेत् | बाधयेताम् | बाधयेयुः |
| | बाधयेः | बाधयेतम् | बाधयेत |
| | बाधयेयम् | बाधयेव | बाधयेम |
| प० | बाधयतु | बाधयतात् | बाधयताम् |
| | बाधय | बाधयतात् | बाधयतम् |
| | बाधयानि | बाधयाव | बाधयाम |
| ह्य० | अबाधयत् | अबाधयताम् | अबाधयन् |
| | अबाधयः | अबाधयतम् | अबाधयत |
| | अबाधयम् | अबाधयाव | अबाधयाम |
| अ० | अबीबधत् | अबीबधताम् | अबीबधन् |
| | अबीबधः | अबीबधतम् | अबीबधत |
| | अबीबधम् | अबीबधाव | अबीबधाम |
| प० | बाधयाश्चकार | बाधयाश्चक्रुः | बाधयाश्चक्रुः |
| | बाधयाश्चकर्त्तुं | बाधयाश्चक्रुः | बाधयाश्चक्रुः |
| | बाधयाश्चकार-चकर | बाधयाश्चक्रुव | बाधयाश्चक्रुम |
| | बाधयाम्बभूव | बाधयामास | |
| भा० | बाध्यात् | बाध्यास्ताम् | बाध्यासुः |
| | बाध्याः | बाध्यास्तम् | बाध्यास्त |
| | बाध्यासम् | बाध्यास्व | बाध्यास्म |
| श्व० | बाधयिता | बाधयितारौ | बाधयितारः |
| | बाधयितासि | बाधयितास्थः | बाधयितास्थ |
| | बाधयितास्मि | बाधयितास्वः | बाधयितास्मः |
| भ० | बाधयिष्यति | बाधयिष्यतः | बाधयिष्यन्ति |
| | बाधयिष्यसि | बाधयिष्यथः | बाधयिष्यथ |
| | बाधयिष्यामि | बाधयिष्यावः | बाधयिष्यामः |
| क्रि० | अबाधयिष्यत् | अबाधयिष्यताम् | अबाधयिष्यन् |
| | अबाधयिष्यः | अबाधयिष्यतम् | अबाधयिष्यत |
| | अबाधयिष्यम् | अबाधयिष्याव | अबाधयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|-----------------|
| ब० | बाधयते | बाधयेते | बाधयन्ते |
| | बाधयसे | बाधयेथे | बाधयन्वे |
| | बाधये | बाधयवहे | बाधयामहे |
| स० | बाधयेत | बाधयेयाताम् | बाधयेरन् |
| | बाधयेथाः | बाधयेयाथाम् | बाधयेय्वम् |
| | बाधयेय | बाधयेवहि | बाधयेमहि |
| प० | बाधयताम् | बाधयेताम् | बाधयन्ताम् |
| | बाधयस्व | बाधयेथाम् | बाधयन्वम् |
| | बाधय | बाधयावहे | बाधयामहे |
| ह्य० | अबाधयत | अबाधयेताम् | अबाधयन्त |
| | अबाधयथाः | अबाधयेथाम् | अबाधयन्वम् |
| | अबाधये | अबाधयावहि | अबाधयामहि |
| अ० | अबीबधत | अबीबधेताम् | अबीबधन्त |
| | अबीबधथाः | अबीबधेथाम् | अबीबधन्वम् |
| | अबीबधे | अबीबधावहि | अबीबधामहि |
| प० | बाधयाश्चक्रे | बाधयाश्चक्राते | बाधयाश्चक्रिरे |
| | बाधयाश्चक्रुषे | बाधयाश्चक्राये | बाधयाश्चक्रुवे |
| | बाधयाश्चक्रे | बाधयाश्चक्रुवहे | बाधयाश्चक्रुमहे |
| | बाधयाम्बभूव | बाधयामास | |
| भा० | बाधयिषीष्ट | बाधयिषीयास्ताम् | बाधयिषीरन् |
| | बाधयिषीष्टाः | बाधयिषीयास्थाम् | बाधयिषीइवम् |
| | | | ध्वम् |
| | बाधयिषीय | बाधयिषीवहि | बाधयिषीमहि |
| श्व० | बाधयिता | बाधयितारौ | बाधयितारः |
| | बाधयितासे | बाधयितासाथे | बाधयिताश्वे |
| | बाधयितः हि | बाधयितास्वहे | बाधयितास्महे |
| भ० | बाधयिष्यते | बाधयिष्येते | बाधयिष्यन्ते |
| | बाधयिष्यसे | बाधयिष्येथे | बाधयिष्यन्वे |
| | बाधयिष्ये | बाधयिष्यावहे | बाधयिष्यामहे |
| क्रि० | अबाधयिष्यत् | अबाधयिष्येताम् | अबाधयिष्यन्त |
| | अबाधयिष्यथाः | अबाधयिष्येथाम् | अबाधयिष्यन्वम् |
| | अबाधयिष्ये | अबाधयिष्यावहि | अबाधयिष्यामहि |

747 नाधृङ् (नाध्) नाधृङ्वात्

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० नाधयति | नाधयतः | नाधयन्ति |
| नाधयसि | नाधयथः | नाधयथ |
| नाधयामि | नाधयावः | नाधयामः |
| स० नाधयेत् | नाधयेताम् | नाधयेयुः |
| नाधयेः | नाधयेतम् | नाधयेत |
| नाधयेयम् | नाधयेव | नाधयेम |
| प० नाधयतु | नाधयतात् | नाधयताम् |
| नाधय | नाधयतम् | नाधयत |
| नाधयानि | नाधयाव | नाधयाम |
| ह्य० अनाधयत् | अनाधयताम् | अनाधयन् |
| अनाधयः | अनाधयतम् | अनाधयत |
| अनाधयम् | अनाधयाव | अनाधयाम |
| अ० अननाधत् | अननाधताम् | अननाधन् |
| अननाधः | अननाधतम् | अननाधत |
| अननाधम् | अननाधाव | अननाधाम |
| प० नाधयाञ्चकार | नाधयाञ्चकतुः | नाधयाञ्चकः |
| नाधयाञ्चकर्थे | नाधयाञ्चकथुः | नाधयाञ्चक |
| नाधयाञ्चकार-चकर | नाधयाञ्चकृव | नाधयाञ्चकृम |
| नाधयाम्बभूव | । | नाधयामास |
| भा० नाध्यात् | नाध्यास्ताम् | नाध्यासुः |
| नाध्याः | नाध्यास्तम् | नाध्यास्त |
| नाध्यासम् | नाध्यासव | नाध्यासम |
| श० नाधयिता | नाधयितारौ | नाधयितारः |
| नाधयितासि | नाधयितास्थः | नाधयितास्थ |
| नाधयितास्मि | नाधयितास्वः | नाधयितास्मः |
| भ० नाधयिष्यति | नाधयिष्यतः | नाधयिष्यन्ति |
| नाधयिष्यसि | नाधयिष्यथः | नाधयिष्यथ |
| नाधयिष्यामि | नाधयिष्यावः | नाधयिष्यामः |
| क्रि० अनाधयिष्यत् | अनाधयिष्यताम् | अनाधयिष्यन् |
| अनाधयिष्यः | अनाधयिष्यतम् | अनाधयिष्यत |
| अनाधयिष्यम् | अनाधयिष्याव | अनाधयिष्याम |

| | | |
|---------------|---------------|----------------|
| ब० नाधयते | नाधयेते | नाधयन्ते |
| नाधयसे | नाधयेथे | नाधयध्वे |
| नाधये | नाधयावहे | नाधयामहे |
| स० नाधयेत | नाधयेयाताम् | नाधयेरन् |
| नाधयेथाः | नाधयेयाथाम् | नाधयेध्वम् |
| नाधयेय | नाधयेवहि | नाधयेमहि |
| प० नाधयताम् | नाधयेताम् | नाधयन्ताम् |
| नाधयस्व | नाधयेथाम् | नाधयध्वम् |
| नाधये | नाधयावहे | नाधयामहे |
| ह्य० अनाधयत | अनाधयेताम् | अनाधयन्त |
| अनाधयथाः | अनाधयेथाम् | अनाधयध्वम् |
| अनाधये | अनाधयावहि | अनाधयामहि |
| अ० अननाधत | अननाधेताम् | अननाधन्त |
| अननाधथाः | अननाधेथाम् | अननाधध्वम् |
| अननाधे | अननाधावहि | अननाधामहि |
| प० नाधयाञ्चके | नाधयाञ्चकते | नाधयाञ्चकिरे |
| नाधयाञ्चकृषे | नाधयाञ्चकृषे | नाधयाञ्चकृष्वे |
| नाधयाञ्चके | नाधयाञ्चकृवहे | नाधयाञ्चकृमहे |
| नाधयाम्बभूव | । | नाधयामास |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| अ० नाधयिषीष्ट | नाधयिषीस्ताम् | नाधयिषीरन् |
| नाधयिषीष्टाः | नाधयिषीयास्याम् | नाधयिषीड्वम् |
| नाधयिषीय | नाधयिषीवहि | नाधयिषीमहि |
| श० नाधयिता | नाधयितारौ | नाधयितारः |
| नाधयितासे | नाधयितासाथे | नाधयिताध्वे |
| नाधयिताहे | नाधयितास्वहे | नाधयितास्महे |
| भ० नाधयिष्यते | नाधयिष्येते | नाधयिष्यन्ते |
| नाधयिष्यसे | नाधयिष्येथे | नाधयिष्यध्वे |
| नाधयिष्ये | नाधयिष्यावहे | नाधयिष्यामहे |
| क्रि० अनाधयिष्यत | अनाधयिष्येताम् | अनाधयिष्यन्त |
| अनाधयिष्यथाः | अनाधयिष्येथाम् | अनाधयिष्यध्वम् |
| अनाधयिष्ये | अनाधयिष्यावहि | अनाधयिष्यामहि |

॥ अथ नान्ता स्त्री ॥

748 पणि [पन्] स्तुतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० पानयति | पानयतः | पानयन्ति |
| पानयसि | पानयथः | पानयथ |
| पानयामि | पानयावः | पानयामः |
| स० पानयेत् | पानयेताम् | पानयेयुः |
| पानयेः | पानयेतम् | पानयेत |
| पानयेयम् | पानयेव | पानयेम |
| प० पानयतु | पानयतात् | पानयताम् |
| पानय | पानयतात् | पानयतम् |
| पानयानि | पानयाव | पानयाम |
| ह्य० अपानयत् | अपानयताम् | अपानयन् |
| अपानयः | अपानयतम् | अपानयत |
| अपानयम् | अपानयाव | अपानयाम |
| अ० अपीपनत् | अपीपनताम् | अपीपनन् |
| अपीपनः | अपीपनतम् | अपीपनत |
| अपीपनम् | अपीपनाव | अपीपनाम |
| ५० पानयाञ्चकार | पानयाञ्चकतुः | पानयाञ्चक्रुः |
| पानयाञ्चकथं | पानयाञ्चकथुः | पानयाञ्चक |
| पानयाञ्चकार-चकर | पानयाञ्चकृव | पानयाञ्चकृम |
| पानयाञ्चभूव | । | पानयामास |
| आ० पान्यात् | पान्यास्ताम् | पान्यासुः |
| पान्याः | पान्यास्तम् | पान्यास्त |
| पान्यासम् | पान्यास्व | पान्यास्म |
| च० पानयिता | पानयितारौ | पानयितारः |
| पानयितासि | पानयितास्थः | पानयितास्थ |
| पानयितास्मि | पानयितास्वः | पानयितास्मः |
| भ० पानयिष्यति | पानयिष्यतः | पानयिष्यन्ति |
| पानयिष्यसि | पानयिष्यथः | पानयिष्यथ |
| पानयिष्यामि | पानयिष्यावः | पानयिष्यामः |
| क्रि० अपानयिष्यत् | अपानयिष्यताम् | अपानयिष्यन् |
| अपानयिष्यः | अपानयिष्यतम् | अपानयिष्यत |
| अपानयिष्यम् | अपानयिष्याव | अपानयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० पानयते | पानयेते | पानयन्ते |
| पानयसे | पानयेथे | पानयध्वे |
| पानये | पानयावहे | पानयामहे |
| स० पानयेत | पानयेयाताम् | पानयेरन् |
| पानयेथाः | पानयेयाथाम् | पानयेध्वम् |
| पानयेथ | पानयेवहि | पानयेमहि |
| प० पानयताम् | पानयेताम् | पानयन्ताम् |
| पानयस्व | पानयेथाम् | पानयध्वम् |
| पानयै | पानयावहै | पानयामहै |
| ह्य० अपानयत | अपानयेताम् | अपानयन्त |
| अपानयथाः | अपानयेथाम् | अपानयध्वम् |
| अपानये | अपानयावहि | अपानयामहि |
| अ० अपीपनत | अपीपनेताम् | अपीपनन्त |
| अपीपनथाः | अपीपनेथाम् | अपीपनध्वम् |
| अपीपने | अपीपनावहि | अपीपनामहि |
| प० पानयाञ्चके | पानयाञ्चकते | पानयाञ्चकिरे |
| पानयाञ्चकृषे | पानयाञ्चकृषे | पानयाञ्चकृद्वे |
| पानयाञ्चके | पानयाञ्चकृमहे | पानयाञ्चकृमहे |
| पानयाञ्चभूव | । | पानयामास |
| आ० पानयिषीष्ट | पानयिषीयास्ताम् | पानयिषीरन् |
| पानयिषीष्ठाः | पानयिषीयास्थाम् | पानयिषीद्वम् |
| पानयिषीय | पानयिषीवहि | पानयिषीमहि |
| च० पानयिता | पानयितारौ | पानयितारः |
| पानयितासे | पानयितासाथे | पानयिताध्वे |
| पानयिताहे | पानयितास्वहे | पानयितास्महे |
| स० पानयिष्यते | पानयिष्येते | पानयिष्यन्ते |
| पानयिष्यसे | पानयिष्येथे | पानयिष्यध्वे |
| पानयिष्ये | पानयिष्यावहे | पानयिष्यामहे |
| क्रि० अपानयिष्यत | अपानयिष्येताम् | अपानयिष्यन्त |
| अपानयिष्यथाः | अपानयिष्येथाम् | अपानयिष्यध्वम् |
| अपानयिष्ये | अपानयिष्यावहि | अपानयिष्यामहि |

पक्षे-पानयति पानयतः पानयन्ति इ० ॥

749 मानि [मान्] पूजायाम् ।

| | | |
|--------------------|---------------|---------------|
| ब० मानयति | मानयतः | मानयन्ति |
| मानयसि | मानयथः | मानयथ |
| मानयामि | मानयावः | मानयामः |
| स० मानयेत् | मानयेताम् | मानयेयुः |
| मानयेः | मानयेतम् | मानयेत |
| मानयेयम् | मानयेव | मानयेम |
| प० मानयतु | मानयतात् | मानयताम् |
| मानय | मानयतात् | मानयतम् |
| मानयानि | मानयाव | मानयाम |
| ह्य० अमानयत् | अमानयताम् | अमानयन् |
| अमानयः | अमानयतम् | अमानयत |
| अमानयम् | अमानयाव | अमानयाम |
| अ० अमीमनत् | अमीमनताम् | अमीमनन् |
| अमीमनः | अमीमनतम् | अमीमनत |
| अमीमनम् | अमीमनाव | अमीमनाम |
| ५० मानयाश्चकार | मानयाश्चक्रुः | मानयाश्चकुः |
| मानयाश्चकर्त्तुं | मानयाश्चक्रुः | मानयाश्चक्रुः |
| मानयाश्चकार-चक्रुः | मानयाश्चक्रुव | मानयाश्चक्रम |
| मानयाम्बभूव | मानयामास | |
| आ० मान्यात् | मान्यास्ताम् | मान्यासुः |
| मान्याः | मान्यास्तम् | मान्यास्त |
| मान्यासम् | मान्यास्व | मान्यास्म |
| ४० मानयिता | मानयितारौ | मानयितारः |
| मानयितासि | मानयितास्थः | मानयितास्थ |
| मानयितास्मि | मानयितास्वः | मानयितास्मः |
| अ० मानयिष्यति | मानयिष्यतः | मानयिष्यन्ति |
| मानयिष्यसि | मानयिष्यथः | मानयिष्यथ |
| मानयिष्यामि | मानयिष्यावः | मानयिष्यामः |
| क्रि० अमानयिष्यत् | अमानयिष्यताम् | अमानयिष्यन् |
| अमानयिष्यः | अमानयिष्यतम् | अमानयिष्यत |
| अमानयिष्यम् | अमानयिष्याव | अमानयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| ब० मानयते | मानयेते | मानयन्ते |
| मानयसे | मानयेथे | मानयध्वे |
| मानये | मानयावहे | मानयामहे |
| स० मानयेत | मानयेयाताम् | मानयेरन् |
| मानयेथाः | मानयेयाथाम् | मानयेध्वम् |
| मानयेथ | मानयेवहि | मानयेमहि |
| प० मानयताम् | मानयेताम् | मानयन्ताम् |
| मानयस्व | मानयेथाम् | मानयध्वम् |
| मानये | मानयावहै | मानयामहै |
| ह्य० अमानयत | अमानयेताम् | अमानयन्त |
| अमानयथाः | अमानयेथाम् | अमानयध्वम् |
| अमानये | अमानयावहि | अमानयामहि |
| अ० अमीमनत | अमीमनेताम् | अमीमनन्त |
| अमीमनथाः | अमीमनेथाम् | अमीमनध्वम् |
| अमीमने | अमीमनावहि | अमीमनामहि |
| ५० मानयाश्चक्रे | मानयाश्चक्राते | मानयाश्चक्रिरे |
| मानयाश्चक्रुषे | मानयाश्चक्राथे | मानयाश्चक्रुद्वे |
| मानयाश्चक्रे | मानयाश्चक्रुवहे | मानयाश्चक्रमहे |
| मानयाम्बभूव | मानयामास | |
| आ० मानयिषीष्ट | मानयिषीयास्ताम् | मानयिषीरन् |
| मानयिषीष्ठाः | मानयिषीयास्थाम् | मानयिषीह्वम् |
| | | ध्वम् |
| मानयिषीय | मानयिषीवहि | मानयिषीमहि |
| ४० मानयिता | मानयितारौ | मानयितारः |
| मानयितासे | मानयितासाथे | मानयिताध्वे |
| मानयिताहे | मानयितास्वहे | मानयितास्महे |
| अ० मानयिष्यते | मानयिष्येते | मानयिष्यन्ते |
| मानयिष्यसे | मानयिष्येथे | मानयिष्यध्वे |
| मानयिष्ये | मानयिष्यावहे | मानयिष्यामहे |
| क्रि० अमानयिष्यत | अमानयिष्येताम् | अमानयिष्यन्त |
| अमानयिष्यथाः | अमानयिष्येथाम् | अमानयिष्यध्वम् |
| अमानयिष्ये | अमानयिष्यावहि | अमानयिष्यामहि |

॥ अथ पान्ताश्चतुर्दश ॥

750 तिपृङ् (तिप्) क्षरणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|--------------|
| ब० | तेपयति | तेपयतः | ते।यन्ति |
| | तेपयसि | तेपयथः | तेपयथ |
| | तेपयामि | तेपयावः | तेपयामः |
| स० | तेपयेत् | तेपयेताम् | तेपयेयुः |
| | तेपयेः | तेपयेतम् | तेपयेत |
| | तेपयेयम् | तेपयेव | तेपयेम |
| प० | तेपयतु | तेपयतात् | तेपयताम् |
| | तेपय | तेपयतात् | तेपयतम् |
| | तेपयानि | तेपयाव | तेपयाम |
| ह्य० | अ०तेपयत् | अ०तेपयताम् | अ०तेपयन् |
| | अ०तेपयः | अ०तेपयतम् | अ०तेपयन् |
| | अ०तेपयम् | अ०तेपयाव | अ०तेपयत |
| अ० | अति०तेपत् | अ०ति०तेपताम् | अति०तेपन् |
| | अति०तेपः | अति०तेपतम् | अति०तेपत |
| | अति०तेपम् | अति०तेपाव | अति०तेपाम |
| प० | तेपयाञ्चकार | तेपयाञ्चक्रुः | तेपयाञ्चकुः |
| | तेपयाञ्चकथं | तेपयाञ्चकथुः | तेपयाञ्चक |
| | तेपयाञ्चकार-चकर | तेपयाञ्चकृव | तेपयाञ्चकृम |
| | तेपयाम्बभूव | । | तेपयामास |
| आ० | तेप्यात् | तेप्यास्ताम् | तेप्यासुः |
| | तेप्याः | तेप्यास्तम् | तेप्यास्त |
| | तेप्यासम् | तेप्यास्व | तेप्यास्म |
| श्च० | तेपयिता | तेपयितारौ | तेपयितारः |
| | तेपयितासि | तेपयितास्थः | तेपयितास्थ |
| | तेपयितास्मि | तेपयितास्वः | तेपयितास्मः |
| भ० | तेपयिष्यति | तेपयिष्यतः | तेपयिष्यन्ति |
| | तेपयिष्यसि | तेपयिष्यथः | तेपयिष्यथ |
| | तेपयिष्यामि | तेपयिष्यावः | तेपयिष्यामः |
| क्रि० | अ०तेपयिष्यत् | अ०तेपयिष्यताम् | अ०तेपयिष्यन् |
| | अ०तेपयिष्यः | अ०तेपयिष्यतम् | अ०तेपयिष्यत |
| | अ०तेपयिष्यम् | अ०तेपयिष्याव | अ०तेपयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| ब० | तेपयते | तेपयेते | तेपयन्ते |
| | तेपयसे | तेपयेथे | तेपयध्वे |
| | तेपये | तेपयावहे | तेपयामहे |
| स० | तेपयेत | तेपयेयाताम् | तेपयेरन् |
| | तेपयेथाः | तेपयेयाथाम् | तेपयेध्वम् |
| | तेपयेय | तेपयेवहि | तेपयेमहि |
| प० | तेपयताम् | तेपयेताम् | तेपयन्ताम् |
| | तेपयस्व | तेपयेथाम् | तेपयध्वम् |
| | तेपयै | तेपयावहे | तेपयामहे |
| ह्य० | अ०तेपयत | अ०तेपयेताम् | अ०तेपयन्त |
| | अ०तेपयथाः | अ०तेपयेथाम् | अ०तेपयध्वम् |
| | अ०तेपये | अ०तेपयावहि | अ०तेपयामहि |
| अ० | अति०तेपत | अति०तेपेताम् | अति०तेपन्त |
| | अति०तेपथाः | अति०तेपेथाम् | अति०तेपध्वम् |
| | अति०तेपे | अति०तेपावहि | अति०तेपामहि |
| प० | तेपयाञ्चक्रे | तेपयाञ्चक्राते | तेपयाञ्चक्रिरे |
| | तेपयाञ्चकृषे | तेपयाञ्चक्राथे | तेपयाञ्चकृध्वे |
| | तेपयाञ्चक्रे | तेपयाञ्चकृवहे | तेपयाञ्चकृमहे |
| | तेपयाम्बभूव | । | तेपयामास |
| आ० | तेपयिषीष्ट | तेपयिषीयास्ताम् | तेपयिषीरन् |
| | तेपयिषीष्ठाः | तेपयिषीयास्थाम् | तेपयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | तेपयिषीय | तेपयिषीवहि | तेपयिषीमहि |
| श्च० | तेपयिता | तेपयितारौ | तेपयितारः |
| | तेपयितासे | तेपयितासाथे | तेपयिताध्वे |
| | तेपयिताहे | तेपयितास्वहे | तेपयितास्महे |
| भ० | तेपयिष्यति | तेपयिष्येते | तेपयिष्यन्ते |
| | तेपयिष्यसे | तेपयिष्येथे | तेपयिष्यध्वे |
| | तेपयिष्ये | तेपयिष्यावहे | तेपयिष्यामहे |
| क्रि० | अ०तेपयिष्यत | अ०तेपयिष्येताम् | अ०तेपयिष्यन्त |
| | अ०तेपयिष्यथाः | अ०तेपयिष्येथाम् | अ०तेपयिष्यध्वम् |
| | अ०तेपयिष्ये | अ०तेपयिष्यावहि | अ०तेपयिष्यामहि |

751 छिपृङ् (स्तिप्) क्षरणे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० स्तेपयति | स्तेपयतः | स्तेपयन्ति |
| स्तेपयसि | स्तेपयथः | स्तेपयथ |
| स्तेपयामि | स्तेपयावः | स्तेपयामः |
| स० स्तेपयेत् | स्तेपयेताम् | स्तेपयेयुः |
| स्तेपयेः | स्तेपयेतम् | स्तेपयेत |
| स्तेपयेयम् | स्तेपयेव | स्तेपयेम |
| प० स्तेपयतु | स्तेपयतात् | स्तेपयताम् |
| स्तेपय | स्तेपयतात् | स्तेपयतम् |
| स्तेपयानि | स्तेपयाव | स्तेपयाम |
| ह्य० अस्तेपयत् | अस्तेपयताम् | अस्तेपयन् |
| अस्तेपयः | अस्तेपयतम् | अस्तेपयत |
| अस्तेपयम् | अस्तेपयाव | अस्तेपयाम |
| अ० अतिष्ठेपत् | अतिष्ठेपताम् | अतिष्ठेपन् |
| अतिष्ठेपः | अतिष्ठेपतम् | अतिष्ठेपत |
| अतिष्ठेपम् | अतिष्ठेपाव | अतिष्ठेपाम |
| प० स्तेपयाञ्चकार | स्तेपयाञ्चक्रुः | स्तेपयाञ्चकुः |
| स्तेपयाञ्चकथं | स्तेपयाञ्चकथुः | स्तेपयाञ्चक |
| स्तेपयाञ्चकार-चकर | स्तेपयाञ्चकृव | स्तेपयाञ्चकृम |
| स्तेपयाम्बभूव | । स्तेपयामास | |
| आ० स्तेप्यात् | स्तेप्यास्ताम् | स्तेप्यासुः |
| स्तेप्याः | स्तेप्यास्तम् | स्तेप्यास्त |
| स्तेप्यासम् | स्तेप्यास्व | स्तेप्यास्म |
| श्व० स्तेपयिता | स्तेपयितारौ | स्तेपयितारः |
| स्तेपयितासि | स्तेपयितास्थः | स्तेपयितास्थ |
| स्तेपयितास्मि | स्तेपयितास्वः | स्तेपयितास्मः |
| भ० स्तेपयिष्यति | स्तेपयिष्यतः | स्तेपयिष्यन्ति |
| स्तेपयिष्यसि | स्तेपयिष्यथः | स्तेपयिष्यथ |
| स्तेपयिष्यामि | स्तेपयिष्यावः | स्तेपयिष्यामः |
| क्रि० अस्तेपयिष्यत् | अस्तेपयिष्यताम् | अस्तेपयिष्यन् |
| अस्तेपयिष्यः | अस्तेपयिष्यतम् | अस्तेपयिष्यत |
| अस्तेपयिष्यम् | अस्तेपयिष्याव | अस्तेपयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० स्तेपयते | स्तेपयेते | स्तेपयन्ते |
| स्तेपयसे | स्तेपयेथे | स्तेपयन्थे |
| स्तेपये | स्तेपयावहे | स्तेपयामहे |
| स० स्तेपयेत | स्तेपयेयाताम् | स्तेपयेरन् |
| स्तेपयेथाः | स्तेपयेयाथाम् | स्तेपयेचम् |
| स्तेपयेय | स्तेपयेवहि | स्तेपयेमहि |
| प० स्तेपयताम् | स्तेपयेताम् | स्तेपयन्ताम् |
| स्तेपयस्व | स्तेपयेथाम् | स्तेपयन्थम् |
| स्तेपय | स्तेपयावहै | स्तेपयामहै |
| ह्य० अस्तेपयत | अस्तेपयेताम् | अस्तेपयन्त |
| अस्तेपयथाः | अस्तेपयेयाम् | अस्तेपयन्थम् |
| अस्तेपये | अस्तेपयावहि | अस्तेपयामहि |
| अ० अतिष्ठेपत | अतिष्ठेपेताम् | अतिष्ठेपन्त |
| अतिष्ठेपथाः | अतिष्ठेपेथाम् | अतिष्ठेपन्थम् |
| अतिष्ठेपे | अतिष्ठेपावहि | अतिष्ठेपामहि |
| प० स्तेपयाञ्चक्रे | स्तेपयाञ्चक्राते | स्तेपयाञ्चक्रिरे |
| स्तेपयाञ्चकृषे | स्तेपयाञ्चक्राये | स्तेपयाञ्चकृद्वे |
| स्तेपयाञ्चक्रे | स्तेपयाञ्चकृवहे | स्तेपयाञ्चकृमहे |
| स्तेपयाञ्चभूव | । स्तेपयामास | |
| आ० स्तेपयिषीष्ट | स्तेपयिषीयास्ताम् | स्तेपयिषीरन् |
| स्तेपयिषीष्टाः | स्तेपयिषीयास्थाम् | स्तेपयिषीद्वम् |
| स्तेपयिषीय | स्तेपयिषीवहि | स्तेपयिषीमहि |
| श्व० स्तेपयिता | स्तेपयितारौ | स्तेपयितारः |
| स्तेपयितासे | स्तेपयितासाथे | स्तेपयिताथे |
| स्तेपयिताहे | स्तेपयिताम्बहे | स्तेपयितास्महे |
| भ० स्तेपयिष्यते | स्तेपयिष्येते | स्तेपयिष्यन्ते |
| स्तेपयिष्यसे | स्तेपयिष्येथे | स्तेपयिष्यन्थे |
| स्तेपयिष्ये | स्तेपयिष्यावहे | स्तेपयिष्यामहे |
| क्रि० अस्तेपयिष्यत | अस्तेपयिष्यताम् | अस्तेपयिष्यन्त |
| अस्तेपयिष्यथाः | अस्तेपयिष्येथाम् | अस्तेपयिष्यन्थम् |
| अस्तेपयिष्ये | अस्तेपयिष्यावहि | अस्तेपयिष्यामहि |

752 छेपृङ् (छेप्) क्षरणे । 751 छिपृङ् वङ्-
पाणि । 753 तेपृङ् (तैप्) कम्पने च । 750
तिपृङ् वङ्-पाणि ॥

754 डुवेष्टृ (वेप्) चलने ।

| | | | |
|------|------------------------|--------------|-------------|
| व० | वेपयति | वेपयतः | वेपयन्ति |
| | वेपयसि | वेपयथः | वेपयथ |
| | वेपयामि | वेपयावः | वेपयामः |
| स० | वेपयेत् | वेपयेताम् | वेपयेयुः |
| | वेपयेः | वेपयेतम् | वेपयेत |
| | वेपयेयम् | वेपयेव | वेपयेम |
| प० | वेपयतु | वेपयतात् | वेपयन्तु |
| | वेपय | वेपयतात् | वेपयत |
| | वेपयाणि | वेपयाव | वेपयाम |
| ह्य० | अवेपयत् | अवेपयताम् | अवेपयन् |
| | अवेपयः | अवेपयतम् | अवेपयत |
| | अवेपयम् | अवेपयाव | अवेपयाम |
| अ० | अविवेपत् | अविवेपताम् | अविवेपन् |
| | अविवेपः | अविवेपतम् | अविवेपत |
| | अविवेपम् | अविवेपाव | अविवेपाम |
| प० | वेपयाञ्चकार | वेपयाञ्चकतुः | वेपयाञ्चकुः |
| | वेपयाञ्चकर्थ | वेपयाञ्चकथुः | वेपयाञ्चक |
| | वेपयाञ्चकार-चकर | वेपयाञ्चकृव | वेपयाञ्चकृम |
| | वेपयाम्बभूव । वेपयामास | | |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| आ० | वेप्यात् | वेप्यास्ताम् | वेप्यासुः |
| | वेप्याः | वेप्यास्तम् | वेप्यास्त |
| | वेप्यासम् | वेप्यास्व | वेप्यास्म |
| श्व० | वेपयिता | वेपयितारौ | वेपयितारः |
| | वेपयितासि | वेपयितास्थः | वेपयितास्थ |
| | वेपयितास्मि | वेपयितास्वः | वेपयितास्मः |
| भ० | वेपयिष्यति | वेपयिष्यतः | वेपयिष्यन्ति |
| | वेपयिष्यसि | वेपयिष्यथः | वेपयिष्यथ |
| | वेपयिष्यामि | वेपयिष्यावः | वेपयिष्यामः |
| क्रि० | अवेपयिष्यत् | अवेपयिष्यताम् | अवेपयिष्यन् |
| | अवेपयिष्यः | अवेपयिष्यतम् | अवेपयिष्यत |
| | अवेपयिष्यम् | अवेपयिष्याव | अवेपयिष्याम |

755 केष्टृ (केप्) चलने ।

| | | | |
|------|------------------------|--------------|-------------|
| व० | केपयति | केपयतः | केपयन्ति |
| | केपयसि | केपयथः | केपयथ |
| | केपयामि | केपयावः | केपयामः |
| स० | केपयेत् | केपयेताम् | केपयेयुः |
| | केपयेः | केपयेतम् | केपयेत |
| | केपयेयम् | केपयेव | केपयेम |
| प० | केपयतु | केपयतात् | केपयन्तु |
| | केपय | केपयतात् | केपयत |
| | केपयानि | केपयाव | केपयाम |
| ह्य० | अकेपयत् | अकेपयताम् | अकेपयन् |
| | अकेपयः | अकेपयतम् | अकेपयत |
| | अकेपयम् | अकेपयाव | अकेपयाम |
| अ० | अचिकेपत् | अचिकेपताम् | अचिकेपन् |
| | अचिकेपः | अचिकेपतम् | अचिकेपत |
| | अचिकेपम् | अचिकेपाव | अचिकेपाम |
| प० | केपयाञ्चकार | केपयाञ्चकतुः | केपयाञ्चकुः |
| | केपयाञ्चकर्थ | केपयाञ्चकथुः | केपयाञ्चक |
| | केपयाञ्चकार-चकर | केपयाञ्चकृव | केपयाञ्चकृम |
| | केपयाम्बभूव । केपयामास | | |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| आ० | केप्यात् | केप्यास्ताम् | केप्यासुः |
| | केप्याः | केप्यास्तम् | केप्यास्त |
| | केप्यासम् | केप्यास्व | केप्यास्म |
| श्व० | केपयिता | केपयितारौ | केपयितारः |
| | केपयितासि | केपयितास्थः | केपयितास्थ |
| | केपयितास्मि | केपयितास्वः | केपयितास्मः |
| भ० | केपयिष्यति | केपयिष्यतः | केपयिष्यन्ति |
| | केपयिष्यसि | केपयिष्यथः | केपयिष्यथ |
| | केपयिष्यामि | केपयिष्यावः | केपयिष्यामः |
| क्रि० | अकेपयिष्यत् | अकेपयिष्यताम् | अकेपयिष्यन् |
| | अकेपयिष्यः | अकेपयिष्यतम् | अकेपयिष्यत |
| | अकेपयिष्यम् | अकेपयिष्याव | अकेपयिष्याम |

(७१७-७१८) मुनिश्रीलावण्याव० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

756 गेपृङ् (गेप्) चलने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | गेपयति | गेपयतः | गेपयन्ति |
| | गेपयसि | गेपयथः | गेपयथ |
| | गेपयामि | गेपयावः | गेपयामः |
| स० | गेपयेत् | गेपयेताम् | गेपयेयुः |
| | गेपयेः | गेपयेतम् | गेपयेत |
| | गेपयेयम् | गेपयेव | गेपयेम |
| प० | गेपयतु | गेपयतात् | गेपयताम् |
| | गेपय | गेपयतात् | गेपयतम् |
| | गेपयानि | गेपयाव | गेपयाम |
| ह्य० | अगेपयत् | अगेपयताम् | अगेपयन् |
| | अगेपयः | अगेपयतम् | अगेपयत |
| | अगेपयम् | अगेपयाव | अगेपयाम |
| अ० | अजिगेपत् | अजिगेपताम् | अजिगेपन् |
| | अजिगेपः | अजिगेपतम् | अजिगेपत |
| | अजिगेपम् | अजिगेपाव | अजिगेपाम |
| प० | गेपयाञ्चकार | गेपयाञ्चक्रुः | गेपयाञ्चक्रुः |
| | गेपयाञ्चकथं | गेपयाञ्चक्रुः | गेपयाञ्चक |
| | गेपयाञ्चकार-चकर | गेपयाञ्चक्रुव | गेपयाञ्चक्रम |
| | गेपयाम्बभूव | गेपयामास | |
| आ० | गेप्यात् | गेप्यास्ताम् | गेप्यासुः |
| | गेप्याः | गेप्यास्तम् | गेप्यास्त |
| | गेप्यासम् | गेप्यास्व | गेप्यासम |
| श्च० | गेपयिता | गेपयितारौ | गेपयितारः |
| | गेपयितासि | गेपयितास्थः | गेपयितास्थ |
| | गेपयितास्मि | गेपयितास्वः | गेपयितास्मः |
| भ० | गेपयिष्यति | गेपयिष्यतः | गेपयिष्यन्ति |
| | गेपयिष्यसि | गेपयिष्यथः | गेपयिष्यथ |
| | गेपयिष्यामि | गेपयिष्यावः | गेपयिष्यामः |
| क्रि० | अगेपयिष्यत् | अगेपयिष्यताम् | अगेपयिष्यन् |
| | अगेपयिष्यः | अगेपयिष्यतम् | अगेपयिष्यत |
| | अगेपयिष्यम् | अगेपयिष्याव | अगेपयिष्याम |

757 कप् (कम्प) चलने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | कम्पयति | कम्पयतः | कम्पयन्ति |
| | कम्पयसि | कम्पयथः | कम्पयथ |
| | कम्पयामि | कम्पयावः | कम्पयामः |
| स० | कम्पयेत् | कम्पयेताम् | कम्पयेयुः |
| | कम्पयेः | कम्पयेतम् | कम्पयेत |
| | कम्पयेयम् | कम्पयेव | कम्पयेम |
| प० | कम्पयतु | कम्पयतात् | कम्पयताम् |
| | कम्पय | " | कम्पयतम् |
| | कम्पयानि | कम्पयाव | कम्पयाम |
| ह्य० | अकम्पयत् | अकम्पयताम् | अकम्पयन् |
| | अकम्पयः | अकम्पयतम् | अकम्पयत |
| | अकम्पयम् | अकम्पयाव | अकम्पयाम |
| अ० | अचकम्पत् | अचकम्पताम् | अचकम्पन् |
| | अचकम्पः | अचकम्पतम् | अचकम्पत |
| | अचकम्पम् | अचकम्पाव | अचकम्पाम |
| प० | कम्पयाञ्चकार | कम्पयाञ्चक्रुः | कम्पयाञ्चक्रुः |
| | कम्पयाञ्चकथं | कम्पयाञ्चक्रुः | कम्पयाञ्चक |
| | कम्पयाञ्चकार-चकर | कम्पयाञ्चक्रुव | कम्पयाञ्चक्रम |
| | कम्पयाम्बभूव | कम्पयामास | |
| आ० | कम्प्यात् | कम्प्यास्ताम् | कम्प्यासुः |
| | कम्प्याः | कम्प्यास्तम् | कम्प्यास्त |
| | कम्प्यासम् | कम्प्यास्व | कम्प्यासम |
| श्च० | कम्पयिता | कम्पयितारौ | कम्पयितारः |
| | कम्पयितासि | कम्पयितास्थः | कम्पयितास्थ |
| | कम्पयितास्मि | कम्पयितास्वः | कम्पयितास्मः |
| भ० | कम्पयिष्यति | कम्पयिष्यतः | कम्पयिष्यन्ति |
| | कम्पयिष्यसि | कम्पयिष्यथः | कम्पयिष्यथ |
| | कम्पयिष्यामि | कम्पयिष्यावः | कम्पयिष्यामः |
| क्रि० | अकम्पयिष्यत् | अकम्पयिष्यताम् | अकम्पयिष्यन् |
| | अकम्पयिष्यः | अकम्पयिष्यतम् | अकम्पयिष्यत |
| | अकम्पयिष्यम् | अकम्पयिष्याव | अकम्पयिष्याम |

758 ग्लेपृक् [ग्लेप्] दैन्ये च

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | ग्लेपयति | ग्लेपयतः | ग्लेपयन्ति |
| | ग्लेपयसि | ग्लेपयथः | ग्लेपयथ |
| | ग्लेपयामि | ग्लेपयावः | ग्लेपयामः |
| स० | ग्लेपयेत् | ग्लेपयेताम् | ग्लेपयेयुः |
| | ग्लेपयेः | ग्लेपयेतम् | ग्लेपयेत |
| | ग्लेपयेयम् | ग्लेपयेव | ग्लेपयेम |
| प० | ग्लेपयतु | ग्लेपयतात् | ग्लेपयताम् |
| | ग्लेपय | ग्लेपयतात् | ग्लेपयतम् |
| | ग्लेपयानि | ग्लेपयाव | ग्लेपयाम |
| ह्य० | अग्लेपयत् | अग्लेपयताम् | अग्लेपयन् |
| | अग्लेपयः | अग्लेपयतम् | अग्लेपयत |
| | अग्लेपयम् | अग्लेपयाव | अग्लेपयाम |
| अ० | अजिग्लेपत् | अजिग्लेपताम् | अजिग्लेपन् |
| | अजिग्लेपः | अजिग्लेपतम् | अजिग्लेपत |
| | अजिग्लेपम् | अजिग्लेपाव | अजिग्लेपाम |
| प० | ग्लेपयाञ्चकार | ग्लेपयाञ्चक्रतुः | ग्लेपयाञ्चक्रुः |
| | ग्लेपयाञ्चकर्थ | ग्लेपयाञ्चक्रथुः | ग्लेपयाञ्चक्र |
| | ग्लेपयाञ्चकार-चकर | ग्लेपयाञ्चक्रव | ग्लेपयाञ्चक्रम |
| | ग्लेपयाम्बभूव | ग्लेपयामास | |
| आ० | ग्लेप्यात् | ग्लेप्यास्ताम् | ग्लेप्यासुः |
| | ग्लेप्याः | ग्लेप्यास्तम् | ग्लेप्यास्त |
| | ग्लेप्यासम् | ग्लेप्यास्व | ग्लेप्यास्म |
| श्च० | ग्लेपयिता | ग्लेपयितारौ | ग्लेपयितारः |
| | ग्लेपयितासि | ग्लेपयितास्थः | ग्लेपयितास्थ |
| | ग्लेपयितास्मि | ग्लेपयितास्वः | ग्लेपयितास्मः |
| भ० | ग्लेपयिष्यति | ग्लेपयिष्यतः | ग्लेपयिष्यन्ति |
| | ग्लेपयिष्यसि | ग्लेपयिष्यथः | ग्लेपयिष्यथ |
| | ग्लेपयिष्यामि | ग्लेपयिष्यावः | ग्लेपयिष्यामः |
| क्रि० | अग्लेपयिष्यत् | अग्लेपयिष्यताम् | अग्लेपयिष्यन् |
| | अग्लेपयिष्यः | अग्लेपयिष्यतम् | अग्लेपयिष्यत |
| | अग्लेपयिष्यम् | अग्लेपयिष्याव | अग्लेपयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | ग्लेपयते | ग्लेपयेते | ग्लेपयन्ते |
| | ग्लेपयसे | ग्लेपयेथे | ग्लेपयध्वे |
| | ग्लेपये | ग्लेपयावहे | ग्लेपयामहे |
| स० | ग्लेपयेत | ग्लेपयेयाताम् | ग्लेपयेरन् |
| | ग्लेपयेथाः | ग्लेपयेयाथाम् | ग्लेपयेध्वम् |
| | ग्लेपयेय | ग्लेपयेवहि | ग्लेपयेमहि |
| प० | ग्लेपयताम् | ग्लेपयेताम् | ग्लेपयन्ताम् |
| | ग्लेपयस्व | ग्लेपयेथाम् | ग्लेपयध्वम् |
| | ग्लेपये | ग्लेपयावहे | ग्लेपयामहे |
| ह्य० | अग्लेपयत | अग्लेपयेताम् | अग्लेपयन्त |
| | अग्लेपयथाः | अग्लेपयेथाम् | अग्लेपयध्वम् |
| | अग्लेपये | अग्लेपयावहि | अग्लेपयामहि |
| अ० | अजिग्लेपत | अजिग्लेपेताम् | अजिग्लेपन्त |
| | अजिग्लेपथाः | अजिग्लेपेथाम् | अजिग्लेपध्वम् |
| | अजिग्लेपे | अजिग्लेपावहि | अजिग्लेपामहि |
| प० | ग्लेपयाञ्चक्रे | ग्लेपयाञ्चक्राते | ग्लेपयाञ्चक्रिरे |
| | ग्लेपयाञ्चकृषे | ग्लेपयाञ्चक्राथे | ग्लेपयाञ्चकृद्वे |
| | ग्लेपयाञ्चके | ग्लेपयाञ्चकृवहे | ग्लेपयाञ्चकृमहे |
| | ग्लेपयाम्बभूव | ग्लेपयामास | |
| आ | ग्लेपयिषीष्ट | ग्लेपयिषीयास्ताम् | ग्लेपयिषीरन् |
| | ग्लेपयिषीष्टाः | ग्लेपयिषीयास्थाम् | ग्लेपयिषीध्वम् |
| | ग्लेपयिषीय | ग्लेपयिषीवहि | ग्लेपयिषीमहि |
| श्च० | ग्लेपयिता | ग्लेपयितारौ | ग्लेपयितारः |
| | ग्लेपयितासे | ग्लेपयितासाधे | ग्लेपयिताध्वे |
| | ग्लेपयिताहे | ग्लेपयितास्वहे | ग्लेपयितास्महे |
| भ० | ग्लेपयिष्यते | ग्लेपयिष्येते | ग्लेपयिष्यन्ते |
| | ग्लेपयिष्यसे | ग्लेपयिष्येथे | ग्लेपयिष्यध्वे |
| | ग्लेपयिष्ये | ग्लेपयिष्यावहे | ग्लेपयिष्यामहे |
| क्रि० | अग्लेपयिष्यत | अग्लेपयिष्येताम् | अग्लेपयिष्यन्त |
| | अग्लेपयिष्यथाः | अग्लेपयिष्येथाम् | अग्लेपयिष्यध्वम् |
| | अग्लेपयिष्ये | अग्लेपयिष्यावहि | अग्लेपयिष्यामहि |

759 मेपृङ् [पप्] गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | मेपयति | मेपयतः | मेपयन्ति |
| | मेपयसि | मेपयथः | मेपयथ |
| | मेपयामि | मेपयावः | मेपयामः |
| स० | मेपयेत् | मेपयेताम् | मेपयेयुः |
| | मेपयेः | मेपयेतम् | मेपयेत |
| | मेपयेयम् | मेपयेव | मेपयेम |
| प० | मेपयतु | मेपयतात् | मेपयन्तु |
| | मेपय | मेपयतात् | मेपयतम् |
| | मेपयानि | मेपयाव | मेपयाम |
| लृ० | अमेपयत् | अमेपयताम् | अमेपयन् |
| | अमेपयः | अमेपयतम् | अमेपयत |
| | अमेपयम् | अमेपयाव | अमेपयाम |
| अ० | अमिमेपत् | अमिमेपताम् | अमिमेपन् |
| | अमिमेपः | अमिमेपतम् | अमिमेपत |
| | अमिमेपम् | अमिमेपाव | अमिमेपाम |
| प० | मेपयाञ्चकार | मेपयाञ्चक्रुः | मेपयाञ्चकुः |
| | मेपयाञ्चकथं | मेपयाञ्चकथुः | मेपयाञ्चक |
| | मेपयाञ्चकार-चकर | मेपयाञ्चकृव | मेपयाञ्चकृम |
| | मेपयाम्बभूव | मेपयामास | |
| आ० | मेप्यात् | मेप्यास्ताम् | मेप्यासुः |
| | मेप्याः | मेप्यास्तम् | मेप्यास्त |
| | मेप्यासम् | मेप्यास्व | मेप्यास्म |
| इ० | मेपयिता | मेपयितारौ | मेपयितारः |
| | मेपयितासि | मेपयितास्थः | मेपयितास्थ |
| | मेपयितास्मि | मेपयितास्वः | मेपयितास्मः |
| भ० | मेपयिष्यति | मेपयिष्यतः | मेपयिष्यन्ति |
| | मेपयिष्यसि | मेपयिष्यथः | मेपयिष्यथ |
| | मेपयिष्यामि | मेपयिष्यावः | मेपयिष्यामः |
| क्रि० | अमेपयिष्यत् | अमेपयिष्यताम् | अमेपयिष्यन् |
| | अमेपयिष्यः | अमेपयिष्यतम् | अमेपयिष्यत |
| | अमेपयिष्यम् | अमेपयिष्याव | अमेपयिष्याम |

| | | | |
|-----|--------------|----------------|----------------|
| व० | मेपयते | मेपयेते | मेपयन्ते |
| | मेपयसे | मेपयेथे | मेपयध्वे |
| | मेपये | मेपयावहे | मेपयामहे |
| स० | मेपयेत | मेपयेयाताम् | मेपयेरन् |
| | मेपयेथाः | मेपयेयाथाम् | मेपयेध्वम् |
| | मेपयेय | मेपयेवहि | मेपयेमहि |
| प० | मेपयताम् | मेपयेताम् | मेपयन्ताम् |
| | मेपयस्व | मेपयेथाम् | मेपयध्वम् |
| | मेपयै | मेपयावहै | मेपयामहै |
| लृ० | अमेपयत | अमेपरेताम् | अमेपयन्त |
| | अमेपयथाः | अमेपयेथाम् | अमेपयध्वम् |
| | अमेपये | अमेपयावहि | अमेपयामहि |
| अ० | अमिमेपत | अमिमेपेताम् | अमिमेपन्त |
| | अमिमेपथाः | अमिमेपेथाम् | अमिमेपध्वम् |
| | अमिमेपे | अमिमेपावहि | अमिमेपामहि |
| प० | मेपयाञ्चक्रे | मेपयाञ्चक्राते | मेपयाञ्चक्रिरे |
| | मेपयाञ्चकृषे | मेपयाञ्चक्राथे | मेपयाञ्चकृद्वे |
| | मेपयाञ्चक्रे | मेपयाञ्चकृवहे | मेपयाञ्चकृमहे |

मेपयाम्बभूव । मेपयामास

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| आ० | मेपयिषीष्ट | मेपयिषीयास्ताम् | मेपयिषीरन् |
| | मेपयिषीष्ठाः | मेपयिषीयास्थाम् | मेपयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | मेपयिषीय | मेपयिषीवहि | मेपयिषीमहि |
| इ० | मेपयिता | मेपयितारौ | मेपयितारः |
| | मेपयितासे | मेपयितासाथे | मेपयिताध्वे |
| | मेपयिताहे | मेपयितास्वहे | मेपयितास्महे |
| भ० | मेपयिष्यते | मेपयिष्येते | मेपयिष्यन्ते |
| | मेपयिष्यसे | मेपयिष्येथे | मेपयिष्यध्वे |
| | मेपयिष्ये | मेपयिष्यावहे | मेपयिष्यामहे |
| क्रि० | अमेपयिष्यत् | अमेपयिष्येताम् | अमेपयिष्यन्त |
| | अमेपयिष्यथाः | अमेपयिष्येथाम् | अमेपयिष्यध्वम् |
| | अमेपयिष्ये | अमेपयिष्यावहि | अमेपयिष्यामहि |

760 रेपृङ् (रेपू) । गतौ ।

| | | | |
|-----|-----------------|----------------|---------------|
| ब० | रेपयति | रेपयतः | रेपयन्ति |
| | रेपयसि | रेपयथः | रेपयथ |
| | रेपयामि | रेपयावः | रेपयामः |
| स० | रेपयेत् | रेपयेताम् | रेपयेयुः |
| | रेपयेः | रेपयेतम् | रेपयेत |
| | रेपयेयम् | रेपयेव | रेपयेम |
| प० | रेपयतु | रेपयतात् | रेपयताम् |
| | रेपय | रेपयतात् | रेपयतम् |
| | रेपयाणि | रेपयाव | रेपयाम |
| झ० | अरेपयत् | अरेपयताम् | अरेपयन् |
| | अरेपयः | अरेपयतम् | अरेपयत |
| | अरेपयम् | अरेपयाव | अरेपयाम |
| ञ० | अरिरेपत् | अरिरेपताम् | अरिरेपन् |
| | अरिरेपः | अरिरेपतम् | अरिरेपत |
| | अरिरेपम् | अरिरेपाव | अरिरेपाम |
| प० | रेपयाञ्चकार | रेपयाञ्चक्रतुः | रेपयाञ्चक्रुः |
| | रेपयाञ्चकथं | रेपयाञ्चकथुः | रेपयाञ्चक |
| | रेपयाञ्चकार-चकर | रेपयाञ्चकृव | रेपयाञ्चकृम |
| | रेपयाञ्चभूव | । | रेपयामास |
| भा० | रेप्यात् | रेप्यास्ताम् | रेप्यासुः |
| | रेप्याः | रेप्यास्तम् | रेप्यास्त |
| | रेप्यासम् | रेप्यास्व | रेप्यास्म |
| भ० | रेपयिता | रेपयितारौ | रेपयितारः |
| | रेपयितासि | रेपयितास्थः | रेपयितास्थ |
| | रेपयितास्मि | रेपयितास्वः | रेपयितास्मः |
| भ० | रेपयिष्यति | रेपयिष्यतः | रेपयिष्यन्ति |
| | रेपयिष्यसि | रेपयिष्यथः | रेपयिष्यथ |
| | रेपयिष्यामि | रेपयिष्यावः | रेपयिष्यामः |
| कि० | अरेपयिष्यत् | अरेपयिष्यताम् | अरेपयिष्यन् |
| | अरेपयिष्यः | अरेपयिष्यतम् | अरेपयिष्यत |
| | अरेपयिष्यम् | अरेपयिष्याव | अरेपयिष्याम |

| | | | |
|-----|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | रेपयते | रेपयेते | रेपयन्ते |
| | रेपयसे | रेपयेथे | रेपयध्वे |
| | रेपये | रेपयावहे | रेपयामहे |
| स० | रेपयेत | रेपयेयाताम् | रेपयेरन् |
| | रेपयेथाः | रेपयेयाथाम् | रेपयेध्वम् |
| | रेपयेय | रेपयेवहि | रेपयेमहि |
| प० | रेपयताम् | रेपयेताम् | रेपयन्ताम् |
| | रेपयस्व | रेपयेथाम् | रेपयध्वम् |
| | रेपयै | रेपयावहै | रेपयामहै |
| झ० | अरेपयत | अरेपयेताम् | अरेपयन्त |
| | अरेपयथाः | अरेपयेथाम् | अरेपयध्वम् |
| | अरेपये | अरेपयावहि | अरेपयामहि |
| ञ० | अरिरेपत | अरिरेपेताम् | अरिरेपन्त |
| | अरिरेपथाः | अरिरेपेथाम् | अरिरेपध्वम् |
| | अरिरेपे | अरिरेपावहि | अरिरेपामहि |
| प० | रेपयाञ्चक्रे | रेपयाञ्चक्राते | रेपयाञ्चक्रिरे |
| | रेपयाञ्चकृषे | रेपयाञ्चक्राथे | रेपयाञ्चकृद्वे |
| | रेपयाञ्चक्रे | रेपयाञ्चकृवहे | रेपयाञ्चकृमहे |
| | रेपयाञ्चभूव | । | रेपयामास |
| भा० | रेपयिषीष्ट | रेपयिषीयास्ताम् | रेपयिषीरन् |
| | रेपयिषीष्ठाः | रेपयिषीयास्थाम् | रेपयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | रेपयिषीय | रेपयिषीवहि | रेपयिषीमहि |
| भ० | रेपयिता | रेपयितारौ | रेपयितारः |
| | रेपयितासे | रेपयितासाथे | रेपयिताध्वे |
| | रेपयिताहे | रेपयितावहे | रेपयितास्महे |
| भ० | रेपयिष्यते | रेपयिष्येते | रेपयिष्यन्ते |
| | रेपयिष्यसे | रेपयिष्येथे | रेपयिष्यध्वे |
| | रेपयिष्ये | रेपयिष्यावहे | रेपयिष्यामहे |
| कि० | अरेपयिष्यत् | अरेपयिष्येताम् | अरेपयिष्यन्त |
| | अरेपयिष्यथाः | अरेपयिष्येथाम् | अरेपयिष्यध्वम् |
| | अरेपयिष्ये | अरेपयिष्यावहि | अरेपयिष्यामहि |

761 लेप् (लेप्) । गती ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | लेपयति | लेपयतः | लेपयन्ति |
| | लेपयसि | लेपयथः | लेपयथ |
| | लेपयामि | लेपयावः | लेपयामः |
| स० | लेपयेत् | लेपयेताम् | लेपयेयुः |
| | लेपयेः | लेपयेतम् | लेपयेत |
| | लेपयेयम् | लेपयेव | लेपयेम |
| प० | लेपयतु | लेपयतात् | लेपयताम् |
| | लेपय | लेपयतात् | लेपयतम् |
| | लेपयानि | लेपयाव | लेपयाम |
| ह्य० | अलेपयत् | अलेपयताम् | अलेपयन् |
| | अलेपयः | अलेपयतम् | अलेपयत |
| | अलेपयम् | अलेपयाव | अलेपयाम |
| अ० | अलिलेपत् | अलिलेपताम् | अलिलेपन् |
| | अलिलेपः | अलिलेपतम् | अलिलेपत |
| | अलिलेपम् | अलिलेपाव | अलिलेपाम |
| प० | लेपयाञ्चकार | लेपयाञ्चक्रतुः | लेपयाञ्चक्रुः |
| | लेपयाञ्चकथं | लेपयाञ्चकथुः | लेपयाञ्चक |
| | लेपयाञ्चकार-चकर | लेपयाञ्चकृव | लेपयाञ्चकृम |
| | लेपयाञ्चभूव | लेपयामास | |
| आ० | लेप्यात् | लेप्यास्ताम् | लेप्यासुः |
| | लेप्याः | लेप्यास्तम् | लेप्यास्त |
| | लेप्यासम् | लेप्यास्व | लेप्यास्म |
| श्र० | लेपयिता | लेपयितारौ | लेपयितारः |
| | लेपयितासि | लेपयितास्थः | लेपयितास्थ |
| | लेपयितास्मि | लेपयितास्वः | लेपयितास्मः |
| भ० | लेपयिष्यति | लेपयिष्यतः | लेपयिष्यन्ति |
| | लेपयिष्यसि | लेपयिष्यथः | लेपयिष्यथ |
| | लेपयिष्यामि | लेपयिष्यावः | लेपयिष्यामः |
| क्रि० | अलेपयिष्यत् | अलेपयिष्यताम् | अलेपयिष्यन् |
| | अलेपयिष्यः | अलेपयिष्यतम् | अलेपयिष्यत |
| | अलेपयिष्यम् | अलेपयिष्याव | अलेपयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | लेपयते | लेपयेते | लेपयन्ते |
| | लेपयसे | लेपयेथे | लेपयध्वे |
| | लेपये | लेपयावहे | लेपयामहे |
| स० | लेपयेत | लेपयेयाताम् | लेपयेरन् |
| | लेपयेथाः | लेपयेथायाम् | लेपयेध्वम् |
| | लेपयेय | लेपयेवहि | लेपयेमहि |
| प० | लेपयताम् | लेपयेताम् | लेपयन्ताम् |
| | लेपयस्व | लेपयेथाम् | लेपयध्वम् |
| | लेपयै | लेपयावहै | लेपयामहै |
| ह्य० | अलेपयत | अलेपयेताम् | अलेपयन्त |
| | अलेपयथाः | अलेपयेथाम् | अलेपयध्वम् |
| | अलेपये | अलेपयावहि | अलेपयामहि |
| अ० | अलिलेपत | अलिलेपेताम् | अलिलेपन्त |
| | अलिलेपथाः | अलिलेपेथाम् | अलिलेपध्वम् |
| | अलिलेपे | अलिलेपावहि | अलिलेपामहि |
| प० | लेपयाञ्चके | लेपयाञ्चक्राते | लेपयाञ्चक्रिरे |
| | लेपयाञ्चकृषे | लेपयाञ्चकृषे | लेपयाञ्चकृष्वे |
| | लेपयाञ्चके | लेपयाञ्चकृवहे | लेपयाञ्चकृमहे |
| | लेपयाञ्चभूव | लेपयामास | |
| आ० | लेपयिषीष्ट | लेपयिषीयास्ताम् | लेपयिषीरन् |
| | लेपयिषीष्ठाः | लेपयिषीयास्थाम् | लेपयिषीध्वम् |
| | लेपयिषीय | लेपयिषीवहि | लेपयिषीमहि |
| श्र० | लेपयिता | लेपयितारौ | लेपयितारः |
| | लेपयितासे | लेपयितासाथे | लेपयिताध्वे |
| | लेपयिताहे | लेपयितास्वहे | लेपयितास्महे |
| भ० | लेपयिष्यते | लेपयिष्येते | लेपयिष्यन्ते |
| | लेपयिष्यसे | लेपयिष्येथे | लेपयिष्यध्वे |
| | लेपयिष्ये | लेपयिष्यावहे | लेपयिष्यामहे |
| क्रि० | अलेपयिष्यत | अलेपयिष्येताम् | अलेपयिष्यन्त |
| | अलेपयिष्यथाः | अलेपयिष्येथाम् | अलेपयिष्यध्वम् |
| | अलेपयिष्ये | अलेपयिष्यावहि | अलेपयिष्यामहि |

763 गुपि [गुप्] गोपनकुत्सनयोः

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० गोपयति | गोपयतः | गोपयन्ति |
| गोपयसि | गोपयथः | गोपयथ |
| गोपयामि | गोपयावः | गोपयामः |
| स० गोपयेत् | गोपयेताम् | गोपयेयुः |
| गोपयेः | गोपयेतम् | गोपयेत |
| गोपयेयम् | गोपयेव | गोपयेम |
| प० गोपयतु | गोपयतात् | गोपयताम् |
| गोपय | गोपयतात् | गोपयतम् |
| गोपयानि | गोपयाव | गोपयाम |
| ह्य० अगोपयत् | अगोपयताम् | अगोपयन् |
| अगोपयः | अगोपयतम् | अगोपयत |
| अगोपयम् | अगोपयाव | अगोपयाम |
| अ० अजूगुपत् | अजूगुपताम् | अजूगुपन् |
| अजूगुपः | अजूगुपतम् | अजूगुपत |
| अजूगुपम् | अजूगुपाव | अजूगुपाम |
| प० गोपयाञ्चकार | गोपयाञ्चक्रुः | गोपयाञ्चक्रुः |
| गोपयाञ्चकथं | गोपयाञ्चक्रुः | गोपयाञ्चक्रुः |
| गोपयाञ्चकार-चक्र | गोपयाञ्चक्रुव | गोपयाञ्चक्रुम |
| गोपयाम्बभूव | । गोपयामास | |
| आ० गोप्यात् | गोप्यास्ताम् | गोप्यास्तुः |
| गोप्याः | गोप्यास्तम् | गोप्यास्त |
| गोप्यासम् | गोप्यास्व | गोप्यास्म |
| श्च० गोपयिता | गोपयितारौ | गोपयितारः |
| गोपयितासि | गोपयितास्थः | गोपयितास्थ |
| गोपयितास्मि | गोपयितास्वः | गोपयितास्मः |
| भ० गोपयिष्यति | गोपयिष्यतः | गोपयिष्यन्ति |
| गोपयिष्यसि | गोपयिष्यथः | गोपयिष्यथ |
| गोपयिष्यामि | गोपयिष्यावः | गोपयिष्यामः |
| क्रि० अगोपयिष्यत् | अगोपयिष्यताम् | अगोपयिष्यन् |
| अगोपयिष्यः | अगोपयिष्यतम् | अगोपयिष्यत |
| अगोपयिष्यम् | अगोपयिष्याव | अगोपयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० गोपयते | गोपयेते | गोपयन्ते |
| गोपयसे | गोपयेथे | गोपयध्वे |
| गोपये | गोपयावहे | गोपयामहे |
| स० गोपयेत | गोपयेयाताम् | गोपयेरन् |
| गोपयेथाः | गोपयेयाथाम् | गोपयेध्वम् |
| गोपयेय | गोपयेवहि | गोपयेमहि |
| प० गोपयताम् | गोपयेताम् | गोपयन्ताम् |
| गोपयस्व | गोपयेथाम् | गोपयध्वम् |
| गोपयै | गोपयावहै | गोपयामहै |
| ह्य० अगोपयत् | अगोपयेताम् | अगोपयन्त |
| अगोपयथाः | अगोपयेथाम् | अगोपयध्वम् |
| अगोपये | अगोपयावहि | अगोपयामहि |
| अ० अजूगुपत | अजूगुपेताम् | अजूगुपन्त |
| अजूगुपथाः | अजूगुपेथाम् | अजूगुपध्वम् |
| अजूगुपे | अजूगुपावहि | अजूगुपामहि |
| प० गोपयाञ्चके | गोपयाञ्चक्राते | गोपयाञ्चक्रिरे |
| गोपयाञ्चकृषे | गोपयाञ्चक्राधे | गोपयाञ्चक्रुवे |
| गोपयाञ्चके | गोपयाञ्चक्रुवहे | गोपयाञ्चक्रुमहे |
| गोपयाम्बभूव | । गोपयामास | |
| आ० गोपयिषीष्ट | गोपयिषीयास्ताम् | गोपयिषीरन् |
| गोपयिषीष्टाः | गोपयिषीयास्थाम् | गोपयिषीध्वम् |
| गोपयिषीय | गोपयिषीवहि | गोपयिषीमहि |
| श्च० गोपयिता | गोपयितारौ | गोपयितारः |
| गोपयितासे | गोपयितासाथे | गोपयिताध्वे |
| गोपयिताहे | गोपयितास्वहे | गोपयितास्महे |
| भ० गोपयिष्यते | गोपयिष्येते | गोपयिष्यन्ते |
| गोपयिष्यसे | गोपयिष्येथे | गोपयिष्यध्वे |
| गोपयिष्ये | गोपयिष्यावहे | गोपयिष्यामहे |
| क्रि० अगोपयिष्यत् | अगोपयिष्येताम् | अगोपयिष्यन्त |
| अगोपयिष्यथाः | अगोपयिष्येथाम् | अगोपयिष्यध्वम् |
| अगोपयिष्ये | अगोपयिष्यावहि | अगोपयिष्यामहि |

॥ अथ वान्ताः पद ॥

764 अचुङ् [अम्ब] शब्दे ।

| | | |
|-------------------|-----------------|---------------|
| व० अम्बयति | अम्बयतः | अम्बयन्ति |
| अम्बयसि | अम्बयथः | अम्बयथ |
| अम्बयामि | अम्बयावः | अम्बयामः |
| स० अम्बयेत् | अम्बयेताम् | अम्बयेयुः |
| अम्बयेः | अम्बयेतम् | अम्बयेत |
| अम्बयेयम् | अम्बयेव | अम्बयेम |
| प० अम्बयतु | अम्बयतात् | अम्बयन्तु |
| अम्बय | अम्बयतात् | अम्बयत |
| अम्बयानि | अम्बयाव | अम्बयाम |
| ख० आम्बयत् | आम्बयताम् | आम्बयन् |
| आम्बयः | आम्बयतम् | आम्बयत |
| आम्बयम् | आम्बयाव | आम्बयाम |
| अ० आम्बिवत् | आम्बिवताम् | आम्बिवन् |
| आम्बिवः | आम्बिवतम् | आम्बिवत |
| आम्बिवम् | आम्बिवाव | आम्बिवाम |
| प० अम्बयाश्चकार | अम्बयाश्चक्रुः | अम्बयाश्चकुः |
| अम्बयाश्चकर्थ | अम्बयाश्चक्रथुः | अम्बयाश्चक्र |
| अम्बयाश्चकार-चकर | अम्बयाश्चकृव | अम्बयाश्चकृम |
| अम्बयाम्बभूव | । | अम्बयामास |
| आ० अम्ब्यात् | अम्ब्यास्ताम् | अम्ब्यासुः |
| अम्ब्याः | अम्ब्यास्तम् | अम्ब्यास्त |
| अम्ब्यासम् | अम्ब्यास्व | अम्ब्यास्म |
| अ० अम्बयिता | अम्बयितारौ | अम्बयितारः |
| अम्बयितासि | अम्बयितास्थः | अम्बयितास्थ |
| अम्बयितास्मि | अम्बयितास्वः | अम्बयितास्मः |
| अ० अम्बयिष्यति | अम्बयिष्यतः | अम्बयिष्यन्ति |
| अम्बयिष्यमि | अम्बयिष्यथः | अम्बयिष्यथ |
| अम्बयिष्यामि | अम्बयिष्यावः | अम्बयिष्यामः |
| क्रि० आम्बयिष्यत् | आम्बयिष्यताम् | आम्बयिष्यन् |
| आम्बयिष्यः | आम्बयिष्यतम् | आम्बयिष्यत |
| आम्बयिष्य | आम्बयिष्यावम् | आम्बयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| व० अम्बयते | अम्बयेते | अम्बयन्ते |
| अम्बयसे | अम्बयेथे | अम्बयध्वे |
| अम्बये | अम्बयावहे | अम्बयामहे |
| स० अम्बयेत | अम्बयेयाताम् | अम्बयेरन् |
| अम्बयेथाः | अम्बयेयथाम् | अम्बयेध्वम् |
| अम्बयेय | अम्बयेवहि | अम्बयेमहि |
| प० अम्बयताम् | अम्बयेताम् | अम्बयन्ताम् |
| अम्बयस्व | अम्बयेथाम् | अम्बयध्वम् |
| अम्बये | अम्बयावहे | अम्बयामहे |
| ख० आम्बयत | आम्बयेताम् | आम्बयन्त |
| आम्बयथाः | आम्बयेथाम् | आम्बयध्वम् |
| आम्बये | आम्बयावहि | आम्बयामहि |
| अ० आम्बिवत | आम्बिवेताम् | आम्बिवन्त |
| आम्बिवथाः | आम्बिवेथाम् | आम्बिवध्वम् |
| आम्बिवे | आम्बिवावहि | आम्बिवामहि |
| प० अम्बयाश्चक्रे | अम्बयाश्चक्राते | अम्बयाश्चक्रिरे |
| अम्बयाश्चकृषे | अम्बयाश्चक्राथे | अम्बयाश्चकृध्वे |
| अम्बयाश्चक्रे | अम्बयाश्चकृवहे | अम्बयाश्चकृमहे |
| अम्बयाम्बभूव | अम्बयामास | |
| आ० अम्बयिषीष्ट | अम्बयिषीयास्ताम् | अम्बयिषीरन् |
| अम्बयिषीष्ठाः | अम्बयिषीयाथाम् | अम्बयिषीध्वम् |
| अम्बयिषीय | अम्बयिषीवहि | अम्बयिषीमहि |
| अ० अम्बयिता | अम्बयितारौ | अम्बयितारः |
| अम्बयितासे | अम्बयितासाथे | अम्बयिताध्वे |
| अम्बयिताहे | अम्बयितास्वहे | अम्बयितास्महे |
| अ० अम्बयिष्यते | अम्बयिष्येते | अम्बयिष्यन्ते |
| अम्बयिष्यसे | अम्बयिष्येथे | अम्बयिष्यध्वे |
| अम्बयिष्ये | अम्बयिष्यावहे | अम्बयिष्यामहे |
| क्रि० आम्बयिष्यत | आम्बयिष्येताम् | आम्बयिष्यन्त |
| आम्बयिष्यथाः | आम्बयिष्येथाम् | आम्बयिष्यध्वम् |
| आम्बयिष्ये | आम्बयिष्यावहि | आम्बयिष्यामहि |

765 रवुङ् (रम्ब) शब्दे । 367 खुवङ् पाणि

766 लवुक् (लम्ब) अवसंसने च ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० लम्बयति | लम्बयतः | लम्बयन्ति |
| लम्बयसि | लम्बययः | लम्बयथ |
| लम्बयामि | लम्बयावः | लम्बयामः |
| स० लम्बयेत् | लम्बयेतात् | लम्बयेयुः |
| लम्बयेः | लम्बयेतम् | लम्बयेत |
| लम्बयेयम् | लम्बयेव | लम्बयेम |
| प० लम्बयतु | लम्बयतात् | लम्बयताम् |
| लम्बय | लम्बयतात् | लम्बयतम् |
| लम्बयानि | लम्बयाव | लम्बयाम |
| ह्य० अलम्बयत् | अलम्बयताम् | अलम्बयन् |
| अलम्बयः | अलम्बयतम् | अलम्बयत |
| अलम्बयम् | अलम्बयाव | अलम्बयाम |
| अ० अलम्बत् | अलम्बताम् | अलम्बन् |
| अलम्बः | अलम्बतम् | अलम्बत |
| अलम्बम् | अलम्बाव | अलम्बाम |
| प० लम्बयाश्चकार | लम्बयाश्चक्रुः | लम्बयाश्चकुः |
| लम्बयाश्चकथं | लम्बयाश्चकथुः | लम्बयाश्चक |
| लम्बयाश्चकार-चकर | लम्बयाश्चक्रुव | लम्बयाश्चक्रम |
| लम्बयाम्बभूव | लम्बयामास | |
| आ० लम्ब्यात् | लम्ब्यास्ताम् | लम्ब्यासुः |
| लम्ब्याः | लम्ब्यास्तम् | लम्ब्यास्त |
| लम्ब्यासम् | लम्ब्यास्व | लम्ब्यास्म |
| ब० लम्बयिता | लम्बयितारौ | लम्बयितारः |
| लम्बयितासि | लम्बयितास्यः | लम्बयितास्य |
| लम्बयितास्मि | लम्बयितास्वः | लम्बयितास्मः |
| भ० लम्बयिष्यति | लम्बयिष्यतः | लम्बयिष्यन्ति |
| लम्बयिष्यसि | लम्बयिष्यथः | लम्बयिष्यथ |
| लम्बयिष्यामि | लम्बयिष्यावः | लम्बयिष्यामः |
| क्रि० अलम्बयिष्यत् | अलम्बयिष्यताम् | अलम्बयिष्यन् |
| अलम्बयिष्यः | अलम्बयिष्यतम् | अलम्बयिष्यत |
| अलम्बयिष्यम् | अलम्बयिष्याव | अलम्बयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० लम्बयते | लम्बयेते | लम्बयन्ते |
| लम्बयसे | लम्बयेथे | लम्बयध्वे |
| लम्बये | लम्बयावहे | लम्बयामहे |
| स० लम्बयेत | लम्बयेयाताम् | लम्बयेरन् |
| लम्बयेथाः | लम्बयेयाथाम् | लम्बयेध्वम् |
| लम्बयेय | लम्बयेवहि | लम्बयेमहि |
| प० लम्बयताम् | लम्बयेताम् | लम्बयन्ताम् |
| लम्बयस्व | लम्बयेथाम् | लम्बयध्वम् |
| लम्बयै | लम्बयावहे | लम्बयामहे |
| ह्य० अलम्बयत | अलम्बयेताम् | अलम्बयन्त |
| अलम्बयथाः | अलम्बयेथाम् | अलम्बयध्वम् |
| अलम्बये | अलम्बयावहि | अलम्बयामहि |
| अ० अलम्बत | अलम्बेताम् | अलम्बन्त |
| अलम्बथाः | अलम्बेथाम् | अलम्बध्वम् |
| अलम्बे | अलम्बावहि | अलम्बामहि |
| प० लम्बयाश्चक्रे | लम्बयाश्चक्रते | लम्बयाश्चकिरे |
| लम्बयाश्चकृषे | लम्बयाश्चक्रथे | लम्बयाश्चकृत्वे |
| लम्बयाश्चके | लम्बयाश्चकृवहे | लम्बयाश्चक्रमहे |
| लम्बयाम्बभूव | लम्बयामास | |
| आ० लम्बयिषीष्ट | लम्बयिषीस्ताम् | लम्बयिषीरन् |
| लम्बयिषीष्ठाः | लम्बयिषीस्थाम् | लम्बयिषीध्वम् |
| लम्बयिषीय | लम्बयिषीवहि | लम्बयिषीमहि |
| ब० लम्बयिता | लम्बयितारौ | लम्बयितारः |
| लम्बयितासे | लम्बयितास्ये | लम्बयिताध्वे |
| लम्बयिताहे | लम्बयितास्वहे | लम्बयितामहे |
| भ० लम्बयिष्यते | लम्बयिष्येते | लम्बयिष्यन्ते |
| लम्बयिष्यसे | लम्बयिष्येथे | लम्बयिष्यध्वे |
| लम्बयिष्ये | लम्बयिष्यावहे | लम्बयिष्यामहे |
| क्रि० अलम्बयिष्यत | अलम्बयिष्यताम् | अलम्बयिष्यन्त |
| अलम्बयिष्यथाः | अलम्बयिष्येथाम् | अलम्बयिष्यध्वम् |
| अलम्बयिष्ये | अलम्बयिष्यावहि | अलम्बयिष्यामहि |

767 कबृङ् [कब्] वर्णे ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| ब० काबयति | काबयतः | काबयन्ति |
| काबयसि | काबयथः | काबयथ |
| काबयामि | काबयावः | काबयामः |
| स० काबयेत् | काबयेताम् | काबयेयुः |
| काबयेः | काबयेतम् | काबयेत |
| काबयेयम् | काबयेव | काबयेम |
| प० काबयतु | काबयतात् | काबयताम् |
| काबय | काबयतात् | काबयतम् |
| काबयानि | काबयाव | काबयाम |
| ह्य० अकाबयत् | अकाबयताम् | अकाबयन् |
| अकाबयः | अकाबयतम् | अकाबयत |
| अकाबयम् | अकाबयाव | अकाबयाम |
| अ० अचकाबत् | अचकाबताम् | अचकाबन् |
| अचकाबः | अचकाबतम् | अचकाबत |
| अचकाबम् | अचकाबाव | अचकाबाम |
| प० काबयाञ्चकार | काबयाञ्चक्रतुः | काबयाञ्चक्रः |
| काबयाञ्चकथं | काबयाञ्चक्रथुः | काबयाञ्चक्र |
| काबयाञ्चकार-चक्र | काबयाञ्चक्रव | काबयाञ्चक्रम् |
| काबयाम्बभूव | । | काबयामास |
| भा० काब्यात् | काब्यास्ताम् | काब्यासुः |
| काब्याः | काब्यास्तम् | काब्यास्त |
| काब्यासम् | काब्यास्व | काब्यासम् |
| श्व० काबयिता | काबयितारौ | काबयितारः |
| काबयितासि | काबयितास्थः | काबयितास्थ |
| काबयितास्मि | काबयितास्वः | काबयितास्मः |
| भ० काबयिष्यति | काबयिष्यतः | काबयिष्यन्ति |
| काबयिष्यसि | काबयिष्यथः | काबयिष्यथ |
| काबयिष्यामि | काबयिष्यावः | काबयिष्यामः |
| क्रि० अकाबयिष्यत् | अकाबयिष्यताम् | अकाबयिष्यन् |
| अकाबयिष्यः | अकाबयिष्यतम् | अकाबयिष्यत |
| अकाबयिष्यम् | अकाबयिष्याव | अकाबयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० काबयते | काबयेते | काबयन्ते |
| काबयसे | काबयेथे | काबयध्वे |
| काबये | काबयावहे | काबयामहे |
| स० काबयेत | काबयेयाताम् | काबयेरन् |
| काबयेथाः | काबयेयाथाम् | काबयेध्वम् |
| काबयेय | काबयेवहि | काबयेमहि |
| प० काबयताम् | काबयेताम् | काबयन्ताम् |
| काबयस्व | काबयेथाम् | काबयध्वम् |
| काबये | काबयावहे | काबयामहे |
| ह्य० अकाबयत | अकाबयेताम् | अकाबयन्त |
| अकाबयथाः | अकाबयेथाम् | अकाबयध्वम् |
| अकाबये | अकाबयावहि | अकाबयामहि |
| अ० अचकाबत | अचकाबेताम् | अचकाबन्त |
| अचकाबथाः | अचकाबेथाम् | अचकाबध्वम् |
| अचकाबे | अचकाबावहि | अचकाबामहि |
| प० काबयाञ्चक्रे | काबयाञ्चक्राते | काबयाञ्चक्रिरे |
| काबयाञ्चकृषे | काबयाञ्चक्राथे | काबयाञ्चकृद्वे |
| काबयाञ्चक्रे | काबयाञ्चकृवहे | काबयाञ्चकृमहे |
| काबयाम्बभूव | । | काबयामास |
| भा० काबयिषीष्ट | काबयिषीयास्ताम् | काबयिषीरन् |
| काबयिषीष्ठाः | काबयिषीयास्थाम् | काबयिषीद्वम् |
| काबयिषीय | काबयिषीवहि | काबयिषीमहि |
| श्व० काबयिता | काबयितारौ | काबयितारः |
| काबयितासे | काबयितासाथे | काबयिताध्वे |
| काबयिताहे | काबयितास्वहे | काबयितास्महे |
| भ० काबयिष्यते | काबयिष्येते | काबयिष्यन्ते |
| काबयिष्यसे | काबयिष्येथे | काबयिष्यध्वे |
| काबयिष्ये | काबयिष्यावहे | काबयिष्यामहे |
| क्रि० अकाबयिष्यत | अकाबयिष्येताम् | अकाबयिष्यन्त |
| अकाबयिष्यथाः | अकाबयिष्येथाम् | अकाबयिष्यध्वम् |
| अकाबयिष्ये | अकाबयिष्यावहि | अकाबयिष्यामहि |

768 क्लीबृह (क्लीबृ) आधाष्टये

| | | |
|-----------------------|-------------------|-----------------|
| व० क्लीबयति | क्लीबयतः | क्लीबयन्ति |
| क्लीबयसि | क्लीबयथः | क्लीबयथ |
| क्लीबयामि | क्लीबयावः | क्लीबयामः |
| स० क्लीबयेत् | क्लीबयेतम् | क्लीबयेयुः |
| क्लीबयेः | क्लीबयेतम् | क्लीबयेत |
| क्लीबयेयम् | क्लीबयेव | क्लीबयेम |
| प० क्लीबयतु | क्लीबयतात् | क्लीबयताम् |
| क्लीबय | क्लीबयतात् | क्लीबयतम् |
| क्लीबयानि | क्लीबयाव | क्लीबयाम |
| अ० क्लीबयत् | अ० क्लीबयताम् | अ० क्लीबयन् |
| अ० क्लीबयः | अ० क्लीबयतम् | अ० क्लीबयत |
| अ० क्लीबयम् | अ० क्लीबयाव | अ० क्लीबयाम |
| अ० अक्लीबयत् | अक्लीबयताम् | अक्लीबयन् |
| अक्लीबयः | अक्लीबयतम् | अक्लीबयत |
| अक्लीबयम् | अक्लीबयाव | अक्लीबयाम |
| अ० अचिक्लीबयत् | अचिक्लीबयताम् | अचिक्लीबयन् |
| अचिक्लीबयः | अचिक्लीबयतम् | अचिक्लीबयत |
| अचिक्लीबयम् | अचिक्लीबयाव | अचिक्लीबयाम |
| प० क्लीबयाश्चकार | क्लीबयाश्च तः | क्लीबयाश्च कुः |
| क्लीबयाश्च कथं | क्लीबयाश्च श्रुः | क्लीबयाश्च क |
| क्लीबयाश्चकार-चकर | क्लीबयाश्च कृब | क्लीबयाश्च कृम |
| क्लीबयाम्बभूव | क्लीबयामास | |
| आ० क्लीब्यात् | क्लीब्यास्ताम् | क्लीब्यासुः |
| क्लीब्याः | क्लीब्यास्तम् | क्लीब्यास्त |
| क्लीब्यासम् | क्लीब्यास्व | क्लीब्यास्म |
| अ० क्लीबयिता | क्लीबयितारौ | क्लीबयितारः |
| क्लीबयितासि | क्लीबयितास्थः | क्लीबयितास्थ |
| क्लीबयितास्मि | क्लीबयितास्वः | क्लीबयितास्मः |
| अ० क्लीबयिष्यति | क्लीबयिष्यतः | क्लीबयिष्यन्ति |
| क्लीबयिष्यसि | क्लीबयिष्यथः | क्लीबयिष्यथ |
| क्लीबयिष्यामि | क्लीबयिष्यावः | क्लीबयिष्यामः |
| क्रि० अ० क्लीबयिष्यत् | अ० क्लीबयिष्यताम् | अ० क्लीबयिष्यन् |
| अ० क्लीबयिष्यः | अ० क्लीबयिष्यतम् | अ० क्लीबयिष्यत |
| अ० क्लीबयिष्यम् | अ० क्लीबयिष्याव | अ० क्लीबयिष्याम |

| | | |
|-----------------------|--------------------|--------------------|
| व० क्लीबयते | क्लीबयेते | क्लीबयन्ते |
| क्लीबयसे | क्लीबयेथे | क्लीबयन्वे |
| क्लीबये | क्लीबयावहे | क्लीबयामहे |
| स० क्लीबयेत | क्लीबयेयाताम् | क्लीबयेयन् |
| क्लीबयेथाः | क्लीबयेयाथाम् | क्लीबयेध्वम् |
| क्लीबयेय | क्लीबयेवहि | क्लीबयेमहि |
| प० क्लीबयताम् | क्लीबयेताम् | क्लीबयन्ताम् |
| क्लीबयस्व | क्लीबयेथाम् | क्लीबयध्वम् |
| क्लीबयै | क्लीबयावहे | क्लीबयामहे |
| अ० अक्लीबयत | अक्लीबयेताम् | अक्लीबयन्त |
| अक्लीबयथाः | अक्लीबयेथाम् | अक्लीबयध्वम् |
| अक्लीबये | अक्लीबयावहि | अक्लीबयामहि |
| अ० अचिक्लीबयत | अचिक्लीबयेताम् | अचिक्लीबयन्त |
| अचिक्लीबयथाः | अचिक्लीबयेथाम् | अचिक्लीबयध्वम् |
| अचिक्लीबये | अचिक्लीबयावहि | अचिक्लीबयामहि |
| प० क्लीबयाश्चक्रे | क्लीबयाश्चक्रते | क्लीबयाश्चक्ररे |
| क्लीबयाश्चकृषे | क्लीबयाश्चक्रथे | क्लीबयाश्चकृध्वे |
| क्लीबयाश्चक्रे | क्लीबयाश्चकृवहे | क्लीबयाश्चकृमहे |
| क्लीबयाम्बभूव | क्लीबयामास | |
| आ० क्लीबयिषीष्ट | क्लीबयिषीयास्ताम् | क्लीबयिषीरन् |
| क्लीबयिषीष्टाः | क्लीबयिषीयास्थाम् | क्लीबयिषीध्वम् |
| क्लीबयिषीय | क्लीबयिषीवहि | क्लीबयिषीमहि |
| अ० क्लीबयिता | क्लीबयितारौ | क्लीबयितारः |
| क्लीबयितासे | क्लीबयितास्थे | क्लीबयिताध्वे |
| क्लीबयिताहे | क्लीबयितास्वहे | क्लीबयितामहे |
| अ० क्लीबयिष्यते | क्लीबयिष्येते | क्लीबयिष्यन्ते |
| क्लीबयिष्यसे | क्लीबयिष्येथे | क्लीबयिष्यध्वे |
| क्लीबयिष्ये | क्लीबयिष्यावहे | क्लीबयिष्यामहे |
| क्रि० अ० क्लीबयिष्यत् | अ० क्लीबयिष्यताम् | अ० क्लीबयिष्यन्त |
| अ० क्लीबयिष्यः | अ० क्लीबयिष्येथाम् | अ० क्लीबयिष्यध्वम् |
| अ० क्लीबयिष्यम् | अ० क्लीबयिष्यावहि | अ० क्लीबयिष्यामहि |

769 क्षीबृह (क्षीबृ) मदे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| ब० क्षीबयति | क्षीबयतः | क्षीबयन्ति |
| क्षीबयसि | क्षीबयथः | क्षीबयथ |
| क्षीबयामि | क्षीबयावः | क्षीबयामः |
| स० क्षीबयेत् | क्षीबयेताम् | क्षीबयेयुः |
| क्षीबयेः | क्षीबयेतम् | क्षीबयेत |
| क्षीबयेयम् | क्षीबयेव | क्षीबयेम |
| प० क्षीबयतु | क्षीबयतात् | क्षीबयताम् |
| क्षीबय | क्षीबयतात् | क्षीबयतम् |
| क्षीबयाणि | क्षीबयाव | क्षीबयाम |
| झ० अक्षीबयत् | अक्षीबयताम् | अक्षीबयन् |
| अक्षीबयः | अक्षीबयतम् | अक्षीबयत |
| अक्षीबयम् | अक्षीबयाव | अक्षीबयाम |
| अ० अचिक्षीबत् | अचिक्षीबताम् | अचिक्षीबन् |
| अचिक्षीबः | अचिक्षीबतम् | अचिक्षीबत |
| अचिक्षीबम् | अचिक्षीबाव | अचिक्षीबाम |
| प० क्षीबयाञ्चकार | क्षीबयाञ्चकतुः | क्षीबयाञ्चकुः |
| क्षीबयाञ्चकर्थं | क्षीबयाञ्चकथुः | क्षीबयाञ्चक |
| क्षीबयाञ्चकार-चकर | क्षीबयाञ्चकृव | क्षीबयाञ्चकृम |
| क्षीबयाम्बभूव | । | क्षीबयामास |
| आ० क्षीब्यात् | क्षीब्यास्ताम् | क्षीब्यासुः |
| क्षीब्याः | क्षीब्यास्तम् | क्षीब्यास्त |
| क्षीब्यासम् | क्षीब्यास्व | क्षीब्यास्म |
| श० क्षीबयिता | क्षीबयितारौ | क्षीबयितारः |
| क्षीबयितासि | क्षीबयितास्थः | क्षीबयितास्थ |
| क्षीबयितास्मि | क्षीबयितास्वः | क्षीबयितास्मः |
| भ० क्षीबयिष्यति | क्षीबयिष्यतः | क्षीबयिष्यन्ति |
| क्षीबयिष्यसि | क्षीबयिष्यथः | क्षीबयिष्यथ |
| क्षीबयिष्यामि | क्षीबयिष्यावः | क्षीबयिष्यामः |
| क्रि० अक्षीबयिष्यत् | अक्षीबयिष्यताम् | अक्षीबयिष्यन् |
| अक्षीबयिष्यः | अक्षीबयिष्यतम् | अक्षीबयिष्यत |
| अक्षीबयिष्यम् | अक्षीबयिष्याव | अक्षीबयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| ब० क्षीबयते | क्षीबयेते | क्षीबयन्ते |
| क्षीबयसे | क्षीबयेथे | क्षीबयन्वे |
| क्षीबये | क्षीबयावहे | क्षीबयामहे |
| स० क्षीबयेत् | क्षीबयेयाताम् | क्षीबयेरन् |
| क्षीबयेथाः | क्षीबयेयाथाम् | क्षीबयेष्वम् |
| क्षीबयेय | क्षीबयेवहि | क्षीबयेमहि |
| प० क्षीबयताम् | क्षीबयेताम् | क्षीबयन्ताम् |
| क्षीबयस्व | क्षीबयेथाम् | क्षीबयष्वम् |
| क्षीबयै | क्षीबयावहै | क्षीबयामहै |
| झ० अक्षीबयत | अक्षीबयेताम् | अक्षीबयन्त |
| अक्षीबयथाः | अक्षीबयेथाम् | अक्षीबयष्वम् |
| अक्षीबये | अक्षीबयावहि | अक्षीबयामहि |
| अ० अचिक्षीबत् | अचिक्षीबेताम् | अचिक्षीबन्त |
| अचिक्षीबथाः | अचिक्षीबेथाम् | अचिक्षीबष्वम् |
| अचिक्षीबे | अचिक्षीबावहि | अचिक्षीबामहि |
| प० क्षीबयाञ्चके | क्षीबयाञ्चकाते | क्षीबयाञ्चकिरे |
| क्षीबयाञ्चकृषे | क्षीबयाञ्चक्राये | क्षीबयाञ्चकृद्वे |
| क्षीबयाञ्चके | क्षीबयाञ्चकृवहे | क्षीबयाञ्चकृमहे |
| क्षीबयाम्बभूव | । | क्षीबयामास |
| आ० क्षीबयिषीष्ट | क्षीबयिषीयास्ताम् | क्षीबयिषीरन् |
| क्षीबयिषीष्टाः | क्षीबयिषीयास्थाम् | क्षीबयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| क्षीबयिषीय | क्षीबयिषीवहि | क्षीबयिषीमहि |
| श० क्षीबयिता | क्षीबयितारौ | क्षीबयितारः |
| क्षीबयितासे | क्षीबयितासाथे | क्षीबयिताष्वे |
| क्षीबयिताहे | क्षीबयितास्वहे | क्षीबयितास्महे |
| भ० क्षीबयिष्यते | क्षीबयिष्येते | क्षीबयिष्यन्ते |
| क्षीबयिष्यसे | क्षीबयिष्येथे | क्षीबयिष्यन्वे |
| क्षीबयिष्ये | क्षीबयिष्यावहे | क्षीबयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षीबयिष्यत् | अक्षीबयिष्येताम् | अक्षीबयिष्यन्त |
| अक्षीबयिष्यथाः | अक्षीबयिष्येथाम् | अक्षीबयिष्यष्वम् |
| अक्षीबयिष्ये | अक्षीबयिष्यावहि | अक्षीबयिष्यामहि |

॥ अथ भान्ताः सप्तदश ॥

770 शीभृङ् (शीभृ) कथने ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | शीभयति | शीभयतः | शीभयन्ति |
| | शीभयसि | शीभयथः | शीभयथ |
| | शीभयामि | शीभयावः | शीभयामः |
| स० | शीभयेत् | शीभयेताम् | शीभयेयुः |
| | शीभयेः | शीभयेतम् | शीभयेत |
| | शीभयेयम् | शीभयेव | शीभयेम |
| प० | शीभयतु | शीभयतात् | शीभयताम् |
| | शीभय | शीभयतात् | शीभयतम् |
| | शीभयानि | शीभयाव | शीभयाम |
| ह्य० | अशीभयत् | अशीभयताम् | अशीभयन् |
| | अशीभयः | अशीभयतम् | अशीभयत |
| | अशीभयम् | अशीभयाव | अशीभयाम |
| अ० | अशिशीभत् | अशिशीभताम् | अशिशीभन् |
| | अशिशीभः | अशिशीभतम् | अशिशीभत |
| | अशिशीभम् | अशिशीभाव | अशिशीभाम |
| प० | शीभयाञ्चकार | शीभयाञ्चक्रुः | शीभयाञ्चकृः |
| | शीभयाञ्चकथं | शीभयाञ्चकथुः | शीभयाञ्चक |
| | शीभयाञ्चकार, चकर | शीभयाञ्चकृव | शीभयाञ्चकृम |
| | शीभयाञ्चभू | । | शीभयामास |
| आ० | शीभ्यात् | शीभ्यास्ताम् | शीभ्यासुः |
| | शीभ्याः | शीभ्यास्तम् | शीभ्यास्त |
| | शीभ्यासम् | शीभ्यास्व | शीभ्यास्म |
| भ० | शीभयिता | शीभयितारौ | शीभयितारः |
| | शीभयितासि | शीभयितास्थः | शीभयितास्थ |
| | शीभयितास्मि | शीभयितास्वः | शीभयितास्मः |
| भ० | शीभयिष्यति | शीभयिष्यतः | शीभयिष्यन्ति |
| | शीभयिष्यसि | शीभयिष्यथः | शीभयिष्यथ |
| | शीभयिष्यामि | शीभयिष्यावः | शीभयिष्यामः |
| क्रि० | अशीभयिष्यत् | अशीभयिष्यताम् | अशीभयिष्यन् |
| | अशीभयिष्यः | अशीभयिष्यतम् | अशीभयिष्यत |
| | अशीभयिष्यम् | अशीभयिष्याव | अशीभयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-------------------|-----------------|
| व० | शीभयते | शीभयसे | शीभयन्ते |
| | शीभयसे | शीभयथे | शीभयध्वे |
| | शीभये | शीभयावहे | शीभयामहे |
| स० | शीभयेत | शीभयेताम् | शीभयेयुः |
| | शीभयेथाः | शीभयेथाथाम् | शीभयेथाम् |
| | शीभयेय | शीभयेयवहि | शीभयेयमहि |
| प० | शीभयताम् | शीभयेताम् | शीभयन्ताम् |
| | शीभयस्व | शीभयेथाम् | शीभयध्वम् |
| | शीभये | शीभयावहे | शीभयामहे |
| ह्य० | अशीभयत | अशीभयेताम् | अशीभयन्त |
| | अशीभयथाः | अशीभयेथाम् | अशीभयध्वम् |
| | अशीभये | अशीभयावहि | अशीभयामहि |
| अ० | अशिशीभत | अशिशीभेताम् | अशिशीभन्त |
| | अशिशीभथाः | अशिशीभेथाम् | अशिशीभध्वम् |
| | अशिशीभे | अशिशीभावहि | अशिशीभामहि |
| प० | शीभयाञ्चक्रे | शीभयाञ्चक्राते | शीभयाञ्चक्रिरे |
| | शीभयाञ्चकृषे | शीभयाञ्चक्राथे | शीभयाञ्चकृध्वे |
| | शीभयाञ्चक्रे | शीभयाञ्चकृदहे | शीभयाञ्चकृमहे |
| | शीभयाम्बभूव | । | शीभयामास |
| आ० | शीभयिषीष्ट | शीभयिषीष्टास्ताम् | शीभयिषीष्टान् |
| | शीभयिषीष्टाः | शीभयिषीष्टास्थाम् | शीभयिषीष्टध्वम् |
| | शीभयिषीय | शीभयिषीवहि | शीभयिषीमहि |
| भ० | शीभयिता | शीभयितारौ | शीभयितारः |
| | शीभयितासे | शीभयितासाथे | शीभयितासध्वे |
| | शीभयिताहे | शीभयितास्वहे | शीभयितास्महे |
| भ० | शीभयिष्यते | शीभयिष्येते | शीभयिष्यन्ते |
| | शीभयिष्यसे | शीभयिष्येथे | शीभयिष्यध्वे |
| | शीभयिष्ये | शीभयिष्यवहे | शीभयिष्यामहे |
| क्रि० | अशीभयिष्यत् | अशीभयिष्यताम् | अशीभयिष्यन् |
| | अशीभयिष्यथाः | अशीभयिष्येथाम् | अशीभयिष्यध्वम् |
| | अशीभयिष्ये | अशीभयिष्यवहि | अशीभयिष्यामहि |

771 वीभृङ् (वीभृ) कथने ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|-------------------|
| ब० | वीभयति | वीभयतः | वीभयन्ति |
| | वीभयसि | वीभयथः | वीभयथ |
| | वीभयामि | वीभयावः | वीभयामः |
| स० | वीभयेत् | वीभयेताम् | वीभयेयुः |
| | वीभयेः | वीभयेतम् | वीभयेत |
| | वीभयेयम् | वीभयेव | वीभयेम |
| प० | वीभयतु | वीभयतात् | वीभयताम् वीभयन्तु |
| | वीभय | वीभयतात् | वीभयतम् वीभयत |
| | वीभयानि | वीभयाव | वीभयाम |
| ह्य० | अवीभयत् | अवीभयताम् | अवीभयन् |
| | अवीभयः | अवीभयतम् | अवीभयत |
| | अवीभयम् | अवीभयाव | अवीभयाम |
| अ० | अविबीभत् | अविबीभताम् | अविबीभन् |
| | अविबीभः | अविबीभतम् | अविबीभत |
| | अविबीभम् | अविबीभाव | अविबीभाम |
| प० | वीभयाञ्चकार | वीभयाञ्चकतुः | वीभयाञ्चक्रुः |
| | वीभयाञ्चकथं | वीभयाञ्चकथुः | वीभयाञ्चक |
| | वीभयाञ्चकार, चकर | वीभयाञ्चकृव | वीभयाञ्चकृम |
| | वीभयाञ्चभू | । | वीभयामास |
| आ० | वीभ्यात् | वीभ्यास्ताम् | वीभ्यासुः |
| | वीभ्याः | वीभ्यास्तम् | वीभ्यास्त |
| | वीभ्यासम् | वीभ्यास्व | वीभ्यासम |
| श्व० | वीभयिता | वीभयितारौ | वीभयितारः |
| | वीभयितासि | वीभयितास्थः | वीभयितास्थ |
| | वीभयितास्मि | वीभयितास्वः | वीभयितास्मः |
| भ० | वीभयिष्यति | वीभयिष्यतः | वीभयिष्यन्ति |
| | वीभयिष्यसि | वीभयिष्यथः | वीभयिष्यथ |
| | वीभयिष्यामि | वीभयिष्यावः | वीभयिष्यामः |
| क्रि० | अवीभयिष्यत् | अवीभयिष्यताम् | अवीभयिष्यन् |
| | अवीभयिष्यः | अवीभयिष्यतम् | अवीभयिष्यत |
| | अवीभयिष्यम् | अवीभयिष्याव | अवीभयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | वीभयते | वीभयेते | वीभयन्ते |
| | वीभयसे | वीभयेथे | वीभयध्वे |
| | वीभये | वीभयावहे | वीभयामहे |
| स० | वीभयेत | वीभयेयाताम् | वीभयेरन् |
| | वीभयेथाः | वीभयेयाथाम् | वीभयेष्वम् |
| | वीभयेय | वीभमयेवहि | वीभयेमहि |
| प० | वीभयताम् | वीभयेताम् | वीभयन्ताम् |
| | वीभयस्व | वीभयेथाम् | वीभयध्वम् |
| | वीभये | वीभयावहे | वीभयामहे |
| ह्य० | अवीभयत | अवीभयेताम् | अवीभयन्त |
| | अवीभयथाः | अवीभयेथाम् | अवीभयध्वम् |
| | अवीभये | अवीभयावहि | अवीभयामहि |
| अ० | अविबीभत | अविबीभेताम् | अविबीभन्त |
| | अविबीभथाः | अविबीभेथाम् | अविबीभध्वम् |
| | अविबीभे | अविबीभावहि | अविबीभामहि |
| प० | वीभयाञ्चके | वीभयाञ्चकाते | वीभयाञ्चकिरे |
| | वीभयाञ्चकृते | वीभयाञ्चकृथे | वीभयाञ्चकृत्वे |
| | वीभयाञ्चके | वीभयाञ्चकृवहे | वीभयाञ्चकृवहे |
| | वीभयाञ्चभूव | । | वीभयामास |
| आ० | वीभयिषीष्ट | वीभयिषीष्टाताम् | वीभयिषीरन् |
| | वीभयिषीष्टाः | वीभयिषीष्टाथाम् | वीभयिषीष्टध्वम् |
| | वीभयिषीय | वीभयिषीवहि | वीभयिषीमहि |
| श्व० | वीभयिता | वीभयितारौ | वीभयितारः |
| | वीभयितासे | वीभयितासाथे | वीभयिताध्वे |
| | वीभयिताहे | वीभयितास्वहे | वीभयितास्महे |
| भ० | वीभयिष्यते | वीभयिष्येते | वीभयिष्यन्ते |
| | वीभयिष्यसे | वीभयिष्येथे | वीभयिष्यध्वे |
| | वीभयिष्ये | वीभयिष्यावहे | वीभयिष्यामहे |
| क्रि० | अवीभयिष्यत् | अवीभयिष्येताम् | अवीभयिष्यन्त |
| | अवीभयिष्यथाः | अवीभयिष्येथाम् | अवीभयिष्यध्वम् |
| | अवीभयिष्ये | अवीभयिष्यावहि | अवीभयिष्यामहि |

772 शल्भि (शल्भू) कत्यने ।

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|----------------|
| व० | शल्भयति | शल्भयतः | शल्भयन्ति |
| | शल्भयसि | शल्भयथः | शल्भयथ |
| | शल्भयामि | शल्भयावः | शल्भयामः |
| स० | शल्भयेत् | शल्भयेताम् | शल्भयेयुः |
| | शल्भयेः | शल्भयेतम् | शल्भयेत |
| | शल्भयेयम् | शल्भयेव | शल्भयेम |
| प० | शल्भयतु | शल्भयतात् | शल्भयताम् |
| | शल्भय | शल्भयतात् | शल्भयतम् |
| | शल्भयानि | शल्भयाव | शल्भयाम |
| ह्य० | अशल्भयत् | अशल्भयताम् | अशल्भयन् |
| | अशल्भयः | अशल्भयतम् | अशल्भयत |
| | अशल्भयम् | अशल्भयाव | अशल्भयाम |
| अ० | अशल्भयत् | अशल्भयताम् | अशल्भयन् |
| | अशल्भयः | अशल्भयतम् | अशल्भयत |
| | अशल्भयम् | अशल्भयाव | अशल्भयाम |
| प० | शल्भयाश्चकार | शल्भयाश्चक्रुः | शल्भयाश्चक्रुः |
| | शल्भयाश्चकर्त्तुं | शल्भयाश्चक्रुः | शल्भयाश्चक्रुः |
| | शल्भयाश्चकार, चकर | शल्भयाश्चक्रुव | शल्भयाश्चक्रुम |
| | शल्भयाम्बभूव | । | शल्भयामास |
| आ० | शल्भ्यात् | शल्भ्यास्ताम् | शल्भ्यासुः |
| | शल्भ्याः | शल्भ्यास्तम् | शल्भ्यास्त |
| | शल्भ्यासम् | शल्भ्यास्व | शल्भ्यास्म |
| भ० | शल्भयिता | शल्भयितारौ | शल्भयितारः |
| | शल्भयितासि | शल्भयितास्थः | शल्भयितास्थ |
| | शल्भयितास्मि | शल्भयितास्वः | शल्भयितास्मः |
| भ० | शल्भयिष्यति | शल्भयिष्यतः | शल्भयिष्यन्ति |
| | शल्भयिष्यसि | शल्भयिष्यथः | शल्भयिष्यथ |
| | शल्भयिष्यामि | शल्भयिष्यावः | शल्भयिष्यामः |
| क्रि० | अशल्भयिष्यत् | अशल्भयिष्यताम् | अशल्भयिष्यन् |
| | अशल्भयिष्यः | अशल्भयिष्यतम् | अशल्भयिष्यत |
| | अशल्भयिष्यम् | अशल्भयिष्याव | अशल्भयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| व० | शल्भयते | शल्भयेते | शल्भयन्ते |
| | शल्भयसे | शल्भयेषे | शल्भयष्वे |
| | शल्भये | शल्भयावहे | शल्भयामहे |
| स० | शल्भयेत | शल्भयेयाताम् | शल्भयेरन् |
| | शल्भयेथाः | शल्भयेयाथाम् | शल्भयेष्वम् |
| | शल्भयेय | शल्भयेवहि | शल्भयेमहि |
| प० | शल्भयताम् | शल्भयेताम् | शल्भयन्ताम् |
| | शल्भयस्व | शल्भयेथाम् | शल्भयष्वम् |
| | शल्भयै | शल्भयावहै | शल्भयामहै |
| ह्य० | अशल्भयत | अशल्भयेताम् | अशल्भयन्त |
| | अशल्भयथाः | अशल्भयेथाम् | अशल्भयष्वम् |
| | अशल्भये | अशल्भयावहि | अशल्भयामहि |
| अ० | अशल्भयत | अशल्भयेताम् | अशल्भयन्त |
| | अशल्भयथाः | अशल्भयेथाम् | अशल्भयष्वम् |
| | अशल्भये | अशल्भयावहि | अशल्भयामहि |
| प० | शल्भयाश्चक्रे | शल्भयाश्चक्रते | शल्भयाश्चक्रिरे |
| | शल्भयाश्चक्रुषे | शल्भयाश्चक्रुथे | शल्भयाश्चक्रुव्वे |
| | शल्भयाश्चक्रे | शल्भयाश्चक्रुवहे | शल्भयाश्चक्रुमहे |
| | शल्भयाम्बभूव | । | शल्भयामास |
| आ० | शल्भयिषीष्ट | शल्भयिषीयास्ताम् | शल्भयिषीरन् |
| | शल्भयिषीष्ठाः | शल्भयिषीयास्थाम् | शल्भयिषीड्वम् |
| | शल्भयिषीय | शल्भयिषीवहि | शल्भयिषीमहि |
| भ० | शल्भयिता | शल्भयितारौ | शल्भयितारः |
| | शल्भयितासे | शल्भयितासाथे | शल्भयिताष्वे |
| | शल्भयिताहे | शल्भयितास्वहे | शल्भयितास्महे |
| भ० | शल्भयिष्यते | शल्भयिष्येते | शल्भयिष्यन्ते |
| | शल्भयिष्यसे | शल्भयिष्येथे | शल्भयिष्येव्वे |
| | शल्भयिष्ये | शल्भयिष्यावहे | शल्भयिष्यामहे |
| क्रि० | अशल्भयिष्यत | अशल्भयिष्येताम् | अशल्भयिष्यन्त |
| | अशल्भयिष्यथाः | अशल्भयिष्येथाम् | अशल्भयिष्यष्वम् |
| | अशल्भयिष्ये | अशल्भयिष्यावहि | अशल्भयिष्यामहि |

773 वल्भि (वल्भ्) भोजने ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० वल्भयति | वल्भयतः | वल्भयन्ति |
| वल्भयसि | वल्भयथः | वल्भयथ |
| वल्भयामि | वल्भयावः | वल्भयामः |
| स० वल्भयेत् | वल्भयेताम् | वल्भयेयुः |
| वल्भयेः | वल्भयेतम् | वल्भयेत |
| वल्भयेयम् | वल्भयेव | वल्भयेम |
| प० वल्भयतु | वल्भयतात् | वल्भयताम् |
| वल्भय | वल्भयतात् | वल्भयतम् |
| वल्भयानि | वल्भयाव | वल्भयाम |
| ह्य० अवल्भयत् | अवल्भयताम् | अवल्भयन् |
| अवल्भयः | अवल्भयतम् | अवल्भयत |
| अवल्भयम् | अवल्भयाव | अवल्भयाम |
| अ० अवल्भत | अवल्भताम् | अवल्भन् |
| अवल्भः | अवल्भतम् | अवल्भत |
| अवल्भम् | अवल्भाव | अवल्भाम |
| प० वल्भयाञ्चकार | वल्भयाञ्चकतुः | वल्भयाञ्चकृः |
| वल्भयाञ्चकर्थ | वल्भयाञ्चकथुः | वल्भयाञ्चक |
| वल्भयाञ्चकार, चकर | वल्भयाञ्चकृव | वल्भयाञ्चकृम |
| वल्भयाम्बभूव | । | वल्भयामास |
| आ० वल्भ्यात् | वल्भ्यास्ताम् | वल्भ्यासुः |
| वल्भ्याः | वल्भ्यास्तम् | वल्भ्यास्त |
| वल्भ्यासम् | वल्भ्यास्व | वल्भ्यास्म |
| भ० वल्भयिता | वल्भयितारौ | वल्भयितारः |
| वल्भयितासि | वल्भयितास्थः | वल्भयितास्थ |
| वल्भयितास्मि | वल्भयितास्वः | वल्भयितास्मः |
| भ० वल्भयिष्यति | वल्भयिष्यतः | वल्भयिष्यन्ति |
| वल्भयिष्यसि | वल्भयिष्यथः | वल्भयिष्यथ |
| वल्भयिष्यामि | वल्भयिष्यावः | वल्भयिष्यामः |
| क्रि० अवल्भयिष्यत् | अवल्भयिष्यताम् | अवल्भयिष्यन् |
| अवल्भयिष्यः | अवल्भयिष्यतम् | अवल्भयिष्यत |
| अवल्भयिष्यम् | अवल्भयिष्याव | अवल्भयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० वल्भयते | वल्भयेते | वल्भयन्ते |
| वल्भयसे | वल्भयेथे | वल्भयध्वे |
| वल्भये | वल्भयावहे | वल्भयामहे |
| स० वल्भयेत | वल्भयेयाताम् | वल्भयेरन् |
| वल्भयेथाः | वल्भयेयाथाम् | वल्भयेष्वम् |
| वल्भयेय | वल्भयेवहि | वल्भयेमहि |
| प० वल्भयतोम् | वल्भयेताम् | वल्भयन्ताम् |
| वल्भयस्व | वल्भयेथाम् | वल्भयष्वम् |
| वल्भये | वल्भयावहै | वल्भयामहै |
| ह्य० अवल्भयत | अवल्भयेताम् | अवल्भयन्त |
| अवल्भयथाः | अवल्भयेथाम् | अवल्भयध्वम् |
| अवल्भये | अवल्भयावहि | अवल्भयामहि |
| अ० अवल्भत | अवल्भेताम् | अवल्भन्त |
| अवल्भथाः | अवल्भेथाम् | अवल्भध्वम् |
| अवल्भे | अवल्भावहि | अवल्भामहि |
| प० वल्भयाञ्चक्रे | वल्भयाञ्चकाते | वल्भयाञ्चकिरे |
| वल्भयाञ्चकृषे | वल्भयाञ्चक्राथे | वल्भयाञ्चकृद्वे |
| वल्भयाञ्चके | वल्भयाञ्चकृदहे | वल्भयाञ्चकृमहे |
| वल्भयाम्बभूव | । | वल्भयामास |
| आ० वल्भयिषीष्ट | वल्भयिषीयास्ताम् | वल्भयिषीरन् |
| वल्भयिषीष्ठाः | वल्भयिषीयाथाम् | वल्भयिषीद्वम् |
| वल्भयिषीय | वल्भयिषीवहि | वल्भयिषीमहि |
| श्र० वल्भयिता | वल्भयितारौ | वल्भयितारः |
| वल्भयितासे | वल्भयितासाथे | वल्भयिताध्वे |
| वल्भयिताहे | वल्भयितास्वहे | वल्भयितास्महे |
| भ० वल्भयिष्यते | वल्भयिष्येते | वल्भयिष्यन्ते |
| वल्भयिष्यसे | वल्भयिष्येथे | वल्भयिष्यध्वे |
| वल्भयिष्ये | वल्भयिष्यावहे | वल्भयिष्यामहे |
| क्रि० अवल्भयिष्यत | अवल्भयिष्येताम् | अवल्भयिष्यन्त |
| अवल्भयिष्यथाः | अवल्भयिष्येथाम् | अवल्भयिष्यध्वम् |
| अवल्भयिष्ये | अवल्भयिष्यावहि | अवल्भयिष्यामहि |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (७३३)

774 गल्भ [गल्भ्) धाटुर्थे

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० गल्भयति | गल्भयतः | गल्भयन्ति |
| गल्भयसि | गल्भयथः | गल्भयथ |
| गल्भयामि | गल्भयावः | गल्भयामः |
| स० गल्भयेत् | गल्भयेताम् | गल्भयेयुः |
| गल्भयेः | गल्भयेतम् | गल्भयेत |
| गल्भयेयम् | गल्भयेव | गल्भयेम |
| प० गल्भयतु | गल्भयतात् | गल्भयताम् |
| गल्भय | गल्भयतात् | गल्भयतम् |
| गल्भयानि | गल्भयाव | गल्भयाम |
| ह्य० अगल्भयत् | अगल्भयताम् | अगल्भयन् |
| अगल्भयः | अगल्भयतम् | अगल्भयत |
| अगल्भयम् | अगल्भयाव | अगल्भयाम |
| अ० अजगल्भत् | अजगल्भताम् | अजगल्भन् |
| अजगल्भः | अजगल्भतम् | अजगल्भत |
| अजगल्भम् | अजगल्भाव | अजगल्भाम |
| प० गल्भयाञ्चकार | गल्भयाञ्चक्रतुः | गल्भयाञ्चक्रुः |
| गल्भयाञ्चकर्त्तुः | गल्भयाञ्चक्रथुः | गल्भयाञ्चक्र |
| गल्भयाञ्चकार-चक्र | गल्भयाञ्चक्रव | गल्भयाञ्चक्रम |
| गल्भयाम्बभूव | गल्भयामास | |
| आ० गल्भ्यात् | गल्भ्यास्ताम् | गल्भ्यासुः |
| गल्भ्याः | गल्भ्यास्तम् | गल्भ्यास्त |
| गल्भ्यासम् | गल्भ्यास्व | गल्भ्यास्म |
| श्व० गल्भयिता | गल्भयितारौ | गल्भयितारः |
| गल्भयितासि | गल्भयितास्थः | गल्भयितास्थ |
| गल्भयितास्मि | गल्भयितास्वः | गल्भयितास्मः |
| भ० गल्भयिष्यति | गल्भयिष्यतः | गल्भयिष्यन्ति |
| गल्भयिष्यसि | गल्भयिष्यथः | गल्भयिष्यथ |
| गल्भयिष्यामि | गल्भयिष्यावः | गल्भयिष्यामः |
| क्रि० अगल्भयिष्यत् | अगल्भयिष्यताम् | अगल्भयिष्यन् |
| अगल्भयिष्यः | अगल्भयिष्यतम् | अगल्भयिष्यत |
| अगल्भयिष्यम् | अगल्भयिष्याव | अगल्भयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० गल्भयते | गल्भयेत | गल्भयन्ते |
| गल्भयसे | गल्भयेथे | गल्भयध्वे |
| गल्भये | गल्भयावहे | गल्भयामहे |
| स० गल्भयेत | गल्भयेयाताम् | गल्भयेरन् |
| गल्भयेथाः | गल्भयेयाथाम् | गल्भयेध्वम् |
| गल्भयेय | गल्भयेवहि | गल्भयेमहि |
| प० गल्भयताम् | गल्भयेताम् | गल्भयन्ताम् |
| गल्भयस्व | गल्भयेथाम् | गल्भयध्वम् |
| गल्भये | गल्भयावहे | गल्भयामहे |
| ह्य० अगल्भयत | अगल्भयेताम् | अगल्भयन्त |
| अगल्भयथाः | अगल्भयेथाम् | अगल्भयध्वम् |
| अगल्भये | अगल्भयावहि | अगल्भयामहि |
| अ० अजगल्भत | अजगल्भताम् | अजगल्भन्त |
| अजगल्भथाः | अजगल्भेथाम् | अजगल्भध्वम् |
| अजगल्भे | अजगल्भावहि | अजगल्भामहि |
| प० गल्भयाञ्चक्रे | गल्भयाञ्चक्राते | गल्भयाञ्चक्रिरे |
| गल्भयाञ्चक्रुषे | गल्भयाञ्चक्राथे | गल्भयाञ्चक्रुवहे |
| गल्भयाञ्चक्रे | गल्भयाञ्चक्रुवहे | गल्भयाञ्चक्रमहे |
| गल्भयाम्बभूव | गल्भयामास | |
| आ० गल्भयिषीष्ट | गल्भयिषीयास्ताम् | गल्भयिषीरन् |
| गल्भयिषीष्टाः | गल्भयिषीयास्थाम् | गल्भयिषीध्वम् |
| गल्भयिषीय | गल्भयिषीवहि | गल्भयिषीमहि |
| श्व० गल्भयिता | गल्भयितारौ | गल्भयितारः |
| गल्भयितासे | गल्भयितासाथे | गल्भयिताध्वे |
| गल्भयिताहे | गल्भयितास्वहे | गल्भयितास्महे |
| भ० गल्भयिष्यते | गल्भयिष्येते | गल्भयिष्यन्ते |
| गल्भयिष्यसे | गल्भयिष्येथे | गल्भयिष्यध्वे |
| गल्भयिष्ये | गल्भयिष्यावहे | गल्भयिष्यामहे |
| क्रि० अगल्भयिष्यत | अगल्भयिष्येताम् | अगल्भयिष्यन्त |
| अगल्भयिष्यथाः | अगल्भयिष्येथाम् | अगल्भयिष्यध्वम् |
| अगल्भयिष्ये | अगल्भयिष्यावहि | अगल्भयिष्यामहि |

775 रेभृङ् [रेभृ) शब्दे ॥

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | रेभयति | रेभयतः | रेभयन्ति |
| | रेभयसि | रेभयथः | रेभयथ |
| | रेभयामि | रेभयावः | रेभयामः |
| स० | रेभयेत् | रेभयेताम् | रेभयेयुः |
| | रेभयेः | रेभयेतम् | रेभयेत |
| | रेभयेयम् | रेभयेव | रेभयेम |
| प० | रेभयतु | रेभयतात् | रेभयताम् |
| | रेभय | रेभयतात् | रेभयतम् |
| | रेभयाणि | रेभयाव | रेभयाम |
| ह्य० | अरेभयत् | अरेभयताम् | अरेभयन् |
| | अरेभयः | अरेभयतम् | अरेभयत |
| | अरेभयम् | अरेभयाव | अरेभयाम |
| अ० | अरिरेभत् | अरिरेभताम् | अरिरेभन् |
| | अरिरेभः | अरिरेभतम् | अरिरेभत |
| | अरिरेभम् | अरिरेभाव | अरिरेभाम |
| प० | रेभयाञ्चकार | रेभयाञ्चकतुः | रेभयाञ्चक्रुः |
| | रेभयाञ्चकर्ध | रेभयाञ्चकथुः | रेभयाञ्चक |
| | रेभयाञ्चकार-चकर | रेभयाञ्चकृव | रेभयाञ्चकृम |
| | रेभयाम्बभूव | रेभयामास | |
| आ० | रेभ्यात् | रेभ्यास्ताम् | रेभ्यासुः |
| | रेभ्याः | रेभ्यास्तम् | रेभ्यास्त |
| | रेभ्यासम् | रेभ्यास्व | रेभ्यास्म |
| श्व० | रेभयिता | रेभयितारौ | रेभयितारः |
| | रेभयितामि | रेभयितास्थः | रेभयितास्थ |
| | रेभयितास्मि | रेभयितास्वः | रेभयितास्मः |
| भ० | रेभयिष्यति | रेभयिष्यतः | रेभयिष्यन्ति |
| | रेभयिष्यसि | रेभयिष्यथः | रेभयिष्यथ |
| | रेभयिष्यामि | रेभयिष्यावः | रेभयिष्यामः |
| क्रि० | अरेभयिष्यत् | अरेभयिष्यताम् | अरेभयिष्यन् |
| | अरेभयिष्यः | अरेभयिष्यतम् | अरेभयिष्यत |
| | अरेभयिष्यम् | अरेभयिष्याव | अरेभयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रेभयते | रेभयेते | रेभयन्ते |
| | रेभयसे | रेभयेथे | रेभयध्वे |
| | रेभये | रेभयावहे | रेभयामहे |
| स० | रेभयेत | रेभयेयाताम् | रेभयेरन् |
| | रेभयेथाः | रेभयेयाथाम् | रेभयेष्वम् |
| | रेभयेय | रेभयेवहि | रेभयेमहि |
| प० | रेभयताम् | रेभयेताम् | रेभयन्ताम् |
| | रेभयस्व | रेभयेथाम् | रेभयध्वम् |
| | रेभयै | रेभयावहै | रेभयामहै |
| ह्य० | अरेभयत | अरेभयेताम् | अरेभयन्त |
| | अरेभयथाः | अरेभयेथाम् | अरेभयध्वम् |
| | अरेभये | अरेभयावहि | अरेभयामहि |
| अ० | अरिरेभत् | अरिरेभताम् | अरिरेभन्त |
| | अरिरेभथाः | अरिरेभेथाम् | अरिरेभध्वम् |
| | अरिरेभे | अरिरेभावहि | अरिरेभामहि |
| प० | रेभयाञ्चक्रे | रेभयाञ्चक्राते | रेभयाञ्चक्रिरे |
| | रेभयाञ्चकृषे | रेभयाञ्चक्राथे | रेभयाञ्चकृहुवे |
| | रेभयाञ्चक्रे | रेभयाञ्चकृवहे | रेभयाञ्चकृमहे |
| | रेभयाम्बभूव | रेभयामास | |
| आ० | रेभयिषीष्ट | रेभयिषीयास्ताम् | रेभयिषीरन् |
| | रेभयिषीष्टाः | रेभयिषीयास्थाम् | रेभयिषीह्वम् |
| | रेभयिषीय | रेभयिषीवहि | रेभयिषीमहि |
| श्व० | रेभयिता | रेभयितारौ | रेभयितारः |
| | रेभयितासे | रेभयितासाथे | रेभयिताध्वे |
| | रेभयिताहे | रेभयितास्वहे | रेभयितास्महे |
| भ० | रेभयिष्यते | रेभयिष्येते | रेभयिष्यन्ते |
| | रेभयिष्यसे | रेभयिष्येथे | रेभयिष्यध्वे |
| | रेभयिष्ये | रेभयिष्यावहे | रेभयिष्यामहे |
| क्रि० | अरेभयिष्यत् | अरेभयिष्येताम् | अरेभयिष्यन्त |
| | अरेभयिष्यथाः | अरेभयिष्येथाम् | अरेभयिष्यध्वम् |
| | अरेभयिष्ये | अरेभयिष्यावहि | अरेभयिष्यामहि |

776 अभुङ् [अभ्] शब्दे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------------|
| व० अभ्यति | अभ्यतः | अभ्यन्ति |
| अभ्यसि | अभ्यथः | अभ्यथ |
| अभ्यामि | अभ्यावः | अभ्यामः |
| स० अभ्येत् | अभ्येताम् | अभ्येयुः |
| अभ्येः | अभ्येतम् | अभ्येत |
| अभ्येयम् | अभ्येव | अभ्येय |
| प० अभ्यतु | अभ्यतात् | अभ्यताम् अभ्यन्तु |
| अभ्य | अभ्यतात् | अभ्यतम् अभ्यत |
| अभ्यानि | अभ्याव | अभ्याम |
| ह्य० अभ्यत् | अभ्यताम् | अभ्यन् |
| आभ्यः | आभ्यतम् | आभ्यत |
| आभ्याम् | आभ्याव | आभ्याम |
| अ० आम्बिभत् | आम्बिभताम् | आम्बिभन् |
| आम्बिभः | आम्बिभतम् | आम्बिभत |
| आम्बिभम् | आम्बिभाव | आम्बिभाम |
| प० अभ्याञ्चकार | अभ्याञ्चकतुः | अभ्याञ्चकुः |
| अभ्याञ्चकर्थ | अभ्याञ्चकथुः | अभ्याञ्चक |
| अभ्याञ्चकार-चकर | अभ्याञ्चकृव | अभ्याञ्चकृम |
| अभ्याम्बभूव | अभ्यामास | |
| आ० अभ्यात् | अभ्यास्ताम् | अभ्यासुः |
| अभ्याः | अभ्यास्तम् | अभ्यास्त |
| अभ्यासम् | अभ्यास्व | अभ्यास्म |
| श्व० अभ्यिता | अभ्यितारौ | अभ्यितारः |
| अभ्यितासि | अभ्यितास्थः | अभ्यितास्थ |
| अभ्यितास्मि | अभ्यितास्वः | अभ्यितास्मः |
| भ० अभ्यिति | अभ्यित्यतः | अभ्यित्यन्ति |
| अभ्यित्यसि | अभ्यित्यथः | अभ्यित्यथ |
| अभ्यित्यामि | अभ्यित्यावः | अभ्यित्यामः |
| क्रि० आम्भित्यत् | आम्भित्यताम् | आम्भित्यन् |
| आम्भित्यः | आम्भित्यतम् | आम्भित्यत |
| आम्भित्यम् | आम्भित्याव | आम्भित्याम |

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| व० अभ्यते | अभ्येते | अभ्यन्ते |
| अभ्यसे | अभ्येये | अभ्यन्ते |
| अभ्ये | अभ्यावहे | अभ्यामहे |
| स० अभ्येत | अभ्येयाताम् | अभ्येरन् |
| अभ्येथाः | अभ्येयथाम् | अभ्येष्वम् |
| अभ्येय | अभ्येवहि | अभ्येमहि |
| प० अभ्यताम् | अभ्येताम् | अभ्यन्ताम् |
| अभ्यस्व | अभ्येथाम् | अभ्येष्वम् |
| अभ्ये | अभ्यावहे | अभ्यामहे |
| ह्य० आम्भयत | आम्भयेताम् | आम्भयन्त |
| आम्भयथाः | आम्भयेथाम् | आम्भयेष्वम् |
| आम्भये | आम्भ्यावहि | आम्भ्यामहि |
| अ० आम्बिभत | आम्बिभेताम् | आम्बिभन्त |
| आम्बिभथाः | आम्बिभेथाम् | आम्बिभेष्वम् |
| आम्बिभे | आम्बिभावहि | आम्बिभामहि |
| प० अभ्यञ्चके | अभ्याञ्चकाते | अभ्याञ्चकिरे |
| अभ्याञ्चकृषे | अभ्याञ्चकाये | अभ्याञ्चकृद्वे |
| अभ्याञ्चके | अभ्याञ्चकृवहे | अभ्याञ्चकृमहे |
| अभ्याम्बभूव | अभ्यामास | |
| आ० अभ्यिषीष्ट | अभ्यिषीयास्ताम् | अभ्यिषीरन् |
| अभ्यिषीष्टाः | अभ्यिषीयास्थाम् | अभ्यिषीद्वम् |
| अभ्यिषीय | अभ्यिषीवहि | अभ्यिषीमहि |
| श्व० अभ्यिता | अभ्यितारौ | अभ्यितारः |
| अभ्यितासे | अभ्यितासाथे | अभ्यिताध्वे |
| अभ्यिताहे | अभ्यितास्वहे | अभ्यितास्महे |
| भ० अभ्यिष्यते | अभ्यिष्येते | अभ्यिष्यन्ते |
| अभ्यिष्यसे | अभ्यिष्येये | अभ्यिष्यन्ते |
| अभ्यिष्ये | अभ्यिष्यावहे | अभ्यिष्यामहे |
| क्रि० आम्भित्यत | आम्भित्येताम् | आम्भित्यन्त |
| अभ्यिष्यथाः | आम्भित्येथाम् | आम्भित्येष्वम् |
| अभ्यिष्ये | आम्भित्यावहि | आम्भित्यामहि |

७७७ रभुङ् [रम्भ) शब्दे ॥

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० रम्भयति | रम्भयतः | रम्भयन्ति |
| रम्भयसि | रम्भयथः | रम्भयथ |
| रम्भयामि | रम्भयावः | रम्भयामः |
| स० रम्भयेत् | रम्भयेताम् | रम्भयेयुः |
| रम्भयेः | रम्भयेतम् | रम्भयेत |
| रम्भयेयम् | रम्भयेव | रम्भयेम |
| प० रम्भयतु | रम्भयतात् | रम्भयताम् |
| रम्भय | रम्भयतात् | रम्भयतम् |
| रम्भयाणि | रम्भयाव | रम्भयाम |
| ह्य० अरम्भयत | अरम्भयताम् | अरम्भयन् |
| अरम्भयः | अरम्भयतम् | अरम्भयत |
| अरम्भयम् | अरम्भयाव | अरम्भयाम |
| अ० अरम्भत | अरम्भताम् | अरम्भन् |
| अरम्भः | अरम्भतम् | अरम्भत |
| अरम्भम् | अरम्भाव | अरम्भाम |
| प० रम्भयाञ्चकार | रम्भयाञ्चकतुः | रम्भयाञ्चकुः |
| रम्भयाञ्चकथं | रम्भयाञ्चकथुः | रम्भयाञ्चक |
| रम्भयाञ्चकार-चकर | रम्भयाञ्चकृव | रम्भयाञ्चकृम |
| रम्भयाम्बभूवः । | रम्भयामास | |
| आ० रम्भ्यात् | रम्भ्यास्ताम् | रम्भ्यासुः |
| रम्भ्याः | रम्भ्यास्तम् | रम्भ्यास्त |
| रम्भ्यासम् | रम्भ्यास्व | रम्भ्यास्म |
| श्व० रम्भयिता | रम्भयितारौ | रम्भयितारः |
| रम्भयितासि | रम्भयितास्थः | रम्भयितास्थ |
| रम्भयितास्मि | रम्भयितास्वः | रम्भयितास्मः |
| भ० रम्भयिष्यति | रम्भयिष्यतः | रम्भयिष्यन्ति |
| रम्भयिष्यसि | रम्भयिष्यथः | रम्भयिष्यथ |
| रम्भयिष्यामि | रम्भयिष्यावः | रम्भयिष्यामः |
| क्रि० अरम्भयिष्यत् | अरम्भयिष्यताम् | अरम्भयिष्यन्त |
| अरम्भयिष्यः | अरम्भयिष्यतम् | अरम्भयिष्यत |
| अरम्भयिष्यम् | अरम्भयिष्याव | अरम्भयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० रम्भयते | रम्भयेते | रम्भयन्ते |
| रम्भयसे | रम्भयेथे | रम्भयन्ते |
| रम्भये | रम्भयावहे | रम्भयामहे |
| स० रम्भयेत | रम्भयेयाताम् | रम्भयेरन् |
| रम्भयेथाः | रम्भयेयाथाम् | रम्भयेध्वम् |
| रम्भयेय | रम्भयेवहि | रम्भयेमहि |
| प० रम्भयताम् | रम्भयेताम् | रम्भयन्ताम् |
| रम्भयस्व | रम्भयेथाम् | रम्भयध्वम् |
| रम्भयौ | रम्भयावहे | रम्भयामहे |
| ह्य० अरम्भयत | अरम्भयेताम् | अरम्भयन्त |
| अरम्भयथाः | अरम्भयेथाम् | अरम्भयध्वम् |
| अरम्भये | अरम्भयावहि | अरम्भयामहि |
| अ० अरम्भत | अरम्भेताम् | अरम्भन्त |
| अरम्भथाः | अरम्भेथाम् | अरम्भध्वम् |
| अरम्भे | अरम्भावहि | अरम्भामहि |
| प० रम्भयाञ्चके | रम्भयाञ्चकृते | रम्भयाञ्चकृरे |
| रम्भयाञ्चकृषे | रम्भयाञ्चकृषे | रम्भयाञ्चकृड्वे |
| रम्भयाञ्चके | रम्भयाञ्चकृवहे | रम्भयाञ्चकृमहे |
| रम्भयाम्बभूवः । | रम्भयामास | |
| आ० रम्भयिषीष्ट | रम्भयिषीयास्ताम् | रम्भयिषीरन् |
| रम्भयिषीष्ठाः | रम्भयिषीयास्थाम् | रम्भयिषीड्वम् |
| रम्भयिषीय | रम्भयिषीवहि | रम्भयिषीमहि |
| श्व० रम्भयिता | रम्भयितारौ | रम्भयितारः |
| रम्भयितासे | रम्भयितासाथे | रम्भयिताध्वे |
| रम्भयिताहे | रम्भयितास्वहे | रम्भयितास्महे |
| भ० रम्भयिष्यते | रम्भयिष्येते | रम्भयिष्यन्ते |
| रम्भयिष्यसे | रम्भयिष्येथे | रम्भयिष्यध्वे |
| रम्भयिष्ये | रम्भयिष्यावहे | रम्भयिष्यामहे |
| क्रि० अरम्भयिष्यत | अरम्भयिष्येताम् | अरम्भयिष्यन्त |
| अरम्भयिष्यथाः | अरम्भयिष्येथाम् | अरम्भयिष्यध्वम् |
| अरम्भयिष्ये | अरम्भयिष्यावहि | अरम्भयिष्यामहि |

775 लभुङ् [लभ्) शब्दे ॥

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० लम्भयति | लम्भयतः | लम्भयन्ति |
| लम्भयसि | लम्भयथः | लम्भयथ |
| लम्भयामि | लम्भयावः | लम्भयामः |
| स० लम्भयेत् | लम्भयेताम् | लम्भयेयुः |
| लम्भयेः | लम्भयेतम् | लम्भयेत |
| लम्भयेयम् | लम्भयेव | लम्भयेम |
| प० लम्भयतु | लम्भयतात् | लम्भयताम् |
| लम्भय | लम्भयतात् | लम्भयतम् |
| लम्भयानि | लम्भयाव | लम्भयाम |
| ह्य० अलम्भयत् | अलम्भयताम् | अलम्भयन् |
| अलम्भयः | अलम्भयतम् | अलम्भयत |
| अलम्भयम् | अलम्भयाव | अलम्भयाम |
| अ० अललम्भत् | अललम्भताम् | अललम्भन् |
| अललम्भः | अललम्भतम् | अललम्भत |
| अललम्भम् | अललम्भाव | अललम्भाम |
| प० लम्भयाञ्चकार | लम्भयाञ्चकतुः | लम्भयाञ्चकुः |
| लम्भयाञ्चकर्थ | लम्भयाञ्चकथुः | लम्भयाञ्चक्र |
| लम्भयाञ्चकार-चकर | लम्भयाञ्चकृव | लम्भयाञ्चकृम |
| लम्भयाम्बभूव | लम्भयामास | |
| आ० लम्भ्यात् | लम्भ्यास्ताम् | लम्भ्यासुः |
| लम्भ्याः | लम्भ्यास्तम् | लम्भ्यास्त |
| लम्भ्यासम् | लम्भ्यास्व | लम्भ्यास्म |
| श्व० लम्भयिता | लम्भयितारौ | लम्भयितारः |
| लम्भयितासि | लम्भयितास्थः | लम्भयितास्थ |
| लम्भयितास्मि | लम्भयितास्वः | लम्भयितास्मः |
| भ० लम्भयिष्यति | लम्भयिष्यतः | लम्भयिष्यन्ति |
| लम्भयिष्यसि | लम्भयिष्यथः | लम्भयिष्यथ |
| लम्भयिष्यामि | लम्भयिष्यावः | लम्भयिष्यामः |
| क्रि० अलम्भयिष्यत् | अलम्भयिष्यताम् | अलम्भयिष्यन् |
| अलम्भयिष्यः | अलम्भयिष्यतम् | अलम्भयिष्यत |
| अलम्भयिष्यम् | अलम्भयिष्याव | अलम्भयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० लम्भयते | लम्भयेते | लम्भयन्ते |
| लम्भयसे | लम्भयेथे | लम्भयध्वे |
| लम्भये | लम्भयावहे | लम्भयामहे |
| स० लम्भयेत | लम्भयेयाताम् | लम्भयेरन् |
| लम्भयेथाः | लम्भयेयाथाम् | लम्भयेष्वम् |
| लम्भयेय | लम्भयेवहि | लम्भयेमहि |
| प० लम्भयताम् | लम्भयेताम् | लम्भयन्ताम् |
| लम्भयस्व | लम्भयेथाम् | लम्भयष्वम् |
| लम्भयै | लम्भयावहै | लम्भयामहै |
| ह्य० अलम्भयत | अलम्भयेताम् | अलम्भयन्त |
| अलम्भयथाः | अलम्भयेथाम् | अलम्भयष्वम् |
| अलम्भये | अलम्भयावहि | अलम्भयामहि |
| अ० अललम्भत | अललम्भेताम् | अललम्भन्त |
| अललम्भथाः | अललम्भेथाम् | अललम्भष्वम् |
| अललम्भे | अललम्भावहि | अललम्भामहि |
| प० लम्भयाञ्चक्रे | लम्भयाञ्चक्राते | लम्भयाञ्चकिरे |
| लम्भयाञ्चकृषे | लम्भयाञ्चक्राथे | लम्भयाञ्चकृद्वे |
| लम्भयाञ्चक्रे | लम्भयाञ्चकृवहे | लम्भयाञ्चकृमहे |
| लम्भयाम्बभूव | लम्भयामास | |
| आ० लम्भयिषीष्ट | लम्भयिषीस्ताम् | लम्भयिषीरन् |
| लम्भयिषीष्टाः | लम्भयिषीथाम् | लम्भयिषीद्वम् |
| लम्भयिषीय | लम्भयिषीवहि | लम्भयिषीमहि |
| श्व० लम्भयिता | लम्भयितारौ | लम्भयितारः |
| लम्भयितासे | लम्भयितासाथे | लम्भयिताध्वे |
| लम्भयिताहे | लम्भयितास्वहे | लम्भयितास्महे |
| भ० लम्भयिष्यते | लम्भयिष्येते | लम्भयिष्यन्ते |
| लम्भयिष्यसे | लम्भयिष्येथे | लम्भयिष्यध्वे |
| लम्भयिष्ये | लम्भयिष्यावहे | लम्भयिष्यामहे |
| क्रि० अलम्भयिष्यत | अलम्भयिष्येताम् | अलम्भयिष्यन्त |
| अलम्भयिष्यथाः | अलम्भयिष्येथाम् | अलम्भयिष्यष्वम् |
| अलम्भयिष्ये | अलम्भयिष्यावहि | अलम्भयिष्यामहि |

779 वृभुङ् [स्तम्भ्) स्तम्भे ॥

| | | | |
|----|-------------|--------------|-------------|
| व० | स्तम्भयति | स्तम्भयतः | स्तम्भयन्ति |
| | स्तम्भयसि | स्तम्भयथः | स्तम्भयथ |
| | स्तम्भयामि | स्तम्भयावः | स्तम्भयामः |
| स० | स्तम्भयेत् | स्तम्भयेताम् | स्तम्भयेयुः |
| | स्तम्भयेः | स्तम्भयेतम् | स्तम्भयेत |
| | स्तम्भयेयम् | स्तम्भयेव | स्तम्भयेम |

| | | | | |
|----|------------|-------------|-------------|-------------|
| प० | स्तम्भयतु | स्तम्भयतात् | स्तम्भयताम् | स्तम्भयन्तु |
| | स्तम्भय | स्तम्भयतात् | स्तम्भयतम् | स्तम्भयत |
| | स्तम्भयानि | स्तम्भयाव | स्तम्भयाम | |

| | | | |
|----|------------|--------------|------------|
| ह० | अस्तम्भयत् | अस्तम्भयताम् | अस्तम्भयन् |
| | अस्तम्भयः | अस्तम्भयतम् | अस्तम्भयत |
| | अस्तम्भयम् | अस्तम्भयाव | अस्तम्भयाम |

| | | | |
|----|------------|--------------|------------|
| अ० | अतस्तम्भत् | अतस्तम्भताम् | अतस्तम्भन् |
| | अतस्तम्भः | अतस्तम्भतम् | अतस्तम्भत |
| | अतस्तम्भम् | अतस्तम्भाव | अतस्तम्भाम |

| | | | |
|----|--------------------|-----------------|----------------|
| प० | स्तम्भयाञ्चकार | स्तम्भयाञ्चकतुः | स्तम्भयाञ्चकृः |
| | स्तम्भयाञ्चकर्थ | स्तम्भयाञ्चकथुः | स्तम्भयाञ्चक |
| | स्तम्भयाञ्चकार-चकर | स्तम्भयाञ्चकृव | स्तम्भयाञ्चकृम |

स्तम्भयाम्बभूव । स्तम्भयामास

| | | | |
|----|--------------|-----------------|--------------|
| आ० | स्तम्भ्यात् | स्तम्भ्यास्ताम् | स्तम्भ्यासुः |
| | स्तम्भ्याः | स्तम्भ्यास्तम् | स्तम्भ्यास्त |
| | स्तम्भ्यासम् | स्तम्भ्यास्व | स्तम्भ्यास्म |

| | | | |
|------|----------------|----------------|----------------|
| श्व० | स्तम्भयिता | स्तम्भयितारौ | स्तम्भयितारः |
| | स्तम्भयितासि | स्तम्भयितास्थः | स्तम्भयितास्थ |
| | स्तम्भयितास्मि | स्तम्भयितास्वः | स्तम्भयितास्मः |

| | | | |
|----|----------------|----------------|-----------------|
| भ० | स्तम्भयिष्यति | स्तम्भयिष्यतः | स्तम्भयिष्यन्ति |
| | स्तम्भयिष्यसि | स्तम्भयिष्यथः | स्तम्भयिष्यथ |
| | स्तम्भयिष्यामि | स्तम्भयिष्यावः | स्तम्भयिष्यामः |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| क्रि० | अस्तम्भयिष्यत् | अस्तम्भयिष्यताम् | अस्तम्भयिष्यन्तु |
| | अस्तम्भयिष्यः | अस्तम्भयिष्यतम् | अस्तम्भयिष्यत |
| | अस्तम्भयिष्यम् | अस्तम्भयिष्याव | अस्तम्भयिष्याम |

| | | | |
|----|------------|-------------|-------------|
| व० | स्तम्भयेते | स्तम्भयेते | स्तम्भयन्ते |
| | स्तम्भयेसे | स्तम्भयेथे | स्तम्भयध्वे |
| | स्तम्भये | स्तम्भयावहे | स्तम्भयामहे |

| | | | |
|----|-------------|----------------|---------------|
| स० | स्तम्भयेत | स्तम्भयेताम् | स्तम्भयेरन् |
| | स्तम्भयेथाः | स्तम्भयेथाधाम् | स्तम्भयेध्वम् |
| | स्तम्भयेय | स्तम्भयेवहि | स्तम्भयेमहि |

| | | | |
|----|-------------|--------------|---------------|
| प० | स्तम्भयताम् | स्तम्भयेताम् | स्तम्भयन्ताम् |
| | स्तम्भयस्व | स्तम्भयेथाम् | स्तम्भयध्वम् |
| | स्तम्भये | स्तम्भयावहै | स्तम्भयामहै |

| | | | |
|------|-------------|---------------|---------------|
| ह्य० | अस्तम्भयत | अस्तम्भयेताम् | अस्तम्भयन्त |
| | अस्तम्भयथाः | अस्तम्भयेथाम् | अस्तम्भयध्वम् |
| | अस्तम्भये | अस्तम्भयावहि | अस्तम्भयामहि |

| | | | |
|----|-------------|---------------|---------------|
| अ० | अतस्तम्भत | अतस्तम्भेताम् | अतस्तम्भन्त |
| | अतस्तम्भथाः | अतस्तम्भेथाम् | अतस्तम्भध्वम् |
| | अतस्तम्भे | अतस्तम्भावहि | अतस्तम्भामहि |

| | | | |
|----|-----------------|-------------------|-------------------|
| प० | स्तम्भयाञ्चके | स्तम्भयाञ्चक्राते | स्तम्भयाञ्चकिरे |
| | स्तम्भयाञ्चकृषे | स्तम्भयाञ्चक्राथे | स्तम्भयाञ्चकृद्वे |
| | स्तम्भयाञ्चक्रे | स्तम्भयाञ्चकृवहे | स्तम्भयाञ्चकृमहे |
| | स्तम्भयाम्बभूव | स्तम्भयामास | |

| | | | |
|----|-----------------|--------------------|-----------------|
| आ० | स्तम्भयिषीष्ट | स्तम्भयिषीयास्ताम् | स्तम्भयिषीरन् |
| | स्तम्भयिषीष्टाः | स्तम्भयिषीयास्थाम् | स्तम्भयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |

| | | | |
|--|-------------|---------------|---------------|
| | स्तम्भयिषीय | स्तम्भयिषीवहि | स्तम्भयिषीमहि |
|--|-------------|---------------|---------------|

| | | | |
|------|--------------|-----------------|-----------------|
| श्व० | स्तम्भयिता | स्तम्भयितारौ | स्तम्भयितारः |
| | स्तम्भयितासे | स्तम्भयितासाथे | स्तम्भयिताध्वे |
| | स्तम्भयिताहे | स्तम्भयितास्वहे | स्तम्भयितास्महे |

| | | | |
|----|---------------|-----------------|-----------------|
| भ० | स्तम्भयिष्यते | स्तम्भयिष्येते | स्तम्भयिष्यन्ते |
| | स्तम्भयिष्यसे | स्तम्भयिष्येथे | स्तम्भयिष्यध्वे |
| | स्तम्भयिष्ये | स्तम्भयिष्यावहे | स्तम्भयिष्यामहे |

| | | | |
|-------|-----------------|-------------------|-------------------|
| क्रि० | अस्तम्भयिष्यत् | अस्तम्भयिष्येताम् | अस्तम्भयिष्यन्त |
| | अस्तम्भयिष्यथाः | अस्तम्भयिष्येथाम् | अस्तम्भयिष्यध्वम् |
| | अस्तम्भयिष्ये | अस्तम्भयिष्यावहि | अस्तम्भयिष्यामहि |

780 स्कभुङ् [स्कम्भ्) स्तम्भे ।।

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| व० स्कम्भयति | स्कम्भयतः | स्कम्भयन्ति |
| स्कम्भयसि | स्कम्भयथः | स्कम्भयथ |
| स्कम्भयामि | स्कम्भयावः | स्कम्भयामः |
| स० स्कम्भयेत् | स्कम्भयेताम् | स्कम्भयेयुः |
| स्कम्भयेः | स्कम्भयेतम् | स्कम्भयेत |
| स्कम्भयेयम् | स्कम्भयेव | स्कम्भयेम |

| | | | |
|--------------|-------------|-------------|-------------|
| प० स्कम्भयतु | स्कम्भयतात् | स्कम्भयताम् | स्कम्भयन्तु |
| स्कम्भय | स्कम्भयतात् | स्कम्भयतम् | स्कम्भयत |
| स्कम्भयानि | स्कम्भयाव | स्कम्भयाम | |

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| ह्र० अस्कम्भयत् | अस्कम्भयताम् | अस्कम्भयन् |
| अस्कम्भयः | अस्कम्भयतम् | अस्कम्भयत |
| अस्कम्भयम् | अस्कम्भयाव | अस्कम्भयाम |
| अ० अचस्कम्भत् | अचस्कम्भताम् | अचस्कम्भन् |
| अचस्कम्भः | अचस्कम्भतम् | अचस्कम्भत |
| अचस्कम्भम् | अचस्कम्भाव | अचस्कम्भाम |

| | | |
|--------------------|-----------------|------------------|
| प० स्कम्भयाञ्चकार | स्कम्भयाञ्चकतुः | स्कम्भयाञ्चकृः |
| स्कम्भयाञ्चकथ | स्कम्भयाञ्चकथुः | स्कम्भयाञ्चक |
| स्कम्भयाञ्चकार-चकर | स्कम्भयाञ्चकृव | स्कम्भयाञ्चकृमहे |
| स्कम्भयाम्बभूव | स्कम्भयामास | |

| | | |
|----------------|-----------------|--------------|
| आ० स्कम्भ्यात् | स्कम्भ्यास्ताम् | स्कम्भ्यासुः |
| स्कम्भ्याः | स्कम्भ्यास्तम् | स्कम्भ्यास्त |
| स्कम्भ्यासम् | स्कम्भ्यास्व | स्कम्भ्यास्म |

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| भ० स्कम्भयिता | स्कम्भयितारौ | स्कम्भयितारः |
| स्कम्भयितासि | स्कम्भयितास्थः | स्कम्भयितास्थ |
| स्कम्भयितास्मि | स्कम्भयितास्वः | स्कम्भयितास्मः |

| | | |
|------------------|----------------|-----------------|
| भ० स्कम्भयिष्यति | स्कम्भयिष्यतः | स्कम्भयिष्यन्ति |
| स्कम्भयिष्यसि | स्कम्भयिष्यथः | स्कम्भयिष्यथ |
| स्कम्भयिष्यामि | स्कम्भयिष्यावः | स्कम्भयिष्यामः |

| | | |
|----------------------|------------------|----------------|
| क्रि० अस्कम्भयिष्यत् | अस्कम्भयिष्यताम् | अस्कम्भयिष्यन् |
| अस्कम्भयिष्यः | अस्कम्भयिष्यतम् | अस्कम्भयिष्यत |
| अस्कम्भयिष्यम् | अस्कम्भयिष्याव | अस्कम्भयिष्याम |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| व० स्कम्भयते | स्कम्भयेते | स्कम्भयन्ते |
| स्कम्भयसे | स्कम्भयेथे | स्कम्भयध्वे |
| स्कम्भये | स्कम्भयेवहे | स्कम्भयामहे |

| | | |
|--------------|----------------|---------------|
| स० स्कम्भयेत | स्कम्भयेयाताम् | स्कम्भयेरन् |
| स्कम्भयेथाः | स्कम्भयेयाथाम् | स्कम्भयेध्वम् |
| स्कम्भयेय | स्कम्भयेवहि | स्कम्भयेमहि |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| प० स्कम्भयताम् | स्कम्भयेताम् | स्कम्भयन्ताम् |
| स्कम्भयस्व | स्कम्भयेथाम् | स्कम्भयध्वम् |
| स्कम्भये | स्कम्भयावहै | स्कम्भयामहै |

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| ह्र० अस्कम्भयत् | अस्कम्भयेताम् | अस्कम्भयन्त |
| अस्कम्भयथाः | अस्कम्भयेथाम् | अस्कम्भयध्वम् |
| अस्कम्भये | अस्कम्भयावहि | अस्कम्भयामहि |

| | | |
|---------------|---------------|---------------|
| अ० अचस्कम्भत् | अचस्कम्भेताम् | अचस्कम्भन्त |
| अचस्कम्भथाः | अचस्कम्भेथाम् | अचस्कम्भध्वम् |
| अचस्कम्भे | अचस्कम्भावहि | अचस्कम्भामहि |

| | | |
|------------------|------------------|-------------------|
| प० स्कम्भयाञ्चके | स्कम्भयाञ्चकाते | स्कम्भयाञ्चकिरे |
| स्कम्भयाञ्चकृषे | स्कम्भयाञ्चकाथे | स्कम्भयाञ्चकृत्वे |
| स्कम्भयाञ्चके | स्कम्भयाञ्चकृवहे | स्कम्भयाञ्चकृमहे |
| स्कम्भयाम्बभूव | स्कम्भयामास | |

| | | |
|------------------|--------------------|-----------------|
| आ० स्कम्भयिषीष्ट | स्कम्भयिषीयास्ताम् | स्कम्भयिषीरन् |
| स्कम्भयिषीष्टाः | स्कम्भयिषीयास्थाम् | स्कम्भयिषीह्वम् |
| | | ध्वम् |

| | | |
|-----------------|-----------------|-----------------|
| स्कम्भयिषीय | स्कम्भयिषीवहि | स्कम्भयिषीमहि |
| श्र० स्कम्भयिता | स्कम्भयितारौ | स्कम्भयितारः |
| स्कम्भयितासे | स्कम्भयितासाथे | स्कम्भयिताध्वे |
| स्कम्भयिताहे | स्कम्भयितास्वहे | स्कम्भयितास्महे |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| भ० स्कम्भयिष्यते | स्कम्भयिष्येते | स्कम्भयिष्यन्ते |
| स्कम्भयिष्यसे | स्कम्भयिष्येथे | स्कम्भयिष्यध्वे |
| स्कम्भयिष्ये | स्कम्भयिष्यावहे | स्कम्भयिष्यामहे |

| | | |
|----------------------|-------------------|-------------------|
| क्रि० अस्कम्भयिष्यत् | अस्कम्भयिष्येताम् | अस्कम्भयिष्यन्त |
| अस्कम्भयिष्यथाः | अस्कम्भयिष्येथाम् | अस्कम्भयिष्यध्वम् |
| अस्कम्भयिष्ये | अस्कम्भयिष्यावहि | अस्कम्भयिष्यामहि |

781 ष्टुभृङ् [स्तुभृ) स्तन्मे ॥

| | | | |
|-------|----------------------------|------------------|-----------------|
| व० | स्तोभयति | स्तोभयतः | स्तोभयन्ति |
| | स्तोभयसि | स्तोभयथः | स्तोभयथ |
| | स्तोभयामि | स्तोभयावः | स्तोभयामः |
| स० | स्तोभयेत् | स्तोभयेताम् | स्तोभयेयुः |
| | स्तोभयेः | स्तोभयेतम् | स्तोभयेत |
| | स्तोभयेयम् | स्तोभयेव | स्तोभयेम |
| प० | स्तोभयतु | स्तोभयतात् | स्तोभयताम् |
| | स्तोभय | स्तोभयतात् | स्तोभयतम् |
| | स्तोभयानि | स्तोभयाव | स्तोभयाम |
| ह्य० | अस्तोभयत् | अस्तोभयताम् | अस्तोभयन् |
| | अस्तोभयः | अस्तोभयतम् | अस्तोभयत |
| | अस्तोभयम् | अस्तोभयाव | अस्तोभयाम |
| अ० | अतुष्टुभत् | अतुष्टुभताम् | अतुष्टुभन् |
| | अतुष्टुभः | अतुष्टुभतम् | अतुष्टुभत |
| | अतुष्टुभम् | अतुष्टुभाव | अतुष्टुभाम |
| प० | स्तोभयाञ्चकार | स्तोभयाञ्चक्रतुः | स्तोभयाञ्चक्रुः |
| | स्तोभयाञ्चकर्थ | स्तोभयाञ्चक्रथुः | स्तोभयाञ्चक्र |
| | स्तोभयाञ्चकार-चकर | स्तोभयाञ्चक्रव | स्तोभयाञ्चक्रम |
| | स्तोभयाम्बभूव । स्तोभयामास | | |
| आ० | स्तोभ्यात् | स्तोभ्यास्ताम् | स्तोभ्यासुः |
| | स्तोभ्याः | स्तोभ्यास्तम् | स्तोभ्यास्त |
| | स्तोभ्यासम् | स्तोभ्यास्व | स्तोभ्यास्म |
| श्व० | स्तोभयिता | स्तोभयितारौ | स्तोभयितारः |
| | स्तोभयितासि | स्तोभयितास्थः | स्तोभयितास्थ |
| | स्तोभयितास्मि | स्तोभयितास्वः | स्तोभयितास्मः |
| भ० | स्तोभयिष्यति | स्तोभयिष्यतः | स्तोभयिष्यन्ति |
| | स्तोभयिष्यसि | स्तोभयिष्यथः | स्तोभयिष्यथ |
| | स्तोभयिष्यामि | स्तोभयिष्यावः | स्तोभयिष्यामः |
| क्रि० | अस्तोभयिष्यत् | अस्तोभयिष्यताम् | अस्तोभयिष्यन् |
| | अस्तोभयिष्यः | अस्तोभयिष्यतम् | अस्तोभयिष्यत |
| | अस्तोभयिष्यम् | अस्तोभयिष्याव | अस्तोभयिष्याम |

| | | | |
|-------|--|-------------------|------------------|
| व० | स्तोभयते | स्तोभयेते | स्तोभयन्ते |
| | स्तोभयसे | स्तोभयेथे | स्तोभयध्वे |
| | स्तोभये | स्तोभयावहे | स्तोभयामहे |
| स० | स्तोभयेत | स्तोभयेयाताम् | स्तोभयेरन् |
| | स्तोभयेथाः | स्तोभयेयाथाम् | स्तोभयेध्वम् |
| | स्तोभयेथ | स्तोभयेवहि | स्तोभयेमहि |
| प० | स्तोभयताम् | स्तोभयेताम् | स्तोभयन्ताम् |
| | स्तोभयस्व | स्तोभयेथाम् | स्तोभयध्वम् |
| | स्तोभयै | स्तोभयावहै | स्तोभयामहै |
| ह्य० | अस्तोभयत | अस्तोभयेताम् | अस्तोभयन्त |
| | अस्तोभयथाः | अस्तोभयेथाम् | अस्तोभयध्वम् |
| | अस्तोभये | अस्तोभयावहि | अस्तोभयामहि |
| अ० | अतुष्टुभत | अतुष्टुभेताम् | अतुष्टुभन्त |
| | अतुष्टुभथाः | अतुष्टुभेथाम् | अतुष्टुभध्वम् |
| | अतुष्टुभे | अतुष्टुभावहि | अतुष्टुभामहि |
| प० | स्तोभयाञ्चक्रे | स्तोभयाञ्चक्राते | स्तोभयाञ्चक्रिरे |
| | स्तोभयाञ्चकृषे | स्तोभयाञ्चक्राये | स्तोभयाञ्चकृद्वे |
| | स्तोभयाञ्चक्रे | स्तोभयाञ्चकृवहे | स्तोभयाञ्चक्रमहे |
| | स्तोभयाम्बभूव । स्तोभयामास | | |
| आ० | स्तोभयिषीष्ट | स्तोभयिषीयास्ताम् | स्तोभयिषीरन् |
| | स्तोभयिषीष्ठाः | स्तोभयिषीयाथाम् | स्तोभयिषीध्वम् |
| | स्तोभयिषीय | स्तोभयिषीवहि | स्तोभयिषीमहि |
| श्व० | स्तोभयिता | स्तोभयितारौ | स्तोभयितारः |
| | स्तोभयितासे | स्तोभयितासाये | स्तोभयिताध्वे |
| | स्तोभयिताहे | स्तोभयितास्वहे | स्तोभयितास्महे |
| भ० | स्तोभयिष्यते | स्तोभयिष्येते | स्तोभयिष्यन्ते |
| | स्तोभयिष्यसे | स्तोभयिष्येथे | स्तोभयिष्यध्वे |
| | स्तोभयिष्ये | स्तोभयिष्यावहे | स्तोभयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तोभयिष्यत | अस्तोभयिष्येताम् | अस्तोभयिष्यन्त |
| | अस्तोभयिष्यथाः | अस्तोभयिष्येथाम् | अस्तोभयिष्यध्वम् |
| | अस्तोभयिष्ये | अस्तोभयिष्यावहि | अस्तोभयिष्यामहि |
| | 782 जभुङ् (जम्भ) गात्रविनामे 379 जभ | | |
| | वङ्गूपाणि 783 जभैङ् (जम्भ) गात्रविनामे 379 | | |
| | जभवङ्गूपाणि | | |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | जृम्भयते | जृम्भयेते | जृम्भयन्ते |
| | जृम्भयसे | जृम्भयेथे | जृम्भयध्वे |
| | जृम्भये | जृम्भयावहे | जृम्भयामहे |
| स० | जृम्भयेत | जृम्भयेयाताम् | जृम्भयेरन् |
| | जृम्भयेथाः | जृम्भयेयाथाम् | जृम्भयेध्वम् |
| | जृम्भयेय | जृम्भयेवहि | जृम्भयेमहि |
| प० | जृम्भयताम् | जृम्भयेताम् | जृम्भयन्ताम् |
| | जृम्भयस्व | जृम्भयेथाम् | जृम्भयध्वम् |
| | जृम्भयै | जृम्भयावहै | जृम्भयामहै |
| ह्य० | अजृम्भयत | अजृम्भयेताम् | अजृम्भयन्त |
| | अजृम्भयथाः | अजृम्भयेथाम् | अजृम्भयध्वम् |
| | अजृम्भये | अजृम्भयावहि | अजृम्भयामहि |
| अ० | अजजृम्भत | अजजृम्भेताम् | अजजृम्भन्त |
| | अजजृम्भथाः | अजजृम्भेथाम् | अजजृम्भध्वम् |
| | अजजृम्भे | अजजृम्भावहि | अजजृम्भामहि |
| प० | जृम्भयाश्चक्रे | जृम्भयाश्चक्राते | जृम्भयाश्चक्रिरे |
| | जृम्भयाश्चकृषे | जृम्भयाश्चक्राथे | जृम्भयाश्चकृध्वे |
| | जृम्भयाश्चक्रे | जृम्भयाश्चकृवहे | जृम्भयाश्चकृमहे |
| | जृम्भयाम्बभूव | । | जृम्भयामाप् |
| आ० | जृम्भयिषीष्ट | जृम्भयिषीयास्ताम् | जृम्भयिषीरन् |
| | जृम्भयिषीष्ठाः | जृम्भयिषीयास्थाम् | जृम्भयिषीध्वम् |
| | जृम्भयिषीय | जृम्भयिषीवहि | जृम्भयिषीमहि |
| श्च० | जृम्भयिता | जृम्भयितारौ | जृम्भयितारः |
| | जृम्भयितासे | जृम्भयितासाथे | जृम्भयिताध्वे |
| | जृम्भयिताहे | जृम्भयितास्वहे | जृम्भयितास्महे |
| भ० | जृम्भयिष्यते | जृम्भयिष्येते | जृम्भयिष्यन्ते |
| | जृम्भयिष्यसे | जृम्भयिष्येथे | जृम्भयिष्यध्वे |
| | जृम्भयिष्ये | जृम्भयिष्यावहे | जृम्भयिष्यामहे |
| क्रि० | अजृम्भयिष्यत | अजृम्भयिष्येताम् | अजृम्भयिष्यन्त |
| | अजृम्भयिष्यथाः | अजृम्भयिष्येशाम् | अजृम्भयिष्यध्वम् |
| | अजृम्भयिष्ये | अजृम्भयिष्यावहि | अजृम्भयिष्यामहि |

785 रभि [रभ्-रम्भ्) राभस्ये । रभूङ् 777 वद्रूपाणि
786 डुलभिष् (लभ्-लम्भ्) प्राप्तौ । लभूङ् 778 वद्रूपाणि

अथ मान्तास्त्रयः

787 मामि [भाम्) क्रोधे ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० भामयति | भामयतः | भामयन्ति |
| भामयसि | भामयथः | भामयथ |
| भामयामि | भामयावः | भामयामः |
| स० भामयेत् | भामयेताम् | भामयेयुः |
| भामयेः | भामयेतम् | भामयेत |
| भामयेयम् | भामयेव | भामयेम |
| प० भामयतु | भामयतात् | भामयताम् |
| भामय | भामयतात् | भामयतम् |
| भामयानि | भामयाव | भामयाम |
| ह्य० अभाभयत् | अभाभयताम् | अभाभयन् |
| अभाभयः | अभाभयतम् | अभाभयत |
| अभाभयम् | अभाभयाव | अभाभयाम |
| अ० अबीभमत | अबीभमताम् | अबीभमन् |
| अबीभमः | अबीभमतम् | अबीभमत |
| अबीभमम् | अबीभमाव | अबीभमाम |
| प० भामयाञ्चकार | भामयाञ्चक्रुः | भामयाञ्चक्रुः |
| भामयाञ्चकथं | भामयाञ्चकथुः | भामयाञ्चक्र |
| भामयाञ्चकार-चक्र | भामयाञ्चक्रव | भामयाञ्चक्रम |
| भामयाञ्चभूव | । | भामयामास |
| भा० भाम्यात् | भाम्यास्ताम् | भाम्यास्तुः |
| भाम्याः | भाम्यास्तम् | भाम्यास्त |
| भाम्यासम् | भाम्यास्व | भाम्यास्म |
| श० भामयिता | भामयितारौ | भामयितारः |
| भामयितासि | भामयितास्थः | भामयितास्थ |
| भामयितास्मि | भामयितास्वः | भामयितास्मः |
| भ० भामयिष्यति | भामयिष्यतः | भामयिष्यन्ति |
| भामयिष्यसि | भामयिष्यथः | भामयिष्यथ |
| भामयिष्यामि | भामयिष्यावः | भामयिष्यामः |
| क्रि० अभाभयिष्यत् | अभाभयिष्यताम् | अभाभयिष्यन् |
| अभाभयिष्यः | अभाभयिष्यतम् | अभाभयिष्यत |
| अभाभयिष्यम् | अभाभयिष्याव | अभाभयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० भामयते | भामयेते | भामयन्ते |
| भामयसे | भामयेथे | भामयध्वे |
| भामये | भामयावहे | भामयामहे |
| स० भामयेत | भामयेयाताम् | भामयेरन् |
| भामयेथाः | भामयेयाथाम् | भामयेध्वम् |
| भामयेय | भामयेवहि | भामयेमहि |
| प० भामयताम् | भामयेताम् | भामयन्ताम् |
| भामयस्व | भामयेथाम् | भामयध्वम् |
| भामयै | भामयावहै | भामयामहै |
| ह्य० अभाभयत | अभाभयेताम् | अभाभयन्त |
| अभाभयथाः | अभाभयेथाम् | अभाभयध्वम् |
| अभाभये | अभाभयावहि | अभाभयामहि |
| अ० अबीभमत | अबीभमेताम् | अबीभमन्त |
| अबीभमथाः | अबीभमेथाम् | अबीभमध्वम् |
| अबीभमे | अबीभमावहि | अबीभमामहि |
| प० भामयाञ्चके | भामयाञ्चक्राते | भामयाञ्चक्रिरे |
| भामयाञ्चकृषे | भामयाञ्चक्राथे | भामयाञ्चकृद्व |
| भामयाञ्चके | भामयाञ्चकृवहे | भामयाञ्चकृम्हे |
| भामयाञ्चभूव | । | भामयामास |
| आ० भामयिषीष्ट | भामयिषीयास्ताम् | भामयिषीरन् |
| भामयिषीष्ठाः | भामयिषीयास्थाम् | भामयिषीद्वम् |
| भामयिषीय | भामयिषीवहि | भामयिषीमहि |
| श्व० भामयिता | भामयितारौ | भामयितारः |
| भामयितासे | भामयितासाथे | भामयिताध्वे |
| भामयिताहे | भामयितास्वहे | भामयितास्महे |
| भ० भामयिष्यते | भामयिष्येते | भामयिष्यन्ते |
| भामयिष्यसे | भामयिष्येथे | भामयिष्यध्वे |
| भामयिष्ये | भामयिष्यावहे | भामयिष्यामहे |
| क्रि० अभाभयिष्यत | अभाभयिष्येताम् | अभाभयिष्यन्त |
| अभाभयिष्यथाः | अभाभयिष्येथाम् | अभाभयिष्यध्वम् |
| अभाभयिष्ये | अभाभयिष्यावहि | अभाभयिष्यमहि |

788 क्षमौषि [क्षम्) सहने ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० क्षमयति | क्षमयतः | क्षमयन्ति |
| क्षमयसि | क्षमयथः | क्षमयथ |
| क्षमयामि | क्षमयावः | क्षमयामः |
| स० क्षमयेत् | क्षमयेताम् | क्षमयेयुः |
| क्षमयेः | क्षमयेतम् | क्षमयेत |
| क्षमयेयम् | क्षमयेव | क्षमयेम |
| प० क्षमयतु | क्षमयतात् | क्षमयताम् |
| क्षमय | क्षमयतात् | क्षमयतम् |
| क्षमयाणि | क्षमयाव | क्षमयाम |
| ह्य० अक्षमयत् | अक्षमयताम् | अक्षमयन् |
| अक्षमयः | अक्षमयतम् | अक्षमयत |
| अक्षमयम् | अक्षमयाव | अक्षमयाम |
| अ० अचिक्षमत् | अचिक्षमताम् | अचिक्षमन् |
| अचिक्षमः | अचिक्षमतम् | अचिक्षमत |
| अचिक्षमम् | अचिक्षमाव | अचिक्षमाम |
| प० क्षमयाञ्चकार | क्षमयाञ्चक्रुः | क्षमयाञ्चकुः |
| क्षमयाञ्चकथं | क्षमयाञ्चक्रुः | क्षमयाञ्चक |
| क्षमयाञ्चकार-चकर | क्षमयाञ्चकृव | क्षमयाञ्चकृम |
| क्षमयाम्बभूव | क्षमयामास | |
| आ० क्षम्यात् | क्षम्यास्ताम् | क्षम्यासुः |
| क्षम्याः | क्षम्यास्तम् | क्षम्यास्त |
| क्षम्यासम् | क्षम्यास्व | क्षम्यास्म |
| श्व० क्षमयिता | क्षमयितारौ | क्षमयितारः |
| क्षमयितासि | क्षमयितास्थः | क्षमयितास्थ |
| क्षमयितास्मि | क्षमयितास्वः | क्षमयितास्मः |
| भ० क्षमयिष्यति | क्षमयिष्यतः | क्षमयिष्यन्ति |
| क्षमयिष्यसि | क्षमयिष्यथः | क्षमयिष्यथ |
| क्षमयिष्यामि | क्षमयिष्यावः | क्षमयिष्यामः |
| क्रि० अक्षमयिष्यत् | अक्षमयिष्यताम् | अक्षमयिष्यन् |
| अक्षमयिष्यः | अक्षमयिष्यतम् | अक्षमयिष्यत |
| अक्षमयिष्यम् | अक्षमयिष्याव | अक्षमयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० क्षमयेते | क्षमयेते | क्षमयन्ते |
| क्षमयसे | क्षमयेथे | क्षमयध्वे |
| क्षमये | क्षमयावहे | क्षमयामहे |
| स० क्षमयेत | क्षमयेयाताम् | क्षमयेरन् |
| क्षमयेथाः | क्षमयेयाथाम् | क्षमयेध्वम् |
| क्षमयेय | क्षमयेवहि | क्षमयेमहि |
| प० क्षमयताम् | क्षमयेताम् | क्षमयन्ताम् |
| क्षमयस्व | क्षमयेथाम् | क्षमयध्वम् |
| क्षमये | क्षमयावहे | क्षमयामहे |
| ह्य० अक्षमयत | अक्षमयेताम् | अक्षमयन्त |
| अक्षमयथाः | अक्षमयेथाम् | अक्षमयध्वम् |
| अक्षमये | अक्षमयावहि | अक्षमयामहि |
| अ० अचिक्षमत | अचिक्षमेताम् | अचिक्षमन्त |
| अचिक्षमथाः | अचिक्षमेथाम् | अचिक्षमध्वम् |
| अचिक्षमे | अचिक्षमावहि | अचिक्षमामहि |
| प० क्षमयाञ्चके | क्षमयाञ्चक्राते | क्षमयाञ्चक्रिरे |
| क्षमयाञ्चकृषे | क्षमयाञ्चक्राये | क्षमयाञ्चकृद्वे |
| क्षमयाञ्चके | क्षमयाञ्चकृवहे | क्षमयाञ्चकृमहे |
| क्षमयाञ्चवभूव | क्षमयामास | |
| आ० क्षमयिषीष्ट | क्षमयिषीयास्ताम् | क्षमयिषीरन् |
| क्षमयिषीष्ठाः | क्षमयिषीयाथाम् | क्षमयिषीध्वम् |
| क्षमयिषीय | क्षमयिषीवहि | क्षमयिषीमहि |
| श्व० क्षमयिता | क्षमयितारौ | क्षमयितारः |
| क्षमयितासे | क्षमयितासाथे | क्षमयिताध्वे |
| क्षमयिताहे | क्षमयितास्वहे | क्षमयितास्महे |
| भ० क्षमयिष्यते | क्षमयिष्येते | क्षमयिष्यन्ते |
| क्षमयिष्यसे | क्षमयिष्येथे | क्षमयिष्यध्वे |
| क्षमयिष्ये | क्षमयिष्यावहे | क्षमयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षमयिष्यत् | अक्षमयिष्येताम् | अक्षमयिष्यन्त |
| अक्षमयिष्यथाः | अक्षमयिष्येथाम् | अक्षमयिष्यध्वम् |
| अक्षमयिष्ये | अक्षमयिष्यावहि | अक्षमयिष्यामहि |

789 कम् [कम्) कान्तौ ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| ब० कामयति | कामयतः | कामयन्ति |
| कामयसि | कामयथः | कामयथ |
| कामयामि | कामयावः | कामयामः |
| स० कामयेत् | कामयेताम् | कामयेयुः |
| कामयेः | कामयेतम् | कामयेत |
| कामयेयम् | कामयेव | कामयेम |
| प० कामयतु | कामयतात् | कामयन्तु |
| कामय | कामयतात् | कामयतम् |
| कामयानि | कामयाव | कामयाम |
| ह्य० अकामयत् | अकामयताम् | अकामयन् |
| अकामयः | अकामयतम् | अकामयत |
| अकामयम् | अकामयाव | अकामयाम |
| अ० अचीकमत् | अचीकमताम् | अचीकमन् |
| अचीकमः | अचीकमतम् | अचीकमत |
| अचीकमम् | अचीकमाव | अचीकमाम |
| प० कामयाञ्चकार | कामयाञ्चक्रतुः | कामयाञ्चक्रुः |
| कामयाञ्चक्य | कामयाञ्चक्रथुः | कामयाञ्चक्र |
| कामयाञ्चकार-चक्र | कामयाञ्चक्रव | कामयाञ्चक्रम् |
| कामयाम्बभूव | । | कामयामास |
| काम्यात् | काम्यास्ताम् | काम्यासुः |
| काम्याः | काम्यास्तम् | काम्यास्त |
| काम्यासम् | काम्यास्व | काम्यासम् |
| श्व० कामयिता | कामयितारौ | कामयितारः |
| कामयितासि | कामयितास्थः | कामयितास्थ |
| कामयितास्मि | कामयितास्वः | कामयितास्मः |
| भ० कामयिष्यति | कामयिष्यतः | कामयिष्यन्ति |
| कामयिष्यसि | कामयिष्यथः | कामयिष्यथ |
| कामयिष्यामि | कामयिष्यावः | कामयिष्यामः |
| क्रि० अकामयिष्यत् | अकामयिष्यताम् | अकामयिष्यन् |
| अकामयिष्यः | अकामयिष्यतम् | अकामयिष्यत |
| अकामयिष्यम् | अकामयिष्याव | अकामयिष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| ब० कामयते | कामयेते | कामयन्ते |
| कामयसे | कामयेथे | कामयध्वे |
| कामये | कामयावहे | कामयामहे |
| स० कामयेत | कामयेयाताम् | कामयेरन् |
| कामयेथाः | कामयेयाथाम् | कामयेध्वम् |
| कामयेय | कामयेवहि | कामयेमहि |
| प० कामयताम् | कामयेताम् | कामयन्ताम् |
| कामयस्व | कामयेथाम् | कामयध्वम् |
| कामयै | कामयावहै | कामयामहै |
| ह्य० अकामयत | अकामयेताम् | अकामयन्त |
| अकामयथाः | अकामयेथाम् | अकामयध्वम् |
| अकामये | अकामयावहि | अकामयामहि |
| अ० अचीकमत | अचीकमेताम् | अचीकमन्त |
| अचीकमथाः | अचीकमेथाम् | अचीकमध्वम् |
| अचीकमे | अचीकमावहि | अचीकमामहि |
| प० कामयाञ्चके | कामयाञ्चक्रते | कामयाञ्चकिरे |
| कामयाञ्चकृषे | कामयाञ्चक्रथे | कामयाञ्चक्रुव |
| कामयाञ्चके | कामयाञ्चक्रवहे | कामयाञ्चक्रुहै |
| कामयाम्बभूव | । | कामयामास |
| आ० कामयिषीष्ट | कामयिषीस्ताम् | कामयिषीरन् |
| कामयिषीष्टाः | कामयिषीस्थाम् | कामयिषीध्वम् |
| कामयिषीय | कामयिषीवहि | कामयिषीमहि |
| श्व० कामयिता | कामयितारौ | कामयितारः |
| कामयितासे | कामयित्तास्थे | कामयिताध्वे |
| कामयिताहे | कामयितास्वहे | कामयितास्महे |
| भ० कामयिष्यते | कामयिष्येते | कामयिष्यन्ते |
| कामयिष्यसे | कामयिष्येथे | कामयिष्यध्वे |
| कामयिष्ये | कामयिष्यावहे | कामयिष्यामहे |
| क्रि० अकामयिष्यत | अकामयिष्येताम् | अकामयिष्यन्त |
| अकामयिष्यथाः | अकामयिष्येथाम् | अकामयिष्यध्वम् |
| अकामयिष्ये | अकामयिष्यावहि | अकामयिष्यामहि |

॥ अथ यान्ताः सप्तदश ॥

790 अयि (अय्) गतौ । 11 इवङ्गुपाणि

793 वयि [वय्] गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वाययति | वाययतः | वाययन्ति |
| वाययसि | वाययथः | वाययथ |
| वाययामि | वाययावः | वाययामः |
| स० वाययेत् | वाययेताम् | वाययेयुः |
| वाययेः | वाययेतम् | वाययेत |
| वाययेयम् | वाययेव | वाययेम |
| प० वाययतु | वाययतात् | वाययताम् |
| वायय | वाययतात् | वाययतम् |
| वाययानि | वाययाव | वाययाम |
| ह्य० अवाययत् | अवाययताम् | अवाययन् |
| अवाययः | अवाययतम् | अवाययत |
| अवाययम् | अवाययाव | अवाययाम |
| अ० अवीवयत् | अवीवयताम् | अवीवयन् |
| अवीवयः | अवीवयतम् | अवीवयत |
| अवीवयम् | अवीवयाव | अवीवयाम |
| प० वाययाञ्चकार | वाययाञ्चक्रुः | वाययाञ्चकुः |
| वाययाञ्चकथ | वाययाञ्चक्रुः | वाययाञ्चक |
| वाययाञ्चकार-चकर | वाययाञ्चक्रव | वाययाञ्चक्रम |
| वाययाम्बभूव | वाययामास | |
| भा० वाय्यात् | वाय्यास्ताम् | वाय्यासुः |
| वाय्याः | वाय्यास्तम् | वाय्यास्त |
| वाय्यासम् | वाय्यास्व | वाय्यासम् |
| व० वाययिता | वाययितारौ | वाययितारः |
| वाययितासि | वाययितास्थः | वाययितास्थ |
| वाययितास्मि | वाययितास्वः | वाययितास्मः |
| भ० वाययिष्यति | वाययिष्यतः | वाययिष्यन्ति |
| वाययिष्यसि | वाययिष्यथः | वाययिष्यथ |
| वाययिष्यामि | वाययिष्यावः | वाययिष्यामः |
| क्रि० अवाययिष्यत् | अवाययिष्यताम् | अवाययिष्यन् |
| अवाययिष्यः | अवाययिष्यतम् | अवाययिष्यत |
| अवाययिष्यम् | अवाययिष्याव | अवाययिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० वाययते | वाययेते | वाययन्ते |
| वाययसे | वाययेथे | वाययन्वे |
| वायये | वाययावहे | वाययामहे |
| स० वाययेत | वाययेयाताम् | वाययेरन् |
| वाययेथाः | वाययेयाथाम् | वाययेष्वम् |
| वाययेथ | वाययेवहि | वाययेमहि |
| प० वाययताम् | वाययेताम् | वाययन्ताम् |
| वाययस्व | वाययेथाम् | वाययस्वम् |
| वायये | वाययावहे | वाययामहे |
| ह्य० अवाययत | अवाययेताम् | अवाययन्त |
| अवाययथाः | अवाययेथाम् | अवाययस्वम् |
| अवायये | अवाययावहि | अवाययामहि |
| अ० अवीवयत | अवीवयेताम् | अवीवयन्त |
| अवीवयथाः | अवीवयेथाम् | अवीवयस्वम् |
| अवीवये | अवीवयावहि | अवीवयामहि |
| प० वाययाञ्चके | वाययाञ्चक्राते | वाययाञ्चकिरे |
| वाययाञ्चकृषे | वाययाञ्चक्राथे | वाययाञ्चकृद्वे |
| वाययाञ्चके | वाययाञ्चकृवहे | वाययाञ्चकृमहे |
| वाययाम्बभूव | वाययामात | |
| भा० वाययिषीष्ट | वाययिषीयास्ताम् | वाययिषीरन् |
| वाययिषीष्टाः | वाययिषीयाथाम् | वाययिषीद्वम् |
| | | वम् |
| वाययिषीय | वाययिषीवहि | वाययिषीमहि |
| व० वाययिता | वाययितारौ | वाययितारः |
| वाययितासे | वाययितासाथे | वाययितास्वे |
| वाययिताहे | वाययितास्वहे | वाययितास्महे |
| भ० वाययिष्यते | वाययिष्येते | वाययिष्यन्ते |
| वाययिष्यसे | वाययिष्येथे | वाययिष्यन्वे |
| वाययिष्ये | वाययिष्यावहे | वाययिष्यामहे |
| क्रि० अवाययिष्यत् | अवाययिष्येताम् | अवाययिष्यन्त |
| अवाययिष्यथाः | अवाययिष्येथाम् | अवाययिष्यस्वम् |
| अवाययिष्ये | अवाययिष्यावहि | अवाययिष्यामहि |
| 792 पयि (पय्) गतौ : 46 | पैवङ्गुपाणि | |

793 मयि [मय्] गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० माययति | माययतः | माययन्ति |
| माययसि | माययथः | माययथ |
| माययामि | माययावः | माययामः |
| स० माययेत् | माययेताम् | माययेयुः |
| माययेः | माययेतम् | माययेत |
| माययेयम् | माययेव | माययेम |
| प० माययतु | माययतात् | माययताम् |
| मायय | माययतात् | माययतम् |
| माययानि | माययाव | माययाम |
| ह्य० अमाययत् | अमाययताम् | अमाययन् |
| अमाययः | अमाययतम् | अमाययत |
| अमाययम् | अमाययाव | अमाययाम |
| अ० अमीमयत् | अमीमयताम् | अमीमयन् |
| अमीमयः | अमीमयतम् | अमीमयत |
| अमीमयम् | अमीमयाव | अमीमयाम |
| प० माययाञ्चकार | माययाञ्चकतुः | माययाञ्चकुः |
| माययाञ्चकर्थ | माययाञ्चकथुः | माययाञ्चक |
| माययाञ्चकार-चकर | माययाञ्चकृव | माययाञ्चकृम |
| माययाञ्चभूव | माययाञ्च | |
| आ० माय्यात् | माय्यास्ताम् | माय्यासुः |
| माय्याः | माय्यास्तम् | माय्यास्त |
| माय्यासम् | माय्यास्व | माय्यासम |
| श्च० माययिता | माययितारौ | माययितारः |
| माययितासि | माययितास्थः | माययितास्थ |
| माययितास्मि | माययितास्वः | माययितास्मः |
| अ० माययिष्यति | माययिष्यतः | माययिष्यन्ति |
| माययिष्यमि | माययिष्यथः | माययिष्यथ |
| माययिष्यामि | माययिष्यावः | माययिष्यामः |
| क्रि० अमाययिष्यत् | अमाययिष्यताम् | अमाययिष्यन् |
| अमाययिष्यः | अमाययिष्यतम् | अमाययिष्यत |
| अमाययिष्यम् | अमाययिष्याव | अमाययिष्याम |

| | | |
|------------------|--------------------|----------------|
| ब० माययते | माययेते | माययन्ते |
| माययसे | माययेथे | माययध्वे |
| मायये | माययावहे | माययामहे |
| स० माययेत | माययेथान्ताम् | माययेरन् |
| माययेथाः | माययेथान्ताम् | माययेध्वम् |
| माययेय | माययेवहि | माययेमहि |
| प० माययताम् | माययेतम् | माययन्ताम् |
| माययस्व | माययेथाम् | माययध्वम् |
| माययै | माययावहै | माययामहै |
| ह्य० अमाययत | अमाययेताम् | अमाययन्त |
| अमाययथाः | अमाययेथान्ताम् | अमाययध्वम् |
| अमायये | अमाययावहि | अमाययामहि |
| अ० अमीमयत | अमीमयेताम् | अमीमयन्त |
| अमीमयथाः | अमीमयेथान्ताम् | अमीमयध्वम् |
| अमीमये | अमीमयावहि | अमीमयामहि |
| प० माययाञ्चके | माययाञ्चकाते | माययाञ्चकिरे |
| माययाञ्चकृषे | माययाञ्चकृष्ये | माययाञ्चकृढ्वे |
| माययाञ्चके | माययाञ्चकृवहे | माययाञ्चकृमहे |
| माययाञ्चभूव | माययाञ्च | |
| आ० माययिषीष्ट | माययिषीष्टताम् | माययिषीरन् |
| माययिषीष्टाः | माययिषीष्टास्थाम् | माययिषीढ्वम् |
| माययिषीय | माययिषीवहि | माययिषीमहि |
| श्च० माययिता | माययितारौ | माययितारः |
| माययितासे | माययितास्थे | माययिताध्वे |
| माययिताहे | माययितास्वहे | माययितास्महे |
| अ० माययिष्यते | माययिष्येते | माययिष्यन्ते |
| माययिष्यसे | माययिष्येथे | माययिष्यध्वे |
| माययिष्ये | माययिष्यावहे | माययिष्यामहे |
| क्रि० अमाययिष्यत | अमाययिष्येताम् | अमाययिष्यन्त |
| अमाययिष्यथाः | अमाययिष्येथान्ताम् | अमाययिष्यध्वम् |
| अमाययिष्ये | अमाययिष्यावहि | अमाययिष्यामहि |

794 नयि [नय्] गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | नाययति | नाययतः | नाययन्ति |
| | नाययसि | नाययथः | नाययथ |
| | नाययामि | नाययावः | नाययामः |
| स० | नाययेत् | नाययेताम् | नाययेयुः |
| | नाययेः | नाययेतम् | नाययेत |
| | नाययेयम् | नाययेव | नाययेम |
| प० | नाययतु | नाययतात् | नाययताम् |
| | नायय | नाययतात् | नाययतम् |
| | नाययानि | नाययाव | नाययाम |
| ह्य० | अनाययत् | अनाययताम् | अनाययन् |
| | अनाययः | अनाययतम् | अनाययत |
| | अनाययम् | अनाययाव | अनाययाम |
| अ० | अनीनयत् | अनीनयताम् | अनीनयन् |
| | अनीनयः | अनीनयतम् | अनीनयत |
| | अनीनयम् | अनीनयाव | अनीनयाम |
| प० | नाययाञ्चकार | नाययाञ्चक्रतुः | नाययाञ्चक्रुः |
| | नाययाञ्चकर्थ | नाययाञ्चक्रथुः | नाययाञ्चक्र |
| | नाययाञ्चकार-चकर | नाययाञ्चक्रव | नाययाञ्चक्रम |
| | नाययाम्बभूव | । | नाययामास |
| आ० | नाय्यात् | नाय्यास्ताम् | नाय्यासुः |
| | नाय्याः | नाय्यास्तम् | नाय्यास्त |
| | नाय्यासम् | नाय्यास्व | नाय्यास्म |
| श्व० | नाययिता | नाययितारौ | नाययितारः |
| | नाययितासि | नाययितास्थः | नाययितास्थ |
| | नाययितास्मि | नाययितास्वः | नाययितास्मः |
| भ० | नाययिष्यति | नाययिष्यतः | नाययिष्यन्ति |
| | नाययिष्यसि | नाययिष्यथः | नाययिष्यथ |
| | नाययिष्यामि | नाययिष्यावः | नाययिष्यामः |
| क्रि० | अनाययिष्यत् | अनाययिष्यताम् | अनाययिष्यन् |
| | अनाययिष्यः | अनाययिष्यतम् | अनाययिष्यत |
| | अनाययिष्यम् | अनाययिष्याव | अनाययिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | नाययते | नाययेते | नाययन्ते |
| | नाययसे | नाययेथे | नाययध्वे |
| | नायये | नाययावहे | नाययामहे |
| स० | नाययेत | नाययेयाताम् | नाययेयन् |
| | नाययेथाः | नाययेयाथाम् | नाययेध्वम् |
| | नाययेथ | नाययेवहि | नाययेमहि |
| प० | नाययताम् | नाययेताम् | नाययन्ताम् |
| | नाययस्व | नाययेथाम् | नाययध्वम् |
| | नाययै | नाययावहै | नाययामहै |
| ह्य० | अनाययत | अनाययेताम् | अनाययन्त |
| | अनाययथाः | अनाययेथाम् | अनाययध्वम् |
| | अनायये | अनाययावहि | अनाययामहि |
| अ० | अनीनयत | अनीनयेताम् | अनीनयन्त |
| | अनीनयथाः | अनीनयेथाम् | अनीनयध्वम् |
| | अनीनये | अनीनयावहि | अनीनयामहि |
| प० | नाययाञ्चक्रे | नाययाञ्चक्राते | नाययाञ्चकिरे |
| | नाययाञ्चक्रे | नाययाञ्चक्राथे | नाययाञ्चकृद्वे |
| | नाययाञ्चक्रे | नाययाञ्चकृवहे | नाययाञ्चकृमहे |
| | नाययाम्बभूव | । | नाययामास |
| आ० | नाययिषीष्ट | नाययिषीयास्ताम् | नाययिषीरन् |
| | नाययिषीष्टाः | नाययिषीयास्थाम् | नाययिषीध्वम् |
| | नाययिषीय | नाययिषीवहि | नाययिषीमहि |
| श्व० | नाययिता | नाययितारौ | नाययितारः |
| | नाययितासे | नाययितासाथे | नाययिताध्वे |
| | नाययिताहे | नाययितास्वहे | नाययितास्महे |
| भ० | नाययिष्यते | नाययिष्येते | नाययिष्यन्ते |
| | नाययिष्यसे | नाययिष्येथे | नाययिष्यध्वे |
| | नाययिष्ये | नाययिष्यावहे | नाययिष्यामहे |
| क्रि० | अनाययिष्यत | अनाययिष्येताम् | अनाययिष्यन्त |
| | अनाययिष्यथाः | अनाययिष्येथाम् | अनाययिष्यध्वम् |
| | अनाययिष्ये | अनाययिष्यावहि | अनाययिष्यामहि |

795 चयि [चर्] गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| ब० | चाययति | चाययतः | चाययन्ति |
| | चाययसि | चाययथः | चाययथ |
| | चाययामि | चाययावः | चाययामः |
| स० | चाययेत् | चाययेताम् | चाययेयुः |
| | चाययेः | चाययेतम् | चाययेत |
| | चाययेयम् | चाययेव | चाययेम |
| प० | चाययतु | चाययतात् | चाययताम् |
| | चायय | चाययतात् | चाययतम् |
| | चाययानि | चाययाव | चाययाम |
| ह्य० | अचाययत् | अचाययताम् | अचाययन् |
| | अचाययः | अचाययतम् | अचाययत |
| | अचाययम् | अचाययाव | अचाययाम |
| अ० | अचीचयत् | अचीचयताम् | अचीचयन् |
| | अचीचयः | अचीचयतम् | अचीचयत |
| | अचीचयम् | अचीचयाव | अचीचयाम |
| प० | चाययाञ्चकार | चाययाञ्चक्रतुः | चाययाञ्चक्रुः |
| | चाययाञ्चकर्थ | चाययाञ्चक्रथुः | चाययाञ्चक्र |
| | चाययाञ्चकार-चकर | चाययाञ्चक्रव | चाययाञ्चक्रम |
| | चाययाम्बभूव | । | चाययामास |
| आ० | चाय्यात् | चाय्यास्ताम् | चाय्यासुः |
| | चाय्याः | चाय्यास्तम् | चाय्यास्त |
| | चाय्यासम् | चाय्यास्व | चाय्यास्म |
| श्च० | चाययिता | चाययितारौ | चाययितारः |
| | चाययितासि | चाययितास्थः | चाययितास्थ |
| | चाययितास्मि | चाययितास्वः | चाययितास्मः |
| भ० | चाययिष्यति | चाययिष्यतः | चाययिष्यन्ति |
| | चाययिष्यमि | चाययिष्यथः | चाययिष्यथ |
| | चाययिष्यामि | चाययिष्यावः | चाययिष्यामः |
| क्रि० | अचाययिष्यत् | अचाययिष्यताम् | अचाययिष्यन् |
| | अचाययिष्यः | अचाययिष्यतम् | अचाययिष्यत |
| | अचाययिष्यम् | अचाययिष्याव | अचाययिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | चाययेते | चाययेते | चाययन्ते |
| | चाययसे | चाययेथे | चाययध्वे |
| | चायये | चाययावहे | चाययामहे |
| स० | चाययेत | चाययेयाताम् | चाययेरन् |
| | चाययेथाः | चाययेयाथाम् | चाययेध्वम् |
| | चाययेय | चाययेवहि | चाययेमहि |
| प० | चाययताम् | चाययेताम् | चाययन्ताम् |
| | चाययस्व | चाययेथाम् | चाययध्वम् |
| | चायै | चाययावहै | चाययामहै |
| ह्य० | अचाययत | अचाययेताम् | अचाययन्त |
| | अचाययथाः | अचाययेथाम् | अचाययध्वम् |
| | अचायये | अचाययावहि | अचाययामहि |
| अ० | अचीचयत | अचीचयेताम् | अचीचयन्त |
| | अचीचयथाः | अचीचयेथाम् | अचीचयध्वम् |
| | अचीचये | अचीचयावहि | अचीचयामहि |
| प० | चाययाञ्चक्रे | चाययाञ्चक्राते | चाययाञ्चक्रिरे |
| | चाययाञ्चकृषे | चाययाञ्चक्राथे | चाययाञ्चकृध्वे |
| | चाययाञ्चक्रे | चाययाञ्चकृवहे | चाययाञ्चकृमहे |
| | चाययाम्बभूव | । | चाययामास |
| आ० | चाययिषीष्ट | चाययिषीयास्ताम् | चाययिषीरन् |
| | चाययिषीष्ठाः | चाययिषीयास्थाम् | चाययिषीध्वम् |
| | चाययिषीय | चाययिषीवहि | चाययिषीमहि |
| श्च० | चाययिता | चाययितारौ | चाययितारः |
| | चाययितासे | चाययितासाथे | चाययिताध्वे |
| | चाययिताहे | चाययितास्वहे | चाययितास्महे |
| भ० | चाययिष्यते | चाययिष्येते | चाययिष्यन्ते |
| | चाययिष्यसे | चाययिष्येथे | चाययिष्यध्वे |
| | चाययिष्ये | चाययिष्यावहे | चाययिष्यामहे |
| क्रि० | अचाययिष्यत | अचाययिष्येताम् | अचाययिष्यन्त |
| | अचाययिष्यथाः | अचाययिष्येथाम् | अचाययिष्यध्वम् |
| | अचाययिष्ये | अचाययिष्यावहि | अचाययिष्यामहि |

796 रयि [रय्] गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | राययति | राययतः | राययन्ति |
| | राययसि | राययथः | राययथ |
| | राययामि | राययावः | राययामः |
| स० | राययेत् | राययेताम् | राययेयुः |
| | राययेः | राययेतम् | राययेत |
| | राययेयम् | राययेव | राययेम |
| प० | राययतु | राययतात् | राययताम् |
| | रायय | राययतात् | राययताम् |
| | राययाणि | राययाव | राययाम् |
| झ० | अराययत् | अराययताम् | अराययन् |
| | अराययः | अराययतम् | अराययत |
| | अराययम् | अराययाव | अराययाम |
| ञ० | अरीरयत् | अरीरयताम् | अरीरयन् |
| | अरीरयः | अरीरयतम् | अरीरयत |
| | अरीरयम् | अरीरयाव | अरीरयाम |
| प० | राययाञ्चकार | राययाञ्चक्रतुः | राययाञ्चक्रुः |
| | राययाञ्चकर्थ | राययाञ्चक्रथुः | राययाञ्चक्रुः |
| | राययाञ्चकार-चकर | राययाञ्चक्रव | राययाञ्चक्रम |
| | राययाम्बभूव | राययामास | |
| आ० | राय्यात् | राय्यास्ताम् | राय्यासुः |
| | राय्याः | राय्यास्तम् | राय्यास्त |
| | राय्यासम् | राय्यास्व | राय्यास्म |
| श० | राययिता | राययितारौ | राययितारः |
| | राययितासि | राययितास्थः | राययितास्थ |
| | राययितास्मि | राययितास्वः | राययितास्मः |
| भ० | राययिष्यति | राययिष्यतः | राययिष्यन्ति |
| | राययिष्यसि | राययिष्यथः | राययिष्यथ |
| | राययिष्यामि | राययिष्यावः | राययिष्यामः |
| क्रि० | अराययिष्यत् | अराययिष्यताम् | अराययिष्यन् |
| | अराययिष्यः | अराययिष्यतम् | अराययिष्यत |
| | अराययिष्यम् | अराययिष्याव | अराययिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|-----------------|
| व० | राययते | राययेते | राययन्ते |
| | राययसे | राययेथे | राययध्वे |
| | रायये | राययावहे | राययामहे |
| स० | राययेत | राययेशाताम् | राययेरन् |
| | राययेथाः | राययेथाम् | राययेष्वम् |
| | राययेय | राययेवहि | राययेमहि |
| प० | राययताम् | राययेताम् | राययन्ताम् |
| | राययस्व | राययेथाम् | राययेष्वम् |
| | रायये | राययावहे | राययामहे |
| ह्य० | अराययत | अराययेताम् | अराययन्त |
| | अराययथाः | अराययेथाम् | अराययेष्वम् |
| | अरायये | अराययावहि | अराययामहि |
| अ० | अरीरयत् | अरीरयेताम् | अरीरयन्त |
| | अरीरयथाः | अरीरयेथाम् | अरीरयेष्वम् |
| | अरीरये | अरीरयावहि | अरीरयामहि |
| प० | राययाञ्चक्रे | राययाञ्चक्रते | राययाञ्चक्रिरे |
| | राययाञ्चक्रुषे | राययाञ्चक्रथे | राययाञ्चक्रुवे |
| | राययाञ्चक्रे | राययाञ्चक्रुवे | राययाञ्चक्रमहे |
| | राययाम्बभूव | राययामास | |
| आ० | राययिषीष्ट | राययिषीयास्ताम् | राययिषीरन् |
| | राययिषीष्ठाः | राययिषीयास्याम् | राययिषीढ्वम् |
| | राययिषीय | राययिषीवहि | राययिषीमहि |
| श० | राययिता | राययितारौ | राययितारः |
| | राययितासे | राययितासाथे | राययिताध्वे |
| | राययिताहे | राययितास्वहे | राययितास्महे |
| भ० | राययिष्यते | राययिष्येते | राययिष्यन्ते |
| | राययिष्यसे | राययिष्येथे | राययिष्यध्वे |
| | राययिष्ये | राययिष्यावहे | राययिष्यामहे |
| क्रि० | अराययिष्यत | अराययिष्येताम् | अराययिष्यन्त |
| | अराययिष्यथाः | अराययिष्येथाम् | अराययिष्येष्वम् |
| | अराययिष्ये | अराययिष्यावहि | अराययिष्यामहि |

797 तयि [तय्] रक्षणे च

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | ताययति | ताययतः | ताययन्ति |
| | ताययसि | ताययथः | ताययथ |
| | ताययामि | ताययावः | ताययामः |
| स० | ताययेत् | ताययेताम् | ताययेयुः |
| | ताययेः | ताययेतम् | ताययेत |
| | ताययेयम् | ताययेव | ताययेम |
| प० | ताययतु | ताययतात् | ताययन्तु |
| | तायय | ताययतात् | ताययतम् |
| | ताययानि | ताययाव | ताययाम |
| झ० | अताययत् | अताययताम् | अताययन् |
| | अताययः | अताययतम् | अताययत |
| | अताययम् | अताययाव | अताययाम |
| ञ० | अतीतयत् | अतीतयताम् | अतीतयन् |
| | अतीतयः | अतीतयतम् | अतीतयत |
| | अतीतयम् | अतीतयाव | अतीतयाम |
| ष० | ताययाञ्चकार | ताययाञ्चकतुः | ताययाञ्चकुः |
| | ताययाञ्चकर्थ | ताययाञ्चकथुः | ताययाञ्चक |
| | ताययाञ्चकार-चकर | ताययाञ्चकृव | ताययाञ्चकृम |
| | ताययाम्बभूव | । | ताययामास |
| आ० | ताय्यात् | ताय्यास्ताम् | ताय्यासुः |
| | ताय्याः | ताय्यास्तम् | ताय्यास्त |
| | ताय्यासम् | ताय्यास्व | ताय्यास्म |
| श्व० | ताययिता | ताययितारौ | ताययितारः |
| | ताययितामि | ताययितास्थः | ताययितास्थ |
| | ताययितास्मि | ताययितास्वः | ताययितास्मः |
| भ० | ताययिष्यति | ताययिष्यतः | ताययिष्यन्ति |
| | ताययिष्यसि | ताययिष्यथः | ताययिष्यथ |
| | ताययिष्यामि | ताययिष्यावः | ताययिष्यामः |
| क्रि० | अताययिष्यत् | अताययिष्यताम् | अताययिष्यन् |
| | अताययिष्यः | अताययिष्यतम् | अताययिष्यत |
| | अताययिष्यम् | अताययिष्याव | अताययिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | ताययते | ताययेते | ताययन्ते |
| | ताययसे | ताययेथे | ताययन्थे |
| | तायये | ताययावहे | ताययामहे |
| स० | ताययेत | ताययेथाताम् | ताययेरन् |
| | ताययेथाः | ताययेथाथाम् | ताययेध्वम् |
| | ताययेय | ताययेवहि | ताययेमहि |
| प० | ताययताम् | ताययेताम् | ताययन्ताम् |
| | ताययस्व | ताययेथाम् | ताययध्वम् |
| | ताययै | ताययावहै | ताययामहै |
| ह्य० | अताययत | अताययेताम् | अताययन्त |
| | अताययथाः | अताययेथाम् | अताययध्वम् |
| | अतायये | अताययावहि | अताययामहि |
| अ० | अतीतयत् | अतीतयेताम् | अतीतयन्त |
| | अतीतयथाः | अतीतयेथाम् | अतीतयध्वम् |
| | अतीतये | अतीतयावहि | अतीतयामहि |
| प० | ताययाञ्चके | ताययाञ्चकाते | ताययाञ्चकिरे |
| | ताययाञ्चकृषे | ताययाञ्चकृषे | ताययाञ्चकृद्वे |
| | ताययाञ्चके | ताययाञ्चकृवहे | ताययाञ्चकृमहे |
| | ताययाम्बभूव | । | ताययामास |
| आ० | ताययिषीष्ट | ताययिषीयास्ताम् | ताययिषीरन् |
| | ताययिषीष्ठाः | ताययिषीयास्थाम् | ताययिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | ताययिषीय | ताययिषीवहि | ताययिषीमहि |
| श्व० | ताययिता | ताययितारौ | ताययितारः |
| | ताययितासे | ताययितासाथे | ताययिताध्वे |
| | ताययिताहे | ताययितास्वहे | ताययितास्महे |
| भ० | ताययिष्यते | ताययिष्येते | ताययिष्यन्ते |
| | ताययिष्यसे | ताययिष्येथे | ताययिष्यध्वे |
| | ताययिष्ये | ताययिष्यावहे | ताययिष्यामहे |
| क्रि० | अताययिष्यत | अताययिष्येताम् | अताययिष्यन्त |
| | अताययिष्यथाः | अताययिष्येथाम् | अताययिष्यध्वम् |
| | अताययिष्ये | अताययिष्यावहि | अताययिष्यामहि |

798 णयि (नय) रक्षणे च । 794 नयिवद्रूपाणि

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते० पातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (७५१)

799 दयि [दय्] दानगतिर्हिंसादहनेषु च

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० दाययति | दाययतः | दाययन्ति |
| दाययसि | दाययथः | दाययथ |
| दाययामि | दाययावः | दाययामः |
| स० दाययेत् | दाययेताम् | दाययेयुः |
| दाययेः | दाययेतम् | दाययेत |
| दाययेयम् | दाययेव | दाययेम |
| प० दाययतु | दाययतात् | दाययताम् |
| दायय | दाययतात् | दाययतम् |
| दाययानि | दाययाव | दाययाम |
| झ० अदाययत् | अदाययताम् | अदाययन् |
| अदाययः | अदाययतम् | अदाययत |
| अदाययम् | अदाययाव | अदाययाम |
| ञ० अदीदयत् | अदीदयताम् | अदीदयन् |
| अदीदयः | अदीदयतम् | अदीदयत |
| अदीदयम् | अदीदयाव | अदीदयाम |
| प० दाययाञ्चकार | दाययाञ्चकतुः | दाययाञ्चकुः |
| दाययाञ्चकर्थ | दाययाञ्चकथुः | दाययाञ्चक |
| दाययाञ्चकार-चकर | दाययञ्चकृव | दाययाञ्चकृम |
| दाययाम्बभूव | । | दाययामास |
| भा० दाय्यात् | दाय्यास्ताम् | दाय्यासुः |
| दाय्याः | दाय्यास्तम् | दाय्यास्त |
| दाय्यासम् | दाय्यास्व | दाय्यास्म |
| भ० दाययिता | दाययितारौ | दाययितारः |
| दाययितासि | दाययितास्थः | दाययितास्थ |
| दाययितास्मि | दाययितास्वः | दाययितास्मः |
| म० दाययिष्यति | दाययिष्यतः | दाययिष्यन्ति |
| दाययिष्यसि | दाययिष्यथः | दाययिष्यथ |
| दाययिष्यामि | दाययिष्यावः | दाययिष्यामः |
| क्रि० अदाययिष्यत् | अदाययिष्यताम् | अदाययिष्यन् |
| अदाययिष्यः | अदाययिष्यतम् | अदाययिष्यत |
| अदाययिष्यम् | अदाययिष्याव | अदाययिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| व० दाययते | दाययेते | दाययन्ते |
| दाययसे | दाययेथे | दाययध्वे |
| दायये | दाययावहे | दाययामहे |
| स० दाययेत | दाययेताम् | दाययेरन् |
| दाययेथाः | दाययेथाम् | दाययेष्वम् |
| दाययेय | दाययेवहि | दाययेमहि |
| प० दाययताम् | दाययेताम् | दाययन्ताम् |
| दाययस्व | दाययेथाम् | दाययस्वम् |
| दायये | दाययावहे | दाययामहे |
| ह्य० अदाययत | अदाययेताम् | अदाययन्त |
| अदाययथाः | अदाययेथाम् | अदाययेष्वम् |
| अदायये | अदाययावहि | अदाययामहि |
| अ० अदीदयत् | अदीदयेताम् | अदीदयन्त |
| अदीदयथाः | अदीदयेथाम् | अदीदयेष्वम् |
| अदीदये | अदीदयावहि | अदीदयामहि |
| प० दाययाञ्चक्रे | दाययाञ्चकृते | दाययाञ्चकिरे |
| दाययाञ्चकृषे | दाययाञ्चकृषे | दाययाञ्चकृद्वे |
| दाययाञ्चक्रे | दाययाञ्चकृवहे | दाययाञ्चकृमहे |
| दाययाम्बभूव | । | दाययामास |
| भा० दाययिषीष्ट | दाययिषीयास्ताम् | दाययिषीरन् |
| दाययिषीष्ठाः | दाययिषीयास्थाम् | दाययिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| दाययिषीय | दाययिषीवहि | दाययिषीमहि |
| भ० दाययिता | दाययितारौ | दाययितारः |
| दाययितासे | दाययितासाथे | दाययिताच्चे |
| दाययिताहे | दाययितास्वहे | दाययितास्महे |
| भ० दाययिष्यते | दाययिष्येते | दाययिष्यन्ते |
| दाययिष्यसे | दाययिष्येथे | दाययिष्यध्वे |
| दाययिष्ये | दाययिष्यावहे | दाययिष्यामहे |
| क्रि० अदाययिष्यत | अदाययिष्येताम् | अदाययिष्यन्त |
| अदाययिष्यथाः | अदाययिष्येथाम् | अदाययिष्येष्वम् |
| अदाययिष्ये | अदाययिष्यावहि | अदाययिष्यामहि |

(७५२) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

800 ऊयैङ् [ऊय्] तन्तुसन्ताने ।

| | | |
|-----------------|-------------|-------------|
| व० ऊययति | ऊययतः | ऊययन्ति |
| ऊययसि | ऊययथः | ऊययथ |
| ऊययामि | ऊययावः | ऊययामः |
| स० ऊययेत् | ऊययेताम् | ऊययेयुः |
| ऊययेः | ऊययेतम् | ऊययेत |
| ऊययेयम् | ऊययेव | ऊययेम |
| प० ऊययतु | ऊययतात् | ऊययताम् |
| ऊयय | ऊययतात् | ऊययतम् |
| ऊययानि | ऊययाव | ऊययाम |
| झ० औययत् | औययताम् | औययन् |
| औययः | औययतम् | औययत |
| औययम् | औययाव | औययाम |
| ञ० औयियत् | औयियताम् | औयियन् |
| औयियः | औयियतम् | औयियत |
| औयियम् | औयियाव | औयियाम |
| ट० ऊययाञ्चकार | ऊययाञ्चकतुः | ऊययाञ्चकुः |
| ऊययाञ्चकर्थ | ऊययाञ्चकथुः | ऊययाञ्चक |
| ऊययाञ्चकार-चक्र | ऊययाञ्चकव | ऊययाञ्चकम् |
| ऊययाम्बभूव | । | ऊययामास |
| आ० ऊय्यात् | ऊय्यास्ताम् | ऊय्यासुः |
| ऊय्याः | ऊय्यास्तम् | ऊय्यास्त |
| ऊय्यासम् | ऊय्यास्व | ऊय्यासम् |
| इ० ऊययिता | ऊययितारौ | ऊययितारः |
| ऊययितासि | ऊययितास्थः | ऊययितास्थ |
| ऊययितास्मि | ऊययितास्वः | ऊययितास्मः |
| भ० ऊययिष्यति | ऊययिष्यतः | ऊययिष्यन्ति |
| ऊययिष्यसि | ऊययिष्यथः | ऊययिष्यथ |
| ऊययिष्यामि | ऊययिष्यावः | ऊययिष्यामः |
| क्रि० औययिष्यत् | औययिष्यताम् | औययिष्यन् |
| औययिष्यः | औययिष्यतम् | औययिष्यत |
| औययिष्यम् | औययिष्याव | औययिष्याम |

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| व० ऊययते | ऊययेते | ऊययन्ते |
| ऊययसे | ऊययेथे | ऊययध्वे |
| ऊयये | ऊययावहे | ऊययामहे |
| स० ऊययेत | ऊययेयाताम् | ऊययेरन् |
| ऊययेथाः | ऊययेयाथाम् | ऊययेध्वम् |
| ऊययेय | ऊययेवहि | ऊययेमहि |
| प० ऊययताम् | ऊययेताम् | ऊययन्ताम् |
| ऊययस्व | ऊययेधाम् | ऊययध्वम् |
| ऊययै | ऊययावहे | ऊययामहे |
| झ० औययत | औययेताम् | औययन्त |
| औययथाः | औययेधाम् | औययध्वम् |
| औयये | औययावहि | औययामहि |
| ञ० औयियत | औयियेताम् | औयियन्त |
| औयियथाः | औयियेधाम् | औयियध्वम् |
| औयिये | औयियावहि | औयियामहि |
| ट० ऊययाञ्चके | ऊययाञ्चकाते | ऊययाञ्चकिरे |
| ऊययाञ्चकृषे | ऊययाञ्चकृषे | ऊययाञ्चकृष्वे |
| ऊययाञ्चके | ऊययाञ्चकृवहे | ऊययाञ्चकृमहे |
| ऊययाम्बभूव | । | ऊययामास |
| आ० ऊययिषीष्ट | ऊययिषीयास्ताम् | ऊययिषीरन् |
| ऊययिषीष्ठाः | ऊययिषीयास्थाम् | ऊययिषीध्वम् |
| ऊययिषीय | ऊययिषीवहि | ऊययिषीमहि |
| इ० ऊययिता | ऊययितारौ | ऊययितारः |
| ऊययितासे | ऊययितासाथे | ऊययिताध्वे |
| ऊययिताहे | ऊययितास्वहे | ऊययितास्महे |
| भ० ऊययिष्यते | ऊययिष्येते | ऊययिष्यन्ते |
| ऊययिष्यसे | ऊययिष्येथे | ऊययिष्यध्वे |
| ऊययिष्ये | ऊययिष्यावहे | ऊययिष्यामहे |
| क्रि० औययिष्यत | औययिष्येताम् | औययिष्यन्त |
| औययिष्यथाः | औययिष्येधाम् | औययिष्यध्वम् |
| औययिष्ये | औययिष्यावहि | औययिष्यामहि |

फ. ९५) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचित० घातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (७५३)

801 पूयैङ् [पूय्] दुगन्धविशरणयोः ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | पूययति | पूययतः | पूययन्ति |
| | पूययसि | पूययथः | पूययथ |
| | पूययामि | पूययावः | पूययामः |
| स० | पूययेत् | पूययेताम् | पूययेयुः |
| | पूययेः | पूययेतम् | पूययेत |
| | पूययेयम् | पूययेव | पूययेम |
| प० | पूययतु | पूययतात् | पूययन्तु |
| | पूयय | पूययतात् | पूययतम् |
| | पूययानि | पूययाव | पूययाम |
| झ० | अपूययत् | अपूययताम् | अपूययन् |
| | अपूययः | अपूययतम् | अपूययत |
| | अपूययम् | अपूययाव | अपूययाम |
| अ | अपूययत् | अपूययताम् | अपूययन् |
| | अपूययः | अपूययतम् | अपूययत |
| | अपूययम् | अपूययाव | अपूययाम |
| प० | पूययाञ्चकार | पूययाञ्चकतुः | पूययाञ्चकः |
| | पूययाञ्चकर्थ | पूययाञ्चकथुः | पूययाञ्चक |
| | पूययाञ्चकार-चकर | पूययाञ्चकव | पूययाञ्चकम् |
| | पूययाम्बभूव | । | पूययामास |
| आ० | पूययात् | पूययास्ताम् | पूययासुः |
| | पूययाः | पूययास्तम् | पूययास्त |
| | पूययासम् | पूययास्व | पूययास्म |
| अ० | पूययिता | पूययितारौ | पूययितारः |
| | पूययितासि | पूययितास्थः | पूययितास्थ |
| | पूययितास्मि | पूययितास्वः | पूययितास्मः |
| भ० | पूययिष्यति | पूययिष्यतः | पूययिष्यन्ति |
| | पूययिष्यसि | पूययिष्यथः | पूययिष्यथ |
| | पूययिष्यामि | पूययिष्यावः | पूययिष्यामः |
| क्रि० | अपूययिष्यत् | अपूययिष्यताम् | अपूययिष्यन् |
| | अपूययिष्यः | अपूययिष्यतम् | अपूययिष्यत |
| | अपूययिष्यम् | अपूययिष्याव | अपूययिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पूययते | पूययेते | पूययन्ते |
| | पूययसे | पूययेथे | पूययध्वे |
| | पूयये | पूययावहे | पूययामहे |
| स० | पूययेत | पूययेताम् | पूययेरन् |
| | पूययेथाः | पूययेथाम् | पूययेध्वम् |
| | पूययेथ | पूययेवहि | पूययेमहि |
| प० | पूययताम् | पूययेताम् | पूययन्ताम् |
| | पूययस्व | पूययेथाम् | पूययध्वम् |
| | पूयये | पूययावहे | पूययामहे |
| झ० | अपूययत | अपूययेताम् | अपूययन्त |
| | अपूययथाः | अपूययेथाम् | अपूययध्वम् |
| | अपूयये | अपूययावहि | अपूययामहि |
| अ० | अपूययत | अपूययेताम् | अपूययन्त |
| | अपूययथाः | अपूययेथाम् | अपूययध्वम् |
| | अपूयये | अपूययावहि | अपूययामहि |
| प० | पूययाञ्चक्रे | पूययाञ्चकते | पूययाञ्चकिरे |
| | पूययञ्चकृषे | पूययाञ्चकथे | पूययाञ्चकृद्वे |
| | पूययाञ्चक्रे | पूययाञ्चकवहे | पूययाञ्चकृमहे |
| | पूययाम्बभूव | । | पूययामास |
| आ० | पूययिषीष्ट | पूययिषीयास्ताम् | पूययिषीरन् |
| | पूययिषीष्ठाः | पूययिषीयास्थाम् | पूययिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | पूययिषीथ | पूययिषीवहि | पूययिषीमहि |
| अ० | पूययिता | पूययितारौ | पूययितारः |
| | पूययितासे | पूययितासाथे | पूययिताध्वे |
| | पूययिताहे | पूययितास्वहे | पूययितास्महे |
| भ० | पूययिष्यते | पूययिष्येते | पूययिष्यन्ते |
| | पूययिष्यसे | पूययिष्येथे | पूययिष्यध्वे |
| | पूययिष्ये | पूययिष्यावहे | पूययिष्यामहे |
| क्रि० | अपूययिष्यत | अपूययिष्येताम् | अपूययिष्यन्त |
| | अपूययिष्यथाः | अपूययिष्येथाम् | अपूययिष्यध्वम् |
| | अपूययिष्ये | अपूययिष्यावहि | अपूययिष्यामहि |

802 कन्वयैङ् [कन्वृ] शब्दोद्गन्तयोः ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० कनोपयति | कनोपयतः | कनोपयन्ति |
| कनोपयसि | कनोपयथः | कनोपयथ |
| कनोपयामि | कनोपयावः | कनोपयामः |
| स० कनोपयेत् | कनोपयेताम् | कनोपयेयुः |
| कनोपयेः | कनोपयेतम् | कनोपयेत |
| कनोपयेयम् | कनोपयेव | कनोपयेम |
| प० कनोपयतु | कनोपयतात् | कनोपयताम् |
| कनोपय | कनोपयतात् | कनोपयतम् |
| कनोपयानि | कनोपयाव | कनोपयाम |
| ह्य० अकनोपयत् | अकनोपयताम् | अकनोपयन् |
| अकनोपयः | अकनोपयतम् | अकनोपयत |
| अकनोपयम् | अकनोपयाव | अकनोपयाम |
| अ० अचुकुपत् | अचुकुपताम् | अचुकुपन् |
| अचुकुपः | अचुकुपतम् | अचुकुपत |
| अचुकुपम् | अचुकुपाव | अचुकुपाम |
| प० कनोपयाश्चकार | कनोपयाश्चक्रुः | कनोपयाश्चक्रुः |
| कनोपयाश्चकर्त्तुः | कनोपयाश्चक्रुः | कनोपयाश्चक्रुः |
| कनोपयाश्चकार-चक्र | कनोपयाश्चक्रुव | कनोपयाश्चक्रुम |
| कनोपयाम्बभूव | । | कोपयामास |
| आ० कनोप्यात् | कनोप्यास्ताम् | कनोप्यासुः |
| कनोप्याः | कनोप्यास्तम् | कनोप्यास्त |
| कनोप्यासम् | कनोप्यास्व | कनोप्यास्म |
| श्च० कनोपयिता | कनोपयितारौ | कनोपयितारः |
| कनोपयितासि | कनोपयितास्थः | कनोपयितास्थ |
| कनोपयितास्मि | कनोपयितास्वः | कनोपयितास्मः |
| अ० कनोपयिष्यति | कनोपयिष्यतः | कनोपयिष्यन्ति |
| कनोपयिष्यसि | कनोपयिष्यथः | कनोपयिष्यथ |
| कनोपयिष्यामि | कनोपयिष्यावः | कनोपयिष्यामः |
| क्रि० अकनोपयिष्यत् | अकनोपयिष्यताम् | अकनोपयिष्यन् |
| अकनोपयिष्यः | अकनोपयिष्यतम् | अकनोपयिष्यत |
| अकनोपयिष्यम् | अकनोपयिष्याव | अकनोपयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| ब० कनोपयते | कनोपयेते | कनोपयन्ते |
| कनोपयसे | कनोपयेथे | कनोपयध्वे |
| कनोपये | कनोपयावहे | कनोपयामहे |
| स० कनपयेत | कनोपयेयाताम् | कनोपयेरन् |
| कनोपयेथाः | कनोपयेयाथाम् | कनोपयेध्वम् |
| कनोपयेथ | कनोपयेवहि | कनोपयेमहि |
| प० कनोपयताम् | कनोपयेताम् | कनोपयन्ताम् |
| कनोपयस्व | कनोपयेथाम् | कनोपयध्वम् |
| कनोपयै | कनोपयावहै | कनोपयामहै |
| ह्य० अकनोपयत | अकनोपयेताम् | अकनोपयन्त |
| अकनोपयथाः | अकनोपयेथाम् | अकनोपयध्वम् |
| अकनोपये | अकनोपयावहि | अकनोपयामहि |
| अ० अचुकुपत | अचुकुपेताम् | अचुकुपन्त |
| अचुकुपथाः | अचुकुपेथाम् | अचुकुपध्वम् |
| अचुकुपे | अचुकुपावहि | अचुकुपामहि |
| प० कनोपयाश्चक्रे | कनोपयाश्चक्रते | कनोपयाश्चक्रिरे |
| कनोपयाश्चक्रुः | कनोपयाश्चक्रुः | कनोपयाश्चक्रुः |
| कनोपयाश्चक्रे | कनोपयाश्चक्रुवहे | कनोपयाश्चक्रुमहे |
| कनोपयाम्बभूव | । | कनोपयामास |
| आ० कनोपयिषीष्ट | कनोपयिषीयास्ताम् | कनोपयिषीरन् |
| कनोपयिषीष्टाः | कनोपयिषीयास्थाम् | कनोपयिषीध्वम् |
| कनोपयिषीय | कनोपयिषीवहि | कनोपयिषीमहि |
| श्च० कनोपयिता | कनोपयितारौ | कनोपयितारः |
| कनोपयितासे | कनोपयितासाथे | कनोपयिताध्वे |
| कनोपयिताहे | कनोपयितास्वहे | कनोपयितास्महे |
| अ० कनोपयिष्यते | कनोपयिष्येते | कनोपयिष्यन्ते |
| कनोपयिष्यसे | कनोपयिष्येथे | कनोपयिष्यध्वे |
| कनोपयिष्ये | कनोपयिष्यावहे | कनोपयिष्यामहे |
| क्रि० अकनोपयिष्यत | अकनोपयिष्येताम् | अकनोपयिष्यन्त |
| अकनोपयिष्यथाः | अकनोपयिष्येथाम् | अकनोपयिष्यध्वम् |
| अकनोपयिष्ये | अकनोपयिष्यावहि | अकनोपयिष्यामहि |

803 क्षमायैङ् (क्षमाय्) विध्वनने ।

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| ६० क्षमापयति | क्षमापयतः | क्षमापयन्ति |
| क्षमापयसि | क्षमापयथः | क्षमापयथ |
| क्षमापयामि | क्षमापयावः | क्षमापयामः |

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| स० क्षमापयेत् | क्षमापयेताम् | क्षमापयेयुः |
| क्षमापयेः | क्षमापयेतम् | क्षमापयेत |
| क्षमापयेयम् | क्षमापयेव | क्षमापयेम |

| | | | |
|--------------|-------------|-------------|-------------|
| प० क्षमापयतु | क्षमापयतात् | क्षमापयताम् | क्षमापयन्तु |
| क्षमापय | क्षमापयतात् | क्षमापयतम् | क्षमापयत |
| क्षमापयाणि | क्षमापयाव | क्षमापयाम | |

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| ह्य० अक्षमापयत् | अक्षमापयताम् | अक्षमापयन् |
| अक्षमापयः | अक्षमापयतम् | अक्षमापयत |
| अक्षमापयम् | अक्षमापयाव | अक्षमापयाम |

| | | |
|---------------|--------------|------------|
| अ० अचिक्षमपत् | अचिक्षमपताम् | अचिक्षमपन् |
| अचिक्षमपः | अचिक्षमपतम् | अचिक्षमपत |
| अचिक्षमपम् | अचिक्षमपाव | अचिक्षमपाम |

| | | |
|--------------------|-----------------|------------------|
| प० क्षमापयाञ्चकार | क्षमापयाञ्चकतुः | क्षमापयाञ्चक्रुः |
| क्षमापयाञ्चकथं | क्षमापयाञ्चकथुः | क्षमापयाञ्चक |
| क्षमापयाञ्चकार-चकर | क्षमापयाञ्चकृव | क्षमापयाञ्चकृम |

क्षमापयाञ्चभूव । क्षमापयामास

| | | |
|----------------|-----------------|--------------|
| आ० क्षमाप्यात् | क्षमाप्यास्ताम् | क्षमाप्यासुः |
| क्षमाप्याः | क्षमाप्यास्तम् | क्षमाप्यास्त |
| क्षमाप्यासम् | क्षमाप्यास्व | क्षमाप्यास्म |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| श्च० क्षमापयिता | क्षमापयितारौ | क्षमापयितारः |
| क्षमापयितासि | क्षमापयितास्थः | क्षमापयितास्थ |
| क्षमापयितास्मि | क्षमापयितास्वः | क्षमापयितास्मः |

| | | |
|------------------|----------------|-----------------|
| भ० क्षमापयिष्यति | क्षमापयिष्यतः | क्षमापयिष्यन्ति |
| क्षमापयिष्यसि | क्षमापयिष्यथः | क्षमापयिष्यथ |
| क्षमापयिष्यामि | क्षमापयिष्यावः | क्षमापयिष्यामः |

| | | |
|----------------------|------------------|----------------|
| क्रि० अक्षमापयिष्यत् | अक्षमापयिष्यताम् | अक्षमापयिष्यन् |
| अक्षमापयिष्यः | अक्षमापयिष्यतम् | अक्षमापयिष्यत |
| अक्षमापयिष्यम् | अक्षमापयिष्याव | अक्षमापयिष्याम |

| | | |
|--------------|--------------|-------------|
| व० क्षमापयते | क्षमापयेते | क्षमापयन्ते |
| क्षमापयसे | क्षमापयेथे | क्षमापयन्थे |
| क्षमापये | क्षमापयान्ते | क्षमापयामहे |

| | | |
|--------------|----------------|---------------|
| स० क्षमापयेत | क्षमापयेताताम् | क्षमापयेरन् |
| क्षमापयेथाः | क्षमापयेयाथाम् | क्षमापयेध्वम् |
| क्षमापयेय | क्षमापयेवहि | क्षमापयेमहि |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| प० क्षमापयताम् | क्षमापयेताम् | क्षमापयन्ताम् |
| क्षमापयस्व | क्षमापयेथाम् | क्षमापयध्वम् |
| क्षमापये | क्षमापयावहे | क्षमापयामहे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| ह्य० अक्षमापयत | अक्षमापयेताम् | अक्षमापयन्त |
| अक्षमापयथाः | अक्षमापयेथाम् | अक्षमापयध्वम् |
| अक्षमापये | अक्षमापयावहि | अक्षमापयामहि |

| | | |
|--------------|---------------|---------------|
| अ० अचिक्षमपत | अचिक्षमपेताम् | अचिक्षमपन्त |
| अचिक्षमपथाः | अचिक्षमपेथाम् | अचिक्षमपध्वम् |
| अचिक्षमपे | अचिक्षमपावहि | अचिक्षमपामहि |

| | | |
|--------------------|------------------|-------------------|
| प० क्षमापयाञ्चक्रे | क्षमापयाञ्चकृते | क्षमापयाञ्चकृतिरे |
| क्षमापयाञ्चकृषे | क्षमापयाञ्चकृषे | क्षमापयाञ्चकृन्वे |
| क्षमापयाञ्चक | क्षमापयाञ्चकृवहे | क्षमापयाञ्चकृमहे |

क्षमापयाञ्चभूव । क्षमापयामास

| | | |
|------------------|--------------------|-----------------|
| आ० क्षमापयिषीष्ट | क्षमापयिषीयास्ताम् | क्षमापयिषीगन् |
| क्षमापयिषीष्ठाः | क्षमापयिषीयास्थाम् | क्षमापयिषीह्वम् |
| | | क्षमम् |

क्षमापयिषीथ क्षमापयिषीवहि क्षमापयिषीमहि

| | | |
|-----------------|-----------------|-----------------|
| श्च० क्षमापयिता | क्षमापयितारौ | क्षमापयितारः |
| क्षमापयितासे | क्षमापयितासाथे | क्षमापयिताथ्वे |
| क्षमापयिताहे | क्षमापयितास्वहे | क्षमापयितास्महे |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| भ० क्षमापयिष्यते | क्षमापयिष्येते | क्षमापयिष्यन्ते |
| क्षमापयिष्यसे | क्षमापयिष्येथे | क्षमापयिष्यन्थे |
| क्षमापयिष्ये | क्षमापयिष्यावहे | क्षमापयिष्यामहे |

| | | |
|----------------------|-------------------|-------------------|
| क्रि० अक्षमापयिष्यत् | अक्षमापयिष्येताम् | अक्षमापयिष्यन्त |
| अक्षमापयिष्यथाः | अक्षमापयिष्येथाम् | अक्षमापयिष्यध्वम् |
| अक्षमापयिष्ये | अक्षमापयिष्यावहि | अक्षमापयिष्यामहि |

804 स्फायैङ् (स्फाय्) वृद्धौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| ब० | स्फावयति | स्फावयतः | स्फावयन्ति |
| | स्फावयसि | स्फावयथः | स्फावयथ |
| | स्फावयामि | स्फावयावः | स्फावयामः |
| स० | स्फावयेत् | स्फावयेताम् | स्फावयेयुः |
| | स्फावयेः | स्फावयेतम् | स्फावयेत |
| | स्फावयेयम् | स्फावयेव | स्फावयेम |
| प० | स्फावयतु | स्फावयतात् | स्फावयताम् |
| | स्फावय | स्फावयतात् | स्फावयतम् |
| | स्फावयानि | स्फावयाव | स्फावयाम |
| ह्य० | अस्फावयत् | अस्फावयताम् | अस्फावयन् |
| | अस्फावयः | अस्फावयतम् | अस्फावयत |
| | अस्फावयम् | अस्फावयाव | अस्फावयाम |
| अ० | अपिस्फवत् | अपिस्फवताम् | अपिस्फवन् |
| | अपिस्फवः | अपिस्फवतम् | अपिस्फवत |
| | अपिस्फवम् | अपिस्फवाव | अपिस्फवाम |
| प० | स्फावयाञ्चकार | स्फावयाञ्चक्रुः | स्फावयाञ्चक्रुः |
| | स्फावयाञ्चकथं | स्फावयाञ्चकथुः | स्फावयाञ्चक |
| | स्फावयाञ्चकार-चकर | स्फावयाञ्चकृव | स्फावयाञ्चकृम |
| | स्फावयाम्बभूव । | स्फावयामास | |
| आ० | स्फाव्यात् | स्फाव्यास्ताम् | स्फाव्यासुः |
| | स्फाव्याः | स्फाव्यास्तम् | स्फाव्यास्त |
| | स्फाव्यासम् | स्फाव्यास्व | स्फाव्यास्म |
| श्व० | स्फावयिता | स्फावयितारौ | स्फावयितारः |
| | स्फावयितासि | स्फावयितास्थः | स्फावयितास्थ |
| | स्फावयितास्मि | स्फावयितास्वः | स्फावयितास्म |
| भ० | स्फावयिष्यति | स्फावयिष्यतः | स्फावयिष्यन्ति |
| | स्फावयिष्यसि | स्फावयिष्यथः | स्फावयिष्यथ |
| | स्फावयिष्यामि | स्फावयिष्यावः | स्फावयिष्यामः |
| क्रि० | अस्फावयिष्यत् | अस्फावयिष्यताम् | अस्फावयिष्यन् |
| | अस्फावयिष्यः | अस्फावयिष्यतम् | अस्फावयिष्यत |
| | अस्फावयिष्यम् | अस्फावयिष्याव | अस्फावयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्फावयते | स्फावयेते | स्फावयन्ते |
| | स्फावयसे | स्फावयेथे | स्फावयध्वे |
| | स्फावये | स्फावयावहे | स्फावयामहे |
| स० | स्फावयेत् | स्फावयेयाताम् | स्फावयेरन् |
| | स्फावयेथाः | स्फावयेयाथाम् | स्फावयेध्वम् |
| | स्फावयेय | स्फावयेवहि | स्फावयेमहि |
| प० | स्फावयताम् | स्फावयेताम् | स्फावयन्ताम् |
| | स्फावयस्व | स्फावयेथाम् | स्फावयध्वम् |
| | स्फावये | स्फावयावहे | स्फावयामहे |
| ह्य० | अस्फावयत | अस्फावयेताम् | अस्फावयन्त |
| | अस्फावयथाः | अस्फावयेथाम् | अस्फावयध्वम् |
| | अस्फावये | अस्फावयावहि | अस्फावयामहि |
| अ० | अपिस्फवत | अपिस्फवेताम् | अपिस्फवन्त |
| | अपिस्फवथाः | अपिस्फवेथाम् | अपिस्फवध्वम् |
| | अपिस्फवे | अपिस्फवावहि | अपिस्फवामहि |
| प० | स्फावयाञ्चके | स्फावयाञ्चकाते | स्फावयाञ्चकिरे |
| | स्फावयाञ्चकृषे | स्फावयाञ्चकृषे | स्फावयाञ्चकृह्वे |
| | स्फावयाञ्चके | स्फावयाञ्चकृवहे | स्फावयाञ्चकृमहे |
| | स्फावयान्बभूव । | स्फावयामास | |
| आ० | स्फावयिषीष्ट | स्फावयिषीयास्ताम् | स्फावयिषीरन् |
| | स्फावयिषीष्ठाः | स्फावयिषीयास्थाम् | स्फावयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | स्फावयिषीय | स्फावयिषीवहि | स्फावयिषीमहि |
| श्व० | स्फावयिता | स्फावयितारौ | स्फावयितारः |
| | स्फावयितासे | स्फावयितासाथे | स्फावयिताध्वे |
| | स्फावयिताहे | स्फावयितास्वहे | स्फावयितास्महे |
| भ० | स्फावयिष्यते | स्फावयिष्येते | स्फावयिष्यन्ते |
| | स्फावयिष्यसे | स्फावयिष्येथे | स्फावयिष्यध्वे |
| | स्फावयिष्ये | स्फावयिष्यावहे | स्फावयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्फावयिष्यत | अस्फावयिष्येताम् | अस्फावयिष्यन्त |
| | अस्फावयिष्यथः | अस्फावयिष्येथाम् | अस्फावयिष्यध्वम् |
| | अस्फावयिष्ये | अस्फावयिष्यावहि | अस्फावयिष्यामहि |

805 ओप्यायैङ् [प्याय्] वृद्धौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | प्याययति | प्याययतः | प्याययन्ति |
| | प्याययसि | प्याययथः | प्याययथ |
| | प्याययामि | प्याययावः | प्याययामः |
| स० | प्याययेत् | प्याययेताम् | प्याययेयुः |
| | प्याययेः | प्याययेतम् | प्याययेत |
| | प्याययेयम् | प्याययेव | प्याययेम |
| प० | प्याययतु | प्याययतात् | प्याययताम् |
| | प्यायय | प्याययतात् | प्याययतम् |
| | प्याययानि | प्याययाव | प्याययाम |
| ह्य० | अप्याययत् | अप्याययताम् | अप्याययन् |
| | अप्याययः | अप्याययतम् | अप्याययत |
| | अप्याययम् | अप्याययाव | अप्याययाम |
| अ० | अपिप्ययत् | अपिप्ययताम् | अपिप्ययन् |
| | अपिप्ययः | अपिप्ययतम् | अपिप्ययत |
| | अपिप्ययम् | अपिप्ययाव | अपिप्ययाम |
| प० | प्याययाञ्चकार | प्याययाञ्चक्रतुः | प्याययाञ्चक्रुः |
| | प्याययाञ्चकर्थ | प्याययाञ्चक्रधुः | प्याययाञ्चक्र |
| | प्याययाञ्चकार-चकर | प्याययाञ्चकृव | प्याययाञ्चकृम |
| | प्याययाम्बभूव | । | प्याययामास |
| आ० | प्याय्यात् | प्याय्यास्ताम् | प्याय्यासुः |
| | प्याय्याः | प्याय्यास्तम् | प्याय्यास्त |
| | प्याय्यासम् | प्याय्यास्व | प्याय्यास्म |
| श्च० | प्याययिता | प्याययितारौ | प्याययितारः |
| | प्याययितासि | प्याययितास्थः | प्याययितास्थ |
| | प्याययितास्मि | प्याययितास्वः | प्याययितास्मः |
| भ० | प्याययिष्यति | प्याययिष्यतः | प्याययिष्यन्ति |
| | प्याययिष्यसि | प्याययिष्यथः | प्याययिष्यथ |
| | प्याययिष्यामि | प्याययिष्यावः | प्याययिष्यामः |
| क्रि० | अप्याययिष्यत् | अप्याययिष्यताम् | अप्याययिष्यन् |
| | अप्याययिष्यः | अप्याययिष्यतम् | अप्याययिष्यत |
| | अप्याययिष्यम् | अप्याययिष्याव | अप्याययिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | प्याययते | प्याययेते | प्याययन्ते |
| | प्याययसे | प्याययेथे | प्याययन्वे |
| | प्यायये | प्याययावहे | प्याययामहे |
| स० | प्याययेत | प्याययेयाताम् | प्याययेगन् |
| | प्याययेथाः | प्याययेयाथाम् | प्याययेध्वम् |
| | प्याययेय | प्याययेवहि | प्याययेमहि |
| प० | प्याययताम् | प्याययेताम् | प्याययन्ताम् |
| | प्याययस्व | प्याययेथाम् | प्याययध्वम् |
| | प्यायये | प्याययावहे | प्याययामहे |
| ह्य० | अप्याययत | अप्याययेताम् | अप्याययन्त |
| | अप्याययथाः | अप्याययेथाम् | अप्याययध्वम् |
| | अप्यायये | अप्याययावहि | अप्याययामहि |
| अ० | अपिप्ययत | अपिप्ययेताम् | अपिप्ययन्त |
| | अपिप्ययथाः | अपिप्ययेथाम् | अपिप्ययध्वम् |
| | अपिप्यये | अपिप्ययावहि | अपिप्ययामहि |
| प० | प्याययाञ्चक्रे | प्याययाञ्चक्रते | प्याययाञ्चक्रिरे |
| | प्याययाञ्चकृषे | प्याययाञ्चक्राथे | प्याययाञ्चकृद्वे |
| | प्याययाञ्चक्रे | प्याययाञ्चकृवहे | प्याययाञ्चकृमहे |
| | प्याययाम्बभूव | । | प्याययामास |
| आ० | प्याययिषीष्ट | प्याययिषीयास्ताम् | प्याययिषीरन् |
| | प्याययिषीष्ठाः | प्याययिषीयास्थाम् | प्याययिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | प्याययिषीय | प्याययिषीवहि | प्याययिषीमहि |
| श्च० | प्याययिता | प्याययितारौ | प्याययितारः |
| | प्याययितासे | प्याययितासाथे | प्याययिताध्वे |
| | प्याययिताहे | प्याययितास्वहे | प्याययितास्महे |
| भ० | प्याययिष्यते | प्याययिष्येते | प्याययिष्यन्ते |
| | प्याययिष्यसे | प्याययिष्येथे | प्याययिष्यध्वे |
| | प्याययिष्ये | प्याययिष्यावहे | प्याययिष्यामहे |
| क्रि० | अप्याययिष्यत | अप्याययिष्येताम् | अप्याययिष्यन्त |
| | अप्याययिष्यथाः | अप्याययिष्येथाम् | अप्याययिष्यध्वम् |
| | अप्याययिष्ये | अप्याययिष्यावहि | अप्याययिष्यामहि |

806 तायड् [ताय्] सन्तानपालनयोः ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० ताययति | ताययतः | ताययन्ति |
| ताययसि | ताययथः | ताययथ |
| ताययामि | ताययावः | ताययामः |
| स० ताययेत् | ताययेताम् | ताययेयुः |
| ताययेः | ताययेतम् | ताययेत |
| ताययेयम् | ताययेव | ताययेम |
| प० ताययतु | ताययतात् | ताययताम् |
| तायय | ताययतात् | ताययतम् |
| ताययानि | ताययाव | ताययाम |
| ह्य० अताययत् | अताययताम् | अताययन् |
| अताययः | अताययतम् | अताययत |
| अताययम् | अताययाव | अताययाम |
| अ० अततायत् | अततायताम् | अततायन् |
| अततायः | अततायतम् | अततायत |
| अततायम् | अततायाव | अततायाम |
| प० ताययाञ्चकार | ताययाञ्चक्रतुः | ताययाञ्चक्रुः |
| ताययाञ्चकर्त्तुः | ताययाञ्चक्रथुः | ताययाञ्चक्र |
| ताययाञ्चकार-चकर | ताययाञ्चक्रव | ताययाञ्चक्रम |
| ताययाम्बभूव | । | ताययामास |
| आ० ताय्यात् | ताय्यास्ताम् | ताय्यासुः |
| ताय्याः | ताय्यास्तम् | ताय्यास्त |
| ताय्यासम् | ताय्यास्व | ताय्यास्म |
| श्व० ताययिता | ताययितारौ | ताययितारः |
| ताययितासि | ताययितास्थः | ताययितास्थ |
| ताययितास्मि | ताययितास्वः | ताययितास्मः |
| भ० ताययिष्यति | ताययिष्यतः | ताययिष्यन्ति |
| ताययिष्यसि | ताययिष्यथः | ताययिष्यथ |
| ताययिष्यामि | ताययिष्यावः | ताययिष्यामः |
| क्रि० अताययिष्यत् | अताययिष्यताम् | अताययिष्यन् |
| अताययिष्यः | अताययिष्यतम् | अताययिष्यत |
| अताययिष्यम् | अताययिष्याव | अताययिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० ताययते | ताययेते | ताययन्ते |
| ताययसे | ताययेथे | ताययध्वे |
| तायये | ताययावहे | ताययामहे |
| स० ताययेत | ताययेयाताम् | ताययेरन् |
| ताययेथाः | ताययेयाथाम् | ताययेध्वम् |
| ताययेय | ताययेवहि | ताययेमहि |
| प० ताययताम् | ताययेताम् | ताययन्ताम् |
| ताययस्व | ताययेथाम् | ताययध्वम् |
| ताययै | ताययावहे | ताययामहे |
| ह्य० अताययत | अताययेताम् | अताययन्त |
| अताययथाः | अताययेथाम् | अताययध्वम् |
| अतायये | अताययावहि | अताययामहि |
| अ० अततायत | अततायेताम् | अततायन्त |
| अततायथाः | अततायेथाम् | अततायध्वम् |
| अतताये | अततायावहि | अततायामहि |
| प० ताययाञ्चक्रे | ताययाञ्चक्राते | ताययाञ्चक्रिरे |
| ताययाञ्चकृषे | ताययाञ्चक्राथे | ताययाञ्चकृद्वे |
| ताययाञ्चक्रे | ताययाञ्चक्रवहे | ताययाञ्चक्रमहे |
| ताययाम्बभूव | । | ताययामास |
| आ० ताययिषीष्ट | ताययिषीयस्ताम् | ताययिषीरन् |
| ताययिषीष्ठाः | ताययिषीयास्थाम् | ताययिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| ताययिषीय | ताययिषीवहि | ताययिषीमहि |
| श्व० ताययिता | ताययितारौ | ताययितारः |
| ताययितासे | ताययितासाथे | ताययिताध्वे |
| ताययिताहे | ताययितास्वहे | ताययितास्महे |
| भ० ताययिष्यते | ताययिष्येते | ताययिष्यन्ते |
| ताययिष्यसे | ताययिष्येथे | ताययिष्यध्वे |
| ताययिष्ये | ताययिष्यावहे | ताययिष्यामहे |
| क्रि० अताययिष्यत | अताययिष्येताम् | अताययिष्यन्त |
| अताययिष्यथाः | अताययिष्येथाम् | अताययिष्यध्वम् |
| अताययिष्ये | अताययिष्यावहि | अताययिष्यामहि |

॥ अथ लान्ता नव ॥

807 वलि (वल्) संवरणे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | वालयति | वालयतः | वालयन्ति |
| | वालयसि | वालयथः | वालयथ |
| | वालयामि | वालयावः | वालयामः |
| स० | वालयेत् | वालयेताम् | वालयेयुः |
| | वालयेः | वालयेतम् | वालयेत |
| | वालयेयम् | वालयेव | वालयेम |
| प० | वालयतु | वालयतात् | वालयताम् |
| | वालय | वालयतात् | वालयतम् |
| | वालयानि | वालयाव | वालयाम |
| ह्य० | अवालयत् | अवालयताम् | अवालयन् |
| | अवाल्यः | अवालयतम् | अवालयत |
| | अवालयम् | अवालयाव | अवालयाम |
| अ० | अवावल् | अवावलताम् | अवावलन् |
| | अवावलः | अवावलतम् | अवावलत |
| | अवावलम् | अवावलाव | अवावलाम |
| प० | वालयाञ्चकार | वालयाञ्चक्रुः | वालयाञ्चकुः |
| | वालयाञ्चक्यं | वालयाञ्चक्रुः | वालयाञ्चक |
| | वालयाञ्चकार, चकर | वालयाञ्चकृव | वालयाञ्चकृम |
| | वालयाम्बभूव | । | वालयामास |
| आ० | वाल्यात् | वाल्यास्ताम् | वाल्यासुः |
| | वाल्याः | वाल्यास्तम् | वाल्यास्त |
| | वाल्यासम् | वाल्यास्व | वाल्यास्म |
| इ० | वालयिता | वालयितारौ | वालयितारः |
| | वालयितासि | वालयितास्थः | वालयितास्थ |
| | वालयितास्मि | वालयितास्वः | वालयितास्मः |
| भ० | वालयिष्यति | वालयिष्यतः | वालयिष्यन्ति |
| | वालयिष्यसि | वालयिष्यथः | वालयिष्यथ |
| | वालयिष्यामि | वालयिष्यावः | वालयिष्यामः |
| क्रि० | अवालयिष्यत् | अवालयिष्यताम् | अवालयिष्यन् |
| | अवालयिष्यः | अवालयिष्यतम् | अवालयिष्यत |
| | अवालयिष्यम् | अवालयिष्याव | अवालयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | वालयेते | वालयेते | वालयन्ते |
| | वालयेसे | वालयेथे | वालयेथ्वे |
| | वालये | वालयावहे | वालयामहे |
| स० | वालयेत | वालयेयाताम् | वालयेरन् |
| | वालयेथाः | वालयेयाथाम् | वालयेथ्वम् |
| | वालयेथ | वालयेवहि | वालयेमहि |
| प० | वालयताम् | वालयेताम् | वालयन्ताम् |
| | वालयस्व | वालयेथाम् | वालयेथ्वम् |
| | वालये | वालयावहे | वालयामहे |
| ह्य० | अवालयत | अवालयेताम् | अवालयन्त |
| | अवालयथाः | अवालयेथाम् | अवालयेथ्वम् |
| | अवालये | अवालयावहि | अवालयामहि |
| अ० | अवावल् | अवावलताम् | अवावलन्त |
| | अवावलथाः | अवावलथाम् | अवावलथ्वम् |
| | अवावले | अवावलावहि | अवावलामहि |
| प० | वालयाञ्चक्रे | वालयाञ्चक्राते | वालयाञ्चक्रिरे |
| | वालयाञ्चकृपे | वालयाञ्चक्रापे | वालयाञ्चकृद्वे |
| | वालयाञ्चक्रे | वालयाञ्चकृवहे | वालयाञ्चकृमहे |
| | वालयाम्बभूव | । | वालयामास |
| आ० | वाल्यिषीष्ट | वाल्यिषीयास्ताम् | वाल्यिषीरन् |
| | वाल्यिषीष्टाः | वाल्यिषीयास्थाम् | वाल्यिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | वाल्यिषीय | वाल्यिषीवहि | वाल्यिषीमहि |
| इ० | वालयिता | वालयितारौ | वालयितारः |
| | वालयितासे | वालयितासाथे | वालयिताथ्वे |
| | वालयिताहे | वालयितास्वहे | वालयितास्महे |
| भ० | वालयिष्यते | वालयिष्येते | वालयिष्यन्ते |
| | वालयिष्यसे | वालयिष्येथे | वालयिष्येथ्वे |
| | वालयिष्ये | वालयिष्यावहे | वालयिष्यामहे |
| क्रि० | अवालयिष्यत | अवालयिष्येताम् | अवालयिष्यन्त |
| | अवालयिष्यथाः | अवालयिष्येथाम् | अवालयिष्येथ्वम् |
| | अवालयिष्ये | अवालयिष्यावहि | अवालयिष्यामहि |

808 वल्लि (वल्लू) संवरणे ।

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| व० वल्लयति | वल्लयतः | वल्लयन्ति |
| वल्लयसि | वल्लयथः | वल्लयथ |
| वल्लयामि | वल्लयावः | वल्लयामः |
| स० वल्लयेत् | वल्लयेताम् | वल्लयेयुः |
| वल्लयेः | वल्लयेतम् | वल्लयेत |
| वल्लयेयम् | वल्लयेव | वल्लयेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० वल्लयतु | वल्लयतात् | वल्लयताम् | वल्लयन्तु |
| वल्लय | वल्लयतात् | वल्लयतम् | वल्लयत |
| वल्लयानि | वल्लयाव | वल्लयाम | |

| | | |
|---------------|------------|----------|
| ह्य० अवल्लयत् | अवल्लयताम् | अवल्लयन् |
| अवल्लयः | अवल्लयतम् | अवल्लयत |
| अवल्लयम् | अवल्लयाव | अवल्लयाम |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| अ० अवल्लत् | अवल्लताम् | अवल्लन् |
| अवल्लः | अवल्लतम् | अवल्लत |
| अवल्लम् | अवल्लाव | अवल्लाम |

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| प० वल्लयाञ्चकार | वल्लयाञ्चकतुः | वल्लयाञ्चकुः |
| वल्लयाञ्चकथं | वल्लयाञ्चकथुः | वल्लयाञ्चक |
| वल्लयाञ्चकार, चकर | वल्लयाञ्चकुव | वल्लयाञ्चकुम |

वल्लयाम्बभूव । वल्लयामास

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० वल्लयात् | वल्लयास्ताम् | वल्लयासुः |
| वल्लयाः | वल्लयास्तम् | वल्लयास्त |
| वल्लयासम् | वल्लयास्व | वल्लयास्म |

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| भ० वल्लयिता | वल्लयितारौ | वल्लयितारः |
| वल्लयितासि | वल्लयितास्थः | वल्लयितास्थ |
| वल्लयितास्मि | वल्लयितास्वः | वल्लयितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० वल्लयिष्यति | वल्लयिष्यतः | वल्लयिष्यन्ति |
| वल्लयिष्यसि | वल्लयिष्यथः | वल्लयिष्यथ |
| वल्लयिष्यामि | वल्लयिष्यावः | वल्लयिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अवल्लयिष्यत् | अवल्लयिष्यताम् | अवल्लयिष्यन् |
| अवल्लयिष्यः | अवल्लयिष्यतम् | अवल्लयिष्यत |
| अवल्लयिष्यम् | अवल्लयिष्याव | अवल्लयिष्याम |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| व० वल्लयते | वल्लयेते | वल्लयन्ते |
| वल्लयसे | वल्लयेथे | वल्लयध्वे |
| वल्लये | वल्लयावहे | वल्लयामहे |

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| स० वल्लयेत | वल्लयेयाताम् | वल्लयेरन् |
| वल्लयेथाः | वल्लयेयाथाम् | वल्लयेध्वम् |
| वल्लयेय | वल्लयेवहि | वल्लयेमहि |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| प० वल्लयताम् | वल्लयेताम् | वल्लयन्ताम् |
| वल्लयस्व | वल्लयेथाम् | वल्लयध्वम् |
| वल्लये | वल्लयावहे | वल्लयामहे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| ह्य० अवल्लयत | अवल्लयेताम् | अवल्लयन्त |
| अवल्लयथाः | अवल्लयेथाम् | अवल्लयध्वम् |
| अवल्लये | अवल्लयावहि | अवल्लयामहि |

| | | |
|-----------|------------|------------|
| अ० अवल्लत | अवल्लेताम् | अवल्लन्त |
| अवल्लथाः | अवल्लेथाम् | अवल्लध्वम् |
| अवल्ले | अवल्लावहि | अवल्लमहि |

| | | |
|----------------|----------------|-----------------|
| प० वल्लयाञ्चके | वल्लयाञ्चकाते | वल्लयाञ्चकिरे |
| वल्लयाञ्चकृषे | वल्लयाञ्चकृषे | वल्लयाञ्चकृद्वे |
| वल्लयाञ्चके | वल्लयाञ्चकृवहे | वल्लयाञ्चकृमहे |

वल्लयाम्बभूव । वल्लयामास

| | | |
|----------------|------------------|---------------|
| आ० वल्लयिषीष्ट | वल्लयिषीयास्ताम् | वल्लयिषीरन् |
| वल्लयिषीष्टाः | वल्लयिषीयास्थाम् | वल्लयिषीध्वम् |

| | | |
|-----------|-------------|-------------|
| वल्लयिषीय | वल्लयिषीवहि | वल्लयिषीमहि |
|-----------|-------------|-------------|

| | | |
|-------------|---------------|---------------|
| भ० वल्लयिता | वल्लयितारौ | वल्लयितारः |
| वल्लयितासे | वल्लयितासाथे | वल्लयिताध्वे |
| वल्लयिताहे | वल्लयितास्वहे | वल्लयितास्महे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० वल्लयिष्यते | वल्लयिष्येते | वल्लयिष्यन्ते |
| वल्लयिष्यसे | वल्लयिष्येथे | वल्लयिष्यध्वे |
| वल्लयिष्ये | वल्लयिष्यावहे | वल्लयिष्यामहे |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| क्रि० अवल्लयिष्यत | अवल्लयिष्येताम् | अवल्लयिष्यन्त |
| अवल्लयिष्यथाः | अवल्लयिष्येथाम् | अवल्लयिष्यध्वम् |
| अवल्लयिष्ये | अवल्लयिष्यावहि | अवल्लयिष्यामहि |

809 शलि (शल्) चलने च

| | | | |
|-------|-------------------|---------------|---------------|
| व० | शालयति | शालयतः | शालयन्ति |
| | शालयसि | शालयथः | शालयथ |
| | शालयामि | शालयावः | शालयामः |
| स० | शालयेत् | शालयेताम् | शालयेयुः |
| | शालयेः | शालयेतम् | शालयेत |
| | शालयेयम् | शालयेव | शालयेम |
| प० | शालयतु | शालयतात् | शालयताम् |
| | शालय | शालयतात् | शालयतम् |
| | शालयानि | शालयाव | शालयाम |
| ह्य० | अशालयत् | अशालयताम् | अशालयन् |
| | अशालयः | अशालयतम् | अशालयत |
| | अशालयम् | अशालयाव | अशालयाम |
| अ० | अशीशलत् | अशीशलताम् | अशीशलन् |
| | अशीशलः | अशीशलतम् | अशीशलत |
| | अशीशलम् | अशीशलाव | अशीशलाम |
| प० | शालयाञ्चकार | शालयाञ्चक्रुः | शालयाञ्चकुः |
| | शालयाञ्च कर्ष | शालयाञ्चक्रुः | शालयाञ्चक्रुः |
| | शालयाञ्चकार, चक्र | शालयाञ्चक्रुव | शालयाञ्चक्रुम |
| | शालयाम्बभूव | । | शालयामास |
| आ० | शाल्यात् | शाल्यास्ताम् | शाल्यासुः |
| | शाल्याः | शाल्यास्तम् | शाल्यास्त |
| | शाल्यासम् | शाल्यास्व | शाल्यास्म |
| भ० | शालयिता | शालयितारौ | शालयितारः |
| | शालयितासि | शालयितास्थः | शालयितास्थ |
| | शालयितामि | शालयितास्वः | शालयितास्मः |
| भ० | शालयिष्यति | शालयिष्यतः | शालयिष्यन्ति |
| | शालयिष्यसि | शालयिष्यथः | शालयिष्यथ |
| | शालयिष्यामि | शालयिष्यावः | शालयिष्यामः |
| क्रि० | अशालयिष्यत् | अशालयिष्यताम् | अशालयिष्यन् |
| | अशालयिष्यः | अशालयिष्यतम् | अशालयिष्यत |
| | अशालयिष्यम् | अशालयिष्याव | अशालयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शालयते | शालयेते | शालयन्ते |
| | शालयसे | शालयेथे | शालयध्वे |
| | शालये | शालयावहे | शालयामहे |
| स० | शालयेत | शालयेयाताम् | शालयेरन् |
| | शालयेथाः | शालयेयाथाम् | शालयेध्वम् |
| | शालयेथ | शालयेवहि | शालयेमहि |
| प० | शालयताम् | शालयेताम् | शालयन्ताम् |
| | शालयस्व | शालयेथाम् | शालयध्वम् |
| | शालये | शालयावहे | शालयामहे |
| ह्य० | अशालयत | अशालयेताम् | अशालयन्त |
| | अशालयथाः | अशालयेथाम् | अशालयध्वम् |
| | अशालये | अशालयावहि | अशालयामहि |
| अ० | अशीशलत | अशीशलेताम् | अशीशलन्त |
| | अशीशलथाः | अशीशलेथाम् | अशीशलध्वम् |
| | अशीशले | अशीशलावहि | अशीशलामहि |
| प० | शालयाञ्चके | शालयाञ्चक्राते | शालयाञ्चक्रिरे |
| | शालयाञ्चकृषे | शालयाञ्चक्राथे | शालयाञ्चकृद्वे |
| | शालयाञ्चके | शालयाञ्चक्रवहे | शालयाञ्चक्रमहे |
| | शालयाम्बभूव | । | शालयामास |
| आ० | शालयिषीष्ट | शालयिषीयास्ताम् | शालयिषीरन् |
| | शालयिषीष्टाः | शालयिषीयास्थाम् | शालयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | शालयिषीय | शालयिषीवहि | शालयिषीमहि |
| भ० | शालयिता | शालयितारौ | शालयितारः |
| | शालयितासे | शालयितासाथे | शालयिताध्वे |
| | शालयिताहे | शालयितास्वहे | शालयितास्महे |
| भ० | शालयिष्यते | शालयिष्येते | शालयिष्यन्ते |
| | शालयिष्यसे | शालयिष्येथे | शालयिष्यध्वे |
| | शालयिष्ये | शालयिष्यावहे | शालयिष्यामहे |
| क्रि० | अशालयिष्यत | अशालयिष्येताम् | अशालयिष्यन्त |
| | अशालयिष्यथाः | अशालयिष्येथाम् | अशालयिष्यध्वम् |
| | अशालयिष्ये | अशालयिष्यावहि | अशालयिष्यामहि |

810 मलि (मल्) धारणे

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० मालयति | मालयतः | मालयन्ति |
| मालयसि | मालयथः | मालयथ |
| मालयामि | मालयावः | मालयामः |
| स० मालयेत् | मालयेताम् | मालयेयुः |
| मालयेः | मालयेतम् | मालयेत |
| मालयेयम् | मालयेव | मालयेम |
| प० मालयतु | मालयतात् | मालयताम् |
| मालय | मालयतात् | मालयतम् |
| मालयानि | मालयाव | मालयाम |
| ह्य० अमालयत् | अमालयताम् | अमालयन् |
| अमालयः | अमालयतम् | अमालयत |
| अमालयम् | अमालयाव | अमालयाम |
| अ० अमीमलत् | अमीमलताम् | अमीमलन् |
| अमीमलः | अमीमलतम् | अमीमलत |
| अमीमलम् | अमीमलाव | अमीमलाम |
| प० मालयाञ्चकार | मालयाञ्चक्रुः | मालयाञ्चकुः |
| मालयाञ्चकथं | मालयाञ्चक्रुः | मालयाञ्चक |
| मालयाञ्चकारःचकर | मालयाञ्चक्रुव | मालयाञ्चक्रम |
| मालयाम्बभूव | मालयामास | |
| आ० माल्यात् | माल्यास्ताम् | माल्यासुः |
| माल्याः | माल्यास्तम् | माल्यास्त |
| माल्यासम् | माल्यास्व | माल्यास्म |
| श्व० मालयिता | मालयितारौ | मालयितारः |
| मालयितासि | मालयितास्थः | मालयितास्थ |
| मालयितास्मि | मालयितास्वः | मालयितास्मः |
| भ० मालयिष्यति | मालयिष्यतः | मालयिष्यन्ति |
| मालयिष्यसि | मालयिष्यथः | मालयिष्यथ |
| मालयिष्यामि | मालयिष्यावः | मालयिष्यामः |
| क्रि० अमालयिष्यत् | अमालयिष्यताम् | अमालयिष्यन् |
| अमालयिष्यः | अमालयिष्यतम् | अमालयिष्यत |
| अमालयिष्यम् | अमालयिष्याव | अमालयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० मालयेते | मालयेते | मालयन्ते |
| मालयेसे | मालयेथे | मालयध्वे |
| मालये | मालयावहे | मालयामहे |
| स० मालयेत | मालयेयाताम् | मालयेरन् |
| मालयेथाः | मालयेयाथाम् | मालयेध्वम् |
| मालयेथ | मालयेवहि | मालयेमहि |
| प० मालयताम् | मालयेताम् | मालयन्ताम् |
| मालयस्व | मालयेथाम् | मालयध्वम् |
| मालयै | मालयावहे | मालयामहे |
| ह्य० अमालयत | अमालयेताम् | अमालयन्त |
| अमालयथाः | अमालयेथाम् | अमालयध्वम् |
| अमालये | अमालयावहि | अमालयामहि |
| अ० अमीमलत | अमीमलेताम् | अमीमलन्त |
| अमीमलथाः | अमीमलेथाम् | अमीमलध्वम् |
| अमीमले | अममीलावहि | अममीमलामहि |
| प० मालयाञ्चक्रे | मालयाञ्चक्राते | मालयाञ्चक्रिरे |
| मालयाञ्चकृषे | मालयाञ्चक्राये | मालयाञ्चकृद्वे |
| मालयाञ्चक्रे | मालयाञ्चकृवहे | मालयाञ्चकृमहे |
| मालयाञ्चभूव | मालयामास | |
| आ० मालयिषीष्ट | मालयिषीयास्ताम् | मालयिषीरन् |
| मालयिषीष्टाः | मालयिषीयास्थाम् | मालयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| मालयिषीय | मालयिषीवहि | मालयिषीमहि |
| श्व० मालयिता | मालयितारौ | मालयितारः |
| मालयितासे | मालयितासाथे | मालयिताध्वे |
| मालयिताहे | मालयितास्वहे | मालयितास्महे |
| भ० मालयिष्यते | मालयिष्येते | मालयिष्यन्ते |
| मालयिष्यसे | मालयिष्येथे | मालयिष्यध्वे |
| मालयिष्ये | मालयिष्यावहे | मालयिष्यामहे |
| क्रि० अमालयिष्यत | अमालयिष्येताम् | अमालयिष्यन्त |
| अमालयिष्यथाः | अमालयिष्येथाम् | अमालयिष्यध्वम् |
| अमालयिष्ये | अमालयिष्यावहि | अमालयिष्यामहि |

४११ मल्लि (मल्ल) धारणे

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | मल्लयति | मल्लयतः | मल्लयन्ति |
| | मल्लयसि | मल्लयथः | मल्लयथ |
| | मल्लयामि | मल्लयावः | मल्लयामः |
| स० | मल्लयेत् | मल्लयेताम् | मल्लयेयुः |
| | मल्लयेः | मल्लयेतम् | मल्लयेत |
| | मल्लयेयम् | मल्लयेव | मल्लयेम |
| प० | मल्लयतु | मल्लयतात् | मल्लयताम् |
| | मल्लय | मल्लयतात् | मल्लयतम् |
| | मल्लयानि | मल्लयाव | मल्लयाम |
| झ० | अमल्लयत् | अमल्लयताम् | अमल्लयन् |
| | अमल्लयः | अमल्लयतम् | अमल्लयत |
| | अमल्लयम् | अमल्लयाव | अमल्लयाम |
| ञ० | अममल्लत | अममल्लताम् | अममल्लन् |
| | अममल्लः | अममल्लतम् | अममल्लत |
| | अममल्लम् | अममल्लाव | अममल्लाम |
| ट० | मल्लयाञ्चकार | मल्लयाञ्चक्रतुः | मल्लयाञ्चक्रुः |
| | मल्लयाञ्चकर्थ | मल्लयाञ्चक्रथुः | मल्लयाञ्चक्र |
| | मल्लयाञ्चकार-चकर | मल्लयाञ्चक्रव | मल्लयाञ्चक्रम |
| | मल्लयाञ्चभूव | । | मल्लयामास |
| आ० | मल्ल्यात् | मल्ल्यास्ताम् | मल्ल्यासुः |
| | मल्ल्याः | मल्ल्यास्तम् | मल्ल्यास्त |
| | मल्ल्यासम् | मल्ल्यास्व | मल्ल्यास्म |
| इ० | मल्लयिता | मल्लयितारौ | मल्लयितारः |
| | मल्लयितासि | मल्लयितास्थः | मल्लयितास्थ |
| | मल्लयितास्मि | मल्लयितास्वः | मल्लयितास्थ |
| भ० | मल्लयिष्यति | मल्लयिष्यतः | मल्लयिष्यन्ति |
| | मल्लयिष्यसि | मल्लयिष्यथः | मल्लयिष्यथ |
| | मल्लयिष्यामि | मल्लयिष्यावः | मल्लयिष्यामः |
| क्रि० | अमल्लयिष्यत् | अमल्लयिष्येताम् | अमल्लयिष्यन् |
| | अमल्लयिष्यः | अमल्लयिष्यतम् | अमल्लयिष्यत |
| | अमल्लयिष्यम् | अमल्लयिष्याव | अमल्लयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | मल्लयते | मल्लयेते | मल्लयन्ते |
| | मल्लयसे | मल्लयेथे | मल्लयध्वे |
| | मल्लये | मल्लयाते | मल्लयामहे |
| स० | मल्लयेत् | मल्लयेयाताम् | मल्लयेरन् |
| | मल्लयेथाः | मल्लयेयाथाम् | मल्लयेध्वम् |
| | मल्लयेय | मल्लयेवहि | मल्लयेमहि |
| प० | मल्लयताम् | मल्लयेताम् | मल्लयन्ताम् |
| | मल्लयस्व | मल्लयेथाम् | मल्लयध्वम् |
| | मल्लये | मल्लयावहे | मल्लयामहे |
| झ० | अमल्लयत | अमल्लयेताम् | अमल्लयन्त |
| | अमल्लयथाः | अमल्लयेथाम् | अमल्लयध्वम् |
| | अमल्लये | अमल्लयावहि | अमल्लयामहि |
| ञ० | अममल्लत | अममल्लेताम् | अममल्लन्त |
| | अममल्लथाः | अममल्लेथाम् | अममल्लध्वम् |
| | अममल्ले | अममल्लावहि | अममल्लामहि |
| ट० | मल्लयाञ्चक्रे | मल्लयाञ्चक्राते | मल्लयाञ्चक्रिरे |
| | मल्लयाञ्चकृषे | मल्लयाञ्चक्राथे | मल्लयाञ्चकृद्वे |
| | मल्लयाञ्चक्रे | मल्लयाञ्चकृवहे | मल्लयाञ्चक्रमहे |
| | मल्लयाम्बभूव | । | मल्लयामास |
| आ० | मल्लयिषीष्ट | मल्लयिषीयास्ताम् | मल्लयिषीरन् |
| | मल्लयिषीष्टाः | मल्लयिषीयास्थाम् | मल्लयिषीढ्वम् |
| | मल्लयिषीय | मल्लयिषीवहि | मल्लयिषीमहि |
| इ० | मल्लयिता | मल्लयितारौ | मल्लयितारः |
| | मल्लयितासे | मल्लयितासाथे | मल्लयिताध्वे |
| | मल्लयिताहे | मल्लयितास्वहे | मल्लयितास्महे |
| भ० | मल्लयिष्यते | मल्लयिष्येते | मल्लयिष्यन्ते |
| | मल्लयिष्यसे | मल्लयिष्येथे | मल्लयिष्यध्वे |
| | मल्लयिष्ये | मल्लयिष्यावहे | मल्लयिष्यामहे |
| क्रि० | अमल्लयिष्यत | अमल्लयिष्येताम् | अमल्लयिष्यन्त |
| | अमल्लयिष्यथा | अमल्लयिष्येथाम् | अमल्लयिष्यध्वम् |
| | अमल्लयिष्ये | अमल्लयिष्यावहि | अमल्लयिष्यामहि |

812 भलि (भल्) परिभाषणहिंसादानेषु

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | भालयति | भालयतः | भालयन्ति |
| | भालयसि | भालयथः | भालयथ |
| | भालयामि | भालयावः | भालयामः |
| स० | भालयेत् | भालयेताम् | भालयेयुः |
| | भालयेः | भालयेतम् | भालयेत |
| | भालयेयम् | भालयेव | भालयेम |
| प० | भालयतु | भालयतात् | भालयताम् |
| | भालय | भालयतात् | भालयतम् |
| | भालयन्ति | भालयाव | भालयाम |
| झ० | अभालयत् | अभालयताम् | अभालयन् |
| | अभालयः | अभालयतम् | अभालयत |
| | अभालयम् | अभालयाव | अभालयाम |
| ञ० | अबीभलत् | अबीभलताम् | अबीभलन् |
| | अबीभलः | अबीभलतम् | अबीभलत |
| | अबीभलम् | अबीभलव | अबीभलम |
| प० | भालयाञ्चकार | भालयाञ्चकतुः | भालयाञ्चकुः |
| | भालयाञ्चकथं | भालयाञ्चकथुः | भालयाञ्चक |
| | भालयाञ्चकार, चकर | भालयाञ्चकुव | भालयाञ्चकृम |
| | भालयाञ्चभूव | । | भालयामास |
| आ० | भाल्यात् | भाल्यास्ताम् | भाल्यासुः |
| | भाल्याः | भाल्यास्तम् | भाल्यास्त |
| | भाल्यासम् | भाल्यास्व | भाल्यास्म |
| इ० | भालयिता | भालयितारौ | भालयितारः |
| | भालयितासि | भालयितास्यः | भालयितास्य |
| | भालयितास्मि | भालयितास्वः | भालयितास्मः |
| उ० | भालयिष्यति | भालयिष्यतः | भालयिष्यन्ति |
| | भालयिष्यसि | भालयिष्यथः | भालयिष्यथ |
| | भालयिष्यामि | भालयिष्यावः | भालयिष्यामः |
| क्रि० | अभालयिष्यत् | अभालयिष्यताम् | अभालयिष्यन् |
| | अभालयिष्यः | अभालयिष्यतम् | अभालयिष्यत |
| | अभालयिष्यम् | अभालयिष्याव | अभालयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | भालयेते | भालयेते | भालयन्ते |
| | भालयसे | भालयेथे | भालयन्वे |
| | भालये | भालयावहे | भालयामहे |
| स० | भालयेत | भालयेयाताम् | भालयेरन् |
| | भालयेथाः | भालयेयाथाम् | भालयेच्वम् |
| | भालयेय | भालयेवहि | भालयेमहि |
| प० | भालयताम् | भालयेताम् | भालयन्ताम् |
| | भालयस्व | भालयेथाम् | भालयच्वम् |
| | भालये | भालयावहे | भालयामहे |
| झ० | अभालयत | अभालयेताम् | अभालयन्त |
| | अभालयथाः | अभालयेथाम् | अभालयच्वम् |
| | अभालये | अभालयावहि | अभालयामहि |
| ञ० | अबीभलत | अबीभलेताम् | अबीभलन्त |
| | अबीभलथाः | अबीभलेथाम् | अबीभलच्वम् |
| | अबीभले | अबीभलावहि | अबीभलमहि |
| प० | भालयाञ्चके | भालयाञ्चकते | भालयाञ्चकिरे |
| | भालयाञ्चकृषे | भालयाञ्चकृषे | भालयाञ्चकृद्वे |
| | भालयाञ्चके | भालयाञ्चकृवहे | भालयाञ्चकृमहे |
| | भालयाञ्चभूव | । | भालयामास |
| आ० | भालयिषीष्ट | भालयिषीयास्ताम् | भालयिषीरन् |
| | भालयिषीष्टाः | भालयिषीयास्थाम् | भालयिषीद्वम् |
| | | | च्वम् |
| | भालयिषीय | भालयिषीवहि | भालयिषीमहि |
| इ० | भालयिता | भालयितारौ | भालयितारः |
| | भालयितासे | भालयितासाथे | भालयिताच्वे |
| | भालयिताहे | भालयितास्वहे | भालयितास्महे |
| उ० | भालयिष्यते | भालयिष्यंते | भालयिष्यन्ते |
| | भालयिष्यसे | भालयिष्यंथे | भालयिष्यन्वे |
| | भालयिष्ये | भालयिष्यावहे | भालयिष्यामहे |
| क्रि० | अभालयिष्यत | अभालयिष्यताम् | अभालयिष्यन्त |
| | अभालयिष्यथाः | अभालयिष्येथाम् | अभालयिष्यच्वम् |
| | अभालयिष्ये | अभालयिष्यावहि | अभालयिष्यामहि |

813 भल्लि (भल्ल) परिभाषणहिंसादानेषु

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------------|
| व० | भल्लयति | भल्लयतः | भल्लयन्ति |
| | भल्लयसि | भल्लयथः | भल्लयथ |
| | भल्लयामि | भल्लयावः | भल्लयामः |
| स० | भल्लयेत् | भल्लयेताम् | भल्लयेयुः |
| | भल्लयेः | भल्लयेताम् | भल्लयेत |
| | भल्लयेयम् | भल्लयेव | भल्लयेम |
| प० | भल्लयतु | भल्लयतात् | भल्लयताम् भल्लयन्तु |
| | भल्लय | भल्लयतात् | भल्लयताम् भल्लयत |
| | भल्लयानि | भल्लयाव | भल्लयाम |
| छा० | अभल्लयत् | अभल्लयताम् | अभल्लयन् |
| | अभल्लयः | अभल्लयताम् | अभल्लयत |
| | अभल्लयम् | अभल्लयाव | अभल्लयाम |
| अ० | अवभल्लत | अवभल्लताम् | अवभल्लन् |
| | अवभल्लः | अवभल्लताम् | अवभल्लत |
| | अवभल्लम् | अवभल्लाव | अवभल्लाम |
| प० | भल्लयाश्चकार | भल्लयाश्चक्रुः | भल्लयाश्चक्रुः |
| | भल्लयाश्चकर्ष | भल्लयाश्चक्रुः | भल्लयाश्चक्रुः |
| | भल्लयाश्चकार-चकर | भल्लयाश्चक्रुव | भल्लयाश्चक्रुम |
| | भल्लयाम्बभूव | भल्लयामास | |
| आ० | भल्लयात् | भल्लयास्ताम् | भल्लयास्तुः |
| | भल्लयाः | भल्लयास्ताम् | भल्लयास्त |
| | भल्लयासम् | भल्लयास्व | भल्लयास्म |
| श्व० | भल्लयिता | भल्लयितारौ | भल्लयितारः |
| | भल्लयितासि | भल्लयितास्थः | भल्लयितास्थ |
| | भल्लयितास्मि | भल्लयितास्वः | भल्लयितास्मः |
| म० | भल्लयिष्यति | भल्लयिष्यतः | भल्लयिष्यन्ति |
| | भल्लयिष्यसि | भल्लयिष्यथः | भल्लयिष्यथ |
| | भल्लयिष्यामि | भल्लयिष्यावः | भल्लयिष्यामः |
| क्रि० | अभल्लयिष्यत् | अभल्लयिष्यताम् | अभल्लयिष्यन् |
| | अभल्लयिष्यः | अभल्लयिष्यताम् | अभल्लयिष्यत |
| | अभल्लयिष्यम् | अभल्लयिष्याव | अभल्लयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| व० | भल्लयते | भल्लयते | भल्लयन्ते |
| | भल्लयसे | भल्लयेथे | भल्लयध्वे |
| | भल्लये | भल्लयावहे | भल्लयामहे |
| स० | भल्लयेत | भल्लयेयाताम् | भल्लयेरन् |
| | भल्लयेथाः | भल्लयेयाथाम् | भल्लयेध्वम् |
| | भल्लयेय | भल्लयेवहि | भल्लयेमहि |
| प० | भल्लयताम् | भल्लयेताम् | भल्लयन्ताम् |
| | भल्लयस्व | भल्लयेथाम् | भल्लयध्वम् |
| | भल्लये | भल्लयावहे | भल्लयामहे |
| छा० | अभल्लयत | अभल्लयेताम् | अभल्लयन्त |
| | अभल्लयथाः | अभल्लयेथाम् | अभल्लयध्वम् |
| | अभल्लये | अभल्लयावहि | अभल्लयामहि |
| अ० | अवभल्लत | अवभल्लेताम् | अवभल्लन्त |
| | अवभल्लथाः | अवभल्लेथाम् | अवभल्लध्वम् |
| | अवभल्ले | अवभल्लावहि | अवभल्लामहि |
| प० | भल्लयाश्चक्रे | भल्लयाश्चक्रते | भल्लयाश्चक्रिरे |
| | भल्लयाश्चक्रुषे | भल्लयाश्चक्राथे | भल्लयाश्चक्रुध्वे |
| | भल्लयाश्चक्रे | भल्लयाश्चक्रुवहे | भल्लयाश्चक्रुमहे |
| | भल्लयाम्बभूव | भल्लयामास | |
| आ० | भल्लयिषीष्ट | भल्लयिषीयास्ताम् | भल्लयिषीरन् |
| | भल्लयिषीष्टाः | भल्लयिषीयास्थाम् | भल्लयिषीडबम् |
| | भल्लयिषीय | भल्लयिषीवहि | भल्लयिषीमहि |
| श्व० | भल्लयिता | भल्लयितारौ | भल्लयितारः |
| | भल्लयितासे | भल्लयितासथे | भल्लयिताध्वे |
| | भल्लयिताहे | भल्लयितास्वहे | भल्लयितास्महे |
| म० | भल्लयिष्यते | भल्लयिष्यते | भल्लयिष्यन्ते |
| | भल्लयिष्यसे | भल्लयिष्येथे | भल्लयिष्यध्वे |
| | भल्लयिष्ये | भल्लयिष्यावहे | भल्लयिष्यामहे |
| क्रि० | अभल्लयिष्यत | अभल्लयिष्येताम् | अभल्लयिष्यन्त |
| | अभल्लयिष्यथा | अभल्लयिष्येथाम् | अभल्लयिष्यध्वम् |
| | अभल्लयिष्ये | अभल्लयिष्यावहि | अभल्लयिष्यामहि |

814 कलि (कल्) शब्दसंख्यानयोः ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० कालयति | कालयतः | कालयन्ति |
| कालयसि | कालयथः | कालयथ |
| कालयामि | कालयावः | कालयामः |
| स० कालयेत् | कालयेताम् | कालयेयुः |
| कालयेः | कालयेतम् | कालयेत |
| कालयेयम् | कालयेव | कालयेम |
| प० कालयतु | कालयतात् | कालयताम् |
| कालय | कालयतात् | कालयतम् |
| कालयानि | कालयाव | कालयाम |
| ह्य० अकालयत् | अकालयताम् | अकालयन् |
| अकालयः | अकालयतम् | अकालयत |
| अकालयम् | अकालयाव | अकालयाम |
| अ० अचीकलत् | अचीकलताम् | अचीकलन् |
| अचीकलः | अचीकलतम् | अचीकलत |
| अचीकलम् | अचीकलाव | अचीकलाम |
| प० कालयाञ्चकार | कालयाञ्चकतुः | कालयाञ्चकुः |
| कालयाञ्चकर्थ | कालयाञ्चकथुः | कालयाञ्चक |
| कालयाञ्चकारः चकर | कालयाञ्चकृव | कालयाञ्चकृम |
| कालयाञ्चभूव | कालयामास | |
| आ० काल्यात् | काल्यास्ताम् | काल्यासुः |
| काल्याः | काल्यास्तम् | काल्यास्त |
| काल्यासम् | काल्यास्व | काल्यास्म |
| श्च० कालयिता | कालयितारैः | कालयितारः |
| कालयितासि | कालयितस्थः | कालयितस्थ |
| कालयितास्मि | कालयितास्वः | कालयितास्मः |
| भ० कालयिष्यति | कालयिष्यतः | कालयिष्यन्ति |
| कालयिष्यसि | कालयिष्यथः | कालयिष्यथ |
| कालयिष्यामि | कालयिष्यावः | कालयिष्यामः |
| क्रि० अकालयिष्यत् | अकालयिष्यताम् | अकालयिष्यन् |
| अकालयिष्यः | अकालयिष्यतम् | अकालयिष्यत |
| अकालयिष्यम् | अकालयिष्याव | अकालयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० कालयते | कालयेते | कालयन्ते |
| कालयसे | कालयेथे | कालयध्वे |
| कालये | कालयावहे | कालयामहे |
| स० कालयेत | कालयेयाताम् | कालयेरन् |
| कालयेथाः | कालयेयाथाम् | कालयेध्वम् |
| कालयेय | कालयेवहि | कालयेमहि |
| प० कालयताम् | कालयेताम् | कालयन्ताम् |
| कालयस्व | कालयेथाम् | कालयध्वम् |
| कालये | कालयावहे | कालयामहे |
| ह्य० अकालयत | अकालयेताम् | अकालयन्त |
| अकालयथाः | अकालयेथाम् | अकालयध्वम् |
| अकालये | अकालयावहि | अकालयामहि |
| अ० अचीकलत | अचीकलेताम् | अचीकलन्त |
| अचीकलथाः | अचीकलेथाम् | अचीकलध्वम् |
| अचीकले | अचीकलावहि | अचीकलामहि |
| प० कालयाञ्चके | कालयाञ्चकाते | कालयाञ्चकिरे |
| कालयाञ्चकृषे | कालयाञ्चकाथे | कालयाञ्चकृद्वे |
| कालयाञ्चके | कालयाञ्चकृवहे | कालयाञ्चकृमहे |
| कालयाञ्चभूव | कालयामास | |
| आ० कालयिषीष्ट | कालयिषीयास्ताम् | कालयिषीरन् |
| कालयिषीष्टाः | कालयिषीयास्थाम् | कालयिषीध्वम् |
| कालयिषीय | कालयिषीवहि | कालयिषीमहि |
| श्च० कालयिता | कालयितारैः | कालयितारः |
| कालयितासे | कालयितासाथे | कालयिताध्वे |
| कालयिताहे | कालयितास्वहे | कालयितास्महे |
| भ० कालयिष्यते | कालयिष्येते | कालयिष्यन्ते |
| कालयिष्यसे | कालयिष्येथे | कालयिष्यध्वे |
| कालयिष्ये | कालयिष्यावहे | कालयिष्यामहे |
| क्रि० अकालयिष्यत | अकालयिष्येताम् | अकालयिष्यन्त |
| अकालयिष्यथाः | अकालयिष्येथाम् | अकालयिष्यध्वम् |
| अकालयिष्ये | अकालयिष्यावहि | अकालयिष्यामहि |

815 कल्लि (कल्ल) शब्दे

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० कल्लयति | कल्लयतः | कल्लयन्ति |
| कल्लयसि | कल्लयथः | कल्लयथ |
| कल्लयामि | कल्लयावः | कल्लयामः |
| स० कल्लयेत् | कल्लयेताम् | कल्लयेयुः |
| कल्लयेः | कल्लयेतम् | कल्लयेत |
| कल्लयेयम् | कल्लयेव | कल्लयेम |
| प० कल्लयतु | कल्लयतात् | कल्लयताम् |
| कल्लय | कल्लयतात् | कल्लयतम् |
| कल्लयानि | कल्लयाव | कल्लयाम |
| झ० अकल्लयत् | अकल्लयताम् | अकल्लयन् |
| अकल्लयः | अकल्लयतम् | अकल्लयत |
| अकल्लयम् | अकल्लयाव | अकल्लयाम |
| अ० अचकल्लत | अचकल्लताम् | अचकल्लन् |
| अचकल्लः | अचकल्लतम् | अचकल्लत |
| अचकल्लम् | अचकल्लाव | अचकल्लाम |
| प० कल्लयाश्चकार | कल्लयाश्चक्रुः | कल्लयाश्चक्रुः |
| कल्लयाश्चकर्षे | कल्लयाश्चक्रुः | कल्लयाश्चक्रुः |
| कल्लयाश्चकार-चकर | कल्लयाश्चक्रुव | कल्लयाश्चक्रुम |
| कल्लयाम्बभूव | कल्लयामास | |
| आ० कल्ल्यात् | कल्ल्यास्तम् | कल्ल्यास्तुः |
| कल्ल्याः | कल्ल्यास्तम् | कल्ल्यास्त |
| कल्ल्यासम् | कल्ल्यास्व | कल्ल्यास्म |
| अ० कल्लयिता | कल्लयितारौ | कल्लयितारः |
| कल्लयितासि | कल्लयितास्थः | कल्लयितास्थ |
| कल्लयितास्मि | कल्लयितास्वः | कल्लयितास्मः |
| भ० कल्लयिष्यति | कल्लयिष्यतः | कल्लयिष्यन्ति |
| कल्लयिष्यसि | कल्लयिष्यथः | कल्लयिष्यथ |
| कल्लयिष्यामि | कल्लयिष्यावः | कल्लयिष्यामः |
| क्रि० अकल्लयिष्यत् | अकल्लयिष्यताम् | अकल्लयिष्यन् |
| अकल्लयिष्यः | अकल्लयिष्यतम् | अकल्लयिष्यत |
| अकल्लयिष्यम् | अकल्लयिष्याव | अकल्लयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० कल्लयते | कल्लयेते | कल्लयन्ते |
| कल्लयसे | कल्लयेथे | कल्लयध्वे |
| कल्लये | कल्लयावहे | कल्लयामहे |
| स० कल्लयेत | कल्लयेयाताम् | कल्लयेरन् |
| कल्लयेथाः | कल्लयेयाथाम् | कल्लयेध्वम् |
| कल्लयेथ | कल्लयेवहि | कल्लयेमहि |
| प० कल्लयताम् | कल्लयेताम् | कल्लयन्ताम् |
| कल्लयस्व | कल्लयेथाम् | कल्लयध्वम् |
| कल्लये | कल्लयावहे | कल्लयामहे |
| झ० अकल्लयत | अकल्लयेताम् | अकल्लयन्त |
| अकल्लयथाः | अकल्लयेथाम् | अकल्लयध्वम् |
| अकल्लये | अकल्लयावहि | अकल्लयामहि |
| अ० अचकल्लत | अचकल्लेताम् | अचकल्लन्त |
| अचकल्लथाः | अचकल्लेथाम् | अचकल्लध्वम् |
| अचकल्ले | अचकल्लावहि | अचकल्लामहि |
| प० कल्लयाश्चक्रे | कल्लयाश्चक्राते | कल्लयाश्चक्रिरे |
| कल्लयाश्चकृषे | कल्लयाश्चक्राथे | कल्लयाश्चक्रुवहे |
| कल्लयाश्चक्रे | कल्लयाश्चक्रुवहे | कल्लयाश्चक्रुमहे |
| कल्लयाम्बभूव | कल्लयामास | |
| आ० कल्लयिषीष्ट | कल्लयिषीयस्ताम् | कल्लयिषीरन् |
| कल्लयिषीष्ठाः | कल्लयिषीयास्थाम् | कल्लयिषीदध्वम् |
| कल्लयिषीय | कल्लयिषीवहि | कल्लयिषीमहि |
| अ० कल्लयिता | कल्लयितारौ | कल्लयितारः |
| कल्लयितासे | कल्लयितासाथे | कल्लयिताध्वे |
| कल्लयिताहे | कल्लयितास्वहे | कल्लयितामहे |
| भ० कल्लयिष्यते | कल्लयिष्येते | कल्लयिष्यन्ते |
| कल्लयिष्यसे | कल्लयिष्येथे | कल्लयिष्यध्वे |
| कल्लयिष्ये | कल्लयिष्यावहे | कल्लयिष्यामहे |
| क्रि० अकल्लयिष्यत् | अकल्लयिष्येताम् | अकल्लयिष्यन्त |
| अकल्लयिष्यथाः | अकल्लयिष्येथाम् | अकल्लयिष्यध्वम् |
| अकल्लयिष्ये | अकल्लयिष्यावहि | अकल्लयिष्यामहि |

॥ अथ वान्ताश्चतुर्दश ॥

816 तेवृड (तेव्) देवने ।

| | | | |
|----|----------|-----------|----------|
| व० | तेवयति | तेवयतः | तेवयन्ति |
| | तेवयसि | तेवयथः | तेवयथ |
| | तेवयामि | तेवयावः | तेवयामः |
| स० | तेवयेत् | तेवयेताम् | तेवयेयुः |
| | तेवयेः | तेवयेतम् | तेवयेत |
| | तेवयेयम् | तेवयेव | तेवयेम |

| | | | | |
|----|---------|----------|----------|----------|
| प० | तेवयतु | तेवयतात् | तेवयताम् | तेवयन्तु |
| | तेवय | तेवयतात् | तेवयतम् | तेवयत |
| | तेवयानि | तेवयाव | | तेवयाम |

| | | | |
|----|---------|-----------|---------|
| ह० | अतेवयत् | अतेवयताम् | अतेवयन् |
| | अतेवयः | अतेवयतम् | अतेवयत |
| | अतेवयम् | अतेवयाव | अतेवयाम |

| | | | |
|----|----------|------------|----------|
| अ० | अतितेवत् | अतितेवताम् | अतितेवन् |
| | अतितेवः | अतितेवतम् | अतितेवत |
| | अतितेवम् | अतितेवाव | अतितेवाम |

| | | | |
|----|-----------------|---------------|---------------|
| प० | तेवयाश्चकार | तेवयाश्चक्रुः | तेवयाश्चक्रुः |
| | तेवयाश्चकर्थ | तेवयाश्चक्रुः | तेवयाश्चक्रुः |
| | तेवयाश्चकार-चकर | तेवयाश्चक्रुव | तेवयाश्चक्रुम |
| | तेवयाम्बभूव | । | तेवयामास |

| | | | |
|----|-----------|--------------|-----------|
| आ० | तेव्यात् | तेव्यास्ताम् | तेव्यासुः |
| | तेव्याः | तेव्यास्तम् | तेव्यास्त |
| | तेव्यासम् | तेव्यास्व | तेव्यास्म |

| | | | |
|------|-------------|-------------|-------------|
| श्च० | तेवयिता | तेवयितारौ | तेवयितारः |
| | तेवयितासि | तेवयितास्थः | तेवयितास्थ |
| | तेवयितास्मि | तेवयितास्वः | तेवयितास्मः |

| | | | |
|----|-------------|-------------|--------------|
| भ० | तेवयिष्यति | तेवयिष्यतः | तेवयिष्यन्ति |
| | तेवयिष्यसि | तेवयिष्यथः | तेवयिष्यथ |
| | तेवयिष्यामि | तेवयिष्यावः | तेवयिष्यामः |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|-------------|
| क्रि० | अतेवयिष्यत् | अतेवयिष्यताम् | अतेवयिष्यन् |
| | अतेवयिष्यः | अतेवयिष्यतम् | अतेवयिष्यत |
| | अतेवयिष्यम् | अतेवयिष्याव | अतेवयिष्याम |

| | | | |
|----|---------|----------|----------|
| व० | तेवयेते | तेवयेते | तेवयन्ते |
| | तेवयसे | तेवयेथे | तेवयध्वे |
| | तेवये | तेवयावहे | तेवयामहे |

| | | | |
|----|----------|-------------|------------|
| स० | तेवयेत | तेवयेयाताम् | तेवयेरन् |
| | तेवयेथाः | तेवयेथायाम् | तेवयेध्वम् |
| | तेवयेय | तेवयेवहि | तेवयेमहि |

| | | | |
|----|----------|-----------|------------|
| प० | तेवयताम् | तेवयेताम् | तेवयन्ताम् |
| | तेवयस्व | तेवयेथाम् | तेवयध्वम् |
| | तेवये | तेवयावहै | तेवयामहे |

| | | | |
|------|----------|------------|------------|
| ह्य० | अतेवयत | अतेवयेताम् | अतेवयन्त |
| | अतेवयथाः | अतेवयेथाम् | अतेवयध्वम् |
| | अतेवये | अतेयावहि | अतेवयामहि |

| | | | |
|----|-----------|-------------|-------------|
| अ० | अतितेवत | अतितेवेताम् | अतितेवन्त |
| | अतितेवथाः | अतितेवेथाम् | अतितेवध्वम् |
| | अतितेवे | अतितेवावहि | अतितेवामहि |

| | | | |
|----|--------------|----------------|----------------|
| प० | तेवयाश्चक्रे | तेवयाश्चक्राते | तेवयाश्चकिरे |
| | तेवयाश्चकृषे | तेवयाश्चक्राथे | तेवयाश्चकृवहे |
| | तेवयाश्चक्रे | तेवयाश्चकृवहे | तेवयाश्चक्रमहे |
| | तेवयाम्बभूव | । | तेवयामास |

| | | | |
|----|--------------|-----------------|--------------|
| आ० | तेवयिषीष्ट | तेवयिषीयास्ताम् | तेवयिषीरन् |
| | तेवयिषीष्ठाः | तेवयिषीयास्थाम् | तेवयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |

| | | | |
|------|-----------|--------------|--------------|
| | तेवयिषीय | तेवयिषीवहि | तेवयिषीमहि |
| श्च० | तेवयिता | तेवयितारौ | तेवयितारः |
| | तेवयितासे | तेवयितासाथे | तेवयिताध्वे |
| | तेवयिताहे | तेवयितास्वहे | तेवयितास्महे |

| | | | |
|----|------------|--------------|--------------|
| भ० | तेवयिष्यते | तेवयिष्येते | तेवयिष्यन्ते |
| | तेवयिष्यसे | तेवयिष्येथे | तेवयिष्यध्वे |
| | तेवयिष्ये | तेवयिष्यावहे | तेवयिष्यामहे |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| क्रि० | अतेवयिष्यत | अतेवयिष्येताम् | अतेवयिष्यन्त |
| | अतेवयिष्यथाः | अतेवयिष्येथाम् | अतेवयिष्यध्वम् |
| | अतेवयिष्ये | अतेवयिष्यावहि | अतेवयिष्यामहि |

817 देवृह् (देव्) देवने ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| ब० | देवयति | देवयतः | देवयन्ति |
| | देवयसि | देवयथः | देवयथ |
| | देवयामि | देवयावः | देवयामः |
| स० | देवयेत् | देवयेताम् | देवयेयुः |
| | देवयेः | देवयेतम् | देवयेत |
| | देवयेयम् | देवयेव | देवयेम |
| प० | देवयतु | देवयतात् | देवयताम् |
| | देवय | देवयतात् | देवयतम् |
| | देवयानि | देवयाव | देवयाम |
| ह्य० | अदेवयत् | अदेवयताम् | अदेवयन् |
| | अदेवयः | अदेवयतम् | अदेवयत |
| | अदेवयम् | अदेवयाव | अदेवयाम |
| अ० | अदिदेवत् | अदिदेवताम् | अदिदेवन् |
| | अदिदेवः | अदिदेवतम् | अदिदेवत |
| | अदिदेवम् | अदिदेवाव | अदिदेवाम |
| प० | देवयाश्चकार | देवयाश्चक्रुः | देवयाश्चक्रुः |
| | देवयाश्चकर्थ | देवयाश्चक्रथुः | देवयाश्चक्र |
| | देवयाश्चकार-चकर | देवयाश्चक्रव | देवयाश्चक्रम |
| | देवयाम्बभूव | देवयामास | |
| आ० | देव्यात् | देव्यास्ताम् | देव्यासुः |
| | देव्याः | देव्यास्तम् | देव्यास्त |
| | देव्यासम् | देव्यास्व | देव्यास्म |
| भ० | देवयिता | देवयितारौ | देवयितारः |
| | देवयितासि | देवयितास्थः | देवयितास्थ |
| | देवयितास्मि | देवयितास्वः | देवयितास्मः |
| भ० | देवयिष्यति | देवयिष्यतः | देवयिष्यन्ति |
| | देवयिष्यसि | देवयिष्यथः | देवयिष्यथ |
| | देवयिष्यामि | देवयिष्यावः | देवयिष्यामः |
| क्रि० | अदेवयिष्यत् | अदेवयिष्यताम् | अदेवयिष्यन् |
| | अदेवयिष्यः | अदेवयिष्यतम् | अदेवयिष्यत |
| | अदेवयिष्यम् | अदेवयिष्याव | अदेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|----------------|
| व० | देवयते | देवयेते | देवयन्ते |
| | देवयसे | देवयेथे | देवयथ्वे |
| | देवये | देवयावहे | देवयामहे |
| स० | देवयेत | देवयेयाताम् | देवयेरन् |
| | देवयेथाः | देवयेथाम् | देवयेध्वम् |
| | देवयेय | देवयेवहि | देवयेमहि |
| प० | देवयताम् | देवयेताम् | देवयन्ताम् |
| | देवयस्व | देवयेथाम् | देवयध्वम् |
| | देवयै | देवयावहे | देवयामहे |
| ह्य० | अदेवयत | अदेवयेताम् | अदेवयन्त |
| | अदेवयथाः | अदेवयेथाम् | अदेवयध्वम् |
| | अदेवये | अदेवयावहि | अदेवयामहि |
| अ० | अदिदेवत | अदिदेवेथाम् | अदिदेवन्त |
| | अदिदेवथाः | अदिदेवेथाम् | अदिदेवध्वम् |
| | अदिदेवे | अदिदेवावहि | अदिदेवामहि |
| प० | देवयाश्चक्रे | देवयाश्चक्राते | देवयाश्चक्रिरे |
| | देवयाश्चक्रुषे | देवयाश्चक्राये | देवयाश्चक्रुव |
| | देवयाश्चक्रे | देवयाश्चक्रवहे | देवयाश्चक्रमहे |
| | देवयाम्बभूव | देवयामास | |
| आ० | देवयिषीष्ट | देवयिषीयास्ताम् | देवयिषीरन् |
| | देवयिषीष्ठाः | देवयिषीयास्याम् | देवयिषीढ्वम् |
| | देवयिषीय | देवयिषीवहि | देवयिषीमहि |
| भ० | देवयिता | देवयितारौ | देवयितारः |
| | देवयितासे | देवयितासाये | देवयिताध्वे |
| | देवयिताहे | देवयितास्वहे | देवयितास्महे |
| भ० | देवयिष्यते | देवयिष्येते | देवयिष्यन्ते |
| | देवयिष्यसे | देवयिष्येथे | देवयिष्यथ्वे |
| | देवयिष्ये | देवयिष्यावहे | देवयिष्यामहे |
| क्रि० | अदेवयिष्यत | अदेवयिष्येताम् | अदेवयिष्यन्त |
| | अदेवयिष्यथाः | अदेवयिष्येथाम् | अदेवयिष्यध्वम् |
| | अदेवयिष्ये | अदेवयिष्यावहि | अदेवयिष्यामहि |

२१८ षेट् [सेव्] सेवने ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|---------------|
| व० | सेवयति | सेवयतः | सेवयन्ति |
| | सेवयसि | सेवयथः | सेवयथ |
| | सेवयामि | सेवयावः | सेवयामः |
| स० | सेवयेत् | सेवयेताम् | सेवयेयुः |
| | सेवयेः | सेवयेतम् | सेवयेत |
| | सेवयेयम् | सेवयेव | सेवयेम |
| प० | सेवयतु | सेवयतात् | सेवयताम् |
| | सेवय | सेवयतात् | सेवयतम् |
| | सेवयानि | सेवयाव | सेवयाम |
| ह्य० | असेवयत् | असेवयताम् | असेवयन् |
| | असेवयः | असेवयतम् | असेवयत |
| | असेवयम् | असेवयाव | असेवयाम |
| अ० | असिषेवत् | असिषेवताम् | असिषेवन् |
| | असिषेवः | असिषेवतम् | असिषेवत |
| | असिषेवम् | असिषेवाव | असिषेवाम |
| प० | सेवयाश्चकार | सेवयाश्चकतुः | सेवयाश्चक्रुः |
| | सेवयाश्चकथं | सेवयाश्चकथुः | सेवयाश्चक्र |
| | सेवयाश्चकार-चकर | सेवयाश्चकृव | सेवयाश्चकृम |
| | सेवयाम्बभूव । सेवयामास | | |
| आ० | सेव्यात् | सेव्यास्ताम् | सेव्यासुः |
| | सेव्याः | सेव्यास्तम् | सेव्यास्त |
| | सेव्यासम् | सेव्यास्व | सेव्यास्म |
| श्व० | सेवयिता | सेवयितारौ | सेवयितारः |
| | सेवयितासि | सेवयितास्थः | सेवयितास्थ |
| | सेवयितास्मि | सेवयितास्वः | सेवयितास्मः |
| भ० | सेवयिष्यति | सेवयिष्यतः | सेवयिष्यन्ति |
| | सेवयिष्यसि | सेवयिष्यथः | सेवयिष्यथ |
| | सेवयिष्यामि | सेवयिष्यावः | सेवयिष्यामः |
| क्रि० | असेवयिष्यत् | असेवयिष्यताम् | असेवयिष्यन् |
| | असेवयिष्यः | असेवयिष्यतम् | असेवयिष्यत |
| | असेवयिष्यम् | असेवयिष्याव | असेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|-----------------|
| व० | सेवयते | सेवयते | सेवयन्ते |
| | सेवयसे | सेवयथे | सेवयध्वे |
| | सेवये | सेवयावहे | सेवयामहे |
| स० | सेवयेत् | सेवयेयाताम् | सेवयेरन् |
| | सेवयेथाः | सेवयेयाथाम् | सेवयेध्वम् |
| | सेवयेय | सेवयेवहि | सेवयेमहि |
| प० | सेवयताम् | सेवयेताम् | सेवयन्ताम् |
| | सेवयस्व | सेवयेथाम् | सेवयध्वम् |
| | सेवयै | सेवयावहे | सेवयामहे |
| ह्य० | असेवयत | असेवयेताम् | असेवयन्त |
| | असेवयथाः | असेवयेथाम् | असेवयध्वम् |
| | असेवये | असेवयावहि | असेवयामहि |
| अ० | असिषेवत | असिषेवेताम् | असिषेवन्त |
| | असिषेवथाः | असिषेवेथाम् | असिषेवध्वम् |
| | असिषेवे | असिषेवावहि | असिषेवामहि |
| प० | सेवयाश्चक्रे | सेवयाश्चक्राते | सेवयाश्चक्रिरे |
| | सेवयाश्चकृषे | सेवयाश्चक्राथे | सेवयाश्चकृदध्वे |
| | सेवयाश्चक्रे | सेवयाश्चकृवहे | सेवयाश्चकृमहे |
| | सेवयाम्बभूव । सेवयामास | | |
| आ० | सेवयिषीष्ट | सेवयिषीयास्थाम् | सेवयिषीरन् |
| | सेवयिषीष्टाः | सेवयिषीयास्थाम् | सेवयिषीदध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | सेवयिषीय | सेवयिषीवहि | सेवयिषीमहि |
| श्व० | सेवयिता | सेवयितारौ | सेवयितारः |
| | सेवयितासे | सेवयितासाथे | सेवयिताध्वे |
| | सेवयिताहे | सेवयितास्वहे | सेवयितास्महे |
| भ० | सेवयिष्यते | सेवयिष्येते | सेवयिष्यन्ते |
| | सेवयिष्यसे | सेवयिष्येथे | सेवयिष्यध्वे |
| | सेवयिष्ये | सेवयिष्यावहे | सेवयिष्यामहे |
| क्रि० | असेवयिष्यत | असेवयिष्येताम् | असेवयिष्यन्त |
| | असेवयिष्यथाः | असेवयिष्येथाम् | असेवयिष्यध्वम् |
| | असेवयिष्ये | असेवयिष्यावहि | असेवयिष्यामहि |

819 सेवृङ्ग [सेवृ) सेवने

| | | | |
|------|------------------|---------------|---------------|
| व० | सेवयति | सेवयतः | सेवयन्ति |
| | सेवयसि | सेवयथः | सेवयथ |
| | सेवयामि | सेवयावः | सेवयामः |
| स० | सेवयेत् | सेवयेताम् | सेवयेयुः |
| | सेवयेः | सेवयेतम् | सेवयेत |
| | सेवयेयम् | सेवयेव | सेवयेम |
| प० | सेवयतुं | सेवयतात् | सेवयन्तु |
| | सेवय | सेवयतात् | सेवयत |
| | सेवयानि | सेवयाव | सेवयाम |
| ह्य० | असेवयत् | असेवयताम् | असेवयन् |
| | असेवयः | असेवयतम् | असेवयत |
| | असेवयम् | असेवयाव | असेवयाम |
| अ० | असिसेवत् | असिसेवताम् | असिसेवन् |
| | असिसेवः | असिसेवतम् | असिसेवत |
| | असिसेवम् | असिसेवाव | असिसेवाम |
| प० | सेवयाश्चकार | सेवयाश्चक्रुः | सेवयाश्चक्रुः |
| | सेवयाश्चकर्त्तुं | सेवयाश्चक्रुः | सेवयाश्चक्रुः |
| | सेवयाश्चकार-चकर | सेवयाश्चक्रुव | सेवयाश्चक्रुम |
| | सेवयाश्चक्रुव | सेवयामास | |
| आ० | सेव्यात् | सेव्यास्ताम् | सेव्यासुः |
| | सेव्याः | सेव्यास्तम् | सेव्यास्त |
| | सेव्यासम् | सेव्यास्व | सेव्यास्म |
| श्व० | सेवयिता | सेवयितारौ | सेवयितारः |
| | सेवयितासि | सेवयितास्थः | सेवयितास्थ |
| | सेवयितास्मि | सेवयितास्वः | सेवयितास्मः |
| भ० | सेवयिष्यति | सेवयिष्यतः | सेवयिष्यन्ति |
| | सेवयिष्यसि | सेवयिष्यथः | सेवयिष्यन्ति |
| | सेवयिष्यामि | सेवयिष्यावः | सेवयिष्यामः |
| क्र० | असेवयिष्यत् | असेवयिष्यताम् | असेवयिष्यन् |
| | असेवयिष्यः | असेवयिष्यतम् | असेवयिष्यत |
| | असेवयिष्यम् | असेवयिष्याव | असेवयिष्याम |

| | | | |
|------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | सेवयते | सेवयेते | सेवयन्ते |
| | सेवयसे | सेवयेथे | सेवयध्वं |
| | सेवय | सेवयावहे | सेवयामहे |
| स० | सेवयेत् | सेवयेथाताम् | सेवयेरन् |
| | सेवयेथाः | सेवयेथायाम् | सेवयेध्वम् |
| | सेवयेथ | सेवयेवदि | सेवयेमहि |
| प० | सेवयताम् | सेवयेताम् | सेवयन्ताम् |
| | सेवयस्व | सेवयेथाम् | सेवयध्वम् |
| | सेवयै | सेवयावहै | सेवयामहै |
| ह्य० | असेवयत | असेवयताम् | असेवयन्त |
| | असेवयथाः | असेवयेथाम् | असेवयध्वम् |
| | असेवये | असेवयावहि | असेवयामहि |
| अ० | असिसेवत | असिसेवेताम् | असिसेवन्त |
| | असिसेवथाः | असिसेवेथाम् | असिसेवध्वम् |
| | असिसेवे | असिसेवावहि | असिसेवामहि |
| प० | सेवयाश्चक्रे | सेवयाश्चक्रते | सेवयाश्चक्रिरे |
| | सेवयाश्चक्रुषे | सेवयाश्चक्रुषे | सेवयाश्चक्रुद्वे |
| | सेवयाश्चक्रे | सेवयाश्चक्रुवहे | सेवयाश्चक्रुमहे |
| | सेवयाश्चक्रुव | सेवयामास | |
| आ० | सेवयिषीष्ट | सेवयिषीयास्याम् | सेवयिषीरन् |
| | सेवयिषीष्टाः | सेवयिषीयास्याम् | सेवयिषीहवम् |
| | सेवयिषीय | सेवयिषीवहि | सेवयिषीमहि |
| श्व० | सेवयिता | सेवयितारौ | सेवयितारः |
| | सेवयितासे | सेवयितासाथे | सेवयिताध्वे |
| | सेवयिताहे | सेवयितास्वहे | सेवयितास्महे |
| भ० | सेवयिष्यते | सेवयिष्येते | सेवयिष्यन्ते |
| | सेवयिष्यसे | सेवयिष्येथे | सेवयिष्यध्वे |
| | सेवयिष्ये | सेवयिष्यावहे | सेवयिष्यामहे |
| क्र० | असेवयिष्यत | असेवयिष्येताम् | असेवयिष्यन्त |
| | असेवयिष्यथाः | असेवयिष्येथाम् | असेवयिष्यध्वम् |
| | असेवयिष्ये | असेवयिष्यावहि | असेवयिष्यामहि |

820 क्ठइ [केव्) सेवने

| | | | |
|-------|-------------------------------|---------------|---------------|
| व० | केवयति | केवयतः | केवयन्ति |
| | केवयसि | केवयथः | केवयथ |
| | केवयामि | केवयावः | केवयामः |
| स० | केवयेत् | केवयेताम् | केवयेयुः |
| | केवयेः | केवयेताम् | केवयेत |
| | केवयेयम् | केवयेव | केवयेम |
| प० | केवयतु | केवयतात् | केवयताम् |
| | केवय | केवयतात् | केवयत |
| | केवयानि | केवयाव | केवयाम |
| ह्य० | अकेवयत् | अकेवयताम् | अकेवयन् |
| | अकेवयः | अकेवयतम् | अकेवयत |
| | अकेवयम् | अकेवयाव | अकेवयाम |
| अ० | अचिकेवत | अचिकेवताम् | अचिकेवन् |
| | अचिकेवः | अचिकेवतम् | अचिकेवत |
| | अचिकेवम् | अचिकेवाव | अचिकेवाम |
| प० | केवयाश्चकार | केवयाश्चक्रुः | केवयाश्चक्रुः |
| | केवयाश्चक्य | केवयाश्चक्रुः | केवयाश्चक्रुः |
| | केवयाश्चकार-चकर | केवयाश्चक्रुव | केवयाश्चक्रुम |
| | केवयाश्चक्रुव । केवयाश्चक्रुम | | |
| भा० | केव्यात् | केव्यास्ताम् | केव्यासुः |
| | केव्याः | केव्यास्तम् | केव्यास्त |
| | केव्यासम् | केव्यास्व | केव्यासम् |
| श्व० | केवयिता | केवयितारौ | केवयितारः |
| | केवयितासि | केवयितास्थः | केवयितास्थ |
| | केवयितास्मि | केवयितास्वः | केवयितास्मः |
| भस | केवयिष्यति | केवयिष्यतः | केवयिष्यन्ति |
| | केवयिष्यसि | केवयिष्यथः | केवयिष्यन्ति |
| | केवयिष्यामि | केवयिष्यावः | केवयिष्यामः |
| क्रि० | अकेवयिष्यत् | अकेवयिष्यताम् | अकेवयिष्यन् |
| | अकेवयिष्यः | अकेवयिष्यतम् | अकेवयिष्यत |
| | अकेवयिष्यम् | अकेवयिष्याव | अकेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------------------------|-----------------|------------------|
| व० | केवयते | केवयेते | केवयन्ते |
| | केवयसे | केवयेथे | केवयध्वे |
| | केवये | केवयावहे | केवयामहे |
| स० | केवयेत | केवयेयाताम् | केवयेरन् |
| | केवयेथाः | केवयेयाथाम् | केवयेध्वम् |
| | केवयेय | केवयेवहि | केवयेमहि |
| प० | केवयताम् | केवयेताम् | केवयन्ताम् |
| | केवयस्व | केवयेथाम् | केवयध्वम् |
| | केवयै | केवयावहै | केवयामहै |
| ह्य० | अकेवयत | अकेवयेताम् | अकेवयन्त |
| | अकेवयथाः | अकेवयेथाम् | अकेवयध्वम् |
| | अकेवये | अकेवयावहि | अकेवयामहि |
| अ० | अचिकेवत | अचिकेवेताम् | अचिकेवन्त |
| | अचिकेवथाः | अचिकेवेथाम् | अचिकेवध्वम् |
| | अचिकेवे | अचिकेवावहि | अचिकेवामहि |
| प० | केवयाश्चक्रे | केवयाश्चक्राते | केवयाश्चक्रिरे |
| | केवयाश्चक्रुषे | केवयाश्चक्राये | केवयाश्चक्रुद्वे |
| | केवयाश्चक्रे | केवयाश्चक्रुवहे | केवयाश्चक्रुमहे |
| | केवयाश्चक्रुव । केवयाश्चक्रुम | | |
| भा० | केवयिषीष्ट | केवयिषीयास्थाम् | केवयिषीरन् |
| | केवयिषीष्ठाः | केवयिषीयास्थाम् | केवयिषीद्वम् |
| | ध्वम् | | |
| | केवयिषीय | केवयिषीवहि | केवयिषीमहि |
| श्व० | केवयिता | केवयितारौ | केवयितारः |
| | केवयितासे | केवयितासाथे | केवयिताध्वे |
| | केवयिताहे | केवयितास्वहे | केवयितास्महे |
| भ० | केवयिष्यते | केवयिष्येते | केवयिष्यन्ते |
| | केवयिष्यसे | केवयिष्येथे | केवयिष्यध्वे |
| | केवयिष्ये | केवयिष्यावहे | केवयिष्यामहे |
| क्रि० | अकेवयिष्यत | अकेवयिष्येताम् | अकेवयिष्यन्त |
| | अकेवयिष्यथाः | अकेवयिष्येथाम् | अकेवयिष्यध्वम् |
| | अकेवयिष्ये | अकेवयिष्यावहि | अकेवयिष्यामहि |

821 खेवृक् [खेव्) सेवने ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | खेवयति | खेवयतः | खेवयन्ति |
| | खेवयसि | खेवयथः | खेवयथ |
| | खेवयामि | खेवयावः | खेवयामः |
| स० | खेवयेत् | खेवयेताम् | खेवयेयुः |
| | खेवयेः | खेवयेतम् | खेवयेत |
| | खेवयेयम् | खेवयेव | खेवयेम |
| प० | खेवयतु | खेवयतात् | खेवयताम् |
| | खेवय | खेवयतात् | खेवयतम् |
| | खेवयानि | खेवयाव | खेवयाम |
| झ० | अखेवयत् | अखेवयताम् | अखेवयन् |
| | अखेवयः | अखेवयतम् | अखेवयत |
| | अखेवयम् | अखेवयाव | अखेवयाम |
| ञ० | अचिखेवत् | अचिखेवताम् | अचिखेवन् |
| | अचिखेवः | अचिखेवतम् | अचिखेवत |
| | अचिखेवम् | अचिखेवाव | अचिखेवाम |
| ट० | खेवयाञ्चकार | खेवयाञ्चक्रतुः | खेवयाञ्चक्रुः |
| | खेवयाञ्चकथ | खेवयाञ्चक्रथुः | खेवयाञ्चक्र |
| | खेवयाञ्चकार-चकर | खेवयाञ्चक्रव | खेवयाञ्चक्रम |
| | खेवयाम्बभूव | खेवयामास | |
| आ० | खेव्यात् | खेव्यास्ताम् | खेव्यासुः |
| | खेव्याः | खेव्यास्तम् | खेव्यास्त |
| | खेव्यासम् | खेव्यास्व | खेव्यास्म |
| इ० | खेवयिता | खेवयितारौ | खेवयितारः |
| | खेवयितासि | खेवयितास्थः | खेवयितास्थ |
| | खेवयितास्मि | खेवयितास्वः | खेवयितास्मः |
| भ० | खेवयिष्यति | खेवयिष्यतः | खेवयिष्यन्ति |
| | खेवयिष्यसि | खेवयिष्यथः | खेवयिष्यथ |
| | खेवयिष्यामि | खेवयिष्यावः | खेवयिष्यामः |
| क्रि० | अखेवयिष्यत् | अखेवयिष्यताम् | अखेवयिष्यन् |
| | अखेवयिष्यः | अखेवयिष्यतम् | अखेवयिष्यत |
| | अखेवयिष्यम् | अखेवयिष्याव | अखेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | खेवयेते | खेवयेते | खेवयन्ते |
| | खेवयसे | खेवयेथे | खेवयध्वे |
| | खेवये | खेवयावहे | खेवयामहे |
| स० | खेवयेत | खेवयेयाताम् | खेवयेरन् |
| | खेवयेथाः | खेवयेयाथाम् | खेवयेध्वम् |
| | खेवयेय | खेवयेवहि | खेवयेमहि |
| प० | खेवयताम् | खेवयेताम् | खेवयन्ताम् |
| | खेवयस्व | खेवयेथाम् | खेवयध्वम् |
| | खेवयै | खेवयावहै | खेवयामहै |
| झ० | अखेवयत | अखेवयेताम् | अखेवयन्त |
| | अखेवयथाः | अखेवयेथाम् | अखेवयध्वम् |
| | अखेवये | अखेवयावहि | अखेवयामहि |
| ञ० | अचिखेवत | अचिखेवेथाम् | अचिखेवन्त |
| | अचिखेवथाः | अचिखेवेथाम् | अचिखेवध्वम् |
| | अचिखेवे | अचिखेवावहि | अचिखेवामहि |
| ट० | खेवयाञ्चक्रे | खेवयाञ्चक्राते | खेवयाञ्चक्रिरे |
| | खेवयाञ्चकृषे | खेवयाञ्चक्राथे | खेवयाञ्चकृध्वे |
| | खेवयाञ्चक्रे | खेवयाञ्चकृवहे | खेवयाञ्चकृमहे |
| | खेवयाम्बभूव | खेवयामास | |
| आ० | खेवयिषीष्ट | खेवयिषीयास्ताम् | खेवयिषीरन् |
| | खेवयिषीष्टाः | खेवयिषीयास्थाम् | खेवयिषीध्वम् |
| | खेवयिषीय | खेवयिषीवहि | खेवयिषीमहि |
| इ० | खेवयिता | खेवयितारौ | खेवयितारः |
| | खेवयितासे | खेवयितासाथे | खेवयिताध्वे |
| | खेवयिताहे | खेवयितास्वहे | खेवयितास्महे |
| भ० | खेवयिष्येते | खेवयिष्येते | खेवयिष्यन्ते |
| | खेवयिष्यसे | खेवयिष्येथे | खेवयिष्यध्वे |
| | खेवयिष्ये | खेवयिष्यावहे | खेवयिष्यामहे |
| क्रि० | अखेवयिष्यत | अखेवयिष्येताम् | अखेवयिष्यन्त |
| | अखेवयिष्यथाः | अखेवयिष्येथाम् | अखेवयिष्यध्वम् |
| | अखेवयिष्ये | अखेवयिष्यावहि | अखेवयिष्यामहि |

822 गेवृङ् [गेवृ) सेवने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | गेवयति | गेवयतः | गेवयन्ति |
| | गेवयसि | गेवयथः | गेवयथ |
| | गेवयामि | गेवयावः | गेवयामः |
| स० | गेवयेत् | गेवयेताम् | गेवयेयुः |
| | गेवयेः | गेवयेतम् | गेवयेत |
| | गेवयेयम् | गेवयेव | गेवयेम |
| प० | गेवयतु | गेवयतात् | गेवयताम् |
| | गेवय | गेवयतात् | गेवयतम् |
| | गेवयानि | गेवयाव | गेवयाम |
| झ० | अगेवयत् | अगेवयताम् | अगेवयन् |
| | अगेवयः | अगेवयतम् | अगेवयत |
| | अगेवयम् | अगेवयाव | अगेवयाम |
| ञ० | अजिगेवत् | अजिगेवताम् | अजिगेवन् |
| | अजिगेवः | अजिगेवतम् | अजिगेवत |
| | अजिगेवम् | अजिगेवाव | अजिगेवाम |
| ट० | गेवयाञ्चकार | गेवयाञ्चक्रतुः | गेवयाञ्चक्रुः |
| | गेवयाञ्चक्य | गेवयाञ्चक्युः | गेवयाञ्चक्र |
| | गेवयाञ्चकार-चक्र | गेवयाञ्चकृव | गेवयाञ्चकृम |
| | गेवयाम्बभूव | गेवयामास | |
| आ० | गेव्यात् | गेव्यास्ताम् | गेव्यासुः |
| | गेव्याः | गेव्यास्तम् | गेव्यास्त |
| | गेव्यासम् | गेव्यास्व | गेव्यास्म |
| इ० | गेवयिता | गेवयितारौ | गेवयितारः |
| | गेवयितासि | गेवयितास्थः | गेवयितास्थ |
| | गेवयितास्मि | गेवयितास्वः | गेवयितास्मः |
| भ० | गेवयिष्यति | गेवयिष्यतः | गेवयिष्यन्ति |
| | गेवयिष्यसि | गेवयिष्यथः | गेवयिष्यथ |
| | गेवयिष्यामि | गेवयिष्यावः | गेवयिष्यामः |
| क्रि० | अगेवयिष्यत् | अगेवयिष्यताम् | अगेवयिष्यन् |
| | अगेवयिष्यः | अगेवयिष्यतम् | अगेवयिष्यत |
| | अगेवयिष्यम् | अगेवयिष्याव | अगेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | गेवयते | गेवयते | गेवयन्ते |
| | गेवयसे | गेवयेथे | गेवयध्वे |
| | गेवये | गेवयावहे | गेवयामहे |
| स० | गेवयेत | गेवयेयाताम् | गेवयेरन् |
| | गेवयेथाः | गेवयेयाथाम् | गेवयेध्वम् |
| | गेवयेय | गेवयेवहि | गेवयेमहि |
| प० | गेवयताम् | गेवयेताम् | गेवयन्ताम् |
| | गेवयस्व | गेवयेथाम् | गेवयध्वम् |
| | गेवयै | गेवयावहे | गेवयामहे |
| झ० | अगेवयत | अगेवयेताप् | अगेवयन्त |
| | अगेवयथाः | अगेवयेथाम् | अगेवयध्वम् |
| | अगेवये | अगेवयावहि | अगेवयामहि |
| ञ० | अजिगेवत | अजिगेवेथाम् | अजिगेवन्त |
| | अजिगेवथाः | अजिगेवेथाम् | अजिगेवध्वम् |
| | अजिगेवे | अजिगेवावहि | अजिगेवामहि |
| ट० | गेवयाञ्चक्रे | गेवयाञ्चक्राते | गेवयाञ्चक्रिरे |
| | गेवयाञ्चकृषे | गेवयाञ्चक्राथे | गेवयाञ्चकृद्वे |
| | गेवयाञ्चक्रे | गेवयाञ्चकृवहे | गेवयाञ्चकृमहे |
| | गेवयाम्बभूव | गेवयामास | |
| आ० | गेवयिषीष्ट | गेवयिषीयास्ताम् | गेवयिषीरन् |
| | गेवयिषीष्ठाः | गेवयिषीयास्थाम् | गेवयिषीद्वम् |
| | गेवयिषीय | गेवयिषीवहि | गेवयिषीमहि |
| इ० | गेवयिता | गेवयितारौ | गेवयितारः |
| | गेवयितासे | गेवयितासाथे | गेवयिताध्वे |
| | गेवयिताहे | गेवयितास्वहे | गेवयितास्महे |
| भ० | गेवयिष्यते | गेवयिष्येते | गेवयिष्यन्ते |
| | गेवयिष्यसे | गेवयिष्येथे | गेवयिष्यध्वे |
| | गेवयिष्ये | गेवयिष्यावहे | गेवयिष्यामहे |
| क्रि० | अगेवयिष्यत् | अगेवयिष्येताम् | अगेवयिष्यन्त |
| | अगेवयिष्यथाः | अगेवयिष्येथाम् | अगेवयिष्यध्वम् |
| | अगेवयिष्ये | अगेवयिष्यावहि | अगेवयिष्यामहि |

823 ग्लेवृह् [ग्लेव्) सेवने ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| ब० | ग्लेवयति | ग्लेवयतः | ग्लेवयन्ति |
| | ग्लेवयसि | ग्लेवयथः | ग्लेवयथ |
| | ग्लेवयामि | ग्लेवयावः | ग्लेवयामः |
| स० | ग्लेवयेत् | ग्लेवयेताम् | ग्लेवयेयुः |
| | ग्लेवयेः | ग्लेवयेतम् | ग्लेवयेत |
| | ग्लेवयेयम् | ग्लेवयेव | ग्लेवयेम |
| प० | ग्लेवयतु | ग्लेवयतात् | ग्लेवयताम् |
| | ग्लेवयः | ग्लेवयतात् | ग्लेवयतम् |
| | ग्लेवयानि | ग्लेवयाव | ग्लेवयाम |
| ह्य० | अग्लेवयत् | अग्लेवयताम् | अग्लेवयन् |
| | अग्लेवयः | अग्लेवयतम् | अग्लेवयत |
| | अग्लेवयम् | अग्लेवयाव | अग्लेवयाम |
| अ० | अजिग्लेवत् | अजिग्लेवताम् | अजिग्लेवन् |
| | अजिग्लेवः | अजिग्लेवतम् | अजिग्लेवत |
| | अजिग्लेवम् | अजिग्लेवाव | अजिग्लेवाम |
| प० | ग्लेवयाश्चकार | ग्लेवयाश्चक्रुः | ग्लेवयाश्चक्रुः |
| | ग्लेवयाश्चकथ | ग्लेवयाश्चक्रुः | ग्लेवयाश्चक्रुः |
| | ग्लेवयाश्चकार-चक्र | ग्लेवयाश्चक्रुव | ग्लेवयाश्चक्रुम |
| | ग्लेवयाम्बभूव । | ग्लेवयामास | |
| भा० | ग्लेव्यात् | ग्लेव्यास्ताम् | ग्लेव्यासुः |
| | ग्लेव्याः | ग्लेव्यास्तम् | ग्लेव्यास्त |
| | ग्लेव्यासम् | ग्लेव्यास्व | ग्लेव्यास्म |
| भ० | ग्लेवयिता | ग्लेवयितारौ | ग्लेवयितारः |
| | ग्लेवयितासि | ग्लेवयितास्थः | ग्लेवयितास्थ |
| | ग्लेवयितास्मि | ग्लेवयितास्वः | ग्लेवयितास्मः |
| भ० | ग्लेवयिष्यति | ग्लेवयिष्यतः | ग्लेवयिष्यन्ति |
| | ग्लेवयिष्यसि | ग्लेवयिष्यथः | ग्लेवयिष्यथ |
| | ग्लेवयिष्यामि | ग्लेवयिष्यावः | ग्लेवयिष्यामः |
| क्रि० | अग्लेवयिष्यत् | अग्लेवयिष्यताम् | अग्लेवयिष्यन् |
| | अग्लेवयिष्यः | अग्लेवयिष्यतम् | अग्लेवयिष्यत |
| | अग्लेवयिष्यम् | अग्लेवयिष्याव | अग्लेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|-------------------|------------------|
| ब० | ग्लेवयते | ग्लेवयेते | ग्लेवयन्ते |
| | ग्लेवयसे | ग्लेवयेथे | ग्लेवयन्ते |
| | ग्लेवये | ग्लेवयावहे | ग्लेवयामहे |
| स० | ग्लेवयेत | ग्लेवयेयाताम् | ग्लेवयेरन् |
| | ग्लेवयेथाः | ग्लेवयेयाथाम् | ग्लेवयेध्वम् |
| | ग्लेवयेथ | ग्लेवयेवहि | ग्लेवयेमहि |
| प० | ग्लेवयताम् | ग्लेवयेताम् | ग्लेवयन्ताम् |
| | ग्लेवयस्व | ग्लेवयेथाम् | ग्लेवयध्वम् |
| | ग्लेवयै | ग्लेवयावहे | ग्लेवयामहे |
| ह्य० | अग्लेवयत | अग्लेवयेताम् | अग्लेवयन्त |
| | अग्लेवयथाः | अग्लेवयेथाम् | अग्लेवयध्वम् |
| | अग्लेवये | अग्लेवयावहि | अग्लेवयामहि |
| अ० | अजिग्लेवत | अजिग्लेवेथाम् | अजिग्लेवन्त |
| | अजिग्लेवथाः | अजिग्लेवेथाम् | अजिग्लेवध्वम् |
| | अजिग्लेवे | अजिग्लेवावहि | अजिग्लेवामहि |
| प० | ग्लेवयाश्चक्रे | ग्लेवयाश्चक्रते | ग्लेवयाश्चक्रिरे |
| | ग्लेवयाश्चकृषे | ग्लेवयाश्चक्रथे | ग्लेवयाश्चकृद्वे |
| | ग्लेवयाश्चक्रे | ग्लेवयाश्चकृवहे | ग्लेवयाश्चकृमहे |
| | ग्लेवयाम्बभूव । | ग्लेवयामास | |
| भा० | ग्लेवयिषीष्ट | ग्लेवयिषीयास्ताम् | ग्लेवयिषीरन् |
| | ग्लेवयिषीष्टाः | ग्लेवयिषीयास्थाम् | ग्लेवयिषीद्वम् |
| | ग्लेवयिषीय | ग्लेवयिषीवहि | ग्लेवयिषीमहि |
| भ० | ग्लेवयिता | ग्लेवयितारौ | ग्लेवयितारः |
| | ग्लेवयितासे | ग्लेवयितासाथे | ग्लेवयिताध्वे |
| | ग्लेवयिताहे | ग्लेवयितास्वहे | ग्लेवयितास्महे |
| भ० | ग्लेवयिष्यते | ग्लेवयिष्येते | ग्लेवयिष्यन्ते |
| | ग्लेवयिष्यसे | ग्लेवयिष्येथे | ग्लेवयिष्यध्वे |
| | ग्लेवयिष्ये | ग्लेवयिष्यावहे | ग्लेवयिष्यामहे |
| क्रि० | अग्लेवयिष्यत | अग्लेवयिष्येताम् | अग्लेवयिष्यन्त |
| | अग्लेवयिष्यथाः | अग्लेवयिष्येथाम् | अग्लेवयिष्यध्वम् |
| | अग्लेवयिष्ये | अग्लेवयिष्यावहि | अग्लेवयिष्यामहि |

824 पेवृक् [पेव्) सेवने ।

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|---------------|
| व० | पेवयति | पेवयतः | पेवयन्ति |
| | पेवयसि | पेवयथः | पेवयथ |
| | पेवयामि | पेवयावः | पेवयामः |
| स० | पेवयेत् | पेवयेताम् | पेवयेयुः |
| | पेवयेः | पेवयेतम् | पेवयेत |
| | पेवयेयम् | पेवयेव | पेवयेम |
| प० | पेवयतु | पेवयतात् | पेवयन्तु |
| | पेवय | पेवयतात् | पेवयत |
| | पेवयानि | पेवयाव | पेवयाम |
| ह्य० | अपेवयत् | अपेवयताम् | अपेवयन् |
| | अपेवयः | अपेवयतम् | अपेवयत |
| | अपेवयम् | अपेवयाव | अपेवयाम |
| अ० | अपिपेवत् | अपिपेवताम् | अपिपेवन् |
| | अपिपेवः | अपिपेवतम् | अपिपेवत |
| | अपिपेवम् | अपिपेवाव | अपिपेवाम |
| प० | पेवयाश्चकार | पेवयाश्चकतुः | पेवयाश्चक्रुः |
| | पेवयाश्चकथं | पेवयाश्चकथुः | पेवयाश्चक्रु |
| | पेवयाश्चकार-चकर | पेवयाश्चकृव | पेवयाश्चकृम |
| | पेवयाश्चभूव । पेवयामास | | |
| आ० | पेव्यात् | पेव्यास्ताम् | पेव्यासुः |
| | पेव्याः | पेव्यास्तम् | पेव्यास्त |
| | पेव्यासम् | पेव्यास्व | पेव्यास्म |
| श्च० | पेवयिता | पेवयितारौ | पेवयितारः |
| | पेवयितासि | पेवयितास्थः | पेवयितास्थ |
| | पेवयितास्मि | पेवयितास्वः | पेवयितास्मः |
| भ० | पेवयिष्यति | पेवयिष्यतः | पेवयिष्यन्ति |
| | पेवयिष्यसि | पेवयिष्यथः | पेवयिष्यथ |
| | पेवयिष्यामि | पेवयिष्यावः | पेवयिष्यामः |
| क्रि० | अपेवयिष्यत् | अपेवयिष्यताम् | अपेवयिष्यन् |
| | अपेवयिष्यः | अपेवयिष्यतम् | अपेवयिष्यत |
| | अपेवयिष्यम् | अपेवयिष्याव | अपेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | पेवयते | पेवयेते | पेवयन्ते |
| | पेवयसे | पेवयेथे | पेवयध्वे |
| | पेवये | पेवयावहे | पेवयामहे |
| स० | पेवयेत् | पेवयेयाताम् | पेवयेरन् |
| | पेवयेथाः | पेवयेयाथाम् | पेवयेष्वम् |
| | पेवयेय | पेवयेवहि | पेवयेमहि |
| प० | पेवयताम् | पेवयेताम् | पेवयन्ताम् |
| | पेवयस्व | पेवयेथाम् | पेवयध्वम् |
| | पेवयं | पेवयावहै | पेवयामहै |
| ह्य० | अपेवयत | अपेवयेताम् | अपेवयन्त |
| | अपेवयथाः | अपेवयेथाम् | अपेवयध्वम् |
| | अपेवये | अपेवयावहि | अपेवयामहि |
| अ० | अपिपेवत् | अपिपेवेताम् | अपिपेवन्त |
| | अपिपेवथाः | अपिपेवेथाम् | अपिपेवध्वम् |
| | अपिपेवे | अपिपेवावहि | अपिपेवामहि |
| प० | पेवयाश्चक्रे | पेवयाश्चक्राते | पेवयाश्चक्रिरे |
| | पेवयाश्चकृषे | पेवयाश्चक्राथे | पेवयाश्चकृद्वे |
| | पेवयाश्चक्रे | पेवयाश्चकृवहे | पेवयाश्चकृमहे |
| | पेवयाश्चभूव । पेवयामास | | |
| आ० | पेवयिषीष्ट | पेवयिषीयास्थाम् | पेवयिषीरन् |
| | पेवयिषीष्टाः | पेवयिषीयास्थाम् | पेवयिषीद्वम् |
| | श्चम् | | |
| | पेवयिषीय | पेवयिषीवहि | पेवयिषीमहि |
| श्च० | पेवयिता | पेवयितारौ | पेवयितारः |
| | पेवयितासे | पेवयितासाथे | पेवयिताध्वे |
| | पेवयिताहे | पेवयितास्वहे | पेवयितास्महे |
| भ० | पेवयिष्यते | पेवयिष्येते | पेवयिष्यन्ते |
| | पेवयिष्यसे | पेवयिष्येथे | पेवयिष्यध्वे |
| | पेवयिष्ये | पेवयिष्यावहे | पेवयिष्यामहे |
| क्रि० | अपेवयिष्यत् | अपेवयिष्येताम् | अपेवयिष्यन्त |
| | अपेवयिष्यथाः | अपेवयिष्येथाम् | अपेवयिष्यध्वम् |
| | अपेवयिष्ये | अपेवयिष्यावहि | अपेवयिष्यामहि |

825 प्लेवृट् [प्लेव्) सेवने

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | प्लेवयति | प्लेवयतः | प्लेवयन्ति |
| | प्लेवयसि | प्लेवयथः | प्लेवयथ |
| | प्लेवयामि | प्लेवयावः | प्लेवयामः |
| स० | प्लेवयेत् | प्लेवयेताम् | प्लेवयेयुः |
| | प्लेवयेः | प्लेवयेतम् | प्लेवयेत |
| | प्लेवयेथम् | प्लेवयेव | प्लेवयेम |
| प० | प्लेवयतु | प्लेवयतात् | प्लेवयताम् |
| | प्लेवथ | प्लेवयतात् | प्लेवयतम् |
| | प्लेवयानि | प्लेवयाव | प्लेवयाम |
| ह्य० | अप्लेवयत् | अप्लेवयताम् | अप्लेवयन् |
| | अप्लेवयः | अप्लेवयतम् | अप्लेवयत |
| | अप्लेवयम् | अप्लेवयाव | अप्लेवयाम |
| अ० | अपिप्लेवत् | अपिप्लेवताम् | अपिप्लेवन् |
| | अपिप्लेवः | अपिप्लेवतम् | अपिप्लेवत |
| | अपिप्लेवम | अपिप्लेवाव | अपिप्लेवाम |
| प० | प्लेवयाञ्चकार | प्लेवयाञ्चक्रतुः | प्लेवयाञ्चक्रुः |
| | प्लेवयाञ्चकथं | प्लेवयाञ्चकथुः | प्लेवयाञ्चक्र |
| | प्लेवयाञ्चकार-चकर | प्लेवयाञ्चकृव | प्लेवयाञ्चकृम |
| | प्लेवयाम्बभूव | प्लेवयामास | |
| आ० | प्लेव्यात् | प्लेव्यास्ताम् | प्लेव्यासुः |
| | प्लेव्याः | प्लेव्यास्तम् | प्लेव्यास्त |
| | प्लेव्यासम् | प्लेव्यास्व | प्लेव्यास्म |
| श्व० | प्लेवयिता | प्लेवयितारौ | प्लेवयितारः |
| | प्लेवयितासि | प्लेवयितास्थः | प्लेवयितास्थ |
| | प्लेवयितास्मि | प्लेवयितास्वः | प्लेवयितास्मः |
| भ० | प्लेवयिष्यति | प्लेवयिष्यतः | प्लेवयिष्यन्ति |
| | प्लेवयिष्यसि | प्लेवयिष्यथः | प्लेवयिष्यथ |
| | प्लेवयिष्यामि | प्लेवयिष्यावः | प्लेवयिष्यामः |
| क्रि० | अप्लेवयिष्यत् | अप्लेवयिष्यताम् | अप्लेवयिष्यन् |
| | अप्लेवयिष्यः | अप्लेवयिष्यतम् | अप्लेवयिष्यत |
| | अप्लेवयिष्यम् | अप्लेवयिष्याव | अप्लेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | प्लेवयते | प्लेवयेते | प्लेवयन्ते |
| | प्लेवयसे | प्लेवयेथे | प्लेवयध्वे |
| | प्लेवये | प्लेवयावहे | प्लेवयामहे |
| स० | प्लेवयेत | प्लेवयेयाताम् | प्लेवयेयन् |
| | प्लेवयेथाः | प्लेवयेयाथाम् | प्लेवयेय्वम् |
| | प्लेवयेथ | प्लेवयेवहि | प्लेवयेमहि |
| प० | प्लेवयताम् | प्लेवयेताम् | प्लेवयन्ताम् |
| | प्लेवयस्व | प्लेवयेथाम् | प्लेवयध्वम् |
| | प्लेवयै | प्लेवयावहै | प्लेवयामहै |
| ह्य० | अप्लेवयत | अप्लेवयेताम् | अप्लेवयन्त |
| | अप्लेवयथाः | अप्लेवयेथाम् | अप्लेवयध्वम् |
| | अप्लेवये | अप्लेवयावहि | अप्लेवयामहि |
| अ० | अपिप्लेवत | अपिप्लेवेताम् | अपिप्लेवन्त |
| | अपिप्लेवथाः | अपिप्लेवेथाम् | अपिप्लेवध्वम् |
| | अपिप्लेवे | अपिप्लेवावहि | अपिप्लेवामहि |
| प० | प्लेवयाञ्चक्रे | प्लेवयाञ्चक्राते | प्लेवयाञ्चक्रिरे |
| | प्लेवयाञ्चकृषे | प्लेवयाञ्चकृषे | प्लेवयाञ्चकृद्वे |
| | प्लेवयाञ्चक्रे | प्लेवयाञ्चकृवहे | प्लेवयाञ्चकृमहे |
| | प्लेवयाम्बभूव | प्लेवयामास | |
| आ० | प्लेवयिषीष्ट | प्लेवयिषीयास्याम् | प्लेवयिषीरन् |
| | प्लेवयिषीष्ठाः | प्लेवयिषीयास्याम् | प्लेवयिषीद्वम् |
| | प्लेवयिषीथ | प्लेवयिषीवहि | प्लेवयिषीमहि |
| श्व० | प्लेवयिता | प्लेवयितारौ | प्लेवयितारः |
| | प्लेवयितासे | प्लेवयितासाथे | प्लेवयिताध्वे |
| | प्लेवयिताहे | प्लेवयितास्वहे | प्लेवयितास्महे |
| भ० | प्लेवयिष्यते | प्लेवयिष्येते | प्लेवयिष्यन्ते |
| | प्लेवयिष्यसे | प्लेवयिष्येथे | प्लेवयिष्यध्वे |
| | प्लेवयिष्ये | प्लेवयिष्यावहे | प्लेवयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्लेवयिष्यत | अप्लेवयिष्येताम् | अप्लेवयिष्यन्त |
| | अप्लेवयिष्यथाः | अप्लेवयिष्येथाम् | अप्लेवयिष्यध्वम् |
| | अप्लेवयिष्ये | अप्लेवयिष्यावहि | अप्लेवयिष्यामहि |

826 मेवृङ् [मेव्) सेवने ।

| | | | |
|------|------------------|---------------|---------------|
| ब० | मेवयति | मेवयतः | मेवयन्ति |
| | मेवयसि | मेवयथः | मेवयथ |
| | मेवयामि | मेवयावः | मेवयामः |
| स० | मेवयेत् | मेवयेताम् | मेवयेयुः |
| | मेवयेः | मेवयेतम् | मेवयेत |
| | मेवयेयम् | मेवयेव | मेवयेम |
| प० | मेवयतु | मेवयतात् | मेवयताम् |
| | मेवय | मेवयतात् | मेवयतम् |
| | मेवयानि | मेवयाव | मेवयाम |
| ह्य० | अमेवयत् | अमेवयताम् | अमेवयन् |
| | अमेवयः | अमेवयतम् | अमेवयत |
| | अमेवयम् | अमेवयाव | अमेवयाम |
| अ० | अमिमेवत् | अमिमेवताम् | अमिमेवन् |
| | अमिमेवः | अमिमेवतम् | अमिमेवत |
| | अमिमेवम् | अमिमेवाव | अमिमेवाम |
| प० | मेवयाश्चकार | मेवयाश्चक्रुः | मेवयाश्चक्रुः |
| | मेवयाश्चकथे | मेवयाश्चक्रुः | मेवयाश्चक्रुः |
| | मेवयाश्चकार-चक्र | मेवयाश्चक्रुव | मेवयाश्चक्रुम |
| | मेवयाम्बभूव । | मेवयामास | |
| आ० | मेव्यात् | मेव्यास्ताम् | मेव्यासुः |
| | मेव्याः | मेव्यास्तम् | मेव्यास्त |
| | मेव्यासम् | मेव्यास्व | मेव्यास्म |
| श्च० | मेवयिता | मेवयितारौ | मेवयितारः |
| | मेवयितासि | मेवयितास्थः | मेवयितास्थ |
| | मेवयितास्मि | मेवयितास्वः | मेवयितास्मः |
| भ० | मेवयिष्यति | मेवयिष्यतः | मेवयिष्यन्ति |
| | मेवयिष्यसि | मेवयिष्यथः | मेवयिष्यथ |
| | मेवयिष्यामि | मेवयिष्यावः | मेवयिष्यामः |
| क्र० | अमेवयिष्यत् | अमेवयिष्यताम् | अमेवयिष्यन् |
| | अमेवयिष्यः | अमेवयिष्यतम् | अमेवयिष्यत |
| | अमेवयिष्यम् | अमेवयिष्याव | अमेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|-----------------|
| व० | मेवयते | मेवयेते | मेवयन्ते |
| | मेवयसे | मेवयेथे | मेवयध्वे |
| | मेवये | मेवयावहे | मेवयामहे |
| स० | मेवयेत | मेवयेयाताम् | मेवयेरन् |
| | मेवयेथाः | मेवयेयाथाम् | मेवयेध्वम् |
| | मेवयेय | मेवयेवहि | मेवयेमहि |
| प० | मेवयताम् | मेवयेताम् | मेवयन्ताम् |
| | मेवयस्व | मेवयेथाम् | मेवयध्वम् |
| | मेवयै | मेवयावहै | मेवयामहै |
| ह्य० | अमेवयत | अमेवयेताम् | अमेवयन्त |
| | अमेवयथाः | अमेवयेथाम् | अमेवयध्वम् |
| | अमेवये | अमेवयावहि | अमेवयामाह |
| अ० | अमिमेवत | अमिमेवेताम् | अमिमेवन्त |
| | अमिमेवथाः | अमिमेवेथाम् | अमिमेवध्वम् |
| | अमिमेवे | अमिमेवावहि | अमिमेवामहि |
| प० | मेवयाश्चक्रे | मेवयाश्चक्रते | मेवयाश्चक्रिरे |
| | मेवयाश्चक्रेषु | मेवयाश्चक्रये | मेवयाश्चक्रुव |
| | मेवयाश्चक्रे | मेवयाश्चक्रुवहे | मेवयाश्चक्रुमहे |
| | मेवयाम्बभूव । | मेवयामास | |
| आ० | मेवयिषीष्ट | मेवयिषीयास्ताम् | मेवयिषीरन् |
| | मेवयिषीष्टाः | मेवयिषीयास्ताम् | मेवयिषीद्वम् |
| | मेवयिषीय | मेवयिषीवहि | मेवयिषीमहि |
| श्च० | मेवयिता | मेवयितारौ | मेवयितारः |
| | मेवयितासे | मेवयितासाथे | मेवयिताध्वे |
| | मेवयिताहे | मेवयितास्वहे | मेवयितास्महे |
| भ० | मेवयिष्यते | मेवयिष्येते | मेवयिष्यन्ते |
| | मेवयिष्यसे | मेवयिष्येथे | मेवयिष्यध्वे |
| | मेवयिष्ये | मेवयिष्यावहे | मेवयिष्यामहे |
| क्रि० | अमेवयिष्यत् | अमेवयिष्येताम् | अमेवयिष्यन्त |
| | अमेवयिष्यथाः | अमेवयिष्येथाम् | अमेवयिष्यध्वम् |
| | अमेवयिष्ये | अमेवयिष्यावहि | अमेवयिष्यामहि |

827 म्लेवृङ् [म्लेव्) सेवने

| | | | |
|------|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० | म्लेवयति | म्लेवयतः | म्लेवयन्ति |
| | म्लेवयसि | म्लेवयथः | म्लेवयथ |
| | म्लेवयामि | म्लेवयावः | म्लेवयामः |
| स० | म्लेवयेत् | म्लेवयेताम् | म्लेवयेयुः |
| | म्लेवयेः | म्लेवयेतम् | म्लेवयेत |
| | म्लेवयेयम् | म्लेवयेव | म्लेवयेम |
| प० | म्लेवयतु | म्लेवयतात् | म्लेवयताम् |
| | म्लेवय | म्लेवयतात् | म्लेवयतम् |
| | म्लेवयानि | म्लेवयाव | म्लेवयाम |
| ह्य० | अम्लेवयत् | अम्लेवयताम् | अम्लेवयन् |
| | अम्लेवयः | अम्लेवयतम् | अम्लेवयत |
| | अम्लेवयम् | अम्लेवयाव | अम्लेवयाम |
| अ० | अमिम्लेवत् | अमिम्लेवताम् | अमिम्लेवन् |
| | अमिम्लेवः | अमिम्लेवतम् | अमिम्लेवत |
| | अमिम्लेवम् | अमिम्लेवाव | अमिम्लेवाम |
| प० | म्लेवयाञ्चकार | म्लेवयाञ्चकतुः | म्लेवयाञ्चक्रुः |
| | म्लेवयाञ्चकथं | म्लेवयाञ्चकथुः | म्लेवयाञ्चकथ |
| | म्लेवयाञ्चकार-चकर | म्लेवयाञ्चकृव | म्लेवयाञ्चकृम |
| | म्लेवयाम्बभूव | म्लेवयामाम | |
| आ० | म्लेव्यात् | म्लेव्यास्ताम् | म्लेव्यासुः |
| | म्लेव्याः | म्लेव्यास्तम् | म्लेव्यास्त |
| | म्लेव्यासम् | म्लेव्यास्व | म्लेव्यास्म |
| श० | म्लेवयिता | म्लेवयितारौ | म्लेवयितारः |
| | म्लेवयितासि | म्लेवयितास्थः | म्लेवयितास्थ |
| | म्लेवयितास्मि | म्लेवयितास्वः | म्लेवयितास्मः |
| भ० | म्लेवयिष्यति | म्लेवयिष्यतः | म्लेवयिष्यन्ति |
| | म्लेवयिष्यसि | म्लेवयिष्यथः | म्लेवयिष्यथ |
| | म्लेवयिष्यामि | म्लेवयिष्यावः | म्लेवयिष्यामः |
| क० | अम्लेवयिष्यत् | अम्लेवयिष्यताम् | अम्लेवयिष्यन् |
| | अम्लेवयिष्यः | अम्लेवयिष्यतम् | अम्लेवयिष्यत |
| | अम्लेवयिष्यम् | अम्लेवयिष्याव | अम्लेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | म्लेवयते | म्लेवयेते | म्लेवयन्ते |
| | म्लेवयसे | म्लेवयेथे | म्लेवयन्वे |
| | म्लेवय | म्लेवयावहे | म्लेवयामहे |
| स० | म्लेवयेत | म्लेवयेयाताम् | म्लेवयेरन् |
| | म्लेवयेथाः | म्लेवयेयाथाम् | म्लेवयेष्वम् |
| | म्लेवयेय | म्लेवयेवहि | म्लेवयेमहि |
| प० | म्लेवयताम् | म्लेवयेताम् | म्लेवयन्ताम् |
| | म्लेवयस्व | म्लेवयेथाम् | म्लेवयेष्वम् |
| | म्लेवय | म्लेवयावहे | म्लेवयामहे |
| ह्य० | अम्लेवयत | अम्लेवयेताम् | अम्लेवयन्त |
| | अम्लेवयथाः | अम्लेवयेथाम् | अम्लेवयेष्वम् |
| | अम्लेवये | अम्लेवयावहि | अम्लेवयामहि |
| अ० | अमिम्लेवत | अमिम्लेवेताम् | अमिम्लेवन्त |
| | अमिम्लेवथाः | अमिम्लेवेथाम् | अमिम्लेवेष्वम् |
| | अमिम्लेवे | अमिम्लेवावहि | अमिम्लेवामहि |
| प० | म्लेवयाञ्चके | म्लेवयाञ्चकाते | म्लेवयाञ्चकिरे |
| | म्लेवयाञ्चकृषे | म्लेवयाञ्चकृषे | म्लेवयाञ्चकृद्वे |
| | म्लेवयाञ्चके | म्लेवयाञ्चकृवहे | म्लेवयाञ्चकृमहे |
| | म्लेवयाम्बभूव | म्लेवयामास | |
| आ० | म्लेवयिषीष्ट | म्लेवयिषीयास्थाम् | म्लेवयिषीरन् |
| | म्लेवयिषीष्टाः | म्लेवयिषीयास्थाम् | म्लेवयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | म्लेवयिषीय | म्लेवयिषीवहि | म्लेवयिषीमहि |
| श० | म्लेवयिता | म्लेवयितारौ | म्लेवयितारः |
| | म्लेवयितासे | म्लेवयितासाथे | म्लेवयितास्व |
| | म्लेवयिताहे | म्लेवयितास्वहे | म्लेवयितास्महे |
| भ० | म्लेवयिष्यते | म्लेवयिष्येते | म्लेवयिष्यन्ते |
| | म्लेवयिष्यसे | म्लेवयिष्येथे | म्लेवयिष्यन्वे |
| | म्लेवयिष्य | म्लेवयिष्यावहे | म्लेवयिष्यामहे |
| क्रि० | अम्लेवयिष्यत | अम्लेवयिष्येताम् | अम्लेवयिष्यन्त |
| | अम्लेवयिष्यथाः | अम्लेवयिष्येथाम् | अम्लेवयिष्येष्वम् |
| | अम्लेवयिष्ये | अम्लेवयिष्यावहि | अम्लेवयिष्यामहि |

828 रेवृङ् [रेवृ) गती ।

| | | | |
|------|------------------------|---------------|--------------|
| व० | रेवयति | रेवयतः | रेवयन्ति |
| | रेवयसि | रेवयथः | रेवयथ |
| | रेवयामि | रेवयावः | रेवयामः |
| स० | रेवयेत् | रेवयेताम् | रेवयेयुः |
| | रेवयेः | रेवयेतम् | रेवयेत |
| | रेवयेयम् | रेवयेव | रेवयेम |
| प० | रेवयतु | रेवयतात् | रेवयताम् |
| | रेवय | रेवयतात् | रेवयतम् |
| | रेवयाणि | रेवयाव | रेवयाम |
| ह्य० | अरेवयत् | अरेवयताम् | अरेवयन् |
| | अरेवयः | अरेवयतम् | अरेवयत |
| | अरेवयम् | अरेवयाव | अरेवयाम |
| अ० | अरिरेवत् | अरिरेवताम् | अरिरेवन् |
| | अरिरेवः | अरिरेवतम् | अरिरेवत |
| | अरिरेवम् | अरिरेवाव | अरिरेवाम |
| प० | रेवयाञ्चकार | रेवयाञ्चकतुः | रेवयाञ्चकुः |
| | रेवयाञ्चकथं | रेवयाञ्चकथुः | रेवयाञ्चक |
| | रेवयाञ्चकार-चकर | रेवयाञ्चकृव | रेवयाञ्चकृम |
| | रेवयाञ्चभूव । रेवयामास | | |
| आ० | रेव्यात् | रेव्यास्ताम् | रेव्यास्तुः |
| | रेव्याः | रेव्यास्तम् | रेव्यास्त |
| | रेव्यासम् | रेव्यास्व | रेव्यास्म |
| अ० | रेवयिता | रेवयितारो | रेवयितारः |
| | रेवयितासि | रेवयितास्थः | रेवयितास्थ |
| | रेवयितास्मि | रेवयितास्वः | रेवयितास्मः |
| भ० | रेवयिष्यति | रेवयिष्यतः | रेवयिष्यन्ति |
| | रेवयिष्यसि | रेवयिष्यथः | रेवयिष्यथ |
| | रेवयिष्यामि | रेवयिष्यावः | रेवयिष्यामः |
| क्र० | अरेवयिष्यत् | अरेवयिष्यताम् | अरेवयिष्यन् |
| | अरेवयिष्यः | अरेवयिष्यतम् | अरेवयिष्यत |
| | अरेवयिष्यम् | अरेवयिष्याव | अरेवयिष्याम |

| | | | |
|------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रेवयते | रेवयेते | रेवयन्ते |
| | रेवयसे | रेवयेथे | रेवयथ्वे |
| | रेवये | रेवयावहे | रेवयामहे |
| स० | रेवयेत | रेवयेताताम् | रेवयेरन् |
| | रेवयेथाः | रेवयेथाथाम् | रेवयेथ्वम् |
| | रेवयेय | रेवयेवहि | रेवयेमहि |
| प० | रेवयताम् | रेवयेताम् | रेवयन्ताम् |
| | रेवयस्व | रेवयेथाम् | रेवयथ्वम् |
| | रेवयं | रेवयावहे | रेवयामहे |
| ह्य० | अरेवयत | अरेवयेताम् | अरेवयन्त |
| | अरेवयथाः | अरेवयेथाम् | अरेवयथ्वम् |
| | अरेवये | अरेवयावहि | अरेवयामहि |
| अ० | अरिरेवत् | अरिरेवेताम् | अरिरेवन्त |
| | अरिरेवथाः | अरिरेवेथाम् | अरिरेवथ्वम् |
| | अरिरेवे | अरिरेवावहि | अरिरेमहि |
| प० | रेवयाञ्चके | रेवयाञ्चकते | रेवयाञ्चकि रे |
| | रेवयाञ्चकृषे | रेवयाञ्चकृषे | रेवयाञ्चकृष्वे |
| | रेवयाञ्चके | रेवयाञ्चकृवहे | रेवयाञ्चकृमहे |
| | रेवयाञ्चभूव | रेवयामास | |
| आ० | रेवयिषीष्ट | रेवयिषीयास्याम् | रेवयिषीरन् |
| | रेवयिषीष्टाः | रेवयिषीयास्याम् | रेवयिषीह्वम् |
| | | | च्वम् |
| | रेवयिषीय | रेवयिषीहि | रेवयिषीमहि |
| अ० | रेवयिता | रेवयितारो | रेवयितारः |
| | रेवयितासे | रेवयितासाथे | रेवयिताथ्वे |
| | रेवयिताहे | रेवयितास्वहे | रेवयितास्महे |
| भ० | रेवयिष्यते | रेवयिष्यते | रेवयिष्यन्ते |
| | रेवयिष्यसे | रेवयिष्यथे | रेवयिष्यथ्वे |
| | रेवयिष्ये | रेवयिष्यावहे | रेवयिष्यामहे |
| क्र० | अरेवयिष्यत् | अरेवयिष्यताम् | अरेवयिष्यन्त |
| | अरेवयिष्यथाः | अरेवयिष्येथाम् | अरेवयिष्यथ्वम् |
| | अरेवयिष्ये | अरेवयिष्यावहि | अरेवयिष्यामहि |

॥ अथ शान्तौ द्वौ ॥

830 काश् (काश्) दीप्तौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० काशयति | काशयतः | काशयन्ति |
| काशयसि | क शयथ | क शयथ |
| क शयामि | काशयावः | काशयामः |
| स० काशयेत् | काशयेताम् | काशयेयुः |
| काशयेः | काशयेतम् | काशयेत |
| क शयेयम् | काशयेव | काशयेम |
| प० काशयतु | काशयतात् | काशयताम् |
| काशय | काशयतात् | क शयतम् |
| काशयानि | काशयाव | क शयाम |
| ह्य० अकाशयत् | अकाशयताम् | अकाशयन् |
| अकाशयः | अकाशयतम् | अक शयत |
| अकाशयम् | अकाशयाव | अक शयाम |
| अ० अचकाशत् | अचकाशताम् | अचकाशन् |
| अचकाशः | अचक शतम् | अचकाशत |
| अचकाशम् | अचकाशाव | अचकाशाम |
| प० काशयाञ्चकार | काशयाञ्चकतुः | काशयाञ्चकुः |
| काशयाञ्चक्य | काशयाञ्चकथुः | काशयाञ्चक |
| काशयञ्चकार-चका | क शयञ्चकृव | क शयञ्चकृम |
| काशयाञ्चभूव | । | काशयामास |
| भा काशयत् | काशयताम् | काशयासुः |
| काशयः | काशयताम् | काशयस्त |
| क शयाम | काशयाव | काशयाम |
| भ्व० काशयिता | काशयितारौ | काशयितारः |
| काशयितासि | काशयितास्थः | काशयितास्थ |
| काशयितास्मि | काशयितास्वः | काशयितास्मः |
| भ० क शयिष्यति | क शयिष्यत | क शयिष्यन्ति |
| क शयिष्यसि | काशयिष्यथः | काशयिष्यथ |
| काशयिष्यामि | काशयिष्यावः | काशयिष्यामः |
| क्रि० अकाशयिष्यत् | अकाशयिष्यताम् | अकाशयिष्यन् |
| अक श ययः | अक शयिष्यतम् | अकाशयिष्यत |
| अक श ययम् | अक शयिष्याव | अक श यय्याम |

| | | |
|-------------------|----------------|--------------|
| व० काशयते | काशयेते | काशयन्ते |
| काशयसे | काशयेथे | काशयन्ते |
| काशये | काशयावहे | काशयामहे |
| स० काशयेत् | काशयेताम् | काशयेयुः |
| काशयेथाः | काशयेथाम् | काशयेध्वम |
| काशयेय | काशयेवहि | काशयेमहि |
| प० काशयताम् | काशयेताम् | काशयन्त |
| काशयस्व | काशयेथाम् | काशयध्वम |
| काशये | काशयावहे | काशयामहे |
| ह्य० अकाशयत् | अकाशयेताम् | अकाशय |
| अक शयथाः | अकाशयेथाम् | अकाशय |
| अक शये | अकाशयावहि | अकाशया |
| अ० अचकाशत् | अचकाशेताम् | अचकाशन्त |
| अचकाशथाः | अचकाशेथाम् | अचकाशध्वम |
| अचकाशे | अचकाशावहि | अचकाशामहि |
| प० काशयाञ्चके | काशयाञ्चकते | काशयाञ्चकि |
| काशयाञ्चकृषे | काशयाञ्चकृषे | काशयाञ्चकृ |
| काशयाञ्चके | काशयाञ्चकृवहे | काशया |
| काशयाञ्चभूव | । | काशयामास |
| भा० काशयिषीष्ट | काशयिषीयताम् | काशयिषीष्ट |
| काशयिषीष्टा | काशयिषीयस्थाम् | काशयिषीष्टा |
| काशयिषीय | काशयिषीवहि | काशयिषीमा |
| भ्व० काशयिता | काशयितारौ | काशयितारः |
| काशयितासे | काशयितासाथे | काशयिताध्वे |
| काशयिताहे | काशयितास्वहे | काशयितास्महे |
| भ० काशयिष्यते | काशयिष्येते | काशयिष्यन् |
| काशयिष्यसे | काशयिष्येथे | काशयिष्यध्वे |
| काशयिष्ये | काशयिष्यावहे | काशयिष्याम |
| क्रि० अकाशयिष्यत् | अकाशयिष्येताम् | अकाशयिष्य |
| अकाशयिष्यथाः | अकाशयिष्येथाम् | अकाशयिष्य |
| अकाशयिष्ये | अकाशयिष्यावहि | अकाशयिष्य |

830 क्लेशि (क्लेश) विवाधने ।

| | | |
|------------------|-----------------|---------------|
| व० क्लेशयति | क्लेशयतः | क्लेशयन्ति |
| क्लेशयसि | क्लेशयथः | क्लेशयथ |
| क्लेशयामि | क्लेशयावः | क्लेशयामः |
| स० क्लेशयेत् | क्लेशयेताम् | क्लेशयेयुः |
| क्लेशयेः | क्लेशयेतम् | क्लेशयेत |
| क्लेशयेयम् | क्लेशयेव | क्लेशयेम |
| प० क्लेशयतु | क्लेशयतात् | क्लेशयताम् |
| क्लेशय | क्लेशयतात् | क्लेशयतम् |
| क्लेशयानि | क्लेशयाव | क्लेशयाम |
| अ० अक्लेशयत् | अक्लेशयताम् | अक्लेशयन् |
| अक्लेशयः | अक्लेशयतम् | अक्लेशयत |
| अक्लेशयम् | अक्लेशयाव | अक्लेशयाम |
| अ० अचिक्लेशत् | अचिक्लेशताम् | अचिक्लेशन् |
| अचिक्लेशः | अचिक्लेशतम् | अचिक्लेशत |
| अचिक्लेशम् | अचिक्लेशाव | अचिक्लेशाम |
| प० क्लेशयिष्यत् | क्लेशयिष्यताम् | क्लेशयिष्युः |
| क्लेशयिष्यः | क्लेशयिष्यतम् | क्लेशयिष्यत |
| क्लेशयिष्यम् | क्लेशयिष्याव | क्लेशयिष्याम |
| अ० अक्लेशयिष्यत् | अक्लेशयिष्यताम् | अक्लेशयिष्यन् |
| अक्लेशयिष्यः | अक्लेशयिष्यतम् | अक्लेशयिष्यत |
| अक्लेशयिष्यम् | अक्लेशयिष्याव | अक्लेशयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-------------------|
| व० क्लेशयते | क्लेशयेते | क्लेशयन्ते |
| क्लेशयसे | क्लेशयेथे | क्लेशयन्ते |
| क्लेशये | क्लेशयावहे | क्लेशयामहे |
| स० क्लेशयेत् | क्लेशयेयाताम् | क्लेशयेरन् |
| क्लेशयेथाः | क्लेशयेथायाम् | क्लेशयेथ्वम् |
| क्लेशयेय | क्लेशयेवहि | क्लेशयेमहि |
| प० क्लेशयताम् | क्लेशयेताम् | क्लेशयन्ताम् |
| क्लेशयस्व | क्लेशयेथ्वम् | क्लेशयथ्वम् |
| क्लेशये | क्लेशयावहे | क्लेशयामहे |
| अ० अक्लेशयत | अक्लेशयेताम् | अक्लेशयन्त |
| अक्लेशयथाः | अक्लेशयेथाम् | अक्लेशयथ्वम् |
| अक्लेशये | अक्लेशयावहि | अक्लेशयामहि |
| अ० अचिक्लेशत् | अचिक्लेशताम् | अचिक्लेशन्त |
| अचिक्लेशथाः | अचिक्लेशथाम् | अचिक्लेशथ्वम् |
| अचिक्लेशे | अचिक्लेशावहि | अचिक्लेशामहि |
| प० क्लेशयिष्यते | क्लेशयिष्येताम् | क्लेशयिष्यन्ते |
| क्लेशयिष्यसे | क्लेशयिष्येथाम् | क्लेशयिष्येथ्वम् |
| क्लेशयिष्ये | क्लेशयिष्यावहे | क्लेशयिष्यामहे |
| अ० अक्लेशयिष्यत् | अक्लेशयिष्यताम् | अक्लेशयिष्यन्त |
| अक्लेशयिष्यथाः | अक्लेशयिष्येथाम् | अक्लेशयिष्येथ्वम् |
| अक्लेशयिष्ये | अक्लेशयिष्यावहि | अक्लेशयिष्यामहि |

॥ अथ णान्ता द्वादश ॥

832 भाषिच (भाष) व्यक्तायां वाचि ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० भाषयति | भाषयतः | भाषयन्ति |
| भाषयसि | भाषयथः | भाषयथ |
| भाषयामि | भाषयावः | भाषयामः |
| स० भाषयेत् | भाषयेताम् | भाषयेयुः |
| भाषयेः | भाषयेतम् | भाषयेत |
| भाषयेयम् | भाषयेव | भाषयेम |
| प० भाषयतु | भाषयतात् | भाषयताम् |
| भाषय | भाषयतात् | भाषयतम् |
| भाषयाणि | भाषयाव | भाषयाम |
| ह्य० अभाषयत् | अभाषयताम् | अभाषयन् |
| अभाषयः | अभाषयतम् | अभाषयत |
| अभाषयम् | अभाषयाव | अभाषयाम |
| अ० अवभाषत् | अवभाषताम् | अवभाषन् |
| अवभाषः | अवभाषतम् | अवभाषत |
| अवभाषम् | अवभाषाव | अवभाषाम |
| अवीमषत् | अवीमषताम् | अवीमषन् इ० |
| प० भाषयाञ्चकार | भाषयाञ्चकतुः | भाषयाञ्चकु- |
| भाषयाञ्चक्य | भाषयाञ्चक्युः | भाषयाञ्चक |
| भाषयाञ्चकार-चकर | भाषयाञ्चकृव | भाषयाञ्चकृम |
| भाषयाम्बभूव | भाषयामास | |
| आ० भाष्यात् | भाष्यास्ताम् | भाष्यासुः |
| भाष्याः | भाष्यास्तम् | भाष्यास्त |
| भाष्यासम् | भाष्यास्व | भाष्यासम् |
| अ० भाषयिता | भाषयितारौ | भाषयितारः |
| भाषयितासि | भाषयितास्थः | भाषयितास्थ |
| भाषयितास्मि | भाषयितास्वः | भाषयितास्मः |
| म० भाषयिष्यति | भाषयिष्यतः | भाषयिष्यन्ति |
| भाषयिष्यसि | भाषयिष्यथः | भाषयिष्यथ |
| भाषयिष्यामि | भाषयिष्यावः | भाषयिष्यामः |
| क्रि० अभाषयिष्यत् | अभाषयिष्यताम् | अभाषयिष्यन् |
| अभाषयिष्यः | अभाषयिष्यतम् | अभाषयिष्यत |
| अभाषयिष्यम् | अभाषयिष्याव | अभाषयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|------------------|
| व० भाषयते | भाषयेते | भाषयन्ते |
| भाषयते | भाषयेथे | भाषयन्थे |
| भाषये | भाषयावहे | भाषयामहे |
| स० भाषयेत | भाषयेयाताम् | भाषयेरन् |
| भाषयेथाः | भाषयेयाथाम् | भाषयेथ्वम् |
| भाषयेय | भाषयेवहि | भाषयेमहि |
| प० भाषयताम् | भाषयेताम् | भाषयन्ताम् |
| भाषयस्व | भाषयेथाम् | भाषयन्थ्वम् |
| भाषयै | भाषयावहे | भाषयामहे |
| ह्य० अभाषयत | अभाषयेताम् | अभाषयन्त |
| अभाषयथाः | अभाषयेथाम् | अभाषयन्थ्वम् |
| अभाषये | अभाषयावहि | अभाषयामहि |
| अ० अवभाषत | अवभाषेताम् | अवभाषन्त |
| अवभाषथाः | अवभाषेथाम् | अवभाषन्थ्वम् |
| अवभाषे | अवभाषावहि | अवभाषामहि |
| अवीमषत | अवीमषेताम् | अवीमषन्त इ० |
| प० भाषयाञ्चक्रे | भाषयाञ्चकृते | भाषयाञ्चकिरे |
| भाषयाञ्चकृपे | भाषयाञ्चकृपे | भाषयाञ्चकृद्वे |
| भाषयाञ्चक्रे | भाषयाञ्चकृवहे | भाषयाञ्चकृमहे |
| भाषयाम्बभूव | भाषयामास | |
| आ० भाषयिषीष्ट | भाषयिषीयास्ताम् | भाषयिषीरन् |
| भाषयिषीष्ठाः | भाषयिषीयास्थाम् | भाषयिषीड्वम् |
| | | ध्वम् |
| भाषयिषीव | भाषयिषीवहि | भाषयिषीमहि |
| अ० भाषयिता | भाषयितारौ | भाषयितारः |
| भाषयितासे | भाषयितासाथे | भाषयिताध्वे |
| भाषयिताहे | भाषयितास्वहे | भाषयितास्महे |
| म० भाषयिष्यते | भाषयिष्येते | भाषयिष्यन्ते |
| भाषयिष्यसे | भाषयिष्येथे | भाषयिष्यन्थे |
| भाषयिष्ये | भाषयिष्यावहे | भाषयिष्यामहे |
| क्रि० अभाषयिष्यत् | अभाषयिष्येताम् | अभाषयिष्यन्त |
| अभाषयिष्यथा | अभाषयिष्येथाम् | अभाषयिष्यन्थ्वम् |
| अभाषयिष्ये | अभाषयिष्यावहि | अभाषयिष्यामहि |

839 गेषृङ् (गेषृ) अन्विच्छायाम् ।

| | | | |
|------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | गेषयति | गेषयतः | गेषयन्ति |
| | गेषयसि | गेषयथः | गेषयथ |
| | गेषयामि | गेषयावः | गेषयामः |
| स० | गेषयेत् | गेषयेताम् | गेषयेयुः |
| | गेषयेः | गेषयेतम् | गेषयेत |
| | गेषयेयम् | गेषयेव | गेषयेम |
| प० | गेषयतु | गेषयतात् | गेषयन्तु |
| | गेषय | गेषयतात् | गेषयत |
| | गेषयाणि | गेषयाव | गेषयाम |
| ह्य० | अगेषयत् | अगेषयताम् | अगेषयन् |
| | अगेषयः | अगेषयतम् | अगेषयत |
| | अगेषयम् | अगेषयाव | अगेषयाम |
| अ० | अजिगेषत् | अजिगेषताम् | अजिगेषन् |
| | अजिगेषः | अजिगेषतम् | अजिगेषत |
| | अजिगेषम् | अजिगेषाव | अजिगेषाम |
| प० | गेषयाश्चकार | गेषयाश्चक्रुः | गेषयाश्चक्रुः |
| | गेषयाश्चकथं | गेषयाश्चक्रुः | गेषयाश्चक्रुः |
| | गेषयाश्चकार-चकर | गेषयाश्चक्रुव | गेषयाश्चक्रुम |
| | गेषयाम्बभूव | गेषयामास | |
| आ० | गेष्यात् | गेष्यास्तम् | गेष्यासुः |
| | गेष्याः | गेष्यास्तम् | गेष्यास्त |
| | गेष्यासम् | गेष्यास्व | गेष्यास्म |
| | गेषयिता | गेषयितारौ | गेषयितारः |
| | गेषयितासि | गेषयितास्थः | गेषयितास्थ |
| | गेषयितास्मि | गेषयितास्वः | गेषयितास्मः |
| | गेषयिष्यति | गेषयिष्यतः | गेषयिष्यन्ति |
| | गेषयिष्यसि | गेषयिष्यथः | गेषयिष्यथ |
| | गेषयिष्यामि | गेषयिष्यावः | गेषयिष्यामः |
| | अगेषयिष्यत् | अगेषयिष्यताम् | अगेषयिष्यन् |
| | अगेषयिष्यः | अगेषयिष्यतम् | अगेषयिष्यत |
| | अगेषयिष्यम् | अगेषयिष्याव | अगेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | गेषयते | गेषयेते | गेषयन्ते |
| | गेषयसे | गेषयेथे | गेषयध्वे |
| | गेषये | गेषयावहे | गेषयामहे |
| स० | गेषयेत | गेषयेयाताम् | गेषयेरन् |
| | गेषयेथाः | गेषयेयाथाम् | गेषयेध्वम् |
| | गेषयेय | गेषयेवहि | गेषयेमहि |
| प० | गेषयताम् | गेषयेताम् | गेषयन्ताम् |
| | गेषयस्व | गेषयेथाम् | गेषयध्वम् |
| | गेषयै | गेषयावहै | गेषयामहै |
| ह्य० | अगेषयत | अगेषयेताम् | अगेषयन्त |
| | अगेषयथाः | अगेषयेथाम् | अगेषयध्वम् |
| | अगेषये | अगेषयावहि | अगेषयामहि |
| अ० | अजिगेषत | अजिगेषेताम् | अजिगेषन्त |
| | अजिगेषथाः | अजिगेषेथाम् | अजिगेषध्वम् |
| | अजिगेषे | अजिगेषावहि | अजिगेषामहि |
| प० | गेषयाश्चक्रे | गेषयाश्चक्राते | गेषयाश्चक्रिरे |
| | गेषयाश्चक्रेषे | गेषयाश्चक्राये | गेषयाश्चक्रुर्वे |
| | गेषयाश्चक्रे | गेषयाश्चक्रुवहे | गेषयाश्चक्रुमहे |
| | गेषयाम्बभूव | गेषयामास | |
| आ० | गेषयिषीष्ट | गेषयिषीयास्ताम् | गेषयिषीरन् |
| | गेषयिषीष्टाः | गेषयिषीयास्थाम् | गेषयिषीध्वम् |
| | गेषयिषीय | गेषयिषीवहि | गेषयिषीमहि |
| व० | गेषयिता | गेषयितारौ | गेषयितारः |
| | गेषयितसे | गेषयितासथे | गेषयिताध्वे |
| | गेषयिताहे | गेषयितास्वहे | गेषयितामहे |
| अ० | गेषयिष्यते | गेषयिष्येते | गेषयिष्यन्ते |
| | गेषयिष्यसे | गेषयिष्येथे | गेषयिष्यध्वे |
| | गेषयिष्ये | गेषयिष्यावहे | गेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अगेषयिष्यत | अगेषयिष्येताम् | अगेषयिष्यन्त |
| | अगेषयिष्यथाः | अगेषयिष्येथाम् | अगेषयिष्यध्वम् |
| | अगेषयिष्ये | अगेषयिष्यावहि | अगेषयिष्यामहि |

835 येषृङ् (येष्) प्रयत्ने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | येषयति | येषयतः | येषयन्ति |
| | येषयसि | येषयथः | येषयथ |
| | येषयामि | येषयावः | येषयामः |
| स० | येषयेत् | येषयेताम् | येषयेयुः |
| | येषयेः | येषयेतम् | येषयेत |
| | येषयेयम् | येषयेव | येषयेम |
| प० | येषयतु | येषयतात् | येषयन्तु |
| | येषय | येषयतात् | येषयतम् |
| | येषयाणि | येषयाव | येषयाम |
| ह्य० | अयेषयत् | अयेषयताम् | अयेषयन् |
| | अयेषयः | अयेषयतम् | अयेषयत |
| | अयेषयम् | अयेषयाव | अयेषयाम |
| अ० | अयिषेयत् | अयिषेयताम् | अयिषेयन् |
| | अयिषेयः | अयिषेयतम् | अयिषेयत |
| | अयिषेयम् | अयिषेयाव | अयिषेयाम |
| प० | येषयाञ्चकार | येषयाञ्चकतुः | येषयाञ्चकुः |
| | येषयाञ्चकथं | येषयाञ्चकथुः | येषयाञ्चकं |
| | येषयाञ्चकार-चकर | येषयाञ्चकव | येषयाञ्चकम् |
| | येषयाम्बभूव | येषयामास | |
| आ० | येष्यात् | येष्यास्ताम् | येष्यातुः |
| | येष्याः | येष्यास्तम् | येष्यास्त |
| | येष्यासम् | येष्यास्व | येष्यासम् |
| भ० | येषयिता | येषयितारौ | येषयितारः |
| | येषयितासि | येषयितास्यः | येषयितास्य |
| | येषयितास्मि | येषयितास्वः | येषयितास्मः |
| भृ० | येषयिष्यति | येषयिष्यतः | येषयिष्यन्ति |
| | येषयिष्यसि | येषयिष्यथः | येषयिष्यथ |
| | येषयिष्यामि | येषयिष्यावः | येषयिष्यामः |
| क्रि० | अयेषयिष्यत् | अयेषयिष्यताम् | अयेषयिष्यम् |
| | अयेषयिष्यः | अयेषयिष्यतम् | अयेषयिष्यत |
| | अयेषयिष्यम् | अयेषयिष्याव | अयेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | येषयते | येषयेते | येषयन्ते |
| | येषयसे | येषयेये | येषयवे |
| | येषये | येषयावहे | येषयामहे |
| स० | येषयेत | येषयेयताम् | येषयेयन् |
| | येषयेथाः | येषयेयथाम् | येषयेयन्म |
| | येषयेय | येषयेवहि | येषयेमहि |
| प० | येषयताम् | येषयेताम् | येषयन्ताम् |
| | येषयस्व | येषयेयाम् | येषयन्म |
| | येषयं | येषयावहं | येषयामहं |
| ह्य० | अयेषयत | अयेषयेताम् | अयेषयन्त |
| | अयेषयथाः | अयेषयेथाम् | अयेषयन्म |
| | अयेषये | अयेषयावहि | अयेषयामहि |
| अ० | अयिषेयत | अयिषेयेताम् | अयिषेयन्त |
| | अयिषेयथाः | अयिषेयेथाम् | अयिषेयन्म |
| | अयिषेये | अयिषेयावहि | अयिषेयामहि |
| प० | येषयाञ्चक्रे | येषयाञ्चक्राते | येषयाञ्चक्रिरे |
| | येषयाञ्चकृषे | येषयाञ्चक्राये | येषयाञ्चकृद्वे |
| | येषयाञ्चके | येषयाञ्चकृवहे | येषयाञ्चकृमहे |
| | येषयाम्बभूव | येषयामास | |
| आ० | येषयिषीष्ट | येषयिषीयास्ताम् | येषयिषीरन् |
| | येषयिषीष्ठाः | येषयिषीयास्वम् | येषयिषीद्वम् |
| | येषयिषीय | येषयिषीवहि | येषयिषीमहि |
| भृ० | येषयिष्यत् | येषयितारौ | येषयितारः |
| | येषयितासे | येषयितासाये | येषयितास्व |
| | येषयिताहे | येषयितास्वहे | येषयितास्महे |
| भ० | येषयिष्यते | येषयिष्येते | येषयिष्यन्ते |
| | येषयिष्यसे | येषयिष्येये | येषयिष्यन्म |
| | येषयिष्ये | येषयिष्यावहे | येषयिष्यामहे |
| क्रि० | अयेषयिष्यत् | अयेषयिष्येताम् | अयेषयिष्यन्त |
| | अयेषयिष्यथा | अयेषयिष्येथाम् | अयेषयिष्यन्म |
| | अयेषयिष्ये | अयेषयिष्यावहि | अयेषयिष्यामहि |

836 જેષ્ટ (જેષ) ગતૌ ।

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| વ૦ જેષ્યતિ | જેષ્યતઃ | જેષ્યન્તિ |
| જેષ્યસિ | જેષ્યથઃ | જેષ્યથ |
| જેષ્યામિ | જેષ્યાવઃ | જેષ્યામઃ |
| સ૦ જેષ્યેત્ | જેષ્યેતામ્ | જેષ્યેયુઃ |
| જેષ્યેઃ | જેષ્યેતમ્ | જેષ્યેત |
| જેષ્યેયમ્ | જેષ્યેવ | જેષ્યેમ |
| પ૦ જેષ્યતુ | જેષ્યતાત્ | જેષ્યતામ્ |
| જેષ્ય | જેષ્યતાત | જેષ્યતમ્ |
| જેષ્યાણિ | જેષ્યાવ | જેષ્યામ |
| હૃ૦ અજેષ્યત્ | અજેષ્યતામ્ | અજેષ્યન્ |
| અજેષ્યઃ | અજેષ્યતમ્ | અજેષ્યત |
| અજેષ્યમ્ | અજેષ્યાવ | અજેષ્યામ |
| ઋ૦ અજિજેષત્ | અજિજેષતામ્ | અજિજેષન્ |
| અજિજેષઃ | અજિજેષતમ્ | અજિજેષત |
| અજિજેષમ્ | અજિજેષાવ | અજિજેષામ |
| ૃ૦ જેષ્યાશ્ચકાર | જેષ્યાશ્ચક્રુઃ | જેષ્યાશ્ચક્રુઃ |
| જેષ્યાશ્ચક્રથ | જેષ્યાશ્ચક્રુઃ | જેષ્યાશ્ચક્ર |
| જેષ્યાશ્ચકાર-ચક્ર | જેષ્યાશ્ચક્રવ | જેષ્યાશ્ચક્રમ્ |
| જેષ્યાશ્ચક્રમ્ | જેષ્યામાસ | |
| આ૦ જેષ્યાત્ | જેષ્યાસ્તામ્ | જેષ્યાસુઃ |
| જેષ્યાઃ | જેષ્યાસ્તમ્ | જેષ્યાસ્ત |
| જેષ્યાસમ્ | જેષ્યાસ્વ | જેષ્યાસ્મ |
| શ૦ જેષ્યિતા | જેષ્યિતારૌ | જેષ્યિતારઃ |
| જેષ્યિતાસિ | જેષ્યિતાસ્યઃ | જેષ્યિતાસ્ય |
| જેષ્યિતાસ્મિ | જેષ્યિતાસ્વઃ | જેષ્યિતાસ્મઃ |
| ઘ૦ જેષ્યિષ્યતિ | જેષ્યિષ્યતઃ | જેષ્યિષ્યન્તિ |
| જેષ્યિષ્યસિ | જેષ્યિષ્યથઃ | જેષ્યિષ્યથ |
| જેષ્યિષ્યામિ | જેષ્યિષ્યાવઃ | જેષ્યિષ્યામઃ |
| કિ૦ અજેષ્યિષ્યત્ | અજેષ્યિષ્યતામ્ | અજેષ્યિષ્યન્ |
| અજેષ્યિષ્યઃ | અજેષ્યિષ્યતમ્ | અજેષ્યિષ્યત |
| અજેષ્યિષ્યમ્ | અજેષ્યિષ્યાવ | અજેષ્યિષ્યામ |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| વ૦ જેષ્યતે | જેષ્યેત | જેષ્યન્તે |
| જેષ્યસે | જેષ્યેથે | જેષ્યધ્વે |
| જેષ્યે | જેષ્યાવહે | જેષ્યામહે |
| સ૦ જેષ્યેત | જેષ્યેયાતામ્ | જેષ્યેરન્ |
| જેષ્યેથાઃ | જેષ્યેયાથામ્ | જેષ્યેષ્વમ્ |
| જેષ્યેય | જેષ્યેવહિ | જેષ્યેમહિ |
| પ૦ જેષ્યતામ્ | જેષ્યેતામ્ | જેષ્યન્તામ્ |
| જેષ્યસ્વ | જેષ્યેયામ્ | જેષ્યધ્વમ્ |
| જેષ્યૈ | જેષ્યાવહે | જેષ્યામહે |
| હૃ૦ અજેષ્યત | અજેષ્યેતામ્ | અજેષ્યન્ત |
| અજેષ્યથાઃ | અજેષ્યેથામ્ | અજેષ્યધ્વમ્ |
| અજેષ્યે | અજેષ્યાવહિ | અજેષ્યામહિ |
| ઋ૦ અજિજેષત | અજિજેષેતામ્ | અજિજેષન્ત |
| અજિજેષથાઃ | અજિજેષેથામ્ | અજિજેષધ્વમ્ |
| અજિજેષે | અજિજેષવહિ | અજિજેષામહિ |
| ૃ૦ જેષ્યાશ્ચક્રે | જેષ્યાશ્ચક્રાતે | જેષ્યાશ્ચક્રિરે |
| જેષ્યાશ્ચક્રુપે | જેષ્યાશ્ચક્રાયે | જેષ્યાશ્ચક્રુદ્વે |
| જેષ્યાશ્ચક્રે | જેષ્યાશ્ચક્રુવહે | જેષ્યાશ્ચક્રુમહે |
| જેષ્યાશ્ચક્રમ્ | જેષ્યામાસ | |
| આ૦ જેષ્યિષીઘ્ર | જેષ્યિષીયાસ્તામ્ | જેષ્યિષીરન્ |
| જેષ્યિષીઘ્રાઃ | જેષ્યિષીયાસ્થામ્ | જેષ્યિષીદ્વમ્ |
| જેષ્યિષીય | જેષ્યિષીવહિ | જેષ્યિષીમહિ |
| શ૦ જેષ્યિતા | જેષ્યિતારૌ | જેષ્યિતારઃ |
| જેષ્યિતાસે | જેષ્યિતાસાયે | જેષ્યિતાશ્વે |
| જેષ્યિતાહિ | જેષ્યિતાસ્વહે | જેષ્યિતાસ્મહે |
| ઘ૦ જેષ્યિષ્યતે | જેષ્યિષ્યેતે | જેષ્યિષ્યન્તે |
| જેષ્યિષ્યસે | જેષ્યિષ્યેથે | જેષ્યિષ્યધ્વે |
| જેષ્યિષ્યે | જેષ્યિષ્યાવહે | જેષ્યિષ્યામહે |
| ક્રિઃ અજેષ્યિષ્યત | અજેષ્યિષ્યેતામ્ | અજેષ્યિષ્યન્ત |
| અજેષ્યિષ્યથા | અજેષ્યિષ્યેથામ્ | અજેષ્યિષ્યધ્વમ્ |
| અજેષ્યિષ્ય | અજેષ્યિષ્યાવહિ | અજેષ્યિષ્યામહિ |

837 णेषुङ् (नेष्) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | नेषयति | नेषयतः | नेषयन्ति |
| | नेषयसि | नेषयथः | नेषयथ |
| | नेषयामि | नेषयावः | नेषयामः |
| स० | नेषयेत् | नेषयेताम् | नेषयेयुः |
| | नेषयेः | नेषयेतम् | नेषयेत |
| | नेषयेयम् | नेषयेव | नेषयेम |
| प० | नेषयतु | नेषयतात् | नेषयन्तु |
| | नेषय | नेषयतात् | नेषयत |
| | नेषयाणि | नेषयाव | नेषयाम |
| ह्य० | ३.नेषयत् | ३.नेषयताम् | ३.नेषयन् |
| | ३.नेषयः | ३.नेषयतम् | ३.नेषयत |
| | ३.नेषयम् | ३.नेषयाव | ३.नेषयाम |
| अ० | अनिनेषत् | अनिनेषताम् | अनिनेषन् |
| | अनिनेषः | अनिनेषतम् | अनिनेषत |
| | अनिनेषम् | अनिनेषाव | अनिनेषाम |
| प० | नेषयाश्चकार | नेषयाश्चक्रुः | नेषयाश्चक्रुः |
| | नेषयाश्चकथ | नेषयाश्चक्रुः | नेषयाश्चक्रुः |
| | नेषयाश्चकार-चक्र | नेषयाश्चक्रुः | नेषयाश्चक्रुः |
| | नेषयाश्चभूव | नेषयाश्चभूव | |
| भा० | नेष्यात् | नेष्यास्ताम् | नेष्यासुः |
| | नेष्याः | नेष्यास्तम् | नेष्यास्त |
| | नेष्यासम् | नेष्यास्व | नेष्याहम् |
| स० | नेषयित्वा | नेषयित्वा | नेषयित्वा |
| | नेषयित्वा | नेषयित्वा | नेषयित्वा |
| | नेषयित्वा | नेषयित्वा | नेषयित्वा |
| म० | नेषयिष्यति | नेषयिष्यतः | नेषयिष्यन्त |
| | नेषयिष्यसि | नेषयिष्यथः | नेषयिष्यथ |
| | नेषयिष्यामि | नेषयिष्यावः | नेषयिष्यामः |
| क्रि० | ३.नेषयिष्यत् | ३.नेषयिष्यताम् | ३.नेषयिष्यन् |
| | ३.नेषयिष्यः | ३.नेषयिष्यतम् | ३.नेषयिष्यत |
| | ३.नेषयिष्यम् | ३.नेषयिष्याव | ३.नेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | नेषयते | नेषयेते | नेषयन्ते |
| | नेषयमे | नेषयेथे | नेषयन्मै |
| | नेषये | नेषयावहे | नेषयामहे |
| स० | नेषयेत | नेषयेयाताम् | नेषयेरन् |
| | नेषयेथाः | नेषयेयाथाम् | नेषयेष्वम् |
| | नेषयेय | नेषयेवहि | नेषयेमहि |
| प० | नेषयताम् | नेषयेताम् | नेषयन्ताम् |
| | नेषयस्व | नेषयेथाम् | नेषयस्वम् |
| | नेषयै | नेषयावहे | नेषयामहे |
| ह्य० | ४ नेषयत | ४ नेषयेताम् | ४ नेषयन्त |
| | ४ नेषयथाः | ४ नेषयेथाम् | ४ नेषयेष्वम् |
| | ४ नेषये | ४ नेषयावहि | ४ नेषयामहि |
| अ० | अनिनेषत | अनिनेषेताम् | अनिनेषन्त |
| | अनिनेषथाः | अनिनेषेथाम् | अनिनेषेष्वम् |
| | अनिनेषे | अनिनेषवहि | अनिनेषामहि |
| प० | नेषयाधकं | नेषयाधक्काते | नेषयाधक्किरे |
| | नेषयाधक्कुषे | नेषयाधक्कुषे | नेषयाधक्कुषे |
| | नेषयाधक्के | नेषयाधक्कुवहे | नेषयाधक्कुमहे |
| | नेषयाधक्भुव | । नेषयामास | |
| आ० | नेषयिषीष्ट | नेषयिषीयास्ताम् | नेषयिषीरन् |
| | नेषयिषीष्ठाः | नेषयिषीयास्ताम् | नेषयिषीद्वम् |
| | नेषयिषीय | नेषयिषीवहि | नेषयिषीमहि |
| श्च० | नेषयिता | नेषयितारो | नेषयितारः |
| | नेषयितासे | नेषयितासाथे | नेषयितासवै |
| | नेषयिताहे | नेषयितासवहे | नेषयितासमहे |
| भ० | नेषयिष्यते | नेषयिष्येते | नेषयिष्यन्ते |
| | नेषयिष्यसे | नेषयिष्येथे | नेषयिष्यम |
| | नेषयिष्ये | नेषयिष्यावहे | नेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अनेषयिष्यत | अनेषयिष्येताम् | अनेषयिष्यन्त |
| | अनेषयिष्यथाः | अनेषयिष्येथाम् | अनेषयिष्येष्वम् |
| | अनेषयिष्ये | अनेषयिष्यावहि | अनेषयिष्यामहि |

838 एषृङ् (एष्) गतौ ।

| | | | |
|-------|----------------|-------------|-------------|
| व० | एषयति | एषयतः | एषयन्ति |
| | एषयसि | एषयथः | एषयथ |
| | एषयामि | एषयावः | एषयामः |
| स० | एषयेत् | एषयेताम् | एषयेयुः |
| | एषयेः | एषयेतम् | एषयेत |
| | एषयेयम् | एषयेव | एषयेम |
| प० | एषयतु | एषयतात् | एषयन्तु |
| | एषय | एषयतात् | एषयतम् |
| | एषयाणि | एषयाव | एषयाम |
| लृ० | ऐषयत् | ऐषयताम् | ऐषयन् |
| | ऐषयः | ऐषयतम् | ऐषयत |
| | ऐषयम् | ऐषयाव | ऐषयाम |
| अ० | ऐषिषत् | ऐषिषताम् | ऐषिषन् |
| | ऐषिषः | ऐषिषतम् | ऐषिषत |
| | ऐषिषम् | ऐषिषाव | ऐषिषाम |
| प० | ऐषयाञ्चकार | ऐषयाञ्चकतुः | ऐषयाञ्चकु- |
| | ऐषयाञ्चकर्थ | ऐषयाञ्चकथुः | ऐषयाञ्चक |
| | ऐषयाञ्चकार-चकर | ऐषयाञ्चकृव | ऐषयाञ्चकृम |
| | ऐषयाम्बभूव | । ऐषयामास | |
| आ० | एष्यात् | एष्यास्ताम् | एष्यासुः |
| | एष्याः | एष्यास्तम् | एष्यास्त |
| | एष्यासम् | एष्यास्व | एष्यास्व |
| श्र० | एषयिता | एषयितारौ | एषयितारः |
| | एषयितामि | एषयितास्थः | एषयितास्थ |
| | एषयितास्मि | एषयितास्वः | एषयितास्मः |
| अ० | एषयिष्यति | एषयिष्यतः | एषयिष्यन्ति |
| | एषयिष्यसि | एषयिष्यथः | एषयिष्यथ |
| | एषयिष्यामि | एषयिष्यावः | एषयिष्यामः |
| क्रि० | ऐषयिष्यत् | ऐषयिष्यताम् | ऐषयिष्यन् |
| | ऐषयिष्यः | ऐषयिष्यतम् | ऐषयिष्यत |
| | ऐषयिष्यम् | ऐषयायिष्याव | ऐषयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | एषयते | एषयेते | एषयन्ते |
| | एषयसे | एषयेथे | एषयध्वे |
| | एषये | एषयावहे | एषयामहे |
| स० | एषयेत | एषयेयाताम् | एषयेरन् |
| | एषयेथाः | एषयेयाथाम् | एषयेध्वम् |
| | एषयेय | एषयेवहि | एषयेमहि |
| प० | एषयताम् | एषयेताम् | एषयन्ताम् |
| | एषयस्व | एषयेथाम् | एषयध्वम् |
| | एषये | एषयावहै | एषयामहै |
| लृ० | ऐषयत | ऐषयेताम् | ऐषयन्त |
| | ऐषयथाः | ऐषयेथाम् | ऐषयध्वम् |
| | ऐषये | ऐषयावहि | ऐषयामहि |
| अ० | ऐषिषत | ऐषिषेताम् | ऐषिषन्त |
| | ऐषिषथाः | ऐषिषेथाम् | ऐषिषध्वम् |
| | ऐषिषे | ऐषिषावहि | ऐषिषामहि |
| प० | ऐषयाञ्चके | ऐषयाञ्चकाते | ऐषयाञ्चकिरे |
| | ऐषयाञ्चकृषे | ऐषयाञ्चकाये | ऐषयाञ्चकृद्वे |
| | ऐषयाञ्चके | ऐषयाञ्चकृवहे | ऐषयाञ्चकृमहे |
| | ऐषयाम्बभूव | । ऐषयामास | |
| आ० | ऐषयिषीष्ट | ऐषयिषीयास्ताम् | ऐषयिषीरन् |
| | ऐषयिषीष्ठाः | ऐषयिषीयास्थाम् | ऐषयिषीद्वम् |
| | ऐषयिषीष्व | ऐषयिषीवहि | ऐषयिषीमहि |
| श्र० | ऐषयिता | ऐषयितारौ | ऐषयितारः |
| | ऐषयितासे | ऐषयितासाथे | ऐषयिताध्वे |
| | ऐषयिताहे | ऐषयितास्वहे | ऐषयितास्महे |
| अ० | ऐषयिष्यते | ऐषयिष्येते | ऐषयिष्यन्ते |
| | ऐषयिष्यसे | ऐषयिष्येथे | ऐषयिष्यध्वे |
| | ऐषयिष्ये | ऐषयिष्यावहे | ऐषयिष्यामहे |
| क्रि० | ऐषयिष्यत् | ऐषयिष्येताम् | ऐषयिष्यन्त |
| | ऐषयिष्यथाः | ऐषयिष्येथाम् | ऐषयिष्यध्वम् |
| | ऐषयिष्ये | ऐषयिष्यावहि | ऐषयिष्यामहि |

839 हेष् (हेष्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| ब० | हेषयति | हेषयतः | हेषयन्ति |
| | हेषयसि | हेषयथः | हेषयथ |
| | हेषयामि | हेषयावः | हेषयामः |
| स० | हेषयेत् | हेषयेताम् | हेषयेयुः |
| | हेषयेः | हेषयेतम् | हेषयेत |
| | हेषयेयम् | हेषयेव | हेषयेम |
| प० | हेषयतु | हेषयतात् | हेषयताम् |
| | हेषय | हेषयतात् | हेषयतम् |
| | हेषयाणि | हेषयाव | हेषयाम |
| ण० | अहेषयत् | अहेषयताम् | अहेषयन् |
| | अहेषयः | अहेषयतम् | अहेषयत |
| | अहेषयम् | अहेषयाव | अहेषयाम |
| अ० | अजिहेषत् | अजिहेषताम् | अजिहेषन् |
| | अजिहेषः | अजिहेषतम् | अजिहेषत |
| | अजिहेषम् | अजिहेषाव | अजिहेषाम |
| प० | हेषयाञ्चकार | हेषयाञ्चक्रुः | हेषयाञ्चक्रुः |
| | हेषयाञ्चकथं | हेषयाञ्चकथुः | हेषयाञ्चक्रुः |
| | हेषयाञ्चकार-चकर | हेषयाञ्चकृव | हेषयाञ्चक्रम |
| | हेषयाम्बभूव | हेषयामास | |
| आ० | हेष्याम | हेष्यास्ताम् | हेष्यामः |
| | हेष्याः | हेष्यास्ताम् | हेष्यास्त |
| | हेष्यासम् | हेष्याव | हेष्यासम् |
| श्च० | हेषयिता | हेषयितारौ | हेषयितारः |
| | हेषयितासि | हेषयितास्थः | हेषयितास्थ |
| | हेषयितास्मि | हेषयितास्वः | हेषयितास्मः |
| भ० | हेषयिष्यति | हेषयिष्यतः | हेषयिष्यन्ति |
| | हेषयिष्यसि | हेषयिष्यथः | हेषयिष्यथ |
| | हेषयिष्यामि | हेषयिष्यावः | हेषयिष्यामः |
| क्रि० | अहेषयिष्यत् | अहेषयिष्यताम् | अहेषयिष्यन् |
| | अहेषयिष्यः | अहेषयिष्यतम् | अहेषयिष्यत |
| | अहेषयिष्यम् | अहेषयिष्याव | अहेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हेषयते | हेषयते | हेषयन्ते |
| | हेषयमे | हेषयेथे | हेषयन्थे |
| | हेषये | हेषयावहे | हेषयामहे |
| म० | हेषयेत | हेषयेयाताम् | हेषयेरन् |
| | हेषयेथाः | हेषयेयाथाम् | हेषयेष्वम् |
| | हेषयेय | हेषयेवहि | हेषयेमहि |
| प० | हेषयताम् | हेषयेताम् | हेषयन्ताम् |
| | हेषयस्व | हेषयेथाम् | हेषयन्वम् |
| | हेषयै | हेषयावहे | हेषयामहे |
| ह्य० | अहेषयत | अहेषयेताम् | अहेषयन्त |
| | अहेषयथाः | अहेषयेथाम् | अहेषयन्वम् |
| | अहेषये | अहेषयावहि | अहेषयामहि |
| अ० | अजिहेषत | अजिहेषेताम् | अजिहेषन्त |
| | अजिहेषथाः | अजिहेषेथाम् | अजिहेषन्वम् |
| | अजिहेषे | अजिहेषावहि | अजिहेषामहि |
| प० | हेषयाञ्चक्रे | हेषयाञ्चक्राते | हेषयाञ्चक्रिरे |
| | हेषयाञ्चकृषे | हेषयाञ्चक्राथे | हेषयाञ्चकृष्वे |
| | हेषयाञ्चक्रे | हेषयाञ्चकृवहे | हेषयाञ्चक्रमहे |
| | हेषयाम्बभूव | हेषयामास | |
| आ० | हेषयिषीष्ट | हेषयिषीयास्ताम् | हेषयिषीरन् |
| | हेषयिषीष्टाः | हेषयिषीयास्थाम् | हेषयिषीह्वम् |
| | | | ह्वम् |
| | हेषयिषीय | हेषयिषीवहि | हेषयिषीमहि |
| श्च० | हेषयिता | हेषयितारौ | हेषयितारः |
| | हेषयितासे | हेषयितासथे | हेषयितास्ये |
| | हेषयिताहे | हेषयितास्वहे | हेषयितास्महे |
| भ० | हेषयिष्यते | हेषयिष्येते | हेषयिष्यन्ते |
| | हेषयिष्यसे | हेषयिष्येथे | हेषयिष्यन्थे |
| | हेषयिष्ये | हेषयिष्यावहे | हेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अहेषयिष्यत | अहेषयिष्येताम् | अहेषयिष्यन्त |
| | अहेषयिष्यथाः | अहेषयिष्येथाम् | अहेषयिष्यन्वम् |
| | अहेषयिष्य | अहेषयिष्यावहि | अहेषयिष्यामहि |

840 रेष् (रेष्) अव्यक्ते शब्दे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | रेषयति | रेषयतः | रेषयन्ति |
| | रेषयसि | रेषयथः | रेषयथ |
| | रेषयामि | रेषयावः | रेषयामः |
| स० | रेषयेत् | रेषयेताम् | रेषयेयुः |
| | रेषयैः | रेषयेतम् | रेषयेत |
| | रेषयेयम् | रेषयेव | रेषयेम |
| प० | रेषयतु | रेषयतात् | रेषयन्तु |
| | रेषय | रेषयतात् | रेषयत |
| | रेषयाणि | रेषयाव | रेषयाम |
| ह्य० | अरेषयत् | अरेषयताम् | अरेषयन् |
| | अरेषयः | अरेषयतम् | अरेषयत |
| | अरेषयम् | अरेषयाव | अरेषयाम |
| अ० | अरिरेषत् | अरिरेषताम् | अरिरेषन् |
| | अरिरेषः | अरिरेषतम् | अरिरेषत |
| | अरिरेषम् | अरिरेषाव | अरिरेषाम |
| प० | रेषयाञ्चकार | रेषयाञ्चक्रुः | रेषयाञ्चकुः |
| | रेषयाञ्चक्य | रेषयाञ्चक्युः | रेषयाञ्चक |
| | रेषयाञ्चकार-चक्र | रेषयाञ्चकृव | रेषयाञ्चकृम |
| | रेषयाम्भूव | रेषयामास | |
| आ० | रेष्यात् | रेष्यास्ताम् | रेष्यासुः |
| | रेष्याः | रेष्यास्तम् | रेष्यास्त |
| | रेष्यासम् | रेष्यास्व | रेष्यास्म |
| श्व० | रेषयिता | रेषयितारी | रेषयितारः |
| | रेषयितासि | रेषयितास्थः | रेषयितास्थ |
| | रेषयितास्मि | रेषयितास्वः | रेषयितास्मः |
| भ० | रेषयिष्यति | रेषयिष्यतः | रेषयिष्यन्ति |
| | रेषयिष्यसि | रेषयिष्यथः | रेषयिष्यथ |
| | रेषयिष्यामि | रेषयिष्यावः | रेषयिष्यामः |
| क्रि० | अरेषयिष्यत् | अरेषयिष्यताम् | अरेषयिष्यन् |
| | अरेषयिष्यः | अरेषयिष्यतम् | अरेषयिष्यत |
| | अरेषयिष्यम् | अरेषयिष्याव | अरेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रेषयते | रेषयेत | रेषयन्ते |
| | रेषयसे | रेषयेथे | रेषयन्वे |
| | रेषये | रेषयावहे | रेषयामहे |
| स० | रेषयेत | रेषयेयताम् | रेषयेरन् |
| | रेषयेथाः | रेषयेयाथाम् | रेषयेध्वम् |
| | रेषयेय | रेषयेवहि | रेषयेमहि |
| प० | रेषयताम् | रेषयेताम् | रेषयन्ताम् |
| | रेषयस्व | रेषयेथाम् | रेषयध्वम् |
| | रेषये | रेषयावहे | रेषयामहे |
| ह्य० | अरेषयत् | अरेषयेताम् | अरेषयन्त |
| | अरेषयथाः | अरेषयेथाम् | अरेषयध्वम् |
| | अरेषये | अरेषयावहि | अरेषयामहि |
| अ० | अरिरेषत् | अरिरेषेताम् | अरिरेषन्त |
| | अरिरेषथाः | अरिरेषेथाम् | अरिरेषध्वम् |
| | अरिरेषे | अरिरेषावहि | अरिरेषामहि |
| प० | रेषयाञ्चक्रे | रेषयाञ्चक्रते | रेषयाञ्चकिरे |
| | रेषयाञ्चकृषे | रेषयाञ्चक्राये | रेषयाञ्चकृद्वे |
| | रेषयाञ्चके | रेषयाञ्चकृवहे | रेषयाञ्चकृमहे |
| | रेषयाम्भूव | रेषयामास | |
| आ० | रेषयिषीष्ट | रेषयिषीयास्ताम् | रेषयिषीरन् |
| | रेषयिषीष्टाः | रेषयिषीयास्थाम् | रेषयिषीध्वम् |
| | रेषयिषीय | रेषयिषीवहि | रेषयिषीमहि |
| श्व० | रेषयता | रेषयितारी | रेषयितारः |
| | रेषयितासे | रेषयितासथे | रेषयिताध्वे |
| | रेषयिताहे | रेषयितास्वहे | रेषयितास्महे |
| भ० | रेषयिष्यते | रेषयिष्येते | रेषयिष्यन्ते |
| | रेषयिष्यसे | रेषयिष्येथे | रेषयिष्यन्वे |
| | रेषयिष्ये | रेषयिष्यावहे | रेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अरेषयिष्यत् | अरेषयिष्येताम् | अरेषयिष्यन्त |
| | अरेषयिष्यथाः | अरेषयिष्येथाम् | अरेषयिष्यध्वम् |
| | अरेषयिष्य | अरेषयिष्यावहि | अरेषयिष्यामहि |

841 हेष् (हेष्) अव्यक्ते शब्दे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | हेषयति | हेषयतः | हेषयन्ति |
| | हेषयसि | हेषयथः | हेषयथ |
| | हेषयामि | हेषयावः | हेषयामः |
| स० | हेषयेत् | हेषयेताम् | हेषयेयुः |
| | हेषयेः | हेषयेतम् | हेषयेत |
| | हेषयेयम् | हेषयेव | हेषयेम |
| प० | हेषयतु | हेषयतात् | हेषयन्तु |
| | हेषय | हेषयतात् | हेषयतम् |
| | हेषयाणि | हेषयाव | हेषयाम |
| ह्य० | अहेषयत् | अहेषयताम् | अहेषयन् |
| | अहेषयः | अहेषयतम् | अहेषयत |
| | अहेषयम् | अहेषयाव | अहेषयाम |
| अ० | अजिहेषत् | अजिहेषताम् | अजिहेषन् |
| | अजिहेषः | अजिहेषतम् | अजिहेषत |
| | अजिहेषम् | अजिहेषाव | अजिहेषाम |
| प० | हेषयाञ्चकार | हेषयाञ्चक्रुः | हेषयाञ्चक्रुः |
| | हेषयाञ्चकथं | हेषयाञ्चकथुः | हेषयाञ्चक |
| | हेषयाञ्चकार-चकर | हेषयाञ्चकृव | हेषयाञ्चकृम |
| | हेषयाम्बभूव | हेषयामास | |
| आ० | हेष्यात् | हेष्यास्ताम् | हेष्यामुः |
| | हेष्याः | हेष्यास्तम् | हेष्यास्त |
| | हेष्यासम् | हेष्यास्व | हेष्यास्म |
| श्व० | हेषयिता | हेषयितारो | हेषयितारः |
| | हेषयितासि | हेषयितास्थः | हेषयितस्थ |
| | हेषयितास्मि | हेषयितास्वः | हेषयितास्मः |
| भ० | हेषयिष्यति | हेषयिष्यतः | हेषयिष्यन्ति |
| | हेषयिष्यसि | हेषयिष्यथः | हेषयिष्यथ |
| | हेषयिष्यामि | हेषयिष्यावः | हेषयिष्यामः |
| क्रि० | अहेषयिष्यत् | अहेषयिष्यताम् | अहेषयिष्यन् |
| | अहेषयिष्यः | अहेषयिष्यतम् | अहेषयिष्यत |
| | अहेषयिष्यम् | अहेषयिष्याव | अहेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हेषयते | हेषयते | हेषयन्ते |
| | हेषयसे | हेषयेथे | हेषयन्ते |
| | हेषये | हेषयामहे | हेषयामहे |
| स० | हेषयेत | हेषयेयताम् | हेषयेयन् |
| | हेषयेथाः | हेषयेयथाम् | हेषयेय्वम् |
| | हेषयेय | हेषयेवहि | हेषयेमहि |
| प० | हेषयताम् | हेषयताम् | हेषयन्ताम् |
| | हेषयस्व | हेषयेथाम् | हेषयव्वम् |
| | हेषय | हेषयावहे | हेषयामहे |
| ह्य० | अहेषयत् | अहेषयेताम् | अहेषयन्त |
| | अहेषयथाः | अहेषयेथाम् | अहेषयव्वम् |
| | अहेषये | अहेषयावहि | अहेषयामहि |
| अ० | अजिहेषत् | अजिहेषेताम् | अजिहेषन्त |
| | अजिहेषथाः | अजिहेषेथाम् | अजिहेषव्वम् |
| | अजिहेषे | अजिहेषावहि | अजिहेषामहि |
| प० | हेषयाञ्चक्रे | हेषयाञ्चक्रे | हेषयाञ्चक्रे |
| | हेषयाञ्चकृषे | हेषयाञ्चकृषे | हेषयाञ्चकृषे |
| | हेषयाञ्चक्रे | हेषयाञ्चकृवहे | हेषयाञ्चकृमहे |
| | हेषयाम्बभूव | हेषयामास | |
| आ० | हेषयिषीष्ट | हेषयिषीयास्ताम् | हेषयिषीरन् |
| | हेषयिषीष्टाः | हेषयिषीयास्थाम् | हेषयिषीव्वम् |
| | हेषयिषीय | हेषयिषीवहि | हेषयिषीमहि |
| श्व० | हेषयिता | हेषयितारो | हेषयितारः |
| | हेषयितासे | हेषयितामये | हेषयितावे |
| | हेषयिताहे | हेषयितास्वहे | हेषयितास्महे |
| भ० | हेषयिष्यत | हेषयिष्येत | हेषयिष्यन्ते |
| | हेषयिष्यसे | हेषयिष्येथे | हेषयिष्यव्वम् |
| | हेषयिष्ये | हेषयिष्यावहे | हेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अहेषयिष्यत् | अहेषयिष्येताम् | अहेषयिष्यन्त |
| | अहेषयिष्यथाः | अहेषयिष्येथाम् | अहेषयिष्यव्वम् |
| | अहेषयिष्ये | अहेषयिष्यावहि | अहेषयिष्यामहि |

842 पर्षि (पर्ष) स्नेहने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| ४० | पर्षयति | पर्षयतः | पर्षयन्ति |
| | पर्षयसि | पर्षयथः | पर्षयथ |
| | पर्षयामि | पर्षयावः | पर्षयामः |
| स० | पर्षयेत् | पर्षयेताम् | पर्षयेयुः |
| | पर्षयेः | पर्षयेतम् | पर्षयेत |
| | पर्षयेयम् | पर्षयेव | पर्षयेम |
| प० | पर्षयतु | पर्षयतात् | पर्षयताम् |
| | पर्षय | पर्षयतात् | पर्षयतम् |
| | पर्षयाणि | पर्षयाव | पर्षयाम |
| ह्य० | अपर्षयत् | अपर्षयताम् | अपर्षयन् |
| | अपर्षयः | अपर्षयतम् | अपर्षयत |
| | अपर्षयम् | अपर्षयाव | अपर्षयाम |
| अ० | अपपर्षत् | अपपर्षताम् | अपपर्षन् |
| | अपपर्षः | अपपर्षतम् | अपपर्षत |
| | अपपर्षम् | अपपर्षाव | अपपर्षाम |
| प० | पर्षयाश्चकार | पर्षयाश्चक्रुः | पर्षयाश्चक्रुः |
| | पर्षयाश्चकथ | पर्षयाश्चक्रुः | पर्षयाश्चक्रुः |
| | पर्षयाश्चकार-चकर | पर्षयाश्चक्रुव | पर्षयाश्चक्रुम |
| | पर्षयाम्बभूव | । | पर्षयामास |
| आ० | पर्ष्यात् | पर्ष्यास्ताम् | पर्ष्यासुः |
| | पर्ष्याः | पर्ष्यास्तम् | पर्ष्यास्त |
| | पर्ष्यासम् | पर्ष्यास्व | पर्ष्यास्मि |
| श्व० | पर्षयिता | पर्षयितारौ | पर्षयितारः |
| | पर्षयितासि | पर्षयितास्थः | पर्षयितस्थ |
| | पर्षयितास्मि | पर्षयितास्वः | पर्षयितास्मः |
| भ० | पर्षयिष्यति | पर्षयिष्यतः | पर्षयिष्यन्ति |
| | पर्षयिष्यसि | पर्षयिष्यथः | पर्षयिष्यथ |
| | पर्षयिष्यामि | पर्षयिष्यावः | पर्षयिष्यामः |
| क्रि० | अपर्षयिष्यत् | अपर्षयिष्यताम् | अपर्षयिष्यन् |
| | अपर्षयिष्यः | अपर्षयिष्यतम् | अपर्षयिष्यत |
| | अपर्षयिष्यम् | अपर्षयिष्याव | अपर्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| व० | पर्षयते | पर्षयेते | पर्षयन्ते |
| | पर्षयसे | पर्षयेथे | पर्षयन्थे |
| | पर्षये | पर्षयावहे | पर्षयामहे |
| स० | पर्षयेत् | पर्षयेयाताम् | पर्षयेरन् |
| | पर्षयेथाः | पर्षयेयाथाम् | पर्षयेध्वम् |
| | पर्षयेथ | पर्षयेवहि | पर्षयेमहि |
| प० | पर्षयताम् | पर्षयेताम् | पर्षयन्ताम् |
| | पर्षयस्व | पर्षयेथाम् | पर्षयध्वम् |
| | पर्षये | पर्षयावहे | पर्षयामहे |
| ह्य० | अपर्षयत् | अपर्षयेताम् | अपर्षयन्त |
| | अपर्षयथाः | अपर्षयेथाम् | अपर्षयध्वम् |
| | अपर्षये | अपर्षयावहि | अपर्षयामहि |
| अ० | अपपर्षत् | अपपर्षेताम् | अपपर्षन्त |
| | अपपर्षथाः | अपपर्षेथाम् | अपपर्षध्वम् |
| | अपपर्षे | अपपर्षावहि | अपपर्षामहि |
| प० | पर्षयाश्चक्रे | पर्षयाश्चक्राते | पर्षयाश्चक्रिरे |
| | पर्षयाश्चक्रेषे | पर्षयाश्चक्राये | पर्षयाश्चक्रुद्वे |
| | पर्षयाश्चक्रे | पर्षयाश्चक्रवहे | पर्षयाश्चक्रुमहे |
| | पर्षयाम्बभूव | । | पर्षयामास |
| आ० | पर्षयिषीष्ट | पर्षयिषीयास्ताम् | पर्षयिषीरन् |
| | पर्षयिषीष्टाः | पर्षयिषीयास्थाम् | पर्षयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | पर्षयिषीय | पर्षयिषीवहि | पर्षयिषीमहि |
| श्व० | पर्षयिता | पर्षयितारौ | पर्षयितारः |
| | पर्षयितासे | पर्षयितास्थे | पर्षयिताध्वे |
| | पर्षयिताहे | पर्षयितास्वहे | पर्षयितास्महे |
| भ० | पर्षयिष्यते | पर्षयिष्येते | पर्षयिष्यन्ते |
| | पर्षयिष्यसे | पर्षयिष्येथे | पर्षयिष्यध्वे |
| | पर्षयिष्ये | पर्षयिष्यावहे | पर्षयिष्यामहे |
| क्रि० | अपर्षयिष्यत् | अपर्षयिष्येताम् | अपर्षयिष्यन्त |
| | अपर्षयिष्यथाः | अपर्षयिष्येथाम् | अपर्षयिष्यध्वम् |
| | अपर्षयिष्ये | अपर्षयिष्यावहि | अपर्षयिष्यामहि |

843 घृषुङ् (घृष्) कान्तीकरणे ।

| | | |
|-----------------|---------------|--------------|
| ब० घृषयति | घृषयतः | घृषयन्ति |
| घृषयसि | घृषयथः | घृषयथ |
| घृषयामि | घृषयावः | घृषयामः |
| स० घृषयेत् | घृषयेताम् | घृषयेयुः |
| घृषयेः | घृषयेतम् | घृषयेत |
| घृषयेयम् | घृषयेव | घृषयेम |
| प० घृषयतु | घृषयतात | घृषयताम् |
| घृषय | घृषयतात | घृषयतम् |
| घृषयणि | घृषयाव | घृषयाम |
| ह्य० अघृषयत् | अघृषयताम् | अघृषयन् |
| अघृषयः | अघृषयतम् | अघृषयत |
| अघृषयम् | अघृषयाव | अघृषयाम |
| अ० अजुघृषत् | अजुघृषताम् | अजुघृषन् |
| अजुघृषः | अजुघृषतम् | अजुघृषत |
| अजुघृषम् | अजुघृषाव | अजुघृषाम |
| प० घृषयाञ्चकार | घृषयाञ्चकतुः | घृषयाञ्चकुः |
| घृषयाञ्चकथं | घृषयाञ्चकथुः | घृषयाञ्चक |
| घृषयाञ्चकार-चकर | घृषयाञ्चकृव | घृषयाञ्चकृम |
| घृषयाम्बभूव | घृषयामास | |
| आ० घृष्यात् | घृष्यास्ताम् | घृष्यामुः |
| घृष्याः | घृष्यास्तम् | घृष्यास्त |
| घृष्यासम् | घृष्यास्व | घृष्यास्म |
| घ० घृषयिता | घृषयितारो | घृषयितारः |
| घृषयितासि | घृषयितास्यः | घृषयितास्थ |
| घृषयितास्मि | घृषयितास्वः | घृषयितास्म |
| म० घृषयिष्यति | घृषयिष्यतः | घृषयिष्यन्ति |
| घृषयिष्यसि | घृषयिष्यथः | घृषयिष्यथ |
| घृषयिष्यामे | घृषयिष्यावः | घृषयिष्यामः |
| कि० अघृषयिष्यत् | अघृषयिष्यताम् | अघृषयिष्यन् |
| अघृषयिष्यः | अघृषयिष्यतम् | अघृषयिष्यत |
| अघृषयिष्यम् | अघृषयिष्याव | अघृषयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| व० घृषयते | घृषयेते | घृषयन्ते |
| घृषयमे | घृषयेथे | घृषयन्ते |
| घृषये | घृषयावहे | घृषयामहे |
| स० घृषयेत | घृषयेयाताम् | घृषयेरन् |
| घृषयेथाः | घृषयेयाथाम् | घृषयेष्वम् |
| घृषयेय | घृषयेवहि | घृषयेमहि |
| प० घृषयताम् | घृषयेताम् | घृषयन्ताम् |
| घृषयस्व | घृषयेथाम् | घृषयेष्वम् |
| घृषये | घृषयावहे | घृषयामहे |
| ह्य० अघृषयत | अघृषयेताम् | अघृषयन्त |
| अघृषयथाः | अघृषयेथाम् | अघृषयेष्वम् |
| अघृषये | अघृषयावहि | अघृषयामहि |
| अ० अजुघृषत | अजुघृषेताम् | अजुघृषन्त |
| अजुघृषथाः | अजुघृषेथाम् | अजुघृषेष्वम् |
| अजुघृषे | अजुघृषावहि | अजुघृषामहि |
| प० घृषयाञ्चके | घृषयाञ्चकते | घृषयाञ्चकिरे |
| घृषयाञ्चकृपे | घृषयाञ्चकृपे | घृषयाञ्चकृवे |
| घृषयाञ्चके | घृषयाञ्चकृवहे | घृषयाञ्चकृमहे |
| घृषयाम्बभूव | घृषयामास | |
| आ० घृषयिषीष्ट | घृषयिषीस्ताम् | घृषयिषीरन् |
| घृषयिषीष्टाः | घृषयिषीयाथाम् | घृषयिषीह्वम् |
| घृषयिषीष्टम् | | |
| घृषयिषीय | घृषयिषीवहि | घृषयिषीमहि |
| श्र० घृषयिता | घृषयितारो | घृषयितारः |
| घृषयितासि | घृषयितास्ये | घृषयिताध्वे |
| घृषयिताहे | घृषयितास्वहे | घृषयितास्महे |
| म० घृषयिष्यते | घृषयिष्येते | घृषयिष्यन्ते |
| घृषयिष्यसे | घृषयिष्येथे | घृषयिष्यन्ते |
| घृषयिष्ये | घृषयिष्यावहे | घृषयिष्यामहे |
| कि० अघृषयिष्यत् | अघृषयिष्येताम् | अघृषयिष्यन्त |
| अघृषयिष्यथा | अघृषयिष्येथाम् | अघृषयिष्येष्वम् |
| अघृषयिष्ये | अघृषयिष्यावहि | अघृषयिष्यामहि |

॥ अथ सान्ताह्यदेश ॥

844 क्प्रसृङ् (संस्) प्रमादे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| ब० | संसयति | संसयतः | संसयन्ति |
| | संसयसि | संसयथः | संसयथ |
| | संसयामि | संसयावः | संसयामः |
| स० | संसयित् | संसयेताम् | संसयेयुः |
| | संसयेः | संसयेतम् | संसयेत |
| | संसयेयम् | संसयेव | संसयेम |
| प० | संसयतु | संसयतात् | संसयताम् |
| | संसय | संसयतात् | संसयतम् |
| | संसयानि | संसयाव | संसयाम |
| ह्य० | असंसयत् | असंसयताम् | असंसयन् |
| | असंसयः | असंसयतम् | असंसयत |
| | असंसयम् | असंसयाव | असंसयाम |
| अ० | असंसत् | असंसताम् | असंसन् |
| | असंसः | असंसतम् | असंसत |
| | असंसम् | असंसाव | असंसाम |
| प० | संसयाञ्चकार | संसयाञ्चकतु | संसयाञ्चकुः |
| | संसयाञ्चकर्थे | संसयाञ्चकधुः | संसयाञ्चक |
| | संसयाञ्चकारन्वकर | संसयाञ्चकृव | संसयाञ्चकृम |
| | संसयाम्बभूव | । | संसयामास |
| आ० | संसयात् | संसयास्ताम् | संसयासुः |
| | संसयाः | संसयास्तम् | संसयास्त |
| | संसयासम् | संसयास्व | संसयास्म |
| श्र० | संसयिता | संसयितारौ | संसयितारः |
| | संसयितामि | संसयितास्थः | संसयितास्थ |
| | संसयितास्मि | संसयितास्वः | संसयितास्मः |
| भ० | संसयिष्यति | संसयिष्यतः | संसयिष्यन्ति |
| | संसयिष्यसि | संसयिष्यथः | संसयिष्यथ |
| | संसयिष्यामि | संसयिष्यावः | संसयिष्यामः |
| क्रि० | असंसयिष्यत् | असंसयिष्यताम् | असंसयिष्यन् |
| | असंसयिष्यः | असंसयिष्यतम् | असंसयिष्यत |
| | असंसयिष्यम् | असंसयिष्याव | असंसयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व | संसयते | संसयेते | संसयन्ते |
| | संसयसे | संसयेथे | संसयन्वे |
| | संसये | संसयावहे | संसयामहे |
| स० | संसयेत | संसयेयाताम् | संसयेरन् |
| | संसयेथाः | संसयेयाथाम् | संसयेध्वम् |
| | संसयेय | संसयेवहि | संसयेमहि |
| प० | संसयताम् | संसयेताम् | संसयन्ताम् |
| | संसयस्व | संसयेथाम् | संसयध्वम् |
| | संसयै | संसयावहै | संसयामहै |
| ह्य० | असंसयत | असंसयेताम् | असंसयन्त |
| | असंसयथाः | असंसयेथाम् | असंसयध्वम् |
| | असंसये | असंसयावहि | असंसयामहि |
| अ० | असंसत् | असंसेताम् | असंसन्त |
| | असंसथाः | असंसेथाम् | असंसध्वम् |
| | असंससे | असंसावहि | असंसामहि |
| प० | संसयाञ्चके | संसयाञ्चकते | संसयाञ्चकिरे |
| | संसयाञ्चकृषे | संसयाञ्चक्राये | संसयाञ्चकृद्वे |
| | संसयाञ्चके | संसयाञ्चकृवहे | संसयाञ्चकृमहे |
| | संसयाम्बभूव | । | संसयामास |
| आ० | संसयिषीष्ट | संसयिषीयास्ताम् | संसयिषीरन् |
| | संसयिषीष्टाः | संसयिषीयाथाम् | संसयिषीध्वम् |
| | संसयिषीय | संसयिषीवहि | संसयिषीमहि |
| श्र० | संसयिता | संसयितारौ | संसयितारः |
| | संसयितासे | संसयितासाथे | संसयिताध्वे |
| | संसयिताहे | संसयितास्वहे | संसयितास्महे |
| भ० | संसयिष्यते | संसयिष्येते | संसयिष्यन्ते |
| | संसयिष्यते | संसयिष्येथे | संसयिष्यन्वे |
| | संसयिष्ये | संसयिष्यावहे | संसयिष्यामहे |
| क्रि० | असंसयिष्यत | असंसयिष्येताम् | असंसयिष्यन्त |
| | असंसयिष्यथाः | असंसयिष्येथाम् | असंसयिष्यध्वम् |
| | असंसयिष्ये | असंसयिष्यावहि | असंसयिष्यामहि |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (७९५)

845 कासङ् (कास्) शब्दकुत्सायाम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० कासयति | कासयतः | कासयन्ति |
| कासयसि | कासयथः | कासयथ |
| कासयामि | कासयावः | कासयामः |
| स० कासयेत् | कासयेताम् | कासयेयुः |
| कासयेः | कासयेतम् | कासयेत |
| कासयेयम् | कासयेव | कासयेम |
| प० कासयतु | कासयतात् | कासयताम् |
| कासय | कासयतात् | कासयतम् |
| कासयानि | कासयाव | कासयाम |
| ह० अकासयत् | अकासयताम् | अकासयन् |
| अकासयः | अकासयतम् | अकासयत |
| अकासयम् | अकासयाव | अकासयाम |
| अ० अचकासत् | अचकासताम् | अचकासन् |
| अचकास | अचकासतम् | अचकासत |
| अचकासम् | अचकासाव | अचकासाम |
| प० कासयाञ्चकार | कासयाञ्चक्रुः | कासयाञ्चक्रुः |
| कासयाञ्चकथं | कासयाञ्चक्रुः | कासयाञ्चक्रुः |
| कासयाञ्चकार-चकर | कासयाञ्चक्रुव | कासयाञ्चक्रुम |
| कासयाञ्चभूव | कासयामास | |
| भा० कास्यात् | कास्यास्ताम् | कास्यासुः |
| कास्याः | कास्यास्तम् | कास्यास्त |
| कास्यासम् | कास्यास्व | कास्यास्म |
| भ० कासयिता | कासयितारौ | कासयितारः |
| कासयितासि | कासयितास्यः | कासयितास्य |
| कासयितास्मि | कासयितस्वः | कासयितास्मः |
| भ० कासयिष्यति | कासयिष्यतः | कासयिष्यन्ति |
| कासयिष्यसि | कासयिष्यथः | कासयिष्यथ |
| कासयिष्यामि | कासयिष्यावः | कासयिष्यामः |
| क्रि० अकासयिष्यत् | अकासयिष्यताम् | अकासयिष्यन् |
| अकासयिष्यः | अकासयिष्यतम् | अकासयिष्यत |
| अकासयिष्यम् | अकासयिष्याव | अकासयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० कासयते | कासयेते | कासयन्ते |
| कासयसे | कासयेथे | कासयथ्वे |
| कासये | कासयावहे | कासयामहे |
| स० कासयेत | कासयेयाताम् | कासयेरन् |
| कासयेथाः | कासयेयाथाम् | कासयेथ्वम् |
| कासयेथ | कासयेवहि | कासयेमहि |
| प० कासयताम् | कासयेताम् | कासयन्ताम् |
| कासयस्व | कासयेथाम् | कासयथ्वम् |
| कासये | कासयावहे | कासयामहे |
| ह्य० अकासयत | अकासयेताम् | अकासयन्त |
| अकासयथाः | अकासयेथाम् | अकासयथ्वम् |
| अकासये | अकासयावहि | अकासयामहि |
| अ० अचकासत | अचकासेताम् | अचकासन्त |
| अचकासथाः | अचकासेथाम् | अचकासथ्वम् |
| अचकासे | अचकासावहि | अचकासामहि |
| प० कासयाञ्चक्रे | कासयाञ्चक्राते | कासयाञ्चकिरे |
| कासयाञ्चकृषे | कासयाञ्चक्राये | कासयाञ्चकृद्वे |
| कासयाञ्चक्रे | कासयाञ्चकृवहे | कासयाञ्चकृमहे |
| कासयाञ्चभूव | कासयामास | |
| भा० कासयिषीष्ट | कासयिषीस्ताम् | कासयिषीरन् |
| कासयिषीष्टाः | कासयिषीयास्थाम् | कासयिषीद्वम् |
| कासयिषीय | कासयिषीवहि | कासयिषीमहि |
| श्व० कासयिता | कासयितारौ | कासयितारः |
| कासयितासे | कासयितासाथे | कासयिताध्वे |
| कासयिताहे | कासयितास्वहे | कासयितास्म |
| भ० कासयिष्यते | कासयिष्येते | कासयिष्य |
| कासयिष्यसे | कासयिष्येथे | कासयिष्य |
| कासयिष्ये | कासयिष्यावहे | कासयिष्यामहे |
| क्रि० अकासयिष्यत | अकासयिष्येताम् | अकासयिष्यन्त |
| अकासयिष्यथाः | अकासयिष्येथाम् | अकासयिष्यथ्वम् |
| अकासयिष्य | अकासयिष्यावहि | अकासयिष्यामहि |

846 भासि (भास्) दीप्तौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० भासयति | भासयतः | भासयन्ति |
| भासयसि | भासयथः | भासयथ |
| भासयामि | भासयावः | भासयामः |
| स० भासयेत् | भासयेताम् | भासयेयुः |
| भासयेः | भासयतम् | भासयेत |
| भासयेयम् | भासयेव | भासयेम |
| ण० भासयतु | भासयतात् | भासयताम् |
| भासय | भासयतात् | भासयतम् |
| भासयानि | भासयाव | भासयाम |
| ह्य० अभासयत् | अभासयताम् | अभासयन् |
| अभासयः | अभासयतम् | अभासयत |
| अभासयम् | अभासयाव | अभासयाम |
| अ० अवीभसत् | अवीभसताम् | अवीभसन् |
| अवीभसः | अवीभसतम् | अवीभसत |
| अवीभसम् | अवीभसाव | अवीभसाम |
| अवभासत् | अवभासताम् | अवभासन् ३० |
| ण० भासयाञ्चकार | भासयाञ्चकतुः | भासयाञ्चकुः |
| भासयाञ्चकथं | भासयाञ्चकथुः | भासयाञ्चक |
| भासयाञ्चकार-चक्र | भासयाञ्चक्रव | भासयाञ्चक्रम |
| भासयाञ्चभूव | भासयामास | |
| आ० भास्यात् | भास्यास्ताम् | भास्यायुः |
| भास्याः | भास्यास्तम् | भास्यास्त |
| भास्यासम् | भास्यास्व | भास्यास्म |
| श्र० भासयिता | भासयितारो | भासयितारः |
| भासयितामि | भासयितारथः | भासयितारथ |
| भासयितामि | भासयितारथः | भासयितारमः |
| अ० भासयिष्यति | भासयिष्यतः | भासयिष्यन्ति |
| भासयिष्यसि | भासयिष्यथः | भासयिष्यथ |
| भासयिष्यामि | भासयिष्यावः | भासयिष्यामः |
| क्रि० अभासयिष्यत् | अभासयिष्यताम् | अभासयिष्यन् |
| अभासयिष्यः | अभासयिष्यतम् | अभासयिष्यत |
| अभासयिष्यम् | अभासयिष्याव | अभासयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० भासयते | भासयेते | भासयन्ते |
| भासयसे | भासयेथे | भासयथ्वे |
| भासये | भासयावहे | भासयामहे |
| स० भासयेत | भासयेयाताम् | भासयेरन् |
| भासयेथाः | भासयेयाथाम् | भासयेष्वम् |
| भासयेथ | भासयेवहि | भासयेमहि |
| प० भासयताम् | भासयेताम् | भासयन्ताम् |
| भासयस्व | भासयेथाम् | भासयष्वम् |
| भासये | भासयावहे | भासयामहे |
| द्य० अभासयत | अभासयेताम् | अभासयन्त |
| अभासयथाः | अभासयेथाम् | अभासयष्वम् |
| अभासये | अभासयावहि | अभासयामहि |
| अ० अवीभसत | अवीभसेताम् | अवीभसन्त |
| अवीभसथाः | अवीभसेथाम् | अवीभसष्वम् |
| अवीभसे | अवीभसावहि | अवीभसामहि |
| अवभासत | अवभासेताम् | अवभासन्त ३० |
| प० भासयाञ्चक्रे | भासयाञ्चक्रात | भासयाञ्चकिरे |
| भासयाञ्चकृषे | भासयाञ्चक्राथे | भासयाञ्चकृष्वे |
| भासयाञ्चक्रे | भासयाञ्चकृवहे | भासयाञ्चकृमहे |
| भासयाञ्चभूव | भासयामास | |
| आ० भासयिषीष्ट | भासयिषीयास्ताम् | भासयिषीन् |
| भासयिषीष्टाः | भासयिषीयास्थाम् | भासयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| भासयिषीय | भासयिषीवहि | भासयिषीमहि |
| श्र० भासयिता | भासयितारो | भासयितारः |
| भासयितामि | भासयितारथे | भासयितारथ्वे |
| भासयिताहे | भासयितारवहे | भासयितारमहे |
| अ० भासयिष्यते | भासयिष्येते | भासयिष्यन्ते |
| भासयिष्यसे | भासयिष्येथे | भासयिष्यथ्वे |
| भासयिष्ये | भासयिष्यावहे | भासयिष्यामहे |
| क्रि० अभासयिष्यत | अभासयिष्येताम् | अभासयिष्यन्त |
| अभासयिष्यथाः | अभासयिष्येथाम् | अभासयिष्यष्वम् |
| अभासयिष्ये | अभासयिष्यावहि | अभासयिष्यामहि |

847 दुभासि (भास्) दासो ।

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (७९७)

850 णासङ् (नाम्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | आसयति | आसयतः | आसयन्ति |
| | आसयसि | आसयथः | आसयथ |
| | आसयामि | आसयावः | आसयामः |
| स० | आसयेत् | आसयेताम् | आसयेयुः |
| | आसयेः | आसयेतम् | आसयेत |
| | आसयेयम् | आसयेव | आसयेम |
| प० | आसयतु | आसयतात् | आसयताम् |
| | आसय | आसयतात् | आसयतम् |
| | आसयानि | आसयाव | आसयाम |
| ह्य० | अआसयत् | अआसयताम् | अआसयन् |
| | अआसयः | अआसयतम् | अआसयत |
| | अआसयम् | अआसयाव | अआसयाम |
| अ० | अवआसत् | अवआसताम् | अवआसन् |
| | अवआसः | अवआसतम् | अवआसत |
| | अवआसम् | अवआसाव | अवआसाम |
| | अविअसत् | अविअसताम् | अविअसन् ८० |
| प० | आसयाञ्चकार | आसयाञ्चकतुः | आसयाञ्चकुः |
| | आसयाञ्चकर्थ | आसयाञ्चकधुः | आसयाञ्चक |
| | आसयाञ्चकार-चकर | आसयाञ्चकव | आसयाञ्चकम् |
| | आसयाम्बभूव | । | आसयामास |
| आ० | आस्यात् | आस्यास्ताम् | आस्यासुः |
| | आस्याः | आस्यास्तम् | आस्यास्त |
| | आस्यासम् | आस्यास्व | आस्यास्म |
| श्व० | आसयिता | आसयितारौ | आसयितारः |
| | आसयितासि | आसयितास्थः | आसयितास्थ |
| | आसयितास्मि | आसयितास्वः | आसयितास्मः |
| भ० | आसयिष्यति | आसयिष्यतः | आसयिष्यन्ति |
| | आसयिष्यसि | आसयिष्यथः | आसयिष्यथ |
| | आसयिष्यामि | आसयिष्यावः | आसयिष्यामः |
| क्रि० | अआसयिष्यत् | अआसयिष्यताम् | अआसयिष्यन् |
| | अआसयिष्यः | अआसयिष्यतम् | अआसयिष्यत |
| | अआसयिष्यम् | अआसयिष्याव | अआसयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| व० | आसयते | आसयेते | आसयन्ते |
| | आसयसे | आसयेषे | आसयन्वे |
| | आसये | आसयावहे | आसयामहे |
| स० | आसयेत | आसयेयाताम् | आसयेरन् |
| | आसयेथाः | आसयेयाथाम् | आसयेध्वम् |
| | आसयेय | आसयेवहि | आसयेमहि |
| प० | आसयताम् | आसयेताम् | आसयन्ताम् |
| | आसयस्व | आसयेथाम् | आसयध्वम् |
| | आसये | आसयावहे | आसयामहे |
| ह्य० | अआसयत | अआसयेताम् | अआसयन्त |
| | अआसयथाः | अआसयेथाम् | अआसयध्वम् |
| | अआसये | अआसयावहि | अआसयामहि |
| अ० | अवआसत | अवआसेताम् | अवआसन्त |
| | अवआसथाः | अवआसेथाम् | अवआसध्वम् |
| | अवआसे | अवआसावहि | अवआसामहि |
| | अविआसत | अविआमेताम् | अविआसन्त ८० |
| प० | आसयाञ्चके | आसयाञ्चकते | आसयाञ्चकिरे |
| | आसयाञ्चकृषे | आसयाञ्चकाये | आसयाञ्चकृवे |
| | आसयाञ्चके | आसयाञ्चकृवहे | आसयाञ्चकृमहे |
| | आसयाम्बभूव | । | आसयामास |
| आ० | आसयिषीष्ट | आसयिषीयास्ताम् | आसयिषीरन् |
| | आसयिषीष्टाः | आसयिषीयास्थाम् | आसयिषीह्वम् |
| | आसयिषीय | आसयिषीवहि | आसयिषीमहि |
| श्व० | आसयिता | आसयितारौ | आसयितारः |
| | आसयितासे | आसयितासाथे | आसयितास्व |
| | आसयिताहे | आसयितामहे | आसयितास्महे |
| भ० | आसयिष्येत | आसयिष्येते | आसयिष्यन्ते |
| | आसयिष्येत | आसयिष्येथ | आसयिष्यन्वे |
| | आसयिष्ये | आसयिष्यावहे | आसयिष्यामहे |
| क्रि० | अआसयिष्येत | अआसयिष्येताम् | अआसयिष्यन्त |
| | अआसयिष्येथाः | अआसयिष्येथाम् | अआसयिष्यध्वम् |
| | अआसयिष्ये | अआसयिष्यावहि | अआसयिष्यामहि |

848 दुभ्लासङ् (भ्लास्) दीप्तौ ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| च० भ्लासयति | भ्लासयतः | भ्लासयन्ति |
| भ्लासयामि | भ्लासयथः | भ्लासयथ |
| भ्लासयामि | भ्लासयावः | भ्लासयामः |
| स० भ्लासयेत् | भ्लासयेताम् | भ्लासयेयुः |
| भ्लासयेः | भ्लासयेतम् | भ्लासयेत |
| भ्लासयेयम् | भ्लासयेव | भ्लासयेम |
| प० भ्लासयतु | भ्लासयतात् | भ्लासयताम् |
| भ्लासय | भ्लासयतात् | भ्लासयतम् |
| भ्लासयानि | भ्लासयाव | भ्लासयाम |
| ह्य० अभ्लासयत् | अभ्लासयताम् | अभ्लासयन् |
| अभ्लासयः | अभ्लासयतम् | अभ्लासयत |
| अभ्लासयम् | अभ्लासयाव | अभ्लासयाम |
| अ० अवभ्लासत् | अवभ्लासताम् | अवभ्लासन् |
| अवभ्लासः | अवभ्लासतम् | अवभ्लासत |
| अवभ्लासम् | अवभ्लासाव | अवभ्लासाम |
| प० भ्लासयावकार | भ्लासयावकतु | भ्लासयावकुः |
| भ्लासयावकर्त्तु | भ्लासयावकथुः | भ्लासयावक |
| भ्लासयावकार-चकर | भ्लासयावकृव | भ्लासयावकृम |
| भ्लासयाम्बभूव | भ्लासयामास | |
| आ० भ्लास्यात् | भ्लास्यास्ताम् | भ्लास्यासुः |
| भ्लास्याः | भ्लास्यास्तम् | भ्लास्यास्त |
| भ्लास्यासम् | भ्लास्यास्व | भ्लास्यास्म |
| क्ष० भ्लासयिता | भ्लासयितारो | भ्लासयितारः |
| भ्लासयितामि | भ्लासयितास्थः | भ्लासयितास्थ |
| भ्लासयितास्मि | भ्लासयितास्वः | भ्लासयितास्मः |
| भ० भ्लासयिष्यति | भ्लासयिष्यतः | भ्लासयिष्यन्ति |
| भ्लासयिष्यसि | भ्लासयिष्यथः | भ्लासयिष्यथ |
| भ्लासयिष्यामि | भ्लासयिष्यावः | भ्लासयिष्याम |
| क्रि० अभ्लासयिष्यत् | अभ्लासयिष्यताम् | अभ्लासयिष्यन् |
| अभ्लासयिष्यः | अभ्लासयिष्यतम् | अभ्लासयिष्यत |
| अभ्लासयिष्यम् | अभ्लासयिष्याव | अभ्लासयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० भ्लासयते | भ्लासयते | भ्लासयन्ते |
| भ्लासयसे | भ्लासयथे | भ्लासयथ्वे |
| भ्लासये | भ्लासयावहे | भ्लासयामहे |
| स० भ्लासयेत | भ्लासयेयाताम् | भ्लासयेयन् |
| भ्लासयेथाः | भ्लासयेयथाम् | भ्लासयेय्वम् |
| भ्लासयेय | भ्लासयेवहि | भ्लासयेमहि |
| प० भ्लासयताम् | भ्लासयेताम् | भ्लासयन्ताम् |
| भ्लासयस्व | भ्लासयेथाम् | भ्लासयथ्वम् |
| भ्लासये | भ्लासयावहे | भ्लासयामहे |
| ह्य० अभ्लासयत | अभ्लासयताम् | अभ्लासयन्त |
| अभ्लासयथाः | अभ्लासयथाम् | अभ्लासयथ्वम् |
| अभ्लासये | अभ्लासयावहि | अभ्लासयामहि |
| अ० अवभ्लासत | अवभ्लासताम् | अवभ्लासन्त |
| अवभ्लासथाः | अवभ्लासयथाम् | अवभ्लासयथ्वम् |
| अवभ्लासे | अवभ्लासावहि | अवभ्लासामहि |
| प० भ्लासयावकारे | भ्लासयावकारे | भ्लासयावकारे |
| भ्लासयावकृषे | भ्लासयावकृषे | भ्लासयावकृष्वे |
| भ्लासयावकृ | भ्लासयावकृवहे | भ्लासयावकृमहे |
| भ्लासयाम्बभूव | भ्लासयामास | |
| आ० भ्लासयिषीष्ट | भ्लासयिषीयास्ताम् | भ्लासयिषीन् |
| भ्लासयिषीष्ठाः | भ्लासयिषीयास्थाम् | भ्लासयिषीद्वम् |
| भ्लासयिषीय | भ्लासयिषीवहि | भ्लासयिषीमहि |
| भ० भ्लासयिता | भ्लासयितारो | भ्लासयितारः |
| भ्लासयितासे | भ्लासयितासाथे | भ्लासयिताथ्वे |
| भ्लासयिताहे | भ्लासयितास्वहे | भ्लासयितास्महे |
| भ० भ्लासयिष्यते | भ्लासयिष्यते | भ्लासयिष्यन्ते |
| भ्लासयिष्यसे | भ्लासयिष्यथे | भ्लासयिष्यथ्वे |
| भ्लासयिष्य | भ्लासयिष्यावहे | भ्लासयिष्यामहे |
| क्रि० अभ्लासयिष्यत | अभ्लासयिष्यताम् | अभ्लासयिष्यन्त |
| अभ्लासयिष्यथाः | अभ्लासयिष्यथाम् | अभ्लासयिष्यथ्वम् |
| अभ्लासयिष्य | अभ्लासयिष्यावहि | अभ्लासयिष्यामहि |

849 रासुङ्ग (रास्) शब्दे

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | रासयन्ति | रासयतः | रासयन्ति |
| | रासयन्ति | रासयन्ति | रासयन्ति |
| | रासयन्ति | रासयन्ति | रासयन्ति |
| स० | रासयेत् | रासयेताम् | रासयेयुः |
| | रासयेः | रासयेतम् | रासयेत |
| | रासयेयम् | रासयेव | रासयेम |
| प० | रासयन्तु | रासयन्तात् | रासयन्तु |
| | रासय | रासयतात् | रासयतम् |
| | रासयन्ति | रासयाव | रासयाम |
| ह्य० | अरासयत् | अरासयताम् | अरासयन् |
| | अरासयः | अरासयतम् | अरासयत |
| | अरासयम् | अरासयाव | अरासयाम |
| अ० | अरासत् | अरासताम् | अरासन् |
| | अरासः | अरासतम् | अरासत |
| | अरासम् | अरासाव | अरासाम |
| प० | रासयाश्चकार | रासयाश्चक्रतुः | रासयाश्चक्रुः |
| | रासयाश्चकथं | रासयाश्चक्रथुः | रासयाश्चक्र |
| | रासयाश्चकार-चक्र | रासयाश्चक्रुव | रासयाश्चक्रुम |
| | रासयाम्बभूव | रासयामास | |
| आ० | रास्यात् | रास्यास्ताम् | रास्यासुः |
| | रास्याः | रास्यास्तम् | रास्यास्त |
| | रास्यासम | रास्यास्व | रास्यास्म |
| श्च० | रासयिता | रासयितारौ | रासयितारः |
| | रासयितासि | रासयितास्थः | रासयितास्थ |
| | रासयितास्मि | रासयितास्वः | रासयितास्मः |
| भ० | रासयिष्यति | रासयिष्यतः | रासयिष्यन्ति |
| | रासयिष्यसि | रासयिष्यथः | रासयिष्यथ |
| | रासयिष्यामि | रासयिष्यावः | रासयिष्यामः |
| क्रि० | अरासयिष्यत् | अरासयिष्यताम् | अरासयिष्यन् |
| | अरासयिष्यः | अरासयिष्यतम् | अरासयिष्यत |
| | अरासयिष्यम् | अरासयिष्याव | अरासयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-------------------|----------------|
| व० | रासयते | रासयन्ते | रासयन्ते |
| | रासयसे | रासयसे | रासयसे |
| | रासये | रासयावहे | रासयामहे |
| स० | रासयेत | रासयेयाताम् | रासयेयन्त |
| | रासयेथाः | रासयेयाथाम् | रासयेय्वम् |
| | रासयेथ | रासयेवहि | रासयेमहि |
| प० | रासयताम् | रासयेताम् | रासयन्ताम् |
| | रासयस्व | रासयेथाम् | रासयस्वम् |
| | रासये | रासयावहे | रासयामहे |
| ह्य० | अरासयत | अरासयेताम् | अरासयन्त |
| | अरासयथाः | अरासयेथाम् | अरासयस्वम् |
| | अरासये | अरासयावहि | अरासयामहि |
| अ० | अररासत | अररासेताम् | अररासन्त |
| | अररासथाः | अररासेथाम् | अररासस्वम् |
| | अररासे | अररासावहि | अररासामहि |
| प० | रासयाञ्चक्रे | रासयाञ्चक्रात् | रासयाञ्चक्रिरे |
| | रासयाञ्चकृषे | रासयाञ्चक्राये | रासयाञ्चकृद्वे |
| | रासयाञ्चक्रे | रासयाञ्चकृवहे | रासयाञ्चकृमहे |
| | रासयाञ्चभूव | रासयाञ्चभूव | |
| आ० | रासयिषीष्ट | रासयिषीष्टास्ताम् | रासयिषीष्टान् |
| | रासयिषीष्टाः | रासयिषीष्टास्थाम् | रासयिषीष्टवम् |
| | रासयिषीष्ट | रासयिषीष्टहि | रासयिषीष्टमहि |
| अ० | रासयित | रासयितास्ताम् | रासयितान् |
| | रासयितासे | रासयितासाथे | रासयितास्व |
| | रासयिताहे | रासयितावहे | रासयितामहे |
| भ० | रासयिष्यत | रासयिष्यन्त | रासयिष्यन्त |
| | रासयिष्यसे | रासयिष्यसे | रासयिष्यसे |
| | रासयिष्ये | रासयिष्यावहे | रासयिष्यामहे |
| क्रि० | अरासयिष्यत | अरासयिष्येताम् | अरासयिष्यन्त |
| | अरासयिष्यथाः | अरासयिष्येथाम् | अरासयिष्यस्वम् |
| | अरासयिष्ये | अरासयिष्यावहि | अरासयिष्यामहि |

८५० णासृङ् (नास्) शब्दे ।

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| ६० नासयन्ति | नासयतः | नासयन्ति |
| नासयन्ति | नासयन् | नासयन् |
| नासयामि | नासयावः | नासयामः |
| ७० नासयन्तु | नासयेताम् | नासयेयुः |
| नासयः | नासयेतम् | नासयेत |
| नासयेयम् | नासयेव | नासयेम |
| ८० नासयतु | नासयतात् | नासयताम् |
| नासय | नासयतात् | नासयतम् |
| नासयानि | नासयाव | नासयाम |
| ९० अनासयत् | अनासयताम् | अनासयन् |
| अनासयः | अनासयतम् | अनासयत |
| अनासयम् | अनासयाव | अनासयाम |
| १० अनासत् | अनासताम् | अनासन् |
| अनासः | अनासतम् | अनासत |
| अनासम् | अनासाव | अनासाम |
| ११० नासयाश्चकार | नासयाश्चक्रुः | नासयाश्चकुः |
| नासयाश्चकथे | नासयाश्चक्रुः | नासयाश्चक |
| नासयाश्चकार-चक्र | नासयाश्चक्रुव | नासयाश्चक्रम |
| नासयाम्बभूव | नासयामास | |
| १२० नास्यात् | नास्यास्ताम् | नास्यासुः |
| नास्याः | नास्यास्तम् | नास्यास्त |
| नास्यासम् | नास्यास्व | नास्यास्म |
| १३० नासयिता | नासयितारौ | नासयितारः |
| नासयितासि | नासयितास्थः | नासयितास्थ |
| नासयितास्मि | नासयितास्वः | नासयितास्मः |
| १४० नासयिष्यति | नासयिष्यतः | नासयिष्यन्ति |
| नासयिष्यसि | नासयिष्यथः | नासयिष्यथ |
| नासयिष्यामि | नासयिष्यावः | नासयिष्यामः |
| १५० अनासयिष्यत् | अनासयिष्यताम् | अनासयिष्यन् |
| अनासयिष्यः | अनासयिष्यतम् | अनासयिष्यत |
| अनासयिष्यम् | अनासयिष्याव | अनासयिष्याम |

| | | |
|----------------|-----------------|-----------------|
| व नासयते | नासयेते | नासयन्ते |
| नासयसे | नासयेथे | नासयध्वे |
| नासये | नासयावहे | नासयामहे |
| १६० नासयेत | नामयेयाताम् | नासयेरन् |
| नासयेथाः | नासयेयाथाम् | नासयेध्वम् |
| नासयेय | नासयेवहि | नासयेमहि |
| १७ नासयताम् | नासयेताम् | नासयन्ताम् |
| नासयस्व | नासयेथाम् | नासयध्वम् |
| नासयै | नासयावहे | नासयामहे |
| १८० अनासयत | अनासयेताम् | अनासयन्त |
| अनासयथाः | अनासयेथाम् | अनासयध्वम् |
| अनासये | अनासयावहि | अनासयामहि |
| १९० अननासत | अननासेताम् | अननासन्त |
| अननासथाः | अननासेथाम् | अननासध्वम् |
| अननासे | अननासावहि | अननासामहि |
| २० नासयाश्चके | नासयाश्चक्रते | नासयाश्चक्रिरे |
| नासयाश्चकृषे | नासयाश्चक्राथे | नासयाश्चक्रुवहे |
| नासयाश्चके | नासयाश्चक्रुहे | नासयाश्चक्रमहे |
| नासयाम्बभूव | नासयामास | |
| २१० नासयिषीष्ट | नासयिषीयास्ताम् | नासयिषीरन् |
| नासयिषीष्ठाः | नासयिषीयास्थाम् | नासयिषीध्वम् |
| नासयिषीय | नासयिषीवहि | नासयिषीमहि |
| २२० नासयिता | नासयितारौ | नासयितारः |
| नासयितासे | नासयितासाथे | नासयिताध्वे |
| नासयिताहि | नासयितावहे | नासयितामहे |
| २३० नासययते | नासयिष्येते | नासयिष्यन्ते |
| नासयिष्यने | नासयिष्येथे | नासयिष्यध्वे |
| नासयिष्ये | नासयिष्यावहे | नासयिष्यामहे |
| २४० अनासयिष्यत | अनासयिष्येताम् | अनासयिष्यन्त |
| अनासयिष्यथाः | अनासयिष्येथाम् | अनासयिष्यध्वम् |
| अनासयिष्ये | अनासयिष्यावहि | अनासयिष्यामहि |

851 णसि (नम्) कौटिल्ये ।

| | | |
|------------------|---------------|---------------|
| व० नासयति | नासयतः | नासयन्ति |
| नासयसि | नासयथः | नासयथ |
| नासयामि | नासयावः | नासयामः |
| स० नासयेत् | नासयेताम् | नासयेयुः |
| नासयेः | नासयेतम् | नासयेत |
| नसयेथम् | नासयेव | नासयेम |
| प० नासयन्तु | नासयतात् | नासयताम् |
| नासय | नासयतात् | नासयतम् |
| नासयानि | नासयाव | नासयाम |
| ह्य० अनासयत् | अनासयताम् | अनासयन्तु |
| अनासयः | अनासयतम् | अनासयत |
| अनामयम् | अनासयाव | अनासयाम |
| अ० अनीनपत् | अनीनसताम् | अनीनसन् |
| अनीनसः | अनीनसतम् | अनीनसत |
| अनीनसम् | अनीनसाव | अनीनसाम |
| प० नासयाञ्चकार | नासयाञ्चक्रुः | नासयाञ्चकुः |
| नासयाञ्चकथं | नासयाञ्चकथुः | नासयाञ्चक |
| नासयाञ्चकार-चकर | नासयाञ्चकृव | नासयाञ्चकृम |
| नास्याम्बभूव | नास्यामास | |
| आ० नास्यात् | नास्यास्ताम् | नास्यासुः |
| नास्याः | नास्यास्ताम् | नास्यास्त |
| नास्यासम् | नास्यास्व | नास्यास्म |
| श्व० नासयिता | नासयितारौ | नासयितारः |
| नासयितासि | नासयितास्थः | नासयितास्थ |
| नासयितास्मि | नासयितास्वः | नासयितास्मः |
| भ० नासयिष्यति | नासयिष्यतः | नासयिष्यन्ति |
| नासयिष्यसि | नासयिष्यथः | नासयिष्यथ |
| नासयिष्यामि | नासयिष्यावः | नासयिष्यामः |
| क्र० अनासयिष्यत् | अनासयिष्यताम् | अनासयिष्यन्तु |
| अनासयिष्यः | अनासयिष्यतम् | अनासयिष्यत |
| अनासयिष्यम् | अनासयिष्याव | अनासयिष्याम |

| | | |
|------------------|-------------------|----------------|
| व० नासयते | नासयेते | नासयन्ते |
| नासयसे | नासयेथे | नासयन्थे |
| नासये | नासयावहे | नामयावहे |
| स० नासयेत | नासयेताम् | नासयेरन् |
| नासयेथाः | नासयेथााम् | नासयेथ्वम् |
| नासयेथ | नासयेवहि | नासयेमहि |
| प० नासयताम् | नासयेताम् | नासयन्ताम् |
| नासयस्व | नासयेथाम् | नासयन्वम् |
| नासये | नासयावहे | नासयामहे |
| ह्य० अनासयत | अनासयेताम् | अनासयन्त |
| अनासयथाः | अनासयेथाम् | अनासयन्वम् |
| अनासये | अनासयवहि | अनासयामहि |
| अ० अनीनसत | अनीनसेताम् | अनीनसन्त |
| अनीनसथाः | अनीनसेथाम् | अनीनसन्वम् |
| अनीनसे | अनीनसावहि | अनीनसामहि |
| प० नासयाञ्चके | नासयाञ्चकाते | नासयाञ्चकिरे |
| नासयाञ्चकृषे | नासयाञ्चकृषे | नासयाञ्चकृद्वे |
| नासयाञ्चके | नासयाञ्चकृवहे | नासयाञ्चकृमहे |
| नासयाञ्चभूव | नासयामास | |
| आ० नासयिषीष्ट | नासयिषीष्टात् | नासयिषीरन् |
| नासयिषीष्टाः | नासयिषीष्टास्वाम् | नामयिषीद्वम् |
| नासयिषीथ | नासयिषीवहि | नासयिषीमहि |
| श्व० नासयिता | नासयितारौ | नामयितारः |
| नासयितासे | नासयितासाथे | नासयिताथ्वे |
| नासयिताहे | नासयितास्वहे | नासयितास्महे |
| भ० नासयिष्यते | नासयिष्येते | नासयिष्यन्ते |
| नासयिष्यते | नासयिष्येथे | नासयिष्येथ्वे |
| नासयिष्ये | नासयिष्यावहे | नासयिष्यामहे |
| क्रि० अनासयिष्यत | अनासयिष्येताम् | अनासयिष्यन्त |
| अनासयिष्यथाः | अनासयिष्येथाम् | अनासयिष्यन्वम् |
| अनासयिष्ये | अनासयिष्यावहि | अनासयिष्यामहि |

(८०२)

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

852 भ्यसि (भ्यस्) भये ।

| | | |
|----------------------------|-----------------|----------------|
| ब० भ्यासयति | भ्यासयतः | भ्यासयन्ति |
| भ्यासयसि | भ्यासयथः | भ्यासयथ |
| भ्यासयामि | भ्यासयावः | भ्यासयामः |
| स० भ्यासयेत् | भ्यासयेताम् | भ्यासयेयुः |
| भ्यासयेः | भ्यासयेतम् | भ्यासयेत |
| भ्यासयेयम् | भ्यासयेव | भ्यासयेम |
| प० भ्यासयतु | भ्यासयतात् | भ्यासयन्तु |
| भ्यासय | भ्यासयतात् | भ्यासयत |
| भ्यासयानि | भ्यासयाव | भ्यासयाम |
| ह्य० अभ्यासयत् | अभ्यासयताम् | अभ्य सयन् |
| अभ्यासयः | अभ्यासयतम् | अभ्य सयत |
| अभ्यासयम् | अभ्यासयाव | अभ्यासयाम |
| अ० अबिभ्यसत् | अबिभ्यसताम् | अबिभ्यसन् |
| अबिभ्यसः | अबिभ्यसतम् | अबिभ्यसत |
| अबिभ्यसम् | अबिभ्यसाव | अबिभ्यसाम |
| प० भ्यासयाञ्चकार | भ्यासयाञ्चकतुः | भ्यासयाञ्चकुः |
| भ्यासयाञ्चकर्थ | भ्यासयाञ्चकधुः | भ्यासयाञ्चक |
| भ्यासयाञ्चकार-न कर | भ्यासयाञ्चकृव | भ्यासयाञ्चकृम |
| भ्यासयाम्बभूव । भ्यासयामास | | |
| आ० भ्यास्यात् | भ्यास्यास्ताम् | भ्य स्यासुः |
| भ्यास्याः | भ्यास्यास्तम् | भ्यास्यास्त |
| भ्यास्यासम् | भ्यास्यास्व | भ्यास्यास्म |
| क्ष० भ्यासयिता | भ्यासयितारी | भ्यासयितारः |
| भ्यासयितासि | भ्यासयितास्यः | भ्यासयितास्य |
| भ्यासयितास्मि | भ्यासयितास्वः | भ्यासयितास्मः |
| भ० भ्यासयिष्यति | भ्यासयिष्यतः | भ्यासयिष्यन्ति |
| भ्यासयिष्यसि | भ्यासयिष्यथः | भ्यासयिष्यथ |
| भ्यासयिष्यामि | भ्यासयिष्यावः | भ्यासयिष्यामः |
| क्रि० अभ्यासयिष्यत् | अभ्यासयिष्यताम् | अभ्यासयिष्यन् |
| अभ्यासयिष्यः | अभ्यासयिष्यतम् | अभ्यासयिष्यत |
| अभ्यासयिष्यम् | अभ्यासयिष्याव | अभ्यासयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व भ्यासयते | भ्यासयेते | भ्यासयन्ते |
| भ्यासयसे | भ्यासयेथे | भ्यासयध्वे |
| भ्यासये | भ्यासयावहे | भ्यासयामहे |
| स० भ्यासयेत | भ्यासयेताम् | भ्यासयेयन् |
| भ्यासयेथाः | भ्यासयेथाव | भ्यासयेध्वम् |
| भ्यासयेथ | भ्यासयेवहि | भ्यासयेमहि |
| प० भ्यासयताम् | भ्यासयेताम् | भ्यासयन्ताम् |
| भ्यासयस्व | भ्यासयेथाम | भ्यासयध्वम् |
| भ्यासये | भ्यासयावहे | भ्यासयामहे |
| ह्य० अभ्यासयत | अभ्यासयेताम् | अभ्यासयन्त |
| अभ्यासयथाः | अभ्यासयेथाम् | अभ्यासयध्वम् |
| अभ्यासये | अभ्यासयावहि | अभ्यासयामहि |
| अ० अबिभ्यसत | अबिभ्यसेताम् | अबिभ्यसन्त |
| अबिभ्यसथाः | अबिभ्यसेथाम् | अबिभ्यसध्वम् |
| अबिभ्यसे | अबिभ्यसावहि | अबिभ्यसामहि |
| प० भ्यासयाञ्चके | भ्यासयाञ्चकते | भ्यासयाञ्चक्रे |
| भ्यासयाञ्चकृषे | भ्यासयाञ्चक्राये | भ्यासयाञ्चकृद्वे |
| भ्यासयाञ्चके | भ्यासयाञ्चकृवहे | भ्यासयाञ्चकृमहे |
| भ्यासयाम्बभूव । | भ्यासयामास | |
| आ० भ्यासयिषीष्ट | भ्यासयिषीयास्ताम् | भ्यासयिषीरन् |
| भ्यासयिषीष्टाः | भ्यासयिषीयास्थाम् | भ्यासयिषीद्वम् |
| भ्यासयिषीय | भ्यासयिषीवहि | भ्यासयिषीमहि |
| भ० भ्यासयिता | भ्यासयितारी | भ्यासयितारः |
| भ्यासयितासे | भ्यासयितासाथे | भ्यासयितास्व |
| भ्यासयिताहे | भ्यासयितास्वहे | भ्यासयितास्महे |
| भ० भ्यासयिष्यते | भ्यासयिष्येते | भ्यासयिष्यन्ते |
| भ्यासयिष्यसे | भ्यासयिष्येथे | भ्यासयिष्यध्वे |
| भ्यासयिष्ये | भ्यासयिष्यावहे | भ्यासयिष्यामहे |
| क्रि० अभ्यासयिष्यत | अभ्यासयिष्येताम् | अभ्यासयिष्यन्त |
| अभ्यासयिष्यथाः | अभ्यासयिष्येथाम् | अभ्यासयिष्यध्वम् |
| अभ्यासयिष्ये | अभ्यासयिष्यावहि | अभ्यासयिष्यामहि |

853 आङ् शसुङ् (आ शस्) इच्छायाम् ।

॥ 55० शस्वद्रूपाणि ॥

854 ग्रस्ङ् (ग्रस्) अदने ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| व० | ग्रासयति | ग्रासयतः | ग्रासयन्ति |
| | ग्रासयसि | ग्रासयथः | ग्रासयथ |
| | ग्रासयामि | ग्रासयावः | ग्रासयामः |
| स० | ग्रासयेत् | ग्रासयेताम् | ग्रासयेयुः |
| | ग्रासयेः | ग्रासयेतम् | ग्रासयेत |
| | ग्रासयेयम् | ग्रासयेव | ग्रासयेम |
| प० | ग्रासयतु | ग्रासयतात् | ग्रासयताम् |
| | ग्रासय | ग्रासयतात् | ग्रासयतम् |
| | ग्रासयानि | ग्रासयाव | ग्रासयाम |
| ह्य० | अग्रासयत् | अग्रासयताम् | अग्रासयन् |
| | अग्रासयः | अग्रासयतम् | अग्रासयत |
| | अग्रासयम् | अग्रासयाव | अग्रासयाम |
| अ० | अजिग्रसत् | अजिग्रसताम् | अजिग्रसन् |
| | अजिग्रसः | अजिग्रसतम् | अजिग्रसत |
| | अजिग्रसम् | अजिग्रसाव | अजिग्रसाम |
| प० | ग्रासयाञ्चकार | ग्रासयाञ्चकतुः | ग्रासयाञ्चकुः |
| | ग्रासयाञ्चकर्थ | ग्रासयाञ्चकथुः | ग्रासयाञ्चक |
| | ग्रासयाञ्चकार-च कर | ग्रासयाञ्चकृव | ग्रासयाञ्चकृम |
| | ग्रासयाम्बभूव | । | ग्रासयामास |
| आ० | ग्रास्यात् | ग्रास्यास्ताम् | ग्रास्यासुः |
| | ग्रास्याः | ग्रास्यास्तम् | ग्रास्यास्त |
| | ग्रास्यासम् | ग्रास्यास्व | ग्रास्यास्म |
| श्व० | ग्रासयिता | ग्रासयितारौ | ग्रासयितारः |
| | ग्रासयितासि | ग्रासयितास्थः | ग्रासयितास्थ |
| | ग्रासयितास्मि | ग्रासयितास्वः | ग्रासयितास्मः |
| भ० | ग्रासयिष्यति | ग्रासयिष्यतः | ग्रासयिष्यन्ति |
| | ग्रासयिष्यसि | ग्रासयिष्यथः | ग्रासयिष्यथ |
| | ग्रासयिष्यामि | ग्रासयिष्यावः | ग्रासयिष्यामः |
| क्रि० | अग्रासयिष्यत् | अग्रासयिष्यताम् | अग्रासयिष्यन् |
| | अग्रासयिष्यः | अग्रासयिष्यतम् | अग्रासयिष्यत |
| | अग्रासयिष्यम् | अग्रासयिष्याव | अग्रासयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | ग्रासयते | ग्रासयेते | ग्रासयन्ते |
| | ग्रासयसे | ग्रासयेथे | ग्रासयन्थे |
| | ग्रासये | ग्रासयावहे | ग्रासयामहे |
| स० | ग्रासयेत | ग्रासयेताम् | ग्रासयेरन् |
| | ग्रासयेथाः | ग्रासयेथाम् | ग्रासयेध्वम् |
| | ग्रासयेय | ग्रासयेवहि | ग्रासयेमहि |
| प० | ग्रासयताम् | ग्रासयेताम् | ग्रासयन्ताम् |
| | ग्रासयस्व | ग्रासयेथाम् | ग्रासयध्वम् |
| | ग्रासये | ग्रासयावहे | ग्रासयामहे |
| ह्य० | अग्रासयत | अग्रासयेताम् | अग्रासयन्त |
| | अग्रासयथाः | अग्रासयेथाम् | अग्रासयध्वम् |
| | अग्रासये | अग्रासयावहि | अग्रासयामहि |
| अ० | अजिग्रसत | अजिग्रसेताम् | अजिग्रसन्त |
| | अजिग्रसथाः | अजिग्रसेथाम् | अजिग्रसध्वम् |
| | अजिग्रसे | अजिग्रसावहि | अजिग्रसामहि |
| प० | ग्रासयाञ्चके | ग्रासयाञ्चकते | ग्रासयाञ्चकिरे |
| | ग्रासयाञ्चकृषे | ग्रासयाञ्चक्राथे | ग्रासयाञ्चकृद्वे |
| | ग्रासयाञ्चके | ग्रासयाञ्चकृवहे | ग्रासयाञ्चकृमहे |
| | ग्रासयाम्बभूव | । | ग्रासयामास |
| आ० | ग्रासयिषीष्ट | ग्रासयिषीष्टाम् | ग्रासयिषीन् |
| | ग्रासयिषीष्ठाः | ग्रासयिषीण्याम् | ग्रासयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | ग्रासयिषीथ | ग्रासयिषीवहि | ग्रासयिषीमहि |
| श्व० | ग्रासयिता | ग्रासयितारौ | ग्रासयितारः |
| | ग्रासयितासे | ग्रासयितासाथे | ग्रासयिताध्वे |
| | ग्रासयिताहे | ग्रासयितास्वहे | ग्रासयितास्महे |
| भ० | ग्रासयिष्यते | ग्रासयिष्येते | ग्रासयिष्यन्ते |
| | ग्रासयिष्यसे | ग्रासयिष्येथे | ग्रासयिष्यन्थे |
| | ग्रासयिष्ये | ग्रासयिष्यावहे | ग्रासयिष्यामहे |
| क्रि० | अग्रासयिष्यत | अग्रासयिष्येताम् | अग्रासयिष्यन्त |
| | अग्रासयिष्यथाः | अग्रासयिष्येथाम् | अग्रासयिष्यध्वम् |
| | अग्रासयिष्ये | अग्रासयिष्यावहि | अग्रासयिष्यामहि |

४५५ ग्लसङ् (ग्लस) अदने ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| २० ग्लासयति | ग्लासयतः | ग्लासयन्ति |
| ग्लासयसि | ग्लासयथः | ग्लासयथ |
| ग्लासयामि | ग्लासयावः | ग्लासयामः |
| २१० ग्लासयेत् | ग्लासयेताम् | ग्लासयेयुः |
| ग्लासयेः | ग्लासयेतम् | ग्लासयेत |
| ग्लासयेयम् | ग्लासयेव | ग्लासयेम |
| ५० ग्लासयतु | ग्लासयतात् | ग्लासयताम् |
| ग्लासय | ग्लासयतात् | ग्लासयतम् |
| ग्लासयानि | ग्लासयाव | ग्लासयाम |
| ४० अग्लासयत् | अग्लासयताम् | अग्लासयन् |
| अग्लासयथः | अग्लासयतम् | अग्लासयत |
| अग्लासयम् | अग्लासयाव | अग्लासयाम |
| ४० अजिग्लसत् | अजिग्लसताम् | अजिग्लसन् |
| अजिग्लसः | अजिग्लसतम् | अजिग्लसत |
| अजिग्लसम् | अजिग्लसाव | अजिग्लसाम |
| ५० ग्लासयाञ्चकार | ग्लासयाञ्चकतुः | ग्लासयाञ्चकुः |
| ग्लासयाञ्चकथं | ग्लासयाञ्चकथुः | ग्लासयाञ्चक |
| ग्लासयाञ्चकार-चकर | ग्लासयाञ्चकृव | ग्लासयाञ्चकृम |
| ग्लासयाम्बभूव | ग्लासयामास | |
| ४० ग्लास्यात् | ग्लास्यास्ताम् | ग्लास्यासुः |
| ग्लास्याः | ग्लास्यास्तम् | ग्लास्यास्त |
| ग्लास्यासम् | ग्लास्यास्व | ग्लास्यास्म |
| २३० ग्लासयिता | ग्लासयितारौ | ग्लासयितारः |
| ग्लासयितासि | ग्लासयितास्यः | ग्लासयितास्य |
| ग्लासयितास्मि | ग्लासयितास्वः | ग्लासयितास्मः |
| ४० ग्लासयिष्यति | ग्लासयिष्यतः | ग्लासयिष्यन्ति |
| ग्लासयिष्यसि | ग्लासयिष्यथः | ग्लासयिष्यथ |
| ग्लासयिष्यामि | ग्लासयिष्यावः | ग्लासयिष्यामः |
| क्रि० अग्लासयिष्यत् | अग्लासयिष्यताम् | अग्लासयिष्यन् |
| अग्लासयिष्यः | अग्लासयिष्यतम् | अग्लासयिष्यत |
| अग्लासयिष्यम् | अग्लासयिष्याव | अग्लासयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० ग्लासयते | ग्लासयते | ग्लासयन्ते |
| ग्लासयसे | ग्लासयेथे | ग्लासयन्वे |
| ग्लासये | ग्लासयावहे | ग्लासयामहे |
| स० ग्लासयेत | ग्लासयेयाताम् | ग्लासयेरन् |
| ग्लासयेथाः | ग्लासयेथायाम् | ग्लासयेध्वम् |
| ग्लासयेथ | ग्लासयेवहि | ग्लासयेमहि |
| ५० ग्लासयताम् | ग्लासयेताम् | ग्लासयन्ताम् |
| ग्लासयस्व | ग्लासयेथाम् | ग्लासयध्वम् |
| ग्लासये | ग्लासयावहे | ग्लास्यामहे |
| ४० अग्लासयत | अग्लासयेताम् | अग्लासयन्त |
| अग्लासयथाः | अग्लासयेथाम् | अग्लासयध्वम् |
| अग्लासये | अग्लासयेवहि | अग्लासयामहि |
| ४० अजिग्लसत | अजिग्लसेताम् | अजिग्लसन्त |
| अजिग्लसथाः | अजिग्लसेथाम् | अजिग्लसध्वम् |
| अजिग्लसे | अजिग्लसावहि | अजिग्लसामहि |
| ५० ग्लासयाञ्चके | ग्लासयाञ्चकृते | ग्लासयाञ्चकृरे |
| ग्लासयाञ्चकृषे | ग्लासयाञ्चकृषे | ग्लासयाञ्चकृद्वे |
| ग्लासयाञ्चके | ग्लासयाञ्चकृद्वे | ग्लासयाञ्चकृमहे |
| ग्लासयाम्बभूव | ग्लासयामास | |
| ४० ग्लासयिषीष्ट | ग्लासयिषीयास्ताम् | ग्लासयिषीरन् |
| ग्लासयिषीष्टाः | ग्लासयिषीयास्थाम् | ग्लासयिषीद्वम् |
| ग्लासयिषीय | ग्लासयिषीवहि | ग्लासयिषीमहि |
| २३० ग्लासयिता | ग्लासयितारौ | ग्लासयितारः |
| ग्लासयितासे | ग्लासयितासाथे | ग्लासयिताध्वे |
| ग्लासयिताहे | ग्लासयितास्वहे | ग्लासयितास्महे |
| ४० ग्लासयिष्यते | ग्लासयिष्येते | ग्लासयिष्यन्ते |
| ग्लासयिष्यसे | ग्लासयिष्येथे | ग्लासयिष्यध्वे |
| ग्लासयिष्ये | ग्लासयिष्यावहे | ग्लासयिष्यामहे |
| क्रि० अग्लासयिष्यत् | अग्लासयिष्यताम् | अग्लासयिष्यन्त |
| अग्लासयिष्यथाः | अग्लासयिष्येथाम् | अग्लासयिष्यध्वम् |
| अग्लासयिष्ये | अग्लासयिष्यावहि | अग्लासयिष्यामहि |

856 घसुक् (घंस्) करणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० घंसयति | घंसयतः | घंसयन्ति |
| घंसयसि | घंसयथः | घंसयथ |
| घंसयामि | घंसयावः | घंसयामः |
| स० घंसयेत् | घंसयेताम् | घंसयेयुः |
| घंसयेः | घंसयेतम् | घंसयेत |
| घंसयेयम् | घंसयेव | घंसयेम |
| प० घंसयतु | घंसयतात् | घंसयताम् |
| घंसय | घंसयतात् | घंसयतम् |
| घंसयानि | घंसयाव | घंसयाम |
| ह्य० अघंसयत् | अघंसयताम् | अघंसयन् |
| अघंसयः | अघंसयतम् | अघंसयत |
| अघंसयम् | अघंसयाव | अघंसयाम |
| अ० अजघंसत् | अजघंसताम् | अजघंसन् |
| अजघंसः | अजघंसतम् | अजघंसत |
| अजघंसम् | अजघंसव | अजघंसाम |
| प० घंसयाञ्चकार | घंसयाञ्चकतु | घंसयाञ्चकुः |
| घंसयाञ्चकथे | घंसयाञ्चकथुः | घंसयाञ्चक |
| घंसयाञ्चकार-चकर | घंसयाञ्चकृव | घंसयाञ्चकृम |
| घंसयाम्बभूव | घंसयामास | |
| भा० घंस्यात् | घंस्यास्ताम् | घंस्यासुः |
| घंस्याः | घंस्यास्तम् | घंस्यास्त |
| घंस्यासम् | घंस्यास्व | घंस्यास्म |
| श्व० घंसयिता | घंसयितारो | घंसयितारः |
| घंसयितासि | घंसयितास्थः | घंसयितस्थ |
| घंसयितास्मि | घंसयितास्वः | घंसयितास्मः |
| भ० घंसयिष्यति | घंसयिष्यतः | घंसयिष्यन्ति |
| घंसयिष्यसि | घंसयिष्यथः | घंसयिष्यथ |
| घंसयिष्यामि | घंसयिष्यावः | घंसयिष्यामः |
| क्रि० अघंसयिष्यत् | अघंसयिष्यताम् | अघंसयिष्यन् |
| अघंसयिष्यः | अघंसयिष्यतम् | अघंसयिष्यत |
| अघंसयिष्यम् | अघंसयिष्याव | अघंसयिष्याम |

| | | |
|------------------|-------------------|----------------|
| ब० घंसयेते | घंसयेते | घंसयन्ते |
| घंसयसे | घंसयेथे | घंसयस्व |
| घंसये | घंसयावहे | घंसयामहे |
| स० घंसयेत | घंसयेताम् | घंसयेयुः |
| घंसयेथाः | घंसयेथायाम् | घंसयेष्वम् |
| घंसयेथ | घंसयेवहि | घंसयेमहि |
| प० घंसयताम् | घंसयेताम् | घंसयन्ताम् |
| घंसयस्व | घंसयेधाम् | घंसयस्वम् |
| घंसये | घंसयावहे | घंसयामहे |
| श्व० अघंसयत | अघंसयेताम् | अघंसयन्त |
| अघंसयथाः | अघंसयेधाम् | अघंसयस्वम् |
| अघंसये | अघंसयावहि | अघंसयामहि |
| अ० अजघंसत | अजघंसताम् | अजघंसन्त |
| अजघंसथाः | अजघंसेधाम् | अजघंसस्वम् |
| अजघंसे | अजघंसवहि | अजघंसमहि |
| प० घंसयाञ्चके | घंसयाञ्चकते | घंसयाञ्चकरो |
| घंसयाञ्चकृषे | घंसयाञ्चकृषे | घंसयाञ्चकृष्वे |
| घंसयाञ्चके | घंसयाञ्चकृवहे | घंसयाञ्चकृमहे |
| घंसयाम्बभूव | घंसयामास | |
| भा० घंसयिषीष्ट | घंसयिषीष्टान्ताम् | घंसयिषीष्टन् |
| घंसयिषीष्टाः | घंसयिषीष्टास्थाम् | घंसयिषीष्टवम् |
| घंसयिषीष्ट | घंसयिषीवहि | घंसयिषीमहि |
| श्व० घंसयितारः | घंसयितारो | घंसयितारः |
| घंसयितासे | घंसयितामाथे | घंसयिताथे |
| घंसयिताहे | घंसयितास्वहे | घंसयितास्महे |
| भ० घंसयिष्यते | घंसयिष्येत | घंसयिष्यन्त |
| घंसयिष्यसे | घंसयिष्येथे | घंसयिष्यथ |
| घंसयिष्ये | घंसयिष्यावहे | घंसयिष्यामहे |
| क्रि० अघंसयिष्यत | अघंसयिष्येताम् | अघंसयिष्यन्त |
| अघंसयिष्यथाः | अघंसयिष्येधाम् | अघंसयिष्यस्वम् |
| अघंसयिष्ये | अघंसयिष्यावहि | अघंसयिष्यामहि |

857 ईहि (ईह) चेष्टायाम् ।

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| व० ईहयति | ईहयतः | ईहयन्ति |
| ईहयसि | ईहयथः | ईहयथ |
| ईहयामि | ईहयावः | ईहयामः |
| स० ईहयेत् | ईहयेताम् | ईहयेयुः |
| ईहयेः | ईहयेतम् | ईहयेत |
| ईहयेयम् | ईहयेव | ईहयेम |
| प० ईहयतु | ईहयतात् | ईहयताम् |
| ईहय | ईहयतात् | ईहयतम् |
| ईहयानि | ईहयाव | ईहयाम |
| ह्य० ऐहयत् | ऐहयताम् | ऐहयन् |
| ऐहयः | ऐहयतम् | ऐहयत |
| ऐहयम् | ऐहयाव | ऐहयाम |
| भ० ऐजिहत | ऐजिहताम् | ऐजिहन् |
| ऐजिहः | ऐजिहतम् | ऐजिहत |
| ऐजिहम् | ऐजिहाव | ऐजिहाम |
| प० ईहयाञ्चकार | ईहयाञ्चकतुः | ईहयाञ्चकुः |
| ईहयाञ्चकथं | ईहयाञ्चकथुः | ईहयाञ्चक |
| ईहयाञ्चकार-चकर | ईहयाञ्चकृव | ईहयाञ्चकृम |

ईहयाम्भूव । ईहयामास

| | | |
|-------------|-------------|----------|
| भा० ईह्यात् | ईह्यास्ताम् | ईह्यासुः |
| ईह्याः | ईह्यास्तम् | ईह्यास्त |
| ईह्यासम् | ईह्यास्व | ईह्यास्म |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| भ्व० ईहयिता | ईहयितारौ | ईहयितारः |
| ईहयितासि | ईहयितास्थः | ईहयितास्थ |
| ईहयितास्मि | ईहयितास्वः | ईहयितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| भ० ईहयिष्यति | ईहयिष्यतः | ईहयिष्यन्ति |
| ईहयिष्यसि | ईहयिष्यथः | ईहयिष्यथ |
| ईहयिष्यामि | ईहयिष्यावः | ईहयिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० ऐहयिष्यत् | ऐहयिष्यताम् | ऐहयिष्यन् |
| ऐहयिष्यः | ऐहयिष्यतम् | ऐहयिष्यत |
| ऐहयिष्यम् | ऐहयिष्याव | ऐहयिष्याम |

| | | |
|--------------|--------------|---------------|
| व० ईहयते | ईहयते | ईहयन्ते |
| ईहयसे | ईहयेथे | ईहयध्वे |
| ईहये | ईहयावहे | ईहयामहे |
| स० ईहयेत | ईहयेयाताम् | ईहयेरन् |
| ईहयेथाः | ईहयेयाथाम् | ईहयेध्वम् |
| ईहयेय | ईहयेवहि | ईहयेमहि |
| प० ईहयताम् | ईहयेताम् | ईहयन्ताम् |
| ईहयस्व | ईहयेथाम् | ईहयध्वम् |
| ईहयै | ईहयावहे | ईहयामहे |
| ह्य० ऐहयत | ऐहयेताम् | ऐहयन्त |
| ऐहयथाः | ऐहयेथाम् | ऐहयध्वम् |
| ऐहये | ऐहयावहि | ऐहयामहि |
| भ० ऐजिहत | ऐजिहेताम् | ऐजिहन्त |
| ऐजिहथाः | ऐजिहेथाम् | ऐजिहध्वम् |
| ऐजिहे | ऐजिहावहि | ऐजिहामहि |
| प० ईहयाञ्चके | ईहयाञ्चकाते | ईहयाञ्चकिरे |
| ईहयाञ्चकृषे | ईहयाञ्चकाये | ईहयाञ्चकृद्वे |
| ईहयाञ्चके | ईहयाञ्चकृवहे | ईहयाञ्चकृमहे |

ईहयाम्भूव । ईहयामास

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| भा० ईहयिषीष्ट | ईहयिषीयास्ताम् | ईहयिषीरन् |
| ईहयिषीष्ठाः | ईहयिषीयास्थाम् | ईहयिषीध्वम् |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| ईहयिषीय | ईहयिषीवहि | ईहयिषीमहि |
| भ्व० ईहयिता | ईहयितारौ | ईहयितारः |
| ईहयितासे | ईहयितासाथे | ईहयिताध्वे |
| ईहयिताहे | ईहयितास्वहे | ईहयितास्महे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| भ० ईहयिष्यते | ईहयिष्येते | ईहयिष्यन्ते |
| ईहयिष्यसे | ईहयिष्येथे | ईहयिष्यध्वे |
| ईहयिष्ये | ईहयिष्यावहे | ईहयिष्यामहे |

| | | |
|----------------|--------------|--------------|
| क्रि० ऐहयिष्यत | ऐहयिष्येताम् | ऐहयिष्यन्त |
| ऐहयिष्यथाः | ऐहयिष्येथाम् | ऐहयिष्यध्वम् |
| ऐहयिष्ये | ऐहयिष्यावहि | ऐहयिष्यामहि |

8598 अहुङ् (अह्) गतौ ।

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| व० अह्यति | अह्यतः | अह्यन्ति |
| अह्यसि | अह्यथः | अह्यथ |
| अह्यामि | अह्यावः | अह्यामः |
| स० अह्येत | अह्येताम् | अह्येयुः |
| अह्येः | अह्येतम् | अह्येत |
| अह्येयम् | अह्येव | अह्येम |
| प० अह्यतु | अह्यतात् | अह्यताम् |
| अह्य | अह्यतात् | अह्यतम् |
| अह्यानि | अह्याव | अह्याव |
| ह्य० अह्यत् | अह्यताम् | अह्यन् |
| अह्य | अह्यतम् | अह्यत |
| अह्यम् | अह्याव | अह्याम |
| अ० अजिहत् | अजिहताम् | अजिहन् |
| अजिहः | अजिहतम् | अजिहत |
| अजिहम् | अजिहाव | अजिहाम |
| प० अह्याञ्चकार | अह्याञ्चक्रुः | अह्याञ्चकुः |
| अह्याञ्चक्ये | अह्याञ्चक्रुः | अह्याञ्चक |
| अह्याञ्चकास्-चकर | अह्याञ्चक्रुव | अह्याञ्चक्रम |
| अह्याम्बभूव | । | अह्यामास |
| आ० अह्यात् | अह्यास्ताम् | अह्यासुः |
| अह्याः | अह्यास्तम् | अह्यास्त |
| अह्यासम् | अह्यास्व | अह्यासम् |
| श्व० अह्यिता | अह्यितारौ | अह्यितारः |
| अह्यिषासि | अह्यितास्थः | अह्यितास्थ |
| अह्यितास्मि | अह्यितास्वः | अह्यितास्नः |
| अ० अह्यिष्यति | अह्यिष्यतः | अह्यिष्यन्ति |
| अह्यिष्यसि | अह्यिष्यथः | अह्यिष्यथ |
| अह्यिष्यामि | अह्यिष्यावः | अह्यिष्यामः |
| क्रि० अह्यिष्यत् | अह्यिष्यताम् | अह्यिष्यन् |
| अह्यिष्य | अह्यिष्यतम् | अह्यिष्यत |
| अह्यिष्यम् | अह्यिष्याव | अह्यिष्याम |

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| व । अह्यते | अह्येते | अह्यन्ते |
| अह्यसे | अह्येथे | अह्यस्वै |
| अह्ये | अह्यावहे | अह्यामहे |
| स० अह्येत | अह्येयाताम् | अह्येरन् |
| अह्येथाः | अह्येयाथाम् | अह्येष्वम् |
| अह्येय | अह्येवहि | अह्येमहि |
| प० अह्यताम् | अह्येताम् | अह्यन्ताम् |
| अह्यस्व | अह्येथाम् | अह्यस्वम् |
| अह्ये | अह्यावहे | अह्यामहे |
| ह्य० अह्यत | अह्येताम् | अह्यन्त |
| अह्यथाः | अह्येथाम् | अह्येष्वम् |
| अह्ये | अह्यावहि | अह्यामहि |
| अ० अजिहत् | अजिहेताम् | अजिहन्त |
| अजिहथाः | अजिहेथाम् | अजिहेष्वम् |
| अजिहे | अजिहावहि | अजिहामहि |
| प० अह्याञ्चके | अह्याञ्चक्राते | अह्याञ्चकिरे |
| अह्याञ्चकृषे | अह्याञ्चक्राथे | अह्याञ्चकृचे |
| अह्याञ्चके | अह्याञ्चक्रवहे | अह्याञ्चक्रमहे |
| अह्याम्बभूव | । | अह्यामास |
| आ० अह्यिषीष्ट | अह्यिषीयास्ताम् | अह्यिषीरु |
| अह्यिषीष्टाः | अह्यिषीयास्थाम् | अह्यिषीरु |
| अह्यिषीय | अह्यिषीवहि | अह्यिषीमहि |
| श्व० अह्यिता | अह्यितारौ | अह्यितारः |
| अह्यितासे | अह्यितासाथे | अह्यितास्वै |
| अह्यिताहे | अह्यितास्वहे | अह्यितास्महे |
| अ० अह्यिष्यते | अह्यिष्येते | अह्यिष्यन्ते |
| अह्यिष्यसे | अह्यिष्येथे | अह्यिष्यस्वै |
| अह्यिष्ये | अह्यिष्यावहे | अह्यिष्यामहे |
| क्रि० अह्यिष्यत | अह्यिष्येताम् | अह्यिष्यन्त |
| अह्यिष्यथाः | अह्यिष्येथाम् | अह्यिष्येष्वम् |
| अह्यिष्ये | अह्यिष्यावहि | अह्यिष्यामहि |

859 प्लिहि (प्लिह्) गतौ ।

| | | | |
|------|---------------------|-----------------|-----------------|
| व० | प्लेह्यति | प्लेह्यतः | प्लेह्यन्ति |
| | प्लेह्यसि | प्लेह्यथः | प्लेह्यथ |
| | प्लेह्यामि | प्लेह्यावः | प्लेह्यामः |
| स० | प्लेह्येत् | प्लेह्येताम् | प्लेह्येयुः |
| | प्लेह्येः | प्लेह्येतम् | प्लेह्येत |
| | प्लेह्येयम् | प्लेह्येव | प्लेह्येम |
| प० | प्लेह्यतु | प्लेह्यतात् | प्लेह्यताम् |
| | प्लेह्य | प्लेह्यतात् | प्लेह्यतम् |
| | प्लेह्यानि | प्लेह्याव | प्लेह्याम |
| ह्य० | अप्लेह्यत् | अप्लेह्यताम् | अप्लेह्यन् |
| | अप्लेह्यः | अप्लेह्यतम् | अप्लेह्यत |
| | अप्लेह्यम् | अप्लेह्याव | अप्लेह्याम |
| अ० | अपिल्लित् | अपिल्लितम् | अपिल्लित् |
| | अपिल्लितः | अपिल्लितम् | अपिल्लित |
| | अपिल्लितम् | अपिल्लिताव | अपिल्लिताम |
| प० | प्लेह्याञ्चकार | प्लेह्याञ्चकतुः | प्लेह्याञ्चकुः |
| | प्लेह्याञ्चकथं | प्लेह्याञ्चकथुः | प्लेह्याञ्चक |
| | प्लेह्याञ्चकार-न कर | प्लेह्याञ्चकव | प्लेह्याञ्चकम् |
| | प्लेह्याञ्चभूव | प्लेह्यामास | |
| | प्लेह्यास्तम् | प्लेह्यास्तम् | प्लेह्यास्त |
| | प्लेह्यासम् | प्लेह्यास्व | प्लेह्यास्म |
| ० | प्लेह्यिता | प्लेह्यितारौ | प्लेह्यितारः |
| | प्लेह्यितासि | प्लेह्यितास्थः | प्लेह्यितास्थ |
| | प्लेह्यितास्मि | प्लेह्यितास्वः | प्लेह्यितास्मः |
| भ० | प्लेह्यिष्यति | प्लेह्यिष्यतः | प्लेह्यिष्यन्ति |
| | प्लेह्यिष्यसि | प्लेह्यिष्यथः | प्लेह्यिष्यथ |
| | प्लेह्यिष्यामि | प्लेह्यिष्यावः | प्लेह्यिष्यामः |
| प्र० | अप्लेह्यितु | अप्लेह्यितताम् | अप्लेह्यित्यन् |
| | अप्लेह्यित्यः | अप्लेह्यित्यतम् | अप्लेह्यित्यत |
| | अप्लेह्यित्यम् | अप्लेह्यित्याव | अप्लेह्यित्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | प्लेह्यते | प्लेह्येते | प्लेह्यन्ते |
| | प्लेह्यसे | प्लेह्येथे | प्लेह्यध्वे |
| | प्लेह्ये | प्लेह्यावहे | प्लेह्यामहे |
| स० | प्लेह्येत | प्लेह्येयाताम् | प्लेह्येरन् |
| | प्लेह्येथाः | प्लेह्येयाथाम् | प्लेह्येध्वम् |
| | प्लेह्येय | प्लेह्येवहि | प्लेह्येमहि |
| प० | प्लेह्यताम् | प्लेह्येताम् | प्लेह्यन्ताम् |
| | प्लेह्यस्व | प्लेह्येथाम् | प्लेह्यध्वम् |
| | प्लेह्यै | प्लेह्यावहे | प्लेह्यामहे |
| ह्य० | अप्लेह्यत | अप्लेह्येताम् | अप्लेह्यन्त |
| | अप्लेह्यथाः | अप्लेह्येथाम् | अप्लेह्यध्वम् |
| | अप्लेह्ये | अप्लेह्यावहि | अप्लेह्यामहि |
| अ० | अपिल्लित | अपिल्लितेताम् | अपिल्लितन्त |
| | अपिल्लितथाः | अपिल्लितेथाम् | अपिल्लितध्वम् |
| | अपिल्लिते | अपिल्लितावहि | अपिल्लितामहि |
| प० | प्लेह्याञ्चके | प्लेह्याञ्चकते | प्लेह्याञ्चकिरे |
| | प्लेह्याञ्चकषे | प्लेह्याञ्चकथे | प्लेह्याञ्चकृत्वे |
| | प्लेह्याञ्चके | प्लेह्याञ्चकृवहे | प्लेह्याञ्चकृमहे |
| | प्लेह्याम्बभूव | प्लेह्यामास | |
| आ० | प्लेह्यिषीष्ट | प्लेह्यिषीयास्ताम् | प्लेह्यिषीरन् |
| | प्लेह्यिषीष्टाः | प्लेह्यिषीयास्थाम् | प्लेह्यिषीध्वम् |
| | प्लेह्यिषीय | प्लेह्यिषीवहि | प्लेह्यिषीमहि |
| ध्व० | प्लेह्यिता | प्लेह्यितारौ | प्लेह्यितारः |
| | प्लेह्यितासे | प्लेह्यितासाथे | प्लेह्यिताध्वे |
| | प्लेह्यिताहे | प्लेह्यितास्वहे | प्लेह्यितास्महे |
| भ० | प्लेह्यिष्यते | प्लेह्यिष्येते | प्लेह्यिष्यन्ते |
| | प्लेह्यिष्यसे | प्लेह्यिष्येथे | प्लेह्यिष्यध्वे |
| | प्लेह्यिष्ये | प्लेह्यिष्यावहे | प्लेह्यिष्यामहे |
| क्रि० | अप्लेह्यिष्यत | अप्लेह्यिष्येताम् | अप्लेह्यिष्यन्त |
| | अप्लेह्यिष्यथाः | अप्लेह्यिष्येथाम् | अप्लेह्यिष्यध्वम् |
| | अप्लेह्यिष्ये | अप्लेह्यिष्यावहि | अप्लेह्यिष्यामहि |

860 गर्हि (गर्ह) कुत्सने ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | गर्हयति | गर्हयतः | गर्हयन्ति |
| | गर्हयसि | गर्हयथः | गर्हयथ |
| | गर्हयामि | गर्हयावः | गर्हयामः |
| स० | गर्हयेत् | गर्हयेताम् | गर्हयेयुः |
| | गर्हयेः | गर्हयेतम् | गर्हयेत |
| | गर्हयेयम् | गर्हयेव | गर्हयेम |
| प० | गर्हयतु | गर्हयतात् | गर्हयन्तु |
| | गर्हय | गर्हयतात् | गर्हयत |
| | गर्हयाणि | गर्हयाव | गर्हयाम |
| ह्य० | अगर्हयत् | अगर्हयताम् | अगर्हयन् |
| | अगर्हयः | अगर्हयतम् | अगर्हयत |
| | अगर्हयम् | अगर्हयाव | अगर्हयाम |
| अ० | अजगर्हत् | अजगर्हताम् | अजगर्हन् |
| | अजगर्हः | अजगर्हतम् | अजगर्हत |
| | अजगर्हम् | अजगर्हाव | अजगर्हाम |
| प० | गर्हयाश्चकार | गर्हयाश्चक्रतुः | गर्हयाश्चक्रुः |
| | गर्हयाश्चकथं | गर्हयाश्चक्रथुः | गर्हयाश्चक्र |
| | गर्हयाश्चकार-चकर | गर्हयाश्चक्रव | गर्हयाश्चक्रम |
| | गर्हयाम्बभूव | । | गर्हयामास |
| आ० | गर्ह्यात् | गर्ह्यास्ताम् | गर्ह्यासुः |
| | गर्ह्याः | गर्ह्यास्तम् | गर्ह्यास्त |
| | गर्ह्यासम् | गर्ह्यास्व | गर्ह्यास्म |
| भ० | गर्हयिता | गर्हयितारौ | गर्हयितारः |
| | गर्हयितासि | गर्हयितास्थः | गर्हयितास्थ |
| | गर्हयितास्मि | गर्हयितास्वः | गर्हयितास्मः |
| भ० | गर्हयिष्यति | गर्हयिष्यतः | गर्हयिष्यन्ति |
| | गर्हयिष्यसि | गर्हयिष्यथः | गर्हयिष्यथ |
| | गर्हयिष्यामि | गर्हयिष्यावः | गर्हयिष्यामः |
| क्रि० | अगर्हयिष्यत् | अगर्हयिष्यताम् | अगर्हयिष्यन् |
| | अगर्हयिष्यः | अगर्हयिष्यतम् | अगर्हयिष्यत |
| | अगर्हयिष्यम् | अगर्हयिष्याव | अगर्हयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-------------------|
| व० | गर्हयते | गर्हयेते | गर्हयन्ते |
| | गर्हयसे | गर्हयेथे | गर्हयथे |
| | गर्हये | गर्हयावहे | गर्हयामहे |
| स० | गर्हयेत | गर्हयेयाताम् | गर्हयेरन् |
| | गर्हयेथाः | गर्हयेयाथाम् | गर्हयेध्वम् |
| | गर्हयेय | गर्हयेवहि | गर्हयेमहि |
| प० | गर्हयताम् | गर्हयेताम् | गर्हयन्ताम् |
| | गर्हयस्व | गर्हयेथाम् | गर्हयध्वम् |
| | गर्हयै | गर्हयावहे | गर्हयामहे |
| ह्य० | अगर्हयत | अगर्हयेताम् | अगर्हयन्त |
| | अगर्हयथाः | अगर्हयेथाम् | अगर्हयध्वम् |
| | अगर्हये | अगर्हयावहि | अगर्हयामहि |
| अ० | अजगर्हत | अजगर्हताम् | अजगर्हन्त |
| | अजगर्हथाः | अजगर्हथाम् | अजगर्हध्वम् |
| | अजगर्हे | अजगर्हावहि | अजगर्हामहि |
| प० | गर्हयाश्चक्रे | गर्हयाश्चक्रते | गर्हयाश्चकिरे |
| | गर्हयाश्चक्रे | गर्हयाश्चक्राये | गर्हयाश्चक्रुध्वे |
| | गर्हयाश्चक्रे | गर्हयाश्चक्रवहे | गर्हयाश्चक्रमहे |
| | गर्हयाम्बभूव | । | गर्हयामास |
| आ० | गर्हयिषीष्ट | गर्हयिषीयास्ताम् | गर्हयिषीरन् |
| | गर्हयिषीष्टाः | गर्हयिषीयास्थाम् | गर्हयिषीध्वम् |
| | गर्हयिषीय | गर्हयिषीवहि | गर्हयिषीमहि |
| भ० | गर्हयिता | गर्हयितारौ | गर्हयितारः |
| | गर्हयितामे | गर्हयितामाथे | गर्हयिताध्वे |
| | गर्हयिताहे | गर्हयितास्वहे | गर्हयितास्महे |
| भ० | गर्हयिष्यते | गर्हयिष्येते | गर्हयिष्यन्ते |
| | गर्हयिष्यसे | गर्हयिष्येथे | गर्हयिष्यथे |
| | गर्हयिष्ये | गर्हयिष्यावहे | गर्हयिष्यामहे |
| क्रि० | अगर्हयिष्यत | अगर्हयिष्येताम् | अगर्हयिष्यन्त |
| | अगर्हयिष्यथाः | अगर्हयिष्येथाम् | अगर्हयिष्यध्वम् |
| | अगर्हयिष्ये | अगर्हयिष्यावहि | अगर्हयिष्यामहि |

861 गल्ह (गल्ह) कुत्सने ।

| | | | |
|------|------------------|----------------|---------------|
| व० | गल्हयति | गल्हयतः | गल्हयन्ति |
| | गल्हयसि | गल्हयथः | गल्हयथ |
| | गल्हयामि | गल्हयावः | गल्हयामः |
| स० | गल्हयेत् | गल्हयेताम् | गल्हयेयुः |
| | गल्हयेः | गल्हयेतम् | गल्हयेत |
| | गल्हयेयम् | गल्हयेव | गल्हयेम |
| प० | गल्हयतु | गल्हयतात् | गल्हयताम् |
| | गल्हय | गल्हयतात् | गल्हयतम् |
| | गल्हयानि | गल्हयाव | गल्हयाम |
| ह्य० | अगल्हयत् | अगल्हयताम् | अगल्हयन् |
| | अगल्हयः | अगल्हयतम् | अगल्हयत |
| | अगल्हयम् | अगल्हयाव | अगल्हयाम |
| अ० | अजगल्हत् | अजगल्हताम् | अजगल्हन् |
| | अजगल्हः | अजगल्हतम् | अजगल्हत |
| | अजगल्हम् | अजगल्हाव | अजगल्हाम |
| प० | गल्हयाश्चकार | गल्हयाश्चक्रुः | गल्हयाश्चकुः |
| | गल्हयाश्चकथे | गल्हयाश्चकथुः | गल्हयाश्चक्र |
| | गल्हयाश्चकार-चकर | गल्हयाश्चकृव | गल्हयाश्चकृम |
| | गल्हयाम्बभूव | । | गल्हयामास |
| अ० | गल्हयात् | गल्हयास्ताम् | गल्हयासु |
| | गल्हयाः | गल्हयास्तम् | गल्हयास्त |
| | गल्हयासु | गल्हयास्व | गल्हयास्म |
| | हयिता | गल्हयितारो | गल्हयितारः |
| | हयितासि | गल्हयितास्थः | गल्हयितास्थ |
| | हयितास्मि | गल्हयितःस्वः | गल्हयितास्म |
| | हयिष्यति | गल्हयिष्यतः | गल्हयिष्यन्ति |
| | हयिष्यसि | गल्हयिष्यथः | गल्हयिष्यथ |
| | हयिष्यामि | गल्हयिष्यावः | गल्हयिष्यामः |
| | हयिष्यतु | अगल्हयिष्यताम् | अगल्हयिष्यन् |
| | हयिष्यः | अगल्हयिष्यतम् | अगल्हयिष्यत |
| | हयिष्यम् | अगल्हयिष्याव | अगल्हयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | गल्हयते | गल्हयते | गल्हयन्ते |
| | गल्हयसे | गल्हयेथे | गल्हयध्वे |
| | गल्हये | गल्हयावहे | गल्हयामहे |
| स० | गल्हयेत | गल्हयेयाताम् | गल्हयेरन् |
| | गल्हयेथाः | गल्हयेथाथाम् | गल्हयेध्वम् |
| | गल्हयेय | गल्हयेवहि | गल्हयेमहि |
| प० | गल्हयताम् | गल्हयेतम् | गल्हयन्ताम् |
| | गल्हयस्व | गल्हयेथाम् | गल्हयध्वम् |
| | गल्हये | गल्हयावहे | गल्हयामहे |
| ह्य० | अगल्हयत | अगल्हयेताम् | अगल्हयन्त |
| | अगल्हयथाः | अगल्हयेथाम् | अगल्हयध्वम् |
| | अगल्हये | अगल्हयेवहि | अगल्हयेमहि |
| अ० | अजगल्हत | अजगल्हेताम् | अजगल्हन्त |
| | अजगल्हथाः | अजगल्हेथाम् | अजगल्हध्वम् |
| | अजगल्हे | अजगल्हेवहि | अजगल्हेमहि |
| प० | गल्हयाश्चके | गल्हयाश्चक्रते | गल्हयाश्चक्रिरे |
| | गल्हयाश्चकृषे | गल्हयाश्चक्रुषे | गल्हयाश्चकृध्वे |
| | गल्हयाश्चक्रे | गल्हयाश्चकृवहे | गल्हयाश्चकृमहे |
| | गल्हयाम्बभूव | । | गल्हयामास |
| अ० | गल्हयिषीष्ट | गल्हयिषीयास्ताम् | गल्हयिषीरन् |
| | गल्हयिषीष्टाः | गल्हयिषीयास्थाम् | गल्हयिषीध्वम् |
| | गल्हयिषीय | गल्हयिषीवहि | गल्हयिषीमहि |
| अ० | गल्हयिता | गल्हयितारो | गल्हयितारः |
| | गल्हयितासे | गल्हयितासाथे | गल्हयिताध्वे |
| | गल्हयिताहे | गल्हयितास्वहे | गल्हयितामहे |
| अ० | गल्हयिष्यते | गल्हयिष्यते | गल्हयिष्यन्ते |
| | गल्हयिष्यसे | गल्हयिष्येथे | गल्हयिष्यध्वे |
| | गल्हयिष्ये | गल्हयिष्यावहे | गल्हयिष्यामहे |
| क्रि० | अगल्हयिष्यत | अगल्हयिष्येताम् | अगल्हयिष्यन्त |
| | अगल्हयिष्यथाः | अगल्हयिष्येथाम् | अगल्हयिष्यध्वम् |
| | अगल्हयिष्ये | अगल्हयिष्यावहि | अगल्हयिष्यामहि |

862 वहि (वह्) प्राधान्ये ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| ब० | वह्यति | वह्यतः | वह्यन्ति |
| | वह्यसि | वह्यस्यः | वह्यस्य |
| | वह्यामि | वह्यावः | वह्यामः |
| स० | वह्येत् | वह्येताम् | वह्येयुः |
| | वह्येः | वह्येतम् | वह्येत |
| | वह्येयम् | वह्येव | वह्येयम् |
| प० | वह्यतु | वह्यतात् | वह्यन्तु |
| | वह्य | वह्यतात् | वह्यतम् |
| | वह्याणि | वह्याव | वह्याम |
| ह्य० | अवह्यत् | अवह्यताम् | अवह्यन् |
| | अवह्यः | अवह्यतम् | अवह्यत |
| | अवह्यम् | अवह्याव | अवह्याम |
| अ० | अववह्यत् | अववह्यताम् | अववह्यन् |
| | अववह्यः | अववह्यतम् | अववह्यत |
| | अववह्यम् | अववह्याव | अववह्याम |
| प० | वह्याञ्चकार | वह्याञ्चक्रुः | वह्याञ्चकुः |
| | वह्याञ्चकथं | वह्याञ्चकथुः | वह्याञ्चक |
| | वह्याञ्चकार-चक्र | वह्याञ्चक्रुव | वह्याञ्चकुम |
| | वह्याम्बभूव | वह्यामास | |
| आ० | वह्यात् | वह्यास्ताम् | वह्यासुः |
| | वह्याः | वह्यास्तम् | वह्यास्त |
| | वह्यामि | वह्यास्व | वह्यामि |
| भ० | वह्यति | वह्यितारो | वह्यितारः |
| | वह्यितामि | वह्यिताम्यः | वह्यिताम्य |
| | वह्यितामि | वह्यितास्वः | वह्यितामि |
| भ० | वह्यिष्यति | वह्यिष्यतः | वह्यिष्यन्ति |
| | वह्यिष्यसि | वह्यिष्यस्यः | वह्यिष्यस्य |
| | वह्यिष्यामि | वह्यिष्यावः | वह्यिष्यामः |
| क्रि० | अवह्यिष्यन् | अवह्यिष्यताम् | अवह्यिष्यन्तु |
| | अवह्यिष्यः | अवह्यिष्यतम् | अवह्यिष्यत |
| | अवह्यिष्यम् | अवह्यिष्याव | अवह्यिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| ब० | वह्यते | वह्येते | वह्यन्ते |
| | वह्यसे | वह्येये | वह्यन्वे |
| | वह्ये | वह्यावहे | वह्यामहे |
| स० | वह्येत | वह्येयाताम् | वह्येयन् |
| | वह्येथाः | वह्येयाथाम् | वह्येयम् |
| | वह्येय | वह्येयवहि | वह्येयमहि |
| प० | वह्यताम् | वह्येताम् | वह्यन्ताम् |
| | वह्यस्व | वह्येथाम् | वह्येध्वम् |
| | वह्ये | वह्यावहे | वह्यामहे |
| ह्य० | अवह्यत | अवह्येताम् | अवह्यन्त |
| | अवह्यथाः | अवह्येथाम् | अवह्येध्वम् |
| | अवह्ये | अवह्येयवहि | अवह्येयमहि |
| अ० | अववह्यत | अववह्येताम् | अववह्यन्त |
| | अववह्यथाः | अववह्येथाम् | अववह्येध्वम् |
| | अववह्ये | अववह्येयवहि | अववह्येयमहि |
| प० | वह्याञ्चके | वह्याञ्चकाते | वह्याञ्चकिरे |
| | वह्याञ्चकथे | वह्याञ्चकाथे | वह्याञ्चकृद्वे |
| | वह्याञ्चके | वह्याञ्चकृवहे | वह्याञ्चकृमहे |
| | वह्याम्बभूव | वह्यामास | |
| आ० | वह्यिषीष्ट | वह्यिषीयास्ताम् | वह्यिषीरन् |
| | वह्यिषीष्टाः | वह्यिषीयास्थाम् | वह्यिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | वह्यिषीय | वह्यिषीयवहि | वह्यिषीमहि |
| भ० | वह्यिता | वह्यितारो | वह्यितारः |
| | वह्यितसे | वह्यितारम्ये | वह्यिताध्वे |
| | वह्यिताहे | वह्यितारवहे | वह्यितामहे |
| भ० | वह्यिष्यते | वह्यिष्येते | वह्यिष्यन्ते |
| | वह्यिष्यसे | वह्यिष्येये | वह्यिष्यन्वे |
| | वह्यिष्ये | वह्यिष्यावहे | वह्यिष्यामहे |
| क्रि० | अवह्यिष्यत | अवह्यिष्येताम् | अवह्यिष्यन्त |
| | अवह्यिष्यथाः | अवह्यिष्येथाम् | अवह्यिष्येध्वम् |
| | अवह्यिष्ये | अवह्यिष्यावहि | अवह्यिष्यामहि |

863 बल्ह (वल्ह) प्राधान्ये ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० वल्हयति | वल्हयतः | वल्हयन्ति |
| वल्हयसि | वल्हयथः | वल्हयथ |
| वल्हयामि | वल्हयावः | वल्हयामः |
| स० वल्हयेत् | वल्हयेताम् | वल्हयेयुः |
| वल्हयेः | वल्हयेतम् | वल्हयेत |
| वल्हयेयम् | वल्हयेव | वल्हयेम |
| प० वल्हयतु | वल्हयतात् | वल्हयताम् |
| वल्हय | वल्हयतात् | वल्हयतम् |
| वल्हयानि | वल्हयाव | वल्हयाम |
| प्र० अवल्हयत् | अवल्हयताम् | अवल्हयन् |
| अवल्हयः | अवल्हयतम् | अवल्हयत |
| अवल्हयम् | अवल्हयाव | अवल्हयाम |
| अ० अववल्हत् | अववल्हताम् | अववल्हन् |
| अववल्हः | अववल्हतम् | अववल्हत |
| अववल्हम् | अववल्हाव | अववल्हाम |
| प० वल्हयाश्चकार | वल्हयाश्चक्रुः | वल्हयाश्चक्रुः |
| वल्हयाश्चकथे | वल्हयाश्चक्रुः | वल्हयाश्चक्रुः |
| वल्हयाश्चकार-चकर | वल्हयाश्चक्रुः | वल्हयाश्चक्रुः |
| वल्हयाम्भूव | वल्हयामास | |
| भा० वल्ह्यात् | वल्ह्यास्ताम् | वल्ह्यासुः |
| वल्ह्याः | वल्ह्यास्तम् | वल्ह्यास्त |
| वल्ह्यासम् | वल्ह्यास्व | वल्ह्यासम |
| भ० वल्हयिता | वल्हयितारौ | वल्हयितारः |
| वल्हयितासि | वल्हयितास्थः | वल्हयितास्थ |
| वल्हयितास्मि | वल्हयितास्वः | वल्हयितास्मः |
| अ० वल्हयिष्यति | वल्हयिष्यतः | वल्हयिष्यन्ति |
| वल्हयिष्यसि | वल्हयिष्यथः | वल्हयिष्यथ |
| वल्हयिष्यामि | वल्हयिष्यावः | वल्हयिष्यामः |
| क्रि० अवल्हयिष्यत् | अवल्हयिष्यताम् | अवल्हयिष्यन् |
| अवल्हयिष्यः | अवल्हयिष्यतम् | अवल्हयिष्यत |
| अवल्हयिष्यम् | अवल्हयिष्याव | अवल्हयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-------------------|
| ब० वल्हयते | वल्हयेते | वल्हयन्ते |
| वल्हयसे | वल्हयेथे | वल्हयध्वे |
| वल्हये | वल्हयावहे | वल्हयामहे |
| स० वल्हयेत | वल्हयेयाताम् | वल्हयेरन् |
| वल्हयेथाः | वल्हयेयाथाम् | वल्हयेध्वम् |
| वल्हयेय | वल्हयेवहि | वल्हयेमहि |
| प० वल्हयताम् | वल्हयेताम् | वल्हयन्ताम् |
| वल्हयस्व | वल्हयेथाम् | वल्हयध्वम् |
| वल्हये | वल्हयावहे | वल्हयामहे |
| प्र० अवल्हयत | अवल्हयेताम् | अवल्हयन्त |
| अवल्हयथाः | अवल्हयेथाम् | अवल्हयध्वम् |
| अवल्हये | अवल्हयावहि | अवल्हयामहि |
| अ० अववल्हत् | अववल्हयेताम् | अववल्हन्त |
| अववल्हथाः | अववल्हयेथाम् | अववल्हध्वम् |
| अववल्हे | अववल्हावहि | अववल्हामहि |
| प० वल्हयाश्चक्रे | वल्हयाश्चक्राते | वल्हयाश्चक्रिरे |
| वल्हयाश्चक्रुषे | वल्हयाश्चक्राथे | वल्हयाश्चक्रुध्वे |
| वल्हयाश्चक्रे | वल्हयाश्चक्रुवहे | वल्हयाश्चक्रुमहे |
| वल्हयाश्चक्रुभूव | वल्हयामास | |
| भा० वल्हयिषीष्ट | वल्हयिषीयास्ताम् | वल्हयिषीरन् |
| वल्हयिषीष्टाः | वल्हयिषीयास्थाम् | वल्हयिषीध्वम् |
| वल्हयिषीय | वल्हयिषीवहि | वल्हयिषीमहि |
| भ० वल्हयिता | वल्हयितारौ | वल्हयितारः |
| वल्हयितासे | वल्हयितासाथे | वल्हयिताध्वे |
| वल्हयिताहे | वल्हयितास्वहे | वल्हयितास्महे |
| अ० वल्हयिष्यते | वल्हयिष्येते | वल्हयिष्यन्ते |
| वल्हयिष्यसे | वल्हयिष्येथे | वल्हयिष्यध्वे |
| वल्हयिष्ये | वल्हयिष्यावहे | वल्हयिष्यामहे |
| क्रि० अवल्हयिष्यत् | अवल्हयिष्येताम् | अवल्हयिष्यन्त |
| अवल्हयिष्यथाः | अवल्हयिष्येथाम् | अवल्हयिष्यध्वम् |
| अवल्हयिष्ये | अवल्हयिष्यावहि | अवल्हयिष्यामहि |

864 बर्हिं (बर्ह्) परिभाषणहिंसाच्छादनेषु

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० बर्हयति | बर्हयतः | बर्हयन्ति |
| बर्हयसि | बर्हयथः | बर्हयथ |
| बर्हयामि | बर्हयावः | बर्हयामः |
| स० बर्हयेत् | बर्हयेताम् | बर्हयेयुः |
| बर्हयेः | बर्हयेतम् | बर्हयेत |
| बर्हयेयम् | बर्हयेव | बर्हयेम |
| प० बर्हयतु | बर्हयतात् | बर्हयन्तु |
| बर्हय | बर्हयतात् | बर्हयतम् |
| बर्हयाणि | बर्हयाव | बर्हयाम |
| अ० अबर्हयत् | अबर्हयताम् | अबर्हयन् |
| अबर्हयः | अबर्हयतम् | अबर्हयत |
| अबर्हयम् | अबर्हयाव | अबर्हयाम |
| अ० अबर्हयत् | अबर्हयताम् | अबर्हयन् |
| अबर्हयः | अबर्हयतम् | अबर्हयत |
| अबर्हयम् | अबर्हयाव | अबर्हयाम |
| प० बर्हयाश्चकार | बर्हयाश्चक्रुः | बर्हयाश्चक्रुः |
| बर्हयाश्चकथं | बर्हयाश्चक्रथुः | बर्हयाश्चक्र |
| बर्हयाश्चकार-चकर | बर्हयाश्चक्रुव | बर्हयाश्चक्रुम |
| बर्हयाम्बभूव | । | बर्हयामास |
| आ० बर्हयात् | बर्हयास्ताम् | बर्हयासुः |
| बर्हयाः | बर्हयास्तम् | बर्हयास्त |
| बर्हयासम् | बर्हयास्व | बर्हयास्म |
| अ० बर्हयिता | बर्हयितारो | बर्हयितारः |
| बर्हयितासि | बर्हयितास्थः | बर्हयितास्थ |
| बर्हयितास्मि | बर्हयितास्वः | बर्हयितास्मः |
| अ० बर्हयिष्यति | बर्हयिष्यतः | बर्हयिष्यन्ति |
| बर्हयिष्यसि | बर्हयिष्यथः | बर्हयिष्यथ |
| बर्हयिष्यामि | बर्हयिष्यावः | बर्हयिष्यामः |
| कि० अबर्हयिष्यत् | अबर्हयिष्यताम् | अबर्हयिष्यन् |
| अबर्हयिष्यः | अबर्हयिष्यतम् | अबर्हयिष्यत |
| अबर्हयिष्यम् | अबर्हयिष्याव | अबर्हयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|------------------|
| व० बर्हयते | बर्हयेते | बर्हयन्ते |
| बर्हयसे | बर्हयेथे | बर्हयध्वे |
| बर्हये | बर्हयावहे | बर्हयामहे |
| स० बर्हयेत | बर्हयेताताम् | बर्हयेरन् |
| बर्हयेथाः | बर्हयेथाताम् | बर्हयेध्वम् |
| बर्हयेय | बर्हयेवहि | बर्हयेमहि |
| प० बर्हयताम् | बर्हयेताम् | बर्हयन्ताम् |
| बर्हयस्व | बर्हयेथाम् | बर्हयध्वम् |
| बर्हये | बर्हयावहे | बर्हयामहे |
| अ० अबर्हयत | अबर्हयेताम् | अबर्हयन्त |
| अबर्हयथाः | अबर्हयेथाम् | अबर्हयध्वम् |
| अबर्हये | अबर्हयावहि | अबर्हयामहि |
| अ० अबर्हयत | अबर्हयेताम् | अबर्हयन्त |
| अबर्हयथाः | अबर्हयेथाम् | अबर्हयध्वम् |
| अबर्हये | अबर्हयावहि | अबर्हयामहि |
| प० बर्हयाश्चक्रे | बर्हयाश्चक्रते | बर्हयाश्चक्रिरे |
| बर्हयाश्चक्रुषे | बर्हयाश्चक्राये | बर्हयाश्चक्रुवे |
| बर्हयाश्चक्रे | बर्हयाश्चक्रुवहे | बर्हयाश्चक्रुमहे |
| बर्हयाम्बभूव | । | बर्हयामास |
| आ० बर्हयिषीष्ट | बर्हयिषीयास्ताम् | बर्हयिषीरन् |
| बर्हयिषीष्टः | बर्हयिषीयास्ताम् | बर्हयिषीध्वम् |
| बर्हयिषीय | बर्हयिषीवहि | बर्हयिषीमहि |
| अ० बर्हयिता | बर्हयितारो | बर्हयितारः |
| बर्हयितासे | बर्हयितासाथे | बर्हयिताध्वे |
| बर्हयिताहे | बर्हयितास्वहे | बर्हयितास्महे |
| अ० बर्हयिष्यते | बर्हयिष्येते | बर्हयिष्यन्ते |
| बर्हयिष्यसे | बर्हयिष्येथे | बर्हयिष्यध्वे |
| बर्हयिष्ये | बर्हयिष्यावहे | बर्हयिष्यामहे |
| कि० अबर्हयिष्यत | अबर्हयिष्येताम् | अबर्हयिष्यन्त |
| अबर्हयिष्यथाः | अबर्हयिष्येथाम् | अबर्हयिष्यध्वम् |
| अबर्हयिष्ये | अबर्हयिष्यावहि | अबर्हयिष्यामहि |

४६५ बल्ह (बल्हि) परिभाषणहिंसाच्छादनेषु

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० बल्हयति | बल्हयतः | बल्हयन्ति |
| बल्हयसि | बल्हयथः | बल्हयथ |
| बल्हयामि | बल्हयावः | बल्हयामः |
| स० बल्हयेत् | बल्हयेताम् | बल्हयेयुः |
| बल्हयेः | बल्हयेतम् | बल्हयेत |
| बल्हयेयम् | बल्हयेव | बल्हयेम |
| प० बल्हयतु | बल्हयतात् | बल्हयताम् |
| बल्हय | बल्हयतात् | बल्हयताम् |
| बल्हयानि | बल्हयाव | बल्हयाम |
| ह्य० अबल्हयत् | अबल्हयताम् | अबल्हयन् |
| अबल्हयः | अबल्हयतम् | अबल्हयत |
| अबल्हयम् | अबल्हयाव | अबल्हयाम |
| अ० अबल्हयत् | अबल्हयताम् | अबल्हयन् |
| अबल्हयः | अबल्हयतम् | अबल्हयत |
| अबल्हयम् | अबल्हयाव | अबल्हयाम |
| प० बल्हयाञ्चकार | बल्हयाञ्चकतुः | बल्हयाञ्चकुः |
| बल्हयाञ्चकथं | बल्हयाञ्चकथुः | बल्हयाञ्चक |
| बल्हयाञ्चकार-चकर | बल्हयाञ्चकृन् | बल्हयाञ्चकृम |
| बल्हयाम्यभूत् | बल्हयामास | |
| आ० बल्हात् | बल्हास्ताम् | बल्हासुः |
| बल्हाः | बल्हास्तम् | बल्हास्त |
| बल्हासम् | बल्हास्व | बल्हासम |
| भ्व० बल्हयिता | बल्हयितारौ | बल्हयितारः |
| बल्हयितासि | बल्हयितास्थः | बल्हयितास्थ |
| बल्हयितास्मि | बल्हयितास्वः | बल्हयितास्मः |
| भ० बल्हयिष्यति | बल्हयिष्यतः | बल्हयिष्यन्ति |
| बल्हयिष्यसि | बल्हयिष्यथः | बल्हयिष्यथ |
| बल्हयिष्यामि | बल्हयिष्यावः | बल्हयिष्यामः |
| क्रि० अबल्हयिष्यत् | अबल्हयिष्यताम् | अबल्हयिष्यन् |
| अबल्हयिष्यः | अबल्हयिष्यतम् | अबल्हयिष्यत |
| अबल्हयिष्यम् | अबल्हयिष्याव | अबल्हयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० बल्हयते | बल्हयेते | बल्हयन्ते |
| बल्हयसे | बल्हयेथे | बल्हयन्वे |
| बल्हये | बल्हयावहे | बल्हयामहे |
| स० बल्हयेत | बल्हयेयाताम् | बल्हयेरन् |
| बल्हयेथाः | बल्हयेयाथाम् | बल्हयेष्वम् |
| बल्हयेय | बल्हयेवहि | बल्हयेमहि |
| प० बल्हयताम् | बल्हयेताम् | बल्हयन्ताम् |
| बल्हयस्व | बल्हयेथाम् | बल्हयन्वम् |
| बल्हये | बल्हयावहे | बल्हयामहे |
| ह्य० अबल्हयत | अबल्हयेताम् | अबल्हयन्त |
| अबल्हयथाः | अबल्हयेथाम् | अबल्हयन्वम् |
| अबल्हये | अबल्हयावहि | अबल्हयामहि |
| अ० अबल्हयत | अबल्हयेताम् | अबल्हयन्त |
| अबल्हयथाः | अबल्हयेथाम् | अबल्हयन्वम् |
| अबल्हये | अबल्हयावहि | अबल्हयामहि |
| प० बल्हयाञ्चके | बल्हयाञ्चकते | बल्हयाञ्चक्रे |
| बल्हयाञ्चकृषे | बल्हयाञ्चकृषे | बल्हयाञ्चकृषे |
| बल्हयाञ्चके | बल्हयाञ्चकृवहे | बल्हयाञ्चकृमहे |
| बल्हयाम्यभूत् | बल्हयामास | |
| आ० बल्हयिषीष्ट | बल्हयिषीयास्ताम् | बल्हयिषीरन् |
| बल्हयिषीष्टाः | बल्हयिषीयास्थाम् | बल्हयिषीष्ट्वम् |
| बल्हयिषीय | बल्हयिषीवहि | बल्हयिषीमहि |
| भ्व० बल्हयिता | बल्हयितारौ | बल्हयितारः |
| बल्हयितासे | बल्हयितासाथे | बल्हयितास्व |
| बल्हयिताहे | बल्हयितास्वहे | बल्हयितास्महे |
| भ० बल्हयिष्यते | बल्हयिष्येते | बल्हयिष्यन्ते |
| बल्हयिष्यसे | बल्हयिष्येथे | बल्हयिष्यन्वे |
| बल्हयिष्ये | बल्हयिष्यावहे | बल्हयिष्यामहे |
| क्रि० अबल्हयिष्यत | अबल्हयिष्येताम् | अबल्हयिष्यन्त |
| अबल्हयिष्यथाः | अबल्हयिष्येथाम् | अबल्हयिष्यन्वम् |
| अबल्हयिष्ये | अबल्हयिष्यावहि | अबल्हयिष्यामहि |

866 वेहृङ् (वेहृ ष्यत्ने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | वेहयति | वेहयतः | वेहयन्ति |
| | वेहयसि | वेहयथः | वेहयथ |
| | वेहयामि | वेहयावः | वेथामः |
| स० | वेहयेत् | वेहयेताम् | वेहयेयुः |
| | वेहयेः | वेहयेतम् | वेहयेत |
| | वेहयेयम् | वेहयेव | वेहयेम |
| प० | वेहयतु | वेहयतात् | वेहयताम् |
| | वेहय | वेहयतात् | वेहयतम् |
| | वेहयानि | वेहयाव | वेहयाम |
| ह्य० | अवेहयत् | अवेहयताम् | अवेहयन् |
| | अवेहयः | अवेहयतम् | अवेहयत |
| | अवेहयम् | अवेहयाव | अवेहयाम |
| अ० | अविवेहत् | अविवेहताम् | अविवेहन् |
| | अविवेहः | अविवेहतम् | अविवेहत |
| | अविवेहाम् | अविवेहाव | अविवेहाम |
| प० | वेहयाञ्चकार | वेहयाञ्चकतुः | वेहयाञ्चकुः |
| | वेहयाञ्चकर्थ | वेहयाञ्चकथुः | वेहयाञ्चक |
| | वेहयाञ्चकार-नकर | वेहयाञ्चकृम | वेहयाञ्चकृम |
| | वेहयाञ्चभूव | वेहयाञ्चमास | |
| भा० | वेहयात् | वेहयास्ताम् | वेहयासुः |
| | वेहयाः | वेहयास्तम् | वेहयास्त |
| | वेहयासम् | वेहयासव | वेहयासम |
| च० | वेहयिता | वेहयितारी | वेहयितारः |
| | वेहयितासि | वेहयितास्यः | वेहयितास्य |
| | वेहयितास्मि | वेहयितास्वः | वेहयितास्मः |
| म० | वेहयिष्यति | वेहयिष्यतः | वेहयिष्यन्ति |
| | वेहयिष्यसि | वेहयिष्यथः | वेहयिष्यथ |
| | वेहयिष्यामि | वेहयिष्यावः | वेहयिष्याम |
| क्रि० | अवेहयिष्यत् | अवेहयिष्यताम् | अवेहयिष्यन् |
| | अवेहयिष्यः | अवेहयिष्यतम् | अवेहयिष्यत |
| | अवेहयिष्यम् | अवेहयिष्याव | अवेहयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | वेहयेते | वेहयेते | वेहयन्ते |
| | वेहयेसे | वेहयेषे | वेहयन्वे |
| | वेहये | वेहयावहे | वेहयामहे |
| स० | वेहयेत् | वेहयेयाताम् | वेहयेरन् |
| | वेहयेथाः | वेहयेयाथाम् | वेहयेथम् |
| | वेहयेथ | वेहयेवहि | वेहयेमहि |
| प० | वेहयताम् | वेहयेताम् | वेहयन्ताम् |
| | वेहयस्व | वेहयेथाम् | वेहयन्वम् |
| | वेहथे | वेहयावहे | वेहयामहे |
| ह्य० | अवेहयत् | अवेहयेताम् | अवेहयन्त |
| | अवेहयथाः | अवेहयेथाम् | अवेहयन्वम् |
| | अवेहये | अवेहयावहि | अवेहयामहि |
| अ० | अविवेहत् | अविवेहताम् | अविवेहन्त |
| | अविवेहथाः | अविवेहथाम् | अविवेहन्वम् |
| | अविवेहे | अविवेहावहि | अविवेहामहि |
| प० | वेहयाञ्चके | वेहयाञ्चकते | वेहयाञ्चकिरे |
| | वेहयाञ्चकृषे | वेहयाञ्चकृषे | वेहयाञ्चकृडवे |
| | वेहयाञ्चके | वेहयाञ्चकृवहे | वेहयाञ्चकृमहे |
| | वेहयाञ्चभूव | वेहयाञ्चमास | |
| भा० | वेहयिषीष्ट | वेहयिषीयास्ताम् | वेहयिषीरन् |
| | वेहयिषीष्टाः | वेहयिषीयाथाम् | वेहयिषीड्वम् |
| | वेहयिषीय | वेहयिषीवहि | वेहयिषीमहि |
| च० | वेहयिता | वेहयितारी | वेहयितारः |
| | वेहयितासे | वेहयितासावे | वेहयितास्ये |
| | वेहयिताहे | वेहयितासवहे | वेहयितास्महे |
| म० | वेहयिष्येते | वेहयिष्येते | वेहयिष्यन्ते |
| | वेहयिष्येसे | वेहयिष्येथे | वेहयिष्यन्वे |
| | वेहयिष्ये | वेहयिष्यवहे | वेहयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेहयिष्यत् | अवेहयिष्येताम् | अवेहयिष्यन्त |
| | अवेहयिष्यथाः | अवेहयिष्येथाम् | अवेहयिष्यन्वम् |
| | अवेहयिष्ये | अवेहयिष्यवहि | अवेहयिष्यामहि |

867 जेहृङ् (जेहृ) प्रयत्ने ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० जेहयति | जेहयतः | जेहयन्ति |
| जेहयसि | जेहयथः | जेहयथ |
| जेहयामि | जेहयावः | जेहयामः |
| स० जेहयेत् | जेहयेताम् | जेहयेयुः |
| जेहयेः | जेहयेतम् | जेहयेत |
| जेहयेयम् | जेहयेव | जेहयेम |
| प० जेहयतु | जेहयतात् | जेहयताम् |
| जेहय | जेहयतात् | जेहयतम् |
| जेहयानि | जेहयाव | जेहयाम |
| ह्य० अजेहयत् | अजेहयताम् | अजेहयन् |
| अजेहयः | अजेहयतम् | अजेहयत |
| अजेहयम् | अजेहयाव | अजेहयाम |
| अ अजिजेहत् | अजिजेहताम् | अजिजेहन् |
| अजिजेहः | अजिजेहतम् | अजिजेहत |
| अजिजेहम् | अजिजेहाव | अजिजेहाम |
| प० जेहयाञ्चकार | जेहयाञ्चकतुः | जेहयाञ्चकुः |
| जेहयाञ्चकथं | जेहयाञ्चकथुः | जेहयाञ्चक |
| जेहयाञ्चकार-चकर | जेहयाञ्चकृच | जेहयाञ्चकृम |
| जेहयाम्बभूव | जेहयामास | |
| आ० जेहयात् | जेहयास्ताम् | जेहयासुः |
| जेहयाः | जेहयास्तम् | जेहयास्त |
| जेहयासम् | जेहयास्व | जेहयास्म |
| व० जेहयिता | जेहयितारौ | जेहयितारः |
| जेहयितासि | जेहयितास्थः | जेहयितास्थ |
| जेहयितास्मि | जेहयितास्वः | जेहयितास्मः |
| भ० जेहयिष्यति | जेहयिष्यतः | जेहयिष्यन्ति |
| जेहयिष्यसि | जेहयिष्यथः | जेहयिष्यथ |
| जेहयिष्यामि | जेहयिष्यावः | जेहयिष्यामः |
| क्रि० अजेहयिष्यत् | अजेहयिष्यताम् | अजेहयिष्यन् |
| अजेहयिष्यः | अजेहयिष्यतम् | अजेहयिष्यत |
| अजेहयिष्यम् | अजेहयिष्याव | अजेहयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० जेहयते | जेहयेते | जेहयन्ते |
| जेहयसे | जेहयथे | जेहयथ्वे |
| जेहये | जेहयावहे | जेहयामहे |
| स० जेहयेत | जेहयेयाताम् | जेहयेरन् |
| जेहयेथाः | जेहयेयाथाम् | जेहयेष्वम् |
| जेहयेय | जेहयेवहि | जेहयेमहि |
| प० जेहयताम् | जेहयेताम् | जेहयन्ताम् |
| जेहयस्व | जेहयेथाम् | जेहयष्वम् |
| जेहयै | जेहयावहै | जेहयामहै |
| ह्य० अजेहयत | अजेहयेताम् | अजेहयन्त |
| अजेहयथाः | अजेहयेथाम् | अजेहयष्वम् |
| अजेहये | अजेहयावहि | अजेहयामहि |
| अ० अजिजेहत | अजिजेहेताम् | अजिजेहन्त |
| अजिजेथाः | अजिजेथाम् | अजिजेहष्वम् |
| अजिजेहे | अजिजेहावहि | अजिजेहामहि |
| प० जेहयाञ्चके | जेहयाञ्चकते | जेहयाञ्चकिरे |
| जेहयाञ्चकृषे | जेहयाञ्चकृषे | जेहयाञ्चकृष्ये |
| जेहयाञ्चके | जेहयाञ्चकृवहे | जेहयाञ्चकृमहे |
| जेहयाम्बभूव | जेहयामास | |
| आ० जेहयिषीष्ट | जेहयिषीयास्ताम् | जेहयिषीरन् |
| जेहयिषीष्टाः | जेहयिषीयास्थाम् | जेहयिषीरुवन् |
| जेहयिषीय | जेहयिषीवहि | जेहयिषीमहि |
| व० जेहयिता | जेहयितारौ | जेहयितारः |
| जेहयितासे | जेहयितासाथे | जेहयिताथ्वे |
| जेहयिताहे | जेहयितास्वहे | जेहयितास्महे |
| भ जेहयिष्यते | जेहयिष्येते | जेहयिष्यन्ते |
| जेहयिष्यसे | जेहयिष्येथे | जेहयिष्यथ्वे |
| जेहयिष्ये | जेहयिष्यावहे | जेहयिष्यामहे |
| क्रि० अजेहयिष्यत् | अजेहयिष्येताम् | अजेहयिष्यन्त |
| अजेहयिष्यथाः | अजेहयिष्येथाम् | अजेहयिष्यष्वम् |
| अजेहयिष्ये | अजेहयिष्यावहि | अजेहयिष्यामहि |

868 वाहृङ् (वाहृ) प्रयत्ने ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० वाहयति | वाहयतः | वाहयन्ति |
| वाहयसि | वाहयथः | वाहयथ |
| वाहयामि | वाहयावः | वाहयामः |
| स० वाहयेत् | वाहयेताम् | वाहयेयुः |
| वाहयेः | वाहयेतम् | वाहयेत |
| वाहयेयम् | वाहयेव | वाहयेम |
| १० वाहयतु | वाहयतात् | वाहयताम् वाहयन्तु |
| वाहय | वाहयतात् | वाहयतम् वाहयत |
| वाहयानि | वाहयाव | वाहयाम |
| ३० अवाहयत् | अवाहयताम् | अवाहयन् |
| अवाहयः | अवाहयतम् | अवाहयत |
| अवाहयम् | अवाहयाव | अवाहयाम |
| अ० अववाहत् | अववाहताम् | अववाहन् |
| अववाहः | अववाहतम् | अववाहत |
| अववाहम् | अववाहाव | अववाहाम |
| प० वाहयाञ्चकार | वाहयाञ्चक्रुः | वाहयाञ्चकुः |
| वाहयाञ्चकथं | वाहयाञ्चक्रुः | वाहयाञ्चक |
| वाहयाञ्चकार-चकर | वाहयाञ्चक्रुव | वाहयाञ्चक्रम |
| वाहयाम्बभूव | । | वाहयामास |
| आ० वाह्यात् | वाह्यास्ताम् | वाह्यासुः |
| वाह्याः | वाह्यास्तम् | वाह्यास्त |
| वाह्यासम् | वाह्यास्व | वाह्यास्म |
| २० वाहयिता | वाहयितारौ | वाहयितारः |
| वाहयितासि | वाहयितास्थः | वाहयितास्थ |
| वाहयितास्मि | वाहयितास्वः | वाहयितास्मः |
| अ० वाहयिष्यति | वाहयिष्यतः | वाहयिष्यन्ति |
| वाहयिष्यसि | वाहयिष्यथः | वाहयिष्यथ |
| वाहयिष्यामि | वाहयिष्यावः | वाहयिष्यामः |
| क्रि० अवाहयिष्यत् | अवाहयिष्यताम् | अवाहयिष्यन् |
| अवाहयिष्यः | अवाहयिष्यतम् | अवाहयिष्यत |
| अवाहयिष्यम् | अवाहयिष्याव | अवाहयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० वाहयते | वाहयेते | वाहयन्ते |
| वाहयसे | वाहयेथे | वाहयन्थे |
| वाहये | वाहयावहे | वाहयामहे |
| स० वाहयेत | वाहयेयाताम् | वाहयेरन् |
| वाहयेथाः | वाहयेयाथाम् | वाहयेध्वम् |
| वाहयेय | वाहयेवहि | वाहयेमहि |
| प० वाहयताम् | वाहयेताम् | वाहयन्ताम् |
| वाहयस्व | वाहयेथाम् | वाहयध्वम् |
| वाहयै | वाहयावहै | वाहयामहै |
| ३० अवाहयत | अवाहयेताम् | अवाहयन्त |
| अवाहयथाः | अवाहयेथाम् | अवाहयध्वम् |
| अवाहये | अवाहयावहि | अवाहयामहि |
| अ० अववाहत् | अववाहेताम् | अववाहन्त |
| अववाहथाः | अववाहेथाम् | अववाहध्वम् |
| अववाहे | अववाहावहि | अववाहामहि |
| प० वाहयाञ्चक्रे | वाहयाञ्चक्राते | वाहयाञ्चकिरे |
| वाहयाञ्चकृषे | वाहयाञ्चक्राथे | वाहयाञ्चकृद्वे |
| वाहयाञ्चक्रे | वाहयाञ्चक्रवहे | वाहयाञ्चक्रमहे |
| वाहयाम्बभूव | । | वाहयामास |
| आ० वाहयिषीष्ट | वाहयिषीयास्ताम् | वाहयिषीरन् |
| वाहयिषीष्ठाः | वाहयिषीयास्थाम् | वाहयिषीद्वम् |
| वाहयिषीय | वाहयिषीवहि | वाहयिषीमहि |
| २० वाहयिता | वाहयितारौ | वाहयितारः |
| वाहयितासे | वाहयितासाथे | वाहयिताध्वे |
| वाहयिताहे | वाहयितास्वहे | वाहयितास्महे |
| अ० वाहयिष्यते | वाहयिष्येते | वाहयिष्यन्ते |
| वाहयिष्यसे | वाहयिष्येथे | वाहयिष्यध्वे |
| वाहयिष्ये | वाहयिष्यावहे | वाहयिष्यामहे |
| क्रि० अवाहयिष्यत | अवाहयिष्येताम् | अवाहयिष्यन्त |
| अवाहयिष्यथाः | अवाहयिष्येथाम् | अवाहयिष्यध्वम् |
| अवाहयिष्ये | अवाहयिष्यावहि | अवाहयिष्यामहि |

८६९ द्राहृ (द्राहृ) निक्षेपे ।

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० द्राहयति | द्राहयतः | द्राहयन्ति |
| द्राहयसि | द्राहयथः | द्राहयथ |
| द्राहयामि | द्राहयावः | द्राहयामः |
| स० द्राहयेत् | द्राहयेताम् | द्राहयेयुः |
| द्राहयेः | द्राहयेतम् | द्राहयेत |
| द्राहयेयम् | द्राहयेव | द्राहयेम |
| प० द्राहयतु | द्राहयतात् | द्राहयताम् |
| द्राहय | द्राहयतात् | द्राहयतम् |
| द्राहयाणि | द्राहयाव | द्राहयाम |
| अ० अद्राहयन् | अद्राहयताम् | अद्राहयन् |
| अद्राहयः | अद्राहयतम् | अद्राहयत |
| अद्राहयम् | अद्राहयाव | अद्राहयाम |
| अ० अदद्राहत् | अदद्राहताम् | अदद्राहन् |
| अदद्राहः | अदद्राहतम् | अदद्राहत |
| अदद्राहम् | अदद्राहाव | अदद्राहाम |
| प० द्राहयाञ्चकार | द्राहयाञ्चकतुः | द्राहयाञ्चकुः |
| द्राहयाञ्चकर्थ | द्राहयाञ्चकथुः | द्राहयाञ्चक |
| द्राहयाञ्चकार-चकर | द्राहयाञ्चकन् | द्राहयाञ्चकम् |
| द्राहयाम्बभूव | । द्राहयामास | |
| द्राह्यात् | द्राह्यास्ताम् | द्राह्यासुः |
| द्राह्याः | द्राह्यास्तम् | द्राह्यास्त |
| द्राह्यासम् | द्राह्यास्व | द्राह्यास्म |
| अ० द्राहयिता | द्राहयितारो | द्राहयितारः |
| द्राहयितासि | द्राहयितास्थः | द्राहयितास्थ |
| द्राहयितास्मि | द्राहयितास्वः | द्राहयितास्मः |
| भ० द्राहयिष्यति | द्राहयिष्यतः | द्राहयिष्यन्ति |
| द्राहयिष्यसि | द्राहयिष्यथः | द्राहयिष्यथ |
| द्राहयिष्यामि | द्राहयिष्यावः | द्राहयिष्यामः |
| अ० अद्राहयिष्यत् | अद्राहयिष्यताम् | अद्राहयिष्यन् |
| अद्राहयिष्यः | अद्राहयिष्यतम् | अद्राहयिष्यत |
| अद्राहयिष्यम् | अद्राहयिष्याव | अद्राहयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० द्राहयते | द्राहयेते | द्राहयन्ते |
| द्राहयसे | द्राहयथे | द्राहयध्वे |
| द्राहये | द्राहयावहे | द्राहयामहे |
| स० द्राहयेत | द्राहयेताताम् | द्राहयेरन् |
| द्राहयेथाः | द्राहयेथाथाम् | द्राहयेध्वम् |
| द्राहयेय | द्राहयेवहि | द्राहयेमहि |
| प० द्राहयताम् | द्राहयेताम् | द्राहयन्ताम् |
| द्राहयस्व | द्राहयेथाम् | द्राहयध्वम् |
| द्राहये | द्राहयावहे | द्राहयामहे |
| अ० अद्राहयत | अद्राहयेताम् | अद्राहयन्त |
| अद्राहयथाः | अद्राहयेथाम् | अद्राहयध्वम् |
| अद्राहये | अद्राहयावहि | अद्राहयामहि |
| अ० अदद्राहत | अदद्राहेताम् | अदद्राहन्त |
| अदद्राहथाः | अदद्राहेथाम् | अदद्राहध्वम् |
| अदद्राहे | अदद्राहावहि | अदद्राहामहि |
| प० द्राहयाञ्चके | द्राहयाञ्चकते | द्राहयाञ्चकिरे |
| द्राहयाञ्चकृषे | द्राहयाञ्चक्रे | द्राहयाञ्चकृडवे |
| द्राहयाञ्चके | द्राहयाञ्चकृवहे | द्राहयाञ्चकृमहे |
| द्राहयाम्बभूव | । द्राहयामास | |
| आ० द्राहयिषीष्ट | द्राहयिषीयास्ताम् | द्राहयिषीरन् |
| द्राहयिषीष्ठाः | द्राहयिषीयास्थाम् | द्राहयिषीढ्वम् |
| | | ध्वम् |
| द्राहयिषीय | द्राहयिषीवहि | द्राहयिषीमहि |
| अ० द्राहयिता | द्राहयितारो | द्राहयितारः |
| द्राहयितासे | द्राहयितासाथे | द्राहयिताध्वे |
| द्राहयिताहे | द्राहयितास्वहे | द्राहयितास्महे |
| भ० द्राहयिष्यते | द्राहयिष्येते | द्राहयिष्यन्ते |
| द्राहयिष्यसे | द्राहयिष्यथे | द्राहयिष्यथ |
| द्राहयिष्ये | द्राहयिष्यावहे | द्राहयिष्यामहे |
| क्रि० अद्राहयिष्यत | अद्राहयिष्यताम् | अद्राहयिष्यन्त |
| अद्राहयिष्यथाः | अद्राहयिष्यथाम् | अद्राहयिष्यध्वम् |
| अद्राहयिष्ये | अद्राहयिष्यावहि | अद्राहयिष्यामहि |

870 ऊहि (ऊह्) तर्क ।

| | | |
|-----------------|--------------|--------------|
| व० ऊहयति | ऊहयतः | ऊहयन्ति |
| ऊहयसि | ऊहयथः | ऊहयथ |
| ऊहयामि | ऊहयावः | ऊहयामः |
| स० ऊहयेत् | ऊहयेताम् | ऊहयेयुः |
| ऊहयेः | ऊहयेतम् | ऊहयेत |
| ऊहयेथम् | ऊहयेव | ऊहयेम |
| प० ऊहयतु | ऊहयतात् | ऊहयताम् |
| ऊहय | ऊहयतात् | ऊहयतम् |
| ऊहयानि | ऊहयाव | ऊहयाम |
| श० औहयत् | औहयताम् | औहयन् |
| औहयः | औहयतम् | औहयत |
| औहयम् | औहयाव | औहयाम |
| अ० औजिहत् | औजिहताम् | औजिहन् |
| औजिहः | औजिहतम् | औजिहत |
| औजिहम् | औजिहाव | औजिहाम |
| प० ऊहयाश्चकार | ऊहयाश्चक्रुः | ऊहयाश्चक्रुः |
| ऊहयाश्चकथे | ऊहयाश्चक्रुः | ऊहयाश्चक्रुः |
| ऊहयाश्चकार-चक्र | ऊहयाश्चक्रुः | ऊहयाश्चक्रुः |
| ऊहयाम्बभूव | ऊहयामास | |
| आ० ऊह्यात् | ऊह्यास्ताम् | ऊह्यासुः |
| ऊह्याः | ऊह्यास्तम् | ऊह्यास्त |
| ऊह्यासम् | ऊह्यास्व | ऊह्यास्म |
| श्व० ऊहयिता | ऊहयितारौ | ऊहयितारः |
| ऊहयितासि | ऊहयितास्थः | ऊहयितास्थ |
| ऊहयितास्मि | ऊहयितास्वः | ऊहयितास्मः |
| भ० ऊहयिष्यति | ऊहयिष्यतः | ऊहयिष्यन्ति |
| ऊहयिष्यसि | ऊहयिष्यथः | ऊहयिष्यथ |
| ऊहयिष्यामि | ऊहयिष्यावः | ऊहयिष्यामः |
| क्रि० औहयिष्यत् | औहयिष्यताम् | औहयिष्यन् |
| औहयिष्यः | औहयिष्यतम् | औहयिष्यत |
| औहयिष्यम् | औहयिष्याव | औहयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० ऊहयते | ऊहयेते | ऊहयन्ते |
| ऊहयसे | ऊहयेथे | ऊहयथ्वे |
| ऊहये | ऊहयावहे | ऊहयामहे |
| स० ऊहयेत | ऊहयेताम् | ऊहयेरन् |
| ऊहयेथाः | ऊहयेथायाम् | ऊहयेथ्वम् |
| ऊहयेथ | ऊहयेवहि | ऊहयेमहि |
| प० ऊहयताम् | ऊहयेताम् | ऊहयन्ताम् |
| ऊहयस्व | ऊहयेथाम् | ऊहयथ्वम् |
| ऊहये | ऊहयावहे | ऊहयामहे |
| श० औहयत | औहयेताम् | औहयन्त |
| औहयथाः | औहयेथाम् | औहयथ्वम् |
| औहये | औहयावहि | औहयामहि |
| अ० औजिहत् | औजिहेताम् | औजिहन्त |
| औजिहथाः | औजिहेथाम् | औजिहथ्वम् |
| औजिहे | औजिहावहि | औजिहामहि |
| प० ऊहयाश्चक्रे | ऊहयाश्चक्रते | ऊहयाश्चक्रिरे |
| ऊहयाश्चक्रुषे | ऊहयाश्चक्रथे | ऊहयाश्चक्रुवे |
| ऊहयाश्चक्रे | ऊहयाश्चक्रवहे | ऊहयाश्चक्रमहे |
| ऊहयाम्बभूव | ऊहयामास | |
| आ० ऊहयिषीष्ट | ऊहयिषीयास्ताम् | ऊहयिषीरन् |
| ऊहयिषीष्टाः | ऊहयिषीयास्थाम् | ऊहयिषीढ्वम् |
| ऊहयिषीय | ऊहयिषीवहि | ऊहयिषीमहि |
| श्व० ऊहयिता | ऊहयितारौ | ऊहयितारः |
| ऊहयितासे | ऊहयितासाथे | ऊहयिताथे |
| ऊहयिताहे | ऊहयितास्वहे | ऊहयितास्महे |
| भ० ऊहयिष्यते | ऊहयिष्येते | ऊहयिष्यन्ते |
| ऊहयिष्यसे | ऊहयिष्येथे | ऊहयिष्यथ्वे |
| ऊहयिष्ये | ऊहयिष्यवहे | ऊहयिष्यामहे |
| क्रि० औहयिष्यत् | औहयिष्येताम् | औहयिष्यन्त |
| औहयिष्यथाः | औहयिष्येथाम् | औहयिष्यथ्वम् |
| औहयिष्ये | औहयिष्यावहि | औहयिष्यामहि |

871 गाहौङ् (गाह्) विलोडने

| | | |
|------------|-----------|----------|
| ब० गाहयति | गाहयतः | गाहयन्ति |
| गाहयसि | गाहयथः | गाहयथ |
| गाहयामि | गाहयावः | गाहयामः |
| स० गाहयेत् | गाहयेताम् | गाहयेयुः |
| गाहयेः | गाहयेतम् | गाहयेत |
| गाहयेयम् | गाहयेव | गाहयेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० गाहयतु | गाहयतात् | गाहयताम् | गाहयन्तु |
| गाहय | गाहयतात् | गाहयतम् | गाहयत |
| गाहयानि | गाहयाव | गाहयाम | |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| झ० अगाहयत् | अगाहयताम् | अगाहयन् |
| अगाहयः | अगाहयतम् | अगाहयत |
| अगाहयम् | अगाहयाव | अगाहयाम |

| | | |
|------------|-----------|---------|
| ञ० अजीगहत् | अजीगहताम् | अजीगहन् |
| अजीगहः | अजीगहतम् | अजीगहत |
| अजीगहम् | अजीगहाव | अजीगहाम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| प० गाहयाश्चकार | गाहयाश्चक्रुः | गाहयाश्चक्रुः |
| गाहयाश्चकथे | गाहयाश्चक्रथुः | गाहयाश्चक्र |
| गाहयाश्चकार-चकर | गाहयाश्चक्रुच | गाहयाश्चक्रम |

गाहयाम्बभूव । गाहयामास

| | | |
|-----------|--------------|-----------|
| गाह्यात् | गाह्यास्ताम् | गाह्यासुः |
| गाह्याः | गाह्यास्तम् | गाह्यास्त |
| गाह्यासम् | गाह्यास्व | गाह्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| म्ब० गाहयिता | गाहयितारौ | गाहयितारः |
| गाहयितासि | गाहयितास्यः | गाहयितास्थ |
| गाहयितामि | गाहयितास्वः | गाहयितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० गाहयिष्यति | गाहयिष्यतः | गाहयिष्यन्ति |
| गाहयिष्यसि | गाहयिष्यथः | गाहयिष्यथ |
| गाहयिष्यामि | गाहयिष्यावः | गाहयिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अगाहयिष्यत् | अगाहयिष्यताम् | अगाहयिष्यन् |
| अगाहयिष्यः | अगाहयिष्यतम् | अगाहयिष्यत |
| अगाहयिष्यम् | अगाहयिष्याव | अगाहयिष्याम |

| | | |
|-----------|----------|----------|
| व० गाहयते | गाहयेते | गाहयन्ते |
| गाहयसे | गाहयेथे | गाहयध्वे |
| गाहये | गाहयावहे | गाहयामहे |

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| स० गाहयेत | गाहयेयाताम् | गाहयेरन् |
| गाहयेथाः | गाहयेयाथाम् | गाहयेध्वम् |
| गाहयेय | गाहयेवहि | गाहयेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० गाहयताम् | गाहयेताम् | गाहयन्ताम् |
| गाहयस्व | गाहयेथाम् | गाहयध्वम् |
| गाहयै | गाहयावहै | गाहयामहै |

| | | |
|-----------|------------|------------|
| झ० अगाहयत | अगाहयेताम् | अगाहयन्त |
| अगाहयथाः | अगाहयेथाम् | अगाहयध्वम् |
| अगाहये | अगाहयावहि | अगाहयामहि |

| | | |
|-----------|------------|------------|
| ञ० अजीगहत | अजीगहेताम् | अजीगहन्त |
| अजीगहथाः | अजीगहेथाम् | अजीगहध्वम् |
| अजीगहे | अजीगहावहि | अजीगहामहि |

| | | |
|-----------------|-----------------|------------------|
| प० गाहयाश्चक्रे | गाहयाश्चक्राते | गाहयाश्चक्रिरे |
| गाहयाश्चक्रुषे | गाहयाश्चक्राथे | गाहयाश्चक्रुध्वे |
| गाहयाश्चक्रे | गाहयाश्चक्रुवहे | गाहयाश्चक्रमहे |
| गाहयाम्बभूव | । | गाहयामास |

| | | |
|----------------|-----------------|--------------|
| भा० गाहयिषीष्ट | गाहयिषीयास्ताम् | गाहयिषीरन् |
| गाहयिषीष्ठाः | गाहयिषीयाथाम् | गाहयिषीध्वम् |
| | | च्वम् |

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| गाहयिषीय | गाहयिषीवहि | गाहयिषीमहि |
| म्ब० गाहयिता | गाहयितारौ | गाहयितारः |
| गाहयितासि | गाहयितास्ये | गाहयिताध्वे |
| गाहयिताहे | गाहयितास्वहे | गाहयितास्महे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ० गाहयिष्यते | गाहयिष्येते | गाहयिष्यन्ते |
| गाहयिष्यसे | गाहयिष्येथे | गाहयिष्यध्वे |
| गाहयिष्ये | गाहयिष्यावहे | गाहयिष्यामहे |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| क्रि० अगाहयिष्यत | अगाहयिष्येताम् | अगाहयिष्यन्त |
| अगाहयिष्यथाः | अगाहयिष्येथाम् | अगाहयिष्यध्वम् |
| अगाहयिष्ये | अगाहयिष्यावहि | अगाहयिष्यामहि |

872 ग्लहौङ् (ग्लह्) ग्रहणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|----------------|
| ब० | ग्लहयति | ग्लहयतः | ग्लहयन्ति |
| | ग्लहयसि | ग्लहयथः | ग्लहयथ |
| | ग्लहयामि | ग्लहयावः | ग्लहयामः |
| स० | ग्लहयेत् | ग्लहयेताम् | ग्लहयेयुः |
| | ग्लहयेः | ग्लहयेतम् | ग्लहयेत |
| | ग्लहयेयम् | ग्लहयेव | ग्लहयेम |
| प० | ग्लहयतु | ग्लहयतात् | ग्लहयताम् |
| | ग्लहय | ग्लहयतात् | ग्लहयताम् |
| | ग्लहयानि | ग्लहयाव | ग्लहयाम |
| ह्य० | अग्लहयत् | अग्लहयताम् | अग्लहयन् |
| | अग्लहयः | अग्लहयतम् | अग्लहयत |
| | अग्लहयम् | अग्लहयाव | अग्लहयाम |
| अ० | अजिग्लहत् | अजिग्लहताम् | अजिग्लहन् |
| | अजिग्लहः | अजिग्लहतम् | अजिग्लहत |
| | अजिग्लहम् | अजिग्लहाव | अजिग्लहाम |
| प० | ग्लहयाश्चकार | ग्लहयाश्चक्रुः | ग्लहयाश्चक्रुः |
| | ग्लहयाश्चकथे | ग्लहयाश्चक्रुथुः | ग्लहयाश्चक्रु |
| | ग्लहयाश्चकार-चक्र | ग्लहयाश्चक्रुव | ग्लहयाश्चक्रुम |
| | ग्लहयाम्बभूव | । | ग्लहयामास |
| आ० | ग्लह्यात् | ग्लह्यास्ताम् | ग्लह्यासुः |
| | ग्लह्याः | ग्लह्यास्तम् | ग्लह्यास्त |
| | ग्लह्यासम् | ग्लह्यास्व | ग्लह्यास्म |
| श्व० | ग्लहयिता | ग्लहयितारौ | ग्लहयितारः |
| | ग्लहयितासि | ग्लहयितास्थः | ग्लहयितास्थ |
| | ग्लहयितास्मि | ग्लहयितास्वः | ग्लहयितास्मः |
| भ० | ग्लहयिष्यति | ग्लहयिष्यतः | ग्लहयिष्यन्ति |
| | ग्लहयिष्यसि | ग्लहयिष्यथः | ग्लहयिष्यथ |
| | ग्लहयेष्यामि | ग्लहयेष्यावः | ग्लहयेष्यामः |
| क्रि० | अग्लहयिष्यत् | अग्लहयिष्यताम् | अग्लहयिष्यन् |
| | अग्लहयिष्यः | अग्लहयिष्यतम् | अग्लहयिष्यत |
| | अग्लहयिष्यम् | अग्लहयिष्याव | अग्लहयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| ब० | ग्लहयते | ग्लहयेते | ग्लहयन्ते |
| | ग्लहयसे | ग्लहयेथे | ग्लहयथ्वे |
| | ग्लहये | ग्लहयावहे | ग्लहयामहे |
| स० | ग्लहयेत | ग्लहयेयाताम् | ग्लहयेरन् |
| | ग्लहयेथाः | ग्लहयेयाथाम् | ग्लहयेथ्वम् |
| | ग्लहयेथ | ग्लहयेवहि | ग्लहयेमहि |
| प० | ग्लहयताम् | ग्लहयेताम् | ग्लहयन्ताम् |
| | ग्लहयस्व | ग्लहयेथाम् | ग्लहयथ्वम् |
| | ग्लहये | ग्लहयावहे | ग्लहयामहे |
| ह्य० | अग्लहयत | अग्लहयेताम् | अग्लहयन्त |
| | अग्लहयथाः | अग्लहयेथाम् | अग्लहयथ्वम् |
| | अग्लहये | अग्लहयावहि | अग्लहयामहि |
| अ० | अजिग्लहत् | अजिग्लहेताम् | अजिग्लहन्त |
| | अजिग्लहथाः | अजिग्लहेथाम् | अजिग्लहथ्वम् |
| | अजिग्लहे | अजिग्लहावहि | अजिग्लहामहि |
| प० | ग्लहयाश्चक्रे | ग्लहयाश्चक्राते | ग्लहयाश्चक्रिरे |
| | ग्लहयाश्चक्रुषे | ग्लहयाश्चक्राये | ग्लहयाश्चक्रुव्वे |
| | ग्लहयाश्चक्रे | ग्लहयाश्चक्रुवहे | ग्लहयाश्चक्रुमहे |
| | ग्लहयाम्बभूव | । | ग्लहयामास |
| आ० | ग्लहयिषीष्ट | ग्लहयिषीयास्ताम् | ग्लहयिषीरन् |
| | ग्लहयिषीष्टः | ग्लहयिषीयास्थाम् | ग्लहयिषीव्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | ग्लहयिषीय | ग्लहयिषीवहि | ग्लहयिषीमहि |
| श्व० | ग्लहयिता | ग्लहयितारौ | ग्लहयितारः |
| | ग्लहयितासे | ग्लहयितामाथे | ग्लहयिताथ्वे |
| | ग्लहयिताहे | ग्लहयितास्वहे | ग्लहयितास्महे |
| भ० | ग्लहयिष्यते | ग्लहयिष्येते | ग्लहयिष्यन्ते |
| | ग्लहयिष्यसे | ग्लहयिष्येथे | ग्लहयिष्यथ्वे |
| | ग्लहयिष्ये | ग्लहयिष्यावहे | ग्लहयिष्यामहे |
| क्रि० | अग्लहयिष्यत | अग्लहयिष्येताम् | अग्लहयिष्यन्त |
| | अग्लहयिष्यथाः | अग्लहयिष्येथाम् | अग्लहयिष्यथ्वम् |
| | अग्लहयिष्ये | अग्लहयिष्यावहि | अग्लहयिष्यामहि |

873 बहृङ् (बंङ्) वृद्धौ ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| ब० | बंहयति | बंहयतः | बंहयन्ति |
| | बंहयसि | बंहयथः | बंहयथ |
| | बंहयामि | बंहयावः | बंहयामः |
| स० | बंहयेत् | बंहयेताम् | बंहयेयुः |
| | बंहयेः | बंहयेतम् | बंहयेत |
| | बंहयेयम् | बंहयेव | बंहयेम |
| प० | बंहयतु | बंहयतात् | बंहयन्तु |
| | बंहय | बंहयतात् | बंहयतम् |
| | बंहयानि | बंहयाव | बंहयाम |
| ह्य० | अबंहयत् | अबंहयताम् | अबंहयन् |
| | अबंहयः | अबंहयतम् | अबंहयत |
| | अबंहयम् | अबंहयव | अबंहयाम |
| अ० | अबवंहत् | अबवंहताम् | अबवंहन् |
| | अबवंहः | अबवंहतम् | अबवंहत |
| | अबवंहम् | अबवंहव | अबवंहाम |
| प० | बंह्याञ्चकार | बंह्याञ्चकतुः | बंह्याञ्चकुः |
| | बंह्याञ्चकथे | बंह्याञ्चकथुः | बंह्याञ्चक |
| | बंह्याञ्चकार-चकर | बंह्याञ्चकृव | बंह्याञ्चकृम |
| | बंह्याञ्चभूव | । | बंह्यामास |
| आ० | बंह्यात् | बंह्यास्ताम् | बंह्यासुः |
| | बंह्याः | बंह्यास्तम् | बंह्यास्त |
| | बंह्यासम् | बंह्यास्व | बंह्यासम |
| भ० | बंहयिता | बंहयितारौ | बंहयितारः |
| | बंहयितासि | बंहयितासथः | बंहयितासथ |
| | बंहयितास्मि | बंहयितास्वः | बंहयितासमः |
| भ० | बंहयिष्यति | बंहयिष्यतः | बंहयिष्यन्ति |
| | बंहयिष्यसि | बंहयिष्यथः | बंहयिष्यथ |
| | बंहयिष्यामि | बंहयिष्यावः | बंहयिष्यामः |
| क्रि० | अबंहयिष्यत् | अबंहयिष्यताम् | अबंहयिष्यन् |
| | अबंहयिष्यः | अबंहयिष्यतम् | अबंहयिष्यत |
| | अबंहयिष्यम् | अबंहयिष्यव | अबंहयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|----------------|-----------------|
| व० | बंहयते | बंहयेते | बंहयन्ते |
| | बंहयसे | बंहयेथे | बंहयध्वे |
| | बंहये | बंहयावहे | बंहयामहे |
| स० | बंहयेत | बंहयेयाताम् | बंहयेरन् |
| | बंहयेथाः | बंहयेथायाम् | बंहयेध्वम् |
| | बंहयेय | बंहयेवहि | बंहयेमहि |
| प० | बंहयताम् | बंहयेताम् | बंहयन्ताम् |
| | बंहयस्व | बंहयेथाम् | बंहयध्वम् |
| | बंह्यै | बंहयावहे | बंहयामहे |
| ह्य० | अबंहयत | अबंहयेताम् | अबंहयन्त |
| | अबंहयथाः | अबंहयेथाम् | अबंहयध्वम् |
| | अबंहये | अबंहयावहि | अबंहयामहि |
| अ० | अबवंहत | अबवंहताम् | अबवंहन्त |
| | अबवंहथाः | अबवंहेथाम् | अबवंहध्वम् |
| | अबवंहै | अबवंह्वावहि | अबवंहामहि |
| प० | बंह्याञ्चक्रे | बंह्याञ्चकाते | बंह्याञ्चक्रिरे |
| | बंह्याञ्चकृषे | बंह्याञ्चकृषे | बंह्याञ्चकृध्वे |
| | बंह्याञ्चक्रे | बंह्याञ्चकृवहे | बंह्याञ्चकृमहे |
| | बंह्याञ्चभूव | । | बंह्यामास |
| आ० | बंहयिषीष्ट | बंहयिषीष्यताम् | बंहयिषीरन् |
| | बंहयिषीष्टः | बंहयिषीष्यथाम् | बंहयिषीध्वम् |
| | बंहयिषीय | बंहयिषीवहि | बंहयिषीमहि |
| भ० | बंहयिता | बंहयितारौ | बंहयितारः |
| | बंहयितासे | बंहयितासथे | बंहयिताध्वे |
| | बंहयिताहे | बंहयितास्वहे | बंहयितास्महे |
| भ० | बंहयिष्यते | बंहयिष्येते | बंहयिष्यन्ते |
| | बंहयिष्यसे | बंहयिष्येथे | बंहयिष्यध्वे |
| | बंहयिष्ये | बंहयिष्यावहे | बंहयिष्यामहे |
| क्रि० | अबंहयिष्यत् | अबंहयिष्येताम् | अबंहयिष्यन्त |
| | अबंहयिष्यथाः | अबंहयिष्येथाम् | अबंहयिष्यध्वम् |
| | अबंहयिष्ये | अबंहयिष्यावहि | अबंहयिष्यामहि |

874 महुङ् (मंहु) वृद्धौ ।

| | | | |
|-------|--------------------|----------------|---------------|
| ब० | मंहुयति | मंहुयतः | मंहुयन्ति |
| | मंहुयसि | मंहुयथः | मंहुयथ |
| | मंहुयामि | मंहुयावः | मंहुयामः |
| स० | मंहुयेत् | मंहुयेताम् | मंहुयेयुः |
| | मंहुयेः | मंहुयेतम् | मंहुयेत |
| | मंहुयेयम् | मंहुयेव | मंहुयेम |
| प० | मंहुयतु | मंहुयतात् | मंहुयन्तु |
| | मंहुय | मंहुयतात् | मंहुयतम् |
| | मंहुयानि | मंहुयाव | मंहुयाम |
| ह्य० | अमंहुयत् | अमंहुयताम् | अमंहुयन् |
| | अमंहुयः | अमंहुयतम् | अमंहुयत |
| | अमंहुयम् | अमंहुयाव | अमंहुयाम |
| अ० | अममंहुत् | अममंहुताम् | अममंहुन् |
| | अममंहुः | अममंहुतम् | अममंहुत |
| | अममंहुम् | अममंहुव | अममंहुम |
| प० | मंहुयाञ्चकार | मंहुयाञ्चक्रुः | मंहुयाञ्चकुः |
| | मंहुयाञ्चकथं | मंहुयाञ्चकथुः | मंहुयाञ्चक्र |
| | मंहुयाञ्चकार-न्वकर | मंहुयाञ्चकुव | मंहुयाञ्चकुम |
| | मंहुयाञ्चभूव | मंहुयामास | |
| आ० | मंहुयात् | मंहुयास्ताम् | मंहुयासुः |
| | मंहुयाः | मंहुयास्तम् | मंहुयास्त |
| | मंहुयासम् | मंहुयास्व | मंहुयास्म |
| भ्व० | मंहुयिता | मंहुयितारौ | मंहुयितारः |
| | मंहुयितामि | मंहुयितास्थः | मंहुयितास्थ |
| | मंहुयितास्मि | मंहुयितास्वः | मंहुयितास्मः |
| भ० | मंहुयिष्यति | मंहुयिष्यतः | मंहुयिष्यन्ति |
| | मंहुयिष्यसि | मंहुयिष्यथः | मंहुयिष्यथ |
| | मंहुयिष्यामि | मंहुयिष्यावः | मंहुयिष्यामः |
| क्रि० | अमंहुयिष्यत् | अमंहुयिष्यताम् | अमंहुयिष्यन् |
| | अमंहुयिष्यः | अमंहुयिष्यतम् | अमंहुयिष्यत |
| | अमंहुयिष्यम् | अमंहुयिष्याव | अमंहुयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| ब० | मंहुयते | मंहुयते | मंहुयन्ते |
| | मंहुयसे | मंहुयेथे | मंहुयध्वे |
| | मंहुये | मंहुयावहे | मंहुयामहे |
| स० | मंहुयेत | मंहुयेयाताम् | मंहुयेरन् |
| | मंहुयेथाः | मंहुयेथायाम् | मंहुयेथ्वम् |
| | मंहुयेथ | मंहुयेवहि | मंहुयेमहि |
| प० | मंहुयताम् | मंहुयेताम् | मंहुयन्ताम् |
| | मंहुयस्व | मंहुयेथाम् | मंहुयध्वम् |
| | मंहुयै | मंहुयावहे | मंहुयामहे |
| ह्य० | अमंहुयत | अमंहुयेताम् | अमंहुयन्त |
| | अमंहुयथाः | अमंहुयेथाम् | अमंहुयध्वम् |
| | अमंहुये | अमंहुयावहि | अमंहुयामहि |
| अ० | अममंहुत | अममंहुताम् | अममंहुन्त |
| | अममंहुथाः | अममंहुेथाम् | अममंहुध्वम् |
| | अममंहुे | अममंहुावहि | अममंहुामहि |
| प० | मंहुयाञ्चके | मंहुयाञ्चकाते | मंहुयाञ्चकिरे |
| | मंहुयाञ्चकृषे | मंहुयाञ्चकाथे | मंहुयाञ्चकृध्वे |
| | मंहुयाञ्चके | मंहुयाञ्चकृवहे | मंहुयाञ्चकृमहे |
| | मंहुयाञ्चभूव | मंहुयामास | |
| आ० | मंहुयिषीष्ट | मंहुयिषीयस्ताम् | मंहुयिषीरन् |
| | मंहुयिषीष्ठाः | मंहुयिषीयास्थाम् | मंहुयिषीध्वम् |
| | मंहुयिषीय | मंहुयिषीवहि | मंहुयिषीमहि |
| भ्व० | मंहुयिता | मंहुयितारौ | मंहुयितारः |
| | मंहुयितासे | मंहुयितासाथे | मंहुयिताध्वे |
| | मंहुयिताहे | मंहुयितास्वहे | मंहुयितास्महे |
| भ० | मंहुयिष्यते | मंहुयिष्यते | मंहुयिष्यन्ते |
| | मंहुयिष्यसे | मंहुयिष्येथे | मंहुयिष्यध्वे |
| | मंहुयिष्ये | मंहुयिष्यावहे | मंहुयिष्यामहे |
| क्रि० | अमंहुयिष्यत | अमंहुयिष्येताम् | अमंहुयिष्यन्त |
| | अमंहुयिष्यथाः | अमंहुयिष्येथाम् | अमंहुयिष्यध्वम् |
| | अमंहुयिष्ये | अमंहुयिष्यावहि | अमंहुयिष्यामहि |

॥ अथ क्षान्ता अष्टौ ॥

875 दक्षि (दक्ष्) शैध्रये च ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० दक्षयति | दक्षयतः | दक्षयन्ति |
| दक्षयसि | दक्षयथः | दक्षयथ |
| दक्षयामि | दक्षयावः | दक्षयामः |
| स० दक्षयेत् | दक्षयेताम् | दक्षयेयुः |
| दक्षयेः | दक्षयेतम् | दक्षयेत |
| दक्षयेयम् | दक्षयेव | दक्षयेम |
| प० दक्षयतु | दक्षयतात् | दक्षयताम् |
| दक्षय | दक्षयतात् | दक्षयतम् |
| दक्षयानि | दक्षयाव | दक्षयाम |
| ह्य० अदक्षयत् | अदक्षयताम् | अदक्षयन् |
| अदक्षयः | अदक्षयतम् | अदक्षयत |
| अदक्षयम् | अदक्षयाव | अदक्षयाम |
| अ० अददक्षत् | अददक्षताम् | अददक्षन् |
| अददक्षः | अददक्षतम् | अददक्षत |
| अददक्षम् | अददक्षाव | अददक्षाम |
| प० दक्षयाञ्चकार | दक्षयाञ्चक्रुः | दक्षयाञ्चकुः |
| दक्षयाञ्चकथे | दक्षयाञ्चक्रुः | दक्षयाञ्चक |
| दक्षयाञ्चकार-चकर | दक्षयाञ्चक्रव | दक्षयाञ्चकृम |
| दक्षयाम्बभूव | दक्षयामास | |
| भा० दक्ष्यात् | दक्ष्यास्ताम् | दक्ष्यासुः |
| दक्ष्याः | दक्ष्यास्तम् | दक्ष्यास्त |
| दक्ष्यासम् | दक्ष्यास्व | दक्ष्यास्म |
| भ० दक्षयिता | दक्षयितारौ | दक्षयितारः |
| दक्षयितासि | दक्षयितास्थः | दक्षयितास्थ |
| दक्षयितास्मि | दक्षयितास्वः | दक्षयितास्मः |
| भ० दक्षयिष्यति | दक्षयिष्यतः | दक्षयिष्यन्ति |
| दक्षयिष्यसि | दक्षयिष्यथः | दक्षयिष्यथ |
| दक्षयिष्यामि | दक्षयिष्यावः | दक्षयिष्यामः |
| क्रि० अदक्षयिष्यत् | अदक्षयिष्यताम् | अदक्षयिष्यन् |
| अदक्षयिष्यः | अदक्षयिष्यतम् | अदक्षयिष्यत |
| अदक्षयिष्यम् | अदक्षयिष्याव | अदक्षयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० दक्षयते | दक्षयते | दक्षयन्ते |
| दक्षयसे | दक्षयेथे | दक्षयध्वे |
| दक्षये | दक्षयावहे | दक्षयामहे |
| स० दक्षयेत् | दक्षयेयाताम् | दक्षयेरन् |
| दक्षयेथाः | दक्षयेयाथाम् | दक्षयेध्वम् |
| दक्षयेय | दक्षयेवहि | दक्षयेमहि |
| प० दक्षयताम् | दक्षयेताम् | दक्षयन्ताम् |
| दक्षयस्व | दक्षयेथाम् | दक्षयध्वम् |
| दक्षयै | दक्षयावहे | दक्षयामहे |
| ह्य० अदक्षयत | अदक्षयेताम् | अदक्षयन्त |
| अदक्षयथाः | अदक्षयेथाम् | अदक्षयध्वम् |
| अदक्षये | अदक्षयावहि | अदक्षयामहि |
| अ० अददक्षत | अददक्षेताम् | अददक्षन्त |
| अददक्षथाः | अददक्षेथाम् | अददक्षध्वम् |
| अददक्षे | अददक्षावहि | अददक्षामहि |
| प० दक्षयाञ्चके | दक्षयाञ्चक्राते | दक्षयाञ्चक्रिरे |
| दक्षयाञ्चकृषे | दक्षयाञ्चक्राथे | दक्षयाञ्चकृद्वे |
| दक्षयाञ्चके | दक्षयाञ्चक्रवहे | दक्षयाञ्चक्रमहे |
| दक्षयाम्बभूव | दक्षयामास | |
| भा० दक्षयिषीष्ट | दक्षयिषीयास्ताम् | दक्षयिषीरन् |
| दक्षयिषीष्ठाः | दक्षयिषीयास्थाम् | दक्षयिषीध्वम् |
| | | ध्वम् |
| दक्षयिषीय | दक्षयिषीवहि | दक्षयिषीमहि |
| भ० दक्षयिता | दक्षयितारौ | दक्षयितारः |
| दक्षयितासे | दक्षयितासाथे | दक्षयिताध्वे |
| दक्षयिताहे | दक्षयितास्वहे | दक्षयितास्महे |
| भ० दक्षयिष्यते | दक्षयिष्येते | दक्षयिष्यन्ते |
| दक्षयिष्यसे | दक्षयिष्येथे | दक्षयिष्यध्वे |
| दक्षयिष्ये | दक्षयिष्यावहे | दक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अदक्षयिष्यत | अदक्षयिष्येताम् | अदक्षयिष्यन्त |
| अदक्षयिष्यथाः | अदक्षयिष्येथाम् | अदक्षयिष्यध्वम् |
| अदक्षयिष्ये | अदक्षयिष्यावहि | अदक्षयिष्यामहि |

876 धुक्षि (धुक्ष्) संदीपनक्लेशनजीवनेषु

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० धुक्षयति | धुक्षयतः | धुक्षयन्ति |
| धुक्षयसि | धुक्षयथः | धुक्षयथ |
| धुक्षयामि | धुक्षयावः | धुक्षयामः |
| स० धुक्षयेत् | धुक्षयेताम् | धुक्षयेयुः |
| धुक्षयेः | धुक्षयेतम् | धुक्षयेत |
| धुक्षयेयम् | धुक्षयेव | धुक्षयेम |
| प० धुक्षयतु | धुक्षयतात् | धुक्षयताम् |
| धुक्षयः | धुक्षयतात् | धुक्षयतम् |
| धुक्षयाणि | धुक्षयाव | धुक्षयाम |
| ह्य० अधुक्षयत् | अधुक्षयताम् | अधुक्षयन् |
| अधुक्षयः | अधुक्षयतम् | अधुक्षयत |
| अधुक्षयम् | अधुक्षयाव | अधुक्षयाम |
| अ० अदुधुक्षत् | अदुधुक्षताम् | अदुधुक्षन् |
| अदुधुक्षः | अदुधुक्षतम् | अदुधुक्षत |
| अदुधुक्षम् | अदुधुक्षाव | अदुधुक्षाम |
| प० धुक्षयाञ्चकार | धुक्षयाञ्चकतुः | धुक्षयाञ्चकः |
| धुक्षयाञ्चकर्थः | धुक्षयाञ्चकथुः | धुक्षयाञ्चक |
| धुक्षयाञ्चकार-चकार | धुक्षयाञ्चकृव | धुक्षयाञ्चकृम |
| धुक्षयाम्बभूव | । | धुक्षयामास |
| आ० धुक्ष्यात् | धुक्ष्यास्ताम् | धुक्ष्यासुः |
| धुक्ष्याः | धुक्ष्यास्तम् | धुक्ष्यास्त |
| धुक्ष्यासम् | धुक्ष्यास्व | धुक्ष्यास्म |
| भ० धुक्षयिता | धुक्षयितारौ | धुक्षयितारः |
| धुक्षयितासि | धुक्षयितास्थः | धुक्षयितास्थ |
| धुक्षयितास्मि | धुक्षयितास्वः | धुक्षयितास्मः |
| भ० धुक्षयिष्यति | धुक्षयिष्यतः | धुक्षयिष्यन्ति |
| धुक्षयिष्यसि | धुक्षयिष्यथः | धुक्षयिष्यथ |
| धुक्षयिष्यामि | धुक्षयिष्यावः | धुक्षयिष्यामः |
| क्रि० अधुक्षयिष्यत् | अधुक्षयिष्यताम् | अधुक्षयिष्यन् |
| अधुक्षयिष्यः | अधुक्षयिष्यतम् | अधुक्षयिष्यत |
| अधुक्षयिष्यम् | अधुक्षयिष्याव | अधुक्षयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० धुक्षयते | धुक्षयेते | धुक्षयन्ते |
| धुक्षयसे | धुक्षयेथे | धुक्षयध्वे |
| धुक्षये | धुक्षयावहे | धुक्षयामहे |
| स० धुक्षयेत् | धुक्षयेयाताम् | धुक्षयेरन् |
| धुक्षयेथाः | धुक्षयेयाथाम् | धुक्षयेध्वम् |
| धुक्षयेय | धुक्षयेवहि | धुक्षयेमहि |
| प० धुक्षयताम् | धुक्षयेताम् | धुक्षयन्ताम् |
| धुक्षयस्व | धुक्षयेथाम् | धुक्षयध्वम् |
| धुक्षये | धुक्षयावहे | धुक्षयामहे |
| ह्य० अधुक्षयत | अधुक्षयेताम् | अधुक्षयन्त |
| अधुक्षयथाः | अधुक्षयेथाम् | अधुक्षयध्वम् |
| अधुक्षये | अधुक्षयावहि | अधुक्षयामहि |
| अ० अदुधुक्षत | अदुधुक्षेताम् | अदुधुक्षन्त |
| अदुधुक्षथाः | अदुधुक्षेथाम् | अदुधुक्षध्वम् |
| अदुधुक्षे | अदुधुक्षावहि | अदुधुक्षामहि |
| प० धुक्षयाञ्चके | धुक्षयाञ्चकाते | धुक्षयाञ्चकिरे |
| धुक्षयाञ्चकृषे | धुक्षयाञ्चकाये | धुक्षयाञ्चकृदवे |
| धुक्षयाञ्चके | धुक्षयाञ्चकृवहे | धुक्षयाञ्चकृमहे |
| धुक्षयाम्बभूव | । | धुक्षयामास |
| आ० धुक्षयिषीष्ट | धुक्षयिषीयास्ताम् | धुक्षयिषीरन् |
| धुक्षयिषीष्टाः | धुक्षयिषीयास्थाम् | धुक्षयिषीध्वम् |
| धुक्षयिषीय | धुक्षयिषीवहि | धुक्षयिषीमहि |
| भ० धुक्षयिता | धुक्षयितारौ | धुक्षयितारः |
| धुक्षयितासे | धुक्षयितासांथ | धुक्षयिताध्वे |
| धुक्षयिताहे | धुक्षयितास्वहे | धुक्षयितास्महे |
| भ० धुक्षयिष्यते | धुक्षयिष्येते | धुक्षयिष्यन्ते |
| धुक्षयिष्यसे | धुक्षयिष्येथे | धुक्षयिष्यध्वे |
| धुक्षयिष्ये | धुक्षयिष्यावहे | धुक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अधुक्षयिष्यत् | अधुक्षयिष्येताम् | अधुक्षयिष्यन्त |
| अधुक्षयिष्यथाः | अधुक्षयिष्येथाम् | अधुक्षयिष्यध्वम् |
| अधुक्षयिष्ये | अधुक्षयिष्यावहि | अधुक्षयिष्यामहि |

877 धिस्ति (धिस्) संदीपनक्लेशनजीवनेषु

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | धिक्षयति | धिक्षयतः | धिक्षयन्ति |
| | धिक्षयसि | धिक्षयथः | धिक्षयथ |
| | धिक्षयामि | धिक्षयावः | धिक्षयामः |
| उ० | धिक्षयेत् | धिक्षयेताम् | धिक्षयेयुः |
| | धिक्षयेः | धिक्षयेतम् | धिक्षयेत |
| | धिक्षयेयम् | धिक्षयेव | धिक्षयेम |
| प० | धिक्षयतु | धिक्षयतात् | धिक्षयताम् |
| | धिक्षय | धिक्षयतात् | धिक्षयतम् |
| | धिक्षयाणि | धिक्षयाव | धिक्षयाम |
| ह्य० | अधिक्षयत् | अधिक्षयताम् | अधिक्षयन् |
| | अधिक्षयः | अधिक्षयतम् | अधिक्षयत |
| | अधिक्षयम् | अधिक्षयाव | अधिक्षयाम |
| अ० | अदिधिक्षत् | अदिधिक्षताम् | अदिधिक्षन् |
| | अदिधिक्षः | अदिधिक्षतम् | अदिधिक्षत |
| | अदिधिक्षम् | अदिधिक्षाव | अदिधिक्षाम |
| प० | धिक्षयाञ्चकार | धिक्षयाञ्चकतुः | धिक्षयाञ्चकुः |
| | धिक्षयाञ्चक्ये | धिक्षयाञ्चकथुः | धिक्षयाञ्चक |
| | धिक्षयाञ्चकार-चकर | धिक्षयाञ्चकृव | धिक्षयाञ्चकम् |
| | धिक्षयाञ्चभूव | धिक्षयामास | |
| भा० | धिक्षयात् | धिक्षयास्ताम् | धिक्षयासुः |
| | धिक्ष्याः | धिक्ष्यास्तम् | धिक्ष्यास्त |
| | धिक्ष्यासम् | धिक्ष्यास्व | धिक्ष्यास्म |
| श्र० | धिक्षयिता | धिक्षयितारौ | धिक्षयितारः |
| | धिक्षयितासि | धिक्षयितास्थः | धिक्षयितास्थ |
| | धिक्षयितास्मि | धिक्षयितास्वः | धिक्षयितास्मः |
| भ० | धिक्षयिष्यति | धिक्षयिष्यतः | धिक्षयिष्यन्ति |
| | धिक्षयिष्यसि | धिक्षयिष्यथः | धिक्षयिष्यथ |
| | धिक्षयिष्यामि | धिक्षयिष्यावः | धिक्षयिष्यामः |
| क्रि० | अधिक्षयिष्यत् | अधिक्षयिष्यताम् | अधिक्षयिष्यन् |
| | अधिक्षयिष्यः | अधिक्षयिष्यतम् | अधिक्षयिष्यत |
| | अधिक्षयिष्यम् | अधिक्षयिष्याव | अधिक्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | धिक्षयते | धिक्षयेते | धिक्षयन्ते |
| | धिक्षयसे | धिक्षयेथे | धिक्षयन्वे |
| | धिक्षये | धिक्षयावहे | धिक्षयामहे |
| स० | धिक्षयेत | धिक्षयेयाताम् | धिक्षयेरन् |
| | धिक्षयेथाः | धिक्षयेयाथाम् | धिक्षयेष्वम् |
| | धिक्षयेय | धिक्षयेवहि | धिक्षयेमहि |
| प० | धिक्षयताम् | धिक्षयेताम् | धिक्षयन्ताम् |
| | धिक्षयस्व | धिक्षयेथाम् | धिक्षयेष्वम् |
| | धिक्षयै | धिक्षयावहै | धिक्षयामहै |
| ह्य० | अधिक्षयत | अधिक्षयेताम् | अधिक्षयन्त |
| | अधिक्षयथाः | अधिक्षयेथाम् | अधिक्षयेष्वम् |
| | अधिक्षये | अधिक्षयावहि | अधिक्षयामहि |
| अ० | अदिधिक्षत | अदिधिक्षेताम् | अदिधिक्षन्त |
| | अदिधिक्षथाः | अदिधिक्षेथाम् | अदिधिक्षेष्वम् |
| | अदिधिक्षे | अदिधिक्षावहि | अदिधिक्षामहि |
| प० | धिक्षयाञ्चके | धिक्षयाञ्चकाते | धिक्षयाञ्चकिरे |
| | धिक्षयाञ्चकृषे | धिक्षयाञ्चकाये | धिक्षयाञ्चकृवै |
| | धिक्षयाञ्चके | धिक्षयाञ्चकवहे | धिक्षयाञ्चकमहे |
| | धिक्षयाञ्चभूव | धिक्षयामास | |
| आ० | धिक्षयिषीष्ट | धिक्षयिषीयास्ताम् | धिक्षयिषीरन् |
| | धिक्षयिषीष्टाः | धिक्षयिषीयास्थाम् | धिक्षयिषीढ्वम् |
| | धिक्षयिषीय | धिक्षयिषीवहि | धिक्षयिषीमहि |
| ध० | धिक्षयिता | धिक्षयितारौ | धिक्षयितारः |
| | धिक्षयितासे | धिक्षयितासाथे | धिक्षयितास्वै |
| | धिक्षयिताहे | धिक्षयितावहे | धिक्षयितामहे |
| भ० | धिक्षयिष्यते | धिक्षयिष्येते | धिक्षयिष्यन्ते |
| | धिक्षयिष्यसे | धिक्षयिष्येथे | धिक्षयिष्यन्वे |
| | धिक्षयिष्ये | धिक्षयिष्यावहे | धिक्षयिष्यामहे |
| क्रि० | अधिक्षयिष्यत् | अधिक्षयिष्येताम् | अधिक्षयिष्यन्त |
| | अधिक्षयिष्यथाः | अधिक्षयिष्येथाम् | अधिक्षयिष्येष्वम् |
| | अधिक्षयिष्ये | अधिक्षयिष्यावहि | अधिक्षयिष्यामहि |

878 वृक्षि (वृक्ष्) वरणे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० वृक्षयति | वृक्षयतः | वृक्षयन्ति |
| वृक्षयसि | वृक्षयथः | वृक्षयथ |
| वृक्षयामि | वृक्षयावः | वृक्षयाम |
| स० वृक्षयेत् | वृक्षयेताम् | वृक्षयेयुः |
| वृक्षयेः | वृक्षयेतम् | वृक्षयेत |
| वृक्षयेयम् | वृक्षयेव | वृक्षयेम |
| प० वृक्षयतु | वृक्षयतात् | वृक्षयताम् |
| वृक्षय | वृक्षयतात् | वृक्षयतम् |
| वृक्षयाणि | वृक्षयाव | वृक्षयाम |
| ह्य० अवृक्षयत् | अवृक्षयताम् | अवृक्षयन् |
| अवृक्षयः | अवृक्षयतम् | अवृक्षयत |
| अवृक्षयम् | अवृक्षयाव | अवृक्षयाम |
| अ० अववृक्षत् | अववृक्षताम् | अववृक्षन् |
| अववृक्षः | अववृक्षतम् | अववृक्षत |
| अववृक्षम् | अववृक्षाव | अववृक्षाम |
| प० वृक्षयाञ्चकार | वृक्षयाञ्चकतुः | वृक्षयाञ्चकुः |
| वृक्षयाञ्चक्य | वृक्षयाञ्चक्युः | वृक्षयाञ्चक |
| वृक्षयाञ्चकार-चकर | वृक्षयाञ्चकव | वृक्षयाञ्चकम् |
| वृक्षयाञ्चभूव | वृक्षयामास | |
| आ० वृक्ष्यात् | वृक्ष्यास्ताम् | वृक्ष्यासुः |
| वृक्ष्याः | वृक्ष्यास्तम् | वृक्ष्यास्त |
| वृक्ष्यासम् | वृक्ष्यास्व | वृक्ष्यासम् |
| श्व० वृक्षयिता | वृक्षयितारो | वृक्षयितारः |
| वृक्षयितासि | वृक्षयितास्थः | वृक्षयितास्थ |
| वृक्षयितास्मि | वृक्षयितास्वः | वृक्षयितास्मः |
| अ० वृक्षयिष्यति | वृक्षयिष्यतः | वृक्षयिष्यन्ति |
| वृक्षयिष्यसि | वृक्षयिष्यथः | वृक्षयिष्यथ |
| वृक्षयिष्यामि | वृक्षयिष्यावः | वृक्षयिष्यामः |
| क्रि० अवृक्षयिष्यत् | अवृक्षयिष्यताम् | अवृक्षयिष्यन् |
| अवृक्षयिष्यः | अवृक्षयिष्यतम् | अवृक्षयिष्यत |
| अवृक्षयिष्यम् | अवृक्षयिष्याव | अवृक्षयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| व० वृक्षयते | वृक्षयेते | वृक्षयन्ते |
| वृक्षयसे | वृक्षयेथे | वृक्षयन्थे |
| वृक्षये | वृक्षयावहे | वृक्षयामहे |
| स० वृक्षयेत | वृक्षयेयाताम् | वृक्षयेरन् |
| वृक्षयेथाः | वृक्षयेयाथाम् | वृक्षयेथ्वम् |
| वृक्षयेय | वृक्षयेवहि | वृक्षयेमहि |
| प० वृक्षयताम् | वृक्षयेताम् | वृक्षयन्ताम् |
| वृक्षयस्व | वृक्षयेथाम् | वृक्षयन्थ्वम् |
| वृक्षये | वृक्षयावहे | वृक्षयामहे |
| ह्य० अवृक्षयत | अवृक्षयेताम् | अवृक्षयन्त |
| अवृक्षयथाः | अवृक्षयेथाम् | अवृक्षयन्थ्वम् |
| अवृक्षये | अवृक्षयावहि | अवृक्षयामहि |
| अ० अववृक्षत | अववृक्षेताम् | अववृक्षन्त |
| अववृक्षथाः | अववृक्षेथाम् | अववृक्षन्थ्वम् |
| अववृक्षे | अववृक्षावहि | अववृक्षामहि |
| प० वृक्षयाञ्चक्रे | वृक्षयाञ्चक्रेते | वृक्षयाञ्चक्रे |
| वृक्षयाञ्चक्रेषे | वृक्षयाञ्चक्रेथे | वृक्षयाञ्चक्रेथ्वे |
| वृक्षयाञ्चक्रे | वृक्षयाञ्चक्रेवहे | वृक्षयाञ्चक्रेमहे |
| वृक्षयाञ्चभूव | वृक्षयाञ्चमाम | |
| आ० वृक्षयिषीष्ट | वृक्षयिषीयास्ताम् | वृक्षयिषीरन् |
| वृक्षयिषीष्टाः | वृक्षयिषीयास्थाम् | वृक्षयिषीह्वम् |
| वृक्षयिषीय | वृक्षयिषीवहि | वृक्षयिषीमहि |
| श्व० वृक्षयिता | वृक्षयितारो | वृक्षयितारः |
| वृक्षयितासे | वृक्षयितासाथे | वृक्षयिताथ्वे |
| वृक्षयिताहे | वृक्षयितास्वहे | वृक्षयितास्महे |
| अ० वृक्षयिष्यते | वृक्षयिष्येते | वृक्षयिष्यन्ते |
| वृक्षयिष्यसे | वृक्षयिष्येथे | वृक्षयिष्यन्थ्वे |
| वृक्षयिष्ये | वृक्षयिष्यावहे | वृक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अवृक्षयिष्यत | अवृक्षयिष्येताम् | अवृक्षयिष्यन्त |
| अवृक्षयिष्यथाः | अवृक्षयिष्येथाम् | अवृक्षयिष्यन्थ्वम् |
| अवृक्षयिष्ये | अवृक्षयिष्यावहि | अवृक्षयिष्यामहि |

879 शिक्षि (शिक्ष) विद्योपादाने ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० शिक्षयति | शिक्षयतः | शिक्षयन्ति |
| शिक्षयसि | शिक्षयथः | शिक्षयथ |
| शिक्षयामि | शिक्षयावः | शिक्षयामः |
| स० शिक्षयेत् | शिक्षयेताम् | शिक्षयेयुः |
| शिक्षयेः | शिक्षयेतम् | शिक्षयेत |
| शिक्षयेयम् | शिक्षयेव | शिक्षयेम |
| प० शिक्षयतु | शिक्षयतात् | शिक्षयताम् |
| शिक्षय | शिक्षयतात् | शिक्षयतम् |
| शिक्षयाणि | शिक्षयाव | शिक्षयाम |
| ल० अशिक्षयत् | अशिक्षयताम् | अशिक्षयन् |
| अशिक्षयः | अशिक्षयतम् | अशिक्षयत |
| अशिक्षयम् | अशिक्षयाव | अशिक्षयाम |
| अ० अशि शिक्षत् | अशि शिक्षताम् | अशि शिक्षन् |
| अशि शिक्षः | अशि शिक्षतम् | अशि शिक्षत |
| अशि शिक्षम् | अशि शिक्षाव | अशि शिक्षाम |
| प० शिक्षयाञ्चकार | शिक्षयाञ्चकतुः | शिक्षयाञ्चकुः |
| शिक्षयाञ्चकथं | शिक्षयाञ्चकथुः | शिक्षयाञ्चक |
| शिक्षयाञ्चकार-चकर | शिक्षयाञ्चकव | शिक्षयाञ्चकम् |
| शिक्षयाञ्चभूव | । | शिक्षयामास |
| आ० शिक्ष्यात् | शिक्ष्यास्ताम् | शिक्ष्यामुः |
| शिक्ष्याः | शिक्ष्यास्तम् | शिक्ष्यास्त |
| शिक्ष्यासम् | शिक्ष्यास्व | शिक्ष्यास्म |
| श्र० शिक्षयिता | शिक्षयितारो | शिक्षयितारः |
| शिक्षयितासि | शिक्षयितास्थः | शिक्षयितास्थ |
| शिक्षयितास्मि | शिक्षयितास्वः | शिक्षयितास्मः |
| भ० शिक्षयिष्यति | शिक्षयिष्यतः | शिक्षयिष्यन्ति |
| शिक्षयिष्यसि | शिक्षयिष्यथः | शिक्षयिष्यथ |
| शिक्षयिष्यामि | शिक्षयिष्यावः | शिक्षयिष्यामः |
| क्रि० अशिक्षयिष्यत् | अशिक्षयिष्यताम् | अशिक्षयिष्यन् |
| अशिक्षयिष्यः | अशिक्षयिष्यतम् | अशिक्षयिष्यत |
| अशिक्षयिष्यम् | अशिक्षयिष्याव | अशिक्षयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० शिक्षयते | शिक्षयेते | शिक्षयन्ते |
| शिक्षयसे | शिक्षयेथे | शिक्षयध्वे |
| शिक्षये | शिक्षयावहे | शिक्षयामहे |
| स० शिक्षयेत | शिक्षयेयाताम् | शिक्षयेरन् |
| शिक्षयेथाः | शिक्षयेयाथाम् | शिक्षयेध्वम् |
| शिक्षयेय | शिक्षयेवहि | शिक्षयेमहि |
| प० शिक्षयताम् | शिक्षयेताम् | शिक्षयन्ताम् |
| शिक्षयेस्व | शिक्षयेथाम् | शिक्षयध्वम् |
| शिक्षये | शिक्षयावहे | शिक्षयामहे |
| ल० अशिक्षयत | अशिक्षयेताम् | अशिक्षयन्त |
| अशिक्षयथाः | अशिक्षयेथाम् | अशिक्षयध्वम् |
| अशिक्षये | अशिक्षयावहि | अशिक्षयामहि |
| अ० अशि शिक्षत | अशि शिक्षताम् | अशि शिक्षन्त |
| अशि शिक्षथाः | अशि शिक्षथाम् | अशि शिक्षध्वम् |
| अशि शिक्षे | अशि शिक्षावहि | अशि शिक्षामहि |
| प० शिक्षयाञ्चके | शिक्षयाञ्चकते | शिक्षयाञ्चक्रे |
| शिक्षयाञ्चकृषे | शिक्षयाञ्चकृषे | शिक्षयाञ्चकृष्वे |
| शिक्षयाञ्चके | शिक्षयाञ्चकृवहे | शिक्षयाञ्चकृमहे |
| शिक्षयाञ्चभूव | । | शिक्षयाञ्चमाम |
| आ० शिक्षयिषीष्ट | शिक्षयिषीयास्ताम् | शिक्षयिषीरन् |
| शिक्षयिषीष्ठाः | शिक्षयिषीरन्ताम् | शिक्षयिषीध्वम् |
| शिक्षयिषीय | शिक्षयिषीवहि | शिक्षयिषीमहि |
| श्र० शिक्षयिता | शिक्षयितारो | शिक्षयितारः |
| शिक्षयितामे | शिक्षयितासाथे | शिक्षयिताध्वे |
| शिक्षयिताहे | शिक्षयितास्वहे | शिक्षयितास्महे |
| भ० शिक्षयिष्यते | शिक्षयिष्येते | शिक्षयिष्यन्ते |
| शिक्षयिष्यसे | शिक्षयिष्येथे | शिक्षयिष्यध्वे |
| शिक्षयिष्ये | शिक्षयिष्यावहे | शिक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अशिक्षयिष्यत | अशिक्षयिष्येताम् | अशिक्षयिष्यन्त |
| अशिक्षयिष्यथाः | अशिक्षयिष्येथाम् | अशिक्षयिष्यध्वम् |
| अशिक्षयिष्ये | अशिक्षयिष्यावहि | अशिक्षयिष्यामहि |

880 भिक्षि (भिक्षु) याञ्चयाम् ।

| | | | |
|------|-------------------|----------------|---------------|
| व० | भिक्षयति | भिक्षयतः | भिक्षयन्ति |
| | भिक्षयसि | भिक्षयथः | भिक्षयथ |
| | भिक्षयामि | भिक्षयावः | भिक्षयामः |
| स० | भिक्षयेत् | भिक्षयेताम् | भिक्षयेयुः |
| | भिक्षयेः | भिक्षयेतम् | भिक्षयेत |
| | भिक्षयेयम् | भिक्षयेव | भिक्षयेम |
| प० | भिक्षयतु | भिक्षयतात् | भिक्षयन्तु |
| | भिक्षय | भिक्षयतात् | भिक्षयत |
| | भिक्षयाणि | भिक्षयाव | भिक्षयाम |
| ह्य० | अभिक्षयत् | अभिक्षयताम् | अभिक्षयन् |
| | अभिक्षयः | अभिक्षयतम् | अभिक्षयत |
| | अभिक्षयम् | अभिक्षयाव | अभिक्षयाम |
| अ० | अभिमिक्षत् | अभिमिक्षताम् | अभिमिक्षन् |
| | अभिमिक्षः | अभिमिक्षतम् | अभिमिक्षत |
| | अभिमिक्षम् | अभिमिक्षाव | अभिमिक्षाम |
| प० | भिक्षयाञ्चकार | भिक्षयाञ्चकतुः | भिक्षयाञ्चकुः |
| | भिक्षयाञ्चकथं | भिक्षयाञ्चकथुः | भिक्षयाञ्चक |
| | भिक्षयाञ्चकार-चकर | भिक्षयाञ्चकृव | भिक्षयाञ्चकृम |

भिक्षयाम्भूव । भिक्षयामास

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|----------------|
| आ० | भिक्ष्यात् | भिक्ष्यास्ताम् | भिक्ष्यास्तुः |
| | भिक्ष्याः | भिक्ष्यास्तम् | भिक्ष्यास्त |
| | भिक्ष्यासम् | भिक्ष्यास्व | भिक्ष्यास्म |
| ध० | भिक्षयिता | भिक्षयितारौ | भिक्षयितारः |
| | भिक्षयितासि | भिक्षयितास्थः | भिक्षयितास्थ |
| | भिक्षयितास्मि | भिक्षयितास्वः | भिक्षयितास्मः |
| भ० | भिक्षयिष्यति | भिक्षयिष्यतः | भिक्षयिष्यन्ति |
| | भिक्षयिष्यसि | भिक्षयिष्यथः | भिक्षयिष्यथ |
| | भिक्षयिष्यामि | भिक्षयिष्यावः | भिक्षयिष्यामः |
| क्रि० | अभिक्षयिष्यत् | अभिक्षयिष्यताम् | अभिक्षयिष्यन् |
| | अभिक्षयिष्यः | अभिक्षयिष्यतम् | अभिक्षयिष्यत |
| | अभिक्षयिष्यम् | अभिक्षयिष्याव | अभिक्षयिष्याम |

| | | | |
|------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | भिक्षयते | भिक्षयते | भिक्षयन्ते |
| | भिक्षयसे | भिक्षयेथे | भिक्षयध्वे |
| | भिक्षये | भिक्षयावहे | भिक्षयामहे |
| स० | भिक्षयेत | भिक्षयेयाताम् | भिक्षयेरन् |
| | भिक्षयेथाः | भिक्षयेयाथाम् | भिक्षयेष्वम् |
| | भिक्षयेय | भिक्षेवहि | भिक्षयेमहि |
| प० | भिक्षयताम् | भिक्षयेताम् | भिक्षयन्ताम् |
| | भिक्षयस्व | भिक्षयेथाम् | भिक्षयध्वम् |
| | भिक्षये | भिक्षयावहे | भिक्षयामहे |
| ह्य० | अभिक्षयत | अभिक्षयेताम् | अभिक्षयन्त |
| | अभिक्षयथाः | अभिक्षयेथाम् | अभिक्षयध्वम् |
| | अभिक्षये | अभिक्षयावहि | अभिक्षयामहि |
| अ० | अविभिक्षत | अविभिक्षताम् | अविभिक्षन्त |
| | अविभिक्षथाः | अविभिक्षयाम् | अविभिक्षध्वम् |
| | अविभिक्षे | अविभिक्षावहि | अविभिक्षामहि |
| प० | भिक्षयाञ्चके | भिक्षयाञ्चकते | भिक्षयाञ्चक्रे |
| | भिक्षयाञ्चकुषे | भिक्षयाञ्चकाथे | भिक्षयाञ्चकुड्वे |
| | भिक्षयाञ्चके | भिक्षयाञ्चकृवहे | भिक्षयाञ्चकृमहे |

भिक्षयाम्भूव । भिक्षयामास

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| आ० | भिक्षयिषीष्ट | भिक्षयिषीयास्ताम् | भिक्षयिषीरन् |
| | भिक्षयिषीष्टाः | भिक्षयिषीयास्थाम् | भिक्षयिषीड्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | भिक्षयिषीय | भिक्षयिषीवहि | भिक्षयिषीमहि |
| ध० | भिक्षयिता | भिक्षयितारौ | भिक्षयितारः |
| | भिक्षयितासे | भिक्षयितासाथे | भिक्षयिताध्वे |
| | भिक्षयिताहे | भिक्षयितावहे | भिक्षयितास्महे |
| भ० | भिक्षयिष्यते | भिक्षयिष्येत् | भिक्षयिष्यन्ते |
| | भिक्षयिष्यसे | भिक्षयिष्येथे | भिक्षयिष्यध्वे |
| | भिक्षयिष्ये | भिक्षयिष्यावहे | भिक्षयिष्यामहे |
| क्रि० | अभिक्षयिष्यत् | अभिक्षयिष्येताम् | अभिक्षयिष्यन्त |
| | अभिक्षयिष्यथाः | अभिक्षयिष्येथाम् | अभिक्षयिष्यध्वम् |
| | अभिक्षयिष्ये | अभिक्षयिष्यावहि | अभिक्षयिष्यामहि |

४४१ दीक्षि (दीक्ष्) मौ० ङ्येज्योपनयननि-
यमव्रतादेशेषु ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० दीक्षयति | दीक्षयतः | दीक्षयन्ति |
| दीक्षयसि | दीक्षयथः | दीक्षयथ |
| दीक्षयामि | दीक्षयामः | दीक्षयामः |
| स० दीक्षयेत् | दीक्षयेताम् | दीक्षयेयुः |
| दीक्षयेः | दीक्षयेतम् | दीक्षयेत |
| दीक्षयेयम् | दीक्षयेव | दीक्षयेम |
| प० दीक्षयतु | दीक्षयतात् | दीक्षयन्तु |
| दीक्षय | दीक्षयतात् | दीक्षयत |
| दीक्षयाणि | दीक्षयाव | दीक्षयाम |
| ह्य० अदीक्षयत् | अदीक्षयताम् | अदीक्षयन् |
| अदीक्षयः | अदीक्षयतम् | अदीक्षयत |
| अदीक्षयम् | अदीक्षयव | अदीक्षयाम |
| अ० अदिदीक्षत् | अदिदीक्षताम् | अदिदीक्षन् |
| अदिदीक्षः | अदिदीक्षतम् | अदिदीक्षत |
| अदिदीक्षम् | अदिदीक्षव | अदिदीक्षाम |
| प० दीक्षयाञ्चकार | दीक्षयाञ्चकतुः | दीक्षयाञ्चकुः |
| दीक्षयाञ्चकथे | दीक्षयाञ्चकथुः | दीक्षयाञ्चक |
| दीक्षयाञ्चकार-चकर | दीक्षयाञ्चकव | दीक्षयाञ्चकम् |
| दीक्षयाम्बभूव | दीक्षयामास | |
| आ० दीक्ष्यात् | दीक्ष्यास्ताम् | दीक्ष्यास्म |
| दीक्ष्याः | दीक्ष्यास्तम् | दीक्ष्यास्त |
| दीक्ष्यासम् | दीक्ष्यास्व | दीक्ष्यास्म |
| अ० दीक्षयिता | दीक्षयितारौ | दीक्षयितारः |
| दीक्षयितासि | दीक्षयितास्थः | दीक्षयितास्थ |
| दीक्षयितास्मि | दीक्षयितास्वः | दीक्षयितास्मः |
| अ० दीक्षयिष्यति | दीक्षयिष्यतः | दीक्षयिष्यन्ति |
| दीक्षयिष्यसि | दीक्षयिष्यथः | दीक्षयिष्यथ |
| दीक्षयिष्यामि | दीक्षयिष्यावः | दीक्षयिष्यामः |
| क्रि० अदीक्षयिष्यत् | अदीक्षयिष्यताम् | अदीक्षयिष्यन् |
| अदीक्षयिष्यः | अदीक्षयिष्यतम् | अदीक्षयिष्यत |
| अदीक्षयिष्यम् | अदीक्षयिष्याव | अदीक्षयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० दीक्षयते | दीक्षयते | दीक्षयन्ते |
| दीक्षयसे | दीक्षयेथे | दीक्षयध्वे |
| दीक्षये | दीक्षयावहे | दीक्षयामहे |
| स० दीक्षयेत | दीक्षयेयाताम् | दीक्षयेरन् |
| दीक्षयेथाः | दीक्षयेयाथाम् | दीक्षयेध्वम् |
| दीक्षयेय | दीक्षयेवहि | दीक्षयेमहि |
| प० दीक्षयताम् | दीक्षयेताम् | दीक्षयन्ताम् |
| दीक्षयस्व | दीक्षयेथाम् | दीक्षयध्वम् |
| दीक्षयै | दीक्षयावहै | दीक्षयामहै |
| ह्य० अदीक्षयत | अदीक्षयेताम् | अदीक्षयन्त |
| अदीक्षयथाः | अदीक्षयेथाम् | अदीक्षयध्वम् |
| अदीक्षये | अदीक्षयावहि | अदीक्षयामहि |
| अ० अदिदीक्षत | अदिदीक्षेताम् | अदिदीक्षन्त |
| अदिदीक्षथाः | अदिदीक्षेथाम् | अदिदीक्षध्वम् |
| अदिदीक्षे | अदिदीक्षावहि | अदिदीक्षामहि |
| प० दीक्षयाञ्चक्रे | दीक्षयाञ्चकाते | दीक्षयाञ्चकिरे |
| दीक्षयाञ्चक्रे | दीक्षयाञ्चकाथे | दीक्षयाञ्चकृध्वे |
| दीक्षयाञ्चक्रे | दीक्षयाञ्चकृवहे | दीक्षयाञ्चकृमहे |
| दीक्षयाम्बभूव | दीक्षयामास | |
| आ० दीक्षयिषीष्ट | दीक्षयिषीयास्ताम् | दीक्षयिषीरन् |
| दीक्षयिषीष्टाः | दीक्षयिषीयास्थाम् | दीक्षयिषीध्वम् |
| दीक्षयिषीय | दीक्षयिषीवहि | दीक्षयिषीमहि |
| अ० दीक्षयिता | दीक्षयितारौ | दीक्षयितारः |
| दीक्षयितासे | दीक्षयितासाथे | दीक्षयिताध्वे |
| दीक्षयिताहे | दीक्षयितास्वहे | दीक्षयितास्महे |
| अ० दीक्षयिष्यते | दीक्षयिष्येते | दीक्षयिष्यन्ते |
| दीक्षयिष्यसे | दीक्षयिष्येथे | दीक्षयिष्यध्वे |
| दीक्षयिष्ये | दीक्षयिष्यावहे | दीक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अदीक्षयिष्यत | अदीक्षयिष्येताम् | अदीक्षयिष्यन्त |
| अदीक्षयिष्यथाः | अदीक्षयिष्येथाम् | अदीक्षयिष्यध्वम् |
| अदीक्षयिष्ये | अदीक्षयिष्यावहि | अदीक्षयिष्यामहि |

८३२ ईक्षि (ईक्ष्) दर्शने ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | ईक्षयति | ईक्षयतः | ईक्षयन्ति |
| | ईक्षयसि | ईक्षयथः | ईक्षयथ |
| | ईक्षयामि | ईक्षयावः | ईक्षयामः |
| स० | ईक्षयेत् | ईक्षयेताम् | ईक्षयेयुः |
| | ईक्षयेः | ईक्षयेतम् | ईक्षयेत |
| | ईक्षयेयम् | ईक्षयेव | ईक्षयेम |
| प० | ईक्षयतु | ईक्षयतात् | ईक्षयताम् |
| | ईक्षय | ईक्षयतात् | ईक्षयतम् |
| | ईक्षयाणि | ईक्षयाव | ईक्षयाम |
| लृ० | ऐक्षयत् | ऐक्षयताम् | ऐक्षयन् |
| | ऐक्षयः | ऐक्षयतम् | ऐक्षयत |
| | ऐक्षयम् | ऐक्षयाव | ऐक्षयाम |
| भ० | ऐचिक्षत् | ऐचिक्षताम् | ऐचिक्षन् |
| | ऐचिक्षः | ऐचिक्षतम् | ऐचिक्षत |
| | ऐचिक्षम् | ऐचिक्षाव | ऐचिक्षाम |
| प० | ईक्षयाञ्चकार | ईक्षयाञ्चकतुः | ईक्षयाञ्चकुः |
| | ईक्षयाञ्चकथं | ईक्षयाञ्चकथुः | ईक्षयाञ्चक |
| | ईक्षयाञ्चकार-चकर | ईक्षयाञ्चकृव | ईक्षयाञ्चकृम |
| | ईक्षयाम्बभूव | ईक्षयामास | |
| भा० | ईक्ष्यात् | ईक्ष्यास्ताम् | ईक्ष्यासुः |
| | ईक्ष्याः | ईक्ष्यास्तम् | ईक्ष्यास्त |
| | ईक्ष्यासम् | ईक्ष्यास्व | ईक्ष्यासम |
| भ० | ईक्षयिता | ईक्षयितारो | ईक्षयितारः |
| | ईक्षयितासि | ईक्षयितास्थः | ईक्षयितास्थ |
| | ईक्षयितास्मि | ईक्षयितास्वः | ईक्षयितास्मः |
| भ० | ईक्षयिष्यति | ईक्षयिष्यतः | ईक्षयिष्यन्ति |
| | ईक्षयिष्यसि | ईक्षयिष्यथः | ईक्षयिष्यथ |
| | ईक्षयिष्यामि | ईक्षयिष्यावः | ईक्षयिष्यामः |
| क्रि० | ऐक्षयिष्यत् | ऐक्षयिष्यताम् | ऐक्षयिष्यन् |
| | ऐक्षयिष्यः | ऐक्षयिष्यतम् | ऐक्षयिष्यत |
| | ऐक्षयिष्यम् | ऐक्षयिष्याव | ऐक्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|----------------|
| व० | ईक्षयते | ईक्षयते | ईक्षयन्ते |
| | ईक्षयसे | ईक्षयेथे | ईक्षयन्वे |
| | ईक्षये | ईक्षयावहे | ईक्षयामहे |
| स० | ईक्षयेत | ईक्षयेयाताम् | ईक्षयेरन् |
| | ईक्षयेथाः | ईक्षयेयाथाम् | ईक्षयेध्वम् |
| | ईक्षयेय | ईक्षयेवहि | ईक्षयेमहि |
| प० | ईक्षयताम् | ईक्षयेताम् | ईक्षयन्ताम् |
| | ईक्षयस्व | ईक्षयेथाम् | ईक्षयध्वम् |
| | ईक्षये | ईक्षयावहे | ईक्षयामहे |
| लृ० | ऐक्षयत् | ऐक्षयताम् | ऐक्षयन्त |
| | ऐक्षयथाः | ऐक्षयेथाम् | ऐक्षयध्वम् |
| | ऐक्षये | ऐक्षयावहि | ऐक्षयामहि |
| भ० | ऐचिक्षत् | ऐचिक्षताम् | ऐचिक्षन्त |
| | ऐचिक्षथाः | ऐचिक्षेथाम् | ऐचिक्षध्वम् |
| | ऐचिक्षे | ऐचिक्षावहि | ऐचिक्षामहि |
| प० | ईक्षयाञ्चके | ईक्षयाञ्चकते | ईक्षयाञ्चकिरे |
| | ईक्षयाञ्चकृषे | ईक्षयाञ्चकृषे | ईक्षयाञ्चकृवे |
| | ईक्षयाञ्चके | ईक्षयाञ्चकृवहे | ईक्षयाञ्चकृमहे |
| | ईक्षयाम्बभूव | ईक्षयामास | |
| आ० | ईक्षयिषीष्ट | ईक्षयिषीयास्ताम् | ईक्षयिषीरन् |
| | ईक्षयिषीष्ठाः | ईक्षयिषीयास्थाम् | ईक्षयिषीध्वम् |
| | ईक्षयिषीय | ईक्षयिषीवहि | ईक्षयिषीमहि |
| भ० | ईक्षयिता | ईक्षयितारो | ईक्षयितारः |
| | ईक्षयितासे | ईक्षयितासाथे | ईक्षयिताध्वे |
| | ईक्षयिताहे | ईक्षयितास्वहे | ईक्षयितास्महे |
| भ० | ईक्षयिष्यते | ईक्षयिष्येते | ईक्षयिष्यन्ते |
| | ईक्षयिष्यसे | ईक्षयिष्येथे | ईक्षयिष्यन्वे |
| | ईक्षयिष्ये | ईक्षयिष्यावहे | ईक्षयिष्यामहे |
| क्रि० | ऐक्षयिष्यत् | ऐक्षयिष्येताम् | ऐक्षयिष्यन्त |
| | ऐक्षयिष्यथाः | ऐक्षयिष्येथाम् | ऐक्षयिष्यध्वम् |
| | ऐक्षयिष्ये | ऐक्षयिष्यावहि | ऐक्षयिष्यामहि |

883 श्रिग् (श्रि) सेवायाम् ।

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|-----------------|
| व० | श्राययति | श्राययतः | श्राययन्ति |
| | श्राययस्मि | श्राययथः | श्राययथ |
| | श्राययामि | श्राययावः | श्राययामः |
| स० | श्राययेत् | श्राययेताम् | श्राययेयुः |
| | श्राययेः | श्राययेतम् | श्राययेत |
| | श्राययेयम् | श्राययेव | श्राययेम |
| प० | श्राययतु | श्राययतात् | श्राययन्तु |
| | श्रायय | श्राययतात् | श्राययतम् |
| | श्राययाणि | श्राययाव | श्राययाम |
| ह्य० | अश्राययत् | अश्राययताम् | अश्राययन् |
| | अश्राययः | अश्राययतम् | अश्राययत |
| | अश्राययम् | अश्राययाव | अश्राययाम |
| अ० | अशिश्रायत् | अशिश्रायताम् | अशिश्रायन् |
| | अशिश्रायः | अशिश्रायतम् | अशिश्रायत |
| | अशिश्रायम् | अशिश्रायाव | अशिश्रायाम |
| प० | श्राययाञ्चकार | श्राययाञ्चकतुः | श्राययाञ्चकुः |
| | श्राययाञ्चकथ | श्राययाञ्चकथुः | श्राययाञ्चक |
| | श्राययाञ्चकारः | चकर | श्राययाञ्चकृव |
| | श्राययाञ्चकृम | | श्राययाञ्चकृम |
| | श्राययाञ्चभूव | | श्राययामास |
| आ० | श्राय्यात् | श्राय्यास्ताम् | श्राय्यासुः |
| | श्राय्याः | श्राय्यास्तम् | श्राय्यास्त |
| | श्राय्यासम् | श्राय्यास्व | श्राय्यास्म |
| श्र० | श्राययिता | श्राययितारौ | श्राययितारः |
| | श्राययितासि | श्राययितास्थः | श्राययितास्थ |
| | श्राययितास्मि | श्राययितास्वः | श्राययितास्मः |
| अ० | अश्राययिष्यति | अश्राययिष्यतः | अश्राययिष्यन्ति |
| | अश्राययिष्यसि | अश्राययिष्यथः | अश्राययिष्यथ |
| | अश्राययिष्यामि | अश्राययिष्यावः | अश्राययिष्यामः |
| क्रि० | अश्राययिष्यत् | अश्राययिष्यताम् | अश्राययिष्यन् |
| | अश्राययिष्ये | अश्राययिष्यम् | अश्राययिष्यत |
| | अश्राययिष्यम् | अश्राययिष्याव | अश्राययिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | श्राययते | श्राययेते | श्राययन्ते |
| | श्राययसे | श्राययेथे | श्राययध्वे |
| | श्रायये | श्राययावहे | श्राययामहे |
| स० | श्राययेत् | श्राययेताताम् | श्राययेरन् |
| | श्राययेथाः | श्राययेथाथाम् | श्राययेष्वम् |
| | श्राययेथ | श्राययेवहि | श्राययेमहि |
| प० | श्राययताम् | श्राययेताम् | श्राययन्ताम् |
| | श्राययस्व | श्राययेथाम् | श्राययष्वम् |
| | श्राय | श्राययावहे | श्राययामहे |
| ह्य० | अश्राययत | अश्राययेताम् | अश्राययन्त |
| | अश्राययथाः | अश्राययेथाम् | अश्राययष्वम् |
| | अश्रायये | अश्राययावहि | अश्राययामहि |
| अ० | अशिश्रायत | अशिश्रायेताम् | अशिश्रायन्त |
| | अशिश्रायथाः | अशिश्रायेथाम् | अशिश्रायष्वम् |
| | अशिश्राये | अशिश्रायावहि | अशिश्रायामहि |
| प० | श्राययाञ्चके | श्राययाञ्चकते | श्राययाञ्चकिरे |
| | श्राययाञ्चकृषे | श्राययाञ्चकृषे | श्राययाञ्चकृद्वे |
| | श्राययाञ्चके | श्राययाञ्चकृवहे | श्राययाञ्चकृमहे |
| | श्राययाञ्चभूव | | श्राययामास |
| आ० | श्राययिषीष्ट | श्राययिषीयास्ताम् | श्राययिषीरन् |
| | श्राययिषीष्टाः | श्राययिषीयास्थाम् | श्राययिषीद्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | श्राययिषीय | श्राययिषीवहि | श्राययिषीमहि |
| श्र० | श्राययिता | श्राययितारौ | श्राययितारः |
| | श्राययितासे | श्राययितासाथे | श्राययिताध्वे |
| | श्राययिताहे | श्राययितास्वहे | श्राययितास्महे |
| अ० | श्राययिष्यते | श्राययिष्येते | श्राययिष्यन्ते |
| | श्राययिष्यसे | श्राययिष्येथे | श्राययिष्यध्वे |
| | श्राययिष्ये | श्राययिष्यावहे | श्राययिष्यामहे |
| क्रि० | अश्राययिष्यत | अश्राययिष्येताम् | अश्राययिष्यन्त |
| | अश्राययिष्यथाः | अश्राययिष्येथाम् | अश्राययिष्यष्वम् |
| | अश्राययिष्ये | अश्राययिष्यावहि | अश्राययिष्यामहि |

॥ अथ ऋदन्ता श्रुत्वारः ॥

885 हृग् (हृ) हरणे

| | | | |
|-----|-----------------|--------------|-------------|
| व० | हारयति | हारयतः | हारयन्ति |
| | हारयसि | हारयथः | हारयथ |
| | हारयामि | हारयावः | हारयामः |
| स० | हारयेत् | हारयेताम् | हारयेयुः |
| | हारयेः | हारयेतम् | हारयेत |
| | हारयेयम् | हारयेव | हारयेम |
| प० | हारयतु | हारयतात् | हारयताम् |
| | हारय | हारयतम् | हारयत |
| | हारयाणि | हारयाव | हारयाम |
| लृ० | अहारयत् | अहारयताम् | अहारयन् |
| | अहारयः | अहारयतम् | अहारयत |
| | अहारयम् | अहारयाव | अहारयाम |
| अ० | अजीहरत् | अजीहरताम् | अजीहरन् |
| | अजीहरः | अजीहरतम् | अजीहरत |
| | अजीहरम् | अजीहराव | अजीहराम |
| प० | हारयाञ्चकार | हारयाञ्चकतुः | हारयाञ्चकुः |
| | हारयाञ्चकम् | हारयाञ्चकथुः | हारयाञ्चक |
| | हारयाञ्चकार-चकर | हारयाञ्चकव | हारयाञ्चकम् |

हारयाम्बभूव । हारयामास

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| आ० | हार्यात् | हार्यास्ताम् | हार्यायुः |
| | हार्याः | हार्यास्तम् | हार्यास्त |
| | हार्यामम् | हार्यास्व | हार्यास्म |
| अ० | हारयिता | हारयितारौ | हारयितारः |
| | हारयितामि | हारयितास्थः | हारयितास्थ |
| | हारयितास्मि | हारयितास्वः | हारयितास्मः |
| भ० | हारयिष्यति | हारयिष्यतः | हारयिष्यन्ति |
| | हारयिष्यसि | हारयिष्यथः | हारयिष्यथ |
| | हारयिष्यामि | हारयिष्यावः | हारयिष्यामः |
| क्रि० | अहारयिष्यत् | अहारयिष्यताम् | अहारयिष्यन् |
| | अहारयिष्यः | अहारयिष्यतम् | अहारयिष्यत |
| | अहारयिष्यम् | अहारयिष्याव | अहारयिष्याम |

| | | | |
|----|----------|-------------|------------|
| व० | हारयेते | हारयेते | हारयेते |
| | हारयेसे | हारयेये | हारयेवे |
| | हारये | हारयावहे | हारयामहे |
| स० | हारयेत | हारयेयाताम् | हारयेरन् |
| | हारयेथाः | हारयेयाथाम् | हारयेय्वम् |
| | हारयेय | हारयेवहि | हारयेमहि |
| प० | हारयताम् | हारयेताम् | हारयन्ताम् |
| | हारयस्व | हारयेथाम् | हारयस्वम् |
| | हारय | हारयावहे | हारयामहे |

| | | | |
|-----|----------|------------|------------|
| लृ० | अहारयत् | अहारयेताम् | अहारयन्त |
| | अहारयथाः | अहारयेथाम् | अहारयय्वन् |
| | अहारये | अहारयावहि | अहारयामहि |

| | | | |
|----|----------|------------|------------|
| अ० | अजीहरत् | अजीहरेताम् | अजीहरन्त |
| | अजीहरथाः | अजीहरेथाम् | अजीहरय्वम् |
| | अजीहरे | अजीहरावहि | अजीहरामहि |

| | | | |
|----|--------------|---------------|---------------|
| प० | हारयाञ्चके | हारयाञ्चकते | हारयाञ्चकिरे |
| | हारयाञ्चकृषे | हारयाञ्चकृषे | हारयाञ्चकृवे |
| | हारयाञ्चके | हारयाञ्चकृवहे | हारयाञ्चकृमहे |

हारयाम्बभूव । हारयामास

| | | | |
|----|--------------|-----------------|--------------|
| आ० | हारयिषीष्ट | हारयिषीयास्ताम् | हारयिषीरन् |
| | हारयिषीष्ठाः | हारयिषीयास्थाम् | हारयिषीह्वम् |

हारयिषीय । हारयिषीवहि । हारयिषीमहि

| | | | |
|----|-----------|--------------|--------------|
| अ० | हारयिता | हारयितारौ | हारयितारः |
| | हारयितासे | हारयितासाथे | हारयिताध्वे |
| | हारयिताहे | हारयितास्वहे | हारयितास्महे |

| | | | |
|----|------------|--------------|--------------|
| भ० | हारयिष्यते | हारयिष्येत | हारयिष्यन्त |
| | हारयिष्यसे | हारयिष्येये | हारयिष्यध्वे |
| | हारयिष्ये | हारयिष्यावहे | हारयिष्यामहे |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| क्रि० | अहारयिष्यत् | अहारयिष्यताम् | अहारयिष्यन्त |
| | अहारयिष्यथाः | अहारयिष्येथाम् | अहारयिष्यय्वम् |
| | अहारयिष्ये | अहारयिष्यावहि | अहारयिष्यामहि |

886 धृग् (धृ) भरणे

| | | | |
|-------|------------------------|---------------|--------------|
| व० | भारयति | भारयतः | भारयन्ति |
| | भारयसि | भारयथः | भारयथ |
| | भारयामि | भारयावः | भारयामः |
| स० | भारयेत् | भारयेताम् | भारयेयुः |
| | भारयेः | भारयेतम् | भारयेत |
| | भारयेयम् | भारयेव | भारयेम |
| प० | भारयतु | भारयतात् | भारयताम् |
| | भारय | भारयतम् | भारयत |
| | भारयाणि | भारयाव | भारयाम |
| लृ० | अभारयत् | अभारयताम् | अभारयन् |
| | अभारयः | अभारयतम् | अभारयत |
| | अभारयम् | अभारयाव | अभारयाम |
| अ० | अबीभरत् | अबीभरताम् | अबीभरन् |
| | अबीभरः | अबीभरतम् | अबीभरत |
| | अबीभरम् | अबीभराव | अबीभराम |
| क० | भारयाश्चकार | भारयाश्चक्रुः | भारयाश्चकुः |
| | भारयाश्चकथे | भारयाश्चकथुः | भारयाश्चकथ |
| | भारयाश्चकार-चकर | भारयाश्चकृव | भारयाश्चकृम |
| | भारयाम्बभूव । भारयामास | | |
| आ० | भार्यात् | भार्यास्ताम् | भार्यासुः |
| | भार्याः | भार्यास्तम् | भार्यास्त |
| | भार्यासम् | भार्यास्व | भार्यास्म |
| भ० | भारयिता | भारयितारौ | भारयितारः |
| | भारयितासि | भारयितास्थः | भारयितास्थ |
| | भारयितास्मि | भारयितास्वः | भारयितास्मः |
| अ० | भारयिष्यति | भारयिष्यतः | भारयिष्यन्ति |
| | भारयिष्यसि | भारयिष्यथः | भारयिष्यथ |
| | भारयिष्यामि | भारयिष्यावः | भारयिष्यामः |
| क्रि० | अभारयिष्यत् | अभारयिष्यताम् | अभारयिष्यन् |
| | अभारयिष्यः | अभारयिष्यतम् | अभारयिष्यत |
| | अभारयिष्यम् | अभारयिष्याव | अभारयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | भारयेते | भारयेते | भारयन्ते |
| | भारयसे | भारयेथे | भारयध्वे |
| | भारये | भारयावहे | भारयामहे |
| स० | भारयेत | भारयेयाताम् | भारयेरन् |
| | भारयेथाः | भारयेयाधाम् | भारयेध्वम् |
| | भारयेय | भारयेवहि | भारयेमहि |
| प० | भारयताम् | भारयेताम् | भारयन्ताम् |
| | भारयस्व | भारयेधाम् | भारयध्वम् |
| | भारयै | भारयावहै | भारयामहै |
| लृ० | अभारयत | अभारयेताम् | अभारयन्त |
| | अभारयथाः | अभारयेधाम् | अभारयध्वन् |
| | अभारये | अभारयावहि | अभारयामहि |
| अ० | अबीभरत | अबीभरेताम् | अबीभरन्त |
| | अबीभरथाः | अबीभरेधाम् | अबीभरध्वम् |
| | अबीभरे | अबीभरावहि | अबीभरामहि |
| प० | भारयाश्चक्रे | भारयाश्चक्रते | भारयाश्चक्रिरे |
| | भारयाश्चकृषे | भारयाश्चक्रथे | भारयाश्चकृध्वे |
| | भारयाश्चक्रे | भारयाश्चकृवहे | भारयाश्चकृमहे |
| | भारयाश्चभूव । भारयामास | | |
| आ० | भारयिषीष्ट | भारयिषीयास्ताम् | भारयिषीरन् |
| | भारयिषीष्ठाः | भारयिषीयस्थाम् | भारयिषीध्वम् |
| | भारयिषीय | भारयिषीवहि | भारयिषीमहि |
| भ० | भारयिता | भारयितारौ | भारयितारः |
| | भारयितासे | भारयितास्थे | भारयिताध्वे |
| | भारयिताहे | भारयितावहे | भारयितामहे |
| अ० | भारयिष्यते | भारयिष्येते | भारयिष्यन्ते |
| | भारयिष्यसे | भारयिष्येथे | भारयिष्यध्वे |
| | भारयिष्ये | भारयिष्यावहे | भारयिष्यामहे |
| क्रि० | अभारयिष्यत | अभारयिष्येताम् | अभारयिष्यन्त |
| | अभारयिष्यथाः | अभारयिष्येधाम् | अभारयिष्यध्वम् |
| | अभारयिष्ये | अभारयिष्यावहि | अभारयिष्यामहि |

८८८ डुकृङ् (कृ) करणे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | कारयति | कारयतः | कारयन्ति |
| | कारयसि | कारयथः | कारयथ |
| | कारयामि | कारयावः | कारयामः |
| स० | कारयेत् | कारयेताम् | कारयेयुः |
| | कारयेः | कारयेतम् | कारयेत |
| | कारयेयम् | कारयेव | कारयेम |
| प० | कारयतु | कारयतात् | कारयताम् |
| | कारय | ” | कारयतम् |
| | कारयाणि | कारयाव | कारयाम |
| ल० | अकारयत् | अकारयताम् | अकारयन् |
| | अकारयः | अकारयतम् | अकारयत |
| | अकारयम् | अकारयाव | अकारयाम |
| भ० | अचीकृत | अचीकृताम् | अचीकरन् |
| | अचीकरः | अचीकरतम् | अचीकृत |
| | अचीकरम् | अचीकराव | अचीकराम |
| प० | कारयाञ्चकार | कारयाञ्चक्रुः | कारयाञ्चकुः |
| | कारयाञ्चकथं | कारयाञ्चकथुः | कारयाञ्चक |
| | कारयाञ्चकार-चकर | कारयाञ्चकृव | कारयाञ्चकृम |
| | कारयाञ्चभूव | कारयाञ्चभू | कारयाञ्चभू |
| आ० | कार्यात् | कार्यास्ताम् | कार्यासिः |
| | कार्याः | कार्यास्तम् | कार्यास्त |
| | कार्यासम् | कार्यास्व | कार्यास्मि |
| श्व० | कारयिता | कारयितारौ | कारयितारः |
| | कारयितासि | कारयितास्थः | कारयितास्थ |
| | कारयितास्मि | कारयितास्वः | कारयितास्मः |
| भ० | कारयिष्यति | कारयिष्यतः | कारयिष्यन्ति |
| | कारयिष्यसि | कारयिष्यथः | कारयिष्यथ |
| | कारयिष्यामि | कारयिष्यावः | कारयिष्यामः |
| क्रि० | अकारयिष्यत् | अकारयिष्यताम् | अकारयिष्यन् |
| | अकारयिष्यः | अकारयिष्यतम् | अकारयिष्यत |
| | अकारयिष्यम् | अकारयिष्याव | अकारयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | कारयते | कारयते | कारयन्ते |
| | कारयसे | कारयेथे | कारयन्ते |
| | कारये | कारयावहे | कारयामहे |
| स० | कारयेत् | कारयेयताम् | कारयेरन् |
| | कारयेथाः | कारयेयथाम् | कारयेय्वम् |
| | कारयेय | कारयेवहि | कारयेमहि |
| प० | कारयताम् | कारयेताम् | कारयन्ताम् |
| | कारयस्व | कारयेय्वम् | कारयन्वम् |
| | कारयै | कारयावहै | कारयामहै |
| ल० | अकारयत् | अकारयेताम् | अकारयन्त |
| | अकारयथाः | अकारयेथाम् | अकारयन्वन् |
| | अकारये | अकारयावहि | अकारयामहि |
| भ० | अचीकृत | अचीकरेताम् | अचीकरन्त |
| | अचीकरथाः | अचीकरेथाम् | अचीकरन्वम् |
| | अचीकरे | अचीकरावहि | अचीकरामहि |
| प० | कारयाञ्चक्रे | कारयाञ्चकृते | कारयाञ्चक्रिरे |
| | कारयाञ्चकृमे | कारयाञ्चकृये | कारयाञ्चकृवहे |
| | कारयाञ्चक्रे | कारयाञ्चकृवहे | कारयाञ्चकृमहे |
| | कारयाञ्चभूव | कारयाञ्चभू | कारयाञ्चभू |
| आ० | कारयिषीष्ट | कारयिषीयास्ताम् | कारयिषीरन् |
| | कारयिषीष्टः | कारयिषीयास्थाम् | कारयिषीढ्वम् |
| | कारयिषी | कारयिषीवहि | कारयिषीमहि |
| श्व० | कारयिता | कारयितारै | कारयितारः |
| | कारयितासे | कारयितासाथे | कारयितास्व |
| | कारयिताहे | कारयितास्वहे | कारयितास्महे |
| भ० | कारयिष्यते | कारयिष्येते | कारयिष्यन्ते |
| | कारयिष्यसे | कारयिष्येथे | कारयिष्यन्वे |
| | कारयिष्ये | कारयिष्यावहे | कारयिष्यामहे |
| क्रि० | अकारयिष्यत् | अकारयिष्येताम् | अकारयिष्यन्त |
| | अकारयिष्यथः | अकारयिष्येथाम् | अकारयिष्यन्वम् |
| | अकारयिष्ये | अकारयिष्यावहि | अकारयिष्यामहि |

(८३६) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

889 हिक्कि (हिक्क्) अव्यक्ते शब्दे ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| ब० | हिक्कयति | हिक्कयतः | हिक्कयन्ति |
| | हिक्कयसि | हिक्कयथः | हिक्कयथ |
| | हिक्कयामि | हिक्कयावः | हिक्कयामः |
| स० | हिक्कयेत् | हिक्कयेताम् | हिक्कयेयुः |
| | हिक्कयेः | हिक्कयेतम् | हिक्कयेत |
| | हिक्कयेयम् | हिक्कयेव | हिक्कयेम |
| प० | हिक्कयतु | हिक्कयतात् | हिक्कयताम् |
| | हिक्कय | हिक्कयतात् | हिक्कयतम् |
| | हिक्कयानि | हिक्कयाव | हिक्कयाम |
| लृ० | अहिक्कयत् | अहिक्कयताम् | अहिक्कयन् |
| | अहिक्कयः | अहिक्कयतम् | अहिक्कयत |
| | अहिक्कयम् | अहिक्कयाव | अहिक्कयाम |
| अ० | अजिहिक्कत् | अजिहिक्कताम् | अजिहिक्कन् |
| | अजिहिक्कः | अजिहिक्कतम् | अजिहिक्कत |
| | अजिहिक्कम् | अजिहिक्काव | अजिहिक्काम |
| प० | हिक्कयाश्चकर | हिक्कयाश्चकतुः | हिक्कयाश्चकुः |
| | हिक्कयाश्चकयै | हिक्कयाश्चकथुः | हिक्कयाश्चक |
| | हिक्कयाश्चकर-चकर | हिक्कयाश्चकृव | हिक्कयाश्चकृम |
| | हिक्कयाम्बभूव | हिक्कयामास | |
| आ० | हिक्कयात् | हिक्कयास्ताम् | हिक्कयासु |
| | हिक्कयाः | हिक्कयास्तम् | हिक्कयास्त |
| | हिक्कयासम् | हिक्कयास्व | हिक्कयास्म |
| भ० | हिक्कयिता | हिक्कयितारौ | हिक्कयितारः |
| | हिक्कयितासि | हिक्कयितास्थः | हिक्कयितास्थ |
| | हिक्कयितासिम् | हिक्कयितास्वः | हिक्कयितास्मः |
| अ० | हिक्कयिष्यति | हिक्कयिष्यतः | हिक्कयिष्यन्ति |
| | हिक्कयिष्यसि | हिक्कयिष्यथः | हिक्कयिष्यथ |
| | हिक्कयिष्यामि | हिक्कयिष्यावः | हिक्कयिष्यामः |
| क्रि० | अहिक्कयिष्यत् | अहिक्कयिष्यताम् | अहिक्कयिष्यन् |
| | अहिक्कयिष्यः | अहिक्कयिष्यतम् | अहिक्कयिष्यत |
| | अहिक्कयिष्यम् | अहिक्कयिष्याव | अहिक्कयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| ब० | हिक्कयते | हिक्कयेते | हिक्कयन्ते |
| | हिक्कयसे | हिक्कयेथे | हिक्कयध्वे |
| | हिक्कये | हिक्कयावहे | हिक्कयामहे |
| स० | हिक्कयेत | हिक्कयेयाताम् | हिक्कयेरन् |
| | हिक्कयेथाः | हिक्कयेयाथाम् | हिक्कयेध्वम् |
| | हिक्कयेय | हिक्कयेवहि | हिक्कयेमहि |
| प० | हिक्कयताम् | हिक्कयेताम् | हिक्कयन्ताम् |
| | हिक्कयस्व | हिक्कयेथाम् | हिक्कयध्वम् |
| | हिक्कयै | हिक्कयावहे | हिक्कयामहे |
| लृ० | अहिक्कयत | अहिक्कयेताम् | अहिक्कयन्त |
| | अहिक्कयथाः | अहिक्कयेथाम् | अहिक्कयध्वम् |
| | अहिक्कये | अहिक्कयावहि | अहिक्कयामहि |
| अ० | अजिहिक्कत | अजिहिक्केताम् | अजिहिक्कन्त |
| | अजिहिक्कथाः | अजिहिक्केथाम् | अजिहिक्कध्वम् |
| | अजिहिक्के | अजिहिक्कावहि | अजिहिक्कामहि |
| प० | हिक्कयाश्चके | हिक्कयाश्चकाते | हिक्कयाश्चकिरे |
| | हिक्कयाश्चकृषे | हिक्कयाश्चकृषे | हिक्कयाश्चकृष्वे |
| | हिक्कयाश्चके | हिक्कयाश्चकृवहे | हिक्कयाश्चकृमहे |
| | हिक्कयाम्बभूव | हिक्कयामास | |
| आ० | हिक्कयिषीष्ट | हिक्कयिषीयास्ताम् | हिक्कयिषीरन् |
| | हिक्कयिषीष्टः | हिक्कयिषीयास्थाम् | हिक्कयिषीध्वम् |
| | हिक्कयिषी | हिक्कयिषीवहि | हिक्कयिषीमहि |
| भ० | हिक्कयिता | हिक्कयितारौ | हिक्कयितारः |
| | हिक्कयितासे | हिक्कयितासाथे | हिक्कयिताध्वे |
| | हिक्कयिताहे | हिक्कयितास्वहे | हिक्कयितास्महे |
| अ० | हिक्कयिष्यते | हिक्कयिष्येते | हिक्कयिष्यन्ते |
| | हिक्कयिष्यते | हिक्कयिष्येथे | हिक्कयिष्यध्वे |
| | हिक्कयिष्ये | हिक्कयिष्यावहे | हिक्कयिष्यामहे |
| क्रि० | अहिक्कयिष्यत् | अहिक्कयिष्येताम् | अहिक्कयिष्यन्त |
| | अहिक्कयिष्यथाः | अहिक्कयिष्येथाम् | अहिक्कयिष्यध्वम् |
| | अहिक्कयिष्ये | अहिक्कयिष्यावहि | अहिक्कयिष्यामहि |

89। डुयाचृग् (याच्) याञ्चायाम्

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | याचयति | याचयतः | याचयन्ति |
| | याचयसि | याचयथः | याचयथ |
| | याचयामि | याचयावः | याचयामः |
| स० | याचयेत् | याचयेताम् | याचयेयुः |
| | याचयेः | याचयेतम् | याचयेत |
| | याचयेयम् | याचयेव | याचयेम |
| प० | याचयतु | याचयतात् | याचयन्तु |
| | याचय | याचयतम् | याचयत |
| | याचयानि | याचयाव | याचयाम |
| ह्य० | अयाचयत् | अयाचयताम् | अयाचयन् |
| | अयाचयः | अयाचयतम् | अयाचयत |
| | अयाचयम् | अयाचयाव | अयाचयाम |
| अ० | अयीयचत् | अयीयचताम् | अयीयचन् |
| | अयीयचः | अयीयचतम् | अयीयचत |
| | अयीयचम् | अयीयचाव | अयीयचाम |
| प० | याचयाश्चकार | याचयाश्चक्रतुः | याचयाश्चक्रुः |
| | याचयाश्चकर्थ | याचयाश्चक्रथुः | याचयाश्चक्र |
| | याचयाश्चकार चकर | याचयाश्चक्रुव | याचयाश्चक्रुम |
| | याचयाम्भूव | याचयामास | |
| भा० | याच्यात् | याच्यास्ताम् | याच्यासुः |
| | याच्याः | याच्यास्तम् | याच्यास्त |
| | याच्यासम् | याच्यास्व | याच्यासम |
| भ्व० | याचयिता | याचयितारौ | याचयितारः |
| | याचयितासि | याचयितास्थः | याचयितास्थ |
| | याचयितास्मि | याचयितास्वः | याचयितास्मः |
| भ० | याचयिष्यति | याचयिष्यतः | याचयिष्यन्ति |
| | याचयिष्यसि | याचयिष्यथः | याचयिष्यथ |
| | याचयिष्यामि | याचयिष्यावः | याचयिष्यामः |
| क्रि० | अयाचयिष्यत् | अयाचयिष्यताम् | अयाचयिष्यन् |
| | अयाचयिष्यः | अयाचयिष्यतम् | अयाचयिष्यत |
| | अयाचयिष्यम् | अयाचयिष्याव | अयाचयिष्याम |

| | | |
|---------|-----------|---------|
| अययाचत् | अययाचताम् | अययाचन् |
| अययाचः | अययाचतम् | अययाचत |
| अययाचम् | अययाचाव | अययाचाम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|-----------------|
| व० | याचयते | याचयेते | याचयन्ते |
| | याचयसे | याचयेथे | याचयथ्वे |
| | याचये | याचयावहे | याचयामहे |
| स० | याचयेत | याचयेयाताम् | याचयेरन् |
| | याचयेथाः | याचयेयाथाम् | याचयेथ्वम् |
| | याचयेय | याचयेवहि | याचयेमहि |
| प० | याचयताम् | याचयेताम् | याचयन्ताम् |
| | याचयस्व | याचयेथाम् | याचयथ्वम् |
| | याचये | याचयावहे | याचयामहे |
| ह्य० | अयाचयत | अयाचयेताम् | अयाचयन्त |
| | अयाचयथाः | अयाचयेथाम् | अयाचयथ्वम् |
| | अयाचये | अयाचयावहि | अयाचयामहि |
| अ० | अयीयचत् | अयीयचेताम् | अयीयचन्त |
| | अयीयचथाः | अयीयचेथाम् | अयीयचथ्वम् |
| | अयीयचे | अयीयचावहि | अयीयचामहि |
| प० | याचयाश्चक्रे | याचयाश्चक्रते | याचयाश्चक्रिरे |
| | याचयाश्चक्रेषु | याचयाश्चक्राथे | याचयाश्चक्रुव |
| | याचयाश्चक्रे | याचयाश्चक्रुवहे | याचयाश्चक्रुमहे |
| | याचयाम्भूव | याचयामास | |
| भा० | याचयिषीष्ट | याचयिषीयास्ताम् | याचयिषीरन् |
| | याचयिषीष्टाः | याचयिषीयास्थाम् | याचयिषीध्वम् |
| | याचयिषीथ | याचयिषीवहि | याचयिषीमहि |
| भ्व० | याचयिता | याचयितारौ | याचयितारः |
| | याचयितासे | याचयितासथे | याचयिताथ्वे |
| | याचयिताहे | याचयितास्वहे | याचयितास्महे |
| भ० | याचयिष्यते | याचयिष्येते | याचयिष्यन्ते |
| | याचयिष्यसे | याचयिष्येथे | याचयिष्यथ्वे |
| | याचयिष्ये | याचयिष्यावहे | याचयिष्यामहे |
| क्रि० | अयाचयिष्यत् | अयाचयिष्यताम् | अयाचयिष्यन्त |
| | अयाचयिष्यथाः | अयाचयिष्येथाम् | अयाचयिष्यथ्वम् |
| | अयाचयिष्ये | अयाचयिष्यावहि | अयाचयिष्यामहि |

| | | |
|----------|------------|------------|
| अययाचत् | अययाचेताम् | अययाचन्त |
| अययाचथाः | अययाचेथाम् | अययाचथ्वम् |
| अययाचे | अययाचावहि | अययाचामहि |

892 डुपचींश् (पञ्च) पाके ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | पाचयति | पाचयतः | पाचयन्ति |
| | पाचयसि | पाचयथः | पाचयथ |
| | पाचयामि | पाचयावः | पाचयामः |
| स० | पाचयेत् | पाचयेताम् | पाचयेयुः |
| | पाचयेः | पाचयेतम् | पाचयेत |
| | पाचयेयम् | पाचयेव | पाचयेम |
| प० | पाचयतु | पाचयतात् | पाचयन्तु |
| | पाचय | पाचयतम् | पाचयत |
| | पाचयानि | पाचयाव | पाचयाम |
| श० | अपाचयत् | अपाचयताम् | अपाचयन् |
| | अपाचयः | अपाचयतम् | अपाचयत |
| | अपाचयम् | अपाचयाव | अपाचयाम |
| अ० | अपीपचत् | अपीपचताम् | अपीपचन् |
| | अपीपचः | अपीपचतम् | अपीपचत |
| | अपीपचम् | अपीपचाव | अपीपचाम |
| प० | पाचयाश्चकार | पाचयाश्चक्रतुः | पाचयाश्चक्रुः |
| | पाचयाश्चकथ | पाचयाश्चकथुः | पाचयाश्चक |
| | पाचयाश्चकार-चकर | पाचयाश्चकृव | पाचयाश्चकृम |
| | पाचयाम्बभूव | पाचयामास | |
| आ० | पाच्यात् | पाच्यास्ताम् | पाच्यासुः |
| | पाच्याः | पाच्यास्तम् | पाच्यास्त |
| | पाच्यासम् | पाच्यास्व | पाच्यास्म |
| श्च० | पाचयिता | पाचयितारौ | पाचयितारः |
| | पाचयितासि | पाचयितास्थः | पाचयितास्थ |
| | पाचयितास्मि | पाचयितास्वः | पाचयितास्मः |
| अ० | पाचयिष्यति | पाचयिष्यतः | पाचयिष्यन्ति |
| | पाचयिष्यसि | पाचयिष्यथः | पाचयिष्यथ |
| | पाचयिष्यामि | पाचयिष्यावः | पाचयिष्यामः |
| क्रि० | अपाचयिष्यत् | अपाचयिष्यताम् | अपाचयिष्यन् |
| | अपाचयिष्यः | अपाचयिष्यतम् | अपाचयिष्यत |
| | अपाचयिष्यम् | अपाचयिष्याव | अपाचयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पाचयते | पाचयेते | पाचयन्ते |
| | पाचयसे | पाचयेथे | पाचयध्वे |
| | पाचये | पाचयावहे | पाचयामहे |
| स० | पाचयेत | पाचयेयाताम् | पाचयेरन् |
| | पाचयेथाः | पाचयेयाथाम् | पाचयेचम् |
| | पाचयेय | पाचयेवहि | पाचयेमहि |
| प० | पाचयताम् | पाचयेताम् | पाचयन्ताम् |
| | पाचयस्व | पाचयेथाम् | पाचयध्वम् |
| | पाचये | पाचयावहे | पाचयामहे |
| ह्य० | अपाचयत | अपाचयेताम् | अपाचयन्त |
| | अपाचयथाः | अपाचयेथाम् | अपाचयध्वम् |
| | अपाचये | अपाचयावहि | अपाचयामहि |
| अ० | अपीपचत | अपीपचेताम् | अपीपचन्त |
| | अपीपचथाः | अपीपचेथाम् | अपीपचध्वम् |
| | अपीपचे | अपीपचावहि | अपीपचामहि |
| प० | पाचयाश्चक्रे | पाचयाश्चक्रते | पाचयाश्चकिरे |
| | पाचयाश्चकृषे | पाचयाश्चक्राथे | पाचयाश्चकृध्वे |
| | पाचयाश्चक्रे | पाचयाश्चकृवहे | पाचयाश्चकृमहे |
| | पाचयाम्बभूव | पाचयामास | |
| आ० | पाचयिषीष्ट | पाचयिषीयास्ताम् | पाचयिषीरन् |
| | पाचयिषीष्टाः | पाचयिषीयास्थाम् | पाचयिषीध्वम् |
| | पाचयिषीय | पाचयिषीवहि | पाचयिषीमहि |
| श्च० | पाचयिता | पाचयितारौ | पाचयितारः |
| | पाचयितसे | पाचयितासाथे | पाचयिताध्वे |
| | पाचयिताहे | पाचयितास्वहे | पाचयितास्महे |
| अ० | पाचयिष्यते | पाचयिष्येते | पाचयिष्यन्ते |
| | पाचयिष्यसे | पाचयिष्येथे | पाचयिष्यध्वे |
| | पाचयिष्ये | पाचयिष्यावहे | पाचयिष्यामहे |
| क्रि० | अपाचयिष्यत | अपाचयिष्येताम् | अपाचयिष्यन्त |
| | अपाचयिष्यथाः | अपाचयिष्येथाम् | अपाचयिष्यध्वम् |
| | अपाचयिष्ये | अपाचयिष्यावहि | अपाचयिष्यामहि |

॥ अथ जान्ताश्चत्वारः ॥

893 गजृग् (राज्) दीप्तौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|-----------------|
| ब० राजयति | राजयतः | राजयन्ति |
| राजयसि | राजयथः | राजयथ |
| राजयामि | राजयावः | राजयामः |
| स० राजयेत् | राजयेताम् | राजयेयुः |
| राजयेः | राजयेतम् | राजयेत |
| राजयेयम् | राजयेव | राजयेम |
| प० राजयतु | राजयतात् | राजयताम् |
| राजय | राजयतम् | राजयत |
| राजयानि | राजयाव | राजयाम |
| ह्य० अराजयत् | अराजयताम् | अराजयन् |
| अराजयः | अराजयतम् | अराजयत |
| अराजयम् | अराजयाव | अराजयाम |
| अ० अराजत् | अराजताम् | अराजन् |
| अराजः | अराजतम् | अराजत |
| अराजम् | अराजाव | अराजाम |
| प० राजयाश्चकार | राजयाश्चक्रुः | राजयाश्चक्रुः |
| राजयाश्चक्य | राजयाश्चक्रुः | राजयाश्चक्रुः |
| राजयाश्चकार चक्र | राजयाश्चक्रुव | राजयाश्चक्रुमहे |
| राजयाम्बभूव | राजयामास | |
| आ० राज्यात् | राज्यास्ताम् | राज्यासुः |
| राज्याः | राज्यास्तम् | राज्यास्त |
| राज्यासम् | राज्यास्व | राज्यास्म |
| भ० राजयिता | राजयितारौ | राजयितारः |
| राजयितासि | राजयितास्यः | राजयितास्य |
| राजयितास्मि | राजयितास्वः | राजयितास्मः |
| भ० राजयिष्यति | राजयिष्यतः | राजयिष्यन्ति |
| राजयिष्यसि | राजयिष्यथः | राजयिष्यथ |
| राजयिष्यामि | राजयिष्यावः | राजयिष्यामः |
| क्रि० अराजयिष्यत् | अराजयिष्यताम् | अराजयिष्यन् |
| अराजयिष्यः | अराजयिष्यतम् | अराजयिष्यत |
| अराजयिष्यम् | अराजयिष्याव | अराजयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| १० राजयते | राजयेते | राजयन्ते |
| राजयसे | राजयेथे | राजयध्वे |
| राजये | राजयावहे | राजयामहे |
| स० राजयेत | राजयेताताम् | राजयेरन् |
| राजयेथाः | राजयेथ्याम् | राजयेध्वम् |
| राजयेय | राजयेवहि | राजयेमहि |
| प० राजयताम् | राजयेताम् | राजयन्ताम् |
| राजयस्व | राजयेथाम् | राजयध्वम् |
| राजये | राजयावहे | राजयामहे |
| ह्य० अराजयत | अराजयेताम् | अराजयन्त |
| अराजयथाः | अराजयेथाम् | अराजयध्वम् |
| अराजये | अराजयावहि | अराजयामहि |
| अ० अराजत | अराजताम् | अराजन्त |
| अराजथाः | अराजथाम् | अराजध्वम् |
| अराजे | अराजावहि | अराजामहि |
| प० राजयाश्चक्रे | राजयाश्चक्राते | राजयाश्चक्रिरे |
| राजयाश्चक्रे | राजयाश्चक्राथे | राजयाश्चक्रुवे |
| राजयाश्चक्रे | राजयाश्चक्रुवहे | राजयाश्चक्रुमहे |
| राजयाम्बभूव | राजयामास | |
| आ० राजयिषीष्ट | राजयिषीस्ताम् | राजयिषीरन् |
| राजयिषीष्टाः | राजयिषीयास्याम् | राजयिषीध्वम् |
| राजयिषीय | राजयिषीवहि | राजयिषीमहि |
| भ० राजयिता | राजयितारौ | राजयितारः |
| राजयितासे | राजयितास्ये | राजयिताध्वे |
| राजयिताहे | राजयितास्वहे | राजयितास्महे |
| भ० राजयिष्यते | राजयिष्येते | राजयिष्यन्ते |
| राजयिष्यसे | राजयिष्येथे | राजयिष्यध्वे |
| राजयिष्ये | राजयिष्यावहे | राजयिष्यामहे |
| क्रि० अराजयिष्यत | अराजयिष्येताम् | अराजयिष्यन्त |
| अराजयिष्यथाः | अराजयिष्येथाम् | अराजयिष्यध्वम् |
| अराजयिष्ये | अराजयिष्यावहि | अराजयिष्यामहि |

894 इ प्राजि (प्राज्) दीप्तौ ।

661 प्राजिवद्रूपाणि

895 भर्जी (भज्) सेवयाम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | भाजयति | भाजयतः | भाजयन्ति |
| | भाजयसि | भाजयथः | भाजयथ |
| | भाजयामि | भाजयावः | भाजयामः |
| स० | भाजयेत् | भाजयेताम् | भाजयेयुः |
| | भाजयेः | भाजयेतम् | भाजयेत |
| | भाजयेयम् | भाजयेव | भाजयेम |
| प० | भाजयतु | भाजयतात् | भाजयताम् |
| | भाजय | भाजयतात् | भाजयतम् |
| | भाजयानि | भाजयाव | भाजयाम |
| ह्य० | अभाजयत् | अभाजयताम् | अभाजयन् |
| | अभाजयः | अभाजयतम् | अभाजयत |
| | अभाजयम् | अभाजयाव | अभाजयाम |
| अ० | अबीभजत् | अबीभजताम् | अबीभजन् |
| | अबीभजः | अबीभजतम् | अबीभजत |
| | अबीभजम् | अबीभजाव | अबीभजाम |
| प० | भाजयाश्चकार | भाजयाश्चकतुः | भाजयाश्चकुः |
| | भाजयाश्चकथं | भाजयाश्चकथुः | भाजयाश्चक |
| | भाजयाश्चकार चकर | भाजयाश्चकृव | भाजयाश्चकृम |
| | भाजयाम्बभूव | भाजयामास | |
| | ज्यात | भाज्यास्ताम् | भाज्यासुः |
| | ज्याः | भाज्यास्तम् | भाज्यास्त |
| | भाज्यासम् | भाज्यास्व | भाज्यास्म |
| | भाजयिता | भाजयितारौ | भाजयितारः |
| | भाजयितासि | भाजयितास्थः | भाजयितास्थ |
| | भाजयितास्मि | भाजयितास्वः | भाजयितास्मः |
| भ० | भाजयिष्यति | भाजयिष्यतः | भाजयिष्यन्ति |
| | भाजयिष्यसि | भाजयिष्यथः | भाजयिष्यथ |
| | भाजयिष्यामि | भाजयिष्यावः | भाजयिष्यामः |
| क्रि० | अभाजयिष्यत | अभाजयिष्यताम् | अभाजयिष्यन् |
| | अभाजयिष्यः | अभाजयिष्यतम् | अभाजयिष्यत |
| | अभाजयिष्यम् | अभाजयिष्याव | अभाजयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | भाजयते | भाजयेते | भाजयन्ते |
| | भाजयसे | भाजयेथे | भाजयथ्वे |
| | भाजये | भाजयावहे | भाजयामहे |
| स० | भाजयेत् | भाजयेयाताम् | भाजयेरन् |
| | भाजयेथाः | भाजयेयाथाम् | भाजयेष्वम् |
| | भाजयेय | भाजयेवहि | भाजयेमहि |
| प० | भाजयताम् | भाजयताम् | भाजयन्ताम् |
| | भाजयस्व | भाजयेथाम् | भाजयष्वम् |
| | भाजये | भाजयावहे | भाजयामहे |
| ह्य० | अभाजयत | अभाजयेताम् | अभाजयन्त |
| | अभाजयथाः | अभाजयेथाम् | अभाजयष्वम् |
| | अभाजये | अभाजयावहि | अभाजयामहि |
| अ० | अबीभजत | अबीभजेताम् | अबीभजन्त |
| | अबीभजथाः | अबीभजेथाम् | अबीभजष्वम् |
| | अबीभजे | अबीभजावहि | अबीभजामहि |
| प० | भाजयाश्चक्रे | भाजयाश्चकाते | भाजयाश्चकिरे |
| | भाजयाश्चकृषे | भाजयाश्चकाये | भाजयाश्चकृत्वे |
| | भाजयाश्चक्रे | भाजयाश्चकृवहे | भाजयाश्चकृमहे |
| | भाजयाम्बभूव | भाजयामास | |
| भा० | भाजयिषीष्ट | भाजयिषीयास्ताम् | भाजयिषीरन् |
| | भाजयिषीष्टाः | भाजयिषीयास्थाम् | भाजयिषीढ्वम् |
| | भाजयिषीय | भाजयिषीवहि | भाजयिषीमहि |
| भ० | भाजयिता | भाजयितारौ | भाजयितारः |
| | भाजयितासे | भाजयितासाथे | भाजयिताष्वे |
| | भाजयिताहे | भाजयितास्वहे | भाजयितास्वहे |
| भ० | भाजयिष्यते | भाजयिष्येते | भाजयिष्यन्ते |
| | भाजयिष्यसे | भाजयिष्येथे | भाजयिष्यथ्वे |
| | भाजयिष्ये | भाजयिष्यावहे | भाजयिष्यामहे |
| क्रि० | अभाजयिष्यत | अभाजयिष्येताम् | अभाजयिष्यन्त |
| | अभाजयिष्यथाः | अभाजयिष्येथाम् | अभाजयिष्यष्वम् |
| | अभाजयिष्ये | अभाजयिष्यावहि | अभाजयिष्यामहि |

८९६ रजिं (१५५) रागे ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|--------------|
| ब० | रजयति | रजयतः | रजयन्ति |
| | रजयसि | रजयथः | रजयथ |
| | रजयामि | रजयावः | रजयामः |
| स० | रजयेत् | रजयेताम् | रजयेयुः |
| | रजयेः | रजयेतम् | रजयेत |
| | रजयेयम् | रजयेव | रजयेम |
| प० | रजयतु | रजयतात् | रजयताम् |
| | रजय | रजयतात् | रजयतम् |
| | रजयानि | रजयाव | रजयाम |
| ह्य० | अरजयत् | अरजयताम् | अरजयन् |
| | अरजयः | अरजयतम् | अरजयत |
| | अरजयम् | अरजयाव | अरजयाम |
| अ० | अररजत् | अररजताम् | अररजन् |
| | अररजः | अररजतम् | अररजत |
| | अररजम् | अररजाव | अररजाम |
| प० | रजयाश्चकार | रजयाश्चक्रुः | रजयाश्चक्रुः |
| | रजयाश्चकृ | रजयाश्चक्रुः | रजयाश्चक्रुः |
| | रजयाश्चकार-चकर | रजयाश्चक्रुव | रजयाश्चक्रुम |
| | रजयाम्बभूव | । | रजयामास |
| आ० | रज्यात् | रज्यास्ताम् | रज्यासुः |
| | रज्याः | रज्यास्तम् | रज्यास्त |
| | रज्यासम् | रज्यास्व | रज्यास्म |
| श्च० | रजयिता | रजयितारौ | रजयितारः |
| | रजयितासि | रजयितास्थः | रजयितास्थ |
| | रजयितास्मि | रजयितास्वः | रजयितास्मः |
| भ० | रजयिष्यति | रजयिष्यतः | रजयिष्यन्ति |
| | रजयिष्यसि | रजयिष्यथः | रजयिष्यथ |
| | रजयिष्यामि | रजयिष्यावः | रजयिष्यामः |
| क्रि० | अरजयिष्यत् | अरजयिष्यताम् | अरजयिष्यन् |
| | अरजयिष्यः | अरजयिष्यतम् | अरजयिष्यत |
| | अरजयिष्यम् | अरजयिष्याव | अरजयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | रजयते | रजयते | रजयन्ते |
| | रजयसे | रजयये | रजयन्वे |
| | रजये | रजयावहे | रजयामहे |
| स० | रजयेत | रजयेयाताम् | रजयेरन् |
| | रजयेथाः | रजयेयाथाम् | रजयेध्वम् |
| | रजयेय | रजयेवहि | रजयेमहि |
| प० | रजयताम् | रजयेताम् | रजयन्ताम् |
| | रजयस्व | रजयेयाम् | रजयध्वम् |
| | रजये | रजयावहे | रजयामहे |
| ह्य० | अरजयत | अरजयेताम् | अरजयन्त |
| | अरजयथाः | अरजयेथाम् | अरजयध्वम् |
| | अरजये | अरजयावहि | अरजयामहि |
| अ० | अररजत | अररजेताम् | अररजन्त |
| | अररजथाः | अररजेथाम् | अररजध्वम् |
| | अररजे | अररजावहि | अररजामहि |
| प० | रजयाश्चके | रजयाश्चकते | रजयाश्चकिरे |
| | रजयाश्चकृषे | रजयाश्चकृषे | रजयाश्चकृदवे |
| | रजयाश्चके | रजयाश्चकृवहे | रजयाश्चकृमहे |
| | रजयाम्बभूव | । | रजयामास |
| आ० | रजयिषीष्ट | रजयिषीयास्ताम् | रजयिषीरन् |
| | रजयिषीष्ठाः | रजयिषीयास्थाम् | रजयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | रजयिषीय | रजयिषीवहि | रजयिषीमहि |
| श्च० | रजयिता | रजयितारौ | रजयितारः |
| | रजयितासे | रजयितासाथे | रजयिताध्वे |
| | रजयिताहे | रजयितास्वहे | रजयितास्महे |
| भ० | रजयिष्यते | रजयिष्येते | रजयिष्यन्ते |
| | रजयिष्यसे | रजयिष्येथे | रजयिष्यध्वे |
| | रजयिष्ये | रजयिष्यावहे | रजयिष्यामहे |
| क्रि० | अरजयिष्यत | अरजयिष्येताम् | अरजयिष्यन्त |
| | अरजयिष्यथाः | अरजयिष्येथाम् | अरजयिष्यध्वम् |
| | अरजयिष्ये | अरजयिष्यावहि | अरजयिष्यामहि |

॥ अथ टान्तः ॥

897 रेट् (रेट्) परिभाषणयाचनयोः

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|---------------|
| य० | रेट्यति | रेट्यतः | रेट्यन्ति |
| | रेट्यसि | रेट्यथः | रेट्यथ |
| | रेट्यामि | रेट्यावः | रेट्यामः |
| स० | रेट्येत् | रेट्येताम् | रेट्येयुः |
| | रेट्येः | रेट्येतम् | रेट्येत |
| | रेट्येयम् | रेट्येव | रेट्येम |
| प० | रेट्यतु | रेट्यतात् | रेट्यताम् |
| | रेट्य | रेट्यतम् | रेट्यत |
| | रेट्यानि | रेट्याव | रेट्याम |
| ह्य० | अरेट्यत् | अरेट्यताम् | अरेट्यन् |
| | अरेट्यः | अरेट्यतम् | अरेट्यत |
| | अरेट्यम् | अरेट्याव | अरेट्याम |
| अ० | अरिरेट् | अरिरेटताम् | अरिरेटन् |
| | अरिरेटः | अरिरेटतम् | अरिरेटत |
| | अरिरेटम् | अरिरेटाव | अरिरेटाम |
| प० | रेट्याश्चकार | रेट्याश्चक्रुः | रेट्याश्चकुः |
| | रेट्याश्चकथे | रेट्याश्चक्रथुः | रेट्याश्चक्र |
| | रेट्याश्चकार-चकर | रेट्याश्चकुव | रेट्याश्चकृम |
| | रेट्याम्बभूव | रेट्यामास | |
| आ० | रेट्यात् | रेट्यास्ताम् | रेट्यासुः |
| | रेट्याः | रेट्यास्तम् | रेट्यास्त |
| | रेट्यासम् | रेट्यास्व | रेट्यास्म |
| श्च० | रेट्यिता | रेट्यितारौ | रेट्यितारः |
| | रेट्यितासि | रेट्यितास्थः | रेट्यितास्थ |
| | रेट्यितास्मि | रेट्यितास्वः | रेट्यितास्मः |
| भ० | रेट्यिष्यति | रेट्यिष्यतः | रेट्यिष्यन्ति |
| | रेट्यिष्यसि | रेट्यिष्यथः | रेट्यिष्यथ |
| | रेट्यिष्यामि | रेट्यिष्यावः | रेट्यिष्यामः |
| क्रि० | अरेट्यित् | अरेट्यित्याम् | अरेट्यित्यन् |
| | अरेट्यिष्यः | अरेट्यिष्यतम् | अरेट्यिष्यत |
| | अरेट्यिष्यम् | अरेट्यिष्याव | अरेट्यिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | रेट्यते | रेट्येते | रेट्यन्ते |
| | रेट्यसे | रेट्येथे | रेट्यध्वे |
| | रेट्ये | रेट्यावहे | रेट्यामहे |
| स० | रेट्येत | रेट्येयाताम् | रेट्येरन् |
| | रेट्येथाः | रेट्येयाथाम् | रेट्येध्वम् |
| | रेट्येय | रेट्येवहि | रेट्येमहि |
| प० | रेट्यताम् | रेट्येताम् | रेट्यन्ताम् |
| | रेट्यस्व | रेट्येथाम् | रेट्यध्वम् |
| | रेट्ये | रेट्यावहे | रेट्यामहे |
| ह्य० | अरेट्यत | अरेट्येताम् | अरेट्यन्त |
| | अरेट्यथाः | अरेट्येथाम् | अरेट्यध्वम् |
| | अरेट्ये | अरेट्यावहि | अरेट्यामहि |
| अ० | अरिरेटत | अरिरेटेताम् | अरिरेटन्त |
| | अरिरेट्याः | अरिरेटेथाम् | अरिरेटध्वम् |
| | अरिरेटे | अरिरेटावहि | अरिरेटामहि |
| प० | रेट्याश्चक्रे | रेट्याश्चकृते | रेट्याश्चकिरे |
| | रेट्याश्चकृषे | रेट्याश्चकृथे | रेट्याश्चकृध्वे |
| | रेट्याश्चक्रे | रेट्याश्चकृवहे | रेट्याश्चकृमहे |
| | रेट्याम्बभूव | रेट्यामास | |
| आ० | रेट्यिषीष्ट | रेट्यिषीयास्ताम् | रेट्यिषीरन् |
| | रेट्यिषीष्टाः | रेट्यिषीयाथाम् | रेट्यिषीध्वम् |
| | रेट्यिषीय | रेट्यिषीवहि | रेट्यिषीमहि |
| श्च० | रेट्यिता | रेट्यितारौ | रेट्यितारः |
| | रेट्यितासे | रेट्यितासाथे | रेट्यिताध्वे |
| | रेट्यिताहे | रेट्यितास्वहे | रेट्यितास्महे |
| भ० | रेट्यिष्यते | रेट्यिष्येते | रेट्यिष्यन्ते |
| | रेट्यिष्यसे | रेट्यिष्येथे | रेट्यिष्यध्वे |
| | रेट्यिष्ये | रेट्यिष्यावहे | रेट्यिष्यामहे |
| क्रि० | अरेट्यिष्यत | अरेट्यिष्येताम् | अरेट्यिष्यन्त |
| | अरेट्यिष्यथाः | अरेट्यिष्येथाम् | अरेट्यिष्यध्वम् |
| | अरेट्यिष्ये | अरेट्यिष्यावहि | अरेट्यिष्यामहि |

॥ अथ. णान्तः ॥

898 वेणू (वेणू) गतिज्ञानचिन्तानिशा-
मनवादित्रग्रहणेषु ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | वेणयति | वेणयतः | वेणयन्ति |
| | वेणयसि | वेणयथः | वेणयथ |
| | वेणयामि | वेणयावः | वेणयामः |
| स० | वेणयेत् | वेणयेताम् | वेणयेयुः |
| | वेणयेः | वेणयेतम् | वेणयेत |
| | वेणयेयम् | वेणयेव | वेणयेम |
| प० | वेणयतु | वेणयतात् | वेणयन्तु |
| | वेणय | वेणयतात् | वेणयतम् |
| | वेणयानि | वेणयाव | वेणयाम |
| ह्य० | अवेणयत् | अवेणयताम् | अवेणयन् |
| | अवेणयः | अवेणयतम् | अवेणयत |
| | अवेणयम् | अवेणयाव | अवेणयाम |
| अ० | अविवेणत् | अविवेणताम् | अविवेणन् |
| | अविवेणः | अविवेणतम् | अविवेणत |
| | अविवेणम् | अविवेणाव | अविवेणाम |
| प० | वेणयाश्चकार | वेणयाश्चक्रुः | वेणयाश्चकुः |
| | वेणयाश्चकथं | वेणयाश्चक्रुः | वेणयाश्चक |
| | वेणयाश्चकार-चकर | वेणयाश्चक्रुव | वेणयाश्चक्रम |
| | वेणयाम्भव | वेणयामास | |
| आ० | वेण्यात् | वेण्यास्ताम् | वेण्यामुः |
| | वेण्याः | वेण्यास्तम् | वेण्यास्त |
| | वेण्यासम् | वेण्यास्व | वेण्यास्म |
| व० | वेणयिता | वेणयितारौ | वेणयितारः |
| | वेणयितसि | वेणयितास्थः | वेणयितास्थ |
| | वेणयितास्मि | वेणयितास्वः | वेणयितास्मः |
| भ० | वेणयिष्यति | वेणयिष्यतः | वेणयिष्यन्ति |
| | वेणयिष्यसि | वेणयिष्यथः | वेणयिष्यथ |
| | वेणयिष्यामि | वेणयिष्यावः | वेणयिष्यामः |
| क्रि० | अवेणयिष्यत् | अवेणयिष्यताम् | अवेणयिष्यन् |
| | अवेणयिष्यः | अवेणयिष्यतम् | अवेणयिष्यत |
| | अवेणयिष्यम् | अवेणयिष्याव | अवेणयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | वेणयते | वेणयेते | वेणयन्ते |
| | वेणयसे | वेणयेथे | वेणयध्वे |
| | वेणये | वेणयावहे | वेणयामहे |
| स० | वेणयेत् | वेणयेताताम् | वेणयेरन् |
| | वेणयेथाः | वेणयेयाधाम् | वेणयेध्वम् |
| | वेणयेय | वेणयेवहि | वेणयेमहि |
| प० | वेणयताम् | वेणयेताम् | वेणयन्ताम् |
| | वेणयस्व | वेणयेथाम् | वेणयध्वम् |
| | वेणये | वेणयावहे | वेणयामहे |
| ह्य० | अवेणयत् | अवेणयताम् | अवेणयन्त |
| | अवेणयथाः | अवेणयेथाम् | अवेणयध्वम् |
| | अवेणये | अवेणयावहि | अवेणयामहि |
| अ० | अविवेणत् | अविवेणताम् | अविवेणन्त |
| | अविवेणथाः | अविवेणेथाम् | अविवेणध्वम् |
| | अविवेणे | अविवेणावहि | अविवेणामहि |
| प० | वेणयाश्चक्रे | वेणयाश्चक्राते | वेणयाश्चक्रिरे |
| | वेणयाश्चक्रुषे | वेणयाश्चक्राये | वेणयाश्चक्रुद्वे |
| | वेणयाश्चक्रे | वेणयाश्चक्रुवहे | वेणयाश्चक्रुमहे |
| | वेणयाम्भव | वेणयामास | |
| अ० | वेणयिषीष्ट | वेणयिषीयास्ताम् | वेणयिषीरन् |
| | वेणयिषीष्ठाः | वेणयिषीयास्थाम् | वेणयिषीद्वम् |
| | वेणयिषीय | वेणयिषीवहि | वेणयिषीमहि |
| व० | वेणयिता | वेणयितारौ | वेणयितारः |
| | वेणयितासे | वेणयितासाथे | वेणयिताध्वे |
| | वेणयिताहे | वेणयितास्वहे | वेणयितास्महे |
| भ० | वेणयिष्यते | वेणयिष्येते | वेणयिष्यन्ते |
| | वेणयिष्यसे | वेणयिष्येथे | वेणयिष्यध्वे |
| | वेणयिष्ये | वेणयिष्यावहे | वेणयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेणयिष्यत् | अवेणयिष्येताम् | अवेणयिष्यन्त |
| | अवेणयिष्यथाः | अवेणयिष्येथाम् | अवेणयिष्यध्वम् |
| | अवेणयिष्ये | अवेणयिष्यावहि | अवेणयिष्यामहि |

(८४४) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

॥ अथ तान्तः ॥

899 चतेर् (चत्) याचने ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | चातयति | चातयतः | चातयन्ति |
| | चातर्यासि | चातयथः | चातयथ |
| | चातयामि | चातयावः | चातयामः |
| स० | चातयेत् | चातयेताम् | चातयेयुः |
| | चातयेः | चातयेतम् | चातयेत |
| | चातयेयम् | चातयेव | चातयेम |
| प० | चातयतु | चातयतात् | चातयताम् |
| | चातय | चातयतात् | चातयतम् |
| | चातयानि | चातयाव | चातयाम |
| ह्य० | अचातयत् | अचातयताम् | अचातयन् |
| | अचातयः | अचातयतम् | अचातयत |
| | अचातयम् | अचातयाव | अचातयाम |
| अ० | अचीचतत् | अचीचतताम् | अचीचतन् |
| | अचीचतः | अचीचततम् | अचीचतत |
| | अचीचतम् | अचीचताव | अचीचताम् |
| प० | चातयाश्चकार | चातयाश्चक्रुः | चातयाश्चकुः |
| | चातयाश्चकथे | चातयाश्चक्रुः | चातयाश्चक्रु |
| | चातयाश्चकार-चक्र | चातयाश्चक्रुव | चातयाश्चक्रुम |
| | चातयाम्भूव | चातयामास | |
| आ० | चात्यात् | चात्यास्ताम् | चात्यामः |
| | चात्याः | चात्यास्तम् | चात्यास्त |
| | चात्यासम् | चात्यास्व | चात्यास्म |
| च० | चातयिता | चातयितारौ | चातयितारः |
| | चातयितासि | चातयितास्थः | चातयितास्थ |
| | चातयितास्मि | चातयितास्वः | चातयितास्मः |
| भ० | चातयिष्यति | चातयिष्यतः | चातयिष्यन्ति |
| | चातयिष्यसि | चातयिष्यथः | चातयिष्यथ |
| | चातयिष्यामि | चातयिष्यावः | चातयिष्यामः |
| क्रि० | अचातयिष्यत् | अचातयिष्यताम् | अचातयिष्यन् |
| | अचातयिष्यः | अचातयिष्यतम् | अचातयिष्यत |
| | अचातयिष्यम् | अचातयिष्याव | अचातयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | चातयते | चातयेते | चातयन्ते |
| | चातयसे | चातयेथे | चातयध्वे |
| | चातये | चातयावहे | चातयामहे |
| स० | चातयेत् | चातयेयाताम् | चातयेयन् |
| | चातयेथाः | चातयेयाथाम् | चातयेध्वम |
| | चातयेय | चातयेवहि | चातयेमहि |
| प० | चातयताम् | चातयेताम् | चातयन्ताम् |
| | चातयस्व | चातयेथाम् | चातयध्वम् |
| | चातये | चातयावहै | चातयामहै |
| ह्य० | अचातयत | अचातयेताम् | अचातयन्त |
| | अचातयथाः | अचातयेथाम् | अचातयध्वम् |
| | अचातये | अचातयावहि | अचातयामहि |
| अ० | अचीचतत् | अचीचतेताम् | अचीचतन्त |
| | अचीचतथाः | अचीचतेथाम् | अचीचतध्वम् |
| | अचीचते | अचीचतावहि | अचीचतामहि |
| प० | चातयाश्चक्रे | चा-याश्चक्रे | चातयाश्चक्रिरे |
| | चातयाश्चकृषे | चातयाश्चक्रये | चातयाश्चकृद्वे |
| | चातयाश्चक्रे | चातयाश्चकृवहे | चातयाश्चकृमहे |
| | चातयाम्भूव | चातयामास | |
| आ० | चातयिषीष्ट | चातयिषीयास्ताम् | चातयिषीरन् |
| | चातयिषीष्टाः | चातयिषीयास्थाम् | चातयिषीद्वम् |
| | चातयिषीय | चातयिषीवहि | चातयिषीमहि |
| च० | चातयिता | चातयितारौ | चातयितारः |
| | चातयितासे | चातयितासाथे | चातयिताध्वे |
| | चातयिताहे | चातयिताम्वहे | चातयिताम्वहे |
| भ० | चातयिष्यते | चातयिष्येते | चातयिष्यन्ते |
| | चातयिष्यसे | चातयिष्येथे | चातयिष्यध्वे |
| | चातयिष्ये | चातयिष्यावहे | चातयिष्यामहे |
| क्रि० | अचातयिष्यत् | अचातयिष्येताम् | अचातयिष्यन्त |
| | अचातयिष्यथाः | अचातयिष्येथाम् | अचातयिष्यध्वम् |
| | अचातयिष्ये | अचातयिष्यावहि | अचातयिष्यामहि |

॥ अथ यान्तास्त्रयः ॥

१०० प्रोथृग् (प्रोथृ) पर्याप्तौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | प्रोथयति | प्रोथयतः | प्रोथयन्ति |
| | प्रोथयसि | प्रोथयथः | प्रोथयथ |
| | प्रोथयामि | प्रोथयावः | प्रोथयामः |
| स० | प्रोथयेत् | प्रोथयेताम् | प्रोथयेयुः |
| | प्रोथयेः | प्रोथयेतम् | प्रोथयेत |
| | प्रोथयेयम् | प्रोथयेव | प्रोथयेम |
| प० | प्रोथयतु | प्रोथयतान् | प्रोथयताम् |
| | प्रोथय | प्रोथयतात् | प्रोथयतम् |
| | प्रोथयानि | प्रोथयाव | प्रोथयाम |
| ह्य० | अप्रोथयत् | अप्रोथयताम् | अप्रोथयन् |
| | अप्रोथयः | अप्रोथयतम् | अप्रोथयत |
| | अप्रोथयम् | अप्रोथयाव | अप्रोथयाम |
| अ० | अपुप्रोथत् | अपुप्रोथताम् | अपुप्रोथन् |
| | अपुप्रोथः | अपुप्रोथतम् | अपुप्रोथत |
| | अपुप्रोथम् | अपुप्रोथाव | अपुप्रोथाम |
| प० | प्रोथयाञ्चकार | प्रोथयाञ्चकतुः | प्रोथयाञ्चकः |
| | प्रोथयाञ्चकर्थ | प्रोथयाञ्चकथुः | प्रोथयाञ्चक |
| | प्रोथयाञ्चकार-चकर | प्रोथयाञ्चकृव | प्रोथयाञ्चकृम |
| | प्रोथयाम्बभूव | प्रोथयामास | |
| आ० | प्रोथ्यान् | प्रोथ्यास्ताम् | प्रोथ्यानुः |
| | प्रोथ्याः | प्रोथ्यास्तम् | प्रोथ्यास्त |
| | प्रोथ्यासम् | प्रोथ्यास्व | प्रोथ्यास्म |
| थ० | प्रोथयिता | प्रोथयितारौ | प्रोथयितारः |
| | प्रोथयितासि | प्रोथयितास्थः | प्रोथयितास्थ |
| | प्रोथयितास्मि | प्रोथयितास्वः | प्रोथयितास्मः |
| भ० | प्रोथयिष्यति | प्रोथयिष्यतः | प्रोथयिष्यन्ति |
| | प्रोथयिष्यसि | प्रोथयिष्यथः | प्रोथयिष्यथ |
| | प्रोथयिष्यामि | प्रोथयिष्यावः | प्रोथयिष्यामः |
| क्रि० | अप्रोथयिष्यत् | अप्रोथयिष्यताम् | अप्रोथयिष्यन् |
| | अप्रोथयिष्यः | अप्रोथयिष्यतम् | अप्रोथयिष्यत |
| | अप्रोथयिष्यम् | अप्रोथयिष्याव | अप्रोथयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | प्रोथयते | प्रोथयत | प्रोथयन्त |
| | प्रोथयसे | प्रोथयथे | प्रोथयथे |
| | प्रोथये | प्रोथयावहे | प्रोथयामहे |
| स० | प्रोथयेत् | प्रोथयेयाताम् | प्रोथयेरन् |
| | प्रोथयेथाः | प्रोथयेयाथाम् | प्रोथयेष्वम् |
| | प्रोथयेय | प्रोथयेवहि | प्रोथयेमहि |
| प० | प्रोथयताम् | प्रोथयताम् | प्रोथयन्ताम् |
| | प्रोथयस्व | प्रोथयथाम् | प्रोथयेष्वम् |
| | प्रोथये | प्रोथयावहे | प्रोथयामहे |
| ह्य० | अप्रोथयत | अप्रोथयेताम् | अप्रोथयन्त |
| | अप्रोथयथाः | अप्रोथयेथाम् | अप्रोथयेष्वम् |
| | अप्रोथये | अप्रोथयावहि | अप्रोथयामहि |
| अ० | अपुप्रोथत | अपुप्रोथेताम् | अपुप्रोथन्त |
| | अपुप्रोथथाः | अपुप्रोथेथाम् | अपुप्रोथेष्वम् |
| | अपुप्रोथे | अपुप्रोथावहि | अपुप्रोथामहि |
| प० | प्रोथयाञ्चके | प्रोथयाञ्चकते | प्रोथयाञ्चकिरे |
| | प्रोथयाञ्चकृषे | प्रोथयाञ्चकृथे | प्रोथयाञ्चकृद्वे |
| | प्रोथयाञ्चके | प्रोथयाञ्चकृवहे | प्रोथयाञ्चकृमहे |
| | प्रोथयाञ्चभू | प्रोथयामास | |
| आ० | प्रोथयिषीष्ट | प्रोथयिषीस्ताम् | प्रोथयिषीरन् |
| | प्रोथयिषीष्टाः | प्रोथयिषीयास्थाम् | प्रोथयिषीद्वम् |
| | प्रोथयिषीथ | प्रोथयिषीवहि | प्रोथयिषीमहि |
| थ० | प्रोथयिता | प्रोथयितारौ | प्रोथयितारः |
| | प्रोथयितासे | प्रोथयितासाथे | प्रोथयिताष्वे |
| | प्रोथयिताहे | प्रोथयितास्वहे | प्रोथयितास्महे |
| भ० | प्रोथयिष्यन्त | प्रोथयिष्यन्ते | प्रोथयिष्यन्ते |
| | प्रोथयिष्यसे | प्रोथयिष्यथे | प्रोथयिष्येष्वे |
| | प्रोथयिष्ये | प्रोथयिष्यावहे | प्रोथयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्रोथयिष्यत | अप्रोथयिष्येताम् | अप्रोथयिष्यन्त |
| | अप्रोथयिष्यथाः | अप्रोथयिष्येथाम् | अप्रोथयिष्येष्व |
| | अप्रोथयिष्ये | अप्रोथयिष्यावहि | अप्रोथयिष्यामहि |

901 मिथृन् (मिथ्) मेधाहिसयोः ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| ब० | मेथयति | मेथयतः | मेथयन्ति |
| | मेथयसि | मेथयथः | मेथयथ |
| | मेथयामि | मेथयावः | मेथयामः |
| स० | मेथयन्त | मेथयन्ताम् | मेथयेयुः |
| | मेथयेः | मेथयेतम् | मेथयेत |
| | मेथयेयम् | मेथयेव | मेथयेम |
| प० | मेथयतु | मेथयतात् | मेथयताम् |
| | मेथय | मेथयतात् | मेथयतम् |
| | मेथयानि | मेथयाव | मेथयाम |
| ह्य० | अमेथयत् | अमेथयताम् | अमेथयन् |
| | अमेथयः | अमेथयतम् | अमेथयत |
| | अमेथयम् | अमेथयाव | अमेथयाम |
| अ० | अमिमेथत् | अमिमेथताम् | अमिमेथन् |
| | अमिमेथः | अमिमेथतम् | अमिमेथत |
| | अमिमेथम् | अमिमेथाव | अमिमेथाम |
| प० | मेथयाञ्चकार | मेथयाञ्चक्रुः | मेथयाञ्चक्रुः |
| | मेथयाञ्चकथुः | मेथयाञ्चक्रुः | मेथयाञ्चक्रुः |
| | मेथयाञ्चकार-चकर | मेथयाञ्चक्रुव | मेथयाञ्चक्रुम |
| | मेथयाम्बभूव | मेथयामास | |
| आ० | मेथ्यान् | मेथ्यास्ताम् | मेथ्याम् |
| | मेथ्याः | मेथ्यास्तम् | मेथ्यास्त |
| | मेथ्यामम् | मेथ्यास्व | मेथ्यास्म |
| श्च० | मेथयिता | मेथयितारौ | मेथयितारः |
| | मेथयितामि | मेथयितास्थः | मेथयितास्थ |
| | मेथयितास्मि | मेथयितास्वः | मेथयितास्मः |
| भ० | मेथयिष्यति | मेथयिष्यतः | मेथयिष्यन्ति |
| | मेथयिष्यसि | मेथयिष्यथः | मेथयिष्यथ |
| | मेथयिष्यामि | मेथयिष्यावः | मेथयिष्यामः |
| क्रि० | अमेथयिष्यन् | अमेथयिष्यताम् | अमेथयिष्यन् |
| | अमेथयिष्यः | अमेथयिष्यतम् | अमेथयिष्यत |
| | अमेथयिष्यम् | अमेथयिष्याव | अमेथयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | मेथयते | मेथयेते | मेथयन्त |
| | मेथयसे | मेथयेथे | मेथयध्वे |
| | मेथये | मेथयावहे | मेथयामहे |
| स० | मेथयेत | मेथयेताम् | मेथयेरन् |
| | मेथयेथाः | मेथयेथाम् | मेथयेध्वम् |
| | मेथयेय | मेथयेवहि | मेथयेमहि |
| प० | मेथयताम् | मेथयेताम् | मेथयन्ताम् |
| | मेथयस्व | मेथयेथाम् | मेथयध्वम् |
| | मेथये | मेथयावहे | मेथयामहे |
| ह्य० | अमेथयत | अमेथयेताम् | अमेथयन्त |
| | अमेथयथाः | अमेथयेथाम् | अमेथयध्वम् |
| | अमेथये | अमेथयावहि | अमेथयामहि |
| अ० | अमिमेथत | अमिमेथेताम् | अमिमेथन्त |
| | अमिमेथथाः | अमिमेथेथाम् | अमिमेथध्वम् |
| | अमिमेथे | अमिमेथावहि | अमिमेथामहि |
| प० | मेथयाञ्चके | मेथयाञ्चकाते | मेथयाञ्चकिरे |
| | मेथयाञ्चकृषे | मेथयाञ्चकाथे | मेथयाञ्चकृद्वे |
| | मेथयाञ्चके | मेथयाञ्चकृवहे | मेथयाञ्चकृमहे |
| | मेथयाम्बभूव | मेथयामात | |
| आ० | मेथयिषीष्ट | मेथयिषीयास्ताम् | मेथयिषीन् |
| | मेथयिषीष्टाः | मेथयिषीयास्थाम् | मेथयिषीद्वम् |
| | मेथयिषीय | मेथयिषीवहि | मेथयिषीमहि |
| श्च० | मेथयिता | मेथयितारौ | मेथयितारः |
| | मेथयितासे | मेथयितामाथे | मेथयिताध्वे |
| | मेथयिताहे | मेथयितास्वहे | मेथयितास्महे |
| भ० | मेथयिष्यते | मेथयिष्येते | मेथयिष्यन्ते |
| | मेथयिष्यसे | मेथयिष्येथे | मेथयिष्यध्वे |
| | मेथयिष्ये | मेथयिष्यावहे | मेथयिष्यामहे |
| क्रि० | अमेथयिष्यत | अमेथयिष्यताम् | अमेथयिष्यन्त |
| | अमेथयिष्यथाः | अमेथयिष्येथाम् | अमेथयिष्यध्वम् |
| | अमेथयिष्ये | अमेथयिष्यावहि | अमेथयिष्यामहि |

902 मेथृन् (मेथ्) संगमे च । 901 मिथृन् बद्धपाणि

अथ दान्ताः षट्

903 चदेग् (चद्) यावने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| ब० | चादयति | चादयतः | चादयन्ति |
| | चादयसि | चादयथः | चादयथ |
| | चादयामि | चादयावः | चादयामः |
| स० | चादयेत् | चादयेताम् | चादयेयुः |
| | चादयेः | चादयेतम् | चादयेत |
| | चादयेयम् | चादयेव | चादयेम |
| प० | चादयतु | चादयतात् | चादयन्तु |
| | चादय | चादयतात् | चादयत |
| | चादयानि | चादयाव | चादयाम |
| ह्य० | अचादयत् | अचादयताम् | अचादयन् |
| | अचादयः | अचादयतम् | अचादयत |
| | अचादयम् | अचादयाव | अचादयाम |
| अ० | अचीचदत् | अचीचदताम् | अचीचदन् |
| | अचीचदः | अचीचदतम् | अचीचदत |
| | अचीचदम् | अचीचदाव | अचीचदाम |
| प० | चादयाञ्चकार | चादयाञ्चक्रुः | चादयाञ्चक्रुः |
| | चादयाञ्चकथं | चादयाञ्चक्रुः | चादयाञ्चक्रुः |
| | चादयाञ्चकार-चकर | चादयाञ्चक्रुव | चादयाञ्चक्रुम |
| | चादयाञ्चभूव | । | चादयामास |
| आ० | चायत् | चायास्ताम् | चायासुः |
| | चायाः | चायास्तम् | चायास्त |
| | चायासम् | चायास्व | चायास्म |
| श्व० | चादयिता | चादयितारौ | चादयितारः |
| | चादयितासि | चादयितास्थः | चादयितास्थ |
| | चादयितास्मि | चादयितास्वः | चादयितास्मः |
| भ० | चादयिष्यति | चादयिष्यतः | चादयिष्यन्ति |
| | चादयिष्यसि | चादयिष्यथः | चादयिष्यथ |
| | चादयिष्यामि | चादयिष्यावः | चादयिष्यामः |
| क्रि० | अचादयिष्यत् | अचादयिष्यताम् | अचादयिष्यन् |
| | अचादयिष्यः | अचादयिष्यतम् | अचादयिष्यत |
| | अचादयिष्यम् | अचादयिष्याव | अचादयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | चादयते | चादयेते | चादयन्ते |
| | चादयसे | चादयेथे | चादयध्वे |
| | चादये | चादयावहे | चादयामहे |
| स० | चादयेत | चादयेयाताम् | चादयेरन् |
| | चादयेथाः | चादयेयाथाम् | चादयेध्वम् |
| | चादयेय | चादयेवहि | चादयेमहि |
| प० | चादयताम् | चादयेताम् | चादयन्ताम् |
| | चादयस्व | चादयेथाम् | चादयध्वम् |
| | चादये | चादयावहे | चादयामहे |
| ह्य० | अचादयत | अचादयेताम् | अचादयन्त |
| | अचादयथाः | अचादयेथाम् | अचादयध्वम् |
| | अचादये | अचादयावहि | अचादयामहि |
| अ० | अचीचदत | अचीचदेताम् | अचीचदन्त |
| | अचीचदथाः | अचीचदेथाम् | अचीचदध्वम् |
| | अचीचदे | अचीचदावहि | अचीचदामहि |
| प० | चादयाञ्चक्रे | चादयाञ्चक्रते | चादयाञ्चक्रिरे |
| | चादयाञ्चकृषे | चादयाञ्चक्राथे | चादयाञ्चकृद्वे |
| | चादयाञ्चके | चादयाञ्चकृवहे | चादयाञ्चकृमहे |
| | चादयः!म्बभूव | । | चादयामास |
| आ० | चादयिषीष्ट | चादयिषीगस्ताम् | चादयिषीरन् |
| | चादयिषीष्ठाः | चादयिषीथास्थाम् | चादयिषीद्वम् |
| | चादयिषीय | चादयिषीवहि | चादयिषीमहि |
| श्व० | चादयिता | चादयितारौ | चादयितारः |
| | चादयितासे | चादयितासाथे | चादयिताध्वे |
| | चादयिताहे | चादयितास्वहे | चादयितास्महे |
| भ० | चादयिष्यते | चादयिष्येते | चादयिष्यन्ते |
| | चादयिष्यसे | चादयिष्येथे | चादयिष्यध्वे |
| | चादयिष्ये | चादयिष्यावहे | चादयिष्यामहे |
| क्रि० | अचादयिष्यत | अचादयिष्येताम् | अचादयिष्यन्त |
| | अचादयिष्यथाः | अचादयिष्येथाम् | अचादयिष्यध्वम् |
| | अचादयिष्ये | अचादयिष्यावहि | अचादयिष्यामहि |

904 ऊबुद्धिग (बुद्धि) निशामने

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| व० बुद्धयति | बुद्धयतः | बुद्धयन्ति |
| बुद्धयसि | बुद्धयथः | बुद्धयथ |
| बुद्धयामि | बुद्धयावः | बुद्धयामः |
| स० बुद्धयेत् | बुद्धयेताम् | बुद्धयेयुः |
| बुद्धयेः | बुद्धयेतम् | बुद्धयेत |
| बुद्धयेयम् | बुद्धयेव | बुद्धयेम |
| प० बुद्धयतु | बुद्धयताम् | बुद्धयन्तु |
| बुद्धय | बुद्धयतम् | बुद्धयत |
| बुद्धयानि | बुद्धयाव | बुद्धयाम |
| ह्य० अबुद्धयत् | अबुद्धयताम् | अबुद्धयन् |
| अबुद्धयः | अबुद्धयतम् | अबुद्धयत |
| अबुद्धयम् | अबुद्धयाव | अबुद्धयाम |
| अ० अबुद्धयत् | अबुद्धयताम् | अबुद्धयन् |
| अबुद्धयः | अबुद्धयतम् | अबुद्धयत |
| अबुद्धयम् | अबुद्धयाव | अबुद्धयाम |
| प० बुद्धयाश्चक्र | बुद्धयाश्चक्रतुः | बुद्धयाश्चक्रुः |
| बुद्धयाश्चक्रं | बुद्धयाश्चक्रथुः | बुद्धयाश्चक्र |
| बुद्धयाश्चक्र-चक्र | बुद्धयाश्चक्रव | बुद्धयाश्चक्रम |
| बुद्धयाम्बभूव | बुद्धयामास | |
| आ० बुद्ध्यात् | बुद्ध्यास्ताम् | बुद्ध्यासुः |
| बुद्ध्याः | बुद्ध्यास्तम् | बुद्ध्यास्त |
| बुद्ध्यासम् | बुद्ध्यास्व | बुद्ध्यास्म |
| भ० बुद्धयिता | बुद्धयितारौ | बुद्धयितारः |
| बुद्धयितासि | बुद्धयितास्थः | बुद्धयितास्थ |
| बुद्धयितासिम् | बुद्धयितास्वः | बुद्धयितास्मः |
| भ० बुद्धयिष्यति | बुद्धयिष्यतः | बुद्धयिष्यन्ति |
| बुद्धयिष्यसि | बुद्धयिष्यथः | बुद्धयिष्यथ |
| बुद्धयिष्यामि | बुद्धयिष्यावः | बुद्धयिष्यामः |
| क्रि० अबुद्धयिष्यत् | अबुद्धयिष्यताम् | अबुद्धयिष्यन् |
| अबुद्धयिष्यः | अबुद्धयिष्यतम् | अबुद्धयिष्यत |
| अबुद्धयिष्यम् | अबुद्धयिष्याव | अबुद्धयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| व० बुद्धयते | बुद्धयेते | बुद्धयन्ते |
| बुद्धयसे | बुद्धयेथे | बुद्धयध्वे |
| बुद्धये | बुद्धयावहे | बुद्धयामहे |
| स० बुद्धयेत | बुद्धयेयाताम् | बुद्धयेरन् |
| बुद्धयेथाः | बुद्धयेयाथाम् | बुद्धयेध्वम् |
| बुद्धयेय | बुद्धयेवहि | बुद्धयेमहि |
| प० बुद्धयताः | बुद्धयेताम् | बुद्धयन्ताम् |
| बुद्धयस्व | बुद्धयेथाम् | बुद्धयध्वम् |
| बुद्धयै | बुद्धयावहे | बुद्धयामहे |
| ह्य० अबुद्धयत | अबुद्धयेताम् | अबुद्धयन्त |
| अबुद्धयथाः | अबुद्धयेथाम् | अबुद्धयध्वम् |
| अबुद्धये | अबुद्धयावहि | अबुद्धयामहि |
| अ० अबुद्धयत | अबुद्धयेताम् | अबुद्धयन्त |
| अबुद्धयथाः | अबुद्धयेथाम् | अबुद्धयध्वम् |
| अबुद्धये | अबुद्धयावहि | अबुद्धयामहि |
| प० बुद्धयाश्चक्रे | बुद्धयाश्चक्राते | बुद्धयाश्चक्रिरे |
| बुद्धयाश्चक्रुषे | बुद्धयाश्चक्राथे | बुद्धयाश्चक्रुध्वे |
| बुद्धयाश्चक्रे | बुद्धयाश्चक्रवहे | बुद्धयाश्चक्रमहे |
| बुद्धयाम्बभूव | बुद्धयामास | |
| आ० बुद्धयिषीष्ट | बुद्धयिषीयास्ताम् | बुद्धयिषीरन् |
| बुद्धयिषीष्टा | बुद्धयिषीयास्थाम् | बुद्धयिषीध्वम् |
| बुद्धयिषीय | बुद्धयिषीवहि | बुद्धयिषीमहि |
| भ० बुद्धयिता | बुद्धयितारौ | बुद्धयितारः |
| बुद्धयितासे | बुद्धयितागथे | बुद्धयिताध्वे |
| बुद्धयिताहे | बुद्धयितावहे | बुद्धयितामहे |
| भ० बुद्धयिष्यते | बुद्धयिष्येते | बुद्धयिष्यन्ते |
| बुद्धयिष्यसे | बुद्धयिष्येथे | बुद्धयिष्यध्वे |
| बुद्धयिष्ये | बुद्धयिष्यावहे | बुद्धयिष्यामहे |
| क्रि० अबुद्धयिष्यत | अबुद्धयिष्येताम् | अबुद्धयिष्यन्त |
| अबुद्धयिष्यथाः | अबुद्धयिष्येथाम् | अबुद्धयिष्यध्वम् |
| अबुद्धयिष्ये | अबुद्धयिष्यावहि | अबुद्धयिष्यामहि |

905 णिट्गु (निद्) कुत्सासन्निकर्षयोः

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| ब० | नेदयति | नेदयतः | नेदयन्ति |
| | नेदयसि | नेदयथः | नेदयथ |
| | नेदयामि | नेदयावः | नेदयामः |
| स० | नेदयेत् | नेदयेताम् | नेदयेयुः |
| | नेदयेः | नेदयेतम् | नेदयेत |
| | नेदयेयम् | नेदयेव | नेदयेम |
| प० | नेदयतु | नेदयतात् | नेदयताम् |
| | नेदय | नेदयतात् | नेदयतम् |
| | नेदयानि | नेदयाव | नेदयाम |
| ल्य० | अनेदयत् | अनेदयताम् | अनेदयन् |
| | अनेदयः | अनेदयतम् | अनेदयत |
| | अनेदयम् | अनेदयाव | अनेदयाम |
| अ० | अनिनेदत् | अनिनेदताम् | अनिनेदन् |
| | अनिनेदः | अनिनेदतम् | अनिनेदत |
| | अनिनेदम् | अनिनेदाव | अनिनेदाम |
| प० | नेदयाश्चकार | नेदयाश्चक्रुः | नेदयाश्चक्रुः |
| | नेदयाश्चकर्ष | नेदयाश्चक्रुः | नेदयाश्चक्रुः |
| | नेदयाश्चकार-चकर | नेदयाश्चक्रुः | नेदयाश्चक्रुः |
| | नेदयाम्बभूव | नेदयामास | |
| आ० | नेद्यात् | नेद्यास्ताम् | नेद्यासुः |
| | नेद्याः | नेद्यास्तम् | नेद्यास्त |
| | नेद्यासम् | नेद्यास्व | नेद्यास्म |
| श्व० | नेदयिता | नेदयितारौ | नेदयितारः |
| | नेदयितासि | नेदयितास्यः | नेदयितास्य |
| | नेदयितास्मि | नेदयितास्वः | नेदयितास्मः |
| भ० | नेदयिष्यति | नेदयिष्यतः | नेदयिष्यन्ति |
| | नेदयिष्यसि | नेदयिष्यथः | नेदयिष्यथ |
| | नेदयिष्यामि | नेदयिष्यावः | नेदयिष्यामः |
| क्रि० | अनेदयिष्यत् | अनेदयिष्यताम् | अनेदयिष्यन् |
| | अनेदयिष्यः | अनेदयिष्यतम् | अनेदयिष्यत |
| | अनेदयिष्यम् | अनेदयिष्याव | अनेदयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| ब० | नेदयते | नेदयेते | नेदयन्ते |
| | नेदयसे | नेदयेथे | नेदयन्वे |
| | नेदये | नेदयावहे | नेदयामहे |
| स० | नेदयेत | नेदयेयाताम् | नेदयरन् |
| | नेदयेथाः | नेदयेयाथाम् | नेदयन्वम् |
| | नेदयेय | नेदयेवहि | नेदयेमहि |
| प० | नेदयताम् | नेदयेताम् | नेदयन्ताम् |
| | नेदयस्व | नेदयेथाम् | नेदयन्वम् |
| | नेदये | नेदयावहे | नेदयामहे |
| ल्य० | अनेदयत | अनेदयेताम् | अनेदयन्त |
| | अनेदयथाः | अनेदयेथाम् | अनेदयन्वम् |
| | अनेदये | अनेदयावहि | अनेदयामहि |
| अ० | अनिनेदत | अनिनेदेताम् | अनिनेदन्त |
| | अनिनेदथाः | अनिनेदेथाम् | अनिनेदन्वम् |
| | अनिनेदे | अनिनेदावहि | अनिनेदामहि |
| प० | नेदयाश्चक्रे | नेदयाश्चक्राते | नेदयाश्चकिरे |
| | नेदयाश्चक्रे | नेदयाश्चक्राये | नेदयाश्चकृदये |
| | नेदयाश्चक्रे | नेदयाश्चक्रुहे | नेदयाश्चक्रुमहे |
| | नेदयाम्बभूव | नेदयामात | |
| आ० | नेदयिषीष्ट | नेदयिषीयास्ताम् | नेदयिषीरन् |
| | नेदयिषीष्टाः | नेदयिषीयास्थाम् | नेदयिषीड्वम् |
| | | | अम् |
| | नेदयिषीय | नेदयिषीवहि | नेदयिषीमहि |
| श्व० | नेदयिता | नेदयितारौ | नेदयितारः |
| | नेदयितासे | नेदयितासाथे | नेदयिताध्वे |
| | नेदयिताहे | नेदयितास्वहे | नेदयितास्महे |
| भ० | नेदयिष्यते | नेदयिष्येते | नेदयिष्यन्ते |
| | नेदयिष्यसे | नेदयिष्येथे | नेदयिष्यन्वे |
| | नेदयिष्ये | नेदयिष्यावहे | नेदयिष्यामहे |
| क्रि० | अनेदयिष्यत् | अनेदयिष्येताम् | अनेदयिष्यन्त |
| | अनेदयिष्यथाः | अनेदयिष्येथाम् | अनेदयिष्यन्वम् |
| | अनेदयिष्ये | अनेदयिष्यावहि | अनेदयिष्यामहि |

906 णिट्गु(नेद्) कुत्सासन्निकर्षयोः 905 णिट्गुवद्भागे

१०७ मिदृग् (मिद्) मेधाहिसयोः ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | मेदयति | मेदयतः | मेदयन्ति |
| | मेदयसि | मेदयथः | मेदयथ |
| | मेदयामि | मेदयावः | मेदयामः |
| स० | मेदयेत् | मेदयेताम् | मेदयेयुः |
| | मेदयेः | मेदयेतम् | मेदयेत |
| | मेदयेयम् | मेदयेव | मेदयेम |
| प० | मेदयतु | मेदयतात् | मेदयताम् |
| | मेदय | मेदयतात् | मेदयतम् |
| | मेदयानि | मेदयाव | मेदयाम |
| ह्य० | अमेदयत् | अमेदयताम् | अमेदयन् |
| | अमेदयः | अमेदयतम् | अमेदयत |
| | अमेदयम् | अमेदयाव | अमेदयाम |
| अ० | अमिमेदत् | अमिमेदताम् | अमिमेदन् |
| | अमिमेदः | अमिमेदतम् | अमिमेदत |
| | अमिमेदम् | अमिमेदाव | अमिमेदाम |
| प० | मेदयाञ्चकार | मेदयाञ्चकतुः | मेदयाञ्चकुः |
| | मेदयाञ्चकर्थ | मेदयाञ्चकथुः | मेदयाञ्चक |
| | मेदयाञ्चकार-चकर | मेदयाञ्चकृव | मेदयाञ्चकृम |
| | मेदयाञ्चभूव | मेदयामास | |
| आ० | मेद्यात् | मेद्यास्ताम् | मेद्यासुः |
| | मेद्याः | मेद्यास्तम् | मेद्यास्त |
| | मेद्यासम् | मेद्यास्व | मेद्यास्म |
| श्व० | मेदयिता | मेदयितारौ | मेदयितारः |
| | मेदयितासि | मेदयितास्थः | मेदयितास्थ |
| | मेदयितास्मि | मेदयितास्वः | मेदयितास्मः |
| भ० | मेदयिष्यति | मेदयिष्यतः | मेदयिष्यन्ति |
| | मेदयिष्यसि | मेदयिष्यथः | मेदयिष्यथ |
| | मेदयिष्यामि | मेदयिष्यावः | मेदयिष्यामः |
| क्रि० | अमेदयिष्यत् | अमेदयिष्यताम् | अमेदयिष्यन् |
| | अमेदयिष्यः | अमेदयिष्यतम् | अमेदयिष्यत |
| | अमेदयिष्यम् | अमेदयिष्याव | अमेदयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | मेदयते | मेदयते | मेदयन्ते |
| | मेदयसे | मेदयथे | मेदयथे |
| | मेदये | मेदयावहे | मेदयामहे |
| स० | मेदयत | मेदययताम् | मेदययन् |
| | मेदयथाः | मेदययथा | मेदयय्वम् |
| | मेदययथ | मेदययवहि | मेदययमहि |
| प० | मेदयताम् | मेदयताम् | मेदयन्ताम् |
| | मेदयस्व | मेदयथाम् | मेदयय्वम् |
| | मेदये | मेदयावहे | मेदयामहे |
| ह्य० | अमेदयत | अमेदयताम् | अमेदयन्त |
| | अमेदयथाः | अमेदयथाम् | अमेदयय्वम् |
| | अमेदये | अमेदयावहि | अमेदयामहि |
| अ० | अमिमेदत | अमिमेदेताम् | अमिमेदन्त |
| | अमिमेदथाः | अमिमेदेथाम् | अमिमेदय्वम् |
| | अमिमेदे | अमिमेदावहि | अमिमेदामहि |
| प० | मेदयाञ्चके | मेदयाञ्चकते | मेदयाञ्चकिरे |
| | मेदयाञ्चकृपे | मेदयाञ्चकथे | मेदयाञ्चकृद्वे |
| | मेदयाञ्चक्रे | मेदयाञ्चकृवहे | मेदयाञ्चकृमहे |
| | मेदयाञ्चभूव | मेदयामास | |
| आ० | मेदयिषीष्ट | मेदयिषीयास्ताम् | मेदयिषीरन् |
| | मेदयिषीष्टाः | मेदयिषीयास्थाम् | मेदयिषीढ्वम् |
| | मेदयिषीय | मेदयिषीवहि | मेदयिषीमहि |
| ष० | मेदयिता | मेदयितारौ | मेदयितारः |
| | मेदयितासे | मेदयितासाथे | मेदयिताथे |
| | मेदयिताहे | मेदयितास्वहे | मेदयितास्महे |
| भ० | मेदयिष्यते | मेदयिष्येते | मेदयिष्यन्ते |
| | मेदयिष्यसे | मेदयिष्येथे | मेदयिष्यथे |
| | मेदयिष्ये | मेदयिष्यावहे | मेदयिष्यामहे |
| क्रि० | अमेदयिष्यत | अमेदयिष्येताम् | अमेदयिष्यन्त |
| | अमेदयिष्यथाः | अमेदयिष्येथाम् | अमेदयिष्यय्वम् |
| | अमेदयिष्ये | अमेदयिष्यावहि | अमेदयिष्यामहि |

॥ अथ धान्ताश्चत्वारः ॥

909 मेधृग (मेध्) संगमे च ।

| | | | |
|-------|---------------|---------------|---------------|
| व० | मेधयति | मेधयतः | मेधयन्ति |
| | मेधयसि | मेधयथः | मेधयथ |
| | मेधयामि | मेधयावः | मेधयामः |
| स० | मेधयेत् | मेधयेताम् | मेधयेयुः |
| | मेधयेः | मेधयेतम् | मेधयेत |
| | मेधयेयम् | मेधयेव | मेधयेम |
| प० | मेधयतु | मेधयतात् | मेधयताम् |
| | मेधय | मेधयतात् | मेधयतम् |
| | मेधयानि | मेधयाव | मेधयाम |
| ह्य० | अमेधयत् | अमेधयताम् | अमेधयन् |
| | अमेधयः | अमेधयतम् | अमेधयत |
| | अमेधयम् | अमेधयाव | अमेधयाम |
| अ० | अमिमेधत् | अमिमेधताम् | अमिमेधन् |
| | अमिमेधः | अमिमेधतम् | अमिमेधत |
| | अमिमेधम् | अमिमेधाव | अमिमेधाम |
| प० | मेधयाश्चकार | मेधयाश्चक्रुः | मेधयाश्चक्रुः |
| | मेधयाश्चकथं | मेधयाश्चक्रुः | मेधयाश्चक्रुः |
| | मेधयाश्चकार | मेधयाश्चक्रुः | मेधयाश्चक्रुः |
| | मेधयाश्चक्रुः | मेधयाश्चक्रुः | मेधयाश्चक्रुः |
| आ० | मेध्यात् | मेध्यास्ताम् | मेध्यासुः |
| | मेध्याः | मेध्यास्तम् | मेध्यास्त |
| | मेध्यासम् | मेध्यास्व | मेध्यास्म |
| भ० | मेधयिता | मेधयितारौ | मेधयितारः |
| | मेधयितासि | मेधयितास्थः | मेधयितास्थ |
| | मेधयितास्मि | मेधयितास्वः | मेधयितास्मः |
| म० | मेधयिष्यति | मेधयिष्यतः | मेधयिष्यन्ति |
| | मेधयिष्यसि | मेधयिष्यथः | मेधयिष्यथ |
| | मेधयिष्यामि | मेधयिष्यावः | मेधयिष्यामः |
| क्रि० | अमेधयिष्यत् | अमेधयिष्यताम् | अमेधयिष्यन् |
| | अमेधयिष्यः | अमेधयिष्यतम् | अमेधयिष्यत |
| | अमेधयिष्यम् | अमेधयिष्याव | अमेधयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | मेधयते | मेधयते | मेधयन्ते |
| | मेधयसे | मेधयसे | मेधयध्वे |
| | मेधये | मेधयावहे | मेधयामहे |
| स० | मेधयेत् | मेधयेयाताम् | मेधयेरन् |
| | मेधयेथाः | मेधयेयाथाम् | मेधयेध्वम् |
| | मेधयेय | मेधयेवहि | मेधयेध्वहि |
| प० | मेधयताम् | मेधयेताम् | मेधयन्ताम् |
| | मेधयस्व | मेधयेथाम् | मेधयध्वम् |
| | मेधये | मेधयावहे | मेधयामहे |
| ह्य० | अमेधयत | अमेधयेताम् | अमेधयन्त |
| | अमेधयथाः | अमेधयेथाम् | अमेधयध्वम् |
| | अमेधये | अमेधयावहि | अमेधयामहि |
| अ० | अमिमेधत | अमिमेधेताम् | अमिमेधन्त |
| | अमिमेधथाः | अमिमेधेथाम् | अमिमेधध्वम् |
| | अमिमेधे | अमिमेधावहि | अमिमेधामहि |
| प० | मेधयाश्चक्रे | मेधयाश्चक्राते | मेधयाश्चक्रिरे |
| | मेधयाश्चक्रुषे | मेधयाश्चक्राये | मेधयाश्चक्रुद्वे |
| | मेधयाश्चक्रे | मेधयाश्चक्रुवहे | मेधयाश्चक्रुमहे |
| | मेधयाश्चक्रुव | मेधयाश्चक्रुव | मेधयाश्चक्रुव |
| आ० | मेधयिषीष्ट | मेधयिषीयास्ताम् | मेधयिषीरन् |
| | मेधयिषीष्ठाः | मेधयिषीयास्थाम् | मेधयिषीद्वम् |
| | मेधयिषीय | मेधयिषीवहि | मेधयिषीमहि |
| भ० | मेधयिता | मेधयितारौ | मेधयितारः |
| | मेधयितासे | मेधयितासाये | मेधयिताध्वे |
| | मेधयिताहे | मेधयितास्वहे | मेधयितास्महे |
| म० | मेधयिष्यते | मेधयिष्येते | मेधयिष्यन्ते |
| | मेधयिष्यसे | मेधयिष्येये | मेधयिष्यध्वे |
| | मेधयिष्ये | मेधयिष्यावहे | मेधयिष्यामहे |
| क्रि० | अमेधयिष्यत | अमेधयिष्येताम् | अमेधयिष्यन्त |
| | अमेधयिष्यथाः | अमेधयिष्येथाम् | अमेधयिष्यध्वम् |
| | अमेधयिष्ये | अमेधयिष्यावहि | अमेधयिष्यामहि |

११० शृङ्ग (शृङ्) उन्ने ।

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० शर्द्ययति | शर्द्ययतः | शर्द्ययन्ति |
| शर्द्ययसि | शर्द्ययथः | शर्द्ययथ |
| शर्द्ययामि | शर्द्ययावः | शर्द्ययामः |
| स० शर्द्ययेत् | शर्द्ययेताम् | शर्द्ययेयुः |
| शर्द्ययेः | शर्द्ययेतम् | शर्द्ययेत |
| शर्द्ययेयम् | शर्द्ययेव | शर्द्ययेम |
| प० शर्द्ययतु | शर्द्ययतात् | शर्द्ययताम् |
| शर्द्यय | शर्द्ययतात् | शर्द्ययतम् |
| शर्द्ययानि | शर्द्ययाव | शर्द्ययाम |
| ह्य० अशर्द्ययत् | अशर्द्ययताम् | अशर्द्ययन् |
| अशर्द्ययः | अशर्द्ययतम् | अशर्द्ययत |
| अशर्द्ययम् | अशर्द्ययाव | अशर्द्ययाम |
| अ० अशीशृङ्घत | अशीशृङ्घताम् | अशीशृङ्घन् |
| अशीशृङ्घः | अशीशृङ्घतम् | अशीशृङ्घत |
| अशीशृङ्घम् | अशीशृङ्घाव | अशीशृङ्घाम |
| अशशर्द्यत् | अशशर्द्यताम् | अशशर्द्यन् ६० |
| ५० शर्द्ययाश्चकार | शर्द्ययाश्चक्रुः | शर्द्ययाश्चकुः |
| शर्द्ययाश्चकथं | शर्द्ययाश्चक्रुः | शर्द्ययाश्चक |
| शर्द्ययाश्चकार चकर | शर्द्ययाश्चक्रुव | शर्द्ययाश्चक्रम |
| शर्द्ययाम्बभूव | शर्द्ययामास | |
| आ० शर्द्यात् | शर्द्यास्ताम् | शर्द्यासुः |
| शर्द्याः | शर्द्यास्तम् | शर्द्यास्त |
| शर्द्यासम् | शर्द्यास्व | शर्द्यास्म |
| श्र० शर्द्ययिता | शर्द्ययितारौ | शर्द्ययितारः |
| शर्द्ययितासि | शर्द्ययितास्थः | शर्द्ययितास्थ |
| शर्द्ययितासिम् | शर्द्ययितास्वः | शर्द्ययितास्मः |
| भ० शर्द्ययिष्यति | शर्द्ययिष्यतः | शर्द्ययिष्यन्ति |
| शर्द्ययिष्यसि | शर्द्ययिष्यथः | शर्द्ययिष्यथ |
| शर्द्ययिष्यामि | शर्द्ययिष्यावः | शर्द्ययिष्यामः |
| कि० अशर्द्ययिष्यत् | अशर्द्ययिष्यताम् | अशर्द्ययिष्यन् |
| अशर्द्ययिष्यः | अशर्द्ययिष्यतम् | अशर्द्ययिष्यत |
| अशर्द्ययिष्यम् | अशर्द्ययिष्याव | अशर्द्ययिष्याम |

| | | |
|--------------------|--------------------|-------------------|
| व० शर्द्ययते | शर्द्ययेते | शर्द्ययन्ते |
| शर्द्ययसे | शर्द्ययेथे | शर्द्ययध्वे |
| शर्द्यये | शर्द्ययावहे | शर्द्ययामहे |
| स० शर्द्ययेत | शर्द्ययेयाताम् | शर्द्ययेरन् |
| शर्द्ययेथाः | शर्द्ययेयाथाम् | शर्द्ययेध्वम् |
| शर्द्ययेय | शर्द्ययेवहि | शर्द्ययेवहि |
| प० शर्द्ययताम् | शर्द्ययेताम् | शर्द्ययन्ताम् |
| शर्द्ययस्व | शर्द्ययेथाम् | शर्द्ययध्वम् |
| शर्द्यये | शर्द्ययावहे | शर्द्ययामहे |
| ह्य० अशर्द्ययत् | अशर्द्ययेताम् | अशर्द्ययन्त |
| अशर्द्ययथाः | अशर्द्ययेथाम् | अशर्द्ययध्वम् |
| अशर्द्यये | अशर्द्ययावहि | अशर्द्ययामहि |
| अ० अशीशृङ्घत | अशीशृङ्घेताम् | अशीशृङ्घन्त |
| अशीशृङ्घथाः | अशीशृङ्घथाम् | अशीशृङ्घध्वम् |
| अशीशृङ्घे | अशीशृङ्घावहि | अशीशृङ्घामहि |
| अशशर्द्यत् | अशशर्द्येताम् | अशशर्द्यन्त ६० |
| प० शर्द्ययाश्चक्रे | शर्द्ययाश्चकते | शर्द्ययाश्चक्रिरे |
| शर्द्ययाश्चक्रुथे | शर्द्ययाश्चक्राथे | शर्द्ययाश्चक्रुथे |
| शर्द्ययाश्चकं | शर्द्ययाश्चक्रुवहे | शर्द्ययाश्चक्रमहे |
| शर्द्ययाम्बभूव | शर्द्ययामास | |
| आ० शर्द्ययिषीष्ट | शर्द्ययिषीयास्ताम् | शर्द्ययिषीरन् |
| शर्द्ययिषीष्टाः | शर्द्ययिषीयास्थाम् | शर्द्ययिषीध्वम् |
| शर्द्ययिषीय | शर्द्ययिषीवहि | शर्द्ययिषीमहि |
| श्र० शर्द्ययिता | शर्द्ययितारौ | शर्द्ययितारः |
| शर्द्ययितासे | शर्द्ययितासाथे | शर्द्ययिताध्वे |
| शर्द्ययिताहे | शर्द्ययितास्वहे | शर्द्ययितास्महे |
| भ० शर्द्ययिष्यते | शर्द्ययिष्येते | शर्द्ययिष्यन्ते |
| शर्द्ययिष्यसे | शर्द्ययिष्येथे | शर्द्ययिष्यध्वे |
| शर्द्ययिष्ये | शर्द्ययिष्यावहे | शर्द्ययिष्यामहे |
| कि० अशर्द्ययिष्यत् | अशर्द्ययिष्येताम् | अशर्द्ययिष्यन्त |
| अशर्द्ययिष्यथाः | अशर्द्ययिष्येथाम् | अशर्द्ययिष्यध्वम् |
| अशर्द्ययिष्ये | अशर्द्ययिष्यावहि | अशर्द्ययिष्यामहि |

१।। मृधृग (मृधृ) उन्दे ।

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|----------------|
| व० | मर्धयति | मर्धयतः | मर्धयन्ति |
| | मर्धयसि | मर्धयथः | मर्धयथ |
| | मर्धयामि | मर्धयावः | मर्धयामः |
| स० | मर्धयेत् | मर्धयेताम् | मर्धयेयुः |
| | मर्धयेः | मर्धयेतम् | मर्धयेत |
| | मर्धयेयम् | मर्धयेव | मर्धयेम |
| प० | मर्धयतु | मर्धयतात् | मर्धयताम् |
| | मर्धय | मर्धयतात् | मर्धयतम् |
| | मर्धयानि | मर्धयाव | मर्धयाम |
| ह्य० | अमर्धयत् | अमर्धयताम् | अमर्धयन् |
| | अमर्धयः | अमर्धयतम् | अमर्धयत |
| | अमर्धयम् | अमर्धयाव | अमर्धयाम |
| अ० | अमीमृधत् | अमीमृधताम् | अमीमृधन् |
| | अमीमृधः | अमीमृधतम् | अमीमृधत |
| | अमीमृधम् | अमीमृधाव | अमीमृधाम |
| | अममर्धत् | अममर्धताम् | अममर्धन् इ० |
| प० | मर्धयाश्चकार | मर्धयाश्चक्रुः | मर्धयाश्चकुः |
| | मर्धयाश्चकथं | मर्धयाश्चक्रुः | मर्धयाश्चक |
| | मर्धयाश्चकार-चक्र | मर्धयाश्चक्रव | मर्धयाश्चक्रुम |
| | मर्धयाश्चभूव | । | मर्धयामास |
| भा० | मर्ध्यात् | मर्ध्यास्ताम् | मर्ध्यासुः |
| | मर्ध्याः | मर्ध्यास्तम् | मर्ध्यास्त |
| | मर्ध्यास्तम् | मर्ध्यास्व | मर्ध्यास्म |
| ध० | मर्धयिता | मर्धयितारौ | मर्धयितारः |
| | मर्धयितासि | मर्धयितास्थः | मर्धयितास्थ |
| | मर्धयितास्मि | मर्धयितास्वः | मर्धयितास्म |
| भ० | मर्धयिष्यति | मर्धयिष्यतः | मर्धयिष्यन्ति |
| | मर्धयिष्यसि | मर्धयिष्यथः | मर्धयिष्यथ |
| | मर्धयिष्यामि | मर्धयिष्यावः | मर्धयिष्यामः |
| क्रि० | अमर्धयिष्यत् | अमर्धयिष्यताम् | अमर्धयिष्यन् |
| | अमर्धयिष्यः | अमर्धयिष्यतम् | अमर्धयिष्यत |
| | अमर्धयिष्यम् | अमर्धयिष्याव | अमर्धयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|----------------------|
| व० | मर्धयेते | मर्धयेते | मर्धयन्ते |
| | मर्धयेसे | मर्धयेथे | मर्धय वे |
| | मर्धये | मर्धयावहे | मर्धयामहे |
| स० | मर्धयेत | मर्धयेयाताम् | मर्धयेरन् |
| | मर्धयेथाः | मर्धयेयाथाम् | मर्धयेष्वम् |
| | मर्धयेथ | मर्धयेवहि | मर्धयेमहि |
| प० | मर्धयताम् | मर्धयेताम् | मर्धयन्ताम् |
| | मर्धयस्व | मर्धयेयाम् | मर्धयेष्वम् |
| | मर्धये | मर्धयावहे | मर्धयामहे |
| ह्य० | अमर्धयत् | अमर्धयेताम् | अमर्धयन्त |
| | अमर्धयेथाः | अमर्धयेथाम् | अमर्धयेष्वम् |
| | अमर्धये | अमर्धयावहि | अमर्धयामहि |
| अ० | अमीमृधत् | अमीमृधेताम् | अमीमृधन्त |
| | अमीमृधथाः | अमीमृधेथाम् | अमीमृधेष्वम् |
| | अमीमृधे | अमीमृधावहि | अमीमृधामहि |
| | अममर्धत् | अममर्धेताम् | अममर्धन्त इ० |
| प० | मर्धयाश्चक्रे | मर्धयाश्चक्रते | मर्धयाश्चक्रिरे |
| | मर्धयाश्चकृषे | मर्धयाश्चक्राये | मर्धयाश्चकृदवे |
| | मर्धयाश्चक्रे | मर्धयाश्चकृवहे | मर्धयाश्चकृमहे |
| | मर्धयाश्चभूव | । | मर्धयामास |
| भा० | मर्धयिषीष्ट | मर्धयिषीयास्ताम् | मर्धयिषीरन् |
| | मर्धयिषीष्टाः | मर्धयिषीयास्थाम् | मर्धयिषीद्व ष्वम् |
| | मर्धयिषीय | मर्धयिषीवहि | मर्धयिषीमहि |
| ध० | मर्धयिता | मर्धयितारौ | मर्धयितारः |
| | मर्धयितासे | मर्धयितासाथे | मर्धयिताश्वे |
| | मर्धयिताहे | मर्धयितास्वहे | मर्धयितास्महे |
| भ० | मर्धयिष्यते | मर्धयिष्येते | मर्धयिष्यन्ते |
| | मर्धयिष्यसे | मर्धयिष्येथे | मर्धयिष्येवे |
| | मर्धयिष्ये | मर्धयिष्यावहे | मर्धयिष्यामहे |
| क्रि० | अमर्धयिष्यत् | अमर्धयिष्येताम् | अमर्धयिष्यन्त |
| | अमर्धयिष्यथाः | अमर्धयिष्येथाम् | अमर्धयिष्येष्वम् |
| | अमर्धयिष्ये | अमर्धयिष्यावहि | अमर्धयिष्यामहि |

११२ बुध् (बुध्) बोधने ।

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------|----------------|
| ब० | बोधयति | बोधयतः | बोधयन्ति |
| | बोधयसि | बोधयथः | बोधयथ |
| | बोधयामि | बोधयावः | बोधयामः |
| स० | बोधयेत् | बोधयेताम् | बोधयेयुः |
| | बोधयेः | बोधयेतम् | बोधयेत |
| | बोधयेयम् | बोधयेव | बोधयेम |
| य० | बोधयतु | बोधयतात् | बोधयताम् |
| | बोधय | बोधयतात् | बोधयतम् |
| | बोधयानि | बोधयाव | बोधयाम |
| झ० | अबोधयत् | अबोधयताम् | अबोधयन् |
| | अबोधयः | अबोधयतम् | अबोधयत |
| | अबोधयम् | अबोधयाव | अबोधयाम |
| भ० | अबुबुधत् | अबुबुधताम् | अबुबुधन् |
| | अबुबुधः | अबुबुधतम् | अबुबुधत |
| | अबुबुधम् | अबुबुधाव | अबुबुधाम |
| प० | बोधयाश्चकार | बोधयाश्चक्रुः | बोधयाश्चकुः |
| | बोधयाश्चकथं | बोधयाश्चक्रथुः | बोधयाश्चक्रु |
| | बोधयाश्चकार-चकर | बोधयाश्चक्रुश्च | बोधयाश्चक्रुम् |
| | बोधयाम्बभूव | बोधयामास | |
| भा० | बोध्यत् | बोध्यास्ताम् | बोध्यास्तुः |
| | बोध्याः | बोध्यास्तम् | बोध्यास्त |
| | बोध्यासम् | बोध्यास्व | बोध्यास्म |
| ब० | बोधयिता | बोधयितारो | बोधयितारः |
| | बोधयितासि | बोधयितास्थः | बोधयितास्थ |
| | बोधयितास्मि | बोधयितास्वः | बोधयितास्मः |
| भ० | बोधयिष्यति | बोधयिष्यतः | बोधयिष्यन्ति |
| | बोधयिष्यसि | बोधयिष्यथः | बोधयिष्यथ |
| | बोधयिष्यामि | बोधयिष्यावः | बोधयिष्यामः |
| क्रि० | अबोधयिष्यत् | अबोधयिष्यताम् | अबोधयिष्यन् |
| | अबोधयिष्यः | अबोधयिष्यतम् | अबोधयिष्यत |
| | अबोधयिष्यम् | अबोधयिष्याव | अबोधयिष्याम |

॥ अथ नान्तास्रयः ॥

913 खनृग् (खन्) अवतारणे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | खानयति | खानयतः | खानयन्ति |
| | खानयसि | खानयथः | खानयथ |
| | खानयामि | खानयावः | खानयामः |
| स० | खानयेत् | खानयेताम् | खानयेयुः |
| | खानयेः | खानयेतम् | खानयेत |
| | खानयेयम् | खानयेव | खानयेम |
| प० | खानयतु | खानयतात् | खानयताम् |
| | खानय | खानयतात् | खानयतम् |
| | खानयानि | खानयाव | खानयाम |
| ह्य० | अखानयत् | अखानयताम् | अखानयन् |
| | अखानयः | अखानयतम् | अखानयत |
| | अखानयम् | अखानयाव | अखानयाम |
| भ० | अचीखनत् | अचीखनताम् | अचीखनन् |
| | अचीखनः | अचीखनतम् | अचीखनत |
| | अचीखनम् | अचीखनाव | अचीखनाम |
| प० | खानयाश्चकार | खानयाश्चक्रुः | खानयाश्चक्रुः |
| | खानयाश्चकथ | खानयाश्चकथुः | खानयाश्चक्र |
| | खानयाश्चकार-चक्र | खानयाश्चक्रुन् | खानयाश्चक्रुम |
| | खानयाम्बभूव | । | खानयामास |
| भा० | खान्यात् | खान्यास्ताम् | खान्यासुः |
| | खान्याः | खान्यास्तम् | खान्यास्त |
| | खान्यासम् | खान्यास्व | खान्यास्म |
| च० | खानयिता | खानयितारौ | खानयितारः |
| | खानयितासि | खानयितास्थः | खानयितास्थ |
| | खानयितास्मि | खानयितास्थः | खानयितास्थः |
| भ० | खानयिष्यति | खानयिष्यतः | खानयिष्यन्ति |
| | खानयिष्यसि | खानयिष्यथः | खानयिष्यथ |
| | खानयिष्यामि | खानयिष्यावः | खानयिष्यामः |
| क्रि० | अखानयिष्यत् | अखानयिष्यताम् | अखानयिष्यन् |
| | अखानयिष्यः | अखानयिष्यतम् | अखानयिष्यत |
| | अखानयिष्यम् | अखानयिष्याव | अखानयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | खानयते | खानयेते | खानयन्ते |
| | खानयसे | खानयेथे | खानयन्थे |
| | खानये | खानयावहे | खानयामहे |
| स० | खानयेत | खानयेयाताम् | खानयेयन् |
| | खानयेथाः | खानयेयाथाम् | खानयेय्वम् |
| | खानयेथ | खानयेवहि | खानयेमहि |
| प० | खानयताम् | खानयेताम् | खानयन्ताम् |
| | खानयस्व | खानयेथाम् | खानयध्वम् |
| | खानय | खानयावहे | खानयामहे |
| ह्य० | अखानयेत | अखानयेताम् | अखानयन्त |
| | अखानयेथाः | अखानयेथाम् | अखानयध्वम् |
| | अखानये | अखानयावहि | अखानयामहि |
| भ० | अचीखनत | अचीखनेताम् | अचीखनन्त |
| | अचीखनथाः | अचीखनेथाम् | अचीखनध्वम् |
| | अचीखने | अचीखनावहि | अचीखनामहि |
| प० | खानयाश्चक्रे | खानयाश्चक्रते | खानयाश्चक्रिरे |
| | खानयाश्चकृथे | खानयाश्चक्रथे | खानयाश्चकृत्वे |
| | खानयाश्चक्रे | खानयाश्चकृहे | खानयाश्चकृमहे |
| | खानयाम्बभूव | । | खानयामास |
| भा० | खानयिषीष्ट | खानयिषीयास्ताम् | खानयिषीरन् |
| | खानयिषीष्टाः | खानयिषीयास्थाम् | खानयिषीद्वम् |
| | खानयिषीय | खानयिषीवहि | खानयिषीमहि |
| च० | खानयिता | खानयितारौ | खानयितारः |
| | खानयितासे | खानयितासाथे | खानयिताध्वे |
| | खानयिताह | खानयितास्वहे | खानयितास्महे |
| भ० | खानयिष्यते | खानयिष्यत | खानयिष्यन्ते |
| | खानयिष्यसे | खानयिष्यथे | खानयिष्यन्थे |
| | खानयिष्ये | खानयिष्यावहे | खानयिष्यामहे |
| क्रि० | अखानयिष्यत् | अखानयिष्यताम् | अखानयिष्यन्त |
| | अखानयिष्यथाः | अखानयिष्येथाम् | अखानयिष्यध्वम् |
| | अखानयिष्ये | अखानयिष्यावहि | अखानयिष्यामहि |

914 दानी (दान्) अवदरणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० दानयति | दानयतः | दानयन्ति |
| दानयसि | दानयथः | दानयथ |
| दानयामि | दानयावः | दानयामः |
| स० दानयेत् | दानयेताम् | दानयेयुः |
| दानयेः | दानयेतम् | दानयेत |
| दानयेयम् | दानयेव | दानयेम |
| प० दानयतु | दानयतात् | दानयन्तु |
| दानय | दानयतात् | दानयत |
| दानयानि | दानयाव | दानयाम |
| श० अदानयत् | अदानयताम् | अदानयन् |
| अदानयः | अदानयतम् | अदानयत |
| अदानयम् | अदानयाव | अदानयाम |
| अ० अदीदन्त | अदीदन्ताम् | अदीदन् |
| अदीदनः | अदीदन्तम् | अदीदन्त |
| अदीदनम् | अदीदनाव | अदीदनाम |
| प० दानयाञ्चकार | दानयाञ्चक्रुः | दानयाञ्चकुः |
| दानयाञ्चकथं | दानयाञ्चकथुः | दानयाञ्चक |
| दानयाञ्चकार-चकर | दानयाञ्चकृव | दानयाञ्चकृम |
| दानयाञ्चभूव | दानयामास | |
| आ० दान्यात् | दान्यास्ताम् | दान्यासुः |
| दान्याः | दान्यास्तम् | दान्यास्त |
| दान्यासम् | दान्यास्व | दान्यास्म |
| श्व० दानयिता | दानयितारो | दानयितारः |
| दानयितासि | दानयितास्यः | दानयितास्य |
| दानयितास्मि | दानयितास्वः | दानयितास्मः |
| भ० दानयिष्यति | दानयिष्यतः | दानयिष्यन्ति |
| दानयिष्यसि | दानयिष्यथः | दानयिष्यथ |
| दानयिष्यामि | दानयिष्यावः | दानयिष्यामः |
| क्रि० अदानयिष्यत् | अदानयिष्यताम् | अदानयिष्यन् |
| अदानयिष्यः | अदानयिष्यतम् | अदानयिष्यत |
| अदानयिष्यम् | अदानयिष्याव | अदानयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ब० दानयते | दानयेते | दानयन्ते |
| दानयसे | दानयेथे | दानयध्वे |
| दानये | दानयावहे | दानयामहे |
| स० दानयेत | दानयेयाताम् | दानयेरन् |
| दानयेथाः | दानयेयाथाम | दानयेध्वम् |
| दानयेय | दानयेवहि | दानयेमहि |
| प० दानयताम् | दानयेताम् | दानयन्ताम् |
| दानयस्व | दानयेथाम् | दानयध्वम् |
| दानये | दानयावहे | दानयामहे |
| श० अदानयत | अदानयेताम् | अदानयन्त |
| अदानयथाः | अदानयेथाम् | अदानयध्वम् |
| अदानये | अदानयावहि | अदानयामहि |
| अ० अदीदनत | अदीदनेताम् | अदीदनन्त |
| अदीदनथाः | अदीदनेथाम् | अदीदनध्वम् |
| अदीदने | अदीदनावहि | अदीदनामहि |
| प० दानयाञ्चक्रे | दानयाञ्चकृते | दानयाञ्चकिरे |
| दानयाञ्चकृषे | दानयाञ्चकृषे | दानयाञ्चकृढ्वे |
| दानयाञ्चक्रे | दानयाञ्चकृचहे | दानयाञ्चकृमहे |
| दानयाञ्चभूव | दानयामास | |
| आ० दानयिषीष्ट | दानयिषीयास्ताम् | दानयिषीरन् |
| दानयिषीष्टाः | दानयिषीयास्थाम् | दानयिषीढ्वम् |
| दानयिषीय | दानयिषीवहि | दानयिषीमहि |
| श्व० दानयिता | दानयितारो | दानयितारः |
| दानयितासे | दानयितासाथे | दानयिताध्वे |
| दानयिताहे | दानयितास्वहे | दानयितास्महे |
| भ० दानयिष्यते | दानयिष्येते | दानयिष्यन्ते |
| दानयिष्यसे | दानयिष्येथे | दानयिष्यध्वे |
| दानयिष्ये | दानयिष्यावहे | दानयिष्यामहे |
| क्रि० अदानयिष्यत | अदानयिष्येताम् | अदानयिष्यन्त |
| अदानयिष्यथाः | अदानयिष्येथाम् | अदानयिष्यध्वम् |
| अदानयिष्ये | अदानयिष्यावहि | अदानयिष्यामहि |

हेजनादन्यत्र ११५ शानी (शान) तेजने ।

| | | | |
|------|------------------|----------------|---------------|
| व० | शानयति | शानयतः | शानयन्ति |
| | शानयसि | शानयथः | शानयथ |
| | शानयामि | शानयावः | शानयामः |
| स० | शानयेत् | शानयेताम् | शानयेयुः |
| | शानयेः | शानयेतम् | शानयेत |
| | शानयेयम् | शानयेव | शानयेम |
| प० | शानयतु | शानयतात् | शानयताम् |
| | शानय | शानयतात् | शानयताम् |
| | शानयानि | शानयाव | शानयाम |
| ह्य० | अशानयत् | अशानयताम् | अशानयन् |
| | अशानयः | अशानयतम् | अशानयत |
| | अशानयम् | अशानयाव | अशानयाम |
| अ० | अशीशनत् | अशीशनताम् | अशीशनन् |
| | अशीशनः | अशीशनतम् | अशीशनत |
| | अशीशनम् | अशीशनाव | अशीशनाम |
| प० | शानयाश्चकार | शानयाश्चक्रतुः | शानयाश्चक्रुः |
| | शानयाश्चकर्थ | शानयाश्चक्रथुः | शानयाश्चक्र |
| | शानयाश्चकार-चक्र | शानयाश्चक्रव | शानयाश्चक्रम |
| | शानयाश्चभूव | । | शानयामाव |
| आ० | शान्यात् | शान्यास्ताम् | शान्यास्तुः |
| | शान्याः | शान्यास्तम् | शान्यास्त |
| | शान्यासम् | शान्यास्व | शान्यासम |
| इ० | शानयिता | शानयितारी | शानयितारः |
| | शानयितासि | शानयितास्थः | शानयितास्थ |
| | शानयितास्मि | शानयितास्वः | शानयितास्मः |
| भ० | शानयिष्यति | शानयिष्यतः | शानयिष्यन्ति |
| | शानयिष्यसि | शानयिष्यथः | शानयिष्यथ |
| | शानयिष्यामि | शानयिष्यावः | शानयिष्यामः |
| कि० | अशानयिष्यत् | अशानयिष्यताम् | अशानयिष्यन् |
| | अशानयिष्यः | अशानयिष्यतम् | अशानयिष्यत |
| | अशानयिष्यम् | अशानयिष्याव | अशानयिष्याम |

| | | | |
|------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | शानयते | शानयते | शानयन्ते |
| | शानयते | शानयथे | शानयथे |
| | शानये | शानयावहे | शानयामहे |
| स० | शानयेत | शानयेयाताम् | शानयेयन् |
| | शानयेथाः | शानयेयाथाम | शानयेध्वम् |
| | शानयेय | शानयेवहि | शानयेमहि |
| प० | शानयताम् | शानयेताम् | शानयन्ताम् |
| | शानयस्व | शानयेथाम् | शानयध्वम् |
| | शानये | शानयावहे | शानयामहे |
| ह्य० | अशानयत | अशानयेताम् | अशानयन्त |
| | अशानयथाः | अशानयेथाम् | अशानयध्वम् |
| | अशानये | अशानयावहि | अशानयामहि |
| अ० | अशीशनत | अशीशनेताम् | अशीशनन्त |
| | अशीशनथाः | अशीशनेथाम् | अशीशनध्वम् |
| | अशीशने | अशीशनावहि | अशीशनामहि |
| प० | शानयाश्चक्रे | शानयाश्चक्रते | शानयाश्चक्रिरे |
| | शानयाश्चक्रे | शानयाश्चक्राये | शानयाश्चकृद्वे |
| | शानयाश्चक्रे | शानयाश्चक्रहे | शानयाश्चक्रमहे |
| | शानयाश्चभूव | । | शानयामाव |
| आ० | शानयिषीष्ट | शानयिषीस्ताम् | शानयिषीस्त |
| | शानयिषीष्टाः | शानयिषीष्टाथाम् | शानयिषीष्टध्वम् |
| | शानयिषीय | शानयिषीवहि | शानयिषीमहि |
| इ० | शानयिता | शानयितारी | शानयितारः |
| | शानयितासि | शानयितास्थे | शानयिताध्वे |
| | शानयिताहे | शानयितास्वहे | शानयितास्महे |
| भ० | शानयिष्यत | शानयिष्येते | शानयिष्यन्त |
| | शानयिष्यसे | शानयिष्येथे | शानयिष्यध्वे |
| | शानयिष्ये | शानयिष्यावहे | शानयिष्यामहे |
| कि० | अशानयिष्यत | अशानयिष्यताम् | अशानयिष्यन्त |
| | अशानयिष्यथाः | अशानयिष्येथाम् | अशानयिष्यध्वम् |
| | अशानयिष्ये | अशानयिष्यावहि | अशानयिष्यामहि |

तेजने =

॥ अथ पान्तः ॥

916 शपीं (शाप्) आक्रोशे ।

| | | | |
|-------|----------------|---------------|--------------|
| व० | शापयति | शापयतः | शापयन्ति |
| | शापयसि | शापयथः | शापयथ |
| | शापयामि | शापयावः | शापयामः |
| स० | शापयेत् | शापयेताम् | शापयेयुः |
| | शापयेः | शापयेतम् | शापयेत |
| | शापयेयम् | शापयेव | शापयेम |
| प० | शापयतु | शापयतात् | शापयन्तु |
| | शापय | शापयतात् | शापयत |
| | शापयानि | शापयाव | शापयाम |
| ह्य० | अशापयत् | अशापयताम् | अशापयन् |
| | अशापयः | अशापयतम् | अशापयत |
| | अशापयम् | अशापयाव | अशापयाम |
| अ० | अशीशपत् | अशीशपताम् | अशीशपन् |
| | अशीशपः | अशीशपतम् | अशीशपत |
| | अशीशपम् | अशीशपाव | अशीशपाम |
| प० | शापयाञ्चकार | शापयाञ्चकतुः | शापयाञ्चकुः |
| | शापयाञ्चक्य | शापयाञ्चक्युः | शापयाञ्चक |
| | शापयाञ्चक-चक्र | शापयाञ्चकव | शापयाञ्चकम् |
| | शापयाम्भव | । | शापयामास |
| आ० | शाप्यात् | शाप्यास्ताम् | शाप्यासुः |
| | शाप्याः | शाप्यास्तम् | शाप्यास्त |
| | शाप्यासम् | शाप्यास्व | शाप्यास्म |
| भ० | शापयिता | शापयितारौ | शापयितारः |
| | शापयितासि | शापयितास्थः | शापयितास्थ |
| | शापयितास्मि | शापयितास्वः | शापयितास्मः |
| भ० | शापयिष्यति | शापयिष्यतः | शापयिष्यन्ति |
| | शापयिष्यसि | शापयिष्यथः | शापयिष्यथ |
| | शापयिष्यामि | शापयिष्यावः | शापयिष्यामः |
| क्रि० | अशापयिष्यत् | अशापयिष्यताम् | अशापयिष्यन् |
| | अशापयिष्यः | अशापयिष्यतम् | अशापयिष्यत |
| | अशापयिष्यम् | अशापयिष्याव | अशापयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शापयते | शापयते | शापयन्ते |
| | शापयसे | शापयेथे | शापयध्वे |
| | शापये | शापयावहे | शापयामहे |
| स० | शापयेत | शापयेथाताम् | शापयेरन् |
| | शापयेथाः | शापयेथाथाम् | शापयेध्वम् |
| | शापयेथ | शापयेवहि | शापयेमहि |
| प० | शापयेताम् | शापयेताम् | शापयन्ताम् |
| | शापयस्व | शापयेथाम् | शापयध्वम् |
| | शापये | शापयावहे | शापयामहे |
| ह्य० | अशापयत | अशापयेताम् | अशापयन्त |
| | अशापयथाः | अशापयेथाम् | अशापयध्वम् |
| | अशापये | अशापयावहि | अशापयामहि |
| अ० | अशीशपत | अशीशपेताम् | अशीशपन्त |
| | अशीशपथाः | अशीशपेथाम् | अशीशपध्वम् |
| | अशीशपे | अशीशपावहि | अशीशपामहि |
| प० | शापयाञ्चके | शापयाञ्चकते | शापयाञ्चकिरे |
| | शापयाञ्चकृषे | शापयाञ्चकाये | शापयाञ्चकृद्वे |
| | शापयाञ्चके | शापयाञ्चकवहे | शापयाञ्चकमहे |
| | शापयाम्भव | । | शापयामास |
| आ० | शापयिषीष्ट | शापयिषीयास्ताम् | शापयिषीरन् |
| | शापयिषीष्ठाः | शापयिषीयास्थाम् | शापयिषीध्वम् |
| | शापयिषीथ | शापयिषीवहि | शापयिषीमहि |
| भ० | शापयिता | शापयितारौ | शापयितारः |
| | शापयितासे | शापयितासाथे | शापयिताध्वे |
| | शापयिताहे | शापयितास्वहे | शापयितास्महे |
| अ० | शापयिष्यते | शापयिष्येते | शापयिष्यन्ते |
| | शापयिष्यसे | शापयिष्येथे | शापयिष्यध्वे |
| | शापयिष्ये | शापयिष्यावहे | शापयिष्यामहे |
| क्रि० | अशापयिष्यत | अशापयिष्येताम् | अशापयिष्यन्त |
| | अशापयिष्यथाः | अशापयिष्येथाम् | अशापयिष्यध्वम् |
| | अशापयिष्ये | अशापयिष्यावहि | अशापयिष्यामहि |

॥ अथ यान्तौ ॥

११७ चायृग् (चायृ) पूजानिशामनयोः ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | चाययति | चाययतः | चाययन्ति |
| | चाययसि | चाययथः | चाययथ |
| | चाययामि | चाययावः | चाययामः |
| स० | चाययेत् | चाययेताम् | चाययेयुः |
| | चाययेः | चाययेतम् | चाययेत |
| | चाययेयम् | चाययेव | चाययेम |
| प० | चाययतु | चाययतात् | चाययन्तु |
| | चायय | चाययतात् | चाययतम् |
| | चाययानि | चाययाव | चाययाम |
| ह्य० | अचाययत् | अचाययताम् | अचाययन् |
| | अचाययः | अचाययतम् | अचाययत |
| | अचाययम् | अचाययाव | अचाययाम |
| अ० | अचचायत् | अचचायताम् | अचचायन् |
| | अचचायः | अचचायतम् | अचचायत |
| | अचचायम् | अचचायाव | अचचायाम |
| प० | चाययाश्चकार | चाययाश्चक्रुः | चाययाश्चकुः |
| | चाययाश्चकथं | चाययाश्चक्रथुः | चाययाश्चक्र |
| | चाययाश्चकार-चकर | चाययाश्चक्रुव | चाययाश्चक्रुम |
| | चाययाम्बभूव | । | चाययामास |
| आ० | चाय्यात् | चाय्यास्ताम् | चाय्यासुः |
| | चाय्याः | चाय्यास्तम् | चाय्यास्त |
| | चाय्यासम् | चाय्यास्व | चाय्यास्म |
| इ० | चाययिता | चाययितारौ | चाययितारः |
| | चाययितासि | चाययितास्थः | चाययितास्थ |
| | चाययितास्मि | चाययितास्वः | चाययितास्मः |
| भ० | चाययिष्यति | चाययिष्यतः | चाययिष्यन्ति |
| | चाययिष्यसि | चाययिष्यथः | चाययिष्यथ |
| | चाययिष्यामि | चाययिष्यावः | चाययिष्यामः |
| क्रि० | अचाययिष्यत् | अचाययिष्यताम् | अचाययिष्यन् |
| | अचाययिष्यः | अचाययिष्यतम् | अचाययिष्यत |
| | अचाययिष्यम् | अचाययिष्याव | अचाययिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | चाययेते | चाययेते | चाययन्तं |
| | चाययेसे | चाययेथे | चाययध्वं |
| | चायये | चाययावहे | चाययामहे |
| स० | चाययेत | चाययेयाताम् | चाययेरन् |
| | चाययेथाः | चाययेयाथाम् | चाययेध्वम् |
| | चाययेय | चाययेवहि | चाययेमहि |
| प० | चाययताम् | चाययेताम् | चाययन्ताम् |
| | चाययस्व | चाययेथाम् | चाययध्वम् |
| | चाययं | चाययावहे | चाययामहे |
| ह्य० | अचाययत | अचाययेताम् | अचाययन्त |
| | अचाययथाः | अचाययेथाम् | अचाययध्वम् |
| | अचायये | अचाययावहि | अचाययामहि |
| अ० | अचचायत | अचचायेताम् | अचचायन्त |
| | अचचायथाः | अचचायेथाम् | अचचायध्वम् |
| | अचचाये | अचचायावहि | अचचायामहि |
| प० | चाययाश्चक्रे | चाययाश्चक्राते | चाययाश्चक्रिरे |
| | चाययाश्चकृषे | चाययाश्चक्राथे | चाययाश्चकृद्वे |
| | चाययाश्चक्रे | चाययाश्चकृवहे | चाययाश्चकृमहे |
| | चाययाम्बभूव | । | चाययामास |
| आ० | चाययिषीष्ट | चाययिषीयास्ताम् | चाययिषीरन् |
| | चाययिषीष्टाः | चाययिषीयास्थाम् | चाययिषीध्वम् |
| | चाययिषीय | चाययिषीवहि | चाययिषीमहि |
| इ० | चाययिता | चाययितारौ | चाययितारः |
| | चाययितासे | चाययितासाथे | चाययिताध्वे |
| | चाययिताहे | चाययितास्वहे | चाययितास्महे |
| भ० | चाययिष्यते | चाययिष्येते | चाययिष्यन्तं |
| | चाययिष्यसे | चाययिष्येथे | चाययिष्यध्वं |
| | चाययिष्ये | चाययिष्यावहे | चाययिष्यामहे |
| क्रि० | अचाययिष्यत् | अचाययिष्यताम् | अचाययिष्यन्त |
| | अचाययिष्यथाः | अचाययिष्येथाम् | अचाययिष्यध्वम् |
| | अचाययिष्ये | अचाययिष्यावहि | अचाययिष्यामहि |

918 व्ययी (व्यय) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | व्याययति | व्याययतः | व्याययन्ति |
| | व्याययसि | व्याययथः | व्याययथ |
| | व्याययामि | व्याययावः | व्याययामः |
| स० | व्याययेत् | व्याययेताम् | व्याययेयुः |
| | व्याययेः | व्याययेतम् | व्याययेत |
| | व्याययेयम् | व्याययेथ | व्याययेम |
| प० | व्याययतु | व्याययतात् | व्याययन्तु |
| | व्यायय | व्याययतात् | व्याययतम् |
| | व्याययानि | व्याययाव | व्याययाम |
| ह्य० | अव्याययत् | अव्याययताम् | अव्याययन् |
| | अव्याययः | अव्याययतम् | अव्याययत |
| | अव्याययम् | अव्याययाव | अव्याययाम |
| अ० | अविव्ययत् | अविव्ययताम् | अविव्ययन् |
| | अविव्ययः | अविव्ययतम् | अविव्ययत |
| | अविव्ययम् | अविव्ययाव | अविव्ययाम |
| प० | व्याययाञ्चकार | व्याययाञ्चक्रुः | व्याययाञ्चकुः |
| | व्याययाञ्चकथं | व्याययाञ्चकथुः | व्याययाञ्चक |
| | व्याययाञ्चकार-चकर | व्याययाञ्चकृव | व्याययाञ्चकृम |
| | व्याययाम्बभूव | । | व्याययामास |
| आ० | व्याय्यात् | व्याय्यास्ताम् | व्याय्यासुः |
| | व्याय्याः | व्याय्यास्तम् | व्याय्यास्त |
| | व्याय्यासम् | व्याय्यास्व | व्याय्यास्म |
| ब० | व्याययिता | व्याययितारौ | व्याययितारः |
| | व्याययितासि | व्याययितास्थः | व्याययितास्थ |
| | व्याययितास्मि | व्याययितास्वः | व्याययितास्मः |
| भ० | व्याययिष्यति | व्याययिष्यतः | व्याययिष्यन्ति |
| | व्याययिष्यसि | व्याययिष्यथः | व्याययिष्यथ |
| | व्याययिष्यामि | व्याययिष्यावः | व्याययिष्यामः |
| क्रि० | अव्याययिष्यत् | अव्याययिष्यताम् | अव्याययिष्यन् |
| | अव्याययिष्यः | अव्याययिष्यतम् | अव्याययिष्यत |
| | अव्याययिष्यम् | अव्याययिष्याव | अव्याययिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| ब० | व्याययते | व्याययेते | व्याययन्ते |
| | व्याययसे | व्याययेथे | व्याययध्वे |
| | व्यायये | व्याययावहे | व्याययामहे |
| स० | व्याययेत | व्याययेयाताम् | व्याययेरन् |
| | व्याययेथाः | व्याययेयाथाम् | व्याययेध्वम् |
| | व्याययेय | व्याययेवहि | व्याययेमहि |
| प० | व्याययताम् | व्याययेताम् | व्याययन्ताम् |
| | व्याययस्व | व्याययेथाम् | व्याययध्वम् |
| | व्यायये | व्याययावहे | व्याययामहे |
| ह्य० | अव्याययत | अव्याययेताम् | अव्याययन्त |
| | अव्याययथाः | अव्याययेथाम् | अव्याययध्वम् |
| | अव्यायये | अव्याययावहि | अव्याययामहि |
| अ० | अविव्ययत | अविव्ययेताम् | अविव्ययन्त |
| | अविव्ययथाः | अविव्ययेथाम् | अविव्ययध्वम् |
| | अविव्यये | अविव्ययावहि | अविव्ययामहि |
| प० | व्याययाञ्चक्रे | व्याययाञ्चक्राते | व्याययाञ्चकिरे |
| | व्याययाञ्चकृषे | व्याययाञ्चक्राये | व्याययाञ्चकृद्वे |
| | व्याययाञ्चक्रे | व्याययाञ्चकृवहे | व्याययाञ्चकृमहे |
| | व्याययाम्बभूव | । | व्याययामास |
| आ० | व्याययिषीष्ट | व्याययिषीयास्ताम् | व्याययिषीरन् |
| | व्याययिषीष्टाः | व्याययिषीयास्थाम् | व्याययिषीध्वम् |
| | व्याययिषीय | व्याययिषीवहि | व्याययिषीमहि |
| ब० | व्याययिता | व्याययितारौ | व्याययितारः |
| | व्याययितासे | व्याययितासाये | व्याययितास्वे |
| | व्याययिताहे | व्याययितास्वहे | व्याययितास्महे |
| भ० | व्याययिष्यते | व्याययिष्येते | व्याययिष्यन्ते |
| | व्याययिष्यसे | व्याययिष्येथे | व्याययिष्यध्वे |
| | व्याययिष्ये | व्याययिष्यावहे | व्याययिष्यामहे |
| क्रि० | अव्याययिष्यत | अव्याययिष्येताम् | अव्याययिष्यन्त |
| | अव्याययिष्यथाः | अव्याययिष्येथाम् | अव्याययिष्यध्वम् |
| | अव्याययिष्ये | अव्याययिष्यावहि | अव्याययिष्यामहि |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| अ० आलिलत् | आलिलताम् | आलिलन् |
| आलिलः | आलिलतम् | आलिलत |
| आलिलम् | आलिलाव | आलिलाम |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (८६१)

॥ अथ लान्तः सेट् च ॥

919 अली (अल्) भूषणपर्याप्तिवारणेषु ।

| | | |
|-----------|----------|---------|
| व० आलयति | आलयतः | आलयन्ति |
| आलयसि | आलयथः | आलयथ |
| आलयामि | आलयावः | आलयामः |
| स० आलयेत् | आलयेताम् | आलयेयुः |
| आलयेः | आलयेतम् | आलयेत |
| आलयेयम् | आलयेव | आलयेम |

| | | | |
|------------|---------|---------|---------|
| प० आलयतु | आलयतात् | आलयताम् | आलयन्तु |
| आलय | आलयतात् | आलयतम् | आलयत |
| आलयानि | आलयाव | आलयाम | |
| ह्य० आलयत् | आलयताम् | आलयन् | |
| आलयः | आलयतम् | आलयत | |
| आलयम् | आलयाव | आलयाम | |

| | | |
|-----------|----------|--------|
| अ० आलिलत् | आलिलताम् | आलिलन् |
| आलिलः | आलिलतम् | आलिलत |
| आलिलम् | आलिलाव | आलिलाम |

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| प० आलयाञ्चकार | आलयाञ्चकतुः | आलयाञ्चकः |
| आलयाञ्चकर्थ | आलयाञ्चकधुः | आलयाञ्चक |
| आलयाञ्चकार-चकर | आलयाञ्चकृव | आलयाञ्चकृम |
| आलयाञ्चभूव । | आलयाञ्चमास | |

| | | |
|------------|-------------|----------|
| आ० आल्यात् | आल्यास्ताम् | आल्याम् |
| आल्याः | आल्यास्तम् | आल्यास्त |
| आल्यासम् | आल्यास्व | आल्यास्म |

| | | |
|------------|------------|------------|
| भ० आलयिता | आलयितारौ | आलयितारः |
| आलयितासि | आलयितास्थः | आलयितास्थ |
| आलयितास्मि | आलयितास्वः | आलयितास्मः |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| अ० आलयिष्यति | आलयिष्यतः | आलयिष्यन्ति |
| आलयिष्यसि | आलयिष्यथः | आलयिष्यथ |
| आलयिष्यामि | आलयिष्यावः | आलयिष्यामः |

| | | |
|-----------------|-------------|-----------|
| क्रि० आलयिष्यत् | आलयिष्यताम् | आलयिष्यन् |
| आलयिष्यः | आलयिष्यतम् | आलयिष्यत |
| आलयिष्यम् | आलयिष्याव | आलयिष्याम |

| | | |
|----------|---------|---------|
| व० आलयते | आलयेते | आलयन्ते |
| आलयसे | आलयेथे | आलयथ्वे |
| आलये | आलयावहे | आलयामहे |

| | | |
|----------|------------|-----------|
| स० आलयेत | आलयेयाताम् | आलयेरन् |
| आलयेथाः | आलयेयाथाम् | आलयेध्वम् |
| आलयेय | आलयेवहि | आलयेमहि |

| | | |
|------------|----------|-----------|
| प० आलयताम् | आलयेताम् | आलयन्ताम् |
| आलयस्व | आलयेथाम् | आलयध्वम् |
| आलये | आलयावहे | आलयामहे |

| | | |
|-----------|----------|----------|
| ह्य० आलयत | आलयेताम् | आलयन्त |
| आलयथाः | आलयेथाम् | आलयध्वम् |
| आलये | आलयावहि | आलयामहि |

| | | |
|-----------|-----------|-----------|
| अ० आलिलत् | आलिलेताम् | आलिलन्त |
| आलिलथाः | आलिलेथाम् | आलिलध्वम् |
| आलिलत्ते | आलिलवहि | आलिलमहि |

| | | |
|--------------|--------------|---------------|
| प० आलयाञ्चके | आलयाञ्चकते | आलयाञ्चकिरे |
| आलयाञ्चकृषे | आलयाञ्चकृषे | आलयाञ्चकृध्वे |
| आलयाञ्चके | आलयाञ्चकृवहे | आलयाञ्चकृमहे |

आलयाञ्चभूव । आलयाञ्चमास

| | | |
|--------------|----------------|-------------|
| आ० आलयिषीष्ट | आलयिषीयास्ताम् | आलयिषीरन् |
| आलयिषीष्ठाः | आलयिषीयास्थाम् | आलयिषीध्वम् |

| | | |
|---------|-----------|-----------|
| आलयिषीय | आलयिषीवहि | आलयिषीमहि |
|---------|-----------|-----------|

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| भ० आलयिता | आलयितारौ | आलयितारः |
| आलयितासे | आलयितासाथे | आलयिताध्वे |
| आलयिताहे | आलयितास्वहे | आलयितामहे |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| अ० आलयिष्यते | आलयिष्येते | आलयिष्यन्ते |
| आलयिष्यसे | आलयिष्येथे | आलयिष्यध्वे |
| आलयिष्ये | आलयिष्यावहे | आलयिष्यामहे |

| | | |
|-----------------|--------------|--------------|
| क्रि० आलयिष्यत् | आलयिष्यताम् | आलयिष्यन्त |
| आलयिष्यथाः | आलयिष्येथाम् | आलयिष्यध्वम् |
| आलयिष्ये | आलयिष्यावहि | आलयिष्यामहि |

॥ अथ वान्तो ॥

920 धावृग् (धाव्) गतिशुद्धयोः ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | धावयति | धावयतः | धावयन्ति |
| | धावयसि | धावयथः | धावयथ |
| | धावयामि | धावयावः | धावयामः |
| स० | धावयेत् | धावयेताम् | धावयेयुः |
| | धावयेः | धावयेतम् | धावयेत |
| | धावयेयम् | धावयेव | धावयेम |
| प० | धावयतु | धावयतात् | धावयताम् |
| | धावय | धावयतात् | धावयतम् |
| | धावयानि | धावयाव | धावयाम |
| ह्य० | अधावयत् | अधावयताम् | अधावयन् |
| | अधावयः | अधावयतम् | अधावयत |
| | अधावयम् | अधावयाव | अधावयाम |
| अ० | अदीधवत् | अदीधवताम् | अदीधवन् |
| | अदीधवः | अदीधवतम् | अदीधवत |
| | अदीधवम् | अदीधवाव | अदीधवाम |
| प० | धावयाश्चकार | धावयाश्चक्रुः | धावयाश्चकुः |
| | धावयाश्चकथं | धावयाश्चक्रुः | धावयाश्चक्रुः |
| | धावयाश्चकार-चक्र | धावयाश्चक्रुव | धावयाश्चक्रुम |
| | धावयाम्बभूव | । | धावयामास |
| आ० | धाव्यात् | धाव्यास्ताम् | धाव्यासुः |
| | धाव्याः | धाव्यास्तम् | धाव्यास्त |
| | धाव्यासम् | धाव्यास्व | धाव्यास्म |
| श्र० | धावयिता | धावयितारौ | धावयितारः |
| | धावयितासि | धावयितास्थः | धावयितास्थ |
| | धावयितास्मि | धावयितास्वः | धावयितास्मः |
| भ० | धावयिष्यति | धावयिष्यतः | धावयिष्यन्ति |
| | धावयिष्यसि | धावयिष्यथः | धावयिष्यथ |
| | धावयिष्यामि | धावयिष्यावः | धावयिष्यामः |
| क्रि० | अधावयिष्यत् | अधावयिष्यताम् | अधावयिष्यन् |
| | अधावयिष्यः | अधावयिष्यतम् | अधावयिष्यत |
| | अधावयिष्यम् | अधावयिष्याव | अधावयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | धावयते | धावयते | धावयन्ते |
| | धावयसे | धावयेथे | धावयध्वे |
| | धावये | धावयावहे | धावयामहे |
| स० | धावयेत | धावयेयाताम् | धावयेरन् |
| | धावयेथाः | धावयेथाथाम् | धावयेध्वम् |
| | धावयेय | धावयेवहि | धावयेमहि |
| प० | धावयताम् | धावयेताम् | धावयन्ताम् |
| | धावयस्व | धावयेथाम् | धावयध्वम् |
| | धावयै | धावयावहै | धावयामहै |
| ह्य० | अधावयत | अधावयेताम् | अधावयन्त |
| | अधावयथाः | अधावयेथाम् | अधावयध्वम् |
| | अधावये | अधावयावहि | अधावयामहि |
| अ० | अदीधवत | अदीधवेताम् | अदीधवन्त |
| | अदीधवथाः | अदीधवेथाम् | अदीधवध्वम् |
| | अदीधवे | अदीधवावहि | अदीधवामहि |
| प० | धावयाश्चक्रे | धावयाश्चक्राते | धावयाश्चक्रिरे |
| | धावयाश्चकृषे | धावयाश्चक्राथे | धावयाश्चकृध्वे |
| | धावयाश्चक्रे | धावयाश्चकृवहे | धावयाश्चकृमहे |
| | धावयाम्बभूव | । | धावयामास |
| आ० | धावयिषीष्ट | धावयिषीयास्ताम् | धावयिषीरन् |
| | धावयिषीष्ठाः | धावयिषीयास्थाम् | धावयिषीध्वम् |
| | धावयिषीय | धावयिषीवहि | धावयिषीमहि |
| ध० | धावयिता | धावयितारौ | धावयितारः |
| | धावयितासे | धावयितासाथे | धावयिताध्वे |
| | धावयिताहे | धावयितास्वहे | धावयितास्महे |
| भ० | धावयिष्यते | धावयिष्येते | धावयिष्यन्ते |
| | धावयिष्यसे | धावयिष्येथे | धावयिष्यध्वे |
| | धावयिष्ये | धावयिष्यावहे | धावयिष्यामहे |
| क्रि० | अधावयिष्यत् | अधावयिष्येताम् | अधावयिष्यन्त |
| | अधावयिष्यथाः | अधावयिष्येथाम् | अधावयिष्यध्वम् |
| | अधावयिष्ये | अधावयिष्यावहि | अधावयिष्यामहि |

921 चीवृत् (चीव्) झषीवत् ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| ब० | चीवयति | चीवयतः | चीवयन्ति |
| | चीवयसि | चीवयथः | चीवयथ |
| | चीवयामि | चीवयाबः | चीवयामः |
| स० | चीवयेत् | चीवयेताम् | चीवयेयुः |
| | चीवयेः | चीवयेतम् | चीवयेत |
| | चीवयेयम् | चीवयेव | चीवयेम |
| प० | चीवयतु | चीवयतात् | चीवयताम् |
| | चीवय | चीवयतात् | चीवयतम् |
| | चीवयानि | चीवयाव | चीवयाम |
| ह्य० | अचीवयत् | अचीवयताम् | अचीवयन् |
| | अचीवयः | अचीवयतम् | अचीवयत |
| | अचीवयम् | अचीवयाव | अचीवयाम |
| अ० | अचिचीवत् | अचिचीवताम् | अचिचीवन् |
| | अचिचीवः | अचिचीवतम् | अचिचीवत |
| | अचिचीवम् | अचिचीवाव | अचिचीवाम |
| प० | चीवयाञ्चकार | चीवयाञ्चक्रुः | चीवयाञ्चकुः |
| | चीवयाञ्चक्ये | चीवयाञ्चक्रुः | चीवयाञ्चक्रुः |
| | चीवयाञ्चकार-चक्र | चीवयाञ्चक्रुव | चीवयाञ्चक्रुम |
| | चीवयाम्बभूव | । | चीवयामास |
| भा० | चीवशात् | चीवशास्ताम् | चीवशास्तुः |
| | चीवशाः | चीवशास्तम् | चीवशास्त |
| | चीवशासम् | चीवशास्व | चीवशास |
| ध० | चीवयिता | चीवयितारौ | चीवयितारः |
| | चीवयितासि | चीवयितास्थः | चीवयितास्थ |
| | चीवयितामि | चीवयितास्वः | चीवयितास्मः |
| भ० | चीवयिष्यति | चीवयिष्यतः | चीवयिष्यन्ति |
| | चीवयिष्यसि | चीवयिष्यथः | चीवयिष्यथ |
| | चीवयिष्यामि | चीवयिष्यावः | चीवयिष्यामः |
| क्रि० | अचीवयिष्यत् | अचीवयिष्यताम् | अचीवयिष्यन् |
| | अचीवयिष्यः | अचीवयिष्यतम् | अचीवयिष्यत |
| | अचीवयिष्यम् | अचीवयिष्याव | अचीवयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-------------------|----------------|
| व० | चीवयते | चीवयंते | चीवयन्ते |
| | चीवयसे | चीवयंसे | चीवयन्से |
| | चीवये | चीवयावहे | चीवयामहे |
| स० | चीवयेत | चीवयेताम् | चीवयेरन् |
| | चीवयेथाः | चीवयेथायाम् | चीवयेष्वम् |
| | चीवयेथ | चीवयेवहि | चीवयेमहि |
| प० | चीवयताम् | चीवयंताम् | चीवयन्ताम् |
| | चीवयस्व | चीवयेथाम् | चीवयन्वम् |
| | चीवये | चीवयावहे | चीवयामहे |
| ह्य० | अचीवयत | अचीवयेताम् | अचीवयन्त |
| | अचीवयथाः | अचीवयेथाम् | अचीवयन्वम् |
| | अचीवये | अचीवयावहि | अचीवयामहि |
| अ० | अचिचीवत | अचिचीवेताम् | अचिचीवन्त |
| | अचिचीवथाः | अचिचीवेथाम् | अचिचीवन्वम् |
| | अचिचीवे | अचिचीवावहि | अचिचीवामहि |
| प० | चीवयाञ्चक्रे | चीवयाञ्चक्रांत | चीवयाञ्चक्रिरे |
| | चीवयाञ्चकृषे | चीवयाञ्चक्राये | चीवयाञ्चक्रुवे |
| | चीवयाञ्चक्रे | चीवयाञ्चक्रुहे | चीवयाञ्चक्रुहे |
| | चीवयाम्बभूव | । | चीवयामास |
| भा० | चीवयिषीष्ट | चीवयिषीष्टास्ताम् | चीवयिषीष्टारन् |
| | चीवयिषीष्टाः | चीवयिषीष्टास्थाम् | चीवयिषीष्टवम् |
| | चीवयिषीय | चीवयिषीवहि | चीवयिषीमहि |
| ध० | चीवयिता | चीवयितारौ | चीवयितारः |
| | चीवयितासे | चीवयितासाये | चीवयितास्वे |
| | चीवयिताहे | चीवयितास्वहे | चीवयितास्महे |
| भ० | चीवयिष्यते | चीवयिष्यते | चीवयिष्यन्ते |
| | चीवयिष्यसे | चीवयिष्येये | चीवयिष्यन्ते |
| | चीवयिष्ये | चीवयिष्यावहे | चीवयिष्यामहे |
| क्रि० | अचीवयिष्यत् | अचीवयिष्येताम् | अचीवयिष्यन्त |
| | अचीवयिष्यथाः | अचीवयिष्येथाम् | अचीवयिष्यन्वम् |
| | अचीवयिष्ये | अचीवयिष्यावहि | अचीवयिष्यामहि |

(८६४) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

॥ अथ शान्तः ॥

922 दाशृ (दाश्) दाने ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० दाशयति | दाशयतः | दाशयन्ति |
| दाशयसि | दाशयथः | दाशयथ |
| दाशयामि | दाशयावः | दाशयामः |
| स० दाशयेत् | दाशयेताम् | दाशयेयुः |
| दाशयेः | दाशयेतम् | दाशयेत |
| दाशयेथम् | दाशयेव | दाशयेम |
| प० दाशयतु | दाशयतात् | दाशयन्तु |
| दाशय | दाशयतात् | दाशयत |
| दाशयानि | दाशयाव | दाशयाम |
| ० अदाशयत् | अदाशयताम् | अदाशयन् |
| अदाशयः | अदाशयतम् | अदाशयत |
| अदाशयम् | अदाशयाव | अदाशयाम |
| ० अददाशत् | अददाशताम् | अददाशन् |
| अददाशः | अददाशतम् | अददाशत |
| अददाशम् | अददाशाव | अददाशाम |
| प० दाशयाञ्चकार | दाशयाञ्चक्रुः | दाशयाञ्चकुः |
| दाशयाञ्चकथं | दाशयाञ्चकथुः | दाशयाञ्चक |
| दाशयाञ्चकार-चकर | दाशयाञ्चकृव | दाशयाञ्चकृम |
| दाशयाम्बभूव | दाशयामास | |
| आ० दाश्यात् | दाश्यास्ताम् | दाश्यासुः |
| दाश्याः | दाश्यास्तम् | दाश्यास्त |
| दाश्यासम् | दाश्यास्व | दाश्यास्म |
| | दाशयित्तारो | दाशयितारः |
| | | दाशयितास्थ |
| | दाशयितास्वः | दाशयितास्मः |
| भ० दाशयिष्यति | दाशयिष्यतः | दाशयिष्यन्ति |
| दाशयिष्यसि | दाशयिष्यथः | दाशयिष्यथ |
| दाशयिष्यामि | दाशयिष्यावः | दाशयिष्यामः |
| क्रि० अदाशयिष्यत् | अदाशयिष्यताम् | अदाशयिष्यन् |
| अदाशयिष्यः | अदाशयिष्यतम् | अदाशयिष्यत |
| अदाशयिष्यम् | अदाशयिष्याव | अदाशयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० दाशयते | दाशयेते | दाशयन्ते |
| दाशयसे | दाशयेथे | दाशयन्वे |
| दाशये | दाशयावहे | दाशयामहे |
| स० दाशयेत | दाशयेयाताम् | दाशयेरन् |
| दाशयेथाः | दाशयेयाथाम् | दाशयेथ्वम् |
| दाशयेय | दाशयेवहि | दाशयेमहि |
| प० दाशयताम् | दाशयेताम् | दाशयन्ताम् |
| दाशयस्व | दाशयेथाम् | दाशयथ्वम् |
| दाशयै | दाशयावहै | दाशयामहै |
| ॥ अदाशयत | अदाशयेताम् | अदाशयन्त |
| अदाशयथाः | अदाशयेथाम् | अदाशयथ्वम् |
| अदाशये | अदाशयावहि | अदाशयामहि |
| अ० अददाशत | अददाशेताम् | अददाशन्त |
| अददाशथाः | अददाशेथाम् | अददाशथ्वम् |
| अदद शे | अददाशावहि | अददाशामहि |
| प० दाशयाञ्चके | दाशयाञ्चक्राते | दाशयाञ्चक्रिरे |
| दाशयाञ्चकृषे | दाशयाञ्चक्राये | दाशयाञ्चकृव्वे |
| दाशयाञ्चके | दाशयाञ्चकृवहे | दाशयाञ्चकृमहे |
| दाशयाम्बभूव | दाशयामास | |
| आ० दाशयिषीष्ट | दाशयिषीयास्ताम् | दाशयिषीरन् |
| दाशयिषीष्टाः | दाशयिषीयास्थाम् | दाशयिषीव्वम् |
| | | व्वम् |
| दाशयिषीय | दाशयिषीवहि | दाशयिषीमहि |
| ॥ दाशयिता | दाशयितारो | दाशयितारः |
| दाशयितासे | दाशयितासाथे | दाशयितास्वे |
| दाशयिताहे | दाशयितास्वहे | दाशयितास्महे |
| भ० दाशयिष्यते | दाशयिष्येते | दाशयिष्यन्ते |
| दाशयिष्यसे | दाशयिष्येथे | दाशयिष्यथ्वे |
| दाशयिष्ये | दाशयिष्यावहे | दाशयिष्यामहे |
| क्रि० अदाशयिष्यत | अदाशयिष्येताम् | अदाशयिष्यन्त |
| अदाशयिष्यथाः | अदाशयिष्येथाम् | अदाशयिष्यथ्वम् |
| अदाशयिष्ये | अदाशयिष्यावहि | अदाशयिष्यामहि |

॥ अथ शान्तः नव ॥

723 अवी (दाश्) आदानसंज्ञाः । 510 अष-
वद्रूपाणि

924 भेषृग् (भेषृ) भये

| | | |
|-------------------|----------------|--------------|
| ३० भेषयति | भेषयतः | भेषयन्ति |
| भेषयसि | भेषयथः | भेषयथ |
| भेषयामि | भेषयावः | भेषयामः |
| स० भेषयेत् | भेषयेताम् | भेषयेयुः |
| भेषयं: | भेषयेतम् | भेषयेत |
| भेषयेयम् | भेषयेव | भेषयेम |
| प० भेषयतु | भेषयतात् | भेषयन्तु |
| भेषय | भेषयतम् | भेषयत |
| भेषयाणि | भेषयाव | भेषयाम |
| ह्य० अभेषयत् | अभेषयताम् | अभेषयन् |
| अभेषयः | अभेषयतम् | अभेषयत |
| अभेषयम् | अभेषयाव | अभेषयाम |
| अ० अविभेषत् | अविभेषताम् | अविभेषन् |
| अविभेषः | अविभेषतम् | अविभेषत |
| अविभेषम् | अविभेषाव | अविभेषाम |
| प० भेषयाञ्चकार | भेषयाञ्चक्रतुः | भेषयाञ्चकुः |
| भेषयाञ्चकथ | भेषयाञ्चकथुः | भेषयाञ्चक |
| भेषयाञ्चकार-चकर | भेषयाञ्चकृव | भेषयाञ्चकृम |
| भेषयाम्बभूव | भेषयामास | |
| आ० भेष्यात् | भेष्यास्ताम् | भेष्यासुः |
| भेष्याः | भेष्यास्तम् | भेष्यास्त |
| भेष्यासम् | भेष्यास्व | भेष्यास्म |
| भ० भेषयिता | भेषयितारौ | भेषयितारः |
| भेषयितासि | भेषयितास्थः | भेषयितास्थ |
| भेषयितास्मि | भेषयितावः | भेषयितास्मः |
| भ० भेषयिष्यति | भेषयिष्यतः | भेषयिष्यन्ति |
| भेषयिष्यसि | भेषयिष्यथः | भेषयिष्यथ |
| भेषयिष्यामि | भेषयिष्यावः | भेषयिष्यामः |
| क्रि० अभेषयिष्यत् | अभेषयिष्यताम् | अभेषयिष्यन् |
| अभेषयिष्यः | अभेषयिष्यतम् | अभेषयिष्यत |
| अभेषयिष्यम् | अभेषयिष्याव | अभेषयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० भेषयते | भेषयंते | भेषयन्ते |
| भेषयसे | भेषयथे | भेषयध्वे |
| भेषये | भेषयावहे | भेषयामहे |
| स० भेषयेत | भेषयेयाताम् | भेषयेरन् |
| भेषयेथाः | भेषयेयाथाम् | भेषयेध्वम् |
| भेषयेय | भेषयेवहि | भेषयेमहि |
| प० भेषयताम् | भेषयेताम् | भेषयन्ताम् |
| भेषयस्व | भेषयेथाम् | भेषयध्वम् |
| भेषये | भेषयावहे | भेषयामहे |
| ह्य० अभेषयत | अभेषयेताम् | अभेषयन्त |
| अभेषयथाः | अभेषयेथाम् | अभेषयध्वम् |
| अभेषये | अभेषयावहि | अभेषयामहि |
| अ० अविभेषत | अविभेषेताम् | अविभेषन्त |
| अविभेषथाः | अविभेषेथाम् | अविभेषध्वम् |
| अविभेषे | अविभेषावहि | अविभेषामहि |
| प० भेषयाञ्चके | भेषयाञ्चक्राते | भेषयाञ्चकिरे |
| भेषयाञ्चकृषे | भेषयाञ्चक्राथे | भेषयाञ्चकृद्वे |
| भेषयाञ्चके | भेषयाञ्चकृवहे | भेषयाञ्चकृमहे |
| भेषयाम्बभूव | भेषयामास | |
| आ० भेषयिषीष्ट | भेषयिषीयास्ताम् | भेषयिषीरन् |
| भेषयिषीष्टाः | भेषयिषीयास्थाम् | भेषयिषीद्वम् |
| भेषयिषीय | भेषयिषीवहि | भेषयिषीमहि |
| भ० भेषयिता | भेषयितारौ | भेषयितारः |
| भेषयितासे | भेषयितासथे | भेषयिताध्वे |
| भेषयिताहे | भेषयितास्वहे | भेषयितास्महे |
| भ० भेषयिष्यते | भेषयिष्यते | भेषयिष्यते |
| भेषयिष्यसे | भेषयिष्यथे | भेषयिष्यध्वे |
| भेषयिष्ये | भेषयिष्यावहे | भेषयिष्यामहे |
| क्रि० अभेषयिष्यत | अभेषयिष्येताम् | अभेषयिष्यन्त |
| अभेषयिष्यथाः | अभेषयिष्येथाम् | अभेषयिष्यध्वम् |
| अभेषयिष्ये | अभेषयिष्यावहि | अभेषयिष्यामहि |

925 अेषृग् (अेष्) चलने च ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | अेषयति | अेषयतः | अेषयन्ति |
| | अेषयसि | अेषयथः | अेषयथ |
| | अेषयामि | अेषयावः | अेषयामः |
| स० | अेषयेत् | अेषयेताम् | अेषयेयुः |
| | अेषयेः | अेषयेतम् | अेषयेत |
| | अेषयेयम् | अेषयेव | अेषयेम |
| प० | अेषयतु | अेषयतात् | अेषयताम् |
| | अेषय | अेषयतात् | अेषयतम् |
| | अेषयाणि | अेषयाव | अेषयाम |
| ह्य० | अअेषयत् | अअेषयताम् | अअेषयन् |
| | अअेषयः | अअेषयतम् | अअेषयत |
| | अअेषयम् | अअेषयाव | अअेषयाम |
| अ० | अविअेषत् | अविअेषताम् | अविअेषन् |
| | अविअेषः | अविअेषतम् | अविअेषत |
| | अविअेषम् | अविअेषाव | अविअेषाम |
| प० | अेषयाञ्चकार | अेषयाञ्चकतुः | अेषयाञ्चक्रुः |
| | अेषयाञ्चकथं | अेषयाञ्चकथुः | अेषयाञ्चक |
| | अेषयाञ्चकार-चकर | अेषयाञ्चकव | अेषयाञ्चकम् |
| | अेषयाम्बभूव | अेषयामास | |
| आ० | अेष्यात् | अेष्यास्ताम् | अेष्यासुः |
| | अेष्याः | अेष्यास्तम् | अेष्यास्त |
| | अेष्यासम् | अेष्यास्व | अेष्यासम |
| श्व० | अेषयिता | अेषयितारौ | अेषयितारः |
| | अेषयितासि | अेषयितास्थः | अेषयितास्थ |
| | अेषयितास्मि | अेषयितास्वः | अेषयितास्मः |
| भ० | अेषयिष्यति | अेषयिष्यतः | अेषयिष्यन्ति |
| | अेषयिष्यसि | अेषयिष्यथः | अेषयिष्यथ |
| | अेषयिष्यामि | अेषयिष्यावः | अेषयिष्यामः |
| क्रि० | अअेषयिष्यत् | अअेषयिष्यताम् | अअेषयिष्यन् |
| | अअेषयिष्यः | अअेषयिष्यतम् | अअेषयिष्यत |
| | अअेषयिष्यम् | अअेषयिष्याव | अअेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | अेषयते | अेषयेते | अेषयन्ते |
| | अेषयसे | अेषयेथे | अेषयध्वे |
| | अेषये | अेषयावहे | अेषयामहे |
| स० | अेषयेत | अेषयेयाताम् | अेषयेरन् |
| | अेषयेथाः | अेषयेयाथाम् | अेषयेध्वम् |
| | अेषयेय | अेषयेवहि | अेषयेमहि |
| प० | अेषयताम् | अेषयेताम् | अेषयन्ताम् |
| | अेषयस्व | अेषयेथाम् | अेषयध्वम् |
| | अेषयै | अेषयावहै | अेषयामहै |
| ह्य० | अअेषयत | अअेषयेताम् | अअेषयन्त |
| | अअेषयथाः | अअेषयेथाम् | अअेषयध्वम् |
| | अअेषये | अअेषयावहि | अअेषयामहि |
| अ० | अविअेषत | अविअेषेताम् | अविअेषन्त |
| | अविअेषथाः | अविअेषेथाम् | अविअेषध्वम् |
| | अविअेषे | अविअेषावहि | अविअेषामहि |
| प० | अेषयाञ्चके | अेषयाञ्चकते | अेषयाञ्चकिरे |
| | अेषयाञ्चकषे | अेषयाञ्चकाये | अेषयाञ्चकृद्वे |
| | अेषयाञ्चके | अेषयाञ्चकवहे | अेषयाञ्चकमहे |
| | अेषयाम्बभूव | अेषयामास | |
| आ० | अेषयिषीष्ट | अेषयिषीयास्ताम् | अेषयिषीरन् |
| | अेषयिषीष्टाः | अेषयिषीयास्थाम् | अेषयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | अेषयिषीय | अेषयिषीवहि | अेषयिषीमहि |
| श्व० | अेषयिता | अेषयितारौ | अेषयितारः |
| | अेषयितासे | अेषयितासाथे | अेषयिताध्वे |
| | अेषयिताहे | अेषयितास्वहे | अेषयितास्महे |
| भ० | अेषयिष्यते | अेषयिष्येते | अेषयिष्यन्ते |
| | अेषयिष्यसे | अेषयिष्येथे | अेषयिष्यध्वे |
| | अेषयिष्ये | अेषयिष्यावहे | अेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अअेषयिष्यत | अअेषयिष्येताम् | अअेषयिष्यन्त |
| | अअेषयिष्यथाः | अअेषयिष्येथाम् | अअेषयिष्यध्वम् |
| | अअेषयिष्ये | अअेषयिष्यावहि | अअेषयिष्यामहि |

926 पषो (पष्) बाधनस्पर्शनयोः

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| ब० | पाषयति | पाषयतः | पाषयन्ति |
| | पाषयसि | पाषयथः | पाषयथ |
| | पाषयामि | पाषयावः | पाषयामः |
| स० | पाषयेत् | पाषयेताम् | पाषयेयुः |
| | पाषयेः | पाषयेतम् | पाषयेत |
| | पाषयेयम् | पाषयेव | पाषयेम |
| प० | पाषयतु | पाषयतात | पाषयताम् |
| | पाषय | पाषयतात | पाषयतम् |
| | पाषयाणि | पाषयाव | पाषयाम |
| ह्य० | अपाषयत् | अपाषयताम् | अपाषयन् |
| | अपाषयः | अपाषयतम् | अपाषयत |
| | अपाषयम् | अपाषयाव | अपाषयाम |
| अ० | अपीपयत् | अपीपयताम् | अपीपयन् |
| | अपीपयः | अपीपयतम् | अपीपयत |
| | अपीपयम् | अपीपयाव | अपीपयाम |
| प० | पाषयाञ्चकार | पाषयाञ्चकतुः | पाषयाञ्चकुः |
| | पाषयाञ्चकर्थे | पाषयाञ्चकथुः | पाषयाञ्चक |
| | पाषयाञ्चकार-चक्र | पाषयाञ्चकव | पाषयाञ्चकम् |
| | पाषयाञ्चभूत् | पाषयामास | |
| आ० | पाष्यात् | पाष्यास्ताम् | पाष्यासुः |
| | पाष्याः | पाष्यास्तम् | पाष्यास्त |
| | पाष्यासम् | पाष्यास्व | पाष्यास्म |
| श्च० | पाषयिता | पाषयितारौ | पाषयितारः |
| | पाषयितासि | पाषयितास्थः | पाषयितास्थ |
| | पाषयितास्मि | पाषयितास्वः | पाषयितास्मः |
| भ० | पाषयिष्यति | पाषयिष्यतः | पाषयिष्यन्ति |
| | पाषयिष्यसि | पाषयिष्यथः | पाषयिष्यथ |
| | पाषयिष्यामि | पाषयिष्यावः | पाषयिष्यामः |
| क्रि० | अपाषयिष्यत् | अपाषयिष्यताम् | अपाषयिष्यन् |
| | अपाषयिष्यः | अपाषयिष्यतम् | अपाषयिष्यत |
| | अपाषयिष्यम् | अपाषयिष्याव | अपाषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | पाषयते | पाषयेते | पाषयन्ते |
| | पाषयसे | पाषयेथे | पाषयन्थे |
| | पाषये | पाषयावहे | पाषयामहे |
| स० | पाषयेत् | पाषयेयाताम् | पाषयेयन् |
| | पाषयेथाः | पाषयेयाथाम् | पाषयेय्वम् |
| | पाषयेथ | पाषयेवहि | पाषयेमहि |
| प० | पाषयताम् | पाषयताम् | पाषयन्ताम् |
| | पाषयस्व | पाषयेथाम् | पाषयध्वम् |
| | पाषये | पाषयावहे | पाषयामहे |
| श० | अपाषयत् | अपाषयेताम् | अपाषयन्त |
| | अपाषयथाः | अपाषयेथाम् | अपाषयध्वम् |
| | अपाषये | अपाषयावहि | अपाषयामहि |
| अ० | अपीपयत् | अपीपयेताम् | अपीपयन्त |
| | अपीपयथाः | अपीपयेथाम् | अपीपयध्वम् |
| | अपीपये | अपीपयावहि | अपीपयामहि |
| प० | पाषयाञ्चके | पाषयाञ्चकाते | पाषयाञ्चकिरे |
| | पाषयाञ्चकृषे | पाषयाञ्चकृषे | पाषयाञ्चकृढवे |
| | पाषयाञ्चके | पाषयाञ्चकृवहे | पाषयाञ्चकृमहे |
| | पाषयाञ्चभूत् | पाषयामास | |
| आ० | पाषयिषीष्ट | पाषयिषीयास्ताम् | पाषयिषीरन् |
| | पाषयिषीष्टाः | पाषयिषीयास्थाम् | पाषयिषीह्वम् |
| | पाषयिषीय | पाषयिषीवहि | पाषयिषीमहि |
| भ० | पाषयिता | पाषयितारौ | पाषयितारः |
| | पाषयितासि | पाषयितामथे | पाषयितान्वे |
| | पाषयिताहे | पाषयितास्वहे | पाषयितास्महे |
| श० | पाषयिष्यते | पाषयिष्येते | पाषयिष्यन्ते |
| | पाषयिष्यसे | पाषयिष्येथे | पाषयिष्यध्वे |
| | पाषयिष्ये | पाषयिष्यावहे | पाषयिष्यामहे |
| क्रि० | अपाषयिष्यत् | अपाषयिष्यताम् | अपाषयिष्यन्त |
| | अपाषयिष्यथाः | अपाषयिष्येथाम् | अपाषयिष्यध्वम् |
| | अपाषयिष्ये | अपाषयिष्यावहि | अपाषयिष्यामहि |

927 लवी (लप्) कान्तौ

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|--------------|
| व० | लाषयति | लाषयतः | लाषयन्ति |
| | लाषयसि | लाषयथः | लाषयथ |
| | लाषयामि | लाषयावः | लाषयामः |
| स० | लाषयेत् | लाषयेताम् | लाषयेयुः |
| | लाषयेः | लाषयेतम् | लाषयेत |
| | लाषयेथम् | लाषयेव | लाषयेम |
| प० | लाषयतु | लाषयतात् | लाषयन्तु |
| | लाषय | लाषयतात् | लाषयतम् |
| | लाषयाणि | लाषयाव | लाषयाम |
| ह्य० | अलाषयत् | अलाषयताम् | अलाषयन् |
| | अलाषयः | अलाषयतम् | अलाषयत |
| | अलाषयम् | अलाषयाव | अलाषयाम |
| अ० | अलीलपत् | अलीलपताम् | अलीलपन् |
| | अलीलपः | अलीलपतम् | अलीलपत |
| | अलीलपम् | अलीलपाव | अलीलपाम |
| प० | लाषयाञ्चकार | लाषयाञ्चक्रुः | लाषयाञ्चकुः |
| | लाषयाञ्चकथं | लाषयाञ्चक्रथुः | लाषयाञ्चक |
| | लाषयाञ्चकार-चकर | लाषयाञ्चकृव | लाषयाञ्चकृम |
| | लाषयाम्बभूव | । | लाषयामास |
| | लाष्यात् | लाष्यास्ताम् | लाष्यासुः |
| | लाष्याः | लाष्यास्तम् | लाष्यास्त |
| | लाष्यासम् | लाष्यास्व | लाष्यासम |
| | लाषयिता | लाषयितारौ | लाषयितारः |
| | लाषयितासि | लाषयितास्थः | लाषयितास्थ |
| | लाषयितास्मि | लाषयितास्वः | लाषयितास्मः |
| ० | लाषयिष्यति | लाषयिष्यतः | लाषयिष्यन्ति |
| | लाषयिष्यसि | लाषयिष्यथः | लाषयिष्यथ |
| | लाषयिष्यामि | लाषयिष्यावः | लाषयिष्यामः |
| क्रि० | अलाषयिष्यत् | अलाषयिष्यताम् | अलाषयिष्यन् |
| | अलाषयिष्यः | अलाषयिष्यतम् | अलाषयिष्यत |
| | अलाषयिष्यम् | अलाषयिष्याव | अलाषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | लाषयते | लाषयते | लाषयन्ते |
| | लाषयसे | लाषयेथे | लाषयध्वे |
| | लाषये | लाषयावहे | लाषयामहे |
| स० | लाषयेत् | लाषयेयाताम् | लाषयेन् |
| | लाषयेथाः | लाषयेयाथाम् | लाषयेध्वम् |
| | लाषयेथ | लाषयेवहि | लाषयेमहि |
| प० | लाषयताम् | लाषयेताम् | लाषयन्ताम् |
| | लाषयस्व | लाषयेशाम् | लाषयध्वम् |
| | लाषयै | लाषयावहै | लाषयामहै |
| ह्य० | अलाषयत | अलाषयेताम् | अलाषयन्त |
| | अलाषयथाः | अलाषयेथाम् | अलाषयध्वम् |
| | अलाषये | अलाषयावहि | अलाषयामहि |
| अ० | अलीलपत | अलीलपेताम् | अलीलपन्त |
| | अलीलपथाः | अलीलपेथाम् | अलीलपध्वम् |
| | अलीलपे | अलीलपावहि | अलीलपामहि |
| प० | लाषयाञ्चक्रे | लाषयाञ्चक्रते | लाषयाञ्चक्रिरे |
| | लाषयाञ्चकृषे | लाषयाञ्चक्राथे | लाषयाञ्चकृद्वे |
| | लाषयाञ्चक्रे | लाषयाञ्चकृवहे | लाषयाञ्चकृमहे |
| | लाषयाम्बभूव | । | लाषयामास |
| भा० | लाषयिषीष्ट | लाषयिषीयास्ताम् | लाषयिषीरन् |
| | लाषयिषीष्टाः | लाषयिषीयास्थाम् | लाषयिषीह्वम् |
| | लाषयिषीय | लाषयिषीवहि | लाषयिषीमहि |
| ष० | लाषयिता | लाषयितारौ | लाषयितारः |
| | लाषयितासे | लाषयितासाथे | लाषयिताध्वे |
| | लाषयिताहे | लाषयितास्वहे | लाषयितास्महे |
| भ० | लाषयिष्यते | लाषयिष्येते | लाषयिष्यन्ते |
| | लाषयिष्यसे | लाषयिष्येथे | लाषयिष्यध्वे |
| | लाषयिष्ये | लाषयिष्यावहे | लाषयिष्यामहे |
| क्रि० | अलाषयिष्यत | अलाषयिष्येताम् | अलाषयिष्यन्त |
| | अलाषयिष्यथाः | अलाषयिष्येथाम् | अलाषयिष्यध्वम् |
| | अलाषयिष्ये | अलाषयिष्यावहि | अलाषयिष्यामहि |

१२९ लृषी (लृषु) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------|---------------|
| व० | लृषयति | लृषयतः | लृषयन्ति |
| | लृषयसि | लृषयथः | लृषयथ |
| | लृषयामि | लृषयावः | लृषयामः |
| स० | लृषयेत् | लृषयेताम् | लृषयेयुः |
| | लृषयेः | लृषयेतम् | लृषयेत |
| | लृषयेयम् | लृषयेव | लृषयेम |
| प० | लृषयतु | लृषयतात् | लृषयन्तु |
| | लृषय | लृषयतम् | लृषयत |
| | लृषयाणि | लृषयाव | लृषयाम |
| ह्य० | अच्छलपयत् | अच्छलपयताम् | अच्छलपयन् |
| | अच्छलपयः | अच्छलपयतम् | अच्छलपयत |
| | अच्छलपयम् | अच्छलपयाव | अच्छलपयाम |
| भ० | अचिच्छपत् | अचिच्छपताम् | अचिच्छपन् |
| | अचिच्छपः | अचिच्छपतम् | अचिच्छपत |
| | अचिच्छपम् | अचिच्छपाव | अचिच्छपाम |
| प | लृषयाञ्चकार | लृषयाञ्चकतुः | लृषयाञ्चकुः |
| | लृषयाञ्चकथे | लृषयाञ्चकथुः | लृषयाञ्चक |
| | लृषयाञ्चकार-चकर | लृषयाञ्चकृव | लृषयाञ्चकृम |
| | लृषयाम्बभूव | लृषयामास | |
| भा० | लृष्यात् | लृष्यास्ताम् | लृष्यामुः |
| | लृष्याः | लृष्यास्तम् | लृष्यास्त |
| | लृष्यासम् | लृष्यास्व | लृष्यास्म |
| भ० | लृषयिता | लृषयितारौ | लृषयितारः |
| | लृषयितासि | लृषयितास्थः | लृषयितास्थ |
| | लृषयितास्मि | लृषयितास्वः | लृषयितास्मः |
| भ० | लृषयिष्यति | लृषयिष्यतः | लृषयिष्यन्ति |
| | लृषयिष्यसि | लृषयिष्यथः | लृषयिष्यथ |
| | लृषयिष्यामि | लृषयिष्यावः | लृषयिष्यामः |
| क्रि० | अच्छलपयिष्यत् | अच्छलपयिष्यताम् | अच्छलपयिष्यन् |
| | अच्छलपयिष्यः | अच्छलपयिष्यतम् | अच्छलपयिष्यत |
| | अच्छलपयिष्यम् | अच्छलपयिष्याव | अच्छलपयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | लृषयते | लृषयते | लृषयन्ते |
| | लृषयसे | लृषयथे | लृषयथे |
| | लृषये | लृषयावहे | लृषयामहे |
| स० | लृषयेत् | लृषयेयाताम् | लृषयेरन् |
| | लृषयेथाः | लृषयेयाथाम् | लृषयेध्वम् |
| | लृषयेय | लृषयेवहि | लृषयेमहि |
| प० | लृषयताम् | लृषयेताम् | लृषयन्ताम् |
| | लृषयन् | लृषयेयाम् | लृषयन्वम् |
| | लृषये | लृषयावहे | लृषयामहे |
| ह्य० | अच्छलपयत् | अच्छलपयेताम् | अच्छलपयन्त |
| | अच्छलपयथाः | अच्छलपयेथाम् | अच्छलपयध्वम् |
| | अच्छलपये | अच्छलपयावहि | अच्छलपयामहि |
| भ० | अचिच्छपत् | अचिच्छपेताम् | अचिच्छपन्त |
| | अचिच्छपथाः | अचिच्छपेथाम् | अचिच्छपध्वम् |
| | अचिच्छपे | अचिच्छपावहि | अचिच्छपामहि |
| प० | लृषयाञ्चके | लृषयाञ्चकते | लृषयाञ्चकिरे |
| | लृषयाञ्चकृषे | लृषयाञ्चकथे | लृषयाञ्चकृषे |
| | लृषयाञ्चके | लृषयाञ्चकृवहे | लृषयाञ्चकृमहे |
| | लृषयाम्बभूव | लृषयामास | |
| भा० | लृषयिषीष्ट | लृषयिषीस्ताम् | लृषयिषीरन् |
| | लृषयिषीष्टाः | लृषयिषीस्थाः | लृषयिषीष्ट्वम् |
| | लृषयिषीय | लृषयिषीवहि | लृषयिषीमहि |
| भ० | लृषयिता | लृषयितारौ | लृषयितारः |
| | लृषयितासे | लृषयितासाथे | लृषयिताध्वे |
| | लृषयिताहे | लृषयितास्वहे | लृषयितास्महे |
| भ० | लृषयिष्यते | लृषयिष्येते | लृषयिष्यन्ते |
| | लृषयिष्यसे | लृषयिष्यथे | लृषयिष्यध्वे |
| | लृषयिष्ये | लृषयिष्यावहे | लृषयिष्यामहे |
| क्रि० | अच्छलपयिष्यत् | अच्छलपयिष्येताम् | अच्छलपयिष्यन्त |
| | अच्छलपयिष्यथाः | अच्छलपयिष्येथाम् | अच्छलपयिष्यध्वम् |
| | अच्छलपयिष्ये | अच्छलपयिष्यावहि | अच्छलपयिष्यामहि |

930 त्विषीं (त्विष्) दीप्तौ ।

| | | |
|--------------------|-----------------|-----------------|
| ३० त्वेषयति | त्वेषयतः | त्वेषयन्ति |
| त्वेषयसि | त्वेषयथः | त्वेषयथ |
| त्वेषयामि | त्वेषयावः | त्वेषयामः |
| स० त्वेषयेत् | त्वेषयेताम् | त्वेषयेयुः |
| त्वेषयेः | त्वेषयेतम् | त्वेषयेत |
| त्वेषयेयम् | त्वेषयेव | त्वेषयेम |
| प० त्वेषयतु | त्वेषयतात् | त्वेषयताम् |
| त्वेषय | ” | त्वेषयतम् |
| त्वेषयाणि | त्वेषयाव | त्वेषयाम |
| ह्य० अत्वेषयत् | अत्वेषयताम् | अत्वेषयन् |
| अत्वेषयः | अत्वेषयतम् | अत्वेषयत |
| अत्वेषयम् | अत्वेषयाव | अत्वेषयाम |
| अ० अतिस्विषत् | अतिस्विषताम् | अतिस्विषन् |
| अतिस्विषः | अतिस्विषतम् | अतिस्विषत |
| अतिस्विषम् | अतिस्विषाव | अतिस्विषाम |
| प० त्वेषयाश्चकार | त्वेषयाश्चक्रुः | त्वेषयाश्चक्रुः |
| त्वेषयाश्चकथ | त्वेषयाश्चक्रुः | त्वेषयाश्चक्रुः |
| त्वेषयाश्चकार-चक्र | त्वेषयाश्चक्रुव | त्वेषयाश्चक्रुम |

त्वेषयाम्बभूव । त्वेषयामास

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| आ० त्वेष्यात् | त्वेष्यास्ताम् | त्वेष्यासुः |
| त्वेष्याः | त्वेष्यास्तम् | त्वेष्यास्त |
| त्वेष्यासम् | त्वेष्यास्व | त्वेष्यास्म |
| श्व० त्वेषयिता | त्वेषयितारौ | त्वेषयितारः |
| त्वेषयितासि | त्वेषयितास्थः | त्वेषयितास्थ |
| त्वेषयितास्मि | त्वेषयिताम्बः | त्वेषयितास्मः |
| भ० त्वेषयिष्यति | त्वेषयिष्यतः | त्वेषयिष्यन्ति |
| त्वेषयिष्यसि | त्वेषयिष्यथः | त्वेषयिष्यथ |
| त्वेषयिष्यामि | त्वेषयिष्यावः | त्वेषयिष्यामः |
| क्रि० अत्वेषयिष्यत् | अत्वेषयिष्यताम् | अत्वेषयिष्यन् |
| अत्वेषयिष्यः | अत्वेषयिष्यतम् | अत्वेषयिष्यत |
| अत्वेषयिष्यम् | अत्वेषयिष्याव | अत्वेषयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|-------------------|
| व० त्वेषयते | त्वेषयेते | त्वेषयन्ते |
| त्वेषयसे | त्वेषयेये | त्वेषयन्वे |
| त्वेषये | त्वेषयावहे | त्वेषयामहे |
| स० त्वेषयेत | त्वेषयेयाताम् | त्वेषयेरन् |
| त्वेषयेथाः | त्वेषयेयाथाम् | त्वेषयेष्वम् |
| त्वेषयेय | त्वेषयेवहि | त्वेषयेमहि |
| प० त्वेषयताम् | त्वेषयेताम् | त्वेषयन्ताम् |
| त्वेषयस्व | त्वेषयेथाम् | त्वेषयष्वम् |
| त्वेषयै | त्वेषयावहे | त्वेषयामहे |
| ह्य० अत्वेषयत | अत्वेषयेताम् | अत्वेषयन्त |
| अत्वेषयथाः | अत्वेषयेथाम् | अत्वेषयष्वम् |
| अत्वेषये | अत्वेषयावहि | अत्वेषयामहि |
| अ० अतिस्विषत् | अतिस्विषेताम् | अतिस्विषन्त |
| अतिस्विषथाः | अतिस्विषेथाम् | अतिस्विषष्वम् |
| अतिस्विषे | अतिस्विषावहि | अतिस्विषामहि |
| प० त्वेषयाश्चक्रे | त्वेषयाश्चक्रते | त्वेषयाश्चक्रिरे |
| त्वेषयाश्चक्रुषे | त्वेषयाश्चक्राथे | त्वेषयाश्चक्रुवहे |
| त्वेषयाश्चक्रे | त्वेषयाश्चक्रुवहे | त्वेषयाश्चक्रुमहे |
| त्वेषयाम्बभूव | । | त्वेषयामास |
| आ० त्वेषयिषीष्ट | त्वेषयिषीयास्ताम् | त्वेषयिषीरन् |
| त्वेषयिषीष्ठाः | त्वेषयिषीयास्थाम् | त्वेषयिषीढ्वम् |
| त्वेषयिषीय | त्वेषयिषीवहि | त्वेषयिषीमहि |
| श्व० त्वेषयिता | त्वेषयितारौ | त्वेषयितारः |
| त्वेषयितासे | त्वेषयितासाथे | त्वेषयिताध्वे |
| त्वेषयिताहे | त्वेषयितास्वहे | त्वेषयितास्महे |
| भ० त्वेषयिष्यते | त्वेषयिष्येते | त्वेषयिष्यन्ते |
| त्वेषयिष्यसे | त्वेषयिष्येथे | त्वेषयिष्यध्वे |
| त्वेषयिष्ये | त्वेषयिष्यावहे | त्वेषयिष्यामहे |
| क्रि० अत्वेषयिष्यत | अत्वेषयिष्येताम् | अत्वेषयिष्यन्त |
| अत्वेषयिष्यथाः | अत्वेषयिष्येथाम् | अत्वेषयिष्यष्वम् |
| अत्वेषयिष्ये | अत्वेषयिष्यावहि | अत्वेषयिष्यामहि |

931 अषी (अष्) गत्यादानयोश्च ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | आषयति | आषयतः | आषयन्ति |
| | आषयसि | आषयथः | आषयथ |
| | आषयामि | आषयावः | आषयामः |
| स० | आषयेत् | आषयेताम् | आषयेयुः |
| | आषयेः | आषयेतम् | आषयेत |
| | आषयेयम् | आषयेव | आषयेम |
| प० | आषयतु | आषयतात् | आषयताम् |
| | आषय | आषयतात् | आषयतम् |
| | आषयानि | आषयाव | आषयाम |
| ह्य० | आषयत् | आषयताम् | आषयन् |
| | आषयः | आषयतम् | आषयत |
| | आषयम् | आषयाव | आषयाम |
| अ० | आषिषत् | आषिषताम् | आषिषन् |
| | आषिषः | आषिषतम् | आषिषत |
| | आषिषम् | आषिषाव | आषिषाम |
| प० | आषयाञ्चकार | आषयाञ्चक्रुः | आषयाञ्चकुः |
| | आषयाञ्चक्य | आषयाञ्चक्रुः | आषयाञ्चक |
| | आषयाञ्चकार-चकर | आषयाञ्चकृव | आषयाञ्चकृम |
| | आषयाम्बभूव | । | आषयामास |
| आ० | आष्यात् | आष्यास्ताम् | आष्यासुः |
| | आष्याः | आष्यास्तम् | आष्यास्त |
| | आष्यासम् | आष्यास्व | आष्यास्म |
| भ० | आषयिता | आषयितारौ | आषयितारः |
| | आषयितासि | आषयितास्थः | आषयितास्थ |
| | आषयितास्मि | आषयितास्वः | आषयितास्मः |
| भ० | आषयिष्यति | आषयिष्यतः | आषयिष्यन्ति |
| | आषयिष्यसि | आषयिष्यथः | आषयिष्यथ |
| | आषयिष्यामि | आषयिष्यावः | आषयिष्यामः |
| क्रि० | आषयिष्यत् | आषयिष्यताम् | आषयिष्यन् |
| | आषयिष्यः | आषयिष्यतम् | आषयिष्यत |
| | आषयिष्यम् | आषयिष्याव | आषयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | आषयते | आपयेते | आषयन्ते |
| | आषयसे | आषयेथे | आषयन्वे |
| | आषये | आपयावहे | आषयामहे |
| स० | आषयेत | आषयेयाताम् | आषयेरन् |
| | आषयेथाः | आषयेयाथाम् | आषयेच्वम् |
| | आषयेय | आषयेवहि | आषयेमहि |
| प० | आषयताम् | आषयेताम् | आषयन्ताम् |
| | आषयस्व | आषयेथाम् | आषयच्वम् |
| | आषयै | आषयावहै | आषयामहै |
| ह्य० | आषयत | आषयेताम् | आषयन्त |
| | आषयथाः | आषयेथाम् | आषयच्वम् |
| | आषये | आषयावहि | आषयामहि |
| अ० | आषिषत | आषिषेताम् | आषिषन्त |
| | आषिषथाः | आषिषेथाम् | आषिषच्वम् |
| | आषिषे | आषिषावहि | आषिषामहि |
| प० | आषयाञ्चक्रे | आषयाञ्चक्राते | आषयाञ्चक्रिरे |
| | आषयाञ्चकृषे | आषयाञ्चक्राये | आषयाञ्चकृद्वे |
| | आषयाञ्चक्रे | आषयाञ्चकृवहे | आषयाञ्चकृमहे |
| | आषयाम्बभूव | । | आपयामास |
| आ० | आषयिषीष्ट | आषयिषीयास्ताम् | आषयिषीरन् |
| | आषयिषीष्ठाः | आषयिषीयास्थाम् | आषयिषीद्वम् |
| | | | च्वम् |
| | आषयिषीय | आषयिषीवहि | आषयिषीमहि |
| भ० | आषयिता | आषयितारौ | आषयितारः |
| | आषयितासे | आषयितासाथे | आषयिताध्वे |
| | आषयिताहे | आषयितास्वहे | आषयितास्महे |
| भ० | आषयिष्यते | आषयिष्येते | आषयिष्यन्ते |
| | आषयिष्यसे | आषयिष्येथे | आषयिष्यन्वे |
| | आषयिष्ये | आषयिष्यावहे | आषयिष्यामहे |
| क्रि० | आषयिष्यत् | आषयिष्येताम् | आषयिष्यन्त |
| | आषयिष्यथाः | आषयिष्येथाम् | आषयिष्यच्वम् |
| | आषयिष्ये | आषयिष्यावहि | आषयिष्यामहि |

॥ अथ सान्तौ ॥

932 असी (अस्) गत्यादानयोश्च

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| व० आसयति | आसयतः | आसयन्ति |
| आसयसि | आसयथः | आसयथ |
| आसयामि | आसयावः | आसयामः |
| स० आसयेत् | आसयेताम् | आसयेयुः |
| आसयेः | आसयेतम् | आसयेत |
| आसयेयम् | आसयेव | आसयेम |
| प० आसयतु | आसयतात् | आसयताम् |
| आसय | आसयतात् | आसयतम् |
| आसयानि | आसयाव | आसयाम |
| ह्य० आसयत् | आसयताम् | आसयन् |
| आसयः | आसयतम् | आसयत |
| आसयम् | आसयाव | आसयाम |
| अ० आसिसत् | आसिसताम् | आसिसन् |
| आसिसः | आसिसतम् | आसिसत |
| आसिसम् | आसिसाव | आसिसाम |
| प० आसयाश्चकार | आसयाश्चक्रुः | आसयाश्चकुः |
| आसयाश्चक्ये | आसयाश्चक्रुः | आसयाश्चक |
| आसयाश्चकार-चकर | आसयाश्चक्रुः | आसयाश्चक्रम |
| आसयाम्बभूव | । | आसयामास |
| आ० आस्यात् | आस्यास्ताम् | आस्यासुः |
| आस्याः | आस्यास्तम् | आस्यास्त |
| आस्यासम् | आस्यास्व | आस्यास्म |
| अ० आसयिता | आसयितारौ | आसयितारः |
| आसयितासि | आसयितास्थः | आसयितास्थ |
| आसयितास्मि | आसयितास्वः | आसयितास्मः |
| अ० आसयिष्यति | आसयिष्यतः | आसयिष्यन्ति |
| आसयिष्यसि | आसयिष्यथः | आसयिष्यथ |
| आसयिष्यामि | आसयिष्यावः | आसयिष्यामः |
| क्रि० आसयिष्यत् | आसयिष्यताम् | आसयिष्यन् |
| आसयिष्यः | आसयिष्यतम् | आसयिष्यत |
| आसयिष्यम् | आसयिष्याव | आसयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० आसयते | आसयेते | आसयन्ते |
| आसयसे | आसयेथे | आसयन्थे |
| आसये | आसयावहे | आसयामहे |
| स० आसयेत | आसयेयाताम् | आसयेरन् |
| आसयेथाः | आसयेयाथाम् | आसयेध्वम् |
| आसयेय | आसयेवहि | आसयेमहि |
| प० आसयताम् | आसयेताम् | आसयन्ताम् |
| आसयस्व | आसयेथाम् | आसयध्वम् |
| आसयै | आसयावहै | आसयामहै |
| ह्य० आसयत | आसयेताम् | आसयन्त |
| आसयथाः | आसयेथाम् | आसयध्वम् |
| आसये | आसयावहि | आसयामहि |
| अ० आसिसत | आसिसेताम् | आसिसन्त |
| आसिसथाः | आसिसेथाम् | आसिसध्वम् |
| आसिसे | आसिसावहि | आसिसामहि |
| प० आसयाश्चक्रे | आसयाश्चक्राते | आसयाश्चक्रिरे |
| आसयाश्चकृषे | आसयाश्चक्राये | आसयाश्चकृद्वे |
| आसयाश्चक्रे | आसयाश्चक्रवहे | आसयाश्चक्रमहे |
| आसयाम्बभूव | । | आसयामास |
| आ० आसयिषीष्ट | आसयिषीयास्ताम् | आसयिषीरन् |
| आसयिषीष्ठाः | आसयिषीयास्थाम् | आसयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| आसयिषीय | आसयिषीवहि | आसयिषीमहि |
| अ० आसयिता | आसयितारौ | आसयितारः |
| आसयितासे | आसयितासाये | आसयिताध्वे |
| आसयिताहे | आसयितास्वहे | आसयितास्महे |
| अ० आसयिष्यते | आसयिष्येते | आसयिष्यन्ते |
| आसयिष्यसे | आसयिष्येथे | आसयिष्यन्थे |
| आसयिष्ये | आसयिष्यावहे | आसयिष्यामहे |
| क्रि० आसयिष्यत् | आसयिष्यताम् | आसयिष्यन्त |
| आसयिष्यथाः | आसयिष्येथाम् | आसयिष्यध्वम् |
| आसयिष्ये | आसयिष्यावहि | आसयिष्यामहि |

733 दासृग् (दास्) दाने

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० दासयति | दासयतः | दासयन्ति |
| दासयसि | दासयथः | दासयथ |
| दासयामि | दासयावः | दासयामः |
| स० दासयेत् | दासयेताम् | दासयेयुः |
| दासयेः | दासयेतम् | दासयेत |
| दासयेयम् | दासयेव | दासयेम |
| प० दासयतु | दासयतात् | दासयताम् |
| दासय | दासयतम् | दासयत |
| दासयानि | दासयाव | दासयाम |
| ह्य० अदासयत् | अदासयताम् | अदासयन् |
| अदासयः | अदासयतम् | अदासयत |
| अदासयम् | अदासयाव | अदासयाम |
| अ० अददासत् | अददासताम् | अददासन् |
| अददासः | अददासतम् | अददासत |
| अददासम् | अददासाव | अददासाम |
| प० दासयाञ्चकार | दासयाञ्चक्रुः | दासयाञ्चक्रुः |
| दासयाञ्चकथ | दासयाञ्चक्रुः | दासयाञ्चक्रुः |
| दासयाञ्चकार-चक्र | दासयाञ्चक्रुव | दासयाञ्चक्रुम |
| दासयाम्बभूव | दासयामास | |
| आ० दास्यात् | दास्यास्ताम् | दास्यासुः |
| दास्याः | दास्यास्तम् | दास्यास्त |
| दास्यासम् | दास्यास्व | दास्यास्म |
| व० दासयिता | दासयितारौ | दासयितारः |
| दासयितासि | दासयितास्थः | दासयितास्थ |
| दासयितास्मि | दासयितास्वः | दासयितास्मः |
| म० दासयिष्यति | दासयिष्यतः | दासयिष्यन्ति |
| दासयिष्यसि | दासयिष्यथः | दासयिष्यथ |
| दासयिष्यामि | दासयिष्यावः | दासयिष्यामः |
| क्रि० अदासयिष्यत् | अदासयिष्यताम् | अदासयिष्यन् |
| अदासयिष्यः | अदासयिष्यतम् | अदासयिष्यत |
| अदासयिष्यम् | अदासयिष्याव | अदासयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० दासयते | दासयते | दासयन्ते |
| दासयसे | दासयेथे | दासयध्वे |
| दासये | दासयावहे | दासयामहे |
| स० दासयेत | दासयेयाताम् | दासयेरन् |
| दासयेथाः | दासयेयाथाम् | दासयेध्वम् |
| दासयेथ | दासयेवहि | दासयेमहि |
| प० दासयताम् | दासयेताम् | दासयन्ताम् |
| दासयस्व | दासयेथाम् | दासयध्वम् |
| दासये | दासयावहे | दासयामहे |
| ह्य० अदासयत् | अदासयेताम् | अदासयन्त |
| अदासयथाः | अदासयेथाम् | अदासयध्वम् |
| अदासये | अदासयावहि | अदासयामहि |
| अ० अददासत | अददासेताम् | अददासन्त |
| अददासथाः | अददासेथाम् | अददासध्वम् |
| अददासे | अददासावहि | अददासामहि |
| प० दासयाञ्चके | दासयाञ्चकाते | दासयाञ्चकिरे |
| दासयाञ्चकृषे | दासयाञ्चकाथे | दासयाञ्चकृद्वे |
| दासयाञ्चके | दासयाञ्चकृवहे | दासयाञ्चकृमहे |
| दासयाम्बभूव | दासयामास | |
| आ० दासयिषीष्ट | दासयिषीयास्ताम् | दासयिषीरन् |
| दासयिषीष्टाः | दासयिषीयास्थाम् | दासयिषीद्वम् |
| दासयिषीय | दासयिषीवहि | दासयिषीमहि |
| अ० दासयिता | दासयितारौ | दासयितारः |
| दासयितासे | दासयितासाथे | दासयिताध्वे |
| दासयिताहे | दासयितास्वहे | दासयितास्महे |
| म० दासयिष्यते | दासयिष्येते | दासयिष्यन्ते |
| दासयिष्यसे | दासयिष्येथे | दासयिष्यध्वे |
| दासयिष्ये | दासयिष्यावहे | दासयिष्यामहे |
| क्रि० अदासयिष्यत् | अदासयिष्यताम् | अदासयिष्यन्त |
| अदासयिष्यथाः | अदासयिष्येथाम् | अदासयिष्यध्वम् |
| अदासयिष्ये | अदासयिष्यावहि | अदासयिष्यामहि |

॥ अथ हान्तौ सेटौ च ॥

934 माहृग् (माहृ) माने ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|------------------|
| व० | माहृयति | माहृत्यतः | माहृत्यन्ति |
| | माहृत्यसि | माहृत्यथः | माहृत्यथ |
| | माहृत्यामि | माहृत्यावः | माहृत्यामः |
| स० | माहृयेत् | माहृयेताम् | माहृयेयुः |
| | माहृयेः | माहृयेतम् | माहृयेत |
| | माहृयेयम् | माहृयेव | माहृयेम |
| प० | माहृत्यु | माहृत्यात् | माहृत्याम् |
| | माहृत्य | माहृत्यात् | माहृत्याम् |
| | माहृत्यानि | माहृत्याव | माहृत्याम |
| ह्य० | अमाहृत्य | अमाहृत्याम् | अमाहृत्यन् |
| | अमाहृत्यः | अमाहृत्यतम् | अमाहृत्यत |
| | अमाहृत्यम् | अमाहृत्याव | अमाहृत्याम |
| अ० | अममाहृत्य | अममाहृत्याम् | अममाहृत्यन् |
| | अममाहृत्यः | अममाहृत्यतम् | अममाहृत्यत |
| | अममाहृत्यम् | अममाहृत्याव | अममाहृत्याम |
| प | माहृत्याश्चकार | माहृत्याश्चक्रुः | माहृत्याश्चक्रुः |
| | माहृत्याश्चकथ | माहृत्याश्चक्रुः | माहृत्याश्चक्रुः |
| | माहृत्याश्चकार-चकर | माहृत्याश्चक्रुव | माहृत्याश्चक्रुम |
| | माहृत्याम्बभूव | माहृत्यामास | |
| आ० | माहृत्यात् | माहृत्यास्ताम् | माहृत्यास्तुः |
| | माहृत्याः | माहृत्यास्तम् | माहृत्यास्त |
| | माहृत्यासम् | माहृत्यास्व | माहृत्यास्म |
| श्च० | माहृत्यिता | माहृत्यितारौ | माहृत्यितारः |
| | माहृत्यितासि | माहृत्यितास्थः | माहृत्यितास्थ |
| | माहृत्यितास्मि | माहृत्यितास्वः | माहृत्यितास्मः |
| भ० | माहृत्यिष्यति | माहृत्यिष्यतः | माहृत्यिष्यन्ति |
| | माहृत्यिष्यसि | माहृत्यिष्यथः | माहृत्यिष्यथ |
| | माहृत्यिष्यामि | माहृत्यिष्यावः | माहृत्यिष्यामः |
| क्रि० | अमाहृत्यिष्यत् | अमाहृत्यिष्यताम् | अमाहृत्यिष्यन्त |
| | अमाहृत्यिष्यः | अमाहृत्यिष्यतम् | अमाहृत्यिष्यत |
| | अमाहृत्यिष्यम् | अमाहृत्यिष्याव | अमाहृत्यिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|--------------------|
| व० | माहृत्ये | माहृत्ये | माहृत्यन्ते |
| | माहृत्यसे | माहृत्ये | माहृत्यन्ते |
| | माहृत्ये | माहृत्यावहे | माहृत्यामहे |
| स० | माहृत्येत | माहृत्येयाताम् | माहृत्येरन् |
| | माहृत्येथाः | माहृत्येथायाम् | माहृत्येष्वम् |
| | माहृत्येथ | माहृत्येवहि | माहृत्येमहि |
| प० | माहृत्यताम् | माहृत्येताम् | माहृत्यन्ताम् |
| | माहृत्यस्व | माहृत्येथाम् | माहृत्येष्वम् |
| | माहृत्ये | माहृत्यावहे | माहृत्यामहे |
| ह्य० | अमाहृत्यत | अमाहृत्येताम् | अमाहृत्यन्त |
| | अमाहृत्यथाः | अमाहृत्येथाम् | अमाहृत्येष्वम् |
| | अमाहृत्ये | अमाहृत्यावहि | अमाहृत्यामहि |
| अ० | अममाहृत्य | अममाहृत्येताम् | अममाहृत्यन्त |
| | अममाहृत्यथाः | अममाहृत्येथाम् | अममाहृत्येष्वम् |
| | अममाहृत्ये | अममाहृत्यावहि | अममाहृत्यामहि |
| प० | माहृत्याश्चक्रे | माहृत्याश्चक्रते | माहृत्याश्चक्रिरे |
| | माहृत्याश्चक्रे | माहृत्याश्चक्राये | माहृत्याश्चक्रुवहे |
| | माहृत्याश्चक्रे | माहृत्याश्चक्रुवहे | माहृत्याश्चक्रुमहे |
| | माहृत्याम्बभूव | माहृत्यामास | |
| आ० | माहृत्यिषीष्ट | माहृत्यिषीयास्ताम् | माहृत्यिषीदन् |
| | माहृत्यिषीष्टाः | माहृत्यिषीयास्याम् | माहृत्यिषीद्वम् |
| | माहृत्यिषीय | माहृत्यिषीवहि | माहृत्यिषीमहि |
| श्च० | माहृत्यिता | माहृत्यितारौ | माहृत्यितारः |
| | माहृत्यितासे | माहृत्यितासाये | माहृत्यितास्वहे |
| | माहृत्यिताहे | माहृत्यितास्वहे | माहृत्यितास्महे |
| भ० | माहृत्यिष्यते | माहृत्यिष्येते | माहृत्यिष्यन्ते |
| | माहृत्यिष्यसे | माहृत्यिष्येथे | माहृत्यिष्येथ्वे |
| | माहृत्यिष्ये | माहृत्यिष्यावहे | माहृत्यिष्यामहे |
| क्रि० | अमाहृत्यिष्यत | अमाहृत्यिष्येताम् | अमाहृत्यिष्यन्त |
| | अमाहृत्यिष्यथाः | अमाहृत्यिष्येथाम् | अमाहृत्यिष्येष्वम् |
| | अमाहृत्यिष्ये | अमाहृत्यिष्यावहि | अमाहृत्यिष्यामहि |

935 गुहौग् (गुह्) संवरणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | गूहयति | गूहयतः | गूहयन्ति |
| | गूहयसि | गूहयथः | गूहयथ |
| | गूहयामि | गूहयावः | गूहयामः |
| स० | गूहयेत् | गूहयेताम् | गूहयेयुः |
| | गूहयेः | गूहयेतम् | गूहयेत |
| | गूहयेयम् | गूहयेव | गूहयेम |
| प० | गूहयतु | गूहयतात् | गूहयताम् |
| | गूहय | गूहयतात् | गूहयतम् |
| | गूहयानि | गूहयाव | गूहयाम |
| ह्य० | अगूहयत् | अगूहयताम् | अगूहयन् |
| | अगूहयः | अगूहयतम् | अगूहयत |
| | अगूहयम् | अगूहयाव | अगूहयाम |
| अ० | अजृगुहत् | अजृगुहताम् | अजृगुहन् |
| | अजृगुहः | अजृगुहतम् | अजृगुहत |
| | अजृगुहम् | अजृगुहाव | अजृगुहाम |
| प | गूहयाश्चकार | गूहयाश्चकतुः | गूहयाश्चकुः |
| | गूहयाश्चकथं | गूहयाश्चकथुः | गूहयाश्चक |
| | गूहयाश्चकार-चकर | गूहयाश्चकृव | गूहयाश्चकृम |
| | गूहयाम्बभूव | गूहयामास | |
| आ० | गूह्यात् | गूह्यास्ताम् | गूह्यासुः |
| | गूह्याः | गूह्यास्तम् | गूह्यास्त |
| | गूह्यासम् | गूह्यास्व | गूह्यास्म |
| भ० | गूहयिता | गूहयितारौ | गूहयितारः |
| | गूहयितासि | गूहयितास्थः | गूहयितास्थ |
| | गूहयितास्मि | गूहयितास्वः | गूहयितास्मः |
| भ० | गूहयिष्यति | गूहयिष्यतः | गूहयिष्यन्ति |
| | गूहयिष्यसि | गूहयिष्यथः | गूहयिष्यथ |
| | गूहयिष्यामि | गूहयिष्यावः | गूहयिष्यामः |
| क्रि० | अगूहयिष्यत् | अगूहयिष्यताम् | अगूहयिष्यन् |
| | अगूहयिष्यः | अगूहयिष्यतम् | अगूहयिष्यत |
| | अगूहयिष्यम् | अगूहयिष्याव | अगूहयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | गूहयते | गूहयेते | गूहयन्ते |
| | गूहयमे | गूहयेथे | गूहयामे |
| | गूहये | गूहयावहे | गूहयामहे |
| स० | गूहयेत | गूहयेताताम् | गूहयेरन् |
| | गूहयेथाः | गूहयेथायाम् | गूहयेष्वम् |
| | गूहयेथ | गूहयेवहि | गूहयेमहि |
| प० | गूहयताम् | गूहयेताम् | गूहयन्ताम् |
| | गूहयस्व | गूहयेथाम् | गूहयस्वम् |
| | गूहये | गूहयावहे | गूहयामहे |
| ह्य० | अगूहयत | अगूहयेताम् | अगूहयन्त |
| | अगूहयेथाः | अगूहयेथाम् | अगूहयेष्वम् |
| | अगूहये | अगूहयावहि | अगूहयामहि |
| अ० | अजृगुहत | अजृगुहेताम् | अजृगुहन्त |
| | अजृगुहथाः | अजृगुहेथाम् | अजृगुहेष्वम् |
| | अजृगुहे | अजृगुहावहि | अजृगुहामहि |
| प० | गूहयाश्चक्रे | गूहयाश्चकृते | गूहयाश्चकिरे |
| | गूहयाश्चकृषे | गूहयाश्चकृषे | गूहयाश्चकृद्वे |
| | गूहयाश्चक्रे | गूहयाश्चकृवहे | गूहयाश्चकृमहे |
| | गूहयाम्बभूव | गूहयामास | |
| आ० | गूहयिषीष्ट | गूहयिषीयास्ताम् | गूहयिषीरन् |
| | गूहयिषीष्टाः | गूहयिषीयास्थाम् | गूहयिषीद्वम् |
| | गूहयिषीय | गूहयिषीवहि | गूहयिषीमहि |
| भ० | गूहयिता | गूहयितारौ | गूहयितारः |
| | गूहयितासे | गूहयितासाथे | गूहयितासे |
| | गूहयिताहे | गूहयितास्वहे | गूहयितामहे |
| भ० | गूहयिष्यते | गूहयिष्येते | गूहयिष्यन्ते |
| | गूहयिष्यसे | गूहयिष्येथे | गूहयिष्यध्वे |
| | गूहयिष्ये | गूहयिष्यावहे | गूहयिष्यामहे |
| क्रि० | अगूहयिष्यत् | अगूहयिष्येताम् | अगूहयिष्यन्त |
| | अगूहयिष्यथाः | अगूहयिष्येथाम् | अगूहयिष्येष्वम् |
| | अगूहयिष्ये | अगूहयिष्यावहि | अगूहयिष्यामहि |

॥ अथ क्षान्तः ॥

936 भलक्षी (भलक्ष्) भक्षणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | भलक्षयति | भलक्षयतः | भलक्षयन्ति |
| | भलक्षयसि | भलक्षयथः | भलक्षयथ |
| | भलक्षयामि | भलक्षयावः | भलक्षयामः |
| स० | भलक्षयेत् | भलक्षयेताम् | भलक्षयेयुः |
| | भलक्षयः | भलक्षयेतम् | भलक्षयेत |
| | भलक्षयेयम् | भलक्षयेव | भलक्षयेम |
| प० | भलक्षयतु | भलक्षयतात् | भलक्षयताम् |
| | भलक्षय | भलक्षयतात् | भलक्षयतम् |
| | भलक्षयानि | भलक्षयाव | भलक्षयाम |
| ह्य० | अभलक्षयत् | अभलक्षयताम् | अभलक्षयन् |
| | अभलक्षयः | अभलक्षयतम् | अभलक्षयत |
| | अभलक्षयम् | अभलक्षयाव | अभलक्षयाम |
| अ० | अवभलक्षत् | अवभलक्षताम् | अवभलक्षन् |
| | अवभलक्षः | अवभलक्षतम् | अवभलक्षत |
| | अवभलक्षम् | अवभलक्षाव | अवभलक्षाम |
| प० | भलक्षयाश्चकार | भलक्षयाश्चकतुः | भलक्षयाश्चकुः |
| | भलक्षयाश्चकथ्यं | भलक्षयाश्चकथुः | भलक्षयाश्चक |
| | भलक्षयाश्चकार-चकर | भलक्षयाश्चकव | भलक्षयाश्चकम |
| | भलक्षयाम्बभूव | । | भलक्षयामास |
| भा० | भलक्ष्यात् | भलक्ष्यास्ताम् | भलक्ष्यामः |
| | भलक्ष्याः | भलक्ष्यास्तम् | भलक्ष्यास्त |
| | भलक्ष्यागाम् | भलक्ष्यास्व | भलक्ष्यास्म |
| भ० | भलक्षयिता | भलक्षयितारौ | भलक्षयितारः |
| | भलक्षयितासि | भलक्षयितास्थः | भलक्षयितास्थ |
| | भलक्षयितास्मि | भलक्षयितास्वः | भलक्षयितास्मः |
| म० | भलक्षयिष्यति | भलक्षयिष्यतः | भलक्षयिष्यन्ति |
| | भलक्षयिष्यसि | भलक्षयिष्यथः | भलक्षयिष्यथ |
| | भलक्षयिष्यामि | भलक्षयिष्यावः | भलक्षयिष्यामः |
| क्रि० | अभलक्षयिष्यत् | अभलक्षयिष्यताम् | अभलक्षयिष्यन् |
| | अभलक्षयिष्यः | अभलक्षयिष्यतम् | अभलक्षयिष्यत |
| | अभलक्षयिष्यम् | अभलक्षयिष्याव | अभलक्षयिष्याम |

॥ अथ द्युतादयः ॥

937 द्युति (द्युत्) दीप्तौ ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| व० | द्योतयति | द्योतयतः | द्योतयन्ति |
| | द्योतयसि | द्योतयथः | द्योतयथ |
| | द्योतयामि | द्योतयावः | द्योतयामः |
| स० | द्योतयेत् | द्योतयेताम् | द्योतयेयुः |
| | द्योतयेः | द्योतयेतम् | द्योतयेत |
| | द्योतयेयम् | द्योतयेव | द्योतयेम |
| प० | द्योतयतु | द्योतयतात् | द्योतयताम् |
| | द्योतय | द्योतयतात् | द्योतयतम् |
| | द्योतयानि | द्योतयाव | द्योतयाम |
| ह्य० | अद्योतयत् | अद्योतयताम् | अद्योतयन् |
| | अद्योतयः | अद्योतयतम् | अद्योतयत |
| | अद्योतयम् | अद्योतयाव | अद्योतयाम |
| अ० | अदिद्युतत् | अदिद्युतताम् | अदिद्युतन् |
| | अदिद्युतः | अदिद्युततम् | अदिद्युतत |
| | अदिद्युतम् | अदिद्युताव | अदिद्युताम |
| प० | द्योतयाश्चकार | द्योतयाश्चकतुः | अद्योतयाश्चकुः |
| | द्योतयाश्चकर्त्तुं | द्योतयाश्चकथुः | द्योतयाश्चक |
| | द्योतयाश्चकार चकर | द्योतयाश्चकृव | द्योतयाश्चकृम |
| | द्योतयाश्चभूव | । | द्योतयामास |
| आ० | द्योत्यात् | द्योत्यास्ताम् | द्योत्यासुः |
| | द्योत्याः | द्योत्यास्तम् | द्योत्यास्त |
| | द्योत्यासम् | द्योत्यास्व | द्योत्यास्म |
| इव० | द्योतयिता | द्योतयितारौ | द्योतयितारः |
| | द्योतयितासि | द्योतयितास्थः | द्योतयितास्थ |
| | द्योतयितास्मि | द्योतयितास्वः | द्योतयितास्मः |
| भ० | द्योतयिष्यति | द्योतयिष्यतः | द्योतयिष्यन्ति |
| | द्योतयिष्यसि | द्योतयिष्यथः | द्योतयिष्यथ |
| | द्योतयिष्यामि | द्योतयिष्यावः | द्योतयिष्यामः |
| क्रि० | अद्योतयिष्यत् | अद्योतयिष्यताम् | अद्योतयिष्यन् |
| | अद्योतयिष्यः | अद्योतयिष्यतम् | अद्योतयिष्यत |
| | अद्योतयिष्यम् | अद्योतयिष्याव | अद्योतयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | द्योतयते | द्योतयेते | द्योतयन्ते |
| | द्योतयसे | द्योतयेथे | द्योतयध्वे |
| | द्योतये | द्योतयावहे | द्योतयामहे |
| स० | द्योतयेत | द्योतयेयाताम् | द्योतयन् |
| | द्योतयेथाः | द्योतयेयाथाम् | द्योतयेध्वम् |
| | द्योतयेय | द्योतयेवहि | द्योतयेमहि |
| प० | द्योतयताम् | द्योतयेताम् | द्योतयन्ताम् |
| | द्योतयस्व | द्योतयेथाम् | द्योतयध्वम् |
| | द्योतये | द्योतयावहे | द्योतयामहे |
| ह्य० | अद्योतयत | अद्योतयेताम् | अद्योतयन्त |
| | अद्योतयथाः | अद्योतयेथाम् | अद्योतयध्वम् |
| | अद्योतये | अद्योतयावहि | अद्योतयामहि |
| अ० | अदिद्युतत् | अदिद्युतेताम् | अदिद्युतन्त |
| | अदिद्युतथाः | अदिद्युतेथाम् | अदिद्युतध्वम् |
| | अदिद्युते | अदिद्युतावहि | अदिद्युतामहि |
| प० | द्योतयाश्चक्रे | द्योतयाश्चकृते | द्योतयाश्चक्रिरे |
| | द्योतयाश्चकृषे | द्योतयाश्चकृथे | द्योतयाश्चकृध्वे |
| | द्योतयाश्चक्रे | द्योतयाश्चकृवहे | द्योतयाश्चकृमहे |
| | द्योतयाश्चभूव | । | द्योतयामास |
| आ० | द्योतयिषीष्ट | द्योतयिषीयास्ताम् | द्योतयिषीरन् |
| | द्योतयिषीष्ठाः | द्योतयिषीयास्थाम् | द्योतयिषीध्वम् |
| | द्योतयिषीय | द्योतयिषीवहि | द्योतयिषीमहि |
| इव० | द्योतयिता | द्योतयितारौ | द्योतयितारः |
| | द्योतयितासे | द्योतयितासाथे | द्योतयिताध्वे |
| | द्योतयिताहे | द्योतयितास्वहे | द्योतयितास्महे |
| भ० | द्योतयिष्यते | द्योतयिष्येते | द्योतयिष्यन्ते |
| | द्योतयिष्यसे | द्योतयिष्येथे | द्योतयिष्यध्वे |
| | द्योतयिष्ये | द्योतयिष्यावहे | द्योतयिष्यामहे |
| क्रि० | अद्योतयिष्यत् | अद्योतयिष्येताम् | अद्योतयिष्यन्त |
| | अद्योतयिष्यथाः | अद्योतयिष्येथाम् | अद्योतयिष्यध्वम् |
| | अद्योतयिष्ये | अद्योतयिष्यावहि | अद्योतयिष्यामहि |

938 रुचि (रुच्) अभिप्रीत्यां च ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | रुचयति | रुचयतः | रुचयन्ति |
| | रुचयसि | रुचयथः | रुचयथ |
| | रुचयामि | रुचयावः | रुचयामः |
| स० | रुचयेत् | रुचयेताम् | रुचयेयुः |
| | रुचयेः | रुचयेतम् | रुचयेत |
| | रुचयेयम् | रुचयेव | रुचयेम |
| प० | रुचयतु | रुचयतान् | रुचयताम् |
| | रुचय | रुचयतान् | रुचयतम् |
| | रुचयानि | रुचयाव | रुचयाम |
| ह्य० | अरुचयत् | अरुचयताम् | अरुचयन् |
| | अरुचयः | अरुचयतम् | अरुचयत |
| | अरुचयम् | अरुचयाव | अरुचयाम |
| अ० | अरुचयत् | अरुचयताम् | अरुचयन् |
| | अरुचयः | अरुचयतम् | अरुचयत |
| | अरुचयम् | अरुचयाव | अरुचयाम |
| प० | रुचयाश्चकार | रुचयाश्चक्रतुः | रुचयाश्चक्रुः |
| | रुचयाश्चकथं | रुचयाश्चक्रथुः | रुचयाश्चक्र |
| | रुचयाश्चकार-चकार | रुचयाश्चक्रव | रुचयाश्चक्रुम |
| | रुचयाम्बभूव | रुचयामास | |
| आ० | रुचयात् | रुचयास्ताम् | रुचयासुः |
| | रुचयाः | रुचयास्तम् | रुचयास्त |
| | रुचयासम् | रुचयास्व | रुचयास्म |
| श्च० | रुचयिता | रुचयितारौ | रुचयितारः |
| | रुचयितासि | रुचयितास्यः | रुचयितास्थ |
| | रुचयितास्मि | रुचयितास्वः | रुचयितास्मः |
| भ० | रुचयिष्यति | रुचयिष्यतः | रुचयिष्यन्ति |
| | रुचयिष्यसि | रुचयिष्यथः | रुचयिष्यथ |
| | रुचयिष्यामि | रुचयिष्यावः | रुचयिष्यामः |
| क्रि० | अरुचयिष्यत् | अरुचयिष्यताम् | अरुचयिष्यन् |
| | अरुचयिष्यः | अरुचयिष्यतम् | अरुचयिष्यथ |
| | अरुचयिष्यम् | अरुचयिष्याव | अरुचयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रुचयते | रुचयेते | रुचयन्ते |
| | रुचयसे | रुचयेथे | रुचयध्वे |
| | रुचये | रुचयावहे | रुचयामहे |
| स० | रुचयेत् | रुचयेयाताम् | रुचयेयन् |
| | रुचयेथाः | रुचयेथथाम् | रुचयेध्वम् |
| | रुचयेथ | रुचयेवहि | रुचयेमहि |
| प० | रुचयताम् | रुचयेताम् | रुचयन्ताम् |
| | रुचयस्व | रुचयेथाम् | रुचयध्वम् |
| | रुचयै | रुचयावहै | रुचयामहै |
| ह्य० | अरुचयत | अरुचयेताम् | अरुचयन्त |
| | अरुचयथाः | अरुचयेथाम् | अरुचयध्वम् |
| | अरुचये | अरुचयावहि | अरुचयामहि |
| अ० | अरुचयत | अरुचयेताम् | अरुचयन्त |
| | अरुचयथाः | अरुचयेथाम् | अरुचयध्वम् |
| | अरुचये | अरुचयावहि | अरुचयामहि |
| प० | रुचयाश्चक्रे | रुचयाश्चक्रते | रुचयाश्चक्रिरे |
| | रुचयाश्चकृषे | रुचयाश्चक्राथे | रुचयाश्चकृद्वे |
| | रुचयाश्चक्रे | रुचयाश्चकृवहे | रुचयाश्चकृमहे |
| | रुचयाम्बभूव | रुचयामास | |
| आ० | रुचयिषीष्ट | रुचयिषीयास्ताम् | रुचयिषीरन् |
| | रुचयिषीष्ठाः | रुचयिषीयास्ताम् | रुचयिषीद्वम् |
| | रुचयिषीथ | रुचयिषीवहि | रुचयिषीमहि |
| श्च० | रुचयिता | रुचयितारौ | रुचयितारः |
| | रुचयितामे | रुचयितासाथे | रुचयिताध्वे |
| | रुचयिताहे | रुचयितास्वहे | रुचयितास्महे |
| भ० | रुचयिष्यते | रुचयिष्येते | रुचयिष्यन्ते |
| | रुचयिष्यसे | रुचयिष्येथे | रुचयिष्यध्वे |
| | रुचयिष्ये | रुचयिष्यावहे | रुचयिष्यामहे |
| क्रि० | अरुचयिष्यत | अरुचयिष्येताम् | अरुचयिष्यन्त |
| | अरुचयिष्यथाः | अरुचयिष्येथाम् | अरुचयिष्यध्वम् |
| | अरुचयिष्ये | अरुचयिष्यावहि | अरुचयिष्यामहि |

॥ अथ टान्तास्यः ॥

740 घुटि (घुट्) परिवर्तने

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० घोटयति | घोटयतः | घोटयन्ति |
| घोटयसि | घोटयथः | घोटयथ |
| घोटयामि | घोटयावः | घोटयामः |
| स० घोटयेत् | घोटयेताम् | घोटयेयुः |
| घोटयेः | घोटयेतम् | घोटयेत |
| घोटयेयम् | घोटयेव | घोटयेम |
| प० घोटयतु | घोटयतात् | घोटयताम् |
| घोटय | घोटयतात् | घोटययम् |
| घोटयानि | घोटयाव | घोटयाम |
| ह्य० अघोटयत् | अघोटयताम् | अघोटयन् |
| अघोटयः | अघोटयतम् | अघोटयत |
| अघोटयम् | अघोटयाव | अघोटयाम |
| अ० अजूघुटत् | अजूघुटताम् | अजूघुटन् |
| अजूघुटः | अजूघुटतम् | अजूघुटत |
| अजूघुटम् | अजूघुटाव | अजूघुटाम |
| प० घोटयाञ्चकार | घोटयाञ्चकतुः | घोटयाञ्चकुः |
| घोटयाञ्चकथं | घोटयाञ्चकथुः | घोटयाञ्चक |
| घोटयाञ्चकार चकर | घोटयाञ्चकृव | घोटयाञ्चकृम |
| घोटयाम्बभूव | घोटयामस | |
| आ० घोटयात् | घोटयास्ताम् | घोटयासुः |
| घोटयाः | घोटयास्तम् | घोटयास्त |
| घोटयासम् | घोटयास्व | घोटयास्म |
| व० घोटयिता | घोटयितारौ | घोटयितारः |
| घोटयितासि | घोटयितास्थः | घोटयितास्थ |
| घोटयितास्मि | घोटयितास्वः | घोटयितास्मः |
| भ० घोटयिष्यति | घोटयिष्यतः | घोटयिष्यन्ति |
| घोटयिष्यसि | घोटयिष्यथः | घोटयिष्यथ |
| घोटयिष्यामि | घोटयिष्यावः | घोटयिष्यावः |
| क्रि० अघोटयिष्यत् | अघोटयिष्यताम् | अघोटयिष्यन् |
| अघोटयिष्यः | अघोटयिष्यतम् | अघोटयिष्यत |
| अघोटयिष्यम् | अघोटयिष्याव | अघोटयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|---------------|
| व० घोटयेते | घोटयेते | घोटयन्ते |
| घोटयसे | घोटयेथे | घोटयथे |
| घोटये | घोटयावहे | घोटयामहे |
| स० घोटयेत | घोटयेयाताम् | घोटयेरन् |
| घोटयेथाः | घोटयेयथाम् | घोटयेवम् |
| घोटयेय | घोटयेवहि | घोटयेमहि |
| प० घोटयताम् | घोटयेताम् | घोटयन्ताम् |
| घोटयस्व | घोटयेथाम् | घोटयवम् |
| घोटयै | घोटयावहे | घोटयामहे |
| ह्य० अघोटयत | अघोटयेताम् | अघोटयन्त |
| अघोटयथाः | अघोटयेथाम् | अघोटयवम् |
| अघोटये | अघोटयावहि | अघोटयामहि |
| अ० अजूघुटत | अजूघुटताम् | अजूघुटन्त |
| अजूघुटथाः | अजूघुटथाम् | अजूघुटवम् |
| अजूघुटे | अजूघुटावहि | अजूघुटामहि |
| प० घोटयाञ्चके | घोटयाञ्चकते | घोटयाञ्चकिरे |
| घोटयाञ्चकुषे | घोटयाञ्चकाथे | घोटयाञ्चकृव |
| घोटयाञ्चकै | घोटयाञ्चकृवहे | घोटयाञ्चकृमहे |
| घोटयाञ्चभूव | घोटयामस | |
| आ० घोटयिपीष्ट | घोटयिपीयास्ताम् | घोटयिपीरन् |
| घोटयिपीष्ठाः | घोटयिपीयास्थाम् | घोटयिपीह्वम् |
| घोटयिपीय | घोटयिपीवहि | घोटयिपीमहि |
| व० घोटयिता | घोटयितारौ | घोटयितारः |
| घोटयितासे | घोटयितासाथे | घोटयिताव |
| घोटयिताहे | घोटयितास्वहे | घोटयितास्महे |
| भ० घोटयिष्यते | घोटयिष्येते | घोटयिष्यन्ते |
| घोटयिष्यसे | घोटयिष्येथे | घोटयिष्यथे |
| घोटयिष्ये | घोटयिष्यावहे | घोटयिष्यामहे |
| क्रि० अघोटयिष्यत | अघोटयिष्येताम् | अघोटयिष्यन्त |
| अघोटयिष्यथाः | अघोटयिष्येथाम् | अघोटयिष्यवम् |
| अघोटयिष्य | अघोटयिष्यावहि | अघोटयिष्यामहि |

740 रुटि (रुट्) प्रतीघाते

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | रोटयति | रोटयतः | रोटयन्ति |
| | रोटयसि | रोटयथः | रोटयथ |
| | रोटयामि | रोटयावः | रोटयामः |
| स० | रोटयेत् | रोटयेताम् | रोटयेयुः |
| | रोटयेः | रोटयेतम् | रोटयेत |
| | रोटयेयम् | रोटयेव | रोटयेम |
| प० | रोटयतु | रोटयतात् | रोटयताम् |
| | रोटय | रोटयतात् | रोटययम् |
| | रोटयानि | रोटयाव | रोटयाम |
| ह्य० | अरोटयत् | अरोटयताम् | अरोटयन् |
| | अरोटयः | अरोटयतम् | अरोटयत |
| | अरोटयम् | अरोटयाव | अरोटयाम |
| अ० | अरुटत् | अरुटताम् | अरुटन् |
| | अरुटः | अरुटतम् | अरुटत |
| | अरुटम् | अरुटाव | अरुटाम |
| प० | रोटयाश्चकार | रोटयाश्चकतुः | रोटयाश्चकुः |
| | रोटयाश्चकथे | रोटयाश्चकथुः | रोटयाश्चक |
| | रोटयाश्चकार चकर | रोटयाश्चकृव | रोटयाश्चकृम |
| | रोटयाश्चभूव | । | रोटयामास |
| आ० | रोटयात् | रोटयास्ताम् | रोटयासुः |
| | रोटयाः | रोटयास्तम् | रोटयास्त |
| | रोटयासम् | रोटयास्व | रोटयास्म |
| भ० | रोटयिता | रोटयितारौ | रोटयितारः |
| | रोटयितासि | रोटयितास्थः | रोटयितास्थ |
| | रोटयितास्मि | रोटयितास्वः | रोटयितास्मः |
| भ० | रोटयिष्यति | रोटयिष्यतः | रोटयिष्यन्ति |
| | रोटयिष्यसि | रोटयिष्यथः | रोटयिष्यथ |
| | रोटयिष्यामि | रोटयिष्यावः | रोटयिष्यावः |
| क्रि० | अरोटयिष्यत् | अरोटयिष्यताम् | अरोटयिष्यन् |
| | अरोटयिष्यः | अरोटयिष्यतम् | अरोटयिष्यत |
| | अरोटयिष्यम् | अरोटयिष्याव | अरोटयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------------------|-----------------|----------------|
| व० | रोटयते | रोटयेते | रोटयन्ते |
| | रोटयसे | रोटयेथे | रोटयध्वे |
| | टोरये | रोटयावहे | रोटयामहे |
| स० | रोटयेत | रोटयेयाताम् | रोटयेगन् |
| | रोटयेथाः | रोटयेयाथाम् | रोटयेध्वम् |
| | रोटयेय | रोटयेवहि | रोटयेमहि |
| प० | रोटयताम् | रोटयेताम् | रोटयन्ताम् |
| | रोटयस्व | रोटयेथाम् | रोटयध्वम् |
| | रोटयै | रोटयावहै | रोटयामहै |
| ह्य० | अरोटयत | अरोटयेताम् | अरोटयन्त |
| | अरोटयथाः | अरोटयेथाम् | अरोटयध्वम् |
| | अरोटये | अरोटयावहि | अरोटयामहि |
| अ० | अरुटत | अरुटेताम् | अरुटन्त |
| | अरुटथाः | अरुटेथाम् | अरुटध्वम् |
| | अरुटे | अरुटावहि | अरुटामहि |
| प० | रोटयाश्चके | रोटयाश्चकाते | रोटयाश्चकिरे |
| | रोटयाश्चकृषे | रोटयाश्चकाये | रोटयाश्चकृवहे |
| | रोटयाश्चके | रोटयाश्चकृवहे | रोटयाश्चकृमहे |
| | रोटयाश्चभूव | । | रोटयामास |
| आ० | रोटयिषीष्ट | रोटयिषीयास्ताम् | रोटयिषीरन् |
| | रोटयिषीष्टाः | रोटयिषीयास्थाम् | रोटयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | रोटयिषीय | रोटयिषीवहि | रोटयिषीमहि |
| भ० | रोटयिता | रोटयितारौ | रोटयितारः |
| | रोटयितासे | रोटयितासाथे | रोटयिताध्वे |
| | रोटयिताहे | रोटयितास्वहे | रोटयितास्महे |
| भ० | रोटयिष्यते | रोटयिष्येते | रोटयिष्यन्ते |
| | रोटयिष्यसे | रोटयिष्येथे | रोटयिष्यध्वे |
| | रोटयिष्ये | रोटयिष्यवहे | रोटयिष्यामहे |
| क्रि० | अरोटयिष्यत | अरोटयिष्येताम् | अरोटयिष्यन्त |
| | अरोटयिष्यथाः | अरोटयिष्येथाम् | अरोटयिष्यध्वम् |
| | अरोटयिष्ये | अरोटयिष्यवहि | अरोटयिष्यामहि |
| 941 | लुटि (लुट्) प्रतीघाते । | 190 | लुटवद्भाणि |
| 942 | लुटि (लुट्) प्रतीघाते । | 220 | लुटवद्भाणि |

॥ अथ तान्त ॥

943 श्विताङ् (श्वित्) वर्णे

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | श्वेतयनि | श्वेतयतः | श्वेतयन्ति |
| | श्वेतयसि | श्वेतयथः | श्वेतयथ |
| | श्वेतयामि | श्वेतयावः | श्वेतयामः |
| स० | श्वेतयेत् | श्वेतयेताम् | श्वेतयेयुः |
| | श्वेतयेः | श्वेतयेतम् | श्वेतयेत |
| | श्वेतयेयम् | श्वेतयेव | श्वेतयेम |
| प० | श्वेतयतु | श्वेतयतात् | श्वेतयताम् |
| | श्वेतय | श्वेतयतात् | श्वेतयतम् |
| | श्वेतयानि | श्वेतयाव | श्वेतयाम |
| ह्य० | अश्वेतयन् | अश्वेतयताम् | अश्वेतयन् |
| | अश्वेतयः | अश्वेतयतम् | अश्वेतयत |
| | अश्वेतयम् | अश्वेतयाव | अश्वेतयाम |
| अ० | अशिश्चितत् | अशिश्चितताम् | अशिश्चितन् |
| | अशिश्चितः | अशिश्चिततम् | अशिश्चित |
| | अशिश्चितम् | अशिश्चिताव | अशिश्चिताम |
| प० | श्वेतयाश्चकार | श्वेतयाश्चक्रुः | श्वेतयाश्चकुः |
| | श्वेतयाश्चकथ | श्वेतयाश्चक्रुः | श्वेतयाश्चक |
| | श्वेतयाश्चकार-चकर | श्वेतयाश्चकृव | श्वेतयाश्चकृम |
| | श्वेतयाम्बभूव | श्वेतयामास | |
| आ० | श्वेत्यात् | श्वेत्यास्ताम् | श्वेत्यासुः |
| | श्वेत्याः | श्वेत्यास्तम् | श्वेत्यास्त |
| | श्वेत्यासम् | श्वेत्यास्व | श्वेत्यास्म |
| श्व० | श्वेतयिता | श्वेतयितारौ | श्वेतयितारः |
| | श्वेतयितासि | श्वेतयितास्थः | श्वेतयितास्थ |
| | श्वेतयितास्मि | श्वेतयितास्वः | श्वेतयितास्मः |
| भ० | श्वेतयिष्यति | श्वेतयिष्यतः | श्वेतयिष्यन्ति |
| | श्वेतयिष्यसि | श्वेतयिष्यथः | श्वेतयिष्यथ |
| | श्वेतयिष्यामि | श्वेतयिष्यावः | श्वेतयिष्यामः |
| क्रि० | अश्वेतयिष्यत् | अश्वेतयिष्यताम् | अश्वेतयिष्यन् |
| | अश्वेतयिष्यः | अश्वेतयिष्यतम् | अश्वेतयिष्यत |
| | अश्वेतयिष्यम् | अश्वेतयिष्याव | अश्वेतयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | श्वेतयते | श्वेतयेते | श्वेतयन्ते |
| | श्वेतयमे | श्वेतयेथे | श्वेतयन्थे |
| | श्वेतये | श्वेतयावहे | श्वेतयामहे |
| स० | श्वेतयत | श्वेतयेयाताम् | श्वेतयेरन् |
| | श्वेतयेथाः | श्वेतयेयथाम् | श्वेतयेय्वम् |
| | श्वेतयेय | श्वेतयेवहि | श्वेतयेमहि |
| प० | श्वेतयताम् | श्वेतयेताम् | श्वेतयन्ताम् |
| | श्वेतयस्व | श्वेतयेथाम् | श्वेतयस्वम् |
| | श्वेतये | श्वेतयावहे | श्वेतयामहे |
| ह्य० | अश्वेतयत | अश्वेतयेताम् | अश्वेतयन्त |
| | अश्वेतयथाः | अश्वेतयेथाम् | अश्वेतयेय्वम् |
| | अश्वेतये | अश्वेतयावहि | अश्वेतयामहि |
| अ० | अशिश्चितत | अशिश्चितताम् | अशिश्चितन्त |
| | अशिश्चितथाः | अशिश्चितेथाम् | अशिश्चितेय्वम् |
| | अशिश्चिते | अशिश्चितावहि | अशिश्चितामहि |
| प० | श्वेतयाश्चके | श्वेतयाश्चकाते | श्वेतयाश्चकिरे |
| | श्वेतयाश्चकृषे | श्वेतयाश्चकृषे | श्वेतयाश्चकृद्वे |
| | श्वेतयाश्चके | श्वेतयाश्चकृवहे | श्वेतयाश्चकृमहे |
| | श्वेतयाम्बभूव | श्वेतयामास | |
| आ० | श्वेतयिषीष्ट | श्वेतयिषीयास्ताम् | श्वेतयिषीरन् |
| | श्वेतयिषीष्ठाः | श्वेतयिषीयास्थाम् | श्वेतयिषीद्वम् |
| | श्वेतयिषीय | श्वेतयिषीवहि | श्वेतयिषीमहि |
| श्व० | श्वेतयिता | श्वेतयितारौ | श्वेतयितारः |
| | श्वेतयितासि | श्वेतयितासाथे | श्वेतयिताथे |
| | श्वेतयिताहे | श्वेतयितास्वहे | श्वेतयितास्महे |
| भ० | श्वेतयिष्यते | श्वेतयिष्येते | श्वेतयिष्यन्ते |
| | श्वेतयिष्यसे | श्वेतयिष्येथे | श्वेतयिष्येय्वे |
| | श्वेतयिष्ये | श्वेतयिष्यावहे | श्वेतयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्वेतयिष्यत | अश्वेतयिष्यताम् | अश्वेतयिष्यन्त |
| | अश्वेतयिष्यथाः | अश्वेतयिष्येथाम् | अश्वेतयिष्येय्वम् |
| | अश्वेतयिष्ये | अश्वेतयिष्यावहि | अश्वेतयिष्यामहि |

॥ अथ दान्तास्त्रयः ॥

944 जिमिदाङ् (मिद्) स्नेहने ।

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| व० मेदयति | मेदयतः | मेदयन्ति |
| मेदयसि | मेदयथः | मेदयथ |
| मेदयामि | मेदयावः | मेदयामः |
| स० मेदयेत् | मेदयेताम् | मेदयेयुः |
| मेदयः | मेदयेतम् | मेदयेत |
| मेदयेयम् | मेदयेव | मेदयेम |
| प० मेदयतु | मेदयतात् | मेदयन्तु |
| मेदय | मेदयतात् | मेदयतम् |
| मेदयानि | मेदयाव | मेदयाम |
| ह्य० अमेदयत् | अमेदयताम् | अमेदयन् |
| अमेदयः | अमेदयतम् | अमेदयत |
| अमेदयम् | अमेदयाव | अमेदयाम |
| अ० अमीमिदत् | अमीमिदताम् | अमीमिदन् |
| अमीमिदः | अमीमिदतम् | अमीमिदत |
| अमीमिदम् | अमीमिदाव | अमीमिदाम |
| प० मेदयाञ्चकार | मेदयाञ्चक्रुः | मेदयाञ्चकुः |
| मेदयाञ्चकथं | मेदयाञ्चक्रुः | मेदयाञ्चक |
| मेदयाञ्चकार-चक्र | मेदयाञ्चकृव | मेदयाञ्चकृम |
| मेदयाम्बभूव | मेदयामास | |
| आ० मेयात् | मेयास्ताम् | मेयासुः |
| मेयाः | मेयास्तम् | मेयास्त |
| मेयासम् | मेयास्व | मेयास्म |
| श्व० मेदयिता | मेदयितारौ | मेदयितारः |
| मेदयितासि | मेदयितास्थः | मेदयितास्थ |
| मेदयितास्मि | मेदयितास्वः | मेदयितास्मः |
| भ० मेदयिष्यति | मेदयिष्यतः | मेदयिष्यन्ति |
| मेदयिष्यसि | मेदयिष्यथः | मेदयिष्यथ |
| मेदयिष्यामि | मेदयिष्यावः | मेदयिष्यामः |
| क्रि० अमेदयिष्यत | अमेदयिष्यताम् | अमेदयिष्यन् |
| अमेदयिष्यः | अमेदयिष्यतम् | अमेदयिष्यत |
| अमेदयिष्यम् | अमेदयिष्याव | अमेदयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० मेदयेते | मेदयेते | मेदयन्ते |
| मेदयसे | मेदयेथे | मेदयन्वे |
| मेदये | मेदयावहे | मेदयामहे |
| स० मेदयेत | मेदयेयाताम् | मेदयेरन् |
| मेदयेथाः | मेदयेयाथाम् | मेदयेष्वम् |
| मेदयेय | मेदयेवहि | मेदयेमहि |
| प० मेदयताम् | मेदयेताम् | मेदयन्ताम् |
| मेदयस्व | मेदयेथाम् | मेदयष्वम् |
| मेदये | मेदयावहे | मेदयामहे |
| ह्य० अमेदयत | अमेदयेताम् | अमेदयन्त |
| अमेदयथाः | अमेदयेथाम् | अमेदयष्वम् |
| अमेदये | अमेदयावहि | अमेदयामहि |
| अ० अमीमिदत | अमीमिदेताम् | अमीमिदन्त |
| अमीमिदयाः | अमीमिदेथाम् | अमीमिदष्वम् |
| अमीमिदे | अमीमिदावहि | अमीमिदामहि |
| प० मेदयाञ्चके | मेदयाञ्चकाते | मेदयाञ्चकिरे |
| मेदयाञ्चकृषे | मेदयाञ्चकाते | मेदयाञ्चकृषे |
| मेदयाञ्चके | मेदयाञ्चकृवहे | मेदयाञ्चकृमहे |
| मेदयाम्बभूव | मेदयामास | |
| आ० मेदयिषीष्ट | मेदयिषीयास्ताम् | मेदयिषीरन् |
| मेदयिषीष्ठाः | मेदयिषीयास्थाम् | मेदयिषीष्वम् |
| मेदयिषीय | मेदयिषीवहि | मेदयिषीमहि |
| श्व० मेदयिता | मेदयितारौ | मेदयितारः |
| मेदयितासे | मेदयितासाथे | मेदयिताध्वे |
| मेदयिताहे | मेदयितास्वहे | मेदयितास्महे |
| भ० मेदयिष्यते | मेदयिष्येते | मेदयिष्यन्ते |
| मेदयिष्यसे | मेदयिष्येथे | मेदयिष्यन्वे |
| मेदयिष्ये | मेदयिष्यावहे | मेदयिष्यामहे |
| क्रि० अमेदयिष्यत | अमेदयिष्येताम् | अमेदयिष्यन्त |
| अमेदयिष्यथाः | अमेदयिष्येथाम् | अमेदयिष्यष्वम् |
| अमेदयिष्ये | अमेदयिष्यावहि | अमेदयिष्यामहि |

945 जिडिदाङ् (डिद्) मोचने च 300 जिडिदावद्वाणि

946 निष्पिदाङ् (स्विद्) मोचने च ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | स्वेदयन्ति | स्वेदयतः | स्वेदयन्ति |
| | स्वेदयसि | स्वेदयथः | स्वेदयथ |
| | स्वेदयामि | स्वेदयावः | स्वेदयामः |
| स० | स्वेदयेत् | स्वेदयेताम् | स्वेदयेयुः |
| | स्वेदयेयः | स्वेदयेतम् | स्वेदयेत |
| | स्वेदयेयम् | स्वेदयेव | स्वेदयेम |
| प० | स्वेदयतु | स्वेदयतात् | स्वेदयन्तु |
| | स्वेदय | स्वेदयतात् | स्वेदयत |
| | स्वेदयानि | स्वेदयाव | स्वेदयाम |
| ह्य० | अस्वेदयत् | अस्वेदयताम् | अस्वेदयन् |
| | अस्वेदयः | अस्वेदयतम् | अस्वेदयत |
| | अस्वेदयम् | अस्वेदयाव | अस्वेदयाम |
| अ० | असिष्विदत् | असिष्विदताम् | असिष्विदन् |
| | असिष्विदः | असिष्विदतम् | असिष्विदत |
| | असिष्विदम् | असिष्विदाव | असिष्विदाम |
| प० | स्वेदयाञ्चकार | स्वेदयाञ्चकतुः | स्वेदयाञ्चकुः |
| | स्वेदयाञ्चकर्थ | स्वेदयाञ्चकथुः | स्वेदयाञ्चक |
| | स्वेदयाञ्चकार-चकर | स्वेदयाञ्चकृव | स्वेदयाञ्चकृम |
| | स्वेदयाञ्चभूव | स्वेदयामास | |
| आ० | स्वेद्यात् | स्वेद्यास्ताम् | स्वेद्यासुः |
| | स्वेद्याः | स्वेद्यास्ताम् | स्वेद्यास्त |
| | स्वेद्यासम् | स्वेद्यास्व | स्वेद्यासम् |
| श्व० | स्वेदयिता | स्वेदयितारौ | स्वेदयितारः |
| | स्वेदयितासि | स्वेदयितास्थः | स्वेदयितास्थ |
| | स्वेदयितासिम् | स्वेदयितास्वः | स्वेदयितासम् |
| भ० | स्वेदयिष्यति | स्वेदयिष्यतः | स्वेदयिष्यन्ति |
| | स्वेदयिष्यसि | स्वेदयिष्यथः | स्वेदयिष्यथ |
| | स्वेदयिष्यामि | स्वेदयिष्यावः | स्वेदयिष्यामः |
| क्रि० | अस्वेदयिष्यत् | अस्वेदयिष्यताम् | अस्वेदयिष्यन् |
| | अस्वेदयिष्यः | अस्वेदयिष्यतम् | अस्वेदयिष्यत |
| | अस्वेदयिष्यम् | अस्वेदयिष्याव | अस्वेदयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्वेदयते | स्वेदयते | स्वेदयन्ते |
| | स्वेदयसे | स्वेदयथे | स्वेदयध्वे |
| | स्वेदये | स्वेदयावहे | स्वेदयामहे |
| स० | स्वेदयेत | स्वेदयेयाताम् | स्वेदयेरन् |
| | स्वेदयेथाः | स्वेदयेयाथाम् | स्वेदयेध्वम् |
| | स्वेदयेय | स्वेदयेवहि | स्वेदयेमहि |
| प० | स्वेदयताम् | स्वेदयेताम् | स्वेदयन्ताम् |
| | स्वेदयस्व | स्वेदयेथाम् | स्वेदयध्वम् |
| | स्वेदये | स्वेदयावहे | स्वेदयामहे |
| ह्य० | अस्वेदयत | अस्वेदयेताम् | अस्वेदयन्त |
| | अस्वेदयथाः | अस्वेदयेथाम् | अस्वेदयध्वम् |
| | अस्वेदये | अस्वेदयावहि | अस्वेदयामहि |
| अ० | असिष्विदत् | असिष्विदेताम् | असिष्विदन्त |
| | असिष्विदथाः | असिष्विदेथाम् | असिष्विदध्वम् |
| | असिष्विदे | असिष्विदावहि | असिष्विदामहि |
| प० | स्वेदयाञ्चके | स्वेदयाञ्चकाते | स्वेदयाञ्चकिरे |
| | स्वेदयाञ्चकृषे | स्वेदयाञ्चकाये | स्वेदयाञ्चकृद्वे |
| | स्वेदयाञ्चके | स्वेदयाञ्चकृवहे | स्वेदयाञ्चकृमहे |
| | स्वेदयाञ्चभूव | स्वेदयामास | |
| आ० | स्वेदयिषीष्ट | स्वेदयिषीयास्ताम् | स्वेदयिषीरन् |
| | स्वेदयिषीष्ठाः | स्वेदयिषीयास्थाम् | स्वेदयिषीद्वम् |
| | स्वेदयिषीय | स्वेदयिषीवहि | स्वेदयिषीमहि |
| श्व० | स्वेदयिता | स्वेदयितारौ | स्वेदयितारः |
| | स्वेदयितासे | स्वेदयितासाथे | स्वेदयिताध्वे |
| | स्वेदयिताहे | स्वेदयितास्वहे | स्वेदयितासमहे |
| भ० | स्वेदयिष्यते | स्वेदयिष्येते | स्वेदयिष्यन्ते |
| | स्वेदयिष्यसे | स्वेदयिष्येथे | स्वेदयिष्यध्वे |
| | स्वेदयिष्ये | स्वेदयिष्यावहे | स्वेदयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्वेदयिष्यत् | अस्वेदयिष्येताम् | अस्वेदयिष्यन्त |
| | अस्वेदयिष्यथाः | अस्वेदयिष्येथाम् | अस्वेदयिष्यध्वम् |
| | अस्वेदयिष्ये | अस्वेदयिष्यावहि | अस्वेदयिष्यामहि |

॥ अथ भान्ताः पञ्च ॥

947 शुभि (शुभ्र) दीप्तौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | शोभयति | शोभयतः | शोभयन्ति |
| | शोभयसि | शोभयथः | शोभयथ |
| | शोभयामि | शोभयावः | शोभयामः |
| स० | शोभयेत् | शोभयेताम् | शोभयेयुः |
| | शोभयेः | शोभयेतम् | शोभयेत |
| | शोभयेयम् | शोभयेव | शोभयेम |
| प० | शोभयतु | शोभयतात् | शोभयताम् |
| | शोभय | शोभयतात् | शोभयतम् |
| | शोभयानि | शोभयाव | शोभयाम |
| ह्य० | अशोभयत् | अशोभयताम् | अशोभयन् |
| | अशोभयः | अशोभयतम् | अशोभयत |
| | अशोभयम् | अशोभयाव | अशोभयाम |
| अ० | अशूशुभत् | अशूशुभताम् | अशूशुभन् |
| | अशूशुभः | अशूशुभतम् | अशूशुभत |
| | अशूशुभम् | अशूशुभाव | अशूशुभाम |
| प० | शोभयाञ्चकार | शोभयाञ्चकतुः | शोभयाञ्चकुः |
| | शोभयाञ्चकथं | शोभयाञ्चकथुः | शोभयाञ्चक |
| | शोभयाञ्चकार-चकर | शोभयाञ्चकृव | शोभयाञ्चकृम |
| | शोभयाम्बभूव | शोभयामास | |
| आ० | शोभ्यात् | शोभ्यास्ताम् | शोभ्यासुः |
| | शोभ्याः | शोभ्यास्तम् | शोभ्यास्त |
| | शोभ्यासम् | शोभ्यास्व | शोभ्यास्म |
| भ० | शोभयिता | शोभयितारौ | शोभयितारः |
| | शोभयितासि | शोभयितास्थः | शोभयितास्थ |
| | शोभयितास्मि | शोभयितास्वः | शोभयितास्मः |
| भ० | शोभयिष्यति | शोभयिष्यतः | शोभयिष्यन्ति |
| | शोभयिष्यसि | शोभयिष्यथः | शोभयिष्यथ |
| | शोभयिष्यामि | शोभयिष्यावः | शोभयिष्यामः |
| क्रि० | अशोभयिष्यत् | अशोभयिष्यताम् | अशोभयिष्यन् |
| | अशोभयिष्यः | अशोभयिष्यतम् | अशोभयिष्यत |
| | अशोभयिष्यम् | अशोभयिष्याव | अशोभयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | शोभयते | शोभयेते | शोभयन्ते |
| | शोभयसे | शोभयेथे | शोभयन्वे |
| | शोभये | शोभयावहे | शोभयामहे |
| स० | शोभयेत | शोभयेयाताम् | शोभयेरन् |
| | शोभयेथाः | शोभयेयाथाम् | शोभयेष्वम् |
| | शोभयेय | शोभयेवहि | शोभयेमहि |
| प० | शोभयताम् | शोभयेताम् | शोभयन्ताम् |
| | शोभयस्व | शोभयेथाम् | शोभयन्वम् |
| | शोभये | शोभयावहे | शोभयामहे |
| ह्य० | अशोभयत | अशोभयेताम् | अशोभयन्त |
| | अशोभयथाः | अशोभयेथाम् | अशोभयन्वम् |
| | अशोभये | अशोभयावहि | अशोभयामहि |
| अ० | अशूशुभत् | अशूशुभेताम् | अशूशुभन्त |
| | अशूशुभथाः | अशूशुभेथाम् | अशूशुभन्वम् |
| | अशूशुभे | अशूशुभावहि | अशूशुभामहि |
| प० | शोभयाञ्चके | शोभयाञ्चकते | शोभयाञ्चकिरे |
| | शोभयाञ्चकृषे | शोभयाञ्चकाये | शोभयाञ्चकृद्वे |
| | शोभयाञ्चके | शोभयाञ्चकृवहे | शोभयाञ्चकृमहे |
| | शोभयाम्बभूव | शोभयामास | |
| आ० | शोभयिषीष्ट | शोभयिषीयास्ताम् | शोभयिषीरन् |
| | शोभयिषीष्टाः | शोभयिषीयास्थाम् | शोभयिषीद्वम् |
| | | | वम् |
| | शोभयिषीय | शोभयिषीवहि | शोभयिषीमहि |
| भ० | शोभयिता | शोभयितारौ | शोभयितारः |
| | शोभयितासे | शोभयितासाये | शोभयिताध्वे |
| | शोभयिताहे | शोभयितास्वहे | शोभयितास्महे |
| भ० | शोभयिष्यते | शोभयिष्येते | शोभयिष्यन्ते |
| | शोभयिष्यसे | शोभयिष्येथे | शोभयिष्यन्वे |
| | शोभयिष्ये | शोभयिष्यावहे | शोभयिष्यामहे |
| क्रि० | अशोभयिष्यत् | अशोभयिष्येताम् | अशोभयिष्यन्त |
| | अशोभयिष्यथाः | अशोभयिष्येथाम् | अशोभयिष्यन्वम् |
| | अशोभयिष्ये | अशोभयिष्यावहि | अशोभयिष्यामहि |

948 क्षुभि (क्षुभ) सञ्चलने ।

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० क्षोभयति | क्षोभयतः | क्षोभयन्ति |
| क्षोभयति | क्षोभयथः | क्षोभयथ |
| क्षोभयामि | क्षोभयावः | क्षोभयामः |
| स० क्षोभयेत् | क्षोभयेताम् | क्षोभयेयुः |
| क्षोभयेः | क्षोभयेतम् | क्षोभयेत |
| क्षोभयेयम् | क्षोभयेव | क्षोभयेम |
| प० क्षोभयतु | क्षोभयतात् | क्षोभयताम् |
| क्षोभय | क्षोभयतात् | क्षोभयतम् |
| क्षोभयाणि | क्षोभयाव | क्षोभयाम |
| ह्र० अक्षोभयत् | अक्षोभयताम् | अक्षोभयन् |
| अक्षोभयः | अक्षोभयतम् | अक्षोभयत |
| अक्षोभयम् | अक्षोभयाव | अक्षोभयाम |
| अ० अचुक्षुभत् | अचुक्षुभताम् | अचुक्षुभन् |
| अचुक्षुभः | अचुक्षुभतम् | अचुक्षुभत |
| अचुक्षुभम् | अचुक्षुभाव | अचुक्षुभाम |
| प० क्षोभयाञ्चकार | क्षोभयाञ्चकतुः | क्षोभयाञ्चकुः |
| क्षोभयाञ्चक्यं | क्षोभयाञ्चकथुः | क्षोभयाञ्चक |
| क्षोभयाञ्चकार-चकर | क्षोभयाञ्चकृव | क्षोभयाञ्चकृम |
| क्षोभयाम्बभूव | क्षोभयामास | |
| आ० क्षोभ्यात् | क्षोभ्यास्ताम् | क्षोभ्यासुः |
| क्षोभ्याः | क्षोभ्यास्तम् | क्षोभ्यास्त |
| क्षोभ्यासम् | क्षोभ्यास्व | क्षोभ्यास्म |
| ख० क्षोभयिता | क्षोभयितारौ | क्षोभयितारः |
| क्षोभयितासि | क्षोभयितास्यः | क्षोभयितास्य |
| क्षोभयितास्मि | क्षोभयितास्वः | क्षोभयितास्मः |
| भ० क्षोभयिष्यति | क्षोभयिष्यतः | क्षोभयिष्यन्ति |
| क्षोभयिष्यसि | क्षोभयिष्यथः | क्षोभयिष्यथ |
| क्षोभयिष्यामि | क्षोभयिष्यावः | क्षोभयिष्यामः |
| कि० अक्षोभयिष्यत् | अक्षोभयिष्यताम् | अक्षोभयिष्यन् |
| अक्षोभयिष्यः | अक्षोभयिष्यतम् | अक्षोभयिष्यत |
| अक्षोभयिष्यम् | अक्षोभयिष्याव | अक्षोभयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-------------------|------------------|
| व० क्षोभयते | क्षोभयेत | क्षोभयन्त |
| क्षोभयसे | क्षोभयेथे | क्षोभयन्त्रे |
| क्षोभये | क्षोभयावहे | क्षोभयामहे |
| स० क्षोभयेत् | क्षोभयेयाताम् | क्षोभयेयन् |
| क्षोभयेथाः | क्षोभयेयाथाम् | क्षोभयेष्वम् |
| क्षोभयेय | क्षोभयेवहि | क्षोभयेमहि |
| प० क्षोभयताम् | क्षोभयेताम् | क्षोभयन्ताम् |
| क्षोभयस्व | क्षोभयेथाम् | क्षोभयष्वम् |
| क्षोभयै | क्षोभयावहै | क्षोभयामहै |
| ह्र० अक्षोभयत | अक्षोभयेताम् | अक्षोभयन्त |
| अक्षोभयथाः | अक्षोभयेथाम् | अक्षोभयष्वम् |
| अक्षोभये | अक्षोभयावहि | अक्षोभयामहि |
| अ० अचुक्षुभत् | अचुक्षुभताम् | अचुक्षुभन्त |
| अचुक्षुभथाः | अचुक्षुभेथाम् | अचुक्षुभष्वम् |
| अचुक्षुभै | अचुक्षुभावहि | अचुक्षुभामहि |
| प० क्षोभयाञ्चक्रे | क्षोभयाञ्चकाते | क्षोभयाञ्चकिरे |
| क्षोभयाञ्चकृषे | क्षोभयाञ्चकापे | क्षोभयाञ्चकृद्वे |
| क्षोभयाञ्चके | क्षोभयाञ्चकृवहे | क्षोभयाञ्चकृमहे |
| क्षोभयाम्बभूव | क्षोभयामास | |
| आ० क्षोभयिषीष्ट | क्षोभयिषीयास्ताम् | क्षोभयिषीन् |
| क्षोभयिषीष्टाः | क्षोभयिषीयास्थाम् | क्षोभयिषीद्वम् |
| | | ष्वम् |
| क्षोभयिषीय | क्षोभयिषीवहि | क्षोभयिषीमहि |
| ख० क्षोभयिता | क्षोभयितारौ | क्षोभयितारः |
| क्षोभयितासे | क्षोभयितास्ये | क्षोभयितास्वे |
| क्षोभयिताहे | क्षोभयितास्वहे | क्षोभयितास्महे |
| भ० क्षोभयिष्यते | क्षोभयिष्येते | क्षोभयिष्यन्ते |
| क्षोभयिष्यसे | क्षोभयिष्येथे | क्षोभयिष्यन्त्रे |
| क्षोभयिष्ये | क्षोभयिष्यावहे | क्षोभयिष्यामहे |
| कि० अक्षोभयिष्यत | अक्षोभयिष्येताम् | अक्षोभयिष्यन्त |
| अक्षोभयिष्यथाः | अक्षोभयिष्येथाम् | अक्षोभयिष्यष्वम् |
| अक्षोभयिष्ये | अक्षोभयिष्यावहि | अक्षोभयिष्यामहि |

949 णभि (नभ्) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| ब० | नाभयति | नाभयतः | नाभयन्ति |
| | नाभयसि | नाभयथः | नाभयथ |
| | नाभयामि | नाभयावः | नाभयामः |
| स० | नाभयेत् | नाभयेताम् | नाभयेयुः |
| | नाभयेः | नाभयेतम् | नाभयेत् |
| | नाभयेयम् | नाभयेव | नाभयेम |
| प० | नाभयतु | नाभयतात् | नाभयताम् |
| | नाभय | नाभयतात् | नाभयतम् |
| | नाभयानि | नाभयाव | नाभयाम |
| ह्य० | अनाभयत् | अनाभयताम् | अनाभयन् |
| | अनाभयः | अनाभयतम् | अनाभयत |
| | अनाभयम् | अनाभयाव | अनाभयाम |
| अ० | अनीनभत् | अनीनभताम् | अनीनभन् |
| | अनीनभः | अनीनभतम् | अनीनभत |
| | अनीनभम् | अनीनभाव | अनीनभाम |
| प० | नाभयाश्चकार | नाभयाश्चक्रुः | नाभयाश्चक्रुः |
| | नाभयाश्चकथ | नाभयाश्चक्रुः | नाभयाश्चक्रुः |
| | नाभयाश्चकार-चक्र | नाभयाश्चक्रुव | नाभयाश्चक्रुम |
| | नाभयाश्चक्रुव | नाभयामास | |
| आ० | नाभ्यात् | नाभ्यास्ताम् | नाभ्यासुः |
| | नाभ्याः | नाभ्यास्तम् | नाभ्यास्त |
| | नाभ्यासम् | नाभ्यास्व | नाभ्यास्म |
| श्च० | नाभयिता | नाभयितारौ | नाभयितारः |
| | नाभयितासि | नाभयितास्थः | नाभयितास्थ |
| | नाभयितास्मि | नाभयितास्वः | नाभयितास्मः |
| भ० | नाभयिष्यति | नाभयिष्यतः | नाभयिष्यन्ति |
| | नाभयिष्यसि | नाभयिष्यथः | नाभयिष्यथ |
| | नाभयिष्यामि | नाभयिष्यावः | नाभयिष्यामः |
| क्रि० | अनाभयिष्यत् | अनाभयिष्यताम् | अनाभयिष्यन् |
| | अनाभयिष्यः | अनाभयिष्यतम् | अनाभयिष्यत |
| | अनाभयिष्यम् | अनाभयिष्याव | अनाभयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | नाभयते | नाभयेते | नाभयन्ते |
| | नाभयसे | नाभयेथे | नाभयथ्वे |
| | नाभये | नाभयावहे | नाभयामहे |
| स० | नाभयेत | नाभयेयाताम् | नाभयेरन् |
| | नाभयेथाः | नाभयेयाथाम् | नाभयेध्वम् |
| | नाभयेय | नाभयेवहि | नाभयेमहि |
| प० | नाभयताम् | नाभयेताम् | नाभयन्ताम् |
| | नाभयस्व | नाभयेथाम् | नाभयध्वम् |
| | नाभयै | नाभयावहै | नाभयामहै |
| ह्य० | अनाभयत | अनाभयेताम् | अनाभयन्त |
| | अनाभयथाः | अनाभयेथाम् | अनाभयध्वम् |
| | अनाभये | अनाभयावहि | अनाभयामहि |
| अ० | अनीनभत | अनीनभेताम् | अनीनभन्त |
| | अनीनभथाः | अनीनभेथाम् | अनीनभध्वम् |
| | अनीनभे | अनीनभावहि | अनीनभामहि |
| प० | नाभयाश्चक्रे | नाभयाश्चक्रते | नाभयाश्चकिरे |
| | नाभयाश्चक्रुषे | नाभयाश्चक्राथे | नाभयाश्चक्रुद्वे |
| | नाभयाश्चक्रे | नाभयाश्चक्रुहे | नाभयाश्चक्रुमहे |
| | नाभयाश्चक्रुव | नाभयामास | |
| आ० | नाभयिषीष्ट | नाभयिषीयास्ताम् | नाभयिषीरन् |
| | नाभयिषीष्टाः | नाभयिषीयास्थाम् | नाभयिषीद्वम् |
| | नाभयिषीय | नाभयिषीवहि | नाभयिषीमहि |
| श्च० | नाभयिता | नाभयितारौ | नाभयितारः |
| | नाभयितासे | नाभयितासाथे | नाभयिताध्वे |
| | नाभयिताहे | नाभयितास्वहे | नाभयितास्महे |
| भ० | नाभयिष्यते | नाभयिष्येते | नाभयिष्यन्ते |
| | नाभयिष्यसे | नाभयिष्येथे | नाभयिष्यथ्वे |
| | नाभयिष्ये | नाभयिष्यावहे | नाभयिष्यामहे |
| क्रि० | अनाभयिष्यत | अनाभयिष्येताम् | अनाभयिष्यन्त |
| | अनाभयिष्यथाः | अनाभयिष्येथाम् | अनाभयिष्यध्वम् |
| | अनाभयिष्ये | अनाभयिष्यावहि | अनाभयिष्यामहि |

950 तुभि (तुभ्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|----|-----------------|---------------|--------------|
| ३० | तोभयति | तोभयतः | तोभयन्ति |
| | तोभयसि | तोभयथः | तोभयथ |
| | तोभयामि | तोभयावः | तोभयामः |
| ४० | तोभयेत् | तोभयेताम् | तोभयेयुः |
| | तोभयेः | तोभयेतम् | तोभयेत |
| | तोभयेथम् | तोभयेव | तोभयेम |
| ५० | तोभयतु | तोभयतात् | तोभयन्तु |
| | तोभय | तोभयतात् | तोभयतम् |
| | तोभयानि | तोभयाव | तोभयाम |
| ६० | अतोभयत् | अतोभयताम् | अतोभयन् |
| | अतोभयः | अतोभयतम् | अतोभयत |
| | अतोभयम् | अतोभयाव | अतोभयाम |
| ७० | अतुभत् | अतुभताम् | अतुभन् |
| | अतुभः | अतुभतम् | अतुभत |
| | अतुभम् | अतुभावं | अतुभाम |
| ८० | तोभयाञ्चकार | तोभयाञ्चक्रुः | तोभयाञ्चकुः |
| | तोभयाञ्चकथं | तोभयाञ्चकथुः | तोभयाञ्चक |
| | तोभयाञ्चकार-चकर | तोभयाञ्चकृव | तोभयाञ्चकृम |
| | तोभयाम्बभूव | । | तोभयामास |
| ९० | तोभ्यात् | तोभ्यास्ताम् | तोभ्यासुः |
| | तोभ्याः | तोभ्यास्तम् | तोभ्यास्त |
| | तोभ्यासम् | तोभ्यास्व | तोभ्यास्म |
| १० | तोभयिता | तोभयितारौ | तोभयितारः |
| | तोभयितासि | तोभयितास्थः | तोभयितास्थ |
| | तोभयितास्मि | तोभयितास्वः | तोभयितास्मः |
| ११ | तोभयिष्यति | तोभयिष्यतः | तोभयिष्यन्ति |
| | तोभयिष्यसि | तोभयिष्यथः | तोभयिष्यथ |
| | तोभयिष्यामि | तोभयिष्यावः | तोभयिष्यामः |
| १२ | अतोभयिष्यत् | अतोभयिष्यताम् | अतोभयिष्यन् |
| | अतोभयिष्यः | अतोभयिष्यतम् | अतोभयिष्यत |
| | अतोभयिष्यम् | अतोभयिष्याव | अतोभयिष्याम |

| | | | |
|----|--------------|-----------------|------------------|
| ३० | तोभयते | तोभयेते | तोभयन्ते |
| | तोभयसे | तोभयेथे | तोभयध्वे |
| | तोभये | तोभयावहे | तोभयामहे |
| ४० | तोभयेत | तोभयेयाताम् | तोभयेरन् |
| | तोभयेथाः | तोभयेयाथाम् | तोभयेध्वम् |
| | तोभयेथ | तोभयेवहि | तोभयेमहि |
| ५० | तोभयताम् | तांभयेताम् | तांभयन्ताम् |
| | तोभयस्व | तोभयेथाम् | तोभयन्वम् |
| | तोभये | तोभयावहे | तोभयामहे |
| ६० | अतोभयत | अतोभयेताम् | अतोभयन्त |
| | अतोभयथाः | अतोभयेथाम् | अतोभयन्ध्वम् |
| | अतोभये | अतोभयावहि | अतोभयामहि |
| ७० | अतुभत | अतुभेताम् | अतुभन्त |
| | अतुभथाः | अतुभेथाम् | अतुभन्ध्वम् |
| | अतुभे | अतुभावहि | अतुभामहि |
| ८० | तोभयाञ्चके | तोभयाञ्चकृते | तोभयाञ्चकिरे |
| | तोभयाञ्चकृषे | तोभयाञ्चकथे | तोभयाञ्चकृध्वे |
| | तोभयाञ्चके | तोभयाञ्चकृवहे | तोभयाञ्चकृमहे |
| | तोभयान्बभूव | । | तोभयामास |
| ९० | तोभयिषीष्ट | तोभयिषीयास्ताम् | तोभयिषीरन् |
| | तोभयिषीष्टाः | तोभयिषीयास्थाम् | तोभयिषीध्वम् |
| | तोभयिषीय | तोभयिषीवहि | तोभयिषीमहि |
| १० | तोभयिता | तोभयितारौ | तोभयितारः |
| | तोभयितासे | तोभयितासाथे | तोभयिताध्वे |
| | तोभयिताहे | तोभयितास्वहे | तोभयितामहे |
| ११ | तोभयिष्यते | तांभयिष्येते | तांभयिष्यन्ते |
| | तोभयिष्यसे | तोभयिष्येथे | तोभयिष्यध्वे |
| | तोभयिष्ये | तोभयिष्यावहे | तोभयिष्यामहे |
| १२ | अतोभयिष्यत | अतोभयिष्येताम् | अतोभयिष्यन्त |
| | अतोभयिष्यथाः | अतोभयिष्येथाम् | अतोभयिष्यन्ध्वम् |
| | अतोभयिष्ये | अतोभयिष्यावहि | अतोभयिष्यामहि |

951 सम्भृङ् (सम्भृ) विश्वासे ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० सम्भयति | सम्भयतः | सम्भयन्ति |
| सम्भयसि | सम्भयथः | सम्भयथ |
| सम्भयामि | सम्भयावः | सम्भयामः |
| स० सम्भयेत् | सम्भयेताम् | सम्भयेयुः |
| सम्भयेः | सम्भयेतम् | सम्भयेत |
| सम्भयेयम् | सम्भयेव | सम्भयेम |
| प० सम्भयतु | सम्भयतात् | सम्भयन्तु |
| सम्भय | सम्भयतात् | सम्भयतम् |
| सम्भयाणि | सम्भयाव | सम्भयाम |
| ह० असम्भयत् | असम्भयताम् | असम्भयन् |
| असम्भयः | असम्भयतम् | असम्भयत |
| असम्भयम् | असम्भयाव | असम्भयाम |
| अ० असम्भत | असम्भताम् | असम्भन् |
| असम्भः | असम्भतम् | असम्भत |
| असम्भम् | असम्भाव | असम्भाम |
| प० सम्भयाञ्चकार | सम्भयाञ्चकतुः | सम्भयाञ्चकुः |
| सम्भयाञ्चकथं | सम्भयाञ्चकथुः | सम्भयाञ्चक |
| सम्भयाञ्चकार-चकर | सम्भयाञ्चकृव | सम्भयाञ्चकृम |
| सम्भयाञ्चकृव | । | सम्भयानाम |
| आ० सम्भ्यात् | सम्भ्यास्ताम् | सम्भ्यासुः |
| सम्भ्याः | सम्भ्यास्तम् | सम्भ्यास्त |
| सम्भ्यामम् | सम्भ्याव | सम्भ्याम |
| भ० सम्भयिता | सम्भयितारं | सम्भयितारः |
| सम्भयितासि | सम्भयितास्थः | सम्भयितास्थ |
| सम्भयितास्मि | सम्भयितास्वः | सम्भयितास्मः |
| भ० सम्भयिष्यति | सम्भयिष्यतः | सम्भयिष्यन्ति |
| सम्भयिष्यसि | सम्भयिष्यथः | सम्भयिष्यथ |
| सम्भयिष्यामि | सम्भयिष्यावः | सम्भयिष्यामः |
| क्रि० असम्भयिष्यत् | असम्भयिष्यताम् | असम्भयिष्यन् |
| असम्भयिष्यः | असम्भयिष्यतम् | असम्भयिष्यत |
| असम्भयिष्यम् | असम्भयिष्याव | असम्भयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| ब० सम्भयते | सम्भयेते | सम्भयन्ते |
| सम्भयसे | सम्भयेथे | सम्भयथ्वे |
| सम्भये | सम्भयावहे | सम्भयामहे |
| स० सम्भयेत् | सम्भयेयाताम् | सम्भयेरन् |
| सम्भयेथाः | सम्भयेयाथाम् | सम्भयेथ्वम् |
| सम्भयेथ | सम्भयेवहि | सम्भयेमहि |
| प० सम्भयताम् | सम्भयेताम् | सम्भयन्ताम् |
| सम्भयस्व | सम्भयेथाम् | सम्भयथ्वम् |
| सम्भये | सम्भयावहे | सम्भयामहे |
| ह० असम्भयत | असम्भयेताम् | असम्भयन्त |
| असम्भयथाः | असम्भयेथाम् | असम्भयथ्वम् |
| असम्भये | असम्भयावहि | असम्भयामहि |
| अ० असम्भत | असम्भेताम् | असम्भन्त |
| असम्भथाः | असम्भेथाम् | असम्भथ्वम् |
| असम्भमे | असम्भमावहि | असम्भमामहि |
| प० सम्भयाञ्चके | सम्भयाञ्चकते | सम्भयाञ्चकिरे |
| सम्भयाञ्चकृषे | सम्भयाञ्चकाथे | सम्भयाञ्चकृद्वे |
| सम्भयाञ्चके | सम्भयाञ्चकृवहे | सम्भयाञ्चकृमहे |
| सम्भयान्वभूव | । | सम्भयामास |
| आ० सम्भयिषीष्ट | सम्भयिषीयास्ताम् | सम्भयिषीरन् |
| सम्भयिषीष्टाः | सम्भयिषीयास्थाम् | सम्भयिषीढ्वम् |
| सम्भयिषीय | सम्भयिषीवहि | सम्भयिषीमहि |
| भ० सम्भयिता | सम्भयितारं | सम्भयितारः |
| सम्भयितासे | सम्भयितासाथे | सम्भयिताथ्वे |
| सम्भयिताहे | सम्भयितास्वहे | सम्भयितास्महे |
| भ० सम्भयिष्यते | सम्भयिष्येते | सम्भयिष्यन्ते |
| सम्भयिष्यसे | सम्भयिष्येथे | सम्भयिष्यथ्वे |
| सम्भयिष्ये | सम्भयिष्यावहे | सम्भयिष्यामहे |
| क्रि० असम्भयिष्यत | असम्भयिष्यताम् | असम्भयिष्यन्त |
| असम्भयिष्यथाः | असम्भयिष्येथाम् | असम्भयिष्यथ्वम् |
| असम्भयिष्ये | असम्भयिष्यावहि | असम्भयिष्यामहि |

॥ अथ शान्तः ॥

952 अंशङ् (अंशू) अवसंसने

| | | | |
|------|------------------|-----------------|---------------|
| व० | अंशयति | अंशयतः | अंशयन्ति |
| | अंशयसि | अंशयथः | अंशयथ |
| | अंशयामि | अंशयावः | अंशयामः |
| स० | अंशयेत् | अंशयेताम् | अंशयेयुः |
| | अंशयेः | अंशयेतम् | अंशयेत |
| | अंशयेयम् | अंशयेव | अंशयेम |
| प० | अंशयतु | अंशयतात् | अंशयन्तु |
| | अंशय | अंशयतात् | अंशयतम् |
| | अंशयानि | अंशयाव | अंशयाम |
| ह्य० | अभ्रंशयत् | अभ्रंशयताम् | अभ्रंशयन् |
| | अभ्रंशयः | अभ्रंशयतम् | अभ्रंशयत |
| | अभ्रंशयम् | अभ्रंशयाव | अभ्रंशयाम |
| अ० | अवभ्रंशत् | अवभ्रंशताम् | अवभ्रंशन् |
| | अवभ्रंशः | अवभ्रंशतम् | अवभ्रंशत |
| | अवभ्रंशम् | अवभ्रंशाव | अवभ्रंशाम |
| प० | अंशयाश्चकार | अंशयाश्चक्रुः | अंशयाश्चक्रुः |
| | अंशयाश्चकथ | अंशयाश्चक्रुः | अंशयाश्चक्रुः |
| | अंशयाश्चकार चक्र | अंशयाश्चक्रुव | अंशयाश्चक्रुम |
| | अंशयाम्बभूव | । | अंशयामास |
| आ० | अंश्यात् | अंश्यास्ताम् | अंश्यासुः |
| | अंश्याः | अंश्यास्तम् | अंश्यास्त |
| | अंश्यासम् | अंश्यास्व | अंश्यास्म |
| भ० | अंशयिता | अंशयितारौ | अंशयितारः |
| | अंशयितासि | अंशयितास्थः | अंशयितास्थ |
| | अंशयितास्मि | अंशयितास्वः | अंशयितास्मः |
| भ० | अंशयिष्यति | अंशयिष्यतः | अंशयिष्यन्ति |
| | अंशयिष्यसि | अंशयिष्यथः | अंशयिष्यथ |
| | अंशयिष्यामि | अंशयिष्यावः | अंशयिष्यामः |
| कि० | अभ्रंशयिष्यत् | अभ्रंशयिष्यताम् | अभ्रंशयिष्यन् |
| | अभ्रंशयिष्यः | अभ्रंशयिष्यतम् | अभ्रंशयिष्यत |
| | अभ्रंशयिष्यम् | अभ्रंशयिष्याव | अभ्रंशयिष्याम |

| | | | |
|------|----------------|------------------|------------------|
| व० | अंशयते | अंशयेते | अंशयन्ते |
| | अंशयसे | अंशयेथे | अंशयथै |
| | अंशये | अंशयावहे | अंशयामहे |
| स० | अंशयेत् | अंशयेयाताम् | अंशयेरन् |
| | अंशयेथाः | अंशयेयाथाम् | अंशयेध्वम् |
| | अंशयेय | अंशयेवहि | अंशयेमहि |
| प० | अंशयताम् | अंशयेताम् | अंशयन्ताम् |
| | अंशयस्व | अंशयेथाम् | अंशयध्वम् |
| | अंशये | अंशयावहे | अंशयामहे |
| ह्य० | अभ्रंशयत् | अभ्रंशयेताम् | अभ्रंशयन्त |
| | अभ्रंशयथाः | अभ्रंशयेथाम् | अभ्रंशयध्वम् |
| | अभ्रंशये | अभ्रंशयावहि | अभ्रंशयामहि |
| अ० | अवभ्रंशत् | अवभ्रंशेताम् | अवभ्रंशन्त |
| | अवभ्रंशथाः | अवभ्रंशेथाम् | अवभ्रंशध्वम् |
| | अवभ्रंशे | अवभ्रंशावहि | अवभ्रंशामहि |
| प० | अंशयाश्चक्रे | अंशयाश्चक्राते | अंशयाश्चक्रिरे |
| | अंशयाश्चक्रे | अंशयाश्चक्रथे | अंशयाश्चक्रुहे |
| | अंशयाश्चक्रे | अंशयाश्चक्रुहे | अंशयाश्चक्रुमहे |
| | अंशयाम्बभूव | । | अंशयामास |
| आ० | अंशयिषीष्ट | अंशयिषीयास्ताम् | अंशयिषीरन् |
| | अंशयिषीष्टाः | अंशयिषीयास्ताम् | अंशयिषीध्वम् |
| | अंशयिषीय | अंशयिषीवहि | अंशयिषीमहि |
| भ० | अंशयिता | अंशयितारौ | अंशयितारः |
| | अंशयितासे | अंशयितासाथे | अंशयिताध्वे |
| | अंशयिताहे | अंशयितास्वहे | अंशयितास्महे |
| भ० | अंशयिष्यते | अंशयिष्येते | अंशयिष्यन्ते |
| | अंशयिष्यसे | अंशयिष्येथे | अंशयिष्यध्वे |
| | अंशयिष्ये | अंशयिष्यवहे | अंशयिष्यामहे |
| कि० | अभ्रंशयिष्यत् | अभ्रंशयिष्येताम् | अभ्रंशयिष्यन्त |
| | अभ्रंशयिष्यथाः | अभ्रंशयिष्येथाम् | अभ्रंशयिष्यध्वम् |
| | अभ्रंशयिष्ये | अभ्रंशयिष्यवहि | अभ्रंशयिष्यामहि |

॥ अथ शान्तौ ॥

953 अंशङ् (तम्) अवसंसने 844 अंशङ् वदूपणि

959 कृपौङ् (कृप्) सामर्थ्ये ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० कल्पयति | कल्पयतः | कल्पयन्ति |
| कल्पयसि | कल्पयथः | कल्पयथ |
| कल्पयामि | कल्पयावः | कल्पयामः |
| स० कल्पयेत् | कल्पयेताम् | कल्पयेयुः |
| कल्पयेः | कल्पयेतम् | कल्पयेत |
| कल्पयेयम् | कल्पयेव | कल्पयेम |
| प० कल्पयतु | कल्पयतात् | कल्पयताम् |
| कल्पय | कल्पयतात् | कल्पयताम् |
| कल्पयानि | कल्पयाव | कल्पयाम |
| ह्य० अकल्पयत् | अकल्पयताम् | अकल्पयन् |
| अकल्पयः | अकल्पयतम् | अकल्पयत |
| अकल्पयम् | अकल्पयाव | अकल्पयाम |
| अ० अचीकलपत् | अचीकलपताम् | अचीकलपन् |
| अचीकलपः | अचीकलपतम् | अचीकलपत |
| अचीकलपम् | अचीकलपाव | अचीकलपाम |
| अचकलपत् | अचकलपताम् | अचकलपन् इ० |
| प० कल्पयाञ्चकार | कल्पयाञ्चक्रुः | कल्पयाञ्चकुः |
| कल्पयाञ्चकथं | कल्पयाञ्चकथुः | कल्पयाञ्चक |
| कल्पयाञ्चकार-चकर | कल्पयाञ्चकृव | कल्पयाञ्चकृम |
| कल्पयाम्बभूव | । | कल्पयामास |
| आ० कल्प्यात् | कल्प्यास्ताम् | कल्प्यासुः |
| कल्प्याः | कल्प्यास्तम् | कल्प्यास्त |
| कल्प्यासम् | कल्प्यास्व | कल्प्यास्म |
| श० कल्पयिता | कल्पयितारौ | कल्पयितारः |
| कल्पयितासि | कल्पयितास्थः | कल्पयितास्थ |
| कल्पयितास्मि | कल्पयितास्वः | कल्पयितास्मः |
| भ० कल्पयिष्यति | कल्पयिष्यतः | कल्पयिष्यन्ति |
| कल्पयिष्यसि | कल्पयिष्यथः | कल्पयिष्यथ |
| कल्पयिष्यामि | कल्पयिष्यावः | कल्पयिष्यामः |
| क्रि० अकल्पयिष्यत् | अकल्पयिष्यताम् | अकल्पयिष्यन् |
| अकल्पयिष्यः | अकल्पयिष्यतम् | अकल्पयिष्यत |
| अकल्पयिष्यम् | अकल्पयिष्याव | अकल्पयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० कल्पयते | कल्पयते | कल्पयन्ते |
| कल्पयसे | कल्पयेथे | कल्पयथ्वे |
| कल्पये | कल्पयावहे | कल्पयामहे |
| स० कल्पयेत | कल्पयेयाताम् | कल्पयेरन् |
| कल्पयेथाः | कल्पयेयाथाम् | कल्पयेथम् |
| कल्पयेय | कल्पयेवहि | कल्पयेमहि |
| प० कल्पयताम् | कल्पयेताम् | कल्पयन्ताम् |
| कल्पयस्व | कल्पयेथाम् | कल्पयध्वम् |
| कल्पये | कल्पयावहे | कल्पयामहे |
| ह्य० अकल्पयत | अकल्पयेताम् | अकल्पयन्त |
| अकल्पयथाः | अकल्पयेथाम् | अकल्पयध्वम् |
| अकल्पये | अकल्पयावहि | अकल्पयामहि |
| अ० अचीकलपत् | अचीकलपताम् | अचीकलपन्त |
| अचीकलपथाः | अचीकलपथाम् | अचीकलपध्वम् |
| अचीकलपे | अचीकलपानहि | अचीकलपामहि |
| अचकलपत | अचीकलपताम् | अचकलपन्त इ० |
| प० कल्पयाञ्चक्रे | कल्पयाञ्चक्राते | कल्पयाञ्चक्रिरे |
| कल्पयाञ्चकृषे | कल्पयाञ्चकाथे | कल्पयाञ्चकृद्वे |
| कल्पयाञ्चक्रे | कल्पयाञ्चकृवहे | कल्पयाञ्चकृमहे |
| कल्पयाम्बभूव | । | कल्पयामास |
| आ० कल्पयिषीष्ट | कल्पयिषीयास्ताम् | कल्पयिषीरन् |
| कल्पयिषीष्टाः | कल्पयिषीयास्थाम् | कल्पयिषीद्वम् |
| कल्पयिषीय | कल्पयिषीवहि | कल्पयिषीमहि |
| श० कल्पयिता | कल्पयितारौ | कल्पयितारः |
| कल्पयितामे | कल्पयितासाथे | कल्पयिताध्वे |
| कल्पयिताहे | कल्पयितास्वहे | कल्पयितास्महे |
| भ० कल्पयिष्यते | कल्पयिष्येते | कल्पयिष्यन्ते |
| कल्पयिष्यसे | कल्पयिष्येथे | कल्पयिष्यध्वे |
| कल्पयिष्ये | कल्पयिष्यावहे | कल्पयिष्यामहे |
| क्रि० अकल्पयिष्यत | अकल्पयिष्येताम् | अकल्पयिष्यन्त |
| अकल्पयिष्यथाः | अकल्पयिष्येथाम् | अकल्पयिष्यध्वम् |
| अकल्पयिष्ये | अकल्पयिष्यावहि | अकल्पयिष्यामहि |

वृत् वृत्तनम् । वृत् वृत्तादिः 23 वृत्तादिः 5 धातुर्गणौ
समासावित्यर्थः वृधेः क्रिपि वृत् वृधितौ पूर्णावित्येके ।

956 स्यन्दौङ् (स्यन्द्) स्रवणे ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| ब० | स्यन्दयति | स्यन्दयतः | स्यन्दयन्ति |
| | स्यन्दयसि | स्यन्दयथः | स्यन्दयथ |
| | स्यन्दयामि | स्यन्दयावः | स्यन्दयामः |
| स० | स्यन्दयेत् | स्यन्दयेताम् | स्यन्दयेयुः |
| | स्यन्दयेः | स्यन्दयेतम् | स्यन्दयेत |
| | स्यन्दयेयम् | स्यन्दयेव | स्यन्दयेम |
| प० | स्यन्दयतु | स्यन्दयतात् | स्यन्दयन्तु |
| | स्यन्दय | स्यन्दयतात् | स्यन्दयतम् |
| | स्यन्दयानि | स्यन्दयाव | स्यन्दयाम |
| ह्य० | अस्यन्दयत् | अस्यन्दयताम् | अस्यन्दयन् |
| | अस्यन्दयः | अस्यन्दयतम् | अस्यन्दयत |
| | अस्यन्दयम् | अस्यन्दयाव | अस्यन्दयाम |
| अ० | अस्यन्दयन्तु | अस्यन्दयन्ताम् | अस्यन्दयन्तु |
| | अस्यन्दयन्तः | अस्यन्दयन्तम् | अस्यन्दयन्त |
| | अस्यन्दयन्म | अस्यन्दयाव | अस्यन्दयाम |
| ५० | स्यन्दयाञ्चकार | स्यन्दयाञ्चकतुः | स्यन्दयाञ्चकुः |
| | स्यन्दयाञ्चकर्थ | स्यन्दयाञ्चकथुः | स्यन्दयाञ्चक |
| | स्यन्दयाञ्चकार-चकर | स्यन्दयाञ्चकुव | स्यन्दयाञ्चकृम |
| | स्यन्दयाञ्चभूव | । | स्यन्दयामास |
| आ० | स्यन्दात् | स्यन्दास्ताम् | स्यन्दासुः |
| | स्यन्दाः | स्यन्दास्तम् | स्यन्दास्त |
| | स्यन्दासम् | स्यन्दासव | स्यन्दासम |
| भ० | स्यन्दयिता | स्यन्दयितारौ | स्यन्दयितारः |
| | स्यन्दयितासि | स्यन्दयितास्थः | स्यन्दयितास्थ |
| | स्यन्दयितासिम् | स्यन्दयितासवः | स्यन्दयितासमः |
| भ० | स्यन्दयिष्यति | स्यन्दयिष्यतः | स्यन्दयिष्यन्ति |
| | स्यन्दयिष्यसि | स्यन्दयिष्यथः | स्यन्दयिष्यथ |
| | स्यन्दयिष्यामि | स्यन्दयिष्यावः | स्यन्दयिष्यामः |
| क्रि० | अस्यन्दयिष्यत् | अस्यन्दयिष्यताम् | अस्यन्दयिष्यन् |
| | अस्यन्दयिष्यः | अस्यन्दयिष्यतम् | अस्यन्दयिष्यत |
| | अस्यन्दयिष्यम् | अस्यन्दयिष्याव | अस्यन्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| ब० | स्यन्दयेते | स्यन्दयेते | स्यन्दयन्ते |
| | स्यन्दयसे | स्यन्दयेथे | स्यन्दयध्वे |
| | स्यन्दये | स्यन्दयावहे | स्यन्दयामहे |
| स० | स्यन्दयेत | स्यन्दयेताम् | स्यन्दयेरन् |
| | स्यन्दयेस्थाः | स्यन्दयेयाथाम् | स्यन्दयेध्वम् |
| | स्यन्दयेय | स्यन्दयेवहि | स्यन्दयेमहि |
| प० | स्यन्दयताम् | स्यन्दयेताम् | स्यन्दयन्ताम् |
| | स्यन्दयस्व | स्यन्दयेथाम् | स्यन्दयध्वम् |
| | स्यन्दये | स्यन्दयावहे | स्यन्दयामहे |
| ह्य० | अस्यन्दयत | अस्यन्दयेताम् | अस्यन्दयन्त |
| | अस्यन्दयथाः | अस्यन्दयेथाम् | अस्यन्दयध्वम् |
| | अस्यन्दये | अस्यन्दयावहि | अस्यन्दयामहि |
| अ० | अस्यन्दयन्त | अस्यन्दयेताम् | अस्यन्दयन्त |
| | अस्यन्दयथाः | अस्यन्दयेथाम् | अस्यन्दयध्वम् |
| | अस्यन्दये | अस्यन्दयावहि | अस्यन्दयामहि |
| ५० | स्यन्दयाञ्चके | स्यन्दयाञ्चकाते | स्यन्दयाञ्चकिरे |
| | स्यन्दयाञ्चकृषे | स्यन्दयाञ्चकृषे | स्यन्दयाञ्चकृवहे |
| | स्यन्दयाञ्चके | स्यन्दयाञ्चकृवहे | स्यन्दयाञ्चकृमहे |
| | स्यन्दयाञ्चभूव | । | स्यन्दयामस |
| आ | स्यन्दयिषीष्ट | स्यन्दयिषीयास्ताम् | स्यन्दयिषीरन् |
| | स्यन्दयिषीष्ठाः | स्यन्दयिषीयास्थाम् | स्यन्दयिषीध्वम् |
| | स्यन्दयिषीय | स्यन्दयिषीवहि | स्यन्दयिषीमहि |
| भ० | स्यन्दयिता | स्यन्दयितारौ | स्यन्दयितारः |
| | स्यन्दयितासे | स्यन्दयितासाथे | स्यन्दयिताध्वे |
| | स्यन्दयिताहे | स्यन्दयितासवहे | स्यन्दयितासमहे |
| भ० | स्यन्दयिष्यते | स्यन्दयिष्येते | स्यन्दयिष्यन्ते |
| | स्यन्दयिष्यसे | स्यन्दयिष्येथे | स्यन्दयिष्यध्वे |
| | स्यन्दयिष्ये | स्यन्दयिष्यावहे | स्यन्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्यन्दयिष्यत | अस्यन्दयिष्यताम् | अस्यन्दयिष्यन्त |
| | अस्यन्दयिष्यथाः | अस्यन्दयिष्येथाम् | अस्यन्दयिष्यध्वम् |
| | अस्यन्दयिष्ये | अस्यन्दयिष्यावहि | अस्यन्दयिष्यामहि |

॥ अथ धान्तौ ॥

957 वृध् (वृध्) वृद्धौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | वर्धयति | वर्धयतः | वर्धयन्ति |
| | वर्धयसि | वर्धयथः | वर्धयथ |
| | वर्धयामि | वर्धयावः | वर्धयामः |
| स० | वर्धयेत् | वर्धयेताम् | वर्धयन्तुः |
| | वर्धयेः | वर्धयेतम् | वर्धयेत |
| | वर्धयेयम् | वर्धयेयव | वर्धयेम |
| प० | वर्धयतु | वर्धयतात् | वर्धयताम् |
| | वर्धय | वर्धयतात् | वर्धयतम् |
| | वर्धयानि | वर्धयाव | वर्धयाम |
| ह्य० | अवर्धयत् | अवर्धयताम् | अवर्धयन् |
| | अवर्धयेः | अवर्धयतम् | अवर्धयत |
| | अवर्धयम् | अवर्धयाव | अवर्धयाम |
| अ० | अवर्धयत् | अवर्धयताम् | अवर्धयन् |
| | अवर्धयः | अवर्धयतम् | अवर्धयत |
| | अवर्धयम् | अवर्धयाव | अवर्धयाम |
| प० | वर्धयाञ्चकार | वर्धयाञ्चकतुः | वर्धयाञ्चकः |
| | वर्धयाञ्चकथ | वर्धयाञ्चकथुः | वर्धयाञ्चक |
| | वर्धयाञ्चकार-चकर | वर्धयाञ्चकव | वर्धयाञ्चकम् |
| | वर्धयाम्बभूव | । | वर्धयामास |
| भा० | वर्ध्यात् | वर्ध्यास्ताम् | वर्ध्यासुः |
| | वर्ध्याः | वर्ध्यास्तम् | वर्ध्यास्त |
| | वर्ध्यासम् | वर्ध्यास्व | वर्ध्यास्म |
| श्र० | वर्धयिता | वर्धयितारौ | वर्धयितारः |
| | वर्धयितासि | वर्धयितास्थः | वर्धयितास्थ |
| | वर्धयितास्मि | वर्धयितास्वः | वर्धयितास्मः |
| भ० | वर्धयिष्यति | वर्धयिष्यतः | वर्धयिष्यन्ति |
| | वर्धयिष्यसि | वर्धयिष्यथः | वर्धयिष्यथ |
| | वर्धयिष्यामि | वर्धयिष्यावः | वर्धयिष्यामः |
| क्रि० | अवर्धयिष्यत् | अवर्धयिष्यताम् | अवर्धयिष्यन् |
| | अवर्धयिष्यः | अवर्धयिष्यतम् | अवर्धयिष्यत |
| | अवर्धयिष्यम् | अवर्धयिष्याव | अवर्धयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | वर्धयते | वर्धयते | वर्धयन्ते |
| | वर्धयसे | वर्धयेथे | वर्धयध्वे |
| | वर्धये | वर्धयविहे | वर्धयामहे |
| स० | वर्धयेत | वर्धयेयाताम् | वर्धयेरन् |
| | वर्धयेथाः | वर्धयेयाथाम् | वर्धयेध्वम् |
| | वर्धयेय | वर्धयेवहि | वर्धयेमहि |
| प० | वर्धयताम् | वर्धयेताम् | वर्धयन्ताम् |
| | वर्धयस्व | वर्धयेथाम् | वर्धयध्वम् |
| | वर्धये | वर्धयावहे | वर्धयामहे |
| ह्य० | अवर्धयत | अवर्धयताम् | अवर्धयन्त |
| | अवर्धयेथाः | अवर्धयेथाम् | अवर्धयध्वम् |
| | अवर्धये | अवर्धयावहि | अवर्धयामहि |
| अ० | अवर्धयत | अवर्धयेताम् | अवर्धयन्त |
| | अवर्धयेथाः | अवर्धयेथाम् | अवर्धयध्वम् |
| | अवर्धये | अवर्धयावहि | अवर्धयामहि |
| | अवर्धयत | अवर्धयेताम् | अवर्धयन्त इ० |
| प० | वर्धयाञ्चके | वर्धयाञ्चकाते | वर्धयाञ्चकिरे |
| | वर्धयाञ्चकृषे | वर्धयाञ्चकाये | वर्धयाञ्चकृद्वे |
| | वर्धयाञ्चके | वर्धयाञ्चकृवहे | वर्धयाञ्चकृमहे |
| | वर्धयाम्बभूव | । | वर्धयामास |
| भा० | वर्धयिषीष्ट | वर्धयिषीयास्ताम् | वर्धयिषीरन् |
| | वर्धयिषीष्टाः | वर्धयिषीयास्थाम् | वर्धयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | वर्धयिषीय | वर्धयिषीवहि | वर्धयिषीमहि |
| श्र० | वर्धयिता | वर्धयितारौ | वर्धयितारः |
| | वर्धयितासे | वर्धयितालाथे | वर्धयिताध्वे |
| | वर्धयिताहे | वर्धयितास्वहे | वर्धयितास्महे |
| भ० | वर्धयिष्यते | वर्धयिष्यते | वर्धयिष्यन्ते |
| | वर्धयिष्यसे | वर्धयिष्येथे | वर्धयिष्यध्वे |
| | वर्धयिष्ये | वर्धयिष्यावहे | वर्धयिष्यामहे |
| क्रि० | अवर्धयिष्यत | अवर्धयिष्येताम् | अवर्धयिष्यन्त |
| | अवर्धयिष्यथाः | अवर्धयिष्येथाम् | अवर्धयिष्यध्वम् |
| | अवर्धयिष्ये | अवर्धयिष्यावहि | अवर्धयिष्यामहि |

१५८ शृध् (शृध्) शब्दकृततायाम् । ११०

शृध् शब्दकृततायाम्

॥ अथ द्युताद्यन्तर्गणो वृतादिः पञ्चरुः ॥

955 वृत् (वृत्) वर्तने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | वर्तयति | वर्तयतः | वर्तयन्ति |
| | वर्तयसि | वर्तयथः | वर्तयथ |
| | वर्तयामि | वर्तयावः | वर्तयामः |
| स० | वर्तयेत् | वर्तयेताम् | वर्तयेयुः |
| | वर्तयेः | वर्तयेतम् | वर्तयेत |
| | वर्तयेयम् | वर्तयेव | वर्तयेम |
| प० | वर्तयतु | वर्तयतात् | वर्तयन्तु |
| | वर्तय | वर्तयतात् | वर्तयन्त |
| | वर्तयानि | वर्तयाव | वर्तयाम |
| ह्य० | अवर्तयत् | अवर्तयताम् | अवर्तयन् |
| | अवर्तयेः | अवर्तयतम् | अवर्तयत |
| | अवर्तयम् | अवर्तयाव | अवर्तयाम |
| अ० | अवर्तयतु | अवर्तयताम् | अवर्तयन्तु |
| | अवर्तयतः | अवर्तयतम् | अवर्तयत |
| | अवर्तयतम् | अवर्तयाव | अवर्तयाम |
| | अवर्तयतु | अवर्तयताम् | अवर्तयन्तु इ० |
| प० | वर्तयाञ्चकार | वर्तयाञ्चकतुः | वर्तयाञ्चकः |
| | वर्तयाञ्चकथ | वर्तयाञ्चकथुः | वर्तयाञ्चक |
| | वर्तयाञ्चकार-चकर | वर्तयाञ्चकव | वर्तयाञ्चकम् |
| | वर्तयाम्बभूव | वर्तयामास | |
| आ० | वर्त्यात् | वर्त्यास्ताम् | वर्त्यासुः |
| | वर्त्याः | वर्त्यास्तम् | वर्त्यास्त |
| | वर्त्यासम् | वर्त्यास्व | वर्त्यास्म |
| श्र० | वर्तयिता | वर्तयितारौ | वर्तयितारः |
| | वर्तयितासि | वर्तयितास्थः | वर्तयितास्थ |
| | वर्तयितास्मि | वर्तयितास्वः | वर्तयितास्मः |
| भ० | वर्तयिष्यति | वर्तयिष्यतः | वर्तयिष्यन्ति |
| | वर्तयिष्यसि | वर्तयिष्यथः | वर्तयिष्यथ |
| | वर्तयिष्यामि | वर्तयिष्यावः | वर्तयिष्यामः |
| क्रि० | अवर्तयिष्यत् | अवर्तयिष्यताम् | अवर्तयिष्यन् |
| | अवर्तयिष्यः | अवर्तयिष्यतम् | अवर्तयिष्यत |
| | अवर्तयिष्यम् | अवर्तयिष्याव | अवर्तयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | वर्तयते | वर्तयते | वर्तयन्ते |
| | वर्तयसे | वर्तयथे | वर्तयन्वे |
| | वर्तये | वर्तयावहे | वर्तयामहे |
| स० | वर्तयेत् | वर्तयेताम् | वर्तयेयुः |
| | वर्तयेथाः | वर्तयेथायाम् | वर्तयेध्वम् |
| | वर्तयेय | वर्तयेवहि | वर्तयेमहि |
| प० | वर्तयताम् | वर्तयेतम् | वर्तयन्ताम् |
| | वर्तयस्व | वर्तयेथाम् | वर्तयध्वम् |
| | वर्तये | वर्तयावहे | वर्तयामहे |
| ह्य० | अवर्तयत | अवर्तयेताम् | अवर्तयन्त |
| | अवर्तयथाः | अवर्तयेथाम् | अवर्तयध्वम् |
| | अवर्तये | अवर्तयावहि | अवर्तयामहि |
| अ० | अवर्तयत | अवर्तयेताम् | अवर्तयन्त |
| | अवर्तयथाः | अवर्तयेथाम् | अवर्तयध्वम् |
| | अवर्तये | अवर्तयावहि | अवर्तयामहि |
| | अवर्तयत | अवर्तयेताम् | अवर्तयन्त इ० |
| प० | वर्तयाञ्चके | वर्तयाञ्चकाते | वर्तयाञ्चकिरे |
| | वर्तयाञ्चकृषे | वर्तयाञ्चकाये | वर्तयाञ्चकृद्वे |
| | वर्तयाञ्चके | वर्तयाञ्चकृवहे | वर्तयाञ्चकृमहे |
| | वर्तयाञ्चभूव | वर्तयामास | |
| आ० | वर्तयिषीष्ट | वर्तयिषीयास्ताम् | वर्तयिषीरन् |
| | वर्तयिषीष्टाः | वर्तयिषीयास्थाम् | वर्तयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | वर्तयिषीय | वर्तयिषीवहि | वर्तयिषीमहि |
| श्र० | वर्तयिता | वर्तयितारौ | वर्तयितारः |
| | वर्तयितासे | वर्तयितासाथे | वर्तयिताध्वे |
| | वर्तयिताहे | वर्तयितास्वहे | वर्तयितास्महे |
| भ० | वर्तयिष्यते | वर्तयिष्येते | वर्तयिष्यन्ते |
| | वर्तयिष्यसे | वर्तयिष्येथे | वर्तयिष्यध्वे |
| | वर्तयिष्ये | वर्तयिष्यावहे | वर्तयिष्यामहे |
| क्रि० | अवर्तयिष्यत | अवर्तयिष्येताम् | अवर्तयिष्यन्त |
| | अवर्तयिष्यथाः | अवर्तयिष्येथाम् | अवर्तयिष्यध्वम् |
| | अवर्तयिष्ये | अवर्तयिष्यावहि | अवर्तयिष्यामहि |

॥ अथ ज्वलादिः ॥

960 ज्वल (ज्वल्) दीप्तौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|---------------------|
| व० | ज्वलयति | ज्वलयतः | ज्वलयन्ति |
| | ज्वलयसि | ज्वलयथः | ज्वलयथ |
| | ज्वलयामि | ज्वलयावः | ज्वलयामः |
| स० | ज्वलयेत् | ज्वलयेताम् | ज्वलयेयुः |
| | ज्वलयेः | ज्वलयेतम् | ज्वलयेत |
| | ज्वलयेयम् | ज्वलयेव | ज्वलयेम |
| प० | ज्वलयतु | ज्वलयतात् | ज्वलयताम् ज्वलयन्तु |
| | ज्वलय | ज्वलयतात् | ज्वलयतम् ज्वलयत |
| | ज्वलयानि | ज्वलयाव | ज्वलयाम |
| ह्य० | अज्वलयत् | अज्वलयताम् | अज्वलयन् |
| | अज्वलयः | अज्वलयतम् | अज्वलयत |
| | अज्वलयम् | अज्वलयाव | अज्वलयाम |
| झ० | अजिज्वलत् | अजिज्वलताम् | अजिज्वलन् |
| | अजिज्वलः | अजिज्वलतम् | अजिज्वलत |
| | अजिज्वलम् | अजिज्वलाव | अजिज्वलाम |
| ष० | ज्वलयाश्चकार | ज्वलयाश्चक्रतुः | ज्वलयाश्चक्रुः |
| | ज्वलयाश्चकर्थ | ज्वलयाश्चक्रथुः | ज्वलयाश्चक्र |
| | ज्वलयाश्चकार-चक्र | ज्वलयाश्चक्रुव | ज्वलयाश्चक्रुम |
| | ज्वलयाम्बभूव | ज्वलयामास | |
| भा० | ज्वल्यात् | ज्वल्यास्ताम् | ज्वल्यासुः |
| | ज्वल्याः | ज्वल्यास्तम् | ज्वल्यास्त |
| | ज्वल्यासम् | ज्वल्यास्व | ज्वल्यास्म |
| भ० | ज्वलयिता | ज्वलयितारौ | ज्वलयितारः |
| | ज्वलयितासि | ज्वलयितास्थः | ज्वलयिताथ |
| | ज्वलयितास्मि | ज्वलयितास्वः | ज्वलयितास्महे |
| भ० | ज्वलयिष्यति | ज्वलयिष्यतः | ज्वलयिष्यन्ति |
| | ज्वलयिष्यसि | ज्वलयिष्यथः | ज्वलयिष्यथ |
| | ज्वलयिष्यामि | ज्वलयिष्यावः | ज्वलयिष्यामः |
| क्रि० | अज्वलयिष्यत् | अज्वलयिष्यताम् | अज्वलयिष्यन् |
| | अज्वलयिष्यः | अज्वलयिष्यतम् | अज्वलयिष्यत |
| | अज्वलयिष्यम् | अज्वलयिष्याव | अज्वलयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| व० | ज्वलयते | ज्वलयेते | ज्वलयन्ते |
| | ज्वलयसे | ज्वलयेथे | ज्वलयध्वे |
| | ज्वलयं | ज्वलयावहे | ज्वलयामहे |
| स० | ज्वलयेत | ज्वलयेताम् | ज्वलयेरम् |
| | ज्वलयेथाः | ज्वलयेथायाम् | ज्वलयेध्वम् |
| | ज्वलयेय | ज्वलयेवहि | ज्वलयेमहि |
| प० | ज्वलयताम् | ज्वलयेताम् | ज्वलयन्ताम् |
| | ज्वलयस्व | ज्वलयेथाम् | ज्वलयध्वम् |
| | ज्वलयै | ज्वलयावहे | ज्वलयामहे |
| ह्य० | अज्वलयत | अज्वलयेताम् | अज्वलयन्त |
| | अज्वलयथाः | अज्वलयेथाम् | अज्वलयध्वम् |
| | अज्वलये | अज्वलयावहि | अज्वलयामहि |
| झ० | अजिज्वलत | अजिज्वलेताम् | अजिज्वलन्त |
| | अजिज्वलथाः | अजिज्वलेथाम् | अजिज्वलध्वम् |
| | अजिज्वले | अजिज्वलावहि | अजिज्वलामहि |
| ष० | ज्वलयाश्चक्रे | ज्वलयाश्चक्राते | ज्वलयाश्चक्रिरे |
| | ज्वलयाश्चक्रुषे | ज्वलयाश्चक्रुथे | ज्वलयाश्चक्रुध्वे |
| | ज्वलयाश्चक्रे | ज्वलयाश्चक्रुवहे | ज्वलयाश्चक्रुमहे |
| | ज्वलयाम्बभूव | ज्वलयामास | |
| भा० | ज्वलयिषीष्ट | ज्वलयिषीयास्ताम् | ज्वलयिषीरन् |
| | ज्वलयिषीष्ठाः | ज्वलयिषीयास्थाम् | ज्वलयिषीध्वम् |
| | ज्वलयिषीय | ज्वलयिषीवहि | ज्वलयिषीमहि |
| भ० | ज्वलयिता | ज्वलयितारौ | ज्वलयितारः |
| | ज्वलयितासे | ज्वलयितासाथे | ज्वलयिताध्वे |
| | ज्वलयिताहे | ज्वलयितास्वहे | ज्वलयितास्महे |
| भ० | ज्वलयिष्यते | ज्वलयिष्येते | ज्वलयिष्यन्ते |
| | ज्वलयिष्यसे | ज्वलयिष्येथे | ज्वलयिष्यध्वे |
| | ज्वलयिष्ये | ज्वलयिष्यावहे | ज्वलयिष्यामहे |
| क्रि० | अज्वलयिष्यत | अज्वलयिष्येताम् | अज्वलयिष्यन्त |
| | अज्वलयिष्यथाः | अज्वलयिष्येथाम् | अज्वलयिष्यध्वम् |
| | अज्वलयिष्ये | अज्वलयिष्यावहि | अज्वलयिष्यामहि |

962 पल्ल (पत्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | पातयति | पातयतः | पातयन्ति |
| | पातयसि | पातयथः | पातयथ |
| | पातयामि | पातयावः | पातयामः |
| स० | पातयेत् | पातयेताम् | पातयेयुः |
| | पातयेः | पातयेताम् | पातयेत |
| | पातयेयम् | पातयेव | पातयेम |
| प० | पातयन्तु | पातयन्तात् | पातयन्तु |
| | पातय | पातयतात् | पातयन्त |
| | पातयामि | पातयाव | पातयाम |
| ह्य० | अपातयत् | अपातयताम् | अपातयन् |
| | अपातयः | अपातयतम् | अपातयत |
| | अपातयम् | अपातयाव | अपातयाम |
| भ० | अपीपतत् | अपीपताम् | अपीपतन् |
| | अपीपतः | अपीपततम् | अपीपतत |
| | अपीपतम् | अपीपताव | अपीपताम |
| प० | पातयाञ्चकार | पातयाञ्चक्रुः | पातयाञ्चकुः |
| | पातयाञ्चकथ | पातयाञ्चकथुः | पातयाञ्चक |
| | पातयाञ्चकार-चकर | पातयाञ्चकृव | पातयाञ्चकृम |
| | पातयाञ्चभूव | । | पातयामास |
| भा० | पात्यात् | पात्यास्ताम् | पात्यासुः |
| | पात्याः | पात्यास्तम् | पात्यास्त |
| | पात्यासम् | पात्यास्व | पात्यास्म |
| श्र० | पातयिता | पातयितारौ | पातयितारः |
| | पातयितासि | पातयितास्थः | पातयितास्थ |
| | पातयितास्मि | पातयितास्वः | पातयितास्मः |
| भ० | पातयिष्यति | पातयिष्यतः | पातयिष्यन्ति |
| | पातयिष्यसि | पातयिष्यथः | पातयिष्यथ |
| | पातयिष्यामि | पातयिष्यावः | पातयिष्यामः |
| क्रि० | अपातयिष्यत् | अपातयिष्यताम् | अपातयिष्यन् |
| | अपातयिष्यः | अपातयिष्यतम् | अपातयिष्यत |
| | अपातयिष्यम् | अपातयिष्याव | अपातयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | पातयेते | पातयेते | पातयन्ते |
| | पातयसे | पातयेथे | पातयध्वे |
| | पातये | पातयावहे | पातयामहे |
| स० | पातयेत | पातयेयाताम् | पातयेरन् |
| | पातयेथाः | पातयेयाथाम् | पातयेथ्वम् |
| | पातयेय | पातयेवहि | पातयेमहि |
| प० | पातयन्ताम् | पातयेताम् | पातयन्ताम् |
| | पातयन्स्य | पातयेथाम् | पातयन्स्यम् |
| | पातये | पातयावहे | पातयामहे |
| ह्य० | अपातयत | अपातयेताम् | अपातयन्त |
| | अपातयथाः | अपातयेथाम् | अपातयथ्वम् |
| | अपातये | अपातयावहि | अपातयामहि |
| भ० | अपीपतत | अपीपतेताम् | अपीपतन्त |
| | अपीपतथाः | अपीपेथाम् | अपीपतथ्वम् |
| | अपीपते | अपीपतावहि | अपीपतामहि |
| प० | पातयाञ्चके | पातयाञ्चकते | पातयाञ्चकिरे |
| | पातयाञ्चकृषे | पातयाञ्चकाथे | पातयाञ्चकृद्वे |
| | पातयाञ्चके | पातयाञ्चकृवहे | पातयाञ्चकृमहे |
| | पातयाञ्चभूव | । | पातयामास |
| भा० | पातयिषीष्ट | पातयिषीयास्ताम् | पातयिषीरन् |
| | पातयिषीष्ठाः | पातयिषीयास्थाम् | पातयिषीद्वम् |
| | पातयिषीय | पातयिषीवहि | पातयिषीमहि |
| श्र० | पातयिता | पातयितारौ | पातयितारः |
| | पातयितासे | पातयितासाथे | पातयिताध्वे |
| | पातयिताहे | पातयितास्वहे | पातयितास्महे |
| भ० | पातयिष्यते | पातयिष्येते | पातयिष्यन्ते |
| | पातयिष्यसे | पातयिष्येथे | पातयिष्यध्वे |
| | पातयिष्ये | पातयिष्यावहे | पातयिष्यामहे |
| क्रि० | अपातयिष्यत | अपातयिष्येताम् | अपातयिष्यन्त |
| | अपातयिष्यथाः | अपातयिष्येथाम् | अपातयिष्यथ्वम् |
| | अपातयिष्ये | अपातयिष्यावहि | अपातयिष्यामहि |

963 पथे (पथ्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | पाथयति | पाथयतः | पाथयन्ति |
| | पाथयसि | पाथयथः | पाथयथ |
| | पाथयामि | पाथयावः | पाथयामः |
| स० | पाथयेत् | पाथयेताम् | पाथयेयुः |
| | पाथयेः | पाथयेतम् | पाथयेत |
| | पाथयेयम् | पाथयेव | पाथयेम |
| प० | पाथयतु | पाथयतात् | पाथयन्तु |
| | पाथय | पाथयतात् | पाथयत |
| | पाथयानि | पाथयाव | पाथयाम |
| ह्य० | अपाथयत् | अपाथयताम् | अपाथयन् |
| | अपाथयः | अपाथयतम् | अपाथयत |
| | अपाथयम् | अपाथयाव | अपाथयाम |
| अ० | अपीपथत् | अपीपथताम् | अपीपथन् |
| | अपीपथः | अपीपथतम् | अपीपथत |
| | अपीपथम् | अपीपथाव | अपीपथाम |
| प० | पाथयाञ्चकार | पाथयाञ्चकतुः | पाथयाञ्चकुः |
| | पाथयाञ्चकथ | पाथयाञ्चकथुः | पाथयाञ्चक |
| | पाथयाञ्चकार-चकर | पाथयाञ्चकव | पाथयाञ्चकृम् |
| | पाथयाञ्चभूव | । | पाथयामास |
| भा० | पाथ्यात् | पाथ्यास्ताम् | पाथ्यासुः |
| | पाथ्याः | पाथ्यास्तम् | पाथ्यास्त |
| | पाथ्यासम् | पाथ्यास्व | पाथ्यास्म |
| श्र० | पाथयिता | पाथयितारौ | पाथयितारः |
| | पाथयितासि | पाथयितास्यः | पाथयितास्थ |
| | पाथयितास्मि | पाथयितास्वः | पाथयितास्मः |
| भ० | पाथयिष्यति | पाथयिष्यतः | पाथयिष्यन्ति |
| | पाथयिष्यसि | पाथयिष्यथः | पाथयिष्यथ |
| | पाथयिष्यामि | पाथयिष्यावः | पाथयिष्यामः |
| क्रि० | अपाथयिष्यत् | अपाथयिष्यताम् | अपाथयिष्यन् |
| | अपाथयिष्यः | अपाथयिष्यतम् | अपाथयिष्यत |
| | अपाथयिष्यम् | अपाथयिष्याव | अपाथयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पाथयते | पाथयेते | पाथयन्ते |
| | पाथयसे | पाथयेथे | पाथयन्थे |
| | पाथये | पाथयावहे | पाथयामहे |
| स० | पाथयेत | पाथयेयाताम् | पाथयेरन् |
| | पाथयेथाः | पाथयेथायाम् | पाथयेथ्वम् |
| | पाथयेय | पाथयेवहि | पाथयेमहि |
| प० | पाथयताम् | पाथयेताम् | पाथयन्ताम् |
| | पाथयस्व | पाथयेथाम् | पाथयथ्वम् |
| | पाथये | पाथयावहे | पाथयामहे |
| ह्य० | अपाथयत | अपाथयेताम् | अपाथयन्त |
| | अपाथयथाः | अपाथयेथाम् | अपाथयथ्वम् |
| | अपाथये | अपाथयावहि | अपाथयामहि |
| अ० | अपीपथत | अपीपथेताम् | अपीपथन्त |
| | अपीपथथाः | अपीपथेथाम् | अपीपथथ्वम् |
| | अपीपथ | अपीपथावहि | अपीपथामहि |
| प० | पाथयाञ्चक्रे | पाथयाञ्चकाते | पाथयाञ्चकिरं |
| | पाथयाञ्चकृषे | पाथयाञ्चकाथे | पाथयाञ्चकृव |
| | पाथयाञ्चक्रे | पाथयाञ्चकृवहे | पाथयाञ्चकृमहे |
| | पाथयाञ्चभूव | । | पाथयामास |
| भा० | पाथयिषीष्ट | पाथयिषीयास्ताम् | पाथयिषीरन् |
| | पाथयिषीष्टाः | पाथयिषीयास्थाम् | पाथयिषीव्वम् |
| | पाथयिषीय | पाथयिषीवहि | पाथयिषीमहि |
| श्र० | पाथयिता | पाथयितारौ | पाथयितारः |
| | पाथयितासे | पाथयितालाथे | पाथयिताथे |
| | पाथयिताहे | पाथयितास्वहे | पाथयितास्महे |
| भ० | पाथयिष्यते | पाथयिष्येते | पाथयिष्यन्ते |
| | पाथयिष्यसे | पाथयिष्येथे | पाथयिष्यन्थे |
| | पाथयिष्ये | पाथयिष्यावहे | पाथयिष्यामहे |
| क्रि० | अपाथयिष्यत | अपाथयिष्येताम् | अपाथयिष्यन्त |
| | अपाथयिष्यथाः | अपाथयिष्येथाम् | अपाथयिष्यथ्वम् |
| | अपाथयिष्ये | अपाथयिष्यावहि | अपाथयिष्यामहि |

964 कथे (कथ्) निष्पाके ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० क्वाथयति | क्वाथयतः | क्वाथयन्ति |
| क्वाथयसि | क्वाथयथः | क्वाथयथ |
| क्वाथयामि | क्वाथयावः | क्वाथयामः |
| स० क्वाथयेत् | क्वाथयेताम् | क्वाथयेयुः |
| क्वाथयेः | क्वाथयेतम् | क्वाथयेत |
| क्वाथयेयम् | क्वाथयेव | क्वाथयेम |
| प० क्वाथयतु | क्वाथयतात् | क्वाथयन्तु |
| क्वाथय | क्वाथयतात् | क्वाथयतम् |
| क्वाथयानि | क्वाथयाव | क्वाथयाम |
| ह्य० अक्वाथयत् | अक्वाथयताम् | अक्वाथयन् |
| अक्वाथयः | अक्वाथयतम् | अक्वाथयत |
| अक्वाथयम् | अक्वाथयाव | अक्वाथयाम |
| अ० अचिक्वथत् | अचिक्वथताम् | अचिक्वथन् |
| अचिक्वथः | अचिक्वथतम् | अचिक्वथत |
| अचिक्वथम् | अचिक्वथोव | अचिक्वथाम |
| प० क्वाथयाञ्चकार | क्वाथयाञ्चक्रुः | क्वाथयाञ्चकुः |
| क्वाथयाञ्चकथ | क्वाथयाञ्चकथुः | क्वाथयाञ्चक्रु |
| क्वाथयाञ्चकार-चकर | क्वाथयाञ्चक्रुव | क्वाथयाञ्चक्रम |
| क्वाथयाम्बभूव | क्वाथयामास | |
| भा० क्वाथ्यात् | क्वाथ्यास्ताम् | क्वाथ्यासुः |
| क्वाथ्याः | क्वाथ्यास्तम् | क्वाथ्यास्त |
| क्वाथ्यासम् | क्वाथ्यास्व | क्वाथ्यास्म |
| श्र० क्वाथयिता | क्वाथयितारौ | क्वाथयितारः |
| क्वाथयितासि | क्वाथयितास्थः | क्वाथयितास्थ |
| क्वाथयितास्मि | क्वाथयितास्वः | क्वाथयितास्मः |
| भ० क्वाथयिष्यति | क्वाथयिष्यतः | क्वाथयिष्यन्ति |
| क्वाथयिष्यसि | क्वाथयिष्यथः | क्वाथयिष्यथ |
| क्वाथयिष्यामि | क्वाथयिष्यावः | क्वाथयिष्यामः |
| क्रि० अक्वाथयिष्यत् | अक्वाथयिष्यताम् | अक्वाथयिष्यन् |
| अक्वाथयिष्यः | अक्वाथयिष्यतम् | अक्वाथयिष्यत |
| अक्वाथयिष्यम् | अक्वाथयिष्याव | अक्वाथयिष्याम |

| | | |
|---------------------|--------------------|------------------|
| व० क्वाथयते | क्वाथयते | क्वाथयन्ते |
| क्वाथयसे | क्वाथयथे | क्वाथयथे |
| क्वाथये | क्वाथयावहे | क्वाथय महे |
| स० क्वाथयेत् | क्वाथयेयाताम् | क्वाथयेरन् |
| क्वाथयेथाः | क्वाथयेयाथाम् | क्वाथयेथ्वम् |
| क्वाथयेय | क्वाथयेवहि | क्वाथयेमहि |
| प० क्वाथयताम् | क्वाथयेताम् | क्वाथयन्ताम् |
| क्वाथयस्व | क्वाथयेथ्वाम् | क्वाथयथ्वम् |
| क्वाथय | क्वाथयावहे | क्वाथयामहे |
| ह्य० अक्वाथयत | अक्वाथयेताम् | अक्वाथयन्त |
| अक्वाथयथाः | अक्वाथयेथ्वाम् | अक्वाथयथ्वम् |
| अक्वाथये | अक्वाथयावहि | अक्वाथयामहि |
| अ० अचिक्वथत | अचिक्वथेताम् | अचिक्वथन्त |
| अचिक्वथथाः | अचिक्वथेथ्वाम् | अचिक्वथथ्वम् |
| अचिक्वथे | अचिक्वथावहि | अचिक्वथामहि |
| प० क्वाथयाञ्चक्रे | क्वाथयाञ्चक्रांते | क्वाथयाञ्चक्रिरे |
| क्वाथयाञ्चकृषे | क्वाथयाञ्चक्रथे | क्वाथयाञ्चकृव |
| क्वाथयाञ्चक्रे | क्वाथयाञ्चकृवहे | क्वाथयाञ्चकृम |
| क्वाथयाम्बभूव | क्वाथयामास | |
| भा० क्वाथयिषीष्ट | क्वाथयिषीयास्ताम् | क्वाथयिषीरन् |
| क्वाथयिषीष्टाः | क्वाथयिषीयास्थाम् | क्वाथयिषीद्व |
| | | ध्वम् |
| क्वाथयिषीय | क्वाथयिषीवहि | क्वाथयिषीमहि |
| श्र० क्वाथयिता | क्वाथयितारौ | क्वाथयितारः |
| क्वाथयितासे | क्वाथयितासाथे | क्वाथयिताच्चे |
| क्वाथयिताहे | क्वाथयितास्वहे | क्वाथयितास्मां |
| भ० क्वाथयिष्यते | क्वाथयिष्येते | क्वाथयिष्यन्ते |
| क्वाथयिष्यसे | क्वाथयिष्येथे | क्वाथयिष्यध्वे |
| क्वाथयिष्ये | क्वाथयिष्यावहे | क्वाथयिष्यामहे |
| क्रि० अक्वाथयिष्यत् | अक्वाथयिष्येताम् | अक्वाथयिष्यन्त |
| अक्वाथयिष्यः | अक्वाथयिष्येथ्वाम् | अक्वाथयिष्यथ्वम् |
| अक्वाथयिष्ये | अक्वाथयिष्यावहि | अक्वाथयिष्यामहि |

965 मथे (मथ्) विलोडने ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० माथयति | माथयतः | माथयन्ति |
| माथयसि | माथयथः | माथयथ |
| माथयामि | माथयावः | माथयामः |
| स० माथयेत् | माथयेताम् | माथयेयुः |
| माथयेः | माथयेतम् | माथयेत |
| माथयेयम् | माथयेव | माथयेम |
| प० माथयतु | माथयतात् | माथयन्तु |
| माथय | माथयतात् | माथयतम् |
| माथयानि | माथयाव | माथयाम |
| ह्य० अमाथयत् | अमाथयताम् | अमाथयन् |
| अमाथयः | अमाथयतम् | अमाथयत |
| अमाथयम् | अमाथयाव | अमाथयाम |
| अ० अमीमथत् | अमीमथताम् | अमीमथन् |
| अमीमथः | अमीमथतम् | अमीमथत |
| अमीमथम् | अमीमथाव | अमीमथाम |
| प० माथयाञ्चकार | माथयाञ्चक्रुः | माथयाञ्चक्रुः |
| माथयाञ्चकथ | माथयाञ्चक्रुः | माथयाञ्चक्रुः |
| माथयाञ्चकार-चकर | माथयाञ्चक्रुव | माथयाञ्चक्रुम |
| माथयाम्बभूव | माथयामास | |
| आ० माथ्यात् | माथ्यास्ताम् | माथ्यासुः |
| माथ्याः | माथ्यास्तम् | माथ्यास्त |
| माथ्यासम् | माथ्यास्व | माथ्यास्म |
| श्व० माथयिता | माथयितारौ | माथयितारः |
| माथयितासि | माथयितास्थः | माथयितास्थ |
| माथयितास्मि | माथयितास्वः | माथयितास्मः |
| म० माथयिष्यति | माथयिष्यतः | माथयिष्यन्ति |
| माथयिष्यसि | माथयिष्यथः | माथयिष्यथ |
| माथयिष्यामि | माथयिष्यावः | माथयिष्यामः |
| क्रि० अमाथयिष्यत् | अमाथयिष्यताम् | अमाथयिष्यन् |
| अमाथयिष्यः | अमाथयिष्यतम् | अमाथयिष्यत |
| अमाथयिष्यम् | अमाथयिष्याव | अमाथयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| ब० माथयते | माथयेते | माथयन्ते |
| माथयसे | माथयेथे | माथयध्वे |
| माथये | माथयावहे | माथयामहे |
| स० माथयेत | माथयेयाताम् | माथयेरन् |
| माथयेथाः | माथयेयाथाम् | माथयेध्वम् |
| माथयेय | माथयेवहि | माथयेमहि |
| प० माथयताम् | माथयेताम् | माथयन्ताम् |
| माथयस्व | माथयेथाम् | माथयध्वम् |
| माथये | माथयावहे | माथयामहे |
| ह्य० अमाथयत | अमाथयेताम् | अमाथयन्त |
| अमाथयथाः | अमाथयेथाम् | अमाथयध्वम् |
| अमाथये | अमाथयावहि | अमाथयामहि |
| अ० अमीमथत | अमीमथेताम् | अमीमथन्त |
| अमीमथथाः | अमीमथेथाम् | अमीमथध्वम् |
| अमीमथे | अमीमथावहि | अमीमथामहि |
| प० माथयाञ्चक्रे | माथयाञ्चक्राते | माथयाञ्चक्रिरे |
| माथयाञ्चक्रे | माथयाञ्चक्राथे | माथयाञ्चक्रुद्वे |
| माथयाञ्चक्रे | माथयाञ्चक्रुवहे | माथयाञ्चक्रुमहे |
| माथयाम्बभूव | माथयामास | |
| आ० माथयिषीष्ट | माथयिषीयास्ताम् | माथयिषीरन् |
| माथयिषीष्टाः | माथयिषीयास्थाम् | माथयिषीद्वम् |
| माथयिषीय | माथयिषीवहि | माथयिषीमहि |
| श्व० माथयिता | माथयितारौ | माथयितारः |
| माथयितासे | माथयितासाथे | माथयिताध्वे |
| माथयिताहे | माथयितास्वहे | माथयितास्महे |
| म० माथयिष्यते | माथयिष्येते | माथयिष्यन्ते |
| माथयिष्यसे | माथयिष्येथे | माथयिष्यध्वे |
| माथयिष्ये | माथयिष्यावहे | माथयिष्यामहे |
| क्रि० अमाथयिष्यत | अमाथयिष्येताम् | अमाथयिष्यन्त |
| अमाथयिष्यथाः | अमाथयिष्येथाम् | अमाथयिष्यध्वम् |
| अमाथयिष्ये | अमाथयिष्यावहि | अमाथयिष्यामहि |

अ० असोषदत् असोषदताम् असोषदन्
असोषदः असोषदतम् असोषदत
असोषदम् असोषदाव असोषदाम्

अ० असोषदत् असोषदेताम् असोषदन्त
असोषदथाः असोषदेथाम् असोषदध्वम्
असोषदे असोषदावहि असोषदामहि

मुनिभ्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१०१)

॥ अथ दान्तौ ॥

पहलं (सह) विशरणगत्यवसादनेषु

व० सादयति सादयतः सादयन्ति
सादयसि सादयथः सादयथ
सादयामि सादयावः सादयामः

स० सादयेत् सादयेताम् सादयेयुः
सादयेः सादयेतम् सादयेत
सादयेयम् सादयेव सादयेम

प० सादयतु सादयतात् सादयताम् सादयन्तु
सादय सादयतात् सादयतम् सादयत
सादयानि सादयाव सादयाम

ह्य० असादयत् असादयताम् असादयन्
असादयः असादयतम् असादयत
असादयम् असादयाव असादयाम

अ० असीसदत् असीसदताम् असीसदन्
असीसदः असीसदतम् असीसदत
असीसदम् असीसदाव असीसदाम

प० सादयाश्चकार सादयाश्चक्रतुः सादयाश्चक्रुः
सादयाश्चकर्थ सादयाश्चक्रथुः सादयाश्चक्र
सादयाश्चकार-चकर सादयाश्चक्रुव सादयाश्चक्रुम
सादयाश्चभूव । सादयामास

आ० साद्यात् साद्यास्ताम् साद्यासुः
साद्याः साद्यास्तम् साद्यास्त
साद्यासम् साद्यास्व साद्यास्म

व० सादयिता सादयितारौ सादयितारः
सादयितासि सादयितास्थः सादयितास्थ
सादयितास्मि सादयितास्वः सादयितास्मः

भ० सादयिष्यति सादयिष्यतः सादयिष्यन्ति
सादयिष्यसि सादयिष्यथः सादयिष्यथ
सादयिष्यामि सादयिष्यावः सादयिष्यामः

क्रि० असादयिष्यत् असादयिष्यताम् असादयिष्यन्
असादयिष्यः असादयिष्यतम् असादयिष्यत
असादयिष्यम् असादयिष्याव असादयिष्याम

व० सादयते सादयेते सादयन्ते
सादयसे सादयेथे सादयध्वे
सादये सादयावहे सादयामहे

स० सादयेत सादयेताम् सादयेरन्
सादयेथाः सादयेथाम् सादयेध्वम्
सादयेथ सादयेवहि सादयेमहि

प० सादयताम् सादयेताम् सादयन्ताम्
सादयस्व सादयेथाम् सादयध्वम्
सादये सादयावहे सादयामहे

ह्य० असादयत असादयेताम् असादयन्त
असादयथाः असादयेथाम् असादयध्वम्
असादये असादयावहि असादयामहि

अ० असीसदत् असीसदेताम् असीसदन्त
असीसदथाः असीसदेथाम् असीसदध्वम्
असीसदे असीसदावहि असीसदामहि

प० सादयाश्चक्रे सादयाश्चक्रते सादयाश्चक्रिरे
सादयाश्चक्रुषे सादयाश्चक्रथे सादयाश्चक्रुवे
सादयाश्चक्रे सादयाश्चक्रुहे सादयाश्चक्रुमहे
सादयाश्चभूव । सादयामास

आ० सादयिषीष्ट सादयिषीयास्ताम् सादयिषीरन्
सादयिषीष्ठाः सादयिषीयास्थाम् सादयिषीद्वभ
ध्वम्

सादयिषीय सादयिषीवहि सादयिषीमहि

व० सादयिता सादयितारौ सादयितारः
सादयितासे सादयितासाथे सादयिताध्वे
सादयिताहे सादयितास्वहे सादयितास्महे

भ० सादयिष्यते सादयिष्येते सादयिष्यन्ते
सादयिष्यसे सादयिष्येथे सादयिष्यध्वे
सादयिष्ये सादयिष्यावहे सादयिष्यामहे

क्रि० असादयिष्यत् असादयिष्यताम् असादयिष्यन्त
असादयिष्यथाः असादयिष्येथाम् असादयिष्यध्वम्
असादयिष्ये असादयिष्यावहि असादयिष्यामहि

967 शब्द (शब्) शातने । तत्र गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | शादयति | शादयतः | शादयन्ति |
| | शादयसि | शादयथः | शादयथ |
| | शादयामि | शादयावः | शादयामः |
| स० | शादयेत् | शादयेताम् | शादयेयुः |
| | शादयेः | शादयेतम् | शादयेत |
| | शादयेयम् | शादयेव | शादयेम |
| प० | शादयतु | शादयतात् | शादयताम् |
| | शादय | शादयतात् | शादयतम् |
| | शादयानि | शादयाव | शादयाम |
| लृ० | अशादयत् | अशादयताम् | अशादयन् |
| | अशादयः | अशादयतम् | अशादयत |
| | अशादयम् | अशादयाव | अशादयाम |
| अ० | अशीशदत् | अशीशदताम् | अशीशदन् |
| | अशीशदः | अशीशदतम् | अशीशदत |
| | अशीशदम् | अशीशदाव | अशीशदाम |
| प० | शादयाश्चकार | शादयाश्चकतुः | शादयाश्चकुः |
| | शादयाश्चकर्ष | शादयाश्चकथुः | शादयाश्चक |
| | शादयाश्चकार-चकर | शादयाश्चकृव | शादयाश्चकृम |
| | शादयाम्बभूव | शादयामास | |
| भा० | शायात् | शायास्ताम् | शायासुः |
| | शायाः | शायास्तम् | शायास्त |
| | शायासम् | शायास्व | शायास्म |
| भू० | शादयिता | शादयितारौ | शादयितारः |
| | शादयितासि | शादयितास्थः | शादयितास्थ |
| | शादयितास्मि | शादयितास्वः | शादयितास्मः |
| | शादयिष्यति | शादयिष्यतः | शादयिष्यन्ति |
| | शादयिष्यसि | शादयिष्यथः | शादयिष्यथ |
| | शादयिष्यामि | शादयिष्यावः | शादयिष्यामः |
| क्रि० | अशादयिष्यत् | अशादयिष्यताम् | अशादयिष्यन् |
| | अशादयिष्यः | अशादयिष्यतम् | अशादयिष्यत |
| | अशादयिष्यम् | अशादयिष्याव | अशादयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शादयते | शादयेते | शादयन्ते |
| | शादयसे | शादयेथे | शादयध्वे |
| | शादये | शादयावहे | शादयामहे |
| स० | शादयेत | शादयेताम् | शादयेयन् |
| | शादयेथाः | शादयेथाम् | शादयेध्वम् |
| | शादयेय | शादयेवहि | शादयेमहि |
| प० | शादयताम् | शादयेताम् | शादयन्ताम् |
| | शादयस्व | शादयेथाम् | शादयध्वम् |
| | शादये | शादयावहे | शादयामहे |
| लृ० | अशादयत् | अशादयेताम् | अशादयन्त |
| | अशादयथाः | अशादयेथाम् | अशादयध्वम् |
| | अशादये | अशादयावहि | अशादयामहि |
| अ० | अशीशदत् | अशीशदेताम् | अशीशदन्त |
| | अशीशदथाः | अशीशदेथाम् | अशीशदध्वम् |
| | अशीशदे | अशीशदावहि | अशीशदामहि |
| प० | शादयाश्चक्रे | शादयाश्चकाते | शादयाश्चक्रिरे |
| | शादयाश्चकृषे | शादयाश्चकृथे | शादयाश्चकृद्वे |
| | शादयाश्चक्रे | शादयाश्चकृवहे | शादयाश्चकृमहे |
| | शादयाम्बभूव | शादयामास | |
| भा० | शादयिषीष्ट | शादयिषीयास्ताम् | शादयिषीरन् |
| | शादयिषीष्टाः | शादयिषीयास्थाम् | शादयिषीद्वम् |
| | शादयिषीय | शादयिषीवहि | शादयिषीमहि |
| भू० | शादयिता | शादयितारौ | शादयितारः |
| | शादयितासे | शादयितास्थे | शादयिताध्वे |
| | शादयिताहे | शादयितास्वहे | शादयितास्महे |
| भ० | शादयिष्यते | शादयिष्येते | शादयिष्यन्ते |
| | शादयिष्यसे | शादयिष्यथे | शादयिष्यध्वे |
| | शादयिष्ये | शादयिष्यावहे | शादयिष्यामहे |
| क्रि० | अशादयिष्यत् | अशादयिष्येताम् | अशादयिष्यन्त |
| | अशादयिष्यथाः | अशादयिष्येथाम् | अशादयिष्यध्वम् |
| | अशादयिष्ये | अशादयिष्यावहि | अशादयिष्यामहि |

गतेरन्यत्र पुष्पाणि शातयति अशीशतत्

968 बुध (बुध्) अवगमने । 912 बुध्मूपाणि

॥ अथ मान्तो ॥

१६९ डुवम् (वम्) उद्गिरणे ।

| | | |
|-----------------|---------------|-------------|
| ब० वामयति | वामयतः | वामयन्ति |
| वामयति | वामयथः | वामयथ |
| वामयामि | वामयावः | वामयामः |
| स० वामयेत् | वामयेताम् | वामयेयुः |
| वामयेः | वामयेतम् | वामयेत |
| वामयेयम् | वामयेव | वामयेम |
| प० वामयतु | वामयतात् | वामयताम् |
| वामय | वामयतात् | वामयतम् |
| वामयानि | वामयाव | वामयाम |
| अ० अवामयत् | अवामयताम् | अवामयन् |
| अवामय | अवामयतम् | अवामयत |
| अवामयम् | अवामयाव | अवामयाम |
| अ० अविवमत | अविवमेताम् | अविवमन् |
| अविवमः | अविवमेतम् | अविवमेत |
| अविवमम् | अविवमाव | अविवमाम |
| प० वामयाञ्चकार | वामयाञ्चकतुः | वामयाञ्चकुः |
| वामयाञ्चक्य | वामयाञ्चक्युः | वामयाञ्चक |
| वामयाञ्चकार-चकर | वामयाञ्चकृव | वामयाञ्चकृम |
| वामयाञ्चभूव | वामयाञ्चभूव | वामयाञ्चभूव |
| आ० वाम्यात् | वाम्यास्ताम् | वाम्यासुः |
| वाम्याः | वाम्यास्तम् | वाम्यास्त |
| वाम्यासम् | वाम्यास्व | वाम्यास्म |

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| श० वामयिता | वामयितारौ | वामयितारः |
| वामयितासि | वामयितास्थः | वामयितास्थ |
| वामयितास्मि | वामयितास्वः | वामयितास्मः |
| अ० वामयिष्यति | वामयिष्यतः | वामयिष्यन्ति |
| वामयिष्यसि | वामयिष्यथः | वामयिष्यथ |
| वामयिष्यामि | वामयिष्यावः | वामयिष्यामः |
| क्रि० अवामयिष्यत् | अवामयिष्यताम् | अवामयिष्यन् |
| अवामयिष्यः | अवामयिष्यतम् | अवामयिष्यत |
| अवामयिष्यम् | अवामयिष्याव | अवामयिष्याम |
| व० वामयसे | वामयेते | वामयन्ते |
| वामयसे | वामयेथे | वामयन्थे |
| वामये | वामयावहे | वामयामहे |
| स० वामयेत् | वामयेयाताम् | वामयेयन् |
| वामयेथाः | वामयेथाम् | वामयेथम् |
| वामयेथ | वामयेवहि | वामयेमहि |
| प० वामयताम् | वामयेताम् | वामयन्ताम् |
| वामयस्व | वामयेथाम् | वामयस्वम् |
| वामय | वामयावहे | वामयामहे |
| अ० अवामयत | अवामयेताम् | अवामयन्त |
| अवामयथाः | अवामयेथाम् | अवामयथम् |
| अवामये | अवामयावहि | अवामयामहि |
| अ० अविवमत | अविवमेताम् | अविवमन्त |
| अविवमथाः | अविवमेथाम् | अविवमथम् |
| अविवमे | अविवमावहि | अविवमामहि |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| १० वामयाञ्चक्रे | वामयाञ्चकाले | वामयाञ्चकिरे |
| वामयाञ्चकृषे | वामयाञ्चकृषे | वामयाञ्चकृष्वे |
| वामयाञ्चक्रे | वामयाञ्चकृषहे | वामयाञ्चकृमहे |
| वामयाम्बभूव | वामयामास | |
| भा० वामयिषीष्ट | वामयिषीयास्ताम् | वामयिषीरन् |
| वामयिषीष्टाः | वामयिषीयास्थाम् | वामयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| वामयिषीय | वामयिषीवहि | वामयिषीमहि |
| श्व० वामयिता | वामयितारौ | वामयितारः |
| वामयितासे | वामयितासाथे | वामयिताध्वे |
| वामयिताहे | वामयितास्वहे | वामयितास्महे |
| भ० वामयिष्यते | वामयिष्येते | वामयिष्यन्ते |
| वामयिष्यसे | वामयिष्येधे | वामयिष्यध्वे |
| वामयिष्ये | वामयिष्यावहे | वामयिष्यामहे |
| क्रि० अवामयिष्यत् | अवामयिष्येताम् | अवामयिष्यन्त |
| अवामयिष्यथाः | अवामयिष्येथाम् | अवामयिष्यध्वम् |
| अवामयिष्ये | अवामयिष्यावहि | अवामयिष्यामहि |

पक्षे-वमयति इत्यादि ॥

970 भम् (भम्) चलने ।

| | | |
|---------------|------------|-----------|
| व० भ्रमयति | भ्रमयतः | भ्रमयन्ति |
| भ्रमयसि | भ्रमयथः | भ्रमयथ |
| भ्रमयामि | भ्रमयावः | भ्रमयामः |
| भ्र० भ्रमयेत् | भ्रमयेताम् | भ्रमयेयुः |
| भ्रमयेः | भ्रमयेतम् | भ्रमयेत |
| भ्रमयेयम् | भ्रमयेव | भ्रमयेम |

| | | | |
|--------------------|----------------|---------------|-----------|
| १० भ्रमयतु | भ्रमयताम् | भ्रमयताम् | भ्रमयन्तु |
| भ्रमय | भ्रमयतात् | भ्रमयतम् | भ्रमयत |
| भ्रमयानि | भ्रमयाव | भ्रमयाम | |
| ह्य० अभ्रमयत् | अभ्रमयताम् | अभ्रमयन् | |
| अभ्रमयः | अभ्रमयतम् | अभ्रमयत | |
| अभ्रमयम् | अभ्रमयाव | अभ्रमयाम | |
| अ० अविभ्रमत् | अविभ्रमताम् | अविभ्रमन् | |
| अविभ्रमः | अविभ्रमतम् | अविभ्रमत | |
| अविभ्रमम् | अविभ्रमाव | अविभ्रमाम | |
| १० भ्रमयाञ्चकार | भ्रमयाञ्चकतुः | भ्रमयाञ्चकुः | |
| भ्रमयाञ्चकर्थ | भ्रमयाञ्चकथुः | भ्रमयाञ्चक | |
| भ्रमयाञ्चकार-चकर | भ्रमयाञ्चकृव | भ्रमयाञ्चकृम | |
| भ्रमयाम्बभूव | भ्रमयामास | | |
| भा० भ्रम्यात् | भ्रम्यास्ताम् | भ्रम्यासुः | |
| भ्रम्याः | भ्रम्यास्तम् | भ्रम्यास्त | |
| भ्रम्यास्तम् | भ्रम्यास्व | भ्रम्यास्म | |
| श्व० भ्रमयिता | भ्रमयितारौ | भ्रमयितारः | |
| भ्रमयितारि | भ्रमयितास्थ | भ्रमयितास्थ | |
| भ्रमयितास्मि | भ्रमयितास्वः | भ्रमयितास्मः | |
| भ्र० भ्रमयिष्यति | भ्रमयिष्यतः | भ्रमयिष्यन्ति | |
| भ्रमयिष्यसि | भ्रमयिष्यथः | भ्रमयिष्यथ | |
| भ्रमयिष्यामि | भ्रमयिष्यावः | भ्रमयिष्यामः | |
| क्रि० अभ्रमयिष्यत् | अभ्रमयिष्यताम् | अभ्रमयिष्यन् | |
| अभ्रमयिष्यः | अभ्रमयिष्यतम् | अभ्रमयिष्यत | |
| अभ्रमयिष्यम् | अभ्रमयिष्याव | अभ्रमयिष्याम | |

॥ अथ रान्तः ॥

971 क्षर (क्षर्) सञ्चलने ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० क्षारयति | क्षारयतः | क्षारयन्ति |
| क्षारयसि | क्षारयथः | क्षारयथ |
| क्षारयामि | क्षारयावः | क्षारयामः |
| स० क्षारयेत् | क्षारयेताम् | क्षारयेयुः |
| क्षारयेः | क्षारयेतम् | क्षारयेत |
| क्षारयेयम् | क्षारयेव | क्षारयेम |
| प० क्षारयतु | क्षारयतात् | क्षारयताम् |
| क्षारय | क्षारयतात् | क्षारयतम् |
| क्षारयाणि | क्षारयाव | क्षारयाम |
| ह्य० अक्षारयत् | अक्षारयताम् | अक्षारयन् |
| अक्षारयः | अक्षारयतम् | अक्षारयत |
| अक्षारयम् | अक्षारयाव | अक्षारयाम |
| अ० अचिक्षरत् | अचिक्षरताम् | अचिक्षरन् |
| अचिक्षरः | अचिक्षरतम् | अचिक्षरत |
| अचिक्षरम् | अचिक्षराव | अचिक्षराम |
| प० क्षारयाञ्चकार | क्षारयाञ्चक्रतुः | क्षारयाञ्चक्रुः |
| क्षारयाञ्चकथं | क्षारयाञ्चकथुः | क्षारयाञ्चक |
| क्षारयाञ्चकार-चकर | क्षारयाञ्चकृव | क्षारयाञ्चकृम |
| क्षारयाम्बभूव | क्षारयामास | |
| भा० क्षार्यात् | क्षार्यास्ताम् | क्षार्यास्तुः |
| क्षार्याः | क्षार्यास्तम् | क्षार्यास्त |
| क्षार्यासम् | क्षार्यास्व | क्षार्यास्म |
| श्व० क्षारयिता | क्षारयितारौ | क्षारयितारः |
| क्षारयितासि | क्षारयितास्थः | क्षारयितास्थ |
| क्षारयितास्मि | क्षारयितास्वः | क्षारयितास्मः |
| भ० क्षारयिष्यति | क्षारयिष्यतः | क्षारयिष्यन्ति |
| क्षारयिष्यसि | क्षारयिष्यथः | क्षारयिष्यथ |
| क्षारयिष्यामि | क्षारयिष्यावः | क्षारयिष्यामः |
| कि० अक्षारयिष्यत् | अक्षारयिष्यताम् | अक्षारयिष्यन् |
| अक्षारयिष्यः | अक्षारयिष्यतम् | अक्षारयिष्यत |
| अक्षारयिष्यम् | अक्षारयिष्याव | अक्षारयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-------------------|------------------|
| व० क्षारयते | क्षारयेते | क्षारयन्ते |
| क्षारयसे | क्षारयेथे | क्षारयन्थे |
| क्षारये | क्षारयावहे | क्षारयामहे |
| स० क्षारयेत् | क्षारयेयाताम् | क्षारयेयन् |
| क्षारयेथाः | क्षारयेयाथाम् | क्षारयेय्वम् |
| क्षारयेय | क्षारयेवहि | क्षारयेमहि |
| प० क्षारयताम् | क्षारयेताम् | क्षारयन्ताम् |
| क्षारयस्व | क्षारयेथाम् | क्षारयन्वम् |
| क्षारयै | क्षारयावहे | क्षारयामहे |
| ह्य० अक्षारयत | अक्षारयेताम् | अक्षारयन्त |
| अक्षारयथाः | अक्षारयेथाम् | अक्षारयन्वम् |
| अक्षारये | अक्षारयावहि | अक्षारयामहि |
| अ० अचिक्षरत | अचिक्षरेताम् | अचिक्षरन्त |
| अचिक्षरथाः | अचिक्षरेथाम् | अचिक्षरन्वम् |
| अचिक्षरे | अचिक्षरावहि | अचिक्षरामहि |
| प० क्षारयाञ्चक्रे | क्षारयाञ्चक्रते | क्षारयाञ्चकिरे |
| क्षारयाञ्चकृषे | क्षारयाञ्चकृषे | क्षारयाञ्चकृषे |
| क्षारयाञ्चके | क्षारयाञ्चकृवहे | क्षारयाञ्चकृमहे |
| क्षारयम्बभूव | क्षारयामास | |
| आ० क्षारयिषीष्ट | क्षारयिषीयास्ताम् | क्षारयिषीरन् |
| क्षारयिषीष्टाः | क्षारयिषीयास्थाम् | क्षारयिषीढ्वम् |
| क्षारयिषीय | क्षारयिषीवहि | क्षारयिषीमहि |
| श्व० क्षारयिता | क्षारयितारौ | क्षारयितारः |
| क्षारयितासे | क्षारयितास्थे | क्षारयिताथे |
| क्षारयिताहे | क्षारयितास्वहे | क्षारयितास्महे |
| भ० क्षारयिष्यते | क्षारयिष्यते | क्षारयिष्यन्ते |
| क्षारयिष्यसे | क्षारयिष्येथे | क्षारयिष्यन्थे |
| क्षारयिष्ये | क्षारयिष्यावहे | क्षारयिष्यामहे |
| कि० अक्षारयिष्यत | अक्षारयिष्यताम् | अक्षारयिष्यन्त |
| अक्षारयिष्यथाः | अक्षारयिष्येथाम् | अक्षारयिष्यन्वम् |
| अक्षारयिष्ये | अक्षारयिष्यावहि | अक्षारयिष्यामहि |

॥ अथ लान्ताश्रतुर्दश ॥
972 चल (चल) कम्पने ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| ३० | चलयति | चलयतः | चलयन्ति |
| | चलयसि | चलयथः | चलयथ |
| | चलयामि | चलयावः | चलयामः |
| स० | चलयेत् | चलयेताम् | चलयेयुः |
| | चलयेः | चलयेतम् | चलयेत |
| | चलयेयम् | चलयेव | चलयेम |
| प० | चलयतु | चलयतात् | चलयताम् |
| | चलय | चलयतात् | चलयतम् |
| | चलयानि | चलयाव | चलयाम |
| ह्य० | अचलयत् | अचलयताम् | अचलयन् |
| | अचलयः | अचलयतम् | अचलयत |
| | अचलयम् | अचलयाव | अचलयाम |
| अ० | अचीचलत् | अचीचलताम् | अचीचलन् |
| | अचीचलः | अचीचलतम् | अचीचलत |
| | अचीचलम् | अचीचलाव | अचीचलाम |
| प० | चलयाञ्चकार | चलयाञ्चकतुः | चलयाञ्चकुः |
| | चलयाञ्चकर्थ | चलयाञ्चकथुः | चलयाञ्चक |
| | चलयाञ्चकार-चकर | चलयाञ्चकृव | चलयाञ्चकृम |
| | चलयाञ्चभूव | । | चलयामास |
| आ० | चल्यात् | चल्यास्ताम् | चल्यासुः |
| | चल्याः | चल्यास्तम् | चल्यास्त |
| | चल्यासम् | चल्यास्व | चल्यास्म |
| श्व० | चलयिता | चलयितारौ | चलयितारः |
| | चलयितासि | चलयितास्थः | चलयितास्थ |
| | चलयितास्मि | चलयितास्वः | चलयितास्मः |
| भ० | चलयिष्यति | चलयिष्यतः | चलयिष्यन्ति |
| | चलयिष्यसि | चलयिष्यथः | चलयिष्यथ |
| | चलयिष्यामि | चलयिष्यावः | चलयिष्यामः |
| क्रि० | अचलयिष्यत् | अचलयिष्यताम् | अचलयिष्यन् |
| | अचलयिष्यः | अचलयिष्यतम् | अचलयिष्यत |
| | अचलयिष्यम् | अचलयिष्याव | अचलयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|----------------------------|---------------|
| व० | चलयते | चलयेते | चलयन्ते |
| | चलयसे | चलयेथे | चलयध्वे |
| | चलये | चलयावहे | चलयामहे |
| स० | चलयेत | चलयेयाताम् | चलयेरन् |
| | चलयेथाः | चलयेयाथाम् | चलयेध्वम् |
| | चलयेय | चलयेवहि | चलयेमहि |
| प० | चलयताम् | चलयेताम् | चलयन्ताम् |
| | चलयस्व | चलयेथाम् | चलयध्वम् |
| | चलयै | चलयावहै | चलयामहै |
| ह्य० | अचलयत | अचलयेताम् | अचलयन्त |
| | अचलयथाः | अचलयेथाम् | अचलयध्वम् |
| | अचलये | अचलयावहि | अचलयामहि |
| अ० | अचीचलत | अचीचलेताम् | अचीचलन्त |
| | अचीचलथाः | अचीचलेथाम् | अचीचलध्वम् |
| | अचीचले | अचीचलावहि | अचीचलामहि |
| प० | चलयाञ्चके | चलयाञ्चकाते | चलयाञ्चकिरे |
| | चलयाञ्चकृषे | चलयाञ्चकृथा | चलयाञ्चकृध्वे |
| | चलयाञ्चके | चलयाञ्चकृवहे | चलयाञ्चकृमहे |
| | चलयाञ्चभूव | । | चलयामास |
| आ० | चलयिषीष्ट | चलयिषीष्टास्ताम् | चलयिषीरन् |
| | चलयिषीष्टाः | चलयिषीष्टास्थाम् | चलयिषीध्वम् |
| | चलयिषीय | चलयिषीवहि | चलयिषीमहि |
| भ० | चलयिता | चलयितारौ | चलयितारः |
| | चलयितासे | चलयितासाथे | चलयिताध्वे |
| | चलयिताहे | चलयितास्वहे | चलयितास्महे |
| भ० | चलयिष्यते | चलयिष्येते | चलयिष्यन्ते |
| | चलयिष्यसे | चलयिष्येथे | चलयिष्यध्वे |
| | चलयिष्ये | चलयिष्यावहे | चलयिष्यामहे |
| क्रि० | अचलयिष्यत | अचलयिष्येताम् | अचलयिष्यन्त |
| | अचलयिष्यथाः | अचलयिष्येथाम् | अचलयिष्यध्वम् |
| | अचलयिष्ये | अचलयिष्यावहि | अचलयिष्यामहि |
| | अन्यत्र चालयति | सूत्रम् । पर्यनुयुङ्क्ते । | चालयति |
| | | शीलं हरतीत्यर्थः | |

१७३ जल (जल्) घात्ये ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ४० | जालयति | जालयतः | जालयन्ति |
| | जालयसि | जालयथः | जालयथ |
| | जालयामि | जालयावः | जलयामः |
| स० | जालयेत् | जालयेताम् | जालयेयुः |
| | जालयेः | जालयेतम् | जालयेत |
| | जालयेयम् | जालयेव | जालयेम |
| प० | जालयतु | जालयतात् | जालयताम् |
| | जालय | जालयतात् | जालयतम् |
| | जालयानि | जालयाव | जालयाम |
| ह्य० | अजालयत् | अजालयताम् | अजालयन् |
| | अजालयः | अजालयतम् | अजालयत |
| | अजालयम् | अजालयाव | अजालयाम |
| अ० | अजीजलत् | अजीजलताम् | अजीजलन् |
| | अजीजलः | अजीजलतम् | अजीजलत |
| | अजीजलम् | अजीजलाव | अजीजलाम |
| प० | जालयाञ्चकार | जालयाञ्चकतुः | जालयाञ्चकुः |
| | जालयाञ्चकर्थ | जालयाञ्चकथुः | जालयाञ्चक |
| | जालयाञ्चकार-चकर | जालयाञ्चकृव | जालयाञ्चकृम |
| | जालयाम्बभूव | । | जालयामास |
| आ० | जाल्यात् | जाल्यास्ताम् | जाल्यासुः |
| | जाल्याः | जाल्यास्तम् | जाल्यास्त |
| | जाल्यासम् | जाल्यास्व | जाल्यास्म |
| भ० | जालयिता | जालयितारौ | जालयितारः |
| | जालयितासि | जालयितास्थः | जालयितास्थ |
| | जालयितास्मि | जालयितास्वः | जालयितास्मः |
| भ० | जालयिष्यति | जालयिष्यतः | जालयिष्यन्ति |
| | जालयिष्यसि | जालयिष्यथः | जालयिष्यथ |
| | जालयिष्यामि | जालयिष्यावः | जालयिष्यामः |
| क्रि० | अजालयिष्यत् | अजालयिष्यताम् | अजालयिष्यन् |
| | अजालयिष्यः | अजालयिष्यतम् | अजालयिष्यत |
| | अजालयिष्यम् | अजालयिष्याव | अजालयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-------------------|----------------|
| व० | जालयते | जालयते | जालयन्ते |
| | जालयसे | जालयथे | जालयन्वे |
| | जालये | जालयावहे | जालयामहे |
| स० | जालयेत | जालयेयाताम् | जालयेरन् |
| | जालयेथाः | जालयेयाथाम् | जालयेष्वम् |
| | जालयेय | जालयेवहि | जालयेमहि |
| प० | जालयताम् | जालयताम् | जालयन्ताम् |
| | जालयस्व | जालयथाम् | जालयष्वम् |
| | जालये | जालयावहे | जालयामहे |
| ह्य० | अजालयत | अजालयताम् | अजालयन्त |
| | अजालयथाः | अजालयथाम् | अजालयष्वम् |
| | अजालये | अजालयावहि | अजालयामहि |
| अ० | अजीजलत | अजीजलेताम् | अजीजलन्त |
| | अजीजलथाः | अजीजलेथाम् | अजीजलष्वम् |
| | अजीजले | अजीजलावहि | अजीजलामहि |
| प० | जालयाञ्चके | जालयाञ्चकाते | जालयाञ्चकिरे |
| | जालयाञ्चकृषे | जालयाञ्चकाथे | जालयाञ्चकृद्वे |
| | जालयाञ्चके | जालयाञ्चकवहे | जालयाञ्चकृमहे |
| | जालयाम्बभूव | । | जालयामास |
| आ० | जालयिषीष्ट | जालयिषीष्टास्ताम् | जालयिषीरन् |
| | जालयिषीष्टाः | जालयिषीयास्थाम् | जालयिषीह्वम् |
| | जालयिषीय | जालयिषीवहि | जालयिषीमहि |
| भ० | जालयिता | जालयितारौ | जालयितारः |
| | जालयित.से | जालयितासाथे | जालयिताध्वे |
| | जालयिताहे | जालयितास्वहे | जालयितास्महे |
| भ० | जालयिष्यते | जालयिष्येते | जालयिष्यन्ते |
| | जालयिष्यसे | जालयिष्येथे | जालयिष्यन्वे |
| | जालयिष्ये | जालयिष्यावहे | जालयिष्यामहे |
| क्रि० | अजालयिष्यत | अजालयिष्यताम् | अजालयिष्यन्त |
| | अजालयिष्यथाः | अजालयिष्येथाम् | अजालयिष्यष्वम् |
| | अजालयिष्ये | अजालयिष्यावहि | अजालयिष्यामहि |

974 टल (टल्) वैकल्ये ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| १० टलयति | टलयतः | टलयन्ति |
| टलयामि | टलयथः | टलयथ |
| टलयामि | टलयावः | टलयामः |
| स० टलयेत् | टलयताम् | टलयेयुः |
| टलयैः | टलयेतम् | टलयेत |
| टलयेयम् | टलयेव | टलयेम |
| प० टलयतु | टलयतात् | टलयताम् |
| टलय | टलयतात् | टलयतम् |
| टलयानि | टलयाव | टलयाम |
| ह्य० अटलयत् | अटलयताम् | अटलयन् |
| अटलयः | अटलयतम् | अटलयत |
| अटलयम् | अटलयाव | अटलयाम |
| अ० अटीटलत् | अटीटलताम् | अटीटलन् |
| अटीटलः | अटीटलतम् | अटीटलत |
| अटीटलम् | अटीटलाव | अटीटलाम |
| प० टलयाञ्चकार | टलयाञ्चकतुः | टलयाञ्चकुः |
| टलयाञ्चकर्थ | टलयाञ्चकथुः | टलयाञ्चक |
| टलयाञ्चकार-चकर | टलयाञ्चकृव | टलयाञ्चकृम |
| टलयाम्बभूव | । | टलयामास |
| आ० टल्यात् | टल्यास्ताम् | टल्यासुः |
| टल्याः | टल्यास्तम् | टल्यास्त |
| टल्यासम् | टल्यास्व | टल्यास्म |
| भ० टलयिता | टलयितारौ | टलयितारः |
| टलयितासि | टलयितास्थः | टलयितास्थ |
| टलयितास्मि | टलयितास्वः | टलयितास्मः |
| भ० टलयिष्यति | टलयिष्यतः | टलयिष्यन्ति |
| टलयिष्यसि | टलयिष्यथः | टलयिष्यथ |
| टलयिष्यामि | टलयिष्यावः | टलयिष्यामः |
| क्रि० अटलयिष्यत् | अटलयिष्यताम् | अटलयिष्यन् |
| अटलयिष्यः | अटलयिष्यतम् | अटलयिष्यत |
| अटलयिष्यम् | अटलयिष्याव | अटलयिष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० टलयते | टलयेते | टलयन्ते |
| टलयसे | टलयेथे | टलयथ्वे |
| टलये | टलयावहे | टलयामहे |
| स० टलयेत | टलयेयाताम् | टलयेरन् |
| टलयेथाः | टलयेयाथाम् | टलयेथ्वम् |
| टलयेय | टलयेवहि | टलयेमहि |
| प० टलयताम् | टलयताम् | टलयन्ताम् |
| टलयस्व | टलयेथाम् | टलयथ्वम् |
| टल्यै | टलयावहे | टलयामहे |
| ह्य० अटलयत | अटलयेताम् | अटलयन्त |
| अटलयथाः | अटलयेथाम् | अटलयथ्वम् |
| अटलये | अटलयावहि | अटलयामहि |
| अ० अटीटलत् | अटीटलेताम् | अटीटलन्त |
| अटीटलथाः | अटीटलेथाम् | अटीटलथ्वम् |
| अटीटले | अटीटलावहि | अटीटलामहि |
| प० टलयाञ्चके | टलयाञ्चकाते | टलयाञ्चकिरे |
| टलयाञ्चकृषे | टलयाञ्चकाथे | टलयाञ्चकृश्वे |
| टलयाञ्चके | टलयाञ्चकृवहे | टलयाञ्चकृमहे |
| टलयाम्बभूव | । | टलयामास |
| आ० टलयिषीष्ट | टलयिषीयास्ताम् | टलयिषीरन् |
| टलयिषीष्टाः | टलयिषीयास्थाम् | टलयिषीह्वम् |
| टलयिषीय | टलयिषीवहि | टलयिषीमहि |
| भ० टलयिता | टलयितारौ | टलयितारः |
| टलयितासे | टलयितासाथे | टलयिताथ्वे |
| टलयिताहे | टलयितास्वहे | टलयितास्महे |
| भ० टलयिष्यते | टलयिष्यते | टलयिष्यन्ते |
| टलयिष्यसे | टलयिष्यथे | टलयिष्यथ्वे |
| टलयिष्ये | टलयिष्यावहे | टलयिष्यामहे |
| क्रि० अटलयिष्यत् | अटलयिष्यताम् | अटलयिष्यन्त |
| अटलयिष्यथाः | अटलयिष्येथाम् | अटलयिष्यथ्वम् |
| अटलयिष्ये | अटलयिष्यावहि | अटलयिष्यामहि |

975 ट्वाल (ट्वाल्) वैकलट्ये ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० ट्वालयति | ट्वालयतः | ट्वालयन्ति |
| ट्वालयसि | ट्वालयथः | ट्वालयथ |
| ट्वालयामि | ट्वालयावः | ट्वालयामः |
| स० ट्वालयेत् | ट्वालयेताम् | ट्वालयेयुः |
| ट्वालयेः | ट्वालयेतम् | ट्वालयेत |
| ट्वालयेयम् | ट्वालयेव | ट्वालयेम |
| प० ट्वालयतु | ट्वालयतात् | ट्वालयताम् |
| ट्वालय | ट्वालयतात् | ट्वालयतम् |
| ट्वालयाति | ट्वालयाव | ट्वालयाम |
| ह्य० अट्वालयत् | अट्वालयताम् | अट्वालयन् |
| अट्वालयः | अट्वालयतम् | अट्वालयत |
| अट्वालयम् | अट्वाल्याव | अट्वालयाम |
| अ० अटिट्वलत् | अटिट्वलताम् | अटिट्वलन् |
| अटिट्वलः | अटिट्वलतम् | अटिट्वलत |
| अटिट्वलम् | अटिट्वलाव | अटिट्वलाम |
| प० ट्वालयाञ्चकार | ट्वालयाञ्चकतुः | ट्वालयाञ्चकुः |
| ट्वालयाञ्चकथं | ट्वालयाञ्चकथुः | ट्वालयाञ्चक |
| ट्वालयाञ्चकार-चकर | ट्वालयाञ्चकृव | ट्वालयाञ्चकृम |

ट्वालयाम्बभूव । ट्वालयाभास

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| भा० ट्वाल्यात् | ट्वाल्यास्ताम् | ट्वाल्यासुः |
| ट्वाल्याः | ट्वाल्यास्तम् | ट्वाल्यास्त |
| ट्वाल्यासम् | ट्वाल्यास्व | ट्वाल्यास्म |
| भ० ट्वालयिता | ट्वालयितारौ | ट्वालयितारः |
| ट्वालयितासि | ट्वालयितास्थः | ट्वालयितास्थ |
| ट्वालयितास्मि | ट्वालयितास्वः | ट्वालयितास्मः |
| भ० ट्वालयिष्यति | ट्वालयिष्यतः | ट्वालयिष्यन्ति |
| ट्वालयिष्यसि | ट्वालयिष्यथः | ट्वालयिष्यथ |
| ट्वालयिष्यामि | ट्वालयिष्यावः | ट्वालयिष्यामः |
| क्रि० अट्वालयिष्यत् | अट्वालयिष्यताम् | अट्वालयिष्यन् |
| अट्वालयिष्यः | अट्वालयिष्यतम् | अट्वालयिष्यत |
| अट्वालयिष्यम् | अट्वालयिष्याव | अट्वालयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० ट्वालयेते | ट्वालयेते | ट्वालयेन्ते |
| ट्वालयेसे | ट्वालयेथे | ट्वालयेथे |
| ट्वालये | ट्वालयावहे | ट्वालयामहे |
| स० ट्वालयेत | ट्वालयेयाताम् | ट्वालयेरन् |
| ट्वालयेथाः | ट्वालयेयाथाम् | ट्वालयेष्वम् |
| ट्वालयेय | ट्वालयेवहि | ट्वालयेमहि |
| प० ट्वालयेताम् | ट्वालयेताम् | ट्वालयेन्ताम् |
| ट्वालयेस्व | ट्वालयेथाम् | ट्वालयेष्वम् |
| ट्वालये | ट्वालयावहे | ट्वालयामहे |
| ह्य० अट्वालयेत | अट्वालयेताम् | अट्वालयेन्त |
| अट्वालयेथाः | अट्वालयेथाम् | अट्वालयेष्वम् |
| अट्वालये | अट्वालयावहि | अट्वालयामहि |
| अ० अटिट्वलत् | अटिट्वलेताम् | अटिट्वलन्त |
| अटिट्वलथाः | अटिट्वलेथाम् | अटिट्वलेष्वम् |
| अटिट्वले | अटिट्वलावहि | अटिट्वलामहि |
| प० ट्वालयाञ्चक्रे | ट्वालयाञ्चकृते | ट्वालयाञ्चकृरे |
| ट्वालयाञ्चकृषे | ट्वालयाञ्चकृथे | ट्वालयाञ्चकृव |
| ट्वालयाञ्चक्रे | ट्वालयाञ्चकृवहे | ट्वालयाञ्चकृमहे |
| ट्वालयाम्बभूव | । | ट्वालयाभास |

| | | |
|---------------------|-------------------|-------------------|
| भा० ट्वालयिषीष्ट | ट्वालयिषीयास्ताम् | ट्वालयिषीन् |
| ट्वालयिषीष्टाः | ट्वालयिषीयास्थाम् | ट्वालयिषीढ्वम् |
| ट्वालयिषीय | ट्वालयिषीवहि | ट्वालयिषीमहि |
| भ० ट्वालयिता | ट्वालयितारौ | ट्वालयितारः |
| ट्वालयितासे | ट्वालयितासाथे | ट्वालयिताध्वे |
| ट्वालयिताहे | ट्वालयितावहे | ट्वालयितामहे |
| भ० ट्वालयिष्यते | ट्वालयिष्येते | ट्वालयिष्यन्ते |
| ट्वालयिष्यते | ट्वालयिष्येथे | ट्वालयिष्येथे |
| ट्वालयिष्ये | ट्वालयिष्यावहे | ट्वालयिष्यामहे |
| क्रि० अट्वालयिष्यत् | अट्वालयिष्येताम् | अट्वालयिष्यन्त |
| अट्वालयिष्यथाः | अट्वालयिष्येथाम् | अट्वालयिष्येष्वम् |
| अट्वालयिष्ये | अट्वालयिष्यावहि | अट्वालयिष्यामहि |

976 षल (स्थल्) स्थाने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | स्थालयति | स्थालयतः | स्थालयन्ति |
| | स्थालयामि | स्थालयथः | स्थालयथ |
| | स्थालयामि | स्थालयावः | स्थालयामः |
| स० | स्थालयेत् | स्थालयेताम् | स्थालयेयुः |
| | स्थालयेः | स्थालयेतम् | स्थालयेत |
| | स्थालयेयम् | स्थालयेव | स्थालयेम |
| प० | स्थालयतु | स्थालयतात् | स्थालयताम् |
| | स्थालयः | स्थालयतात् | स्थालयतम् |
| | स्थालयानि | स्थालयाव | स्थालयाम |
| ह्य० | अस्थालयत् | अस्थालयताम् | अस्थालयन् |
| | अस्थालयः | अस्थालयतम् | अस्थालयत |
| | अस्थालयम् | अस्थालयाव | अस्थालयाम |
| अ० | अतिष्ठत् | अतिष्ठताम् | अतिष्ठन् |
| | अतिष्ठलः | अतिष्ठलतम् | अतिष्ठलत |
| | अतिष्ठलम् | अतिष्ठलाव | अतिष्ठलाम |
| प० | स्थालयाञ्चकार | स्थालयाञ्चकतुः | स्थालयाञ्चकुः |
| | स्थालयाञ्चकथं | स्थालयाञ्चकथुः | स्थालयाञ्चक |
| | स्थालयाञ्चकार-चकर | स्थालयाञ्चकृव | स्थालयाञ्चकृम |
| | स्थालयाञ्चभूव | स्थालयाभास | |
| आ० | स्थाल्यात् | स्थाल्यास्ताम् | स्थाल्यासुः |
| | स्थाल्याः | स्थाल्यास्तम् | स्थाल्यास्त |
| | स्थाल्यासम् | स्थाल्यास्व | स्थाल्यास्म |
| श्र० | स्थालयिता | स्थालयितारौ | स्थालयितारः |
| | स्थालयितासि | स्थालयिताथः | स्थालयितास्थ |
| | स्थालयितास्मि | स्थालयितास्वः | स्थालयितास्मः |
| भ० | स्थालयिष्यति | स्थालयिष्यतः | स्थालयिष्यन्ति |
| | स्थालयिष्यसि | स्थालयिष्यथः | स्थालयिष्यथ |
| | स्थालयिष्यामि | स्थालयिष्यावः | स्थालयिष्यामः |
| क्रि० | अस्थालयिष्यत् | अस्थालयिष्यताम् | अस्थालयिष्यन् |
| | अस्थालयिष्यः | अस्थालयिष्यतम् | अस्थालयिष्यत |
| | अस्थालयिष्यम् | अस्थालयिष्याव | अस्थालयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्थालयते | स्थालयेते | स्थालयन्ते |
| | स्थालयसे | स्थालयेथे | स्थालयध्वे |
| | स्थालये | स्थालयावहे | स्थालयामहे |
| स० | स्थालयेत | स्थालयेयाताम् | स्थालयेरन् |
| | स्थालयेथाः | स्थालयेयाथाम् | स्थालयेध्वम् |
| | स्थालयेय | स्थालयेवहि | स्थालयेमहि |
| प० | स्थालयताम् | स्थालयेताम् | स्थालयन्ताम् |
| | स्थालयस्व | स्थालयेथाम् | स्थालयध्वम् |
| | स्थालये | स्थालयावहे | स्थालयामहे |
| श्र० | अस्थालयत | अस्थालयेताम् | अस्थालयन्त |
| | अस्थालयथाः | अस्थालयेथाम् | अस्थालयध्वम् |
| | अस्थालये | अस्थालयावहि | अस्थालयामहि |
| अ० | अतिष्ठलत | अतिष्ठलेताम् | अतिष्ठलन्त |
| | अतिष्ठलथाः | अतिष्ठलेथाम् | अतिष्ठलध्वम् |
| | अतिष्ठले | अतिष्ठलावहि | अतिष्ठलामहि |
| प० | स्थालयाञ्चक्रे | स्थालयाञ्चकृते | स्थालयाञ्चकृरे |
| | स्थालयाञ्चकृषे | स्थालयाञ्चकृषे | स्थालयाञ्चकृद्वे |
| | स्थालयाञ्चक्रे | स्थालयाञ्चकृवहे | स्थालयाञ्चकृमहे |
| | स्थालयाञ्चभूव | स्थालयाभास | |
| आ० | स्थालयिषीष्ट | स्थालयिषीयास्ताम् | स्थालयिषीगन् |
| | स्थालयिषीष्टाः | स्थालयिषीयास्थाम् | स्थालयिषीध्वम् |
| | स्थालयिषीय | स्थालयिषीवहि | स्थालयिषीमहि |
| श्र० | स्थालयिता | स्थालयितारौ | स्थालयितारः |
| | स्थालयितासे | स्थालयितासाथे | स्थालयिताध्वे |
| | स्थालयिताहे | स्थालयितास्वहे | स्थालयितास्महे |
| भ० | अस्थालयिष्यते | अस्थालयिष्येते | अस्थालयिष्यन्ते |
| | अस्थालयिष्यसे | अस्थालयिष्येथे | अस्थालयिष्यध्वे |
| | अस्थालयिष्ये | अस्थालयिष्यावहे | अस्थालयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्थालयिष्यत | अस्थालयिष्येताम् | अस्थालयिष्यन्त |
| | अस्थालयिष्यथाः | अस्थालयिष्येथाम् | अस्थालयिष्यध्वम् |
| | अस्थालयिष्ये | अस्थालयिष्यावहि | अस्थालयिष्यामहि |

977 हल (हल्) विलेखने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | हालयति | हालयतः | हालयन्ति |
| | हालयसि | हालयथः | हालयथ |
| | हालयामि | हालयावः | हालयामः |
| स० | हालयेत् | हालयेताम् | हालयेयुः |
| | हालयेः | हालयेतम् | हालयेत |
| | हालयेयम् | हालयेव | हालयेम |
| प० | हालयतु | हालयतात् | हालयताम् |
| | हालय | हालयतात् | हालयतम् |
| | हालयानि | हालयाव | हालयाम |
| ह्य० | अहालयत् | अहालयताम् | अहालयन् |
| | अहालयः | अहालयतम् | अहालयत |
| | अहालयम् | अहालयाव | अहालयाम |
| अ० | अजीहलत् | अजीहलताम् | अजीहलन् |
| | अजीहलः | अजीहलतम् | अजीहलत |
| | अजीहलम् | अजीहलाव | अजीहलाम |
| प० | हालयाञ्चकार | हालयाञ्चकतुः | हालयाञ्चकुः |
| | हालयाञ्चकथे | हालयाञ्चकथुः | हालयाञ्चक |
| | हालयाञ्चकार-चकर | हालयाञ्चकृव | हालयाञ्चकृम |
| | हालयाञ्चभूव | हालयामास | |
| आ० | हाल्यात् | हाल्यास्ताम् | हाल्यासुः |
| | हाल्याः | हाल्यास्तम् | हाल्यास्त |
| | हाल्यासम् | हाल्यास्व | हाल्यास्म |
| श्र० | हालयिता | हालयितारौ | हालयितारः |
| | हालयितासि | हालयितास्थः | हालयिताथ |
| | हालयितास्मि | हालयितास्वः | हालयितास्मः |
| भ० | हालयिष्यति | हालयिष्यतः | हालयिष्यन्ति |
| | हालयिष्यसि | हालयिष्यथः | हालयिष्यथ |
| | हालयिष्यामि | हालयिष्यावः | हालयिष्यामः |
| क्रि० | अहालयिष्यत् | अहालयिष्यताम् | अहालयिष्यन् |
| | अहालयिष्यः | अहालयिष्यतम् | अहालयिष्यत |
| | अहालयिष्यम् | अहालयिष्याव | अहालयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हालयते | हालयते | हालयन्ते |
| | हालयसे | हालयथे | हालयध्वे |
| | हालये | हालयावहे | हालयामहे |
| स० | हालयेत | हालयेयाताम् | हालयेरन् |
| | हालयेथाः | हालयेयाथाम् | हालयेध्वम् |
| | हालयेय | हालयेवहि | हालयेमहि |
| प० | हालयताम् | हालयेताम् | हालयन्ताम् |
| | हालयस्व | हालयेथाम् | हालयध्वम् |
| | हालये | हालयावहे | हालयामहे |
| ह्य० | अहालयत | अहालयेताम् | अहालयन्त |
| | अहालयथाः | अहालयेथाम् | अहालयध्वम् |
| | अहालये | अहालयावहि | अहालयामहि |
| अ० | अजीहलत | अजीहलेताम् | अजीहलन्त |
| | अजीहलथाः | अजीहलेथाम् | अजीहलध्वम् |
| | अजीहले | अजीहलावहि | अजीहलामहि |
| प० | हालयाञ्चके | हालयाञ्चकाते | हालयाञ्चकिरे |
| | हालयाञ्चकृषे | हालयाञ्चकृषे | हालयाञ्चकृद्वे |
| | हालयाञ्चके | हालयाञ्चकृवहे | हालयाञ्चकृमहे |
| | हालयाञ्चभूव | हालयामास | |
| आ० | हालयिषीष्ट | हालयिषीयास्ताम् | हालयिषीरन् |
| | हालयिषीष्टाः | हालयिषीयाथाम् | हालयिषीद्वम् |
| | हालयिषीथ | हालयिषीवहि | हालयिषीमहि |
| श्र० | हालयिता | हालयितारौ | हालयितारः |
| | हालयितासे | हालयितासाथे | हालयिताध्वे |
| | हालयिताहे | हालयितास्वहे | हालयितास्महे |
| भ० | हालयिष्यते | हालयिष्येते | हालयिष्यन्ते |
| | हालयिष्यसे | हालयिष्येथे | हालयिष्यध्वे |
| | हालयिष्ये | हालयिष्यावहे | हालयिष्यामहे |
| क्रि० | अहालयिष्यत | अहालयिष्येताम् | अहालयिष्यन्त |
| | अहालयिष्यथाः | अहालयिष्येथाम् | अहालयिष्यध्वम् |
| | अहालयिष्ये | अहालयिष्यावहि | अहालयिष्यामहि |

978 णल (नल्) गन्धे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | नालयति | नालयतः | नालयन्ति |
| | नालयसि | नालयथः | नालयथ |
| | नालयामि | नालयावः | नालयामः |
| स० | नालयेत् | नालयेताम् | नालयेयुः |
| | नालयेः | नालयेतम् | नालयेत |
| | नालयेयम् | नालयेव | नालयेम |
| प० | नालयतु | नालयतात् | नालयताम् |
| | नालय | नालयतात् | नालयतम् |
| | नालयानि | नालयाव | नालयाम |
| ह्य० | अनालयत् | अनालयताम् | अनालयन् |
| | अनालयः | अनालयतम् | अनालयत |
| | अनालयम् | अनालयाव | अनालयाम |
| अ० | अनीनलत् | अनीनलताम् | अनीनलन् |
| | अनीनलः | अनीनलतम् | अनीनलत |
| | अनीनलम् | अनीनलाव | अनीनलाम |
| प० | नालयाञ्चकार | नालयाञ्चकतुः | नालयाञ्चकुः |
| | नालयाञ्चकर्थ | नालयाञ्चकथुः | नालयाञ्चक |
| | नालयाञ्चकार-चकर | नालयाञ्चकृव | नालयाञ्चकृम |
| | नालयाञ्चभूव | नालयामास | |
| आ० | नाल्यात् | नाल्यास्ताम् | नाल्यासुः |
| | नाल्याः | नाल्यास्तम् | नाल्यास्त |
| | नाल्यासम् | नाल्यास्व | नाल्यास्म |
| | नालयिता | नालयितारौ | नालयितारः |
| | नालयितासि | नालयितास्थः | नालयितास्थ |
| | नालयितास्मि | नालयितास्वः | नालयितास्मः |
| भ० | नालयिष्यति | नालयिष्यतः | नालयिष्यन्ति |
| | नालयिष्यसि | नालयिष्यथः | नालयिष्यथ |
| | नालयिष्यामि | नालयिष्यावः | नालयिष्यामः |
| क्रि० | अनालयिष्यत् | अनालयिष्यताम् | अनालयिष्यन् |
| | अनालयिष्यः | अनालयिष्यतम् | अनालयिष्यत |
| | अनालयिष्यम् | अनालयिष्याव | अनालयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-------------------|----------------|
| व० | नालयते | नालयेते | नालयन्ते |
| | नालयसे | नालयेथे | नालयध्वे |
| | नालये | नालयावहे | नालयामहे |
| स० | नालयेत | नालयेयाताम् | नालयेरन् |
| | नालयेथाः | नालयेयाधाम् | नालयेध्वम् |
| | नालयेय | नालयेवहि | नालयेमहि |
| प० | नालयताम् | नालयेताम् | नालयन्ताम् |
| | नालयस्व | नालयेथाम् | नालयध्वम् |
| | नालये | नालयावहे | नालयामहे |
| ह्य० | अनालयत | अनालयेताम् | अनालयन्त |
| | अनालयथाः | अनालयेथाम् | अनालयध्वम् |
| | अनालये | अनालयावहि | अनालयामहि |
| अ० | अनीनलत | अनीनलेताम् | अनीनलन्त |
| | अनीनलथाः | अनीनलेथाम् | अनीनलध्वम् |
| | अनीनले | अनीनलावहि | अनीनलामहि |
| प० | नालयाञ्चके | नालयाञ्चकृते | नालयाञ्चकृरे |
| | नालयाञ्चकृषे | नालयाञ्चकृथे | नालयाञ्चकृध्वे |
| | नालयाञ्चके | नालयाञ्चकृवहे | नालयाञ्चकृमहे |
| | नालयाञ्चभूव | नालयामास | |
| आ० | नालयिषीष्ट | नालयिषीष्टास्ताम् | नालयिषीरन् |
| | नालयिषीष्टाः | नालयिषीष्टास्थाम् | नालयिषीध्वम् |
| | नालयिषीय | नालयिषीवहि | नालयिषीमहि |
| श्र० | नालयिता | नालयितारौ | नालयितारः |
| | नालयितासे | नालयितास्थे | नालयिताध्वे |
| | नालयिताहे | नालयितास्वहे | नालयितास्महे |
| भ० | नालयिष्यते | नालयिष्येते | नालयिष्यन्ते |
| | नालयिष्यसे | नालयिष्येथे | नालयिष्यध्वे |
| | नालयिष्ये | नालयिष्यावहे | नालयिष्यामहे |
| क्रि० | अनालयिष्यत | अनालयिष्येताम् | अनालयिष्यन्त |
| | अनालयिष्यथाः | अनालयिष्येथाम् | अनालयिष्यध्वम् |
| | अनालयिष्ये | अनालयिष्यावहि | अनालयिष्यामहि |

१७७ बल् (बल्) प्राणनयान्यावरोधयोः ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० बालयति | बालयतः | बालयन्ति |
| बालयसि | बालयथः | बालयथ |
| बालयामि | बालयावः | बालयामः |
| स० बालयेत् | बालयेताम् | बालयेयुः |
| बालयेः | बालयेतम् | बालयेत |
| बालयेयम् | बालयेव | बालयेम |
| प० बालयतु | बालयतात् | बालयताम् |
| बालय | बालयतात् | बालयतम् |
| बालयानि | बालयाव | बालयाम |
| ह्य० अबालयत् | अबालयताम् | अबालयन् |
| अबालयः | अबालयतम् | अबालयत |
| अबालयम् | अबालयाव | अबालयाम |
| अ० अबीबलत् | अबीबलताम् | अबीबलन् |
| अबीबलः | अबीबलतम् | अबीबलत |
| अबीबलम् | अबीबलाव | अबीबलाम |
| प० बालयाञ्चकार | बालयाञ्चकतुः | बालयाञ्चकुः |
| बालयाञ्चकर्थ | बालयाञ्चकथुः | बालयाञ्चक |
| बालयाञ्चकार-चकर | बालयाञ्चकृव | बालयाञ्चकृम |
| बालयाम्बभूव | । | बालयामास |
| आ० बाल्यात् | बाल्यास्ताम् | बाल्यासुः |
| बाल्याः | बाल्यास्तम् | बाल्यास्त |
| बाल्यासम् | बाल्यास्व | बाल्यास्म |
| भ० बालयिता | बालयितारौ | बालयितारः |
| बालयितासि | बालयितास्थः | बालयितास्थ |
| बालयितास्मि | बालयितास्वः | बालयितास्मः |
| भ० बालयिष्यति | बालयिष्यतः | बालयिष्यन्ति |
| बालयिष्यसि | बालयिष्यथः | बालयिष्यथ |
| बालयिष्यामि | बालयिष्यावः | बालयिष्यामः |
| क्रि० अबालयिष्यत् | अबालयिष्यताम् | अबालयिष्यन् |
| अबालयिष्यः | अबालयिष्यतम् | अबालयिष्यत |
| अबालयिष्यम् | अबालयिष्याव | अबालयिष्याम |

| | | |
|------------------|-------------------|-----------------|
| ब० बालयते | बालयेते | बालयन्ते |
| बालयसे | बालयेथे | बालयध्वे |
| बालये | बालयावहे | बालयामहे |
| स० बालयेत | बालयेयाताम् | बालयेरन् |
| बालयेथाः | बालयेयाथाम् | बालयेध्वम् |
| बालयेय | बालयेवहि | बालयेमहि |
| प० बालयताम् | बालयेताम् | बालयन्ताम् |
| बालयस्व | बालयेथाम् | बालयध्वम् |
| बालयै | बालयावहै | बालयामहै |
| ह्य० अबालयत | अबालयेताम् | अबालयन्त |
| अबालयथाः | अबालयेथाम् | अबालयध्वम् |
| अबालये | अबालयावहि | अबालयामहि |
| अ० अबीबलत् | अबीबलेताम् | अबीबलन्त |
| अबीबलथाः | अबीबलेथाम् | अबीबलध्वम् |
| अबीबले | अबीबलावहि | अबीबलामहि |
| प० बालयाञ्चक्रे | बालयाञ्चक्राते | बालयाञ्चक्रिरे |
| बालयाञ्चकृषे | बालयाञ्चक्राथे | बालयाञ्चकृद्वे |
| बालयाञ्चक्रे | बालयाञ्चकृवहे | बालयाञ्चकृमहे |
| बालयाम्बभूव | । | बालयामास |
| आ० बालयिषीष्ट | बालयिषीष्टास्ताम् | बालयिषीरन् |
| बालयिषीष्टाः | बालयिषीष्टास्थाम् | बालयिषीष्टध्वम् |
| बालयिषीय | बालयिषीवहि | बालयिषीमहि |
| भ० बालयिता | बालयितारौ | बालयितारः |
| बालयितासे | बालयितासाथे | बालयिताध्वे |
| बालयिताहे | बालयितास्वहे | बालयितास्महे |
| भ० बालयिष्यते | बालयिष्येते | बालयिष्यन्ते |
| बालयिष्यसे | बालयिष्येथे | बालयिष्यध्वे |
| बालयिष्ये | बालयिष्यावहे | बालयिष्यामहे |
| क्रि० अबालयिष्यत | अबालयिष्येताम् | अबालयिष्यन्त |
| अबालयिष्यथाः | अबालयिष्येथाम् | अबालयिष्यध्वम् |
| अबालयिष्ये | अबालयिष्यावहि | अबालयिष्यामहि |

980 पुल (पुल) महत्त्वे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|--------------|
| ब० | पोलयति | पोलयतः | पोलयन्ति |
| | पोलयसि | पोलयथः | पोलयथ |
| | पोल्यामि | पोल्यावः | पोल्यामः |
| स० | पोलयेत् | पोलयेताम् | पोलयेयुः |
| | पोलयेः | पोलयेतम् | पोलयेत |
| | पोलयेयम् | पोलयेव | पोलयेम |
| प० | पोलयतु | पोलयतात् | पोलयताम् |
| | पोलय | पोलयतात् | पोलयतम् |
| | पोल्यानि | पोल्याव | पोल्याम |
| ह्य० | अपोलयत् | अपोलयताम् | अपोलयन् |
| | अपोलयः | अपोलयतम् | अपोलयत |
| | अपोलयम् | अपोल्याव | अपोल्याम |
| अ० | अपूपुलत् | अपूपुलताम् | अपूपुलन् |
| | अपूपुलः | अपूपुलतम् | अपूपुलत |
| | अपूपुलम् | अपूपुलाव | अपूपुलाम |
| प० | पोल्याश्चकार | पोल्याश्चक्रुः | पोल्याश्चकुः |
| | पोल्याश्चकर्ष | पोल्याश्चक्रुः | पोल्याश्चक |
| | पोल्याश्चकार-चकर | पोल्याश्चकृव | पोल्याश्चकृम |
| | पोल्याम्बभूव | पोल्यामास | |
| भा० | पोल्यात् | पोल्यास्ताम् | पोल्यासुः |
| | पोल्याः | पोल्यास्तम् | पोल्यास्त |
| | पोल्यासम् | पोल्यास्व | पोल्यास्म |
| भ० | पोलयिता | पोलयितारौ | पोलयितारः |
| | पोलयितासि | पोलयितास्थः | पोलयितास्थ |
| | पोलयितास्मि | पोलयितास्वः | पोलयितास्मः |
| भ० | पोलयिष्यति | पोलयिष्यतः | पोलयिष्यन्ति |
| | पोलयिष्यसि | पोलयिष्यथः | पोलयिष्यथ |
| | पोलयिष्यामि | पोलयिष्यावः | पोलयिष्यामः |
| क्रि० | अपोलयिष्यत् | अपोलयिष्यताम् | अपोलयिष्यन् |
| | अपोलयिष्यः | अपोलयिष्यतम् | अपोलयिष्यत |
| | अपोलयिष्यम् | अपोलयिष्याव | अपोलयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| ब० | पोलयते | पोलयेते | पोलयन्ते |
| | पोलयसे | पोलयेथे | पोलयध्वे |
| | पोलये | पोलयावहे | पोलयामहे |
| स० | पोलयेत | पोलयेयाताम् | पोलयेरन् |
| | पोलयेथाः | पोलयेयाथाम् | पोलयेध्वम् |
| | पोलयेथ | पोलयेवहि | पोलयेमहि |
| प० | पोलयताम् | पोलयेताम् | पोलयन्ताम् |
| | पोलयस्व | पोलयेथाम् | पोलयध्वम् |
| | पोलये | पोलयावहे | पोलयामहे |
| ह्य० | अपोलयत | अपोलयेताम् | अपोलयन्त |
| | अपोलयथाः | अपोलयेथाम् | अपोलयध्वम् |
| | अपोलये | अपोलयावहि | अपोलयामहि |
| अ० | अपूपुलत | अपूपुलेताम् | अपूपुलन्त |
| | अपूपुलथाः | अपूपुलेथाम् | अपूपुलध्वम् |
| | अपूपुले | अपूपुलावहि | अपूपुलामहि |
| प० | पोल्याश्चक्रे | पोल्याश्चकृते | पोल्याश्चक्रिरे |
| | पोल्याश्चकृषे | पोल्याश्चक्राथे | पोल्याश्चकृध्वे |
| | पोल्याश्चक्रे | पोल्याश्चकृवहे | पोल्याश्चकृमहे |
| | पोल्याम्बभूव | पोल्यामास | |
| आ० | पोलयिषीष्ट | पोलयिषीयास्ताम् | पोलयिषीरन् |
| | पोलयिषीष्ठाः | पोलयिषीयास्थाम् | पोलयिषीड्वम् |
| | पोलयिषीय | पोलयिषीवहि | पोलयिषीमहि |
| श्व० | पोलयिता | पोलयितारौ | पोलयितारः |
| | पोलयितासे | पोलयितासाथे | पोलयिताध्वे |
| | पोलयिताहे | पोलयितास्वहे | पोलयितास्महे |
| भ० | पोलयिष्यते | पोलयिष्येते | पोलयिष्यन्ते |
| | पोलयिष्यसे | पोलयिष्येथे | पोलयिष्यध्वे |
| | पोलयिष्ये | पोलयिष्यावहे | पोलयिष्यामहे |
| क्रि० | अपोलयिष्यत् | अपोलयिष्येताम् | अपोलयिष्यन्त |
| | अपोलयिष्यथाः | अपोलयिष्येथाम् | अपोलयिष्यध्वम् |
| | अपोलयिष्ये | अपोलयिष्यावहि | अपोलयिष्यामहि |

११८। कुल (कुल्) संस्त्यानयोः ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| ब० | कोलयति | कोलयतः | कोलयन्ति |
| | कोलयसि | कोलयथः | कोलयथ |
| | कोलयामि | कोलयावः | कोलयामः |
| स० | कोलयेत् | कोलयेताम् | कोलयेयुः |
| | कोलयेः | कोलयेतम् | कोलयेत |
| | कोलयेयम् | कोलयेव | कोलयेम |
| प० | कोलयतु | कोलयतात् | कोलयताम् |
| | कोलय | कोलयतात् | कोलयतम् |
| | कोलयानि | कोलयाव | कोलयाम |
| ह्य० | अकोलयत् | अकोलयताम् | अकोलयन् |
| | अकोलयः | अकोलयतम् | अकोलयत |
| | अकोलयम् | अकोलयाव | अकोलयाम |
| भ० | अचूकुलत् | अचूकुलताम् | अचूकुलन् |
| | अचूकुलः | अचूकुलतम् | अचूकुलत |
| | अचूकुलम् | अचूकुलाव | अचूकुलाम |
| प० | कोलयाञ्चकार | कोलयाञ्चक्रतुः | कोलयाञ्चक्रुः |
| | कोलयाञ्चकथं | कोलयाञ्चक्रुः | कोलयाञ्चक्र |
| | कोलयाञ्चकार-चकर | कोलयाञ्चकृच | कोलयाञ्चकृम |
| | कोलयाञ्चभूव | कोलयामास | |
| भा० | कोल्यात् | कोल्यास्ताम् | कोल्यासुः |
| | कोल्याः | कोल्यास्तम् | कोल्यास्त |
| | कोल्यासम् | कोल्यास्व | कोल्यासम |
| श्व० | कोलयिता | कोलयितारौ | कोलयितारः |
| | कोलयितासि | कोलयितासथे | कोलयितासथ |
| | कोलयितासिम् | कोलयितासवः | कोलयितासमः |
| भ० | कोलयिष्यति | कोलयिष्यतः | कोलयिष्यन्ति |
| | कोलयिष्यसि | कोलयिष्यथः | कोलयिष्यथ |
| | कोलयिष्यामि | कोलयिष्यावः | कोलयिष्यामः |
| क्रि० | अकोलयिष्यत् | अकोलयिष्यताम् | अकोलयिष्यन् |
| | अकोलयिष्यः | अकोलयिष्यतम् | अकोलयिष्यत |
| | अकोलयिष्यम् | अकोलयिष्याव | अकोलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | कोलयते | कोलयेते | कोलयन्ते |
| | कोलयसे | कोलयेथे | कोलयध्वे |
| | कोलये | कोलयावहे | कोलयामहे |
| स० | कोलयेत | कोलयेताताम् | कोलयेरन् |
| | कोलयेथाः | कोलयेथाताम् | कोलयेध्वम् |
| | कोलयेय | कोलयेवहि | कोलयेमहि |
| प० | कोलयताम् | कोलयेताम् | कोलयन्ताम् |
| | कोलयस्व | कोलयेथाम् | कोलयध्वम् |
| | कोलये | कोलयावहे | कोलयामहे |
| ह्य० | अकोलयत | अकोलयेताम् | अकोलयन्त |
| | अकोलयथाः | अकोलयेथाम् | अकोलयध्वम् |
| | अकोलये | अकोलयावहि | अकोलयामहि |
| भ० | अचूकुलत | अचूकुलेताम् | अचूकुलन्त |
| | अचूकुलथाः | अचूकुलेथाम् | अचूकुलध्वम् |
| | अचूकुले | अचूकुलावहि | अचूकुलामहि |
| प० | कोलयाञ्चके | कोलयाञ्चकाते | कोलयाञ्चक्रिरे |
| | कोलयाञ्चकृषे | कोलयाञ्चक्राये | कोलयाञ्चकृढ्वे |
| | कोलयाञ्चके | कोलयाञ्चकृवहे | कोलयाञ्चकृमहे |
| | कोलयाञ्चभूव | कोलयामास | |
| आ० | कोलयिषीष्ट | कोलयिषीष्टताम् | कोलयिषीरन् |
| | कोलयिषीष्टाः | कोलयिषीष्टाताम् | कोलयिषीढ्वम् |
| | कोलयिषीय | कोलयिषीवहि | कोलयिषीमहि |
| श्व० | कोलयिता | कोलयितारौ | कोलयितारः |
| | कोलयितासे | कोलयितासाथे | कोलयितासव |
| | कोलयिताहे | कोलयितासवहे | कोलयितासमहे |
| भ० | कोलयिष्यते | कोलयिष्येते | कोलयिष्यन्ते |
| | कोलयिष्यसे | कोलयिष्येथे | कोलयिष्यध्वे |
| | कोलयिष्ये | कोलयिष्यावहे | कोलयिष्यामहे |
| क्रि० | अकोलयिष्यत् | अकोलयिष्येताम् | अकोलयिष्यन्त |
| | अकोलयिष्यथाः | अकोलयिष्येथाम् | अकोलयिष्यध्वम् |
| | अकोलयिष्ये | अकोलयिष्यावहि | अकोलयिष्यामहि |

982 पल (पल्) गतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० पालयति | पालयतः | पालयन्ति |
| पालयसि | पालयथः | पालयथ |
| पालयामि | पालयावः | पालयामः |
| स० पालयेत् | पाळयेताम् | पालयेयुः |
| पालयेः | पालयेतम् | पालयेत |
| पालयेयम् | पालयेद | पालयेम |
| प० पालयतु | पालयतात् | पालयताम् |
| पालय | पालयतात् | पालयतम् |
| पालयानि | पालयाव | पालयाम |
| श० अपालयत् | अपालयताम् | अपालयन् |
| अपालयः | अपालयतम् | अपालयत |
| अपालयम् | अपालयाव | अपालयाम |
| अ० अपीपलत् | अपीपलताम् | अपीपलन् |
| अपीपलः | अपीपलतम् | अपीपलत |
| अपीपलम् | अपीपलाव | अपीपलाम |
| प० पालयाञ्चकार | पालयाञ्चकतुः | पालयाञ्चकुः |
| पालयाञ्चकर्थ | पालयाञ्चकथुः | पालयाञ्चक |
| पालयाञ्चकार-चकर | पालयाञ्चकृव | पालयाञ्चकृम |
| पालयाम्बभूव | पालयामास | |
| १० पाल्यान् | पाल्यास्ताम् | पाल्यासुः |
| पाल्याः | पाल्यास्तम् | पाल्यास्त |
| पाल्यासम् | पाल्यास्व | पाल्यास्म |
| श० पालयिता | पालयितारौ | पालयितारः |
| पालयितासि | पालयितास्यः | पालयितास्थ |
| पालयितास्मि | पालयितास्वः | पालयितास्मः |
| भ० पालयिष्यति | पालयिष्यतः | पालयिष्यन्ति |
| पालयिष्यसि | पालयिष्यथः | पालयिष्यथ |
| पालयिष्यामि | पालयिष्यावः | पालयिष्यामः |
| क्रि० अपालयिष्यत् | अपालयिष्यताम् | अपालयिष्यन् |
| अपालयिष्यः | अपालयिष्यतम् | अपालयिष्यत |
| अपालयिष्यम् | अपालयिष्याव | अपालयिष्याम |

| | | |
|------------------|-------------------|----------------|
| ब० पालयते | पालयेते | पालयन्ते |
| पालयसे | पालयेथे | पालयध्वे |
| पालये | पालयावहे | पालयामहे |
| स० पालयेत | पालयेयाताम् | पालयेरन् |
| पालयेथाः | पालयेयाशाम् | पालयेध्वम् |
| पालयेथ | पालयेवहि | पालयेमहि |
| प० पालयताम् | पालयताम् | पालयन्ताम् |
| पालयस्व | पालयेषाम् | पालयध्वम् |
| पालये | पालयावहे | पालयामहे |
| श० अपालयत | अपालयेताम् | अपालयन्त |
| अपालयथाः | अपालयेशाम् | अपालयध्वम् |
| अपालये | अपालयावहि | अपालयामहि |
| अ० अपीपलत् | अपीपलेताम् | अपीपलन्त |
| अपीपलथाः | अपीपलेशाम् | अपीपलध्वम् |
| अपीपले | अपीपलावहि | अपीपलामहि |
| प० पालयाञ्चके | पालयाञ्चकाते | पालयाञ्चकिरे |
| पालयाञ्चकृषे | पालयाञ्चकाथे | पालयाञ्चकृद्वे |
| पालयाञ्चके | पालयाञ्चकृवहे | पालयाञ्चकृमहे |
| पालयाम्बभूव | पालयामास | |
| आ० पालयिषीष्ट | पालयिषीष्टास्ताम् | पालयिषीन् |
| पालयिषीष्टाः | पालयिषीष्टास्थाम् | पालयिषीद्वम् |
| | | ५३म् |
| पालयिषीय | पालयिषीवहि | पालयिषीमहि |
| श० पालयिता | पालयितारौ | पालयितारः |
| पालयितासे | पालयितासाथे | पालयिताध्वे |
| पालयिताहे | पालयितास्वहे | पालयितास्महे |
| भ० पालयिष्यते | पालयिष्येते | पालयिष्यन्ते |
| पालयिष्यसे | पालयिष्येथे | पालयिष्यध्वे |
| पालयिष्ये | पालयिष्यावहे | पालयिष्यामहे |
| क्रि० अपालयिष्यत | अपालयिष्यताम् | अपालयिष्यन्त |
| अपालयिष्यथाः | अपालयिष्येशाम् | अपालयिष्यध्वम् |
| अपालयिष्ये | अपालयिष्यावहि | अपालयिष्यामहि |

983 फल (फल्) गतौ । 414 अिफलकृपाणि

984 शल (शल्) गतौ । 809 शलिष्यपाणि

985 हुल् (हुल्) हिंसासंवरणयोः ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| ब० | होलयति | होलयतः | होलयन्ति |
| | होलयसि | होलयथः | होलयथ |
| | होलयामि | होलयावः | होलयामः |
| स० | होलयेत् | होलयेताम् | होलयेयुः |
| | होलयेः | होलयेतम् | होलयेत |
| | होलयेयम् | होलयेव | होलयेम |
| प० | होलयतु | होलयतात् | होलयताम् |
| | होलय | होलयतात् | होलयतम् |
| | होलयानि | होलयाव | होलयाम |
| ह्य० | अहोलयत् | अहोलयताम् | अहोलयन् |
| | अहोलयः | अहोलयतम् | अहोलयत |
| | अहोलयम् | अहोलयाव | अहोलयाम |
| अ० | अजुहुलत् | अजुहुलताम् | अजुहुलन् |
| | अजुहुलः | अजुहुलतम् | अजुहुलत |
| | अजुहुलम् | अजुहुलाव | अजुहुलाम |
| प० | होल्याश्चकार | होल्याश्चक्रतुः | होल्याश्चक्रुः |
| | होल्याश्चकथं | होल्याश्चकथुः | होल्याश्चक |
| | होल्याश्चकार-चकर | होल्याश्चकृव | होल्याश्चकृम |
| | होल्याम्बभूव | होल्यामास | |
| आ० | होल्यात् | होल्यास्ताम् | होल्यासुः |
| | होल्याः | होल्यास्तम् | होल्यास्त |
| | होल्यासम् | होल्यास्व | होल्यास्म |
| श्र० | होलयिता | होलयितारौ | होलयितारः |
| | होलयितामि | होलयितास्थः | होलयितास्थ |
| | होलयितारिम | होलयितास्वः | होलयितास्मः |
| अ० | होलयिष्यति | होलयिष्यतः | होलयिष्यन्ति |
| | होलयिष्यसि | होलयिष्यथः | होलयिष्यथ |
| | होलयिष्यामि | होलयिष्यावः | होलयिष्यामः |
| क्रि० | अहोलयिष्यत् | अहोलयिष्यताम् | अहोलयिष्यन् |
| | अहोलयिष्यः | अहोलयिष्यतम् | अहोलयिष्यत |
| | अहोलयिष्यम् | अहोलयिष्याव | अहोलयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| ब० | होलयते | होलयेते | होलयन्ते |
| | होलयसे | होलयेथे | होलयध्वे |
| | होलये | होलयावहे | होलयामहे |
| स० | होलयेत | होलयेयाताम् | होलयेयन् |
| | होलयेथाः | होलयेयाथाम् | होलयेध्वम् |
| | होलयेय | होलयेवहि | होलयेमहि |
| प० | होलयताम् | होलयेताम् | होलयन्ताम् |
| | होलयस्व | होलयेथाम् | होलयध्वम् |
| | होलये | होलयावहे | होलयामहे |
| ह्य० | अहोलयत | अहोलयेताम् | अहोलयन्त |
| | अहोलयथाः | अहोलयेथाम् | अहोलयध्वम् |
| | अहोलये | अहोलयावहि | अहोलयामहि |
| अ० | अजुहुलत् | अजुहुलेताम् | अजुहुलन्त |
| | अजुहुलथाः | अजुहुलेथाम् | अजुहुलध्वम् |
| | अजुहुले | अजुहुलावहि | अजुहुलामहि |
| प० | होल्याश्चके | होल्याश्चक्रते | होल्याश्चक्रिरे |
| | होल्याश्चकृथे | होल्याश्चक्राथे | होल्याश्चकृव |
| | होल्याश्चके | होल्याश्चकृवहे | होल्याश्चकृमहे |
| | होल्याम्बभूव | होल्यामास | |
| आ० | होलयिषीष्ट | होलयिषीयास्ताम् | होलयिषीन् |
| | होलयिषीष्ठाः | होलयिषीयास्थाम् | होलयिषीध्वम् |
| | होलयिषीय | होलयिषीवहि | होलयिषीमहि |
| श्र० | होलयिता | होलयितारौ | होलयितारः |
| | होलयितासे | होलयितासाथे | होलयिताध्वे |
| | होलयिताहे | होलयितावहे | होलयितामहे |
| अ० | होलयिष्यते | होलयिष्येते | होलयिष्यन्ते |
| | होलयिष्यसे | होलयिष्येथे | होलयिष्यध्वे |
| | होलयिष्ये | होलयिष्यावहे | होलयिष्यामहे |
| क्रि० | अहोलयिष्यत् | अहोलयिष्येताम् | अहोलयिष्यन्त |
| | अहोलयिष्यथाः | अहोलयिष्येथाम् | अहोलयिष्यध्वम् |
| | अहोलयिष्ये | अहोलयिष्यावहि | अहोलयिष्यामहि |

986 कृशं (कृश) आह्वानरोदनयोः ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| १० कृशयति | कृशयतः | कृशयन्ति |
| कृशयसि | कृशयथः | कृशयथ |
| कृशयामि | कृशयावः | कृशयामः |
| स० कृशयेत् | कृशयेताम् | कृशयेयुः |
| कृशयेः | कृशयेतम् | कृशयेत |
| कृशयेयम् | कृशयेव | कृशयेम |
| प० कृशयतु | कृशयतात् | कृशयताम् |
| कृशय | कृशयतात् | कृशयतम् |
| कृशयानि | कृशयाव | कृशयाम |
| ह्य० अकृशयत् | अकृशयताम् | अकृशयन् |
| अकृशयः | अकृशयतम् | अकृशयत |
| अकृशयम् | अकृशयाव | अकृशयाम |
| अ० अचुकृशत् | अचुकृशताम् | अचुकृशन् |
| अचुकृशः | अचुकृशतम् | अचुकृशत |
| अचुकृशम् | अचुकृशाव | अचुकृशाम |
| प० कृशयावकार | कृशयावकृतुः | कृशयावकृः |
| कृशयावकार्य | कृशयावकृतुः | कृशयावकृ |
| कृशयावकार-चकर | कृशयावकृव | कृशयावकृम |
| कृशयावबभूव | कृशयामास | |
| भा० कृश्यात् | कृश्यास्ताम् | कृश्यासुः |
| कृश्याः | कृश्यास्तम् | कृश्यास्त |
| कृश्यासम् | कृश्यास्व | कृश्यास्म |
| अ कृशयिता | कृशयितारौ | कृशयितारः |
| कृशयितासि | कृशयितास्यः | कृशयितास्य |
| कृशयितास्मि | कृशयितास्वः | कृशयितास्मः |
| भ० कृशयिष्यति | कृशयिष्यतः | कृशयिष्यन्ति |
| कृशयिष्यसि | कृशयिष्यथः | कृशयिष्यथ |
| कृशयिष्यामि | कृशयिष्यावः | कृशयिष्यामः |
| क्रि० अकृशयिष्यत् | अकृशयिष्यताम् | अकृशयिष्यन् |
| अकृशयिष्यः | अकृशयिष्यतम् | अकृशयिष्यत |
| अकृशयिष्यम् | अकृशयिष्याव | अकृशयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| १० कृशयते | कृशयंते | कृशयन्ते |
| कृशयसे | कृशयेथे | कृशयध्वे |
| कृशय | कृशयावहे | कृशयामहे |
| स० कृशयेत | कृशयेयाताम् | कृशयेरन् |
| कृशयेथाः | कृशयेयाथाम् | कृशयेध्वम् |
| कृशयेय | कृशयेवहि | कृशयेमहि |
| प० कृशयताम् | कृशयेताम् | कृशयन्ताम् |
| कृशयस्व | कृशयेथाम् | कृशयध्वम् |
| कृशयै | कृशयावहे | कृशयामहे |
| ह्य० अकृशयत | अकृशयेताम् | अकृशयन्त |
| अकृशयथाः | अकृशयेथाम् | अकृशयध्वम् |
| अकृशये | अकृशयावहि | अकृशयामहि |
| अ० अचुकृशत | अचुकृशेताम् | अचुकृशन्त |
| अचुकृशथाः | अचुकृशेथाम् | अचुकृशध्वम् |
| अचुकृशे | अचुकृशावहि | अचुकृशामहि |
| प० कृशयावकृके | कृशयावकृकते | कृशयावकृकिरे |
| कृशयावकृकषे | कृशयावकृकये | कृशयावकृकृद्वे |
| कृशयावकृके | कृशयावकृकवहे | कृशयावकृकमहे |
| कृशयावबभूव | कृशयामास | |
| भा० कृशयिषीष्ट | कृशयिषीयास्ताम् | कृशयिषीरन् |
| कृशयिषीष्टाः | कृशयिषीयास्थाम् | कृशयिषीध्वम् |
| कृशयिषीय | कृशयिषीवहि | कृशयिषीमहि |
| श्व० कृशयिता | कृशयितारौ | कृशयितारः |
| कृशयितासे | कृशयितासाथे | कृशयिताध्वे |
| कृशयिताहे | कृशयितास्वहे | कृशयितास्महे |
| भ० कृशयिष्यते | कृशयिष्येते | कृशयिष्यन्ते |
| कृशयिष्यसे | कृशयिष्येथे | कृशयिष्यध्वे |
| कृशयिष्ये | कृशयिष्यवहे | कृशयिष्यामहे |
| क्रि० अकृशयिष्यत | अकृशयिष्येताम् | अकृशयिष्यन्त |
| अकृशयिष्यथाः | अकृशयिष्येथाम् | अकृशयिष्यध्वम् |
| अकृशयिष्ये | अकृशयिष्यवहि | अकृशयिष्यामहि |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे निगन्तप्रक्रिया (९१९)

१८७ कस (कस्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-------------------|---------------|---------------|
| व० | कासयति | कासयतः | कासयन्ति |
| | कासयसि | कासयथः | कासयथ |
| | कासयामि | कासयावः | कासयामः |
| स० | कासयेत् | कासयेताम् | कासयेयुः |
| | कासयेः | कासयेतम् | कासयेत |
| | कासयेयम् | कासयेव | कासयेम |
| प० | कासयतु | कासयतात् | कासयताम् |
| | कासय | कासयतात् | कासयताम् |
| | कासयानि | कासयाव | कासयाम |
| ह्य० | अकासयत् | अकासयताम् | अकासयन् |
| | अकासयः | अकासयतम् | अकासयत |
| | अकासयम् | अकासयाव | अकासयाम |
| अ० | अचीकसत् | अचीकसताम् | अचीकसन् |
| | अचीकसः | अचीकसतम् | अचीकसत |
| | अचीकसम् | अचीकसाव | अचीकसाम |
| प० | कासयाश्चकार | कासयाश्चक्रुः | कासयाश्चक्रुः |
| | कासयाश्चकथे | कासयाश्चकथुः | कासयाश्चक्र |
| | कासयाश्चकारन्त्वर | कासयाश्चक्रुव | कासयाश्चक्रुम |
| | कासयाश्चभूव | कासयामास | |
| आ० | कास्यात् | कास्यास्ताम् | कास्यासुः |
| | कास्याः | कास्यास्तम् | कास्यास्त |
| | कास्यासम् | कास्यास्व | कास्यास्म |
| श्व० | कासयिता | कासयितारौ | कासयितारः |
| | कासयितासि | कासयितास्यः | कासयितास्य |
| | कासयितास्मि | कासयितास्वः | कासयितास्म |
| भ० | कासयिष्यति | कासयिष्यतः | कासयिष्यन्ति |
| | कासयिष्यसि | कासयिष्यथः | कासयिष्यथ |
| | कासयिष्यामि | कासयिष्यावः | कासयिष्यामः |
| क्रि० | अकासयिष्यत् | अकासयिष्यताम् | अकासयिष्यन् |
| | अकासयिष्यः | अकासयिष्यतम् | अकासयिष्यत |
| | अकासयिष्यम् | अकासयिष्याव | अकासयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | कासयते | कासयेते | कासयन्ते |
| | कासयसे | कासयेथे | कासयध्वे |
| | कासये | कासयावहे | कासयामहे |
| स० | कासयेत् | कासयेयाताम् | कासयेरन् |
| | कासयेथाः | कासयेयाथाम् | कासयेध्वम् |
| | कासयेय | कासयेवहि | कासयेमहि |
| प० | कासयताम् | कासयेताम् | कासयन्ताम् |
| | कासयस्व | कासयेथाम् | कासयध्वम् |
| | कासये | कासयावहे | कासयामहे |
| ह्य० | अकासयत् | अकासयेताम् | अकासयन्त |
| | अकासयथाः | अकासयेथाम् | अकासयध्वम् |
| | अकासये | अकासयावहि | अकासयामहि |
| अ० | अचीकसत् | अचीकसेताम् | अचीकसन्त |
| | अचीकसथाः | अचीकसेथाम् | अचीकसध्वम् |
| | अचीकसे | अचीकसावहि | अचीकसामहि |
| प० | कासयाश्चक्रे | कासयाश्चक्रेते | कासयाश्चक्रिरे |
| | कासयाश्चक्रेषे | कासयाश्चक्रेथे | कासयाश्चक्रेध्वे |
| | कासयाश्चक्रे | कासयाश्चक्रेवहे | कासयाश्चक्रेमहे |
| | कासयाश्चभूव | कासयामास | |
| आ० | कासयिषीष्ट | कासयिषीयास्ताम् | कासयिषीरन् |
| | कासयिषीष्ठाः | कासयिषीयास्थाम् | कासयिषीध्वम् |
| | कासयिषीय | कासयिषीवहि | कासयिषीमहि |
| श्व० | कासयिता | कासयितारौ | कासयितारः |
| | कासयितासे | कासयितासाथे | कासयिताध्वे |
| | कासयिताहे | कासयितास्वहे | कासयितास्महे |
| भ० | कासयिष्यते | कासयिष्येते | कासयिष्यन्ते |
| | कासयिष्यसे | कासयिष्येथे | कासयिष्यध्वे |
| | कासयिष्ये | कासयिष्यावहे | कासयिष्यामहे |
| क्रि० | अकासयिष्यत् | अकासयिष्यताम् | अकासयिष्यन्त |
| | अकासयिष्यथाः | अकासयिष्येथाम् | अकासयिष्यध्वम् |
| | अकासयिष्ये | अकासयिष्यावहि | अकासयिष्यामहि |

988 रुहं (रुह्) जन्मनि ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | रोहयति | रोहयतः | रोहयन्ति |
| | रोहयति | रोहयथः | रोहयथ |
| | रोहयामि | रोहयावः | रोहयामः |
| स० | रोहयेत् | रोहयेताम् | रोहयेयुः |
| | रोहयेः | रोहयेतम् | रोहयेत |
| | रोहयेयम् | रोहयेव | रोहयेम |
| प० | रोहयतु | रोहयतात् | रोहयताम् |
| | रोहय | रोहयतात् | रोहयतम् |
| | रोहयामि | रोहयाव | रोहयाम |
| ह्य० | अरोहयत् | अरोहयताम् | अरोहयन् |
| | अरोहयः | अरोहयतम् | अरोहयत |
| | अरोहयम् | अरोहयाव | अरोहयाम |
| अ० | अरूहत् | अरूहताम् | अरूहन् |
| | अरूहः | अरूहतम् | अरूहत |
| | अरूहम् | अरूहाव | अरूहाम |
| प० | रोहयाञ्चकार | रोहयाञ्चकतुः | रोहयाञ्चकुः |
| | रोहयाञ्चकर्थ | रोहयाञ्चकथुः | रोहयाञ्चक |
| | रोहयाञ्चकार-चकर | रोहयाञ्चकव | रोहयाञ्चकृम |
| | रोहयाम्बभूव | । | रोहयामास |
| आ० | रोह्यात् | रोह्यास्ताम् | रोह्यासुः |
| | रोह्याः | रोह्यास्तम् | रोह्यास्त |
| | रोह्यासम् | रोह्यास्व | रोह्यास्म |
| श० | रोहयिता | रोहयितारौ | रोहयितारः |
| | रोहयितासि | रोहयितास्थः | रोहयितास्थ |
| | रोहयितास्मि | रोहयितास्वः | रोहयितास्मः |
| भ० | रोहयिष्यति | रोहयिष्यतः | रोहयिष्यन्ति |
| | रोहयिष्यति | रोहयिष्यथः | रोहयिष्यथ |
| | रोहयिष्यामि | रोहयिष्यावः | रोहयिष्यामः |
| क्रि० | अरोहयिष्यत् | अरोहयिष्यताम् | अरोहयिष्यन् |
| | अरोहयिष्यः | अरोहयिष्यतम् | अरोहयिष्यत |
| | अरोहयिष्यम् | अरोहयिष्याव | अरोहयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| ब० | रोहयते | रोहयते | रोहयन्ते |
| | रोहयसे | रोहयेथे | रोहयध्वे |
| | रोहये | रोहयावहे | रोहयामहे |
| स० | रोहयेत | रोहयेयाताम् | रोहयेरन् |
| | रोहयेथाः | रोहयेयथाम् | रोहयेध्वम् |
| | रोहयेय | रोहयेवहि | रोहयेमहि |
| प० | रोहयताम् | रोहयेताम् | रोहयन्ताम् |
| | रोहयस्व | रोहयेथाम् | रोहयध्वम् |
| | रोहये | रोहयावहे | रोहयामहे |
| ह्य० | अरोहयत | अरोहयेताम् | अरोहयन्त |
| | अरोहयथाः | अरोहयेथाम् | अरोहयध्वम् |
| | अरोहये | अरोहयावहि | अरोहयामहि |
| अ० | अरूहत् | अरूहेताम् | अरूहन्त |
| | अरूहथाः | अरूहेथाम् | अरूहध्वम् |
| | अरूहे | अरूहावहि | अरूहामहि |
| प० | रोहयाञ्चके | रोहयाञ्चकाते | रोहयाञ्चकिरे |
| | रोहयाञ्चकृषे | रोहयाञ्चक्राथे | रोहयाञ्चकृद् वे |
| | रोहयाञ्चके | रोहयाञ्चकृवहे | रोहयाञ्चकृमहे |
| | रोहयाम्बभूव | । | रोहयामास |
| आ० | रोहयिषीष्ट | रोहयिषीयास्ताम् | रोहयिषीरन् |
| | रोहयिषीष्टाः | रोहयिषीयास्थाम् | रोहयिषीध्वम् |
| | रोहयिषीय | रोहयिषीवहि | रोहयिषीमहि |
| श० | रोहयिता | रोहयितारौ | रोहयितारः |
| | रोहयितासे | रोहयितासाथे | रोहयिताध्वे |
| | रोहयिताहे | रोहयितास्वहे | रोहयितास्महे |
| भ० | रोहयिष्यते | रोहयिष्येते | रोहयिष्यन्ते |
| | रोहयिष्यसे | रोहयिष्येथे | रोहयिष्यध्वे |
| | रोहयिष्ये | रोहयिष्यावहे | रोहयिष्यामहे |
| क्रि० | अरोहयिष्यत् | अरोहयिष्येताम् | अरोहयिष्यन्त |
| | अरोहयिष्यथाः | अरोहयिष्येथाम् | अरोहयिष्यध्वम् |
| | अरोहयिष्ये | अरोहयिष्यावहि | अरोहयिष्यामहि |
| | पक्षे | रोपयति | अरूपयन् |

फ. ११६) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (९२१)

१८९ रमिं (रम्) क्रीडायाम् ।

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| व० रमयति | रमयतः | रमयन्ति |
| रमयसि | रमयथः | रमयथ |
| रमयामि | रमयावः | रमयामः |
| स० रमयेत् | रमयेताम् | रमयेयुः |
| रमयेः | रमयेतम् | रमयेत |
| रमयेयम् | रमयेव | रमयेम |
| प० रमयतु | रमयतात् | रमयताम् |
| रमय | रमयतात् | रमयतम् |
| रमयाणि | रमयात् | रमयाम |
| ह्य० अरमयत् | अरमयताम् | अरमयन् |
| अरमयः | अरमयतम् | अरमयत |
| अरमयम् | अरमयाव | अरमयाम |
| अ० अरीरमत | अरीरमताम् | अरीरमन् |
| अरीरमः | अरीरमतम् | अरीरमत |
| अरीरमम् | अरीरमाव | अरीरमाम |
| प० रमयाञ्चकार | रमयाञ्चक्रुः | रमयाञ्चक्रुः |
| रमयाञ्चकथ | रमयाञ्चकथुः | रमयाञ्चक्र |
| रमयाञ्चकार-चक्र | रमयाञ्चकृव | रमयाञ्चकृम |
| रमयाम्बभूव | । | रमयामास |
| आ० रम्यात् | रम्यास्ताम् | रम्यासुः |
| रम्याः | रम्यास्तम् | रम्यास्त |
| रम्याम | रम्यास्व | रम्यास्म |
| श्व० रमयिता | रमयितारौ | रमयितारः |
| रमयितासि | रमयितास्थः | रमयितास्थ |
| रमयितास्मि | रमयितास्वः | रमयितास्मः |
| भ० रमयिष्यति | रमयिष्यतः | रमयिष्यन्ति |
| रमयिष्यसि | रमयिष्यथः | रमयिष्यथ |
| रमयिष्यामि | रमयिष्यावः | रमयिष्यामः |
| क्रि० अरमयिष्यत् | अरमयिष्यताम् | अरमयिष्यन् |
| अरमयिष्यः | अरमयिष्यतम् | अरमयिष्यत |
| अरमयिष्यम् | अरमयिष्याव | अरमयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| व० रमयते | रमयेते | रमयन्ते |
| रमयसे | रमयेथे | रमयध्वे |
| रमये | रमयावहे | रमयामहे |
| स० रमयेत | रमयेताताम् | रमयेरन् |
| रमयेथाः | रमयेथाथाम् | रमयेध्वम् |
| रमयेय | रमयेवहि | रमयेमहि |
| प० रमयताम् | रमयेताम् | रमयन्ताम् |
| रमयस्व | रमयेधाम् | रमयध्वम् |
| रमयै | रमयावहे | रमयामहे |
| ह्य० अरमयत | अरमयेताम् | अरमयन्त |
| अरमयथाः | अरमयेथाम् | अरमयध्वम् |
| अरमये | अरमयावहि | अरमयामहि |
| अ० अरीरमत | अरीरमेताम् | अरीरमन्त |
| अरीरमथाः | अरीरमेथाम् | अरीरमध्वम् |
| अरीरमे | अरीरमावहि | अरीरमामहि |
| प० रमयाञ्चक्रे | रमयाञ्चकाते | रमयाञ्चकिरे |
| रमयाञ्चकृषे | रमयाञ्चकाथे | रमयाञ्चकृदध्वे |
| रमयाञ्चक्रे | रमयाञ्चकृवहे | रमयाञ्चकृमहे |
| रमयाम्बभूव | । | रमयामास |
| आ० रमयिषीष्ट | रमयिषीयास्ताम् | रमयिषीरन् |
| रमयिषीष्टाः | रमयिषीयास्थाम् | रमयिषीध्वम् |
| रमयिषीय | रमयिषीवहि | रमयिषीमहि |
| श्व० रमयिता | रमयितारौ | रमयितारः |
| रमयितासे | रमयितासाथे | रमयिताध्वे |
| रमयिताहे | रमयितास्वहे | रमयितास्महे |
| भ० रमयिष्यते | रमयिष्यते | रमयिष्यन्ते |
| रमयिष्यसे | रमयिष्यथे | रमयिष्यध्वे |
| रमयिष्ये | रमयिष्यावहे | रमयिष्यामहे |
| क्रि० अरमयिष्यत | अरमयिष्यताम् | अरमयिष्यन्त |
| अरमयिष्यथाः | अरमयिष्येथाम् | अरमयिष्यध्वम् |
| अरमयिष्ये | अरमयिष्यावहि | अरमयिष्यामहि |

११० षहि (सङ्) मर्षणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० साहयति | साहयतः | साहयन्ति |
| साहयसि | साहयथः | साहयथ |
| साहयामि | साहयावः | साहयामः |
| स० साहयेत् | साहयेताम् | साहयेयुः |
| साहयेः | साहयेतम् | साहयेत |
| साहयेयम् | साहयेव | साहयेम |
| प० साहयतु | साहयतात् | साहयताम् |
| साहय | साहयतात् | साहयतम् |
| साहयानि | साहयाव | साहयाम |
| ह्य० असाहयत् | असाहयताम् | असाहयन् |
| असाहयः | असाहयतम् | असाहयत |
| असाहयम् | असाहयाव | असाहयाम |
| अ० असीषदत् | असीषदताम् | असीषदन् |
| असीषहः | असीषदतम् | असीषदत |
| असीषहम् | असीषदव | असीषदाम |
| प० साहयाञ्चकार | साहयाञ्चक्रुः | साहयाञ्चक्रुः |
| साहयाञ्चकथं | साहयाञ्चक्रुः | साहयाञ्चक्रुः |
| साहयाञ्चकार-चक्र | साहयाञ्चक्रुव | साहयाञ्चक्रुम |
| साहयाम्बभूव | । | साहयामास |
| आ० साह्यात् | साह्यास्ताम् | साह्यामुः |
| साह्याः | साह्यास्तम् | साह्यास्त |
| साह्यासम् | साह्यास्व | साह्यात्म |
| श्व० साहयिता | साहयितारौ | साहयितारः |
| साहयितासि | साहयितास्थः | साहयितास्थ |
| साहयितास्मि | साहयितास्वः | साहयितास्मः |
| अ० साहयिष्यति | साहयिष्यतः | साहयिष्यन्ति |
| साहयिष्यसि | साहयिष्यथः | साहयिष्यथ |
| साहयिष्यामि | साहयिष्यावः | साहयिष्यामः |
| क्रि० असाहयिष्यत् | असाहयिष्यताम् | असाहयिष्यन् |
| असाहयिष्यः | असाहयिष्यतम् | असाहयिष्यत |
| असाहयिष्यम् | असाहयिष्याव | असाहयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| ब० साहयते | साहयते | साहयन्ते |
| साहयसे | साहयेथे | साहयध्वे |
| साहये | साहयावहे | साहयामहे |
| स० साहयेत | साहयेयाताम् | साहयेरन् |
| साहयेथाः | साहयेयाथाम् | साहयेध्वम् |
| साहयेय | साहयेवहि | साहयेमहि |
| प० साहयताम् | साहयेताम् | साहयन्ताम् |
| साहयस्व | साहयेथाम् | साहयध्वम् |
| साहये | साहयावहे | साहयामहे |
| ह्य० असाहयत | असाहयेताम् | असाहयन्त |
| असाहयथाः | असाहयेथाम् | असाहयध्वम् |
| असाहये | असाहयेवहि | असाहयामहि |
| अ० असीषदत् | असीषदेताम् | असीषदन्त |
| असीषहथाः | असीषदेथाम् | असीषदध्वम् |
| असीषहे | असीषदेवहि | असीषदामहि |
| प० साहयाञ्चक्रे | साहयाञ्चकाते | साहयाञ्चक्रिरे |
| साहयाञ्चकृषे | साहयाञ्चक्राथे | साहयाञ्चक्रुध्वे |
| साहयाञ्चक्रे | साहयाञ्चकृवहे | साहयाञ्चक्रुमहे |
| साहयाम्बभूव | । | साहयामास |
| आ० साहयिषीष्ट | साहयिषीयास्ताम् | साहयिषीरन् |
| साहयिषीष्टाः | साहयिषीयास्थाम् | साहयिषीध्वम् |
| साहयिषीय | साहयिषीवहि | साहयिषीमहि |
| श्व० साहयिता | साहयितारौ | साहयितारः |
| साहयितासे | साहयितासाथे | साहयिताध्वे |
| साहयिताहे | साहयितास्वहे | साहयितास्महे |
| अ० साहयिष्यते | साहयिष्यते | साहयिष्यन्ते |
| साहयिष्यसे | साहयिष्येथे | साहयिष्यध्वे |
| साहयिष्ये | साहयिष्यावहे | साहयिष्यामहे |
| क्रि० असाहयिष्यत | असाहयिष्यताम् | असाहयिष्यन्त |
| असाहयिष्यथाः | असाहयिष्येथाम् | असाहयिष्यध्वम् |
| असाहयिष्ये | असाहयिष्येवहि | असाहयिष्यामहि |
| | वृत् उवलविः | |

॥ अथ यजादिः ॥

991 यजी (यङ्) देवपूजासंगतिकरणदानेषु

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | याजयति | याजयतः | याजयन्ति |
| | याजयसि | याजयथः | याजयथ |
| | याजयामि | याजयावः | याजयामः |
| स० | याजयेत् | याजयेताम् | याजयेयुः |
| | याजयेः | याजयेतम् | याजयत |
| | याजयेयम् | याजयेव | याजयेम |
| प० | याजयतु | याजयतात् | याजयताम् |
| | याजय | याजयतात् | याजयतम् |
| | याजयानि | याजयाव | याजयाम |
| ह्य० | अयाजयत् | अयाजयताम् | अयाजयन् |
| | अयाजयः | अयाजयतम् | अयाजयत |
| | अयाजयम् | अयाजयाव | अयाजयाम |
| अ० | अयीयजत् | अयीयजताम् | अयीयजन् |
| | अयीयजः | अयीयजतम् | अयीयजत |
| | अयीयजम् | अयीयजाव | अयीयजाम |
| प० | याजयाञ्चकार | याजयाञ्चकतुः | याजयाञ्चकुः |
| | याजयाञ्चकथं | याजयाञ्चकथुः | याजयाञ्चक्र |
| | याजयाञ्चकार-चकर | याजयाञ्चकृव | याजयाञ्चकृम |
| | याजयाम्बभूव | याजयामास | |
| जा० | याज्यात् | याज्यास्ताम् | याज्यासुः |
| | याज्याः | याज्यास्तम् | याज्यास्त |
| | याज्यासम् | याज्यासव | याज्यासम् |
| श्च० | याजयिता | याजयितारौ | याजयितारः |
| | याजयितसि | याजयितारथः | याजयितारथ |
| | याजयितास्मि | याजयितारवः | याजयितारमः |
| अ० | याजयिष्यति | याजयिष्यतः | याजयिष्यन्ति |
| | याजयिष्यसि | याजयिष्यथः | याजयिष्यथ |
| | याजयिष्यामि | याजयिष्यावः | याजयिष्यामः |
| क्रि० | अयाजयिष्यत् | अयाजयिष्यताम् | अयाजयिष्यन् |
| | अयाजयिष्यः | अयाजयिष्यतम् | अयाजयिष्यत |
| | अयाजयिष्यम् | अयाजयिष्याव | अयाजयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | याजयते | याजयते | याजयन्ते |
| | याजयसे | याजयथे | याजयथ्वे |
| | याजये | याजयावहे | याजयामहे |
| स० | याजयेत | याजयेयाताम् | याजयेरन् |
| | याजयेथाः | याजयेयाथाम् | याजयेष्वम् |
| | याजयेय | याजयेवहि | याजयेमहि |
| प० | याजयताम् | याजयताम् | याजयन्ताम् |
| | याजयस्व | याजयेथाम् | याजयध्वम् |
| | याजयै | याजयावहे | याजयामहे |
| ह्य० | अयाजयत | अयाजयेताम् | अयाजयन्त |
| | अयाजयथाः | अयाजयेथाम् | अयाजयध्वम् |
| | अयाजये | अयाजयावहि | अयाजयामहि |
| अ० | अयीयजत | अयीयजेताम् | अयीयजन्त |
| | अयीयजथाः | अयीयजेथाम् | अयीयजध्वम् |
| | अयीयजे | अयीयजावहि | अयीयजामहि |
| प० | याजयाञ्चक्रे | याजयाञ्चकृते | याजयाञ्चकृरे |
| | याजयाञ्चकृषे | याजयाञ्चकृथे | याजयाञ्चकृद्वे |
| | याजयाञ्चक्रे | याजयाञ्चकृवहे | याजयाञ्चकृमहे |
| | याजयाम्बभूव | याजयास | |
| आ० | याजयिषीष्ट | याजयिषीयास्ताम् | याजयिषीरत् |
| | याजयिषीष्टाः | याजयिषीयास्थाम् | याजयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | याजयिषीय | याजयिषीवहि | याजयिषीमहि |
| श्च० | याजयिता | याजयितारौ | याजयितारः |
| | याजयितसे | याजयितसाथे | याजयिताध्वे |
| | याजयिताहे | याजयितास्वहे | याजयितास्महे |
| अ० | याजयिष्यते | याजयिष्येते | याजयिष्यन्ते |
| | याजयिष्यसे | याजयिष्यथे | याजयिष्यध्वे |
| | याजयिष्ये | याजयिष्यावहे | याजयिष्यामहे |
| क्रि० | अयाजयिष्यत् | अयाजयिष्यताम् | अयाजयिष्यन्त |
| | अयाजयिष्यथाः | अयाजयिष्येथाम् | अयाजयिष्यध्वम् |
| | अयाजयिष्ये | अयाजयिष्यावहि | अयाजयिष्यामहि |

॥ अर्थदन्तास्त्रयः ॥

992 वेग् (वे) तन्तुसंताने । 791 वयिवद्रूपाणि
993 व्येग् (व्ये) संवरणे । 918 व्ययीवद्रूपाणि

(९२४) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

994 ह्वेण् (ह्वे) स्पर्दाशब्दयोः ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० हाययति | हाययतः | हाययन्ति |
| हाययसि | हाययथः | हाययथ |
| हाययामि | हाययावः | हाययामः |
| स० हाययेत् | हाययेताम् | हाययेयुः |
| हाययेः | हाययेतम् | हाययेत |
| हाययेयम् | हाययेव | हाययेम |
| प० हाययतु | हाययतात् | हाययताम् हाययन्तु |
| हायय | हाययतात् | हाययतम् हाययत |
| हाययानि | हाययाव | हाययाम |
| ह्य० अहाययत् | अहाययताम् | अहाययन् |
| अहाययः | अहाययतम् | अहाययत |
| अहाययम् | अहाययाव | अहाययाम |
| अ० अजुहवत् | अजुहवताम् | अजुहवन् |
| अजुहवः | अजुहवतम् | अजुहवत |
| अजुहवम् | अजुहवाव | अजुहवाम |
| प० हाययाश्चकार | हाययाश्चक्रुः | हाययाश्चकुः |
| हाययाश्चकथ | हाययाश्चक्रुः | हाययाश्चक |
| हाययाश्चकार-चकर | हाययाश्चक्रुव | हाययाश्चक्रुम |
| हाययाम्बभूव | हाययामास | |
| भा० हाय्यात् | हाय्यास्ताम् | हाय्यासुः |
| हाय्याः | हाय्यास्तम् | हाय्यास्त |
| हाय्यासम् | हाय्यास्व | हाय्यास्म |
| भ्व० हाययिता | हाययितारौ | हाययितारः |
| हाययितासि | हाययितास्थः | हाययितास्थ |
| हाययितास्मि | हाययितास्वः | हाययितास्मः |
| भ० हाययिष्यति | हाययिष्यतः | हाययिष्यन्ति |
| हाययिष्यसि | हाययिष्यथः | हाययिष्यथ |
| हाययिष्यामि | हाययिष्यावः | हाययिष्यामः |
| क्रि० अहाययिष्यत् | अहाययिष्यताम् | अहाययिष्यन् |
| अहाययिष्यः | अहाययिष्यतम् | अहाययिष्यत |
| अहाययिष्यम् | अहाययिष्याव | अहाययिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० हाययते | हाययेते | हाययन्ते |
| ह्ययसे | हाययेथे | हाययध्वे |
| हायये | हाययावहे | हाययामहे |
| स० हाययेत | हाययेयाताम् | हाययेरन् |
| हाययेथाः | हाययेयाथाम् | हाययेध्वम् |
| हाययेय | हाययेवहि | हाययेमहि |
| प० हाययताम् | हाययेताम् | हाययन्ताम् |
| हाययस्व | हाययेथाम् | हाययध्वम् |
| हायये | हाययावहे | हाययामहे |
| ह्य० अहाययत | अहाययेताम् | अहाययन्त |
| अहाययथाः | अहाययेथाम् | अहाययध्वम् |
| अहायये | अहाययावहि | अहाययामहि |
| अ० अजुहवत् | अजुहवेताम् | अजुहवन्त |
| अजुहवथाः | अजुहवेथाम् | अजुहवध्वम् |
| अजुहवे | अजुहवावहि | अजुहवामहि |
| प० हाययाश्चके | हाययाश्चकाते | हाययाश्चक्रिरे |
| हाययाश्चकृषे | हाययाश्चक्राथे | हाययाश्चकृद्वे |
| हाययाश्चक्रे | हाययाश्चकृवहे | हाययाश्चकृमहे |
| हाययाम्बभूव | हाययामास | |
| भा० हाययिषीष्ट | हाययिषीयास्ताम् | हाययिषीरन् |
| हाययिषीष्टाः | हाययिषीयास्थाम् | हाययिषीध्वम् |
| हाययिषीय | हाययिषीवहि | हाययिषीमहि |
| भ्व० हाययिता | हाययितारौ | हाययितारः |
| हाययितासे | हाययितासाथे | हाययिताध्वे |
| हाययिताहे | हाययितास्वहे | हाययितास्महे |
| भ० हाययिष्यते | हाययिष्येते | हाययिष्यन्ते |
| हाययिष्यसे | हाययिष्येथे | हाययिष्यध्वे |
| हाययिष्ये | हाययिष्यावहे | हाययिष्यामहे |
| क्रि० अहाययिष्यत् | अहाययिष्येताम् | अहाययिष्यन्त |
| अहाययिष्यथाः | अहाययिष्येथाम् | अहाययिष्यध्वम् |
| अहाययिष्ये | अहाययिष्यावहि | अहाययिष्यामहि |

॥ अथ हान्तः ॥

996 वही (वह) प्रापणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वाहयति | वाहयतः | वाहयन्ति |
| वाहयसि | वाहयथः | वाहयथ |
| वाहयामि | वाहयावः | वाहयामः |
| स० वाहयेत् | वाहयेताम् | वाहयेयुः |
| वाहयेः | वाहयेतम् | वाहयेत |
| वाहयेयम् | वाहयेव | वाहयेम |
| प० वाहयतु | वाहयतात् | वाहयताम् |
| वाहय | वाहयतात् | वाहयतम् |
| वाहयानि | वाहयाव | वाहयाम |
| ह्य० अवाहयत् | अवाहयताम् | अवाहयन् |
| अवाहयः | अवाहयतम् | अवाहयत |
| अवाहयम् | अवाहयाव | अवाहयाम |
| अ० अवीवहत | अवीवहताम् | अवीवहन् |
| अवीवहः | अवीवहतम् | अवीवहत |
| अवीवहम् | अवीवहाव | अवीवहाम |
| प० वाहयाञ्चकार | वाहयाञ्चक्रुः | वाहयाञ्चकुः |
| वाहयाञ्चकथं | वाहयाञ्चक्रुः | वाहयाञ्चक्र |
| वाहयाञ्चकार-चकर | वाहयाञ्चक्रुव | वाहयाञ्चक्रम |
| वाहयाम्बभूव | वाहयामास | |
| आ० वाह्यात् | वाह्यास्ताम् | वाह्यासुः |
| वाह्याः | वाह्यास्तम् | वाह्यास्त |
| वाह्यासम् | वाह्यास्व | वाह्यास्म |
| श० वाहयिता | वाहयितारौ | वाहयितारः |
| वाहयितासि | वाहयितास्थः | वाहयितास्थ |
| वाहयितास्मि | वाहयितास्वः | वाहयितास्मः |
| भ० वाहयिष्यति | वाहयिष्यतः | वाहयिष्यन्ति |
| वाहयिष्यसि | वाहयिष्यथः | वाहयिष्यथ |
| वाहयिष्यामि | वाहयिष्यावः | वाहयिष्यामः |
| क्रि० अवाहयिष्यत् | अवाहयिष्यताम् | अवाहयिष्यन् |
| अवाहयिष्यः | अवाहयिष्यतम् | अवाहयिष्यत |
| अवाहयिष्यम् | अवाहयिष्याव | अवाहयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० वाहयते | वाहयंते | वाहयन्ते |
| वाहयसे | वाहयथे | वाहयथ्वे |
| वाहये | वाहयावहे | वाहयामहे |
| स० वाहयेत | वाहयेयाताम् | वाहयेरन् |
| वाहयेथाः | वाहयेयाथाम् | वाहयेध्वम् |
| वाहयेय | वाहयेवहि | वाहयेमहि |
| प० वाहयताम् | वाहयेताम् | वाहयन्ताम् |
| वाहयस्व | वाहयेथाम् | वाहयध्वम् |
| वाहये | वाहयावहे | वाहयामहे |
| ह्य० अवाहयत | अवाहयेताम् | अवाहयन्त |
| अवाहयथाः | अवाहयेथाम् | अवाहयध्वम् |
| अवाहये | अवाहयावहि | अवाहयामहि |
| अ० अवीवहत | अवीवहेताम् | अवीवहन्त |
| अवीवहथाः | अवीवहेथाम् | अवीवहध्वम् |
| अवीवहे | अवीवहावहि | अवीवहामहि |
| प० वाहयाञ्चक्रे | वाहयाञ्चक्राते | वाहयाञ्चक्रिरे |
| वाहयाञ्चकृषे | वाहयाञ्चक्राथे | वाहयाञ्चकृध्वे |
| वाहयाञ्चक्रे | वाहयाञ्चकृवहे | वाहयाञ्चकृमहे |
| वाहयाम्बभूव | वाहयामास | |
| आ० वाहयिषीष्ट | वाहयिषीयास्ताम् | वाहयिषीरन् |
| वाहयिषीष्टाः | वाहयिषीयस्थाम् | वाहयिषीध्वम् |
| वाहयिषीय | वाहयिषीवहि | वाहयिषीमहि |
| श० वाहयिता | वाहयितारौ | वाहयितारः |
| वाहयितासे | वाहयितासाथे | वाहयिताध्वे |
| वाहयिताहे | वाहयितास्वहे | वाहयितास्महे |
| भ० वाहयिष्यते | वाहयिष्येते | वाहयिष्यन्ते |
| वाहयिष्यसे | वाहयिष्यथे | वाहयिष्यध्वे |
| वाहयिष्ये | वाहयिष्यावहे | वाहयिष्यामहे |
| क्रि० अवाहयिष्यत | अवाहयिष्यताम् | अवाहयिष्यन्त |
| अवाहयिष्यथाः | अवाहयिष्येथाम् | अवाहयिष्यध्वम् |
| अवाहयिष्ये | अवाहयिष्यावहि | अवाहयिष्यामहि |

997 द्वोश्चि (श्वि) गतिरुद्ध्योः ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| ब० | इवाययति | इवाययतः | इवाययन्ति |
| | इवाययसि | इवाययथः | इवाययथ |
| | इवाययामि | इवाययावः | इवाययामः |
| स० | इवाययेत् | इवाययेताम् | इवाययेयुः |
| | इवाययेः | इवाययेतम् | इवाययेत |
| | इवाययेयम् | इवाययेव | इवाययेम |
| प० | इवाययतु | इवाययतात् | इवाययताम् |
| | इवायय | इवाययतात् | इवाययतम् |
| | इवाययानि | इवाययाव | इवाययाम |
| ह्य० | अइवाययत् | अइवाययताम् | अइवाययन् |
| | अइवाययः | अइवाययतम् | अइवाययत |
| | अइवाययम् | अइवाययाव | अइवाययाम |
| अ० | अशुशुवत् | अशुशुवताम् | अशुशुवन् |
| | अशुशुवः | अशुशुवतम् | अशुशुवत |
| | अशुशुवम् | अशुशुवाव | अशुशुवाम |
| | अशिश्वयत् | अशिश्वयताम् | अशिश्वयन् इ० |
| प० | इवाययाञ्चकार | इवाययाञ्चकतुः | इवाययाञ्चक्रुः |
| | इवाययाञ्चकर्थ | इवाययाञ्चकथुः | इवाययाञ्चक |
| | इवाययाञ्चकार-चकर | इवाययाञ्चकृव | इवाययाञ्चकृम |
| | इवाययाञ्चभूव | इवाययामास | |
| भा० | इवाय्यात् | इवाय्यास्ताम् | इवाय्यासुः |
| | इवाय्याः | इवाय्यास्तम् | इवाय्यास्त |
| | इवाय्यासम् | इवाय्यास्व | इवाय्यास्म |
| भ्व० | इवाययिता | इवाययितारौ | इवाययितारः |
| | इवाययितासि | इवाययितास्थः | इवाययितास्थ |
| | इवाययितास्मि | इवाययितास्वः | इवाययितास्मः |
| भ० | इवाययिष्यति | इवाययिष्यतः | इवाययिष्यन्ति |
| | इवाययिष्यसि | इवाययिष्यथः | इवाययिष्यथ |
| | इवाययिष्यामि | इवाययिष्यावः | इवाययिष्यामः |
| क्रि० | अइवाययिष्यत् | अइवाययिष्यताम् | अइवाययिष्यन् |
| | अइवाययिष्यः | अइवाययिष्यतम् | अइवाययिष्यत |
| | अइवाययिष्यम् | अइवाययिष्याव | अइवाययिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | इवाययते | इवाययेते | इवाययन्ते |
| | इवाययसे | इवाययेथे | इवाययस्वे |
| | इवायये | इवाययावहे | इवाययामहे |
| स० | इवाययेत | इवाययेयाताम् | इवाययेरन् |
| | इवाययेथाः | इवाययेयाथाम् | इवाययेध्वम् |
| | इवाययेथ | इवाययेवहि | इवाययेमहि |
| प० | इवाययताम् | इवाययेताम् | इवाययन्ताम् |
| | इवाययस्व | इवाययेथाम् | इवाययध्वम् |
| | इवाययै | इवाययावहे | इवाययामहे |
| ह्य० | अइवाययत् | अइवाययेताम् | अइवाययन्त |
| | अइवाययथाः | अइवाययेथाम् | अइवाययध्वम् |
| | अइवायये | अइवाययावहि | अइवाययामहि |
| अ० | अशुशुवत् | अशुशुवेताम् | अशुशुवन्त |
| | अशुशुवथाः | अशुशुवेथाम् | अशुशुवध्वम् |
| | अशुशुवे | अशुशुवावहि | अशुशुवामहि |
| | अशिश्वयत् | अशिश्वयेताम् | अशिश्वयन्त इ० |
| प० | इवाययाञ्चक्रे | इवाययाञ्चक्रेते | इवाययाञ्चक्रे |
| | इवाययाञ्चकृषे | इवाययाञ्चकृषे | इवाययाञ्चकृद्वे |
| | इवाययाञ्चक्रे | इवाययाञ्चकृवहे | इवाययाञ्चकृमहे |
| | इवाययाम्बभूव | इवाययामास | |
| भा० | इवाययिषीष्ट | इवाययिषीयास्ताम् | इवाययिषीरन् |
| | इवाययिषीष्टाः | इवाययिषीयास्थाम् | इवाययिषीध्वम् |
| | इवाययिषीय | इवाययिषीवहि | इवाययिषीमहि |
| भ्व० | इवाययिता | इवाययितारौ | इवाययितारः |
| | इवाययितासे | इवाययितासाथे | इवाययिताध्वे |
| | इवाययिताहे | इवाययितास्वहे | इवाययितास्महे |
| भ० | इवाययिष्यते | इवाययिष्येते | इवाययिष्यन्ते |
| | इवाययिष्यसे | इवाययिष्येथे | इवाययिष्यस्वे |
| | इवाययिष्ये | इवाययिष्यावहे | इवाययिष्यामहे |
| क्रि० | अइवाययिष्यत् | अइवाययिष्येताम् | अइवाययिष्यन्त |
| | अइवाययिष्यथाः | अइवाययिष्येथाम् | अइवाययिष्यध्वम् |
| | अइवाययिष्ये | अइवाययिष्यावहि | अइवाययिष्यामहि |

998 वद (वद्) व्यक्तायां शचि ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० वादयति | वादयतः | वादयन्ति |
| वादयसि | वादयथः | वादयथ |
| वादयामि | वादयावः | वादयामः |
| स० वादयेत् | वादयेताम् | वादयेयुः |
| वादयेः | वादयेतम् | वादयेत |
| वादयेयम् | वादयेव | वादयेम |
| प० वादयतु | वादयतात् | वादयताम् |
| वादय | वादयतात् | वादयतम् |
| वादयानि | वादयाव | वादयाम |
| ह्य० अवादयत् | अवादयताम् | अवादयन् |
| अवादयः | अवादयतम् | अवादयत |
| अवादयम् | अवादयाव | अवादयाम |
| अ० अवीवदत् | अवीवदताम् | अवीवदन् |
| अवीवदः | अवीवदतम् | अवीवदत |
| अवीवदम् | अवीवदाव | अवीवदाम |
| प० वादयाञ्चकार | वादयाञ्चकृतुः | वादयाञ्चक्रुः |
| वादयाञ्चकथं | वादयाञ्चकथुः | वादयाञ्चक्र |
| वादयाञ्चकार-चकर | वादयाञ्चकृव | वादयाञ्चकृम |
| वादयाञ्चभूव | 1. वादयामास | |
| आ० वायात् | वायास्ताम् | वायासुः |
| वायाः | वायास्तम् | वायास्त |
| वायासम् | वायास्व | वायास्म |
| भ० वादयिता | वादयितारौ | वादयितारः |
| वादयितासि | वादयितास्थः | वादयितास्थ |
| वादयितास्मि | वादयितारवः | वादयितास्मः |
| भ. वादयिष्यति | वादयिष्यतः | वादयिष्यन्ति |
| वादयिष्यसि | वादयिष्यथः | वादयिष्यथ |
| वादयिष्यामि | वादयिष्यावः | वादयिष्यामः |
| क्रि० अवादयिष्यत् | अवादयिष्यताम् | अवादयिष्यन् |
| अवादयिष्यः | अवादयिष्यतम् | अवादयिष्यत |
| अवादयिष्यम् | अवादयिष्याव | अवादयिष्याम |

| | | |
|------------------|-------------------|----------------|
| व० वादयते | वादयेते | वादयन्ते |
| वादयसे | वादयेथे | वादयन्वे |
| वादये | वादयावहे | वादयामहे |
| स० वादयेत | वादयेताम् | वादयेरन् |
| वादयेथाः | वादयेथायाम् | वादयेष्वम् |
| वादयेय | वादयेवहि | वादयेमहि |
| प० वादयताम् | वादयेताम् | वादयन्ताम् |
| वादयरव | वादयेथाम् | वादयन्वम् |
| वादये | वादयावहे | वादयामहे |
| ह्य० अवादयत | अवादयेताम् | अवादयन्त |
| अवादयथाः | अवादयेथाम् | अवादयन्वम् |
| अवादये | अवादयावहि | अवादयामहि |
| अ० अवीवदत | अवीवदेताम् | अवीवदन्त |
| अवीवदथाः | अवीवदेथाम् | अवीवदन्वम् |
| अवीवदे | अवीवदावहि | अवीवदामहि |
| प० वादयाञ्चक्रे | वादयाञ्चकाते | वादयाञ्चकिरे |
| वादयाञ्चकृषे | वादयाञ्चकाथे | वादयाञ्चकृद्वे |
| वादयाञ्चके | वादयाञ्चकृवहे | वादयाञ्चकृमहे |
| वादयाञ्चभूव | 1. वादयामास | |
| आ० वादयिषीष्ट | वादयिषीष्टास्ताम् | वादयिषीरन् |
| वादयिषीष्टाः | वादयिषीष्टास्थाम् | वादयिषीद्वम् |
| | | ष्वम् |
| वादयिषीथ | वादयिषीवहि | वादयिषीमहि |
| भ० वादयिता | वादयितारौ | वादयितारः |
| वादयितासे | वादयितासाथे | वादयितान्वे |
| वादयिताहे | वादयितास्वहे | वादयितास्महे |
| भ० वादयिष्यते | वादयिष्येते | वादयिष्यन्ते |
| वादयिष्यसे | वादयिष्येथे | वादयिष्यन्वे |
| वादयिष्ये | वादयिष्यावहे | वादयिष्यामहे |
| क्रि० अवादयिष्यत | अवादयिष्येताम् | अवादयिष्यन्त |
| अवादयिष्यथाः | अवादयिष्येथाम् | अवादयिष्यन्वम् |
| अवादयिष्ये | अवादयिष्यावहि | अवादयिष्यामहि |

११११ वसं (वस्) निवासे ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० वासयति | वासयतः | वासयन्ति |
| वासयसि | वासयथः | वासयथ |
| वासयामि | वासयावः | वासयामः |
| स० वासयेत् | वासयेताम् | वासयेयुः |
| वासयेः | वासयेतम् | वासयेत |
| वासयेयम् | वासयेव | वासयेम |
| प० वासयतु | वासयतात् | वासयन्तु |
| वासय | वासयतात् | वासयतम् |
| वासयानि | वासयाव | वासयाम |
| ह्य० अवासयत् | अवासयताम् | अवासयन् |
| अवासयः | अवासयतम् | अवासयत |
| अवासयम् | अवासयाव | अवासयाम |
| अ० अवीवसत् | अवीवसताम् | अवीवसन् |
| अवीवसः | अवीवसतम् | अवीवसत |
| अवीवसम् | अवीवसाव | अवीवसाम |
| प० वासयाञ्चकार | वासयाञ्चक्रुः | वासयाञ्चकुः |
| वासयाञ्चकथ | वासयाञ्चक्रुः | वासयाञ्चक |
| वासयाञ्चकार-चकार | वासयाञ्चक्रुव | वासयाञ्चक्रुम |
| वासयाञ्चभूव | वासयामास | |
| वास्यात् | वास्यास्ताम् | वास्यासुः |
| वास्याः | वास्यास्तम् | वास्यास्त |
| वास्यासम् | वास्यास्व | वास्यास्म |
| वासयिता | वासयितारौ | वासयितारः |
| वासयितासि | वासयितास्थः | वासयितास्थ |
| वासयितास्मि | वासयितास्वः | वासयितास्मः |
| प० वासयिष्यति | वासयिष्यतः | वासयिष्यन्ति |
| वासयिष्यसि | वासयिष्यथः | वासयिष्यथ |
| वासयिष्यामि | वासयिष्यावः | वासयिष्यामः |
| क्रि० अवासयिष्यत् | अवासयिष्यताम् | अवासयिष्यन् |
| अवासयिष्यः | अवासयिष्यतम् | अवासयिष्यत |
| अवासयिष्यम् | अवासयिष्याव | अवासयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० वासयते | वासयते | वासयन्ते |
| वासयसे | वासयथे | वासयन्वे |
| वासये | वासयावहे | वासयामहे |
| स० वासयेत | वासयेयाताम् | वासयेरन् |
| वासयेथाः | वासयेयाथाम् | वासयेध्वम् |
| वासयेय | वासयेवहि | वासयेमहि |
| प० वासयताम् | वासयेताम् | वासयन्ताम् |
| वासयस्व | वासयेथाम् | वासयध्वम् |
| वासये | वासयावहे | वासयामहे |
| ह्य० अवासयत | अवासयेताम् | अवासयन्त |
| अवासयथाः | अवासयेथाम् | अवासयध्वम् |
| अवासये | अवासयावहि | अवासयामहि |
| अ० अवीवसत् | अवीवसेताम् | अवीवसन्त |
| अवीवसथाः | अवीवसेथाम् | अवीवसध्वम् |
| अवीवसे | अवीवसावहि | अवीवसामहि |
| प० वासयाञ्चक्रे | वासयाञ्चक्राते | वासयाञ्चक्रिरे |
| वासयाञ्चकृषे | वासयाञ्चक्राथे | वासयाञ्चकृद्वे |
| वासयाञ्चक्रे | वासयाञ्चक्रुवहे | वासयाञ्चकृमहे |
| वासयाञ्चभूव | वासयामास | |
| आ० वासयिषीष्ट | वासयिषीयास्ताम् | वासयिषीरन् |
| वा ३ यिषीष्टाः | वासयिषीयास्थाम् | वासयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| वासयिषीय | वासयिषीवहि | वासयिषीमहि |
| प० वामयिता | वासयितारौ | वासयितारः |
| वासयितासे | वासयितासाथे | वासयिताध्वे |
| वासयिताहे | वासयितास्वहे | वासयितास्महे |
| अ० वासयिष्यते | वासयिष्यते | वासयिष्यन्ते |
| वासयिष्यसे | वासयिष्यथे | वासयिष्यध्वे |
| वासयिष्ये | वासयिष्यावहे | वासयिष्यामहे |
| क्रि० अवासयिष्यत | अवासयिष्येताम् | अवासयिष्यन्त |
| अवासयिष्यथाः | अवासयिष्येथाम् | अवासयिष्यध्वम् |
| अवासयिष्ये | अवासयिष्यावहि | अवासयिष्यामहि |

॥ अथ घटादिः ॥

1000 घटिष् (घट्) चेष्टायाम् ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० घटयति | घटयतः | घटयन्ति |
| घटयसि | घटयथः | घटयथ |
| घटयामि | घटयावः | घटयामः |
| स० घटयेत् | घटयेताम् | घटयेयुः |
| घटयेः | घटयेतम् | घटयेत |
| घटयेयम् | घटयेव | घटयेम |
| प० घटयतु | घटयतात् | घटयन्तु |
| घटय | घटयतात् | घटयतम् |
| घटयानि | घटयाव | घटयाम |
| ह्य० अघटयत् | अघटयताम् | अघटयन् |
| अघटयः | अघटयतम् | अघटयत |
| अघटयम् | अघटयाव | अघटयाम |
| अ० अजीघटत् | अजीघटताम् | अजीघटन् |
| अजीघटः | अजीघटतम् | अजीघटत |
| अजीघटम् | अजीघटाव | अजीघटाम |
| प० घटयाञ्चकार | घटयाञ्चकतुः | घटयाञ्चकुः |
| घटयाञ्चकर्थ | घटयाञ्चकतुः | घटयाञ्चक |
| घटयाञ्चकार-चक्र | घटयाञ्चकृव | घटयाञ्चकृव |
| घटयाम्बभूव | घटयामास | |
| आ० घटयात् | घटयास्ताम् | घटयास्तुः |
| घटयाः | घटयास्तम् | घटयास्त |
| घटयासम् | घटयास्व | घटयास्म |
| थ० घटयिता | घटयितारौ | घटयितारः |
| घटयितासि | घटयितास्थः | घटयितास्थ |
| घटयितास्मि | घटयितास्वः | घटयितास्मः |
| भ० घटयिष्यति | घटयिष्यतः | घटयिष्यन्ति |
| घटयिष्यसि | घटयिष्यथः | घटयिष्यथ |
| घटयिष्यामि | घटयिष्यावः | घटयिष्यामः |
| क्रि० अघटयिष्यत् | अघटयिष्यताम् | अघटयिष्यन् |
| अघटयिष्यः | अघटयिष्यतम् | अघटयिष्यत |
| अघटयिष्यम् | अघटयिष्याव | अघटयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० घटयते | घटयंते | घटयन्ते |
| घटयसे | घटयंथे | घटयंथे |
| घटये | घटयावहे | घटयामहे |
| स० घटयेत | घटयेयाताम् | घटयेयन् |
| घटयेथाः | घटयेयाथाम् | घटयेयाम् |
| घटयेय | घटयेवहि | घटयेमहि |
| प० घटयताम् | घटयेताम् | घटयन्ताम् |
| घटयस्व | घटयेथाम् | घटयन्वम् |
| घटये | घटयावहे | घटयामहे |
| ह्य० अघटयत | अघटयेताम् | अघटयन्त |
| अघटयथाः | अघटयेथाम् | अघटयन्वम् |
| अघटये | अघटयावहि | अघटयामहि |
| अ० अजीघटत | अजीघटेताम् | अजीघटन्त |
| अजीघटथाः | अजीघटेथाम् | अजीघटन्वम् |
| अजीघटे | अजीघटावहि | अजीघटामहि |
| प० घटयञ्चके | घटयाञ्चकाते | घटयाञ्चकिरे |
| घटयाञ्चकुवे | घटयाञ्चकाथे | घटयाञ्चकृद्वे |
| घटयाञ्चके | घटयाञ्चकुवहे | घटयाञ्चकृमहे |
| घटयाम्बभूव | घटयामास | |
| आ० घटयिषीष्ट | घटयिषीयास्ताम् | घटयिषीरन् |
| घटयिषीष्ठाः | घटयिषीयास्थाम् | घटयिषीद्वम् |
| घटयिषीय | घटयिषीवहि | घटयिषीमहि |
| थ० घटयिता | घटयितारौ | घटयितारः |
| घटयितासे | घटयितासाथे | घटयिताध्वे |
| घटयिताहे | घटयितास्वहे | घटयितास्महे |
| भ० घटयिष्यते | घटयिष्यंते | घटयिष्यन्ते |
| घटयिष्यसे | घटयिष्येथे | घटयिष्यन्वे |
| घटयिष्ये | घटयिष्यावहे | घटयिष्यामहे |
| क्रि० अघटयिष्यत | अघटयिष्यताम् | अघटयिष्यन्त |
| अघटयिष्यथाः | अघटयिष्येथाम् | अघटयिष्यन्वम् |
| अघटयिष्ये | अघटयिष्यावहि | अघटयिष्यामहि |

1001 क्षजुङ् (क्षज्) गतिदानयोः ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० क्षजयति | क्षजयतः | क्षजयन्ति |
| क्षजयसि | क्षजयथः | क्षजयथ |
| क्षजयामि | क्षजयावः | क्षजयामः |
| स० क्षजयेत् | क्षजयेताम् | क्षजयेयुः |
| क्षजयेः | क्षजयेतम् | क्षजयेत |
| क्षजयेयम् | क्षजयेव | क्षजयेम |
| प० क्षजयतु | क्षजयतात् | क्षजयताम् |
| क्षजय | क्षजयतात् | क्षजयतम् |
| क्षजयानि | क्षजयाव | क्षजयाम |
| ह्य० अक्षजयत् | अक्षजयताम् | अक्षजयन् |
| अक्षजयः | अक्षजयतम् | अक्षजयत |
| अक्षजयम् | अक्षजयाव | अक्षजयम |
| अ० अचक्षजत् | अचक्षजताम् | अचक्षजन् |
| अचक्षजः | अचक्षजतम् | अचक्षजत |
| अचक्षजम् | अचक्षजाव | अचक्षजाम |
| प० क्षजयाञ्चकार | क्षजयाञ्चकतुः | क्षजयाञ्चकुः |
| क्षजयाञ्चकथं | क्षजयाञ्चकथुः | क्षजयाञ्चक |
| क्षजयाञ्चकार-चकर | क्षजयाञ्चकृव | क्षजयाञ्चकृम |
| क्षजयाञ्चभूव | क्षजयामास | |
| आ० क्षज्यात् | क्षज्यास्ताम् | क्षज्यासुः |
| क्षज्याः | क्षज्यास्तम् | क्षज्यास्त |
| क्षज्यासम् | क्षज्यास्व | क्षज्यास्म |
| श० क्षजयिता | क्षजयितारौ | क्षजयितारः |
| क्षजयितासि | क्षजयितास्थः | क्षजयितास्थ |
| क्षजयितास्मि | क्षजयितास्वः | क्षजयितास्म |
| भ० क्षजयिष्यति | क्षजयिष्यतः | क्षजयिष्यन्ति |
| क्षजयिष्यसि | क्षजयिष्यथः | क्षजयिष्यथ |
| क्षजयिष्यामि | क्षजयिष्यावः | क्षजयिष्यामः |
| क्रि० अक्षजयिष्यत् | अक्षजयिष्यताम् | अक्षजयिष्यन् |
| अक्षजयिष्यः | अक्षजयिष्यतम् | अक्षजयिष्यत |
| अक्षजयिष्यम् | अक्षजयिष्याव | अक्षजयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-------------------|
| व० क्षजयते | क्षजयेते | क्षजयन्ते |
| क्षजयसे | क्षजयेथे | क्षजयन्थे |
| क्षजये | क्षजयावहे | क्षजयामहे |
| स० क्षजयेत् | क्षजयेताम् | क्षजयेयुः |
| क्षजयेथाः | क्षजयेथाम् | क्षजयेथ्वम् |
| क्षजयेथ | क्षजयेवहि | क्षजयेमहि |
| प० क्षजयताम् | क्षजयेताम् | क्षजयन्ताम् |
| क्षजयस्व | क्षजयेथाम् | क्षजयन्थ्वम् |
| क्षजये | क्षजयावहे | क्षजयामहे |
| ह्य० अक्षजयत | अक्षजयेताम् | अक्षजयन्त |
| अक्षजयथाः | अक्षजयेथाम् | अक्षजयन्थ्वम् |
| अक्षजये | अक्षजयावहि | अक्षजयामहि |
| अ० अचक्षजत | अचक्षजेताम् | अचक्षजन्त |
| अचक्षजथाः | अचक्षजेथाम् | अचक्षजन्थ्वम् |
| अचक्षजे | अचक्षजावहि | अचक्षजामहि |
| प० क्षजयाञ्चके | क्षजयाञ्चकाते | क्षजयाञ्चक्रीरे |
| क्षजयाञ्चकृषे | क्षजयाञ्चक्राथे | क्षजयाञ्चकृवहे |
| क्षजयाञ्चके | क्षजयाञ्चकृवहे | क्षजयाञ्चकृमहे |
| क्षजयाञ्चभूव | क्षजयाञ्च | |
| आ० क्षजयिषीष्ट | क्षजयिषीयास्ताम् | क्षजयिषीरन् |
| क्षजयिषीष्टाः | क्षजयिषीयास्थाम् | क्षजयिषीह्वम् |
| क्षजयिषीय | क्षजयिषीवहि | क्षजयिषीमहि |
| श० क्षजयिता | क्षजयितारौ | क्षजयितारः |
| क्षजयितासे | क्षजयितासाथे | क्षजयिताथ्वे |
| क्षजयिताहे | क्षजयितास्वहे | क्षजयितास्महे |
| भ० क्षजयिष्यते | क्षजयिष्येते | क्षजयिष्यन्ते |
| क्षजयिष्यसे | क्षजयिष्येथे | क्षजयिष्यन्थ्वे |
| क्षजयिष्ये | क्षजयिष्यावहे | क्षजयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षजयिष्यत् | अक्षजयिष्यताम् | अक्षजयिष्यन्त |
| अक्षजयिष्यथाः | अक्षजयिष्येथाम् | अक्षजयिष्यन्थ्वम् |
| अक्षजयिष्ये | अक्षजयिष्यावहि | अक्षजयिष्यामहि |

॥ अथ धातौ ॥

1002 व्यथिष् (व्यथ्) भयचलनयोः

| | | | |
|-------|----------------------------|----------------|---------------------|
| व० | व्यथयति | व्यथयतः | व्यथयन्ति |
| | व्यथयसि | व्यथयथः | व्यथयथ |
| | व्यथयामि | व्यथयावः | व्यथयामः |
| स० | व्यथयेत् | व्यथयेताम् | व्यथयेयुः |
| | व्यथयेः | व्यथयेतम् | व्यथयेत |
| | व्यथयेयम् | व्यथयेव | व्यथयेम |
| प० | व्यथयतु | व्यथयतात् | व्यथयताम् व्यथयन्तु |
| | व्यथय | ,, | व्यथयतम् व्यथयत |
| | व्यथयानि | व्यथयाव | व्यथयाम |
| ह्य० | अव्यथयत् | अव्यथयताम् | अव्यथयन् |
| | अव्यथयः | अव्यथयतम् | अव्यथयत |
| | अव्यथयम् | अव्यथयाव | अव्यथयाम |
| अ० | अविध्यथत् | अविध्यथताम् | अविध्यथन् |
| | अविध्यथः | अविध्यथतम् | अविध्यथत |
| | अविध्यथम् | अविध्यथाव | अविध्यथाम |
| प० | व्यथयाञ्चकार | व्यथयाञ्चकतुः | व्यथयाञ्चकुः |
| | व्यथयाञ्चकथं | व्यथयाञ्चकथुः | व्यथयाञ्चक |
| | व्यथयाञ्चकार-ञ्चकर | व्यथयाञ्चकव | व्यथयाञ्चकम् |
| | व्यथयाम्बभूव । व्यथयामास । | | |
| आ० | व्यथ्यात् | व्यथ्यास्ताम् | व्यथ्यासुः |
| | व्यथ्याः | व्यथ्यास्तम् | व्यथ्यास्त |
| | व्यथ्यासम् | व्यथ्यास्व | व्यथ्यास्म |
| भ० | व्यथयिता | व्यथयितारौ | व्यथयितारः |
| | व्यथयितासि | व्यथयितास्थः | व्यथयितास्थ |
| | व्यथयितास्मि | व्यथयितास्वः | व्यथयितास्मः |
| अ० | व्यथयिष्यति | व्यथयिष्यतः | व्यथयिष्यन्ति |
| | व्यथयिष्यसि | व्यथयिष्यथः | व्यथयिष्यथ |
| | व्यथयिष्यामि | व्यथयिष्यावः | व्यथयिष्यामः |
| क्रि० | अव्यथयिष्यत् | अव्यथयिष्यताम् | अव्यथयिष्यन् |
| | अव्यथयिष्यः | अव्यथयिष्यतम् | अव्यथयिष्यत |
| | अव्यथयिष्यम् | अव्यथयिष्याव | अव्यथयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------------------|------------------|-----------------|
| व० | व्यथयते | व्यथयेते | व्यथयन्ते |
| | व्यथयसे | व्यथयेथे | व्यथयन्थे |
| | व्यथये | व्यथयावहे | व्यथयामहे |
| स० | व्यथयेत | व्यथयेताताम् | व्यथयेरन् |
| | व्यथयेथाः | व्यथयेयाथाम् | व्यथयेध्वम् |
| | व्यथयेय | व्यथयेवहि | व्यथयेमहि |
| प० | व्यथयताम् | व्यथयेताम् | व्यथयन्ताम् |
| | व्यथयस्व | व्यथयेथाम् | व्यथयध्वम् |
| | व्यथये | व्यथयावहे | व्यथयामहे |
| ह्य० | अव्यथयत | अव्यथयेताम् | अव्यथयन्त |
| | अव्यथयथाः | अव्यथयेथाम् | अव्यथयध्वम् |
| | अव्यथये | अव्यथयावहि | अव्यथयामहि |
| अ० | अविध्यथत | अविध्ययेताम् | अविध्यथन्त |
| | अविध्यथथाः | अविध्ययेथाम् | अविध्यथध्वम् |
| | अविध्यथे | अविध्ययावहि | अविध्यथामहि |
| प० | व्यथयाञ्चक्रे | व्यथयाञ्चकते | व्यथयाञ्चक्रे |
| | व्यथयाञ्चक्रे | व्यथयाञ्चकथे | व्यथयाञ्चकृद्वे |
| | व्यथयाञ्चक्रे | व्यथयाञ्चकृद्वे | व्यथयाञ्चकृमहे |
| | व्यथयाम्बभूव । व्यथयामास | | |
| आ० | व्यथयिषीष्ट | व्यथयिषीयास्ताम् | व्यथयिषीरन् |
| | व्यथयिषीष्टाः | व्यथयिषीयास्थाम् | व्यथयिषीध्वम् |
| | | | व्यथयिषीमहि |
| | व्यथयिषीय | व्यथयिषीवहि | व्यथयिषीमहि |
| भ० | व्यथयिता | व्यथयितारौ | व्यथयितारः |
| | व्यथयितासि | व्यथयितासाथे | व्यथयितास्थे |
| | व्यथयिताहे | व्यथयितास्वहे | व्यथयितास्महे |
| म० | व्यथयिष्यते | व्यथयिष्येते | व्यथयिष्यन्ते |
| | व्यथयिष्यसे | व्यथयिष्येथे | व्यथयिष्यन्थे |
| | व्यथयिष्ये | व्यथयिष्यावहे | व्यथयिष्यामहे |
| क्रि० | अव्यथयिष्यत | अव्यथयिष्येताम् | अव्यथयिष्यन्त |
| | अव्यथयिष्यथाः | अव्यथयिष्येथाम् | अव्यथयिष्यध्वम् |
| | अव्यथयिष्ये | अव्यथयिष्यावहि | अव्यथयिष्यामहि |

1003 प्रथिब् (प्रथ्) प्रख्याने ।

| | | |
|----------------------------|----------------|---------------|
| व०- प्रथयति | प्रथयतः | प्रथयन्ति |
| प्रथयसि | प्रथयथः | प्रथयथ |
| प्रथयामि | प्रथयावः | प्रथयामः |
| स० प्रथयेत् | प्रथयताम् | प्रथयेयुः |
| प्रथयेः | प्रथयेतम् | प्रथयेत |
| प्रथयेयम् | प्रथयेव | प्रथयेम |
| प० प्रथयतु | प्रथयतात् | प्रथयताम् |
| प्रथय | ,, | प्रथयतम् |
| प्रथयानि | प्रथयाव | प्रथयाम |
| ह्य० अप्रथयत् | अप्रथयताम् | अप्रथयन् |
| अप्रथयः | अप्रथयतम् | अप्रथयत |
| अप्रथयम् | अप्रथयाव | अप्रथयाम |
| अ० अप्रथयत् | अप्रथयताम् | अप्रथयन् |
| अप्रथयः | अप्रथयतम् | अप्रथयत |
| अप्रथयम् | अप्रथयाव | अप्रथयाम |
| प० प्रथयाञ्चकार | प्रथयाञ्चकतुः | प्रथयाञ्चकुः |
| प्रथयाञ्चक्यै | प्रथयाञ्चकथुः | प्रथयाञ्चक |
| प्रथयाञ्चकार-ञ्चकर | प्रथयाञ्चकृव | प्रथयाञ्चकृम |
| प्रथयाम्बभूव । प्रथयामास । | | |
| आ० प्रथ्यात् | प्रथ्यास्ताम् | प्रथ्यामुः |
| प्रथ्याः | प्रथ्यास्तम् | प्रथ्यस्त |
| प्रथ्यासम् | प्रथ्यास्व | प्रथ्यास्म |
| थ० प्रथयिता | प्रथयितारौ | प्रथयितारः |
| प्रथयितासि | प्रथयितास्थः | प्रथयितास्थ |
| प्रथयितास्मि | प्रथयितास्वः | प्रथयितास्मः |
| भ० प्रथयिष्यति | प्रथयिष्यतः | प्रथयिष्यन्ति |
| प्रथयिष्यसि | प्रथयिष्यथः | प्रथयिष्यथ |
| प्रथयिष्यामि | प्रथयिष्यावः | प्रथयिष्यामः |
| क्रि० अप्रथयिष्यत् | अप्रथयिष्यताम् | अप्रथयिष्यन् |
| अप्रथयिष्यः | अप्रथयिष्यतम् | अप्रथयिष्यत |
| अप्रथयिष्यम् | अप्रथयिष्याव | अप्रथयिष्याम |

| | | |
|----------------------------|------------------|-----------------|
| व० प्रथयते | प्रथयेते | प्रथयन्ते |
| प्रथयसे | प्रथयेथे | प्रथयध्वे |
| प्रथये | प्रथयावहे | प्रथयामहे |
| स० प्रथयेत | प्रथयेयाताम् | प्रथयेरन् |
| प्रथयेथाः | प्रथयेयाथाम् | प्रथयेध्वम् |
| प्रथयेय | प्रथयेवहि | प्रथयेमहि |
| प० प्रथयताम् | प्रथयेताम् | प्रथयन्ताम् |
| प्रथयस्व | प्रथयेयाम् | प्रथयध्वम् |
| प्रथयै | प्रथयावहे | प्रथयामहे |
| ह्य० अप्रथयत | अप्रथयेताम् | अप्रथयन्त |
| अप्रथयथाः | अप्रथयेथाम् | अप्रथयध्वम् |
| अप्रथये | अप्रथयावहि | अप्रथयामहि |
| अ० अप्रथयत | अप्रथयेताम् | अप्रथयन्त |
| अप्रथयथाः | अप्रथयेथाम् | अप्रथयध्वम् |
| अप्रथये | अप्रथयावहि | अप्रथयामहि |
| प० प्रथयाञ्चके | प्रथयाञ्चकाते | प्रथयाञ्चकिरे |
| प्रथयाञ्चके | प्रथयाञ्चकाथे | प्रथयाञ्चकृद्वे |
| प्रथयाञ्चके | प्रथयाञ्चकृवहे | प्रथयाञ्चकृमहे |
| प्रथयाम्बभूव । प्रथयामास । | | |
| आ० प्रथयिषीष्ट | प्रथयिषीयास्ताम् | प्रथयिषीरन् |
| प्रथयिषीष्टाः | प्रथयिषीयास्थाम् | प्रथयिषीद्वम् |
| प्रथयिषीय | प्रथयिषीवहि | प्रथयिषीमहि |
| थ० प्रथयिता | प्रथयितारौ | प्रथयितारः |
| प्रथयितासे | प्रथयितासाथे | प्रथयिताथे |
| प्रथयिताहे | प्रथयितास्वहे | प्रथयितास्महे |
| भ० प्रथयिष्यते | प्रथयिष्येते | प्रथयिष्यन्ते |
| प्रथयिष्यसे | प्रथयिष्येथे | प्रथयिष्यध्वे |
| प्रथयिष्ये | प्रथयिष्यावहे | प्रथयिष्यामहे |
| क्रि० अप्रथयिष्यत | अप्रथयिष्येताम् | अप्रथयिष्यन्त |
| अप्रथयिष्यथाः | अप्रथयिष्येथाम् | अप्रथयिष्यध्वम् |
| अप्रथयिष्ये | अप्रथयिष्यावहि | अप्रथयिष्यामहि |

॥ अथ दान्ताः पञ्च ॥

1004 अदिष् (अद्) मर्दने ।

| | | | |
|------|------------------------|-------------|------------|
| व० | अदयति | अदयतः | अदयन्ति |
| | अदयसि | अदयथः | अदयथ |
| | अदयामि | अदयावः | अदयामः |
| स० | अदयेत् | अदयेताम् | अदयेयुः |
| | अदयेः | अदयेतम् | अदयेत |
| | अदयेयम् | अदयेव | अदयेम |
| प० | अदयतु | अदयतात् | अदयताम् |
| | अदय | " | अदयतम् |
| | अदयानि | अदयाव | अदयाम |
| ह्य० | अमदयत् | अमदयताम् | अमदयन् |
| | अमदयः | अमदयतम् | अमदयत |
| | अमदयम् | अमदयाव | अमदयाम |
| अ० | अममदत् | अममदताम् | अममदन् |
| | अममदः | अममदतम् | अममदत |
| | अममदम् | अममदाव | अममदाम |
| प० | अदयाञ्चकार | अदयाञ्चकतुः | अदयाञ्चकुः |
| | अदयाञ्चकथं | अदयाञ्चकथुः | अदयाञ्चक |
| | अदयाञ्चकार-चकर | अदयाञ्चकृव | अदयाञ्चकृम |
| | अदयाम्बभूव । अदयामास । | | |

| | | | |
|-------|------------|--------------|-------------|
| आ० | अद्यात् | अद्यास्ताम् | अद्यासुः |
| | अद्याः | अद्यास्तम् | अद्य स्त |
| | अद्यासम् | अद्यास्व | अद्यास्म |
| भ० | अदयिता | अदयितारौ | अदयितारः |
| | अदयितासि | अदयितास्थः | अदयितास्थ |
| | अदयितास्मि | अदयितास्वः | अदयितास्मः |
| भ० | अदयिष्यति | अदयिष्यतः | अदयिष्यन्ति |
| | अदयिष्यसि | अदयिष्यथः | अदयिष्यथ |
| | अदयिष्यामि | अदयिष्याव | अदयिष्याम |
| क्रि० | अमदयिष्यत् | अमदयिष्यताम् | अमदयिष्यन् |
| | अमदयिष्यः | अमदयिष्यतम् | अमदयिष्यत |
| | अमदयिष्यम् | अमदयिष्याव | अमदयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|----------------|---------------|
| व० | अदयते | अदयेते | अदयन्ते |
| | अदयसे | अदयेथे | अदयन्वे |
| | अदये | अदयावहे | अदयामहे |
| स० | अदयेत | अदयेयताम् | अदयेरन् |
| | अदयेथाः | अदयेयाथाम् | अदयेष्वम |
| | अदयेय | अदयेवहि | अदयेमहि |
| प० | अदयताम् | अदयेताम् | अदयन्ताम् |
| | अदयस्व | अदयेथाम् | अदयष्वम् |
| | अदये | अदयावहे | अदयामहे |
| ह्य० | अमदयत | अमदयेताम् | अमदयन्त |
| | अमदयथाः | अमदयेथाम् | अमदयन्वम् |
| | अमदये | अमदयावहि | अमदयामहि |
| अ० | अममदत | अममदेताम् | अममदन्त |
| | अममदथाः | अममदेथाम् | अममदन्वम् |
| | अममदे | अममदावहि | अममदामहि |
| प० | अदयाञ्चके | अदयाञ्चकते | अदयाञ्चकिरे |
| | अदयञ्चकृषे | अदयाञ्चकथे | अदयाञ्चकृदवे |
| | अदयाञ्चके | अदयाञ्चकृवहे | अदयाञ्चकृमहे |
| | अदयाम्बभूव । अदयामास । | | |
| आ० | अदयिषीष्ट | अदयिषीयास्ताम् | अदयिषीन् |
| | अदयिषीष्टाः | अदयिषीयास्थाम् | अदयिषीद्वम् |
| | अदयिषीय | अदयिषीवहि | अदयिषीमहि |
| भ० | अदयिता | अदयितारौ | अदयितारः |
| | अदयितासे | अदयितासाथे | अदयिताध्वे |
| | अदयिताहे | अदयितास्वहे | अदयितास्महे |
| भ० | अदयिष्यते | अदयिष्येते | अदयिष्यन्ते |
| | अदयिष्यसे | अदयिष्येथे | अदयिष्यन्वे |
| | अदयिष्ये | अदयिष्यावहे | अदयिष्यामहे |
| क्रि० | अमदयिष्यत | अमदयिष्येताम् | अमदयिष्यन्त |
| | अमदयिष्यथाः | अमदयिष्येथाम् | अमदयिष्यन्वम् |
| | अमदयिष्ये | अमदयिष्यावहि | अमदयिष्यामहि |

1005 स्वदिष् (स्वद्) स्वदने

| | | |
|----------------------------|----------------|---------------|
| व० स्वदयति | स्वदयतः | स्वदयन्ति |
| स्वदयसि | स्वदयथः | स्वदयथ |
| स्वदयामि | स्वदयावः | स्वदयामः |
| स० स्वदयेत् | स्वदयेताम् | स्वदयेयुः |
| स्वदयेः | स्वदयेतम् | स्वदयेत |
| स्वदयेयम् | स्वदयेव | स्वदयेम |
| प० स्वदयतु | स्वदयतात् | स्वदयताम् |
| स्वदय | स्वदयतम् | स्वदयत |
| स्वदयानि | स्वदयाव | स्वदयाम |
| ह्य० अस्वदयत् | अस्वदयताम् | अस्वदयन् |
| अस्वदयः | अस्वदयतम् | अस्वदयत |
| अस्वदयम् | अस्वदयाव | अस्वदयाम |
| अ० अचिस्वदत् | अचिस्वदताम् | अचिस्वदन् |
| अचिस्वदः | अचिस्वदतम् | अचिस्वदत |
| अचिस्वदम् | अचिस्वदाव | अचिस्वदाम |
| प० स्वदयाञ्चकार | स्वदयाञ्चकतुः | स्वदयाञ्चकुः |
| स्वदयाञ्चकर्थ | स्वदयाञ्चकथुः | स्वदयाञ्चक |
| स्वदयाञ्चकार-चकर | स्वदयाञ्चकृव | स्वदयाञ्चकृम |
| स्वदयाम्बभूव । स्वदयामास । | | |
| आ० स्वद्यात् | स्वद्यास्ताम् | स्वद्यासुः |
| स्वद्याः | स्वद्यास्तम् | स्वद्यास्त |
| स्वद्यासम् | स्वद्यास्व | स्वद्यास्म |
| श्व० स्वदयिता | स्वदयितारौ | स्वदयितारः |
| स्वदयितासि | स्वदयितास्थः | स्वदयितास्थ |
| स्वदयितास्मि | स्वदयितास्वः | स्वदयितास्मः |
| भ० स्वदयिष्यति | स्वदयिष्यतः | स्वदयिष्यन्ति |
| स्वदयिष्यसि | स्वदयिष्यथः | स्वदयिष्यथ |
| स्वदयिष्यामि | स्वदयिष्यावः | स्वदयिष्यामः |
| क्रि० अस्वदयिष्यत् | अस्वदयिष्यताम् | अस्वदयिष्यन् |
| अस्वदयिष्यः | अस्वदयिष्यतम् | अस्वदयिष्यत |
| अस्वदयिष्यम् | अस्वदयिष्याव | अस्वदयिष्याम |

| | | |
|--|------------------|-----------------|
| व० स्वदयेते | स्वदयेते | स्वदयेते |
| स्वदयसे | स्वदयेथे | स्वदयध्वे |
| स्वदये | स्वदयावहे | स्वदयामहे |
| स० स्वदयेत | स्वदयेयाताम् | स्वदयेरन् |
| स्वदयेथाः | स्वदयेयाथाम् | स्वदयेध्वम् |
| स्वदयेय | स्वदयेवहि | स्वदयेमहि |
| प० स्वदयताम् | स्वदयेताम् | स्वदयन्ताम् |
| स्वदयस्व | स्वदयेथाम् | स्वदयध्वम् |
| स्वदये | स्वदयावहे | स्वदयामहे |
| ह्य० अस्वदयत | अस्वदयेताम् | अस्वदयन्त |
| अस्वदयथाः | अस्वदयेथाम् | अस्वदयध्वम् |
| अस्वदये | अस्वदयावहि | अस्वदयामहि |
| अ० अचिस्वदत | अचिस्वदेताम् | अचिस्वदन्त |
| अचिस्वदथाः | अचिस्वदेथाम् | अचिस्वदध्वम् |
| अचिस्वदे | अचिस्वदावहि | अचिस्वदामहि |
| प० स्वदयाञ्चक्रे | स्वदयाञ्चक्रेते | स्वदयाञ्चक्रेरे |
| स्वदयाञ्चकृवे | स्वदयाञ्चक्राथे | स्वदयाञ्चकृद्वे |
| स्वदयाञ्चक्रे | स्वदयाञ्चकृवहे | स्वदयाञ्चकृमहे |
| स्वदयाम्बभूव । स्वदयामास । | | |
| आ० स्वदयिषीष्ट | स्वदयिषीयास्ताम् | स्वदयिषीन् |
| स्वदयिषीष्ठाः | स्वदयिषीयास्थाम् | स्वदयिषीध्वम् |
| स्वदयिषीय | स्वदयिषीवहि | स्वदयिषीमहि |
| श्व० स्वदयिता | स्वदयितारौ | स्वदयितारः |
| स्वदयितासे | स्वदयितासाथे | स्वदयिताध्वे |
| स्वदयिताहे | स्वदयितास्वहे | स्वदयितास्महे |
| भ० स्वदयिष्यते | स्वदयिष्येते | स्वदयिष्यन्ते |
| स्वदयिष्यसे | स्वदयिष्येथे | स्वदयिष्यध्वे |
| स्वदयिष्ये | स्वदयिष्यावहे | स्वदयिष्यामहे |
| क्रि० अस्वदयिष्यत | अस्वदयिष्येताम् | अस्वदयिष्यन्त |
| अस्वदयिष्यथाः | अस्वदयिष्येथाम् | अस्वदयिष्यध्वम् |
| अस्वदयिष्ये | अस्वदयिष्यावहि | अस्वदयिष्यामहि |
| 1006 कदुङ् (कन्द) 1007 कदुङ् (कन्द) | | |
| 1008 कलदुङ् [कलद्] वैकल्ये । एतेषांरूपाणि तु | | |
| 315 कदु 316 कदु 317 कलदुवज्ज्ञेयानि | | |

॥ अथ पान्तः ॥

1009 कृपि (कृप्) कृपायाम् ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|---------------|
| व० | कृपयति | कृपयतः | कृपयन्ति |
| | कृपयसि | कृपयथः | कृपयथ |
| | कृपयामि | कृपायवः | कृपायामः |
| स० | कृपयेत् | कृपयेताम् | कृपयेयुः |
| | कृपयेः | कृपयेतम् | कृपयेत |
| | कृपयेयम् | कृपयेव | कृपयेम |
| प० | कृपयतु | कृपयतात् | कृपयताम् |
| | कृपय | कृपयतात् | कृपयतम् |
| | कृपायणि | कृपायव | कृपायाम |
| ह्य० | अकृपयत् | अकृपयताम् | अकृपयन् |
| | अकृपयः | अकृपयतम् | अकृपयत |
| | अकृपयम् | अकृपायव | अकृपायाम |
| अ० | अचिक्रपत् | अचिक्रपताम् | अचिक्रपन् |
| | अचिक्रपः | अचिक्रपतम् | अचिक्रपत |
| | अचिक्रपम् | अचिक्रपाव | अचिक्रपाम |
| पृ० | कृपायञ्चकार | कृपायञ्चक्रुः | कृपायञ्चकुः |
| | कृपायञ्चर्त्तु | कृपायञ्चर्त्तुः | कृपायञ्चक्रुः |
| | कृपायञ्चकार-चक्रुः | कृपायञ्चक्रुव | कृपायञ्चक्रुम |
| | कृपायञ्चभूव | । | कृपायामास |
| आ० | कृपायत् | कृपायस्ताम् | कृपायसुः |
| | कृपायः | कृपायस्ताम् | कृपायस्त |
| | कृपायसम् | कृपायस्व | कृपायस्म |
| श्व० | कृपयिता | कृपयितारौ | कृपयितारः |
| | कृपयितासि | कृपयितास्थः | कृपयितास्थ |
| | कृपयितास्मि | कृपयितास्त्रः | कृपयितास्मः |
| भ० | कृपयिष्यति | कृपयिष्यतः | कृपयिष्यन्ति |
| | कृपयिष्यसि | कृपयिष्यथः | कृपयिष्यथ |
| | कृपयिष्यामि | कृपयिष्यावः | कृपयिष्यामः |
| क्रि० | अकृपयिष्यत् | अकृपयिष्यताम् | अकृपयिष्यन् |
| | अकृपयिष्यः | अकृपयिष्यतम् | अकृपयिष्यत |
| | अकृपयिष्यम् | अकृपयिष्याव | अकृपयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-------------------|----------------|
| व० | कृपयते | कृपयेते | कृपयन्ते |
| | कृपयसे | कृपयेथे | कृपयन्ते |
| | कृपये | कृपायवहे | कृपायामहे |
| स० | कृपयेत् | कृपयेयताम् | कृपयेयन् |
| | कृपयेथाः | कृपयेयथाम् | कृपयेय्वम् |
| | कृपयेय | कृपयेवहि | कृपयेमहि |
| प० | कृपयताम् | कृपयेताम् | कृपयन्ताम् |
| | कृपयस्व | कृपयेथाम् | कृपयन्वम् |
| | कृपये | कृपायवहै | कृपायामहै |
| ह्य० | अकृपयत् | अकृपयेताम् | अकृपयन्त |
| | अकृपयथाः | अकृपयेथाम् | अकृपयन्वम् |
| | अकृपये | अकृपायवहि | अकृपायामहि |
| अ० | अचिक्रपत् | अचिक्रपेताम् | अचिक्रपन्त |
| | अचिक्रपथाः | अचिक्रपेथाम् | अचिक्रपन्वम् |
| | अचिक्रपे | अचिक्रपावहि | अचिक्रपामहि |
| प० | कृपयञ्चक्रे | कृपायञ्चक्राते | कृपायञ्चक्रे |
| | कृपायञ्चकुषे | कृपायञ्चक्रथे | कृपायञ्चकुषे |
| | कृपायञ्चक्रे | कृपायञ्चकुवहे | कृपायञ्चक्रे |
| | कृपायञ्चभूव | । | कृपायामास |
| आ० | कृपयिषीष्ट | कृपयिषीष्टताम् | कृपयिषीरन् |
| | कृपयिषीष्टाः | कृपयिषीष्टास्थाम् | कृपयिषीष्ट्वम् |
| | कृपयिषीथ | कृपयिषीवहि | कृपयिषीमहि |
| श्व० | कृपयिता | कृपयितारौ | कृपयितारः |
| | कृपयितासि | कृपयितास्थे | कृपयितास्त्रे |
| | कृपयिताहि | कृपयितास्वहे | कृपयितास्महे |
| भ० | कृपयिष्यते | कृपयिष्येते | कृपयिष्यन्ते |
| | कृपयिष्यसे | कृपयिष्येथे | कृपयिष्यन्ते |
| | कृपयिष्ये | कृपयिष्यावहे | कृपयिष्यामहे |
| क्रि० | अकृपयिष्यत् | अकृपयिष्येताम् | अकृपयिष्यन्त |
| | अकृपयिष्यथाः | अकृपयिष्येथाम् | अकृपयिष्यन्वम् |
| | अकृपयिष्ये | अकृपयिष्यावहि | अकृपयिष्यामहि |

॥ अथ रान्तः ॥

1010 जित्वरिष् (त्वर्) सम्भ्रमे ।

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|---------------|
| व० | त्वरयति | त्वरयतः | त्वरयन्ति |
| | त्वरयसि | त्वरयथः | त्वरयथ |
| | त्वरयामि | त्वरयावः | त्वरयामः |
| स० | त्वरयेत् | त्वरयेताम् | त्वरयेयुः |
| | त्वरयेः | त्वरयेतम् | त्वरयेत |
| | त्वरयेयम् | त्वरयेव | त्वरयेम |
| प० | त्वरयतु | त्वरयतात् | त्वरयताम् |
| | त्वरय | त्वरयतात् | त्वरयतम् |
| | त्वरयाणि | त्वरयाव | त्वरयाम |
| ह्य० | अत्वरयत् | अत्वरयताम् | अत्वरयन् |
| | अत्वरयः | अत्वरयतम् | अत्वरयत |
| | अत्वरयम् | अत्वरयाव | अत्वरयाम |
| अ० | अतत्वरत् | अतत्वरताम् | अतत्वरन् |
| | अतत्वरः | अतत्वरतम् | अतत्वरत |
| | अतत्वरम् | अतत्वराव | अतत्वराम |
| प० | त्वरयाञ्चकार | त्वरयाञ्चक्रुः | त्वरयाञ्चकुः |
| | त्वरयाञ्चकथं | त्वरयाञ्चकथुः | त्वरयाञ्चक |
| | त्वरयाञ्चकार-चक्र | त्वरयाञ्चकृव | त्वरयाञ्चकृम |
| | त्वरयाम्भूव | । | त्वरयामास |
| आ० | त्वर्यात् | त्वर्यास्ताम् | त्वर्यासुः |
| | त्वर्याः | त्वर्यास्तम् | त्वर्यास्त |
| | त्वर्यासम् | त्वर्यास्व | त्वर्यास्म |
| भ० | त्वरयिता | त्वरयितारौ | त्वरयितारः |
| | त्वरयितासि | त्वरयितास्थः | त्वरयितास्त्र |
| | त्वरयितास्मि | त्वरयितास्वः | त्वरयितास्मः |
| भ० | त्वरयिष्यति | त्वरयिष्यतः | त्वरयिष्यन्ति |
| | त्वरयिष्यसि | त्वरयिष्यथः | त्वरयिष्यथ |
| | त्वरयिष्यामि | त्वरयिष्यावः | त्वरयिष्यामः |
| क्रि० | अत्वरयिष्यत् | अत्वरयिष्यताम् | अत्वरयिष्यन् |
| | अत्वरयिष्यः | अत्वरयिष्यतम् | अत्वरयिष्यत |
| | अत्वरयिष्यम् | अत्वरयिष्याव | अत्वरयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-----------------|
| व० | त्वरयते | त्वरयेते | त्वरयन्ते |
| | त्वरयसे | त्वरयेथे | त्वरयध्वे |
| | त्वरये | त्वरयावहे | त्वरयामहे |
| स० | त्वरयेत | त्वरयेयाताम् | त्वरयेरन् |
| | त्वरयेथाः | त्वरयेयाथाम् | त्वरयेध्वम् |
| | त्वरयेय | त्वरयेवहि | त्वरयेमहि |
| प० | त्वरयताम् | त्वरयेताम् | त्वरयन्ताम् |
| | त्वरयस्व | त्वरयेथाम् | त्वरयध्वम् |
| | त्वरयै | त्वरयावहै | त्वरयामहै |
| ह्य० | अत्वरयत | अत्वरयेताम् | अत्वरयन्त |
| | अत्वरयथाः | अत्वरयेथाम् | अत्वरयध्वम् |
| | अत्वरये | अत्वरयावहि | अत्वरयामहि |
| अ० | अतत्वरत | अतत्वरताम् | अतत्वरन्त |
| | अतत्वरथाः | अतत्वरथाम् | अतत्वरध्वम् |
| | अतत्वरै | अतत्वरावहि | अतत्वरामहि |
| प० | त्वरयाञ्चक्रे | त्वरयाञ्चक्रते | त्वरयाञ्चक्रे |
| | त्वरयाञ्चकृषे | त्वरयाञ्चक्राथे | त्वरयाञ्चकृद्वे |
| | त्वरयाञ्चक्रे | त्वरयाञ्चकृवहे | त्वरयाञ्चकृमहे |
| | त्वरयाम्भूव | । | त्वरयामास |
| आ० | त्वर्गिषीष्ट | त्वर्गिषीयास्ताम् | त्वर्गिषीरन् |
| | त्वर्गिषीष्टाः | त्वर्गिषीयास्थाम् | त्वर्गिषीद्वम् |
| | त्वर्गिषीय | त्वर्गिषीवहि | त्वर्गिषीमहि |
| भ० | त्वरयिता | त्वरयितारौ | त्वरयितारः |
| | त्वरयितासे | त्वरयितासाथे | त्वरयिताध्वे |
| | त्वरयिताहे | त्वरयितास्वहे | त्वरयितास्महे |
| भ० | त्वरयिष्यते | त्वरयिष्येते | त्वरयिष्यन्ते |
| | त्वरयिष्यसे | त्वरयिष्येथे | त्वरयिष्यध्वे |
| | त्वरयिष्ये | त्वरयिष्यावहे | त्वरयिष्यामहे |
| क्रि० | अत्वरयिष्यत | अत्वरयिष्येताम् | अत्वरयिष्यन्त |
| | अत्वरयिष्यथाः | अत्वरयिष्येथाम् | अत्वरयिष्यध्वम् |
| | अत्वरयिष्ये | अत्वरयिष्यावहि | अत्वरयिष्यामहि |

॥ अथ सान्तः ॥

1011 प्रसिष् (प्रस्) विस्तारे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | प्रसयति | प्रसयतः | प्रसयन्ति |
| | प्रसयसि | प्रसयथः | प्रसयथ |
| | प्रसयामि | प्रसयावः | प्रसयामः |
| स० | प्रसयेत् | प्रसयेताम् | प्रसयेयुः |
| | प्रसयेः | प्रसयेतम् | प्रसयेत |
| | प्रसयेथम् | प्रसयेव | प्रसयेम |
| प० | प्रसयन्तु | प्रसयतात् | प्रसयताम् |
| | प्रसय | प्रसयतात् | प्रसयतम् |
| | प्रसयानि | प्रसयाव | प्रसयाम |
| लृ० | अप्रसयत् | अप्रसयताम् | अप्रसयन् |
| | अप्रसयः | अप्रसयतम् | अप्रसयत |
| | अप्रसयम् | अप्रसयाव | अप्रसयाम |
| भ० | अपिप्रसत् | अपिप्रसताम् | अपिप्रसन् |
| | अपिप्रसः | अपिप्रसतम् | अपिप्रसत |
| | अपिप्रसम् | अपिप्रसाव | अपिप्रसाम |
| प० | प्रसयाञ्चकार | प्रसयाञ्चक्रुः | प्रसयाञ्चकुः |
| | प्रसयाञ्चकथे | प्रसयाञ्चकथुः | प्रसयाञ्चक |
| | प्रसयाञ्चकार-चकर | प्रसयाञ्चकुव | प्रसयाञ्चवृम |
| | प्रसयाम्बभूव | प्रसयामास | |
| भा० | प्रस्थात् | प्रस्थास्ताम् | प्रस्थासुः |
| | प्रस्थाः | प्रस्थास्तम् | प्रस्थास्त |
| | प्रस्थासम् | प्रस्थास्व | प्रस्थास्म |
| श्व० | प्रसयिता | प्रसयितारौ | प्रसयितारः |
| | प्रसयितासि | प्रसयितास्थः | प्रसयितास्थ |
| | प्रसयितास्मि | प्रसयितास्वः | प्रसयितास्मः |
| भ० | अप्रसयिष्यति | अप्रसयिष्यतः | अप्रसयिष्यन्ति |
| | अप्रसयिष्यसि | अप्रसयिष्यथः | अप्रसयिष्यथ |
| | अप्रसयिष्यामि | अप्रसयिष्यावः | अप्रसयिष्यामः |
| क्रि० | अप्रसयिष्यत् | अप्रसयिष्यताम् | अप्रसयिष्यन् |
| | अप्रसयिष्यः | अप्रसयिष्यतम् | अप्रसयिष्यत |
| | अप्रसयिष्यम् | अप्रसयिष्याव | अप्रसयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | प्रसयते | प्रसयेते | प्रसयन्ते |
| | प्रसयसे | प्रसयेथे | प्रसयध्वे |
| | प्रसये | प्रसयावहे | प्रसयामहे |
| स० | प्रसयेत | प्रसयेथाताम् | प्रसयेरन् |
| | प्रसयेथाः | प्रसयेथाथाम् | प्रसयेध्वम् |
| | प्रसयेथ | प्रसयेवहि | प्रसयेमहि |
| प० | प्रसयताम् | प्रसयेताम् | प्रसयन्ताम् |
| | प्रसयस्व | प्रसयेथाम् | प्रसयध्वम् |
| | प्रसये | प्रसयावहे | प्रसयामहे |
| लृ० | अप्रसयत् | अप्रसयेताम् | अप्रसयन्त |
| | अप्रसयथाः | अप्रसयेथाम् | अप्रसयध्वम् |
| | अप्रसये | अप्रसयावहि | अप्रसयामहि |
| भ० | अपिप्रसत् | अपिप्रसेताम् | अपिप्रसन्त |
| | अपिप्रसथाः | अपिप्रसेथाम् | अपिप्रसध्वम् |
| | अपिप्रसे | अपिप्रसावहि | अपिप्रसामहि |
| प० | प्रसयाञ्चक्रे | प्रसयाञ्चक्राते | प्रसयाञ्चकिरे |
| | प्रसयाञ्चकृषे | प्रसयाञ्चक्राथे | प्रसयाञ्चकृद्वे |
| | प्रसयाञ्चक्रे | प्रसयाञ्चकृवहे | प्रसयाञ्चकृमहे |
| | प्रसयाम्बभूव | प्रसयामास | |
| भा० | प्रसयिषीष्ट | प्रसयिषीयास्ताम् | प्रसयिषीरन् |
| | प्रसयिषीष्टाः | प्रसयिषीयास्थाम् | प्रसयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | प्रसयिषीय | प्रसयिषीवहि | प्रसयिषीमहि |
| श्व० | प्रसयिता | प्रसयितारौ | प्रसयितारः |
| | प्रसयितासे | प्रसयितासाथे | प्रसयिताध्वे |
| | प्रसयिताहे | प्रसयितास्वहे | प्रसयितास्महे |
| भ० | अप्रसयिष्यते | अप्रसयिष्येते | अप्रसयिष्यन्ते |
| | अप्रसयिष्यसे | अप्रसयिष्येथे | अप्रसयिष्यध्वे |
| | अप्रसयिष्ये | अप्रसयिष्यावहे | अप्रसयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्रसयिष्यत् | अप्रसयिष्यताम् | अप्रसयिष्यन्त |
| | अप्रसयिष्यथाः | अप्रसयिष्येथाम् | अप्रसयिष्यध्वम् |
| | अप्रसयिष्ये | अप्रसयिष्यावहि | अप्रसयिष्यामहि |

अथ सान्तः

1012 दक्षि (दक्ष्) हिसगन्तोः । 875 दक्षिबद्धपाणि

1013 धां (ध्रा) पाके । 46 ध्रैवद्धपाणि

(१३८) मुनिश्रीलावण्याव० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

॥ अथ ऋदन्तौ ॥
1015 हृ (हृ) भये ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|-------------|
| ब० | दरयति | दरयतः | दरयन्ति |
| | दरयसि | दरयथः | दरयथ |
| | दरयामि | दरयावः | दरयामः |
| स० | दरयेत् | दरयेताम् | दरयेयुः |
| | दरयेः | दरयेतम् | दरयेत |
| | दरयेयम् | दरयेव | दरयेम |
| प० | दरयतु | दरयतात् | दरयन्तु |
| | दरय | दरयतात् | दरयत |
| | दरयाणि | दरयाव | दरयाम |
| ह्य० | अदरयत् | अदरयताम् | अदरयन् |
| | अदरयः | अदरयतम् | अदरयत |
| | अदरयम् | अदरयाव | अदरयाम |
| अ० | अददरत् | अददरताम् | अददरन् |
| | अददरः | अददरतम् | अददरत |
| | अददरम् | अददराव | अददराम |
| प० | दरयाञ्चकार | दरयाञ्चक्रतुः | दरयाञ्चकुः |
| | दरयाञ्चकथं | दरयाञ्चकथुः | दरयाञ्चक |
| | दरयाञ्चकार-चक्र | दरयाञ्चकृन् | दरयाञ्चकृम |
| | दरयाम्बभूव | दरयामास | |
| आ० | दर्यात् | दर्यास्ताम् | दर्यासुः |
| | दर्याः | दर्यास्तम् | दर्यास्त |
| | दर्यासम् | दर्यास्व | दर्यास्म |
| श्च० | दरयिता | दरयितारौ | दरयितारः |
| | दरयितासि | दरयितास्थः | दरयितास्थ |
| | दरयितास्मि | दरयितास्वः | दरयितास्मः |
| भ० | दरयिष्यति | दरयिष्यतः | दरयिष्यन्ति |
| | दरयिष्यसि | दरयिष्यथः | दरयिष्यथ |
| | दरयिष्यामि | दरयिष्यावः | दरयिष्यामः |
| क्रि० | अदरयिष्यत् | अदरयिष्यताम् | अदरयिष्यन् |
| | अदरयिष्यः | अदरयिष्यतम् | अदरयिष्यत |
| | अदरयिष्यम् | अदरयिष्याव | अदरयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | दरयते | दरयेते | दरयन्ते |
| | दरयसे | दरयेथे | दरयध्वे |
| | दरये | दरयावहे | दरयामहे |
| स० | दरयेत | दरयेयाताम् | दरयेरन् |
| | दरयेथाः | दरयेयाथाम् | दरयेध्वम् |
| | दरयेय | दरयेवहि | दरयेमहि |
| प० | दरयताम् | दरयेताम् | दरयन्ताम् |
| | दरयस्व | दरयेथाम् | दरयध्वम् |
| | दरयै | दरयावहै | दरयामहै |
| ह्य० | अदरयत | अदरयेताम् | अदरयन्त |
| | अदरयथाः | अदरयेथाम् | अदरयध्वम् |
| | अदरये | अदरयावहि | अदरयामहि |
| अ० | अददरत | अददरेताम् | अददरन्त |
| | अददरथाः | अददरेथाम् | अददरध्वम् |
| | अददरे | अददरावहि | अददरामहि |
| प० | दरयाञ्चक्रे | दरयाञ्चक्राते | दरयाञ्चक्रिरे |
| | दरयाञ्चकृषे | दरयाञ्चक्राथे | दरयाञ्चकृत्वे |
| | दरयाञ्चक्रे | दरयाञ्चक्राहे | दरयाञ्चक्रमहे |
| | दरयाम्बभूव | दरयामास | |
| आ० | दरयिषीष्ट | दरयिषीयास्ताम् | दरयिषीन् |
| | दरयिषीष्टाः | दरयिषीयास्थाम् | दरयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | दरयिषीय | दरयिषीवहि | दरयिषीमहि |
| श्च० | दरयिता | दरयितारौ | दरयितारः |
| | दरयितासे | दरयितासाथे | दरयिताध्वे |
| | दरयिताहे | दरयितास्वहे | दरयितास्महे |
| भ० | दरयिष्यते | दरयिष्येते | दरयिष्यन्ते |
| | दरयिष्यसे | दरयिष्येथे | दरयिष्यध्वे |
| | दरयिष्ये | दरयिष्यावहे | दरयिष्यामहे |
| क्रि० | अदरयिष्यत | अदरयिष्येताम् | अदरयिष्यन्त |
| | अदरयिष्यथाः | अदरयिष्येथाम् | अदरयिष्यध्वम् |
| | अदरयिष्ये | अदरयिष्यावहि | अदरयिष्यामहि |

॥ अथ ऋदन्तः ॥

1014 स्मृ (स्मृ) आध्याने

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|----------------|
| व० | स्मरयति | स्मरयतः | स्मरयन्ति |
| | स्मरयति | स्मरयथः | स्मरयथ |
| | स्मरयामि | स्मरयावः | स्मरयामः |
| स० | स्मरयेत् | स्मरयेताम् | स्मरयेयुः |
| | स्मरयेः | स्मरयेतम् | स्मरयेत |
| | स्मरयेयम् | स्मरयेव | स्मरयेम |
| प० | स्मरयतु | स्मरयतात् | स्मरयताम् |
| | स्मरय | स्मरयतात् | स्मरयतम् |
| | स्मरयाणि | स्मरयाव | स्मरयाम |
| ह्य० | अस्मरयत् | अस्मरयताम् | अस्मरयन् |
| | अस्मरयः | अस्मरयतम् | अस्मरयत |
| | अस्मरयम् | अस्मरयाव | अस्मरयाम |
| अ० | असस्मरत् | असस्मरताम् | असस्मरन् |
| | असस्मरः | असस्मरतम् | असस्मरत |
| | असस्मरम् | असस्मराव | असस्मराम |
| प० | स्मरयाञ्चकार | स्मरयाञ्चक्रुः | स्मरयाञ्चकुः |
| | स्मरयाञ्चकथं | स्मरयाञ्चक्रुः | स्मरयाञ्चक |
| | स्मरयाञ्चकार-चक्र | स्मरयाञ्चक्रुव | स्मरयाञ्चक्रुम |
| | स्मरयाम्बभूव | । | स्मरयामास |
| आ० | स्मर्यात् | स्मर्यास्ताम् | स्मर्यासुः |
| | स्मर्याः | स्मर्यास्तम् | स्मर्यास्त |
| | स्मर्यासम् | स्मर्यास्व | स्मर्यास्म |
| श्र० | स्मरयिता | स्मरयितारौ | स्मरयितारः |
| | स्मरयितासि | स्मरयितास्थः | स्मरयितास्थ |
| | स्मरयितास्मि | स्मरयितास्वः | स्मरयितास्मः |
| भ० | स्मरयिष्यति | स्मरयिष्यतः | स्मरयिष्यन्ति |
| | स्मरयिष्यसि | स्मरयिष्यथः | स्मरयिष्यथ |
| | स्मरयिष्यामि | स्मरयिष्यावः | स्मरयिष्यामः |
| क्रि० | अस्मरयिष्यत् | अस्मरयिष्यताम् | अस्मरयिष्यन् |
| | अस्मरयिष्यः | अस्मरयिष्यतम् | अस्मरयिष्यत |
| | अस्मरयिष्यम् | अस्मरयिष्याव | अस्मरयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|------------------|
| व० | स्मरयते | स्मरयेते | स्मरयन्ते |
| | स्मरयसे | स्मरयेथे | स्मरयध्वे |
| | स्मरये | स्मरयावहे | स्मरयामहे |
| स० | स्मरयेत | स्मरयेयाताम् | स्मरयेरन् |
| | स्मरयेथाः | स्मरयेयाथाम् | स्मरयेध्वम् |
| | स्मरयेय | स्मरयेवहि | स्मरयेमहि |
| प० | स्मरयताम् | स्मरयेताम् | स्मरयन्ताम् |
| | स्मरयस्व | स्मरयेथाम् | स्मरयध्वम् |
| | स्मरयै | स्मरयावहै | स्मरयामहै |
| ह्य० | अस्मरयत | अस्मरयेताम् | अस्मरयन्त |
| | अस्मरयथाः | अस्मरयेथाम् | अस्मरयध्वम् |
| | अस्मरये | अस्मरयावहि | अस्मरयामहि |
| अ० | असस्मरत | असस्मरेताम् | असस्मरन्त |
| | असस्मरथाः | असस्मरेथाम् | असस्मरध्वम् |
| | असस्मरे | असस्मरावहि | असस्मरामहि |
| प० | स्मरयाञ्चक्रे | स्मरयाञ्चक्राते | स्मरयाञ्चक्रिरे |
| | स्मरयाञ्चक्रुषे | स्मरयाञ्चक्राथे | स्मरयाञ्चक्रुवहे |
| | स्मरयाञ्चक्रे | स्मरयाञ्चक्रुवहे | स्मरयाञ्चक्रुमहे |
| | स्मरयाम्बभूव | । | स्मरयामास |
| आ० | स्मरयिषीष्ट | स्मरयिषीयास्ताम् | स्मरयिषीरन् |
| | स्मरयिषीष्ठाः | स्मरयिषीयाथाम् | स्मरयिषीध्वम् |
| | स्मरयिषीय | स्मरयिषीवहि | स्मरयिषीमहि |
| श्र० | स्मरयिता | स्मरयितागै | स्मरयितारः |
| | स्मरयितासे | स्मरयितासाथे | स्मरयिताध्वे |
| | स्मरयिताहे | स्मरयितास्वहे | स्मरयितास्महे |
| भ० | स्मरयिष्यते | स्मरयिष्येते | स्मरयिष्यन्ते |
| | स्मरयिष्यसे | स्मरयिष्येथे | स्मरयिष्यध्वे |
| | स्मरयिष्ये | स्मरयिष्यावहे | स्मरयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्मरयिष्यत | अस्मरिष्येताम् | अस्मरयिष्यन्त |
| | अस्मरयिष्यथाः | अस्मरयिष्येथाम् | अस्मरयिष्यध्वम् |
| | अस्मरयिष्ये | अस्मरयिष्यावहि | अस्मरयिष्यामहि |

1016 नृ (नृ) नये

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| ब० | नरयति | नरयतः | नरयन्ति |
| | नरयसि | नरयथः | नरयथ |
| | नरयामि | नरयावः | नरयामः |
| स० | नरयेत् | नरयेताम् | नरयेयुः |
| | नरयेः | नरयेतम् | नरयेत |
| | नरयेयम् | नरयेव | नरयेम |
| प० | नरयतु | नरयतात् | नरयताम् |
| | नरय | नरयतात् | नरयतम् |
| | नरयाणि | नरयाव | नरयाम |
| ह्य० | अनरयत् | अनरयताम् | अनरयन् |
| | अनरयः | अनरयतम् | अनरयत |
| | अनरयम् | अनरयाव | अनरयाम |
| अ० | अनीनरत् | अनीनरताम् | अनीनरन् |
| | अनीनरः | अनीनरतम् | अनीनरत |
| | अनीनरम् | अनीनराव | अनीनराम |
| प० | नरयाञ्चकार | नरयाञ्चकतुः | नरयाञ्चकुः |
| | नरयाञ्चकथं | नरयाञ्चकथुः | नरयाञ्चक |
| | नरयाञ्चकार-चकर | नरयाञ्चकृव | नरयाञ्चकृम |
| | नरयाम्बभूव | । | नरयामास |
| आ० | नर्यात् | नर्यास्ताम् | नर्यामुः |
| | नर्याः | नर्यास्तम् | नर्यास्त |
| | नर्यासम् | नर्यास्व | नर्यास्म |
| श्व० | नरयिता | नरयितारौ | नरयितारः |
| | नरयितासि | नरयितास्थः | नरयितास्थ |
| | नरयितास्मि | नरयितास्वः | नरयितारमः |
| भ० | नरयिष्यति | नरयिष्यतः | नरयिष्यन्ति |
| | नरयिष्यसि | नरयिष्यथः | नरयिष्यथ |
| | नरयिष्यामि | नरयिष्यावः | नरयिष्यामः |
| क्रि० | अनरयिष्यत् | अनरयिष्यताम् | अनरयिष्यन् |
| | अनरयिष्यः | अनरयिष्यतम् | अनरयिष्यत |
| | अनरयिष्यम् | अनरयिष्याव | अनरयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | नरयते | नरयंते | नरयन्ते |
| | नरयसे | नरयथे | नरयध्वे |
| | नरये | नरयावहे | नरयामहे |
| स० | नरयेत | नरयेयाताम् | नरयेरन् |
| | नरयेथाः | नरयेयाथाम् | नरयेध्वम् |
| | नरयेय | नरयेवहि | नरयेमहि |
| प० | नरयताम् | नरयेताम् | नरयन्ताम् |
| | नरयस्व | नरयेथाम् | नरयध्वम् |
| | नरये | नरयावहे | नरयामहे |
| ह्य० | अनरयत | अनरयेताम् | अनरयन्त |
| | अनरयथाः | अनरयेथाम् | अनरयवम् |
| | अनरये | अनरयावहि | अनरयामहि |
| अ० | अनीनरत | अनीनरेताम् | अनीनरन्त |
| | अनीनरथाः | अनीनरेथाम् | अनीनरध्वम् |
| | अनीनरे | अनीनरावहि | अनीनरामहि |
| प० | नरयाञ्चके | नरयाञ्चकाते | नरयाञ्चकिरे |
| | नरयाञ्चकृषे | नरयाञ्चकृथे | नरयाञ्चकृत्वे |
| | नरयाञ्चके | नरयाञ्चकृवहे | नरयाञ्चकृम्हे |
| | नरयाम्बभूव | । | नरयामास |
| आ० | नरयिषीष्ट | नरयिषीयास्ताम् | नरयिषीरन् |
| | नरयिषीष्टाः | नरयिषीयास्थाम् | नरयिषीद्वम् |
| | नरयिषीय | नरयिषीवहि | नरयिषीमहि |
| श्व० | नरयिता | नरयितागौ | नरयितारः |
| | नरयितासे | नरयितासाथे | नरयिताध्वे |
| | नरयिताहे | नरयितास्वहे | नरयितास्महे |
| भ० | नरयिष्यते | नरयिष्यंते | नरयिष्यन्ते |
| | नरयिष्यसे | नरयिष्यथे | नरयिष्यध्वे |
| | नरयिष्ये | नरयिष्यावहे | नरयिष्यामहे |
| क्रि० | अनरयिष्यत | अनरयिष्यताम् | अनरयिष्यन्त |
| | अनरयिष्यथाः | अनरयिष्येथाम् | अनरयिष्यध्वम् |
| | अनरयिष्ये | अनरयिष्यावहि | अनरयिष्यामहि |

॥ अथ कान्ताश्चत्वारः ॥

1017 ष्टक (स्तक्) प्रतीयाते ।

| | | | |
|------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | स्तकयति | स्तकयतः | स्तकयन्ति |
| | स्तकयसि | स्तकयथः | स्तकयथ |
| | स्तकयामि | स्तकयावः | स्तकयामः |
| स० | स्तकयेत् | स्तकयेताम् | स्तकयेयुः |
| | स्तकयेः | स्तकयेतम् | स्तकयेत |
| | स्तकयेयम् | स्तकयेव | स्तकयेम |
| प० | स्तकयतु | स्तकयतात् | स्तकयताम् |
| | स्तकय | स्तकयतम् | स्तकयत |
| | स्तकयानि | स्तकयाव | स्तकयाम |
| ह्य० | अस्तकयत् | अस्तकयताम् | अस्तकयन् |
| | अस्तकयः | अस्तकयतम् | अस्तकयत |
| | अस्तकयम् | अस्तकयाव | अस्तकयाम |
| अ० | अतिष्टकत् | अतिष्टकताम् | अतिष्टकन् |
| | अतिष्टकः | अतिष्टकतम् | अतिष्टकत |
| | अतिष्टकम् | अतिष्टकाव | अतिष्टकाम |
| प० | स्तकयाञ्चकार | स्तकयाञ्चक्रतुः | स्तकयाञ्चक्रुः |
| | स्तकयाञ्चकथे | स्तकयाञ्चक्रथुः | स्तकयाञ्चक्र |
| | स्तकयाञ्चकार-चक्र | स्तकयाञ्चक्रव | स्तकयाञ्चक्रम् |
| | स्तकयाम्बभूव | स्तकयामास | |

| | | | |
|------|--------------|--------------|---------------|
| औ० | स्तकयात् | स्तकयास्ताम् | स्तकयासुः |
| | स्तक्याः | स्तक्यास्तम् | स्तक्यास्त |
| | स्तक्यासम् | स्तक्यास्व | स्तक्यास्म |
| श्व० | स्तकयिता | स्तकयितारौ | स्तकयितारः |
| | स्तकयितासि | स्तकयितास्थः | स्तकयितास्थ |
| | स्तकयितास्मि | स्तकयिताम्बः | स्तकयितारस्मः |
| भ० | स्तकयिष्यति | स्तकयिष्यतः | स्तकयिष्यन्ति |
| | स्तकयिष्यसि | स्तकयिष्यथः | स्तकयिष्यथ |
| | स्तकयिष्यामि | स्तकयिष्यावः | स्तकयिष्यामः |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|--------------|
| क्रि० | अस्तकयिष्यत् | अस्तकयिष्यताम् | अस्तकयिष्यन् |
| | अस्तकयिष्यः | अस्तकयिष्यतम् | अस्तकयिष्यत |
| | अस्तकयिष्यम् | अस्तकयिष्याव | अस्तकयिष्याम |

| | | | |
|------|---------------|----------------|-----------------|
| व० | स्तकयेते | स्तकयेते | स्तकयन्ते |
| | स्तकयेसे | स्तकयेथे | स्तकयेध्वे |
| | स्तकये | स्तकयावहे | स्तकयामहे |
| स० | स्तकयेत | स्तकयेयाताम् | स्तकयेरन् |
| | स्तकयेथाः | स्तकयेयाथाम् | स्तकयेध्वम् |
| | स्तकयेय | स्तकयेवहि | स्तकयेमहि |
| प० | स्तकयताम् | स्तकयेताम् | स्तकयन्ताम् |
| | स्तकयस्व | स्तकयेथाम् | स्तकयध्वम् |
| | स्तकये | स्तकयावहे | स्तकयामहे |
| ह्य० | अस्तकयत | अस्तकयेताम् | अस्तकयन्त |
| | अस्तकयथाः | अस्तकयेथाम् | अस्तकयध्वम् |
| | अस्तकये | अस्तकयावहि | अस्तकयामहि |
| अ० | अतिष्टकत् | अतिष्टकेताम् | अतिष्टकन्त |
| | अतिष्टकथाः | अतिष्टकेथाम् | अतिष्टकध्वम् |
| | अतिष्टके | अतिष्टकावहि | अतिष्टकामहि |
| प० | स्तकयाञ्चके | स्तकयाञ्चकाते | स्तकयाञ्चक्रिरे |
| | स्तकयाञ्चकृषे | स्तकयाञ्चकृथे | स्तकयाञ्चकृद्वे |
| | स्तकयाञ्चके | स्तकयाञ्चकृवहे | स्तकयाञ्चकृमहे |
| | स्तकयाम्बभूव | स्तकयामास | |

| | | | |
|----|---------------|------------------|---------------|
| आ० | स्तकयिषीष्ट | स्तकयिषीयास्ताम् | स्तकयिषीरन् |
| | स्तकयिषीष्ठाः | स्तकयिषीयास्थाम् | स्तकयिषीध्वम् |

| | | | |
|------|-------------|---------------|---------------|
| | स्तकयिषीय | स्तकयिषीवहि | स्तकयिषीमहि |
| श्व० | स्तकयिता | स्तकयितारौ | स्तकयितारः |
| | स्तकयितासे | स्तकयितासाथे | स्तकयिताध्वे |
| | स्तकयिताहे | स्तकयितावहे | स्तकयितास्महे |
| भ० | स्तकयिष्यते | स्तकयिष्येते | स्तकयिष्यन्ते |
| | स्तकयिष्यसे | स्तकयिष्येथे | स्तकयिष्यध्वे |
| | स्तकयिष्ये | स्तकयिष्यावहे | स्तकयिष्यामहे |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| क्रि० | अस्तकयिष्यत | अस्तकयिष्येताम् | अस्तकयिष्यन्त |
| | अस्तकयिष्यथाः | अस्तकयिष्येथाम् | अस्तकयिष्यध्वम् |
| | अस्तकयिष्ये | अस्तकयिष्यावहि | अस्तकयिष्यामहि |

1018 स्तक (स्तक्) प्रतीयाते ।

| | | | |
|-------|----------------------------|----------------|---------------|
| व० | स्तकयति | स्तकयतः | स्तकयन्ति |
| | स्तकयसि | स्तकयथः | स्तकयथ |
| | स्तकयामि | स्तकयावः | स्तकयामः |
| स० | स्तकयेत् | स्तकयेताम् | स्तकयेयुः |
| | स्तकयेः | स्तकयेतम् | स्तकयेत |
| | स्तकयेयम् | स्तकयेव | स्तकयेम |
| प० | स्तकयतु | स्तकयतात् | स्तकयताम् |
| | स्तकय | स्तकयतम् | स्तकयत |
| | स्तकयानि | स्तकयाव | स्तकयाम |
| ह्य० | अस्तकयत् | अस्तकयताम् | अस्तकयन् |
| | अस्तकयः | अस्तकयतम् | अस्तकयत |
| | अस्तकयम् | अस्तकयाव | अस्तकयाम |
| अ० | अतिस्तकत् | अतिस्तकताम् | अतिस्तकन् |
| | अतिस्तकः | अतिस्तकतम् | अतिस्तकत |
| | अतिस्तकम् | अतिस्तकाव | अतिस्तकाम |
| प० | स्तकयाञ्चकार | स्तकयाञ्चक्रुः | स्तकयाञ्चकः |
| | स्तकयाञ्चकथं | स्तकयाञ्चकथुः | स्तकयाञ्चक |
| | स्तकयाञ्चकार-चकर | स्तकयाञ्चकृव | स्तकयाञ्चकृम |
| | स्तकयाम्बभूव । स्तकयामास । | | |
| आ० | स्तकयात् | स्तकयास्ताम् | स्तकयासुः |
| | स्तकयाः | स्तकयास्तम् | स्तकयास्त |
| | स्तकयासम् | स्तकयास्व | स्तकयास्म |
| श्व० | स्तकयित्वा | स्तकयितारौ | स्तकयितारः |
| | स्तकयितासि | स्तकयितास्थः | स्तकयितास्थ |
| | स्तकयितास्मि | स्तकयितास्व | स्तकयितास्मः |
| भ० | स्तकयिष्यति | स्तकयिष्यतः | स्तकयिष्यन्ति |
| | स्तकयिष्यसि | स्तकयिष्यथः | स्तकयिष्यथ |
| | स्तकयिष्यामि | स्तकयिष्यावः | स्तकयिष्यामः |
| क्रि० | स्तकयिष्यत् | अस्तकयिष्यताम् | अस्तकयिष्यन् |
| | अस्तकयिष्यः | अस्तकयिष्यतम् | अस्तकयिष्यत |
| | अस्तकयिष्यम् | अस्तकयिष्याव | अस्तकयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------------------|------------------|-----------------|
| व० | स्तकयते | स्तकयेते | स्तकयन्ते |
| | स्तकयसे | स्तकयेथे | स्तकयध्वे |
| | स्तकये | स्तकयावहे | स्तकयामहे |
| स० | स्तकयेत | स्तकयेयाताम् | स्तकयेरन् |
| | स्तकयेथाः | स्तकयेयाथाम् | स्तकयेध्वम् |
| | स्तकयेय | स्तकयेवहि | स्तकयेमहि |
| प० | स्तकयताम् | स्तकयेताम् | स्तकयताम् |
| | स्तकयस्व | स्तकयेथाम् | स्तकयध्वम् |
| | स्तकये | स्तकयावहे | स्तकयामहे |
| ह्य० | अस्तकयत | अस्तकयेताम् | अस्तकयन्त |
| | अस्तकयथाः | अस्तकयेथाम् | अस्तकयध्वम् |
| | अस्तकये | अस्तकयावहि | अस्तकयामहि |
| अ० | अतिस्तकत | अतिस्तकेताम् | अतिस्तकन्त |
| | अतिस्तकथाः | अतिस्तकेथाम् | अतिस्तकध्वम् |
| | अतिस्तके | अतिस्तकावहि | अतिस्तकामहि |
| प० | स्तकयाञ्चके | स्तकयाञ्चकाते | स्तकयाञ्चकिरे |
| | स्तकयाञ्चकृषे | स्तकयाञ्चक्राथे | स्तकयाञ्चकृद्वे |
| | स्तकयाञ्चके | स्तकयाञ्चकृवहे | स्तकयाञ्चकृमहे |
| | स्तकयाम्बभूव । स्तकयामास । | | |
| आ० | स्तकयिषीष्ट | स्तकयिषीयास्ताम् | स्तकयिषीरन् |
| | स्तकयिषीष्टाः | स्तकयिषीयास्थाम् | स्तकयिषीध्वम् |
| | स्तकयिषीय | स्तकयिषीवहि | स्तकयिषीमहि |
| श्व० | स्तकयिता | स्तकयितारौ | स्तकयितारः |
| | स्तकयितासे | स्तकयितासाथे | स्तकयिताध्वे |
| | स्तकयिताहे | स्तकयितास्वहे | स्तकयितास्महे |
| भ० | स्तकयिष्यते | स्तकयिष्येते | स्तकयिष्यन्ते |
| | स्तकयिष्यसे | स्तकयिष्येथे | स्तकयिष्यध्वे |
| | स्तकयिष्ये | स्तकयिष्यावहे | स्तकयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तकयिष्यत | अस्तकयिष्येताम् | अस्तकयिष्यन्त |
| | अस्तकयिष्यथाः | अस्तकयिष्येथाम् | अस्तकयिष्यध्वम् |
| | अस्तकयिष्ये | अस्तकयिष्यावहि | अस्तकयिष्यामहि |

1020 अक (अक्) कुटिलायां गतौ ।

| | | | |
|------|-----------------|--------------|--------------|
| व० | अकयति | अकयतः | अकयन्ति |
| | अकयसि | अकयथः | अकयथ |
| | अकयामि | अकयावः | अकयामः |
| स० | अकयेत् | अकयेताम् | अकयेयुः |
| | अकयेः | अकयेतम् | अकयेत |
| | अकयेयम् | अकयेव | अकयेम |
| प० | अकयतु | अकयतात् | अकयताम् |
| | अकय | अकयतम् | अकयत |
| | अकयानि | अकयाव | अकयाम |
| ह्य० | आकयत् | आकयताम् | आकयन् |
| | आकयः | आकयतम् | आकयत |
| | आकयम् | आकयाव | आकयाम |
| अ० | आचिकत् | आचिकताम् | आचिकन् |
| | आचिकः | आचिकतम् | आचिकत |
| | आचिकम् | आचिकाव | आचिकाम |
| प० | अकयाञ्चकार | अकयाञ्चक्रुः | अकय.ञ्चक्रुः |
| | अकयाञ्चकथ | अकयाञ्चक्रुः | अकयाञ्चक |
| | अकयाञ्चकार-चक्र | अकयाञ्चक्रुव | अकयाञ्चक्रुम |

अकयाम्बभूव । अकयामास ।

| | | | |
|-------|------------|-------------|-------------|
| भा० | अवयात् | अवयास्ताम् | अवयासुः |
| | अवयाः | अवयास्तम् | अवयास्त |
| | अवयासम् | अवयास्व | अवयास्म |
| भ० | अकयिता | अकयितारौ | अकयितारः |
| | अकयितासि | अकयितास्थः | अकयितास्व |
| | अकयितास्मि | अकयितास्वः | अकयितास्मः |
| भ० | अकयिष्यति | अकयिष्यतः | अकयिष्यन्ति |
| | अकयिष्यसि | अकयिष्यथः | अकयिष्यथ |
| | अकयिष्यामि | अकयिष्यावः | अकयिष्यामः |
| क्रि० | आकयिष्यत् | आकयिष्यताम् | आकयिष्यन् |
| | आकयिष्य | आकयिष्यतम् | आकयिष्यत |
| | आकयिष्यम् | आकयिष्याव | आकयिष्याम |

| | | | |
|------|------------------------|----------------|-----------------|
| व० | अकयते | अकयते | अकयन्ते |
| | अकयसे | अकयेथे | अकयध्वे |
| | अकये | अकयावहे | अकयामहे |
| स० | अकयेत | अकयेयाताम् | अकयेरन् |
| | अकयेथाः | अकयेयाथाम् | अकयेध्वम् |
| | अकयेय | अकयेवहि | अकयेमहि |
| प० | अकयताम् | अकयेताम् | अकयन्ताम् |
| | अकयस्व | अकयेथाम् | अकयध्वम् |
| | अकये | अकयावहे | अकयामहे |
| ह्य० | आकयत् | आकयेताम् | आकयन्त |
| | आकयथाः | आकयेथाम् | आकयध्वम् |
| | आकये | आकयावहि | आकयामहि |
| अ० | आचिकत | आचिकेताम् | आचिकन्त |
| | आचिकथाः | आचिकेथाम् | आचिकध्वम् |
| | आचिके | आचिकावहि | आचिकामहि |
| प० | अकयाञ्चक्रे | अकयाञ्चकाले | अकयाञ्चकिरे |
| | अकयाञ्चक्रुषे | अकयाञ्चक्रुथे | अकयाञ्चक्रुध्वे |
| | अकयाञ्चक्रे | अकयाञ्चक्रुवहे | अकयाञ्चक्रुमहे |
| | अकयाम्बभूव । अकयामास । | | |

| | | | |
|-------|-------------|--------------|--------------|
| आ० | अकयिषीष्ट | अकयिषीस्ताम् | अकयिषीरन् |
| | अकयिषीष्टाः | अकयिषीयाथाम् | अकयिषीध्वम् |
| | अकयिषीय | अकयिषीवहि | अकयिषीमहि |
| च० | अकयिता | अकयितारौ | अकयितारः |
| | अकयितासि | अकयितास्थे | अकयिताध्वे |
| | अकयिताहे | अकयितास्वहे | अकयितास्महे |
| भ० | अकयिष्यते | अकयिष्येते | अकयिष्यन्ते |
| | अकयिष्यसे | अकयिष्यथे | अकयिष्यध्वे |
| | अकयिष्ये | अकयिष्यावहे | अकयिष्यामहे |
| क्रि० | आकयिष्यत् | आकयिष्येताम् | आकयिष्यन्त |
| | आकयिष्यथाः | आकयिष्येथाम् | आकयिष्यध्वम् |
| | आकयिष्ये | आकयिष्यावहि | आकयिष्यामहि |

॥ अथ खान्तः ॥

1021 कखे (कख्) हसने ।

| | | |
|-----------------------|--------------|-------------|
| व० कखयति | कखयतः | कखयन्ति |
| कखयसि | कखयथः | कखयथ |
| कखयामि | कखयावः | कखयामः |
| स० कखयेत् | कखयेताम् | कखयेयुः |
| कखयेः | कखयेतम् | कखयेत |
| कखयेयम् | कखयेव | कखयेम |
| प० कखयतु | कखयतात् | कखयताम् |
| कखय | ” | कखयतम् |
| कखयानि | कखयाव | कखयाम |
| ख० अकखयत् | अकखयताम् | अकखयन् |
| अकखयः | अकखयतम् | अकखयत |
| अकखयम् | अकखयाव | अकखयाम |
| अ० अचीकखत् | अचीकखताम् | अचीकखन् |
| अचीकखः | अचीकखतम् | अचीकखत |
| अचीकखम् | अचीकखाव | अचीकखाम |
| प० कखयाञ्चकार | कखयाञ्चक्रुः | कखयाञ्च कुः |
| कखयाञ्चकथ | कखयाञ्चक्रुः | कखयाञ्च क |
| कखयाञ्चकार-चक्र | कखयाञ्चक्रुव | कखयाञ्च कृम |
| कखयाम्भूव । कखयामास । | | |
| आ० कख्यात् | कख्यास्ताम् | कख्यासुः |
| कख्याः | कख्यास्तम् | कख्यास्त |
| कख्यासम् | कख्यास्व | कख्यास्म |
| ख० कखयिता | कखयितारौ | कखयितारः |
| कखयितासि | कखयितास्थः | कखयितास्थ |
| कखयितास्मि | कखयिताम्बः | कखयितास्मः |
| अ० कखयिष्यति | कखयिष्यतः | कखयिष्यन्ति |
| कखयिष्यसि | कखयिष्यथः | कखयिष्यथ |
| कखयिष्यामि | कखयिष्यावः | कखयिष्यामः |
| क्रि० अकखयिष्यत् | अकखयिष्यताम् | अकखयिष्यन् |
| अकखयिष्यः | अकखयिष्यतम् | अकखयिष्यत |
| अकखयिष्यम् | अकखयिष्याव | अकखयिष्याम |

| | | |
|-----------------------|----------------|---------------|
| व० कखयते | कखयेते | कखयन्ते |
| कखयसे | कखयेथे | कखयध्वे |
| कखये | कखयावहे | कखयामहे |
| स० कखयेत | कखयेयाताम् | कखयन् |
| कखयेथाः | कखयेयाथाम् | कखयेध्वम् |
| कखयेय | कखयेवहि | कखयेमहि |
| प० कखयताम् | कखयेताम् | कखयन्ताम् |
| कखयस्व | कखयेथाम् | कखयध्वम् |
| कखयै | कखयावहै | कखयामहै |
| ख० अकखयत | अकखयेताम् | अकखयन्त |
| अकखयथाः | अकखयेथाम् | अकखयध्वम् |
| अकखये | अकखयावहि | अकखयामहि |
| अ० अचीकखत | अचीकखेताम् | अचीकखन्त |
| अचीकखथाः | अचीकखेथाम् | अचीकखध्वम् |
| अचीकखे | अचीकखावहि | अचीकखामहि |
| प० कखयाञ्चक्रे | कखयाञ्चक्राते | कखयाञ्चक्रे |
| कखयाञ्चकृपे | कखयाञ्चक्राथे | कखयाञ्चकृद्वे |
| कखयाञ्चक्रे | कखयाञ्चकृवहे | कखयाञ्चकृमहे |
| कखयाम्भूव । कखयामास । | | |
| आ० कखयिषीष्ट | कखयिषीयास्ताम् | कखयिषीरन् |
| कखयिषीष्टाः | कखयिषीयास्थाम् | कखयिषीध्वम् |
| कखयिषीय | कखयिषीवहि | कखयिषीमहि |
| ख० कखयिता | कखयितारौ | कखयितारः |
| कखयितासे | कखयितासाथे | कखयिताध्वे |
| कखयिताहे | कखयितास्वहे | कखयितास्महे |
| अ० कखयिष्यते | कखयिष्येते | कखयिष्यन्ते |
| कखयिष्यसे | कखयिष्येथे | कखयिष्यध्वे |
| कखयिष्ये | कखयिष्यावहे | कखयिष्यामहे |
| क्रि० अकखयिष्यत | अकखयिष्येताम् | अकखयिष्यन्त |
| अकखयिष्यथाः | अकखयिष्येथाम् | अकखयिष्यध्वम् |
| अकखयिष्ये | अकखयिष्यावहि | अकखयिष्यामहि |

॥ अथ गान्ता नव ॥

1022 अग (अग्) अकवत् ।

| | | | |
|-------|-----------------|-------------|-------------|
| व० | अगयति | अगयतः | अगयन्ति |
| | अगयसि | अगयथः | अगयथ |
| | अगयामि | अगयावः | अगयामः |
| स० | अगयेत् | अगयेताम् | अगयेयुः |
| | अगयेः | अगयेतम् | अगयेत |
| | अगयेयम् | अगयेव | अगयेम |
| प० | अगयतु | अगयतात् | अगयन्तु |
| | अगय | अगयतात् | अगयतम् |
| | अगयानि | अगयाव | अगयाम |
| ह्य० | आगयत् | आगयताम् | आगयन् |
| | आगयः | अगयतम् | आगयत |
| | आगयम् | अगयाव | आगयाम |
| अ० | आजिगत | आजिगताम् | आजिगन् |
| | आजिगः | आजिगतम् | आजिगत |
| | आजिगम् | आजिगाव | आजिगाम |
| प० | अगयाञ्चकार | अगयाञ्चकतुः | अगयाञ्चकुः |
| | अगयाञ्चकृ | अगयाञ्चकथः | अगयाञ्चक |
| | अगयाञ्चकार-चक्र | अगयाञ्चकृव | अगयाञ्चकृम |
| | अगयाञ्चभूव | अगयाञ्चभू | अगयाञ्चभू |
| आ० | अग्यात् | अग्यास्ताम् | अग्यासुः |
| | अग्याः | अग्यास्तम् | अग्यास्त |
| | अग्यासम् | अग्यास्व | अग्यासम् |
| ध० | अगयिता | अगयितारौ | अगयितारः |
| | अगयितासि | अगयितास्थः | अगयितास्थ |
| | अगयितास्मि | अगयितास्वः | अगयितास्मः |
| म० | अगयिष्यति | अगयिष्यतः | अगयिष्यन्ति |
| | अगयिष्यसि | अगयिष्यथः | अगयिष्यथ |
| | अगयिष्यामि | अगयिष्यावः | अगयिष्यामः |
| क्रि० | आगयिष्यत् | आगयिष्यताम् | आगयिष्यन् |
| | आगयिष्यः | आगयिष्यतम् | आगयिष्यत |
| | आगयिष्यम् | आगयिष्याव | आगयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | अगयते | अगयेते | अगयन्ते |
| | अगयसे | अगयेथे | अगयध्वे |
| | अगये | अगयावहे | अगयामहे |
| स० | अगयेत् | अगयेयाताम् | अगयेरन् |
| | अगयेथाः | अगयेयाधाम् | अगयेध्वम् |
| | अगयेय | अगयेवहि | अगयेमहि |
| प० | अगयताम् | अगयेताम् | अगयन्ताम् |
| | अगयस्व | अगयेथाम् | अगयध्वम् |
| | अगयै | अगयावहे | अगयामहे |
| ह्य० | आगयत् | आगयेताम् | आगयन्त |
| | आगयथाः | आगयेथाम् | आगयध्वम् |
| | आगये | आगयावहि | आगयामहि |
| अ० | आजिगत | आजिगेताम् | आजिगन्त |
| | आजिगथाः | आजिगेथाम् | आजिगध्वम् |
| | आजिगे | आजिगावहि | आजिगामहि |
| प० | अगयाञ्चके | अगयाञ्चकाते | अगयाञ्चकिरे |
| | अगयाञ्चकृषे | अगयाञ्चकृथे | अगयाञ्चकृद्वे |
| | अगयाञ्चके | अगयाञ्चकृवहे | अगयाञ्चकृमहे |
| | अगयाञ्चभूव | अगयाञ्चभू | अगयाञ्चभू |
| आ० | अगयिषीष्ट | अगयिषीयास्ताम् | अगयिषीरन् |
| | अगयिषीष्टाः | अगयिषीयाधाम् | अगयिषीध्वम् |
| | अगयिषीय | अगयिषीवहि | अगयिषीमहि |
| ध० | अगयिता | अगयितारौ | अगयितारः |
| | अगयितासे | अगयितास्थे | अगयिताध्वे |
| | अगयिताहे | अगयितास्वहे | अगयितास्महे |
| म० | अगयिष्यते | अगयिष्येते | अगयिष्यन्ते |
| | अगयिष्यसे | अगयिष्येथे | अगयिष्यध्वे |
| | अगयिष्ये | अगयिष्यावहे | अगयिष्यामहे |
| क्रि० | आगयिष्यत् | आगयिष्यताम् | आगयिष्यन्त |
| | आगयिष्यथाः | आगयिष्येथाम् | आगयिष्यध्वम् |
| | आगयिष्ये | आगयिष्यावहि | आगयिष्यामहि |

1023 रगे (रग्) शङ्कायाम्

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | रग्यति | रगयतः | रगयन्ति |
| | रगयसि | रगयथः | रगयथ |
| | रगयामि | रगयावः | रगयामः |
| स | रगयेत् | रगयेताम् | रगयेयुः |
| | रगयेः | रगयेतम् | रगयेत |
| | रगयेयम् | रगदेव | रगयेम |
| प० | रगयतु | रगयतात् | रगयताम् |
| | रगय | रगयतात् | रगयतम् |
| | रगयानि | रगयाव | रगयाम |
| ह्य० | अरगयत् | अरगयताम् | अरगयन् |
| | अरगयः | अरगयतम् | अरगयत |
| | अरगयम् | अरगयाव | अरगयाम |
| अ० | अरीरगत् | अरीरगताम् | अरीरगन् |
| | अरीरगः | अरीरगतम् | अरीरगत |
| | अरीरगाम् | अरीरगाव | अरीरगाम |
| प | रगयाञ्चकार | रगयाञ्चकतुः | रगयाञ्चकुः |
| | रगयाञ्चकथं | रगयाञ्चकथुः | रगयाञ्चक |
| | रगयाञ्चकार-चकर | रगयाञ्चकव | रगयाञ्चकम् |
| | रगयाम्बभूव | रगयामास | |
| आ | रग्यतात् | रग्यताम् | रग्यतुः |
| | रग्याः | रग्यास्तम् | रग्यास्त |
| | रग्यासम् | रग्यास्व | रग्यास |
| अ० | रगयिता | रगयितासौ | रगयितारः |
| | रगयितासि | रगयितास्थः | रगयितास्थ |
| | रगयितास्मि | रगयितास्वः | रगयितास्मः |
| अ० | रगयिष्यति | रगयिष्यतः | रगयिष्यन्ति |
| | रगयिष्यसि | रगयिष्यथः | रगयिष्यथ |
| | रगयिष्यामि | रगयिष्यावः | रगयिष्यामः |
| क्रि० | अरगयिष्यत् | अरगयिष्यताम् | अरगयिष्यन् |
| | अरगयिष्यः | अरगयिष्यतम् | अरगयिष्यत |
| | अरगयिष्यम् | अरगयिष्याव | अरगयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-----------------|
| व० | रगयते | रगयेते | रगयन्ते |
| | रगयसे | रगयेथे | रगयन्थे |
| | रगये | रगयावहे | रगयामहे |
| स० | रगयेत | रगयेताताम् | रगयेरन् |
| | रगयेथाः | रगयेथाताम् | रगयेथ्वम् |
| | रगयेय | रगयेवहि | रगयेमहि |
| प० | रगयताम् | रगयेताम् | रगयन्ताम् |
| | रगयस्व | रगयेथाम् | रगयन्थ्वम् |
| | रगये | रगयावहे | रगयामहे |
| ह्य० | अरगयत | अरगयेताम् | अरगयन्त |
| | अरगयथाः | अरगयेथाम् | अरगयन्थ्वम् |
| | अरगये | अरगयावहि | अरगयामहि |
| अ० | अरीरगत | अरीरगेताम् | अरीरगन्त |
| | अरीरगथाः | अरीरगेथाम् | अरीरगन्थ्वम् |
| | अरीरगे | अरीरगावहि | अरीरगामहि |
| प० | रगयाञ्चके | रगयाञ्चकते | रगयाञ्चकिरे |
| | रगयाञ्चकथे | रगयाञ्चकथे | रगयाञ्चकृद्वे |
| | रगयाञ्चके | रगयाञ्चकृवहे | रगयाञ्चकृमहे |
| | रगयाञ्चभूव | रगयामास | |
| आ० | रगयिषीष्ट | रगयिषीयास्तम् | रगयिषीरन् |
| | रगयिषीष्टाः | रगयिषीयास्थाम् | रगयिषीह्वम् |
| | रगयिषीय | रगयिषीवहि | रगयिषीमहि |
| अ० | रगयिता | रगयितारौ | रगयितारः |
| | रगयितासे | रगयितामथे | रगयितान्वे |
| | रगयिताहे | रगयितास्वहे | रगयितास्महे |
| अ० | रगयिष्यते | रगयिष्येते | रगयिष्यन्ते |
| | रगयिष्यसे | रगयिष्येथे | रगयिष्यन्थे |
| | रगयिष्ये | रगयिष्यावहे | रगयिष्यामहे |
| क्रि० | अरगयिष्यत | अरगयिष्येताम् | अरगयिष्यन्त |
| | अरगयिष्यथाः | अरगयिष्येथाम् | अरगयिष्यन्थ्वम् |
| | अरगयिष्ये | अरगयिष्यावहि | अरगयिष्यामहि |

1024 लगे सङ्गे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | लगयति | लगयतः | लगयन्ति |
| | लगयसि | लगयथः | लगयथ |
| | लगयामि | लगयावः | लगयामः |
| स० | लगयेत् | लगयेताम् | लगयेयुः |
| | लगयेः | लगयेतम् | लगयेत |
| | लगयेयम् | लगयेव | लगयेम |
| प० | लगयतु | लगयतात् | लगयताम् |
| | लगय | लगयतात् | लगयतम् |
| | लगयानि | लगयाव | लगयाम |
| ह्य० | अलगयत् | अलगयताम् | अलगयन् |
| | अलगयः | अलगयतम् | अलगयत |
| | अलगयम् | अलगयाव | अलगयाम |
| अ० | अलीलगत् | अलीलगताम् | अलीलगन् |
| | अलीलगः | अलीलगतम् | अलीलगत |
| | अलीलगम् | अलीलगाव | अलीलगाम |
| प० | लगयाञ्चक्र | लगयाञ्चक्रुः | लगयाञ्चक्रुः |
| | लगयाञ्चक्रथ | लगयाञ्चक्रथुः | लगयाञ्चक्र |
| | लगयाञ्चकार-चक्र | लगयाञ्चक्रुव | लगयाञ्चक्रुम |
| | लगयाम्बभूव | लगयामास | |
| आ० | लगयात् | लगयास्ताम् | लगयासुः |
| | लगयाः | लगयास्तम् | लगयास्त |
| | लगयासम् | लगयास्व | लगयासम |
| अ० | लगयिता | लगयितारौ | लगयितारः |
| | लगयितासि | लगयितास्थः | लगयितास्थ |
| | लगयितास्मि | लगयितास्वः | लगयितास्मः |
| भ० | लगयिष्यति | लगयिष्यतः | लगयिष्यन्ति |
| | लगयिष्यसि | लगयिष्यथः | लगयिष्यथ |
| | लगयिष्यामि | लगयिष्यावः | लगयिष्यामः |
| क्रि० | अलगयिष्यत् | अलगयिष्यताम् | अलगयिष्यन् |
| | अलगयिष्यः | अलगयिष्यतम् | अलगयिष्यत |
| | अलगयिष्यम् | अलगयिष्याव | अलगयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | लगयते | लगयेते | लगयन्ते |
| | लगयसे | लगयेथे | लगयध्वे |
| | लगये | लगयावहे | लगयामहे |
| स० | लगयेत | लगयेताताम् | लगयेरन् |
| | लगयेथाः | लगयेथाताम् | लगयेध्वम् |
| | लगयेथ | लगयेवहि | लगयेमहि |
| प० | लगयताम् | लगयेताम् | लगयन्ताम् |
| | लगयस्व | लगयेथाम् | लगयध्वम् |
| | लगयै | लगयावहे | लगयामहे |
| ह्य० | अलगयत | अलगयेताम् | अलगयन्त |
| | अलगयथाः | अलगयेथाम् | अलगयध्वम् |
| | अलगये | अलगयावहि | अलगयामहि |
| अ० | अलीलगत् | अलीलगेताम् | अलीलगन्त |
| | अलीलगथाः | अलीलगेथाम् | अलीलगध्वम् |
| | अलीलगे | अलीलगावहि | अलीलगामहि |
| प० | लगयाञ्चक्रे | लगयाञ्चक्राते | लगयाञ्चक्रिरे |
| | लगयाञ्चकृषे | लगयाञ्चक्रथे | लगयाञ्चकृद्धे |
| | लगयाञ्चक्रे | लगयाञ्चकृवहे | लगयाञ्चकृमहे |
| | लगयाम्बभूव | लगयामास | |
| आ० | लगयिषीष्ट | लगयिषीथास्ताम् | लगयिषीरन् |
| | लगयिषीष्ठाः | लगयिषीथास्ताम् | लगयिषीध्वम् |
| | लगयिषीय | लगयिषीवहि | लगयिषीमहि |
| अ० | लगयिता | लगयितारौ | लगयितारः |
| | लगयितासे | लगयितासाथे | लगयिताध्वे |
| | लगयिताहे | लगयितास्वहे | लगयितास्महे |
| भ० | लगयिष्यते | लगयिष्येते | लगयिष्यन्ते |
| | लगयिष्यसे | लगयिष्येथे | लगयिष्यध्वे |
| | लगयिष्ये | लगयिष्यावहे | लगयिष्यामहे |
| क्रि० | अलगयिष्यत् | अलगयिष्येताम् | अलगयिष्यन्त |
| | अलगयिष्यथाः | अलगयिष्येथाम् | अलगयिष्यध्वम् |
| | अलगयिष्ये | अलगयिष्यावहि | अलगयिष्यामहि |

1025 हगे (हग्) सेवरणे ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | हगयति | हगयतः | हगयन्ति |
| | हगयसि | हगयथः | हगयथ |
| | हगयामि | हगयावः | हगयामः |
| स० | हगयेत् | हगयेताम् | हगयेयुः |
| | हगयेः | हगयेतम् | हगयेत |
| | हगयेयम् | हगयेव | हगयेम |
| प० | हगयतु | हगयतात् | हगयताम् |
| | हगय | हगयतात् | हगयतम् |
| | हगयाणि | हगयाव | हगयाम |
| स० | अहगयत् | अहगयताम् | अहगयन् |
| | अहगयः | अहगयतम् | अहगयत |
| | अहगयम् | अहगयाव | अहगयाम |
| अ० | अजिहगत् | अजिहगताम् | अजिहगन् |
| | अजिहगः | अजिहगतम् | अजिहगत |
| | अजिहगम् | अजिहगाव | अजिहगाम |
| प० | हगयाञ्चकार | हगयाञ्चकतुः | हगयाञ्चकुः |
| | हगयाञ्चकथं | हगयाञ्चकथुः | हगयाञ्चक |
| | हगयाञ्चकार-चकर | हगयाञ्चकृव | हगयाञ्चकृम |
| | हगयाम्बभूव | हगयामाव | |
| आ० | हग्यात् | हग्यास्ताम् | हग्यासुः |
| | हग्याः | हग्यास्तम् | हग्यास्त |
| | हग्यासम् | हग्यास्व | हग्यासम |
| अ० | हगयिता | हगयितारौ | हगयितारः |
| | हगयितासि | हगयितास्थः | हगयितास्थ |
| | हगयितास्मि | हगयितास्वः | हगयितास्मः |
| अ० | हगयिष्यति | हगयिष्यतः | हगयिष्यन्ति |
| | हगयिष्यसि | हगयिष्यथः | हगयिष्यथ |
| | हगयिष्यामि | हगयिष्यावः | हगयिष्यामः |
| क्रि० | अहगयिष्यत् | अहगयिष्यताम् | अहगयिष्यन् |
| | अहगयिष्यः | अहगयिष्यतम् | अहगयिष्यत |
| | अहगयिष्यम् | अहगयिष्याव | अहगयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-----------------|
| व० | हगयते | हगयेते | हगयन्ते |
| | हगयसे | हगयेथे | हगयन्थे |
| | हगये | हगयावहे | हगयामहे |
| स० | हगयेत | हगयेताताम् | हगयेरन् |
| | हगयेथाः | हगयेथाथाम् | हगयेथ्वम् |
| | हगयेय | हगयेवहि | हगयेमहि |
| प० | हगयताम् | हगयेताम् | हगयन्ताम् |
| | हगयस्व | हगयेथाम् | हगयन्थ्वम् |
| | हगये | हगयावहे | हगयामहे |
| स० | अहगयत | अहगयेताम् | अहगयन्त |
| | अहगयथाः | अहगयेथाम् | अहगयन्थ्वम् |
| | अहगये | अहगयावहि | अहगयामहि |
| अ० | अजिहगत | अजिहगेताम् | अजिहगन्त |
| | अजिहगथाः | अजिहगेथाम् | अजिहगन्थ्वम् |
| | अजिहगे | अजिहगावहि | अजिहगामहि |
| प० | हगयाञ्चक्रे | हगयाञ्चकृते | हगयाञ्चकृरे |
| | हगयाञ्चकृषे | हगयाञ्चकृथे | हगयाञ्चकृथे |
| | हगयाञ्चक्रे | हगयाञ्चकृवहे | हगयाञ्चकृमहे |
| | हगयाम्बभूत | हगयामास | |
| आ० | हगयिषीष्ट | हगयिषीष्टताम् | हगयिषीरन् |
| | हगयिषीष्टाः | हगयिषीष्टाथाम् | हगयिषीष्ट्वम् |
| | हगयिषीथ | हगयिषीवहि | हगयिषीमहि |
| अ० | हगयिता | हगयिनारौ | हगयितारः |
| | हगयितासे | हगयितासाथे | हगयिताथ्वे |
| | हगयिताहे | हगयितास्वहे | हगयितास्महे |
| अ० | हगयिष्यते | हगयिष्यन्ते | हगयिष्यन्ते |
| | हगयिष्यसे | हगयिष्येथे | हगयिष्यन्थ्वे |
| | हगयिष्ये | हगयिष्यावहे | हगयिष्यामहे |
| क्रि० | अहगयिष्यत | अहगयिष्येताम् | अहगयिष्यन्त |
| | अहगयिष्यथाः | अहगयिष्येथाम् | अहगयिष्यन्थ्वम् |
| | अहगयिष्ये | अहगयिष्यावहि | अहगयिष्यामहि |

1026 ह्ग (ह्गृ) संवरणे

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | ह्गयति | ह्गयतः | ह्गयन्ति |
| | ह्गयसि | ह्गयथः | ह्गयथ |
| | ह्गयामि | ह्गयावः | ह्गयामः |
| स० | ह्गयेत् | ह्गयेताम् | ह्गयेयुः |
| | ह्गयेः | ह्गयेतम् | ह्गयेत |
| | ह्गयेयम् | ह्गयेव | ह्गयेम |
| प० | ह्गयतु | ह्गयतात् | ह्गयताम् |
| | ह्गय | ह्गयतात् | ह्गयतम् |
| | ह्गयानि | ह्गयाव | ह्गयाम |
| प० | अह्गयत् | अह्गयताम् | अह्गयन् |
| | अह्गयः | अह्गयतम् | अह्गयत |
| | अह्गयम् | अह्गयाव | अह्गयाम |
| अ० | अजिह्वत् | अजिह्वताम् | अजिह्वन् |
| | अजिह्वः | अजिह्वतम् | अजिह्वत |
| | अजिह्वम् | अजिह्वाव | अजिह्वाम |
| प० | ह्गयाश्चकार | ह्गयाश्चक्रुः | ह्गयाश्चक्रुः |
| | ह्गयाश्चकथं | ह्गयाश्चक्रुः | ह्गयाश्चक्रुः |
| | ह्गयाश्चकार-चक्र | ह्गयाश्चक्रुव | ह्गयाश्चक्रुम |
| | ह्गयाश्चक्रुव | ह्गयाश्चक्रुम | |
| अ० | ह्गयात् | ह्गयास्ताम् | ह्गयासुः |
| | ह्गयाः | ह्गयास्तम् | ह्गयास्त |
| | ह्गयासम् | ह्गयास्व | ह्गयासम |
| अ० | ह्गयिता | ह्गयितारौ | ह्गयितारः |
| | ह्गयितासि | ह्गयितास्थः | ह्गयितास्थ |
| | ह्गयितास्मि | ह्गयितास्वः | ह्गयितास्मः |
| अ० | ह्गयिष्यति | ह्गयिष्यतः | ह्गयिष्यन्ति |
| | ह्गयिष्यसि | ह्गयिष्यथः | ह्गयिष्यथ |
| | ह्गयिष्यामि | ह्गयिष्यावः | ह्गयिष्यामः |
| क्रि० | अह्गयिष्यत् | अह्गयिष्यताम् | अह्गयिष्यन् |
| | अह्गयिष्यः | अह्गयिष्यतम् | अह्गयिष्यत |
| | अह्गयिष्यम् | अह्गयिष्याव | अह्गयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------|-----------------|
| व० | ह्गयते | ह्गयेते | ह्गयन्ते |
| | ह्गयसे | ह्गयेथे | ह्गयध्वे |
| | ह्गये | ह्गयावहे | ह्गयामहे |
| स० | ह्गयेत् | ह्गयेयाताम् | ह्गयेरन् |
| | ह्गयेथाः | ह्गयेयाथाम् | ह्गयेध्वम् |
| | ह्गयेय | ह्गयेवहि | ह्गयेमहि |
| प० | ह्गयताम् | ह्गयेताम् | ह्गयन्ताम् |
| | ह्गयस्व | ह्गयेथाम् | ह्गयध्वम् |
| | ह्गये | ह्गयावहे | ह्गयामहे |
| प० | अह्गयत् | अह्गयेताम् | अह्गयन्त |
| | अह्गयथाः | अह्गयेथाम् | अह्गयध्वम् |
| | अह्गये | अह्गयावहि | अह्गयामहि |
| अ० | अजिह्वत् | अजिह्वेताम् | अजिह्वन्त |
| | अजिह्वथाः | अजिह्वेथाम् | अजिह्वध्वम् |
| | अजिह्वे | अजिह्वेवाह | अजिह्वामहि |
| प० | ह्गयाश्चक्रे | ह्गयाश्चक्रते | ह्गयाश्चक्रिरे |
| | ह्गयाश्चक्रुषे | ह्गयाश्चक्रथे | ह्गयाश्चक्रुव |
| | ह्गयाश्चक्रे | ह्गयाश्चक्रुवहे | ह्गयाश्चक्रुमहे |
| | ह्गयाश्चक्रुष्व | ह्गयामास | |
| अ० | ह्गयिषीष्ट | ह्गयिषीयास्ताम् | ह्गयिषीरन् |
| | ह्गयिषीष्ठाः | ह्गयिषीयास्याम् | ह्गयिषीध्वम् |
| | ह्गयिषीय | ह्गयिषीवहि | ह्गयिषीमहि |
| अ० | ह्गयिता | ह्गयितारौ | ह्गयितारः |
| | ह्गयितासे | ह्गयितारथे | ह्गयिताध्वे |
| | ह्गयिताहे | ह्गयितारवहे | ह्गयितास्महे |
| अ० | ह्गयिष्यते | ह्गयिष्येते | ह्गयिष्यन्ते |
| | ह्गयिष्यसे | ह्गयिष्येथे | ह्गयिष्यध्वे |
| | ह्गयिष्ये | ह्गयिष्यावहे | ह्गयिष्यामहे |
| क्रि० | अह्गयिष्यत् | अह्गयिष्येताम् | अह्गयिष्यन्त |
| | अह्गयिष्यथाः | अह्गयिष्येथाम् | अह्गयिष्यध्वम् |
| | अह्गयिष्ये | अह्गयिष्येवहि | अह्गयिष्यामहि |

(१५०) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

1027 षणे (सग्) संवरणे

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| ब० सगयति | सगयतः | सगयन्ति |
| सगयसि | सगयथः | सगयथ |
| सगयामि | सगयावः | सगयामः |
| स० सगयेत् | सगयेताम् | सगयेयुः |
| सगयेः | सगयेतम् | सगयेत |
| सगयेयम् | सगयेव | सगयेम |
| प० सगयतु | सगयतात् | सगयताम् |
| सगय | सगयतात् | सगयतम् |
| सगयानि | सगयाव | सगयाम |
| ह्य० असगयत् | असगयताम् | असगयन् |
| असगयः | असगयतम् | असगयत |
| असगयम् | असगयाव | असगयाम |
| अ० असीषगत् | असीषताम् | असीषगन् |
| असीषगः | असीषगतम् | असीषगत |
| असीषगम् | असीषगाव | असीषगाम |
| प० सगयाञ्चकार | सगयाञ्चक्रुः | सगयाञ्चक्रुः |
| सगयाञ्चकथे | सगयाञ्चक्रुः | सगयाञ्चक्र |
| सगयाञ्चकार-चकर | सगयाञ्चक्रव | सगयाञ्चक्रम |
| सगयाम्बभूव | सगयामास | |
| आ० सग्यात् | सग्यास्ताम् | सग्यासुः |
| सग्याः | सग्यास्तम् | सग्यास्त |
| सग्यासम् | सग्यास्व | सग्यास्म |
| सगयिता | सगयितारौ | सगयितारः |
| सगयितासि | सगयितास्थः | सगयितास्थ |
| सगयितास्मि | सगयितास्वः | सगयितास्मः |
| भ० सगयिष्यति | सगयिष्यतः | सगयिष्यन्ति |
| सगयिष्यसि | सगयिष्यथः | सगयिष्यथ |
| सगयिष्यामि | सगयिष्यावः | सगयिष्यामः |
| क्रि० असगयिष्यत् | असगयिष्यताम् | असगयिष्यन् |
| असगयिष्यः | असगयिष्यतम् | असगयिष्यत |
| असगयिष्यम् | असगयिष्याव | असगयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| ब० सगयते | सगयेते | सगयन्ते |
| सगयसे | सगयेथे | सगयध्वे |
| सगये | सगयावहे | सगयामहे |
| स० सगयेत | सगयेयाताम् | सगयेरन् |
| सगयेथाः | सगयेयाथाम् | सगयेध्वम् |
| सगयेय | सगयेवहि | सगयेमहि |
| प० सगयताम् | सगयेताम् | सगयन्ताम् |
| सगयस्व | सगयेथाम् | सगयध्वम् |
| सगये | सगयावहे | सगयामहे |
| ह्य० असगयत | असगयेताम् | असगयन्त |
| असगयथाः | असगयेथाम् | असगयध्वम् |
| असगये | असगयावहि | असगयामहि |
| अ० असीषगत | असीषगेताम् | असीषगन्त |
| असीषगथाः | असीषगेथाम् | असीषगध्वम् |
| असीषगे | असीषगावहि | असीषगामहि |
| प० सगयाञ्चके | सगयाञ्चक्राते | सगयाञ्चक्रिरे |
| सगयाञ्चकृषे | सगयाञ्चक्राथे | सगयाञ्चकृद्वे |
| सगयाञ्चके | सगयाञ्चक्रवहे | सगयाञ्चक्रमहे |
| सगयाम्बभूव | सगयामास | |
| आ० सगयिषीष्ट | सगयिषीयास्ताम् | सगयिषीरन् |
| सगयिषीष्टाः | सगयिषीयास्थाम् | सगयिषीद्वम् |
| सगयिषीय | सगयिषीवहि | सगयिषीमहि |
| श्र० सगयिता | सगयितारौ | सगयितारः |
| सगयितासे | सगयितासाथे | सगयिताध्वे |
| सगयिताहे | सगयितास्वहे | सगयितास्महे |
| भ० सगयिष्यते | सगयिष्येते | सगयिष्यन्ते |
| सगयिष्यसे | सगयिष्येथे | सगयिष्यध्वे |
| सगयिष्ये | सगयिष्यावहे | सगयिष्यामहे |
| क्रि० असगयिष्यत | असगयिष्येताम् | असगयिष्यन्त |
| असगयिष्यथाः | असगयिष्येथाम् | असगयिष्यध्वम् |
| असगयिष्ये | असगयिष्यावहि | असगयिष्यामहि |

1028 सगे (सग) संवरणे

| | | | |
|-------|-----------------|--------------|--------------|
| व० | सगयति | सगयतः | सगयन्ति |
| | सगयसि | सगयथः | सगयथ |
| | सगयामि | सगयावः | सगयामः |
| स० | सगयेत् | सगयेताम् | सगयेयुः |
| | सगयेः | सगयेतम् | सगयेत |
| | सगयेयम् | सगयेव | सगयेम |
| प० | सगयतु | सगयतात् | सगयताम् |
| | सगय | सगयतात् | सगयतम् |
| | सगयानि | सगयाव | सगयाम |
| ह्य० | असगयत् | असगयताम् | असगयन् |
| | असगयः | असगयतम् | असगयत |
| | असगयम् | असगयाव | असगयाम |
| अ० | असीसगत् | असीसगताम् | असीसगन् |
| | असीसगः | असीसगतम् | असीसगत |
| | असीसगम् | असीसगाव | असीसगाम |
| प० | सगयाञ्चकार | सगयाञ्चक्रुः | सगयाञ्चक्रुः |
| | सगयाञ्चकृ | सगयाञ्चक्रुः | सगयाञ्चक्रुः |
| | सगयाञ्चकार-चक्र | सगयाञ्चक्रुव | सगयाञ्चक्रुम |
| | सगयाम्बभूव | सगयामास | |
| आ | सग्यात् | सग्यास्ताम् | सग्यासुः |
| | सग्याः | सग्यास्तम् | सग्यास्त |
| | सग्यासम् | सग्यास्व | सग्यासम |
| थ० | सगयिता | सगयितारौ | सगयितारः |
| | सगयितासि | सगयितास्थः | सगयितास्थ |
| | सगयितास्मि | सगयितास्वः | सगयितास्मः |
| भ० | सगयिष्यति | सगयिष्यतः | सगयिष्यन्ति |
| | सगयिष्यसि | सगयिष्यथः | सगयिष्यथ |
| | सगयिष्यामि | सगयिष्यावः | सगयिष्यामः |
| क्रि० | असगयिष्यत् | असगयिष्यताम् | असगयिष्यन् |
| | असगयिष्यः | असगयिष्यतम् | असगयिष्यत |
| | असगयिष्यम् | असगयिष्याव | असगयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|----------------|
| व० | सगयते | सगयेते | सगयन्ते |
| | सगयसे | सगयेथे | सगयथ्वे |
| | सगय | सगयावहे | सगयामहे |
| स० | सगयेत् | सगयेयाताम् | सगयेरन् |
| | सगयेथाः | सगयेयाथाम् | सगयेष्वम |
| | सगयेय | सगयेवहि | सगयेमहि |
| प० | सगयताम् | सगयेताम् | सगयन्ताम् |
| | सगयस्व | सगयेथाम् | सगयस्वम् |
| | सगये | सगयावहे | सगयामहे |
| ह्य० | असगयत् | असगयेताम् | असगयन्त |
| | असगयथाः | असगयेथाम् | असगयथ्व |
| | असगये | असगयावहि | असगयामहि |
| अ० | असीसगत | असीसगेताम् | असीसगन्त |
| | असीसगथाः | असीसगेथाम् | असीसगध्वम् |
| | असीसगे | असीसगावहि | असीसगामहि |
| प० | सगयाञ्चक्रे | सगयाञ्चक्राते | सगयाञ्चक्रिरे |
| | सगयाञ्चकृषे | सगयाञ्चक्राथे | सगयाञ्चकृष्वे |
| | सगयाञ्चक्रे | सगयाञ्चक्रुवहे | सगयाञ्चक्रुमहे |
| | सगयाम्बभूव | सगयामास | |
| आ० | सगयिषीट | सगयिषीयास्ताम् | सगयिषीरन् |
| | सगयिषीष्ठाः | सगयिषीयाथाम् | सगयिषीद्वम् |
| | सगयिषीय | सगयिषीवहि | सगयिषीमहि |
| थ० | सगयिता | सगयितारौ | सगयितारः |
| | सगयितसे | सगयितसाथे | सगयितस्व |
| | सगयिताहे | सगयितास्वहे | सगयितास्महे |
| भ० | सगयिष्यते | सगयिष्येते | सगयिष्यन्ते |
| | सगयिष्यसे | सगयिष्येथे | सगयिष्यध्वे |
| | सगयिष्ये | सगयिष्यवहे | सगयिष्यामहे |
| क्रि० | असगयिष्यत् | असगयिष्येताम् | असगयिष्यन्त |
| | असगयिष्यथाः | असगयिष्येथाम् | असगयिष्यध्वम् |
| | असगयिष्ये | असगयिष्यवहि | असगयिष्यामहि |

1029 ष्टमे (स्थग्) संवरणे

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० स्थगयति | स्थगयतः | स्थगयन्ति |
| स्थगयसि | स्थगयथः | स्थगयथ |
| स्थगयामि | स्थगयावः | स्थगयामः |
| स० स्थगयेत् | स्थगयेताम् | स्थगयेयुः |
| स्थगयेः | स्थगयेतम् | स्थगयेत |
| स्थगयेयम् | स्थगयेव | स्थगयेम |
| प० स्थगयतु | स्थगयतात् | स्थगयताम् |
| स्थगय | स्थगयतात् | स्थगयतम् |
| स्थगयानि | स्थगयाव | स्थगयाम |
| आ० अस्थगयत् | अस्थगयताम् | अस्थगयन् |
| अस्थगयः | अस्थगयतम् | अस्थगयत |
| अस्थगयम् | अस्थगयाव | अस्थगयाम |
| अ० अतिष्ठगत् | अतिष्ठगताम् | अतिष्ठगन् |
| अतिष्ठगः | अतिष्ठगतम् | अतिष्ठगत |
| अतिष्ठगम् | अतिष्ठगाव | अतिष्ठगाम |
| प० स्थगयाश्चकार | स्थगयाश्चक्रुः | स्थगयाश्चक्रुः |
| स्थगयाश्चकथे | स्थगयाश्चक्रुः | स्थगयाश्चक्रुः |
| स्थगयाश्चकार-चक्र | स्थगयाश्चक्रुः | स्थगयाश्चक्रुः |
| स्थगयाश्चक्रुः | स्थगयाश्चक्रुः | स्थगयाश्चक्रुः |
| आ० स्थगयात् | स्थगयास्ताम् | स्थगयामुः |
| स्थगयः | स्थगयास्तम् | स्थगयास्त |
| स्थगयाम् | स्थगयास्व | स्थगयास्म |
| अ० स्थगयिता | स्थगयितारौ | स्थगयितारः |
| स्थगयितामि | स्थगयितास्यः | स्थगयितासः |
| स्थगयितामि | स्थगयितास्वः | स्थगयितास्मः |
| अ० स्थगयिष्यति | स्थगयिष्यतः | स्थगयिष्यन्ति |
| स्थगयिष्यसि | स्थगयिष्यथः | स्थगयिष्यथ |
| स्थगयिष्यामि | स्थगयिष्यावः | स्थगयिष्यामः |
| क्रि० अस्थगयिष्यत् | अस्थगयिष्यताम् | अस्थगयिष्यन् |
| अस्थगयिष्यः | अस्थगयिष्यतम् | अस्थगयिष्यत |
| अस्थगयिष्यम् | अस्थगयिष्याव | अस्थगयिष्याम |

| | | |
|--------------------|--------------------|------------------|
| व० स्थगयते | स्थगयेते | स्थगयन्ते |
| स्थगयसे | स्थगयेथे | स्थगयन्थे |
| स्थगये | स्थगयावहे | स्थगयामहे |
| स० स्थगयेत् | स्थगयेताम् | स्थगयेरन् |
| स्थगयेथाः | स्थगयेयाथाम | स्थगयेष्वम् |
| स्थगयेय | स्थगयेवहि | स्थगयेमहि |
| प० स्थगयताम् | स्थगयेताम् | स्थगयन्ताम् |
| स्थगयस्व | स्थगयेथाम् | स्थगयस्वम् |
| स्थगये | स्थगयावहे | स्थगयामहे |
| आ० अस्थगयत | अस्थगयेताम् | अस्थगयन्त |
| अस्थगयथाः | अस्थगयेथाम् | अस्थगयस्वम् |
| अस्थगये | अस्थगयावहि | अस्थगयामहि |
| अ० अतिष्ठगत | अतिष्ठगताम् | अतिष्ठगन्त |
| अतिष्ठगथाः | अतिष्ठगथाम् | अतिष्ठगस्वम् |
| अतिष्ठगे | अतिष्ठगावहि | अतिष्ठगामहि |
| प० स्थगयाश्चक्रे | स्थगयाश्चक्राते | स्थगयाश्चक्रिरे |
| स्थगयाश्चक्रुषे | स्थगयाश्चक्रुथे | स्थगयाश्चक्रुषे |
| स्थगयाश्चक्रे | स्थगयाश्चक्रुहे | स्थगयाश्चक्रुमहे |
| स्थगयाश्चक्रुः | स्थगयाश्चक्रुः | स्थगयाश्चक्रुः |
| अ० स्थगयिषीष्ट | स्थगयिषीष्टात् | स्थगयिषीरन् |
| स्थगयिषीष्टाः | स्थगयिषीष्टास्याम् | स्थगयिषीष्ट्वम् |
| स्थगयिषीय | स्थगयिषीवहि | स्थगयिषीमहि |
| अ० स्थगयितम् | स्थगयितारौ | स्थगयितारः |
| स्थगयितासे | स्थगयितासाथे | स्थगयितास्व |
| स्थगयिताहे | स्थगयितास्वहे | स्थगयितास्महे |
| अ० स्थगयिष्यते | स्थगयिष्येते | स्थगयिष्यन्ते |
| स्थगयिष्यसे | स्थगयिष्येथे | स्थगयिष्यन्थे |
| स्थगयिष्ये | स्थगयिष्यावहे | स्थगयिष्यामहे |
| क्रि० अस्थगयिष्यत् | अस्थगयिष्येताम् | अस्थगयिष्यन्त |
| अस्थगयिष्यथाः | अस्थगयिष्येथाम् | अस्थगयिष्यस्वम् |
| अस्थगयिष्ये | अस्थगयिष्यावहि | अस्थगयिष्यामहि |

1030 स्थगे (स्थग्) संवरणे

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० स्थगयति | स्थगयतः | स्थगयन्ति |
| स्थगयसि | स्थगयथः | स्थगयथ |
| स्थगयामि | स्थगयावः | स्थगयामः |
| स० स्थगयेत् | स्थगयेताम् | स्थगयेयुः |
| स्थगयेः | स्थगयेतम् | स्थगयेत |
| स्थगयेयम् | स्थगयेव | स्थगयेम |
| प० स्थगयतु | स्थगयतात् | स्थगयताम् |
| स्थगय | स्थगयतात् | स्थगयतम् |
| स्थगयानि | स्थगयाव | स्थगयाम |
| ह्य० अस्थगयत् | अस्थगयताम् | अस्थगयन् |
| अस्थगयः | अस्थगयतम् | अस्थगयत |
| अस्थगयम् | अस्थगयाव | अस्थगयाम |
| अ० अतिस्थगत् | अतिस्थगताम् | अतिस्थगन् |
| अतिस्थगः | अतिस्थगतम् | अतिस्थगत |
| अतिस्थगम् | अतिस्थगाव | अतिस्थगाम |
| प० स्थगयाञ्चकार | स्थगयाञ्चक्रतुः | स्थगयाञ्चक्रुः |
| स्थगयाञ्चकथं | स्थगयाञ्चकथुः | स्थगयाञ्चक |
| स्थगयाञ्चकार-चकर | स्थगयाञ्चकृव | स्थगयाञ्चकृम |
| स्थगयाम्बभूव | । स्थगयामास | |
| आ० स्थगयात् | स्थगयास्ताम् | स्थगयासुः |
| स्थगयाः | स्थगयास्तम् | स्थगयास्त |
| स्थगयासम् | स्थगयास्व | स्थगयासम |
| श्व० स्थगयिता | स्थगयितारौ | स्थगयितारः |
| स्थगयितासि | स्थगयितास्थः | स्थगयितास्थ |
| स्थगयितास्मि | स्थगयितास्वः | स्थगयितास्मः |
| भ० स्थगयिष्यति | स्थगयिष्यतः | स्थगयिष्यन्ति |
| स्थगयिष्यसि | स्थगयिष्यथः | स्थगयिष्यथ |
| स्थगयिष्यामि | स्थगयिष्यावः | स्थगयिष्यामः |
| क्रि० अस्थगयिष्यत् | अस्थगयिष्यताम् | अस्थगयिष्यन् |
| अस्थगयिष्यः | अस्थगयिष्यतम् | अस्थगयिष्यत |
| अस्थगयिष्यम् | अस्थगयिष्याव | अस्थगयिष्याम |

| | | |
|----------------------------|------------------|-------------------|
| व० स्थगयते | स्थगयेते | स्थगयन्ते |
| स्थगयसे | स्थगयेथे | स्थगयन्थे |
| स्थगयं | स्थगयावहे | स्थगयामहे |
| स० स्थगयेत् | स्थगयेयाताम् | स्थगयेरन् |
| स्थगयेथाः | स्थगयेथाथाम् | स्थगयेध्वम् |
| स्थगयेय | स्थगयेवहि | स्थगयेमहि |
| प० स्थगयताम् | स्थगयेताम् | स्थगयन्ताम् |
| स्थगयस्व | स्थगयेथाम् | स्थगयन्ध्वम् |
| स्थगयं | स्थगयावहे | स्थगयामहे |
| ह्य० अस्थगयत | अस्थगयेताम् | अस्थगयन्त |
| अस्थगयथाः | अस्थगयेथाम् | अस्थगयन्ध्वम् |
| अस्थगयं | अस्थगयावहि | अस्थगयामहि |
| अ० अतिस्थगत् | अतिस्थगेताम् | अतिस्थगन्त |
| अतिस्थगथाः | अतिस्थगेथाम् | अतिस्थगध्वम् |
| अतिस्थगे | अतिस्थगावहि | अतिस्थगामहि |
| प० स्थगयाञ्चक्रे | स्थगयाञ्चक्राते | स्थगयाञ्चक्रिरे |
| स्थगयाञ्चकृषे | स्थगयाञ्चक्राथे | स्थगयाञ्चकृद्वे |
| स्थगयाञ्चक्रे | स्थगयाञ्चकृवहे | स्थगयाञ्चकृमहे |
| स्थगयाम्बभूव । स्थगयामास । | | |
| आ० स्थगयिषीष्ट | स्थगयिषीयास्ताम् | स्थगयिषीरन् |
| स्थगयिषीष्टाः | स्थगयिषीयास्थाम् | स्थगयिषीध्वम् |
| स्थगयिषीय | स्थगयिषीवहि | स्थगयिषीमहि |
| श्व० स्थगयिता | स्थगयितारौ | स्थगयितारः |
| स्थगयितासे | स्थगयितासाथे | स्थगयिताध्वे |
| स्थगयिताहे | स्थगयितास्वहे | स्थगयितास्महे |
| भ० स्थगयिष्यते | स्थगयिष्येते | स्थगयिष्यन्ते |
| स्थगयिष्यसे | स्थगयिष्येथे | स्थगयिष्यन्ध्वे |
| स्थगयिष्ये | स्थगयिष्यावहे | स्थगयिष्यामहे |
| क्रि० अस्थगयिष्यत | अस्थगयिष्येताम् | अस्थगयिष्यन्त |
| अस्थगयिष्यथाः | अस्थगयिष्येथाम् | अस्थगयिष्यन्ध्वम् |
| अस्थगयिष्ये | अस्थगयिष्यावहि | अस्थगयिष्यामहि |

॥ अथ टान्ताः ॥

103¹ वट् (वट्) परिभाषणे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| १० वटयति | वटयतः | वटयन्ति |
| वटयसि | वटयथः | वटयथ |
| वटयामि | वटयावः | वटयामः |
| स० वटयेत् | वटयेताम् | वटयेयुः |
| वटयेः | वटयेतम् | वटयेत |
| वटयेयम् | वटयेव | वटयेम |
| प० वटयतु | वटयतात् | वटयताम् |
| वटय | वटयतात् | वटयतम् |
| वटयानि | वटयाव | वटयाम |
| ह्य० अवटयत् | अवटयताम् | अवटयन् |
| अवटयः | अवटयतम् | अवटयत |
| अवटयम् | अवटयाव | अवटयाम |
| अ० अवीवटत् | अवीवटताम् | अवीवटन् |
| अवीवटः | अवीवटतम् | अवीवटत |
| अवीवटम् | अवीवटाव | अवीवटाम |
| प० वटयाञ्चकार | वटयाञ्चकतुः | वटयाञ्चकुः |
| वटयाञ्चकर्ष | वटयाञ्चकथुः | वटयाञ्चकृ |
| वटयाञ्चकार-चकर | वटयाञ्चकृव | वटयाञ्चकृम |
| वटयाम्बभूव | वटयामास | |
| आ० वटयात् | वटयास्ताम् | वटयासुः |
| वटयाः | वटयास्तम् | वटयास्त |
| वटयासम् | वटयास्व | वटयास्म |
| श० वटयिता | वटयितारौ | वटयितारः |
| वटयितासि | वटयितास्थः | वटयितास्थ |
| वटयितास्मि | वटयितास्वः | वटयितास्मः |
| म० वटयिष्यति | वटयिष्यतः | वटयिष्यन्ति |
| वटयिष्यसि | वटयिष्यथः | वटयिष्यथ |
| वटयिष्यामि | वटयिष्यावः | वटयिष्यामः |
| क्रि० अवटयिष्यत् | अवटयिष्यताम् | अवटयिष्यन् |
| अवटयिष्यः | अवटयिष्यतम् | अवटयिष्यत |
| अवटयिष्यम् | अवटयिष्याव | अवटयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० वटयते | वटयेते | वटयन्ते |
| वटयसे | वटयथे | वटयध्वे |
| वटये | वटयावहे | वटयामहे |
| स० वटयेत | वटयेयाताम् | वटयेरन् |
| वटयेथाः | वटयेयाथाम् | वटयेध्वम् |
| वटयेय | वटयेवहि | वटयेमहि |
| प० वटयताम् | वटयताम् | वटयन्ताम् |
| वटयस्व | वटयेथाम् | वटयध्वम् |
| वटयै | वटयावहे | वटयामहे |
| ह्य० अवटयत | अवटयेताम् | अवटयन्त |
| अवटयथाः | अवटयेथाम् | अवटयध्वम् |
| अवटये | अवटयावहि | अवटयामहि |
| अ० अवीवटत | अवीवटेताम् | अवीवटन्त |
| अवीवटथाः | अवीवटेथाम् | अवीवटध्वम् |
| अवीवटे | अवीवटावहि | अवीवटामहि |
| प० वटयाञ्चके | वटयाञ्चकाते | वटयाञ्चकिरे |
| वटयाञ्चकृषे | वटयाञ्चकाथे | वटयाञ्चकृदवे |
| वटयाञ्चके | वटयाञ्चकृवहे | वटयाञ्चकृमहे |
| वटयाम्बभूव | वटयामास | |
| आ० वटयिषीष्ट | वटयिषीगस्ताम् | वटयिषीरन् |
| वटयिषीष्टाः | वटयिषीयास्थाम् | वटयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| वटयिषीय | वटयिषीवहि | वटयिषीमहि |
| श० वटयिता | वटयितारौ | वटयितारः |
| वटयितासे | वटयितासाथे | वटयिताध्वे |
| वटयिताहे | वटयितास्वहे | वटयितास्महे |
| म० वटयिष्यते | वटयिष्येते | वटयिष्यन्ते |
| वटयिष्यसे | वटयिष्येथे | वटयिष्यध्वे |
| वटयिष्ये | वटयिष्यावहे | वटयिष्यामहे |
| क्रि० अवटयिष्यत | अवटयिष्येताम् | अवटयिष्यन्त |
| अवटयिष्यथाः | अवटयिष्येथाम् | अवटयिष्यध्वम् |
| अवटयिष्ये | अवटयिष्यावहि | अवटयिष्यामहि |

1032 भट (भट्) परिभाषणे ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० भटयति | भटयतः | भटयन्ति |
| भटयसि | भटयथः | भटयथ |
| भटयामि | भटयावः | भटयामः |
| स० भटयेत् | भटयेताम् | भटयेयुः |
| भटयेः | भटयेतम् | भटयेत |
| भटयेयम् | भटयेव | भटयेम |
| प० भटयतु | भटयतात् | भटयन्तु |
| भटय | भटयतात् | भटयत |
| भटयानि | भटयाव | भटयाम |
| ह्य० अभटयत् | अभटयताम् | अभटयन् |
| अभटयः | अभटयतम् | अभटयत |
| अभटयम् | अभटयाव | अभटयाम |
| अ० अबीभटत् | अबीभटताम् | अबीभटन् |
| अबीभटः | अबीभटतम् | अबीभटत |
| अबीभटम् | अबीभटाव | अबीभटाम |
| प० भटयाञ्चकार | भटयाञ्चक्रुः | भटयाञ्चकुः |
| भटयाञ्चकृ | भटयाञ्चक्रुः | भटयाञ्चकृ |
| भटयाञ्चकार-चकर | भटयाञ्चकृव | भटयाञ्चकृम |
| भटयाम्बभूव | । भटयामास | |
| आ० भटयात् | भटयास्ताम् | भटयासुः |
| भटयाः | भटयास्तम् | भटयास्त |
| भटयासम् | भटयास्व | भटयास्म |
| भ० भटयिता | भटयितारौ | भटयितारः |
| भटयितासि | भटयितास्थः | भटयितास्थ |
| भटयितास्मि | भटयितास्वः | भटयितास्मः |
| भ० भटयिष्यति | भटयिष्यतः | भटयिष्यन्ति |
| भटयिष्यसि | भटयिष्यथः | भटयिष्यथ |
| भटयिष्यामि | भटयिष्यावः | भटयिष्यामः |
| क्रि० अभटयिष्यत् | अभटयिष्यताम् | अभटयिष्यन् |
| अभटयिष्यः | अभटयिष्यतम् | अभटयिष्यत |
| अभटयिष्यम् | अभटयिष्याव | अभटयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० भटयते | भटयेते | भटयन्ते |
| भटयसे | भटयेथे | भटयध्वे |
| भटये | भटयावहे | भटयामहे |
| स० भटयेत | भटयेयाताम् | भटयेरन् |
| भटयेथाः | भटयेयाथाम् | भटयेध्वम् |
| भटयेय | भटयेवहि | भटयेमहि |
| प० भटयताम् | भटयेताम् | भटयन्ताम् |
| भटयस्व | भटयेथाम् | भटयध्वम् |
| भटयै | भटयावहै | भटयामहै |
| ह्य० अभटयत | अभटयेताम् | अभटयन्त |
| अभटयथाः | अभटयेथाम् | अभटयध्वम् |
| अभटये | अभटयावहि | अभटयामहि |
| अ० अबीभटत | अबीभटेताम् | अबीभटन्त |
| अबीभटथाः | अबीभटेथाम् | अबीभटध्वम् |
| अबीभटे | अबीभटावहि | अबीभटामहि |
| प० भटयाञ्चके | भटयाञ्चक्रते | भटयाञ्चक्रिरे |
| भटयाञ्चकृषे | भटयाञ्चक्राथे | भटयाञ्चकृद्वे |
| भटयाञ्चके | भटयाञ्चकृवहे | भटयाञ्चकृमहे |
| भटयाम्बभूव | । भटयामास | |
| आ० भटयिषीष्ट | भटयिषीशस्ताम् | भटयिषीरन् |
| भटयिषीष्टाः | भटयिषीयास्थाम् | भटयिषीध्वम् |
| भटयिषीय | भटयिषीवहि | भटयिषीमहि |
| भ० भटयिता | भटयितारौ | भटयितारः |
| भटयितासे | भटयितासाथे | भटयिताध्वे |
| भटयिताहे | भटयितास्वहे | भटयितास्महे |
| भ० भटयिष्यते | भटयिष्येते | भटयिष्यन्ते |
| भटयिष्यसे | भटयिष्येथे | भटयिष्यध्वे |
| भटयिष्ये | भटयिष्यवहे | भटयिष्यामहे |
| क्रि० अभटयिष्यत | अभटयिष्येताम् | अभटयिष्यन्त |
| अभटयिष्यथाः | अभटयिष्येथाम् | अभटयिष्यध्वम् |
| अभटयिष्ये | अभटयिष्यवहि | अभटयिष्यामहि |

1033 णट (नट्) नतौ ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० नटयति | नटयतः | नटयन्ति |
| नटयसि | नटयथः | नटयथ |
| नटयामि | नटयावः | नटयामः |
| स० नटयेत् | नटयेताम् | नटयेयुः |
| नटयेः | नटयेतम् | नटयेत |
| नटयेयम् | नटयेव | नटयेम |
| प० नटयतु | नटयतात् | नटयन्तु |
| नटय | नटयतात् | नटयतम् |
| नटयानि | नटयाव | नटयाम |
| ह्य० अनटयत् | अनटयताम् | अनटयन् |
| अनटयः | अनटयतम् | अनटयत |
| अनटयम् | अनटयाव | अनटयाम |
| अ० अनीनटत् | अनीनटताम् | अनीनटन् |
| अनीनटः | अनीनटतम् | अनीनटत |
| अनीनटम् | अनीनटाव | अनीनटाम |
| प० नटयाञ्चकार | नटयाञ्चकतुः | नटयाञ्चकुः |
| नटयाञ्चकर्थ | नटयाञ्चकथुः | नटयाञ्चक |
| नटयाञ्चकार-चकर | नटयाञ्चकृव | नटयाञ्चकृम |
| नटयाम्बभूव | । | नटयामास |
| आ० नटयात् | नटयास्ताम् | नटयासुः |
| नटयाः | नटयास्तम् | नटयास्त |
| नटयासम् | नटयास्व | नटयासम |
| श्च० नटयिता | नटयितारौ | नटयितारः |
| नटयितासि | नटयितास्थः | नटयितास्थ |
| नटयितास्मि | नटयितास्वः | नटयितास्मः |
| भ० नटयिष्यति | नटयिष्यतः | नटयिष्यन्ति |
| नटयिष्यसि | नटयिष्यथः | नटयिष्यथ |
| नटयिष्यामि | नटयिष्यावः | नटयिष्यामः |
| क्रि० अनटयिष्यत् | अनटयिष्यताम् | अनटयिष्यन् |
| अनटयिष्यः | अनटयिष्यतम् | अनटयिष्यत |
| अनटयिष्यम् | अनटयिष्याव | अनटयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० नटयते | नटयेते | नटयन्ते |
| नटयसे | नटयेथे | नटयध्वे |
| नटये | नटयावहे | नटयामहे |
| स० नटयेत | नटयेयाताम् | नटयेरन् |
| नटयेथाः | नटयेयाथाम् | नटयेध्वम् |
| नटयेय | नटयेवहि | नटयेमहि |
| प० नटयताम् | नटयेताम् | नटयन्ताम् |
| नटयस्व | नटयेथाम् | नटयध्वम् |
| नटयै | नटयावहै | नटयामहै |
| ह्य० अनटयत | अनटयेताम् | अनटयन्त |
| अनटयथाः | अनटयेथाम् | अनटयध्वम् |
| अनटये | अनटयावहि | अनटयामहि |
| अ० अनीनटत | अनीनटेताम् | अनीनटन्त |
| अनीनटथाः | अनीनटेथाम् | अनीनटध्वम् |
| अनीनटे | अनीनटावहि | अनीनटामहि |
| प० नटयाञ्चके | नटयाञ्चकाते | नटयाञ्चकिरे |
| नटयाञ्चकृषे | नटयाञ्चकृथे | नटयाञ्चकृद्वे |
| नटयाञ्चके | नटयाञ्चकृवहे | नटयाञ्चकृमहे |
| नटयाम्बभूव | । | नटयामास |
| आ० नटयिषीष्ट | नटयिषीयास्ताम् | नटयिषीरन् |
| नटयिषीष्ठाः | नटयिषीयास्थाम् | नटयिषीद्वम् |
| नटयिषीय | नटयिषीवहि | नटयिषीमहि |
| श्च० नटयिता | नटयितारौ | नटयितारः |
| नटयितासे | नटयितासाथे | नटयिताध्वे |
| नटयिताहे | नटयितास्वहे | नटयितास्महे |
| भ० नटयिष्यते | नटयिष्येते | नटयिष्यन्ते |
| नटयिष्यसे | नटयिष्येथे | नटयिष्यध्वे |
| नटयिष्ये | नटयिष्यावहे | नटयिष्यामहे |
| क्रि० अनटयिष्यत | अनटयिष्येताम् | अनटयिष्यन्त |
| अनटयिष्यथाः | अनटयिष्येथाम् | अनटयिष्यध्वम् |
| अनटयिष्ये | अनटयिष्यावहि | अनटयिष्यामहि |
| अन्यत्र | नाटयति | |

॥ अथ ङान्तास्त्रयः ॥

1034 गड (गड्) सेचने

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० गडयति | गडयतः | गडयन्ति |
| गडयसि | गडयथः | गडयथ |
| गडयामि | गडयावः | गडयामः |
| स० गडयेत् | गडयेताम् | गडयेयुः |
| गडयेः | गडयेतम् | गडयेत |
| गडयेयम् | गडयेव | गडयेम |
| प० गडयतु | गडयतात् | गडयताम् |
| गडय | गडयतात् | गडयतम् |
| गडयानि | गडयाव | गडयाम |
| ह्य० भगडयत् | भगडयताम् | भगडयन् |
| भगडयः | भगडयतम् | भगडयत |
| भगडयम् | भगडयाव | भगडयाम |
| अ० अजीगडत् | अजीगडताम् | अजीगडन् |
| अजीगडः | अजीगडतम् | अजीगडत |
| अजीगडम् | अजीगडाव | अजीगडाम |
| प० गडयाञ्चकार | गडयाञ्चक्रुः | गडयाञ्चकुः |
| गडयाञ्चकथं | गडयाञ्चक्रुः | गडयाञ्चक |
| गडयाञ्चकार-चक्र | गडयाञ्चक्रुव | गडयाञ्चक्रम |
| गडयाम्बभूव | । | गडयामास |
| भ्रा० गडयात् | गडयास्ताम् | गडयासुः |
| गडयाः | गडयास्तम् | गडयास्त |
| गडयासम् | गडयास्व | गडयारम |
| भ्र० गडयिता | गडयितारौ | गडयितारः |
| गडयितासि | गडयितास्थः | गडयितास्थ |
| गडयितास्मि | गडयितास्वः | गडयितास्मः |
| भ० गडयिष्यति | गडयिष्यतः | गडयिष्यन्ति |
| गडयिष्यसि | गडयिष्यथः | गडयिष्यथ |
| गडयिष्यामि | गडयिष्यावः | गडयिष्यामः |
| क्रि० अगडयिष्यत् | अगडयिष्यताम् | अगडयिष्यन् |
| अगडयिष्यः | अगडयिष्यतम् | अगडयिष्यत |
| अगडयिष्यम् | अगडयिष्याव | अगडयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० गडयते | गडयेते | गडयन्ते |
| गडयसे | गडयेथे | गडयथ्वे |
| गडये | गडयावहे | गडयामहे |
| स० गडयेत | गडयेयाताम् | गडयेरन् |
| गडयेथाः | गडयेयाथाम् | गडयेध्वम् |
| गडयेय | गडयेवहि | गडयेमहि |
| प० गडयताम् | गडयेताम् | गडयन्ताम् |
| गडयस्व | गडयेथाम् | गडयध्वम् |
| गडये | गडयावहे | गडयामहे |
| ह्य० अगडयत | अगडयेताम् | अगडयन्त |
| अगडयथाः | अगडयेथाम् | अगडयध्वम् |
| अगडये | अगडयावहि | अगडयामहि |
| अ० अजीगडत | अजीगडेताम् | अजीगडन्त |
| अजीगडथाः | अजीगडेथाम् | अजीगडध्वम् |
| अजीगडे | अजीगडावहि | अजीगडामहि |
| प० गडयाञ्चके | गडयाञ्चकते | गडयाञ्चकिरे |
| गडयाञ्चकृषे | गडयाञ्चक्राथे | गडयाञ्चकृद्वे |
| गडयाञ्चके | गडयाञ्चकृवहे | गडयाञ्चकृमहे |
| गडयाम्बभूव | । | गडयामास । |
| आ० गडयिषीष्ट | गडयिषीयास्ताम् | गडयिषीरन् |
| गडयिषीष्ठाः | गडयिषीयास्थाम् | गडयिषीद्वम् |
| गडयिषीय | गडयिषीवहि | गडयिषीमहि |
| श्व० गडयिता | गडयितारौ | गडयितारः |
| गडयितासे | गडयितासाथे | गडयिताध्वे |
| गडयिताहे | गडयितास्वहे | गडयितास्महे |
| भ० गडयिष्यते | गडयिष्येते | गडयिष्यन्ते |
| गडयिष्यसे | गडयिष्येथे | गडयिष्यध्वे |
| गडयिष्ये | गडयिष्यावहे | गडयिष्यामहे |
| क्रि० अगडयिष्यत | अगडयिष्येताम् | अगडयिष्यन्त |
| अगडयिष्यथाः | अगडयिष्येथाम् | अगडयिष्यध्वम् |
| अगडयिष्ये | अगडयिष्यावहि | अगडयिष्यामहि |
| लृ० गडयत्यपि | भवति | |

1035 हेड (हेड्) वेष्टने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | हिडयति | हिडयतः | हिडयन्ति |
| | हिडयसि | हिडयथः | हिडयथ |
| | हिडयामि | हिडयावः | हिडयामः |
| स० | हिडयेत् | हिडयेताम् | हिडयेयुः |
| | हिडयेः | हिडयेतम् | हिडयेत |
| | हिडयेयम् | हिडयेव | हिडयेम |
| प० | हिडयतु | हिडयतात् | हिडयताम् |
| | हिडय | हिडयतात् | हिडयतम् |
| | हिडयानि | हिडयाव | हिडयाम |
| ह्य० | अहिडयत् | अहिडयताम् | अहिडयन् |
| | अहिडयः | अहिडयतम् | अहिडयत |
| | अहिडयम् | अहिडयाव | अहिडयाम |
| अ० | अजीहिडत् | अजीहिडताम् | अजीहिडन् |
| | अजीहिडः | अजीहिडतम् | अजीहिडत |
| | अजीहिडम् | अजीहिडाव | अजीहिडाम |
| प० | हिडयाश्चकार | हिडयाश्चक्रुः | हिडयाश्चकुः |
| | हिडयाश्चकथे | हिडयाश्चक्रुः | हिडयाश्चक |
| | हिडयाश्चकार-चकर | हिडयाश्चक्रुव | हिडयाश्चक्रुम |
| | हिडयाम्बभूव | हिडयामास | |
| आ० | हिडयात् | हिडयास्ताम् | हिडयासुः |
| | हिडयाः | हिडयास्तम् | हिडयास्त |
| | हिडयासम् | हिडयास्व | हिडयास्म |
| भ० | हिडयिता | हिडयितारौ | हिडयितारः |
| | हिडयितासि | हिडयितास्थः | हिडयितास्थ |
| | हिडयितास्मि | हिडयितास्वः | हिडयितास्मः |
| भ० | हिडयिष्यति | हिडयिष्यतः | हिडयिष्यन्ति |
| | हिडयिष्यसि | हिडयिष्यथः | हिडयिष्यथ |
| | हिडयिष्यामि | हिडयिष्यावः | हिडयिष्यामः |
| क्रि० | अहिडयिष्यत् | अहिडयिष्यताम् | अहिडयिष्यन् |
| | अहिडयिष्यः | अहिडयिष्यतम् | अहिडयिष्यत |
| | अहिडयिष्यम् | अहिडयिष्याव | अहिडयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | हिडयते | हिडयेते | हिडयन्ते |
| | हिडयसे | हिडयेथे | हिडयन्थे |
| | हिडये | हिडयावहे | हिडयामहे |
| स० | हिडयेत् | हिडयेयाताम् | हिडयेरन् |
| | हिडयेथाः | हिडयेयाथाम् | हिडयेध्वम् |
| | हिडयेय | हिडयेवहि | हिडयेमहि |
| प० | हिडयताम् | हिडयेताम् | हिडयन्ताम् |
| | हिडयस्व | हिडयेथाम् | हिडयध्वम् |
| | हिडये | हिडयावहे | हिडयामहे |
| ह्य० | अहिडयत् | अहिडयेताम् | अहिडयन्त |
| | अहिडयथाः | अहिडयेथाम् | अहिडयध्वम् |
| | अहिडये | अहिडयावहि | अहिडयमहि |
| अ० | अजीहिडत | अजीहिडेताम् | अजीहिडन्त |
| | अजीहिडथाः | अजीहिडेथाम् | अजीहिडध्वम् |
| | अजीहिडे | अजीहिडावहे | अजीहिडामहि |
| प० | हिडयाश्चक्रे | हिडयाश्चक्राते | हिडयाश्चक्रिरे |
| | हिडयाश्चक्रुषे | हिडयाश्चक्राथे | हिडयाश्चक्रुह्वे |
| | हिडयाश्चक्रे | हिडयाश्चक्रुवहे | हिडयाश्चक्रुमहे |
| | हिडयाम्बभूव | हिडयामास | |
| आ० | हिडयिषीष्ट | हिडयिषीयास्ताम् | हिडयिषीरन् |
| | हिडयिषीष्ठाः | हिडयिषीयास्थाम् | हिडयिषीध्वम् |
| | हिडयिषीय | हिडयिषीवहि | हिडयिषीमहि |
| भ्य० | हिडयिता | हिडयितारौ | हिडयितारः |
| | हिडयितासे | हिडयितासाथे | हिडयिताध्वे |
| | हिडयिताहे | हिडयितास्वहे | हिडयितास्महे |
| भ० | हिडयिष्यते | हिडयिष्येते | हिडयिष्यन्ते |
| | हिडयिष्यसे | हिडयिष्येथे | हिडयिष्यन्थे |
| | हिडयिष्ये | हिडयिष्यावहे | हिडयिष्यामहे |
| क्रि० | अहिडयिष्यत् | अहिडयिष्येताम् | अहिडयिष्यन्त |
| | अहिडयिष्यथाः | अहिडयिष्येथाम् | अहिडयिष्यध्वम् |
| | अहिडयिष्ये | अहिडयिष्यावहि | अहिडयिष्यामहि |

1036 लड (लड्) जिहोन्मथने

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० लडयति | लडयतः | लडयन्ति |
| लडयसि | लडयथः | लडयथ |
| लडयामि | लडयावः | लडयामः |
| स० लडयेत् | लडयेताम् | लडयेथुः |
| लडयेः | लडयेतम् | लडयेत |
| लडयेयम् | लडयेव | लडयेम |
| प० लडयतु | लडयतात् | लडयताम् |
| लडय | लडयतात् | लडयतम् |
| लडयति | लडयाव | लडयाम |
| ह्य० अलडयत् | अलडयताम् | अलडयन् |
| अलडयः | अलडयतम् | अलडयत |
| अलडयम् | अलडयाव | अलडयाम |
| अ० अलीलडत् | अलीलडताम् | अलीलडन् |
| अलीलडः | अलीलडतम् | अलीलडत |
| अलीलडम् | अलीलडाव | अलीलडाम |
| प० लडयाञ्चकार | लडयाञ्चक्रुः | लडयाञ्चकुः |
| लडयाञ्चकथै | लडयाञ्चकथुः | लडयाञ्चक |
| लडयाञ्चकार-चक्र | लडयाञ्चकृव | लडयाञ्चकृम |
| लडयाम्बभूव | । | लडयामास |
| भा० लडयात् | लडयास्ताम् | लडयासुः |
| लडयाः | लडयास्तम् | लडयास्त |
| लडयासम् | लडयास्व | लडयासम |
| भ० लडयिता | लडयितारौ | लडयितारः |
| लडयितासि | लडयितास्थः | लडयितास्थ |
| लडयितासि | लडयितास्वः | लडयितास्मः |
| भ० लडयिष्यति | लडयिष्यतः | लडयिष्यन्ति |
| लडयिष्यसि | लडयिष्यथः | लडयिष्यथ |
| लडयिष्यामि | लडयिष्यावः | लडयिष्यामः |
| क्रि० अलडयिष्यत् | अलडयिष्यताम् | अलडयिष्यन् |
| अलडयिष्यः | अलडयिष्यतम् | अलडयिष्यत |
| अलडयिष्यम् | अलडयिष्याव | अलडयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० लडयते | लडयेते | लडयन्ते |
| लडयसे | लडयेथे | लडयावे |
| लडये | लडयावहे | लडयामहे |
| स० लडयेत | लडयेयाताम् | लडयेरन् |
| लडयेथाः | लडयेयाथाम् | लडयेष्वम |
| लडयेय | लडयेवहि | लडयेमहि |
| प० लडयताम् | लडयेताम् | लडयन्ताम् |
| लडयस्व | लडयेथाम् | लडयष्वम् |
| लडये | लडयावहे | लडयामहे |
| ह्य० अलडयत | अलडयेताम् | अलडयन्त |
| अलडयथाः | अलडयेथाम् | अलडयष्वम् |
| अलडये | अलडयावहि | अलडयामहि |
| अ० अलीलडत | अलीलडेताम् | अलीलडन्त |
| अलीलडथाः | अलीलडेथाम् | अलीलडष्वम् |
| अलीलडे | अलीलडावहि | अलीलडामहि |
| प० लडयाञ्चके | लडयाञ्चक्राते | लडयाञ्चकिरे |
| लडयाञ्चकथे | लडयाञ्चकथे | लडयाञ्चकृत्वे |
| लडयाञ्चके | लडयाञ्चकृवहे | लडयाञ्चकृमहे |
| लडयाम्बभूव | । | लडयामास |
| भा० लडयिषीष्ट | लडयिषीयास्ताम् | लडयिषीरन् |
| लडयिषीष्टाः | लडयिषीयास्थाम् | ल |
| लडयिषीय | लडयिषीवहि | ल |
| भ० लडयिता | लडयितारौ | लडि |
| लडयितासे | लडयितासाथे | लडयित |
| लडयिताहे | लडयितास्वहे | लडयितास्म |
| भ० लडयिष्यते | लडयिष्येते | लडयिष्यन्ते |
| लडयिष्यसे | लडयिष्येथे | लडयिष्यध्वे |
| लडयिष्ये | लडयिष्यावहे | लडयिष्यामहे |
| क्रि० अलडयिष्यत | अलडयिष्येताम् | अलडयिष्यन्त |
| अलडयिष्यथाः | अलडयिष्येथाम् | अलडयिष्यध्वम् |
| अलडयिष्ये | अलडयिष्यावहि | अलडयिष्यामहि |

(१६०) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

1037 फण (फण्) गतौ ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० फणयति | फणयतः | फणयन्ति |
| फणयसि | फणयथः | फणयथ |
| फणयामि | फणयावः | फणयामः |
| स० फणयेत् | फणयेताम् | फणयेयुः |
| फणयेः | फणयेतम् | फणयेत |
| फणयेयम् | फणयेव | फणयेम |
| प० फणयतु | फणयतात् | फणयन्तु |
| फणय | फणयतात् | फणयतम् |
| फणयानि | फणयाव | फणयाम |
| ह्य० अफणयत् | अफणयताम् | अफणयन् |
| अफणयः | अफणयतम् | अफणयत |
| अफणयम् | अफणयाव | अफणयाम |
| अ० अपीफणत् | अपीफणताम् | अपीफणन् |
| अपीफणः | अपीफणतम् | अपीफणत |
| अपीफणम् | अपीफणाव | अपीफणाम |
| प० फणयाञ्चकार | फणयाञ्चक्रुः | फणयाञ्चकुः |
| फणयाञ्चकथ | फणयाञ्चक्रुः | फणयाञ्चक |
| फणयाञ्चकार-चकर | फणयाञ्चक्रुव | फणयाञ्चक्रम |
| फणयाम्बभूव | । फणयामास | |
| आ० फण्यात् | फण्यास्ताम् | फण्यासुः |
| फण्याः | फण्यास्तम् | फण्यास्त |
| फण्यासम् | फण्यास्व | फण्यास्म |
| भ० फणयिता | फणयितारौ | फणयितारः |
| फणयितासि | फणयितास्थः | फणयितास्थ |
| फणयितास्मि | फणयितास्वः | फणयितास्मः |
| भ० फणयिष्यति | फणयिष्यतः | फणयिष्यन्ति |
| फणयिष्यसि | फणयिष्यथः | फणयिष्यथ |
| फणयिष्यामि | फणयिष्यावः | फणयिष्यामः |
| क्रि० अफणयिष्यत् | अफणयिष्यताम् | अफणयिष्यन् |
| अफणयिष्यः | अफणयिष्यतम् | अफणयिष्यत |
| अफणयिष्यम् | अफणयिष्याव | अफणयिष्याम |

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| व० फणयते | फणयेते | फणयन्ते |
| फणयसे | फणयथे | फणयध्वे |
| फणये | फणयावहे | फणयामहे |
| स० फणयेत | फणयेयाताम् | फणयेरन् |
| फणयेथाः | फणयेयाथाम् | फणयेध्वम् |
| फणयेय | फणयेवहि | फणयेमहि |
| प० फणयताम् | फणयताम् | फणयन्ताम् |
| फणयस्व | फणयथाम् | फणयध्वम् |
| फणये | फणयावहे | फणयामहे |
| ह्य० अफणयत | अफणयेताम् | अफणयन्त |
| अफणयथाः | अफणयेथाम् | अफणयध्वम् |
| अफणये | अफणयावहि | अफणयामहि |
| अ० अपीफणत | अपीफणेताम् | अपीफणन्त |
| अपीफणथाः | अपीफणेत्याम् | अपीफणध्वम् |
| अपीफणे | अपीफणत्र हि | अपीफणामहि |
| प० फणयाञ्चके | फणयाञ्चक्रते | फणयाञ्चक्रिरे |
| फणयाञ्चकुषे | फणयाञ्चक्राथे | फणयाञ्चक्रुदवे |
| फणयाञ्चके | फणयाञ्चक्रुवहे | फणयाञ्चक्रमहे |
| फणयाम्बभूव | । फणयामास | |
| आ० फणयिषीष्ट | फणयिषीयास्ताम् | फणयिषीरन् |
| फणयिषीष्टाः | फणयिषीयास्थाम् | फणयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| फणयिषीय | फणयिषीवहि | फणयिषीमहि |
| भ० फणयिता | फणयितारौ | फणयितारः |
| फणयितासे | फणयितासाथे | फणयिताध्वे |
| फणयिताहे | फणयितास्वहे | फणयितास्महे |
| भ० फणयिष्यते | फणयिष्येते | फणयिष्यन्ते |
| फणयिष्यसे | फणयिष्येथे | फणयिष्यध्वे |
| फणयिष्ये | फणयिष्यावहे | फणयिष्यामहे |
| क्रि० अफणयिष्यत | अफणयिष्येताम् | अफणयिष्यन्त |
| अफणयिष्यथाः | अफणयिष्येत्याम् | अफणयिष्यध्वम् |
| अफणयिष्ये | अफणयिष्यावहि | अफणयिष्यामहि |

1038 कण (कण्) गतौ ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० कणयति | कणयतः | कणयन्ति |
| कणयसि | कणयथः | कणयथ |
| कणयामि | कणयावः | कणयामः |
| म० कणयेत् | कणयेताम् | कणयेयुः |
| कणयेः | कणयेतम् | कणयेत |
| कणयेयम् | कणयेव | कणयेम |
| प० कणयतु | कणयतात् | कणयताम् |
| कणय | कणयतात् | कणयतम् |
| कणयानि | कणयाव | कणयाम |
| ह्य० अकणयत् | अकणयताम् | अकणयन् |
| अकणयः | अकणयताम् | अकणयत |
| अकणयम् | अकणयाव | अकणयाम |
| अ० अचीकणत् | अचीकणताम् | अचीकणन् |
| अचीकणः | अचीकणतम् | अचीकणत |
| अचीकणम् | अचीकणाव | अचीकणाम |
| प० कणयाञ्चकार | कणयाञ्चकतुः | कणयाञ्चकुः |
| कणयाञ्चकथं | कणयाञ्चकथुः | कणयाञ्चक |
| कणयाञ्चकार-चकर | कणयाञ्चकृव | कणयाञ्चकृम |
| कणयाम्यभूव | । | कणयामाम |
| आ० कण्यत् | कण्यस्ताम् | कण्यसुः |
| कण्याः | कण्यस्तम् | कण्यस्त |
| कण्यसम् | कण्यस्व | कण्यस्म |
| भ० कणयिता | कणयितारौ | कणयितारः |
| कणयितासि | कणयितास्थः | कणयितास्थ |
| कणयितास्मि | कणयितास्वः | कणयितास्मः |
| भ० कणयिष्यति | कणयिष्यतः | कणयिष्यन्ति |
| कणयिष्यसि | कणयिष्यथः | कणयिष्यथ |
| कणयिष्यामि | कणयिष्यावः | कणयिष्यामः |
| क्रि० अकणयिष्यत् | अकणयिष्यताम् | अकणयिष्यन् |
| अकणयिष्यः | अकणयिष्यताम् | अकणयिष्यत |
| अकणयिष्यम् | अकणयिष्याव | अकणयिष्याम |

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| व० कणयते | कणयेते | कणयन्ते |
| कणयसे | कणयेथे | कणयथ्वे |
| कणये | कणयावहे | कणयामहे |
| स० कणयेत | कणयेयाताम् | कणयेरन् |
| कणयेथाः | कणयेयाथाम् | कणयेथ्वम् |
| कणयेय | कणयेवहि | कणयेमहि |
| प० कणयताम् | कणयेताम् | कणयन्ताम् |
| कणयस्व | कणयेथाम् | कणयथ्वम् |
| कणये | कणयावहे | कणयामहे |
| ह्य० अकणयत | अकणयेताम् | अकणयन्त |
| अकणयथाः | अकणयेथाम् | अकणयथ्वम् |
| अकणये | अकणयावहि | अकणयामहि |
| अ० अचीकणत | अचीकणेताम् | अचीकणन्त |
| अचीकणथाः | अचीकणेत्याम् | अचीकणथ्वम् |
| अचीकणे | अचीकणावहि | अचीकणामहि |
| प० कणयाञ्चक्रे | कणयाञ्चक्रेते | कणयाञ्चक्रिः |
| कणयाञ्चक्रेषे | कणयाञ्चक्रेथे | कणयाञ्चक्रेव |
| कणयाञ्चक्रे | कणयाञ्चक्रेवहे | कणयाञ्चक्रेमहे |
| कणयाम्यभूव | । | कणयामाम |
| आ० कणयिषीष्ट | कणयिषीष्टताम् | कणयिषीरन् |
| कणयिषीष्टाः | कणयिषीष्टथाम् | कणयिषीष्टवम् |
| कणयिषीय | कणयिषीवहि | कणयिषीमहि |
| भ० कणयिता | कणयितारौ | कणयितारः |
| कणयितासे | कणयितासाथे | कणयिताथ्वे |
| कणयिताहे | कणयितास्वहे | कणयितास्महे |
| भ० कणयिष्यते | कणयिष्येते | कणयिष्यन्ते |
| कणयिष्यसे | कणयिष्येथे | कणयिष्येथ्वे |
| कणयिष्य | कणयिष्यावहे | कणयिष्यामहे |
| क्रि० अकणयिष्यत | अकणयिष्यताम् | अकणयिष्यन्त |
| अकणयिष्यथाः | अकणयिष्येत्याम् | अकणयिष्यथ्वम् |
| अकणयिष्ये | अकणयिष्यावहि | अकणयिष्यामहि |

1039 रण (रण्) गतौ ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| ब० | रणयति | रणयतः | रणयन्ति |
| | रणयसि | रणयथः | रणयथ |
| | रणयामि | रणयावः | रणयामः |
| स० | रणयेत् | रणयेताम् | रणयेयुः |
| | रणयेः | रणयेतम् | रणयेत |
| | रणयेयम् | रणयेव | रणयेम |
| प० | रणयतु | रणयतात् | रणयताम् |
| | रणय | रणयतात् | रणयतम् |
| | रणयानि | रणयाव | रणयाम |
| ह्य० | अरणयत् | अरणयताम् | अरणयन् |
| | अरणयः | अरणयतम् | अरणयत |
| | अरणयम् | अरणयाव | अरणयाम |
| अ० | अरीरणत् | अरीरणताम् | अरीरणन् |
| | अरीरणः | अरीरणतम् | अरीरणत |
| | अरीरणम् | अरीरणाव | अरीरणाम |
| ० | रणयाञ्चकार | रणयाञ्चकतुः | रणयाञ्चकुः |
| | रणयाञ्चकर्थ | रणयाञ्चकथुः | रणयाञ्चक |
| | रणयाञ्चकार-चकर | रणयाञ्चकृव | रणयाञ्चकृम |
| | रणयाञ्चकृव | रणयामास | |
| आ० | रण्यात् | रण्यास्ताम् | रण्यासुः |
| | रण्याः | रण्यास्तम् | रण्यास्त |
| | रण्यासम् | रण्यास्व | रण्यास्म |
| भ० | रणयिता | रणयितारौ | रणयितारः |
| | रणयितासि | रणयितास्थः | रणयितास्थ |
| | रणयितास्मि | रणयितास्वः | रणयितास्मः |
| भ० | रणयिष्यति | रणयिष्यतः | रणयिष्यन्ति |
| | रणयिष्यसि | रणयिष्यथः | रणयिष्यथ |
| | रणयिष्यामि | रणयिष्यावः | रणयिष्यामः |
| क्रि० | अरणयिष्यत् | अरणयिष्यताम् | अरणयिष्यन् |
| | अरणयिष्यः | अरणयिष्यतम् | अरणयिष्यत |
| | अरणयिष्यम् | अरणयिष्याव | अरणयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | रणयेते | रणयेते | रणयन्ते |
| | रणयसे | रणयेथे | रणयध्वे |
| | रणये | रणयावहे | रणयामहे |
| स० | रणयेत | रणयेयाताम् | रणयेयन् |
| | रणयेथाः | रणयेयाथाम् | रणयेय्वम् |
| | रणयेय | रणयेवहि | रणयेमहि |
| प० | रणयताम् | रणयताम् | रणयन्ताम् |
| | रणयस्व | रणयेथाम् | रणयध्वम् |
| | रणयै | रणयावहे | रणयामहे |
| ह्य० | अरणयत | अरणयेताम् | अरणयन्त |
| | अरणयथाः | अरणयेथाम् | अरणयध्वम् |
| | अरणये | अरणयावहि | अरणयामहि |
| अ० | अरीरणत | अरीरणेताम् | अरीरणन्त |
| | अरीरणथाः | अरीरणेथाम् | अरीरणध्वम् |
| | अरीरणे | अरीरणावहि | अरीरणामहि |
| प० | रणयाञ्चक्रे | रणयाञ्चकृते | रणयाञ्चकृरे |
| | रणयाञ्चकृषे | रणयाञ्चकृथे | रणयाञ्चकृवे |
| | रणयाञ्चक्रे | रणयाञ्चकृवहे | रणयाञ्चकृमहे |
| | रणयाञ्चकृव | रणयामास | |
| आ० | रणयिषीष्ट | रणयिषीयास्ताम् | रणयिषीरन् |
| | रणयिषीष्टाः | रणयिषीयास्थाम् | रणयिषीद्वम् |
| | रणयिषीय | रणयिषीवहि | रणयिषीमहि |
| भ० | रणयिता | रणयितारौ | रणयितारः |
| | रणयितासे | रणयितासाथे | रणयिताध्वे |
| | रणयिताहे | रणयितास्वहे | रणयितास्महे |
| भ० | रणयिष्यते | रणयिष्येते | रणयिष्यन्ते |
| | रणयिष्यसे | रणयिष्येथे | रणयिष्यध्वे |
| | रणयिष्ये | रणयिष्यावहे | रणयिष्यामहे |
| क्रि० | अरणयिष्यत | अरणयिष्येताम् | अरणयिष्यन्त |
| | अरणयिष्यथाः | अरणयिष्येथाम् | अरणयिष्यध्वम् |
| | अरणयिष्ये | अरणयिष्यावहि | अरणयिष्यामहि |

1040 चण (चण्) हिंसादानयोश्च ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० चणयति | चणयतः | चणयन्ति |
| चणयसि | चणयथः | चणयथ |
| चणयामि | चणयावः | चणयामः |
| स० चणयेत् | चणयेताम् | चणयेयुः |
| चणयेः | चणयेतम् | चणयेत |
| चणयेयम् | चणयेव | चणयेम |
| प० चणयतु | चणयतात् | चणयताम् |
| चणय | चणयतात् | चणयतम् |
| चणयानि | चणयाव | चणयाम |
| ह्र० अचणयत् | अचणयताम् | अचणयन् |
| अचणयः | अचणयतम् | अचणयत |
| अचणयम् | अचणयाव | अचणयाम |
| अ० अचीचणत् | अचीचणताम् | अचीचणन् |
| अचीचणः | अचीचणतम् | अचीचणत |
| अचीचणम् | अचीचणाव | अचीचणाम |
| प० चणयाञ्चकार | चणयाञ्चकतुः | चणयाञ्चकुः |
| चणयाञ्चकथं | चणयाञ्चकथुः | चणयाञ्चक |
| चणयाञ्चकार-चकर | चणयाञ्चकृव | चणयाञ्चकृम |
| चणयाञ्चभूत | । | चणयामास |
| आ० चण्यात् | चण्यास्ताम् | चण्यासुः |
| चण्याः | चण्यास्तम् | चण्यास्त |
| चण्यासम् | चण्यास्व | चण्याम्म |
| भ० चणयिता | चणयितारो | चणयितारः |
| चणयितासि | चणयितासथः | चणयितासथ |
| चणयितास्मि | चणयितास्वः | चणयितास्मः |
| भ० चणयिष्यति | चणयिष्यतः | चणयिष्यन्ति |
| चणयिष्यसि | चणयिष्यथः | चणयिष्यथ |
| चणयिष्यामि | चणयिष्यावः | चणयिष्यामः |
| क्रि० अचणयिष्यत् | अचणयिष्यताम् | अचणयिष्यन् |
| अचणयिष्यः | अचणयिष्यतम् | अचणयिष्यत |
| अचणयिष्यम् | अचणयिष्याव | अचणयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० चणयते | चणयते | चणयन्ते |
| चणयसे | चणयथे | चणयथ्वे |
| चणये | चणयावहे | चणयामहे |
| स० चणयेत | चणयेताम् | चणयेरन् |
| चणयेथाः | चणयेथाम् | चणयेध्वम् |
| चणयेय | चणयेवहि | चणयेमहि |
| प० चणयताम् | चणयेताम् | चणयन्ताम् |
| चणयस्व | चणयेथाम् | चणयध्वम् |
| चणयै | चणयावहै | चणयामहै |
| ह्र० अचणयत | अचणयेताम् | अचणयन्त |
| अचणयथाः | अचणयेथाम् | अचणयध्वम् |
| अचणये | अचणयावहि | अचणयामहि |
| अ० अचीचणत | अचीचणेताम् | अचीचणन्त |
| अचीचणथाः | अचीचणेशाम् | अचीचणध्वम् |
| अचीचणे | अचीचणावहि | अचीचणामहि |
| प० चणयाञ्चके | चणयाञ्चकते | चणयाञ्चकिरे |
| चणयाञ्चकृषे | चणयाञ्चकृषे | चणयाञ्चकृद्वे |
| चणयाञ्चके | चणयाञ्चकृवहे | चणयाञ्चकृमहे |
| चणयाञ्चभूत | । | चणयामास |
| आ० चणयिषीष्ट | चणयिषीयास्ताम् | चणयिषीरन् |
| चणयिषीष्टाः | चणयिषीयास्ताम् | चणयिषीध्वम् |
| चणयिषीय | चणयिषीवहि | चणयिषीमहि |
| भ० चणयिता | चणयितारो | चणयितारः |
| चणयितासे | चणयितासथे | चणयितास्व |
| चणयिताहे | चणयितावहे | चणयितामहे |
| भ० चणयिष्यते | चणयिष्येते | चणयिष्यन्ते |
| चणयिष्यसे | चणयिष्यथे | चणयिष्यथ्वे |
| चणयिष्ये | चणयिष्यावहे | चणयिष्यामहे |
| क्रि० अचणयिष्यत | अचणयिष्येताम् | अचणयिष्यन्त |
| अचणयिष्यथाः | अचणयिष्येशाम् | अचणयिष्यध्वम् |
| अचणयिष्ये | अचणयिष्यावहि | अचणयिष्यामहि |

1041 शण (शण्) दाने ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | शणयति | शणयतः | शणयन्ति |
| | शणयसि | शणयथः | शणयथ |
| | शणयामि | शणयावः | शणयामः |
| म० | शणयेत् | शणयेताम् | शणयेयुः |
| | शणयेः | शणयेतम् | शणयेत |
| | शणयेयम् | शणयेव | शणयेम |
| प० | शणयतु | शणयतात् | शणयताम् |
| | शणय | शणयतात् | शणयतम् |
| | शणयानि | शणयाव | शणयाम |
| झ० | अशणयत् | अशणयताम् | अशणयन् |
| | अशणयः | अशणयतम् | अशणयत |
| | अशणयम् | अशणयाव | अशणयाम |
| ञ० | अशीशणत् | अशीशणताम् | अशीशणन् |
| | अशीशणः | अशीशणतम् | अशीशणत |
| | अशीशणम् | अशीशणाव | अशीशणाम |
| ट० | शणयाञ्चकार | शणयाञ्चक्रुः | शणयाञ्चकु |
| | शणयाञ्चक्ये | शणयाञ्चक्युः | शणयाञ्चक |
| | शणयाञ्चकार-चकर | शणयाञ्चकृव | शणयाञ्चकृम |
| | शणयाम्बभूव | । | शणयामास |
| आ० | शण्यात् | शण्यास्ताम् | शण्यासुः |
| | शण्याः | शण्यास्तम् | शण्यास्त |
| | शण्यासम् | शण्यास्व | शण्यास्म |
| इ० | शणयिता | शणयितारौ | शणयितारः |
| | शणयितासि | शणयितास्थः | शणयितास्थ |
| | शणयितास्मि | शणयितास्वः | शणयितास्मः |
| भ० | शणयिष्यति | शणयिष्यतः | शणयिष्यन्ति |
| | शणयिष्यसि | शणयिष्यथः | शणयिष्यथ |
| | शणयिष्यामि | शणयिष्यावः | शणयिष्यामः |
| क्रि० | अशणयिष्यत् | अशणयिष्यताम् | अशणयिष्यन् |
| | अशणयिष्यः | अशणयिष्यतम् | अशणयिष्यत |
| | अशणयिष्यम् | अशणयिष्याव | अशणयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|------------------|---------------|
| व० | शणयते | शणयेते | शणयन्ते |
| | शणयसे | शणयेथे | शणयथ्वे |
| | शणये | शणयावहे | शणयामहे |
| म० | शणयेत | शणयेयाताम् | शणयेरन् |
| | शणयेथाः | शणयेथाम् | शणयेध्वम् |
| | शणयेय | शणदेवहि | शणयेमहि |
| प० | शणयता | शणयेताम् | शणयन्ताम् |
| | शणयस्व | शणयेथाम् | शणयध्वम् |
| | शणयै | शणयावहे | शणयामहे |
| झ० | अशणयत | अशणयेताम् | अशणयन्त |
| | अशणयथाः | अशणयेथाम् | अशणयध्वम् |
| | अशणये | अशणयावहि | अशणयामहि |
| ञ० | अशीशणत | अशीशणेताम् | अशीशणन्त |
| | अशीशणथाः | अशीशणेशाम् | अशीशणध्वम् |
| | अशीशणे | अशीशणावहि | अशीशणामहि |
| ट० | शणयाञ्चक्रे | शणयाञ्चकृते | शणयाञ्चकिरे |
| | शणयाञ्चकृवे | शणयाञ्चकृथे | शणयाञ्चकृध्वे |
| | शणयाञ्चक्रे | शणयाञ्चकृवहे | शणयाञ्चकृमहे |
| | शणयाम्बभूव | । | शणयामास |
| आ० | शणयिषीष्ट | शणयिषीष्टास्ताम् | शणयिषीष्टुः |
| | शणयिषीष्टाः | शणयिषीष्टास्ताम् | शणयिषीष्ट्वम् |
| | शणयिषीय | शणयिषीवहि | शणयिषीमहि |
| इ० | शणयिता | शणयितारौ | शणयितारः |
| | शणयितासे | शणयितास्थे | शणयिताध्वे |
| | शणयिताहे | शणयितास्वहे | शणयितास्महे |
| भ० | शणयिष्यते | शणयिष्येते | शणयिष्यन्ते |
| | शणयिष्यसे | शणयिष्येथे | शणयिष्यध्वे |
| | शणयिष्ये | शणयिष्यावहे | शणयिष्यामहे |
| क्रि० | अशणयिष्यन् | अशणयिष्येताम् | अशणयिष्यन्त |
| | अशणयिष्यथाः | अशणयिष्येथाम् | अशणयिष्यध्वम् |
| | अशणयिष्ये | अशणयिष्यावहि | अशणयिष्यामहि |

मुनिश्रीलाघव्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (९६५)

1042 अण (अण्) दाने ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| ब० | अणयति | अणयतः | अणयन्ति |
| | अणयसि | अणयथः | अणयथ |
| | अणयामि | अणयावः | अणयामः |
| स० | अणयेत् | अणयेताम् | अणयेयुः |
| | अणयेः | अणयेतम् | अणयेत |
| | अणयेयम् | अणयेव | अणयेम |
| प० | अणयतु | अणयतात् | अणयताम् |
| | अणय | अणयतात् | अणयतम् |
| | अणयानि | अणयाव | अणयाम |
| ह्य० | अअणयत् | अअणयताम् | अअणयन् |
| | अअणयः | अअणयतम् | अअणयत |
| | अअणयम् | अअणयाव | अअणयाम |
| अ० | अशिअणत | अशिअणताम् | अशिअणन् |
| | अशिअणः | अशिअणतम् | अशिअणत |
| | अशिअणम् | अशिअणाव | अशिअणाम |
| प० | अणयाञ्चकार | अणयाञ्चकतुः | अणयाञ्चकुः |
| | अणयाञ्चकर्थ | अणयाञ्चकथुः | अणयाञ्चक |
| | अणयाञ्चकार-चकर | अणयाञ्चकृव | अणयाञ्चकृम |
| | अणयाम्बभूव | । | अणयामास |
| आ० | अण्यात् | अण्यास्ताम् | अण्यासुः |
| | अण्याः | अण्यास्तम् | अण्यास्त |
| | अण्यासम् | अण्यास्व | अण्यास्म |
| भ० | अणयिता | अणयितारौ | अणयितारः |
| | अणयितासि | अणयितास्थः | अणयितास्थ |
| | अणयितास्मि | अणयितास्वः | अणयितास्मः |
| भ० | अणयिष्यति | अणयिष्यतः | अणयिष्यन्ति |
| | अणयिष्यसि | अणयिष्यथः | अणयिष्यथ |
| | अणयिष्यामि | अणयिष्यावः | अणयिष्यामः |
| क्रि० | अअणयिष्यत् | अअणयिष्यताम् | अअणयिष्यन् |
| | अअणयिष्यः | अअणयिष्यतम् | अअणयिष्यत |
| | अअणयिष्यम् | अअणयिष्याव | अअणयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | अणयते | अणयते | अणयन्ते |
| | अणयसे | अणयथे | अणयथे |
| | अणये | अणयावहे | अणयामहे |
| स० | अणयेत् | अणयेयाताम् | अणयेरन् |
| | अणयेथाः | अणयेथायाम् | अणयेध्वम् |
| | अणयेय | अणयेवहि | अणयेमहि |
| प० | अणयताम् | अणयताम् | अणयन्ताम् |
| | अणयस्व | अणयेथाम् | अणयध्वम् |
| | अणये | अणयावहे | अणयामहे |
| ह्य० | अअणयत | अअणयेताम् | अअणयन्त |
| | अअणयथाः | अअणयेथाम् | अअणयध्वम् |
| | अअणये | अअणयावहि | अअणयामहि |
| अ० | अशिअणत | अशिअणताम् | अशिअणन्त |
| | अशिअणथाः | अशिअणेथाम् | अशिअणध्वम् |
| | अशिअणे | अशिअणावहि | अशिअणामहि |
| प० | अणयाञ्चके | अणयाञ्चकाते | अणयाञ्चकिरे |
| | अणयाञ्चकृषे | अणयाञ्चकृथे | अणयाञ्चकृद्वे |
| | अणयाञ्चके | अणयाञ्चकृवहे | अणयाञ्चकृमहे |
| | अणयाम्बभूव | । | अणयामास |
| आ० | अणयिषीष्ट | अणयिषीस्ताम् | अणयिषीरन् |
| | अणयिषीष्ठाः | अणयिषीयास्थाम् | अणयिषीद्वम् |
| | अणयिषीय | अणयिषीवहि | अणयिषीमहि |
| भ० | अणयिता | अणयितारौ | अणयितारः |
| | अणयितासे | अणयितासाथे | अणयिताथे |
| | अणयिताहे | अणयितास्वहे | अणयितास्महे |
| भ० | अणयिष्यते | अणयिष्येते | अणयिष्यन्ते |
| | अणयिष्यसे | अणयिष्यथे | अणयिष्यथे |
| | अणयिष्ये | अणयिष्यावहे | अणयिष्यामहे |
| क्रि० | अअणयिष्यत | अअणयिष्यताम् | अअणयिष्यन्त |
| | अअणयिष्यथाः | अअणयिष्येथाम् | अअणयिष्यध्वम् |
| | अअणयिष्ये | अअणयिष्यावहि | अअणयिष्यामहि |

॥ अथ शान्ताश्चत्वारः ॥

१ स्नथ (स्नथ्) हिंसार्थः ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | स्नथयति | स्नथयतः | स्नथयन्ति |
| | स्नथयसि | स्नथयथः | स्नथयथ |
| | स्नथयामि | स्नथयावः | स्नथयामः |
| स० | स्नथयेत् | स्नथयेताम् | स्नथयेयुः |
| | स्नथयेः | स्नथयेतम् | स्नथयेत |
| | स्नथयेयाम् | स्नथयेव | स्नथरेम |
| प० | स्नथयतु | स्नथयतात् | स्नथयन्तु |
| | स्नथय | स्नथयतात् | स्नथयत |
| | स्नथयानि | स्नथयाव | स्नथयाम |
| ह्य० | अस्नथयत् | अस्नथयताम् | अस्नथयन् |
| | अस्नथयः | अस्नथयतम् | अस्नथयत |
| | अस्नथयम् | अस्नथयाव | अस्नथयाम |
| य० | असिस्नथत् | असिस्नथताम् | असिस्नथन् |
| | असिस्नथः | असिस्नथतम् | असिस्नथत |
| | असिस्नथम् | असिस्नथाव | असिस्नथाम |
| ञ० | स्नथयाञ्चकार | स्नथयाञ्चक्रतुः | स्नथयाञ्चक्रुः |
| | स्नथयाञ्चकथं | स्नथयाञ्चक्रथुः | स्नथयाञ्चक्र |
| | स्नथयाञ्चकार-चकर | स्नथयाञ्चक्रव | स्नथयाञ्चक्रुम |
| | स्नथयाम्बभूव | स्नथयामास | |
| आ० | स्नथ्यात् | स्नथ्यास्ताम् | स्नथ्यासुः |
| | स्नथ्याः | स्नथ्यास्तम् | स्नथ्यास्त |
| | स्नथ्यासम् | स्नथ्यास्व | स्नथ्यास्म |
| भ० | स्नथयिता | स्नथयितारौ | स्नथयितारः |
| | स्नथयितासि | स्नथयितास्थः | स्नथयितास्थ |
| | स्नथयितास्मि | स्नथयितारवः | स्नथयितास्मः |
| भ० | स्नथयिष्यति | स्नथयिष्यतः | स्नथयिष्यन्ति |
| | स्नथयिष्यसि | स्नथयिष्यथः | स्नथयिष्यथ |
| | स्नथयिष्यामि | स्नथयिष्यावः | स्नथयिष्यामः |
| क्रि० | अस्नथयिष्यत् | अस्नथयिष्येताम् | अस्नथयिष्यन् |
| | अस्नथयिष्यः | अस्नथयिष्यतम् | अस्नथयिष्यत |
| | अस्नथयिष्यम् | अस्नथयिष्याव | अस्नथयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|--------------------|----------------------|
| व० | स्नथयते | स्नथयेते | स्नथयन्ते |
| | स्नथयसे | स्नथयेथे | स्नथयध्वे |
| | स्नथये | स्नथयावहे | स्नथयामहे |
| स० | स्नथयेत | स्नथयेयाताम् | स्नथयेरन् |
| | स्नथयेथाः | स्नथयेयाथाम | स्नथयेयवम् |
| | स्नथयेय | स्नथयेवहि | स्नथरेमहि |
| प० | स्नथयताम् | स्नथयेताम् | स्नथयन्ताम् |
| | स्नथयस्व | स्नथेथाम् | स्नथयध्वम् |
| | स्नथयै | स्नथयावहै | स्नथयामहै |
| ह्य० | अस्नथयत | अस्नथयेताम् | अस्नथयन्त |
| | अस्नथयथाः | अस्नथयेथाम | अस्नथयध्वम् |
| | अस्नथये | अस्नथयावहि | अस्नथयामहि |
| अ० | असिस्नथत | असिस्नथेताम् | असिस्नथन्त |
| | असिस्नथथाः | असिस्नथेथाम् | असिस्नथध्वम् |
| | असिस्नथे | असिस्नथावहि | असिस्नथामहि |
| प० | स्नथयाञ्चके | स्नथयाञ्चक्राते | स्नथयाञ्चक्रिरे |
| | स्नथयाञ्चकृषे | स्नथयाञ्चकृषे | स्नथयाञ्चकृष्ट्वे |
| | स्नथयाञ्चके | स्नथयाञ्चकृष्ट्वहे | स्नथयाञ्चकृष्ट्वेमहे |
| | स्नथयाम्बभूव | स्नथयामास | |
| आ० | स्नथयिषीष्ट | स्नथयिषीस्ताम् | स्नथयिषीरन् |
| | स्नथयिषीष्टाः | स्नथयिषीयाथम् | स्नथयिषीष्ट्वम् |
| | स्नथयिषीय | स्नथयिषीवहि | स्नथयिषीमहि |
| भ० | स्नथयिता | स्नथयितारौ | स्नथयितारः |
| | स्नथयितासे | स्नथयितामाथे | स्नथयिताध्वे |
| | स्नथयिताहे | स्नथयितारवहे | स्नथयितास्महे |
| भ० | स्नथयिष्यते | स्नथयिष्येते | स्नथयिष्यन्ते |
| | स्नथयिष्यसे | स्नथयिष्येथे | स्नथयिष्यध्वे |
| | स्नथयिष्ये | स्नथयिष्यावहे | स्नथयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्नथयिष्यत् | अस्नथयिष्येताम् | अस्नथयिष्यन्त |
| | अस्नथयिष्यथाः | अस्नथयिष्येथाम् | अस्नथयिष्यध्वम् |
| | अस्नथयिष्ये | अस्नथयिष्यावहि | अस्नथयिष्यामहि |

1044 कनथ (कनथ्) हिंसार्थः ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० कनथयति | कनथयतः | कनथयन्ति |
| कनथयसि | कनथयथः | कनथयथ |
| कनथयामि | कनथयाव | कनथयामः |
| स० कनथयेत् | कनथयेताम् | कनथयेयुः |
| कनथयः | कनथयेतम् | कनथयेत |
| कनथयेयम् | कनथयेव | कनथयेम |
| प० कनथयतु | कनथयतात् | कनथयन्तु |
| कनथय | कनथयतात् | कनथयत |
| कनथयानि | कनथयाव | कनथयाम |
| ह्य० अकनथयत् | अकनथयताम् | अकनथयन् |
| अकनथयः | अकनथयतम् | अकनथयत |
| अकनथयम् | अकनथयाव | अकनथयाम |
| अ० अचिक्नथत् | अचिक्नथताम् | अचिक्नथन् |
| अचिक्नथः | अचिक्नथतम् | अचिक्नथत |
| अचिक्नथम् | अचिक्नथाव | अचिक्नथाम |
| प० कनथयाञ्चकार | कनथयाञ्चक्रतुः | कनथयाञ्चक्रुः |
| कनथयाञ्चकर्ष | कनथयाञ्चक्रथुः | कनथयाञ्चक्र |
| कनथयाञ्चकार-चकर | कनथयाञ्चकृव | कनथयाञ्चकृम |
| कनथयाम्बभूव | कनथयामास | |
| आ० कनथ्यात् | कनथ्यास्ताम् | कनथ्यासुः |
| कनथ्याः | कनथ्यास्तम् | कनथ्यास्त |
| कनथ्यासम् | कनथ्यास्व | कनथ्यासम |
| व० कनथयिता | कनथयितारौ | कनथयितारः |
| कनथयितासि | कनथयितास्थः | कनथयितास्थ |
| कनथयितास्मि | कनथयितास्वः | कनथयितास्मः |
| भ० कनथयिष्यति | कनथयिष्यत | कनथयिष्यन्ति |
| कनथयिष्यसि | कनथयिष्यथः | कनथयिष्यथ |
| कनथयिष्यामि | कनथयिष्यावः | कनथयिष्यामः |
| क्रि० अकनथयिष्यत् | अकनथयिष्येताम् | अकनथयिष्यन् |
| अकनथयिष्यः | अकनथयिष्यतम् | अकनथयिष्यत |
| अकनथयिष्यम् | अकनथयिष्याव | अकनथयिष्याम |

| | | |
|-------------------|----------------------------|----------------|
| व० कनथयते | कनथयेते | कनथयन्ते |
| कनथयसे | कनथयेथे | कनथयन्त्रे |
| कनथये | कनथयावहे | कनथयामहे |
| स० कनथयेत | कनथयेयाताम् | कनथयेरन् |
| कनथयेथाः | कनथयेयाथाम् | कनथयेष्वम् |
| कनथयेय | कनथयेवहि | कनथयेमहि |
| प० कनथयताम् | कनथयेताम् | कनथयन्ताम् |
| कनथयस्व | कनथयेथाम् | कनथयस्वम् |
| कनथये | कनथयावहे | कनथयामहे |
| ह्य० अकनथयत | अकनथयेताम् | अकनथयन्त |
| अकनथयथाः | अकनथयेथाम् | अकनथयस्वम् |
| अकनथये | अकनथयावहि | अकनथयामहि |
| अ० अचिक्नथत | अचिक्नथेताम् | अचिक्नथन्त |
| अचिक्नथथाः | अचिक्नथेथाम् | अचिक्नथस्वम् |
| अचिक्नथे | अचिक्नथावहि | अचिक्नथामहि |
| प० कनथयाञ्चके | कनथयाञ्चक्राते | कनथयाञ्चक्रिरे |
| कनथयाञ्चकृषे | कनथयाञ्चक्राथे | कनथयाञ्चकृद्वे |
| कनथयाञ्चके | कनथयाञ्चकृवहे | कनथयाञ्चकृमहे |
| कनथयाम्बभूव | कनथयामास | |
| आ० कनथयिषीष्ट | कनथयिषीष्टाताम् | कनथयिषीरन् |
| कनथयिषीष्टाः | कनथयिषीष्टाथम् | कनथयिषीष्ट्वम् |
| कनथयिषीय | कनथयिषीवहि | कनथयिषीमहि |
| व० कनथयिता | कनथयितारौ | कनथयितारः |
| कनथयितासे | कनथयितासाथे | कनथयितास्थे |
| कनथयिताहे | कनथयितारवहे | कनथयितास्महे |
| भ० कनथयिष्यते | कनथयिष्येते | कनथयिष्यन्ते |
| कनथयिष्यसे | कनथयिष्येथे | कनथयिष्यन्त्रे |
| कनथयिष्य | कनथयिष्यावहे | कनथयिष्यामहे |
| क्रि० अकनथयिष्यत | अकनथयिष्येताम् | अकनथयिष्यन्त |
| अकनथयिष्यथाः | अकनथयिष्येथाम् | अकनथयिष्यस्वम् |
| अकनथयिष्ये | अकनथयियावहि | अकनथयिष्यामहि |
| चौरस्येत्काथयतीति | यौजादिकस्य घञन्ताद्वाणिनि- | |
| जाभनादकाथेति | निदेशाद्वाहस्वाभावे | |

1045 कथ (कथ्) हिंसार्थः ।

| | | |
|-----------------|---------------|-------------|
| क० कथयति | कथयतः | कथयन्ति |
| कथयसि | कथयथः | कथयथ |
| क० कथयामि | कथयाव | कथयामः |
| क० कथयत् | कथयेताम् | कथययुः |
| कथयेः | कथयेतम् | कथयेत |
| कथयेयम् | कथयेव | कथयेम |
| क० कथयतु | कथयतात् | कथयताम् |
| कथय | कथयतात् | कथयतम् |
| कथयानि | कथयाव | कथयाम |
| क० अकथयत् | अकथयताम् | अकथयन् |
| अकथयः | अकथयतम् | अकथयत |
| अकथयम् | अकथयाव | अकथयाम |
| क० अचिकथत् | अचिकथताम् | अचिकथन् |
| अचिकथः | अचिकथतम् | अचिकथत |
| अचिकथम् | अचिकथाव | अचिकथाम |
| क० कथयञ्जकार | कथयञ्जकतुः | कथयञ्जकुः |
| कथयञ्जकथं | कथयञ्जकथुः | कथयञ्जक |
| कथयञ्जकार-चकर | कथयञ्जकृव | कथयञ्जकृम |
| कथयाम्बभूव | कथयामास | |
| आ० कथ्यात् | कथ्यास्ताम् | कथ्यासुः |
| कथ्याः | कथ्यास्तम् | कथ्यात |
| कथ्यामम् | कथ्यास्व | कथ्यास्म |
| क० कथयिता | कथयितारो | कथयितारः |
| कथयितासि | कथयितास्थः | कथयितास्थ |
| कथयितास्मि | कथयितास्वः | कथयितास्मः |
| क० कथयिष्यति | कथयिष्यतः | कथयिष्यन्ति |
| कथयिष्यसि | कथयिष्यथः | कथयिष्यथ |
| कथयिष्यामि | कथयिष्यावः | कथयिष्यामः |
| क्रि० अकथयिष्यत | अकथयिष्येताम् | अकथयिष्यन् |
| अकथयिष्याः | अकथयिष्यतम् | अकथयिष्यत |
| अकथयिष्यम् | अकथयिष्याव | अकथयिष्याम |

| | | |
|-----------------|---------------|-----------------|
| क० कथयते | कथयते | कथयन्ते |
| कथयसे | कथयेथे | कथयन्ते |
| कथये | कथयावहे | कथयामहे |
| क० कथयेत | कथयेताम् | कथयेन्त |
| कथयेथाः | कथयेथाम् | कथयेन्तम् |
| कथयेय | कथयेवहि | कथयेमहि |
| क० कथयताम् | कथयेताम् | कथयन्ताम् |
| कथयस्व | कथयेथाम् | कथयन्स्वम् |
| कथये | कथयावहे | कथयामहे |
| क० अकथयत | अकथयेताम् | अकथयन्त |
| अकथयथाः | अकथयेथाम् | अकथयन्स्वम् |
| अकथये | अकथयावहि | अकथयामहि |
| क० अचिकथत | अचिकथेताम् | अचिकथन्त |
| अचिकथथाः | अचिकथेथाम् | अचिकथन्स्वम् |
| अचिकथे | अचिकथावहि | अचिकथामहि |
| क० कथयाञ्जके | कथयाञ्जकते | कथयाञ्जकिरे |
| कथयाञ्जकृषे | कथयाञ्जकृथे | कथयाञ्जकृवे |
| कथयाञ्जके | कथयाञ्जकृवहे | कथयाञ्जकृमहे |
| कथयाम्बभूव | कथयामास | |
| आ० कथयिषीष्ट | कथयिषीष्टात् | कथयिषीन् |
| कथयिषीष्टाः | कथयिषीष्टाथम् | कथयिषीष्टवम् |
| कथयिषीय | कथयिषीवहि | कथयिषीमहि |
| क० कथयिता | कथयितारो | कथयितारः |
| कथयितासे | कथयितासाथे | कथयितास्वे |
| कथयिताहे | कथयितास्वहे | कथयितास्महे |
| क० कथयिष्यते | कथयिष्येते | कथयिष्यन्ते |
| कथयिष्यसे | कथयिष्येथे | कथयिष्यन्ते |
| कथयिष्ये | कथयिष्यावहे | कथयिष्यामहे |
| क्रि० अकथयिष्यत | अकथयिष्येताम् | अकथयिष्यन्त |
| अकथयिष्यथाः | अकथयिष्येथाम् | अकथयिष्यन्स्वम् |
| अकथयिष्ये | अकथयिष्यावहि | अकथयिष्यामहि |

1046 कलथ (कलथ्) हिंसार्थः ।

| | | |
|-------------------|----------------|--------------|
| क० कलथयति | कलथयतः | कलथयन्ति |
| कलथयसि | कलथयथः | कलथयथ |
| कलथयामि | कलथयावः | कलथयामः |
| स० कलथयेत् | कलथयेताम् | कलथयेयुः |
| कलथयेः | कलथयेतम् | कलथयेत |
| कलथयेयम् | कलथयेव | कलथयेम |
| प० कलथयतु | कलथयतात् | कलथयताम् |
| कलथय | कलथयतात् | कलथयतम् |
| कलथयानि | कलथयाव | कलथयाम |
| ह्य० अकलथयत् | अकलथयताम् | अकलथयन् |
| अकलथयः | अकलथयतम् | अकलथयत |
| अकलथयम् | अकलथयाव | अकलथयाम |
| अ० अचिकलथत् | अचिकलथताम् | अचिकलथन् |
| अचिकलथः | अचिकलथतम् | अचिकलथत |
| अचिकलथम् | अचिकलथाव | अचिकलथाम |
| प० कलथयाञ्चकार | कलथयाञ्चक्रतुः | कलथयाञ्चकुः |
| कलथयाञ्चकथं | कलथयाञ्चकथुः | कलथयाञ्चक |
| कलथयाञ्चकार-चकर | कलथयाञ्चकृव | कलथयाञ्चकृम |
| कलथयाम्बभूव | कलथयामास | |
| आ० कलथ्यात् | कलथ्यास्ताम् | कलथ्यासुः |
| कलथ्याः | कलथ्यास्तम् | कलथ्यास्त |
| कलथ्यासम् | कलथ्यास्व | कलथ्यास्म |
| च० कलथयिता | कलथयितारौ | कलथयितारः |
| कलथयितासि | कलथयितास्यः | कलथयितास्य |
| कलथयितास्मि | कलथयितास्वः | कलथयितास्मः |
| भ० कलथयिष्यति | कलथयिष्यतः | कलथयिष्यन्ति |
| कलथयिष्यसि | कलथयिष्यथः | कलथयिष्यथ |
| कलथयिष्यामि | कलथयिष्यावः | कलथयिष्यामः |
| क्रि० अकलथयिष्यत् | अकलथयिष्येताम् | अकलथयिष्यन् |
| अकलथयिष्यः | अकलथयिष्यतम् | अकलथयिष्यत |
| अकलथयिष्यम् | अकलथयिष्याव | अकलथयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० कलथयते | कलथयेते | कलथयन्ते |
| कलथयसे | कलथयेथे | कलथयन्थे |
| कलथये | कलथयान्हे | कलथयामहे |
| स० कलथयेत | कलथयेयाताम् | कलथयेयन् |
| कलथयेथाः | कलथयेथायाम् | कलथयेथ्वम |
| कलथयेय | कलथयेवहि | कलथयेमहि |
| प० कलथयताम् | कलथयेताम् | कलथयन्ताम् |
| कलथयस्व | कलथयेथाम् | कलथयन्थम् |
| कलथये | कलथयान्हे | कलथयामहे |
| ह्य० अकलथयत | अकलथयेताम् | अकलथयन्त |
| अकलथयथाः | अकलथयेथाम् | अकलथयन्थ्वम |
| अकलथये | अकलथयान्हे | अकलथयामहि |
| अ० अचिकलथयत | अचिकलथयेताम् | अचिकलथयन्त |
| अचिकलथयथाः | अचिकलथयेथाम् | अचिकलथयन्थ्वम |
| अचिकलथये | अचिकलथयान्हे | अचिकलथयामहि |
| प० कलथयाञ्चके | कलथयाञ्चकृते | कलथयाञ्चकिरे |
| कलथयाञ्चकृषे | कलथयाञ्चकृथे | कलथयाञ्चकृद्वे |
| कलथयाञ्चके | कलथयाञ्चकृवहे | कलथयाञ्चकृमहे |
| कलथयाञ्चभूव | कलथयामास | |
| आ० कलथयिषीष्ट | कलथयिषीयास्ताम् | कलथयिषीरन् |
| कलथयिषीष्टाः | कलथयिषीयास्थाम् | कलथयिषीद्वम |
| कलथयिषीय | कलथयिषीवहि | कलथयिषीमहि |
| च० कलथयिता | कलथयितारौ | कलथयितारः |
| कलथयितासे | कलथयितामाथे | कलथयितान्वे |
| कलथयिताहे | कलथयिताम्बहे | कलथयितास्महे |
| भ० कलथयिष्यते | कलथयिष्येते | कलथयिष्यन्ते |
| कलथयिष्यसे | कलथयिष्येथे | कलथयिष्यन्थे |
| कलथयिष्ये | कलथयिष्यावहे | कलथयिष्यामहे |
| क्रि० अकलथयिष्यत् | अकलथयिष्येताम् | अकलथयिष्यन्त |
| अकलथयिष्यथाः | अकलथयिष्येथाम् | अकलथयिष्यन्थ्वम |
| अकलथयिष्ये | अकलथयिष्यावहि | अकलथयिष्यामहि |

॥ अथ दान्तौ ॥

1047 छद् (छद्) ऊर्जने ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० छदयति | छदयतः | छदयन्ति |
| छदयसि | छदयथः | छदयथ |
| छदयामि | छदयावः | छदयामः |
| स० छदयेत् | छदयेताम् | छदयेयुः |
| छदयेः | छदयेतम् | छदयेत |
| छदयेयम् | छदयेव | छदयेम |
| प० छदयतु | छदयतात् | छदयताम् |
| छदय | छदयतात् | छदयतम् |
| छदयानि | छदयाव | छदयाम |
| ह्य० अछदयत् | अछदयताम् | अछदयन् |
| अछदयः | अछदयतम् | अछदयत |
| अछदयम् | अछदयाव | अछदयाम |
| अ० अचिच्छदत् | अचिच्छदताम् | अचिच्छदन् |
| अचिच्छदः | अचिच्छदतम् | अचिच्छदत |
| अचिच्छदम् | अचिच्छदाव | अचिच्छदाम |
| प० छदयाञ्चकार | छदयाञ्चकतुः | छदयाञ्चकुः |
| छदयाञ्चकर्थ | छदयाञ्चकथुः | छदयाञ्चक |
| छदयाञ्चकार-चकर | छदयाञ्चकव | छदयाञ्चकम् |
| छदयाञ्चभूव | छदयःमात | |
| आ० छयात् | छयास्ताम् | छयासुः |
| छयाः | छयास्तम् | छयास्त |
| छयासम् | छयास्व | छयास्म |
| व० छदयिता | छदयितारौ | छदयितारः |
| छदयितासि | छदयितास्थः | छदयितास्थ |
| छदयितास्मि | छदयितास्वः | छदयितास्मः |
| अ० छदयिष्यति | छदयिष्यतः | छदयिष्यन्ति |
| छदयिष्यसि | छदयिष्यथः | छदयिष्यथ |
| छदयिष्यामि | छदयिष्यावः | छदयिष्यामः |
| क्रि० अछदयिष्यत् | अछदयिष्यताम् | अछदयिष्यन् |
| अछदयिष्यः | अछदयिष्यतम् | अछदयिष्यत |
| अछदयिष्यम् | अछदयिष्याव | अछदयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० छदयेते | छदयेते | छदयन्ते |
| छदयसे | छदयेथे | छदयध्वे |
| छदये | छदयावहे | छदयामहे |
| स० छदयेत | छदयेयाताम् | छदयेरन् |
| छदयेथाः | छदयेयाथाम् | छदयेध्वम् |
| छदयेय | छदयेवहि | छदयेमहि |
| प० छदयेताम् | छदयेताम् | छदयन्ताम् |
| छदयस्व | छदयेथाम् | छदयध्वम् |
| छदये | छदयावहे | छदयामहे |
| ह्य० अछदयत | अछदयेताम् | अछदयन्त |
| अछदयथाः | अछदयेथाम् | अछदयध्वम् |
| अछदये | अछदयावहि | अछदयामहि |
| अ० अचिच्छदत | अचिच्छदेताम् | अचिच्छदन्त |
| अचिच्छदथाः | अचिच्छदेथाम् | अचिच्छदध्वम् |
| अचिच्छदे | अचिच्छदावहि | अचिच्छदामहि |
| प० छदयाञ्चके | छदयाञ्चकाते | छदयाञ्चकिरे |
| छदयाञ्चकृषे | छदयाञ्चकृथे | छदयाञ्चकृद्वे |
| छदयाञ्चके | छदयाञ्चकृवहे | छदयाञ्चकृमहे |
| छदयाञ्चभूव | छदयामास | |
| आ० छदयिषीष्ट | छदयिषीयास्ताम् | छदयिषीरन् |
| छदयिषीष्टाः | छदयिषीयास्थाम् | छदयिषीध्वम् |
| छदयिषीय | छदयिषीवहि | छदयिषीमहि |
| व० छदयिता | छदयितारौ | छदयितारः |
| छदयितासे | छदयितासाथे | छदयिताध्वे |
| छदयिताहे | छदयितास्वहे | छदयितास्महे |
| अ० छदयिष्यते | छदयिष्येते | छदयिष्यन्ते |
| छदयिष्यसे | छदयिष्येथे | छदयिष्यध्वे |
| छदयिष्ये | छदयिष्यावहे | छदयिष्यामहे |
| क्रि० अछदयिष्यत | अछदयिष्येताम् | अछदयिष्यन्त |
| अछदयिष्यथाः | अछदयिष्येथाम् | अछदयिष्यध्वम् |
| अछदयिष्ये | अछदयिष्यावहि | अछदयिष्यामहि |

1048 मदै (मद्) हर्षग्लपनयोः ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० मदयति | मदयतः | मदयन्ति |
| मदयसि | मदयथः | मदयथ |
| मदयामि | मदयावः | मदयामः |
| स० मदयेत् | मदयेताम् | मदयेयुः |
| मदयेः | मदयेतम् | मदयेत |
| मदयेयम् | मदयेव | मदयेम |
| प० मदयतु | मदयतात् | मदयताम् |
| मदय | मदयतात् | मदयतम् |
| मदयानि | मदयाव | मदयाम |
| ह्य० अमदयत् | अमदयताम् | अमदयन् |
| अमदयः | अमदयतम् | अमदयत |
| अमदयम् | अमदयाव | अमदयाम |
| अ० अमीमदत् | अमीमदताम् | अमीमदन् |
| अमीमदः | अमीमदतम् | अमीमदत |
| अमीमदम् | अमीमदाव | अमीमदाम |
| प० मद्याञ्चकार | मद्याञ्चकतुः | मद्याञ्चकुः |
| मद्याञ्चकर्थ | मद्याञ्चकथुः | मद्याञ्चक |
| मद्याञ्चकार-चकर | मद्याञ्चकृव | मद्याञ्चकृम |
| मद्याम्बभूव | । | मदय.मास |
| आ० मयात् | मयास्ताम् | मयासुः |
| मयाः | मयास्तम् | मयास्त |
| मयासम् | मयास्व | मयास्म |
| व० मदयिता | मदयितारौ | मदयितारः |
| मदयितासि | मदयितास्थः | मदयितास्थ |
| मदयितास्मि | मदयितास्वः | मदयितास्मः |
| भ० मदयिष्यति | मदयिष्यतः | मदयिष्यन्ति |
| मदयिष्यसि | मदयिष्यथः | मदयिष्यथ |
| मदयिष्यामि | मदयिष्यावः | मदयिष्यामः |
| क्रि० अमदयिष्यत् | अमदयिष्यताम् | अमदयिष्यन् |
| अमदयिष्यः | अमदयिष्यतम् | अमदयिष्यत |
| अमदयिष्यम् | अमदयिष्याव | अमदयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| व० मदयते | मदयेते | मदयन्ते |
| मदयसे | मदयेथे | मदयध्वे |
| मदये | मदयावहे | मदयामहे |
| स० मदयेत | मदयेयाताम् | मदयेरन् |
| मदयेथाः | मदयेयाथाम् | मदयेध्वम् |
| मदयेथ | मदयेवहि | मदयेमहि |
| प० मदयताम् | मदयेताम् | मदयन्ताम् |
| मदयस्व | मदयेथाम् | मदयध्वम |
| मदये | मदयावहे | मदयामहे |
| ह्य० अमदयत | अमदयेताम् | अमदयन्त |
| अमदयथाः | अमदयेथाम् | अमदयध्वम् |
| अमदये | अमदयावहि | अमदयामहि |
| अ० अमीमदत | अमीमदेताम् | अमीमदन्त |
| अमीमदथाः | अमीमदेथाम् | अमीमदध्वम् |
| अमीमदे | अमीमदावहि | अमीमदामहि |
| प० मद्याञ्चक्रे | मद्याञ्चकृते | मद्याञ्चकृरे |
| मद्याञ्चकृषे | मद्याञ्चकृथे | मद्याञ्चकृध्वे |
| मद्याञ्चक्रे | मद्याञ्चकृवहे | मद्याञ्चकृमहे |
| मद्याम्बभूव | । | मदयामास |
| आ० मदयिषीष्ट | मदयिषीयास्ताम् | मदयिषीरन् |
| मदयिषीष्टाः | मदयिषीयास्याम् | मदयिषीध्वम् |
| मदयिषीय | मदयिषीवहि | मदयिषीमहि |
| व० मदयिता | मदयितारौ | मदयितारः |
| मदयितासे | मदयितासाथे | मदयिताध्वे |
| मदयिताहे | मदयितास्वहे | मदयितास्महे |
| भ० मदयिष्यते | मदयिष्येते | मदयिष्यन्ते |
| मदयिष्यसे | मदयिष्येथे | मदयिष्यध्वे |
| मदयिष्ये | मदयिष्यावहे | मदयिष्यामहे |
| क्रि० अमदयिष्यत | अमदयिष्येताम् | अमदयिष्यन्त |
| अमदयिष्यथाः | अमदयिष्येथाम् | अमदयिष्यध्वम् |
| अमदयिष्ये | अमदयिष्यावहि | अमदयिष्यामहि |

अन्यत्रानेकार्थत्वादुन्मादयति प्रमादयति

॥ अथ नान्ताः षञ्च ।

1049 छन (स्तन्) शब्दे ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० स्तनयति | स्तनयतः | स्तनयन्ति |
| स्तनयसि | स्तनयथः | स्तनयथ |
| स्तनयामि | स्तनयावः | स्तनयामः |
| स० स्तनयेत् | स्तनयेताम् | स्तनयेयुः |
| स्तनयेः | स्तनयेतम् | स्तनयेत |
| स्तनयेयम् | स्तनयेव | स्तनयेम |
| प० स्तनयतु | स्तनयतात् | स्तनयताम् |
| स्तनय | स्तनयतान् | स्तनयतम् |
| स्तनयानि | स्तनयाव | स्तनयाम |
| ह्य० अस्तनयन् | अस्तनयताम् | अस्तनयन् |
| अस्तनयः | अस्तनयतम् | अस्तनयत |
| अस्तनयम् | अस्तनयाव | अस्तनयाम |
| अ० अतिष्ठन्तु | अतिष्ठन्ताम् | अतिष्ठन्तु |
| अतिष्ठन्तः | अतिष्ठन्तम् | अतिष्ठन्त |
| अतिष्ठन्म | अतिष्ठनाव | अतिष्ठनाम |
| प० स्तनयाञ्चकार | स्तनयाञ्चक्रुः | स्तनयाञ्चक्रुः |
| स्तनयाञ्चकथं | स्तनयाञ्चक्रुः | स्तनयाञ्चक्रुः |
| स्तनयाञ्चकार-चक्र | स्तनयाञ्चक्रुव | स्तनयाञ्चक्रुम |
| स्तनयाञ्चभूव | स्तनयामास | |
| आ० स्तन्यात् | स्तन्यास्ताम् | स्तन्यास्तुः |
| स्तन्याः | स्तन्यास्तम् | स्तन्यास्त |
| स्तन्यासम् | स्तन्यास्व | स्तन्यास्म |
| श्व० स्तनयिता | स्तनयितारौ | स्तनयितारः |
| स्तनयितासि | स्तनयितारथः | स्तनयितारथ |
| स्तनयितास्मि | स्तनयितारस्वः | स्तनयितारस्मः |
| भ० स्तनयिष्यति | स्तनयिष्यतः | स्तनयिष्यन्ति |
| स्तनयिष्यसि | स्तनयिष्यथः | स्तनयिष्यथ |
| स्तनयिष्यामि | स्तनयिष्यावः | स्तनयिष्यामः |
| क्रि० अस्तनयिष्यत् | अस्तनयिष्यताम् | अस्तनयिष्यन् |
| अस्तनयिष्यः | अस्तनयिष्यतम् | अस्तनयिष्यत |
| अस्तनयिष्यम् | अस्तनयिष्याव | अस्तनयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| ब० स्तनयते | स्तनयेते | स्तनयन्ते |
| स्तनयसे | स्तनयेथे | स्तनयध्वे |
| स्तनये | स्तनयावहे | स्तनयामहे |
| म० स्तनयेत | स्तनयेयाताम् | स्तनयेरन् |
| स्तनयेथाः | स्तनयेयाथाम् | स्तनयेध्वम् |
| स्तनयेय | स्तनयेवहि | स्तनयेमहि |
| प० स्तनयताम् | स्तनयेताम् | स्तनयन्ताम् |
| स्तनयस्व | स्तनयेथाम् | स्तनयध्वम् |
| स्तनयै | स्तनयावहै | स्तनयामहै |
| ह्य० अस्तनयत | अस्तनयेताम् | अस्तनयन्त |
| अस्तनयथाः | अस्तनयेथाम् | अस्तनयध्वम् |
| अस्तनये | अस्तनयावहि | अस्तनयामहि |
| अ० अतिष्ठन्त | अतिष्ठन्ताम् | अतिष्ठन्त |
| अतिष्ठन्थाः | अतिष्ठन्थाम् | अतिष्ठन्ध्वम् |
| अतिष्ठन्ते | अतिष्ठनावहि | अतिष्ठनामहि |
| प० स्तनयाञ्चक्रे | स्तनयाञ्चक्राते | स्तनयाञ्चक्रिरे |
| स्तनयाञ्चक्रुषे | स्तनयाञ्चक्रुषे | स्तनयाञ्चक्रुषे |
| स्तनयाञ्चक्रे | स्तनयाञ्चक्रुवहे | स्तनयाञ्चक्रुमहे |
| स्तनयाञ्चभूव | स्तनयामास | |
| आ० स्तनयिषीष्ट | स्तनयिषीष्टाम् | स्तनयिषीरन् |
| स्तनयिषीष्टाः | स्तनयिषीष्टाम् | स्तनयिषीष्टवम् |
| स्तनयिषीय | स्तनयिषीवहि | स्तनयिषीमहि |
| श्व० स्तनयिता | स्तनयितारौ | स्तनयितारः |
| स्तनयितासे | स्तनयितासाधे | स्तनयिताध्वे |
| स्तनयिताहे | स्तनयितास्वहे | स्तनयितास्महे |
| भ० स्तनयिष्यते | स्तनयिष्यते | स्तनयिष्यन्ते |
| स्तनयिष्यसे | स्तनयिष्येथे | स्तनयिष्यध्वे |
| स्तनयिष्ये | स्तनयिष्यावहे | स्तनयिष्यामहे |
| क्रि० अस्तनयिष्यत | अस्तनयिष्यताम् | अस्तनयिष्यन्त |
| अस्तनयिष्यथाः | अस्तनयिष्येथाम् | अस्तनयिष्यध्वम् |
| अस्तनयिष्ये | अस्तनयिष्यावहि | अस्तनयिष्यामहि |

1050 स्तन (स्तन्) शब्दे । 323 स्तनवद्रूपाणि

1051 ध्वन (ध्वन्) शब्दे । 325 ध्वनवद्रूपाणि

1052 स्वन स्वन) अवतंसने

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------------|
| व० | स्वनयति | स्वनयतः | स्वनयन्ति |
| | स्वनयसि | स्वनयथः | स्वनयथ |
| | स्वनयामि | स्वनयावः | स्वनयामः |
| स० | स्वनयेत् | स्वनयेताम् | स्वनयेयुः |
| | स्वनयेः | स्वनयेतम् | स्वनयेत |
| | स्वनयेयम् | स्वनयेव | स्वनयेम |
| प० | स्वनयतु | स्वनयतात् | स्वनयताम् स्वनयन्तु |
| | स्वनय | स्वनयतात् | स्वनयतम् स्वनयत |
| | स्वनयानि | स्वनयाव | स्वनयाम |
| ह्य० | अस्वनयत् | अस्वनयताम् | अस्वनयन् |
| | अस्वनयः | अस्वनयतम् | अस्वनयत |
| | अस्वनयम् | अस्वनयाव | अस्वनयाम |
| अ० | असिस्वनत् | असिस्वनताम् | असिस्वनन् |
| | असिस्वनः | असिस्वनतम् | असिस्वनत |
| | असिस्वनम् | असिस्वनाव | असिस्वनाम |
| प० | स्वनयाश्चकार | स्वनयाश्चक्रुः | स्वनयाश्चक्रुः |
| | स्वनयाश्चकथं | स्वनयाश्चकथुः | स्वनयाश्चक |
| | स्वनयाश्चकार-चकर | स्वनयाश्चक्रुव | स्वनयाश्चक्रम |
| | स्वनयाम्बभूव | स्वनयामास | |
| आ० | स्वन्यात् | स्वन्यास्ताम् | स्वन्यासुः |
| | स्वन्याः | स्वन्यास्तम् | स्वन्यास्त |
| | स्वन्यासम् | स्वन्यास्व | स्वन्यास्म |
| श्व० | स्वनयिता | स्वनयितारौ | स्वनयितारः |
| | स्वनयितासि | स्वनयितास्थः | स्वनयितास्थ |
| | स्वनयितास्मि | स्वनयितास्वः | स्वनयितास्मः |
| भ० | स्वनयिष्यति | स्वनयिष्यतः | स्वनयिष्यन्ति |
| | स्वनयिष्यसि | स्वनयिष्यथः | स्वनयिष्यथ |
| | स्वनयिष्यामि | स्वनयिष्यावः | स्वनयिष्यामः |
| क्रि० | अस्वनयिष्यत् | अस्वनयिष्यताम् | अस्वनयिष्यन् |
| | अस्वनयिष्यः | अस्वनयिष्यतम् | अस्वनयिष्यत |
| | अस्वनयिष्यम् | अस्वनयिष्याव | अस्वनयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-----------------|
| व० | स्वनयते | स्वनयते | स्वनयन्ते |
| | स्वनयसे | स्वनयेथे | स्वनयथे |
| | स्वनये | स्वनयावहे | स्वनयामहे |
| स० | स्वनयेत | स्वनयेयाताम् | स्वनयेरन् |
| | स्वनयेथाः | स्वनयेयाथाम् | स्वनयेयम् |
| | स्वनयेय | स्वनयेवहि | स्वनयेमहि |
| प० | स्वनयताम् | स्वनयेताम् | स्वनयन्ताम् |
| | स्वनयस्व | स्वनयेथाम् | स्वनयथ्वम् |
| | स्वनयै | स्वनयावहै | स्वनयामहै |
| ह्य० | अस्वनयत | अस्वनयेताम् | अस्वनयन्त |
| | अस्वनथाः | अस्वनयेथाम् | अस्वनयथ्वम् |
| | अस्वनयं | अस्वनयावहि | अस्वनयामहि |
| अ० | असिस्वनत | असिस्वनेताम् | असिस्वनन्त |
| | असिस्वनथाः | असिस्वनेथाम् | असिस्वनथ्वम् |
| | असिस्वने | असिस्वनावहि | असिस्वनामहि |
| प० | स्वनयाश्चक्रे | स्वनयाश्चक्राते | स्वनयाश्चकिरे |
| | स्वनयाश्चक्रुषे | स्वनयाश्चक्राथे | स्वनयाश्चक्रुषे |
| | स्वनयाश्चक्रे | स्वनयाश्चक्रुवहे | स्वनयाश्चक्रमहे |
| | स्वनयाम्बभूव | स्वनयामस | |
| आ० | स्वनयिषीष्ट | स्वनयिषीयास्ताम् | स्वनयिषीरन् |
| | स्वनयिषीष्टाः | स्वनयिषीयास्थाम् | स्वनयिषीष्टुः |
| | स्वनयिषीय | स्वनयिषीवहि | स्वनयिषीमहि |
| प० | स्वनयिता | स्वनयितारौ | स्वनयितारः |
| | स्वनयितासे | स्वनयितासाथे | स्वनयितास्थे |
| | स्वनयिताहे | स्वनयितास्वहे | स्वनयितास्महे |
| भ० | स्वनयिष्यते | स्वनयिष्येते | स्वनयिष्यन्ते |
| | स्वनयिष्यसे | स्वनयिष्येथे | स्वनयिष्यथे |
| | स्वनयिष्ये | स्वनयिष्यावहे | स्वनयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्वनयिष्यत | अस्वनयिष्येताम् | अस्वनयिष्यन्त |
| | अस्वनयिष्यथाः | अस्वनयिष्येथाम् | अस्वनयिष्यथ्वम् |
| | अस्वनयिष्ये | अस्वनयिष्यावहि | अस्वनयिष्यामहि |
| | अन्यत्र | स्वनयति | |

1053 चन (चन्) हिंसायाम् ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० चनयति | चनयतः | चनयन्ति |
| चनयसि | चनयथः | चनयथ |
| चनयामि | चनयावः | चनयामः |
| स० चनयेत् | चनयेताम् | चनयेयुः |
| चनयेः | चनयेतम् | चनयेत |
| चनयेयम् | चनयेव | चनयेम |
| प० चनयतु | चनयतात् | चनयताम् |
| चनय | चनयतात् | चनयतम् |
| चनयानि | चनयाव | चनयाम |
| ह्य० अचनयत् | अचनयताम् | अचनयन् |
| अचनयः | अचनयतम् | अचनयत |
| अचनयम् | अचनयाव | अचनयाम |
| अ० अचीचनत् | अचीचनताम् | अचीचनन् |
| अचीचनः | अचीचनतम् | अचीचनत |
| अचीचनम् | अचीचनाव | अचीचनाम |
| प० चनयाञ्चकार | चनयाञ्चक्रुः | चनयाञ्चकुः |
| चनयाञ्चकथं | चनयाञ्चकथुः | चनयाञ्चक |
| चनयाञ्चकार-चकर | चनयाञ्चकृव | चनयाञ्चकृम |
| चनयाञ्चभूव | चनयामास | |
| आ० चन्यात् | चन्यास्ताम् | चन्यासुः |
| चन्याः | चन्यास्तम् | चन्यास्त |
| चन्यासम् | चन्यास्व | चन्यास्म |
| श्च० चनयिता | चनयितारौ | चनयितारः |
| चनयितासि | चनयितास्थः | चनयितास्थ |
| चनयितास्मि | चनयितास्वः | चनयितास्मः |
| भ० चनयिष्यति | चनयिष्यतः | चनयिष्यन्ति |
| चनयिष्यसि | चनयिष्यथः | चनयिष्यथ |
| चनयिष्यामि | चनयिष्यावः | चनयिष्यामः |
| क्रि० अचनयिष्यत् | अचनयिष्यताम् | अचनयिष्यन् |
| अचनयिष्यः | अचनयिष्यतम् | अचनयिष्यत |
| अचनयिष्यम् | अचनयिष्याव | अचनयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० चनयते | चनयते | चनयन्ते |
| चनयसे | चनयेथे | चनयध्वे |
| चनये | चनयावहे | चनयामहे |
| स० चनयेत | चनयेयाताम् | चनयेरन् |
| चनयेथाः | चनयेयाथाम् | चनयेय्वम् |
| चनयेय | चनयेवहि | चनयेमहि |
| प० चनयताम् | चनयेताम् | चनयन्ताम् |
| चनयस्व | चनयेथाम् | चनयध्वम् |
| चनयै | चनयावहै | चनयामहै |
| ह्य० अचनयत | अचनयेताम् | अचनयन्त |
| अचनयथाः | अचनयेथाम् | अचनयध्वम् |
| अचनये | अचनयावहि | अचनयामहि |
| अ० अचीचनत | अचीचनेताम् | अचीचनन्त |
| अचीचनथाः | अचीचनेथाम् | अचीचनध्वम् |
| अचीचने | अचीचनावहि | अचीचनामहि |
| प० चनयाञ्चक्रे | चनयाञ्चक्राते | चनयाञ्चकिरे |
| चनयाञ्चकृषे | चनयाञ्चक्राथे | चनयाञ्चकृद्वे |
| चनयाञ्चके | चनयाञ्चकृवहे | चनयाञ्चकृमहे |
| चनयाञ्चभूव | चनयामास | |
| आ० चनयिषीष्ट | चनयिषीयास्ताम् | चनयिषीरन् |
| चनयिषीष्टाः | चनयिषीयास्थाम् | चनयिषीद्वम् |
| चनयिषीय | चनयिषीवहि | चनयिषीमहि |
| श्च० चनयिता | चनयितारौ | चनयितारः |
| चनयितासे | चनयितासाथे | चनयिताध्वे |
| चनयिताहे | चनयितास्वहे | चनयितास्महे |
| भ० चनयिष्यते | चनयिष्येते | चनयिष्यन्ते |
| चनयिष्यसे | चनयिष्येथे | चनयिष्यध्वे |
| चनयिष्ये | चनयिष्यावहे | चनयिष्यामहे |
| क्रि० अचनयिष्यत | अचनयिष्येताम् | अचनयिष्यन्त |
| अचनयिष्यथाः | अचनयिष्येथाम् | अचनयिष्यध्वम् |
| अचनयिष्ये | अचनयिष्यावहि | अचनयिष्यामहि |
| अन्यत्र | चानयति | |

॥ अथ रान्तः ॥

1054 ज्वर (ज्वर्) रोगे

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | ज्वरयति | ज्वरयतः | ज्वरयन्ति |
| | ज्वरयसि | ज्वरयथः | ज्वरयथ |
| | ज्वरयामि | ज्वरयावः | ज्वरयामः |
| स० | ज्वरयेत् | ज्वरयेताम् | ज्वरयेयुः |
| | ज्वरयेः | ज्वरयेतम् | ज्वरयेत |
| | ज्वरयेथम् | ज्वरयेव | ज्वरयेम |
| प० | ज्वरयतु | ज्वरयतात् | ज्वरयताम् |
| | ज्वरय | ज्वरयतात् | ज्वरयतम् |
| | ज्वरयाणि | ज्वरयाव | ज्वरयाम |
| ह्य० | अज्वरयत् | अज्वरयताम् | अज्वरयन् |
| | अज्वरयः | अज्वरयतम् | अज्वरयत |
| | अज्वरयम् | अज्वरयाव | अज्वरयाम |
| अ० | अजिज्वरत् | अजिज्वरताम् | अजिज्वरन् |
| | अजिज्वरः | अजिज्वरतम् | अजिज्वरत |
| | अजिज्वरम् | अजिज्वराव | अजिज्वराम |
| प० | ज्वरयाञ्चकार | ज्वरयाञ्चकतुः | ज्वरयाञ्चकुः |
| | ज्वरयाञ्चकथं | ज्वरयाञ्चकथुः | ज्वरयाञ्चक |
| | ज्वरयाञ्चकार-चकर | ज्वरयाञ्चकृव | ज्वरयाञ्चकृम |
| | ज्वरयाञ्चभूव | । ज्वरयामास | |
| आ० | ज्वर्यात् | ज्वर्यास्ताम् | ज्वर्यासुः |
| | ज्वर्याः | ज्वर्यास्तम् | ज्वर्यास्त |
| | ज्वर्यासम् | ज्वर्यास्व | ज्वर्यास्म |
| थ० | ज्वरयिता | ज्वरयितारौ | ज्वरयितारः |
| | ज्वरयितासि | ज्वरयितास्थः | ज्वरयितास्थ |
| | ज्वरयितास्मि | ज्वरयितास्वः | ज्वरयितास्मः |
| भ० | ज्वरयिष्यति | ज्वरयिष्यतः | ज्वरयिष्यन्ति |
| | ज्वरयिष्यसि | ज्वरयिष्यथः | ज्वरयिष्यथ |
| | ज्वरयिष्यामि | ज्वरयिष्यावः | ज्वरयिष्यामः |
| क्रि० | अज्वरयिष्यत् | अज्वरयिष्यताम् | अज्वरयिष्यन् |
| | अज्वरयिष्यः | अज्वरयिष्यतम् | अज्वरयिष्यत |
| | अज्वरयिष्यम् | अज्वरयिष्याव | अज्वरयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | ज्वरयेते | ज्वरयेते | ज्वरयन्ते |
| | ज्वरयेसे | ज्वरयेथे | ज्वरयेध्वे |
| | ज्वरये | ज्वरयावहे | ज्वरयामहे |
| स० | ज्वरयेत | ज्वरयेयाताम् | ज्वरयेरन् |
| | ज्वरयेथाः | ज्वरयेयाथाम् | ज्वरयेध्वम् |
| | ज्वरयेथ | ज्वरयेवहि | ज्वरयेमहि |
| प० | ज्वरयताम् | ज्वरयेताम् | ज्वरयन्ताम् |
| | ज्वरयस्व | ज्वरयेथाम् | ज्वरयध्वम् |
| | ज्वरये | ज्वरयावहे | ज्वरयामहे |
| ह्य० | अज्वरयत | अज्वरयेताम् | अज्वरयन्त |
| | अज्वरयथाः | अज्वरयेथाम् | अज्वरयध्वम् |
| | अज्वरये | अज्वरयावहि | अज्वरयामहि |
| अ० | अजिज्वरत | अजिज्वरेताम् | अजिज्वरन्त |
| | अजिज्वरथाः | अजिज्वरेथाम् | अजिज्वरध्वम् |
| | अजिज्वरे | अजिज्वरावहि | अजिज्वरामहि |
| प० | ज्वरयाञ्चक्रे | ज्वरयाञ्चकृते | ज्वरयाञ्चकृरे |
| | ज्वरयाञ्चकृषे | ज्वरयाञ्चकृथे | ज्वरयाञ्चकृध्वे |
| | ज्वरयाञ्चक्रे | ज्वरयाञ्चकृवहे | ज्वरयाञ्चकृमहे |
| | ज्वरयाञ्चभूव | । ज्वरयामास | |
| आ० | ज्वरयिषीष्ट | ज्वरयिषीयास्ताम् | ज्वरयिषीरन् |
| | ज्वरयिषीष्टाः | ज्वरयिषीयास्थाम् | ज्वरयिषीध्वम् |
| | ज्वरयिषीय | ज्वरयिषीवहि | ज्वरयिषीमहि |
| थ० | ज्वरयिता | ज्वरयितारौ | ज्वरयितारः |
| | ज्वरयितासे | ज्वरयितासाथे | ज्वरयिताध्वे |
| | ज्वरयिताहे | ज्वरयितास्वहे | ज्वरयितास्महे |
| भ० | ज्वरयिष्यते | ज्वरयिष्येते | ज्वरयिष्यन्ते |
| | ज्वरयिष्यसे | ज्वरयिष्येथे | ज्वरयिष्यध्वे |
| | ज्वरयिष्ये | ज्वरयिष्यावहे | ज्वरयिष्यामहे |
| क्रि० | अज्वरयिष्यत | अज्वरयिष्येताम् | अज्वरयिष्यन्त |
| | अज्वरयिष्यथाः | अज्वरयिष्येथाम् | अज्वरयिष्यध्वम् |
| | अज्वरयिष्ये | अज्वरयिष्यावहि | अज्वरयिष्यामहि |

॥ अथ लान्ताश्चत्वारः ॥

1055 चल (चल) कम्पने । 972 चलवद्वापि

1056 हल (हल्) चलने ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | हलयति | हलयतः | हलयन्ति |
| | हलयसि | हलयथः | हलयथ |
| | हलयामि | हलयावः | हलयामः |
| स० | हलयेत् | हलयेताम् | हलयेयुः |
| | हलयेः | हलयेतम् | हलयेत |
| | हलयेयम् | हलयेव | हलयेम |
| प० | हलयतु | हलयतात् | हलयताम् |
| | हलय | हलयसात् | हलयतम् |
| | हलयानि | हलयाव | हलयाम |
| लृ० | अहलयत् | अहलयताम् | अहलयन् |
| | अहलयः | अहलयतम् | अहलयत |
| | अहलयम् | अहलयाव | अहलयाम |
| अ० | अजिहलत् | अजिहलताम् | अजिहलन् |
| | अजिहलः | अजिहलतम् | अजिहलत |
| | अजिहलम् | अजिहलाव | अजिहलाम |
| प० | हलयाञ्चकार | हलयाञ्चक्रुः | हलयाञ्चकृः |
| | हलयाञ्चकथं | हलयाञ्चक्रुः | हलयाञ्चक्र |
| | हलयाञ्चकार-चकर | हलयाञ्चक्रुव | हलयाञ्चक्रम |
| | हलयाञ्चभूव | हलयाञ्चभूव | |
| आ० | हल्यात् | हल्यास्ताम् | हल्यामुः |
| | हल्याः | हल्यास्तम् | हल्यास्त |
| | हल्यासम् | हल्यास्व | हल्यास्म |
| भ० | हलयिता | हलयितारौ | हलयितारः |
| | हलयितासि | हलयितास्थः | हलयितास्थ |
| | हलयितास्मि | हलयितास्वः | हलयितास्मः |
| भ० | हलयिष्यति | हलयिष्यतः | हलयिष्यन्ति |
| | हलयिष्यसि | हलयिष्यथः | हलयिष्यथ |
| | हलयिष्यामि | हलयिष्यावः | हलयिष्यामः |
| क्रि० | अहलयिष्यत् | अहलयिष्यताम् | अहलयिष्यन् |
| | अहलयिष्यः | अहलायिष्यतम् | अहलयिष्यत |
| | अहलयिष्यम् | अहलयिष्याव | अहलयिष्याम |

1057 झल (झल्) चलने ।

| | | |
|----------------|--------------|------------|
| ब० झलयति | झलयतः | झलयन्ति |
| झलयसि | झलयथः | झलयथ |
| झलयामि | झलयावः | झलयामः |
| स० झलयेत् | झलयेताम् | झलयेयुः |
| झलयेः | झलयेतम् | झलयेत |
| झलयेथम् | झलयेव | झलयेम |
| प० झलयतु | झलयतात् | झलयताम् |
| झलय | झलयतात् | झलयतम् |
| झलयानि | झलयाव | झलयाम |
| झ० अझलयत् | अझलयताम् | अझलयन् |
| अझलयः | अझलयतम् | अझलयन्ते |
| अझलयम् | अझलयाव | अझलयाम |
| अ० अजिझलत् | अजिझलताम् | अजिझलन् |
| अजिझलः | अजिझलतम् | अजिझलन्ते |
| अजिझलम् | अजिझलाव | अजिझलाम |
| प० झलयाञ्चकार | झलयाञ्चक्रुः | झलयाञ्चकुः |
| झलयाञ्चकथं | झलयाञ्चक्रुः | झलयाञ्चक |
| झलयाञ्चकार-चकर | झलयाञ्चकृव | झलयाञ्चकृम |

झलयाञ्चकृव । झलयाञ्चकृम

| | | |
|---|--------------|--------------|
| आ० झलयात् | झलयास्ताम् | झलयासुः |
| झलयाः | झलयास्तम् | झलयास्त |
| झलयासम् | झलयास्व | झलयास्म |
| अ० झलयिता | झलयितारौ | झलयितारः |
| झलयितामि | झलयितास्थ | झलयितास्थ |
| झलयितास्मि | झलयितास्वः | झलयितास्मः |
| अ० झलयिष्यति | झलयिष्यतः | झलयिष्यन्ति |
| झलयिष्यसि | झलयिष्यथः | झलयिष्यथ |
| झलयिष्यामि | झलयिष्यावः | झलयिष्यामः |
| क्रि० अझलयिष्यत् | अझलयिष्यताम् | अझलयिष्यन् |
| अझलयिष्यः | अझलयिष्यतम् | अझलयिष्यन्ते |
| अझलयिष्यम् | अझलयिष्याव | अझलयिष्याम |
| पक्षे झलयति । सोपसर्गस्य तु प्रझलयतीत्येव | | |
| भवति । 1058 ज्वल (ज्वल्) दीप्तौ च | | |
| । ९६० ज्वलवद्भाणि । केचित् दलि बलि | | |
| स्खलि क्षण-त्रपेणामपि घटादित्वमिच्छन्ति । | | |
| तन्मते दलयति बलयति स्खलयति त्रपयतीतिपि | | |
| भवति । इति घटादिः | | |

श्रीमत्तपोगणगनाङ्गगगनमणि-सर्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-
विद्यापोठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्नशाखीय-आचार्यबृढामणि-अखण्ड-
विजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिसुरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेंदिरा-
यमाणान्तिषन्धुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य णिग-
न्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे

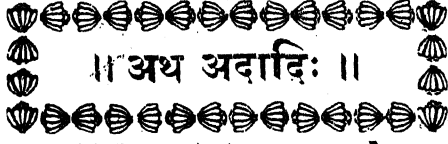
द्वितीयभागे

॥ भ्वादिगणः सम्पूर्णः ॥

ॐ अ० आदिदत् आदिदत्ताम् आदिदन्
आदिदः आदिदत्तम् आदिदत्त
आदिदम् आदिदन् आदिदाम्

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

(९७९)



॥ अथ अदादिः ॥

1059 अदं (अद्) भक्षणे

| | | | |
|-------|------------|-------------|-------------|
| व० | आदयति | आदयतः | आदयन्ति |
| | आदयसि | आदयथः | आदयथ |
| | आदयामि | आदयावः | आदयामः |
| स० | आदयेत् | आदयेताम् | आदयेयुः |
| | आदयेः | आदयेतम् | आदयेत |
| | आदयेयम् | आदयेव | आदयेम |
| प० | आदयतु | आदयतात् | आदयताम् |
| | आदय | आदयतात् | आदयतम् |
| | आदयानि | आदयाव | आदयाम |
| ह्य० | आदयत् | आदयताम् | आदयन् |
| | आदयः | आदयतम् | आदयत |
| | आदयम् | आदयाव | आदयाम |
| अ० | आदिदत् | आदिदत्ताम् | आदिदन् |
| | आदिदः | आदिदत्तम् | आदिदत्त |
| | आदिदम् | आदिदन् | आदिदाम् |
| प० | आदयाम्भू | आदयाम्भूतः | आदयाम्भूतः |
| | आदयाम्भू | आदयाम्भूतः | आदयाम्भूतः |
| | आदयाम्भू | आदयाम्भूतः | आदयाम्भूतः |
| आ० | आद्यात् | आद्यास्ताम् | आद्यासुः |
| | आद्याः | आद्यास्तम् | आद्यास्त |
| | आद्यासम् | आद्यास्व | आद्यास्म |
| भ० | आदयिता | आदयितारौ | आदयितारः |
| | आदयितासि | आदयितास्थः | आदयितास्थ |
| | आदयितास्मि | आदयितास्वः | आदयितास्मः |
| भ० | आदयिष्यति | आदयिष्यतः | आदयिष्यन्ति |
| | आदयिष्यसि | आदयिष्यथः | आदयिष्यथ |
| | आदयिष्यामि | आदयिष्यावः | आदयिष्यामः |
| क्रि० | आदयिष्यत् | आदयिष्यताम् | आदयिष्यन् |
| | आदयिष्यः | आदयिष्यतम् | आदयिष्यत |
| | आदयिष्यम् | आदयिष्याव | आदयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|--------------|
| व० | आदयते | आदयेते | आदयन्ते |
| | आदयसे | आदयेथे | आदयध्वे |
| | आदये | आदयावहे | आदयामहे |
| स० | आदयेत | आदयेताताम् | आदयेरन् |
| | आदयेथाः | आदयेथाताम् | आदयेध्वम् |
| | आदयेय | आदयेवहि | आदयेमहि |
| प० | आदयताम् | आदयेताम् | आदयन्ताम् |
| | आदयस्व | आदयेधाम् | आदयध्वम् |
| | आदयै | आदयावहे | आदयामहे |
| ह्य० | आदयत | आदयेताम् | आदयन्त |
| | आदयथाः | आदयेथाम् | आदयध्वम् |
| | आदये | आदयावहि | आदयामहि |
| अ० | आदिदत् | आदिदेताम् | आदिदन्त |
| | आदिदथाः | आदिदेथाम् | आदिदध्वम् |
| | आदिदे | आदिदावहि | आदिदामहि |
| प० | आदयाम्भू | आदयाम्भूतः | आदयाम्भूतः |
| | आदयाम्भू | आदयाम्भूतः | आदयाम्भूतः |
| | आदयाम्भू | आदयाम्भूतः | आदयाम्भूतः |
| आ० | आदयिषीष्ट | आदयिषीयास्ताम् | आदयिषीरन् |
| | आदयिषीष्टाः | आदयिषीयास्थाम् | आदयिषीध्वम् |
| | आदयिषीय | आदयिषीवहि | आदयिषीमहि |
| भ० | आदयिता | आदयितारौ | आदयितारः |
| | आदयितासे | आदयितासाथे | आदयिताध्वे |
| | आदयिताहे | आदयितास्वहे | आदयितास्महे |
| भ० | आदयिष्यते | आदयिष्येते | आदयिष्यन्ते |
| | आदयिष्यसे | आदयिष्येथे | आदयिष्यध्वे |
| | आदयिष्ये | आदयिष्यावहे | आदयिष्यामहे |
| क्रि० | आदयिष्यत् | आदयिष्येताम् | आदयिष्यन्त |
| | आदयिष्यथाः | आदयिष्येथाम् | आदयिष्यध्वम् |
| | आदयिष्ये | आदयिष्यावहि | आदयिष्यामहि |

॥ अथादन्ताश्रतुर्दश ॥

1060 प्सांक् (प्सा) भक्षणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | प्सापयति | प्सापयतः | प्सापयन्ति |
| | प्सापयसि | प्सापयथः | प्सापयथ |
| | प्सापयामि | प्सापयावः | प्सापयामः |
| स० | प्सापयेत् | प्सापयेताम् | प्सापयेयुः |
| | प्सापयेः | प्सापयेतम् | प्सापयेत |
| | प्सापयेयम् | प्सापयेव | प्सापयेम |
| प० | प्सापयतु | प्सापयतात् | प्सापयताम् |
| | प्सापय | प्सापयतात् | प्सापयतम् |
| | प्सापयानि | प्सापयाव | प्सापयाम |
| ह्य० | अप्सापयत् | अप्सापयताम् | अप्सापयन् |
| | अप्सापयः | अप्सापयतम् | अप्सापयत |
| | अप्सापयम् | अप्सापयाव | अप्सापयाम |
| अ० | अपिप्सपत् | अपिप्सपताम् | अपिप्सपन् |
| | अपिप्सपः | अपिप्सपतम् | अपिप्सपत |
| | अपिप्सपम् | अपिप्सपाव | अपिप्सपाम |
| प० | प्सापयाञ्चकार | प्सापयाञ्चक्रुः | प्सापयाञ्चकुः |
| | प्सापयाञ्चकथं | प्सापयाञ्चक्रुः | प्सापयाञ्चक |
| | प्सापयाञ्चकार-चकर | प्सापयाञ्चकृव | प्सापयाञ्चकृम |
| | प्सापयाञ्चभूव | । | प्सापयामास |
| आ० | प्साप्यात् | प्साप्यास्ताम् | प्साप्यासुः |
| | प्साप्याः | प्साप्यास्तम् | प्साप्यास्त |
| | प्साप्यासम् | प्साप्यास्व | प्साप्यास्म |
| इ० | प्सापयिता | प्सापयितारौ | प्सापयितारः |
| | प्सापयितासि | प्सापयितास्थः | प्सापयितास्थ |
| | प्सापयितास्मि | प्सापयितास्वः | प्सापयितास्मः |
| भ० | प्सापयिष्यति | प्सापयिष्यतः | प्सापयिष्यन्ति |
| | प्सापयिष्यसि | प्सापयिष्यथः | प्सापयिष्यथ |
| | प्सापयिष्यामि | प्सापयिष्यावः | प्सापयिष्यामः |
| क्रि० | अप्सापयिष्यत् | अप्सापयिष्यताम् | अप्सापयिष्यन् |
| | अप्सापयिष्यः | अप्सापयिष्यतम् | अप्सापयिष्यत |
| | अप्सापयिष्यम् | अप्सापयिष्याव | अप्सापयिष्याम |

1061 भांक् (भा) दीप्तौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| १० | भापयति | भापयतः | भापयन्ति |
| | भापयसि | भापयथः | भापयथ |
| | भापयामि | भापयावः | भापयामः |
| स० | भापयेत् | भापयेताम् | भापयेयुः |
| | भापयेः | भापयेतम् | भापयेत |
| | भापयेयम् | भापयेव | भापयेम |
| प० | भापयतु | भापयतात् | भापयताम् |
| | भापय | भापयतात् | भापयतम् |
| | भापयानि | भापयाव | भापयाम |
| ह्य० | अभापयत् | अभापयताम् | अभापयन् |
| | अभापयः | अभापयतम् | अभापयत |
| | अभापयम् | अभापयाव | अभापयाम |
| अ० | अबीभपत् | अबीभपताम् | अबीभपन् |
| | अबीभपः | अबीभपतम् | अबीभपत |
| | अबीभपम् | अबीभपाव | अबीभपाम |
| प० | भापयाञ्चकार | भापयाञ्चक्रुः | भापयाञ्चकुः |
| | भापयाञ्चकथं | भापयाञ्चक्रुः | भापयाञ्चक |
| | भापयाञ्चकार-चकर | भापयाञ्चकृव | भापयाञ्चकृम |
| | भापयाञ्चभूव | । | भापयामास |
| आ० | भाप्यात् | भाप्यास्ताम् | भाप्यासुः |
| | भाप्याः | भाप्यास्तम् | भाप्यास्त |
| | भाप्यासम् | भाप्यास्व | भाप्यास्म |
| इ० | भापयिता | भापयितारौ | भापयितारः |
| | भापयितासि | भापयितास्थः | भापयितास्थ |
| | भापयितास्मि | भापयितास्वः | भापयितास्मः |
| भ० | भापयिष्यति | भापयिष्यतः | भापयिष्यन्ति |
| | भापयिष्यसि | भापयिष्यथः | भापयिष्यथ |
| | भापयिष्यामि | भापयिष्यावः | भापयिष्यामः |
| क्रि० | अभापयिष्यत् | अभापयिष्यताम् | अभापयिष्यन् |
| | अभापयिष्यः | अभापयिष्यतम् | अभापयिष्यत |
| | अभापयिष्यम् | अभापयिष्याव | अभापयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ब० भापयते | भापयेते | भापयन्ते |
| भापयसे | भापयेथे | भापयध्वे |
| भापये | भापयावहे | भापयामहे |
| स० भापयेत | भापयेयाताम् | भापयेरन् |
| भापयेथाः | भापयेयाथाम् | भापयेध्वम् |
| भापयेय | भापयेवहि | भापयेमहि |
| प० भापयताम् | भापयेताम् | भापयन्ताम् |
| भापयस्व | भापयेथाम् | भापयध्वम् |
| भापयै | भापयावहे | भापयामहे |
| ह्य० अभापयत | अभापयेताम् | अभापयन्त |
| अभापयथाः | अभापयेथाम् | अभापयध्वम् |
| अभापये | अभापयावहि | अभापयामहि |
| अ० अबीभपत | अबीभपेताम् | अबीभपन्त |
| अबीभपथाः | अबीभपेथाम् | अबीभपध्वम् |
| अबीभपे | अबीभपावहि | अबीभपामहि |
| प० भापयाञ्चक्रे | भापयाञ्चक्रते | भापयाञ्चक्रिरे |
| भापयाञ्चक्रे | भापयाञ्चक्रे | भापयाञ्चक्रे |
| भापयाञ्चक्रे | भापयाञ्चक्रे | भापयाञ्चक्रे |
| भापयाम्बभूव | भापयामास | |
| आ० भापयिषीष्ट | भापयिषीष्टाताम् | भापयिषीरन् |
| भापयिषीष्टाः | भापयिषीष्टाताम् | भापयिषीरन् |
| | | ध्वम् |
| भापयिषीय | भापयिषीवहि | भापयिषीमहि |
| श्व० भापयिता | भापयितारौ | भापयितारः |
| भापयितासे | भापयितासथे | भापयिताध्वे |
| भापयिताहे | भापयितास्वहे | भापयितास्महे |
| म० भापयिष्यते | भापयिष्येते | भापयिष्यन्ते |
| भापयिष्यसे | भापयिष्येथे | भापयिष्यध्वे |
| भापयिष्ये | भापयिष्यावहे | भापयिष्यामहे |
| क्रि० अभापयिष्यत | अभापयिष्येताम् | अभापयिष्यन्त |
| अभापयिष्यथाः | अभापयिष्येथाम् | अभापयिष्यध्वम् |
| अभापयिष्ये | अभापयिष्यावहि | अभापयिष्यामहि |

1062 यांकू (या) प्रापणे ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० यापयति | यापयतः | यापयन्ति |
| यापयसि | यापयथः | यापयध्व |
| यापयामि | यापयावः | यापयामः |
| स० यापयेत् | यापयेताम् | यापयेयुः |
| यापयेः | यापयेतम् | यापयेत |
| यापयेयम् | यापयेव | यापयेम |
| प० यापयतु | यापयतात् | यापयताम् |
| यापय | यापयतात् | यापयतम् |
| यापयानि | यापयाव | यापयाम |
| ह्य० अयापयत् | अयापयताम् | अयापयन् |
| अयापयः | अयापयतम् | अयापयत |
| अयापयम् | अयापयाव | अयापयाम |
| अ० अयीयपत् | अयीयपताम् | अयीयपन् |
| अयीयपः | अयीयपतम् | अयीयपत |
| अयीयपम् | अयीयपाव | अयीयपाम |
| प० यापयाञ्चकार | यापयाञ्चक्रतुः | यापयाञ्चक्रुः |
| यापयाञ्चकथं | यापयाञ्चक्रथुः | यापयाञ्चक्र |
| यापयाञ्चकार-चकर | यापयाञ्चक्रव | यापयाञ्चक्रुम |
| यापयाम्बभूव | यापयामास | |
| आ० याप्यात् | याप्यास्ताम् | याप्यासुः |
| याप्याः | याप्य स्तेम् | याप्यास्त |
| याप्यासम् | याप्यास्व | याप्यास्म |
| श्व० यापयिता | यापयितारौ | यापयितारः |
| यापयितासि | यापयितासथः | यापयितास्य |
| यापयितास्मि | यापयितास्वः | यापयितास्मः |
| म० यापयिष्यति | यापयिष्यतः | यापयिष्यन्ति |
| यापयिष्यसि | यापयिष्यथः | यापयिष्यध्व |
| यापयिष्यमि | यापयिष्यावः | यापयिष्यामः |
| क्रि० अयापयिष्यत् | अयापयिष्यताम् | अयापयिष्यन् |
| अयापयिष्यः | अयापयिष्यतम् | अयापयिष्यत |
| अयापयिष्यम् | अयापयिष्याव | अयापयिष्याम |

(९८२) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| ३० यापयते | यापयेते | यापयन्ते |
|---------------|-----------------|----------------|
| यापयसे | यापयेथे | यापयध्वे |
| यापये | यापयावहे | यापयामहे |
| स० यापयेत | यापयेयाताम् | यापयेरन् |
| यापयेथाः | यापयेयाथाम् | यापयेध्वम् |
| यापयेय | यापयेवहि | यापयेमहि |
| ४० यापयताम् | यापयेताम् | यापयन्ताम् |
| यापयस्व | यापयेथाम् | यापयध्वम् |
| यापयै | यापयावहे | यापयामहे |
| ह्य० अयापयत | अयापयेताम् | अयापयन्त |
| अयापयथाः | अयापयेथाम् | अयापयध्वम् |
| अयापये | अयापयावहि | अयापयामहि |
| अ० अयीयत | अयीयेताम् | अयीयन्त |
| अयीयथाः | अयीयेथाम् | अयीयध्वम् |
| अयीये | अयीयावहि | अयीयामहि |
| ५० यापयाञ्चके | यापयाञ्चकते | यापयाञ्चकिरे |
| यापयाञ्चकृषे | यापयाञ्चक्रथे | यापयाञ्चकृध्वे |
| यापयाञ्चके | यापयाञ्चकृवहे | यापयाञ्चकृमहे |
| यापयाञ्चभूव | । | यापयामास |
| आ० यापयिषीष्ट | यापयिषीयस्ताम् | यापयिषौरन् |
| यापयिषीष्टाः | यापयिषीयास्ताम् | यापयिषीध्वम् |

| ६० यापयिषीय | यापयिषीवहि | यापयिषीमहि |
|------------------------------------|--------------------------|----------------|
| श्व० यापयिता | यापयितारौ | यापयितारः |
| यापयितासे | यापयितासाधे | यापयिताध्वे |
| यापयिताहे | यापयितास्वहे | यापयितास्महे |
| भ० यापयिष्यते | यापयिष्येते | यापयिष्यते |
| यापयिष्यसे | यापयिष्येथे | यापयिष्यध्वे |
| यापयिष्ये | यापयिष्यावहे | यापयिष्यामहे |
| क्रि० अयापयिष्यत | अयापयिष्येताम् | अयापयिष्यन्त |
| अयापयिष्यथाः | अयापयिष्येथाम् | अयापयिष्यध्वम् |
| अयापयिष्ये | अयापयिष्यावहि | अयापयिष्यामहि |
| 1063 बांक् (वा) गतिगन्धनयोः । | विधूने 136 | |
| वज्रवद्रूपाणि विधूतनादन्यत्र 47 | और्वद्रूपाणि 11 | |
| 1064 णांक् (स्ता) शौचे । | 48 णौर्वद्रूपाणि | |
| 1065 श्रांक् (श्रा) पाके । | 46 श्रैर्वद्रूपाणि | |
| 1066 श्रांक् (द्रा) कुत्तितगतौ । | 34 श्रैर्वद्रूपाणि | |
| 1067 पांक् (पा) रक्षणे । | 982 पलवद्रूपाणि । | |
| 1068 लांक् (ला) आदाने । | लपक्षे 254 लड | |
| (लल्) वद्रूपाणि । | तदभावे 336 लपवद्रूपाणि । | |
| अद्यनन्यां अलीलपदित्यादीन्येव नतु | अललापदित्यादीनि | |
| 1069 रांक् (रा) दाने । | 335 रपवद्रूपाणि | |
| 1070 दांक् (दा) लवने । | 7 दाम्बद्रूपाणि | |

1071 ह्यांकु (ह्या) प्रथने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | ह्यापयति | ह्यापयतः | ह्यापयन्ति |
| | ह्यापयसि | ह्यापयथः | ह्यापयथ |
| | ह्यापयामि | ह्यापयावः | ह्यापयामः |
| स० | ह्यापयेत् | ह्यापयेताम् | ह्यापयेयुः |
| | ह्यापयेः | ह्यापयेतम् | ह्यापयेत |
| | ह्यापयेथम् | ह्यापयेव | ह्यापयेम |
| प० | ह्यापयतु | ह्यापयतात् | ह्यापयन्तु |
| | ह्यापय | ह्यापयतात् | ह्यापयतम् |
| | ह्यापयानि | ह्यापयाव | ह्यापयाम |
| ह्य० | अह्यापयत् | अह्यापयताम् | अह्यापयन् |
| | अह्यापयः | अह्यापयतम् | अह्यापयत |
| | अह्यापयाम् | अह्यापयाव | अह्यापयाम |
| अ० | अचिह्यत् | अचिह्यताम् | अचिह्यन् |
| | अचिह्यपः | अचिह्यपतम् | अचिह्यपत |
| | अचिह्यपम् | अचिह्यपाव | अचिह्यपाम |
| प० | ह्यापयाञ्चकार | ह्यापयाञ्चकतुः | ह्यापयाञ्चकुः |
| | ह्यापयाञ्चकथं | ह्यापयाञ्चकथुः | ह्यापयाञ्चक |
| | ह्यापयाञ्चकार-चकर | ह्यापयाञ्चकृष | ह्यापयाञ्चकृम |
| | ह्यापयाम्बभूव | । | ह्यापयामास |
| आ० | ह्याप्यात् | ह्याप्यास्ताम् | ह्याप्यासुः |
| | ह्याप्याः | ह्याप्यास्तम् | ह्याप्यास्त |
| | ह्याप्यासम् | ह्याप्यास्व | ह्याप्यास्म |
| भ० | ह्यापयिता | ह्यापयितारौ | ह्यापयितारः |
| | ह्यापयितासि | ह्यापयितास्थः | ह्यापयितास्थ |
| | ह्यापयितास्मि | ह्यापयितास्वः | ह्यापयितास्मः |
| भ० | ह्यापयिष्यति | ह्यापयिष्यतः | ह्यापयिष्यन्ति |
| | ह्यापयिष्यसि | ह्यापयिष्यथः | ह्यापयिष्यथ |
| | ह्यापयिष्यामि | ह्यापयिष्यावः | ह्यापयिष्यामः |
| क्रि० | अह्यापयिष्यत् | अह्यापयिष्यताम् | अह्यापयिष्यन् |
| | अह्यापयिष्यः | अह्यापयिष्यतम् | अह्यापयिष्यत |
| | अह्यापयिष्यम् | अह्यापयिष्याव | अह्यापयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | ह्यापयेते | ह्यापयेते | ह्यापयन्ते |
| | ह्यापयसे | ह्यापयेथे | ह्यापयध्वे |
| | ह्यापये | ह्यापयावहे | ह्यापयामहे |
| स० | ह्यापयेत | ह्यापयेयाताम् | ह्यापयेरन् |
| | ह्यापयेथाः | ह्यापयेयाथाम् | ह्यापयेध्वम् |
| | ह्यापयेथ | ह्यापयेवहि | ह्यापयेमहि |
| प० | ह्यापयताम् | ह्यापयेताम् | ह्यापयन्ताम् |
| | ह्यापयस्व | ह्यापयेथाम् | ह्यापयध्वम् |
| | ह्यापयै | ह्यापयावहे | ह्यापयामहे |
| ह्य० | अह्यापयत | अह्यापयेताम् | अह्यापयन्त |
| | अह्यापयाः | अह्यापयेथाम् | अह्यापयध्वम् |
| | अह्यापये | अह्यापयावहि | अह्यापयामहि |
| अ० | अचिरुपयत | अचिरुपयेताम् | अचिरुपयन्त |
| | अचिरुपयथाः | अचिरुपयेथाम् | अचिरुपयध्वम् |
| | अचिरुपये | अचिरुपयावहि | अचिरुपयामहि |
| प० | रुशपयाञ्चके | रुशपयाञ्चकते | रुशपयाञ्चकिरे |
| | रुशपयाञ्चकृषे | रुशपयाञ्चकृथे | रुशपयाञ्चकृदधे |
| | रुशपयाञ्चके | रुशपयाञ्चकृवहे | रुशपयाञ्चकृमहे |
| | रुशपयाम्बभूव | । | रुशपयामास |
| आ० | रुशपयिषीष्ट | रुशपयिषीयास्ताम् | रुशपयिषीरन् |
| | रुशपयिषीष्टाः | रुशपयिषीयाथाम् | रुशपयिषीध्वम् |
| | रुशपयिषीथ | रुशपयिषीवहि | रुशपयिषीमहि |
| भ० | रुशपयिता | रुशपयितारौ | रुशपयितारः |
| | रुशपयितासे | रुशपयितासाथे | रुशपयिताध्वे |
| | रुशपयिताहे | रुशपयितास्वहे | रुशपयितास्महे |
| भ० | रुशपयिष्यते | रुशपयिष्येते | रुशपयिष्यन्ते |
| | रुशपयिष्यते | रुशपयिष्येथे | रुशपयिष्यध्वे |
| | रुशपयिष्ये | रुशपयिष्यावहे | रुशपयिष्यामहे |
| क्रि० | अरुशपयिष्यत | अरुशपयिष्येताम् | अरुशपयिष्यन्त |
| | अरुशपयिष्यथाः | अरुशपयिष्येथाम् | अरुशपयिष्यध्वम् |
| | अरुशपयिष्ये | अरुशपयिष्यावहि | अरुशपयिष्यामहि |

1072 प्राक् (प्रा) पूरणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | प्रापयति | प्रापयतः | प्रापयन्ति |
| | प्रापयसि | प्रापयथः | प्रापयथ |
| | प्रापयामि | प्रापयावः | प्रापयामः |
| स० | प्रापयेत् | प्रापयेताम् | प्रापयेयुः |
| | प्रापयेः | प्रापयेतम् | प्रापयेत |
| | प्रापयेयम् | प्रापयेव | प्रापयेम |
| प० | प्रापयतु | प्रापयतात् | प्रापयताम् |
| | प्रापय | प्रापयतात् | प्रापयतम् |
| | प्रापयाणि | प्रापयाव | प्रापयाम |
| ह्य० | अप्रापयत् | अप्रापयताम् | अप्रापयन् |
| | अप्रापयः | अप्रापयतम् | अप्रापयत |
| | अप्रापयम् | अप्रापयाव | अप्रापयाम |
| अ० | अपिप्रपत् | अपिप्रपताम् | अपिप्रपन् |
| | अपिप्रपः | अपिप्रपतम् | अपिप्रपत |
| | अपिप्रपम् | अपिप्रपाव | अपिप्रपाम |
| प० | प्रापयाञ्चकार | प्रापयाञ्चक्रुः | प्रापयाञ्चकुः |
| | प्रापयाञ्चक्यै | प्रापयाञ्चक्रुः | प्रापयाञ्चक |
| | प्रापयाञ्चकार-चकर | प्रापयाञ्चक्रुव | प्रापयाञ्चकृम |
| | प्रापयाम्बभूव | । | प्रापयामास |
| आ० | प्राप्यात् | प्राप्यास्ताम् | प्राप्यासुः |
| | प्राप्याः | प्राप्यास्तम् | प्राप्यास्त |
| | प्राप्यासम् | प्राप्यास्व | प्राप्यास्म |
| श्व० | प्रापयिता | प्रापयितारौ | प्रापयितारः |
| | प्रापयितासि | प्रापयितास्थः | प्रापयितास्थ |
| | प्रापयितास्मि | प्रापयितास्वः | प्रापयितास्मः |
| भ० | प्रापयिष्यति | प्रापयिष्यतः | प्रापयिष्यन्ति |
| | प्रापयिष्यसि | प्रापयिष्यथः | प्रापयिष्यथ |
| | प्रापयिष्यामि | प्रापयिष्यावः | प्रापयिष्यामः |
| क्रि० | अप्रापयिष्यत् | अप्रापयिष्यताम् | अप्रापयिष्यन् |
| | अप्रापयिष्यः | अप्रापयिष्यतम् | अप्रापयिष्यत |
| | अप्रापयिष्यम् | अप्रापयिष्याव | अप्रापयिष्याम |
| ब० | प्रापयते | प्रापयते | प्रापयन्ते |
| | प्रापयसे | प्रापयसे | प्रापयध्वे |
| | प्रापये | प्रापयावहे | प्रापयामहे |

| | | | |
|------|----------------|-------------------|------------------|
| स० | प्रापयेत | प्रापयेयाताम् | प्रापयेरन् |
| | प्रापयेथाः | प्रापयेयाथाम् | प्रापयेध्वम् |
| | प्रापयेय | प्रापयेवहि | प्रापयेमहि |
| प० | प्रापयताम् | प्रापयेताम् | प्रापयन्ताम् |
| | प्रापयस्व | प्रापयेथाम् | प्रापयध्वम् |
| | प्रापयै | प्रापयावहै | प्रापयामहै |
| ह्य० | अप्रापयत | अप्रापयेताम् | अप्रापयन्त |
| | अप्रापयथाः | अप्रापयेथाम् | अप्रापयध्वम् |
| | अप्रापये | अप्रापयावहि | अप्रापयामहि |
| अ० | अपिप्रपत | अपिप्रपेताम् | अपिप्रपन्त |
| | अपिप्रपथाः | अपिप्रपेथाम् | अपिप्रपध्वम् |
| | अपिप्रपे | अपिप्रपावहि | अपिप्रपामहि |
| प० | प्रापयाञ्चक्रे | प्रापयाञ्चक्रते | प्रापयाञ्चकिरे |
| | प्रापयाञ्चकुषे | प्रापयाञ्चक्राये | प्रापयाञ्चकुद्वे |
| | प्रापयाञ्चक्रे | प्रापयाञ्चक्रवहे | प्रापयाञ्चकृमहे |
| | प्रापयाम्बभूव | । | प्रापयामास |
| आ० | प्रापयिषीष्ट | प्रापयिषीयास्ताम् | प्रापयिषीरन् |
| | प्रापयिषीष्ठाः | प्रापयिषीयास्थाम् | प्रापयिषीद्वम् |

ध्वम्

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| | प्रापयिषीय | प्रापयिषीवहि | प्रापयिषीमहि |
| श्व० | प्रापयिता | प्रापयितारौ | प्रापयितारः |
| | प्रापयितासे | प्रापयितासाथे | प्रापयिताध्वे |
| | प्रापयिताहे | प्रापयितास्वहे | प्रापयितास्महे |
| भ० | प्रापयिष्यते | प्रापयिष्यते | प्रापयिष्यन्ते |
| | प्रापयिष्यसे | प्रापयिष्येथे | प्रापयिष्यध्वे |
| | प्रापयिष्ये | प्रापयिष्यावहे | प्रापयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्रापयिष्यत | अप्रापयिष्येताम् | अप्रापयिष्यन्त |
| | अप्रापयिष्यथाः | अप्रापयिष्येथाम् | अप्रापयिष्यध्वम् |
| | अप्रापयिष्ये | अप्रापयिष्यावहि | अप्रापयिष्यामहि |

1073 प्राक् (मा) माने । 603 मेड्वद्रूपाणि
अधेदन्तौ — 1074 इक् (इ) स्मरणे । 1075 इ-
ष्क् (इ) गतौ । अनयोरज्ञाने 396 गम्ल्वद्रूपाणि । ज्ञाने
तु ॥ इवद्रूपाणि ॥ अधेदन्तः ॥ 1076 वीक् (वी
प्रजनकान्त्यसनखादने च । प्रजने आत्वे 47 और्वेवद्रूपाणि
। अन्यत्र 791 वयिवद्रूपाणि

॥ अथोदन्ता दश ॥

1077 रुक् (रु) अभिगमने ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | धावयति | धावयतः | धावयन्ति |
| | धावयसि | धावयथः | धावयथ |
| | धावयामि | धावयावः | धावयामः |
| स० | धावयेत् | धावयेताम् | धावयेयुः |
| | धावयेः | धावयेतम् | धावयेत |
| | धावयेयम् | धावयेव | धावयेम |
| प० | धावयतु | धावयतात् | धावयताम् |
| | धावय | धावयतात् | धावयतम् |
| | धावयानि | धावयाव | धावयाम |
| ह्य० | अधावयत् | अधावयताम् | अधावयन् |
| | अधावयः | अधावयतम् | अधावयत |
| | अधावयम् | अधावयाव | अधावयाम |
| अ० | अदुद्यत् | अदुद्यताम् | अदुद्यन् |
| | अदुद्यवः | अदुद्यतम् | अदुद्यत |
| | अदुद्यवम् | अदुद्यवाव | अदुद्यवाम |
| ए० | धावयाञ्चकार | धावयाञ्चक्रुः | धावयाञ्चक्रुः |
| | धावयाञ्चकर्थ | धावयाञ्चक्रथुः | धावयाञ्चक्र |
| | धावयाञ्चकार-चकर | धावयाञ्चक्रव | धावयाञ्चक्रम |
| | धावयाम्बभूव | धावयामास | |
| आ० | धाव्यात् | धाव्यास्ताम् | धाव्यासुः |
| | धाव्याः | धाव्यास्तम् | धाव्यास्त |
| | धाव्यासम् | धाव्यास्व | धाव्यास्म |
| भ्व० | धावयिता | धावयितारौ | धावयितारः |
| | धावयितासि | धावयितास्थः | धावयितास्थ |
| | धावयितास्मि | धावयितास्वः | धावयितास्मः |
| भ० | धावयिष्यति | धावयिष्यतः | धावयिष्यन्ति |
| | धावयिष्यसि | धावयिष्यथः | धावयिष्यथ |
| | धावयिष्यामि | धावयिष्यावः | धावयिष्यामः |
| क्रि० | अधावयिष्यत् | अधावयिष्यताम् | अधावयिष्यन् |
| | अधावयिष्यः | अधावयिष्यतम् | अधावयिष्यत |
| | अधावयिष्यम् | अधावयिष्याव | अधावयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | धावयते | धावयेते | धावयन्ते |
| | धावयसे | धावयेथे | धावयन्वे |
| | धावये | धावयावहे | धावयामहे |
| स० | धावयेत् | धावयेयाताम् | धावयेरन् |
| | धावयेथाः | धावयेयाथाम् | धावयेध्वम् |
| | धावयेय | धावयेवहि | धावयेमहि |
| प० | धावयताम् | धावयेताम् | धावयन्ताम् |
| | धावयस्व | धावयेथाम् | धावयध्वम् |
| | धावये | धावयावहे | धावयामहे |
| ह्य० | अधावयत | अधावयेताम् | अधावयन्त |
| | अधावयथाः | अधावयेथाम् | अधावयध्वम् |
| | अधावये | अधावयावहि | अधावयामहि |
| अ० | अदुद्यत | अदुद्यवेताम् | अदुद्यन्त |
| | अदुद्यथाः | अदुद्यवेथाम् | अदुद्यध्वम् |
| | अदुद्यवे | अदुद्यवावहि | अदुद्यवामहि |
| प० | धावयाञ्चके | धावयाञ्चक्रते | धावयाञ्चकिरे |
| | धावयाञ्चकृषे | धावयाञ्चक्राथे | धावयाञ्चक्रुवे |
| | धावयाञ्चके | धावयाञ्चक्रवहे | धावयाञ्चक्रमहे |
| | धावयाम्बभूव | धावयामास | |
| आ | धावयिषीष्ट | धावयिषीष्टाताम् | धावयिषीरन् |
| | धावयिषीष्टाः | धावयिषीष्टाथाम् | धावयिषीध्वम् |
| | धावयिषीय | धावयिषीवहि | धावयिषीमहि |
| भ्व० | धावयिता | धावयितारौ | धावयितारः |
| | धावयितासे | धावयितासाथे | धावयिताध्वे |
| | धावयिताहे | धावयितास्वहे | धावयितास्महे |
| भ० | धावयिष्यते | धावयिष्येते | धावयिष्यन्ते |
| | धावयिष्यसे | धावयिष्येथे | धावयिष्यन्वे |
| | धावयिष्ये | धावयिष्यावहे | धावयिष्यामहे |
| क्रि० | अधावयिष्यत् | अधावयिष्येताम् | अधावयिष्यन्त |
| | अधावयिष्यथाः | अधावयिष्येथाम् | अधावयिष्यध्वम् |
| | अधावयिष्ये | अधावयिष्यावहि | अधावयिष्यामहि |

1078 पुंक् (सु) प्रसवैश्वर्ययोः ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | सावयति | सावयतः | सावयन्ति |
| | सावयसि | सावयथः | सावयथ |
| | सावयामि | सावयावः | सावयामः |
| स० | सावयेत् | सावयेताम् | सावयेयुः |
| | सावयेः | सावयेतम् | सावयेत |
| | सावयेयम् | सावयेव | सावयेम |
| प० | सावयतु | सावयतात् | सावयताम् |
| | सावय | सावयतात् | सावयतम् |
| | सावयानि | सावयाव | सावयाम |
| ह्य० | असावयत् | असावयताम् | असावयन् |
| | असावयः | असावयतम् | असावयत |
| | असावयम् | असावयाव | असावयाम |
| अ० | असूषवत् | असूषवताम् | असूषवन् |
| | असूषवः | असूषवतम् | असूषवत |
| | असूषवम् | असूषवाव | असूषवाम |
| ष० | सावयाञ्चकार | सावयाञ्चक्रुः | सावयाञ्चकुः |
| | सावयञ्चकर्थ | सावयाञ्चक्रुः | सावयाञ्चक |
| | सावयाञ्चकार-चकर | सावयाञ्चकृव | सावयाञ्चकृम |
| | सावयाञ्चभूव | । | सावयामास |
| आ० | साव्यात् | साव्यास्ताम् | साव्यासुः |
| | साव्याः | साव्यास्तम् | साव्यास्त |
| | साव्यासम् | साव्यास्व | साव्यास्म |
| भ० | सावयिता | सावयितारौ | सावयितारः |
| | सावयितासि | सावयितास्थः | सावयितास्थ |
| | सावयितास्मि | सावयितास्वः | सावयितास्मः |
| भ० | सावयिष्यति | सावयिष्यतः | सावयिष्यन्ति |
| | सावयिष्यसि | सावयिष्यथः | सावयिष्यथ |
| | सावयिष्यामि | सावयिष्यावः | सावयिष्यामः |
| क्रि० | असावयिष्यत् | असावयिष्यताम् | असावयिष्यन् |
| | असावयिष्यः | असावयिष्यतम् | असावयिष्यत |
| | असावयिष्यम् | असावयिष्याव | असावयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | सावयते | सावयेते | सावयन्ते |
| | सावयसे | सावयेथे | सावयध्वे |
| | सावये | सावयावहे | सावयामहे |
| स० | सावयेत | सावयेयाताम् | सावयेरन् |
| | सावयेथाः | सावयेयाथाम् | सावयेध्वम् |
| | सावयेय | सावयेवहि | सावयेमहि |
| प० | सावयताम् | सावयेताम् | सावयन्ताम् |
| | सावयस्व | सावयेथाम् | सावयध्वम् |
| | सावयै | सावयावहे | सावयामहे |
| ह्य० | असावयत | असावयेताम् | असावयन्त |
| | असावयथाः | असावयेथाम् | असावयध्वम् |
| | असावये | असावयावहि | असावयामहि |
| अ० | असूषवत् | असूषवेताम् | असूषवन्त |
| | असूषवथाः | असूषवेथाम् | असूषवध्वम् |
| | असूषवे | असूषवावहि | असूषवामहि |
| प० | सावयाञ्चक्रे | सावयाञ्चक्राते | सावयाञ्चक्रिरे |
| | सावयाञ्चकृषे | सावयाञ्चक्राये | सावयाञ्चकृवहे |
| | सावयाञ्चक्रे | सावयाञ्चकृवहे | सावयाञ्चकृमहे |
| | सावयाञ्चभूव | । | सावयामास |
| आ० | सावयिषीष्ट | सावयिषीयास्ताम् | सावयिषीरन् |
| | सावयिषीष्टाः | सावयिषीयास्थाम् | सावयिषीद्वम् |
| | सावयिषीय | सावयिषीवहि | सावयिषीमहि |
| भ० | सावयिता | सावयितारौ | सावयितारः |
| | सावयितासे | सावयितासाथे | सावयिताध्वे |
| | सावयिताहे | सावयितास्वहे | सावयितास्महे |
| भ० | सावयिष्यते | सावयिष्येते | सावयिष्यन्ते |
| | सावयिष्यसे | सावयिष्येथे | सावयिष्यध्वे |
| | सावयिष्ये | सावयिष्यावहे | सावयिष्यामहे |
| क्रि० | असावयिष्यत | असावयिष्येताम् | असावयिष्यन्त |
| | असावयिष्यथाः | असावयिष्येथाम् | असावयिष्यध्वम् |
| | असावयिष्ये | असावयिष्यावहि | असावयिष्यामहि |

1079 तुक् (तु) वृत्तिहिंसापूरणेषु ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | तावयति | तावयतः | तावयन्ति |
| | तावयसि | तावयथः | तावयथ |
| | तावयामि | तावयावः | तावयामः |
| स० | तावयेत् | तावयेताम् | तावयेयुः |
| | तावयेः | तावयेतम् | तावयेत |
| | तावयेयम् | तावयेव | तावयेम |
| प० | तावयतु | तावयतात् | तावयन्तु |
| | तावय | तावयतात् | तावयतम् |
| | तावयानि | तावयाव | तावयाम |
| ह्य० | अतावयत् | अतावयताम् | अतावयन् |
| | अतावयः | अतावयतम् | अतावयत |
| | अतावयम् | अतावयाव | अतावयाम |
| अ० | अतूतवत् | अतूतवताम् | अतूतवन् |
| | अतूतवः | अतूतवतम् | अतूतवत |
| | अतूतवम् | अतूतवाव | अतूतवाम |
| प० | तावयाञ्चकार | तावयाञ्चक्रतुः | तावयाञ्चक्रुः |
| | तावयाञ्चकर्त्तुः | तावयाञ्चक्रथुः | तावयाञ्चक्र |
| | तावयाञ्चकार-चकर | तावयाञ्चक्रव | तावयाञ्चक्रम |
| | तावयाम्बभूव | । | तावयामास |
| आ० | ताव्यात् | ताव्यास्ताम् | ताव्यासुः |
| | ताव्याः | ताव्यास्तम् | ताव्यास्त |
| | ताव्यासम् | ताव्यास्व | ताव्यास्म |
| भ० | तावयिता | तावयितारौ | तावयितारः |
| | तावयितासि | तावयितास्थः | तावयितास्थ |
| | तावयितास्मि | तावयितास्वः | तावयितास्मः |
| भ० | तावयिष्यति | तावयिष्यतः | तावयिष्यन्ति |
| | तावयिष्यसि | तावयिष्यथः | तावयिष्यथ |
| | तावयिष्यामि | तावयिष्यावः | तावयिष्यामः |
| क्रि० | अतावयिष्यत् | अतावयिष्यताम् | अतावयिष्यन् |
| | अतावयिष्यः | अतावयिष्यतम् | अतावयिष्यत |
| | अतावयिष्यम् | अतावयिष्याव | अतावयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तावयते | तावयेते | तावयन्ते |
| | तावयसे | तावयेथे | तावयन्थे |
| | तावये | तावयावहे | तावयामहे |
| स० | तावयेत | तावयेयाताम् | तावयेरन् |
| | तावयेथाः | तावयेयाथाम् | तावयेध्वम् |
| | तावयेय | तावयेवहि | तावयेमहि |
| प० | तावयताम् | तावयेताम् | तावयन्ताम् |
| | तावयस्व | तावयेथाम् | तावयध्वम् |
| | तावये | तावयावहे | तावयामहे |
| ह्य० | अतावयत | अतावयेताम् | अतावयन्त |
| | अतावयथाः | अतावयेथाम् | अतावयध्वम् |
| | अतावये | अतावयावहि | अतावयामहि |
| अ० | अतूतवत् | अतूतवेताम् | अतूतवन्त |
| | अतूतवथाः | अतूतवेथाम् | अतूतवध्वम् |
| | अतूतवे | अतूतवावहि | अतूतवामहि |
| प० | तावयाञ्चक्रे | तावयाञ्चक्रते | तावयाञ्चक्रिरे |
| | तावयाञ्चकृषे | तावयाञ्चक्राथे | तावयाञ्चकृद्वे |
| | तावयाञ्चक्रे | तावयाञ्चक्रवहे | तावयाञ्चक्रमहे |
| | तावयाम्बभूव | । | तावयामास |
| आ० | तावयिषीष्ट | तावयिषीष्टात् | तावयिषीरन् |
| | तावयिषीष्टाः | तावयिषीयास्थाम् | तावयिषीद्वम् |
| | तावयिषीय | तावयिषीवहि | तावयिषीमहि |
| भ० | तावयिता | तावयितारौ | तावयितारः |
| | तावयितासे | तावयितासाथे | तावयिताध्वे |
| | तावयिताहे | तावयितास्वहे | तावयितास्महे |
| भ० | तावयिष्यते | तावयिष्येते | तावयिष्यन्ते |
| | तावयिष्यसे | तावयिष्येथे | तावयिष्यध्वे |
| | तावयिष्ये | तावयिष्यावहे | तावयिष्यामहे |
| क्रि० | अतावयिष्यत | अतावयिष्येताम् | अतावयिष्यन्त |
| | अतावयिष्यथाः | अतावयिष्येथाम् | अतावयिष्यध्वम् |
| | अतावयिष्ये | अतावयिष्यावहि | अतावयिष्यामहि |

1080 युक् (यु) मिश्रणे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| ब० | यावयति | यावयतः | यावयन्ति |
| | यावयसि | यावयथः | यावयथ |
| | यावयामि | यावयावः | यावयामः |
| स० | यावयेत् | यावयेताम् | यावयेयुः |
| | यावयं | यावयेताम् | यावयेत |
| | यावयेयम् | यावयेव | यावयेम |
| प० | यावयतु | यावयतात् | यावयताम् |
| | यावय | यावयतात् | यावयतम् |
| | यावयानि | यावयाव | यावयाम |
| ह्य० | अयावयत् | अयावयताम् | अयावयन् |
| | अयावयः | अयवयतम् | अयावयत |
| | अयावयम् | अयावयाव | अयावयाम |
| अ० | अयीयवत् | अयीयवताम् | अयीयवन् |
| | अयीयवः | अयीयवतम् | अयीयवत |
| | अयीयवम् | अयीयवाव | अयीयवाम |
| प० | यावयाञ्चकार | यावयाञ्चक्रुः | यावयाञ्चकुः |
| | यावयाञ्चकथं | यावयाञ्चकथुः | यावयाञ्चक |
| | यावयाञ्चकार-चक्र | यावयाञ्चकृव | यावयाञ्चकृम |
| | यावयाञ्चभूव | यावयामास | |
| आ० | याव्यात् | याव्यास्ताम् | याव्यासुः |
| | याव्याः | याव्यास्तम् | याव्यास्त |
| | याव्यासम् | याव्यासव | याव्यासम |
| भ्व० | यावयिता | यावयितारौ | यावयितारः |
| | यावयितासि | यावयितास्थः | यावयितास्थ |
| | यावयितास्मि | यावयितास्वः | यावयितास्मः |
| भ० | यावयिष्यति | यावयिष्यतः | यावयिष्यन्ति |
| | यावयिष्यसि | यावयिष्यथः | यावयिष्यथ |
| | यावयिष्यामि | यावयिष्यावः | यावयिष्यामः |
| क्रि० | अयावयिष्यत् | अयावयिष्यताम् | अयावयिष्यन् |
| | अयावयिष्यः | अयावयिष्यतम् | अयावयिष्यत |
| | अयावयिष्यम् | अयावयिष्याव | अयावयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | यावयते | यावयेते | यावयन्ते |
| | यावयसे | यावयेथे | यावयन्वे |
| | यावये | यावयावहे | यावयामहे |
| स० | यावयेत | यावयेयताम् | यावयेरन् |
| | यावयेथाः | यावयेयाथाम् | यावयेध्वम् |
| | यावयेय | यावयेवहि | यावयेमहि |
| प० | यावयताम् | यावयेताम् | यावयन्ताम् |
| | यावयस्व | यावयेथाम् | यावयध्वम् |
| | यावयै | यावयावहै | यावयामहै |
| ह्य० | अयावयत | अयावयेताम् | अयावयन्त |
| | अयावयथाः | अयावयेथाम् | अयावयध्वम् |
| | अयावये | अयावयावहि | अयावयामहि |
| अ० | अयीयवत् | अयीयवेताम् | अयीयवन्त |
| | अयीयवथाः | अयीयवेथाम् | अयीयवध्वम् |
| | अयीयवे | अयीयवावहि | अयीयवामहि |
| प० | यावयाञ्चक्रे | यावयाञ्चकृते | यावयाञ्चकिरे |
| | यावयाञ्चकृषे | यावयाञ्चकृषे | यावयाञ्चकृषे |
| | यावयाञ्चक्रे | यावयाञ्चकृवहे | यावयाञ्चकृमहे |
| | यावयाञ्चभूव | यावयामास | |
| आ | यावयिषीष्ट | यावयिषीयास्ताम् | यावयिषीरन् |
| | यावयिषीष्टाः | यावयिषीयास्थाम् | यावयिषीद्वम् |
| | यावयिषीथ | यावयिषीवहि | यावयिषीमहि |
| भ्व० | यावयिता | यावयितारौ | यावयितारः |
| | यावयितासे | यावयितासाथे | यावयिताध्वे |
| | यावयिताहे | यावयितास्वहे | यावयितास्महे |
| भ० | यावयिष्यते | यावयिष्येते | यावयिष्यन्ते |
| | यावयिष्यसे | यावयिष्येथे | यावयिष्यन्वे |
| | यावयिष्ये | यावयिष्यावहे | यावयिष्यामहे |
| क्रि० | अयावयिष्यत | अयावयिष्येताम् | अयावयिष्यन्त |
| | अयावयिष्यथाः | अयावयिष्येथाम् | अयावयिष्यध्वम् |
| | अयावयिष्ये | अयावयिष्यावहि | अयावयिष्यामहि |

1081 णक् (नु) स्तुतौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० नावयति | नावयतः | नावयन्ति |
| नावयसि | नावयथः | नावयथ |
| नावयामि | नावयावः | नावयामः |
| स० नावयेत् | नावयेताम् | नावयेयुः |
| नावयेः | नावयेतम् | नावयेत |
| नावयेयम् | नावयेव | नावयेम |
| प० नावयतु | नावयतात् | नावयताम् |
| नावय | नावयतात् | नावयतम् |
| नावयानि | नावयाव | नावयाम |
| ह्य० अनावयत् | अनावयताम् | अनावयन् |
| अनावयः | अनावयतम् | अनावयत |
| अनावयम् | अनावयाव | अनावयाम |
| अ० अनूनवत् | अनूनवताम् | अनूनवन् |
| अनूनवः | अनूनवतम् | अनूनवत |
| अनूनवम् | अनूनवाव | अनूनवाम |
| प० नावयाञ्चकार | नावयाञ्चक्रुः | नावयाञ्चकुः |
| नावयाञ्चकर्त्तुः | नावयाञ्चक्रुः | नावयाञ्चक्रुः |
| नावयाञ्चकार-चक्र | नावयाञ्चक्रुव | नावयाञ्चक्रुम |
| नावयाम्बभूव | नावयामास | |
| आ० नाव्यात् | नाव्यास्ताम् | नाव्यासुः |
| नाव्याः | नाव्यास्तम् | नाव्यास्त |
| नाव्यासम् | नाव्यास्व | नाव्यास्व |
| श्व० नावयिता | नावयितारौ | नावयितारः |
| नावयितासि | नावयितास्थः | नावयितास्थ |
| नावयितास्मि | नावयितास्वः | नावयितास्मः |
| भ० नावयिष्यति | नावयिष्यतः | नावयिष्यन्ति |
| नावयिष्यसि | नावयिष्यथः | नावयिष्यथ |
| नावयिष्यामि | नावयिष्यावः | नावयिष्यामः |
| क्रि० अनावयिष्यत् | अनावयिष्यताम् | अनावयिष्यन् |
| अनावयिष्यः | अनावयिष्यतम् | अनावयिष्यत |
| अनावयिष्यम् | अनावयिष्याव | अनावयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| व० नावयते | नावयेते | नावयन्ते |
| नावयसे | नावयेथे | नावयध्वे |
| नावये | नावयावहे | नावयामहे |
| स० नावयेत | नावयेयाताम् | नावयेरन् |
| नावयेथाः | नावयेयाथाम् | नावयेध्वम् |
| नावयेय | नावयेवहि | नावयेमहि |
| प० नावयताम् | नावयेताम् | नावयन्ताम् |
| नावयस्व | नावयेथाम् | नावयध्वम् |
| नावये | नावयावहे | नावयामहे |
| ह्य० अनावयत | अनावयेताम् | अनावयन्त |
| अनावयथाः | अनावयेथाम् | अनावयध्वम् |
| अनावये | अनावयावहि | अनावयामहि |
| अ० अनूनवत | अनूनवेताम् | अनूनवन्त |
| अनूनवथाः | अनूनवेथाम् | अनूनवध्वम् |
| अनूनवे | अनूनवावहि | अनूनवामहि |
| प० नावयाञ्चक्रे | नावयाञ्चक्राते | नावयाञ्चक्रिरे |
| नावयाञ्चकृषे | नावयाञ्चक्राथे | नावयाञ्चकृष्ट्वे |
| नावयाञ्चक्रे | नावयाञ्चकृवहे | नावयाञ्चकृमहे |
| नावयाञ्चभूव | नावयामास | |
| आ० नावयिषीष्ट | नावयिषीयास्ताम् | नावयिषीरन् |
| नावयिषीष्ठाः | नावयिषीयाथाम् | नावयिषीध्वम् |
| नावयिषीय | नावयिषीवहि | नावयिषीमहि |
| श्व० नावयिता | नावयितारौ | नावयितारः |
| नावयितासि | नावयितास्थे | नावयिताध्वे |
| नावयिताहे | नावयितास्वहे | नावयितास्महे |
| भ० नावयिष्यते | नावयिष्येते | नावयिष्यन्ते |
| नावयिष्यसे | नावयिष्येथे | नावयिष्यध्वे |
| नावयिष्ये | नावयिष्यावहे | नावयिष्यामहे |
| क्रि० अनावयिष्यत | अनावयिष्येताम् | अनावयिष्यन्त |
| अनावयिष्यथाः | अनावयिष्येथाम् | अनावयिष्यध्वम् |
| अनावयिष्ये | अनावयिष्यावहि | अनावयिष्यामहि |

1082 क्षुक् (क्षु) तेजने ।

| | | |
|----------------------|------------------|-----------------|
| व० क्षणावयति | क्षणावयतः | क्षणावयन्ति |
| क्षणावयसि | क्षणावयथः | क्षणावयथ |
| क्षणावयामि | क्षणावयावः | क्षणावयामः |
| स० क्षणावयेत् | क्षणावयेताम् | क्षणावयेयुः |
| क्षणावयेः | क्षणावयेताम् | क्षणावयेत |
| क्षणावयेयम् | क्षणावयेव | क्षणावयेम |
| प० क्षणावयतु | क्षणावयतात् | क्षणावयताम् |
| क्षणावय | क्षणावयतान् | क्षणावयतम् |
| क्षणावयानि | क्षणावयाव | क्षणावयाम |
| ल्य० अक्षणावयत् | अक्षणावयताम् | अक्षणावयन् |
| अक्षणावयः | अक्षणावयतम् | अक्षणावयत |
| अक्षणावयम् | अक्षणावयाव | अक्षणावयाम |
| अ० अक्षुक्षवत् | अक्षुक्षवताम् | अक्षुक्षवन् |
| अक्षुक्षवः | अक्षुक्षवतम् | अक्षुक्षवत |
| अक्षुक्षवम् | अक्षुक्षवाव | अक्षुक्षवाम |
| प० क्षणावयाञ्चकार | क्षणावयाञ्चकृतुः | क्षणावयाञ्चकुः |
| क्षणावयाञ्चकृ | क्षणावयाञ्चकथुः | क्षणावयाञ्चकृ |
| क्षणावयाञ्चकार-चकर | क्षणावयाञ्चकृव | क्षणावयाञ्चकृम |
| क्षणावयाञ्चभूव | क्षणावयाञ्चमास | |
| आ० क्षणाव्यात् | क्षणाव्यास्ताम् | क्षणाव्यासुः |
| क्षणाव्याः | क्षणाव्यास्तम् | क्षणाव्यास्त |
| क्षणाव्यासम् | क्षणाव्यास्व | क्षणाव्यास्म |
| श्र० क्षणावयिता | क्षणावयितारौ | क्षणावयितारः |
| क्षणावयितासि | क्षणावयितास्थः | क्षणावयितास्थ |
| क्षणावयितास्मि | क्षणावयितास्वः | क्षणावयितास्मः |
| भ० क्षणावयिष्यति | क्षणावयिष्यतः | क्षणावयिष्यन्ति |
| क्षणावयिष्यसि | क्षणावयिष्यथः | क्षणावयिष्यथ |
| क्षणावयिष्यामि | क्षणावयिष्यावः | क्षणावयिष्यामः |
| क्रि० अक्षणावयिष्यत् | अक्षणावयिष्यताम् | अक्षणावयिष्यन् |
| अक्षणावयिष्यः | अक्षणावयिष्यतम् | अक्षणावयिष्यत |
| अक्षणावयिष्यम् | अक्षणावयिष्याव | अक्षणावयिष्याम |

| | | |
|---------------------|--------------------|-------------------|
| व० क्षणावयते | क्षणावयेते | क्षणावयन्ते |
| क्षणावयसे | क्षणावयेथे | क्षणावयध्वे |
| क्षणावये | क्षणावयावहे | क्षणावयामहे |
| स० क्षणावयेत | क्षणावयेयाताम् | क्षणावयेरन् |
| क्षणावयेथाः | क्षणावयेयाथाम् | क्षणावयेध्वम् |
| क्षणावयेय | क्षणावयेवहि | क्षणावयेमहि |
| प० क्षणावयताम् | क्षणावयेताम् | क्षणावयन्ताम् |
| क्षणावयस्व | क्षणावयेथाम् | क्षणावयध्वम् |
| क्षणावये | क्षणावयावहे | क्षणावयामहे |
| ल्य० अक्षणावयत | अक्षणावयेताम् | अक्षणावयन्त |
| अक्षणावयथाः | अक्षणावयेथाम् | अक्षणावयध्वम् |
| अक्षणावये | अक्षणावयावहि | अक्षणावयामहि |
| अ० अक्षुक्षवत | अक्षुक्षवेताम् | अक्षुक्षवन्त |
| अक्षुक्षवथाः | अक्षुक्षवेथाम् | अक्षुक्षवध्वम् |
| अक्षुक्षवे | अक्षुक्षवावहि | अक्षुक्षवामहि |
| प० क्षणावयाञ्चके | क्षणावयाञ्चकाते | क्षणावयाञ्चकिरे |
| क्षणावयाञ्चकृषे | क्षणावयाञ्चकृषे | क्षणावयाञ्चकृष्वे |
| क्षणावयाञ्चके | क्षणावयाञ्चकृवहे | क्षणावयाञ्चकृष्वे |
| क्षणावयाञ्चभूव | क्षणावयाञ्चमास | |
| आ० क्षणावयिषीष्ट | क्षणावयिषीयास्ताम् | क्षणावयिषीरन् |
| क्षणावयिषीष्टाः | क्षणावयिषीयास्थाम् | क्षणावयिषीध्वम् |
| क्षणावयिषीय | क्षणावयिषीवहि | क्षणावयिषीमहि |
| श्र० क्षणावयिता | क्षणावयितारौ | क्षणावयितारः |
| क्षणावयितासे | क्षणावयितासाथे | क्षणावयिताध्वे |
| क्षणावयिताहे | क्षणावयितास्वहे | क्षणावयितास्महे |
| भ० क्षणावयिष्यते | क्षणावयिष्येते | क्षणावयिष्यन्ते |
| क्षणावयिष्यसे | क्षणावयिष्येथे | क्षणावयिष्यध्वे |
| क्षणावयिष्ये | क्षणावयिष्यावहे | क्षणावयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षणावयिष्यत | अक्षणावयिष्येताम् | अक्षणावयिष्यन्त |
| अक्षणावयिष्यथाः | अक्षणावयिष्येथाम् | अक्षणावयिष्यध्वम् |
| अक्षणावयिष्ये | अक्षणावयिष्यावहि | अक्षणावयिष्यामहि |

1083 स्तुक (स्तु) प्रस्नवने ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| १० स्नावयति | स्नावयतः | स्नावयन्ति |
| स्नावयसि | स्नावयथः | स्नावयथ |
| स्नावयामि | स्नावयावः | स्नावयामः |
| स० स्नावयेत् | स्नावयेताम् | स्नावयेयुः |
| स्नावयेः | स्नावयेतम् | स्नावयेत |
| स्नावयेयम् | स्नावयेव | स्नावयेम |
| प० स्नावयतु | स्नावयतात् | स्नावयताम् |
| स्नावय | स्नावयतान् | स्नावयतम् |
| स्नावयानि | स्नावयाव | स्नावयाम |
| ह्य० अस्नावयत् | अस्नावयताम् | अस्नावयन् |
| अस्नावयः | अस्नावयतम् | अस्नावयत |
| अस्नावयम् | अस्नावयाव | अस्नावयाम |
| अ० असुस्नवत् | असुस्नवताम् | असुस्नवन् |
| असुस्नवः | असुस्नवतम् | असुस्नवत |
| असुस्नवम् | असुस्नवाव | असुस्नवाम |
| प० स्नावयाञ्चकार | स्नावयाञ्चकतुः | स्नावयाञ्चकुः |
| स्नावयाञ्चकर्थ | स्नावयाञ्चकथुः | नावस्याञ्चक |
| स्नावयाञ्चकार-चक्र | स्नावयाञ्चकृव | स्नावयाञ्चकृम |
| स्नावयाम्बभूव | स्नावयामस | |
| आ० स्नाव्यात् | स्नाव्यास्ताम् | स्नाव्य सुः |
| स्नाव्याः | स्नाव्यास्तम् | स्नाव्यास्त |
| स्नाव्यासम् | स्नाव्यास्व | स्नाव्यास्म |
| श्व० स्नावयिता | स्नावयितारौ | स्नावयितारः |
| स्नावयितासि | स्नावयितासथः | स्नावयितास्थ |
| स्नावयितास्मि | स्नावयितास्वः | स्नावयितास्मः |
| भ० स्नावयिष्यति | स्नावयिष्यतः | स्नावयिष्यन्ति |
| स्नावयिष्यसि | स्नावयिष्यथः | स्नावयिष्यथ |
| स्नावयिष्यामि | स्नावयिष्यावः | स्नावयिष्यामः |
| क्रि० अस्नावयिष्यत् | अस्नावयिष्यताम् | अस्नावयिष्यन् |
| अस्नावयिष्यः | अस्नावयिष्यतम् | अस्नावयिष्यत |
| अस्नावयिष्यम् | अस्नावयिष्याव | अस्नावयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० स्नावयते | स्नावयेते | स्नावयन्ते |
| स्नावयसे | स्नावयेथे | स्नावयध्वे |
| स्नावये | स्नावयावहे | स्नावयामहे |
| स० स्नावयेत | स्नावयेयाताम् | स्नावयेरन् |
| स्नावयेथाः | स्नावयेयाथाम् | स्नावयेध्वम् |
| स्नावयेय | स्नावयेवहि | स्नावयेमहि |
| प० स्नावयताम् | स्नावयेताम् | स्नावयन्ताम् |
| स्नावयस्व | स्नावयेथाम् | स्नावयध्वम् |
| स्नावये | स्नावयावहे | स्नावयामहे |
| ह्य० अस्नावयत | अस्नावयेताम् | अस्नावयन्त |
| अस्नावयथाः | अस्नावयेथाम् | अस्नावयध्वम् |
| अस्नावये | अस्नावयावहि | अस्नावयामहि |
| अ० असुस्नवत | असुस्नवेताम् | असुस्नवन्त |
| असुस्नवथाः | असुस्नवेथाम् | असुस्नवध्वम् |
| असुस्नवे | असुस्नवावहि | असुस्नवामहि |
| प० स्नावयाञ्चक्रे | स्नावयाञ्चक्राते | स्नावयाञ्चक्रिरे |
| स्नावयाञ्चकृषे | स्नावयाञ्चक्राथे | स्नावयाञ्चकृध्वे |
| स्नावयाञ्चक्रे | स्नावयाञ्चकृवहे | स्नावयाञ्चकृमहे |
| स्नावयाम्बभूव | स्नावयामस | |
| आ० स्नावयिषीष्ट | स्नावयिषीयास्ताम् | स्नावयिषीरन् |
| स्नावयिषीष्टाः | स्नावयिषीयास्थाम् | स्नावयिषीध्वम् |
| स्नावयिषीय | स्नावयिषीवहि | स्नावयिषीमहि |
| श्व० स्नावयिता | स्नावयितारौ | स्नावयितारः |
| स्नावयितासे | स्नावयितासाथे | स्नावयिताध्वे |
| स्नावयिताहे | स्नावयितास्वहे | स्नावयितास्महे |
| भ० स्नावयिष्यते | स्नावयिष्येते | स्नावयिष्यन्ते |
| स्नावयिष्यसे | स्नावयिष्येथे | स्नावयिष्यध्वे |
| स्नावयिष्ये | स्नावयिष्यावहे | स्नावयिष्यामहे |
| क्रि० अस्नावयिष्यत | अस्नावयिष्येताम् | अस्नावयिष्यन्त |
| अस्नावयिष्यथाः | अस्नावयिष्येथाम् | अस्नावयिष्यध्वम् |
| अस्नावयिष्ये | अस्नावयिष्यावहि | अस्नावयिष्यामहि |

1084 टुक्षुक (क्षु) शब्दे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| १० क्षावयति | क्षावयतः | क्षावयन्ति |
| क्षावयसि | क्षावयथः | क्षावयथ |
| क्षावयामि | क्षावयावः | क्षावयामः |
| स० क्षावयेत् | क्षावयेताम् | क्षावयेयुः |
| क्षावयेः | क्षावयेतम् | क्षावयेत |
| क्षावयेयम् | क्षावयेव | क्षावयेम |
| प० क्षावयतु | क्षावयतात् | क्षावयताम् |
| क्षावय | क्षावयतान् | क्षावयतम् |
| क्षावयाणि | क्षावयाव | क्षावयाम |
| ह्य० अक्षावयत् | अक्षावयताम् | अक्षावयन् |
| अक्षावयः | अक्षावयतम् | अक्षावयत |
| अक्षावयम् | अक्षावयाव | अक्षावयाम |
| अ० अचुक्षवत् | अचुक्षवताम् | अचुक्षवन् |
| अचुक्षवः | अचुक्षवतम् | अचुक्षवत |
| अचुक्षवम् | अचुक्षवाव | अचुक्षवाम |
| प० क्षावयाञ्चकार | क्षावयाञ्चकृतुः | क्षावयाञ्चकुः |
| क्षावयाञ्चकथं | क्षावयाञ्चकथुः | क्षावयाञ्चक |
| क्षावयाञ्चकार-चकर | क्षावयाञ्चकृव | क्षावयाञ्चकृम |
| क्षावयाम्बभूव | क्षावयामास | |
| भा० क्षाव्यात् | क्षाव्यास्ताम् | क्षाव्यसुः |
| क्षाव्याः | क्षाव्यास्तम् | क्षाव्यास्त |
| क्षाव्यासम् | क्षाव्यास्व | क्षाव्यासम |
| श्व० क्षावयिता | क्षावयितारौ | क्षावयितारः |
| क्षावयितासि | क्षावयितास्थः | क्षावयितास्थ |
| क्षावयितास्मि | क्षावयितास्वः | क्षावयितास्मः |
| भ० क्षावयिष्यति | क्षावयिष्यतः | क्षावयिष्यन्ति |
| क्षावयिष्यसि | क्षावयिष्यथः | क्षावयिष्यथ |
| क्षावयिष्यामि | क्षावयिष्यावः | क्षावयिष्यामः |
| क्रि० अक्षावयिष्यत् | अक्षावयिष्यताम् | अक्षावयिष्यन् |
| अक्षावयिष्यः | अक्षावयिष्यतम् | अक्षावयिष्यत |
| अक्षावयिष्यम् | अक्षावयिष्याव | अक्षावयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| व० क्षावयते | क्षावयेते | क्षावयन्ते |
| क्षावयसे | क्षावयेथे | क्षावयध्वे |
| क्षावये | क्षावयावहे | क्षावयामहे |
| स० क्षावयेत | क्षावयेयाताम् | क्षावयेरन् |
| क्षावयेथाः | क्षावयेयाथाम् | क्षावयेध्वम् |
| क्षावयेय | क्षावयेवहि | क्षावयेमहि |
| प० क्षावयताम् | क्षावयेताम् | क्षावयन्ताम् |
| क्षावयस्व | क्षावयेथाम् | क्षावयध्वम् |
| क्षावयै | क्षावयावहै | क्षावयामहै |
| ह्य० अक्षावयत | अक्षावयेताम् | अक्षावयन्त |
| अक्षावयथाः | अक्षावयेथाम् | अक्षावयध्वम् |
| अक्षावये | अक्षावयावहि | अक्षावयामहि |
| अ० अचुक्षवत | अचुक्षवेताम् | अचुक्षवन्त |
| अचुक्षवथाः | अचुक्षवेथाम् | अचुक्षवध्वम् |
| अचुक्षवे | अचुक्षवावहि | अचुक्षवामहि |
| प० क्षावयाञ्चक्रे | क्षावयाञ्चक्राते | क्षावयाञ्चक्रिरे |
| क्षावयाञ्चकृषे | क्षावयाञ्चक्राथे | क्षावयाञ्चकृष्ट्वे |
| क्षावयाञ्चक्रे | क्षावयाञ्चकृवहे | क्षावयाञ्चकृमहे |
| क्षावयाम्बभूव | क्षावयामास | |
| भ० क्षावयिषीष्ट | क्षावयिषीयास्ताम् | क्षावयिषीरन् |
| क्षावयिषीष्टाः | क्षावयिषीयास्थाम् | क्षावयिषीष्ट्वन् |
| | | ध्वम् |
| क्षावयिषीयः | क्षावयिषीवहि | क्षावयिषीमहि |
| श्व० क्षावयिता | क्षावयितारौ | क्षावयितारः |
| क्षावयितासे | क्षावयितासाथे | क्षावयिताध्वे |
| क्षावयिताहे | क्षावयितास्वहे | क्षावयितास्महे |
| भ० क्षावयिष्यते | क्षावयिष्येते | क्षावयिष्यन्ते |
| क्षावयिष्यसे | क्षावयिष्येथे | क्षावयिष्यध्वे |
| क्षावयिष्ये | क्षावयिष्यावहे | क्षावयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षावयिष्यत | अक्षावयिष्येताम् | अक्षावयिष्यन्त |
| अक्षावयिष्यथाः | अक्षावयिष्येथाम् | अक्षावयिष्यध्वम् |
| अक्षावयिष्ये | अक्षावयिष्यावहि | अक्षावयिष्यामहि |

1085 लृक् (लृ) शब्दे । 59 रुड्वद्रूपाणि

1086 कुक् (कु) शब्दे । 590 रुड्वद्रूपाणि

अथान्तर्गणो रुदादिपञ्चकः
1087 रुट्क् (रुट्) अश्रुविमोचने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | रोदयति | रोदयतः | रोदयन्ति |
| | रोदयसि | रोदयथः | रोदयथ |
| | रोदयामि | रोदयावः | रोदयामः |
| स० | रोदयेत् | रोदयेताम् | रोदयेयुः |
| | रोदयेः | रोदयेतम् | रोदयेत |
| | रोदयेयम् | रोदयेव | रोदयेम |
| प० | रोदयतु | रोदयतात् | रोदयताम् |
| | रोदय | रोदयतात् | रोदयतम् |
| | रोदयानि | रोदयाव | रोदयाम |
| ह्य० | अरोदयत् | अरोदयताम् | अरोदयन् |
| | अरोदयः | अरोदयतम् | अरोदयत |
| | अरोदयम् | अरोदयाव | अरोदयाम |
| अ० | अरूदत् | अरूदताम् | अरूदन् |
| | अरूदः | अरूदतम् | अरूदत |
| | अरूदम् | अरूदाव | अरूदाम |
| प० | रोदयाञ्चकार | रोदयाञ्चकतुः | रोदयाञ्चकुः |
| | रोदयाञ्चकर्थ | रोदयाञ्चकथुः | रोदयाञ्चक |
| | रोदयाञ्चकार-चकर | रोदयाञ्चकृव | रोदयाञ्चकृम |
| | रोदयाम्बभूव | । | रोदयामास |
| आ० | रोद्यात् | रोद्यास्ताम् | रोद्यासुः |
| | रोद्याः | रोद्यास्तम् | रोद्यास्त |
| | रोद्यासम् | रोद्यास्व | रोद्यास्म |
| श्च० | रोदयिता | रोदयितारौ | रोदयितारः |
| | रोदयितासि | रोदयितास्थः | रोदयितास्थ |
| | रोदयितास्मि | रोदयितास्वः | रोदयितास्मः |
| भ० | रोदयिष्यति | रोदयिष्यतः | रोदयिष्यन्ति |
| | रोदयिष्यसि | रोदयिष्यथः | रोदयिष्यथ |
| | रोदयिष्यामि | रोदयिष्यावः | रोदयिष्यामः |
| क्रि० | अरोदयिष्यत् | अरोदयिष्यताम् | अरोदयिष्यन् |
| | अरोदयिष्यः | अरोदयिष्यतम् | अरोदयिष्यत |
| | अरोदयिष्यम् | अरोदयिष्याव | अरोदयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रोदयते | रोदयेते | रोदयन्ते |
| | रोदयसे | रोदयेथे | रोदयथ्वे |
| | रोदये | रोदयावहे | रोदयामहे |
| स० | रोदयेत | रोदयेयाताम् | रोदयेरन् |
| | रोदयेथाः | रोदयेथाथाम् | रोदयेथ्वम् |
| | रोदयेय | रोदयेवहि | रोदयेमहि |
| प० | रोदयताम् | रोदयेताम् | रोदयन्ताम् |
| | रोदयाव | रोदयेथाम् | रोदयध्वम् |
| | रोदयै | रोदयावहै | रोदयामहै |
| ह्य० | अरोदयत | अरोदयेताम् | अरोदयन्त |
| | अरोदयथाः | अरोदयेथाम् | अरोदयध्वम् |
| | अरोदये | अरोदयावहि | अरोदयामहि |
| अ० | अरूदत | अरूदेताम् | अरूदन्त |
| | अरूदथाः | अरूदेथाम् | अरूदध्वम् |
| | अरूदे | अरूदावहि | अरूदामहि |
| प० | रोदयाञ्चके | रोदयाञ्चकाते | रोदयाञ्चकिरे |
| | रोदयाञ्चकृषे | रोदयाञ्चकृषे | रोदयाञ्चकृष्वे |
| | रोदयाञ्चके | रोदयाञ्चकृवहे | रोदयाञ्चकृमहे |
| | रोदयाम्बभूव | । | रोदयामास |
| आ० | रोदयिषीष्ट | रोदयिषीयास्ताम् | रोदयिषीरन् |
| | रोदयिषीष्टाः | रोदयिषीयास्थाम् | रोदयिषीध्वम् |
| | रोदयिषीय | रोदयिषीवहि | रोदयिषीमहि |
| श्च० | रोदयिता | रोदयितारौ | रोदयितारः |
| | रोदयितासे | रोदयितासाथे | रोदयिताध्वे |
| | रोदयिताडे | रोदयितास्वहे | रोदयितास्महे |
| भ० | रोदयिष्यते | रोदयिष्येते | रोदयिष्यन्ते |
| | रोदयिष्यसे | रोदयिष्येथे | रोदयिष्यध्वे |
| | रोदयिष्ये | रोदयिष्यावहे | रोदयिष्यामहे |
| क्रि० | अरोदयिष्यत् | अरोदयिष्येताम् | अरोदयिष्यन्त |
| | अरोदयिष्यथाः | अरोदयिष्येथाम् | अरोदयिष्यध्वम् |
| | अरोदयिष्ये | अरोदयिष्यावहि | अरोदयिष्यामहि |

1088 जिह्वपङ्क (स्वप्) शये ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० | स्वापयति | स्वापयतः | स्वापयन्ति |
| | स्वापयसि | स्वापयथः | स्वापयथ |
| | स्वापयामि | स्वापयावः | स्वापयामः |
| सस | स्वापयेत् | स्वापयेताम् | स्वापयेयुः |
| | स्वापयेः | स्वापयेतम् | स्वापयेत |
| | स्वापयेयम् | स्वापयेव | स्वापयेम |
| प० | स्वापयतु | स्वापयतात् | स्वापयताम् |
| | स्वापय | स्वापयतात् | स्वापयतम् |
| | स्वापयानि | स्वापयाव | स्वापयाम |
| ह्य० | अस्वापयत् | अस्वापयताम् | अस्वापयन् |
| | अस्वापयः | अस्वापयतम् | अस्वापयत |
| | अस्वापयम् | अस्वापयाव | अस्वापयाम |
| अ० | असूषुपत् | असूषुपताम् | असूषुपन् |
| | असूषुपः | असूषुपतम् | असूषुपत |
| | असूषुपम् | असूषुपाव | असूषुपाम |
| प० | स्वापयाञ्चकार | स्वापयाञ्चक्रुः | स्वापयाञ्चक्रुः |
| | स्वापयाञ्चकथं | स्वापयाञ्चक्रुः | स्वापयाञ्चक्रुः |
| | स्वापयाञ्चकार-चकर | स्वापयाञ्चक्रुव | स्वापयाञ्चक्रुम |
| | स्वापयाम्बभूव | स्वापयामास | |
| आ० | स्वाप्यात् | स्वाप्यास्ताम् | स्वाप्यासुः |
| | स्वाप्याः | स्वाप्यास्तम् | स्वाप्यास्त |
| | स्वाप्यासम् | स्वाप्यास्व | स्वाप्यास्म |
| श्व० | स्वापयिता | स्वापयितारौ | स्वापयितारः |
| | स्वापयितासि | स्वापयितास्थः | स्वापयितास्थ |
| | स्वापयितास्मि | स्वापयितास्वः | स्वापयितास्मः |
| भ० | स्वापयिष्यति | स्वापयिष्यतः | स्वापयिष्यन्ति |
| | स्वापयिष्यसि | स्वापयिष्यथः | स्वापयिष्यथ |
| | स्वापयिष्यामि | स्वापयिष्यावः | स्वापयिष्यामः |
| क्रि० | अस्वापयिष्यत् | अस्वापयिष्यताम् | अस्वापयिष्यन् |
| | अस्वापयिष्यः | अस्वापयिष्यतम् | अस्वापयिष्यत |
| | अस्वापयिष्यम् | अस्वापयिष्याव | अस्वापयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्वापयते | स्वापयेत | स्वापयन्ते |
| | स्वापयसे | स्वापयेथे | स्वापयध्वे |
| | स्वापये | स्वापयावहे | स्वापयामहे |
| स० | स्वापयेत | स्वापयेयताम् | स्वापयेरन् |
| | स्वापयेथाः | स्वापयेयथाम् | स्वापयेध्वम् |
| | स्वापयेय | स्वापयेवहि | स्वापयेमहि |
| प० | स्वापयताम् | स्वापयेताम् | स्वापयन्ताम् |
| | स्वापयस्व | स्वापयेथाम् | स्वापयध्वम् |
| | स्वापयै | स्वापयावहे | स्वापयामहे |
| ह्य० | अस्वापयत | अस्वापयेताम् | अस्वापयन्त |
| | अस्वापयथाः | अस्वापयेथाम् | अस्वापयध्वम् |
| | अस्वापये | अस्वापयावहि | अस्वापयामहि |
| अ० | असूषुपत | असूषुपताम् | असूषुपन्त |
| | असूषुपथाः | असूषुपेथाम् | असूषुपध्वम् |
| | असूषुपे | असूषुपावहि | असूषुपामहि |
| प० | स्वापयाञ्चक्रे | स्वापयाञ्चक्राते | स्वापयाञ्चक्रिरे |
| | स्वापयाञ्चकृषे | स्वापयाञ्चक्राथे | स्वापयाञ्चकृध्वे |
| | स्वापयाञ्चक्रे | स्वापयाञ्चकृवहे | स्वापयाञ्चकृमहे |
| | स्वापयाम्बभूव | स्वापयामास | |
| आ० | स्वापयिपीष्ट | स्वापयिपीयास्ताम् | स्वापयिपीरन् |
| | स्वापयिपीष्टाः | स्वापयिपीयास्थाम् | स्वापयिपीध्वम् |
| | स्वापयिपीय | स्वापयिपीवहि | स्वापयिपीमहि |
| श्व० | स्वापयिता | स्वापयितारौ | स्वापयितारः |
| | स्वापयितासे | स्वापयितासाथे | स्वापयिताध्वे |
| | स्वापयिताहे | स्वापयितास्वहे | स्वापयितास्महे |
| भ० | स्वापयिष्यते | स्वापयिष्येते | स्वापयिष्यन्ते |
| | स्वापयिष्यसे | स्वापयिष्येथे | स्वापयिष्यध्वे |
| | स्वापयिष्ये | स्वापयिष्यावहे | स्वापयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्वापयिष्यत | अस्वापयिष्येताम् | अस्वापयिष्यन्त |
| | अस्वापयिष्यथाः | अस्वापयिष्येथाम् | अस्वापयिष्यध्वम् |
| | अस्वापयिष्ये | अस्वापयिष्यावहि | अस्वापयिष्यामहि |

1089 अनक् (अन्) प्राणने

| | | | |
|-------|-----------------|--------------|--------------|
| व० | आनयति | आनयतः | आनयन्ति |
| | आनयसि | आनयथः | आनयथ |
| | आनयामि | आनयावः | आनयामः |
| स० | आनयेत् | आनयेताम् | आनयेयुः |
| | आनयेः | आनयेतम् | आनयेत |
| | आनयेयम् | आनयेव | आनयेम |
| प० | आनयतु | आनयतात् | आनयन्तु |
| | आनय | आनयतात् | आनयतम् |
| | आनयानि | आनयाव | आनयाम |
| ह्य० | आनयत् | आनयताम् | आनयन् |
| | आनयः | आनयतम् | आनयत |
| | आनयम् | आनयाव | आनयाम |
| अ० | आनिनत् | आनिनताम् | आनिनन् |
| | आनिनः | आनिनतम् | आनिनत |
| | आनिनम् | आनिनाव | आनिनाम |
| प० | आनयाञ्चकार | आनयाञ्चक्रुः | आनयाञ्चक्रुः |
| | आनयाञ्चकथं | आनयाञ्चक्रुः | आनयाञ्चक्रुः |
| | आनयाञ्चकार-चक्र | आनयाञ्चक्रुव | आनयाञ्चक्रुम |
| | आनयाम्बभूव | । | आनयामास |
| आ० | आन्यात् | आन्यास्ताम् | आन्यासुः |
| | आन्याः | आन्यास्तम् | आन्यास्त |
| | आन्यासम् | आन्यास्व | आन्यास्म |
| श्व० | आनयिता | आनयितारौ | आनयितारः |
| | आनयितासि | आनयितस्थः | आनयितस्थ |
| | आनयितारिम | आनयितास्वः | आनयितास्मः |
| भ० | आनयिष्यति | आनयिष्यतः | आनयिष्यन्ति |
| | आनयिष्यसि | आनयिष्यथः | आनयिष्यथ |
| | आनयिष्यामि | आनयिष्यावः | आनयिष्यामः |
| क्रि० | आनयिष्यत् | आनयिष्यताम् | आनयिष्यन् |
| | आनयिष्यः | आनयिष्यतम् | आनयिष्यथ |
| | आनयिष्यम् | आनयिष्याव | आनयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | आनयते | आनयते | आनयन्ते |
| | आनयसे | आनयेथे | आनयध्वे |
| | आनये | आनयावहे | आनयामहे |
| स० | आनयेत | आनयेयाताम् | आनयेरन् |
| | आनयेथाः | आनयेयाथाम् | आनयेध्वम् |
| | आनयेय | आनयेवहि | आनयेमहि |
| प० | आनयताम् | आनयेताम् | आनयन्ताम् |
| | आनयस्व | आनयेथाम् | आनयध्वम् |
| | आनये | आनयावहे | आनयामहे |
| ह्य० | आनयत | आनयेताम् | आनयन्त |
| | आनयथाः | आनयेथाम् | आनयध्वम् |
| | आनये | आनयावहि | आनयामहि |
| अ० | आनिनत | आनिनेताम् | आनिनन्त |
| | आनिनथाः | आनिनेथाम् | आनिनध्वम् |
| | आनिने | आनिनावहि | आनिनमहि |
| प० | आनयाञ्चक्रे | आनयाञ्चक्राते | आनयाञ्चक्रिरे |
| | आनयाञ्चकृषे | आनयाञ्चक्राथे | आनयाञ्चकृद्वे |
| | आनयाञ्चक्रे | आनयाञ्चकृवहे | आनयाञ्चकृमहे |
| | आनयाम्बभूव | । | आनयामास |
| आ० | आनयिषीष्ट | आनयिषीयास्ताम् | आनयिषीरन् |
| | आनयिषीष्टाः | आनयिषीयास्थाम् | आनयिषीद्वम् |
| | आनयिषीय | आनयिषीवहि | आनयिषीमहि |
| श्व० | आनयिता | आनयितारौ | आनयितारः |
| | आनयितासे | आनयितासाथे | आनयिताध्वे |
| | आनयिताहे | आनयितास्वहे | आनयितास्महे |
| भ० | आनयिष्यते | आनयिष्येते | आनयिष्यन्ते |
| | आनयिष्यसे | आनयिष्येथे | आनयिष्यध्वे |
| | आनयिष्ये | आनयिष्यावहे | आनयिष्यमहे |
| क्रि० | आनयिष्यत | आनयिष्येताम् | आनयिष्यन्त |
| | आनयिष्यथाः | आनयिष्येथाम् | आनयिष्यध्वम् |
| | आनयिष्ये | आनयिष्यावहि | आनयिष्यमहि |

1090 श्वसक् (श्वस्) प्राणने

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------------|
| व० | श्वासयति | श्वासयतः | श्वासयन्ति |
| | श्वासयसि | श्वासयथः | श्वासयथ |
| | श्वासयामि | श्वासयावः | श्वासयामः |
| स० | श्वासयेत् | श्वासयेताम् | श्वासयेयुः |
| | श्वासयेः | श्वासयेतम् | श्वासयेत |
| | श्वासयेयम् | श्वासयेव | श्वासयेम |
| प० | श्वासयतु | श्वासयतात् | श्वासयताम् श्वासयन्तु |
| | श्वासय | श्वासयतात् | श्वासयतम् श्वासयत |
| | श्वासयानि | श्वासयाव | श्वासयाम |
| लृ० | अश्वासयत् | अश्वासयताम् | अश्वासयन् |
| | अश्वासयः | अश्वासयतम् | अश्वासयत |
| | अश्वासयम् | अश्वासयाव | अश्वासयाम |
| भ० | अशिश्वसत् | अशिश्वसताम् | अशिश्वसन् |
| | अशिश्वसः | अशिश्वसतम् | अशिश्वसत |
| | अशिश्वसम् | अशिश्वसाव | अशिश्वसाम |
| प० | श्वासयाञ्चकार | श्वासयाञ्चक्रुः | श्वासयाञ्चकृः |
| | श्वासयाञ्चकथं | श्वासयाञ्चक्रुः | श्वासयाञ्चक |
| | श्वासयाञ्चकार-चकर | श्वासयाञ्चकृव | श्वासयाञ्चकृम् |
| | श्वासयाम्बभूव | । | श्वासयामास |
| आ० | श्वास्यात् | श्वास्यास्ताम् | श्वास्यासुः |
| | श्वास्याः | श्वास्यास्तम् | श्वास्यास्त |
| | श्वास्यासम् | श्वास्यास्व | श्वास्यास्म |
| श्र० | श्वासयिता | श्वासयितारौ | श्वासयितारः |
| | श्वासयितासि | श्वासयितास्थः | श्वासयितास्थ |
| | श्वासयितास्मि | श्वासयितास्वः | श्वासयितास्मः |
| भ० | श्वासयिष्यति | श्वासयिष्यतः | श्वासयिष्यन्ति |
| | श्वासयिष्यसि | श्वासयिष्यथः | श्वासयिष्यथ |
| | श्वासयिष्यामि | श्वासयिष्यावः | श्वासयिष्यामः |
| क्रि० | अश्वासयिष्यत् | अश्वासयिष्यताम् | अश्वासयिष्यन् |
| | अश्वासयिष्यः | अश्वासयिष्यतम् | अश्वासयिष्यत |
| | अश्वासयिष्यम् | अश्वासयिष्याव | अश्वासयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | श्वासयते | श्वासयेते | श्वासयन्ते |
| | श्वासयसे | श्वासयेथे | श्वासयध्वे |
| | श्वासये | श्वासयावहे | श्वासयामहे |
| स० | श्वासयेत् | श्वासयेयाताम् | श्वासयेरन् |
| | श्वासयेथाः | श्वासयेयाथाम् | श्वासयेध्वम् |
| | श्वासयेय | श्वासयेवहि | श्वासयेमहि |
| प० | श्वासयताम् | श्वासयेताम् | श्वासयन्ताम् |
| | श्वासयस्व | श्वासयेथाम् | श्वासयध्वम् |
| | श्वासये | श्वासयावहे | श्वासयामहे |
| लृ० | अश्वासयत | अश्वासयेताम् | अश्वासयन्त |
| | अश्वासयथाः | अश्वासयेथाम् | अश्वासयध्वम् |
| | अश्वासये | अश्वासयावहि | अश्वासयामहि |
| भ० | अशिश्वसत | अशिश्वसेताम् | अशिश्वसन्त |
| | अशिश्वसथाः | अशिश्वसेथाम् | अशिश्वसध्वम् |
| | अशिश्वसे | अशिश्वसावहि | अशिश्वसामहि |
| प० | श्वासयाञ्चक्रे | श्वासयाञ्चक्राते | श्वासयाञ्चक्रिरे |
| | श्वासयाञ्चकृषे | श्वासयाञ्चक्राथे | श्वासयाञ्चकृत्वे |
| | श्वासयाञ्चक्रे | श्वासयाञ्चकृवहे | श्वासयाञ्चकृभहे |
| | श्वासयाम्बभूव | । | श्वासयामास |
| आ० | श्वासयिषीष्ट | श्वासयिषीस्ताम् | श्वासयिषीरन् |
| | श्वासयिषीष्ठाः | श्वासयिषीथास्थाम् | श्वासयिषीद्वम् |
| | श्वासयिषीय | श्वासयिषीवहि | श्वासयिषीमहि |
| श्र० | श्वासयिता | श्वासयितारौ | श्वासयितारः |
| | श्वासयिताने | श्वासयितासाथे | श्वासयिताध्वे |
| | श्वासयिताहे | श्वासयितास्वहे | श्वासयितास्महे |
| भ० | श्वासयिष्येते | श्वासयिष्येते | श्वासयिष्यन्ते |
| | श्वासयिष्यसे | श्वासयिष्येथे | श्वासयिष्यध्वे |
| | श्वासयिष्ये | श्वासयिष्यावहे | श्वासयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्वासयिष्यत | अश्वासयिष्येताम् | अश्वासयिष्यन्त |
| | अश्वासयिष्यथाः | अश्वासयिष्येथाम् | अश्वासयिष्यध्वम् |
| | अश्वासयिष्ये | अश्वासयिष्यावहि | अश्वासयिष्यामहि |

109। जक्षकू (जक्ष) भक्षहसनयोः

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| १० जक्षयति | जक्षयतः | जक्षयन्ति |
| जक्षयसि | जक्षयथः | जक्षयथ |
| जक्षयामि | जक्षयावः | जक्षयामः |
| स० जक्षयेत् | जक्षयेताम् | जक्षयेयुः |
| जक्षयेः | जक्षयेतम् | जक्षयेत |
| जक्षयेयम् | जक्षयेव | जक्षयेम |
| प० जक्षयतु | जक्षयतात् | जक्षयताम् |
| जक्षय | जक्षयतात् | जक्षयतम् |
| जक्षयाणि | जक्षयाव | जक्षयाम |
| ह्य० अजक्षयत् | अजक्षयताम् | अजक्षयन् |
| अजक्षयः | अजक्षयतम् | अजक्षयत |
| अजक्षयम् | अजक्षयाव | अजक्षयाम |
| भ० अजक्षत् | अजक्षताम् | अजक्षन् |
| अजक्षः | अजक्षतम् | अजक्षत |
| अजक्षम् | अजक्षाव | अजक्षाम |
| प० जक्षयाञ्चकार | जक्षयाञ्चक्रुः | जक्षयाञ्चकुः |
| जक्षयाञ्चकथं | जक्षयाञ्चकथुः | जक्षयाञ्चक |
| जक्षयाञ्चकार-चकर | जक्षयाञ्चकृव | जक्षयाञ्चकृम |
| जक्षयाम्बभूव | । | जक्षयामास |
| आ० जक्ष्यात् | जक्ष्यास्ताम् | जक्ष्यासुः |
| जक्ष्याः | जक्ष्यास्तम् | जक्ष्यास्त |
| जक्ष्यासम् | जक्ष्यास्व | जक्ष्यासम |
| भ० जक्षयिता | जक्षयितारौ | जक्षयितारः |
| जक्षयितासि | जक्षयितास्यः | जक्षयितास्य |
| जक्षयितास्मि | जक्षयितास्वः | जक्षयितास्मः |
| भ० जक्षयिष्यति | जक्षयिष्यतः | जक्षयिष्यन्ति |
| जक्षयिष्यसि | जक्षयिष्यथः | जक्षयिष्यथ |
| जक्षयिष्यामि | जक्षयिष्यावः | जक्षयिष्यामः |
| क्रि० अजक्षयिष्यत् | अजक्षयिष्यताम् | अजक्षयिष्यन् |
| अजक्षयिष्यः | अजक्षयिष्यतम् | अजक्षयिष्यत |
| अजक्षयिष्यम् | अजक्षयिष्याव | अजक्षयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-----------------|-----------------|
| ब० जक्षयते | जक्षयेते | जक्षयन्ते |
| जक्षयसे | जक्षयेथे | जक्षयध्वे |
| जक्षये | जक्षयावहे | जक्षयामहे |
| स० जक्षयेत | जक्षयेयाताम् | जक्षयेरन् |
| जक्षयेथाः | जक्षयेयाथाम् | जक्षयेध्वम् |
| जक्षयेय | जक्षयेवहि | जक्षयेमहि |
| प० जक्षयताम् | जक्षयेताम् | जक्षयन्त |
| जक्षयस्व | जक्षयेथाम् | जक्षयावम् |
| जक्षये | जक्षयावहे | जक्षयामहे |
| ह्य० अजक्षयत | अजक्षयेताम् | अजक्षयन्त |
| अजक्षयथाः | अजक्षयेथाम् | अजक्षयध्वम् |
| अजक्षये | अजक्षयावहि | अजक्षयामहि |
| भ० अजक्षत् | अजक्षेताम् | अजक्षन्त |
| अजक्षथाः | अजक्षेथाम् | अजक्षध्वम् |
| अजक्षे | अजक्षावहि | अजक्षामहि |
| प० जक्षयाञ्चके | जक्षयाञ्चक्राते | जक्षयाञ्चक्रिरे |
| जक्षयाञ्चकृषे | जक्षयाञ्चक्राये | जक्षयाञ्चकृद्वे |
| जक्षयाञ्चके | जक्षयाञ्चकृवहे | जक्षयाञ्चकृमहे |
| जक्षयाम्बभूव | । | जक्षयामास |
| आ० जक्षयिषीष्ट | जक्षयिषीस्ताम् | जक्षयिषीरन् |
| जक्षयिषीष्टाः | जक्षयिषीस्याम् | जक्षयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| जक्षयिषीय | जक्षयिषीवहि | जक्षयिषीमहि |
| भ० जक्षयिता | जक्षयितारौ | जक्षयितारः |
| जक्षयितासे | जक्षयितासाथे | जक्षयिताध्वे |
| जक्षयिताहे | जक्षयितास्वहे | जक्षयितास्महे |
| भ० जक्षयिष्यते | जक्षयिष्येते | जक्षयिष्यन्ते |
| जक्षयिष्यसे | जक्षयिष्येथे | जक्षयिष्यध्वे |
| जक्षयिष्ये | जक्षयिष्यावहे | जक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अजक्षयिष्यत् | अजक्षयिष्येताम् | अजक्षयिष्यन्त |
| अजक्षयिष्यथाः | अजक्षयिष्येथाम् | अजक्षयिष्यध्वम् |
| अजक्षयिष्ये | अजक्षयिष्यावहि | अजक्षयिष्यामहि |

1092 दरिद्राक् (दरिद्रा) दुर्गतौ ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| व० | दरिद्रयति | दरिद्रयतः | दरिद्रयन्ति |
| | दरिद्रयसि | दरिद्रयथः | दरिद्रयथ |
| | दरिद्रयामि | दरिद्रयावः | दरिद्रयामः |
| स० | दरिद्रयेत् | दरिद्रयेताम् | दरिद्रयेयुः |
| | दरिद्रयेः | दरिद्रयेतम् | दरिद्रयेत |
| | दरिद्रयेयम् | दरिद्रयेव | दरिद्रयेम |
| प० | दरिद्रयतु | दरिद्रयतात् | दरिद्रयताम् |
| | दरिद्रय | दरिद्रयतात् | दरिद्रयतम् |
| | दरिद्रयाणि | दरिद्रयाव | दरिद्रयाम |
| ह्य० | अदरिद्रयत् | अदरिद्रयताम् | अदरिद्रयन् |
| | अदरिद्रयः | अदरिद्रयतम् | अदरिद्रयत |
| | अदरिद्रयम् | अदरिद्रयाव | अदरिद्रयाम |
| अ० | अददरिद्रत् | अददरिद्रताम् | अददरिद्रन् |
| | अददरिद्रः | अददरिद्रतम् | अददरिद्रत |
| | अददरिद्रम् | अददरिद्राव | अददरिद्राम |
| प० | दरिद्रयाञ्चकार | दरिद्रयाञ्चकतुः | दरिद्रयाञ्चकुः |
| | दरिद्रयाञ्चकथं | दरिद्रयाञ्चकथुः | दरिद्रयाञ्चक |
| | दरिद्रयाञ्चकार-चकर | दरिद्रयाञ्चकृव | दरिद्रयाञ्चकृम |
| | दरिद्रयाम्बभूव | । | दरिद्रयामास |
| आ० | दरिद्रय्यात् | दरिद्रय्यास्ताम् | दरिद्रय्यासुः |
| | दरिद्रय्याः | दरिद्रय्यास्तम् | दरिद्रय्यास्त |
| | दरिद्रय्यासम् | दरिद्रय्यास्व | दरिद्रय्यास्म |
| श्व० | दरिद्रयिता | दरिद्रयितारौ | दरिद्रयितारः |
| | दरिद्रयितासि | दरिद्रयितास्थः | दरिद्रयितास्थ |
| | दरिद्रयितास्मि | दरिद्रयितास्वः | दरिद्रयितास्मः |
| भ० | दरिद्रयिष्यति | दरिद्रयिष्यतः | दरिद्रयिष्यन्ति |
| | दरिद्रयिष्यसि | दरिद्रयिष्यथः | दरिद्रयिष्यथ |
| | दरिद्रयिष्यामि | दरिद्रयिष्यावः | दरिद्रयिष्यामः |
| क्रि० | अदरिद्रयिष्यत् | अदरिद्रयिष्यताम् | अदरिद्रयिष्यन् |
| | अदरिद्रयिष्यः | अदरिद्रयिष्यतम् | अदरिद्रयिष्यत |
| | अदरिद्रयिष्यम् | अदरिद्रयिष्याव | अदरिद्रयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|---------------------------|
| व० | दरिद्रयेते | दरिद्रयेते | दरिद्रयन्ते |
| | दरिद्रयेसे | दरिद्रयेथे | दरिद्रयेध्वे |
| | दरिद्रये | दरिद्रयावहे | दरिद्रयामहे |
| स० | दरिद्रयेत | दरिद्रयेथाताम् | दरिद्रयेगन् |
| | दरिद्रयेथाः | दरिद्रयेथाथाम् | दरिद्रयेध्वम् |
| | दरिद्रयेथ | दरिद्रयेवहि | दरिद्रयेमहि |
| प० | दरिद्रयताम् | दरिद्रयेताम् | दरिद्रयन्ताम् |
| | दरिद्रयस्व | दरिद्रयेथाम् | दरिद्रयध्वम् |
| | दरिद्रये | दरिद्रयावहे | दरिद्रयामहे |
| ह्य० | अदरिद्रयत | अदरिद्रयेताम् | अदरिद्रयन्त |
| | अदरिद्रयथाः | अदरिद्रयेथाम् | अदरिद्रयध्वम् |
| | अदरिद्रये | अदरिद्रयावहि | अदरिद्रयामहि |
| अ० | अददरिद्रत | अददरिद्रेताम् | अददरिद्रन्त |
| | अददरिद्रथाः | अददरिद्रेथाम् | अददरिद्रध्वम् |
| | अददरिद्रे | अददरिद्रावहि | अददरिद्रामहि |
| प० | दरिद्रयाञ्चके | दरिद्रयाञ्चकाते | दरिद्रयाञ्चकिरे |
| | दरिद्रयाञ्चकृषे | दरिद्रयाञ्चकृषे | दरिद्रयाञ्चकृद्वे |
| | दरिद्रयाञ्चके | दरिद्रयाञ्चकृवहे | दरिद्रयाञ्चकृमहे |
| | दरिद्रयाम्बभूव | । | दरिद्रयामास |
| आ० | दरिद्रयिषीष्ट | दरिद्रयिषीयास्ताम् | दरिद्रयिषीरन् |
| | दरिद्रयिषीष्टाः | दरिद्रयिषीयास्थाम् | दरिद्रयिषीड्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | दरिद्रयिषीय | दरिद्रयिषीवहि | दरिद्रयिषीमहि |
| श्व० | दरिद्रयिता | दरिद्रयितारौ | दरिद्रयितारः |
| | दरिद्रयितासे | दरिद्रयितासाथे | दरिद्रयिताध्वे |
| | दरिद्रयिताहे | दरिद्रयितास्वहे | दरिद्रयितास्महे |
| भ० | दरिद्रयिष्यते | दरिद्रयिष्येते | दरिद्रयिष्यन्ते |
| | दरिद्रयिष्ये | दरिद्रयिष्येथे | दरिद्रयिष्यध्वे |
| | दरिद्रयिष्यसे | दरिद्रयिष्यावहे | दरिद्रयिष्यामहे |
| क्रि० | अदरिद्रयिष्यत | अदरिद्रयिष्येताम् | अदरिद्रयिष्यन्त |
| | अदरिद्रयिष्यथाः | अदरिद्रयिष्येथाम् | अदरिद्रयिष्यध्वम् |
| | अदरिद्रयिष्ये | अदरिद्रयिष्यावहि | अदरिद्रयिष्यामहि |
| णौ | आलुक् | नेच्छन्त्यन्ते । | दरिद्रापयति । अददरिद्रात् |

1093 जागृक् (जागृ) निदाक्षये ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | जागरयति | जागरयतः | जागरयन्ति |
| | जागरयति | जागरयथः | जागरयथ |
| | जागरयामि | जागरयावः | जागरयामः |
| स० | जागरयेत् | जागरयेताम् | जागरयेयुः |
| | जागरयेः | जागरयेतम् | जागरयेत |
| | जागरयेयम् | जागरयेव | जागरयेम |
| प० | जागरयतु | जागरयतात् | जागरयताम् |
| | जागरय | जागरयतात् | जागरयतम् |
| | जागरयामि | जागरयाव | जागरयाम |
| ह्य० | अजागरयत् | अजागरयताम् | अजागरयन् |
| | अजागरयः | अजागरयतम् | अजागरयत |
| | अजागरयम् | अजागरयाव | अजागरयाम |
| अ० | अजजागरत् | अजजागरताम् | अजजागरन् |
| | अजजागरः | अजजागरतम् | अजजागरत |
| | अजजागरम् | अजजागराव | अजजागराम |
| प० | जागरयाञ्चकार | जागरयाञ्चकतुः | जागरयाञ्चक्रुः |
| | जागरयाञ्चकर्थ | जागरयाञ्चक्रथुः | जागरयाञ्चक्र |
| | जागरयाञ्चकार-वकर | जागरयाञ्चकृव | जागरयाञ्चकृम |
| | जागरयाम्बभूव | जागरयामास | |
| आ० | जागर्यात् | जागर्यास्ताम् | जागर्यासुः |
| | जागर्याः | जागर्यास्तम् | जागर्यास्त |
| | जागर्यासम् | जागर्यास्व | जागर्यास्मि |
| भ० | जागरयिता | जागरयितारौ | जागरयितारः |
| | जागरयितासि | जागरयितास्थः | जागरयितास्थ |
| | जागरयितास्मि | जागरयितास्वः | जागरयितास्मः |
| भ० | जागरयिष्यति | जागरयिष्यतः | जागरयिष्यन्ति |
| | जागरयिष्यसि | जागरयिष्यथः | जागरयिष्यथ |
| | जागरयिष्यामि | जागरयिष्यावः | जागरयिष्यामः |
| क्रि० | अजागरयिष्यत् | अजागरयिष्यताम् | अजागरयिष्यन् |
| | अजागरयिष्यः | अजागरयिष्यतम् | अजागरयिष्यत |
| | अजागरयिष्यन् | अजागरयिष्याव | अजागरयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-------------------|
| व० | जागरयते | जागरयेते | जागरयन्ते |
| | जागरयसे | जागरयेथे | जागरयन्थे |
| | जागरये | जागरयावहे | जागरयामहे |
| स० | जागरयेत् | जागरयेताम् | जागरयेयुः |
| | जागरयेथाः | जागरयेथायाम् | जागरयेथ्वम् |
| | जागरयेय | जागरयेवहि | जागरयेमहि |
| प० | जागरयताम् | जागरयेताम् | जागरयन्ताम् |
| | जागरयस्व | जागरयेथाम् | जागरयन्थ्वम् |
| | जा रये | जागरयावहि | जागरयामहि |
| ह्य० | अजागरयत् | अजागरयेताम् | अजागरयन्त |
| | अजागरयथाः | अजागरयेथाम् | अजागरयन्थ्वम् |
| | अजागये | अजागरयावहि | अजागरयामहि |
| अ० | अजजागरत | अजजागरेताम् | अजजागरन्त |
| | अजजागरथाः | अजजागरेथाम् | अजजागरन्थ्वम् |
| | अजजागरे | अजजागावहि | अजजागरामहि |
| प० | जागरयाञ्चके | जागरयाञ्चकाते | जागरयाञ्चक्रिरे |
| | जागरयाञ्चकृषे | जागरयाञ्चक्राथे | जागरयाञ्चकृद्वे |
| | जागरयाञ्चके | जागरयाञ्चकृवहे | जागरयाञ्चकृमहे |
| | जागरयामास | जागरयाम्बभूव | |
| आ० | जागरयिषीष्ट | जागरयिषीयास्ताम् | जागरयिषीरन् |
| | जागरयिषीष्टाः | जागरयिषीयास्थाम् | जागरयिषीद्वम् |
| | जागरयिषीय | जागरयिषीवहि | जागरयिषीमहि |
| भ० | जागरयिता | जागरयितारौ | जागरयितारः |
| | जागरयितासे | जागरयितासाथे | जागरयिताथ्वे |
| | जागरयिताहे | जागरयितास्वहे | जागरयितास्महे |
| भ० | जागरयिष्यते | जागरयिष्येते | जागरयिष्यन्ते |
| | जागरयिष्यसे | जागरयिष्येथे | जागरयिष्यन्थे |
| | जागरयिष्ये | जागरयिष्यावहे | जागरयिष्यामहे |
| क्रि० | अजागरयिष्यत | अजागरयिष्येताम् | अजागरयिष्यन्त |
| | अजागरयिष्यथाः | अजागरयिष्येथाम् | अजागरयिष्यन्थ्वम् |
| | अजागरयिष्ये | अजागरयिष्यावहि | अजागरयिष्यामहि |

1094 चकासृक् (चकास्) दीप्तौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | चकासयति | चकासयतः | चकासयन्ति |
| | चकासयसि | चकासयथः | चकासयथ |
| | चकासयामि | चकासयावः | चकासयामः |
| स० | चकासयेत् | चकासयेताम् | चकासयेयुः |
| | चकासयेः | चकासयेतम् | चकासयेत |
| | चकासयेयम् | चकासयेव | चकासयेम |
| प० | चकासयतु | चकासयतात् | चकासयताम् |
| | चकासय | चकासयतात् | चकासयतम् |
| | चकासयानि | चकासयाव | चकासयाम |
| ह्य० | अचकासयत् | अचकासयताम् | अचकासयन् |
| | अचकासयः | अचकासयतम् | अचकासयत |
| | अचकासयम् | अचकासयाव | अचकासयाम |
| अ० | अचचकासत् | अचचकासताम् | अचचकासन् |
| | अचचकासः | अचचकासतम् | अचचकासत |
| | अचचकासम् | अचचकासाव | अचचकासाम |
| प | चकासयाञ्चकार | चकासयाञ्चक्रुः | चकासयाञ्चकुः |
| | चकासयाञ्चकथ | चकासयाञ्चक्रुः | चकासयाञ्चक |
| | चकासयाञ्चकार-चकर | चकासयाञ्चक्रुव | चकासयाञ्चक्रुम |
| | चकासयाम्बभूव | । | चकासयामास |
| आ० | चकास्यात् | चकास्यास्ताम् | चकास्यासुः |
| | चकास्याः | चकास्यास्तम् | चकास्यास्त |
| | चकास्यासम् | चकास्यास्व | चकास्यास्म |
| श्व० | चकासयिता | चकासयितारौ | चकासयितारः |
| | चकासयितासि | चकासयितास्थः | चकासयितास्थ |
| | चकासयितास्मि | चकासयितास्वः | चकासयितास्मः |
| भ० | चकासयिष्यति | चकासयिष्यतः | चकासयिष्यन्ति |
| | चकासयिष्यसि | चकासयिष्यथः | चकासयिष्यथ |
| | चकासयिष्यामि | चकासयिष्यावः | चकासयिष्यामः |
| क्रि० | अचकासयिष्यत् | अचकासयिष्यताम् | अचकासयिष्यन् |
| | अचकासयिष्यः | अचकासयिष्यतम् | अचकासयिष्यत |
| | अचकासयिष्यम् | अचकासयिष्याव | अचकासयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | चकासयते | चकासयेते | चकासयन्ते |
| | चकासयसे | चकासयेथे | चकासयध्वे |
| | चकासये | चकासयावहे | चकासयामहे |
| स० | चकासयेत | चकासयेयाताम् | चकासयेरन् |
| | चकासयेथाः | चकासयेयाथाम् | चकासयेध्वम् |
| | चकासयेय | चकासयेवहि | चकासयेमहि |
| प० | चकासयताम् | चकासयेताम् | चकासयन्ताम् |
| | चकासयस्व | चकासयेथाम् | चकासयध्वम् |
| | चकासयै | चकासयावहे | चकासयामहे |
| ह्य० | अचकासयत | अचकासयेताम् | अचकासयन्त |
| | अचकासयथाः | अचकासयेथाम् | अचकासयध्वम् |
| | अचकासये | अचकासयावहि | अचकासयामहि |
| अ० | अचचकासत | अचचकासेताम् | अचचकासन्त |
| | अचचकासथाः | अचचकासेथाम् | अचचकासध्वम् |
| | अचचकासे | अचचकासावहि | अचचकासामहि |
| प० | चकासयाञ्चक्रे | चकासयाञ्चक्राते | चकासयाञ्चक्रिरे |
| | चकासयाञ्चकृषे | चकासयाञ्चक्राथे | चकासयाञ्चकृद्वे |
| | चकासयाञ्चक्रे | चकासयाञ्चकृषहे | चकासयाञ्चकृमहे |
| | चकासयाम्बभूव | । | चकासयामास |
| आ० | चकासयिषीष्ट | चकासयिषीयस्ताम् | चकासयिषीरन् |
| | चकासयिषीष्ठाः | चकासयिषीयास्थाम् | चकासयिषीध्वम् |
| | चकासयिषीय | चकासयिषीवहि | चकासयिषीमहि |
| श्व० | चकासयिता | चकासयितारौ | चकासयितारः |
| | चकासयितासे | चकासयितासाथे | चकासयिताध्वे |
| | चकासयिताहे | चकासयितासहे | चकासयितास्महे |
| भ० | चकासयिष्यते | चकासयिष्येते | चकासयिष्यन्ते |
| | चकासयिष्यसे | चकासयिष्येथे | चकासयिष्यध्वे |
| | चकासयिष्ये | चकासयिष्यावहे | चकासयिष्यामहे |
| क्रि० | अचकासयिष्यत | अचकासयिष्येताम् | अचकासयिष्यन्त |
| | अचकासयिष्यथाः | अचकासयिष्येथाम् | अचकासयिष्यध्वम् |
| | अचकासयिष्ये | अचकासयिष्यावहि | अचकासयिष्यामहि |

1095 शासृक् (शास्) अनुशिष्टौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | शासयति | शासयतः | शासयन्ति |
| | शासयसि | शासयथः | शासयथ |
| | शासयामि | शासयावः | शासयामः |
| स० | शासयेत् | शासयेताम् | शासयेयुः |
| | शासयेः | शासयेतम् | शासयेत |
| | शासयेथम् | शासयेव | शासयेम |
| प० | शासयतु | शासयतात् | शासयताम् |
| | शासय | शासयतात् | शासयतम् |
| | शासयानि | शासयाव | शासयाम |
| ह्य० | अशासयत् | अशासयताम् | अशासयन् |
| | अशासयः | अशासयतम् | अशासयत |
| | अशासयम् | अशासयाव | अशासयाम |
| अ० | अशाशासत् | अशाशासताम् | अशाशासन् |
| | अशाशासः | अशाशासतम् | अशाशासत |
| | अशाशासम् | अशाशासाव | अशाशासाम |
| प० | शासयाञ्चकार | शासयाञ्चक्रुः | शासयाञ्चक्रुः |
| | शासयाञ्चक्य | शासयाञ्चक्रुः | शासयाञ्चक्रुः |
| | शासयाञ्चकार-चकर | शासयाञ्चकृव | शासयाञ्चकृम |
| | शासयाम्बभूव | । | शासयामास |
| आ० | शास्यात् | शास्यास्ताम् | शास्यासुः |
| | शास्याः | शास्यास्तम् | शास्यास्त |
| | शास्यासम् | शास्यास्व | शास्यास्म |
| भ० | शासयिता | शासयितारौ | शासयितारः |
| | शासयितासि | शासयितास्थः | शासयितास्थ |
| | शासयितास्मि | शासयितास्वः | शासयितास्मः |
| भ० | शासयिष्यति | शासयिष्यतः | शासयिष्यन्ति |
| | शासयिष्यसि | शासयिष्यथः | शासयिष्यथ |
| | शासयिष्यामि | शासयिष्यावः | शासयिष्यामः |
| क्रि० | अशासयिष्यत् | अशासयिष्यताम् | अशासयिष्यन् |
| | अशासयिष्यः | अशासयिष्यतम् | अशासयिष्यत |
| | अशासयिष्यम् | अशासयिष्याव | अशासयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शासयते | शासयेते | शासयन्ते |
| | शासयसे | शासयेथे | शासयध्वे |
| | शासये | शासयावहे | शासयामहे |
| स० | शासयेत | शासयेयाताम् | शासयेरन् |
| | शासयेथाः | शासयेयाथाम् | शासयेध्वम् |
| | शासयेय | शासयेवहि | शासयेमहि |
| प० | शासयताम् | शासयेताम् | शासयन्ताम् |
| | शासयस्व | शासयेथाम् | शासयध्वम् |
| | शासयै | शासयावहै | शासयामहै |
| ह्य० | अशासयत | अशासयेताम् | अशासयन्त |
| | अशासयथाः | अशासयेथाम् | अशासयध्वम् |
| | अशासये | अशासयावहि | अशासयामहि |
| अ० | अशाशासत | अशाशासेताम् | अशाशासन्त |
| | अशाशासथाः | अशाशासेथाम् | अशाशासध्वम् |
| | अशाशासे | अशाशासावहि | अशाशासामहि |
| प० | शासयाञ्चक्रे | शासयाञ्चक्राते | शासयाञ्चक्रिरे |
| | शासयाञ्चकृषे | शासयाञ्चक्राथे | शासयाञ्चकृद्वे |
| | शासयाञ्चक्रे | शासयाञ्चकृवहे | शासयाञ्चकृमहे |
| | शासयाम्बभूव | । | शासयामास |
| आ० | शासयिषीष्ट | शासयिषीयास्ताम् | शासयिषीरन् |
| | शासयिषीष्टाः | शासयिषीयास्थाम् | शासयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | शासयिषीय | शासयिषीवहि | शासयिषीमहि |
| भ० | शासयिता | शासयितारौ | शासयितारः |
| | शासयितासे | शासयितासथे | शासयिताध्वे |
| | शासयिताहे | शासयितास्वहे | शासयितास्महे |
| भ० | शासयेष्यते | शासयेष्येते | शासयेष्यन्ते |
| | शासयेष्यसे | शासयेष्येथे | शासयेष्यध्वे |
| | शासयेष्ये | शासयेष्यावहे | शासयेष्यामहे |
| क्रि० | अशासयेष्यत | अशासयेष्येताम् | अशासयेष्यन्त |
| | अशासयेष्यथाः | अशासयेष्येथाम् | अशासयेष्यध्वम् |
| | अशासयेष्ये | अशासयेष्यावहि | अशासयेष्यामहि |

॥ अथ चान्तः ॥

1096 वर्चक् (वच्) भाषणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वाचयति | वाचयतः | वाचयन्ति |
| वाचयसि | वाचयथः | वाचयथ |
| वाचयामि | वाचयावः | वाचयामः |
| स० वाचयेत् | वाचयेताम् | वाचयेयुः |
| वाचयेः | वाचयेतम् | वाचयेत |
| वाचयेयम् | वाचयेव | वाचयेम |
| प० वाचयतु | वाचयतात् | वाचयन्तु |
| वाचय | वाचयतात् | वाचयत |
| वाचयानि | वाचयाव | वाचयाम |
| ह्य० अवाचयत् | अवाचयताम् | अवाचयन् |
| अवाचयः | अवाचयतम् | अवाचयत |
| अवाचयम् | अवाचयाव | अवाचयाम |
| अ० अवीवचत् | अवीवचताम् | अवीवचन् |
| अवीवचः | अवीवचतम् | अवीवचत |
| अवीवचम् | अवीवचाव | अवीवचाम |
| प० वाचयाञ्चकार | वाचयाञ्चक्रुः | वाचयाञ्चकुः |
| वाचयाञ्चकथं | वाचयाञ्चकथुः | वाचयाञ्चक |
| वाचयाञ्चकार-चकर | वाचयाञ्चकृव | वाचयाञ्चकृम |
| वाचयाञ्चभूव | वाचयामास | |
| आ० वाच्यात् | वाच्यास्ताम् | वाच्यासुः |
| वाच्याः | वाच्यास्तम् | वाच्यास्त |
| वाच्यासम् | वाच्यास्व | वाच्यास्म |
| श्व० वाचयिता | वाचयितारौ | वाचयितारः |
| वाचयितासि | वाचयितास्थः | वाचयितास्थ |
| वाचयितास्मि | वाचयितास्वः | वाचयितास्मः |
| भ० वाचयिष्यति | वाचयिष्यतः | वाचयिष्यन्ति |
| वाचयिष्यसि | वाचयिष्यथः | वाचयिष्यथ |
| वाचयिष्यामि | वाचयिष्यावः | वाचयिष्यामः |
| क्रि० अवाचयिष्यत् | अवाचयिष्यताम् | अवाचयिष्यन् |
| अवाचयिष्यः | अवाचयिष्यतम् | अवाचयिष्यत |
| अवाचयिष्यम् | अवाचयिष्याव | अवाचयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० वाचयते | वच्येते | वाचयन्ते |
| वाचयसे | वाचयेथे | वाचयध्वे |
| वाचये | वाचयावहे | वाचयामहे |
| स० वाचयेत | वाचयेयाताम् | वाचयेरन् |
| वाचयेथाः | वाचयेयाथाम् | वाचयेध्वम् |
| वाचयेय | वाचयेवहि | वाचयेमहि |
| प० वाचयेताम् | वाचयेताम् | वाचयन्ताम् |
| वाचयस्व | वाचयेथाम् | वाचयध्वम् |
| वाचये | वाचयावहे | वाचयामहे |
| ह्य० अवाचयत | अवाचयेताम् | अवाचयन्त |
| अवाचयथाः | अवाचयेथाम् | अवाचयध्वम् |
| अवाचये | अवाचयावहि | अवाचयामहि |
| अ० अवीवचत | अवीवचेताम् | अवीवचन्त |
| अवीवचथाः | अवीवचेथाम् | अवीवचध्वम् |
| अवीवचे | अवीवचावहि | अवीवचामहि |
| प० वाचयाञ्चके | वाचयाञ्चक्राते | वाचयाञ्चकिरे |
| वाचयाञ्चकृषे | वाचयाञ्चक्राथे | वाचयाञ्चकृद्वे |
| वाचयाञ्चके | वाचयाञ्चकृवहे | वाचयाञ्चकृमहे |
| वाचयाञ्चभूव | वाचयामास | |
| आ० वाचयिषीष्ट | वाचयिषीयास्ताम् | वाचयिषीरन् |
| वाचयिषीष्टाः | वाचयिषीयास्थाम् | वाचयिषीध्वम् |
| वाचयिषीय | वाचयिषीवहि | वाचयिषीमहि |
| श्व० वाचयिता | वाचयितारौ | वाचयितारः |
| वाचयितासि | वाचयितास्थे | वाचयिताध्वे |
| वाचयिताहे | वाचयितास्वहे | वाचयितास्महे |
| भ० वाचयिष्यते | वाचयिष्येते | वाचयिष्यन्ते |
| वाचयिष्यसे | वाचयिष्येथे | वाचयिष्यध्वे |
| वाचयिष्ये | वाचयिष्यावहे | वाचयिष्यामहे |
| क्रि० अवाचयिष्यत | अवाचयिष्येताम् | अवाचयिष्यन्त |
| अवाचयिष्यथाः | अवाचयिष्येथाम् | अवाचयिष्यध्वम् |
| अवाचयिष्ये | अवाचयिष्यावहि | अवाचयिष्यामहि |

अथ ज्ञान्तः

1097 मृजौक् (मृज्) शुद्धौ

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | मार्जयति | मार्जयतः | मार्जयन्ति |
| | मार्जयसि | मार्जयथः | मार्जयथ |
| | मार्जयामि | मार्जयावः | मार्जयामः |
| स० | मार्जयेत् | मार्जयेताम् | मार्जयेयुः |
| | मार्जयेः | मार्जयेतम् | मार्जयेत |
| | मार्जयेयम् | मार्जयेव | मार्जयेम |
| प० | मार्जयतु | मार्जयतात् | मार्जयताम् |
| | मार्जय | मार्जयतात् | मार्जयतम् |
| | मार्जयानि | मार्जयाव | मार्जयाम |
| ह्य० | अमार्जयत् | अमार्जयताम् | अमार्जयन् |
| | अमार्जयः | अमार्जयतम् | अमार्जयत |
| | अमार्जयम् | अमार्जयाव | अमार्जयाम |
| अ० | अमीमृजत् | अमीमृजताम् | अमीमृजन् |
| | अमीमृजः | अमीमृजतम् | अमीमृजत |
| | अमीमृजम् | अमीमृजाव | अमीमृजाम |
| | अममार्जत् | अममार्जताम् | अममार्जन् इ० |
| प० | मार्जयाञ्चकार | मार्जयाञ्चक्रतुः | मार्जयाञ्चक्रुः |
| | मार्जयाञ्चकथे | मार्जयाञ्चक्रथुः | मार्जयाञ्चक्र |
| | मार्जयाञ्चकार-चकर | मार्जयाञ्चक्रव | मार्जयाञ्चक्रुम |
| | मार्जयाम्बभूव | । | मार्जयामास |
| आ० | मार्ज्यात् | मार्ज्यास्ताम् | मार्ज्यासुः |
| | मार्ज्याः | मार्ज्यास्तम् | मार्ज्यास्त |
| | मार्ज्यासम् | मार्ज्यास्व | मार्ज्यास्म |
| श० | मार्जयिता | मार्जयितारौ | मार्जयितारः |
| | मार्जयितासि | मार्जयितास्थः | मार्जयितास्थ |
| | मार्जयितास्मि | मार्जयितास्वः | मार्जयितास्मः |
| भ० | मार्जयिष्यति | मार्जयिष्यतः | मार्जयिष्यन्ति |
| | मार्जयिष्यसि | मार्जयिष्यथः | मार्जयिष्यथ |
| | मार्जयिष्यामि | मार्जयिष्यावः | मार्जयिष्यामः |
| क्रि० | अमार्जयिष्यत् | अमार्जयिष्यताम् | अमार्जयिष्यन् |
| | अमार्जयिष्यः | अमार्जयिष्यतम् | अमार्जयिष्यत |
| | अमार्जयिष्यम् | अमार्जयिष्याव | अमार्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|--------------------|
| व | मार्जयेते | मार्जयेते | मार्जयन्ते |
| | मार्जयसे | मार्जयेथे | मार्जयध्वे |
| | मार्जये | मार्जयावहे | मार्जयामहे |
| स० | मार्जयेत | मार्जयेयाताम् | मार्जयेरन् |
| | मार्जयेथाः | मार्जयेथायाम् | मार्जयेध्वम् |
| | मार्जयेथ | मार्जयेवहि | मार्जयेमहि |
| प० | मार्जयताम् | मार्जयेताम् | मार्जयन्ताम् |
| | मार्जयिष्व | मार्जयेथाम् | मार्जयध्वम् |
| | मार्जयै | मार्जयावहे | मार्जयामहे |
| ह्य० | अमार्जयत | अमार्जयेताम् | अमार्जयन्त |
| | अमार्जयथाः | अमार्जयेथाम् | अमार्जयध्वम् |
| | अमार्जये | अमार्जयावहि | अमार्जयामहि |
| अ० | अमीमृजत | अमीमृजेताम् | अमीमृजन्त |
| | अमीमृजथाः | अमीमृजेथाम् | अमीमृजध्वम् |
| | अमीमृजे | अमीमृजावहि | अमीमृजामहि |
| | अममार्जत | अममार्जेताम् | अममार्जन्त इ० |
| प० | मार्जयाञ्चक्रे | मार्जयाञ्चक्रते | मार्जयाञ्चक्रिरे |
| | मार्जयाञ्चक्रे | मार्जयाञ्चक्राथे | मार्जयाञ्चक्रुध्वे |
| | मार्जयाञ्चक्रे | मार्जयाञ्चक्रवहे | मार्जयाञ्चक्रमहे |
| | मार्जयाम्बभूव | । | मार्जयामास |
| आ० | मार्जयिषीष्ट | मार्जयिषीयास्ताम् | मार्जयिषीन् |
| | मार्जयिषीष्टाः | मार्जयिषीयास्थाम् | मार्जयिषीध्वम् |
| | मार्जयिषीय | मार्जयिषीवहि | मार्जयिषीमहि |
| श० | मार्जयिता | मार्जयितारौ | मार्जयितारः |
| | मार्जयितासे | मार्जयितासाथे | मार्जयिताध्वे |
| | मार्जयिताहे | मार्जयितास्वहे | मार्जयितामहे |
| भ० | मार्जयिष्यते | मार्जयिष्येते | मार्जयिष्यन्ते |
| | मार्जयिष्यसे | मार्जयिष्येथे | मार्जयिष्यध्वे |
| | मार्जयिष्ये | मार्जयिष्यावहे | मार्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अमार्जयिष्यत | अमार्जयिष्येताम् | अमार्जयिष्यन्त |
| | अमार्जयिष्यथाः | अमार्जयिष्येथाम् | अमार्जयिष्यध्वम् |
| | अमार्जयिष्ये | अमार्जयिष्यावहि | अमार्जयिष्यामहि |

(१००४)

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते द्वि० धातुर० भागे णिगन्तप्रक्रिया

1098 सस्तुक् (संस्तु) स्वप्ने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | संस्तयति | संस्तयतः | संस्तयन्ति |
| | संस्तयसि | संस्तयथः | संस्तयथ |
| | संस्तयामि | संस्तयावः | संस्तयामः |
| स० | संस्तयेत् | संस्तयेताम् | संस्तयेयुः |
| | संस्तयेः | संस्तयेतम् | संस्तयेत |
| | संस्तयेयम् | संस्तयेव | संस्तयेम |
| प० | संस्तयतु | संस्तयतात् | संस्तयताम् |
| | संस्तय | संस्तयतात् | संस्तयतम् |
| | संस्तयानि | संस्तयाव | संस्तयाम |
| ह्य० | असंस्तयत् | असंस्तयताम् | असंस्तयन् |
| | असंस्तयः | असंस्तयतम् | असंस्तयत |
| | असंस्तयम् | असंस्तयाव | असंस्तयाम |
| अ० | असंसंस्तयत् | असंसंस्तताम् | असंसंस्तन् |
| | असंसंस्तः | असंसंस्ततम् | असंसंस्तत |
| | असंसंस्तम् | असंसंस्ताव | असंसंस्ताम |
| प० | संस्तयाञ्चकार | संस्तयाञ्चक्रुः | संस्तयाञ्चकुः |
| | संस्तयाञ्चकथं | संस्तयाञ्चक्रुः | संस्तयाञ्चक |
| | संस्तयाञ्चकार-चकर | संस्तयाञ्चकृव | संस्तयाञ्चकृम |
| | संस्तयाम्बभूव | । | संस्तयामास |
| आ० | संस्त्यात् | संस्त्यास्ताम् | संस्त्यासुः |
| | संस्त्याः | संस्त्यास्तम् | संस्त्यास्त |
| | संस्त्यासम् | संस्त्यास्व | संस्त्यासम |
| अ० | संस्तयिता | संस्तयितारौ | संस्तयितारः |
| | संस्तयितासि | संस्तयितास्थः | संस्तयितास्थ |
| | संस्तयितास्मि | संस्तयितास्वः | संस्तयितास्मः |
| भ० | संस्तयिष्यति | संस्तयिष्यतः | संस्तयिष्यन्ति |
| | संस्तयिष्यसि | संस्तयिष्यथः | संस्तयिष्यथ |
| | संस्तयिष्यामि | संस्तयिष्यावः | संस्तयिष्यामः |
| क्रि० | असंस्तयिष्यत् | असंस्तयिष्यताम् | असंस्तयिष्यन् |
| | असंस्तयिष्यः | असंस्तयिष्यतम् | असंस्तयिष्यत |
| | असंस्तयिष्यम् | असंस्तयिष्याव | असंस्तयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| ब० | संस्तयेते | संस्तयेते | संस्तयन्ते |
| | संस्तयेते | संस्तयेथे | संस्तयेथ्वे |
| | संस्तये | संस्तयावहे | संस्तयामहे |
| स० | संस्तयेत | संस्तयेयाताम् | संस्तयेरन् |
| | संस्तयेथाः | संस्तयेयाथाम् | संस्तयेथ्वम् |
| | संस्तयेय | संस्तयेवहि | संस्तयेमहि |
| प० | संस्तयताम् | संस्तयेताम् | संस्तयन्ताम् |
| | संस्तयस्व | संस्तयेथाम् | संस्तयथ्वम् |
| | संस्तये | संस्तयावहै | संस्तयामहै |
| ह्य० | असंस्तयत | असंस्तयेताम् | असंस्तयन्त |
| | असंस्तयथाः | असंस्तयेथाम् | असंस्तयथ्वम् |
| | असंस्तये | असंस्तयावहि | असंस्तयामहि |
| अ० | असंसंस्तत | असंसंस्तेताम् | असंसंस्तन्त |
| | असंसंस्तथाः | असंसंस्तेथाम् | असंसंस्तथ्वम् |
| | असंसंस्ते | असंसंस्तावहि | असंसंस्तामहि |
| प० | संस्तयाञ्चक्रे | संस्तयाञ्चक्राते | संस्तयाञ्चक्रिरे |
| | संस्तयाञ्चकृषे | संस्तयाञ्चक्रुथे | संस्तयाञ्चकृष्वे |
| | संस्तयाञ्चक्रे | संस्तयाञ्चकृवहे | संस्तयाञ्चकृमहे |
| | संस्तयाम्बभूव | । | संस्तयामास |
| आ० | संस्तयिषीष्ट | संस्तयिषीष्टाताम् | संस्तयिषीरन् |
| | संस्तयिषीष्टाः | संस्तयिषीष्टाथाम् | संस्तयिषीष्टथ्वम् |
| | संस्तयिषीय | संस्तयिषीवहि | संस्तयिषीमहि |
| अ० | संस्तयिता | संस्तयितारौ | संस्तयितारः |
| | संस्तयितःसे | संस्तयितासथि | संस्तयिताथ्वे |
| | संस्तयिताहे | संस्तयितास्वहे | संस्तयितास्महे |
| भ० | संस्तयिष्यते | संस्तयिष्येते | संस्तयिष्यन्ते |
| | संस्तयिष्यसे | संस्तयिष्येथे | संस्तयिष्येथ्वे |
| | संस्तयिष्ये | संस्तयिष्यावहे | संस्तयिष्यामहे |
| क्रि० | असंस्तयिष्यत | असंस्तयिष्येताम् | असंस्तयिष्यन्त |
| | असंस्तयिष्यथाः | असंस्तयिष्येथाम् | असंस्तयिष्यथ्वम् |
| | असंस्तयिष्ये | असंस्तयिष्यावहि | असंस्तयिष्यामहि |

!! अथ दान्तः !!

1099 विदक् (विद्) ज्ञाने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|-------------------|
| ब० | वेदयति | वेदयतः | वेदयन्ति |
| | वेदयसि | वेदयथः | वेदयथ |
| | वेदयामि | वेदयावः | वेदयामः |
| स० | वेदयेत् | वेदयेताम् | वेदयेयुः |
| | वेदयेः | वेदयेतम् | वेदयेत |
| | वेदयेयम् | वेदयेव | वेदयेम |
| प० | वेदयतु | वेदयतात् | वेदयताम् वेदयन्तु |
| | वेदय | वेदयतात् | वेदयतम् वेदयत |
| | वेदयानि | वेदयाव | वेदयाम |
| ह्य० | अवेदयत् | अवेदयताम् | अवेदयन् |
| | अवेदयः | अवेदयतम् | अवेदयत |
| | अवेदयम् | अवेदयाव | अवेदयाम |
| अ० | अवीविदत् | अवीविदताम् | अवीविदन् |
| | अवीविदः | अवीविदतम् | अवीविदत |
| | अवीविदम् | अवीविदाव | अवीविदाम |
| प० | वेदयाञ्चकार | वेदयाञ्चक्रुः | वेदयाञ्चकुः |
| | वेदयाञ्चकथं | वेदयाञ्चक्रुः | वेदयाञ्चक |
| | वेदयाञ्चकार-चकर | वेदयाञ्चक्रुव | वेदयाञ्चक्रम |
| | वेदयाम्भूव | । | वेदयामास |
| आ० | वेद्यात् | वेद्यास्ताम् | वेद्यासुः |
| | वेद्याः | वेद्यास्तम् | वेद्यास्त |
| | वेद्यासम् | वेद्यास्व | वेद्यास्म |
| श्र० | वेदयिता | वेदयितारौ | वेदयितारः |
| | वेदयितासि | वेदयितास्थः | वेदयितास्थ |
| | वेदयितास्मि | वेदयितास्वः | वेदयितास्मः |
| भ० | वेदयिष्यति | वेदयिष्यतः | वेदयिष्यन्ति |
| | वेदयिष्यसि | वेदयिष्यथः | वेदयिष्यथ |
| | वेदयिष्यामि | वेदयिष्यावः | वेदयिष्यामः |
| क्रि० | अवेदयिष्यत् | अवेदयिष्यताम् | अवेदयिष्यन् |
| | अवेदयिष्यः | अवेदयिष्यतम् | अवेदयिष्यत |
| | अवेदयिष्यम् | अवेदयिष्याव | अवेदयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | वेदयते | वेदयेते | वेदयन्ते |
| | वेदयसे | वेदयेथे | वेदयन्वे |
| | वेदये | वेदयावहे | वेदयामहे |
| स० | वेदयेत | वेदयेयाताम् | वेदयेरन् |
| | वेदयेथाः | वेदयेथाथाम् | वेदयेष्वम् |
| | वेदयेय | वेदयेवहि | वेदयेमहि |
| प० | वेदयताम् | वेदयेताम् | वेदयन्ताम् |
| | वेदयस्व | वेदयेथाम् | वेदयन्वम् |
| | वेदयै | वेदयावहै | वेदयामहै |
| ह्य० | अवेदयत | अवेदयेताम् | अवेदयन्त |
| | अवेदयथाः | अवेदयेथाम् | अवेदयन्वम् |
| | अवेदये | अवेदयावहि | अवेदयामहि |
| अ० | अवीविदत् | अवीविदेताम् | अवीविदन्त |
| | अवीविदथाः | अवीविदेथाम् | अवीविदन्वम् |
| | अवीविदे | अवीविदावहि | अवीविदामहि |
| प० | वेदयाञ्चके | वेदयाञ्चक्राते | वेदयाञ्चकिरे |
| | वेदयाञ्चकृषे | वेदयाञ्चक्राथे | वेदयाञ्चकृद्वे |
| | वेदयाञ्चके | वेदयाञ्चकृवहे | वेदयाञ्चक्रमहे |
| | वेदयाम्भूव | । | वेदयामास |
| आ० | वेदयिषीष्ट | वेदयिषीयास्ताम् | वेदयिषीरन् |
| | वेदयिषीष्टाः | वेदयिषीयास्थाम् | वेदयिषीह्वम् |
| | | | ध्यम् |
| | वेदयिषीय | वेदयिषीवहि | वेदयिषीमहि |
| भ० | वेदयिता | वेदयितारौ | वेदयितारः |
| | वेदयितासे | वेदयितासाथे | वेदयितास्वे |
| | वेदयिताहे | वेदयितास्वहे | वेदयितास्महे |
| भ० | वेदयिष्यते | वेदयिष्येते | वेदयिष्यन्ते |
| | वेदयिष्यसे | वेदयिष्येथे | वेदयिष्यन्वे |
| | वेदयिष्ये | वेदयिष्यावहे | वेदयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेदयिष्यत | अवेदयिष्येताम् | अवेदयिष्यन्त |
| | अवेदयिष्यथाः | अवेदयिष्येथाम् | अवेदयिष्यन्वम् |
| | अवेदयिष्ये | अवेदयिष्यावहि | अवेदयिष्यामहि |

॥ अथ शान्तः ॥

११०१ वशक् (वश्) कान्तौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | वाशयति | वाशयतः | वाशयन्ति |
| | वाशयसि | वाशयथः | वाशयथ |
| | वाशयामि | वाशयावः | वाशयामः |
| स० | वाशयेत् | वाशयेताम् | वाशयेयुः |
| | वाशयेः | वाशयेतम् | वाशयेत |
| | वाशयेयम् | वाशयेव | वाशयेम |
| प० | वाशयतु | वाशयतात् | वाशयन्तु |
| | वाशय | वाशयतात् | वाशयतम् |
| | वाशयानि | वाशयाव | वाशयाम |
| ह्य० | अवाशयत् | अवाशयताम् | अवाशयन् |
| | अवाशयः | अवाशयतम् | अवाशयत |
| | अवाशयम् | अवाशयाव | अवाशयाम |
| अ० | अवीवशत् | अवीवशताम् | अवीवशन् |
| | अवीवशः | अवीवशतम् | अवीवशत |
| | अवीवशम् | अवीवशाव | अवीवशाम |
| प० | वाशयाञ्चकार | वाशयाञ्चक्रुः | वाशयाञ्चकुः |
| | वाशयाञ्चकथं | वाशयाञ्चकथुः | वाशयाञ्चक्र |
| | वाशयाञ्चकार-चकर | वाशयाञ्चकृव | वाशयाञ्चकृम |
| | वाशयाम्बभूव | वाशयामास | |
| आ० | वाश्यात् | वाश्यास्तम् | वाश्यासुः |
| | वाश्याः | वाश्यास्तम् | वाश्यास्त |
| | वाश्यासम् | वाश्यास्व | वाश्यास्म |
| श्र० | वाशयिता | वाशयितारौ | वाशयितारः |
| | वाशयितासि | वाशयितास्थः | वाशयितास्थ |
| | वाशयितास्मि | वाशयितास्वः | वाशयितास्मः |
| भ० | वाशयिष्यति | वाशयिष्यतः | वाशयिष्यन्ति |
| | वाशयिष्यसि | वाशयिष्यथः | वाशयिष्यथ |
| | वाशयिष्यामि | वाशयिष्यावः | वाशयिष्यामः |
| क्रि० | अवाशयिष्यत् | अवाशयिष्यताम् | अवाशयिष्यन् |
| | अवाशयिष्यः | अवाशयिष्यतम् | अवाशयिष्यत |
| | अवाशयिष्यम् | अवाशयिष्याव | अवाशयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | वाशयते | वाशयेते | वाशयन्ते |
| | वाशयसे | वाशयेथे | वाशयन्वे |
| | वाशये | वाशयावहे | वाशयामहे |
| स० | वाशयेत् | वाशयेयाताम् | वाशयेरन् |
| | वाशयेथाः | वाशयेयाथाम् | वाशयेष्वम् |
| | वाशयेय | वाशयेवहि | वाशयेमहि |
| प० | वाशयताम् | वाशयेताम् | वाशयन्ताम् |
| | वाशयस्व | वाशयेथाम् | वाशयेष्वम् |
| | वाशये | वाशयावहे | वाशयामहे |
| ह्य० | अवाशयत | अवाशयेताम् | अवाशयन्त |
| | अवाशयथाः | अवाशयेथाम् | अवाशयेष्वम् |
| | अवाशये | अवाशयावहि | अवाशयामहि |
| अ० | अवीवशत | अवीवशेताम् | अवीवशन्त |
| | अवीवशथाः | अवीवशेथाम् | अवीवशेष्वम् |
| | अवीवशे | अवीवशावहि | अवीवशामहि |
| प० | वाशयाञ्चक्रे | वाशयाञ्चकाते | वाशयाञ्चकिरे |
| | वाशयाञ्चकृषे | वाशयाञ्चक्राथे | वाशयाञ्चकृष्वे |
| | वाशयाञ्चके | वाशयाञ्चकृवहे | वाशयाञ्चकृमहे |
| | वाशयाम्बभूव | वाशयामास | |
| आ० | वाशयिषीष्ट | वाशयिषीयास्ताम् | वाशयिषीरन् |
| | वाशयिषीष्टाः | वाशयिषीयास्थाम् | वाशयिषीद्वम् |
| | वाशयिषीय | वाशयिषीवहि | वाशयिषीमहि |
| श्र० | वाशयिता | वाशयितारौ | वाशयितारः |
| | वाशयितासे | वाशयितासाथे | वाशयिताध्वे |
| | वाशयिताहे | वाशयितास्वहे | वाशयितास्महे |
| भ० | वाशयिष्यते | वाशयिष्येते | वाशयिष्यन्ते |
| | वाशयिष्यसे | वाशयिष्येथे | वाशयिष्यध्वे |
| | वाशयिष्ये | वाशयिष्यावहे | वाशयिष्यामहे |
| क्रि० | अवाशयिष्यत | अवाशयिष्येताम् | अवाशयिष्यन्त |
| | अवाशयिष्यथाः | अवाशयिष्येथाम् | अवाशयिष्येष्वम् |
| | अवाशयिष्ये | अवाशयिष्यावहि | अवाशयिष्यामहि |

॥ अथ नान्तः ॥

॥०० हनंकृ (हन्) हिंसागत्योः ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० घातयति | घातयतः | घातयन्ति |
| घातयसि | घातयथः | घातयथ |
| घातयामि | घातयावः | घातयामः |
| स० घातयेत् | घातयेताम् | घातयेयुः |
| घातयेः | घातयेतम् | घातयेत |
| घातयेधम् | घातयेव | घातयेम |
| प० घातयतु | घातयतात् | घातयताम् |
| घातय | घातयतात् | घातयतम् |
| घातयानि | घातयाव | घातयाम |
| अ० अघातयत् | अघातयताम् | अघातयन् |
| अघातयः | अघातयतम् | अघातयत |
| अघातयम् | अघातयाव | अघातयाम |
| अ० अजीघतत् | अजीघतताम् | अजीघतन् |
| अजीघतः | अजीघततम् | अजीघतत |
| अजीघतम् | अजीघताव | अजीघताम |
| प० घातयाञ्चकार | घातयाञ्चक्रुः | घातयाञ्चक्रुः |
| घातयाञ्चकथं | घातयाञ्चकथुः | घातयाञ्चक |
| घातयाञ्चकर-चकर | घातयाञ्चकृव | घातयाञ्चकृम |
| घातयाम्भूव | घातयामास | |
| आ० घात्यात् | घात्यास्ताम् | घात्यासुः |
| घात्याः | घात्यास्तम् | घात्यास्त |
| घातयसम् | घात्यास्व | घात्यास्म |
| अ० घातयिता | घातयितारौ | घातयितारः |
| घातयितासि | घातयितास्थः | घातयितास्थ |
| घातयितास्मि | घातयितास्वः | घातयितास्म |
| अ० घातयिष्यति | घातयिष्यतः | घातयिष्यन्ति |
| घातयिष्यसि | घातयिष्यथः | घातयिष्यथ |
| घातयिष्यामि | घातयिष्यावः | घातयिष्यामः |
| क्रि० अघातयिष्यत् | अघातयिष्यताम् | अघातयिष्यन् |
| अघातयिष्यः | अघातयिष्यतम् | अघातयिष्यत |
| अघातयिष्यम् | अघातयिष्याव | अघातयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० घातयते | घातयेते | घातयन्ते |
| घातयसे | घातयेथे | घातयन्वे |
| घातये | घातयावहे | घातयामहे |
| स० घातयेत | घातयेयाताम् | घातयेरन् |
| घातयेथाः | घातयेयाथाम् | घातयेध्वम् |
| घातयेय | घातयेवहि | घातयेमहि |
| प० घातयताम् | घातयेताम् | घातयन्ताम् |
| घातयस्व | घातयेथाम् | घातयध्वम् |
| घातये | घातयावहे | घातयामहे |
| अ० अघातयत | अघातयेताम् | अघातयन्त |
| अघातयथाः | अघातयेथाम् | अघातयध्वम् |
| अघातये | अघातयावहि | अघातयामहि |
| अ० अजीघतत | अजीघतेताम् | अजीघतन्त |
| अजीघतथाः | अजीघतेथाम् | अजीघतध्वम् |
| अजीघते | अजीघतावहि | अजीघतामहि |
| प० घातयाञ्चके | घातयाञ्चकते | घातयाञ्चकिरे |
| घातयाञ्चकृषे | घातयाञ्चकृषे | घातयाञ्चकृद्वे |
| घातयाञ्चके | घातयाञ्चकृवहे | घातयाञ्चकृमहे |
| घातयाञ्चभूव | घातयामास | |
| आ० घातयिषीष्ट | घातयिषीयास्ताम् | घातयिषीरन् |
| घातयिषीष्टाः | घातयिषीयास्थाम् | घातयिषीद्वम् |
| घातयिषीय | घातयिषीवहि | घातयिषीमहि |
| अ० घातयिता | घातयितारौ | घातयितारः |
| घातयितासे | घातयितास्थे | घातयिताध्वे |
| घातयिताहे | घातयितस्वहे | घातयितास्महे |
| अ० घातयिष्यते | घातयिष्येते | घातयिष्यन्ते |
| घातयिष्यमे | घातयिष्येथे | घातयिष्यध्वे |
| घातयिष्ये | घातयिष्यावहे | घातयिष्यामहे |
| क्रि० अघातयिष्यत | अघातयिष्येताम् | अघातयिष्यन्त |
| अघातयिष्यथाः | अघातयिष्येथाम् | अघातयिष्यध्वम् |
| अघातयिष्ये | अघातयिष्यावहि | अघातयिष्यामहि |

॥ अथ सान्तौ ॥

॥१०३॥ षसक् (सस्) स्वप्ने ।

| | | | |
|-------|-------------------|---------------|--------------|
| व० | सास्यति | सासयतः | सासयन्ति |
| | सासयसि | सासयथः | सासयथ |
| | सासयामि | सासयावः | सासयामः |
| स० | सासयेत् | सासयेताम् | सासयेयुः |
| | सासयेः | सासयेतम् | सासयेत |
| | सासयेयम् | सासयेव | सासयेम |
| प० | सासयतु | सासयतात् | सासयताम् |
| | सासय | सासयतात् | सासयतम् |
| | सासयानि | सासयाव | सासयाम |
| ह्य० | असासयत् | असासयताम् | असासयन् |
| | असासयः | असासयतम् | असासयत |
| | असासयम् | असासयाव | असासयाम |
| अ० | असीषसत् | असीषसताम् | असीषसन् |
| | असीषसः | असीषसतम् | असीषसत |
| | असीषसम् | असीषसाव | असीषसाम |
| प० | सासयाञ्चकार | सासयाञ्चक्रुः | सासयाञ्चकुः |
| | सासयाञ्चकथं | सासयाञ्चकथुः | सासयाञ्चक |
| | सासयाञ्चकार-न्वकर | सासयाञ्चकृव | सासयाञ्चकृम |
| | सासयाम्बभूव | । | सासयामास |
| आ० | सास्यात् | सास्यास्ताम् | सास्यासुः |
| | सास्याः | सास्यास्तम् | सास्यास्त |
| | सास्यासम् | सास्यास्व | सास्यास्म |
| श० | सासयिता | सासयितारौ | सासयितारः |
| | सासयितासि | सासयितास्थः | सासयितास्थ |
| | सासयितास्मि | सासयितास्वः | सासयितास्मः |
| भ० | सासयिष्यति | सासयिष्यतः | सासयिष्यन्ति |
| | सासयिष्यसि | सासयिष्यथः | सासयिष्यथ |
| | सासयिष्यामि | सासयिष्यावः | सासयिष्यामः |
| क्रि० | असासयिष्यत् | असासयिष्यताम् | असासयिष्यन् |
| | असासयिष्यः | असासयिष्यतम् | असासयिष्यत |
| | असासयिष्यम् | असासयिष्याव | असासयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| व० | सासयते | सासयेते | सासयन्ते |
| | सासयसे | सासयेथे | सासयन्वे |
| | सासये | सासयावहे | सासयामहे |
| स० | सासयेत | सासयेयाताम् | सासयेरन् |
| | सासयेथाः | सासयेयाथाम् | सासयेचम् |
| | सासयेय | सासयेवहि | सासयेमहि |
| प० | सासयताम् | सासयेताम् | सासयन्ताम् |
| | सासयस्व | सासयेथाम् | सासयचम् |
| | सासयै | सासयावहे | सासयामहे |
| ह्य० | असासयत | असासयेताम् | असासयन्त |
| | असासयथाः | असासयेथाम् | असासयचम् |
| | असासये | असासयावहि | असासयामहि |
| अ० | असीषसत | असीषसेताम् | असीषसन्त |
| | असीषसथाः | असीषसेथाम् | असीषसचम् |
| | असीषसे | असीषसावहि | असीषसामहि |
| प० | सासयाञ्चक्रे | सासयाञ्चक्राते | सासयाञ्चक्रिरे |
| | सासयाञ्चकृषे | सासयाञ्चक्राथे | सासयाञ्चकृद्वे |
| | सासयाञ्चक्रे | सासयाञ्चकृवहे | सासयाञ्चकृमहे |
| | सासयाम्बभूव | । | सासयामास |
| आ० | सासयिषीष्ट | सासयिषीस्ताम् | सासयिषीरन् |
| | सासयिषीष्टाः | सासयिषीथां | सासयिषीद्वचम् |
| | सासयिषीय | सासयिषीवहि | सासयिषीमहि |
| श० | सासयिता | सासयितारौ | सासयितारः |
| | सासयितासे | सासयितासथे | सासयितास्वे |
| | सासयिताहे | सासयितास्वहे | सासयितास्महे |
| भ० | सासयिष्यते | सासयिष्येते | सासयिष्यन्ते |
| | सासयिष्यसे | सासयिष्येथे | सासयिष्यन्वे |
| | सासयिष्ये | सासयिष्यावहे | सासयिष्यामहे |
| क्रि० | असासयिष्यत | असासयिष्येताम् | असासयिष्यन्त |
| | असासयिष्यथाः | असासयिष्येथाम् | असासयिष्यचम् |
| | असासयिष्ये | असासयिष्यावहि | असासयिष्यामहि |

॥ अथ इदन्तः ॥

1104 ईङ्क् (इ) अध्ययने । चल्याहारा-
र्थे ङ इति परस्मैपदम् ।

| | | | |
|-------|---------------------|------------------|------------------|
| व० | अध्यापयति | अध्यापयतः | अध्यापयन्ति |
| | अध्यापयसि | अध्यापयथः | अध्यापयथ |
| | अध्यापयामि | अध्यापयावः | अध्यापयामः |
| स० | अध्यापयेत् | अध्यापयेताम् | अध्यापयेयुः |
| | अध्यापयेः | अध्यापयेतम् | अध्यापयेत |
| | अध्यापयेयम् | अध्यापयेव | अध्यापयेम |
| प० | अध्यापयतु | अध्यापयतात् | अध्यापयताम् |
| | अध्यापय | अध्यापयतात् | अध्यापयतम् |
| | अध्यापयानि | अध्यापयाव | अध्यापयाम |
| ह्य० | अध्यापयत् | अध्यापयताम् | अध्यापयन् |
| | अध्यापयः | अध्यापयतम् | अध्यापयत |
| | अध्यापयम् | अध्यापयाव | अध्यापयाम |
| अ० | अध्यजीगपत् | अध्यजीगपताम् | अध्यजीगपन् |
| | अध्यजीगपः | अध्यजीगपतम् | अध्यजीगपत |
| | अध्यजीगपम् | अध्यजीगपाव | अध्यजीगपाम |
| | अध्यापिपत् | अध्यापिपताम् | अध्यापिपन् इ० |
| प० | अध्यापयाञ्चकार | अध्यापयाञ्चक्रुः | अध्यापयाञ्चकुः |
| | अध्यापयाञ्चकथं | अध्यापयाञ्चक्रुः | अध्यापयाञ्चक्रुः |
| | अध्यापयाञ्चकार-चक्र | अध्यापयाञ्चक्रुव | अध्यापयाञ्चक्रुम |
| | अध्यापयाम्बभूव | अध्यापयामास | |
| आ० | अध्याप्यात् | अध्याप्यास्ताम् | अध्याप्यासुः |
| | अध्याप्याः | अध्याप्यास्तम् | अध्याप्यास्त |
| | अध्याप्यासम् | अध्याप्यास्व | अध्याप्यास्म |
| श्व० | अध्यापयिता | अध्यापयितारौ | अध्यापयितारः |
| | अध्यापयितासि | अध्यापयितास्थः | अध्यापयितास्थ |
| | अध्यापयितास्मि | अध्यापयितास्वः | अध्यापयितास्मः |
| म० | अध्यापयिष्यति | अध्यापयिष्यतः | अध्यापयिष्यन्ति |
| | अध्यापयिष्यसि | अध्यापयिष्यथः | अध्यापयिष्यथ |
| | अध्यापयिष्यामि | अध्यापयिष्यावः | अध्यापयिष्यामः |
| क्रि० | अध्यापयिष्यत् | अध्यापयिष्यताम् | अध्यापयिष्यन् |
| | अध्यापयिष्यः | अध्यापयिष्यतम् | अध्यापयिष्यत |
| | अध्यापयिष्यम् | अध्यापयिष्याव | अध्यापयिष्याम |

॥ अथ ईदन्तः ॥

1105 शीङ्क् (शी) स्वप्ने ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | शाययति | शाययतः | शाययन्ति |
| | शाययसि | शाययथः | शाययथ |
| | शाययामि | शाययावः | शाययामः |
| स० | शाययेत् | शाययेताम् | शाययेयुः |
| | शाययेः | शाययेतम् | शाययेत |
| | शाययेयम् | शाययेव | शाययेम |
| प० | शाययतु | शाययतात् | शाययताम् |
| | शायय | शाययतात् | शाययतम् |
| | शाययानि | शाययाव | शाययाम |
| ह्य० | अशाययत् | अशाययताम् | अशाययन् |
| | अशाययः | अशाययतम् | अशाययत |
| | अशाययम् | अशाययाव | अशाययाम |
| अ० | अशीशयत् | अशीशयताम् | अशीशयन् |
| | अशीशयः | अशीशयतम् | अशीशयत |
| | अशीशयम् | अशीशयाव | अशीशयाम |
| प० | शाययाञ्चकार | शाययाञ्चक्रुः | शाययाञ्चकुः |
| | शाययाञ्चकथं | शाययाञ्चक्रुः | शाययाञ्चक्रुः |
| | शाययाञ्चकार-चक्र | शाययाञ्चक्रुव | शाययाञ्चक्रुम |
| | शाययाम्बभूव | शाययामास | |
| आ० | शाय्यात् | शाय्यास्ताम् | शाय्यासुः |
| | शाय्याः | शाय्यास्तम् | शाय्यास्त |
| | शाय्यासम् | शाय्यास्व | शाय्यास्म |
| श्व० | शाययिता | शाययितारौ | शाययितारः |
| | शाययितासि | शाययितास्थः | शाययितास्थ |
| | शाययितास्मि | शाययितास्वः | शाययितास्मः |
| म० | शाययिष्यति | शाययिष्यतः | शाययिष्यन्ति |
| | शाययिष्यसि | शाययिष्यथः | शाययिष्यथ |
| | शाययिष्यामि | शाययिष्यावः | शाययिष्यामः |
| क्रि० | अशाययिष्यत् | अशाययिष्यताम् | अशाययिष्यन् |
| | अशाययिष्यः | अशाययिष्यतम् | अशाययिष्यत |
| | अशाययिष्यम् | अशाययिष्याव | अशाययिष्याम |

॥ अथ उदन्तः ॥

1106 ह्नुङ्क् (ह्नु) अपनयने ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|----------------|
| व० | ह्नावयति | ह्नावयतः | ह्नावयन्ति |
| | ह्नावयसि | ह्नावयथः | ह्नावयथ |
| | ह्नावयामि | ह्नावयावः | ह्नावयामः |
| स० | ह्नावयेत् | ह्नावयेताम् | ह्नावयेयुः |
| | ह्नावयेः | ह्नावयेतम् | ह्नावयेत |
| | ह्नावयेयम् | ह्नावयेव | ह्नावयेम |
| प० | ह्नावयतु | ह्नावयतात् | ह्नावयताम् |
| | ह्नावय | ह्नावयतात् | ह्नावयतम् |
| | ह्नावयानि | ह्नावयाव | ह्नावयाम |
| ह्य० | अह्नावयत् | अह्नावयताम् | अह्नावयन् |
| | अह्नावयः | अह्नावयतम् | अह्नावयत |
| | अह्नावयम् | अह्नावयाव | अह्नावयाम |
| अ० | अजुह्वयत् | अजुह्वयताम् | अजुह्वयन् |
| | अजुह्वयः | अजुह्वयतम् | अजुह्वयत |
| | अजुह्वयम् | अजुह्वयाव | अजुह्वयाम |
| प० | ह्नावयाश्चकार | ह्नावयाश्चक्रुः | ह्नावयाश्चकुः |
| | ह्नावयाश्चकथे | ह्नावयाश्चक्रथुः | ह्नावयाश्चक्र |
| | ह्नावयाश्चकार-चकर | ह्नावयाश्चकृव | ह्नावयाश्चकृम |
| | ह्नावयाम्बभूव | ह्नावयामास | |
| आ० | ह्नाव्यात् | ह्नाव्यास्ताम् | ह्नाव्यासुः |
| | ह्नाव्याः | ह्नाव्यास्तम् | ह्नाव्यास्त |
| | ह्नाव्यासम् | ह्नाव्यास्व | ह्नाव्यास्म |
| श० | ह्नावयिता | ह्नावयितारौ | ह्नावयितारः |
| | ह्नावयितासि | ह्नावयितास्थः | ह्नावयितास्थ |
| | ह्नावयितास्मि | ह्नावयितास्वः | ह्नावयितास्मः |
| भ० | ह्नावयिष्यति | ह्नावयिष्यतः | ह्नावयिष्यन्ति |
| | ह्नावयिष्यसि | ह्नावयिष्यथः | ह्नावयिष्यथ |
| | ह्नावयिष्यामि | ह्नावयिष्यावः | ह्नावयिष्यामः |
| क्रि० | अह्नावयिष्यत् | अह्नावयिष्यताम् | अह्नावयिष्यन् |
| | अह्नावयिष्यः | अह्नावयिष्यतम् | अह्नावयिष्यत |
| | अह्नावयिष्यम् | अह्नावयिष्याव | अह्नावयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|-------------------|--------------------|
| व० | ह्नावयते | ह्नावयेते | ह्नावयन्ते |
| | ह्नावयसे | ह्नावयेथे | ह्नावयन्वे |
| | ह्नावये | ह्नावयावहे | ह्नावयामहे |
| स० | ह्नावयंत | ह्नावयेयाताम् | ह्नावयेरन् |
| | ह्नावयेथाः | ह्नावयेयाभम् | ह्नावयेध्वम् |
| | ह्नावयेय | ह्नावयेवहि | ह्नावयेमहि |
| प० | ह्नावयताम् | ह्नावयेताम् | ह्नावयन्ताम् |
| | ह्नावयस्व | ह्नावयेथाम् | ह्नावयध्वम् |
| | ह्नावये | ह्नावयावहे | ह्नावयामहे |
| ह्य० | अह्नावयत | अह्नावयेताम् | अह्नावयन्त |
| | अह्नावयथाः | अह्नावयेथाम् | अह्नावयध्वम् |
| | अह्नावये | अह्नावयावहि | अह्नावयामहि |
| अ० | अजुह्वयत | अजुह्वयेताम् | अजुह्वयन्त |
| | अजुह्वयथाः | अजुह्वयेथाम् | अजुह्वयध्वम् |
| | अजुह्वये | अजुह्वयावहि | अजुह्वयामहि |
| ग० | ह्नावयाश्चक्रे | ह्नावयाश्चक्राते | ह्नावयाश्चक्रिरे |
| | ह्नावयाश्चक्रथे | ह्नावयाश्चक्रथे | ह्नावयाश्चक्रुद्वे |
| | ह्नावयाश्चक्रे | ह्नावयाश्चक्रुवहे | ह्नावयाश्चक्रुमहे |
| | ह्नावयाम्बभूव | ह्नावयामास | |
| आ० | ह्नावयिषीष्ट | ह्नावयिषीयास्ताम् | ह्नावयिषीरन् |
| | ह्नावयिषीष्टाः | ह्नावयिषीयास्थाम् | ह्नावयिषीद्वम् |
| | ह्नावयिषीय | ह्नावयिषीवहि | ह्नावयिषीमहि |
| श्व० | ह्नावयिता | ह्नावयितारौ | ह्नावयितारः |
| | ह्नावयितासे | ह्नावयितासाथे | ह्नावयिताध्वे |
| | ह्नावयिताहे | ह्नावयितास्वहे | ह्नावयितामहे |
| भ० | ह्नावयिष्यते | ह्नावयिष्येते | ह्नावयिष्यन्ते |
| | ह्नावयिष्यसे | ह्नावयिष्येथे | ह्नावयिष्यध्वे |
| | ह्नावयिष्ये | ह्नावयिष्यावहे | ह्नावयिष्यामहे |
| क्रि० | अह्नावयिष्यत | अह्नावयिष्येताम् | अह्नावयिष्यन्त |
| | अह्नावयिष्यथाः | अह्नावयिष्येथाम् | अह्नावयिष्यध्वम् |
| | अह्नावयिष्ये | अह्नावयिष्यावहि | अह्नावयिष्यामहि |

1107 षूडौक् (सू) प्राणिगर्भविमोचने । 1078

षुक्वृत्पाणि

॥ अथ चान्तः ॥

1108 पचैङ् (पृच्) संपर्चने

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| ब० पचयति | पचयतः | पचयन्ति |
| पचयसि | पचयथः | पचयथ |
| पचयामि | पचयावः | पचयामः |
| स० पचयेत् | पचयेताम् | पचयेयुः |
| पचयेः | पचयेतम् | पचयेत |
| पचयेयम् | गचयेव | पचयेम |
| प० पचयतु | पचयतात् | पचयताम् |
| पचय | पचयतात् | पचयत |
| पचयानि | पचयाव | पचयाम |
| ह्य० अपचयत् | अपचयताम् | अपचयन् |
| अपचयः | अपचयतम् | अपचयत |
| अपचयम् | अपचयाव | अपचयाम |
| अ० अपीपृचत् | अपीपृचताम् | अपीपृचन् |
| अपीपृचः | अपीपृचतम् | अपीपृचत |
| अपीपृचम् | अपीपृचाव | अपीपृचाम |
| अपपचन् | अपपचताम् | अपपचन् इ० |
| प० पचयाञ्चकार | पचयाञ्चक्रुः | पचयाञ्चक्रुः |
| पचयाञ्चकथ | पचयाञ्चक्रुः | पचयाञ्चक्र |
| पचयाञ्चकथ-चकर | पचयाञ्चक्रुः | पचयाञ्चक्रुम |
| पचयाम्भूव | । | पचयामास |
| उ० पच्यतात् | पच्यतास्त | पच्यतासुः |
| पच्यताः | पच्यतास्तम् | पच्यतास्त |
| पच्यताम् | पच्यतास्व | पच्यतास्म |
| अ० पचयिता | पचयितारो | पचयितारः |
| पचयितासि | पचयितस्थः | पचयितास्थ |
| पचयितास्मि | पचयितासः | पचयितास्मः |
| अ० पचयिष्यति | पचयिष्यतः | पचयिष्यन्ति |
| पचयिष्यसि | पचयिष्यथः | पचयिष्यथ |
| पचयिष्यामि | पचयिष्यावः | पचयिष्यामः |
| क्रि० अपचयिष्यत् | अपचयिष्यताम् | अपचयिष्यन् |
| अपचयिष्यः | अपचयिष्यतम् | अपचयिष्यत |
| अपचयिष्यम् | अपचयिष्याव | अपचयिष्याम |

| | | |
|-----------------|-----------------|-----------------|
| ब० पचयते | पचयेते | पचयन्ते |
| पचयसे | पचयेथे | पचयथ्वे |
| पचये | पचयावहे | पचयामहे |
| स० पचयेत | पचयेयाताम् | पचयेरन् |
| पचयेथाः | पचयेयाथाम् | पचयेध्वम् |
| पचयेथ | पचयेवहि | पचयेमहि |
| प० पचयेताम् | पचयेताम् | पचयन्ताम् |
| पचयेस्व | पचयेथाम् | पचयध्वम् |
| पचये | पचयावहे | पचयामहे |
| ह्य० अपचयत | अपचयेताम् | अपचयन्त |
| अपचयथाः | अपचयेथाम् | अपचयध्वम् |
| अपचये | अपचयेवहि | अपचयेमहि |
| अ० अपीपृचत | अपीपृचेताम् | अपीपृचन्त |
| अपीपृचथाः | अपीपृचेथाम् | अपीपृचध्वम् |
| अपीपृचे | अपीपृचेवहि | अपीपृचेमहि |
| अपपचत | अपपचेताम् | अपपचन्त इ० |
| प० पचयाञ्चक्रे | पचयाञ्चकाते | पचयाञ्चक्रिरे |
| पचयाञ्चकृषे | पचयाञ्चक्राथे | पचयाञ्चक्रुव्वे |
| पचयाञ्चक्रे | पचयाञ्चक्रुव्वे | पचयाञ्चक्रुमहे |
| पचयाम्भूव | । | पचयामास |
| आ० पचयिषीष्ट | पचयिषीयास्ताम् | पचयिषीरन् |
| पचयिषीष्ठाः | पचयिषीयास्थाम् | पचयिषीध्वम् |
| पचयिषीय | पचयिषीवहि | पचयिषीमहि |
| अ० पचयिता | पचयितारो | पचयितारः |
| पचयितासे | पचयितासाथे | पचयिताथ्वे |
| पचयिताहे | पचयितास्वहे | पचयितास्महे |
| अ० पचयिष्यते | पचयिष्येते | पचयिष्यन्ते |
| पचयिष्यसे | पचयिष्येथे | पचयिष्यथ्वे |
| पचयिष्ये | पचयिष्यावहे | पचयिष्यामहे |
| क्रि० अपचयिष्यत | अपचयिष्येताम् | अपचयिष्यन्त |
| अपचयिष्यथाः | अपचयिष्येथाम् | अपचयिष्यध्वम् |
| अपचयिष्ये | अपचयिष्येवहि | अपचयिष्येमहि |

॥ अथ जान्ताः पञ्च ॥

1109 पृजुङ् (पृज्) संपर्चने

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| ब० | पृज्जयति | पृज्जयतः | पृज्जयन्ति |
| | पृज्जयसि | पृज्जयथः | पृज्जयथ |
| | पृज्जयामि | पृज्जयावः | पृज्जयामः |
| स० | पृज्जयेत् | पृज्जयेताम् | पृज्जयेयुः |
| | पृज्जयेः | पृज्जयेतम् | ज्जयेत |
| | पृज्जयेयम् | पृज्जयेव | पृज्जयेम |
| प० | पृज्जयतु | पृज्जयतात् | पृज्जयताम् |
| | पृज्जय | पृज्जयतात् | पृज्जयेतम् |
| | पृज्जयानि | पृज्जयाव | पृज्जयाम |
| ह्य० | अपृज्जयत् | अपृज्जयताम् | अपृज्जयन् |
| | अपृज्जयः | अपृज्जयतम् | अपृज्जयत |
| | अपृज्जयम् | अपृज्जयाव | अपृज्जयाम |
| अ० | अपृज्जत् | अपृज्जताम् | अपृज्जन् |
| | अपृज्जः | अपृज्जतम् | अपृज्जत |
| | अपृज्जम् | अपृज्जाव | अपृज्जाम |
| प० | पृज्जयाश्चकार | पृज्जयाश्चक्रुः | पृज्जयाश्चकुः |
| | पृज्जयाश्चकथं | पृज्जयाश्चक्रुः | पृज्जयाश्चक्रुः |
| | पृज्जयाश्चकार-चक्र | पृज्जयाश्चक्रुव | पृज्जयाश्चक्रुम |
| | पृज्जयाम्बभूव | । | पृज्जयामास |
| आ० | पृज्ज्यात् | पृज्ज्यास्ताम् | पृज्ज्यासुः |
| | पृज्ज्याः | पृज्ज्यास्तम् | पृज्ज्यास्त |
| | पृज्ज्यासम् | पृज्ज्यास्व | पृज्ज्यास्म |
| श्च० | पृज्जयिता | पृज्जयितारौ | पृज्जयितारः |
| | पृज्जयितासि | पृज्जयितास्थः | पृज्जयितास्थ |
| | पृज्जयितास्मि | पृज्जयितास्वः | पृज्जयितास्मः |
| भ० | पृज्जयिष्यति | पृज्जयिष्यतः | पृज्जयिष्यन्ति |
| | पृज्जयिष्यसि | पृज्जयिष्यथः | पृज्जयिष्यथ |
| | पृज्जयिष्यामि | पृज्जयिष्यावः | पृज्जयिष्यामः |
| क्रि० | अपृज्जयिष्यत् | अपृज्जयिष्यताम् | अपृज्जयिष्यन् |
| | अपृज्जयिष्यः | अपृज्जयिष्यतम् | अपृज्जयिष्यत |
| | अपृज्जयिष्यम् | अपृज्जयिष्याव | अपृज्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| ब० | पृज्जयते | पृज्जयते | पृज्जयन्ते |
| | पृज्जयसे | पृज्जयेथे | पृज्जयध्वे |
| | पृज्जये | पृज्जयावः | पृज्जयामहे |
| स० | पृज्जयेत | पृज्जयेयाताम् | पृज्जयेरन् |
| | पृज्जयेथाः | पृज्जयेयाथाम् | पृज्जयेध्वम् |
| | पृज्जयेय | पृज्जयेवहि | पृज्जयेमहि |
| प० | पृज्जयताम् | पृज्जयेताम् | पृज्जयन्ताम् |
| | पृज्जयस्व | पृज्जयेथाम् | पृज्जयध्वम् |
| | पृज्जये | पृज्जयावहे | पृज्जयामहे |
| ह्य० | अपृज्जयत | अपृज्जयेताम् | अपृज्जयन्त |
| | अपृज्जयथाः | अपृज्जयेथाम् | अपृज्जयध्वम् |
| | अपृज्जये | अपृज्जयावहि | अपृज्जयामहि |
| अ० | अपृज्जत | अपृज्जेताम् | अपृज्जन्त |
| | अपृज्जथाः | अपृज्जेथाम् | अपृज्जध्वम् |
| | अपृज्जे | अपृज्जावहि | अपृज्जामहि |
| प० | पृज्जयाश्चके | पृज्जयाश्चक्रते | पृज्जयाश्चकिरे |
| | पृज्जयाश्चकृषे | पृज्जयाश्चक्रथे | पृज्जयाश्चकृध्वे |
| | पृज्जयाश्चके | पृज्जयाश्चकृवहे | पृज्जयाश्चकृमहे |
| | पृज्जयाम्बभूव | । | पृज्जयामास |
| आ० | पृज्जयिषीष्ट | पृज्जयिषीस्ताम् | पृज्जयिषीरन् |
| | पृज्जयिषीष्ठाः | ज्जयिषीयास्ताम् | पृज्जयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | पृज्जयिषीय | पृज्जयिषीवहि | पृज्जयिषीमहि |
| श्च० | पृज्जयिता | पृज्जयितारौ | पृज्जयितारः |
| | पृज्जयितासे | पृज्जयितासाथे | पृज्जयिताध्वे |
| | पृज्जयिताहे | पृज्जयितास्वहे | पृज्जयितास्महे |
| भ० | पृज्जयिष्यते | पृज्जयिष्येते | पृज्जयिष्यन्ते |
| | पृज्जयिष्यसे | पृज्जयिष्येथे | पृज्जयिष्यध्वे |
| | पृज्जयिष्ये | पृज्जयिष्यावहे | पृज्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अपृज्जयिष्यत | अपृज्जयिष्येताम् | अपृज्जयिष्यन्त |
| | अपृज्जयिष्यथाः | अपृज्जयिष्येथाम् | अपृज्जयिष्यध्वम् |
| | अपृज्जयिष्ये | अपृज्जयिष्यावहि | अपृज्जयिष्यामहि |

१११० पिञ्जुकि (पिञ्ज्) संपर्चने

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| ब० | पिञ्जयति | पिञ्जयतः | पिञ्जयन्ति |
| | पिञ्जयसि | पिञ्जयथः | पिञ्जयथ |
| | पिञ्जयामि | पिञ्जयावः | पिञ्जयामः |
| स० | पिञ्जयेत् | पिञ्जयेताम् | पिञ्जयेयुः |
| | पिञ्जयेः | पिञ्जयेतम् | पिञ्जयेत |
| | पिञ्जयेयम् | पिञ्जयेव | पिञ्जयेम |
| प० | पिञ्जयतु | पिञ्जयतात् | पिञ्जयताम् |
| | पिञ्जय | पिञ्जयतात् | पिञ्जयतम् |
| | पिञ्जयानि | पिञ्जयाव | पिञ्जयाम |
| ह्य० | अपिञ्जयत् | अपिञ्जताम् | अपिञ्जयन् |
| | अपिञ्जयः | अपिञ्जयतम् | अपिञ्जयत |
| | अपिञ्जयम् | अपिञ्जयाव | अपिञ्जयाम |
| अ० | अपिपिञ्जत् | अपिपिञ्जताम् | अपिपिञ्जन् |
| | अपिपिञ्जः | अपिपिञ्जतम् | अपिपिञ्जत |
| | अपिपिञ्जम् | अपिपिञ्जाव | अपिपिञ्जाम |
| प० | पिञ्जयाश्चकार | पिञ्जयाश्चक्रुः | पिञ्जयाश्चक्रुः |
| | पिञ्जयाश्चकथे | पिञ्जयाश्चक्रथुः | पिञ्जयाश्चक्र |
| | पिञ्जयाश्चकार-चकर | पिञ्जयाश्चक्रुव | पिञ्जयाश्चक्रुम |
| | पिञ्जयाम्बभूव | । | पिञ्जयामास |
| आ० | पिञ्ज्यात् | पिञ्ज्यास्ताम् | पिञ्ज्यासुः |
| | पिञ्ज्याः | पिञ्ज्यास्तम् | पिञ्ज्यास्त |
| | पिञ्ज्यासम् | पिञ्ज्यास्व | पिञ्ज्यास्म |
| श्व० | पिञ्जयिता | पिञ्जयितारौ | पिञ्जयितारः |
| | पिञ्जयितासि | पिञ्जयितास्थः | पिञ्जयितास्थ |
| | पिञ्जयितारिम | पिञ्जयितास्वः | पिञ्जयितास्मः |
| भ० | पिञ्जयिष्यति | पिञ्जयिष्यतः | पिञ्जयिष्यन्ति |
| | पिञ्जयिष्यसि | पिञ्जयिष्यथः | पिञ्जयिष्यथ |
| | पिञ्जयिष्यामि | पिञ्जयिष्यावः | पिञ्जयिष्यामः |
| क्रि० | अपिञ्जयिष्यत् | अपिञ्जयिष्यताम् | अपिञ्जयिष्यन् |
| | अपिञ्जयिष्यः | अपिञ्जयिष्यतम् | अपिञ्जयिष्यत |
| | अपिञ्जयिष्यम् | अपिञ्जयिष्याव | अपिञ्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|--------------------|
| व | पिञ्जयते | पिञ्जयेते | पिञ्जयन्ते |
| | पिञ्जयसे | पिञ्जयेथे | पिञ्जयध्वे |
| | पिञ्जये | पिञ्जयावहे | पिञ्जयामहे |
| स० | पिञ्जयेत | पिञ्जयेयाताम् | पिञ्जयेरन् |
| | पिञ्जयेथाः | पिञ्जयेयाथाम् | पिञ्जयेध्वम् |
| | पिञ्जयेय | पिञ्जयेवहि | पिञ्जयेमहि |
| प० | पिञ्जयताम् | पिञ्जयेताम् | पिञ्जयन्ताम् |
| | पिञ्जयस्व | पिञ्जयेथाम् | पिञ्जयध्वम् |
| | पिञ्जयै | पिञ्जयावहे | पिञ्जयामहे |
| ह्य० | अपिञ्जयत | अपिञ्जयेताम् | अपिञ्जयन्त |
| | अपिञ्जयथाः | अपिञ्जयेथाम् | अपिञ्जयध्वम् |
| | अपिञ्जये | अपिञ्जयावहि | अपिञ्जयामहि |
| अ० | अपिपिञ्जत | अपिपिञ्जेताम् | अपिपिञ्जन्त |
| | अपिपिञ्जथाः | अपिपिञ्जेथाम् | अपिपिञ्जध्वम् |
| | अपिपिञ्जे | अपिपिञ्जावहि | अपिपिञ्जामहि |
| प० | पिञ्जयाश्चक्रे | पिञ्जयाश्चक्राते | पिञ्जयाश्चक्रिरे |
| | पिञ्जयाश्चक्रेषु | पिञ्जयाश्चक्राथे | पिञ्जयाश्चक्रुध्वे |
| | पिञ्जयाश्चक्रे | पिञ्जयाश्चक्रवहे | पिञ्जयाश्चक्रुमहे |
| | पिञ्जयाम्बभूव | । | पिञ्जयामास |
| आ० | पिञ्जयिषीष्ट | पिञ्जयिषीयास्ताम् | पिञ्जयिषीरन् |
| | पिञ्जयिषीष्ठाः | पिञ्जयिषीयास्थाम् | पिञ्जयिषीध्वम् |
| | पिञ्जयिषीय | पिञ्जयिषीवहि | पिञ्जयिषीमहि |
| श्व० | पिञ्जयिता | पिञ्जयितारौ | पिञ्जयितारः |
| | पिञ्जयितासे | पिञ्जयितासाथे | पिञ्जयिताध्वे |
| | पिञ्जयिताहे | पिञ्जयितास्वहे | पिञ्जयितास्महे |
| भ० | पिञ्जयिष्यते | पिञ्जयिष्येते | पिञ्जयिष्यन्ते |
| | पिञ्जयिष्यसे | पिञ्जयिष्येथे | पिञ्जयिष्यध्वे |
| | पिञ्जयिष्ये | पिञ्जयिष्यावहे | पिञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अपिञ्जयिष्यत | अपिञ्जयिष्येताम् | अपिञ्जयिष्यन्त |
| | अपिञ्जयिष्यथाः | अपिञ्जयिष्येथाम् | अपिञ्जयिष्यध्वम् |
| | अपिञ्जयिष्ये | अपिञ्जयिष्यावहि | अपिञ्जयिष्यामहि |

॥॥॥ वृजैकि (वृज्) वर्जने

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| ४० वर्जयति | वर्जयतः | वर्जयन्ति |
| वर्जयसि | वर्जयथः | वर्जयथ |
| वर्जयामि | वर्जयावः | वर्जयामः |
| स० वर्जयेत् | वर्जयेताम् | वर्जयेयुः |
| वर्जयेः | वर्जयेतम् | वर्जयेत |
| वर्जयेयम् | वर्जयेव | वर्जयेम |
| प० वर्जयतु | वर्जयतात् | वर्जयताम् |
| वर्जय | वर्जयतात् | वर्जयतम् |
| वर्जयाणि | वर्जयाव | वर्जयाम |
| १० अवर्जयतु | अवर्जयताम् | अवर्जयन् |
| अवर्जयः | अवर्जयतम् | अवर्जयत |
| अवर्जयम् | अवर्जयाव | अवर्जयाम |
| १० अवीवृजतु | अवीवृजताम् | अवीवृजन् |
| अवीवृजः | अवीवृजतम् | अवीवृजत |
| अवीवृजम् | अवीवृजाव | अवीवृजाम |
| अववर्जतु | अववर्जताम् | अववर्जन् |
| ५० वर्जयाश्चकार | वर्जयाश्चक्रुः | वर्जयाश्चक्रुः |
| वर्जयाश्चकथे | वर्जयाश्चक्रथुः | वर्जयाश्चक्र |
| वर्जयाश्चकार-चकर | वर्जयाश्चक्रव | वर्जयाश्चक्रम |
| वर्जयाम्बभूव | वर्जयामास | |
| आ० वर्ज्यात् | वर्ज्यास्ताम् | वर्ज्यासुः |
| वर्ज्याः | वर्ज्यास्तम् | वर्ज्यास्त |
| वर्ज्यासिम् | वर्ज्यास्व | वर्ज्यास्मि |
| ३० वर्जयिता | वर्जयितारौ | वर्जयितारः |
| वर्जयितासि | वर्जयितासथः | वर्जयितासथ |
| वर्जयितास्मि | वर्जयितास्वः | वर्जयितास्मः |
| ३० वर्जयिष्यति | वर्जयिष्यतः | वर्जयिष्यन्ति |
| वर्जयिष्यसि | वर्जयिष्यथः | वर्जयिष्यथ |
| वर्जयिष्यामि | वर्जयिष्यावः | वर्जयिष्यामः |
| क्रि० अवर्जयिष्यतु | अवर्जयिष्यताम् | अवर्जयिष्यन् |
| अवर्जयिष्यः | अवर्जयिष्यतम् | अवर्जयिष्यत |
| अवर्जयिष्यम् | अवर्जयिष्याव | अवर्जयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| ४० वर्जयेते | वर्जयेते | वर्जयन्ते |
| वर्जयेसे | वर्जयेथे | वर्जयध्वे |
| वर्जये | वर्जयावहे | वर्जयामहे |
| स० वर्जयेत | वर्जयेयाताम् | वर्जयेरन् |
| वर्जयेथाः | वर्जयेयाथाम् | वर्जयेध्वम् |
| वर्जयेथ | वर्जयेवहि | वर्जयेमहि |
| प० वर्जयताम् | वर्जयेताम् | वर्जयन्ताम् |
| वर्जयस्व | वर्जयेथाम् | वर्जयध्वम् |
| वर्जये | वर्जयावहे | वर्जयामहे |
| ४० अवर्जयत | अवर्जयेताम् | अवर्जयन्त |
| अवर्जयथाः | अवर्जयेथाम् | अवर्जयध्वम् |
| अवर्जये | अवर्जयावहि | अवर्जयामहि |
| ४० अवीवृजत | अवीवृजेताम् | अवीवृजन्त |
| अवीवृजथाः | अवीवृजेथाम् | अवीवृजध्वम् |
| अवीवृजे | अवीवृजावहि | अवीवृजामहि |
| अववर्जत | अववर्जेताम् | अववर्जन्त इ० |
| ५० वर्जयाश्चक्रे | वर्जयाश्चक्राते | वर्जयाश्चक्रिरे |
| वर्जयाश्चक्रुषे | वर्जयाश्चक्रथे | वर्जयाश्चक्रुद्वे |
| वर्जयाश्चक्रे | वर्जयाश्चक्रवहे | वर्जयाश्चक्रमहे |
| वर्जयाम्बभूव | वर्जयामास | |
| ३० वर्जयिषीष्ट | वर्जयिषीयास्ताम् | वर्जयिषीरन् |
| वर्जयिषीष्टाः | वर्जयिषीयास्थाम् | वर्जयिषीध्वम् |
| वर्जयिषीय | वर्जयिषीवहि | वर्जयिषीमहि |
| ३० वर्जयिता | वर्जयितारौ | वर्जयितारः |
| वर्जयितासे | वर्जयितासाथे | वर्जयिताध्वे |
| वर्जयिताहे | वर्जयितास्वहे | वर्जयितास्महे |
| ३० वर्जयिष्येते | वर्जयिष्येते | वर्जयिष्यन्ते |
| वर्जयिष्येसे | वर्जयिष्येथे | वर्जयिष्यध्वे |
| वर्जयिष्ये | वर्जयिष्यावहे | वर्जयिष्यामहे |
| क्रि० अवर्जयिष्यत | अवर्जयिष्यताम् | अवर्जयिष्यन्त |
| अवर्जयिष्यथाः | अवर्जयिष्येथाम् | अवर्जयिष्यध्वम् |
| अवर्जयिष्ये | अवर्जयिष्यावहि | अवर्जयिष्यामहि |

1112 णिजुकि (निज्ज) धुदौ ।

| | | | |
|-----|-------------------|------------------|-----------------|
| ६० | निज्जयति | निज्जयतः | निज्जयन्ति |
| | निज्जयसि | निज्जयथः | निज्जयथ |
| | निज्जयामि | निज्जयावः | निज्जयामः |
| ७० | निज्जयेत् | निज्जयेताम् | निज्जयेयुः |
| | निज्जयेः | निज्जयेतम् | निज्जयेत |
| | निज्जयेयम् | निज्जयेव | निज्जयेम |
| ८० | निज्जयतु | निज्जयतात् | निज्जयताम् |
| | निज्जयन्तु | निज्जयन्तात् | निज्जयन्ताम् |
| | निज्जयानि | निज्जयाव | निज्जयाम |
| ९० | अनिज्जयत् | अनिज्जयताम् | अनिज्जयन्तु |
| | अनिज्जयः | अनिज्जयतम् | अनिज्जयत |
| | अनिज्जयम् | अनिज्जयाव | अनिज्जयाम |
| १०० | अनिज्जयत् | अनिज्जयताम् | अनिज्जयन्तु |
| | अनिज्जयः | अनिज्जयतम् | अनिज्जयत |
| | अनिज्जयम् | अनिज्जयाव | अनिज्जयाम |
| ११० | निज्जयाश्चकार | निज्जयाश्चक्रुः | निज्जयाश्चकुः |
| | निज्जयाश्चकर्ष | निज्जयाश्चक्रथुः | निज्जयाश्चक्र |
| | निज्जयाश्चकार-चकर | निज्जयाश्चकृव | निज्जयाश्चकृम |
| | निज्जयाश्चभूव | निज्जयाश्चभू | निज्जयाश्चभू |
| १२० | निज्जयिष्यति | निज्जयिष्यतः | निज्जयिष्यन्ति |
| | निज्जयिष्यसि | निज्जयिष्यथः | निज्जयिष्यथ |
| | निज्जयिष्यामि | निज्जयिष्यावः | निज्जयिष्यामः |
| १३० | अनिज्जयिष्यत् | अनिज्जयिष्यताम् | अनिज्जयिष्यन्तु |
| | अनिज्जयिष्यः | अनिज्जयिष्यतम् | अनिज्जयिष्यत |
| | अनिज्जयिष्यम् | अनिज्जयिष्याव | अनिज्जयिष्याम |

| | | | |
|-----|----------------|------------------|------------------|
| ६० | निज्जयते | निज्जयेते | निज्जयन्ते |
| | निज्जयसे | निज्जयेथे | निज्जयध्वे |
| | निज्जये | निज्जयावहे | निज्जयामहे |
| ७० | निज्जयेत | निज्जयेताम् | निज्जयेरन् |
| | निज्जयेथाः | निज्जयेथाम् | निज्जयेध्वम् |
| | निज्जयेथ | निज्जयेवहि | निज्जयेमहि |
| ८० | निज्जयताम् | निज्जयेताम् | निज्जयन्ताम् |
| | निज्जयस्व | निज्जयेथाम् | निज्जयध्वम् |
| | निज्जयै | निज्जयावहे | निज्जयामहे |
| ९० | अनिज्जयत | अनिज्जयेताम् | अनिज्जयन्त |
| | अनिज्जयथाः | अनिज्जयेथाम् | अनिज्जयध्वम् |
| | अनिज्जये | अनिज्जयावहि | अनिज्जयामहि |
| १०० | अनिज्जयत | अनिज्जयेताम् | अनिज्जयन्त |
| | अनिज्जयथाः | अनिज्जयेथाम् | अनिज्जयध्वम् |
| | अनिज्जये | अनिज्जयावहि | अनिज्जयामहि |
| ११० | निज्जयाश्चक्रे | निज्जयाश्चक्रते | निज्जयाश्चक्रिरे |
| | निज्जयाश्चकृषे | निज्जयाश्चक्रथे | निज्जयाश्चकृद्वे |
| | निज्जयाश्चक्रे | निज्जयाश्चकृवहे | निज्जयाश्चकृमहे |
| | निज्जयाश्चभूव | निज्जयाश्चभू | निज्जयाश्चभू |
| १२० | निज्जयिषीष्ट | निज्जयिषीयस्ताम् | निज्जयिषीरन् |
| | निज्जयिषीष्ठाः | निज्जयिषीयस्थाम् | निज्जयिषीध्वम् |
| | निज्जयिषीय | निज्जयिषीवहि | निज्जयिषीमहि |
| १३० | निज्जयिता | निज्जयितारौ | निज्जयितारः |
| | निज्जयितासे | निज्जयितासाथे | निज्जयिताध्वे |
| | निज्जयिताहे | निज्जयितास्वहे | निज्जयितास्महे |
| १४० | निज्जयिष्यते | निज्जयिष्येते | निज्जयिष्यन्ते |
| | निज्जयिष्यसे | निज्जयिष्येथे | निज्जयिष्यध्वे |
| | निज्जयिष्ये | निज्जयिष्यावहे | निज्जयिष्यामहे |
| १५० | अनिज्जयिष्यत | अनिज्जयिष्येताम् | अनिज्जयिष्यन्त |
| | अनिज्जयिष्यथाः | अनिज्जयिष्येथाम् | अनिज्जयिष्यध्वम् |
| | अनिज्जयिष्ये | अनिज्जयिष्यावहि | अनिज्जयिष्यामहि |

1113 शिञ्जुकि (शिञ्ज्) अव्यक्ते शब्दे ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| ब० | शिञ्जयति | शिञ्जयतः | शिञ्जयन्ति |
| | शिञ्जयसि | शिञ्जयथः | शिञ्जयथ |
| | शिञ्जयामि | शिञ्जयावः | शिञ्जयामः |
| स० | शिञ्जयेत् | शिञ्जयेताम् | शिञ्जयेयुः |
| | शिञ्जयेः | शिञ्जयेतम् | शिञ्जयेत |
| | शिञ्जयेयम् | शिञ्जयेव | शिञ्जयेम |
| प० | शिञ्जयतु | शिञ्जयतात् | शिञ्जयताम् |
| | शिञ्जय | शिञ्जयतात् | शिञ्जयतम् |
| | शिञ्जयानि | शिञ्जयाव | शिञ्जयाम |
| ह्य० | अशिञ्जयत् | अशिञ्जयताम् | अशिञ्जयन् |
| | अशिञ्जयः | अशिञ्जयतम् | अशिञ्जयत |
| | अशिञ्जयम् | अशिञ्जयाव | अशिञ्जयाम |
| अ० | अशिञ्जत् | अशिञ्जताम् | अशिञ्जन् |
| | अशिञ्जः | अशिञ्जतम् | अशिञ्जत |
| | अशिञ्जम् | अशिञ्जाव | अशिञ्जाम |
| प० | शिञ्जयाश्चकार | शिञ्जयाश्चक्रुः | शिञ्जयाश्चक्रुः |
| | शिञ्जयाश्चक्रथुः | शिञ्जयाश्चक्रुः | शिञ्जयाश्चक्रुः |
| | शिञ्जयाश्चकार-चक्र | शिञ्जयाश्चक्रुः | शिञ्जयाश्चक्रुः |
| | शिञ्जयाम्बभूव | शिञ्जयामास | |
| आ० | शिञ्ज्यात् | शिञ्ज्यास्ताम् | शिञ्ज्य मुः |
| | शिञ्ज्याः | शिञ्ज्यास्तम् | शिञ्ज्यास्त |
| | शिञ्ज्यासम् | शिञ्ज्यास्व | शिञ्ज्यास्म |
| श्व० | शिञ्जयिता | शिञ्जयितारौ | शिञ्जयितारः |
| | शिञ्जयितासि | शिञ्जयितास्थः | शिञ्जयितास्थ |
| | शिञ्जयितास्मि | शिञ्जयितास्वः | शिञ्जयितास्मः |
| भ० | शिञ्जयिष्यति | शिञ्जयिष्यतः | शिञ्जयिष्यन्ति |
| | शिञ्जयिष्यसि | शिञ्जयिष्यथः | शिञ्जयिष्यथ |
| | शिञ्जयिष्यामि | शिञ्जयिष्यावः | शिञ्जयिष्यामः |
| क्रि० | अशिञ्जयिष्यत् | अशिञ्जयिष्यताम् | अशिञ्जयिष्यन् |
| | अशिञ्जयिष्यः | अशिञ्जयिष्यतम् | अशिञ्जयिष्यत |
| | अशिञ्जयिष्यम् | अशिञ्जयिष्याव | अशिञ्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|--------------------|
| ब० | शिञ्जयते | शिञ्जयेते | शिञ्जयन्ते |
| | शिञ्जयसे | शिञ्जयेथे | शिञ्जयध्वे |
| | शिञ्जये | शिञ्जयावहे | शिञ्जयामहे |
| स० | शिञ्जयेत | शिञ्जयेयाताम् | शिञ्जयेरन् |
| | शिञ्जयेथाः | शिञ्जयेथाथाम् | शिञ्जयेष्वम् |
| | शिञ्जयेय | शिञ्जयेवहि | शिञ्जयेमहि |
| प० | शिञ्जयताम् | शिञ्जयेताम् | शिञ्जयन्ताम् |
| | शिञ्जयस्व | शिञ्जयेथाम् | शिञ्जयेष्वम् |
| | शिञ्जयै | शिञ्जयावहे | शिञ्जयामहे |
| ह्य० | अशिञ्जयतं | अशिञ्जयेताम् | अशिञ्जयन्त |
| | अशिञ्जयथाः | अशिञ्जयेथाम् | अशिञ्जयेष्वम् |
| | अशिञ्जये | अशिञ्जयावहि | अशिञ्जयामहि |
| अ० | अशिञ्जत् | अशिञ्जेताम् | अशिञ्जन्त |
| | अशिञ्जथाः | अशिञ्जेथाम् | अशिञ्जेष्वम् |
| | अशिञ्जे | अशिञ्जावहि | अशिञ्जामहि |
| प० | शिञ्जयाश्चक्रे | शिञ्जयाश्चक्रते | शिञ्जयाश्चक्रिरे |
| | शिञ्जयाश्चक्रुषे | शिञ्जयाश्चक्राथे | शिञ्जयाश्चक्रुध्वे |
| | शिञ्जयाश्चक्रे | शिञ्जयाश्चक्रवहे | शिञ्जयाश्चक्रमहे |
| | शिञ्जयाम्बभूव | शिञ्जयामास | |
| आ० | शिञ्जयिषीष्ट | शिञ्जयिषीयास्ताम् | शिञ्जयिषीरन् |
| | शिञ्जयिषीष्ठा | शिञ्जयिषीयास्थाम् | शिञ्जयिषीध्वम् |
| | शिञ्जयिषीय | शिञ्जयिषीवहि | शिञ्जयिषीमहि |
| श्व० | शिञ्जयिता | शिञ्जयितारौ | शिञ्जयितारः |
| | शिञ्जयितासे | शिञ्जयितास्थे | शिञ्जयिताध्वे |
| | शिञ्जयिताहे | शिञ्जयितास्वहे | शिञ्जयितास्महे |
| भ० | शिञ्जयिष्यते | शिञ्जयिष्येते | शिञ्जयिष्यन्ते |
| | शिञ्जयिष्यसे | शिञ्जयिष्येथे | शिञ्जयिष्यध्वे |
| | शिञ्जयिष्ये | शिञ्जयिष्यावहे | शिञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अशिञ्जयिष्यत् | अशिञ्जयिष्यताम् | अशिञ्जयिष्यन्त |
| | अशिञ्जयिष्यथाः | अशिञ्जयिष्येथाम् | अशिञ्जयिष्येष्वम् |
| | अशिञ्जयिष्ये | अशिञ्जयिष्यावहि | अशिञ्जयिष्यामहि |

॥ अथ ढान्तः ॥

1114 ईडिक् (ईड्) स्तुतौ

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व | ईडयति | ईडयतः | ईडयन्ति |
| | ईडयसि | ईडयथः | ईडयथ |
| | ईडयामि | ईडयावः | ईडयामः |
| स० | ईडयेत् | ईडयेताम् | ईडयेयुः |
| | ईडयेः | ईडयेतम् | ईडयेत |
| | ईडयेयम् | ईडयेव | ईडयेम |
| प० | ईडयतु | ईडयतात् | ईडयताम् |
| | ईडय | ईडयतात् | ईडयतम् |
| | ईडयानि | ईडयाव | ईडयाम |
| ह्य० | ऐडयत् | ऐडयताम् | ऐडयन् |
| | ऐडयः | ऐडयतम् | ऐडयत |
| | ऐडयम् | ऐडयाव | ऐडयाम |
| भ० | ऐडिडत् | ऐडिडताम् | ऐडिडन् |
| | ऐडिडः | ऐडिडतम् | ऐडिडत |
| | ऐडिडम् | ऐडिडाव | ऐडिडाम |
| प० | ईडयाञ्चकार | ईडयाञ्चक्रुः | ईडयाञ्चकुः |
| | ईडयाञ्चकथं | ईडयाञ्चकथुः | ईडयाञ्चक |
| | ईडयाञ्चकार-चकर | ईडयाञ्चकुव | ईडयाञ्चकृम |
| | ईडयाञ्चभूव | ईडयामास | |
| भा० | ईडयात् | ईडयास्ताम् | ईडयासुः |
| | ईडयाः | ईडयास्तम् | ईडयास्त |
| | ईडयासम् | ईडयास्व | ईडयास्म |
| भ्य० | ईडयिता | ईडयितारौ | ईडयितारः |
| | ईडयितासि | ईडयितास्थः | ईडयितास्थ |
| | ईडयितास्मि | ईडयितास्वः | ईडयितास्मः |
| भ० | ईडयिष्यति | ईडयिष्यतः | ईडयिष्यन्ति |
| | ईडयिष्यसि | ईडयिष्यथः | ईडयिष्यथ |
| | ईडयिष्यामि | ईडयिष्यावः | ईडयिष्यामः |
| क्रि० | पेडयिष्यत् | पेडयिष्यताम् | पेडयिष्यन् |
| | पेडयिष्यः | पेडयिष्यतम् | पेडयिष्यत |
| | पेडयिष्यम् | पेडयिष्याव | पेडयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | ईडयते | ईडयेते | ईडयन्ते |
| | ईडयसे | ईडयेथे | ईडयन्वे |
| | ईडये | ईडयावहे | ईडयामहे |
| प० | ईडयेत | ईडयेयाताम् | ईडयेरन् |
| | ईडयेथाः | ईडयेथाश्च | ईडयेष्वम् |
| | ईडयेय | ईडयेवहि | ईडयेमहि |
| प० | ईडयताम् | ईडयेताम् | ईडयन्ताम् |
| | ईडयस्व | ईडयेथाम् | ईडयन्वम् |
| | ईडये | ईडयावहे | ईडयामहे |
| भा० | ऐडयत् | ऐडयेताम् | ऐडयन्त |
| | ऐडयथाः | ऐडयेथाम् | ऐडयन्वम् |
| | ऐडये | ऐडयावहि | ऐडयामहि |
| भ० | पेडिडत् | पेडिडताम् | पेडिडन्त |
| | पेडिडथाः | पेडिडेथाम् | पेडिडन्वम् |
| | पेडिडे | पेडिडावहि | पेडिडामहि |
| प० | ईडयाञ्चके | ईडयाञ्चकाते | ईडयाञ्चकिरे |
| | ईडयाञ्चकृषे | ईडयाञ्चकृथाथे | ईडयाञ्चकृद्वे |
| | ईडयाञ्चके | ईडयाञ्चकृवहे | ईडयाञ्चकृमहे |
| | ईडयाञ्चभूव | ईडयामास | |
| भा० | ईडयिषीष्ट | ईडयिषीयास्ताम् | ईडयिषीरन् |
| | ईडयिषीष्ठाः | ईडयिषीयास्थाम् | ईडयिषीद्वम् |
| | | | च्वम् |
| | ईडयिषीय | ईडयिषीवहि | ईडयिषीमहि |
| भ्य० | ईडयिता | ईडयितारौ | ईडयितारः |
| | ईडयितासे | ईडयितासाथे | ईडयिताच्चे |
| | ईडयिताहे | ईडयितास्वहे | ईडयितास्महे |
| भ० | ईडयिष्यते | ईडयिष्येते | ईडयिष्यन्ते |
| | ईडयिष्यसे | ईडयिष्येथे | ईडयिष्यन्वे |
| | ईडयिष्ये | ईडयिष्यावहे | ईडयिष्यामहे |
| क्रि० | पेडयिष्यत् | पेडयिष्येताम् | पेडयिष्यन्त |
| | पेडयिष्यथाः | पेडयिष्येथाम् | पेडयिष्यन्वम् |
| | पेडयिष्ये | पेडयिष्यवहि | पेडयिष्यामहि |

॥ अथ रान्तः ॥

१११५ ईरिक् (ईर्) गतिकम्पनयोः

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| व० ईरयति | ईरयतः | ईरयन्ति |
| ईरयसि | ईरयथः | ईरयथ |
| ईरयामि | ईरयावः | ईरयामः |
| स० ईरयेत् | ईरयेताम् | ईरयेयुः |
| ईरयेः | ईरयेतम् | ईरयेत |
| ईरयेयम् | ईरयेव | ईरयेम |
| प० ईरयतु | ईरयतात् | ईरयताम् |
| ईरय | ईरयतात् | ईरयतम् |
| ईरयाणि | ईरयाव | ईरयाम |
| श० ऐरयत् | ऐरयताम् | ऐरयन् |
| ऐरयः | ऐरयतम् | ऐरयत |
| ऐरयम् | ऐरयाव | ऐरयाम |
| अ० ऐरित् | ऐरितम् | ऐरित् |
| ऐरिः | ऐरितम् | ऐरित |
| ऐरिम् | ऐरिराव | ऐरिराम |
| प० ईरयाञ्चकार | ईरयाञ्चक्रुः | ईरयाञ्चकुः |
| ईरयाञ्चकथं | ईरयाञ्चकथुः | ईरयाञ्चक |
| ईरयाञ्चकार-चकर | ईरयाञ्चकृव | ईरयाञ्चकृम |
| ईरयाम्बभूव | । | ईरयामास |
| आ० ईर्यात् | ईर्यास्ताम् | ईर्यासुः |
| ईर्याः | ईर्यास्तम् | ईर्यास्त |
| ईर्यासम् | ईर्यास्व | ईर्यासम |
| श० ईरयिता | ईरयितारौ | ईरयितारः |
| ईरयितासि | ईरयितास्थः | ईरयितास्थ |
| ईरयितास्मि | ईरयितास्वः | ईरयितास्मः |
| म० ईरयिष्यति | ईरयिष्यतः | ईरयिष्यन्ति |
| ईरयिष्यसि | ईरयिष्यथः | ईरयिष्यथ |
| ईरयिष्यामि | ईरयिष्यावः | ईरयिष्यामः |
| क्रि० ऐरयिष्यत् | ऐरयिष्यताम् | ऐरयिष्यन् |
| ऐरयिष्यः | ऐरयिष्यतम् | ऐरयिष्यत |
| ऐरयिष्यम् | ऐरयिष्याव | ऐरयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| व० ईरयते | ईरयेते | ईरयन्ते |
| ईरयसे | ईरयेथे | ईरयध्वे |
| ईरये | ईरयावहे | ईरयामहे |
| स० ईरयेत | ईरयेयाताम् | ईरयेरन् |
| ईरयेथाः | ईरयेयाथम् | ईरयेध्वम् |
| ईरयेय | ईरयेवहि | ईरयेमहि |
| प० ईरयताम् | ईरयेताम् | ईरयन्ताम् |
| ईरयस्व | ईरयेथाम् | ईरयध्वम् |
| ईरये | ईरयावहे | ईरयामहे |
| श० ऐरयत् | ऐरयेताम् | ऐरयन्त |
| ऐरयथाः | ऐरयेथाम् | ऐरयेध्वम् |
| ऐरये | ऐरयावहि | ऐरयामहि |
| अ० ऐरित् | ऐरिरेताम् | ऐरितन्त |
| ऐरिथाः | ऐरिरेथाम् | ऐरिध्वम् |
| ऐरिरे | ऐरिरावहि | ऐरिरामहि |
| प० ईरयाञ्चके | ईरयाञ्चक्रते | ईरयाञ्चक्रिरे |
| ईरयाञ्चकृषे | ईरयाञ्चक्राथे | ईरयाञ्चकृद्धवे |
| ईरयाञ्चके | ईरयाञ्चकृवहे | ईरयाञ्चकृमहे |
| ईरयाम्बभूव | । | ईरयामास |
| आ० ईरयिषीष्ट | ईरयिषीयास्ताम् | ईरयिषीरन् |
| ईरयिषीष्ठाः | ईरयिषीयास्थाम् | ईरयिषीध्वम् |
| ईरयिषीय | ईरयिषीवहि | ईरयिषीमहि |
| श० ईरयिता | ईरयितारौ | ईरयितारः |
| ईरयिता | ईरयितासाथे | ईरयिताध्वे |
| ईरयिताहे | ईरयितास्वहे | ईरयितास्महे |
| म० ईरयिष्यते | ईरयिष्येते | ईरयिष्यन्ते |
| ईरयिष्यसे | ईरयिष्येथे | ईरयिष्यध्वे |
| ईरयिष्ये | ईरयिष्यावहे | ईरयिष्यामहे |
| क्रि० ऐरयिष्यत् | ऐरयिष्येताम् | ऐरयिष्यन्त |
| ऐरयिष्यथाः | ऐरयिष्येथाम् | ऐरयिष्यध्वम् |
| ऐरयिष्ये | ऐरयिष्यावहि | ऐरयिष्यामहि |

॥ अथ शान्तः ॥

1116 ईशिक् (ईश्) ऐश्वर्ये

| | | | |
|-------|-----------------|--------------|--------------|
| व० | ईशयति | ईशयतः | ईशयन्ति |
| | ईशयसि | ईशयथः | ईशयथ |
| | ईशयामि | ईशयावः | ईशयामः |
| स० | ईशयेत् | ईशयेताम् | ईशयेयुः |
| | ईशयेः | ईशयेतम् | ईशयेत |
| | ईशयेयम् | ईशयेव | ईशयेम |
| प० | ईशयतु | ईशयतात् | ईशयताम् |
| | ईशय | ईशयतात् | ईशयतम् |
| | ईशयानि | ईशयाव | ईशयाम |
| स० | ऐशयत् | ऐशयताम् | ऐशयन् |
| | ऐशयः | ऐशयतम् | ऐशयत |
| | ऐशयम् | ऐशयाव | ऐशयाम |
| अ० | ऐशिशत् | ऐशिशताम् | ऐशिशन् |
| | ऐशिशः | ऐशिशतम् | ऐशिशत |
| | ऐशिशम् | ऐशिशव | ऐशिशाम |
| प० | ईशयाञ्चकार | ईशयाञ्चक्रुः | ईशयाञ्चकुः |
| | ईशयाञ्चकथं | ईशयाञ्चक्रुः | ईशयाञ्चक्रुः |
| | ईशयाञ्चकार-चक्र | ईशयाञ्चक्रुव | ईशयाञ्चक्रुम |
| | ईशयाम्बभूव | । | ईशयामास |
| आ० | ईश्यात् | ईश्यास्ताम् | ईश्यासुः |
| | ईश्याः | ईश्यास्तम् | ईश्यास्त |
| | ईश्यासम् | ईश्यास्व | ईश्यास्म |
| श्व० | ईशयिता | ईशयितारौ | ईशयितारः |
| | ईशयितासि | ईशयितास्थः | ईशयितास्थ |
| | ईशयितास्मि | ईशयितास्वः | ईशयितास्मः |
| भ० | ईशयिष्यति | ईशयिष्यतः | ईशयिष्यन्ति |
| | ईशयिष्यसि | ईशयिष्यथः | ईशयिष्यथ |
| | ईशयिष्यामि | ईशयिष्यावः | ईशयिष्यामः |
| क्रि० | पेशयिष्यत् | पेशयिष्यताम् | पेशयिष्यन् |
| | पेशयिष्यः | पेशयिष्यतम् | पेशयिष्यत |
| | पेशयिष्यम् | पेशयिष्याव | पेशयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|-----------------|
| व० | ईशयते | ईशयते | ईशयन्ते |
| | ईशयसे | ईशयथे | ईशयध्वे |
| | ईशये | ईशयावहे | ईशयामहे |
| स० | ईशयेत | ईशयेयाताम् | ईशयेरन् |
| | ईशयेथाः | ईशयेयाथम् | ईशयेध्वम् |
| | ईशयेय | ईशयेवहि | ईशयेमहि |
| प० | ईशयताम् | ईशयेताम् | ईशयन्ताम् |
| | ईशयस्व | ईशयेथाम् | ईशयध्वम् |
| | ईशये | ईशयावहे | ईशयामहे |
| स० | ऐशयत् | ऐशयेताम् | ऐशयन्त |
| | ऐशयथाः | ऐशयेथाम् | ऐशयध्वम् |
| | ऐशये | ऐशयावहि | ऐशयामहि |
| अ० | पेशिशत् | पेशिशताम् | पेशिशन्त |
| | पेशिशथाः | पेशिशेथाम् | पेशिशध्वम् |
| | पेशिशे | पेशिशवहि | पेशिशामहि |
| प० | ईशयाञ्चके | ईशयाञ्चकाते | ईशयाञ्चकिरे |
| | ईशयाञ्चकुषे | ईशयाञ्चक्राथे | ईशयाञ्चक्रुन्वे |
| | ईशयाञ्चके | ईशयाञ्चक्रुवहे | ईशयाञ्चक्रुमहे |
| | ईशयाम्बभूव | । | ईशयामास |
| आ० | ईशयिषीष्ट | ईशयिषीयास्ताम् | ईशयिषीरन् |
| | ईशयिषीष्ठाः | ईशयिषीयास्थाम् | ईशयिषीध्वम् |
| | ईशयिषीय | ईशयिषीवहि | ईशयिषीमहि |
| श्व० | ईशयिता | ईशयितारौ | ईशयितारः |
| | ईशयितासे | ईशयितासाथे | ईशयिताध्वे |
| | ईशयिताहे | ईशयितास्वहे | ईशयितास्महे |
| भ० | ईशयिष्यते | ईशयिष्येते | ईशयिष्यन्ते |
| | ईशयिष्यसे | ईशयिष्यथे | ईशयिष्यध्वे |
| | ईशयिष्ये | ईशयिष्यवहे | ईशयिष्यामहे |
| क्रि० | पेशयिष्यत् | पेशयिष्यताम् | पेशयिष्यन्त |
| | पेशयिष्यथाः | पेशयिष्येथाम् | पेशयिष्यध्वम् |
| | पेशयिष्ये | पेशयिष्यवहि | पेशयिष्यामहि |

॥ अथ शान्तः पञ्च ॥

1117 षसिक् (वस्) आच्छादने । 999 वसवद्रूपा-
णि 1118 आङः शास्कि (आ-शास्) इच्छायाम् । 549
शसूवद्रूपाणि शास्कुवदिति केचित् । 1119 आसिक्
(आस्) उपवेशने । 932 अ सीवद्रूपाणि

1120 कमुकि (कंम्) : तिशातनयोः ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | कंसयति | कंसयतः | कंसयन्ति |
| | कंसयसि | कंसयथः | कंसयथ |
| | कंसयामि | कंसयावः | कंसयामः |
| स० | कंसयेत् | कंसयेताम् | कंसयेयुः |
| | कंसयेः | कंसयेतम् | कंसयेत |
| | कंसयेथम् | कंसयेव | कंसयेम |
| प० | कंसयतु | कंसयतात् | कंसयताम् |
| | कंसय | कंसयतात् | कंसयतम् |
| | कंसयानि | कंसयाव | कंसयाम |
| ह० | अकंसयत् | अकंसयताम् | अकंसयन् |
| | अकंसयः | अकंसयतम् | अकंसयत |
| | अकंसयम् | अकंसयाव | अकंसयाम |
| अ० | अचकंसत् | अचकंसताम् | अचकंसन् |
| | अचकंसः | अचकंसतम् | अचकंसत |
| | अचकंसम् | अचकंसाव | अचकंसाम |
| प० | कंसयाञ्चकार | कंसयाञ्चक्रुः | कंसयाञ्चकुः |
| | कंसयाञ्चकथं | कंसयाञ्चक्रुः | कंसयाञ्चक्रुः |
| | कंसयाञ्चकार-चक्र | कंसयाञ्चक्रुव | कंसयाञ्चक्रुम |
| | कंसयाम्बभूव | कंसय मास | |
| आ० | कंस्यत् | कंस्यताम् | कंस्यसुः |
| | कंस्यः | कंस्यस्तम् | कंस्यस्त |
| | कंस्याम् | कंस्यस्व | कंस्यस्म |
| श्र० | कंसयिता | कंसयितारौ | कंसयितारः |
| | कंसयितासि | कंसयितास्थः | कंसयितास्थ |
| | कंसयिताहिम् | कंसयितास्त्रः | कंसयितास्मः |
| भ० | कंसयिष्यति | कंसयिष्यतः | कंसयिष्यन्ति |
| | कंसयिष्यसि | कंसयिष्यथः | कंसयिष्यथ |
| | कंसयिष्यामि | कंसयिष्यावः | कंसयिष्यामः |
| क्रि० | अकंसयिष्यत् | अकंसयिष्यताम् | अकंसयिष्यन् |
| | अकंसयिष्यः | अकंसयिष्यतम् | अकंसयिष्यत |
| | अकंसयिष्यम् | अकंसयिष्याव | अकंसयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | कंसयते | कंसयेते | कंसयन्ते |
| | कंसयसे | कंसयेथे | कंसयध्वे |
| | कंसये | कंसयावहे | कंसयामहे |
| स० | कंसयेत | कंसयेयाताम् | कंसयेरन् |
| | कंसयेथाः | कंसयेयाथाम् | कंसयेध्वम् |
| | कंसयेय | कंसयेवहि | कंसयेमहि |
| प० | कंसयताम् | कंसयेताम् | कंसयन्ताम् |
| | कंसयस्व | कंसयेथाम् | कंसयध्वम् |
| | कंसये | कंसयावहे | कंसयामहे |
| ह० | अकंसयत | अकंसयेताम् | अकंसयन्त |
| | अकंसयथाः | अकंसयेथाम् | अकंसयध्वम् |
| | अकंसये | अकंसयावहि | अकंसयामहि |
| अ० | अचकंसत | अचकंसताम् | अचकंसन्त |
| | अचकंसथाः | अचकंसेथाम् | अचकंसध्वम् |
| | अचकंसे | अचकंसावहि | अचकंसामहि |
| प० | कंसयाञ्चके | कंसयाञ्चक्रते | कंसयाञ्चक्रिरे |
| | कंसयाञ्चकृषे | कंसयाञ्चक्राथे | कंसयाञ्चकृद्वे |
| | कंसयाञ्चके | कंसयाञ्चकृवहे | कंसयाञ्चकृमहे |
| | कंसयाम्बभूव | कंसयामास | |
| आ० | कंसयिषीष्ट | कंसयिषीयास्ताम् | कंसयिषीरन् |
| | कंसयिषीष्टाः | कंसयिषीयास्थाम् | कंसयिषीद्वम् |
| | कंसयिषीय | कंसयिषीवहि | कंसयिषीमहि |
| श्र० | कंसयिता | कंसयितारौ | कंसयितारः |
| | कंसयितासे | कंसयितासाथे | कंसयिताध्वे |
| | कंसयिताहे | कंसयितास्त्रहे | कंसयितास्महे |
| भ० | कंसयिष्यते | कंसयिष्येते | कंसयिष्यन्ते |
| | कंसयिष्यसे | कंसयिष्येथे | कंसयिष्यध्वे |
| | कंसयिष्ये | कंसयिष्यावहे | कंसयिष्यामहे |
| क्रि० | अकंसयिष्यत | अकंसयिष्येताम् | अकंसयिष्यन्त |
| | अकंसयिष्यथाः | अकंसयिष्येथाम् | अकंसयिष्यध्वम् |
| | अकंसयिष्ये | अकंसयिष्यावहि | अकंसयिष्यामहि |

1121 णिसुकि (निस्) चुम्बने ।

| | | | |
|----|-----------------|---------------|---------------|
| व० | निस्यति | निस्यतः | निस्यन्ति |
| | निस्यसि | निस्यथः | निस्यथ |
| | निस्यामि | निस्यावः | निस्यामः |
| स० | निस्येत् | निस्येताम् | निस्येयुः |
| | निस्येः | निस्येतम् | निस्येत |
| | निस्येयम् | निस्येव | निस्येम |
| प० | निस्यतु | निस्यतात् | निस्यताम् |
| | निस्य | निस्यतात् | निस्यतम् |
| | निस्यानि | निस्याव | निस्याम |
| ल० | अनिस्यत् | अनिस्यताम् | अनिस्यन् |
| | अनिस्यः | अनिस्यतम् | अनिस्यत |
| | अनिस्यम् | अनिस्याव | अनिस्याम |
| अ० | अनिनिसत् | अनिनिसताम् | अनिनिसन् |
| | अनिनिसः | अनिनिसतम् | अनिनिसत |
| | अनिनिसम् | अनिनिसाव | अनिनिसाम |
| प० | निस्यावकार | निस्यावक्रतुः | निस्यावक्रतुः |
| | निस्यावक्रय | निस्यावक्रयुः | निस्यावक्रय |
| | निस्यावकार-चक्र | निस्यावक्रव | निस्यावक्रम |

निस्यम्बभूव । निस्यामाम

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| आ० | निस्यात् | निस्याताम् | निस्यातुः |
| | निस्याः | निस्यातम् | निस्यात |
| | निस्यासम् | निस्यास | निस्यास |
| अ० | निस्यिता | निस्यितारो | निस्यितारः |
| | निस्यितासि | निस्यितास्यः | निस्यितास्य |
| | निस्यितासिम् | निस्यितासवः | निस्यितासमः |
| भ० | निस्यिष्यति | निस्यिष्यतः | निस्यिष्यन्ति |
| | निस्यिष्यसि | निस्यिष्यथः | निस्यिष्यथ |
| | निस्यिष्यामि | निस्यिष्यावः | निस्यिष्यामः |
| क्रि० | अनिस्यिष्यत् | अनिस्यिष्यताम् | अनिस्यिष्यन् |
| | अनिस्यिष्यः | अनिस्यिष्यतम् | अनिस्यिष्यत |
| | अनिस्यिष्यम् | अनिस्यिष्याव | अनिस्यिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | निस्यते | निस्येते | निस्यन्ते |
| | निस्यसे | निस्येथे | निस्यध्वे |
| | निस्ये | निस्यावहे | निस्यामहे |
| स० | निस्येत | निस्येयाताम् | निस्येरन् |
| | निस्येथाः | निस्येयाथाम् | निस्येध्वम् |
| | निस्येय | निस्येवहि | निस्येमहि |
| प० | निस्यताम् | निस्येताम् | निस्यन्ताम् |
| | निस्यस्व | निस्येथाम् | निस्यध्वम् |
| | निस्यै | निस्यावहे | निस्यामहे |
| ल० | अनिस्यत | अनिस्येताम् | अनिस्यन्त |
| | अनिस्यथाः | अनिस्येथाम् | अनिस्यध्वम् |
| | अनिस्ये | अनिस्यावहि | अनिस्यामहि |
| अ० | अनिनिसत् | अनिनिसेताम् | अनिनिसन्त |
| | अनिनिसथाः | अनिनिसेथाम् | अनिनिसध्वम् |
| | अनिनिसे | अनिनिसावहि | अनिनिसामहि |
| प० | निस्यावक्र | निस्यावक्रते | निस्यावक्रिरे |
| | निस्यावक्रुषे | निस्यावक्राथे | निस्यावक्रुद्वे |
| | निस्यावक्रे | निस्यावक्रवहे | निस्यावक्रमहे |
| | निस्याम्बभूव | निस्यामास | |
| आ० | निस्यिषीष्ट | निस्यिषीयास्ताम् | निस्यिषीरन् |
| | निस्यिषीष्टाः | निस्यिषीयास्याम् | निस्यिषीध्वम् |
| | निस्यिषीय | निस्यिषीवहि | निस्यिषीमहि |
| अ० | निस्यिता | निस्यितारो | निस्यितारः |
| | निस्यितासे | निस्यितासाथे | निस्यिताध्वे |
| | निस्यिताहे | निस्यितासवहे | निस्यितासमहे |
| भ० | निस्यिष्यते | निस्यिष्येते | निस्यिष्यन्ते |
| | निस्यिष्यसे | निस्यिष्येथे | निस्यिष्यध्वे |
| | निस्यिष्ये | निस्यिष्यावहे | निस्यिष्यामहे |
| क्रि० | अनिस्यिष्यत् | अनिस्यिष्येताम् | अनिस्यिष्यन्त |
| | अनिस्यिष्यथाः | अनिस्यिष्येथाम् | अनिस्यिष्यध्वम् |
| | अनिस्यिष्ये | अनिस्यिष्यावहि | अनिस्यिष्यामहि |

॥ अथ शान्तः ॥

॥१२२ चक्षिक् (चक्ष्) व्यक्तायां वाचि

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | कशापयति | कशापयतः | कशापयन्ति |
| | कशापयसि | कशापयथः | कशापयथ |
| | कशापयामि | कशापयानः | कशापयामः |
| स० | कशापयेत् | कशापयेताम् | कशापयेयुः |
| | कशापयेः | कशापयेतम् | कशापयेत |
| | कशापयेयम् | कशापयेव | कशापयेम |
| प० | कशापयतु | कशापयतात् | कशापयताम् |
| | कशापय | कशापयतात् | कशापयतम् |
| | कशापयानि | कशापयानः | कशापयाम |
| ह्य० | अकशापयत् | अकशापयताम् | अकशापयन् |
| | अकशापयः | अकशापयतम् | अकशापयत |
| | अकशापयम् | अकशापयानः | अकशापयाम |
| अ० | अचिकशापत् | अचिकशापताम् | अचिकशापन् |
| | अचिकशापः | अचिकशापतम् | अचिकशापत |
| | अचिकशापम् | अचिकशापानः | अचिकशापाम |
| प० | कशापयाञ्चकार | कशापयाञ्चकतुः | कशापयाञ्चक्रुः |
| | कशापयाञ्चकथे | कशापयाञ्चकथुः | कशापयाञ्चक्रु |
| | कशापयाञ्चकार-चकर | कशापयाञ्चकृव | कशापयाञ्चकृम |
| | कशापयाञ्चभूव | । | कशापयामास |
| आ० | कशाप्यात् | कशाप्यास्ताम् | कशाप्यासुः |
| | कशाप्याः | कशाप्यास्तम् | कशाप्यास्त |
| | कशाप्यासम् | कशाप्यास्व | कशाप्यासम |
| श्च० | कशापयिता | कशापयितारौ | कशापयितारः |
| | कशापयितासि | कशापयितास्थः | कशापयितास्थ |
| | कशापयितास्मि | कशापयितास्वः | कशापयितास्मः |
| भ० | कशापयिष्यति | कशापयिष्यतः | कशापयिष्यन्ति |
| | कशापयिष्यसि | कशापयिष्यथः | कशापयिष्यथ |
| | कशापयिष्यामि | कशापयिष्यावः | कशापयिष्यामः |
| क्रि० | अकशापयिष्यत् | अकशापयिष्यताम् | अकशापयिष्यन् |
| | अकशापयिष्यः | अकशापयिष्यतम् | अकशापयिष्यत |
| | अकशापयिष्यम् | अकशापयिष्याव | अकशापयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | कशापयते | कशापयेते | कशापयन्ते |
| | कशापयसे | कशापयेथे | कशापयन्वे |
| | कशापये | कशापयावहे | कशापयामहे |
| स० | कशापयेत | कशापयेयाताम् | कशापयेरन् |
| | कशापयेथाः | कशापयेथाभः | कशापयेष्वम् |
| | कशापयेय | कशापयेवहि | कशापयेमहि |
| प० | कशापयताम् | कशापयेताम् | कशापयन्ताम् |
| | कशापयस्व | कशापयेथाम् | कशापयन्वम् |
| | कशापयै | कशापयावहे | कशापयामहे |
| ह्य० | अकशापयत | अकशापयेताम् | अकशापयन्त |
| | अकशापयथाः | अकशापयेथाम् | अकशापयन्वम् |
| | अकशापये | अकशापयावहि | अकशापयामहि |
| अ० | अचिकशापत | अचिकशापेताम् | अचिकशापन्त |
| | अचिकशापथाः | अचिकशापेथाम् | अचिकशापन्वम् |
| | अचिकशापे | अचिकशापावहि | अचिकशापामहि |
| ग० | कशापयाञ्चक्रे | कशापयाञ्चकृते | कशापयाञ्चक्रिरे |
| | कशापयाञ्चकृषे | कशापयाञ्चकृथे | कशापयाञ्चकृद्वे |
| | कशापयाञ्चक्रे | कशापयाञ्चकृवहे | कशापयाञ्चकृमहे |
| | कशापयाञ्चभूव | । | कशापयामास |
| आ० | कशापयिषीष्ट | कशापयिषीयास्ताम् | कशापयिषीरन् |
| | कशापयिषीष्टाः | कशापयिषीयास्थाम् | कशापयिषीद्वम् |
| | | | वम् |
| | कशापयिषीय | कशापयिषीवहि | कशापयिषीमहि |
| श्च० | कशापयिता | कशापयितारौ | कशापयितारः |
| | कशापयितासे | कशापयितासाथे | कशापयितावे |
| | कशापयिताहे | कशापयितास्वहे | कशापयितास्महे |
| भ० | कशापयिष्यते | कशापयिष्येते | कशापयिष्यन्ते |
| | कशापयिष्यसे | कशापयिष्येथे | कशापयिष्यन्वे |
| | कशापयिष्ये | कशापयिष्यावहे | कशापयिष्यामहे |
| क्रि० | अकशापयिष्यत | अकशापयिष्यताम् | अकशापयिष्यन्त |
| | अकशापयिष्यथाः | अकशापयिष्येथाम् | अकशापयिष्यन्वम् |
| | अकशापयिष्ये | अकशापयिष्यावहि | अकशापयिष्यामहि |

॥ अथ उदन्तौ ॥

११२३ ऊर्णुगू (ऊर्णु) आच्छादने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | ऊर्णवयति | ऊर्णवयतः | ऊर्णवयन्ति |
| | ऊर्णवयसि | ऊर्णवयथः | ऊर्णवयथ |
| | ऊर्णवयामि | ऊर्णवयावः | ऊर्णवयामः |
| स० | ऊर्णवयेत् | ऊर्णवयेताम् | ऊर्णवयेयुः |
| | ऊर्णवयेः | ऊर्णवयेतम् | ऊर्णवयेत |
| | ऊर्णवयेयम् | ऊर्णवयेव | ऊर्णवयेम |
| प० | ऊर्णवयतु | ऊर्णवयतात् | ऊर्णवयताम् |
| | ऊर्णवय | ऊर्णवयतात् | ऊर्णवयतम् |
| | ऊर्णवयानि | ऊर्णवयाव | ऊर्णवयाम |
| ह्य० | और्णवयत् | और्णवयताम् | और्णवयन् |
| | और्णवयः | और्णवयतम् | और्णवयत |
| | और्णवयम् | और्णवयाव | और्णवयाम |
| अ० | और्णुनवत् | और्णुनवताम् | और्णुनवन् |
| | और्णुनवः | और्णुनवतम् | और्णुनवत |
| | और्णुनवम् | और्णुनवाव | और्णुनवम |
| प० | ऊर्णवयाञ्चकार | ऊर्णवयाञ्चकतुः | ऊर्णवयाञ्चकुः |
| | ऊर्णवयाञ्चकथै | ऊर्णवयाञ्चकथुः | ऊर्णवयाञ्चक |
| | ऊर्णवयाञ्चकार-चकर | ऊर्णवयाञ्चकृव | ऊर्णवयाञ्चकृम |
| | ऊर्णवयाम्बभूव | ऊर्णवयामास | |
| आः | ऊर्णवय्यात् | ऊर्णवय्यास्ताम् | ऊर्णवय्यासुः |
| | ऊर्णवय्याः | ऊर्णवय्यास्तम् | ऊर्णवय्यास्त |
| | ऊर्णवय्यासम् | ऊर्णवय्यास्व | ऊर्णवय्यासम् |
| भ० | ऊर्णवयिता | ऊर्णवयितारौ | ऊर्णवयितारः |
| | ऊर्णवयितासि | ऊर्णवयितास्थः | ऊर्णवयितास्थ |
| | ऊर्णवयितास्मि | ऊर्णवयितास्वः | ऊर्णवयितास्मः |
| भ० | ऊर्णवयिष्यति | ऊर्णवयिष्यतः | ऊर्णवयिष्यन्ति |
| | ऊर्णवयिष्यसि | ऊर्णवयिष्यथः | ऊर्णवयिष्यथ |
| | ऊर्णवयिष्यामि | ऊर्णवयिष्यावः | ऊर्णवयिष्यामः |
| क्रि० | और्णवयिष्यत् | और्णवयिष्यताम् | और्णवयिष्यन् |
| | और्णवयिष्यः | और्णवयिष्यतम् | और्णवयिष्यत |
| | और्णवयिष्यम् | और्णवयिष्यव | और्णवयिष्यम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-----------------|
| व० | ऊर्णवयते | ऊर्णवयेते | ऊर्णवयन्ते |
| | ऊर्णवयसे | ऊर्णवयेथे | ऊर्णवयन्थे |
| | ऊर्णवये | ऊर्णवयावहे | ऊर्णवयामहे |
| स० | ऊर्णवयेत | ऊर्णवयेयाताम् | ऊर्णवयेरन् |
| | ऊर्णवयेथाः | ऊर्णवयेथायाम् | ऊर्णवयेध्वम् |
| | ऊर्णवयेथ | ऊर्णवयेवहि | ऊर्णवयेमहि |
| प० | ऊर्णवयताम् | ऊर्णवयेताम् | ऊर्णवयन्ताम् |
| | ऊर्णवयस्व | ऊर्णवयेथाम् | ऊर्णवयध्वम् |
| | ऊर्णवये | ऊर्णवयावहे | ऊर्णवयामहे |
| ह्य० | और्णवयत | और्णवयेताम् | और्णवयन्त |
| | और्णवयथाः | और्णवयेथाम् | और्णवयध्वम् |
| | और्णवये | और्णवयावहि | और्णवयामहि |
| अ० | और्णुनवत | और्णुनवेताम् | और्णुनवन्त |
| | और्णुनवथाः | और्णुनवेथाम् | और्णुनवध्वम् |
| | और्णुनवे | और्णुनवावहि | और्णुनवामहि |
| प० | ऊर्णवयाञ्चके | ऊर्णवयाञ्चकाते | ऊर्णवयाञ्चक्रे |
| | ऊर्णवयाञ्चकृषे | ऊर्णवयाञ्चकृषे | ऊर्णवयाञ्चकृहः |
| | ऊर्णवयाञ्चके | ऊर्णवयाञ्चकृवहे | ऊर्णवयाञ्चकृमहे |
| | ऊर्णवयाम्बभूव | ऊर्णवयामास | |
| आ० | ऊर्णवयिषीष्ट | ऊर्णवयिषीयास्ताम् | ऊर्णवयिषीरन् |
| | ऊर्णवयिषीष्टाः | ऊर्णवयिषीयास्थाम् | ऊर्णवयिषीध्वम् |
| | ऊर्णवयिषीय | ऊर्णवयिषीवहि | ऊर्णवयिषीमहि |
| भ० | ऊर्णवयिता | ऊर्णवयितारौ | ऊर्णवयितारः |
| | ऊर्णवयितासे | ऊर्णवयितासथे | ऊर्णवयितास्थे |
| | ऊर्णवयिताहि | ऊर्णवयितास्वहे | ऊर्णवयितास्महे |
| भ० | ऊर्णवयिष्यते | ऊर्णवयिष्येते | ऊर्णवयिष्यन्ते |
| | ऊर्णवयिष्यसे | ऊर्णवयिष्येथे | ऊर्णवयिष्यध्वम् |
| | ऊर्णवयिष्ये | ऊर्णवयिष्यवहे | ऊर्णवयिष्यमहे |
| क्रि० | और्णवयिष्यत् | और्णवयिष्येताम् | और्णवयिष्यन्त |
| | और्णवयिष्यथाः | और्णवयिष्येथाम् | और्णवयिष्यध्वम् |
| | और्णवयिष्ये | और्णवयिष्यवहि | और्णवयिष्यमहि |

1124 ष्टुं (स्तु) स्तुतौ ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| व० | स्तावयति | स्तावयतः | स्तावयन्ति |
| | स्तावयसि | स्तावयथः | स्तावयथ |
| | स्तावयामि | स्तावयावः | स्तावयामः |
| स० | स्तावयेत् | स्तावयेताम् | स्तावयेयुः |
| | स्तावयेः | स्तावयेतम् | स्तावयेत |
| | स्तावयेयम् | स्तावयेव | स्तावयेम |
| प० | स्तावयतु | स्तावयतात् | स्तावयन्तु |
| | स्तावय | स्तावयतात् | स्तावयत |
| | स्तावयानि | स्तावयाव | स्तावयाम |
| ह्य० | अस्तावयत् | अस्तावयताम् | अस्तावयन् |
| | अस्तावयः | अस्तावयतम् | अस्तावयत |
| | अस्तावयम् | अस्तावयाव | अस्तावयाम |
| अ० | अनुष्टवत् | अनुष्टवताम् | अनुष्टवन् |
| | अनुष्टवः | अनुष्टवतम् | अनुष्टवत |
| | अनुष्टवम् | अनुष्टवाव | अनुष्टवाम |
| प० | स्तावयाश्चकार | स्तावयाश्चक्रुः | स्तावयाश्चकुः |
| | स्तावयाश्चकथं | स्तावयाश्चक्रुः | स्तावयाश्चक |
| | स्तावयाश्चकार-चक्र | स्तावयाश्चकृव | स्तावयाश्चकृम |
| | स्तावयाम्बभूव | स्तावयामास | |
| आ० | स्ताव्यात् | स्ताव्यास्ताम् | स्ताव्यासुः |
| | स्ताव्याः | स्ताव्यास्तम् | स्ताव्यास्त |
| | स्ताव्यासम् | स्ताव्यास्व | स्ताव्यास्म |
| थ० | स्तावयिता | स्तावयितारौ | स्तावयितारः |
| | स्तावयितासि | स्तावयितास्थः | स्तावयितास्थ |
| | स्तावयितास्मि | स्तावयितास्वः | स्तावयितास्मः |
| भ० | स्तावयिष्यति | स्तावयिष्यतः | स्तावयिष्यन्ति |
| | स्तावयिष्यसि | स्तावयिष्यथः | स्तावयिष्यथ |
| | स्तावयिष्यामि | स्तावयिष्यावः | स्तावयिष्यामः |
| क्रि० | अस्तावयिष्यत् | अस्तावयिष्यताम् | अस्तावयिष्यन् |
| | अस्तावयिष्यः | अस्तावयिष्यतम् | अस्तावयिष्यत |
| | अस्तावयिष्यम् | अस्तावयिष्याव | अस्तावयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | स्तावयेते | स्तावयेते | स्तावयन्ते |
| | स्तावयसे | स्तावयेथे | स्तावयध्वे |
| | स्तावये | स्तावयावहे | स्तावयामहे |
| स० | स्तावयेत | स्तावयेताम् | स्तावयेरन् |
| | स्तावयेथाः | स्तावयेतम् | स्तावयेध्वम् |
| | स्तावयेथ | स्तावयेवहि | स्तावयेमहि |
| प० | स्तावयताम् | स्तावयेताम् | स्तावयन्ताम् |
| | स्तावयस्व | स्तावयेथाम् | स्तावयध्वम् |
| | स्तावयै | स्तावयावहे | स्तावयामहे |
| ह्य० | अस्तावयत | अस्तावयेताम् | अस्तावयन्त |
| | अस्तावयथाः | अस्तावयेथाम् | अस्तावयध्वम् |
| | अस्तावये | अस्तावयावहि | अस्तावयामहि |
| अ० | अनुष्टवत् | अनुष्टवेताम् | अनुष्टवन्त |
| | अनुष्टवथाः | अनुष्टवेथाम् | अनुष्टवध्वम् |
| | अनुष्टवे | अनुष्टवावहि | अनुष्टवामहि |
| प० | स्तावयाश्चक्रे | स्तावयाश्चक्राते | स्तावयाश्चक्रिरे |
| | स्तावयाश्चक्रे | स्तावयाश्चक्राथे | स्तावयाश्चक्रुदे |
| | स्तावयाश्चक्रे | स्तावयताश्चक्रुदे | स्तावयाश्चक्रुमहे |
| | स्तावयाश्चभूव | स्तावयामास | |
| भा० | स्तावयिषीष्ट | स्तावयिषीयास्ताम् | स्तावयिषीरन् |
| | स्तावयिषीष्टाः | स्तावयिषीयास्थाम् | स्तावयिषीद्वम् |
| | स्तावयिषीय | स्तावयिषीवहि | स्तावयिषीमहि |
| थ० | स्तावयिता | स्तावयितारौ | स्तावयितारः |
| | स्तावयितासे | स्तावयितास्थे | स्तावयिताध्वे |
| | स्तावयिताहे | स्तावयितास्वहे | स्तावयितास्महे |
| भ० | स्तावयिष्यते | स्तावयिष्येते | स्तावयिष्यन्ते |
| | स्तावयिष्यसे | स्तावयिष्येथे | स्तावयिष्यध्वे |
| | स्तावयिष्ये | स्तावयिष्यावहे | स्तावयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तावयिष्यत् | अस्तावयिष्येताम् | अस्तावयिष्यन्त |
| | अस्तावयिष्यथाः | अस्तावयिष्येथाम् | अस्तावयिष्यध्वम् |
| | अस्तावयिष्ये | अस्तावयिष्यावहि | अस्तावयिष्यामहि |
| | ॥ अथ ऊदन्तः ॥ | | |

1125 ब्रूगृक् (ब्रू-वच्) व्यक्तायां वाचि । 1096
बच् कृवद्रूपाणि

॥ अथ षान्तः ॥

1126 द्विषीक् (द्विष्) अप्रीतो ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | द्वेषयति | द्वेषयतः | द्वेषयन्ति |
| | द्वेषयसि | द्वेषयथः | द्वेषयथ |
| | द्वेषयामि | द्वेषयावः | द्वेषयामः |
| स० | द्वेषयेत् | द्वेषयेताम् | द्वेषयेयुः |
| | द्वेषयेः | द्वेषयेतम् | द्वेषयेत |
| | द्वेषयेयम् | द्वेषयेव | द्वेषयेम |
| प० | द्वेषयतु | द्वेषयतात् | द्वेषयताम् |
| | द्वेषय | द्वेषयतात् | द्वेषयतम् |
| | द्वेषयानि | द्वेषयाव | द्वेषयाम |
| ह्य० | अद्वेषयत् | अद्वेषयताम् | अद्वेषयत् |
| | अद्वेषयः | अद्वेषयतम् | अद्वेषयत |
| | अद्वेषयम् | अद्वेषयाव | अद्वेषयाम |
| अ० | अदिद्विषत् | अदिद्विषताम् | अदिद्विषन् |
| | अदिद्विषः | अदिद्विषतम् | अदिद्विषत |
| | अदिद्विषम् | अदिद्विषाव | अदिद्विषाम |
| प० | द्वेषयाञ्चकार | द्वेषयाञ्चक्रुः | द्वेषयाञ्चकः |
| | द्वेषयाञ्चकथं | द्वेषयाञ्चक्रुः | द्वेषयाञ्चक |
| | द्वेषयाञ्चकार-चकर | द्वेषयाञ्चकृव | द्वेषयाञ्चकृम |
| | द्वेषयाम्बभूव | । | द्वेषयामास |
| भा० | द्वेष्यात् | द्वेष्यास्ताम् | द्वेष्यासुः |
| | द्वेष्याः | द्वेष्यास्तम् | द्वेष्यास्त |
| | द्वेष्यासम् | द्वेष्यास्व | द्वेष्यास्म |
| स्व० | द्वेषयिता | द्वेषयितारौ | द्वेषयितारः |
| | द्वेषयितासि | द्वेषयितास्थः | द्वेषयितास्थ |
| | द्वेषयितास्मि | द्वेषयितास्वः | द्वेषयितास्मः |
| भ० | द्वेषयिष्यति | द्वेषयिष्यतः | द्वेषयिष्यन्ति |
| | द्वेषयिष्यसि | द्वेषयिष्यथः | द्वेषयिष्यथ |
| | द्वेषयिष्यामि | द्वेषयिष्यावः | द्वेषयिष्यामः |
| क्रि० | अद्वेषयिष्यत् | अद्वेषयिष्यताम् | अद्वेषयिष्यन् |
| | अद्वेषयिष्यः | अद्वेषयिष्यतम् | अद्वेषयिष्यत |
| | अद्वेषयिष्यम् | अद्वेषयिष्याव | अद्वेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | द्वेषयते | द्वेषयेते | द्वेषयन्ते |
| | द्वेषयसे | द्वेषयेथे | द्वेषयध्वे |
| | द्वेषये | द्वेषयावहे | द्वेषयामहे |
| स० | द्वेषयंत | द्वेषयेयाताम् | द्वेषयेरन् |
| | द्वेषयेथाः | द्वेषयेयाथाम् | द्वेषयेध्वम् |
| | द्वेषयेय | द्वेषयेवहि | द्वेषयेमहि |
| प० | द्वेषयताम् | द्वेषयेताम् | द्वेषयन्ताम् |
| | द्वेषयस्व | द्वेषयेथाम् | द्वेषयध्वम् |
| | द्वेषये | द्वेषयावहे | द्वेषयामहे |
| ह्य० | अद्वेषयत | अद्वेषयेताम् | अद्वेषयन्त |
| | अद्वेषयथाः | अद्वेषयेथाम् | अद्वेषयध्वम् |
| | अद्वेषये | अद्वेषयावहि | अद्वेषयामहि |
| अ० | अदिद्विषत | अदिद्विषेताम् | अदिद्विषन्त |
| | अदिद्विषथाः | अदिद्विषेथाम् | अदिद्विषध्वम् |
| | अदिद्विषे | अदिद्विषावहि | अदिद्विषामहि |
| प० | द्वेषयाञ्चक्रे | द्वेषयाञ्चक्राते | द्वेषयाञ्चक्रे |
| | द्वेषयाञ्चकृषे | द्वेषयाञ्चक्राथे | द्वेषयाञ्चकृह्वे |
| | द्वेषयाञ्चके | द्वेषयाञ्चकृवहे | द्वेषयाञ्चकृमहे |
| | द्वेषयाम्बभूव | । | द्वेषयामास |
| भा० | द्वेषयिषीष्ट | द्वेषयिषीगास्ताम् | द्वेषयिषीरन् |
| | द्वेषयिषीष्टः | द्वेषयिषीयास्ताम् | द्वेषयिषीह्वम् |
| | द्वेषयिषीय | द्वेषयिषीवहि | द्वेषयिषीमहि |
| स्व० | द्वेषयिता | द्वेषयितारौ | द्वेषयितारः |
| | द्वेषयितासे | द्वेषयितासाथे | द्वेषयिताध्वे |
| | द्वेषयिताहे | द्वेषयितास्वहे | द्वेषयितामहे |
| भ० | द्वेषयिष्यते | द्वेषयिष्येते | द्वेषयिष्यन्ते |
| | द्वेषयिष्यसे | द्वेषयिष्येथे | द्वेषयिष्यध्वे |
| | द्वेषयिष्ये | द्वेषयिष्यावहे | द्वेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अद्वेषयिष्यत | अद्वेषयिष्येताम् | अद्वेषयिष्यन्त |
| | अद्वेषयिष्यथाः | अद्वेषयिष्येथाम् | अद्वेषयिष्यध्वम् |
| | अद्वेषयिष्ये | अद्वेषयिष्यावहि | अद्वेषयिष्यामहि |

॥ हान्तास्त्रयः ॥

1127 दुर्हीक् (दुह्) क्षरणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ३० | दोहयति | दोहयतः | दोहयन्ति |
| | दोहयसि | दोहयथः | दोहयथ |
| | दोहयामि | दोहयावः | दोहयामः |
| स० | दोहयेत् | दोहयेताम् | दोहयेयुः |
| | दोहयेः | दोहयेतम् | दोहयेत |
| | दोहयेयम् | दोहयेव | दोहयेम |
| प० | दोहयतु | दोहयतात् | दोहयताम् |
| | दोहय | दोहयतात् | दोहयतम् |
| | दोहयानि | दोहयाव | दोहयाम |
| ह्य० | अदोहयत् | अदोहयताम् | अदोहयन् |
| | अदोहयः | अदोहयतम् | अदोहयत |
| | अदोहयम् | अदोहयाव | अदोहयाम |
| अ० | अदूदुहत् | अदूदुहताम् | अदूदुहन् |
| | अदूदुहः | अदूदुहतम् | अदूदुहत |
| | अदूदुहम् | अदूदुहाव | अदूदुहाम |
| प० | दोहयाञ्चकार | दोहयाञ्चकतुः | दोहयाञ्चकुः |
| | दोहयाञ्चकथं | दोहयाञ्चकथुः | दोहयाञ्चक |
| | दोहयाञ्चकार-चकर | दोहयाञ्चकृव | दोहयाञ्चकृम |
| | दोहयाम्बभूव | । | दोहयामास |
| आ० | दोह्यात् | दोह्यास्ताम् | दोह्यासुः |
| | दोह्याः | दोह्यास्तम् | दोह्यास्त |
| | दोह्यासम् | दोह्यास्व | दोह्यासम |
| श० | दोहयिता | दोहयितारौ | दोहयितारः |
| | दोहयितासि | दोहयितास्थः | दोहयितास्थ |
| | दोहयितासिम् | दोहयितास्वः | दोहयितास्मः |
| म० | दोहयिष्यति | दोहयिष्यतः | दोहयिष्यन्ति |
| | दोहयिष्यसि | दोहयिष्यथः | दोहयिष्यथ |
| | दोहयिष्यामि | दोहयिष्यावः | दोहयिष्यामः |
| क्रि० | अदोहयिष्यत् | अदोहयिष्यताम् | अदोहयिष्यन् |
| | अदोहयिष्यः | अदोहयिष्यतम् | अदोहयिष्यत |
| | अदोहयिष्यम् | अदोहयिष्याव | अदोहयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | दोहयते | दोहयेते | दोहयन्ते |
| | दोहयसे | दोहयेये | दोहयध्वे |
| | दोहये | दोहयावहे | दोहयामहे |
| स० | दोहयेत | दोहयेयाताम् | दोहयेरन् |
| | दोहयेथाः | दोहयेयाथाम् | दोहयेध्वम् |
| | दोहयेय | दोहयेवहि | दोहयेमहि |
| प० | दोहयताम् | दोहयेताम् | दोहयन्ताम् |
| | दोहयस्व | दोहयेथाम् | दोहयध्वम् |
| | दोहये | दोहयावहे | दोहयामहे |
| ह्य० | अदोहयत | अदोहयेताम् | अदोहयन्त |
| | अदोहयेथाः | अदोहयेथाम् | अदोहयध्वम् |
| | अदोहये | अदोहयावहि | अदोहयामहि |
| अ० | अदूदुहत् | अदूदुहताम् | अदूदुहन्त |
| | अदूदुहथाः | अदूदुथाम् | अदूदुध्वम् |
| | अदूदुहे | अदूदुहावहि | अदूदुहामहि |
| प० | दोहयाञ्चक्रे | दोहयाञ्चकाते | दोहयाञ्चकिरे |
| | दोहयाञ्चकृषे | दोहयाञ्चकाथे | दोहयाञ्चकृद्वे |
| | दोहयाञ्चके | दोहयाञ्चकृवहे | दोहयाञ्चकृमहे |
| | दोहयाम्बभूव | । | दोहयामास |
| आ० | दोहयिषीष्ट | दोहयिषीयास्ताम् | दोहयिषीरन् |
| | दोहयिषीष्टाः | दोहयिषीयास्थाम् | दोहयिषीध्वम् |
| | दोहयिषीय | दोहयिषीवहि | दोहयिषीमहि |
| श० | दोहयिता | दोहयितारौ | दोहयितारः |
| | दोहयितासे | दोहयितासाथे | दोहयिताध्वे |
| | दोहयिताहे | दोहयितास्वहे | दोहयितास्महे |
| म० | दोहयिष्यते | दोहयिष्येते | दोहयिष्यन्ते |
| | दोहयिष्यसे | दोहयिष्येये | दोहयिष्यध्वे |
| | दोहयिष्ये | दोहयिष्यावहे | दोहयिष्यामहे |
| क्रि० | अदोहयिष्यत् | अदोहयिष्येताम् | अदोहयिष्यन्त |
| | अदोहयिष्यथाः | अदोहयिष्येथाम् | अदोहयिष्यध्वम् |
| | अदोहयिष्ये | अदोहयिष्यावहि | अदोहयिष्यामहि |

1128 दिह्रीक् (दिह्) लेपे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | देहयति | देहयतः | देहयन्ति |
| | देहयसि | देहयथः | देहयथ |
| | देहयामि | देहयावः | देहयामः |
| स० | देहयेत् | देहयेताम् | देहयेयुः |
| | देहयेः | देहयेतम् | देहयेत |
| | देहयेयम् | देहयेव | देहयेम |
| प० | देहयतु | देहयतात् | देहयताम् |
| | देहय | देहयतात् | देहयतम् |
| | देहयानि | देहयाव | देहयाम |
| ह्य० | अदेहयत् | अदेहयताम् | अदेहयन् |
| | अदेहयः | अदेहयतम् | अदेहयत |
| | अदेहयम् | अदेहयाव | अदेहयाम |
| अ० | अदीदिहत् | अदीदिहताम् | अदीदिहन् |
| | अदीदिहः | अदीदिहतम् | अदीदिहत |
| | अदीदिहम् | अदीदिहाव | अदीदिहाम |
| प० | देहयाञ्चकार | देहयाञ्चक्रुः | देहयाञ्चक्रुः |
| | देहयाञ्चक्य | देहयाञ्चक्रुः | देहयाञ्चक्रुः |
| | देहयाञ्चकार-चक्र | देहयाञ्चक्रुव | देहयाञ्चक्रुम |
| | देहयाम्बभूव | देहयामास | |
| आ० | देह्यात् | देह्यास्ताम् | देह्यासुः |
| | देह्याः | देह्यास्तम् | देह्यास्त |
| | देह्यासम् | देह्यास्व | देह्यास्म |
| भ० | देहयिता | देहयितारौ | देहयितारः |
| | देहयितासि | देहयितास्यः | देहयितास्य |
| | देहयितास्मि | देहयितास्वः | देहयितास्मः |
| भ० | देहयिष्यति | देहयिष्यतः | देहयिष्यन्ति |
| | देहयिष्यसि | देहयिष्यथः | देहयिष्यथ |
| | देहयिष्यामि | देहयिष्यावः | देहयिष्यामः |
| क्रि० | अदेहयिष्यत् | अदेहयिष्यताम् | अदेहयिष्यन् |
| | अदेहयिष्यः | अदेहयिष्यतम् | अदेहयिष्यत |
| | अदेहयिष्यम् | अदेहयिष्याव | अदेहयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | देहयेते | देहयेते | देहयन्ते |
| | देहयेसे | देहयेथे | देहयेथ्वे |
| | देहये | देहयावहे | देहयामहे |
| स० | देहयेत | देहयेयाताम् | देहयेरन् |
| | देहयेथाः | देहयेयाथाम् | देहयेथ्वम् |
| | देहयेय | देहयेवहि | देहयेमहि |
| प० | देहयताम् | देहयेताम् | देहयन्ताम् |
| | देहयस्व | देहयेथाम् | देहयथ्वम् |
| | देहये | देहयावहे | देहयामहे |
| ह्य० | अदेहयत् | अदेहयेताम् | अदेहयन्त |
| | अदेहयथाः | अदेहयेथाम् | अदेहयथ्वम् |
| | अदेहये | अदेहयावहि | अदेहयामहि |
| अ० | अदीदिहत् | अदीदिहेताम् | अदीदिहन्त |
| | अदीदिहथाः | अदीदिथाम् | अदीदिहथ्वम् |
| | अदीदिहे | अदीदिहावहि | अदीदिहामहि |
| प० | देहयाञ्चके | देहयाञ्चक्रते | देहयाञ्चक्रिरे |
| | देहयाञ्चकृषे | देहयाञ्चक्राथे | देहयाञ्चक्रुवहे |
| | देहयाञ्चके | देहयाञ्चक्रुवहे | देहयाञ्चक्रुमहे |
| | देहयाम्बभूव | देहयामास | |
| आ० | देहयिषीष्ट | देहयिषीयास्ताम् | देहयिषीरन् |
| | देहयिषीष्टाः | देहयिषीयास्थाम् | देहयिषीथ्वम् |
| | देहयिषीय | देहयिषीवहि | देहयिषीमहि |
| भ० | देहयिता | देहयितारौ | देहयितारः |
| | देहयितासे | देहयितासाथे | देहयिताथ्वे |
| | देहयिताहे | देहयितास्वहे | देहयितास्महे |
| भ० | देहयिष्येते | देहयिष्येते | देहयिष्यन्ते |
| | देहयिष्यसे | देहयिष्येथे | देहयिष्येथ्वे |
| | देहयिष्ये | देहयिष्यावहे | देहयिष्यामहे |
| क्रि० | अदेहयिष्यत् | अदेहयिष्येताम् | अदेहयिष्यन्त |
| | अदेहयिष्यथाः | अदेहयिष्येथाम् | अदेहयिष्यथ्वम् |
| | अदेहयिष्ये | अदेहयिष्यावहि | अदेहयिष्यामहि |

1129 लिहीन् (लिह्) आस्वादाने ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| ५० | लेहयति | लेहयतः | लेहयन्ति |
| | लेहयसि | लेहयथः | लेहयथ |
| | लेहयामि | लेहयावः | लेहयामः |
| स० | लेहयेत् | लेहयेताम् | लेहयेयुः |
| | लेहयेः | लेहयेतम् | लेहयेत |
| | लेहयेयम् | लेहयेव | लेहयेम |
| प० | लेहयतु | लेहयतात् | लेहयताम् |
| | लेहय | लेहयतात् | लेहयतम् |
| | लेहयानि | लेहयाव | लेहयाम |
| ह्य० | अलेहयत् | अलेहयताम् | अलेहयन् |
| | अलेहयः | अलेहयतम् | अलेहयत |
| | अलेहयम् | अलेहयाव | अलेहयाम |
| अ० | अलीलिहत् | अलीलिहताम् | अलीलिहन् |
| | अलीलिहः | अलीलिहतम् | अलीलिहत |
| | अलीलिहम् | अलीलिहाव | अलीलिहाम |
| प० | लेहयाञ्चकार | लेहयाञ्चकतुः | लेहयाञ्चकुः |
| | लेहयाञ्चक्यं | लेहयाञ्चकथुः | लेहयाञ्चक |
| | लेहयाञ्चकार-चकार | लेहयाञ्चकृव | लेहयाञ्चकृम |
| | लेहयाम्बभूव | लेहयामास | |
| भा० | लेह्यात् | लेह्यास्ताम् | लेह्यासुः |
| | लेह्याः | लेह्यास्तम् | लेह्यास्त |
| | लेह्यासम् | लेह्यास्व | लेह्यास्म |
| स० | लेहयिता | लेहयितारौ | लेहयितारः |
| | लेहयितासि | लेहयितास्यः | लेहयितास्य |
| | लेहयितास्मि | लेहयितास्वः | लेहयितास्मः |
| भ० | लेहयिष्यति | लेहयिष्यतः | लेहयिष्यन्ति |
| | लेहयिष्यसि | लेहयिष्यथः | लेहयिष्यथ |
| | लेहयिष्यामि | लेहयिष्यावः | लेहयिष्यामः |
| क्रि० | अलेहयिष्यत् | अलेहयिष्यताम् | अलेहयिष्यन् |
| | अलेहयिष्यः | अलेहयिष्यतम् | अलेहयिष्यत |
| | अलेहयिष्यम् | अलेहयिष्याव | अलेहयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| व० | लेह्यते | लेह्येत | लेह्यन्ते |
| | लेह्यसे | लेह्यथे | लेह्यवे |
| | लेह्ये | लेह्यावहे | लेह्यामहे |
| स० | लेह्येत | लेह्येयाताम् | लेह्येरन् |
| | लेह्येथाः | लेह्येयाथाम् | लेह्येष्वम् |
| | लेह्येय | लेह्येवहि | लेह्येमहि |
| प० | लेह्यताम् | लेह्यताम् | लेह्यन्ताम् |
| | लेह्यस्व | लेह्येथाम् | लेह्येष्वम् |
| | लेह्ये | लेह्यावहे | लेह्यामहे |
| ह्य० | अलेह्यत | अलेह्यताम् | अलेह्यन्त |
| | अलेह्यथाः | अलेह्येथाम् | अलेह्येष्वम् |
| | अलेह्ये | अलेह्यावहि | अलेह्यामहि |
| अ० | अलीलिहत् | अलीलिहताम् | अलीलिहन्त |
| | अलीलिहथाः | अलीलिहेथाम् | अलीलिहेष्वम् |
| | अलीलिहे | अलीलिहावहि | अलीलिहामहि |
| प० | लेह्याञ्चके | लेह्याञ्चकाते | लेह्याञ्चकिरे |
| | लेह्याञ्चकृषे | लेह्याञ्चकृथे | लेह्याञ्चकृद्वे |
| | लेह्याञ्चके | लेह्याञ्चकृवहे | लेह्याञ्चकृहे |
| | लेह्याम्बभूव | लेह्यामास | |
| आ० | लेहयिषीष्ट | लेहयिषीयास्ताम् | लेहयिषीरन् |
| | लेहयिषीष्टाः | लेहयिषीयास्थाम् | लेहयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | लेहयिषीय | लेहयिषीवहि | लेहयिषीमहि |
| स० | लेहयिता | लेहयितारौ | लेहयितारः |
| | लेहयितासे | लेहयितासाथे | लेहयितास्वे |
| | लेहयिताहे | लेहयितास्वहे | लेहयितास्महे |
| भ० | लेहयिष्येते | लेहयिष्येते | लेहयिष्यन्ते |
| | लेहयिष्यसे | लेहयिष्येथे | लेहयिष्येध्वे |
| | लेहयिष्ये | लेहयिष्यावहे | लेहयिष्यामहे |
| क्रि० | अलेहयिष्यत | अलेहयिष्यताम् | अलेहयिष्यन्त |
| | अलेहयिष्यथाः | अलेहयिष्येथाम् | अलेहयिष्येष्वम् |
| | अलेहयिष्ये | अलेहयिष्यावहि | अलेहयिष्यामहि |

॥ अथ अदाद्यन्तर्गणह्रादिः ॥

११३० हुंकु (हु) दावादनयोः

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० हावयति | हावयतः | हावयन्ति |
| हावयसि | हावयथः | हावयथ |
| हावयामि | हावयावः | हावयामः |
| स० हावयेत् | हावयेताम् | हावयेयुः |
| हावयेः | हावयेतम् | हावयेत |
| हावयेयम् | हावयेव | हावयेम |
| प० हावयतु | हावयतात् | हावयन्तु |
| हावय | हावयतात् | हावयतम् |
| हावयान् | हावयाव | हावयाम |
| ह्य० अहावयत् | अहावयताम् | अहावयन् |
| अहावयः | अहावयतम् | अहावयते |
| अहावयम् | अहावयाव | अहावयाम |
| अ० अजृहवत् | अजृहवताम् | अजृहवन् |
| अजृहवः | अजृहवतम् | अजृहवत |
| अजृहवम् | अजृहवाव | अजृहवाम |
| प० हावयाञ्चकार | हावयाञ्चक्रुः | हावयाञ्चक्रुः |
| हावयाञ्चकथं | हावयाञ्चकथुः | हावयाञ्चक |
| हावयाञ्चकार-चकर | हावयाञ्चक्रव | हावयाञ्चक्रम |
| हावयाञ्चभूव | हावयामास | |
| आ० हाव्यान् | हाव्यास्ताम् | हाव्यासुः |
| हाव्याः | हाव्यास्तम् | हाव्यास्त |
| हाव्यासम् | हाव्यास्व | हाव्यास्म |
| श्व० हावयिता | हावयितारौ | हावयितारः |
| हावयितासि | हावयितास्थः | हावयितास्थ |
| हावयितास्मि | हावयितास्वः | हावयितास्मः |
| अ० हावयिष्यति | हावयिष्यतः | हावयिष्यन्ति |
| हावयिष्यसि | हावयिष्यथः | हावयिष्यथ |
| हावयिष्यामि | हावयिष्यावः | हावयिष्यामः |
| क्रि० अहावयिष्यत् | अहावयिष्यताम् | अहावयिष्यन् |
| अहावयिष्यः | अहावयिष्यतम् | अहावयिष्यत |
| अहावयिष्यम् | अहावयिष्याव | अहावयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० हावयते | हावयेते | हावयन्ते |
| हावयसे | हावयेथे | हावयन्थे |
| हावये | हावयावहे | हावयामहे |
| स० हावयेत | हावयेयाताम् | हावयेरन् |
| हावयेथाः | हावयेथांम् | हावयेध्वम् |
| हावयेय | हावयेवहि | हावयेमहि |
| प० हावयताम् | हावयेताम् | हावयन्ताम् |
| हावयस्व | हावयेथाम् | हावयध्वम् |
| हावये | हावयावहे | हावयामहे |
| ह्य० अहावयत | अहावयेताम् | अहावयन्त |
| अहावयथाः | अहावयेथाम् | अहावयध्वम् |
| अहावये | अहावयावहि | अहावयामहि |
| अ० अजृहवत् | अजृहवेताम् | अजृहवन्त |
| अजृहवथाः | अजृहवेथाम् | अजृहवध्वम् |
| अजृहवे | अजृहवावहि | अजृहवामहि |
| ग० हावयाञ्चके | हावयाञ्चक्राते | हावयाञ्चकिरे |
| हावयाञ्चकृषे | हावयाञ्चक्राथे | हावयाञ्चकृद्वे |
| हावयाञ्चके | हावयाञ्चक्रवहे | हावयाञ्चक्रमहे |
| हावयाञ्चभूव | हावयामास | |
| आ० हावयिषीष्ट | हावयिषीयास्ताम् | हावयिषीरन् |
| हावयिषीष्टाः | हावयिषीयास्थाम् | हावयिषीद्वम् |
| हावयिषीय | हावयिषीवहि | हावयिषीमहि |
| श्व० हावयिता | हावयितारौ | हावयितारः |
| हावयितासे | हावयितासाथे | हावयिताध्वे |
| हावयिताहे | हावयितास्वहे | हावयितास्महे |
| अ० हावयिष्यते | हावयिष्येते | हावयिष्यन्ते |
| हावयिष्यसे | हावयिष्येथे | हावयिष्यध्वे |
| हावयिष्ये | हावयिष्यावहे | हावयिष्यामहे |
| क्रि० अहावयिष्यत् | अहावयिष्येताम् | अहावयिष्यन् |
| अहावयिष्यथाः | अहावयिष्येथाम् | अहावयिष्यध्वम् |
| अहावयिष्ये | अहावयिष्यावहि | अहावयिष्यामहि |

॥ अथादन्तः ॥

११३१ ओहाक् (हा) त्यागे ।

| | | |
|--------------------|---------------|--------------|
| व० हापयति | हापयतः | हापयन्ति |
| हापयसि | हापयथः | हापयथ |
| हापयामि | हापयावः | हापयामः |
| स० हापयेत् | हापयेताम् | हापयेयुः |
| हापयेः | हापयेतम् | हापयेत |
| हापयेयम् | हापयेव | हापयेम |
| प० हापयतु हापयतात् | हापयताम् | हापयन्तु |
| हापय हापयतात् | हापयतम् | हापयत |
| हापयानि | हापयाव | हापयाम |
| ह्य० अहापयत् | अहापयताम् | अहापयन् |
| अहापयः | अहापयतम् | अहापयत |
| अहापयम् | अहापयाव | अहापयाम |
| अ० अजीहपत् | अजीहपताम् | अजीहपन् |
| अजीहपः | अजीहपतम् | अजीहपत |
| अजीहपम् | अजीहपाव | अजीहपाम |
| प० हापयाञ्चकार | हापयाञ्चक्रुः | हापयाञ्चकुः |
| हापयाञ्चकथं | हापयाञ्चकथुः | हापयाञ्चक |
| हापयाञ्चकार-चकर | हापयाञ्चकृव | हापयाञ्चकृम |
| हापयाम्बभूव | हापयामास | |
| आ० हाप्यात् | हाप्यास्ताम् | हाप्यासुः |
| हाप्याः | हाप्यास्तम् | हाप्यास्त |
| हाप्यासम् | हाप्यास्व | हाप्यास्म |
| हापयिता | हापयितारौ | हापयितारः |
| हापयितासि | हापयितास्थः | हापयितास्थ |
| हापयितास्मि | हापयितास्वः | हापयितास्मः |
| भ० हापयिष्यति | हापयिष्यतः | हापयिष्यन्ति |
| हापयिष्यसि | हापयिष्यथः | हापयिष्यथ |
| हापयिष्यामि | हापयिष्यावः | हापयिष्यामः |
| क्रि० अहापयिष्यत् | अहापयिष्यताम् | अहापयिष्यन् |
| अहापयिष्यः | अहापयिष्यतम् | अहापयिष्यत |
| अहापयिष्यम् | अहापयिष्याव | अहापयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० हापयते | हापयेते | हापयन्ते |
| हापयसे | हापयेथे | हापयन्वे |
| हापये | हापयेवहे | हापयामहे |
| स० हापयेत | हापयेताताम् | हापयेरन् |
| हापयेथाः | हापयेथाताम् | हापयेध्वम् |
| हापयेय | हापयेवहि | हापयेमहि |
| प० हापयताम् | हापयेताम् | हापयन्ताम् |
| हापयस्व | हापयेथाम् | हापयध्वम् |
| हापये | हापयावहे | हापयामहे |
| ह्य० अहापयत | अहापयेताम् | अहापयन्त |
| अहापयथाः | अहापयेथाम् | अहापयध्वम् |
| अहापये | अहापयावहि | अहापयामहि |
| अ० अजीहपत | अजीहपेताम् | अजीहपन्त |
| अजीहपथाः | अजीहपेथाम् | अजीहपध्वम् |
| अजीहपे | अजीहभावहि | अजीहपामहि |
| ग० हापयाञ्चके | हापयाञ्चकाते | हापयाञ्चकिरे |
| हापयाञ्चकृपे | हापयाञ्चकृथे | हापयाञ्चकृद्वे |
| हापयाञ्चके | हापयाञ्चकृवहे | हापयाञ्चकृमहे |
| हापयाम्बभूव | हापयामास | |
| आ० हापयिषीष्ट | हापयिषीयास्ताम् | हापयिषीरन् |
| हापयिषीष्टाः | हापयिषीयास्थाम् | हापयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| हापयिषीय | हापयिषीवहि | हापयिषीमहि |
| भ० हापयिता | हापयितारौ | हापयितारः |
| हापयितासे | हापयितास्थे | हापयितास्वे |
| हापयिताहे | हापयितास्वहे | हापयितास्महे |
| भ० हापयिष्यते | हापयिष्येते | हापयिष्यन्ते |
| हापयिष्यसे | हापयिष्येथे | हापयिष्यन्वे |
| हापयिष्ये | हापयिष्यवहे | हापयिष्यामहे |
| क्रि० अहापयिष्यत | अहापयिष्येताम् | अहापयिष्यन्त |
| अहापयिष्यथाः | अहापयिष्येथाम् | अहापयिष्यध्वम् |
| अहापयिष्ये | अहापयिष्यावहि | अहापयिष्यामहि |

॥ अथेदन्ताः ॥

1132 जिभीक् (भी) भये ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | भाययति | भाययतः | भाययन्ति |
| | भाययसि | भाययथः | भाययथ |
| | भाययामि | भाययावः | भाययामः |
| स० | भाययेत् | भाययेताम् | भाययेयुः |
| | भाययेः | भाययेतम् | भाययेत |
| | भाययेयम् | भाययेव | भाययेम |
| प० | भाययतु | भाययतात् | भाययताम् |
| | भायय | भाययतात् | भाययतम् |
| | भाययानि | भाययाव | भाययाम |
| ह्य० | अभाययत् | अभाययताम् | अभाययन् |
| | अभाययः | अभाययतम् | अभाययत |
| | अभाययम् | अभाययाव | अभाययाम |
| अ० | अवीभयत् | अवीभयताम् | अवीभयन् |
| | अवीभयः | अवीभयतम् | अवीभयत |
| | अवीभयम् | अवीभयाव | अवीभयाम |
| प० | भाययाञ्चकार | भाययाञ्चक्रुः | भाययाञ्चकुः |
| | भाययाञ्चकथं | भाययाञ्चक्रुः | भाययाञ्चक |
| | भाययाञ्चकार-चकर | भाययाञ्चकृव | भाययाञ्चकृम |
| | भाययाम्बभूव | भाययामास | |
| आ० | भाय्यात् | भाय्यास्ताम् | भाय्यासुः |
| | भाय्याः | भाय्यास्तम् | भाय्यास्त |
| | भाय्यासम् | भाय्यास्व | भाय्यास्म |
| भ्र० | भाययिता | भाययितारौ | भाययितारः |
| | भाययितासि | भाययितास्थः | भाययितस्थ |
| | भाययितास्मि | भाययितास्वः | भाययितारम |
| भ० | भाययिष्यति | भाययिष्यतः | भाययिष्यन्ति |
| | भाययिष्यसि | भाययिष्यथः | भाययिष्यथ |
| | भाययिष्यामि | भाययिष्यावः | भाययिष्यामः |
| क्रि० | अभाययिष्यत् | अभाययिष्यताम् | अभाययिष्यन् |
| | अभाययिष्यः | अभाययिष्यतम् | अभाययिष्यत |
| | अभाययिष्यम् | अभाययिष्याव | अभाययिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------|----------------|
| व० | भाययते | भाययेते | भाययन्ते |
| | भाययसे | भाययेथे | भाययध्वे |
| | भायये | भाययावहे | भाययामहे |
| स० | भाययेत् | भाययेताम् | भाययेरन् |
| | भाययेथाः | भाययेथाम् | भाययेध्वम् |
| | भाययेय | भाययेवहि | भाययेमहि |
| प० | भाययताम् | भाययेताम् | भाययन्ताम् |
| | भाययस्व | भाययेथाम् | भाययध्वम् |
| | भाययै | भाययावहे | भाययामहे |
| ह्य० | अभाययत् | अभाययेताम् | अभाययन्त |
| | अभाययथाः | अभाययेथाम् | अभाययध्वम् |
| | अभायये | अभाययावहि | अभाययामहि |
| अ० | अवीभयत् | अवीभयेताम् | अवीभयन्त |
| | अवीभयथाः | अवीभयेथाम् | अवीभयध्वम् |
| | अवीभये | अवीभयावहि | अवीभयामहि |
| प० | भाययाञ्चकार | भाययाञ्चक्रुः | भाययाञ्चकुः |
| | भाययाञ्चकथं | भाययाञ्चक्रुः | भाययाञ्चक |
| | भाययाञ्चकार-चकर | भाययाञ्चकृव | भाययाञ्चकृम |
| | भाययाम्बभूव | भाययामास | |
| आ० | भाययिषीष्ट | भाययिषीवास्ताम् | भाययिषीरन् |
| | भाययिषीष्टाः | भाययिषीयास्थाम् | भाययिषीध्वम् |
| | भाययिषीय | भाययिषीवहि | भाययिषीमहि |
| भ्र० | भाययिता | भाययितारौ | भाययितारः |
| | भाययितासि | भाययितास्थे | भाययिताध्वे |
| | भाययिताहे | भाययितास्वहे | भाययितास्महे |
| भ० | भाययिष्यते | भाययिष्येते | भाययिष्यन्ते |
| | भाययिष्यसे | भाययिष्येथे | भाययिष्यध्वे |
| | भाययिष्ये | भाययिष्यावहे | भाययिष्यामहे |
| क्रि० | अभाययिष्यत् | अभाययिष्येताम् | अभाययिष्यन्त |
| | अभाययिष्यथाः | अभाययिष्येथाम् | अभाययिष्यध्वम् |
| | अभाययिष्ये | अभाययिष्यावहि | अभाययिष्यामहि |

हेतुकर्तृतो भये वर्तमानस्य णौ विभेतेर्भाक् चेत्यात्वे
भीषादेशे आत्मनेपदे च मुण्डो आपयते मुण्डो भीषयते ।

करणाद्भयं तु कुञ्जिक्येन भाययति ।

1133 हीक् (ही) लज्जायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | हेपयति | हेपयतः | हेपयन्ति |
| | हेपयसि | हेपयथः | हेपयथ |
| | हेपयामि | हेपयावः | हेपयामः |
| स० | हेपयेत् | हेपयेताम् | हेपयेयुः |
| | हेपयेः | हेपयेतम् | हेपयेत |
| | हेपयेयम् | हेपयेव | हेपयेम |
| प० | हेपयतु | हेपयतात् | हेपयन्तु |
| | हेपय | हेपयतात् | हेपयतम् |
| | हेपयाणि | हेपयाव | हेपयाम |
| ल० | अहेपयत् | अहेपयताम् | अहेपयन् |
| | अहेपयः | अहेपयतम् | अहेपयत |
| | अहेपयम् | अहेपयाव | अहेपयाम |
| अ० | अजिहिपत् | अजिहिपताम् | अजिहिपन् |
| | अजिहिपः | अजिहिपतम् | अजिहिपत |
| | अजिहिपम् | अजिहिपाव | अजिहिपाम |
| ग० | हेपयाश्चकार | हेपयाश्चक्रुः | हेपयाश्चकुः |
| | हेपयाश्चकथे | हेपयाश्चकथुः | हेपयाश्चक |
| | हेपयाश्चकार-चकर | हेपयाश्चकृव | हेपयाश्चकृमहे |
| | हेपयाम्बभूव | । | हेपयामास |
| आ० | हेप्यात् | हेप्यास्ताम् | हेप्यासुः |
| | हेप्याः | हेप्यास्तम् | हेप्यास्त |
| | हेप्यासम् | हेप्यास्व | हेप्यास्म |
| भ० | हेपयिता | हेपयितारौ | हेपयितारः |
| | हेपयितासि | हेपयितास्थः | हेपयितास्थ |
| | हेपयितास्मि | हेपयितास्वः | हेपयितास्मः |
| भ० | हेपयिष्यति | हेपयिष्यतः | हेपयिष्यन्ति |
| | हेपयिष्यसि | हेपयिष्यथः | हेपयिष्यथ |
| | हेपयिष्यामि | हेपयिष्यावः | हेपयिष्यामः |
| क्रि० | अहेपयिष्यत् | अहेपयिष्यताम् | अहेपयिष्यन् |
| | अहेपयिष्यः | अहेपयिष्यतम् | अहेपयिष्यत |
| | अहेपयिष्यम् | अहेपयिष्याव | अहेपयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|------------------|
| व० | हेपयते | हेपयेते | हेपयन्ते |
| | हेपयसे | हेपयेथे | हेपयध्वे |
| | हेपये | हेपयावहे | हेपयामहे |
| स० | हेपयेत | हेपयेयाताम् | हेपयेरन् |
| | हेपयेथाः | हेपयेयाताम् | हेपयेध्वम् |
| | हेपयेय | हेपयेवहि | हेपयमहि |
| प० | हेपयताम् | हेपयेताम् | हेपयन्ताम् |
| | हेपयस्व | हेपयेथाम् | हेपयध्वम् |
| | हेपयै | हेपयावहे | हेपयामहे |
| ल० | अहेपयत | अहेपयेताम् | अहेपयन्त |
| | अहेपयथाः | अहेपयेथाम् | अहेपयध्वम् |
| | अहेपये | अहेपयावहि | अहेपयामहि |
| अ० | अजिहिपत | अजिहिपेताम् | अजिहिपन्त |
| | अजिहिपथाः | अजिहिपेथाम् | अजिहिपध्वम् |
| | अजिहिपे | अजिहिपावहि | अजिहिपामहि |
| ग० | हेपयाश्चक्रे | हेपयाश्चक्राते | हेपयाश्चक्रिरे |
| | हेपयाश्चक्रे | हेपयाश्चक्राथे | हेपयाश्चक्रुद्वे |
| | हेपयाश्चक्रे | हेपयाश्चक्रुवहे | हेपयाश्चक्रुमहे |
| | हेपयाम्बभूव | । | हेपयामास |
| आ० | हेपयिषीष्ट | हेपयिषीयास्ताम् | हेपयिषीरन् |
| | हेपयिषीष्ठाः | हेपयिषीयास्थाम् | हेपयिषीद्वम् |
| | हेपयिषीय | हेपयिषीवहि | हेपयिषीमहि |
| भ० | हेपयिता | हेपयितारौ | हेपयितारः |
| | हेपयितासे | हेपयितासाथे | हेपयिताध्वे |
| | हेपयिताहे | हेपयितास्वहे | हेपयितास्महे |
| भ० | हेपयिष्यते | हेपयिष्येते | हेपयिष्यन्ते |
| | हेपयिष्यसे | हेपयिष्येथे | हेपयिष्यध्वे |
| | हेपयिष्ये | हेपयिष्यावहे | हेपयिष्यामहे |
| क्रि० | अहेपयिष्यत | अहेपयिष्येताम् | अहेपयिष्यन्त |
| | अहेपयिष्यथाः | अहेपयिष्येथाम् | अहेपयिष्यध्वम् |
| | अहेपयिष्ये | अहेपयिष्यावहि | अहेपयिष्यामहि |

॥ अथ ऋदन्तौ ॥

११३४ पृ० (पृ) पालनपूरणयोः ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | पारयति | पारयतः | पारयन्ति |
| | पारयसि | पारयथः | पारयथ |
| | पारयामि | पारयावः | पारयामः |
| स० | पारयेत् | पारयेताम् | पारयेयुः |
| | पारयेः | पारयेतम् | पारयेत |
| | पारयेयम् | पारयेव | पारयेम |
| प० | पारयतु | पारयतात् | पारयताम् |
| | पारय | पारयतात् | पारयतम् |
| | पारयाणि | पारयाव | पारयाम |
| ह्य० | अपारयत् | अपारयताम् | अपारयन् |
| | अपारयः | अपारयतम् | अपारयत |
| | अपारयम् | अपारयाव | अपारयाम |
| अ० | अपीपरत् | अपीपरताम् | अपीपरन् |
| | अपीपरः | अपीपरतम् | अपीपरत |
| | अपीपरम् | अपीपराव | अपीपगाम |
| प० | पारयाञ्चकार | पारयाञ्चक्रुः | पारयाञ्चकुः |
| | पारयाञ्चकर्थ | पारयाञ्चक्रुः | पारयाञ्चक |
| | पारयाञ्चकार-चक्र | पारयाञ्चक्रुव | पारयाञ्चक्रम |
| | पारयाञ्चभूव | पारयाञ्चमास | |
| आ० | पार्यात् | पार्यास्ताम् | पार्यासुः |
| | पार्याः | पार्यास्तम् | पार्यास्त |
| | पार्यास्म | पार्यास्व | पार्यास्म |
| भ० | पारयिता | पारयितारौ | पारयितारः |
| | पारयितासि | पारयितास्थः | पारयितास्थ |
| | पारयितास्मि | पारयितास्त्रः | पारयितास्मः |
| भ० | पारयिष्यति | पारयिष्यतः | पारयिष्यन्ति |
| | पारयिष्यसि | पारयिष्यथः | पारयिष्यथ |
| | पारयिष्यामि | पारयिष्याथः | पारयिष्यामः |
| क्रि० | अपारयिष्यत् | अपारयिष्यताम् | अपारयिष्यन् |
| | अपारयिष्यः | अपारयिष्यतम् | अपारयिष्यत |
| | अपारयिष्यम् | अपारयिष्याव | अपारयिष्याम |
| व० | पारयते | पारयेते | पारयन्ते |
| | पारयसे | पारयेथे | पारयन्वे |
| | पारये | पारयावहे | पारयामहे |
| स० | पारयेत | पारयेयाताम् | पारयेरन् |

| | | |
|---------------|----------------------------|------------------------------|
| पारयेथाः | पारयेथायाम् | पारयन्वम् |
| पारयेय | पारयेवहि | पारयेमहि |
| प० | पारयताम् | पारयेताम् |
| | पारयस्व | पारयेथाम् |
| | पारये | पारयावहे |
| ह्य० | अपारयत | अपारयेताम् |
| | अपारयथाः | अपारयेथाम् |
| | अपारये | अपारयावहि |
| अ० | अपीपरत | अपीपरेताम् |
| | अपीपरथाः | अपीपरेथाम् |
| | अपीपरे | अपीपरावहि |
| प० | पारयाञ्चक्रे | पारयाञ्चक्राते |
| | पारयाञ्चकृषे | पारयाञ्चक्राथे |
| | पारयाञ्चक्रे | पारयाञ्चकृवहे |
| | पारयाञ्चभूव | पारयाञ्चमास |
| आ० | पारयिषीष्ट | पारयिषीयास्ताम् |
| | पारयिषीष्टाः | पारयिषीयास्थाम् |
| | | पारयिषीष्टवम् |
| | पारयिषीय | पारयिषीवहि |
| भ० | पारयिता | पारयितारौ |
| | पारयितासे | पारयितासाथे |
| | पारयिताहे | पारयितास्त्रहे |
| भ० | पारयिष्यते | पारयिष्येते |
| | पारयिष्यसे | पारयिष्येथे |
| | पारयिष्ये | पारयिष्यावहे |
| क्रि० | अपारयिष्यत् | अपारयिष्येताम् |
| | अपारयिष्यथाः | अपारयिष्येथाम् |
| | अपारयिष्ये | अपारयिष्यावहि |
| | | अपारयिष्यामहि |
| ११३५ | ऋक् (ऋ) गतौ । | २६ ऋवद्रूपाणि |
| ॥ अथादन्ताः ॥ | ११३६ ओङ्क् (ङ) गतौ । | |
| ११३१ | ओङ्क्वद्रूपाणि | ११३७ माङ्क् (मा) मा- |
| | नशब्दयोः । | ६०३ मैङ्क्वद्रूपाणि |
| | ११३८ डुदाङ्क् (दा) | |
| | दाने ७ दाम्बद्रूपाणि | ११३९ डुधाङ्क् (धा) धारणे । |
| २८ | टधेवद्रूपाणि ॥ अथ ऋदन्तः ॥ | ११४० डुडुभृङ्क् |
| | (भृ) पोषणे च । | ८८६ भृङ्क्वद्रूपाणि |

॥ अथ जान्तौ ॥

॥४१॥ णिजृङ्गी (निज्) शौचे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | नेजयति | नेजयतः | नेजयन्ति |
| | नेजयसि | नेजयथः | नेजयथ |
| | नेजयामि | नेजयावः | नेजयामः |
| स० | नेजयेत् | नेजयेताम् | नेजयेयुः |
| | नेजयेः | नेजयेतम् | नेजयेत |
| | नेजयेयम् | नेजयेव | नेजयेम |
| प० | नेजयतु | नेजयतात् | नेजयन्तु |
| | नेजय | नेजयतात् | नेजयत |
| | नेजयानि | नेजयाव | नेजयाम |
| ह्य० | अनेजयत् | अनेजयताम् | अनेजयन् |
| | अनेजयः | अनेजयतम् | अनेजयत |
| | अनेजयम् | अनेजयाव | अनेजयाम |
| अ० | अनीनिजत | अनी निजताम् | अनीनिजन् |
| | अनीनिजः | अनीनिजतम् | अनीनिजत |
| | अनीनिजम् | अनीनिजाव | अनीनिजाम |
| प० | नेजयाश्चकार | नेजयाश्चक्रुः | नेजयाश्चकुः |
| | नेजयाश्चकथे | नेजयाश्चक्रुः | नेजयश्चक |
| | नेजयाश्चकार-चकर | नेजयाश्चक्रुव | नेजयाश्चकृम |
| | नेजयाश्चभूव | नेजयाश्चभूव | नेजयाश्चभूव |
| आ० | नेज्यात् | नेज्यास्ताम् | नेज्यासुः |
| | नेज्याः | नेज्यास्तम् | नेज्यास्त |
| | नेज्यासम् | नेज्यास्व | नेज्यास्म |
| अ० | नेजयिता | नेजयितारौ | नेजयितारः |
| | नेजयितासि | नेजयितास्थः | नेजयितास्थ |
| | नेजयितास्मि | नेजयितास्वः | नेजयितास्मः |
| भ० | नेजयिष्यति | नेजयिष्यतः | नेजयिष्यन्ति |
| | नेजयिष्यसि | नेजयिष्यथः | नेजयिष्यथ |
| | नेजयिष्यामि | नेजयिष्यावः | नेजयिष्यामः |
| क्रि० | अनेजयिष्यत् | अनेजयिष्यताम् | अनेजयिष्यन् |
| | अनेजयिष्यः | अनेजयिष्यतम् | अनेजयिष्यत |
| | अनेजयिष्यम् | अनेजयिष्याव | अनेजयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | नेजयते | नेजयेते | नेजयन्ते |
| | नेजयसे | नेजयेथे | नेजयध्वे |
| | नेजये | नेजयावहे | नेजयामहे |
| स० | नेजयेत | नेजयेयाताम् | नेजयेरन् |
| | नेजयेथाः | नेजयेयाथाम् | नेजयेवम् |
| | नेजयेय | नेजयेवहि | नेजयेमहि |
| प० | नेजयताम् | नेजयेताम् | नेजयन्ताम् |
| | नेजयस्व | नेजयेथाम् | नेजयध्वम् |
| | नेजये | नेजयावहै | नेजयामहै |
| ह्य० | अनेजयत | अनेजयेताम् | अनेजयन्त |
| | अनेजयथाः | अनेजयेथाम् | अनेजयध्वम् |
| | अनेजये | अनेजयावहि | अनेजयामहि |
| अ० | अनीनिजत | अनीनिजेताम् | अनीनिजन्त |
| | अनीनिजथाः | अनीनिजेथाम् | अनीनिजध्वम् |
| | अनीनिजे | अनीनिजावहि | अनीनिजामहि |
| प० | नेजयाश्चक्रे | नेजयाश्चक्राते | नेजयाश्चक्रिरे |
| | नेजयाश्चक्रुषे | नेजयाश्चक्राथे | नेजयाश्चक्रुद्वे |
| | नेजयाश्चक्रे | नेजयाश्चक्रुहे | नेजयाश्चक्रुमहे |
| | नेजयाम्बभूव | नेजयामस | |
| आ | नेजयिषीष्ट | नेजयिषीयास्ताम् | नेजयिषीरन् |
| | नेजयिषीष्ठाः | नेजयिषीयास्थाम् | नेजयिषीद्वम् |
| | नेजयिषीय | नेजयिषीवहि | नेजयिषीमहि |
| अ० | नेजयिता | नेजयितारौ | नेजयितारः |
| | नेजयितासे | नेजयितासाथे | नेजयिताध्वे |
| | नेजयिताहे | नेजयितास्वहे | नेजयितास्महे |
| भ० | नेजयिष्यते | नेजयिष्येते | नेजयिष्यन्ते |
| | नेजयिष्यसे | नेजयिष्येथे | नेजयिष्यध्वे |
| | नेजयिष्ये | नेजयिष्यावहे | नेजयिष्यामहे |
| क्रि० | अनेजयिष्यत | अनेजयिष्येताम् | अनेजयिष्यन्त |
| | अनेजयिष्यथाः | अनेजयिष्येथाम् | अनेजयिष्यध्वम् |
| | अनेजयिष्ये | अनेजयिष्यावहि | अनेजयिष्यामहि |

1142 विट्ठी (विज्) पृथग्भावे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | वेजयति | वेजयतः | वेजयन्ति |
| | वेजयसि | वेजयथः | वेजयथ |
| | वेजयामि | वेजयावः | वेजयामः |
| स० | वेजयेत् | वेजयेताम् | वेजयेयुः |
| | वेजयेः | वेजयेतम् | वेजयेत |
| | वेजयेयम् | वेजयेव | वेजयेम |
| प० | वेजयतु | वेजयतात् | वेजयताम् |
| | वेजय | वेजयतात् | वेजयतम् |
| | वेजयानि | वेजयाव | वेजयाम |
| ह्य० | अवेजयत् | अवेजयताम् | अवेजयन् |
| | अवेजयः | अवेजयतम् | अवेजयत |
| | अवेजयम् | अवेजयाव | अवेजयाम |
| अ० | अवीविजत् | अवीविजताम् | अवीविजन् |
| | अवीविजः | अवीविजतम् | अवीविजत |
| | अवीविजम् | अवीविजाव | अवीविजाम |
| प० | वेजयाश्चकार | वेजयाश्चक्रुः | वेजयाश्चक्रुः |
| | वेजयाश्चकथे | वेजयाश्चक्रुः | वेजयाश्चक्रुः |
| | वेजयाश्चकार-चक्र | वेजयाश्चक्रुः | वेजयाश्चक्रुः |
| | वेजयाम्बभूव | वेजयामास | |
| आ० | वेज्यात् | वेज्यास्ताम् | वेज्यासुः |
| | वेज्या | वेज्यास्तम् | वेज्यास्त |
| | वेज्यासम् | वेज्यास्व | वेज्यास्म |
| भ० | वेजयिता | वेजयितारौ | वेजयितारः |
| | वेजयितासि | वेजयितास्थः | वेजयितास्थ |
| | वेजयितास्मि | वेजयितास्वः | वेजयितास्मः |
| भ० | वेजयिष्यति | वेजयिष्यतः | वेजयिष्यन्ति |
| | वेजयिष्यसि | वेजयिष्यथः | वेजयिष्यथ |
| | वेजयिष्यामि | वेजयिष्यावः | वेजयिष्यामः |
| क्रि० | अवेजयिष्यत् | अवेजयिष्यताम् | अवेजयिष्यन् |
| | अवेजयिष्यः | अवेजयिष्यतम् | अवेजयिष्यत |
| | अवेजयिष्यम् | अवेजयिष्याव | अवेजयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | वेजयते | वेजयेते | वेजयन्ते |
| | वेजयसे | वेजयेथे | वेजयध्वे |
| | वेजये | वेजयावहे | वेजयामहे |
| स० | वेजयेत | वेजयेताताम् | वेजयेरन् |
| | वेजयेथाः | वेजयेयाथाम् | वेजयेवम् |
| | वेजयेय | वेजयेवहि | वेजयेमहि |
| प० | वेजयताम् | वेजयेताम् | वेजयन्ताम् |
| | वेजयस्व | वेजयेथाम् | वेजयध्वम् |
| | वेजये | वेजयावहे | वेजयामहे |
| ह्य० | अवेजयत | अवेजयेताम् | अवेजयन्त |
| | अवेजयथाः | अवेजयेथाम् | अवेजयध्वम् |
| | अवेजये | अवेजयावहि | अवेजयामहि |
| अ० | अवीविजत | अवीविजेताम् | अवीविजन्त |
| | अवीविजथाः | अवीविजेथाम् | अवीविजध्वम् |
| | अवीविजे | अवीविजावहि | अवीविजामहि |
| प० | वेजयाश्चक्रे | वेजयाश्चक्रते | वेजयाश्चक्रिरे |
| | वेजयाश्चक्रुषे | वेजयाश्चक्रुथे | वेजयाश्चक्रुध्वे |
| | वेजयाश्चक्रे | वेजयाश्चक्रुहे | वेजयाश्चक्रुमहे |
| | वेजयाम्बभूव | वेजयामास | |
| आ० | वेजयिषीष्ट | वेजयिषीयास्ताम् | वेजयिषीरन् |
| | वेजयिषीष्टाः | वेजयिषीयाथाम् | वेजयिषीध्वम् |
| | वेजयिषीथ | वेजयिषीवहि | वेजयिषीमहि |
| भ० | वेजयिता | वेजयितारौ | वेजयितारः |
| | वेजयितसे | वेजयितामाथे | वेजयिताध्वे |
| | वेजयिताहे | वेजयितास्वहे | वेजयितामहे |
| भ० | वेजयिष्यते | वेजयिष्येते | वेजयिष्यन्ते |
| | वेजयिष्यसे | वेजयिष्येथे | वेजयिष्यध्वे |
| | वेजयिष्ये | वेजयिष्यावहे | वेजयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेजयिष्यत | अवेजयिष्येताम् | अवेजयिष्यन्त |
| | अवेजयिष्यथाः | अवेजयिष्येथाम् | अवेजयिष्यध्वम् |
| | अवेजयिष्ये | अवेजयिष्यावहि | अवेजयिष्यामहि |

॥ अथ षान्तः ॥

॥४३ विष्ङ्ङी (विष्) व्याप्तौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | वेषयति | वेषयतः | वेषयन्ति |
| | वेषयसि | वेषयथः | वेषयथ |
| | वेषयामि | वेषयावः | वेषयामः |
| स० | वेषयेत् | वेषयेताम् | वेषयेयुः |
| | वेषयेः | वेषयेतम् | वेषयेत |
| | वेषयेयम् | वेषयेव | वेषयेम |
| प० | वेषयतु | वेषयतात् | वेषयताम् |
| | वेषय | वेषयतात् | वेषयतम् |
| | वेषयाणि | वेषयाव | वेषयाम |
| ह्य० | अवेषयत् | अवेषयताम् | अवेषयन् |
| | अवेषयः | अवेषयतम् | अवेषयत |
| | अवेषयम् | अवेषयाव | अवेषयाम |
| अ० | अवीविषत् | अवीविषताम् | अवीविषन् |
| | अवीविषः | अवीविषतम् | अवीविषत |
| | अवीविषम् | अवीविषाव | अवीविषाम |
| प० | वेषयाञ्चकार | वेषयाञ्चक्रतुः | वेषयाञ्चक्रुः |
| | वेषयाञ्चकृ | वेषयाञ्चकथुः | वेषयाञ्चक्र |
| | वेषयाञ्चकार-चक्र | वेषयाञ्चकृव | वेषयाञ्चकृम |
| | वेषयाम्बभूव | वेषयामास | |
| भा० | वेष्यात् | वेष्यास्ताम् | वेष्यासुः |
| | वेष्याः | वेष्यास्तम् | वेष्यास्त |
| | वेष्यासम् | वेष्यास्व | वेष्यास्म |
| भ० | वेषयिता | वेषयितारौ | वेषयितारः |
| | वेषयितासि | वेषयितास्थः | वेषयितास्थ |
| | वेषयितास्मि | वेषयितास्वः | वेषयितास्मः |
| भ० | वेषयिष्यति | वेषयिष्यतः | वेषयिष्यन्ति |
| | वेषयिष्यसि | वेषयिष्यथः | वेषयिष्यथ |
| | वेषयिष्यामि | वेषयिष्यावः | वेषयिष्यामः |
| क्रि० | अवेषयिष्यत् | अवेषयिष्यताम् | अवेषयिष्यन् |
| | अवेषयिष्यः | अवेषयिष्यतम् | अवेषयिष्यत |
| | अवेषयिष्यम् | अवेषयिष्याव | अवेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|------------------|
| व० | वेषयते | वेषयेते | वेषयन्ते |
| | वेषयसे | वेषयेथे | वेषयध्वे |
| | वेषये | वेषयावहे | वेषयामहे |
| स० | वेषयेत | वेषयेयाताम् | वेषयेरन् |
| | वेषयेथाः | वेषयेयाथाम् | वेषयेवम् |
| | वेषयेय | वेषयेवहि | वेषयेमहि |
| प० | वेषयताम् | वेषयेताम् | वेष्यन्ताम् |
| | वेषयस्व | वेषयेथाम् | वेषयध्वम् |
| | वेषयै | वेषयावहै | वेषयामहै |
| ह्य० | अवेषयत | अवेषयेताम् | अवेषयन्त |
| | अवेषयथाः | अवेषयेथाम् | अवेषयध्वम् |
| | अवेषये | अवेषयावहि | अवेषयामहि |
| अ० | अवीविषत | अवीविषेताम् | अवीविषन्त |
| | अवीविषथाः | अवीविषेथाम् | अवीविषध्वम् |
| | अवीविषे | अवीविषावहि | अवीविषामहि |
| प० | वेषयाञ्चक्रे | वेषयाञ्चक्राते | वेषयाञ्चक्रिरे |
| | वेषयाञ्चकृषे | वेषयाञ्चक्राथे | वेषयाञ्चक्रुध्वे |
| | वेषयाञ्चक्रे | वेषयाञ्चक्रुहे | वेषयाञ्चक्रुमहे |
| | वेषयाम्बभूव | वेषयामास | |
| आ | वेषयिषीष्ट | वेषयिषीयास्ताम् | वेषयिषीरन् |
| | वेषयिषीष्टाः | वेषयिषीयास्थाम् | वेषयिषीध्वम् |
| | वेषयिषीय | वेषयिषीवहि | वेषयिषीमहि |
| भ० | वेषयिता | वेषयितारौ | वेषयितारः |
| | वेषयितासे | वेषयितासाथे | वेषयिताध्वे |
| | वेषयिताहे | वेषयितास्वहे | वेषयितास्महे |
| भ० | वेषयिष्यते | वेषयिष्येते | वेषयिष्यन्ते |
| | वेषयिष्यसे | वेषयिष्येथे | वेषयिष्यध्वे |
| | वेषयिष्ये | वेषयिष्यावहे | वेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेषयिष्यत | अवेषयिष्येताम् | अवेषयिष्यन्त |
| | अवेषयिष्यथाः | अवेषयिष्येथाम् | अवेषयिष्यध्वम् |
| | अवेषयिष्ये | अवेषयिष्यावहि | अवेषयिष्यामहि |

मुनिश्रालावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१०३७)

अत्रान्यैरन्येऽप्येकादशाधीयन्ते । घृ क्षरणदीप्त्योः । ह प्रसह्यकरणे ।
स गती । भस भर्त्सनदीप्त्योः । किकितौ ज्ञाने । तुर
त्वरणे । धिष शब्दे । धन धान्ये । जन जनने । गा
स्तुतानिति । ते त्वलौकिकत्वादस्माभिरुपेक्षिताः ।



श्रीमत्तपोगणगनाङ्गणगगनमणि--सर्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम--तीर्थरक्षणपरायण--
विद्यापोठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्नशास्त्रीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-
विजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमित्तुरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिन्दिरा-
यमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य णिग-
न्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे
द्वितीयभागे
अदादिगणः
संपूर्णः ।



॥ अथ दिवादयः ॥

1144 दिवृच् (दिवृ) क्रीडाजयेच्छापणि-
द्युतिस्तुतिगतिषु ।

| | | | |
|-------|--------------------|---------------|---------------|
| व० | देवयस्ति | देवयतः | देवयन्ति |
| | देवयसि | देवयशः | देवयथ |
| | देवयामि | देवयावः | देवयामः |
| स० | देवयेत् | देवयेताम् | देवयेयुः |
| | देवयेयः | देवयेतम् | देवयेत |
| | देवयेयम् | देवयेयव | देवयेयम |
| ० | देवयन्तु | देवयतात् | देवयन्तु |
| | देवयन्तु | देवयतात् | देवयन्तु |
| | देवयानि | देवयाव | देवयाम |
| ह्य० | अदेवयत् | अदेवयताम् | अदेवयन् |
| | अदेवयः | अदेवयतम् | अदेवयत |
| | अदेवयम् | अदेवयाव | अदेवयाम |
| ० | अदीदिवत् | अदीदिवताम् | अदीदिवन् |
| | अदीदिवः | अदीदिवतम् | अदीदिवत |
| | अदीदिवम् | अदीदिवाव | अदीदिवाम |
| प० | देवयाश्चकार | देवयाश्चक्रुः | देवयाश्चक्रुः |
| | देवयाश्चक्रुः | देवयाश्चक्रुः | देवयाश्चक्रुः |
| | देवयाश्चकार-चक्रुः | देवयाश्चक्रुः | देवयाश्चक्रुः |
| | देवयाम्यभूव | देवयामास | देवयाम्यभूव |
| आ० | देव्यात् | देव्यास्ताम् | देव्यास्तुः |
| | देव्याः | देव्यास्तम् | देव्यास्त |
| | देव्यामम् | देव्यास्व | देव्यास्म |
| भ० | देवयिता | देवयितारौ | देवयितारः |
| | देवयितारि | देवयितारि | देवयितारि |
| | देवयितारि | देवयितारि | देवयितारि |
| भ० | देवयिष्यति | देवयिष्यतः | देवयिष्यन्ति |
| | देवयिष्यसि | देवयिष्यथः | देवयिष्यथ |
| | देवयिष्यामि | देवयिष्यावः | देवयिष्यामः |
| क्रि० | अदेवयिष्यत् | अदेवयिष्यताम् | अदेवयिष्यन् |
| | अदेवयिष्यः | अदेवयिष्यतम् | अदेवयिष्यत |
| | अदेवयिष्यम् | अदेवयिष्याव | अदेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | देवयते | देवयेते | देवयन्ते |
| | देवयसे | देवयेथे | देवयध्वे |
| | देवये | देवयावहे | देवयामहे |
| स० | देवयेत | देवयेयाताम् | देवयेरन् |
| | देवयेथाः | देवयेयाथाम् | देवयेध्वम् |
| | देवयेय | देवयेवहि | देवयेमहि |
| प० | देवयताम् | देवयेताम् | देवयन्ताम् |
| | देवयस्व | देवयेथाम् | देवयध्वम् |
| | देवये | देवयावहे | देवयामहे |
| ह्य० | अदेवयत | अदेवयेताम् | अदेवयन्त |
| | अदेवयथाः | अदेवयेथाम् | अदेवयध्वम् |
| | अदेवये | अदेवयावहि | अदेवयामहि |
| अ० | अदीदिवत् | अदीदिवेताम् | अदीदिवन्त |
| | अदीदिवथाः | अदीदिधेथाम् | अदीदिवध्वम् |
| | अदीदिवे | अदीदिवावहि | अदीदिनामहि |
| प० | देवयाश्चक्रे | देवयाश्चक्रते | देवयाश्चक्रिरे |
| | देवयाश्चक्रुषे | देवयाश्चक्राथे | देवयाश्चक्रुध्वे |
| | देवयाश्चक्रे | देवयाश्चक्रुवहे | देवयाश्चक्रुमहे |
| | यत्नयाम्बभूव | देवयामास | |
| आ० | देवयिषीष्ट | देवयिषीयास्ताम् | देवयिषीरन् |
| | देवयिषीष्टाः | देवयिषीयास्थाम् | देवयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | देवयिषीय | देवयिषीवहि | देवयिषीमहि |
| भ० | देवयिता | देवयितारौ | देवयितारः |
| | देवयितासे | देवयितासथे | देवयिताध्वे |
| | देवयिताहे | देवयितास्वहे | देवयितास्महे |
| भ० | देवयिष्यते | देवयिष्येते | देवयिष्यन्ते |
| | देवयिष्यसे | देवयिष्येथे | देवयिष्यध्वे |
| | देवयिष्ये | देवयिष्यावहे | देवयिष्यामहे |
| क्रि० | अदेवयिष्यत् | अदेवयिष्येताम् | अदेवयिष्यन्त |
| | अदेवयिष्यथाः | अदेवयिष्येथाम् | अदेवयिष्यध्वम् |
| | अदेवयिष्ये | अदेवयिष्यावहि | अदेवयिष्यामहि |

॥ अथ ऋदन्तौ ॥

1145 जृष् (जृ) जरसि ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-----------------|
| व० | जरयति | जरयतः | जरयन्ति |
| | जरयसि | जरयथः | जरयथ |
| | जरयामि | जरयावः | जरयामः |
| स० | जरयेत् | जरयेताम् | जरयेयुः |
| | जरयेः | जरयेतम् | जरयेत |
| | जरयेयम् | जरयेव | जरयेम |
| प० | जरयतु | जरयतात् | जरयताम् जरयन्तु |
| | जरय | जरयतात् | जरयतम् जरयत |
| | जरयाणि | जरयाव | जरयाम |
| ह्य० | अजरयत | अजरयेताम् | अजरयन् |
| | अजरयः | अजरयतम् | अजरयत |
| | अजरयम् | अजरयाव | अजरयाम |
| अ० | अजीजरत् | अजीजरताम् | अजीजरन् |
| | अजीजरः | अजीजरतम् | अजीजरत |
| | अजीजरम् | अजीजराव | अजीजराम |
| प | जरयाञ्चकार | जरयाञ्चकतुः | जरयाञ्चकुः |
| | जरयाञ्चकर्थ | जरयाञ्चकथुः | जरयाञ्चक |
| | जरयाञ्चकार-चकर | जरयाञ्चकृव | जरयाञ्चकृम |
| | जरयाम्बभूव | जरयामास | |
| आ० | जर्यात् | जर्यास्ताम् | जर्यास्तुः |
| | जर्याः | जर्यास्तम् | जर्यास्त |
| | जर्यासम् | जर्यास्व | जर्यास्म |
| भ्र० | जरयिता | जरयितारौ | जरयितारः |
| | जरयितासि | जरयितास्थः | जरयितास्थ |
| | जरयितास्मि | जरयितास्वः | जरयितास्मः |
| भ० | जरयिष्यति | जरयिष्यतः | जरयिष्यन्ति |
| | जरयिष्यसि | जरयिष्यथः | जरयिष्यथ |
| | जरयिष्यामि | जरयिष्यावः | जरयिष्यामः |
| क्रि० | अजरयिष्यत् | अजरयिष्यताम् | अजरयिष्यन् |
| | अजरयिष्यः | अजरयिष्यतम् | अजरयिष्यत |
| | अजरयिष्यम् | अजरयिष्याव | अजरयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | जरयते | जरयेते | जरयन्ते |
| | जरयसे | जरयेथे | जरयध्वे |
| | जरये | जरयावहे | जरयामहे |
| स० | जरयेत | जरयेयताम् | जरयेरन् |
| | जरयेथाः | जरयेयथाम् | जरयेध्वम् |
| | जरयेय | जरयेवहि | जरयेमहि |
| प० | जरयताम् | जरयेताम् | जरयन्ताम् |
| | जरयस्व | जरयेथाम् | जरयध्वम् |
| | जरयै | जरयावहे | जरयामहे |
| ह्य० | अजरयत | अजरयेताम् | अजरयन्त |
| | अजरयथाः | अजरयेथाम् | अजरयध्वम् |
| | अजरये | अजरयावहि | अजरयामहि |
| अ० | अजीजरत | अजीजरेताम् | अजीजरन्त |
| | अजीजरथाः | अजीजरेथाम् | अजीजरध्वम् |
| | अजीजरे | अजीजरवहि | अजीजरामहि |
| प० | जरयाञ्चके | जरयाञ्चकते | जरयाञ्चकिरे |
| | जरयाञ्चकृषे | जरयाञ्चकृथे | जरयाञ्चकृद्वे |
| | जरयाञ्चके | जरयाञ्चकृवहे | जरयाञ्चकृमहे |
| | जरयाम्बभूव | जरयामास | |
| आ० | जरयिषीष्ट | जरयिषीयास्ताम् | जरयिषीरन् |
| | जरयिषीष्टाः | जरयिषीयास्थाम् | जरयिषीध्वम् |
| | जरयिषीय | जरयिषीवहि | जरयिषीमहि |
| भ्र० | जरयिता | जरयितारौ | जरयितारः |
| | जरयितासे | जरयितास्थे | जरयिताध्वे |
| | जरयिताहे | जरयितास्वहे | जरयितास्महे |
| भ० | जरयिष्यते | जरयिष्येते | जरयिष्यन्ते |
| | जरयिष्यसे | जरयिष्येथे | जरयिष्यध्वे |
| | जरयिष्ये | जरयिष्यावहे | जरयिष्यामहे |
| क्रि० | अजरयिष्यत | अजरयिष्येताम् | अजरयिष्यन्त |
| | अजरयिष्यथाः | अजरयिष्येथाम् | अजरयिष्यध्वम् |
| | अजरयिष्ये | अजरयिष्यावहि | अजरयिष्यामहि |

1146 शृषच् (शृ) जरसि ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | झारयति | झारयतः | झारयन्ति |
| | झारयमि | झारयथः | झारयथ |
| | झारयामि | झारयावः | झारयामः |
| स० | झारयेत् | झारयताम् | झारयेयुः |
| | झारयेः | झारयेतम् | झारयेत |
| | झारयेयम् | झारयेव | झारयेम |
| प० | झारयतु | झारयतात् | झारयताम् |
| | झारय | झारयतात् | झारयतम् |
| | झारया ण | झारयाव | झारयाम |
| झ० | अझारयत् | अझारयताम् | अझारयन् |
| | अझारयः | अझारयतम् | अझारयत |
| | अझारयम् | अझारयाव | अझारयाम |
| अ० | अजीझरत् | अजीझरताम् | अजीझरन् |
| | अजीझरः | अजीझरतम् | अजीझरत |
| | अजीझरम् | अजीझराव | अजीझराम |
| प | झारयाञ्चकार | झारयाञ्चकतुः | झारयाञ्चकुः |
| | झारयाञ्चकथं | झारयाञ्चकथुः | झारयाञ्चक |
| | झारयाञ्चकार-चकर | झारयाञ्चकृव | झारयाञ्चकृम |
| | झारयाम्बभूव | । | झारयामास |
| भा० | झार्यात् | झार्यास्ताम् | झार्यास्तुः |
| | झार्याः | झार्यास्तम् | झार्यास्त |
| | झार्यासम् | झार्यास्व | झार्यास्म |
| भ० | झारयिता | झारयितारौ | झारयितारः |
| | झारयितासि | झारयितास्थः | झारयितास्थ |
| | झारयितास्मि | झारयितास्वः | झारयितास्मः |
| भ० | झारयिष्यति | झारयिष्यतः | झारयिष्यन्ति |
| | झारयिष्यसि | झारयिष्यथः | झारयिष्यथ |
| | झारयिष्यामि | झारयिष्यावः | झारयिष्यामः |
| क्रि० | अझारयिष्यत् | अझारयिष्यताम् | अझारयिष्यन् |
| | अझारयिष्यः | अझारयिष्यतम् | अझारयिष्यत |
| | अझारयिष्यम् | अझारयिष्याव | अझारयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------------|-----------------|----------------|
| व० | झारयते | झारयेते | झारयन्ते |
| | झारयसे | झारयेथे | झारयध्वे |
| | झारये | झारयावहे | झारयामहे |
| स० | झारयेत | झारयेयताम् | झारयेरन् |
| | झारयेथाः | झारयेयाथाम् | झारयेध्वम् |
| | झारयेय | झारयेवहि | झारयेमहि |
| प० | झारयताम् | झारयेताम् | झारयन्ताम् |
| | झारयस्व | झारयेथाम् | झारयध्वम् |
| | झारये | झारयावहे | झारयामहे |
| झ० | अझारयत | अझारयेताम् | अझारयन्त |
| | अझारयथाः | अझारयेथाम् | अझारयध्वम |
| | अझारये | अझारयावहि | अझारयामहि |
| अ० | अजीझरत | अजीझरेताम् | अजीझरन्त |
| | अजीझरथाः | अजीझरेथाम् | अजीझरध्वम |
| | अजीझरे | अजीझरावहि | अजीझरामहि |
| प० | झारयाञ्चके | झारयाञ्चकाते | झारयाञ्चकिरे |
| | झारयाञ्चकृषे | झारयाञ्चकृषे | झारयाञ्चकृष्टे |
| | झारयाञ्चकं | झारयाञ्चकृवहे | झारयाञ्चकृमहे |
| | झारयाम्बभूव | । | झारयामास |
| भा० | झारयिषीष्ट | झारयिषीयास्ताम् | झारयिषीरन् |
| | झारयिषीष्ठाः | झारयिषीयास्थाम् | झारयिषीष्ट्वम् |
| | झारयिषीय | झारयिषीवहि | झारयिषीमहि |
| भ० | झारयिता | झारयितारौ | झारयितारः |
| | झारयितासे | झारयितासाथे | झारयिताध्वे |
| | झारयिताहे | झारयितास्वहे | झारयितास्महे |
| भ० | झारयिष्यते | झारयिष्येते | झारयिष्यन्ते |
| | झारयिष्यसे | झारयिष्येथे | झारयिष्यध्वे |
| | झारयिष्ये | झारयिष्यावहे | झारयिष्यामहे |
| क्रि० | अझारयिष्यत | अझारयिष्येताम् | अझारयिष्यन्त |
| | अझारयिष्यथाः | अझारयिष्येथाम् | अझारयिष्यध्वम् |
| | अझारयिष्ये | अझारयिष्यावहि | अझारयिष्यामहि |
| | ॥ अथौदन्ताश्चत्वारः ॥ | | |
| 1147 | शौच् (शौ) तक्षणे । | 1105 | शीङ्क्वद्रूपणि |
| 1148 | दौ (दो) छेदने । | 7 | दाम्बद्रूपणि |

1149 छौचू (छो) छेदने ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|---------------|
| व० | छाययति | छाययतः | छाययन्ति |
| | छाययसि | छाययथः | छाययथ |
| | छाययामि | छाययावः | छाययामः |
| स० | छाययेत् | छाययेताम् | छाययेयुः |
| | छाययेः | छाययेतम् | छाययेत |
| | छाययेयम् | छाययेव | छाययेम |
| प० | छाययतु | छाययतात् | छाययतम् |
| | छायय | छाययतात् | छाययतम् |
| | छाययानि | छाययाव | छाययाम |
| ह्र० | अच्छाययत् | अच्छाययताम् | अच्छाययन् |
| | अच्छाययः | अच्छाययतम् | अच्छाययत |
| | अच्छाययम् | अच्छाययाव | अच्छाययाम |
| भ० | अचिच्छयत् | अचिच्छयताम् | अचिच्छयन् |
| | अचिच्छयः | अचिच्छयतम् | अचिच्छयत |
| | अचिच्छयम् | अचिच्छयाव | अचिच्छयाम |
| प० | छाययाञ्चकार | छाययाञ्चक्रतुः | छाययाञ्चक्रुः |
| | छाययाञ्चकर्थ | छाययाञ्चक्रथुः | छाययाञ्चक्र |
| | छाययाञ्चकार-चक्र | छाययाञ्चक्रव | छाययाञ्चक्रम |
| | छाययाम्बभूव | । | छाययामास |
| आ० | छायात् | छायास्ताम् | छायासुः |
| | छायाः | छायास्तम् | छायास्त |
| | छायासम् | छायास्व | छायास्म |
| श्र० | छाययिता | छाययितारौ | छाययितारः |
| | छाययितासि | छाययितास्थः | छाययितास्थ |
| | छाययितास्मि | छाययितास्वः | छाययितास्मः |
| भ० | छाययिष्यति | छाययिष्यतः | छाययिष्यन्ति |
| | छाययिष्यसि | छाययिष्यथः | छाययिष्यथ |
| | छाययिष्यामि | छाययिष्यावः | छाययिष्यामः |
| क्रि० | अच्छाययिष्यत् | अच्छाययिष्यताम् | अच्छाययिष्यन् |
| | अच्छाययिष्यः | अच्छाययिष्यतम् | अच्छाययिष्यत |
| | अच्छाययिष्यम् | अच्छाययिष्याव | अच्छाययिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | छाययते | छाययेते | छाययन्ते |
| | छाययसे | छाययेथे | छाययन्थे |
| | छायये | छाययावहे | छाययामहे |
| स० | छाययेत | छाययेयाताम् | छाययेरत् |
| | छाययेथाः | छाययेयाथाम् | छाययेष्वम् |
| | छाययेय | छाययेवहि | छाययेमहि |
| प० | छाययताम् | छाययताम् | छाययन्ताम् |
| | छाययस्व | छाययेथाम् | छाययष्वम् |
| | छायये | छाययावहे | छाययामहे |
| ह्र० | अच्छाययत् | अच्छाययेताम् | अच्छाययन्त |
| | अच्छाययथाः | अच्छाययेथाम् | अच्छाययष्वम् |
| | अच्छायये | अच्छाययावहि | अच्छाययामहि |
| भ० | अचिच्छयत् | अचिच्छयेताम् | अचिच्छयन्त |
| | अचिच्छयथाः | अचिच्छयेथाम् | अचिच्छयष्वम् |
| | अचिच्छये | अचिच्छयावहि | अचिच्छयामहि |
| प० | छाययाञ्चके | छाययाञ्चकाते | छाययाञ्चकिरे |
| | छाययाञ्चकृषे | छाययाञ्चकाथे | छाययाञ्चकृद्वे |
| | छाययाञ्चके | छाययाञ्चकृवहे | छाययाञ्चकृमहे |
| | छाययाम्बभूव | । | छाययामास |
| आ० | छाययिषीष्ट | छाययिषीयास्ताम् | छाययिषीरन् |
| | छाययिषीष्टाः | छाययिषीयास्थाम् | छाययिषीद्वम् |
| | छाययिषीय | छाययिषीवहि | छाययिषीमहि |
| श्र० | छाययिता | छाययितारौ | छाययितारः |
| | छाययितासे | छाययितासाथे | छाययितास्वे |
| | छाययिताहे | छाययितास्वहे | छाययितास्महे |
| भ० | छाययिष्यते | छाययिष्येते | छाययिष्यन्ते |
| | छाययिष्यसे | छाययिष्येथे | छाययिष्यन्थे |
| | छाययिष्ये | छाययिष्यावहे | छाययिष्यामहे |
| क्रि० | अच्छाययिष्यत् | अच्छाययिष्येताम् | अच्छाययिष्यन्त |
| | अच्छाययिष्यथाः | अच्छाययिष्येथाम् | अच्छाययिष्यष्वम् |
| | अच्छाययिष्ये | अच्छाययिष्यावहि | अच्छाययिष्यामहि |

1150 षौचू (सो) अन्तर्कर्मणि । 44 षैवूपाणि

अद्यतन्यामयविशेषः असीषयत् असीषयताम् असीषयन् ३०

॥ अथ ङान्तः ॥

॥१५॥ व्रीडच् (व्रीड्) लज्जायाम् ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० व्रीडयति | व्रीडयतः | व्रीडयन्ति |
| व्रीडयसि | व्रीडयथः | व्रीडयथ |
| व्रीडयामि | व्रीडयावः | व्रीडयामः |
| स० व्रीडयेत् | व्रीडयेताम् | व्रीडयेयुः |
| व्रीडयेः | व्रीडयेतम् | व्रीडयेत |
| व्रीडयेयम् | व्रीडयेव | व्रीडयेम |
| प० व्रीडयतु | व्रीडयतात् | व्रीडयताम् |
| व्रीडय | व्रीडयतात् | व्रीडयतम् |
| व्रीडयानि | व्रीडयाव | व्रीडयाम |
| ह्य० अव्रीडयत् | अव्रीडयताम् | अव्रीडयन् |
| अव्रीडयः | अव्रीडयतम् | अव्रीडयत |
| अव्रीडयम् | अव्रीडयाव | अव्रीडयाम |
| अ० अवित्रिडत् | अवित्रिडताम् | अवित्रिडन् |
| अवित्रिडः | अवित्रिडतम् | अवित्रिडत |
| अवित्रिडम् | अवित्रिडाव | अवित्रिडाम |
| प० व्रीडयाञ्चकार | व्रीडयाञ्चकतुः | व्रीडयाञ्चकुः |
| व्रीडयाञ्चकथं | व्रीडयाञ्चकथुः | व्रीडयाञ्चक |
| व्रीडयाञ्चकार-चकर | व्रीडयाञ्चकृव | व्रीडयाञ्चकृम |
| व्रीडयाञ्चभूव | व्रीडयामास | |
| व्रीडयात् | व्रीडयास्ताम् | व्रीडयासुः |
| व्रीडयाः | व्रीडयास्तम् | व्रीडयास्त |
| व्रीडयासम् | व्रीडयास्व | व्रीडयास्म |
| श्व० व्रीडयिता | व्रीडयितारौ | व्रीडयितारः |
| व्रीडयितासि | व्रीडयितास्थः | व्रीडयितास्थ |
| व्रीडयितास्मि | व्रीडयितास्वः | व्रीडयितास्मः |
| अ० व्रीडयिष्यति | व्रीडयिष्यतः | व्रीडयिष्यन्ति |
| व्रीडयिष्यसि | व्रीडयिष्यथः | व्रीडयिष्यथ |
| व्रीडयिष्यामि | व्रीडयिष्यावः | व्रीडयिष्यामः |
| क्रि० अव्रीडयिष्यत् | अव्रीडयिष्यताम् | अव्रीडयिष्यन् |
| अव्रीडयिष्यः | अव्रीडयिष्यतम् | अव्रीडयिष्यत |
| अव्रीडयिष्यम् | अव्रीडयिष्याव | अव्रीडयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| व० व्रीडयते | व्रीडयेते | व्रीडयन्ते |
| व्रीडयसे | व्रीडयेथे | व्रीडयन्थे |
| व्रीडये | व्रीडयावहे | व्रीडयामहे |
| स० व्रीडयेत | व्रीडयेयाताम् | व्रीडयेयन् |
| व्रीडयेथाः | व्रीडयेयाथाम् | व्रीडयेय्वम् |
| व्रीडयेय | व्रीडयेवहि | व्रीडयेमहि |
| प० व्रीडयताम् | व्रीडयेताम् | व्रीडयन्ताम् |
| व्रीडयस्व | व्रीडयेथाम् | व्रीडयन्थ्वम् |
| व्रीडयै | व्रीडयावहै | व्रीडयामहै |
| ह्य० अव्रीडयत | अव्रीडयेताम् | अव्रीडयन्त |
| अव्रीडयथाः | अव्रीडयेथाम् | अव्रीडयन्थ्वम् |
| अव्रीडये | अव्रीडयावहि | अव्रीडयामहि |
| अ० अवित्रिडत् | अवित्रिडेताम् | अवित्रिडन्त |
| अवित्रिडथाः | अवित्रिडेथाम् | अवित्रिडन्थ्वम् |
| अवित्रिडे | अवित्रिडावहि | अवित्रिडामहि |
| प० व्रीडयाञ्चके | व्रीडयाञ्चकाते | व्रीडयाञ्चकिरे |
| व्रीडयाञ्चकृषे | व्रीडयाञ्चकाथे | व्रीडयाञ्चकृद्दे |
| व्रीडयाञ्चके | व्रीडयाञ्चकृवहे | व्रीडयाञ्चकृमहे |
| व्रीडयाञ्चभूव | व्रीडयाभास | |
| आ० व्रीडयिषीष्ट | व्रीडयिषीयास्ताम् | व्रीडयिषीयन् |
| व्रीडयिषीष्टाः | व्रीडयिषीयास्थाम् | व्रीडयिषीद्वम् |
| व्रीडयिषीय | व्रीडयिषीवहि | व्रीडयिषीमहि |
| श्व० व्रीडयिता | व्रीडयितारौ | व्रीडयितारः |
| व्रीडयितासे | व्रीडयितासाथे | व्रीडयिताथ्वे |
| व्रीडयिताहे | व्रीडयितास्वहे | व्रीडयितामहै |
| अ० व्रीडयिष्यते | व्रीडयिष्येते | व्रीडयिष्यन्ते |
| व्रीडयिष्यसे | व्रीडयिष्येथे | व्रीडयिष्यन्थ्वे |
| व्रीडयिष्ये | व्रीडयिष्यावहे | व्रीडयिष्यामहे |
| क्रि० अव्रीडयिष्यत | अव्रीडयिष्येताम् | अव्रीडयिष्यन्त |
| अव्रीडयिष्यथाः | अव्रीडयिष्येथाम् | अव्रीडयिष्यन्थ्वम् |
| अव्रीडयिष्ये | अव्रीडयिष्यावहि | अव्रीडयिष्यामहि |

॥ अथ तान्तः ॥

११५२. नृतेच् (नृत्) नर्तने

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० नर्तयति | नर्तयतः | नर्तयन्ति |
| नर्तयसि | नर्तयथः | नर्तयथ |
| नर्तयामि | नर्तयावः | नर्तयामः |
| स० नर्तयेत् | नर्तयेताम् | नर्तयेयुः |
| नर्तयेः | नर्तयेतम् | नर्तयेत |
| नर्तयेयम् | नर्तयेव | नर्तयेम |
| प० नर्तयतु | नर्तयतात् | नर्तयताम् |
| नर्तय | नर्तयतात् | नर्तयतम् |
| नर्तयानि | नर्तयाव | नर्तयाम |
| झ० अनर्तयत् | अनर्तयताम् | अनर्तयन् |
| अनर्तयः | अनर्तयतम् | अनर्तयत |
| अनर्तयम् | अनर्तयाव | अनर्तयाम |
| अ० अनीनृतत् | अनीनृतताम् | अनीनृतन् |
| अनीनृतः | अनीनृततम् | अनीनृतत |
| अनीनृतम् | अनीनृताव | अनीनृताम |
| अननर्तत् | अननर्तताम् | अननर्तन् इ० |
| प० नर्तयाश्चकार | नर्तयाश्चकतुः | नर्तयाश्चकुः |
| नर्तयाश्चकथ | नर्तयाश्चकथुः | नर्तयाश्चक |
| नर्तयाश्चकार-चकार | नर्तयाश्चकृव | नर्तयाश्चकृम |
| नर्तयाम्बभूव | । | नर्तयामास |
| आ० नर्त्यात् | नर्त्यास्ताम् | नर्त्यासुः |
| नर्त्याः | नर्त्यास्तम् | नर्त्यास्त |
| नर्त्यासम् | नर्त्यास्व | नर्त्यास्म |
| श्व० नर्तयिता | नर्तयितारौ | नर्तयितारः |
| नर्तयितासि | नर्तयितास्थः | नर्तयितास्थ |
| नर्तयितासिम् | नर्तयितास्वः | नर्तयितास्मः |
| भ० नर्तयिष्यति | नर्तयिष्यतः | नर्तयिष्यन्ति |
| नर्तयिष्यसि | नर्तयिष्यथ | नर्तयिष्यथ |
| नर्तयिष्यामि | नर्तयिष्यावः | नर्तयिष्यामः |
| क्रि० अनर्तयिष्यत् | अनर्तयिष्यताम् | अनर्तयिष्यन् |
| अनर्तयिष्यः | अनर्तयिष्यतम् | अनर्तयिष्यत |
| अनर्तयिष्यम् | अनर्तयिष्याव | अनर्तयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० नर्तयते | नर्तयते | नर्तयन्ते |
| नर्तयसे | नर्तयथे | नर्तयध्वे |
| नर्तये | नर्तयावहे | नर्तयामहे |
| स० नर्तयेत | नर्तयेयाताम् | नर्तयेयन् |
| नर्तयेथाः | नर्तयेयाथाम् | नर्तयेध्वम् |
| नर्तयेय | नर्तयेवहि | नर्तयेमहि |
| प० नर्तयताम् | नर्तयताम् | नर्तयन्ताम् |
| नर्तयस्व | नर्तयथाम् | नर्तयध्वम् |
| नर्तये | नर्तयावहे | नर्तयामहे |
| झ० अनर्तयत | अनर्तयताम् | अनर्तयन्त |
| अनर्तयथाः | अनर्तयेथाम् | अनर्तयध्वम् |
| अनर्तय | अनर्तयावहि | अनर्तयामहि |
| अ० अनीनृतत | अनीनृतेताम् | अनीनृतन्त |
| अनीनृतथाः | अनीनृतेथाम् | अनीनृतध्वम् |
| अनीनृते | अनीनृतावहि | अनीनृतामहि |
| अननर्तत | अननर्तेताम् | अननर्तन्त इ० |
| प० नर्तयाश्चक्रे | नर्तयाश्चकते | नर्तयावक्रिरे |
| नर्तयाश्चकृषे | नर्तयाश्चक्राये | नर्तयाश्चकृद्वे |
| नर्तयाश्चक्रे | नर्तयाश्चकृवहे | नर्तयाश्चकृमहे |
| नर्तयाम्बभूव | । | नर्तयामास |
| आ० नर्तयिषीष्ट | नर्तयिषीयास्ताम् | नर्तयिषीरन् |
| नर्तयिषीष्टाः | नर्तयिषीयास्थाम् | नर्तयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| नर्तयिषीय | नर्तयिषीवहि | नर्तयिषीमहि |
| श्व० नर्तयिता | नर्तयितारौ | नर्तयितारः |
| नर्तयितासे | नर्तयितास्थे | नर्तयिताध्वे |
| नर्तयिताहे | नर्तयितास्वहे | नर्तयितास्महे |
| भ० नर्तयिष्यते | नर्तयिष्येते | नर्तयिष्यन्ते |
| नर्तयिष्यसे | नर्तयिष्येथे | नर्तयिष्यध्वे |
| नर्तयिष्ये | नर्तयिष्यावहे | नर्तयिष्यामहे |
| क्रि० अनर्तयिष्यत | अनर्तयिष्यताम् | अनर्तयिष्यन्त |
| अनर्तयिष्यथाः | अनर्तयिष्येथाम् | अनर्तयिष्यध्वम् |
| अनर्तयिष्ये | अनर्तयिष्यावहि | अनर्तयिष्यमहि |

॥ अथ थान्तौ ॥

1153 कुथच् (कुथ्) पूतिभावे

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| ब० | कोथयति | कोथयतः | कोथयन्ति |
| | कोथयसि | कोथयथः | कोथयथ |
| | कोथयामि | कोथयावः | कोथयामः |
| स० | कोथयेत् | कोथयेताम् | कोथयेयुः |
| | कोथयेः | कोथयेतम् | कोथयेत |
| | कोथयेयम् | कोथयेव | कोथयेम |
| प० | कोथयतु | कोथयतात् | कोथयताम् |
| | कोथय | कोथयतात् | कोथयतम् |
| | कोथयानि | कोथयाव | कोथयाम |
| ह्य० | अकोथयत् | अकोथयताम् | अकोथयन् |
| | अकोथयः | अकोथयतम् | अकोथयत |
| | अकोथयम् | अकोथयाव | अकोथयाम |
| अ० | अचूकथत् | अचूकथताम् | अचूकथन् |
| | अचूकथः | अचूकथतम् | अचूकथत |
| | अचूकथम् | अचूकथाव | अचूकथाम |
| ० | कोथयाश्चकार | कोथयाश्चक्रुः | कोथयाश्चकुः |
| | कोथयाश्चकथे | कोथयाश्चक्रुः | कोथयाश्चक |
| | कोथयाश्चकार-चक्र | कोथयाश्चक्रव | कोथयाश्चकृम |
| | कोथयाम्बभूव | । | कोथयामास |
| भा० | कोथ्यात् | कोथ्यास्ताम् | कोथ्यासुः |
| | कोथ्याः | कोथ्यास्तम् | कोथ्यास्त |
| | कोथ्यासम् | कोथ्यास्व | कोथ्यास्म |
| भ्व० | कोथयिता | कोथयितारौ | कोथयितारः |
| | कोथयितासि | कोथयितास्थः | कोथयितास्थ |
| | कोथयितास्मि | कोथयितास्वः | कोथयितास्मः |
| भ० | कोथयिष्यति | कोथयिष्यतः | कोथयिष्यन्ति |
| | कोथयिष्यसि | कोथयिष्यथः | कोथयिष्यथ |
| | कोथयिष्यामि | कोथयिष्यावः | कोथयिष्यामः |
| क्रि० | अकोथयिष्यत् | अकोथयिष्यताम् | अकोथयिष्यन् |
| | अकोथयिष्यः | अकोथयिष्यतम् | अकोथयिष्यत |
| | अकोथयिष्यम् | अकोथयिष्याव | अकोथयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | कोथयते | कोथयेते | कोथयन्ते |
| | कोथयसे | कोथयेये | कोथयन्वे |
| | कोथये | कोथयावहे | कोथयामहे |
| स० | कोथयेत | कोथयेयाताम् | कोथयेरत् |
| | कोथयेथाः | कोथयेयाथाम् | कोथयेध्वम् |
| | कोथयेय | कोथयेवहि | कोथयेमहि |
| प० | कोथयताम् | कोथयेताम् | कोथयन्ताम् |
| | कोथयस्व | कोथयेथाम् | कोथयध्वम् |
| | कोथये | कोथयावहे | कोथयामहे |
| ह्य० | अकोथयत | अकोथयेताम् | अकोथयन्त |
| | अकोथयथाः | अकोथयेथाम् | अकोथयध्वम् |
| | अकोथये | अकोथयावहि | अकोथयामहि |
| अ० | अचूकथत | अचूकथेताम् | अचूकथन्त |
| | अचूकथथाः | अचूकथेथाम् | अचूकथध्वम् |
| | अचूकथे | अचूकथावहि | अचूकथामहि |
| प० | कोथयाश्चके | कोथयाश्चकाते | कोथयाश्चकिरे |
| | कोथयाश्चकृषे | कोथयाश्चक्राथे | कोथयाश्चकृह्वे |
| | कोथयाश्चके | कोथयाश्चकृवहे | कोथयाश्चकृमहे |
| | कोथयाम्बभूव | । | कोथयामास |
| भा० | कोथयिषीष्ट | कोथयिषीयास्ताम् | कोथयिषीरन् |
| | कोथयिषीष्टाः | कोथयिषीयास्थाम् | कोथयिषीध्वम् |
| | कोथयिषीय | कोथयिषीवहि | कोथयिषीमहि |
| भ्व० | कोथयिता | कोथयितारौ | कोथयितारः |
| | कोथयितासे | कोथयितासाथे | कोथयिताध्वे |
| | कोथयिताहे | कोथयितास्वहे | कोथयितास्महे |
| भ० | कोथयिष्यते | कोथयिष्येते | कोथयिष्यन्ते |
| | कोथयिष्यसे | कोथयिष्येये | कोथयिष्यन्वे |
| | कोथयिष्ये | कोथयिष्यावहे | कोथयिष्यामहे |
| क्रि० | अकोथयिष्यत | अकोथयिष्येताम् | अकोथयिष्यन्त |
| | अकोथयिष्यथाः | अकोथयिष्येथाम् | अकोथयिष्यध्वम् |
| | अकोथयिष्ये | अकोथयिष्यावहि | अकोथयिष्यामहि |

1154 पुथच् (पुथ्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | पोथयति | पोथयतः | पोथयन्ति |
| | पोथयसि | पोथयथः | पोथयथ |
| | पोथयामि | पोथयावः | पोथयामः |
| स० | पोथयेत् | पोथयेताम् | पोथयेयुः |
| | पोथयेः | पोथयेतम् | पोथयेत |
| | पोथयेयम् | पोथयेयव | पोथयेयम |
| प० | पोथयतु | पोथयतात् | पोथयताम् |
| | पोथय | पोथयतात् | पोथयतम् |
| | पोथयानि | पोथयाव | पोथयाम |
| ह्य० | अपोथयत् | अपोथयताम् | अपोथयन् |
| | अपोथयः | अपोथयतम् | अपोथयत |
| | अपोथयम् | अपोथयाव | अपोथयाम |
| अ० | अपूपुथत् | अपूपुथताम् | अपूपुथन् |
| | अपूपुथः | अपूपुथतम् | अपूपुथत |
| | अपूपुथम् | अपूपुथाव | अपूपुथाम |
| प० | पोथयाञ्चकर | पोथयाञ्चक्रतुः | पोथयाञ्चक्रुः |
| | पोथयाञ्चकर्थ | पोथयाञ्चक्रथुः | पोथयाञ्चक्र |
| | पोथयाञ्चकार-चकर | पोथयाञ्चक्रव | पोथयाञ्चक्रम |
| | पोथयाम्बभूव | । | पोथयामास |
| आ० | पोथ्यात् | पोथ्यास्ताम् | पोथ्यासुः |
| | पोथ्याः | पोथ्यास्तम् | पोथ्यास्त |
| | पोथ्यासम् | पोथ्यास्व | पोथ्यास्म |
| अ० | पोथयिता | पोथयितारौ | पोथयितारः |
| | पोथयितासि | पोथयितास्थः | पोथयितास्थ |
| | पोथयितास्मि | पोथयितास्वः | पोथयितास्मः |
| अ० | पोथयिष्यति | पोथयिष्यतः | पोथयिष्यन्ति |
| | पोथयिष्यसि | पोथयिष्यथः | पोथयिष्यथ |
| | पोथयिष्यामि | पोथयिष्यावः | पोथयिष्यामः |
| क्रि० | अपोथयिष्यत् | अपोथयिष्यताम् | अपोथयिष्यन् |
| | अपोथयिष्यः | अपोथयिष्यतम् | अपोथयिष्यत |
| | अपोथयिष्यम् | अपोथयिष्याव | अपोथयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | पोथयते | पोथयेते | पोथयन्ते |
| | पोथयसे | पोथयेथे | पोथयध्वे |
| | पोथये | पोथयावहे | पोथयामहे |
| स० | पोथयेत | पोथयेयाताम् | पोथयेरन् |
| | पोथयेथाः | पोथयेयाथाम् | पोथयेध्वम् |
| | पोथयेय | पोथयेयवहि | पोथयेयमहि |
| प० | पोथयताम् | पोथयेताम् | पोथयताम् |
| | पोथयस्व | पोथयेथाम् | पोथयध्वम् |
| | पोथये | पोथयावहे | पोथयामहे |
| ह्य० | अपोथयत | अपोथयेताम् | अपोथयन्त |
| | अपोथयथाः | अपोथयेथाम् | अपोथयध्वम् |
| | अपोथये | अपोथयावहि | अपोथयामहि |
| अ० | अपूपुथत | अपूपुथेताम् | अपूपुथन्त |
| | अपूपुथथाः | अपूपुथेथाम् | अपूपुथध्वम् |
| | अपूपुथे | अपूपुथावहि | अपूपुथायहि |
| प० | पोथयाञ्चके | पोथयाञ्चक्राते | पोथयाञ्चक्रिरे |
| | पोथयाञ्चक्रुषे | पोथयाञ्चक्राथे | पोथयाञ्चक्रुद्वे |
| | पोथयाञ्चके | पोथयाञ्चक्रवहे | पोथयाञ्चक्रमहे |
| | पोथयाम्बभूव | । | पोथयामास |
| आ० | पोथयिषीष्ट | पोथयिषीयास्ताम् | पोथयिषीरन् |
| | पोथयिषीष्ठाः | पोथयिषीयास्थाम् | पोथयिषीद्वम् |
| | पोथयिषीय | पोथयिषीवहि | पोथयिषीमहि |
| अ० | पोथयिता | पोथयितारौ | पोथयितारः |
| | पोथयितासे | पोथयितासाथे | पोथयिताध्वे |
| | पोथयिताहे | पोथयितास्वहे | पोथयितास्महे |
| अ० | पोथयिष्यते | पोथयिष्येते | पोथयिष्यन्ते |
| | पोथयिष्यसे | पोथयिष्येथे | पोथयिष्यध्वे |
| | पोथयिष्ये | पोथयिष्यवहे | पोथयिष्यामहे |
| क्रि० | अपोथयिष्यत | अपोथयिष्येताम् | अपोथयिष्यन्त |
| | अपोथयिष्यथाः | अपोथयिष्येथाम् | अपोथयिष्यध्वम् |
| | अपोथयिष्ये | अपोथयिष्यवहि | अपोथयिष्यामहि |

॥ अथ धान्तास्त्रयः ॥

1155 गुधच् (गुध्) परिदेष्टने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | गोधयति | गोधयतः | गोधयन्ति |
| | गोधयसे | गोधयथः | गोधयथ |
| | गोधये | गोधयावः | गोधयामः |
| स० | गोधयेत् | गोधयेताम् | गोधयेयुः |
| | गोधयैः | गोधयेतम् | गोधयेत |
| | गोधयेयम् | गोधयेव | गोधयेम |
| प० | गोधयतु | गोधयतात् | गोधयन्तु |
| | गोधय | गोधयतात् | गोधयत |
| | गोधयानि | गोधयाव | गोधयाम |
| ह्य० | अगोधयत् | अगोधयताम् | अगोधयन् |
| | अगोधयः | अगोधयतम् | अगोधयत |
| | अगोधयम् | अगोधयाव | अगोधयाम |
| अ० | अजुगुधत् | अजुगुधताम् | अजुगुधन् |
| | अजुगुधः | अजुगुधतम् | अजुगुधत |
| | अजुगुधम् | अजुगुधाव | अजुगुधाम |
| प० | गोधयाश्चकार | गोधयाश्चक्रुः | गोधयाश्चकुः |
| | गोधयाश्चकथे | गोधयाश्चक्रुः | गोधयाश्चक्र |
| | गोधयाश्चकार-चकर | गोधयाश्चकृव | गोधयाश्चकृम |
| | गोधयाम्बभूव | । गोधयामास | |
| आ० | गोघ्यात् | गोघ्यास्ताम् | गोघ्यासुः |
| | गोघ्याः | गोघ्यास्तम् | गोघ्यास्त |
| | गोघ्यासम् | गोघ्यास्व | गोघ्यास्म |
| भ० | गोधयिता | गोधयितारौ | गोधयितारः |
| | गोधयितासि | गोधयितास्थः | गोधयितास्थ |
| | गोधयितास्मि | गोधयितास्वः | गोधयितास्मः |
| म० | गोधयिष्यति | गोधयिष्यतः | गोधयिष्यन्ति |
| | गोधयिष्यसि | गोधयिष्यथः | गोधयिष्यथ |
| | गोधयिष्यामि | गोधयिष्यावः | गोधयिष्यामः |
| क्रि० | अगोधयिष्यत् | अगोधयिष्यताम् | अगोधयिष्यन् |
| | अगोधयिष्यः | अगोधयिष्यतम् | अगोधयिष्यत |
| | अगोधयिष्यम् | अगोधयिष्याव | अगोधयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | गोधयेते | गोधयेते | गोधयन्ते |
| | गोधयेसे | गोधयेथे | गोधयन्वे |
| | गोधये | गोधयावहे | गोधयामहे |
| स० | गोधयेत | गोधयेयाताम् | गोधयेरन् |
| | गोधयेथाः | गोधयेयाथाम् | गोधयेथ्वम् |
| | गोधयेय | गोधयेवहि | गोधयेमहि |
| प० | गोधयताम् | गोधयेताम् | गोधयन्ताम् |
| | गोधयस्व | गोधयेथाम् | गोधयस्वम् |
| | गोधये | गोधयावहे | गोधयामहे |
| ह्य० | अगोधयत | अगोधयेताम् | अगोधयन्त |
| | अगोधयथाः | अगोधयेथाम् | अगोधयथ्वम् |
| | अगोधये | अगोधयावहि | अगोधयामहि |
| अ० | अजुगुधत | अजुगुधेताम् | अजुगुधन्त |
| | अजुगुधथाः | अजुगुधेथाम् | अजुगुधथ्वम् |
| | अजुगुधे | अजुगुधावहि | अजुगुधामहि |
| प० | गोधयाश्चक्रे | गोधयाश्चक्राते | गोधयाश्चक्रिरे |
| | गोधयाश्चकृषे | गोधयाश्चक्राये | गोधयाश्चकृद्वे |
| | गोधयाश्चक्रे | गोधयाश्चकृवहे | गोधयाश्चकृमहे |
| | गोधयाम्बभूव | । गोधयामास | |
| आ० | गोधयिषीष्ट | गोधयिषीयास्ताम् | गोधयिषीरन् |
| | गोधयिषीष्टाः | गोधयिषीयास्याम् | गोधयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | गोधयिषीय | गोधयिषीवहि | गोधयिषीमहि |
| भ० | गोधयिता | गोधयितारौ | गोधयितारः |
| | गोधयितासे | गोधयितासाथे | गोधयिताथ्वे |
| | गोधयिताहे | गोधयितास्वहे | गोधयितास्पहे |
| म० | गोधयिष्यते | गोधयिष्येते | गोधयिष्यन्ते |
| | गोधयिष्यसे | गोधयिष्येथे | गोधयिष्यथ्वे |
| | गोधयिष्ये | गोधयिष्यावहे | गोधयिष्यामहे |
| क्रि० | अगोधयिष्यत् | अगोधयिष्येताम् | अगोधयिष्यन्त |
| | अगोधयिष्यथाः | अगोधयिष्येथाम् | अगोधयिष्यथ्वम् |
| | अगोधयिष्ये | अगोधयिष्यावहि | अगोधयिष्यामहि |

1156 राधंच् (राध्) वृद्धौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | राधयति | राधयतः | राधयन्ति |
| | राधयसि | राधयथः | राधयथ |
| | राधयामि | राधयावः | राधयामः |
| स० | राधयेत् | राधयेताम् | राधयेयुः |
| | राधयेः | राधयेतम् | राधयेत |
| | राधयेयम् | राधयेव | राधयेम |
| प० | राधयतु | राधयतात् | राधयताम् |
| | राधय | राधयतात् | राधयतम् |
| | राधयानि | राधयाव | राधयाम |
| ह्य० | अराधयत् | अराधयताम् | अराधयन् |
| | अराधयः | अराधयतम् | अराधयत |
| | अराधयम् | अराधयाव | अराधयाम |
| अ० | अरीरधत् | अरीरधताम् | अरीरधन् |
| | अरीरधः | अरीरधतम् | अरीरधत |
| | अरीरधम् | अरीरधाव | अरीरधाम |
| प० | राधयाञ्चकार | राधयाञ्चक्रुः | राधयाञ्चकुः |
| | राधयाञ्चकथं | राधयाञ्चकथुः | राधयाञ्चक्र |
| | राधयाञ्चकार-चकर | राधयाञ्चकृव | राधयाञ्चकृम |
| | राधयाम्बभूव | । | राधयामास |
| आ० | राध्यात् | राध्यास्ताम् | राध्यासुः |
| | राध्याः | राध्यास्तम् | राध्यास्त |
| | राध्यासम् | राध्यास्व | राध्यास्म |
| श्व० | राधयिता | राधयितारौ | राधयितारः |
| | राधयितासि | राधयितास्थः | राधयितास्थ |
| | राधयितास्मि | राधयितास्वः | राधयितास्मः |
| भ० | राधयिष्यति | राधयिष्यतः | राधयिष्यन्ति |
| | राधयिष्यसि | राधयिष्यथः | राधयिष्यथ |
| | राधयिष्यामि | राधयिष्यावः | राधयिष्यामः |
| क्रि० | अराधयिष्यत् | अराधयिष्यताम् | अराधयिष्यन् |
| | अराधयिष्यः | अराधयिष्यतम् | अराधयिष्यत |
| | अराधयिष्यम् | अराधयिष्याव | अराधयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | राधयते | राधयेते | राधयन्ते |
| | राधयसे | राधयेथे | राधयन्थे |
| | राधये | राधयावहे | राधयामहे |
| स० | राधयेत | राधयेयाताम् | राधयेरन् |
| | राधयेथाः | राधयेयाथाम् | राधयेष्वम् |
| | राधयेय | राधयेवहि | राधयेमहि |
| प० | राधयताम् | राधयेताम् | राधयन्ताम् |
| | राधयस्व | राधयेथाम् | राधयध्वम् |
| | राधयै | राधयावहै | राधयामहै |
| ह्य० | अराधयत | अराधयेताम् | अराधयन्त |
| | अराधयथाः | अराधयेथाम् | अराधयध्वम् |
| | अराधये | अराधयावहि | अराधयामहि |
| अ० | अरीरधत | अरीरधेताम् | अरीरधन्त |
| | अरीरधथाः | अरीरधेथाम् | अरीरधध्वम् |
| | अरीरधे | अरीरधावहि | अरीरधामहि |
| प० | राधयाञ्चक्रे | राधयाञ्चक्रते | राधयाञ्चक्रिरे |
| | राधयाञ्चकृषे | राधयाञ्चकृथे | राधयाञ्चकृद्वे |
| | राधयाञ्चक्रे | राधयाञ्चकृवहे | राधयाञ्चकृमहे |
| | राधयाम्बभूव | । | राधयामास |
| आ० | राधयिषीष्ट | राधयिषीयास्ताम् | राधयिषीरन् |
| | राधयिषीष्ठाः | राधयिषीयास्थाम् | राधयिषीद्वम् |
| | राधयिषीय | राधयिषीवहि | राधयिषीमहि |
| श्व० | राधयिता | राधयितारौ | राधयितारः |
| | राधयितासे | राधयितासाथे | राधयिताध्वे |
| | राधयिताहे | राधयितास्वहे | राधयितास्महे |
| भ० | राधयिष्यते | राधयिष्येते | राधयिष्यन्ते |
| | राधयिष्यसे | राधयिष्येथे | राधयिष्यध्वे |
| | राधयिष्ये | राधयिष्यावहे | राधयिष्यामहे |
| क्रि० | अराधयिष्यत | अराधयिष्येताम् | अराधयिष्यन्त |
| | अराधयिष्यथाः | अराधयिष्येथाम् | अराधयिष्यध्वम् |
| | अराधयिष्ये | अराधयिष्यावहि | अराधयिष्यामहि |

1156 व्यधञ्च (व्यध्) ताडने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | व्याधयति | व्याधयतः | व्याधयन्ति |
| | व्याधयसि | व्याधयथः | व्याधयथ |
| | व्याधयामि | व्याधयावः | व्याधयामः |
| स० | व्याधयेत् | व्याधयेताम् | व्याधयेयुः |
| | व्याधयेः | व्याधयेतम् | व्याधयेत |
| | व्याधयेयम् | व्याधयेव | व्याधयेम |
| प० | व्याधयतु | व्याधयतात् | व्याधयताम् |
| | व्याधय | व्याधयतात् | व्याधयतम् |
| | व्याधयानि | व्याधयाव | व्याधयाम |
| ह्य० | अव्याधयत् | अव्याधयताम् | अव्याधयन् |
| | अव्याधयः | अव्याधयतम् | अव्याधयत |
| | अव्याधयम् | अव्याधयाव | अव्याधयाम |
| भ० | अविव्यधत् | अविव्यधताम् | अविव्यधन् |
| | अविव्यधः | अविव्यधतम् | अविव्यधत |
| | अविव्यधम् | अविव्यधाव | अविव्यधाम |
| प० | व्याधयाञ्चकार | व्याधयाञ्चकतुः | व्याधयाञ्चकः |
| | व्याधयाञ्चकथै | व्याधयाञ्चकथुः | व्याधयाञ्चक |
| | व्याधयाञ्चकार-चकर | व्याधयाञ्चकव | व्याधयाञ्चकम् |
| | व्याधयाम्बभूव | व्याधयामास | |
| भा० | व्याध्यात् | व्याध्यास्ताम् | व्याध्यासुः |
| | व्याध्याः | व्याध्यास्तम् | व्याध्यास्त |
| | व्याध्यासम् | व्याध्यास्व | व्याध्यास्म |
| श्व० | व्याधयिता | व्याधयितारौ | व्याधयितारः |
| | व्याधयितासि | व्याधयितास्थः | व्याधयितास्थ |
| | व्याधयितास्मि | व्याधयितास्वः | व्याधयितास्मः |
| भ० | व्याधयिष्यति | व्याधयिष्यतः | व्याधयिष्यन्ति |
| | व्याधयिष्यसि | व्याधयिष्यथः | व्याधयिष्यथ |
| | व्याधयिष्यामि | व्याधयिष्यावः | व्याधयिष्यामः |
| क्रि० | अव्याधयिष्यत् | अव्याधयिष्यताम् | अव्याधयिष्यन् |
| | अव्याधयिष्यः | अव्याधयिष्यतम् | अव्याधयिष्यत |
| | अव्याधयिष्यम् | अव्याधयिष्याव | अव्याधयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | व्याधयते | व्याधयेते | व्याधयन्ते |
| | व्याधयसे | व्याधयेथे | व्याधयध्वे |
| | व्याधये | व्याधयावहे | व्याधयामहे |
| स० | व्याधयेत | व्याधयेताताम् | व्याधयेरन् |
| | व्याधयेथाः | व्याधयेथाताम् | व्याधयेध्वम् |
| | व्याधयेय | व्याधयेवहि | व्याधयेमहि |
| प० | व्याधयताम् | व्याधयेताम् | व्याधयन्ताम् |
| | व्याधयस्व | व्याधयेथाम् | व्याधयध्वम् |
| | व्याधयै | व्याधयावहे | व्याधयामहे |
| ह्य० | अव्याधयत | अव्याधयेताम् | अव्याधयन्त |
| | अव्याधयथाः | अव्याधयेथाम् | अव्याधयध्वम् |
| | अव्याधये | अव्याधयावहि | अव्याधयामहि |
| अ० | अविव्यधत | अविव्यधेताम् | अविव्यधन्त |
| | अविव्यधथाः | अविव्यधेथाम् | अविव्यधध्वम् |
| | अविव्यधे | अविव्यधावहि | अविव्यधामहि |
| प० | व्याधयाञ्चके | व्याधयाञ्चकते | व्याधयाञ्चकिरे |
| | व्याधयाञ्चकृषे | व्याधयाञ्चकृषे | व्याधयाञ्चकृष्वे |
| | व्याधयाञ्चके | व्याधयाञ्चकृवहे | व्याधयाञ्चकृमहे |
| | व्याधयाम्बभूव | व्याधयामास | |
| भा० | व्याधयिषीष्ट | व्याधयिषीयास्ताम् | व्याधयिषीरन् |
| | व्याधयिषीष्टाः | व्याधयिषीयास्ताम् | व्याधयिषीध्वम् |
| | व्याधयिषीय | व्याधयिषीवहि | व्याधयिषीमहि |
| श्व० | व्याधयिता | व्याधयितारौ | व्याधयितारः |
| | व्याधयितासे | व्याधयितासाथे | व्याधयिताध्वे |
| | व्याधयिताहे | व्याधयितास्वहे | व्याधयितास्महे |
| भ० | व्याधयिष्यते | व्याधयिष्येते | व्याधयिष्यन्ते |
| | व्याधयिष्यसे | व्याधयिष्येथे | व्याधयिष्यध्वे |
| | व्याधयिष्ये | व्याधयिष्यवहे | व्याधयिष्यामहे |
| क्रि० | अव्याधयिष्यत | अव्याधयिष्येताम् | अव्याधयिष्यन्त |
| | अव्याधयिष्यथाः | अव्याधयिष्येथाम् | अव्याधयिष्यध्वम् |
| | अव्याधयिष्ये | अव्याधयिष्यावहि | अव्याधयिष्यामहि |

॥ अथ पान्ताः ॥

1158 क्षिपञ्च (क्षिप्) प्रेरणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | क्षेपयति | क्षेपयतः | क्षेपयन्ति |
| | क्षेपयसि | क्षेपयथः | क्षेपयथ |
| | क्षेपयामि | क्षेपयावः | क्षेपयामः |
| स० | क्षेपयेत् | क्षेपयेताम् | क्षेपयेयुः |
| | क्षेपयेः | क्षेपयेतम् | क्षेपयेत |
| | क्षेपयेयम् | क्षेपयेव | क्षेपयेम |
| प० | क्षेपयतु | क्षेपयतात् | क्षेपयताम् |
| | क्षेपय | क्षेपयतात् | क्षेपयतम् |
| | क्षेपयाणि | क्षेपयाव | क्षेपयाम |
| ह्य० | अक्षेपयत् | अक्षेपयताम् | अक्षेपयन् |
| | अक्षेपयः | अक्षेपयतम् | अक्षेपयत |
| | अक्षेपयम् | अक्षेपयाव | अक्षेपयाम |
| अ० | अचिक्षिपत् | अचिक्षिपताम् | अचिक्षिपन् |
| | अचिक्षिपः | अचिक्षिपतम् | अचिक्षिपत |
| | अचिक्षिपम् | अचिक्षिपाव | अचिक्षिपाम |
| प० | क्षेपयाञ्चकार | क्षेपयाञ्चक्रुः | क्षेपयाञ्चकुः |
| | क्षेपयाञ्चकथं | क्षेपयाञ्चकथुः | क्षेपयाञ्चक |
| | क्षेपयाञ्चकार-चकर | क्षेपयाञ्चकृव | क्षेपयाञ्चकृम |
| | क्षेपयाम्बभूव | क्षेपयामास | |
| अ० | क्षेप्यात् | क्षेप्यास्ताम् | क्षेप्यासुः |
| | क्षेप्याः | क्षेप्यास्तम् | क्षेप्यास्त |
| | क्षेप्यासम् | क्षेप्यास्व | क्षेप्यास्म |
| भ० | क्षेपयिता | क्षेपयितारौ | क्षेपयितारः |
| | क्षेपयितासि | क्षेपयितास्थः | क्षेपयितास्थ |
| | क्षेपयितास्मि | क्षेपयितास्वः | क्षेपयितास्वः |
| भ० | क्षेपयिष्यति | क्षेपयिष्यतः | क्षेपयिष्यन्ति |
| | क्षेपयिष्यसि | क्षेपयिष्यथः | क्षेपयिष्यथ |
| | क्षेपयिष्यामि | क्षेपयिष्यावः | क्षेपयिष्यामः |
| क्रि० | अक्षेपयिष्यत् | अक्षेपयिष्यताम् | अक्षेपयिष्यन् |
| | अक्षेपयिष्यः | अक्षेपयिष्यतम् | अक्षेपयिष्यत |
| | अक्षेपयिष्यम् | अक्षेपयिष्याव | अक्षेपयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | क्षेपयते | क्षेपयेते | क्षेपयन्ते |
| | क्षेपयसे | क्षेपयथे | क्षेपयध्वे |
| | क्षेपये | क्षेपयावहे | क्षेपयामहे |
| स० | क्षेपयत | क्षेपयेयाताम् | क्षेपयेरन् |
| | क्षेपयेथाः | क्षेपयेयाथाम् | क्षेपयेध्वम |
| | क्षेपयेय | क्षेपयेवहि | क्षेपयेमहि |
| प० | क्षेपयताम् | क्षेपयेताम् | क्षेपयन्ताम् |
| | क्षेपयामव | क्षेपयेथाम् | क्षेपयाम्वम् |
| | क्षेपये | क्षेपयावहै | क्षेपयामहै |
| ह्य० | अक्षेपयत | अक्षेपयेताम् | अक्षेपयन्त |
| | अक्षेपयथाः | अक्षेपयेथाम् | अक्षेपयध्वम् |
| | अक्षेपये | अक्षेपयावहि | अक्षेपयामहि |
| अ० | अचिक्षिपत | अचिक्षिपेताम् | अचिक्षिपन्त |
| | अचिक्षिपथाः | अचिक्षिपेथाम् | अचिक्षिपध्वम |
| | अचिक्षिपे | अचिक्षिपावहि | अचिक्षिपामहि |
| प० | क्षेपयाञ्चक्रे | क्षेपयाञ्चक्राते | क्षेपयाञ्चक्रिरे |
| | क्षेपयाञ्चकृषे | क्षेपयाञ्चकृषे | क्षेपयाञ्चकृद्वे |
| | क्षेपयाञ्चके | क्षेपयाञ्चकृवहे | क्षेपयाञ्चकृमहे |
| | क्षेपयाम्बभूव | क्षेपयामास | |
| आ० | क्षेपयिषीष्ट | क्षेपयिषीयास्ताम् | क्षेपयिषीरन् |
| | क्षेपयिषीष्टाः | क्षेपयिषीयास्थाम् | क्षेपयिषीध्वम् |
| | क्षेपयिषीय | क्षेपयिषीवहि | क्षेपयिषीमहि |
| भ० | क्षेपयिता | क्षेपयितारौ | क्षेपयितारः |
| | क्षेपयितासे | क्षेपयितामथे | क्षेपयिताध्वे |
| | क्षेपयिताहे | क्षेपयितास्वहे | क्षेपयितास्मः |
| भ० | क्षेपयिष्यते | क्षेपयिष्यन्ते | क्षेपयिष्यन्ते |
| | क्षेपयिष्यसे | क्षेपयिष्यथे | क्षेपयिष्यध्वे |
| | क्षेपयिष्ये | क्षेपयिष्यावहे | क्षेपयिष्यामहे |
| क्रि० | अक्षेपयिष्यत | अक्षेपयिष्यताम् | अक्षेपयिष्यन्त |
| | अक्षेपयिष्यथाः | अक्षेपयिष्येथाम् | अक्षेपयिष्यध्वम् |
| | अक्षेपयिष्ये | अक्षेपयिष्यावहि | अक्षेपयिष्यामहि |

1159 पुष्पच् (पुष्प) विकसने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | पुष्पयति | पुष्पयतः | पुष्पयन्ति |
| | पुष्पयसि | पुष्पयथः | पुष्पयथ |
| | पुष्पयामि | पुष्पयावः | पुष्पयामः |
| स० | पुष्पयेत् | पुष्पयेताम् | पुष्पयेयुः |
| | पुष्पयेः | पुष्पयेतम् | पुष्पयेत |
| | पुष्पयेयम् | पुष्पयेव | पुष्पयेम |
| प० | पुष्पयतु | पुष्पयतात् | पुष्पयन्तु |
| | पुष्पय | पुष्पयतात् | पुष्पयत |
| | पुष्पयाणि | पुष्पयाव | पुष्पयाम |
| ह्य० | अपुष्पयत् | अपुष्पयताम् | अपुष्पयन् |
| | अपुष्पयः | अपुष्पयतम् | अपुष्पयत |
| | अपुष्पयम् | अपुष्पयाव | अपुष्पयाम |
| अ० | अपुष्पयत् | अपुष्पयताम् | अपुष्पयन् |
| | अपुष्पयः | अपुष्पयतम् | अपुष्पयत |
| | अपुष्पयम् | अपुष्पयाव | अपुष्पयाम |
| प० | पुष्पयाञ्चकार | पुष्पयाञ्चक्रुः | पुष्पयाञ्चकुः |
| | पुष्पयाञ्चकथं | पुष्पयाञ्चक्रुः | पुष्पयाञ्चक |
| | पुष्पयाञ्चकार-नकर | पुष्पयाञ्चकव | पुष्पयाञ्चकवम् |
| | पुष्पयाम्बभूव | पुष्पयामास | |
| अ० | पुष्पयात् | पुष्पयास्ताम् | पुष्पयासुः |
| | पुष्पयाः | पुष्पयास्तम् | पुष्पयास्त |
| | पुष्पयासम् | पुष्पयास्व | पुष्पयास्म |
| श्र० | पुष्पयिता | पुष्पयितारौ | पुष्पयितारः |
| | पुष्पयितासि | पुष्पयितास्थः | पुष्पयितास्थ |
| | पुष्पयितास्मि | पुष्पयितास्वः | पुष्पयितास्मः |
| भ० | पुष्पयिष्यति | पुष्पयिष्यतः | पुष्पयिष्यन्ति |
| | पुष्पयिष्यसि | पुष्पयिष्यथः | पुष्पयिष्यथ |
| | पुष्पयिष्यामि | पुष्पयिष्यावः | पुष्पयिष्यामः |
| क्रि० | अपुष्पयिष्यत् | अपुष्पयिष्यताम् | अपुष्पयिष्यन् |
| | अपुष्पयिष्यः | अपुष्पयिष्यतम् | अपुष्पयिष्यत |
| | अपुष्पयिष्यम् | अपुष्पयिष्याव | अपुष्पयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|--------------------|
| ब० | पुष्पयते | पुष्पयेते | पुष्पयन्ते |
| | पुष्पयसे | पुष्पयेथे | पुष्पयध्वे |
| | पुष्पये | पुष्पयावहे | पुष्पयामहे |
| स० | पुष्पयेत | पुष्पयेयाताम् | पुष्पयेरन् |
| | पुष्पयेथाः | पुष्पयेयाथाम् | पुष्पयेध्वम् |
| | पुष्पयेय | पुष्पयेवहि | पुष्पयेमहि |
| प० | पुष्पयताम् | पुष्पयेताम् | पुष्पयन्ताम् |
| | पुष्पयस्व | पुष्पयेथाम् | पुष्पयध्वम् |
| | पुष्पयै | पुष्पयावहे | पुष्पयामहे |
| ह्य० | अपुष्पयत | अपुष्पयेताम् | अपुष्पयन्त |
| | अपुष्पयथाः | अपुष्पयेथाम् | अपुष्पयध्वम् |
| | अपुष्पये | अपुष्पयावहि | अपुष्पयामहि |
| अ० | अपुष्पयत | अपुष्पयेताम् | अपुष्पयन्त |
| | अपुष्पयथाः | अपुष्पयेथाम् | अपुष्पयध्वम् |
| | अपुष्पये | अपुष्पयावहि | अपुष्पयामहि |
| प० | पुष्पयाञ्चक्रे | पुष्पयाञ्चक्राते | पुष्पयाञ्चक्रिरे |
| | पुष्पयाञ्चक्रे | पुष्पयाञ्चक्राथे | पुष्पयाञ्चक्रुद्वे |
| | पुष्पयाञ्चक्रे | पुष्पयाञ्चक्रवहे | पुष्पयाञ्चक्रमहे |
| | पुष्पयाम्बभूव | पुष्पयामास | |
| आ० | पुष्पयिषीष्ट | पुष्पयिषीयास्ताम् | पुष्पयिषीरन् |
| | पुष्पयिषीष्ठाः | पुष्पयिषीयास्थाम् | पुष्पयिषीद्वम् |
| | पुष्पयिषीय | पुष्पयिषीवहि | पुष्पयिषीमहि |
| श्र० | पुष्पयिता | पुष्पयितारौ | पुष्पयितारः |
| | पुष्पयितासे | पुष्पयितासाथे | पुष्पयिताध्वे |
| | पुष्पयिताहे | पुष्पयितास्वहे | पुष्पयितास्मः |
| भ० | पुष्पयिष्यते | पुष्पयिष्येते | पुष्पयिष्यन्ते |
| | पुष्पयिष्यसे | पुष्पयिष्येथे | पुष्पयिष्यध्वे |
| | पुष्पयिष्ये | पुष्पयिष्यावहे | पुष्पयिष्यामहे |
| क्रि० | अपुष्पयिष्यत | अपुष्पयिष्यताम् | अपुष्पयिष्यन्त |
| | अपुष्पयिष्यथाः | अपुष्पयिष्येथाम् | अपुष्पयिष्यध्वम् |
| | अपुष्पयिष्ये | अपुष्पयिष्यावहि | अपुष्पयिष्यामहि |

॥ अथ मान्ताश्चत्वारः ॥

1160 तिमच् (तिम) आद्रभावे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | तेमयति | तेमयतः | तेमयन्ति |
| | तेमयसि | तेमयथः | तेमयथ |
| | तेमयामि | तेमयावः | तेमयामः |
| स० | तेमयेत् | तेमयेताम् | तेमयेयुः |
| | तेमयेः | वेमयेतम् | तेमयेत |
| | तेमयेयम् | तेमयेव | तेमयेम |
| प० | तेमयतु | तेमयतात् | तेमयन्तु |
| | तेमय | तेमयतात् | तेमयतम् |
| | तेमयानि | तेमयाव | तेमयाम |
| ह्य० | अतेमयत् | अतेमयताम् | अतेमयन् |
| | अतेमयः | अतेमयतम् | अतेमयत |
| | अतेमयम् | अतेमयाव | अतेमयाम |
| अ० | अतीतिमत | अतीतिमताम् | अतीतिमन् |
| | अतीतिमः | अतीतिमतम् | अतीतिमत |
| | अतीतिमम् | अतीतिमाव | अतीतिमाम |
| प० | तेमयाञ्चकार | तेमयाञ्चकतुः | तेमयाञ्चक्रुः |
| | तेमयाञ्चकथं | तेमयाञ्चकथुः | तेमयाञ्चक्र |
| | तेमयाञ्चकार-चकर | तेमयाञ्चक्रव | तेमयाञ्चक्रम |
| | तेमयाम्बभूव | तेमयामास | |
| आ० | तेम्यात् | तेम्यास्ताम् | तेम्यासुः |
| | तेम्याः | तेम्यास्तम् | तेम्यास्त |
| | तेम्यासम् | तेम्यास्व | तेम्यास्म |
| श्व० | तेमयिता | तेमयितारौ | तेमयितारः |
| | तेमयितामि | तेमयितास्थः | तेमयितास्थ |
| | तेमयितास्मि | तेमयितास्वः | तेमयितास्मः |
| भ० | तेमयिष्यति | तेमयिष्यतः | तेमयिष्यन्ति |
| | तेमयिष्यसि | तेमयिष्यथः | तेमयिष्यथ |
| | तेमयिष्यामि | तेमयिष्यावः | तेमयिष्यामः |
| क्रि० | अतेमयिष्यत् | अतेमयिष्यताम् | अतेमयिष्यन् |
| | अतेमयिष्यः | अतेमयिष्यतम् | अतेमयिष्यत |
| | अतेमयिष्यम् | अतेमयिष्याव | अतेमयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तेमयते | तेमयेते | तेमयन्ते |
| | तेमयसे | तेमयेथे | तेमयध्वे |
| | तेमये | तेमयावहे | तेमयामहे |
| स० | तेमयंत | तेमयेयाताम् | तेमयरन् |
| | तेमयेथाः | तेमयेयाथाम् | तेमयेध्वम् |
| | तेमयेय | तेमयेयवहि | तेमयेमहि |
| प० | तेमयताम् | तेमयेताम् | तेमयन्ताम् |
| | तेमयस्व | तेमयेथाम् | तेमयध्वम् |
| | तेमये | तेमयावहे | तेमयामहे |
| ह्य० | अतेमयत | अतेमयेताम् | अतेमयन्त |
| | अतेमयथाः | अतेमयेथाम् | अतेमयध्वम् |
| | अतेमये | अतेमयावहि | अतेमयामहि |
| अ० | अतीतिमत | अतीतिमेताम् | अतीतिमन्त |
| | अतीतिमथाः | अतीतिमेथाम् | अतीतिमध्वम् |
| | अतीतिमे | अतीतिमावहि | अतीतिमामहि |
| प० | तेमयाञ्चक्रे | तेमयाञ्चक्राते | तेमयाञ्चकिरे |
| | तेमयाञ्चकृषे | तेमयाञ्चकृषे | तेमयाञ्चकृद्वे |
| | तेमयाञ्चक्रे | तेमयाञ्चकृवहे | तेमयाञ्चकृमहे |
| | तेमयाम्बभूव | तेमयामास | |
| आ० | तेमयिषीष्ट | तेमयिषीयास्ताम् | तेमयिषीरन् |
| | तेमयिषीष्टाः | तेमयिषीयास्थाम् | तेमयिषीह्वम् |
| | तेमयिषीथ | तेमयिषीवहि | तेमयिषीमहि |
| भ० | तेमयिता | तेमयितारौ | तेमयितारः |
| | तेमयितासे | तेमयितासथे | तेमयिताध्वे |
| | तेमयिताहे | तेमयितास्वहे | तेमयितास्महे |
| भ० | तेमयिष्यते | तेमयिष्यते | तेमयिष्यन्ते |
| | तेमयिष्यसे | तेमयिष्यथे | तेमयिष्यध्वे |
| | तेमयिष्यं | तेमयिष्यावहे | तेमयिष्यामहे |
| क्रि० | अतेमयिष्यत | अतेमयिष्यताम् | अतेमयिष्यन्त |
| | अतेमयिष्यथाः | अतेमयिष्यथाम् | अतेमयिष्यध्वम् |
| | अतेमयिष्यं | अतेमयिष्यावहि | अतेमयिष्यामहि |

1161 तीमच् (तीम्) आर्द्धभावे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| ब० | तीमयति | तीमयतः | तीमयन्ति |
| | तीमयसि | तीमयथः | तीमयथ |
| | तीमयामि | तीमयावः | तीमयामः |
| स० | तीमयेत् | तीमयेताम् | तीमयेयुः |
| | तीमयेः | तीमयेतम् | तीमयेत |
| | तीमयेयम् | तीमयेव | तीमयेम |
| प० | तीमयतु | तीमयतात् | तीमयताम् |
| | तीमय | तीमयतात् | तीमयतम् |
| | तीमयानि | तीमयाव | तीमयाम |
| ह्य० | अतीमयत् | अतीमयताम् | अतीमयन् |
| | अतीमयः | अतीमयतम् | अतीमयत |
| | अतीमयम् | अतीमयाव | अतीमयाम |
| अ० | अतीतिमत् | अतीतिमताम् | अतीतिमन् |
| | अतीतिमः | अतीतिमतम् | अतीतिमत |
| | अतीतिमम् | अतीतिमाव | अतीतिमाम |
| प० | तीमयाञ्चकार | तीमयाञ्चक्रुः | तीमयाञ्चक्रुः |
| | तीमयाञ्चक्य | तीमयाञ्चक्युः | तीमयाञ्चक्र |
| | तीमयाञ्चकार-चकर | तीमयाञ्चकृव | तीमयाञ्चकृव |
| | तीमयाम्बभूव | । | तीमयामास |
| आ० | तीम्यात् | तीम्यास्ताम् | तीम्यासुः |
| | तीम्याः | तीम्यास्तम् | तीम्यास्त |
| | तीम्यासम् | तीम्यास्व | तीम्यास्म |
| श्व० | तीमयिता | तीमयितारौ | तीमयितारः |
| | तीमयितासि | तीमयितास्थः | तीमयितास्थ |
| | तीमयितास्मि | तीमयितास्वः | तीमयितास्मः |
| भ० | तीमयिष्यति | तीमयिष्यतः | तीमयिष्यन्ति |
| | तीमयिष्यसि | तीमयिष्यथः | तीमयिष्यथ |
| | तीमयिष्यामि | तीमयिष्यावः | तीमयिष्यामः |
| क्रि० | अतीमयिष्यत् | अतीमयिष्यताम् | अतीमयिष्यन् |
| | अतीमयिष्यः | अतीमयिष्यतम् | अतीमयिष्यत |
| | अतीमयिष्यम् | अतीमयिष्याव | अतीमयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | तीमयेते | तीमयेते | तीमयन्ते |
| | तीमयसे | तीमयेये | तीमयन्वे |
| | तीमये | तीमयावहे | तीमयामहे |
| स० | तीमयेत | तीमयेयाताम् | तीमयेरन् |
| | तीमयेथाः | तीमयेयाथाम् | तीमयेध्वम् |
| | तीमयेय | तीमयेवहि | तीमयेमहि |
| प० | तीमयताम् | तीमयेताम् | तीमयन्ताम् |
| | तीमयस्व | तीमयेथाम् | तीमयध्वम् |
| | तीमयै | तीमयावहे | तीमयामहे |
| ह्य० | अतीमयत | अतीमयेताम् | अतीमयन्त |
| | अतीमयथाः | अतीमयेथाम् | अतीमयध्वम् |
| | अतीमये | अतीमयावहि | अतीमयामहि |
| आ० | अतीतिमत | अतीतिमेताम् | अतीतिमन्त |
| | अतीतिमथाः | अतीतिमेथाम् | अतीतिमध्वम् |
| | अतीतिमे | अतीतिमावहि | अतीतिमामहि |
| प० | तीमयाञ्चक्रे | तीमयाञ्चक्राते | तीमयाञ्चकिरे |
| | तीमयाञ्चकृषे | तीमयाञ्चक्राथे | तीमयाञ्चकृढे |
| | तीमयाञ्चक्रे | तीमयाञ्चकृवहे | तीमयाञ्चकृमहे |
| | तीमयाम्बभूव | । | तीमयामास |
| आ० | तीमयिषीष्ट | तीमयिषीयास्ताम् | तीमयिषीरन् |
| | तीमयिषीष्टाः | तीमयिषीयास्थाम् | तीमयिषीद्वम् |
| | तीमयिषीय | तीमयिषीवहि | तीमयिषीमहि |
| श्व० | तीमयिता | तीमयितारौ | तीमयितारः |
| | तीमयितासे | तीमयितासाथे | तीमयिताध्वे |
| | तीमयिताहे | तीमयितास्वहे | तीमयितास्महे |
| भ० | तीमयिष्यते | तीमयिष्येते | तीमयिष्यन्ते |
| | तीमयिष्यसे | तीमयिष्येये | तीमयिष्यन्वे |
| | तीमयिष्ये | तीमयिष्यावहे | तीमयिष्यामहे |
| क्रि० | अतीमयिष्यत | अतीमयिष्येताम् | अतीमयिष्यन्त |
| | अतीमयिष्यथाः | अतीमयिष्येथाम् | अतीमयिष्यध्वम् |
| | अतीमयिष्ये | अतीमयिष्यावहि | अतीमयिष्यामहि |

1162 छिमच् (स्तिम्) आर्द्रभावे ।

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| व० स्तेमयति | स्तेमयतः | स्तेमयन्ति |
| स्तेमयसि | स्तेमयथः | स्तेमयथ |
| स्तेमयामि | स्तेमयावः | स्तेमयामः |
| स० स्तेमयेत् | स्तेमयेताम् | स्तेमयेयुः |
| स्तेमयेः | स्तेमयेतम् | स्तेमयेत |
| स्तेमयेयम् | स्तेमयेव | स्तेमयेम |
| प० स्तेमयतु | स्तेमयतात् | स्तेमयन्तु |
| स्तेमय | स्तेमयतात् | स्तेमयतम् |
| स्तेमयानि | स्तेमयाव | स्तेमयाम |
| ह्य० अस्तेमयत् | अस्तेमयताम् | अस्तेमयन् |
| अस्तेमयः | अस्तेमयतम् | अस्तेमयत |
| अस्तेमयम् | अस्तेमयाव | अस्तेमयाम |
| अ० अतिछिमत् | अतिछिमताम् | अतिछिमन् |
| अतिछिमः | अतिछिमतम् | अतिछिमत |
| अतिछिमम् | अतिछिमाव | अतिछिमाम |
| प० स्तेमयाञ्चकार | स्तेमयाञ्चक्रतुः | स्तेमयाञ्चक्रुः |
| स्तेमयाञ्चकथं | स्तेमयाञ्चकथुः | स्तेमयाञ्चक |
| स्तेमयाञ्चकार-चकर | स्तेमयाञ्चकृव | स्तेमयाञ्चकृम |
| स्तेमयाञ्चभूव | स्तेमयामास | |
| आ० स्तेम्यात् | स्तेम्यास्ताम् | स्तेम्यासुः |
| स्तेम्याः | स्तेम्यास्तम् | स्तेम्यास्त |
| स्तेम्यासम् | स्तेम्यास्व | स्तेम्यास्म |
| श्व० स्तेमयिता | स्तेमयितारौ | स्तेमयितारः |
| स्तेमयितासि | स्तेमयितास्थः | स्तेमयितास्थ |
| स्तेमयितास्मि | स्तेमयितास्वः | स्तेमयितास्म |
| भ० स्तेमयिष्यति | स्तेमयिष्यतः | स्तेमयिष्यन्ति |
| स्तेमयिष्यसि | स्तेमयिष्यथः | स्तेमयिष्यथ |
| स्तेमयिष्यामि | स्तेमयिष्यावः | स्तेमयिष्यामः |
| क्रि० अस्तेमयिष्यत् | अस्तेमयिष्यताम् | अस्तेमयिष्यन् |
| अस्तेमयिष्यः | अस्तेमयिष्यतम् | अस्तेमयिष्यत |
| अस्तेमयिष्यम् | अस्तेमयिष्याव | अस्तेमयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० स्तेमयते | स्तेमयेते | स्तेमयन्ते |
| स्तेमयसे | स्तेमयेथे | स्तेमयध्वे |
| स्तेमये | स्तेमयावहे | स्तेमयामहे |
| स० स्तेमयेत | स्तेमयेयाताम् | स्तेमयेरन् |
| स्तेमयेथाः | स्तेमयेयाथाम् | स्तेमयेध्वम् |
| स्तेमयेय | स्तेमयेवहि | स्तेमयेमहि |
| प० स्तेमयताम् | स्तेमयेतम् | स्तेमयन्ताम् |
| स्तेमयस्व | स्तेमयेथाम् | स्तेमयध्वम् |
| स्तेमयै | स्तेमयावहे | स्तेमयामहे |
| ह्य० अस्तेमयत | अस्तेमयेताम् | अस्तेमयन्त |
| अस्तेमयथाः | अस्तेमयेथाम् | अस्तेमयध्वम् |
| अस्तेमये | अस्तेमयावहि | अस्तेमयामहि |
| अ० अतिछिमत् | अतिछिमेताम् | अतिछिमन्त |
| अतिछिमथाः | अतिछिमेथाम् | अतिछिमध्वम् |
| अतिछिमे | अतिछिमावहि | अतिछिमामहि |
| प० स्तेमयाञ्चक्रे | स्तेमयाञ्चकाते | स्तेमयाञ्चक्रिरे |
| स्तेमयाञ्चकृषे | स्तेमयाञ्चकाये | स्तेमयाञ्चकृद्वे |
| स्तेमयाञ्चक्रे | स्तेमयाञ्चकृवहे | स्तेमयाञ्चकृमहे |
| स्तेमयाञ्चभूव | स्तेमयामास | |
| आ० स्तेमयिषीष्ट | स्तेमयिषीयास्ताम् | स्तेमयिषीरन् |
| स्तेमयिषीष्टाः | स्तेमयिषीयास्थाम् | स्तेमयिषीध्वम् |
| स्तेमयिषीथ | स्तेमयिषीवहि | स्तेमयिषीमहि |
| श्व० स्तेमयिता | स्तेमयितारौ | स्तेमयितारः |
| स्तेमयितासे | स्तेमयितासाथे | स्तेमयिताध्वे |
| स्तेमयिताहे | स्तेमयितास्वहे | स्तेमयितास्महे |
| भ० स्तेमयिष्यते | स्तेमयिष्येते | स्तेमयिष्यन्ते |
| स्तेमयिष्यसे | स्तेमयिष्येथे | स्तेमयिष्यध्वे |
| स्तेमयिष्ये | स्तेमयिष्यावहे | स्तेमयिष्यामहे |
| क्रि० अस्तेमयिष्यत | अस्तेमयिष्येताम् | अस्तेमयिष्यन्त |
| अस्तेमयिष्यथाः | अस्तेमयिष्येथाम् | अस्तेमयिष्यध्वम् |
| अस्तेमयिष्ये | अस्तेमयिष्यावहि | अस्तेमयिष्यामहि |

1163 श्रीमच्छ (स्तीम) आर्द्रभावे

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| च० | स्तीमयति | स्तीमयतः | स्तीमयन्ति |
| | स्तीमयमि | स्तीमयथः | स्तीमयथ |
| | स्तीमयामि | स्तीमयावः | स्तीमयामः |
| स० | स्तीमयेत् | स्तीमयेताम् | स्तीमयेयुः |
| | स्तीमयेः | स्तीमयेतम् | स्तीमयेत |
| | स्तीमयेयम् | स्तीमयेव | स्तीमयेम |
| प० | स्तीमयतु | स्तीमयतात् | स्तीमयताम् |
| | स्तीमथ | स्तीमयतात् | स्तीमयतम् |
| | स्तीमयानि | स्तीमयाव | स्तीमयाम |
| ह्य० | अस्तीमयत् | अस्तीमयताम् | अस्तीमयन् |
| | अस्तीमयः | अस्तीमयतम् | अस्तीमयत |
| | अस्तीमयम् | अस्तीमयाव | अस्तीमयाम |
| अ० | अतिष्ठिमतु | अतिष्ठिमताम् | अतिष्ठिमन् |
| | अतिष्ठिमः | अतिष्ठिमतम् | अतिष्ठिमत |
| | अतिष्ठिमम् | अतिष्ठिमाव | अतिष्ठिमा |
| प० | स्तीमयाञ्चकार | स्तीमयाञ्चक्रुः | स्तीमयाञ्चकुः |
| | स्तीमयाञ्चकथं | स्तीमयाञ्चक्रुः | स्तीमयाञ्चक्र |
| | स्तीमयाञ्चकार-चकर | स्तीमयाञ्चकृव | स्तीमयाञ्चकृव |
| | स्तीमयाञ्चभूव | स्तीमयाञ्चमाव | |
| आ० | स्तीम्यात् | स्तीम्यास्ताम् | स्तीम्यासुः |
| | स्तीम्याः | स्तीम्यास्तम् | स्तीम्यास्त |
| | स्तीम्यासम् | स्तीम्यासव | स्तीम्यासम |
| थ० | स्तीमयिता | स्तीमयितारौ | स्तीमयितारः |
| | स्तीमयितासि | स्तीमयितास्थः | स्तीमयितास्थ |
| | स्तीमयितास्मि | स्तीमयितास्वः | स्तीमयितास्मः |
| म० | स्तीमयिष्यति | स्तीमयिष्यतः | स्तीमयिष्यन्ति |
| | स्तीमयिष्यसि | स्तीमयिष्यथः | स्तीमयिष्यथ |
| | स्तीमयिष्यामि | स्तीमयिष्यावः | स्तीमयिष्यामः |
| क्रि० | अस्तीमयिष्यत् | अस्तीमयिष्यताम् | अस्तीमयिष्यन् |
| | अस्तीमयिष्यः | अस्तीमयिष्यतम् | अस्तीमयिष्यत |
| | अस्तीमयिष्यम् | अस्तीमयिष्याव | अस्तीमयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्तीमयते | स्तीमयेते | स्तीमयते |
| | स्तीमयसे | स्तीमयेथे | स्तीमयध्वे |
| | स्तीमये | स्तीमयावहे | स्तीमयामहे |
| स० | स्तीमयेत | स्तीमयेयाताम् | स्तीमयेरन् |
| | स्तीमयेथाः | स्तीमयेयाथाम् | स्तीमयेध्वम् |
| | स्तीमयेय | स्तीमयेवहि | स्तीमयेमहि |
| प० | स्तीमयताम् | स्तीमयेताम् | स्तीमयन्ताम् |
| | स्तीमयस्व | स्तीमयेथाम् | स्तीमयध्वम् |
| | स्तीमयै | स्तीमयावहे | स्तीमयामहै |
| ह्य० | अस्तीमयत | अस्तीमयेताम् | अस्तीमयन्त |
| | अस्तीमयथाः | अस्तीमयेथाम् | अस्तीमयध्वम् |
| | अस्तीमये | अस्तीमयावहि | अस्तीमयामहि |
| आ० | अतिष्ठिमत | अतिष्ठिमेताम् | अतिष्ठिमन्त |
| | अतिष्ठिमन्त | अतिष्ठिमेथाम् | अतिष्ठिमध्वम् |
| | अतिष्ठिमे | अतिष्ठिमावहि | अतिष्ठिमांमहि |
| प० | स्तीमयाञ्चक्रे | स्तीमयाञ्चक्राते | स्तीमयाञ्चक्रिरे |
| | स्तीमयाञ्चकृषे | स्तीमयाञ्चक्राथे | स्तीमयाञ्चकृद्वे |
| | स्तीमयाञ्चक्रे | स्तीमयाञ्चकृवहे | स्तीमयाञ्चकृमहे |
| | स्तीमयाम्बभूव | स्तीमयामास | |
| आ० | स्तीमयिषीष्ट | स्तीमयिषीयास्ताम् | स्तीमयिषीरन् |
| | स्तीमयिषीष्ठाः | स्तीमयिषीयाथाम् | स्तीमयिषीध्वम् |
| | स्तीमयिषीय | स्तीमयिषीवहि | स्तीमयिषीमहि |
| श्च० | स्तीमयिता | स्तीमयितारौ | स्तीमयितारः |
| | स्तीमयितासे | स्तीमयितासाथे | स्तीमयिताध्वे |
| | स्तीमयिताहे | स्तीमयितास्वहे | स्तीमयितामहे |
| भ० | स्तीमयिष्यते | स्तीमयिष्येते | स्तीमयिष्यन्ते |
| | स्तीमयिष्यसे | स्तीमयिष्येथे | स्तीमयिष्यध्वे |
| | स्तीमयिष्ये | स्तीमयिष्यावहे | स्तीमयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तीमयिष्यत | अस्तीमयिष्येताम् | अस्तीमयिष्यन्त |
| | अस्तीमयिष्यथाः | अस्तीमयिष्येथाम् | अस्तीमयिष्यध्वम् |
| | अस्तीमयिष्ये | अस्तीमयिष्यावहि | अस्तीमयिष्यामहि |

॥ अथ दान्ताश्चत्वारः ॥

११६४ षिवूच् (सिव्) उतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | सेवयति | सेवयतः | सेवयन्ति |
| | सेवयसि | सेवयथः | सेवयथ |
| | सेवयामि | सेवयावः | सेवयामः |
| स० | सेवयेत् | सेवयेताम् | सेवयेयुः |
| | सेवयेः | सेवयेतम् | सेवयेत |
| | सेवयेयम् | सेवयेव | सेवयेम |
| प० | सेवयतु | सेवयतात् | सेवयन्तु |
| | सेवय | सेवयतात् | सेवयत |
| | सेवयानि | सेवयाव | सेवयाम |
| ह्य० | असेवयत् | असेवयताम् | असेवयन् |
| | असेवयः | असेवयतम् | असेवयत |
| | असेवयम् | असेवयाव | असेवयाम |
| अ० | असीषिवत् | असीषिवताम् | असीषिवन् |
| | असीषिवः | असीषिवतम् | असीषिवत |
| | असीषिवम् | असीषिवाव | असीषिवाम |
| प० | सेवयाञ्चकार | सेवयाञ्चकतुः | सेवयाञ्चकः |
| | सेवयाञ्चकर्थं | सेवयाञ्चकथुः | सेवयाञ्चक |
| | सेवयाञ्चकार-चकर | सेवयाञ्चकृव | सेवयाञ्चकृम |
| | सेवयाम्बभूव | सेवयामास | |
| आ० | सेव्यात् | सेव्यास्ताम् | सेव्यास्तुः |
| | सेव्याः | सेव्यास्तम् | सेव्यास्त |
| | सेव्यासम् | सेव्यास्व | सेव्यास्म |
| श्र० | सेवयिता | सेवयितारौ | सेवयितारः |
| | सेवयितारि | सेवयितारथः | सेवयितारथ |
| | सेवयितास्मि | सेवयितास्वः | सेवयितास्म |
| अ० | सेवयिष्यति | सेवयिष्यतः | सेवयिष्यन्ति |
| | सेवयिष्यसि | सेवयिष्यथः | सेवयिष्यथ |
| | सेवयिष्यामि | सेवयिष्यावः | सेवयिष्यामः |
| क्रि० | असेवयिष्यत् | असेवयिष्यताम् | असेवयिष्यन् |
| | असेवयिष्यः | असेवयिष्यतम् | असेवयिष्यत |
| | असेवयिष्यम् | असेवयिष्याव | असेवयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | सेवये | सेवयेते | सेवयन्ते |
| | सेवसे | सेवयेथे | सेवयध्वे |
| | सेवये | सेवयावहे | सेवयामहे |
| स० | सेवयेत | सेवयेयाताम् | सेवयेन्तु |
| | सेवयेथाः | सेवयेयाथाम | सेवयेध्वम् |
| | सेवयेय | सेवयेवहि | सेवयेमहि |
| प० | सेवयताम् | सेवयेताम् | सेवयन्ताम् |
| | सेवयस्व | सेवयेथाम | सेवयध्वम् |
| | सेवयै | सेवयावहै | सेवयामहै |
| ह्य० | असेवयत | असेवयेताम् | असेवयन्त |
| | असेवयथाः | असेवयेथाम् | असेवयध्वम् |
| | असेवये | असेवयावहि | असेवयामहि |
| अ० | असीषिवत् | असीषिवेताम् | असीषिवन्त |
| | असीषिवथाः | असीषिवेथाम् | असीषिवध्वम् |
| | असीषिवे | असीषिवावहि | असीषिवामहि |
| प० | सेवयाञ्चक्रे | सेवयाञ्चकृते | सेवयाञ्चकृरे |
| | सेवयाञ्चकृषे | सेवयाञ्चकृथे | सेवयाञ्चकृध्वे |
| | सेवयाञ्चक्रे | सेवयाञ्चकृवहे | सेवयाञ्चकृमहे |
| | सेवयाम्बभूव | सेवयामास | |
| आ० | सेवयिषीष्ट | सेवयिषीयास्ताम् | सेवयिषीरन्तु |
| | सेवयिषीष्टाः | सेवयिषीयास्थाम् | सेवयिषीद्वन्तु |
| | | | ध्वम् |
| | सेवयिषीय | सेवयिषीवहि | सेवयिषीमहि |
| श्र० | सेवयिता | सेवयितारौ | सेवयितारः |
| | सेवयितास्ते | सेवयितासथे | सेवयिताध्वे |
| | सेवयिताहे | सेवयितास्वहे | सेवयितास्महे |
| अ० | सेवयिष्यते | सेवयिष्येते | सेवयिष्यन्ते |
| | सेवयिष्यसे | सेवयिष्येथे | सेवयिष्यध्वे |
| | सेवयिष्ये | सेवयिष्यावहे | सेवयिष्यामहे |
| क्रि० | असेवयिष्यत् | असेवयिष्येताम् | असेवयिष्यन्त |
| | असेवयिष्यथाः | असेवयिष्येथाम् | असेवयिष्यध्वम् |
| | असेवयिष्ये | असेवयिष्यावहि | असेवयिष्यामहि |

1165 श्रिवृच् (श्रिव्) गतिशोषणयोः

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | श्रेवयति | श्रेवयतः | श्रेवयन्ति |
| | श्रेवयसि | श्रेवयथः | श्रेवयथ |
| | श्रेवयामि | श्रेवयावः | श्रेवयामः |
| ख० | श्रेवयेत् | श्रेवयेताम् | श्रेवयेयुः |
| | श्रेवयेः | श्रेवयेतम् | श्रेवयेत |
| | श्रेवयेयम् | श्रेवयेव | श्रेवयेम |
| प० | श्रेवयतु | श्रेवयतात् | श्रेवयताम् |
| | श्रेवय | श्रेवयतात् | श्रेवयतम् |
| | श्रेवयाणि | श्रेवयाव | श्रेवयाम |
| ह्य० | अश्रेवयत् | अश्रेवयताम् | अश्रेवयन् |
| | अश्रेवयः | अश्रेवयतम् | अश्रेवयत |
| | अश्रेवयम् | अश्रेवयाव | अश्रेवयाम |
| अ० | अशिश्नवत् | अशिश्नवताम् | अशिश्नवन् |
| | अशिश्नवः | अशिश्नवतम् | अशिश्नवत |
| | अशिश्नवम् | अशिश्नवाव | अशिश्नवाम |
| प० | श्रेवयाञ्चकार | श्रेवयाञ्चकतुः | श्रेवयाञ्चकुः |
| | श्रेवयाञ्चकथं | श्रेवयाञ्चकथुः | श्रेवयाञ्चक |
| | श्रेवयाञ्चकार-चकर | श्रेवयाञ्चकृव | श्रेवयाञ्चकृम |
| | श्रेवयाम्बभूव | । | श्रेवयामास |
| भा० | श्रेव्यात् | श्रेव्यास्ताम् | श्रेव्यासुः |
| | श्रेव्याः | श्रेव्यास्तम् | श्रेव्यास्त |
| | श्रेव्यासम् | श्रेव्यास्व | श्रेव्यासम् |
| श्व० | श्रेवयिता | श्रेवयितारौ | श्रेवयितारः |
| | श्रेवयितासि | श्रेवयितास्थः | श्रेवयितास्थ |
| | श्रेवयितास्मि | श्रेवयितास्वः | श्रेवयितास्मः |
| भ० | श्रेवयिष्यति | श्रेवयिष्यतः | श्रेवयिष्यन्ति |
| | श्रेवयिष्यसि | श्रेवयिष्यथः | श्रेवयिष्यथ |
| | श्रेवयिष्यामि | श्रेवयिष्यावः | श्रेवयिष्यामः |
| क्रि० | अश्रेवयिष्यत् | अश्रेवयिष्यताम् | अश्रेवयिष्यन् |
| | अश्रेवयिष्यः | अश्रेवयिष्यतम् | अश्रेवयिष्यत |
| | अश्रेवयिष्यम् | अश्रेवयिष्याव | अश्रेवयिष्याम |
| व० | श्रेवयये | श्रेवयेते | श्रेवयन्ते |
| | श्रेवयसे | श्रेवयेये | श्रेवयये |
| | श्रेवये | श्रेवयावहे | श्रेवयामहे |

| | | | |
|---|----------------|-------------------|------------------|
| स० | श्रेवयेत | श्रेवयेयाताम् | श्रेवयेरन् |
| | श्रेवयेथाः | श्रेवयेयाथाम् | श्रेवयेध्वम् |
| | श्रेवयेय | श्रेवयेवहि | श्रेवयेमहि |
| प० | श्रेवयताम् | श्रेवयेताम् | श्रेवयन्ताम् |
| | श्रेवयस्व | श्रेवयेयाम् | श्रेवयन्वम् |
| | श्रेवयै | श्रेवयावहे | श्रेवयामहे |
| ह्य० | अश्रेवयत् | अश्रेवयेताम् | अश्रेवयन्त |
| | अश्रेवयथाः | अश्रेवयेथाम् | अश्रेवयध्वम् |
| | अश्रेवये | अश्रेवयावहे | अश्रेवयामहे |
| अ० | अशिश्नवत् | अशिश्नवेताम् | अशिश्नवन्त |
| | अशिश्नवथाः | अशिश्नवेथाम् | अशिश्नवध्वम् |
| | अशिश्नवे | अशिश्नवावहि | अशिश्नवामहि |
| प० | श्रेवयाञ्चके | श्रेवयाञ्चकते | श्रेवयाञ्चकिरे |
| | श्रेवयाञ्चकृषे | श्रेवयाञ्चकृथे | श्रेवयाञ्चकृद्वे |
| | श्रेवयाञ्चके | श्रेवयाञ्चकृवहे | श्रेवयाञ्चकृमहे |
| | श्रेवयाम्बभूव | । | श्रेवयामास |
| भा० | श्रेवयिषीष्ट | श्रेवयिषीयास्ताम् | श्रेवयिषीरन् |
| | श्रेवयिषीष्टाः | श्रेवयिषीयास्थाम् | श्रेवयिषीद्वम् |
| | श्रेवयिषीय | श्रेवयिषीवहि | श्रेवयिषीमहि |
| श्व० | श्रेवयिता | श्रेवयितारौ | श्रेवयितारः |
| | श्रेवयितासे | श्रेवयितासथे | श्रेवयितास्व |
| | श्रेवयिताहे | श्रेवयितास्वहे | श्रेवयितास्महे |
| भ० | श्रेवयिष्यते | श्रेवयिष्येते | श्रेवयिष्यन्ते |
| | श्रेवयिष्यसे | श्रेवयिष्येये | श्रेवयिष्यध्वे |
| | श्रेवयिष्ये | श्रेवयिष्यावहे | श्रेवयिष्यामहे |
| कि० | अश्रेवयिष्यत् | अश्रेवयिष्येताम् | अश्रेवयिष्यन्त |
| | अश्रेवयिष्यथाः | अश्रेवयिष्येथाम् | अश्रेवयिष्यध्वम् |
| | अश्रेवयिष्ये | अश्रेवयिष्यावहि | अश्रेवयिष्यामहि |
| 1166 छिवृच् [छिव्] गतिशोषणयोः । 463 | | | |
| छिवृचद्रूपाणि 1167 क्षिवृच् (क्षिव्) गतिशोषणयोः | | | |
| 464 क्षिवृचद्रूपाणि । 1168 इषच् (इष्) गतो | | | |
| ॥ अथ घान्तः ॥ | | | |
| मा प्रयोगं विहाय 838 एषृड्वद्रूपाणि । मा प्रयोगे तु | | | |
| मा भवान् इषिषत् | | | |

॥ अथ सान्ताश्चत्वारः ॥

1169 णमृच् (स्नस्) निरसने

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|----------------|
| व० | स्नासयति | स्नासयतः | स्नासयन्ति |
| | स्नासयसि | स्नासयथः | स्नासयथ |
| | स्नासयामि | स्नासयावः | स्नासयामः |
| स० | स्नासयेत् | स्नासयेताम् | स्नासयेयुः |
| | स्नासयेः | स्नासरोतम् | स्नासरोत |
| | स्नासरोयम् | स्नासरोव | स्नासरोम |
| प० | स्नासयतु | स्नासयतात् | स्नासयताम् |
| | स्नासय | स्नासयतात् | स्नासयतम् |
| | स्नासयानि | स्नासयाव | स्नासयाम |
| ह्य० | अस्नासयत् | अस्नासयताम् | अस्नासयन् |
| | अस्नासयः | अस्नासयतम् | अस्नासयत |
| | अस्नासयम् | अस्नासयाव | अस्नासयाम |
| अ० | असिष्णसत् | असिष्णसताम् | असिष्णसन् |
| | असिष्णसः | असिष्णसतम् | असिष्णसत |
| | असिष्णसम् | असिष्णसाव | असिष्णसाम |
| प० | स्नासयाश्चकार | स्नासयाश्चक्रुः | स्नासयाश्चकुः |
| | स्नासयाश्चकथ | स्नासयाश्च १ थुः | स्नासयश्चक |
| | स्नासयाश्चकार-चकर | स्नासयाश्चकृव | स्नासयाश्चकृम |
| | स्नासयाम्बभूव | । | स्नासयामास |
| आ० | स्नास्यात् | स्नास्यास्ताम् | स्नास्यसुः |
| | स्नास्याः | स्नास्यास्तम् | स्नास्यात |
| | स्नास्यासम् | स्नास्यास्व | स्नास्यास्म |
| श्च० | स्नासयिता | स्नासयितारौ | स्नासयितारः |
| | स्नासयितासि | स्नासयितास्थः | स्नासयितास्थ |
| | स्नासयितास्मि | स्नासयितास्वः | स्नासयितास्मः |
| अ० | स्नासयिष्यति | स्नासयिष्यतः | स्नासयिष्यन्ति |
| | स्नासयिष्यसि | स्नासयिष्यथः | स्नासयिष्यथ |
| | स्नासयिष्यामि | स्नासयिष्यावः | स्नासयिष्यामः |
| क्रि० | अस्नासयिष्यत् | अस्नासयिष्यताम् | अस्नासयिष्यन् |
| | अस्नासयिष्यः | अस्नासयिष्यतम् | अस्नासयिष्यत |
| | अस्नासयिष्यम् | अस्नासयिष्याव | अस्नासयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्नासयेते | स्नासयेते | स्नासयन्ते |
| | स्नासयेसे | स्नासयेथे | स्नासयेध्वे |
| | स्नासये | स्नासयावहे | स्नासयामहे |
| स० | स्नासयेत | स्नासयेयाताम् | स्नासयेरन् |
| | स्नासयेथाः | स्नासयेयाथाम् | स्नासयेध्वम् |
| | स्नासयेथ | स्नासयेवहि | स्नासयेमहि |
| प० | स्नासयताम् | स्नासयेताम् | स्नासयन्ताम् |
| | स्नासयस्व | स्नासयेथाम् | स्नासयध्वम् |
| | स्नासये | स्नासयावहे | स्नासयामहे |
| ह्य० | अस्नासयत | अस्नासयेताम् | अस्नासयन्त |
| | अस्नासयथाः | अस्नासयेथाम् | अस्नासयध्वम् |
| | अस्नासये | अस्नासयावहि | अस्नासयामहि |
| अ० | असिष्णसत | असिष्णसेताम् | असिष्णसन्त |
| | असिष्णस्थाः | असिष्णसेथाम् | असिष्णसध्वम् |
| | असिष्णसे | असिष्णसावहि | असिष्णसामहि |
| प० | स्नासयाश्चक्रे | स्नासयाश्चक्राते | स्नासयाश्चक्रिरे |
| | स्नासयाश्चकृषे | स्नासयाश्चकृथे | स्नासयाश्चकृवहे |
| | स्नासयाश्चक्रे | स्नासयाश्चकृवहे | स्नासयाश्चकृमहे |
| | स्नासयाम्बभूव | । | स्नासयामास |
| आ० | स्नासयिषीष्ट | स्नासयिषीयास्ताम् | स्नासयिषीरत् |
| | स्नासयिषीष्ठाः | स्नासयिषीयाथाम् | स्नासयिषीध्वम् |
| | स्नासयिषीय | स्नासयिषीवहि | स्नासयिषीमहि |
| श्च० | स्नासयिता | स्नासयितारौ | स्नासयितारः |
| | स्नासयितासे | स्नासयितासाथे | स्नासयिताध्वे |
| | स्नासयिताहे | स्नासयितास्वहे | स्नासयितास्महे |
| अ० | स्नासयिष्यते | स्नासयिष्येते | स्नासयिष्यन्ते |
| | स्नासयिष्यसे | स्नासयिष्येथे | स्नासयिष्यध्वे |
| | स्नासयिष्ये | स्नासयिष्यावहे | स्नासयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्नासयिष्यत | अस्नासयिष्येताम् | अस्नासयिष्यन्त |
| | अस्नासयिष्यथाः | अस्नासयिष्येथाम् | अस्नासयिष्यध्वम् |
| | अस्नासयिष्ये | अस्नासयिष्यावहि | अस्नासयिष्यामहि |

1170 क्कम् (वनस्) दृष्टिदीप्तीः

| | | |
|------------------|--------------|-------------------|
| व० वनस्यति | वनस्यतः | वनस्यन्ति |
| वनस्यमि | वनस्यथः | वनस्यथ |
| वनस्यामि | वनस्यावः | वनस्यामः |
| स० वनसरोत् | वनसरोताम् | वनसरोयुः |
| वनसरोः | वनसरोतम् | वनसरोत |
| वनसरोयम् | वनसरोव | वनसरोम |
| प० वनसयतु | वनसयतात् | वनसयताम् वनसयन्तु |
| वनसय | वनसयतात् | वनसयतम् वनसयत |
| वनसयानि | वनसयाव | वनसयाम |
| ह्य० अवनसयत् | अवनसयताम् | अवनसयन् |
| अवनसयः | अवनसयतम् | अवनसयत |
| अवनसयम् | अवनसयाव | अवनसयाम |
| अ० अचिक्नसत् | अचिक्नसताम् | अचिक्नसन् |
| अचिक्नसः | अचिक्नसतम् | अचिक्नसत |
| अचिक्नसम् | अचिक्नसाव | अचिक्नसाम |
| प० कसयाञ्चकार | कसयाञ्चक्रुः | कसयाञ्चकुः |
| कसयाञ्चकथं | कसयाञ्चक्रुः | कसयाञ्चक्र |
| कसयाञ्चकार-चकर | कसयाञ्चक्रुव | कसयाञ्चक्रुम |
| कसयाम्बभूव | । | कसयामास |
| आ० कस्यात् | कस्यास्ताम् | कस्यासुः |
| कस्याः | कस्यास्तम् | कस्यास्त |
| कस्यासम् | कस्यास्व | कस्यास्म |
| श्व० कसयिता | कसयितारौ | कसयितारः |
| कसयितासि | कसयितास्थः | कसयितास्थ |
| कसयितास्मि | कसयितास्वः | कसयितास्मः |
| भ० कसयिष्यति | कसयिष्यतः | कसयिष्यन्ति |
| कसयिष्यसि | कसयिष्यथः | कसयिष्यथ |
| कसयिष्यामि | कसयिष्यावः | कसयिष्यामः |
| क्रि० अकसयिष्यत् | अकसयिष्यताम् | अकसयिष्यन् |
| अकसयिष्यः | अकसयिष्यतम् | अकसयिष्यत |
| अकसयिष्यम् | अकसयिष्याव | अकसयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० कसयते | कनसयेते | कनसयन्ते |
| कनसयसे | कनसयेथे | कनसयध्वे |
| कनसये | कनसयावहे | कनसयामहे |
| स० कनसयत | कनसयेयाताम् | कनसयेरन् |
| कनसयेथाः | कनसयेयाथाम् | कनसयेध्वम् |
| कनसयेथ | कनसयेवहि | कनसयेमहि |
| प० कनसयताम् | कनसयेताम् | कनसयन्ताम् |
| कनसयस्व | कनसयेथाम् | कनसयध्वम् |
| कनसये | कनसयावहे | कनसयामहे |
| ह्य० अकनसयत | अकनसयेताम् | अकनसयन्त |
| अकनसयथाः | अकनसयेथाम् | अकनसयध्वम् |
| अकनसये | अकनसयावहि | अकनसयामहि |
| अ० अचिक्नसत | अचिक्नसेताम् | अचिक्नसन्त |
| अचिक्नसथाः | अचिक्नसेथाम् | अचिक्नसध्वम् |
| अचिक्नसे | अचिक्नसावहि | अचिक्नसामहि |
| प० कनसयाञ्चक्रे | कनसयाञ्चक्राते | कनसयाञ्चक्रिरे |
| कनसयाञ्चकृषे | कनसयाञ्चक्राथे | कनसयाञ्चकृद्वे |
| कनसयाञ्चक्रे | कनसयाञ्चक्रवहे | कनसयाञ्चक्रमहे |
| कनसयाम्बभूव | । | कनसयामास |
| आ० कनसयिषीष्ट | कनसयिषीयास्ताम् | कनसयिषीरत् |
| कनसयिषीष्टाः | कनसयिषीयास्थाम् | कनसयिषीद्वम् |
| कनसयिषीय | कनसयिषीवहि | कनसयिषीमहि |
| श्व० कनसयिता | कनसयितारौ | कनसयितारः |
| कनसयितासे | कनसयितासाथे | कनसयिताध्वे |
| कनसयिताहे | कनसयितास्वहे | कनसयितास्महे |
| भ० कनसयिष्यते | कनसयिष्येते | कनसयिष्यन्ते |
| कनसयिष्यसे | कनसयिष्येथे | कनसयिष्यध्वे |
| कनसयिष्ये | कनसयिष्यावहे | कनसयिष्यामहे |
| क्रि० अकनसयिष्यत् | अकनसयिष्येताम् | अकनसयिष्यन्त |
| अकनसयिष्यथाः | अकनसयिष्येथाम् | अकनसयिष्यध्वम् |
| अकनसयिष्ये | अकनसयिष्यावहि | अकनसयिष्यामहि |

॥११॥ त्रसैच् (त्रस्) भये ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | त्रासयति | त्रासयतः | त्रासयन्ति |
| | त्रासयसि | त्रासयथः | त्रासयथ |
| | त्रासयामि | त्रासयावः | त्रासयामः |
| स० | त्रासयेत् | त्रासयेताम् | त्रासयेयुः |
| | त्रासयेः | त्रासयेतम् | त्रासयेत |
| | त्रासयेयम् | त्रासयेव | त्रासयेम |
| प० | त्रासयतु | त्रासयतात् | त्रासयताम् |
| | त्रासय | त्रासयतात् | त्रासयतम् |
| | त्रासयानि | त्रासयाव | त्रासयाम |
| ह्य० | अत्रासयत् | अत्रासयताम् | अत्रासयन् |
| | अत्रासयः | अत्रासयतम् | अत्रासयत |
| | अत्रासयम् | अत्रासयाव | अत्रासयाम |
| अ० | अतित्रसत् | अतित्रसताम् | अतित्रसन् |
| | अतित्रसः | अतित्रसतम् | अतित्रसत |
| | अतित्रसम् | अतित्रसाव | अतित्रसाम |
| प० | त्रासयाञ्चकार | त्रासयाञ्चकतुः | त्रासयाञ्चकुः |
| | त्रासयाञ्चकथि | त्रासयाञ्चकथुः | त्रासयाञ्चक |
| | त्रासयाञ्चकार-चकर | त्रासयाञ्चकव | त्रासयाञ्चकृम |
| | त्रासयाम्बभूव | । | त्रासयामास |
| भा० | त्रास्यात् | त्रास्यास्ताम् | त्रास्यासुः |
| | त्रास्याः | त्रास्यास्तम् | त्रास्यास्त |
| | त्रास्यासम् | त्रास्यास्व | त्रास्यास्म |
| श्व० | त्रासयिता | त्रासयितारौ | त्रासयितारः |
| | त्रासयितासि | त्रासयितास्थः | त्रासयितास्थ |
| | त्रासयितास्मि | त्रासयितास्वः | त्रासयितास्मः |
| भ० | त्रासयिष्यति | त्रासयिष्यतः | त्रासयिष्यन्ति |
| | त्रासयिष्यसि | त्रासयिष्यथः | त्रासयिष्यथ |
| | त्रासयिष्यामि | त्रासयिष्यावः | त्रासयिष्यामः |
| क्रि० | अत्रासयिष्यत् | अत्रासयिष्यताम् | अत्रासयिष्यन् |
| | अत्रासयिष्यः | अत्रासयिष्यतम् | अत्रासयिष्यत |
| | अत्रासयिष्यम् | अत्रासयिष्याव | अत्रासयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | त्रासयते | त्रासयेते | त्रासयन्ते |
| | त्रासयसे | त्रासयेथे | त्रासयन्थे |
| | त्रासये | त्रासयावहे | त्रासयामहे |
| स० | त्रासयेत् | त्रासयेयाताम् | त्रासयेरन् |
| | त्रासयेथाः | त्रासयेथाथाम् | त्रासयेध्वम् |
| | त्रासयेथ | त्रासयेवहि | त्रासयेमहि |
| प० | त्रासयताम् | त्रासयेताम् | त्रासयन्ताम् |
| | त्रासयस्व | त्रासयेथाम् | त्रासयध्वम् |
| | त्रासयै | त्रासयावहे | त्रासयामहे |
| ह्य० | अत्रासयत् | अत्रासयेताम् | अत्रासयन्त |
| | अत्रासयथाः | अत्रासयेथाम् | अत्रासयध्वम् |
| | अत्रासये | अत्रासयावहि | अत्रासयामहि |
| अ० | अतित्रसत् | अतित्रसेताम् | अतित्रसन्त |
| | अतित्रसथाः | अतित्रसेथाम् | अतित्रसध्वम् |
| | अतित्रसे | अतित्रसावहि | अतित्रसामहि |
| प० | त्रासयाञ्चक्रे | त्रासयाञ्चकृते | त्रासयाञ्चकिरे |
| | त्रासयाञ्चकृषे | त्रासयाञ्चकृषे | त्रासयाञ्चकृद्वे |
| | त्रासयाञ्चके | त्रासयाञ्चकृवहे | त्रासयाञ्चकृमहे |
| | त्रासयाम्बभूव | । | त्रासयामास |
| भा० | त्रासयिषीष्ट | त्रासयिषीस्ताम् | त्रासयिषीरन् |
| | त्रासयिषीष्ठा | त्रासयिषीस्थां | त्रासयिषीद्वम् |
| | त्रासयिषीथ | त्रासयिषीवहि | त्रासयिषीमहि |
| श्व० | त्रासयिता | त्रासयितारौ | त्रासयितारः |
| | त्रासयितासे | त्रासयितासाथे | त्रासयिताध्वे |
| | त्रासयिताहे | त्रासयितास्वहे | त्रासयितास्महे |
| भ० | त्रासयिष्यते | त्रासयिष्येते | त्रासयिष्यन्ते |
| | त्रासयिष्यसे | त्रासयिष्येथे | त्रासयिष्यन्थे |
| | त्रासयिष्ये | त्रासयिष्यावहे | त्रासयिष्यामहे |
| क्रि० | अत्रासयिष्यत् | अत्रासयिष्येताम् | अत्रासयिष्यन्त |
| | अत्रासयिष्यथाः | अत्रासयिष्येथाम् | अत्रासयिष्यध्वम् |
| | अत्रासयिष्ये | अत्रासयिष्यावहि | अत्रासयिष्यामहि |

1172 प्युसच् (प्युस्) दाहे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | प्योसयति | प्योसयतः | प्योसयन्ति |
| | प्योसयसि | प्योसयथः | प्योसयथ |
| | प्योसयामि | प्योसयानः | प्योसयामः |
| स० | प्योसयेत् | प्योसयेताम् | प्योसयेयुः |
| | प्योसयेः | प्योसयेतम् | प्योसयेत |
| | प्योसयेथम् | प्योसयेव | प्योसयेम |
| प० | प्योसयतु | प्योसयतात् | प्योसयताम् |
| | प्योसय | प्योसयतात् | प्योसयतम् |
| | प्योसयानि | प्योसयाव | प्योसयाम |
| ह्य० | अप्योसयत् | अप्योसयताम् | अप्योसयन् |
| | अप्योसयः | अप्योसयतम् | अप्योसयत |
| | अप्योसयम् | अप्योसयाव | अप्योसयाम |
| अ० | अप्युसत् | अप्युसताम् | अप्युसन् |
| | अप्युसः | अप्युसतम् | अप्युसत |
| | अप्युसम् | अप्युसाव | अप्युसाम |
| प० | प्योसया वकार | प्योसयाञ्चकतुः | प्योसयाञ्चकुः |
| | प्योसयाञ्चकथं | प्योसयाञ्चकथुः | प्योसयाञ्चक |
| | प्योसयाञ्चकार-चकर | प्योसयाञ्चकृव | प्योसयाञ्चकृम |
| | प्योसयाम्बभूव | प्योसयामास | |
| भा० | प्योस्यात् | प्योस्यास्ताम् | प्योस्यास्तुः |
| | प्योस्याः | प्योस्यास्तम् | प्योस्यास्त |
| | प्योस्यासम् | प्योस्यास्व | प्योस्यास्म |
| श० | प्योसयिता | प्योसयितारौ | प्योसयितारः |
| | प्योसयितासि | प्योसयितास्थः | प्योसयितास्थ |
| | प्योसयितास्मि | प्योसयितास्वः | प्योसयितास्मः |
| म० | प्योसयिष्यति | प्योसयिष्यतः | प्योसयिष्यन्ति |
| | प्योसयिष्यसि | प्योसयिष्यथः | प्योसयिष्यथ |
| | प्योसयिष्यामि | प्योसयिष्यावः | प्योसयिष्यामः |
| क्रि० | अप्योसयिष्यत् | अप्योसयिष्यताम् | अप्योसयिष्यन् |
| | अप्योसयिष्यः | अप्योसयिष्यतम् | अप्योसयिष्यत |
| | अप्योसयिष्यम् | अप्योसयिष्याव | अप्योसयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | प्योसयते | प्योसयेते | प्योसयन्ते |
| | प्योसयसे | प्योसयेथे | प्योसयध्वे |
| | प्योसये | प्योसयावहे | प्योसयामहे |
| स० | प्योसयेत् | प्योसयेयाताम् | प्योसयेरन् |
| | प्योसयेथाः | प्योसयेयाथाम् | प्योसयेध्वम् |
| | प्योसयेथ | प्योसयेवहि | प्योसयेमहि |
| प० | प्योसयताम् | प्योसयेताम् | प्योसयन्ताम् |
| | प्योसयस्व | प्योसयेथाम् | प्योसयध्वम् |
| | प्योसयै | प्योसयावहै | प्योसयामहै |
| ह्य० | अप्योसयत | अप्योसयेताम् | अप्योसयन्त |
| | अप्योसयथाः | अप्योसयेथाम् | अप्योसयध्वम् |
| | अप्योसये | अप्योसयावहि | अप्योसयामहि |
| अ० | अप्युसत | अप्युसेताम् | अप्युसन्त |
| | अप्युसथाः | अप्युसेथाम् | अप्युसध्वम् |
| | अप्युसे | अप्युसावहि | अप्युसामहि |
| प० | प्योसयाञ्चके | प्योसयाञ्चकते | प्योसयाञ्चक्रे |
| | प्योसयाञ्चकृषे | प्योसयाञ्चकथे | प्योसयाञ्चकृद्वे |
| | प्योसयाञ्चके | प्योसयाञ्चकृवहे | प्योसयाञ्चकृमहे |
| | प्योसयाम्बभूव | प्योसयामास | |
| आ० | प्योसयिषीष्ट | प्योसयिषीयास्ताम् | प्योसयिषीरन् |
| | प्योसयिषीष्टाः | प्योसयिषीयास्थाम् | प्योसयिषीद्वम् |
| | प्योसयिषीय | प्योसयिषीवहि | प्योसयिषीमहि |
| श० | प्योसयिता | प्योसयितारौ | प्योसयितारः |
| | प्योसयितासे | प्योसयितासाथे | प्योसयिताध्वे |
| | प्योसयिताहे | प्योसयितास्वहे | प्योसयितास्महे |
| म० | प्योसयिष्यते | प्योसयिष्येते | प्योसयिष्यन्ते |
| | प्योसयिष्यसे | प्योसयिष्येथे | प्योसयिष्यध्वे |
| | प्योसयिष्ये | प्योसयिष्यावहे | प्योसयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्योसयिष्यत | अप्योसयिष्येताम् | अप्योसयिष्यन्त |
| | अप्योसयिष्यथाः | अप्योसयिष्येथाम् | अप्योसयिष्यध्वम् |
| | अप्योसयिष्ये | अप्योसयिष्यावहि | अप्योसयिष्यामहि |

1174 पुह [सुह] शक्तौ

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० सोहयति | सोहयतः | सोहयन्ति |
| सोहयसि | सोहयथः | सोहयथ |
| सोहयामि | सोहयावः | सोहयामः |
| स० सोहयेत् | सोहयेताम् | सोहयेयुः |
| सोहयेः | सोहयेतम् | सोहयेत |
| सोहयेयम् | सोहयेव | सोहयेम |
| प० सोहयतु | सोहयतात् | सोहयन्तु |
| सोहय | सोहयतात् | सोहयत |
| सोहयानि | सोहयाव | सोहयाम |
| ह्य० असोहयत् | असोहयताम् | असोहयन् |
| असोहयः | असोहयतम् | असोहयत |
| असोहयम् | असोहयाव | असोहयाम |
| अ० असूषुहत् | असूषुहताम् | असूषुहन् |
| असूषुहः | असूषुहतम् | असूषुहत |
| असूषुहम् | असूषुहाव | असूषुहाम |
| प० सोहयाञ्चकार | सोहयाञ्चकतुः | सोहयाञ्चकु |
| सोहयाञ्चकथं | सोहयाञ्चकथुः | सोहयाञ्चक |
| सोहयाञ्चकार-चकर | सोहयाञ्चकृव | सोहयाञ्चकृम |
| सोहयाम्बभूव | । | सोहयामास |
| आ० सोह्यात् | सोह्यास्ताम् | सोह्यासुः |
| सोह्याः | सोह्यास्तम् | सोह्यास्त |
| सोह्यासम् | सोह्यासव | सोह्यासम |
| भ० सोहयिता | सोहयितारौ | सोहयितारः |
| सोहयितासि | सोहयितास्थः | सोहयितास्थ |
| सोहयितास्मि | सोहयितास्वः | सोहयितास्मः |
| भ० सोहयिष्यति | सोहयिष्यतः | सोहयिष्यन्ति |
| सोहयिष्यसि | सोहयिष्यथः | सोहयिष्यथ |
| सोहयिष्यामि | सोहयिष्यावः | सोहयिष्यामः |
| क्रि० असोहयिष्यत् | असोहयिष्यताम् | असोहयिष्यन् |
| असोहयिष्यः | असोहयिष्यतम् | असोहयिष्यत |
| असोहयिष्यम् | असोहयिष्याव | असोहयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० सोहयते | सोहयेते | सोहयन्ते |
| सोहयसे | सोहयेथे | सोहयध्वे |
| सोहये | सोहयावहे | सोहयामहे |
| स० सोहयेत | सोहयेयाताम् | सोहयेरन् |
| सोहयेथाः | सोहयेयाथाम् | सोहयेष्वम् |
| सोहयेय | सोहयेवहि | सोहयेमहि |
| प० सोहयताम् | सोहयेताम् | सोहयन्ताम् |
| सोहयस्व | सोहयेथाम् | सोहयध्वम् |
| सोहयै | सोहयावहै | सोहयामहै |
| ह्य० असोहयत | असोहयेताम् | असोहयन्त |
| असोहयथाः | असोहयेथाम् | असोहयध्वम् |
| असोहये | असोहयावहि | असोहयामहि |
| अ० असूषुहत् | असूषुहेताम् | असूषुहन्त |
| असूषुहथाः | असूषुहेथाम् | असूषुहध्वम् |
| असूषुहे | असूषुहावहि | असूषुहामहि |
| प० सोहयाञ्चके | सोहयाञ्चकते | सोहयाञ्चकिरे |
| सोहयाञ्चकृषे | सोहयाञ्चकृषे | सोहयाञ्चकृद्वे |
| सोहयाञ्चके | सोहयाञ्चकृवहे | सोहयाञ्चकृमहे |
| सोहयाम्बभूव | । | सोहयामास |
| आ० सोहयिषीष्ट | सोहयिषीयास्ताम् | सोहयिषीरन् |
| सोहयिषीष्टाः | सोहयिषीयास्थाम् | सोहयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| सोहयिषीय | सोहयिषीवहि | सोहयिषीमहि |
| भ० सोहयिता | सोहयितारौ | सोहयितारः |
| सोहयितासे | सोहयितासाथे | सोहयिताध्वे |
| सोहयिताहे | सोहयितावहे | सोहयितामहे |
| भ० सोहयिष्यते | सोहयिष्येते | सोहयिष्यन्ते |
| सोहयिष्यसे | सोहयिष्येथे | सोहयिष्यध्वे |
| सोहयिष्ये | सोहयिष्यावहे | सोहयिष्यामहे |
| क्रि० असोहयिष्यत | असोहयिष्येताम् | असोहयिष्यन्त |
| असोहयिष्यथाः | असोहयिष्येथाम् | असोहयिष्यध्वम् |
| असोहयिष्ये | असोहयिष्यावहि | असोहयिष्यामहि |

॥ अथ दिवाद्यन्तर्गणः पुषादिः ॥

1175 पुषच् (पुष्) पुष्टौ । 536 पुषवद्रूपाणि

॥ अथ चान्तः ॥

११७६ उचच् (उच्) समवाये ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | ओचयति | ओचयतः | ओचयन्ति |
| | ओचयसि | ओचयथः | ओचयथ |
| | ओचयामि | ओचयावः | ओचयामः |
| स० | ओचयेत् | ओचयेताम् | ओचयेयुः |
| | ओचयेः | ओचयेतम् | ओचयेत |
| | ओचयेयम् | ओचयेव | ओचयेम |
| प० | ओचयतु | ओचयतात् | ओचयताम् |
| | ओचय | ओचयतात् | ओचयतम् |
| | ओचयानि | ओचयाव | ओचयाम |
| ल० | ओचयत् | ओचयताम् | ओचयन् |
| | ओचयः | ओचयतम् | ओचयत |
| | ओचयम् | ओचयाव | ओचयाम |
| ल० | ओचिचत् | ओचिचताम् | ओचिचन् |
| | ओचिचः | ओचिचतम् | ओचिचत |
| | ओचिचम् | ओचिचाव | ओचिचाम |
| प० | ओचयाश्चक्र | ओचयाश्चक्रुः | ओचयाश्चक्रुः |
| | ओचयाश्चक्रयै | ओचयाश्चक्रयुः | ओचयाश्चक्र |
| | ओचयाश्चक्रन्ववर | ओचयाश्चक्रव | ओचयाश्चक्रम |
| | ओचयाम्बभूव | ओचयामास | |
| आ० | ओचयात् | ओचयास्ताम् | ओचयामुः |
| | ओचयाः | ओचयास्तम् | ओचयास्त |
| | ओचयासम् | ओचयास्व | ओचयास्म |
| भ० | ओचयिता | ओचयितारौ | ओचयितारः |
| | ओचयितासि | ओचयितास्थः | ओचयितास्थ |
| | ओचयितास्मि | ओचयितास्वः | ओचयितास्मः |
| भ० | ओचयिष्यति | ओचयिष्यतः | ओचयिष्यन्ति |
| | ओचयिष्यसि | ओचयिष्यथः | ओचयिष्यथ |
| | ओचयिष्यामि | ओचयिष्यावः | ओचयिष्यामः |
| क्रि० | ओचयिष्यत् | ओचयिष्यताम् | ओचयिष्यन् |
| | ओचयिष्यः | ओचयिष्यतम् | ओचयिष्यत |
| | ओचयिष्यम् | ओचयिष्याव | ओचयिष्याम |

| | | | |
|-------|---|------------------------|-----------------|
| व० | ओचयेते | ओचयेते | ओचयन्ते |
| | ओचयसे | ओचयेये | ओचयध्वे |
| | ओचये | ओचयावहे | ओचयामहे |
| स० | ओचयेत | ओचयेयाताम् | ओचयेरन् |
| | ओचयेथाः | ओचयेयाथाम् | ओचयेध्वम् |
| | ओचयेय | ओचयेवहि | ओचयेमहि |
| प० | ओचयताम् | ओचयेताम् | ओचयन्ताम् |
| | ओचयस्व | ओचयेथाम् | ओचयध्वम् |
| | ओचये | ओचयावहे | ओचयामहे |
| ल० | ओचयत | ओचयेताम् | ओचयन्त |
| | ओचयथाः | ओचयेथाम् | ओचयध्वम् |
| | ओचये | ओचयावहि | ओचयामहि |
| ल० | ओचिचत | ओचिचेताम् | ओचिचन्त |
| | ओचिचथाः | ओचिचेथाम् | ओचिचध्वम् |
| | ओचिचे | ओचिचावहि | ओचिचामहि |
| प० | ओचयाश्चक्रे | ओचयाश्चक्राते | ओचयाश्चक्रिरे |
| | ओचयाश्चक्रुषे | ओचयाश्चक्राये | ओचयाश्चक्रुर्वे |
| | ओचयाश्चक्रे | ओचयाश्चक्रुवहे | ओचयाश्चक्रमहे |
| | ओचयाम्बभूव | ओचयामास | |
| आ० | ओचयिषीष्ट | ओचयिषीयास्ताम् | ओचयिषीरन् |
| | ओचयिषीष्ठाः | ओचयिषीयास्थाम् | ओचयिषीध्वम् |
| | ओचयिषीय | ओचयिषीवहि | ओचयिषीमहि |
| भ० | ओचयिता | ओचयितारौ | ओचयितारः |
| | ओचयितासे | ओचयितासाथे | ओचयिताध्वे |
| | ओचयिताहे | ओचयितास्वहे | ओचयितास्महे |
| भ० | ओचयिष्यते | ओचयिष्येते | ओचयिष्यन्ते |
| | ओचयिष्यसे | ओचयिष्येथे | ओचयिष्यध्वे |
| | ओचयिष्ये | ओचयिष्यावहे | ओचयिष्यामहे |
| क्रि० | ओचयिष्यत | ओचयिष्येताम् | ओचयिष्यन्त |
| | ओचयिष्यथाः | ओचयिष्येथाम् | ओचयिष्यध्वम् |
| | ओचयिष्ये | ओचयिष्यावहि | ओचयिष्यामहि |
| | अथ चान्तः ॥ | ११७७ लृच् (लृद्) वि- | |
| | लोटेने । ११७८ लृट्बभूवाणि ॥ अथ दान्ताश्चत्वारः | | |
| | ११७८ त्रिध्विदाङ् (त्रिध्विद्) गान्त्रप्रक्षणे । ११७९ | | |
| | त्रिध्विदाङ्बभूवाणि | | |

1179 किलदौच् (किल्) आर्द्रभावे

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० कलेदयति | कलेदयतः | कलेदयन्ति |
| कलेदयसि | कलेदयथः | कलेदयथ |
| कलेदयामि | कलेदयावः | कलेदयामः |
| स० कलेदयेत् | कलेदयेताम् | कलेदयेयुः |
| कलेदयेः | कलेदयेताम् | कलेदयेत |
| कलेदयेयम् | कलेदयेव | कलेदयेम |
| प० कलेदयतु | कलेदयतात् | कलेदयताम् |
| कलेदय | कलेदयतात् | कलेदयतम् |
| कलेदयानि | कलेदयाव | कलेदयाम |
| ह्य० अवलेदयत् | अवलेदयताम् | अवलेदयन् |
| अवलेदयः | अवलेदयताम् | अवलेदयत |
| अवलेदयम् | अवलेदयाव | अवलेदयाम |
| अ० अचिक्विदत् | अचिक्विदताम् | अचिक्विदन् |
| अचिक्विदः | अचिक्विदताम् | अचिक्विदत |
| अचिक्विदम् | अचिक्विदाव | अचिक्विदाम |
| प० कलेदयाञ्चकार | कलेदयाञ्चक्रुः | कलेदयाञ्चकुः |
| कलेदयाञ्चकथं | कलेदयाञ्चक्रुः | कलेदयाञ्चक |
| कलेदयाञ्चकार-चकर | कलेदयाञ्चक्रुव | कलेदयाञ्चक्रम |
| कलेदयाम्बभूव | । | कलेदयामास |
| आ० कलेयात् | कलेयास्ताम् | कलेयासुः |
| कलेयाः | कलेयास्ताम् | कलेयास्त |
| कलेयासम् | कलेयाव | कलेयासम |
| श्र० कलेदयिता | कलेदयितारौ | कलेदयितारः |
| कलेदयितासि | कलेदयिताथः | कलेदयिताथ |
| कलेदयितासिम् | कलेदयितावः | कलेदयितासमः |
| अ० कलेदयिष्यति | कलेदयिष्यतः | कलेदयिष्यन्ति |
| कलेदयिष्यसि | कलेदयिष्यथः | कलेदयिष्यथ |
| कलेदयिष्यामि | कलेदयिष्यावः | कलेदयिष्यामः |
| क्रि० अवलेदयिष्यतु | अवलेदयिष्यताम् | अवलेदयिष्यन् |
| अवलेदयिष्यः | अवलेदयिष्यताम् | अवलेदयिष्यत |
| अवलेदयिष्यम् | अवलेदयिष्याव | अवलेदयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| व० कलेदयते | कलेदयते | कलेदयन्ते |
| कलेदयसो | कलेदयथे | कलेदयान्वे |
| कलेदये | कलेदयावहे | कलेदयामहे |
| स० कलेदयेत | कलेदयेयाताम् | कलेदयेरन् |
| कलेदयेथाः | कलेदयेयाताम् | कलेदयेष्वम् |
| कलेदयेय | कलेदयेवहि | कलेदयेमहि |
| प० कलेदयताम् | कलेदयेताम् | कलेदयन्ताम् |
| कलेदयस्व | कलेदयेथाम | कलेदयस्वम् |
| कलेदयै | कलेदयावहे | कलेदयामहे |
| ह्य० अवलेदयत | अवलेदयेताम् | अवलेदयन्त |
| अवलेदयथाः | अवलेदयेथाम | अवलेदयस्वम् |
| अवलेदये | अवलेदयावहि | अवलेदयामहि |
| अ० अचिक्विदत् | अचिक्विदेताम् | अचिक्विदन्त |
| अचिक्विदथाः | अचिक्विदेथाम | अचिक्विदस्वम् |
| अचिक्विदे | अचिक्विदावहि | अचिक्विदामहि |
| प० कलेदयाञ्चक्रे | कलेदयाञ्चक्रते | कलेदयाञ्चक्रिरे |
| कलेदयाञ्चकृषे | कलेदयाञ्चक्राये | कलेदयाञ्चकृत्वे |
| कलेदयाञ्चक्रे | कलेदयाञ्चकृवहे | कलेदयाञ्चकृमहे |
| कलेदयाम्बभूव | । | कलेदय मास |
| आ० कलेदयिषीष्ट | कलेदयिषीयास्ताम् | कलेदयिषीरन् |
| कलेदयिषीष्ठाः | कलेदयिषीयास्ताम् | कलेदयिषीस्वम् |

| | | |
|-------------------|----------------|-----------------|
| कलेदयिषीय | कलेदयिषीवहि | कलेदयिषीमहि |
| श्र० कलेदयिता | कलेदयितारौ | कलेदयितारः |
| कलेदयितासो | कलेदयिताथे | कलेदयितावे |
| कलेदयिताहे | कलेदयितास्वहे | कलेदयितासमहे |
| अ० कलेदयिष्यते | कलेदयिष्यते | कलेदयिष्यन्ते |
| कलेदयिष्यसो | कलेदयिष्यथे | कलेदयिष्यस्व |
| कलेदयिष्ये | कलेदयिष्यावहे | कलेदयिष्यामहे |
| क्रि० अवलेदयिष्यत | अवलेदयिष्यताम् | अवलेदयिष्यन्त |
| अवलेदयिष्यथाः | अवलेदयिष्यथाम | अवलेदयिष्यस्वम् |
| अवलेदयिष्ये | अवलेदयिष्यावहि | अवलेदयिष्यामहि |

1180 जिमिदाङ् (मिद्) स्नेहने । 944

जिमिदाङ्बद्रूपाणि । 1181 जिद्विदाङ् (द्विद्)

मोचने च । 300 जिद्विदाङ्बद्रूपाणि ।

॥ अथ धान्ताः सप्त ॥

1182 क्षुधंश्च (क्षुध्) बुभुक्षायाम् ।

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| ब० क्षोधयति | क्षोधयतः | क्षोधयन्ति |
| क्षोधयसि | क्षोधयथः | क्षोधयथ |
| क्षोधयामि | क्षोधयावः | क्षोधयामः |
| स० क्षोधयेत् | क्षोधयेताम् | क्षोधयेयुः |
| क्षोधयेः | क्षोधयेतम् | क्षोधयेत |
| क्षोधयेयम् | क्षोधयेव | क्षोधयेम |
| प० क्षोधयतु | क्षोधयतात् | क्षोधयताम् |
| क्षोधय | क्षोधयतात् | क्षोधयतम् |
| क्षोधयानि | क्षोधयाव | क्षोधयाम |
| ह्य० अक्षोधयत् | अक्षोधयताम् | अक्षोधयन् |
| अक्षोधयः | अक्षोधयतम् | अक्षोधयत |
| अक्षोधयम् | अक्षोधयाव | अक्षोधयाम |
| अ० अचुक्षुधत् | अचुक्षुधताम् | अचुक्षुधन् |
| अचुक्षुधः | अचुक्षुधतम् | अचुक्षुधत |
| अचुक्षुधम् | अचुक्षुधाव | अचुक्षुधाम |
| प० क्षोधयाञ्चकार | क्षोधयाञ्चक्रतुः | क्षोधयाञ्चक्रुः |
| क्षोधयाञ्चकथं | क्षोधयाञ्चकथुः | क्षोधयाञ्चक |
| क्षोधयाञ्चकार-चक्र | क्षोधयाञ्चकृव | क्षोधयाञ्चकृम |
| क्षोधयाम्बभूव | क्षोधयामास | |
| आ० क्षोष्यात् | क्षोष्यास्ताम् | क्षोष्यासुः |
| क्षोष्याः | क्षोष्यास्तम् | क्षोष्यास्त |
| क्षोष्यासम् | क्षोष्यास्व | क्षोष्यास्म |
| थ० क्षोधयिता | क्षोधयितारौ | क्षोधयितारः |
| क्षोधयितासि | क्षोधयितास्थः | क्षोधयितास्थ |
| क्षोधयितास्मि | क्षोधयितास्वः | क्षोधयितास्मः |
| म० क्षोधयिष्यति | क्षोधयिष्यतः | क्षोधयिष्यन्ति |
| क्षोधयिष्यसि | क्षोधयिष्यथः | क्षोधयिष्यथ |
| क्षोधयिष्यामि | क्षोधयिष्यावः | क्षोधयिष्यामः |
| क्रि० अक्षोधयिष्यत् | अक्षोधयिष्यताम् | अक्षोधयिष्यन् |
| अक्षोधयिष्यः | अक्षोधयिष्यतम् | अक्षोधयिष्यत |
| अक्षोधयिष्यम् | अक्षोधयिष्याव | अक्षोधयिष्याम |

| | | |
|--------------------|---------------------|-------------------|
| ब० क्षोधयते | क्षोधयेते | क्षोधयन्ते |
| क्षोधयसे | क्षोधयेथे | क्षोधयध्वे |
| क्षोधये | क्षोधयावहे | क्षोधयामहे |
| स० क्षोधयेत | क्षोधयेयाताम् | क्षोधयेरन् |
| क्षोधयेयाः | क्षोधयेयाथाम् | क्षोधयेयध्वम् |
| क्षोधयेय | क्षोधयेवहि | क्षोधयेमहि |
| प० क्षोधयताम् | क्षोधयेताम् | क्षोधयन्ताम् |
| क्षोधयस्व | क्षोधयेथाम् | क्षोधयध्वम् |
| क्षोधये | क्षोधयावहे | क्षोधयामहे |
| ह्य० अक्षोधयत | अक्षोधयेताम् | अक्षोधयन्त |
| अक्षोधयथाः | अक्षोधयेथाम् | अक्षोधयध्वम् |
| अक्षोधये | अक्षोधयावहि | अक्षोधयामहि |
| अ० अचुक्षुधत | अचुक्षुधेताम् | अचुक्षुधन्त |
| अचुक्षुधथाः | अचुक्षुधेथाम् | अचुक्षुधध्वम् |
| अचुक्षुधे | अचुक्षुधावहि | अचुक्षुधामहि |
| प० क्षोधयाञ्चक्रे | क्षोधयाञ्चक्रते | क्षोधयाञ्चकिरे |
| क्षोधयाञ्चकृवे | क्षोधयाञ्चक्राथे | क्षोधयाञ्चकृद्वे |
| क्षोधयाञ्चक्रे | क्षोधयाञ्चकृवहे | क्षोधयाञ्चकृमहे |
| क्षोधयाम्बभूव | क्षोधयामास | |
| आ० क्षोधयिषीष्ट | क्षोधयिषीष्टास्ताम् | क्षोधयिषीरन् |
| क्षोधयिषीष्टाः | क्षोधयिषीष्टास्थाम् | क्षोधयिषीष्टध्वम् |
| क्षोधयिषीय | क्षोधयिषीवहि | क्षोधयिषीमहि |
| थ० क्षोधयिता | क्षोधयितारौ | क्षोधयितारः |
| क्षोधयितासे | क्षोधयितासाथे | क्षोधयिताध्वे |
| क्षोधयिताहे | क्षोधयितास्वहे | क्षोधयितास्महे |
| अ० क्षोधयिष्यते | क्षोधयिष्येते | क्षोधयिष्यन्ते |
| क्षोधयिष्यसे | क्षोधयिष्येथे | क्षोधयिष्यध्वे |
| क्षोधयिष्ये | क्षोधयिष्यावहे | क्षोधयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षोधयिष्यत | अक्षोधयिष्येताम् | अक्षोधयिष्यन्त |
| अक्षोधयिष्यथाः | अक्षोधयिष्येथाम् | अक्षोधयिष्यध्वम् |
| अक्षोधयिष्ये | अक्षोधयिष्यावहि | अक्षोधयिष्यामहि |

1183 शुभञ्च (शुभ्र) शौचे

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | शोधयति | शोधयतः | शोधयन्ति |
| | शोधयसि | शोधयथः | शोधयथ |
| | शोधयामि | शोधयावः | शोधयामः |
| स० | शोधयेत् | शोधयेताम् | शोधयेयुः |
| | शोधयेः | शोधयेतम् | शोधयेत |
| | शोधयेत्म् | शोधयेव | शोधयेम |
| प० | शोधयतु | शोधयतात् | शोधयताम् |
| | शोधय | शोधयतात् | शोधयतम् |
| | शोधयनि | शोधयाव | शोधयाम |
| ह्य० | अशोधयत् | अशोधयताम् | अशोधयन् |
| | अशोधयः | अशोधयतम् | अशोधयत |
| | अशोधयम् | अशोधयाव | अशोधयाम |
| भ० | अशुशुधत् | अशुशुधताम् | अशुशुधन् |
| | अशुशुधः | अशुशुधतम् | अशुशुधत |
| | अशुशुधम् | अशुशुधाव | अशुशुधाम |
| प० | शोधयाञ्चकार | शोधयाञ्चकतुः | शोधयाञ्चकुः |
| | शोधयाञ्चकर्थ | शोधयाञ्चकथुः | शोधयाञ्चक |
| | शोधयाञ्चकार-चक्र | शोधयाञ्चकृच | शोधयाञ्चकृम |
| | शोधयाम्बभूव | शोधयामास | |
| भा० | शोष्यात् | शोष्यास्ताम् | शोष्यासुः |
| | शोष्याः | शोष्यास्तम् | शोष्यास्त |
| | शोष्यास्तम् | शोष्यास्व | शोष्यास्म |
| श्व० | शोधयिता | शोधयितारौ | शोधयितारः |
| | शोधयितासि | शोधयितास्थः | शोधयितास्थ |
| | शोधयितास्मि | शोधयितास्वः | शोधयितारम |
| भ० | शोधयिष्यति | शोधयिष्यतः | शोधयिष्यन्ति |
| | शोधयिष्यसि | शोधयिष्यथः | शोधयिष्यथ |
| | शोधयिष्यामि | शोधयिष्यावः | शोधयिष्यामः |
| क्रि० | अशोधयिष्यत् | अशोधयिष्यताम् | अशोधयिष्यन् |
| | अशोधयिष्यः | अशोधयिष्यतम् | अशोधयिष्यत |
| | अशोधयिष्यम् | अशोधयिष्याव | अशोधयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|------------------|----------------|
| व० | शोधयेते | शोधयेथे | शोधयन्ते |
| | शोधयेसे | शोधयेथे | शोधयध्वे |
| | शोधये | शोधयावहे | शोधयामहे |
| स० | शोधयेत | शोधयेयाताम् | शोधयेरन् |
| | शोधयेथाः | शोधयेयाथाम् | शोधयेभ्वम् |
| | शोधयेय | शोधयेवहि | शोधयेमहि |
| प० | शोधयताम् | शोधयेताम् | शोधयन्ताम् |
| | शोधयस्व | शोधयेथाम् | शोधयन्वम |
| | शोधये | शोधयावहे | शोधयामहे |
| ह्य० | अशोधयत | अशोधयेताम् | अशोधयन्त |
| | अशोधयथाः | अशोधयेथाम् | अशोधयन्वम् |
| | अशोधये | अशोधयावहि | अशोधयामहि |
| अ० | अशुशुधत | अशुशुधेताम् | अशुशुधन्त |
| | अशुशुधथाः | अशुशुधेथाम् | अशुशुधन्वम् |
| | अशुशुधे | अशुशुधावहि | अशुशुधामहि |
| प० | शोधयाञ्चके | शोधयाञ्चकते | शोधयाञ्चकिरे |
| | शोधयाञ्चकुषे | शोधयाञ्चकाथे | शोधयाञ्चकृद्वे |
| | शोधयाञ्चके | शोधयाञ्चकृवहे | शोधयाञ्चकृमहे |
| | शोधयाम्बभूव | शोधयामास | |
| भा० | शोधयिषीष्ट | शोधयिषीष्टारताम् | शोधयिषीरन् |
| | शोधयिषीष्टाः | शोधयिषीष्टाथाम् | शोधयिषीष्टवम् |
| | शोधयिषीय | शोधयिषीवहि | शोधयिषीमहि |
| श्व० | शोधयिता | शोधयितारौ | शोधयितारः |
| | शोधयितासे | शोधयितासाथे | शोधयिताध्वे |
| | शोधयिताहे | शोधयितास्वहे | शोधयितास्महे |
| भ० | शोधयिष्यते | शोधयिष्यते | शोधयिष्यन्ते |
| | शोधयिष्यसे | शोधयिष्येथे | शोधयिष्यध्वे |
| | शोधयिष्ये | शोधयिष्यवहे | शोधयिष्यामहे |
| क्रि० | अशोधयिष्यत | अशोधयिष्येताम् | अशोधयिष्यन्त |
| | अशोधयिष्यथाः | अशोधयिष्येथाम् | अशोधयिष्यन्वम् |
| | अशोधयिष्ये | अशोधयिष्यावहि | अशोधयिष्यामहि |

1184 कृधञ् (कृध्) कोपे

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|----------------|
| व० | क्रोधयति | क्रोधयतः | क्रोधयन्ति |
| | क्रोधयसि | क्रोधयथः | क्रोधयथ |
| | क्रोधयामि | क्रोधयावः | क्रोधयामः |
| स० | क्रोधयेत् | क्रोधयेताम् | क्रोधयेयुः |
| | क्रोधयेः | क्रोधयेतम् | क्रोधयेत |
| | क्रोधयेयम् | क्रोधयेव | क्रोधयेम |
| प० | क्रोधयतु | क्रोधयतात् | क्रोधयताम् |
| | क्रोधय | क्रोधयतात् | क्रोधयतम् |
| | क्रोधयानि | क्रोधयाव | क्रोधयाम |
| ह्य० | अक्रोधयत् | अक्रोधयताम् | अक्रोधयन् |
| | अक्रोधयः | अक्रोधयतम् | अक्रोधयत |
| | अक्रोधयम् | अक्रोधयाव | अक्रोधयाम |
| अ० | अचुक्रुधत् | अचुक्रुधताम् | अचुक्रुधन् |
| | अचुक्रुधः | अचुक्रुधतम् | अचुक्रुधत |
| | अचुक्रुधम् | अचुक्रुधाव | अचुक्रुधाम |
| प० | क्रोधयाञ्चकार | क्रोधयाञ्चक्रतुः | क्रोधयाञ्चकुः |
| | क्रोधयाञ्चकर्थ | क्रोधयाञ्चक्रथुः | क्रोधयाञ्चक |
| | क्रोधयाञ्चकार-चकर | क्रोधयाञ्चकव | क्रोधयाञ्चकम् |
| | क्रोधयाम्बभूव | । | क्रोधयामास |
| आ० | क्रोधात् | क्रोधास्ताम् | क्रोधासुः |
| | क्रोधाः | क्रोधास्तम् | क्रोधास्त |
| | क्रोधासम् | क्रोधास्व | क्रोधास्म |
| श्र० | क्रोधयिता | क्रोधयितारौ | क्रोधयितारः |
| | क्रोधयितासि | क्रोधयितास्थः | क्रोधयितास्थ |
| | क्रोधयितास्मि | क्रोधयितास्वः | क्रोधयितास्मः |
| भ० | क्रोधयिष्यति | क्रोधयिष्यतः | क्रोधयिष्यन्ति |
| | क्रोधयिष्यसि | क्रोधयिष्यथः | क्रोधयिष्यथ |
| | क्रोधयिष्यामि | क्रोधयिष्यावः | क्रोधयिष्यामः |
| क्रि० | अक्रोधयिष्यत् | अक्रोधयिष्यताम् | अक्रोधयिष्यन् |
| | अक्रोधयिष्यः | अक्रोधयिष्यतम् | अक्रोधयिष्यत |
| | अक्रोधयिष्यम् | अक्रोधयिष्याव | अक्रोधयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | क्रोधयते | क्रोधयेते | क्रोधयन्ते |
| | क्रोधयसे | क्रोधयेथे | क्रोधयध्वे |
| | क्रोधये | क्रोधयावहे | क्रोधयामहे |
| स० | क्रोधयेत | क्रोधयेयाताम् | क्रोधयेरन् |
| | क्रोधयेथाः | क्रोधयेयाथाम् | क्रोधयेयवम् |
| | क्रोधयेय | क्रोधयेवहि | क्रोधयेमहि |
| प० | क्रोधयताम् | क्रोधयेताम् | क्रोधयन्ताम् |
| | क्रोधयस्व | क्रोधयेथाम् | क्रोधयध्वम् |
| | क्रोधये | क्रोधयावहे | क्रोधयामहे |
| ह्य० | अक्रोधयत | अक्रोधयेताम् | अक्रोधयन्त |
| | अक्रोधयथाः | अक्रोधयेथाम् | अक्रोधयध्वम् |
| | अक्रोधये | अक्रोधयावहि | अक्रोधयामहि |
| अ० | अचुक्रुधत | अचुक्रुधताम् | अचुक्रुधन्त |
| | अचुक्रुधथाः | अचुक्रुधेथाम् | अचुक्रुधध्वम् |
| | अचुक्रुधे | अचुक्रुधावहि | अचुक्रुधामहि |
| प० | क्रोधयाञ्चक्रे | क्रोधयाञ्चक्रते | क्रोधयाञ्चक्रिरे |
| | क्रोधयाञ्चक्रे | क्रोधयाञ्चक्रथे | क्रोधयाञ्चक्रद्वे |
| | क्रोधयाञ्चक्रे | क्रोधयाञ्चक्रवहे | क्रोधयाञ्चक्रमहे |
| | क्रोधयाम्बभूव | । | क्रोधयामास |
| आ० | क्रोधयिषीष्ट | क्रोधयिषीयास्ताम् | क्रोधयिषीरन् |
| | क्रोधयिषीष्टाः | क्रोधयिषीयास्थाम् | क्रोधयिषीध्वम् |
| | क्रोधयिषीय | क्रोधयिषीवहि | क्रोधयिषीमहि |
| श्र० | क्रोधयिता | क्रोधयितारौ | क्रोधयितारः |
| | क्रोधयितासि | क्रोधयितासाथे | क्रोधयिताध्वे |
| | क्रोधयिताहे | क्रोधयितास्वहे | क्रोधयितास्महे |
| भ० | क्रोधयिष्यते | क्रोधयिष्यन्ते | क्रोधयिष्येते |
| | क्रोधयिष्यसे | क्रोधयिष्येथे | क्रोधयिष्यध्वे |
| | क्रोधयिष्ये | क्रोधयिष्यावहे | क्रोधयिष्यामहे |
| क्रि० | अक्रोधयिष्यत | अक्रोधयिष्येताम् | अक्रोधयिष्यन्त |
| | अक्रोधयिष्यथाः | अक्रोधयिष्येथाम् | अक्रोधयिष्यध्वम् |
| | अक्रोधयिष्ये | अक्रोधयिष्यावहि | अक्रोधयिष्यामहि |

1185 पिधूञ् [सिध्] संराद्धौ । 320 पिधू
वद्रूपाणि

साधयति असीषधत् साधयते असीषधत इ० ज्ञानेनु

1186 ऋधूच (ऋधू) वृद्धौ

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | अर्धयति | अर्धयतः | अर्धयन्ति |
| | अर्धयसि | अर्धयथः | अर्धयथ |
| | अर्धयामि | अर्धयावः | अर्धयामः |
| स० | अर्धयेत् | अर्धयेताम् | अर्धयेयुः |
| | अर्धयेः | अर्धयेतम् | अर्धयेत |
| | अर्धयेयम् | अर्धयेव | अर्धयेम |
| प० | अर्धयतु | अर्धयतात् | अर्धयताम् |
| | अर्धय | अर्धयतात् | अर्धयतम् |
| | अर्धयानि | अर्धयाव | अर्धयाम |
| ह्य० | आर्धयत् | आर्धयताम् | आर्धयन् |
| | आर्धयः | आर्धयतम् | आर्धयत |
| | आर्धयम् | आर्धयाव | आर्धयाम |
| भा० | आर्दिधत् | आर्दिधताम् | आर्दिधन् |
| | आर्दिधः | आर्दिधतम् | आर्दिधत |
| | आर्दिधम् | आर्दिधाव | आर्दिधाम |
| प० | अर्धयाञ्चकार | अर्धयाञ्चक्रुः | अर्धयाञ्चकुः |
| | अर्धयाञ्चकथं | अर्धयाञ्चक्रुः | अर्धयाञ्चक |
| | अर्धयाञ्चकार-चकर | अर्धयाञ्चक्रुव | अर्धयाञ्चक्रम |
| | अर्धयाम्बभूव | । | अर्धयामास |
| आ० | अर्ध्यात् | अर्ध्यास्ताम् | अर्ध्यासुः |
| | अर्ध्याः | अर्ध्यास्तम् | अर्ध्यास्त |
| | अर्ध्यासम् | अर्ध्यास्व | अर्ध्यास्म |
| श० | अर्धयिता | अर्धयितारौ | अर्धयितारः |
| | अर्धयितासि | अर्धयितास्थः | अर्धयितास्थ |
| | अर्धयितास्मि | अर्धयितास्वः | अर्धयितास्मः |
| भ० | अर्धयिष्यति | अर्धयिष्यतः | अर्धयिष्यन्ति |
| | अर्धयिष्यसि | अर्धयिष्यथः | अर्धयिष्यथ |
| | अर्धयिष्यामि | अर्धयिष्यावः | अर्धयिष्यामः |
| क्रि० | आर्धयिष्यत् | आर्धयिष्यताम् | आर्धयिष्यन् |
| | आर्धयिष्यः | आर्धयिष्यतम् | आर्धयिष्यत |
| | आर्धयिष्यम् | आर्धयिष्याव | आर्धयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | अर्धयेते | अर्धयेते | अर्धयन्ते |
| | अर्धयेसे | अर्धयेथे | अर्धयध्वे |
| | अर्धये | अर्धयावहे | अर्धयामहे |
| स० | अर्धयेत् | अर्धयेयाताम् | अर्धयेरन् |
| | अर्धयेथाः | अर्धयेयाथाम् | अर्धयेध्वम् |
| | अर्धयेय | अर्धयेवहि | अर्धयेमहि |
| प० | अर्धयताम् | अर्धयेताम् | अर्धयन्ताम् |
| | अर्धयस्व | अर्धयेथाम् | अर्धयध्वम् |
| | अर्धये | अर्धयावहे | अर्धयामहे |
| ह्य० | आर्धयत | आर्धयेताम् | आर्धयन्त |
| | आर्धयथाः | आर्धयेथाम् | आर्धयध्वम् |
| | आर्धये | अर्धयावहि | आर्धयामहि |
| अ० | आर्दिधत | आर्दिधेताम् | आर्दिधन्त |
| | आर्दिधथाः | आर्दिधेथाम् | आर्दिधध्वम् |
| | आर्दिधे | आर्दिधावहि | आर्दिधामहि |
| प० | अर्धयाञ्चके | अर्धयाञ्चक्राते | अर्धयाञ्चक्रिरे |
| | अर्धयाञ्चकृषे | अर्धयाञ्चक्राये | अर्धयाञ्चकृद्वे |
| | अर्धयाञ्चके | अर्धयाञ्चकृवहे | अर्धयाञ्चकृमहे |
| | अर्धयाम्बभूव | । | अर्धयामास |
| आ० | अर्धयिषीष्ट | अर्धयिषीयास्ताम् | अर्धयिषीरन् |
| | अर्धयिषीष्टाः | अर्धयिषीयास्थाम् | अर्धयिषीद्वम् |
| | अर्धयिषीय | अर्धयिषीवहि | अर्धयिषीमहि |
| श० | अर्धयिता | अर्धयितारौ | अर्धयितारः |
| | अर्धयितासे | अर्धयितासाथे | अर्धयिताध्वे |
| | अर्धयिताहे | अर्धयितास्वहे | अर्धयितास्महे |
| भ० | अर्धयिष्यते | अर्धयिष्येते | अर्धयिष्यन्ते |
| | अर्धयिष्यसे | अर्धयिष्येथे | अर्धयिष्यध्वे |
| | अर्धयिष्ये | अर्धयिष्यावहे | अर्धयिष्यामहे |
| क्रि० | आर्धयिष्यत | आर्धयिष्येताम् | आर्धयिष्यन्त |
| | आर्धयिष्यथाः | आर्धयिष्येथाम् | आर्धयिष्यध्वम् |
| | आर्धयिष्ये | आर्धयिष्यावहि | आर्धयिष्यामहि |

(१०६८)

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

1187 गृधृच् (गृध्) अभिकाङ्क्षायाम्

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ४० | गर्धयति | गर्धयतः | गर्धयन्ति |
| | गर्धयसि | गर्धयथः | गर्धयथ |
| | गर्धयामि | गर्धयावः | गर्धयामः |
| स० | गर्धयेत् | गर्धयेताम् | गर्धयेयुः |
| | गर्धयः | गर्धयेतम् | गर्धयेत |
| | गर्धयेयम् | गर्धयेव | गर्धयेम |
| प० | गर्धयतु | गर्धयतात् | गर्धयताम् |
| | गर्धय | गर्धयतात् | गर्धयतम् |
| | गर्धयानि | गर्धयाव | गर्धयाम |
| ह्र० | अगर्धयत् | अगर्धयताम् | अगर्धयन् |
| | अगर्धयः | अगर्धयतम् | अगर्धयत |
| | अगर्धयम् | अगर्धयाव | अगर्धयाम |
| अ० | अजीगृधत् | अजीगृधताम् | अजीगृधन् |
| | अजीगृधः | अजीगृधतम् | अजीगृधत |
| | अजीगृधम् | अजीगृधाव | अजीगृधाम |
| व० | गर्धयाञ्चकार | गर्धयाञ्चक्रुः | गर्धयाञ्चकुः |
| | गर्धयाञ्चकथं | गर्धयाञ्चकथुः | गर्धयाञ्चक |
| | गर्धयाञ्चकार-चकर | गर्धयाञ्चकृव | गर्धयाञ्चकृम |
| | गर्धयाम्बभूव | । | गर्धयामास |
| आ० | गर्ध्यान् | गर्ध्यास्ताम् | गर्ध्यासुः |
| | गर्ध्याः | गर्ध्यास्तम् | गर्ध्यास्त |
| | गर्ध्यासिम् | गर्ध्यास्व | गर्ध्यास्म |
| श्वे० | गर्धयिता | गर्धयितारौ | गर्धयितारः |
| | गर्धयितासि | गर्धयितास्थः | गर्धयितास्थ |
| | गर्धयितास्मि | गर्धयितास्वः | गर्धयितास्मः |
| भ० | गर्धयिष्यति | गर्धयिष्यतः | गर्धयिष्यन्ति |
| | गर्धयिष्यसि | गर्धयिष्यथः | गर्धयिष्यथ |
| | गर्धयिष्यामि | गर्धयिष्यावः | गर्धयिष्यामः |
| क्रि० | अगर्धयिष्यत् | अगर्धयिष्यताम् | अगर्धयिष्यन् |
| | अगर्धयिष्यः | अगर्धयिष्यतम् | अगर्धयिष्यत |
| | अगर्धयिष्यम् | अगर्धयिष्याव | अगर्धयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | गर्धयते | गर्धयेते | गर्धयन्ते |
| | गर्धयसे | गर्धयेथे | गर्धयध्वे |
| | गर्धये | गर्धयावहे | गर्धयामहे |
| स० | गर्धयत | गर्धयेयाताम् | गर्धयेरन् |
| | गर्धयथाः | गर्धयेयाथाम् | गर्धयेध्वम् |
| | गर्धयेय | गर्धयेवहि | गर्धयेमहि |
| प० | गर्धयताम् | गर्धयेताम् | गर्धयन्ताम् |
| | गर्धयस्व | गर्धयेथाम् | गर्धयध्वम् |
| | गर्धये | गर्धयावहे | गर्धयामहे |
| ह्र० | अगर्धयत | अगर्धयेताम् | अगर्धयन्त |
| | अगर्धयथाः | अगर्धयेथाम् | अगर्धयध्वम् |
| | अगर्धये | अगर्धयावहि | अगर्धयामहि |
| अ० | अजीगृधत् | अजीगृधेताम् | अजीगृधन्त |
| | अजीगृधथाः | अजीगृधेथाम् | अजीगृधध्वम् |
| | अजीगृधे | अजीगृधावहि | अजीगृधामहि |
| प० | गर्धयाञ्चके | गर्धयाञ्चक्राते | गर्धयाञ्चकिरे |
| | गर्धयाञ्चकृषे | गर्धयाञ्चकृथे | गर्धयाञ्चकृध्वे |
| | गर्धयाञ्चके | गर्धयाञ्चकृवहे | गर्धयाञ्चकृमहे |
| | गर्धयाञ्चभूव | । | गर्धयामास |
| आ० | गर्धयिषीष्ट | गर्धयिषीयास्ताम् | गर्धयिषीरन् |
| | गर्धयिषीष्ठाः | गर्धयिषीयास्थाम् | गर्धयिषीध्वम् |
| | गर्धयिषीय | गर्धयिषीवहि | गर्धयिषीमहि |
| श्वे० | गर्धयिता | गर्धयितारौ | गर्धयितारः |
| | गर्धयितासे | गर्धयितासाथे | गर्धयिताध्वे |
| | गर्धयिताहे | गर्धयितास्वहे | गर्धयितास्महे |
| भ० | गर्धयिष्यते | गर्धयिष्येते | गर्धयिष्यन्ते |
| | गर्धयिष्यसे | गर्धयिष्येथे | गर्धयिष्यध्वे |
| | गर्धयिष्ये | गर्धयिष्यावहे | गर्धयिष्यामहे |
| क्रि० | अगर्धयिष्यत् | अगर्धयिष्येताम् | अगर्धयिष्यन्त |
| | अगर्धयिष्यथाः | अगर्धयिष्येथाम् | अगर्धयिष्यध्वम् |
| | अगर्धयिष्ये | अगर्धयिष्यावहि | अगर्धयिष्यामहि |

1188 रथौच् (रथ्) हिंसासंराद्धयोः ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० रन्धयति | रन्धयतः | रन्धयन्ति |
| रन्धयसि | रन्धयथः | रन्धयथ |
| रन्धयामि | रन्धयावः | रन्धयामः |
| स० रन्धयेत् | रन्धयेताम् | रन्धयेयुः |
| रन्धयेः | रन्धयेतम् | रन्धयेत |
| रन्धयेयम् | रन्धयेव | रन्धयेम |
| प० रन्धयतु | रन्धयतात् | रन्धयताम् |
| रन्धय | रन्धयतात् | रन्धयतम् |
| रन्धयानि | रन्धयाव | रन्धयाम |
| ह्य० अरन्धयत् | अरन्धयताम् | अरन्धयन् |
| अरन्धयः | अरन्धयतम् | अरन्धयत |
| अरन्धयम् | अरन्धयाव | अरन्धयाम |
| अ० अरन्धत् | अरन्धताम् | अरन्धन् |
| अरन्धः | अरन्धतम् | अरन्धत |
| अरन्धम् | अरन्धाव | अरन्धाम |
| प० रन्धयाञ्चकार | रन्धयाञ्चक्रुः | रन्धयाञ्चकुः |
| रन्धयाञ्चकथै | रन्धयाञ्चक्रुः | रन्धयाञ्चक |
| रन्धयाञ्चकार-चकर | रन्धयाञ्चकृव | रन्धयाञ्चकृम |
| रन्धयाम्बभूव | । | रन्धयामास |
| आ० रन्ध्यात् | रन्ध्यास्ताम् | रन्ध्यासुः |
| रन्ध्याः | रन्ध्यास्तम् | रन्ध्यास्त |
| रन्ध्यासम् | रन्ध्यास्व | रन्ध्यास्म |
| श्व० रन्धयिता | रन्धयितारौ | रन्धयितारः |
| रन्धयितासि | रन्धयितास्थः | रन्धयितास्थ |
| रन्धयितास्मि | रन्धयितास्वः | रन्धयितास्मः |
| भ० रन्धयिष्यति | रन्धयिष्यतः | रन्धयिष्यन्ति |
| रन्धयिष्यसि | रन्धयिष्यथः | रन्धयिष्यथ |
| रन्धयिष्यामि | रन्धयिष्यावः | रन्धयिष्यामः |
| क्रि० अरन्धयिष्यत् | अरन्धयिष्यताम् | अरन्धयिष्यन् |
| अरन्धयिष्यः | अरन्धयिष्यतम् | अरन्धयिष्यत |
| अरन्धयिष्यम् | अरन्धयिष्याव | अरन्धयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| व० रन्धयते | रन्धयेते | रन्धयन्ते |
| रन्धयसे | रन्धयेथे | रन्धयन्थे |
| रन्धये | रन्धयावहे | रन्धयामहे |
| स० रन्धयेत | रन्धयेयाताम् | रन्धयेरन् |
| रन्धयेथाः | रन्धयेयाथाम् | रन्धयेष्वम् |
| रन्धयेय | रन्धयेवहि | रन्धयेमहि |
| प० रन्धयताम् | रन्धयेताम् | रन्धयन्ताम् |
| रन्धयस्व | रन्धयेथाम् | रन्धयन्थ्वम् |
| रन्धये | रन्धयावहे | रन्धयामहे |
| ह्य० अरन्धयत | अरन्धयेताम् | अरन्धयन्त |
| अरन्धयथाः | अरन्धयेथाम् | अरन्धयन्थ्वम् |
| अरन्धये | अरन्धयावहि | अरन्धयामहि |
| अ० अरन्धत | अरन्धेताम् | अरन्धन्त |
| अरन्धथाः | अरन्धेथाम् | अरन्धन्थ्वम् |
| अरन्धे | अरन्धावहि | अरन्धामहि |
| प० रन्धयाञ्चक्रे | रन्धयाञ्चक्राते | रन्धयाञ्चकिरे |
| रन्धयाञ्चकृषे | रन्धयाञ्चक्राथे | रन्धयाञ्चकृद्वे |
| रन्धयाञ्चक्रे | रन्धयाञ्चकृवहे | रन्धयाञ्चकृमहे |
| रन्धयाम्बभूव | । | रन्धयामास |
| आ० रन्धयिषीष्ट | रन्धयिषीयास्ताम् | रन्धयिषीरन् |
| रन्धयिषीष्ठाः | रन्धयिषीयास्थाम् | रन्धयिषीद्वम् |
| रन्धयिषीय | रन्धयिषीवहि | रन्धयिषीमहि |
| श्व० रन्धयिता | रन्धयितारौ | रन्धयितारः |
| रन्धयितासे | रन्धयितासाथे | रन्धयितास्व |
| रन्धयिताहे | रन्धयितास्वहे | रन्धयितास्महे |
| भ० रन्धयिष्यते | रन्धयिष्येते | रन्धयिष्यन्ते |
| रन्धयिष्यसे | रन्धयिष्येथे | रन्धयिष्यन्थे |
| रन्धयिष्ये | रन्धयिष्यावहे | रन्धयिष्यामहे |
| क्रि० अरन्धयिष्यत | अरन्धयिष्येताम् | अरन्धयिष्यन्त |
| अरन्धयिष्यथाः | अरन्धयिष्येथाम् | अरन्धयिष्यन्थ्वम् |
| अरन्धयिष्ये | अरन्धयिष्यावहि | अरन्धयिष्यामहि |

॥ अथ पान्ता नव ॥

११८९ तृपौच् (तृप्) प्रीतौ

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | तर्पयति | तर्पयतः | तर्पयन्ति |
| | तर्पयसि | तर्पयथः | तर्पयथ |
| | तर्पयामि | तर्पयावः | तर्पयामः |
| स० | तर्पयेत् | तर्पयेताम् | तर्पयेयुः |
| | तर्पयेः | तर्पयेतम् | तर्पयेत |
| | तर्पयेयम् | तर्पयेव | तर्पयेम |
| प० | तर्पयतु | तर्पयतात् | तर्पयताम् |
| | तर्पय | तर्पयतात् | तर्पयतम् |
| | तर्पयाण | तर्पयाव | तर्पयाम |
| ह्य० | अतर्पयत् | अतर्पयताम् | अतर्पयन् |
| | अतर्पयः | अतर्पयतम् | अतर्पयत |
| | अतर्पयम् | अतर्पयाव | अतर्पयाम |
| अ० | अतीतृपत् | अतीतृपताम् | अतीतृपन् |
| | अतीतृपः | अतीतृपतम् | अतीतृपत |
| | अतीतृपम् | अतीतृपाव | अतीतृपाम |
| | अतर्पत् | अतर्पताम् | अतर्पन् इ० |
| प० | तर्पयाञ्चकार | तर्पयाञ्चक्रुः | तर्पयाञ्चकृः |
| | तर्पयाञ्चकथ | तर्पयाञ्चकथुः | तर्पयाञ्चक |
| | तर्पयाञ्चकार-चकर | तर्पयाञ्चकृव | तर्पयाञ्चकृम |
| | तर्पयाम्बभूव | । | तर्पयामास |
| आ० | तर्प्यात् | तर्प्यास्ताम् | तर्प्यासुः |
| | तर्प्याः | तर्प्यास्तम् | तर्प्यास्त |
| | तर्प्यासम् | तर्प्यास्व | तर्प्यास्म |
| श्व० | तर्पयिता | तर्पयितारो | तर्पयितारः |
| | तर्पयितासि | तर्पयितास्थः | तर्पयितास्थ |
| | तर्पयितास्मि | तर्पयितास्वः | तर्पयितास्मः |
| भ० | तर्पयिष्यति | तर्पयिष्यतः | तर्पयिष्यन्ति |
| | तर्पयिष्यसि | तर्पयिष्यथः | तर्पयिष्यथ |
| | तर्पयिष्यामि | तर्पयिष्यावः | तर्पयिष्यामः |
| क्रि० | अतर्पयिष्यत् | अतर्पयिष्यताम् | अतर्पयिष्यन् |
| | अतर्पयिष्यः | अतर्पयिष्यतम् | अतर्पयिष्यत |
| | अतर्पयिष्यम् | अतर्पयिष्याव | अतर्पयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | तर्पयते | तर्पयेते | तर्पयन्ते |
| | तर्पयसे | तर्पयेथे | तर्पयन्वे |
| | तर्पये | तर्पयावहे | तर्पयामहे |
| स० | तर्पयेत् | तर्पयेयाताम् | तर्पयेरन् |
| | तर्पयेथाः | तर्पयेयाथाम् | तर्पयेध्वम् |
| | तर्पयेय | तर्पयेवहि | तर्पयेमहि |
| प० | तर्पयताम् | तर्पयेताम् | तर्पयन्ताम् |
| | तर्पयस्व | तर्पयेथाम् | तर्पयध्वम् |
| | तर्पये | तर्पयावहे | तर्पयामहे |
| अ० | अतर्पयत् | अतर्पयेताम् | अतर्पयन्त |
| | अतर्पयथाः | अतर्पयेथाम् | अतर्पयध्वम् |
| | अतर्पये | अतर्पयावहि | अतर्पयामहि |
| अ० | अतीतृपत् | अतीतृपेताम् | अतीतृपन्त |
| | अतीतृपथाः | अतीतृपेथाम् | अतीतृपध्वम् |
| | अतीतृपे | अतीतृपावहि | अतीतृपामहि |
| | अतर्पत् | अतर्पेताम् | अतर्पन्त इ० |
| प० | तर्पयाञ्चक्रे | तर्पयाञ्चकृते | तर्पयाञ्चकिरे |
| | तर्पयाञ्चकृषे | तर्पयाञ्चकृथे | तर्पयाञ्चकृद्वे |
| | तर्पयाञ्चक्रे | तर्पयाञ्चकृवहे | तर्पयाञ्चकृमहे |
| | तर्पयाम्बभूव | । | तर्पयामास |
| आ० | तर्पयिषीष्ट | तर्पयिषीयास्ताम् | तर्पयिषीरन् |
| | तर्पयिषीष्टाः | तर्पयिषीयास्ताम् | तर्पयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | तर्पयिषीय | तर्पयिषीवहि | तर्पयिषीमहि |
| श्व० | तर्पयिता | तर्पयितारो | तर्पयितारः |
| | तर्पयितासे | तर्पयितासाथे | तर्पयिताध्वे |
| | तर्पयिताहे | तर्पयितास्वहे | तर्पयितास्महे |
| भ० | तर्पयिष्यते | तर्पयिष्येते | तर्पयिष्यन्ते |
| | तर्पयिष्यसे | तर्पयिष्येथे | तर्पयिष्यध्वे |
| | तर्पयिष्ये | तर्पयिष्यावहे | तर्पयिष्यामहे |
| क्रि० | अतर्पयिष्यत् | अतर्पयिष्येताम् | अतर्पयिष्यन्त |
| | अतर्पयिष्यथाः | अतर्पयिष्येथाम् | अतर्पयिष्यध्वम् |
| | अतर्पयिष्ये | अतर्पयिष्यावहि | अतर्पयिष्यामहि |

1190 दृषौच् (दृष्) हर्षमोहनयोः ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|---------------|
| व० | दर्पयति | दर्पयतः | दर्पयन्ति |
| | दर्पयसि | दर्पयथः | दर्पयथ |
| | दर्पयामि | दर्पयावः | दर्पयामः |
| स० | दर्पयेत् | दर्पयेताम् | दर्पयेयुः |
| | दर्पयेः | दर्पयेतम् | दर्पयेत |
| | दर्पयेयम् | दर्पयेव | दर्पयेम |
| प० | दर्पयतु | दर्पयतात् | दर्पयन्तु |
| | दर्पय | दर्पयतात् | दर्पयत |
| | दर्पयाणि | दर्पयाव | दर्पयाम |
| ह्य० | अदर्पयत् | अदर्पयताम् | अदर्पयन् |
| | अदर्पयः | अदर्पयतम् | अदर्पयत |
| | अदर्पयम् | अदर्पयाव | अदर्पयाम |
| अ० | अदीहपत् | अदीहपताम् | अदीहपन् |
| | अदीहपः | अदीहपतम् | अदीहपत |
| | अदीहपम् | अदीहपाव | अदीहपाम |
| | अददर्पत् | अददर्पताम् | अददर्पन् इ० |
| प० | दर्पयाञ्चकार | दर्पयाञ्चक्रुः | दर्पयाञ्चकुः |
| | दर्पयाञ्चकथं | दर्पयाञ्चक्रथुः | दर्पयाञ्चक्र |
| | दर्पयाञ्चकार-चकर | दर्पयाञ्चक्रव | दर्पयाञ्चक्रम |
| | दर्पयाम्बभूव | । | दर्पयामास |
| अ० | दर्पयित् | दर्पयिताम् | दर्पयिषुः |
| | दर्पयिः | दर्पयिस्तम् | दर्पयिस्त |
| | दर्पयिस्म | दर्पयिस्व | दर्पयिस्म |
| भ० | दर्पयिता | दर्पयितारौ | दर्पयितारः |
| | दर्पयितासि | दर्पयितास्थः | दर्पयितास्थ |
| | दर्पयितास्मि | दर्पयितास्वः | दर्पयितास्मः |
| भ० | दर्पयिष्यति | दर्पयिष्यतः | दर्पयिष्यन्ति |
| | दर्पयिष्यसि | दर्पयिष्यथः | दर्पयिष्यथ |
| | दर्पयिष्यामि | दर्पयिष्यावः | दर्पयिष्यामः |
| क्रि० | अदर्पयिष्यत् | अदर्पयिष्यताम् | अदर्पयिष्यन् |
| | अदर्पयिष्यः | अदर्पयिष्यतम् | अदर्पयिष्यत |
| | अदर्पयिष्यम् | अदर्पयिष्याव | अदर्पयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | दर्पयते | दर्पयते | दर्पयन्ते |
| | दर्पयसे | दर्पयथे | दर्पयथ्वे |
| | दर्पये | दर्पयावहे | दर्पयामहे |
| स० | दर्पयेत | दर्पयेयाताम् | दर्पयेयन्त |
| | दर्पयेथाः | दर्पयेयाथाम् | दर्पयेयवम् |
| | दर्पयेय | दर्पयेवहि | दर्पयेमहि |
| प० | दर्पयताम् | दर्पयेताम् | दर्पयन्ताम् |
| | दर्पयस्व | दर्पयेथाम् | दर्पयध्वम् |
| | दर्पये | दर्पयावहे | दर्पयामहे |
| ह्य० | अदर्पयत | अदर्पयेताम् | अदर्पयन्त |
| | अदर्पयथाः | अदर्पयेथाम् | अदर्पयध्वम् |
| | अदर्पय | अदर्पयावहि | अदर्पयामहि |
| अ० | अदीहपत | अदीहपेताम् | अदीहपन्त |
| | अदीहपथाः | अदीहपेथाम् | अदीहपध्वम् |
| | अदीहपे | अदीहपावहि | अदीहपामहि |
| | अददर्पत | अददर्पेताम् | अददर्पन्त इ० |
| प० | दर्पयाञ्चके | दर्पयाञ्चकते | दर्पयाञ्चकिरे |
| | दर्पयाञ्चकृषे | दर्पयाञ्चक्राथे | दर्पयाञ्चकृवहे |
| | दर्पयाञ्चके | दर्पयाञ्चकृवहे | दर्पयाञ्चक्रमहे |
| | दर्पयाम्बभूव | । | दर्पयामास |
| आ० | दर्पयिषीष्ट | दर्पयिषीयास्ताम् | दर्पयिषीरन् |
| | दर्पयिषीष्ठाः | दर्पयिषीयास्थाम् | दर्पयिषीध्वम् |
| | दर्पयिषीय | दर्पयिषीवहि | दर्पयिषीमहि |
| भ० | दर्पयिता | दर्पयितारौ | दर्पयितारः |
| | दर्पयितासे | दर्पयितासाथे | दर्पयिताध्वे |
| | दर्पयिताहे | दर्पयितास्वहे | दर्पयितास्महे |
| भ० | दर्पयिष्यते | दर्पयिष्येते | दर्पयिष्यन्ते |
| | दर्पयिष्यसे | दर्पयिष्येथे | दर्पयिष्यथ्वे |
| | दर्पयिष्ये | दर्पयिष्यावहे | दर्पयिष्यामहे |
| क्रि० | अदर्पयिष्यत | अदर्पयिष्येताम् | अदर्पयिष्यन्त |
| | अदर्पयिष्यथाः | अदर्पयिष्येथाम् | अदर्पयिष्यध्वम् |
| | अदर्पयिष्ये | अदर्पयिष्यावहि | अदर्पयिष्यामहि |

1191 कुप् (कुप्) कोपे ।

| | | |
|-------------------|----------------|--------------|
| व० कोपयति | कोपयतः | कोपयन्ति |
| कोपयसि | कोपयथः | कोपयथ |
| कोपयामि | कोपयावः | कोपयामः |
| स० कोपयेत् | कोपयेताम् | कोपयेयुः |
| कोपयेः | कोपयेतम् | कोपयेत |
| कोपयेयम् | कोपयेव | कोपयेम |
| प० कोपयतु | कोपयतात् | कोपयताम् |
| कोपय | कोपयतात् | कोपयतम् |
| कोपयानि | कोपयाव | कोपयाम |
| ह्य० अकोपयत् | अकोपयताम् | अकोपयन् |
| अकोपयः | अकोपयतम् | अकोपयत |
| अकोपयम् | अकोपयाव | अकोपयाम |
| अ० अचूकुपत् | अचूकुपताम् | अचूकुपन् |
| अचूकुपः | अचूकुपतम् | अचूकुपत |
| अचूकुपम् | अचूकुपाव | अचूकुपाम |
| प० कोपयाञ्चकार | कोपयाञ्चक्रुः | कोपयाञ्चकुः |
| कोपयाञ्चकथं | कोपयाञ्चक्रथुः | कोपयाञ्चक्र |
| कोपयाञ्चकार-चकर | कोपयाञ्चकृव | कोपयाञ्चकृम |
| कोपयाम्बभूव | । | कोपयामास |
| अ० कोप्यात् | कोप्यास्ताम् | कोप्यासुः |
| कोप्याः | कोप्यास्तम् | कोप्यास्त |
| कोप्यासम् | कोप्यास्व | कोप्यास्म |
| भ० कोपयिता | कोपयितारौ | कोपयितारः |
| कोपयितासि | कोपयितास्थः | कोपयितास्थ |
| कोपयितास्मि | कोपयितास्वः | कोपयितास्मः |
| भ० कोपयिष्यति | कोपयिष्यतः | कोपयिष्यन्ति |
| कोपयिष्यसि | कोपयिष्यथः | कोपयिष्यथ |
| कोपयिष्यामि | कोपयिष्यावः | कोपयिष्यामः |
| क्रि० अकोपयिष्यत् | अकोपयिष्यताम् | अकोपयिष्यन् |
| अकोपयिष्यः | अकोपयिष्यतम् | अकोपयिष्यत |
| अकोपयिष्यम् | अकोपयिष्याव | अकोपयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| व० कोपयते | कोपयेते | कोपयन्ते |
| कोपयसे | कोपयेथे | कोपयध्वे |
| कोपये | कोपयावहे | कोपयामहे |
| स० कोपयेत् | कोपयेयाताम् | कोपयेरन् |
| कोपयेथाः | कोपयेथाथाम् | कोपयेध्वम् |
| कोपयेय | कोपयेवहि | कोपयेमहि |
| प० कोपयताम् | कोपयेताम् | कोपयन्ताम् |
| कोपयस्व | कोपयेथाम् | कोपयध्वम् |
| कोपये | कोपयावहे | कोपयामहे |
| ह्य० अकोपयत | अकोपयेताम् | अकोपयन्त |
| अकोपयथाः | अकोपयेथाम् | अकोपयध्वम् |
| अकोपये | अकोपयावहि | अकोपयामहि |
| अ० अचूकुपत | अचूकुपेताम् | अचूकुपन्त |
| अचूकुपथाः | अचूकुपेथाम् | अचूकुपध्वम् |
| अचूकुपे | अचूकुपावहि | अचूकुपामहि |
| प० कोपयाञ्चक्रे | कोपयाञ्चक्राते | कोपयाञ्चक्रिरे |
| कोपयाञ्चकृषे | कोपयाञ्चक्राथे | कोपयाञ्चकृद् वे |
| कोपयाञ्चक्रे | कोपयाञ्चकृवहे | कोपयाञ्चकृमहे |
| कोपयाम्बभूव | । | कोपयामास |
| आ० कोपयिषीष्ट | कोपयिषीयास्ताम् | कोपयिषीरन् |
| कोपयिषीष्ठाः | कोपयिषीयास्थाम् | कोपयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| कोपयिषीय | कोपयिषीवहि | कोपयिषीमहि |
| भ० कोपयिता | कोपयितारौ | कोपयितारः |
| कोपयितासे | कोपयितानाथे | कोपयिताध्वे |
| कोपयिताहे | कोपयितास्वहे | कोपयितास्महे |
| भ० कोपयिष्यते | कोपयिष्येते | कोपयिष्यन्ते |
| कोपयिष्यसे | कोपयिष्येथे | कोपयिष्यध्वे |
| कोपयिष्ये | कोपयिष्यावहे | कोपयिष्यामहे |
| क्रि० अकोपयिष्यत | अकोपयिष्येताम् | अकोपयिष्यन्त |
| अकोपयिष्यथाः | अकोपयिष्येथाम् | अकोपयिष्यध्वम् |
| अकोपयिष्ये | अकोपयिष्यावहि | अकोपयिष्यामहि |

1193 युपच् (युप्) विमोहने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | योपयति | योपयतः | योपयन्ति |
| | योपयसि | योपयथः | योपयथ |
| | योपयामि | योपयावः | योपयामः |
| स० | योपयेत् | योपयेताम् | योपयेयुः |
| | योपयेः | योपयेतम् | योपयेत |
| | योपयेथम् | योपयेव | योपयेम |
| प० | योपयतु | योपयतात् | योपयताम् |
| | योपय | योपयतात् | योपयतम् |
| | योपयानि | योपयाव | योपयाम |
| ह्य० | अयोपयत् | अयोपयताम् | अयोपयन् |
| | अयोपयः | अयोपयतम् | अयोपयत |
| | अयोपयम् | अयोपयाव | अयोपयाम |
| अ० | अयूयुपत् | अयूयुपताम् | अयूयुपन् |
| | अयूयुपः | अयूयुपतम् | अयूयुपत |
| | अयूयुपम् | अयूयुपाव | अयूयुपाम |
| प० | योपयाञ्चकार | योपयाञ्चकृतुः | योपयाञ्चकुः |
| | योपयाञ्चकर्थ | योपयाञ्चकथुः | योपयाञ्चक |
| | योपयाञ्चकार-चकर | योपयाञ्चकृव | योपयाञ्चकृम |
| | योपयाम्बभूव | । | योपयामास |
| आ० | योप्यात् | योप्यास्ताम् | योप्यास्तुः |
| | योप्याः | योप्यास्तम् | योप्यास्त |
| | योप्यासम् | योप्यास्व | योप्यासम |
| श्व० | योपयिता | योपयितारौ | योपयितारः |
| | योपयितासि | योपयितास्थः | योपयितास्थ |
| | योपयितास्मि | योपयितास्वः | योपयितास्मः |
| भ० | योपयिष्यति | योपयिष्यतः | योपयिष्यन्ति |
| | योपयिष्यसि | योपयिष्यथः | योपयिष्यथ |
| | योपयिष्यामि | योपयिष्यावः | योपयिष्यामः |
| क्रि० | अयोपयिष्यत् | अयोपयिष्यताम् | अयोपयिष्यन् |
| | अयोपयिष्यः | अयोपयिष्यतम् | अयोपयिष्यत |
| | अयोपयिष्यम् | अयोपयिष्याव | अयोपिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | योपयते | योपयंते | योपयन्ते |
| | योपयसे | योपयंथे | योपयन्थ्व |
| | योपये | योपयावहे | योपयामहे |
| स० | योपयेत | योपयेयाताम् | योपयेरन् |
| | योपयेथाः | योपयेयाथाम् | योपयेन्वम् |
| | योपयेथ | योपयेवहि | योपयेमहि |
| प० | योपयताम् | योपयताम् | योपयन्ताम् |
| | योपयस्व | योपयेथाम् | योपयन्वम् |
| | योपये | योपयवहे | योपयामहे |
| ह्य० | अयोपयत | अयोपयेतम् | अयोपयन्त |
| | अयोपयथाः | अयोपयेथाम् | अयोपयन्वम् |
| | अयोपये | अयोपयावहि | अयोपयामहि |
| अ० | अयूयुपत | अयूयुपताम् | अयूयुपन्त |
| | अयूयुपथाः | अयूयुपेथाम् | अयूयुपन्वम् |
| | अयूयुपे | अयूयुपावहि | अयूयुपामहि |
| प० | योपयाञ्चके | योपयाञ्चकते | योपयाञ्चकिरे |
| | योपयाञ्चकृषे | योपयाञ्चकाथे | योपयाञ्चकृढ्वे |
| | योपयाञ्चके | योपयाञ्चकृवहे | योपयाञ्चकृमहे |
| | योपयाम्बभूव | । | योपयामास |
| अ० | योपयिषीष्ट | योपयिषीयास्ताम् | योपयिषीरन् |
| | योपयिषीष्ठाः | योपयिषीयास्थाम् | योपयिषीढ्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | योपयिषीय | योपयिषीवहि | योपयिषीमहि |
| श्व० | योपयिता | योपयितारौ | योपयितारः |
| | योपयितासे | योपयितासाथे | योपयिताध्वे |
| | योपयिताहे | योपयितास्वहे | योपयितास्महे |
| भ० | योपयिष्यते | योपयिष्येते | योपयिष्यन्ते |
| | योपयिष्यसे | योपयिष्येथे | योपयिष्यन्थ्वे |
| | योपयिष्ये | योपयिष्यावहे | योपयिष्यामहे |
| क्रि० | अयोपयिष्यत | अयोपयिष्येताम् | अयोपयिष्यन्त |
| | अयोपयिष्यथाः | अयोपयिष्येथाम् | अयोपयिष्यन्वम् |
| | अयोपयिष्ये | अयोपयिष्यावहि | अयोपयिष्यामहि |

1194 रुपच् (रप्) विमोहने । 988 पादशसद्वितरुद्ध-

नद्रूपाणि

1195 लुपच् (लुप्) विमोहने

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० लोपयति | लोपयतः | लोपयन्ति |
| लोपयसि | लोपयथः | लोपयथ |
| लोपयामि | लोपयावः | लोपयामः |
| स० लोपयेत् | लोपयेताम् | लोपयेयुः |
| लोपयेः | लोपयेतम् | लोपयेत |
| लोपयेयम् | लोपयेव | लोपयेम |

| | | | |
|-----------|----------|----------|----------|
| प० लोपयतु | लोपयतात् | लोपयताम् | लोपयन्तु |
| लोपय | लोपयतात् | लोपयतम् | लोपयत |
| लोपयानि | लोपयाव | लोपयाम | |

| | | |
|--------------|-----------|---------|
| ह्य० अलोपयत् | अलोपयताम् | अलोपयन् |
| अलोपयः | अलोपयतम् | अलोपयत |
| अलोपयम् | अलोपयाव | अलोपयाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| अ० अल्लुपत् | अल्लुपताम् | अल्लुपन् |
| अल्लुपः | अल्लुपतम् | अल्लुपत |
| अल्लुपम् | अल्लुपाव | अल्लुपाम |

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| प० लोपयाञ्चकार | लोपयाञ्चकृतः | लोपयाञ्चकृः |
| लोपयाञ्चकथं | लोपयाञ्चकथुः | लोपयाञ्चक |
| लोपयाञ्चकार-चकर | लोपयाञ्चकृव | लोपयाञ्चकृम |

लोपयाम्बभूव । लोपयामास

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० लोप्यात् | लोप्यास्ताम् | लोप्यासुः |
| लोप्याः | लोप्यास्तम् | लोप्यास्त |
| लोप्यासम् | लोप्यास्व | लोप्यास्म |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| श्व० लोपयिता | लोपयितारौ | लोपयितारः |
| लोपयितासि | लोपयितास्यः | लोपयितास्य |
| लोपयितास्मि | लोपयितास्वः | लोपयितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० लोपयिष्यति | लोपयिष्यतः | लोपयिष्यन्ति |
| लोपयिष्यसि | लोपयिष्यथः | लोपयिष्यथ |
| लोपयिष्यामि | लोपयिष्यावः | लोपयिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अलोपयिष्यत् | अलोपयिष्यताम् | अलोपयिष्यन् |
| अलोपयिष्यः | अलोपयिष्यतम् | अलोपयिष्यत |
| अलोपयिष्यम् | अलोपयिष्याव | अलोपयिष्याम |

| | | |
|-----------|----------|----------|
| व० लोपयते | लोपयते | लोपयन्ते |
| लोपयसे | लोपयेथे | लोपयध्वं |
| लोपये | लोपयावहे | लोपयामहे |

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| स० लोपयेत | लोपयेयाताम् | लोपयेयन् |
| लोपयेथाः | लोपयेयाथाम् | लोपयेय्वम् |
| लोपयेय | लोपयेवहि | लोपयेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० लोपयताम् | लोपयेताम् | लोपयन्ताम् |
| लोपयस्व | लोपयेथाम् | लोपयध्वम् |
| लोपयै | लोपयावहे | लोपयामहे |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| ह्य० अलोपयत | अलोपयेताम् | अलोपयन्त |
| अलोपयथाः | अलोपयेथाम् | अलोपयध्वम् |
| अलोपये | अलोपयावहि | अलोपयामहि |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| अ० अल्लुपत | अल्लुपेताम् | अल्लुपन्त |
| अल्लुपयाः | अल्लुपेथाम् | अल्लुपध्वम् |
| अल्लुपे | अल्लुपावहि | अल्लुपामहि |

| | | |
|--------------|---------------|----------------|
| प० लोपयाञ्चक | लोपयाञ्चकाते | लोपयाञ्चकिरे |
| लोपयाञ्चकृषे | लोपयाञ्चकृथे | लोपयाञ्चकृद्वे |
| लोपयाञ्चके | लोपयाञ्चकृवहे | लोपयाञ्चकृमहे |

लोपयाम्बभूव । लोपयामास

| | | |
|---------------|-------------------|--------------|
| अ० लोपयिषीष्ट | लोपयिषीष्टास्ताम् | लोपयिषीरन् |
| लोपयिषीष्ठाः | लोपयिषीष्टास्थाम् | लोपयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |

| | | |
|----------|------------|------------|
| लोपयिषीय | लोपयिषीवहि | लोपयिषीमहि |
|----------|------------|------------|

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| श्व० लोपयिता | लोपयितारौ | लोपयितारः |
| लोपयितासे | लोपयितासाथे | लोपयिताध्वे |
| लोपयिताहे | लोपयितास्वहे | लोपयितास्महे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ० लोपयिष्यते | लोपयिष्येते | लोपयिष्यन्ते |
| लोपयिष्यसे | लोपयिष्येथे | लोपयिष्यध्वे |
| लोपयिष्ये | लोपयिष्यावहे | लोपयिष्यामहे |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| क्रि० अलोपयिष्यत | अलोपयिष्येताम् | अलोपयिष्यन्त |
| अलोपयिष्यथाः | अलोपयिष्येथाम् | अलोपयिष्यध्वम् |
| अलोपयिष्ये | अलोपयिष्यावहि | अलोपयिष्यामहि |

1196 डिप्च् (डिप्) क्षेपे ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|--------------|
| व० | डेपयति | डेपयतः | डेपयन्ति |
| | डेपयसि | डेपयथः | डेपयथ |
| | डेपयामि | डेपयावः | डेपयामः |
| स० | डेपयेत् | डेपयेताम् | डेपयेयुः |
| | डेपयेः | डेपयेतम् | डेपयेत |
| | डेपयेयम् | डेपयेव | डेपयेम |
| प० | डेपयतु | डेपयतात् | डेपयताम् |
| | डेपय | डेपयतात् | डेपयतम् |
| | डेपयानि | डेपयाव | डेपयाम |
| ह्य० | अडेपयत् | अडेपयताम् | अडेपयन् |
| | अडेपयः | अडेपयतम् | अडेपयत |
| | अडेपयम् | अडेपयाव | अडेपयाम |
| अ० | अडीडिपत् | अडीडिपताम् | अडीडिपन् |
| | अडीडिपः | अडीडिपतम् | अडीडिपत |
| | अडीडिपम् | अडीडिपाव | अडीडिपाम |
| प० | डेपयाञ्चकार | डेपयाञ्चक्रुः | डेपयाञ्चकुः |
| | डेपयाञ्चकथं | डेपयाञ्चक्रथुः | डेपयाञ्चक्र |
| | डेपयाञ्चकार-चकर | डेपयाञ्चक्रव | डेपयाञ्चक्रम |
| | डेपयाम्बभूव | डेपयामास | |
| आ० | डेप्यात् | डेप्यास्ताम् | डेप्यासुः |
| | डेप्याः | डेप्यास्तम् | डेप्यास्त |
| | डेप्यासम् | डेप्यास्व | डेप्यास्म |
| भ० | डेपयिता | डेपयितारौ | डेपयितारः |
| | डेपयितासि | डेपयितास्थः | डेपयितास्थ |
| | डेपयितास्मि | डेपयितास्वः | डेपयितास्मः |
| भ० | डेपयिष्यति | डेपयिष्यतः | डेपयिष्यन्ति |
| | डेपयिष्यसि | डेपयिष्यथः | डेपयिष्यथ |
| | डेपयिष्यामि | डेपयिष्यावः | डेपयिष्यामः |
| क्रि० | अडेपयिष्यत् | अडेपयिष्यताम् | अडेपयिष्यन् |
| | अडेपयिष्यः | अडेपयिष्यतम् | अडेपयिष्यत |
| | अडेपयिष्यम् | अडेपयिष्याव | अडेपयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | डेपयते | डेपयेते | डेपयन्ते |
| | डेपयसे | डेपयेथे | डेपयध्वे |
| | डेपये | डेपयावहे | डेपयामहे |
| स० | डेपयेत | डेपयेयाताम् | डेपयेरन् |
| | डेपयेथाः | डेपयेयाथाम् | डेपयेध्वम् |
| | डेपयेय | डेपयेवहि | डेपयेमहि |
| प० | डेपयताम् | डेपयेताम् | डेपयन्ताम् |
| | डेपयस्व | डेपयेथाम् | डेपयध्वम् |
| | डेपयै | डेपयावहै | डेपयामहै |
| ह्य० | अडेपयत | अडेपयेताम् | अडेपयन्त |
| | अडेपयथाः | अडेपयेथाम् | अडेपयध्वम् |
| | अडेपये | अडेपयावहि | अडेपयामहि |
| अ० | अडीडिपत | अडीडिपेताम् | अडीडिपन्त |
| | अडीडिपथाः | अडीडिपेथाम् | अडीडिपध्वम् |
| | अडीडिपे | अडीडिपावहि | अडीडिपामहि |
| प० | डेपयाञ्चक्रे | डेपयाञ्चक्राते | डेपयाञ्चक्रिरे |
| | डेपयाञ्चकृषे | डेपयाञ्चक्राथे | डेपयाञ्चकृद्वे |
| | डेपयाञ्चक्रे | डेपयाञ्चकृवहे | डेपयाञ्चकृमहे |
| | डेपयाम्बभूव | डेपयामास | |
| आ० | डेपयिषीष्ट | डेपयिषीयास्ताम् | डेपयिषीरन् |
| | डेपयिषीष्टाः | डेपयिषीयास्थाम् | डेपयिषीद्वम् |
| | डेपयिषीय | डेपयिषीवहि | डेपयिषीमहि |
| भ० | डेपयिता | डेपयितारौ | डेपयितारः |
| | डेपयितासे | डेपयितासाथे | डेपयिताध्वे |
| | डेपयिताहे | डेपयितास्वहे | डेपयितास्महे |
| भ० | डेपयिष्यते | डेपयिष्येते | डेपयिष्यन्ते |
| | डेपयिष्यसे | डेपयिष्येथे | डेपयिष्यध्वे |
| | डेपयिष्ये | डेपयिष्यावहे | डेपयिष्यामहे |
| क्रि० | अडेपयिष्यत | अडेपयिष्येताम् | अडेपयिष्यन्त |
| | अडेपयिष्यथाः | अडेपयिष्येथाम् | अडेपयिष्यध्वम् |
| | अडेपयिष्ये | अडेपयिष्यावहि | अडेपयिष्यामहि |

(१०७६) मुनिश्रोलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

1197 षूपच् (स्तूप) समुच्चयाये ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| ष० | स्तूपयति | स्तूपयतः | स्तूपयन्ति |
| | स्तूपयसि | स्तूपयथः | स्तूपयथ |
| | स्तूपयामि | स्तूपयावः | स्तूपयामः |
| स० | स्तूपयेत् | स्तूपयेताम् | स्तूपयेयुः |
| | स्तूपयेः | स्तूपयेतम् | स्तूपयेत |
| | स्तूपयेयम् | स्तूपयेव | स्तूपयेम |
| प० | स्तूपयतु | स्तूपयतात् | स्तूपयताम् |
| | स्तूपय | स्तूपयतात् | स्तूपयतम् |
| | स्तूपयानि | स्तूपयाव | स्तूपयाम |
| ह्य० | अस्तूपयत् | अस्तूपयताम् | अस्तूपयन् |
| | अस्तूपयः | अस्तूपयतम् | अस्तूपयत |
| | अस्तूपयम् | अस्तूपयाव | अस्तूपयाम |
| अ० | अतुष्टुपत् | अतुष्टुपताम् | अतुष्टुपन् |
| | अतुष्टुपः | अतुष्टुपतम् | अतुष्टुपत |
| | अतुष्टुपम | अतुष्टुपाव | अतुष्टुपाम् |
| प० | स्तूपयाञ्चकार | स्तूपयाञ्चक्रतुः | स्तूपयाञ्चक्रुः |
| | स्तूपयाञ्चकथं | स्तूपयाञ्चक्रथुः | स्तूपयाञ्चक्रम |
| | स्तूपयाञ्चकार-चक्र | स्तूपयाञ्चक्रव | स्तूपयाञ्चक्रम |
| | स्तूपयाम्बभूव | स्तूपयामास | |
| अ० | स्तूपयात् | स्तूपयास्ताम् | स्तूपयासुः |
| | स्तूपयाः | स्तूपयास्तम् | स्तूपयास्त |
| | स्तूपयासम् | स्तूपयास्व | स्तूपयास्म |
| श्व० | स्तूपयिता | स्तूपयितारौ | स्तूपयितारः |
| | स्तूपयितासि | स्तूपयितास्थः | स्तूपयितास्थ |
| | स्तूपयितास्मि | स्तूपयितास्वः | स्तूपयितास्मः |
| भ० | स्तूपयिष्यति | स्तूपयिष्यतः | स्तूपयिष्यन्ति |
| | स्तूपयिष्यसि | स्तूपयिष्यथः | स्तूपयिष्यथ |
| | स्तूपयिष्यामि | स्तूपयिष्यावः | स्तूपयिष्यामः |
| क्रि० | अस्तूपयिष्यत् | अस्तूपयिष्यताम् | अस्तूपयिष्यन् |
| | अस्तूपयिष्यः | अस्तूपयिष्यतम् | अस्तूपयिष्यत |
| | अस्तूपयिष्यम् | अस्तूपयिष्याव | अस्तूपयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्तूपयते | स्तूपयेते | स्तूपयन्ते |
| | स्तूपयसे | स्तूपयेथे | स्तूपयन्थे |
| | स्तूपये | स्तूपयावहे | स्तूपयामहे |
| स० | स्तूपयेत | स्तूपयेयाताम् | स्तूपयेरन् |
| | स्तूपयेथाः | स्तूपयेथायाम् | स्तूपयेथम् |
| | स्तूपयेय | स्तूपयेवहि | स्तूपयेमहि |
| प० | स्तूपयताम् | स्तूपयेताम् | स्तूपयन्ताम् |
| | स्तूपयस्व | स्तूपयेथाम् | स्तूपयन्वम् |
| | स्तूपये | स्तूपयावहे | स्तूपयामहे |
| ह्य० | अस्तूपयत | अस्तूपयेताम् | अस्तूपयन्त |
| | अस्तूपयथाः | अस्तूपयेथाम् | अस्तूपयन्वम् |
| | अस्तूपये | अस्तूपयावहि | अस्तूपयामहि |
| अ० | अतुष्टुपत | अतुष्टुपेताम् | अतुष्टुपन्त |
| | अतुष्टुपथाः | अतुष्टुपेथाम् | अतुष्टुपन्वम् |
| | अतुष्टुपे | अतुष्टुपावहि | अतुष्टुपामहि |
| प० | स्तूपयाञ्चक्रे | स्तूपयाञ्चक्राते | स्तूपयाञ्चक्रिरे |
| | स्तूपयाञ्चकृषे | स्तूपयाञ्चक्राथे | स्तूपयाञ्चकृद्वे |
| | स्तूपयाञ्चक्रे | स्तूपयाञ्चक्रवहे | स्तूपयाञ्चक्रमहे |
| | स्तूपयाम्बभूव | स्तूपयामास | |
| आ० | स्तूपयिषीष्ट | स्तूपयिषीयास्ताम् | स्तूपयिषीरन् |
| | स्तूपयिषीष्टाः | स्तूपयिषीयास्थाम् | स्तूपयिषीद्वम् |
| | स्तूपयिषीय | स्तूपयिषीवहि | स्तूपयिषीमहि |
| श्व० | स्तूपयिता | स्तूपयितारौ | स्तूपयितारः |
| | स्तूपयितासे | स्तूपयितासाथे | स्तूपयिताध्वे |
| | स्तूपयिताहे | स्तूपयितास्वहे | स्तूपयितास्मडे |
| भ० | स्तूपयिष्यते | स्तूपयिष्येते | स्तूपयिष्यन्ते |
| | स्तूपयिष्यसे | स्तूपयिष्येथे | स्तूपयिष्यन्थे |
| | स्तूपयिष्ये | स्तूपयिष्यावहे | स्तूपयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तूपयिष्यत | अस्तूपयिष्येताम् | अस्तूपयिष्यन्त |
| | अस्तूपयिष्यथाः | अस्तूपयिष्येथाम् | अस्तूपयिष्यन्वम् |
| | अस्तूपयिष्ये | अस्तूपयिष्यावहि | अस्तूपयिष्यामहि |

॥ अथ भान्ताश्चत्वारः ॥

1198 लुभच् (लुभ्) गार्ध्वे

| | | |
|------------------|----------------|-------------------|
| व० लोभयति | लोभयतः | लोभयन्ति |
| लोभयसि | लोभयथः | लोभयथ |
| लोभयामि | लोभयावः | लोभयामः |
| स० लोभयेत् | लोभयेताम् | लोभयेयुः |
| लोभयेः | लोभयेतम् | लोभयेत |
| लोभयेयम् | लोभयेव | लोभयेम |
| प० लोभयतु | लोभयतात् | लोभयताम् लोभयन्तु |
| लोभय | लोभयतात् | लोभयतम् लोभयत |
| लोभयानि | लोभयाव | लोभयाम |
| ह्य० अलोभयत् | अलोभयताम् | अलोभयन् |
| अलोभयः | अलोभयतम् | अलोभयत |
| अलोभयम् | अलोभयाव | अलोभयाम |
| अ० अल्लुभत् | अल्लुभताम् | अल्लुभन् |
| अल्लुभः | अल्लुभतम् | अल्लुभत |
| अल्लुभम् | अल्लुभाव | अल्लुभाम |
| प० लोभयाञ्चकार | लोभयाञ्चक्रुः | लोभयाञ्चकुः |
| लोभयाञ्चकथं | लोभयाञ्चक्रथुः | लोभयाञ्चक |
| लोभयाञ्चकार-चकर | लोभयाञ्चक्रुव | लोभयाञ्चक्रुम |
| लोभयाम्बभूव | । | लोभयामास |
| भा० लोभ्यात् | लोभ्यास्ताम् | लोभ्यासुः |
| लोभ्याः | लोभ्यास्तम् | लोभ्यास्त |
| लोभ्यासम् | लोभ्यास्व | लोभ्यास्म |
| श्व० लोभयिता | लोभयितारौ | लोभयितारः |
| लोभयितासि | लोभयितास्यः | लोभयितास्य |
| लोभयितास्मि | लोभयितास्वः | लोभयितास्मः |
| भ० लोभयिष्यति | लोभयिष्यतः | लोभयिष्यन्ति |
| लोभयिष्यसि | लोभयिष्यथः | लोभयिष्यथ |
| लोभयिष्यामि | लोभयिष्यावः | लोभयिष्यामः |
| क्र० अलोभयिष्यत् | अलोभयिष्यताम् | अलोभयिष्यन् |
| अलोभयिष्यः | अलोभयिष्यतम् | अलोभयिष्यत |
| अलोभयिष्यम् | अलोभयिष्याव | अलोभयिष्याम |

| | | |
|--------------------------------|---------------------|----------------|
| व० लोभयते | लोभयेते | लोभयन्ते |
| लोभयसे | लोभयेथे | लोभयध्वे |
| लोभये | लोभयावहे | लोभयामहे |
| स० लोभयेत | लोभयेताताम् | लोभयेयन् |
| लोभयेथाः | लोभयेयाधाम् | लोभयेध्वम् |
| लोभयेय | लोभयेवहि | लोभयेमहि |
| प० लोभयताम् | लोभयेताम् | लोभयन्ताम् |
| लोभयस्व | लोभयेथाम् | लोभयध्वम् |
| लोभयै | लोभयावहे | लोभयामहे |
| ह्य० अलोभयत | अलोभयेताम् | अलोभयन्त |
| अलोभयथाः | अलोभयेथाम् | अलोभयध्वम् |
| अलोभये | अलोभयावहि | अलोभयामहि |
| अ० अल्लुभत् | अल्लुभेताम् | अल्लुभन्त |
| अल्लुभथाः | अल्लुभेथाम् | अल्लुभध्वम् |
| अल्लुभे | अल्लुभावहि | अल्लुभामहि |
| प० लोभयाञ्चके | लोभयाञ्चकते | लोभयाञ्चकिरे |
| लोभयाञ्चकृषे | लोभयाञ्चकथे | लोभयाञ्चकृद्वे |
| लोभयाञ्चके | लोभयाञ्चकृवहे | लोभयाञ्चकृमहे |
| लोभयाम्बभूव | । | लोभयामास |
| अ० लोभयिषीष्ट | लोभयिषीयास्ताम् | लोभयिषीरन् |
| लोभयिषीष्टाः | लोभयिषीयास्थाम् | लोभयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| लोभयिषीय | लोभयिषीवहि | लोभयिषीमहि |
| श्व० लोभयिता | लोभयितारौ | लोभयितारः |
| लोभयितासे | लोभयितासाथे | लोभयिताध्वे |
| लोभयिताहे | लोभयितास्वहे | लोभयितास्महे |
| भ० लोभयिष्यते | लोभयिष्येते | लोभयिष्यन्ते |
| लोभयिष्यसे | लोभयिष्येथे | लोभयिष्यध्वे |
| लोभयिष्ये | लोभयिष्यावहे | लोभयिष्यामहे |
| क्रि० अलोभयिष्यत | अलोभयिष्यताम् | अलोभयिष्यन्त |
| अलोभयिष्यथा | अलोभयिष्येथाम् | अलोभयिष्यध्वम् |
| अलोभयिष्ये | अलोभयिष्यावहि | अलोभयिष्यामहि |
| 1199 क्षुभच् (क्षुभ्) संचरने । | 948 क्षुभिवद्रूपाणि | |
| 1200 णभच् (नच्) हिंसायाम् । | 949 णभिवद्रूपाणि | |
| 1201 तुभच् (तुभ्) हिंसायाम् । | 950 तुभिवद्रूपाणि | |

॥ अथ शान्ताः षट् ॥

1202 णशौच् (नश्) अदर्शने । चल्या-
हारार्थेति परस्मैपदम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | नाशयति | नाशयतः | नाशयन्ति |
| | नाशयसि | नाशयथः | नाशयथ |
| | नाशयामि | नाशयावः | नाशयामः |
| स० | नाशयेत् | नाशयेताम् | नाशयेयुः |
| | नाशयेः | नाशयेतम् | नाशयेत |
| | नाशयेयम् | नाशयेव | नाशयेम |
| प० | नाशयतु | नाशयतात् | नाशयताम् |
| | नाशय | नाशयतात् | नाशयतम् |
| | नाशयानि | नाशयाव | नाशयाम |
| ह्य० | अनाशयत् | अनाशयताम् | अनाशयन् |
| | अनाशयः | अनाशयतम् | अनाशयत |
| | अनाशयम् | अनाशयाव | अनाशयाम |
| लृ० | अनीनशत् | अनीनशताम् | अनीनशन् |
| | अनीनशः | अनीनशतम् | अनीनशत |
| | अनीनशम् | अनीनशाव | अनीनशाम |
| प० | नाशयाञ्चकार | नाशयाञ्चकतुः | नाशयाञ्चकुः |
| | नाशयाञ्चकथं | नाशयाञ्चकथुः | नाशयाञ्चक |
| | नानयाञ्चकार-चकर | नाशयाञ्चकृव | नाशयाञ्चकृम |
| | नाशयाम्बभूव | । | नाशयामास |
| आ० | नाश्यात् | नाश्यास्ताम् | नाश्यासुः |
| | नाश्याः | नाश्यास्तम् | नाश्यास्त |
| | नाश्याम | नाश्यास्व | नाश्याम्म |
| श्र० | नाशयिता | नाशयितारौ | नाशयितारः |
| | नाशयितासि | नाशयितास्थः | नाशयितास्थ |
| | नाशयितास्मि | नाशयितास्वः | नाशयितास्मः |
| भ० | नाशयिष्यति | नाशयिष्यतः | नाशयिष्यन्ति |
| | नाशयिष्यसि | नाशयिष्यथः | नाशयिष्यथ |
| | नाशयिष्यामि | नाशयिष्यावः | नाशयिष्यामः |
| क्रि० | अनाशयिष्यत् | अनाशयिष्यताम् | अनाशयिष्यन् |
| | अनाशयिष्यः | अनाशयिष्यतम् | अनाशयिष्यत |
| | अनाशयिष्य | अनाशयिष्याव | अनाशयिष्याम |

1203 कुशच् (कुश्) श्लेषणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | कोशयति | कोशयतः | कोशयन्ति |
| | कोशयसि | कोशयथः | कोशयथ |
| | कोशयामि | कोशयावः | कोशयामः |
| स० | कोशयेत् | कोशयेताम् | कोशयेयुः |
| | कोशयेः | कोशयेतम् | कोशयेत |
| | कोशयेयम् | कोशयेव | कोशयेम |
| प० | कोशयतु | कोशयतात् | कोशयताम् |
| | कोशय | कोशयतात् | कोशयतम् |
| | कोशयानि | कोशयाव | कोशयाम |
| ह्य० | अकोशयत् | अकोशयताम् | अकोशयन् |
| | अकोशयः | अकोशयतम् | अकोशयत |
| | अकोशयम् | अकोशयाव | अकोशयाम |
| अ० | अचूकुशत् | अचूकुशताम् | अचूकुशन् |
| | अचूकुशः | अचूकुशतम् | अचूकुशत |
| | अचूकुशम् | अचूकुशाव | अचूकुशाम |
| प० | कोशयाञ्चकार | कोशयाञ्चकतुः | कोशयाञ्चकुः |
| | कोशयाञ्चकथं | कोशयाञ्चकथुः | कोशयाञ्चक |
| | कोशयाञ्चकार-चकर | कोशयाञ्चकृव | कोशयाञ्चकृम |
| | कोशयाम्बभूव | । | कोशयामास |
| आ० | कोश्यात् | कोश्यास्ताम् | कोश्यासुः |
| | कोश्याः | कोश्यास्तम् | कोश्यास्त |
| | कोश्याम | कोश्यास्व | कोश्याम्म |
| श्र० | कोशयिता | कोशयितारौ | कोशयितारः |
| | कोशयितासि | कोशयितास्थः | कोशयितास्थ |
| | कोशयितास्मि | कोशयितास्वः | कोशयितास्मः |
| भ० | कोशयिष्यति | कोशयिष्यतः | कोशयिष्यन्ति |
| | कोशयिष्यसि | कोशयिष्यथः | कोशयिष्यथ |
| | कोशयिष्यामि | कोशयिष्यावः | कोशयिष्यामः |
| क्रि० | अकोशयिष्यत् | अकोशयिष्यताम् | अकोशयिष्यन् |
| | अकोशयिष्यः | अकोशयिष्यतम् | अकोशयिष्यत |
| | अकोशयिष्यम् | अकोशयिष्याव | अकोशयिष्याम |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१०७९)

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | कोशयते | कोशयेते | कोशयन्ते |
| | कोशयसे | कोशयेथे | कोशयध्वे |
| | कोशये | कोशयावहे | कोशयामहे |
| स० | कोशयेत | कोशयेयाताम् | कोशयेरन् |
| | कोशयेथाः | कोशयेयाथाम् | कोशयेध्वम् |
| | कोशयेय | कोशयेवहि | कोशयेमहि |
| प० | कोशयताम् | कोशयेताम् | कोशयन्ताम् |
| | कोशयस्व | कोशयेथाम् | कोशयध्वम् |
| | कोशये | कोशयावहे | कोशयामहे |
| ह्य० | अकोशयत | अकोशयेताम् | अकोशयन्त |
| | अकोशयथाः | अकोशयेथाम् | अकोशयध्वम् |
| | अकोशये | अकोशयावहि | अकोशयामहि |
| अ० | अचूकशत | अचूकशेताम् | अचूकशन्त |
| | अचूकशयाः | अचूकशेथाम् | अचूकशध्वम् |
| | अचूकशे | अचूकशावहि | अचूकशामहि |
| प० | कोशयाञ्चक्रे | कोशयाञ्चक्राते | कोशयाञ्चक्रिरे |
| | कोशयाञ्चकृषे | कोशयाञ्चक्राथे | कोशयाञ्चकृद्वे |
| | कोशयाञ्चक्रे | कोशयाञ्चकृवहे | कोशयाञ्चकृमहे |
| | कोशयाम्बभूव | । कोशयामास | |
| आ० | कोशयिषीष्ट | कोशयिषीयास्ताम् | कोशयिषीरन् |
| | कोशयिषीष्ठाः | कोशयिषीयास्थाम् | कोशयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | कोशयिषीय | कोशयिषीवहि | कोशयिषीमहि |
| श्व० | कोशयिता | कोशयितारौ | कोशयितारः |
| | कोशयितासे | कोशयितासाथे | कोशयिताध्वे |
| | कोशयिताहे | कोशयितास्वहे | कोशयितास्महे |
| भ० | कोशयिष्यते | कोशयिष्येते | कोशयिष्यन्ते |
| | कोशयिष्यसे | कोशयिष्येथे | कोशयिष्यध्वे |
| | कोशयिष्ये | कोशयिष्यावहे | कोशयिष्यामहे |
| क्रि० | अकोशयिष्यत | अकोशयिष्येताम् | अकोशयिष्यन्त |
| | अकोशयिष्यथाः | अकोशयिष्येथाम् | अकोशयिष्यध्वम् |
| | अकोशयिष्ये | अकोशयिष्यावहि | अकोशयिष्यामहि |

1204 भृशच् (भृश्) अधःपतने ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| व० | भर्शयति | भर्शयतः | भर्शयन्ति |
| | भर्शयसि | भर्शयथः | भर्शयथ |
| | भर्शयामि | भर्शयावः | भर्शयामः |
| स० | भर्शयेत् | भर्शयेताम् | भर्शयेयुः |
| | भर्शयेः | भर्शयेतम् | भर्शयेत |
| | भर्शयेत् | भर्शयेव | भर्शयेम |
| प० | भर्शयतु | भर्शयतात् | भर्शयताम् |
| | भर्शय | भर्शयतात् | भर्शयतम् |
| | भर्शयानि | भर्शयाव | भर्शयाम |
| ह्य० | अभर्शयत् | अभर्शयताम् | अभर्शयन् |
| | अभर्शयः | अभर्शयतम् | अभर्शयत |
| | अभर्शयम् | अभर्शयाव | अभर्शयाम |
| अ० | अबीभृशत् | अबीभृशताम् | अबीभृशन् |
| | अबीभृशः | अबीभृशतम् | अबीभृशत |
| | अबीभृशम् | अबीभृशाव | अबीभृशाम |
| | अवभर्शत् | अवभर्शताम् | अवभर्शन् ३० |
| प० | भर्शयाञ्चकार | भर्शयाञ्चक्रतुः | भर्शयाञ्चक्रुः |
| | भर्शयाञ्चकथे | भर्शयाञ्चक्रथुः | भर्शयाञ्चक्र |
| | भर्शयाञ्चकार-चकर | भर्शयाञ्चकृव | भर्शयाञ्चकृम |
| | भर्शयाम्बभूव | । भर्शयामास | |
| आ० | भर्श्यात् | भर्श्यास्ताम् | भर्श्यासुः |
| | भर्श्याः | भर्श्यास्तम् | भर्श्यास्त |
| | भर्श्यासम् | भर्श्यास्व | भर्श्यास्म |
| श्व० | भर्शयिता | भर्शयितारौ | भर्शयितारः |
| | भर्शयितासि | भर्शयितास्थः | भर्शयितास्थ |
| | भर्शयितास्मि | भर्शयितास्वः | भर्शयितास्मः |
| भ० | भर्शयिष्यति | भर्शयिष्यतः | भर्शयिष्यन्ति |
| | भर्शयिष्यसि | भर्शयिष्यथः | भर्शयिष्यथ |
| | भर्शयिष्यामि | भर्शयिष्यावः | भर्शयिष्यामः |
| क्रि० | अभर्शयिष्यत् | अभर्शयिष्यताम् | अभर्शयिष्यन् |
| | अभर्शयिष्यः | अभर्शयिष्यतम् | अभर्शयिष्यत |
| | अभर्शयिष्यम् | अभर्शयिष्याव | अभर्शयिष्याम |

(१०८०) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | भर्शयते | भर्शयते | भर्शयन्ते |
| | भर्शयसे | भर्शयेथे | भर्शयध्वे |
| | भर्शये | भर्शयावहे | भर्शयामहे |
| स० | भर्शयेत | भर्शयेथाताम् | भर्शयेरन् |
| | भर्शयेथाः | भर्शयेथायाम् | भर्शयेध्वम् |
| | भर्शयेय | भर्शयेवहि | भर्शयेमहि |
| प० | भर्शयेताम् | भर्शयेताम् | भर्शयेन्ताम् |
| | भर्शयस्व | भर्शयेधाम् | भर्शयध्वम् |
| | भर्शये | भर्शयावहे | भर्शयामहे |
| ह्य० | अभर्शयत | अभर्शयेताम् | अभर्शयन्त |
| | अभर्शयथाः | अभर्शयेथाम् | अभर्शयध्वम् |
| | अभर्शये | अभर्शयावहि | अभर्शयामहि |
| अ० | अबीभृशत | अबीभृशेताम् | अबीभृशन्त |
| | अबीभृशथाः | अबीभृशेथाम् | अबीभृशध्वम् |
| | अबीभृशे | अबीभृशावहि | अबीभृशामहि |
| | अबभर्शत | अबभर्शेताम् | अबभर्शन्त इ० |
| प० | भर्शयाञ्चके | भर्शयाञ्चकाते | भर्शयाञ्चकिरे |
| | भर्शयाञ्चकृते | भर्शयाञ्चकृथे | भर्शयाञ्चकृद्वे |
| | भर्शयाञ्चके | भर्शयाञ्चकृवहे | भर्शयाञ्चकृमहे |
| | भर्शयाम्बभूव | भर्शयामास | |
| आ० | भर्शयिषीष्ट | भर्शयिषीयास्ताम् | भर्शयिषीरन् |
| | भर्शयिषीष्टाः | भर्शयिषीयास्थाम् | भर्शयिषीध्वम् |
| | भर्शयिषीय | भर्शयिषीवहि | भर्शयिषीमहि |
| श्र० | भर्शयिता | भर्शयितारौ | भर्शयितारः |
| | भर्शयितासे | भर्शयितासाथे | भर्शयिताध्वे |
| | भर्शयिताहे | भर्शयितास्वहे | भर्शयितामहे |
| भ० | भर्शयिष्यते | भर्शयिष्येते | भर्शयिष्यन्ते |
| | भर्शयिष्यसे | भर्शयिष्येथे | भर्शयिष्यध्वे |
| | भर्शयिष्ये | भर्शयिष्यावहे | भर्शयिष्यामहे |
| क्रि० | अभर्शयिष्यत | अभर्शयिष्येताम् | अभर्शयिष्यन्त |
| | अभर्शयिष्यथाः | अभर्शयिष्येथाम् | अभर्शयिष्यध्वम् |
| | अभर्शयिष्ये | अभर्शयिष्यावहि | अभर्शयिष्यामहि |

1205 अश्चू [अश्चू] अधःपतने 952

अश्चूचूचूपाणि

1206 वृशचू (वृश) वरणे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | वर्शयति | वर्शयतः | वर्शयन्ति |
| | वर्शयसि | वर्शयथः | वर्शयथ |
| | वर्शयामि | वर्शयावः | वर्शयामः |
| स० | वर्शयेत् | वर्शयेताम् | वर्शयेयुः |
| | वर्शयेः | वर्शयेतम् | वर्शयेत |
| | वर्शयेयम् | वर्शयेव | वर्शरेम |
| प० | वर्शयेतु | वर्शयेतात् | वर्शयेताम् |
| | वर्शय | वर्शयेतात् | वर्शयेतम् |
| | वर्शयानि | वर्शयाव | वर्शयाम |
| ह्य० | अवर्शयत् | अवर्शयताम् | अवर्शयन् |
| | अवर्शयः | अवर्शयतम् | अवर्शयत |
| | अवर्शयम् | अवर्शयाव | अवर्शयाम |
| अ० | अवीवृशत् | अवीवृशताम् | अवीवृशन् |
| | अवीवृशः | अवीवृशतम् | अवीवृशत |
| | अवीवृशम् | अवीवृशाव | अवीवृशाम |
| | अववर्शत् | अववर्शताम् | अववर्शन् इ० |
| प० | वर्शयाञ्चकार | वर्शयाञ्चकृतुः | वर्शयाञ्चकः |
| | वर्शयाञ्चकर्थ | वर्शयाञ्चकथुः | वर्शयाञ्चक |
| | वर्शयाञ्चकार-चकर | वर्शयाञ्चकृव | वर्शयाञ्चकृम |
| | वर्शयाम्बभूव | वर्शयामास | |
| आ० | वर्शयात् | वर्शयास्ताम् | वर्शयसुः |
| | वर्शयाः | वर्शयास्तम् | वर्शयस्त |
| | वर्शयासम् | वर्शयास्व | वर्शयाम्म |
| श्र० | वर्शयिता | वर्शयितारौ | वर्शयितारः |
| | वर्शयितासि | वर्शयितास्थः | वर्शयितास्थ |
| | वर्शयितास्मि | वर्शयितास्वः | वर्शयितारमः |
| भ० | वर्शयिष्यति | वर्शयिष्यतः | वर्शयिष्यन्ति |
| | वर्शयिष्यसि | वर्शयिष्यथः | वर्शयिष्यथ |
| | वर्शयिष्यामि | वर्शयिष्यावः | वर्शयिष्यामः |
| क्रि० | अवर्शयिष्यत् | अवर्शयिष्यताम् | अवर्शयिष्यन् |
| | अवर्शयिष्यः | अवर्शयिष्यतम् | अवर्शयिष्यत |
| | अवर्शयिष्यम् | अवर्शयिष्याव | अवर्शयिष्याम |

फ, १३६) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया १०८१)

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० वशयते | वशयेते | वशयन्ते |
| वशयसे | वशयेथे | वशयध्वे |
| वशये | वशयावहे | वशयामहे |
| स० वशयेत | वशयेताम् | वशयेरन् |
| वशयेथाः | वशयेथाम् | वशयेध्वम् |
| वशयेय | वशयेवहि | वशयेमहि |
| प० वशयताम् | वशयेताम् | वशयन्ताम् |
| वशयस्व | वशयेथाम् | वशयध्वम् |
| वशये | वशयावहे | वशयामहे |
| ह्य० अवशयत | अवशयेताम् | अवशयन्त |
| अवशयथाः | अवशयेथाम् | अवशयध्वम् |
| अवशये | अवशयावहि | अवशयामहि |
| अ० अवीवृशत | अवीवृशेताम् | अवीवृशन्त |
| अवीवृशथाः | अवीवृशेथाम् | अवीवृशध्वम् |
| अवीवृशे | अवीवृशावहि | अवीवृशामहि |
| अववशत | अववशेताम् | अववशन्त इ० |
| प० वशयाञ्चक्रे | वशयाञ्चक्राते | वशयाञ्चक्रिरे |
| वशयाञ्चकृषे | वशयाञ्चक्राथे | वशयाञ्चकृद्वे |
| वशयाञ्चके | वशयाञ्चकृवहे | वशयाञ्चकृमहे |
| वशयाम्बभूव | वशयामास | |
| आ० वशयिषीष्ट | वशयिषीयास्ताम् | वशयिषीरन् |
| वशयिषीष्टाः | वशयिषीयास्थाम् | वशयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| वशयिषीय | वशयिषीवहि | वशयिषीमहि |
| श्र० वशयिता | वशयितागै | वशयितारः |
| वशयितासे | वशयितासाथे | वशयिताध्वे |
| वशयिताहे | वशयितास्वहे | वशयितास्महे |
| भ० वशयिष्यते | वशयिष्येते | वशयिष्यन्ते |
| वशयिष्यसे | वशयिष्येथे | वशयिष्यध्वे |
| वशयिष्ये | वशयिष्यावहे | वशयिष्यामहे |
| क्रि० अवशयिष्यत | अवशयिष्येताम् | अवशयिष्यन्त |
| अवशयिष्यथाः | अवशयिष्येथाम् | अवशयिष्यध्वम् |
| अवशयिष्ये | अवशयिष्यावहि | अवशयिष्यामहि |

1207 कृशच्. (कृश्) तनुत्वे

| | | |
|-----------------|---------------|--------------|
| व० कशयति | कशयतः | कशयन्ति |
| कशयसि | कशयथः | कशयथ |
| कशयामि | कशयावः | कशयामः |
| स० कशयेत् | कशयेताम् | कशयेयुः |
| कशयेः | कशयेताम् | कशयेत |
| कशयेयम् | कशयेव | कशरेम |
| प० कशयितु | कशयितात् | कशयन्तु |
| कशय | कशयतात् | कशयत |
| कशयानि | कशयाव | कशयाम |
| ह्य० अकशयत् | अकशयताम् | अकशयन् |
| अकशयः | अकशयतम् | अकशयत |
| अकशयम् | अकशयाव | अकशयाम |
| अ० अचीकृशत् | अचीकृशताम् | अचीकृशन् |
| अचीकृशः | अचीकृशतम् | अचीकृशत |
| अचीकृशम् | अचीकृशाव | अचीकृशाम |
| अचकशत् | अचकशताम् | अचकशन् इ० |
| प० कशयाञ्चकार | कशयाञ्चक्रतुः | कशयाञ्चक्रुः |
| कशयाञ्चकथं | कशयाञ्चकथुः | कशयाञ्चक्र |
| कशयाञ्चकार-चकर | कशयाञ्चक्रव | कशयाञ्चक्रम् |
| कशयाम्बभूव | कशयामास | |
| आ० कशयित् | कशयिताम् | कशयिषुः |
| कशयिः | कशयितम् | कशयिस्त |
| कशयसम् | कशयिस्व | कशयिस्म |
| श्र० कशयिता | कशयितारौ | कशयितारः |
| कशयितासि | कशयितास्थः | कशयितास्थ |
| कशयितास्मि | कशयितास्वः | कशयितास्मः |
| भ० कशयिष्यति | कशयिष्यतः | कशयिष्यन्ति |
| कशयिष्यसि | कशयिष्यथः | कशयिष्यथ |
| कशयिष्यामि | कशयिष्यावः | कशयिष्यामः |
| क्रि० अकशयिष्यत | अकशयिष्यताम् | अकशयिष्यन् |
| अकशयिष्यः | अकशयिष्यतम् | अकशयिष्यत |
| अकशयिष्यम् | अकशयिष्याव | अकशयिष्याम |

(१०८२)

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० कर्शयते | कर्शयेते | कर्शयन्ते |
| कर्शयसे | कर्शयेथे | कर्शयेध्वे |
| कर्शये | कर्शयावहे | कर्शयामहे |
| स० कर्शयत | कर्शयेयाताम् | कर्शयेरन् |
| कर्शयथाः | कर्शयेयाथाम् | कर्शयेध्वम् |
| कर्शयेय | कर्शयेवहि | कर्शयेमहि |
| प० कर्शयताम् | कर्शयेताम् | कर्शयन्ताम् |
| कर्शयस्व | कर्शयेथाम् | कर्शयेध्वम् |
| कर्शये | कर्शयावहे | कर्शयामहे |
| ह्य० अकर्शयत | अकर्शयेताम् | अकर्शयन्त |
| अकर्शयथाः | अकर्शयेथाम् | अकर्शयेध्वम् |
| अकर्शये | अकर्शयावहि | अकर्शयामहि |
| अ० अचीकृशत | अचीकृशेताम् | अचीकृशन्त |
| अचीकृशथाः | अचीकृशेथाम् | अचीकृशध्वम् |
| अचीकृशे | अचीकृशावहि | अचीकृशामहि |
| अचकर्शत | अचकर्शेताम् | अचकर्शन्त इ० |
| प० कर्शयाञ्चक्रे | कर्शयाञ्चकाते | कर्शयाञ्चक्रिरे |
| कर्शयाञ्चकृषे | कर्शयाञ्चकृषे | कर्शयाञ्चकृद्वे |
| कर्शयाञ्चके | कर्शयाञ्चकृवहे | कर्शयाञ्चकृमहे |
| कर्शयाम्बभूव | कर्शयामास | |
| आ० कर्शयिषीष्ट | कर्शयिषीयास्ताम् | कर्शयिषीरन् |
| कर्शयिषीष्टाः | कर्शयिषीयास्याम् | कर्शयिषीद्वम् |
| कर्शयिषीय | कर्शयिषीवहि | कर्शयिषीमहि |
| श्व० कर्शयिता | कर्शयितागै | कर्शयितारः |
| कर्शयितासे | कर्शयितासाथे | कर्शयिताध्वे |
| कर्शयिताहे | कर्शयितास्वहे | कर्शयितास्महे |
| भ० कर्शयिष्यते | कर्शयिष्येते | कर्शयिष्यन्ते |
| कर्शयिष्यसे | कर्शयिष्येथे | कर्शयिष्यध्वे |
| कर्शयिष्ये | कर्शयिष्यावहे | कर्शयिष्यामहे |
| क्रि० अकर्शयिष्यत | अकर्शयिष्येताम् | अकर्शयिष्यन्त |
| अकर्शयिष्यथाः | अकर्शयिष्येथाम् | अकर्शयिष्यध्वम् |
| अकर्शयिष्ये | अकर्शयिष्यावहि | अकर्शयिष्यामहि |

॥ अथ षान्ता नव ॥

1208 शुषञ्च (शुष्) शोषणे ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० शोषयति | शोषयतः | शोषयन्ति |
| शोषयसि | शोषयथः | शोषयथ |
| शोषयामि | शोषयावः | शोषयामः |
| स० शोषयेत् | शोषयेताम् | शोषयेयुः |
| शोषयेः | शोषयेतम् | शोषयेत |
| शोषयेयम् | शोषयेव | शोषयेम |
| प० शोषयतु | शोषयतात् | शोषयताम् |
| शोषय | शोषयतात् | शोषयतम् |
| शोषयाणि | शोषयाव | शोषयाम |
| ह्य० अशोषयत् | अशोषयताम् | अशोषयन् |
| अशोषयः | अशोषयतम् | अशोषयत |
| अशोषयम् | अशोषयाव | अशोषयाम |
| भ० अशुशुषत् | अशुशुषताम् | अशुशुषन् |
| अशुशुषः | अशुशुषतम् | अशुशुषत |
| अशुशुषम् | अशुशुषाव | अशुशुषाम |
| प० शोषयाञ्चकार | शोषयाञ्चक्रतुः | शोषयाञ्चक्रुः |
| शोषयाञ्चकथं | शोषयाञ्चकथुः | शोषयाञ्चक |
| शोषयाञ्चकार-चकर | शोषयाञ्चकृव | शोषयाञ्चकृम |
| शोषयाम्बभूव | शोषयामास | |
| आ० शोष्यात् | शोष्यास्ताम् | शोष्यासुः |
| शोष्याः | शोष्यास्तम् | शोष्यास्त |
| शोष्यासम् | शोष्यास्व | शोष्यास्म |
| श्व० शोषयिता | शोषयितारौ | शोषयितारः |
| शोषयितासि | शोषयितास्थः | शोषयितास्थ |
| शोषयितास्मि | शोषयितास्वः | शोषयितास्मः |
| भ० शोषयिष्यति | शोषयिष्यतः | शोषयिष्यन्ति |
| शोषयिष्यसि | शोषयिष्यथः | शोषयिष्यथ |
| शोषयिष्यामि | शोषयिष्यावः | शोषयिष्यामः |
| क्रि० अशोषयिष्यत् | अशोषयिष्यताम् | अशोषयिष्यन् |
| अशोषयिष्यः | अशोषयिष्यतम् | अशोषयिष्यत |
| अशोषयिष्यम् | अशोषयिष्याव | अशोषयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| ब० शोषयते | शोषयेते | शोषयन्ते |
| शोषयसे | शोषयेथे | शोषयध्वे |
| शोषये | शोषयावहे | शोषयामहे |
| स० शोषयेत | शोषयेयाताम् | शोषयेरन् |
| शोषयेथाः | शोषयेथायाम् | शोषयेध्वम् |
| शोषयेथ | शोषयेवहि | शोषयेमहि |
| प० शोषयताम् | शोषयेताम् | शोषयन्ताम् |
| शोषयस्व | शोषयेथाम् | शोषयध्वम् |
| शोषये | शोषयावहे | शोषयामहे |
| ह्य० अशोषयत | अशोषयेताम् | अशोषयन्त |
| अशोषयथाः | अशोषयेथाम् | अशोषयध्वम् |
| अशोषये | अशोषयावहि | अशोषयामहि |
| अ० अशुषयत | अशुषयेताम् | अशुषयन्त |
| अशुषयथाः | अशुषयेथाम् | अशुषयध्वम् |
| अशुषये | अशुषयावहि | अशुषयामहि |
| प० शोषयाञ्चक्रे | शोषयाञ्चकाते | शोषयाञ्चक्रिरे |
| शोषयाञ्चकृषे | शोषयाञ्चक्राथे | शोषयाञ्चकृद्वे |
| शोषयाञ्चक्रे | शोषयाञ्चकृवहे | शोषयाञ्चकृमहे |
| शोषयाञ्चभूव । शोषयामास | | |
| आ० शोषयिषीष्ट | शोषयिषीयास्ताम् | शोषयिषीरन् |
| शोषयिषीष्ठाः | शोषयिषीयास्थाम् | शोषयिषीध्वम् |
| शोषयिषीय | शोषयिषीवहि | शोषयिषीमहि |
| भ० शोषयिता | शोषयितारौ | शोषयितारः |
| शोषयितासे | शोषयितासाथे | शोषयिताध्वे |
| शोषयिताहे | शोषयितास्वहे | शोषयितामहे |
| भ० शोषयिष्यते | शोषयिष्येते | शोषयिष्यन्ते |
| शोषयिष्यसे | शोषयिष्येथे | शोषयिष्यध्वे |
| शोषयिष्ये | शोषयिष्यावहे | शोषयिष्यामहे |
| क्रि० अशोषयिष्यत | अशोषयिष्येताम् | अशोषयिष्यन्त |
| अशोषयिष्यथाः | अशोषयिष्येथाम् | अशोषयिष्यध्वम् |
| अशोषयिष्ये | अशोषयिष्यावहि | अशोषयिष्यामहि |

1209 दुषच् (दुष्) वैकृत्ये ।

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| ब० दूषयति | दूषयतः | दूषयन्ति |
| दूषयसि | दूषयथः | दूषयथ |
| दूषयामि | दूषयावः | दूषयामः |
| स० दूषयेत् | दूषयेताम् | दूषयेयुः |
| दूषयेः | दूषयेतम् | दूषयेत |
| दूषयेयम् | दूषयेव | दूषयेम |
| प० दूषयतु | दूषयतात् | दूषयताम् |
| दूषय | दूषयतात् | दूषयतम् |
| दूषयाणि | दूषयाव | दूषयाम |
| ह्य० अदूषयत् | अदूषयताम् | अदूषयन् |
| अदूषयः | अदूषयतम् | अदूषयत |
| अदूषयम् | अदूषयाव | अदूषयाम |
| अ० अदूषयत् | अदूषयताम् | अदूषयन् |
| अदूषयः | अदूषयतम् | अदूषयत |
| अदूषयम् | अदूषयाव | अदूषयाम |
| प० दूषयाञ्चकार | दूषयाञ्चकतुः | दूषयाञ्चकः |
| दूषयाञ्चकथं | दूषयाञ्चकथुः | दूषयाञ्चक |
| दूषयाञ्चकार-चकर | दूषयाञ्चकव | दूषयाञ्चकम् |
| दूषयाञ्चभूव । दूषयामास | | |
| आ० दूष्यात् | दूष्यास्ताम् | दूष्यासुः |
| दूष्याः | दूष्यास्तम् | दूष्यास्त |
| दूष्यासम् | दूष्यास्व | दूष्यास्म |
| भ० दूषयितः | दूषयितारौ | दूषयितारः |
| दूषयितासि | दूषयितास्थः | दूषयितास्थ |
| दूषयितास्मि | दूषयितास्वः | दूषयितास्मः |
| भ० दूषयिष्यति | दूषयिष्यतः | दूषयिष्यन्ति |
| दूषयिष्यसि | दूषयिष्यथः | दूषयिष्यथ |
| दूषयिष्यामि | दूषयिष्यावः | दूषयिष्यामः |
| क्रि० अदूषयिष्यत् | अदूषयिष्यताम् | अदूषयिष्यन् |
| अदूषयिष्यः | अदूषयिष्यतम् | अदूषयिष्यत |
| अदूषयिष्यम् | अदूषयिष्याव | अदूषयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० दूषयते | दूषयेते | दूषयन्ते |
| दूषयसे | दूषयेथे | दूषयध्वे |
| दूषये | दूषयावहे | दूषयामहे |
| स० दूषयेत | दूषयेयाताम् | दूषयेरन् |
| दूषयेथाः | दूषयेयाथाम् | दूषयेध्वम् |
| दूषयेय | दूषयेवहि | दूषयेमहि |
| प० दूषयेताम् | दूषयेताम् | दूषयन्ताम् |
| दूषयस्व | दूषयेथाम् | दूषयध्वम् |
| दूषयै | दूषयावहे | दूषयामहे |
| ह्य० अदूषयत | अदूषयेताम् | अदूषयन्त |
| अदूषयथाः | अदूषयेथाम् | अदूषयध्वम् |
| अदूषये | अदूषयावहि | अदूषयामहि |
| अ० अदूषयत | अदूषयेताम् | अदूषयन्त |
| अदूषयथाः | अदूषयेथाम् | अदूषयध्वम् |
| अदूषये | अदूषयावहि | अदूषयामहि |
| प० दूषयाञ्चक्रे | दूषयाञ्चकृते | दूषयाञ्चक्रिरे |
| दूषयाञ्चकृषे | दूषयाञ्चकृत्ये | दूषयाञ्चकृद्वे |
| दूषयाञ्चक्रे | दूषयाञ्चकृवहे | दूषयाञ्चकृमहे |
| दूषयाम्बभूव | । दूषयामास | |
| आ० दूषयिषीष्ट | दूषयिषीयास्ताम् | दूषयिषीरन् |
| दूषयिषीष्ठाः | दूषयिषीयास्याम् | दूषयिषीध्वम् |
| दूषयिषीय | दूषयिषीवहि | दूषयिषीमहि |
| श्व० दूषयिता | दूषयितारौ | दूषयितारः |
| दूषयितासे | दूषयितासाथे | दूषयिताध्वे |
| दूषयिताहे | दूषयितास्वहे | दूषयितास्महे |
| भ० दूषयिष्यते | दूषयिष्येते | दूषयिष्यन्ते |
| दूषयिष्यसे | दूषयिष्येथे | दूषयिष्यध्वे |
| दूषयिष्ये | दूषयिष्यावहे | दूषयिष्यामहे |
| क्रि० अदूषयिष्यत | अदूषयिष्येताम् | अदूषयिष्यन्त |
| अदूषयिष्यथाः | अदूषयिष्येथाम् | अदूषयिष्यध्वम् |
| अदूषयिष्ये | अदूषयिष्यावहि | अदूषयिष्यामहि |

चित्ते वा दूषयति दोषयति ।

210 श्लिषन् (श्लिष्) आलिङ्गने । 531 श्लिषूवदूषाणि

211 श्लिषू (श्लिष्) दाहे । 533 श्लिषूवदूषाणि

1212 जितृषच् (तृष्) पिपासायाम् ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० तर्षयति | तर्षयतः | तर्षयन्ति |
| तर्षयसि | तर्षयथः | तर्षयध्व |
| तर्षयामि | तर्षयानः | तर्षयामः |
| स० तर्षयेत् | तर्षयेताम् | तर्षयेयुः |
| तर्षयेः | तर्षयेतम् | तर्षयेत |
| तर्षयेयम् | तर्षयेव | तर्षयेम |
| प० तर्षयतु | तर्षयतात् | तर्षयताम् |
| तर्षय | तर्षयतात् | तर्षयतम् |
| तर्षयाणि | तर्षयाव | तर्षयाम |
| ह्य० अतर्षयत् | अतर्षयताम् | अतर्षयन् |
| अतर्षयः | अतर्षयतम् | अतर्षयत |
| अतर्षयम् | अतर्षयाव | अतर्षयाम |
| अ० अतीतृषत् | अतीतृषताम् | अतीतृषन् |
| अतीतृषः | अतीतृषतम् | अतीतृषत |
| अतीतृषम् | अतीतृषाव | अतीतृषाम |
| अततर्षत् | अततर्षताम् | अततर्षन् इ० |
| प० तर्षयाञ्चकार | तर्षयाञ्चकृतुः | तर्षयाञ्चक्रुः |
| तर्षयाञ्चकथं | तर्षयाञ्चकथुः | तर्षयाञ्चक |
| तर्षयाञ्चकार-चकर | तर्षयाञ्चकृव | तर्षयाञ्चकृम |
| तर्षयाम्बभूव | । तर्षयामास | |
| आ० तर्ष्यात् | तर्ष्यास्ताम् | तर्ष्यासुः |
| तर्ष्याः | तर्ष्यास्तम् | तर्ष्यास्त |
| तर्ष्यासम् | तर्ष्यास्व | तर्ष्यास्म |
| श्व० तर्षयिता | तर्षयितारौ | तर्षयितारः |
| तर्षयितासि | तर्षयितास्थः | तर्षयितास्थ |
| तर्षयितास्मि | तर्षयितास्वः | तर्षयितास्मः |
| भ० तर्षयिष्यति | तर्षयिष्यतः | तर्षयिष्यन्ति |
| तर्षयिष्यसि | तर्षयिष्यथः | तर्षयिष्यध्व |
| तर्षयिष्यामि | तर्षयिष्यावः | तर्षयिष्यामः |
| क्रि० अतर्षयिष्यत् | अर्षयिष्यताम् | अतर्षयिष्यन् |
| अतर्षयिष्यः | अतर्षयिष्यतम् | अतर्षयिष्यत |
| अतर्षयिष्यम् | अतर्षयिष्याव | अतर्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | तर्षयते | तर्षयेते | तर्षयन्ते |
| | तर्षयसे | तर्षयेथे | तर्षयध्वे |
| | तर्षये | तर्षयावहे | तर्षयामहे |
| स० | तर्षयेत | तर्षयेयाताम् | तर्षयेरन् |
| | तर्षयेथाः | तर्षयेयाथाम् | तर्षयेध्वम् |
| | तर्षयेथ | तर्षयेवहि | तर्षयेमहि |
| प० | तर्षयेताम् | तर्षयेताम् | तर्षयन्ताम् |
| | तर्षयस्व | तर्षयेथाम् | तर्षयध्वम् |
| | तर्षये | तर्षयावहे | तर्षयामहे |
| ह्य० | अतर्षयत | अतर्षयेताम् | अतर्षयन्त |
| | अतर्षयथाः | अतर्षयेथाम् | अर्षयध्वम् |
| | अतर्षये | अतर्षयावहि | अतर्षयामहि |
| अ० | अतीतृषत | अतीतृषेताम् | अतीतृषन्त |
| | अतीतृषथाः | अतीतृषेथाम् | अतीतृषध्वम् |
| | अतीतृषे | अतीतृषावहि | अतीतृषामहि |
| | अततर्षत | अततर्षेतम् | अततर्षन्त इ० |
| प० | तर्षयाञ्चके | तर्षयाञ्चकाते | तर्षयाञ्चकिरे |
| | तर्षयाञ्चकृषे | तर्षयाञ्चक्राथे | तर्षयाञ्चकृध्वे |
| | तर्षयाञ्चके | तर्षयाञ्चकृवहे | तर्षयाञ्चकृमहे |
| | तर्षयाम्बभूव | । तर्षयामास | |
| आ० | तर्षयिषीष्ट | तर्षयिषीयास्ताम् | तर्षयिषीरन् |
| | तर्षयिषीष्ठाः | तर्षयिषीयास्थाम् | तर्षयिषीह्वम् |
| | तर्षयिषीय | तर्षयिषीवहि | तर्षयिषीमहि |
| श्च० | तर्षयिता | तर्षयितारौ | तर्षयितारः |
| | तर्षयितासे | तर्षयितासाथे | तर्षयिताध्वे |
| | तर्षयिताहे | तर्षयितास्वहे | तर्षयितास्महे |
| भ० | तर्षयिष्यते | तर्षयिष्येते | तर्षयिष्यन्ते |
| | तर्षयिष्यसे | तर्षयिष्येथे | तर्षयिष्यध्वे |
| | तर्षयिष्ये | तर्षयिष्यावहे | तर्षयिष्यामहे |
| क्रि० | अतर्षयिष्यत | अतर्षयिष्येताम् | अतर्षयिष्यन्त |
| | अतर्षयिष्यथाः | अतर्षयिष्येथाम् | अतर्षयिष्यध्वम् |
| | अतर्षयिष्ये | अतर्षयिष्यावहि | अतर्षयिष्यामहि |

1213 तुपञ्च (तुष्) तुष्टौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | तोषयति | तोषयतः | तोषयन्ति |
| | तोषयसि | तोषयथः | तोषयथ |
| | तोषयामि | तोषयावः | तोषयामः |
| स० | तोषयेत् | तोषयेताम् | तोषयेयुः |
| | तोषयेः | तोषयेतम् | तोषयेत |
| | तोषयेयम् | तोषयेव | तोषयेम |
| प० | तोषयतु | तोषयतात् | तोषयन्तु |
| | तोषय | तोषयतात् | तोषयत |
| | तोषयाणि | तोषयाव | तोषयाम |
| ह्य० | अतोषयत् | अतोषयताम् | अतोषयन् |
| | अतोषयः | अतोषयतम् | अतोषयत |
| | अतोषयम् | अतोषयाव | अतोषयाम |
| अ० | अतुपुषत् | अतुपुषताम् | अतुपुषन् |
| | अतुपुषः | अतुपुषतम् | अतुपुषत |
| | अतुपुषम् | अतुपुषाव | अतुपुषाम |
| प० | तोषयाञ्चकार | तोषयाञ्चकतुः | तोषयाञ्चकुः |
| | तोषयाञ्चकथ्य | तोषयाञ्चकथुः | तोषयाञ्चक |
| | तोषयाञ्चकार-चकर | तोषयाञ्चकृव | तोषयाञ्चकृम |
| | तोषयाम्बभूव | । तोषयामास | |
| आ० | तोष्यात् | तोष्यास्ताम् | तोष्यासुः |
| | तोष्याः | तोष्यास्तम् | तोष्यास्त |
| | तोष्यासम् | तोष्यास्व | तोष्यास्म |
| श्च० | तोषयिता | तोषयितारौ | तोषयितारः |
| | तोषयितासि | तोषयितास्थः | तोषयितास्थ |
| | तोषयितास्मि | तोषयितास्वः | तोषयितास्मः |
| भ० | तोषयिष्यति | तोषयिष्यतः | तोषयिष्यन्ति |
| | तोषयिष्यसि | तोषयिष्यथः | तोषयिष्यथ |
| | तोषयिष्यामि | तोषयिष्यावः | तोषयिष्यामः |
| क्रि० | अतोषयिष्यत् | अतोषयिष्यताम् | अतोषयिष्यन् |
| | अतोषयिष्यः | अतोषयिष्यतम् | अतोषयिष्यत |
| | अतोषयिष्यम् | अतोषयिष्याव | अतोषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--|-----------------|-----------------|
| ब० | तोषयते | तोषयेते | तोषयन्ते |
| | तोषयसे | तोषयेथे | तोषयध्वे |
| | तोषये | तोषयावहे | तोषयामहे |
| स० | तोषयेत | तोषयेयाताम् | तोषयेरन् |
| | तोषयेथाः | तोषयेयाथाम् | तोषयेध्वम् |
| | तोषयेय | तोषयेवहि | तोषयेमहि |
| प० | तोषयताम् | तोषयताम् | तोषयन्ताम् |
| | तोषयस्व | तोषयेथाम् | तोषयध्वम् |
| | तोषयै | तोषयावहे | तोषयामहे |
| ह्य० | अतोषयत | अतोषयेताम् | अतोषयन्त |
| | अतोषयथाः | अतोषयेथाम् | अतोषयध्वम् |
| | अतोषये | अतोषयावहि | अतोषयामहि |
| अ० | अतूषयत | अतूषयेताम् | अतूषयन्त |
| | अतूषयथाः | अतूषयेथाम् | अतूषयध्वम् |
| | अतूषये | अतूषयावहि | अतूषयामहि |
| प० | तोषयाञ्चके | तोषयाञ्चकते | तोषयाञ्चकिरे |
| | तोषयाञ्चकृषे | तोषयाञ्चकृथे | तोषयाञ्चकृध्वे |
| | तोषयाञ्चके | तोषयाञ्चकृवहे | तोषयाञ्चकृमहे |
| | तोषयाम्बभूव | । तोषयामास | |
| आ० | तोषयिषीष्ट | तोषयिषीयास्ताम् | तोषयिषीरन् |
| | तोषयिषीष्ठाः | तोषयिषीयास्थाम् | तोषयिषीध्वम् |
| | तोषयिषीय | तोषयिषीवहि | तोषयिषीमहि |
| श्व० | तोषयिता | तोषयितारौ | तोषयितारः |
| | तोषयितासे | तोषयितासाथे | तोषयिताध्वे |
| | तोषयिताहे | तोषयितास्वहे | तोषयितास्महे |
| भ० | तोषयिष्यते | तोषयिष्येते | तोषयिष्यन्ते |
| | तोषयिष्यसे | तोषयिष्येथे | तोषयिष्यध्वे |
| | तोषयिष्ये | तोषयिष्य्यावहे | तोषयिष्य्यामहे |
| क्रि० | अतोषयिष्यत | अतोषयिष्येताम् | अतोषयिष्यन्त |
| | अतोषयिष्यथाः | अतोषयिष्येथाम् | अतोषयिष्यध्वम् |
| | अतोषयिष्ये | अतोषयिष्य्यावहि | अतोषयिष्य्यामहि |
| | 1214 ह्रस्व (ह्रस्व) तुष्टौ । 535 ह्रस्वद्वूपाणि | | |
| | 1215 ह्रस्व (ह्रस्व) रोषे । 514 ह्रस्वद्वूपाणि | | |

1216 ल्युषच् (ल्युष्) विभागे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | ल्योषयति | ल्योषयतः | ल्योषयन्ति |
| | ल्योषयसि | ल्योषयथः | ल्योषयथ |
| | ल्योषयामि | ल्योषयावः | ल्योषयामः |
| स० | ल्योषयेत् | ल्योषयेताम् | ल्योषयेयुः |
| | ल्योषये | ल्योषयेतम् | ल्योषयेत |
| | ल्योषयेयम् | ल्योषयेव | ल्योषयेम |
| प० | ल्योषयतु | ल्योषयतात् | ल्योषयन्तु |
| | ल्योषय | ल्योषयतात् | ल्योषयतम् |
| | ल्योषयाणि | ल्योषयाव | ल्योषयाम |
| ह्य० | अल्योषयत् | अल्योषयताम् | अल्योषयन्त |
| | अल्योषयः | अल्योषयतम् | अल्योषयत |
| | अल्योषयम् | अल्योषयाव | अल्योषयाम |
| अ० | अपुल्युषत् | अपुल्युषताम् | अपुल्युषन् |
| | अपुल्युषः | अपुल्युषतम् | अपुल्युषत |
| | अपुल्युषम् | अपुल्युषाव | अपुल्युषाम |
| प० | ल्योषयाञ्चकार | ल्योषयाञ्चकतुः | ल्योषयाञ्चकुः |
| | ल्योषयाञ्चकृषे | ल्योषयाञ्चकृथुः | ल्योषयाञ्चक |
| | ल्योषयाञ्चकार-चकर | ल्योषयाञ्चकृव | ल्योषयाञ्चकृम |
| | ल्योषयाम्बभूव | । ल्योषयामास | |
| आ० | ल्योष्यात् | ल्योष्यास्ताम् | ल्योष्यास्तुः |
| | ल्योष्याः | ल्योष्यास्तम् | ल्योष्यास्त |
| | ल्योष्यासम् | ल्योष्यास्व | ल्योष्यास्म |
| श्व० | ल्योषयिता | ल्योषयितारौ | ल्योषयितारः |
| | ल्योषयितासि | ल्योषयितास्थः | ल्योषयितास्थ |
| | ल्योषयितास्मि | ल्योषयितासः | ल्योषयितास्मः |
| भ० | ल्योषयिष्यति | ल्योषयिष्यतः | ल्योषयिष्यन्ति |
| | ल्योषयिष्यसि | ल्योषयिष्यथः | ल्योषयिष्यथ |
| | ल्योषयिष्यामि | ल्योषयिष्यावः | ल्योषयिष्यामः |
| क्रि० | अल्योषयिष्यत् | अल्योषयिष्यताम् | अल्योषयिष्यन्त |
| | अल्योषयिष्यः | अल्योषयिष्यतम् | अल्योषयिष्यत |
| | अल्योषयिष्यम् | अल्योषयिष्याव | अल्योषयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | प्योषयते | प्योषयेते | प्योषयन्ते |
| | प्योषयसे | प्योषयेधे | प्योषयध्वे |
| | प्योषये | प्योषयावहे | प्योषयामहे |
| स० | प्योषयेत | प्योषयेयाताम् | प्योषयेरन् |
| | प्योषयेथाः | प्योषयेयाथाम् | प्योषयेध्वम् |
| | प्योषयेय | प्योषयेवहि | प्योषयेमहि |
| प० | प्योषयताम् | प्योषयेताम् | प्योषयन्ताम् |
| | प्योषयस्व | प्योषयेथाम् | प्योषयध्वम् |
| | प्योषये | प्योषयावहे | प्योषयामहे |
| ह्य० | अप्योषयत | अप्योषयेताम् | अप्योषयन्त |
| | अप्योषयथाः | अप्योषयेथाम् | अप्योषयध्वम् |
| | अप्योषये | अप्योषयावहि | अप्योषयामहि |
| अ० | अप्युष्यत | अप्युष्येताम् | अप्युष्यन्त |
| | अप्युष्यथाः | अप्युष्येथाम् | अप्युष्यध्वम् |
| | अप्युष्ये | अप्युष्यावहि | अप्युष्यामहि |
| प० | प्योषयाञ्चक्रे | प्योषयाञ्चक्राते | प्योषयाञ्चकिरे |
| | प्योषयाञ्चकृषे | प्योषयाञ्चक्राये | प्योषयाञ्चकृद्वे |
| | प्योषयाञ्चक्रे | प्योषयाञ्चकृवहे | प्योषयाञ्चकृमहे |
| | प्योषयाम्बभूव | । प्योषयामास | |
| आ० | प्योषयिषीष्ट | प्योषयिषीयास्ताम् | प्योषयिषीरन् |
| | प्योषयिषीष्टाः | प्योषयिषीयास्थाम् | प्योषयिषीद्वम |
| | प्योषयिषीय | प्योषयिषीवहि | प्योषयिषीमहि |
| श्व० | प्योषयिता | प्योषयितारौ | प्योषयितारः |
| | प्योषयितासे | प्योषयितासाथे | प्योषयिताध्वे |
| | प्योषयिताहे | प्योषयितास्वहे | प्योषयितास्महे |
| भ० | प्योषयिष्यते | प्योषयिष्येते | प्योषयिष्यन्ते |
| | प्योषयिष्यसे | प्योषयिष्येधे | प्योषयिष्यध्वे |
| | प्योषयिष्ये | प्योषयिष्यावहे | प्योषयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्योषयिष्यत | अप्योषयिष्येताम् | अप्योषयिष्यन्त |
| | अप्योषयिष्यथाः | अप्योषयिष्येथाम् | अप्योषयिष्यध्वम् |
| | अप्योषयिष्ये | अप्योषयिष्यावहि | अप्योषयिष्यामहि |

॥ अथ सान्ताह्नयोदश ॥

1217 प्युसच् [प्युस्] विभागे । 173 प्युसच् वृद्धाणि

1218 पुसच् (पुस्) विभागे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | पोसयति | पोसयतः | पोसयन्ति |
| | पोसयसि | पोसयथः | पोसयथ |
| | पोसयामि | पोसयावः | पोसयामः |
| स० | पोसयेत् | पोसयेताम् | पोसयेयुः |
| | पोसयेः | पोसयेतम् | पोसयेत |
| | पोसयेथम् | पोसयेव | पोसयेम |
| प० | पोसयतु | पोसयतात् | पोसयताम |
| | पोसय | पोसयतात् | पोसयतम् |
| | पोसयानि | पोसयाव | पोसयाम |
| ह्य० | अपोसयत् | अपोसयताम् | अपोसयन् |
| | अपोसयः | अपोसयतम् | अपोसयत |
| | अपोसयम् | अपोसयाव | अपोसयाम |
| अ० | अपूपुसत् | अपूपुसताम् | अपूपुसन् |
| | अपूपुसः | अपूपुसतम् | अपूपुसत |
| | अपूपुसम् | अपूपुसाव | अपूपुसाम |
| प० | पोसयाञ्चकार | पोसयाञ्चक्रतुः | पोसयाञ्चक्रुः |
| | पोसयाञ्चकृषी | पोसयाञ्चकृथुः | पोसयाञ्चकृ |
| | पोसयाञ्चकार-चक्र | पोसयाञ्चकृव | पोसयाञ्चकृम |
| | पोसयाम्बभूव | । पोसयामास | |
| आ० | पोस्यत् | पोस्यास्ताम् | पोस्यासुः |
| | पोस्थाः | पोस्यास्तम् | पोस्यस्त |
| | पोस्थासम् | पोस्थास्व | पोस्थास्म |
| श्व० | पोसयिता | पोसयितारौ | पोसयितारः |
| | पोसयितासि | पोसयितास्थः | पोसयितास्थ |
| | पोसयितास्मि | पोसयितास्वः | पोसयितास्मः |
| भ० | पोसयिष्यति | पोसयिष्यतः | पोसयिष्यन्ति |
| | पोसयिष्यसि | पोसयिष्यथः | पोसयिष्यथ |
| | पोसयिष्यामि | पोसयिष्यावः | पोसयिष्यामः |
| क्रि० | अपोसयिष्यत् | अपोसयिष्यताम् | अपोसयिष्यन् |
| | अपोसयिष्यः | अपोसयिष्यतम् | अपोसयिष्यत |
| | अपोसयिष्यम् | अपोसयिष्याव | अपोसयिष्याम |

(१०८८) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | पोसयते | पोसयेते | पोसयन्ते |
| | पोसयसे | पोसयेथे | पोसयध्वे |
| | पोसये | पोसयावहे | पोसयामहे |
| म० | पोसयेत | पोसयेयाताम् | पोसयेरन् |
| | पोसयेथाः | पोसयेयाथाम् | पोसयेध्वम् |
| | पोसयेय | पोसयेवहि | पोसयेमहि |
| प० | पोसयताम् | पोसयेताम् | पोसयन्ताम् |
| | पोसयस्व | पोसयेथाम् | पोसयध्वम् |
| | पोसयै | पोसयावहै | पोसयामहै |
| ह्य० | अपोसयत | अपोसयेताम् | अपोसयन्त |
| | अपोसयथाः | अपोसयेथाम् | अपोसयध्वम् |
| | अपोसये | अपोसयावहि | अपोसयामहि |
| अ० | अपूपुसत | अपूपुसेताम् | अपूपुसन्त |
| | अपूपुसथाः | अपूपुसेथाम् | अपूपुसध्वम् |
| | अपूपुसे | अपूपुसावहि | अपूपुसामहि |
| प० | पोसयाञ्चक्रे | पोसयाञ्चक्राते | पोसयाञ्चक्रिरे |
| | पोसयाञ्चकृषे | पोसयाञ्चक्राथे | पोसयाञ्चकृढ्वे |
| | पोसयाञ्चक्रे | पोसयाञ्चकृवहे | पोसयाञ्चकृमहे |
| | पोसयाञ्चभूव | पोसयामास | |
| आ० | पोसयिषीष्ट | पोसयिषीयास्ताम् | पोसयिषीरन् |
| | पोसयिषीष्टाः | पोसयिषीयास्थाम् | पोसयिषीढ्वम् |
| | पोसयिषीय | पोसयिषीवहि | पोसयिषीमहि |
| भ० | पोसयिता | पोसयितारौ | पोसयितारः |
| | पोसयितासे | पोसयितास्थे | पोसयिताध्वे |
| | पोसयिताहे | पोसयितास्वहे | पोसयितास्महे |
| भ० | पोसयिष्यते | पोसयिष्येते | पोसयिष्यन्ते |
| | पोसयिष्यसे | पोसयिष्येथे | पोसयिष्यध्वे |
| | पोसयिष्ये | पोसयिष्यावहे | पोसयिष्यामहे |
| क्रि० | अपोसयिष्यत | अपोसयिष्येताम् | अपोसयिष्यन्त |
| | अपोसयिष्यथाः | अपोसयिष्येथाम् | अपोसयिष्यध्वम् |
| | अपोसयिष्ये | अपोसयिष्यावहि | अपोसयिष्यामहि |

1219 विसच् (विसृ) प्रेरणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| ब० | वेसयति | वेसयतः | वेसयन्ति |
| | वेसयसि | वेसयथः | वेसयथ |
| | वेसयामि | वेसयावः | वेसयामः |
| स० | वेसयेत् | वेसयेताम् | वेसयेयुः |
| | वेसयेः | वेसयेतम् | वेसयेत |
| | वेसयेयम् | वेसयेव | वेसयेम |
| प० | वेसयतु | वेसयतात् | वेसयताम |
| | वेसय | वेसयतात् | वेसयतम् |
| | वेसयानि | वेसयाव | वेसयाम |
| ह्य० | अवेसयत् | अवेसयताम् | अवेसयन् |
| | अवेसयः | अवेसयतम् | अवेसयत |
| | अवेसयम् | अवेसयाव | अवेसयाम |
| अ० | अवीविसत् | अवीविसताम् | अवीविसन् |
| | अवीविसः | अवीविसतम् | अवीविसत |
| | अवीविसम् | अवीविसाव | अवीविसाम |
| प० | वेसयाञ्चकार | वेसयाञ्चक्रतुः | वेसयाञ्चक्रुः |
| | वेसयाञ्चकथं | वेसयाञ्चकथुः | वेसयाञ्चक्र |
| | वेसयाञ्चकार-चकर | वेसयाञ्चकृव | वेसयाञ्चकृम |
| | वेसयाञ्चभूव | वेसयामास | |
| आ० | वेस्यात् | वेस्यास्ताम् | वेस्यासुः |
| | वेस्याः | वेस्यास्तम् | वेस्यस्त |
| | वेस्यासम् | वेस्यास्व | वेस्यास्म |
| भ० | वेसयिता | वेसयितारौ | वेसयितारः |
| | वेसयितासि | वेसयितास्थः | वेसयितास्थ |
| | वेसयितास्मि | वेसयितास्वः | वेसयितास्मः |
| भ० | वेसयिष्यति | वेसयिष्यतः | वेसयिष्यन्ति |
| | वेसयिष्यसि | वेसयिष्यथः | वेसयिष्यथ |
| | वेसयिष्यामि | वेसयिष्यावः | वेसयिष्यामः |
| क्रि० | अवेसयिष्यत् | अवेसयिष्यताम् | अवेसयिष्यन् |
| | अवेसयिष्यः | अवेसयिष्यतम् | अवेसयिष्यत |
| | अवेसयिष्यम् | अवेसयिष्याव | अवेसयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | वेसयते | वेसयेते | वेसयन्ते |
| | वेसयसे | वेसयेथे | वेसयध्वे |
| | वेसये | वेसयानहे | वेसयामहे |
| स० | वेसयेत | वेसयेयाताम् | वेसयेरन् |
| | वेसयेथाः | वेसयेथाथाम् | वेसयेध्वम् |
| | वेसयेय | वेसयेवहि | वेसयेमहि |
| प० | वेसयताम् | वेसयेताम् | वेसयन्ताम् |
| | वेसयस्व | वेसयेथाम् | वेसयध्वम् |
| | वेसयै | वेसयावहै | वेसयामहै |
| ह्य० | अवेसयत | अवेसयेताम् | अवेसयन्त |
| | अवेसयथाः | अवेसयेथाम् | अवेसयध्वम् |
| | अवेसये | अवेसयावहि | अवेसयामहि |
| अ० | अवीविसत | अवीविसेताम् | अवीविसन्त |
| | अवीविसथाः | अवीविसेथाम् | अवीविसध्वम् |
| | अवीविसे | अवीविसावहि | अवीविसामहि |
| प० | वेसयाश्चक्रे | वेसयाश्चक्राते | वेसयाश्चक्रिरे |
| | वेसयाश्चकृषे | वेसयाश्चक्राथे | वेसयाश्चकृद्वे |
| | वेसयाश्चक्रे | वेसयाश्चकृवहे | वेसयाश्चकृमहे |
| | वेसयाम्बभूव | वेसयामास | |
| आ० | वेसयिषीष्ट | वेसयिषीयास्ताम् | वेसयिषीरन् |
| | वेसयिषीष्टाः | वेसयिषीयास्थां | वेसयिषीध्वम् |
| | वेसयिषीय | वेसयिषीवहि | वेसयिषीमहि |
| श्व० | वेसयिता | वेसयितारौ | वेसयितारः |
| | वेसयितासे | वेसयितासथे | वेसयिताध्वे |
| | वेसयिताहे | वेसयितास्वहे | वेसयितास्महे |
| भ० | वेसयिष्यते | वेसयिष्येते | वेसयिष्यन्ते |
| | वेसयिष्यसे | वेसयिष्येथे | वेसयिष्यध्वे |
| | वेसयिष्ये | वेसयिष्यावहे | वेसयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेसयिष्यत | अवेसयिष्येताम् | अवेसयिष्यन्त |
| | अवेसयिष्यथाः | अवेसयिष्येथाम् | अवेसयिष्यध्वम् |
| | अवेसयिष्ये | अवेसयिष्यावहि | अवेसयिष्यामहि |

1220 कुसच् (कुस्) लेवे ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | कोसयति | कोसयतः | कोसयन्ति |
| | कोसयसि | कोसयथः | कोसयथ |
| | कोसयामि | कोसयावः | कोसयामः |
| स० | कोसयेत् | कोसयेताम् | कोसयेयुः |
| | कोसयेः | कोसयेतम् | कोसयेत |
| | कोसयेयम् | कोसयेव | कोसयेम |
| प० | कोसयतु | कोसयतात् | कोसयताम |
| | कोसय | कोसयतात् | कोसयतम् |
| | कोसयानि | कोसयाव | कोसयाम |
| ह्य० | अकोसयत् | अकोसयताम् | अकोसयन् |
| | अकोसयः | अकोसयतम् | अकोसयत |
| | अकोसयम् | अकोसयाव | अकोसयाम |
| अ० | अचूकुसत् | अचूकुसताम् | अचूकुसन् |
| | अचूकुसः | अचूकुसतम् | अचूकुसत |
| | अचूकुसम् | अचूकुसाव | अचूकुसाम |
| प० | कोसयाश्चकार | कोसयाश्चक्रतुः | कोसयाश्चक्रुः |
| | कोसयाश्चक्री | कोसयाश्चक्रथुः | कोसयाश्चक्र |
| | कोसयाश्चकार-चकर | कोसयाश्चक्रव | कोसयाश्चक्रम |
| | कोसयाम्बभूव | कोसयामास | |
| आ० | कोस्यत् | कोस्यास्ताम् | कोस्यासुः |
| | कोस्याः | कोस्यास्तम् | कोस्यास्त |
| | कोस्यासम् | कोस्यास्व | कोस्यास्म |
| श्व० | कोसयिता | कोसयितारौ | कोसयितारः |
| | कोसयितासि | कोसयितास्थः | कोसयितास्थ |
| | कोसयितास्मि | कोसयितास्वः | कोसयितास्मः |
| भ० | कोसयिष्यति | कोसयिष्यतः | कोसयिष्यन्ति |
| | कोसयिष्यसि | कोसयिष्यथः | कोसयिष्यथ |
| | कोसयिष्यामि | कोसयिष्यावः | कोसयिष्यामः |
| क्रि० | अकोसयिष्यत् | अकोसयिष्यताम् | अकोसयिष्यन् |
| | अकोसयिष्यः | अकोसयिष्यतम् | अकोसयिष्यत |
| | अकोसयिष्यम् | अकोसयिष्याव | अकोसयिष्याम |

(१०९०) मुनिश्रोलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | कोसयते | कोसयेते | कोसयन्ते |
| | कोसयसे | कोसयेथे | कोसयध्वे |
| | कोसये | कोसयावहे | कोसयामहे |
| स० | कोसयेत | कोसयेयाताम् | कोसयेरन् |
| | कोसयेथाः | कोसयेयाथाम् | कोसयेध्वम् |
| | कोसयेय | कोसयेवहि | कोसयेमहि |
| प० | कोसयताम् | कोसयेताम् | कोसयन्ताम् |
| | कोसयस्व | कोसयेथाम् | कोसयध्वम् |
| | कोसये | कोसयावहे | कोसयामहे |
| ह्य० | अकोसयत | अकोसयेताम् | अकोसयन्त |
| | अकोसयथाः | अकोसयेथाम् | अकोसयध्वम् |
| | अकोसये | अकोसयावहि | अकोसयामहि |
| अ० | अचूकुसत | अचूकुसेताम् | अचूकुसन्त |
| | अचूकुसथाः | अचूकुसेथाम् | अचूकुसध्वम् |
| | अचूकुसे | अचूकुसावहि | अचूकुसामहि |
| प० | कोसयञ्चके | कोसयाञ्चकाते | कोसयाञ्चकिरे |
| | कोसयाञ्चकृषे | कोसयाञ्चक्राथे | कोसयाञ्चकृद्वे |
| | कोसयाञ्चके | कोसयाञ्चकृवहे | कोसयाञ्चकृमहे |
| | कोसयाञ्चभूव | कोसयाञ्चमा | |
| आ० | कोसयिषीष्ट | कोसयिषीयास्ताम् | कोसयिषीरन् |
| | कोसयिषीष्ठाः | कोसयिषीयास्थाम् | कोसयिषीध्वम् |
| | कोसयिषीय | कोसयिषीवहि | कोसयिषीमहि |
| श्च० | कोसयिता | कोसयितारौ | कोसयितारः |
| | कोसयितासे | कोसयितासाथे | कोसयिताध्वे |
| | कोसयिताहे | कोसयितास्वहे | कोसयितास्महे |
| अ० | कोसयिष्यते | कोसयिष्येते | कोसयिष्यन्ते |
| | कोसयिष्यसे | कोसयिष्येथे | कोसयिष्यध्वे |
| | कोसयिष्ये | कोसयिष्यावहे | कोसयिष्यामहे |
| क्रि० | अकोसयिष्यत | अकोसयिष्येताम् | अकोसयिष्यन्त |
| | अकोसयिष्यथाः | अकोसयिष्येथाम् | अकोसयिष्यध्वम् |
| | अकोसयिष्ये | अकोसयिष्यावहि | अकोसयिष्यामहि |

1221 असूच् (अस्) क्षेपणे । 932 असीवद्भूपाणि

1222 यमृच् (यस्) प्रयत्ने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | यासयति | यासयतः | यासयन्ति |
| | यासयसि | यासयथः | यासयथ |
| | यासयामि | यासयवः | यासयामः |
| स० | यासयेत् | यासयेताम् | यासयेयुः |
| | यासयेः | यासयेतम् | यासयेत |
| | यामयेयम् | यासयेव | यासयेम |
| प० | यासयतु | यासयतात् | यासयताम |
| | यासय | यासयतात् | यासयतम् |
| | यासयानि | यासयाव | यासयाम |
| ह्य० | अयासयत् | अयासयताम् | अयासयन् |
| | अयासयः | अयासयतम् | अयासयत |
| | अयासयम् | अयासयाव | अयासयाम |
| अ० | अयीयसत् | अयीयसताम् | अयीयसन् |
| | अयीयसः | अयीयसतम् | अयीयसत |
| | अयीयसम् | अयीयसाव | अयीयसाम |
| प० | यासयाञ्चकार | यासयाञ्चकृतुः | यामयाञ्चकुः |
| | यासयाञ्चकथं | यासयाञ्चकथुः | यासयाञ्चक |
| | यासयाञ्चकार-चकर | यासयाञ्चकृव | यासयाञ्चकृम |
| | यासयाञ्चभूव | यासयाञ्चमा | |
| आ० | यास्यत् | यास्यास्ताम् | यास्यासुः |
| | यास्याः | यास्यास्तम् | यास्यस्त |
| | यास्यासम् | यास्यास्व | यास्यास्म |
| श्च० | यासयिता | यसयितारौ | यासयितारः |
| | यासयितसि | यासयितास्थः | यासयितास्थ |
| | यासयितास्मि | यासयितास्वः | यासयितास्मः |
| अ० | यासयिष्यति | यासयिष्यतः | यासयिष्यन्ति |
| | यासयिष्यसि | यासयिष्यथः | यासयिष्यथ |
| | यासयिष्यामि | यासयिष्यावः | यासयिष्यामः |
| क्रि० | अयासयिष्यत् | अयासयिष्यताम् | अयासयिष्यन् |
| | अयासयिष्यः | अयासयिष्यतम् | अयासयिष्यत |
| | अयासयिष्यम् | अयासयिष्याव | अयासयिष्याम |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१०९१)

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | यासयते | यासयेते | यासयन्ते |
| | यासयसे | यासयेथे | यासयध्वे |
| | यासये | यासयावहे | यासयामहे |
| स० | यासयेत | यासयेयाताम् | यासयेरन् |
| | यासयेथाः | यासयेथाम् | यासयेध्वम् |
| | यासयेय | यासयेवहि | यासयेमहि |
| प० | यासयताम् | यासयेताम् | यासयन्ताम् |
| | यासयस्व | यासयेथाम् | यासयध्वम् |
| | यासयै | यासयावहै | यासयामहै |
| ह्य० | अयासयत | अयासयेताम् | अयासयन्त |
| | अयासयथाः | अयासयेथाम् | अयासयध्वम् |
| | अयासये | अवासयावहि | अयासयामहि |
| अ० | अयीयसत | अयीयसेताम् | अयीयसन्त |
| | अयीयसथाः | अयीयसेथाम् | अयीयसध्वम् |
| | अयीयसे | अयीयसावहि | अयीयसामहि |
| प० | यासयाञ्चके | यासयाञ्चकाते | यासयाञ्चक्रिरे |
| | यासयाञ्चकृषे | यासयाञ्चक्राथे | यासयाञ्चकृद्वे |
| | यासयाञ्चके | यासयाञ्चकृवहे | यासयाञ्चकृमहे |
| | यासयाम्बभूव | यासयामास | |
| आ० | यासयिषीष्ट | यासयिषीयास्ताम् | यासयिषीरन् |
| | यासयिषीष्ठाः | यासयिषीयास्थाम् | यासयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | यासयिषीय | यासयिषीवहि | यासयिषीमहि |
| भ० | यासयिता | यासयितारौ | यासयितारः |
| | यासयितासे | यासयितासाथे | यासयिताध्वे |
| | यासयिताहे | यासयितास्वहे | यासयितास्महे |
| भ० | यासयिष्यते | यासयिष्येते | यासयिष्यन्ते |
| | यासयिष्यसे | यासयिष्येथे | यासयिष्यध्वे |
| | यासयिष्ये | यासयिष्यावहे | यासयिष्यामहे |
| क्रि० | अयासयिष्यत | अयासयिष्येताम् | अयासयिष्यन्त |
| | अयासयिष्यथाः | अयासयिष्येथाम् | अयासयिष्यध्वम् |
| | अयासयिष्ये | अयासयिष्यावहि | अयासयिष्यामहि |

1223 जसृच् (जस्) मोक्षणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| ब० | जासयति | जासयतः | जासयन्ति |
| | जासयसि | जासयथः | जासयथ |
| | जासयामि | जासयावः | जासयामः |
| स० | जासयेत् | जासयेताम् | जासयेयुः |
| | जासयेः | जासयेतम् | जासयेत |
| | जासयेयम् | जासयेव | जासयेम |
| प० | जासयतु | जासयतात् | जासयताम् |
| | जासय | जासयतात् | जासयतम् |
| | जासयानि | जासयाव | जासयाम |
| ह्य० | अजासयत् | अजासयताम् | अजासयन् |
| | अजासयः | अजासयतम् | अजासयत |
| | अजासयम् | अजासयाव | अजासयाम |
| अ० | अजीजसत् | अजीजसताम् | अजीजसन् |
| | अजीजसः | अजीजसतम् | अजीजसत |
| | अजीजसम् | अजीजसाव | अजीजसाम |
| प० | जासयाञ्चकार | जासयाञ्चक्रुः | जासयाञ्चक्रुः |
| | जासयाञ्चकथं | जासयाञ्चकथुः | जासयाञ्चक |
| | जासयाञ्चकार-चकर | जासयाञ्चकृव | जासयाञ्चकृम |
| | जासयाम्बभूव | जासयामास | |
| आ० | जास्यात् | जास्यास्ताम् | जास्यासुः |
| | जास्याः | जास्यास्तम् | जास्यास्त |
| | जास्यासम् | जास्यास्व | जास्यास्म |
| भ० | जासयिता | जासयितारौ | जासयितारः |
| | जासयितासि | जासयितास्थः | जासयितास्थ |
| | जासयितास्मि | जासयितास्वः | जासयितास्मः |
| भ० | जासयिष्यति | जासयिष्यतः | जासयिष्यन्ति |
| | जासयिष्यसि | जासयिष्यथः | जासयिष्यथ |
| | जासयिष्यामि | जासयिष्यावः | जासयिष्यामः |
| क्रि० | अजासयिष्यत् | अजासयिष्यताम् | अजासयिष्यन् |
| | अजासयिष्यः | अजासयिष्यतम् | अजासयिष्यत |
| | अजासयिष्यम् | अजासयिष्याव | अजासयिष्याम |

(१०९२) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | जासयते | जासयेते | जासयन्ते |
| | जासयसे | जासयेथे | जासयध्वे |
| | जासये | जासयावहे | जासयामहे |
| स० | जासयेत् | जासयेयाताम् | जासयेरन् |
| | जासयेथाः | जासयेयाथाम् | जासयेध्वम् |
| | जासयेथ | जासयेवहि | जासयेमहि |
| प० | जासयताम् | जासयेताम् | जासयन्ताम् |
| | जासयस्व | जासयेथाम् | जासयध्वम् |
| | जासये | जासयावहै | जासयामहै |
| ह्य० | अजासयत | अजासयेताम् | अजासयन्त |
| | अजासयथाः | अजासयेथाम् | अजासयध्वम् |
| | अजासये | अजासयावहि | अजासयामहि |
| अ० | अजीजसत | अजीजसेताम् | अजीजसन्त |
| | अजीजसथाः | अजीजसेथाम् | अजीजसध्वम् |
| | अजीजसे | अजीजसावहि | अजीजसामहि |
| प० | जासयाञ्चक्रे | जासयाञ्चक्राते | जासयाञ्चकिरे |
| | जासयाञ्चकृषे | जासयाञ्चक्राथे | जासयाञ्चकृद्वे |
| | जासयाञ्चक्रे | जासयाञ्चकृवहे | जासयाञ्चकृमहे |
| | जासयाम्बभूव | जासयामास | |
| आ० | जासयिषीष्ट | जासयिषीयास्ताम् | जासयिषीरन् |
| | जासयिषीष्टाः | जासयिषीयास्थाम् | जासयिषीद्वम् |
| | जासयिषीय | जासयिषीवहि | जासयिषीमहि |
| ।० | जासयिता | जासयितारौ | जासयितारः |
| | जासयितासे | जासयितासाथे | जासयिताध्वे |
| | जासयिताहे | जासयितास्वहे | जासयितास्महे |
| भ० | जासयिष्यते | जासयिष्येते | जासयिष्यन्ते |
| | जासयिष्यसे | जासयिष्येथे | जासयिष्यध्वे |
| | जासयिष्ये | जासयिष्यावहे | जासयिष्यामहे |
| क्रि० | अजासयिष्यत | अजासयिष्येताम् | अजासयिष्यन्त |
| | अजासयिष्यथाः | अजासयिष्येथाम् | अजासयिष्यध्वम् |
| | अजासयिष्ये | अजासयिष्यावहि | अजासयिष्यामहि |

1224 तमृच् (तम्) उपक्षये ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | तासयति | तासयतः | तासयन्ति |
| | तासयसि | तासयथः | तासयथ |
| | तासयामि | तासयावः | तासयामः |
| स० | तासयेत् | तासयेताम् | तासयेयुः |
| | तासयेः | तासयेतम् | तासयेत |
| | तासयेयम् | तासयेव | तासयेम |
| प० | तासयतु | तासयतात् | तासयताम् |
| | तासय | तासयतात् | तासयतम् |
| | तासयानि | तासयाव | तासयाम |
| ह्य० | अतासयत् | अतासयताम् | अतासयन् |
| | अतासयः | अतासयतम् | अतासयत |
| | अतासयम् | अतासयाव | अतासयाम |
| अ० | अतीतसत् | अतीतसताम् | अतीतसन् |
| | अतीतसः | अतीतसतम् | अतीतसत |
| | अतीतसम् | अतीतसाव | अतीतसाम |
| प० | तासयाञ्चकर | तासयाञ्चक्रुः | तासयाञ्चकुः |
| | तासयाञ्चकथं | तासयाञ्चकथुः | तासयाञ्चक |
| | तासयाञ्चकार-चकर | तासयाञ्चकृव | तासयाञ्चकृम |
| | तासयाम्बभूव | तासयामास | |
| आ० | तास्यात् | तास्यास्ताम् | तास्यासुः |
| | तास्याः | तास्यास्तम् | तास्य स्त |
| | तास्यासम् | तास्यास्व | तास्यास्म |
| भ० | तासयिता | तासयितारौ | तासयितारः |
| | तासयितासि | तासयितास्यः | तासयितास्य |
| | तासयितास्मि | तासयितास्वः | तासयितास्मः |
| भ० | तासयिष्यति | तासयिष्यतः | तासयिष्यन्ति |
| | तासयिष्यसि | तासयिष्यथः | तासयिष्यथ |
| | तासयिष्यामि | तासयिष्यावः | तासयिष्यामः |
| क्रि० | अतासयिष्यत् | अतासयिष्यताम् | अतासयिष्यन् |
| | अतासयिष्यः | अतासयिष्यतम् | अतासयिष्यत |
| | अतासयिष्यम् | अतासयिष्याव | अतासयिष्याम |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१०९३)

| | | | |
|----|----------|-------------|------------|
| ब० | तासयते | तासयेते | तासयन्ते |
| | तासयसे | तासयेथे | तासयध्वे |
| | तासये | तासयावहे | तासयामहे |
| स० | तासयेत | तासयेयाताम् | तासयेरन् |
| | तासयेथाः | तासयेयाथाम् | तासयेध्वम् |
| | तासयेथ | तासयेवहि | तासयेमहि |
| प० | तासयताम् | तासयेताम् | तासयन्ताम् |
| | तासयस्व | तासयेथाम् | तासयध्वम् |
| | तासयै | तासयावहे | तासयामहे |

| | | | |
|------|----------|------------|------------|
| ह्य० | अतासयत | अनासयेताम् | अतासयन्त |
| | अतासयथाः | अनासयेथाम् | अतासयध्वम् |
| | अतासये | अतासयावहि | अतासयामहि |
| अ० | अतीतसत | अतीतसेताम् | अतीतसन्त |
| | अतीतसथाः | अतीतसेथाम् | अतीतसध्वम् |
| | अतीतसे | अतीतसावहि | अतीतसामहि |

| | | | |
|----|--------------|----------------|----------------|
| प० | तासयाञ्चक्रे | तासयाञ्चकाते | तासयाञ्चक्रिरे |
| | तासयाञ्चकृषे | तासयाञ्चक्राथे | तासयाञ्चकृध्वे |
| | तासयाञ्चके | तासयाञ्चकृवहे | तासयाञ्चकृमहे |
| | तासयाम्बभूव | । | तासयामास |

| | | | |
|----|--------------|-----------------|--------------|
| आ० | तासयिषीष्ट | तासयिषीयास्ताम् | तासयिषीरन् |
| | तासयिषीष्टाः | तासयिषीयास्थाम् | तासयिषीध्वम् |

| | | |
|----------|------------|------------|
| तासयिषीय | तासयिषीवहि | तासयिषीमहि |
|----------|------------|------------|

| | | | |
|------|-----------|--------------|--------------|
| श्व० | तासयिता | तासयितारौ | तासयितारः |
| | तासयितासे | तासयितासाथे | तासयिताध्वे |
| | तासयिताहे | तासयितास्वहे | तासयितास्महे |

| | | | |
|----|------------|--------------|--------------|
| भ० | तासयिष्यते | तासयिष्येते | तासयिष्यन्ते |
| | तासयिष्यसे | तासयिष्येथे | तासयिष्यध्वे |
| | तासयिष्ये | तासयिष्यावहे | तासयिष्यामहे |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| क्रि० | अतासयिष्यत | अतासयिष्येताम् | अतासयिष्यन्त |
| | अतासयिष्यथाः | अतासयिष्येथाम् | अतासयिष्यध्वम् |
| | अतासयिष्ये | अतासयिष्यावहि | अतासयिष्यामहि |

1225 दम्च् (दस्) उपक्षये ।

| | | | |
|----|----------|-----------|----------|
| ब० | दासयति | दासयतः | दासयन्ति |
| | दासयसि | दासयथः | दासयथ |
| | दासयामि | दासयावः | दासयामः |
| स० | दासयेत् | दासयेताम् | दासयेयुः |
| | दासयेः | दासयेतम् | दासयेत |
| | दासयेयम् | दासयेव | दासयेम |

| | | | | |
|----|---------|----------|----------|----------|
| प० | दासयतु | दासयतात् | दासयताम् | दासयन्तु |
| | दासय | दासयतात् | दासयतम् | दासयत |
| | दासयानि | दासयाव | दासयाम | |

| | | | |
|------|---------|-----------|---------|
| ह्य० | अदासयत् | अदासयताम् | अदासयन् |
| | अदासयः | अदासयतम् | अदासयत |
| | अदासयम् | अदासयाव | अदासयाम |

| | | | |
|----|---------|-----------|---------|
| अ० | अदीदसत् | अदीदसताम् | अदीदसन् |
| | अदीदसः | अदीदसतम् | अदीदसत |
| | अदीदसम् | अदीदसाव | अदीदसाम |

| | | | |
|----|-----------------|----------------|---------------|
| प० | दासयाञ्चकार | दासयाञ्चक्रतुः | दासयाञ्चक्रुः |
| | दासयाञ्चकर्थ | दासयाञ्चक्रुः | दासयाञ्चक |
| | दासयाञ्चकार-चकर | दासयाञ्चकृव | दासयाञ्चकृम |

दासयाम्बभूव । दासयामास

| | | | |
|----|-----------|--------------|-----------|
| आ० | दास्यात् | दास्यास्ताम् | दास्यासुः |
| | दास्याः | दास्यास्तम् | दास्यास्त |
| | दास्यासम् | दास्यास्व | दास्यास्म |

| | | | |
|------|-------------|-------------|-------------|
| श्व० | दासयिता | दासयितारौ | दासयितारः |
| | दासयितासि | दासयितास्थः | दासयितास्थ |
| | दासयितास्मि | दासयितास्वः | दासयितास्मः |

| | | | |
|----|-------------|-------------|--------------|
| भ० | दासयिष्यति | दासयिष्यतः | दासयिष्यन्ति |
| | दासयिष्यसि | दासयिष्यथः | दासयिष्यथ |
| | दासयिष्यामि | दासयिष्यावः | दासयिष्यामः |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|-------------|
| क्रि० | अदासयिष्यत् | अदासयिष्यताम् | अदासयिष्यन् |
| | अदासयिष्यः | अदासयिष्यतम् | अदासयिष्यत |
| | अदासयिष्यम् | अदासयिष्याव | अदासयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|-----------------|
| ब० दासयते | दासयेते | दासयन्ते |
| दासयसे | दासयेथे | दासयध्वे |
| दासये | दासयावहे | दासयामहे |
| स० दासयेत | दासयेयाताम् | दासयेरन् |
| दासयेथाः | दासयेयाथाम् | दासयेध्वम् |
| दासयेथ | दासयेवहि | दासयेमहि |
| प० दासयताम् | दासयेताम् | दासयन्ताम् |
| दासयस्व | दासयेथाम् | दासयध्वम् |
| दासयै | दासयावहे | दासयामहे |
| ह्य० अदासयत | अदासयेताम् | अदासयन्त |
| अदासयथाः | अदासयेथाम् | अदासयध्वम् |
| अदासये | अदासयावहि | अदासयामहि |
| अ० अदीदसत | अदीदसेताम् | अदीदसन्त |
| अदीदसथाः | अदीदसेथाम् | अदीदसध्वम् |
| अदीदसे | अदीदसावहि | अदीदसामहि |
| प० दासयाञ्चक्रे | दासयाञ्चक्राते | दासयाञ्चक्रिरे |
| दासयाञ्चकृषे | दासयाञ्चक्राथे | दासयाञ्चकृद् वे |
| दासयाञ्चक्रे | दासयाञ्चकृवहे | दासयाञ्चकृमहे |
| दासयाम्बभूव । दासयामास | | |
| आ० दासयिषीष्ट | दासयिषीयास्ताम् | दासयिषीरन् |
| दासयिषीष्ठाः | दासयिषीयास्थाम् | दासयिषीध्वम् |
| दासयिषीय | दासयिषीवहि | दासयिषीमहि |
| श्व० दासयिता | दासयितारौ | दासयितारः |
| दासयितासे | दासयितासाथे | दासयिताध्वे |
| दासयिताहे | दासयितास्वहे | दासयितारमहे |
| ११ दासयिष्यते | दासयिष्येते | दासयिष्यन्ते |
| दासयिष्यसे | दासयिष्येथे | दासयिष्यध्वे |
| दासयिष्ये | दासयिष्य्यावहे | दासयिष्य्यामहे |
| दासयिष्यत | अदासयिष्येताम् | अदासयिष्यन्त |
| अदासयिष्यथाः | अदासयिष्येथाम् | अदासयिष्यध्वम् |
| अदासयिष्ये | अदासयिष्य्यावहि | अदासयिष्य्यामहि |

1226 वसूच् (वम्) स्तम्भे । 999 वस् वद्रूपाणि

1227 वुसच् (वुस्) उत्सर्गे ।

| | | |
|------------------------|----------------|---------------|
| व० वुसयति | वुसयतः | वुसयन्ति |
| वुसयसि | वुसयथः | वुसयथ |
| वुसयामि | वुसयावः | वुसयामः |
| स० वुसयेत् | वुसयेताम् | वुसयेदुः |
| वुसयेः | वुसयेतम् | वुसयेत |
| वुसयेयम् | वुसयेव | वुसयेम |
| प० वुसयतु | वुसयतात् | वुसयताम् |
| वुसय | वुसयतात् | वुसयतम् |
| वुसयानि | वुसयाव | वुसयाम |
| ह्य० अवुसयत् | अवुसयताम् | अवुसयन् |
| अवुसयः | अवुसयतम् | अवुसयत |
| अवुसयम् | अवुसयाव | अवुसयाम |
| अ० अवुसुसत् | अवुसुसताम् | अवुसुसन् |
| अवुसुसः | अवुसुसतम् | अवुसुसत |
| अवुसुसम् | अवुसुसाव | अवुसुसाम |
| प० वुसयाञ्चकार | वुसयाञ्चक्रतुः | वुसयाञ्चक्रुः |
| वुसयाञ्चकथं | वुसयाञ्चक्रथुः | वुसयाञ्चक्र |
| वुसयाञ्चकार-चकर | वुसयाञ्चकृव | वुसयाञ्चकृम |
| वुसयाम्बभूव । वुसयामास | | |
| आ० वुस्यात् | वुस्यास्ताम् | वुस्यासुः |
| वुस्याः | वुस्यास्तम् | वुस्यास्त |
| वुस्यासम् | वुस्यास्व | वुस्यारम |
| श्व० वुसयिता | वुसयितारौ | वुसयितारः |
| वुसयितासि | वुसयितास्थः | वुसयितास्थ |
| वुसयितास्मि | वुसयितास्वः | वुसयितास्मः |
| भ० वुसयिष्यति | वुसयिष्यतः | वुसयिष्यन्ति |
| वुसयिष्यसि | वुसयिष्यथः | वुसयिष्यथ |
| वुसयिष्यामि | वुसयिष्यावः | वुसयिष्यामः |
| क्रि० अवुसयिष्यत् | अवुसयिष्यताम् | अवुसयिष्यन् |
| अवुसयिष्यः | अवुसयिष्यतम् | अवुसयिष्यत |
| अवुसयिष्यम् | अवुसयिष्याव | अवुसयिष्याम |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१०९५)

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | वोसयते | वोसयेते | वोसयन्ते |
| | वोसयसे | वोसयेथे | वोसयध्वे |
| | वोसये | वोसयावहे | वोसयामहे |
| १० | वोसयेत | वोसयेयाताम् | वोसयेरन् |
| | वोसयेथाः | वोसयेथायाम् | वोसयेध्वम् |
| | वोसयेथ | वोसयेवहि | वोसयेमहि |
| १० | वोसयताम् | वोसयेताम् | वोसयन्ताम् |
| | वोसयस्व | वोसयेथाम् | वोसयध्वम् |
| | वोसयै | वोसयावहे | वोसयामहे |
| १० | अवोसयत | अवोसयेताम् | अवोसयन्त |
| | अवोसयथाः | अवोसयेथाम् | अवोसयध्वम् |
| | अवोसये | अवोसयावहि | अवोसयामहि |
| अ० | अवूडुसत | अवूडुसेताम् | अवूडुसन्त |
| | अवूडुसथाः | अवूडुसेथाम् | अवूडुसध्वम् |
| | अवूडुसे | अवूडुसावहि | अवूडुसामहि |
| ५० | वोसयाञ्चक्रे | वोसयाञ्चक्राते | वोसयाञ्चकिरे |
| | वोसयाञ्चकृषे | वोसयाञ्चक्राथे | वोसयाञ्चकृद्वे |
| | वोसयाञ्चक्रे | वोसयाञ्चकृवहे | वोसयाञ्चकृमहे |
| | वोसयाम्बभूव | वोसयामास | |
| आ० | वोसयिषीष्ट | वोसयिषीयास्ताम् | वोसयिषीरन् |
| | वोसयिषीष्टा | वोसयिषीयास्ताम् | वोसयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | वोसयिषीय | वोसयिषीवहि | वोसयिषीमहि |
| ५० | वोसयिता | वोसयितारौ | वोसयितारः |
| | वोसयितासे | वोसयितासाथे | वोसयिताध्वे |
| | वोसयिताहे | वोसयितास्वहे | वोसयितास्महे |
| भ० | वोसयिष्यते | वोसयिष्येते | वोसयिष्यन्ते |
| | वोसयिष्यसे | वोसयिष्येथे | वोसयिष्यध्वे |
| | वोसयिष्ये | वोसयिष्यावहे | वोसयिष्यामहे |
| क्रि० | अवोसयिष्यत | अवोसयिष्येताम् | अवोसयिष्यन्त |
| | अवोसयिष्यथाः | अवोसयिष्येथाम् | अवोसयिष्यध्वम् |
| | अवोसयिष्ये | अवोसयिष्यावहि | अवोसयिष्यामहि |

1228 मुसच् (मुस्) खण्डने ।

| | | | |
|-------|----------------|---------------|--------------|
| व० | मोसयति | मोसयतः | मोसयन्ति |
| | मोसयसि | मोसयथः | मोसयथ |
| | मोसयामि | मोसयावः | मोसयामः |
| स० | मोसयेत | मोसयेताम् | मोसयेयुः |
| | मोसयेः | मोसयेतम् | मोसयेत |
| | मोसयेयम् | मोसयेव | मोसयेम |
| ५० | मोसयतु | मोसयतात् | मोसयताम् |
| | मोसय | मोसयतात् | मोसयतम् |
| | मोसयानि | मोसयाव | मोसयाम |
| १० | अमोसयत् | अमोसयताम् | अमोसयन् |
| | अमोसयः | अमोसयतम् | अमोसयत |
| | अमोसयम् | अमोसयाव | अमोसयाम |
| अ० | अमूमुसत् | अमूमुसताम् | अमूमुसन् |
| | अमूमुसः | अमूमुसतम् | अमूमुसत |
| | अमूमुसम् | अमूमुसाव | अमूमुसाम |
| ५० | मोसयाञ्चकर | मोसयाञ्चकृतुः | मोसयाञ्चकुः |
| | मोसयाञ्चकथ | मोसयाञ्चत्रुः | मोसयाञ्चक |
| | मोसयाञ्चकर-चकर | मोसयाञ्चकृव | मोसयाञ्चकृम |
| | मोसयाम्बभूव | मोसयामास | |
| आ० | मोस्यात् | मोस्यास्ताम् | मोस्यासुः |
| | मोस्याः | मोस्यास्तम् | मोस्यास्त |
| | मोस्यासम् | मोस्यास्व | मोस्यास्म |
| ५० | मोसयिता | मोसयितारौ | मोसयितारः |
| | मोसयितासि | मोसयितास्थः | मोसयितास्थ |
| | मोसयितास्मि | मोसयितास्वः | मोसयितास्मः |
| भ० | मोसयिष्यति | मोसयिष्यतः | मोसयिष्यन्ति |
| | मोसयिष्यसि | मोसयिष्यथः | मोसयिष्यथ |
| | मोसयिष्यामि | मोसयिष्यावः | मोसयिष्यामः |
| क्रि० | अमोसयिष्यत् | अमोसयिष्यताम् | अमोसयिष्यन् |
| | अमोसयिष्यः | अमोसयिष्यतम् | अमोसयिष्यत |
| | अमोसयिष्यम् | अमोसयिष्याव | अमोसयिष्याम |

(१०९६) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| | | |
|--------------------------|-----------------|----------------|
| ब० मोसयते | मोसयेते | मोसयन्ते |
| मोसयसे | मोसयेथे | मोसयध्वे |
| मोसये | मोसयावहे | मोसयामहे |
| स० मोसयेत | मोसयेयाताम् | मोसयेरन् |
| मोसयेथाः | मोसयेयाथाम् | मोसयेध्वम् |
| मोसयेय | मोसयेवहि | मोसयेमहि |
| प० मोसयताम् | मोसयेताम् | मोसयन्ताम् |
| मोसयस्व | मोसयेथाम् | मोसयध्वम् |
| मोसयै | मोसयावहै | मोसयामहै |
| ह्य० अमोसयत | अमोसयेताम् | अमोसयन्त |
| अमोसयथाः | अमोसयेथाम् | अमोसयध्वम् |
| अमोसये | अमोसयावहि | अमोसयामहि |
| अ० अमूमुसत | अमूमुसेताम् | अमूमुसन्त |
| अमूमुसथाः | अमूमुसेथाम् | अमूमुसध्वम् |
| अमूमुसे | अमूमुसावहि | अमूमुसामहि |
| प० मोसयाश्चक्रे | मोसयाश्चक्राते | मोसयाश्चकिरे |
| मोसयाश्चक्रे | मोसयाश्चक्राये | मोसयाश्चकृद्वे |
| मोसयाश्चक्रे | मोसयाश्चकृवहे | मोसयाश्चकृमहे |
| मोसयाश्चकृभूव । मोसयामास | | |
| आ० मोसयिषीष्ट | मोसयिषीयास्ताम् | मोसयिषीरन् |
| मोसयिषीष्ठाः | मोसयिषीयास्थाम् | मोसयिषीद्वम् |
| मोसयिषीय | मोसयिषीवहि | मोसयिषीमहि |
| १० मोसयिता | मोसयितारौ | मोसयितारः |
| मोसयितासे | मोसयितासाथे | मोसयिताध्वे |
| मोसयिताहे | मोसयितावहे | मोसयितामहे |
| भ० मोसयिष्यते | मोसयिष्येते | मोसयिष्यन्ते |
| मोसयिष्यसे | मोसयिष्येथे | मोसयिष्यध्वे |
| मोसयिष्ये | मोसयिष्यावहे | मोसयिष्यामहे |
| क्रि० अमोसयिष्यत | अमोसयिष्येताम् | अमोसयिष्यन्त |
| अमोसयिष्यथाः | अमोसयिष्येथाम् | अमोसयिष्यध्वम् |
| अमोसयिष्ये | अमोसयिष्यावहि | अमोसयिष्यामहि |

1229 मसैच् (मस्) परिणामे ।

| | | |
|----------------------------|----------------|---------------|
| ब० मासयति | मासयतः | मासयन्ति |
| मासयसि | मासयथः | मासयथ |
| मासयामि | मासयावः | मासयामः |
| स० मासयेत् | मासयेताम् | मासयेयुः |
| मासयेः | मासयेतम् | मासयेत |
| मासयेयम् | मासयेव | मासयेम |
| प० मासयतु | मासयतात् | मासयताम् |
| मासय | मासयतात् | मासयतम् |
| मासयानि | मासयाव | मासयाम |
| ह्य० अमासयत् | अमासयताम् | अमासयन् |
| अमासयः | अमासयतम् | अमासयत |
| अमासयम् | अमासयाव | अमासयाम |
| अ० अमीमसत् | अमीमसताम् | अमीमसन् |
| अमीमसः | अमीमसतम् | अमीमसत |
| अमीमसम् | अमीमसाव | अमीमसाम |
| प० मासयाश्चकार | मासयाश्चक्रतुः | मासयाश्चक्रुः |
| मासयाश्चकार | मासयाश्चक्रुः | मासयाश्चक्रुः |
| मासयाश्चकार-चकर | मासयाश्चक्रुव | मासयाश्चक्रुम |
| मासयाश्चक्रुभूव । मासयामास | | |
| आ० मास्यात् | मास्यास्ताम् | मास्यान्तुः |
| मास्याः | मास्यास्तम् | मास्यास्त |
| मास्यामम् | मास्यास्व | मास्यास्म |
| १० मासयिता | मासयितारौ | मासयितारः |
| मासयितासि | मासयितास्थः | मासयितास्थ |
| मासयितास्मि | मासयितास्वः | मासयितास्मः |
| भ० मासयिष्यति | मासयिष्यतः | मासयिष्यन्ति |
| मासयिष्यसि | मासयिष्यथः | मासयिष्यथ |
| मासयिष्यामि | मासयिष्यावः | मासयिष्यामः |
| क्रि० अमासयिष्यत् | अमासयिष्यताम् | अमासयिष्यन् |
| अमासयिष्यः | अमासयिष्यतम् | अमासयिष्यत |
| अमासयिष्यम् | अमासयिष्याव | अमासयिष्याम |

फ. १३८) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१०९७)

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | मासयते | मासयेते | मासयन्ते |
| | मासयसे | मासयेथे | मासयध्वे |
| | मासये | मासयानहे | मासयामहे |
| स० | मासयेत | मासयेयाताम् | मासयेरन् |
| | मासयेथाः | मासयेयाथाम् | मासयेध्वम् |
| | मासयेय | मासयेवहि | मासयेमहि |
| प० | मासयताम् | मासयेताम् | मासयन्ताम् |
| | मासयस्व | मासयेथाम् | मासयध्वम् |
| | मासये | मासयावहे | मासयामहे |
| ह्य० | अमासयत | अमासयेताम् | अमासयन्त |
| | अमासयथाः | अमासयेथाम् | अमासयध्वम् |
| | अमासये | अमासयावहि | अमासयामहि |
| अ० | अमीमसत | अमीमसेताम् | अमीमसन्त |
| | अमीमसथाः | अमीमसेथाम् | अमीमसध्वम् |
| | अमीमसे | अमीमसावहि | अमीमसामहि |
| प० | मासयाञ्चक्रे | मासयाञ्चकाते | मासयाञ्चकिरे |
| | मासयाञ्चकृषे | मासयाञ्चकृषे | मासयाञ्चकृवहे |
| | मासयाञ्चके | मासयाञ्चकृवहे | मासयाञ्चकृमहे |
| | मासयाम्बभूव | मासयामाम | |
| आ० | मासयिषीष्ट | मासयिषीयास्ताम् | मासयिषीरन् |
| | मासयिषीष्टाः | मासयिषीयास्थाम् | मासयिषीड्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | मासयिषीय | मासयिषीवहि | मासयिषीमहि |
| श्च० | मासयिता | मासयितारौ | मासयितारः |
| | मासयितासे | मासयितासाथे | मासयिताध्वे |
| | मासयिताहे | मासयितास्वहे | मासयितास्महे |
| भ० | मासयिष्यते | मासयिष्येते | मासयिष्यन्ते |
| | मासयिष्यसे | मासयिष्येथे | मासयिष्यध्वे |
| | मासयिष्ये | मासयिष्यावहे | मासयिष्यामहे |
| क्रि० | अमासयिष्यत | अमासयिष्येताम् | अमासयिष्यन्त |
| | अमासयिष्यथाः | अमासयिष्येथाम् | अमासयिष्यध्वम् |
| | अमासयिष्ये | अमासयिष्यावहि | अमासयिष्यामहि |

॥ अथ शमादीनाष्टकम् ॥

1230 शमृच् [शम्] उपशमे ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | शमयति | शमयतः | शमयन्ति |
| | शमयसि | शमयथः | शमयथ |
| | शमयामि | शमयावः | शमयामः |
| स० | शमयेत् | शमयेताम् | शमयेयुः |
| | शमयेः | शमयेतम् | शमयेत |
| | शमयेयम् | शमयेव | शमयेम |
| प० | शमयतु | शमयतात् | शमयन्तु |
| | शमय | शमयतात् | शमयत |
| | शमयानि | शमयाव | शमयाम |
| ह्य० | अशमयत् | अशमयताम् | अशमयन् |
| | अशमय | अशमयतम् | अशमयत |
| | अशमयम् | अशमयाव | अशमयाम |
| अ० | अशीशमत् | अशीशमताम् | अशीशमन् |
| | अशीशमः | अशीशमतम् | अशीशमत |
| | अशीशमम | अशीशमाव | अशीशमाम |
| प० | शमयाञ्चकार | शमयाञ्चकतुः | शमयाञ्चकुः |
| | शमयाञ्चकथं | शमयाञ्चकथुः | शमयाञ्चक |
| | शमयाञ्चकार-चकर | शमयाञ्चकृव | शमयाञ्चकृम |
| | शमयाम्बभूव | शमयामास | |
| आ० | शम्यात् | शम्यास्ताम् | शम्यासुः |
| | शम्याः | शम्यास्तम् | शम्य स्त |
| | शम्यासम् | शम्यास्व | शम्यास्म |
| श्च० | शमयिता | शमयितारौ | शमयितारः |
| | शमयितासि | शमयितास्थः | शमयितास्थ |
| | शमयितास्मि | शमयितास्वः | शमयितास्मः |
| भ० | शमयिष्यति | शमयिष्यतः | शमयिष्यन्ति |
| | शमयिष्यसि | शमयिष्यथः | शमयिष्यथ |
| | शमयिष्यामि | शमयिष्यावः | शमयिष्यामः |
| क्रि० | अशमयिष्यत् | अशमयिष्यताम् | अशमयिष्यन् |
| | अशमयिष्यः | अशमयिष्यतम् | अशमयिष्यत |
| | अशमयिष्यम् | अशमयिष्याव | अशमयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० शमयते | शमयेते | शमयन्ते |
| शमयसे | शमयेथे | शमयध्वे |
| शमये | शमयावहे | शमयामहे |
| स० शमयेत् | शमयेयाताम् | शमयेरन् |
| शमयेथाः | शमयेयाथाम् | शमयेध्वम् |
| शमयेय | शमयेवहि | शमयेमहि |
| प० शमयताम् | शमयेताम् | शमयन्ताम् |
| शमयस्व | शमयेथाम् | शमयध्वम् |
| शमये | शमयावहे | शमयामहे |
| ह्य० अशमयत | अशमयेताम् | अशमयन्त |
| अशमयथाः | अशमयेथाम् | अशमयध्वम् |
| अशमये | अशमयावहि | अशमयामहि |
| अ० अशीशमत् | अशीशमेताम् | अशीशमन्त |
| अशीशमथाः | अशीशमेथाम् | अशीशमध्वम् |
| अशीशमे | अशीशमावहि | अशीशमामहि |
| प० शमयाञ्चक्रे | शमयाञ्चक्राते | शमयाञ्चक्रिरे |
| शमयाञ्चकृषे | शमयाञ्चक्रथे | शमयाञ्चकृढ्वे |
| शमयाञ्चक्रे | शमयाञ्चकृवहे | शमयाञ्चकृमहे |
| शमयाञ्चकृभू | शमयाञ्चक्राम् | |
| भा० शमयिषीष्ट | शमयिषीयास्ताम् | शमयिषीरन् |
| शमयिषीष्ठाः | शमयिषीयास्थाम् | शमयिषीढ्वम् |
| शमयिषीय | शमयिषीवहि | शमयिषीमहि |
| श्व० शमयिता | शमयितारौ | शमयितारः |
| शमयितासे | शमयितासाथे | शमयिताध्वे |
| शमयिताहे | शमयितास्वहे | शमयितास्महे |
| भ० शमयिष्यते | शमयिष्येते | शमयिष्यन्ते |
| शमयिष्यसे | शमयिष्येथे | शमयिष्यध्वे |
| शमयिष्ये | शमयिष्यावहे | शमयिष्यामहे |
| क्रि० अशमयिष्यत | अशमयिष्येताम् | अशमयिष्यन्त |
| अशमयिष्यथाः | अशमयिष्येथाम् | अशमयिष्यध्वम् |
| अशमयिष्ये | अशमयिष्यावहि | अशमयिष्यामहि |

1231 दमृच् [दम्] उपशमे ।

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| व० दमयति | दमयतः | दमयन्ति |
| दमयसि | दमयथः | दमयथ |
| दमयामि | दमयावः | दमयामः |
| स० दमयेत् | दमयेताम् | दमयेयुः |
| दमये | दमयेतम् | दमयेत |
| दमयेयम् | दमयेव | दमयेम |
| प० दमयतु | दमयतात् | दमयताम् |
| दमय | दमयतात् | दमयतम् |
| दमयानि | दमयाव | दमयाम |
| ह्य० अदमयत् | अदमयताम् | अदमयन् |
| अदमयः | अदमयतम् | अदमयत |
| अदमयम् | अदमयाव | अदमयाम |
| अ० अदीदमत् | अदीदमताम् | अदीदमन् |
| अदीदमः | अदीदमतम् | अदीदमत |
| अदीदमम् | अदीदमाव | अदीदमाम |
| प० दमयाञ्चकार | दमयाञ्चक्रतुः | दमयाञ्चक्रुः |
| दमयाञ्चकथे | दमयाञ्चकथुः | दमयाञ्चक्र |
| दमयाञ्चकार-चकर | दमयाञ्चकृव | दमयाञ्चकृम |
| दमयाञ्चकृभू | दमयाञ्चक्राम् | |
| भा० दम्यात् | दम्यास्ताम् | दम्यास्तुः |
| दम्याः | दम्यास्तम् | दम्यास्त |
| दम्यासम् | दम्यास्व | दम्यास्म |
| श्व० दमयिता | दमयितारौ | दमयितारः |
| दमयितासि | दमयितास्थः | दमयितास्थ |
| दमयितास्मि | दमयितास्वः | दमयितास्मः |
| भ० दमयिष्यति | दमयिष्यतः | दमयिष्यन्ति |
| दमयिष्यसि | दमयिष्यथः | दमयिष्यथ |
| दमयिष्यामि | दमयिष्यावः | दमयिष्यामः |
| क्रि० अदमयिष्यत् | अदमयिष्यताम् | अदमयिष्यन् |
| अदमयिष्यः | अदमयिष्यतम् | अदमयिष्यत |
| अदमयिष्यम् | अदमयिष्याव | अदमयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | दमयते | दमयेते | दमयन्ते |
| | दमयसे | दमयेथे | दमयध्वे |
| | दमये | दमयावहे | दमयामहे |
| स० | दमयेत | दमयेयाताम् | दमयेरन् |
| | दमयेथाः | दमयेथााम् | दमयेध्वम् |
| | दमयेय | दमयेवहि | दमयेमहि |
| प० | दमयताम् | दमयेताम् | दमयन्ताम् |
| | दमयस्व | दमयेथाम् | दमयध्वम् |
| | दमये | दमयावहे | दमयामहे |
| ह्य० | अदमयन्त | अदमयेताम् | अदमयन्त |
| | अदमयथाः | अदमयेथाम् | अदमयध्वम् |
| | अदमये | अदमयावहि | अदमयामहि |
| अ० | अदीदमत | अदीदमेताम् | अदीदमन्त |
| | अदीदमथाः | अदीदमेथाम् | अदीदमध्वम् |
| | अदीदमे | अदीदमावहि | अदीदमामहि |
| प० | दमयाञ्चक्रे | दमयाञ्चक्रात् | दमयाञ्चकिरे |
| | दमयाञ्चकृषे | दमयाञ्चक्राथे | दमयाञ्चकृध्वे |
| | दमयाञ्चके | दमयाञ्चकृवहे | दमयाञ्चकृमहे |
| | दमयाञ्चभूव | । | दमयामास |
| आ० | दमयिषीष्ट | दमयिषीयास्ताम् | दमयिषीरन् |
| | दमयिषीष्ठाः | दमयिषीयास्थाम् | दमयिषीढ्वम् |
| | दमयिषीय | दमयिषीवहि | दमयिषीमहि |
| श्व० | दमयिता | दमयितारौ | दमयितारः |
| | दमयितासे | दमयितासाथे | दमयिताध्वे |
| | दमयिताहे | दमयितास्वहे | दमयितास्महे |
| भ० | दमयिष्यते | दमयिष्येते | दमयिष्यन्ते |
| | दमयिष्यसे | दमयिष्येथे | दमयिष्यध्वे |
| | दमयिष्ये | दमयिष्यावहे | दमयिष्यामहे |
| क्रि० | अदमयिष्यत | अदमयिष्येताम् | अदमयिष्यन्त |
| | अदमयिष्यथाः | अदमयिष्येथाम् | अदमयिष्यध्वम् |
| | अदमयिष्ये | अदमयिष्यावहि | अदमयिष्यामहि |

1232 तमृच् (तम्) काङ्क्षायाप्

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | तमयति | तमयतः | तमयन्ति |
| | तमयसि | तमयथः | तमयथ |
| | तमयामि | तमयावः | तमयावः |
| स० | तमयेत् | तमयेताम् | तमयेयुः |
| | तमयेः | तमयेतम् | तमयेत |
| | तमयेयम् | तमयेव | तमयेम |
| प० | तमयतु | तमयतात् | तमयताम् |
| | तमय | तमयतात् | तमयतम् |
| | तमयानि | तमयाव | तमयामः |
| ह्य० | अतमयत् | अतमयताम् | अतमयन् |
| | अतमयः | अतमयतम् | अतमयत |
| | अतमयम् | अतमयाव | अतमयाम |
| अ० | अतीतमत् | अतीतमताम् | अतीतमन् |
| | अतीतमः | अतीतमतम् | अतीतमत |
| | अतीतमम् | अतीतमाव | अतीतमाम |
| प० | तमयाञ्चकार | तमयाञ्चक्रुः | तमयाञ्चकः |
| | तमयाञ्चकथं | तमयाञ्चकथुः | तमयाञ्चक |
| | तमयाञ्चकार-चकर | तमयाञ्चकृव | तमयाञ्चकृम |
| | तमयाञ्चभूव | । | तमयामास |
| आ० | तम्यात् | तम्यास्ताम् | तम्यासुः |
| | तम्याः | तम्यास्तम् | तम्यास्त |
| | तम्यासम् | तम्यास्व | तम्यास्म |
| श्व० | तमयिता | तमयितारौ | तमयितारः |
| | तमयितासि | तमयितास्थः | तमयितास्थ |
| | तमयितास्मि | तमयितास्वः | तमयितास्मः |
| भ० | तमयिष्यति | तमयिष्यतः | तमयिष्यन्ति |
| | तमयिष्यसि | तमयिष्यथः | तमयिष्यथ |
| | तमयिष्यामि | तमयिष्यावः | तमयिष्यामः |
| क्रि० | अतमयिष्यत् | अतमयिष्यताम् | अतमयिष्यन् |
| | अतमयिष्यः | अतमयिष्यतम् | अतमयिष्यत |
| | अतमयिष्यम् | अतमयिष्याव | अतमयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| ब० तमयेते | तमयेते | तमयन्ते |
| तमयसे | तमयेथे | तमयध्वे |
| तमये | तमयावहे | तमयामहे |
| स० तमयेत | तमयेयाताम् | तमयेरन् |
| तमयेथाः | तमयेयाथाम् | तमयेध्वम् |
| तमयेय | तमदेवहि | तमयेमहि |
| प० तमयेताम् | तमयेताम् | तमयन्ताम् |
| तमयस्व | तमयेथाम् | तमयध्वम् |
| तमये | तमयावहे | तमयामहे |
| अ० अतमयत | अतमयेताम् | अतमयन्त |
| अतमयथाः | अतमयेथाम् | अतमयध्वम् |
| अतमये | अतमयावहि | अतमयामहि |
| अ० अतीतमत | अतीतमेताम् | अतीतमन्त |
| अतीतमथाः | अतीतमेशाम् | अतीतमध्वम् |
| अतीतमे | अतीतमावहि | अतीतमामहि |
| प० तमयाञ्चके | तमयाञ्चकाते | तमयाञ्चकिरे |
| तमयाञ्चकृषे | तमयाञ्चक्राथे | तमयाञ्चकृद्धवे |
| तमयाञ्चके | तमयाञ्चकृवहे | तमयाञ्चकृमहे |
| तमयाञ्चभूव | तमयाञ्चभूव | |
| आ० तमयिषीष्ट | तमयिषीयास्ताम् | तमयिषीरन् |
| तमयिषीष्टाः | तमयिषीयास्थाम् | तमयिषीद्वम् |
| तमयिषीय | तमयिषीवहि | तमयिषीमहि |
| श्व० तमयिता | तमयितारौ | तमयितारः |
| तमयितासे | तमयितासाथे | तमयिताध्वे |
| तमयिताहे | तमयितास्वहे | तमयितास्महे |
| भ० तमयिष्यते | तमयिष्येते | तमयिष्यन्ते |
| तमयिष्यसे | तमयिष्येथे | तमयिष्यध्वे |
| तमयिष्ये | तमयिष्येवहे | तमयिष्यामहे |
| क्रि० अतमयिष्यत | अतमयिष्येताम् | अतमयिष्यन्त |
| अतमयिष्यथाः | अतमयिष्येथाम् | अतमयिष्यध्वम् |
| अतमयिष्ये | अतमयिष्येवहि | अतमयिष्यामहि |

1233 श्रमृच् (श्रम) खेदतपसोः

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० श्रमयति | श्रमयतः | श्रमयन्ति |
| श्रमयसि | श्रमयथः | श्रमयथ |
| श्रमयामि | श्रमयावः | श्रमयावः |
| स० श्रमयेत् | श्रमयेताम् | श्रमयेयुः |
| श्रमयेः | श्रमयेतम् | श्रमयेत |
| श्रमयेयम् | श्रमयेव | श्रमयेम |
| प० श्रमयतु | श्रमयतात् | श्रमयताम् |
| श्रमय | श्रमयतात् | श्रमयतम् |
| श्रमयाणि | श्रमयाव | श्रमयाम |
| अ० अश्रमयत् | अश्रमयताम् | अश्रमयन् |
| अश्रमयः | अश्रमयतम् | अश्रमयत |
| अश्रमयम् | अश्रमयाव | अश्रमयाम |
| अ० अशिश्मत् | अशिश्मताम् | अशिश्मन् |
| अशिश्मः | अशिश्मतम् | अशिश्मत |
| अशिश्मम् | अशिश्माव | अशिश्माम |
| प० श्रमयाञ्चकार | श्रमयाञ्चकृतुः | श्रमयाञ्चकः |
| श्रमयाञ्चकै | श्रमयाञ्चकृतुः | श्रमयाञ्चक |
| श्रमयाञ्चकार-चकर | श्रमयाञ्चकृव | श्रमयाञ्चकृम |
| श्रमयाञ्चभूव | श्रमयाञ्चभूव | |
| आ० श्रम्यात् | श्रम्यास्ताम् | श्रम्यासुः |
| श्रम्याः | श्रम्यास्तम् | श्रम्यास्त |
| श्रम्यासम् | श्रम्यास्व | श्रम्याम |
| श्व० श्रमयिता | श्रमयितारौ | श्रमयितारः |
| श्रमयितासि | श्रमयितास्थः | श्रमयितास्थ |
| श्रमयितास्मि | श्रमयितास्वः | श्रमयितास्मः |
| भ० श्रमयिष्यति | श्रमयिष्यतः | श्रमयिष्यन्ति |
| श्रमयिष्यसि | श्रमयिष्यथः | श्रमयिष्यथ |
| श्रमयिष्यामि | श्रमयिष्य वः | श्रमयिष्यामः |
| क्रि० अश्रमयिष्यत् | अश्रमयिष्यताम् | अश्रमयिष्यन् |
| अश्रमयिष्यः | अश्रमयिष्यतम् | अश्रमयिष्यत |
| अश्रमयिष्यम् | अश्रमयिष्याव | अश्रमयिष्याम |

| | | | |
|------|-------------|----------------|---------------|
| व० | अमयते | अमयेते | अमयन्ते |
| | अमयसे | अमयेथे | अमयध्वे |
| | अमये | अमयावहे | अमयामहे |
| स० | अमयेत | अमयेयाताम् | अमयेरन् |
| | अमयेथाः | अमयेयाथाम् | अमयेध्वम् |
| | अमयेय | अमयेवहि | अमयेमहि |
| प० | अमयताम् | अमयेताम् | अमयन्ताम् |
| | अमयस्व | अमयेथाम् | अमयन्वम् |
| | अमये | अमयावहै | अमयामहै |
| ह्र० | अमययत | अमययेताम् | अमययन्त |
| | अमययथाः | अमययेथाम् | अमययध्वम् |
| | अमयये | अमययावहि | अमययामहि |
| अ० | अमिश्रयत | अमिश्रयेताम् | अमिश्रयन्त |
| | अमिश्रयथाः | अमिश्रयेथाम् | अमिश्रयध्वम् |
| | अमिश्रये | अमिश्रयावहि | अमिश्रयामहि |
| प० | अमयाञ्चक्रे | अमयाञ्चक्राते | अमयाञ्चक्रिरे |
| | अमयाञ्चक्रे | अमयाञ्चक्राये | अमयाञ्चकृद्वे |
| | अमयाञ्चक्रे | अमयाञ्चकृवहे | अमयाञ्चकृमहे |
| | अमयाञ्चभूव | अमयाञ्चभूव | अमयाञ्चभूव |
| आ० | अमयिषीष्ट | अमयिषीयास्ताम् | अमयिषीरन् |
| | अमयिषीष्टाः | अमयिषीयास्थाम् | अमयिषीध्वम् |

| | | | |
|------|-----------|-------------|-------------|
| | अमयिषीय | अमयिषीवहि | अमयिषीमहि |
| श्र० | अमयिता | अमयितारौ | अमयितारः |
| | अमयितासे | अमयितासाये | अमयिताध्वे |
| | अमयिताहे | अमयितास्वहे | अमयितामहे |
| भ० | अमयिष्यते | अमयिष्येते | अमयिष्यन्ते |
| | अमयिष्यसे | अमयिष्येथे | अमयिष्यध्वे |
| | अमयिष्ये | अमयिष्यावहे | अमयिष्यामहे |

क्रि० अमयिष्यत अमयिष्यन्ताम् अमयिष्यन्त
अमयिष्यथाः अमयिष्येथाम् अमयिष्यध्वम्
अमयिष्य अमयिष्यावहि अमयिष्यामहि

1234 अमूच् (अमू) अनवस्थाने । 970 अमूवद्वाणि
1255 अमूच् (अमू) सद्ने । 788 अमूषिवद्वाणि
1136 मदेच् (मद्) हर्षे । 1048 मदेवद्वाणि

1237 कलमृच् (कलम्) ज्ञानौ ।

| | | | |
|------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | कलमयति | कलमयतः | कलमयन्ति |
| | कलमयसि | कलमयथः | कलमयथ |
| | कलमयामि | कलमयावः | कलमयामः |
| स० | कलमयेत् | कलमयेताम् | कलमयेयुः |
| | कलमयेः | कलमयेतम् | कलमयेत |
| | कलमयेयम् | कलमयेव | कलमयेम |
| प० | कलमयतु | कलमयतात् | कलमयन्तु |
| | कलमय | कलमयतात् | कलमयत |
| | कलमयानि | कलमयाव | कलमयाम |
| श्र० | अकलमयत् | अकलमयताम् | अकलमयन् |
| | अकलमयः | अकलमयतम् | अकलमयत |
| | अकलमयम् | अकलमयाव | अकलमयाम |
| अ० | अचिकलमत | अचिकलमताम् | अचिकलमन् |
| | अचिकलमः | अचिकलमतम् | अचिकलमत |
| | अचिकलमम् | अचिकलमाव | अचिकलमाम |
| प० | कलमयाञ्चकार | कलमयाञ्चक्रतुः | कलमयाञ्चक्रुः |
| | कलमयाञ्चकथे | कलमयाञ्चकथुः | कलमयाञ्चक्र |
| | कलमयाञ्चकार-चकर | कलमयाञ्चकृव | कलमयाञ्चकृम |

कलमयाञ्चभूव । कलमयाञ्चभूव

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| आ० | कलम्यात् | कलम्यास्ताम् | कलम्यासुः |
| | कलम्याः | कलम्यास्तम् | कलम्यास्त |
| | कलम्यासम् | कलम्यास्व | कलम्यास्म |
| श्र० | कलमयिता | कलमयितारौ | कलमयितारः |
| | कलमयितासि | कलमयितास्थः | कलमयितास्थ |
| | कलमयितास्मि | कलमयितारवः | कलमयितास्मः |
| अ० | कलमयिष्यति | कलमयिष्यतः | कलमयिष्यन्ति |
| | कलमयिष्यसि | कलमयिष्यथः | कलमयिष्यथ |
| | कलमयिष्यामि | कलमयिष्यावः | कलमयिष्यामः |
| क्रि० | अकलमयिष्यत् | अकलमयिष्यताम् | अकलमयिष्यन् |
| | अकलमयिष्यः | अकलमयिष्यतम् | अकलमयिष्यत |
| | अकलमयिष्यम् | अकलमयिष्याव | अकलमयिष्याम |

(११०२) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| व० कलमयते | कलमयेते | कलमयन्ते |
| कलमयसे | कलमयेथे | कलमयध्वे |
| कलमये | कलमयावहे | कलमयामहे |
| स० कलमयेत | कलमयेयाताम् | कलमयेरन् |
| कलमयेथाः | कलमयेयाथाम् | कलमयेध्वम् |
| कलमयेय | कलमयेवहि | कलमयेमहि |
| प० कलमयताम् | कलमयेताम् | कलमयन्ताम् |
| कलमयस्व | कलमयेथाम् | कलमयध्वम् |
| कलमये | कलमयावहे | कलमयामहे |
| झ० अकलमयत | अकलमयेताम् | अकलमयन्त |
| अकलमयथाः | अकलमयेथाम् | अकलमयध्वम् |
| अकलमये | अकलमयावहि | अकलमयामहि |
| अ० अचिकलमत | अचिकलमेताम् | अचिकलमन्त |
| अचिकलमथाः | अचिकलमेथाम् | अचिकलमध्वम् |
| अचिकलमे | अचिकलमावहि | अचिकलमामहि |
| प० कलमयाश्चक्रे | कलमयाश्चक्राते | कलमयाश्चक्रिरे |
| कलमयाश्चक्रेषु | कलमयाश्चक्राये | कलमयाश्चक्रुवहे |
| कलमयाश्चक्रे | कलमयाश्चक्रवहे | कलमयाश्चक्रमहे |
| कलमयाश्चक्रभूव | कलमयाश्चक्रमास | |
| आ० कलमयिषीष्ट | कलमयिषीयास्ताम् | कलमयिषीरन् |
| कलमयिषीष्टाः | कलमयिषीयास्थाम् | कलमयिषीध्वम् |
| कलमयिषीय | कलमयिषीवहि | कलमयिषीमहि |
| अ० कलमयिता | कलमयितारौ | कलमयितारः |
| कलमयितासे | कलमयितासाथे | कलमयिताध्वे |
| कलमयिताहे | कलमयितास्वहे | कलमयितास्महे |
| अ० कलमयिष्यते | कलमयिष्येते | कलमयिष्यन्ते |
| कलमयिष्यसे | कलमयिष्येथे | कलमयिष्यध्वे |
| कलमयिष्ये | कलमयिष्यवहे | कलमयिष्यामहे |
| क्रि० अकलमयिष्यत | अकलमयिष्येताम् | अकलमयिष्यन्त |
| अकलमयिष्यथाः | अकलमयिष्येथाम् | अकलमयिष्यध्वम् |
| अकलमयिष्ये | अकलमयिष्यवहि | अकलमयिष्यामहि |

॥ अथ प्रकृतवर्णक्रमेण हान्ताश्चत्वारः ॥

1238 मुहौच (मुहू) वैचित्ये ।

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| व० मोहयति | मोहयतः | मोहयन्ति |
| मोहयसि | मोहयथः | मोहयथ |
| मोहयामि | मोहयावः | मोहयामः |
| स० मोहयेत् | मोहयेताम् | मोहयेयुः |
| मोहयेः | मोहयेतम् | मोहयेत |
| मोहयेयम् | मोहयेव | मोहयेम |
| प० मोहयतु | मोहयतात् | मोहयन्तु |
| मोहय | मोहयतात् | मोहयत |
| मोहयानि | मोहयाव | मोहयाम |
| झ० अमोहयत् | अमोहयताम् | अमोहयन् |
| अमोहयः | अमोहयताम् | अमोहयत |
| अमोहयम् | अमोहयाव | अमोहयाम |
| अ० अमूमुहत् | अमूमुहताम् | अमूमुहन् |
| अमूमुहः | अमूमुहतम् | अमूमुहत |
| अमूमुहम् | अमूमुहाव | अमूमुहाम |
| प० मोहयाश्चकार | मोहयाश्चक्रुः | मोहयाश्चक्रुः |
| मोहयाश्चकर्थ | मोहयाश्चक्रुः | मोहयाश्चक्रुः |
| मोहयाश्चकार-चकर | मोहयाश्चक्रुव | मोहयाश्चक्रुम |
| मोहयाश्चक्रभूव | मोहयामास | |
| आ० मोहात | मोहास्ताम् | मोहासुः |
| मोहा | मोहास्तम् | मोहास्त |
| मोहासम् | मोहास्व | मोहास्म |
| अ० मोहयिता | मोहयितारौ | मोहयितारः |
| मोहयितासि | मोहयितास्थः | मोहयितास्थ |
| मोहयितास्मि | मोहयितास्वः | मोहयितास्मः |
| अ० मोहयिष्यति | मोहयिष्यतः | मोहयिष्यन्ति |
| मोहयिष्यसि | मोहयिष्यथः | मोहयिष्यथ |
| मोहयिष्यामि | मोहयिष्यावः | मोहयिष्यामः |
| क्रि० अमोहयिष्यत | अमोहयिष्यताम् | अमोहयिष्यन्त |
| अमोहयिष्यथाः | अमोहयिष्येथाम् | अमोहयिष्यध्वम् |
| अमोहयिष्ये | अमोहयिष्यवहि | अमोहयिष्यामहि |

मुनिश्रोलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१२०३)

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० मोहयते | मोहयेते | मोहयन्ते |
| मोहयसे | मोहयेथे | मोहयध्वे |
| मोहये | मोहयावहे | मोहयामहे |
| स० मोहयेत | मोहयेयाताम् | मोहयेरन् |
| मोहयेथाः | मोहयेयाथाम् | मोहयेध्वम् |
| मोहयेय | मोहयेवहि | मोहयेमहि |
| प० मोहयताम् | मोहयेताम् | मोहयन्ताम् |
| मोहयस्व | मोहयेथाम् | मोहयध्वम् |
| मोहये | मोहयावहे | मोहयामहे |
| ह्य० अमोहयत | अमोहयेताम् | अमोहयन्त |
| अमोहयथाः | अमोहयेथाम् | अमोहयध्वम् |
| अमोहये | अमोहयावहि | अमोहयामहि |
| अ० अमूमुहत | अमूमुहेताम् | अमूमुहन्त |
| अमूमुहथाः | अमूमुहेथाम् | अमूमुहध्वम् |
| अमूमुहे | अमूमुहावहि | अमूमुहामहि |
| प० मोहयाञ्चके | मोहयाञ्चक्राते | मोहयाञ्चक्रिरे |
| मोहयाञ्चकृषे | मोहयाञ्चक्राथे | मोहयाञ्चकृत्वे |
| मोहयाञ्चके | मोहयाञ्चकृवहे | मोहयाञ्चकृमहे |
| मोहयाम्बभूव | । मोहयामास | |
| आ० मोहयिषीष्ट | मोहयिषीयास्ताम् | मोहयिषीरन् |
| मोहयिषीष्ठाः | मोहयिषीयास्थाम् | मोहयिषीध्वम् |
| मोहयिषीय | मोहयिषीवहि | मोहयिषीमहि |
| भ० मोहयिता | मोहयितारौ | मोहयितारः |
| मोहयितासे | मोहयितासाथे | मोहयिताध्वे |
| मोहयिताहे | मोहयितास्वहे | मोहयितास्महे |
| भ० मोहयिष्यते | मोहयिष्येते | मोहयिष्यन्ते |
| मोहयिष्यसे | मोहयिष्येथे | मोहयिष्यध्वे |
| मोहयिष्ये | मोहयिष्यावहे | मोहयिष्यामहे |
| क्रि० अमोहयिष्यत | अमोहयिष्येताम् | अमोहयिष्यन्त |
| अमोहयिष्यथाः | अमोहयिष्येथाम् | अमोहयिष्यध्वम् |
| अमोहयिष्ये | अमोहयिष्यामहि | अमोहयिष्यामहि |

1239 द्रुह्यच् (द्रुह्) जिघांसायाम् ।

| | | |
|---------------------|------------------|----------------|
| व० द्रुहयति | द्रुहयतः | द्रुहयन्ति |
| द्रुहयसि | द्रुहयथः | द्रुहयथ |
| द्रुहयामि | द्रुहयावः | द्रुहयामः |
| स० द्रुहयेत् | द्रुहयेताम् | द्रुहयेयुः |
| द्रुहयेः | द्रुहयेतम् | द्रुहयेत |
| द्रुहयेयम् | द्रुहयेव | द्रुहयेम |
| प० द्रुहयतु | द्रुहयतात् | द्रुहयताम् |
| द्रुहय | द्रुहयतात् | द्रुहयतम् |
| द्रुहयाणि | द्रुहयाव | द्रुहयाम |
| ह्य० अद्रुहयत् | अद्रुहयताम् | अद्रुहयन् |
| अद्रुहयः | अद्रुहयतम् | अद्रुहयत |
| अद्रुहयम् | अद्रुहयाव | अद्रुहयाम |
| अ० अद्रुह्यत | अद्रुह्यताम् | अद्रुह्यन् |
| अद्रुह्यः | अद्रुह्यतम् | अद्रुह्यत |
| अद्रुह्यम् | अद्रुह्याव | अद्रुह्याम |
| प० द्रुहयाञ्चकार | द्रुहयाञ्चक्रतुः | द्रुहयाञ्चकः |
| द्रुहयाञ्चकर्थ | द्रुहयाञ्चकथुः | द्रुहयाञ्चक |
| द्रुहयञ्चकार-चकर | द्रुहयाञ्चकृव | द्रुहयाञ्चकृम |
| द्रुहयाम्बभूव | । द्रुहयामास | |
| आ० द्रुह्यात् | द्रुह्यास्ताम् | द्रुह्यासुः |
| द्रुह्याः | द्रुह्यास्तम् | द्रुह्यास्त |
| द्रुह्यासम् | द्रुह्यास्व | द्रुह्यास्म |
| भ० द्रुहयिता | द्रुहयितारौ | द्रुहयितारः |
| द्रुहयितासि | द्रुहयितास्थः | द्रुहयितास्थ |
| द्रुहयितास्मि | द्रुहयितास्वः | द्रुहयितास्मः |
| भ० द्रुहयिष्यति | द्रुहयिष्यतः | द्रुहयिष्यन्ति |
| द्रुहयिष्यसि | द्रुहयिष्यथः | द्रुहयिष्यथ |
| द्रुहयिष्यामि | द्रुहयिष्यावः | द्रुहयिष्यामः |
| क्रि० अद्रुहयिष्यत् | अद्रुहयिष्यताम् | अद्रुहयिष्यन् |
| अद्रुहयिष्यः | अद्रुहयिष्यतम् | अद्रुहयिष्यत |
| अद्रुहयिष्यम् | अद्रुहयिष्याव | अद्रुहयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|----------------------|------------------|
| ब० | द्रोहयते | द्रोहयेते | द्रोहयन्ते |
| | द्रोहयसे | द्रोहयेथे | द्रोहयध्वे |
| | द्रोहये | द्रोहयावहे | द्रोहयामहे |
| स० | द्रोहयेत | द्रोहयेताम् | द्रोहयेरन् |
| | द्रोहयेथाः | द्रोहयेथाभ्याम् | द्रोहयेध्वम् |
| | द्रोहयेथ | द्रोहयावहि | द्रोहयामहि |
| प० | द्रोहयताम् | द्रोहयेताम् | द्रोहयन्ताम् |
| | द्रोहयस्व | द्रोहयेथाम् | द्रोहयध्वम् |
| | द्रोहये | द्रोहयावहे | द्रोहयामहे |
| ह्य० | अद्रोहयत | अद्रोहयेताम् | अद्रोहयन्त |
| | अद्रोहयथाः | अद्रोहयेथाभ्याम् | अद्रोहयध्वम् |
| | अद्रोहये | अद्रोहयावहि | अद्रोहयामहि |
| अ० | अदुमुह्यत | अदुमुहेताम् | अदुमुह्यन्त |
| | अदुमुह्यथाः | अदुमुहेथाभ्याम् | अदुमुह्यध्वम् |
| | अदुमुहे | अदुमुहावहि | अदुमुह्यामहि |
| प० | द्रोहयाञ्चके | द्रोहयाञ्चकते | द्रोहयाञ्चक्रिरे |
| | द्रोहयाञ्चकृषे | द्रोहयाञ्चक्राथे | द्रोहयाञ्चकृद्वे |
| | द्रोहयाञ्चके | द्रोहयाञ्चकृवहे | द्रोहयाञ्चकृमहे |
| | द्रोहयाम्बभूव | । | द्रोहयामास |
| आ० | द्रोहयिषीष्ट | द्रोहयिषीयास्ताम् | द्रोहयिषीरन् |
| | द्रोहयिषीष्टाः | द्रोहयिषीयास्थाम् | द्रोहयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | द्रोहयिषीय | द्रोहयिषीवहि | द्रोहयिषीमहि |
| व० | द्रोहयिता | द्रोहयितारौ | द्रोहयितारः |
| | द्रोहयितासे | द्रोहयितासाथे | द्रोहयिताध्वे |
| | द्रोहयिताहे | द्रोहयितास्वहे | द्रोहयितास्महे |
| भ० | द्रोहयिष्यते | द्रोहयिष्येते | द्रोहयिष्यन्ते |
| | द्रोहयिष्यसे | द्रोहयिष्येथे | द्रोहयिष्यध्वे |
| | द्रोहयिष्ये | द्रोहयिष्यावहे | द्रोहयिष्यामहे |
| क्रि० | अद्रोहयिष्यत | अद्रोहयिष्येताम् | अद्रोहयिष्यन्त |
| | अद्रोहयिष्यथाः | अद्रोहयिष्येथाभ्याम् | अद्रोहयिष्यध्वम् |
| | अद्रोहयिष्ये | अद्रोहयिष्यामहि | अद्रोहयिष्यामहि |

1240 णुहोच् (स्नुह्) उद्गिरणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | स्नोहयति | स्नोहयतः | स्नोहयन्ति |
| | स्नोहयसि | स्नोहयथः | स्नोहयथ |
| | स्नोहयामि | स्नोहयावः | स्नोहयामः |
| स० | स्नोहयेत् | स्नोहयेताम् | स्नोहयेयुः |
| | स्नोहयेः | स्नोहयेतम् | स्नोहयेत |
| | स्नोहयेयम् | स्नोहयेव | स्नोहयेम |
| प० | स्नोहयतु | स्नोहयतात् | स्नोहयताम् |
| | स्नोहय | स्नोहयतात् | स्नोहयतम् |
| | स्नोहयानि | स्नोहयाव | स्नोहयाम |
| ह्य० | अस्नोहयत् | अस्नोहयताम् | अस्नोहयन् |
| | अस्नोहयः | अस्नोहयतम् | अस्नोहयत |
| | अस्नोहयम् | अस्नोहयाव | अस्नोहयाम |
| अ० | असुणुह्यत | असुणुह्यताम् | असुणुह्यन् |
| | असुणुह्यः | असुणुह्यतम् | असुणुह्यत |
| | असुणुह्यम् | असुणुह्याव | असुणुह्याम |
| प० | स्नोहयाञ्चकार | स्नोहयाञ्चकतुः | स्नोहयाञ्चक्रः |
| | स्नोहयाञ्चकथं | स्नोहयाञ्चकथुः | स्नोहयाञ्चक |
| | स्नोहयाञ्चकार-चकर | स्नोहयाञ्चकृव | स्नोरयाञ्चकृम |
| | स्नोहयाम्बभूव | । | स्नोहयामास |
| आ० | स्नोह्यात् | स्नोह्यास्ताम् | स्नोह्यास्तुः |
| | स्नोह्याः | स्नोह्यास्तम् | स्नोह्यास्त |
| | स्नोह्यासम् | स्नोह्यास्व | स्नोह्यास्म |
| व० | स्नोहयिता | स्नोहयितारौ | स्नोहयितारः |
| | स्नोहयितासि | स्नोहयितासथः | स्नोहयितास्थ |
| | स्नोहयितास्मि | स्नोहयितास्वः | स्नोहयितास्मः |
| भ० | स्नोहयिष्यति | स्नोहयिष्यतः | स्नोहयिष्यन्ति |
| | स्नोहयिष्यसि | स्नोहयिष्यथः | स्नोहयिष्यथ |
| | स्नोहयिष्यामि | स्नोहयिष्यावः | स्नोहयिष्यामः |
| क्रि० | अस्नोहयिष्यत् | अस्नोहयिष्यताम् | अस्नोहयिष्यन् |
| | अस्नोहयिष्यः | अस्नोहयिष्यतम् | अस्नोहयिष्यत |
| | अस्नोहयिष्यम् | अस्नोहयिष्याव | अस्नोहयिष्याम |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (११०५)

| | | |
|----------------------------|-------------------|------------------|
| व० स्नोहयते | स्नोहयेते | स्नोहयन्ते |
| स्नोहयसे | स्नोहयेथे | स्नोहयन्वे |
| स्नोहये | स्नोहयावहे | स्नोहयामहे |
| स० स्नोहयेत | स्नोहयेयाताम् | स्नोहयेयान् |
| स्नोहयेथाः | स्नोहयेयाथाम् | स्नोहयेध्वम् |
| स्नोहयेय | स्नोहयेवहि | स्नोहयेमहि |
| प० स्नोहयताम् | स्नोहयेताम् | स्नोहयन्ताम् |
| स्नोहयस्व | स्नोहयेथाम् | स्नोहयध्वम् |
| स्नोहये | स्नोहयावहे | स्नोहयामहे |
| अ० अस्नोहयत | अस्नोहयेताम् | अस्नोहयन्त |
| अस्नोहयथाः | अस्नोहयेथाम् | अस्नोहयध्वम् |
| अस्नोहये | अस्नोहयावहि | अस्नोहयामहि |
| अ० असुष्णहत् | असुष्णहेताम् | असुष्णहन्त |
| असुष्णहथाः | असुष्णहेथाम् | असुष्णहध्वम् |
| असुष्णहे | असुष्णहावहि | असुष्णहामहि |
| प० स्नोहयञ्चके | स्नोहयञ्चकाते | स्नोहयञ्चकिरे |
| स्नोहयञ्चकुपे | स्नोहयञ्चकाथे | स्नोहयञ्चकुपे |
| स्नोहयञ्चके | स्नोहयञ्चकुवहे | स्नोहयञ्चकमहे |
| स्नोहयाम्बभूव । स्नोहयामास | | |
| आ० स्नोहयिषीष्ट | स्नोहयिषीयास्ताम् | स्नोहयिषीरन् |
| स्नोहयिषीष्टाः | स्नोहयिषीयास्थाम् | स्नोहयिषीध्वम् |
| स्नोहयिषीय | स्नोहयिषीवहि | स्नोहयिषीमहि |
| श्व० स्नोहयिता | स्नोहयितारौ | स्नोहयितारः |
| स्नोहयितासे | स्नोहयितासाथे | स्नोहयिताध्वे |
| स्नोहयिताहे | स्नोहयितास्वहे | स्नोहयितास्महे |
| भ० स्नोहयिष्यते | स्नोहयिष्येते | स्नोहयिष्यन्ते |
| स्नोहयिष्यसे | स्नोहयिष्येथे | स्नोहयिष्यध्वे |
| स्नोहयिष्ये | स्नोहयिष्यावहे | स्नोहयिष्यामहे |
| क्रि० अस्नोहयिष्यत | अस्नोहयिष्येताम् | अस्नोहयिष्यन्त |
| अस्नोहयिष्यथाः | अस्नोहयिष्येथाम् | अस्नोहयिष्यध्वम् |
| अस्नोहयिष्ये | अस्नोहयिष्यावहि | अस्नोहयिष्यामहि |

1241 णिगन्त (स्निहृ) प्रीतौ

| | | |
|----------------------------|-----------------|----------------|
| व० स्नेहयति | स्नेहयतः | स्नेहयन्ति |
| स्नेहयसि | स्नेहयथः | स्नेहयथ |
| स्नेहयामि | स्नेहयावः | स्नेहयामः |
| स० स्नेहयेत् | स्नेहयेताम् | स्नेहयेयुः |
| स्नेहयेः | स्नेहयेतम् | स्नेहयेत |
| स्नेहयेयम् | स्नेहयेव | स्नेहयेम |
| प० स्नेहयतु | स्नेहयतान् | स्नेहयताम् |
| स्नेहय | स्नेहयतात् | स्नेहयतम् |
| स्नेहयानि | स्नेहयाव | स्नेहयाम |
| अ० अस्नेहयत् | अस्नेहयताम् | अस्नेहयन् |
| अस्नेहयः | अस्नेहयतम् | अस्नेहयत |
| अस्नेहयम् | अस्नेहयाव | अस्नेहयाम |
| अ० असिष्णिहत् | असिष्णिहताम् | असिष्णिहन् |
| असिष्णिह | असिष्णिहताम् | असिष्णिहन् |
| असिष्णिहम् | असिष्णिहाव | असिष्णिहाम |
| प० स्नेहयञ्चकार | स्नेहयञ्चकतुः | स्नेहयञ्चकुः |
| स्नेहयञ्चकथ्य | स्नेहयञ्चकथुः | स्नेहयञ्चक |
| स्नेहयञ्चकार-चकर | स्नेहयञ्चकृव | स्नेहयञ्चकृम |
| स्नेहयाम्बभूव । स्नेहयामास | | |
| आ० स्नेहात् | स्नेहास्ताम् | स्नेहासुः |
| स्नेहाः | स्नेहास्तम् | स्नेहास्त |
| स्नेहासम् | स्नेहास्व | स्नेहास्म |
| श्व० स्नेहयिता | स्नेहयितारौ | स्नेहयितारः |
| स्नेहयितासि | स्नेहयितास्थः | स्नेहयितास्थ |
| स्नेहयितास्मि | स्नेहयितास्वः | स्नेहयितास्मः |
| भ० स्नेहयिष्यति | स्नेहयिष्यतः | स्नेहयिष्यन्ति |
| स्नेहयिष्यसि | स्नेहयिष्यथः | स्नेहयिष्यथ |
| स्नेहयिष्यामि | स्नेहयिष्यावः | स्नेहयिष्यामः |
| क्रि० अस्नेहयिष्यत् | अस्नेहयिष्यताम् | अस्नेहयिष्यन् |
| अस्नेहयिष्यः | अस्नेहयिष्यतम् | अस्नेहयिष्यत |
| अस्नेहयिष्यम् | अस्नेहयिष्याव | अस्नेहयिष्याम |

| | | |
|-------------------------|-----------------------------------|------------------|
| व० स्नेहयते | स्नेहयेते | स्नेहयन्ते |
| स्नेहयसे | स्नेहयेथे | स्नेहयध्वे |
| स्नेहये | स्नेहयावहे | स्नेहयामहे |
| स० स्नेहयेत | स्नेहयेयाताम् | स्नेहयेरन् |
| स्नेहयेथाः | स्नेहयेयाथाम् | स्नेहयेध्वम् |
| स्नेहयेय | स्नेहयेवहि | स्नेहयेमहि |
| प० स्नेहयेताम् | स्नेहयेताम् | स्नेहयन्ताम् |
| स्नेहयस्व | स्नेहयथाम् | स्नेहयध्वम् |
| स्नेहयै | स्नेहयावहे | स्नेहयामहे |
| ह्य० अस्नेहयत | अस्नेहयेताम् | अस्नेहयन्त |
| अस्नेहयथाः | अस्नेहयेथाम् | अस्नेहयध्वम् |
| अस्नेहये | अस्नेहयावहि | अस्नेहयामहि |
| अ० असिष्णिहत् | असिष्णिहेताम् | असिष्णिहन्त |
| असिष्णिहथाः | असिष्णिहेथाम् | असिष्णिहध्वम् |
| असिष्णिहे | असिष्णिहावहि | असिष्णिहामहि |
| य० स्नेहयाञ्चके | स्नेहयाञ्चकते | स्नेहयाञ्चकिरे |
| स्नेहयाञ्चकृषे | स्नेहयाञ्चकाथे | स्नेहयाञ्चकृद्वे |
| स्नेहयाञ्चके | स्नेहयाञ्चकृवहे | स्नेहयाञ्चकृमहे |
| स्नेहयाम्बभूष | । स्नेहयामास | |
| आ० स्नेहयिषीष्ट | स्नेहयिषीयास्ताम् | स्नेहयिषीरन् |
| स्नेहयिषीष्टाः | स्नेहयिषीयास्थाम् | स्नेहयिषीद्वम् |
| | | वन् |
| स्नेहयिषीय | स्नेहयिषीमहि | स्नेहयिषीमहि |
| स्नेहयिता | स्नेहयितारौ | स्नेहयितारः |
| स्नेहयितासे | स्नेहयितासाथे | स्नेहयिताध्वे |
| स्नेहयिताहे | स्नेहयितास्वहे | स्नेहयितास्महे |
| स्नेहयिष्यते | स्नेहयिष्येते | स्नेहयिष्यन्ते |
| स्नेहयिष्यसे | स्नेहयिष्येथे | स्नेहयिष्यध्वे |
| स्नेहयिष्ये | स्नेहयिष्यावहे | स्नेहयिष्यामहे |
| क्रि० अस्नेहयिष्यत | अस्नेहयिष्येताम् | अस्नेहयिष्यन्त |
| अस्नेहयिष्यथाः | अस्नेहयिष्येथाम् | अस्नेहयिष्यध्वम् |
| अस्नेहयिष्ये | अस्नेहयिष्यावहि | अस्नेहयिष्यामहि |
| ॥ अथ सूयत्यादिर्न वकः ॥ | | |
| 1242 षूडौच [सू] | प्राणिप्रसवे । 078 षूडूचवद्रूपाणि | |
| 1243 षूडूच (वू) | परितापे । 12 दुर्वद्रूपाणि । | |
| ॥ अथ ईदन्ताः सप्त ॥ | | |
| 1244 दीद्वन् (दी-दा) | 7 दाम्बद्रूपाणि | |

1245 धौह्व (धी) अनादरे

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० धाययति | धाययतः | धाययन्ति |
| धाययसि | धाययथः | धाययथ |
| धाययामि | धाययावः | धाययामः |
| स० धाययेत् | धाययेताम् | धाययेयुः |
| धाययेः | धाययेतम् | धाययेत |
| धाययेयम् | धाययेव | धाययेम |
| प० धाययतु | धाययतात् | धाययताम् |
| धायय | धाययतात् | धाययतम् |
| धाययानि | धाययाव | धाययाम |
| ह्य० अधाययत् | अधाययताम् | अधाययन् |
| अधाययः | अधाययतम् | अधाययत |
| अधाययम् | अधाययाव | अधाययाम |
| अ० अदीधयत् | अदीधयताम् | अदीधयन् |
| अदीधयः | अदीधयतम् | अदीधयत |
| अदीधयम् | अदीधयाव | अदीधयाम |
| प० धाययाञ्चकार | धाययाञ्चकृत् | धाययाञ्चकः |
| धाययाञ्चकथै | धाययाञ्चकथुः | धाययाञ्चक |
| धाययाञ्चकार-चकर | धाययाञ्चकृव | धाययाञ्चकृम |
| धाययाम्बभूव | । धाययामास | |
| आ० धाययात् | धाययास्ताम् | धाययास्तुः |
| धाययाः | धाययास्तम् | धाययास्त |
| धाययासम् | धाययास्व | धाययत्स |
| ध्व० धाययिता | धाययितारौ | धाययितारः |
| धाययितासि | धाययितास्थः | धाययितास्थ |
| धाययितास्मि | धाययितास्वः | धाययितास्मः |
| म० धाययिष्यति | धाययिष्यतः | धाययिष्यन्ति |
| धाययिष्यसि | धाययिष्यथः | धाययिष्यथ |
| धाययिष्यामि | धाययिष्यावः | धाययिष्यामः |
| क्रि० अधाययिष्यत् | अधाययिष्यताम् | अधाययिष्यन् |
| अधाययिष्यः | अधाययिष्यतम् | अधाययिष्यत |
| अधाययिष्यम् | अधाययिष्याव | अधाययिष्याम |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (११०७)

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० धाययते | धाययेते | धाययन्ते |
| धाययसे | धाययेथे | धाययन्वे |
| धायये | धाययावहे | धाययामहे |
| स० धाययेत | धाययेताम् | धाययेरन् |
| धाययेथाः | धाययेथाम् | धाययेध्वम् |
| धाययेय | धाययेवहि | धाययेमहि |
| प० धाययताम् | धाययेताम् | धाययन्ताम् |
| धाययस्व | धाययेथाम् | धाययध्वम् |
| धायये | धाययावहे | धाययामहे |
| ह्य० अधाययत | अधाययेताम् | अधाययन्त |
| अधाययथाः | अधाययेथाम् | अधाययध्वम् |
| अधायये | अधाययावहि | अधाययामहि |
| अ० अदीधयत | अदीधयेताम् | अदीधयन्त |
| अदीधयथाः | अदीधयेथाम् | अदीधयध्वम् |
| अदीधये | अदीधयावहि | अदीधयामहि |
| प० धाययाञ्चक्रे | धाययाञ्चकते | धाययाञ्चकिरे |
| धाययाञ्चकृषे | धाययाञ्चकाथे | धाययाञ्चकृद्वे |
| धाययाञ्चक्रे | धाययाञ्चकृवहे | धाययाञ्चकृमहे |
| धाययाम्बभूव । धाययामास | | |
| आ० धाययिषीष्ट | धाययिषीयास्ताम् | धाययिषीरन् |
| धाययिषीष्ठाः | धाययिषीयास्थाम् | धाययिषीद्वम् |
| धाययिषीय | धाययिषीवहि | धाययिषीमहि |
| श्व० धाययिता | धाययितारौ | धाययितारः |
| धाययितासे | धाययितासथे | धाययिताध्वे |
| धाययिताहे | धाययितास्वहे | धाययितास्महे |
| भ० धाययिष्यते | धाययिष्येते | धाययिष्यन्ते |
| धाययिष्यसे | धाययिष्येथे | धाययिष्यन्वे |
| धाययिष्ये | धाययिष्यावहे | धाययिष्यामहे |
| क्रि० अधाययिष्यत | अधाययिष्येताम् | अधाययिष्यन्त |
| अधाययिष्यथाः | अधाययिष्येथाम् | अधाययिष्यध्वम् |
| अधाययिष्ये | अधाययिष्यावहि | अधाययिष्यामहि |

1246 मी०ङ्च् (मी) हिसायाम् । 793 मयिवद्रूपाणि

1247 री०ङ्च् (री) सवणे

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| व० रेपयति | रेपयतः | रेपयन्ति |
| रेपयसि | रेपयथः | रेपयथ |
| रेपयामि | रेपयावः | रेपयामः |
| स० रेपयेत् | रेपयेताम् | रेपययुः |
| रेपयेः | रेपयेतम् | रेपयेत |
| रेपयेयम् | रेपयेव | रेपयेम |
| प० रेपयतु | रेपयतात् | रेपयताम् |
| रेपय | रेपयतात् | रेपयतम् |
| रेपयाणि | रेपयाव | रेपयाम |
| ह्य० अरेपयत् | अरेपयताम् | अरेपयन् |
| अरेपयः | अरेपयतम् | अरेपयत |
| अरेपयम् | अरेपयाव | अरेपयाम |
| अ० अरीरिपत् | अरीरिपताम् | अरीरिपन् |
| अरीरिपः | अरीरिपतम् | अरीरिपत |
| अरीरिपम् | अरीरिपाव | अरीरिपाम |
| प० रेपयाञ्चकार | रेपयाञ्चकतुः | रेपयाञ्चकः |
| रेपयाञ्चकर्षे | रेपयाञ्चकथुः | रेपयाञ्चक |
| रेपयाञ्चकार-चकर | रेपयाञ्चकृव | रेपयाञ्चकृम |
| रेपयाम्बभूव । रेपयामास | | |
| आ० रेप्यात् | रेप्यास्ताम् | रेप्यासुः |
| रेप्याः | रेप्यास्तम् | रेप्यास्त |
| रेप्यासम् | रेप्यास्व | रेप्यास्म |
| श्व० रेपयिता | रेपयितारौ | रेपयितारः |
| रेपयितासि | रेपयितासथः | रेपयितास्थ |
| रेपयितास्मि | रेपयितास्वः | रेपयितास्मः |
| भ० रेपयिष्यति | रेपयिष्यतः | रेपयिष्यन्ति |
| रेपयिष्यसि | रेपयिष्यथः | रेपयिष्यथ |
| रेपयिष्यामि | रेपयिष्यावः | रेपयिष्यामः |
| क्रि० अरेपयिष्यत् | अरेपयिष्यताम् | अरेपयिष्यन् |
| अरेपयिष्यः | अरेपयिष्यतम् | अरेपयिष्यत |
| अरेपयिष्यम् | अरेपयिष्याव | अरेपयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | रेपयते | रेपयेते | रेपयन्ते |
| | रेपयसे | रेपयेथे | रेपयध्वे |
| | रेपये | रेपयावहे | रेपयामहे |
| स० | रेपयेत | रेपयेयाताम् | रेपयेरन् |
| | रेपयेथाः | रेपयेयाथाम् | रेपयेध्वम् |
| | रेपयेय | रेपयेवहि | रेपयेमहि |
| प० | रेपयताम् | रेपयेताम् | रेपयन्ताम् |
| | रेपयस्व | रेपयेथाम् | रेपयध्वम् |
| | रेपयै | रेपयावहै | रेपयामहै |
| ह्य० | अरेपयत | अरेपयेताम् | अरेपयन्त |
| | अरेपयथाः | अरेपयेथाम् | अरेपयध्वम् |
| | अरेपये | अरेपयावहि | अरेपयामहि |
| अ० | अरीरिपत | अरीरिपेताम् | अरीरिपन्त |
| | अरीरिपथाः | अरीरिपेथाम् | अरीरिपध्वम् |
| | अरीरिपे | अरीरिपावहि | अरीरिपामहि |
| प० | रेपयाञ्चक्रे | रेपयाञ्चक्राते | रेपयाञ्चकिरे |
| | रेपयाञ्चकृषे | रेपयाञ्चक्राथे | रेपयाञ्चकृद्वे |
| | रेपयाञ्चक्रे | रेपयाञ्चकृवहे | रेपयाञ्चकृमहे |
| | रेपयाम्बभूव | रेपयमास | |
| आ० | रेपयिषीष्ट | रेपयिषीयास्ताम् | रेपयिषीरन् |
| | रेपयिषीष्ठाः | रेपयिषीयास्थाम् | रेपयिषीध्वम् |
| | रेपयिषीय | रेपयिषीवहि | रेपयिषीमहि |
| श्व० | रेपयिता | रेपयितारौ | रेपयितारः |
| | रेपयितासे | रेपयितासाथे | रेपयिताध्वे |
| | रेपयिताहे | रेपयितास्वहे | रेपयितास्महे |
| भ० | रेपयिष्यते | रेपयिष्येते | रेपयिष्यन्ते |
| | रेपयिष्यसे | रेपयिष्येथे | रेपयिष्यध्वे |
| | रेपयिष्ये | रेपयिष्यावहे | रेपयिष्यामहे |
| क्रि० | अरेपयिष्यत | अरेपयिष्येताम् | अरेपयिष्यन्त |
| | अरेपयिष्यथाः | अरेपयिष्येथाम् | अरेपयिष्यध्वम् |
| | अरेपयिष्ये | अरेपयिष्यावहि | अरेपयिष्यामहि |

1248 लीङ्च् (ली) श्लेषणे । लियो नोन्तः स्नेहद्रवे इति ने ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|----------------|
| व० | विलीनयति | विलीनयतः | विलीनयन्ति |
| | विलीनयसि | विलीनयथः | विलीनयथ |
| | विलीनयामि | विलीनयावः | विलीनयामः |
| स० | विलीनयेत् | विलीनयेताम् | विलीनयेयुः |
| | विलीनयेः | विलीनयेतम् | विलीनयेत |
| | विलीनयेयम् | विलीनयेव | विलीनयेम |
| प० | विलीनयतु | विलीनयतात् | विलीनयताम् |
| | विलीनय | विलीनयतात् | विलीनयतम् |
| | विलीनयानि | विलीनयाव | विलीनयाम |
| ह्य० | व्यलीनयत् | व्यलीनयताम् | व्यलीनयन्त |
| | व्यलीनयः | व्यलीनयतम् | व्यलीनयत |
| | व्यलीनयम् | व्यलीनयाव | व्यलीनयाम |
| अ० | व्यलीलिनत् | व्यलीलिनताम् | व्यलीलिनन् |
| | व्यलीलिनः | व्यलीलिनतम् | व्यलीलिनत |
| | व्यलीलिनम् | व्यलीलिनाव | व्यलीलिनम |
| प० | विलीनयाञ्चकार | विलीनयाञ्चक्रतुः | विलीनयाञ्चकृः |
| | विलीनयाञ्चकर्थ | विलीनयाञ्चक्रथुः | विलीनयाञ्चक्र |
| | विलीनयाञ्चकार-चक्र | विलीनयाञ्चकृव | विलीनयाञ्चकृम |
| | विलीनयाम्बभूव | विलीनयामास | |
| आ० | विलीन्यात् | विलीन्यास्ताम् | विलीन्यासुः |
| | विलीन्याः | विलीन्यास्तम् | विलीन्यास्त |
| | विलीन्यासम् | विलीन्यास्व | विलीन्यास्म |
| श्व० | विलीनयिता | विलीनयितारौ | विलीनयितारः |
| | विलीनयितासि | विलीनयितास्थः | विलीनयितास्थ |
| | विलीनयितास्मि | विलीनयितास्वः | विलीनयितास्मः |
| भ० | विलीनयिष्यति | विलीनयिष्यतः | विलीनयिष्यन्ति |
| | विलीनयिष्यसि | विलीनयिष्यथः | विलीनयिष्यथ |
| | विलीनयिष्यामि | विलीनयिष्यावः | विलीनयिष्यामः |
| क्रि० | व्यलिनयिष्यत् | व्यलिनयिष्यताम् | व्यलिनयिष्यन्त |
| | व्यलिनयिष्यः | व्यलिनयिष्यतम् | व्यलिनयिष्यत |
| | व्यलिनयिष्यम् | व्यलिनयिष्याव | व्यलिनयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | विलीनयते | विलीनयेते | विलीनयन्ते |
| | विलीनयसे | विलीनयेथे | विलीनयध्वे |
| | विलीनये | विलीनयावहे | विलीनयामहे |
| स० | विलीनयेत | विलीनयेयाताम् | विलीनयेरन् |
| | विलीनयेथाः | विलीनयेथायाम् | विलीनयेध्वम् |
| | विलीनयेय | विलीनयेवहि | विलीनयेमहि |
| प० | विलीनयताम् | विलीनयेताम् | विलीनयन्ताम् |
| | विलीनयस्व | विलीनयेथाम् | विलीनयध्वम् |
| | विलीनयै | विलीनयावहे | विलीनयामहे |
| ह्य० | व्यलीनयत | व्यलीनयेताम् | व्यलीनयन्त |
| | व्यलीनयथाः | व्यलीनयेथाम् | व्यलीनयध्वम् |
| | व्यलीनये | व्यलीनयावहि | व्यलीनयामहि |
| अ० | व्यलीलिनत | व्यलीलिनेताम् | व्यलीलिनन्त |
| | व्यलीलिनथाः | व्यलीलिनेथाम् | व्यलीलिनध्वम् |
| | व्यलीलिने | व्यलीलिनावहि | व्यलीलिनमहि |
| प० | विलीनयाञ्चक्रे | विलीनयाञ्चक्राते | विलीनयाञ्चक्रिरे |
| | विलीनयाञ्चक्रे | विलीनयाञ्चक्राथे | विलीनयाञ्चकृद्वे |
| | विलीनयाञ्चके | विलीनयाञ्चकृवहे | विलीनयाञ्चकृमहे |
| | विलीनयाम्बभूव | विलीनयामास | |
| आ० | विलीनयिषीष्ट | विलीनयिषीयास्ताम् | विलीनयिषीरन् |
| | विलीनयिषीष्टाः | विलीनयिषीयास्ताम् | विलीनयिषीद्वम् |
| | विलीनयिषीय | विलीनयिषीवहि | विलीनयिषीमहि |
| श्व० | विलीनयिता | विलीनयितारौ | विलीनयितारः |
| | विलीनयितासे | विलीनयितासाथे | विलीनयिताध्वे |
| | विलीनयिताहे | विलीनयितास्वहे | विलीनयितास्महे |
| भ० | विलीनयिष्यते | विलीनयिष्येते | विलीनयिष्यन्ते |
| | विलीनयिष्यसे | विलीनयिष्येथे | विलीनयिष्यध्वे |
| | विलीनयिष्ये | विलीनयिष्यावहे | विलीनयिष्यामहे |
| क्रि० | व्यलीनयिष्यत | व्यलीनयिष्येताम् | व्यलीनयिष्यन्त |
| | व्यलीनयिष्यथाः | व्यलीनयिष्येथाम् | व्यलीनयिष्यध्वम् |
| | व्यलीनयिष्ये | व्यलीनयिष्यावहि | व्यलीनयिष्यामहि |

॥ नागामभावे ॥

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | लाययति | लाययतः | लाययन्ति |
| | लाययसि | लाययथः | लाययथ |
| | लाययामि | लाययावः | लाययामः |
| स० | लाययेत् | लाययेताम् | लाययेयुः |
| | लाययेः | लाययेतम् | लाययेत |
| | लाययेयम् | लाययेव | लाययेम |
| प० | लाययतु | लाययतात् | लाययन्तु |
| | लायय | लाययतात् | लाययत |
| | लाययानि | लाययाव | लाययाम |
| ह्य० | अलाययत् | अलाययताम् | अलाययन् |
| | अलाययः | अलाययतम् | अलाययत |
| | अलाययम् | अलाययाव | अलाययाम |
| अ० | अलीलयत् | अलीलयताम् | अलीलयन् |
| | अलीलयः | अलीलयतम् | अलीलयत |
| | अलीलयम् | अलीलयव | अलीलयाम |
| प० | लाययाञ्चकार | लाययाञ्चक्रतुः | लाययाञ्चक्रुः |
| | लाययाञ्चकर्थ | लाययाञ्चकथुः | लाययाञ्चक्र |
| | लाययाञ्चकार-चकर | लाययाञ्चकृव | लाययाञ्चकृम |
| | लाययाम्बभूव | लाययामास | |
| आ० | लाय्यात् | लाय्यास्ताम् | लाय्यासुः |
| | लाय्याः | लाय्यास्तम् | लाय्यास्त |
| | लाय्यासम् | लाय्यास्व | लाय्यास्म |
| श्व० | लाययिता | लाययितारौ | लाययितारः |
| | लाययितासि | लाययितास्थः | लाययितास्थ |
| | लाययितास्मि | लाययितास्वः | लाययितास्मः |
| भ० | लाययिष्यति | लाययिष्यतः | लाययिष्यन्ति |
| | लाययिष्यसि | लाययिष्यथः | लाययिष्यथ |
| | लाययिष्यामि | लाययिष्यावः | लाययिष्यामः |
| क्रि० | अलाययिष्यत् | अलाययिष्यताम् | अलाययिष्यन् |
| | अलाययिष्यः | अलाययिष्यतम् | अलाययिष्यत |
| | अलाययिष्यम् | अलाययिष्याव | अलाययिष्याम |

(१११०) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| | | |
|-----------------------------|-----------------------|----------------|
| व० लाययते | लाययेते | लाययन्ते |
| लाययसे | लाययेथे | लाययध्वे |
| लायये | लाययावहे | लाययामहे |
| स० लाययेत | लाययेयाताम् | लाययेरन् |
| लाययेथाः | लाययेयाथाम् | लाययेध्वम् |
| लाययेय | लाययेवहि | लालयेमहि |
| प० लाययताम् | लाययेताम् | लाययन्ताम् |
| लाययस्व | लाययेथाम् | लाययध्वम् |
| लायये | लाययावहे | लाययामहे |
| ह्य० अलाययत | अलाययेताम् | अलाययन्त |
| अलाययथाः | अलाययेथाम् | अलाययध्वम् |
| अलायये | अलाययावहि | अलाययामहि |
| अ० अलीलयत | अलीलयेताम् | अलीलयन्त |
| अलीलयथाः | अलीलयेथाम् | अलीलयध्वम् |
| अलीलये | अलीलयावहि | अलीलयामहि |
| प० लाययाञ्चक्रे | लाययाञ्चक्राते | लाययाञ्चकिरे |
| लाययाञ्चकृषे | लाययाञ्चक्राथे | लाययाञ्चकृद्वे |
| लाययाञ्चके | लाययाञ्चकृवहे | लाययाञ्चकृमहे |
| लाययाम्बभूव | । लाययामास | |
| आ० लाययिषीष्ट | लाययिषीयास्ताम् | लाययिषीरन् |
| लाययिषीष्टाः | लाययिषीयास्थाम् | लाययिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| लाययिषीय | लाययिषीवहि | लाययिषीमहि |
| श्व० लाययिता | लाययितारौ | लाययितारः |
| लाययितासे | लाययितासाथे | लाययिताध्वे |
| लाययिताहे | लाययितास्वहे | लाययितामहे |
| भ० लाययिष्यते | लाययिष्येते | लाययिष्यन्ते |
| लाययिष्यसे | लाययिष्येथे | लाययिष्यध्वे |
| लाययिष्ये | लाययिष्यावहे | लाययिष्यामहे |
| क्रि० अलाययिष्यत | अलाययिष्येताम् | अलाययिष्यन्त |
| अलाययिष्यथाः | अलाययिष्येथाम् | अलाययिष्यध्वम् |
| अलाययिष्ये | अलाययिष्यावहि | अलाययिष्यामहि |
| लागमे कृतलकार लड (लल) 254 | वद्रूपाणि | |
| पागमे 1068 | लांक्वद्रूपाणि । 1249 | डीङ्च् |
| (डी) डीङ् 588 | वद्रूपाणि | |

1250 व्रीङ्च् [व्री) वरणे

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| व० व्राययति | व्राययतः | व्राययन्ति |
| व्राययसि | व्राययथः | व्राययथ |
| व्राययामि | व्राययावः | व्राययामः |
| स० व्राययेत् | व्राययेताम् | व्राययेयुः |
| व्राययेः | व्राययेतम् | व्राययेत |
| व्राययेयम् | व्राययेव | व्राययेम |
| प० व्राययतु | व्राययतात् | व्राययताम् |
| व्रायय | व्राययतात् | व्राययतम् |
| व्राययाणि | व्राययाव | व्राययाम |
| ह्य० अव्राययत् | अव्राययताम् | अव्राययन् |
| अव्राययः | अव्राययतम् | अव्राययत |
| अव्राययम् | अव्राययाव | अव्राययाम |
| अ० अविव्रयत् | अविव्रयेताम् | अविव्रयन् |
| अविव्रयः | अविव्रयतम् | अविव्रयत |
| अविव्रयम् | अविव्रयाव | अविव्रयाम |
| प० व्राययाञ्चकार | व्राययाञ्चक्रतुः | व्राययाञ्चक्रुः |
| व्राययाञ्चकर्थ | व्राययाञ्चक्रतुः | व्राययाञ्चक्र |
| व्राययाञ्चकार-चकर | व्राययाञ्चकृव | व्राययाञ्चकृम |
| व्राययाम्बभूव | । व्राययामास | |
| आ० व्राययात् | व्राययास्ताम् | व्राययासुः |
| व्राययाः | व्राययास्तम् | व्राययास्त |
| व्राययासुम् | व्राययास्व | व्राययासम |
| श्व० व्राययिता | व्राययितारौ | व्राययितारः |
| व्राययितासि | व्राययितास्थः | व्राययितास्थ |
| व्राययितास्मि | व्राययितास्वः | व्राययितासमः |
| भ० व्राययिष्यति | व्राययिष्यतः | व्राययिष्यन्ति |
| व्राययिष्यसि | व्राययिष्यथः | व्राययिष्यथ |
| व्राययिष्यामि | व्राययिष्यावः | व्राययिष्यामः |
| क्रि० अव्राययिष्यत् | अव्राययिष्यताम् | अव्राययिष्यन् |
| अव्राययिष्यः | अव्राययिष्यतम् | अव्राययिष्यत |
| अव्राययिष्यम् | अव्राययिष्याव | अव्राययिष्याम |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (११११)

| | | | |
|-------|----------------|----------------------|------------------|
| व० | व्राययते | व्राययेते | व्राययन्ते |
| | व्राययसे | व्राययेथे | व्राययध्वे |
| | व्रायये | व्राययावहे | व्राययामहे |
| स० | व्राययेत | व्राययेयाताम् | व्राययेरन् |
| | व्राययेथाः | व्राययेयाथाम् | व्राययेध्वम् |
| | व्राययेय | व्राययेवहि | व्राययेमहि |
| प० | व्राययताम् | व्राययेताम् | व्राययन्ताम् |
| | व्राययस्व | व्राययेथाम् | व्राययध्वम् |
| | व्राययै | व्राययावहै | व्राययामहै |
| ह्य | अव्राययत | अव्राययेताम् | अव्राययन्त |
| | अव्राययथाः | अव्राययेथाम् | अव्राययध्वम् |
| | अव्रायये | अव्राययावहि | अव्राययामहि |
| अ० | अविव्रयत | अविव्रयेताम् | अविव्रयन्त |
| | अविव्रयथाः | अविव्रयेथाम् | अविव्रयध्वम् |
| | अविव्रये | अविव्रयावहि | अविव्रयामहि |
| प० | व्राययाञ्चक्रे | व्राययाञ्चकाते | व्राययाञ्चक्रे |
| | व्राययाञ्चक्रे | व्राययाञ्चकाथे | व्राययाञ्चकृद्वे |
| | व्राययाञ्चके | व्राययाञ्चकृवहे | व्राययाञ्चकृमहे |
| | व्राययाम्बभूव | व्राययामास | |
| आ० | व्राययिषीष्ट | व्राययिषीयास्ताम् | व्राययिषीन् |
| | व्राययिषीष्टाः | व्राययिषीयास्थाम् | व्राययिषीध्वम् |
| | व्राययिषीय | व्राययिषीवहि | व्राययिषीमहि |
| श्व० | व्राययिता | व्राययितारौ | व्राययितारः |
| | व्राययितासे | व्राययितासाथे | व्राययिताध्वे |
| | व्राययिताहे | व्राययितास्वहे | व्राययितामहे |
| भ० | व्राययिष्यते | व्राययिष्येते | व्राययिष्यन्ते |
| | व्राययिष्यसे | व्राययिष्येथे | व्राययिष्यध्वे |
| | व्राययिष्ये | व्राययिष्यावहे | व्राययिष्यामहे |
| क्रि० | अव्राययिष्यत | अव्राययिष्येताम् | अव्राययिष्यन्त |
| | अव्राययिष्यथाः | अव्राययिष्येथाम् | अव्राययिष्यध्वम् |
| | अव्राययिष्ये | अव्राययिष्यावहि | अव्राययिष्यामहि |
| | वृत् | स्वादिः । | अधेदन्तास्त्रयः |
| | 1251 | पीङ्च् (पी) प.ने । 2 | पांवद्रूपाणि |
| | 1252 | ईङ्च् (ई) गतौ । 11 | इंवद्रूपाणि |

1253 पीङ्च् (पी) पीतौ

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | प्राययति | प्राययतः | प्राययन्ति |
| | प्राययसि | प्राययथः | प्राययथ |
| | प्राययामि | प्राययावः | प्राययामः |
| स० | प्राययेत् | प्राययेताम् | प्राययेयुः |
| | प्राययेः | प्राययेतम् | प्राययेत |
| | प्राययेयम् | प्राययेव | प्राययेम |
| प० | प्राययतु | प्राययतात् | प्राययताम् |
| | प्रायय | प्राययतात् | प्राययतम् |
| | प्राययाणि | प्राययाव | प्राययाम |
| ह्य० | अप्राययत् | अप्राययताम् | अप्राययन् |
| | अप्राययः | अप्राययतम् | अप्राययत |
| | अप्राययम् | अप्राययाव | अप्राययाम |
| अ० | अपिप्रयत् | अपिप्रयताम् | अपिप्रयन् |
| | अपिप्रयः | अपिप्रयतम् | अपिप्रयत |
| | अपिप्रयम् | अपिप्रयाव | अपिप्रयाम |
| प० | प्राययाञ्चकार | प्राययाञ्चकतुः | प्राययाञ्चकुः |
| | प्राययाञ्चकथं | प्राययाञ्चकथुः | प्राययाञ्चक |
| | प्राययाञ्चकार-चकर | प्राययाञ्चकृव | प्राययाञ्चकृम |
| | प्राययाम्बभूव | प्राययामास | |
| आ० | प्राययात् | प्राययास्ताम् | प्राययासुः |
| | प्राययाः | प्राययास्तम् | प्राययास्त |
| | प्राययासम् | प्राययास्व | प्राययास्म |
| श्व० | प्राययिता | प्राययितारौ | प्राययितारः |
| | प्राययितासि | प्राययितास्थः | प्राययितास्थ |
| | प्राययितास्मि | प्राययितास्वः | प्राययितास्मः |
| भ० | प्राययिष्यति | प्राययिष्यतः | प्राययिष्यन्ति |
| | प्राययिष्यसि | प्राययिष्यथः | प्राययिष्यथ |
| | प्राययिष्यामि | प्राययिष्यावः | प्राययिष्यामः |
| क्रि० | अप्राययिष्यत् | अप्राययिष्यताम् | अप्राययिष्यन् |
| | अप्राययिष्यः | अप्राययिष्यतम् | अप्राययिष्यत |
| | अप्राययिष्यम् | अप्राययिष्याव | अप्राययिष्याम |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| व० प्राययते | प्राययते | प्राययन्ते |
| प्राययसे | प्राययथे | प्राययध्वे |
| प्रायये | प्राययावहे | प्राययामहे |

| | | |
|--------------|-------------|--------------|
| स० प्राययेत् | प्राययेताम् | प्राययेरन् |
| प्राययेथाः | प्राययेथाम् | प्राययेध्वम् |
| प्राययेय | प्राययेवहि | प्राययेमहि |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| प० प्राययताम् | प्राययेताम् | प्राययन्ताम् |
| प्राययस्व | प्राययेथाम् | प्राययध्वम् |
| प्रायये | प्राययावहे | प्राययामहे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| ह्य० अप्राययत | अप्राययेताम् | अप्राययन्त |
| अप्राययथाः | अप्राययेथाम् | अप्राययध्वम् |
| अप्रायये | अप्राययावहि | अप्राययामहि |

| | | |
|-------------|--------------|--------------|
| अ० अपिप्रयत | अपिप्रयेताम् | अपिप्रयन्त |
| अपिप्रयथाः | अपिप्रयेथाम् | अपिप्रयध्वम् |
| अपिप्रये | अपिप्रयावहि | अपिप्रयामहि |

| | | |
|-----------------|-----------------|-----------------|
| प० प्राययाञ्चके | प्राययाञ्चकाते | प्राययाञ्चकिरे |
| प्राययाञ्चके | प्राययाञ्चकाथे | प्राययाञ्चकृवहे |
| प्राययाञ्चके | प्राययाञ्चकृवहे | प्राययाञ्चकृमहे |

प्राययाम्भूव । प्राययामास

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| आ० प्राययिषीष्ट | प्राययिषीस्ताम् | प्राययिषीरन् |
| प्राययिषीष्टाः | प्राययिषीस्ताम् | प्राययिषीध्वम् |

प्राययिषीय प्राययिषीवहि प्राययिषीमहि

| | | |
|--------------|----------------|----------------|
| भ० प्राययिता | प्राययितारौ | प्राययितारः |
| प्राययितासे | प्राययितासाथे | प्राययिताध्वे |
| प्राययिताहे | प्राययितास्वहे | प्राययितास्महे |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| भ० प्राययिष्यते | प्राययिष्येते | प्राययिष्यन्ते |
| प्राययिष्यसे | प्राययिष्येथे | प्राययिष्यध्वे |
| प्राययिष्ये | प्राययिष्यावहे | प्राययिष्यामहे |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| क्रि० अप्राययिष्यत | अप्राययिष्येताम् | अप्राययिष्यन्त |
| अप्राययिष्यथाः | अप्राययिष्येथाम् | अप्राययिष्यध्वम् |
| अप्राययिष्ये | अप्राययिष्यावहि | अप्राययिष्यामहि |

॥ अथ जान्ती ॥

1254 युजिच् (युज्) समाधौ ।

| | | |
|-----------|---------|----------|
| व० योजयति | योजयतः | योजयन्ति |
| योजयसि | योजयथः | योजयध्व |
| योजयामि | योजयावः | योजयामः |

| | | |
|------------|-----------|----------|
| स० योजयेत् | योजयेताम् | योजयेयुः |
| योजयेः | योजयेतम् | योजयेत |
| योजयेयम् | योजयेव | योजयेम |

| | | |
|-----------|----------|----------|
| प० योजयतु | योजयतात् | योजयताम् |
| योजय | योजयतात् | योजयतम् |
| योजयानि | योजयाव | योजयाम |

| | | |
|--------------|-----------|---------|
| ह्य० अयोजयत् | अयोजयताम् | अयोजयन् |
| अयोजयः | अयोजयतम् | अयोजयत |
| अयोजयम् | अयोजयाव | अयोजयाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| अ० अयूयुजत् | अयूयुजताम् | अयूयुजन् |
| अयूयुजः | अयूयुजतम् | अयूयुजत |
| अयूयुजम् | अयूयुजाव | अयूयुजाम |

| | | |
|-----------------|--------------|-------------|
| प० योजयाञ्चकार | योजयाञ्चकतुः | योजयाञ्चकुः |
| योजयाञ्चकथं | योजयाञ्चकथुः | योजयाञ्चक |
| योजयाञ्चकार-चकर | योजयाञ्चकृव | योजयाञ्चकृम |

योजयाम्भूव । योजयामास

| | | |
|-------------|--------------|-------------|
| आ० योज्यात् | योज्यास्ताम् | योज्यास्तुः |
| योज्याः | योज्यास्तम् | योज्यास्त |
| योज्यासम् | योज्यास्व | योज्यासम |

| | | |
|-------------|-------------|-------------|
| भ० योजयिता | योजयितारौ | योजयितारः |
| योजयितसि | योजयितारथः | योजयितास्थ |
| योजयितास्मि | योजयितास्वः | योजयितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० योजयिष्यति | योजयिष्यतः | योजयिष्यन्ति |
| योजयिष्यसि | योजयिष्यथः | योजयिष्यध्व |
| योजयिष्यामि | योजयिष्यावः | योजयिष्यामः |

| | | |
|-------------------|---------------|-------------|
| क्रि० अयोजयिष्यत् | अयोजयिष्यताम् | अयोजयिष्यन् |
| अयोजयिष्यः | अयोजयिष्यतम् | अयोजयिष्यत |
| अयोजयिष्यम् | अयोजयिष्याव | अयोजयिष्याम |

| | | |
|---------------|----------------|----------------|
| ५० योजयते | योजयेते | योजयन्ते |
| योजयसे | योजयेथे | योजयध्वे |
| योजये | योजयावहे | योजयामहे |
| स० योजयेत | योजयेयाताम् | योजयेरन् |
| योजयेथाः | योजयेयाथाम् | योजयेध्वम् |
| योजयेय | योजयेवहि | योजयेमहि |
| प० योजयताम् | योजयेताम् | योजयन्ताम् |
| योजयस्व | योजयेथाम् | योजयध्वम् |
| योजये | योजयावहे | योजयामहे |
| ह्य० अयोजयत | अयोजयेताम् | अयोजयन्त |
| अयोजयथाः | अयोजयेथाम् | अयोजयध्वम् |
| अयोजये | अयोजयावहि | अयोजयामहि |
| अ० अयूयुजत | अयूयुजेताम् | अयूयुजन्त |
| अयूयुजथाः | अयूयुजेथाम् | अयूयुजध्वम् |
| अयूयुजे | अयूयुजावहि | अयूयुजामहि |
| प० योजयाञ्चके | योजयाञ्चक्रते | योजयाञ्चक्रिरे |
| योजयाञ्चकृषे | योजयाञ्चक्राथे | योजयाञ्चकृध्वे |
| योजयाञ्चके | योजयाञ्चकृवहे | योजयाञ्चकृमहे |
| योजयाम्बभूव | । योजयामास | |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| आ० योजयिषीष्ट | योजयिषीयास्ताम् | योजयिषीरन् |
| योजयिषीष्ठाः | योजयिषीयास्थाम् | योजयिषीध्वम् |
| योजयिषीथ | योजयिषीवहि | योजयिषीमहि |
| २५० योजयिता | योजयितारौ | योजयितारः |
| योजयितासे | योजयितासाथे | योजयिताध्वे |
| योजयिताहे | योजयितास्त्रहे | योजयितास्महे |
| भ० योजयिष्यते | योजयिष्येते | योजयिष्यन्ते |
| योजयिष्यसे | योजयिष्येथे | योजयिष्यध्वे |
| योजयिष्ये | योजयिष्यवहे | योजयिष्यामहे |
| क्रि० अयोजयिष्यत | अयोजयिष्येताम् | अयोजयिष्यन्त |
| अयोजयिष्यथाः | अयोजयिष्येथाम् | अयोजयिष्यध्वम् |
| अयोजयिष्ये | अयोजयिष्यवहि | अयोजयिष्यामहि |

1255 सृजिच् [सृज्] विसर्गः ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० सृजयति | सृजयतः | सृजयन्ति |
| सृजयसि | सृजयथः | सृजयथ |
| सृजयामि | सृजयावः | सृजयामः |
| स० सृजयेत् | सृजयेताम् | सृजयेयुः |
| सृजये | सृजयेतम् | सृजयेत |
| सृजयेयम् | सृजयेव | सृजयेम |
| प० सृजयतु | सृजयतात् | सृजयताम |
| सृजय | सृजयतात् | सृजयतम् |
| सृजयानि | सृजयाव | सृजयाम |
| ह्य० असृजयत् | असृजयताम् | असृजयन् |
| असृजय | असृजयतम् | असृजयत |
| असृजयम् | असृजयाव | असृजयाम |
| अ० असृजयत् | असृजयताम् | असृजयन् |
| असृजयः | असृजयतम् | असृजयत |
| असृजयम् | असृजयाव | असृजयाम |
| प० सृजयाञ्चकार | सृजयाञ्चक्रतुः | सृजयाञ्चक्रुः |
| सृजयाञ्चकथं | सृजयाञ्चक्रथुः | सृजयाञ्चक्रुः |
| सृजयाञ्चकार-चकर | सृजयाञ्चकृव | सृजयाञ्चकृम |
| सृजयाम्बभूव | । सृजयामास | |
| आ० सृज्यात् | सृज्यास्ताम् | सृज्यासुः |
| सृज्याः | सृज्यास्तम् | सृज्यास्त |
| सृज्यासम् | सृज्यास्व | सृज्यास्म |
| २५० सृजयिता | सृजयितारौ | सृजयितारः |
| सृजयितासि | सृजयितास्थः | सृजयितास्थ |
| सृजयितास्मि | सृजयितास्वः | सृजयितास्मः |
| भ० सृजयिष्यति | सृजयिष्यतः | सृजयिष्यन्ति |
| सृजयिष्यसि | सृजयिष्यथः | सृजयिष्यथ |
| सृजयिष्यामि | सृजयिष्यावः | सृजयिष्यामः |
| क्रि० असृजयिष्यत् | असृजयिष्यताम् | असृजयिष्यन् |
| असृजयिष्यः | असृजयिष्यतम् | असृजयिष्यत |
| असृजयिष्यम् | असृजयिष्याव | असृजयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० सज्जयते | सज्जयते | सज्जयन्ते |
| सज्जयसे | सज्जयेथे | सज्जयध्वे |
| सज्जये | सज्जयावहे | सज्जयामहे |
| स० सज्जयेत | सज्जयेताम् | सज्जयेरन् |
| सज्जयेथाः | सज्जयेथांम् | सज्जयेध्वम् |
| सज्जयेय | सज्जयेबहि | सज्जयेमहि |
| प० सज्जयताम् | सज्जयताम् | सज्जयन्ताम् |
| सज्जयस्व | सज्जयेथाम् | सज्जयध्वम् |
| सज्जये | सज्जयावहे | सज्जयामहे |
| झ० असज्जयत | असज्जयेताम् | असज्जयन्त |
| असज्जयथाः | असज्जयेथाम् | असज्जयध्वम् |
| असज्जये | असज्जयावहि | असज्जयामहि |
| ञ० असीसृजत | असीसृजेताम् | असीसृजन्त |
| असीसृजथाः | असीसृजेथाम् | असीसृजध्वम् |
| असीसृजे | असीसृजावहि | असीसृजामहि |
| असीसरजत | असीसरजेताम् | असीसरजन्त इ० |
| प० सज्जयाश्चक्रे | सज्जयाश्चक्रते | सज्जयाश्चक्रिरे |
| सज्जयाश्चकृषे | सज्जयाश्चक्रये | सज्जयाश्चकृद्वे |
| सज्जयाश्चके | सज्जयाश्चकृवहे | सज्जयाश्चकृमहे |
| सज्जयाम्बभूव | सज्जयामास | |
| आ० सज्जयिषीष्ट | सज्जयिषीयास्ताम् | सज्जयिषीरन् |
| सज्जयिषीष्ठाः | सज्जयिषीयास्याम् | सज्जयिषीद्वभम् |
| | | ध्वम् |
| सज्जयिषीय | सज्जयिषीवहि | सज्जयिषीमहि |
| भ० सज्जयिता | सज्जयितारो | सज्जयितारः |
| सज्जयितासे | सज्जयितासाथे | सज्जयिताध्वे |
| सज्जयिताहे | सज्जयितास्वहे | सज्जयितास्महे |
| भ० सज्जयिष्यते | सज्जयिष्येते | सज्जयिष्यन्ते |
| सज्जयिष्यसे | सज्जयिष्येथे | सज्जयिष्यध्वे |
| सज्जयिष्ये | सज्जयिष्यावहे | सज्जयिष्यामहे |
| क्रि० असज्जयिष्यत | असज्जयिष्येताम् | असज्जयिष्यन्त |
| असज्जयिष्यथाः | असज्जयिष्येथाम् | असज्जयिष्यध्वम् |
| असज्जयिष्ये | असज्जयिष्यावहि | असज्जयिष्यामहि |

॥ अथ तान्ताः ॥

1256 कृत्वि (कृत्) वरणे । 955 कृत्स्नरूपाणि

॥ अथ दान्तास्त्रयः ॥

1257 पर्दिच् (पद्) गतौ

| | | |
|----------------|---------------|--------------|
| व० पादयति | पादयतः | पादयन्ति |
| पादयसि | पादयथः | पादयथ |
| पादयामि | पादयावः | पादयामः |
| स० पादयेत् | पादयेताम् | पादयेयुः |
| पादये | पादयेतम् | पादयेत |
| पादयेयम् | पादयेव | पादयेम |
| प० पादयतु | पादयतात् | पादयताम् |
| पादय | पादयतात् | पादयतम् |
| पादयानि | पादयाव | पादयाम |
| झ० अपादयत् | अपादयताम् | अपादयन् |
| अपादयः | अपादयतम् | अपादयत |
| अपादयम् | अपादयाव | अपादयाम |
| भ० अपीपदत् | अपीपदताम् | अपीपदन् |
| अपीपदः | अपीपदतम् | अपीपदत |
| अपीपदम् | अपीपदाव | अपीपदाम |
| प० पादयिष्यति | पादयिष्यतः | पादयिष्यन्ति |
| पादयिष्यसि | पादयिष्यथः | पादयिष्यथ |
| पादयिष्यामि | पादयिष्यावः | पादयिष्यामः |
| स० पादयिष्येत् | पादयिष्येताम् | पादयिष्येयुः |
| पादयिष्ये | पादयिष्येतम् | पादयिष्येत |
| पादयिष्येयम् | पादयिष्येव | पादयिष्येम |
| प० पादयिष्यतु | पादयिष्यतात् | पादयिष्यताम् |
| पादयिष्य | पादयिष्यतात् | पादयिष्यतम् |
| पादयिष्यानि | पादयिष्याव | पादयिष्याम |
| झ० अपादयिष्यत् | अपादयिष्यताम् | अपादयिष्यन् |
| अपादयिष्यः | अपादयिष्यतम् | अपादयिष्यत |
| अपादयिष्यम् | अपादयिष्याव | अपादयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० पादयते | पादयेते | पादयन्ते |
| पादयसे | पादयेथे | पादयध्वे |
| पादये | पादयावहे | पादयामहे |
| स० पादयेत | पादयेयाताम् | पादयेरन् |
| पादयेथाः | पादयेयाथाम् | पादयेध्वम् |
| पादयेय | पादयेवहि | पादयेमहि |
| प० पादयताम् | पादयेताम् | पादयन्ताम् |
| पादयस्व | पादयेथाम् | पादयध्वम् |
| पादयै | पादयावहे | पादयामहे |
| ह्य० अपादयत | अपादयेताम् | अपादयन्त |
| अपादयथाः | अपादयेथाम् | अपादयध्वम् |
| अपादये | अपादयावहि | अपादयामहि |
| अ० अपीपदत | अपीपदेताम् | अपीपदन्त |
| अपीपदथाः | अपीपदेथाम् | अपीपदध्वम् |
| अपीपदे | अपीपदावहि | अपीपदामहि |
| प० पादयाञ्चके | पादयाञ्चकृते | पादयाञ्चक्रिरे |
| पादयाञ्चकृषे | पादयाञ्चक्राथे | पादयाञ्चकृढ्वे |
| पादयाञ्चके | पादयाञ्चकृवहे | पादयाञ्चकृमहे |
| पादयाम्बभूव । पादयामास | | |
| भा० पादयिषीष्ट | पादयिषीयास्ताम् | पादयिषीरन् |
| पादयिषीष्टाः | पादयिषीयास्थाम् | पादयिषीढ्वम् |
| पादयिषीय | पादयिषीवहि | पादयिषीमहि |
| भ्व० पादयिता | पादयितारौ | पादयितारः |
| पादयितासे | पादयितासाथे | पादयिताध्वे |
| पादयिताहे | पादयितास्वहे | पादयितास्महे |
| भ० पादयिष्यते | पादयिष्येते | पादयिष्यन्ते |
| पादयिष्यसे | पादयिष्येथे | पादयिष्यध्वे |
| पादयिष्ये | पादयिष्यावहे | पादयिष्यामहे |
| क्रि० अपादयिष्यत | अपादयिष्येताम् | अपादयिष्यन्त |
| अपादयिष्यथाः | अपादयिष्येथाम् | अपादयिष्यध्वम् |
| अपादयिष्ये | अपादयिष्यावहि | अपादयिष्यामहि |

1258 विदिच् (विद्)सत्तायाम् । 1099 विदक्-
वङ्गपाणि

1259 खिदिच् [खिद्) दैन्ये

| | | |
|------------------------|----------------|--------------|
| व० खेदयति | खेदयतः | खेदयन्ति |
| खेदयसि | खेदयथः | खेदयथ |
| खेदयामि | खेदयावः | खेदयामः |
| स० खेदयेत् | खेदयेताम् | खेदयेयुः |
| खेदयेः | खेदयेतम् | खेदयेत |
| खेदयेयम् | खेदयेव | खेदयेम |
| प० खेदयतु | खेदयतात् | खेदयताम् |
| खेदय | खेदयतात् | खेदयतम् |
| खेदयानि | खेदयाव | खेदयाम |
| ह्य० अखेदयत् | अखेदयताम् | अखेदयन् |
| अखेदयः | अखेदयतम् | अखेदयत |
| अखेदयम् | अखेदयाव | अखेदयाम |
| अ० अचीखिदत् | अचीखिदताम् | अचीखिदन् |
| अचीखिदः | अचीखिदतम् | अचीखिदत |
| अचीखिदम् | अचीखिदाव | अचीखिदाम |
| प० खेदयाञ्चकार | खेदयाञ्चक्रतुः | खेदयाञ्चक्रः |
| खेदयाञ्चकृथं | खेदयाञ्चक्रथुः | खेदयाञ्चक्र |
| खेदयाञ्चकार-चकर | खेदयाञ्चकृव | खेदयाञ्चकृम |
| खेदयाम्बभूव । खेदयामास | | |
| भा० खेद्यात् | खेद्यास्ताम् | खेद्यासुः |
| खेद्याः | खेद्यास्तम् | खेद्यान्त |
| खेद्यासम् | खेद्यास्व | खेद्यास्म |
| भ्व० खेदयिता | खेदयितारौ | खेदयितारः |
| खेदयितासि | खेदयितास्थः | खेदयितास्थ |
| खेदयितास्मि | खेदयितास्वः | खेदयितास्मः |
| भ० खेदयिष्यति | खेदयिष्यतः | खेदयिष्यन्ति |
| खेदयिष्यसि | खेदयिष्यथः | खेदयिष्यथ |
| खेदयिष्यामि | खेदयिष्यावः | खेदयिष्यामः |
| क्रि० अखेदयिष्यत् | अखेदयिष्यताम् | अखेदयिष्यन् |
| अखेदयिष्यः | अखेदयिष्यतम् | अखेदयिष्यत |
| अखेदयिष्यम् | अखेदयिष्याव | अखेदयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | खेदयते | खेदयेते | खेदयन्ते |
| | खेदयसे | खेदयेथे | खेदयध्वे |
| | खेदये | खेदयावहे | खेदयामहे |
| स० | खेदयेत | खेदयेयाताम् | खेदयेरन् |
| | खेदयेथाः | खेदयेथाधाम् | खेदयेध्वम् |
| | खेदयेय | खेदयेवहि | खेदयेमहि |
| प० | खेदयताम् | खेदयेताम् | खेदयन्ताम् |
| | खेदयस्व | खेदयेथाम् | खेदयध्वम् |
| | खेदयै | खेदयावहै | खेदयामहै |
| झ० | अखेदयत | अखेदयेताम् | अखेदयन्त |
| | अखेदयथाः | अखेदयेथाम् | अखेदयध्वम् |
| | अखेदये | अखेदयावहि | अखेदयामहि |
| ञ० | अचीखिदत | अचीखिदेताम् | अचीखिदन्त |
| | अचीखिदथाः | अचीखिदेथाम् | अचीखिदध्वम् |
| | अचीखिदे | अचीखिदावहि | अचीखिदामहि |
| ट० | खेदयाञ्चके | खेदयाञ्चकते | खेदयाञ्चकिरे |
| | खेदयाञ्चकृषे | खेदयाञ्चक्राथे | खेदयाञ्चकृद्वे |
| | खेदयाञ्चके | खेदयाञ्चकृवहे | खेदयाञ्चकृमहे |
| | खेदयाम्बभूव | । | खेदयामास |
| भा० | खेदयिषीष्ट | खेदयिषीयास्ताम् | खेदयिषीरन् |
| | खेदयिषीष्ठाः | खेदयिषीयास्थाम् | खेदयिषीद्वम् |
| | खेदयिषीय | खेदयिषीवहि | खेदयिषीमहि |
| श्व० | खेदयिता | खेदयितारौ | खेदयितारः |
| | खेदयितासे | खेदयितासथे | खेदयिताध्वे |
| | खेदयिताहे | खेदयितास्वहे | खेदयितास्महे |
| भ० | खेदयिष्यते | खेदयिष्येते | खेदयिष्यन्ते |
| | खेदयिष्यसे | खेदयिष्येथे | खेदयिष्यध्वे |
| | खेदयिष्ये | खेदयिष्यावहे | खेदयिष्यामहे |
| क्रि० | अखेदयिष्यत | अखेदयिष्येताम् | अखेदयिष्यन्त |
| | अखेदयिष्यथाः | अखेदयिष्येथाम् | अखेदयिष्यध्वम् |
| | अखेदयिष्ये | अखेदयिष्यावहि | अखेदयिष्यामहि |

॥ अथ धान्तास्त्रयः ॥

1260 युधिञ्च सम्प्रहारे चल्याहारेतिपरस्मैपदे

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | योधयति | योधयतः | योधयन्ति |
| | योधयसि | योधयथः | योधयथ |
| | योधयामि | योधयावः | योधयामः |
| स० | योधयेत् | योधयेताम् | योधयेयुः |
| | योधयेः | योधयेतम् | योधयेत |
| | योधयेयम् | योधयेव | योधयेम |
| प० | योधयतु | योधयतात् | योधयताम् |
| | योधय | योधयतात् | योधयतम् |
| | योधयानि | योधयाव | योधयाम |
| झ० | अयोधयत् | अयोधयताम् | अयोधयन् |
| | अयोधयः | अयोधयतम् | अयोधयत |
| | अयोधयम् | अयोधयाव | अयोधयाम |
| ञ० | अयूयुधत् | अयूयुधताम् | अयूयुधन् |
| | अयूयुधः | अयूयुधतम् | अयूयुधत |
| | अयूयुधम् | अयूयुधाव | अयूयुधाम |
| प० | योधयाञ्चकार | योधयाञ्चक्रतुः | योधयाञ्चक्रुः |
| | योधयाञ्चकथे | योधयाञ्चक्रथुः | योधयाञ्चक्र |
| | योधयाञ्चकार-चक्र | योधयाञ्चक्रुव | योधयाञ्चक्रुम |
| | योधयाम्बभूव | । | योधयामास |
| भा० | योध्यात् | योध्यास्ताम् | योध्यासुः |
| | योध्याः | योध्यास्तम् | योध्यास्त |
| | योध्यासम् | योध्यास्व | योध्यास्म |
| श्व० | योधयिता | योधयितारौ | योधयितारः |
| | योधयितासि | योधयितास्यः | योधयितास्य |
| | योधयितास्मि | योधयितास्वः | योधयितास्मः |
| भ० | योधयिष्यति | योधयिष्यतः | योधयिष्यन्ति |
| | योधयिष्यसि | योधयिष्यथः | योधयिष्यथ |
| | योधयिष्यामि | योधयिष्यावः | योधयिष्यामः |
| क्रि० | अयोधयिष्यत् | अयोधयिष्यताम् | अयोधयिष्यन्त |
| | अयोधयिष्यः | अयोधयिष्यतम् | अयोधयिष्यत |
| | अयोधयिष्यम् | अयोधयिष्याव | अयोधयिष्याम |

1261 अनोरुधिच (अनु-रुप) कामे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | रोधयति | रोधयतः | रोधयन्ति |
| | रोधयसि | रोधयथः | रोधयथ |
| | रोधयामि | रोधयावः | रोधयामः |
| स० | रोधयेत् | रोधयेताम् | रोधयेयुः |
| | रोधयेः | रोधयेतम् | रोधयेत |
| | रोधयेयम् | रोधयेव | रोधयेम |
| प० | रोधयतु | रोधयतात् | रोधयताम् |
| | रोधय | रोधयतात् | रोधयतम् |
| | रोधयानि | रोधयाव | रोधयाम |
| ह्य० | अरोधयत् | अरोधयताम् | अरोधयन् |
| | अरोधयः | अरोधयतम् | अरोधयत |
| | अरोधयम् | अरोधयाव | अरोधयाम |
| अ० | अरुधयत् | अरुधयताम् | अरुधयन् |
| | अरुधयः | अरुधयतम् | अरुधयत |
| | अरुधयम् | अरुधयाव | अरुधयाम |
| प० | रोधयाञ्चकार | रोधयाञ्चकतुः | रोधयाञ्चकः |
| | रोधयाञ्चकर्थ | रोधयाञ्चकथुः | रोधयाञ्चक |
| | रोधयाञ्चकार-चक्र | रोधयाञ्चकृव | रोधयाञ्चकृम |
| | रोधयाम्बभूव | रोधयामास | |
| आ० | रोध्यात् | रोध्यास्ताम् | रोध्यासुः |
| | रोध्याः | रोध्यास्तम् | रोध्यास्त |
| | रोध्यासम् | रोध्यास्व | रोध्यास्म |
| भ्व० | रोधयिता | रोधयितारौ | रोधयितारः |
| | रोधयितासि | रोधयितास्थः | रोधयितास्थ |
| | रोधयितास्मि | रोधयितास्वः | रोधयितास्मः |
| भ० | रोधयिष्यति | रोधयिष्यतः | रोधयिष्यन्ति |
| | रोधयिष्यसि | रोधयिष्यथः | रोधयिष्यथ |
| | रोधयिष्यामि | रोधयिष्यावः | रोधयिष्यामः |
| क्रि० | अरोधयिष्यत् | अरोधयिष्यताम् | अरोधयिष्यन् |
| | अरोधयिष्यः | अरोधयिष्यतम् | अरोधयिष्यत |
| | अरोधयिष्यम् | अरोधयिष्याव | अरोधयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|-----------------|
| व० | रोधयेते | रोधयेते | रोधयन्ते |
| | रोधयसे | रोधयेथे | रोधयध्वे |
| | रोधये | रोधयावहे | रोधयामहे |
| स० | रोधयेत | रोधयेताताम् | रोधयेरन् |
| | रोधयेथाः | रोधयेयाथाम् | रोधयेय्वम् |
| | रोधयेय | रोधयेवहि | रोधयेमहि |
| प० | रोधयताम् | रोधयेताम् | रोधयन्ताम् |
| | रोधयस्व | रोधयेथाम् | रोधयय्वम् |
| | रोधयै | रोधयावहे | रोधयामहे |
| ह्य० | अरोधयत | अरोधयेताम् | अरोधयन्त |
| | अरोधयथाः | अरोधयेथाम् | अरोधयय्वम् |
| | अरोधये | अरोधयावहि | अरोधयामहि |
| अ० | अरुधयत | अरुधयेताम् | अरुधयन्त |
| | अरुधयथाः | अरुधयेथाम् | अरुधयय्वम् |
| | अरुधये | अरुधयावहि | अरुधयामहि |
| प० | रोधयाञ्चके | रोधयाञ्चकाते | रोधयाञ्चकिरे |
| | रोधयाञ्चकृषे | रोधयाञ्चक्राये | रोधयाञ्चकृद्वे |
| | रोधयाञ्चके | रोधयाञ्चकृवहे | रोधयाञ्चकृमहे |
| | रोधयाञ्चभूव | रोधयामास | |
| आ० | रोधयिषीष्ट | रोधयिषीयास्ताम् | रोधयिषीरन् |
| | रोधयिषीष्टाः | रोधयिषीयास्थाम् | रोधयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | रोधयिषीय | रोधयिषीवहि | रोधयिषीमहि |
| भ्व० | रोधयिता | रोधयितारौ | रोधयितारः |
| | रोधयितासे | रोधयितासाथे | रोधयिताध्वे |
| | रोधयिताहे | रोधयितास्वहे | रोधयितास्महे |
| भ० | रोधयिष्यते | रोधयिष्येते | रोधयिष्यन्ते |
| | रोधयिष्यसे | रोधयिष्येथे | रोधयिष्यन्ने |
| | रोधयिष्ये | रोधयिष्यावहे | रोधयिष्यामहे |
| क्रि० | अरोधयिष्यत् | अरोधयिष्येताम् | अरोधयिष्यन्त |
| | अरोधयिष्यथाः | अरोधयिष्येथाम् | अरोधयिष्यय्वम् |
| | अरोधयिष्ये | अरोधयिष्यावहि | अरोधयिष्यामहि |
| 1262 | बुधिच् (बुध्) ज्ञाने । | 912 | बुध्ग्वद्रूपाणि |
| | ॥ अथ सान्ताः ॥ | | |
| 1263 | मर्निच् (मन्) ज्ञाने । | 749 | बहूपाणि |
| 1264 | अनिच् (अन्) प्राणने । | 1089 | अनकृबहूपाणि |

• (१११८) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

॥ चल्याहारार्थेति परस्मैपदम् ॥

1265 जनैचि [जन्] प्रादुर्भावे ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | जनयति | जनयतः | जनयन्ति |
| | जनयसि | जनयथः | जनयथ |
| | जनयामि | जनयावः | जनयामः |
| स० | जनयेत् | जनयेताम् | जनयेयुः |
| | जनयेः | जनयेतम् | जनयेत |
| | जनयेयम् | जनयेव | जनयेम |
| प० | जनयतु | जनयतात् | जनयताम् |
| | जनय | जनयतात् | जनयतम् |
| | जनयानि | जनयाव | जनयाम |
| ह्य० | अजनयत् | अजनयताम् | अजनयन् |
| | अजनयः | अजनयतम् | अजनयत |
| | अजनयम् | अजनयाव | अजनयाम |
| अ० | अजीजनत् | अजीजनताम् | अजीजनन् |
| | अजीजनः | अजीजनतम् | अजीजनत |
| | अजीजनम् | अजीजनाव | अजीजनाम |
| प० | जनयाञ्चकार | जनयाञ्चक्रुः | जनयाञ्चकुः |
| | जनयाञ्चकथं | जनयाञ्चकथुः | जनयाञ्चक |
| | जनयाञ्चकार-चकर | जनयाञ्चकृव | जनयाञ्चकृम |
| | जनयाम्बभूव | जनयामास | |
| आ० | जन्यात् | जन्यास्ताम् | जन्यासुः |
| | जन्याः | जन्यास्तम् | जन्यास्त |
| | जन्यासम् | जन्यास्व | जन्यास्म |
| श्च० | जनयिता | जनयितारौ | जनयितारः |
| | जनयितासि | जनयितास्थः | जनयितास्थ |
| | जनयितास्मि | जनयितास्वः | जनयितास्मः |
| श्च० | जनयिष्यति | जनयिष्यतः | जनयिष्यन्ति |
| | जनयिष्यसि | जनयिष्यथः | जनयिष्यथ |
| | जनयिष्यामि | जनयिष्यावः | जनयिष्यामः |
| क्रि० | अजनयिष्यत् | अजनयिष्यताम् | अजनयिष्यन् |
| | अजनयिष्यः | अजनयिष्यतम् | अजनयिष्यत |
| | अजनयिष्यम् | अजनयिष्याव | अजनयिष्याम |

॥ अथ पान्तौ ॥

1266 दीपैचि (दीप्) दीप्तौ

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | दीपयति | दीपयतः | दीपयन्ति |
| | दीपयसि | दीपयथः | दीपयथ |
| | दीपयामि | दीपयावः | दीपयामः |
| स० | दीपयेत् | दीपयेताम् | दीपयेयुः |
| | दीपयेः | दीपयेतम् | दीपयेत |
| | दीपयेयम् | दीपयेव | दीपयेम |
| प० | दीपयतु | दीपयतात् | दीपयताम् |
| | दीपय | दीपयतात् | दीपयतम् |
| | दीपयानि | दीपयाव | दीपयाम |
| ह्य० | अदीपयत् | अदीपयताम् | अदीपयन् |
| | अदीपयः | अदीपयतम् | अदीपयत |
| | अदीपयम् | अदीपयाव | अदीपयाम |
| अ० | अदीदिपत् | अदीदिपताम् | अदीदिपन् |
| | अदीदिपः | अदीदिपतम् | अदीदिपत |
| | अदीदिपम् | अदीदिपाव | अदीदिपाम |
| प० | दीपयाञ्चकार | दीपयाञ्चक्रुः | दीपयाञ्चकुः |
| | दीपयाञ्चकथं | दीपयाञ्चकथुः | दीपयाञ्चक |
| | दीपयाञ्चकार-चकर | दीपयाञ्चकृव | दीपयाञ्चकृम |
| | दीपयाम्बभूव | दीपयामास | |
| आ० | दीप्यात् | दीप्यास्ताम् | दीप्यासुः |
| | दीप्याः | दीप्यास्तम् | दीप्यास्त |
| | दीप्यासम् | दीप्यास्व | दीप्यास्म |
| श्च० | दीपयिता | दीपयितारौ | दीपयितारः |
| | दीपयितासि | दीपयितास्थः | दीपयितास्थ |
| | दीपयितास्मि | दीपयितास्वः | दीपयितास्मः |
| अ० | दीपयिष्यति | दीपयिष्यतः | दीपयिष्यन्ति |
| | दीपयिष्यसि | दीपयिष्यथः | दीपयिष्यथ |
| | दीपयिष्यामि | दीपयिष्यावः | दीपयिष्यामः |
| क्रि० | अदीपयिष्यत् | अदीपयिष्यताम् | अदीपयिष्यन् |
| | अदीपयिष्यः | अदीपयिष्यतम् | अदीपयिष्यत |
| | अदीपयिष्यम् | अदीपयिष्याव | अदीपयिष्याम |

मुनिश्रोलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१११९)

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० दीपयते | दीपयेते | दीपयन्ते |
| दीपयसे | दीपयेथे | दीपयध्वे |
| दीपये | दीपयावहे | दीपयामहे |
| स० दीपयेत् | दीपयेताम् | दीपयेन् |
| दीपयेथाः | दीपयेथायाम् | दीपयेध्वम् |
| दीपयेथ | दीपयेवहि | दीपयेमहि |
| प० दीपयताम् | दीपयेताम् | दीपयन्ताम् |
| दीपयस्व | दीपयेथाम् | दीपयध्वम् |
| दीपये | दीपयावहे | दीपयामहे |
| ह्य० अदीपयत | अदीपयेताम् | अदीपयन्त |
| अदीपयथाः | अदीपयेथाम् | अदीपयध्वम् |
| अदीपये | अदीपयावहि | अदीपयामहि |
| अ० अदीदिपत | अदीदिपेताम् | अदीदिपन्त |
| अदीदिपथाः | अदीदिपेथाम् | अदीदिपध्वम् |
| अदीदिपे | अदीदिपावहि | अदीदिपामहि |
| प० दीपयाञ्चके | दीपयाञ्चक्राते | दीपयाञ्चकिरे |
| दीपयाञ्चकृषे | दीपयाञ्चक्राथे | दीपयाञ्चकृहुवे |
| दीपयाञ्चके | दीपयाञ्चकृवहे | दीपयाञ्चकृमहे |
| दीपयाम्बभूव | दीपयामास | |
| भा० दीपयिषीष्ट | दीपयिषीयास्ताम् | दीपयिषीरन् |
| दीपयिषीष्टाः | दीपयिषीयास्थाम् | दीपयिषीद्वन् |
| दीपयिषीथ | दीपयिषीवहि | दीपयिषीमहि |
| अ० दीपयिता | दीपयितारौ | दीपयितरः |
| दीपयितासे | दीपयितासाथे | दीपयिताध्वे |
| दीपयिताहे | दीपयितास्वहे | दीपयितास्महे |
| भ० दीपयिष्यते | दीपयिष्येते | दीपयिष्यन्ते |
| दीपयिष्यते | दीपयिष्येथे | दीपयिष्यध्वे |
| दीपयिष्ये | दीपयिष्यावहे | दीपयिष्यामहे |
| क्रि० अदीपयिष्यत | अदीपयिष्येताम् | अदीपयिष्यन्त |
| अदीपयिष्यथाः | अदीपयिष्येथाम् | अदीपयिष्यध्वम् |
| अदीपयिष्ये | अदीपयिष्यावहि | अदीपयिष्यामहि |

1267 तपिच् (तप) ऐश्वर्ये वा । 333 त वद्भाणि

॥ अथ रान्ता अष्टौ ॥

1254 प्रैचि (पुर) आप्यायने

| | | |
|-------------------|----------------|--------------|
| व० पूरयति | पूरयतः | पूरयन्ति |
| पूरयसि | पूरयथः | पूरयथ |
| पूरयामि | पूरयावः | पूरयामः |
| स० पूरयेत् | पूरयेताम् | पूरयेयुः |
| पूरयेः | पूरयेतम् | पूरयेत |
| पूरयेयम् | पूरयेव | पूरयेम |
| प० पूरयतु | पूरयतात् | पूरयताम् |
| पूरय | पूरयतात् | पूरयतम् |
| पूरयाणि | पूरयाव | पूरयाम |
| ह्य० अपूरयत् | अपूरयताम् | अपूरयन् |
| अपूरयः | अपूरयतम् | अपूरयत |
| अपूरयम् | अपूरयाव | अपूरयाम |
| अ० अपूपुरत् | अपूपुरताम् | अपूपुरन् |
| अपूपुरः | अपूपुरतम् | अपूपुरत |
| अपूपुरम् | अपूपुराव | अपूपुराम |
| प० पूरयाञ्चकार | पूरयाञ्चक्रुः | पूरयाञ्चकुः |
| पूरयाञ्चकथे | पूरयाञ्चक्रुः | पूरयाञ्चक |
| पूरयाञ्चकार-चकर | पूरयाञ्चक्रुव | पूरयाञ्चक्रम |
| पूरयाम्बभूव | पूरयामास | |
| भा० पूर्यात् | पूर्यास्ताम् | पूर्यासुः |
| पूर्याः | पूर्यास्तम् | पूर्यास्त |
| पूर्यासम् | पूर्यास्व | पूर्यास्म |
| अ० पूरयिता | पूरयितारौ | पूरयितारः |
| पूरयितासि | पूरयितास्यः | पूरयितास् |
| पूरयितास्मि | पूरयितास्वः | पूरयिता |
| भ० पूरयिष्यति | पूरयिष्यतः | पूरयिष्यन्ति |
| पूरयिष्यसि | पूरयिष्यथः | पूरयिष्यथ |
| पूरयिष्यामि | पूरयिष्यावः | पूरयिष्यामः |
| क्रि० अपूरयिष्यत् | अपूरयिष्येताम् | अपूरयिष्यन् |
| अपूरयिष्ये | अपूरयिष्येताम् | अपूरयिष्यत |
| अपूरयिष्यम् | अपूरयिष्याव | अपूरयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० पूरयते | पूरयेते | पूरयन्ते |
| पूरयसे | पूरयेथे | पूरयध्वे |
| पूरये | पूरयावहे | पूरयामहे |
| स० पूरयेत | पूरयेयाताम् | पूरयेरन् |
| पूरयेथाः | पूरयेयाथाम् | पूरयेध्वम् |
| पूरयेय | पूरयेवहि | पूरयेमहि |
| प० पूरयताम् | पूरयेताम् | पूरयन्ताम् |
| पूरयस्व | पूरयेथाम् | पूरयध्वम् |
| पूरये | पूरयावहे | पूरयामहे |
| झ० अपूरयत | अपूरयेताम् | अपूरयन्त |
| अपूरयथाः | अपूरयेथाम् | अपूरयध्वम् |
| अपूरये | अपूरयावहि | अपूरयामहि |
| झ० अपूपुरत | अपूपुरेताम् | अपूपुरन्त |
| अपूपुरथाः | अपूपुरेथाम् | अपूपुरध्वम् |
| अपूपुरे | अपूपुरावहि | अपूपुरामहि |
| प० पूरयाञ्चक्रे | पूरयाञ्चक्रेते | पूरयाञ्चकिरे |
| पूरयाञ्चक्रे | पूरयाञ्चक्राथे | पूरयाञ्चकृद्वे |
| पूरयाञ्चक्रे | पूरयाञ्चकृवहे | पूरयाञ्चकृमहे |
| पूरयाम्बभूव | पूरयामास | |
| आ० पूरयिषीष्ट | पूरयिषीयास्ताम् | पूरयिषीरन् |
| पूरयिषीष्टाः | पूरयिषीयास्थाम् | पूरयिषील्वम् |
| पूरयिषीय | पूरयिषीवहि | पूरयिषीमहि |
| पू० पूरयिता | पूरयितारौ | पूरयितारः |
| पूरयितासे | पूरयितासाथे | पूरयिताध्वे |
| पूरयिताहे | पूरयितास्वहे | पूरयितास्महे |
| म० पूरयिष्यते | पूरयिष्येते | पूरयिष्यन्ते |
| पूरयिष्यसे | पूरयिष्येथे | पूरयिष्यध्वे |
| पूरयिष्ये | पूरयिष्यावहे | पूरयिष्यामहे |
| क्रि० अपूरयिष्यत | अपूरयिष्येताम् | अपूरयिष्यन्त |
| अपूरयिष्यथाः | अपूरयिष्येथाम् | अपूरयिष्यध्वम् |
| अपूरयिष्ये | अपूरयिष्यावहि | अपूरयिष्यामहि |

1269 घूरैचि [घूर्) जरायाम्

| | | |
|-------------------|-----------------|--------------|
| व० घूरयति | घूरयतः | घूरयन्ति |
| घूरयसि | घूरयथः | घूरयध्व |
| घूरयामि | घूरयावः | घूरयामः |
| स० घूरयेत् | घूरयेताम् | घूरयेयुः |
| घूरयेः | घूरयेतम् | घूरयेत |
| घूरयेयम् | घूरयेव | घूरयेम |
| प० घूरयतु | घूरयतात् | घूरयताम् |
| घूरय | घूरयतात् | घूरयतम् |
| घूरयाणि | घूरयाव | घूरयाम |
| झ० अघूरयत् | अघूरयताम् | अघूरयन् |
| अघूरयः | अघूरयतम् | अघूरयत |
| अघूरयम् | अघूरयाव | अघूरयाम |
| झ० अजूरयत् | अजूरयताम् | अजूरयन् |
| अजूरयः | अजूरयतम् | अजूरयत |
| अजूरयम् | अजूरयाव | अजूरयाम |
| प० घूरयाञ्चकार | घूरयाञ्चकृतुः | घूरयाञ्चकृः |
| घूरयाञ्चकृत्य | घूरयाञ्चकृत्युः | घूरयाञ्चकृ |
| घूरयाञ्चकार-चकर | घूरयाञ्चकृव | घूरयाञ्चकृम |
| घूरयाम्बभूव | घूरयामास | |
| आ० घूर्यात् | घूर्यास्ताम् | घूर्यासुः |
| घूर्याः | घूर्यास्तम् | घूर्यान्ति |
| घूर्यासम् | घूर्यास्व | घूर्यास |
| पू० घूरयिता | घूरयितारौ | घूरयितारः |
| घूरयितासि | घूरयितास्थः | घूरयितास्थ |
| घूरयितास्मि | घूरयितास्वः | घूरयितास्मः |
| म० घूरयिष्यति | घूरयिष्यतः | घूरयिष्यन्ति |
| घूरयिष्यसि | घूरयिष्यथः | घूरयिष्यध्व |
| घूरयिष्यामि | घूरयिष्यावः | घूरयिष्यामः |
| क्रि० अघूरयिष्यत् | अघूरयिष्यताम् | अघूरयिष्यन् |
| अघूरयिष्यः | अघूरयिष्यतम् | अघूरयिष्यत |
| अघूरयिष्यम् | अघूरयिष्याव | अघूरयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० घूरयते | घूरयेते | घूरयन्ते |
| घूरयसे | घूरयेथे | घूरयध्वे |
| घूरये | घूरयावहे | घूरयामहे |
| स० घूरयेत | घूरयेयाताम् | घूरयेरन् |
| घूरयेथाः | घूरयेयाथाम् | घूरयेध्वम् |
| घूरयेय | घूरयेवहि | घूरयेमहि |
| प० घूरयताम् | घूरयेताम् | घूरयन्ताम् |
| घूरयस्व | घूरयेथाम् | घूरयध्वम् |
| घूरयै | घूरयावहे | घूरयामहे |
| ह्य० अघूरयत | अघूरयेताम् | अघूरयन्त |
| अघूरयथाः | अघूरयेथाम् | अघूरयध्वम् |
| अघूरये | अघूरयावहि | अघूरयामहि |
| अ० अजूरयत | अजूरयेताम् | अजूरयन्त |
| अजूरयथाः | अजूरयेथाम् | अजूरयध्वम् |
| अजूरये | अजूरयावहि | अजूरयामहि |
| प० घूरयाञ्चक्रे | घूरयाञ्चक्राते | घूरयाञ्चक्रिरे |
| घूरयाञ्चकृषे | घूरयाञ्चक्राथे | घूरयाञ्चकृवहे |
| घूरयाञ्चके | घूरयाञ्चकृवहे | घूरयाञ्चकृमहे |
| घूरयाम्बभूव | घूरयामास | |
| ह्य० घूरयिषीष्ट | घूरयिषीयास्ताम् | घूरयिषीरन् |
| घूरयिषीष्ठाः | घूरयिषीयास्थाम् | घूरयिषीध्वम् |
| घूरयिषीय | घूरयिषीवहि | घूरयिषीमहि |
| अ० घूरयिता | घूरयितारौ | घूरयितारः |
| घूरयितासे | घूरयितासाथे | घूरयिताध्वे |
| घूरयिताहे | घूरयितास्वहे | घूरयितामहे |
| अ० घूरयिष्यते | घूरयिष्येते | घूरयिष्यन्ते |
| घूरयिष्यसे | घूरयिष्येथे | घूरयिष्यध्वे |
| घूरयिष्ये | घूरयिष्यावहे | घूरयिष्यामहे |
| क्रि० अघूरयिष्यत | अघूरयिष्येताम् | अघूरयिष्यन्त |
| अघूरयिष्यथाः | अघूरयिष्येथाम् | अघूरयिष्यध्वम् |
| अघूरयिष्ये | अघूरयिष्यावहि | अघूरयिष्यामहि |

1270 जूरैचि (जूर) जरायाम्

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० जूरयति | जूरयतः | जूरयन्ति |
| जूरयसि | जूरयथः | जूरयध्वे |
| जूरयामि | जूरयावः | जूरयामः |
| स० जूरयेत् | जूरयेताम् | जूरयेयुः |
| जूरयेः | जूरयेतम् | जूरयेत |
| जूरयेयम् | जूरयेव | जूरयेम |
| प० जूरयतु | जूरयतात् | जूरयताम् |
| जूरय | जूरयतात् | जूरयतम् |
| जूरयाणि | जूरयाव | जूरयाम |
| ह्य० अजूरयत् | अजूरयताम् | अजूरयन् |
| अजूरयः | अजूरयतम् | अजूरयत |
| अजूरयम् | अजूरयाव | अजूरयाम |
| अ० अजूरयत | अजूरयताम् | अजूरयन् |
| अजूरयः | अजूरयतम् | अजूरयत |
| अजूरयम् | अजूरयाव | अजूरयाम |
| प० जूरयाञ्चकार | जूरयाञ्चक्रतुः | जूरयाञ्चक्रुः |
| जूरयाञ्चकथं | जूरयाञ्चक्रथुः | जूरयाञ्चक्रं |
| जूरयाञ्चकार-चकर | जूरयाञ्चकृव | जूरयाञ्चकृम |
| जूरयाम्बभूव | जूरयामास | |
| आ० जूर्यात् | जूर्यास्ताम् | जूर्यासुः |
| जूर्याः | जूर्यास्तम् | जूर्यास्त |
| जूर्यासम् | जूर्यास्व | जूर्यास्मि |
| अ० जूरयिता | जूरयितारौ | जूरयितारः |
| जूरयितासि | जूरयितास्थः | जूरयितास्थ |
| जूरयितामि | जूरयितास्वः | जूरयितास्मः |
| अ० जूरयिष्यति | जूरयिष्यतः | जूरयिष्यन्ति |
| जूरयिष्यसि | जूरयिष्यथः | जूरयिष्यध्वे |
| जूरयिष्यामि | जूरयिष्यावः | जूरयिष्यामः |
| क्रि० अजूरयिष्यत् | अजूरयिष्येताम् | अजूरयिष्यन्त |
| अजूरयिष्यः | अजूरयिष्यतम् | अजूरयिष्यत |
| अजूरयिष्यम् | अजूरयिष्याव | अजूरयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|-----------------|----------------|
| व० | जूरयते | जूरयेते | जूरयन्ते |
| | जूरयसे | जूरयेथे | जूरयध्वे |
| | जूरये | जूरयावहे | जूरयामहे |
| स० | जूरयेत | जूरयेयाताम् | जूरयेरन् |
| | जूरयेथाः | जूरयेथायाम् | जूरयेध्वम् |
| | जूरयेय | जूरयेवहि | जूरयेमहि |
| प० | जूरयताम् | जूरयेताम् | जूरयन्ताम् |
| | जूरयस्व | जूरयेथाम् | जूरयध्वम् |
| | जूरयै | जूरयावहै | जूरयामहै |
| ह्य० | अजूरयत | अजूरयेताम् | अजूरयन्त |
| | अजूरयथाः | अजूरयेथाम् | अजूरयध्वम् |
| | अजूरये | अजूरयावहि | अजूरयामहि |
| अ० | अजूरुरत | अजूरुरेताम् | अजूरुरन्त |
| | अजूरुरथाः | अजूरुरेथाम् | अजूरुरध्वम् |
| | अजूरुरे | अजूरुरावहि | अजूरुरामहि |
| प० | जूरयाञ्चके | जूरयाञ्चकाते | जूरयाञ्चकिरे |
| | जूरयाञ्चकृषे | जूरयाञ्चक्राये | जूरयाञ्चकृद्वे |
| | जूरयाञ्चके | जूरयाञ्चकृवहे | जूरयाञ्चकृमहे |
| | जूरयाम्बभूव । जूरयामास | | |
| आ० | जूरयिषीष्ट | जूरयिषीयास्ताम् | जूरयिषीरन् |
| | जूरयिषीष्ठाः | जूरयिषीयास्थाम् | जूरयिषीद्वम् |
| | जूरयिषीय | जूरयिषीवहि | जूरयिषीमहि |
| भ० | जूरयिता | जूरयितारौ | जूरयितारः |
| | जूरयितासे | जूरयितासाथे | जूरयिताध्वे |
| | जूरयिताहे | जूरयितास्वहे | जूरयितास्महे |
| म० | जूरयिष्यते | जूरयिष्येते | जूरयिष्यन्ते |
| | जूरयिष्यसे | जूरयिष्येथे | जूरयिष्यध्वे |
| | जूरयिष्ये | जूरयिष्यावहे | जूरयिष्यामहे |
| क्रि० | अजूरयिष्यत | अजूरयिष्येताम् | अजूरयिष्यन्त |
| | अजूरयिष्यथाः | अजूरयिष्येथाम् | अजूरयिष्यध्वम् |
| | अजूरयिष्ये | अजूरयिष्यावहि | अजूरयिष्यामहि |

1294 धूरैचि (धुर) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------------|----------------|---------------|
| व० | धूरयति | धूरयतः | धूरयन्ति |
| | धूरयसि | धूरयथः | धूरयध्व |
| | धूरयामि | धूरयावः | धूरयामः |
| स० | धूरयेत् | धूरयेताम् | धूरयेयुः |
| | धूरयेः | धूरयेतम् | धूरयेत |
| | धूरयेयम् | धूरयेव | धूरयेम |
| सः | धूरयतु | धूरयतात् | धूरयताम् |
| | धूरय | धूरयतात् | धूरयतम् |
| | धूरयाणि | धूरयाव | धूरयाम |
| ह्य० | अधूरयत् | अधूरयताम् | अधूरयन् |
| | अधूरयः | अधूरयतम् | अधूरयन् |
| | अधूरयम् | अधूरयाव | अधूरयाम |
| अ० | अदधूरत् | अदधूरताम् | अदधूरन् |
| | अदधूरः | अदधूरतम् | अदधूरन् |
| | अदधूरम् | अदधूराव | अदधूराम |
| प० | धूरयाञ्चकार | धूरयाञ्चक्रतुः | धूरयाञ्चक्रुः |
| | धूरयाञ्चकथं | धूरयाञ्चकथुः | धूरयाञ्चक |
| | धूरयाञ्चकार-चकर | धूरयाञ्चकृव | धूरयाञ्चकृम |
| | धूरयाम्बभूव । धूरयामास | | |
| आ० | धूर्गत् | धूर्गस्ताम् | धूर्गसुः |
| | धूर्गाः | धूर्गस्तम् | धूर्गस्त |
| | धूर्गासम् | धूर्गास्व | धूर्गास्म |
| भ० | धूरयिता | धूरयितारौ | धूरयितारः |
| | धूरयितासि | धूरयितास्थः | धूरयितास्थ |
| | धूरयितास्मि | धूरयितास्वः | धूरयितास्मः |
| म० | धूरयिष्यति | धूरयिष्यतः | धूरयिष्यन्ति |
| | धूरयिष्यसि | धूरयिष्यथः | धूरयिष्यध्व |
| | धूरयिष्यामि | धूरयिष्यावः | धूरयिष्यामः |
| क्रि० | अधूरयिष्यत् | अधूरयिष्यताम् | अधूरयिष्यन्त |
| | अधूरयिष्यः | अधूरयिष्यतम् | अधूरयिष्यन् |
| | अधूरयिष्यम् | अधूरयिष्याव | अधूरयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|----------------------|------------------|
| ब० धूर्यते | धूर्येते | धूर्यन्ते |
| धूर्यसे | धूर्येथे | धूर्यन्थे |
| धूर्ये | धूर्यावहे | धूर्यामहे |
| स० धूर्येत | धूर्येयाताम् | धूर्येरन् |
| धूर्येथाः | धूर्येथाभ्याम् | धूर्येष्वम् |
| धूर्येय | धूर्येवहि | धूर्येमहि |
| प० धूर्यताम् | धूर्येताम् | धूर्यन्ताम् |
| धूर्यस्व | धूर्येथाम् | धूर्येष्वम् |
| धूर्ये | धूर्यावहे | धूर्यामहे |
| अ० अधूर्यत | अधूर्येताम् | अधूर्यन्त |
| अधूर्यथा | अधूर्येथाभ्याम् | अधूर्येष्वम् |
| अधूर्ये | अधूर्यावहि | अधूर्यामहि |
| अ० अदूर्यत | अदूर्येताम् | अदूर्यन्त |
| अदूर्यथाः | अदूर्येथाभ्याम् | अदूर्येष्वम् |
| अदूर्ये | अदूर्यावहि | अदूर्यामहि |
| प० धूर्याश्चक्रे | धूर्याश्चक्रते | धूर्याश्चक्रिरे |
| धूर्याश्चक्रे | धूर्याश्चक्राथे | धूर्याश्चक्रुवहे |
| धूर्याश्चक्रे | धूर्याश्चक्रवहे | धूर्याश्चक्रमहे |
| धूर्याम्बभूव । धूर्यामास | | |
| अ० धूर्यिषीष्ट | धूर्यिषीयास्ताम् | धूर्यिषीरन् |
| धूर्यिषीष्ठाः | धूर्यिषीयास्ताभ्याम् | धूर्यिषीव्वम् |
| धूर्यिषीव | धूर्यिषीवहि | धूर्यिषीमहि |
| धूर्यिता | धूर्यितारौ | धूर्यिताः |
| धूर्यितासे | धूर्यितासाथे | धूर्यितास्वहे |
| धूर्यिताहे | धूर्यितास्वहे | धूर्यितास्महे |
| म० धूर्यिष्यते | धूर्यिष्येते | धूर्यिष्यन्ते |
| धूर्यिष्यसे | धूर्यिष्येथे | धूर्यिष्यन्थे |
| धूर्यिष्ये | धूर्यिष्यावहे | धूर्यिष्यामहे |
| क्रि० अधूर्यिष्यत | अधूर्यिष्येताम् | अधूर्यिष्यन्त |
| अधूर्यिष्यथाः | अधूर्यिष्येथाभ्याम् | अधूर्यिष्येष्वम् |
| अधूर्यिष्ये | अधूर्यिष्यावहि | अधूर्यिष्यामहि |

1272 गूरैचि (गूर) गतो ।

| | | |
|--------------------------|---------------|---------------|
| व० गूरयति | गूरयतः | गूरयन्ति |
| गूरयसि | गूरयथः | गूरयथ |
| गूरयामि | गूरयावः | गूरयामः |
| स० गूरयेत् | गूरयेताम् | गूरयेयुः |
| गूरयेः | गूरयेदम् | गूरयेत् |
| गूरयेयम् | गूरयेव | गूरयेष्व |
| प० गूरयतु | गूरयतात् | गूरयताम् |
| गूरय | गूरयतात् | गूरयतम् |
| गूरयाणि | गूरयाव | गूरयाम |
| अ० अगूरयत् | अगूरयताम् | अगूरयन् |
| अगूरयः | अगूरयतम् | अगूरयत |
| अगूरयम् | अगूरयाव | अगूरयाम |
| अ० अजूरगुरत् | अजूरगुरताम् | अजूरगुरन् |
| अजूरगुरः | अजूरगुरतम् | अजूरगुरत |
| अजूरगुरम् | अजूरगुराव | अजूरगुराम |
| प० गूरयाश्चकार | गूरयाश्चक्रुः | गूरयाश्चक्रुः |
| गूरयाश्चक्रे | गूरयाश्चक्रुः | गूरयाश्चक्रुः |
| गूरयाश्चकार-चक्र | गूरयाश्चक्रुः | गूरयाश्चक्रुः |
| गूर्याम्बभूव । गूर्यामास | | |
| अ० गूर्यात् | गूर्यास्ताम् | गूर्यासुः |
| गूर्याः | गूर्यास्तम् | गूर्यास्त |
| गूर्यासम् | गूर्यास्व | गूर्यास्व |
| ध० गूरयिता | गूरयितारौ | गूरयितारः |
| गूरयितासि | गूरयितास्थः | गूरयितास्व |
| गूरयितास्मि | गूरयितास्वः | गूरयितास्मः |
| म० गूरयिष्यति | गूरयिष्यतः | गूरयिष्यन्ति |
| गूरयिष्यसि | गूरयिष्यथः | गूरयिष्यथ |
| गूरयिष्यामि | गूरयिष्यावः | गूरयिष्यामः |
| क्रि० अगूरयिष्यत् | अगूरयिष्यताम् | अगूरयिष्यन् |
| अगूरयिष्यः | अगूरयिष्यतम् | अगूरयिष्यत |
| अगूरयिष्यम् | अगूरयिष्याव | अगूरयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० गूरयते | गूरयेते | गूरयन्ते |
| गूरयसे | गूरयेथे | गूरयध्वे |
| गूरये | गूरयावहे | गूरयामहे |
| स० गूरयेत | गूरयेयाताम् | गूरयेरन् |
| गूरयेथाः | गूरयेयाथाम् | गूरयेध्वम् |
| गूरयेय | गूरयेवहि | गूरयेमहि |
| प० गूरयताम् | गूरयेताम् | गूरयन्ताम् |
| गूरयस्व | गूरयेथाम् | गूरयध्वम् |
| गूरये | गूरयावहे | गूरयामहे |
| ह्य० अगूरयत | अगूरयेताम् | अगूरयन्त |
| अगूरयथाः | अगूरयेथाम् | अगूरयध्वम् |
| अगूरये | अगूरयावहि | अगूरयामहि |
| अ० अजूरगत | अजूरग्रेताम् | अजूरगन्त |
| अजूरगुरथाः | अजूरगुरेथाम् | अजूरगुरध्वम् |
| अजूरगुरे | अजूरगुरावहि | अजूरगुरामहि |
| प० गूरयाञ्चके | गूरयाञ्चकाते | गूरयाञ्चकिरे |
| गूरयाञ्चकृषे | गूरयाञ्चक्राथे | गूरयाञ्चकृद्वे |
| गूरयाञ्चके | गूरयाञ्चकृवहे | गूरयाञ्चकृमहे |
| गूरयाम्बभूव | । गूरयामास | |
| आ० गूरयिषीष्ट | गूरयिषीयास्ताम् | गूरयिषीरन् |
| गूरयिषीष्टाः | गूरयिषीयास्थाम् | गूरयिषीद्वम् |
| गूरयिषीय | गूरयिषीवहि | गूरयिषीमहि |
| भ्व० गूरयिता | गूरयितारौ | गूरयितारः |
| गूरयितासे | गूरयितासाथे | गूरयिताध्वे |
| गूरयिताहे | गूरयितास्वहे | गूरयितास्महे |
| भ० गूरयिष्यते | गूरयिष्येते | गूरयिष्यन्ते |
| गूरयिष्यसे | गूरयिष्येथे | गूरयिष्यध्वे |
| गूरयिष्ये | गूरयिष्यावहे | गूरयिष्यामहे |
| क्रि० अगूरयिष्यत | अगूरयिष्येताम् | अगूरयिष्यन्त |
| अगूरयिष्यथाः | अगूरयिष्येथाम् | अगूरयिष्यध्वम् |
| अगूरयिष्ये | अगूरयिष्यावहि | अगूरयिष्यामहि |

1273 शूरैचि (शूर्) स्तम्भे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० शूरयति | शूरयतः | शूरयन्ति |
| शूरयसि | शूरयथः | शूरयथ |
| शूरयामि | शूरयावः | शूरयामः |
| स० शूरयेत् | शूरयेताम् | शूरयेयुः |
| शूरयेः | शूरयेतम् | शूरयेत |
| शूरयेयम् | शूरयेव | शूरयेम |
| प० शूरयतु | शूरयतात् | शूरयताम् |
| शूरय | शूरयतात् | शूरयतम् |
| शूरयाणि | शूरयाव | शूरयाम |
| ह्य० अशूरयत् | अशूरयताम् | अशूरयन् |
| अशूरयः | अशूरयतम् | अशूरयत |
| अशूरयम् | अशूरयाव | अशूरयाम |
| अ० अशूरुरत् | अशूरुरताम् | अशूरुरन् |
| अशूरुरः | अशूरुरतम् | अशूरुरत |
| अशूरुरम् | अशूरुराव | अशूरुराम |
| प० शूरयाञ्चकार | शूरयाञ्चकतुः | शूरयाञ्चकः |
| शूरयाञ्चकथं | शूरयाञ्चकथुः | शूरयाञ्चक |
| शूरयाञ्चकार-च कर | शूरयाञ्चकृव | शूरयाञ्चकृम |
| शूरयाम्बभूव | । शूरयामास | |
| आ० शूर्यात् | शूर्यास्ताम् | शूर्यासुः |
| शूर्याः | शूर्यास्तम् | शूर्यास्त |
| शूर्यासम् | शूर्यास्व | शूर्यास्म |
| भ्व० शूरयिता | शूरयितारौ | शूरयितारः |
| शूरयितासि | शूरयितास्थः | शूरयितास्थ |
| शूरयितास्मि | शूरयितास्वः | शूरयितास्मः |
| भ० शूरयिष्यति | शूरयिष्यतः | शूरयिष्यन्ति |
| शूरयिष्यसि | शूरयिष्यथः | शूरयिष्यथ |
| शूरयिष्यामि | शूरयिष्यावः | शूरयिष्यामः |
| क्रि० अशूरयिष्यत् | अशूरयिष्यताम् | अशूरयिष्यन् |
| अशूरयिष्यः | अशूरयिष्यतम् | अशूरयिष्यत |
| अशूरयिष्यम् | अशूरयिष्याव | अशूरयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शूरयते | शूरयेते | शूरयन्ते |
| | शूरयसे | शूरयेथे | शूरयध्वे |
| | शूरये | शूरयावहे | शूरयामहे |
| स० | शूरयेत | शूरयेताम् | शूरयेरन् |
| | शूरयेथाः | शूरयेथायाम् | शूरयेध्वम् |
| | शूरयेय | शूरयेवहि | शूरयेमहि |
| प० | शूरयताम् | शूरयेताम् | शूरयन्ताम् |
| | शूरयस्व | शूरयेथाम् | शूरयध्वम् |
| | शूरये | शूरयावहे | शूरयामहे |
| ह्य० | अशूरयत | अशूरयेताम् | अशूरयन्त |
| | अशूरयेथाः | अशूरयेथाम् | अशूरयध्वम् |
| | अशूरये | अशूरयावहि | अशूरयामहि |
| अ० | अशूरयत | अशूरयेताम् | अशूरयन्त |
| | अशूरयेथाः | अशूरयेथाम् | अशूरयध्वम् |
| | अशूरये | अशूरयावहि | अशूरयामहि |
| प० | शूरयाञ्चके | शूरयाञ्चकाते | शूरयाञ्चक्रे |
| | शूरयाञ्चकृषे | शूरयाञ्चकाथे | शूरयाञ्चकृद्वे |
| | शूरयाञ्चके | शूरयाञ्चकृवहे | शूरयाञ्चकृमहे |
| | शूरयाञ्चभूव | । शूरयामास | |
| आ० | शूरयिषीष्ट | शूरयिषीयास्ताम् | शूरयिषीरन् |
| | शूरयिषीष्ठाः | शूरयिषीयास्थाम् | शूरयिषीद्वम् |
| | शूरयिषीय | शूरयिषीवहि | शूरयिषीमहि |
| श्र० | शूरयिता | शूरयितारौ | शूरयितारः |
| | शूरयितासे | शूरयितासाथे | शूरयिताध्वे |
| | शूरयिताहे | शूरयितास्वहे | शूरयितामहे |
| भ० | शूरयिष्यते | शूरयिष्येते | शूरयिष्यन्ते |
| | शूरयिष्यसे | शूरयिष्येथे | शूरयिष्यध्वे |
| | शूरयिष्ये | शूरयिष्यावहे | शूरयिष्यामहे |
| क्रि० | अशूरयिष्यत | अशूरयिष्येताम् | अशूरयिष्यन्त |
| | अशूरयिष्यथाः | अशूरयिष्येथाम् | अशूरयिष्यध्वम् |
| | अशूरयिष्ये | अशूरयिष्यावहि | अशूरयिष्यामहि |

1274 तूरैचि (तूर) त्वरायाम्

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | तूरयति | तूरयतः | तूरयन्ति |
| | तूरयसि | तूरयथः | तूरयथ |
| | तूरयामि | तूरयावः | तूरयामः |
| स० | तूरयेत् | तूरयेताम् | तूरयेयुः |
| | तूरयेः | तूरयेतम् | तूरयेत |
| | तूरयेयम् | तूरयेव | तूरयेम |
| स० | तूरयतु | तूरयतात् | तूरयताम् |
| | तूरय | तूरयतात् | तूरयतम् |
| | तूरयाणि | तूरयाव | तूरयाम |
| ह्य० | अतूरयत् | अतूरयताम् | अतूरयन् |
| | अतूरयः | अतूरयतम् | अतूरयत |
| | अतूरयम् | अतूरयाव | अतूरयाम |
| अ० | अतूरयत् | अतूरयताम् | अतूरयन् |
| | अतूरयः | अतूरयतम् | अतूरयत |
| | अतूरयम् | अतूरयाव | अतूरयाम |
| प० | तूरयाञ्चकार | तूरयाञ्चकतुः | तूरयाञ्चकुः |
| | तूरयाञ्चकथं | तूरयाञ्चकथुः | तूरयाञ्चक |
| | तूरयाञ्चकार-चकर | तूरयाञ्चकृव | तूरयाञ्चकृम |
| | तूरयाञ्चभूव | । तूरयामास | |
| आ० | तूर्यात् | तूर्यास्ताम् | तूर्यासुः |
| | तूर्याः | तूर्यास्तम् | तूर्यास्त |
| | तूर्यासम् | तूर्यास्व | तूर्यास्म |
| श्र० | तूरयिता | तूरयितारौ | तूरयितारः |
| | तूरयितासि | तूरयितास्थः | तूरयितास्थ |
| | तूरयितास्मि | तूरयितास्वः | तूरयितास्मः |
| भ० | तूरयिष्यति | तूरयिष्यतः | तूरयिष्यन्ति |
| | तूरयिष्यसि | तूरयिष्यथः | तूरयिष्यथ |
| | तूरयिष्यामि | तूरयिष्यावः | तूरयिष्यामः |
| क्रि० | अतूरयिष्यत् | अतूरयिष्यताम् | अतूरयिष्यन् |
| | अतूरयिष्यः | अतूरयिष्यतम् | अतूरयिष्यत |
| | अतूरयिष्यम् | अतूरयिष्यावः | अतूरयिष्यामः |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तूरयते | तूरयेते | तूरयन्ते |
| | तूरयते | तूरयेथे | तूरयध्वे |
| | तूरये | तूरयावहे | तूरयामहे |
| स० | तूरयेत | तूरयेयाताम् | तूरयेरन् |
| | तूरयेथाः | तूरयेयाथाम् | तूरयेध्वम् |
| | तूरयेथ | तूरयेवहि | तूरयेमहि |
| प० | तूरयताम् | तूरयेताम् | तूरयन्ताम् |
| | तूरयस्व | तूरयेथाम् | तूरयध्वम् |
| | तूरये | तूरयावहे | तूरयामहे |
| ह्य० | अतूरयत | अतूरयेताम् | अतूरयन्त |
| | अतूरयथाः | अतूरयेथाम् | अतूरयध्वम् |
| | अतूरये | अतूरयावहि | अतूरयामहि |
| अ० | अतूरुरत | अतूरुरेताम् | अतूरुरन्त |
| | अतूरुरथाः | अतूरुरेथाम् | अतूरुरध्वम् |
| | अतूरुरे | अतूरुरावहि | अतूरुरामहि |
| प० | तूरयाञ्चक्रे | तूरयाञ्चकृते | तूरयाञ्चकृरे |
| | तूरयाञ्चकृषे | तूरयाञ्चकृथे | तूरयाञ्चकृध्वे |
| | तूरयाञ्चक्रे | तूरयाञ्चकृवहे | तूरयाञ्चकृमहे |
| | तूरयाञ्चभूव | । तूरयामास | |
| भा० | तूरयिषीष्ट | तूरयिषीयास्ताम् | तूरयिषीरन् |
| | तूरयिषीष्टाः | तूरयिषीयास्थाम् | तूरयिषीध्वम् |
| | तूरयिषीय | तूरयिषीवहि | तूरयिषीमहि |
| ध० | तूरयिता | तूरयितारौ | तूरयितारः |
| | तूरयितासे | तूरयितासाथे | तूरयिताध्वे |
| | तूरयिताहे | तूरयितास्वहे | तूरयितास्महे |
| भ० | तूरयिष्यते | तूरयिष्येते | तूरयिष्यन्ते |
| | तूरयिष्यसे | तूरयिष्येथे | तूरयिष्यध्वे |
| | तूरयिष्ये | तूरयिष्यावहे | तूरयिष्यामहे |
| क्रि० | अतूरयिष्यत | अतूरयिष्येताम् | अतूरयिष्यन्त |
| | अतूरयिष्यथाः | अतूरयिष्येथाम् | अतूरयिष्यध्वम् |
| | अतूरयिष्ये | अतूरयिष्यावहि | अतूरयिष्यामहि |

1275 चूरैचि (चूर) दाहे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | चूरयति | चूरयतः | चूरयन्ति |
| | चूरयसि | चूरयथः | चूरयथ |
| | चूरयामि | चूरयावः | चूरयामः |
| स० | चूरयेत् | चूरयेताम् | चूरयेयुः |
| | चूरयेः | चूरयेतम् | चूरयेत |
| | चूरयेयम् | चूरयेव | चूरयेम |
| स० | चूरयतु | चूरयतात् | चूरयताम् |
| | चूरय | चूरयतात् | चूरयेतम् |
| | चूरयाणि | चूरयाव | चूरयाम |
| ह्य० | अचूरयत् | अचूरयताम् | अचूरयन् |
| | अचूरयः | अचूरयतम् | अचूरयत |
| | अचूरयम् | अचूरयव | अचूरयाम |
| अ० | अचूरुरत् | अचूरुरताम् | अचूरुरन् |
| | अचूरुरः | अचूरुरतम् | अचूरुरत |
| | अचूरुराम् | अचूरुराव | अचूरुराम |
| प० | चूरयाञ्चकार | चूरयाञ्चकृतुः | चूरयाञ्चकः |
| | चूरयाञ्चकथं | चूरयाञ्चकथुः | चूरयाञ्चक |
| | चूरयाञ्चकार-चकर | चूरयाञ्चकृव | चूरयाञ्चकृम |
| | चूरयाञ्चभूव | । चूरयामास | |
| भा० | चूर्यात् | चूर्यास्ताम् | चूर्यासुः |
| | चूर्याः | चूर्यास्तम् | चूर्यास्त |
| | चूर्यासम् | चूर्यास्व | चूर्यास्म |
| ध० | चूरयिता | चूरयितारौ | चूरयितारः |
| | चूरयितासि | चूरयितास्थः | चूरयितास्थ |
| | चूरयितास्मि | चूरयितास्वः | चूरयितास्मः |
| भ० | चूरयिष्यति | चूरयिष्यतः | चूरयिष्यन्ति |
| | चूरयिष्यसि | चूरयिष्यथः | चूरयिष्यथ |
| | चूरयिष्यामि | चूरयिष्यावः | चूरयिष्यामः |
| क्रि० | अचूरयिष्यत् | अचूरयिष्यताम् | अचूरयिष्यन् |
| | अचूरयिष्यः | अचूरयिष्यतम् | अचूरयिष्यत |
| | अचूरयिष्यम् | अचूरयिष्यावः | अचूरयिष्यामः |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० चूरयते | चूरयेते | चूरयन्ते |
| चूरयसे | चूरयेथे | चूरयध्वे |
| चूरये | चूरयावहे | चूरयामहे |
| स० चूरयेत | चूरयेयाताम् | चूरयेरन् |
| चूरयेथाः | चूरयेयाथाम् | चूरयेध्वम् |
| चूरयेथ | चूरयेवहि | चूरयेमहि |
| प० चूरयताम् | चूरयेताम् | चूरयन्ताम् |
| चूरयस्व | चूरयेथाम् | चूरयध्वम् |
| चूरये | चूरयावहे | चूरयामहे |
| ह्य० अचूरयत | अचूरयेताम् | अचूरयन्त |
| अचूरयथाः | अचूरयेथाम् | अचूरयध्वम् |
| अचूरये | अचूरयावहि | अचूरयामहि |
| अ० अचूरुरत | अचूरुरेताम् | अचूरुरन्त |
| अचूरुरथाः | अचूरुरेथाम् | अचूरुरध्वम् |
| अचूरुरे | अचूरुरावहि | अचूरुरामहि |
| प० चूरयाश्चक्रे | चूरयाश्चकृते | चूरयाश्चकिरे |
| चूरयाश्चकृषे | चूरयाश्चकृषे | चूरयाश्चकृध्वे |
| चूरयाश्चक्रे | चूरयाश्चकृवहे | चूरयाश्चकृमहे |
| चूरयाम्बभूव | । चूरयामास | |
| आ० चूरयिषीष्ट | चूरयिषीयास्ताम् | चूरयिषीरन् |
| चूरयिषीष्ठाः | चूरयिषीयास्थाम् | चूरयिषीह्वम् |
| चूरयिषीय | चूरयिषीवहि | चूरयिषीमहि |
| भ्व० चूरयिता | चूरयितारौ | चूरयितारः |
| चूरयितासे | चूरयितासाथे | चूरयिताध्वे |
| चूरयिताहे | चूरयितास्वहे | चूरयितामहे |
| अ० चूरयिष्यते | चूरयिष्येते | चूरयिष्यन्ते |
| चूरयिष्यसे | चूरयिष्येथे | चूरयिष्यध्वे |
| चूरयिष्ये | चूरयिष्यावहे | चूरयिष्यामहे |
| क्रि० अचूरयिष्यत | अचूरयिष्यताम् | अचूरयिष्यन्त |
| अचूरयिष्यथाः | अचूरयिष्येथाम् | अचूरयिष्यध्वम् |
| अचूरयिष्ये | अचूरयिष्यावहि | अचूरयिष्यामहि |

॥ अथ शान्ताश्चकारः ॥

1276 क्लिशिच् (क्लिश्) उपतापे । 831 क्लेशिवद्रूपाणि

1277 लिशिच् (लिशृ) अल्पत्वे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० लेशयति | लेशयतः | लेशयन्ति |
| लेशयसि | लेशयथः | लेशयथ |
| लेशयामि | लेशयावः | लेशयामः |
| स० लेशयेत् | लेशयेताम् | लेशयेयुः |
| लेशयेः | लेशयेतम् | लेशयेत |
| लेशयेयम् | लेशयेव | लेशयेम |
| प० लेशयतु | लेशयतात् | लेशयताम् |
| लेशय | लेशयतात् | लेशयतम् |
| लेशयानि | लेशयाव | लेशयाम |
| ह्य० अलेशयत | अलेशयताम् | अलेशयन् |
| अलेशयः | अलेशयतम् | अलेशयत |
| अलेशयम् | अलेशयाव | अलेशयाम |
| अ० अलीलिशत् | अलीलिशताम् | अलीलिशन् |
| अलीलिशः | अलीलिशतम् | अलीलिशत |
| अलीलिशम् | अलीलिशाव | अलीलिशाम |
| प० लेशयाश्चकार | लेशयाश्चकृतुः | लेशयाश्चकृः |
| लेशयाश्चकथं | लेशयाश्चकथुः | लेशयाश्चक |
| लेशयाश्चकार-चकर | लेशयाश्चकृव | लेशयाश्चकृम |
| लेशयाम्बभूव | । लेशयामास | |
| आ० लेश्यात् | लेश्यास्ताम् | लेश्यासुः |
| लेश्याः | लेश्यास्तम् | लेश्यास्त |
| लेश्यासम् | लेश्यास्व | लेश्यास्म |
| भ्व० लेशयिता | लेशयितारौ | लेशयितारः |
| लेशयितासि | लेशयितास्थः | लेशयितास्थ |
| लेशयितास्मि | लेशयितास्वः | लेशयितास्मः |
| अ० लेशयिष्यति | लेशयिष्यतः | लेशयिष्यन्ति |
| लेशयिष्यसि | लेशयिष्यथः | लेशयिष्यथ |
| लेशयिष्यामि | लेशयिष्यावः | लेशयिष्यामः |
| क्रि० अलेशयिष्यत् | अलेशयिष्यताम् | अलेशयिष्यन् |
| अलेशयिष्यः | अलेशयिष्यतम् | अलेशयिष्यत |
| अलेशयिष्यम् | अलेशयिष्याव | अलेशयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | लेशयते | लेशयेते | लेशयन्ते |
| | लेशयसे | लेशयथे | लेशयध्वं |
| | लेशये | लेशयावहे | लेशयामहे |
| स० | लेशयेत | लेशयेयाताम् | लेशयेरन् |
| | लेशयेथाः | लेशयेयाथाम् | लेशयेध्वम् |
| | लेशयेय | लेशयेवहि | लेशयेमहि |
| प० | लेशयताम् | लेशयेताम् | लेशयन्ताम् |
| | लेशयस्व | लेशयेथाम् | लेशयध्वम् |
| | लेशयै | लेशयावहै | लेशयामहै |
| ह्य० | अलेशयत | अलेशयेताम् | अलेशयन्त |
| | अलेशयथाः | अलेशयेथाम् | अलेशयध्वम् |
| | अलेशये | अलेशयावहि | अलेशयामहि |
| अ० | अलीलिशत | अलीलिशेताम् | अलीलिशन्त |
| | अलीलिशथाः | अलीलिशेथाम् | अलीलिशध्वम् |
| | अलीलिशे | अलीलिशावहि | अलीलिशामहि |
| प० | लेशयाञ्चक्रे | लेशयाञ्चक्रेते | लेशयाञ्चक्रिरे |
| | लेशयाञ्चकृषे | लेशयाञ्चक्राथे | लेशयाञ्चकृद्वे |
| | लेशयाञ्चक्रे | लेशयाञ्चकृवहे | लेशयाञ्चकृमहे |
| | लेशयाम्बभूव | लेशयामास | |
| आ० | लेशयिषीष्ट | लेशयिषीयस्ताम् | लेशयिषीरन् |
| | लेशयिषीष्ठाः | लेशयिषीयास्थाम् | लेशयिषीद्वम् |
| | लेशयिषीय | लेशयिषीवहि | लेशयिषीमहि |
| व० | लेशयिता | लेशयितारौ | लेशयितारः |
| | लेशयितासे | लेशयितासाथे | लेशयिताध्वे |
| | लेशयिताहे | लेशयितास्वहे | लेशयितास्महे |
| भ० | लेशयिष्यते | लेशयिष्येते | लेशयिष्यन्ते |
| | लेशयिष्यसे | लेशयिष्येथे | लेशयिष्यध्वे |
| | लेशयिष्ये | लेशयिष्यावहे | लेशयिष्यामहे |
| क्रि० | अलेशयिष्यत | अलेशयिष्येताम् | अलेशयिष्यन्त |
| | अलेशयिष्यथाः | अलेशयिष्येथाम् | अलेशयिष्यध्वम् |
| | अलेशयिष्ये | अलेशयिष्यावहि | अलेशयिष्यामहि |

1278 काशिच् (काश) दीप्तौ 490 कशवद्रूपाणि
1279 वाशिच् (वाश) शब्दे । 1101 वशक्वद्रूपाणि

॥ अथ कान्ताः ॥

1280 शकीच् (शक्) मर्षणे

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | शाकयति | शाकयतः | शाकयन्ति |
| | शाकयसि | शाकयथः | शाकयथ |
| | शाकयामि | शाकयावः | शाकयामः |
| स० | शाकयेत् | शाकयेताम् | शाकयेयुः |
| | शाकयेः | शाकयेतम् | शाकयेत |
| | शाकयेयम् | शाकयेव | शाकयेम |
| प० | शाकयतु | शाकयतात् | शाकयताम् |
| | शाकय | शाकयतात् | शाकयतम् |
| | शाकयानि | शाकयाव | शाकयाम |
| ह्य० | अशाकयत् | अशाकयताम् | अशाकयन् |
| | अशाकयः | अशाकयतम् | अशाकयत |
| | अशाकयम् | अशाकयाव | अशाकयाम |
| अ० | अशीशकत् | अशीशकताम् | अशीशकन् |
| | अशीशकः | अशीशकतम् | अशीशकत |
| | अशीशकम् | अशीशकाव | अशीशकाम |
| प० | शाकयाञ्चकार | शाकयाञ्चक्रतुः | शाकयाञ्चक्रुः |
| | शाकयाञ्चकथं | शाकयाञ्चक्रथुः | शाकयाञ्चक |
| | शाकयाञ्चकार-चकर | शाकयाञ्चकृव | शाकयाञ्चकृम |
| | शाकयाम्बभूव | लेशयामास | |
| अ० | शाकयात् | शाकयास्ताम् | शाकयासुः |
| | शाकयाः | शाकयास्तम् | शाकयास्त |
| | शाकयासम् | शाकयास्व | शाकयास्म |
| श्व० | शाकयिता | शाकयितारौ | शाकयितारः |
| | शाकयितासि | शाकयितास्थः | शाकयितास्थ |
| | शाकयितास्मि | शाकयितास्वः | शाकयितास्मः |
| भ० | शाकयिष्यति | शाकयिष्यतः | शाकयिष्यन्ति |
| | शाकयिष्यसि | शाकयिष्यथः | शाकयिष्यथ |
| | शाकयिष्यामि | शाकयिष्यावः | शाकयिष्यामः |
| क्रि० | अशाकयिष्यत् | अशाकयिष्यताम् | अशाकयिष्यन् |
| | अशाकयिष्यः | अशाकयिष्यतम् | अशाकयिष्यत |
| | अशाकयिष्यम् | अशाकयिष्याव | अशाकयिष्याम |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (११२९)

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० शाकयते | शाकयेते | शाकयन्ते |
| शाकरयसे | शाकयेथे | शाकयध्वे |
| शाकये | शाकयावहे | शाकयामहे |
| स० शाकयेत | शाकयेयाताम् | शाकयेरन् |
| शाकयेथाः | शाकयेयाथाम् | शाकयेध्वम् |
| शाकयेय | शाकयेवहि | शाकयेमहि |
| प० शाकयताम् | शाकयेताम् | शाकयन्ताम् |
| शाकयस्व | शाकयेधाम् | शाकयध्वम् |
| शाकये | शाकयावहे | शाकयामहे |
| ह्य० अशाकयत | अशाकयेताम् | अशाकयन्त |
| अशाकयथाः | अशाकयेथाम् | अशाकयध्वम् |
| अशाकये | अशाकयावहि | अशाकयामहि |
| अ० अशीशकत | अशीशकेताम् | अशीशकन्त |
| अशीशकथाः | अशीशकेथाम् | अशीशकध्वम् |
| अशीशके | अशीशकावहि | अशीशकामहि |
| प० शाकयाञ्चक्रे | शाकयाञ्चक्रते | शाकयाञ्चक्रिरे |
| शाकयाञ्चकृषे | शाकयाञ्चक्राथे | शाकयाञ्चकृद्वे |
| शाकयाञ्चके | शाकयाञ्चक्रवहे | शाकयाञ्चक्रमहे |
| शाकयाम्बभूव | शाकयामास | |
| आ० शाकयिषीष्ट | शाकयिषीयास्ताम् | शाकयिषीरन् |
| शाकयिषीष्टाः | शाकयिषीयास्थाम् | शाकयिषीड्वम् |
| शाकयिषीय | शाकयिषीवहि | शाकयिषीमहि |
| श्र० शाकयिता | शाकयितारौ | शाकयितारः |
| शाकयितासे | शाकयितासाथे | शाकयिताध्वे |
| शाकयिताहे | शाकयितास्वहे | शाकयितास्महे |
| भ० शाकयिष्यते | शाकयिष्येते | शाकयिष्यन्ते |
| शाकयिष्यसे | शाकयिष्येथे | शाकयिष्यध्वे |
| शाकयिष्ये | शाकयिष्यावहे | शाकयिष्यामहे |
| क्रि० अशाकयिष्यत | अशाकयिष्येताम् | अशाकयिष्यन्त |
| अशाकयिष्यथाः | अशाकयिष्येथाम् | अशाकयिष्यध्वम् |
| अशाकयिष्ये | अशाकयिष्यावहि | अशाकयिष्यामहि |

॥ अथ चान्तः ॥

1281 शुचैच् (शुच्) पूतिभावे 99 शुचवद्रूपाणि

॥ अथ जान्तः ॥

1282 रज्जीच रज्ज् रागे 896 रज्जीबद्रूपाणि अथ पान्तः

1283 शपीच् (शप्) आक्रोशे 9 6 शपीवद्रूपाणि अथ शान्तः

1284 मृषीच् (मृष्) तितिक्षायाम् 528 मृष्वद्रूपाणि

॥ अथ हान्तः ॥

1285 णहीच (नह्) बन्धने

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० नाहयति | नाहयतः | नाहयन्ति |
| नाहयसि | नाहयथः | नाहयथ |
| नाहयामि | नाहयावः | नाहयामः |
| स० नाहयेत् | नाहयेताम् | नाहयेयुः |
| नाहयेः | नाहयेतम् | नाहयेत |
| नाहयेयम् | नाहयेव | नाहयेम |
| प० नाहयतु | नाहयतात् | नाहयताम् |
| नाहय | नाहयतात् | नाहयतम् |
| नाहयानि | नाहयाव | नाहयाम |
| ह्य० अनाहयत् | अनाहयताम् | अनाहयन् |
| अनाहयः | अनाहयतम् | अनाहयत |
| अनाहयम् | अनाहयाव | अनाहयाम |
| अ० अनीनहत् | अनीनहताम् | अनीनहन् |
| अनीनहः | अनीनहतम् | अनीनहत |
| अनीनहम् | अनीनहाव | अनीनहाम |
| प० नाहयाञ्चकार | नाहयाञ्चक्रतुः | नाहयाञ्चक्रुः |
| नाहयाञ्चकर्थ | नाहयाञ्चक्रथुः | नाहयाञ्चक्र |
| नाहयाञ्चकार-चकर | नाहयाञ्चक्रव | नाहयाञ्चक्रम |
| नाहयाम्बभूव | नाहयामास | |
| आ० नाह्यात् | नाह्यास्ताम् | नाह्यासुः |
| नाह्याः | नाह्यास्तम् | नाह्यास्त |
| नाह्यासम् | नाह्यास्व | नाह्यास्म |
| श्र० नाहयिता | नाहयितारौ | नाहयितारः |
| नाहयितासि | नाहयितास्थः | नाहयितास्थ |
| नाहयितास्मि | नाहयितास्वः | नाहयितास्मः |
| भ० नाहयिष्यति | नाहयिष्यतः | नाहयिष्यथि |
| नाहयिष्यसि | नाहयिष्यथः | नाहयिष्यथ |
| नाहयिष्यामि | नाहयिष्यावः | नाहयिष्य |
| क्रि० अनाहयिष्यत् | अनाहयिष्यताम् | अनाहयिष्यन्त |
| अनाहयिष्यः | अनाहयिष्यतम् | अनाहयिष्य |
| अनाहयिष्यम् | अनाहयिष्याव | अनाहयिष्य |

| | | |
|-------------|--------------|--------------|
| व० नाहयते | नाहयेते | नाहयन्ते |
| नाहयसे | नाहयेथे | नाहयध्वे |
| नाहये | नाहयावहे | नाहयामहे |
| स० नाहयेत | नाहयेयाताम् | नाहयेरन् |
| नाहयेथाः | नाहयेयाथाम् | नाहयेध्वम् |
| नाहयेय | नाहयेवहि | नाहयेमहि |
| प० नाहयताम् | नाहयेताम् | नाहयन्ताम् |
| नाहयस्व | नाहयेथाम् | नाहयध्वम् |
| नाहयै | नाहयावहै | नाहयामहै |
| ह्य० अनाहयत | अनाहयेताम् | अनाहयन्त |
| अनाहयथाः | अनाहयेथाम् | अनाहयध्वम् |
| अनाहये | अनाहयावहि | अनाहयामहि |
| अ० अनीनहत | अनीनहेताम् | अनीनहन्त |
| अनीनहथाः | अनीनहेथाम् | अनीनहध्वम् |
| अनीनहे | अनीनहावहि | अनीनहामहि |
| प० नाहयावहे | नाहयावक्राते | नाहयावक्रिरे |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| नाहयावक्रुषे | नाहयावक्राथे | नाहयावक्रुध्वे |
| नाहयावक्रे | नाहयावक्रुवहे | नाहयावक्रुमहे |
| नाहयाम्बभूव | नाहयामास | |
| आ० नाहयिषीष्ट | नाहयिषीयास्ताम् | नाहयिषीरन् |
| नाहयिषीष्ठाः | नाहयिषीयास्थाम् | नाहयिषीध्वम् |
| | | नाहयिषीमहि |
| नाहयिषीय | नाहयिषीवहि | नाहयिषीमहि |
| भ० नाहयिता | नाहयितारौ | नाहयितारः |
| नाहयितासे | नाहयितासाथे | नाहयिताध्वे |
| नाहयिताहे | नाहयितास्वहे | नाहयितामहे |
| भ० नाहयिष्यते | नाहयिष्येते | नाहयिष्यन्ते |
| नाहयिष्यसे | नाहयिष्येथे | नाहयिष्यध्वे |
| नाहयिष्ये | नाहयिष्यावहे | नाहयिष्यामहे |
| क्रि० अनाहयिष्यत | अनाहयिष्यताम् | अनाहयिष्यन्त |
| अनाहयिष्यथाः | अनाहयिष्येथाम् | अनाहयिष्यध्वम् |
| अनाहयिष्ये | अनाहयिष्यावहि | अनाहयिष्यामहि |

श्रीमत्तपोगणगनाङ्गणगगनमणि--सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम--तीर्थरक्षणपरायण--

विद्यापोठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्नशाखीय-आचार्यवृडामणि-अखण्ड-

विजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिसुरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरैन्दिरा-

यमाणान्तिपन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य णिग-

न्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे

द्वितीयभागे

देवादिगणः

सम्पूर्णः ।

1286 धुग्द् (सु) अभिषवे । 1078 धुक्-

वद्रूपाणि

1287 धिग्द् (सि) बन्धने । 1150 धोच्-

वद्रूपाणि

1288 शिग्द् (शि) निशाने । 1147 शौच्-

वद्रूपाणि

1289 डुमिग्द् (मि) प्रक्षेपणे । 603 मेङ्-

वद्रूपाणि

1290 चिग्द् (चि) चयने । आत्वे 337

चपवद्रूपाणि तदभावे 795 चयिवद्रूपाणि

1291 धूग्द् [धू] कम्पने

| | | |
|------------|-----------|----------|
| व० धूनयति | धूनयतः | धूनयन्ति |
| धूनयसि | धूनयथः | धूनयथ |
| धूनयामि | धूनयावः | धूनयामः |
| स० धूनयेत् | धूनयेताम् | धूनयेयुः |
| धूनयेः | धूनयेतम् | धूनयेत |
| धूनयेयम् | धूनयेव | धूनयेम |

प० धूनयतु धूनयतात् धूनयताम् धूनयन्तु

धूनय धूनयतात् धूनयतम् धूनयत

धूनयानि धूनयाव धूनयाम

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ह्य० अधूनयत् | अधूनयताम् | अधूनयन् |
| अधूनयः | अधूनयतम् | अधूनयत |
| अधूनयम् | अधूनयाव | अधूनयाम |
| अ० अदूधुनत् | अदूधुनताम् | अदूधुनन् |
| अदूधुनः | अदूधुनतम् | अदूधुनत |
| अदूधुनम् | अदूधुनाव | अदूधुनाम |
| प० धूनयाश्चकार | धूनयाश्चकतुः | धूनयाश्चकुः |
| धूनयाश्चकथं | धूनयाश्चकथुः | धूनयाश्चक |
| धूनयाश्चकार-चकर | धूनयाश्चकृव | धूनयाश्चकृम |
| धूनयाम्बभूव | धूनयामास | |
| आ० धून्यात् | धून्यास्तम् | धून्यासुः |
| धून्याः | धून्यास्तम् | धून्यास्त |
| धून्यासम् | धून्यास्व | धून्यास्म |
| स्व० धूनयिता | धूनयितारौ | धूनयितारः |
| धूनयितासि | धूनयितास्थः | धूनयितास्थ |
| धूनयितास्मि | धूनयितास्वः | धूनयितास्मः |
| भ० धूनयिष्यति | धूनयिष्यतः | धूनयिष्यन्ति |
| धूनयिष्यसि | धूनयिष्यथः | धूनयिष्यथ |
| धूनयिष्यामि | धूनयिष्यावः | धूनयिष्यामः |
| क्रि० अधूनयिष्यत् | अधूनयिष्यताम् | अधूनयिष्यन् |
| अधूनयिष्यः | अधूनयिष्यतम् | अधूनयिष्यत |
| अधूनयिष्यम् | अधूनयिष्याव | अधूनयिष्याम |

1292 स्तृगृ (स्तृ) आच्छादने ।

| | | |
|----------------------------|-----------------|-----------------|
| व० स्तारयति | स्तारयतः | स्तारयन्ति |
| स्तारयसि | स्तारयथः | स्तारयथ |
| स्तारयामि | स्तारयावः | स्तारयामः |
| स० स्तारयेत् | स्तारयेताम् | स्तारयेयुः |
| स्तारयेः | स्तारयेतम् | स्तारयेत |
| स्तारयेयम् | स्तारयेव | स्तारयेम |
| प० स्तारयतु | स्तारयतात् | स्तारयताम् |
| स्तारय | स्तारयतात | स्तारयतम् |
| स्तारयाणि | स्तारयाव | स्तारयाम |
| ह्य० अस्तारयत् | अस्तारयताम् | अस्तारयन् |
| अस्तारयः | अस्तारयतम् | अस्तारयत |
| अस्तारयम् | अस्तारयाव | अस्तारयाम |
| अ० अतिस्तरत् | अतिस्तरताम् | अतिस्तरन् |
| अतिस्तरः | अतिस्तरतम् | अतिस्तरत |
| अतिस्तरम् | अतिस्तराव | अतिस्तराम |
| प० स्तारयाञ्चकार | स्तारयाञ्चक्रुः | स्तारयाञ्चक्रुः |
| स्तारयाञ्चकथं | स्तारयाञ्चक्रुः | स्तारयाञ्चक्रुः |
| स्तारयाञ्चकार-चक्र | स्तारयाञ्चक्रुव | स्तारयाञ्चक्रुम |
| स्तारयाम्बभूव । स्तारयामास | | |
| आ० स्तार्यात् | स्तार्यास्ताम् | स्तार्यास्तुः |
| स्तार्याः | स्तार्यास्तम् | स्तार्यास्त |
| स्तार्यासम् | स्तार्यास्व | स्तार्यास्म |
| भ० स्तारयिता | स्तारयितारौ | स्तारयितारः |
| स्तारयितासि | स्तारयितास्थः | स्तारयितास्थ |
| स्तारयितास्मि | स्तारयितास्वः | स्तारयितास्मः |
| अ० स्तारयिष्यति | स्तारयिष्यतः | स्तारयिष्यन्ति |
| स्तारयिष्यसि | स्तारयिष्यथः | स्तारयिष्यथ |
| स्तारयिष्यामि | स्तारयिष्यावः | स्तारयिष्यामः |
| क्रि० अस्तारयिष्यत् | अस्तारयिष्यताम् | अस्तारयिष्यन् |
| अस्तारयिष्यः | अस्तारयिष्यतम् | अस्तारयिष्यत |
| अस्तारयिष्यम् | अस्तारयिष्याव | अस्तारयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० स्तारयते | स्तारयेते | स्तारयन्ते |
| स्तारयसे | स्तारयेथे | स्तारयथे |
| स्तारये | स्तारयावहे | स्तारयामहे |
| स० स्तारयेत | स्तारयेयाताम् | स्तारयेरन् |
| स्तारयेथाः | स्तारयेयाथाम् | स्तारयेध्वम् |
| स्तारयेय | स्तारयेवहि | स्तारयेमहि |
| प० स्तारयताम् | स्तारयेताम् | स्तारयन्ताम् |
| स्तारयस्व | स्तारयेथाम् | स्तारयध्वम् |
| स्तारयै | स्तारयावहै | स्तारयामहै |
| ह्य० अस्तारयत | अस्तारयेताम् | अस्तारयन्त |
| अस्तारयथाः | अस्तारयेथाम् | अस्तारयध्वम् |
| अस्तारये | अस्तारयावहि | अस्तारयामहि |
| अ० अतिस्तरत | अतिस्तरताम् | अतिस्तरन्त |
| अतिस्तरथाः | अतिस्तरथाम् | अतिस्तरध्वम् |
| अतिस्तरे | अतिस्तरावहि | अतिस्तरामहि |
| प० स्तारयाञ्चके | स्तारयाञ्चकते | स्तारयाञ्चकिरे |
| स्तारयाञ्चकृषे | स्तारयाञ्चक्राथे | स्तारयाञ्चकृद्वे |
| स्तारयाञ्चके | स्तारयाञ्चक्रुवहे | स्तारयाञ्चकृमहे |
| स्तारयाम्बभूव | स्तारयामास | |
| आ० स्तारयिषीष्ट | स्तारयिषीयास्ताम् | स्तारयिषीरन् |
| स्तारयिषीष्ठाः | स्तारयिषीयास्थाम् | स्तारयिषीद्वम् |
| स्तारयिषीय | स्तारयिषीवहि | स्तारयिषीमहि |
| भ० स्तारयिता | स्तारयितारौ | स्तारयितारः |
| स्तारयितासे | स्तारयितासाथे | स्तारयिताध्वे |
| स्तारयिताहे | स्तारयितास्वहे | स्तारयितास्महे |
| अ० स्तारयिष्यते | स्तारयिष्येते | स्तारयिष्यन्ते |
| स्तारयिष्यसे | स्तारयिष्येथे | स्तारयिष्यथे |
| स्तारयिष्ये | स्तारयिष्यावहे | स्तारयिष्यामहे |
| क्रि० अस्तारयिष्यत | अस्तारयिष्येताम् | अस्तारयिष्यन्त |
| अस्तारयिष्यथाः | अस्तारयिष्येथाम् | अस्तारयिष्यध्वम् |
| अस्तारयिष्ये | अस्तारयिष्यावहि | अस्तारयिष्यामहि |

1294 वृद्ध (वृ) वृरणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | वारयति | वारयतः | वारयन्ति |
| | वारयसि | वारयथः | वारयथ |
| | वारयामि | वारयावः | वारयामः |
| स० | वारयेत् | वारयेताम् | वारयेयुः |
| | वारयेः | वारयेतम् | वारयेत |
| | वारयेयम् | वारयेव | वारयेम |
| स० | वारयतु | वारयतात् | वारयताम् |
| | वारय | वारयतात् | वारयतम् |
| | वारयाणि | वारयाव | वारयाम |
| ह्य० | अवारयत् | अवारयताम् | अवारयन् |
| | अवारयः | अवारयतम् | अवारयत |
| | अवारयम् | अवारयाव | अवारयाम |
| अ० | अवीवरत् | अवीवरताम् | अवीवरन् |
| | अवीवरः | अवीवरतम् | अवीवरत |
| | अवीवराम् | अवीवराव | अवीवराम |
| प० | वारयाञ्चकार | वारयाञ्चक्रुः | वारयाञ्चकुः |
| | वारयाञ्चक्य | वारयाञ्चक्रुः | वारयाञ्चक्र |
| | वारयाञ्चकार-चकर | वारयाञ्चकृव | वारयाञ्चक्रम |
| | वारयाञ्चभूव | वारयामास | |
| आ० | वार्यात् | वार्यास्ताम् | वार्यासुः |
| | वार्याः | वार्यास्तम् | वार्यास्त |
| | वार्यासम् | वार्यास्व | वार्यास्म |
| व० | वारयिता | वारयितारौ | वारयितारः |
| | वारयितासि | वारयितास्थः | वारयितास्थ |
| | वारयितास्मि | वारयितास्वः | वारयितास्मः |
| भ० | वारयिष्यति | वारयिष्यतः | वारयिष्यन्ति |
| | वारयिष्यसि | वारयिष्यथः | वारयिष्यथ |
| | वारयिष्यामि | वारयिष्यावः | वारयिष्यामः |
| क्रि० | अवारयिष्यत् | अवारयिष्यताम् | अवारयिष्यन् |
| | अवारयिष्यः | अवारयिष्यतम् | अवारयिष्यत |
| | अवारयिष्यम् | अवारयिष्याव | अवारयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | वारयते | वारयेते | वारयन्ते |
| | वारयसे | वारयेथे | वारयध्वे |
| | वारये | वारयावहे | वारयामहे |
| स० | वारयेत | वारयेताम् | वारयेरन् |
| | वारयेथाः | वारयेथाम् | वारयेध्वम् |
| | वारयेय | वारयेवहि | वारयेमहि |
| प० | वारयताम् | वारयेताम् | वारयन्ताम् |
| | वारयस्य | वारयेथाम् | वारयध्वम् |
| | वारये | वारयावहे | वारयामहे |
| ह्य० | अवारयत | अवारयेताम् | अवारयन्त |
| | अवारयथाः | अवारयेथाम् | अवारयध्वम् |
| | अवारये | अवारयावहि | अवारयामहि |
| अ० | अवीवरत | अवीवरेताम् | अवीवरन्त |
| | अवीवरथाः | अवीवरेथाम् | अवीवरध्वम् |
| | अवीवरे | अवीवरावहि | अवीवरामहि |
| प० | वारयाञ्चक्रे | वारयाञ्चक्राते | वारयाञ्चक्रिरे |
| | वारयाञ्चकृषे | वारयाञ्चक्राथे | वारयाञ्चकृद्वे |
| | वारयाञ्चक्रे | वारयाञ्चकृवहे | वारयाञ्चकृमहे |
| | वारयाञ्चभूव | वारयामास | |
| आ० | वारयिषीष्ट | वारयिषीयास्ताम् | वारयिषीरन् |
| | वारयिषीष्ठाः | वारयिषीयास्थाम् | वारयिषीध्वम् |
| | वारयिषीय | वारयिषीवहि | वारयिषीमहि |
| प० | वारयिता | वारयितारौ | वारयितारः |
| | वारयितासे | वारयितासाथे | वारयिताध्वे |
| | वारयिताहे | वारयितास्वहे | वारयितास्महे |
| भ० | वारयिष्यते | वारयिष्येते | वारयिष्यन्ते |
| | वारयिष्यसे | वारयिष्येथे | वारयिष्यध्वे |
| | वारयिष्ये | वारयिष्यावहे | वारयिष्यामहे |
| क्रि० | अवारयिष्यत | अवारयिष्येताम् | अवारयिष्यन्त |
| | अवारयिष्यथाः | अवारयिष्येथाम् | अवारयिष्यध्वम् |
| | अवारयिष्ये | अवारयिष्यावहि | अवारयिष्यामहि |

1296 श्रुं (श्रु) श्रवणे

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------------|
| व० | श्रावयति | श्रावयतः | श्रावयन्ति |
| | श्रावयसि | श्रावयथः | श्रावयथ |
| | श्रावयामि | श्रावयावः | श्रावयामः |
| स० | श्रावयेत् | श्रावयेताम् | श्रावयेयुः |
| | श्रावयेः | श्रावयेतम् | श्रावयेत |
| | श्रावयेयम् | श्रावयेव | श्रावयेम |
| प० | श्रावयतु | श्रावयतात् | श्रावयताम् श्रावयन्तु |
| | श्रावय | श्रावयतात् | श्रावयतम् श्रावयत |
| | श्रावयाणि | श्रावयाव | श्रावयाम |
| ह्य० | अश्रावयत् | अश्रावयताम् | अश्रावयन् |
| | अश्रावयः | अश्रावयतम् | अश्रावयत |
| | अश्रावयम् | अश्रावयाव | अश्रावयाम |
| अ० | अशिश्रवत् | अशिश्रवताम् | अशिश्रवन् |
| | अशिश्रवः | अशिश्रवतम् | अशिश्रवत |
| | अशिश्रवम् | अशिश्रवाव | अशिश्रवाम |
| | अशुश्रवत | अशुश्रवताम् | अशुश्रवन् ३० |
| प० | श्रावयाञ्चकार | श्रावयाञ्चकतुः | श्रावयाञ्चकः |
| | श्रावयाञ्चक्यं | श्रावयाञ्चकथुः | श्रावयाञ्चक |
| | श्रावयाञ्चकार-चकर | श्रावयाञ्चकृव | श्रावयाञ्चकृम |
| | श्रावयाम्बभूव | । | श्रावयामास |
| आ० | श्राव्यात् | श्राव्यास्ताम् | श्राव्यासुः |
| | श्राव्याः | श्राव्यास्तम् | श्राव्यास्त |
| | श्राव्यासम् | श्राव्यास्व | श्राव्यास्म |
| श्र० | श्रावयिता | श्रावयितारौ | श्रावयितारः |
| | श्रावयितासि | श्रावयितास्थः | श्रावयितास्थ |
| | श्रावयितास्मि | श्रावयितास्वः | श्रावयितास्मः |
| भ० | श्रावयिष्यति | श्रावयिष्यतः | श्रावयिष्यन्ति |
| | श्रावयिष्यसि | श्रावयिष्यथः | श्रावयिष्यथ |
| | श्रावयिष्यामि | श्रावयिष्यावः | श्रावयिष्यामः |
| क्रि० | अश्रावयिष्यत् | अश्रावयिष्यताम् | अश्रावयिष्यन् |
| | अश्रावयिष्यः | अश्रावयिष्यतम् | अश्रावयिष्यत |
| | अश्रावयिष्यम् | अश्रावयिष्याव | अश्रावयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|----------------------|
| व० | श्रावयते | श्रावयेते | श्रावयन्ते |
| | श्रावयसे | श्रावयेथे | श्रावयध्वे |
| | श्रावये | श्रावयावहे | श्रावयामहे |
| स० | श्रावयेत् | श्रावयेयाताम् | श्रावयेरन् |
| | श्रावयेथाः | श्रावयेयाथाम् | श्रावयेध्वम् |
| | श्रावयेय | श्रावयेवहि | श्रावयेमहि |
| प० | श्रावयताम् | श्रावयेताम् | श्रावयन्ताम् |
| | श्रावयस्व | श्रावयेथाम् | श्रावयध्वम् |
| | श्रावये | श्रावयावहे | श्रावयामहे |
| ह्य० | अश्रावयत | अश्रावयेताम् | अश्रावयन्त |
| | अश्रावयथाः | अश्रावयेथाम् | अश्रावयध्वम् |
| | अश्रावये | अश्रावयावहि | अश्रावयामहि |
| अ० | अशिश्रवत | अशिश्रवेताम् | अशिश्रवन्त |
| | अशिश्रवथाः | अशिश्रवेथाम् | अशिश्रवध्वम् |
| | अशिश्रवे | अशिश्रवावहि | अशिश्रवामहि |
| | अशुश्रवत | अशुश्रवेताम् | अशुश्रवन्त ३० |
| प० | श्रावयाञ्चके | श्रावयाञ्चकाते | श्रावयाञ्चकिरे |
| | श्रावयाञ्चकृषे | श्रावयाञ्चकाथे | श्रावयाञ्चकृद्वे |
| | श्रावयाञ्चके | श्रावयाञ्चकृवहे | श्रावयाञ्चकृमहे |
| | श्रावयाम्बभूव | । | श्रावयामास |
| आ० | श्रावयिषीष्ट | श्रावयिषीयस्ताम् | श्रावयिषीरन् |
| | श्रावयिषीष्ठाः | श्रावयिषीयस्थाम् | श्रावयिषीध्वम् ध्वम् |
| | श्रावयिषीय | श्रावयिषीवहि | श्रावयिषीमहि |
| श्र० | श्रावयिता | श्रावयितारौ | श्रावयितारः |
| | श्रावयितासे | श्रावयितासाथे | श्रावयितास्वे |
| | श्रावयिताहे | श्रावयितोस्वहे | श्रावयितास्महे |
| भ० | श्रावयिष्यते | श्रावयिष्येते | श्रावयिष्यन्ते |
| | श्रावयिष्यसे | श्रावयिष्येथे | श्रावयिष्यध्वे |
| | श्रावयिष्ये | श्रावयिष्यावहे | श्रावयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्रावयिष्यत | अश्रावयिष्येताम् | अश्रावयिष्यन्त |
| | अश्रावयिष्यथाः | अश्रावयिष्येथाम् | अश्रावयिष्यध्वम् |
| | अश्रावयिष्ये | अश्रावयिष्यावहि | अश्रावयिष्यामहि |
| | 1297 डुंद् (दु) | उपतापे । 12 | डुंद् रूपानि |
| | 1298 ष्ट् (ष्ट) | प्रीतौ । 134 | ष्ट् रूपानि |
| | 1299 स्मृ (स्मृ) | पारुने च । 18 | स्मृ रूपानि |
| | 1300 शक्ल (शक्) | व्याप्तौ । 1280 | शक्ल रूपानि |
| | 1301 तिकृ (तिकृ) | हिंसायां । 632 | तिकृ रूपानि |

1302 तिग् (तिग्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | तेगयति | तेगयतः | तेगयन्ति |
| | तेगयसि | तेगयथः | तेगयथ |
| | तेगयामि | तेगयावः | तेगयामः |
| स० | तेगयेत् | तेगयेताम् | तेगयेयुः |
| | तेगयेः | तेगयेताम् | तेगयेत |
| | तेगयेयम् | तेगयेव | तेगयेम |
| प० | तेगयतु | तेगयतात् | तेगयताम् |
| | तेगय | तेगयतात् | तेगयतम् |
| | तेगयानि | तेगयाव | तेगयाम |
| ह्य० | अतेगयत् | अतेगयताम् | अतेगयन् |
| | अतेगयः | अतेगयतम् | अतेगयत |
| | अतेगयम् | अतेगयाव | अतेगयाम |
| अ० | अतीतिगत् | अतीतिगताम् | अतीतिगन् |
| | अतीतिगः | अतीतिगतम् | अतीतिगत |
| | अतीतिगम् | अतीतिगाव | अतीतिगम |
| प० | तेगयञ्चकार | तेगयञ्चक्रुः | तेगयञ्चक्रुः |
| | तेगयञ्चकथं | तेगयञ्चकथुः | तेगयञ्चक |
| | तेगयञ्चकार-चक्र | तेगयञ्चक्रुव | तेगयञ्चक्रुम |
| | तेगयाम्बभूव | । | तेगयामास |
| आ० | तेग्यात् | तेग्यास्ताम् | तेग्यासुः |
| | तेग्याः | तेग्यास्तम् | तेग्यास्त |
| | तेग्यासम् | तेग्यास्व | तेग्यास्म |
| इव० | तेगयिता | तेगयितारौ | तेगयितारः |
| | तेगयितासि | तेगयितास्थः | तेगयितास्थ |
| | तेगयितास्मि | तेगयितास्वः | तेगयितास्मः |
| अ० | तेगयिष्यति | तेगयिष्यतः | तेगयिष्यन्ति |
| | तेगयिष्यसि | तेगयिष्यथः | तेगयिष्यथ |
| | तेगयिष्यामि | तेगयिष्यावः | तेगयिष्यामः |
| क्रि० | अतेगयिष्यत् | अतेगयिष्यताम् | अतेगयिष्यन् |
| | अतेगयिष्यः | अतेगयिष्यतम् | अतेगयिष्यत |
| | अतेगयिष्यम् | अतेगयिष्याव | अतेगयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तेगयते | तेगयंते | तेगयन्ते |
| | तेगयसे | तेगयेथे | तेगयध्वं |
| | तेगये | तेगयावहे | तेगयामहे |
| स० | तेगयेत | तेगयेयाताम् | तेगयेरन् |
| | तेगयेथाः | तेगयेयाथाम् | तेगयेध्वम् |
| | तेगयेय | तेगयेवहि | तेगयेमहि |
| प० | तेगयताम् | तेगयेताम् | तेगयन्ताम् |
| | तेगयस्व | तेगयेथाम् | तेगयध्वम् |
| | तेगये | तेगयावहे | तेगयामहे |
| ह्य० | अतेगयत | अतेगयेताम् | अतेगयन्त |
| | अतेगयथाः | अतेगयेथाम् | अतेगयध्वम् |
| | अतेगये | अतेगयावहि | अतेगयामहि |
| अ० | अतीतिगत | अतीतिगेताम् | अतीतिगन्त |
| | अतीतिगथाः | अतीतिगेथाम् | अतीतिगध्वम् |
| | अतीतिगे | अतीतिगावहि | अतीतिगामहि |
| प० | तेगयाञ्चक्रे | तेगयाञ्चक्राते | तेगयाञ्चक्रिरे |
| | तेगयाञ्चकृषे | तेगयाञ्चक्राथे | तेगयाञ्चकृद्वे |
| | तेगयाञ्चक्रे | तेगयाञ्चकृवहे | तेगयाञ्चकृमहे |
| | तेगयाम्बभूव | । | तेगयामास |
| आ० | तेगयिषीष्ट | तेगयिषीयास्ताम् | तेगयिषीरन् |
| | तेगयिषीष्टाः | तेगयिषीयास्थाम् | तेगयिषीड्वम् |
| | तेगयिषीय | तेगयिषीवहि | तेगयिषीमहि |
| इव० | तेगयिता | तेगयितारौ | तेगयितारः |
| | तेगयितासे | तेगयितासाथे | तेगयिताध्वे |
| | तेगयिताहे | तेगयितास्वहे | तेगयितास्महे |
| अ० | तेगयिष्यते | तेगयिष्येते | तेगयिष्यन्ते |
| | तेगयिष्यसे | तेगयिष्येथे | तेगयिष्यध्वे |
| | तेगयिष्ये | तेगयिष्यावहे | तेगयिष्यामहे |
| क्रि० | अतेगयिष्यत | अतेगयिष्येताम् | अतेगयिष्यन्त |
| | अतेगयिष्यथाः | अतेगयिष्येथाम् | अतेगयिष्यध्वम् |
| | अतेगयिष्ये | अतेगयिष्यावहि | अतेगयिष्यामहि |

1303 षघट [सघ] हिंसायाम्

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० साघयति | साघयतः | साघयन्ति |
| साघयसि | साघयथः | साघयथ |
| साघयामि | साघयावः | साघयामः |
| स० साघयेत् | साघयेताम् | साघयेयुः |
| साघयेः | साघयेतम् | साघयेत |
| साघयेयम् | साघयेव | साघयेम |
| प० साघयतु | साघयतात् | साघयताम् |
| साघय | साघयतात् | साघयतम् |
| साघयानि | साघयाव | साघयाम |
| ख० असाघयत् | असाघयताम् | असाघयन् |
| असाघयः | असाघयतम् | असाघयत |
| असाघयम् | असाघयाव | असाघयाम |
| अ० असीषघत् | असीषघताम् | असीषघन् |
| असीषघः | असीषघतम् | असीषघत |
| असीषघम् | असीषघाव | असीषघाम |
| प० साघयाञ्चकार | साघयाञ्चकतुः | साघयाञ्चकुः |
| साघयाञ्चकर्थे | साघयाञ्चकशुः | साघयाञ्चक |
| साघयाञ्चकार-त्तकर | साघयाञ्चकृव | साघयाञ्चकृम |
| साघयाम्बभूव | । | साघयामास |
| आ० साध्यात् | साध्यास्ताम् | साध्यासुः |
| साध्याः | साध्यास्तम् | साध्यास्त |
| साध्यासम् | साध्यास्व | साध्यास्म |
| भ० साघयिता | साघयितारौ | साघयितारः |
| साघयितासि | साघयितास्थः | साघयितास्थ |
| साघयितास्मि | साघयितास्वः | साघयितास्मः |
| भ० साघयिष्यति | साघयिष्यतः | साघयिष्यन्ति |
| साघयिष्यसि | साघयिष्यथः | साघयिष्यथ |
| साघयिष्यामि | साघयिष्यावः | साघयिष्यामः |
| क्रि० असाघयिष्यत् | असाघयिष्यताम् | असाघयिष्यन् |
| असाघयिष्यः | असाघयिष्यतम् | असाघयिष्यत |
| असाघयिष्यम् | असाघयिष्याव | असाघयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० साघयते | साघयेते | साघयन्ते |
| साघयसे | साघयेथे | साघयध्वे |
| साघये | साघयावहे | साघयामहे |
| स० साघयेत | साघयेयाताम् | साघयेरन् |
| साघयेथाः | साघयेयाथाम् | साघयेध्वम् |
| साघयेथ | साघयेवहि | साघयेमहि |
| प० साघयताम् | साघयेताम् | साघयन्ताम् |
| साघयस्व | साघयेथाम् | साघयध्वम् |
| साघयै | साघयावहे | साघयामहे |
| ख० असाघयत | असाघयेताम् | असाघयन्त |
| असाघयथाः | असाघयेथाम् | असाघयध्वम् |
| असाघये | असाघयावहि | असाघयामहि |
| अ० असीषघत | असीषघेताम् | असीषघन्त |
| असीषघथाः | असीषघेथाम् | असीषघध्वम् |
| असीषघे | असीषघावहि | असीषघामहि |
| प० साघयाञ्चक्रे | साघयाञ्चकृते | साघयाञ्चक्रे |
| साघयाञ्चकृषे | साघयाञ्चकृथे | साघयाञ्चकृद्वे |
| साघयाञ्चक्रे | साघयाञ्चकृवहे | साघयाञ्चकृमहे |
| साघयाम्बभूव | । | साघयामास |
| आ० साघयिषीष्ट | साघयिषीष्टाताम् | साघयिषीरन् |
| साघयिषीष्टाः | साघयिषीयास्थाम् | साघयिषीद्वम् |
| साघयिषीय | साघयिषीवहि | साघयिषीमहि |
| भ० साघयिता | साघयितारौ | साघयितारः |
| साघयितासे | साघयितासाथे | साघयिताध्वे |
| साघयिताहे | साघयितास्वहे | साघयितास्महे |
| भ० साघयिष्यते | साघयिष्येते | साघयिष्यन्ते |
| साघयिष्यसे | साघयिष्येथे | साघयिष्यध्वे |
| साघयिष्ये | साघयिष्यावहे | साघयिष्यामहे |
| क्रि० असाघयिष्यत | असाघयिष्येताम् | असाघयिष्यन्त |
| असाघयिष्यथाः | असाघयिष्येथाम् | असाघयिष्यध्वम् |
| असाघयिष्ये | असाघयिष्यावहि | असाघयिष्यामहि |

1305 साध् (साध्) संसिद्धौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | साधयति | साधयतः | साधयन्ति |
| | साधयसि | साधयथः | साधयथ |
| | साधयामि | साधयावः | साधयामः |
| स० | साधयेत् | साधयेताम् | साधयेयुः |
| | साधयेः | साधयेतम् | साधयेत |
| | साधयेयम् | साधयेव | साधयेम |
| प० | साधयतु | साधयतात् | साधयताम् |
| | साधय | साधयतात् | साधयतम् |
| | साधयानि | साधयाव | साधयाम |
| ह्य० | असाधयत् | असाधयताम् | असाधयन् |
| | असाधयः | असाधयतम् | असाधयत |
| | असाधयम् | असाधयाव | असाधयत |
| अ० | असीसधत् | असीसधताम् | असीसधन् |
| | असीसधः | असीसधतम् | असीसधत |
| | असीसधम् | असीसधाव | असीसधाम |
| प० | साधयाञ्चकार | साधयाञ्चक्रुः | साधयाञ्चकुः |
| | साधयाञ्चकथं | साधयाञ्चकथुः | साधयाञ्चक |
| | साधयाञ्चकार-चकर | साधयाञ्चकृव | साधयाञ्चकृम |
| | साधयाम्बभूव | । | साधयामास |
| का० | साध्यात् | साध्यास्ताम् | साध्यासुः |
| | साध्याः | साध्यास्तम् | साध्यास्त |
| | साध्यासम् | साध्यास्व | साध्यास्म |
| श्व० | साधयिता | साधयितारौ | साधयितारः |
| | साधयितासि | साधयितास्वः | साधयितास्थ |
| | साधयितास्मि | साधयितास्वः | साधयितास्मः |
| अ० | साधयिष्यति | साधयिष्यतः | साधयिष्यन्ति |
| | साधयिष्यसि | साधयिष्यथः | साधयिष्यथ |
| | साधयिष्यामि | साधयिष्यावः | साधयिष्यामः |
| क्रि० | असाधयिष्यत् | असाधयिष्यताम् | असाधयिष्यन् |
| | असाधयिष्यः | असाधयिष्यतम् | असाधयिष्यत |
| | असाधयिष्यम् | असाधयिष्याव | असाधयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | साधयते | साधयेते | साधयन्ते |
| | साधयसे | साधयेथे | साधयध्वे |
| | साधये | साधयावहे | साधयामहे |
| स० | साधयेत | साधयेयाताम् | साधयेरन् |
| | साधयेथाः | साधयेयाथाम् | साधयेध्वम् |
| | साधयेय | साधयेवहि | साधयेमहि |
| प० | साधयेताम् | साधयेताम् | साधयन्ताम् |
| | साधयस्व | साधयेथाम् | साधयध्वम् |
| | साधयै | साधयावहे | साधयामहे |
| ह्य० | असाधयत | असाधयेताम् | असाधयन्त |
| | असाधयथाः | असाधयेथाम् | असाधयध्वम् |
| | असाधये | असाधयावहि | असाधयामहि |
| अ० | असीसधत् | असीसधेताम् | असीसधन्त |
| | असीसधयाः | असीसधेथाम् | असीसधध्वम् |
| | असीसधे | असीसधावहि | असीसधामहि |
| प० | साधयाञ्चके | साधयाञ्चक्राते | साधयाञ्चकिरे |
| | साधयाञ्चकृषे | साधयाञ्चकृथे | साधयाञ्चकृद्वे |
| | साधयाञ्चके | साधयाञ्चकृवहे | साधयाञ्चकृमहे |
| | साधयाम्बभूव | । | साधयामास |
| आ० | साधयिषीष्ट | साधयिषीयास्ताम् | साधयिषीरन् |
| | साधयिषीष्टाः | साधयिषीयाथाम् | साधयिषीद्वम् |
| | साधयिषीय | साधयिषीवहि | साधयिषीमहि |
| श्व० | साधयिता | साधयितारौ | साधयितारः |
| | साधयितासे | साधयितासावे | साधयिताध्वे |
| | साधयिताहे | साधयितास्वहे | साधयितामहे |
| अ० | साधयिष्यते | साधयिष्येते | साधयिष्यन्ते |
| | साधयिष्यसे | साधयिष्येथे | साधयिष्यध्वे |
| | साधयिष्ये | साधयिष्यावहे | साधयिष्यामहे |
| क्रि० | असाधयिष्यत | असाधयिष्येताम् | असाधयिष्यन्त |
| | असाधयिष्यथाः | असाधयिष्येथाम् | असाधयिष्यध्वम् |
| | असाधयिष्ये | असाधयिष्यावहि | असाधयिष्यामहि |

1306 ऋधूट् (ऋधू) ऋद्धौ । 1186 ऋधूचवद्भाणि

1307 आप्लुट् [अप्) व्याप्तौ ।

| | | |
|-----------------|-------------|-------------|
| ब० आपयति | आपयतः | आपयन्ति |
| आपयसि | आपयथः | आपयथ |
| आपयामि | आपयावः | आपयामः |
| स० आपयेत् | आपयेताम् | आपययुः |
| आपयेः | आपयेतम् | आपयेत |
| आपयेयम् | आपयेव | आपयेम |
| प० आपयतु | आपयतात् | आपयन्तु |
| आपय | आपयतः | आपयत |
| आपयानि | आपयाव | आपयाम |
| ह० आपयत् | आपयताम् | आपयन् |
| आपयः | आपयतम् | आपयत |
| आपयम् | आपयाव | आपयाम |
| भ० आपिपत् | आपिपताम् | आपिपन् |
| आपिपः | आपिपतम् | आपिपत |
| आपिपम् | आपिपाव | आपिपाम |
| प० आपयाञ्चकार | आपयाञ्चकतुः | आपयाञ्चकुः |
| आपयाञ्चकथं | आपयाञ्चकथुः | आपयाञ्चक |
| आपयाञ्चकार-वकर | आपयाञ्चकव | आपयाञ्चकम् |
| आपयाम्बभूव | । | आपयामास |
| आ० आप्यात् | आप्यास्ताम् | आप्यासुः |
| आप्याः | आप्यास्तम् | आप्यास्त |
| आप्यासम् | आप्यास्व | आप्यासम |
| श्व० आपयिता | आपयितारौ | आपयितारः |
| आपयितासि | आपयितास्थः | आपयितास्थ |
| आपयितास्मि | आपयितास्वः | आपयितास्मः |
| भ० आपयिष्यति | आपयिष्यतः | आपयिष्यन्ति |
| आपयिष्यसि | आपयिष्यथः | आपयिष्यथ |
| आपयिष्यामि | आपयिष्यावः | आपयिष्यामः |
| क्रि० आपयिष्यत् | आपयिष्यताम् | आपयिष्यन् |
| आपयिष्यः | आपयिष्यतम् | आपयिष्यत |
| आपयिष्यम् | आपयिष्याव | आपयिष्याम |

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| ब० आपयते | आपयेते | आपयन्ते |
| आपयसे | आपयेथे | आपयध्वे |
| आपये | आपयावहे | आपयामहे |
| स० आपयेत | आपयेताताम् | आपयेरन् |
| आपयेथाः | आपयेथाथाम् | आपयेध्वम् |
| आपयेय | आपयेवहि | आपयेमहि |
| प० आपयताम् | आपयेताम् | आपयन्ताम् |
| आपयस्व | आपयेथाम् | आपयध्वम् |
| आपये | आपयावहे | आपयामहे |
| ह० आपयत | आपयेताम् | आपयन्त |
| आपयथाः | आपयेथाम् | आपयध्वम् |
| आपये | आपयावहि | आपयामहि |
| अ० आपिपत | आपिपेताम् | आपिपन्त |
| आपिपथः | आपिपेथाम् | आपिपध्वम् |
| आपिपे | आपिपावहि | आपिपामहि |
| प० आपयाञ्चके | आपयाञ्चकते | आपयाञ्चकिरे |
| आपयाञ्चकृषे | आपयाञ्चकृषाथे | आपयाञ्चकृष्वम् |
| आपयाञ्चके | आपया वकृचहे | आपयाञ्चकृमहे |
| आपयाम्बभूव | । | आपयामास |
| आ० आपयिषीष्ट | आपयिषीयास्ताम् | आपयिषीरन् |
| आपयिषीष्ठाः | आपयिषीयास्थाम् | आपयिषीध्वम् |
| आपयिषीय | आपयिषीवहि | आपयिषीमहि |
| श्व० आपयिता | आपयितारौ | आपयितारः |
| आपयितासे | आपयितासथे | आपयिताध्वे |
| आपयिताहे | आपयितास्वहे | आपयितास्महे |
| भ० आपयिष्यते | आपयिष्येते | आपयिष्यन्ते |
| आपयिष्यसे | आपयिष्येथे | आपयिष्यध्वे |
| आपयिष्ये | आपयिष्यावहे | आपयिष्यामहे |
| क्रि० आपयिष्यत | आपयिष्येताम् | आपयिष्यन्त |
| आपयिष्यथाः | आपयिष्येथाम् | आपयिष्यध्वम् |
| आपयिष्ये | आपयिष्यावहि | आपयिष्यामहि |

1309 दम्भृद (दम्भृ) दम्भे ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|----------------|
| ब० | दम्भयति | दम्भयत' | दम्भयन्ति |
| | दम्भयसि | दम्भयथः | दम्भयथ |
| | दम्भयामि | दम्भयावः | दम्भयामः |
| स० | दम्भयेत् | दम्भयेताम् | दम्भयेयुः |
| | दम्भयेः | दम्भयेतम् | दम्भयेत |
| | दम्भयेयम् | दम्भयेव | दम्भयेम |
| प० | दम्भयतु | दम्भयतात् | दम्भयताम् |
| | दम्भय | दम्भयतात् | दम्भयतम् |
| | दम्भयानि | दम्भयाव | दम्भयाम |
| प्र० | अदम्भयत् | अदम्भयताम् | अदम्भयन् |
| | अदम्भयः | अदम्भयतम् | अदम्भयत |
| | अदम्भयम् | अदम्भयाव | अदम्भयाम |
| भ० | अददम्भत् | अददम्भताम् | अददम्भन् |
| | अददम्भः | अददम्भतम् | अददम्भत |
| | अददम्भम् | अददम्भाव | अददम्भाम |
| प० | दम्भयाञ्चकार | दम्भयाञ्चक्रुः | दम्भयाञ्चक्रुः |
| | दम्भयाञ्चकथं | दम्भयाञ्चकथुः | दम्भयाञ्चक |
| | दम्भयाञ्चकर-चकर | दम्भयाञ्चकृव | दम्भयाञ्चकृम |
| | दम्भयाञ्चभूव | । | दम्भयामात |
| आ० | दम्भ्यात् | दम्भ्यास्ताम् | दम्भ्यासुः |
| | दम्भ्याः | दम्भ्यास्तम् | दम्भ्यास्त |
| | दम्भ्यासम् | दम्भ्यास्व | दम्भ्यास्म |
| श्व० | दम्भयिता | दम्भयितारौ | दम्भयितारः |
| | दम्भयितासि | दम्भयितास्थः | दम्भयितास्थ |
| | दम्भयितास्मि | दम्भयितास्वः | दम्भयितास्मः |
| भ० | दम्भयिष्यति | दम्भयिष्यतः | दम्भयिष्यन्ति |
| | दम्भयिष्यसि | दम्भयिष्यथः | दम्भयिष्यथ |
| | दम्भयिष्यामि | दम्भयिष्यावः | दम्भयिष्यामः |
| क्रि० | अदम्भयिष्यत् | अदम्भयिष्यताम् | अदम्भयिष्यन् |
| | अदम्भयिष्यः | अदम्भयिष्यतम् | अदम्भयिष्यत |
| | अदम्भयिष्यम् | अदम्भयिष्याव | जदम्भयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | दम्भयते | दम्भयेते | दम्भयन्ते |
| | दम्भयसे | दम्भयेथे | दम्भयध्वे |
| | दम्भये | दम्भयावहे | दम्भयामहे |
| | दम्भयेत | दम्भयेयाताम् | दम्भयेरन् |
| | दम्भयेथाः | दम्भयेयाथाम् | दम्भयेष्वम् |
| | दम्भयेय | दम्भयेवहि | दम्भयेमहि |
| प० | दम्भयताम् | दम्भयेताम् | दम्भयन्ताम् |
| | दम्भयस्व | दम्भयेथाम् | दम्भयध्वम् |
| | दम्भये | दम्भयावहे | दम्भयामहे |
| ह्य० | अदम्भयत | अदम्भयेताम् | अदम्भयन्त |
| | अदम्भयथाः | अदम्भयेथाम् | अदम्भयध्वम् |
| | अदम्भये | अदम्भयावहि | अदम्भयामहि |
| अ० | अददम्भत | अददम्भेताम् | अददम्भन्त |
| | अददम्भथाः | अददम्भेथाम् | अददम्भध्वम् |
| | अददम्भे | अददम्भावहि | अददम्भामहि |
| प० | दम्भयाञ्चक्रे | दम्भयाञ्चक्राते | दम्भयाञ्चक्रिरे |
| | दम्भयाञ्चकृषे | दम्भयाञ्चक्राथे | दम्भयाञ्चकृद्वे |
| | दम्भयाञ्चक्रे | दम्भयाञ्चकृवहे | दम्भयाञ्चकृमहे |
| | दम्भयाञ्चभूव | । | दम्भयामात |
| आ० | दम्भयिषीष्ट | दम्भयिषीयास्ताम् | दम्भयिषीरन् |
| | दम्भयिषीष्ठाः | दम्भयिषीयाथाम् | दम्भयिषीद्वम् |
| | दम्भयिषीय | दम्भयिषीवहि | दम्भयिषीमहि |
| श्व० | दम्भयिता | दम्भयितारौ | दम्भयितारः |
| | दम्भयितासे | दम्भयितासाथे | दम्भयिताध्वे |
| | दम्भयिताहे | दम्भयितास्वहे | दम्भयितास्महे |
| भ० | दम्भयिष्यते | दम्भयिष्येते | दम्भयिष्यन्ते |
| | दम्भयिष्यसे | दम्भयिष्येथे | दम्भयिष्यध्वे |
| | दम्भयिष्ये | दम्भयिष्यावहे | दम्भयिष्य |
| क्रि० | अदम्भयिष्यत | अदम्भयिष्येताम् | अदम्भयि |
| | अदम्भयिष्यथाः | अदम्भयिष्येथाम् | अदम्भयि |
| | अदम्भयिष्ये | अदम्भयिष्यावहि | अदम्भयि |

1310 कृवृ (कृष्] हिंसायाम्

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० कृवयति | कृवयतः | कृवयन्ति |
| कृवयसि | कृवयथः | कृवयथ |
| कृवयामि | कृवयावः | कृवयामः |
| स० कृवयेत् | कृवयेताम् | कृवयेयुः |
| कृवयेः | कृवयेतम् | कृवयेत |
| कृवयेयम् | कृवयेव | कृवयेम |
| प० कृवयतु | कृवयतात् | कृवयताम् |
| कृवय | कृवयतात् | कृवयताम् |
| कृवयानि | कृवयाव | कृवयाम |
| ह्य० अकृवयत् | अकृवयताम् | अकृवयन् |
| अकृवयः | अकृवयतम् | अकृवयत |
| अकृवयम् | अकृवयाव | अकृवयाम |
| अ० अचकृवत् | अचकृवताम् | अचकृवन् |
| अचकृवः | अचकृवतम् | अचकृवत |
| अचकृवम् | अचकृवाव | अचकृवाम |
| प० कृवयाञ्चकार | कृवयाञ्चक्रुः | कृवयाञ्चकुः |
| कृवयाञ्चक्ये | कृवयाञ्चक्रुः | कृवयाञ्चक |
| कृवयाञ्चकार, चकर | कृवयाञ्चक्रुव | कृवयाञ्चक्रम |
| कृवयाम्बभूव | । | कृवयामास |
| आ० कृव्यात् | कृव्यास्ताम् | कृव्यासुः |
| कृव्याः | कृव्यास्तम् | कृव्यास्त |
| कृव्यासम् | कृव्यास्व | कृव्यास्म |
| श० कृवयिता | कृवयितारौ | कृवयितारः |
| कृवयितासि | कृवयितास्थः | कृवयितास्थ |
| कृवयितास्मि | कृवयितास्वः | कृवयितास्मः |
| भ० कृवयिष्यति | कृवयिष्यतः | कृवयिष्यन्ति |
| कृवयिष्यसि | कृवयिष्यथः | कृवयिष्यथ |
| कृवयिष्यामि | कृवयिष्यावः | कृवयिष्यामः |
| क्रि० अकृवयिष्यत् | अकृवयिष्यताम् | अकृवयिष्यन् |
| अकृवयिष्यः | अकृवयिष्यतम् | अकृवयिष्यत |
| अकृवयिष्यम् | अकृवयिष्याव | अकृवयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| व० कृवयते | कृवयते | कृवयन्ते |
| कृवयसे | कृवयथे | कृवयन्वे |
| कृवये | कृवयावहे | कृवयामहे |
| स० कृवयेत | कृवयेयाताम् | कृवयेरन् |
| कृवयेथाः | कृवयेयाथाम् | कृवयेष्वम् |
| कृवयेय | कृवयेवहि | कृवयेमहि |
| पस कृवयताम् | कृवयेताम् | कृवयन्ताम् |
| कृवयस्व | कृवयेथाम् | कृवयस्वाम् |
| कृवयै | कृवयावहे | कृवयामहे |
| ह्य० अकृवयत | अकृवयेताम् | अकृवयन्त |
| अकृवयथाः | अकृवयेथाम् | अकृवयेष्वम् |
| अकृवय | अकृवयवहि | अकृवयामहि |
| अ० अचकृवत | अचकृवेताम् | अचकृवन्त |
| अचकृवथाः | अचकृवेथाम् | अचकृवेष्वम् |
| अचकृवे | अचकृवावहि | अचकृवामहि |
| प० कृवयाञ्चक्र | कृवयाञ्चक्राते | कृवयाञ्चक्रिरे |
| कृवयाञ्चक्रे | कृवयाञ्चक्राथे | कृवयाञ्चक्रावे |
| कृवयाञ्चक्रे | कृवयाञ्चक्रावहे | कृवयाञ्चक्रामहे |
| कृवयाम्बभूव | । | कृवयामास |
| आस कृवयिषीष्ट | कृवयिषीयास्ताम् | कृवयिषीरन् |
| कृवयिषीष्ठाः | कृवयिषीयाथाम् | कृवयिषीष्वम् |
| कृवयिषीय | कृवयिषीवहि | कृवयिषीमहि |
| श्वस कृवयिता | कृवयितारौ | कृवयितारः |
| कृवयितासे | कृवयितासाथे | कृवयिताश्वे |
| कृवयिताहे | कृवयितास्वहे | कृवयितास्महे |
| भस कृवयिष्यते | कृवयिष्यते | कृवयिष्यन्ते |
| कृवयिष्यसे | कृवयिष्यथे | कृवयिष्यथे |
| कृवयिष्ये | कृवयिष्यावहे | कृवयिष्यामहे |
| क्रि० अकृवयिष्यत | अकृवयिष्यताम् | अकृवयिष्यन्त |
| अकृवयिष्यथाः | अकृवयिष्येथाम् | अकृवयिष्येष्वम् |
| अकृवयिष्ये | अकृवयिष्यावहि | अकृवयिष्यामहि |

1311 धिबुट् (धिन्व्) गतौ

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० | धिन्वयति | धिन्वयतः | धिन्वयन्ति |
| | धिन्वयसि | धिन्वयथः | धिन्वयथ |
| | धिन्वयामि | धिन्वयावः | धिन्वयामः |
| स० | धिन्वयेत् | धिन्वयेताम् | धिन्वयेयुः |
| | धिन्वयेः | धिन्वयेतम् | धिन्वयेत |
| | धिन्वयेयम् | धिन्वयेव | धिन्वयेम |
| प० | धिन्वयतु | धिन्वयतात् | धिन्वयताम् |
| | धिन्वय | धिन्वयतात् | धिन्वयतम् |
| | धिन्वयानि | धिन्वयाव | धिन्वयाम |
| ह्य० | अधिन्वयत् | अधिन्वयताम् | अधिन्वयन्त |
| | अधिन्वयः | अधिन्वयतम् | अधिन्वयत |
| | अधिन्वयम् | अधिन्वयाव | अधिन्वयत |
| अस | अदिधिन्वत् | अदिधिन्वताम् | अदिधिन्वन् |
| | अदिधिन्वः | अदिधिन्वतम् | अदिधिन्वत |
| | अदिधिन्वम् | अदिधिन्वाव | अदिधिन्वाम |
| प० | धिन्वयाश्चकार | धिन्वयाश्चक्रुः | धिन्वयाश्चक्रुः |
| | धिन्वयाश्चकथं | धिन्वयाश्चक्रुः | धिन्वयाश्चक्रुः |
| | धिन्वयाश्चकार-वदर | धिन्वयाश्चक्रुव | धिन्वयाश्चक्रुम |
| | धिन्वयाम्बभूव | धिन्वयामास | |
| डा० | धिन्व्यात् | धिन्व्यास्ताम् | धिन्व्यास्तुः |
| | धिन्व्याः | धिन्व्यास्तम् | धिन्व्यास्त |
| | धिन्व्यासम् | धिन्व्यास्व | धिन्व्यासम् |
| भ्व० | धिन्वयिता | धिन्वयितारौ | धिन्वयितारः |
| | धिन्वयितासि | धिन्वयितास्थः | धिन्वयितास्थ |
| | धिन्वयितास्मि | धिन्वयितास्वः | धिन्वयितास्मः |
| भ० | धिन्वयिष्यति | धिन्वयिष्यतः | धिन्वयिष्यन्ति |
| | धिन्वयिष्यसि | धिन्वयिष्यथः | धिन्वयिष्यथ |
| | धिन्वयिष्यामि | धिन्वयिष्यावः | धिन्वयिष्यामः |
| क्रि० | अधिन्वयिष्यत् | अधिन्वयिष्यताम् | अधिन्वयिष्यन्त |
| | अधिन्वयिष्यः | अधिन्वयिष्यतम् | अधिन्वयिष्यत |
| | अधिन्वयिष्यम् | अधिन्वयिष्याव | अधिन्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|--------------------|
| व० | धिन्वयेते | धिन्वयेते | धिन्वयन्ते |
| | धिन्वयसे | धिन्वयेथे | धिन्वयध्वे |
| | धिन्वये | धिन्वयावहे | धिन्वयामहे |
| स० | धिन्वयेत | धिन्वयेयाताम् | धिन्वयेरन् |
| | धिन्वयेथाः | धिन्वयेयाथाम् | धिन्वयेध्वम् |
| | धिन्वयेय | धिन्वयेयहि | धिन्वयेमहि |
| प० | धिन्वयताम् | धिन्वयेताम् | धिन्वयन्ताम् |
| | धिन्वयस्व | धिन्वयेथाम् | धिन्वयध्वम् |
| | धिन्वयै | धिन्वयावहे | धिन्वयामहे |
| ह्य० | अधिन्वयत | अधिन्वयेताम् | अधिन्वयन्त |
| | अधिन्वयथाः | अधिन्वयेथाम् | अधिन्वयध्वम् |
| | अधिन्वये | अधिन्वयावहि | अधिन्वयामहि |
| अ० | अदिधिन्वत | अदिधिन्वेताम् | अदिधिन्वत |
| | अदिधिन्वथाः | अदिधिन्वेथाम् | अदिधिन्वध्वम् |
| | अदिधिन्वे | अदिधिन्वावहि | अदिधिन्वामहि |
| प० | धिन्वयाश्चक्रे | धिन्वयाश्चक्राते | धिन्वयाश्चकिरे |
| | धिन्वयाश्चक्रुवे | धिन्वयाश्चक्राथे | धिन्वयाश्चक्रुव्वे |
| | धिन्वयाश्चक्रे | धिन्वयाश्चक्रुवहे | धिन्वयाश्चक्रुमहे |
| | धिन्वयाम्बभूव | धिन्वयामास | |
| आ० | धिन्वयिषीष्ट | धिन्वयिषीयास्ताम् | धिन्वयिषीरन् |
| | धिन्वयिषीष्टाः | धिन्वयिषीयास्थाम् | धिन्वयिषीध्वम् |
| | धिन्वयिषीय | धिन्वयिषीवहि | धिन्वयिषीमहि |
| भ्व० | धिन्वयिता | धिन्वयितारौ | धिन्वयितारः |
| | धिन्वयितासे | धिन्वयितासाथे | धिन्वयिताध्वे |
| | धिन्वयिताहे | धिन्वयितास्वहे | धिन्वयितास्महे |
| भ० | धिन्वयिष्यते | धिन्वयिष्येते | धिन्वयिष्यन्ते |
| | धिन्वयिष्यसे | धिन्वयिष्येथे | धिन्वयिष्यध्वे |
| | धिन्वयिष्ये | धिन्वयिष्यावहे | धिन्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अधिन्वयिष्यत् | अधिन्वयिष्येताम् | अधिन्वयिष्यन्त |
| | अधिन्वयिष्यथाः | अधिन्वयिष्येथाम् | अधिन्वयिष्यध्वम् |
| | अधिन्वयिष्ये | अधिन्वयिष्यावहि | अधिन्वयिष्यामहि |

1312 जिधृषाद् (धृष्) प्रागल्भ्ये ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० धर्षयति | धर्षयतः | धर्षयन्ति |
| धर्षयसि | धर्षयथः | धर्षयथ |
| धर्षयामि | धर्षयावः | धर्षयामः |
| स० धर्षयेत् | धर्षयेताम् | धर्षयेयुः |
| धर्षयेः | धर्षयेतम् | धर्षयेत |
| धर्षयेयम् | धर्षयेव | धर्षयेम |
| प० धर्षयतु | धर्षयतात् | धर्षयताम् |
| धर्षय | धर्षयतात् | धर्षयतम् |
| धर्षयाणि | धर्षयाव | धर्षयाम |
| ह्य० अधर्षयत् | अधर्षयताम् | अधर्षयन् |
| अधर्षयः | अधर्षयतम् | अधर्षयत |
| अधर्षयम् | अधर्षयाव | अधर्षयाम |
| अ० अदीवृषत् | अदीवृषताम् | अदीवृषन् |
| अदीवृषः | अदीवृषतम् | अदीवृषत |
| अदीवृषम् | अदीवृषाव | अदीवृषाम |
| अदधर्षत् | अदधर्षताम् | अदधर्षन् ६० |
| प० धर्षयाश्चकार | धर्षयाश्चक्रुः | धर्षयाश्चक्रुः |
| धर्षयाश्चकथं | धर्षयाश्चक्रुः | धर्षयाश्चक्रुः |
| धर्षयाश्चकार-चकर | धर्षयाश्चक्रुव | धर्षयाश्चक्रुम |
| धर्षयाम्बभूव | धर्षयामास | |
| आ० धर्ष्यात् | धर्ष्यास्ताम् | धर्ष्यासुः |
| धर्ष्याः | धर्ष्यास्तम् | धर्ष्यास्त |
| धर्ष्यासम् | धर्ष्यास्व | धर्ष्यासम |
| भ० धर्षयिता | धर्षयितारो | धर्षयितारः |
| धर्षयितासि | धर्षयितास्थः | धर्षयितास्थ |
| धर्षयितास्मि | धर्षयितास्वः | धर्षयितास्मः |
| भ० धर्षयिष्यति | धर्षयिष्यतः | धर्षयिष्यन्ति |
| धर्षयिष्यसि | धर्षयिष्यथः | धर्षयिष्यथ |
| धर्षयिष्यामि | धर्षयिष्यावः | धर्षयिष्यामः |
| क्रि० अधर्षयिष्यत् | अधर्षयिष्यताम् | अधर्षयिष्यन् |
| अधर्षयिष्यः | अधर्षयिष्यतम् | अधर्षयिष्यत |
| अधर्षयिष्यम् | अधर्षयिष्याव | अधर्षयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-------------------|
| ब० धर्षयते | धर्षयते | धर्षयन्ते |
| धर्षयसे | धर्षयथे | धर्षयध्वे |
| धर्षये | धर्षयावहे | धर्षयामहे |
| स० धर्षयेत | धर्षयेयाताम् | धर्षयेरन् |
| धर्षयेथाः | धर्षयेयाथाम् | धर्षयेध्वम् |
| धर्षयेय | धर्षयेवहि | धर्षयेमहि |
| प० धर्षयताम् | धर्षयेताम् | धर्षयन्ताम् |
| धर्षयस्व | धर्षयेथाम् | धर्षयध्वम् |
| धर्षये | धर्षयावहे | धर्षयामहे |
| ह्य० अधर्षयत | अधर्षयेताम् | अधर्षयन्त |
| अधर्षयथाः | अधर्षयेथाम् | अधर्षयध्वम् |
| अधर्षये | अधर्षयावहि | अधर्षयामहि |
| अ० अदीवृषत | अदीवृषेताम् | अदीवृषन्त |
| अदीवृषथाः | अदीवृषेथाम् | अदीवृषध्वम् |
| अदीवृषे | अदीवृषावहि | अदीवृषामहि |
| अदधर्षत | अदधर्षेताम् | अदधर्षन्त ६० |
| प० धर्षयाश्चक्रे | धर्षयाश्चक्रते | धर्षयाश्चक्रिरे |
| धर्षयाश्चक्रे | धर्षयाश्चक्राये | धर्षयाश्चक्रुद्धे |
| धर्षयाश्चक्रे | धर्षयाश्चक्रुवहे | धर्षयाश्चक्रुमहे |
| धर्षयाम्बभूव | धर्षयामास | |
| आ० धर्षयिषीष्ट | धर्षयिषीयास्ताम् | धर्षयिषीरन् |
| धर्षयिषीष्ठाः | धर्षयिषीयास्याम् | धर्षयिषीङ्गम् |
| धर्षयिषीय | धर्षयिषीवहि | धर्षयिषीमहि |
| भ० धर्षयिता | धर्षयितारो | धर्षयितारः |
| धर्षयितासे | धर्षयितासाथे | धर्षयिताध्वे |
| धर्षयिताहे | धर्षयितास्वहे | धर्षयितास्महे |
| भ० धर्षयिष्यते | धर्षयिष्येते | धर्षयिष्यन्ते |
| धर्षयिष्यसे | धर्षयिष्येथे | धर्षयिष्यध्वे |
| धर्षयिष्ये | धर्षयिष्यावहे | धर्षयिष्यामहे |
| क्रि० अधर्षयिष्यत | अधर्षयिष्येताम् | अधर्षयिष्यन्त |
| अधर्षयिष्यथाः | अधर्षयिष्येथाम् | अधर्षयिष्यध्वम् |
| अधर्षयिष्ये | अधर्षयिष्यावहि | अधर्षयिष्यामहि |

1313 छिधिद (स्तिघ्) आस्कन्दने ।

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| व० स्तेघयति | स्तेघयतः | स्तेघयन्ति |
| स्तेघयसि | स्तेघयथः | स्तेघयथ |
| स्तेघयामि | स्तेघयावः | स्तेघयामः |
| स० स्तेघयेत् | स्तेघयेताम् | स्तेघयेयुः |
| स्तेघयेः | स्तेघयेतम् | स्तेघयेत |
| स्तेघयेयम् | स्तेघयेव | स्तेघयेम |
| प० स्तेघयतु | स्तेघयतात् | स्तेघयन्तु |
| स्तेघय | स्तेघयतात् | स्तेघयतम् |
| स्तेघयानि | स्तेगयाव | स्तेघयाम |
| ह्य० अस्तेघयत् | अस्तेघयताम् | अस्तेघयन् |
| अस्तेघयः | अस्तेघयतम् | अस्तेघयत |
| अस्तेघयम् | अस्तेघयाव | अस्तेघयाम |
| अ० अतिष्ठित् | अतिष्ठिताम् | अतिष्ठिन् |
| अतिष्ठिः | अतिष्ठितम् | अतिष्ठित |
| अतिष्ठिम् | अतिष्ठिवाव | अतिष्ठिधाम |
| प० स्तेघयाञ्चकार | स्तेघयाञ्चक्रतुः | स्तेघयाञ्चक्रुः |
| स्तेघयाञ्चकथं | स्तेघयाञ्चक्रथुः | स्तेघयाञ्चक्र |
| स्तेघयाञ्चकार-चकर | स्तेघयाञ्चक्रव | स्तेघयाञ्चक्रम |
| स्तेघयाम्बभूव | । | स्तेघयामास |
| आ० स्तेघ्यात् | स्तेघ्यास्ताम् | स्तेघ्यासुः |
| स्तेघ्याः | स्तेघ्यास्तम् | स्तेघ्यास्त |
| स्तेघ्यासम् | स्तेघ्यास्व | स्तेघ्यास्म |
| भ० स्तेघयिता | स्तेघयितारौ | स्तेघयितारः |
| स्तेघयितासि | स्तेघयितास्थः | स्तेघयितास्थ |
| स्तेघयितास्मि | स्तेघयितास्वः | स्तेघयितास्मः |
| भ० स्तेघयिष्यति | स्तेघयिष्यतः | स्तेघयिष्यन्ति |
| स्तेघयिष्यसि | स्तेघयिष्यथः | स्तेघयिष्यथ |
| स्तेघयिष्यामि | स्तेघयिष्यावः | स्तेघयिष्यामः |
| क्रि० अस्तेघयिष्यत् | अस्तेघयिष्यताम् | अस्तेघयिष्यन् |
| अस्तेघयिष्यः | अस्तेघयिष्यतम् | अस्तेघयिष्यत |
| अस्तेघयिष्यम् | अस्तेघयिष्याव | अस्तेघयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| व० स्तेघयते | स्तेघयेते | स्तेघयन्ते |
| स्तेघयसे | स्तेघयेथे | स्तेघयन्वे |
| स्तेघये | स्तेघयावहे | स्तेघयामहे |
| स० स्तेघयत | स्तेघयेयाताम् | स्तेघयेरन् |
| स्तेघयेथाः | स्तेघयेथायाम् | स्तेघयेष्वम् |
| स्तेघयेय | स्तेघयेवहि | स्तेघयेमहि |
| प० स्तेघयताम् | स्तेघयेताम् | स्तेघयन्ताम् |
| स्तेघयस्व | स्तेघयेथाम् | स्तेघयष्वम् |
| स्तेघयै | स्तेघयावहै | स्तेघयामहै |
| ह्य० अस्तेघयत | अस्तेघयेताम् | अस्तेघयन्त |
| अस्तेघयथाः | अस्तेघयेथाम् | अस्तेघयष्वम् |
| अस्तेघये | अस्तेघयावहि | अस्तेघयामहि |
| अ० अतिष्ठित | अतिष्ठिताम् | अतिष्ठिन्त |
| अतिष्ठिथाः | अतिष्ठिथेयाम् | अतिष्ठिष्वम् |
| अतिष्ठि | अतिष्ठिवावहि | अतिष्ठिधामहि |
| प० स्तेघयाञ्चक्रे | स्तेघयाञ्चक्राते | स्तेघयाञ्चक्रिरे |
| स्तेघयाञ्चक्रुषे | स्तेघयाञ्चक्राथे | स्तेघयाञ्चक्रुद्वे |
| स्तेघयाञ्चक्रे | स्तेघयाञ्चक्रुवहे | स्तेघयाञ्चक्रुमहे |
| स्तेघयाम्बभूव | । | स्तेघयामास |
| आ० स्तेघयिषीष्ट | स्तेघयिषीयास्ताम् | स्तेघयिषीरन् |
| स्तेघयिषीष्ठाः | स्तेघयिषीयास्थाम् | स्तेघयिषीद्वम् |
| स्तेघयिषीय | स्तेघयिषीवहि | स्तेघयिषीमहि |
| भ० स्तेघयिता | स्तेघयितारौ | स्तेघयितारः |
| स्तेघयितासे | स्तेघयितासाथे | स्तेघयिताध्वे |
| स्तेघयिताहे | स्तेघयितास्वहे | स्तेघयितास्महे |
| भ० स्तेघयिष्यते | स्तेघयिष्येते | स्तेघयिष्यन्ते |
| स्तेघयिष्यते | स्तेघयिष्येथे | स्तेघयिष्यध्वे |
| स्तेघयिष्ये | स्तेघयिष्यावहे | स्तेघयिष्यामहे |
| क्रि० अस्तेघयिष्यत | अस्तेघयिष्येताम् | अस्तेघयिष्यन्त |
| अस्तेघयिष्यथाः | अस्तेघयिष्येथाम् | अस्तेघयिष्यष्वम् |
| अस्तेघयिष्ये | अस्तेघयिष्यावहि | अस्तेघयिष्यामहि |

1314 अशौटि [अश्) व्याप्तौ ।

| | | | |
|-------|----------------|---------------|-------------|
| ब० | आशयति | आशयतः | आशयन्ति |
| | आशयसि | आशयथः | आशयथ |
| | आशयामि | आशयावः | आशयामः |
| स० | आशयेत् | आशयेताम् | आशयेयुः |
| | आशयेः | आशयेतम् | आशयेत |
| | आशयेयम् | आशयेव | आशयेम |
| प० | आशयतु | आशयतात् | आशयताम् |
| | आशय | आशयतात् | आशयतम् |
| | आशयानि | आशयाव | आशयाम |
| ह्य० | आशयत् | आशयताम् | आशयन् |
| | आशयः | आशयतम् | आशयत |
| | आशयम् | आशयाव | आशयाम |
| अ० | आशिशत् | आशिशताम् | आशिशन् |
| | आशिशः | आशिशतम् | आशिशत |
| | आशिशम् | आशिशव | आशिशाम |
| प० | आशयाञ्चकार | आशयाञ्चक्रुः | आशयाञ्चकुः |
| | आशयाञ्चकथं | आशयाञ्चक्रथुः | आशयाञ्चक्र |
| | आशयाञ्चकार-चकर | आशयाञ्चकृव | आशयाञ्चकृम |
| | आशयाञ्चभूव | । | आशयामास |
| आ० | आश्यात् | आश्यास्ताम् | आश्यासुः |
| | आश्याः | आश्यास्तम् | आश्यास्त |
| | आश्यासम् | आश्यास्व | आश्यासम |
| श्व० | आशयिता | आशयितारौ | आशयितारः |
| | आशयितासि | आशयितास्थः | आशयितास्थ |
| | आशयितास्मि | आशयितास्वः | आशयितास्मः |
| भ० | आशयिष्यति | आशयिष्यतः | आशयिष्यन्ति |
| | आशयिष्यसि | आशयिष्यथः | आशयिष्यथ |
| | आशयिष्यामि | आशयिष्यावः | आशयिष्यामः |
| क्रि० | आशयिष्यत् | आशयिष्यताम् | आशयिष्यन् |
| | आशयिष्यः | आशयिष्यतम् | आशयिष्यत |
| | आशयिष्यम् | आशयिष्याव | आशयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| ब० | आशयेते | आशयेते | आशयन्ते |
| | आशयसे | आशयेथे | आशयध्वे |
| | आशये | आशयावहे | आशयामहे |
| स० | आशयेत | आशयेयाताम् | आशयेरन् |
| | आशयेथाः | आशयेयाथाम् | आशयेध्वम् |
| | आशयेय | आशयेवहि | आशयेमहि |
| प० | आशयताम् | आशयेताम् | आशयन्ताम् |
| | आशयस्व | आशयेथाम् | आशयध्वम् |
| | आशयै | आशयावहै | आशयामहै |
| ह्य० | आशयत | आशयेताम् | आशयन्त |
| | आशयथाः | आशयेथाम् | आशयध्वम् |
| | आशये | आशयावहि | आशयामहि |
| अ० | आशिशत | आशिशेताम् | आशिशन्त |
| | आशिशथाः | आशिशेथाम् | आशिशध्वम् |
| | आशिशे | आशिशवहि | आशिशामहि |
| प० | आशयाञ्चके | आशयाञ्चक्रते | आशयाञ्चकिरे |
| | आशयाञ्चकृषे | आशयाञ्चक्रथे | आशयाञ्चकृढ्वे |
| | आशयाञ्चके | आशयाञ्चकृवहे | आशयाञ्चकृमहे |
| | आशयाञ्चभूम् | । | आशयामास |
| आ० | आशयिषीष्ट | आशयिषीयास्ताम् | आशयिषीरन् |
| | आशयिषीष्ठाः | आशयिषीयास्थाम् | आशयिषीढ्वम् |
| | आशयिषीय | आशयिषीवहि | आशयिषीमहि |
| श्व० | आशयिता | आशयितारौ | आशयितारः |
| | आशयितासे | आशयितासाथे | आशयिताध्वे |
| | आशयिताहे | आशयितास्वहे | आशयितास्महे |
| भ० | आशयिष्यते | आशयिष्येते | आशयिष्यन्ते |
| | आशयिष्यसे | आशयिष्येथे | आशयिष्यध्वे |
| | आशयिष्ये | आशयिष्यावहे | आशयिष्यामहे |
| क्रि० | आशयिष्यत | आशयिष्येताम् | आशयिष्यन्त |
| | आशयिष्यथाः | आशयिष्येथाम् | आशयिष्यध्वम् |
| | आशयिष्ये | आशयिष्यावहि | आशयिष्यामहि |

॥ इति स्वादिगणः सम्पूर्णः ॥

॥ अथ तुदादयः ॥

1315 तुदीत् (तुद्) व्यथने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|-------------------|
| व० | तोदयति | तोदयतः | तोदयन्ति |
| | तोदयसि | तोदयथः | तोदयथ |
| | तोदयामि | तोदयावः | तोदयामः |
| स० | तोदयेत् | योदयेताम् | तोदयेयुः |
| | तोदयेः | तोदयेतम् | तोदयेत |
| | तोदयेयम् | तोदयेव | तोदयेम |
| प० | तोदयतु | तोदयतात् | तोदयताम् तोदयन्तु |
| | तोदय | तोदयतात् | तोदयतम् तोदयत |
| | तोदयानि | तोदयाव | तोदयाम |
| ह्य० | अतोदयत् | अतोदयताम् | अतोदयन् |
| | अतोदयः | अतोदयतम् | अतोदयत |
| | अतोदयम् | अतोदयाव | अतोदयाम |
| अ० | अतूदुदत् | अतूदुदताम् | अतूदुदन् |
| | अतूदुदः | अतूदुदतम् | अतूदुदत |
| | अतूदुदम् | अतूदुदाव | अतूदुदाम |
| प० | तोदयाञ्चकार | तोदयाञ्चक्रुः | तोदयाञ्चक्रुः |
| | तोदयाञ्चकथं | तोदयाञ्चकथुः | तोदयाञ्चक्र |
| | तोदयाञ्चकार-चकर | तोदयाञ्चक्रव | तोदयाञ्चक्रम |
| | तोदयाम्बभूव | । तोदयामास | |
| आ० | तोद्यात् | तोद्यास्ताम् | तोद्यासुः |
| | तोद्याः | तोद्यास्तम् | तोद्यास्त |
| | तोद्यास्त | तोद्यास्व | तोद्यास्म |
| श्र० | तोदयिता | तोदयितारौ | तोदयितारः |
| | तोदयितासि | तोदयितास्थः | तोदयितास्थ |
| | तोदयितास्मि | तोदयितास्वः | तोदयितास्मः |
| भ० | तोदयिष्यति | तोदयिष्यतः | तोदयिष्यन्ति |
| | तोदयिष्यसि | तोदयिष्यथः | तोदयिष्यथ |
| | तोदयिष्यामि | तोदयिष्यावः | तोदयिष्यामः |
| क्रि० | अतोदयिष्यत् | अतोदयिष्यताम् | अतोदयिष्यन् |
| | अतोदयिष्यः | अतोदयिष्यतम् | अतोदयिष्यत |
| | अतोदयिष्यम् | अतोदयिष्याव | अतोदयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तोदयते | तोदयते | तोदयन्ते |
| | तोदयसे | तोदयथे | तोदयध्वे |
| | तोदये | तोदयावहे | तोदयामहे |
| स० | तोदयेत | तोदयेयाताम् | तोदयेरन् |
| | तोदयेथाः | तोदयेयाथाम् | तोदयेध्वम् |
| | तोदयेय | तोदयेवहि | तोदयेमहि |
| प० | तोदयताम् | तोदयताम् | तोदयन्ताम् |
| | तोदयस्व | तोदयेथाम् | तोदयध्वम् |
| | तोदये | तोदयवहे | तोदयामहे |
| ह्य० | अतोदयत | अतोदयेताम् | अतोदयन्त |
| | अतोदयथाः | अतोदयेथाम् | अतोदयध्वम् |
| | अतोदये | अतोदयावहि | अतोदयामहि |
| अ० | अतूदुदत | अतूदुदेताम् | अतूदुदन्त |
| | अतूदुदथाः | अतूदुदेथाम् | अतूदुदध्वम् |
| | अतूदुदे | अतूदुदावहि | अतूदुदामहि |
| प० | तोदयाञ्चक्रे | तोदयाञ्चक्राते | तोदयाञ्चक्रिरे |
| | तोदयाञ्चकृषे | तोदयाञ्चक्राथे | तोदयाञ्चकृद्वे |
| | तोदयाञ्चक्रे | तोदयाञ्चकृवहे | तोदयाञ्चक्रमहे |
| | तोदयाम्बभूव | । तोदयामास | |
| आस | तोदयिषीष्ट | तोदयिषीयास्ताम् | तोदयिषीरन् |
| | तोदयिषीष्टाः | तोदयिषीयास्याम् | तोदयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | तोदयिषीय | तोदयिषीवहि | तोदयिषीमहि |
| श्र० | तोदयिता | तोदयितारौ | तोदयितारः |
| | तोदयितासे | तोदयितासाथे | तोदयिताध्वे |
| | तोदयिताहे | तोदयितास्त्रहे | तोदयितास्महे |
| भ० | तोदयिष्यते | तोदयिष्येते | तोदयिष्यन्ते |
| | तोदयिष्यसे | तोदयिष्येथे | तोदयिष्यध्वे |
| | तोदयिष्ये | तोदयिष्यावहे | तोदयिष्यामहे |
| क्रि० | अतोदयिष्यत | अतोदयिष्येताम् | अतोदयिष्यन्त |
| | अतोदयिष्यथाः | अतोदयिष्येथाम् | अतोदयिष्यध्वम् |
| | अतोदयिष्ये | अतोदयिष्यावहि | अतोदयिष्यामहि |

1316 भस्जिँत् (भस्ज्) पाके

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० भस्जयति | भस्जयतः | भस्जयन्ति |
| भस्जयसि | भस्जयथः | भस्जयथ |
| भस्जयामि | भस्जयावः | भस्जयामः |
| स० भस्जयेत् | भस्जयेताम् | भस्जयेयुः |
| भस्जये | भस्जयेतम् | भस्जयेत |
| भस्जयेयम् | भस्जयेव | भस्जयेम |
| प० भस्जयतु | भस्जयतात् | भस्जयताम् |
| भस्जय | भस्जयतात् | भस्जयतम् |
| भस्जयानि | भस्जयाव | भस्जयाम |
| ह्य० अभस्जयत् | अभस्जयताम् | अभस्जयन् |
| अभस्जयः | अभस्जयतम् | अभस्जयत |
| अभस्जयम् | अभस्जयाव | अभस्जयाम |
| भ० अबभस्जत् | अबभस्जताम् | अबभस्जन् |
| अबभस्जतः | अबभस्जतम् | अबभस्जत |
| अबभस्जम् | अबभस्जाव | अबभस्जाम |
| प० भस्जयाश्चकार | भस्जयाश्चक्रुः | भस्जयाश्चकुः |
| भस्जयाश्चकर्त्तुः | भस्जयाश्चक्रुः | भस्जयाश्चक्रुः |
| भस्जयाश्चकार-चक्र | भस्जयाश्चक्रुव | भस्जयाश्चक्रुम |
| भस्जयाम्भूव | भस्जयामास | |
| भा० भस्ज्यात् | भस्ज्यास्ताम् | भस्ज्यास्तः |
| भस्ज्याः | भस्ज्यास्तम् | भस्ज्यास्त |
| भस्ज्यासम् | भस्ज्यास्व | भस्ज्यास्म |
| भ्व० भस्जयिता | भस्जयितारौ | भस्जयितारः |
| भस्जयितासि | भस्जयितास्थः | भस्जयितास्थ |
| भस्जयितास्मि | भस्जयितास्वः | भस्जयितास्मः |
| भ० भस्जयिष्यति | भस्जयिष्यतः | भस्जयिष्यन्ति |
| भस्जयिष्यसि | भस्जयिष्यथः | भस्जयिष्यथ |
| भस्जयिष्यामि | भस्जयिष्यावः | भस्जयिष्यामः |
| क्रि० अभस्जयिष्यत् | अभस्जयिष्यताम् | अभस्जयिष्यन् |
| अभस्जयिष्यः | अभस्जयिष्यतम् | अभस्जयिष्यत |
| अभस्जयिष्यम् | अभस्जयिष्याव | अभस्जयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० भस्जयते | भस्जयेते | भस्जयन्ते |
| भस्जयसे | भस्जयेथे | भस्जयध्वे |
| भस्जये | भस्जयावहे | भस्जयामहे |
| स० भस्जयेत | भस्जयेयाताम् | भस्जयेरन् |
| भस्जयेथाः | भस्जयेयाथाम् | भस्जयेध्वम् |
| भस्जयेय | भस्जयेवहि | भस्जयेमहि |
| प० भस्जयताम् | भस्जयेताम् | भस्जयन्ताम् |
| भस्जयस्व | भस्जयेथाम् | भस्जयध्वम् |
| भस्जयै | भस्जयावहै | भस्जयामहै |
| ह्य० अभस्जयत | अभस्जयेताम् | अभस्जयन्त |
| अभस्जयथाः | अभस्जयेथाम् | अभस्जयध्वम् |
| अभस्जये | अभस्जयावहि | अभस्जयामहि |
| भ० अवभस्जत | अवभस्जयेताम् | अवभस्जन्त |
| अवभस्जथाः | अवभस्जयेथाम् | अवभस्जध्वम् |
| अवभस्जते | अवभस्जावहि | अवभस्जामहि |
| प० भस्जयाश्चक्रे | भस्जयाश्चक्राते | भस्जयाश्चक्रिरे |
| भस्जयाश्चक्रेषु | भस्जयाश्चक्राथे | भस्जयाश्चक्रुव |
| भस्जयाश्चक्रे | भस्जयाश्चक्रुवहे | भस्जयाश्चक्रुमहे |
| भस्जयाम्भूव | भस्जयामास | |
| भा० भस्जयिषीष्ट | भस्जयिषीयास्ताम् | भस्जयिषीरन् |
| भस्जयिषीष्टाः | भस्जयिषीयास्थाम् | भस्जयिषीह्वम् |
| भस्जयिषीय | भस्जयिषीवहि | भस्जयिषीमहि |
| भ० भस्जयिता | भस्जयितारौ | भस्जयितारः |
| भस्जयितासे | भस्जयितासाथे | भस्जयिताध्वे |
| भस्जयिताहे | भस्जयितास्वहे | भस्जयितास्महे |
| भ० भस्जयिष्यते | भस्जयिष्येते | भस्जयिष्यन्ते |
| भस्जयिष्यसे | भस्जयिष्येथे | भस्जयिष्यध्वे |
| भस्जयिष्ये | भस्जयिष्यावहे | भस्जयिष्यामहे |
| क्रि० अभस्जयिष्यत | अभस्जयिष्येताम् | अभस्जयिष्यन्त |
| अभस्जयिष्यथाः | अभस्जयिष्येथाम् | अभस्जयिष्यध्वम् |
| अभस्जयिष्ये | अभस्जयिष्यावहि | अभस्जयिष्यामहि |
| भर्जादेः श्लो तु | भर्जयति | अवभर्जत् |

1318 दिशीत् (दिश्) अतिस्मर्जने ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० देशयति | देशयतः | देशयन्ति |
| देशयसि | देशयथः | देशयथ |
| देशयामि | देशयानः | देशयामः |
| स० देशयेत् | देशयेताम् | देशयेयुः |
| देशयेः | देशयेतम् | देशयेत |
| देशयेयम् | देशयेव | देशयेम |
| प० देशयतु | देशयतात् | देशयताम् |
| देशय | देशयतात् | देशयतम् |
| देशयानि | देशयाव | देशयाम |
| ह्य० अदेशयत् | अदेशयताम् | अदेशयन् |
| अदेशयः | अदेशयतम् | अदेशयत |
| अदेशयम् | अदेशयाव | अदेशयाम |
| अ० अदीदिशत् | अदीदिशताम् | अदीदिशन् |
| अदीदिशः | अदीदिशतम् | अदीदिशत |
| अदीदिशम् | अदीदिशाव | अदीदिशाम |
| प० देशयाञ्चकार | देशयाञ्चक्रुः | देशयाञ्चकुः |
| देशयाञ्चकथं | देशयाञ्चक्रुः | देशयाञ्चक |
| देशयाञ्चकार-चक्र | देशयाञ्चक्रुव | देशयाञ्चकुम |
| देशयाम्बभूव | देशयामास | |
| भा० देश्यात् | देश्यास्ताम् | देश्यासुः |
| देश्याः | देश्यास्तम् | देश्यास्त |
| देश्यासम् | देश्यास्व | देश्यास्म |
| भ्व० देशयिता | देशयितारौ | देशयिताः |
| देशयितासि | देशयितास्थः | देशयितास्थ |
| देशयितास्मि | देशयितास्वः | देशयितास्मः |
| भ० देशयिष्यति | देशयिष्यतः | देशयिष्यन्ति |
| देशयिष्यसि | देशयिष्यथः | देशयिष्यथ |
| देशयिष्यामि | देशयिष्यावः | देशयिष्यामः |
| क्रि० अदेशयिष्यत् | अदेशयिष्यताम् | अदेशयिष्यन् |
| अदेशयिष्यः | अदेशयिष्यतम् | अदेशयिष्यत |
| अदेशयिष्यम् | अदेशयिष्याव | अदेशयिष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| व० देशयते | देशयेते | देशयन्ते |
| देशयसे | देशयेथे | देशयन्थे |
| देशये | देशयावहे | देशयामहे |
| स० देशयेत | देशयेयताम् | देशयेयन् |
| देशयेथाः | देशयेयथाम् | देशयेयथम् |
| देशयेय | देशयेवहि | देशयेमहि |
| प० देशयताम् | देशयेताम् | देशयन्ताम् |
| देशयस्व | देशयेथाम् | देशयन्थम् |
| देशये | देशयावहै | देशयामहै |
| ह्य० अदेशयत | अदेशयेताम् | अदेशयन्त |
| अदेशयथाः | अदेशयेथाम् | अदेशयन्थम् |
| अदेशये | अदेशयावहि | अदेशयामहि |
| अ० अदीदिशत | अदीदिशताम् | अदीदिशन्त |
| अदीदिशथाः | अदीदिशथाम् | अदीदिशथम् |
| अदीदिशे | अदीदिशावहि | अदीदिशामहि |
| प० देशयाञ्चक्रे | देशयाञ्चक्रते | देशयाञ्चक्रिरे |
| देशयाञ्चकृषे | देशयाञ्चक्रथे | देशयाञ्चकृवहे |
| देशयाञ्चक्रे | देशयाञ्चकृवहे | देशयाञ्चकृमहे |
| देशयाम्बभूव | देशयामास | |
| भा० देशयिषीष्ट | देशयिषीष्टताम् | देशयिषीष्टन् |
| देशयिषीष्टाः | देशयिषीष्टथाम् | देशयिषीष्टथम् |
| देशयिषीष्ट | देशयिषीवहि | देशयिषीमहि |
| भ्व० देशयिता | देशयितारौ | देशयितारः |
| देशयितासे | देशयितासाथे | देशयितास्थे |
| देशयिताहे | देशयितास्वहे | देशयितास्महे |
| भ० देशयिष्यते | देशयिष्येते | देशयिष्यन्ते |
| देशयिष्यसे | देशयिष्येथे | देशयिष्यन्थे |
| देशयिष्ये | देशयिष्यावहे | देशयिष्यामहे |
| क्रि० अदेशयिष्यत | अदेशयिष्येताम् | अदेशयिष्यन्त |
| अदेशयिष्यथाः | अदेशयिष्येथाम् | अदेशयिष्येथम् |
| अदेशयिष्ये | अदेशयिष्यावहि | अदेशयिष्यामहि |

1320 मुच्लृन्ती (मुच्) मोक्षणे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | मोचयति | मोचयतः | मोचयन्ति |
| | मोचयसि | मोचयथः | मोचयथ |
| | मोचयामि | मोचयावः | मोचयामः |
| स० | मोचयेत् | मोचयेताम् | मोचयेयुः |
| | मोचयेः | मोचयेतम् | मोचयेत |
| | मोचयेयम् | मोचयेव | मोचयेम |
| प० | मोचयतु | मोचयतात् | मोचयन्तु |
| | मोचय मोचयतात् | मोचयतम् | मोचयत |
| | मोचयानि | मोचयाव | मोचयाम |
| ह्य० | अमोचयत् | अमोचयताम् | अमोचयन् |
| | अमोचयः | अमोचयतम् | अमोचयत |
| | अमोचयम् | अमोचयाव | अमोचयाम |
| अ० | अमूमुचत् | अमूमुचताम् | अमूमुचन् |
| | अमूमुचः | अमूमुचतम् | अमूमुचत |
| | अमूमुचम् | अमूमुचाव | अमूमुचाम |
| प० | मोचयाञ्चकार | मोचयाञ्चक्रुः | मोचयाञ्चकुः |
| | मोचयाञ्चकथं | मोचयाञ्चक्रुः | मोचयाञ्चक्र |
| | मोचयाञ्चकार, चकर | मोचयाञ्चक्रुव | मोचयाञ्चक्रम |
| | मोचयाञ्चभूव | मोचयामास | |
| आ० | मोच्यात् | मोच्यास्ताम् | मोच्यासुः |
| | मोच्याः | मोच्यास्तम् | मोच्यास्त |
| | मोच्यासम् | मोच्यास्व | मोच्यास्म |
| श्च० | मोचयिता | मोचयितारौ | मोचयितारः |
| | मोचयितासि | मोचयितास्थः | मोचयितास्थ |
| | मोचयितास्मि | मोचयितास्वः | मोचयितास्मः |
| भ० | मोचयिष्यति | मोचयिष्यतः | मोचयिष्यन्ति |
| | मोचयिष्यसि | मोचयिष्यथः | मोचयिष्यथ |
| | मोचयिष्यामि | मोचयिष्यावः | मोचयिष्यामः |
| क्रि० | अमोचयिष्यत् | अमोचयिष्यताम् | अमोचयिष्यन् |
| | अमोचयिष्यः | अमोचयिष्यतम् | अमोचयिष्यत |
| | अमोचयिष्यम् | अमोचयिष्याव | अमोचयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|----------------|
| व० | मोचयते | मोचयेते | मोचयन्ते |
| | मोचयसे | मोचयेथे | मोचय वे |
| | मोचये | मोचयावहे | मोचयामहे |
| स० | मोचयेत | मोचयेयाताम् | मोचयेरन् |
| | मोचयेथाः | मोचयेयाथाम् | मोचयेध्वम् |
| | मोचयेय | मोचयेवहि | मोचयेमहि |
| प० | मोचयताम् | मोचयताम् | मोचयन्ताम् |
| | मोचयस्व | मोचयेथाम् | मोचयध्वम् |
| | मोचये | मोचयावहे | मोचयामहे |
| ह्य० | अमोचयत | अमोचयेताम् | अमोचयन्त |
| | अमोचयथाः | अमोचयेथाम् | अमोचयध्वम् |
| | अमोचये | अमोचयावहि | अमोचयामहि |
| अ० | अमूमुचत् | अमूमुचेताम् | अमूमुचन्त |
| | अमूमुचथाः | अमूमुचेथाम् | अमूमुचध्वम् |
| | अमूमुचे | अमूमुचावहि | अमूमुचामहि |
| प० | मोचयाञ्चक्रे | मोचयाञ्चक्राते | मोचयाञ्चक्रिरे |
| | मोचयाञ्चक्रेषु | मोचयाञ्चक्राथे | मोचयाञ्चकृत्वे |
| | मोचयाञ्चक्रे | मोचयाञ्चकृवहे | मोचयाञ्चकृमहे |
| | मोचयाम्भूव | मोचयामास | |
| आ० | मोचयिषीष्ट | मोचयिषीयास्ताम् | मोचयिषीरन् |
| | मोचयिषीष्ठाः | मोचयिषीयास्थाम् | मोचयिषीह्वम् |
| | मोचयिषीय | मोचयिषीवहि | मोचयिषीमहि |
| श्च० | मोचयिता | मोचयितारौ | मोचयितारः |
| | मोचयितासे | मोचयितासाथे | मोचयिताध्वे |
| | मोचयिताहे | मोचयितास्वहे | मोचयितास्महे |
| भ० | मोचयिष्यते | मोचयिष्येते | मोचयिष्यन्ते |
| | मोचयिष्यते | मोचयिष्येथे | मोचयिष्यध्वे |
| | मोचयिष्ये | मोचयिष्येवहे | मोचयिष्यमहे |
| क्रि० | अमोचयिष्यत् | अमोचयिष्यताम् | अमोचयिष्यन्त |
| | अमोचयिष्यथाः | अमोचयिष्येथाम् | अमोचयिष्यध्वम् |
| | अमोचयिष्ये | अमोचयिष्येवहि | अमोचयिष्यमहि |

1321 पिचिन् (सिच्) क्षरणे

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | सेचयति | सेचयतः | सेचयन्ति |
| | सेचयसि | सेचयथः | सेचयथ |
| | सेचयामि | सेचयावः | सेचयामः |
| स० | सेचयेत् | सेचयेताम् | सेचयेयुः |
| | सेचयेः | सेचयेतम् | सेचयेत |
| | सेचयेयम् | सेचयेव | सेचयेम |
| प० | सेचयतु | सेचयतात् | सेचयताम् |
| | सेचय | सेचयतात् | सेचय०म् |
| | सेचयानि | सेचयाव | सेचयाम |
| ह्य० | असेचयत् | असेचयताम् | असेचयन् |
| | असेचयः | असेचयतम् | असेचयत |
| | असेचयम् | असेचयाव | असेचयाम |
| अ० | असीषिचत् | असीषिचताम् | असीषिचन् |
| | असीषिचः | असीषिचतम् | असीषिचत |
| | असीषिचम् | असीषिचाव | असीषिचाम |
| प० | सेचयाञ्चकार | सेचयाञ्चक्रुः | सेचयाञ्चकः |
| | सेचयाञ्चकर्थ | सेचयाञ्चक्रुः | सेचयाञ्चक्र |
| | सेचयाञ्चकार-चक्र | सेचयाञ्चक्रव | सेचयाञ्चक्रम |
| | सेचयाम्बभूव | । | सेचयामास |
| आ० | सेच्यात् | सेच्यास्ताम् | सेच्यासुः |
| | सेच्याः | सेच्यास्तम् | सेच्यास्त |
| | सेच्यासम् | सेच्यास्व | सेच्यास्म |
| भ्व० | सेचयिता | सेचयितारौ | सेचयितारः |
| | सेचयितासि | सेचयितास्यः | सेचयितास्य |
| | सेचयितास्मि | सेचयितास्वः | सेचयितास्मः |
| भ० | सेचयिष्यति | सेचयिष्यतः | सेचयिष्यन्ति |
| | सेचयिष्यसि | सेचयिष्यथः | सेचयिष्यथ |
| | सेचयिष्यामि | सेचयिष्यावः | सेचयिष्यामः |
| क्रि० | असेचयिष्यत् | असेचयिष्यताम् | असेचयिष्यन् |
| | असेचयिष्यः | असेचयिष्यतम् | असेचयिष्यत |
| | असेचयिष्यम् | असेचयिष्याव | असेचयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | सेचयते | सेचयेत | सेचयन्ते |
| | सेचयसे | सेचयेथे | सेचयन्वे |
| | सेचये | सेचयावहे | सेचयामहे |
| स० | सेचयेत | सेचयेयाताम् | सेचयेरन् |
| | सेचयेथाः | सेचयेयाथाम् | सेचयेध्वम् |
| | सेचयेय | सेचयेवहि | सेचयेमहि |
| प० | सेचयताम् | सेचयेतम् | सेचयन्तम् |
| | सेचयस्व | सेचयेथाम् | सेचयध्वम् |
| | सेचये | सेचयावहे | सेचयामहे |
| ह्य० | असेचयत | असेचयेताम् | असेचयन्त |
| | असेचयथाः | असेचयेथाम् | असेचयध्वम् |
| | असेचये | असेचयावहि | असेचयामहि |
| अ० | असीषिचत | असीषिचेताम् | असीषिचन्त |
| | असीषिचथाः | असीषिचेथाम् | असीषिचध्वम् |
| | असीषिचे | असीषिचावहि | असीषिचामहि |
| प० | सेचयाञ्चक्रे | सेचयाञ्चक्राते | सेचयाञ्चक्रिरे |
| | सेचयाञ्चकृषे | सेचयाञ्चक्राथे | सेचयाञ्चकृद्वे |
| | सेचयाञ्चक्रे | सेचयाञ्चकृबहे | सेचयाञ्चकृमहे |
| | सेचयाम्बभूव | । | सेचयामास |
| आ० | सेचयिषीष्ट | सेचयिषीयास्ताम् | सेचयिषीरन् |
| | सेचयिषीष्टाः | सेचयिषीयास्थाम् | सेचयिषीद्वम् |
| | सेचयिषीय | सेचयिषीवहि | सेचयिषीमहि |
| भ्व० | सेचयिता | सेचयितारौ | सेचयितारः |
| | सेचयितासे | सेचयितासाथे | सेचयिताध्वे |
| | सेचयिताहे | सेचयितास्वहे | सेचयितास्महे |
| भ० | सेचयिष्यते | सेचयिष्येते | सेचयिष्यन्ते |
| | सेचयिष्यसे | सेचयिष्येथे | सेचयिष्यध्वे |
| | सेचयिष्ये | सेचयिष्यावहे | सेचयिष्यामहे |
| क्रि० | असेचयिष्यत | असेचयिष्येताम् | असेचयिष्यन्त |
| | असेचयिष्यथाः | असेचयिष्येथाम् | असेचयिष्यध्वम् |
| | असेचयिष्ये | असेचयिष्यावहि | असेचयिष्यामहि |

1322 विद्वत्ती (विर) लामे । 1099 विद्वत्तृपाणि

1323 लृट्ती (लृप) छेदने । 11 ' 5 लृपत्तृपाणि

अयन्याम् अल्लुवत् अल्लोपत्—इति विशेषः

1343 विच्छत् (विच्छृ) गतौ

- ब० विच्छाययति विच्छाययतः विच्छाययन्ति
विच्छाययसि विच्छाययथः विच्छाययथ
विच्छाययामि विच्छाययात्रः विच्छाययामः
- स० विच्छाययेत् विच्छाययेताम् विच्छाययेयुः
विच्छाययेः विच्छाययेतम् विच्छाययेत
विच्छाययेयम् विच्छाययेव विच्छाययेम
- प० विच्छाययतु तात् विच्छाययताम् विच्छाययन्तु
विच्छाय तात् विच्छाययतम् विच्छाययत
विच्छाय विच्छाययाव विच्छाययाम
- अ० अविच्छाययत् अविच्छाययताम् अविच्छाययन्
अविच्छाययः अविच्छाययतम् अविच्छाययत
अविच्छाययम् अविच्छाययाव अविच्छाययाम
- अ० अविच्छाययत् अविच्छाययताम् अविच्छाययन्
अविच्छाययः अविच्छाययतम् अविच्छाययत
अविच्छाययम् अविच्छाययाव अविच्छाययाम
- प० विच्छाययाश्चकार विच्छाययाश्चक्रुः विच्छाययाश्चक्रुः
विच्छाययाश्चकथ विच्छाययाश्चकथुः विच्छाययाश्चक्रुः
विच्छाययाश्चकार-चक्रुः विच्छाययाश्चक्रुव विच्छाययाश्चक्रुम
- विच्छाययाम्बभूव । विच्छाययामास
- आ० विच्छायययात् विच्छायययास्ताम् विच्छायययासुः
विच्छायययाः विच्छायययास्तम् विच्छायययास्त
विच्छायययासम् विच्छायययास्व विच्छायययासम्
- अ० विच्छाययिता विच्छाययितारौ विच्छाययितारः
विच्छाययितासि विच्छाययितास्थः विच्छाययितास्थ
विच्छाययितास्मि विच्छाययितास्वः विच्छाययितास्मः
- अ० विच्छाययिष्यति विच्छाययिष्यतः विच्छाययिष्यन्ति
विच्छाययिष्यसि विच्छाययिष्यथः विच्छाययिष्यथ
विच्छाययिष्यामि विच्छाययिष्यावः विच्छाययिष्यामः
- क्रि० अविच्छाययिष्यत् अविच्छाययिष्यताम् अविच्छाययिष्यन्त
अविच्छाययिष्यः अविच्छाययिष्यतम् अविच्छाययिष्यत
अविच्छाययिष्यम् अविच्छाययिष्याव अविच्छाययिष्याम

- ब० विच्छाययते विच्छाययेते विच्छाययन्ते
विच्छाययसे विच्छाययेथे विच्छाययध्वे
विच्छायये विच्छाययावहे विच्छाययामहे
- स० विच्छाययेत् विच्छाययेयाताम् विच्छाययेरन्
विच्छाययेथाः विच्छाययेयाताम् विच्छाययेध्वम्
विच्छाययेथ विच्छाययेवहि विच्छाययेमहि
- प० विच्छाययताम् विच्छाययेताम् विच्छाययन्ताम्
विच्छाययस्व विच्छाययेथाम् विच्छाययध्वम्
विच्छाययै विच्छाययावहे विच्छाययामहे
- ह्य० अविच्छाययत अविच्छाययेताम् अविच्छाययन्त
अविच्छाययथाः अविच्छाययेथाम् अविच्छाययध्वम्
अविच्छायये अविच्छाययावहि अविच्छाययामहि
- अ० अविच्छाययत अविच्छाययेताम् अविच्छाययन्त
अविच्छाययथाः अविच्छाययेथाम् अविच्छाययध्वम्
अविच्छायये अविच्छाययावहि अविच्छाययामहि
- प० विच्छाययाश्चक्रे विच्छाययाश्चक्राते विच्छाययाश्चक्रिरे
विच्छाययाश्चक्रे विच्छाययाश्चक्राथे विच्छाययाश्चक्रुन्वे
विच्छाययाश्चक्रे विच्छाययाश्चक्रुवहे विच्छाययाश्चक्रुमहे
विच्छाययाम्बभूव । विच्छाययामास
- आ० विच्छाययिषीष्ट विच्छाययिषीयास्ताम् विच्छाययिषीरन्
विच्छाययिषीष्ठाः विच्छाययिषीयास्थाम् विच्छाययिषीह्वम्
ध्वम्
- विच्छाययिषीय विच्छाययिषीवहि विच्छाययिषीमहि
- अ० विच्छाययिता विच्छाययितारौ विच्छाययितारः
विच्छाययितासे विच्छाययितासाथे विच्छाययिताध्वे
विच्छाययिताहे विच्छाययितास्वहे विच्छाययितास्महे
- अ० विच्छाययिष्यते विच्छाययिष्येते विच्छाययिष्यन्ते
विच्छाययिष्यसे विच्छाययिष्येथे विच्छाययिष्यध्वे
विच्छाययिष्ये विच्छाययिष्यावहे विच्छाययिष्यामहे
- अविच्छाययिष्यत अविच्छाययिष्येताम् अविच्छाययिष्यन्त
अविच्छाययिष्यथाः अविच्छाययिष्येथाम् अविच्छाययिष्यध्वम्
अविच्छाययिष्ये अविच्छाययिष्यावहि अविच्छाययिष्यामहि

1325 कृतैत (कृत्) छेदने ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० कर्तयति | कर्तयतः | कर्तयन्ति |
| कर्तयसि | कर्तयथः | कर्तयथ |
| कर्तयामि | कर्तयावः | कर्तयामः |
| स० कर्तयेत् | कर्तयेताम् | कर्तयेयुः |
| कर्तयेः | कर्तयेतम् | कर्तयेत |
| कर्तयेयम् | कर्तयेव | कर्तयेम |
| प० कर्तयतु | कर्तयतात् | कर्तयताम् |
| कर्तय | कर्तयतात् | कर्तयतम् |
| कर्तयानि | कर्तयाव | कर्तयाम |
| ह्य० अकर्तयत् | अकर्तयताम् | अकर्तयन् |
| अकर्तयः | अकर्तयतम् | अकर्तयत |
| अकर्तयम् | अकर्तयाव | अकर्तयाम |
| अ० अचीकृतत् | अचीकृतताम् | अचीकृतन् |
| अचीकृतः | अचीकृततम् | अचीकृतत |
| अचीकृतम् | अचीकृताव | अचीकृताम |
| अचकर्तत् | अचकर्तताम् | अचकर्तन् इ० |
| प० कर्तयाञ्चकार | कर्तयाञ्चक्रुः | कर्तयाञ्चकुः |
| कर्तयाञ्चकथं | कर्तयाञ्चक्रुः | कर्तयाञ्चक्र |
| कर्तयाञ्चकार-चकर | कर्तयाञ्चक्रव | कर्तयाञ्चक्रम |
| कर्तयाञ्चभूव | कर्तयामास | |
| भा० कर्त्यात् | कर्त्यास्ताम् | कर्त्यासुः |
| कर्त्याः | कर्त्यास्तम् | कर्त्यास्त |
| कर्त्यासम् | कर्त्यास्व | कर्त्यासम |
| स्व० कर्तयिता | कर्तयितारौ | कर्तयितारः |
| कर्तयितासि | कर्तयितास्थः | कर्तयितास्थ |
| कर्तयितास्मि | कर्तयितास्वः | कर्तयितास्मः |
| भ० कर्तयिष्यति | कर्तयिष्यतः | कर्तयिष्यन्ति |
| कर्तयिष्यसि | कर्तयिष्यथः | कर्तयिष्यथ |
| कर्तयिष्यामि | कर्तयिष्यावः | कर्तयिष्यामः |
| क्रि० अकर्तयिष्यत् | अकर्तयिष्यताम् | अकर्तयिष्यन् |
| अकर्तयिष्यः | अकर्तयिष्यतम् | अकर्तयिष्यत |
| अकर्तयिष्यम् | अकर्तयिष्याव | अकर्तयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० कर्तयेते | कर्तयेते | कर्तयन्ते |
| कर्तयेसे | कर्तयेथे | कर्तयन्थे |
| कर्तये | कर्तयावहे | कर्तयामहे |
| स० कर्तयेत | कर्तयेयाताम् | कर्तयेरन् |
| कर्तयेथाः | कर्तयेयाथाम् | कर्तयेध्वम् |
| कर्तयेथ | कर्तयेवहि | कर्तयेमहि |
| प० कर्तयताम् | कर्तयेताम् | कर्तयन्ताम् |
| कर्तयस्व | कर्तयेथाम् | कर्तयध्वम् |
| कर्तये | कर्तयावहै | कर्तयामहै |
| ह्य० अकर्तयत | अकर्तयेताम् | अकर्तयन्त |
| अकर्तयेथाः | अकर्तयेथाम् | अकर्तयध्वम् |
| अकर्तये | अकर्तयावहि | अकर्तयामहि |
| अ० अचीकृतत | अचीकृतेताम् | अचीकृतन्त |
| अचीकृतथाः | अचीकृतेथाम् | अचीकृतध्वम् |
| अचीकृते | अचीकृतावहि | अचीकृतामहि |
| अचकर्तन् | अचकर्तेताम् | अचकर्तन्त इ० |
| प० कर्तयाञ्चक्रे | कर्तयाञ्चकाते | कर्तयाञ्चकिरे |
| कर्तयाञ्चकृषे | कर्तयाञ्चक्राथे | कर्तयाञ्चकृध्वे |
| कर्तयाञ्चक्रे | कर्तयाञ्चक्रवहे | कर्तयाञ्चक्रमहे |
| कर्तयाञ्चभूव | कर्तयामास | |
| भा० कर्तयिषीष्ट | कर्तयिषीयास्ताम् | कर्तयिषीरन् |
| कर्तयिषीष्टाः | कर्तयिषीयास्याम् | कर्तयिषीध्वम् |
| कर्तयिषीय | कर्तयिषीवहि | कर्तयिषीमहि |
| स्व० कर्तयिता | कर्तयितारौ | कर्तयितारः |
| कर्तयितासे | कर्तयितासाथे | कर्तयितास्थे |
| कर्तयिताहे | कर्तयितास्वहे | कर्तयितास्महे |
| भ० कर्तयिष्यते | कर्तयिष्येते | कर्तयिष्यन्ते |
| कर्तयिष्यसे | कर्तयिष्येथे | कर्तयिष्यन्थे |
| कर्तयिष्ये | कर्तयिष्यावहे | कर्तयिष्यामहे |
| क्रि० अकर्तयिष्यत | अकर्तयिष्येताम् | अकर्तयिष्यन्त |
| अकर्तयिष्यथाः | अकर्तयिष्येथाम् | अकर्तयिष्यध्वम् |
| अकर्तयिष्ये | अकर्तयिष्यावहि | अकर्तयिष्यामहि |

1326 खिदन्त (खिद्) परिघाते । 1259 खिदिच्वद्भुपाणि

1327 पिशत् (पिश्र्) अवयवे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | पेशयति | पेशयतः | पेशयन्ति |
| | पेशयसि | पेशयथः | पेशयथ |
| | पेशयामि | पेशयावः | पेशयामः |
| म० | पेशयेत् | पेशयेताम् | पेशयेयुः |
| | पेशयेः | पेशयेतम् | पेशयेत |
| | पेशयेयम् | पेशयेव | पेशयेम |
| प० | पेशयतु | पेशयतात् | पेशयताम् |
| | पेशय | पेशयतात् | पेशयतम् |
| | पेशयानि | पेशयाव | पेशयाम |
| ह्य० | अपेशयत् | अपेशयताम् | अपेशयन् |
| | अपेशयः | अपेशयतम् | अपेशयत |
| | अपेशयम् | अपेशयाव | अपेशयाम |
| अ० | अपीपिशत् | अपीपिशताम् | अपीपिशन् |
| | अपीपिशः | अपीपिशतम् | अपीपिशत |
| | अपीपिशम् | अपीपिशाव | अपीपिशाम |
| प० | पेशयाञ्चकार | पेशयाञ्चकतुः | पेशयाञ्चकुः |
| | पेशयाञ्चकथं | पेशयाञ्चकथुः | पेशयाञ्चक |
| | पेशयाञ्चकार-चक्र | पेशयाञ्चकृव | पेशयाञ्चकृम |
| | पेशयाम्बभूव | पेशयामास | |
| अ० | पेश्यात् | पेश्यास्ताम् | पेश्यास्तुः |
| | पेश्याः | पेश्यास्तम् | पेश्यास्त |
| | पेश्यासम् | पेश्यास्व | पेश्यास्म |
| म्ब० | पेशयिता | पेशयितारौ | पेशयितारः |
| | पेशयितासि | पेशयितास्थः | पेशयितास्थ |
| | पेशयितास्मि | पेशयितास्वः | पेशयितास्मः |
| भ० | पेशयिष्यति | पेशयिष्यतः | पेशयिष्यन्ति |
| | पेशयिष्यसि | पेशयिष्यथः | पेशयिष्यथ |
| | पेशयिष्यामि | पेशयिष्यावः | पेशयिष्यामः |
| क्रि० | अपेशयिष्यत् | अपेशयिष्यताम् | अपेशयिष्यन् |
| | अपेशयिष्यः | अपेशयिष्यतम् | अपेशयिष्यत |
| | अपेशयिष्यम् | अपेशयिष्याव | अपेशयिष्याम |
| व० | पेशयते | पेशयते | पेशयन्ते |
| | पेशयसे | पेशयेथे | पेशयध्वे |
| | पेशये | पेशयावहे | पेशयामहे |

| | | | |
|----|--------------|-----------------|----------------|
| स० | पेशयेत | पेशयेयाताम् | पेशयेरन् |
| | पेशयेथाः | पेशयेयाथाम् | पेशयेध्वम् |
| | पेशयेय | पेशयेवहि | पेशयेमहि |
| प० | पेशयताम् | पेशयेताम् | पेशयन्ताम् |
| | पेशयस्व | पेशयेथाम् | पेशयध्वम् |
| | पेशये | पेशयावहे | पेशयामहे |
| श० | अपेशयत | अपेशयेताम् | अपेशयन्त |
| | अपेशयथाः | अपेशयेथाम् | अपेशयध्वम् |
| | अपेशये | अपेशयावहि | अपेशयामहि |
| अ० | अपीपिशत | अपीपिशेताम् | अपीपिशन्त |
| | अपीपिशथाः | अपीपिशेथाम् | अपीपिशध्वम् |
| | अपीपिशे | अपीपिशावहि | अपीपिशामहि |
| प० | पेशयाञ्चके | पेशयाञ्चकाते | पेशयाञ्चकिरे |
| | पेशयाञ्चकृपे | पेशयाञ्चकृथे | पेशयाञ्चकृद्वे |
| | पेशयाञ्चके | पेशयाञ्चकृवहे | पेशयाञ्चकृमहे |
| | पेशयाम्बभूव | पेशयामास | |
| आ० | पेशयिषीष्ट | पेशयिषीयास्ताम् | पेशयिषीरन् |
| | पेशयिषीष्टाः | पेशयिषीयाथाम् | पेशयिषीध्वम् |

| | | | |
|------|------------|--------------|--------------|
| | पेशयिषीय | पेशयिषीवहि | पेशयिषीमहि |
| म्ब० | पेशयिता | पेशयितारौ | पेशयितारः |
| | पेशयितासे | पेशयितासाथे | पेशयितास्वे |
| | पेशयिताहे | पेशयितास्वहे | पेशयितास्महे |
| भ० | पेशयिष्यते | पेशयिष्येते | पेशयिष्यन्ते |
| | पेशयिष्यसे | पेशयिष्येथे | पेशयिष्यध्वे |
| | पेशयिष्ये | पेशयिष्यावहे | पेशयिष्यामहे |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| क्रि० | अपेशयिष्यत | अपेशयिष्येताम् | अपेशयिष्यन्त |
| | अपेशयिष्यथाः | अपेशयिष्येथाम् | अपेशयिष्यध्वम् |
| | अपेशयिष्ये | अपेशयिष्यावहि | अपेशयिष्यामहि |

1328 रिन् (रि) गतौ । 796 रथिवद्गुणणि
 1329 पिन् [पि] गतौ । 792 पथिवद्गुणणि
 1330 धिन् (धि) धारणे । 1245 धौड्चद्गुणणि
 1331 क्षिन् (क्षि) निवासगतौ । 10 क्षिब्धद्गुणणि
 1332 भूत् (सू) प्रेरणे । 1098 भुक्त्वाद्गुणणि

1333 मृत् (मृ) प्राणत्यागे ।

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| ब० मारयति | मारयतः | मारयन्ति |
| मारयसि | मारयथः | मारयथ |
| मारयामि | मारयावः | मारयामः |
| स० मारयेत् | मारयेताम् | मारयेयुः |
| मारयेः | मारयेतम् | मारयेत |
| मारयेयम् | मारयेव | मारयेम |
| प० मारयतु | मारयतात् | मारयताम् मारयन्तु |
| मारय | मारयतात् | मारयतम् मारयत |
| मारयाणि | मारयाव | मारयाम |
| ह्य० अमारयत् | अमारयताम् | अमारयन् |
| अमारयः | अमारयतम् | अमारयत |
| अमारयम् | अमारयाव | अमारयाम |
| अ० अमीमरत् | अमीमरताम् | अमीमरन् |
| अमीमरः | अमीमरतम् | अमीमरत |
| अमीमरम् | अमीमराव | अमीमराम |
| प० मारयाञ्चकार | मारयाञ्चक्रुः | मारयाञ्चक्रुः |
| मारयाञ्चकथं | मारयाञ्चकथुः | मारयाञ्चक |
| मारयाञ्चकार-चकर | मारयाञ्चक्रुव | मारयाञ्चक्रुम |
| मारयाञ्चभूव | । | मारयामास |
| आ० मार्यात् | मार्यास्ताम् | मार्यासुः |
| मार्याः | मार्यास्तम् | मार्यास्त |
| मार्यासम् | मार्यास्व | मार्यासन् |
| श्च० मारयिता | मारयितारौ | मारयितारः |
| मारयितासि | मारयितास्थः | मारयितास्थ |
| मारयितास्मि | मारयितास्वः | मारयितास्मः |
| अ० मारयिष्यति | मारयिष्यतः | मारयिष्यन्ति |
| मारयिष्यसि | मारयिष्यथः | मारयिष्यथ |
| मारयिष्यामि | मारयिष्यावः | मारयिष्यामः |
| क्रि० अमारयिष्यत् | अमारयिष्यताम् | अमारयिष्यन् |
| अमारयिष्यः | अमारयिष्यतम् | अमारयिष्यत |
| अमारयिष्यम् | अमारयिष्याव | अमारयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ब० मारयते | मारयेते | मारयन्ते |
| मारयस्ते | मारयेथे | मारयथ्वे |
| मारये | मारयावहे | मारयामहे |
| स० मारयेत | मारयेयाताम् | मारयेरन् |
| मारयेथाः | मारयेथाथाम् | मारयेध्वम् |
| मारयेथ | मारयेवहि | मारयेमहि |
| प० मारयताम् | मारयेताम् | मारयन्ताम् |
| मारयस्व | मारयेथाम् | मारयध्वम् |
| मारये | मारयावहे | मारयामहे |
| ह्य० अमारयत | अमारयेताम् | अमारयन्त |
| अमारयथाः | अमारयेथाम् | अमारयध्वम् |
| अमारये | अमारयावहि | अमारयामहि |
| अ० अमीमरत | अमीमरेताम् | अमीमरन्त |
| अमीमरथाः | अमीमरेथाम् | अमीमरध्वम् |
| अमीमरे | अमीमरावहि | अमीमरामहि |
| प० मारयाञ्चक्रे | मारयाञ्चकते | मारयाञ्चकिरे |
| मारयाञ्चकृषे | मारयाञ्चकाथे | मारयाञ्चकृवे |
| मारयाञ्चक्रे | मारयाञ्चकृवहे | मारयाञ्चकृवहे |
| मारयाञ्चभूव | । | मारयामास |
| आ० मारयिषीष्ट | मारयिषीयास्ताम् | मारयिषीरन् |
| मारयिषीष्टाः | मारयिषीयास्थाम् | मारयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| मारयिषीय | मारयिषीवहि | मारयिषीमहि |
| श्च० मारयिता | मारयितारौ | मारयितारः |
| मारयितासे | मारयितासाथे | मारयिताध्वे |
| मारयिताहे | मारयितास्वहे | मारयितास्महे |
| अ० मारयिष्यते | मारयिष्येते | मारयिष्यन्ते |
| मारयिष्यते | मारयिष्येथे | मारयिष्येध्वे |
| मारयिष्ये | मारयिष्यावहे | मारयिष्यामहे |
| क्रि० अमारयिष्यत | अमारयिष्येताम् | अमारयिष्यन्त |
| अमारयिष्यथाः | अमारयिष्येथाम् | अमारयिष्यध्वम् |
| अमारयिष्ये | अमारयिष्यावहि | अमारयिष्यामहि |

1334 कृत् (कृ) विक्षेपे । 888 डुकृगवहूपाणि

1335 मृत् (मृ) निरणे । 19 गृवहूपाणि

1336 लिखत् (लिख्) अक्षरविन्यासे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | लेखयति | लेखयतः | लेखयन्ति |
| | लेखयसि | लेखयथः | लेखयथ |
| | लेखयामि | लेखयावः | लेखयामः |
| स० | लेखयेत् | लेखयेताम् | लेखयेयुः |
| | लेखयेः | लेखयेतम् | लेखयेत |
| | लेखयेयम् | लेखयेव | लेखयेम |
| प० | लेखयतु | लेखयतात् | लेखयताम् |
| | लेखय | लेखयतात् | लेखयतम् |
| | लेखयानि | लेखयाव | लेखयाम |
| ह्य० | अलेखयत् | अलेखयताम् | अलेखयन् |
| | अलेखयः | अलेखयतम् | अलेखयत |
| | अलेखयम् | अलेखयाव | अलेखयाम |
| अ० | अलीलिखत् | अलीलिखताम् | अलीलिखन् |
| | अलीलिखः | अलीलिखतम् | अलीलिखत |
| | अलीलिखम् | अलीलिखाव | अलीलिखाम |
| प० | लेखयाञ्चकार | लेखयाञ्चकतुः | लेखयाञ्चकुः |
| | लेखयाञ्चकम् | लेखयाञ्चकथुः | लेखयाञ्चक |
| | लेखयाञ्चकार-चकर | लेखयाञ्चकृव | लेखयाञ्चकृम |
| | लेखयाम्बभूव | । | लेखयामास |
| भा० | लेख्यात् | लेख्यास्ताम् | लेख्यासुः |
| | लेख्याः | लेख्यास्तम् | लेख्यास्त |
| | लेख्यासम् | लेख्यास्व | लेख्यास्म |
| श्च० | लेखयिता | लेखयितारौ | लेखयितारः |
| | लेखयितासि | लेखयितास्थः | लेखयितास्थ |
| | लेखयितास्मि | लेखयितास्वः | लेखयितास्मः |
| भ० | लेखयिष्यति | लेखयिष्यतः | लेखयिष्यन्ति |
| | लेखयिष्यसि | लेखयिष्यथः | लेखयिष्यथ |
| | लेखयिष्यामि | लेखयिष्यावः | लेखयिष्यामः |
| क्रि० | अलेखयिष्यत् | अलेखयिष्यताम् | अलेखयिष्यन् |
| | अलेखयिष्यः | अलेखयिष्यतम् | अलेखयिष्यत |
| | अलेखयिष्यम् | अलेखयिष्याव | अलेखयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | लेखयते | लेखयते | लेखयन्ते |
| | लेखयसे | लेखयेथे | लेखयध्वं |
| | लेखये | लेख्यावहे | लेखयामहे |
| स० | लेखयेत | लेखयेयाताम् | लेखयेरन् |
| | लेखयेथाः | लेखयेयाथाम् | लेखयेध्वम् |
| | लेखयेय | लेखयेवहि | लेखयेमहि |
| प० | लेखयताम् | लेखयेताम् | लेखयन्ताम् |
| | लेखयस्व | लेखयेथाम् | लेखयध्वम् |
| | लेखयै | लेख्यावहे | लेखयामहे |
| ह्य० | अलेखयत | अलेखयेताम् | अलेखयन्त |
| | अलेखयथाः | अलेखयेथाम् | अलेखयध्वम् |
| | अलेखये | अलेख्यावहि | अलेखयामहि |
| अ० | अलीलिखत | अलीलिखेताम् | अलीलिखन्त |
| | अलीलिखथाः | अलीलिखेथाम् | अलीलिखध्वम् |
| | अलीलिखे | अलीलिखावहि | अलीलिखामहि |
| प० | लेखयाञ्चक्रे | लेखयाञ्चक्रेते | लेखयाञ्चक्रे |
| | लेखयाञ्चकृषे | लेखयाञ्चकृषे | लेखयाञ्चकृषे |
| | लेखयाञ्चक्रे | लेखयाञ्चकृवहे | लेखयाञ्चकृमहे |
| | लेखयाम्बभूव | । | लेखयामास |
| आ० | लेखयिषीष्ट | लेखयिषीयास्ताम् | लेखयिषीरन् |
| | लेखयिषीष्टाः | लेखयिषीयास्थाम् | लेखयिषीध्वम् |
| | लेखयिषीय | लेखयिषीवहि | लेखयिषीमहि |
| श्च० | लेखयिता | लेखयितारौ | लेखयितारः |
| | लेखयितासे | लेखयितासाथे | लेखयिताध्वे |
| | लेखयिताहे | लेखयितास्वहे | लेखयितास्महे |
| भ० | लेखयिष्यते | लेखयिष्येते | लेखयिष्यन्ते |
| | लेखयिष्यते | लेखयिष्येथे | लेखयिष्यध्वे |
| | लेखयिष्ये | लेखयिष्यावहे | लेखयिष्यामहे |
| क्रि० | अलेखयिष्यत | अलेखयिष्येताम् | अलेखयिष्यन्त |
| | अलेखयिष्यथाः | अलेखयिष्येथाम् | अलेखयिष्यध्वम् |
| | अलेखयिष्ये | अलेखयिष्यावहि | अलेखयिष्यामहि |

1337 जर्चत् (जर्च्) परिभाषणे

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० जर्चयति | जर्चयतः | जर्चयन्ति |
| जर्चयसि | जर्चयथः | जर्चयथ |
| जर्चयामि | जर्चयावः | जर्चयामः |
| स० जर्चयेत् | जर्चयेताम् | जर्चयेयुः |
| जर्चयेः | जर्चयेतम् | जर्चयेत |
| जर्चयेयम् | जर्चयेव | जर्चयेम |
| प० जर्चयतु | जर्चयतात् | जर्चयताम् |
| जर्चय | जर्चयतात् | जर्चयतम् |
| जर्चयत | जर्चयतम् | जर्चयत |
| जर्चयानि | जर्चयाव | जर्चयाम |
| झ० भजर्चयत् | भजर्चयताम् | भजर्चयन् |
| भजर्चयः | भजर्चयतम् | भजर्चयत |
| भजर्चयम् | भजर्चयाव | भजर्चयाम |
| झ० भजजर्चत् | भजजर्चताम् | भजजर्चन् |
| भजजर्चः | भजजर्चतम् | भजजर्चत |
| भजजर्चम् | भजजर्चाव | भजजर्चाम |
| प० जर्चयाञ्चकार | जर्चयाञ्चकतुः | जर्चयाञ्चकुः |
| जर्चयाञ्चकथं | जर्चयाञ्चकथुः | जर्चयाञ्चक |
| जर्चयाञ्चकार-चकर | जर्चयाञ्चकृव | जर्चयाञ्चकृम |
| जर्चयाम्बभूव | जर्चयामास | |
| आ० जर्चयात् | जर्चयास्ताम् | जर्चयासुः |
| जर्चयाः | जर्चयास्तम् | जर्चयास्त |
| जर्चयासम् | जर्चयास्व | जर्चयास्म |
| म्ब० जर्चयिता | जर्चयितारौ | जर्चयितारः |
| जर्चयितासि | जर्चयितास्यः | जर्चयितास्य |
| जर्चयितास्मि | जर्चयितास्वः | जर्चयितास्मः |
| भ० जर्चयिष्यति | जर्चयिष्यतः | जर्चयिष्यन्ति |
| जर्चयिष्यसि | जर्चयिष्यथः | जर्चयिष्यथ |
| जर्चयिष्यामि | जर्चयिष्यावः | जर्चयिष्याम |
| क्रि० भजर्चयिष्यत् | भजर्चयिष्यताम् | भजर्चयिष्यन् |
| भजर्चयिष्यः | भजर्चयिष्यतम् | भजर्चयिष्यत |
| भजर्चयिष्यम् | भजर्चयिष्याव | भजर्चयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० जर्चयते | जर्चयते | जर्चयन्ते |
| जर्चयसे | जर्चयथे | जर्चयथे |
| जर्चये | जर्चयावहे | जर्चयामहे |
| स० जर्चयत | जर्चयेताम् | जर्चयान् |
| जर्चयथाः | जर्चयेयाम् | जर्चयेष्वम् |
| जर्चयेय | जर्चयेवहि | जर्चयेमहि |
| प० जर्चयताम् | जर्चयेताम् | जर्चयन्तम् |
| जर्चयस्व | जर्चयेष्वाम् | जर्चयेष्वम् |
| जर्चये | जर्चयावहे | जर्चयामहे |
| झ० भजर्चयत | भजर्चयेताम् | भजर्चयन्त |
| भजर्चयथाः | भजर्चयेयाम् | भजर्चयेष्वम् |
| भजर्चये | भजर्चयावहि | भजर्चयामहि |
| भ० भजजर्चत | भजजर्चयेताम् | भजजर्चन्त |
| भजजर्चयथाः | भजजर्चयेयाम् | भजजर्चयेष्वम् |
| भजजर्चये | भजजर्चयावहि | भजजर्चयामहे |
| प० जर्चयाञ्चके | जर्चयाञ्चकते | जर्चयाञ्चक्रे |
| जर्चयाञ्चकृषे | जर्चयाञ्चकृषे | जर्चयाञ्चकृष्वे |
| जर्चयाञ्चके | जर्चयाञ्चकृवहे | जर्चयाञ्चकृमहे |
| जर्चयाम्बभूव | जर्चयामास | |
| आ० जर्चयिषीष्ट | जर्चयिषीयास्ताम् | जर्चयिषीरन् |
| जर्चयिषीष्टाः | जर्चयिषीयास्याम् | जर्चयिषीह्वम् |
| जर्चयिषीय | जर्चयिषीवहि | जर्चयिषीमहि |
| म्ब० जर्चयिता | जर्चयितारौ | जर्चयितारः |
| जर्चयितासे | जर्चयितास्ये | जर्चयितास्ये |
| जर्चयिताहे | जर्चयितास्वहे | जर्चयितास्महे |
| भ० जर्चयिष्यते | जर्चयिष्यन्ते | जर्चयिष्यन्ते |
| जर्चयिष्यसे | जर्चयिष्यथे | जर्चयिष्यथे |
| जर्चयिष्ये | जर्चयिष्यावहे | जर्चयिष्यामहे |
| क्रि० भजर्चयिष्यत | भजर्चयिष्यताम् | भजर्चयिष्यन्त |
| भजर्चयिष्यथाः | भजर्चयिष्येयाम् | भजर्चयिष्येष्वम् |
| भजर्चयिष्ये | भजर्चयिष्यावहि | भजर्चयिष्यामहि |

1338 झर्चत् (झर्च्) परिभाषणे

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० झर्चयति | झर्चयतः | झर्चयन्ति |
| झर्चयसि | झर्चयथः | झर्चयथ |
| झर्चयामि | झर्चयावः | झर्चयामः |
| स० झर्चयेत् | झर्चयेताम् | झर्चयेयुः |
| झर्चयेः | झर्चयेतम् | झर्चयेत |
| झर्चयेयम् | झर्चयेव | झर्चयेम |
| प० झर्चयतु | झर्चयतात् | झर्चयताम् |
| झर्चय | झर्चयतात् | झर्चयतम् |
| झर्चयानि | झर्चयाव | झर्चयाम |
| ह्य० अझर्चयत् | अझर्चयताम् | अझर्चयन् |
| अझर्चयः | अझर्चयतम् | अझर्चयत |
| अझर्चयम् | अझर्चयाव | अझर्चयाम |
| अ० अजझर्चत् | अजझर्चताम् | अजझर्चन् |
| अजझर्चः | अजझर्चतम् | अजझर्चत |
| अजझर्चम् | अजझर्चाव | अजझर्चाम |
| प० झर्चयाञ्चकार | झर्चयाञ्चक्रतुः | झर्चयाञ्चक्रुः |
| झर्चयाञ्चकथं | झर्चयाञ्चकथुः | झर्चयाञ्चक |
| झर्चयाञ्चकार-चकर | झर्चयाञ्चकृव | झर्चयाञ्चकृम |
| झर्चयाम्बभूव | झर्चयामास | |
| आ० झर्चयात् | झर्चयास्ताम् | झर्चयासुः |
| झर्चयाः | झर्चयास्तम् | झर्चयास्त |
| झर्चयासम् | झर्चयास्व | झर्चयास्म |
| स्व० झर्चयिता | झर्चयितारौ | झर्चयितारः |
| झर्चयितासि | झर्चयितास्थः | झर्चयितास्थ |
| झर्चयितास्मि | झर्चयितारवः | झर्चयितारमः |
| भ० झर्चयिष्यति | झर्चयिष्यतः | झर्चयिष्यन्ति |
| झर्चयिष्यसि | झर्चयिष्यथः | झर्चयिष्यथ |
| झर्चयिष्यामि | झर्चयिष्यावः | झर्चयिष्यामः |
| क्रि० अझर्चयिष्यत् | अझर्चयिष्यताम् | अझर्चयिष्यन् |
| अझर्चयिष्यः | अझर्चयिष्यतम् | अझर्चयिष्यत |
| अझर्चयिष्यम् | अझर्चयिष्याव | अझर्चयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० झर्चयते | झर्चयेते | झर्चयन्ते |
| झर्चयसे | झर्चयेथे | झर्चयध्वे |
| झर्चये | झर्चयावहे | झर्चयामहे |
| स० झर्चयेत | झर्चयेयाताम् | झर्चयेरन् |
| झर्चयेथाः | झर्चयेयाथाम् | झर्चयेध्वम् |
| झर्चयेय | झर्चयेवहि | झर्चयेमहि |
| प० झर्चयताम् | झर्चयेताम् | झर्चयन्ताम् |
| झर्चयस्व | झर्चयेथाम् | झर्चयध्वम् |
| झर्चये | झर्चयावहे | झर्चयामहे |
| ह्य० अझर्चयत | अझर्चयेताम् | अझर्चयन्त |
| अझर्चयथाः | अझर्चयेथाम् | अझर्चयध्वम् |
| अझर्चये | अझर्चयावहि | अझर्चयामहि |
| अ० अजझर्चत | अजझर्चेताम् | अजझर्चन्त |
| अजझर्चथाः | अजझर्चेथाम् | अजझर्चध्वम् |
| अजझर्चे | अजझर्चावहि | अजझर्चामहि |
| प० झर्चयाञ्चक्रे | झर्चयाञ्चक्राते | झर्चयाञ्चक्रिरे |
| झर्चयाञ्चकृषे | झर्चयाञ्चक्राथे | झर्चयाञ्चकृध्वे |
| झर्चयाञ्चक्रे | झर्चयाञ्चकृवहे | झर्चयाञ्चकृमहे |
| झर्चयाम्बभूव | झर्चयामास | |
| आ० झर्चयिषीष्ट | झर्चयिषीयास्ताम् | झर्चयिषीरन् |
| झर्चयिषीष्टा | झर्चयिषीयास्थाम् | झर्चयिषीध्वम् |
| झर्चयिषीय | झर्चयिषीवहि | झर्चयिषीमहि |
| स्व० झर्चयिता | झर्चयितारौ | झर्चयितारः |
| झर्चयितासे | झर्चयितासाथे | झर्चयिताध्वे |
| झर्चयिताहे | झर्चयितास्वहे | झर्चयितास्महे |
| भ० झर्चयिष्यते | झर्चयिष्येते | झर्चयिष्यन्ते |
| झर्चयिष्यसे | झर्चयिष्येथे | झर्चयिष्यध्वे |
| झर्चयिष्ये | झर्चयिष्यावहे | झर्चयिष्यामहे |
| क्रि० अझर्चयिष्यत | अझर्चयिष्येताम् | अझर्चयिष्यन्त |
| अझर्चयिष्यथाः | अझर्चयिष्येथाम् | अझर्चयिष्यध्वम् |
| अझर्चयिष्ये | अझर्चयिष्यावहि | अझर्चयिष्यामहि |

1339 त्वच् (त्वच्) संवरणे

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| व० | त्वाचयति | त्वाचयतः | त्वाचयन्ति |
| | त्वाचयसि | त्वाचयथः | त्वाचयथ |
| | त्वाचयामि | त्वाचयावः | त्वाचयामः |
| स० | त्वाचयेत् | त्वाचयेताम् | त्वाचयेयुः |
| | त्वाचयेः | त्वाचयेतम् | त्वाचयेत |
| | त्वाचयेयम् | त्वाचयेव | त्वाचयेम |
| प० | त्वाचयतु | त्वाचयतात् | त्वाचयतम् |
| | त्वाचय | त्वाचयतात् | त्वाचयतम् |
| | त्वाचयानि | त्वाचयाव | त्वाचयाम |
| ह्य० | अत्वाचयत् | अत्वाचयताम् | अत्वाचयन् |
| | अत्वाचयः | अत्वाचयतम् | अत्वाचयत |
| | अत्वाचयम् | अत्वाचयाव | अत्वाचयाम |
| अ० | अतित्वचत् | अतित्वचताम् | अतित्वचन् |
| | अतित्वचः | अतित्वचतम् | अतित्वचत |
| | अतित्वचम् | अतित्वचाव | अतित्वचाम |
| प० | त्वाचयाञ्चकार | त्वाचयाञ्चक्रुः | त्वाचयाञ्चक्रुः |
| | त्वाचयाञ्चकथे | त्वाचयाञ्चक्रुः | त्वाचयाञ्चक्रुः |
| | त्वाचयाञ्चकार | त्वाचयाञ्चक्रुः | त्वाचयाञ्चक्रुः |
| | त्वाचयाम्बभूव | । | त्वाचयामास |
| आ० | त्वाच्यात् | त्वाच्यास्ताम् | त्वाच्यासुः |
| | त्वाच्याः | त्वाच्यास्तम् | त्वाच्यास्त |
| | त्वाच्यासम् | त्वाच्यास्व | त्वाच्यास्म |
| भ्व० | त्वाचयिता | त्वाचयितारौ | त्वाचयितारः |
| | त्वाचयितासि | त्वाचयितास्थः | त्वाचयितास्थ |
| | त्वाचयितास्मि | त्वाचयितास्वः | त्वाचयितास्मः |
| भ० | त्वाचयिष्यति | त्वाचयिष्यतः | त्वाचयिष्यन्ति |
| | त्वाचयिष्यसि | त्वाचयिष्यथः | त्वाचयिष्यथ |
| | त्वाचयिष्यामि | त्वाचयिष्यावः | त्वाचयिष्यामः |
| क्रि० | अत्वाचयिष्यत् | अत्वाचयिष्यताम् | अत्वाचयिष्यन् |
| | अत्वाचयिष्यः | अत्वाचयिष्यतम् | अत्वाचयिष्यत |
| | अत्वाचयिष्यम् | अत्वाचयिष्याव | अत्वाचयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|--------------------|
| व० | त्वाचयते | त्वाचयेते | त्वाचयन्ते |
| | त्वाचयसे | त्वाचयेथे | त्वाचयध्वे |
| | त्वाचये | त्वाचयावहे | त्वाचयामहे |
| स० | त्वाचयेत | त्वाचयेयाताम् | त्वाचयेरन् |
| | त्वाचयेथाः | त्वाचयेयाथाम् | त्वाचयेध्वम् |
| | त्वाचयेय | त्वाचयेवहि | त्वाचयेमहि |
| प० | त्वाचयताम् | त्वाचयेताम् | त्वाचयन्ताम् |
| | त्वाचयस्व | त्वाचयेथाम् | त्वाचयध्वम् |
| | त्वाचयै | त्वाचयावहे | त्वाचयामहे |
| ह्य० | अत्वाचयत | अत्वाचयेताम् | अत्वाचयन्त |
| | अत्वाचयथाः | अत्वाचयेथाम् | अत्वाचयध्वम् |
| | अत्वाचये | अत्वाचयावहि | अत्वाचयामहि |
| अ० | अतित्वचत् | अतित्वचेताम् | अतित्वचन्त |
| | अतित्वचथाः | अतित्वचेथाम् | अतित्वचध्वम् |
| | अतित्वचे | अतित्वचावहि | अतित्वचामहि |
| प० | त्वाचयाञ्चक्रे | त्वाचयाञ्चक्रते | त्वाचयाञ्चक्रिरे |
| | त्वाचयाञ्चकृषे | त्वाचयाञ्चक्रथे | त्वाचयाञ्चक्रुद्वे |
| | त्वाचयाञ्चक्रे | त्वाचयाञ्चक्रुवहे | त्वाचयाञ्चक्रुमहे |
| | त्वाचयाम्बभूव | । | त्वाचयामास |
| आ० | त्वाचयिषीष्ट | त्वाचयिषीयास्ताम् | त्वाचयिषीरन् |
| | त्वाचयिषीष्ठाः | त्वाचयिषीयास्थाम् | त्वाचयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | त्वाचयिषीय | त्वाचयिषीवहि | त्वाचयिषीमहि |
| भ्व० | त्वाचयिता | त्वाचयितारौ | त्वाचयितारः |
| | त्वाचयितासे | त्वाचयितासाथे | त्वाचयिताध्वे |
| | त्वाचयिताहे | त्वाचयितास्वहे | त्वाचयितास्महे |
| भ० | त्वाचयिष्यते | त्वाचयिष्येते | त्वाचयिष्यन्ते |
| | त्वाचयिष्यसे | त्वाचयिष्येथे | त्वाचयिष्यध्वे |
| | त्वाचयिष्ये | त्वाचयिष्यवहे | त्वाचयिष्यामहे |
| क्रि० | अत्वाचयिष्यत् | अत्वाचयिष्येताम् | अत्वाचयिष्यन्त |
| | अत्वाचयिष्यथाः | अत्वाचयिष्येथाम् | अत्वाचयिष्यध्वम् |
| | अत्वाचयिष्ये | अत्वाचयिष्यावहि | अत्वाचयिष्यामहि |

1403 कृचत् (कृच्) स्तुतौ । 104 अर्चवद्भाषिण

1341 ओव्रश्चौत् (व्रश्च्) छेदने ।

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| व० व्रश्चयति | व्रश्चयतः | व्रश्चयन्ति |
| व्रश्चयसि | व्रश्चयथः | व्रश्चयथ |
| व्रश्चयामि | व्रश्चयावः | व्रश्चयामः |

| | | |
|---------------|--------------|-------------|
| स० व्रश्चयेत् | व्रश्चयेताम् | व्रश्चयेयुः |
| व्रश्चयेः | व्रश्चयेतम् | व्रश्चयेत |
| व्रश्चयेयम् | व्रश्चयेव | व्रश्चयेम |

| | | | |
|--------------|-------------|-------------|-------------|
| प० व्रश्चयतु | व्रश्चयतात् | व्रश्चयताम् | व्रश्चयन्तु |
| व्रश्चय | व्रश्चयतात् | व्रश्चयतम् | व्रश्चयत |
| व्रश्चयानि | व्रश्चयाव | व्रश्चयाम | |

| | | |
|-----------------|--------------|------------|
| ह्य० अव्रश्चयत् | अव्रश्चयताम् | अव्रश्चयन् |
| अव्रश्चयः | अव्रश्चयतम् | अव्रश्चयत |
| अव्रश्चयम् | अव्रश्चयाव | अव्रश्चयाम |

| | | |
|---------------|--------------|------------|
| अ० अवव्रश्चत् | अवव्रश्चताम् | अवव्रश्चन् |
| अवव्रश्चः | अवव्रश्चतम् | अवव्रश्चत |
| अवव्रश्चम् | अवव्रश्चाव | अवव्रश्चाम |

| | | |
|-------------------|------------------|----------------|
| प० व्रश्चयाञ्चकार | व्रश्चयाञ्चक्रुः | व्रश्चयाञ्चकुः |
| व्रश्चयाञ्चकथं | व्रश्चयाञ्चकथुः | व्रश्चयाञ्चक |
| व्रश्चयाञ्चकारचकर | व्रश्चयाञ्चकृव | व्रश्चयाञ्चकृम |
| व्रश्चयाञ्चभूव | व्रश्चयामास | |

| | | |
|---------------|----------------|-------------|
| आ० व्रश्चयात् | व्रश्चयास्ताम् | व्रश्चयासुः |
| व्रश्चयाः | व्रश्चयास्तम् | व्रश्चयास्त |
| व्रश्चयासम् | व्रश्चयास्व | व्रश्चयास्म |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| व्च० व्रश्चयिता | व्रश्चयितारौ | व्रश्चयितारः |
| व्रश्चयितासि | व्रश्चयितास्थः | व्रश्चयितास्थ |
| व्रश्चयितास्मि | व्रश्चयितास्वः | व्रश्चयितास्मः |

| | | |
|------------------|----------------|-----------------|
| भ० व्रश्चयिष्यति | व्रश्चयिष्यतः | व्रश्चयिष्यन्ति |
| व्रश्चयिष्यसि | व्रश्चयिष्यथः | व्रश्चयिष्यथ |
| व्रश्चयिष्यामि | व्रश्चयिष्यावः | व्रश्चयिष्यामः |

| | | |
|----------------------|------------------|----------------|
| क्रि० अव्रश्चयिष्यत् | अव्रश्चयिष्यताम् | अव्रश्चयिष्यन् |
| अव्रश्चयिष्यः | अव्रश्चयिष्यतम् | अव्रश्चयिष्यत |
| अव्रश्चयिष्यम् | अव्रश्चयिष्याव | अव्रश्चयिष्याम |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| व० व्रश्चयते | व्रश्चयेते | व्रश्चयन्ते |
| व्रश्चयसे | व्रश्चयेथे | व्रश्चयन्वे |
| व्रश्चये | व्रश्चयावहे | व्रश्चयामहे |

| | | |
|--------------|----------------|---------------|
| स० व्रश्चयेत | व्रश्चयेयाताम् | व्रश्चयेरन् |
| व्रश्चयेथाः | व्रश्चयेयाथाम् | व्रश्चयेध्वम् |
| व्रश्चयेय | व्रश्चयेवहि | व्रश्चयेमहि |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| प० व्रश्चयताम् | व्रश्चयेताम् | व्रश्चयन्ताम् |
| व्रश्चयस्व | व्रश्चयेथाम् | व्रश्चयन्वम् |
| व्रश्चये | व्रश्चयावहे | व्रश्चयामहे |

| | | |
|----------------|---------------|-----------------|
| ह्य० अव्रश्चयत | अव्रश्चयेताम् | अव्रश्चयन्त |
| अव्रश्चयथाः | अव्रश्चयेथाम् | अव्रश्चयन्ध्वम् |
| अव्रश्चये | अव्रश्चयावहि | अव्रश्चयामहि |

| | | |
|--------------|---------------|-----------------|
| अ० अवव्रश्चत | अवव्रश्चेताम् | अवव्रश्चन्त |
| अवव्रश्चथाः | अवव्रश्चेथाम् | अवव्रश्चन्ध्वम् |
| अवव्रश्चे | अवव्रश्चावहि | अवव्रश्चामहि |

| | | |
|------------------|-----------------|-------------------|
| प० व्रश्चयाञ्चके | व्रश्चयाञ्चकते | व्रश्चयाञ्चकिरे |
| व्रश्चयाञ्चकृषे | व्रश्चयाञ्चकथे | व्रश्चयाञ्चकृद्वे |
| व्रश्चयाञ्चके | व्रश्चयाञ्चकृहे | व्रश्चयाञ्चकृमहे |
| व्रश्चयाम्भूव | व्रश्चयामास | |

| | | |
|------------------|--------------------|-----------------|
| आ० व्रश्चयिषीष्ट | व्रश्चयिषीयास्ताम् | व्रश्चयिषीरन् |
| व्रश्चयिषीष्ठाः | व्रश्चयिषीयास्थाम् | व्रश्चयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |

| | | |
|--------------|----------------|----------------|
| व्रश्चयिषीय | व्रश्चयिषीवहि | व्रश्चयिषीमहि |
| व्रश्चयिता | व्रश्चयितारौ | व्रश्चयितारः |
| व्रश्चयितासे | व्रश्चयितासाथे | व्रश्चयिताध्वे |

| | | |
|---------------|-----------------|-------------------|
| व्रश्चयिताहे | व्रश्चयितास्वहे | व्रश्चयितास्महे |
| व्रश्चयिष्यते | व्रश्चयिष्येते | व्रश्चयिष्यन्ते |
| व्रश्चयिष्यसे | व्रश्चयिष्येथे | व्रश्चयिष्यन्ध्वे |

| | | |
|---------------------|-------------------|---------------------|
| व्रश्चयिष्ये | व्रश्चयिष्यावहे | व्रश्चयिष्यामहे |
| क्रि० अव्रश्चयिष्यत | अव्रश्चयिष्यताम् | अव्रश्चयिष्यन्त |
| अव्रश्चयिष्यथाः | अव्रश्चयिष्येथाम् | अव्रश्चयिष्यन्ध्वम् |

| | | |
|---------------|------------------|------------------|
| अव्रश्चयिष्ये | अव्रश्चयिष्यावहि | अव्रश्चयिष्यामहि |
|---------------|------------------|------------------|

**1342 कृच्छ्र (कृच्छ्र) इन्द्रियप्रलय-
मूर्तिभावयोः**

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० कृच्छ्रयति | कृच्छ्रयतः | कृच्छ्रयन्ति |
| कृच्छ्रयसि | कृच्छ्रयथः | कृच्छ्रयथ |
| कृच्छ्रयामि | कृच्छ्रयावः | कृच्छ्रयामः |
| स० कृच्छ्रयेत् | कृच्छ्रयेताम् | कृच्छ्रयेयुः |
| कृच्छ्रयेः | कृच्छ्रयेतम् | कृच्छ्रयेत |
| कृच्छ्रयेयम् | कृच्छ्रयेव | कृच्छ्रयेम |
| प० कृच्छ्रयतु | तात् कृच्छ्रयताम् | कृच्छ्रयन्तु |
| कृच्छ्रय | तात् कृच्छ्रयतम् | कृच्छ्रयत |
| कृच्छ्रयनि | कृच्छ्रयाव | कृच्छ्रयाम |
| भ० आच्छ्रयत् | आच्छ्रयताम् | आच्छ्रयन् |
| आच्छ्रयः | आच्छ्रयतम् | आच्छ्रयत |
| आच्छ्रयम् | आच्छ्रयाव | आच्छ्रयाम |
| अ० आर्चिच्छ्रत् | आर्चिच्छ्रताम् | आर्चिच्छ्रन्त |
| आर्चिच्छ्रः | आर्चिच्छ्रतम् | आर्चिच्छ्रत |
| आर्चिच्छ्रम् | आर्चिच्छ्राव | आर्चिच्छ्राम |
| प० कृच्छ्रयाञ्चकार | कृच्छ्रयाञ्चकतुः | कृच्छ्रयाञ्चकुः |
| कृच्छ्रयाञ्चकथं | कृच्छ्रयाञ्चकथुः | कृच्छ्रयाञ्चक |
| कृच्छ्रयाञ्चकार-चकर | कृच्छ्रयाञ्चकृव | कृच्छ्रयाञ्चकृम |
| कृच्छ्रयाम्बभूव | । | कृच्छ्रयामास |
| आ० कृच्छ्रयात् | कृच्छ्रयास्ताम् | कृच्छ्रयासुः |
| कृच्छ्रयाः | कृच्छ्रयास्तम् | कृच्छ्रयास्त |
| कृच्छ्रयासम् | कृच्छ्रयास्व | कृच्छ्रयास्म |
| प्र० कृच्छ्रयिता | कृच्छ्रयितारौ | कृच्छ्रयितारः |
| कृच्छ्रयितासि | कृच्छ्रयितासथः | कृच्छ्रयितासथ |
| कृच्छ्रयितामि | कृच्छ्रयिताम्रः | कृच्छ्रयिताम्रः |
| भ० कृच्छ्रयिष्यति | कृच्छ्रयिष्यतः | कृच्छ्रयिष्यन्ति |
| कृच्छ्रयिष्यसि | कृच्छ्रयिष्यथः | कृच्छ्रयिष्यथ |
| कृच्छ्रयिष्यामि | कृच्छ्रयिष्यावः | कृच्छ्रयिष्यामः |
| क्रि० आच्छ्रयिष्यत् | आच्छ्रयिष्यताम् | आच्छ्रयिष्यन् |
| आच्छ्रयिष्यः | आच्छ्रयिष्यतम् | आच्छ्रयिष्यत |
| आच्छ्रयिष्यम् | आच्छ्रयिष्याव | आच्छ्रयिष्याम |

| | | |
|---------------------|---------------------|--------------------|
| व० कृच्छ्रयते | कृच्छ्रयेते | कृच्छ्रयन्ते |
| कृच्छ्रयसे | कृच्छ्रयेथे | कृच्छ्रयथे |
| कृच्छ्रये | कृच्छ्रयावहे | कृच्छ्रयामहे |
| स० कृच्छ्रयेत | कृच्छ्रयेयाताम् | कृच्छ्रयेरन् |
| कृच्छ्रयेथाः | कृच्छ्रयेथायाम् | कृच्छ्रयेष्वम् |
| कृच्छ्रयेय | कृच्छ्रयेवहि | कृच्छ्रयेमहि |
| प० कृच्छ्रयताम् | कृच्छ्रयेताम् | कृच्छ्रयन्ताम् |
| कृच्छ्रयस्व | कृच्छ्रयेथाम् | कृच्छ्रयेष्वम् |
| कृच्छ्रये | कृच्छ्रयावहे | कृच्छ्रयामहे |
| ह्य० आच्छ्रयत | आच्छ्रयेताम् | आच्छ्रयन्त |
| आच्छ्रयथाः | आच्छ्रयेथाम् | आच्छ्रयेष्वम् |
| आच्छ्रये | आच्छ्रयावहि | आच्छ्रयामहि |
| भ० आर्चिच्छ्रत | आर्चिच्छ्रेताम् | आर्चिच्छ्रन्त |
| आर्चिच्छ्रथाः | आर्चिच्छ्रेथाम् | आर्चिच्छ्रेष्वम् |
| आर्चिच्छ्रे | आर्चिच्छ्रावहि | आर्चिच्छ्रामहि |
| प० कृच्छ्रयाञ्चके | कृच्छ्रयाञ्चकाते | कृच्छ्रयाञ्चकिरे |
| कृच्छ्रयाञ्चकृवे | कृच्छ्रयाञ्चकृथे | कृच्छ्रयाञ्चकृद्वे |
| कृच्छ्रयाञ्चके | कृच्छ्रयाञ्चकृवहे | कृच्छ्रयाञ्चकृमहे |
| कृच्छ्रयाम्बभूव | । | कृच्छ्रयामास |
| भा० कृच्छ्रयिषीष्ट | कृच्छ्रयिषीयास्ताम् | कृच्छ्रयिषीरन् |
| कृच्छ्रयिषीष्टाः | कृच्छ्रयिषीयास्थाम् | कृच्छ्रयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| कृच्छ्रयिषीय | कृच्छ्रयिषीवहि | कृच्छ्रयिषीमहि |
| श्व० कृच्छ्रयिता | कृच्छ्रयितारौ | कृच्छ्रयितारः |
| कृच्छ्रयितासे | कृच्छ्रयितासाथे | कृच्छ्रयिताध्वे |
| कृच्छ्रयिताहे | कृच्छ्रयितावहे | कृच्छ्रयितास्महे |
| स० कृच्छ्रयिष्यते | कृच्छ्रयिष्येते | कृच्छ्रयिष्यन्ते |
| कृच्छ्रयिष्यसे | कृच्छ्रयिष्येथे | कृच्छ्रयिष्यथे |
| कृच्छ्रयिष्ये | कृच्छ्रयिष्यावहे | कृच्छ्रयिष्यामहे |
| क्रि० आच्छ्रयिष्यत् | आच्छ्रयिष्यताम् | आच्छ्रयिष्यन्त |
| आच्छ्रयिष्यथाः | आच्छ्रयिष्येथाम् | आच्छ्रयिष्येष्वम् |
| आच्छ्रयिष्ये | आच्छ्रयिष्यावहि | आच्छ्रयिष्यामहि |

1343 विच्छत् (विच्छ) गतौ

ब० विच्छाययति विच्छाययतः विच्छाययन्ति
विच्छाययसि विच्छाययथः विच्छाययथ
विच्छाययामि विच्छाययावः विच्छाययामः

स० विच्छाययेत् विच्छाययेताम् विच्छाययेयुः
विच्छाययेः विच्छाययेतम् विच्छाययेत
विच्छाययेयम् विच्छाययेव विच्छाययेम

प० विच्छाययतु तात् विच्छाययताम् विच्छाययन्तु
विच्छाय तात् विच्छाययतम् विच्छाययत
विच्छाय... विच्छाययाव विच्छाययाम

अ० अविच्छाययत् अविच्छाययताम् अविच्छाययन्
अविच्छाययः अविच्छाययतम् अविच्छाययत
अविच्छाययम् अविच्छाययाव अविच्छाययाम

अ० अविच्छाययत् अविच्छाययताम् अविच्छाययन्
अविच्छाययः अविच्छाययतम् अविच्छाययत
अविच्छाययम् अविच्छाययाव अविच्छाययाम

प० विच्छाययाश्चकार विच्छाययाश्चक्रतुः विच्छाययाश्चक्रुः
विच्छाययाश्चकथं विच्छाययाश्चक्रथुः विच्छाययाश्चक्र
विच्छाययाश्चकार-चकर विच्छाययाश्चक्रव विच्छाययाश्चक्रम

विच्छाययाम्बभूव । विच्छाययामास

अ० विच्छायय्यात् विच्छायय्यास्ताम् विच्छायय्यासुः
विच्छायय्याः विच्छायय्यास्तम् विच्छायय्यास्त
विच्छायय्यासम् विच्छायय्यास्व विच्छायय्यासम

अ० विच्छाययिता विच्छाययितारौ विच्छाययितारः
विच्छाययितासि विच्छाययितास्यः विच्छाययितास्य
विच्छाययितास्मि विच्छाययितास्वः विच्छाययितास्मः

अ० विच्छाययिष्यति विच्छाययिष्यतः विच्छाययिष्यन्ति
विच्छाययिष्यसि विच्छाययिष्यथः विच्छाययिष्यथ
विच्छाययिष्यामि विच्छाययिष्यावः विच्छाययिष्यामः

क्र० अविच्छाययिष्यत् अविच्छाययिष्यताम् अविच्छाययिष्यन्
अविच्छाययिष्यः अविच्छाययिष्यतम् अविच्छाययिष्यत
अविच्छाययिष्यम् अविच्छाययिष्याव अविच्छाययिष्याम

ब० विच्छाययते विच्छाययेते विच्छाययन्ते
विच्छाययसे विच्छाययेथे विच्छाययस्व
विच्छायये विच्छाययावहे विच्छाययामहे

स० विच्छाययेत विच्छाययेयाताम् विच्छाययेरन्
विच्छाययेथाः विच्छाययेयाताम् विच्छाययेय्वम्
विच्छाययथ विच्छाययेवहि विच्छाययेमहि

प० विच्छाययताम् विच्छाययेताम् विच्छाययन्ताम्
विच्छाययस्व विच्छाययेथाम् विच्छाययथ्वम्
विच्छायये विच्छाययावहे विच्छाययामहे

ह्य० अविच्छाययत अविच्छाययेताम् अविच्छाययन्त
अविच्छाययथाः अविच्छाययेथाम् अविच्छाययथ्वम्
अविच्छायये अविच्छाययावहि अविच्छाययामहि

अ० अविच्छाययत अविच्छाययेताम् अविच्छाययन्त
अविच्छाययथाः अविच्छाययेथाम् अविच्छाययथ्वम्
अविच्छायये अविच्छाययावहि अविच्छाययामहि

प० विच्छाययाश्चके विच्छाययाश्चक्राते विच्छाययाश्चक्रिरे
विच्छाययाश्चकृषे विच्छाययाश्चक्राथे विच्छाययाश्चकृद्वे
विच्छाययाश्चके विच्छाययाश्चक्रवहे विच्छाययाश्चक्रमहे

विच्छाययाम्बभूव । विच्छाययामास

अ० विच्छाययिषीष्ट विच्छाययिषीयास्ताम् विच्छाययिषीन्
विच्छाययिषीष्ठाः विच्छाययिषीयास्याम् विच्छाययिषीद्वम्
५३म्

विच्छाययिषीय विच्छाययिषीवहि विच्छाययिषीमहि

अ० विच्छाययिता विच्छाययितारौ विच्छाययितारः
विच्छाययितासे विच्छाययितासाथे विच्छाययितास्व
विच्छाययिताहे विच्छाययितास्वहे विच्छाययितास्महे

अ० विच्छाययिष्यते विच्छाययिष्येते विच्छाययिष्यन्ते
विच्छाययिष्यसे विच्छाययिष्येथे विच्छाययिष्येथ्वम्
विच्छाययिष्ये विच्छाययिष्यवहे विच्छाययिष्यामहे

अविच्छाययिष्यत् अविच्छाययिष्यताम् अविच्छाययिष्यन्त
अविच्छाययिष्यथाः अविच्छाययिष्येथाम् अविच्छाययिष्येथ्वम्
अविच्छाययिष्ये अविच्छाययिष्यवहि अविच्छाययिष्यामहि

1343 विच्छत् (विच्छ) गतौ ।

| | | | |
|------|-------------------|-----------------|----------------------|
| व० | विच्छयति | विच्छयतः | विच्छयन्ति |
| | विच्छयसि | विच्छयथः | विच्छयथ |
| | विच्छयामि | विच्छयावः | विच्छयामः |
| स० | विच्छयेत् | विच्छयेताम् | विच्छयेयुः |
| | विच्छयेः | विच्छयेतम् | विच्छयेत |
| | विच्छयेयम् | विच्छयेव | विच्छयेम |
| प० | विच्छयतु | विच्छयतात् | विच्छयताम् चिद्यन्तु |
| | विच्छय | विच्छयतात् | विच्छयतम् विच्छयत |
| | विच्छयानि | विच्छयाव | विच्छयाम |
| ह्य० | अविच्छयत् | अविच्छयताम् | अविच्छयन् |
| | अविच्छयः | अविच्छयतम् | अविच्छयत |
| | अविच्छयम् | अविच्छयाव | अविच्छयाम |
| यं० | अविच्छिच्छत् | अविच्छिच्छताम् | अविच्छिच्छन् |
| | अविच्छिच्छः | अविच्छिच्छतम् | अविच्छिच्छत |
| | अविच्छिच्छम् | अविच्छिच्छाव | अविच्छिच्छाम |
| प० | विच्छयाञ्चकार | विच्छयाञ्चकतुः | विच्छयाञ्चकुः |
| | विच्छयाञ्चकथं | विच्छयाञ्चकथुः | विच्छयाञ्चक |
| | विच्छयाञ्चकार-चकर | विच्छयाञ्चकृव | विच्छयाञ्चकृम |
| | विच्छयाञ्चभूव | विच्छयामास | |
| आ० | विच्छयात् | विच्छयास्ताम् | विच्छयासुः |
| | विच्छयाः | विच्छयास्तम् | विच्छयास्त |
| | विच्छयासम् | विच्छयास्व | विच्छयासम् |
| य० | विच्छयिता | विच्छयितारौ | विच्छयितारः |
| | विच्छयितासि | विच्छयितास्थः | विच्छयितास्थ |
| | विच्छयितास्मि | विच्छयितास्वः | विच्छयितास्मः |
| भ० | विच्छयिष्यति | विच्छयिष्यतः | विच्छयिष्यन्ति |
| | विच्छयिष्यसि | विच्छयिष्यथः | विच्छयिष्यथ |
| | विच्छयिष्यामि | विच्छयिष्यावः | विच्छयिष्याम |
| कि० | अविच्छयिष्यत् | अविच्छयिष्यताम् | अविच्छयिष्यन् |
| | अविच्छयिष्यः | अविच्छयिष्यतम् | अविच्छयिष्यत |
| | अविच्छयिष्यम् | अविच्छयिष्याव | अविच्छयिष्याम |

| | | | |
|------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | विच्छयते | विच्छयेते | विच्छयन्ते |
| | विच्छयसे | विच्छयेथे | विच्छयध्वे |
| | विच्छये | विच्छयावहे | विच्छयामहे |
| स० | विच्छयेत | विच्छयेताताम् | विच्छयेरन् |
| | विच्छयेथाः | विच्छयेथाथाम् | विच्छयेध्वम् |
| | विच्छयेय | विच्छयेवहि | विच्छयेमहि |
| प० | विच्छयताम् | विच्छयेताम् | विच्छयन्ताम् |
| | विच्छयस्व | विच्छयेथाम् | विच्छयध्वम् |
| | विच्छये | विच्छयावहे | विच्छयामहे |
| ह्य० | अविच्छयत | अविच्छयेताम् | अविच्छयन्त |
| | अविच्छयथाः | अविच्छयेथाम् | अविच्छयध्वम् |
| | अविच्छये | अविच्छयावहि | अविच्छयामहि |
| अ० | अविच्छिच्छत | अविच्छिच्छताम् | अविच्छिच्छन्त |
| | अविच्छिच्छथाः | अविच्छिच्छेथाम् | अविच्छिच्छध्वम् |
| | अविच्छिच्छे | अविच्छिच्छावहि | अविच्छिच्छामहि |
| प० | विच्छयाञ्चक्रे | विच्छयाञ्चकृते | विच्छयाञ्चकिरे |
| | विच्छयाञ्चकृषे | विच्छयाञ्चकृथे | विच्छयाञ्चकृद्वे |
| | विच्छयाञ्चक्रे | विच्छयाञ्चकृवहे | विच्छयाञ्चकृमहे |
| | विच्छायम्भूव | विच्छयामास | |
| आ० | विच्छयिषीष्ट | विच्छयिषीयास्ताम् | विच्छयिषीरन् |
| | विच्छयिषीष्टा | विच्छयिषीयास्थाम् | विच्छयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | विच्छयिषीय | विच्छयिषीवहि | विच्छयिषीमहि |
| य० | विच्छयिता | विच्छयितारौ | विच्छयितारः |
| | विच्छयितासे | विच्छयितामाथे | विच्छयिताध्वे |
| | विच्छयिताहे | विच्छयितास्वहे | विच्छयितास्महे |
| भ० | विच्छयिष्यते | विच्छयिष्येते | विच्छयिष्यन्ते |
| | विच्छयिष्यसे | विच्छयिष्येथे | विच्छयिष्यध्वे |
| | विच्छयिष्ये | विच्छयिष्यावहे | विच्छयिष्यामहे |
| कि० | अविच्छयिष्यत् | अविच्छयिष्येताम् | अविच्छयिष्यन्त |
| | अविच्छयिष्यथाः | अविच्छयिष्येथाम् | अविच्छयिष्यध्वम् |
| | अविच्छयिष्ये | अविच्छयिष्यावहि | अविच्छयिष्यामहि |

1344 उछैत् (उच्छ) विवासे

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| ब० उच्छयति | उच्छयतः | उच्छयन्ति |
| उच्छयसि | उच्छयथः | उच्छयथ |
| उच्छयामि | उच्छयावः | उच्छयामः |
| स० उच्छयेत् | उच्छयेताम् | उच्छयेयुः |
| उच्छयेः | उच्छयेतम् | उच्छयेत |
| उच्छयेयम् | उच्छयेव | उच्छयेम |
| प० उच्छयतु | तात् उच्छयताम् | उच्छयतु |
| उच्छय | तात् उच्छयतम् | उच्छयत |
| उच्छयामि | उच्छयाव | उच्छयाम |
| अ० औच्छयत् | औच्छयताम् | औच्छयन् |
| औच्छयः | औच्छयतम् | औच्छयत |
| औच्छयम् | औच्छयाव | औच्छयाम |
| अ० औच्छिच्छत् | औच्छिच्छताम् | औच्छिच्छन् |
| औच्छिच्छः | औच्छिच्छतम् | औच्छिच्छत |
| औच्छिच्छम् | औच्छिच्छव | औच्छिच्छाम |
| प० उच्छयाञ्चकार | उच्छयाञ्चक्रुः | उच्छयाञ्चकुः |
| उच्छयाञ्चकथं | उच्छयाञ्चकथुः | उच्छयाञ्चक |
| उच्छयाञ्चकार-चकर | उच्छयाञ्चकृव | उच्छयाञ्चकृम |
| उच्छयाम्बभूव | । | उच्छयामास |
| उच्छयात् | उच्छयास्ताम् | उच्छयायुः |
| उच्छयाः | उच्छयास्तम् | उच्छयास्त |
| उच्छयासम् | उच्छयास्व | उच्छयास्म |
| श्र० उच्छयिता | उच्छयितारौ | उच्छयितारः |
| उच्छयितासि | उच्छयितास्थः | उच्छयिताथ |
| उच्छयितासिम् | उच्छयितास्वः | उच्छयितास्म |
| अ० उच्छयिष्यति | उच्छयिष्यतः | उच्छयिष्यन्ति |
| उच्छयिष्यसि | उच्छयिष्यथः | उच्छयिष्यथ |
| उच्छयिष्यामि | उच्छयिष्यावः | उच्छयिष्यामः |
| क्रि० औच्छयिष्यत् | औच्छयिष्यताम् | औच्छयिष्यन् |
| औच्छयिष्यः | औच्छयिष्यतम् | औच्छयिष्यत |
| औच्छयिष्यम् | औच्छयिष्याव | औच्छयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| ब० उच्छयते | उच्छयते | उच्छयन्ते |
| उच्छयसे | उच्छयथे | उच्छयथ्वे |
| उच्छये | उच्छयावहे | उच्छयामहे |
| स० उच्छयेत | उच्छयेयाताम् | उच्छयेरन् |
| उच्छयेथाः | उच्छयेयाथाम् | उच्छयेथ्वम् |
| उच्छयेय | उच्छयेयवहि | उच्छयेयमहि |
| प० उच्छयताम् | उच्छयेताम् | उच्छयन्ताम् |
| उच्छयस्व | उच्छयेथाम् | उच्छयथ्वम् |
| उच्छयै | उच्छयावहे | उच्छयामहे |
| ह्य० औच्छयत | औच्छयताम् | औच्छयन्त |
| औच्छयथाः | औच्छयेथाम् | औच्छयथ्वम् |
| औच्छये | औच्छयावहि | औच्छयामहि |
| अ० औच्छिच्छत | औच्छिच्छेताम् | औच्छिच्छन्त |
| औच्छिच्छथाः | औच्छिच्छेताम् | औच्छिच्छथ्वम् |
| औच्छिच्छे | औच्छिच्छावहि | औच्छिच्छामहि |
| प० उच्छयाञ्चके | उच्छयाञ्चक्राते | उच्छयाञ्चकिरे |
| उच्छयाञ्चकृषे | उच्छयाञ्चक्राथे | उच्छयाञ्चकृद्वे |
| उच्छयाञ्चके | उच्छयाञ्चकृवहे | उच्छयाञ्चकृमहे |
| उच्छयाम्बभूव | । | उच्छयामास |
| आ० उच्छयिषीष्ट | उच्छयिषीयास्ताम् | उच्छयिषीरन् |
| उच्छयिषीष्टाः | उच्छयिषीयास्थाम् | उच्छयिषीद्वम् |
| | | ६४म् |
| उच्छयिरीय | उच्छयिषीवहि | उच्छयिषीमहि |
| श्र० उच्छयिता | उच्छयितारौ | उच्छयितारः |
| उच्छयितासि | उच्छयितास्थे | उच्छयिताथ्वे |
| उच्छयिताहे | उच्छयितास्वहे | उच्छयितास्महे |
| अ० उच्छयिष्यते | उच्छयिष्यन्ते | उच्छयिष्यन्ते |
| उच्छयिष्यसे | उच्छयिष्यथे | उच्छयिष्यथ्वे |
| उच्छयिष्ये | उच्छयिष्यवहे | उच्छयिष्यामहे |
| क्रि० औच्छयिष्यत् | औच्छयिष्येताम् | औच्छयिष्यन्त |
| औच्छयिष्यथाः | औच्छयिष्येथाम् | औच्छयिष्यथ्वम् |
| औच्छयिष्ये | औच्छयिष्यवहि | औच्छयिष्यामहि |

1345 मिच्छत् (मिच्छ्) उत्कलेशे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | मिच्छयति | मिच्छयतः | मिच्छयन्ति |
| | मिच्छयसि | मिच्छयथः | मिच्छयथ |
| | मिच्छयामि | मिच्छयावः | मिच्छयामः |
| स० | मिच्छयेत् | मिच्छयेताम् | मिच्छयेयुः |
| | मिच्छयेः | मिच्छयेतम् | मिच्छयेत |
| | मिच्छयेयम् | मिच्छयेव | मिच्छयेम |
| प० | मिच्छयतु | मिच्छयतात् | मिच्छयताम् |
| | मिच्छय | मिच्छयतात् | मिच्छयतम् |
| | मिच्छयानि | मिच्छयाव | मिच्छयाम |
| ह्य० | अमिच्छयत् | अमिच्छयताम् | अमिच्छयन् |
| | अमिच्छयः | अमिच्छयतम् | अमिच्छयत |
| | अमिच्छयम् | अमिच्छयाव | अमिच्छयाम |
| अ० | अमिमिच्छत् | अमिमिच्छताम् | अमिमिच्छन् |
| | अमिमिच्छः | अमिमिच्छतम् | अमिमिच्छत |
| | अमिमिच्छम् | अमिमिच्छाव | अमिमिच्छाम |
| प० | मिच्छयाश्चकार | मिच्छयाश्चकतुः | मिच्छयाश्चकुः |
| | मिच्छयाश्चकर्थ | मिच्छयाश्चकथुः | मिच्छयाश्चक |
| | मिच्छयाश्चकार-चकर | मिच्छयाश्चकृव | मिच्छयाश्चकृम |
| | मिच्छयाश्चभूव | । | मिच्छयामास |
| आ० | मिच्छयात् | मिच्छयास्ताम् | मिच्छयासुः |
| | मिच्छयाः | मिच्छयास्तम् | मिच्छयास्त |
| | मिच्छयासम् | मिच्छयास्व | मिच्छयास्म |
| भ० | मिच्छयिता | मिच्छयितारौ | मिच्छयिताः |
| | मिच्छयितासि | मिच्छयितास्यः | मिच्छयितास्य |
| | मिच्छयितास्मि | मिच्छयितास्वः | मिच्छयितास्मः |
| भ० | मिच्छयिष्यति | मिच्छयिष्यतः | मिच्छयिष्यन्ति |
| | मिच्छयिष्यसि | मिच्छयिष्यथः | मिच्छयिष्यथ |
| | मिच्छयिष्यामि | मिच्छयिष्यावः | मिच्छयिष्यामः |
| क्रि० | अमिच्छयिष्यत् | अमिच्छयिष्यताम् | अमिच्छयिष्यन् |
| | अमिच्छयिष्यः | अमिच्छयिष्यतम् | अमिच्छयिष्यत |
| | अमिच्छयिष्यम् | अमिच्छयिष्याव | अमिच्छयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|--------------------|
| ब० | मिच्छयते | मिच्छयेते | मिच्छयन्ते |
| | मिच्छयसे | मिच्छयेथे | मिच्छयन्थ्वे |
| | मिच्छये | मिच्छयावहे | मिच्छयामहे |
| स० | मिच्छयेत | मिच्छयेयाताम् | मिच्छयेयन् |
| | मिच्छयेथाः | मिच्छयेथायाम् | मिच्छयेथ्वम् |
| | मिच्छयेथ | मिच्छयेवहि | मिच्छयेमहि |
| प० | मिच्छयताम् | मिच्छयेताम् | मिच्छयन्ताम् |
| | मिच्छयस्व | मिच्छयेयाम् | मिच्छयन्थ्वम् |
| | मिच्छये | मिच्छयावहे | मिच्छयामहे |
| ह्य० | अमिच्छयत | अमिच्छयेताम् | अमिच्छयन्त |
| | अमिच्छयथाः | अमिच्छयेथाम् | अमिच्छयन्थ्वम् |
| | अमिच्छये | अमिच्छयावहि | अमिच्छयामहि |
| अ० | अमिमिच्छत | अमिमिच्छेताम् | अमिमिच्छन्त |
| | अमिमिच्छथाः | अमिमिच्छेथाम् | अमिमिच्छन्थ्वम् |
| | अमिमिच्छे | अमिमिच्छावहि | अमिमिच्छामहि |
| प० | मिच्छयाश्चक्रे | मिच्छयाश्चक्राते | मिच्छयाश्चक्रिरे |
| | मिच्छयाश्चकृषे | मिच्छयाश्चक्राथे | मिच्छयाश्चकृद्वे |
| | मिच्छयाश्चक्रे | मिच्छयाश्चकृवहे | मिच्छयाश्चकृमहे |
| | मिच्छयाश्चभूव | । | मिच्छयामास |
| आ० | मिच्छयिषीष्ट | मिच्छयिषीयास्ताम् | मिच्छयिषीन् |
| | मिच्छयिषीष्ठा | मिच्छयिषीयास्थाम् | मिच्छयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | मिच्छयिषीय | मिच्छयिषीवहि | मिच्छयिषीमहि |
| भ० | मिच्छयिता | मिच्छयितारौ | मिच्छयिताः |
| | मिच्छयितासे | मिच्छयितासाथे | मिच्छयिताथ्वे |
| | मिच्छयिताहे | मिच्छयितास्वहे | मिच्छयितास्महे |
| भ० | मिच्छयिष्यते | मिच्छयिष्येते | मिच्छयिष्यन्ते |
| | मिच्छयिष्यसे | मिच्छयिष्येथे | मिच्छयिष्यन्थ्वे |
| | मिच्छयिष्ये | मिच्छयिष्यावहे | मिच्छयिष्यामहे |
| क्रि० | अमिच्छयिष्यत | अमिच्छयिष्येताम् | अमिच्छयिष्यन्त |
| | अमिच्छयिष्यथाः | अमिच्छयिष्येथाम् | अमिच्छयिष्यन्थ्वम् |
| | अमिच्छयिष्ये | अमिच्छयिष्यावहि | अमिच्छयिष्यामहि |

1346 उल्लुत् (उल्लु) उल्ले

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० उल्लयति | उल्लयतः | उल्लयन्ति |
| उल्लयसि | उल्लयथः | उल्लयथ |
| उल्लयामि | उल्लयावः | उल्लयामः |
| स० उल्लयेत् | उल्लयेताम् | उल्लयेयुः |
| उल्लयेः | उल्लयेतम् | उल्लयेत |
| उल्लयेयम् | उल्लयेव | उल्लयेम |
| प० उल्लयतु | तात् उल्लयताम् | उल्लयन्तु |
| उल्लय | तात् उल्लयतम् | उल्लयत |
| उल्लयानि | उल्लयाव | उल्लयाम |
| अ० औल्लयत् | औल्लयताम् | औल्लयन् |
| औल्लयः | औल्लयतम् | औल्लयत |
| औल्लयम् | औल्लयाव | औल्लयाम |
| अ० औल्लिच्छत् | औल्लिच्छताम् | औल्लिच्छन् |
| औल्लिच्छः | औल्लिच्छतम् | औल्लिच्छत |
| औल्लिच्छम् | औल्लिच्छव | औल्लिच्छाम |
| प० उल्लयाञ्चकार | उल्लयाञ्चकतुः | उल्लयाञ्चकुः |
| उल्लयाञ्चकर्थ | उल्लयाञ्चकथुः | उल्लयाञ्चक |
| उल्लयाञ्चकार-चकर | उल्लयाञ्चकृव | उल्लयाञ्चकृम |
| उल्लयाम्बभूव | । | उल्लयामास |
| अ० उल्लयात् | उल्लयास्ताम् | उल्लयासुः |
| उल्लयाः | उल्लयास्तम् | उल्लयास्त |
| उल्लयासम् | उल्लयास्व | उल्लयास्म |
| अ० उल्लयिता | उल्लयितारौ | उल्लयितारः |
| उल्लयितासि | उल्लयितास्यः | उल्लयितास्य |
| उल्लयितास्मि | उल्लयितास्वः | उल्लयितास्मः |
| म० उल्लयिष्यति | उल्लयिष्यतः | उल्लयिष्यन्ति |
| उल्लयिष्यसि | उल्लयिष्यथः | उल्लयिष्यथ |
| उल्लयिष्यामि | उल्लयिष्यावः | उल्लयिष्यामः |
| क्रि० औल्लयिष्यत् | औल्लयिष्यताम् | औल्लयिष्यन् |
| औल्लयिष्यः | औल्लयिष्यतम् | औल्लयिष्यत |
| औल्लयिष्यम् | औल्लयिष्याव | औल्लयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० उल्लयते | उल्लयेते | उल्लयन्ते |
| उल्लयसे | उल्लयेथे | उल्लयध्वे |
| उल्लये | उल्लयावहे | उल्लयामहे |
| स० उल्लयेत | उल्लयेयाताम् | उल्लयेरन् |
| उल्लयेथाः | उल्लयेयाथाम् | उल्लयेध्वम् |
| उल्लयेय | उल्लयेवहि | उल्लयेमहि |
| प० उल्लयताम् | उल्लयेताम् | उल्लयन्ताम् |
| उल्लयस्व | उल्लयेथाम् | उल्लयध्वम् |
| उल्लये | उल्लयावहे | उल्लयामहे |
| ह्य० औल्लयत | औल्लयेताम् | औल्लयन्त |
| औल्लयथाः | औल्लयेथाम् | औल्लयध्वम् |
| औल्लये | औल्लयावहि | औल्लयामहि |
| अ० औल्लिच्छत् | औल्लिच्छताम् | औल्लिच्छन्त |
| औल्लिच्छथाः | औल्लिच्छथाम् | औल्लिच्छध्वम् |
| औल्लिच्छे | औल्लिच्छावहि | औल्लिच्छामहि |
| प० उल्लयाञ्चके | उल्लयाञ्चकाते | उल्लयाञ्चकिरे |
| उल्लयाञ्चकृषे | उल्लयाञ्चकृषे | उल्लयाञ्चकृष्वे |
| उल्लयाञ्चके | उल्लयाञ्चकृवहे | उल्लयाञ्चकृमहे |
| उल्लयाम्बभूव | । | उल्लयामास |
| आ० उल्लयिषीष्ट | उल्लयिषीयास्ताम् | उल्लयिषीरन् |
| उल्लयिषीष्ठाः | उल्लयिषीयास्थाम् | उल्लयिषीध्वम् |
| उल्लयिषीय | उल्लयिषीवहि | उल्लयिषीमहि |
| अ० उल्लयिता | उल्लयितारौ | उल्लयितारः |
| उल्लयितासे | उल्लयितासाथे | उल्लयिताध्वे |
| उल्लयिताहे | उल्लयितास्वहे | उल्लयितास्महे |
| म० उल्लयिष्यते | उल्लयिष्येते | उल्लयिष्यन्ते |
| उल्लयिष्यसे | उल्लयिष्येथे | उल्लयिष्यध्वे |
| उल्लयिष्ये | उल्लयिष्यावहे | उल्लयिष्यामहे |
| क्रि० औल्लयिष्यत् | औल्लयिष्यताम् | औल्लयिष्यन्त |
| औल्लयिष्यथाः | औल्लयिष्यथाम् | औल्लयिष्यध्वम् |
| औल्लयिष्ये | औल्लयिष्यावहि | औल्लयिष्यामहि |

1347 प्रछत् (प्रच्छ) ज्ञीप्सायाम् ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| व० | प्रच्छयति | प्रच्छयतः | प्रच्छयन्ति |
| | प्रच्छयसि | प्रच्छयथः | प्रच्छयथ |
| | प्रच्छयामि | प्रच्छयावः | प्रच्छयामः |
| स० | प्रच्छयेत् | प्रच्छयेताम् | प्रच्छयेयुः |
| | प्रच्छयेः | प्रच्छयेतम् | प्रच्छयेत |
| | प्रच्छयेयम् | प्रच्छयेयव | प्रच्छयेम |
| प० | प्रच्छयतु | प्रच्छयतात् | प्रच्छयताम् |
| | प्रच्छय | प्रच्छयतात् | प्रच्छयतम् |
| | प्रच्छयानि | प्रच्छयाव | प्रच्छयाम |
| ह्य० | अप्रच्छयत् | अप्रच्छयताम् | अप्रच्छयन् |
| | अप्रच्छयः | अप्रच्छयतम् | अप्रच्छयत |
| | अप्रच्छयम् | अप्रच्छयाव | अप्रच्छयाम |
| य० | अप्रच्छत् | अप्रच्छताम् | अप्रच्छन् |
| | अप्रच्छः | अप्रच्छतम् | अप्रच्छत |
| | अप्रच्छम् | अप्रच्छाव | अप्रच्छाम |
| प० | प्रच्छयाश्चकार | प्रच्छयाश्चकतुः | प्रच्छयाश्चक्रः |
| | प्रच्छयाश्चकथ | प्रच्छयाश्चकथुः | प्रच्छयाश्चक |
| | प्रच्छयाश्चकार-चकर | प्रच्छयाश्चकृव | प्रच्छयाश्चकृम |
| | प्रच्छयाश्चभूव | प्रच्छयामास | |
| आ० | प्रच्छयात् | प्रच्छयास्ताम् | प्रच्छयासुः |
| | प्रच्छयाः | प्रच्छयास्तम् | प्रच्छयस्त |
| | प्रच्छयासम् | प्रच्छयास्व | प्रच्छययासम् |
| ञ० | प्रच्छयिता | प्रच्छयितारौ | प्रच्छयिताः |
| | प्रच्छयितासि | प्रच्छयितास्थः | प्रच्छयितास्थ |
| | प्रच्छयितास्मि | प्रच्छयितास्वः | प्रच्छयितास्मः |
| भ० | प्रच्छयिष्यति | प्रच्छयिष्यतः | प्रच्छयिष्यन्ति |
| | प्रच्छयिष्यसि | प्रच्छयिष्यथः | प्रच्छयिष्यथ |
| | प्रच्छयिष्यामि | प्रच्छयिष्यावः | प्रच्छयिष्यामः |
| क्रि० | अप्रच्छयिष्यत् | अप्रच्छयिष्यताम् | अप्रच्छयिष्यन् |
| | अप्रच्छयिष्यः | अप्रच्छयिष्यतम् | अप्रच्छयिष्यत |
| | अप्रच्छयिष्यम् | अप्रच्छयिष्याव | अप्रच्छयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|---------------------|-------------------|
| व० | प्रच्छयते | प्रच्छयेते | प्रच्छयन्ते |
| | प्रच्छयसे | प्रच्छयेथे | प्रच्छयध्वे |
| | प्रच्छये | प्रच्छयावहे | प्रच्छयामहे |
| स० | प्रच्छयेत | प्रच्छयेयाताम् | प्रच्छयेरन् |
| | प्रच्छयेथाः | प्रच्छयेयाथाम् | प्रच्छयेयवम् |
| | प्रच्छयेय | प्रच्छयेयवहि | प्रच्छयेमहि |
| प० | प्रच्छयताम् | प्रच्छयेताम् | प्रच्छयन्ताम् |
| | प्रच्छयस्व | प्रच्छयेयाम् | प्रच्छयध्वम् |
| | प्रच्छये | प्रच्छयावहे | प्रच्छयामहे |
| ह्य० | अप्रच्छयत | अप्रच्छयेताम् | अप्रच्छयन्त |
| | अप्रच्छयथाः | अप्रच्छयेथाम् | अप्रच्छयध्वम् |
| | अप्रच्छये | अप्रच्छयवहि | अप्रच्छयामहि |
| अ० | अप्रच्छत् | अप्रच्छताम् | अप्रच्छन्त |
| | अप्रच्छथाः | अप्रच्छेथाम् | अप्रच्छध्वम् |
| | अप्रच्छे | अप्रच्छावहि | अप्रच्छामहि |
| प० | प्रच्छयाश्चक्रे | प्रच्छयाश्चकृते | प्रच्छयाश्चकृरे |
| | प्रच्छयाश्चकृषे | प्रच्छयाश्चकृथे | प्रच्छयाश्चकृध्वे |
| | प्रच्छयाश्चक्रे | प्रच्छयाश्चकृवहे | प्रच्छयाश्चकृमहे |
| | प्रच्छयाश्चभूव | प्रच्छयामास | |
| आ० | प्रच्छयिषीष्ट | प्रच्छयिषीयास्ताम् | प्रच्छयिषीरन् |
| | प्रच्छयिषीष्टा | प्रच्छयिषीयास्तथाम् | प्रच्छयिषीष्टवम् |
| | प्रच्छयिषीय | प्रच्छयिषीवहि | प्रच्छयिषीमहि |
| ञ्व० | प्रच्छयिता | प्रच्छयितारौ | प्रच्छयिताः |
| | प्रच्छयितासे | प्रच्छयितासाथे | प्रच्छयिताध्वे |
| | प्रच्छयिताहे | प्रच्छयितास्वहे | प्रच्छयितामहे |
| भ० | प्रच्छयिष्यते | प्रच्छयिष्येते | प्रच्छयिष्यन्ते |
| | प्रच्छयिष्यसे | प्रच्छयिष्येथे | प्रच्छयिष्यध्वे |
| | प्रच्छयिष्ये | प्रच्छयिष्यावहे | प्रच्छयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्रच्छयिष्यत | अप्रच्छयिष्येताम् | अप्रच्छयिष्यन्त |
| | अप्रच्छयिष्यथाः | अप्रच्छयिष्येथाम् | अप्रच्छयिष्यध्वम् |
| | अप्रच्छयिष्ये | अप्रच्छयिष्यावहि | अप्रच्छयिष्यामहि |

1348 उजत् (उज्) आर्जवे

| | | |
|-----------------|---------------|--------------|
| व० उजयति | उजयतः | उजयन्ति |
| उजयसि | उजयथः | उजयथ |
| उजयामि | उजयावः | उजयामः |
| स० उजयेत् | उजयेताम् | उजयेयुः |
| उजयः | उजयेतम् | उजयेत |
| उजयेयम् | उजयेव | उजयेम |
| प० उजयतु | तात् उजयताम् | उजयन्तु |
| उजय | तात् उजयतम् | उजयत |
| उजयानि | उजयाव | उजयाम |
| अ० औजयत् | औजयताम् | औजयन् |
| औजयः | औजयतम् | औजयत |
| औजयम् | औजयाव | औजयाम |
| अ० औजिजत् | औजिजताम् | औजिजन् |
| औजिजः | औजिजतम् | औजिजत |
| औजिजम् | औजिजाव | औजिजाम |
| प० उजयाञ्चकार | उजयाञ्चक्रतुः | उजयाञ्चक्रुः |
| उजयाञ्चकथं | उजयाञ्चकथुः | उजयाञ्चक |
| उजयाञ्चकार-चकर | उजयाञ्चकृव | उजयाञ्चकृम |
| उजयाम्बभूव | । | उजयामास |
| अ१० उज्यात् | उज्यास्ताम् | उज्यासुः |
| उज्याः | उज्यास्तम् | उज्यास्त |
| उज्यासम् | उज्यास्व | उज्यास्म |
| अ२० उजयिता | उजयितारौ | उजयितारः |
| उजयितासि | उजयितास्थः | उजयितास्थ |
| उजयितास्मि | उजयितास्वः | उजयितास्मः |
| अ३० उजयिष्यति | उजयिष्यतः | उजयिष्यन्ति |
| उजयिष्यमि | उजयिष्यथः | उजयिष्यथ |
| उजयिष्यामि | उजयिष्यावः | उजयिष्यामः |
| क्रि० औजयिष्यत् | औजयिष्यताम् | औजयिष्यन् |
| औजयिष्यः | औजयिष्यतम् | औजयिष्यत |
| औजयिष्यम् | औजयिष्याव | औजयिष्याम |

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| व० उजयते | उजयते | उजयन्ते |
| उजयसे | उजयथे | उजयध्वे |
| उजये | उजयावहे | उजयामहे |
| स० उजयेत | उजयेयाताम् | उजयेयन् |
| उजयेथाः | उजयेयाथाम् | उजयेयध्वम् |
| उजयेय | उजयेयवहि | उजयेयमहि |
| प० उजयताम् | उजयेताम् | उजयन्ताम् |
| उजयस्व | उजयेथाम् | उजयध्वम् |
| उजये | उजयावहे | उजयामहे |
| अ० औजयत | औजयेताम् | औजयन्त |
| औजयथाः | औजयेथाम् | औजयध्वम् |
| औजये | औजयावहि | औजयामहि |
| अ० औजिजत | औजिजेताम् | औजिजन्त |
| औजिजथाः | औजिजेथाम् | औजिजध्वम् |
| औजिजे | औजिजावहि | औजिजामहि |
| प० उजयाञ्चके | उजयाञ्चक्रते | उजयाञ्चक्रिरे |
| उजयाञ्चकृषे | उजयाञ्चक्राथे | उजयाञ्चकृध्वे |
| उजयाञ्चके | उजयाञ्चकृवहे | उजयाञ्चकृमहे |
| उजयाम्बभूव | । | उजयामास |
| अ० उजयिषीष्ट | उजयिषीयास्ताम् | उजयिषीरन् |
| उजयिषीष्टाः | उजयिषीयास्थाम् | उजयिषीध्वम् |
| उजयिषीय | उजयिषीवहि | उजयिषीमहि |
| अ१० उजयिता | उजयितारौ | उजयितारः |
| उजयितासे | उजयितासाथे | उजयिताध्वे |
| उजयिताहे | उजयितास्वहे | उजयितास्महे |
| अ२० उजयिष्यते | उजयिष्येते | उजयिष्यन्ते |
| उजयिष्यसे | उजयिष्यथे | उजयिष्यध्वे |
| उजयिष्य | उजयिष्यवहे | उजयिष्यामहे |
| क्रि० औजयिष्यत | औजयिष्यताम् | औजयिष्यन्त |
| औजयिष्यथाः | औजयिष्येथाम् | औजयिष्यध्वम् |
| औजयिष्ये | औजयिष्यवहि | औजयिष्यामहि |

1351 भुजोत् (भुज्) कौटिल्ये ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० भोजयति | भोजयतः | भोजयन्ति |
| भोजयसि | भोजयथः | भोजयथ |
| भोजयामि | भोजयावः | भोजयामः |
| स० भोजयेत् | भोजयेताम् | भोजयेयुः |
| भोजयेः | भोजयेतम् | भोजयेत |
| भोजयेयम् | भोजयेव | भोजयेम |
| प० भोजयतु | भोजयतात् | भोजयन्तु |
| भोजय | भोजयतात् | भोजयतम् |
| भोजयानि | भोजयाव | भोजयाम |
| ह्य० अ भोजयत् | अ भोजयताम् | अ भोजयन् |
| अ भोजयः | अ भोजयतम् | अ भोजयत |
| अ भोजयम् | अ भोजयाव | अ भोजयाम |
| अ० अवृभुजत् | अवृभुजताम् | अवृभुजन् |
| अवृभुजः | अवृभुजतम् | अवृभुजत |
| अवृभुजम् | अवृभुजाव | अवृभुजाम |
| प० भोजयाच्चकार | भोजयाच्चकतुः | भोजयाच्चकुः |
| भोजयाच्चकथं | भोजयाच्चकथुः | भोजयाच्चक |
| भोजयाच्चकारचकर | भोजयाच्चकृव | भोजयाच्चकृम |
| भोजयाच्चभूव | भोजयाच्चभूव | भोजयाच्चभूव |
| आ० भोज्यात् | भोज्यास्ताम् | भोज्यास्तुः |
| भोज्याः | भोज्यास्तम् | भोज्यास्त |
| भोज्याम् | भोज्यास्व | भोज्यास्म |
| भ० भोजयिता | भोजयितारौ | भोजयितारः |
| भोजयितासि | भोजयितास्यः | भोजयितास्य |
| भोजयितास्मि | भोजयितास्वः | भोजयितास्मः |
| भ० भोजयिष्यति | भोजयिष्यतः | भोजयिष्यन्ति |
| भोजयिष्यसि | भोजयिष्यथः | भोजयिष्यथ |
| भोजयिष्यामि | भोजयिष्यावः | भोजयिष्यामः |
| क्रि० अभोजयिष्यत् | अभोजयिष्यताम् | अभोजयिष्यन् |
| अभोजयिष्यः | अभोजयिष्यतम् | अभोजयिष्यत |
| अभोजयिष्यम् | अभोजयिष्याव | अभोजयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-------------------|----------------|
| व० भोजयते | भोजयते | भोजयन्ते |
| भोजयसे | भोजयथे | भोजयथे |
| भोजये | भोजयावहे | भोजयामहे |
| स० भोजयेत | भोजयेयताम् | भोजयेयन् |
| भोजयेथाः | भोजयेयथाम् | भोजयेय्वम् |
| भोजयेय | भोजयेवहि | भोजयेमहि |
| प० भोजयताम् | भोजयेताम् | भोजयन्ताम् |
| भोजयस्व | भोजयेथाम् | भोजयस्वम् |
| भोजये | भोजयावहे | भोजयामहे |
| ह्य० अभोजयत | अभोजयेताम् | अभोजयन्त |
| अभोजयथाः | अभोजयेथाम् | अभोजयस्वम् |
| अभोजये | अभोजयावहि | अभोजयामहि |
| अ० अवृभुजत | अवृभुजताम् | अवृभुजन् |
| अवृभुजथाः | अवृभुजेथाम् | अवृभुजस्वम् |
| अवृभुजे | अवृभुजावहि | अवृभुजामहि |
| प० भोजयाच्चक्रे | भोजयाच्चकते | भोजयाच्चक्रे |
| भोजयाच्चकृवे | भोजयाच्चकृथे | भोजयाच्चकृवे |
| भोजयाच्चक्रे | भोजयाच्चकृवहे | भोजयाच्चकृमहे |
| भोजयाम्यभूव | भोजयाम्यभूव | भोजयाम्यभूव |
| आ० भोजयिषीष्ट | भोजयिषीष्टास्ताम् | भोजयिषीष्टन् |
| भोजयिषीष्टाः | भोजयिषीष्टास्ताम् | भोजयिषीष्ट्वम् |
| भोजयिषीय | भोजयिषीवहि | भोजयिषीमहि |
| भ० भोजयिता | भोजयितारौ | भोजयितारः |
| भोजयितासे | भोजयितास्ये | भोजयितास्वे |
| भोजयिताहे | भोजयितास्वहे | भोजयितास्महे |
| भ० भोजयिष्यते | भोजयिष्यते | भोजयिष्यन्ते |
| भोजयिष्यसे | भोजयिष्यथे | भोजयिष्यथ्वे |
| भोजयिष्ये | भोजयिष्यावहे | भोजयिष्यामहे |
| क्रि० अभोजयिष्यत् | अभोजयिष्यताम् | अभोजयिष्यन्त |
| अभोजयिष्यथाः | अभोजयिष्यथाम् | अभोजयिष्यथ्वम् |
| अभोजयिष्ये | अभोजयिष्यावहि | अभोजयिष्यामहि |

(११६८) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

1350 रुजोत् (रुज्) भङ्गे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | रुजयति | रुजयतः | रुजयन्ति |
| | रुजयसि | रुजयथः | रुजयथ |
| | रुजयामि | रुजयावः | रुजयामः |
| स० | रुजयेत् | रुजयेताम् | रुजयेयुः |
| | रुजयेथः | रुजयेतम् | रुजयेत |
| | रुजयेयम् | रुजयेव | रुजयेम |
| ष० | रुजयतु | रुजयतात् | रुजयताम् |
| | रुजयतु | रुजयतात् | रुजयतम् |
| | रुजयति | रुजयाव | रुजयाम |
| ह्य० | अरुजयत् | अरुजयताम् | अरुजयन् |
| | अरुजयः | अरुजयतम् | अरुजयत |
| | अरुजयम् | अरुजयाव | अरुजयाम |
| अ० | अरुजजत् | अरुजजताम् | अरुजजन् |
| | अरुजजः | अरुजजतम् | अरुजजत |
| | अरुजजम् | अरुजजाव | अरुजजाम |
| प० | रुजयाञ्चकार | रुजयाञ्चकतुः | रुजयाञ्चकुः |
| | रुजयाञ्चकथं | रुजयाञ्चकथुः | रुजयाञ्चक |
| | रुजयाञ्चकार, चकर | रुजयाञ्चकृव | रुजयाञ्चकृम |
| | रुजयाम्यभूव | रुजयामास | |
| आ० | रुज्यात् | रुज्यास्ताम् | रुज्यायुः |
| | रुज्याः | रुज्यास्तम् | रुज्यास्त |
| | रुज्याम | रुज्याव | रुज्याम |
| भ्व० | रुजयिता | रुजयितारौ | रुजयितारः |
| | रुजयितासि | रुजयितासथः | रुजयितास्थ |
| | रुजयितास्मि | रुजयितास्वः | रुजयितास्मः |
| न० | रुजयिष्यति | रुजयिष्यतः | रुजयिष्यन्ति |
| | रुजयिष्यसि | रुजयिष्यथः | रुजयिष्यथ |
| | रुजयिष्यामि | रुजयिष्यावः | रुजयिष्यामः |
| क्रि० | अरुजयिष्यत् | अरुजयिष्यताम् | अरुजयिष्यन् |
| | अरुजयिष्यः | अरुजयिष्यतम् | अरुजयिष्यत |
| | अरुजयिष्यम् | अरुजयिष्याव | अरुजयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | रुजयेते | रुजयेते | रुजयन्ते |
| | रुजयेसे | रुजयेथे | रुजयन्व |
| | रुजये | रुजयावहे | रुजयामहे |
| स० | रुजयेत | रुजयेताताम् | रुजयेरन् |
| | रुजयेथाः | रुजयेथाताम् | रुजयेथ्वम् |
| | रुजयेथ | रुजयेवहि | रुजयमहि |
| प० | रुजयताम् | रुजयेताम् | रुजयन्ताम् |
| | रुजयाव | रुजयेथाम् | रुजयथ्वम् |
| | रुजये | रुजयावहे | रुजयामहे |
| ह्य० | अरुजयत | अरुजयेताम् | अरुजयन्त |
| | अरुजयथाः | अरुजयेथाम् | अरुजयथ्वम् |
| | अरुजये | अरुजयावहि | अरुजयामहि |
| अ० | अरुजजत | अरुजजेताम् | अरुजजन्त |
| | अरुजजथाः | अरुजजेथाम् | अरुजजथ्वम् |
| | अरुजजे | अरुजजावहि | अरुजजामहि |
| प० | रुजयाञ्चके | रुजयाञ्चकाते | रुजयाञ्चक्रे |
| | रुजयाञ्चकथे | रुजयाञ्चकाथे | रुजयाञ्चकृथ्वे |
| | रुजयाञ्चके | रुजयाञ्चकृवहे | रुजयाञ्चकृमहे |
| | रुजयाम्यभूव | रुजयामास | |
| आ० | रुजयिषीष्ट | रुजयिषीयास्ताम् | रुजयिषीरन् |
| | रुजयिषीष्टाः | रुजयिषीयास्थाम् | रुजयिषीध्वम् |
| | रुजयिषीय | रुजयिषीवहि | रुजयिषीमहि |
| भ्व० | रुजयिता | रुजयितारौ | रुजयितारः |
| | रुजयितासि | रुजयितासथे | रुजयिताथ्वे |
| | रुजयिताहे | रुजयितास्वहे | रुजयितास्महे |
| भ० | रुजयिष्येते | रुजयिष्येते | रुजयिष्यन्ते |
| | रुजयिष्येसे | रुजयिष्येथे | रुजयिष्येथ्वे |
| | रुजयिष्ये | रुजयिष्येवहि | रुजयिष्येयामहे |
| क्रि० | अरुजयिष्यत् | अरुजयिष्येताम् | अरुजयिष्यन्त |
| | अरुजयिष्यथाः | अरुजयिष्येथाम् | अरुजयिष्येथ्वम् |
| | अरुजयिष्ये | अरुजयिष्येवहि | अरुजयिष्येयामहि |

1352 डमस्जोत् (मस्ज्) श्रुद्धौ

| | | |
|---------------------|----------------|----------------|
| व० मज्जयति | मज्जयतः | मज्जयन्ति |
| मज्जयसि | मज्जयथः | मज्जयथ |
| मज्जयामि | मज्जयावः | मज्जयामः |
| स० मज्जयेत् | मज्जयेताम् | मज्जयेयुः |
| मज्जयेः | मज्जयेतम् | मज्जयेत |
| मज्जयेयम् | मज्जयेव | मज्जयेम |
| प० मज्जन्तु | मज्जयतात् | मज्जयताम् |
| मज्जय | मज्जयतात् | मज्जयतम् |
| मज्जयानि | मज्जयाव | मज्जयाम |
| ह्य० अमज्जयत् | अमज्जयताम् | अमज्जयन् |
| अमज्जयः | अमज्जयतम् | अमज्जयत |
| अमज्जयम् | अमज्जयाव | अमज्जयाम |
| भ० अमज्जत् | अमज्जताम् | अमज्जन् |
| अमज्जः | अमज्जतम् | अमज्जत |
| अमज्जम् | अमज्जाव | अमज्जाम |
| प० मज्जयाश्चकार | मज्जयाश्चक्रुः | मज्जयाश्चकुः |
| मज्जयाश्चकथ | मज्जयाश्चक्रुः | मज्जयाश्चक्रुः |
| मज्जयाश्चकार-चक्रुः | मज्जयाश्चक्रुः | मज्जयाश्चक्रुः |
| मज्जयाम्बभूव | मज्जयामास | |
| भा० मज्ज्यात् | मज्ज्यास्ताम् | मज्ज्यन्तु |
| मज्ज्याः | मज्ज्यास्तम् | मज्ज्यास्त |
| मज्ज्यासम् | मज्ज्यास्व | मज्ज्यासम् |
| भ्व० मज्जयिता | मज्जयितारौ | मज्जयितारः |
| मज्जयितासि | मज्जयितास्यः | मज्जयितस्थ |
| मज्जयितास्मि | मज्जयितास्वः | मज्जयितास्मः |
| भ० मज्जयिष्यति | मज्जयिष्यतः | मज्जयिष्यन्ति |
| मज्जयिष्यसि | मज्जयिष्यथः | मज्जयिष्यथ |
| मज्जयिष्यामि | मज्जयिष्यावः | मज्जयिष्यामः |
| क्रि० अमज्जयिष्यत् | अमज्जयिष्यताम् | अमज्जयिष्यन् |
| अमज्जयिष्यः | अमज्जयिष्यतम् | अमज्जयिष्यत |
| अमज्जयिष्यम् | अमज्जयिष्याव | अमज्जयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-------------------|
| व० मज्जयते | मज्जयेते | मज्जयन्ते |
| मज्जयसे | मज्जयेथे | मज्जयन्थे |
| मज्जये | मज्जयावहे | मज्जयामहे |
| स० मज्जयेत | मज्जयेयाताम् | मज्जयेयन्तु |
| मज्जयेथाः | मज्जयेयाथाम् | मज्जयेथ्वम् |
| मज्जयेथ | मज्जयेवहि | मज्जयेमहि |
| प० मज्जयताम् | मज्जयेताम् | मज्जयन्ताम् |
| मज्जयस्व | मज्जयेथाम् | मज्जयन्थ्वम् |
| मज्जये | मज्जयावहे | मज्जयामहे |
| ह्य० अमज्जयत् | अमज्जयेताम् | अमज्जयन्त |
| अमज्जयथाः | अमज्जयेथाम् | अमज्जयन्थ्वम् |
| अमज्जये | अमज्जयावहि | अमज्जयामहि |
| भ० अमज्जजत् | अमज्जजेताम् | अमज्जजन्त |
| अमज्जजथाः | अमज्जजेथाम् | अमज्जजन्थ्वम् |
| अमज्जजे | अमज्जजावहि | अमज्जजामहि |
| प० मज्जयाश्चक्रे | मज्जयाश्चक्राते | मज्जयाश्चक्रिरे |
| मज्जयाश्चक्रुषे | मज्जयाश्चक्राथे | मज्जयाश्चक्रुद्वे |
| मज्जयाश्चक्रे | मज्जयाश्चक्रुवहे | मज्जयाश्चक्रुमहे |
| मज्जयाम्बभूव | मज्जयामास | |
| भा० मज्जयिषीष्ट | मज्जयिषीयास्ताम् | मज्जयिषीरन् |
| मज्जयिषीष्ठाः | मज्जयिषीयास्थाम् | मज्जयिषीद्वम् |
| मज्जयिषीय | मज्जयिषीवहि | मज्जयिषीमहि |
| भ्व० मज्जयिता | मज्जयितारौ | मज्जयितारः |
| मज्जयितासे | मज्जयितासाथे | मज्जयिताध्वे |
| मज्जयिताहे | मज्जयितास्वहे | मज्जयितास्महे |
| भ० मज्जयिष्यते | मज्जयिष्येते | मज्जयिष्यन्ते |
| मज्जयिष्यसे | मज्जयिष्येथे | मज्जयिष्यन्थ्वे |
| मज्जयिष्ये | मज्जयिष्यावहे | मज्जयिष्यामहे |
| क्रि० अमज्जयिष्यत् | अमज्जयिष्येताम् | अमज्जयिष्यन्त |
| अमज्जयिष्यथाः | अमज्जयिष्येथाम् | अमज्जयिष्यन्थ्वम् |
| अमज्जयिष्ये | अमज्जयिष्यावहि | अमज्जयिष्यामहि |

1353 जर्जत् (जर्ज्) परिभाषणे

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | जर्जयति | जर्जयतः | जर्जयन्ति |
| | जर्जयसि | जर्जयथः | जर्जयथ |
| | जर्जयामि | जर्जयावः | जर्जयामः |
| स० | जर्जयेत् | जर्जयेताम् | जर्जयेयुः |
| | जर्जयेः | जर्जयेतम् | जर्जयेत |
| | जर्जयेयम् | जर्जयेव | जर्जयेम |
| प० | जर्जयतु | जर्जयतात् | जर्जयताम् |
| | जर्जय | जर्जयतात् | जर्जयतम् |
| | जर्जयानि | जर्जयाव | जर्जयाम |
| ह्य० | अजर्जयत् | अजर्जयताम् | अजर्जयन् |
| | अजर्जयः | अजर्जयतम् | अजर्जयत |
| | अजर्जयम् | अजर्जयाव | अजर्जयाम |
| अ० | अजर्जयत् | अजर्जयताम् | अजर्जयन् |
| | अजर्जयः | अजर्जयतम् | अजर्जयत |
| | अजर्जयम् | अजर्जयाव | अजर्जयाम |
| प० | जर्जयाश्चकार | जर्जयाश्चक्रुः | जर्जयाश्चकुः |
| | जर्जयाश्चकथं | जर्जयाश्चक्रुः | जर्जयाश्चक्रुः |
| | जर्जयाश्चकार-चकर | जर्जयाश्चक्रव | जर्जयाश्चक्रम |
| | जर्जयाम्भुव | जर्जयामास | |
| आ० | जर्ज्यात् | जर्ज्यास्ताम् | जर्ज्याम् |
| | जर्ज्याः | जर्ज्यास्तम् | जर्ज्यास्त |
| | जर्ज्यासम् | जर्ज्यास्व | जर्ज्यास्म |
| भ्व० | जर्जयिता | जर्जयितारौ | जर्जयितारः |
| | जर्जयितासि | जर्जयितास्यः | जर्जयितास्य |
| | जर्जयितास्मि | जर्जयितास्वः | जर्जयितास्मः |
| भ० | जर्जयिष्यति | जर्जयिष्यतः | जर्जयिष्यन्ति |
| | जर्जयिष्यसि | जर्जयिष्यथः | जर्जयिष्यथ |
| | जर्जयिष्यामि | जर्जयिष्यावः | जर्जयिष्यामः |
| क्रि० | अजर्जयिष्यत् | अजर्जयिष्यताम् | अजर्जयिष्यन् |
| | अजर्जयिष्यः | अजर्जयिष्यतम् | अजर्जयिष्यत |
| | अजर्जयिष्यम् | अजर्जयिष्याव | अजर्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|------------------|
| व० | जर्जयते | जर्जयंत | जर्जयन्ते |
| | जर्जयसे | जर्जयथे | जर्जयध्वे |
| | जर्जये | जर्जयावहे | जर्जयामहे |
| स० | जर्जयेत् | जर्जयेताम् | जर्जयेयुः |
| | जर्जयेथाः | जर्जयेथायाम् | जर्जयेध्वम् |
| | जर्जयेय | जर्जयेवहि | जर्जयेमहि |
| प० | जर्जयताम् | जर्जयताम् | जर्जयन्तम् |
| | जर्जयस्व | जर्जयेथाम् | जर्जयेध्वम् |
| | जर्जये | जर्जयावहे | जर्जयामहे |
| ह्य० | अजर्जयत | अजर्जयेताम् | अजर्जयन्त |
| | अजर्जयथाः | अजर्जयेथाम् | अजर्जयेध्वम् |
| | अजर्जये | अजर्जयावहि | अजर्जयामहि |
| अ० | अजर्जयत | अजर्जयेताम् | अजर्जयन्त |
| | अजर्जयथाः | अजर्जयेथाम् | अजर्जयेध्वम् |
| | अजर्जये | अजर्जयावहि | अजर्जयामहि |
| प० | जर्जयाश्चक्रे | जर्जयाश्चक्राते | जर्जयाश्चक्रिरे |
| | जर्जयाश्चक्रुषे | जर्जयाश्चक्राथे | जर्जयाश्चक्रुवे |
| | जर्जयाश्चक्रे | जर्जयाश्चक्रुवहे | जर्जयाश्चक्रुमहे |
| | जर्जयाम्भुव | जर्जयामास | |
| आ० | जर्जयिषीष्ट | जर्जयिषीष्टास्ताम् | जर्जयिषीरन् |
| | जर्जयिषीष्टाः | जर्जयिषीष्टाथाम् | जर्जयिषीष्टुवम् |
| | जर्जयिषीय | जर्जयिषीवहि | जर्जयिषीमहि |
| भ्व० | जर्जयिता | जर्जयितारौ | जर्जयितारः |
| | जर्जयितासे | जर्जयितास्ये | जर्जयितास्वे |
| | जर्जयिताहे | जर्जयितास्वहे | जर्जयितास्महे |
| भ० | जर्जयिष्यंत | जर्जयिष्यंत | जर्जयिष्यन्ते |
| | जर्जयिष्यसे | जर्जयिष्यथे | जर्जयिष्यध्वे |
| | जर्जयिष्ये | जर्जयिष्यावहे | जर्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अजर्जयिष्यत | अजर्जयिष्येताम् | अजर्जयिष्यन्त |
| | अजर्जयिष्यथाः | अजर्जयिष्येथाम् | अजर्जयिष्यध्वम् |
| | अजर्जयिष्ये | अजर्जयिष्यावहि | अजर्जयिष्यामहि |

1354 झञ्ज् (झञ्ज्) परिभाषणे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | झञ्जयति | झञ्जयतः | झञ्जयन्ति |
| | झञ्जयसि | झञ्जयथ | झञ्जयथ |
| | झञ्जयामि | झञ्जयावः | झञ्जयामः |
| स० | झञ्जयत् | झञ्जयताम् | झञ्जयेयुः |
| | झञ्जये | झञ्जयेतम् | झञ्जयेत |
| | झञ्जयेयम् | झञ्जयेव | झञ्जयेम |
| प० | झञ्जयतु | झञ्जयतात् | झञ्जयन्तु |
| | झञ्जय | झञ्जयतात् | झञ्जयतम् |
| | झञ्जयत | | |
| | झञ्जयानि | झञ्जयाव | झञ्जयाम |
| ह्य० | अझञ्जयत् | अझञ्जयताम् | अझञ्जयन्तु |
| | अझञ्जयः | अझञ्जयतम् | अझञ्जयत |
| | अझञ्जयम् | अझञ्जयाव | अझञ्जयाम |
| अ० | अजझञ्जत् | अजझञ्जताम् | अजझञ्जन् |
| | अजझञ्जः | अजझञ्जतम् | अजझञ्जत |
| | अजझञ्जम् | अजझञ्जव | अजझञ्जाम |
| प० | झञ्जयाच्चकार | झञ्जयाच्चकतु | झञ्जयाच्चकु |
| | झञ्जयाच्चकथं | झञ्जयाच्चकथुः | झञ्जयाच्चक |
| | झञ्जयाच्चकार-चकर | झञ्जयाच्चकृव | झञ्जयाच्चकृम |
| | झञ्जयाम्बभूव | | झञ्जयामास |
| आ० | झञ्जयात् | झञ्जयास्ताम् | झञ्जयात्तु |
| | झञ्जयाः | झञ्जयास्ताम् | झञ्जयास्त |
| | झञ्जयासम् | झञ्जयासव | झञ्जयासम |
| स्व० | झञ्जयिता | झञ्जयितारौ | झञ्जयितारः |
| | झञ्जयितासि | झञ्जयितास्थः | झञ्जयितास्थ |
| | झञ्जयितासिम् | झञ्जयितासवः | झञ्जयितासमः |
| भ० | झञ्जयिष्यति | झञ्जयिष्यतः | झञ्जयिष्यन्ति |
| | झञ्जयिष्यसि | झञ्जयिष्यथः | झञ्जयिष्यथ |
| | झञ्जयिष्यामि | झञ्जयिष्यावः | झञ्जयिष्यामः |
| क्रि० | अझञ्जयिष्यत् | अझञ्जयिष्यताम् | अझञ्जयिष्यन्तु |
| | अझञ्जयिष्यः | अझञ्जयिष्यतम् | अझञ्जयिष्यत |
| | अझञ्जयिष्यम् | अझञ्जयिष्याव | अझञ्जयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | झञ्जयते | झञ्जयेते | झञ्जयन्ते |
| | झञ्जयसे | झञ्जयेथे | झञ्जयध्वे |
| | झञ्जये | झञ्जयावहे | झञ्जयामहे |
| स० | झञ्जयेत | झञ्जयेयाताम् | झञ्जयेरन् |
| | झञ्जयेथाः | झञ्जयेयाथाम् | झञ्जयेध्वम् |
| | झञ्जयेय | झञ्जयेवहि | झञ्जयेमहि |
| प० | झञ्जयेताम् | झञ्जयेताम् | झञ्जयन्ताम् |
| | झञ्जयस्व | झञ्जयेथाम् | झञ्जयध्वम् |
| | झञ्जये | झञ्जयावहे | झञ्जयामहे |
| ह्य० | अझञ्जयत | अझञ्जयेताम् | अझञ्जयन्त |
| | अझञ्जयथाः | अझञ्जयेथाम् | अझञ्जयध्वम् |
| | अझञ्जये | अझञ्जयावहि | अझञ्जयामहि |
| अ० | अजझञ्जत | अजझञ्जेताम् | अजझञ्जन्त |
| | अजझञ्जथाः | अजझञ्जेथाम् | अजझञ्जध्वम् |
| | अजझञ्जे | अजझञ्जावहि | अजझञ्जामहि |
| प० | झञ्जयाच्चक्रे | झञ्जयाच्चकृते | झञ्जयाच्चक्रिरे |
| | झञ्जयाच्चकृषे | झञ्जयाच्चकृषे | झञ्जयाच्चकृद्वे |
| | झञ्जयाच्चक्रे | झञ्जयाच्चकृवहे | झञ्जयाच्चकृमहे |
| | झञ्जयाम्बभूव | | झञ्जयामास |
| आ० | झञ्जयिषीष्ट | झञ्जयिषीयास्ताम् | झञ्जयिषीरन् |
| | झञ्जयिषीष्टाः | झञ्जयिषीयास्ताम् | झञ्जयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | झञ्जयिषीय | झञ्जयिषीवहि | झञ्जयिषीमहि |
| स्व० | झञ्जयिता | झञ्जयितारौ | झञ्जयितारः |
| | झञ्जयितासे | झञ्जयितासाथे | झञ्जयिताध्वे |
| | झञ्जयिताहे | झञ्जयितावहे | झञ्जयितासमहे |
| भ० | झञ्जयिष्यते | झञ्जयिष्येते | झञ्जयिष्यन्ते |
| | झञ्जयिष्यसे | झञ्जयिष्येथे | झञ्जयिष्यध्वे |
| | झञ्जयिष्ये | झञ्जयिष्यावहे | झञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अझञ्जयिष्यत् | अझञ्जयिष्येताम् | अझञ्जयिष्यन्तु |
| | अझञ्जयिष्यथाः | अझञ्जयिष्येथाम् | अझञ्जयिष्यध्वम् |
| | अझञ्जयिष्ये | अझञ्जयिष्यावहि | अझञ्जयिष्यामहि |

1355 उज्जत् (उज्ज्) उत्सर्गे ।

| | | |
|-------------------|-----------------|---------------|
| व० उज्जयति | उज्जयतः | उज्जयन्ति |
| उज्जयसि | उज्जयथः | उज्जयथ |
| उज्जयामि | उज्जयावः | उज्जयामः |
| स० उज्जयेत् | उज्जयेताम् | उज्जयेयुः |
| उज्जये | उज्जयेतम् | उज्जयेत |
| उज्जयेयम् | उज्जयेव | उज्जयेम |
| प० उज्जयतु | उज्जयतात् | उज्जयताम् |
| उज्जय | उज्जयतात् | उज्जयतम् |
| उज्जयानि | उज्जयाव | उज्जयाम |
| ह्य० औज्जयत् | औज्जयताम् | औज्जयन् |
| औज्जयः | औज्जयतम् | औज्जयत |
| औज्जयम् | औज्जयाव | औज्जयाम |
| भ० औजिज्जत् | औजिज्जताम् | औजिज्जन् |
| औजिज्जः | औजिज्जतम् | औजिज्जत |
| औजिज्जम् | औजिज्जाव | औजिज्जाम |
| प० उज्जयाञ्चकार | उज्जयाञ्चक्रतुः | उज्जयाञ्चकुः |
| उज्जयाञ्चकथं | उज्जयाञ्चकथुः | उज्जयाञ्चक |
| उज्जयाञ्चकार-चकर | उज्जयाञ्चकृव | उज्जयाञ्चकृम |
| उज्जयाञ्चभूव | । | उज्जयामास |
| भा० उज्जयात् | उज्जयास्ताम् | उज्जयास्तुः |
| उज्जयाः | उज्जयास्तम् | उज्जयास्त |
| उज्जयासम् | उज्जयास्व | उज्जयास्म |
| भ्व० उज्जयिता | उज्जयितारौ | उज्जयितारः |
| उज्जयितासि | उज्जयितास्थः | उज्जयितास्थ |
| उज्जयितास्मि | उज्जयितास्वः | उज्जयितास्मः |
| भ० उज्जयिष्यति | उज्जयिष्यतः | उज्जयिष्यन्ति |
| उज्जयिष्यसि | उज्जयिष्यथः | उज्जयिष्यथ |
| उज्जयिष्यामि | उज्जयिष्यावः | उज्जयिष्यामः |
| क्रि० औज्जयिष्यत् | औज्जयिष्यताम् | औज्जयिष्यन् |
| औज्जयिष्यः | औज्जयिष्यतम् | औज्जयिष्यत |
| औज्जयिष्यम् | औज्जयिष्याव | औज्जयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० उज्जयते | उज्जयेते | उज्जयन्ते |
| उज्जयसे | उज्जयेथे | उज्जयध्वे |
| उज्जये | उज्जयावहे | उज्जयामहे |
| स० उज्जयेत | उज्जयेताम् | उज्जयेरन् |
| उज्जयेथाः | उज्जयेथाथाम् | उज्जयेध्वम् |
| उज्जयेथ | उज्जयेवहि | उज्जयेमहि |
| प० उज्जयताम् | उज्जयेताम् | उज्जयन्ताम् |
| उज्जयस्व | उज्जयेथाम् | उज्जयध्वम् |
| उज्जये | उज्जयावहे | उज्जयामहे |
| ह्य० औज्जयत | औज्जयेताम् | औज्जयन्त |
| औज्जयथाः | औज्जयेथाम् | औज्जयध्वम् |
| औज्जये | औज्जयावहि | औज्जयामहि |
| भ० औजिज्जत | औजिज्जेताम् | औजिज्जन्त |
| औजिज्जथाः | औजिज्जेथाम् | औजिज्जध्वम् |
| औजिज्जे | औजिज्जावहि | औजिज्जामहि |
| प० उज्जयाञ्चके | उज्जयाञ्चकाते | उज्जयाञ्चकिरे |
| उज्जयाञ्चकृषे | उज्जयाञ्चकाथे | उज्जयाञ्चकृध्वे |
| उज्जयाञ्चके | उज्जयाञ्चकृवहे | उज्जयाञ्चकृमहे |
| उज्जयाञ्चभूव | । | उज्जयामास |
| भा० उज्जयिषीष्ट | उज्जयिषीयास्ताम् | उज्जयिषीरन् |
| उज्जयिषीष्टाः | उज्जयिषीयास्थाम् | उज्जयिषीध्वम् |
| उज्जयिषीय | उज्जयिषीवहि | उज्जयिषीमहि |
| भ्व० उज्जयिता | उज्जयितारौ | उज्जयितारः |
| उज्जयितासे | उज्जयितासाथे | उज्जयिताध्वे |
| उज्जयिताहे | उज्जयितास्वहे | उज्जयितास्महे |
| भ० उज्जयिष्यते | उज्जयिष्येते | उज्जयिष्यन्ते |
| उज्जयिष्यसे | उज्जयिष्येथे | उज्जयिष्यध्वे |
| उज्जयिष्ये | उज्जयिष्यावहे | उज्जयिष्यामहे |
| क्रि० औज्जयिष्यत् | औज्जयिष्यताम् | औज्जयिष्यन्त |
| औज्जयिष्यथाः | औज्जयिष्येथाम् | औज्जयिष्यध्वम् |
| औज्जयिष्ये | औज्जयिष्यावहि | औज्जयिष्यामहि |

1356 जुडत् (जुड्) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | जोडयति | जोडयतः | जोडयन्ति |
| | जोडयसि | जोडयथः | जोडयथ |
| | जोडयामि | जोडयावः | जोडयामः |
| स० | जोडयेत् | जोडयेताम् | जोडयेयुः |
| | जोडयेः | जोडयेतम् | जोडयेत |
| | जोडयेयम् | जोडयेव | जोडयेम |
| प० | जोडयतु | जोडयतात् | जोडयताम् |
| | जोडय | जोडयतात् | जोडयतम् |
| | जोडयानि | जोडयाव | जोडयाम |
| ह्य० | अजोडयत् | अजोडयताम् | अजोडयन् |
| | अजोडयः | अजोडयतम् | अजोडयत |
| | अजोडयम् | अजोडयाव | अजोडयाम |
| झ० | अजुडत् | अजुडताम् | अजुडन् |
| | अजुडः | अजुडतम् | अजुडत |
| | अजुडम् | अजुडाव | अजुडाम |
| प० | जोडयाश्चकार | जोडयाश्चक्रुः | जोडयाश्चकुः |
| | जोडयाश्चकथं | जोडयाश्चक्रुः | जोडयाश्चक्रुः |
| | जोडयाश्चकार-चक्र | जोडयाश्चक्रुः | जोडयाश्चक्रुः |
| | जोडयाम्भूव | जोडयामास | |
| आ० | जोडयात् | जोडयास्ताम् | जोडयासुः |
| | जोडयाः | जोडयास्तम् | जोडयास्त |
| | जोडयासम् | जोडयास्व | जोडयास्म |
| भ्व० | जोडयिता | जोडयितारौ | जोडयितारः |
| | जोडयितासि | जोडयितास्थः | जोडयितास्थ |
| | जोडयितास्मि | जोडयिताम्बः | जोडयितास्मः |
| भ० | जोडयिष्यति | जोडयिष्यतः | जोडयिष्यन्ति |
| | जोडयिष्यसि | जोडयिष्यथः | जोडयिष्यथ |
| | जोडयिष्यामि | जोडयिष्यावः | जोडयिष्यामः |
| क्रि० | अजोडयिष्यत् | अजोडयिष्यताम् | अजोडयिष्यन् |
| | अजोडयिष्यः | अजोडयिष्यतम् | अजोडयिष्यत |
| | अजोडयिष्यम् | अजोडयिष्याव | अजोडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | जोडयते | जोडयेते | जोडयन्ते |
| | जोडयसे | जोडयथे | जोडयध्वे |
| | जोडये | जोडयावहे | जोडयामहे |
| स० | जोडयेत | जोडयेताम् | जोडयेरन् |
| | जोडयेथाः | जोडयेथाम् | जोडयेध्वम् |
| | जोडयेय | जोडयेवहि | जोडयेमहि |
| प० | जोडयताम् | जोडयेताम् | जोडयन्ताम् |
| | जोडयस्व | जोडयेथाम् | जोडयध्वम् |
| | जोडये | जोडयावहे | जोडयामहे |
| ह्य० | अजोडयत | अजोडयेताम् | अजोडयन्त |
| | अजोडयथाः | अजोडयेथाम् | अजोडयध्वम् |
| | अजोडये | अजोडयावहि | अजोडयामहि |
| झ० | अजुडत | अजुडताम् | अजुडन्त |
| | अजुडथाः | अजुडेथाम् | अजुडध्वम् |
| | अजुडे | अजुडावहि | अजुडामहि |
| प० | जोडयाश्चक्रे | जोडयाश्चक्रांत | जोडयाश्चक्रिरे |
| | जोडयाश्चक्रे | जोडयाश्चक्राथे | जोडयाश्चक्रेव |
| | जोडयाश्चक्रे | जोडयाश्चक्रेवहे | जोडयाश्चक्रेमहे |
| | जोडयाम्भूव | जोडयामास | |
| आ० | जोडयिषीष्ट | जोडयिषीस्ताम् | जोडयिषीरन् |
| | जोडयिषीष्टाः | जोडयिषीस्थां | जोडयिषीध्वम् |
| | जोडयिषीय | जोडयिषीवहि | जोडयिषीमहि |
| भ्व० | जोडयिता | जोडयितारौ | जोडयितारः |
| | जोडयितासे | जोडयितासाथे | जोडयिताध्वे |
| | जोडयिताहे | जोडयिताम्बहे | जोडयितास्महे |
| भ० | जोडयिष्यते | जोडयिष्येते | जोडयिष्यन्ते |
| | जोडयिष्यसे | जोडयिष्यथे | जोडयिष्यध्वे |
| | जोडयिष्ये | जोडयिष्यावहे | जोडयिष्यामहे |
| क्रि० | अजोडयिष्यत | अजोडयिष्यताम् | अजोडयिष्यन्त |
| | अजोडयिष्यथाः | अजोडयिष्येथाम् | अजोडयिष्यध्वम् |
| | अजोडयिष्ये | अजोडयिष्यावहि | अजोडयिष्यामहि |

1357 पृष्ठ (पृष्ठ) सुखने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| ४० | पड्यति | पड्यतः | पड्यन्ति |
| | पड्यसि | पड्यथः | पड्यथ |
| | पड्यामि | पड्यावः | पड्यामः |
| स० | पड्येत् | पड्येताम् | पड्येयुः |
| | पड्येः | पड्येतम् | पड्येत |
| | पड्येयम् | पड्येव | पड्येम |
| प० | पड्यतु | पड्यतात् | पड्यन्तु |
| | पड्य | पड्यतात् | पड्यतम् |
| | पड्यानि | पड्याव | पड्याम |
| ह्य० | अपड्यत् | अपड्यताम् | अपड्यन् |
| | अपड्यः | अपड्यतम् | अपड्यत |
| | अपड्यम् | अपड्याव | अपड्याम |
| अ० | अपीपृडत् | अपीपृडताम् | अपीपृडन् |
| | अपीपृडः | अपीपृडतम् | अपीपृडत |
| | अपीपृडम् | अपीपृडाव | अपीपृडाम |
| | अपपड्यत् | अपपड्यताम् | अपपड्यन् इ० |
| प० | पड्याञ्चकार | पड्याञ्चक्रुः | पड्याञ्चक्रुः |
| | पड्याञ्चकथं | पड्याञ्चक्रुः | पड्याञ्चक |
| | पड्याञ्चकार-नकर | पड्याञ्चक्रुव | पड्याञ्चक्रम |
| | पड्याम्बभूव | । | पड्यामास |
| आ० | पड्यात् | पड्यास्ताम् | पड्यासुः |
| | पड्याः | पड्यास्तम् | पड्यास्त |
| | पड्यासम् | पड्याव | पड्यासम |
| न्व० | पड्यिता | पड्यितारौ | पड्यितारः |
| | पड्यितासि | पड्यितास्थः | पड्यितास्थ |
| | पड्यितास्मि | पड्यिताम्बः | पड्यितासमः |
| भ० | पड्यिष्यति | पड्यिष्यतः | पड्यिष्यन्ति |
| | पड्यिष्यसि | पड्यिष्यथः | पड्यिष्यथ |
| | पड्यिष्यामि | पड्यिष्यावः | पड्यिष्यामः |
| क्रि० | अपड्यिष्यत् | अपड्यिष्यताम् | अपड्यिष्यन् |
| | अपड्यिष्यः | अपड्यिष्यतम् | अपड्यिष्यत |
| | अपड्यिष्यम् | अपड्यिष्याव | अपड्यिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ४० | पड्यते | पड्येते | पड्यन्ते |
| | पड्यसे | पड्यथे | पड्यथ्वे |
| | पड्ये | पड्यावहे | पड्यामहे |
| स० | पड्येत | पड्येयाताम् | पड्येरन् |
| | पड्येथाः | पड्येथाथाम् | पड्येथ्वम् |
| | पड्येय | पड्येवहि | पड्येमहि |
| प० | पड्यताम् | पड्यतम् | पड्यन्ताम् |
| | पड्यस्व | पड्यशाम | पड्यवम् |
| | पड्ये | पड्यावहे | पड्यामहे |
| ह्य० | अपड्यत | अपड्यताम् | अपड्यन्त |
| | अपड्यथाः | अपड्यथाम् | अपड्यथ्वम् |
| | अपड्ये | अपड्यावहि | अपड्यामहि |
| अ० | अपीपृडत | अपीपृडताम् | अपीपृडन्त |
| | अपीपृडथाः | अपीपृडथाम् | अपीपृडथ्वम् |
| | अपीपृडे | अपीपृडावहि | अपीपृडामहि |
| | अपपड्यत | अपपड्यताम् | अपपड्यन्त इ० |
| प० | पड्याञ्चक्रे | पड्याञ्चक्रात | पड्याञ्चक्रिरे |
| | पड्याञ्चक्रे | पड्याञ्चक्राथे | पड्याञ्चक्रुवे |
| | पड्याञ्चक्रे | पड्याञ्चक्रुवहे | पड्याञ्चक्रमहे |
| | पड्याम्बभूव | । | पड्यामास |
| आ० | पड्यिषीष्ट | पड्यिषीयस्ताम् | पड्यिषीरन् |
| | पड्यिषीष्टाः | पड्यिषीयास्थाम् | पड्यिषीद्वम् |
| | | | ४ म् |
| | पड्यिषीय | पड्यिषीवहि | पड्यिषीमहि |
| श्व० | पड्यिता | पड्यितारौ | पड्यितारः |
| | पड्यितासे | पड्यितासाथे | पड्यिताथ्वे |
| | पड्यिताहे | पड्यितास्वहे | पड्यितास्महे |
| भ० | पड्यिष्यते | पड्यिष्येते | पड्यिष्यन्ते |
| | पड्यिष्यसे | पड्यिष्येथे | पड्यिष्यथ्वे |
| | पड्यिष्ये | पड्यिष्यावहे | पड्यिष्यामहे |
| क्रि० | अपड्यिष्यत | अपड्यिष्यताम् | अपड्यिष्यन्त |
| | अपड्यिष्यथाः | अपड्यिष्येथाम् | अपड्यिष्यथ्वम् |
| | अपड्यिष्य | अपड्यिष्यावहि | अपड्यिष्यामहि |

1358 मृडत् (मृड्) सुखने

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|---------------|
| व० | मर्डयति | मर्डयतः | मर्डयन्ति |
| | मर्डयसि | मर्डयथः | मर्डयथ |
| | मर्डयामि | मर्डयावः | मर्डयामः |
| स० | मर्डयेत् | मर्डयेताम् | मर्डयेयुः |
| | मर्डयेः | मर्डयेतम् | मर्डयेत |
| | मर्डयेयम् | मर्डयेव | मर्डयेम |
| प० | मर्डयतु | मर्डयतात् | मर्डयताम् |
| | मर्डय | मर्डयतात् | मर्डयतम् |
| | मर्डयानि | मर्डयाव | मर्डयाम |
| ह्य० | अमर्डयत् | अमर्डयेताम् | अमर्डयन् |
| | अमर्डयः | अमर्डयतम् | अमर्डयत |
| | अमर्डयम् | अमर्डयाव | अमर्डयाम |
| श० | अमीमृडत् | अमीमृडताम् | अमीमृडन् |
| | अमीमृडः | अमीमृडतम् | अमीमृडत |
| | अमीमृडम् | अमीमृडाव | अमीमृडाम |
| | अममर्डत् | अममर्डताम् | अममर्डन् इ० |
| प० | मर्डयाञ्चकार | मर्डयाञ्चकतुः | मर्डयाञ्चकुः |
| | मर्डयाञ्चकथं | मर्डयाञ्चकथुः | मर्डयाञ्चक |
| | मर्डयाञ्चकार-च कर | मर्डयाञ्चकृव | मर्डयाञ्चकृम |
| | मर्डयाम्भूव | । | मर्डयामास |
| आ० | मर्डयति | मर्डयतिताम् | मर्डयतिः |
| | मर्डयः | मर्डयतिताम् | मर्डयति |
| | मर्डयसि | मर्डयाव | मर्डयाम |
| श्व० | मर्डयिता | मर्डयितारौ | मर्डयितारः |
| | मर्डयितासि | मर्डयितास्यः | मर्डयितास्य |
| | मर्डयितास्मि | मर्डयितास्वः | मर्डयितास्मः |
| भ० | मर्डयिष्यति | मर्डयिष्यतः | मर्डयिष्यन्ति |
| | मर्डयिष्यसि | मर्डयिष्यथः | मर्डयिष्यथ |
| | मर्डयिष्यामि | मर्डयिष्यावः | मर्डयिष्यामः |
| क्रि० | अमर्डयिष्यत् | अमर्डयिष्यताम् | अमर्डयिष्यन् |
| | अमर्डयिष्यः | अमर्डयिष्यतम् | अमर्डयिष्यत |
| | अमर्डयिष्यम् | अमर्डयिष्याव | अमर्डयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | मर्डयते | मर्डयते | मर्डयन्ते |
| | मर्डयसे | मर्डयथे | मर्डयन्ते |
| | मर्डये | मर्डयावहे | मर्डयामहे |
| स० | मर्डयेत | मर्डयेयाताम् | मर्डयेरन् |
| | मर्डयेथाः | मर्डयेथाताम् | मर्डयेथ्वम् |
| | मर्डयेथ | मर्डयेवहि | मर्डयेमहि |
| प० | मर्डयेताम् | मर्डयेताम् | मर्डयेन्ताम् |
| | मर्डयेस्व | मर्डयेथाम | मर्डयेथ्वम् |
| | मर्डये | मर्डयावहे | मर्डयामहे |
| ह्य० | अमर्डयत | अमर्डयेताम् | अमर्डयन्त |
| | अमर्डयथाः | अमर्डयेथाम् | अमर्डयेथ्वम् |
| | अमर्डये | अमर्डयावहि | अमर्डयामहि |
| अ० | अमीमृडत् | अमीमृडेताम् | अमीमृडन्त |
| | अमीमृडयाः | अमीमृडेथाम् | अमीमृडध्वम् |
| | अमीमृडे | अमीमृडावहि | अमीमृडामहि |
| | अममर्डत् | अममर्डेताम् | अममर्डन्त इ० |
| प० | मर्डयाञ्चके | मर्डयाञ्चकते | मर्डयाञ्चक्रे |
| | मर्डयाञ्चके | मर्डयाञ्चकथे | मर्डयाञ्चकृवहे |
| | मर्डयाञ्चके | मर्डयाञ्चकृवहे | मर्डयाञ्चकृमहे |
| | मर्डयाम्भूव | । | मर्डयामास |
| आ० | मर्डयिषी | मर्डयिषीयस्ताम् | मर्डयिषीरन् |
| | मर्डयिषीः | मर्डयिषीयास्थाम् | मर्डयिषीह्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | मर्डयिषीय | मर्डयिषीवहि | मर्डयिषीमहि |
| श्व० | मर्डयिता | मर्डयितारौ | मर्डयितारः |
| | मर्डयितासे | मर्डयितासाथे | मर्डयिताध्वे |
| | मर्डयिताहे | मर्डयितास्वहे | मर्डयितास्महे |
| भ० | मर्डयिष्यते | मर्डयिष्यते | मर्डयिष्यन्ते |
| | मर्डयिष्यसे | मर्डयिष्यथे | मर्डयिष्यथ्वे |
| | मर्डयिष्ये | मर्डयिष्यावहे | मर्डयिष्यामहे |
| क्रि० | अमर्डयिष्यत | अमर्डयिष्यताम् | अमर्डयिष्यन्त |
| | अमर्डयिष्यथाः | अमर्डयिष्यथाम् | अमर्डयिष्यध्वम् |
| | अमर्डयिष्ये | अमर्डयिष्यावहि | अमर्डयिष्यामहि |

(११७६) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

1359 कडत् (कड्) मदे ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|--------------|
| व० | काडयति | काडयतः | काडयन्ति |
| | काडयसि | काडयथः | काडयथ |
| | काडयामि | काडयावः | काडयामः |
| स० | काडयेत् | काडयेताम् | काडयेयुः |
| | काडयेः | काडयेतम् | काडयेत |
| | काडयेयम् | काडयेव | काडयेम |
| प० | काडयतु | काडयतात् | काडयताम् |
| | काडय | काडयतात् | काडयतम् |
| | काडयानि | काडयाव | काडयाम |
| ह्य० | अकाडयत् | अकाडयताम् | अकाडयन् |
| | अकाडयः | अकाडयतम् | अकाडयत |
| | अकाडयम् | अकाडयाव | अकाडयाम |
| श० | अचीकडत् | अचीकडताम् | अचीकडन् |
| | अचीकडः | अचीकडतम् | अचीकडत |
| | अचीकडम् | अचीकडाव | अचीकडाम |
| प० | काडयाञ्चकार | काडयाञ्चक्रतुः | काडयाञ्चकुः |
| | काडयाञ्चकथं | काडयाञ्चक्रथुः | काडयाञ्चक |
| | काडयाञ्चकार-चकर | काडयाञ्चकृव | काडयाञ्चकृम |
| | काडयाम्बभूव | । | काडयामास |
| आ० | काडयात् | काडयास्ताम् | काडयासुः |
| | काडयाः | काडयास्तम् | काडयास्त |
| | काडयासम् | काडयास्व | काडयास्म |
| भ० | काडयिता | काडयितारौ | काडयितारः |
| | काडयितासि | काडयितास्थः | काडयितास्थ |
| | काडयितास्मि | काडयिताम्बः | काडयितास्मः |
| भ० | काडयिष्यति | काडयिष्यतः | काडयिष्यन्ति |
| | काडयिष्यसि | काडयिष्यथः | काडयिष्यथ |
| | काडयिष्यामि | काडयिष्यावः | काडयिष्यामः |
| क्रि० | अकाडयिष्यत् | अकाडयिष्यताम् | अकाडयिष्यन् |
| | अकाडयिष्यः | अकाडयिष्यतम् | अकाडयिष्यत |
| | अकाडयिष्यम् | अकाडयिष्याव | अकाडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | काडयते | काडयेते | काडयन्ते |
| | काडयसे | काडयेथे | काडयन्थे |
| | काडये | काडयावहे | काडयामहे |
| स० | काडयेत | काडयेयाताम् | काडयेरन् |
| | काडयेथाः | काडयेथथाम् | काडयेध्वम् |
| | काडयेय | काडयेवहि | काडयेमहि |
| प० | काडयताम् | काडयेताम् | काडयन्ताम् |
| | काडयस्व | काडयेथान् | काडयध्वम् |
| | काडये | काडयावहे | काडयामहे |
| ह्य० | अकाडयत | अकाडयेताम् | अकाडयन्त |
| | अकाडयथाः | अकाडयेथाम् | अकाडयध्वम् |
| | अकाडये | अकाडयावहि | अकाडयामहि |
| अ० | अचीकडत | अचीकडताम् | अचीकडन्त |
| | अचीकडथाः | अचीकडेथाम् | अचीकडध्वम् |
| | अचीकडे | अचीकडावहि | अचीकडामहि |
| प० | काडयाञ्चके | काडयाञ्चकाते | काडयाञ्चकिरे |
| | काडयाञ्चकृषे | काडयाञ्चकृषे | काडयाञ्चकृद्वे |
| | काडयाञ्चके | काडयाञ्चकृवहे | काडयाञ्चकृमहे |
| | काडयाम्बभूव | । | काडयामास |
| आ० | काडयिषीष्ट | काडयिषीयस्ताम् | काडयिषीरन् |
| | काडयिषीष्ठाः | काडयिषीयास्थाम् | काडयिषीध्वम् |
| | काडयिषीय | काडयिषीवहि | काडयिषीमहि |
| भ० | काडयिता | काडयितारौ | काडयितारः |
| | काडयितासे | काडयितासाये | काडयिताध्वे |
| | काडयिताहे | काडयितास्वहे | काडयितास्महे |
| भ० | काडयिष्यते | काडयिष्येते | काडयिष्यन्ते |
| | काडयिष्यसे | काडयिष्येथे | काडयिष्यध्वे |
| | काडयिष्ये | काडयिष्यावहे | काडयिष्यामहे |
| क्रि० | अकाडयिष्यत | अकाडयिष्यताम् | अकाडयिष्यन्त |
| | अकाडयिष्यथाः | अकाडयिष्येथाम् | अकाडयिष्यध्वम् |
| | अकाडयिष्ये | अकाडयिष्यावहि | अकाडयिष्यामहि |

1360 पृणत् (पृण्) प्रीणने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | पण्यति | पण्यतः | पण्यन्ति |
| | पण्यसि | पण्यथः | पण्यथ |
| | पण्यमि | पण्यवः | पण्यामः |
| स० | पण्येत् | पण्यताम् | पण्येयुः |
| | पण्ये | पण्येतम् | पण्येत |
| | पण्येयम् | पण्येव | पण्येम |
| प० | पण्यतु | पण्यतात् | पण्यतु |
| | पण्य | पण्यतात् | पण्यत |
| | पण्यनि | पण्यव | पण्याम |
| ह्य० | अपण्यत् | अपण्यताम् | अपण्यन् |
| | अपण्यः | अपण्यतम् | अपण्यत |
| | अपण्यम् | अपण्यव | अपण्याम |
| अ० | अपीपृणत् | अपीपृणताम् | अपीपृणन् |
| | अपीपृणः | अपीपृणतम् | अपीपृणत |
| | अपीपृणम् | अपीपृणव | अपीपृणाम |
| | अपपण्यत् | अपपण्यताम् | अपपण्यन् इ० |
| प० | पण्यञ्चकार | पण्यञ्चक्रुः | पण्यञ्चक्रुः |
| | पण्यञ्चकथं | पण्यञ्चक्रुः | पण्यञ्चक्र |
| | पण्यञ्चकार-चक्र | पण्यञ्चक्रुव | पण्यञ्चक्रुम |
| | पण्याम्बभूव | पण्यामास | |
| भा० | पण्यीत् | पण्यीस्ताम् | पण्यीषुः |
| | पण्यीः | पण्यीस्तम् | पण्यीस्त |
| | पण्यीसाम् | पण्यीस्व | पण्यीस्म |
| श्व० | पण्यिता | पण्यितारौ | पण्यितारः |
| | पण्यितासि | पण्यितास्थः | पण्यितास्थ |
| | पण्यितास्मि | पण्यितास्वः | पण्यितास्मः |
| भ० | पण्यिष्यति | पण्यिष्यतः | पण्यिष्यन्ति |
| | पण्यिष्यसि | पण्यिष्यथः | पण्यिष्यथ |
| | पण्यिष्यामि | पण्यिष्यावः | पण्यिष्यामः |
| क्रि० | अपण्यिष्यत् | अपण्यिष्यताम् | अपण्यिष्यन् |
| | अपण्यिष्यः | अपण्यिष्यतम् | अपण्यिष्यत |
| | अपण्यिष्यम् | अपण्यिष्याव | अपण्यिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | पण्यते | पण्येते | पण्यन्ते |
| | पण्यसे | पण्येथे | पण्येथे |
| | पण्ये | पण्यवहे | पण्यामहे |
| स० | पण्येत | पण्येयताम् | पण्येरन् |
| | पण्येथाः | पण्येयथाम् | पण्येय्वम् |
| | पण्येथ | पण्येवहि | पण्येमहि |
| प० | पण्यताम् | पण्येताम् | पण्यन्ताम् |
| | पण्यस्व | पण्येथाम् | पण्येय्वम् |
| | पण्ये | पण्यवहे | पण्यामहे |
| ह्य० | अपण्यत | अपण्येताम् | अपण्यन्त |
| | अपण्यथाः | अपण्येथाम् | अपण्येय्वम् |
| | अपण्ये | अपण्यवहि | अपण्येमहि |
| अ० | अपीपृणत | अपीपृणताम् | अपीपृणन्त |
| | अपीपृणथाः | अपीपृणथाम् | अपीपृणय्वम् |
| | अपीपृणे | अपीपृणवहि | अपीपृणामहि |
| | अपपण्यत | अपपण्यताम् | अपपण्यन्त इ० |
| प० | पण्यञ्चक्रे | पण्यञ्चक्रते | पण्यञ्चक्रिरे |
| | पण्यञ्चक्रुः | पण्यञ्चक्रथे | पण्यञ्चक्रुवे |
| | पण्यञ्चक्रे | पण्यञ्चक्रवहे | पण्यञ्चक्रुमहे |
| | पण्याम्बभूव | पण्यामास | |
| भा० | पण्यिषीष्ट | पण्यिषीयास्ताम् | पण्यिषीरन् |
| | पण्यिषीष्ठाः | पण्यिषीयास्थाम् | पण्यिषीय्वम् |
| | पण्यिषीय | पण्यिषीवहि | पण्यिषीमहि |
| श्व० | पण्यिता | पण्यितारौ | पण्यितारः |
| | पण्यितासे | पण्यितासाथे | पण्यिताथे |
| | पण्यिताहे | पण्यितास्वहे | पण्यितास्महे |
| भ० | पण्यिष्यते | पण्यिष्येते | पण्यिष्यन्ते |
| | पण्यिष्यसे | पण्यिष्येथे | पण्यिष्येथे |
| | पण्यिष्ये | पण्यिष्यवहे | पण्यिष्यामहे |
| क्रि० | अपण्यिष्यत | अपण्यिष्येताम् | अपण्यिष्यन्त |
| | अपण्यिष्यथाः | अपण्यिष्येथाम् | अपण्यिष्येय्वम् |
| | अपण्यिष्ये | अपण्यिष्यवहि | अपण्यिष्येमहि |

1361 तुणत् (तुण्) कौटिल्ये ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | तोणयति | तोणयतः | तोणयन्ति |
| | तोणयसि | तोणयथः | तोणयथ |
| | तोणयामि | तोणयावः | तोणयामः |
| स० | तोणयेत् | तोणयेताम् | तोणयेयुः |
| | तोणयेः | तोणयेतम् | तोणयेत |
| | तोणयेयम् | तोणयेव | तोणयेम |
| प० | तोणयतु | तोणयतात् | तोणयताम् |
| | तोणय | तोणयतात् | तोणयतम् |
| | तोणयानि | तोणयाव | तोणयाम |
| ह्य० | अतोणयत् | अतोणयताम् | अतोणयन् |
| | अतोणयः | अतोणयतम् | अतोणयत |
| | अतोणयम् | अतोणयाव | अतोणयाम |
| अ० | अतुणत् | अतुणताम् | अतुणन् |
| | अतुणः | अतुणतम् | अतुणत |
| | अतुणम् | अतुणाव | अतुणाम |
| प० | तोणयाश्चकार | तोणयाश्चक्रुः | तोणयाश्चकुः |
| | तोणयाश्चकथे | तोणयाश्चकथुः | तोणयाश्चक |
| | तोणयाश्चकार-चकर | तोणयाश्चकृव | तोणयाश्चकृम |
| | तोणयाश्चभूव | । | तोणयामास |
| भा० | तोण्यात् | तोण्यास्ताम् | तोण्यासुः |
| | तोण्याः | तोण्यास्तम् | तोण्यास्त |
| | तोण्यासम् | तोण्यास्व | तोण्यास्म |
| श्व० | तोणयिता | तोणयितारौ | तोणयितारः |
| | तोणयितासि | तोणयितास्थः | तोणयितास्थ |
| | तोणयितास्मि | तोणयितास्वः | तोणयितास्मः |
| भ० | तोणयिष्यति | तोणयिष्यतः | तोणयिष्यन्ति |
| | तोणयिष्यसि | तोणयिष्यथः | तोणयिष्यथ |
| | तोणयिष्यामि | तोणयिष्यावः | तोणयिष्यामः |
| क्रि० | अतोणयिष्यत् | अतोणयिष्यताम् | अतोणयिष्यन् |
| | अतोणयिष्यः | अतोणयिष्यतम् | अतोणयिष्यत |
| | अतोणयिष्यम् | अतोणयिष्याव | अतोणयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तोणयते | तोणयेते | तोणयन्ते |
| | तोणयसे | तोणयेथे | तोणयध्वे |
| | तोणये | तोणयावहे | तोणयामहे |
| स० | तोणयेत | तोणयेयाताम् | तोणयेरन् |
| | तोणयेथाः | तोणयेयाथाम् | तोणयेध्वम् |
| | तोणयेय | तोणयेवहि | तोणयेमहि |
| प० | तोणयताम् | तोणयताम् | तोणयन्ताम् |
| | तोणयस्व | तोणयेथाम् | तोणयध्वम् |
| | तोणये | तोणयावहे | तोणयामहे |
| ह्य० | अतोणयत | अतोणयेताम् | अतोणयन्त |
| | अतोणयथाः | अतोणयेथाम् | अतोणयध्वम् |
| | अतोणये | अतोणयावहि | अतोणयामहि |
| अ० | अतुणत | अतुणेताम् | अतुणन्त |
| | अतुणथाः | अतुणेथाम् | अतुणध्वम् |
| | अतुणे | अतुणावहि | अतुणामहि |
| प० | तोणयाश्चके | तोणयाश्चकते | तोणयाश्चकिरे |
| | तोणयाश्चकृषे | तोणयाश्चकृषे | तोणयाश्चकृवे |
| | तोणयाश्चके | तोणयाश्चकृवहे | तोणयाश्चकृमहे |
| | तोणयाश्चभूव | । | तोणयामास |
| भा० | तोणयिषीष्ट | तोणयिषीयास्ताम् | तोणयिषीरन् |
| | तोणयिषीष्ठाः | तोणयिषीयास्थाम् | तोणयिषीद्वम् |
| | | | श्व १ |
| | तोणयिषीय | तोणयिषीवहि | तोणयिषीमहि |
| श्व० | तोणयिता | तोणयितारौ | तोणयितारः |
| | तोणयितासे | तोणयितासाथे | तोणयिताध्वे |
| | तोणयिताहे | तोणयितास्वहे | तोणयितास्महे |
| भ० | तोणयिष्यते | तोणयिष्येते | तोणयिष्यन्ते |
| | तोणयिष्यसे | तोणयिष्येथे | तोणयिष्यध्वे |
| | तोणयिष्ये | तोणयिष्यावहे | तोणयिष्यामहे |
| क्रि० | अतोणयिष्यत | अतोणयिष्येताम् | अतोणयिष्यन्त |
| | अतोणयिष्यथाः | अतोणयिष्येथाम् | अतोणयिष्यध्वम् |
| | अतोणयिष्ये | अतोणयिष्यावहि | अतोणयिष्यामहि |

1362 मृणत् (मृण्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|---------------|
| व० | मर्णयति | मर्णयते | मर्णयन्ति |
| | मर्णयसि | मर्णयथः | मर्णयथ |
| | मर्णयामि | मर्णयावः | मर्णयामः |
| स० | मर्णयेत् | मर्णयेताम् | मर्णयेयुः |
| | मर्णये | मर्णयेतम् | मर्णयेत |
| | मर्णयेयम् | मर्णयेव | मर्णयेम |
| प० | मर्णयतु | मर्णयतात् | मर्णयन्तु |
| | मर्णय मर्णयतात् | मर्णयतम् | मर्णयत |
| | मर्णयन्ति | मर्णयाव | मर्णयाम |
| ह्य० | अमर्णयत् | अमर्णयताम् | अमर्णयन् |
| | अमर्णयः | अमर्णयतम् | अमर्णयत |
| | अमर्णयम् | अमर्णयाव | अमर्णयाम |
| अ० | अमीमृणत् | अमीमृणताम् | अमीमृणन् |
| | अमीमृणः | अमीमृणतम् | अमीमृणत |
| | अमीमृणम् | अमीमृणाव | अमीमृणाम |
| | अममर्णत् | अममर्णताम् | अममर्णन् इ० |
| प० | मर्णयाञ्चकार | मर्णयाञ्चक्रुः | मर्णयाञ्चकुः |
| | मर्णयाञ्चकथं | मर्णयाञ्चकथुः | मर्णयाञ्चक |
| | मर्णयाञ्चकार-चकार | मर्णयाञ्चकृव | मर्णयाञ्चकृम |
| | मर्णयाम्बभूव | । | मर्णयामास |
| भा० | मर्ण्यात् | मर्ण्यास्ताम् | मर्ण्यास्तुः |
| | मर्ण्याः | मर्ण्यास्तम् | मर्ण्यास्त |
| | मर्ण्यास्म | मर्ण्यास्व | मर्ण्यास्म |
| श्व० | मर्णयिता | मर्णयितारौ | मर्णयितारः |
| | मर्णयितासि | मर्णयितास्थः | मर्णयितास्थ |
| | मर्णयितास्मि | मर्णयितास्वः | मर्णयितास्मः |
| भ० | मर्णयिष्यति | मर्णयिष्यतः | मर्णयिष्यन्ति |
| | मर्णयिष्यसि | मर्णयिष्यथः | मर्णयिष्यथ |
| | मर्णयिष्यामि | मर्णयिष्यावः | मर्णयिष्यामः |
| क्रि० | अमर्णयिष्यत् | अमर्णयिष्यताम् | अमर्णयिष्यन् |
| | अमर्णयिष्यः | अमर्णयिष्यतम् | अमर्णयिष्यत |
| | अमर्णयिष्यम् | अमर्णयिष्याव | अमर्णयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|----------------|
| व० | मर्णयते | मर्णयते | मर्णयते |
| | मर्णयसे | मर्णयसे | मर्णयसे |
| | मर्णय | मर्णयावहे | मर्णयामहे |
| स० | मर्णयत | मर्णययाताम् | मर्णययन् |
| | मर्णयथाः | मर्णययाथाम् | मर्णययवम् |
| | मर्णयय | मर्णययहि | मर्णययमहि |
| प० | मर्णयताम् | मर्णयताम् | मर्णयन्ताम् |
| | मर्णयस्व | मर्णयथाम् | मर्णययवम् |
| | मर्णये | मर्णयावहे | मर्णयामहे |
| ह्य० | अमर्णयत | अमर्णयताम् | अमर्णयन्त |
| | अमर्णयथाः | अमर्णयथाम् | अमर्णययवम् |
| | अमर्णय | अमर्णयावहि | अमर्णयामहि |
| अ० | अमीमृणत | अमीमृणताम् | अमीमृणन्त |
| | अमीमृणथाः | अमीमृणथाम् | अमीमृणयवम् |
| | अमीमृणे | अमीमृणावहि | अमीमृणामहि |
| | अममर्णत | अममर्णताम् | अममर्णन्त इ० |
| प० | मर्णयाञ्चके | मर्णयाञ्चकते | मर्णयाञ्चकिरे |
| | मर्णयाञ्चकृषे | मर्णयाञ्चकृथे | मर्णयाञ्चकृवे |
| | मर्णयाञ्चके | मर्णयाञ्चकृवहे | मर्णयाञ्चकृमहे |
| | मर्णयाम्बभूव | । | मर्णयामास |
| भा० | मर्णयिषीष्ट | मर्णयिषीयास्ताम् | मर्णयिषीरन् |
| | मर्णयिषीषाः | मर्णयिषीयास्थाम् | मर्णयिषीयवम् |
| | | | मर्णयिषीमहि |
| | मर्णयिषीय | मर्णयिषीवहि | मर्णयिषीमहि |
| श्व० | मर्णयिता | मर्णयितारौ | मर्णयितारः |
| | मर्णयितासे | मर्णयितासाथे | मर्णयितास्ये |
| | मर्णयिताहे | मर्णयितास्वहे | मर्णयितास्महे |
| भ० | मर्णयिष्यते | मर्णयिष्यते | मर्णयिष्यन्ते |
| | मर्णयिष्यते | मर्णयिष्यथे | मर्णयिष्यथे |
| | मर्णयिष्ये | मर्णयिष्यावहे | मर्णयिष्यामहे |
| क्रि० | अमर्णयिष्यत | अमर्णयिष्यताम् | अमर्णयिष्यन्त |
| | अमर्णयिष्यथाः | अमर्णयिष्यथाम् | अमर्णयिष्ययवम् |
| | अमर्णयिष्ये | अमर्णयिष्यावहि | अमर्णयिष्यामहि |

1363 दूणत् (दूण्) गतिकोटिल्ययोश्च

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० द्रोणयति | द्रोणयतः | द्रोणयन्ति |
| द्रोणयसि | द्रोणयथः | द्रोणयथ |
| द्रोणयामि | द्रोणयावः | द्रोणयामः |
| स० द्रोणयेत् | द्रोणयेताम् | द्रोणयेयुः |
| द्रोणयेः | द्रोणयेतम् | द्रोणयेत |
| द्रोणयेयम् | द्रोणयेव | द्रोणयेम |
| प० द्रोणयतु | द्रोणयतात् | द्रोणयन्तु |
| द्रोणय | द्रोणयतात् | द्रोणयत |
| द्रोणयानि | द्रोणयाव | द्रोणयाम |
| ह्य० अद्रोणयत् | अद्रोणयताम् | अद्रोणयन् |
| अद्रोणयः | अद्रोणयतम् | अद्रोणयत |
| अद्रोणयम् | अद्रोणयाव | अद्रोणयाम |
| अ० अदुद्रुणत् | अदुद्रुणताम् | अदुद्रुणन् |
| अदुद्रुणः | अदुद्रुणतम् | अदुद्रुणत |
| अदुद्रुणम् | अदुद्रुणाव | अदुद्रुणाम |
| प० द्रोणयाञ्चकार | द्रोणयाञ्चक्रुः | द्रोणयाञ्चकुः |
| द्रोणयाञ्चकथं | द्रोणयाञ्चक्रुः | द्रोणयाञ्चक |
| द्रोणयाञ्चकार-चकर | द्रोणयाञ्चक्रुव | द्रोणयाञ्चक्रम |
| द्रोणयाञ्चभूव | । द्रोणयामास | |
| आ० द्रोण्यात् | द्रोण्यास्ताम् | द्रोण्यासुः |
| द्रोण्याः | द्रोण्यास्तम् | द्रोण्यास्त |
| द्रोण्यासम् | द्रोण्यास्व | द्रोण्यासम् |
| श्व० द्रोणयिता | द्रोणयितारौ | द्रोणयितारः |
| द्रोणयितासि | द्रोणयितास्थः | द्रोणयितास्थ |
| द्रोणयितास्मि | द्रोणयितास्वः | द्रोणयितास्मः |
| भ० द्रोणयिष्यति | द्रोणयिष्यतः | द्रोणयिष्यन्ति |
| द्रोणयिष्यसि | द्रोणयिष्यथः | द्रोणयिष्यथ |
| द्रोणयिष्यामि | द्रोणयिष्यावः | द्रोणयिष्यामः |
| क्रि० अद्रोणयिष्यत् | अद्रोणयिष्यताम् | अद्रोणयिष्यन् |
| अद्रोणयिष्यः | अद्रोणयिष्यतम् | अद्रोणयिष्यत |
| अद्रोणयिष्यम् | अद्रोणयिष्याव | अद्रोणयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० द्रोणयते | द्रोणयेते | द्रोणयन्ते |
| द्रोणयसे | द्रोणयेथे | द्रोणयध्वे |
| द्रोणये | द्रोणयावहे | द्रोणयामहे |
| स० द्रोणयेत | द्रोणयेयाताम् | द्रोणयेरन् |
| द्रोणयेथाः | द्रोणयेयाथाम् | द्रोणयेष्वम् |
| द्रोणयेय | द्रोणयेबहि | द्रोणयेमहि |
| प० द्रोणयताम् | द्रोणयेताम् | द्रोणयन्ताम् |
| द्रोणयस्व | द्रोणयेथाम् | द्रोणयध्वम् |
| द्रोणये | द्रोणयावहे | द्रोणयामहे |
| ह्य० अद्रोणयत | अद्रोणयेताम् | अद्रोणयन्त |
| अद्रोणयथाः | अद्रोणयेथाम् | अद्रोणयध्वम् |
| अद्रोणये | अद्रोणयावहि | अद्रोणयामहि |
| अ० अदुद्रुणत | अदुद्रुणेताम् | अदुद्रुणन्त |
| अदुद्रुणथाः | अदुद्रुणेत्याम् | अदुद्रुणध्वम् |
| अदुद्रुणे | अदुद्रुणावहि | अदुद्रुणामहि |
| प० द्रोणयाञ्चके | द्रोणयाञ्चकते | द्रोणयाञ्चकिरे |
| द्रोणयाञ्चकृषे | द्रोणयाञ्चकाथे | द्रोणयाञ्चद्वे |
| द्रोणयाञ्चके | द्रोणयाञ्चकवहे | द्रोणयाञ्चक्रमहे |
| द्रोणयाञ्चभूव | । द्रोणयामास | |
| आ० द्रोणयिषीष्ट | द्रोणयिषीयास्ताम् | द्रोणयिषीरन् |
| द्रोणयिषीष्टाः | द्रोणयिषीयास्याम् | द्रोणयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| द्रोणयिषीय | द्रोणयिषीवहि | द्रोणयिषीमहि |
| श्व० द्रोणयिता | द्रोणयितारौ | द्रोणयितारः |
| द्रोणयितासे | द्रोणयितासाथे | द्रोणयिताध्वे |
| द्रोणयिताहे | द्रोणयितास्वहे | द्रोणयितास्महे |
| भ० द्रोणयिष्यते | द्रोणयिष्येते | द्रोणयिष्यन्ते |
| द्रोणयिष्यसे | द्रोणयिष्येथे | द्रोणयिष्यध्वे |
| द्रोणयिष्ये | द्रोणयिष्यावहे | द्रोणयिष्यामहे |
| क्रि० अद्रोणयिष्यत | अद्रोणयिष्येताम् | अद्रोणयिष्यन्त |
| अद्रोणयिष्यथाः | अद्रोणयिष्येथाम् | अद्रोणयिष्यध्वम् |
| अद्रोणयिष्ये | अद्रोणयिष्यावहि | अद्रोणयिष्यामहि |

1364 पुणत् (पुण) श्रुभे

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | पोणयति | पोणयतः | पोणयन्ति |
| | पोणयसि | पोणयथः | पोणयथ |
| | पोणयामि | पोणयावः | पोणयामः |
| स० | पोणयेत् | पोणयेताम् | पोणयेयुः |
| | पोणयेः | पोणयेतम् | पोणयेत |
| | पोणयेयम् | पोणयेव | पोणयेम |
| प० | पोणयतु | पोणयतात् | पोणयन्तु |
| | पोणय | पोणयतात् | पोणयतम् |
| | पोणयन्ति | पोणयाव | पोणयाम |
| ह्य० | अपोणयत् | अपोणयेताम् | अपोणयन् |
| | अपोणयः | अपोणयतम् | अपोणयत |
| | अपोणयम् | अपोणयाव | अपोणयाम |
| अ० | अपूणत् | अपूणताम् | अपूणन् |
| | अपूणः | अपूणतम् | अपूणत |
| | अपूणम् | अपूणाव | अपूणाम |
| प० | पोणयाञ्चकार | पोणयाञ्चक्रुः | पोणयाञ्चकुः |
| | पोणयाञ्चक्री | पोणयाञ्चक्रुः | पोणयाञ्चक |
| | पोणयाञ्चकार-चक्र | पोणयाञ्चक्रव | पोणयाञ्चक्रम |
| | पोणयाम्बभूव | । | पोणयामास |
| आ० | पोण्यात् | पोण्यास्ताम् | पोण्यासुः |
| | पोण्याः | पोण्यास्तम् | पोण्यास्त |
| | पोण्यासम् | पोण्यास्व | पोण्यासम |
| श्च० | पोणयिता | पोणयितारौ | पोणयितारः |
| | पोणयितासि | पोणयितास्थः | पोणयितास्थ |
| | पोणयितास्मि | पोणयितास्वः | पोणयितास्मः |
| भ० | पोणयिष्यति | पोणयिष्यतः | पोणयिष्यन्ति |
| | पोणयिष्यसि | पोणयिष्यथः | पोणयिष्यथ |
| | पोणयिष्यामि | पोणयिष्यावः | पोणयिष्यामः |
| क्रि० | अपोणयिष्यत् | अपोणयिताम् | अपोणयिष्यन् |
| | अपोणयिष्यः | अपोणयिष्यतम् | अपोणयिष्यत |
| | अपोणयिष्यम् | अपोणयिष्याव | अपोणयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पोणयते | पोणयेत | पोणयन्ते |
| | पोणयसे | पोणयेथे | पोणयध्वे |
| | पोणये | पोणयावहे | पोणयामहे |
| स० | पोणयेत | पोणयेताम् | पोणयेरन् |
| | पोणयेथाः | पोणयेथाम् | पोणयेध्वम् |
| | पोणयेय | पोणयेवहि | पोणयेमहि |
| प० | पोणयताम् | पोणयेताम् | पोणयन्ताम् |
| | पोणयस्व | पोणयेथाम् | पोणयध्वम् |
| | पोणयै | पोणयावहे | पोणयामहे |
| ह्य० | अपोणयत | अपोणयेताम् | अपोणयन्त |
| | अपोणयथाः | अपोणयेथाम् | अपोणयध्वम् |
| | अपोणये | अपोणयावहि | अपोणयामहि |
| अ० | अपूणत् | अपूणताम् | अपूणन्त |
| | अपूणयाः | अपूणयाम् | अपूणध्वम् |
| | अपूणये | अपूणावहि | अपूणामहि |
| प० | पोणयाञ्चके | पोणयाञ्चक्रते | पोणयाञ्चक्रिरे |
| | पोणयाञ्चकृषे | पोणयाञ्चक्राथे | पोणयाञ्चकृढ्वे |
| | पोणयाञ्चके | पोणयाञ्चकृवहे | पोणयाञ्चकृमहे |
| | पोणयाम्बभूव | । | पोणयामास |
| आ० | पोणयिषीष्ट | पोणयिषीयास्ताम् | पोणयिषीरन् |
| | पोणयिषीष्टाः | पोणयिषीयास्ताम् | पोणयिषीढ्वम् |
| | पोणयिषीय | पोणयिषीवहि | पोणयिषीमहि |
| श्च० | पोणयिता | पोणयितारौ | पोणयितारः |
| | पोणयितासे | पोणयितासाथे | पोणयिताध्वे |
| | पोणयिताहे | पोणयितावहे | पोणयितामहे |
| भ० | पोणयिष्यन्ते | पोणयिष्येते | पोणयिष्यन्ते |
| | पोणयिष्यसे | पोणयिष्येथे | पोणयिष्यध्वे |
| | पोणयिष्ये | पोणयिष्यावहे | पोणयिष्यामहे |
| क्रि० | अपोणयिष्यत | अपोणयिष्येताम् | अपोणयिष्यन्त |
| | अपोणयिष्यथाः | अपोणयिष्येथाम् | अपोणयिष्यध्वम् |
| | अपोणयिष्ये | अपोणयिष्यावहि | अपोणयिष्यामहि |

1365 मुणत् (मुण्) प्रतिज्ञाने

| | | | |
|-------|-----------------|--------------|--------------|
| ब० | मोणयति | मोणयतः | मोणयन्ति |
| | मोणयसि | मोणयथः | मोणयथ |
| | मोणयामि | मोणयावः | मोणयामः |
| स० | मोणयेत् | मोणयेताम् | मोणयेयुः |
| | मोणयेः | मोणयेतम् | मोणयेत |
| | मोणयेयम् | मोणयेव | मोणयेम |
| प० | मोणयतु | मोणयतात् | मोणयन्तु |
| | मोणय | मोणयतात् | मोणयतम् |
| | मोणयानि | मोणयाव | मोणयाम |
| ह्य० | अमोणयत् | अमोणयेताम् | अमोणयन् |
| | अमोणयः | अमोणयतम् | अमोणयत |
| | अमोणयम् | अमोणयाव | अमोणयाम |
| अ० | अमूमुणत् | अमूमुणताम् | अमूमुणन् |
| | अमूमुणः | अमूमुणतम् | अमूमुणत |
| | अमूमुणम् | अमूमुणाव | अमूमुणाम |
| प० | मोणयाञ्चकार | मोणयाञ्चकतुः | मोणयाञ्चकुः |
| | मोणयाञ्चकथं | मोणयाञ्चकथुः | मोणयाञ्चक |
| | मोणयाञ्चकार-चकर | मोणयाञ्चकृव | मोणयाञ्चकृम |
| | मोणयाञ्चभूव | । | मोणयामास |
| आ० | मोण्यात् | मोण्यास्ताम् | मोण्यासुः |
| | मोण्याः | मोण्यास्तम् | मोण्यास्त |
| | मोण्यासम् | मोण्यास्व | मोण्यास्म |
| इव० | मोणयिता | मोणयितारौ | मोणयितारः |
| | मोणयितासि | मोणयितास्थः | मोणयितास्थ |
| | मोणयितास्मि | मोणयितास्वः | मोणयितास्मः |
| अ० | मोणयिष्यति | मोणयिष्यतः | मोणयिष्यन्ति |
| | मोणयिष्यसि | मोणयिष्यथः | मोणयिष्यथ |
| | मोणयिष्यामि | मोणयिष्यावः | मोणयिष्यामः |
| क्रि० | अमोणयिष्यत् | अमोणयिताम् | अमोणयिष्यन् |
| | अमोणयिष्यः | अमोणयिष्यतम् | अमोणयिष्यत |
| | अमोणयिष्यम् | अमोणयिष्याव | अमोणयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | मोणयेते | मोणयेते | मोणयेन्ते |
| | मोणयसे | मोणयेथे | मोणयध्वे |
| | मोणये | मोणयावहे | मोणयामहे |
| स० | मोणयेत | मोणयेताम् | मोणयेरन् |
| | मोणयेथाः | मोणयेथाम् | मोणयेध्वम् |
| | मोणयेय | मोणयेवहि | मोणयेमहि |
| प० | मोणयताम् | मोणयताम् | मोणयन्ताम् |
| | मोणयस्व | मोणयेथाम् | मोणयध्वम् |
| | मोणये | मोणयावहे | मोणयामहे |
| ह्य० | अमोणयत | अमोणयेताम् | अमोणयन्त |
| | अमोणयथाः | अमोणयेथाम् | अमोणयध्वम् |
| | अमोणये | अमोणयावहि | अमोणयामहि |
| अ० | अमूमुणत् | अमूमुणताम् | अमूमुणन्त |
| | अमूमुणथाः | अमूमुणथाम् | अमूमुणध्वम् |
| | अमूमुणे | अमूमुणावहि | अमूमुणामहि |
| प० | मोणयाञ्चके | मोणयाञ्चकाते | मोणयाञ्चकिरे |
| | मोणयाञ्चकृषे | मोणयाञ्चकृषे | मोणयाञ्चकृद्वे |
| | मोणयाञ्चके | मोणयाञ्चकृवहे | मोणयाञ्चकृमहे |
| | मोणयाञ्चभूव | । | मोणयामास |
| आ० | मोणयिषीष्ट | मोणयिषीयास्ताम् | मोणयिषीरन् |
| | मोणयिषीष्टा | मोणयिषीयास्थाम् | मोणयिषीध्वम् |
| | मोणयिषीय | मोणयिषीवहि | मोणयिषीमहि |
| इव० | मोणयिता | मोणयितारौ | मोणयितारः |
| | मोणयितासे | मोणयितासाथे | मोणयिताध्वे |
| | मोणयिताहे | मोणयितास्वहे | मोणयितास्महे |
| अ० | मोणयिष्यते | मोणयिष्येते | मोणयिष्यन्ते |
| | मोणयिष्यसे | मोणयिष्येथे | मोणयिष्यध्वे |
| | मोणयिष्ये | मोणयिष्यावहे | मोणयिष्यामहे |
| क्रि० | अमोणयिष्यत | अमोणयिष्यताम् | अमोणयिष्यन्त |
| | अमोणयिष्यथाः | अमोणयिष्यथाम् | अमोणयिष्यध्वम् |
| | अमोणयिष्ये | अमोणयिष्यावहि | अमोणयिष्यामहि |

1366 कुणत् (कुण्) शब्दोपकरणयोः ।

| | | | |
|-------|-----------------|--------------|--------------|
| व० | कोणयति | कोणयतः | कोणयन्ति |
| | कोणयसि | कोणयथः | कोणयथ |
| | कोणयामि | कोणयावः | कोणयामः |
| स० | कोणयेत् | कोणयेताम् | कोणयेयुः |
| | कोणयेः | कोणयेतम् | कोणयेत |
| | कोणयेयम् | कोणयेव | कोणयेम |
| प० | कोणयतु | कोणयतात् | कोणयतम् |
| | कोणय | कोणयतात् | कोणयतम् |
| | कोणयानि | कोणयाव | कोणयाम |
| ह्य० | अकोणयत् | अकोणयेताम् | अकोणयन् |
| | अकोणयः | अकोणयतम् | अकोणयत |
| | अकोणयम् | अकोणयाव | अकोणयाम |
| अ० | अचूकुणत् | अचूकुणताम् | अचूकुणन् |
| | अचूकुणः | अचूकुणतम् | अचूकुणत |
| | अचूकुणम् | अचूकुणाव | अचूकुणाम |
| प० | कोणयाञ्चकार | कोणयाञ्चकतुः | कोणयाञ्चकुः |
| | कोणयाञ्चकथं | कोणयाञ्चकथुः | कोणयाञ्चक |
| | कोणयाञ्चकार-चकर | कोणयाञ्चकृव | कोणयाञ्चकृम |
| | कोणयाञ्चभूव | । | कोणयामास |
| भा० | कोण्यात् | कोण्यास्ताम् | कोण्यासुः |
| | कोण्याः | कोण्यास्तम् | कोण्यास्त |
| | कोण्यासम् | कोण्यास्व | कोणयारम |
| भ्व० | कोणयिता | कोणयितारौ | कोणयितारः |
| | कोणयितासि | कोणयितास्थः | कोणयितास्थ |
| | कोणयितास्मि | कोणयितास्वः | कोणयितास्मः |
| भ० | कोणयिष्यति | कोणयिष्यतः | कोणयिष्यन्ति |
| | कोणयिष्यसि | कोणयिष्यथः | कोणयिष्यथ |
| | कोणयिष्यामि | कोणयिष्यावः | कोणयिष्यामः |
| क्रि० | अकोणयिष्यत् | अकोणयिताम् | अकोणयिष्यन् |
| | अकोणयिष्यः | अकोणयिष्यतम् | अकोणयिष्यत |
| | अकोणयिष्यम् | अकोणयिष्याव | अकोणयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | कोणयते | कोणयेते | कोणयन्ते |
| | कोणयसे | कोणयेथे | कोणयध्वे |
| | कोणये | कोणयावहे | कोणयामहे |
| स० | कोणयेत | कोणयेयाताम् | कोणयेरन् |
| | कोणयेथाः | कोणयेयाथाम् | कोणयेध्वम् |
| | कोणयेय | कोणयेवहि | कोणयेमहि |
| प० | कोणयताम् | कोणयताम् | कोणयन्ताम् |
| | कोणयस्व | कोणयेथाम् | कोणयध्वम् |
| | कोणये | कोणयावहे | कोणयामहे |
| ह्य० | अकोणयत | अकोणयेताम् | अकोणयन्त |
| | अकोणयथाः | अकोणयेथाम् | अकोणयध्वम् |
| | अकोणये | अकोणयावहि | अकोणयामहि |
| अ० | अचूकुणत् | अचूकुणताम् | अचूकुणन्त |
| | अचूकुणाः | अचूकुणथाम् | अचूकुणध्वम् |
| | अचूकुणे | अचूकुणावहि | अचूकुणामहि |
| प० | कोणयाञ्चके | कोणयाञ्चकाते | कोणयाञ्चकिरे |
| | कोणयाञ्चकृषे | कोणयाञ्चकाथे | कोणयाञ्चकृद्वे |
| | कोणयाञ्चके | कोणयाञ्चकृवहे | कोणयाञ्चकृमहे |
| | कोणयाञ्चभूव | । | कोणयामास |
| भा० | कोणयिषीष्ट | कोणयिषीयास्ताम् | कोणयिषीरन् |
| | कोणयिषीष्टाः | कोणयिषीयास्थाम् | कोणयिषीध्वम् |
| | कोणयिषीय | कोणयिषीवहि | कोणयिषीमहि |
| भ्व० | कोणयिता | कोणयितारौ | कोणयितारः |
| | कोणयितासे | कोणयितासाथे | कोणयिताध्वे |
| | कोणयिताहे | कोणयितास्वहे | कोणयितास्महे |
| भ० | कोणयिष्यते | कोणयिष्येते | कोणयिष्यन्ते |
| | कोणयिष्यसे | कोणयिष्येथे | कोणयिष्यध्वे |
| | कोणयिष्ये | कोणयिष्यावहे | कोणयिष्यामहे |
| क्रि० | अकोणयिष्यत | अकोणयिष्येताम् | अकोणयिष्यन्त |
| | अकोणयिष्यथाः | अकोणयिष्येथाम् | अकोणयिष्यध्वम् |
| | अकोणयिष्ये | अकोणयिष्यावहि | अकोणयिष्यामहि |

1367 घुणत् (घुण्) भ्रमगे । 708 घुणिवद्रूपाणि
1368 घूर्णत् (घूर्ण्) भ्रमगे । 709 घूर्णिवद्रूपाणि

1369 चृत्तैत् (चृत्) हिंसाग्रन्थयोः

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|----------------|
| व० | चर्तयति | चर्तयतः | चर्तयन्ति |
| | चर्तयसि | चर्तयथः | चर्तयथ |
| | चर्तयामि | चर्तयावः | चर्तयामः |
| स० | चर्तयेत् | चर्तयेताम् | चर्तयेयुः |
| | चर्तयेः | चर्तयेतम् | चर्तयेत |
| | चर्तयेयम् | चर्तयेव | चर्तयेम |
| प० | चर्तयतु | चर्तयतात् | चर्तयताम् |
| | चर्तय | चर्तयतात् | चर्तयतम् |
| | चर्तयानि | चर्तयाव | चर्तयाम |
| ह्य० | अचर्तयत् | अचर्तयताम् | अचर्तयन् |
| | अचर्तयः | अचर्तयतम् | अचर्तयत |
| | अचर्तयम् | अचर्तयाव | अचर्तयाम |
| अ० | अचीचृतत् | अचीचृतताम् | अचीचृतन् |
| | अचीचृतः | अचीचृततम् | अचीचृतत |
| | अचीचृतम् | अचीचृताव | अचीचृताम |
| | अचीचर्तत् | अचीचर्तताम् | अचीचर्तन् इ० |
| प० | चर्तयाश्चकार | चर्तयाश्चक्रुः | चर्तयाश्चक्रुः |
| | चर्तयाश्चकथं | चर्तयाश्चक्रुः | चर्तयाश्चक्रुः |
| | चर्तयाश्चकार, चकर | चर्तयाश्चक्रुव | चर्तयाश्चक्रुम |
| | चर्तयाम्बभूव | । | चर्तयामास |
| आ० | चर्त्यात् | चर्त्यास्ताम् | चर्त्याम्: |
| | चर्त्याः | चर्त्यास्तम् | चर्त्यास्त |
| | चर्त्यासम् | चर्त्यास्व | चर्त्यास्म |
| च० | चर्तयिता | चर्तयितारौ | चर्तयितारः |
| | चर्तयितासि | चर्तयितास्थः | चर्तयितास्थ |
| | चर्तयितास्मि | चर्तयितास्वः | चर्तयितास्मः |
| भ० | चर्तयिष्यति | चर्तयिष्यतः | चर्तयिष्यन्ति |
| | चर्तयिष्यसि | चर्तयिष्यथः | चर्तयिष्यथ |
| | चर्तयिष्यामि | चर्तयिष्यावः | चर्तयिष्यामः |
| क्रि० | अचर्तयिष्यत् | अचर्तयिष्यताम् | अचर्तयिष्यन् |
| | अचर्तयिष्यः | अचर्तयिष्यतम् | अचर्तयिष्यत |
| | अचर्तयिष्यम् | अचर्तयिष्याव | अचर्तयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|------------------|
| व० | चर्तयते | चर्तयेते | चर्तयन्ते |
| | चर्तयसे | चर्तयथे | चर्तयवे |
| | चर्तय | चर्तयावहे | चर्तयामहे |
| स० | चर्तयेत | चर्तयेयाताम् | चर्तयेरन् |
| | चर्तयेथाः | चर्तयेयाथाम | चर्तयेध्वम् |
| | चर्तयेय | चर्तयेवहि | चर्तयेमहि |
| प० | चर्तयताम् | चर्तयेताम् | चर्तयन्ताम् |
| | चर्तयस्व | चर्तयेथाम् | चर्तयध्वम् |
| | चर्तये | चर्तयावहे | चर्तयामहे |
| ह्य० | अचर्तयत | अचर्तयेताम् | अचर्तयन्त |
| | अचर्तयथाः | अचर्तयेथाम् | अचर्तयध्वम् |
| | अचर्तये | अचर्तयावहि | अचर्तयामहि |
| अ० | अचीचृतत | अचीचृतेताम् | अचीचृतन्त |
| | अचीचृतथाः | अचीचृतेथाम् | अचीचृतध्वम् |
| | अचीचृते | अचीचृतावहि | अचीचृतामहि |
| | अचर्तत | अचर्तन्ताम् | अचर्तन्त इ० |
| प० | चर्तयाश्चक्रे | चर्तयाश्चक्राते | चर्तयाश्चक्रिरे |
| | चर्तयाश्चक्रेषे | चर्तयाश्चक्राथे | चर्तयाश्चक्रुवे |
| | चर्तयाश्चक्रे | चर्तयाश्चक्रुवहे | चर्तयाश्चक्रुमहे |
| | चर्तयाम्यभूव | । | चर्तयामास |
| आ० | चर्तयिषीष्ट | चर्तयिषीष्टाताम् | चर्तयिषीरन् |
| | चर्तयिषीष्टाः | चर्तयिषीष्टाथाम् | चर्तयिषीध्वम् |
| | चर्तयिषीय | चर्तयिषीवहि | चर्तयिषीमहि |
| च० | चर्तयिता | चर्तयितारौ | चर्तयितारः |
| | चर्तयितासे | चर्तयितासाथे | चर्तयिताध्वे |
| | चर्तयिताहे | चर्तयितास्वहे | चर्तयितास्महे |
| भ० | चर्तयिष्यते | चर्तयिष्येते | चर्तयिष्यन्ते |
| | चर्तयिष्यसे | चर्तयिष्यथे | चर्तयिष्यध्वे |
| | चर्तयिष्ये | चर्तयिष्यावहे | चर्तयिष्यामहे |
| क्रि० | अचर्तयिष्यत | अचर्तयिष्येताम् | अचर्तयिष्यन्त |
| | अचर्तयिष्यथाः | अचर्तयिष्येथाम् | अचर्तयिष्यध्वम् |
| | अचर्तयिष्ये | अचर्तयिष्यावहि | अचर्तयिष्यामहि |

मुनिश्रीलाक्षणवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रियां (११८५)

1370 णुदंत (नुद्) प्रेरणे

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० नोदयति | नोदयतः | नोदयन्ति |
| नोदयसि | नोदयथः | नोदयथ |
| नोदयामि | नोदयावः | नोदयामः |
| स० नोदयेत् | नोदयेताम् | नोदयेयुः |
| नोदयः | नोदयेतम् | नोदयेत |
| नोदयेयम् | नोदयेव | नोदयेम |
| प० नोदयतु | नोदयतात् | नोदयताम् |
| नोदय | नोदयतात् | नोदयतम् |
| नोदयानि | नोदयाव | नोदयाम |
| ह्य० अनोदयत् | अनोदयताम् | अनोदयन् |
| अनोदयः | अनोदयतम् | अनोदयत |
| अनोदयम् | अनोदयाव | अनोदयाम |
| अ० अनूनुदत् | अनूनुदताम् | अनूनुदन् |
| अनूनुदः | अनूनुदतम् | अनूनुदत |
| अनूनुदम् | अनूनुदाव | अनूनुदाम |
| प० नोदयाञ्चकार | नोदयाञ्चक्रुः | नोदयाञ्चक्रुः |
| नोदयाञ्चकथं | नोदयाञ्चकथुः | नोदयाञ्चक्र |
| नोदयाञ्चकार-चकर | नोदयाञ्चकृव | नोदयाञ्चक्रम |
| नोदयाम्बभूव | । | नोदयामास |
| आ० नोद्यात् | नोद्यास्ताम् | नोद्यासुः |
| नोद्याः | नोद्यास्तम् | नोद्यास्त |
| नोद्यासम् | नोद्यास्व | नोद्यास्म |
| श्व० नोदयिता | नोदयितारौ | नोदयितारः |
| नोदयितासि | नोदयितास्थः | नोदयितास्थ |
| नोदयितास्मि | नोदयितास्वः | नोदयितास्मः |
| भ० नोदयिष्यति | नोदयिष्यतः | नोदयिष्यन्ति |
| नोदयिष्यसि | नोदयिष्यथः | नोदयिष्यथ |
| नोदयिष्यामि | नोदयिष्यावः | नोदयिष्यामः |
| क्रि० अनोदयिष्यत् | अनोदयिष्यताम् | अनोदयिष्यन् |
| अनोदयिष्यः | अनोदयिष्यतम् | अनोदयिष्यत |
| अनोदयिष्यम् | अनोदयिष्याव | अनोदयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० नोदयते | नोदयेते | नोदयन्ते |
| नोदयसे | नोदयेथे | नोदयध्वे |
| नोदये | नोदयावहे | नोदयामहे |
| स० नोदयेत | नोदयेयाताम् | नोदयेरन् |
| नोदयेथाः | नोदयेयाथाम् | नोदयेध्वम् |
| नोदयेय | नोदयेवहि | नोदयेमहि |
| प० नोदयताम् | नोदयेताम् | नोदयन्ताम् |
| नोदयस्व | नोदयेथाम् | नोदयध्वम् |
| नोदये | नोदयावहे | नोदयामहे |
| ह्य० अनोदयत | अनोदयेताम् | अनोदयन्त |
| अनोदयथाः | अनोदयेथाम् | अनोदयध्वम् |
| अनोदये | अनोदयावहि | अनोदयामहि |
| अ० अनूनुदत | अनूनुदेताम् | अनूनुदन्त |
| अनूनुदथाः | अनूनुदेथाम् | अनूनुदध्वम् |
| अनूनुदे | अनूनुदावहि | अनूनुदावहि |
| प० नोदयाञ्चके | नोदयञ्चक्राते | नोदयाञ्चक्रिरे |
| नोदयाञ्चकृषे | नोदयाञ्चक्राथे | नोदयाञ्चकृद्वे |
| नोदयाञ्चके | नोदयाञ्चक्रवहे | नोदयाञ्चक्रमहे |
| नोदयाम्बभूव | । | नोदयामास |
| आ० नोदयिषीष्ट | नोदयिषीयास्ताम् | नोदयिषीरन् |
| नोदयिषीष्टाः | नोदयिषीयास्थाम् | नोदयिषीध्वम् |
| नोदयिषीय | नोदयिषीवहि | नोदयिषीमहि |
| श्व० नोदयिता | नोदयितारौ | नोदयितारः |
| नोदयितासे | नोदयितासाथे | नोदयिताध्वे |
| नोदयिताहे | नोदयितास्वहे | नोदयितास्महे |
| भ० नोदयिष्यते | नोदयिष्यते | नोदयिष्यन्ते |
| नोदयिष्यसे | नोदयिष्यथे | नोदयिष्यध्वे |
| नोदयिष्ये | नोदयिष्यावहे | नोदयिष्यामहे |
| क्रि० अनोदयिष्यत | अनोदयिष्येताम् | अनोदयिष्यन्त |
| अनोदयिष्यथाः | अनोदयिष्येथाम् | अनोदयिष्यध्वम् |
| अनोदयिष्ये | अनोदयिष्यावहि | अनोदयिष्यामहि |

1371 षद्लंत (सद् अवसादने । 766 षद्लंत वङ्गपाणि

1372 विधत् (विध्) विधाने

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | वेधयति | वेधयतः | वेधयन्ति |
| | वेधयसि | वेधयथ | वेधयथ |
| | वेधयामि | वेधयाव | वेधयामः |
| स० | वेधयेत् | वेधयेताम् | वेधयेयुः |
| | वेधयेः | वेधयेतम् | वेधयेत |
| | वेधयेयम् | वेधयेव | वेधयेम |
| प० | वेधयतु | वेधयतात् | वेधयन्तु |
| | वेधय | वेधयतात् | वेधयत |
| | वेधयानि | वेधयाव | वेधयाम |
| ह्य० | अवेधयत् | अवेधयताम् | अवेधयन् |
| | अवेधयः | अवेधयतम् | अवेधयत |
| | अवेधयम् | अवेधयाव | अवेधयाम |
| अ० | अवीविधत् | अवीविधताम् | अवीविधन् |
| | अवीविधः | अवीविधतम् | अवीविधत |
| | अवीविधम् | अवीविधाव | अवीविधाम |
| प० | वेधयाञ्चकार | वेधयाञ्चकतुः | वेधयाञ्चकुः |
| | वेधयाञ्चकथं | वेधयाञ्चकथुः | वेधयाञ्चक |
| | वेधयाञ्चकारत्चकर | वेधयाञ्चकव | वेधयाञ्चकम |
| | वेधयाम्बभूव | । | वेधयामास |
| आ० | वेध्यात् | वेध्यास्ताम् | वेध्यासुः |
| | वेध्याः | वेध्यास्तम् | वेध्यास्त |
| | वेध्यासम् | वेध्यास्व | वेध्यास्म |
| भ्व० | वेधयिता | वेधयितारौ | वेधयितारः |
| | वेधयितासि | वेधयितास्थः | वेधयितास्थ |
| | वेधयितास्मि | वेधयितास्वः | वेधयितास्थ |
| भ० | वेधयिष्यति | वेधयिष्यतः | वेधयिष्यन्ति |
| | वेधयिष्यसि | वेधयिष्यथः | वेधयिष्यथ |
| | वेधयिष्यामि | वेधयिष्यावः | वेधयिष्यामः |
| क्रि० | अवेधयिष्यत् | अवेधयिष्यताम् | अवेधयिष्यन् |
| | अवेधयिष्यः | अवेधयिष्यतम् | अवेधयिष्यत |
| | अवेधयिष्यम् | अवेधयिष्याव | अवेधयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | वेधयते | वेधयेते | वेधयन्ते |
| | वेधयसे | वेधयेथे | वेधयन्वे |
| | वेधये | वेधयावहे | वेधयामहे |
| स० | वेधयेत | वेधयेयाताम् | वेधयेरन् |
| | वेधयेथाः | वेधयेयाथाम् | वेधयेष्वम् |
| | वेधयेय | वेधयेवहि | वेधयेमहि |
| प० | वेधयताम् | वेधयेताम् | वेधयन्ताम् |
| | वेधयस्व | वेधयेथाम् | वेधयस्वम् |
| | वेधये | वेधयावहे | वेधयामहे |
| ह्य० | अवेधयत | अवेधयेताम् | अवेधयन्त |
| | अवेधयथाः | अवेधयेथाम् | अवेधयन्वम् |
| | अवेधये | अवेधयावहि | अवेधयामहि |
| अ० | अवीविधत | अवीविधेताम् | अवीविधन्त |
| | अवीविधथाः | अवीविधेथाम् | अवीविधन्वम् |
| | अवीविधे | अवीविधावहि | अवीविधामहि |
| प० | वेधयाञ्चके | वेधयाञ्चकाते | वेधयाञ्चकिरे |
| | वेधयाञ्चकृषे | वेधयाञ्चकृषे | वेधयाञ्चकृद्वे |
| | वेधयाञ्चके | वेधयाञ्चकृवहे | वेधयाञ्चकृमहे |
| | वेधयाम्बभूव | । | वेधयामास |
| आ० | वेधयिषीष्ट | वेधयिषीयास्ताम् | वेधयिषीरन् |
| | वेधयिषीष्टाः | वेधयिषीयास्थाम् | वेधयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | वेधयिषीय | वेधयिषीवहि | वेधयिषीमहि |
| भ्व० | वेधयिता | वेधयितारौ | वेधयितारः |
| | वेधयितासे | वेधयितासाथे | वेधयिताश्वे |
| | वेधयिताहे | वेधयितास्वहे | वेधयितास्महे |
| भ० | वेधयिष्यते | वेधयिष्येते | वेधयिष्यन्ते |
| | वेधयिष्यसे | वेधयिष्येथे | वेधयिष्यन्वे |
| | वेधयिष्ये | वेधयिष्यावहे | वेधयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेधयिष्यत | अवेधयिष्येताम् | अवेधयिष्यन्त |
| | अवेधयिष्यथाः | अवेधयिष्येथाम् | अवेधयिष्यन्वम् |
| | अवेधयिष्ये | अवेधयिष्यावहि | अवेधयिष्यामहि |

1373 जुन्त् (जुन्) गतौ ।

| | | | |
|------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | जोनयति | जोनयतः | जोनयन्ति |
| | जोनयसि | जोनयथः | जोनयथ |
| | जोनयामि | जोनयावः | जोनयामः |
| स० | जोनयेत् | जोनयेताम् | जोनयेयुः |
| | जोनयेः | जोनयेतम् | जोनयेत |
| | जोनयेयम् | जोनयेव | जोनयेम |
| प० | जोनयतु | जोनयतात् | जोनयताम् |
| | जोनय | जोनयतात् | जोनयतम् |
| | जोनयानि | जोनयाव | जोनयाम |
| ह्य० | अजोनयत् | अजोनयताम् | अजोनयन् |
| | अजोनयः | अजोनयतम् | अजोनयत |
| | अजोनयम् | अजोनयाव | अजोनयाम |
| अ० | अजुजुनत् | अजुजुनताम् | अजुजुनन् |
| | अजुजुनः | अजुजुनतम् | अजुजुनत |
| | अजुजुनम् | अजुजुनाव | अजुजुनाम |
| प० | जोनयाश्चकार | जोनयाश्चक्रुः | जोनयाश्चकुः |
| | जोनयाश्चकथे | जोनयाश्चकथुः | जोनयाश्चक्रु |
| | जोनयाश्चकार-चकर | जोनयाश्चकृव | जोनयाश्चकृम |

जोनयाम्बभूव । जोनयामास

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| आ० | जोन्यात् | जोन्यास्ताम् | जोन्यासुः |
| | जोन्याः | जोन्यास्तम् | जोन्यास्त |
| | जोन्यासम् | जोन्यास्व | जोन्यास्म |
| श्र० | जोनयिता | जोनयितारौ | जोनयितारः |
| | जोनयितासि | जोनयितास्थः | जोनयितास्थ |
| | जोनयितास्मि | जोनयितास्वः | जोनयितास्मः |
| म० | जोनयिष्यति | जोनयिष्यतः | जोनयिष्यन्ति |
| | जोनयिष्यसि | जोनयिष्यथः | जोनयिष्यथ |
| | जोनयिष्यामि | जोनयिष्यावः | जोनयिष्यामः |
| क्रि० | अजोनयिष्यत् | अजोनयिष्यताम् | अजोनयिष्यन् |
| | अजोनयिष्यः | अजोनयिष्यतम् | अजोनयिष्यत |
| | अजोनयिष्यम् | अजोनयिष्याव | अजोनयिष्याम |

| | | | |
|------|--------------|---------------|----------------|
| व० | जोनयते | जोनयेते | जोनयन्ते |
| | जोनयसे | जोनयेथे | जोनयध्वे |
| | जोनये | जोनयावहे | जोनयामहे |
| स० | जोनयेत | जोनयेयाताम् | जोनयेरन् |
| | जोनयेथाः | जोनयेयाथाम् | जोनयेध्वम् |
| | जोनयेय | जोनयेवहि | जोनयेमहि |
| प० | जोनयताम् | जोनयेताम् | जोनयन्ताम् |
| | जोनयस्व | जोनयेथाम् | जोनयध्वम् |
| | जोनयै | जोनयावहे | जोनयामहे |
| ह्य० | अजोनयत | अजोनयताम् | अजोनयन्त |
| | अजोनयथाः | अजोनयेथाम् | अजोनयध्वम् |
| | अजोनये | अजोनयावहि | अजोनयामहि |
| अ० | अजुजुनत | अजुजुनताम् | अजुजुनन्त |
| | अजुजुनथाः | अजुजुनथाम् | अजुजुनध्वम् |
| | अजुजुने | अजुजुनावहि | अजुजुनामहि |
| प० | जोनयाश्चक्रे | जोनयाश्चक्रते | जोनयाश्चक्रिरे |
| | जोनयाश्चकृषे | जोनयाश्चकृथे | जोनयाश्चकृद्वे |
| | जोनयाश्चक्रे | जोनयाश्चकृवहे | जोनयाश्चकृमहे |
| | जोनयाम्बभूव | जोनयामास | |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| आ० | जोनयिषीष्ट | जोनयिषीस्ताम् | जोनयिषीरन् |
| | जोनयिषीष्टाः | जोनयिषीस्थाम् | जोनयिषीढ्वम् |
| | जोनयिषीय | जोनयिषीवहि | जोनयिषीमहि |
| श्र० | जोनयिता | जोनयितारौ | जोनयितारः |
| | जोनयितासे | जोनयितासाथे | जोनयिताध्वे |
| | जोनयिताहे | जोनयितास्वहे | जोनयितास्महे |
| म० | जोनयिष्येते | जोनयिष्येते | जोनयिष्यन्ते |
| | जोनयिष्यसे | जोनयिष्येथे | जोनयिष्यध्वे |
| | जोनयिष्ये | जोनयिष्यावहे | जोनयिष्यामहे |
| क्रि० | अजोनयिष्यत | अजोनयिष्यताम् | अजोनयिष्यन्त |
| | अजोनयिष्यथाः | अजोनयिष्येथाम् | अजोनयिष्यध्वम् |
| | अजोनयिष्ये | अजोनयिष्यावहि | अजोनयिष्यामहि |

1374 शुन्त् (शुन्) गतौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | शानयति | शोनयतः | शोनयन्ति |
| | शोनयसि | शोनयथः | शोनयथ |
| | शोनयामि | शोनयावः | शोनयामः |
| स० | शोनयेत् | शोनयेताम् | शोनयेयुः |
| | शोनयेः | शोनयेतम् | शोनयेत |
| | शोनयेयम् | शोनयेव | शोनयेम |
| प० | शोनयतु | शोनयतात् | शोनयताम् |
| | शोनय | शोनयतात् | शोनयतम् |
| | शोनयानि | शोनयाव | शोनयाम |
| ह्य० | अशोनयत् | अशोनयताम् | अशोनयन् |
| | अशोनयः | अशोनयतम् | अशोनयत |
| | अशोनयम् | अशोनयाव | अशोनयाम |
| अ० | अशुशुनत् | अशुशुनताम् | अशुशुनन् |
| | अशुशुनः | अशुशुनतम् | अशुशुनत |
| | अशुशुनम् | अशुशुनाव | अशुशुनाम |
| प० | शोनयाश्चकार | शोनयाश्चक्रुः | शोनयाश्चकुः |
| | शोनयाश्चकथे | शोनयाश्चकथुः | शोनयाश्चक |
| | शोनयाश्चकार-चकर | शोनयाश्चकृव | शोनयाश्चकृम |
| | शोनयाम्बभूव | । | शोनयामास |
| | शोन्यात् | शोन्यास्ताम् | शोन्यासुः |
| | शोन्याः | शोन्यास्तम् | शोन्यास्त |
| | शोन्यासम् | शोन्यास्व | शोन्यास्म |
| श० | शोनयिता | शोनयितारौ | शोनयितारः |
| | शोनयितासि | शोनयितास्यः | शोनयितास्थ |
| | शोनयितास्मि | शोनयितास्वः | शोनयितास्मः |
| श० | शोनयिष्यति | शोनयिष्यतः | शोनयिष्यन्ति |
| | शोनयिष्यसि | शोनयिष्यथः | शोनयिष्यथ |
| | शोनयिष्यामि | शोनयिष्यावः | शोनयिष्यामः |
| क्रि० | अशोनयिष्यत् | अशोनयिष्यताम् | अशोनयिष्यन् |
| | अशोनयिष्यः | अशोनयिष्यतम् | अशोनयिष्यत |
| | अशोनयिष्यम् | अशोनयिष्याव | अशोनयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शोनयते | शोनयेते | शोनयन्ते |
| | शोनयसे | शोनयेथे | शोनयन्थे |
| | शोनये | शोनयावहे | शोनयामहे |
| स० | शोनयेत | शोनयेयाताम् | शोनयेरन् |
| | शोनयेथाः | शोनयेयाथाम् | शोनयेवम् |
| | शोनयेय | शोनयेवहि | शोनयेमहि |
| प० | शोनयताम् | शोनयेताम् | शोनयन्ताम् |
| | शोनयस्व | शोनयेधाम् | शोनयन्धम् |
| | शोनयै | शोनयावह | शोनयामह |
| ह्य० | अशोनयत | अशोनयेताम् | अशोनयन्त |
| | अशोनयथाः | अशोनयेथाम् | अशोनयन्धम् |
| | अशोनये | अशोनयावहि | अशोनयामहि |
| अ० | अशुशुनत | अशुशुनेताम् | अशुशुनन्त |
| | अशुशुनथाः | अशुशुनेथाम् | अशुशुनन्धम् |
| | अशुशुने | अशुशुनावहि | अशुशुनामहि |
| प० | शोनयाश्चक्रे | शोनयाश्चक्राते | शोनयाश्चक्रिरे |
| | शोनयाश्चकृषे | शोनयाश्चक्राथे | शोनयाश्चकृद्वे |
| | शोनयाश्चक्रे | शोनयाश्चकृवहे | शोनयाश्चकृमहे |
| | शोनयाम्बभूव | । | शोनयामास |
| आ० | शोनयिषीष्ट | शोनयिषीयास्ताम् | शोनयिषीरन् |
| | शोनयिषीष्टाः | शोनयिषीयास्थाम् | शोनयिषीद्वम् |
| | शोनयिषीय | शोनयिषीवहि | शोनयिषीमहि |
| श० | शोनयिता | शोनयितारौ | शोनयितारः |
| | शोनयितासे | शोनयितासाथे | शोनयिताथे |
| | शोनयिताहे | शोनयितास्वहे | शोनयितास्महे |
| श० | शोनयिष्यते | शोनयिष्येते | शोनयिष्यन्ते |
| | शोनयिष्यसे | शोनयिष्यथे | शोनयिष्यन्थे |
| | शोनयिष्ये | शोनयिष्यावहे | शोनयिष्यामहे |
| क्रि० | अशोनयिष्यत | अशोनयिष्यताम् | अशोनयिष्यन्त |
| | अशोनयिष्यथाः | अशोनयिष्येथाम् | अशोनयिष्यन्धम् |
| | अशोनयिष्ये | अशोनयिष्यावहि | अशोनयिष्यामहि |

1375 छुपंत (छुप्) स्पर्शे

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------|---------------|
| व० | छोपयति | छोपयतः | छोपयन्ति |
| | छोपयसि | छोपयथः | छोपयथ |
| | छोपयामि | छोपयावः | छोपयामः |
| स० | छोपयेत् | छोपयेताम् | छोपयेयुः |
| | छोपयेः | छोपयेतम् | छोपयेत |
| | छोपयेयम् | छोपयेव | छोपयेम |
| प० | छोपयतु | छोपयतात् | छोपयताम् |
| | छोपय | छोपयतात् | छोपयतम् |
| | छोपयानि | छोपयाव | छोपयाम |
| चु० | अच्छोपयत् | अच्छोपयताम् | अच्छोपयन् |
| | अच्छोपयः | अच्छोपयतम् | अच्छोपयत |
| | अच्छोपयम् | अच्छोपयाव | अच्छोपयाम |
| अ० | अचुच्छुपत् | अचुच्छुपताम् | अचुच्छुपन् |
| | अचुच्छुपः | अचुच्छुपतम् | अचुच्छुपत |
| | अचुच्छुपम् | अचुच्छुपाव | अचुच्छुपाम |
| प० | छोपयाञ्चकार | छोपयाञ्चक्रुः | छोपयाञ्चकुः |
| | छोपयाञ्चकथं | छोपयाञ्चकथुः | छोपयाञ्चक |
| | छोपयाञ्चकार-चकर | छोपयाञ्चकृव | छोपयाञ्चकृम |
| | छोपयाम्बभूव | । | छोपयामास |
| आ | छोप्यात् | छोप्यास्ताम् | छोप्यासुः |
| | छोप्याः | छोप्यास्तम् | छोप्यास्त |
| | छोप्यासम् | छोप्यास्व | छोप्यास्म |
| भ० | छोपयिता | छोपयितारौ | छोपयितारः |
| | छोपयितासि | छोपयितास्थः | छोपयितास्थ |
| | छोपयितास्मि | छोपयितास्व | छोपयितास्मः |
| भ० | छोपयिष्यति | छोपयिष्यतः | छोपयिष्यन्ति |
| | छोपयिष्यसि | छोपयिष्यथः | छोपयिष्यथ |
| | छोपयिष्यामि | छोपयिष्यावः | छोपयिष्यामः |
| क्रि० | अच्छोपयिष्यत् | अच्छोपयिष्यताम् | अच्छोपयिष्यन् |
| | अच्छोपयिष्यः | अच्छोपयिष्यतम् | अच्छोपयिष्यत |
| | अच्छोपयिष्यम् | अच्छोपयिष्याव | अच्छोपयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | छोपयते | छोपयेते | छोपयन्ते |
| | छोपयसे | छोपयेथे | छोपयन्वे |
| | छोपये | छोपयावहे | छोपयामहे |
| स० | छोपयेत | छोपयेयाताम् | छोपयेरन् |
| | छोपयेथाः | छोपयेयाथाम् | छोपयेथ्वम् |
| | छोपयेय | छोपयेवहि | छोपयेमहि |
| प० | छोपयताम् | छोपयेताम् | छोपयन्ताम् |
| | छोपयस्व | छोपयेथाम् | छोपयन्वम् |
| | छोपयै | छोपयावहे | छोपयामहे |
| ह्य० | अच्छोपयत | अच्छोपयेताम् | अच्छोपयन्त |
| | अच्छोपयथाः | अच्छोपयेथाम् | अच्छोपयन्वम् |
| | अच्छोपये | अच्छोपयावहि | अच्छोपयामहि |
| अ० | अचुच्छुपत | अचुच्छुपेताम् | अचुच्छुपन्त |
| | अचुच्छुपथाः | अचुच्छुपेथाम् | अचुच्छुपन्वम् |
| | अचुच्छुपे | अचुच्छुपावहि | अचुच्छुपामहि |
| प० | छोपयाञ्चक्रे | छोपयाञ्चक्राते | छोपयाञ्चक्रिरे |
| | छोपयाञ्चकृषे | छोपयाञ्चक्राथे | छोपयाञ्चकृद्वे |
| | छोपयाञ्चके | छोपयाञ्चकृवहे | छोपयाञ्चकृमहे |
| | छोपयाम्बभूव | । | छोपयामास |
| भा० | छोपयिषीष्ट | छोपयिषीयास्ताम् | छोपयिषीरन् |
| | छोपयिषीष्टाः | छोपयिषीयास्थाम् | छोपयिषीद्वम् |
| | छोपयिषीय | छोपयिषीवहि | छोपयिषीमहि |
| भ० | छोपयिता | छोपयितारौ | छोपयितारः |
| | छोपयितासे | छोपयितासाथे | छोपयितास्वे |
| | छोपयिताहे | छोपयितास्वहे | छोपयितास्महे |
| भ० | छोपयिष्यते | छोपयिष्येते | छोपयिष्यन्ते |
| | छोपयिष्यसे | छोपयिष्येथे | छोपयिष्यन्वे |
| | छोपयिष्ये | छोपयिष्यावहे | छोपयिष्यामहे |
| क्रि० | अच्छोपयिष्यत | अच्छोपयिष्येताम् | अच्छोपयिष्यन्त |
| | अच्छोपयिष्यथाः | अच्छोपयिष्येथाम् | अच्छोपयिष्यन्वम् |
| | अच्छोपयिष्ये | अच्छोपयिष्यावहि | अच्छोपयिष्यामहि |

1376 रिफत् (रिफ्) कथनपुद्ग हिंसादानेषु

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | रेफयति | रेफयतः | रेफयन्ति |
| | रेफयसि | रेफयथः | रेफयथ |
| | रेफयामि | रेफयावः | रेफयामः |
| स० | रेफयेत् | रेफयेताम् | रेफयेयुः |
| | रेफयेः | रेफयेतम् | रेफयेत |
| | रेफयेयम् | रेफयेव | रेफयेम |
| प० | रेफयतु | रेफयतात् | रेफयन्तु |
| | रेफय | रेफयतात् | रेफयत |
| | रेफयाणि | रेफयाव | रेफयाम |
| ह्य० | अरेफयत् | अरेफयताम् | अरेफयन् |
| | अरेफयः | अरेफयतम् | अरेफयत |
| | अरेफयम् | अरेफयाव | अरेफयाम |
| अ० | अरीरिफत् | अरीरिफताम् | अरीरिफन् |
| | अरीरिफः | अरीरिफतम् | अरीरिफत |
| | अरीरिफम् | अरीरिफाव | अरीरिफाम |
| प० | रेफयाञ्चकार | रेफयाञ्चकतुः | रेफयाञ्चकुः |
| | रेफयाञ्चकथं | रेफयाञ्चकथुः | रेफयाञ्चक |
| | रेफयाञ्चकार-चकर | रेफयाञ्चकृव | रेफयाञ्चकृम |
| | रेफयाम्बभूव | । | रेफयामास |
| आ० | रेफयात् | रेफयास्ताम् | रेफयासुः |
| | रेफयाः | रेफयास्तम् | रेफयास्त |
| | रेफयासम् | रेफयास्व | रेफयास्म |
| स्व० | रेफयिता | रेफयितारौ | रेफयितारः |
| | रेफयितासि | रेफयितास्थः | रेफयितास्थ |
| | रेफयितास्मि | रेफयितास्वः | रेफयितास्मः |
| भ० | रेफयिष्यति | रेफयिष्यतः | रेफयिष्यन्ति |
| | रेफयिष्यसि | रेफयिष्यथः | रेफयिष्यथ |
| | रेफयिष्यामि | रेफयिष्यावः | रेफयिष्यामः |
| क्रि० | अरेफयिष्यत् | अरेफयिष्यताम् | अरेफयिष्यन् |
| | अरेफयिष्यः | अरेफयिष्यतम् | अरेफयिष्यत |
| | अरेफयिष्यम् | अरेफयिष्याव | अरेफयिष्यम |

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-------------------|
| व० | रेफयते | रेफयेते | रेफयन्ते |
| | रेफयसे | रेफयेथे | रेफयध्वे |
| | रेफये | रेफयावहे | रेफयामहे |
| स० | रेफयेत | रेफयेयाताम् | रेफयेरन् |
| | रेफयेथाः | रेफयेयाथाम् | रेफयेध्वम् |
| | रेफयेय | रेफयेवहि | रेफयेमहि |
| प० | रेफयताम् | रेफयेताम् | रेफयन्ताम् |
| | रेफयस्व | रेफयेथाम् | रेफयेध्वम् |
| | रेफये | रेफयावहे | रेफयामहे |
| ह्य० | अरेफयत | अरेफयेताम् | अरेफयन्त |
| | अरेफयथाः | अरेफयेथाम् | अरेफयेध्वम् |
| | अरेफये | अरेफयावहि | अरेफयामहि |
| अ० | अरीरिफत् | अरीरिफताम् | अरीरिफन्त |
| | अरीरिफथाः | अरीरिफेथाम् | अरीरिफध्वम् |
| | अरीरिफे | अरीरिफावहि | अरीरिफामहि |
| प० | रेफयाञ्चके | रेफयाञ्चकते | रेफयाञ्चकिरे |
| | रेफयाञ्चकृषे | रेफयाञ्चकृषे | रेफयाञ्चकृषे |
| | रेफयाञ्चक्रे | रेफयाञ्चकृवहे | रेफयाञ्चकृमहे |
| | रेफयाम्बभूव | । | रेफयामास |
| आ० | रेफयिषीष्ट | रेफयिषीयास्ताम् | रेफयिषीरन् |
| | रेफयिषीष्टाः | रेफयिषीयास्थाम् | रेफयिषीध्वम् |
| | रेफयिषीय | रेफयिषीवहि | रेफयिषीमहि |
| स्व० | रेफयिता | रेफयितारौ | रेफयितारः |
| | रेफयितासे | रेफयितास्थे | रेफयिताध्वे |
| | रेफयिताहे | रेफयितास्वहे | रेफयितास्महे |
| भ० | रेफयिष्यते | रेफयिष्यते | रेफयिष्यन्ते |
| | रेफयिष्यसे | रेफयिष्येथे | रेफयिष्यध्वे |
| | रेफयिष्ये | रेफयिष्यावहे | रेफयिष्यामहे |
| क्रि० | अरेफयिष्यत | अरेफयिष्येताम् | अरेफयिष्यन्त |
| | अरेफयिष्यथाः | अरेफयिष्येथाम् | अरेफयिष्यध्वम् |
| | अरेफयिष्ये | अरेफयिष्यावहि | अरेफयिष्यामहि |
| 1377 | तृफत् (तृफ्) | तृमौ | 1347 तृफवद्भाणि |
| 1378 | तृम्फत् (तृम्फ्) | तृमौ | 1348 तृम्फवद्भाणि |

1379 ऋफत् (ऋफ्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | अर्फयति | अर्फयतः | अर्फयन्ति |
| | अर्फयसि | अर्फयथः | अर्फयथ |
| | अर्फयामि | अर्फयावः | अर्फयामः |
| स० | अर्फयेत् | अर्फयेताम् | अर्फययुः |
| | अर्फयः | अर्फयतः | अर्फयत |
| | अर्फयेयम् | अर्फयेव | अर्फयेम |
| प० | अर्फयतु | अर्फयतात् | अर्फयन्तु |
| | अर्फय | अर्फयतात् | अर्फयतम् |
| | अर्फय | अर्फयाव | अर्फयाम |
| ह्य० | अर्फयत् | अर्फयताम् | अर्फयन् |
| | अर्फयः | अर्फयतम् | अर्फयत |
| | अर्फयम् | अर्फयाव | अर्फयाम |
| अ० | अर्फिफत् | अर्फिफताम् | अर्फिफन् |
| | अर्फिफः | अर्फिफतम् | अर्फिफत |
| | अर्फिफम् | अर्फिफाव | अर्फिफाम |
| प० | अर्फयाञ्चकार | अर्फयाञ्चकतुः | अर्फयाञ्चकुः |
| | अर्फयाञ्चकयै | अर्फयाञ्चकथुः | अर्फयाञ्चक |
| | अर्फयाञ्चकार-चकर | अर्फयाञ्चकृव | अर्फयाञ्चकृम |
| | अर्फयाम्बभूव | अर्फयामास | |
| आ० | अर्फयाति | अर्फयास्ताम् | अर्फयासुः |
| | अर्फयाः | अर्फयास्तम् | अर्फयास्त |
| | अर्फयास्मि | अर्फयास्व | अर्फयास्म |
| भ्व० | अर्फयिता | अर्फयितारौ | अर्फयितारः |
| | अर्फयितासि | अर्फयितास्थः | अर्फयितास्थ |
| | अर्फयितास्मि | अर्फयितास्वः | अर्फयितास्मः |
| भ० | अर्फयिष्यति | अर्फयिष्यतः | अर्फयिष्यन्ति |
| | अर्फयिष्यसि | अर्फयिष्यथः | अर्फयिष्यथ |
| | अर्फयिष्यामि | अर्फयिष्यावः | अर्फयिष्यामः |
| क्रि० | अर्फयिष्यत् | अर्फयिष्यताम् | अर्फयिष्यन् |
| | अर्फयिष्यः | अर्फयिष्यतम् | अर्फयिष्यत |
| | अर्फयिष्यम् | अर्फयिष्याव | अर्फयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|----------------|
| व० | अर्फयते | अर्फयेते | अर्फयन्ते |
| | अर्फयसे | अर्फयेथे | अर्फयन्थे |
| | अर्फये | अर्फयावहे | अर्फयामहे |
| स० | अर्फयत | अर्फययाताम् | अर्फयिरन् |
| | अर्फयेथाः | अर्फयेयाथाम् | अर्फयेष्वम् |
| | अर्फयेय | अर्फयेवहि | अर्फयेमहि |
| प० | अर्फयताम् | अर्फयेतेताम् | अर्फयन्ताम् |
| | अर्फयस्व | अर्फयेयाम् | अर्फयेष्वम् |
| | अर्फये | अर्फयावहे | अर्फयामहे |
| ह्य० | अर्फयत | अर्फयेताम् | अर्फयन्त |
| | अर्फयेथाः | अर्फयेथाम् | अर्फयेष्वम् |
| | अर्फये | अर्फयावहि | अर्फयामहि |
| अ० | अर्फिफत | अर्फिफताम् | अर्फिफन्त |
| | अर्फिफथाः | अर्फिफेथाम् | अर्फिफेष्वम् |
| | अर्फिफे | अर्फिफावहि | अर्फिफामहि |
| प० | अर्फयाञ्चके | अर्फयाञ्चकाते | अर्फयाञ्चकि |
| | अर्फयाञ्चकृषे | अर्फयाञ्चकृथे | अर्फयाञ्चकृ |
| | अर्फयाञ्चके | अर्फयाञ्चकृवहे | अर्फयाञ्चकृमहे |
| | अर्फयाम्बभूव | अर्फयामास | |
| आ० | अर्फयिषीष्ट | अर्फयिषीयास्ताम् | अर्फयिषीरन् |
| | अर्फयिषीष्टाः | अर्फयिषीयास्थाम् | अर्फयिषीद्वम् |
| | अर्फयिषीय | अर्फयिषीवहि | अर्फयिषीमहि |
| भ्व० | अर्फयिता | अर्फयितारौ | अर्फयितारः |
| | अर्फयितासे | अर्फयितास्थे | अर्फयिताध्वे |
| | अर्फयिताहे | अर्फयितास्वहे | अर्फयितास्महे |
| भ० | अर्फयिष्यते | अर्फयिष्येते | अर्फयिष्यन्ते |
| | अर्फयिष्यसे | अर्फयिष्येथे | अर्फयिष्यध्वे |
| | अर्फयिष्ये | अर्फयिष्यावहे | अर्फयिष्यामहे |
| क्रि० | अर्फयिष्यत | अर्फयिष्येताम् | अर्फयिष्यन्त |
| | अर्फयिष्यथाः | अर्फयिष्येथाम् | अर्फयिष्यध्वम् |
| | अर्फयिष्ये | अर्फयिष्यावहि | अर्फयिष्यामहि |

1380 ऋम्फत् (ऋम्फ्) हिंसायाम्

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० ऋम्फयति | ऋम्फयतः | ऋम्फयन्ति |
| ऋम्फयसि | ऋम्फयथः | ऋम्फयथ |
| ऋम्फयामि | ऋम्फयावः | ऋम्फयामः |
| स० ऋम्फयेत् | ऋम्फयेताम् | ऋम्फयेयुः |
| ऋम्फयेः | ऋम्फयेतम् | ऋम्फयेत |
| ऋम्फयेयम् | ऋम्फयेव | ऋम्फयेम |
| प० ऋम्फयतु | ऋम्फयतात् | ऋम्फयताम् |
| ऋम्फय | ऋम्फयतात् | ऋम्फयतम् |
| ऋम्फयाणि | ऋम्फयाव | ऋम्फयाम |
| ह्य० आर्म्फयत् | आर्म्फयताम् | आर्म्फयन् |
| आर्म्फयः | आर्म्फयतम् | आर्म्फयत |
| आर्म्फयम् | आर्म्फयाव | आर्म्फयाम |
| अ० आर्म्फिफत् | आर्म्फिफताम् | आर्म्फिफन् |
| आर्म्फिफः | आर्म्फिफतम् | आर्म्फिफत |
| आर्म्फिफम् | आर्म्फिफाव | आर्म्फिफाम |
| प० ऋम्फयाञ्चकार | ऋम्फयाञ्चकतुः | ऋम्फयाञ्चकुः |
| ऋम्फयाञ्चकथं | ऋम्फयाञ्चकथुः | ऋम्फयाञ्चक |
| ऋम्फयाञ्चकार-चकर | ऋम्फयाञ्चकव | ऋम्फयाञ्चकुम |
| ऋम्फयाम्बभूव | । | ऋम्फयामास |
| ० ऋम्फयात् | ऋम्फयास्ताम् | ऋम्फयासुः |
| ऋम्फयाः | ऋम्फयास्तम् | ऋम्फयास्त |
| ऋम्फयासम् | ऋम्फयास्व | ऋम्फयास्म |
| स्व० ऋम्फयिता | ऋम्फयितारौ | ऋम्फयितारः |
| ऋम्फयितासि | ऋम्फयितास्थः | ऋम्फयितास्थ |
| ऋम्फयितास्मि | ऋम्फयितास्वः | ऋम्फयितास्मः |
| भ० ऋम्फयिष्यति | ऋम्फयिष्यतः | ऋम्फयिष्यन्ति |
| ऋम्फयिष्यसि | ऋम्फयिष्यथः | ऋम्फयिष्यथ |
| ऋम्फयिष्यामि | ऋम्फयिष्यावः | ऋम्फयिष्यामः |
| क्रि० आर्म्फिष्यत् | आर्म्फिष्यताम् | आर्म्फिष्यन् |
| आर्म्फिष्यः | आर्म्फिष्यतम् | आर्म्फिष्यत |
| आर्म्फिष्यम् | आर्म्फिष्याव | आर्म्फिष्यम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| ब० ऋम्फयते | ऋम्फयते | ऋम्फयन्ते |
| ऋम्फयसे | ऋम्फयेथे | ऋम्फयन्ते |
| ऋम्फये | ऋम्फयावहे | ऋम्फयामहे |
| स० ऋम्फयेत | ऋम्फयेयाताम् | ऋम्फयेरन् |
| ऋम्फयेथाः | ऋम्फयेथायाम् | ऋम्फयेथ्वम् |
| ऋम्फयेय | ऋम्फयेवहि | ऋम्फयेमहि |
| प० ऋम्फयताम् | ऋम्फयेताम् | ऋम्फयन्ताम् |
| ऋम्फयस्व | ऋम्फयेथम् | ऋम्फयथ्वम् |
| ऋम्फये | ऋम्फयावहे | ऋम्फयामहे |
| ह्य० आर्म्फयत | आर्म्फयेताम् | आर्म्फयन्त |
| आर्म्फयथाः | आर्म्फयेथाम् | आर्म्फयथ्वम् |
| आर्म्फये | आर्म्फयावहि | आर्म्फयामहि |
| अ० आर्म्फिफत | आर्म्फिफताम् | आर्म्फिफन्त |
| आर्म्फिफथाः | आर्म्फिफेथाम् | आर्म्फिफथ्वम् |
| आर्म्फिफे | आर्म्फिफावहि | आर्म्फिफामहि |
| प० ऋम्फयाञ्चके | ऋम्फयाञ्चकते | ऋम्फयाञ्चकिरे |
| ऋम्फयाञ्चकथे | ऋम्फयाञ्चकथे | ऋम्फयाञ्चकृद्वे |
| ऋम्फयाञ्चके | ऋम्फयाञ्चकवहे | ऋम्फयाञ्चकृद्वे |
| ऋम्फयाम्बभूव | । | ऋम्फयामास |
| आ० ऋम्फयिषीष्ट | ऋम्फयिषीयास्ताम् | ऋम्फयिषीरन् |
| ऋम्फयिषीष्टाः | ऋम्फयिषीयास्थाम् | ऋम्फयिषीद्वम् |
| ऋम्फयिषीय | ऋम्फयिषीवहि | ऋम्फयिषीमहि |
| स्व० ऋम्फयिता | ऋम्फयितारौ | ऋम्फयितारः |
| ऋम्फयितासे | ऋम्फयितासथे | ऋम्फयिताध्वे |
| ऋम्फयिताहे | ऋम्फयितास्वहे | ऋम्फयितास्महे |
| भ० ऋम्फयिष्यते | ऋम्फयिष्येते | ऋम्फयिष्यन्ते |
| ऋम्फयिष्यसे | ऋम्फयिष्येथे | ऋम्फयिष्यध्वे |
| ऋम्फयिष्ये | ऋम्फयिष्यावहे | ऋम्फयिष्यामहे |
| क्रि० आर्म्फिष्यत | आर्म्फिष्येताम् | आर्म्फिष्यन्त |
| आर्म्फिष्यथाः | आर्म्फिष्येथाम् | आर्म्फिष्यथ्वम् |
| आर्म्फिष्ये | आर्म्फिष्यावहि | आर्म्फिष्यामहि |

1381 दृफत् (दृफ्) उत्कलेशे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | दर्फयति | दर्फयतः | दर्फयन्ति |
| | दर्फयसि | दर्फयथः | दर्फयथ |
| | दर्फयामि | दर्फयावः | दर्फयामः |
| स० | दर्फयेत् | दर्फयेताम् | दर्फयेयुः |
| | दर्फयेः | दर्फयेतम् | दर्फयेत |
| | दर्फयेयम् | दर्फयेव | दर्फयेम |
| प० | दर्फयतु | दर्फयतात् | दर्फयन्तु |
| | दर्फय | दर्फयतात् | दर्फयत |
| | दर्फयानि | दर्फयाव | दर्फयाम |
| श० | अदर्फयत् | अदर्फयताम् | अदर्फयन् |
| | अदर्फयः | अदर्फयतम् | अदर्फयत |
| | अदर्फयम् | अदर्फयाव | अदर्फयाम |
| अ० | अदीदृफत् | अदीदृफताम् | अदीदृफन् |
| | अदीदृफः | अदीदृफतम् | अदीदृफत |
| | अदीदृफम् | अदीदृफाव | अदीदृफाम |
| | अददर्फत् | अददर्फताम् | अददर्फन् इ० |
| प० | दर्फयाञ्चकार | दर्फयाञ्चकृतुः | दर्फयाञ्चकुः |
| | दर्फयाञ्चकम् | दर्फयाञ्चकथुः | दर्फयाञ्चक |
| | दर्फयाञ्चकार-चकर | दर्फयाञ्चकृव | दर्फयाञ्चकृम |
| | दर्फयाम्बभूव | दर्फयामास | |
| आ० | दर्फयार्त् | दर्फयार्स्ताम् | दर्फयार्सुः |
| | दर्फयार्ः | दर्फयार्स्तम् | दर्फयार्स्त |
| | दर्फयार्सम् | दर्फयार्स्व | दर्फयार्स्म |
| भ० | दर्फयिता | दर्फयितारौ | दर्फयितारः |
| | दर्फयितासि | दर्फयितास्थः | दर्फयितास्थ |
| | दर्फयितासिम् | दर्फयितास्वः | दर्फयितास्मः |
| अ० | दर्फयिष्यति | दर्फयिष्यतः | दर्फयिष्यन्ति |
| | दर्फयिष्यसि | दर्फयिष्यथः | दर्फयिष्यथ |
| | दर्फयिष्यामि | दर्फयिष्यावः | दर्फयिष्यामः |
| क्रि० | अदर्फयिष्यत् | अदर्फयिष्यताम् | अदर्फयिष्यन् |
| | अदर्फयिष्यः | अदर्फयिष्यतम् | अदर्फयिष्यत |
| | अदर्फयिष्यम् | अदर्फयिष्याव | अदर्फयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| ब० | दर्फयते | दर्फयेते | दर्फयन्ते |
| | दर्फयसे | दर्फयेथे | दर्फयध्वे |
| | दर्फये | दर्फयावहे | दर्फयामहे |
| स० | दर्फयेत | दर्फयेयाताम् | दर्फयेरन् |
| | दर्फयेथाः | दर्फयेयाथाम् | दर्फयेयध्वम् |
| | दर्फयेथ | दर्फयेवहि | दर्फयेमहि |
| प० | दर्फयेताम् | दर्फयेताम् | दर्फयन्ताम् |
| | दर्फयेस्व | दर्फयेथाम् | दर्फयेध्वम् |
| | दर्फये | दर्फयावहे | दर्फयामहे |
| श० | अदर्फयत | अदर्फयेताम् | अदर्फयन्त |
| | अदर्फयथाः | अदर्फयेथाम् | अदर्फयध्वम् |
| | अदर्फये | अदर्फयावहि | अदर्फयामहि |
| अ० | अदीदृफत् | अदीदृफेताम् | अदीदृफन्त |
| | अदीदृफथाः | अदीदृफेथाम् | अदीदृफध्वम् |
| | अदीदृफे | अदीदृफावहि | अदीदृफामहि |
| | अददर्फत | अददर्फेतात् | अददर्फन्त इ० |
| प० | दर्फयाञ्चक्रे | दर्फयाञ्चकृते | दर्फयाञ्चकृरे |
| | दर्फयाञ्चकृषे | दर्फयाञ्चकृथे | दर्फयाञ्चकृध्वे |
| | दर्फयाञ्चक्रे | दर्फयाञ्चकृवहे | दर्फयाञ्चकृमहे |
| | दर्फयाम्बभूव | दर्फयामास | |
| आ० | दर्फयिषीष्ट | दर्फयिषीयास्ताम् | दर्फयिषीरन् |
| | दर्फयिषीष्ठाः | दर्फयिषीयास्थाम् | दर्फयिषीध्वम् |
| | दर्फयिषीय | दर्फयिषीवहि | दर्फयिषीमहि |
| भ० | दर्फयिता | दर्फयितारौ | दर्फयितारः |
| | दर्फयितासे | दर्फयितासाथे | दर्फयिताध्वे |
| | दर्फयिताहे | दर्फयितास्वहे | दर्फयितास्महे |
| अ० | दर्फयिष्यते | दर्फयिष्येते | दर्फयिष्यन्ते |
| | दर्फयिष्यसे | दर्फयिष्येथे | दर्फयिष्यध्वे |
| | दर्फयिष्ये | दर्फयिष्यावहे | दर्फयिष्यामहे |
| क्रि० | अदर्फयिष्यत् | अदर्फयिष्येताम् | अदर्फयिष्यन्त |
| | अदर्फयिष्यथाः | अदर्फयिष्येथाम् | अदर्फयिष्यध्वम् |
| | अदर्फयिष्ये | अदर्फयिष्यावहि | अदर्फयिष्यामहि |

1382 हम्फत् (हम्फ्) उत्त्वलेशे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | हम्फयति | हम्फयतः | हम्फयन्ति |
| | हम्फयसि | हम्फयथ | हम्फयथ |
| | हम्फयामि | हम्फयावः | हम्फयामः |
| स० | हम्फयेत् | हम्फयेताम् | हम्फयेयुः |
| | हम्फयेः | हम्फयेतम् | हम्फयेत |
| | हम्फयेयम् | हम्फयेव | हम्फयेम |
| प० | हम्फयतु | हम्फयतात् | हम्फयताम् |
| | हम्फय | हम्फयतात् | हम्फयतम् |
| | हम्फयानि | हम्फयाव | हम्फयाम |
| ल० | अहम्फयत् | अहम्फयताम् | अहम्फयन् |
| | अहम्फयः | अहम्फयतम् | अहम्फयत |
| | अहम्फयम् | अहम्फयाव | अहम्फयाम |
| भ० | अहम्फयन् | अहम्फयताम् | अहम्फयन् |
| | अहम्फयः | अहम्फयतम् | अहम्फयत |
| | अहम्फयम् | अहम्फयाव | अहम्फयाम |
| प० | हम्फयाञ्चकार | हम्फयाञ्चकतुः | हम्फयाञ्चकुः |
| | हम्फयाञ्चकरी | हम्फयाञ्चकथुः | हम्फयाञ्चक |
| | हम्फयाञ्चकार-चकर | हम्फयाञ्चकृव | हम्फयाञ्चकृम |
| | हम्फयाञ्चभूव | हम्फयाञ्चभूव | हम्फयाञ्चभूव |
| आ० | हम्फयात् | हम्फयास्ताम् | हम्फयातः |
| | हम्फयाः | हम्फयास्तम् | हम्फयास्त |
| | हम्फयासम् | हम्फयास्व | हम्फयास्म |
| च० | हम्फयिता | हम्फयितासी | हम्फयितारः |
| | हम्फयितारि | हम्फयितारिभ्यः | हम्फयितारिभ्य |
| | हम्फयितारिम | हम्फयितारिभ्यः | हम्फयितारिमः |
| भ० | हम्फयिष्यति | हम्फयिष्यतः | हम्फयिष्यन्ति |
| | हम्फयिष्यसि | हम्फयिष्यथ | हम्फयिष्यथ |
| | हम्फयिष्यामि | हम्फयिष्यावः | हम्फयिष्यामः |
| क्रि० | अहम्फयिष्यन् | अहम्फयिष्यताम् | अहम्फयिष्यन् |
| | अहम्फयिष्यः | अहम्फयिष्यतम् | अहम्फयिष्यत |
| | अहम्फयिष्यम् | अहम्फयिष्याव | अहम्फयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|------------------|
| व० | हम्फयते | हम्फयन्ते | हम्फयन्ते |
| | हम्फयसे | हम्फयसे | हम्फयसे |
| | हम्फये | हम्फयावहे | हम्फयामहे |
| स० | हम्फयेत | हम्फयेयाताम् | हम्फयेरन् |
| | हम्फयेथाः | हम्फयेयाथाम् | हम्फयेष्वम् |
| | हम्फयेय | हम्फयेवहि | हम्फयेमहि |
| प० | हम्फयताम् | हम्फयताम् | हम्फयताम् |
| | हम्फयस्व | हम्फयेथाम् | हम्फयेष्वम् |
| | हम्फये | हम्फयावहे | हम्फयामहे |
| ल० | अहम्फयत | अहम्फयेताम् | अहम्फयन्त |
| | अहम्फयथाः | अहम्फयेथाम् | अहम्फयेष्वम् |
| | अहम्फये | अहम्फयावहि | अहम्फयामहि |
| भ० | अहम्फयन्त | अहम्फयेताम् | अहम्फयन्त |
| | अहम्फयथाः | अहम्फयेथाम् | अहम्फयेष्वम् |
| | अहम्फये | अहम्फयावहि | अहम्फयामहि |
| प० | हम्फयाञ्चके | हम्फयाञ्चकते | हम्फयाञ्चकिरे |
| | हम्फयाञ्चकृषे | हम्फयाञ्चकृषे | हम्फयाञ्चकृषे |
| | हम्फयाञ्चक | हम्फयाञ्चकृवहे | हम्फयाञ्चकृमहे |
| | हम्फयाञ्चभूव | हम्फयाञ्चभूव | हम्फयाञ्चभूव |
| आ० | हम्फयिषीत् | हम्फयिषीयास्ताम् | हम्फयिषीन् |
| | हम्फयिषीष्टाः | हम्फयिषीयास्थाम् | हम्फयिषीष्वम् |
| | हम्फयिषीय | हम्फयिषीवहि | हम्फयिषीमहि |
| भ० | हम्फयिता | हम्फयितासी | हम्फयितारः |
| | हम्फयितारि | हम्फयितारिभ्यः | हम्फयितारिभ्य |
| | हम्फयितारि | हम्फयितारिभ्यः | हम्फयितारिमः |
| भ० | हम्फयिष्यते | हम्फयिष्यते | हम्फयिष्यन्ते |
| | हम्फयिष्यसे | हम्फयिष्यसे | हम्फयिष्यसे |
| | हम्फयिष्ये | हम्फयिष्यावहे | हम्फयिष्यामहे |
| क्रि० | अहम्फयिष्यन्त | अहम्फयिष्येताम् | अहम्फयिष्यन्त |
| | अहम्फयिष्यथाः | अहम्फयिष्येथाम् | अहम्फयिष्येष्वम् |
| | अहम्फयिष्ये | अहम्फयिष्यावहि | अहम्फयिष्यामहि |

1383 गुफत् (गुफ्) ग्रन्थने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | गोफयति | गोफयतः | गोफयन्ति |
| | गोफयसि | गोफयथः | गोफयथ |
| | गोफयामि | गोफयावः | गोफयामः |
| स० | गोफयेत् | गोफयेताम् | गोफयेयुः |
| | गोफयेः | गोफयेतम् | गोफयेत |
| | गोफयेयम् | गोफयेव | गोफयेम |
| ५० | गोफयतु | गोफयतात् | गोफयताम् |
| | गोफय | गोफयतात् | गोफयतम् |
| | गोफयानि | गोफयाव | गोफयाम |
| ह्य० | अगोफयत् | अगोफयताम् | अगोफयन् |
| | अगोफयः | अगोफयतम् | अगोफयत |
| | अगोफयम् | अगोफयाव | अगोफयाम |
| अ० | अजुगुफत् | अजुगुफताम् | अजुगुफन् |
| | अजुगुफः | अजुगुफतम् | अजुगुफत |
| | अजुगुफम् | अजुगुफाव | अजुगुफाम |
| प० | गोफयाञ्चकार | गोफयाञ्चकृतुः | गोफयाञ्चकः |
| | गोफयाञ्चकर्थ | गोफयाञ्चकथुः | गोफयाञ्चक |
| | गोफयाञ्चकार-चकर | गोफयाञ्चकृव | गोफयाञ्चकृम |
| | गोफयाञ्चभूव | । | गोफयामास |
| भा० | गोफयात् | गोफयास्ताम् | गोफयासुः |
| | गोफयाः | गोफयास्तम् | गोफयास्त |
| | गोफयासम् | गोफयास्व | गोफयास्म |
| व० | गोफयिता | गोफयितारौ | गोफयितारः |
| | गोफयितासि | गोफयितास्थः | गोफयितास्थ |
| | गोफयितारिम | गोफयितास्वः | गोफयितास्मः |
| भ० | गोफयिष्यति | गोफयिष्यतः | गोफयिष्यन्ति |
| | गोफयिष्यसि | गोफयिष्यथः | गोफयिष्यथ |
| | गोफयिष्यामि | गोफयिष्यावः | गोफयिष्यामः |
| क्रि० | अगोफयिष्यत् | अगोफयिष्यताम् | अगोफयिष्यन् |
| | अगोफयिष्यः | अगोफयिष्यतम् | अगोफयिष्यत |
| | अगोफयिष्यम् | अगोफयिष्याव | अगोफयिष्यम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|------------------|
| ब० | गोफयते | गोफयते | गोफयन्ते |
| | गोफयसे | गोफयेथे | गोफयन्थ्वे |
| | गोफये | गोफयावहे | गोफयामहे |
| स० | गोफयेत | गोफयेयाताम् | गोफयेरन् |
| | गोफयेथाः | गोफयेयाथाम् | गोफयेष्वम् |
| | गोफयेय | गोफयेवहि | गोफयेमहि |
| प० | गोफयताम् | गोफयेताम् | गोफयन्ताम् |
| | गोफयस्व | गोफयेथाम् | गोफयन्थ्वम् |
| | गोफये | गोफयावहै | गोफयामहै |
| ह्य० | अगोफयत | अगोफयेताम् | अगोफयन्त |
| | अगोफयथाः | अगोफयेथाम् | अगोफयन्थ्वम् |
| | अगोफये | अगोफयावहि | अगोफयामहि |
| अ० | अजुगुफत | अजुगुफताम् | अजुगुफन्त |
| | अजुगुफथाः | अजुगुफथाम् | अजुगुफन्थ्वम् |
| | अजुगुफे | अजुगुफावहि | अजुगुफामहि |
| प० | गोफयाञ्चके | गोफयाञ्चकाते | गोफयाञ्चकिरे |
| | गोफयाञ्चकृषे | गोफयाञ्चक्राथे | गोफयाञ्चकृद्वे |
| | गोफयाञ्चके | गोफयाञ्चकृवहे | गोफयाञ्चकृमहे |
| | गोफयाञ्चभूव | । | गोफयामास |
| आ० | गोफयिषीष्ट | गोफयिषीयास्ताम् | गोफयिषीरन् |
| | गोफयिषीष्ठाः | गोफयिषीयास्थाम् | गोफयिषीद्वम् |
| | गोफयिषीय | गोफयिषीवहि | गोफयिषीमहि |
| व० | गोफयिता | गोफयितारौ | गोफयितारः |
| | गोफयितासि | गोफयितासाथे | गोफयिताध्वे |
| | गोफयिताहे | गोफयितास्वहे | गोफयितास्महे |
| भ० | गोफयिष्यते | गोफयिष्येते | गोफयिष्यन्ते |
| | गोफयिष्यसे | गोफयिष्येथे | गोफयिष्यन्थ्वे |
| | गोफयिष्ये | गोफयिष्यावहे | गोफयिष्यामहे |
| क्रि० | अगोफयिष्यत | अगोफयिष्येताम् | अगोफयिष्यन्त |
| | अगोफयिष्यथाः | अगोफयिष्येथाम् | अगोफयिष्यन्थ्वम् |
| | अगोफयिष्ये | अगोफयिष्यावहि | अगोफयिष्यामहि |

1384 गुम्फत् (गुम्फ) ग्रन्थने ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| ब० | गुम्फयति | गुम्फयतः | गुम्फयन्ति |
| | गुम्फयसि | गुम्फयथः | गुम्फयथ |
| | गुम्फयामि | गुम्फयावः | गुम्फयामः |
| स० | गुम्फयेत् | गुम्फयेताम् | गुम्फयेयुः |
| | गुम्फयेः | गुम्फयेतम् | गुम्फयेत |
| | गुम्फयेयम् | गुम्फयेव | गुम्फयेम |
| प० | गुम्फयतु | गुम्फयतात् | गुम्फयताम् |
| | गुम्फय | गुम्फयतात् | गुम्फयतम् |
| | गुम्फयानि | गुम्फयाव | गुम्फयाम |
| ह्य० | अगुम्फयत् | अगुम्फयताम् | अगुम्फयन् |
| | अगुम्फयः | अगुम्फयतम् | अगुम्फयत |
| | अगुम्फयम् | अगुम्फयाव | अगुम्फयाम |
| अ० | अजुगुम्फत् | अजुगुम्फताम् | अजुगुम्फन् |
| | अजुगुम्फः | अजुगुम्फतम् | अजुगुम्फत |
| | अजुगुम्फम् | अजुगुम्फाव | अजुगुम्फाम |
| प० | गुम्फयाञ्चकार | गुम्फयाञ्चक्रतुः | गुम्फयाञ्चक्रुः |
| | गुम्फयाञ्चकथे | गुम्फयाञ्चक्रुः | गुम्फयाञ्चक्रुः |
| | गुम्फयाञ्चकार-चक्र | गुम्फयाञ्चक्रव | गुम्फयाञ्चक्रुम |
| | गुम्फयाम्बभूव | गुम्फयामास | |
| १० | गुम्फयात् | गुम्फयास्ताम् | गुम्फयास्तुः |
| | गुम्फयाः | गुम्फयास्तम् | गुम्फयास्त |
| | गुम्फयासम् | गुम्फयास्व | गुम्फयास्म |
| म्ब० | गुम्फयिता | गुम्फयितारो | गुम्फयितारः |
| | गुम्फयितासि | गुम्फयितास्थः | गुम्फयितास्थ |
| | गुम्फयितास्मि | गुम्फयितास्वः | गुम्फयितास्मः |
| भ० | गुम्फयिष्यति | गुम्फयिष्यतः | गुम्फयिष्यन्ति |
| | गुम्फयिष्यसि | गुम्फयिष्यथः | गुम्फयिष्यथ |
| | गुम्फयिष्यामि | गुम्फयिष्यावः | गुम्फयिष्यामः |
| क्रि० | अगुम्फयिष्यत् | अगुम्फयिष्यताम् | अगुम्फयिष्यन् |
| | अगुम्फयिष्यः | अगुम्फयिष्यतम् | अगुम्फयिष्यत |
| | अगुम्फयिष्यम् | अगुम्फयिष्याव | अगुम्फयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|--------------------|
| ब० | गुम्फयते | गुम्फयेते | गुम्फयन्ते |
| | गुम्फयसे | गुम्फयेथे | गुम्फयन्ते |
| | गुम्फये | गुम्फयावहे | गुम्फयामहे |
| स० | गुम्फयेत | गुम्फयेथाताम् | गुम्फयेरन् |
| | गुम्फयेथाः | गुम्फयेथाथाम् | गुम्फयेष्वम् |
| | गुम्फयेथ | गुम्फयेवहि | गुम्फयेमहि |
| प० | गुम्फयताम् | गुम्फयेताम् | गुम्फयन्ताम् |
| | गुम्फयस्व | गुम्फयेथाम् | गुम्फयध्वम् |
| | गुम्फये | गुम्फयावहे | गुम्फयामहे |
| ह्य० | अगुम्फयत | अगुम्फयेताम् | अगुम्फयन्त |
| | अगुम्फयथाः | अगुम्फयेथाम् | अगुम्फयेष्वम् |
| | अगुम्फये | अगुम्फयावहि | अगुम्फयामहि |
| अ० | अजुगुम्फत | अजुगुम्फेताम् | अजुगुम्फन्त |
| | अजुगुम्फथाः | अजुगुम्फेथाम् | अजुगुम्फेष्वम् |
| | अजुगुम्फे | अजुगुम्फावहि | अजुगुम्फामहि |
| प० | गुम्फयाञ्चक्रे | गुम्फयाञ्चक्राते | गुम्फयाञ्चक्रिरे |
| | गुम्फयाञ्चकृषे | गुम्फयाञ्चक्राथे | गुम्फयाञ्चक्रुद्वे |
| | गुम्फयाञ्चक्रे | गुम्फयाञ्चक्रवहे | गुम्फयाञ्चक्रुमहे |
| | गुम्फयाम्बभूव | गुम्फयामास | |
| आ० | गुम्फयिषीष्ट | गुम्फयिषीयास्ताम् | गुम्फयिषीरन् |
| | गुम्फयिषीष्टाः | गुम्फयिषीयास्थाम् | गुम्फयिषीद्वम् |
| | गुम्फयिषीय | गुम्फयिषीवहि | गुम्फयिषीमहि |
| म्ब० | गुम्फयिता | गुम्फयितारो | गुम्फयितारः |
| | गुम्फयितासे | गुम्फयितासथे | गुम्फयिताध्वे |
| | गुम्फयिताहे | गुम्फयितास्वहे | गुम्फयितास्महे |
| भ० | गुम्फयिष्यते | गुम्फयिष्येते | गुम्फयिष्यन्ते |
| | गुम्फयिष्यसे | गुम्फयिष्येथे | गुम्फयिष्यध्वे |
| | गुम्फयिष्ये | गुम्फयिष्यावहे | गुम्फयिष्यामहे |
| क्रि० | अगुम्फयिष्यत् | अगुम्फयिष्येताम् | अगुम्फयिष्यन्त |
| | अगुम्फयिष्यथाः | अगुम्फयिष्येथाम् | अगुम्फयिष्यध्वम् |
| | अगुम्फयिष्ये | अगुम्फयिष्यावहि | अगुम्फयिष्यामहि |

1385 उभत् (उभ्) पूरणे

| | | | |
|-------|----------------|-------------|-------------|
| व० | ओभयति | ओभयतः | ओभयन्ति |
| | ओभयसि | ओभयथः | ओभयथ |
| | ओभयामि | ओभयावः | ओभयामः |
| स० | ओभयेत् | ओभयेतात् | ओभयेयुः |
| | ओभयेः | ओभयेतम् | ओभयेत |
| | ओभयेयम् | ओभयेव | ओभयेम |
| प० | ओभयतु | ओभयतात् | ओभयताम् |
| | ओभय | ओभयतात् | ओभयतम् |
| | ओभयानि | ओभयाव | ओभयाम |
| ह्य० | ओभयत् | ओभयताम् | ओभयन् |
| | ओभयः | ओभयतम् | ओभयत |
| | ओभयम् | ओभयाव | ओभयाम |
| भ० | ओभिभत् | ओभिभन्ताम् | ओभिभन् |
| | ओभिभः | ओभिभतम् | ओभिभत |
| | ओभिभम् | ओभिभव | ओभिभाम |
| प० | ओभयाञ्चकार | ओभयाञ्चकतुः | ओभयाञ्चकुः |
| | ओभयाञ्चकथं | ओभयाञ्चकथुः | ओभयाञ्चक |
| | ओभयाञ्चकार-चकर | ओभयाञ्चकव | ओभयाञ्चकम् |
| | ओभयाञ्चभू | ओभयामास | |
| आ० | ओभ्यात् | ओभ्याताम् | ओभ्यातुः |
| | ओभ्याः | ओभ्यास्तम् | ओभ्यास्त |
| | ओभ्यासम् | ओभ्यास्व | ओभ्यासम् |
| श्व० | ओभयिता | ओभयितारौ | ओभयितारः |
| | ओभयितासि | ओभयितास्थः | ओभयितास्थ |
| | ओभयितास्मि | ओभयितास्व | ओभयितास्मः |
| भ० | ओभयिष्यति | ओभयिष्यतः | ओभयिष्यन्ति |
| | ओभयिष्यसि | ओभयिष्यथः | ओभयिष्यथ |
| | ओभयिष्यामि | ओभयिष्यावः | ओभयिष्यामः |
| क्रि० | ओभयिष्यत् | ओभयिष्यताम् | ओभयिष्यन् |
| | ओभयिष्यः | ओभयिष्यतम् | ओभयिष्यत |
| | ओभयिष्यम् | ओभयिष्याव | ओभयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | ओभयते | ओभयते | ओभयन्ते |
| | ओभयसे | ओभयथे | ओभयथ्वे |
| | ओभये | ओभयावहे | ओभयामहे |
| स० | ओभयेत् | ओभयेताताम् | ओभयेरन् |
| | ओभयेथाः | ओभयेथाताम् | ओभयेध्वम् |
| | ओभयेय | ओभयेवहि | ओभयेमहि |
| प० | ओभयताम् | ओभयेताम् | ओभयन्ताम् |
| | ओभयस्व | ओभयेथाम् | ओभयध्वम् |
| | ओभये | ओभयावहे | ओभयामहे |
| ह्य० | ओभयत | ओभयेताम् | ओभयन्त |
| | ओभयथाः | ओभयेथाम् | ओभयध्वम् |
| | ओभये | ओभयावहि | ओभयामहि |
| भ० | ओभिभत | ओभिभेताम् | ओभिभन्त |
| | ओभिभयाः | ओभिभेथाम् | ओभिभध्वम् |
| | ओभिभे | ओभिभावहि | ओभिभामहि |
| प० | ओभयाञ्चके | ओभयाञ्चकते | ओभयाञ्चकिरे |
| | ओभयाञ्चकृषे | ओभयाञ्चकृष्ये | ओभयाञ्चकृद्वे |
| | ओभयाञ्चके | ओभयाञ्चकवहे | ओभयाञ्चकृमहे |
| | ओभयाञ्चभव | ओभयामास | |
| आ० | ओभयिषीष्ट | ओभयिषीष्टताम् | ओभयिषीरन् |
| | ओभयिषीष्टाः | ओभयिषीष्टाताम् | ओभयिषीध्वम् |
| | ओभयिषीय | ओभयिषीवहि | ओभयिषीमहि |
| श्व० | ओभयिता | ओभयितारौ | ओभयितारः |
| | ओभयितासे | ओभयितासाथे | ओभयिताध्वे |
| | ओभयिताहे | ओभयितास्वहे | ओभयितास्महे |
| भ० | ओभयिष्यते | ओभयिष्यते | ओभयिष्यन्ते |
| | ओभयिष्यसे | ओभयिष्यथे | ओभयिष्यथ्वे |
| | ओभयिष्य | ओभयिष्यावहे | ओभयिष्यामहे |
| क्रि० | ओभयिष्यत | ओभयिष्येताम् | ओभयिष्यन्त |
| | ओभयिष्यथाः | ओभयिष्येथाम् | ओभयिष्यध्वम् |
| | ओभयिष्ये | ओभयिष्यावहि | ओभयिष्यामहि |

1386 उम्भत् (उम्भ्) पूरणे

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० उम्भयति | उम्भयतः | उम्भयन्ति |
| उम्भयसि | उम्भयथः | उम्भयथ |
| उम्भयामि | उम्भयावः | उम्भयामः |
| स० उम्भयेत् | उम्भयेतात् | उम्भयेयुः |
| उम्भयेः | उम्भयेतम् | उम्भयेत |
| उम्भयेयम् | उम्भयेव | उम्भयेय |
| प० उम्भयतु | उम्भयतात् | उम्भयताम् |
| उम्भय | उम्भयतात् | उम्भयतम् |
| उम्भयानि | उम्भयाव | उम्भयाम |
| ह्र० औम्भयत् | औम्भयताम् | औम्भयन् |
| औम्भयः | औम्भयतम् | औम्भयत |
| औम्भयम् | औम्भयाव | औम्भयाम |
| अ० औम्बिभत् | औम्बिभताम् | औम्बिभन् |
| औम्बिभः | औम्बिभतम् | औम्बिभत |
| औम्बिभम् | औम्बिभाव | औम्बिभाम |
| प० उम्भयाञ्चकार | उम्भयाञ्चः | उम्भयाञ्चकु |
| उम्भयाञ्चकथं | उम्भयाञ्चकथुः | उम्भयाञ्चक |
| उम्भयाञ्चकार-चकर | उम्भयाञ्चकृव | उम्भयाञ्चकृम |
| उम्भयाम्बभूव | । | उम्भयामास |
| आ० उम्भ्यात् | उम्भ्याताम् | उम्भ्यातुः |
| उम्भ्याः | उम्भ्यास्तम् | उम्भ्यास्त |
| उम्भ्यासम् | उम्भ्यास्व | उम्भ्यास्म |
| श्र० उम्भयिता | उम्भयितारौ | उम्भयितारः |
| उम्भयितासि | उम्भयितास्थः | उम्भयितास्थ |
| उम्भयितास्मि | उम्भयितास्व | उम्भयितास्मः |
| भ० उम्भयिष्यति | उम्भयिष्यतः | उम्भयिष्यन्ति |
| उम्भयिष्यसि | उम्भयिष्यथः | उम्भयिष्यथ |
| उम्भयिष्यामि | उम्भयिष्यावः | उम्भयिष्यामः |
| क्रि० औम्भयिष्यत् | औम्भयिष्यताम् | औम्भयिष्यन् |
| औम्भयिष्यः | औम्भयिष्यतम् | औम्भयिष्यत |
| औम्भयिष्यम् | औम्भयिष्याव | औम्भयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| ब० उम्भयते | उम्भयते | उम्भयन्ते |
| उम्भयसे | उम्भयेथे | उम्भयध्वे |
| उम्भये | उम्भयावहे | उम्भयामहे |
| स० उम्भयेत | उम्भयेयाताम् | उम्भयेयन् |
| उम्भयेथाः | उम्भयेयाथाम् | उम्भयेध्वम् |
| उम्भयेय | उम्भयेवहि | उम्भयेमहि |
| प० उम्भयताम् | उम्भयेताम् | उम्भयन्ताम् |
| उम्भयस्व | उम्भयेथाम् | उम्भयध्वम् |
| उम्भयै | उम्भयावहे | उम्भयामहे |
| ह्र० औम्भयत | औम्भयेताम् | औम्भयन्त |
| औम्भयथाः | औम्भयेथाम् | औम्भयध्वम् |
| औम्भये | औम्भयावहि | औम्भयामहि |
| अ० औम्बिभत | औम्बिभेताम् | औम्बिभन्त |
| औम्बिभथाः | औम्बिभेथाम् | औम्बिभध्वम् |
| औम्बिभे | औम्बिभावहि | औम्बिभामहि |
| प० उम्भयाञ्चके | उम्भयाञ्चकृते | उम्भयाञ्चकिरे |
| उम्भयाञ्चकृषे | उम्भयाञ्चकाये | उम्भयाञ्चकृद्वे |
| उम्भयाञ्चके | उम्भयाञ्चकृवहे | उम्भयाञ्चकृमहे |
| उम्भयाम्बभूव | । | उम्भयामास |
| आ० उम्भयिषीष्ट | उम्भयिषीयास्ताम् | उम्भयिषीरन् |
| उम्भयिषीष्टाः | उम्भयिषीयास्थाम् | उम्भयिषीद्वम् |
| उम्भयिषीय | उम्भयिषीवहि | उम्भयिषीमहि |
| श्र० उम्भयिता | उम्भयितारौ | उम्भयितारः |
| उम्भयितासे | उम्भयितासाथे | उम्भयितावे |
| उम्भयिताहे | उम्भयितास्वहे | उम्भयितास्महे |
| भ० उम्भयिष्यते | उम्भयिष्येते | उम्भयिष्यन्ते |
| उम्भयिष्यसे | उम्भयिष्येथे | उम्भयिष्यध्वे |
| उम्भयिष्ये | उम्भयिष्यावहे | उम्भयिष्यामहे |
| क्रि० औम्भयिष्यत | औम्भयिष्येताम् | औम्भयिष्यन्त |
| औम्भयिष्यथाः | औम्भयिष्येथाम् | औम्भयिष्यध्वम् |
| औम्भयिष्ये | औम्भयिष्यावहि | औम्भयिष्यामहि |

1387 शुभत् (शुभ्) शोभार्थे । 947 शुभिवद्रूपणि
1388 शुभत् (शुभ्) शोभार्थे । 377 शुभिवद्रूपणि

1389 दभैत् (दभू) ग्रन्थे

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | दभयति | दभयतः | दभयन्ति |
| | दभयसि | दभयथः | दभयथ |
| | दभयामि | दभयावः | दभयामः |
| स० | दभयेत् | दभयेतात् | दभयेयुः |
| | दभयेः | दभयेतम् | दभयेत |
| | दभयेध्वम् | दभयेध्व | दभयेम |
| प० | दभयतु | दभयतात् | दभयताम् |
| | दभय | दभयतात् | दभयतम् |
| | दभयाणि | दभयाव | दभयाम |
| ह्य० | अदभयत् | अदभयताम् | अदभयन् |
| | अदभयः | अदभयतम् | अदभयत |
| | अदभयम् | अदभयाव | अदभयाम |
| अ० | अदीदभत् | अदीदभताम् | अदीदभन् |
| | अदीदभः | अदीदभतम् | अदीदभत |
| | अदीदभम् | अदीदभाव | अदीदभाम |
| | अददभत् | अददभताम् | अददभन् इ० |
| प० | दभयाञ्चकार | दभयाञ्चकतुः | दभयाञ्चकुः |
| | दभयाञ्चकथं | दभयाञ्चकथुः | दभयाञ्चक |
| | दभयाञ्चकार-चकर | दभयाञ्चकृव | दभयाञ्चकृम |
| | दभयान्बभूव | । | दभयामास |
| आ० | दभ्यात् | दभ्यास्ताम् | दभ्यासुः |
| | दभ्याः | दभ्यास्तम् | दभ्यास्त |
| | दभ्यासम् | दभ्यास्व | दभ्यास्म |
| श्र० | दभयिता | दभयितारौ | दभयितारः |
| | दभयितासि | दभयितास्थः | दभयितास्थ |
| | दभयितास्मि | दभयितास्व | दभयितास्मः |
| भ० | दभयिष्यति | दभयिष्यतः | दभयिष्यन्ति |
| | दभयिष्यसि | दभयिष्यथः | दभयिष्यथ |
| | दभयिष्यामि | दभयिष्यावः | दभयिष्यामः |
| क्रि० | अदभयिष्यत् | अदभयिष्यताम् | अदभयिष्यन् |
| | अदभयिष्यः | अदभयिष्यतम् | अदभयिष्यत |
| | अदभयिष्यम् | अदभयिष्याव | अदभयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | दभयते | दभयते | दभयन्ते |
| | दभयसे | दभयथे | दभयध्वे |
| | दभये | दभयाचहे | दभयामहे |
| स० | दभयेत | दभयेयाताम् | दभयेरन् |
| | दभयेथाः | दभयेयाथाम् | दभयेध्वम् |
| | दभयेय | दभयेवहि | दभयेमहि |
| प० | दभयेताम् | दभयेताम् | दभयन्ताम् |
| | दभयस्व | दभयेथाम् | दभयध्वम् |
| | दभये | दभयावहै | दभयामहै |
| ह्य० | अदभयत | अदभयेताम् | अदभयन्त |
| | अदभयेथाः | अदभयेथाम् | अदभयध्वम् |
| | अदभये | अदभयावहि | अदभयामहि |
| अ० | अदीदभत | अदीदभेताम् | अदीदभन्त |
| | अदीदभयाः | अदीदभेथाम् | अदीदभध्वम् |
| | अदीदभे | अदीदभावहि | अदीदभामहि |
| | अददभत | अददभेताम् | अददभन्त इ० |
| प० | दभयाञ्चक्रे | दभयाञ्चकाते | दभयाञ्चकिरे |
| | दभयाञ्चकृषे | दभयाञ्चकाथे | दभयाञ्चकृद्वे |
| | दभयाञ्चक्रे | दभयाञ्चकृवहे | दभयाञ्चकृमहे |
| | दभयान्बभूव | । | दभयामास |
| आ० | दभयिषीष्ट | दभयिषीयास्ताम् | दभयिषीरन् |
| | दभयिषीष्ठाः | दभयिषीयाथाम् | दभयिषीध्वम् |
| | दभयिषीय | दभयिषीवहि | दभयिषीमहि |
| श्र० | दभयिता | दभयितारौ | दभयितारः |
| | दभयितासे | दभयितासाथे | दभयिताध्वे |
| | दभयिताहे | दभयितास्वहे | दभयितास्महे |
| भ० | दभयिष्यते | दभयिष्येते | दभयिष्यन्ते |
| | दभयिष्यसे | दभयिष्येथे | दभयिष्यध्वे |
| | दभयिष्यं | दभयिष्यावहे | दभयिष्यामहे |
| क्रि० | अदभयिष्यत | अदभयिष्येताम् | अदभयिष्यन्त |
| | अदभयिष्यथाः | अदभयिष्येथाम् | अदभयिष्यध्वम् |
| | अदभयिष्ये | अदभयिष्यावहि | अदभयिष्यामहि |

1390 छभत् (छभ्) विनोदने । 1198 छभच्चवद्रूपाणि

1391 कुरत् (कुर) शब्दे ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० कौरयति | कौरयतः | कौरयन्ति |
| कौरयसि | कौरयथः | कौरयथ |
| कौरयामि | कौरयावः | कौरयामः |
| स० कौरयेत् | कौरयेताम् | कौरयेयुः |
| कौरयेः | कौरयेतम् | कौरयेत |
| कौरयेयम् | कौरयेव | कौरयेम |
| प० कौरयतु | कौरयतात् | कौरयन्तु |
| कौरय | कौरयतात् | कौरयतम् |
| कौरयाणि | कौरयाव | कौरयाम |
| ह्र० अकौरयत् | अकौरयताम् | अकौरयन् |
| अकौरयः | अकौरयतम् | अकौरयत |
| अकौरयम् | अकौरयाव | अकौरयाम |
| अ० अचूकुरत् | अचूकुरताम् | अचूकुरन् |
| अचूकुरः | अचूकुरतम् | अचूकुरत |
| अचूकुरम् | अचूकुराव | अचूकुराम |
| प० कौरयाश्चकार | कौरयाश्चक्रुः | कौरयाश्चक्रुः |
| कौरयाश्चकथे | कौरयाश्चकथुः | कौरयाश्चक |
| कौरयाश्चकार-चक्र | कौरयाश्चक्रव | कौरयाश्चक्रम |
| कौरयाम्बभूव | । | कौरयामास |
| आ० कौर्यात् | कौर्यास्ताम् | कौर्यासुः |
| कौर्याः | कौर्यास्तम् | कौर्यास्त |
| कौर्यामम् | कौर्यास्व | कौर्यास्म |
| श्र० कौरयिता | कौरयितारो | कौरयितारः |
| कौरयितासि | कौरयितास्थः | कौरयितास्थ |
| कौरयितास्मि | कौरयितास्वः | कौरयितास्मः |
| अ० कौरयिष्यति | कौरयिष्यतः | कौरयिष्यन्ति |
| कौरयिष्यसि | कौरयिष्यथः | कौरयिष्यथ |
| कौरयिष्यामि | कौरयिष्यावः | कौरयिष्यामः |
| क्रि० अकौरयिष्यत् | अकौरयिष्यताम् | अकौरयिष्यन् |
| अकौरयिष्यः | अकौरयिष्यतम् | अकौरयिष्यत |
| अकौरयिष्यम् | अकौरयिष्याव | अकौरयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| व० कौरयते | कौरयेते | कौरयन्ते |
| कौरयसे | कौरयेथे | कौरयध्वे |
| कौरये | कौरयावहे | कौरयामहे |
| स० कौरयेत | कौरयेयाताम् | कौरयेरन् |
| कौरयेथाः | कौरयेयाथाम् | कौरयेध्वम् |
| कौरयेय | कौरयेवहि | कौरयेमहि |
| प० कौरयताम् | कौरयेताम् | कौरयन्ताम् |
| कौरयस्व | कौरयेथाम् | कौरयध्वम् |
| कौरये | कौरयावहे | कौरयामहे |
| ह्र० अकौरयत | अकौरयेताम् | अकौरयन्त |
| अकौरयथाः | अकौरयेथाम् | अकौरयध्वम् |
| अकौरये | अकौरयावहि | अकौरयामहि |
| अ० अचूकुरत | अचूकुरेताम् | अचूकुरन्त |
| अचूकुरथाः | अचूकुरेथाम् | अचूकुरध्वम् |
| अचूकुरे | अचूकुरावहि | अचूकुरामहि |
| प० कौरयाश्चके | कौरयाश्चक्रते | कौरयाश्चकिरे |
| कौरयाश्चकृषे | कौरयाश्चक्राथे | कौरयाश्चक्रुध्वे |
| कौरयाश्चके | कौरयाश्चक्रवहे | कौरयाश्चक्रमहे |
| कौरयाम्बभूव | । | कौरयामास |
| आ० कौरयिषीट | कौरयिषीयास्ताम् | कौरयिषीरन् |
| कौरयिषीठाः | कौरयिषीयास्थाम् | कौरयिषीध्वम् |
| कौरयिषीथ | कौरयिषीवहि | कौरयिषीमहि |
| आ० कौरयिता | कौरयितारो | कौरयितारः |
| कौरयितासे | कौरयितासाथे | कौरयिताध्वे |
| कौरयिताहे | कौरयितास्वहे | कौरयितास्महे |
| श्र० कौरयिष्यते | कौरयिष्येते | कौरयिष्यन्ते |
| कौरयिष्यसे | कौरयिष्येथे | कौरयिष्यध्वे |
| कौरयिष्ये | कौरयिष्यावहे | कौरयिष्यामहे |
| क्रि० अकौरयिष्यत | अकौरयिष्येताम् | अकौरयिष्यन्त |
| अकौरयिष्यथा | अकौरयिष्येथाम् | अकौरयिष्यध्वम् |
| अकौरयिष्ये | अकौरयिष्यावहि | अकौरयिष्यामहि |

1392 क्षुत् (क्षु) विलेखने ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० क्षोरयति | क्षोरयतः | क्षोरयन्ति |
| क्षोरयसि | क्षोरयथः | क्षोरयथ |
| क्षोरयामि | क्षोरयावः | क्षोरयामः |
| स० क्षोरयेत् | क्षोरयेताम् | क्षोरयेयुः |
| क्षोरयेः | क्षोरयेतम् | क्षोरयेत |
| क्षोरयेयम् | क्षोरयेव | क्षोरयेम |
| प० क्षोरयतु | क्षोरयतात् | क्षोरयताम् |
| क्षोरय | क्षोरयतात् | क्षोरयतम् |
| क्षोरयाणि | क्षोरयाव | क्षोरयाम |
| ह्य० अक्षोरयत् | अक्षोरयताम् | अक्षोरयन् |
| अक्षोरयः | अक्षोरयतम् | अक्षोरयत |
| अक्षोरयम् | अक्षोरयाव | अक्षोरयाम |
| अ० अचुक्षुरत् | अचुक्षुरताम् | अचुक्षुरन् |
| अचुक्षुरः | अचुक्षुरतम् | अचुक्षुरत |
| अचुक्षुरम् | अचुक्षुराव | अचुक्षुराम |
| प० क्षोरयाञ्चकार | क्षोरयाञ्चकतुः | क्षोरयाञ्चकुः |
| क्षोरयाञ्चकथं | क्षोरयाञ्चकथुः | क्षोरयाञ्चक |
| क्षोरयाञ्चकार-चकर | क्षोरयाञ्चकृव | क्षोरयाञ्चकृम |
| क्षोरयाम्बभूव | क्षोरयामास | |
| आ० क्षोर्यात् | क्षोर्यास्ताम् | क्षोर्यासुः |
| क्षोर्याः | क्षोर्यास्तम् | क्षोर्यास्त |
| क्षोर्यासम् | क्षोर्यास्व | क्षोर्यास्म |
| श्र० क्षोरयिता | क्षोरयितारौ | क्षोरयितारः |
| क्षोरयितासि | क्षोरयितास्थः | क्षोरयितास्थ |
| क्षोरयितास्मि | क्षोरयितास्वः | क्षोरयितास्मः |
| भ० क्षोरयिष्यति | क्षोरयिष्यतः | क्षोरयिष्यन्ति |
| क्षोरयिष्यसि | क्षोरयिष्यथः | क्षोरयिष्यथ |
| क्षोरयिष्यामि | क्षोरयिष्यावः | क्षोरयिष्यामः |
| क्रि० अक्षोरयिष्यत् | अक्षोरयिष्यताम् | अक्षोरयिष्यन् |
| अक्षोरयिष्यः | अक्षोरयिष्यतम् | अक्षोरयिष्यत |
| अक्षोरयिष्यम् | अक्षोरयिष्याव | अक्षोरयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० क्षोरयते | क्षोरयेते | क्षोरयन्ते |
| क्षोरयसे | क्षोरयथे | क्षोरयध्वे |
| क्षोरये | क्षोरयावहे | क्षोरयामहे |
| स० क्षोरयेत | क्षोरयेयाताम् | क्षोरयेरन् |
| क्षोरयेथाः | क्षोरयेयाथाम् | क्षोरयेध्वम् |
| क्षोरयेय | क्षोरयेवहि | क्षोरयेमहि |
| प० क्षोरयताम् | क्षोरयेताम् | क्षोरयन्ताम् |
| क्षोरयस्व | क्षोरयेथाम् | क्षोरयध्वम् |
| क्षोरयै | क्षोरयावहै | क्षोरयामहै |
| ह्य० अक्षोरयत | अक्षोरयेताम् | अक्षोरयन्त |
| अक्षोरयथाः | अक्षोरयेथाम् | अक्षोरयध्वम् |
| अक्षोरये | अक्षोरयावहि | अक्षोरयामहि |
| अ० अचुक्षुरत | अचुक्षुरेताम् | अचुक्षुरन्त |
| अचुक्षुरथाः | अचुक्षुरेथाम् | अचुक्षुरध्वम् |
| अचुक्षुरे | अचुक्षुरावहि | अचुक्षुरामहि |
| प० क्षोरयाञ्चक्रे | क्षोरयाञ्चकाते | क्षोरयाञ्चकिरे |
| क्षोरयाञ्चकृषे | क्षोरयाञ्चकाथे | क्षोरयाञ्चकृद्वे |
| क्षोरयाञ्चक्रे | क्षोरयाञ्चकृवहे | क्षोरयाञ्चकृमहे |
| क्षोरयाम्बभूव | क्षोरयामास | |
| आ० क्षोरयिषीष्ट | क्षोरयिषीयास्ताम् | क्षोरयिषीरन् |
| क्षोरयिषीष्ठाः | क्षोरयिषीयास्थाम् | क्षोरयिषीध्वम् |
| क्षोरयिषीय | क्षोरयिषीवहि | क्षोरयिषीमहि |
| श्र० क्षोरयिता | क्षोरयितारौ | क्षोरयितारः |
| क्षोरयितासे | क्षोरयितासाथे | क्षोरयिताध्वे |
| क्षोरयिताहे | क्षोरयितास्वहे | क्षोरयितास्महे |
| भ० क्षोरयिष्यते | क्षोरयिष्येते | क्षोरयिष्यन्ते |
| क्षोरयिष्यसे | क्षोरयिष्यथे | क्षोरयिष्यध्वे |
| क्षोरयिष्ये | क्षोरयिष्यावहे | क्षोरयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षोरयिष्यत | अक्षोरयिष्येताम् | अक्षोरयिष्यन्त |
| अक्षोरयिष्यथाः | अक्षोरयिष्येथाम् | अक्षोरयिष्यध्वम् |
| अक्षोरयिष्ये | अक्षोरयिष्यावहि | अक्षोरयिष्यामहि |

1393 खुरत् (खर्) छेदने च ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | खोरयति | खोरयतः | खोरयन्ति |
| | खोरयसि | खोरयथः | खोरयथ |
| | खोरयामि | खोरयावः | खोरयामः |
| स० | खोरयेत् | खोरयेताम् | खोरयेयुः |
| | खोरयेः | खोरयेतम् | खोरयेत |
| | खोरयेयम् | खोरयेव | खोरयेम |
| प० | खोरयतु | खोरयतात् | खोरयताम् |
| | खोरय | खोरयतात् | खोरयतम् |
| | खोरयाणि | खोरयाव | खोरयाम |
| ह्य० | अखोरयत् | अखोरयताम् | अखोरयन् |
| | अखोरयः | अखोरयतम् | अखोरयत |
| | अखोरयम् | अखोरयाव | अखोरयाम |
| अ० | अचूखुरत् | अचूखुरताम् | अचूखुरन् |
| | अचूखुरः | अचूखुरतम् | अचूखुरत |
| | अचूखुरम् | अचूखुराव | अचूखुराम |
| प० | खोरयाञ्चकार | खोरयाञ्चक्रुः | खोरयाञ्चक्रुः |
| | खोरयाञ्चकथं | खोरयाञ्चकथुः | खोरयाञ्चक |
| | खोरयाञ्चकार-चकर | खोरयाञ्चकृव | खोरयाञ्चकृम |
| | खोरयाम्बभूव | । | खोरयामास |
| अ० | खोर्यात् | खोर्यास्ताम् | खोर्यासुः |
| | खोर्याः | खोर्यास्तम् | खोर्यास्त |
| | खोर्यासम् | खोर्यास्व | खोर्यास्मि |
| श्व० | खोरयिता | खोरयितारौ | खोरयितारः |
| | खोरयितासि | खोरयितास्थः | खोरयितास्थ |
| | खोरयितास्मि | खोरयितास्वः | खोरयितास्मः |
| भ० | खोरयिष्यति | खोरयिष्यतः | खोरयिष्यन्ति |
| | खोरयिष्यसि | खोरयिष्यथः | खोरयिष्यथ |
| | खोरयिष्यामि | खोरयिष्यावः | खोरयिष्यामः |
| क्रि० | अखोरयिष्यत् | अखोरयिष्यताम् | अखोरयिष्यन् |
| | अखोरयिष्यः | अखोरयिष्यतम् | अखोरयिष्यत |
| | अखोरयिष्यम् | अखोरयिष्याव | अखोरयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | खोरयते | खोरयेते | खोरयन्ते |
| | खोरयसे | खोरयेथे | खोरयध्वे |
| | खोरये | खोरयवहे | खोरयामहे |
| स० | खोरयेत | खोरयेयाताम् | खोरयेरन् |
| | खोरयेथाः | खोरयेयाथाम् | खोरयेध्वम् |
| | खोरयेथ | खोरयेवहि | खोरयेमहि |
| प० | खोरयताम् | खोरयेताम् | खोरयन्ताम् |
| | खोरयस्व | खोरयेथाम् | खोरयध्वम् |
| | खोरयै | खोरयावहै | खोरयामहै |
| ह्य० | अखोरयत | अखोरयेताम् | अखोरयन्त |
| | अखोरयथाः | अखोरयेथाम् | अखोरयध्वम् |
| | अखोरये | अखोरयावहि | अखोरयामहि |
| अ० | अचूखुरत | अचूखुरेताम् | अचूखुरन्त |
| | अचूखुरथाः | अचूखुरेथाम् | अचूखुरध्वम् |
| | अचूखुरे | अचूखुरावहि | अचूखुरामहि |
| प० | खोरयाञ्चक्रे | खोरयाञ्चक्राते | खोरयाञ्चक्रिरे |
| | खोरयाञ्चकृषे | खोरयाञ्चक्राथे | खोरयाञ्चकृध्वे |
| | खोरयाञ्चक्रे | खोरयाञ्चकृवहे | खोरयाञ्चकृमहे |
| | खोरयाम्बभूव | । | खोरयामास |
| | खोरयिषीष्ट | खोरयिषीयास्ताम् | खोरयिषीरन् |
| | खोरयिषीष्ठाः | खोरयिषीयास्थाम् | खोरयिषीध्वम् |
| | खोरयिषीय | खोरयिषीवहि | खोरयिषीमहि |
| श्व० | खोरयिता | खोरयितारौ | खोरयितारः |
| | खोरयितासे | खोरयितासाथे | खोरयिताध्वे |
| | खोरयिताहे | खोरयितास्वहे | खोरयितास्महे |
| भ० | खोरयिष्यते | खोरयिष्येते | खोरयिष्यन्ते |
| | खोरयिष्यसे | खोरयिष्येथे | खोरयिष्यध्वे |
| | खोरयिष्ये | खोरयिष्यावहे | खोरयिष्यामहे |
| क्रि० | अखोरयिष्यत | अखोरयिष्येताम् | अखोरयिष्यन्त |
| | अखोरयिष्यथाः | अखोरयिष्येथाम् | अखोरयिष्यध्वम् |
| | अखोरयिष्ये | अखोरयिष्यावहि | अखोरयिष्यामहि |

1394 घुरत् (घुर) भीमार्थशब्दयोः

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० घोरयति | घोरयतः | घोरयन्ति |
| घोरयसि | घोरयथः | घोरयथ |
| घोरयामि | घोरयावः | घोरयामः |
| स० घोरयेत् | घोरयेताम् | घोरयेयुः |
| घोरयेः | घोरयेतम् | घोरयेत |
| घोरयेयम् | घोरयेव | घोरयेम |
| प० घोरयतु | घोरयतात् | घोरयताम् |
| घोरय | घोरयतात् | घोरयतम् |
| घोरयाणि | घोरयाव | घोरयाम |
| ह्य० अघोरयत् | अघोरयताम् | अघोरयन् |
| अघोरयः | अघोरयतम् | अघोरयत |
| अघोरयम् | अघोरयाव | अघोरयाम |
| अ० अजूघुरत् | अजूघुरताम् | अजूघुरन् |
| अजूघुरः | अजूघुरतम् | अजूघुरत |
| अजूघुरम् | अजूघुराव | अजूघुराम |
| प० घोरयाञ्चकार | घोरयाञ्चक्रुः | घोरयाञ्चकुः |
| घोरयाञ्चकथं | घोरयाञ्चक्रुः | घोरयाञ्चक |
| घोरयाञ्चकार-चकर | घोरयाञ्चक्रुव | घोरयाञ्चक्रम |
| घोरयाञ्चभूव | घोरयामास | |
| आ० घोर्यात् | घोर्यास्ताम् | घोर्यासुः |
| घोर्याः | घोर्यास्तम् | घोर्यास्त |
| घोर्यासम् | घोर्यास्व | घोर्यास्म |
| न्व० घोरयिता | घोरयितारौ | घोरयितारः |
| घोरयितासि | घोरयितास्थः | घोरयितास्थ |
| घोरयितास्मि | घोरयितास्वः | घोरयितास्मः |
| भ० घोरयिष्यति | घोरयिष्यतः | घोरयिष्यन्ति |
| घोरयिष्यसि | घोरयिष्यथः | घोरयिष्यथ |
| घोरयिष्यामि | घोरयिष्यावः | घोरयिष्यामः |
| क्रि० अघोरयिष्यत् | अघोरयिताम् | अघोरयिष्यन् |
| अघोरयिष्यः | अघोरयिष्यतम् | अघोरयिष्यत |
| अघोरयिष्यम् | अघोरयिष्याव | अघोरयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| व० घोरयते | घोरयेते | घोरयन्ते |
| घोरयसे | घोरयेथे | घोरयन्थे |
| घोरये | घोरयावहे | घोरयामहे |
| स० घोरयेत | घोरयेयाताम् | घोरयेरन् |
| घोरयेथाः | घोरयेयाथाम् | घोरयेध्वम् |
| घोरयेय | घोरयेवहि | घोरयेमहि |
| प० घोरयताम् | घोरयेताम् | घोरयन्ताम् |
| घोरयस्व | घोरयेथाम् | घोरयध्वम् |
| घोरये | घोरयावहे | घोरयामहे |
| ह्य० अघोरयत | अघोरयेताम् | अघोरयन्त |
| अघोरयथाः | अघोरयेथाम् | अघोरयध्वम् |
| अघोरये | अघोरयावहि | अघोरयामहि |
| अ० अजूघुरत | अजूघुरेताम् | अजूघुरन्त |
| अजूघुरथाः | अजूघुरेथाम् | अजूघुरध्वम् |
| अजूघुरे | अजूघुरावहि | अजूघुरामहि |
| प० घोरयाञ्चके | घोरयाञ्चकाते | घोरयाञ्चकिरे |
| घोरयाञ्चकृषे | घोरयाञ्चकाथे | घोरयाञ्चकृद् वे |
| घोरयाञ्चके | घोरयाञ्चकृवहे | घोरयाञ्चकृमहे |
| घोरयाञ्चभूव | घोरयामास | |
| आ० घोरयिषीष्ट | घोरयिषीयास्ताम् | घोरयिषीरन् |
| घोरयिषीष्टाः | घोरयिषीयास्थाम् | घोरयिषीढ्वम् |
| घोरयिषीय | घोरयिषीवहि | घोरयिषीमहि |
| न्व० घोरयिता | घोरयितारौ | घोरयितारः |
| घोरयितासे | घोरयितासाथे | घोरयिताध्वे |
| घोरयिताहे | घोरयितास्वहे | घोरयितास्महे |
| भ० घोरयिष्यन्त | घोरयिष्येते | घोरयिष्यन्ते |
| घोरयिष्यसे | घोरयिष्येथे | घोरयिष्यध्वे |
| घोरयिष्ये | घोरयिष्यावहे | घोरयिष्यामहे |
| क्रि० अघोरयिष्यत | अघोरयिष्येताम् | अघोरयिष्यन्त |
| अघोरयिष्यथाः | अघोरयिष्येथाम् | अघोरयिष्यध्वम् |
| अघोरयिष्ये | अघोरयिष्यावहि | अघोरयिष्यामहि |

1395 पुरत् (पुर) अग्रगमने

| | | | |
|-------|-----------------|--------------|--------------|
| व० | पोरयति | पोरयतः | पोरयन्ति |
| | पोरयसि | पोरयथः | पोरयथ |
| | पोरयामि | पोरयावः | पोरयामः |
| स० | पोरयेत् | पोरयेताम् | पोरयेयुः |
| | पोरयेः | पोरयेतम् | पोरयेत |
| | पोरयेयम् | पोरयेव | पोरयेम |
| प० | पोरयतु | पोरयतात् | पोरयन्तु |
| | पोरय | पोरयतात् | पोरयतम् |
| | पोरयाणि | पोरयाव | पोरयाम |
| ह्य० | अपोरयत् | अपोरयताम् | अपोरयन् |
| | अपोरयः | अपोरयतम् | अपोरयत |
| | अपोरयम् | अपोरयाव | अपोरयाम |
| अ० | अपूपुरत् | अपूपुरताम् | अपूपुरन् |
| | अपूपुरः | अपूपुरतम् | अपूपुरत |
| | अपूपुरम् | अपूपुराव | अपूपुराम |
| प० | पोरयाञ्चकार | पोरयाञ्चकतुः | पोरयाञ्चकः |
| | पोरयाञ्चकथं | पोरयाञ्चकथुः | पोरयाञ्चक |
| | पोरयाञ्चकार-चकर | पोरयाञ्चकृच | पोरयाञ्चकृम |
| | पोरयाञ्चभूव | । | पोरयामास |
| आ० | पोर्यात् | पोर्यास्ताम् | पोर्यासुः |
| | पोर्याः | पोर्यास्तम् | पोर्यास्त |
| | पोर्यासम् | पोर्यास्व | पोर्यास्म |
| भ्व० | पोरयिता | पोरयितारौ | पोरयितारः |
| | पोरयितासि | पोरयितास्थः | पोरयितास्थ |
| | पोरयितास्मि | पोरयितास्वः | पोरयितास्मः |
| भ० | पोरयिष्यति | पोरयिष्यतः | पोरयिष्यन्ति |
| | पोरयिष्यसि | पोरयिष्यथः | पोरयिष्यथ |
| | पोरयिष्यामि | पोरयिष्यावः | पोरयिष्यामः |
| क्रि० | अपोरयिष्यत् | अपोरयिताम् | अपोरयिष्यन् |
| | अपोरयिष्यः | अपोरयिष्यतम् | अपोरयिष्यत |
| | अपोरयिष्यम् | अपोरयिष्याव | अपोरयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पोरयते | पोरयेते | पोरयन्ते |
| | पोरयसे | पोरयेथे | पोरयध्वे |
| | पोरये | पोरयावहे | पोरयामहे |
| स० | पोरयेत | पोरयेयताम् | पोरयेरन् |
| | पोरयेथाः | पोरयेयाथाम् | पोरयेध्वम् |
| | पोरयेय | पोरयेवहि | पोरयेमहि |
| प० | पोरयताम् | पोरयेताम् | पोरयन्ताम् |
| | पोरयस्व | पोरयेथाम् | पोरयध्वम् |
| | पोरयै | पोरयावहै | पोरयामहै |
| ह्य० | अपोरयत | अपोरयेताम् | अपोरयन्त |
| | अपोरयथाः | अपोरयेथाम् | अपोरयध्वम् |
| | अपोरये | अपोरयावहि | अपोरयामहि |
| अ० | अपूपुरत | अपूपुरेताम् | अपूपुरन्त |
| | अपूपुरथाः | अपूपुरेशाम् | अपूपुरध्वम् |
| | अपूपुरे | अपूपुरावहि | अपूपुरामहि |
| प० | पोरयाञ्चक्रे | पोरयाञ्चक्राते | पोरयाञ्चक्रिरे |
| | पोरयाञ्चकृषे | पोरयाञ्चक्राथे | पोरयाञ्चकृद्वे |
| | पोरयाञ्चके | पोरयाञ्चकृवहे | पोरयाञ्चकृमहे |
| | पोरयाञ्चभूव | । | पोरयामास |
| आ० | पोरयिषीष्ट | पोरयिषीयास्ताम् | पोरयिषीरन् |
| | पोरयिषीष्टाः | पोरयिषीयास्थाम् | पोरयिषीद्वम् |
| | पोरयिषीय | पोरयिषीवहि | पोरयिषीमहि |
| भ्व० | पोरयिता | पोरयितारौ | पोरयितारः |
| | पोरयितासे | पोरयितासाथे | पोरयिताध्वे |
| | पोरयिताहे | पोरयितास्वहे | पोरयितास्महे |
| भ० | पोरयिष्यते | पोरयिष्येते | पोरयिष्यन्ते |
| | पोरयिष्यसे | पोरयिष्येथे | पोरयिष्यध्वे |
| | पोरयिष्ये | पोरयिष्यावहे | पोरयिष्यामहे |
| क्रि० | अपोरयिष्यत | अपोरयिष्येताम् | अपोरयिष्यन्त |
| | अपोरयिष्यथाः | अपोरयिष्येथाम् | अपोरयिष्यध्वम् |
| | अपोरयिष्ये | अपोरयिष्यावहि | अपोरयिष्यामहि |

1396 मुरत् (मुर) संवेष्टने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | मोरयति | मोरयतः | मोरयन्ति |
| | मोरयसि | मोरयथः | मोरयथ |
| | मोरयामि | मोरयावः | मोरयामः |
| स | मोरयेत् | मोरयेताम् | मोरयेयुः |
| | मोरयेः | मोरयेतम् | मोरयेत |
| | मोरयेयम् | मोरयेयवः | मोरयेयमः |
| प० | मोरयतु | मोरयतात् | मोरयताम् |
| | मोरय | मोरयतात् | मोरयतम् |
| | मोरयाणि | मोरयाव | मोरयाम |
| ह्य० | अमोरयत् | अमोरयताम् | अमोरयन् |
| | अमोरयः | अमोरयतम् | अमोरयत |
| | अमोरयम् | अमोरयाव | अमोरयाम |
| अ० | अमूमुरत् | अमूमुरताम् | अमूमुरन् |
| | अमूमुरः | अमूमुरतम् | अमूमुरत |
| | अमूमुरम् | अमूमुराव | अमूमुराम |
| प० | मोरयाञ्चकार | मोरयाञ्चक्रुः | मोरयाञ्चकुः |
| | मोरयाञ्चकथं | मोरयाञ्चकथुः | मोरयाञ्चक |
| | मोरयाञ्चकार-चकर | मोरयाञ्चकृव | मोरयाञ्चकृम |
| | मोरयाम्बभूव | मोरयामास | |
| आ० | मोर्यात् | मोर्यास्ताम् | मोर्यासुः |
| | मोर्याः | मोर्यास्तम् | मोर्यास्त |
| | मोर्यासम् | मोर्यास्व | मोर्यास्म |
| श्व० | मोरयिता | मोरयितारी | मोरयितारः |
| | मोरयितासि | मोरयितास्थः | मोरयितास्थ |
| | मोरयितास्मि | मोरयितास्वः | मोरयितास्मः |
| भ० | मोरयिष्यति | मोरयिष्यतः | मोरयिष्यन्ति |
| | मोरयिष्यसि | मोरयिष्यथः | मोरयिष्यथ |
| | मोरयिष्यामि | मोरयिष्यावः | मोरयिष्यामः |
| क्रि० | अमोरयिष्यत् | अमोरयिष्यताम् | अमोरयिष्यन् |
| | अमोरयिष्यः | अमोरयिष्यतम् | अमोरयिष्यत |
| | अमोरयिष्यम् | अमोरयिष्याव | अमोरयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | मोरयते | मोरयेते | मोरयन्ते |
| | मोरयसे | मोरयेथे | मोरयन्थे |
| | मोरये | मोरयावहे | मोरयामहे |
| स० | मोरयंत | मोरयंयाताम् | मोरयेरन् |
| | मोरयेथाः | मोरयेथायाम् | मोरयेथ्वम् |
| | मोरयेय | मोरयेवहि | मोरयेमहि |
| प० | मोरयताम् | मोरयेताम् | मोरयन्ताम् |
| | मोरयस्व | मोरयेथाम् | मोरयथ्वम् |
| | मोरयै | मोरयावहे | मोरयामहे |
| ह्य० | अमोरयत | अमोरयेताम् | अमोरयन्त |
| | अमोरयथाः | अमोरयेथाम् | अमोरयथ्वम् |
| | अमोरये | अमोरयावहि | अमोरयामहि |
| अ० | अमूमुरत | अमूमुरेताम् | अमूमुरन्त |
| | अमूमुरथाः | अमूमुरेथाम् | अमूमुरथ्वम् |
| | अमूमुरे | अमूमुरावहि | अमूमुरामहि |
| प० | मोरयाञ्चके | मोरयाञ्चक्राते | मोरयाञ्चक्रिरे |
| | मोरयाञ्चकृषे | मोरयाञ्चकृषे | मोरयाञ्चकृदवे |
| | मोरयाञ्चके | मोरयाञ्चकृवहे | मोरयाञ्चकृमहे |
| | मोरयाम्बभूव | मोरयामास | |
| | मोरयिषीष्ट | मोरयिषीयास्ताम् | मोरयिषीरन् |
| | मोरयिषीष्टाः | मोरयिषीयास्थाम् | मोरयिषीद्वम् |
| | मोरयिषीथ | मोरयिषीवहि | मोरयिषीमहि |
| श्व० | मोरयिता | मोरयितारी | मोरयितारः |
| | मोरयितासे | मोरयितासाथे | मोरयिताथ्वे |
| | मोरयिताहे | मोरयितास्वहे | मोरयितास्महे |
| भ० | मोरयिष्यते | मोरयिष्येते | मोरयिष्यन्ते |
| | मोरयिष्यसे | मोरयिष्येथे | मोरयिष्यथ्वे |
| | मोरयिष्ये | मोरयिष्यावहे | मोरयिष्यामहे |
| क्रि० | अमोरयिष्यत | अमोरयिष्येताम् | अमोरयिष्यन्त |
| | अमोरयिष्यथाः | अमोरयिष्येथाम् | अमोरयिष्यथ्वम् |
| | अमोरयिष्ये | अमोरयिष्यावहि | अमोरयिष्यामहि |

1397 सुरुत् (सुरु) अश्वर्यादीप्तयो

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | सोरयति | सोरयतः | सोरयन्ति |
| | सोरयसि | सोरयथः | सोरयथ |
| | सोरयामि | सोरयावः | सोरयामः |
| स | सोरयेत् | सोरयेताम् | सोरयेयुः |
| | सोरये | सोरयतम् | सोरयेत |
| | सोरयेयम् | सोरयेव | सोरयेम |
| प० | सोरयतु | सोरयतात् | सोरयताम् |
| | सोरय | सोरयतात् | सोरयतम् |
| | सोरयाणि | सोरयाव | सोरयाम |
| ह्य० | असोरयत् | असोरयताम् | असोरयन् |
| | असोरयः | असोरयतम् | असोरयत |
| | असोरयम् | असोरयाव | असोरयाम |
| अ० | असूसुरत् | असूसुरताम् | असूसुरन् |
| | असूसुरः | असूसुरतम् | असूसुरत |
| | असूसुरम् | असूसुराव | असूसुराम |
| प० | सोरयाञ्चकार | सोरयाञ्चक्रुः | सोरयाञ्चक्रुः |
| | सोरयाञ्चकथं | सोरयाञ्चकथुः | सोरयाञ्चक |
| | सोरयाञ्चकार-चकर | सोरयाञ्चकृव | सोरयाञ्चकृम |
| | सोरयाम्बभूव | । | सोरयामास |
| आ० | सोर्यात् | सोर्यास्ताम् | सोर्यासुः |
| | सोर्याः | सोर्यास्तम् | सोर्यास्त |
| | सोर्यासम् | सोर्यास्व | सोर्यास्म |
| श्व० | सोरयिता | सोरयितारौ | सोरयितारः |
| | सोरयितासि | सोरयितास्थः | सोरयितास्थ |
| | सोरयितास्मि | सोरयितास्वः | सोरयितास्मः |
| भ० | सोरयिष्यति | सोरयिष्यतः | सोरयिष्यन्ति |
| | सोरयिष्यसि | सोरयिष्यथः | सोरयिष्यथ |
| | सोरयिष्यामि | सोरयिष्यावः | सोरयिष्यामः |
| क्रि० | असोरयिष्यत् | असोरयिष्यताम् | असोरयिष्यन् |
| | असोरयिष्यः | असोरयिष्यतम् | असोरयिष्यत |
| | असोरयिष्यम् | असोरयिष्याव | असोरयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | सोरयते | सोरयते | सोरयन्ते |
| | सोरयसे | सोरयथे | सोरयध्वे |
| | सोरये | सोरयावहे | सोरयामहे |
| स० | सोरयेत | सोरयेयाताम् | सोरयेरन् |
| | सोरयेथाः | सोरयेयाथाम | सोरयेध्वम् |
| | सोरयेय | सोरयेवहि | सोरयेमहि |
| प० | सोरयताम् | सोरयेताम् | सोरयन्ताम् |
| | सोरयस्व | सोरयेथाम् | सोरयध्वम् |
| | सोरयै | सोरयावहै | सोरयामहै |
| ह्य० | असोरयत | असोरयेताम् | असोरयन्त |
| | असोरयथाः | असोरयेथाम् | असोरयध्वम् |
| | असोरये | असोरयावहि | असोरयामहि |
| अ० | असूसुरत | असूसुरेताम् | असूसुरन्त |
| | असूसुरथाः | असूसुरेथाम् | असूसुरध्वम् |
| | असूसुरे | असूसुरावहि | असूसुरामहि |
| प० | सोरयाञ्चक्रे | सोरयाञ्चक्राते | सोरयाञ्चक्रिरे |
| | सोरयाञ्चकृषे | सोरयाञ्चक्राथे | सोरयाञ्चकृद्वे |
| | सोरयाञ्चक्रे | सोरयाञ्चकृवहे | सोरयाञ्चकृमहे |
| | सोरयाम्बभूव | । | सोरयामास |
| | सोरयिषीष्ट | सोरयिषीयास्ताम् | सोरयिषीरन् |
| | सोरयिषीष्टाः | सोरयिषीयास्थाम् | सोरयिषीद्वम् |
| | सोरयिषीय | सोरयिषीवहि | सोरयिषीमहि |
| श्व० | सोरयिता | सोरयितारौ | सोरयितारः |
| | सोरयितासे | सोरयितासाथे | सोरयिताध्वे |
| | सोरयिताहे | सोरयितास्वहे | सोरयितास्महे |
| भ० | सोरयिष्यते | सोरयिष्येते | सोरयिष्यन्ते |
| | सोरयिष्यसे | सोरयिष्यथे | सोरयिष्यध्वे |
| | सोरयिष्ये | सोरयिष्यावहे | सोरयिष्यामहे |
| क्रि० | असोरयिष्यत | असोरयिष्येताम् | असोरयिष्यन्त |
| | असोरयिष्यथाः | असोरयिष्येथाम् | असोरयिष्यध्वम् |
| | असोरयिष्ये | असोरयिष्यावहि | असोरयिष्यामहि |

1398 स्फरत् (फस्) स्फुरणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | स्फारयति | स्फारयतः | स्फारयन्ति |
| | स्फारयसि | स्फारयथः | स्फारयथ |
| | स्फारयामि | स्फारयावः | स्फारयामः |
| स० | स्फारयेत् | स्फारयेताम् | स्फारयेयुः |
| | स्फारयेः | स्फारयेतम् | स्फारयेत |
| | स्फारयेयम् | स्फारयेव | स्फारयेम |
| प० | स्फारयतु | स्फारयतात् | स्फारयताम् |
| | स्फारय | स्फारयतात् | स्फारयतम् |
| | स्फारयाणि | स्फारयाव | स्फारयाम |
| ह्य० | अस्फारयत् | अस्फारयताम् | अस्फारयन् |
| | अस्फारयः | अस्फारयतम् | अस्फारयत |
| | अस्फारयम् | अस्फारयाव | अस्फारयाम |
| अ० | अपिस्फरत् | अपिस्फरताम् | अपिस्फरन् |
| | अपिस्फरः | अपिस्फरतम् | अपिस्फरत |
| | अपिस्फरम् | अपिस्फराव | अपिस्फराम |
| प० | स्फारयाञ्चकार | स्फारयाञ्चक्रतुः | स्फारयाञ्चक्रुः |
| | स्फारयाञ्चकथं | स्फारयाञ्चकथुः | स्फारयाञ्चक |
| | स्फारयाञ्चकार-चकर | स्फारयाञ्चकृव | स्फारयाञ्चकृम |
| | स्फारयाम्बभूव | स्फारयामास | |
| आ० | स्फार्यात् | स्फार्यास्ताम् | स्फार्यासुः |
| | स्फार्याः | स्फार्यास्तम् | स्फार्यास्त |
| | स्फार्यासम् | स्फार्यास्व | स्फार्यास्म |
| भ्व० | स्फारयिता | स्फारयितारौ | स्फारयितारः |
| | स्फारयितासि | स्फारयितास्थः | स्फारयितास्थ |
| | स्फारयितास्मि | स्फारयितास्वः | स्फारयितास्मः |
| भ० | स्फारयिष्यति | स्फारयिष्यतः | स्फारयिष्यन्ति |
| | स्फारयिष्यसि | स्फारयिष्यथः | स्फारयिष्यथ |
| | स्फारयिष्यामि | स्फारयिष्यावः | स्फारयिष्यामः |
| क्रि० | अस्फारयिष्यत् | अस्फारयिताम् | अस्फारयिष्यन् |
| | अस्फारयिष्यः | अस्फारयिष्यतम् | अस्फारयिष्यत |
| | अस्फारयिष्यम् | अस्फारयिष्याव | अस्फारयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्फारयते | स्फारयेते | स्फारयन्ते |
| | स्फारयसे | स्फारयेथे | स्फारयध्वे |
| | स्फारये | स्फारयावहे | स्फारयामहे |
| स० | स्फारयेत | स्फारयेयाताम् | स्फारयेरन् |
| | स्फारयेथाः | स्फारयेयाथाम् | स्फारयेध्वम् |
| | स्फारयेय | स्फारयेवहि | स्फारयेमहि |
| प० | स्फारयताम् | स्फारयेताम् | स्फारयन्ताम् |
| | स्फारयस्व | स्फारयेथाम् | स्फारयध्वम् |
| | स्फारये | स्फारयावहे | स्फारयामहे |
| ह्य० | अस्फारयत | अस्फारयेताम् | अस्फारयन्त |
| | अस्फारयथाः | अस्फारयेथाम् | अस्फारयध्वम् |
| | अस्फारये | अस्फारयावहि | अस्फारयामहि |
| अ० | अपिस्फरत | अपिस्फरेताम् | अपिस्फरन्त |
| | अपिस्फरथाः | अपिस्फरेथाम् | अपिस्फरध्वम् |
| | अपिस्फरे | अपिस्फरावहि | अपिस्फरामहि |
| प० | स्फारयाञ्चक्रे | स्फारयाञ्चक्राते | स्फारयाञ्चक्रिरे |
| | स्फारयाञ्चकृषे | स्फारयाञ्चक्राथे | स्फारयाञ्चकृद्वे |
| | स्फारयाञ्चके | स्फारयाञ्चकृवहे | स्फारयाञ्चकृमहे |
| | स्फारयाम्बभूव | स्फारयामास | |
| आ० | स्फारयिषीष्ट | स्फारयिषीयास्ताम् | स्फारयिषीरन् |
| | स्फारयिषीष्ठा | स्फारयिषीयास्थाम् | स्फारयिषीद्वम् |
| | स्फारयिषीय | स्फारयिषीवहि | स्फारयिषीमहि |
| भ्व० | स्फारयिता | स्फारयितारौ | स्फारयितारः |
| | स्फारयितासे | स्फारयितासाथे | स्फारयिताध्वे |
| | स्फारयिताहे | स्फारयितास्वहे | स्फारयितास्महे |
| भ० | स्फारयिष्यते | स्फारयिष्येते | स्फारयिष्यन्ते |
| | स्फारयिष्यसे | स्फारयिष्येथे | स्फारयिष्यध्वे |
| | स्फारयिष्ये | स्फारयिष्यावहे | स्फारयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्फारयिष्यत | अस्फारयिष्येताम् | अस्फारयिष्यन् |
| | अस्फारयिष्यथाः | अस्फारयिष्येथाम् | अस्फारयिष्यध्वम् |
| | अस्फारयिष्ये | अस्फारयिष्यावहि | अस्फारयिष्यामहि |

1399 स्फालत् (स्फल्) स्फुरणे ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० स्फालयति | स्फालयतः | स्फालयन्ति |
| स्फालयसि | स्फालयथः | स्फालयथ |
| स्फालयामि | स्फालयावः | स्फालयामः |
| स० स्फालयेत् | स्फालयेताम् | स्फालयेयुः |
| स्फालयेः | स्फालयेतम् | स्फालयेत |
| स्फालयेयम् | स्फालयेव | स्फालयेम |
| प० स्फालयतु | स्फालयतात् | स्फालयताम् |
| स्फालय | स्फालयतात् | स्फालयतम् |
| स्फालयानि | स्फालयाव | स्फालयाम |
| ह्य० अस्फालयत् | अस्फालयताम् | अस्फालयन् |
| अस्फालयः | अस्फालयतम् | अस्फालयत |
| अस्फालयम् | अस्फालयाव | अस्फालयाम |
| अ० अपिस्फालत् | अपिस्फालताम् | अपिस्फालन् |
| अपिस्फालः | अपिस्फालतम् | अपिस्फालत |
| अपिस्फालम् | अपिस्फालाव | अपिस्फालाम |
| प० स्फालयाञ्चकार | स्फालयाञ्चकतुः | स्फालयाञ्चकुः |
| स्फालयाञ्चकर्थे | स्फालयाञ्चकथुः | स्फालयाञ्चक |
| स्फालयाञ्चकार-चकर | स्फालयाञ्चकृव | स्फालयाञ्चकृम |

स्फालयाम्बभूव । स्फालयामास

| | | |
|---------------------|----------------|----------------|
| आ० स्फाल्यात् | स्फाल्यास्ताम् | स्फाल्यासुः |
| स्फाल्याः | स्फाल्यास्तम् | स्फाल्यास्त |
| स्फाल्यासम् | स्फाल्यास्व | स्फाल्यास्म |
| भ्व० स्फालयिता | स्फालयितारौ | स्फालयितारः |
| स्फालयितासि | स्फालयितास्यः | स्फालयितास्थ |
| स्फालयितास्मि | स्फालयितास्वः | स्फालयितास्मः |
| भ० स्फालयिष्यति | स्फालयिष्यतः | स्फालयिष्यन्ति |
| स्फालयिष्यसि | स्फालयिष्यथः | स्फालयिष्यथ |
| स्फालयिष्यामि | स्फालयिष्यावः | स्फालयिष्यामः |
| क्रि० अस्फालयिष्यत् | अस्फालयिताम् | अस्फालयिष्यन् |
| अस्फालयिष्यः | अस्फालयिष्यतम् | अस्फालयिष्यत |
| अस्फालयिष्यम् | अस्फालयिष्याव | अस्फालयिष्याम |

| | | |
|----------------------------|-----------------|------------------|
| व० स्फालयते | स्फालयेते | स्फालयन्ते |
| स्फालयसे | स्फालयेथे | स्फालयध्वे |
| स्फालये | स्फालयावहे | स्फालयामहे |
| स० स्फालयेत | स्फालयेयाताम् | स्फालयेरन् |
| स्फालयेथाः | स्फालयेयाथाम् | स्फालयेध्वम् |
| स्फालयेय | स्फालयेवहि | स्फालयेमहि |
| प० स्फालयताम् | स्फालयेताम् | स्फालयन्ताम् |
| स्फालयस्व | स्फालयेथाम् | स्फालयध्वम् |
| स्फालये | स्फालयावहे | स्फालयामहे |
| ह्य० अस्फालयत | अस्फालयेताम् | अस्फालयन्त |
| अस्फालयथाः | अस्फालयेथाम् | अस्फालयध्वम् |
| अस्फालये | अस्फालयावहि | अस्फालयामहि |
| अ० अपिस्फालत् | अपिस्फालेताम् | अपिस्फालन्त |
| अपिस्फालथाः | अपिस्फालेथाम् | अपिस्फालध्वम् |
| अपिस्फाले | अपिस्फालावहि | अपिस्फालामहि |
| प० स्फालयाञ्चके | स्फालयाञ्चकाते | स्फालयाञ्चकिरे |
| स्फालयाञ्चकृवे | स्फालयाञ्चकाथे | स्फालयाञ्चकृद्वे |
| स्फालयाञ्चके | स्फालयाञ्चकृवहे | स्फालयाञ्चकृमहे |
| स्फालयाम्बभूव । स्फालयामास | | |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| आ० स्फालयिषीष्ट | स्फालयिषीयास्ताम् | स्फालयिषीरन् |
| स्फालयिषीष्टा | स्फालयिषीयास्थाम् | स्फालयिषीध्वम् |
| स्फालयिषीय | स्फालयिषीवहि | स्फालयिषीमहि |
| भ्व० स्फालयिता | स्फालयितारौ | स्फालयितारः |
| स्फालयितासे | स्फालयितासाथे | स्फालयिताध्वे |
| स्फालयिताहे | स्फालयितास्वहे | स्फालयितास्महे |
| भ० स्फालयिष्यते | स्फालयिष्येते | स्फालयिष्यन्ते |
| स्फालयिष्यसे | स्फालयिष्येथे | स्फालयिष्यध्वे |
| स्फालयिष्ये | स्फालयिष्यावहे | स्फालयिष्यामहे |
| क्रि० अस्फालयिष्यत् | अस्फालयिष्येताम् | अस्फालयिष्यन्त |
| अस्फालयिष्यथाः | अस्फालयिष्येथाम् | अस्फालयिष्यध्वम् |
| अस्फालयिष्ये | अस्फालयिष्यावहि | अस्फालयिष्यामहि |

1400 किलत् (किल्) श्वेत्यक्रीडनयोः

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | केलयति | केलयतः | केलयन्ति |
| | केलयसि | केलयथः | केलयथ |
| | केलयामि | केलयावः | केलयामः |
| स० | केलयेत् | केलयेताम् | केलययुः |
| | केलयेः | केलयेतम् | केलयत |
| | केलयेयम् | केलयेव | केलयेम |
| प० | केलयतु | केलयतात् | केलयताम् |
| | केलय | केलयतात् | केलयतम् |
| | केलयानि | केलयाव | केलयाम |
| ह्य० | अकेलयत् | अकेलयताम् | अकेलयन् |
| | अकेलयः | अकेलयतम् | अकेलयत |
| | अकेलयम् | अकेलयाव | अकेलयाव |
| अ० | अचीकिलत् | अचीकिलताम् | अचीकिलन् |
| | अचीकिलः | अचीकिलतम् | अचीकिलत |
| | अचीकिलम् | अचीकिलाव | अचीकिलाम |
| प० | केलयाञ्चकार | केलयाञ्चक्रतुः | केलयाञ्चक्रः |
| | केलयाञ्चदर्थ | केलयाञ्चदर्थुः | केलयाञ्चक्र |
| | केलयाञ्चकार-चक्र | केलयाञ्चक्रव | केलयाञ्चक्रम् |
| | केलयाञ्चभूव | । | केलयामाम |
| आ० | केल्यात् | केल्यास्ताम् | केल्यासुः |
| | केल्याः | केल्यास्तम् | केल्यास्त |
| | केल्याम | केल्यास्व | केल्यास्म |
| श्व० | केलयिता | केलयितारौ | केलयितारः |
| | केलयितासि | केलयितास्थः | केलयितास्थ |
| | केलयितामि | केलयितास्वः | केलयितास्मः |
| भ० | केलयिष्यति | केलयिष्यतः | केलयिष्यन्ति |
| | केलयिष्यसि | केलयिष्यथः | केलयिष्यथ |
| | केलयिष्यामि | केलयिष्यावः | केलयिष्यामः |
| क्रि० | अकेलयिष्यत् | अकेलयिष्यताम् | अकेलयिष्यन् |
| | अकेलयिष्यः | अकेलयिष्यतम् | अकेलयिष्यत |
| | अकेलयिष्यम् | अकेलयिष्याव | अकेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | केलयते | केलयेते | केलयन्ते |
| | केलयसे | केलयेथे | केलयन्वे |
| | केलये | केलयावहे | केलयामहे |
| स० | केलयेत | केलयेयाताम् | केलयेरन् |
| | केलयेथाः | केलयेयाथाम् | केलयेध्वम् |
| | केलयेय | केलयेवहि | केलयेमहि |
| प० | केलयताम् | केलयेताम् | केलयन्ताम् |
| | केलयस्व | केलयेथाम् | केलयध्वम् |
| | केलये | केलयावहे | केलयामहे |
| ह्य० | अकेलयत | अकेलयेताम् | अकेलयन्त |
| | अकेलयथाः | अकेलयेथाम् | अकेलयध्वम् |
| | अकेलये | अकेलयावहि | अकेलयामहि |
| अ० | अचीकिलत | अचीकिलेताम् | अचीकिलन्त |
| | अचीकिलथाः | अचीकिलेथाम् | अचीकिलध्वम् |
| | अचीकिले | अचीकिलावहि | अचीकिलामहि |
| प० | केलयाञ्चके | केलयाञ्चक्राते | केलयाञ्चक्रिरे |
| | केलयाञ्चकृषे | केलयाञ्चक्राथे | केलयाञ्चकृध्वे |
| | केलयावके | केलयाञ्चकृवहे | केलयाञ्चकृमहे |
| | केलयाञ्चभूव | । | केलयामास |
| आ० | केलयिषीष्ट | केलयिषीयास्ताम् | केलयिषीरन् |
| | केलयिषीष्टाः | केलयिषीयास्थाम् | केलयिषीध्वम् |
| | केलयिषीय | केलयिषीवहि | केलयिषीमहि |
| श्व० | केलयिता | केलयितारौ | केलयितारः |
| | केलयितासे | केलयितासाथे | केलयिताध्वे |
| | केलयिताहे | केलयितास्वहे | केलयितास्महे |
| भ० | केलयिष्यते | केलयिष्येते | केलयिष्यन्ते |
| | केलयिष्यसे | केलयिष्येथे | केलयिष्यन्वे |
| | केलयिष्ये | केलयिष्यावहे | केलयिष्यामहे |
| क्रि० | अकेलयिष्यत | अकेलयिष्येताम् | अकेलयिष्यन्त |
| | अकेलयिष्यथाः | अकेलयिष्येथाम् | अकेलयिष्यध्वम् |
| | अकेलयिष्ये | अकेलयिष्यावहि | अकेलयिष्यामहि |

1401 इलत् (इल्) गतिस्वप्नक्षेपणेषु

| | | | |
|-------|----------------|---------------|--------------|
| व० | एलयति | एलयतः | एलयन्ति |
| | एलयसि | एलयथः | एलयथ |
| | एलयामि | एलयावः | एलयामः |
| स० | एलयेत् | एलयेताम् | एलयेयुः |
| | एलयेः | एलयेतम् | एलयेत |
| | एलयेयम् | एलयेव | एलयेम |
| प० | एलयतु | एलयतात् | एलयताम् |
| | एलय | एलयतात् | एलयतम् |
| | एलयानि | एलयाव | एलयाम |
| ह्य० | पेलयत् | पेलयताम् | पेलयन् |
| | पेलयः | पेलयतम् | पेलयत |
| | पेलयम् | पेलयाव | पेलयाम |
| अ० | पेलिलत् | पेलिलताम् | पेलिलन् |
| | पेलिलः | पेलिलतम् | पेलिलत |
| | पेलिलम् | पेलिलाव | पेलिलाम |
| प० | एलयाञ्चकार | एलयाञ्चक्रतुः | एलयाञ्चक्रुः |
| | एलयाञ्चकथं | एलयाञ्चकथुः | एलयाञ्चक |
| | एलयाञ्चकार-चकर | एलयाञ्चकृव | एलयाञ्चकृम |
| | एलयाञ्चभूव | । | एलयामास |
| आ० | एल्यात् | एल्यास्ताम् | एल्यासुः |
| | एल्याः | एल्यास्तम् | एल्यास्त |
| | एल्यासम् | एल्यास्व | एल्यास्म |
| श्व० | एलयिता | एलयितारौ | एलयितारः |
| | एलयितासि | एलयितास्थः | एलयितास्थ |
| | एलयितास्मि | एलयितास्वः | एलयितास्मः |
| भ० | एलयिष्यति | एलयिष्यतः | एलयिष्यन्ति |
| | एलयिष्यसि | एलयिष्यथः | एलयिष्यथ |
| | एलयिष्यामि | एलयिष्यावः | एलयिष्यामः |
| क्रि० | पेलयिष्यत् | पेलयिष्यताम् | पेलयिष्यन् |
| | पेलयिष्यः | पेलयिष्यतम् | पेलयिष्यत |
| | पेलयिष्यम् | पेलयिष्याव | पेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | एलयते | एलयेते | एलयन्ते |
| | एलयसे | एलयेथे | एलयन्वे |
| | एलये | एलयावहे | एलयामहे |
| स० | एलयेत | एलयेयाताम् | एलयेरन् |
| | एलयेथाः | एलयेयाथाम् | एलयेध्वम् |
| | एलयेय | एलयेवहि | एलयेमहि |
| प० | एलयताम् | एलयेताम् | एलयन्ताम् |
| | एलयस्व | एलयेथाम् | एलयध्वम् |
| | एलयै | एलयावहै | एलयामहै |
| ह्य० | पेलयत | पेलयेताम् | पेलयन्त |
| | पेलयथाः | पेलयेथाम् | पेलयध्वम् |
| | पेलये | पेलयावहि | पेलयामहि |
| अ० | पेलिलत | पेलिलेताम् | पेलिलन्त |
| | पेलिलथाः | पेलिलेथाम् | पेलिलध्वम् |
| | पेलिले | पेलिलावहि | पेलिलामहि |
| प० | एलयाञ्चके | एलयाञ्चकाते | एलयाञ्चकिरे |
| | एलयाञ्चकृषे | एलयाञ्चकृथे | एलयाञ्चकृवे |
| | एलयाञ्चके | एलयाञ्चकृवहे | एलयाञ्चकृमहे |
| | एलयाञ्चभूव | । | एलयामास |
| आ० | एलयिषीष्ट | एलयिषीयास्ताम् | एलयिषीरन् |
| | एलयिषीष्ठाः | एलयिषीयास्थाम् | एलयिषीध्वम् |
| | एलयिषीय | एलयिषीवहि | एलयिषीमहि |
| श्व० | एलयिता | एलयितारौ | एलयितारः |
| | एलयितासे | एलयितासाथे | एलयिताध्वे |
| | एलयिताहे | एलयायतास्वहे | एलयितास्महे |
| भ० | एलयिष्यते | एलयिष्येते | एलयिष्यन्ते |
| | एलयिष्यसे | एलयिष्येथे | एलयिष्यध्वे |
| | एलयिष्ये | एलयिष्यावहे | एलयिष्यामहे |
| क्रि० | पेलयिष्यत | पेलयिष्येताम् | पेलयिष्यन्त |
| | पेलयिष्यथाः | पेलयिष्येथाम् | पेलयिष्यध्वम् |
| | पेलयिष्ये | पेलयिष्यावहि | पेलयिष्यामहि |

1402 हिलत् (हिल्) हावकरणे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | हेलयति | हेलयतः | हेलयन्ति |
| | हेलयसि | हेलयथः | हेलयथ |
| | हेलयासि | हेलयावः | हेलयामः |
| स० | हेलयेत् | हेलयेताम् | हेलयेयुः |
| | हेलयः | हेलयेतम् | हेलयेत |
| | हेलयेयम् | हेलयेव | हेलयेम |
| प | हेलयतु | हेलयतात् | हेलयताम् |
| | हेलय | हेलयतात् | हेलयतम् |
| | हेलयानि | हेलयाव | हेलयाम |
| ह्य० | अहेलयत् | अहेलयताम् | अहेलयन् |
| | अहेलयः | अहेलयतम् | अहेलयत |
| | अहेलयम् | अहेलयाव | अहेलयाम |
| अ० | अजीहिलत् | अजीहिलताम् | अजीहिलन् |
| | अजीहिलः | अजीहिलतम् | अजीहिलत |
| | अजीहिलम् | अजीहिलाव | अजीहिलाम |
| प० | हेलयाञ्चकार | हेलयाञ्चकृतुः | हेलयाञ्चकुः |
| | हेलयाञ्चकर्थ | हेलयाञ्चकथुः | हेलयाञ्चक |
| | हेलयाञ्चकार-चकर | हेलयाञ्चकव | हेलयाञ्चकम् |
| | हेलयाञ्चभूव | हेलयामास | |
| आ० | हेल्यात् | हेल्यास्ताम् | हेल्यासुः |
| | हेल्याः | हेल्यास्तम् | हेल्यास्त |
| | हेल्यासम् | हेल्यास्व | हेल्यासम् |
| श्र० | हेलयिता | हेलयितारौ | हेलयितारः |
| | हेलयितासि | हेलयितास्थः | हेलयितास्थ |
| | हेलयितास्मि | हेलयितास्वः | हेलयितास्मः |
| भ० | हेलयिष्यति | हेलयिष्यतः | हेलयिष्यन्ति |
| | हेलयिष्यसि | हेलयिष्यथः | हेलयिष्यथ |
| | हेलयिष्यामि | हेलयिष्यावः | हेलयिष्यामः |
| क्रि० | अहेलयिष्यत् | अहेलयिष्यताम् | अहेलयिष्यन् |
| | अहेलयिष्यः | अहेलयिष्यतम् | अहेलयिष्यत |
| | अहेलयिष्यम् | अहेलयिष्यव | अहेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | हेलयते | हेलयेते | हेलयन्त |
| | हेलयसे | हेलयथे | हेलयध्वे |
| | हेलये | हेलयावहे | हेलयामहे |
| स० | हेलयेत | हेलयेयाताम् | हेलयरन् |
| | हेलयेथाः | हेलयेयाथाम् | हेलयध्वम् |
| | हेलयेय | हेलयवहि | हेलयेमहि |
| प० | हेलयताम् | हेलयेताम् | हेलयन्ताम् |
| | हेलयस्व | हेलयेथाम् | हेलयध्वम् |
| | हेलये | हेलयावहे | हेलयामहे |
| ह्य० | अहेलयत | अहेलयेताम् | अहेलयन्त |
| | अहेलयथाः | अहेलयेथाम् | अहेलयध्वम् |
| | अहेलये | अहेलयावहि | अहेलयेमहि |
| अ० | अजीहिलत् | अजीहिलेताम् | अजीहिलन्त |
| | अजीहिलथाः | अजीहिलेथाम् | अजीहिलध्वम् |
| | अजीहिले | अजीहिलावहि | अजीहिलेमहि |
| प० | हेलयाञ्चके | हेलयाञ्चकत | हेलयाञ्चकिरे |
| | हेलयाञ्चकृषे | हेलयाञ्चक्राथे | हेलयाञ्चकृत्वे |
| | हेलयाञ्चके | हेलयाञ्चकृवहे | हेलयाञ्चकृमहे |
| | हेलयाञ्चभूव | हेलयामास | |
| आ० | हेलयिषीष्ट | हेलयिषीयास्ताम् | हेलयिषीरन् |
| | हेलयिषीष्ठाः | हेलयिषीयास्थाम् | हेलयिषीष्ट्वम् |
| | हेलयिषीय | हेलयिषीवहि | हेलयिषीमहि |
| श्र० | हेलयिता | हेलयितारौ | हेलयितारः |
| | हेलयितासे | हेलयितासाथे | हेलयिताध्वे |
| | हेलयिताहे | हेलयितास्वहे | हेलयितास्महे |
| भ० | हेलयिष्यते | हेलयिष्येते | हेलयिष्यन्ते |
| | हेलयिष्यसे | हेलयिष्येथे | हेलयिष्यध्वे |
| | हेलयिष्ये | हेलयिष्यावहे | हेलयिष्यामहे |
| क्रि० | अहेलयिष्यत् | अहेलयिष्येताम् | अहेलयिष्यन्त |
| | अहेलयिष्यथाः | अहेलयिष्येथाम् | अहेलयिष्यध्वम् |
| | अहेलयिष्ये | अहेलयिष्यावहि | अहेलयिष्यामहि |

1403 शिल्त् (शिल्) उञ्छे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | शेलयति | शेलयतः | शेलयन्ति |
| | शेलयसि | शेलयथः | शेलयथ |
| | शेलयामि | शेलयावः | शेलयामः |
| म० | शेलयेत् | शेलयेताम् | शेलयेयुः |
| | शेलयेः | शेलयेतम् | शेलयेत |
| | शेलयेयम् | शेलयेव | शेलयेम |
| प० | शेलयतु | शेलयतात् | शेलयतम् |
| | शेलय | शेलयतात् | शेलयतम् |
| | शेलयानि | शेलयाव | शेलयाम |
| ह्य० | अशेलयत् | अशेलयताम् | अशेलयन् |
| | अशेलयः | अशेलयतम् | अशेलयत |
| | अशेलयम् | अशेलयाव | अशेलयाम |
| अ० | अशीशिलत् | अशीशिलताम् | अशीशिलन् |
| | अशीशिलः | अशीशिलतम् | अशीशिलत |
| | अशीशिलम् | अशीशिलाव | अशीशिलाम |
| प० | शेलयाञ्चकार | शेलयाञ्चकतुः | शेलयाञ्चकुः |
| | शेलयाञ्चकर्थ | शेलयाञ्चकथुः | शेलयाञ्चक |
| | शेलयाञ्चकार-चकर | शेलयाञ्चकृव | शेलयाञ्चकृम |
| | शेलयाम्बभूव | । | शेलयामास |
| आ० | शेल्यात् | शेल्यास्ताम् | शेल्यसुः |
| | शेल्याः | शेल्यास्तम् | शेल्यास्त |
| | शेल्यामम् | शेल्यास्व | शेल्यास्म |
| श्र० | शेलयिता | शेलयितारौ | शेलयितारः |
| | शेलयितासि | शेलयितास्थः | शेलयितास्थ |
| | शेलयितास्मि | शेलयितास्वः | शेलयितास्मः |
| भ० | शेलयिष्यति | शेलयिष्यतः | शेलयिष्यन्ति |
| | शेलयिष्यसि | शेलयिष्यथः | शेलयिष्यथ |
| | शेलयिष्यामि | शेलयिष्यावः | शेलयिष्यामः |
| क्रि० | अशेलयिष्यत् | अशेलयिष्यताम् | अशेलयिष्यन् |
| | अशेलयिष्यः | अशेलयिष्यतम् | अशेलयिष्यत |
| | अशेलयिष्यम् | अशेलयिष्याव | अशेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-------------------|-----------------|
| व० | शेलयते | शेलयते | शेलयन्ते |
| | शेलयसे | शेलयथे | शेलयध्वे |
| | शेलये | शेलयावहे | शेलयामहे |
| स० | शेलयेत | शेलयेताम् | शेलयेरन् |
| | शेलयेथाः | शेलयेथायाम् | शेलयेध्वम् |
| | शेलयेय | शेलयवहि | शेलयेमहि |
| प० | शेलयताम् | शेलयताम् | शेलयन्ताम् |
| | शेलयस्व | शेलयथाम् | शेलयध्वम् |
| | शेलये | शेलयावहे | शेलयामहे |
| ह्य० | अशेलयत | अशेलयेताम् | अशेलयन् |
| | अशेलयथाः | अशेलयेथाम् | अशेलयध्वम् |
| | अशेलये | अशेलयावहि | अशेलयामहि |
| अ० | अशीशिलत | अशीशिलेताम् | अशीशिलन्त |
| | अशीशिलथाः | अशीशिलेथाम् | अशीशिलध्वम् |
| | अशीशिले | अशीशिलावहि | अशीशितामहि |
| प० | शेलयाञ्चक | शेलयाञ्चकते | शेलयाञ्चकिरे |
| | शेलयाञ्चकृषे | शेलयाञ्चकृथे | शेलयाञ्चकृध्वे |
| | शेलयाञ्चके | शेलयाञ्चकृवहे | शेलयाञ्चकृमहे |
| | शेलयाम्बभूव | । | शेलयामास |
| आ० | शेलयिषीष्ट | शेलयिषीष्टास्ताम् | शेलयिषीरन् |
| | शेलयिषीष्टाः | शेलयिषीष्टास्थाम् | शेलयिषीष्टध्वम् |
| | शेलयिषीय | शेलयिषीवहि | शेलयिषीमहि |
| श्र० | शेलयिता | शेलयितारौ | शेलयितारः |
| | शेलयितासे | शेलयितासाथे | शेलयिताध्वे |
| | शेलयिताहे | शेलयितास्वहे | शेलयितामहे |
| भ० | शेलयिष्यते | शेलयिष्यते | शेलयिष्यन्ते |
| | शेलयिष्यसे | शेलयिष्यथे | शेलयिष्यध्वे |
| | शेलयिष्ये | शेलयिष्यावहे | शेलयिष्यामहे |
| क्रि० | अशेलयिष्यत | अशेलयिष्यताम् | अशेलयिष्यन्त |
| | अशेलयिष्यथाः | अशेलयिष्यथाम् | अशेलयिष्यध्वम् |
| | अशेलयिष्ये | अशेलयिष्यावहि | अशेलयिष्यामहि |

1404 सिलत् (सिल्) उच्चे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | सेलयति | सेलयतः | सेलयन्ति |
| | सेलयसि | सेलयथः | सेलयथ |
| | सेलयामि | सेलयावः | सेलयामः |
| स० | सेलयेत् | सेलयेताम् | सेलयेयुः |
| | सेलयेः | सेलयेतम् | सेलयेत |
| | सेलयेयम् | सेलयेव | सेलयेम |
| प० | सेलयतु | सेलयतात् | सेलयताम् |
| | सेलय | सेलयतात् | सेलयतम् |
| | सेलयानि | सेलयाव | सेलयाम |
| ह्य० | असेलयत् | असेलयताम् | असेलयन् |
| | असेलयः | असेलयतम् | असेलयत |
| | असेलयम् | असेलयाव | असेलयाम |
| अ० | असीसिलत् | असीसिलताम् | असीसिलन् |
| | असीसिलः | असीसिलतम् | असीसिलत |
| | असीसिलम् | असीसिलाव | असीसिलाम |
| प० | सेलयाञ्चकार | सेलयाञ्चकृतुः | सेलयाञ्चक्रुः |
| | सेलयाञ्चकथं | सेलयाञ्चकथुः | सेलयाञ्चक्र |
| | सेलयाञ्चकार-चक्र | सेलयाञ्चकृव | सेलयाञ्चकृम |
| | सेलयाञ्चभूव | । | सेलयामाव |
| आ० | सेल्यात् | सेल्यास्ताम् | सेल्यासुः |
| | सेल्याः | सेल्यास्तम् | सेल्यास्त |
| | सेल्यासम् | सेल्यास्व | सेल्यास्म |
| श्र० | सेल्यिता | सेल्यितारौ | सेल्यितारः |
| | सेल्यितासि | सेल्यितास्थः | सेल्यितास्थ |
| | सेल्यितास्मि | सेल्यितास्वः | सेल्यितास्मः |
| भ० | सेल्यिष्यति | सेल्यिष्यतः | सेल्यिष्यन्ति |
| | सेल्यिष्यसि | सेल्यिष्यथः | सेल्यिष्यथ |
| | सेल्यिष्यामि | सेल्यिष्यावः | सेल्यिष्यामः |
| क्रि० | असेलयिष्यत् | असेलयिष्यताम् | असेलयिष्यन् |
| | असेलयिष्यः | असेलयिष्यतम् | असेलयिष्यत |
| | असेलयिष्यम् | असेलयिष्यव | असेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | सेलयते | सेलयेते | सेलयन्ते |
| | सेलयसे | सेलयेथे | सेलयध्वे |
| | सेलये | सेलयावहे | सेलयामहे |
| स० | सेलयेत | सेलयेयाताम् | सेलयेरन् |
| | सेलयेथाः | सेलयेयाथाम् | सेलयध्वम् |
| | सेलयेय | सेलयेवहि | सेलयेमहि |
| प० | सेलयताम् | सेलयेताम् | सेलयन्ताम् |
| | सेलयस्व | सेलयेथाम् | सेलयध्वम् |
| | सेलयै | सेलयावहै | सेलयामहै |
| ह्य० | असेलयत | असेलयेताम् | असेलयन्त |
| | असेलयथाः | असेलयेथाम् | असेलयध्वम् |
| | असेलये | असेलयावहि | असेलयामहि |
| अ० | असीसिलत | असीसिलेताम् | असीसिलन्त |
| | असीसिलथाः | असीसिलेथाम् | असीसिलध्वम् |
| | असीसिले | असीसिलावहि | असीसिलामहि |
| प० | सेलयाञ्चक्रे | सेलयाञ्चकृते | सेलयाञ्चकृरे |
| | सेलयाञ्चकृषे | सेलयाञ्चकृथे | सेलयाञ्चकृध्वे |
| | सेलयाञ्चक्रे | सेलयाञ्चकृवहे | सेलयाञ्चकृमहे |
| | सेलयाञ्चभूव | । | सेलयामास |
| आ० | सेलयिषीष्ट | सेलयिषीयास्ताम् | सेलयिषीरन् |
| | सेलयिषीष्टाः | सेलयिषीयास्थाम् | सेलयिषीध्वम् |
| | सेलयिषीय | सेलयिषीवहि | सेलयिषीमहि |
| श्र० | सेलयिता | सेलयितारौ | सेलयितारः |
| | सेलयितासे | सेलयितासाथे | सेलयिताध्वे |
| | सेलयिताहे | सेलयितास्वहे | सेलयितास्महे |
| भ० | सेलयिष्यते | सेलयिष्यन्ते | सेलयिष्यन्ते |
| | सेलयिष्यसे | सेलयिष्येथे | सेलयिष्यध्वे |
| | सेलयिष्ये | सेलयिष्यावहे | सेलयिष्यामहे |
| क्रि० | असेलयिष्यत | असेलयिष्येताम् | असेलयिष्यन्त |
| | असेलयिष्यथाः | असेलयिष्येथाम् | असेलयिष्यध्वम् |
| | असेलयिष्ये | असेलयिष्यावहि | असेलयिष्यामहि |

1405 तिलत् (तिल्) स्नेहने । 439 तिलवद्भूपाणि

1406 चलत् (चल्) विलसने । 972 चलवद्भूपाणि

1407 चिल् (चिल्) वसने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | चेलयति | चेलयतः | चेलयन्ति |
| | चेलयसि | चेलयथः | चेलयथ |
| | चेलयामि | चेलयावः | चेलयामः |
| स० | चेलयेत् | चेलयेताम् | चेलयेयुः |
| | चेलयेः | चेलयेतम् | चेलयेत |
| | चेलयेयम् | चेलयेव | चेलयेम |
| प० | चेलयतु | चेलयतात् | चेलयताम् |
| | चेलय | चेलयतात् | चेलयतम् |
| | चेलयानि | चेलयाव | चेलयाम |
| झ० | अचेलयत् | अचेलयताम् | अचेलयन् |
| | अचेलयः | अचेलयतम् | अचेलयत |
| | अचेलयम् | अचेलयाव | अचेलयाम |
| अ० | अचीचिलत् | अचीचिलताम् | अचीचिलन् |
| | अचीचिलः | अचीचिलतम् | अचीचिलत |
| | अचीचिलम् | अचीचिलाव | अचीचिलाम |
| प० | चेलयाञ्चकार | चेलयाञ्चकतुः | चेलयाञ्चकुः |
| | चेलयाञ्चकथं | चेलयाञ्चकथुः | चेलयाञ्चक |
| | चेलयाञ्चकार-चकर | चेलयाञ्चकृव | चेलयाञ्चकृम |
| | चेलयाञ्चभूव | । | चेलयामास |
| आ० | चेल्यात् | चेल्यास्ताम् | चेल्यासुः |
| | चेल्याः | चेल्यास्तम् | चेल्यास्त |
| | चेल्यासम् | चेल्यास्व | चेल्यास्म |
| भ० | चेलयिता | चेलयितारौ | चेलयितारः |
| | चेलयितासि | चेलयितास्थः | चेलयितास्थ |
| | चेलयितास्मि | चेलयितास्वः | चेलयितास्मः |
| भ० | चेलयिष्यति | चेलयिष्यतः | चेलयिष्यन्ति |
| | चेलयिष्यसि | चेलयिष्यथः | चेलयिष्यथ |
| | चेलयिष्यामि | चेलयिष्यावः | चेलयिष्यामः |
| क्रि० | अचेलयिष्यत् | अचेलयिष्यताम् | अचेलयिष्यन् |
| | अचेलयिष्यः | अचेलयिष्यतम् | अचेलयिष्यत |
| | अचेलयिष्यम् | अचेलयिष्याव | अचेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | चेलयते | चेलयेते | चेलयन्ते |
| | चेलयसे | चेलयथे | चेलयध्वे |
| | चेलये | चेलयावहे | चेलयामहे |
| स० | चेलयेत | चेलयेयाताम् | चेलयेरन् |
| | चेलयेथाः | चेलयेयाथाम् | चेलयेध्वम् |
| | चेलयेय | चेलयेवहि | चेलयेमहि |
| प० | चेलयताम् | चेलयेताम् | चेलयन्ताम् |
| | चेलयस्व | चेलयेथाम् | चेलयध्वम् |
| | चेलये | चेलयावहे | चेलयामहे |
| ह्य० | अचेलयत | अचेलयेताम् | अचेलयन्त |
| | अचेलयथाः | अचेलयेथाम् | अचेलयध्वम् |
| | अचेलये | अचेलयावहि | अचेलयामहि |
| अ० | अचीचिलत | अचीचिलेताम् | अचीचिलन्त |
| | अचीचिलथाः | अचीचिलेथाम् | अचीचिलध्वम् |
| | अचीचिले | अचीचिलावहि | अचीचिलामहि |
| प० | चेलयाञ्चके | चेलयाञ्चकाते | चेलयाञ्चकिरे |
| | चेलयाञ्चकृषे | चेलयाञ्चकृषे | चेलयाञ्चकृद्वे |
| | चेलयाञ्चके | चेलयाञ्चकृवहे | चेलयाञ्चकृमहे |
| | चेलयाञ्चभूव | । | चेलयामास |
| आ० | चेलयिषीष्ट | चेलयिषीयास्ताम् | चेलयिषीरन् |
| | चेलयिषीष्टाः | चेलयिषीयास्थाम् | चेलयिषीध्वम् |
| | चेलयिषीय | चेलयिषीवहि | चेलयिषीमहि |
| भ्र० | चेलयिता | चेलयितारौ | चेलयितारः |
| | चेलयितासे | चेलयितासाथे | चेलयिताध्वे |
| | चेलयिताहे | चेलयितास्वहे | चेलयितास्महे |
| भ० | चेलयिष्यते | चेलयिष्येते | चेलयिष्यन्ते |
| | चेलयिष्यसे | चेलयिष्येथे | चेलयिष्यध्वे |
| | चेलयिष्ये | चेलयिष्यावहे | चेलयिष्यामहे |
| क्रि० | अचेलयिष्यत | अचेलयिष्यताम् | अचेलयिष्यन्त |
| | अचेलयिष्यथाः | अचेलयिष्येथाम् | अचेलयिष्यध्वम् |
| | अचेलयिष्ये | अचेलयिष्यावहि | अचेलयिष्यामहि |

1408 विलत् (विल्) वरणे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | वेलयति | वेलयतः | वेलयन्ति |
| | वेलयसि | वेलयथः | वेलयथ |
| | वेलयामि | वेलयावः | वेलयामः |
| स० | वेलयेत् | वेलयेताम् | वेलयेयुः |
| | वेलयेः | वेलयेतम् | वेलयेत |
| | वेलयेथम् | वेलयेव | वेलयेम |
| प | वेलयतु | वेलयतात् | वेलयताम् |
| | वेलय | वेलयतात् | वेलयतम् |
| | वेलयानि | वेलयाव | वेलयाम |
| ह्य० | अवेलयत् | अवेलयताम् | अवेलयन् |
| | अवेलयः | अवेलयतम् | अवेलयत |
| | अवेलयम् | अवेलयाव | अवेलयाम |
| अ० | अवीविलत् | अवीविलताम् | अवीविलन् |
| | अवीविलः | अवीविलतम् | अवीविलत |
| | अवीविलम् | अवीविलाव | अवीविलाम |
| प० | वेलयाञ्चकार | वेलयाञ्चतुः | वेलयाञ्चकुः |
| | वेलयाञ्चकथं | वेलयाञ्चकथुः | वेलयाञ्चक |
| | वेलयाञ्चकार-चकर | वेलयाञ्चकुव | वेलयाञ्चकुम |
| | वेलयाम्बभूव | वेलयामास | |
| भा० | वेल्यात् | वेल्यास्ताम् | वेल्यासुः |
| | वेल्याः | वेल्यास्तम् | वेल्यास्त |
| | वेल्यासम् | वेल्यास्व | वेल्यास्म |
| श्व० | वेलयिता | वेलयितारौ | वेलयितारः |
| | वेलयितासि | वेलयितास्थः | वेलयितास्थ |
| | वेलयितास्मि | वेलयितास्वः | वेलयितास्मः |
| भ० | वेलयिष्यति | वेलयिष्यतः | वेलयिष्यन्ति |
| | वेलयिष्यसि | वेलयिष्यथः | वेलयिष्यथ |
| | वेलयिष्यामि | वेलयिष्यावः | वेलयिष्यामः |
| क्रि० | अवेलयिष्यत् | अवेलयिष्यताम् | अवेलयिष्यन् |
| | अवेलयिष्यः | अवेलयिष्यतम् | अवेलयिष्यत |
| | अवेलयिष्यम् | अवेलयिष्यव | अवेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | वेलयते | वेलयेते | वेलयन्ते |
| | वेलयसे | वेलयेथे | वेलयन्थे |
| | वेलये | वेलयावहे | वेलयामहे |
| स० | वेलयेत | वेलयेयाताम् | वेलयेरन् |
| | वेलयेथाः | वेलयेयाथाम् | वेलयेध्वम् |
| | वेलयेय | वेलयेवहि | वेलयेमहि |
| प० | वेलयताम् | वेलयेताम् | वेलयन्ताम् |
| | वेलयस्व | वेलयेथाम् | वेलयध्वम् |
| | वेलये | वेलयावहे | वेलयामहे |
| ह्य० | अवेलयत | अवेलयेताम् | अवेलयन्त |
| | अवेलयथाः | अवेलयेथाम् | अवेलयध्वम् |
| | अवेलये | अवेलयावहि | अवेलयामहि |
| अ० | अवीविलत् | अवीविलेताम् | अवीविलन्त |
| | अवीविलथाः | अवीविलेथाम् | अवीविलध्वम् |
| | अवीविले | अवीविलावहि | अवीविलामहि |
| प० | वेलयाञ्चके | वेलयाञ्चकाते | वेलयाञ्चकिरे |
| | वेलयाञ्चकृषे | वेलयाञ्चकृषे | वेलयाञ्चकृड्वे |
| | वेलयाञ्चके | वेलयाञ्चकृवहे | वेलयाञ्चकृमहे |
| | वेलयाम्बभूव | वेलयामास | |
| भा० | वेलयिषीष्ट | वेलयिषीयास्ताम् | वेलयिषीरन् |
| | वेलयिषीष्ठाः | वेलयिषीयास्थाम् | वेलयिषीह्वम् |
| | वेलयिषीय | वेलयिषीवहि | वेलयिषीमहि |
| श्व० | वेलयिता | वेलयितारौ | वेलयितारः |
| | वेलयितासे | वेलयितासाथे | वेलयिताध्वे |
| | वेलयिताहे | वेलयितास्वहे | वेलयितास्महे |
| भ० | वेलयिष्यते | वेलयिष्येते | वेलयिष्यन्ते |
| | वेलयिष्यसे | वेलयिष्येथे | वेलयिष्यध्वे |
| | वेलयिष्ये | वेलयिष्यावहे | वेलयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेलयिष्यत | अवेलयिष्येताम् | अवेलयिष्यन्त |
| | अवेलयिष्यथाः | अवेलयिष्येथाम् | अवेलयिष्यध्वम् |
| | अवेलयिष्ये | अवेलयिष्यावहि | अवेलयिष्यामहि |

1409 विलत् (विल्) भेदने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | वेलयति | वेलयतः | वेलयन्ति |
| | वेलयसि | वेलयथः | वेलयथ |
| | वेलयामि | वेलयावः | वेलयामः |
| स० | वेलयेत् | वेलयेताम् | वेलयेयुः |
| | वेलयेः | वेलयेतम् | वेलयेत |
| | वेलयेयम् | वेलयेव | वेलयेम |
| प० | वेलयतु | वेलयतात् | वेलयतम् |
| | वेलय | वेलयतात् | वेलयतम् |
| | वेलयानि | वेलयाव | वेलयाम |
| ह्य० | अवेलयत् | अवेलयताम् | अवेलयन् |
| | अवेलयः | अवेलयतम् | अवेलयत |
| | अवेलयम् | अवेलयाव | अवेलयाम |
| अ० | अवीबिलत् | अवीबिलताम् | अवीबिलन् |
| | अवीबिलः | अवीबिलतम् | अवीबिलत |
| | अवीबिलम् | अवीबिलाव | अवीबिलाम |
| प० | वेलयाञ्चकार | वेलयाञ्चतुः | वेलयाञ्चकुः |
| | वेलयाञ्चकथं | वेलयाञ्चकथुः | वेलयाञ्चक |
| | वेलयाञ्चकार-चकर | वेलयाञ्चकुव | वेलयाञ्चकृम |
| | वेलयाम्बभूव | वेलयामाव | |
| आ० | वेल्यात् | वेल्यास्ताम् | वेल्यासुः |
| | वेल्याः | वेल्यास्तम् | वेल्यास्त |
| | वेल्यासम् | वेल्यास्व | वेल्यास्म |
| श्र० | वेलयिता | वेलयितारौ | वेलयितारः |
| | वेलयितासि | वेलयितास्थः | वेलयितास्थ |
| | वेलयितास्मि | वेलयितास्वः | वेलयितास्मः |
| भ० | वेलयिष्यति | वेलयिष्यतः | वेलयिष्यन्ति |
| | वेलयिष्यसि | वेलयिष्यथः | वेलयिष्यथ |
| | वेलयिष्यामि | वेलयिष्यावः | वेलयिष्यामः |
| क्रि० | अवेलयिष्यत् | अवेलयिष्यताम् | अवेलयिष्यन् |
| | अवेलयिष्यः | अवेलयिष्यतम् | अवेलयिष्यत |
| | अवेलयिष्यम् | अवेलयिष्याव | अवेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | वेलयते | वेलयेते | वेलयन्ते |
| | वेलयसे | वेलयेथे | वेलयध्वे |
| | वेलये | वेलयावहे | वेलयामहे |
| स० | वेलयेत | वेलयेयाताम् | वेलयेरन् |
| | वेलयेथाः | वेलयेयाथाम् | वेलयेध्वम् |
| | वेलयेय | वेलयेवहि | वेलयेमहि |
| प० | वेलयताम् | वेलयेताम् | वेलयन्ताम् |
| | वेलयस्व | वेलयेथाम् | वेलयध्वम् |
| | वेलये | वेलयावहे | वेलयामहे |
| ह्य० | अवेलयत | अवेलयेताम् | अवेलयन्त |
| | अवेलयथाः | अवेलयेथाम् | अवेलयध्वम् |
| | अवेलये | अवेलयावहि | अवेलयामहि |
| अ० | अवीबिलत | अवीबिलताम् | अवीबिलन्त |
| | अवीबिलथाः | अवीबिलेथाम् | अवीबिलध्वम् |
| | अवीबिले | अवीबिलावहि | अवीबिलामहि |
| प० | वेलयाञ्चके | वेलयाञ्चकते | वेलयाञ्चकिरे |
| | वेलयाञ्चकृषे | वेलयाञ्चकथे | वेलयाञ्चकृषे |
| | वेलयाञ्चके | वेलयाञ्चकृवहे | वेलयाञ्चकृमहे |
| | वेलयाम्बभूव | वेलयामाव | |
| आ० | वेलयिषीष्ट | वेलयिषीयास्ताम् | वेलयिषीरन् |
| | वेलयिषीष्टाः | वेलयिषीयास्थाम् | वेलयिषीध्वम् |
| | वेलयिषीय | वेलयिषीवहि | वेलयिषीमहि |
| श्र० | वेलयिता | वेलयितारौ | वेलयितारः |
| | वेलयितासे | वेलयितास्थे | वेलयिताध्वे |
| | वेलयिताहे | वेलयितास्वहे | वेलयितास्महे |
| भ० | वेलयिष्यते | वेलयिष्येते | वेलयिष्यन्ते |
| | वेलयिष्यसे | वेलयिष्येथे | वेलयिष्यध्वे |
| | वेलयिष्ये | वेलयिष्यावहे | वेलयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेलयिष्यत | अवेलयिष्येताम् | अवेलयिष्यन्त |
| | अवेलयिष्यथाः | अवेलयिष्येथाम् | अवेलयिष्यध्वम् |
| | अवेलयिष्ये | अवेलयिष्यावहि | अवेलयिष्यामहि |

1410 णिलत् (निल्) गहने

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | नेलयति | नेलयतः | नेलयन्ति |
| | नेलयसि | नेलयथः | नेलयथ |
| | नेलयामि | नेलयावः | नेलयामः |
| स० | नेलयेत् | नेलयेताम् | नेलययुः |
| | नेलयेः | नेलयेतम् | नेलयेत |
| | नेलयेयम् | नेलयेव | नेलयेम |
| प० | नेलयतु | नेलयतात् | नेलयताम् |
| | नेलय | नेलयतात् | नेलयतम् |
| | नेलयानि | नेलयाव | नेलयाम |
| ह्य० | अनेलयत् | अनेलयताम् | अनेलयन् |
| | अनेलयः | अनेलयतम् | अनेलयत |
| | अनेलयम् | अनेलयाव | अनेलयाव |
| अ० | अनीनिलत् | अनीनिलताम् | अनीनिलन् |
| | अनीनिलः | अनीनिलतम् | अनीनिलत |
| | अनीनिलम् | अनीनिलाव | अनीनिलाम |
| प | नेलयाञ्चकार | नेलयाञ्चक्रतुः | नेलयाञ्चक्रुः |
| | नेलयाञ्चक्रार्थं | नेलयाञ्चक्रयुः | नेलयाञ्चक्र |
| | नेलयाञ्चकार-चकर | नेलयाञ्चक्रव | नेलयाञ्चक्रम |
| | नेलयाञ्चक्रभूव | । | नेलयामास |
| आ० | नेल्यात् | नेल्यास्ताम् | नेल्यासुः |
| | नेल्याः | नेल्यास्तम् | नेल्यास्त |
| | नेल्यासम् | नेल्यास्व | नेल्यास्म |
| श्र० | नेलयिता | नेलयितारौ | नेलयितारः |
| | नेलयितासि | नेलयितास्थः | नेलयितास्थ |
| | नेलयितास्मिन् | नेलयितास्वः | नेलयितास्मः |
| भ० | नेलयिष्यति | नेलयिष्यतः | नेलयिष्यन्ति |
| | नेलयिष्यसि | नेलयिष्यथः | नेलयिष्यथ |
| | नेलयिष्यामि | नेलयिष्यावः | नेलयिष्यामः |
| क्रि० | अनेलयिष्यत् | अनेलयिष्यताम् | अनेलयिष्यन् |
| | अनेलयिष्यः | अनेलयिष्यतम् | अनेलयिष्यत |
| | अनेलयिष्यम् | अनेलयिष्याव | अनेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|----------------|
| वः | नेलयते | नेलयेते | नेलयन्ते |
| | नेलयसे | नेलयथे | नेलयथ्वे |
| | नेलये | नेलयावहे | नेलयामहे |
| स० | नेलयेत | नेलयेयाताम् | नेलयेरन् |
| | नेलयेथाः | नेलयेयाथाम् | नेलयेध्वम् |
| | नेलयेय | नेलयेवहि | नेलयेमहि |
| प० | नेलयताम् | नेलयेताम् | नेलयन्ताम् |
| | नेलयस्व | नेलयेथाम् | नेलयध्वम् |
| | नेलयै | नेलयावहै | नेलयामहै |
| ह्य० | अनेलयत | अनेलयेताम् | अनेलयन्त |
| | अनेलयथाः | अनेलयेथाम् | अनेलयध्वम् |
| | अनेलये | अनेलयावहि | अनेलयामहि |
| अ० | अनीनिलत | अनीनिलेताम् | अनीनिलन्त |
| | अनीनिलथाः | अनीनिलेथाम् | अनीनिलध्वम् |
| | अनीनिले | अनीनिलावहि | अनीनिलामहि |
| प | नेलयाञ्चक्रे | नेलयाञ्चक्राते | नेलयाञ्चक्रिरे |
| | नेलयाञ्चक्रेषु | नेलयाञ्चक्राथे | नेलयाञ्चक्रुवे |
| | नेलयाञ्चके | नेलयाञ्चक्रवहे | नेलयाञ्चक्रमहे |
| | नेलयाञ्चक्रभूव | । | नेलयामास |
| आ० | नेलयिषीष्ट | नेलयिषीष्टाताम् | नेलयिषीरन् |
| | नेलयिषीष्टाः | नेलयिषीष्टाथाम् | नेलयिषीध्वम् |
| | नेलयिषीय | नेलयिषीवहि | नेलयिषीमहि |
| श्र० | नेलयिता | नेलयितारौ | नेलयितारः |
| | नेलयितासे | नेलयितासाथे | नेलयिताथ्वे |
| | नेलयिताहे | नेलयितास्वहे | नेलयितामहै |
| भ० | नेलयिष्यते | नेलयिष्येते | नेलयिष्यन्ते |
| | नेलयिष्यसे | नेलयिष्यथे | नेलयिष्यथ्वे |
| | नेलयिष्ये | नेलयिष्यावहे | नेलयिष्यामहे |
| क्रि० | अनेलयिष्यत | अनेलयिष्येताम् | अनेलयिष्यन्त |
| | अनेलयिष्यथाः | अनेलयिष्येथाम् | अनेलयिष्यध्वम् |
| | अनेलयिष्ये | अनेलयिष्यावहि | अनेलयिष्यामहि |

1411 मिलत् (मिल्) श्लेषणे

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | मेलयति | मेलयतः | मेलयन्ति |
| | मेलयसि | मेलयथः | मेलयथ |
| | मेलयामि | मेलयावः | मेलयामः |
| स० | मेलयेत् | मेलयेताम् | मेलयेयुः |
| | मेलयेः | मेलयेतम् | मेलयेत |
| | मेलयेयम् | मेलयेव | मेलयेम |
| प० | मेलयतु | मेलयतात् | मेलयताम् |
| | मेलय | मेलयतात् | मेलयतम् |
| | मेलयानि | मेलयाव | मेलयाम |
| ह्य० | अमेलयत् | अमेलयताम् | अमेलयन् |
| | अमेलयः | अमेलयतम् | अमेलयत |
| | अमेलयम् | अमेलयाव | अमेलयाम |
| अ० | अमीमिलत् | अमीमिलताम् | अमीमिलन् |
| | अमीमिलः | अमीमिलतम् | अमीमिलत |
| | अमीमिलम् | अमीमिलाव | अमीमिलाम |
| प० | मेलयाञ्चकार | मेलयाञ्चकतुः | मेलयाञ्चकुः |
| | मेलयाञ्चकथं | मेलयाञ्चकथुः | मेलयाञ्चक |
| | मेलयाञ्चकार-चकर | मेलयाञ्चकृव | मेलयाञ्चकृम |
| | मेलयाम्बभूव | । | मेलयामास |
| आ० | मेल्यात् | मेल्यास्ताम् | मेल्यासुः |
| | मेल्याः | मेल्यास्तम् | मेल्यास्त |
| | मेल्यासम् | मेल्यास्व | मेल्यास्म |
| श्व० | मेलयिता | मेलयितारौ | मेलयितारः |
| | मेलयितासि | मेलयितास्थः | मेलयितास्थ |
| | मेलयितास्मि | मेलयितास्वः | मेलयितास्मः |
| भ० | मेलयिष्यति | मेलयिष्यतः | मेलयिष्यन्ति |
| | मेलयिष्यसि | मेलयिष्यथः | मेलयिष्यथ |
| | मेलयिष्यामि | मेलयिष्यावः | मेलयिष्यामः |
| क्रि० | अमेलयिष्यत् | अमेलयिष्यताम् | अमेलयिष्यन् |
| | अमेलयिष्यः | अमेलयिष्यतम् | अमेलयिष्यत |
| | अमेलयिष्यम् | अमेलयिष्याव | अमेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | मेलयते | मेलयेते | मेलयते |
| | मेलयसे | मेलयेथे | मेलयध्वे |
| | मेलये | मेलयावहे | मेलयामहे |
| स० | मेलयेत | मेलयेयाताम् | मेलयेरन् |
| | मेलयेथाः | मेलयेयाथाम् | मेलयेध्वम् |
| | मेलयेय | मेलयेवहि | मेलयेमहि |
| प० | मेलयताम् | मेलयेताम् | मेलयन्ताम् |
| | मेलयस्व | मेलयेथाम् | मेलयध्वम् |
| | मेलयै | मेलयावहै | मेलयामहै |
| ह्य० | अमेलयत | अमेलयेताम् | अमेलयन्त |
| | अमेलयथाः | अमेलयेथाम् | अमेलयध्वम् |
| | अमेलये | अमेलयावहि | अमेलयामहि |
| अ० | अमीमिलत | अमीमिलेताम् | अमीमिलन्त |
| | अमीमिलथाः | अमीमिलेथाम् | अमीमिलध्वम् |
| | अमीमिले | अमीमिलावहि | अमीमिलामहि |
| प० | मेलयाञ्चक्रे | मेलयाञ्चकाते | मेलयाञ्चकिरे |
| | मेलयाञ्चकृषे | मेलयाञ्चकाथे | मेलयाञ्चकृद्वे |
| | मेलयाञ्चक्रे | मेलयाञ्चकृवहे | मेलयाञ्चकृमहे |
| | मेलयाम्बभूव | । | मेलयामास |
| आ० | मेलयिषीष्ट | मेलयिषीयास्ताम् | मेलयिषीरन् |
| | मेलयिषीष्टाः | मेलयिषीयास्थाम् | मेलयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | मेलयिषीय | मेलयिषीवहि | मेलयिषीमहि |
| श्व० | मेलयिता | मेलयितारौ | मेलयितारः |
| | मेलयितासे | मेलयितासाथे | मेलयिताध्वे |
| | मेलयिताहे | मेलयितास्वहे | मेलयितास्महे |
| भ० | मेलयिष्यते | मेलयिष्येते | मेलयिष्यन्ते |
| | मेलयिष्यसे | मेलयिष्येथे | मेलयिष्यध्वे |
| | मेलयिष्ये | मेलयिष्यावहे | मेलयिष्यामहे |
| क्रि० | अमेलयिष्यत | अमेलयिष्येताम् | अमेलयिष्यन्त |
| | अमेलयिष्यथाः | अमेलयिष्येथाम् | अमेलयिष्यध्वम् |
| | अमेलयिष्ये | अमेलयिष्यावहि | अमेलयिष्यामहि |

1412 स्पृशन्त (स्पृश्) संस्पर्श ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| व | स्पर्शयति | स्पर्शयतः | स्पर्शयन्ति |
| | स्पर्शयसि | स्पर्शयथः | स्पर्शयथ |
| | स्पर्शयामि | स्पर्शयावः | स्पर्शयामः |
| स० | स्पर्शयेत् | स्पर्शयेताम् | स्पर्शयेयुः |
| | स्पर्शयेः | स्पर्शयेतम् | स्पर्शयेत |
| | स्पर्शयेयम् | स्पर्शयेव | स्पर्शयेम |
| प० | स्पर्शयतु | स्पर्शयतात् | स्पर्शयताम् |
| | स्पर्शय | स्पर्शयतात् | स्पर्शयतम् |
| | स्पर्शयानि | स्पर्शयाव | स्पर्शयाम |
| ह्य० | अस्पर्शयत् | अस्पर्शयताम् | अस्पर्शयन् |
| | अस्पर्शयः | अस्पर्शयतम् | अस्पर्शयत |
| | अस्पर्शयम् | अस्पर्शयाव | अस्पर्शयाम |
| अ० | अपिस्पृशत् | अपिस्पृशताम् | अपिस्पृशन् |
| | अपिस्पृशः | अपिस्पृशतम् | अपिस्पृशत |
| | अपिस्पृशम् | अपिस्पृशाव | अपिस्पृशाम |
| प० | स्पर्शयाञ्चकार | स्पर्शयाञ्चक्रुः | स्पर्शयाञ्चकुः |
| | स्पर्शयाञ्चकथं | स्पर्शयाञ्चकथुः | स्पर्शयाञ्चक |
| | स्पर्शयाञ्चकार-चकर | स्पर्शयाञ्चक्रव | स्पर्शयाञ्चक्रम |
| | स्पर्शयाम्बभूव | स्पर्शयामास | |
| आ० | स्पर्श्यात् | स्पर्श्यास्ताम् | स्पर्श्यासुः |
| | स्पर्श्याः | स्पर्श्यास्तम् | स्पर्श्यास्त |
| | स्पर्श्यासम् | स्पर्श्यास्व | स्पर्श्यास्म |
| श्र० | स्पर्शयिता | स्पर्शयितारौ | स्पर्शयितारः |
| | स्पर्शयितासि | स्पर्शयितास्थः | स्पर्शयितास्थ |
| | स्पर्शयितास्मि | स्पर्शयितास्वः | स्पर्शयितास्म |
| भ० | स्पर्शयिष्यति | स्पर्शयिष्यतः | स्पर्शयिष्यन्ति |
| | स्पर्शयिष्यसि | स्पर्शयिष्यथः | स्पर्शयिष्यथ |
| | स्पर्शयिष्यामि | स्पर्शयिष्यावः | स्पर्शयिष्यामः |
| क्रि० | अस्पर्शयिष्यत् | अस्पर्शयिष्यताम् | अस्पर्शयिष्यन् |
| | अस्पर्शयिष्यः | अस्पर्शयिष्यतम् | अस्पर्शयिष्यत |
| | अस्पर्शयिष्यम् | अस्पर्शयिष्याव | अस्पर्शयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | स्पर्शयते | स्पर्शयते | स्पर्शयन्ते |
| | स्पर्शयसे | स्पर्शयथे | स्पर्शयध्वे |
| | स्पर्शये | स्पर्शयावहे | स्पर्शयामहे |
| स० | स्पर्शयेत् | स्पर्शयेयाताम् | स्पर्शयेरन् |
| | स्पर्शयेथाः | स्पर्शयेथायाम् | स्पर्शयेध्वम् |
| | स्पर्शयेथ | स्पर्शयेवहि | स्पर्शयेमहि |
| प० | स्पर्शयताम् | स्पर्शयेताम् | स्पर्शयन्ताम् |
| | स्पर्शयस्व | स्पर्शयेथाम् | स्पर्शयध्वम् |
| | स्पर्शये | स्पर्शयावहे | स्पर्शयामहे |
| ह्य० | अस्पर्शयत | अस्पर्शयेताम् | अस्पर्शयन्त |
| | अस्पर्शयथाः | अस्पर्शयेथाम् | अस्पर्शयध्वम् |
| | अस्पर्शये | अस्पर्शयावहि | अस्पर्शयामहि |
| अ० | अपिस्पृशत | अपिस्पृशेताम् | अपिस्पृशन्त |
| | अपिस्पृशथाः | अपिस्पृशेथाम् | अपिस्पृशध्वम् |
| | अपिस्पृशे | अपिस्पृशावहि | अपिस्पृशामहि |
| प० | स्पर्शयाञ्चक्रे | स्पर्शयाञ्चक्राते | स्पर्शयाञ्चकिरे |
| | स्पर्शयाञ्चकृषे | स्पर्शयाञ्चक्राथे | स्पर्शयाञ्चकृद्वे |
| | स्पर्शयाञ्चके | स्पर्शयाञ्चक्रवहे | स्पर्शयाञ्चक्रमहे |
| | स्पर्शयाम्बभूव | स्पर्शयामास | |
| आ० | स्पर्शयिषीष्ट | स्पर्शयिषीयास्ताम् | स्पर्शयिषीरन् |
| | स्पर्शयिषीष्ठाः | स्पर्शयिषीयास्थाम् | स्पर्शयिषीद्वम् |
| | स्पर्शयिषीय | स्पर्शयिषीवहि | स्पर्शयिषीमहि |
| श्र० | स्पर्शयिता | स्पर्शयितारौ | स्पर्शयितारः |
| | स्पर्शयितासे | स्पर्शयितासाथे | स्पर्शयिताध्वे |
| | स्पर्शयिताहे | स्पर्शयितास्वहे | स्पर्शयितास्महे |
| भ० | स्पर्शयिष्यते | स्पर्शयिष्येते | स्पर्शयिष्यन्ते |
| | स्पर्शयिष्यसे | स्पर्शयिष्यथे | स्पर्शयिष्यध्वे |
| | स्पर्शयिष्ये | स्पर्शयिष्यावहे | स्पर्शयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्पर्शयिष्यत | अस्पर्शयिष्येताम् | अस्पर्शयिष्यन्त |
| | अस्पर्शयिष्यथाः | अस्पर्शयिष्येथाम् | अस्पर्शयिष्यध्वम् |
| | अस्पर्शयिष्ये | अस्पर्शयिष्यावहि | अस्पर्शयिष्यामहि |

1413 रुशन्तु (रुश) हिंसायान् ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | रुशयति | रुशयतः | रुशयन्ति |
| | रुशयसि | रुशयथः | रुशयथ |
| | रुशयामि | रुशयावः | रुशयामः |
| स० | रुशयेत् | रुशयेताम् | रुशयेयुः |
| | रुशयेः | रुशयेतम् | रुशयेत |
| | रुशयेयम् | रुशयेव | रुशयेम |
| प० | रुशयतु | रुशयतात् | रुशयताम् |
| | रुशय | रुशयतात् | रुशयतम् |
| | रुशयाणि | रुशयाव | रुशयाम |
| ह्य० | अरुशयत् | अरुशयताम् | अरुशयन् |
| | अरुशयः | अरुशयतम् | अरुशयत |
| | अरुशयम् | अरुशयाव | अरुशयाम |
| अ० | अरुशयत् | अरुशयताम् | अरुशयन् |
| | अरुशयः | अरुशयतम् | अरुशयत |
| | अरुशयम् | अरुशयाव | अरुशयाम |
| प० | रुशयञ्चकार | रुशयञ्चक्रुः | रुशयञ्चक्रुः |
| | रुशयञ्चकथं | रुशयञ्चकथुः | रुशयञ्चक |
| | रुशयञ्चकार-चक्र | रुशयञ्चक्रव | रुशयञ्चक्रम |
| | रुशयाम्बभूव | रुशयामास | |
| अ० | रुश्यात् | रुश्यास्ताम् | रुश्यासुः |
| | रुश्या | रुश्यास्तम् | रुश्यास्त |
| | रुश्यासम् | रुश्यास्व | रुश्यास्म |
| श्व० | रुशयिता | रुशयितारौ | रुशयितारः |
| | रुशयितासि | रुशयितास्थः | रुशयितास्थ |
| | रुशयितास्मि | रुशयितास्वः | रुशयितास्मः |
| भ० | रुशयिष्यति | रुशयिष्यतः | रुशयिष्यन्ति |
| | रुशयिष्यसि | रुशयिष्यथः | रुशयिष्यथ |
| | रुशयिष्यामि | रुशयिष्यावः | रुशयिष्यामः |
| क्रि० | अरुशयिष्यत् | अरुशयिष्यताम् | अरुशयिष्यन् |
| | अरुशयिष्यः | अरुशयिष्यतम् | अरुशयिष्यत |
| | अरुशयिष्यम् | अरुशयिष्याव | अरुशयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| ब० | रुशयते | रुशयेते | रुशयन्ते |
| | रुशयसे | रुशयथे | रुशयध्वे |
| | रुशयं | रुशयावहे | रुशयामहे |
| स० | रुशयेत | रुशयेयाताम् | रुशयेरन् |
| | रुशयेथाः | रुशयेथाथाम | रुशयेध्वम् |
| | रुशयेय | रुशयेवहि | रुशयेमहि |
| प० | रुशयताम् | रुशयेताम् | रुशयन्ताम् |
| | रुशयस्व | रुशयेथाम् | रुशयध्वम् |
| | रुशयै | रुशयावहै | रुशयामहै |
| ह्य० | अरुशयत | अरुशयेताम् | अरुशयन्त |
| | अरुशयथाः | अरुशयेथाम् | अरुशयध्वम् |
| | अरुशये | अरुशयावहि | अरुशयामहि |
| अ० | अरुशयत | अरुशयेतम् | अरुशयन्त |
| | अरुशयथाः | अरुशयेथाम् | अरुशयध्वम् |
| | अरुशये | अरुशयावहि | अरुशयामहि |
| प० | रुशयाञ्चक्रे | रुशयाञ्चक्राते | रुशयाञ्चक्रिरे |
| | रुशयाञ्चक्रे | रुशयाञ्चक्राथे | रुशयाञ्चक्रध्वे |
| | रुशयाञ्चक्रे | रुशयाञ्चक्रवहे | रुशयाञ्चक्रमहे |
| | रुशयाम्बभूव | रुशयामास | |
| आ० | रुशयिषीष्ट | रुशयिषीयास्ताम् | रुशयिषीरन् |
| | रुशयिषीष्ठाः | रुशयिषीयाथाम् | रुशयिषीध्वम् |
| | रुशयिषीय | रुशयिषीवहि | रुशयिषीमहि |
| श्व० | रुशयिता | रुशयितारौ | रुशयितारः |
| | रुशयितासे | रुशयितासाथे | रुशयिताध्वे |
| | रुशयिताहे | रुशयितारवहे | रुशयितारमहे |
| भ० | रुशयिष्यते | रुशयिष्येते | रुशयिष्यन्ते |
| | रुशयिष्यसे | रुशयिष्यथे | रुशयिष्यध्वे |
| | रुशयिष्यं | रुशयिष्यावहे | रुशयिष्यामहे |
| क्रि० | अरुशयिष्यत् | अरुशयिष्येताम् | अरुशयिष्यन्त |
| | अरुशयिष्यथाः | अरुशयिष्येथाम् | अरुशयिष्यध्वम् |
| | अरुशयिष्ये | अरुशयिष्यावहि | अरुशयिष्यामहि |

1414 रिशन्तु (रिश्) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | रेशयति | रेशयतः | रेशयन्ति |
| | रेशयसि | रेशयथः | रेशयथ |
| | रेशयामि | रेशयवः | रेशयामः |
| स० | रेशयेत् | रेशयेताम् | रेशयेयुः |
| | रेशयेः | रेशयेतम् | रेशयेत |
| | रेशयेयम् | रेशयेव | रेशयेम |
| प० | रेशयतु | रेशयतात् | रेशयताम् |
| | रेशय | रेशयतात् | रेशयतम् |
| | रेशयानि | रेशयाव | रेशयाम |
| ह्य० | अरेशयत् | अरेशयताम् | अरेशयन्त |
| | अरेशयः | अरेशयतम् | अरेशयत |
| | अरेशयम् | अरेशयाव | अरेशयाम |
| अ० | अरीरिशत् | अरीरिशताम् | अरीरिशन् |
| | अरीरिशः | अरीरिशतम् | अरीरिशत |
| | अरीरिशम् | अरीरिशाव | अरीरिशाम |
| प० | रेशयाञ्चकार | रेशयाञ्चक्रतुः | रेशयाञ्चक्रुः |
| | रेशयाञ्चकथं | रेशयाञ्चकथुः | रेशयाञ्चक्र |
| | रेशयाञ्चकार-चक्र | रेशयाञ्चक्रव | रेशयाञ्चक्रम |
| | रेशयाम्भूव | रेशयामास | |
| आ० | रेश्यात् | रेश्यास्ताम् | रेश्य सुः |
| | रेश्याः | रेश्यास्तम् | रेश्यास्त |
| | रेश्यसाम् | रेश्यास्व | रेश्यास्म |
| श्र० | रेशयिता | रेशयितारी | रेशयितारः |
| | रेशयितासि | रेशयितास्थः | रेशयितास्थ |
| | रेशयितास्मि | रेशयितास्वः | रेशयितास्मः |
| भ० | रेशयिष्यति | रेशयिष्यतः | रेशयिष्यन्ति |
| | रेशयिष्यसि | रेशयिष्यथः | रेशयिष्यथ |
| | रेशयिष्यामि | रेशयिष्यावः | रेशयिष्यामः |
| क्रि० | अरेशयिष्यत् | अरेशयिष्यताम् | अरेशयिष्यन्त |
| | अरेशयिष्यः | अरेशयिष्यतम् | अरेशयिष्यत |
| | अरेशयिष्यम् | अरेशयिष्याव | अरेशयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | रेशयन्ते | रेशयन्ते | रेशयन्ते |
| | रेशयसे | रेशयथे | रेशयन्ते |
| | रेशय | रेशयवहे | रेशयामहे |
| स० | रेशयेत | रेशयेताम् | रेशयेयन् |
| | रेशयेथाः | रेशयेथाथाम् | रेशयेष्वम् |
| | रेशयेथ | रेशयेवहि | रेशयेमहि |
| प० | रेशयताम् | रेशयेताम् | रेशयन्ताम् |
| | रेशयस्व | रेशयेथाम् | रेशयन्वम् |
| | रेशय | रेशयावहे | रेशयामहे |
| ह्य० | अरेशयत | अरेशयेताम् | अरेशयन्त |
| | अरेशयथाः | अरेशयेथाम् | अरेशयेष्वम् |
| | अरेशये | अरेशयावहि | अरेशयामहि |
| अ० | अरीरिशत | अरीरिशेताम् | अरीरिशन्त |
| | अरीरिशथाः | अरीरिशेथाम् | अरीरिशेष्वम् |
| | अरीरिशे | अरीरिशावहि | अरीरिशामहि |
| प० | रेशयाञ्चके | रेशयाञ्चकते | रेशयाञ्चक्रे |
| | रेशयाञ्चकृषे | रेशयाञ्चकृषे | रेशयाञ्चकृष्वे |
| | रेशयाञ्चके | रेशयाञ्चकृवहे | रेशयाञ्चकृमहे |
| | रेशयाम्भूव | रेशयामास | |
| आ० | रेशयिषीष्ट | रेशयिषीयास्ताम् | रेशयिषीरन् |
| | रेशयिषीष्टाः | रेशयिषीयास्थाम् | रेशयिषीष्वम् |
| | रेशयिषीय | रेशयिषीवहि | रेशयिषीमहि |
| श्र० | रेशयिता | रेशयितागौ | रेशयितारः |
| | रेशयितासे | रेशयितासाथे | रेशयिताध्वे |
| | रेशयिताहे | रेशयितास्वहे | रेशयितास्महे |
| भ० | रेशयिष्यते | रेशयिष्यते | रेशयिष्यन्ते |
| | रेशयिष्यसे | रेशयिष्यथे | रेशयिष्यन्ते |
| | रेशयिष्ये | रेशयिष्यवहे | रेशयिष्यामहे |
| क्रि० | अरेशयिष्यत | अरेशयिष्यताम् | अरेशयिष्यन्त |
| | अरेशयिष्यथाः | अरेशयिष्येथाम् | अरेशयिष्येष्वम् |
| | अरेशयिष्ये | अरेशयिष्यावहि | अरेशयिष्यामहि |

1415 विशन्तु (विश्) प्रवेशने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | वेशयति | वेशयतः | वेशयन्ति |
| | वेशयसि | वेशयथः | वेशयथ |
| | वेशयामि | वेशयावः | वेशयामः |
| स० | वेशयेत् | वेशयेताम् | वेशयेयुः |
| | वेशयेः | वेशयेतम् | वेशयेत |
| | वेशयेयम् | वेशयेव | वेशयेम |
| प० | वेशयतु | वेशयतात् | वेशयताम् |
| | वेशयतुः | वेशयतात् | वेशयतम् |
| | वेशयानि | वेशयाव | वेशयाम |
| ह्य० | अवेशयत् | अवेशयताम् | अवेशयन् |
| | अवेशयः | अवेशयतम् | अवेशयत |
| | अवेशयम् | अवेशयाव | अवेशयाम |
| अ० | अवीविशत् | अवीविशताम् | अवीविशन् |
| | अवीविशः | अवीविशतम् | अवीविशत |
| | अवीविशम् | अवीविशाव | अवीविशाम |
| प० | वेशयाञ्चकार | वेशयाञ्चकतुः | वेशयाञ्चकुः |
| | वेशयाञ्चकथं | वेशयाञ्चकथुः | वेशयाञ्चक |
| | वेशयाञ्चकार-चकर | वेशयाञ्चकृव | वेशयाञ्चकृम |
| | वेशयाम्बभूव | । | वेशयामास |
| आ० | वेश्यात् | वेश्यास्ताम् | वेश्यासुः |
| | वेश्याः | वेश्यास्तम् | वेश्यास्त |
| | वेश्यासाम् | वेश्यास्व | वेश्यास्म |
| श्र० | वेशयिता | वेशयितारौ | वेशयितारः |
| | वेशयितासि | वेशयितास्थः | वेशयितास्थ |
| | वेशयितास्मि | वेशयितास्वः | वेशयितास्मः |
| भ० | वेशयिष्यति | वेशयिष्यतः | वेशयिष्यन्ति |
| | वेशयिष्यसि | वेशयिष्यथः | वेशयिष्यथ |
| | वेशयिष्यामि | वेशयिष्यावः | वेशयिष्यामः |
| क्रि० | अवेशयिष्यत् | अवेशयिष्यताम् | अवेशयिष्यन् |
| | अवेशयिष्यः | अवेशयिष्यतम् | अवेशयिष्यत |
| | अवेशयिष्यम् | अवेशयिष्याव | अवेशयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| वः | वेशयते | वेशयेते | वेशयन्ते |
| | वेशयसे | वेशयेथे | वेशयध्वे |
| | वेशये | वेशयावहे | वेशयामहे |
| स० | वेशयेत | वेशयेयाताम् | वेशयेयन् |
| | वेशयेथाः | वेशयेयाथाम् | वेशयेध्वम् |
| | वेशयेय | वेशयेवहि | वेशयेमहि |
| प० | वेशयताम् | वेशयेताम् | वेशयन्ताम् |
| | वेशयस्व | वेशयेथाम् | वेशयध्वम् |
| | वेशयै | वेशयावहै | वेशयामहै |
| ह्य० | अवेशयत | अवेशयेताम् | अवेशयन्त |
| | अवेशयथाः | अवेशयेथाम् | अवेशयध्वम् |
| | अवेशये | अवेशयावहि | अवेशयामहि |
| अ० | अवीविशत | अवीविशेताम् | अवीविशन्त |
| | अवीविशथाः | अवीविशेथाम् | अवीविशध्वम् |
| | अवीविशे | अवीविशावहि | अवीविशामहि |
| प० | वेशयाञ्चक्रे | वेशयाञ्चकृते | वेशयाञ्चकृरे |
| | वेशयाञ्चकृषे | वेशयाञ्चकृषे | वेशयाञ्चकृद्वे |
| | वेशयाञ्चके | वेशयाञ्चकृवहे | वेशयाञ्चकृमहे |
| | वेशयाम्बभूव | । | वेशयामास |
| आ० | वेशयिषीष्ट | वेशयिषीयास्ताम् | वेशयिषीरन् |
| | वेशयिषीष्टाः | वेशयिषीयास्थाम् | वेशयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | वेशयिषीय | वेशयिषीवहि | वेशयिषीमहि |
| श्र० | वेशयिता | वेशयितारौ | वेशयितारः |
| | वेशयितासे | वेशयितासाथे | वेशयिताध्वे |
| | वेशयिताहे | वेशयितास्वहे | वेशयितास्महे |
| भ० | वेशयिष्यते | वेशयिष्येते | वेशयिष्यन्ते |
| | वेशयिष्यसे | वेशयिष्येथे | वेशयिष्यध्वे |
| | वेशयिष्ये | वेशयिष्यावहे | वेशयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेशयिष्यत | अवेशयिष्येताम् | अवेशयिष्यन्त |
| | अवेशयिष्यथाः | अवेशयिष्येथाम् | अवेशयिष्यध्वम् |
| | अवेशयिष्ये | अवेशयिष्यावहि | अवेशयिष्यामहि |

1416 मृशत् (मृशू) आमर्शने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | मर्शयति | मर्शयतः | मर्शयन्ति |
| | मर्शयसि | मर्शयथः | मर्शयथ |
| | मर्शयामि | मर्शयवः | मर्शयामः |
| स० | मर्शयेत् | मर्शयेताम् | मर्शयेयुः |
| | मर्शयेः | मर्शयेतम् | मर्शयेत |
| | मर्शयेयम् | मर्शयेव | मर्शयेम |
| प० | मर्शयतु | मर्शयतात् | मर्शयताम् |
| | मर्शय | मर्शयतात् | मर्शयतम् |
| | मर्शयानि | मर्शयाव | मर्शयाम |
| ह्य० | अमर्शयत् | अमर्शयताम् | अमर्शयन्त |
| | अमर्शयः | अमर्शयतम् | अमर्शयत |
| | अमर्शयम् | अमर्शयाव | अमर्शयाम |
| अ० | अमीमृशत् | अमीमृशताम् | अमीमृशन् |
| | अमीमृशः | अमीमृशतम् | अमीमृशत |
| | अमीमृशाम् | अमीमृशाव | अमीमृशाम |
| | अममर्शत् | अममर्शताम् | अममर्शन् इ० |
| प० | मर्शयाञ्चकार | मर्शयाञ्चक्रुः | मर्शयाञ्चकृः |
| | मर्शयाञ्चकथं | मर्शयाञ्चकथुः | मर्शयाञ्चक |
| | मर्शयाञ्चकार-चकर | मर्शयाञ्चकृव | मर्शयाञ्चकृम |
| | मर्शयाम्बभूव | । | मर्शयामास |
| आ० | मर्श्यात् | मर्श्यास्ताम् | मर्श्यासुः |
| | मर्श्याः | मर्श्यास्तम् | मर्श्यास्त |
| | मर्श्यासम् | मर्श्यास्व | मर्श्यास्म |
| श्र० | मर्शयिता | मर्शयितारौ | मर्शयितारः |
| | मर्शयितासि | मर्शयितास्थः | मर्शयितास्थ |
| | मर्शयितास्मि | मर्शयितास्वः | मर्शयितास्मः |
| भ० | मर्शयिष्यति | मर्शयिष्यतः | मर्शयिष्यन्ति |
| | मर्शयिष्यसि | मर्शयिष्यथः | मर्शयिष्यथ |
| | मर्शयिष्यामि | मर्शयिष्यावः | मर्शयिष्यामः |
| क्रि० | अमर्शयिष्यत् | अमर्शयिष्यताम् | अमर्शयिष्यन् |
| | अमर्शयिष्यः | अमर्शयिष्यतम् | अमर्शयिष्यत |
| | अमर्शयिष्यम् | अमर्शयिष्याव | अमर्शयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | मर्शयते | मर्शयते | मर्शयन्ते |
| | मर्शयसे | मर्शयेथे | मर्शयध्वे |
| | मर्शये | मर्शयावहे | मर्शयामहे |
| स० | मर्शयेत | मर्शयेयाताम् | मर्शयेरन् |
| | मर्शयेथाः | मर्शयेयाथाम् | मर्शयेध्वम् |
| | मर्शयेय | मर्शयेवहि | मर्शयेमहि |
| प० | मर्शयताम् | मर्शयेताम् | मर्शयन्ताम् |
| | मर्शयस्व | मर्शयेथाम् | मर्शयध्वम् |
| | मर्शये | मर्शयावहे | मर्शयामहे |
| ह्य० | अमर्शयत | अमर्शयेताम् | अमर्शयन्त |
| | अमर्शयथाः | अमर्शयेथाम् | अमर्शयध्वम् |
| | अमर्शये | अमर्शयावहि | अमर्शयामहि |
| अ० | अमीमृशत | अमीमृशेताम् | अमीमृशन्त |
| | अमीमृशथाः | अमीमृशेथाम् | अमीमृशध्वम् |
| | अमीमृशे | अमीमृशावहि | अमीमृशामहि |
| | अममर्शत | अममर्शेताम् | अममर्शन्त इ० |
| प० | मर्शयाञ्चके | मर्शयाञ्चकते | मर्शयाञ्चक्रिरे |
| | मर्शयाञ्चकृषे | मर्शयाञ्चकृथे | मर्शयाञ्चकृध्वे |
| | मर्शयाञ्चके | मर्शयाञ्चकृवहे | मर्शयाञ्चकृमहे |
| | मर्शयाम्बभूव | । | मर्शयामास |
| आ० | मर्शयिषीष्ट | मर्शयिषीयास्ताम् | मर्शयिषीरन् |
| | मर्शयिषीष्टाः | मर्शयिषीयास्थाम् | मर्शयिषीध्वम् |
| | मर्शयिषीय | मर्शयिषीवहि | मर्शयिषीमहि |
| श्र० | मर्शयिता | मर्शयितागै | मर्शयितारः |
| | मर्शयितासे | मर्शयितासथे | मर्शयिताध्वे |
| | मर्शयिताहे | मर्शयितास्वहे | मर्शयितास्महे |
| भ० | मर्शयिष्यते | मर्शयिष्येत | मर्शयिष्यन्ते |
| | मर्शयिष्यसे | मर्शयिष्येथे | मर्शयिष्यध्वे |
| | मर्शयिष्ये | मर्शयिष्यावहे | मर्शयिष्यामहे |
| क्रि० | अमर्शयिष्यत | अमर्शयिष्येताम् | अमर्शयिष्यन्त |
| | अमर्शयिष्यथाः | अमर्शयिष्येथाम् | अमर्शयिष्यध्वम् |
| | अमर्शयिष्ये | अमर्शयिष्यावहि | अमर्शयिष्यामहि |

1+17 लिशत् (लिश) गतौ । 1277 लिशच्चन्द्रपाणि

1418 ऋषैत् (ऋष्) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | अर्षयति | अर्षयतः | अर्षयन्ति |
| | अर्षयसि | अर्षयथः | अर्षयथ |
| | अर्षयामि | अर्षयावः | अर्षयामः |
| स० | अर्षयेत् | अर्षयेताम् | अर्षयेयुः |
| | अर्षयेः | अर्षयेतम् | अर्षयेत |
| | अर्षयेयम् | अर्षयेव | अर्षयेम |
| प० | अर्षयन्तु | अर्षयतात् | अर्षयताम् |
| | अर्षय | अर्षयतात् | अर्षयतम् |
| | अर्षयाणि | अर्षयाव | अर्षयाम |
| ह्य० | आर्षयत् | आर्षयताम् | आर्षयन् |
| | आर्षयः | आर्षयताम् | आर्षयत |
| | आर्षयम् | आर्षयव | आर्षयाम |
| अ० | आर्षिषत् | आर्षिषताम् | आर्षिषन् |
| | आर्षिषः | आर्षिषतम् | आर्षिषत |
| | आर्षिषम् | आर्षिषाव | आर्षिषाम |
| प० | अर्षयाञ्चकार | अर्षयाञ्चकतुः | अर्षयाञ्चकुः |
| | अर्षयाञ्चकथं | अर्षयाञ्चकथुः | अर्षयाञ्चक |
| | अर्षयाञ्चकार-चकर | अर्षयाञ्चकृव | अर्षयाञ्चकृम |
| | अर्षयाम्बभूव | । | अर्षयामास |
| आ० | अर्ष्यात् | अर्ष्यास्ताम् | अर्ष्यासुः |
| | अर्ष्याः | अर्ष्यास्तम् | अर्ष्यास्त |
| | अर्ष्यासम् | अर्ष्यास्व | अर्ष्यास्म |
| श्व० | अर्षयिता | अर्षयितारौ | अर्षयितारः |
| | अर्षयितासि | अर्षयितास्थः | अर्षयितास्थ |
| | अर्षयितास्मि | अर्षयितास्वः | अर्षयितास्मः |
| भ० | अर्षयिष्यति | अर्षयिष्यतः | अर्षयिष्यन्ति |
| | अर्षयिष्यसि | अर्षयिष्यथः | अर्षयिष्यथ |
| | अर्षयिष्यामि | अर्षयिष्यावः | अर्षयिष्यामः |
| क्रि० | आर्षयिष्यत् | आर्षयिष्यताम् | आर्षयिष्यन् |
| | आर्षयिष्यः | आर्षयिष्यतम् | आर्षयिष्यत |
| | आर्षयिष्यम् | आर्षयिष्याव | आर्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|--------------------|
| व० | अर्षयते | अर्षयेते | अर्षयन्ते |
| | अर्षयसे | अर्षयेथे | अर्षयध्वे |
| | अर्षये | अर्षयावहे | अर्षयामहे |
| स० | अर्षयेत | अर्षयेयाताम् | अर्षयेरन् |
| | अर्षयेथाः | अर्षयेयाथाम् | अर्षयेध्वम् |
| | अर्षयेय | अर्षयेवहि | अर्षयेमहि |
| प० | अर्षयताम् | अर्षयेताम् | अर्षयन्ताम् |
| | अर्षयथाः | अर्षयेथाम् | अर्षयध्वम् |
| | अर्षये | अर्षयावहे | अर्षयामहे |
| ह्य० | आर्षयत | आर्षयेताम् | आर्षयन्त |
| | आर्षयथाः | आर्षयेथाम् | आर्षयध्वम् |
| | आर्षये | आर्षयावहि | आर्षयामहि |
| अ० | आर्षिषत | आर्षिषेताम् | आर्षिषन्त |
| | आर्षिषथाः | आर्षिषेथाम् | आर्षिषध्वम् |
| | आर्षिषे | आर्षिषावहि | आर्षिषामहि |
| प० | अर्षयाञ्चक्रे | अर्षयाञ्चक्राते | अर्षयाञ्चक्रिरे |
| | अर्षयाञ्चकृषे | अर्षयाञ्चक्राथे | अर्षयाञ्चकृध्वे |
| | अर्षयाञ्चक्रे | अर्षयाञ्चकृवहे | अर्षयाञ्चकृमहे |
| | अर्षयाम्बभूव | । | अर्षयामास |
| आ० | अर्षयिषीष्ट | अर्षयिषीयास्ताम् | अर्षयिषीरन् |
| | अर्षयिषीष्टाः | अर्षयिषीयास्थाम् | अर्षयिषीध्वम् |
| | अर्षयिषीय | अर्षयिषीवहि | अर्षयिषीमहि |
| श्व० | अर्षयिता | अर्षयितारौ | अर्षयितारः |
| | अर्षयितासे | अर्षयितासाथे | अर्षयिताध्वे |
| | अर्षयिताहे | अर्षयिताम्वहे | अर्षयितास्महे |
| भ० | अर्षयिष्यते | अर्षयिष्येते | अर्षयिष्यन्ते |
| | अर्षयिष्यसे | अर्षयिष्येथे | अर्षयिष्यध्वे |
| | अर्षयिष्ये | अर्षयिष्यावहे | अर्षयिष्यामहे |
| क्रि० | आर्षयिष्यत | आर्षयिष्येताम् | आर्षयिष्यन्त |
| | आर्षयिष्यथाः | आर्षयिष्येथाम् | आर्षयिष्यध्वम् |
| | आर्षयिष्ये | आर्षयिष्यावहि | आर्षयिष्यामहि |
| 1419 | इषत् (इष्) | इच्छायाम् । | 1167 इष्ववद्रूपाणि |
| 1420 | मिषत् (मिष्) | स्पृष्टायाम् । | 524 मिषवद्रूपाणि |
| 1421 | वृहौत् (वृह्) | उद्यमे । | 588 वृहवद्रूपाणि |

1422 तृतीत् (तृ) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | तर्हयति | तर्हयतः | तर्हयन्ति |
| | तर्हयसि | तर्हयथः | तर्हयथ |
| | तर्हयामि | तर्हयावः | तर्हयामः |
| स० | तर्हयेत् | तर्हयेताम् | तर्हयेयुः |
| | तर्हयेः | तर्हयेतम् | तर्हयेत |
| | तर्हयेयम् | तर्हयेव | तर्हयेम |
| प० | तर्हयन्तु | तर्हयन्तान् | तर्हयन्तु |
| | तर्हय | तर्हयताम् | तर्हयतम् |
| | तर्हयाणि | तर्हयाव | तर्हयाम |
| ह्य० | अतर्हयन् | अतर्हयताम् | अतर्हयन् |
| | अतर्हयः | अतर्हयतम् | अतर्हयत |
| | अतर्हयम् | अतर्हयाव | अतर्हयाम |
| अ० | अतीतृहन् | अतीतृहतम् | अतीतृहन् |
| | अतीतृहः | अतीतृहतम् | अतीतृहत |
| | अतीतृहम् | अतीतृहाव | अतीतृहाम |
| | अतर्हयन् | अतर्हयताम् | अतर्हयन् इ० |
| प० | तर्हयाञ्चकार | तर्हयाञ्चकतुः | तर्हयाञ्चकुः |
| | तर्हयाञ्चकथै | तर्हयाञ्चकथुः | तर्हयाञ्चक |
| | तर्हयाञ्चकार-चकर | तर्हयाञ्चकृव | तर्हयाञ्चकृम |
| | तर्हयावम्बभूव | । | तर्हयामास |
| आ० | तर्हयात् | तर्हयास्ताम् | तर्हयास्तुः |
| | तर्हयाः | तर्हयास्तम् | तर्हयास्त |
| | तर्हयासम् | तर्हयास्व | तर्हयास्म |
| श्र० | तर्हयिता | तर्हयितारौ | तर्हयितारः |
| | तर्हयितासि | तर्हयितास्थः | तर्हयितास्थ |
| | तर्हयितास्मि | तर्हयितास्वः | तर्हयितास्मः |
| भ० | तर्हयिष्यति | तर्हयिष्यतः | तर्हयिष्यन्ति |
| | तर्हयिष्यसि | तर्हयिष्यथः | तर्हयिष्यथ |
| | तर्हयिष्यामि | तर्हयिष्यावः | तर्हयिष्यामः |
| क्रि० | अतर्हयिष्यत् | अतर्हयिष्यताम् | अतर्हयिष्यन् |
| | अतर्हयिष्यः | अतर्हयिष्यतम् | अतर्हयिष्यत |
| | अतर्हयिष्यम् | अतर्हयिष्याव | अतर्हयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | तर्हयते | तर्हयते | तर्हयन्ते |
| | तर्हयसे | तर्हयथे | तर्हयध्वम् |
| | तर्हये | तर्हयावहे | तर्हयामहे |
| स० | तर्हयत | तर्हयेयाताम् | तर्हयेरन् |
| | तर्हयेथाः | तर्हयेयाथाम् | तर्हयेध्वम् |
| | तर्हयेय | तर्हयेवहि | तर्हयेमहि |
| प० | तर्हयताम् | तर्हयेताम् | तर्हयन्ताम् |
| | तर्हयेथाः | तर्हयेथाम् | तर्हयेध्वम् |
| | तर्हये | तर्हयावहे | तर्हयामहे |
| ह्य० | अतर्हयत | अतर्हयेताम् | अतर्हयन्त |
| | अतर्हयेथाः | अतर्हयेथाम् | अतर्हयेध्वम् |
| | अतर्हये | अतर्हयावहि | अतर्हयामहि |
| अ० | अतीतृहन् | अतीतृहेताम् | अतीतृहन्त |
| | अतीतृहथाः | अतीतृहेथाम् | अतीतृहध्वम् |
| | अतीतृहे | अतीतृहावहि | अतीतृहामहि |
| | अतर्हयत | अतर्हयेताम् | अतर्हयन्त इ० |
| प० | तर्हयाञ्चके | तर्हयाञ्चकाते | तर्हयाञ्चकिरे |
| | तर्हयाञ्चकृषे | तर्हयाञ्चकृथे | तर्हयाञ्चकृव |
| | तर्हयाञ्चके | तर्हयाञ्चकृवहे | तर्हयाञ्चकृमहे |
| | तर्हयाम्बभूव | । | तर्हयामास |
| आ० | तर्हयिषीष्ट | तर्हयिषीयास्ताम् | तर्हयिषीरन् |
| | तर्हयिषीष्टाः | तर्हयिषीयास्थाम् | तर्हयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | तर्हयिषीय | तर्हयिषीवहि | तर्हयिषीमहि |
| श्र० | तर्हयिता | तर्हयितारौ | तर्हयितारः |
| | तर्हयितासे | तर्हयितासाथे | तर्हयिताध्वे |
| | तर्हयिताहे | तर्हयितास्वहे | तर्हयितास्महे |
| भ० | तर्हयिष्यते | तर्हयिष्येते | तर्हयिष्यते |
| | तर्हयिष्यसे | तर्हयिष्येथे | तर्हयिष्यध्वे |
| | तर्हयिष्ये | तर्हयिष्यावहे | तर्हयिष्यामहे |
| क्रि० | अतर्हयिष्यत | अतर्हयिष्येताम् | अतर्हयिष्यन्त |
| | अतर्हयिष्यथाः | अतर्हयिष्येथाम् | अतर्हयिष्यध्वम् |
| | अतर्हयिष्ये | अतर्हयिष्यावहि | अतर्हयिष्यामहि |

1423 तृहोत् (तृहत्) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| ब० | तृहयति | तृहयतः | तृहयन्ति |
| | तृहयसि | तृहयथः | तृहयथ |
| | तृहयामि | तृहयावः | तृहयामः |
| स० | तृहयेत् | तृहयेताम् | तृहयेयुः |
| | तृहयेः | तृहयेतम् | तृहयेत |
| | तृहयेयम् | तृहयेव | तृहयेम |
| प० | तृहयतु | तृहयतात् | तृहयताम् तृहयन्तु |
| | तृहय | तृहयताम् तृहयतम् | तृहयत |
| | तृहयाणि | तृहयाव | तृहयाम |
| ह्य० | अतृहयत् | अतृहयताम् | अतृहयन् |
| | अतृहयः | अतृहयतम् | अतृहयन् |
| | अतृहयम् | अतृहयाव | अतृहयाम |
| अ० | अततृहत् | अततृहताम् | अततृहन् |
| | अततृहः | अततृहतम् | अततृहत |
| | अततृहम् | अततृहाव | अततृहाम |
| प० | तृहयाञ्चकार | तृहयाञ्चक्रुः | तृहयाञ्चकुः |
| | तृहयाञ्चकथं | तृहयाञ्चक्रुः | तृहयाञ्चक |
| | तृहयाञ्चकार-चकर | तृहयाञ्चकृव | तृहयाञ्चकृम |
| | तृहयाबम्बभूव | । | तृहयामास |
| आ० | तृह्यात् | तृह्यास्ताम् | तृह्यासुः |
| | तृह्याः | तृह्यास्तम् | तृह्यास्त |
| | तृह्यासम् | तृह्यास्व | तृह्यास्म |
| श्व० | तृहयिता | तृहयितारौ | तृहयितारः |
| | तृहयितासि | तृहयितास्थः | तृहयितास्थ |
| | तृहयितास्मि | तृहयितास्वः | तृहयितास्म |
| भ० | तृहयिष्यति | तृहयिष्यतः | तृहयिष्यन्ति |
| | तृहयिष्यसि | तृहयिष्यथः | तृहयिष्यथ |
| | तृहयिष्यामि | तृहयिष्यावः | तृहयिष्यामः |
| क्रि० | अतृहयिष्यत् | अतृहयिष्यताम् | अतृहयिष्यन्त |
| | अतृहयिष्यः | अतृहयिष्यतम् | अतृहयिष्यत |
| | अतृहयिष्यम् | अतृहयिष्यव | अतृहयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तृहयते | तृहयेते | तृहयन्ते |
| | तृहयसे | तृहयेथे | तृहयध्वे |
| | तृहये | तृहयावहे | तृहयामहे |
| स० | तृहयत | तृहयेयाताम् | तृहयेरन् |
| | तृहयेथाः | तृहयेयाथाम् | तृहयेष्वम् |
| | तृहयेय | तृहयेवहि | तृहयेमहि |
| प० | तृहयताम् | तृहरेताम् | तृहयन्ताम् |
| | तृहयस्व | तृहयेथाम् | तृहयध्वम् |
| | तृहयै | तृहयावहै | तृहयामहै |
| ह्य० | अतृहयत | अतृहयेताम् | अतृहयन्त |
| | अतृहयथाः | अतृहयेथाम् | अतृहयध्वम् |
| | अतृहये | अतृहयावहि | अतृहयामहि |
| अ० | अततृहत | अततृहेताम् | अततृहन्त |
| | अततृहथाः | अततृहेथाम् | अततृहध्वम् |
| | अततृहे | अततृहावहि | अततृहामहि |
| प० | तृहयाञ्चक्रे | तृहयाञ्चकाते | तृहयाञ्चकिरे |
| | तृहयाञ्चक्रे | तृहयाञ्चकाथे | तृहयाञ्चकृवे |
| | तृहयाञ्चक्रे | तृहयाञ्चकृवहे | तृहयाञ्चकृमहे |
| | तृहयाबम्बभूव | । | तृहयामास |
| आ० | तृहयिषीष्ट | तृहयिषीयास्ताम् | तृहयिषीरन् |
| | तृहयिषीष्ठाः | तृहयिषीयास्थाम् | तृहयिषीध्वम् |
| | तृहयिषीय | तृहयिषीवहि | तृहयिषीमहि |
| श्व० | तृहयिता | तृहयितारौ | तृहयितारः |
| | तृहयितासे | तृहयितासाथे | तृहयिताध्वे |
| | तृहयिताहे | तृहयितास्वहे | तृहयितास्महे |
| भ० | तृहयिष्यते | तृहयिष्येते | तृहयिष्यन्ते |
| | तृहयिष्यसे | तृहयिष्येथे | तृहयिष्यध्वे |
| | तृहयिष्ये | तृहयिष्यवहे | तृहयिष्यामहे |
| क्रि० | अतृहयिष्यत् | अतृहयिष्यताम् | अतृहयिष्यन्त |
| | अतृहयिष्यथाः | अतृहयिष्येथाम् | अतृहयिष्यध्वम् |
| | अतृहयिष्ये | अतृहयिष्यावहि | अतृहयिष्यामहि |

1424 स्तृदौ (स्तृह्) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|---------------------|-------------------|------------------|
| व० | स्तृह्यति | स्तृह्यतः | स्तृह्यन्ति |
| | स्तृह्यसि | स्तृह्यथः | स्तृह्यथ |
| | स्तृह्यामि | स्तृह्यावः | स्तृह्यामः |
| स० | स्तृह्येत् | स्तृह्येताम् | स्तृह्येयुः |
| | स्तृह्येः | स्तृह्येतम् | स्तृह्येत |
| | स्तृह्येयम् | स्तृह्येव | स्तृह्येम |
| प० | स्तृह्यतु | स्तृह्यतात् | स्तृह्यताम् |
| | स्तृह्य | स्तृह्यताम् | स्तृह्यतम् |
| | स्तृह्यति | स्तृह्याव | स्तृह्याम |
| ह्य० | अस्तृह्यत् | अस्तृह्यताम् | अस्तृह्यन् |
| | अस्तृह्यः | अस्तृह्यतम् | अस्तृह्यत |
| | अस्तृह्यम् | अस्तृह्याव | अस्तृह्याम |
| अ० | अतिस्तृह्यत् | अतिस्तृह्यताम् | अतिस्तृह्यन् |
| | अतिस्तृह्यः | अतिस्तृह्यतम् | अतिस्तृह्यत |
| | अतिस्तृह्यम् | अतिस्तृह्याव | अतिस्तृह्याम |
| | अतस्तृह्यत् | अतस्तृह्यताम् | अतस्तृह्यन् इ० |
| प० | स्तृह्याच्चकार | स्तृह्याच्चक्रतुः | स्तृह्याच्चक्रुः |
| | स्तृह्याच्चकथं | स्तृह्याच्चकथुः | स्तृह्याच्चक |
| | स्तृह्याच्चकार-चक्र | स्तृह्याच्चक्रव | स्तृह्याच्चक्रम |
| | स्तृह्याच्चम्बभूव | स्तृह्यामास | |
| आ० | स्तृह्यात् | स्तृह्यास्ताम् | स्तृह्यासुः |
| | स्तृह्याः | स्तृह्यास्तम् | स्तृह्यास्त |
| | स्तृह्यासम् | स्तृह्यास्व | स्तृह्यास्म |
| श्र० | स्तृह्यिता | स्तृह्यितागौ | स्तृह्यितारः |
| | स्तृह्यितासि | स्तृह्यितास्थः | स्तृह्यितास्थ |
| | स्तृह्यितास्मि | स्तृह्यितास्वः | स्तृह्यितास्म |
| भ० | स्तृह्यिष्यति | स्तृह्यिष्यतः | स्तृह्यिष्यन्ति |
| | स्तृह्यिष्यसि | स्तृह्यिष्यथः | स्तृह्यिष्यथ |
| | स्तृह्यिष्यामि | स्तृह्यिष्यावः | स्तृह्यिष्यामः |
| क्रि० | अस्तृह्यिष्यत् | अस्तृह्यिष्यताम् | अस्तृह्यिष्यन् |
| | अस्तृह्यिष्यः | अस्तृह्यिष्यतम् | अस्तृह्यिष्यत |
| | अस्तृह्यिष्यम् | अस्तृह्यिष्यव | अस्तृह्यिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | स्तृह्यते | स्तृह्येते | स्तृह्यन्ते |
| | स्तृह्यसे | स्तृह्येथे | स्तृह्यध्वे |
| | स्तृह्ये | स्तृह्यावहे | स्तृह्यामहे |
| स० | स्तृह्यत | स्तृह्येयाताम् | स्तृह्येरन् |
| | स्तृह्येथाः | स्तृह्येयाथाम् | स्तृह्येध्वम् |
| | स्तृह्येय | स्तृह्येवहि | स्तृह्येमहि |
| प० | स्तृह्यताम् | स्तृह्येताम् | स्तृह्यन्ताम् |
| | स्तृह्यथाः | स्तृह्येथाम् | स्तृह्यध्वम् |
| | स्तृह्ये | स्तृह्यावहे | स्तृह्यामहे |
| ह्य० | अस्तृह्यत | अस्तृह्यताम् | अस्तृह्यन्त |
| | अस्तृह्यथाः | अस्तृह्येथाम् | अस्तृह्यध्वम् |
| | अस्तृह्ये | अस्तृह्यावहि | अस्तृह्यामहि |
| अ० | अतिस्तृह्यत् | अतिस्तृह्यताम् | अतिस्तृह्यन्त |
| | अतिस्तृह्यथाः | अतिस्तृह्येथाम् | अतिस्तृह्यध्वम् |
| | अतिस्तृह्ये | अतिस्तृह्यावहि | अतिस्तृह्यामहि |
| | अतस्तृह्यत | अतस्तृह्येताम् | अतस्तृह्यन्त इ० |
| प० | स्तृह्याच्चक्रे | स्तृह्याच्चक्राते | स्तृह्याच्चक्रिरे |
| | स्तृह्याच्चकृषे | स्तृह्याच्चक्राथे | स्तृह्याच्चकृध्वे |
| | स्तृह्याच्चक्रे | स्तृह्याच्चकृवहे | स्तृह्याच्चकृमहे |
| | स्तृह्याच्चभूव | स्तृह्यामास | |
| आ० | स्तृह्यिषीष्ट | स्तृह्यिषीयास्ताम् | स्तृह्यिषीरन् |
| | स्तृह्यिषीष्टाः | स्तृह्यिषीयास्थाम् | स्तृह्यिषीध्वम् |
| | स्तृह्यिषीय | स्तृह्यिषीवहि | स्तृह्यिषीमहि |
| श्र० | स्तृह्यिता | स्तृह्यितारौ | स्तृह्यितारः |
| | स्तृह्यितासे | स्तृह्यितासाथे | स्तृह्यिताखे |
| | स्तृह्यिताहे | स्तृह्यितास्वहे | स्तृह्यितास्महे |
| भ० | स्तृह्यिष्यते | स्तृह्यिष्येते | स्तृह्यिष्यते |
| | स्तृह्यिष्यसे | स्तृह्यिष्येथे | स्तृह्यिष्यध्वे |
| | स्तृह्यिष्ये | स्तृह्यिष्यावहे | स्तृह्यिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तृह्यिष्यत | अस्तृह्यिष्येताम् | अस्तृह्यिष्यन्त |
| | अस्तृह्यिष्यथाः | अस्तृह्यिष्येथाम् | अस्तृह्यिष्यध्वम् |
| | अस्तृह्यिष्ये | अस्तृह्यिष्यावहि | अस्तृह्यिष्यामहि |

1425 स्तृहौ (स्तृह्) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| ब० | स्तृह्यति | स्तृह्यतः | स्तृह्यन्ति |
| | स्तृह्यसि | स्तृह्यथः | स्तृह्यथ |
| | स्तृह्यामि | स्तृह्यावः | स्तृह्यामः |
| स० | स्तृह्येत् | स्तृह्येताम् | स्तृह्येयुः |
| | स्तृह्येयः | स्तृह्येतम् | स्तृह्येत |
| | स्तृह्येयम् | स्तृह्येव | स्तृह्येम |
| प० | स्तृह्यतु | स्तृह्यतात् | स्तृह्यताम् |
| | स्तृह्य | स्तृह्यताम् | स्तृह्यतम् |
| | स्तृह्याणि | स्तृह्याव | स्तृह्याम |
| ह्य० | अस्तृह्यत् | अस्तृह्यताम् | अस्तृह्यन् |
| | अस्तृह्यः | अस्तृह्यतम् | अस्तृह्यत |
| | अस्तृह्यम् | अस्तृह्याव | अस्तृह्याम |
| अ० | अतस्तृहत् | अतस्तृहताम् | अतस्तृहन् |
| | अतस्तृहः | अतस्तृहतम् | अतस्तृहत |
| | अतस्तृहम् | अतस्तृहाव | अतस्तृहाम |
| प० | स्तृह्याञ्चकार | स्तृह्याञ्चक्रुः | स्तृह्याञ्चकुः |
| | स्तृह्याञ्चकथं | स्तृह्याञ्चकथुः | स्तृह्याञ्चक |
| | स्तृह्याञ्चकार-चकर | स्तृह्याञ्चकृव | स्तृह्याञ्चकृम |
| | स्तृह्याचम्बभूव | स्तृह्यामास | |
| आ० | स्तृह्यात् | स्तृह्यास्ताम् | स्तृह्यासुः |
| | स्तृह्याः | स्तृह्यास्तम् | स्तृह्यास्त |
| | स्तृह्यासम् | स्तृह्यास्व | स्तृह्यास्म |
| श्र० | स्तृह्यिता | स्तृह्यितागौ | स्तृह्यितारः |
| | स्तृह्यितासि | स्तृह्यितास्थः | स्तृह्यितास्थ |
| | स्तृह्यितास्मि | स्तृह्यितास्वः | स्तृह्यितास्मः |
| भ० | स्तृह्यिष्यति | स्तृह्यिष्यतः | स्तृह्यिष्यन्ति |
| | स्तृह्यिष्यसि | स्तृह्यिष्यथः | स्तृह्यिष्यथ |
| | स्तृह्यिष्यामि | स्तृह्यिष्यावः | स्तृह्यिष्यामः |
| क्रि० | अस्तृह्यिष्यत् | अस्तृह्यिष्यताम् | अस्तृह्यिष्यन् |
| | अस्तृह्यिष्यः | अस्तृह्यिष्यतम् | अस्तृह्यिष्यत |
| | अस्तृह्यिष्यम् | अस्तृह्यिष्यव | अस्तृह्यिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|----------------------|-------------------|
| व० | स्तृह्यते | स्तृह्येते | स्तृह्यन्ते |
| | स्तृह्यसे | स्तृह्येथे | स्तृह्यध्वे |
| | स्तृह्ये | स्तृह्यावहे | स्तृह्यामहे |
| स० | स्तृह्येत | स्तृह्येयाताम् | स्तृह्येरन् |
| | स्तृह्येथाः | स्तृह्येयाथाम् | स्तृह्येध्वम् |
| | स्तृह्येय | स्तृह्येवहि | स्तृह्येमहि |
| प० | स्तृह्यताम् | स्तृह्येताम् | स्तृह्यन्ताम् |
| | स्तृह्यथाः | स्तृह्येथाम् | स्तृह्यध्वम् |
| | स्तृह्यै | स्तृह्यावहै | स्तृह्यामहै |
| ह्य० | अस्तृह्यत | अस्तृह्येताम् | अस्तृह्यन्त |
| | अस्तृह्यथाः | अस्तृह्येथाम् | अस्तृह्यध्वम् |
| | अस्तृह्ये | अस्तृह्यावहि | अस्तृह्यामहि |
| अ० | अतस्तृहत | अतस्तृहेताम् | अतस्तृहन्त |
| | अतस्तृहथाः | अतस्तृहेथाम् | अतस्तृहध्वम् |
| | अतस्तृहे | अतस्तृहावहि | अतस्तृहामहि |
| प० | स्तृह्याञ्चके | स्तृह्याञ्चकाते | स्तृह्याञ्चक्रिरे |
| | स्तृह्याञ्चकृषे | स्तृह्याञ्चकृषे | स्तृह्याञ्चकृव्वे |
| | स्तृह्याञ्चके | स्तृह्याञ्चकृवहे | स्तृह्याञ्चकृम्हे |
| | स्तृह्याम्बभूव | स्तृह्यामास | |
| आ० | स्तृह्यिषीष्ट | स्तृह्यिषीष्टास्ताम् | स्तृह्यिषीरन् |
| | स्तृह्यिषीष्टाः | स्तृह्यिषीष्टास्थाम् | स्तृह्यिषीष्टवम् |
| | स्तृह्यिषीय | स्तृह्यिषीवहि | स्तृह्यिषेमहि |
| श्र० | स्तृह्यिता | स्तृह्यितागौ | स्तृह्यितारः |
| | स्तृह्यितासे | स्तृह्यितासाथे | स्तृह्यिताध्वे |
| | स्तृह्यिताहे | स्तृह्यितास्वहे | स्तृह्यितास्महे |
| भ० | स्तृह्यिष्यते | स्तृह्यिष्येते | स्तृह्यिष्यते |
| | स्तृह्यिष्यसे | स्तृह्यिष्येथे | स्तृह्यिष्यध्वे |
| | स्तृह्यिष्ये | स्तृह्यिष्यावहे | स्तृह्यिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तृह्यिष्यत | अस्तृह्यिष्यताम् | अस्तृह्यिष्यन्त |
| | अस्तृह्यिष्यथाः | अस्तृह्यिष्येथाम् | अस्तृह्यिष्यध्वम् |
| | अस्तृह्यिष्ये | अस्तृह्यिष्यावहि | अस्तृह्यिष्यामहि |

1426 कुट् (कुट्) कौटिल्ये

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | कोटयति | कोटयतः | कोटयन्ति |
| | कोटयसि | कोटयथः | कोटयथ |
| | कोटयामि | कोटयावः | कोटयामः |
| स० | कोटयेत् | कोटयेताम् | कोटयेयुः |
| | कोटयेः | कोटयेतम् | कोटयेत |
| | कोटयेयम् | कोटयेव | कोटयेम |
| प० | कोटयतु | कोटयतात् | कोटयताम् |
| | कोटय | कोटयतात् | कोटयतम् |
| | कोटयानि | कोटयाव | कोटयाम |
| ह्य० | अकोटयत् | अकोटयताम् | अकोटयन् |
| | अकोटयः | अकोटयतम् | अकोटयत |
| | अकोटयम् | अकोटयाव | अकोटयाम |
| अ० | अचूकटत् | अचूकटताम् | अचूकटन् |
| | अचूकटः | अचूकटतम् | अचूकटत |
| | अचूकटम् | अचूकटाव | अचूकटाम |
| प० | कोटयाञ्चकार | कोटयाञ्चक्रुः | कोटयाञ्चकुः |
| | कोटयाञ्चकथं | कोटयाः कथुः | कोटयाञ्चक |
| | कोटयाञ्चकार-चकर | कोटयाञ्चकृव | कोटयाञ्चकृम |
| | कोटयाम्बभूव | । | कोटयामास |
| आ० | कोटयात् | कोटयास्ताम् | कोटयासुः |
| | कोटयाः | कोटयास्तम् | कोटयास्त |
| | कोटयासम् | कोटयास्व | कोटयास्म |
| थ० | कोटयिता | कोटयितारौ | कोटयितारः |
| | कोटयितासि | कोटयितास्थः | कोटयितास्थ |
| | कोटयितास्मि | कोटयितास्वः | कोटयितास्मः |
| भ० | कोटयिष्यति | कोटयिष्यतः | कोटयिष्यन्ति |
| | कोटयिष्यसि | कोटयिष्यथः | कोटयिष्यथ |
| | कोटयिष्यामि | कोटयिष्यावः | कोटयिष्यामः |
| क्रि० | अकोटयिष्यत् | अकोटयिष्यताम् | अकोटयिष्यन् |
| | अकोटयिष्यः | अकोटयिष्यतम् | अकोटयिष्यत |
| | अकोटयिष्यम् | अकोटयिष्याव | अकोटयिष्याम |
| व० | कोटयते | कोटयते | कोटयन्ते |
| | कोटयसे | कोटयथे | कोटयध्वे |
| | कोटयं | कोटयावहे | कोटयामहे |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|-------------------|
| स० | कोटयेत | कोटयेयाताम् | कोटयेरन् |
| | कोटयेथाः | कोटयेयाथाम् | कोटयेध्वम् |
| | कोटयेय | कोटयेवहि | कोटयेमहि |
| प० | कोटयताम् | कोटयेताम् | कोटयन्ताम् |
| | कोटयस्व | कोटयेथाम् | कोटयध्वम् |
| | कोटयै | कोटयावहे | कोटयामहे |
| ह्य० | अकोटयत | अकोटयेताम् | अकोटयन्त |
| | अकोटयथाः | अकोटयेथाम् | अकोटयध्वम् |
| | अकोटये | अकोटयावहि | अकोटयामहि |
| अ० | अचूकटत् | अचूकटेताम् | अचूकटन्त |
| | अचूकटथाः | अचूकटेथाम् | अचूकटध्वम् |
| | अचूकटे | अचूकटावहि | अचूकटामहि |
| प० | कोटयाञ्चके | कोटयाञ्चक्रते | कोटयाञ्चकिरे |
| | कोटयाञ्चकृषे | कोटयाञ्चक्रथे | कोटयाञ्चकृढवे |
| | कोटयाञ्चके | कोटयाञ्चकृवहे | कोटयाञ्चकृमहे |
| | कोटयाम्बभूव | । | कोटयामास |
| आ० | कोटयिषीष्ट | कोटयिषीयास्ताम् | कोटयिषीरन् |
| | कोटयिषीष्टाः | कोटयिषीयास्थाम् | कोटयिषीध्वम् |
| | कोटयिषीय | कोटयिषीवहि | कोटयिषीमहि |
| थ० | कोटयिता | कोटयितारौ | कोटयितारः |
| | कोटयितासे | कोटयितासाथे | कोटयितास्वे |
| | कोटयिताहे | कोटयितास्वहे | कोटयितास्महे |
| भ० | कोटयिष्यते | कोटयिष्येते | कोटयिष्यन्ते |
| | कोटयिष्यसे | कोटयिष्यथे | कोटयिष्यध्वे |
| | कोटयिष्यं | कोटयिष्यावहे | कोटयिष्यामहे |
| क्रि० | अकोटयिष्यत | अकोटयिष्यताम् | अकोटयिष्यन्त |
| | अकोटयिष्यथाः | अकोटयिष्येथाम् | अकोटयिष्यध्वम् |
| | अकोटयिष्ये | अकोटयिष्यावहि | अकोटयिष्यामहि |
| 1427 | कुत् (कु) | पुरीषोत्सर्गः । | 591 गुड्वङ्गपाणि |
| 1428 | धृत् (धृ) | गतिस्थैर्ययोः । | 16 ध्रुवङ्गपाणि |
| 1429 | णूत् (नृ) | स्तवने । | 1081 णुक्वङ्गपाणि |
| 1430 | धृत् (धृ) | विधूनने । | 920 धावङ्गपाणि |
| 1431 | कुचत् (कुच्) | संकोचने । | 100 कुचवङ्गपाणि |

1432 व्यच्त् (व्यच्) व्याजीकरणे

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | व्याचयति | व्याचयतः | व्याचयन्ति |
| | व्याचयसि | व्याचयथः | व्याचयथ |
| | व्याचयामि | व्याचयावः | व्याचयामः |
| स० | व्याचयेत् | व्याचयेताम् | व्याचयेयुः |
| | व्याचयेः | व्याचयेतम् | व्याचयेत |
| | व्याचयेयम् | व्याचयेव | व्याचयेम |
| प० | व्याचयतु | व्याचयतात् | व्याचयाम् |
| | व्याचय | व्याचयतात् | व्याचयतम् |
| | व्याचयानि | व्याचयाव | व्याचयाम |
| लृ० | अव्याचयत् | अव्याचयताम् | अव्याचयन् |
| | अव्याचयः | अव्याचयतम् | अव्याचयत |
| | अव्याचयम् | अव्याचयाव | अव्याचयाम |
| अ० | अविव्यचत् | अविव्यचताम् | अविव्यचन् |
| | अविव्यचः | अविव्यचतम् | अविव्यचत |
| | अविव्यचम् | अविव्यचाव | अविव्यचाम |
| प० | व्याचयाञ्चकार | व्याचयाञ्चकतु | व्याचयाञ्चकः |
| | व्याचयाञ्चकर्थे | व्याचयाञ्चकथुः | व्याचयाञ्चक |
| | व्याचयाञ्चकार-चकर | व्याचयाञ्चकृव | व्याचयाञ्चकृम |
| | व्याचयाम्बभूव | व्याचयामास | |
| आ० | व्याचयात् | व्याचयास्ताम् | व्याचयासुः |
| | व्याचयाः | व्याचयास्तम् | व्याचयास्त |
| | व्याचयासम् | व्याचयास्व | व्याचयास्म |
| श्र० | व्याचयिता | व्याचयितारौ | व्याचयितारः |
| | व्याचयितासि | व्याचयितास्थः | व्याचयितास्थ |
| | व्याचयितास्म | व्याचयितास्वः | व्याचयितास्मः |
| भ० | व्याचयिष्यति | व्याचयिष्यतः | व्याचयिष्यन्ति |
| | व्याचयिष्यसि | व्याचयिष्यथः | व्याचयिष्यथ |
| | व्याचयिष्यामि | व्याचयिष्यावः | व्याचयिष्यामः |
| क्रि० | अव्याचयिष्यत् | अव्याचयिष्यताम् | अव्याचयिष्यन् |
| | अव्याचयिष्यः | अव्याचयिष्यतम् | अव्याचयिष्यत |
| | अव्याचयिष्यम् | अव्याचयिष्याव | अव्याचयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | व्याचयते | व्याचयेते | व्याचयन्ते |
| | व्याचयसे | व्याचयेथे | व्याचयध्वे |
| | व्याचये | व्याचयावहे | व्याचयामहे |
| स० | व्याचयेत | व्याचयेयाताम् | व्याचयेरन् |
| | व्याचयेथाः | व्याचयेयाथाम् | व्याचयेध्वम् |
| | व्याचयेय | व्याचयेवहि | व्याचयेमहि |
| प० | व्याचयताम् | व्याचयेताम् | व्याचयन्ताम् |
| | व्याचयस्व | व्याचयेथाम् | व्याचयध्वम् |
| | व्याचये | व्याचयावहे | व्याचयामहे |
| लृ० | अव्याचयत | अव्याचयेताम् | अव्याचयन्त |
| | अव्याचयथाः | अव्याचयेथाम् | अव्याचयध्वम् |
| | अव्याचये | अव्याचयावहि | अव्याचयामहि |
| अ० | अविव्यचत | अविव्यचेताम् | अविव्यचन्त |
| | अविव्यचथाः | अविव्यचेथाम् | अविव्यचध्वम् |
| | अविव्यचे | अविव्यचावहि | अविव्यचामहि |
| प० | व्याचयाञ्चक्रे | व्याचयाञ्चकाते | व्याचयाञ्चकिरे |
| | व्याचयाञ्चकृषे | व्याचयाञ्चकाथे | व्याचयाञ्चकृध्वे |
| | व्याचयाञ्चके | व्याचयाञ्चकृवहे | व्याचयाञ्चकृमहे |
| | व्याचयाम्बभूव | व्याचयामास | |
| आ० | व्याचयिषीष्ट | व्याचयिषीयास्ताम् | व्याचयिषीरन् |
| | व्याचयिषीष्टाः | व्याचयिषीयास्थाम् | व्याचयिषीध्वम् |
| | व्याचयिषीय | व्याचयिषीवहि | व्याचयिषीमहि |
| श्र० | व्याचयिता | व्याचयितारौ | व्याचयितारः |
| | व्याचयितासे | व्याचयितासाथे | व्याचयिताध्वे |
| | व्याचयिताहे | व्याचयितास्वहे | व्याचयितास्महे |
| भ० | व्याचयिष्यते | व्याचयिष्येते | व्याचयिष्यन्ते |
| | व्याचयिष्यसे | व्याचयिष्येथे | व्याचयिष्यध्वे |
| | व्याचयिष्ये | व्याचयिष्यावहे | व्याचयिष्यामहे |
| क्रि० | अव्याचयिष्यत | अव्याचयिष्येताम् | अव्याचयिष्यन्त |
| | अव्याचयिष्यथाः | अव्याचयिष्येथाम् | अव्याचयिष्यध्वम् |
| | अव्याचयिष्ये | अव्याचयिष्यावहि | अव्याचयिष्यामहि |
| 1433 | गुजत् (गुञ्) | शब्दः । | 152 गुजवृत्तपाणि |
| 1434 | घुट् (घुट्) | प्रतीयाते । | 937 घुटिवृत्तपाणि |
| 1435 | लुट् (लुट्) | छेदने । | 203 लुटवृत्तपाणि |

1436 छुट् (छट्) छेदने ।

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------|---------------|
| व० | छोटयति | छोटयतः | छोटयन्ति |
| | छोटयसि | छोटयथः | छोटयथ |
| | छोटयामि | छोटयावः | छोटयामः |
| स० | छोटयेत् | छोटयेताम् | छोटयेयुः |
| | छोटयेः | छोटयेतम् | छोटयेत |
| | छोटयेयम् | छोटयेव | छोटयेम |
| प० | छोटयतु | छोटयतात् | छोटयताम् |
| | छोटय | छोटयतात् | छोटयतम् |
| | छोटयानि | छोटयाव | छोटयाम |
| ह्य० | अच्छोटयत् | अच्छोटयताम् | अच्छोटयन् |
| | अच्छोटयः | अच्छोटयतम् | अच्छोटयत |
| | अच्छोटयम् | अच्छोटयाव | अच्छोटयाम |
| अ० | अचुच्छुटत् | अचुच्छुटताम् | अचुच्छुटन् |
| | अचुच्छुटः | अचुच्छुटतम् | अचुच्छुटत |
| | अचुच्छुटम् | अचुच्छुटाव | अचुच्छुटाम |
| प० | छोटयाञ्चकार | छोटयाञ्चक्रुः | छोटयाञ्चकुः |
| | छोटयाञ्चकथं | छोटयाञ्चक्रुः | छोटयाञ्चक |
| | छोटयाञ्चकार-चकर | छोटयाञ्चकृव | छोटयाञ्चकृम |
| | छोटयाम्भूव | । | छोटयामाव |
| ६।० | छोटयात् | छोटयास्ताम् | छोटयासुः |
| | छोटयाः | छोटयास्तम् | छोटयास्त |
| | छोटयासम् | छोटयास्व | छोटयास्म |
| अ० | छोटयिता | छोटयितारो | छोटयितारः |
| | छोटयितामि | छोटयितास्थः | छोटयितास्थ |
| | छोटयितारिम | छोटयितास्वः | छोटयितास्मः |
| अ० | छोटयिष्यति | छोटयिष्यतः | छोटयिष्यन्ति |
| | छोटयिष्यसि | छोटयिष्यथः | छोटयिष्यथ |
| | छोटयिष्यामि | छोटयिष्यावः | छोटयिष्यामः |
| क्रि० | अच्छोटयिष्यत् | अच्छोटयिष्यताम् | अच्छोटयिष्यन् |
| | अच्छोटयिष्यः | अच्छोटयिष्यतम् | अच्छोटयिष्यत |
| | अच्छोटयिष्यम् | अच्छोटयिष्याव | अच्छोटयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | छोटयते | छोटयेते | छोटयन्ते |
| | छोटयसे | छोटयेथे | छोटयन्थे |
| | छोटये | छोटयावहे | छोटयामहे |
| स० | छोटयेत | छोटयेयाताम् | छोटयेरन् |
| | छोटयेथाः | छोटयेयाथाम् | छोटयेष्वम् |
| | छोटयेय | छोटयेवहि | छोटयेमहि |
| प० | छोटयताम् | छोटयेताम् | छोटयन्ताम् |
| | छोटयस्व | छोटयेथाम् | छोटयन्थम् |
| | छोटये | छोटयावहे | छोटयामहे |
| ह्य० | अच्छोटयत | अच्छोटयेताम् | अच्छोटयन्त |
| | अच्छोटयथाः | अच्छोटयेथाम् | अच्छोटयन्थम् |
| | अच्छोटये | अच्छोटयावहि | अच्छोटयामहि |
| अ० | अचुच्छुटत | अचुच्छुटेताम् | अचुच्छुटन्त |
| | अचुच्छुटथाः | अचुच्छुटेथाम् | अचुच्छुटन्थम् |
| | अचुच्छुटे | अचुच्छुटावहि | अचुच्छुटामहि |
| प० | छोटयाञ्चके | छोटयाञ्चकाते | छोटयाञ्चकिरे |
| | छोटयाञ्चकृपे | छोटयाञ्चक्राथे | छोटयाञ्चकृद्वे |
| | छोटयाञ्चके | छोटयाञ्चकृवहे | छोटयाञ्चकृमहे |
| | छोटयाम्भूव | । | छोटयामास |
| आ० | छोटयिषीष्ट | छोटयिषीयास्ताम् | छोटयिषीरन् |
| | छोटयिषीष्ठाः | छोटयिषीयास्थाम् | छोटयिषीद्वम् |
| | | | ष्वम् |
| | छोटयिषीय | छोटयिषीवहि | छोटयिषीमहि |
| अ० | छोटयिता | छोटयितारो | छोटयितारः |
| | छोटयितासे | छोटयितासाथे | छोटयितास्थे |
| | छोटयिताहे | छोटयितास्वहे | छोटयितास्महे |
| अ० | छोटयिष्यते | छोटयिष्येते | छोटयिष्यन्त |
| | छोटयिष्यसे | छोटयिष्येथे | छोटयिष्यन्थे |
| | छोटयिष्ये | छोटयिष्यावहे | छोटयिष्यामहे |
| क्रि० | अच्छोटयिष्यत | अच्छोटयिष्यताम् | अच्छोटयिष्यन्त |
| | अच्छोटयिष्यथाः | अच्छोटयिष्येथाम् | अच्छोटयिष्यन्थम् |
| | अच्छोटयिष्ये | अच्छोटयिष्यावहि | अच्छोटयिष्यामहि |

1437 वुट् (वुट्) डेदने ।

| | | | |
|-------|----------------|---------------|--------------|
| व० | वोटयति | वोटयतः | वोटयन्ति |
| | वोटयसि | वोटयथः | वोटयथ |
| | वोटयामि | वोटयावः | वोटयामः |
| स० | वोटयेत् | वोटयेताम् | वोटयेयुः |
| | वोटयेः | वोटयेतम् | वोटयेत |
| | वोटयेथम् | वोटयेव | वोटयेम |
| प० | वोटयतु | वोटयतात् | वोटयताम् |
| | वोटय | वोटयतात् | वोटयतम् |
| | वोटयानि | वोटयाव | वोटयाम |
| ह्य० | अवोटयत् | अवोटयताम् | अवोटयन् |
| | अवोटयः | अवोटयतम् | अवोटयत |
| | अवोटयम् | अवोटयाव | अवोटयाम |
| अ० | अवुटयत् | अवुटयताम् | अवुटयन् |
| | अवुटयः | अवुटयतम् | अवुटयत |
| | अवुटयम् | अवुटयाव | अवुटयाम |
| प० | वोटयश्चकार | वोटयश्चक्रुः | वोटयश्चकुः |
| | वोटयश्चकथं | वोटयश्चक्रुः | वोटयश्चक |
| | वोटयश्चकार-चकर | वोटयश्चक्रुव | वोटयश्चक्रम |
| | वोटयाम्बभूव | वोटयामास | |
| आ० | वोटयात् | वोटयास्ताम् | वोटयासुः |
| | वोटयाः | वोटयास्तम् | वोटयास्त |
| | वोटयासम् | वोटयास्व | वोटयास्म |
| श्व० | वोटयिता | वोटयितारौ | वोटयितारः |
| | वोटयितासि | वोटयितास्थः | वोटयितास्थ |
| | वोटयितास्मि | वोटयितास्वः | वोटयितास्मः |
| भ० | वोटयिष्यति | वोटयिष्यतः | वोटयिष्यन्ति |
| | वोटयिष्यसि | वोटयिष्यथः | वोटयिष्यथ |
| | वोटयिष्यामि | वोटयिष्यावः | वोटयिष्यामः |
| क्रि० | अवोटयिष्यत् | अवोटयिष्यताम् | अवोटयिष्यन् |
| | अवोटयिष्यः | अवोटयिष्यतम् | अवोटयिष्यत |
| | अवोटयिष्यम् | अवोटयिष्याव | अवोटयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | वोटयते | वोटयेते | वोटयन्ते |
| | वोटयसे | वोटयेथे | वोटयध्वे |
| | वोटये | वोटयावहे | वोटयामहे |
| स० | वोटयेत | वोटयेयाताम् | वोटयेरन् |
| | वोटयेथाः | वोटयेयाथाम् | वोटयेध्वम् |
| | वोटयेय | वोटयेवहि | वोटयेमहि |
| प० | वोटयताम् | वोटयेताम् | वोटयन्ताम् |
| | वोटयस्व | वोटयेथाम् | वोटयध्वम् |
| | वोटये | वोटयावहे | वोटयामहे |
| ह्य० | अवोटयत | अवोटयेताम् | अवोटयन्त |
| | अवोटयथाः | अवोटयेथाम् | अवोटयध्वम् |
| | अवोटये | अवोटयावहि | अवोटयामहि |
| अ० | अवुटयत | अवुटयेताम् | अवुटयन्त |
| | अवुटयथाः | अवुटयेथाम् | अवुटयध्वम् |
| | अवुटये | अवुटयावहि | अवुटयामहि |
| प० | वोटयाश्चक्रे | वोटयाश्चक्रांते | वोटयाश्चक्रिरे |
| | वोटयाश्चक्रुषे | वोटयाश्चक्राथे | वोटयाश्चक्रुद्वे |
| | वोटयाश्चक्रे | वोटयाश्चक्रुवहे | वोटयाश्चक्रमहे |
| | वोटयाम्बभूव | वोटयामास | |
| आ० | वोटयिषीष्ट | वोटयिषीयास्ताम् | वोटयिषीरन् |
| | वोटयिषीष्टाः | वोटयिषीयास्थाम् | वोटयिषीध्वम् |
| | वोटयिषीय | वोटयिषीवहि | वोटयिषीमहि |
| श्व० | वोटयिता | वोटयितारौ | वोटयितारः |
| | वोटयितासे | वोटयितासाथे | वोटयिताध्वे |
| | वोटयिताहे | वोटयितास्वहे | वोटयितास्महे |
| भ० | वोटयिष्यते | वोटयिष्येते | वोटयिष्यन्ते |
| | वोटयिष्यसे | वोटयिष्येथे | वोटयिष्यध्वे |
| | वोटयिष्ये | वोटयिष्यावहे | वोटयिष्यामहे |
| क्रि० | अवोटयिष्यत् | अवोटयिष्येताम् | अवोटयिष्यन्तः |
| | अवोटयिष्यथाः | अवोटयिष्येथाम् | अवोटयिष्यध्वम् |
| | अवोटयिष्ये | अवोटयिष्यावहि | अवोटयिष्यामहि |

1438 तुट् (तुट्) कलःकर्मणि ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | तोडयति | तोडयतः | तोडयन्ति |
| | तोडयसि | तोडयथः | तोडयथ |
| | तोडयामि | तोडयावः | तोडयामः |
| स० | तोडयेत् | तोडयेताम् | तोडयेयुः |
| | तोडयेः | तोडयेतम् | तोडयेत |
| | तोडयेयम् | तोडयेव | तोडयेम |
| प० | तोडयतु | तोडयतात् | तोडयन्तु |
| | तोडय | तोडयतात् | तोडयतम् |
| | तोडयानि | तोडयाव | तोडयाम |
| ह्य० | अतोडयत् | अतोडयताम् | अतोडयन् |
| | अतोडयः | अतोडयतम् | अतोडयत |
| | अतोडयम् | अतोडयाव | अतोडयाम |
| अ० | अतूटुट् | अतूटुटताम् | अतूटुटन् |
| | अतूटुटः | अतूटुटतम् | अतूटुटत |
| | अतूटुटम् | अतूटुटाव | अतूटुटाम |
| प० | तोडयाञ्चकार | तोडयाञ्चकतुः | तोडयाञ्चकुः |
| | तोडयाञ्चकथे | तोडयाञ्चकथुः | तोडयाञ्चक |
| | तोडयाञ्चकार-चकर | तोडयाञ्चकृव | तोडयाञ्चकृम |
| | तोडयाञ्चकृव | । | तोडय मास |
| आ० | तोडयात् | तोडयास्ताम् | तोडयासुः |
| | तोडयाः | तोडयास्तम् | तोडयास्त |
| | तोडयासम् | तोडयासव | तोडयासम् |
| श्व० | तोडयिता | तोडयितारो | तोडयितारः |
| | तोडयितामि | तोडयितस्थः | तोडयितास्थ |
| | तोडयितास्मि | तोडयितास्वः | तोडयितास्मः |
| भ० | तोडयिष्यति | तोडयिष्यतः | तोडयिष्यन्ति |
| | तोडयि यमि | तोडयिष्यथः | तोडयिष्यथ |
| | तोडयिष्यामि | तोडयिष्यावः | तोडयिष्यामः |
| क्रि० | अतोडयिष्यत् | अतोडयिष्यताम् | अतोडयिष्यन् |
| | अतोडयिष्यः | अतोडयिष्यतम् | अतोडयिष्यत |
| | अतोडयिष्यम् | अतोडयिष्याव | अतोडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|-----------------|
| व० | तोडयते | तोडयेते | तोडयन्ते |
| | तोडयसे | तोडयेथे | तोडयन्ते |
| | तोडये | तोडयावहे | तोडयामहे |
| स० | तोडयत | तोडयेयाताम् | तोडयेरन् |
| | तोडयेथाः | तोडयेयाथाम् | तोडयेध्वम् |
| | तोडयेय | तोडयेवहि | तोडयेमहि |
| प० | तोडयताम् | तोडयेताम् | तोडयन्ताम् |
| | तोडयस्व | तोडयेथाम् | तोडयन्स्वम् |
| | तोडये | तोडयावहे | तोडयमहे |
| ह्य० | अतोडयत | अतोडयेताम् | अतोडयन्त |
| | अतोडयथाः | अतोडयेथाम् | अतोडयध्वम् |
| | अतोडये | अतोडयावहि | अतोडयामहि |
| अ० | अतूटुटत | अतूटुटेताम् | अतूटुटन्त |
| | अतूटुटथाः | अतूटुटेथाम् | अतूटुटध्वम् |
| | अतूटुटे | अतूटुटावहि | अतूटुटामहि |
| प० | तोडयाञ्चके | तोडयाञ्चकते | तोडयाञ्चकिरे |
| | तोडयाञ्चकृषे | तोडयाञ्चकृथे | तोडयाञ्चकृद्वे |
| | तोडयाञ्चके | तोडयाञ्चकृवहे | तोडयाञ्चकृद्वहे |
| | तोडयाम्बभूव | । | तोडयामास |
| आ० | तोडयिषीष्ट | तोडयिषीयास्ताम् | तोडयिषीरन् |
| | तोडयिषीष्टाः | तोडयिषीयास्थाम् | तोडयिषीद्वन् |
| | | | ध्वम् |
| | तोडयिषीय | तोडयिषीवहि | तोडयिषीमहि |
| श्व० | तोडयिता | तोडयितारो | तोडयितारः |
| | तोडयितासे | तोडयितासाथे | तोडयिताध्वे |
| | तोडयिताहे | तोडयितास्वहे | तोडयितास्महे |
| भ० | तोडयिष्यते | तोडयिष्येते | तोडयिष्यन्ते |
| | तोडयिष्यसे | तोडयिष्येथे | तोडयिष्यध्वे |
| | तोडयिष्ये | तोडयिष्यावहे | तोडयिष्यामहे |
| क्रि० | अतोडयिष्यत | अतोडयिष्यताम् | अतोडयिष्यन्त |
| | अतोडयिष्यथाः | अतोडयिष्येथाम् | अतोडयिष्यध्वम् |
| | अतोडयिष्ये | अतोडयिष्यावहि | अतोडयिष्यामहि |

1439 मुट् (मुट्) आक्षेपप्रमर्दनयोः । 202 मुटवद्रूपाणि
1440 स्फुट् (स्फुट्) विकसने । 209 स्फुट्टवद्रूपाणि

1441 पुटत् (पुट्) संश्लेषणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | पोटयति | पोटयतः | पोटयन्ति |
| | पोटयसि | पोटयथ | पोटयथ |
| | पोटयामि | पोटयाव | पोटयामः |
| स० | पोटयेत् | पोटयेताम् | पोटयेयुः |
| | पोटयेः | पोटयेतम् | पोटयेत |
| | पोटयेयम् | पोटयेव | पोटयेम |
| प० | पोटयतु | पोटयतात् | पोटयताम् |
| | पोटय | पोटयतात् | पोटयतम् |
| | पोटयानि | पोटयाव | पोटयाम |
| ह्य० | अपोटयत् | अपोटयताम् | अपोटयन् |
| | अपोटयः | अपोटयतम् | अपोटयत |
| | अपोटयम् | अपोटयाव | अपोटयाम |
| अ० | अपूपुटत् | अपूपुटताम् | अपूपुटन् |
| | अपूपुटः | अपूपुटतम् | अपूपुटत |
| | अपूपुटम् | अपूपुटाव | अपूपुटाम |
| प० | पोटयाञ्चकार | पोटयाञ्चकतुः | पोटयाञ्चकुः |
| | पोटयाञ्चकथं | पोटयाञ्चकथुः | पोटयाञ्चक |
| | पोटयाञ्चकार-चकर | पोटयाञ्चकृव | पोटयाञ्चकृम |
| | पोटयाम्बभूव | । | पोटयामास |
| आ० | पोटयात् | पोटयास्ताम् | पोटयास्तु |
| | पोटयाः | पोटयास्तम् | पोटयास्त |
| | पोटयासम् | पोटयास्व | पोटयास्म |
| श्व० | पोटयिता | पोटयितारौ | पोटयितारः |
| | पोटयितासि | पोटयितास्थः | पोटयितास्थ |
| | पोटयितास्मि | पोटयितास्वः | पोटयितास्मः |
| भ० | पोटयिष्यति | पोटयिष्यतः | पोटयिष्यन्ति |
| | पोटयिष्यसि | पोटयिष्यथः | पोटयिष्यथ |
| | पोटयिष्यामि | पोटयिष्यावः | पोटयिष्यामः |
| क्रि० | अपोटयिष्यत् | अपोटयिष्यताम् | अपोटयिष्यन् |
| | अपोटयिष्यः | अपोटयिष्यतम् | अपोटयिष्यत |
| | अपोटयिष्यम् | अपोटयिष्याव | अपोटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|--------------------|
| ब० | पोटयते | पोटयेते | पोटयन्ते |
| | पोटयसे | पोटयेथे | पोटयध्वे |
| | पोटये | पोटयावहे | पोटयामहे |
| स० | पोटयेत | पोटयेयाताम् | पोटयेरन् |
| | पोटयेथाः | पोटयेयाथाम् | पोटयेयेध्वम् |
| | पोटयेय | पोटयेवहि | पोटयेमहि |
| प० | पोटयताम् | पोटयेताम् | पोटयन्ताम् |
| | पोटयस्व | पोटयेथाम् | पोटयध्वम् |
| | पोटये | पोटयावहे | पोटयामहे |
| ह्य० | अपोटयत | अपोटयेताम् | अपोटयन्त |
| | अपोटयथाः | अपोटयेथाम् | अपोटयध्वम् |
| | अपोटये | कपोटयावहि | अपोटयामहि |
| अ० | अपूपुटत | अपूपुटेताम् | अपूपुटन्त |
| | अपूपुटथाः | अपूपुटेथाम् | अपूपुटध्वम् |
| | अपूपुटे | अपूपुटावहि | अपूपुटामहि |
| प० | पोटयाञ्चके | पोटयाञ्चकते | पोटयाञ्चकिरे |
| | पोटयाञ्चकृषे | पोटयाञ्चकृषे | पोटयाञ्चकृद्वे |
| | पोटयाञ्चके | पोटयाञ्चकृवहे | पोटयाञ्चकृमहे |
| | पोटयाम्बभूव | । | पोटयामास |
| आ० | पोटयिषीष्ट | पोटयिषीयस्ताम् | पोटयिषीरन् |
| | पोटयिषीष्ठाः | पोटयिषीयास्थाम् | पोटयिषीद्व १ ध्वम् |
| | पोटयिषीय | पोटयिषीवहि | पोटयिषीमहि |
| श्व० | पोटयिता | पोटयितारौ | पोटयितारः |
| | पोटयितासे | पोटयितासाथे | पोटयिताध्वे |
| | पोटयिताहे | पोटयितास्वहे | पोटयितास्महे |
| भ० | पोटयिष्यते | पोटयिष्येते | पोटयिष्यन्ते |
| | पोटयिष्यसे | पोटयिष्येथे | पोटयिष्यध्वे |
| | पोटयिष्ये | पोटयिष्यावहे | पोटयिष्यामहे |
| क्रि० | अपोटयिष्यत | अपोटयिष्येताम् | अपोटयिष्यन्त |
| | अपोटयिष्यथाः | अपोटयिष्येथाम् | अपोटयिष्यध्वम् |
| | अपोटयिष्ये | अपोटयिष्यावहि | अपोटयिष्यामहि |

1443 कृडत् (कृड्) घसने ।

| | | |
|-------------------|----------------|--------------|
| व० कर्डयति | कर्डयतः | कर्डयन्ति |
| कर्डयसि | कर्डयथः | कर्डयथ |
| कर्डयामि | कर्डयावः | कर्डयामः |
| स० कर्डयेत् | कर्डयेताम् | कर्डयेयुः |
| कर्डयेः | कर्डयेतम् | कर्डयेत |
| कर्डयेयम् | कर्डयेव | कर्डयेम |
| प० कर्डयतु | कर्डयतात् | कर्डयताम् |
| कर्डय | कर्डयतात् | कर्डयतम् |
| कर्डयानि | कर्डयाव | कर्डयाम |
| ह्य० अकर्डयत् | अकर्डयताम् | अकर्डयन् |
| अकर्डयः | अकर्डयतम् | अकर्डयत |
| अकर्डयम् | अकर्डयाव | अकर्डयाम |
| अ० अचीकृडत् | अचीकृडताम् | अचीकृडन् |
| अचीकृडः | अचीकृडतम् | अचीकृडत |
| अचीकृडम् | अचीकृडाव | अचीकृडाम |
| अचकर्डत् | अचकर्डताम् | अचकर्डन् इ० |
| प० कर्डयाञ्चकार | कर्डयाञ्चकतुः | कर्डयाञ्चकुः |
| कर्डयाञ्चकथं | कर्डयाञ्चकथुः | कर्डयाञ्चक |
| कर्डयाञ्चकार-चकर | कर्डयाञ्चकृव | कर्डयाञ्चकृम |
| कर्डयाम्बभूव | कर्डयामास | |
| आ० कर्डयात् | कर्डयास्ताम् | कर्डयासुः |
| कर्डयाः | कर्डयास्तम् | कर्डयास्त |
| कर्डयासम् | कर्डयास्व | कर्डयास्म |
| श्र० कर्डयिता | कर्डयितारौ | कर्डयितारः |
| कर्डयितासि | कर्डयितास्थः | कर्डयितास्थ |
| कर्डयितास्मि | कर्डयितास्वः | कर्डयितास्मः |
| भ० कर्डयिष्यति | कर्डयिष्यतः | कर्डयिष्यन्त |
| कर्डयिष्यसि | कर्डयिष्यथ | कर्डयिष्यथ |
| कर्डयिष्यामि | कर्डयिष्यावः | कर्डयिष्यामः |
| क्रि० अकर्डयिष्यत | अकर्डयिष्यताम् | अकर्डयिष्यन् |
| अकर्डयिष्यः | अकर्डयिष्यतम् | अकर्डयिष्यत |
| अकर्डयिष्यम् | अकर्डयिष्यव | अकर्डयिष्याम |

भक्षणार्थे-आत्मनेपदं न भवति,

अन्यत्रार्थतु-

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० कर्डयते | कर्डयते | कर्डयन्ते |
| कर्डयसे | कर्डयथे | कर्डयध्वे |
| कर्डये | कर्डयावहे | कर्डयामहे |
| स० कर्डयेत | कर्डयेयाताम् | कर्डयरन् |
| कर्डयेथाः | कर्डयेयाथाम् | कर्डयेध्वम् |
| कर्डयेय | कर्डयेवहि | कर्डयेमहि |
| प० कर्डयताम् | कर्डयताम् | कर्डयन्ताम् |
| कर्डयस्व | कर्डयेथाम् | कर्डयध्वम् |
| कर्डये | कर्डयावहे | कर्डयामहे |
| ह्य० अकर्डयत | अकर्डयताम् | अकर्डयन्त |
| अकर्डयथाः | अकर्डयथाम् | अकर्डयध्वम् |
| अकर्डये | अकर्डयावहि | अकर्डयामहि |
| अ० अचीकृडत | अचीकृडेताम् | अचीकृडन्त |
| अचीकृडथाः | अचीकृडेथाम् | अचीकृडध्वम् |
| अचीकृडे | अचीकृडावहि | अचीकृडामहि |
| अचकर्डत | अचकर्डेताम् | अचकर्डन् इ० |
| प० कर्डयाञ्चके | कर्डयाञ्चकाते | कर्डयाञ्चकिरे |
| कर्डयाञ्चकृषे | कर्डयाञ्चकाथे | कर्डयाञ्चकृध्वे |
| कर्डयाञ्चके | कर्डयाञ्चकृवहे | कर्डयाञ्चकृमहे |
| कर्डयाम्बभूव | कर्डयामास | |
| आ० कर्डयिषीष्ट | कर्डयिषीयास्ताम् | कर्डयिषीरन् |
| कर्डयिषीष्टाः | कर्डयिषीयास्थाम् | कर्डयिषीध्वम् |
| कर्डयिषीय | कर्डयिषीवहि | कर्डयिषीमहि |
| श्र० कर्डयिता | कर्डयितारौ | कर्डयितारः |
| कर्डयितासे | कर्डयितासाथे | कर्डयिताध्वे |
| कर्डयिताहे | कर्डयितास्वहे | कर्डयितास्महे |
| भ० कर्डयिष्यते | कर्डयिष्येते | कर्डयिष्यन्ते |
| कर्डयिष्यसे | कर्डयिष्यथे | कर्डयिष्यध्वे |
| कर्डयिष्ये | कर्डयिष्यावहे | कर्डयिष्यामहे |
| क्रि० अकर्डयिष्यत | अकर्डयिष्यताम् | अकर्डयिष्यन्त |
| अकर्डयिष्यथाः | अकर्डयिष्यथाम् | अकर्डयिष्यध्वम् |
| अकर्डयिष्ये | अकर्डयिष्यावहि | अकर्डयिष्यामहि |

1444 कुडत् (कुड्) वाल्ये च

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० कोडयति | कोडयतः | कोडयन्ति |
| कोडयसि | कोडयथः | कोडयथ |
| कोडयामि | कोडयावः | कोडयामः |
| स० कोडयेत् | कोडयेताम् | कोडयेयुः |
| कोडयेः | कोडयेतम् | कोडयेत |
| कोडयेयम् | कोडयेव | कोडयेम |
| ५० कोडयतु | कोडयतात् | कोडयताम् |
| कोडय | कोडयतात् | कोडयतम् |
| कोडयानि | कोडयाव | कोडयाम |
| ५० अकोडयत् | अकोडयताम् | अकोडयन् |
| अकोडयः | अकोडयतम् | अकोडयत |
| अकोडयम् | अकोडयाव | अकोडयाम |
| अ० अचूकुडत् | अचूकुडताम् | अचूकुडन् |
| अचूकुडः | अचूकुडतम् | अचूकुडत |
| अचूकुडम् | अचूकुडाव | अचूकुडाम |
| ५० कोडयाञ्चकार | कोडयाञ्चकतुः | कोडयाञ्चकुः |
| कोडयाञ्चकथं | कोडयाञ्चकथुः | कोडयाञ्चक |
| कोडयाञ्चकार-चकर | कोडयाञ्चकृव | कोडयाञ्चकृम |
| कोडयाम्बभूव | । | कोडयामास |
| ५० कोडयात् | कोडयास्ताम् | कोडयासुः |
| कोडयाः | कोडयास्तम् | कोडयास्त |
| कोडयासम् | कोडयास्व | कोडयासम |
| ५० कोडयिता | कोडयितारौ | कोडयितारः |
| कोडयितासि | कोडयितास्थः | कोडयितास्थ |
| कोडयितास्मि | कोडयितास्वः | कोडयितास्मः |
| अ० कोडयिष्यति | कोडयिष्यतः | कोडयिष्यन्ति |
| कोडयिष्यसि | कोडयिष्यथः | कोडयिष्यथ |
| कोडयिष्यामि | कोडयिष्यावः | कोडयिष्यामः |
| क्रि० अकोडयिष्यत् | अकोडयिष्यताम् | अकोडयिष्यन् |
| अकोडयिष्यः | अकोडयिष्यतम् | अकोडयिष्यत |
| अकोडयिष्यम् | अकोडयिष्याव | अकोडयिष्याम |

| | | |
|-------------------|----------------|-----------------|
| व० कोडयते | कोडयेते | कोडयन्ते |
| कोडयसे | कोडयेथे | कोडयध्वे |
| कोडये | कोडयावहे | कोडयामहे |
| स० कोडयेत | कोडयेयाताम् | कोडयेरन् |
| कोडयेथाः | कोडयेयाथाम् | कोडयेध्वम् |
| कोडयेय | कोडयेवहि | कोडयेमहि |
| ५० कोडयताम् | कोडयेताम् | कोडयन्ताम् |
| कोडयस्व | कोडयेथाम् | कोडयध्वम् |
| कोडये | कोडयावहे | कोडयामहे |
| ५० अकोडयत | अकोडयेताम् | अकोडयन्त |
| अकोडयथाः | अकोडयेथाम् | अकोडयध्वम् |
| अकोडये | अकोडयावहि | अकोडयामहि |
| अ० अचूकुडत | अचूकुडताम् | अचूकुडन्त |
| अचूकुडथाः | अचूकुडथाम् | अचूकुडध्वम् |
| अचूकुडे | अचूकुडावहि | अचूकुडामहि |
| ५० कोडयाञ्चके | कोडयाञ्चकात् | कोडयाञ्चक्रे |
| कोडयाञ्चके | कोडयाञ्चकाथे | कोडयाञ्चकृत्वे |
| कोडयाञ्चके | कोडयाञ्चकृहे | कोडयाञ्चकृमहे |
| कोडयाम्बभूव | । | कोडयामास |
| अ० कोडयिषीष्ट | कोडयिषीष्टताम् | कोडयिषीष्टन् |
| कोडयिषीष्टाः | कोडयिषीष्टथाम् | कोडयिषीष्टध्वम् |
| कोडयिषीय | कोडयिषीवहि | कोडयिषीमहि |
| ५० कोडयिता | कोडयितारौ | कोडयितारः |
| कोडयितासे | कोडयितास्थे | कोडयिताध्वे |
| कोडयिताहे | कोडयितास्वहे | कोडयितास्महे |
| अ० कोडयिष्यते | कोडयिष्येते | कोडयिष्यन्ते |
| कोडयिष्यसे | कोडयिष्येथे | कोडयिष्यध्वे |
| कोडयिष्ये | कोडयिष्यवहे | कोडयिष्यामहे |
| क्रि० अकोडयिष्यत् | अकोडयिष्येताम् | अकोडयिष्यन्त |
| अकोडयिष्यथाः | अकोडयिष्येथाम् | अकोडयिष्यध्वम् |
| अकोडयिष्ये | अकोडयिष्यवहि | अकोडयिष्यामहि |

1445 गुडत् (गुड्) रक्षायाम् ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | गोडयति | गोडयतः | गोडयन्ति |
| | गोडयसि | गोडयथः | गोडयथ |
| | गोडयामि | गोडयावः | गोडयामः |
| स० | गोडयेत् | गोडयेताम् | गोडयेयुः |
| | गोडयेः | गोडयेतम् | गोडयेत |
| | गोडयेयम् | गोडयेव | गोडयेम |
| प० | गोडयतु | गोडयतात् | गोडयताम् |
| | गोडय | गोडयतात् | गोडयतम् |
| | गोडयानि | गोडयाव | गोडयाम |
| ल० | अगोडयत् | अगोडयताम् | अगोडयन् |
| | अगोडयः | अगोडयतम् | अगोडयत |
| | अगोडयम् | अगोडयाव | अगोडयाम |
| अ० | अज्गुडत् | अज्गुडताम् | अज्गुडन् |
| | अज्गुडः | अज्गुडतम् | अज्गुडत |
| | अज्गुडम् | अज्गुडाव | अज्गुडाम |
| प० | गोडयाश्चकार | गोडयाश्चक्रुः | गोडयाश्चक्रुः |
| | गोडयाश्चक्रथे | गोडयाश्चक्रथुः | गोडयाश्चक्रन् |
| | गोडयाश्चकार-चक्र | गोडयाश्चक्रव | गोडयाश्चक्रम् |
| | गोडयाम्बभूव | गोडयामास | |
| आ० | गोडयात् | गोडयास्ताम् | गोडयासुः |
| | गोडयाः | गोडयास्तम् | गोडयास्त |
| | गोडयासम् | गोडयास्व | गोडयास्म |
| श्र० | गोडयिता | गोडयितारौ | गोडयितारः |
| | गोडयितासि | गोडयितास्थः | गोडयितास्थ |
| | गोडयितास्मि | गोडयितास्व | गोडयितास्मः |
| भ० | गोडयिष्यति | गोडयिष्यतः | गोडयिष्यन्ति |
| | गोडयिष्यसि | गोडयिष्यथः | गोडयिष्यथ |
| | गोडयिष्यामि | गोडयिष्यावः | गोडयिष्यामः |
| क्रि० | अगोडयिष्यत् | अगोडयिष्यताम् | अगोडयिष्यन् |
| | अगोडयिष्यः | अगोडयिष्यतम् | अगोडयिष्यत |
| | अगोडयिष्यम् | अगोडयिष्याव | अगोडयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| व० | गोडयते | गोडयेते | गोडयन्ते |
| | गोडयसे | गोडयेथे | गोडयन्थे |
| | गोडये | गोडयावहे | गोडयामहे |
| स० | गोडयेत | गोडयेयाताम् | गोडयेरन् |
| | गोडयेथाः | गोडयेयाथाम् | गोडयेध्वम् |
| | गोडयेय | गोडयेवहि | गोडयेमहि |
| प० | गोडयताम् | गोडयेताम् | गोडयन्तम् |
| | गोडयस्व | गोडयेथाम् | गोडयध्वम् |
| | गोडयै | गोडयावहे | गोडयामहे |
| ल० | अगोडयत | अगोडयेताम् | अगोडयन्त |
| | अगोडयथाः | अगोडयेथाम् | अगोडयध्वम् |
| | अगोडये | अगोडयावहि | अगोडयामहि |
| अ० | अज्गुडत् | अज्गुडेताम् | अज्गुडन्त |
| | अज्गुडथाः | अज्गुडेथाम् | अज्गुडध्वम् |
| | अज्गुडे | अज्गुडावहि | अज्गुडामहि |
| प० | गोडयाश्चक्रे | गोडयाश्चक्रन्ते | गोडयाश्चक्रिरे |
| | गोडयाश्चक्रथे | गोडयाश्चक्रथे | गोडयाश्चक्रध्वे |
| | गोडयाश्चक्रे | गोडयाश्चक्रवहे | गोडयाश्चक्रमहे |
| | गोडयाम्बभूव | गोडयामास | |
| आ० | गोडयिषीष्ट | गोडयिषीयास्ताम् | गोडयिषीरन् |
| | गोडयिषीष्टाः | गोडयिषीयास्थाम् | गोडयिषीध्वम् |
| | गोडयिषीय | गोडयिषीवहि | गोडयिषीमहि |
| श्र० | गोडयिता | गोडयितारौ | गोडयितारः |
| | गोडयितासे | गोडयितास्थे | गोडयितास्थे |
| | गोडयिताहे | गोडयितास्वहे | गोडयितास्महे |
| भ० | गोडयिष्यते | गोडयिष्येते | गोडयिष्यन्ते |
| | गोडयिष्यसे | गोडयिष्येथे | गोडयिष्यन्थे |
| | गोडयिष्ये | गोडयिष्यावहे | गोडयिष्यामहे |
| क्रि० | अगोडयिष्यत | अगोडयिष्येताम् | अगोडयिष्यन्त |
| | अगोडयिष्यथाः | अगोडयिष्येथाम् | अगोडयिष्यध्वम् |
| | अगोडयिष्ये | अगोडयिष्यावहि | अगोडयिष्यामहि |

1446 जुडत् (जुड्) बन्धे । 1356 जुडत्बद्धाणि

1447 तुडत् (तुड) तोडने ।

| | | |
|-----------------------------|---------------|---------------|
| ब० तोडयति | तोडयतः | तोडयन्ति |
| तोडयसि | तोडयथः | तोडयथ |
| तोडयामि | तोडयावः | तोडयामः |
| स० तोडयन् | तोडयेताम् | तोडयेयुः |
| तोडयेः | तोडयेतम् | तोडयेत |
| तोडयेयम् | तोडयेव | तोडयेम |
| प० तोडयतु तोडयतात् तोडयताम् | तोडयन्तु | तोडयन्तु |
| तोडय तोडयतात् तोडयतम् | तोडयत | तोडयत |
| तोडयानि | तोडयाव | तोडयाम |
| अतोडयत् | अतोडयताम् | अतोडयन् |
| अतोडयः | अतोडयतम् | अतोडयत |
| अतोडयम् | अतोडयाव | अतोडयाम |
| ० अतुडत् | अतुडताम् | अतुडन् |
| अतुडः | अतुडतम् | अतुडत |
| अतुडम् | अतुडाव | अतुडाम |
| प० तोडयाश्चकार | तोडयाश्चक्रुः | तोडयाश्चक्रुः |
| तोडयाश्चकथं | तोडयाश्चक्रुः | तोडयाश्चक्रुः |
| तोडयाश्चकार-चक्र | तोडयाश्चक्रुः | तोडयाश्चक्रुः |
| तोडयाम्भूत् | । | तोडयामास |
| आ० तोडयात् | तोडयास्ताम् | तोडयासुः |
| तोडयाः | तोडयास्तम् | तोडयास्त |
| तोडयासम् | तोडयास्व | तोडयास्म |
| श्र० तोडयिता | तोडयितारौ | तोडयितारः |
| तोडयितासि | तोडयितास्थः | तोडयितास्थ |
| तोडयितास्मि | तोडयितास्व | तोडयितास्मः |
| भ० तोडयिष्यति | तोडयिष्यतः | तोडयिष्यन्ति |
| तोडयिष्यसि | तोडयिष्यथः | तोडयिष्यथ |
| तोडयिष्यामि | तोडयिष्यावः | तोडयिष्यामः |
| क्रि० अतोडयिष्यत् | अतोडयिष्यताम् | अतोडयिष्यन् |
| अतोडयिष्यः | अतोडयिष्यतम् | अतोडयिष्यत |
| अतोडयिष्यम् | अतोडयिष्याव | अतोडयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| ब० तोडयते | तोडयेंते | तोडयन्ते |
| तोडयसे | तोडयेथे | तोडयध्वे |
| तोडये | तोडयावहे | तोडयामहे |
| स० तोडयेत | तोडयेयाताम् | तोडयेरन् |
| तोडयेथाः | तोडयेयथाम् | तोडयेध्वम् |
| तोडयेथ | तोडयेवहि | तोडयेमहि |
| प० तोडयताम् | तोडयेताम् | तोडयन्ताम् |
| तोडयस्व | तोडयेथाम् | तोडयध्वम् |
| तोडये | तोडयावहे | तोडयामहे |
| छ० अतोडयत | अतोडयेताम् | अतोडयन्त |
| अतोडयथाः | अतोडयेथाम् | अतोडयध्वम् |
| अतोडये | अतोडयावहि | अतोडयामहि |
| अ० अतुडत् | अतुडेताम् | अतुडन्त |
| अतुडथाः | अतुडेथाम् | अतुडध्वम् |
| अतुडे | अतुडावहि | अतुडामहि |
| प० तोडयाश्चक्रे | तोडयाश्चक्राते | तोडयाश्चक्रिरे |
| तोडयाश्चक्रुषे | तोडयाश्चक्राथे | तोडयाश्चक्रुवहे |
| तोडयाश्चक्रे | तोडयाश्चक्रुवहे | तोडयाश्चक्रुमहे |
| तोडयाम्भूव | । | तोडयामास |
| आ० तोडयिषीष्ट | तोडयिषीयास्ताम् | तोडयिषीरन् |
| तोडयिषीष्टाः | तोडयिषीयास्थाम् | तोडयिषीध्वम् |
| तोडयिषीय | तोडयिषीवहि | तोडयिषीमहि |
| श्र० तोडयिता | तोडयितारौ | तोडयितारः |
| तोडयितासे | तोडयितासाथे | तोडयिताध्वे |
| तोडयिताहे | तोडयितास्वहे | तोडयितास्महे |
| भ० तोडयिष्यते | तोडयिष्येते | तोडयिष्यन्ते |
| तोडयिष्यसे | तोडयिष्येथे | तोडयिष्यध्वे |
| तोडयिष्ये | तोडयिष्यावहे | तोडयिष्यामहे |
| क्रि० अतोडयिष्यत् | अतोडयिष्यताम् | अतोडयिष्यन्त |
| अतोडयिष्यथाः | अतोडयिष्येथाम् | अतोडयिष्यध्वम् |
| अतोडयिष्ये | अतोडयिष्यावहि | अतोडयिष्यामहि |

1448 लुङ् (लुङ्) संवरणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० लोङयति | लोङयतः | लोङयन्ति |
| लोङयसि | लोङयथः | लोङयथ |
| लोङयामि | लोङयावः | लोङयामः |
| ल० लोङयत् | लोङयताम् | लोङयेयुः |
| लोङयेः | लोङयतम् | लोङयेत |
| लोङयेयम् | लोङयेव | लोङयेम |
| प० लोङयन्तु | लोङयतात् | लोङयताम् |
| लोङय | लोङयतात् | लोङयतम् |
| लोङयानि | लोङयाव | लोङयाम |
| ल० अलोङयत् | अलोङयताम् | अलोङयन् |
| अलोङयः | अलोङयतम् | अलोङयत |
| अलोङयम् | अलोङयाव | अलोङयाम |
| अ० अल्लुङत् | अल्लुङताम् | अल्लुङन् |
| अल्लुङः | अल्लुङतम् | अल्लुङत |
| अल्लुङम् | अल्लुङाव | अल्लुङाम |
| प० लोङयाश्चकर | लोङयाश्चकतुः | लोङयाश्चकुः |
| लोङयाश्चकथे | लोङयाश्चकथुः | लोङयाश्चक |
| लोङयाश्चकार-चक्र | लोङयाश्चकृव | लोङयाश्चकृम |
| लोङयाम्बभूव | लोङयामास | |
| अ० लोङयात् | लोङयास्ताम् | लोङयासुः |
| लोङयाः | लोङयास्तम् | लोङयास्त |
| लोङयासम् | लोङयास्व | लोङयास्म |
| प० लोङयिता | लोङयितारो | लोङयितारः |
| लोङयितासि | लोङयितास्यः | लोङयितास्थ |
| लोङयितास्मि | लोङयितास्व | लोङयितास्मः |
| अ० लोङयिष्यति | लोङयिष्यतः | लोङयिष्यन्ति |
| लोङयिष्यसि | लोङयिष्यथः | लोङयिष्यथ |
| लोङयिष्यामि | लोङयिष्यावः | लोङयिष्यामः |
| क्रि० अलोङयिष्यत् | अलोङयिष्यताम् | अलोङयिष्यन् |
| अलोङयिष्यः | अलोङयिष्यतम् | अलोङयिष्यत |
| अलोङयिष्यम् | अलोङयिष्याव | अलोङयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० लोङयते | लोङयेते | लोङयन्ते |
| लोङयसे | लोङयेथे | लोङयथे |
| लोङये | लोङयावहे | लोङयामहे |
| स० लोङयेत | लोङयेयाताम् | लोङयेरन् |
| लोङयेथाः | लोङयेयाथाम् | लोङयेष्वम् |
| लोङयेय | लोङयेवहि | लोङयेमहि |
| प० लोङयताम् | लोङयताम् | लोङयन्ताम् |
| लोङयस्व | लोङयेथाम् | लोङयेष्वम् |
| लोङये | लोङयावहे | लोङयामहे |
| ल० अलोङयत् | अलोङयेताम् | अलोङयन्त |
| अलोङयथाः | अलोङयेथाम् | अलोङयेष्वम् |
| अलोङये | अलोङयावहि | अलोङयामहि |
| अ० अल्लुङत् | अल्लुङताम् | अल्लुङन्त |
| अल्लुङथाः | अल्लुङेथाम् | अल्लुङेष्वम् |
| अल्लुङे | अल्लुङावहि | अल्लुङामहि |
| प० लोङयाश्चक्रे | लोङयाश्चकृते | लोङयाश्चकृरे |
| लोङयाश्चकृषे | लोङयाश्चकृथे | लोङयाश्चकृवहे |
| लोङयाश्चक्रे | लोङयाश्चकृवहे | लोङयाश्चकृमहे |
| लोङयाम्बभूव | लोङयामास | |
| अ० लोङयिषीष्ट | लोङयिषीयास्ताम् | लोङयिषीरन् |
| लोङयिषीष्टाः | लोङयिषीयाथाम् | लोङयिषीष्वम् |
| लोङयिषी | लोङयिषीवहि | लोङयिषीमहि |
| श्र० लोङयिता | लोङयितारो | लोङयितारः |
| लोङयितासि | लोङयितासथे | लोङयितास्व |
| लोङयिताहे | लोङयितास्वहे | लोङयितास्महे |
| अ० लोङयिष्यते | लोङयिष्येते | लोङयिष्यन्ते |
| लोङयिष्यसे | लोङयिष्येथे | लोङयिष्यथे |
| लोङयिष्ये | लोङयिष्यावहे | लोङयिष्यामहे |
| क्रि० अलोङयिष्यत् | अलोङयिष्यताम् | अलोङयिष्यन्त |
| अलोङयिष्यथाः | अलोङयिष्येथाम् | अलोङयिष्येष्वम् |
| अलोङयिष्ये | अलोङयिष्यावहि | अलोङयिष्यामहि |

1449 थुडत् (थुड्) संवरणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० थोडयति | थोडयतः | थोडयन्ति |
| थोडयसि | थोडयथः | थोडयथ |
| थोडयामि | थोडयावः | थोडयामः |
| स० थोडयेत् | थोडयेताम् | थोडयेयुः |
| थोडयेः | थोडयेतम् | थोडयेत |
| थोडयेयम् | थोडयेव | थोडयेम |
| ५० थोडयतु | थोडयतात् | थोडयताः |
| थोडय | थोडयतात् | थोडयतम् |
| थोडयानि | थोडयाव | थोडयाम |
| १० अथोडयत् | अथोडयताम् | अथोडयन् |
| अथोडयः | अथोडयतम् | अथोडयत |
| अथोडयम् | अथोडयाव | अथोडयाम |
| अतृथुडत् | अतृथुडताम् | अतृथुडन् |
| अतृथुडः | अतृथुडतम् | अतृथुडत |
| अतृथुडम् | अतृथुडाव | अतृथुडाम |
| १० थोडयाञ्चकार | थोडयाञ्चकतु | थोडयाञ्चकः |
| थोडयाञ्चकर्थ | थोडयाञ्चकथु | थोडयाञ्चक |
| थोडयाञ्चकार-चकर | थोडयाञ्चकुव | थोडयाञ्चकृम |
| थोडयाञ्चभुव | थोडयाञ्चभुव | थोडयाञ्चभुव |
| आ० थोडयात् | थोडयास्ताम् | थोडयासुः |
| थोडयाः | थोडयास्तम् | थोडयास्त |
| थोडयासम् | थोडयास्व | थोडयास्म |
| ५० थोडयिता | थोडयितारौ | थोडयितारः |
| थोडयितामि | थोडयितास्थः | थोडयितास्थ |
| थोडयितास्मि | थोडयितास्वः | थोडयितास्मः |
| म० थोडयिष्यति | थोडयिष्यतः | थोडयिष्यन्ति |
| थोडयिष्यसि | थोडयिष्यथः | थोडयिष्यथ |
| थोडयिष्यामि | थोडयिष्यावः | थोडयिष्यामः |
| क्रि० अथोडयिष्यत् | अथोडयिष्यताम् | अथोडयिष्यन् |
| अथोडयिष्यः | अथोडयिष्यतम् | अथोडयिष्यत |
| अथोडयिष्यम् | अथोडयिष्याव | अथोडयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० थोडयते | थोडयेते | थोडयन्ते |
| थोडयते | थोडयेथे | थोडयन्ते |
| थोडये | थोडयावहे | थोडयामहे |
| म० थोडयेत | थोडयेयाताम् | थोडयेरन् |
| थोडयेथाः | थोडयेयाथाम् | थोडयेय्वम् |
| थोडयेथ | थोडयेवहि | थोडयेमहि |
| १० थोडयताम् | थोडयेताम् | थोडयन्ताम् |
| थोडयस्व | थोडयेथाम् | थोडयवम् |
| थोडयै | थोडयावहे | थोडयामहे |
| ह्य० अथोडयत | अथोडयेताम् | अथोडयन्त |
| अथोडयथाः | अथोडयेथाम् | अथोडयवम् |
| अथोडये | अथोडयावहि | अथोडयामहि |
| अ० अतृथुडत | अतृथुडेताम् | अतृथुडन्त |
| अतृथुडथाः | अतृथुडेथाम् | अतृथुडवम् |
| अतृथुडे | अतृथुडावहि | अतृथुडामहि |
| ५० थोडयाञ्चके | थोडयाञ्चकाते | थोडयाञ्चकिरे |
| थोडयाञ्चकृषे | थोडयाञ्चकाथे | थोडयाञ्चकृद्वे |
| थोडयाञ्चके | थोडयाञ्चकृवहे | थोडयाञ्चकृमहे |
| थोडयाञ्चभुव | थोडयाञ्चभुव | थोडयाञ्चभुव |
| आ० थोडयिषीष्ट | थोडयिषीष्टताम् | थोडयिषीष्टन् |
| थोडयिषीष्टाः | थोडयिषीष्टाथाम् | थोडयिषीष्टवम् |
| थोडयिषीष्ट | थोडयिषीष्टवहि | थोडयिषीष्टमहि |
| ५० थोडयिता | थोडयितारौ | थोडयितारः |
| थोडयितामि | थोडयितास्थे | थोडयितास्थे |
| थोडयिताहे | थोडयितास्वहे | थोडयितास्महे |
| म० थोडयिष्यते | थोडयिष्यन्ते | थोडयिष्यन्ते |
| थोडयिष्यसे | थोडयिष्यथे | थोडयिष्यवम् |
| थोडयिष्ये | थोडयिष्यवहे | थोडयिष्यामहे |
| क्रि० अथोडयिष्यत | अथोडयिष्यताम् | अथोडयिष्यन्त |
| अथोडयिष्यथाः | अथोडयिष्यथाम् | अथोडयिष्यवम् |
| अथोडयिष्ये | अथोडयिष्यवहि | अथोडयिष्यामहि |

1450 स्थुडत् (स्थुड्) संवरणे

| | | |
|----------------------|-----------------|-----------------|
| व० स्थोडयति | स्थोडयतः | स्थोडयन्ति |
| स्थोडयसि | स्थोडयथः | स्थोडयथ |
| स्थोडयामि | स्थोडयावः | स्थोडयामः |
| स० स्थोडयेत् | स्थोडयेताम् | स्थोडयेयुः |
| स्थोडयेः | स्थोडयेतम् | स्थोडयेत |
| स्थोडयेयम् | स्थोडयेव | स्थोडयेम |
| ४० स्थोडयतु | स्थोडयतात् | स्थोडयताः |
| स्थोडय | स्थोडयतात् | स्थोडयेतम् |
| स्थोडयति | स्थोडयाव | स्थोडयाम |
| अ० अस्थोडयत् | अस्थोडयताम् | अस्थोडयन् |
| अस्थोडयः | अस्थोडयतम् | अस्थोडयत |
| अस्थोडयम् | अस्थोडयाव | अस्थोडयाम |
| अ० अतुस्थुडत् | अतुस्थुडताम् | अतुस्थुडन् |
| अतुस्थुडः | अतुस्थुडतम् | अतुस्थुडत |
| अतुस्थुडम् | अतुस्थुडाव | अतुस्थुडाम |
| प० स्थोडयाञ्चकार | स्थोडयाञ्चक्रुः | स्थोडयाञ्चक्रुः |
| स्थोडयाञ्चकथं | स्थोडयाञ्चक्रुः | स्थोडयाञ्चक्रुः |
| स्थोडयाञ्चकार-चक्रुः | स्थोडयाञ्चक्रुः | स्थोडयाञ्चक्रुः |
| स्थोडयाम्भूव | स्थोडयामास | |
| आ० स्थोडयात् | स्थोडयान्ताम् | स्थोडयासुः |
| स्थोडयाः | स्थोडयान्तम् | स्थोडयास्त |
| स्थोडयासम् | स्थोडयास्व | स्थोडयास्म |
| अ० स्थोडयिता | स्थोडयितारौ | स्थोडयितारः |
| स्थोडयितासि | स्थोडयितास्यः | स्थोडयितास्य |
| स्थोडयितास्मि | स्थोडयितास्वः | स्थोडयितास्मः |
| अ० स्थोडयिष्यति | स्थोडयिष्यतः | स्थोडयिष्यन्ति |
| स्थोडयिष्यसि | स्थोडयिष्यथः | स्थोडयिष्यथ |
| स्थोडयिष्यामि | स्थोडयिष्यावः | स्थोडयिष्यामः |
| क्रि० अस्थोडयिष्यत् | अस्थोडयिष्यताम् | अस्थोडयिष्यन् |
| अस्थोडयिष्यः | अस्थोडयिष्यतम् | अस्थोडयिष्यत |
| अस्थोडयिष्यम् | अस्थोडयिष्याव | अस्थोडयिष्याम |

| | | |
|--------------------|---------------------|-------------------|
| व० स्थोडयते | स्थोडयेते | स्थोडयन्ते |
| स्थोडयसे | स्थोडयेथे | स्थोडयध्वे |
| स्थोडये | स्थोडयावहे | स्थोडयामहे |
| म० स्थोडयेत | स्थोडयेताताम् | स्थोडयेरन् |
| स्थोडयेथाः | स्थोडयेथायाम् | स्थोडयेध्वम् |
| स्थोडयेथ | स्थोडयेवहि | स्थोडयेमहि |
| प० स्थोडयताम् | स्थोडयेताम् | स्थोडयन्ताम् |
| स्थोडयस्व | स्थोडयेथाम् | स्थोडयध्वम् |
| स्थोडयै | स्थोडयावहै | स्थोडयामहै |
| अ० अस्थोडयत | अस्थोडयेताम् | अस्थोडयन्त |
| अस्थोडयथाः | अस्थोडयेथाम् | अस्थोडयध्वम् |
| अस्थोडये | अस्थोडयावहि | अस्थोडयामहि |
| अ० अतुस्थुडत | अतुस्थुडेताम् | अतुस्थुडन्त |
| अतुस्थुडयाः | अतुस्थुडेथाम् | अतुस्थुडध्वम् |
| अतुस्थुडे | अतुस्थुडावहि | अतुस्थुडामहि |
| प० स्थोडयाञ्चक्रे | स्थोडयाञ्चक्राते | स्थोडयाञ्चक्रिरे |
| स्थोडयाञ्चकृषे | स्थोडयाञ्चक्राथे | स्थोडयाञ्चकृध्वे |
| स्थोडयाञ्चक्रे | स्थोडयाञ्चकृवहे | स्थोडयाञ्चकृमहे |
| स्थोडयाम्भूव | स्थोडयामास | |
| आ० स्थोडयिषीष्ट | स्थोडयिषीष्टास्ताम् | स्थोडयिषीष्टन् |
| स्थोडयिषीष्टाः | स्थोडयिषीष्टास्थाम् | स्थोडयिषीष्टध्वम् |
| स्थोडयिषीष्ट | स्थोडयिषीष्टावहि | स्थोडयिषीष्टमहि |
| अ० स्थोडयिता | स्थोडयितारौ | स्थोडयितारः |
| स्थोडयितासे | स्थोडयितासाथे | स्थोडयिताध्वे |
| स्थोडयिताहे | स्थोडयितास्वहे | स्थोडयितास्महे |
| अ० स्थोडयिष्यते | स्थोडयिष्येते | स्थोडयिष्यन्ते |
| स्थोडयिष्यसे | स्थोडयिष्येथे | स्थोडयिष्यध्वे |
| स्थोडयिष्ये | स्थोडयिष्यावहे | स्थोडयिष्यामहे |
| क्रि० अस्थोडयिष्यत | अस्थोडयिष्येताम् | अस्थोडयिष्यन्त |
| अस्थोडयिष्यथाः | अस्थोडयिष्येथाम् | अस्थोडयिष्यध्वम् |
| अस्थोडयिष्ये | अस्थोडयिष्यावहि | अस्थोडयिष्यामहि |

1451 वुड् (वुड्) उत्सर्गं च ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | वोडयति | वोडयतः | वोडयन्ति |
| | वोडयसि | वोडयथः | वोडयथ |
| | वोडयामि | वोडयावः | वोडयामः |
| स० | वोडयेत् | वोडयेताम् | वोडयेयुः |
| | वोडयेः | वोडयेतम् | वोडयेत |
| | वोडयेयम् | वोडयेव | वोडयेम |
| ५० | वोडयतु | वोडयतात् | वोडयताम् |
| | वोडय | वोडयतात् | वोडयतम् |
| | वोडयानि | वोडयाव | वोडयाम |
| ६० | अवोडयत् | अवोडयताम् | अवोडयन् |
| | अवोडयः | अवोडयतम् | अवोडयत |
| | अवोडयम् | अवोडयाव | अवोडयाम |
| अ० | अवूडुडत् | अवूडुडताम् | अवूडुडन् |
| | अवूडुडः | अवूडुडतम् | अवूडुडत |
| | अवूडुडम् | अवूडुडाव | अवूडुडाम |
| प० | वोडयाञ्चकार | वोडयाञ्चक्रुः | वोडयाञ्चकुः |
| | वोडयाञ्चकथं | वोडयाञ्चकथुः | वोडयाञ्चक |
| | वोडयाञ्चकार-चकर | वोडयाञ्चकृव | वोडयाञ्चकृम |
| | वोडयाम्बभूव | वोडयामास | |
| भा० | वोडयात् | वोडयास्ताम् | वोडयासुः |
| | वोडयाः | वोडयास्तम् | वोडयास्त |
| | वोडयासम् | वोडयास्व | वोडयास्म |
| श्र० | वोडयिता | वोडयितारौ | वोडयितारः |
| | वोडयितासि | वोडयितास्थः | वोडयितास्थ |
| | वोडयितासिम | वोडयितास्वः | वोडयितास्मः |
| म० | वोडयिष्यति | वोडयिष्यतः | वोडयिष्यन्ति |
| | वोडयिष्यसि | वोडयिष्यथः | वोडयिष्यथ |
| | वोडयिष्यामि | वोडयिष्यावः | वोडयिष्यामः |
| क्रि० | अवोडयिष्यत् | अवोडयिष्यताम् | अवोडयिष्यन् |
| | अवोडयिष्यः | अवोडयिष्यतम् | अवोडयिष्यत |
| | अवोडयिष्यम् | अवोडयिष्याव | अवोडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | वोडयते | वोडयेते | वोडयन्ते |
| | वोडयसे | वोडयेथे | वोडयध्वे |
| | वोडये | वोडयावहे | वोडयामहे |
| म० | वोडयेत | वोडयेयाताम् | वोडयेरन् |
| | वोडयेथाः | वोडयेयाथाम् | वोडयेध्वम् |
| | वोडयेय | वोडयेवहि | वोडयेनहि |
| प० | वोडयताम् | वोडयेताम् | वोडयन्ताम् |
| | वोडयस्व | वोडयेथाम् | वोडयध्वम् |
| | वोडये | वोडयावहे | वोडयामहे |
| ह्य० | अवोडयत | अवोडयेताम् | अवोडयन्त |
| | अवोडयथाः | अवोडयेथाम् | अवोडयध्वम् |
| | अवोडये | अवोडयावहि | अवोडयामहि |
| अ० | अवूडुडत | अवूडुडताम् | अवूडुडन्त |
| | अवूडुडथाः | अवूडुडेथाम् | अवूडुडध्वम् |
| | अवूडुडे | अवूडुडावहि | अवूडुडामहि |
| प० | वोडयाञ्चके | वोडयाञ्चकाते | वोडयाञ्चक्रे |
| | वोडयाञ्चकृषे | वोडयाञ्चकृषे | वोडयाञ्चकृवे |
| | वोडयाञ्चके | वोडयाञ्चकृवहे | वोडयाञ्चकृमहे |
| | वोडयाम्बभूव | वोडयामास | |
| भा० | वोडयिषीष्ट | वोडयिषीयास्ताम् | वोडयिषीरन् |
| | वोडयिषीष्ठाः | वोडयिषीयास्थाम् | वोडयिषीध्वम् |
| | वोडयिषीय | वोडयिषीवहि | वोडयिषीमहि |
| श्र० | वोडयिता | वोडयितारौ | वोडयितारः |
| | वोडयितासे | वोडयितासथे | वोडयिताध्वे |
| | वोडयिताहे | वोडयितावहे | वोडयितास्महे |
| म० | वोडयिष्यते | वोडयिष्येते | वोडयिष्यन्ते |
| | वोडयिष्यसे | वोडयिष्येथे | वोडयिष्यध्वे |
| | वोडयिष्ये | वोडयिष्यावहे | वोडयिष्यामहे |
| क्रि० | अवोडयिष्यत | अवोडयिष्येताम् | अवोडयिष्यन्त |
| | अवोडयिष्यथाः | अवोडयिष्येथाम् | अवोडयिष्यध्वम् |
| | अवोडयिष्ये | अवोडयिष्यावहि | अवोडयिष्यामहि |

1452 वृडत् (वृड्) संघाते ।

| | | |
|--------------------|-----------------|---------------|
| व० व्रोडयति | व्रोडयतः | व्रोडयन्ति |
| व्रोडयसि | व्रोडयथः | व्रोडयथ |
| व्रोडयामि | व्रोडयावः | व्रोडयामः |
| स० व्रोडयेत् | व्रोडयेताम् | व्रोडयेयुः |
| व्रोडयेः | व्रोडयेतम् | व्रोडयेत |
| व्रोडयेयम् | व्रोडयेव | व्रोडयेम |
| प० व्रोडयतु | व्रोडयतात् | व्रोडयताम् |
| व्रोडय | व्रोडयतात् | व्रोडयतम् |
| व्रोडयानि | व्रोडयाव | व्रोडयाम |
| ह्र० अव्रोडयत् | अव्रोडयताम् | अव्रोडयन् |
| अव्रोडयः | अव्रोडयतम् | अव्रोडयत |
| अव्रोडयम् | अव्रोडयाव | अव्रोडयाम |
| भ० अवुवृडत् | अवुवृडताम् | अवुवृडन् |
| अवुवृडः | अवुवृडतम् | अवुवृडत |
| अवुवृडम् | अवुवृडाव | अवुवृडाम |
| प० व्रोडयाञ्चकार | व्रोडयाञ्चक्रुः | व्रोडयाञ्चकुः |
| व्रोडयाञ्चकथे | व्रोडयाञ्चकथुः | व्रोडयाञ्चक |
| व्रोडयाञ्चकार-चक्र | व्रोडयाञ्चकृच | व्रोडयाञ्चकृम |

व्रोडयाम्बभूव । व्रोडयामास

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| आ० व्रोडयात् | व्रोडयास्ताम् | व्रोडयासुः |
| व्रोडयाः | व्रोडयास्तम् | व्रोडयास्त |
| व्रोडयासम् | व्रोडयास्व | व्रोडयास्म |
| श्र० व्रोडयिता | व्रोडयितारौ | व्रोडयितारः |
| व्रोडयितासि | व्रोडयितास्थः | व्रोडयितास्थ |
| व्रोडयितास्मि | व्रोडयितास्वः | व्रोडयितास्मः |
| भ० व्रोडयिष्यति | व्रोडयिष्यतः | व्रोडयिष्यन्ति |
| व्रोडयिष्यसि | व्रोडयिष्यथः | व्रोडयिष्यथ |
| व्रोडयिष्यामि | व्रोडयिष्यावः | व्रोडयिष्यामः |
| क्रि० अव्रोडयिष्यत् | अव्रोडयिष्यताम् | अव्रोडयिष्यन् |
| अव्रोडयिष्यः | अव्रोडयिष्यतम् | अव्रोडयिष्यत |
| अव्रोडयिष्यम् | अव्रोडयिष्याव | अव्रोडयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० व्रोडयते | व्रोडयेते | व्रोडयन्ते |
| व्रोडयसे | व्रोडयेथे | व्रोडयन्थे |
| व्रोडये | व्रोडयावहे | व्रोडयामहे |
| स० व्रोडयेत | व्रोडयेयाताम् | व्रोडयेरन् |
| व्रोडयेथाः | व्रोडयेयाथाम् | व्रोडयेय्वम् |
| व्रोडयेय | व्रोडयेवहि | व्रोडयेमहि |
| प० व्रोडयताम् | व्रोडयेताम् | व्रोडयन्ताम् |
| व्रोडयस्व | व्रोडयेथाम् | व्रोडयय्वम् |
| व्रोडये | व्रोडयावहे | व्रोडयामहे |
| ह्र० अव्रोडयत | अव्रोडयेताम् | अव्रोडयन्त |
| अव्रोडयथाः | अव्रोडयेथाम् | अव्रोडयय्वम् |
| अव्रोडये | अव्रोडयावहि | अव्रोडयामहि |
| भ० अवुवृडत | अवुवृडेताम् | अवुवृडन्त |
| अवुवृडथाः | अवुवृडेथाम् | अवुवृडय्वम् |
| अवुवृड | अवुवृडावहि | अवुवृडामहि |
| प० व्रोडयाञ्चक्रे | व्रोडयाञ्चकृते | व्रोडयाञ्चकृरे |
| व्रोडयाञ्चकृषे | व्रोडयाञ्चकृथे | व्रोडयाञ्चकृवे |
| व्रोडयाञ्चक्रे | व्रोडयाञ्चकृवहे | व्रोडयाञ्चकृमहे |
| व्रोडयाञ्चभूव | । | व्रोडयामास |
| आ० व्रोडयिषीष्ट | व्रोडयिषीयास्ताम् | व्रोडयिषीरन् |
| व्रोडयिषीष्टाः | व्रोडयिषीयास्थाम् | व्रोडयिषीय्वम् |
| व्रोडयिषीथ | व्रोडयिषीवहि | व्रोडयिषीमहि |
| श्र० व्रोडयिता | व्रोडयितारौ | व्रोडयितारः |
| व्रोडयितासे | व्रोडयितासाथे | व्रोडयिताय्वे |
| व्रोडयिताहे | व्रोडयितास्वहे | व्रोडयितास्महे |
| भ० व्रोडयिष्यते | व्रोडयिष्येते | व्रोडयिष्यन्ते |
| व्रोडयिष्यसे | व्रोडयिष्येथे | व्रोडयिष्यन्थे |
| व्रोडयिष्ये | व्रोडयिष्यावहे | व्रोडयिष्यामहे |
| क्रि० अव्रोडयिष्यत | अव्रोडयिष्येताम् | अव्रोडयिष्यन्त |
| अव्रोडयिष्यथाः | अव्रोडयिष्येथाम् | अव्रोडयिष्यय्वम् |
| अव्रोडयिष्ये | अव्रोडयिष्यावहि | अव्रोडयिष्यामहि |

1453 ध्रुत् (ध्रु) संघाते ।

| | | | |
|-----|---------------|----------------|----------------|
| ६० | ध्रुयति | ध्रुयतः | ध्रुयन्ति |
| | ध्रुयसि | ध्रुयथः | ध्रुयथ |
| | ध्रुयामि | ध्रुयावः | ध्रुयामः |
| ८० | ध्रुयेत् | ध्रुयेताम् | ध्रुयेयुः |
| | ध्रुयेः | ध्रुयेतम् | ध्रुयेत |
| | ध्रुयेयम् | ध्रुयेव | ध्रुयेम |
| ९० | ध्रुयतु | ध्रुयतात् | ध्रुयताम् |
| | ध्रुय | ध्रुयतात् | ध्रुयतम् |
| | ध्रुयानि | ध्रुयान | ध्रुयाम |
| १०० | अध्रुयत् | अध्रुयताम् | अध्रुयन् |
| | अध्रुयः | अध्रुयतम् | अध्रुयत |
| | अध्रुयम् | अध्रुयाव | अध्रुयाम |
| ११० | अध्रुयतु | अध्रुयताम् | अध्रुयन् |
| | अध्रुयतः | अध्रुयतम् | अध्रुयत |
| | अध्रुयम् | अध्रुयाव | अध्रुयाम |
| १२० | अध्रुयिष्यति | अध्रुयिष्यतः | अध्रुयिष्यन्ति |
| | अध्रुयिष्यसि | अध्रुयिष्यथः | अध्रुयिष्यथ |
| | अध्रुयिष्यामि | अध्रुयिष्यावः | अध्रुयिष्यामः |
| १३० | अध्रुयिष्यत् | अध्रुयिष्यताम् | अध्रुयिष्यन् |
| | अध्रुयिष्यः | अध्रुयिष्यतम् | अध्रुयिष्यत |
| | अध्रुयिष्यम् | अध्रुयिष्याव | अध्रुयिष्याम |

| | | | |
|-----|---------------|-----------------|-----------------|
| ६० | ध्रुयते | ध्रुयेते | ध्रुयन्ते |
| | ध्रुयसे | ध्रुयेथे | ध्रुयसे |
| | ध्रुये | ध्रुयावहे | ध्रुयामहे |
| ८० | ध्रुयेत | ध्रुयेयाताम् | ध्रुयेरन् |
| | ध्रुयेथाः | ध्रुयेयाथाम् | ध्रुयेध्वम् |
| | ध्रुयेय | ध्रुयेवहि | ध्रुयेमहि |
| ९० | ध्रुयताम् | ध्रुयेताम् | ध्रुयन्ताम् |
| | ध्रुयस्व | ध्रुयेथाम् | ध्रुयस्वम् |
| | ध्रुये | ध्रुयावहे | ध्रुयामहे |
| १०० | अध्रुयत | अध्रुयेताम् | अध्रुयन्त |
| | अध्रुयथाः | अध्रुयेथाम् | अध्रुयस्वम् |
| | अध्रुये | अध्रुयावहि | अध्रुयामहि |
| ११० | अध्रुयतु | अध्रुयेताम् | अध्रुयन्त |
| | अध्रुयथाः | अध्रुयेथाम् | अध्रुयस्वम् |
| | अध्रुये | अध्रुयावहि | अध्रुयामहि |
| १२० | अध्रुयिष्यते | अध्रुयिष्येते | अध्रुयिष्यन्ते |
| | अध्रुयिष्यसे | अध्रुयिष्येथे | अध्रुयिष्यसे |
| | अध्रुयिष्ये | अध्रुयिष्यावहे | अध्रुयिष्यामहे |
| १३० | अध्रुयिष्यत | अध्रुयिष्येताम् | अध्रुयिष्यन्त |
| | अध्रुयिष्यथाः | अध्रुयिष्येथाम् | अध्रुयिष्यस्वम् |
| | अध्रुयिष्ये | अध्रुयिष्यावहि | अध्रुयिष्यामहि |

अध्रुयाम्बभूव । अध्रुयामास

अध्रुयाम्बभूव । अध्रुयामास

1454 दुडत् (दुड्) निगज्जने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ४० | दोडयति | दोडयतः | दोडयन्ति |
| | दोडयसि | दोडयथः | दोडयथ |
| | दोडयामि | दोडयावः | दोडयामः |
| स० | दोडयेत् | दोडयेताम् | दोडयेयुः |
| | दोडयेः | दोडयेतम् | दोडयेत |
| | दोडयेयम् | दोडयेव | दोडयेम |
| ५० | दोडयतु | दोडयतात् | दोडयताम् |
| | दोडय | दोडयतात् | दोडयतम् |
| | दोडयानि | दोडयाव | दोडयाम |
| ६० | अदोडयत् | अदोडयताम् | अदोडयन् |
| | अदोडयः | अदोडयतम् | अदोडयत |
| | अदोडयम् | अदोडयाव | अदोडयाम |
| ७० | अदुडुडत् | अदुडुडताम् | अदुडुडन् |
| | अदुडुडः | अदुडुडतम् | अदुडुडत |
| | अदुडुडम् | अदुडुडाव | अदुडुडाम |
| ८० | दोडयाश्चकार | दोडयाश्चक्रुः | दोडयाश्चकुः |
| | दोडयाश्चकृ | दोडयाश्चक्रुः | दोडयाश्चक |
| | दोडयाश्चकार-चकर | दोडयाश्चकृव | दोडयाश्चकृम |
| | दोडयाम्भूव | । | दोडयामास |
| आ० | दोडयास्तु | दोडयास्ताम् | दोडयास्तुः |
| | दोडयाः | दोडयास्तम् | दोडयास्त |
| | दोडयासम् | दोडयास्व | दोडयास्म |
| झ० | दोडयिता | दोडयितारौ | दोडयितारः |
| | दोडयितासि | दोडयितास्थः | दोडयितास्थ |
| | दोडयितास्मि | दोडयितास्वः | दोडयितास्मः |
| भ० | दोडयिष्यति | दोडयिष्यतः | दोडयिष्यन्ति |
| | दोडयिष्यसि | दोडयिष्यथः | दोडयिष्यथ |
| | दोडयिष्यामि | दोडयिष्यावः | दोडयिष्यामः |
| क्रि० | अदोडयिष्यत् | अदोडयिष्यताम् | अदोडयिष्यन् |
| | अदोडयिष्यः | अदोडयिष्यतम् | अदोडयिष्यत |
| | अदोडयिष्यम् | अदोडयिष्याव | अदोडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|------------------|
| व० | दोडयते | दोडयेते | दोडयन्ते |
| | दोडयसे | दोडयेथे | दोडयन्थे |
| | दोडये | दोडयावहे | दोडयामहे |
| म० | दोडयेत | दोडयेयाताम् | दोडयेरन् |
| | दोडयेथाः | दोडयेयाथाम् | दोडयेष्वम् |
| | दोडयेय | दोडयेवहि | दोडयेमहि |
| प० | दोडयताम् | दोडयेताम् | दोडयन्ताम् |
| | दोडयस्व | दोडयेथाम् | दोडयन्थ्वम् |
| | दोडये | दोडयावहे | दोडयामहे |
| ल० | अदोडयत | अदोडयेताम् | अदोडयन्त |
| | अदोडयथाः | अदोडयेथाम् | अदोडयन्थ्वम् |
| | अदोडये | अदोडयावहि | अदोडयामहि |
| अ० | अदुडुडत | अदुडुडेताम् | अदुडुडन्त |
| | अदुडुडयाः | अदुडुडेथाम् | अदुडुडन्थ्वम् |
| | अदुडुडे | अदुडुडावहि | अदुडुडामहि |
| प० | दोडयाश्चके | दोडयाश्चकाते | दोडयाश्चकिरे |
| | दोडयाश्चकृषे | दोडयाश्चकाथे | दोडयाश्चकृन्वे |
| | दोडयाश्चके | दोडयाश्चकृवहे | दोडयाश्चकृमहे |
| | दोडयाम्भूव | । | दोडयामास |
| आ० | दोडयिषीष्ट | दोडयिषीयास्ताम् | दोडयिषीरन् |
| | दोडयिषीष्ठाः | दोडयिषीयास्थाम् | दोडयिषीरन्थ्वम् |
| | दोडयिषीय | दोडयिषीवहि | दोडयिषीमहि |
| झ० | दोडयिता | दोडयितारौ | दोडयितारः |
| | दोडयितासे | दोडयितासाथे | दोडयितास्वे |
| | दोडयिताहे | दोडयितास्वहे | दोडयितास्महे |
| भ० | दोडयिष्येते | दोडयिष्येते | दोडयिष्यन्ते |
| | दोडयिष्यसे | दोडयिष्येथे | दोडयिष्यन्थे |
| | दोडयिष्ये | दोडयिष्यावहे | दोडयिष्यामहे |
| क्रि० | अदोडयिष्यत | अदोडयिष्येताम् | अदोडयिष्यन्त |
| | अदोडयिष्यथाः | अदोडयिष्येथाम् | अदोडयिष्यन्थ्वम् |
| | अदोडयिष्ये | अदोडयिष्यावहि | अदोडयिष्यामहि |

1455 हुडत् (हुड्) निमज्जने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | होडयति | होडयतः | होडयन्ति |
| | होडयसि | होडयथः | होडयथ |
| | होडयामि | होडयावः | होडयामः |
| स० | होडयेत् | होडयेताम् | होडयेयुः |
| | होडयेः | होडयेतम् | होडयेत |
| | होडयेयम् | होडयेव | होडयेम |
| ५० | होडयतु | होडयतात् | होडयताम् |
| | होडय | होडयतात् | होडयतम् |
| | होडयानि | होडयाव | होडयाम |
| अ० | अहोडयत् | अहोडयताम् | अहोडयन् |
| | अहोडयः | अहोडयतम् | अहोडयत |
| | अहोडयम् | अहोडयाव | अहोडयाम |
| भ० | अजुहुडत् | अजुहुडताम् | अजुहुडन् |
| | अजुहुडः | अजुहुडतम् | अजुहुडत |
| | अजुहुडम् | अजुहुडाव | अजुहुडाम |
| प० | होडयाञ्चकार | होडयाञ्चकतुः | होडयाञ्चकुः |
| | होडयाञ्चकथं | होडयाञ्चकथुः | होडयाञ्चक |
| | होडयाञ्चकार-चकर | होडयाञ्चकृव | होडयाञ्चकृम |
| | होडयाम्बभूव | । | होडयामास |
| आ० | होडयास्तु | होडयास्ताम् | होडयास्तुः |
| | होडयाः | होडयास्तम् | होडयास्त |
| | होडयासम् | होडयास्व | होडयास्म |
| श्व० | होडयिता | होडयितारौ | होडयितारः |
| | होडयितासि | होडयितास्थः | होडयितास्थ |
| | होडयितास्मि | होडयितास्वः | होडयितास्मः |
| य० | होडयिष्यति | होडयिष्यतः | होडयिष्यन्ति |
| | होडयिष्यसि | होडयिष्यथः | होडयिष्यथ |
| | होडयिष्यामि | होडयिष्यावः | होडयिष्यामः |
| क्रि० | अहोडयिष्यत् | अहोडयिष्यताम् | अहोडयिष्यन् |
| | अहोडयिष्यः | अहोडयिष्यतम् | अहोडयिष्यत |
| | अहोडयिष्यम् | अहोडयिष्याव | अहोडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| व० | होडयते | होडयेत | होडयन्ते |
| | होडयसे | होडयेथ | होडयध्वे |
| | होडये | होडयावहे | होडयामहे |
| म० | होडयेत | होडयेयाताम् | होडयेरन् |
| | होडयेथाः | होडयेयाथाम् | होडयेध्वम् |
| | होडयेय | होडयेवहि | होडयेमहि |
| प० | होडयताम् | होडयेताम् | होडयन्ताम् |
| | होडयस्व | होडयेथाम् | होडयध्वम् |
| | होडये | होडयावहे | होडयामहे |
| ह्य० | अहोडयत | अहोडयेताम् | अहोडयन्त |
| | अहोडयथाः | अहोडयेथाम् | अहोडयध्वम् |
| | अहोडये | अहोडयावहि | अहोडयामहि |
| अ० | अजुहुडत | अजुहुडेताम् | अजुहुडन्त |
| | अजुहुडयाः | अजुहुडेथाम् | अजुहुडध्वम् |
| | अजुहुडे | अजुहुडावहि | अजुहुडामहि |
| प० | होडयाञ्चके | होडयाञ्चकते | होडयाञ्चकिरे |
| | होडयाञ्चकृषे | होडयाञ्चकृषे | होडयाञ्चकृवहे |
| | होडयाञ्चके | होडयाञ्चकृवहे | होडयाञ्चकृमहे |
| | होडयाम्बभूव | । | होडयामास |
| आ० | होडयिषीष्ट | होडयिषीष्टताम् | होडयिषीरन् |
| | होडयिषीष्टाः | होडयिषीष्टथाम् | होडयिषीध्वम् |
| | होडयिषीय | होडयिषीवहि | होडयिषीमहि |
| श्व० | होडयिता | होडयितारौ | होडयितारः |
| | होडयितासे | होडयितासथे | होडयिताध्वे |
| | होडयिताहे | होडयितावहे | होडयितामहे |
| भ० | होडयिष्यते | होडयिष्येते | होडयिष्यन्ते |
| | होडयिष्यसे | होडयिष्येथे | होडयिष्यध्वे |
| | होडयिष्ये | होडयिष्यावहे | होडयिष्यामहे |
| क्रि० | अहोडयिष्यत | अहोडयिष्येताम् | अहोडयिष्यन्त |
| | अहोडयिष्यथाः | अहोडयिष्येथाम् | अहोडयिष्यध्वम् |
| | अहोडयिष्ये | अहोडयिष्यावहि | अहोडयिष्यामहि |

1448 रुडत् (रुड्) निमज्जने

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| व० | रुडयति | रुडयतः | रुडयन्ति |
| | रुडयसि | रुडयथः | रुडयथ |
| | रुडयामि | रुडयावः | रुडयामः |
| स० | रुडयेत् | रुडयेताम् | रुडयेयुः |
| | रुडयेः | रुडयेतम् | रुडयेत |
| | रुडयेयम् | रुडयेव | रुडयेम |
| प० | रुडयतु | रुडयतात् | रुडयताम् |
| | रुडय | रुडयतात् | रुडयतम् |
| | रुडयानि | रुडयाव | रुडयाम |
| ल० | अरुडयत् | अरुडयताम् | अरुडयन् |
| | अरुडयः | अरुडयतम् | अरुडयत |
| | अरुडयम् | अरुडयाव | अरुडयाम |
| अ० | अतुनुडत् | अतुनुडताम् | अतुनुडन् |
| | अतुनुडः | अतुनुडतम् | अतुनुडत |
| | अतुनुडम् | अतुनुडाव | अतुनुडाम |
| प० | त्राडयाश्चकार | त्राडयाश्चक्रुः | त्राडयाश्चक्रुः |
| | त्राडयाश्चकथे | त्राडयाश्चक्रुः | त्राडयाश्चक्रुः |
| | त्राडयाश्चकार-चक्र | त्राडयाश्चक्रुः | त्राडयाश्चक्रुः |
| | त्राडयाम्भूव | त्राडयामास | |
| आ० | रुडयात् | रुडयास्ताम् | रुडयासुः |
| | रुडयाः | रुडयास्तम् | रुडयास्त |
| | रुडयासम् | रुडयास्व | रुडयास्म |
| ध० | रुडयिता | रुडयितारौ | रुडयितारः |
| | रुडयितासि | रुडयितास्थः | रुडयितास्थ |
| | रुडयितास्मि | रुडयितास्व | रुडयितास्मः |
| भ० | रुडयिष्यति | रुडयिष्यतः | रुडयिष्यन्ति |
| | रुडयिष्यसि | रुडयिष्यथः | रुडयिष्यथ |
| | रुडयिष्यामि | रुडयिष्यावः | रुडयिष्यामः |
| क्रि० | अत्राडयिष्यत् | अत्राडयिष्यताम् | अत्राडयिष्यन् |
| | अत्राडयिष्यः | अत्राडयिष्यतम् | अत्राडयिष्यत |
| | अत्राडयिष्यम् | अत्राडयिष्याव | अत्राडयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | रुडयते | रुडयेते | रुडयन्ते |
| | रुडयसे | रुडयेथे | रुडयन्वे |
| | रुडये | रुडयावहे | रुडयामहे |
| स० | रुडयेत | रुडयेयाताम् | रुडयेरन् |
| | रुडयेथाः | रुडयेयाथाम् | रुडयेध्वम् |
| | रुडयेय | रुडयेवहि | रुडयेमहि |
| प० | रुडयताम् | रुडयेताम् | रुडयन्ताम् |
| | रुडयस्व | रुडयेथाम् | रुडयध्वम् |
| | रुडये | रुडयावहे | रुडयामहे |
| ल० | अरुडयत | अरुडयेताम् | अरुडयन्त |
| | अरुडयथाः | अरुडयेथाम् | अरुडयध्वम् |
| | अरुडये | अरुडयावहि | अरुडयामहि |
| अ० | अतुनुडत् | अतुनुडेताम् | अतुनुडन्त |
| | अतुनुडथाः | अतुनुडेथाम् | अतुनुडध्वम् |
| | अतुनुडे | अतुनुडावहि | अतुनुडामहि |
| प० | रुडयाश्चक्रे | रुडयाश्चक्राते | रुडयाश्चक्रिरे |
| | रुडयाश्चकृषे | रुडयाश्चक्राथे | रुडयाश्चक्रुध्वे |
| | रुडयाश्चक्रे | रुडयाश्चक्रुवहे | रुडयाश्चक्रमहे |
| | रुडयाम्भूव | रुडयामास | |
| आ० | रुडयिषीष्ट | रुडयिषीयास्ताम् | रुडयिषीरन् |
| | रुडयिषीष्टाः | रुडयिषीयास्थाम् | रुडयिषीध्वम् |
| | रुडयिषीय | रुडयिषीवहि | रुडयिषीमहि |
| ध० | रुडयिता | रुडयितारौ | रुडयितारः |
| | रुडयितासे | रुडयितासाथे | रुडयिताध्वे |
| | रुडयिताहे | रुडयितास्वहे | रुडयितास्महे |
| भ० | रुडयिष्यते | रुडयिष्येते | रुडयिष्यन्ते |
| | रुडयिष्यसे | रुडयिष्येथे | रुडयिष्यन्वे |
| | रुडयिष्ये | रुडयिष्यावहे | रुडयिष्यामहे |
| क्रि० | अत्राडयिष्यत | अत्राडयिष्येताम् | अत्राडयिष्यन्त |
| | अत्राडयिष्यथाः | अत्राडयिष्येथाम् | अत्राडयिष्यध्वम् |
| | अत्राडयिष्ये | अत्राडयिष्यावहि | अत्राडयिष्यामहि |

1457 चुणत् (चुण्) छेदने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|-------------------|
| व० | चोणयति | चोणयतः | चोणयन्ति |
| | चोणयति | चोणयथः | चोणयथ |
| | चोणयामि | चोणयावः | चोणयाम |
| स० | चोणयेत् | चोणयेताम् | चोणयेयुः |
| | चोणयेः | चोणयेतम् | चोणयेत |
| | चोणयेयम् | चोणयेव | चोणयेम |
| प० | चोणयतु | चोणयतात् | चोणयताम् चोणयन्तु |
| | चोणय | चोणयतात् | चोणयतम् चोणयत |
| | चोणयानि | चोचयाव | चोणयाम |
| ह० | अचोणयत् | अचोणयताम् | अचोणयन् |
| | अचोणयः | अचोणयतम् | अचोणयत |
| | अचोणयम् | अचोणयाव | अचोणयाम |
| अ० | अचूचुणत् | अचूचुणताम् | अचूचुणन् |
| | अचूचुणः | अचूचुणतम् | अचूचुणत |
| | अचूचुणम् | अचूचुणाव | अचूचुणाम |
| प० | चोणयाञ्चकार | चोणयाञ्चक्रुः | चोणयाञ्चक्रुः |
| | चोणयाञ्चकथ | चोणयाञ्चकथुः | चोणयाञ्चक |
| | चोणयाञ्चकार-चकर | चोणयाञ्चकृव | चोणयाञ्चकृम |
| | चोणयाञ्चभूव | । | चोणयामास |
| आ० | चोण्यात् | चोण्यास्ताम् | चोण्यासः |
| | चोण्याः | चोण्यास्तम् | चोण्यास्त |
| | चोण्यासम् | चोण्यास्व | चोण्यास्म |
| ध० | चोणयिता | चोणयितारौ | चोणयितारः |
| | चोणयितासि | चोणयितास्थः | चोणयितास्थ |
| | चोणयितास्मि | चोणयितास्वः | चोणयितास्मः |
| भ० | चोणयिष्यति | चोणयिष्यतः | चोणयिष्यन्ति |
| | चोणयिष्यसि | चोणयिष्यथः | चोणयिष्यथ |
| | चोणयिष्यामि | चोणयिष्यावः | चोणयिष्यामः |
| क्रि० | अचोणयिष्यत् | अचोणयिष्यताम् | अचोणयिष्यन् |
| | अचोणयिष्यः | अचोणयिष्यतम् | अचोणयिष्यत |
| | अचोणयिष्यम् | अचोणयिष्याव | अचोणयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | चोणयते | चोणयेते | चोणय ते |
| | चोणयसे | चोणयेथे | चोणयस्वे |
| | चोणये | चोणयावहे | चोणयामहे |
| स० | चोणयेत | चोणयेयाताम् | चोणयेरन् |
| | चोणयेथाः | चोणयेथायाम् | चोणयेथ्वम् |
| | चोणयेथ | चोणयेवहि | चोणयेमहि |
| प० | चोणयताम् | चोणयेताम् | चोणयन्ताम् |
| | चोणयस्व | चोणयेथाम् | चोणयथ्वम् |
| | चोणये | चोणयावहे | चोणयामहे |
| ह० | अचोणयत | अचोणयेताम् | अचोणयन्त |
| | अचोणयथाः | अचोणयेथाम् | अचोणयथ्वम् |
| | अचोणये | अचोणयावहि | अचोणयामहि |
| अ० | अचूचुणत | अचूचुणेताम् | अचूचुणन्त |
| | अचूचुणथाः | अचूचुणेशाम् | अचूचुणथ्वम् |
| | अचूचुणे | अचूचुणावहि | अचूचुणामहि |
| प० | चोणयाञ्चक्रे | चोणयाञ्चकाते | चोणयाञ्चकिरे |
| | चोणयाञ्चकृषे | चोणयाञ्चकृषे | चोणयाञ्चकृढवे |
| | चोणयाञ्चक्रे | चोणयाञ्चकृषे | चोणयाञ्चकृमहे |
| | चोणयाञ्चभूव | । | चोणयामास |
| आ० | चोणयिषीष्ट | चोणयिषीयास्ताम् | चोणयिषीरन् |
| | चोणयिषीष्टाः | चोणयिषीयास्थाम् | चोणयिषीद्वम् |
| | चोणयिषीय | चोणयिषीवहि | चोणयिषीमहि |
| ध० | चोणयिता | चोणयितारौ | चोणयितारः |
| | चोणयितासे | चोणयितासाथे | चोणयितास्वे |
| | चोणयिताहे | चोणयितास्वहे | चोणयितास्महे |
| भ० | चोणयिष्यते | चोणयिष्येते | चोणयिष्यन्ते |
| | चोणयिष्यसे | चोणयिष्येथे | चोणयिष्यस्वे |
| | चोणयिष्ये | चोणयिष्यावहे | चोणयिष्यामहे |
| क्रि० | अचोणयिष्यत | अचोणयिष्येताम् | अचोणयिष्यन्त |
| | अचोणयिष्यथाः | अचोणयिष्येशाम् | अचोणयिष्यथ्वम् |
| | अचोणयिष्ये | अचोणयिष्यावहि | अचोणयिष्यामहि |

1459 छुरत् (छुर) छेदने

| | | | |
|------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | छोरयति | छोरयतः | छोरयन्ति |
| | छोरयसि | छोरयथः | छोरयथ |
| | छोरयामि | छोरयावः | छोरयामः |
| स० | छोरयेत् | छोरयेताम् | छोरयेयुः |
| | छोरयेः | छोरयेतम् | छोरयेत |
| | छोरयेयम् | छोरयेव | छोरयेम |
| प० | छोरयतु | छोरयतात् | छोरयताम् |
| | छोरय | छोरयतात् | छोरयतम् |
| | छोरयाणि | छोरयाव | छोरयाम |
| ह्य० | अच्छोरयत् | अच्छोरयताम् | अच्छोरयन् |
| | अच्छोरयः | अच्छोरयतम् | अच्छोरयत |
| | अच्छोरयम् | अच्छोरयाव | अच्छोरयाम |
| भ० | अचुच्छुरत् | अचुच्छुरताम् | अचुच्छुरन् |
| | अचुच्छुरः | अचुच्छुरतम् | अचुच्छुरत |
| | अचुच्छुरम् | अचुच्छुराव | अचुच्छुराम |
| प० | छोरयाञ्चकार | छोरयाञ्चक्रतुः | छोरयाञ्चक्रुः |
| | छोरयाञ्चक्यं | छोरयाञ्चक्युः | छोरयाञ्चक |
| | छोरयाञ्चकार-चकर | छोरयाञ्चकृव | छोरयाञ्चकृम |

छोरयाम्बभूव । छोरयामास

| | | | |
|-----|-------------|--------------|--------------|
| भा० | छोर्यात् | छोर्यास्ताम् | छोर्यास्तुः |
| | छोर्याः | छोर्यास्तम् | छोर्यास्त |
| | छोर्यासम् | छोर्यासव | छोर्यासम |
| ख० | छोरयिता | छोरयितारौ | छोरयितारः |
| | छोरयितासि | छोरयितास्यः | छोरयितास्य |
| | छोरयितास्मि | छोरयितास्वः | छोरयितास्मः |
| भ० | छोरयिष्यति | छोरयिष्यतः | छोरयिष्यन्ति |
| | छोरयिष्यसि | छोरयिष्यथः | छोरयिष्यथ |
| | छोरयिष्यामि | छोरयिष्यावः | छोरयिष्यामः |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|---------------|
| क्रि० | अच्छोरयिष्यत् | अच्छोरयिष्यताम् | अच्छोरयिष्यन् |
| | अच्छोरयिष्यः | अच्छोरयिष्यतम् | अच्छोरयिष्यत |
| | अच्छोरयिष्यम् | अच्छोरयिष्याव | अच्छोरयिष्याम |

| | | | |
|------|--------------|----------------|----------------|
| व० | छोरयते | छोरयते | छोरयन्ते |
| | छोरयसे | छोरयथे | छोरयन्वे |
| | छोरये | छोरयावहे | छोरयामहे |
| स० | छोरयेत | छोरयेयाताम् | छोरयेयन् |
| | छोरयेथाः | छोरयेयाथाम् | छोरयेय्वम् |
| | छोरयेय | छोरयेवहि | छोरयेमहि |
| प० | छोरयेताम् | छोरयेताम् | छोरयन्ताम् |
| | छोरयस्व | छोरयेथाम् | छोरयन्वम् |
| | छोरये | छोरयावहे | छोरयामहे |
| ह्य० | अच्छोरयत | अच्छोरयेताम् | अच्छोरयन्त |
| | अच्छोरयथाः | अच्छोरयेथाम् | अच्छोरयन्वम् |
| | अच्छोरये | अच्छोरयावहि | अच्छोरयामहि |
| भ० | अचुच्छुरत | अचुच्छुरेताम् | अचुच्छुरन्त |
| | अचुच्छुरथाः | अचुच्छुरेथाम् | अचुच्छुरन्वम् |
| | अचुच्छुरे | अचुच्छुरावहि | अचुच्छुरामहि |
| प० | छोरयाञ्चक्रे | छोरयाञ्चक्राते | छोरयाञ्चक्रिरे |
| | छोरयाञ्चकृषे | छोरयाञ्चक्राथे | छोरयाञ्चकृद्वे |
| | छोरयाञ्चक्रे | छोरयाञ्चकृवहे | छोरयाञ्चकृमहे |
| | छोरयाञ्चभूव | छोरयामास | |

| | | | |
|-----|--------------|-----------------|--------------|
| भा० | छोरयिषीष्ट | छोरयिषीयास्ताम् | छोरयिषीरन् |
| | छोरयिषीष्ठाः | छोरयिषीयास्थाम् | छोरयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |

| | | | |
|----|-----------|--------------|--------------|
| | छोरयिषीय | छोरयिषीवहि | छोरयिषीमहि |
| थ० | छोरयिता | छोरयितारौ | छोरयितारः |
| | छोरयितासे | छोरयितासाथे | छोरयिताध्वे |
| | छोरयिताहे | छोरयितास्वहे | छोरयितास्महे |

| | | | |
|----|------------|--------------|--------------|
| भ० | छोरयिष्यते | छोरयिष्येते | छोरयिष्यन्ते |
| | छोरयिष्यसे | छोरयिष्येथे | छोरयिष्यध्वे |
| | छोरयिष्ये | छोरयिष्यावहे | छोरयिष्यामहे |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| क्रि० | अच्छोरयिष्यत | अच्छोरयिष्येताम् | अच्छोरयिष्यन्त |
| | अच्छोरयिष्यथाः | अच्छोरयिष्येथाम् | अच्छोरयिष्यन्वम् |
| | अच्छोरयिष्ये | अच्छोरयिष्यावहि | अच्छोरयिष्यामहि |

1460 स्फुरत् (स्फुर) स्फुरणे ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------------|
| व० | स्फोरयति | स्फोरयतः | स्फोरयन्ति |
| | स्फोरयसि | स्फोरयथः | स्फोरयथ |
| | स्फोरयामि | स्फोरयावः | स्फोरयामः |
| स० | स्फोरयेत् | स्फोरयेताम् | स्फोरयेयुः |
| | स्फोरयेः | स्फोरयेतम् | स्फोरयेत |
| | स्फोरयेयम् | स्फोरयेव | स्फोरयेम |
| प० | स्फोरयतु | स्फोरयतात् | स्फोरयताम् स्फोरयन्तु |
| | स्फोरय | स्फोरयतात् | स्फोरयतम् स्फोरयत |
| | स्फोरयानि | स्फोरयाव | स्फोरयाम |
| ह्य० | अस्फोरयत् | अस्फोरयताम् | अस्फोरयन् |
| | अस्फोरयः | अस्फोरयतम् | अस्फोरयत |
| | अस्फोरयम् | अस्फोरयाव | अस्फोरयाम |
| अ० | अपुस्फुरत् | अपुस्फुरताम् | अपुस्फुरन् |
| | अपुस्फुरः | अपुस्फुरतम् | अपुस्फुरत |
| | अपुस्फुरम् | अपुस्फुराव | अपुस्फुराम |
| प० | स्फोरयाञ्चकार | स्फोरयाञ्चक्रुः | स्फोरयाञ्चकुः |
| | स्फोरयाञ्चकथं | स्फोरयाञ्चक्रुः | स्फोरयाञ्चक्र |
| | स्फोरयाञ्चकार-चक्र | स्फोरयाञ्चक्रव | स्फोरयाञ्चक्रम |
| | स्फोरयाञ्चभू | स्फोरयाञ्च | |
| भा० | स्फोर्यात् | स्फोर्यास्ताम् | स्फोर्यासुः |
| | स्फोर्याः | स्फोर्यास्तम् | स्फोर्यास्त |
| | स्फोर्यासम् | स्फोर्यास्व | स्फोर्यास्मि |
| श्व० | स्फोरयिता | स्फोरयितारौ | स्फोरयितारः |
| | स्फोरयितासि | स्फोरयितास्य | स्फोरयितास्थ |
| | स्फोरयितास्मि | स्फोरयितास्वः | स्फोरयितास्मः |
| भ० | स्फोरयिष्यति | स्फोरयिष्यतः | स्फोरयिष्यन्ति |
| | स्फोरयिष्यसि | स्फोरयिष्यथः | स्फोरयिष्यथ |
| | स्फोरयिष्यामि | स्फोरयिष्यावः | स्फोरयिष्यामः |
| क्रि० | अस्फोरयिष्यत् | अस्फोरयिष्यताम् | अस्फोरयिष्यन् |
| | अस्फोरयिष्यः | अस्फोरयिष्यतम् | अस्फोरयिष्यत |
| | अस्फोरयिष्यम् | अस्फोरयिष्याव | अस्फोरयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------------------------|-----------------------|-------------------|
| व० | स्फोरयते | स्फोरयते | स्फोरयन्ते |
| | स्फोरयथे | स्फोरयथे | स्फोरयन्थे |
| | स्फोरये | स्फोरयावहे | स्फोरयामहे |
| स० | स्फोरयेत | स्फोरयेताताम् | स्फोरयेन्त |
| | स्फोरयेथाः | स्फोरयेथाम् | स्फोरयेथ्वम् |
| | स्फोरयेथ | स्फोरयेवहि | स्फोरयेमहि |
| प० | स्फोरयताम् | अस्फोरयेताम् | स्फोरयन्ताम् |
| | स्फोरयस्व | स्फोरयेथाम् | स्फोरयथ्वम् |
| | स्फोरये | स्फोरयावहे | स्फोरयामहे |
| ह्य० | अस्फोरयत | अस्फोरयेताम् | अस्फोरयन्त |
| | अस्फोरयथाः | अस्फोरयेथाम् | अस्फोरयथ्वम् |
| | अस्फोरये | अस्फोरयावहि | अस्फोरयामहि |
| अ० | अपुस्फुरत् | अपुस्फुरताम् | अपुस्फुरन्त |
| | अपुस्फुरथाः | अपुस्फुरथाम् | अपुस्फुरथ्वम् |
| | अपुस्फुरे | अपुस्फुरावहि | अपुस्फुरामहि |
| प० | स्फोरयाञ्चक्रे | स्फोरयाञ्चक्राते | स्फोरयाञ्चक्रिरे |
| | स्फोरयाञ्चक्रुषे | स्फोरयाञ्चक्राथे | स्फोरयाञ्चक्रद्वे |
| | स्फोरयाञ्चक्रे | स्फोरयाञ्चक्रवहे | स्फोरयाञ्चक्रमहे |
| | स्फोरयाञ्चभूव | स्फोरयामास | |
| भा० | स्फोरयिषीष्ट | स्फोरयिषीयास्ताम् | स्फोरयिषीगन् |
| | स्फोरयिषीष्ठाः | स्फोरयिषीयास्थाम् | स्फोरयिषीद्वयम् |
| | | | ध्वम् |
| | स्फोरयिषीय | स्फोरयिषीवहि | स्फोरयिषीमहि |
| श्व० | स्फोरयिता | स्फोरयितारौ | स्फोरयितारः |
| | स्फोरयितासे | स्फोरयितासाथे | स्फोरयिताध्वे |
| | स्फोरयिताहे | स्फोरयितास्वहे | स्फोरयितामहे |
| भ० | स्फोरयिष्यते | स्फोरयिष्येते | स्फोरयिष्यन्ते |
| | स्फोरयिष्यसे | स्फोरयिष्येथे | स्फोरयिष्यथ्वे |
| | स्फोरयिष्ये | स्फोरयिष्यावहे | स्फोरयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्फोरयिष्यत | अस्फोरयिष्येताम् | अस्फोरयिष्यन्त |
| | अस्फोरयिष्यथाः | अस्फोरयिष्येथाम् | अस्फोरयिष्यथ्वम् |
| | अस्फोरयिष्ये | अस्फोरयिष्यावहि | अस्फोरयिष्यामहि |
| | चिस्फुरोरित्वात्वे स्फुरत् । 398 | वद्रूपाणि अद्यतन्याम् | |
| | अपुस्फुर | दित्यादिविशेषः | |

1461 स्फुलत् (स्फुल्) संचये च ।

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------------|
| व० स्फोलयति | स्फोलयतः | स्फोलयन्ति |
| स्फोलयसि | स्फोलयथः | स्फोलयथ |
| स्फोलयामि | स्फोलयावः | स्फोलयामः |
| स० स्फोलयेत् | स्फोलयेताम् | स्फोलयेयुः |
| स्फोलयेः | स्फोलयेतम् | स्फोलयेत |
| स्फोलयेथम् | स्फोलयेव | स्फोलयम् |
| प० स्फोलयतु | स्फोलयतात् | स्फोलयताम् स्फोलयन्तु |
| स्फोलय | स्फोलयतात् | स्फोलयतम् स्फोलयत |
| स्फोलयानि | स्फोलयाव | स्फोलयाम |
| ह० अस्फोलयत् | अस्फोलयताम् | अस्फोलयन् |
| अस्फोलयः | अस्फोलयतम् | अस्फोलयत |
| अस्फोलयम् | अस्फोलयाव | अस्फोलयाम |
| अ० अपुस्फुलत् | अपुस्फुलताम् | अपुस्फुलन् |
| अपुस्फुलः | अपुस्फुलतम् | अपुस्फुलत |
| अपुस्फुलम् | अपुस्फुलाव | अपुस्फुलाम |
| प० स्फोलयाञ्चकार | स्फोलयाञ्चक्रतुः | स्फोलयाञ्चक्रुः |
| स्फोलयाञ्चकथं | स्फोलयाञ्चकथुः | स्फोलयाञ्चक |
| स्फोलयाञ्चकार-चकर | स्फोलयाञ्चकृच | स्फोलयाञ्चकृम |
| स्फोलयाम्बभूव | । | स्फोलयामास |
| भा० स्फोल्यात् | स्फोल्यास्ताम् | स्फोल्यासुः |
| स्फोल्याः | स्फोल्यास्तम् | स्फोल्यास्त |
| स्फोल्यासम् | स्फोल्यास्व | स्फोल्यास्म |
| श्व० स्फोलयिता | स्फोलयितारौ | स्फोलयितारः |
| स्फोलयितासि | स्फोलयितास्थः | स्फोलयितास्थ |
| स्फोलयितास्मि | स्फोलयितास्वः | स्फोलयितास्मः |
| भ० स्फोलयिष्यति | स्फोलयिष्यतः | स्फोलयिष्यन्ति |
| स्फोलयिष्यसि | स्फोलयिष्यथः | स्फोलयिष्यथ |
| स्फोलयिष्यामि | स्फोलयिष्यावः | स्फोलयिष्यामः |
| क्रि० अस्फोलयिष्यत् | अस्फोलयिष्यताम् | अस्फोलयिष्यन् |
| अस्फोलयिष्यः | अस्फोलयिष्यतम् | अस्फोलयिष्यत |
| अस्फोलयिष्यम् | अस्फोलयिष्याव | अस्फोलयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|-------------------|
| व० स्फोलयते | स्फोलयते | स्फोलयन्ते |
| स्फोलयसे | स्फोलयेथे | स्फोलयध्वे |
| स्फोलये | स्फोलयावहे | स्फोलयामहे |
| स० स्फोलयेत | स्फोलयेयाताम् | स्फोलयेरन् |
| स्फोलयेथाः | स्फोलयेयाथाम् | स्फोलयेध्वम् |
| स्फोलयेथ | स्फोलयेवहि | स्फोलयेमहि |
| प० स्फोलयताम् | अस्फोलयेताम् | अस्फोलयन्ताम् |
| स्फोलयस्व | स्फोलयेथाम् | स्फोलयध्वम् |
| स्फोलयै | स्फोलयावहे | स्फोलयामहे |
| ह्य० अस्फोलयत | अस्फोलयेताम् | अस्फोलयन्त |
| अस्फोलयथाः | अस्फोलयेथाम् | अस्फोलयध्वम् |
| अस्फोलये | अस्फोलयावहि | अस्फोलयामहि |
| अ० अपुस्फुलत् | अपुस्फुलताम् | अपुस्फुलन्त |
| अपुस्फुलथाः | अपुस्फुलेशाम् | अपुस्फुलध्वम् |
| अपुस्फुले | अपुस्फुलावहि | अपुस्फुलामहि |
| प० स्फोलयाञ्चक्रे | स्फोलयाञ्चक्राते | स्फोलयाञ्चक्रिरे |
| स्फोलयाञ्चकृषे | स्फोलयाञ्चक्राथे | स्फोलयाञ्चक्रुदने |
| स्फोलयाञ्चक्रे | स्फोलयाञ्चक्रवहे | स्फोलयाञ्चक्रमहे |
| स्फोलयाम्बभूव | । | स्फोलयामाव |
| भा० स्फोलयिषीष्ट | स्फोलयिषीयास्ताम् | स्फोलयिषीरन् |
| स्फोलयिषीष्टा | स्फोलयिषीयास्थाम् | स्फोलयिषीध्वम् |
| स्फोलयिषीय | स्फोलयिषीवहि | स्फोलयिषीमहि |
| श्व० स्फोलयिता | स्फोलयितारौ | स्फोलयितारः |
| स्फोलयितासे | स्फोलयितासाथे | स्फोलयिताध्वे |
| स्फोलयिताहे | स्फोलयितास्वहे | स्फोलयितास्महे |
| भ० स्फोलयिष्यते | स्फोलयिष्यते | स्फोलयिष्यन्ते |
| स्फोलयिष्यसे | स्फोलयिष्येथे | स्फोलयिष्यध्वे |
| स्फोलयिष्ये | स्फोलयिष्यावहे | स्फोलयिष्यामहे |
| क्रि० अस्फोलयिष्यत | अस्फोलयिष्यताम् | अस्फोलयिष्यन्त |
| अस्फोलयिष्यथाः | अस्फोलयिष्येथाम् | अस्फोलयिष्यध्वम् |
| अस्फोलयिष्ये | अस्फोलयिष्यावहि | अस्फोलयिष्यामहि |

1462 कुङ्त् (कु) शब्दे । 590 कुङ्क्त्वाणि
1463 कृङ्क्त् (कृ) शब्दे । 590 कृङ्क्त्वाणि

1464 गुरैति (गुर) उद्यमे

| | | | |
|-------|-------------------|---------------|--------------|
| व० | गोरयति | गोरयतः | गोरयन्ति |
| | गोरयसि | गोरयथः | गोरयथ |
| | गोरयामि | गोरयावः | गोरयामः |
| स० | गोरयेत् | गोरयेताम् | गोरयेयुः |
| | गोरयेः | गोरयेतम् | गोरयेत |
| | गोरयेयम् | गोरयेव | गोरयेम |
| प० | गोरयतु | गोरयतात् | गोरयन्तु |
| | गोरय | गोरयतात् | गोरयतम् |
| | गोरयाणि | गोरयाव | गोरयाम |
| ह्य० | अगोरयत् | अगोरयताम् | अगोरयन् |
| | अगोरयः | अगोरयतम् | अगोरयत |
| | अगोरयम् | अगोरयाव | अगोरयाम |
| भ० | अज्जुगुरत् | अज्जुगुरताम् | अज्जुगुरन् |
| | अज्जुगुरः | अज्जुगुरतम् | अज्जुगुरत |
| | अज्जुगुरम् | अज्जुगुराव | अज्जुगुराम |
| प० | गोरयाञ्चकार | गोरयाञ्चकतुः | गोरयाञ्चकुः |
| | गोरयाञ्चकथं | गोरयाञ्चकथुः | गोरयाञ्चक |
| | गोरयाञ्चकार-न्वक् | गोरयाञ्चकृव | गोरयाञ्चकृम |
| | गोरयाञ्चभूव | गोरयामास | |
| भा० | गोर्यात् | गोर्यास्ताम् | गोर्यासुः |
| | गोर्याः | गोर्यास्तम् | गोर्यास्त |
| | गोर्यासम् | गोर्यास्व | गोर्यास्म |
| क्ष० | गोरयिता | गोरयितारौ | गोरयितारः |
| | गोरयितासि | गोरयितास्थः | गोरयितास्थ |
| | गोरयितास्मि | गोरयितास्वः | गोरयितास्मः |
| भ० | गोरयिष्यति | गोरयिष्यतः | गोरयिष्यन्ति |
| | गोरयिष्यसि | गोरयिष्यथः | गोरयिष्यथ |
| | गोरयिष्यामि | गोरयिष्यावः | गोरयिष्यामः |
| क्रि० | अगोरयिष्यत् | अगोरयिष्यताम् | अगोरयिष्यन् |
| | अगोरयिष्यः | अगोरयिष्यतम् | अगोरयिष्यत |
| | अगोरयिष्यम् | अगोरयिष्याव | अगोरयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| व० | गोरयेते | गोरयेते | गोरयन्ते |
| | गोरयसे | गोरयेथे | गोरयध्वे |
| | गोरये | गोरयावहे | गोरयामहे |
| स० | गोरयेत् | गोरयेयाताम् | गोरयेरन् |
| | गोरयेथाः | गोरयेयाथाम् | गोरयेध्वम् |
| | गोरयेय | गोरयेवहि | गोरयेमहि |
| प० | गोरयताम् | गोरयेताम् | गोरयन्ताम् |
| | गोरयस्व | गोरयेथाम् | गोरयध्वम् |
| | गोरयै | गोरयावहे | गोरयामहे |
| ह्य० | अगोरयत | अगोरयताम् | अगोरयन्त |
| | अगोरयथाः | अगोरयेथाम् | अगोरयध्वम् |
| | अगोरये | अगोरयावहि | अगोरयामहि |
| भ० | अज्जुगुरत् | अज्जुगुरेताम् | अज्जुगुरन्त |
| | अज्जुगुरथाः | अज्जुगुरेथाम् | अज्जुगुरध्वम् |
| | अज्जुगुरे | अज्जुगुरावहि | अज्जुगुरामहि |
| प० | गोरयाञ्चके | गोरयाञ्चकते | गोरयाञ्चक्रे |
| | गोरयञ्चकृषे | गोरयाञ्चकृथे | गोरयाञ्चकृध्वे |
| | गोरयाञ्चके | गोरयाञ्चकृवहे | गोरयाञ्चकृमहे |
| | गोरयाञ्चभूव | गोरयामास | |
| भा० | गोरयिषीष्ट | गोरयिषीयस्ताम् | गोरयिषीरन् |
| | गोरयिषीष्ठाः | गोरयिषीशस्थाम् | गोरयिषीध्वम् |
| | गोरयिषीय | गोरयिषीवहि | गोरयिषीमहि |
| श्व० | गोरयिता | गोरयितारौ | गोरयितारः |
| | गोरयितासे | गोरयितास्थे | गोरयिताध्वे |
| | गोरयिताहे | गोरयितास्वहे | गोरयितास्महे |
| भ० | गोरयिष्यते | गोरयिष्येते | गोरयिष्यन्ते |
| | गोरयिष्यसे | गोरयिष्येथे | गोरयिष्यध्वे |
| | गोरयिष्ये | गोरयिष्यावहे | गोरयिष्यामहे |
| क्रि० | अगोरयिष्यत | अगोरयिष्येताम् | अगोरयिष्यन्त |
| | अगोरयिष्यथाः | अगोरयिष्येथाम् | अगोरयिष्यध्वम् |
| | अगोरयिष्ये | अगोरयिष्यावहि | अगोरयिष्यामहि |

1466 ईङ्गत् (इ) आदरे

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| व० दारयति | दारयतः | दारयन्ति |
| दारयसि | दारयथः | दारयथ |
| दारयामि | दारयावः | दारयामः |
| स० दारयेत् | दारयेताम् | दारयेयुः |
| दारयेः | दारयेतम् | दारयेत |
| दारयेयम् | दारयेव | दारयेम |
| प० दारयतु | दारयतात् | दारयताम् दारयन्तु |
| दारय | दारयतात् | दारयतम् दारयत |
| दारयाणि | दारयाव | दारयाम |
| अ० अदारयत् | अदारयताम् | अदारयन् |
| अदारयः | अदारयतम् | अदारयत |
| अदारयम् | अदारयाव | अदारयाम |
| अ० अदीदरत् | अदीदरताम् | अदीदरन् |
| अदीदरः | अदीदरतम् | अदीदरत |
| अदीदरम् | अदीदराव | अदीदराम |
| प० दारयाञ्चकार | दारयाञ्चक्रुः | दारयाञ्चकृः |
| दारयाञ्चकथं | दारयाञ्चक्रुः | दारयाञ्चक |
| दारयाञ्चकार-चक्र | दारयाञ्चकृव | दारयाञ्चकृम |
| दारयाञ्चभूव | । | दारयामास |
| भा० दार्यात् | दार्यास्ताम् | दार्यासुः |
| दार्याः | दार्यास्तम् | दार्यास्त |
| दार्यासम् | दार्यास्व | दार्यास्म |
| श्र० दारयिता | दारयितारौ | दारयितारः |
| दारयितासि | दारयितस्थः | दारयितास्थ |
| दारयितास्मि | दारयितास्वः | दारयितास्मः |
| अ० दारयिष्यति | दारयिष्यतः | दारयिष्यन्ति |
| दारयिष्यसि | दारयिष्यथः | दारयिष्यथ |
| दारयिष्यामि | दारयिष्यावः | दारयिष्यामः |
| क्रि० अदारयिष्यत् | अदारयिष्यताम् | अदारयिष्यन् |
| अदारयिष्यः | अदारयिष्यतम् | अदारयिष्यत |
| अदारयिष्यम् | अदारयिष्याव | अदारयिष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| व० दारयते | दारयते | दारयन्ते |
| दारयसे | दारयेथे | दारयध्वे |
| दारये | दारयावहे | दारयामहे |
| स० दारयेत | दारयेयाताम् | दारयेरन् |
| दारयेथाः | दारयेयाथाम् | दारयेध्वम् |
| दारयेथ | दारयेवहि | दारयेमहि |
| प० दारयताम् | दारयेताम् | दारयन्ताम् |
| दारयस्व | दारयेथाम् | दारयध्वम् |
| दारये | दारयावहे | दारयामहे |
| अ० अदारयत | अदारयताम् | अदारयन्त |
| अदारयथाः | अदारयेथाम् | अदारयध्वम् |
| अदारये | अदारयावहि | अदारयामहि |
| अ० अदीदरत | अदीदरेताम् | अदीदरन्त |
| अदीदरथाः | अदीदरेथाम् | अदीदरध्वम् |
| अदीदरे | अदीदरावहि | अदीदरामहि |
| प० दारयाञ्चके | दारयाञ्चकते | दारयाञ्चकिरे |
| दारयाञ्चकृषे | दारयाञ्चक्राथे | दारयाञ्चकृह्वे |
| दारयाञ्चके | दारयाञ्चकृहे | दारयाञ्चकृमहे |
| दारयाञ्चभूव | । | दारयामास |
| अ० दारयिषीष्ट | दारयिषीयस्ताम् | दारयिषीरन् |
| दारयिषीष्टाः | दारयिषीयाथाम् | दारयिषीध्वम् |
| दारयिषीय | दारयिषीवहि | दारयिषीमहि |
| श्र० दारयिता | दारयितारौ | दारयितारः |
| दारयितासे | दारयितासाथे | दारयिताध्वे |
| दारयिताहे | दारयितास्वहे | दारयितास्महे |
| अ० दारयिष्यते | दारयिष्येते | दारयिष्यन्ते |
| दारयिष्यसे | दारयिष्येथे | दारयिष्यध्वे |
| दारयिष्ये | दारयिष्यावहे | दारयिष्यामहे |
| क्रि० अदारयिष्यत | अदारयिष्येताम् | अदारयिष्यन्त |
| अदारयिष्यथाः | अदारयिष्येथाम् | अदारयिष्यध्वम् |
| अदारयिष्ये | अदारयिष्यवहि | अदारयिष्यामहि |

1467 ईङ्गत् (इ) स्थाने । 602 ईङ्गत् (इ) स्थाने । 1468 ओङ्गत् (इ) स्थाने । 1142 ईङ्गत् (इ) स्थाने । 1469 ओङ्गत् (इ) स्थाने । 154 लङ्गत् (इ) स्थाने ।

1470 ओलस्जैत् (लस्ज्) व्रीडे ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० लज्जयति | लज्जयतः | लज्जयन्ति |
| लज्जयसि | लज्जयथः | लज्जयथ |
| लज्जयामि | लज्जयावः | लज्जयामः |
| स० लज्जयेत् | लज्जयेताम् | लज्जयेयुः |
| लज्जयेः | लज्जयेतम् | लज्जयेत |
| लज्जयेयम् | लज्जयेव | लज्जयेम |
| प० लज्जयतु | लज्जयतात् | लज्जयताम् |
| लज्जय | लज्जयतात् | लज्जयतम् |
| लज्जयानि | लज्जयाव | लज्जयाम |
| ह्य० अलज्जयत् | अलज्जयताम् | अलज्जयन् |
| अलज्जयः | अलज्जयतम् | अलज्जयत |
| अलज्जयम् | अलज्जयाव | अलज्जयाम |
| अ० अललज्जत् | अललज्जताम् | अललज्जन् |
| अललज्जः | अललज्जतम् | अललज्जत |
| अललज्जम् | अललज्जाव | अललज्जाम |
| प० लज्जयाञ्चकार | लज्जयाञ्चकतुः | लज्जयाञ्चकुः |
| लज्जयाञ्चकथं | लज्जयाञ्चकथुः | लज्जयाञ्चक |
| लज्जयाञ्चकार-चकर | लज्जयाञ्चकुव | लज्जयाञ्चकृम |
| लज्जयाम्बभूव | लज्जयामास | |
| आ० लज्ज्यात् | लज्ज्यास्ताम् | लज्ज्यासुः |
| लज्ज्याः | लज्ज्यास्तम् | लज्ज्यास्त |
| लज्ज्यासम् | लज्ज्यास्व | लज्ज्यास्म |
| श्व० लज्जयिता | लज्जयितारौ | लज्जयितारः |
| लज्जयितासि | लज्जयितास्थः | लज्जयितास्थ |
| लज्जयितास्मि | लज्जयितास्वः | लज्जयितास्मः |
| भ० लज्जयिष्यति | लज्जयिष्यतः | लज्जयिष्यन्ति |
| लज्जयिष्यसि | लज्जयिष्यथः | लज्जयिष्यथ |
| लज्जयिष्यामि | लज्जयिष्यावः | लज्जयिष्यामः |
| क्रि० अलज्जयिष्यत् | अलज्जयिष्यताम् | अलज्जयिष्यन् |
| अलज्जयिष्यः | अलज्जयिष्यतम् | अलज्जयिष्यत |
| अलज्जयिष्यम् | अलज्जयिष्याव | अलज्जयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० लज्जयते | लज्जयेते | लज्जयन्ते |
| लज्जयसे | लज्जयेथे | लज्जयध्वे |
| लज्जये | लज्जयावहे | लज्जयामहे |
| स० लज्जयेत् | लज्जयेताम् | लज्जयेरन् |
| लज्जयेथाः | लज्जयेथां | लज्जयेथ्वम् |
| लज्जयेय | लज्जयेवहि | लज्जयेमहि |
| प० लज्जयताम् | लज्जयेताम् | लज्जयन्ताम् |
| लज्जयस्व | लज्जयेथाम् | लज्जयथ्वम् |
| लज्जये | लज्जयावहे | लज्जयामहे |
| ह्य० अलज्जयत | अलज्जयेताम् | अलज्जयन्त |
| अलज्जयथाः | अलज्जयेथाम् | अलज्जयथ्वम् |
| अलज्जये | अलज्जयावहि | अलज्जयामहि |
| अ० अललज्जत | अललज्जेताम् | अललज्जन्त |
| अललज्जथाः | अललज्जेथाम् | अललज्जथ्वम् |
| अललज्जे | अललज्जावहि | अललज्जामहि |
| प० लज्जयाञ्चके | लज्जयाञ्चकाते | लज्जयाञ्चकिरे |
| लज्जयाञ्चकृषे | लज्जयाञ्चकाथे | लज्जयाञ्चकृद्वे |
| लज्जयाञ्चके | लज्जयाञ्चकृवहे | लज्जयाञ्चकृमहे |
| लज्जयाम्बभूव | लज्जयामास | |
| आ० लज्जयिषीष्ट | लज्जयिषीष्टाः | लज्जयिषीरन् |
| लज्जयिषीष्टाः | लज्जयिषीष्टाः | लज्जयिषीद्वम् |
| लज्जयिषीय | लज्जयिषीवहि | लज्जयिषीमहि |
| श्व० लज्जयिता | लज्जयितारौ | लज्जयितारः |
| लज्जयिताये | लज्जयितासाथे | लज्जयिताध्वे |
| लज्जयिताहे | लज्जयितास्वहे | लज्जयितास्महे |
| भ० लज्जयिष्येते | लज्जयिष्येते | लज्जयिष्यन्ते |
| लज्जयिष्येसे | लज्जयिष्येथे | लज्जयिष्यध्वे |
| लज्जयिष्ये | लज्जयिष्यावहे | लज्जयिष्यामहे |
| क्रि० अलज्जयिष्यत | अलज्जयिष्येताम् | अलज्जयिष्यन्त |
| अलज्जयिष्यथाः | अलज्जयिष्येथाम् | अलज्जयिष्यथ्वम् |
| अलज्जयिष्ये | अलज्जयिष्यावहि | अलज्जयिष्यामहि |

1471 ष्वञित् (स्वञ्ज्) संगे ।

| | | |
|----------------------|-------------------|------------------|
| ब० स्वञ्जयति | स्वञ्जयतः | स्वञ्जयन्ति |
| स्वञ्जयसि | स्वञ्जयथः | स्वञ्जयथ |
| स्वञ्जयामि | स्वञ्जयावः | स्वञ्जयामः |
| स० स्वञ्जयेत् | स्वञ्जयेताम् | स्वञ्जयेयुः |
| स्वञ्जयेः | स्वञ्जयेतम् | स्वञ्जयेत |
| स्वञ्जयेयम् | स्वञ्जयेव | स्वञ्जयेम |
| प० स्वञ्जयतु | स्वञ्जयतात् | स्वञ्जयताम् |
| स्वञ्जय | स्वञ्जयतात् | स्वञ्जयतम् |
| स्वञ्जयानि | स्वञ्जयाव | स्वञ्जयाम |
| ह्य० अस्वञ्जयत् | अस्वञ्जयताम् | अस्वञ्जयन् |
| अस्वञ्जयः | अस्वञ्जयतम् | अस्वञ्जयत |
| अस्वञ्जयम् | अस्वञ्जयाव | अस्वञ्जयाम |
| अ० असस्वञ्जत् | असस्वञ्जताम् | असस्वञ्जन् |
| असस्वञ्जः | असस्वञ्जतम् | असस्वञ्जत |
| असस्वञ्जम् | असस्वञ्जाव | असस्वञ्जाम |
| प० स्वञ्जयाश्चकार | स्वञ्जयाश्चक्रुः | स्वञ्जयाश्चक्रुः |
| स्वञ्जयाश्चकर्षे | स्वञ्जयाश्चक्रथुः | स्वञ्जयाश्चक्र |
| स्वञ्जयाश्चकार-चकर | स्वञ्जयाश्चक्रव | स्वञ्जयाश्चक्रुम |
| स्वञ्जयाम्बभूव | । स्वञ्जयामास | |
| आ० स्वञ्ज्यात् | स्वञ्ज्यास्ताम् | स्वञ्ज्यासुः |
| स्वञ्ज्याः | स्वञ्ज्यास्तम् | स्वञ्ज्यास्त |
| स्वञ्ज्यासम् | स्वञ्ज्यास्व | स्वञ्ज्यास्म |
| श्व० स्वञ्जयिता | स्वञ्जयितारौ | स्वञ्जयितारः |
| स्वञ्जयितासि | स्वञ्जयितास्थः | स्वञ्जयितास्थ |
| स्वञ्जयितास्मि | स्वञ्जयितास्वः | स्वञ्जयितास्मः |
| भ० स्वञ्जयिष्यति | स्वञ्जयिष्यतः | स्वञ्जयिष्यन्ति |
| स्वञ्जयिष्यसि | स्वञ्जयिष्यथः | स्वञ्जयिष्यथ |
| स्वञ्जयिष्यामि | स्वञ्जयिष्यावः | स्वञ्जयिष्यामः |
| क्रि० अस्वञ्जयिष्यत् | अस्वञ्जयिष्यताम् | अस्वञ्जयिष्यन् |
| अस्वञ्जयिष्यः | अस्वञ्जयिष्यतम् | अस्वञ्जयिष्यत |
| अस्वञ्जयिष्यम् | अस्वञ्जयिष्याव | अस्वञ्जयिष्याम |

| | | |
|---------------------|--------------------|--------------------|
| व० स्वञ्जयते | स्वञ्जयेते | स्वञ्जयन्ते |
| स्वञ्जयसे | स्वञ्जयेथे | स्वञ्जयन्थे |
| स्वञ्जये | स्वञ्जयावहे | स्वञ्जयामहे |
| स० स्वञ्जयेत | स्वञ्जयेताम् | स्वञ्जयेरन् |
| स्वञ्जयेथाः | स्वञ्जयेथाम् | स्वञ्जयेथ्वम् |
| स्वञ्जयेय | स्वञ्जयेवहि | स्वञ्जयेमहि |
| प० स्वञ्जयताम् | स्वञ्जयेताम् | स्वञ्जयन्ताम् |
| स्वञ्जयस्व | स्वञ्जयेथाम् | स्वञ्जयथ्वम् |
| स्वञ्जये | स्वञ्जयावहे | स्वञ्जयामहे |
| ह्य० अस्वञ्जयत | अस्वञ्जयेताम् | अस्वञ्जयन्त |
| अस्वञ्जयथाः | अस्वञ्जयेथाम् | अस्वञ्जयथ्वम् |
| अस्वञ्जये | अस्वञ्जयावहि | अस्वञ्जयामहि |
| अ० अस्वञ्जत | अस्वञ्जतेताम् | अस्वञ्जन्त |
| अस्वञ्जथाः | अस्वञ्जयेथाम् | अस्वञ्जयथ्वम् |
| अस्वञ्जये | अस्वञ्जयावहि | अस्वञ्जयामहि |
| प० स्वञ्जयाश्चक्रे | स्वञ्जयाश्चक्राते | स्वञ्जयाश्चक्रिरे |
| स्वञ्जयाश्चक्रेषु | स्वञ्जयाश्चक्राथे | स्वञ्जयाश्चक्रिरे |
| स्वञ्जयाश्चक्रे | स्वञ्जयाश्चक्रवहे | स्वञ्जयाश्चक्रुमहे |
| स्वञ्जयाम्बभूव | । स्वञ्जयामास | |
| आ० स्वञ्जयिषीष्ट | स्वञ्जयिषीयास्ताम् | स्वञ्जयिषीरन् |
| स्वञ्जयिषीष्ठाः | स्वञ्जयिषीयास्थाम् | स्वञ्जयिषीह्वम् |
| स्वञ्जयिषीय | स्वञ्जयिषीवहि | स्वञ्जयिषीमहि |
| श्व० स्वञ्जयिता | स्वञ्जयितारौ | स्वञ्जयितारः |
| स्वञ्जयितासे | स्वञ्जयितासाथे | स्वञ्जयिताथ्वे |
| स्वञ्जयिताहे | स्वञ्जयितास्वहे | स्वञ्जयितास्महे |
| भ० स्वञ्जयिष्यते | स्वञ्जयिष्येते | स्वञ्जयिष्यन्ते |
| स्वञ्जयिष्यसे | स्वञ्जयिष्येथे | स्वञ्जयिष्यथ्वे |
| स्वञ्जयिष्ये | स्वञ्जयिष्यावहे | स्वञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० अस्वञ्जयिष्यत | अस्वञ्जयिष्येताम् | अस्वञ्जयिष्यन्त |
| अस्वञ्जयिष्यथाः | अस्वञ्जयिष्येथाम् | अस्वञ्जयिष्यथ्वम् |
| अस्वञ्जयिष्ये | अस्वञ्जयिष्यावहि | अस्वञ्जयिष्यामहि |

1472 जुषैति (जुष्) प्रीतिसेवनयोः ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | जोषयति | जोषयतः | जोषयन्ति |
| | जोषयसि | जोषयथः | जोषयथ |
| | जोषयामि | जोषयावः | जोषयामः |
| स० | जोषयेत् | जोषयेताम् | जोषयेयुः |
| | जोषयेः | जोषयेतम् | जोषयेत |
| | जोषयेयम् | जोषयेव | जोषयेम |
| प० | जोषयतु | जोषयतात् | जोषयताम् |
| | जोषय | जोषयतात् | जोषयतम् |
| | जोषयाणि | जोषयाव | जोषयाम |
| ह्य० | अजोषयत् | अजोषयताम् | अजोषयन् |
| | अजोषयः | अजोषयतम् | अजोषयत |
| | अजोषयम् | अजोषयाव | अजोषयाम |
| अ० | अजुषयत् | अजुषयताम् | अजुषयन् |
| | अजुषयः | अजुषयतम् | अजुषयत |
| | अजुषयम् | अजुषयाव | अजुषयाम |
| प० | जोषयाञ्चकार | जोषयाञ्चक्रुः | जोषयाञ्चक्रुः |
| | जोषयाञ्चकथं | जोषयाञ्चक्रुः | जोषयाञ्चक्रुः |
| | जोषयाञ्चकार-चकर | जोषयाञ्चक्रुव | जोषयाञ्चक्रुम |
| | जोषयाम्बभूव | । | जोषयामास |
| आ० | जोष्यात् | जोष्यास्ताम् | जोष्यासुः |
| | जोष्याः | जोष्यास्तम् | जोष्यास्त |
| | जोष्यासम् | जोष्यास्व | जोष्यास्म |
| श्व० | जोषयिता | जोषयितारौ | जोषयितारः |
| | जोषयितासि | जोषयितास्थः | जोषयितास्थ |
| | जोषयितास्मि | जोषयितास्वः | जोषयितास्मः |
| भ० | जोषयिष्यति | जोषयिष्यतः | जोषयिष्यन्ति |
| | जोषयिष्यसि | जोषयिष्यथः | जोषयिष्यथ |
| | जोषयिष्यामि | जोषयिष्यावः | जोषयिष्यामः |
| क्रि० | अजोषयिष्यत् | अजोषयिष्यताम् | अजोषयिष्यन् |
| | अजोषयिष्यः | अजोषयिष्यतम् | अजोषयिष्यत |
| | अजोषयिष्यम् | अजोषयिष्याव | अजोषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | जोषयते | जोषयेते | जोषयन्ते |
| | जोषयसे | जोषयेथे | जोषयन्वे |
| | जोषये | जोषयावहे | जोषयामहे |
| स० | जोषयेत् | जोषयेयाताम् | जोषयेरन् |
| | जोषयेथाः | जोषयेयाथाम् | जोषयेष्वम् |
| | जोषयेय | जोषयेवहि | जोषयेमहि |
| प० | जोषयताम् | जोषयेताम् | जोषयन्ताम् |
| | जोषयस्व | जोषयेथाम् | जोषयध्वम् |
| | जोषयै | जोषयावहै | जोषयामहै |
| ह्य० | अजोषयत | अजोषयेताम् | अजोषयन्त |
| | अजोषयथाः | अजोषयेथाम् | अजोषयध्वम् |
| | अजोषये | अजोषयावहि | अजोषयामहि |
| अ० | अजुषयत | अजुषयेताम् | अजुषयन्त |
| | अजुषयथाः | अजुषयेथाम् | अजुषयध्वम् |
| | अजुषये | अजुषयावहि | अजुषयामहि |
| प० | जोषयाञ्चके | जोषयाञ्चक्राते | जोषयाञ्चकिरे |
| | जोषयाञ्चकृषे | जोषयाञ्चक्राथे | जोषयाञ्चकृद्वे |
| | जोषयाञ्चके | जोषयाञ्चकृवहे | जोषयाञ्चकृमहे |
| | जोषयाम्बभूव | । | जोषयामास |
| आ० | जोषयिषीष्ट | जोषयिषीयास्ताम् | जोषयिषीरन् |
| | जोषयिषीष्टाः | जोषयिषीयास्थाम् | जोषयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | जोषयिषीय | जोषयिषीवहि | जोषयिषीमहि |
| श्व० | जोषयिता | जोषयितारौ | जोषयितारः |
| | जोषयितासे | जोषयितासाथे | जोषयिताध्वे |
| | जोषयिताहे | जोषयितास्वहे | जोषयितास्महे |
| भ० | जोषयिष्यते | जोषयिष्येते | जोषयिष्यन्ते |
| | जोषयिष्यसे | जोषयिष्येथे | जोषयिष्यध्वे |
| | जोषयिष्ये | जोषयिष्यावहे | जोषयिष्यामहे |
| क्रि० | अजोषयिष्यत | अजोषयिष्येताम् | अजोषयिष्यन्त |
| | अजोषयिष्यथाः | अजोषयिष्येथाम् | अजोषयिष्यध्वम् |
| | अजोषयिष्ये | अजोषयिष्यावहि | अजोषयिष्यामहि |

फ, १५८) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१२५७)

श्रीभक्तपोगणगनाङ्गणगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-
विद्यापोठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्नशाखीय-आचार्यवृढामणि-अखण्ड-
विजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिरा-
यमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य णिग-

न्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे

द्वितीयभागे

तुदादिगणः

सम्पूर्णः ।

॥ अथ रुधादयः ॥

1473 रुधृम्भी (रुध्) भावरणे भतोहृदिच् 1462 वङ्गुपाणि

1475 रिट्टृम्भी (रिच्) विरेचने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | रेचयति | रेचयतः | रेचयन्ति |
| | रेचयसि | रेचयथः | रेचयथ |
| | रेचयामि | रेचयावः | रेचयामः |
| स० | रेचयेत् | रेचयेताम् | रेचयेयुः |
| | रेचयेः | रेचयेतम् | रेचयेत |
| | रेचयेयम् | रेचयेव | रेचयेम |
| प० | रेचयतु | रेचयतात् | रेचयन्तु |
| | रेचय | रेचयतात् | रेचयत |
| | रेचयानि | रेचयाव | रेचयाम |
| ह्य० | अरेचयत् | अरेचयताम् | अरेचयन्त |
| | अरेचय | अरेचयतम् | अरेचयत |
| | अरेचयम् | अरेचयाव | अरेचयाम |
| अ० | अरीरिचत् | अरीरिचताम् | अरीरिचन्त |
| | अरीरिचः | अरीरिचतम् | अरीरिचत |
| | अरीरिचम् | अरीरिचाव | अरीरिचाम |
| प० | रेचयाञ्चकार | रेचयाञ्चक्रतुः | रेचयाञ्चक्रुः |
| | रेचयाञ्चकथं | रेचयाञ्चक्रयुः | रेचयाञ्चक्र |
| | रेचयाञ्चकार-चक्र | रेचयाञ्चक्रव | रेचयाञ्चक्रम |
| | रेचयाम्बभूव | रेचयामास | |
| आ० | रेच्यात् | रेच्यास्ताम् | रेच्यासुः |
| | रेच्याः | रेच्यास्तम् | रेच्यास्त |
| | रेच्यासम् | रेच्यास्व | रेच्यास्म |
| श्च० | रेचयिता | रेचयितारौ | रेचयितारः |
| | रेचयितासि | रेचयितास्थः | रेचयितास्थ |
| | रेचयिः।हिमि | रेचयितास्त्रः | रेचयितास्मः |
| भ | रेचयिष्यति | रेचयिष्यतः | रेचयिष्यन्ति |
| | रेचयिष्यसि | रेचयिष्यथः | रेचयिष्यथ |
| | रेचयिष्यामि | रेचयिष्यावः | रेचयिष्यामः |
| क्रि० | अरेचयिष्यत् | अरेचयिष्यताम् | अरेचयिष्यन्त |
| | अरेचयिष्यः | अरेचयिष्यतम् | अरेचयिष्यत |
| | अरेचयिष्यम् | अरेचयिष्याव | अरेचयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रेचयते | रेचयेते | रेचयन्ते |
| | रेचयसे | रेचयेथे | रेचयध्वे |
| | रेचये | रेचयावहे | रेचयामहे |
| स० | रेचयेत | रेचयेयाताम् | रेचयेरन् |
| | रेचयेथाः | रेचयेयाथाम् | रेचयेध्वम् |
| | रेचयेय | रेचयेवहि | रेचयेमहि |
| प० | रेचयताम् | रेचयेताम् | रेचयन्ताम् |
| | रेचयस्व | रेचयेथाम् | रेचयध्वम् |
| | रेचयै | रेचयावहे | रेचयामहे |
| ह्य० | अरेचयत | अरेचयेताम् | अरेचयन्त |
| | अरेचयथाः | अरेचयेथाम् | अरेचयध्वम् |
| | अरेचये | अरेचयावहि | अरेचयामहि |
| अ० | अरीरिचत् | अरीरिचेताम् | अरीरिचन्त |
| | अरीरिचथाः | अरीरिचेथाम् | अरीरिचध्वम् |
| | अरीरिचे | अरीरिचावहि | अरीरिचामहि |
| प० | रेचयाञ्चक्रे | रेचयाञ्चक्राते | रेचयाञ्चक्रिरे |
| | रेचयाञ्चकृषे | रेचयाञ्च ।थे | रेचयाञ्चकृद्वे |
| | रेचयाञ्चक्रे | रेचयाञ्चकृवहे | रेचयाञ्चकृमहे |
| | रेचयाम्बभूव | रेचयामास | |
| आ० | रेचयिषीष्ट | रेचयिषीष्टाताम् | रेचयिषीरन् |
| | रेचयिषीष्टाः | रेचयिषीयास्थाम् | रेचयिषीध्वम् |
| | रेचयिषीय | रेचयिषीवहि | रेचयिषीमहि |
| श्च० | रेचयिता | रेचयितारौ | रेचयितारः |
| | रेचयितासे | रेचयितासाथे | रेचयिताध्वे |
| | रेचयिताहे | रेचयितास्वहे | रेचयितामहे |
| भ० | रेचयिष्यते | रेचयिष्येते | रेचयिष्यन्ते |
| | रेचयिष्यसे | रेचयिष्येथे | रेचयिष्यध्वे |
| | रेचयिष्ये | रेचयिष्यावहे | रेचयिष्यामहे |
| क्रि० | अरेचयिष्यत् | अरेचयिष्येताम् | अरेचयिष्यन्त |
| | अरेचयिष्यथाः | अरेचयिष्येथाम् | अरेचयिष्यध्वम् |
| | अरेचयिष्ये | अरेचयिष्यावहि | अरेचयिष्यामहि |

1476 विट्भूमी (विच्) पृथग्भावे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | वेचयति | वेचयतः | वेचयन्ति |
| | वेचयसि | वेचयथः | वेचयथ |
| | वेचयामि | वेचयावः | वेचयामः |
| स० | वेचयेत् | वेचयेताम् | वेचयेयुः |
| | वेचयेः | वेचयेतम् | वेचयेत |
| | वेचयेयम् | वेचयेव | वेचयेम |
| प० | वेचयतु | वेचयतात् | वेचयताम् |
| | वेचय | वेचयतात् | वेचयतम् |
| | वेचयानि | वेचयाव | वेचयाम |
| ह्य० | अवेचयत् | अवेचयताम् | अवेचयन् |
| | अवेचय | अवेचयतम् | अवेचयत |
| | अवेचयम् | अवेचयाव | अवेचयाम |
| अ० | अवीविचत् | अवीविचताम् | अवीविचन् |
| | अवीविचः | अवीविचतम् | अवीविचत |
| | अवीविचम् | अवीविचाव | अवीविचाम |
| प० | वेचयाश्चकार | वेचयाश्चक्रुः | वेचयाश्चकुः |
| | वेचयाश्चकथं | वेचयाश्चक्रुः | वेचयाश्चक्र |
| | वेचयाश्चकार-चकर | वेचयाश्चक्रुव | वेचयाश्चक्रुम |
| | वेचयाश्चभूव | वेचयाश्चभूव | वेचयाश्चभूव |
| आ० | वेच्यात् | वेच्यास्ताम् | वेच्यासुः |
| | वेच्याः | वेच्यास्तम् | वेच्यास्त |
| | वेच्यासम् | वेच्यास्व | वेच्यास्म |
| श्र० | वेचयिता | वेचयितारौ | वेचयितारः |
| | वेचयितासि | वेचयितास्थः | वेचयितास्थ |
| | वेचयितास्मि | वेचयितास्वः | वेचयितास्मः |
| भ० | वेचयिष्यति | वेचयिष्यतः | वेचयिष्यन्ति |
| | वेचयिष्यसि | वेचयिष्यथः | वेचयिष्यथ |
| | वेचयिष्यामि | वेचयिष्यावः | वेचयिष्यामः |
| क्रि० | अवेचयिष्यत् | अवेचयिष्यताम् | अवेचयिष्यन् |
| | अवेचयिष्यः | अवेचयिष्यतम् | अवेचयिष्यत |
| | अवेचयिष्यम् | अवेचयिष्याव | अवेचयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | वेचयते | वेचयेते | वेचयन्ते |
| | वेचयसे | वेचयेथे | वेचयन्थे |
| | वेचये | वेचयावहे | वेचयामहे |
| स० | वेचयेत | वेचयेयाताम् | वेचयेरन् |
| | वेचयेथाः | वेचयेयाथाम् | वेचयेध्वम् |
| | वेचयेय | वेचयेवहि | वेचयेमहि |
| प० | वेचयताम् | वेचयेताम् | वेचयन्ताम् |
| | वेचयस्व | वेचयेथाम् | वेचयध्वम् |
| | वेचये | वेचयावहे | वेचयामहे |
| ह्य० | अवेचयत | अवेचयेताम् | अवेचयन्त |
| | अवेचयथाः | अवेचयेथाम् | अवेचयध्वम् |
| | अवेचये | अवेचयावहि | अवेचयामहि |
| अ० | अवीविचत | अवीविचेताम् | अवीविचन्त |
| | अवीविचथाः | अवीविचेथाम् | अवीविचध्वम् |
| | अवीविचे | अवीविचावहि | अवीविचामहि |
| प० | वेचयाश्चक्रे | वेचयाश्चक्रते | वेचयाश्चक्रिरे |
| | वेचयाश्चकृषे | वेचयाश्चक्राथे | वेचयाश्चकृद्वे |
| | वेचयाश्चक्रे | वेचयाश्चकृवहे | वेचयाश्चकृमहे |
| | वेचयाश्चभूव | वेचयाश्चभूव | वेचयाश्चभूव |
| आ० | वेचयिषीष्ट | वेचयिषीयास्ताम् | वेचयिषीरन् |
| | वेचयिषीष्टाः | वेचयिषीयास्थाम् | वेचयिषीध्वम् |
| | वेचयिषीय | वेचयिषीवहि | वेचयिषीमहि |
| श्र० | वेचयिता | वेचयितारौ | वेचयितारः |
| | वेचयितासे | वेचयितासाथे | वेचयिताध्वे |
| | वेचयिताहे | वेचयितास्वहे | वेचयितास्महे |
| भ० | वेचयिष्यते | वेचयिष्येते | वेचयिष्यन्ते |
| | वेचयिष्यसे | वेचयिष्येथे | वेचयिष्यन्थे |
| | वेचयिष्ये | वेचयिष्यावहे | वेचयिष्यामहे |
| क्रि० | अवेचयिष्यत् | अवेचयिष्येताम् | अवेचयिष्यन्त |
| | अवेचयिष्यथाः | अवेचयिष्येथाम् | अवेचयिष्यध्वम् |
| | अवेचयिष्ये | अवेचयिष्यावहि | अवेचयिष्यामहि |

1477 भिदृष्पी (भिद्) विदारणे ।

| | | |
|-------------------|----------------|--------------|
| ब० भेदयति | भेदयतः | भेदयन्ति |
| भेदयसि | भेदयथः | भेदयथ |
| भेदयामि | भेदयावः | भेदयामः |
| स० भेदयेत् | भेदयेताम् | भेदयेयुः |
| भेदयेः | भेदयेतम् | भेदयेत |
| भेदयेयम् | भेदयेव | भेदयेम |
| प० भेदयतु | भेदयतात् | भेदयन्तु |
| भेदय | भेदयतात् | भेदयतम् |
| भेदयानि | भेदयाव | भेदयाम |
| अ० अभेदयत् | अभेदयताम् | अभेदयन् |
| अभेदयः | अभेदयतम् | अभेदयत |
| अभेदयम् | अभेदयाव | अभेदयाम |
| अ० अवीभिदत् | अवीभिदताम् | अवीभिदन् |
| अवीभिदः | अवीभिदतम् | अवीभिदत |
| अवीभिदम् | अवीभिदाव | अवीभिदाम |
| प० भेदयाश्चकार | भेदयाश्चक्रुः | भेदयाश्चकुः |
| भेदयाश्चकथे | भेदयाश्चक्रथुः | भेदयाश्चक |
| भेदयाश्चकार-चकर | भेदयाश्चकुव | भेदयाश्चकुम |
| भेदयाश्चभूव | भेदयामास | |
| आ० भेद्यात् | भेद्यास्ताम् | भेद्यास्तुः |
| भेद्याः | भेद्यास्तम् | भेद्यास्त |
| भेद्यासम् | भेद्यास्व | भेद्यास्म |
| श० भेदयिता | भेदयितारो | भेदयितारः |
| भेदयितासि | भेदयितास्थः | भेदयितास्थ |
| भेदयितास्मि | भेदयितास्वः | भेदयितास्मः |
| भ० भेदयिष्यति | भेदयिष्यतः | भेदयिष्यन्ति |
| भेदयिष्यसि | भेदयिष्यथः | भेदयिष्यथ |
| भेदयिष्यामि | भेदयिष्यावः | भेदयिष्यामः |
| क्रि० अभेदयिष्यत् | अभेदयिष्यताम् | अभेदयिष्यन् |
| अभेदयिष्यः | अभेदयिष्यतम् | अभेदयिष्यत |
| अभेदयिष्यम् | अभेदयिष्याव | अभेदयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० भेदयते | भेदयेते | भेदयन्ते |
| भेदयसे | भेदयेथे | भेदयन्थे |
| भेदये | भेदयावहे | भेदयामहे |
| स० भेदयेत | भेदयेयाताम् | भेदयेयन् |
| भेदयेथाः | भेदयेयाथाम् | भेदयेय्वम् |
| भेदयेय | भेदयेवहि | भेदयेमहि |
| प० भेदयताम् | भेदयेताम् | भेदयन्ताम् |
| भेदयस्व | भेदयेथाम् | भेदयस्वम् |
| भेदयै | भेदयावहै | भेदयामहै |
| ह्य० अभेदयत | अभेदयेताम् | अभेदयन्त |
| अभेदयथाः | अभेदयथाम् | अभेदयन्वम् |
| अभेदये | अभेदयावहि | अभेदयामहि |
| अ० अवीभिदत् | अवीभिदेताम् | अवीभिदन्त |
| अवीभिदथाः | अवीभिदेथाम् | अवीभिदन्वम् |
| अवीभिदे | अवीभिदावहि | अवीभिदामहि |
| प० भेदयाश्चके | भेदयाश्चक्राते | भेदयाश्चकिरे |
| भेदयाश्चकृषे | भेदयाश्चक्राथे | भेदयाश्चकृद्वे |
| भेदयाश्चके | भेदयाश्चकुवहे | भेदयाश्चकृमहे |
| भेदयाश्चभूव | भेदयानास | |
| आ० भेदयिषीष्ट | भेदयिषीयास्ताम् | भेदयिषीरन् |
| भेदयिषीष्टाः | भेदयिषीयास्थाम् | भेदयिषीह्वम् |
| भेदयिषीय | भेदयिषीवहि | भेदयिषीमहि |
| श्व० भेदयिता | भेदयितारो | भेदयितारः |
| भेदयितासे | भेदयितासाथे | भेदयिताध्वे |
| भेदयिताहे | भेदयितास्वहे | भेदयितास्महे |
| भ० भेदयिष्यते | भेदयिष्येते | भेदयिष्यन्ते |
| भेदयिष्यसे | भेदयिष्येथे | भेदयिष्यन्थे |
| भेदयिष्ये | भेदयिष्यावहे | भेदयिष्यामहे |
| क्रि० अभेदयिष्यत् | अभेदयिष्येताम् | अभेदयिष्यन्त |
| अभेदयिष्यथाः | अभेदयिष्येथाम् | अभेदयिष्यन्वम् |
| अभेदयिष्ये | अभेदयिष्यावहि | अभेदयिष्यामहि |

1478 छिद्म्पी (छिद्) द्विधीकरणे ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|---------------|
| व० | छेदयति | छेदयतः | छेदयन्ति |
| | छेदयसि | छेदयथः | छेदयथ |
| | छेदयामि | छेदयावः | छेदयामः |
| स० | छेदयेत् | छेदयेताम् | छेदयेयुः |
| | छेदयेः | छेदयेतम् | छेदयेत |
| | छेदयेयम् | छेदयेव | छेदयेम |
| प० | छेदयन्तु | छेदयतात् | छेदयताम् |
| | छेदय | छेदयतात् | छेदयतम् |
| | छेदयानि | छेदयाव | छेदयाम |
| ह्य० | अच्छेदयत् | अच्छेदयताम् | अच्छेदयन् |
| | अच्छेदय | अच्छेदयतम् | अच्छेदयत |
| | अच्छेदयम् | अच्छेदयाव | अच्छेदयाम |
| अ० | अचिच्छिदत् | अचिच्छिदताम् | अचिच्छिदन् |
| | अचिच्छिदः | अचिच्छिदतम् | अचिच्छिदत |
| | अचिच्छिदम् | अचिच्छिदाव | अचिच्छिदाम |
| प० | छेदयाश्चकार | छेदयाश्चकतुः | छेदयाश्चकुः |
| | छेदयाश्चकथं | छेदयाश्चकथुः | छेदयाश्चक |
| | छेदयाश्चकार-चकार | छेदयाश्चकृव | छेदयाश्चकृम |
| | छेदयाम्बभूव | छेदयामास | |
| आ० | छेयात् | छेयास्ताम् | छेया सुः |
| | छेयाः | छेयास्तम् | छेयास्त |
| | छेयासम् | छेयास्व | छेयास्म |
| ध० | छेदयिता | छेदयितारौ | छेदयितारः |
| | छेदयितासि | छेदयितास्यः | छेदयितास्य |
| | छेदयितास्मि | छेदयितास्वः | छेदयितास्मः |
| म० | छेदयिष्यति | छेदयिष्यतः | छेदयिष्यन्ति |
| | छेदयिष्यसि | छेदयिष्यथः | छेदयिष्यथ |
| | छेदयिष्यामि | छेदयिष्यावः | छेदयिष्यामः |
| क्रि० | अच्छेदयिष्यत् | अच्छेदयिष्यताम् | अच्छेदयिष्यन् |
| | अच्छेदयिष्यः | अच्छेदयिष्यतम् | अच्छेदयिष्यत |
| | अच्छेदयिष्यम् | अच्छेदयिष्याव | अच्छेदयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | छेदयेते | छेदयेते | छेदयन्ते |
| | छेदयेते | छेदयेथे | छेदयन्ते |
| | छेदये | छेदयावहे | छेदयामहे |
| स० | छेदयेत | छेदयेयाताम् | छेदयेयन् |
| | छेदयेथाः | छेदयेयाथाम् | छेदयेध्वम् |
| | छेदयेय | छेदयेवहि | छेदयेमहि |
| प० | छेदयताम् | छेदयेताम् | छेदयन्ताम् |
| | छेदयस्व | छेदयेथाम् | छेदयध्वम् |
| | छेदये | छेदयावहे | छेदयामहे |
| ह्य० | अच्छेदयत | अच्छेदयेताम् | अच्छेदयन्त |
| | अच्छेदयथाः | अच्छेदयेथाम् | अच्छेदयध्वम् |
| | अच्छेदये | अच्छेदयावहि | अच्छेदयामहि |
| अ० | अचिच्छिदत् | अचिच्छिदेताम् | अचिच्छिदन्त |
| | अचिच्छिदथाः | अचिच्छिदेथाम् | अचिच्छिदध्वम् |
| | अचिच्छिदे | अचिच्छिदावहि | अचिच्छिदामहि |
| प० | छेदयाश्चके | छेदयाश्चकते | छेदयाश्चकिरे |
| | छेदयाश्चकृषे | छेदयाश्चकाये | छेदयाश्चकृवृषे |
| | छेदयाश्चके | छेदयाश्चकृवहे | छेदयाश्चकृमहे |
| | छेदयाम्बभूव | छेदयामास | |
| आ० | छेदयिषीष्ट | छेदयिषीष्टताम् | छेदयिषीरन् |
| | छेदयिषीष्टाः | छेदयिषीष्टाथाम् | छेदयिषीढवम् |
| | | | ध्वम् |
| | छेदयिषीय | छेदयिषीवहि | छेदयिषीमहि |
| ध० | छेदयिता | छेदयितारौ | छेदयितारः |
| | छेदयितासे | छेदयितासाथे | छेदयिताध्वे |
| | छेदयिताहे | छेदयितास्वहे | छेदयितास्महे |
| म० | छेदयिष्यते | छेदयिष्येते | छेदयिष्यन्ते |
| | छेदयिष्यसे | छेदयिष्येथे | छेदयिष्यध्वे |
| | छेदयिष्ये | छेदयिष्यावहे | छेदयिष्यामहे |
| क्रि० | अच्छेदयिष्यत् | अच्छेदयिष्येताम् | अच्छेदयिष्यन्त |
| | अच्छेदयिष्यथाः | अच्छेदयिष्येथाम् | अच्छेदयिष्यध्वम् |
| | अच्छेदयिष्ये | अच्छेदयिष्यावहि | अच्छेदयिष्यामहि |

1479 छुट्टम्पी (छुट्) संपेषे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------|
| ४० क्षोदयति | क्षोदयतः | क्षोदयन्ति |
| क्षोदयसि | क्षोदयथः | क्षोदयथ |
| क्षोदयामि | क्षोदयावः | क्षोदयामः |
| स० क्षोदयेत् | क्षोदयेताम् | क्षोदयेयुः |
| क्षोदयेः | क्षोदयेतम् | क्षोदयेत |
| क्षोदयेयम् | क्षोदयेव | क्षोदयेम |
| प० क्षोदयतु | क्षोदयतात् | क्षोदयताम् |
| क्षोदय | क्षोदयतात् | क्षोदयतम् |
| क्षोदयानि | क्षोदयाव | क्षोदयाम |
| ० अक्षोदयत् | अक्षोदयताम् | अक्षोदयन् |
| अक्षोदयः | अक्षोदयतम् | अक्षोदयत |
| अक्षोदयम् | अक्षोदयाव | अक्षोदयाम |
| अ० अचुक्षुदत् | अचुक्षुदताम् | अचुक्षुदन् |
| अचुक्षुदः | अचुक्षुदतम् | अचुक्षुदत |
| अचुक्षुदम् | अचुक्षुदाव | अचुक्षुदाम |
| प० क्षोदयाश्चकार | क्षोदयाश्चक्रुः | क्षोदयाश्चक्रुः |
| क्षोदयाश्चकथं | क्षोदयाश्चक्रुः | क्षोदयाश्चक्रुः |
| क्षोदयाश्चकार-चकर | क्षोदयाश्चक्रुः | क्षोदयाश्चक्रुः |
| क्षोदयाश्चभूव | क्षोदयाभास | |
| तोयात् | क्षोयास्ताम् | क्षोयास्तुः |
| क्षोयाः | क्षोयास्तम् | क्षोयास्त |
| क्षोयासम् | क्षोयास्व | क्षोयास्म |
| श्र० क्षोदयिता | क्षोदयितारौ | क्षोदयितारः |
| क्षोदयितासि | क्षोदयितास्थः | क्षोदयितास्थ |
| क्षोदयितास्मि | क्षोदयितास्वः | क्षोदयितास्मः |
| भ० क्षोदयिष्यति | क्षोदयिष्यतः | क्षोदयिष्यन्ति |
| क्षोदयिष्यसि | क्षोदयिष्यथः | क्षोदयिष्यथ |
| क्षोदयिष्यामि | क्षोदयिष्यावः | क्षोदयिष्यामः |
| क्रि० अक्षोदयिष्यत् | अक्षोदयिष्यताम् | अक्षोदयिष्यन् |
| अक्षोदयिष्यः | अक्षोदयिष्यतम् | अक्षोदयिष्यत |
| अक्षोदयिष्यम् | अक्षोदयिष्याव | अक्षोदयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|--------------------|
| व० क्षोदयते | क्षोदयेते | क्षोदयन्ते |
| क्षोदयसे | क्षोदयेथे | क्षोदयन्थे |
| क्षोदये | क्षोदयावहे | क्षोदयानहे |
| स० क्षोदयेत | क्षोदयेयाताम् | क्षोदयेयन् |
| क्षोदयेथाः | क्षोदयेयाथाम् | क्षोदयेय्वम् |
| क्षोदयेय | क्षोदयेवहि | क्षोदयेमहि |
| प० क्षोदयताम् | क्षोदयेताम् | क्षोदयन्ताम् |
| क्षोदयस्व | क्षोदयेथाम् | क्षोदयन्थाम् |
| क्षोदये | क्षोदयावहे | क्षोदयामहे |
| भा० अक्षोदयत | अक्षोदयेताम् | अक्षोदयन्त |
| अक्षोदयथाः | अक्षोदयथाम् | अक्षोदयन्थम् |
| अक्षोदये | अक्षोदयावहि | अक्षोदयामहि |
| अ० अचुक्षुदत | अचुक्षुदेताम् | अचुक्षुदन्त |
| अचुक्षुदथाः | अचुक्षुदेथाम् | अचुक्षुदन्थम् |
| अचुक्षुदे | अचुक्षुदावहि | अचुक्षुदामहि |
| प० क्षोदयाश्चक्रे | क्षोदयाश्चक्राते | क्षोदयाश्चक्रिरे |
| क्षोदयाश्चक्रुषे | क्षोदयाश्चक्राथे | क्षोदयाश्चक्रुद्वे |
| क्षोदयाश्चक्रे | क्षोदयाश्चक्रुवहे | क्षोदयाश्चक्रुमहे |
| क्षोदयाश्चभूव | क्षोदयाभास | |
| भा० क्षोदयिषीष्ट | क्षोदयिषीयास्ताम् | क्षोदयिषीन् |
| क्षोदयिषीष्टाः | क्षोदयिषीयास्थाम् | क्षोदयिषीह्वम् |
| क्षोदयिषीय | क्षोदयिषीवहि | क्षोदयिषीमहि |
| श्र० क्षोदयिता | क्षोदयितारौ | क्षोदयितारः |
| क्षोदयितासे | क्षोदयितासाथे | क्षोदयिताथ्वे |
| क्षोदयिताहे | क्षोदयितास्वहे | क्षोदयितास्महे |
| भ० क्षोदयिष्यते | क्षोदयिष्येते | क्षोदयिष्यन्ते |
| क्षोदयिष्यसे | क्षोदयिष्येथे | क्षोदयिष्यन्थे |
| क्षोदयिष्ये | क्षोदयिष्यावहे | क्षोदयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षोदयिष्यत् | अक्षोदयिष्येताम् | अक्षोदयिष्यन्त |
| अक्षोदयिष्यथाः | अक्षोदयिष्येथाम् | अक्षोदयिष्यन्थम् |
| अक्षोदयिष्ये | अक्षोदयिष्यावहि | अक्षोदयिष्यामहि |

1480 उद्धृम्पी (छृद्) दीप्तिदेवनयोः

| | | |
|--------------------|-----------------|---------------|
| व० छर्दयति | छर्दयतः | छर्दयन्ति |
| छर्दयसि | छर्दयथः | छर्दयथ |
| छर्दयामि | छर्दयावः | छर्दयामः |
| स० छर्दयेत् | छर्दयेताम् | छर्दयेयुः |
| छर्दयेः | छर्दयेतम् | छर्दयेत |
| छर्दयेयम् | छर्दयेव | छर्दयेम |
| प० छर्दयतु | छर्दयतात् | छर्दयताम् |
| छर्दय | छर्दयतात् | छर्दयतम् |
| छर्दयानि | छर्दयाव | छर्दयाम |
| अ० अछर्दयत् | अछर्दयताम् | अछर्दयन् |
| अछर्दयः | अछर्दयतम् | अछर्दयत |
| अछर्दयम् | अछर्दयाव | अछर्दयाम |
| अ० अचिच्छृदत् | अचिच्छृदताम् | अचिच्छृदन् |
| अचिच्छृदः | अचिच्छृदतम् | अचिच्छृदत |
| अचिच्छृदम् | अचिच्छृदाव | अचिच्छृदाम |
| अचच्छर्दत् | अचच्छर्दताम् | अचच्छर्दन् इ० |
| प० छर्दयाश्चकार | छर्दयाश्चक्रुः | छर्दयाश्चकुः |
| छर्दयाश्चकथं | छर्दयाश्चक्रथुः | छर्दयाश्चक्रु |
| छर्दयाश्चकार-चकर | छर्दयाश्चक्रुव | छर्दयाश्चक्रम |
| छर्दयाम्बभूव | । | छर्दयामास |
| भा० छर्द्यात् | छर्द्यास्ताम् | छर्द्यास्तु |
| छर्द्याः | छर्द्यास्तम् | छर्द्यास्त |
| छर्द्यासम् | छर्द्यास्व | छर्द्यास्म |
| अ० छर्दयिता | छर्दयितारो | छर्दयितारः |
| छर्दयितासि | छर्दयितास्यः | छर्दयितास्य |
| छर्दयितामि | छर्दयितास्वः | छर्दयितास्मः |
| अ० छर्दयिष्यति | छर्दयिष्यतः | छर्दयिष्यन्ति |
| छर्दयिष्यसि | छर्दयिष्यथः | छर्दयिष्यथ |
| छर्दयिष्यामि | छर्दयिष्यावः | छर्दयिष्यामः |
| क्रि० अछर्दयिष्यत् | अछर्दयिष्यताम् | अछर्दयिष्यन् |
| अछर्दयिष्यः | अछर्दयिष्यतम् | अछर्दयिष्यत |
| अछर्दयिष्यम् | अछर्दयिष्याव | अछर्दयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० छर्दयते | छर्दयते | छर्दयन्ते |
| छर्दयसे | छर्दयेथे | छर्दयन्वे |
| छर्दये | छर्दयावहे | छर्दयामहे |
| स० छर्दयेत | छर्दयेयाताम् | छर्दयेरन् |
| छर्दयेथाः | छर्दयेयाथाम् | छर्दयेष्वम् |
| छर्दयेथ | छर्दयेवहि | छर्दयेमहि |
| प० छर्दयेताम् | छर्दयेताम् | छर्दयन्ताम् |
| छर्दयस्व | छर्दयेथाम् | छर्दयेष्वम् |
| छर्दये | छर्दयावहे | छर्दयामहे |
| अ० अछर्दयत | अछर्दयेताम् | अछर्दयन्त |
| अछर्दयथाः | अछर्दयेथाम् | अछर्दयेष्वम् |
| अछर्दये | अछर्दयावहि | अछर्दयामहि |
| अ० अचिच्छृदत | अचिच्छृदेताम् | अचिच्छृदन्त |
| अचिच्छृदथाः | अचिच्छृदेथाम् | अचिच्छृदेष्वम् |
| अचिच्छृदे | अचिच्छृदावहि | अचिच्छृदामहि |
| अचच्छर्दत | अचच्छर्देताम् | अचच्छर्दन्त इ० |
| प० छर्दयाश्चक्रे | छर्दयाश्चक्रते | छर्दयाश्चक्रिरे |
| छर्दयाश्चक्रुषे | छर्दयाश्चक्राथे | छर्दयाश्चक्रुषे |
| छर्दयाश्चक्रे | छर्दयाश्चक्रुवहे | छर्दयाश्चक्रमहे |
| छर्दयाम्बभूव | । | छर्दयामास |
| भा० छर्दयिषीष्ट | छर्दयिषीयास्ताम् | छर्दयिषीष्टन् |
| छर्दयिषीष्ठाः | छर्दयिषीयास्थाम् | छर्दयिषीष्टन्वम् |
| छर्दयिषीय | छर्दयिषीवहि | छर्दयिषीमहि |
| अ० छर्दयिता | छर्दयितारो | छर्दयितारः |
| छर्दयितासे | छर्दयितासाथे | छर्दयितास्वे |
| छर्दयिताहे | छर्दयितास्वहे | छर्दयितास्महे |
| अ० छर्दयिष्यते | छर्दयिष्येते | छर्दयिष्यन्ते |
| छर्दयिष्यसे | छर्दयिष्येथे | छर्दयिष्यन्वे |
| छर्दयिष्ये | छर्दयिष्यावहे | छर्दयिष्यामहे |
| क्रि० अछर्दयिष्यत | अछर्दयिष्येताम् | अछर्दयिष्यन्त |
| अछर्दयिष्यथाः | अछर्दयिष्येथाम् | अछर्दयिष्येष्वम् |
| अछर्दयिष्ये | अछर्दयिष्यावहि | अछर्दयिष्यामहि |

1481 ऊतृपी (तृद्) हिंसानादरयोः ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० तर्दयति | तर्दयतः | तर्दयन्ति |
| तर्दयसि | तर्दयथः | तर्दयथ |
| तर्दयामि | तर्दयावः | तर्दयामः |
| स० तर्दयेत् | तर्दयेताम् | तर्दयेयुः |
| तर्दयेः | तर्दयेतम् | तर्दयेत |
| तर्दयेचम् | तर्दयेव | तर्दयेम |
| प० तर्दयन्तु | तर्दयतात् | तर्दयताम् |
| तर्दय | तर्दयतात् | तर्दयतम् |
| तर्दयानि | तर्दयाव | तर्दयाम |
| ह्य० अतर्दयत् | अतर्दयताम् | अतर्दयन् |
| अतर्दयः | अतर्दयतम् | अतर्दयत |
| अतर्दयम् | अतर्दयाव | अतर्दयाम |
| अ० अतीतृदत् | अतीतृदताम् | अतीतृदन् |
| अतीतृदः | अतीतृदतम् | अतीतृदत |
| अतीतृदम् | अतीतृदाव | अतीतृदाम |
| अतर्दत् | अतर्दताम् | अतर्दन् इ० |
| प० तर्दयाश्चकार | तर्दयाश्चक्रुः | तर्दयाश्चकुः |
| तर्दयाश्चकथं | तर्दयाश्चकथुः | तर्दयाश्चक्र |
| तर्दयाश्चकार-चक्र | तर्दयाश्चक्रव | तर्दयाश्चक्रम |
| तर्दयाम्बभूव | तर्दयामास | |
| आ० तर्द्यात् | तर्द्यास्ताम् | तर्द्यासुः |
| तर्द्याः | तर्द्यास्तम् | तर्द्यास्त |
| तर्द्यासम् | तर्द्यास्व | तर्द्यास्म |
| श्र० तर्दयिता | तर्दयितारौ | तर्दयितारः |
| तर्दयितासि | तर्दयितास्थः | तर्दयितास्थ |
| तर्दयितास्मि | तर्दयितास्वः | तर्दयितास्मः |
| अ० तर्दयिष्यति | तर्दयिष्यतः | तर्दयिष्यन्ति |
| तर्दयिष्यसि | तर्दयिष्यथः | तर्दयिष्यथ |
| तर्दयिष्यामि | तर्दयिष्यावः | तर्दयिष्यामः |
| क्रि० अतर्दयिष्यत् | अतर्दयिष्यताम् | अतर्दयिष्यन् |
| अतर्दयिष्यः | अतर्दयिष्यतम् | अतर्दयिष्यत |
| अतर्दयिष्यम् | अतर्दयिष्याव | अतर्दयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-------------------|
| व० तर्दयते | तर्दयेते | तर्दयन्ते |
| तर्दयसे | तर्दयेथे | तर्दयध्वे |
| तर्दये | तर्दयावहे | तर्दयामहे |
| स० तर्दयेत् | तर्दयेयाताम् | तर्दयेयन् |
| तर्दयेथाः | तर्दयेथायाम् | तर्दयेध्वम् |
| तर्दयेथ | तर्दयेवहि | तर्दयेमहि |
| प० तर्दयताम् | तर्दयताम् | तर्दयन्ताम् |
| तर्दयस्व | तर्दयेथाम् | तर्दयध्वम् |
| तर्दये | तर्दयावहै | तर्दयामहै |
| ह्य० अतर्दयत् | अतर्दयेताम् | अतर्दयन्त |
| अतर्दयथाः | अतर्दयेथाम् | अतर्दयध्वम् |
| अतर्दये | अतर्दयावहि | अतर्दयामहि |
| अ० अतीतृदत् | अतीतृदेताम् | अतीतृदन्त |
| अतीतृदथाः | अतीतृदेथाम् | अतीतृदध्वम् |
| अतीतृदे | अतीतृदावहि | अतीतृदामहि |
| अतर्दत् | अतर्दतेताम् | अतर्दन्त इ० |
| प० तर्दयाश्चक्रे | तर्दयाश्चक्राते | तर्दयाश्चक्रिरे |
| तर्दयाश्चक्रेषे | तर्दयाश्चक्राथे | तर्दयाश्चक्रुध्वे |
| तर्दयाश्चक्रे | तर्दयाश्चक्रवहे | तर्दयाश्चक्रमहे |
| तर्दयाम्बभूव | तर्दयामास | |
| आ० तर्दयिषीष्ट | तर्दयिषीष्टताम् | तर्दयिषीरन् |
| तर्दयिषीष्टाः | तर्दयिषीष्टायाम् | तर्दयिषीड्वम् |
| तर्दयिषीय | तर्दयिषीवहि | तर्दयिषीमहि |
| श्र० तर्दयिता | तर्दयितारौ | तर्दयितारः |
| तर्दयितासे | तर्दयितासाथे | तर्दयिताध्वे |
| तर्दयिताहे | तर्दयितास्वहे | तर्दयितास्महे |
| अ० तर्दयिष्यते | तर्दयिष्येते | तर्दयिष्यन्ते |
| तर्दयिष्यसे | तर्दयिष्येथे | तर्दयिष्यध्वे |
| तर्दयिष्ये | तर्दयिष्यावहे | तर्दयिष्यामहे |
| क्रि० अतर्दयिष्यत् | अतर्दयिष्येताम् | अतर्दयिष्यन्त |
| अतर्दयिष्यथाः | अतर्दयिष्येथाम् | अतर्दयिष्यध्वम् |
| अतर्दयिष्ये | अतर्दयिष्यावहि | अतर्दयिष्यामहि |

1483 वृचैप् (वृच्) वरणे

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | वर्चयति | वर्चयतः | वर्चयति |
| | वर्चयसि | वर्चयथः | वर्चयथ |
| | वर्चयामि | वर्चयावः | वर्चयामः |
| स० | वर्चयेत् | वर्चयेताम् | वर्चयेयुः |
| | वर्चयेः | वर्चयेतम् | वर्चयेत |
| | वर्चयेयम् | वर्चयेव | वर्चयेम |
| प० | वर्चयतु | वर्चयतात् | वर्चयताम् |
| | वर्चय | वर्चयतात् | वर्चयतम् |
| | वर्चयानि | वर्चयाव | वर्चयाम |
| ह्य० | अवर्चयत् | अवर्चयताम् | अवर्चयन् |
| | अवर्चयः | अवर्चयतम् | अवर्चयत |
| | अवर्चयम् | अवर्चयाव | अवर्चयाम |
| ५० | अवीवृचत् | अवीवृचताम् | अवीवृचन् |
| | अवीवृचः | अवीवृचतम् | अवीवृचत |
| | अवीवृचम् | अवीवृचाव | अवीवृचाम |
| | अववर्चत् | अववर्चताम् | अववर्चन् इ० |
| प० | वर्चयाश्चकार | वर्चयाश्चक्रुः | वर्चयाश्चक्रुः |
| | वर्चयाश्चकथं | वर्चयाश्चक्रथुः | वर्चयाश्चक्र |
| | वर्चयाश्चकार-चक्र | वर्चयाश्चक्रव | वर्चयाश्चक्रम् |
| | वर्चयाम्बभूव | । | वर्चयामास |
| आ० | वर्चयति | वर्चयन्ताम् | वर्चयसुः |
| | वर्चयः | वर्चयस्तम् | वर्चयस्त |
| | वर्चयसम् | वर्चयस्य | वर्चयस्य |
| श्र० | वर्चयिता | वर्चयितारौ | वर्चयितारः |
| | वर्चयितासि | वर्चयितास्थ | वर्चयितास्थ |
| | वर्चयितास्मि | वर्चयितास्व | वर्चयितास्मः |
| भ० | वर्चयिष्यति | वर्चयिष्यतः | वर्चयिष्यति |
| | वर्चयिष्यसि | वर्चयिष्यथः | वर्चयिष्यथ |
| | वर्चयिष्यामि | वर्चयिष्यावः | वर्चयिष्यामः |
| क्रि० | अवर्चयिष्यत् | अवर्चयिष्यताम् | अवर्चयिष्यन् |
| | अवर्चयिष्यः | अवर्चयिष्यतम् | अवर्चयिष्यत |
| | अवर्चयिष्यम् | अवर्चयिष्याव | अवर्चयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|-------------------|
| व० | वर्चयते | वर्चयेते | वर्चयन्ते |
| | वर्चयसे | वर्चयेथे | वर्चयथ्वे |
| | वर्चये | वर्चयावहे | वर्चयामहे |
| स० | वर्चयेत् | वर्चयेयाताम् | वर्चयेयन् |
| | वर्चयेथाः | वर्चयेयाथाम् | वर्चयेथ्वम् |
| | वर्चयेथ | वर्चयेवहि | वर्चयेमहि |
| प० | वर्चयताम् | वर्चयताम् | वर्चयन्ताम् |
| | वर्चयस्व | वर्चयेथाम् | वर्चयेथ्वम् |
| | वर्चये | वर्चयावहे | वर्चयामहे |
| ह्य० | अवर्चयत | अवर्चयेताम् | अवर्चयन्त |
| | अवर्चयथाः | अवर्चयेथाम् | अवर्चयेथ्वम् |
| | अवर्चये | अवर्चयावहि | अवर्चयामहि |
| अ० | अवीवृचत | अवीवृचेताम् | अवीवृचन्त |
| | अवीवृचथाः | अवीवृचेथाम् | अवीवृचथ्वम् |
| | अवीवृचे | अवीवृचावहि | अवीवृचामहि |
| | अववर्चत | अववर्चेताम् | अववर्चन्त इ० |
| प० | वर्चयाश्चक्रे | वर्चयाश्चक्राते | वर्चयाश्चक्रिरे |
| | वर्चयाश्चक्रुषे | वर्चयाश्चक्राथे | वर्चयाश्चक्रुद्वे |
| | वर्चयाश्चक्रे | वर्चयाश्चक्रुवहे | वर्चयाश्चक्रुमहे |
| | वर्चयाम्बभूव | । | वर्चयामास |
| आ० | वर्चयिषीष्ट | वर्चयिषीष्टाताम् | वर्चयि |
| | वर्चयिषीष्टाः | वर्चयिषीष्टाथाम् | वर्चयि |
| | वर्चयिषीष्ट | वर्चयिषीष्टवहि | वर्चयिषीष्टमहि |
| श्र० | वर्चयिता | वर्चयितारौ | वर्चयितारः |
| | वर्चयितासे | वर्चयितासाथे | वर्चयितास्व |
| | वर्चयिताहे | वर्चयितास्वहे | वर्चयितास्महे |
| भ० | वर्चयिष्यते | वर्चयिष्येते | वर्चयिष्यन्ते |
| | वर्चयिष्यसे | वर्चयिष्यथे | वर्चयिष्यथ्वे |
| | वर्चयिष्ये | वर्चयिष्यावहे | वर्चयिष्यामहे |
| क्रि० | अवर्चयिष्यत् | अवर्चयिष्येताम् | अवर्चयिष्यन्त |
| | अवर्चयिष्यथाः | अवर्चयिष्येथाम् | अवर्चयिष्येथ्वम् |
| | अवर्चयिष्ये | अवर्चयिष्यावहि | अवर्चयिष्यामहि |

1485 तजौप् (तञ्ज्) संकोचने ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| ब० तञ्जयति | तञ्जयतः | तञ्जयन्ति |
| तञ्जयसि | तञ्जयथः | तञ्जयथ |
| तञ्जयामि | तञ्जयावः | तञ्जयामः |
| स० तञ्जयेत् | तञ्जयेताम् | तञ्जयेयुः |
| तञ्जयेः | तञ्जयेतम् | तञ्जयेत |
| तञ्जयेयम् | तञ्जयेव | तञ्जयेम |
| प० तञ्जयतु | तञ्जयतात् | तञ्जयन्तु |
| तञ्जय | तञ्जयतात् | तञ्जयतम् |
| तञ्जयानि | तञ्जयाव | तञ्जयाम |
| ह्य० अतञ्जयत् | अतञ्जयताम् | अतञ्जयन् |
| अतञ्जयः | अतञ्जयतम् | अतञ्जयत |
| अतञ्जयम् | अतञ्जयाव | अतञ्जयाम |
| अ० अततञ्जत् | अततञ्जताम् | अततञ्जन् |
| अततञ्जः | अततञ्जतम् | अततञ्जत |
| अततञ्जम् | अततञ्जाव | अततञ्जाम |
| प० तञ्जयाश्चकार | तञ्जयाश्चक्रुः | तञ्जयाश्चकुः |
| तञ्जयाश्चकर्थ | तञ्जयाश्चक्रथुः | तञ्जयाश्चक्रुः |
| तञ्जयाश्चकार-चकर | तञ्जयाश्चकुच | तञ्जयाश्चकुम |
| तञ्जयाम्बभूव | । | तञ्जयामास |
| भा० तञ्ज्यात् | तञ्ज्यास्ताम् | तञ्ज्यासुः |
| तञ्ज्याः | तञ्ज्यास्तम् | तञ्ज्यास्त |
| तञ्ज्यासम् | तञ्ज्यास्व | तञ्ज्यास्म |
| श्र० तञ्जयिता | तञ्जयितारौ | तञ्जयितारः |
| तञ्जयितासि | तञ्जयितास्थः | तञ्जयितास्थ |
| तञ्जयितास्मि | तञ्जयितास्वः | तञ्जयितास्मः |
| भ० तञ्जयिष्यति | तञ्जयिष्यतः | तञ्जयिष्यन्ति |
| तञ्जयिष्यसि | तञ्जयिष्यथः | तञ्जयिष्यथ |
| तञ्जयिष्यामि | तञ्जयिष्यावः | तञ्जयिष्यामः |
| क्रि० अतञ्जयिष्यत् | अतञ्जयिष्यताम् | अतञ्जयिष्यन् |
| अतञ्जयिष्यः | अतञ्जयिष्यतम् | अतञ्जयिष्यत |
| अतञ्जयिष्याम् | अतञ्जयिष्याव | अतञ्जयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-------------------|
| व० तञ्जयते | तञ्जयेते | तञ्जयन्ते |
| तञ्जयसे | तञ्जयेथे | तञ्जयध्वे |
| तञ्जये | तञ्जयावहे | तञ्जयामहे |
| स० तञ्जयेत | तञ्जयेयाताम् | तञ्जयेरन् |
| तञ्जयेथाः | तञ्जयेयाथाम् | तञ्जयेध्वम् |
| तञ्जयेय | तञ्जयेवहि | तञ्जयेमहि |
| प० तञ्जयताम् | तञ्जयेताम् | तञ्जयन्ताम् |
| तञ्जयस्व | तञ्जयेथाम् | तञ्जयध्वम् |
| तञ्जये | तञ्जयावहे | तञ्जयामहे |
| ह्य० अतञ्जयत | अतञ्जयेताम् | अतञ्जयन्त |
| अतञ्जयथाः | अतञ्जयेथाम् | अतञ्जयध्वम् |
| अतञ्जये | अतञ्जयावहि | अतञ्जयामहि |
| अ० अततञ्जत | अततञ्जेताम् | अततञ्जन्त |
| अततञ्जथाः | अततञ्जेथाम् | अततञ्जध्वम् |
| अततञ्जे | अततञ्जावहि | अततञ्जामहि |
| प० तञ्जयाश्चक्रे | तञ्जयाश्चक्राते | तञ्जयाश्चक्रिरे |
| तञ्जयाश्चक्रुषे | तञ्जयाश्चक्राथे | तञ्जयाश्चक्रुश्चे |
| तञ्जयाश्चक्रे | तञ्जयाश्चक्रुवहे | तञ्जयाश्चक्रुमहे |
| तञ्जयाम्बभूव | । | तञ्जयामास |
| भा० तञ्जयिषीष्ट | तञ्जयिषीयास्ताम् | तञ्जयिषीरन् |
| तञ्जयिषीष्ठाः | तञ्जयिषीयास्थाम् | तञ्जयिषीध्वम् |
| तञ्जयिषीय | तञ्जयिषीवहि | तञ्जयिषीमहि |
| श्र० तञ्जयिता | तञ्जयितारौ | तञ्जयितारः |
| तञ्जयितासे | तञ्जयितासाथे | तञ्जयिताध्वे |
| तञ्जयिताहे | तञ्जयितास्वहे | तञ्जयितास्महे |
| भ० तञ्जयिष्यते | तञ्जयिष्येते | तञ्जयिष्यन्ते |
| तञ्जयिष्यसे | तञ्जयिष्येथे | तञ्जयिष्यध्वे |
| तञ्जयिष्ये | तञ्जयिष्यावहे | तञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० अतञ्जयिष्यत् | अतञ्जयिष्येताम् | अतञ्जयिष्यन्त |
| अतञ्जयिष्यथाः | अतञ्जयिष्येथाम् | अतञ्जयिष्यध्वम् |
| अतञ्जयिष्ये | अतञ्जयिष्यावहि | अतञ्जयिष्यामहि |

1486 भर्जोप् (भञ्ज्) आसर्दने ।

| | | |
|--------------------------|----------------|---------------|
| व० भञ्जयति | भञ्जयतः | भञ्जयन्ति |
| भञ्जयति | भञ्जयथः | भञ्जयथ |
| भञ्जयामि | भञ्जयावः | भञ्जयामः |
| स० भञ्जयेत् | भञ्जयेताम् | भञ्जयेयुः |
| भञ्जयेः | भञ्जयेतम् | भञ्जयेत |
| भञ्जयेयम् | भञ्जयेव | भञ्जयेम |
| प० भञ्जयतु | भञ्जयतात् | भञ्जयताम् |
| भञ्जय | भञ्जयतात् | भञ्जयतम् |
| भञ्जयानि | भञ्जयाव | भञ्जयाम |
| ह्र० अभञ्जयत् | अभञ्जयताम् | अभञ्जयन् |
| अभञ्जयः | अभञ्जयतम् | अभञ्जयत |
| अभञ्जयम् | अभञ्जयाव | अभञ्जयाम |
| अ० अवभञ्जत् | अवभञ्जताम् | अवभञ्जन् |
| अवभञ्जः | अवभञ्जतम् | अवभञ्जत |
| अवभञ्जम् | अवभञ्जाव | अवभञ्जाम |
| प० भञ्जयाश्चकार | भञ्जयाश्चक्रुः | भञ्जयाश्चकुः |
| भञ्जयाश्चकथे | भञ्जयाश्चकथुः | भञ्जयाश्चक |
| भञ्जयाश्चकार-चकर | भञ्जयाश्चकृव | भञ्जयाश्चकृम |
| भञ्जयाम्बभूव । भञ्जयामास | | |
| आ० भञ्ज्यात् | भञ्ज्यास्ताम् | भञ्ज्यास्तु |
| भञ्ज्याः | भञ्ज्यास्तम् | भञ्ज्यास्त |
| भञ्ज्यासम् | भञ्ज्यास्व | भञ्ज्यास्व |
| थ० भञ्जयिता | भञ्जयितारौ | भञ्जयितारः |
| भञ्जयितासि | भञ्जयितास्थः | भञ्जयितास्थ |
| भञ्जयितास्मि | भञ्जयितास्वः | भञ्जयितास्मः |
| भ० भञ्जयिष्यति | भञ्जयिष्यतः | भञ्जयिष्यन्ति |
| भञ्जयिष्यसि | भञ्जयिष्यथः | भञ्जयिष्यथ |
| भञ्जयिष्यामि | भञ्जयिष्यावः | भञ्जयिष्यामः |
| क्रि० अभञ्जयिष्यत् | अभञ्जयिष्यताम् | अभञ्जयिष्यन् |
| अभञ्जयिष्यः | अभञ्जयिष्यतम् | अभञ्जयिष्यत |
| अभञ्जयिष्यम् | अभञ्जयिष्याव | अभञ्जयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|------------------|-----------------|
| व० भञ्जयते | भञ्जयेते | भञ्जयन्ते |
| भञ्जयसे | भञ्जयेथे | भञ्जयध्वे |
| भञ्जये | भञ्जयावहे | भञ्जयामहे |
| स० भञ्जयेत | भञ्जयेयाताम् | भञ्जयेरन् |
| भञ्जयेथाः | भञ्जयेयाथाम् | भञ्जयेध्वम् |
| भञ्जयेथ | भञ्जयेवहि | भञ्जयेमहि |
| प० भञ्जयताम् | भञ्जयेताम् | भञ्जयन्ताम् |
| भञ्जयस्व | भञ्जयेथाम् | भञ्जयध्वम् |
| भञ्जये | भञ्जयावहे | भञ्जयामहे |
| ह्र० अभञ्जयत् | अभञ्जयेताम् | अभञ्जयन्त |
| अभञ्जयथाः | अभञ्जयेथाम् | अभञ्जयध्वम् |
| अभञ्जये | अभञ्जयावहि | अभञ्जयामहि |
| अ० अवभञ्जत | अवभञ्जेताम् | अवभञ्जन्त |
| अवभञ्जथाः | अवभञ्जेथाम् | अवभञ्जध्वम् |
| अवभञ्जे | अवभञ्जावहि | अवभञ्जामहि |
| प० भञ्जयाश्चके | भञ्जयाश्चकते | भञ्जयाश्चकिरे |
| भञ्जयाश्चकृषे | भञ्जयाश्चकृथे | भञ्जयाश्चकृद्वे |
| भञ्जयाश्चके | भञ्जयाश्चकृवहे | भञ्जयाश्चकृमहे |
| भञ्जयाम्बभूव । भञ्जयामास | | |
| आ० भञ्जयिषीष्ट | भञ्जयिषीयास्ताम् | भञ्जयिषीरन् |
| भञ्जयिषीष्टाः | भञ्जयिषीयास्थाम् | भञ्जयिषीद्वन् |
| ध्वम् | | |
| भञ्जयिषीय | भञ्जयिषीवहि | भञ्जयिषीमहि |
| थ० भञ्जयिता | भञ्जयितारौ | भञ्जयितारः |
| भञ्जयितासे | भञ्जयितासाथे | भञ्जयिताध्वे |
| भञ्जयितादे | भञ्जयितास्वहे | भञ्जयितास्महे |
| भ० भञ्जयिष्यते | भञ्जयिष्येते | भञ्जयिष्यन्ते |
| भञ्जयिष्यसे | भञ्जयिष्येथे | भञ्जयिष्यध्वे |
| भञ्जयिष्ये | भञ्जयिष्यावहे | भञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० अभञ्जयिष्यत् | अभञ्जयिष्येताम् | अभञ्जयिष्यन्त |
| अभञ्जयिष्यथाः | अभञ्जयिष्येथाम् | अभञ्जयिष्यध्वम् |
| अभञ्जयिष्ये | अभञ्जयिष्यावहि | अभञ्जयिष्यामहि |

1488 अजौप् (अञ्ज्) व्यक्तिप्रक्षणगतिषु ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० अञ्जयति | अञ्जयतः | अञ्जयन्ति |
| अञ्जयसि | अञ्जयथः | अञ्जयथ |
| अञ्जयामि | अञ्जयावः | अञ्जयामः |
| स० अञ्जयेत् | अञ्जयेताम् | अञ्जयेयुः |
| अञ्जयेः | अञ्जयेतम् | अञ्जयेत |
| अञ्जयेयम् | अञ्जयेव | अञ्जयेम |
| प० अञ्जयतु | अञ्जयतात् | अञ्जयताम् |
| अञ्जय | अञ्जयतात् | अञ्जयतम् |
| अञ्जयानि | अञ्जयाव | अञ्जयाम |
| ह० आञ्जयत् | आञ्जयताम् | आञ्जयन् |
| आञ्जयः | आञ्जयतम् | आञ्जयत |
| आञ्जयम् | आञ्जयाव | आञ्जयाम |
| अ० आञ्जिजत् | आञ्जिजताम् | आञ्जिजन् |
| आञ्जिजः | आञ्जिजतम् | आञ्जिजत |
| आञ्जिजम् | आञ्जिजाव | आञ्जिजाम |
| प० अञ्जयाञ्चकार | अञ्जयाञ्चक्रुः | अञ्जयाञ्चकुः |
| अञ्जयाञ्चकथं | अञ्जयाञ्चकथुः | अञ्जयाञ्चक |
| अञ्जयाञ्चकार-चकर | अञ्जयाञ्चकुव | अञ्जयाञ्चकृम |
| अञ्जयाम्बभूव | । | अञ्जयामास |
| आ० अञ्ज्यात् | अञ्ज्यास्ताम् | अञ्ज्यासुः |
| अञ्ज्याः | अञ्ज्यास्तम् | अञ्ज्यास्त |
| अञ्ज्यासम् | अञ्ज्यास्व | अञ्ज्यास्म |
| श्र० अञ्जयिता | अञ्जयितारौ | अञ्जयितारः |
| अञ्जयितासि | अञ्जयितास्थः | अञ्जयितास्थ |
| अञ्जयितास्मि | अञ्जयितास्वः | अञ्जयितास्मः |
| भ० अञ्जयिष्यति | अञ्जयिष्यतः | अञ्जयिष्यन्ति |
| अञ्जयिष्यसि | अञ्जयिष्यथः | अञ्जयिष्यथ |
| अञ्जयिष्यामि | अञ्जयिष्यावः | अञ्जयिष्यामः |
| क्रि० आञ्जयिष्यत् | आञ्जयिष्यताम् | आञ्जयिष्यन् |
| आञ्जयिष्यः | आञ्जयिष्यतम् | आञ्जयिष्यत |
| आञ्जयिष्यन् | आञ्जयिष्याव | आञ्जयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-------------------|
| व० अञ्जयेते | अञ्जयेते | अञ्जयन्ते |
| अञ्जयेसे | अञ्जयेथे | अञ्जयेध्वे |
| अञ्जये | अञ्जयावहे | अञ्जयामहे |
| स० अञ्जयेत | अञ्जयेयाताम् | अञ्जयेरन् |
| अञ्जयेथाः | अञ्जयेयाथाम् | अञ्जयेध्वम् |
| अञ्जयेथ | अञ्जयेवहि | अञ्जयेमहि |
| प० अञ्जयताम् | अञ्जयेताम् | अञ्जयन्ताम् |
| अञ्जयस्व | अञ्जयेथाम् | अञ्जयध्वम् |
| अञ्जये | अञ्जयावहे | अञ्जयामहे |
| ह० आञ्जयत | आञ्जयेताम् | आञ्जयन्त |
| आञ्जयथाः | आञ्जयेथाम् | आञ्जयध्वम् |
| आञ्जये | आञ्जयावहि | आञ्जयामहि |
| अ० आञ्जिजत | आञ्जिजेताम् | आञ्जिजन्त |
| आञ्जिजथाः | आञ्जिजेथाम् | आञ्जिजध्वम् |
| आञ्जिजे | आञ्जिजावहि | आञ्जिजामहि |
| प० अञ्जयाञ्चक्रे | अञ्जयाञ्चक्राते | अञ्जयाञ्चक्रिरे |
| अञ्जयाञ्चकृषे | अञ्जयाञ्चक्राथे | अञ्जयाञ्चक्रुध्वे |
| अञ्जयाञ्चक्रे | अञ्जयाञ्चक्रुवहे | अञ्जयाञ्चक्रुमहे |
| अञ्जयाम्बभूव | । | अञ्जयामास |
| आ० अञ्जयिषीष्ट | अञ्जयिषीयास्तम् | अञ्जयिषीरन् |
| अञ्जयिषीष्ठाः | अञ्जयिषीयास्थाम् | अञ्जयिषीध्वम् |
| अञ्जयिषीय | अञ्जयिषीवहि | अञ्जयिषीमहि |
| श्र० अञ्जयिता | अञ्जयितारौ | अञ्जयितारः |
| अञ्जयितासे | अञ्जयितासाथे | अञ्जयिताध्वे |
| अञ्जयिताहे | अञ्जयितास्वहे | अञ्जयितास्महे |
| भ० अञ्जयिष्यते | अञ्जयिष्येते | अञ्जयिष्यन्ते |
| अञ्जयिष्यसे | अञ्जयिष्येथे | अञ्जयिष्यध्वे |
| अञ्जयिष्ये | अञ्जयिष्यावहे | अञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० आञ्जयिष्यत | आञ्जयिष्येताम् | आञ्जयिष्यन्त |
| आञ्जयिष्यथाः | आञ्जयिष्येथाम् | आञ्जयिष्यध्वम् |
| आञ्जयिष्ये | आञ्जयिष्यावहि | आञ्जयिष्यामहि |

1489 ओविजैप् (विज्) भयचलनयोः । 1142
विष्क्रीवदूपाणि 1490 कृतैप् (कृत्) वेष्टने ।
1325 कृतैत्तदूपाणि

1491 उन्दैप् (उन्द्) क्लेदने

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० उन्दयति | उन्दयतः | उन्दयन्ति |
| उन्दयसि | उन्दयथः | उन्दयथ |
| उन्दयामि | उन्दयावः | उन्दयामः |
| स० उन्दयेत् | उन्दयेताम् | उन्दयेयुः |
| उन्दयेः | उन्दयेतम् | उन्दयेत |
| उन्दयेयम् | उन्दयेव | उन्दयेम |
| प० उन्दयतु | उन्दयतात् | उन्दयताम् |
| उन्दय | उन्दयतात् | उन्दयतम् |
| उन्दयानि | उन्दयाव | उन्दयाम |
| ह्य० औन्दयत् | औन्दयताम् | औन्दयन् |
| औन्दयः | औन्दयतम् | औन्दयत |
| औन्दयम् | औन्दयाव | औन्दयाम |
| अ० औन्दिदत् | औन्दिदताम् | औन्दिदन् |
| औन्दिदः | औन्दिदतम् | औन्दिदत |
| औन्दिदम् | औन्दिदाव | औन्दिदाम |
| प० उन्दयाञ्चकार | उन्दयाञ्चकतुः | उन्दयाञ्चकुः |
| उन्दयाञ्चक्य | उन्दयाञ्चकथुः | उन्दयाञ्चक |
| उन्दयाञ्चकार-चकर | उन्दयाञ्चकृव | उन्दयाञ्चकृम |
| उन्दयाम्बभूव | उन्दयामास | |
| भा० उन्द्यात् | उन्द्यास्ताम् | उन्द्यासुः |
| उन्द्याः | उन्द्यास्तम् | उन्द्यास्त |
| उन्द्यासम् | उन्द्यास्व | उन्द्यास्म |
| ध० उन्दयिता | उन्दयितारौ | उन्दयितारः |
| उन्दयितासि | उन्दयितास्थः | उन्दयितास्थ |
| उन्दयितास्मि | उन्दयितास्वः | उन्दयितास्मः |
| भ० उन्दयिष्यति | उन्दयिष्यतः | उन्दयिष्यन्ति |
| उन्दयिष्यसि | उन्दयिष्यथः | उन्दयिष्यथ |
| उन्दयिष्यामि | उन्दयिष्यावः | उन्दयिष्यामः |
| क्रि० औन्दयिष्यत् | औन्दयिष्यताम् | औन्दयिष्यन् |
| औन्दयिष्यः | औन्दयिष्यतम् | औन्दयिष्यत |
| औन्दयिष्यम् | औन्दयिष्याव | औन्दयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० उन्दयते | उन्दयेते | उन्दयन्ते |
| उन्दयसे | उन्दयेथे | उन्दयध्वे |
| उन्दये | उन्दयावहे | उन्दयामहे |
| स० उन्दयेत | उन्दयेयाताम् | उन्दयेयन् |
| उन्दयेथाः | उन्दयेयाथाम् | उन्दयेध्वम |
| उन्दयेय | उन्दयेवहि | उन्दयेमहि |
| प० उन्दयताम् | उन्दयेताम् | उन्दयन्ताम् |
| उन्दयस्व | उन्दयेथाम् | उन्दयध्वम् |
| उन्दये | उन्दयावहै | उन्दयामहै |
| ह्य० औन्दयत | औन्दयेताम् | औन्दयन्त |
| औन्दयथाः | औन्दयेथाम् | औन्दयध्वम् |
| औन्दये | औन्दयावहि | औन्दयामहि |
| अ० औन्दिदत | औन्दिदेताम् | औन्दिदन्त |
| औन्दिदथाः | औन्दिदेथाम् | औन्दिदध्वम् |
| औन्दिदे | औन्दिदावहि | औन्दिदामहि |
| प० उन्दयाञ्चके | उन्दयाञ्चकाते | उन्दयाञ्चक्रे |
| उन्दयाञ्चकृषे | उन्दयाञ्चकाथे | उन्दयाञ्चकृद्वे |
| उन्दयाञ्चके | उन्दयाञ्चकृवहे | उन्दयाञ्चकृमहे |
| उन्दयाम्बभूव | उन्दयामास | |
| आ० उन्दयिषीष्ट | उन्दयिषीयास्ताम् | उन्दयिषीरन् |
| उन्दयिषीष्टाः | उन्दयिषीयास्थाम् | उन्दयिषीद्वम् |
| उन्दयिषीय | उन्दयिषीवहि | उन्दयिषीमहि |
| श्र० उन्दयिता | उन्दयितारौ | उन्दयितारः |
| उन्दयितासे | उन्दयितासाथे | उन्दयिताध्वे |
| उन्दयिताहे | उन्दयितास्वहे | उन्दयितास्महे |
| भ० उन्दयिष्यते | उन्दयिष्येते | उन्दयिष्यन्ते |
| उन्दयिष्यसे | उन्दयिष्येथे | उन्दयिष्यध्वे |
| उन्दयिष्ये | उन्दयिष्यावहे | उन्दयिष्यामहे |
| क्रि० औन्दयिष्यत् | औन्दयिष्येताम् | औन्दयिष्यन्त |
| औन्दयिष्यथाः | औन्दयिष्येथाम् | औन्दयिष्यध्वम् |
| औन्दयिष्ये | औन्दयिष्यावहि | औन्दयिष्यामहि |

1493 पिच्छं (पिष्) सञ्चूर्णने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | पेषयति | पेषयतः | पेषयन्ति |
| | पेषयसि | पेषयथः | पेषयथ |
| | पेषयामि | पेषयावः | पेषयामः |
| स० | पेषयेत् | पेषयेताम् | पेषयेयुः |
| | पेषयेः | पेषयेतम् | पेषयेत |
| | पेषयेयम् | पेषयेव | पेषयेम |
| प० | पेषयतु | पेषयतात् | पेषयताम् |
| | पेषय | पेषयतात् | पेषयतम् |
| | पेषयाणि | पेषयाव | पेषयाम |
| ह्य० | अपेषयत् | अपेषयताम् | अपेषयन् |
| | अपेषयः | अपेषयतम् | अपेषयत |
| | अपेषयम् | अपेषयाव | अपेषयाम |
| भ० | अपीपिषत् | अपीपिषताम् | अपीपिषन् |
| | अपीपिषः | अपीपिषतम् | अपीपिषत |
| | अपीपिषम् | अपीपिषाव | अपीपिषाम |
| प० | पेषयाञ्चकार | पेषयाञ्चकृतु | पेषयाञ्चकुः |
| | पेषयाञ्चकथं | पेषयाञ्चकथुः | पेषयाञ्चक |
| | पेषयाञ्चकार-चकर | पेषयाञ्चकृव | पेषयाञ्चकृम |
| | पेषयाञ्चभूव | पेषयामास | |
| आ० | पेष्यात् | पेष्यास्ताम् | पेष्यासुः |
| | पेष्याः | पेष्यास्तम् | पेष्यास्त |
| | पेष्यासम् | पेष्यास्व | पेष्यास्म |
| श्च० | पेषयिता | पेषयितारौ | पेषयितारः |
| | पेषयितासि | पेषयितास्थः | पेषयितास्थ |
| | पेषयितास्मि | पेषयितास्वः | पेषयितास्मः |
| भ० | पेषयिष्यति | पेषयिष्यतः | पेषयिष्यन्ति |
| | पेषयिष्यसि | पेषयिष्यथः | पेषयिष्यथ |
| | पेषयिष्यामि | पेषयिष्यावः | पेषयिष्यामः |
| क्रि० | अपेषयिष्यत् | अपेषयिष्यताम् | अपेषयिष्यन् |
| | अपेषयिष्यः | अपेषयिष्यतम् | अपेषयिष्यत |
| | अपेषयिष्यम् | अपेषयिष्याव | अपेषयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-------------------|----------------|
| व० | पेषयते | पेषयते | पेषयन्ते |
| | पेषयसे | पेषयथे | पेषयन्थे |
| | पेषये | पेषयावहे | पेषयामहे |
| स० | पेषयेत् | पेषयेताम् | पेषयेयुः |
| | पेषयेथाः | पेषयेथाम् | पेषयेध्वम् |
| | पेषयेथ | पेषयेवहि | पेषयेमहि |
| प० | पेषयताम् | पेषयेताम् | पेषयन्ताम् |
| | पेषयस्व | पेषयेथाम् | पेषयध्वम् |
| | पेषये | पेषयावहे | पेषयामहे |
| ह्य० | अपेषयत | अपेषयेताम् | अपेषयन्त |
| | अपेषयथाः | अपेषयेथाम् | अपेषयध्वम् |
| | अपेषये | अपेषयावहि | अपेषयामहि |
| अ० | अपीपिषत् | अपीपिषेताम् | अपीपिषन्त |
| | अपीपिषथाः | अपीपिषेथाम् | अपीपिषध्वम् |
| | अपीपिषे | अपीपिषावहि | अपीपिषामहि |
| प० | पेषयाञ्चके | पेषयाञ्चकृते | पेषयाञ्च किरं |
| | पेषयाञ्चकृषे | पेषयाञ्चकृथे | पेषयाञ्चकृद्वे |
| | पेषयाञ्चके | पेषयाञ्चकृवहे | पेषयाञ्चकृमहे |
| | पेषयाञ्चभूव | पेषयामास | |
| आ० | पेषयिषीष्ट | पेषयिषीष्टास्ताम् | पेषयिषीष्टन् |
| | पेषयिषीष्टाः | पेषयिषीष्टास्ताम् | पेषयिषीष्ट्वम् |
| | पेषयिषीय | पेषयिषीवहि | पेषयिषीमहि |
| श्च० | पेषयिता | पेषयितारौ | पेषयितारः |
| | पेषयितासे | पेषयितासाश्च | पेषयिताश्च |
| | पेषयिताहे | पेषयितास्वहे | पेषयितास्महे |
| भ० | पेषयिष्यते | पेषयिष्येते | पेषयिष्यन्ते |
| | पेषयिष्यसे | पेषयिष्येथे | पेषयिष्यध्वम् |
| | पेषयिष्ये | पेषयिष्यावहे | पेषयिष्यामहे |
| क्रि० | अपेषयिष्यत् | अपेषयिष्येताम् | अपेषयिष्यन्त |
| | अपेषयिष्यथाः | अपेषयिष्येथाम् | अपेषयिष्यध्वम् |
| | अपेषयिष्ये | अपेषयिष्यावहि | अपेषयिष्यामहि |

1494 हिंसृप् (हिंस्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-------------------|----------------|---------------|
| १० | हिंसयति | हिंसयतः | हिंसयन्ति |
| | हिंसयसि | हिंसयथः | हिंसयथ |
| | हिंसयामि | हिंसयावः | हिंसयामः |
| २० | हिंसयेत् | हिंसयेताम् | हिंसयेयुः |
| | हिंसयेः | हिंसयेतम् | हिंसयेत |
| | हिंसयेयम् | हिंसयेव | हिंसयेन |
| ५० | हिंसयतु | हिंसयतात् | हिंसयताम् |
| | हिंसय | हिंसयतात् | हिंसयतम् |
| | हिंसयानि | हिंसयाव | हिंसयाम |
| ६० | अहिंसयत् | अहिंसयताम् | अहिंसयन् |
| | अहिंसयः | अहिंसयतम् | अहिंसयत |
| | अहिंसयम् | अहिंसयाव | अहिंसयाम |
| अ० | अजिहिंसत् | अजिहिंसताम् | अजिहिंसन् |
| | अजिहिंसः | अजिहिंसतम् | अजिहिंसत |
| | अजिहिंसम् | अजिहिंसाव | अजिहिंसाम |
| प० | हिंसयाञ्चकार | हिंसयाञ्चक्रुः | हिंसयाञ्चकुः |
| | हिंसयाञ्चकथं | हिंसयाञ्चकथुः | हिंसयाञ्चक |
| | हिंसयाञ्चकार-चक्र | हिंसयाञ्चकृव | हिंसयाञ्चकृम |
| | हिंसयःश्चभूव | हिंसयामास | |
| आ० | हिंस्यात् | हिंस्यास्ताम् | हिंस्यातुः |
| | हिंस्याः | हिंस्यास्तम् | हिंस्यास्त |
| | हिंस्यसम् | हिंस्यस्व | हिंस्यस्म |
| श्र० | हिंसयिता | हिंसयितारौ | हिंसयितारः |
| | हिंसयितासि | हिंसयितास्थः | हिंसयितास्थ |
| | हिंसयितास्मि | हिंसयितास्वः | हिंसयितास्मः |
| भ० | हिंसयिष्यति | हिंसयिष्यतः | हिंसयिष्यन्ति |
| | हिंसयिष्यसि | हिंसयिष्यथः | हिंसयिष्यथ |
| | हिंसयिष्यामि | हिंसयिष्यावः | हिंसयिष्यामः |
| क्रि० | अहिंसयिष्यत् | अहिंसयिष्यताम् | अहिंसयिष्यन् |
| | अहिंसयिष्यः | अहिंसयिष्यतम् | अहिंसयिष्यत |
| | अहिंसयिष्यम् | अहिंसयिष्याव | अहिंसयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | हिंसयते | हिंसयते | हिंसयन्ते |
| | हिंसयसे | हिंसयथे | हिंसयध्वे |
| | हिंसये | हिंसयावहे | हिंसयामहे |
| स० | हिंसयेत | हिंसयेयान्ताम् | हिंसयेरन् |
| | हिंसयेथाः | हिंसयेयाथाम् | हिंसयेध्वम् |
| | हिंसयेय | हिंसयेवहि | हिंसयेमहि |
| प० | हिंसयताम् | हिंसयताम् | हिंसयन्ताम् |
| | हिंसयस्व | हिंसयथाम् | हिंसयध्वम् |
| | हिंसयै | हिंसयावहे | हिंसयामहे |
| ह्य० | अहिंसयत | अहिंसयेताम् | अहिंसयन्त |
| | अहिंसयथाः | अहिंसयेथाम् | अहिंसयध्वम् |
| | अहिंसये | अहिंसयावहि | अहिंसयामहि |
| अ० | अजिहिंसत | अजिहिंसेताम् | अजिहिंसन्त |
| | अजिहिंसथाः | अजिहिंसेथाम् | अजिहिंसध्वम् |
| | अजिहिंसे | अजिहिंसावहि | अजिहिंसामहि |
| प० | हिंसयाञ्चके | हिंसयाञ्चकाते | हिंसयाञ्चकिरे |
| | हिंसयाञ्चकृषे | हिंसयाञ्चकृषे | हिंसयाञ्चकृष्वे |
| | हिंसयाञ्चके | हिंसयाञ्चकृवहे | हिंसयाञ्चकृमहे |
| | हिंसयाञ्चभूव | हिंसयामास | |
| आ० | हिंसयिषीष्ट | हिंसयिषीयास्ताम् | हिंसयिषीरन् |
| | हिंसयिषीष्टाः | हिंसयिषीयास्थाम् | हिंसयिषीह्वम् |
| | हिंसयिषीय | हिंसयिषीवहि | हिंसयिषीमहि |
| श्र० | हिंसयिता | हिंसयितारौ | हिंसयितारः |
| | हिंसयितासे | हिंसयितासाथे | हिंसयिताध्वे |
| | हिंसयिताहे | हिंसयितास्वहे | हिंसयितास्महे |
| भ० | हिंसयिष्यते | हिंसयिष्येते | हिंसयिष्यन्ते |
| | हिंसयिष्यसे | हिंसयिष्यथे | हिंसयिष्यध्वे |
| | हिंसयिष्ये | हिंसयिष्यावहे | हिंसयिष्यामहे |
| क्रि० | अहिंसयिष्यत | अहिंसयिष्यताम् | अहिंसयिष्यन्त |
| | अहिंसयिष्यथाः | अहिंसयिष्येथाम् | अहिंसयिष्यध्वम् |
| | अहिंसयिष्ये | अहिंसयिष्यावहि | अहिंसयिष्यामहि |

1495 तृष् (तृह्) हिंसायाम् । 1422 तृष्त्वाङ्गपाणि
 1496 खिदिप् (खिद्) द्वेभ्यः । 1259 खिदिच्च्ङ्गपाणि
 1497 विदिप् [विद्] विचारणे । 1099 विदक्वङ्गपाणि

1478 इन्धेपि (इन्ध) दीप्तौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | इन्धयति | इन्धयतः | इन्धयन्ति |
| | इन्धयसि | इन्धयथः | इन्धयथ |
| | इन्धयामि | इन्धयावः | इन्धयामः |
| स० | इन्धयेत् | इन्धयेताम् | इन्धयेयुः |
| | इन्धयेः | इन्धयेतम् | इन्धयेत |
| | इन्धयेयम् | इन्धयेव | इन्धयेम |
| प० | इन्धयतु | इन्धयतात् | इन्धयन्तु |
| | इन्धय | इन्धयतात् | इन्धयत |
| | इन्धयानि | इन्धयाव | इन्धयाम |
| ल० | ऐन्धयत् | ऐन्धयताम् | ऐन्धयन् |
| | ऐन्धयः | ऐन्धयतम् | ऐन्धयत |
| | ऐन्धयम् | ऐन्धयाव | ऐन्धयाम |
| अ० | ऐन्दिधत् | ऐन्दिधताम् | ऐन्दिधन् |
| | ऐन्दिधः | ऐन्दिधतम् | ऐन्दिधत |
| | ऐन्दिधम् | ऐन्दिधाव | ऐन्दिधाम |
| प० | इन्धयाञ्चकार | इन्धयाञ्चकतुः | इन्धयाञ्चकुः |
| | इन्धयाञ्चकथं | इन्धयाञ्चकथुः | इन्धयाञ्चक |
| | इन्धयाञ्चकार-चकर | इन्धयाञ्चकृव | इन्धयाञ्चकृम |
| | इन्धयाम्बभूव | । | इन्धयामास |
| आ० | इन्ध्यात् | इन्ध्यास्ताम् | इन्ध्यासुः |
| | इन्ध्याः | इन्ध्यास्ताम् | इन्ध्यास्त |
| | इन्ध्यासम् | इन्ध्यास्व | इन्ध्यासम |
| श्व० | इन्धयिता | इन्धयितारौ | इन्धयितारः |
| | इन्धयितासि | इन्धयितास्थः | इन्धयितास्थ |
| | इन्धयितास्मि | इन्धयितास्वः | इन्धयितास्मः |
| भ० | इन्धयिष्यति | इन्धयिष्यतः | इन्धयिष्यन्ति |
| | इन्धयिष्यसि | इन्धयिष्यथः | इन्धयिष्यथ |
| | इन्धयिष्यामि | इन्धयिष्यावः | इन्धयिष्यामः |
| क्रि० | पेन्धयिष्यत् | पेन्धयिष्यताम् | पेन्धयिष्यन् |
| | पेन्धयिष्यः | पेन्धयिष्यतम् | पेन्धयिष्यत |
| | पेन्धयिष्यम् | पेन्धयिष्याव | पेन्धयिष्याम |
| व० | इन्धयते | इन्धयते | इन्धयन्ते |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| | इन्धयते | इन्धयेथे | इन्धयध्वे |
| | इन्धये | इन्धयावहे | इन्धयामहे |
| स० | इन्धयेत | इन्धयेयाताम् | इन्धयेयन् |
| | इन्धयेथाः | इन्धयेयाथाम् | इन्धयेयम् |
| | इन्धयेय | इन्धयेवहि | इन्धयेमहि |
| प० | इन्धयताम् | इन्धयेताम् | इन्धयन्ताम् |
| | इन्धयस्व | इन्धयेथाम् | इन्धयध्वम् |
| | इन्धयै | इन्धयावहे | इन्धयामहे |
| ल० | ऐन्धयत | ऐन्धयेताम् | ऐन्धयन्त |
| | ऐन्धयथाः | ऐन्धयेथाम् | ऐन्धयध्वम् |
| | ऐन्धये | ऐन्धयावहि | ऐन्धयामहि |
| अ० | ऐन्दिधत् | ऐन्दिधताम् | ऐन्दिधन्त |
| | ऐन्दिधथाः | ऐन्दिधेथाम् | ऐन्दिधध्वम् |
| | ऐन्दिधे | ऐन्दिधावहि | ऐन्दिधामहि |
| प० | इन्धयाञ्चके | इन्धयाञ्चकते | इन्धयाञ्चक्रे |
| | इन्धयाञ्चकृषे | इन्धयाञ्चकथे | इन्धयाञ्चकृद्वे |
| | इन्धयाञ्चके | इन्धयाञ्चकृवहे | इन्धयाञ्चकृमहे |
| | इन्धयाम्बभूव | । | इन्धयामास |
| आ० | इन्धयिषीष्ट | इन्धयिषीयास्ताम् | इन्धयिषीरन् |
| | इन्धयिषीष्ठाः | इन्धयिषीयास्थाम् | इन्धयिषीद्वम् |
| | | | वृष |
| | इन्धयिषीय | इन्धयिषीवहि | इन्धयिषीमहि |
| श्व० | इन्धयिता | इन्धयितारौ | इन्धयितारः |
| | इन्धयितासे | इन्धयितासाथे | इन्धयिताध्वे |
| | इन्धयिताहे | इन्धयितारहे | इन्धयितारमहे |
| भ० | इन्धयिष्यते | इन्धयिष्यते | इन्धयिष्यन्ते |
| | इन्धयिष्यसे | इन्धयिष्येथे | इन्धयिष्यध्वे |
| | इन्धयिष्ये | इन्धयिष्यावहे | इन्धयिष्यामहे |
| क्रि० | पेन्धयिष्यत् | पेन्धयिष्येताम् | पेन्धयिष्यन्त |
| | पेन्धयिष्यथाः | पेन्धयिष्येथाम् | पेन्धयिष्यध्वम् |
| | पेन्धयिष्ये | पेन्धयिष्यावहि | पेन्धयिष्यामहि |

धातुरत्नाकरस्य णिगन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनि-
रूपणे द्वितीयभागे रुधादिगणः सम्पूर्णः

॥ अथ तनादयः ॥

1499 तनूयी (तन्) विस्तारे ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| ५० तानयति | तानयतः | तानयन्ति |
| तानयसि | तानयथः | तानयथ |
| तानयामि | तानयावः | तानयामः |
| स० तानयेत् | तानयेताम् | तानयेयुः |
| तानयेः | तानयेतम् | तानयेत |
| तानयेयम् | तानयेव | तानयेम |
| प० तानयतु | तानयतात् | तानयताम् |
| तानय | तानयतात् | तानयतम् |
| तानयानि | तानयाव | तानयाम |
| अ० अतानयत् | अतानयताम् | अतानयन् |
| अतानयः | अतानयतम् | अतानयत |
| अतानयम् | अतानयाव | अतानयाम |
| अ० अतीतनत् | अतीतनताम् | अतीतनन् |
| अतीतनः | अतीतनतम् | अतीतनत |
| अतीतनम् | अतीतनाव | अतीतनाम |
| प० तानया बकार | तानयाश्चक्रुः | तानयाश्चक्रुः |
| तानयाश्चक्रथ | तानयाश्चक्रथुः | तानयाश्चक्र |
| तानयाश्चक्र-चक्र | तानयाश्चक्रव | तानयाश्चक्रम् |
| तानयाश्चक्रुव | । तानयामास | |
| आ० तान्यात् | तान्यास्ताम् | तान्यासुः |
| तान्याः | तान्यास्तम् | तान्यास्त |
| तान्यासम् | तान्यास्व | तान्यास्म |
| श्व० तानयिता | तानयितारौ | तानयितारः |
| तानयितासि | तानयितास्थः | तानयितास्थ |
| तानयितास्मि | तानयितास्वः | तानयितास्मः |
| अ० तानयिष्यति | तानयिष्यतः | तानयिष्यन्ति |
| तानयिष्यसि | तानयिष्यथः | तानयिष्यथ |
| तानयिष्यामि | तानयिष्यावः | तानयिष्यामः |
| क्रि० अतानयिष्यत् | अतानयिष्यताम् | अतानयिष्यन् |
| अतानयिष्यः | अतानयिष्यतम् | अतानयिष्यत |
| अतानयिष्यम् | अतानयिष्याव | अतानयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| व० तानयते | तानयेते | तानयन्ते |
| तानयसे | तानयेथे | तानयध्वे |
| तानये | तानयावहे | तानयाभहे |
| स० तानयेत | तानयेयाताम् | तानयेरन् |
| तानयेथाः | तानयेयाथाम् | तानयेध्वम् |
| तानयेथ | तानयेवहि | तानयेमहि |
| प० तानयताम् | तानयेताम् | तानयन्ताम् |
| तानयस्व | तानयेथाम् | तानयध्वम् |
| तानयै | तानयावहे | तानयामहे |
| अ० अतानयत | अतानयेताम् | अतानयन्त |
| अतानयथाः | अतानयेथाम् | अतानयध्वम् |
| अतानये | अतानयावहि | अतानयामहि |
| अ० अतीतनत | अतीतनेताम् | अतीतनन्त |
| अतीतनथाः | अतीतनेथाम् | अतीतनध्वम् |
| अतीतने | अतीतनावहि | अतीतनामहि |
| प० तानयाश्चके | तानयाश्चकाते | तानयाश्चकिरे |
| तानयाश्चक्रुषे | तानयाश्चक्राथे | तानयाश्चक्रुध्वे |
| तानयाश्चके | तानयाश्चक्रुवहे | तानयाश्चक्रुमहे |
| तानयाश्चक्रुव | । तानयामास | |
| आ० तानयिषीष्ट | तानयिषीष्टाताम् | तानयिषीरन् |
| तानयिषीष्टाः | तानयिषीष्टाथाम् | तानयिषीष्टध्वम् |
| तानयिषीथ | तानयिषीवहि | तानयिषीमहि |
| श्व० तानयिता | तानयितारौ | तानयितारः |
| तानयितासे | तानयितासथे | तानयितास्व |
| तानयिताहे | तानयितास्वहे | तानयितास्महे |
| अ० तानयिष्यते | तानयिष्येते | तानयिष्यन्ते |
| तानयिष्यसे | तानयिष्येथे | तानयिष्यध्वे |
| तानयिष्ये | तानयिष्यावहे | तानयिष्यामहे |
| क्रि० अतानयिष्यत | अतानयिष्यताम् | अतानयिष्यन्त |
| अतानयिष्यथाः | अतानयिष्येथाम् | अतानयिष्यध्वम् |
| अतानयिष्ये | अतानयिष्यावहि | अतानयिष्यामहि |

1501 क्षण्यी (क्षण्) हिंसायाम् ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० क्षणयति | क्षणयतः | क्षणयन्ति |
| क्षणयति | क्षणयथः | क्षणयथ |
| क्षणयामि | क्षणयावः | क्षणयामः |
| स० क्षणयेत् | क्षणयेताम् | क्षणयेयुः |
| क्षणयेः | क्षणयेतम् | क्षणयेत |
| क्षणयेयम् | क्षणयेव | क्षणयेम |
| प० क्षणयतु | क्षणयतात् | क्षणयन्तु |
| क्षणय | क्षणयतात् | क्षणयतम् |
| क्षणयानि | क्षणयाव | क्षणयाम |
| ह्य० अक्षणयत् | अक्षणयताम् | अक्षणयन् |
| अक्षणयः | अक्षणयतम् | अक्षणयत |
| अक्षणयम् | अक्षणयाव | अक्षणयाम |
| अ० अचिक्षणत् | अचिक्षणताम् | अचिक्षणन् |
| अचिक्षणः | अचिक्षणतम् | अचिक्षणत |
| अचिक्षणम् | अचिक्षणाव | अचिक्षणाम |
| प० क्षणयाञ्चकार | क्षणयाञ्चक्रुः | क्षणयाञ्चकुः |
| क्षणयाञ्चकथं | क्षणयाञ्चकथुः | क्षणयाञ्चक |
| क्षणयाञ्चकार-चकर | क्षणयाञ्चकृव | क्षणयाञ्चकृम |
| क्षणयाम्बभूव | क्षणयामास | |
| आ० क्षणयात् | क्षणयास्ताम् | क्षणयासुः |
| क्षणयाः | क्षणयास्तम् | क्षणयास्त |
| क्षणयासम् | क्षणयास्व | क्षणयास्म |
| क्ष० क्षणयिता | क्षणयितारौ | क्षणयितारः |
| क्षणयितासि | क्षणयितास्थः | क्षणयितास्थ |
| क्षणयितास्मि | क्षणयितास्वः | क्षणयितास्मः |
| भ० क्षणयिष्यति | क्षणयिष्यतः | क्षणयिष्यन्ति |
| क्षणयिष्यसि | क्षणयिष्यथः | क्षणयिष्यथ |
| क्षणयिष्यामि | क्षणयिष्यावः | क्षणयिष्यामः |
| क्रि० अक्षणयिष्यत् | अक्षणयिष्यताम् | अक्षणयिष्यन् |
| अक्षणयिष्यः | अक्षणयिष्यतम् | अक्षणयिष्यत |
| अक्षणयिष्यम् | अक्षणयिष्याव | अक्षणयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| ब० क्षणयते | क्षणयन्ते | क्षणयन्ते |
| क्षणयसे | क्षणयेथे | क्षणयन्थे |
| क्षणये | क्षणयावहे | क्षणयामहे |
| स० क्षणयेत | क्षणयेयाताम् | क्षणयेयन् |
| क्षणयेथाः | क्षणयेयाथाम् | क्षणयेयाम् |
| क्षणयेय | क्षणयेवहि | क्षणयेमहि |
| प० क्षणयताम् | क्षणयेताम् | क्षणयन्ताम् |
| क्षणयस्व | क्षणयेथाम् | क्षणयन्वम् |
| क्षणयै | क्षणयावहै | क्षणयामहै |
| ह्य० अक्षणयत | अक्षणयेताम् | अक्षणयन्त |
| अक्षणयथाः | अक्षणयेथाम् | अक्षणयन्वम् |
| अक्षणये | अक्षणयावहि | अक्षणयामहि |
| अ० अचिक्षणत | अचिक्षणताम् | अचिक्षणन्त |
| अचिक्षणयाः | अचिक्षणेथाम् | अचिक्षणन्वम् |
| अचिक्षणे | अचिक्षणावहि | अचिक्षणामहि |
| प० क्षणयाञ्चके | क्षणयाञ्चक्राते | क्षणयाञ्चकिरे |
| क्षणयाञ्चकृषे | क्षणयाञ्चकाथे | क्षणयाञ्चकृत्वे |
| क्षणयाञ्चके | क्षणयाञ्चकृवहे | क्षणयाञ्चकृमहे |
| क्षणयाञ्चभूव | क्षणयामास | |
| आ० क्षणयिषीष्ट | क्षणयिषीयास्ताम् | क्षणयिषीरन् |
| क्षणयिषीष्ठाः | क्षणयिषीयास्थाम् | क्षणयिषीह्वम् |
| क्षणयिषीय | क्षणयिषीरहि | क्षणयिषीमहि |
| श्र० क्षणयिता | क्षणयितारौ | क्षणयितारः |
| क्षणयितासे | क्षणयितासाथे | क्षणयितान्वे |
| क्षणयिताहे | क्षणयितास्वहे | क्षणयितास्महे |
| भ० क्षणयिष्यते | क्षणयिष्येते | क्षणयिष्यन्ते |
| क्षणयिष्यसे | क्षणयिष्येथे | क्षणयिष्यन्थे |
| क्षणयिष्ये | क्षणयिष्यानहे | क्षणयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षणयिष्यत | अक्षणयिष्यताम् | अक्षणयिष्यन्त |
| अक्षणयिष्यथाः | अक्षणयिष्येथाम् | अक्षणयिष्यन्वम् |
| अक्षणयिष्ये | अक्षणयिष्यावहि | अक्षणयिष्यामहि |

1502 क्षिण्यी (क्षिण) दाने ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | क्षेणयति | क्षेणयतः | क्षेणयन्ति |
| | क्षेणयसि | क्षेणयथः | क्षेणयथ |
| | क्षेणयामि | क्षेणयावः | क्षेणयामः |
| स० | क्षेणयेत् | क्षेणयेताम् | क्षेणयेयुः |
| | क्षेणयेः | क्षेणयेतम् | क्षेणयेत |
| | क्षेणयेयम् | क्षेणयेव | क्षेणयेम |
| प० | क्षेणयतु | क्षेणयतात् | क्षेणयताम् |
| | क्षेणय | क्षेणयतात् | क्षेणयतम् |
| | क्षेणयानि | क्षेणयाव | क्षेणयाम |
| ह्य० | अक्षेणयत् | अक्षेणयताम् | अक्षेणयन् |
| | अक्षेणयः | अक्षेणयतम् | अक्षेणयत |
| | अक्षेणयम् | अक्षेणयाव | अक्षेणयाम |
| अ० | अचिक्षिणत् | अचिक्षिणताम् | अचिक्षिणन् |
| | अचिक्षिणः | अचिक्षिणतम् | अचिक्षिणत |
| | अचिक्षिणम् | अचिक्षिणाव | अचिक्षिणाम |
| प० | क्षेणयाञ्चकार | क्षेणयाञ्चक्रतुः | क्षेणयाञ्चक्रुः |
| | क्षेणयाञ्चकथं | क्षेणयाञ्चक्रथुः | क्षेणयाञ्चक्र |
| | क्षेणयाञ्चकार-चकर | क्षेणयाञ्चकृव | क्षेणयाञ्चकृम |
| | क्षेणयाञ्चभूव | क्षेणयामास | |
| आ० | क्षेण्यात् | क्षेण्यास्ताम् | क्षेण्यासुः |
| | क्षेण्याः | क्षेण्यास्तम् | क्षेण्यास्त |
| | क्षेण्यासम् | क्षेण्यास्व | क्षेण्यास्म |
| ।० | क्षेणयिता | क्षेणयितारौ | क्षेणयितारः |
| | क्षेणयितासि | क्षेणयितास्थः | क्षेणयितास्थ |
| | क्षेणयितास्मि | क्षेणयितास्वः | क्षेणयितास्म |
| भ० | क्षेणयिष्यति | क्षेणयिष्यतः | क्षेणयिष्यन्ति |
| | क्षेणयिष्यसि | क्षेणयिष्यथः | क्षेणयिष्यथ |
| | क्षेणयिष्यामि | क्षेणयिष्यावः | क्षेणयिष्यामः |
| क्रि० | अक्षेणयिष्यत् | अक्षेणयिष्यताम् | अक्षेणयिष्यन् |
| | अक्षेणयिष्यः | अक्षेणयिष्यतम् | अक्षेणयिष्यत |
| | अक्षेणयिष्यम् | अक्षेणयिष्याव | अक्षेणयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | क्षेणयते | क्षेणयेते | क्षेणयन्ते |
| | क्षेणयसे | क्षेणयेथे | क्षेणयन्थे |
| | क्षेणये | क्षेणयावहे | क्षेणयामहे |
| स० | क्षेणयेत् | क्षेणयेताम् | क्षेणयेरन् |
| | क्षेणयेथाः | क्षेणयेथाथाम् | क्षेणयेध्वम् |
| | क्षेणयेय | क्षेणयेवहि | क्षेणयेमहि |
| प० | क्षेणयताम् | क्षेणयेताम् | क्षेणयन्ताम् |
| | क्षेणयस्व | क्षेणयेथाम् | क्षेणयध्वम् |
| | क्षेणये | क्षेणयावहै | क्षेणयामहै |
| ह्य० | अक्षेणयत | अक्षेणयेताम् | अक्षेणयन्त |
| | अक्षेणयथाः | अक्षेणयेथाम् | अक्षेणयध्वम् |
| | अक्षेणये | अक्षेणयावहि | अक्षेणयामहि |
| अ० | अचिक्षिणत | अचिक्षिणेताम् | अचिक्षिणन्त |
| | अचिक्षिणथाः | अचिक्षिणेथाम् | अचिक्षिणध्वम् |
| | अचिक्षिणे | अचिक्षिणावहि | अचिक्षिणामहि |
| प० | क्षेणयाञ्चके | क्षेणयाञ्चकाले | क्षेणयाञ्चकिरे |
| | क्षेणयाञ्चकृषे | क्षेणयाञ्चकृथे | क्षेणयाञ्चकृध्वे |
| | क्षेणयाञ्चके | क्षेणयाञ्चकृवहे | क्षेणयाञ्चकृमहे |
| | क्षेणयाम्बभूव | क्षेणयामास | |
| आ० | क्षेणयिषीष्ट | क्षेणयिषीयास्ताम् | क्षेणयिषीरन् |
| | क्षेणयिषीष्ठाः | क्षेणयिषीयाथाम् | क्षेणयिषीध्वम् |
| | क्षेणयिषीय | क्षेणयिषीवहि | क्षेणयिषीमहि |
| श्र० | क्षेणयिता | क्षेणयितारौ | क्षेणयितारः |
| | क्षेणयितासि | क्षेणयितास्थे | क्षेणयिताध्वे |
| | क्षेणयिताहे | क्षेणयितास्वहे | क्षेणयितास्महे |
| भ० | क्षेणयिष्यते | क्षेणयिष्येते | क्षेणयिष्यन्ते |
| | क्षेणयिष्यसे | क्षेणयिष्येथे | क्षेणयिष्यन्थे |
| | क्षेणयिष्य | क्षेणयिष्यावहे | क्षेणयिष्यामहे |
| क्रि० | अक्षेणयिष्यत् | अक्षेणयिष्यताम् | अक्षेणयिष्यन्त |
| | अक्षेणयिष्यथाः | अक्षेणयिष्येथाम् | अक्षेणयिष्यध्वम् |
| | अक्षेणयिष्ये | अक्षेणयिष्यावहि | अक्षेणयिष्यामहि |

1503 ऋण्ययी (ऋण्य) गतौ ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|---------------|
| व० | अर्णयति | अर्णयतः | अर्णयन्ति |
| | अर्णयसि | अर्णयथः | अर्णयथ |
| | अर्णयामि | अर्णयावः | अर्णयामः |
| स० | अर्णयेत् | अर्णयेताम् | अर्णयेयुः |
| | अर्णयेः | अर्णयेतम् | अर्णयेत |
| | अर्णयेयम् | अर्णयेव | अर्णयेम |
| प० | अर्णयन्तु | अर्णयतात् | अर्णयताम् |
| | अर्णय | अर्णयतात् | अर्णयतम् |
| | अर्णयान्ति | अर्णयाव | अर्णयाम |
| ह्य० | आर्णयत | आर्णयताम् | आर्णयन् |
| | आर्णयः | आर्णयतम् | आर्णयत |
| | आर्णयम् | आर्णयाव | आर्णयाम |
| अ० | आर्णिणत् | आर्णिणताम् | आर्णिणन् |
| | आर्णिणः | आर्णिणतम् | आर्णिणत |
| | आर्णिणम् | आर्णिणाव | आर्णिणाम |
| प० | अर्णयाञ्चकार | अर्णयाञ्चकतुः | अर्णयाञ्चकुः |
| | अर्णयाञ्चकथं | अर्णयाञ्चकथुः | अर्णयाञ्चक |
| | अर्णयाञ्चकार-चकर | अर्णयाञ्चकृव | अर्णयाञ्चकृम |
| | अर्णयाम्बभूव | । | अर्णयामास |
| आ० | अर्णयात् | अर्ण्यास्ताम् | अर्ण्यासुः |
| | अर्ण्याः | अर्ण्यास्तम् | अर्ण्यास्त |
| | अर्ण्यासम् | अर्ण्यास्व | अर्ण्यास्म |
| श्व० | अर्णयिता | अर्णयितारौ | अर्णयितारः |
| | अर्णयितासि | अर्णयितास्थः | अर्णयितास्थ |
| | अर्णयितास्मि | अर्णयितास्वः | अर्णयितास्मः |
| भ० | अर्णयिष्यति | अर्णयिष्यतः | अर्णयिष्यन्ति |
| | अर्णयिष्यसि | अर्णयिष्यथः | अर्णयिष्यथ |
| | अर्णयिष्यामि | अर्णयिष्यावः | अर्णयिष्यामः |
| क्रि० | आर्णयिष्यत् | आर्णयिष्यताम् | आर्णयिष्यन् |
| | आर्णयिष्यः | आर्णयिष्यतम् | आर्णयिष्यत |
| | आर्णयिष्यम् | आर्णयिष्याव | आर्णयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-------------------|
| व० | अर्णयेते | अर्णयेते | अर्णयन्ते |
| | अर्णयेसे | अर्णयेथे | अर्णयन्थे |
| | अर्णये | अर्णयावहे | अर्णयामहे |
| स० | अर्णयेत् | अर्णयेताताम् | अर्णयेरन् |
| | अर्णयेथाः | अर्णयेथाथाम् | अर्णयेथ्वम् |
| | अर्णयेय | अर्णयेवहि | अर्णयेमहि |
| प० | अर्णयेताम् | अर्णयेताम् | अर्णयन्ताम् |
| | अर्णयेस्व | अर्णयेथाम् | अर्णयेथ्वम् |
| | अर्णये | अर्णयावहे | अर्णयामहे |
| ह्य० | आर्णयत | आर्णयेताम् | आर्णयन्त |
| | आर्णयथाः | आर्णयेथाम् | आर्णयेथ्वम् |
| | आर्णये | आर्णयावहि | आर्णयामहि |
| अ० | आर्णिणत | आर्णिणेताम् | आर्णिणन्त |
| | आर्णिणथाः | आर्णिणेतथाम् | आर्णिणन्थ्वम् |
| | आर्णिणे | आर्णिणावहि | आर्णिणामहि |
| प० | अर्णयाञ्चक्रे | अर्णयाञ्चक्रेते | अर्णयाञ्चक्रेरे |
| | अर्णयाञ्चकृषे | अर्णयाञ्चकृषे | अर्णयाञ्चकृष्ट्वे |
| | अर्णयाञ्चक्रे | अर्णयाञ्चकृवहे | अर्णयाञ्चकृमहे |
| | अर्णयाम्बभूव | । | अर्णयामास |
| आ० | अर्णयिषीष्ट | अर्णयिषीयास्ताम् | अर्णयिषीरन् |
| | अर्णयिषीष्टा | अर्णयिषीयास्थाम् | अर्णयिषीष्ट्वम् |
| | अर्णयिषीय | अर्णयिषीवहि | अर्णयिषीमहि |
| श्व० | अर्णयिता | अर्णयितारौ | अर्णयितारः |
| | अर्णयितासे | अर्णयितासाथे | अर्णयितास्थे |
| | अर्णयिताहे | अर्णयितास्वहे | अर्णयितास्महे |
| भ० | अर्णयिष्यते | अर्णयिष्येते | अर्णयिष्यन्ते |
| | अर्णयिष्यसे | अर्णयिष्येथे | अर्णयिष्यन्थे |
| | अर्णयिष्ये | अर्णयिष्यावहे | अर्णयिष्यामहे |
| क्रि० | आर्णयिष्यत | आर्णयिष्येताम् | आर्णयिष्यन्त |
| | आर्णयिष्यथाः | आर्णयिष्येतथाम् | आर्णयिष्यन्थ्वम् |
| | आर्णयिष्ये | आर्णयिष्यावहि | आर्णयिष्यामहि |

1504 तृण्यी (तृण) अदने ।

| | | | |
|-------|----------------|----------------|---------------|
| व० | तर्णयति | तर्णयतः | तर्णयन्ति |
| | तर्णयसि | तर्णयथः | तर्णयथ |
| | तर्णयामि | तर्णयावः | तर्णयामः |
| स० | तर्णयेत् | तर्णयेताम् | तर्णयेयुः |
| | तर्णयेः | तर्णयेतम् | तर्णयेत |
| | तर्णयेयम् | तर्णयेव | तर्णयेम |
| प० | तर्णयतु | तर्णयतात् | तर्णयताम् |
| | तर्णय | तर्णयतात् | तर्णयतम् |
| | तर्णयानि | तर्णयाव | तर्णयाम |
| झ० | अतर्णयत् | अतर्णयताम् | अतर्णयन् |
| | अतर्णयः | अतर्णयतम् | अतर्णयत |
| | अतर्णयम् | अतर्णयाव | अतर्णयाम |
| अ० | अतीतृणत् | अतीतृणताम् | अतीतृणन् |
| | अतीतृणः | अतीतृणतम् | अतीतृणत |
| | अतीतृणम् | अतीतृणाव | अतीतृणाम |
| | अतर्णत् | अतर्णताम् | अतर्णन् इ० |
| प० | तर्णयाबकार | तर्णयाबकतुः | तर्णयाबकुः |
| | तर्णयाबकथं | तर्णयाबकथुः | तर्णयाबक |
| | तर्णयाबकार-चकर | तर्णयाबकृव | तर्णयाबकृम |
| | तर्णयाम्बभूव | । तर्णयामास | |
| आ० | तर्ण्यात् | तर्ण्यास्ताम् | तर्ण्यासुः |
| | तर्ण्याः | तर्ण्यास्तम् | तर्ण्यास्त |
| | तर्ण्यासम् | तर्ण्यास्व | तर्ण्यास्म |
| श्व० | तर्णयिता | तर्णयितारो | तर्णयितारः |
| | तर्णयितासि | तर्णयितास्यः | तर्णयितास्य |
| | तर्णयितास्मि | तर्णयितास्वः | तर्णयितास्मः |
| भ० | तर्णयिष्यति | तर्णयिष्यतः | तर्णयिष्यन्ति |
| | तर्णयिष्यसि | तर्णयिष्यथः | तर्णयिष्यथ |
| | तर्णयिष्यामि | तर्णयिष्यावः | तर्णयिष्यामः |
| क्रि० | अतर्णयिष्यत् | अतर्णयिष्यताम् | अतर्णयिष्यन् |
| | अतर्णयिष्यः | अतर्णयिष्यतम् | अतर्णयिष्यत |
| | अतर्णयिष्यम् | अतर्णयिष्याव | अतर्णयिष्याम |

(अदनादन्यत्रार्थ-आत्मनेपदम्-)

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | तर्णयते | तर्णयेत | तर्णयन्ते |
| | तर्णयसे | तर्णयेथे | तर्णयध्वे |
| | तर्णये | तर्णयावहे | तर्णयामहे |
| स० | तर्णयेत | तर्णयेयाताम् | तर्णयेरन् |
| | तर्णयेथाः | तर्णयेथायाम् | तर्णयेध्वम् |
| | तर्णयेय | तर्णयेवहि | तर्णयेमहि |
| प० | तर्णयेताम् | तर्णयेताम् | तर्णयन्ताम् |
| | तर्णयस्व | तर्णयेथाम् | तर्णयध्वम् |
| | तर्णये | तर्णयावहे | तर्णयामहे |
| झ० | अतर्णयत | अतर्णयेताम् | अतर्णयन्त |
| | अतर्णयथाः | अतर्णयेथाम् | अतर्णयध्वम् |
| | अतर्णये | अतर्णयावहि | अतर्णयामहि |
| अ० | अतीतृणत | अतीतृणताम् | अतीतृणन्त |
| | अतीतृणथाः | अतीतृणथाम् | अतीतृणध्वम् |
| | अतीतृणे | अतीतृणावहि | अतीतृणामहि |
| | अतर्णत | अतर्णताम् | अतर्णन्त इ० |
| प० | तर्णयाबक्रे | तर्णयाबक्रेते | तर्णयाबक्रेरे |
| | तर्णयाबकृवे | तर्णयाबकृवेथे | तर्णयाबकृवेध्वे |
| | तर्णयाबक्रे | तर्णयाबकृवहे | तर्णयाबकृमहे |
| | तर्णयाम्बभूव | । तर्णयामास | |
| आ० | तर्णयिषीष्ट | तर्णयिषीष्टताम् | तर्णयिषीन् |
| | तर्णयिषीष्टाः | तर्णयिषीष्टायाम् | तर्णयिषीध्वम् |
| | तर्णयिषीय | तर्णयिषीवहि | तर्णयिषीमहि |
| श्व० | तर्णयिता | तर्णयितारो | तर्णयितारः |
| | तर्णयितासे | तर्णयितासाथे | तर्णयिताध्वे |
| | तर्णयिताहे | तर्णयितास्वहे | तर्णयितास्महे |
| भ० | तर्णयिष्यते | तर्णयिष्येते | तर्णयिष्यन्ते |
| | तर्णयिष्यसे | तर्णयिष्येथे | तर्णयिष्यध्वे |
| | तर्णयिष्ये | तर्णयिष्यावहे | तर्णयिष्यामहे |
| क्रि० | अतर्णयिष्यत | अतर्णयिष्येताम् | अतर्णयिष्यन्त |
| | अतर्णयिष्यथाः | अतर्णयिष्येथाम् | अतर्णयिष्यध्वम् |
| | अतर्णयिष्ये | अतर्णयिष्यावहि | अतर्णयिष्यामहि |

1505 घृण्ययी (घृण्) दीप्तौ ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|----------------|
| व० | घर्णयति | घर्णयतः | घर्णयन्ति |
| | घर्णयसि | घर्णयथः | घर्णयथ |
| | घर्णयामि | घर्णयावः | घर्णयामः |
| स० | घर्णयेत् | घर्णयेताम् | घर्णयेयुः |
| | घर्णयेः | घर्णयेतम् | घर्णयेत |
| | घर्णयेयम् | घर्णयेव | घर्णयेम |
| प० | घर्णयतु | घर्णयतात् | घर्णयताम् |
| | घर्णय | घर्णयतात् | घर्णयतम् |
| | घर्णयानि | घर्णयाव | घर्णयाम |
| अ० | अघर्णयत् | अघर्णयताम् | अघर्णयन् |
| | अघर्णयः | अघर्णयतम् | अघर्णयत |
| | अघर्णयम् | अघर्णयाव | अघर्णयाम |
| अ० | अजीघृणत् | अजीघृणताम् | अजीघृणन् |
| | अजीघृणः | अजीघृणतम् | अजीघृणत |
| | अजीघृणम् | अजीघृणाव | अजीघृणाम |
| | अजघर्णात् | अजघर्णताम् | अजघर्णन् इ० |
| प० | घर्णयाश्चकार | घर्णयाश्चक्रुः | घर्णयाश्चकुः |
| | घर्णयाश्चकथं | घर्णयाश्चकथुः | घर्णयाश्चक |
| | घर्णयाश्चकार-चकर | घर्णयाश्चकृव | घर्णयाश्चकुम |
| | घर्णयाम्बभूव | । घर्णयामास | |
| आ० | घर्ण्यात् | घर्ण्यास्ताम् | घर्ण्यासुः |
| | घर्ण्याः | घर्ण्यास्तम् | घर्ण्यास्त |
| | घर्ण्यासम् | घर्ण्यास्व | घर्ण्यास्म |
| श्व० | घर्णयिता | घर्णयितारौ | घर्णयितारः |
| | घर्णयितासि | घर्णयितास्थः | घर्णयितास्थ |
| | घर्णयितास्मि | घर्णयितास्वः | घर्णयितास्मः |
| अ० | अघर्णयिष्यति | अघर्णयिष्यतः | अघर्णयिष्यन्ति |
| | अघर्णयिष्यसि | अघर्णयिष्यथः | अघर्णयिष्यथ |
| | अघर्णयिष्यामि | अघर्णयिष्यावः | अघर्णयिष्यामः |
| क्रि० | अघर्णयिष्यत् | अघर्णयिष्यताम् | अघर्णयिष्यन् |
| | अघर्णयिष्यः | अघर्णयिष्यतम् | अघर्णयिष्यत |
| | अघर्णयिष्यम् | अघर्णयिष्याव | अघर्णयिष्याम |
| व० | घर्णयते | घर्णयते | घर्णयन्ते |
| | घर्णयसे | घर्णयसे | घर्णयन्ते |

| | | |
|--------|---------------|------------------|
| घर्णये | घर्णयावहे | घर्णयामहे |
| स० | घर्णयेत | घर्णयेताम् |
| | घर्णयेथाः | घर्णयेथायाम् |
| | घर्णयेय | घर्णयेवहि |
| प० | घर्णयेताम् | घर्णयेताम् |
| | घर्णयेयव | घर्णयेथाम् |
| | घर्णये | घर्णयावहे |
| अ० | अघर्णयत | अघर्णयेताम् |
| | अघर्णयथाः | अघर्णयेथाम् |
| | अघर्णये | अघर्णयावहि |
| अ० | अजीघृणत | अजीघृणताम् |
| | अजीघृणथाः | अजीघृणथाम् |
| | अजीघृणे | अजीघृणावहि |
| | अजघर्णत | अजघर्णताम् |
| प० | घर्णयाश्चक्रे | घर्णयाश्चक्राते |
| | घर्णयाश्चकृषे | घर्णयाश्चक्राये |
| | घर्णयाश्चक्रे | घर्णयाश्चक्रवहे |
| | घर्णयाम्बभूव | । घर्णयामास |
| आ० | घर्णयिषीष्ट | घर्णयिषीयास्ताम् |
| | घर्णयिषीष्टाः | घर्णयिषीयास्थाम् |
| | घर्णयिषीय | घर्णयिषीवहि |
| श्व० | घर्णयिता | घर्णयितारौ |
| | घर्णयितासे | घर्णयितासाथे |
| | घर्णयिताहे | घर्णयितास्वहे |
| अ० | अघर्णयिष्यते | अघर्णयिष्येते |
| | अघर्णयिष्यसे | अघर्णयिष्येथे |
| | अघर्णयिष्ये | अघर्णयिष्यावहे |
| क्रि० | अघर्णयिष्यत | अघर्णयिष्येताम् |
| | अघर्णयिष्यथाः | अघर्णयिष्येथाम् |
| | अघर्णयिष्ये | अघर्णयिष्यावहि |

1506 वनूयि (वन्) याचने । 328 वनवद्रूपाणि

1507 मन्ूयि (मन्) बोधने । 1263 मनिचवद्रूपाणि
धातुरत्नाकरस्य णिगन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनि-
रूपणे द्वितीयभागे तनादिगणः सम्पूर्णः

॥ अथ क्रयादयः ॥

1508 डुकीं गश् (की) द्व्यविनिमये ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | क्रापयति | क्रापयतः | क्रापयन्ति |
| | क्रापयसि | क्रापयथः | क्रापयथ |
| | क्रापयामि | क्रापयावः | क्रापयामः |
| स० | क्रापयेत् | क्रापयेताम् | क्रापयेयुः |
| | क्रापयेः | क्रापयेतम् | क्रापयेत |
| | क्रापयेथम् | क्रापयेव | क्रापयेम |
| प० | क्रापयतु | क्रापयतात् | क्रापयताम् |
| | क्रापय | क्रापयतात् | क्रापयतम् |
| | क्रापयाणि | क्रापयाव | क्रापयाम |
| ह्य० | अक्रापयत् | अक्रापयताम् | अक्रापयन् |
| | अक्रापयः | अक्रापयतम् | अक्रापयत |
| | अक्रापयम् | अक्रापयाव | अक्रापयाम |
| अ० | अचिक्रपत् | अचिक्रपताम् | अचिक्रपन् |
| | अचिक्रपः | अचिक्रपतम् | अचिक्रपत |
| | अचिक्रपम् | अचिक्रपाव | अचिक्रपाम |
| प० | क्रापयाश्चकार | क्रापयाश्चक्रुः | क्रापयाश्चकुः |
| | क्रापयाश्चकथं | क्रापयाश्चकथुः | क्रापयाश्चक |
| | क्रापयाश्चकार-चकर | क्रापयाश्चकृव | क्रापयाश्चकृम |
| | क्रापयाश्चभूव | । | क्रापयामास |
| आ० | क्राप्यात् | क्राप्यास्ताम् | क्राप्यामुः |
| | क्राप्याः | क्राप्यास्तम् | क्राप्यास्त |
| | क्राप्यामम् | क्राप्यास्व | क्राप्यास्म |
| श्व० | क्रापयिता | क्रापयितारौ | क्रापयितारः |
| | क्रापयितासि | क्रापयितास्थः | क्रापयितास्थ |
| | क्रापयितास्मि | क्रापयितास्वः | क्रापयितास्मः |
| भ० | क्रापयिष्यति | क्रापयिष्यतः | क्रापयिष्यन्ति |
| | क्रापयिष्यसि | क्रापयिष्यथः | क्रापयिष्यथ |
| | क्रापयिष्यामि | क्रापयिष्यावः | क्रापयिष्यामः |
| क्रि० | अक्रापयिष्यत् | अक्रापयिष्यताम् | अक्रापयिष्यन् |
| | अक्रापयिष्यः | अक्रापयिष्यतम् | अक्रापयिष्यत |
| | अक्रापयिष्यम् | अक्रापयिष्याव | अक्रापयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | क्रापयते | क्रापयेते | क्रापयन्ते |
| | क्रापयसे | क्रापयेथे | क्रापयथ्वे |
| | क्रापये | क्रापयावहे | क्रापयामहे |
| स० | क्रापयेत | क्रापयेयाताम् | क्रापयेरन् |
| | क्रापयेथाः | क्रापयेयाथाम् | क्रापयेथ्वम् |
| | क्रापयेय | क्रापयेवहि | क्रापयेमहि |
| प० | क्रापयताम् | क्रापयेताम् | क्रापयन्ताम् |
| | क्रापयस्व | क्रापयेथाम् | क्रापयथ्वम् |
| | क्रापयै | क्रापयावहे | क्रापयामहे |
| ह्य० | अक्रापयत | अक्रापयेताम् | अक्रापयन्त |
| | अक्रापयथाः | अक्रापयेथाम् | अक्रापयथ्वम् |
| | अक्रापये | अक्रापयावहि | अक्रापयामहि |
| अ० | अचिक्रपत | अचिक्रपेताम् | अचिक्रपन्त |
| | अचिक्रपथाः | अचिक्रपेथाम् | अचिक्रपथ्वम् |
| | अचिक्रपे | अचिक्रपावहि | अचिक्रपामहि |
| प० | क्रापयाश्चक्रे | क्रापयाश्चक्राते | क्रापयाश्चकिरे |
| | क्रापयाश्चकृषे | क्रापयाश्चक्राथे | क्रापयाश्चकृद्वे |
| | क्रापयाश्चक्रे | क्रापयाश्चकृवहे | क्रापयाश्चकृमहे |
| | क्रापयाश्चभूव | । | क्रापयामास |
| आ० | क्रापयिषीष्ट | क्रापयिषीयास्ताम् | क्रापयिषीरन् |
| | क्रापयिषीष्टाः | क्रापयिषीयाथाम् | क्रापयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | क्रापयिषीय | क्रापयिषीवहि | क्रापयिषीमहि |
| श्व० | क्रापयिता | क्रापयितारौ | क्रापयितारः |
| | क्रापयितासे | क्रापयितासाथे | क्रापयिताथ्वे |
| | क्रापयिताहे | क्रापयितास्वहे | क्रापयितास्महे |
| भ० | क्रापयिष्यते | क्रापयिष्येते | क्रापयिष्यन्ते |
| | क्रापयिष्यसे | क्रापयिष्येथे | क्रापयिष्यथ्वे |
| | क्रापयिष्ये | क्रापयिष्यावहे | क्रापयिष्यामहे |
| क्रि० | अक्रापयिष्यत | अक्रापयिष्येताम् | अक्रापयिष्यन्त |
| | अक्रापयिष्यथाः | अक्रापयिष्येथाम् | अक्रापयिष्यथ्वम् |
| | अक्रापयिष्ये | अक्रापयिष्यावहि | अक्रापयिष्यामहि |

1509 बिग्श (सि) वन्धने । 1150 दोचवद्रूपाणि

1510 प्रीण्श् (प्री) तृप्तिकान्त्योः ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | प्रीणयति | प्रीणयतः | प्रीणयन्ति |
| | प्रीणयसि | प्रीणयथः | प्रीणयथ |
| | प्रीणयामि | प्रीणयावः | प्रीणयामः |
| स० | प्रीणयेत् | प्रीणयेताम् | प्रीणयेयुः |
| | प्रीणयेः | प्रीणयेतम् | प्रीणयेत |
| | प्रीणयेयम् | प्रीणयेव | प्रीणयेम |
| प० | प्रीणयतु | प्रीणयतात् | प्रीणयताम् |
| | प्रीणय | प्रीणयतात् | प्रीणयतम् |
| | प्रीणयानि | प्रीणयाव | प्रीणयाम |
| ह्य० | अप्रीणयत् | अप्रीणयताम् | अप्रीणयन् |
| | अप्रीणयः | अप्रीणयतम् | अप्रीणयत |
| | अप्रीणयम् | अप्रीणयाव | अप्रीणयाम |
| अ० | अपिप्रीणत् | अपिप्रीणताम् | अपिप्रीणन् |
| | अपिप्रीणः | अपिप्रीणतम् | अपिप्रीणत |
| | अपिप्रीणम् | अपिप्रीणाव | अपिप्रीणाम |
| प० | प्रीणयाञ्चकार | प्रीणयाञ्चक्रुः | प्रीणयाञ्चकुः |
| | प्रीणयाञ्चकथं | प्रीणयाञ्चकथुः | प्रीणयाञ्चक |
| | प्रीणयाञ्चकार-चकर | प्रीणयाञ्चकृव | प्रीणयाञ्चकृम |
| | प्रीणयाम्बभूव | । | प्रीणयामास |
| आ० | प्रीण्यात् | प्रीण्यास्ताम् | प्रीण्यासुः |
| | प्रीण्याः | प्रीण्यास्तम् | प्रीण्यास्त |
| | प्रीण्यासम् | प्रीण्यास्व | प्रीण्यास्म |
| श्व० | प्रीणयिता | प्रीणयितारौ | प्रीणयितारः |
| | प्रीणयितासि | प्रीणयितास्थः | प्रीणयितास्थ |
| | प्रीणयितास्मि | प्रीणयितास्वः | प्रीणयितास्मः |
| भ० | प्रीणयिष्यति | प्रीणयिष्यतः | प्रीणयिष्यन्ति |
| | प्रीणयिष्यसि | प्रीणयिष्यथः | प्रीणयिष्यथ |
| | प्रीणयिष्यामि | प्रीणयिष्यावः | प्रीणयिष्यामः |
| क्रि० | अप्रीणयिष्यत् | अप्रीणयिष्यताम् | अप्रीणयिष्यन् |
| | अप्रीणयिष्यः | अप्रीणयिष्यतम् | अप्रीणयिष्यत |
| | अप्रीणयिष्यम् | अप्रीणयिष्याव | अप्रीणयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------------|--------------------|------------------|
| व० | प्रीणयते | प्रीणयेते | प्रीणयन्ते |
| | प्रीणयसे | प्रीणयेथे | प्रीणयथ्वे |
| | प्रीणये | प्रीणयावहे | प्रीणयामहे |
| स० | प्रीणयेत | प्रीणयेयताम् | प्रीणयेन् |
| | प्रीणयेथाः | प्रीणयेयाथाम् | प्रीणयेष्वम् |
| | प्रीणयेय | प्रीणयेवहि | प्रीणयेमहि |
| प० | प्रीणयताम् | प्रीणयेताम् | प्रीणयन्ताम् |
| | प्रीणयस्व | प्रीणयेथाम् | प्रीणयष्वम् |
| | प्रीणये | प्रीणयावहे | प्रीणयामहे |
| ह्य० | अप्रीणयत | अप्रीणयेताम् | अप्रीणयन्त |
| | अप्रीणयथाः | अप्रीणयेथाम् | अप्रीणयष्वम् |
| | अप्रीणये | अप्रीणयावहि | अप्रीणयामहि |
| अ० | अपिप्रीणत | अपिप्रीणेताम् | अपिप्रीणन्त |
| | अपिप्रीणयाः | अपिप्रीणेत्याम् | अपिप्रीणष्वम् |
| | अपिप्रीणे | अपिप्रीणावहि | अपिप्रीणामहि |
| प० | प्रीणयाञ्चके | प्रीणयाञ्चकते | प्रीणयाञ्चकिरे |
| | प्रीणयाञ्चकृषे | प्रीणयाञ्चकृषे | प्रीणयाञ्चकृवहे |
| | प्रीणयाञ्चके | प्रीणयाञ्चकृवहे | प्रीणयाञ्चकृमहे |
| | प्रीणयाम्बभूव | । | प्रीणयामास |
| आ० | प्रीणयिषीष्ट | प्रीणयिषीयास्ताम् | प्रीणयिषीरन् |
| | प्रीणयिषीष्टाः | प्रीणयिषीयास्याम् | प्रीणयिषीह्वम् |
| | प्रीणयिषीय | प्रीणयिषीवहि | प्रीणयिषीमहि |
| श्व० | प्रीणयिता | प्रीणयितारौ | प्रीणयितारः |
| | प्रीणयितासे | प्रीणयितासाथे | प्रीणयिताथ्वे |
| | प्रीणयिताहे | प्रीणयितास्वहे | प्रीणयितास्महे |
| भ० | प्रीणयिष्यते | प्रीणयिष्येते | प्रीणयिष्यन्ते |
| | प्रीणयिष्यसे | प्रीणयिष्येथे | प्रीणयिष्यथ्वे |
| | प्रीणयिष्ये | प्रीणयिष्यावहे | प्रीणयिष्यामहे |
| क्रि० | अप्रीणयिष्यत | अप्रीणयिष्येत्याम् | अप्रीणयिष्यन्त |
| | अप्रीणयिष्यथाः | अप्रीणयिष्येत्याम् | अप्रीणयिष्यष्वम् |
| | अप्रीणयिष्ये | अप्रीणयिष्यावहि | अप्रीणयिष्यामहि |
| 1511 | प्रीण्श् (प्री) | पाके । 883 | श्रिगूवद्रूपाणि |
| 1512 | म्रीण्श् (मी) | हिसायम् । 603 | मेड्वद्रूपाणि |
| 1513 | युगश् (यु) | बन्धने । 108 | युक्वद्रूपाणि |

1514 स्कृणश् (स्कु) आपवणे

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|----------------|
| व० | स्कावयति | स्कावयतः | स्कावयन्ति |
| | स्कावयसि | स्कावयथः | स्कावयथ |
| | स्कावयामि | स्कावयावः | स्कावयामः |
| स० | स्कावयेत् | स्कावयेताम् | स्कावयेयुः |
| | स्कावयेः | स्कावयेतम् | स्कावयेत |
| | स्कावयेयम् | स्कावयेव | स्कावयेम |
| प० | स्कावयतु | स्कावयतात् | स्कावयताम् |
| | स्कावय | स्कावयत | स्कावयतम् |
| | स्कावयानि | स्कावयाव | स्कावयाम |
| ह्य० | अस्कावयत् | अस्कावयताम् | अस्कावयन् |
| | अस्कावयः | अस्कावयतम् | अस्कावयत |
| | अस्कावयम् | अस्कावयाव | अस्कावयाम |
| भ० | अचुस्कवत् | अचुस्कवताम् | अचुस्कवन् |
| | अचुस्कवः | अचुस्कवतम् | अचुस्कवत |
| | अचुस्कवम् | अचुस्कवाव | अचुस्कवाम |
| प० | स्कावयाञ्चकार | स्कावयाञ्चक्रतुः | स्कावयाञ्चकुः |
| | स्कावयाञ्चकथं | स्कावयाञ्चक्रथुः | स्कावयाञ्चक |
| | स्कावयाञ्चवा(-चकर) | स्कावयाञ्चकृव | स्कावयाञ्चकृम |
| | स्कावयाञ्चभूव | स्कावयामास | |
| आ० | स्काव्यात् | स्काव्यास्ताम् | स्काव्यासुः |
| | स्काव्याः | स्काव्यास्तम् | स्काव्यास्त |
| | स्काव्यायाम् | स्काव्यास्व | स्काव्यासम |
| श्व० | स्कावयिता | स्कावयितारौ | स्कावयितारः |
| | स्कावयितासि | स्कावयितास्थः | स्कावयितास्थ |
| | स्कावयितासिम् | स्कावयितास्वः | स्कावयितासमः |
| भ० | स्कावयिष्यति | स्कावयिष्यतः | स्कावयिष्यन्ति |
| | स्कावयिष्यसि | स्कावयिष्यथः | स्कावयिष्यथ |
| | स्कावयिष्यामि | स्कावयिष्यावः | स्कावयिष्यामः |
| क्रि० | अस्कावयिष्यत् | अस्कावयिष्यताम् | अस्कावयिष्यन् |
| | अस्कावयिष्यः | अस्कावयिष्यतम् | अस्कावयिष्यत |
| | अस्कावयिष्यम् | अस्कावयिष्याव | अस्कावयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्कावयते | स्कावयेते | स्कावयन्ते |
| | स्कावयसे | स्कावयेथे | स्कावयथ्वे |
| | स्कावये | स्कावयावहे | स्कावयामहे |
| स० | स्कावयेत् | स्कावयेयाताम् | स्कावयेरन् |
| | स्कावयेथाः | स्कावयेयाथाम् | स्कावयेध्वम् |
| | स्कावयेय | स्कावयेवहि | स्कावयेमहि |
| प० | स्कावयताम् | स्कावयेताम् | स्कावयन्ताम् |
| | स्कावयस्व | स्कावयेथाम् | स्कावयध्वम् |
| | स्कावयै | स्कावयावहै | स्कावयामहै |
| श्व० | अस्कावयत | अस्कावयेताम् | अस्कावयन्त |
| | अस्कावयथाः | अस्कावयेथाम् | अस्कावयध्वम् |
| | अस्कावये | अस्कावयावहि | अस्कावयामहि |
| भ० | अचुस्कवत | अचुस्कवेताम् | अचुस्कवन्त |
| | अचुस्कवथाः | अचुस्कवेथाम् | अचुस्कवध्वम् |
| | अचुस्कवे | अचुस्कवावहि | अचुस्कवामहि |
| प० | स्कावयाञ्चके | स्कावयाञ्चक्राते | स्कावयाञ्चकिरे |
| | स्कावयाञ्चकृषे | स्कावयाञ्चक्राथे | स्कावयाञ्चकृद्वे |
| | स्कावयाञ्चके | स्कावयाञ्चकृवहे | स्कावयाञ्चकृमहे |
| | स्कावयाम्भूव | स्कावयामास | |
| आ० | स्कावयिषीष्ट | स्कावयिषीयास्ताम् | स्कावयिषीरन् |
| | स्कावयिषीष्टाः | स्कावयिषीयाथाम् | स्कावयिषीद्वम् |
| | स्कावयिषीथ | स्कावयिषीवहि | स्कावयिषीमहि |
| श्व० | स्कावयिता | स्कावयितारौ | स्कावयितारः |
| | स्कावयितासे | स्कावयितासाथे | स्कावयिताध्वे |
| | स्कावयिताहे | स्कावयितास्वहे | स्कावयितासमहे |
| भ० | स्कावयिष्यते | स्कावयिष्येते | स्कावयिष्यन्ते |
| | स्कावयिष्यसे | स्कावयिष्येथे | स्कावयिष्यध्वे |
| | स्कावयिष्ये | स्कावयिष्यावहे | स्कावयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्कावयिष्यत | अस्कावयिष्येताम् | अस्कावयिष्यन्त |
| | अस्कावयिष्यथाः | अस्कावयिष्येथाम् | अस्कावयिष्यध्वम् |
| | अस्कावयिष्ये | अस्कावयिष्यावहि | अस्कावयिष्यामहि |

1515 कृत्प्रश्न (कृ) शब्दे

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० क्नावयति | क्नावयतः | क्नावयन्ति |
| क्नावयसि | क्नावयथः | क्नावयथ |
| क्नावयामि | क्नावयावः | क्नावयामः |
| स० क्नावयेत् | क्नावयेताम् | क्नावयेयुः |
| क्नावयेः | क्नावयेतम् | क्नावयेत |
| क्नावयेयम् | क्नावयेव | क्नावयेम |
| प० क्नावयतु क्नावयतात् | क्नावयताम् | क्नावयन्तु |
| क्नावय क्नावयतात् | क्नावयतम् | क्नावयत |
| क्नावयानि | क्नावयाव | क्नावयाम |
| अ० अक्नावयत् | अक्नावयताम् | अक्नावयन् |
| अक्नावयः | अक्नावयतम् | अक्नावयत |
| अक्नावयम् | अक्नावयाव | अक्नावयाम |
| अ० अचुक्नवत् | अचुक्नवताम् | अचुक्नवन् |
| अचुक्नवः | अचुक्नवतम् | अचुक्नवत |
| अचुक्नवम् | अचुक्नवाव | अचुक्नवाम |
| प० क्नावयाञ्चकार | क्नावयाञ्चकतुः | क्नावयाञ्चकुः |
| क्नावयाञ्चकथे | क्नावयाञ्चकथुः | क्नावयाञ्चक |
| क्नावयाञ्चकार-चकर | क्नावयाञ्चकृव | क्नावयाञ्चकृम |
| क्नावयाञ्चभूव | क्नावयामास | |
| आ० क्नाव्यात् | क्नाव्यास्ताम् | क्नाव्यासुः |
| क्नाव्याः | क्नाव्यास्तम् | क्नाव्यास्त |
| क्नाव्यासम् | क्नाव्यास्व | क्नाव्यासम् |
| श्र० क्नावयिता | क्नावयितारौ | क्नावयितारः |
| क्नावयितासि | क्नावयितास्थः | क्नावयितास्थ |
| क्नावयितास्मि | क्नावयितास्वः | क्नावयितास्मः |
| भ० क्नावयिष्यति | क्नावयिष्यतः | क्नावयिष्यन्ति |
| क्नावयिष्यसि | क्नावयिष्यथः | क्नावयिष्यथ |
| क्नावयिष्यामि | क्नावयिष्यावः | क्नावयिष्यामः |
| क्रि० अक्नावयिष्यत् | अक्नावयिष्यताम् | अक्नावयिष्यन् |
| अक्नावयिष्यः | अक्नावयिष्यतम् | अक्नावयिष्यत |
| अक्नावयिष्यम् | अक्नावयिष्याव | अक्नावयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० क्नावयते | क्नावयेते | क्नावयन्ते |
| क्नावयसे | क्नावयेथे | क्नावयध्वे |
| क्नावये | क्नावयावहे | क्नावयामहे |
| स० क्नावयेत | क्नावयेयाताम् | क्नावयेरन् |
| क्नावयेथाः | क्नावयेयाथाम् | क्नावयेध्वम् |
| क्नावयेय | क्नावयेवहि | क्नावयेमहि |
| प० क्नावयताम् | क्नावयेताम् | क्नावयन्ताम् |
| क्नावयस्व | क्नावयेथाम् | क्नावयध्वम् |
| क्नावये | क्नावयावहे | क्नावयामहे |
| ह्र० अक्नावयत | अक्नावयेताम् | अक्नावयन्त |
| अक्नावयथाः | अक्नावयेथाम् | अक्नावयध्वम् |
| अक्नावये | अक्नावयावहि | अक्नावयामहि |
| अ० अचुक्नवत | अचुक्नवेताम् | अचुक्नवन्त |
| अचुक्नवथाः | अचुक्नवेथाम् | अचुक्नवध्वम् |
| अचुक्नवे | अचुक्नवावहि | अचुक्नवामहि |
| प० क्नावयाञ्चके | क्नावयाञ्चकते | क्नावयाञ्चकिरे |
| क्नावयाञ्चकृषे | क्नावयाञ्चकृथे | क्नावयाञ्चकृद्वे |
| क्नावयाञ्चके | क्नावयाञ्चकृवहे | क्नावयाञ्चकृमहे |
| क्नावयाञ्चभूव | क्नावयामास | |
| आ० क्नावयिषीष्ट | क्नावयिषीस्ताम् | क्नावयिषीरन् |
| क्नावयिषीष्ठाः | क्नावयिषीयास्थाम् | क्नावयिषीह्वम् |
| क्नावयिषीथ | क्नावयिषीवहि | क्नावयिषीमहि |
| श्र० क्नावयिता | क्नावयितारौ | क्नावयितारः |
| क्नावयितासे | क्नावयितासाथे | क्नावयिताध्वे |
| क्नावयिताहे | क्नावयितास्वहे | क्नावयितास्महे |
| भ० क्नावयिष्यते | क्नावयिष्येते | क्नावयिष्यन्ते |
| क्नावयिष्यसे | क्नावयिष्येथे | क्नावयिष्यध्वे |
| क्नावयिष्ये | क्नावयिष्यवहे | क्नावयिष्यामहे |
| क्रि० अक्नावयिष्यत | अक्नावयिष्येताम् | अक्नावयिष्यन्त |
| अक्नावयिष्यथाः | अक्नावयिष्येथाम् | अक्नावयिष्यध्वम् |
| अक्नावयिष्ये | अक्नावयिष्यवहि | अक्नावयिष्यामहि |

1516 दूग्श् (दू) हिंसायाम्

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | द्रावयति | द्रावयतः | द्रावयन्ति |
| | द्रावयसि | द्रावयथः | द्रावयथ |
| | द्रावयामि | द्रावयावः | द्रावयामः |
| स० | द्रावयेत् | द्रावयेताम् | द्रावयेयुः |
| | द्रावयेः | द्रावयेतम् | द्रावयेत |
| | द्रावयेयम् | द्रावयेव | द्रावयेम |
| प० | द्रावयतु | द्रावयतात् | द्रावयताम् |
| | द्रावय | द्रावयतात् | द्रावयतम् |
| | द्रावयाणि | द्रावयाव | द्रावयाम |
| ह्य० | अद्रावयत् | अद्रावयताम् | अद्रावयन् |
| | अद्रावयः | अद्रावयतम् | अद्रावयत |
| | अद्रावयम् | अद्रावयाव | अद्रावयाम |
| भ० | अदुद्रवत् | अदुद्रवताम् | अदुद्रवन् |
| | अदुद्रवः | अदुद्रवतम् | अदुद्रवत |
| | अदुद्रवम् | अदुद्रवाव | अदुद्रवाम |
| प० | द्रावयाञ्चकार | द्रावयाञ्चकतुः | द्रावयाञ्चकुः |
| | द्रावयाञ्चकथं | द्रावयाञ्चकथुः | द्रावयाञ्चक |
| | द्रावयाञ्चकार-चकर | द्रावयाञ्चकृव | द्रावयाञ्चकृम |
| | द्रावयाम्बभूव | । | द्रावयामास |
| आ० | द्राव्यात् | द्राव्यास्ताम् | द्राव्यासुः |
| | द्राव्याः | द्राव्यास्तम् | द्राव्यास्त |
| | द्राव्यासम् | द्राव्यास्व | द्राव्यास्म |
| श्व० | द्रावयिता | द्रावयितारौ | द्रावयितारः |
| | द्रावयितासि | द्रावयितास्थः | द्रावयितास्थ |
| | द्रावयितास्मि | द्रावयितास्वः | द्रावयितास्मः |
| भ० | द्रावयिष्यति | द्रावयिष्यतः | द्रावयिष्यन्ति |
| | द्रावयिष्यसि | द्रावयिष्यथः | द्रावयिष्यथ |
| | द्रावयिष्यामि | द्रावयिष्यावः | द्रावयिष्यामः |
| क्रि० | अद्रावयिष्यत् | अद्रावयिष्यताम् | अद्रावयिष्यन् |
| | अद्रावयिष्यः | अद्रावयिष्यतम् | अद्रावयिष्यत |
| | अद्रावयिष्यम् | अद्रावयिष्याव | अद्रावयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | द्रावयते | द्रावयेते | द्रावयन्ते |
| | द्रावयसे | द्रावयेथे | द्रावयन्वे |
| | द्रावये | द्रावयानहे | द्रावयामहे |
| स० | द्रावयेत | द्रावयेयाताम् | द्रावयेरन् |
| | द्रावयेथाः | द्रावयेथाभाम् | द्रावयेध्वम् |
| | द्रावयेथ | द्रावयेवहि | द्रावयेमहि |
| प० | द्रावयताम् | द्रावयेताम् | द्रावयन्ताम् |
| | द्रावयस्व | द्रावयेथाम् | द्रावयन्वम् |
| | द्रावयै | द्रावयानहे | द्रावयामहे |
| ह्य० | अद्रावयत | अद्रावयेताम् | अद्रावयन्त |
| | अद्रावयथाः | अद्रावयेथाभाम् | अद्रावयेध्वम् |
| | अद्रावये | अद्रावयानहि | अद्रावयामहि |
| अ० | अदुद्रवत | अदुद्रवेताम् | अदुद्रवन्त |
| | अदुद्रवथाः | अदुद्रवेथाम् | अदुद्रवन्वम् |
| | अदुद्रवे | अदुद्रवानहि | अदुद्रवामहि |
| प० | द्रावयाञ्चके | द्रावयाञ्चकते | द्रावयाञ्चक्रिरे |
| | द्रावयाञ्चकृषे | द्रावयाञ्चकृषे | द्रावयाञ्चकृव्वे |
| | द्रावयाञ्चके | द्रावयाञ्चकृवहे | द्रावयाञ्चकृमहे |
| | द्रावयाम्बभूव | । | द्रावयामास |
| आ० | द्रावयिषीष्ट | द्रावयिषीष्टाताम् | द्रावयिषीरन् |
| | द्रावयिषीष्टाः | द्रावयिषीष्टाभाम् | द्रावयिषीष्ट्वम् |
| | द्रावयिषीथ | द्रावयिषीवहि | द्रावयिषीमहि |
| श्व० | द्रावयिता | द्रावयितारौ | द्रावयितारः |
| | द्रावयितासे | द्रावयितासाथे | द्रावयितास्वे |
| | द्रावयिताहे | द्रावयितास्वहे | द्रावयितास्महे |
| भ० | द्रावयिष्यते | द्रावयिष्येते | द्रावयिष्यन्ते |
| | द्रावयिष्यसे | द्रावयिष्येथे | द्रावयिष्यन्वे |
| | द्रावयिष्ये | द्रावयिष्यावहे | द्रावयिष्यामहे |
| क्रि० | अद्रावयिष्यत | अद्रावयिष्यताम् | अद्रावयिष्यन्त |
| | अद्रावयिष्यथाः | अद्रावयिष्येथाम् | अद्रावयिष्यन्वम् |
| | अद्रावयिष्ये | अद्रावयिष्यावहि | अद्रावयिष्यामहि |

1517 ग्रहीश्व (ग्रह) उपादाने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | ग्राहयति | ग्राहयतः | ग्राहयन्ति |
| | ग्राहयसि | ग्राहयथः | ग्राहयथ |
| | ग्राहयामि | ग्राहयावः | ग्राहयामः |
| स० | ग्राहयेत् | ग्राहयेताम् | ग्राहयेयुः |
| | ग्राहयेः | ग्राहयेतम् | ग्राहयेत |
| | ग्राहयेयम् | ग्राहयेव | ग्राहयेम |
| प० | ग्राहयतु | ग्राहयतात् | ग्राहयताम् |
| | ग्राहय | ग्राहयतात् | ग्राहयतम् |
| | ग्राहयाणि | ग्राहयाव | ग्राहयाम |
| ह्य० | अग्राहयत् | अग्राहयताम् | अग्राहयन् |
| | अग्राहयः | अग्राहयतम् | अग्राहयत |
| | अग्राहयम् | अग्राहयाव | अग्राहयाम |
| अ० | अजिग्रहत् | अजिग्रहेताम् | अजिग्रहन् |
| | अजिग्रहः | अजिग्रहतम् | अजिग्रहत |
| | अजिग्रहम् | अजिग्रहाव | अजिग्रहाम |
| प० | ग्राहयाश्चकार | ग्राहयाश्चकतुः | ग्राहयाश्चकुः |
| | ग्राहयाश्चकथै | ग्राहयाश्चकथुः | ग्राहयाश्चक |
| | ग्राहयाश्चकार-चकर | ग्राहयाश्चकृव | ग्राहयाश्चकृम |
| | ग्राहयाम्बभूव | । | ग्राहयामास |
| भा० | ग्राह्यात् | ग्राह्यास्ताम् | ग्राह्यासुः |
| | ग्राह्याः | ग्राह्यास्तम् | ग्राह्यास्त |
| | ग्राह्यासम् | ग्राह्यास्व | ग्राह्यास्म |
| श्र० | ग्राहयिता | ग्राहयितारौ | ग्राहयितारः |
| | ग्राहयितासि | ग्राहयितास्थः | ग्राहयितास्थ |
| | ग्राहयितास्मि | ग्राहयितास्वः | ग्राहयितास्मः |
| भ० | ग्राहयिष्यति | ग्राहयिष्यतः | ग्राहयिष्यन्ति |
| | ग्राहयिष्यसि | ग्राहयिष्यथः | ग्राहयिष्यथ |
| | ग्राहयिष्यामि | ग्राहयिष्यावः | ग्राहयिष्यामः |
| क्रि० | अग्राहयिष्यत् | अग्राहयिष्यताम् | अग्राहयिष्यन् |
| | अग्राहयिष्यः | अग्राहयिष्यतम् | अग्राहयिष्यत |
| | अग्राहयिष्यम् | अग्राहयिष्याव | अग्राहयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| ब० | ग्राहयते | ग्राहयते | ग्राहयन्ते |
| | ग्राहयसे | ग्राहयेथे | ग्राहयन्वे |
| | ग्राहये | ग्राहयावहे | ग्राहयामहे |
| स० | ग्राहयेत | ग्राहयेयाताम् | ग्राहयेन् |
| | ग्राहयेथाः | ग्राहयेयाथाम् | ग्राहयेध्वम् |
| | ग्राहयेय | ग्राहयेवहि | ग्राहयेमहि |
| प० | ग्राहयताम् | ग्राहयेताम् | ग्राहयन्ताम् |
| | ग्राहयस्व | ग्राहयेथाम् | ग्राहयध्वम् |
| | ग्राहये | ग्राहयावहे | ग्राहयामहे |
| ह्य० | अग्राहयत | अग्राहयेताम् | अग्राहयन्त |
| | अग्राहयथाः | अग्राहयेथाम् | अग्राहयध्वम् |
| | अग्राहये | अग्राहयावहि | अग्राहयामहि |
| अ० | अजिग्रहत | अजिग्रहेताम् | अजिग्रहन्त |
| | अजिग्रहथाः | अजिग्रहेथाम् | अजिग्रहध्वम् |
| | अजिग्रहे | अजिग्रहावहि | अजिग्रहामहि |
| प० | ग्राहयाश्चके | ग्राहयाश्चकाते | ग्राहयाश्चकिरे |
| | ग्राहयाश्चकृषे | ग्राहयाश्चकृथे | ग्राहयाश्चकृध्वे |
| | ग्राहयाश्चके | ग्राहयाश्चकृवहे | ग्राहयाश्चकृमहे |
| | ग्राहयाम्बभूव | । | ग्राहयामास |
| भा० | ग्राहयिषीष्ट | ग्राहयिषीयास्ताम् | ग्राहयिषीरन् |
| | ग्राहयिषीष्टाः | ग्राहयिषीयाथाम् | ग्राहयिषीध्वम् |
| | ग्राहयिषीय | ग्राहयिषीवहि | ग्राहयिषीमहि |
| श्र० | ग्राहयिता | ग्राहयितारौ | ग्राहयितारः |
| | ग्राहयितासे | ग्राहयितास्थे | ग्राहयिताध्वे |
| | ग्राहयिताहे | ग्राहयितास्वहे | ग्राहयितामहे |
| भ० | ग्राहयिष्यते | ग्राहयिष्येते | ग्राहयिष्यन्ते |
| | ग्राहयिष्यसे | ग्राहयिष्येथे | ग्राहयिष्यध्वे |
| | ग्राहयिष्ये | ग्राहयिष्यावहे | ग्राहयिष्यामहे |
| क्रि० | अग्राहयिष्यत | अग्राहयिष्यताम् | अग्राहयिष्यन्त |
| | अग्राहयिष्यथाः | अग्राहयिष्येथाम् | अग्राहयिष्यध्वम् |
| | अग्राहयिष्ये | अग्राहयिष्यावहि | अग्राहयिष्यामहि |

1519 धृग्श् (लृ) छेदने ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० लावयति | लावयतः | लावयन्ति |
| लावयसि | लावयथः | लावयथ |
| लावयामि | लावयावः | लावयामः |
| स० लावयेत् | लावयेताम् | लावयेयुः |
| लावयेः | लावयेतम् | लावयेत |
| लावयेयम् | लावयेव | लावयेम |
| प० लावयतु | लावयतात् | लावयन्तु |
| लावय | लावयतात् | लावयत |
| लावयानि | लावयाव | लावयाम |
| झ० अलावदत् | अलावयताम् | अलावयन् |
| अलावयः | अलावयतम् | अलावयत |
| अलावयम् | अलावयाव | अलावयाम |
| अ० अलीलवत् | अलीलवताम् | अलीलवन् |
| अलीलवः | अलीलवतम् | अलीलवत |
| अलीलवम् | अलीलवाव | अलीलवाम |
| प० लावयाञ्चकार | लावयाञ्चक्रुः | लावयाञ्चकुः |
| लावयाञ्चकथं | लावयाञ्चक्रथुः | लावयाञ्चक्र |
| लावयाञ्चकार-चक्र | लावयाञ्चक्रव | लावयाञ्चक्रुम |
| लावयाञ्चभूव | लावयामास | |
| आ० लाव्यात् | लाव्यास्ताम् | लाव्यासुः |
| लाव्याः | लाव्यास्तम् | लाव्यास्त |
| लाव्यासम् | लाव्यास्व | लाव्यास्म |
| श्रै० लावयिता | लावयितारौ | लावयितारः |
| लावयितासि | लावयितास्थः | लावयितास्थ |
| लावयितास्मि | लावयितास्वः | लावयितास्मः |
| भ० लावयिष्यति | लावयिष्यतः | लावयिष्यन्ति |
| लावयिष्यसि | लावयिष्यथः | लावयिष्यथ |
| लावयिष्यामि | लावयिष्यावः | लावयिष्यामः |
| क्रि० अलावयिष्यत् | अलावयिष्यताम् | अलावयिष्यन् |
| अलावयिष्यः | अलावयिष्यतम् | अलावयिष्यत |
| अलावयिष्यम् | अलावयिष्याव | अलावयिष्याम |
| व० लावयते | लावयते | लावयन्ते |
| लावयसे | लावयथे | लावयध्वे |

| | | |
|------------------|-----------------|------------------|
| लावये | लावयावहे | लावयामहे |
| भ० लावयेत | लावयेयाताम् | लावयेरन् |
| लावयेथाः | लावयेयाथाम् | लावयेध्वम् |
| लावयेय | लावयेवहि | लावयेमहि |
| प० लावयताम् | लावयेताम् | लावयन्ताम् |
| लावयस्व | लावयेथाम् | लावयध्वम् |
| लावयै | लावयावहे | लावयामहे |
| झ० अलावयत | अलावयेताम् | अलावयन्त |
| अलावयथाः | अलावयेथाम् | अलावयध्वम् |
| अलावये | अलावयावहि | अलावयामहि |
| अ० अलीलवत | अलीलवेताम् | अलीलवन्त |
| अलीलवथाः | अलीलवेथाम् | अलीलवध्वम् |
| अलीलवे | अलीलवावहि | अलीलवामहि |
| प० लावयाञ्चके | लावयाञ्चक्राते | लावयाञ्चक्रिरे |
| लावयाञ्चकृषे | लावयाञ्चक्राथे | लावयाञ्चक्रुह्वे |
| लावयाञ्चके | लावयाञ्चक्रवहे | लावयाञ्चक्रुमहे |
| लावयाञ्चभूव | लावयामास | |
| आ० लावयिषीष्ट | लावयिषीयास्ताम् | लावयिषीरन् |
| लावयिषीष्टाः | लावयिषीयास्थम् | लावयिषीध्वम् |
| लावयिषीय | लावयिषीवहि | लावयिषीमहि |
| श्र० लावयिता | लावयितारौ | लावयितारः |
| लावयितासे | लावयितासाथे | लावयिताध्वे |
| लावयिताहे | लावयितास्वहे | लावयितास्महे |
| भ० लावयिष्यते | लावयिष्येते | लावयिष्यन्ते |
| लावयिष्यसे | लावयिष्येथे | लावयिष्यध्वे |
| लावयिष्ये | लावयिष्यावहे | लावयिष्यामहे |
| क्रि० अलावयिष्यत | अलावयिष्येताम् | अलावयिष्यन्त |
| अलावयिष्यथाः | अलावयिष्येथाम् | अलावयिष्यध्वम् |
| अलावयिष्ये | अलावयिष्यावहि | अलावयिष्यामहि |

1520 धृग्श् (धृ) कप्पने । 1291 धृगृवद्वाणि
1521 स्तृग्श् (स्तृ) आच्छादने । 1292 स्तृ-
गृवद्वाणि 1522 कृग्श् (कृ) हिसायाम् ।
888 डुकृग्श्वाणि 1523 कृग्श् (कृ) वर-
णे । 1294 कृगृवद्वाणि

1524 ज्याञ् (ज्या , हानौ ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| ६० ज्यापयति | ज्यापयतः | ज्यापयन्ति |
| ज्यापयसि | ज्यापयथः | ज्यापयथ |
| ज्यापयामि | ज्यापयावः | ज्यापयामः |
| स० ज्यापयेत् | ज्यापयेताम् | ज्यापयेयुः |
| ज्यापयेः | ज्यापयेतम् | ज्यापयेत |
| ज्यापयेथम् | ज्यापयेव | ज्यापयेम |
| प० ज्यापयतु | ज्यापयतात् | ज्यापयताम् |
| ज्यापय | ज्यापयतात् | ज्यापयतम् |
| ज्यापयानि | ज्यापयाव | ज्यापयाम |
| ७० अज्यापयत् | अज्यापयताम् | अज्यापयन् |
| अज्यापयः | अज्यापयतम् | अज्यापयत |
| अज्यापयम् | अज्यापयाव | अज्यापयाम |
| अ० अजिज्यपत् | अजिज्यपताम् | अजिज्यपन् |
| अजिज्यपः | अजिज्यपतम् | अजिज्यपत |
| अजिज्यपम् | अजिज्यपाव | अजिज्यपाम |
| प० ज्यापयाञ्चकार | ज्यापयाञ्चकतुः | ज्यापयाञ्चकुः |
| ज्यापयाञ्चकथं | ज्यापयाञ्चकथुः | ज्यापयाञ्चक |
| ज्यापयाञ्चकार-चकर | ज्यापयाञ्चकृव | ज्यापयाञ्चकृम |
| ज्यापयाम्बभूव | । | ज्यापयामास |
| आ० ज्याप्यात् | ज्याप्यास्ताम् | ज्याप्यासुः |
| ज्याप्याः | ज्याप्यास्तम् | ज्याप्यास्त |
| ज्याप्यासम् | ज्याप्यास्व | ज्याप्यास्म |
| श्र० ज्यापयिता | ज्यापयितारौ | ज्यापयितारः |
| ज्यापयितासि | ज्यापयितास्थः | ज्यापयितास्थ |
| ज्यापयितास्मि | ज्यापयितास्वः | ज्यापयितास्मः |
| भ० ज्यापयिष्यति | ज्यापयिष्यतः | ज्यापयिष्यन्ति |
| ज्यापयिष्यसि | ज्यापयिष्यथः | ज्यापयिष्यथ |
| ज्यापयिष्यामि | ज्यापयिष्यावः | ज्यापयिष्यामः |
| क्रि० अज्यापयिष्यत् | अज्यापयिष्यताम् | अज्यापयिष्यन् |
| अज्यापयिष्यः | अज्यापयिष्यतम् | अज्यापयिष्यत |
| अज्यापयिष्यम् | अज्यापयिष्याव | अज्यापयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० ज्यापयते | ज्यापयते | ज्यापयन्ते |
| ज्यापयसे | ज्यापयथे | ज्यापयध्वे |
| ज्यापये | ज्यापयावहे | ज्यापयामहे |
| स० ज्यापयेत | ज्यापयेयाताम् | ज्यापयेरन् |
| ज्यापयेथाः | ज्यापयेयाथाम | ज्यापयेध्वम् |
| ज्यापयेय | ज्यापयेवहि | ज्यापयेमहि |
| प० ज्यापयताम् | ज्यापयेताम् | ज्यापयन्ताम् |
| ज्यापयाव | ज्यापयेथाम | ज्यापयध्वम् |
| ज्यापये | ज्यापयावहे | ज्यापयामहे |
| ह्य० अज्यापयत | अज्यापयेताम् | अज्यापयन्त |
| अज्यापयथाः | अज्यापयेथाम | अज्यापयध्वम् |
| अज्यापये | अज्यापयावहि | अज्यापयामहि |
| अ० अजिज्यपत | अजिज्यपेताम् | अजिज्यपन्त |
| अजिज्यपथाः | अजिज्यपेथाम | अजिज्यपध्वम् |
| अजिज्यपे | अजिज्यपावहि | अजिज्यपामहि |
| प० ज्यापयाञ्चके | ज्यापयाञ्चकते | ज्यापयाञ्चकिरे |
| ज्यापयाञ्चकृषे | ज्यापयाञ्चकाथे | ज्यापयाञ्चकृवे |
| ज्यापयाञ्चके | ज्यापयाञ्चकृवहे | ज्यापयाञ्चकृमहे |
| ज्यापयाम्बभूव | । | ज्यापयामास |
| आ० ज्यापयिषीष्ट | ज्यापयिषीयास्ताम् | ज्यापयिषीरन् |
| ज्यापयिषीष्टाः | ज्यापयिषीयास्थाम् | ज्यापयिषीध्वम् |
| ज्यापयिषीय | ज्यापयिषीवहि | ज्यापयिषीमहे |
| श्र० ज्यापयिता | ज्यापयितारौ | ज्यापयितारः |
| ज्यापयितासे | ज्यापयितासाथे | ज्यापयिताध्वे |
| ज्यापयिताहे | ज्यापयितास्वहे | ज्यापयितास्महे |
| भ० ज्यापयिष्यते | ज्यापयिष्यते | ज्यापयिष्यन्ते |
| ज्यापयिष्यसे | ज्यापयिष्येथे | ज्यापयिष्यध्वे |
| ज्यापयिष्ये | ज्यापयिष्यावहे | ज्यापयिष्यामहे |
| क्रि० अज्यापयिष्यत | अज्यापयिष्येताम् | अज्यापयिष्यन्त |
| अज्यापयिष्यथाः | अज्यापयिष्येथाम् | अज्यापयिष्यध्वम् |
| अज्यापयिष्ये | अज्यापयिष्यावहि | अज्यापयिष्यामहि |

1525 रीङ् (री) गतिरेषणयोः । 709 रयिवद्रूपाणि
5126 लीङ् (ली) श्लेषणे । 1248 लीङ् च वद्रूपाणि

1527 वलीशू (वली वरणे

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | वलेपयति | वलेपयतः | वलेपयन्ति |
| | वलेपयसि | वलेपयथः | वलेपयथ |
| | वलेपयामि | वलेपयावः | वलेपयामः |
| स० | वलेपयेत् | वलेपयेताम् | वलेपयेयुः |
| | वलेपयेः | वलेपयेतम् | वलेपयेत |
| | वलेपयेयम् | वलेपयेव | वलेपयेम |
| प० | वलेपयतु | वलेपयतात् | वलेपयन्तु |
| | वलेपय | वलेपयतात् | वलेपयतम् |
| | वलेपयानि | वलेपयाव | वलेपयाम |
| ह्य० | अवलेपयत् | अवलेपयताम् | अवलेपयन् |
| | अवलेपयः | अवलेपयतम् | अवलेपयत |
| | अवलेपयम् | अवलेपयाव | अवलेपयाम |
| अ० | अविटिलपत् | अविटिलपताम् | अविटिलपन् |
| | अविटिलपः | अविटिलपतम् | अविटिलपत |
| | अविटिलपम् | अविटिलपाव | अविटिलपाम |
| प० | वलेपयाश्चकार | वलेपयाश्चक्रुः | वलेपयाश्चकुः |
| | वलेपयाश्चकथं | वलेपयाश्चकथुः | वलेपयाश्चक |
| | वलेपयाश्चकार-चकर | वलेपयाश्चकुव | वलेपयाश्चकृम |
| | वलेपयाश्चभूव | । | वलेपयामास |
| आ० | वलेप्यात् | वलेप्यास्ताम् | वलेप्यासुः |
| | वलेप्याः | वलेप्यास्तम् | वलेप्यास्त |
| | वलेप्यासम् | वलेप्यास्व | वलेप्यास्म |
| श्व० | वलेपयिता | वलेपयितारौ | वलेपयितारः |
| | वलेपयितासि | वलेपयितास्थः | वलेपयितास्थ |
| | वलेपयितास्मि | वलेपयितास्वः | वलेपयितास्मः |
| भ० | वलेपयिष्यति | वलेपयिष्यतः | वलेपयिष्यन्ति |
| | वलेपयिष्यसि | वलेपयिष्यथः | वलेपयिष्यथ |
| | वलेपयिष्यामि | वलेपयिष्यावः | वलेपयिष्यामः |
| क्रि० | अवलेपयिष्यत् | अवलेपयिष्यताम् | अवलेपयिष्यन् |
| | अवलेपयिष्यः | अवलेपयिष्यतम् | अवलेपयिष्यत |
| | अवलेपयिष्यम् | अवलेपयिष्याव | अवलेपयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | वलेपयते | वलेपयैते | वलेपयन्ते |
| | वलेपयसे | वलेपयेथे | वलेपयध्वे |
| | वलेपये | वलेपयावहे | वलेपयामहे |
| स० | वलेपयेत | वलेपयेयाताम् | वलेपयेरन् |
| | वलेपयेथाः | वलेपयेयाथाम् | वलेपयेध्वम् |
| | वलेपयेय | वलेपयेवहि | वलेपयेमहि |
| प० | वलेपयताम् | वलेपयेताम् | वलेपयन्ताम् |
| | वलेपयस्व | वलेपयेथाम् | वलेपयध्वम् |
| | वलेपयै | वलेपयावहे | वलेपयामहे |
| ह्य० | अवलेपयत | अवलेपयेताम् | अवलेपयन्त |
| | अवलेपयथाः | अवलेपयेथाम् | अवलेपयध्वम् |
| | अवलेपये | अवलेपयावहि | अवलेपयामहि |
| अ० | अविटिलपत | अविटिलपेताम् | अविटिलपन्त |
| | अविटिलपथाः | अविटिलपेथाम् | अविटिलपध्वम् |
| | अविटिलपे | अविटिलपावहि | अविटिलपामहि |
| प० | वलेपयाश्चक्रे | वलेपयाश्चक्राते | वलेपयाश्चक्रिरे |
| | वलेपयाश्चकृषे | वलेपयाश्चक्राथे | वलेपयाश्चकृद्वे |
| | वलेपयाश्चक्रे | वलेपयाश्चकृवहे | वलेपयाश्चकृमहे |
| | वलेपयाश्चभूव | । | वलेपयामास |
| आ० | वलेपयिषीष्ट | वलेपयिषीयास्ताम् | वलेपयिषीरन् |
| | वलेपयिषीष्टाः | वलेपयिषीयास्थाम् | वलेपयिषीद्वम् |
| | वलेपयिषीय | वलेपयिषीवहि | वलेपयिषीमहि |
| श्व० | वलेपयिता | वलेपयितारौ | वलेपयितारः |
| | वलेपयितासे | वलेपयितासाथे | वलेपयिताध्वे |
| | वलेपयिताहे | वलेपयितास्वहे | वलेपयितास्महे |
| भ० | वलेपयिष्यते | वलेपयिष्येते | वलेपयिष्यन्ते |
| | वलेपयिष्यसे | वलेपयिष्येथे | वलेपयिष्यध्वे |
| | वलेपयिष्ये | वलेपयिष्यावहे | वलेपयिष्यामहे |
| क्रि० | अवलेपयिष्यत | अवलेपयिष्येताम् | अवलेपयिष्यन्त |
| | अवलेपयिष्यथाः | अवलेपयिष्येथाम् | अवलेपयिष्यध्वम् |
| | अवलेपयिष्ये | अवलेपयिष्यावहि | अवलेपयिष्यामहि |

1528 ल्वीश् (ल्वी) गतौ ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| १० ल्वाययति | ल्वाययतः | ल्वाययन्ति |
| ल्वाययसि | ल्वाययथः | ल्वाययथ |
| ल्वाययामि | ल्वाययावः | ल्वाययामः |
| स० ल्वाययेत् | ल्वाययेताम् | ल्वाययेयुः |
| ल्वाययेः | ल्वाययेतम् | ल्वाययेत |
| ल्वाययेयम् | ल्वाययेव | ल्वाययेम |
| प० ल्वाययतु | ल्वाययतात् | ल्वाययताम् |
| ल्वायय | ल्वाययतात् | ल्वाययतम् |
| ल्वाययानि | ल्वाययाव | ल्वाययाम |
| अ० अल्वाययत् | अल्वाययताम् | अल्वाययन् |
| अल्वाययः | अल्वाययतम् | अल्वाययत |
| अल्वाययम् | अल्वाययाव | अल्वाययाम |
| अ० अलित्वयत् | अलित्वयताम् | अलित्वयन् |
| अलित्वयः | अलित्वयतम् | अलित्वयत |
| अलित्वयम् | अलित्वयाव | अलित्वयाम |
| प० ल्वाययाञ्चकार | ल्वाययाञ्चक्रुः | ल्वाययाञ्चकुः |
| ल्वाययाञ्चकथं | ल्वाययाञ्चक्रुः | ल्वाययाञ्चक |
| ल्वाययाञ्चकार-चकर | ल्वाययाञ्चकृव | ल्वाययाञ्चकृम |
| ल्वाययःञ्चभूव | । | ल्वाययामास |
| अ० ल्वाय्यात् | ल्वाय्यास्ताम् | ल्वाय्यासुः |
| ल्वाय्याः | ल्वाय्यास्तम् | ल्वाय्यास्त |
| ल्वाय्यासम् | ल्वाय्यास्व | ल्वाय्यास्म |
| अ० ल्वाययिता | ल्वाययितारौ | ल्वाययितारः |
| ल्वाययितासि | ल्वाययितास्यः | ल्वाययितास्य |
| ल्वाययितास्मि | ल्वाययितास्वः | ल्वाययितास्मः |
| अ० ल्वाययिष्यति | ल्वाययिष्यतः | ल्वाययिष्यन्ति |
| ल्वाययिष्यसि | ल्वाययिष्यथः | ल्वाययिष्यथ |
| ल्वाययिष्यामि | ल्वाययिष्यावः | ल्वाययिष्यामः |
| क्रि० अल्वाययिष्यत् | अल्वाययिष्यताम् | अल्वाययिष्यन् |
| अल्वाययिष्यः | अल्वाययिष्यतम् | अल्वाययिष्यत |
| अल्वाययिष्यम् | अल्वाययिष्याव | अल्वाययिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० ल्वाययते | ल्वाययेते | ल्वाययन्ते |
| ल्वाययसे | ल्वाययेथे | ल्वाययध्वे |
| ल्वायये | ल्वाययावहे | ल्वाययामहे |
| स० ल्वाययेत | ल्वाययेयाताम् | ल्वाययेरन् |
| ल्वाययेथाः | ल्वाययेयाथाम् | ल्वाययेध्वम् |
| ल्वाययेय | ल्वाययेवहि | ल्वाययेमहि |
| प० ल्वाययताम् | ल्वाययेताम् | ल्वाययन्ताम् |
| ल्वाययस्व | ल्वाययेथाम् | ल्वाययध्वम् |
| ल्वायये | ल्वाययावहे | ल्वाययामहे |
| ह्य० अल्वाययत | अल्वाययेताम् | अल्वाययन्त |
| अल्वाययथाः | अल्वाययेथाम् | अल्वाययध्वम् |
| अल्वायये | अल्वाययावहि | अल्वाययामहि |
| अ० अलित्वयत | अलित्वयेताम् | अलित्वयन्त |
| अलित्वयथाः | अलित्वयेथाम् | अलित्वयध्वम् |
| अलित्वये | अलित्वयावहि | अलित्वयामहि |
| प० ल्वाययाञ्चक्रे | ल्वाययाञ्चक्राते | ल्वाययाञ्चक्रिरे |
| ल्वाययाञ्चकृषे | ल्वाययाञ्चक्राथे | ल्वाययाञ्चकृद्वे |
| ल्वाययाञ्चक्रे | ल्वाययाञ्चकृवहे | ल्वाययाञ्चकृमहे |
| ल्वाययाञ्चभूव | । | ल्वाययामास |
| अ० ल्वाययिषीष्ट | ल्वाययिषीयास्ताम् | ल्वाययिषीरन् |
| ल्वाययिषीष्टाः | ल्वाययिषीयाथाम् | ल्वाययिषीद्वम् |
| ल्वाययिषीय | ल्वाययिषीवहि | ल्वाययिषीमहि |
| अ० ल्वाययिता | ल्वाययितारौ | ल्वाययितारः |
| ल्वाययितासे | ल्वाययितासाथे | ल्वाययिताध्वे |
| ल्वाययिताहे | ल्वाययितास्वहे | ल्वाययितास्महे |
| अ० ल्वाययिष्यते | ल्वाययिष्येते | ल्वाययिष्यन्ते |
| ल्वाययिष्यसे | ल्वाययिष्येथे | ल्वाययिष्यध्वे |
| ल्वाययिष्ये | ल्वाययिष्यावहे | ल्वाययिष्यामहे |
| क्रि० अल्वाययिष्यत् | अल्वाययिष्येताम् | अल्वाययिष्यन्त |
| अल्वाययिष्यथाः | अल्वाययिष्येथाम् | अल्वाययिष्यध्वम् |
| अल्वाययिष्ये | अल्वाययिष्यावहि | अल्वाययिष्यामहि |

1529 कृश् (कृ) हिंसायाम् । 888 डुकृग्ब्रूपाणि

1530 मृश् (मृ) हिंसायाम् । 1491 मृत्त्वब्रूपाणि

1531 शृङ् (शृ) हिंसायाम्

| | | |
|-------------------|---------------|-------------------|
| ब० शारयति | शारयतः | शारयन्ति |
| शारयसि | शारयथः | शारयथ |
| शारयामि | शारयावः | शारयामः |
| स० शारयेत् | शारयेताम् | शारयेयुः |
| शारयेः | शारयेतम् | शारयेत |
| शारयेयम् | शारयेव | शारयेम |
| प० शारयतु | शारयतात् | शारयताम् शारयन्तु |
| शारय | शारयतात् | शारयतम् शारयत |
| शारयाणि | शारयाव | शारयाम |
| ह्य० अशारयत् | अशारयताम् | अशारयन् |
| अशारयः | अशारयतम् | अशारयत |
| अशारयम् | अशारयाव | अशारयाम |
| अ० अशीशरत् | अशीशरताम् | अशीशरन् |
| अशीशरः | अशीशरतम् | अशीशरत |
| अशीशरम् | अशीशराव | अशीशराम |
| प० शारयाञ्चकार | शारयाञ्चक्रुः | शारयाञ्चक्रुः |
| शारयाञ्चकथं | शारयाञ्चक्रुः | शारयाञ्चक्रुः |
| शारयाञ्चकार-वकर | शारयाञ्चक्रुव | शारयाञ्चक्रुम |
| शारयाञ्चभूव | । | शारयामास |
| आ० शार्यात् | शार्यास्ताम् | शार्यासुः |
| शार्याः | शार्यास्तम् | शार्यास्त |
| शार्यासम् | शार्यास्व | शार्यास्व |
| श्व० शारयिता | शारयितारौ | शारयितारः |
| शारयितासि | शारयितास्थः | शारयितास्थ |
| शारयितास्मि | शारयितास्वः | शारयितास्व |
| भ० शारयिष्यति | शारयिष्यतः | शारयिष्यन्ति |
| शारयिष्यसि | शारयिष्यथः | शारयिष्यथ |
| शारयिष्यामि | शारयिष्यावः | शारयिष्यामः |
| क्रिः अशारयिष्यत् | अशारयिष्यताम् | अशारयिष्यन् |

अशारयिष्यः अशारयिष्यतम् अशारयिष्यत
अशारयिष्यम् अशारयिष्यावः अशारयिष्याम

| | | |
|---------------|-----------------|----------------|
| व० शारयते | शारयते | शारयन्ते |
| शारयसे | शारयथे | शारयथे |
| शारये | शारयावहे | शारयामहे |
| स० शारयेत् | शारयेयाताम् | शारयेयन् |
| शारयेथाः | शारयेथाम् | शारयेथ्वम् |
| शारयेय | शारयेवहि | शारयेमहि |
| प० शारयताम् | शारयेताम् | शारयन्ताम् |
| शारयस्व | शारयेथाम् | शारयथ्वम् |
| शारये | शारयावहे | शारयामहे |
| ह्य० अशारयत | अशारयेताम् | अशारयन्त |
| अशारयथाः | अशारयेथाम् | अशारयथ्वम् |
| अशारये | अशारयावहि | अशारयामहि |
| अ० अशीशरत | अशीशरेताम् | अशीशरन्त |
| अशीशरथाः | अशीशरेथाम् | अशीशरथ्वम् |
| अशीशरे | अशीशरावहि | अशीशरामहि |
| प० शारयाञ्चके | शारयाञ्चक्रते | शारयाञ्चक्रिरे |
| शारयाञ्चकृषे | शारयाञ्चक्राथे | शारयाञ्चकृद्वे |
| शारयाञ्चके | शारयाञ्चक्रवहे | शारयाञ्चक्रमहे |
| शारयाञ्चभूव | । | शारयामास |
| आ० शारयिषीष्ट | शारयिषीयास्ताम् | शारयिषीरन् |
| शारयिषीष्ठाः | शारयिषीयास्थाम् | शारयिषीद्वम् |
| श्व० शारयिता | शारयितारौ | शारयितारः |
| शारयितासे | शारयितास्थे | शारयिताथ्वे |
| शारयिताहे | शारयितास्वहे | शारयितास्वहे |
| भ० शारयिष्यते | शारयिष्यते | शारयिष्यन्ते |
| शारयिष्यसे | शारयिष्यथे | शारयिष्यथे |

शारयिष्ये शारयिष्यावहे शारयिष्यामहे
 कि० अशारयिष्यत अशारयिष्येताम् अशारयिष्यन्त
 अशारयिष्यथाः अशारयिष्येथाम् अशारयिष्येथम्
 अशारयिष्ये अशारयिष्यावहि अशारयिष्यामहि
 1532 पृश् (पृ) पालनपूरणयोः । 1134 पृ क्वद्रूपाणि

1533 वृश् (वृ) वरणे

व० वारयति वारयतः वारयन्ति
 वारयसि वारयथः वारयथ
 वारयामि वारयावः वारयामः
 '० वारयेत् वारयेताम् वारयेयुः
 वारयेः वारयेतम् वारयेत
 वारयेयम् वारयेव वारयेम
 प० वारयतु वारयतात् वारयताम् वारयन्तु
 वारय वारयतात् वारयतम् वारयत
 वारयाणि वारयाव वारयाम
 ह० अवारयत् अवारयताम् अवारयन्
 अवारयः अवारयतम् अवारयत
 अवारयम् अवारयाव अवारयाम
 अ० अवीवरत् अवीवरताम् अवीवरन्
 अवीवरः अवीवरतम् अवीवरत
 अवीवरम् अवीवराव अवीवराम
 प० वारयाञ्चकार वारयाञ्चकतुः वारयाञ्चकः
 वारयाञ्चकथे वारयाञ्चकथुः वारयाञ्चक
 वारयाञ्चकार-चकर वारयाञ्चकव वारयाञ्चकम्
 वारयाम्बभूव । वारयामास
 भा० वार्यात् वार्यास्ताम् वार्यासुः
 वार्याः वार्यास्तम् वार्यास्त
 वार्यासम् वार्यास्व वार्यास्मि
 श्र० वारयिता वारयितारौ वारयितारः
 वारयितासि वारयितास्थः वारयितास्थ
 वारयितास्मि वारयितास्वः वारयितास्मः

भ० वारयिष्यति वारयिष्यतः वारयिष्यन्ति
 वारयिष्यसि वारयिष्यथः वारयिष्यथ
 वारयिष्यामि वारयिष्यावः वारयिष्यामः
 कि० अवारयिष्यत् अवारयिष्यताम् अवारयिष्यन्
 अवारयिष्यः अवारयिष्यतम् अवारयिष्यत
 अवारयिष्यम् अवारयिष्याव अवारयिष्याम
 व० वारयते वारयेते वारयन्ते
 वारयसे वारयेथे वारयथे
 वारये वारयावहे वारयामहे
 स० वारयेत वारयेयाताम् वारयेरन्
 वारयेथाः वारयेयाथाम् वारयेथम्
 वारयेय वारयेवहि वारयेमहि
 प० वारयताम् वारयेताम् वारयन्ताम्
 वारयस्व वारयेथम् वारयथम्
 वारयै वारयावहे वारयामहे
 ह० अवारयत् अवारयेताम् अवारयन्त
 अवारयथाः अवारयेथाम् अवारयथम्
 अवारये अवारयावहि अवारयामहि
 अ० अवीवरत् अवीवरेताम् अवीवरन्त
 अवीवरथाः अवीवरेथाम् अवीवरथम्
 अवीवरे अवीवरावहि अवीवरामहि
 प० वारयाञ्चके वारयाञ्चकते वारयाञ्चकिरे
 वारयाञ्चकथे वारयाञ्चकथे वारयाञ्चकद्वे
 वारयाञ्चके वारयाञ्चकवहे वारयाञ्चकमहे
 वारयाम्बभूव । वारयामास
 भा० वारयिषोष्ट वारयिषीयास्ताम् वारयिषीरन्
 वारयिषीष्ठाः वारयिषीयास्याम् वारयिषीद्वम्
 वारयिषीय वारयिषीवहि वारयिषीमहि
 श्र० वारयिता वारयितारौ वारयितारः
 वारयितासे वारयितासाथे वारयिताथे

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१२९१)

| बारयिताहे | बारयितास्वहे | बारयितास्महे |
|--|----------------|----------------|
| भ० बारयिष्यते | बारयिष्येते | बारयिष्यन्ते |
| बारयिष्यसे | बारयिष्येथे | बारयिष्यन्थे |
| बारयिष्ये | बारयिष्यावहे | बारयिष्यामहे |
| क्रि० अबारयिष्यत | अबारयिष्येताम् | अबारयिष्यन्त |
| अबारयिष्यथाः | अबारयिष्येथाम् | अबारयिष्यन्थम् |
| अबारयिष्ये | अबारयिष्यावहि | अबारयिष्यामहि |
| 1534 भृश् (भृ) भजने च । 886 भृग्वद्रूपाणि | | |
| 1535 दृश् (दृ) विदारण । 1464 दृड्वद्रूपाणि | | |
| 1536 जृश् (जृ) व्योहानौ । 1145 जृण्वद्रूपाणि | | |
| 1537 नृश् (नृ) नये । 1016 नृवद्रूपाणि | | |
| 1538 गृश् (गृ) शब्दे । 19 गृवद्रूपाणि | | |

अद्यतन्यान्तु—अदरदित्यादि विशेषः

1539 ऋश् (ऋ) गतौ ।

| | | |
|---------------|--------------|------------|
| व० आरयति | आरयतः | आरयन्ति |
| आरयसि | आरयथः | आरयथ |
| आरयामि | आरयावः | आरयामः |
| स० आरयेत् | आरयेताम् | आरयेयुः |
| आरयेः | आरयेतम् | आरयेत |
| आरयेयम् | आरयेव | आरयेम |
| प० आरयतु | आरयतात् | आरयताम् |
| आरय | आरयतात् | आरयतम् |
| आरयाणि | आरयाव | आरयाम |
| ह्य० आरयत् | आरयताम् | आरयन् |
| आरयः | आरयतम् | आरयत |
| आरयम् | आरयाव | आरयाम |
| अ० आरिरत् | आरिरताम् | आरिरन् |
| आरिरः | आरिरतम् | आरिरत |
| आरिरम् | आरिराव | आरिराम |
| प० आरयाञ्चकार | आरयाञ्चक्रुः | आरयाञ्चकुः |

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| आरयाञ्चकथ | आरयाञ्चक्रथुः | आरयाञ्च क |
| आरयाञ्चकार-चकर | आरयाञ्चकृव | आरयाञ्चक्रुम |
| आरयाञ्चभूव | । | आरयामास |
| भा० आर्यात् | आर्यास्ताम् | आर्याम्: |
| आर्याः | आर्यास्तम् | आर्यास्त |
| आर्यासम् | आर्यास्व | आर्यास्म |
| ध० आरयिता | आरयितारौ | आरयितारः |
| आरयितासि | आरयितास्थः | आरयितास्थ |
| आरयितास्मि | आरयितास्वः | आरयितास्मः |
| भ० आरयिष्यति | आरयिष्यतः | आरयिष्यन्ति |
| आरयिष्यसि | आरयिष्यथः | आरयिष्यथ |
| आरयिष्यामि | आरयिष्यावः | आरयिष्यामः |
| क्रि० आरयिष्यत् | आरयिष्यताम् | आरयिष्यन् |
| आरयिष्यः | आरयिष्यतम् | आरयिष्यत |
| आरयिष्यम् | आरयिष्याव | आरयिष्याम |
| व० आरयते | आरयेते | आरयन्ते |
| आरयसे | आरयेथे | आरयन्थे |
| आरये | आरयावहे | आरयामहे |
| स० आरयेत् | आरयेयाताम् | आरयेयुः |
| आरयेथाः | आरयेयाथाम् | आरयेथ्वम् |
| आरयेथ | आरयेवहि | आरयेमहि |
| प० आरयताम् | आरयेताम् | आरयन्ताम् |
| आरयस्व | आरयेथाम् | आरयन्थ्वम् |
| आरये | आरयावहे | आरयामहे |
| ह्य० आरयत | आरयेताम् | आरयन्त |
| आरयथाः | आरयेथाम् | आरयन्थ्वम् |
| आरये | आरयावहि | आरयामहि |
| अ० आरिरत् | आरिरिताम् | आरिरन्त |
| आरिरथाः | आरिरिथाम् | आरिरिथ्वम् |
| आरिरे | आरिरावहि | आरिरामहि |
| प० आरयाञ्चक्रे | आरयाञ्चक्राते | आरयाञ्चक्रिरे |

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| आरयाञ्चकृषे | आरयाञ्चकाथे | आरयाञ्चकृद्वे |
| आरयाञ्चके | आरयाञ्चकृवहे | आरयाञ्चकृमहे |
| आरयाम्बभूव | आरयामास | |
| भा० आरयिषीष्ट | आरयिषीयास्ताम् | आरयिषीरन् |
| आरयिषीष्टाः | आरयिषीयास्थाम् | आरयिषीद्ववम् |
| | | ध्वम् |
| आरयिषीय | आरयिषीवहि | आरयिषीमहि |
| श्र० आरयिता | आरयितारौ | आरयितारः |
| आरयितासे | आरयितासाथे | आरयिताध्वे |
| आरयिताहे | आरयितास्वहे | आरयितास्महे |
| भ० आरयिष्यते | आरयिष्येते | आरयिष्यन्ते |
| आरयिष्यसे | आरयिष्येथे | आरयिष्यध्वे |
| आरयिष्ये | आरयिष्यावहे | आरयिष्यामहे |
| क्रि० आरयिष्यत | आरयिष्येताम् | आरयिष्यन्त |
| आरयिष्यथाः | आरयिष्येथाम् | आरयिष्यध्वम् |
| आरयिष्ये | आरयिष्यावहि | आरयिष्यामहि |

1546 ज्ञांश् (ज्ञा , अवबोधने ।

| | | |
|----------------|-------------|------------|
| श्र० ज्ञापयति | ज्ञापयतः | ज्ञापयन्ति |
| ज्ञापयसि | ज्ञापयथः | ज्ञापयथ |
| ज्ञापयामि | ज्ञापयावः | ज्ञापयामः |
| स० ज्ञापयेत् | ज्ञापयेताम् | ज्ञापयेयुः |
| ज्ञापयेः | ज्ञापयेतम् | ज्ञापयेत |
| ज्ञापयेयम् | ज्ञापयेव | ज्ञापयेम |
| प० ज्ञापयतु | ज्ञापयतात् | ज्ञापयताम् |
| ज्ञापय | ज्ञापयतात् | ज्ञापयतम् |
| ज्ञापयानि | ज्ञापयाव | ज्ञापयाम |
| ह्य० अज्ञापयत् | अज्ञापयताम् | अज्ञापयन् |
| अज्ञापयः | अज्ञापयतम् | अज्ञापयत |
| अज्ञापयम् | अज्ञापयाव | अज्ञापयाम |
| भ० अज्ञापयत | अज्ञापयताम् | अज्ञापयन् |

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| अजिज्ञपः | अजिज्ञपतम् | अजिज्ञपत |
| अजिज्ञपम् | अजिज्ञपाव | अजिज्ञपाम |
| प० ज्ञापयाञ्चकार | ज्ञापयाञ्चकृतुः | ज्ञापयाञ्चकुः |
| ज्ञापयाञ्चकथे | ज्ञापयाञ्चकथुः | ज्ञापयाञ्चक |
| ज्ञापयाञ्चकार-चकर | ज्ञापयाञ्चकुव | ज्ञापयाञ्चकुम |
| ज्ञापयाम्बभूव | ज्ञापयामास | |
| भा० ज्ञाप्यात् | ज्ञाप्यास्ताम् | ज्ञाप्यासुः |
| ज्ञाप्याः | ज्ञाप्यास्तम् | ज्ञाप्यास्त |
| ज्ञाप्याध्वम् | ज्ञाप्यास्व | ज्ञाप्यास्म |
| श्र० ज्ञापयिता | ज्ञापयितारौ | ज्ञापयितारः |
| ज्ञापयितासि | ज्ञापयितास्थः | ज्ञापयितास्थ |
| ज्ञापयितास्मि | ज्ञापयितास्वः | ज्ञापयितास्मः |
| भ० ज्ञापयिष्यति | ज्ञापयिष्यतः | ज्ञापयिष्यन्ति |
| ज्ञापयिष्यसि | ज्ञापयिष्यथः | ज्ञापयिष्यथ |
| ज्ञापयिष्यामि | ज्ञापयिष्यावः | ज्ञापयिष्यामः |
| क्रि० अज्ञापयिष्यत | अज्ञापयिष्यताम् | अज्ञापयिष्यन् |
| अज्ञापयिष्यः | अज्ञापयिष्यतम् | अज्ञापयिष्यत |
| अज्ञापयिष्यम् | अज्ञापयिष्याव | अज्ञापयिष्याम |
| व० ज्ञापयते | ज्ञापयेते | ज्ञापयन्ते |
| ज्ञापयसे | ज्ञापयेथे | ज्ञापयध्वे |
| ज्ञापये | ज्ञापयावहे | ज्ञापयामहे |
| स० ज्ञापयेत | ज्ञापयेयाताम् | ज्ञापयेरन् |
| ज्ञापयेथाः | ज्ञापयेयाथाम् | ज्ञापयेध्वम् |
| ज्ञापयेथ | ज्ञापयेवहि | ज्ञापयेमहि |
| प० ज्ञापयताम् | ज्ञापयेताम् | ज्ञापयन्ताम् |
| ज्ञापयस्व | ज्ञापयेथाम् | ज्ञापयध्वम् |
| ज्ञापये | ज्ञापयावहे | ज्ञापयामहे |
| ह्य० अज्ञापयत | अज्ञापयेताम् | अज्ञापयन्त |
| अज्ञापयथाः | अज्ञापयेथाम् | अज्ञापयध्वम् |
| अज्ञापये | अज्ञापयावहि | अज्ञापयामहि |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१२९३)

| | | |
|-------------|--------------|--------------|
| अ० अजिज्ञपत | अजिज्ञपेताम् | अजिज्ञपन्त |
| अजिज्ञपथाः | अजिज्ञपेथाम् | अजिज्ञपथ्वम् |
| अजिज्ञपे | अजिज्ञपावहि | अजिज्ञपामहि |

| | | |
|-----------------|-----------------|------------------|
| प० ज्ञापयाञ्चके | ज्ञापयाञ्चकाते | ज्ञापयाञ्चकिरे |
| ज्ञापयाञ्चकृषे | ज्ञापयाञ्चकृषे | ज्ञापयाञ्चकृद्वे |
| ज्ञापयाञ्चके | ज्ञापयाञ्चकृवहे | ज्ञापयाञ्चकृमहे |

ज्ञापयाञ्चभूव । ज्ञापयामास

| | | |
|------------------|-------------------|----------------|
| भा० ज्ञापयिषीष्ट | ज्ञापयिषीयास्ताम् | ज्ञापयिषीरन् |
| ज्ञापयिषीष्ठाः | ज्ञापयिषीयास्थाम् | ज्ञापयिषीह्वम् |

ज्ञापयिषीवहि । ज्ञापयिषीमहि

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| श्व० ज्ञापयिता | ज्ञापयितारौ | ज्ञापयितारः |
| ज्ञापयितासे | ज्ञापयितासाथे | ज्ञापयिताध्वे |
| ज्ञापयिताहे | ज्ञापयितास्वहे | ज्ञापयितास्महे |

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| भ० ज्ञापयिष्यते | ज्ञापयिष्येते | ज्ञापयिष्यन्ते |
| ज्ञापयिष्यसे | ज्ञापयिष्येथे | ज्ञापयिष्यध्वे |
| ज्ञापयिष्ये | ज्ञापयिष्यवहे | ज्ञापयिष्यामहे |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| क्रि० अज्ञापयिष्यत | अज्ञापयिष्येताम् | अज्ञापयिष्यन्त |
| अज्ञापयिष्यथाः | अज्ञापयिष्येथाम् | अज्ञापयिष्यध्वम् |
| अज्ञापयिष्ये | अज्ञापयिष्यवहि | अज्ञापयिष्यामहि |

मरणतोषणनिशाने तु ज्ञपयति । अजिज्ञपत ।

1541 क्षिप्स् (क्षि) क्षिप्ताम् । 10 क्षिप्स्त्रूपाणि

1542 क्रीडा (क्री) करणे । 1250 क्रीड्चूत्रूपाणि

1543 क्रीड् (क्री) करणे ।

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| व० प्राययति | प्राययतः | प्राययन्ति |
| प्राययसि | प्राययथः | प्राययथ |
| प्राययामि | प्राययावः | प्राययामः |

| | | |
|--------------|-------------|------------|
| स० प्राययेत् | प्राययेताम् | प्राययेयुः |
| प्राययेः | प्राययेतम् | प्राययेत |
| प्राययेयम् | प्राययेव | प्राययेम |

| | | | |
|-------------|------------|------------|------------|
| प० प्राययतु | प्राययतात् | प्राययताम् | प्राययन्तु |
| प्रायय | प्राययतात् | प्राययतम् | प्राययत |
| प्राययानि | प्राययाव | प्राययाम | |

| | | |
|----------------|-------------|-----------|
| श्व० अप्राययत् | अप्राययताम् | अप्राययन् |
| अप्राययः | अप्राययतम् | अप्राययत |
| अप्राययम् | अप्राययाव | अप्राययाम |

| | | |
|--------------|-------------|-----------|
| अ० अविप्रयत् | अविप्रयताम् | अविप्रयन् |
| अविप्रयः | अविप्रयतम् | अविप्रयत |
| अविप्रयम् | अविप्रयाव | अविप्रयाम |

| | | |
|-------------------|-----------------|---------------|
| प० प्राययाञ्चकार | प्राययाञ्चक्रुः | प्राययाञ्चकुः |
| प्राययाञ्चकथे | प्राययाञ्चकथुः | प्राययाञ्चक |
| प्राययाञ्चकार-चकर | प्राययाञ्चकृव | प्राययाञ्चकृम |
| प्राययाञ्चभूव | । | प्राययामास |

| | | |
|---------------|---------------|--------------|
| भा० प्राययात् | प्राययास्ताम् | प्राययास्तुः |
| प्राययाः | प्राययास्तम् | प्राययास्त |
| प्राययासम् | प्राययास्व | प्राययास्म |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| श्व० प्राययिता | प्राययितारौ | प्राययितारः |
| प्राययितासि | प्राययितास्थः | प्राययितास्थ |
| प्राययितास्मि | प्राययितास्वः | प्राययितास्मः |

| | | |
|-----------------|---------------|----------------|
| भ० प्राययिष्यति | प्राययिष्यतः | प्राययिष्यन्ति |
| प्राययिष्यसि | प्राययिष्यथः | प्राययिष्यथ |
| प्राययिष्यामि | प्राययिष्यावः | प्राययिष्यामः |

| | | |
|---------------------|-----------------|---------------|
| क्रि० अप्राययिष्यत् | अप्राययिष्यताम् | अप्राययिष्यन् |
| अप्राययिष्यः | अप्राययिष्यतम् | अप्राययिष्यत |
| अप्राययिष्यम् | अप्राययिष्याव | अप्राययिष्याम |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| व० प्राययते | प्राययते | प्राययन्ते |
| प्राययसे | प्राययथे | प्राययध्वे |
| प्रायये | प्राययावहे | प्राययामहे |

| | | |
|--------------|---------------|--------------|
| स० प्राययेत् | प्राययेताम् | प्राययेयुः |
| प्राययेथाः | प्राययेयाथाम् | प्राययेध्वम् |
| प्राययेय | प्राययेवहि | प्राययेमहि |

(१०९४) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| | | |
|--|----------------|---------------|
| प० आययताम् | आययेताम् | आययन्ताम् |
| आययस्त | आययेथाम् | आययन्वम् |
| आयये | आययावहे | आययामहे |
| ह्य० अआययत | अआययेताम् | अआययन्त |
| अआययथाः | अआययेथाम् | अआययन्वम् |
| अआयये | अआययावहि | अआययामहि |
| अ० अविअयत | अविअयेताम् | अविअयन्त |
| अविअयथाः | अविअयेथाम् | अविअयन्वम् |
| अविअये | अविअयावहि | अविअयामहि |
| प० आययाञ्चके | आययाञ्चकात् | आययाञ्चकिरे |
| आययाञ्चकृषे | आययाञ्चकाथे | आययाञ्चकृद्वे |
| आययाञ्चके | आययाञ्चकृवहे | आययाञ्चकृमहे |
| आययाञ्चभूव । आययामास | | |
| आ० आययिषीष्ट | आययिषीयास्ताम् | आययिषीरन् |
| आययिषीष्ठाः | आययिषीयास्थाम् | आययिषीह्वम् |
| धम् | | |
| आययिषीय | आययिषीवहि | आययिषीमहि |
| अ० आययिता | आययितारौ | आययितारः |
| आययितासे | आययितासाथे | आययिताध्वे |
| आययिताहे | आययितास्वहे | आययितामहे |
| अ० आययिष्यते | आययिष्येते | आययिष्यन्ते |
| आययिष्यसे | आययिष्येथे | आययिष्यन्वे |
| आययिष्ये | आययिष्यावहे | आययिष्यामहे |
| क्रि० अआययिष्यत | अआययिष्येताम् | अआययिष्यन्त |
| अआययिष्यथाः | अआययिष्येथाम् | अआययिष्यन्वम् |
| अआययिष्ये | अआययिष्यावहि | अआययिष्यामहि |
| 1544 हेठश् [हेड्] भूतप्रादुर्भावे । 676 | | |
| हेठिवद्रूपाणि 1545 मृडश् (मृड्) सुखने । | | |
| 1358 मृडत्वद्रूपाणि 1546 अन्थश् (अन्थ्) | | |
| मोचनप्रतिहर्षयोः । 717 अथुड्वद्रूपाणि 1547 | | |

मन्थश् (मन्थ्) विलोडने । 292 मन्थवद्रूपाणि
1548 अन्थश् (अन्थ्) संदभे । 718 प्रथुड्व-
वद्रूपाणि 1549 कुन्थश् [कुन्थ्] संक्लेशे ।
288 कुथुवद्रूपाणि

1550 मृदश् (मृद्) क्षोदे ।

| | | |
|--------------------------|---------------|--------------|
| व० मर्दयति | मर्दयतः | मर्दयन्ति |
| मर्दयसि | मर्दयथः | मर्दयथ |
| मर्दयामि | मर्दयावः | मर्दयामः |
| स० मर्दयेत् | मर्दयेताम् | मर्दयेयुः |
| मर्दयेः | मर्दयेतम् | मर्दयेत |
| मर्दयेयम् | मर्दयेव | मर्दयेम |
| प० मर्दयतु | मर्दयतात् | मर्दयन्तु |
| मर्दय | मर्दयतात् | मर्दयत |
| मर्दयानि | मर्दयाव | मर्दयाम |
| ह्य० अमर्दयत् | अमर्दयताम् | अमर्दयन् |
| अमर्दयः | अमर्दयतम् | अमर्दयत |
| अमर्दयम् | अमर्दयाव | अमर्दयाम |
| अ० अमीमृदत् | अमीमृदताम् | अमीमृदन् |
| अमीमृदः | अमीमृदतम् | अमीमृदत |
| अमीमृदम् | अमीमृदाव | अमीमृदाम |
| अममर्दत् | अममर्दताम् | अममर्दन् इ० |
| प० मर्दयाञ्चकार | मर्दयाञ्चकतुः | मर्दयाञ्चकृ |
| मर्दयाञ्चकथे | मर्दयाञ्चकथुः | मर्दयाञ्चक |
| मर्दयाञ्चकार-चकर | मर्दयाञ्चकृव | मर्दयाञ्चकृम |
| मर्दयाञ्चभूव । मर्दयामास | | |
| आ० मर्दात् | मर्दास्ताम् | मर्दासुः |
| मर्दाः | मर्दास्तम् | मर्दास्ति |
| मर्दासम् | मर्दास्व | मर्दास्मि |
| अ० मर्दयिता | मर्दयितारौ | मर्दयितारः |
| मर्दयितासि | मर्दयितास्थः | मर्दयितास्थ |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१२९५)

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| मर्दयितास्मि | मर्दयितास्वः | मर्दयितास्मः |
| भ० मर्दयिष्यति | मर्दयिष्यतः | मर्दयिष्यन्ति |
| मर्दयिष्यसि | मर्दयिष्यथः | मर्दयिष्यथ |
| मर्दयिष्यामि | मर्दयिष्यावः | मर्दयिष्यामः |
| क्रि० अमर्दयिष्यतु | अमर्दयिष्यताम् | अमर्दयिष्यन्तु |
| अमर्दयिष्यः | अमर्दयिष्यतम् | अमर्दयिष्यत |
| अमर्दयिष्यम् | अमर्दयिष्याव | अमर्दयिष्याम |
| व० मर्दयते | मर्दयते | मर्दयन्ते |
| मर्दयसे | मर्दयथे | मर्दयध्वे |
| मर्दये | मर्दयावहे | मर्दयामहे |
| स० मर्दयेत | मर्दयेताताम् | मर्दयेरन्तु |
| मर्दयेथाः | मर्दयेथाताम् | मर्दयेध्वम् |
| मर्दयेथ | मर्दयेवहि | मर्दयेमहि |
| प० मर्दयताम् | मर्दयताम् | मर्दयन्ताम् |
| मर्दयस्व | मर्दयेथाम् | मर्दयध्वम् |
| मर्दये | मर्दयावहै | मर्दयामहै |
| ह्य० अमर्दयत | अमर्दयेताम् | अमर्दयन्त |
| अमर्दयथाः | अमर्दयेथाम् | अमर्दयध्वम् |
| अमर्दये | अमर्दयावहि | अमर्दयामहि |
| अ० अमीमृदत | अमीमृदताम् | अमीमृदन्त |
| अमीमृदथाः | अमीमृदथाम् | अमीमृदध्वम् |
| अमीमृदे | अमीमृदावहि | अमीमृदामहि |
| अममर्दत | अममर्देताम् | अममर्दन्त इ० |
| प० मर्दयाञ्चक्रे | मर्दयाञ्चकृते | मर्दयाञ्चकृतिरे |
| मर्दयाञ्चकृषे | मर्दयाञ्चकृषे | मर्दयाञ्चकृष्वे |
| मर्दयाञ्चके | मर्दयाञ्चकृवहे | मर्दयाञ्चकृमहे |
| मर्दयाम्बभूव | । मर्दयामात | |
| भा० मर्दयिषीष्ट | मर्दयिषीथास्ताम् | मर्दयिषीरन्तु |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| मर्दयिषीष्टाः | मर्दयिषीथास्ताम् | मर्दयिषीरन्तु |
| मर्दयिषीय | मर्दयिषीवहि | मर्दयिषीमहि |
| श्र० मर्दयिता | मर्दयितारौ | मर्दयितारः |
| मर्दयितासे | मर्दयितासाथे | मर्दयिताध्वे |
| मर्दयिताहे | मर्दयितास्वहे | मर्दयितास्महे |
| भ० मर्दयिष्यते | मर्दयिष्यते | मर्दयिष्यन्ते |
| मर्दयिष्यसे | मर्दयिष्यथे | मर्दयिष्यध्वे |
| मर्दयिष्ये | मर्दयिष्यावहे | मर्दयिष्यामहे |
| क्रि० अमर्दयिष्यत | अमर्दयिष्यताम् | अमर्दयिष्यन्त |
| अमर्दयिष्यथाः | अमर्दयिष्यथाम् | अमर्दयिष्यध्वम् |
| अमर्दयिष्ये | अमर्दयिष्यावहि | अमर्दयिष्यामहि |

1551 गुधश् [गुध्) रोषे । 1155 शुधश्चवङ्गणणि

1552 बन्धश् (बन्ध्) बन्धने ।

| | | |
|---------------|------------|------------|
| व० बन्धयति | बन्धयतः | बन्धयन्ति |
| बन्धयसि | बन्धयथः | बन्धयथ |
| बन्धयामि | बन्धयावः | बन्धयामः |
| स० बन्धयेत् | बन्धयेताम् | बन्धयेयुः |
| बन्धयेः | बन्धयेतम् | बन्धयेत |
| बन्धयेयाम् | बन्धयेव | बन्धयेम |
| प० बन्धयतु | बन्धयताम् | बन्धयन्तु |
| बन्धय | बन्धयतात् | बन्धयत |
| बन्धयानि | बन्धयाव | बन्धयाम |
| ह्य० अबन्धयत | अबन्धयताम् | अबन्धयन्तु |
| अबन्धयः | अबन्धयतम् | अबन्धयत |
| अबन्धयम् | अबन्धयान | अबन्धयाम |
| अ० अबबन्धन्तु | अबबन्धताम् | अबबन्धन्तु |
| अबबन्धः | अबबन्धतम् | अबबन्धत |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| अवबन्धम् | अवबन्धाव | अवबन्धाम |
| प० बन्धयाञ्चकार | बन्धयाञ्चक्रुः | बन्धयाञ्चकुः |
| बन्धयाञ्चक्य | बन्धयाञ्चक्रुः | बन्धयाञ्चक |
| बन्धयाञ्चकार-चकर | बन्धयाञ्चक्रुव | बन्धयाञ्चक्रुम |
| बन्धयाम्बभूव | बन्धयामास | |

| | | |
|--------------|---------------|------------|
| आ० बन्ध्यात् | बन्ध्यास्ताम् | बन्ध्यासुः |
| बन्ध्याः | बन्ध्यास्तम् | बन्ध्यास्त |
| बन्ध्यातम् | बन्ध्यास्व | बन्ध्यास्म |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| श्व० बन्धयिता | बन्धयितारौ | बन्धयितारः |
| बन्धयितासि | बन्धयितास्वः | बन्धयितास्थ |
| बन्धयितास्मि | बन्धयितास्वः | बन्धयितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० बन्धयिष्यति | बन्धयिष्यतः | बन्धयिष्यन्ति |
| बन्धयिष्यसि | बन्धयिष्यथः | बन्धयिष्यथ |
| बन्धयिष्यामि | बन्धयिष्यावः | बन्धयिष्यामः |

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| क्रि० अवबन्धयिष्यत् | अवबन्धयिष्यताम् | अवबन्धयिष्यन्त |
| अवबन्धयिष्यः | अवबन्धयिष्यतम् | अवबन्धयिष्यत |
| अवबन्धयिष्यम् | अवबन्धयिष्याव | अवबन्धयिष्याम |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| व० बन्धयते | बन्धयते | बन्धयन्ते |
| बन्धयसे | बन्धयेथे | बन्धयस्व |
| बन्धये | बन्धयावहे | बन्धयामहे |

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| स० बन्धयेत | बन्धयेताम् | बन्धयेरन् |
| बन्धयेथाः | बन्धयेथायाम् | बन्धयेष्वम् |
| बन्धयेथ | बन्धयेवहि | बन्धयेमहि |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| प० बन्धयताम् | बन्धयेताम् | बन्धयन्ताम् |
| बन्धयस्व | बन्धयेथाम् | बन्धयस्वम् |
| बन्धये | बन्धयावहै | बन्धयामहै |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| ह्य० अवबन्धयत | अवबन्धयेताम् | अवबन्धयन्त |
| अवबन्धयथाः | अवबन्धयेथाम् | अवबन्धयस्वम् |
| अवबन्धये | अवबन्धयावहि | अवबन्धयामहि |
| अ० अवबन्धत | अवबन्धेताम् | अवबन्धन्त |
| अवबन्धयथाः | अवबन्धयेथाम् | अवबन्धयस्वम् |
| अवबन्धये | अवबन्धयावहि | अवबन्धयामहि |

| | | |
|----------------|------------------|------------------|
| प० बन्धयाञ्चके | बन्धयाञ्चक्राते | बन्धयाञ्चक्रिरे |
| बन्धयाञ्चकृषे | बन्धयाञ्चक्रथे | बन्धयाञ्चक्रुवहे |
| बन्धयाञ्चके | बन्धयाञ्चक्रुवहे | बन्धयाञ्चक्रुमहे |

बन्धयाम्बभूव । बन्धयामास

| | | |
|----------------|------------------|---------------|
| औ० बन्धयिषीष्ट | बन्धयिषीयास्ताम् | बन्धयिषीरन् |
| बन्धयिषीष्टाः | बन्धयिषीयास्याम् | बन्धयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |

बन्धयिषीय बन्धयिषीवहि बन्धयिषीमहि

| | | |
|---------------|---------------|---------------|
| श्व० बन्धयिता | बन्धयितारौ | बन्धयितारः |
| बन्धयितासे | बन्धयितासाथे | बन्धयितास्व |
| बन्धयिताहे | बन्धयितास्वहे | बन्धयितास्महे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० बन्धयिष्यते | बन्धयिष्येते | बन्धयिष्यन्ते |
| बन्धयिष्यसे | बन्धयिष्येथे | बन्धयिष्यस्व |
| बन्धयिष्ये | बन्धयिष्यावहे | बन्धयिष्यामहे |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| क्रि० अवबन्धयिष्यत | अवबन्धयिष्यताम् | अवबन्धयिष्यन्त |
| अवबन्धयिष्यथाः | अवबन्धयिष्येथाम् | अवबन्धयिष्यस्वम् |
| अवबन्धयिष्ये | अवबन्धयिष्यावहि | अवबन्धयिष्यामहि |

1553 क्षुभश् (क्षुम्) संचलने । 948 क्षुभिवद्भाणि

1554 णभश् (नभ्) हिंसायाम् । 949 णभिवद्भाणि

1555 तुभश् (तुम्) हिंसायाम् । 950 तुभिवद्भाणि

फ, १६३) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१२९७)

1556 खवश् (खव्) भूतप्रादुर्भावे ।

| | | | |
|-------|--------------------|---------------|---------------|
| व० | खावयति | खावयतः | खावयन्ति |
| | खावयसि | खावयथः | खावयथ |
| | खावयामि | खावयावः | खावयामः |
| स० | खावयेत् | खावयेताम् | खावयेयुः |
| | खावयेः | खावयेतम् | खावयेत |
| | खावयेयम् | खावयेव | खावयेम |
| प० | खावयन्तु | खावयन्ताम् | खावयन्तु |
| | खावयन्तु | खावयन्तु | खावयन्तु |
| | खावयन्ति | खावयाव | खावयाम |
| ह्य० | अखावयत् | अखावयताम् | अखावयन् |
| | अखावयः | अखावयतम् | अखावयत |
| | अखावयम् | अखावयाव | अखावयाम |
| अ० | अचीखवत् | अचीखवताम् | अचीखवन् |
| | अचीखवः | अचीखवतम् | अचीखवत |
| | अचीखवम् | अचीखवाव | अचीखवाम |
| प० | खावयाश्चकार | खावयाश्चक्रुः | खावयाश्चक्रुः |
| | खावयाश्चकथं | खावयाश्चक्रुः | खावयाश्चक्रुः |
| | खावयाश्चकार-चक्रुः | खावयाश्चक्रुव | खावयाश्चक्रुम |
| | खावयाश्चभूव | । | खावयामास |
| आ० | खाव्यात् | खाव्यास्ताम् | खाव्यासुः |
| | खाव्याः | खाव्यास्तम् | खाव्यास्त |
| | खाव्यासम् | खाव्यास्व | खाव्यास्म |
| ख० | खावयिता | खावयितारौ | खावयितारः |
| | खावयितासि | खावयितास्यः | खावयितास्य |
| | खावयितास्मि | खावयितास्वः | खावयितारमः |
| भ० | खावयिष्यति | खावयिष्यतः | खावयिष्यन्ति |
| | खावयिष्यसि | खावयिष्यथः | खावयिष्यथ |
| | खावयिष्यामि | खावयिष्यावः | खावयिष्यामः |
| क्रि० | अखावयिष्यत् | अखावयिष्यताम् | अखावयिष्यन् |

| | | | |
|----|--------------|-----------------|-----------------|
| | अखावयिष्यः | अखावयिष्यतम् | अखावयिष्यत |
| | अखावयिष्यम् | अखावयिष्याव | अखावयिष्याम |
| व० | खावयते | खावयते | खावयन्ते |
| | खावयसे | खावयथे | खावयथ्वे |
| | खावये | खावयावहे | खावयामहे |
| स० | खावयेत | खावयेयाताम् | खावयेरन् |
| | खावयेथाः | खावयेयाथाम् | खावयेष्वम् |
| | खावयेय | खावयेयहि | खावयेमहि |
| प० | खावयताम् | खावयताम् | खावयन्ताम् |
| | खावयस्व | खावयेथाम् | खावयध्वम् |
| | खावये | खावयावहे | खावयामहे |
| श० | अखावयत | अखावयेतम् | अखावयन्त |
| | अखावयथाः | अखावयेथाम् | अखावयध्वम् |
| | अखावये | अखावयावहि | अखावयामहि |
| अ० | अचीखवत | अचीखवेताम् | अचीखवन्त |
| | अचीखवथाः | अचीखवेथाम् | अचीखवध्वम् |
| | अचीखवे | अचीखवावहि | अचीखवामहि |
| प० | खावयाश्चक्रे | खावयाश्चक्राते | खावयाश्चक्रिरे |
| | खावयाश्चकृषे | खावयाश्चक्राथे | खावयाश्चकृद्वे |
| | खावयाश्चक्रे | खावयाश्चक्रुवहे | खावयाश्चक्रुमहे |
| | खावयाश्चभूव | । | खावयामास |
| आ० | खावयिषीष्ट | खावयिषीष्टाताम् | खावयिषीरन् |
| | खावयिषीष्टाः | खावयिषीष्टाथाम् | खावयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | खावयिषीय | खावयिषीवहि | खावयिषीमहि |
| अ० | खावयिता | खावयितारौ | खावयितारः |
| | खावयितासे | खावयितासाथे | खावयितास्ये |
| | खावयिताहे | खावयितास्वहे | खावयितास्महे |
| भ० | खावयिष्यते | खावयिष्येते | खावयिष्यन्ते |
| | खावयिष्यसे | खावयिष्यथे | खावयिष्यध्वे |

(१२९८) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे निगन्तप्रक्रिया

| खावयिष्ये | खावयिष्यावहे | खावयिष्यामहे |
|------------------|----------------|------------------|
| क्रि० अखावयिष्यत | अखावयिष्येताम् | अखावयिष्यन्त |
| अखावयिष्यथाः | अखावयिष्येथाम् | अखावयिष्यन्ध्वम् |
| अखावयिष्ये | अखावयिष्यावहि | अखावयिष्यामहि |

1557 क्लिशौश् [क्लिश्] विबाधने । 831 क्लेशिवद्रूपाणि

1558 अशश् (अश्) भोजने । 1314 अशौटिवद्रूपाणि

भोजने--आत्मनेपदन्तु नेति विशेषः

1559 इषश् (इष्) आभीक्ष्ये । 1165 इषच्-
वद्रूपाणि । 1560 विषश् (विष्) विप्रयोगे । 528

विषवद्रूपाणि । 1561 पुषश् (पुष्) स्नेहसेचनपू-
रणेषु । 532 पुष्वद्रूपाणि । 1562 प्लुषश् [प्लुष्]
स्नेहसेचनपूरणेषु । 533 प्लुष्वद्रूपाणि । 1563

मुषश् (मुष्) स्तेये । 513 मुषवद्रूपाणि । 1564

पुषश् (पुष्) पुष्टौ । 536 पुषवद्रूपाणि

1565 कुषश् (कुष्) निष्कर्षे ।

| | | |
|--------------|------------|-----------|
| व० कोषयति | कोषयतः | कोषयन्ति |
| कोषयसि | कोषयथः | कोषयथ |
| कोषयामि | कोषयावः | कोषयामः |
| स० कोषयेत् | कोषयेताम् | कोषयेयुः |
| कोषयेः | कोषयेतम् | कोषयेत |
| कोषयेयम् | कोषयेव | कोषयेम |
| प० कोषयन्तु | कोषयतात् | कोषयताम् |
| कोषय | कोषयतात् | कोषयतम् |
| कोषयाणि | कोषयाव | कोषयाम |
| ह्य० अकोषयत् | अकोषयताम् | अकोषयन्त |
| अकोषयः | अकोषयतम् | अकोषयत |
| अकोषयम् | अकोषयाव | अकोषयाम |
| अ० अचूकुषत् | अचूकुषताम् | अचूकुषन्त |
| अचूकुषः | अचूकुषतम् | अचूकुषत |
| अचूकुषम् | अचूकुषाव | अचूकुषाम |

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| प० कोषयाश्चकार | कोषयाश्चक्रुः | कोषयाश्चक्रुः |
| कोषयाश्चकथ | कोषयाश्चक्रुः | कोषयाश्चक्रुः |
| कोषयाश्चकार-चकर | कोषयाश्चक्रुव | कोषयाश्चक्रुम |
| कोषयाम्बभूव | । | कोषयामास |

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० कोष्यात् | कोष्यास्ताम् | कोष्यासुः |
| कोष्याः | कोष्यास्तम् | कोष्यास्त |
| कोष्यासम् | कोष्यास्व | कोष्यासम |

| | | |
|--------------|-------------|-------------|
| श्र० कोषयिता | कोषयितारौ | कोषयितारः |
| कोषयितासि | कोषयितास्थः | कोषयितास्थ |
| कोषयितास्मि | कोषयितास्वः | कोषयितास्मः |

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| भ० कोषयिष्यति | कोषयिष्यतः | कोषयिष्यन्ति |
| कोषयिष्यसि | कोषयिष्यथः | कोषयिष्यथ |
| कोषयिष्यामि | कोषयिष्यावः | कोषयिष्यामः |

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| क्रि० अकोषयिष्यत | अकोषयिष्यताम् | अकोषयिष्यन्त |
| अकोषयिष्यः | अकोषयिष्यतम् | अकोषयिष्यत |
| अकोषयिष्यम् | अकोषयिष्याव | अकोषयिष्याम |

| | | |
|-----------|----------|----------|
| व० कोषयते | कोषयेते | कोषयन्ते |
| कोषयसे | कोषयेथे | कोषयध्वे |
| कोषये | कोषयावहे | कोषयामहे |

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| स० कोषयेत | कोषयेयाताम् | कोषयेरन् |
| कोषयेथाः | कोषयेयाथाम् | कोषयेध्वम् |
| कोषयेय | कोषयेवहि | कोषयेमहि |

| | | |
|-------------|-----------|------------|
| प० कोषयताम् | कोषयेताम् | कोषयन्ताम् |
| कोषयस्व | कोषयेथाम् | कोषयध्वम् |
| कोषये | कोषयावहे | कोषयामहे |

| | | |
|-------------|------------|------------|
| ह्य० अकोषयत | अकोषयेताम् | अकोषयन्त |
| अकोषयथाः | अकोषयेथाम् | अकोषयध्वम् |
| अकोषये | अकोषयावहि | अकोषयामहि |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| अ० अचूकुषत | अचूकुषेताम् | अचूकुषन्त |
| अचूकुषथाः | अचूकुषेथाम् | अचूकुषध्वम् |
| अचूकुषे | अचूकुषावहि | अचूकुषामहि |

| | | |
|------------------|-------------------|-----------------|
| प० कोषयाञ्चके | कोषयाञ्चकते | कोषयाञ्चकिरे |
| कोषयाञ्चकृषे | कोषयाञ्चकृषे | कोषयाञ्चकृष्वे |
| कोषयाञ्चके | कोषयाञ्चकृवहे | कोषयाञ्चकृमहे |
| कोषयाम्बभूव | कोषयामास | |
| भा० कोषयिषीष्ट | कोषयिषीष्टास्तम् | कोषयिषीरन् |
| कोषयिषीष्टाः | कोषयिषीष्टास्थाम् | कोषयिषीष्टवम् |
| कोषयिषीय | कोषयिषीवहि | कोषयिषीमहि |
| श्व० कोषयिता | कोषयितारौ | कोषयितारः |
| कोषयितासे | कोषयितासाथे | कोषयितास्वहे |
| कोषयिताहे | कोषयितास्वहे | कोषयितास्महे |
| म० कोषयिष्यते | कोषयिष्येते | कोषयिष्यन्ते |
| कोषयिष्यसे | कोषयिष्येथे | कोषयिष्येध्वे |
| कोषयिष्ये | कोषयिष्यावहे | कोषयिष्यामहे |
| क्रि० अकोषयिष्यत | अकोषयिष्येताम् | अकोषयिष्यन्त |
| अकोषयिष्यथाः | अकोषयिष्येथाम् | अकोषयिष्येध्वम् |
| अकोषयिष्ये | अकोषयिष्यावहि | अकोषयिष्यामहि |

1566 ध्रस्व (ध्रस्) उञ्जे ।

| | | |
|----------------|--------------|-------------|
| व० ध्रासयति | ध्रासयतः | ध्रासयन्ति |
| ध्रासयसि | ध्रासयथः | ध्रासयथ |
| ध्रासयामि | ध्रासयावः | ध्रासयामः |
| स० ध्रासयेत् | ध्रासयेताम् | ध्रासयेयुः |
| ध्रासयेः | ध्रासयेतम् | ध्रासयेत |
| ध्रासयेयम् | ध्रासयेव | ध्रासयेम |
| प० ध्रासयतु | ध्रासयताम् | ध्रासयन्तु |
| ध्रासय | ध्रासयतात् | ध्रासयत |
| ध्रासयानि | ध्रासयाव | ध्रासयाम |
| ह्र० अध्रासयत् | अध्रासयेताम् | अध्रासयन्त |
| अध्रासयः | अध्रासयेथाम् | अध्रासयथ |
| अध्रासयम् | अध्रासयावहि | अध्रासयामहि |

| | | |
|---------------------|------------------|-------------------|
| अ० अदिप्रसत् | अदिप्रसताम् | अदिप्रसन् |
| अदिप्रसः | अदिप्रसतम् | अदिप्रसत |
| अदिप्रसम् | अदिप्रसाव | अदिप्रसाम |
| प० प्रासयाञ्चकार | प्रासयाञ्चकतुः | प्रासयाञ्चक्रुः |
| प्रासयाञ्चकथ्य | प्रासयाञ्चकथुः | प्रासयाञ्चक्र |
| प्रासयाञ्चकार-चकर | प्रासयाञ्चकृव | प्रासयाञ्चकृम |
| प्रासयाम्बभूव | प्रासयामास | |
| भा० प्रास्यात् | प्रास्यास्ताम् | प्रास्यासुः |
| प्रास्याः | प्रास्यास्तम् | प्रास्यास्त |
| प्रास्याम् | प्रास्यास्व | प्रास्यास्म |
| श्व० प्रासयिता | प्रासयितारौ | प्रासयितारः |
| प्रासयितासि | प्रासयितास्थः | प्रासयितास्थ |
| प्रासयितास्मि | प्रासयितास्वः | प्रासयितास्मः |
| म० प्रासयिष्यति | प्रासयिष्यतः | प्रासयिष्यन्ति |
| प्रासयिष्यसि | प्रासयिष्यथः | प्रासयिष्यथ |
| प्रासयिष्यामि | प्रासयिष्यावः | प्रासयिष्यामः |
| क्रि० अप्रासयिष्यत् | अप्रासयिष्यताम् | अप्रासयिष्यन्त |
| अप्रासयिष्यः | अप्रासयिष्येथाम् | अप्रासयिष्येध्वम् |
| अप्रासयिष्ये | अप्रासयिष्यावहि | अप्रासयिष्यामहि |
| व० प्रासयेते | प्रासयेते | प्रासयन्ते |
| प्रासयेसे | प्रासयेथे | प्रासयेध्वे |
| प्रासये | प्रासयावहे | प्रासयामहे |
| स० प्रासयेत | प्रासयेताम् | प्रासयेरन् |
| प्रासयेथाः | प्रासयेथायाम् | प्रासयेध्वम् |
| प्रासयेय | प्रासयेवहि | प्रासयेमहि |
| प० प्रासयेताम् | प्रासयेताम् | प्रासयेताम् |
| प्रासयेस्व | प्रासयेताम् | प्रासयेध्वम् |
| प्रासये | प्रासयावहे | प्रासयामहे |
| ह्र० अप्रासयत | अप्रासयेताम् | अप्रासयन्त |
| अप्रासयथाः | अप्रासयेथाम् | अप्रासयथम् |
| अप्रासये | अप्रासयावहि | अप्रासयामहि |

| | | |
|-----------------|-------------------|------------------|
| अ० अदिप्रसत | अदिप्रसेताम् | अदिप्रसन्त |
| अदिप्रसथाः | अदिप्रसेथाम् | अदिप्रसन्वम् |
| अदिप्रसे | अदिप्रसेवहि | अदिप्रसामहि |
| प० प्रासयाञ्चके | प्रासयाञ्चकते | प्रासयाञ्चकिरे |
| प्रासयाञ्चकृषे | प्रासयाञ्चकृषे | प्रासयाञ्चकृद्वे |
| प्रासयाञ्चके | प्रासयाञ्चकृवहे | प्रासयाञ्चकृमहे |
| प्रासयाम्बभूव | प्रासयामास | |
| आ० प्रासयिषीष्ट | प्रासयिषीयास्ताम् | प्रासयिषीरन् |
| प्रासयिषीष्टाः | प्रासयिषीयास्थाम् | प्रासयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| प्रासयिषीय | प्रासयिषीवहि | प्रासयिषीमहि |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| अ० प्रासयिता | प्रासयितारौ | प्रासयितारः |
| प्रासयितासे | प्रासयितासाथे | प्रासयितान्वे |
| प्रासयिताहे | प्रासयितास्वहे | प्रासयितास्महे |
| अ० प्रासयिष्यते | प्रासयिष्यते | प्रासयिष्यन्ते |
| प्रासयिष्यसे | प्रासयिष्येये | प्रासयिष्यन्वे |
| प्रासयिष्ये | प्रासयिष्यावहे | प्रासयिष्यामहे |
| क्रि० अप्रासयिष्यत | अप्रासयिष्येताम् | अप्रासयिष्यन्त |
| अप्रासयिष्यथाः | अप्रासयिष्येथाम् | अप्रासयिष्यन्वम् |
| अप्रासयिष्ये | अप्रासयिष्यावहि | अप्रासयिष्यामहि |

1567 बृह० [४] संभक्तौ । 1294 बृ० गृ० वृ० पाणि

श्रीमत्तपोगणगनाङ्गणगगनमणि--सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण--
विद्यापोठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक संविग्नशास्त्रीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-
विजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिसूरेश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिन्दिरा-
यमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य णिग-

न्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे

द्वितीयभागे

क्रयादिगणः

सम्पूर्णः ।

1568 चुरण् (चुर्) स्तेये ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० चोरयति | चोरयतः | चोरयन्ति |
| चोरयसि | चोरयथः | चोरयथ |
| चोरयामि | चोरयावः | चोरयामः |
| स० चोरयेत् | चोरयेताम् | चोरयेयुः |
| चोरयेः | चोरयेतम् | चोरयेत |
| चोरयेयम् | चोरयेव | चोरयेम |
| प० चोरयतु | चोरयतात् | चोरयताम् |
| चोरय | चोरयतात् | चोरयतम् |
| चोरयानि | चोरयाव | चोरयाम |
| ह० अचोरयत् | अचोरयताम् | अचोरयन् |
| अचोरयः | अचोरयतम् | अचोरयत |
| अचोरयम् | अचोरयाव | अचोरयाम |
| भ० अचूचुरत् | अचूचुरताम् | अचूचुरन् |
| अचूचुरः | अचूचुरतम् | अचूचुरत |
| अचूचुरम् | अचूचुराव | अचूचुराम |
| प० चोरयाञ्चकार | चोरयाञ्चकतुः | चोरयाञ्चकुः |
| चोरयाञ्चकथं | चोरयाञ्चकथुः | चोरयाञ्चक |
| चोरयाञ्चकार-चकर | चोरयाञ्चकृव | चोरयाञ्चकृम |
| चोरयाञ्चभूव | । | चोरयामास |
| भा० चोर्यात् | चोर्यास्ताम् | चोर्यासुः |
| चोर्याः | चोर्यास्तम् | चोर्यास्त |
| चोर्यासम् | चोर्यास्व | चोर्यास्म |
| श्व० चोरयिता | चोरयितारौ | चोरयितारः |
| चोरयितासि | चोरयितास्थः | चोरयितास्थ |
| चोरयितास्मि | चोरयितास्वः | चोरयितास्मः |
| भ० चोरयिष्यति | चोरयिष्यतः | चोरयिष्यन्ति |
| चोरयिष्यसि | चोरयिष्यथः | चोरयिष्यथ |
| चोरयिष्यामि | चोरयिष्यावः | चोरयिष्यामः |
| क्रि० अचोरयिष्यत् | अचोरयिष्यताम् | अचोरयिष्यन् |
| अचोरयिष्यः | अचोरयिष्यतम् | अचोरयिष्यत |
| अचोरयिष्यम् | अचोरयिष्याव | अचोरयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० चोरयते | चोरयेत | चोरयन्ते |
| चोरयमे | चोरयेथे | चोरयन्थे |
| चोरये | चोरयावहे | चोरयामहे |
| स० चोरयत | चोरयेयाताम् | चोरयेरन् |
| चोरयेथाः | चोरयेथायाम् | चोरयेध्वम् |
| चोरयेय | चोरयेवहि | चोरयेमहि |
| प० चोरयताम् | चोरयेताम् | चोरयन्ताम् |
| चोरयस्व | चोरयेथाम् | चोरयध्वम् |
| चोरये | चोरयावहे | चोरयामहे |
| ह० अचोरयत | अचोरयेथाम् | अचोरयन्त |
| अचोरयथाः | अचोरयेताम् | अचोरयध्वम् |
| अचोरये | अचोरयावहि | अचोरयामहि |
| अ० अचूचुरत | अचूचुरेताम् | अचूचुरन्त |
| अचूचुरथाः | अचूचुरेथाम् | अचूचुरध्वम् |
| अचूचुरे | अचूचुरावहि | अचूचुरामहि |
| प० चोरयाञ्चके | चोरयाञ्चकते | चोरयाञ्चकिरे |
| चोरयाञ्चकृषे | चोरयाञ्चकृषे | चोरयाञ्चकृद्वे |
| चोरयाञ्चके | चोरयाञ्चकृवहे | चोरयाञ्चकृमहे |
| चोरयाञ्चभूव | । | चोरयामास |
| भा० चोरयिषीष्ट | चोरयिषीयास्ताम् | चोरयिषीरन् |
| चोरयिषीष्ट | चोरयिषीयास्थाम् | चोरयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| चोरयिषीय | चोरयिषीवहि | चोरयिषीमहि |
| श्व० चोरयिता | चोरयितारौ | चोरयितारः |
| चोरयितसे | चोरयितासाथे | चोरयितास्वे |
| चोरयिताहे | चोरयितास्वहे | चोरयितास्महे |
| भ० चोरयिष्यते | चोरयिष्येते | चोरयिष्यन्ते |
| चोरयिष्यसे | चोरयिष्येथे | चोरयिष्यन्थे |
| चोरयिष्ये | चोरयिष्यावहे | चोरयिष्यामहे |
| क्रि० अचोरयिष्यत | अचोरयिष्येताम् | अचोरयिष्यन्त |
| अचोरयिष्यथाः | अचोरयिष्येथाम् | अचोरयिष्यध्वम् |
| अचोरयिष्ये | अचोरयिष्यावहि | अचोरयिष्यामहि |

1569 पृण् (पृ) पूरणे । 1134 पृक्वद्गुणाणि
1570 पृण् [पृ] खणने । 20 पृक्वद्गुणाणि

1671 श्वल्कण् (श्वल्क्) भाषणे

| | | | |
|-------|--------------------|-------------------|------------------|
| व० | श्वल्कयति | श्वल्कयतः | श्वल्कयन्ति |
| | श्वल्कयसि | श्वल्कयथः | श्वल्कयथ |
| | श्वल्कयामि | श्वल्कयावः | श्वल्कयामः |
| स० | श्वल्कयेत् | श्वल्कयेताम् | श्वल्कयेयुः |
| | श्वल्कयेः | श्वल्कयेतम् | श्वल्कयेत |
| | श्वल्कयेयम् | श्वल्कयेव | श्वल्कयेम |
| प० | श्वल्कयतु | श्वल्कयतात् | श्वल्कयताम् |
| | श्वल्कय | श्वल्कयतात् | श्वल्कयतम् |
| | श्वल्कयानि | श्वल्कयाव | श्वल्कयाम |
| ह्य० | अश्वल्कयत् | अश्वल्कयताम् | अश्वल्कयन् |
| | अश्वल्कयः | अश्वल्कयतम् | अश्वल्कयत |
| | अश्वल्कयम् | अश्वल्कयाव | अश्वल्कयाम |
| अ० | अशश्वल्कत् | अशश्वल्कताम् | अशश्वल्कन् |
| | अशश्वल्कः | अशश्वल्कतम् | अशश्वल्कत |
| | अशश्वल्कम् | अशश्वल्काव | अशश्वल्काम |
| प० | श्वल्कयाञ्चकार | श्वल्कयाञ्चक्रतुः | श्वल्कयाञ्चक्रुः |
| | श्वल्कयाञ्चकथं | श्वल्कयाञ्चकथुः | श्वल्कयाञ्चक |
| | श्वल्कयाञ्चकार-चकर | श्वल्कयाञ्चक्रुव | श्वल्कयाञ्चक्रुम |
| | श्वल्कयाञ्चभूव | । | श्वल्कयामाम |
| आ० | श्वल्क्यात् | श्वल्क्यास्ताम् | श्वल्क्यासुः |
| | श्वल्क्याः | श्वल्क्यास्तम् | श्वल्क्यास्त |
| | श्वल्क्यासम् | श्वल्क्यास्व | श्वल्क्यास्म |
| श्व० | श्वल्कयिता | श्वल्कयितारौ | श्वल्कयितारः |
| | श्वल्कयितासि | श्वल्कयितास्थः | श्वल्कयितास्थ |
| | श्वल्कयितास्मि | श्वल्कयितास्वः | श्वल्कयितास्मः |
| भ० | श्वल्कयिष्यति | श्वल्कयिष्यतः | श्वल्कयिष्यन्ति |
| | श्वल्कयिष्यसि | श्वल्कयिष्यथः | श्वल्कयिष्यथ |
| | श्वल्कयिष्यामि | श्वल्कयिष्यावः | श्वल्कयिष्यामः |
| क्रि० | अश्वल्कयिष्यत् | अश्वल्कयिष्यताम् | अश्वल्कयिष्यन् |
| | अश्वल्कयिष्यः | अश्वल्कयिष्यतम् | अश्वल्कयिष्यत |
| | अश्वल्कयिष्यम् | अश्वल्कयिष्याव | अश्वल्कयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | श्वल्कयते | श्वल्कयेते | श्वल्कयन्ते |
| | श्वल्कयसे | श्वल्कयेथे | श्वल्कयध्वे |
| | श्वल्कये | श्वल्कयावहे | श्वल्कयामहे |
| स० | श्वल्कयेत | श्वल्कयेयाताम् | श्वल्कयेरन् |
| | श्वल्कयेथाः | श्वल्कयेयाथाम् | श्वल्कयेध्वम् |
| | श्वल्कयेय | श्वल्कयेवहि | श्वल्कयेमहि |
| प० | श्वल्कयताम् | श्वल्कयेताम् | श्वल्कयन्ताम् |
| | श्वल्कयस्व | श्वल्कयेथाम् | श्वल्कयध्वम् |
| | श्वल्कये | श्वल्कयावहे | श्वल्कयामहे |
| ह्य० | अश्वल्कयत | अश्वल्कयेताम् | अश्वल्कयन्त |
| | अश्वल्कयथाः | अश्वल्कयेथाम् | अश्वल्कयध्वम् |
| | अश्वल्कये | अश्वल्कयावहि | अश्वल्कयामहि |
| अ० | अशश्वल्कत | अशश्वल्केताम् | अशश्वल्कन्त |
| | अशश्वल्कथाः | अशश्वल्केथाम् | अशश्वल्कध्वम् |
| | अशश्वल्के | अशश्वल्कावहि | अशश्वल्कामहि |
| ० | श्वल्कयाञ्चके | श्वल्कयाञ्चक्राते | श्वल्कयाञ्चकिरे |
| | श्वल्कयाञ्चकृषे | श्वल्कयाञ्चक्राथे | श्वल्कयाञ्चकृद्वे |
| | श्वल्कयाञ्चके | श्वल्कयाञ्चकृवहे | श्वल्कयाञ्चकृमहे |
| | श्वल्कयाञ्चभूव | । | श्वल्कयामास |
| आ० | श्वल्कयिषीष्ट | श्वल्कयिषीयास्ताम् | श्वल्कयिषीरन् |
| | श्वल्कयिषीष्टाः | श्वल्कयिषीयास्थाम् | श्वल्कयिषीद्वम् |
| | श्वल्कयिषीय | श्वल्कयिषीवहि | श्वल्कयिषीमहि |
| श्व० | श्वल्कयिता | श्वल्कयितारौ | श्वल्कयितारः |
| | श्वल्कयितासे | श्वल्कयितासाथे | श्वल्कयिताध्वे |
| | श्वल्कयिताहे | श्वल्कयितास्वहे | श्वल्कयितास्महे |
| भ० | श्वल्कयिष्यते | श्वल्कयिष्येते | श्वल्कयिष्यन्ते |
| | श्वल्कयिष्यसे | श्वल्कयिष्येथे | श्वल्कयिष्यध्वे |
| | श्वल्कयिष्ये | श्वल्कयिष्यावहे | श्वल्कयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्वल्कयिष्यत | अश्वल्कयिष्येताम् | अश्वल्कयिष्यन्त |
| | अश्वल्कयिष्यथाः | अश्वल्कयिष्येथाम् | अश्वल्कयिष्यध्वम् |
| | अश्वल्कयिष्ये | अश्वल्कयिष्यावहि | अश्वल्कयिष्यामहि |

1572 वल्कण् (वल्क्) भाषणे ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० वल्कयति | वल्कयतः | वल्कयन्ति |
| वल्कयसि | वल्कयथः | वल्कयथ |
| वल्कयामि | वल्कयावः | वल्कयामः |
| स० वल्कयेत् | वल्कयेताम् | वल्कयेयुः |
| वल्कयेः | वल्कयेतम् | वल्कयेत |
| वल्कयेयम् | वल्कयेव | वल्कयेम |
| प० वल्कयतु | वल्कयतात् | वल्कयताम् |
| वल्कय | वल्कयतात् | वल्कयतम् |
| वल्कयानि | वल्कयाव | वल्कयाम |
| ह्य० अवल्कयत् | अवल्कयताम् | अवल्कयन् |
| अवल्कयः | अवल्कयतम् | अवल्कयत |
| अवल्कयम् | अवल्कयाव | अवल्कयाम |
| अ० अववल्कत् | अववल्कताम् | अववल्कन् |
| अववल्कः | अववल्कतम् | अववल्कत |
| अववल्कम् | अववल्काव | अववल्काम |
| प० वल्कयाश्चकार | वल्कयाश्चक्रतुः | वल्कयाश्चक्रुः |
| वल्कयाश्चकर्ष | वल्कयाश्चक्रथुः | वल्कयाश्चक्र |
| वल्कयाश्चकार-चकर | वल्कयाश्चक्रव | वल्कयाश्चक्रम |
| वल्कयाम्बभूव | । | वल्कयामास |
| आ० वल्कयात् | वल्कयास्ताम् | वल्कयासुः |
| वल्कयाः | वल्कयास्तम् | वल्कयास्त |
| वल्कयासम् | वल्कयास्व | वल्कयास्म |
| श्व० वल्कयिता | वल्कयितारौ | वल्कयितारः |
| वल्कयितासि | वल्कयितास्थः | वल्कयितास्थ |
| वल्कयितास्मि | वल्कयितास्वः | वल्कयितास्मः |
| भ० वल्कयिष्यति | वल्कयिष्यतः | वल्कयिष्यन्ति |
| वल्कयिष्यसि | वल्कयिष्यथः | वल्कयिष्यथ |
| वल्कयिष्यामि | वल्कयिष्यावः | वल्कयिष्यामः |
| क्रि० अवल्कयिष्यत् | अवल्कयिष्यताम् | अवल्कयिष्यन् |
| अवल्कयिष्यः | अवल्कयिष्यतम् | अवल्कयिष्यत |
| अवल्कयिष्यम् | अवल्कयिष्याव | अवल्कयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-------------------|
| व० वल्कयते | वल्कयेते | वल्कयन्ते |
| वल्कयसे | वल्कयेथे | वल्कयध्वे |
| वल्कये | वल्कयावहे | वल्कयामहे |
| स० वल्कयेत | वल्कयेयाताम् | वल्कयेरन् |
| वल्कयेथाः | वल्कयेयाथाम् | वल्कयेध्वम् |
| वल्कयेय | वल्कयेवहि | वल्कयेमहि |
| प० वल्कयताम् | वल्कयेताम् | वल्कयन्ताम् |
| वल्कयस्व | वल्कयेथाम् | वल्कयध्वम् |
| वल्कये | वल्कयावहे | वल्कयामहे |
| ह्य० अवल्कयत | अवल्कयेताम् | अवल्कयन्त |
| अवल्कयथाः | अवल्कयेथाम् | अवल्कयध्वम् |
| अवल्कये | अवल्कयावहि | अवल्कयामहि |
| अ० अववल्कत | अववल्केताम् | अववल्कन्त |
| अववल्कथाः | अववल्केथाम् | अववल्कध्वम् |
| अववल्के | अववल्कावहि | अववल्कामहि |
| प० वल्कयाश्चक्रे | वल्कयाश्चक्रात् | वल्कयाश्चक्रिरे |
| वल्कयाश्चक्रुषे | वल्कयाश्चक्राये | वल्कयाश्चक्रुद्वे |
| वल्कयाश्चक्रे | वल्कयाश्चक्रवहे | वल्कयाश्चक्रमहे |
| वल्कयाम्बभूव | । | वल्कयामास |
| आ० वल्कयिषीष्ट | वल्कयिषीयास्ताम् | वल्कयिषीरन् |
| वल्कयिषीष्टाः | वल्कयिषीयास्थाम् | वल्कयिषीद्वम् |
| वल्कयिषीय | वल्कयिषीवहि | वल्कयिषीमहि |
| श्व० वल्कयिता | वल्कयितारौ | वल्कयितारः |
| वल्कयितासे | वल्कयितासाथे | वल्कयिताध्वे |
| वल्कयिताहे | वल्कयितास्वहे | वल्कयितास्महे |
| भ० वल्कयिष्यते | वल्कयिष्येते | वल्कयिष्यन्ते |
| वल्कयिष्यसे | वल्कयिष्येथे | वल्कयिष्यध्वे |
| वल्कयिष्ये | वल्कयिष्यावहे | वल्कयिष्यामहे |
| क्रि० अवल्कयिष्यत् | अवल्कयिष्येताम् | अवल्कयिष्यन्त |
| अवल्कयिष्यथाः | अवल्कयिष्येथाम् | अवल्कयिष्यध्वम् |
| अवल्कयिष्ये | अवल्कयिष्यावहि | अवल्कयिष्यामहि |

1573 नक्कण् (नक्क्) नाशने ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० नक्कयति | नक्कयतः | नक्कयन्ति |
| नक्कयसि | नक्कयथः | नक्कयथ |
| नक्कयामि | नक्कयावः | नक्कयामः |
| स० नक्कयेत् | नक्कयेताम् | नक्कयेयुः |
| नक्कयेः | नक्कयेतम् | नक्कयेत |
| नक्कयेयम् | नक्कयेव | नक्कयेम |
| प० नक्कयतु | नक्कयतात् | नक्कयताम् |
| नक्कय | नक्कयतात् | नक्कयतम् |
| नक्कयानि | नक्कयाव | नक्कयाम |
| ह्य० अनक्कयत् | अनक्कयताम् | अनक्कयन् |
| अनक्कयः | अनक्कयतम् | अनक्कयत |
| अनक्कयम् | अनक्कयाव | अनक्कयाम |
| अ० अननक्कत् | अननक्कताम् | अननक्कन् |
| अननक्कः | अननक्कतम् | अननक्कत |
| अननक्कम् | अननक्काव | अननक्काम |
| प० नक्कयाश्चकार | नक्कयाश्चकतुः | नक्कयाश्चकुः |
| नक्कयाश्चकर्त्तुः | नक्कयाश्चकथुः | नक्कयाश्चक |
| नक्कयाश्चकार-चकर | नक्कयाश्चकृव | नक्कयाश्चकृम |
| नक्कयाम्बभूव | । | नक्कयामास |
| आ० नक्कयात् | नक्कयास्ताम् | नक्कयासुः |
| नक्कयाः | नक्कयास्तम् | नक्कयास्त |
| नक्कयासम् | नक्कयास्व | नक्कयास्म |
| श्व० नक्कयिता | नक्कयितारौ | नक्कयितारः |
| नक्कयितासि | नक्कयितास्थः | नक्कयितास्थ |
| नक्कयितारिम | नक्कयितास्वः | नक्कयितारिमः |
| भ० नक्कयिष्यति | नक्कयिष्यतः | नक्कयिष्यन्ति |
| नक्कयिष्यसि | नक्कयिष्यथः | नक्कयिष्यथ |
| नक्कयिष्यामि | नक्कयिष्यावः | नक्कयिष्यामः |
| क्रि० अनक्कयिष्यत् | अनक्कयिष्यताम् | अनक्कयिष्यन् |
| अनक्कयिष्यः | अनक्कयिष्यतम् | अनक्कयिष्यत |
| अनक्कयिष्यम् | अनक्कयिष्याव | अनक्कयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० नक्कयते | नक्कयेते | नक्कयन्ते |
| नक्कयसे | नक्कयेथे | नक्कयध्वे |
| नक्कये | नक्कयावहे | नक्कयामहे |
| स० नक्कयेत | नक्कयेयाताम् | नक्कयेरन् |
| नक्कयेथाः | नक्कयेयाथाम् | नक्कयेध्वम् |
| नक्कयेथ | नक्कयेवहि | नक्कयेमहि |
| प० नक्कयताम् | नक्कयेताम् | नक्कयन्ताम् |
| नक्कयस्व | नक्कयेथाम् | नक्कयध्वम् |
| नक्कये | नक्कयावहे | नक्कयामहे |
| ह्य० अनक्कयत | अनक्कयेताम् | अनक्कयन्त |
| अनक्कयथाः | अनक्कयेथाम् | अनक्कयध्वम् |
| अनक्कये | अनक्कयावहि | अनक्कयामहि |
| अ० अननक्कत | अननक्कैताम् | अननक्कन्त |
| अननक्कथाः | अननक्कैथाम् | अननक्कध्वम् |
| अननक्कै | अननक्कावहि | अननक्कामहि |
| प० नक्कयाश्चक्रे | नक्कयाश्चकाते | नक्कयाश्चकिरे |
| नक्कयाश्चकृषे | नक्कयाश्चकृथे | नक्कयाश्चकृध्वे |
| नक्कयाश्चक्रे | नक्कयाश्चकृवहे | नक्कयाश्चकृमहे |
| नक्कयाम्बभूव | । | नक्कयामास |
| आ० नक्कयिषीष्ट | नक्कयिषीयास्ताम् | नक्कयिषीरन् |
| नक्कयिषीष्टाः | नक्कयिषीयास्थाम् | नक्कयिषीध्वम् |
| नक्कयिषीय | नक्कयिषीवहि | नक्कयिषीमहि |
| श्व० नक्कयिता | नक्कयितारौ | नक्कयितारः |
| नक्कयितासे | नक्कयितासाथे | नक्कयिताध्वे |
| नक्कयिताहे | नक्कयितास्वहे | नक्कयितास्महे |
| भ० नक्कयिष्यते | नक्कयिष्येते | नक्कयिष्यन्ते |
| नक्कयिष्यसे | नक्कयिष्येथे | नक्कयिष्यध्वे |
| नक्कयिष्ये | नक्कयिष्यावहे | नक्कयिष्यामहे |
| क्रि० अनक्कयिष्यत | अनक्कयिष्येताम् | अनक्कयिष्यन्त |
| अनक्कयिष्यथाः | अनक्कयिष्येथाम् | अनक्कयिष्यध्वम् |
| अनक्कयिष्ये | अनक्कयिष्यावहि | अनक्कयिष्यामहि |

1575 धक्ण् (धक्) नाशने ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० धक्कयति | धक्कयतः | धक्कयन्ति |
| धक्कयसि | धक्कयथः | धक्कयथ |
| धक्कयामि | धक्कयावः | धक्कयामः |
| स० धक्कयेत् | धक्कयेताम् | धक्कयेयुः |
| धक्कयेः | धक्कयेतम् | धक्कयेत |
| धक्कयेयम् | धक्कयेव | धक्कयेम |
| प० धक्कयतु | धक्कयतात् | धक्कयताम् |
| धक्कय | धक्कयतात् | धक्कयतम् |
| धक्कयानि | धक्कयाव | धक्कयाम |
| ह्य० अधक्कयत् | अधक्कयताम् | अधक्कयन् |
| अधक्कयः | अधक्कयतम् | अधक्कयत |
| अधक्कयम् | अधक्कयाव | अधक्कयाम |
| अ० अदधक्कत् | अदधक्कताम् | अदधक्कन् |
| अदधक्कः | अदधक्कतम् | अदधक्कत |
| अदधक्कम् | अदधक्काव | अदधक्काम |
| प० धक्कयाश्चकार | धक्कयाश्चक्रुः | धक्कयाश्चकुः |
| धक्कयाश्चकर्त्तुः | धक्कयाश्चक्रुः | धक्कयाश्चकुः |
| धक्कयाश्चकार-चकर | धक्कयाश्चकुव | धक्कयाश्चकुम |
| धक्कयाश्चभूव | धक्कयाश्चभूव | धक्कयाश्चभूव |
| आ० धक्कयात् | धक्कयास्ताम् | धक्कयासुः |
| धक्कयाः | धक्कयास्तम् | धक्कयास्त |
| धक्कयासम् | धक्कयास्व | धक्कयासम् |
| श्व० धक्कयिता | धक्कयितारौ | धक्कयितारः |
| धक्कयितासि | धक्कयितास्थः | धक्कयितास्थ |
| धक्कयितारिम | धक्कयितास्वः | धक्कयितारमः |
| भ० धक्कयिष्यति | धक्कयिष्यतः | धक्कयिष्यन्ति |
| धक्कयिष्यसि | धक्कयिष्यथः | धक्कयिष्यथ |
| धक्कयिष्यामि | धक्कयिष्यावः | धक्कयिष्यामः |
| कि० अधक्कयिष्यत् | अधक्कयिष्यताम् | अधक्कयिष्यन् |
| अधक्कयिष्यः | अधक्कयिष्यतम् | अधक्कयिष्यत |
| अधक्कयिष्यम् | अधक्कयिष्याव | अधक्कयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|------------------|
| व० धक्कयते | धक्कयते | धक्कयन्ते |
| धक्कयसे | धक्कयेथे | धक्कयन्वे |
| धक्कये | धक्कयावहे | धक्कयामहे |
| स० धक्कयेत | धक्कयेयाताम् | धक्कयेरन् |
| धक्कयेथाः | धक्कयेयाथाम् | धक्कयेष्वम् |
| धक्कयेय | धक्कयेवहि | धक्कयेमहि |
| प० धक्कयताम् | धक्कयेताम् | धक्कयन्ताम् |
| धक्कयस्व | धक्कयेथाम् | धक्कयेष्वम् |
| धक्कये | धक्कयावहे | धक्कयामहे |
| ह्य० अधक्कयत | अधक्कयेताम् | अधक्कयन्त |
| अधक्कयथाः | अधक्कयेथाम् | अधक्कयेष्वम् |
| अधक्कये | अधक्कयावहि | अधक्कयामहि |
| अ० अदधक्कत | अदधक्कैताम् | अदधक्कन्त |
| अदधक्कथाः | अदधक्कैथाम् | अदधक्केष्वम् |
| अदधक्कै | अदधक्कावहि | अदधक्कामहि |
| प० धक्कयाश्चक्रे | धक्कयाश्चक्राते | धक्कयाश्चक्रिरे |
| धक्कयाश्चकृषे | धक्कयाश्चक्राथे | धक्कयाश्चकृद्वे |
| धक्कयाश्चक्रे | धक्कयाश्चकृवहे | धक्कयाश्चकृमहे |
| धक्कयाश्चभूव | धक्कयाश्चभूव | धक्कयाश्चभूव |
| आ० धक्कयिषीष्ट | धक्कयिषीयास्ताम् | धक्कयिषीरन् |
| धक्कयिषीष्टाः | धक्कयिषीयास्थाम् | धक्कयिषीद्वम् |
| धक्कयिषीय | धक्कयिषीवहि | धक्कयिषीमहि |
| श्व० धक्कयिता | धक्कयितारौ | धक्कयितारः |
| धक्कयितासे | धक्कयितासाथे | धक्कयिताध्वे |
| धक्कयिताहे | धक्कयितास्वहे | धक्कयितास्महे |
| भ० धक्कयिष्यते | धक्कयिष्येते | धक्कयिष्यन्ते |
| धक्कयिष्यसे | धक्कयिष्येथे | धक्कयिष्यन्वे |
| धक्कयिष्ये | धक्कयिष्यावहे | धक्कयिष्यामहे |
| कि० अधक्कयिष्यत् | अधक्कयिष्येताम् | अधक्कयिष्यन्त |
| अधक्कयिष्यथाः | अधक्कयिष्येथाम् | अधक्कयिष्येष्वम् |
| अधक्कयिष्ये | अधक्कयिष्यावहि | अधक्कयिष्यामहि |

1576 चक्रण् (चक्क्) व्यथने ।

| | | |
|-------------------|-----------------|---------------|
| ४० चक्कयति | चक्कयति | चक्कयन्ति |
| चक्कयति | चक्कयथ | चक्कयथ |
| चक्कयामि | चक्कयाव | चक्कयामः |
| स० चक्कयेत् | चक्कयेताम् | चक्कयेयुः |
| चक्कयेः | चक्कयेतम् | चक्कयेत |
| चक्कयेयम् | चक्कयेव | चक्कयेम |
| ५० चक्कयतु | चक्कयतात् | चक्कयताम् |
| चक्कय | चक्कयतात् | चक्कयतम् |
| चक्कयामि | चक्कयाव | चक्कयाम |
| अचक्कयत् | अचक्कयताम् | अचक्कयन् |
| चक्कयः | अचक्कयतम् | अचक्कयत |
| चक्कयम् | अचक्कयाव | अचक्कयाम |
| अचचक्कत् | अचचक्कताम् | अचचक्कन् |
| अचचक्कः | अचचक्कतम् | अचचक्कत |
| अचचक्कम् | अचचक्काव | अचचक्काम |
| ५० चक्कयाञ्चकार | चक्कयाञ्चकुः | चक्कयाञ्चकुः |
| चक्कयाञ्चकथ | चक्कयाञ्चकथुः | चक्कयाञ्चक |
| चक्कयाञ्चकार-चकर | चक्कयाञ्चकृव | चक्कयाञ्चकृम |
| चक्कयाञ्चभूव | चक्कयामास | |
| आ० चक्कयात् | चक्कयास्ताम् | चक्कयासुः |
| चक्कयाः | चक्कयास्तम् | चक्कयास्त |
| चक्कयासम् | चक्कयास्व | चक्कयासम |
| श्च० चक्कयिता | चक्कयितारौ | चक्कयितारः |
| चक्कयितासि | चक्कयितास्थः | चक्कयितास्थ |
| चक्कयितासिम् | चक्कयितास्वः | चक्कयितासमः |
| भ० चक्कयिष्यति | चक्कयिष्यतः | चक्कयिष्यन्ति |
| चक्कयिष्यसि | चक्कयिष्यथः | चक्कयिष्यथ |
| चक्कयिष्यामि | चक्कयिष्यावः | चक्कयिष्यामः |
| कि० अचचक्कयिष्यत् | अचचक्कयिष्यताम् | अचचक्कयिष्यन् |
| अचचक्कयिष्यः | अचचक्कयिष्यतम् | अचचक्कयिष्यत |
| अचचक्कयिष्यम् | अचचक्कयिष्याव | अचचक्कयिष्याम |

| | | |
|-----------------|------------------|-----------------|
| व० चक्कयते | चक्कयेते | चक्कयन्ते |
| चक्कयसे | चक्कयेथे | चक्कयस्वे |
| चक्कये | चक्कयावहे | चक्कयामहे |
| स० चक्कयेत | चक्कयेयाताम् | चक्कयेरन् |
| चक्कयेथाः | चक्कयेयाथाम् | चक्कयेथ्वम् |
| चक्कयेथ | चक्कयेवहि | चक्कयेमहि |
| प० चक्कयताम् | चक्कयेताम् | चक्कयन्ताम् |
| चक्कयस्व | चक्कयेथाम् | चक्कयध्वम् |
| चक्कये | चक्कयावहे | चक्कयामहे |
| हा० अचक्कयत | अचक्कयेताम् | अचक्कयन्त |
| अचक्कयथाः | अचक्कयेथाम् | अचक्कयध्वम् |
| अचक्कये | अचक्कयावहि | अचक्कयामहि |
| अ० अचक्कत | अचक्कयेताम् | अचक्कयन्त |
| अचक्कयथाः | अचक्कयेथाम् | अचक्कयध्वम् |
| अचक्कये | अचक्कयावहि | अचक्कयामहि |
| प० चक्कयाश्चके | चक्कयाश्चकाते | चक्कयाश्चक्रे |
| चक्कयाश्चकृषे | चक्कयाश्चकथे | चक्कयाश्चकृत्वे |
| चक्कयाश्चके | चक्कयाश्चकृवहे | चक्कयाश्चकृहे |
| चक्कयाश्चभूव | चक्कयाश्चभूव | |
| आ० चक्कयिषीष्ट | चक्कयिषीयास्ताम् | चक्कयिषीरन् |
| चक्कयिषीष्ठाः | चक्कयिषीयास्थाम् | चक्कयिषीध्वम् |
| चक्कयिषीय | चक्कयिषीवहि | चक्कयिषीमहि |
| अ० चक्कयिता | चक्कयितारौ | चक्कयितारः |
| चक्कयितासे | चक्कयितासे | चक्कयितास्वे |
| चक्कयिताहे | चक्कयितास्वहे | चक्कयितास्महे |
| अ० चक्कयिष्यते | चक्कयिष्येते | चक्कयिष्यन्ते |
| चक्कयिष्यसे | चक्कयिष्येथे | चक्कयिष्यध्वे |
| चक्कयिष्ये | चक्कयिष्यावहे | चक्कयिष्यामहे |
| कि० अचक्कयिष्यत | अचक्कयिष्येताम् | अचक्कयिष्यन्त |
| अचक्कयिष्यथाः | अचक्कयिष्येथाम् | अचक्कयिष्यध्वम् |
| अचक्कयिष्ये | अचक्कयिष्यावहि | अचक्कयिष्यामहि |

1576 चुकण् (चुक्) व्ययने ।

| | | |
|-----------------|---------------|-------------------|
| व० चुकयति | चुकयतः | चुकयन्ति |
| चुकयति | चुकयथः | चुकयथ |
| चुकयामि | चुकयावः | चुकयामः |
| स० चुकयेत् | चुकयेताम् | चुकयेयुः |
| चुकयेः | चुकयेतम् | चुकयेत |
| चुकयेयम् | चुकयेव | चुकयेम |
| प० चुकयतु | चुकयतात् | चुकयताम् चुकयन्तु |
| चुकय | चुकयतात् | चुकयतम् चुकयत |
| चुकयानि | चुकयव | चुकयाम |
| झ० अचुकयत् | अचुकयताम् | अचुकयन् |
| अचुकयः | अचुकयतम् | अचुकयत |
| अचुकयम् | अचुकयाव | अचुकयाम |
| ञ० अचुचुकत् | अचुचुकताम् | अचुचुकन् |
| अचुचुकः | अचुचुकतम् | अचुचुकत |
| अचुचुकम् | अचुचुकाव | अचुचुकाम |
| प० चुकयाश्चकार | चुकयाश्चकतुः | चुकयाश्चकुः |
| चुकयाश्चकथं | चुकयाश्चकथुः | चुकयाश्चक |
| चुकयाश्चकार-चकर | चुकयाश्चकव | चुकयाश्चकम |
| चुकांम्बभूव | । | चुकयामास |
| भा० चुकयात् | चुकयास्ताम् | चुकयसुः |
| चुकयाः | चुकयास्तम् | चुकयास्त |
| चुकयासम् | चुकयास्व | चुकयास्म |
| श० चुकयिता | चुकयितारौ | चुकयितारः |
| चुकयितानि | चुकयितास्थः | चुकयितास्थ |
| चुकयितास्मि | चुकयितास्वः | चुकयितास्मः |
| भ० चुकयिष्यति | चुकयिष्यतः | चुकयिष्यन्ति |
| चुकयिष्यसि | चुकयिष्यथः | चुकयिष्यथ |
| चुकयिष्यामि | चुकयिष्यावः | चुकयिष्यामः |
| कि० अचुकयिष्यत् | अचुकयिष्यताम् | अचुकयिष्यन्त |
| अचुकयिष्यथः | अचुकयिष्यतम् | अचुकयिष्यत |
| अचुकयिष्यम् | अचुकयिष्याव | अचुकयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|------------------|
| व० चुकयते | चुकयेते | चुकयन्ते |
| चुकयते | चुकयथे | चुकयथे |
| चुकये | चुकयावहे | चुकयामहे |
| स० चुकयेत | चुकयेयाताम् | चुकयेरन् |
| चुकयेथाः | चुकयेयाथाम् | चुकयेष्वम् |
| चुकयेथ | चुकयेवहि | चुकयेमहि |
| प० चुकयताम् | चुकयेताम् | चुकयन्ताम् |
| चुकयस्व | चुकयेथाम् | चुकयष्वम् |
| चुकये | चुकयावहे | चुकयामहे |
| झ० अचुकयत | अचुकयेताम् | अचुकयन्त |
| अचुकयथाः | अचुकयेथाम् | अचुकयेष्वम् |
| अचुकये | अचुकयावहि | अचुकयामहि |
| ञ० अचुचुकत | अचुचुकताम् | अचुचुकन्त |
| अचुचुकथाः | अचुचुकथाम् | अचुचुकष्वम् |
| अचुचुके | अचुचुकावहि | अचुचुकामहि |
| प० चुकयाश्चके | चुकयाश्चकते | चुकयाश्चकिरे |
| चुकयाश्चकृषे | चुकयाश्चकाथे | चुकयाश्चकृवे |
| चुकयाश्चके | चुकयाश्चकृवहे | चुकयाश्चकृमहे |
| चुकयाश्चकृव | । | चुकयामास |
| भा० चुकयिषीष्ट | चुकयिषीयास्ताम् | चुकयिषीरन् |
| चुकयिषीष्टाः | चुकयिषीयास्थाम् | चुकयिषीष्ट्वम् |
| चुकयिषीय | चुकयिषीवहि | चुकयिषीमहि |
| श० चुकयिता | चुकयितारौ | चुकयितारः |
| चुकयितासे | चुकयितास्थे | चुकयितास्त्रे |
| चुकयिताहे | चुकयितास्वहे | चुकयितास्महे |
| भ० चुकयिष्यते | चुकयिष्येते | चुकयिष्यन्ते |
| चुकयिष्यसे | चुकयिष्यथे | चुकयिष्यथे |
| चुकयिष्ये | चुकयिष्यावहे | चुकयिष्यामहे |
| कि० अचुचुकयिष्यत् | अचुचुकयिष्यताम् | अचुचुकयिष्यन्त |
| अचुचुकयिष्यथाः | अचुचुकयिष्यथाम् | अचुचुकयिष्यष्वम् |
| अचुचुकयिष्ये | अचुचुकयिष्यावहि | अचुचुकयिष्यामहि |

1577 टकुण् (टङ्क्) वञ्जने ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० टङ्कयति | टङ्कयतः | टङ्कयन्ति |
| टङ्कयसि | टङ्कयथः | टङ्कयथ |
| टङ्कयामि | टङ्कयावः | टङ्कयामः |
| स० टङ्कयेत् | टङ्कयेताम् | टङ्कयेयुः |
| टङ्कयेः | टङ्कयेतम् | टङ्कयेत |
| टङ्कयेयम् | टङ्कयेव | टङ्कयेम |
| प० टङ्कयतु | टङ्कयतात् | टङ्कयन्तु |
| टङ्कय | टङ्कयतात् | टङ्कयतम् |
| टङ्कयानि | टङ्कयाव | टङ्कयाम |
| ह्य० अटङ्कयत् | अटङ्कयताम् | अटङ्कयन् |
| अटङ्कयः | अटङ्कयतम् | अटङ्कयत |
| अटङ्कयम् | अटङ्कयाव | अटङ्कयाम |
| अ० अटङ्कयत् | अटङ्कयताम् | अटङ्कयन् |
| अटङ्कयः | अटङ्कयतम् | अटङ्कयत |
| अटङ्कयम् | अटङ्कयाव | अटङ्कयाम |
| प टङ्कयाश्चकार | टङ्कयाश्चकतुः | टङ्कयाश्चकुः |
| टङ्कयाश्चकथं | टङ्कयाश्चकथुः | टङ्कयाश्चक |
| टङ्कयाश्चकार-चकार | टङ्कयाश्चकृव | टङ्कयाश्चकृम |
| टङ्कयाम्बभूव | । | टङ्कयामास |
| आ० टङ्कयात् | टङ्कयास्ताम् | टङ्कयासुः |
| टङ्कयाः | टङ्कयास्तम् | टङ्कयास्त |
| टङ्कयासम् | टङ्कयास्व | टङ्कयास्म |
| भ० टङ्कयिता | टङ्कयितारौ | टङ्कयितारः |
| टङ्कयितासि | टङ्कयितास्यः | टङ्कयितास्य |
| टङ्कयितास्मि | टङ्कयितास्वः | टङ्कयितास्मः |
| भ० टङ्कयिष्यति | टङ्कयिष्यतः | टङ्कयिष्यन्ति |
| टङ्कयिष्यसि | टङ्कयिष्यथः | टङ्कयिष्यथ |
| टङ्कयिष्यामि | टङ्कयिष्यावः | टङ्कयिष्यामः |
| क्रि० अटङ्कयिष्यत् | अटङ्कयिष्यताम् | अटङ्कयिष्यन् |
| अटङ्कयिष्यः | अटङ्कयिष्यतम् | अटङ्कयिष्यत |
| अटङ्कयिष्यम् | अटङ्कयिष्याव | अटङ्कयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० टङ्कयते | टङ्कयेते | टङ्कयन्ते |
| टङ्कयसे | टङ्कयेथे | टङ्कयध्वे |
| टङ्कये | टङ्कयावहे | टङ्कयामहे |
| स० टङ्कयेत | टङ्कयेयाताम् | टङ्कयेरन् |
| टङ्कयेथाः | टङ्कयेयाथाम् | टङ्कयेध्वम् |
| टङ्कयेथ | टङ्कयेवहि | टङ्कयेमहि |
| प० टङ्कयताम् | टङ्कयेताम् | टङ्कयन्ताम् |
| टङ्कयस्व | टङ्कयेथाम् | टङ्कयध्वम् |
| टङ्कये | टङ्कयावहे | टङ्कयामहे |
| ह्य० अटङ्कयत | अटङ्कयेताम् | अटङ्कयन्त |
| अटङ्कयेथाः | अटङ्कयेथाम् | अटङ्कयेध्वम् |
| अटङ्कये | अटङ्कयावहि | अटङ्कयामहि |
| अ० अटङ्कन | अटङ्कयेनाम् | अटङ्कन्त |
| अटङ्कयेथाः | अटङ्कयेथाम् | अटङ्कयेनाम् |
| अटङ्कये | अटङ्कयावहि | अटङ्कयामहि |
| प० टङ्कयाञ्चके | टङ्कयाञ्चकते | टङ्कयाञ्चकिरे |
| टङ्कयाञ्चक्री | टङ्कयाञ्चकाये | टङ्कयाञ्चकृद्भवे |
| टङ्कयाञ्चके | टङ्कयाञ्चकृवहे | टङ्कयाञ्चकृद्भवे |
| टङ्कयाम्बभूव | । | टङ्कयामास |
| आ० टङ्कयिषीष्ट | टङ्कयिषीगस्ताम् | टङ्कयिषीरन् |
| टङ्कयिषीष्टाः | टङ्कयिषीयास्याम् | टङ्कयिषीद्भ्वम् |
| टङ्कयिषीय | टङ्कयिषीवहि | टङ्कयिषीमहि |
| भ० टङ्कयिता | टङ्कयितारौ | टङ्कयितार |
| टङ्कयितासे | टङ्कयितासाथे | टङ्कयिताध्वे |
| टङ्कयिताहे | टङ्कयितास्वहे | टङ्कयितास्महे |
| भ० टङ्कयिष्यते | टङ्कयिष्येते | टङ्कयिष्यन्ते |
| टङ्कयिष्यसे | टङ्कयिष्येथे | टङ्कयिष्यध्वे |
| टङ्कयिष्ये | टङ्कयिष्यावहे | टङ्कयिष्यामहे |
| क्रि० अटङ्कयिष्यत | अटङ्कयिष्येताम् | अटङ्कयिष्यन्त |
| अटङ्कयिष्यथाः | अटङ्कयिष्येथाम् | अटङ्कयिष्यध्वम् |
| अटङ्कयिष्ये | अटङ्कयिष्यावहि | अटङ्कयिष्यामहि |

1578 अर्कण् (अर्क) स्तवने ।

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| ६० अर्कयति | अर्कयतः | अर्कयन्ति |
| अर्कयसि | अर्कयथः | अर्कयथ |
| अर्कयामि | अर्कयावः | अर्कयामः |
| स० अर्कयेत् | अर्कयेताम् | अर्कयेयुः |
| अर्कयेः | अर्कयेतम् | अर्कयेत |
| अर्कयेयम् | अर्कयेव | अर्कयेम |
| प० अर्कयन्तु | अर्कयतात् | अर्कयताम् |
| अर्कय | अर्कयतात् | अर्कयतम् |
| अर्कयानि | अर्कयाव | अर्कयाम |
| ह्य० अर्कयन् | अर्कयताम् | अर्कयन्तु |
| अर्कयः | अर्कयतम् | अर्कयत |
| अर्कयम् | अर्कयाव | अर्कयाम |
| अ० अर्चिकत् | अर्चिकताम् | अर्चिकन् |
| अर्चिकः | अर्चिकतम् | अर्चिकत |
| अर्चिकम् | अर्चिकाव | अर्चिकाम |
| प० अर्कयाश्चकार | अर्कयाश्चक्रतुः | अर्कयाश्चक्रुः |
| अर्कयाश्चकथे | अर्कयाश्चकथुः | अर्कयाश्चक |
| अर्कयाश्चकार-चकर | अर्कयाश्चकृव | अर्कयाश्चकृम |
| अर्कयाश्चभूव | अर्कयामाव | |
| आ० अर्कयात् | अर्कयास्ताम् | अर्कयासुः |
| अर्कयाः | अर्कयास्तम् | अर्कयास्त |
| अर्कयासम् | अर्कयास्व | अर्कयास्म |
| श्व० अर्कयिता | अर्कयितारौ | अर्कयितारः |
| अर्कयितासि | अर्कयितास्थः | अर्कयितास्थ |
| अर्कयितास्मि | अर्कयितास्वः | अर्कयितास्मः |
| अ० अर्कयिष्यति | अर्कयिष्यतः | अर्कयिष्यन्ति |
| अर्कयिष्यसि | अर्कयिष्यथः | अर्कयिष्यथ |
| अर्कयिष्यामि | अर्कयिष्यावः | अर्कयिष्यामः |
| क्रि० आर्कयिष्यत् | आर्कयिष्यताम् | आर्कयिष्यन्तु |
| आर्कयिष्यः | आर्कयिष्यतम् | आर्कयिष्यत |
| आर्कयिष्यम् | आर्कयिष्याव | आर्कयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| व० अर्कयते | अर्कयेते | अर्कयन्ते |
| अर्कयसे | अर्कयेथे | अर्कयन्थे |
| अर्कये | अर्कयावहे | अर्कयामहे |
| स० अर्कयत | अर्कयेयाताम् | अर्कयेरन् |
| अर्कयेथाः | अर्कयेयाथाम् | अर्कयेथ्वम् |
| अर्कयेथ | अर्कयेवहि | अर्कयेमहि |
| प० अर्कयताम् | अर्कयेताम् | अर्कयन्ताम् |
| अर्कयस्त | अर्कयेथाम् | अर्कयथ्वम् |
| अर्कये | अर्कयावहे | अर्कयावहे |
| ह्य० आर्कयत | आर्कयेताम् | आर्कयत |
| आर्कयथाः | आर्कयेथाम् | आर्कयथ्वम् |
| आर्कये | आर्कयावहि | आर्कयामहि |
| अ० आर्चिकत् | आर्चिकेताम् | आर्चिकन्त |
| आर्चिकथाः | आर्चिकेथाम् | आर्चिकथ्वम् |
| आर्चिके | आर्चिकावहि | आर्चिकामहि |
| ० अर्कयाश्चके | अर्कयाश्चक्राते | अर्कयाश्चकिरे |
| अर्कयाश्चकृषे | अर्कयाश्चक्राथे | अर्कयाश्चकृद्वे |
| अर्कयाश्चके | अर्कयाश्चकृवहे | अर्कयाश्चकृमहे |
| अर्कयाश्चभूव | अर्कयामाव | |
| आ० अर्कयिषीष्ट | अर्कयिषीयास्ताम् | अर्कयिषीरन् |
| अर्कयिषीष्टाः | अर्कयिषीयास्थाम् | अर्कयिषीद्वम् |
| अर्कयिषीय | अर्कयिषीवहि | अर्कयिषीमहि |
| श्व० अर्कयिता | अर्कयितारौ | अर्कयितारः |
| अर्कयितासे | अर्कयितासाथे | अर्कयिताथ्वे |
| अर्कयिताहे | अर्कयितास्वहे | अर्कयितास्महे |
| अ० अर्कयिष्यते | अर्कयिष्येते | अर्कयिष्यन्ते |
| अर्कयिष्यसे | अर्कयिष्येथे | अर्कयिष्यथ्वे |
| अर्कयिष्ये | अर्कयिष्यावहे | अर्कयिष्यामहे |
| क्रि० आर्कयिष्यत | आर्कयिष्येताम् | आर्कयिष्यन्त |
| आर्कयिष्यथाः | आर्कयिष्येथाम् | आर्कयिष्यथ्वम् |
| आर्कयिष्ये | आर्कयिष्यावहि | आर्कयिष्यामहि |

1579 पिच्चण (पिच्च) कुट्टने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | पिच्चयति | पिच्चयतः | पिच्चयन्ति |
| | पिच्चयसि | पिच्चयथः | पिच्चयथ |
| | पिच्चयामि | पिच्चयावः | पिच्चयामः |
| स | पिच्चयेत् | पिच्चयेताम् | पिच्चयेयुः |
| | पिच्चयः | पिच्चयतम् | पिच्चयेत |
| | पिच्चयेयम् | पिच्चयेव | पिच्चयेम |
| प० | पिच्चयतु | पिच्चयतात् | पिच्चयताम् |
| | पिच्चय | पिच्चयतात् | पिच्चयतम् |
| | पिच्चय नि | पिच्चय व | पिच्चयाम |
| श० | अपिच्चयत् | अपिच्चयताम् | अपिच्चयन् |
| | अपिच्चयः | अपिच्चयतम् | अपिच्चयत |
| | अपिच्चयम् | अपिच्चयाव | अपिच्चयाम |
| अ० | अपिपिच्चत् | अपिपिच्चताम् | अपिपिच्चन् |
| | अपिपिच्चः | अपिपिच्चतम् | अपिपिच्चत |
| | अपिपिच्चम् | अपिपिच्चाव | अपिपिच्चाम |
| प० | पिच्चयाश्चकार | पिच्चयाश्चक्रुः | पिच्चयाश्चकुः |
| | पिच्चयाश्चकथं | पिच्चयाश्चकथुः | पिच्चयाश्चक्र |
| | पिच्चयाश्चकार-चकर | पिच्चयाश्चकृव | पिच्चयाश्चकृम |
| | पिच्चयाश्चभूव | पिच्चयामास | |
| भा० | पिच्चयात् | पिच्चयास्ताम् | पिच्चयासुः |
| | पिच्चयाः | पिच्चयास्तम् | पिच्चयास्त |
| | पिच्चयासम् | पिच्चयास्व | पिच्चयास्म |
| श्व० | पिच्चयिता | पिच्चयितारौ | पिच्चयितारः |
| | पिच्चयितासि | पिच्चयितास्थः | पिच्चयितास्थ |
| | पिच्चयितास्मि | पिच्चयितास्वः | पिच्चयितास्मः |
| भ० | पिच्चयिष्यति | पिच्चयिष्यतः | पिच्चयिष्यन्ति |
| | पिच्चयिष्यसि | पिच्चयिष्यथः | पिच्चयिष्यथ |
| | पिच्चयिष्यामि | पिच्चयिष्यावः | पिच्चयिष्यामः |
| क्रि० | अपिच्चयिष्यत् | अपिच्चयिष्यताम् | अपिच्चयिष्यन् |
| | अपिच्चयिष्यः | अपिच्चयिष्यतम् | अपिच्चयिष्यत |
| | अपिच्चयिष्यम् | अपिच्चयिष्याव | अपिच्चयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | पिच्चयते | पिच्चयेते | पिच्चयन्ते |
| | पिच्चयसे | पिच्चयथे | पिच्चयन्वे |
| | पिच्चये | पिच्चयावहे | पिच्चयामहे |
| स० | पिच्चयत | पिच्चयेयाताम् | पिच्चयेरन् |
| | पिच्चयेथाः | पिच्चयेयाथाम् | पिच्चयेध्वम् |
| | पिच्चयेय | पिच्चयेवहि | पिच्चयेमहि |
| प० | पिच्चयताम् | पिच्चयेताम् | पिच्चयन्ताम् |
| | पिच्चयस्व | पिच्चयेथाम् | पिच्चयध्वम् |
| | पिच्चयै | पिच्चयावहै | पिच्चयामहै |
| ह्य० | अपिच्चयत | अपिच्चयेताम् | अपिच्चयन्त |
| | अपिच्चयथाः | अपिच्चयेथाम् | अपिच्चयध्वम् |
| | अपिच्चये | अपिच्चयावहि | अपिच्चयामहि |
| अ० | अपिपिच्चत | अपिपिच्चेताम् | अपिपिच्चन्त |
| | अपिपिच्चथाः | अपिपिच्चेथाम् | अपिपिच्चध्वम् |
| | अपिपिच्चे | अपिपिच्चावहि | अपिपिच्चामहि |
| प० | पिच्चयाश्चक्रे | पिच्चयाश्चक्राते | पिच्चयाश्चक्रिरे |
| | पिच्चयाश्चकृषे | पिच्चयाश्चक्राथे | पिच्चयाश्चकृदवे |
| | पिच्चयाश्चक्रे | पिच्चयाश्चकृवहे | पिच्चयाश्चकृमहे |
| | पिच्चयाश्चभूव | पिच्चयामास | |
| भा० | पिच्चयिषीष्ट | पिच्चयिषीयास्ताम् | पिच्चयिषीरन् |
| | पिच्चयिषीष्ठा | पिच्चयिषीयास्थाम् | पिच्चयिषीद्वम् |
| | | | प्यम् |
| | पिच्चयिषीय | पिच्चयिषीवहि | पिच्चयिषीमहि |
| श्व० | पिच्चयिता | पिच्चयितारौ | पिच्चयितारः |
| | पिच्चयित से | पिच्चयितामाथे | पिच्चयिताम्वे |
| | पिच्चयिताहे | पिच्चयितास्वहे | पिच्चयितास्महे |
| भ० | पिच्चयिष्यते | पिच्चयिष्येते | पिच्चयिष्यन्ते |
| | पिच्चयिष्यसे | पिच्चयिष्यथे | पिच्चयिष्यध्वे |
| | पिच्चयिष्ये | पिच्चयिष्यावहे | पिच्चयिष्यामहे |
| क्रि० | अपिच्चयिष्यत | अपिच्चयिष्येताम् | अपिच्चयिष्यन्त |
| | अपिच्चयिष्यथाः | अपिच्चयिष्येथाम् | अपिच्चयिष्यध्वम् |
| | अपिच्चयिष्ये | अपिच्चयिष्यावहि | अपिच्चयिष्यामहि |

1508 पचुण् (पचच्) विस्तारे । 657 पचुड्वद्रूपाणि
1581 म्लेछण् [म्लेछञ्] म्लेछठने । 117 म्लेछवद्रूपाणि

1582 ऊर्जण् (ऊर्ज्) बालप्राणनयोः ।

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० ऊर्जयति | ऊर्जयतः | ऊर्जयन्ति |
| ऊर्जयसि | ऊर्जयथः | ऊर्जयथ |
| ऊर्जयामि | ऊर्जयावः | ऊर्जयामः |
| स० ऊर्जयेत् | ऊर्जयेताम् | ऊर्जयेयुः |
| ऊर्जयेः | ऊर्जयेतम् | ऊर्जयेत |
| ऊर्जयेयम् | ऊर्जयेव | ऊर्जयेम |
| प० ऊर्जयतु | ऊर्जयतात् | ऊर्जयताम् |
| ऊर्जय | ऊर्जयतात् | ऊर्जयतम् |
| ऊर्जयानि | ऊर्जयाव | ऊर्जयाम |
| ह्र० और्जयत् | और्जयताम् | और्जयन् |
| और्जयः | और्जयतम् | और्जयत |
| और्जयम् | और्जयाव | और्जयाम |
| अ० और्जिजत् | और्जिजताम् | और्जिजन् |
| और्जिजः | और्जिजतम् | और्जिजत |
| और्जिजम् | और्जिजाव | और्जिजाम |
| प० ऊर्जयाश्चक्रुः | ऊर्जयाश्चक्रुः | ऊर्जयाश्चक्रुः |
| ऊर्जयाश्चक्रथ | ऊर्जयाश्चक्रथुः | ऊर्जयाश्चक्र |
| ऊर्जयाश्चक्र-नकर | ऊर्जयाश्चक्रव | ऊर्जयाश्चक्रम् |
| ऊर्जयाम्बभूव | ऊर्जयाभास | |
| आ० ऊर्ज्यात् | ऊर्ज्यास्ताम् | ऊर्ज्यासुः |
| ऊर्ज्याः | ऊर्ज्यास्तम् | ऊर्ज्यास्त |
| ऊर्ज्यासम् | ऊर्ज्यास्व | ऊर्ज्यास्म |
| भ० ऊर्जयिता | ऊर्जयितारौ | ऊर्जयितारः |
| ऊर्जयितासि | ऊर्जयितास्थः | ऊर्जयितास्थ |
| ऊर्जयितास्मि | ऊर्जयितास्वः | ऊर्जयितास्मः |
| भ० ऊर्जयिष्यति | ऊर्जयिष्यतः | ऊर्जयिष्यन्ति |
| ऊर्जयिष्यसि | ऊर्जयिष्यथः | ऊर्जयिष्यथ |
| ऊर्जयिष्यामि | ऊर्जयिष्यावः | ऊर्जयिष्यामः |
| क्रि० और्जयिष्यत् | और्जयिष्यताम् | और्जयिष्यन् |
| और्जयिष्यः | और्जयिष्यतम् | और्जयिष्यत |
| और्जयिष्यम् | और्जयिष्याव | और्जयिष्याम |
| व० ऊर्जयेते | ऊर्जयेते | ऊर्जयेते |
| ऊर्जयेथे | ऊर्जयेथे | ऊर्जयेथे |

| | | |
|------------------|------------------|-----------------|
| ऊर्जये | ऊर्जयावहे | ऊर्जयामहे |
| स० ऊर्जयेत | ऊर्जयेयाताम् | ऊर्जयेरन् |
| ऊर्जयेथाः | ऊर्जयेयाथाम् | ऊर्जयेथम् |
| ऊर्जयेथ | ऊर्जयेवहि | ऊर्जयेमहि |
| प० ऊर्जयेताम् | ऊर्जयेताम् | ऊर्जयेन्ताम् |
| ऊर्जयेस्व | ऊर्जयेथाम् | ऊर्जयेथम् |
| ऊर्जये | ऊर्जयावहे | ऊर्जयामहे |
| श० और्जयत | और्जयेताम् | और्जयन्त |
| और्जयेथाः | और्जयेथाम् | और्जयेथम् |
| और्जये | और्जयेयाहि | और्जयेयामहि |
| अ० और्जिजन्त | और्जिजन्ताम् | और्जिजन्त |
| और्जिजथाः | और्जिजथाम् | और्जिजथम् |
| और्जिजे | और्जिजावहि | और्जिजामहि |
| प० ऊर्जयाश्चक्रे | ऊर्जयाश्चक्राते | ऊर्जयाश्चक्रिरे |
| ऊर्जयाश्चक्रेषु | ऊर्जयाश्चक्रथे | ऊर्जयाश्चक्रवहे |
| ऊर्जयाश्चक्रे | ऊर्जयाश्चक्रवहे | ऊर्जयाश्चक्रम् |
| ऊर्जयाम्बभूव | ऊर्जयाभास | |
| आ० ऊर्जयिषीष्ट | ऊर्जयिषीयास्ताम् | ऊर्जयिषीरन् |
| ऊर्जयिषीष्टाः | ऊर्जयिषीयाथाम् | ऊर्जयिषीथम् |
| ऊर्जयिषीय | ऊर्जयिषीवहि | ऊर्जयिषीमहि |
| भ० ऊर्जयिता | ऊर्जयितारौ | ऊर्जयितारः |
| ऊर्जयितासे | ऊर्जयितासाथे | ऊर्जयितास्वे |
| ऊर्जयिताहे | ऊर्जयितास्वहे | ऊर्जयितास्महे |
| भ० ऊर्जयिष्यते | ऊर्जयिष्येते | ऊर्जयिष्यन्ते |
| ऊर्जयिष्यसे | ऊर्जयिष्येथे | ऊर्जयिष्यथे |
| ऊर्जयिष्ये | ऊर्जयिष्यावहे | ऊर्जयिष्यामहे |
| क्रि० और्जयिष्यत | और्जयिष्यताम् | और्जयिष्यन्त |
| और्जयिष्यथाः | और्जयिष्येथाम् | और्जयिष्येथम् |
| और्जयिष्ये | और्जयिष्यावहि | और्जयिष्यामहि |

1583 तुजण् (तुज्) हिंसाबलदाननिकेतनेषु । 162
तुजुवट्टपाणि
1584 पिजण् (पिज्) हिंसाबलदाननिकेतनेषु ।
1110 पिजुकिवट्टपाणि
1585 क्षजण् (क्षज्) कृच्छ्रजीवने । 1001 क्षजुइवट्टपाणि

1586 पूज ण् (पूज्) पूजायाम् ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | पूजयति | पूजयतः | पूजयन्ति |
| | पूजयसि | पूजयथः | पूजयथ |
| | पूजयामि | पूजयावः | पूजयामः |
| स० | पूजयेत् | पूजयेताम् | पूजयेयुः |
| | पूजयेः | पूजयेतम् | पूजयेत |
| | पूजयेयम् | पूजयेव | पूजयेम |
| प० | पूजयतु | पूजयतात् | पूजयताम् |
| | पूजय | पूजयतात् | पूजयतम् |
| | पूजयानि | पूजयाव | पूजयाम |
| | अपूजयत् | अपूजयताम् | अपूजयन् |
| | अपूजयः | अपूजयतम् | अपूजयत |
| | अपूजयम् | अपूजयाव | अपूजयाम |
| | अपुपुजत् | अपुपुजताम् | अपुपुजन् |
| | अपुपुजः | अपुपुजतम् | अपुपुजत |
| | अपुपुजम् | अपुपुजाव | अपुपुजाम |
| | पूजयाश्चकार | पूजयाश्चक्रुः | पूजयाश्चकुः |
| | पूजयाश्चकथ | पूजयाश्चकथुः | पूजयाश्चक |
| | पूजयाश्चकार-चकर | पूजयाश्चकृव | पूजयाश्चकृम |
| | पूजयाम्बभूव | । | पूजयामास |
| | पूज्यात् | पूज्यास्ताम् | पूज्यासुः |
| | पूज्याः | पूज्यास्तम् | पूज्यास्त |
| | पूज्यासम् | पूज्यास्व | पूज्यास्म |
| श्च० | पूजयिता | पूजयितारौ | पूजयितारः |
| | पूजयितासि | पूजयितास्थः | पूजयितास्थ |
| | पूजयितास्मि | पूजयितास्वः | पूजयितास्मः |
| भ० | पूजयिष्यति | पूजयिष्यतः | पूजयिष्यन्ति |
| | पूजयिष्यसि | पूजयिष्यथः | पूजयिष्यथ |
| | पूजयिष्यामि | पूजयिष्यावः | पूजयिष्यामः |
| क्रि० | अपूजयिष्यत् | अपूजयिष्यताम् | अपूजयिष्यन् |
| | अपूजयिष्यः | अपूजयिष्यतम् | अपूजयिष्यत |
| | अपूजयिष्यम् | अपूजयिष्याव | अपूजयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पूजयते | पूजयेते | पूजयन्ते |
| | पूजयसे | पूजयेथे | पूजयध्वे |
| | पूजये | पूजयावहे | पूजयामहे |
| स० | पूजयंत | पूजयेयाताम् | पूजयेरन् |
| | पूजयेथाः | पूजयेयाथाम् | पूजयेध्वम् |
| | पूजयेय | पूजयेवहि | पूजयेमहि |
| प० | पूजयताम् | पूजयेताम् | पूजयन्ताम् |
| | पूजयस्व | पूजयेथाम् | पूजयध्वम् |
| | पूजये | पूजयावहे | पूजयामहे |
| ह्य० | अपूजयत | अपूजयेताम् | अपूजयन्त |
| | अपूजयथाः | अपूजयेथाम् | अपूजयध्वम् |
| | अपूजये | अपूजयावहि | अपूजयामहि |
| अ० | अपूजजत | अपूजजेताम् | अपूजजन्त |
| | अपूजजथाः | अपूजजेथाम् | अपूजजध्वम् |
| | अपूजजे | अपूजावहि | अपूजामहि |
| प० | पूजयाश्चके | पूजयाश्चकाते | पूजयाश्चकिरे |
| | पूजयाश्चकृषे | पूजयाश्चक्राथे | पूजयाश्चकृद्वे |
| | पूजयाश्चके | पूजयाश्चकृवहे | पूजयाश्चकृमहे |
| | पूजयाम्बभूव | । | पूजयामास |
| भा० | पूजयिषीष्ट | पूजयिषीयास्ताम् | पूजयिषीरन् |
| | पूजयिषीष्ठाः | पूजयिषीयास्थाम् | पूजयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | पूजयिषीय | पूजयिषीवहि | पूजयिषीमहि |
| श्च० | पूजयिता | पूजयितारौ | पूजयितारः |
| | पूजयितासे | पूजयितासाथे | पूजयिताध्वे |
| | पूजयिताहे | पूजयितास्वहे | पूजयितास्महे |
| भ० | पूजयिष्यते | पूजयिष्येते | पूजयिष्यन्ते |
| | पूजयिष्यसे | पूजयिष्येथे | पूजयिष्यध्वे |
| | पूजयिष्ये | पूजयिष्यावहे | पूजयिष्यामहे |
| क्रि० | अपूजयिष्यत | अपूजयिष्येताम् | अपूजयिष्यन्त |
| | अपूजयिष्यथाः | अपूजयिष्येथाम् | अपूजयिष्यध्वम् |
| | अपूजयिष्ये | अपूजयिष्यावहि | अपूजयिष्यामहि |

1587 गजण् (गज्) शब्दे । 171 गजबद्धपाणि

फ, १६६) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१३१३)

1588 मार्जण् (मार्ज्) शब्दे ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | मार्जयति | मार्जयतः | मार्जयन्ति |
| | मार्जयसि | मार्जयथः | मार्जयथ |
| | मार्जयामि | मार्जयावः | मार्जयामः |
| स० | मार्जयेत् | मार्जयेताम् | मार्जयेयुः |
| | मार्जयेः | मार्जयेतम् | मार्जयेत |
| | मार्जयेयम् | मार्जयेव | मार्जयेम |
| प० | मार्जयतु | मार्जयतात् | मार्जयताम् |
| | मार्जय | मार्जयतात् | मार्जयतम् |
| | मार्जयानि | मार्जयाव | मार्जयाम |
| ह्य० | अमार्जयत् | अमार्जयताम् | अमार्जयन्तु |
| | अमार्जयः | अमार्जयतम् | अमार्जयत |
| | अमार्जयम् | अमार्जयाव | अमार्जयाम |
| अ० | अममार्जत् | अममार्जताम् | अममार्जन |
| | अममार्जः | अममार्जतम् | अममार्जत |
| | अममार्जम् | अममार्जाव | अममार्जाम |
| प० | मार्जयाश्चकार | मार्जयाश्चक्रतुः | मार्जयाश्चक्रुः |
| | मार्जयाश्चकर्थ | मार्जयाश्चक्रथुः | मार्जयाश्चक्र |
| | मार्जयाश्चकार-चकर | मार्जयाश्चक्रव | मार्जयाश्चक्रम |
| | मार्जयाम्बभूव | । | मार्जयामास |
| भा० | माज्यात् | माज्यास्ताम् | माज्यासुः |
| | माज्याः | माज्यास्तम् | माज्यास्त |
| | माज्यासम् | माज्यास्व | माज्यास्म |
| श्व० | मार्जयिता | मार्जयितारौ | मार्जयितारः |
| | मार्जयितासि | मार्जयितास्थः | मार्जयितास्थ |
| | मार्जयितास्मि | मार्जयितास्वः | मार्जयितास्मः |
| भ | मार्जयिष्यति | मार्जयिष्यतः | मार्जयिष्यन्ति |
| | मार्जयिष्यसि | मार्जयिष्यथः | मार्जयिष्यथ |
| | मार्जयिष्यामि | मार्जयिष्यावः | मार्जयिष्यामः |
| क्रि० | अमार्जयिष्यत् | अमार्जयिष्यताम् | अमार्जयिष्यन्तु |
| | अमार्जयिष्यः | अमार्जयिष्यतम् | अमार्जयिष्यत |
| | अमार्जयिष्यम् | अमार्जयिष्याव | अमार्जयिष्याम |
| व० | मार्जयते | मार्जयेते | मार्जयन्ते |
| | मार्जयसे | मार्जयेथे | मार्जयध्वे |
| | मार्जये | मार्जयावहे | मार्जयामहे |

| | | | |
|-------|-----------------|-------------------|------------------|
| स० | मार्जयत | मार्जयेताताम् | मार्जयेरन् |
| | मार्जयेथाः | मार्जयेथायाम् | मार्जयेध्वम् |
| | मार्जयेथ | मार्जयेवहि | मार्जयेमहि |
| प० | मार्जयताम् | मार्जयेताम् | मार्जयन्ताम् |
| | मार्जयस्व | मार्जयेथाम् | मार्जयध्वम् |
| | मार्जये | मार्जयावहे | मार्जयामहे |
| ह्य० | अमार्जयत | अमार्जयेताम् | अमार्जयन्त |
| | अमार्जयेथाः | अमार्जयेथाम् | अमार्जयेध्वम् |
| | अमार्जये | अमार्जयावहि | अमार्जयामहि |
| अ० | अममार्जत | अममार्जताम् | अममार्जन्त |
| | अममार्जथाः | अममार्जथाम् | अममार्जध्वम् |
| | अममार्जे | अममार्जावहि | अममार्जामहि |
| प० | मार्जयाश्चक्रे | मार्जयाश्चक्रते | मार्जयाश्चक्रिरे |
| | मार्जयाश्चक्रथे | मार्जयाश्चक्राथे | मार्जयाश्चक्रुदे |
| | मार्जयाश्चक्रे | मार्जयाश्चक्रवहे | मार्जयाश्चक्रमहे |
| | मार्जयाम्बभूव | । | मार्जयामास |
| भा० | मार्जयिषीष्ट | मार्जयिषीयास्ताम् | मार्जयिषीरन् |
| | मार्जयिषीष्टाः | मार्जयिषीयास्थाम् | मार्जयिषीध्वम् |
| | मार्जयिषीय | मार्जयिषीवहि | मार्जयिषीमहि |
| श्व० | मार्जयिता | मार्जयितारौ | मार्जयितारः |
| | मार्जयितासे | मार्जयितासाथे | मार्जयिताध्वे |
| | मार्जयिताहे | मार्जयितास्वहे | मार्जयितास्महे |
| भ० | मार्जयिष्यते | मार्जयिष्येते | मार्जयिष्यन्ते |
| | मार्जयिष्यसे | मार्जयिष्येथे | मार्जयिष्यध्वे |
| | मार्जयिष्ये | मार्जयिष्यावहे | मार्जयिष्यामहे |
| क्रि० | अमार्जयिष्यत | अमार्जयिष्येताम् | अमार्जयिष्यन्त |
| | अमार्जयिष्यथाः | अमार्जयिष्येथाम् | अमार्जयिष्यध्वम् |
| | अमार्जयिष्ये | अमार्जयिष्यावहि | अमार्जयिष्यामहि |

1589 तिजण् (तिज्) निशाने 667 सन्निहित तिजिवद्रूपाणि
 1590 वजण् (वज्) मार्गणसंस्कारगत्योः । 136 वजवद्रूपाणि
 1591 व्रजण् (व्रज्) मार्गणसंस्कारगत्योः । 137 व्रजवद्रूपाणि
 1592 रुजण् (रुज्) हिसायाम् । 1350 रुजत्तवद्रूपाणि
 1593 नटण् (नट्) वक्ष्यन्द्ने । 187 नटवद्रूपाणि

(१३१४) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

1594 कृष्ण (कृद्) छेदने । 1438 कृत्तवद्रूपाणि
1595 कृष्ण (कृद्) छेदने । 203 कृत्तवद्रूपाणि
1596 कृष्ण (कृद्) छेदने । 204 कृत्तवद्रूपाणि
1597 कृष्ण (कृद्) छेदने । 1436 कृत्तवद्रूपाणि

1598 कृष्ण (कृद्) कृत्तने च ।

| | | |
|------------------|---------------|---------------|
| व० कृष्णति | कृष्णतः | कृष्णन्ति |
| कृष्णसि | कृष्णथः | कृष्णथ |
| कृष्णामि | कृष्णावः | कृष्णामः |
| स० कृष्णेत | कृष्णेताम् | कृष्णेषुः |
| कृष्णेः | कृष्णेतम् | कृष्णेत |
| कृष्णेष्वम् | कृष्णेष्व | कृष्णेष्व |
| प० कृष्णतु | कृष्णतात् | कृष्णताम् |
| कृष्णतु | कृष्णतात् | कृष्णतम् |
| कृष्णानि | कृष्णाव | कृष्णाम |
| अ० अकृष्णत् | अकृष्णताम् | अकृष्णन् |
| अकृष्णः | अकृष्णतम् | अकृष्णत |
| अकृष्णम् | अकृष्णाव | अकृष्णाम |
| अ० अचुकृष्णत् | अचुकृष्णताम् | अचुकृष्णन् |
| अचुकृष्णः | अचुकृष्णतम् | अचुकृष्णत |
| अचुकृष्णम् | अचुकृष्णाव | अचुकृष्णाम |
| प० कृष्णशब्दकार | कृष्णशब्दकतुः | कृष्णशब्दकुः |
| कृष्णशब्दकथं | कृष्णशब्दकथुः | कृष्णशब्दक |
| कृष्णशब्दकार-नकर | कृष्णशब्दकृव | कृष्णशब्दकृम |
| कृष्णशब्दभव | । | कृष्णामास |
| अ० कृष्णत | कृष्णताम् | कृष्णसुः |
| कृष्णतः | कृष्णताम् | कृष्णस्त |
| कृष्णसम् | कृष्णस्व | कृष्णस्म |
| अ० कृष्णिता | कृष्णितारौ | कृष्णितारः |
| कृष्णितासि | कृष्णितास्यः | कृष्णितास्य |
| कृष्णितास्मि | कृष्णितास्वः | कृष्णितास्मः |
| अ० कृष्णिष्यति | कृष्णिष्यतः | कृष्णिष्यन्ति |
| कृष्णिष्यसि | कृष्णिष्यथः | कृष्णिष्यथ |
| कृष्णिष्यामि | कृष्णिष्यावः | कृष्णिष्यामः |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| क्रि० अकृष्णिष्यत् | अकृष्णिष्यताम् | अकृष्णिष्यन् |
| अकृष्णिष्यः | अकृष्णिष्यतम् | अकृष्णिष्यत |
| अकृष्णिष्यम् | अकृष्णिष्याव | अकृष्णिष्याम |
| व० कृष्णते | कृष्ण्येते | कृष्ण्यन्ते |
| कृष्ण्यसे | कृष्ण्येथे | कृष्ण्यन्ते |
| कृष्ण्ये | कृष्ण्यावहे | कृष्ण्यामहे |
| स० कृष्णेत | कृष्ण्येताम् | कृष्ण्येषुः |
| कृष्ण्येथाः | कृष्ण्येथाथाम् | कृष्ण्येष्वम् |
| कृष्ण्येय | कृष्ण्येवहि | कृष्ण्येमहि |
| प० कृष्णताम् | कृष्ण्येताम् | कृष्ण्यन्ताम् |
| कृष्ण्यस्व | कृष्ण्येथाम् | कृष्ण्येष्वम् |
| कृष्ण्यै | कृष्ण्यावहे | कृष्ण्यामहे |
| अ० अकृष्णत | अकृष्ण्येताम् | अकृष्ण्यन्त |
| अकृष्ण्यथाः | अकृष्ण्येथाम् | अकृष्ण्येष्वम् |
| अकृष्ण्ये | अकृष्ण्यावहि | अकृष्ण्यामहि |
| अ० अचुकृष्णत | अचुकृष्ण्येताम् | अचुकृष्ण्यन्त |
| अचुकृष्ण्यथाः | अचुकृष्ण्येथाम् | अचुकृष्ण्येष्वम् |
| अचुकृष्ण्ये | अचुकृष्ण्यावहि | अचुकृष्ण्यामहि |
| प० कृष्णशब्दके | कृष्णशब्दकाते | कृष्णशब्दकिरे |
| कृष्णशब्दरूपे | कृष्णशब्दकाथे | कृष्णशब्दकृद्वे |
| कृष्णशब्दके | कृष्णशब्दकृवहे | कृष्णशब्दकृमहे |
| कृष्णशब्दभव | । | कृष्णामास |
| अ० कृष्णिषीष्ट | कृष्णिषीयास्ताम् | कृष्णिषीरन् |
| कृष्णिषीष्टाः | कृष्णिषीयास्याम् | कृष्णिषीद्वम् |
| कृष्णिषीय | कृष्णिषीवहि | कृष्णिषीमहि |
| अ० कृष्णिता | कृष्णितारौ | कृष्णितारः |
| कृष्णितासे | कृष्णितासाथे | कृष्णितास्वहे |
| कृष्णिताहे | कृष्णितास्वहे | कृष्णितास्महे |
| अ० कृष्णिष्यते | कृष्णिष्येते | कृष्णिष्यन्ते |
| कृष्णिष्यसे | कृष्णिष्येथे | कृष्णिष्यन्ते |
| कृष्णिष्ये | कृष्णिष्यावहे | कृष्णिष्यामहे |
| क्रि० अकृष्णिष्यत् | अकृष्णिष्येताम् | अकृष्णिष्यन्त |
| अकृष्णिष्यथाः | अकृष्णिष्येथाम् | अकृष्णिष्येष्वम् |
| अकृष्णिष्ये | अकृष्णिष्यावहि | अकृष्णिष्यामहि |

1599 पुट्ण् (पुट्) अल्पीभावे ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० पुट्यति | पुट्यतः | पुट्यन्ति |
| पुट्यसि | पुट्यथः | पुट्यथ |
| पुट्यामि | पुट्यावः | पुट्यामः |
| स० पुट्येत् | पुट्येताम् | पुट्येयुः |
| पुट्येः | पुट्येतम् | पुट्येत |
| पुट्येयम् | पुट्येव | पुट्येम |
| प० पुट्यतु | पुट्यतात् | पुट्यताम् |
| पुट्य | पुट्यतात् | पुट्यतम् |
| पुट्यानि | पुट्याव | पुट्याम |
| झ० अपुट्यत् | अपुट्यताम् | अपुट्यन् |
| अपुट्यः | अपुट्यतम् | अपुट्यत |
| अपुट्यम् | अपुट्याव | अपुट्याम |
| झ० अपुट्यत् | अपुट्यताम् | अपुट्यन् |
| अपुट्यः | अपुट्यतम् | अपुट्यत |
| अपुट्यम् | अपुट्याव | अपुट्याम |
| प० पुट्याश्चकार | पुट्याश्चक्रुः | पुट्याश्चकुः |
| पुट्याश्चक्य | पुट्याश्चक्रुः | पुट्याश्चक |
| पुट्याश्चकार-चकर | पुट्याश्चक्रव | पुट्याश्चक्रम |
| पुट्यान्वभूव | पुट्यामास | |
| भा० पुट्यात् | पुट्यास्ताम् | पुट्यासुः |
| पुट्याः | पुट्यास्तम् | पुट्यास्त |
| पुट्यासम् | पुट्यास्व | पुट्यासम् |
| भ० पुट्यिता | पुट्यितारौ | पुट्यितारः |
| पुट्यितासि | पुट्यितास्थः | पुट्यितास्थ |
| पुट्यितास्मि | पुट्यितास्वः | पुट्यितास्मः |
| भ० पुट्यिष्यति | पुट्यिष्यतः | पुट्यिष्यन्ति |
| पुट्यिष्यसि | पुट्यिष्यथः | पुट्यिष्यथ |
| पुट्यिष्यामि | पुट्यिष्यावः | पुट्यिष्यामः |
| क्रि० अपुट्यिष्यत् | अपुट्यिष्यताम् | अपुट्यिष्यन् |
| अपुट्यिष्यः | अपुट्यिष्यतम् | अपुट्यिष्यत |
| अपुट्यिष्यम् | अपुट्यिष्याव | अपुट्यिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० पुट्यते | पुट्येते | पुट्यन्ते |
| पुट्यसे | पुट्येथे | पुट्यध्वे |
| पुट्ये | पुट्यावहे | पुट्यामहे |
| स० पुट्येत | पुट्येयाताम् | पुट्येरन् |
| पुट्येथाः | पुट्येयाथाम् | पुट्येध्वम् |
| पुट्येय | पुट्येवहि | पुट्येमहि |
| प० पुट्यताम् | पुट्यताम् | पुट्यन्ताम् |
| पुट्यस्व | पुट्येथाम् | पुट्यध्वम् |
| पुट्ये | पुट्यावहे | पुट्यामहे |
| झ० अपुट्यत | अपुट्येताम् | अपुट्यन्त |
| अपुट्यथाः | अपुट्येथाम् | अपुट्यध्वम् |
| अपुट्ये | अपुट्यावहि | अपुट्यामहि |
| झ० अपुट्यत् | अपुट्येताम् | अपुट्यन्त |
| अपुट्यथाः | अपुट्येथाम् | अपुट्यध्वम् |
| अपुट्ये | अपुट्यावहि | अपुट्यामहि |
| प० पुट्याश्चक्रे | पुट्याश्चक्रे | पुट्याश्चक्रिरे |
| पुट्याश्चक्रे | पुट्याश्चक्रिरे | पुट्याश्चक्रुवहे |
| पुट्याश्चक्रे | पुट्याश्चक्रुवहे | पुट्याश्चक्रमहे |
| पुट्यान्वभूव | पुट्यामास | |
| भा० पुट्यिषीष्ट | पुट्यिषीयास्ताम् | पुट्यिषीरन् |
| पुट्यिषीष्टाः | पुट्यिषीयास्थाम् | पुट्यिषीध्वम् |
| पुट्यिषीय | पुट्यिषीवहि | पुट्यिषीमहि |
| भ० पुट्यिता | पुट्यितारौ | पुट्यितारः |
| पुट्यितासे | पुट्यितासाथे | पुट्यिताध्वे |
| पुट्यिताहे | पुट्यितास्वहे | पुट्यितस्वहे |
| भ० पुट्यिष्यते | पुट्यिष्येते | पुट्यिष्यन्ते |
| पुट्यिष्यसे | पुट्यिष्येथे | पुट्यिष्यध्वे |
| पुट्यिष्ये | पुट्यिष्यावहे | पुट्यिष्यामहे |
| क्रि० अपुट्यिष्यत् | अपुट्यिष्येताम् | अपुट्यिष्यन्त |
| अपुट्यिष्यथाः | अपुट्यिष्येथाम् | अपुट्यिष्यध्वम् |
| अपुट्यिष्ये | अपुट्यिष्यावहि | अपुट्यिष्यामहि |

7600 चुट्टण (चुट्) अल्पीभावे

| | | | |
|-----|---|--|---|
| १० | चुट्यति चुट्यसि चुट्यामि | चुट्यतः चुट्यथः चुट्यावः | चुट्यन्ति चुट्यथ चुट्यामः |
| २० | चुट्येत् चुट्येः चुट्येयम् | चुट्येताम् चुट्येतम् चुट्येव | चुट्येयुः चुट्येत चुट्येम |
| ३० | चुट्यतु चुट्य चुट्यानि | चुट्यतात् चुट्यतात् चुट्याव | चुट्यताम् चुट्यतम् चुट्याम |
| ४० | अचुट्यत् अचुट्यः अचुट्यम् | अचुट्यताम् अचुट्यतम् अचुट्याव | अचुट्यन् अचुट्यत अचुट्याम |
| ५० | अचुचुट् अचुचुट् अचुचुट् | अचुचुटताम् अचुचुटतम् अचुचुटव | अचुचुटन् अचुचुटत अचुचुटम |
| ६० | चुट्याश्चकार चुट्याश्चकथं चुट्याश्चकार-चकथं चुट्याश्चभूव | चुट्याश्चकतुः चुट्याश्चकथः चुट्याश्चकतु-चकथः चुट्याश्चभूव | चुट्याश्चकृः चुट्याश्चकथः चुट्याश्चकतु-चकथः चुट्याश्चभूव |
| ७० | चुट्यास्तु चुट्याः चुट्यासम् | चुट्यास्ताम् चुट्यास्तम् चुट्यास्तव | चुट्यास्तुः चुट्यास्त चुट्यास्तम |
| ८० | चुट्यिता चुट्यितासि चुट्यितामि | चुट्यितारो चुट्यितास्थः चुट्यितास्व | चुट्यितारः चुट्यितास्थ चुट्यितास्व |
| ९० | चुट्यिष्यति चुट्यिष्यसि चुट्यिष्यामि | चुट्यिष्यतः चुट्यिष्यथः चुट्यिष्यावः | चुट्यिष्यन्ति चुट्यिष्यथ चुट्यिष्यामः |
| १०० | अचुट्यिष्यत् अचुट्यिष्यः अचुट्यिष्यम् | अचुट्यिष्यताम् अचुट्यिष्यतम् अचुट्यिष्याव | अचुट्यिष्यन् अचुट्यिष्यत अचुट्यिष्याम |

| | | | |
|-----|-----------------|-------------------|------------------|
| ४० | चुट्टयेते | चुट्टयेते | चुट्टयन्ते |
| | चुट्टयसे | चुट्टयेथे | चुट्टयन्त्वे |
| | चुट्टये | चुट्टयावहे | चुट्टयामहे |
| स० | चुट्टयेत | चुट्टयेयाताम् | चुट्टयेरन् |
| | चुट्टयेथाः | चुट्टयेथायाम् | चुट्टयेष्वम् |
| | चुट्टयेव | चुट्टयेवहि | चुट्टयेमहि |
| प० | चुट्टयताम् | चुट्टयेताम् | चुट्टयन्ताम् |
| | चुट्टयस्व | चुट्टयेथाम् | चुट्टयस्वम् |
| | चुट्टये | चुट्टयावहे | चुट्टयामहे |
| झ० | अचुट्टयत | अचुट्टयेताम् | अचुट्टयन्त |
| | अचुट्टयथाः | अचुट्टयेथाम् | अचुट्टयस्वम् |
| | अचुट्टये | अचुट्टयावहि | अचुट्टयामहि |
| झ० | अचुचुट्टत | अचुचुट्टेताम् | अचुचुट्टन्त |
| | अचुचुट्टथाः | अचुचुट्टेथाम् | अचुचुट्टस्वम् |
| | अचुचुट्टे | अचुचुट्टवहि | अचुचुट्टमहि |
| प० | चुट्टयाश्चक्रे | चुट्टयाश्चक्रते | चुट्टयाश्चक्रिरे |
| | चुट्टयाश्चक्रुः | चुट्टयाश्चक्राथे | चुट्टयाश्चक्रुव |
| | चुट्टयाश्चक्रे | चुट्टयाश्चक्रवहे | चुट्टयाश्चक्रमहे |
| | चुट्टयाम्भुव | चुट्टयाम्भस | |
| भा० | चुट्टयिषीष्ट | चुट्टयिषीयास्ताम् | चुट्टयिषीरन् |
| | चुट्टयिषीष्टाः | चुट्टयिषीयास्थाम् | चुट्टयिषीवृष्वम् |
| | चुट्टयिषीथ | चुट्टयिषीवहि | चुट्टयिषीमहि |
| भ० | चुट्टयिता | चुट्टयितासी | चुट्टयिताः |
| | चुट्टयितासे | चुट्टयितासाथे | चुट्टयितास्व |
| | चुट्टयिताहे | चुट्टयितावहे | चुट्टयितामहे |
| भ० | चुट्टयिष्यते | चुट्टयिष्येते | चुट्टयिष्यन्ते |
| | चुट्टयिष्ये | चुट्टयिष्येथे | चुट्टयिष्यन्त्वे |
| | चुट्टयिष्ये | चुट्टयिष्यवहे | चुट्टयिष्यामहे |
| कि० | अचुट्टयिष्यत | अचुट्टयिष्येताम् | अचुट्टयिष्यन्त |
| | अचुट्टयिष्यथाः | अचुट्टयिष्येथाम् | अचुट्टयिष्यस्वम् |
| | अचुट्टयिष्ये | अचुट्टयिष्यवहि | अचुट्टयिष्यामहि |

1500 सुट्ण (सुट्) अल्पीभावे ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| १० सुट्यति | सुट्यतः | सुट्यन्ति |
| सुट्यसि | सुट्यथः | सुट्यथ |
| सुट्यामि | सुट्यावः | सुट्यामः |
| स० सुट्येत् | सुट्येताम् | सुट्येयुः |
| सुट्येः | सुट्येतम् | सुट्येत |
| सुट्येयम् | सुट्येव | सुट्येम |
| ५० सुट्यतु | सुट्यतात् | सुट्यताम् |
| सुट्य | सुट्यतात् | सुट्यतम् |
| सुट्यानि | सुट्याव | सुट्याम |
| १०० असुट्यत् | असुट्यताम् | असुट्यन् |
| असुट्यः | असुट्यतम् | असुट्यत |
| असुट्यम् | असुट्याव | असुट्याम |
| २०० असुसुट्यत् | असुसुट्यताम् | असुसुट्यन् |
| असुसुट्यः | असुसुट्यतम् | असुसुट्यत |
| असुसुट्यम् | असुसुट्याव | असुसुट्याम |
| ५० सुट्याश्चकार | सुट्याश्चक्रुः | सुट्याश्चकुः |
| सुट्याश्चकथे | सुट्याश्चकथुः | सुट्याश्चक |
| सुट्याश्चकार-चक्र | सुट्याश्चकृव | सुट्याश्चकृम |
| सुट्याम्बभूव | सुट्यामास | |
| ३०० सुट्यात् | सुट्यास्ताम् | सुट्यासुः |
| सुट्याः | सुट्यास्ताम् | सुट्यास्त |
| सुट्यासम् | सुट्यास्व | सुट्यास्म |
| ४० सुट्यिता | सुट्यितारी | सुट्यितारः |
| सुट्यितासि | सुट्यितास्तः | सुट्यितास्थ |
| सुट्यितामि | सुट्यितास्वः | सुट्यितास्मः |
| ५० सुट्यिष्यति | सुट्यिष्येतः | सुट्यिष्यन्ति |
| सुट्यिष्यसि | सुट्यिष्यथः | सुट्यिष्यथ |
| सुट्यिष्यामि | सुट्यिष्यावः | सुट्यिष्यामः |
| क्रि० असुट्यिष्यत् | असुट्यिष्यताम् | असुट्यिष्यन् |
| असुट्यिष्यः | असुट्यिष्यतम् | असुट्यिष्यत |
| असुट्यिष्यम् | असुट्यिष्याव | असुट्यिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| १० सुट्यते | सुट्येते | सुट्यन्ते |
| सुट्यसे | सुट्येथे | सुट्यन्वे |
| सुट्ये | सुट्यावहे | सुट्यामहे |
| स० सुट्येत | सुट्येयाताम् | सुट्येरन् |
| सुट्येथाः | सुट्येयाथाम् | सुट्येध्वम् |
| सुट्येय | सुट्येवहि | सुट्येमहि |
| ५० सुट्यताम् | सुट्येताम् | सुट्यन्ताम् |
| सुट्यस्व | सुट्येध्वम् | सुट्यन्ध्वम् |
| सुट्यै | सुट्यावहे | सुट्यामहे |
| १०० असुट्यत | असुट्येताम् | असुट्यन्त |
| असुट्यथाः | असुट्येथाम् | असुट्यध्वम् |
| असुट्ये | असुट्यावहि | असुट्यामहि |
| २०० असुसुट्यत् | असुसुट्येताम् | असुसुट्यन्त |
| असुसुट्यथाः | असुसुट्येथाम् | असुसुट्यध्वम् |
| असुसुट्ये | असुसुट्यावहि | असुसुट्यामहि |
| ५० सुट्याश्चक्रे | सुट्याश्चकारे | सुट्याश्चकिरे |
| सुट्याश्चकृषे | सुट्याश्चक्राथे | सुट्याश्चकृदवे |
| सुट्याश्चक्रे | सुट्याश्चकृवहे | सुट्याश्चकृमहे |
| सुट्याम्बभूव | सुट्यामास | |
| ३०० सुट्यिषीष्ट | सुट्यिषीयास्ताम् | सुट्यिषीरन् |
| सुट्यिषीष्टाः | सुट्यिषीयाथाम् | सुट्यिषीध्वम् |
| सुट्यिषीय | सुट्यिषीवहि | सुट्यिषीमहि |
| ४० सुट्यिता | सुट्यितारी | सुट्यितारः |
| सुट्यितासे | सुट्यितासाथे | सुट्यिताध्वे |
| सुट्यिताहे | सुट्यितास्वहे | सुट्यितास्महे |
| ५० सुट्यिष्यते | सुट्यिष्येते | सुट्यिष्यन्ते |
| सुट्यिष्यसे | सुट्यिष्येथे | सुट्यिष्यध्वे |
| सुट्यिष्ये | सुट्यिष्यावहे | सुट्यिष्यामहे |
| क्रि० असुट्यिष्यत | असुट्यिष्येताम् | असुट्यिष्यन्त |
| असुट्यिष्यथाः | असुट्यिष्येथाम् | असुट्यिष्यध्वम् |
| असुट्यिष्ये | असुट्यिष्यावहि | असुट्यिष्यामहि |

1602 पुट्ण (पुट्] संचूर्णने । 1441 पुट्त्वद्रूपाणि
1603 मुट्ण (मुट्) संचूर्णने । 202 मुट्त्वद्रूपाणि
1604 अट्ण (अट्) अनादरे । 674 अट्त्वद्रूपाणि

1605 स्मिटण् (स्मिट्) अनादरे

| | | |
|---------------------|------------------|----------------|
| ब० स्मेटयति | स्मेटयतः | स्मेटयन्ति |
| स्मेटयसि | स्मेटयथः | स्मेटयथ |
| स्मेटयामि | स्मेटयावः | स्मेटयामः |
| स० स्मेटयेत् | स्मेटयेताम् | स्मेटयेयुः |
| स्मेटयेः | स्मेटयेतम् | स्मेटयेत |
| स्मेटयेयम् | स्मेटयेव | स्मेटयेम |
| प० स्मेटयन्तु | स्मेटयतात् | स्मेटयताम् |
| स्मेटय | स्मेटयतात् | स्मेटयतम् |
| स्मेटयानि | स्मेटयाव | स्मेटयाम |
| आ० अस्मेटयत् | अस्मेटयताम् | अस्मेटयन् |
| अस्मेटयः | अस्मेटयतम् | अस्मेटयत |
| अस्मेटयम् | अस्मेटयाव | अस्मेटयाम |
| अ० असिस्मिटत् | असिस्मिटताम् | असिस्मिटन् |
| असिस्मिटः | असिस्मिटतम् | असिस्मिटत |
| असिस्मिटम् | असिस्मिटाव | असिस्मिटाम |
| प० स्मेटयाञ्चकार | स्मेटयाञ्चक्रुः | स्मेटयाञ्चकुः |
| स्मेटयाञ्चकथं | स्मेटयाञ्चक्रथुः | स्मेटयाञ्चक्र |
| स्मेटयाञ्चकार-चकर | स्मेटयाञ्चक्रुव | स्मेटयाञ्चक्रम |
| स्मेटयाञ्चभूव | स्मेटयामास | |
| आ० स्मेटयात् | स्मेटयास्ताम् | स्मेटयास्तुः |
| स्मेटयाः | स्मेटयास्तम् | स्मेटयास्त |
| स्मेटयासम् | स्मेटयास्व | स्मेटयास्म |
| श्व० स्मेटयिता | स्मेटयितारौ | स्मेटयितारः |
| स्मेटयितासि | स्मेटयितास्थः | स्मेटयितास्थ |
| स्मेटयितास्मि | स्मेटयितास्वः | स्मेटयितास्मः |
| भ० स्मेटयिष्यति | स्मेटयिष्यतः | स्मेटयिष्यन्ति |
| स्मेटयिष्यसि | स्मेटयिष्यथः | स्मेटयिष्यथ |
| स्मेटयिष्यामि | स्मेटयिष्यावः | स्मेटयिष्यामः |
| क्रि० अस्मेटयिष्यत् | अस्मेटयिष्यताम् | अस्मेटयिष्यन् |
| अस्मेटयिष्यः | अस्मेटयिष्यतम् | अस्मेटयिष्यत |
| अस्मेटयिष्यम् | अस्मेटयिष्याव | अस्मेटयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|-------------------|
| व० स्मेटयते | स्मेटयेते | स्मेटयन्ते |
| स्मेटयसे | स्मेटयेथे | स्मेटयध्वे |
| स्मेटये | स्मेटयावहे | स्मेटयामहे |
| स० स्मेटयेत | स्मेटयेयाताम् | स्मेटयेरन् |
| स्मेटयेथाः | स्मेटयेथायाम् | स्मेटयेध्वम् |
| स्मेटयेय | स्मेटयेवहि | स्मेटयेमहि |
| प० स्मेटयताम् | स्मेटयेताम् | स्मेटयन्ताम् |
| स्मेटयस्व | स्मेटयेथाम् | स्मेटयध्वम् |
| स्मेटयै | स्मेटयावहै | स्मेटयामहै |
| ह्य० अस्मेटयत | अस्मेटयेताम् | अस्मेटयन्त |
| अस्मेटयथाः | अस्मेटयेथाम् | अस्मेटयध्वम् |
| अस्मेटये | अस्मेटयावहि | अस्मेटयामहि |
| अ० असिस्मिटत | असिस्मिटेताम् | असिस्मिटन्त |
| असिस्मिटथाः | असिस्मिटेथाम् | असिस्मिटध्वम् |
| असिस्मिटे | असिस्मिटावहि | असिस्मिटामहि |
| प० स्मेटयाञ्चके | स्मेटयाञ्चकाते | स्मेटयाञ्चकिरे |
| स्मेटयाञ्चकृषे | स्मेटयाञ्चकाये | स्मेटयाञ्चकृद्वे |
| स्मेटयाञ्चके | स्मेटयाञ्चकृवहे | स्मेटयाञ्चकृद्वहे |
| स्मेटयाञ्चभूव | स्मेटयामास | |
| आ० स्मेटयिषीष्ट | स्मेटयिषीष्टाताम् | स्मेटयिषीरन् |
| स्मेटयिषीष्टाः | स्मेटयिषीष्टायाम् | स्मेटयिषीध्वम् |
| स्मेटयिषीय | स्मेटयिषीवहि | स्मेटयिषीमहि |
| श्व० स्मेटयिता | स्मेटयितारौ | स्मेटयितारः |
| स्मेटयितासे | स्मेटयितासाथे | स्मेटयिताध्वे |
| स्मेटयिताहे | स्मेटयितास्वहे | स्मेटयितास्महे |
| भ० स्मेटयिष्यते | स्मेटयिष्येते | स्मेटयिष्यन्ते |
| स्मेटयिष्यसे | स्मेटयिष्येथे | स्मेटयिष्यध्वे |
| स्मेटयिष्ये | स्मेटयिष्यावहे | स्मेटयिष्यामहे |
| क्रि० अस्मेटयिष्यत् | अस्मेटयिष्येताम् | अस्मेटयिष्यन्त |
| अस्मेटयिष्यथाः | अस्मेटयिष्येथाम् | अस्मेटयिष्यध्वम् |
| अस्मेटयिष्ये | अस्मेटयिष्यावहि | अस्मेटयिष्यामहि |

1607 स्निट्ण (स्निट्) स्नेटने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | स्नेटयति | स्नेटयतः | स्नेटयन्ति |
| | स्नेटयसि | स्नेटयथः | स्नेटयथ |
| | स्नेटयामि | स्नेटयावः | स्नेटयामः |
| स० | स्नेटयेत् | स्नेटयेताम् | स्नेटयेयुः |
| | स्नेटयेः | स्नेटयेतम् | स्नेटयेत |
| | स्नेटयेथम् | स्नेटयेव | स्नेटयेम |
| प० | स्नेटयन्तु | स्नेटयतात् | स्नेटयताम् |
| | स्नेटय | स्नेटयतात् | स्नेटयतम् |
| | स्नेटयानि | स्नेटयाव | स्नेटयाम |
| ह्य० | अस्नेटयत् | अस्नेटयताम् | अस्नेटयन् |
| | अस्नेटयः | अस्नेटयतम् | अस्नेटयत |
| | अस्नेटयम् | अस्नेटयाव | अस्नेटयाम |
| अ० | असिस्निटत् | असिस्निटताम् | असिस्निटन् |
| | असिस्निटः | असिस्निटतम् | असिस्निटत |
| | असिस्निटम् | असिस्निटाव | असिस्निटाम |
| प | स्नेटयाञ्चकार | स्नेटयाञ्चकतु | स्नेटयाञ्चकुः |
| | स्नेटयाञ्चकथं | स्नेटयाञ्चकथुः | स्नेटयाञ्चक |
| | स्नेटयाञ्चकार-चकर | स्नेटयाञ्चकृव | स्नेटयाञ्चकृम |
| | स्नेटयाञ्चभूव | । | स्नेटयामास |
| आ० | स्नेटयात् | स्नेटयास्ताम् | स्नेटयासुः |
| | स्नेटयाः | स्नेटयास्तम् | स्नेटयास्त |
| | स्नेटयासम् | स्नेटयास्व | स्नेटयासम |
| श्व० | स्नेटयिता | स्नेटयितारौ | स्नेटयितारः |
| | स्नेटयितासि | स्नेटयितास्थः | स्नेटयितास्थ |
| | स्नेटयितास्मि | स्नेटयितास्वः | स्नेटयितास्मः |
| भ० | स्नेटयिष्यति | स्नेटयिष्यतः | स्नेटयिष्यन्ति |
| | स्नेटयिष्यसि | स्नेटयिष्यथः | स्नेटयिष्यथ |
| | स्नेटयिष्यामि | स्नेटयिष्यावः | स्नेटयिष्यामः |
| क्रि० | अस्नेटयिष्यत् | अस्नेटयिष्यताम् | अस्नेटयिष्यन् |
| | अस्नेटयिष्यः | अस्नेटयिष्यतम् | अस्नेटयिष्यत |
| | अस्नेटयिष्यम् | अस्नेटयिष्याव | अस्नेटयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्नेटयते | स्नेटयेत | स्नेटयन्ते |
| | स्नेटयसे | स्नेटयेथे | स्नेटयध्वे |
| | स्नेटये | स्नेटयावहे | स्नेटयामहे |
| स० | स्नेटयेत | स्नेटयेयाताम् | स्नेटयेरन् |
| | स्नेटयेथाः | स्नेटयेयाथाम् | स्नेटयेध्वम् |
| | स्नेटयेथ | स्नेटयेवहि | स्नेटयेमहि |
| प० | स्नेटयताम् | स्नेटयेताम् | स्नेटयन्ताम् |
| | स्नेटयस्व | स्नेटयेथाम् | स्नेटयध्वम् |
| | स्नेटये | स्नेटयावहे | स्नेटयामहे |
| ह्य० | अस्नेटयत | अस्नेटयेताम् | अस्नेटयन्त |
| | अस्नेटयथाः | अस्नेटयेथाम् | अस्नेटयध्वम् |
| | अस्नेटये | अस्नेटयावहि | अस्नेटयामहि |
| अ० | असिस्निटत | असिस्निटताम् | असिस्निटन्त |
| | असिस्निटथाः | असिस्निटेथाम् | असिस्निटध्वम् |
| | असिस्निटे | असिस्निटावहि | असिस्निटामहि |
| प | स्नेटयाञ्चके | स्नेटयाञ्चकते | स्नेटयाञ्चकिरे |
| | स्नेटयाञ्चकृषे | स्नेटयाञ्चकाथे | स्नेटयाञ्चकृद्धे |
| | स्नेटयाञ्चके | स्नेटयाञ्चकृवहे | स्नेटयाञ्चकृमहे |
| | स्नेटयाञ्चभूव | । | स्नेटयामास |
| आ० | स्नेटयिषीष्ट | स्नेटयिषीयास्ताम् | स्नेटयिषीरन् |
| | स्नेटयिषीष्टाः | स्नेटयिषीयास्थाम् | स्नेटयिषीध्वम् |
| | स्नेटयिषीय | स्नेटयिषीवहि | स्नेटयिषीमहि |
| श्व० | स्नेटयिता | स्नेटयितारौ | स्नेटयितारः |
| | स्नेटयितासे | स्नेटयितासाथे | स्नेटयिताध्वे |
| | स्नेटयिताहे | स्नेटयितास्वहे | स्नेटयितास्महे |
| भ० | स्नेटयिष्यते | स्नेटयिष्येते | स्नेटयिष्यन्ते |
| | स्नेटयिष्यसे | स्नेटयिष्येथे | स्नेटयिष्यध्वे |
| | स्नेटयिष्ये | स्नेटयिष्यावहे | स्नेटयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्नेटयिष्यत | अस्नेटयिष्येताम् | अस्नेटयिष्यन्त |
| | अस्नेटयिष्यथाः | अस्नेटयिष्येथाम् | अस्नेटयिष्यध्वम् |
| | अस्नेटयिष्ये | अस्नेटयिष्यावहि | अस्नेटयिष्यामहि |

1608 घट्टण् (घट्ट) चलने । 608 घट्टिक्कृपाणि

1609 खट्श (खट्) संवरणे

| | | |
|------------------------|---------------|--------------|
| ब० खट्यति | खट्यतः | खट्यन्ति |
| खट्यसि | खट्यथः | खट्यथ |
| खट्यामि | खट्यावः | खट्यामः |
| स० खट्येत् | खट्येताम् | खट्येयुः |
| खट्येः | खट्येतम् | खट्येत |
| खट्येयम् | खट्येव | खट्येम |
| प० खट्यतु | खट्यतात् | खट्यताम् |
| खट्य | खट्यतात् | खट्यतम् |
| खट्यानि | खट्याव | खट्याम |
| ह्र० अखट्यत् | अखट्यताम् | अखट्यन् |
| अखट्यः | अखट्यतम् | अखट्यत |
| अखट् म् | अखट्याव | अखट्याम |
| अ० अचखटत् | अचखटताम् | अचखटन् |
| अचखटः | अचखटतम् | अचखटत |
| अचखटम् | अचखटव | अचखटम |
| प० खट्याश्चकार | खट्याश्चक्रुः | खट्याश्चकुः |
| खट्याश्चकथं | खट्याश्चकथुः | खट्याश्चक |
| खट्याश्चकार-चकर | खट्याश्चकृव | खट्याश्चकृम |
| खट्याम्बभूव । खट्यामास | | |
| आ० खट्यात् | खट्यास्ताम् | खट्यासुः |
| खट्याः | खट्यास्तम् | खट्यास्त |
| खट्यासम् | खट्यास्व | खट्यास्म |
| श्व० खट्यिता | खट्यितारौ | खट्यितारः |
| खट्यितासि | खट्यितास्थः | खट्यितास्थ |
| खट्यितास्मि | खट्यितास्वः | खट्यितास्मः |
| भ० खट्यिष्यति | खट्यिष्यतः | खट्यिष्यन्ति |
| खट्यिष्यसि | खट्यिष्यथः | खट्यिष्यथ |
| खट्यिष्यामि | खट्यिष्यावः | खट्यिष्यामः |
| क्रि० अखट्यिष्यत् | अखट्यिष्यताम् | अखट्यिष्यन् |
| अखट्यिष्यः | अखट्यिष्यतम् | अखट्यिष्यत |
| अखट्यिष्यम् | अखट्यिष्याव | अखट्यिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० खट्यते | खट्येते | खट्यन्ते |
| खट्यसे | खट्येथे | खट्यध्वे |
| खट्ये | खट्यावहे | खट्यामहे |
| स० खट्येत | खट्येयाताम् | खट्येरन् |
| खट्येथाः | खट्येयाथाम् | खट्येध्वम् |
| खट्येय | खट्येवहि | खट्येमहि |
| प० खट्यताम् | खट्यताम् | खट्यन्ताम् |
| खट्यस्व | खट्येथाम् | खट्यध्वम् |
| खट्यै | खट्यावहे | खट्यामहे |
| ह्र० अखट्यत | अखट्येताम् | अखट्यन्त |
| अखट्यथाः | अखट्येथाम् | अखट्यध्वम् |
| अखट्ये | अखट्यावहि | अखट्यामहि |
| अ० अचखटत | अचखटताम् | अचखटन्त |
| अचखटथाः | अचखटेथाम् | अचखटध्वम् |
| अचखटे | अचखटावहि | अचखटमहि |
| प० खट्याश्चक्रे | खट्याश्चक्रते | खट्याश्चकिरे |
| खट्याश्चकृषे | खट्याश्चक्राथे | खट्याश्चकृद्वे |
| खट्याश्चक्रे | खट्याश्चकृवहे | खट्याश्चकृमहे |
| खट्याम्बभूव । खट्यामास | | |
| आ० खट्यिषीष्ट | खट्यिषीयास्ताम् | खट्यिषीरन् |
| खट्यिषीष्टाः | खट्यिषीयास्थाम् | खट्यिषीध्वम् |
| खट्यिषीय | खट्यिषीवहि | खट्यिषीमहि |
| श्व० खट्यिता | खट्यितारौ | खट्यितारः |
| खट्यितासे | खट्यितासाथे | खट्यिताध्वे |
| खट्यिताहे | खट्यितास्वहे | खट्यितास्महे |
| भ० खट्यिष्यते | खट्यिष्येते | खट्यिष्यन्ते |
| खट्यिष्यसे | खट्यिष्येथे | खट्यिष्यध्वे |
| खट्यिष्ये | खट्यिष्यावहे | खट्यिष्यामहे |
| क्रि० अखट्यिष्यत | अखट्यिष्येताम् | अखट्यिष्यन्त |
| अखट्यिष्यथाः | अखट्यिष्येथाम् | अखट्यिष्यध्वम् |
| अखट्यिष्ये | अखट्यिष्यावहि | अखट्यिष्यामहि |

1601 सट्ण् (सट्) हिंसायाम् ।

| | | |
|-----------------|---------------|--------------|
| ६० सट्यति | सट्यतः | सट्यन्ति |
| सट्यसि | सट्यथः | सट्यथ |
| सट्यामि | सट्यावः | सट्यामः |
| स० सट्येत् | सट्येताम् | सट्येयुः |
| सट्येः | सट्येतम् | सट्येत |
| सट्येयम् | सट्येव | सट्येम |
| प० सट्यतु | सट्यतात् | सट्यताम् |
| सट्य | सट्यतान् | सट्यतम् |
| सट्यानि | सट्याव | सट्याम |
| ह्य० असट्यत् | असट्यताम् | असट्यन् |
| असट्यः | असट्यतम् | असट्यत |
| असट्यम् | असट्याव | असट्याम |
| अ० असासट् | असासट्ताम् | असासट्न् |
| असासट् | असासट्ताम् | असासट् |
| असासट्म् | असासट्ताव | असासट्ताम |
| प० सट्याञ्चकार | सट्याञ्चकतुः | सट्याञ्चकुः |
| सट्याञ्चकथे | सट्याञ्चकथुः | सट्याञ्चक |
| सट्याञ्चकार-चकर | सट्याञ्चकव | सट्याञ्चकम् |
| सट्याञ्चभूव | सट्यामास | |
| आ० सट्यान् | सट्यास्ताम् | सट्यासुः |
| सट्याः | सट्यास्तम् | सट्यास्त |
| सट्यासम् | सट्यास्व | सट्यासम् |
| व० सट्यिता | सट्यितारौ | सट्यितारः |
| सट्यितासि | सट्यितास्थः | सट्यितास्थ |
| सट्यितासिम् | सट्यितास्वः | सट्यितासम् |
| अ० सट्यिष्यति | सट्यिष्यतः | सट्यिष्यन्ति |
| सट्यिष्यसि | सट्यिष्यथः | सट्यिष्यथ |
| सट्यिष्यामि | सट्यिष्यावः | सट्यिष्यामः |
| कि० असट्यिष्यत् | असट्यिष्यताम् | असट्यिष्यन् |
| असट्यिष्य | असट्यिष्यतम् | असट्यिष्यत |
| असट्यिष्यम् | असट्यिष्याव | असट्यिष्याम |

| | | |
|----------------|-----------------|----------------|
| व० सट्यते | सट्येते | सट्यन्त |
| सट्यसे | सट्येथे | सट्यध्वे |
| सट्ये | सट्यावहे | सट्यामहे |
| स० सट्येत | सट्येयाताम् | सट्येरन् |
| सट्येथाः | सट्येयाथाम् | सट्येध्वम् |
| सट्येय | सट्येवहि | सट्येमहि |
| प० सट्यताम् | सट्येताम् | सट्यन्ताम् |
| सट्यस्व | सट्येथाम् | सट्यध्वम् |
| सट्ये | सट्यावहे | सट्यामहे |
| ह्य० असट्यत | असट्यताम् | असट्यन्त |
| असट्यथाः | असट्येथाम् | असट्यध्वम् |
| असट्ये | असट्यावहि | असट्यामहि |
| अ० अससटुत | अससट्टेताम् | अससट्टन्त |
| अससट्टथाः | अससट्टेथाम् | अससट्टध्वम् |
| अससट्टे | अससट्टावहि | अससट्टामहि |
| प० सट्याञ्चके | सट्याञ्चकाते | सट्याञ्चकिरे |
| सट्याञ्चकृषे | सट्याञ्चकृषे | सट्याञ्चकृदवे |
| सट्याञ्चके | सट्याञ्चकृवहे | सट्याञ्चकृमहे |
| सट्याञ्चभूव | सट्यामास | |
| आ० सट्यिषीष्ट | सट्यिषीयास्ताम् | सट्यिषीरन् |
| सट्यिषीष्टाः | सट्यिषीयाथाम् | सट्यिषीध्वम् |
| सट्यिषीय | सट्यिषीवहि | सट्यिषीमहि |
| व० सट्यिता | सट्यितारौ | सट्यितारः |
| सट्यितासे | सट्यितासाथे | सट्यिताध्वे |
| सट्यिताहे | सट्यितास्वहे | सट्यितस्वहे |
| अ० सट्यिष्यते | सट्यिष्येते | सट्यिष्यन्ते |
| सट्यिष्यसे | सट्यिष्येथे | सट्यिष्यध्वे |
| सट्येथे | सट्यिष्यावहे | सट्यिष्यामहे |
| कि० असट्यिष्यत | असट्यिष्यताम् | असट्यिष्यन्त |
| असट्यिष्यथाः | असट्यिष्येथाम् | असट्यिष्यध्वम् |
| असट्यिष्ये | असट्यिष्यावहि | असट्यिष्यामहि |

१६०७ स्फटण् (स्फट्) हिंसायाम्

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० स्फटयति | स्फटयतः | स्फटयन्ति |
| स्फटयसि | स्फटयथः | स्फटयथ |
| स्फटयामि | स्फटयावः | स्फटयामः |
| स० स्फटयेत् | स्फटयेताम् | स्फटयेयुः |
| स्फटयेः | स्फटयेतम् | स्फटयेत |
| स्फटयेयम् | स्फटयेव | स्फटयेम |
| प० स्फटयतु | स्फटयतात् | स्फटयताम् |
| स्फटय | स्फटयतात् | स्फटयतम् |
| स्फटयानि | स्फटयाव | स्फटयाम |
| स० अस्फटयत् | अस्फटयताम् | अस्फटयन् |
| अस्फटयः | अस्फटयतम् | अस्फटयत |
| अस्फटयम् | अस्फटयाव | अस्फटयाम |
| अ० अपिस्फटत् | अपिस्फटताम् | अपिस्फटन् |
| अपिस्फटः | अपिस्फटतम् | अपिस्फटत |
| अपिस्फटम् | अपिस्फटाव | अपिस्फटाम |
| प स्फटयाश्चकार | स्फटयाश्चक्रुः | स्फटयाश्चकुः |
| स्फटयाश्चकथे | स्फटयाश्चक्रुः | स्फटयाश्चक्र |
| स्फटयाश्चकार-चक्र | स्फटयाश्चक्रुव | स्फटयाश्चक्रुम |
| स्फटयाम्बभूव | स्फटयामास | |
| आ० स्फटयात् | स्फटयास्ताम् | स्फटयासुः |
| स्फटयाः | स्फटयास्तम् | स्फटयास्त |
| स्फटयासम् | स्फटयास्व | स्फटयास्म |
| श्व० स्फटयिता | स्फटयितारौ | स्फटयितारः |
| स्फटयितासि | स्फटयितास्थः | स्फटयितास्थ |
| स्फटयितास्मि | स्फटयितास्वः | स्फटयितास्मः |
| अ० स्फटयिष्यति | स्फटयिष्यतः | स्फटयिष्यन्ति |
| स्फटयिष्यसि | स्फटयिष्यथः | स्फटयिष्यथ |
| स्फटयिष्यामि | स्फटयिष्यावः | स्फटयिष्यामः |
| क्रि० अस्फटयिष्यत् | अस्फटयिष्यताम् | अस्फटयिष्यन् |
| अस्फटयिष्यः | अस्फटयिष्यतम् | अस्फटयिष्यत |
| अस्फटयिष्यम् | अस्फटयिष्याव | अस्फटयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| ब० स्फटयेते | स्फटयेते | स्फटयन्ते |
| स्फटयेसे | स्फटयेथे | स्फटयध्वे |
| स्फटये | स्फटयावहे | स्फटयामहे |
| स० स्फटयेत | स्फटयेयाताम् | स्फटयेरन् |
| स्फटयेथाः | स्फटयेयाथाम् | स्फटयेध्वम् |
| स्फटयेथ | स्फटयेवहि | स्फटयेमहि |
| प० स्फटयताम् | स्फटयेताम् | स्फटयन्ताम् |
| स्फटयस्व | स्फटयधाम् | स्फटयध्वम् |
| स्फटये | स्फटयावहे | स्फटयामहे |
| स० अस्फटयत् | अस्फटयेताम् | अस्फटयन्त |
| अस्फटयथा | अस्फटयेथाम् | अस्फटयध्वम् |
| अस्फटये | अस्फटयावहि | अस्फटयामहि |
| अ० अपिस्फटत् | अपिस्फटेताम् | अपिस्फटन्त |
| अपिस्फटथाः | अपिस्फटेथाम् | अपिस्फटध्वम् |
| अपिस्फटे | अपिस्फटावहि | अपिस्फटामहि |
| प० स्फटयाञ्चक्रे | स्फटयाञ्चक्राते | स्फटयाञ्चकिरे |
| स्फटयाञ्चक्रुषे | स्फटयाञ्चक्राथे | स्फटयाञ्चक्रुव |
| स्फटयाञ्चक्रे | स्फटयाञ्चक्रुहे | स्फटयाञ्चक्रुमहे |
| स्फटयाश्चभूव | स्फटयामास | |
| आ० स्फटयिषीष्ट | स्फटयिषीयास्ताम् | स्फटयिषीरन् |
| स्फटयिषीष्टाः | स्फटयिषीयास्थाम् | स्फटयिषीड्वम् |
| स्फटयिषीय | स्फटयिषीवहि | स्फटयिषीमहि |
| श्व० स्फटयिता | स्फटयितारौ | स्फटयितारः |
| स्फटयितासे | स्फटयितासाथे | स्फटयिताध्वे |
| स्फटयिताहे | स्फटयितास्वहे | स्फटयितास्महे |
| अ० स्फटयिष्येते | स्फटयिष्येते | स्फटयिष्यन्ते |
| स्फटयिष्येसे | स्फटयिष्येथे | स्फटयिष्यध्वे |
| स्फटयिष्ये | स्फटयिष्यावहे | स्फटयिष्यामहे |
| क्रि० अस्फटयिष्यत् | अस्फटयिष्येताम् | अस्फटयिष्यन्त |
| अस्फटयिष्यथाः | अस्फटयिष्येथाम् | अस्फटयिष्यध्वम् |
| अस्फटयिष्ये | अस्फटयिष्यावहि | अस्फटयिष्यामहि |

1612 स्फुटण् (स्फुट्) परिहासे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० स्फुटयति | स्फुटयतः | स्फुटयन्ति |
| स्फुटयसि | स्फुटयथः | स्फुटयथ |
| स्फुटयामि | स्फुटयावः | स्फुटयामः |
| स० स्फुटयेत् | स्फुटयेताम् | स्फुटयेयुः |
| स्फुटयेः | स्फुटयेतम् | स्फुटयेत |
| स्फुटयेयम् | स्फुटयेव | स्फुटयेम |
| प० स्फुटयतु | स्फुटयतात् | स्फुटयताम् |
| स्फुटय | स्फुटयतात् | स्फुटयतम् |
| स्फुटयानि | स्फुटयाव | स्फुटयाम |
| ल० अस्फुटयत् | अस्फुटयताम् | अस्फुटयन् |
| अस्फुटयः | अस्फुटयतम् | अस्फुटयत |
| अस्फुटयम् | अस्फुटयाव | अस्फुटयाम |
| भ० अपुस्फुटत् | अपुस्फुटताम् | अपुस्फुटन् |
| अपुस्फुटः | अपुस्फुटतम् | अपुस्फुटत |
| अपुस्फुटम् | अपुस्फुटाव | अपुस्फुटाम |
| प० स्फुटयाञ्चकार | स्फुटयाञ्चकतुः | स्फुटयाञ्चकः |
| स्फुटयाञ्चक्यै | स्फुटयाञ्चक्युः | स्फुटयाञ्चक |
| स्फुटयाञ्चकार-चकर | स्फुटयाञ्चकृव | स्फुटयाञ्चकृम |
| स्फुटयाम्बभूव | स्फुटयामास | |
| आ० स्फुटयात् | स्फुटयास्ताम् | स्फुटयासुः |
| स्फुटयाः | स्फुटयास्तम् | स्फुटयास्त |
| स्फुटयासम् | स्फुटयास्व | स्फुटयास्म |
| श्व० स्फुटयिता | स्फुटयितारौ | स्फुटयितारः |
| स्फुटयितासि | स्फुटयितास्थः | स्फुटयितास्थ |
| स्फुटयितास्मि | स्फुटयितास्वः | स्फुटयितास्मः |
| भ० स्फुटयिष्यति | स्फुटयिष्यतः | स्फुटयिष्यन्ति |
| स्फुटयिष्यसि | स्फुटयिष्यथः | स्फुटयिष्यथ |
| स्फुटयिष्यामि | स्फुटयिष्यावः | स्फुटयिष्यामः |
| क्रि० अस्फुटयिष्यत् | अस्फुटयिष्यताम् | अस्फुटयिष्यन् |
| अस्फुटयिष्यः | अस्फुटयिष्यतम् | अस्फुटयिष्यत |
| अस्फुटयिष्यम् | अस्फुटयिष्याव | अस्फुटयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० स्फुटयते | स्फुटयेते | स्फुटयन्ते |
| स्फुटयसे | स्फुटयेथे | स्फुटयध्वे |
| स्फुटये | स्फुटयावहे | स्फुटयामहे |
| स० स्फुटयेत | स्फुटयेयाताम् | स्फुटयेरन् |
| स्फुटयेथाः | स्फुटयेथायाम् | स्फुटयेध्वम् |
| स्फुटयेय | स्फुटयेवहि | स्फुटयेमहि |
| प० स्फुटयताम् | स्फुटयेताम् | स्फुटयन्ताम् |
| स्फुटयस्व | स्फुटयेथाम् | स्फुटयध्वम् |
| स्फुटये | स्फुटयावहे | स्फुटयामहे |
| ल० अस्फुटयत | अस्फुटयेताम् | अस्फुटयन्त |
| अस्फुटयथाः | अस्फुटयेथाम् | अस्फुटयध्वम् |
| अस्फुटये | अस्फुटयावहि | अस्फुटयामहि |
| भ० अपुस्फुटत | अपुस्फुटेताम् | अपुस्फुटन्त |
| अपुस्फुटथाः | अपुस्फुटेथाम् | अपुस्फुटध्वम् |
| अपुस्फुटे | अपुस्फुटावहि | अपुस्फुटामहि |
| प० स्फुटयाञ्चक्रे | स्फुटयाञ्चकृते | स्फुटयाञ्चकृते |
| स्फुटयाञ्चकृषे | स्फुटयाञ्चकृषे | स्फुटयाञ्चकृष्वे |
| स्फुटयाञ्चक्रे | स्फुटयाञ्चकृवहे | स्फुटयाञ्चकृमहे |
| स्फुटयाम्बभूव | स्फुटयामास | |
| आ० स्फुटयिषीष्ट | स्फुटयिषीगस्ताम् | स्फुटयिषीरन् |
| स्फुटयिषीष्टाः | स्फुटयिषीयास्थाम् | स्फुटयिषीह्वम् |
| स्फुटयिषीय | स्फुटयिषीवहि | स्फुटयिषीमहि |
| श्व० स्फुटयिता | स्फुटयितारौ | स्फुटयितारः |
| स्फुटयितासे | स्फुटयितासाथे | स्फुटयिताध्वे |
| स्फुटयिताहे | स्फुटयितास्वहे | स्फुटयितास्महे |
| भ० स्फुटयिष्यते | स्फुटयिष्येते | स्फुटयिष्यन्ते |
| स्फुटयिष्यसे | स्फुटयिष्येथे | स्फुटयिष्यध्वे |
| स्फुटयिष्ये | स्फुटयिष्यावहे | स्फुटयिष्यामहे |
| क्रि० अस्फुटयिष्यत | अस्फुटयिष्येताम् | अस्फुटयिष्यन्त |
| अस्फुटयिष्यथाः | अस्फुटयिष्येथाम् | अस्फुटयिष्यध्वम् |
| अस्फुटयिष्ये | अस्फुटयिष्यावहि | अस्फुटयिष्यामहि |

1613 कीटण् (कीट्) वर्णने ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० कीटयति | कीटयतः | कीटयन्ति |
| कीटयसि | कीटयथः | कीटयथ |
| कीटयामि | कीटयावः | कीटयामः |
| स० कीटयेत् | कीटयेताम् | कीटयेयुः |
| कीटयेः | कीटयेतम् | कीटयेत |
| कीटयेयम् | कीटयेव | कीटयेम |
| ब० कीटयतु | कीटयतात् | कीटयन्तु |
| कीटय | कीटयतात् | कीटयतम् |
| कीटयानि | कीटयाव | कीटयाम |
| ह० अकीटयत् | अकीटयताम् | अकीटयन् |
| अकीटयः | अकीटयतम् | अकीटयत |
| अकीटयम् | अकीटयाव | अकीटयाम |
| अ० अचीकिटत् | अचीकिटताम् | अचीकिटन् |
| अचीकिटः | अचीकिटतम् | अचीकिटत |
| अचीकिटम् | अचीकिटाव | अचीकिटाम |
| प० कीटयाञ्चकार | कीटयाञ्चकतुः | कीटयाञ्चकुः |
| कीटयाञ्चकथै | कीटयाञ्चकथुः | कीटयाञ्चक |
| कीटयाञ्चकार-चकर | कीटयाञ्चकृव | कीटयाञ्चकृम |
| कीटयाञ्चभूव | । | कीटयामास |
| आ० कीटयात् | कीटयास्ताम् | कीटयासुः |
| कीटयाः | कीटयास्तम् | कीटयास्त |
| कीटयासम् | कीटयास्व | कीटयास्म |
| श्व० कीटयिता | कीटयितारौ | कीटयितारः |
| कीटयितासि | कीटयितास्थः | कीटयितास्थ |
| कीटयितास्मि | कीटयितास्वः | कीटयितास्मः |
| म० कीटयिष्यति | कीटयिष्यतः | कीटयिष्यन्ति |
| कीटयिष्यसि | कीटयिष्यथः | कीटयिष्यथ |
| कीटयिष्यामि | कीटयिष्यावः | कीटयिष्यामः |
| क्रि० अकीटयिष्यत् | अकीटयिष्यताम् | अकीटयिष्यन् |
| अकीटयिष्यः | अकीटयिष्यतम् | अकीटयिष्यत |
| अकीटयिष्यम् | अकीटयिष्याव | अकीटयिष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|-----------------|
| व० कीटयते | कीटयेते | कीटयन्ते |
| कीटयसे | कीटयेथे | कीटयध्वे |
| कीटये | कीटयावहे | कीटयामहे |
| स० कीटयेत | कीटयेयाताम् | कीटयेरन् |
| कीटयेथाः | कीटयेयाथाम् | कीटयेध्वम् |
| कीटयेय | कीटयेवहि | कीटयेमहि |
| प० कीटयताम् | कीटयेताम् | कीटयन्ताम् |
| कीटयस्व | कीटयेथाम् | कीटयध्वम् |
| कीटये | कीटयावहै | कीटयामहै |
| ह्य० अकीटयत | अकीटयेताम् | अकीटयन्त |
| अकीटयथाः | अकीटयेथाम् | अकीटयध्वम् |
| अकीटये | अकीटयावहि | अकीटयामहि |
| अ० अचीकिटत | अचीकिटेताम् | अचीकिटन्त |
| अचीकिटथाः | अचीकिटेथाम् | अचीकिटध्वम् |
| अचीकिटे | अचीकिटावहि | अचीकिटामहि |
| प० कीटयाञ्चके | कीटयाञ्चकते | कीटयाञ्चकिरे |
| कीटयाञ्चकृषे | कीटयाञ्चक्राथे | कीटयाञ्चकृद्वे |
| कीटयाञ्चके | कीटयाञ्चकृवहे | कीटयाञ्चकृद्वहे |
| कीटयाम्बभूव | । | कीटयामास |
| आ० कीटयिषीष्ट | कीटयिषीगस्ताम् | कीटयिषीरन् |
| कीटयिषीष्टाः | कीटयिषीयाथाम् | कीटयिषीद्वम् |
| कीटयिषीय | कीटयिषीवहि | कीटयिषीमहि |
| श्व० कीटयिता | कीटयितारौ | कीटयितारः |
| कीटयितासे | कीटयितासाथे | कीटयिताध्वे |
| कीटयिताहे | कीटयितास्वहे | कीटयितास्महे |
| म० कीटयिष्यते | कीटयिष्येते | कीटयिष्यन्ते |
| कीटयिष्यसे | कीटयिष्येथे | कीटयिष्यध्वे |
| कीटयिष्ये | कीटयिष्यावहे | कीटयिष्यामहे |
| क्रि० अकीटयिष्यत | अकीटयिष्येताम् | अकीटयिष्यन्त |
| अकीटयिष्यथाः | अकीटयिष्येथाम् | अकीटयिष्यध्वम् |
| अकीटयिष्ये | अकीटयिष्यावहि | अकीटयिष्यामहि |

1614 वटण् (वण्ट्) विभाजने । 205 वटवट्टपाणि
 1615 रुटण् (रुट्) रोषे । 940 रुटिवट्टपाणि
 1616 शटण् [शट्] संस्कारगत्योः । 222 शटवट्टपाणि

1617 श्वाठण् (श्वट्) संस्कारगत्योः ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | श्वाठयति | श्वाठयतः | श्वाठयन्ति |
| | श्वाठयसि | श्वाठयथः | श्वाठयथ |
| | श्वाठयामि | श्वाठयावः | श्वाठयामः |
| स० | श्वाठयेत् | श्वाठयेताम् | श्वाठयेयुः |
| | श्वाठयेः | श्वाठयेतम् | श्वाठयेत |
| | श्वाठयेयम् | श्वाठयेव | श्वाठयेम |
| प० | श्वाठयतु | श्वाठयतात् | श्वाठयन्तु |
| | श्वाठय | श्वाठयतात् | श्वाठयतम् |
| | श्वाठयन्ति | श्वाठयाव | श्वाठयाम |
| ह्य० | अश्वाठयत् | अश्वाठयताम् | अश्वाठयन् |
| | अश्वाठयः | अश्वाठयतम् | अश्वाठयत |
| | अश्वाठयम् | अश्वाठयाव | अश्वाठयाम |
| अ० | अशिश्वटत् | अशिश्वटताम् | अशिश्वटन् |
| | अशिश्वटः | अशिश्वटतम् | अशिश्वटत |
| | अशिश्वटम् | अशिश्वटाव | अशिश्वटाम |
| प० | श्वाठयाश्चकार | श्वाठयाश्चक्रुः | श्वाठयाश्चकुः |
| | श्वाठयाश्चकथं | श्वाठयाश्चकथु | श्वाठयाश्चक |
| | श्वाठयाश्चकार-चकर | श्वाठयाश्चकृव | श्वाठयाश्चकृम |
| | श्वाठयाम्बभूव | । | श्वाठयामास |
| आ० | श्वाठयात् | श्वाठयास्ताम् | श्वाठयासुः |
| | श्वाठयाः | श्वाठयास्तम् | श्वाठयास्त |
| | श्वाठयासम् | श्वाठयास्व | श्वाठयास्म |
| श्व० | श्वाठयिता | श्वाठयितारौ | श्वाठयितारः |
| | श्वाठयितासि | श्वाठयितास्यः | श्वाठयितास्थ |
| | श्वाठयितास्मि | श्वाठयितास्वः | श्वाठयितास्मः |
| भ० | श्वाठयिष्यति | श्वाठयिष्यतः | श्वाठयिष्यन्ति |
| | श्वाठयिष्यसि | श्वाठयिष्यथः | श्वाठयिष्यथ |
| | श्वाठयिष्यामि | श्वाठयिष्यावः | श्वाठयिष्यामः |
| क्रि० | अश्वाठयिष्यत् | अश्वाठयिष्यताम् | अश्वाठयिष्यन् |
| | अश्वाठयिष्यः | अश्वाठयिष्यतम् | अश्वाठयिष्यत |
| | अश्वाठयिष्यम् | अश्वाठयिष्याव | अश्वाठयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | श्वाठयते | श्वाठयत | श्वाठयन्ते |
| | श्वाठयसे | श्वाठयथे | श्वाठयध्वे |
| | श्वाठये | श्वाठयावहे | श्वाठयामहे |
| स० | श्वाठयेत | श्वाठयेयाताम् | श्वाठयेरन् |
| | श्वाठयेथाः | श्वाठयेथाम् | श्वाठयेध्वम् |
| | श्वाठयेय | श्वाठयेवहि | श्वाठयेमहि |
| प० | श्वाठयताम् | श्वाठयेताम् | श्वाठयन्ताम् |
| | श्वाठयस्व | श्वाठयेथाम् | श्वाठयध्वम् |
| | श्वाठयै | श्वाठयावहे | श्वाठयामहे |
| ह्य० | अश्वाठयत | अश्वाठयेताम् | अश्वाठयन्त |
| | अश्वाठयथाः | अश्वाठयेथाम् | अश्वाठयध्वम् |
| | अश्वाठये | अश्वाठयावहि | अश्वाठयामहि |
| अ० | अशिश्वटत | अशिश्वटेताम् | अशिश्वटन्त |
| | अशिश्वटथाः | अशिश्वटेथाम् | अशिश्वटध्वम् |
| | अशिश्वटे | अशिश्वटावहि | अशिश्वटामहि |
| प० | श्वाठयाश्चके | श्वाठयाश्चकाते | श्वाठयाश्चकिरे |
| | श्वाठयाश्चकृषे | श्वाठयाश्चक्राये | श्वाठयाश्चकृद्वे |
| | श्वाठयाश्चक्रे | श्वाठयाश्चकृवहे | श्वाठयाश्चकृमहे |
| | श्वाठयाम्बभूव | । | श्वाठयामास |
| आ० | श्वाठयिषीष्ट | श्वाठयिषीयास्ताम् | श्वाठयिषीरन् |
| | श्वाठयिषीष्टाः | श्वाठयिषीयास्थाम् | श्वाठयिषीद्वम् |
| | श्वाठयिषीय | श्वाठयिषीवहि | श्वाठयिषीमहि |
| श्व० | श्वाठयिता | श्वाठयितारौ | श्वाठयितारः |
| | श्वाठयितासि | श्वाठयितासथे | श्वाठयिताध्वे |
| | श्वाठयिताहे | श्वाठयितास्वहे | श्वाठयितास्महे |
| भ० | श्वाठयिष्यते | श्वाठयिष्येते | श्वाठयिष्यन्ते |
| | श्वाठयिष्यसे | श्वाठयिष्येथे | श्वाठयिष्यध्वे |
| | श्वाठयिष्ये | श्वाठयिष्यावहे | श्वाठयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्वाठयिष्यत | अश्वाठयिष्येताम् | अश्वाठयिष्यन्त |
| | अश्वाठयिष्यथाः | अश्वाठयिष्येथाम् | अश्वाठयिष्यध्वम् |
| | अश्वाठयिष्ये | अश्वाठयिष्यावहि | अश्वाठयिष्यामहि |

1618 इवण् (इवण्) संस्कारगत्योः ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० इवण् यति | इवण् यत | इवण् यन्ति |
| इवण् यसि | इवण् यथः | इवण् यथ |
| इवण् यामि | इवण् यावः | इवण् यामः |
| स० इवण् येत् | इवण् येताम् | इवण् येयुः |
| इवण् येः | इवण् येतम् | इवण् येत |
| इवण् येयम् | इवण् येव | इवण् येम |
| प० इवण् यतु | इवण् यतात् | इवण् यताम् |
| इवण् य | इवण् यतात् | इवण् यतम् |
| इवण् यानि | इवण् याव | इवण् याम |
| झ० अइवण् यत् | अइवण् यताम् | अइवण् यन् |
| अइवण् यः | अइवण् यतम् | अइवण् यत |
| अइवण् यम् | अइवण् याव | अइवण् याम |
| अ० अशइवण् ट् | अशइवण् टाम् | अशइवण् टन् |
| अशइवण् टः | अशइवण् टतम् | अशइवण् टत |
| अशइवण् टम् | अशइवण् टाव | अशइवण् टाम |
| प० इवण् याश्चकार | इवण् याश्चकतुः | इवण् याश्चकुः |
| इवण् याश्चकथं | इवण् याश्चकथुः | इवण् याश्चक |
| इवण् याश्चकार-चकर | इवण् याश्चकृव | इवण् याश्चकृम |
| इवण् याश्चभूव | इवण् याश्चभूव | इवण् याश्चभूव |
| आ० इवण् यात् | इवण् यास्ताम् | इवण् यासुः |
| इवण् याः | इवण् यास्तम् | इवण् यास्त |
| इवण् यासम् | इवण् यास्व | इवण् यास्म |
| श्व० इवण् यिता | इवण् यितारौ | इवण् यितारः |
| इवण् यितासि | इवण् यितास्थः | इवण् यितास्थ |
| इवण् यितास्मि | इवण् यितास्वः | इवण् यितास्मः |
| भ० इवण् यिष्यति | इवण् यिष्यतः | इवण् यिष्यन्ति |
| इवण् यिष्यसि | इवण् यिष्यथः | इवण् यिष्यथ |
| इवण् यिष्यामि | इवण् यिष्यावः | इवण् यिष्यामः |
| क्रि० अइवण् यिष्यत् | अइवण् यिष्यताम् | अइवण् यिष्यन् |
| अइवण् यिष्यः | अइवण् यिष्यताम् | अइवण् यिष्यत |
| अइवण् यिष्यम् | अइवण् यिष्याव | अइवण् यिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० इवण् यते | इवण् येते | इवण् यन्ते |
| इवण् यसे | इवण् येथे | इवण् यन्वे |
| इवण् ये | इवण् यावहे | इवण् यामहे |
| स० इवण् यंत | इवण् येयाताम् | इवण् येरन् |
| इवण् येथाः | इवण् येयाथाम् | इवण् येध्वम् |
| इवण् येय | इवण् येवहि | इवण् येमहि |
| प० इवण् यताम् | इवण् येताम् | इवण् यन्ताम् |
| इवण् यस्व | इवण् येथाम् | इवण् यध्वम् |
| इवण् ये | इवण् यावहे | इवण् यामहे |
| झ० अइवण् यत | अइवण् येताम् | अइवण् यन्त |
| अइवण् यथाः | अइवण् येथाम् | अइवण् यध्वम् |
| अइवण् ये | अइवण् यावहि | अइवण् यामहि |
| अ० अशइवण् टत | अशइवण् टेताम् | अशइवण् टन्त |
| अशइवण् टथाः | अशइवण् टेथाम् | अशइवण् टध्वम् |
| अशइवण् टे | अशइवण् टावहि | अशइवण् टामहि |
| प० इवण् याश्चक्रे | इवण् याश्चकाते | इवण् याश्चकिरे |
| इवण् याश्चकृषे | इवण् याश्चक्राथे | इवण् याश्चकृइवे |
| इवण् याश्चक्रे | इवण् याश्चकृवहे | इवण् याश्चकृमहे |
| इवण् याश्चभूव | इवण् याश्चभूव | इवण् याश्चभूव |
| आ० इवण् यिषीष्ट | इवण् यिषीयास्ताम् | इवण् यिषीरन् |
| इवण् यिषीष्टाः | इवण् यिषीयास्थाम् | इवण् यिषीइवम् |
| इवण् यिषीय | इवण् यिषीवहि | इवण् यिषीमहि |
| श्व० इवण् यिता | इवण् यितारौ | इवण् यितारः |
| इवण् यितासे | इवण् यितासाथे | इवण् यितास्व |
| इवण् यिताहे | इवण् यितास्वहे | इवण् यितास्महे |
| भ० इवण् यिष्यते | इवण् यिष्येते | इवण् यिष्यन्ते |
| इवण् यिष्यसे | इवण् यिष्येथे | इवण् यिष्यन्वे |
| इवण् यिष्ये | इवण् यिष्यावहे | इवण् यिष्यामहे |
| क्रि० अइवण् यिष्यत | अइवण् यिष्येताम् | अइवण् यिष्यन्त |
| अइवण् यिष्यथाः | अइवण् यिष्येथाम् | अइवण् यिष्यध्वम् |
| अइवण् यिष्ये | अइवण् यिष्यावहि | अइवण् यिष्यामहि |

1621 गुठण् (गुठ्) कृष्टने

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | गुठयति | गुठयतः | गुठयन्ति |
| | गुठयसि | गुठयथः | गुठयथ |
| | गुठयामि | गुठयावः | गुठयामः |
| म० | गुठयेत् | गुठयेताम् | गुठयेयुः |
| | गुठयेः | गुठयेतम् | गुठयेत |
| | गुठयेयम् | गुठयेव | गुठयेम |
| प० | गुठयतु | गुठयतात् | गुठयन्तु |
| | गुठय | गुठयतात् | गुठयतम् |
| | गुठयानि | गुठयाव | गुठयाम |
| ह्य० | अगुठयत् | अगुठयताम् | अगुठयन् |
| | अगुठयः | अगुठयतम् | अगुठयत |
| | अगुठयम् | अगुठयाव | अगुठयाम |
| अ० | अजुगुठत् | अजुगुठताम् | अजुगुठन् |
| | अजुगुठः | अजुगुठतम् | अजुगुठत |
| | अजुगुठम् | अजुगुठाव | अजुगुठाम |
| प० | गुठयाञ्चकार | गुठयाञ्चकतुः | गुठयाञ्चकुः |
| | गुठयाञ्चकथै | गुठयाञ्चकथुः | गुठयाञ्चक |
| | गुठयाञ्चकार-चकर | गुठयाञ्चकृव | गुठयाञ्चकृम |
| | गुठयाम्बभूव | । | गुठयामास |
| आ० | गुठयात् | गुठयास्ताम् | गुठयासुः |
| | गुठयाः | गुठयास्तम् | गुठयास्त |
| | गुठयासम् | गुठयास्व | गुठयास्म |
| श्व० | गुठयिता | गुठयितारौ | गुठयितारः |
| | गुठयितासि | गुठयितास्थः | गुठयितास्थ |
| | गुठयितास्मि | गुठयितास्वः | गुठयितास्मः |
| म० | गुठयिष्यति | गुठयिष्यतः | गुठयिष्यन्ति |
| | गुठयिष्यसि | गुठयिष्यथः | गुठयिष्यथ |
| | गुठयिष्यामि | गुठयिष्यावः | गुठयिष्यामः |
| क्रि० | अगुठयिष्यत् | अगुठयिष्यताम् | अगुठयिष्यन् |
| | अगुठयिष्यः | अगुठयिष्यतम् | अगुठयिष्यत |
| | अगुठयिष्यम् | अगुठयिष्याव | अगुठयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|------------------|
| व० | गुठयते | गुठयते | गुठयन्ते |
| | गुठयसे | गुठयेथे | गुठयन्थे |
| | गुठये | गुठयावहे | गुठयामहे |
| स० | गुठयेत | गुठयेयाताम् | गुठयेरन् |
| | गुठयेथाः | गुठयेयाथाम् | गुठयेध्वम् |
| | गुठयेय | गुठयेवहि | गुठयेमहि |
| प० | गुठयताम् | गुठयेताम् | गुठयन्ताम् |
| | गुठयस्व | गुठयेथाम् | गुठयन्ध्वम् |
| | गुठये | गुठयावहे | गुठयामहे |
| ह्य० | अगुठयत | अगुठयेताम् | अगुठयन्त |
| | अगुठयथाः | अगुठयेथाम् | अगुठयन्ध्वम् |
| | अगुठये | अगुठयावहि | अगुठयामहि |
| अ० | अजुगुठत | अजुगुठेताम् | अजुगुठन्त |
| | अजुगुठथाः | अजुगुठेथाम् | अजुगुठन्ध्वम् |
| | अजुगुठे | अजुगुठावहि | अजुगुठामहि |
| प० | गुठयाञ्चके | गुठयाञ्चकाते | गुठयाञ्चकिरे |
| | गुठयाञ्चकृषे | गुठयाञ्चक्राये | गुठयाञ्चकृद्वे |
| | गुठयाञ्चके | गुठयाञ्चकृवहे | गुठयाञ्चकृमहे |
| | गुठयाम्बभूव | । | गुठयामास |
| आ० | गुठयिषीष्ट | गुठयिषीस्ताम् | गुठयिषीरन् |
| | गुठयिषीष्टाः | गुठयिषीस्थां | गुठयिषीद्वम् |
| | गुठयिषीय | गुठयिषीवहि | गुठयिषीमहि |
| श्व० | गुठयिता | गुठयितारौ | गुठयितारः |
| | गुठयितासे | गुठयितासाथे | गुठयितान्थे |
| | गुठयिताहे | गुठयितास्वहे | गुठयितास्महे |
| म० | गुठयिष्यते | गुठयिष्येते | गुठयिष्यन्ते |
| | गुठयिष्यसे | गुठयिष्येथे | गुठयिष्यन्थे |
| | गुठयिष्ये | गुठयिष्यावहे | गुठयिष्यामहे |
| क्रि० | अगुठयिष्यत | अगुठयिष्येताम् | अगुठयिष्यन्त |
| | अगुठयिष्यथाः | अगुठयिष्येथाम् | अगुठयिष्यन्ध्वम् |
| | अगुठयिष्ये | अगुठयिष्यावहि | अगुठयिष्यामहि |

1623 स्फुण्ड (स्फुण्ड) परिहासे ।

| | | |
|-----------------------|-------------------|------------------|
| व० स्फुण्डयति | स्फुण्डयतः | स्फुण्डयन्ति |
| स्फुण्डयसि | स्फुण्डयथः | स्फुण्डयथ |
| स्फुण्डयामि | स्फुण्डयावः | स्फुण्डयामः |
| स० स्फुण्डयेत् | स्फुण्डयेताम् | स्फुण्डयेयुः |
| स्फुण्डयेः | स्फुण्डयेतम् | स्फुण्डयेत |
| स्फुण्डयेयम् | स्फुण्डयेव | स्फुण्डयेम |
| प० स्फुण्डयतु | स्फुण्डयतात् | स्फुण्डयताम् |
| स्फुण्डय | स्फुण्डयतात् | स्फुण्डयतम् |
| स्फुण्डयानि | स्फुण्डयाव | स्फुण्डयाम |
| ह्य० अस्फुण्डयत् | अस्फुण्डयताम् | अस्फुण्डयन् |
| अस्फुण्डयः | अस्फुण्डयतम् | अस्फुण्डयत |
| अस्फुण्डयम् | अस्फुण्डयाव | अस्फुण्डयाम |
| अ० अपुस्फुण्डत् | अपुस्फुण्डताम् | अपुस्फुण्डन् |
| अपुस्फुण्डः | अपुस्फुण्डतम् | अपुस्फुण्डत |
| अपुस्फुण्डम् | अपुस्फुण्डाव | अपुस्फुण्डाम |
| प स्फुण्डयाञ्चकार | स्फुण्डयाञ्चकतुः | स्फुण्डयाञ्चकु |
| स्फुण्डयाञ्चकथं | स्फुण्डयाञ्चकथुः | स्फुण्डयाञ्चक |
| स्फुण्डयाञ्चकार-चकर | स्फुण्डयाञ्चकृव | स्फुण्डयाञ्चकृम |
| स्फुण्डयाम्बभूव | स्फुण्डयामास | |
| आ० स्फुण्डयात् | स्फुण्डयास्ताम् | स्फुण्डयासुः |
| स्फुण्डयाः | स्फुण्डयास्तम् | स्फुण्डयास्त |
| स्फुण्डयासम् | स्फुण्डयास्व | स्फुण्डयास्म |
| श्व० स्फुण्डयिता | स्फुण्डयितारौ | स्फुण्डयितारः |
| स्फुण्डयितासि | स्फुण्डयितास्थः | स्फुण्डयितास्थ |
| स्फुण्डयितास्मि | स्फुण्डयितास्वः | स्फुण्डयितास्मः |
| भ० स्फुण्डयिष्यति | स्फुण्डयिष्यतः | स्फुण्डयिष्यन्ति |
| स्फुण्डयिष्यसि | स्फुण्डयिष्यथः | स्फुण्डयिष्यथ |
| स्फुण्डयिष्यामि | स्फुण्डयिष्यावः | स्फुण्डयिष्यामः |
| क्रि० अस्फुण्डयिष्यत् | अस्फुण्डयिष्यताम् | अस्फुण्डयिष्यन् |
| अस्फुण्डयिष्यः | अस्फुण्डयिष्यतम् | अस्फुण्डयिष्यत |
| अस्फुण्डयिष्यम् | अस्फुण्डयिष्याव | अस्फुण्डयिष्याम |

| | | |
|-----------------------|---------------------|--------------------|
| व० स्फुण्डयते | स्फुण्डयेते | स्फुण्डयन्ते |
| स्फुण्डयसे | स्फुण्डयेथे | स्फुण्डयन्ते |
| स्फुण्डये | स्फुण्डयावहे | स्फुण्डयामहे |
| स० स्फुण्डयेत् | स्फुण्डयेयाताम् | स्फुण्डयेरन् |
| स्फुण्डयेथाः | स्फुण्डयेयाथाम | स्फुण्डयेध्वम् |
| स्फुण्डयेय | स्फुण्डयेवहि | स्फुण्डयेमहि |
| प० स्फुण्डयताम् | स्फुण्डयेताम् | स्फुण्डयन्ताम् |
| स्फुण्डयस्व | स्फुण्डयेथम् | स्फुण्डयध्वम् |
| स्फुण्डये | स्फुण्डयावहे | स्फुण्डयामहे |
| ह्य० अस्फुण्डयत | अस्फुण्डयेताम् | अस्फुण्डयन्त |
| अस्फुण्डयथाः | अस्फुण्डयेथा | अस्फुण्डयध्वम् |
| अस्फुण्डये | अस्फुण्डयावहि | अस्फुण्डयामहि |
| अ० अपुस्फुण्डत् | अपुस्फुण्डेताम् | अपुस्फुण्डन्त |
| अपुस्फुण्डयाः | अपुस्फुण्डेथाम् | अपुस्फुण्डध्वम् |
| अपुस्फुण्डे | अपुस्फुण्डावहि | अपुस्फुण्डामहि |
| प० स्फुण्डयाञ्चके | स्फुण्डयाञ्चकते | स्फुण्डयाञ्चकिरे |
| स्फुण्डयाञ्चकृषे | स्फुण्डयाञ्चकथे | स्फुण्डयाञ्चकृवहे |
| स्फुण्डयाञ्चके | स्फुण्डयाञ्चकृवहे | स्फुण्डयाञ्चकृमहे |
| स्फुण्डयाम्बभूव | स्फुण्डयामास | |
| आ० स्फुण्डयिषीष्ट | स्फुण्डयिषीयास्ताम् | स्फुण्डयिषीरन् |
| स्फुण्डयिषीष्टाः | स्फुण्डयिषीयास्थाम | स्फुण्डयिषीध्वम् |
| स्फुण्डयिषीय | स्फुण्डयिषीवहि | स्फुण्डयिषीमहि |
| श्व० स्फुण्डयिता | स्फुण्डयितारौ | स्फुण्डयितारः |
| स्फुण्डयितासे | स्फुण्डयितामथे | स्फुण्डयिताध्वे |
| स्फुण्डयिताहे | स्फुण्डयितास्वहे | स्फुण्डयितास्महे |
| भ० स्फुण्डयिष्यते | स्फुण्डयिष्येते | स्फुण्डयिष्यन्ते |
| स्फुण्डयिष्यसे | स्फुण्डयिष्येथे | स्फुण्डयिष्यन्ते |
| स्फुण्डयिष्य | स्फुण्डयिष्यावहे | स्फुण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अस्फुण्डयिष्यत् | अस्फुण्डयिष्यताम् | अस्फुण्डयिष्यन्त |
| अस्फुण्डयिष्यथाः | अस्फुण्डयिष्येथाम् | अस्फुण्डयिष्यध्वम् |
| अस्फुण्डयिष्ये | अस्फुण्डयिष्यावहि | अस्फुण्डयिष्यामहि |

1624 ओलडुण् (लण्ड्) उत्प्रेषे ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० लण्डयति | लण्डयतः | लण्डयन्ति |
| लण्डयसि | लण्डयथः | लण्डयथ |
| लण्डयामि | लण्डयावः | लण्डयामः |
| स० लण्डयेत् | लण्डयेताम् | लण्डयेयुः |
| लण्डयेः | लण्डयेतम् | लण्डयेत |
| लण्डयेयम् | लण्डयेव | लण्डयेम |
| प० लण्डयतु | लण्डयतात् | लण्डयताम् |
| लण्डय | लण्डयतात् | लण्डयतम् |
| लण्डयानि | लण्डयाव | लण्डयाम |
| झ० अलण्डयत् | अलण्डयताम् | अलण्डयन् |
| अलण्डयः | अलण्डयतम् | अलण्डयत |
| अलण्डयम् | अलण्डयाव | अलण्डयाम |
| भ० अलण्डत् | अलण्डताम् | अलण्डन् |
| अलण्डः | अलण्डतम् | अलण्डत |
| अलण्डम् | अलण्डाव | अलण्डाम |
| प० लण्डयाश्चकार | लण्डयाश्चकतुः | लण्डयाश्चक्रुः |
| लण्डयाश्चकथे | लण्डयाश्चकथुः | लण्डयाश्चक |
| लण्डयाश्चकर-चकर | लण्डयाश्चकृव | लण्डयाश्चकृम |
| लण्डयाश्चभूव | । | लण्डयासास |
| भा० लण्डयात् | लण्डयास्ताम् | लण्डयासुः |
| लण्डयाः | लण्डयास्तम् | लण्डयास्त |
| लण्डयासम् | लण्डयास्व | लण्डयास्म |
| श्र० लण्डयिता | लण्डयितारो | लण्डयितारः |
| लण्डयितासि | लण्डयितास्थः | लण्डयितास्थ |
| लण्डयितास्मि | लण्डयितास्वः | लण्डयितास्मः |
| भ० लण्डयिष्यति | लण्डयिष्यतः | लण्डयिष्यन्ति |
| लण्डयिष्यसि | लण्डयिष्यथः | लण्डयिष्यथ |
| लण्डयिष्यामि | लण्डयिष्यावः | लण्डयिष्यामः |
| क्रि० अलण्डयिष्यत् | अलण्डयिष्यताम् | अलण्डयिष्यन् |
| अलण्डयिष्यः | अलण्डयिष्यतम् | अलण्डयिष्यत |
| अलण्डयिष्यम् | अलण्डयिष्याव | अलण्डयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० लण्डयते | लण्डयते | लण्डयन्ते |
| लण्डयसे | लण्डयेथे | लण्डयन्ते |
| लण्डये | लण्डयावहे | लण्डयामहे |
| स० लण्डयेत | लण्डयेयाताम् | लण्डयेरन् |
| लण्डयेथाः | लण्डयेयाथाम् | लण्डयेध्वम् |
| लण्डयेथ | लण्डयेवहि | लण्डयेमहि |
| प० लण्डयताम् | लण्डयताम् | लण्डयन्ताम् |
| लण्डयस्व | लण्डयेथाम् | लण्डयध्वम् |
| लण्डये | लण्डयावहे | लण्डयामहे |
| झ० अलण्डयत | अलण्डयेताम् | अलण्डयन्त |
| अलण्डयथाः | अलण्डयेथाम् | अलण्डयध्वम् |
| अलण्डये | अलण्डयावहि | अलण्डयामहि |
| भ० अलण्डत् | अलण्डेताम् | अलण्डन्त |
| अलण्डयाः | अलण्डेथाम् | अलण्डध्वम् |
| अलण्डे | अलण्डावहि | अलण्डामहि |
| प० लण्डयाश्चक्रे | लण्डयाश्चकृते | लण्डयाश्चक्रे |
| लण्डयाश्चकृषे | लण्डयाश्चकृथे | लण्डयाश्चकृध्वे |
| लण्डयाश्चक्रे | लण्डयाश्चकृवहे | लण्डयाश्चकृमहे |
| लण्डयाश्चभूव | । | लण्डयामास |
| भा० लण्डयिषीष्ट | लण्डयिषीयास्ताम् | लण्डयिषीरन् |
| लण्डयिषीष्ठाः | लण्डयिषीयास्थाम् | लण्डयिषीध्वम् |
| लण्डयिषीय | लण्डयिषीवहि | लण्डयिषीमहि |
| श्र० लण्डयिता | लण्डयितारो | लण्डयितारः |
| लण्डयितासे | लण्डयितासाथे | लण्डयिताध्वे |
| लण्डयिताहे | लण्डयितास्वहे | लण्डयितास्महे |
| भ० लण्डयिष्यते | लण्डयिष्यते | लण्डयिष्यन्ते |
| लण्डयिष्यसे | लण्डयिष्येथे | लण्डयिष्यध्वे |
| लण्डयिष्ये | लण्डयिष्यावहे | लण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अलण्डयिष्यत | अलण्डयिष्येताम् | अलण्डयिष्यन्त |
| अलण्डयिष्यथाः | अलण्डयिष्येथाम् | अलण्डयिष्यध्वम् |
| अलण्डयिष्ये | अलण्डयिष्यावहि | अलण्डयिष्यामहि |

1625 पीडण् (पीड्) गहने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | पीडयति | पीडयतः | पीडयन्ति |
| | पीडयसि | पीडयथः | पीडयथ |
| | पीडयामि | पीडयावः | पीडयामः |
| स० | पीडयेत् | पीडयेताम् | पीडयेयुः |
| | पीडयेः | पीडयेतम् | पीडयेत |
| | पीडयेयम् | पीडयेव | पीडयेम |
| प० | पीडयतु | पीडयतात् | पीडयताम् |
| | पीडय | पीडयतात् | पीडयतम् |
| | पीडयानि | पीडयाव | पीडयाम |
| आ० | अपीडयत् | अपीडयताम् | अपीडयन् |
| | अपीडयः | अपीडयतम् | अपीडयत |
| | अपीडयम् | अपीडयाव | अपीडयाम |
| अ० | अपीडित् | अपीडिताम् | अपीडित् |
| | अपीडितः | अपीडितम् | अपीडित |
| | अपीडितम् | अपीडिताव | अपीडिताम |
| | अपिपीडित् | अपिपीडिताम् | अपिपीडित् इ० |
| प० | पीडयाञ्चकार | पीडयाञ्चकृतुः | पीडयाञ्चकृः |
| | पीडयाञ्चकथं | पीडयाञ्चकथुः | पीडयाञ्चक |
| | पीडयाञ्चकार-चकर | पीडयाञ्चकृव | पीडयाञ्चकृम |
| | पीडयाञ्चभूव | । | पीडयामास |
| आ० | पीडयात् | पीडयास्ताम् | पीडयासुः |
| | पीडयाः | पीडयास्तम् | पीडयास्त |
| | पीडयासम् | पीडयास्व | पीडयास्म |
| श्र० | पीडयिता | पीडयितारौ | पीडयितारः |
| | पीडयितासि | पीडयितास्थः | पीडयितास्थ |
| | पीडयितास्मि | पीडयितास्वः | पीडयितास्मः |
| भ० | पीडयिष्यति | पीडयिष्यतः | पीडयिष्यन्ति |
| | पीडयिष्यसि | पीडयिष्यथः | पीडयिष्यथ |
| | पीडयिष्यामि | पीडयिष्यावः | पीडयिष्यामः |
| क्रि० | अपीडयिष्यत | अपीडयिष्यताम् | अपीडयिष्यन् |
| | अपीडयिष्यः | अपीडयिष्यतम् | अपीडयिष्यत |
| | अपीडयिष्यम् | अपीडयिष्याव | अपीडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पीडयते | पीडयेते | पीडयन्ते |
| | पीडयसे | पीडयेथे | पीडयध्वे |
| | पीडये | पीडयावहे | पीडयामहे |
| स० | पीडयेत | पीडयेयाताम् | पीडयेरन् |
| | पीडयेथाः | पीडयेयाथाम् | पीडयेध्वम् |
| | पीडयेय | पीडयेवहि | पीडयेमहि |
| प० | पीडयताम् | पीडयेताम् | पीडयन्ताम् |
| | पीडयस्व | पीडयेथाम् | पीडयध्वम् |
| | पीडये | पीडयावहे | पीडयामहे |
| ह्य० | अपीडयत | अपीडयेताम् | अपीडयन्त |
| | अपीडयथाः | अपीडयेथाम् | अपीडयध्वम् |
| | अपीडये | अपीडयावहि | अपीडयामहि |
| अ० | अपीडित | अपीडितेताम् | अपीडितन्त |
| | अपीडितथाः | अपीडितेथाम् | अपीडितध्वम् |
| | अपीडिते | अपीडितावहि | अपीडितामहि |
| | अपिपीडित | अपिपीडितेताम् | अपिपीडितन्त इ० |
| प० | पीडयाञ्चक्रे | पीडयाञ्चकृते | पीडयाञ्चकृरे |
| | पीडयाञ्चकृषे | पीडयाञ्चकृषे | पीडयाञ्चकृषे |
| | पीडयाञ्चक्रे | पीडयाञ्चकृवहे | पीडयाञ्चकृमहे |
| | पीडयाम्बभूव | । | पीडयामास |
| आ० | पीडयिषीष्ट | पीडयिषीयास्ताम् | पीडयिषीरन् |
| | पीडयिषीष्टाः | पीडयिषीयास्थाम् | पीडयिषीदध्वम् |
| | पीडयिषीय | पीडयिषीवहि | पीडयिषीमहि |
| श्र० | पीडयिता | पीडयितारौ | पीडयितारः |
| | पीडयितासे | पीडयितास्थे | पीडयिताध्वे |
| | पीडयिताहे | पीडयितास्वहे | पीडयितास्महे |
| भ० | पीडयिष्यते | पीडयिष्येते | पीडयिष्यन्ते |
| | पीडयिष्यसे | पीडयिष्येथे | पीडयिष्यध्वे |
| | पीडयिष्ये | पीडयिष्यावहे | पीडयिष्यामहे |
| क्रि० | अपीडयिष्यत | अपीडयिष्येताम् | अपीडयिष्यन्त |
| | अपीडयिष्यथाः | अपीडयिष्येथाम् | अपीडयिष्यध्वम् |
| | अपीडयिष्ये | अपीडयिष्यावहि | अपीडयिष्यामहि |

1626 तडण् (तड्) आधाते ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | ताडयति | ताडयतः | ताडयन्ति |
| | ताडयसि | ताडयथः | ताडयथ |
| | ताडयामि | ताडयावः | ताडयामः |
| स० | ताडयेत् | ताडयेताम् | ताडयेयुः |
| | ताडयेः | ताडयेतम् | ताडयेत |
| | ताडयेयम् | ताडयेव | ताडयेम |
| प० | ताडयतु | ताडयतात् | ताडयताम् |
| | ताडय | ताडयतात् | ताडयतम् |
| | ताडयानि | ताडयाव | ताडयाम |
| ह्य० | अताडयत् | अताडयताम् | अताडयन् |
| | अताडयः | अताडयतम् | अताडयत |
| | अताडयम् | अताडयाव | अताडयाम |
| अ० | अतीतडत् | अतीतडताम् | अतीतडन् |
| | अतीतडः | अतीतडतम् | अतीतडत |
| | अतीतडम् | अतीतडाव | अतीतडाम |
| प० | ताडयाश्चकार | ताडयाश्चकतुः | ताडयाश्चकुः |
| | ताडयाश्चकथे | ताडयाश्चकथुः | ताडयाश्चकथ |
| | ताडयाश्चकार-चकर | ताडयाश्चकृव | ताडयाश्चकृम |
| | ताडयाम्बभूव | । | ताडयामास |
| आ० | ताडयात् | ताडयास्ताम् | ताडयासुः |
| | ताडयाः | ताडयास्तम् | ताडयास्त |
| | ताडयासम् | ताडयास्व | ताडयास्म |
| श्र० | ताडयिता | ताडयितारौ | ताडयितारः |
| | ताडयितासि | ताडयितास्थः | ताडयितास्थ |
| | ताडयितास्मि | ताडयितास्वः | ताडयितास्मः |
| अ० | ताडयिष्यति | ताडयिष्यतः | ताडयिष्यन्ति |
| | ताडयिष्यसि | ताडयिष्यथः | ताडयिष्यथ |
| | ताडयिष्यामि | ताडयिष्यावः | ताडयिष्यामः |
| क्रि० | अताडयिष्यत | अताडयिष्यताम् | अताडयिष्यन् |
| | अताडयिष्यः | अताडयिष्यतम् | अताडयिष्यत |
| | अताडयिष्यम् | अताडयिष्याव | अताडयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | ताडयते | ताडयेते | ताडयन्ते |
| | ताडयसे | ताडयेथे | ताडयध्वे |
| | ताडये | ताडयावहे | ताडयामहे |
| स० | ताडयेत | ताडयेयाताम् | ताडयेरन् |
| | ताडयेथाः | ताडयेथायाम् | ताडयेध्वम् |
| | ताडयेय | ताडयेवहि | ताडयेमहि |
| प० | ताडयताम् | ताडयेताम् | ताडयन्ताम् |
| | ताडयस्व | ताडयेथाम् | ताडयध्वम् |
| | ताडये | ताडयावहे | ताडयामहे |
| ह्य० | अताडयत | अताडयेताम् | अताडयन्त |
| | अताडयथाः | अताडयेथाम् | अताडयध्वम् |
| | अताडये | अताडयावहि | अताडयामहि |
| अ० | अतीतडत | अतीतडताम् | अतीतडन्त |
| | अतीतडथाः | अतीतडेथाम् | अतीतडध्वम् |
| | अतीतडे | अतीतडावहि | अतीतडामहि |
| प० | ताडयाश्चके | ताडयाश्चकाते | ताडयाश्चकिरे |
| | ताडयाश्चकृषे | ताडयाश्चकाथे | ताडयाश्चकृध्वे |
| | ताडयाश्चके | ताडयाश्चकृवहे | ताडयाश्चकृमहे |
| | ताडयाम्बभूव | । | ताडयामास |
| आ० | ताडयिषीष्ट | ताडयिषीषास्ताम् | ताडयिषीरन् |
| | ताडयिषीष्ठाः | ताडयिषीषास्थाम् | ताडयिषीध्वम् |
| | ताडयिषीय | ताडयिषीवहि | ताडयिषीमहि |
| श्र० | ताडयिता | ताडयितारौ | ताडयितारः |
| | ताडयितसे | ताडयितासाथे | ताडयिताध्वे |
| | ताडयिताहे | ताडयितावहे | ताडयितामहे |
| अ० | ताडयिष्यते | ताडयिष्येते | ताडयिष्यन्ते |
| | ताडयिष्यसे | ताडयिष्येथे | ताडयिष्यध्वे |
| | ताडयिष्ये | ताडयिष्यावहे | ताडयिष्यामहे |
| क्रि० | अताडयिष्यत | अताडयिष्यताम् | अताडयिष्यन्त |
| | अताडयिष्यथाः | अताडयिष्येथाम् | अताडयिष्यध्वम् |
| | अताडयिष्ये | अताडयिष्यावहि | अताडयिष्यामहि |

1627 खडण् (खड्) भेदे ।

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| व० खाडयति | खाडयतः | खाडयन्ति |
| खाडयसि | खाडयथः | खाडयथ |
| खडयामि | खाडयावः | खाडयामः |
| स० खाडयेत् | खाडयेताम् | खाडयेयुः |
| खाडयेः | खाडयेतम् | खाडयेत |
| खाडयेयम् | खाडयेव | खाडयेम |
| प० खाडयतु | खाडयतात् | खाडयताम् |
| खाडय | खाडयतात् | खाडयतम् |
| खाडयानि | खाडयाव | खाडयाम |
| ह्य० अखाडयत् | अखाडयताम् | अखाडयन् |
| अखाडयः | अखाडयतम् | अखाडयत |
| अखाडयम् | अखाडयाव | अखाडयाम |
| अ० अचीखडत् | अचीखडताम् | अचीखडन् |
| अचीखडः | अचीखडतम् | अचीखडत |
| अचीखडम | अचीखडाव | अचीखडाम |
| प० खाडयाञ्चकार | खाडयाञ्चकतुः | खाडयाञ्चकुः |
| खाडयाञ्चकथं | खाडयाञ्चकथुः | खाडयाञ्चक |
| खाडयाञ्चकार-चकर | खाडयाञ्चकृव | खाडयाञ्चकृम |
| खाडयाम्बभूव | । | खाडयामास |
| आ० खाडयात् | खाडयास्ताम् | खाडयासुः |
| खाडयाः | खाडयास्तम् | खाडयास्त |
| खाडयासम् | खाडयास्व | खाडयास्म |
| श्र० खाडयिता | खाडयितारौ | खाडयितारः |
| खाडयितासि | खाडयितास्थः | खाडयितास्थ |
| खाडयितास्मि | खाडयितास्वः | खाडयितास्मः |
| भ० खाडयिष्यति | खाडयिष्यतः | खाडयिष्यन्ति |
| खाडयिष्यसि | खाडयिष्यथः | खाडयिष्यथ |
| खाडयिष्यामि | खाडयिष्यावः | खाडयिष्यामः |
| क्रि० अखाडयिष्यत | अखाडयिष्यताम् | अखाडयिष्यन् |
| अखाडयिष्यः | अखाडयिष्यतम् | अखाडयिष्यत |
| अखाडयिष्यम् | अखाडयिष्याव | अखाडयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० खाडयते | खाडयते | खाडयन्ते |
| खाडयसे | खाडयथे | खाडयथे |
| खाडये | खाडयावहे | खाडयामहे |
| स० खाडयत | खाडयेयाताम् | खाडयेयन् |
| खाडयेथाः | खाडयेयाथाम् | खाडयेध्वम् |
| खाडयेय | खाडयेवहि | खाडयेमहि |
| प० खाडयताम् | खाडयेताम् | खाडयन्ताम् |
| खाडयस्व | खाडयेथाम् | खाडयध्वम् |
| खाडय | खाडयावहे | खाडयामहे |
| ह्य० अखाडयत | अखाडयेताम् | अखाडयन्त |
| अखाडयथाः | अखाडयेथाम् | अखाडयध्वम् |
| अखाडये | अखाडयावहि | अखाडयामहि |
| अ० अचीखडत | अचीखडेताम् | अचीखडन्त |
| अचीखडथाः | अचीखडेथाम् | अचीखडध्वम् |
| अचीखडे | अचीखडावहि | अचीखडामहि |
| प० खाडयाञ्चके | खाडयाञ्चकते | खाडयाञ्चकिरे |
| खाडयाञ्चकृषे | खाडयाञ्चकथे | खाडयाञ्चकृद्वे |
| खाडयाञ्चके | खाडया वकृवहे | खाडयाञ्चकृमहे |
| खाडयाम्बभूव | । | खाडयामास |
| आ० खाडयिषीष्ट | खाडयिषीयास्ताम् | खाडयिषीरन् |
| खाडयिषीष्ठाः | खाडयिषीयास्थाम् | खाडयिषीद्वम् |
| खाडयिषीय | खाडयिषीवहि | खाडयिषीमहि |
| श्र० खाडयिता | खाडयितारौ | खाडयितारः |
| खाडयितासे | खाडयितासाथे | खाडयिताध्वे |
| खाडयिताहे | खाडयितास्वहे | खाडयितास्महे |
| भ० खाडयिष्यते | खाडयिष्येते | खाडयिष्यन्ते |
| खाडयिष्यसे | खाडयिष्येथे | खाडयिष्यध्वे |
| खाडयिष्ये | खाडयिष्यावहे | खाडयिष्यामहे |
| क्रि० अखाडयिष्यत | अखाडयिष्येताम् | अखाडयिष्यन्त |
| अखाडयिष्यथाः | अखाडयिष्येथाम् | अखाडयिष्यध्वम् |
| अखाडयिष्ये | अखाडयिष्यावहि | अखाडयिष्यामहि |

1628 खडण् [खण्ड] भेदे । 688 खड्डवद्रूपणि
 1629 कडण् [कण्ड] खण्डने च । 255 कडवद्रूपणि
 1630 कुडण् (कुण्ड) रक्षणे । 690 कुडवद्रूपणि

1631 गुण् (गुण्) वेने च ।

| | | | |
|-------|---------------------|-------------------|------------------|
| व० | गुण्द्यति | गुण्द्यतः | गुण्द्यन्ति |
| | गुण्द्यसि | गुण्द्यथः | गुण्द्यथ |
| | गुण्द्यामि | गुण्द्यावः | गुण्द्यामः |
| स० | गुण्द्येत् | गुण्द्येताम् | गुण्द्येयुः |
| | गुण्द्येः | गुण्द्येतम् | गुण्द्येत |
| | गुण्द्येयम् | गुण्द्येव | गुण्द्येम |
| प० | गुण्द्यतु | गुण्द्यतात् | गुण्द्यताम् |
| | गुण्द्य | गुण्द्यतात् | गुण्द्यतम् |
| | गुण्द्यानि | गुण्द्याव | गुण्द्याम |
| ह्य० | अगुण्द्यत् | अगुण्द्यताम् | अगुण्द्यन् |
| | अगुण्द्यः | अगुण्द्यतम् | अगुण्द्यत |
| | अगुण्द्यम् | अगुण्द्याव | अगुण्द्याम |
| अ० | अजुगुण्द्यत् | अजुगुण्द्यताम् | अजुगुण्द्यन् |
| | अजुगुण्द्यः | अजुगुण्द्यतम् | अजुगुण्द्यत |
| | अजुगुण्द्यम् | अजुगुण्द्याव | अजुगुण्द्याम |
| प | गुण्द्याश्चकार | गुण्द्याश्चक्रतुः | गुण्द्याश्चक्रुः |
| | गुण्द्याश्चकर्थ | गुण्द्याश्चक्रथुः | गुण्द्याश्चक्र |
| | गुण्द्याश्चकार-चक्र | गुण्द्याश्चक्रव | गुण्द्याश्चक्रम |
| | गुण्द्याश्चभूव | गुण्द्यामास | |
| आ० | गुण्द्यात् | गुण्द्यास्ताम् | गुण्द्यासुः |
| | गुण्द्याः | गुण्द्यास्तम् | गुण्द्यास्त |
| | गुण्द्यासम् | गुण्द्यास्व | गुण्द्यासम् |
| श्व० | गुण्द्यिता | गुण्द्यितारौ | गुण्द्यितारः |
| | गुण्द्यितासि | गुण्द्यितास्थः | गुण्द्यितास्थ |
| | गुण्द्यितास्मि | गुण्द्यितास्वः | गुण्द्यितास्मः |
| भ० | गुण्द्यिष्यति | गुण्द्यिष्यतः | गुण्द्यिष्यन्ति |
| | गुण्द्यिष्यसि | गुण्द्यिष्यथः | गुण्द्यिष्यथ |
| | गुण्द्यिष्यामि | गुण्द्यिष्यावः | गुण्द्यिष्यामः |
| क्रि० | अगुण्द्यिष्यत् | अगुण्द्यिष्यताम् | अगुण्द्यिष्यन् |
| | अगुण्द्यिष्यः | अगुण्द्यिष्यतम् | अगुण्द्यिष्यत |
| | अगुण्द्यिष्यम् | अगुण्द्यिष्याव | अगुण्द्यिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|--------------------|-------------------|
| व० | गुण्द्यते | गुण्द्येते | गुण्द्यन्ते |
| | गुण्द्यसे | गुण्द्येथे | गुण्द्यन्वे |
| | गुण्द्ये | गुण्द्यावहे | गुण्द्यामहे |
| स० | गुण्द्येत | गुण्द्येयाताम् | गुण्द्येरन् |
| | गुण्द्येथाः | गुण्द्येथायाम् | गुण्द्येध्वम् |
| | गुण्द्येय | गुण्द्येवहि | गुण्द्येमहि |
| प० | गुण्द्यताम् | गुण्द्यताम् | गुण्द्यन्ताम् |
| | गुण्द्यस्व | गुण्द्येयाम् | गुण्द्यध्वम् |
| | गुण्द्ये | गुण्द्यावहे | गुण्द्यामहे |
| ह्य० | अगुण्द्यत | अगुण्द्यताम् | अगुण्द्यन्त |
| | अगुण्द्यथाः | अगुण्द्येयाम् | अगुण्द्यध्वम् |
| | अगुण्द्ये | अगुण्द्यावहि | अगुण्द्यामहि |
| अ० | अजुगुण्द्यत | अजुगुण्द्यताम् | अजुगुण्द्यन्त |
| | अजुगुण्द्यथाः | अजुगुण्द्येयाम् | अजुगुण्द्यध्वम् |
| | अजुगुण्द्ये | अजुगुण्द्यावहि | अजुगुण्द्यामहि |
| प० | गुण्द्याश्चक्रे | गुण्द्याश्चक्राते | गुण्द्याश्चक्रिरे |
| | गुण्द्याश्चक्रुः | गुण्द्याश्चक्रथे | गुण्द्याश्चक्रुवे |
| | गुण्द्याश्चक्रे | गुण्द्याश्चक्रवहे | गुण्द्याश्चक्रमहे |
| | गुण्द्याश्चभूव | गुण्द्यामास | |
| आ० | गुण्द्यिषीष्ट | गुण्द्यिषीयास्ताम् | गुण्द्यिषीरन् |
| | गुण्द्यिषीष्ठाः | गुण्द्यिषीयास्थाम् | गुण्द्यिषीध्वम् |
| | गुण्द्यिषीय | गुण्द्यिषीवहि | गुण्द्यिषीमहि |
| श्व० | गुण्द्यिता | गुण्द्यितारौ | गुण्द्यितारः |
| | गुण्द्यितासे | गुण्द्यितासाथे | गुण्द्यिताध्वे |
| | गुण्द्यिताहे | गुण्द्यितास्वहे | गुण्द्यितास्महे |
| भ० | गुण्द्यिष्यते | गुण्द्यिष्येते | गुण्द्यिष्यन्ते |
| | गुण्द्यिष्यसे | गुण्द्यिष्येथे | गुण्द्यिष्यन्वे |
| | गुण्द्यिष्ये | गुण्द्यिष्यावहे | गुण्द्यिष्यामहे |
| क्रि० | अगुण्द्यिष्यत | अगुण्द्यिष्येताम् | अगुण्द्यिष्यन्त |
| | अगुण्द्यिष्यथाः | अगुण्द्यिष्येयाम् | अगुण्द्यिष्यध्वम् |
| | अगुण्द्यिष्ये | अगुण्द्यिष्यावहि | अगुण्द्यिष्यामहि |

1632 चुडुण् (चुण्ड्) छेदने ।

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------|
| ब० चुण्डयति | चुण्डयतः | चुण्डयन्ति |
| चुण्डयसि | चुण्डयथः | चुण्डयथ |
| धुण्डयामि | चुण्डयावः | चुण्डयामः |
| स० चुण्डयेत् | चुण्डयेताम् | चुण्डयेयुः |
| चुण्डयेः | चुण्डयेतम् | चुण्डयेत |
| चुण्डयेयम् | चुण्डयेव | चुण्डयेम |
| प० चुण्डयतु | चुण्डयतात् | चुण्डयताम् |
| चुण्डय | चुण्डयतात् | चुण्डयतम् |
| चुण्डयानि | चुण्डयाव | चुण्डयाम |
| छ० अचुण्डयत् | अचुण्डयताम् | अचुण्डयन् |
| अचुण्डयः | अचुण्डयतम् | अचुण्डयत |
| अचुण्डयम् | अचुण्डयाव | अचुण्डयाम |
| अचुचुण्डत् | अचुचुण्डताम् | अचुचुण्डन् |
| अचुचुण्डः | अचुचुण्डतम् | अचुचुण्डत |
| अचुचुण्डम् | अचुचुण्डाव | अचुचुण्डाम |
| १० चुण्डयाश्चकार | चुण्डयाश्चक्रुः | चुण्डयाश्चक्रुः |
| चुण्डयाश्चकथ | चुण्डयाश्चकथुः | चुण्डयाश्चक |
| चुण्डयाश्चकार-चक्र | चुण्डयाश्चकृव | चुण्डयाश्चकृम |
| चुण्डयाश्चभूव | । | चुण्डयामास |
| आ० चुण्डयात् | चुण्डयास्ताम् | चुण्डयासुः |
| चुण्डयाः | चुण्डयास्तम् | चुण्डयास्त |
| चुण्डयासम् | चुण्डयास्व | चुण्डयास्म |
| श्र० चुण्डयिता | चुण्डयितारौ | चुण्डयितारः |
| चुण्डयितासि | चुण्डयितास्यः | चुण्डयितास्य |
| चुण्डयितास्मि | चुण्डयितास्वः | चुण्डयितास्मः |
| भ० चुण्डयिष्यति | चुण्डयिष्यतः | चुण्डयिष्यन्ति |
| चुण्डयिष्यसि | चुण्डयिष्यथः | चुण्डयिष्यथ |
| चुण्डयिष्यामि | चुण्डयिष्यावः | चुण्डयिष्यामः |
| क्रि० अचुण्डयिष्यत् | अचुण्डयिष्यताम् | अचुण्डयिष्यन् |
| अचुण्डयिष्यः | अचुण्डयिष्यतम् | अचुण्डयिष्यत |
| अचुण्डयिष्यम् | अचुण्डयिष्याव | अचुण्डयिष्याम |
| व० चुण्डयते | चुण्डयते | चुण्डयन्ते |
| चुण्डयसे | चुण्डयथे | चुण्डयन्वे |
| चुण्डये | चुण्डयावहे | चुण्डयामहे |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| स० चुण्डयेत् | चुण्डयेताम् | चुण्डयेयुः |
| चुण्डयेः | चुण्डयेतम् | चुण्डयेत |
| चुण्डयेयम् | चुण्डयेव | चुण्डयेम |
| प० चुण्डयताम् | चुण्डयेताम् | चुण्डयन्ताम् |
| चुण्डयस्व | चुण्डयेधाम् | चुण्डयध्वम् |
| चुण्डये | चुण्डयावहे | चुण्डयामहे |
| छ० अचुण्डयत् | अचुण्डयताम् | अचुण्डयन्त |
| अचुण्डयथाः | अचुण्डयेथाम | अचुण्डयध्वम् |
| अचुण्डये | अचुण्डयावहि | अचुण्डयामहि |
| अ० अचुचुण्डत् | अचुचुण्डताम् | अचुचुण्डन्त |
| अचुचुण्डथाः | अचुचुण्डेथाम् | अचुचुण्डध्वम् |
| अचुचुण्डे | अचुचुण्डावहि | अचुचुण्डामहि |
| प० चुण्डयाश्चक्रे | चुण्डयाश्चक्रते | चुण्डयाश्चकिरे |
| चुण्डयाश्चकृषे | चुण्डयाश्चकृषे | चुण्डयाश्चकृषे |
| चुण्डयाश्चक्रे | चुण्डयाश्चकृवहे | चुण्डयाश्चकृमहे |
| चुण्डयाम्भूव | । | चुण्डयामास |
| आ० चुण्डयिषीष्ट | चुण्डयिषीयास्ताम् | चुण्डयिषीरन् |
| चुण्डयिषीष्ठाः | चुण्डयिषीयास्थाम् | चुण्डयिषीध्वम् |
| चुण्डयिषीय | चुण्डयिषीवहि | चुण्डयिषीमहि |
| श्र० चुण्डयिता | चुण्डयितारौ | चुण्डयितारः |
| चुण्डयितासे | चुण्डयितास्माथे | चुण्डयितास्वहे |
| चुण्डयिताहे | चुण्डयितास्वहे | चुण्डयितास्महे |
| म० चुण्डयिष्यते | चुण्डयिष्येते | चुण्डयिष्यन्ते |
| चुण्डयिष्यसे | चुण्डयिष्येथे | चुण्डयिष्यन्वे |
| चुण्डयिष्ये | चुण्डयिष्यावहे | चुण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अचुण्डयिष्यत् | अचुण्डयिष्यताम् | अचुण्डयिष्यन्त |
| अचुण्डयिष्यथाः | अचुण्डयिष्येथाम् | अचुण्डयिष्यध्वम् |
| अचुण्डयिष्ये | अचुण्डयिष्यावहि | अचुण्डयिष्यामहि |

- 1633 मडुण् [मण्ड्] भूपायाम् । 231 मडुवद्रूपणि
 1634 मडुण् [मण्ड्] कृत्याणि । 623 मडुवद्रूपणि
 1635 पिडुण् [पिण्ड्] संचाते । 681 पिडुवद्रूपणि
 1636 इडुण् [इड्] स्तुतौ । 1114 इडिडवद्रूपणि
 1637 नडुण् [नण्ड्] कांसे । 697 नडुवद्रूपणि
 1638 जुडुण् [जुड्] प्रेरणे । 135 जुडवद्रूपणि

1639 चूर्ण (चूर्ण) प्रेरणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | चूर्णयति | चूर्णयतः | चूर्णयन्ति |
| | चूर्णयसि | चूर्णयथः | चूर्णयथ |
| | चूर्णयामि | चूर्णयावः | चूर्णयामः |
| स० | चूर्णयेत् | चूर्णयेताम् | चूर्णयेयुः |
| | चूर्णयेः | चूर्णयेतम् | चूर्णयेत |
| | चूर्णयेयम् | चूर्णयेव | चूर्णयेम |
| प० | चूर्णयतु | चूर्णयतात् | चूर्णयताम् |
| | चूर्णय | चूर्णयतात् | चूर्णयतम् |
| | चूर्णयानि | चूर्णयाव | चूर्णयाम |
| झ० | अचूर्णयत् | अचूर्णयताम् | अचूर्णयन् |
| | अचूर्णयः | अचूर्णयतम् | अचूर्णयत |
| | अचूर्णयम् | अचूर्णयाव | अचूर्णयाम |
| ञ० | अचुचूर्णत् | अचुचूर्णताम् | अचुचूर्णन् |
| | अचुचूर्णः | अचुचूर्णतम् | अचुचूर्णत |
| | अचुचूर्णम् | अचुचूर्णाव | अचुचूर्णाम |
| प० | चूर्णयाञ्चकार | चूर्णयाञ्चकतुः | चूर्णयाञ्चकुः |
| | चूर्णयाञ्चकथं | चूर्णयाञ्चकथुः | चूर्णयाञ्चक |
| | चूर्णयाञ्चकार-चकर | चूर्णयाञ्चकृव | चूर्णयाञ्चकृम |
| | चूर्णयाञ्चभूव | चूर्णयामास | |
| भा० | चूर्णयात् | चूर्णयास्ताम् | चूर्णयासुः |
| | चूर्णयाः | चूर्णयास्तम् | चूर्णयास्त |
| | चूर्णयासम् | चूर्णयास्व | चूर्णयास्म |
| भ० | चूर्णयिता | चूर्णयितारौ | चूर्णयितारः |
| | चूर्णयितासि | चूर्णयितास्थः | चूर्णयितास्थ |
| | चूर्णयितास्मि | चूर्णयितास्वः | चूर्णयितास्मः |
| भ० | चूर्णयिष्यति | चूर्णयिष्यतः | चूर्णयिष्यन्ति |
| | चूर्णयिष्यसि | चूर्णयिष्यथः | चूर्णयिष्यथ |
| | चूर्णयिष्यामि | चूर्णयिष्यावः | चूर्णयिष्यामः |
| क्रि० | अचूर्णयिष्यत् | अचूर्णयिष्यताम् | अचूर्णयिष्यन् |
| | अचूर्णयिष्यः | अचूर्णयिष्यतम् | अचूर्णयिष्यत |
| | अचूर्णयिष्यम् | अचूर्णयिष्याव | अचूर्णयिष्याम |

1640 वर्णण (वर्ण) प्रेरणे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | वर्णयति | वर्णयतः | वर्णयन्ति |
| | वर्णयसि | वर्णयथः | वर्णयथ |
| | वर्णयामि | वर्णयावः | वर्णयामः |
| स० | वर्णयेत् | वर्णयेताम् | वर्णयेयुः |
| | वर्णयेः | वर्णयेतम् | वर्णयेत |
| | वर्णयेयम् | वर्णयेव | वर्णयेम |
| प० | वर्णयतु | वर्णयतात् | वर्णयताम् |
| | वर्णय | वर्णयतात् | वर्णयतम् |
| | वर्णयानि | वर्णयाव | वर्णयाम |
| झ० | अवर्णयत् | अवर्णयताम् | अवर्णयन् |
| | अवर्णयः | अवर्णयतम् | अवर्णयत |
| | अवर्णयम् | अवर्णयाव | अवर्णयाम |
| ञ० | अववर्णत् | अववर्णताम् | अववर्णन् |
| | अववर्णः | अववर्णतम् | अववर्णत |
| | अववर्णम् | अववर्णाव | अववर्णाम |
| प० | वर्णयाञ्चकार | वर्णयाञ्चकतुः | वर्णयाञ्चकुः |
| | वर्णयाञ्चकथं | वर्णयाञ्चकथुः | वर्णयाञ्चक |
| | वर्णयाञ्चकार-चकर | वर्णयाञ्चकृव | वर्णयाञ्चकृम |
| | वर्णयाञ्चभूव | वर्णयामास | |
| भा० | वर्णयात् | वर्णयास्ताम् | वर्णयासुः |
| | वर्णयाः | वर्णयास्तम् | वर्णयास्त |
| | वर्णयासम् | वर्णयास्व | वर्णयास्म |
| भ० | वर्णयिता | वर्णयितारौ | वर्णयितारः |
| | वर्णयितासि | वर्णयितास्थः | वर्णयितास्थ |
| | वर्णयितास्मि | वर्णयितास्वः | वर्णयितास्मः |
| भ० | वर्णयिष्यति | वर्णयिष्यतः | वर्णयिष्यन्ति |
| | वर्णयिष्यसि | वर्णयिष्यथः | वर्णयिष्यथ |
| | वर्णयिष्यामि | वर्णयिष्यावः | वर्णयिष्यामः |
| क्रि० | अवर्णयिष्यति | अवर्णयिष्यताम् | अवर्णयिष्यन् |
| | अवर्णयिष्यः | अवर्णयिष्यतम् | अवर्णयिष्यत |
| | अवर्णयिष्यम् | अवर्णयिष्याव | अवर्णयिष्याम |

| | | | | | |
|--------------------|-------------------|------------------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० चूर्णयते | चूर्णयते | चूर्णयन्ते | व० वर्णयते | वर्णयते | वर्णयन्ते |
| चूर्णयसे | चूर्णयथे | चूर्णयध्वे | वर्णयसे | वर्णयथे | वर्णयध्वे |
| चूर्णये | चूर्णयावहे | चूर्णयामहे | वर्णये | वर्णयावहे | वर्णयामहे |
| स० चूर्णयेत | चूर्णयेताम् | चूर्णयेरन् | स० वर्णयेत | वर्णयेताम् | वर्णयेरन् |
| चूर्णयेथाः | चूर्णयेथाथाम् | चूर्णयेध्वम् | वर्णयेथाः | वर्णयेथाथाम् | वर्णयेध्वम् |
| चूर्णयेय | चूर्णयेदहि | चूर्णयेमहि | वर्णयेय | वर्णयेदहि | वर्णयेमहि |
| प० चूर्णयताम् | चूर्णयताम् | चूर्णयन्ताम् | प० वर्णयताम् | वर्णयताम् | वर्णयन्ताम् |
| चूर्णयस्व | चूर्णयेथाम् | चूर्णयध्वम् | वर्णयस्व | वर्णयेथाम् | वर्णयध्वम् |
| चूर्णये | चूर्णयावहे | चूर्णयामहे | वर्णये | वर्णयावहे | वर्णयामहे |
| ह्य० अचूर्णयत | अचूर्णयेताम् | अचूर्णयन्त | ह्य० अवर्णयत | अवर्णयेताम् | अवर्णयन्त |
| अचूर्णयथाः | अचूर्णयेथाम् | अचूर्णयध्वम् | अवर्णयथाः | अवर्णयेथाम् | अवर्णयध्वम् |
| अचूर्णये | अचूर्णयावहि | अचूर्णयामहि | अवर्णये | अवर्णयावहि | अवर्णयामहि |
| अ० अचुचूर्णत | अचुचूर्णेताम् | अचुचूर्णन्त | अ० अववर्णत | अववर्णेताम् | अववर्णन्त |
| अचुचूर्णथाः | अचुचूर्णेथाम् | अचुचूर्णध्वम् | अववर्णथाः | अववर्णेथाम् | अववर्णध्वम् |
| अचुचूर्णे | अचुचूर्णावहि | अचुचूर्णामहि | अववर्णे | अववर्णावहि | अववर्णामहि |
| प० चूर्णयाञ्चक्रे | चूर्णयाञ्चक्राते | चूर्णयाञ्चकिरे | प० वर्णयाञ्चक्रे | वर्णयाञ्चक्राते | वर्णयाञ्चकिरे |
| चूर्णयाञ्चकृषे | चूर्णयाञ्चक्राथे | चूर्णयाञ्चकृद्वे | वर्णयाञ्चकृषे | वर्णयाञ्चक्राथे | वर्णयाञ्चकृद्वे |
| चूर्णयाञ्चके | चूर्णयाञ्चकृवहे | चूर्णयाञ्चकृमहे | वर्णयाञ्चके | वर्णयाञ्चकृवहे | वर्णयाञ्चकृमहे |
| चूर्णयाम्बभूव | चूर्णयामास | | वर्णयाम्बभूव | वर्णयामास | |
| आ० चूर्णयिषीष्ट | चूर्णयिषीयास्ताम् | चूर्णयिषीरन् | आ० वर्णयिषीष्ट | वर्णयिषीयास्ताम् | वर्णयिषीरन् |
| चूर्णयिषीष्टाः | चूर्णयिषीयास्थाम् | चूर्णयिषीद्वम् | वर्णयिषीष्टाः | वर्णयिषीयास्थाम् | वर्णयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् | | | ध्वम् |
| चूर्णयिषीय | चूर्णयिषीवहि | चूर्णयिषीमहि | वर्णयिषीय | वर्णयिषीवहि | वर्णयिषीमहि |
| आ० चूर्णयिता | चूर्णयितारी | चूर्णयितारः | श्र० वर्णयिता | वर्णयितारी | वर्णयितारः |
| चूर्णयितासे | चूर्णयितासाथे | चूर्णयिताध्वे | वर्णयितासे | वर्णयितासाथे | वर्णयिताध्वे |
| चूर्णयिताहे | चूर्णयितास्वहे | चूर्णयितास्महे | वर्णयिताहे | वर्णयितास्वहे | वर्णयितास्महे |
| अ० चूर्णयिष्यते | चूर्णयिष्येते | चूर्णयिष्यन्ते | अ० वर्णयिष्यते | वर्णयिष्येते | वर्णयिष्यन्ते |
| चूर्णयिष्यसे | चूर्णयिष्यथे | चूर्णयिष्यध्वे | वर्णयिष्यसे | वर्णयिष्यथे | वर्णयिष्यध्वे |
| चूर्णयिष्ये | चूर्णयिष्यावहे | चूर्णयिष्यामहे | वर्णयिष्ये | वर्णयिष्यावहे | वर्णयिष्यामहे |
| क्रि० अचूर्णयिष्यत | अचूर्णयिष्येताम् | अचूर्णयिष्यन्त | क्रि० अवर्णयिष्यत | अवर्णयिष्येताम् | अवर्णयिष्यन्त |
| अचूर्णयिष्यथाः | अचूर्णयिष्येथाम् | अचूर्णयिष्यध्वम् | अवर्णयिष्यथाः | अवर्णयिष्येथाम् | अवर्णयिष्यध्वम् |
| अचूर्णयिष्ये | अचूर्णयिष्यावहि | अचूर्णयिष्यामहि | अवर्णयिष्ये | अवर्णयिष्यावहि | अवर्णयिष्यामहि |

फ, १३८) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१३३७)

| | | |
|-------------|-------------|------------|
| क० चूणयते | चूणयेते | चूणयन्ते |
| चूणयसे | चूणयेथे | चूणयध्वे |
| चूणये | चूणयावहे | चूणयामहे |
| स० चूणयेत | चूणयेयाताम् | चूणयेरन् |
| चूणयेथाः | चूणयेयाथाम् | चूणयेध्वम् |
| चूणयेय | चूणयेवहि | चूणयेमहि |
| प० चूणयताम् | चूणयेताम् | चूणयन्ताम् |
| चूणयस्व | चूणयेथाम् | चूणयध्वम् |
| चूणये | चूणयावहे | चूणयामहे |
| ह्य० अचूणयत | अचूणयेताम् | अचूणयन्त |
| अचूणयथाः | अचूणयेथाम् | अचूणयध्वम् |
| अचूणये | अचूणयावहि | अचूणयामहि |

| | | |
|-------------|-------------|------------|
| व० तूणयते | तूणयेते | तूणयन्ते |
| तूणयसे | तूणयेथे | तूणयध्वे |
| तूणये | तूणयावहे | तूणयामहे |
| स० तूणयेत | तूणयेयाताम् | तूणयेरन् |
| तूणयेथाः | तूणयेयाथाम् | तूणयेध्वम् |
| तूणयेय | तूणयेवहि | तूणयेमहि |
| प० तूणयताम् | तूणयेताम् | तूणयन्ताम् |
| तूणयस्व | तूणयेथाम् | तूणयध्वम् |
| तूणये | तूणयावहे | तूणयामहे |
| ह्य० अतूणयत | अतूणयेताम् | अतूणयन्त |
| अतूणयथाः | अतूणयेथाम् | अतूणयध्वम् |
| अतूणये | अतूणयावहि | अतूणयामहि |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| अ० अचूचूणत | अचूचूणेताम् | अचूचूणन्त |
| अचूचूणथाः | अचूचूणेथाम् | अचूचूणध्वम् |
| अचूचूणे | अचूचूणावहि | अचूचूणामहि |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| अ० अतूतुणत | अतूतुणेताम् | अतूतुणन्त |
| अतूतुणथाः | अतूतुणेथाम् | अतूतुणध्वम् |
| अतूतुणे | अतूतुणावहि | अतूतुणामहि |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| १० चूणयाञ्चक्रे | चूणयाञ्चक्राते | चूणयाञ्चक्रिरे |
| चूणयाञ्चकृषे | चूणयाञ्चक्राथे | चूणयाञ्चकृद्वे |
| चूणयाञ्चक्रे | चूणयाञ्चकृवहे | चूणयाञ्चकृमहे |
| चूणयाम्बभूव | चूणयामास | |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| प० तूणयाञ्चक्रे | तूणयाञ्चक्राते | तूणयाञ्चक्रिरे |
| तूणयाञ्चकृषे | तूणयाञ्चक्राथे | तूणयाञ्चकृद्वे |
| तूणयाञ्चक्रे | तूणयाञ्चकृवहे | तूणयाञ्चकृमहे |
| तूणयाम्बभूव | तूणयामास | |

| | | |
|---------------|-----------------|--------------|
| आ० चूणयिषीष्ट | चूणयिषीयास्ताम् | चूणयिषीरन् |
| चूणयिषीष्ठाः | चूणयिषीयास्थाम् | चूणयिषीद्वम् |

| | | |
|---------------|-----------------|--------------|
| आ० तूणयिषीष्ट | तूणयिषीयास्ताम् | तूणयिषीरन् |
| तूणयिषीष्ठाः | तूणयिषीयास्थाम् | तूणयिषीद्वम् |

| | | |
|------------|--------------|--------------|
| चूणयिषीय | चूणयिषीवहि | चूणयिषीमहि |
| आ० चूणयिता | चूणयितारौ | चूणयितारः |
| चूणयितासे | चूणयितासाथे | चूणयिताध्वे |
| चूणयिताहे | चूणयितास्वहे | चूणयितास्महे |

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| तूणयिषीय | तूणयिषीवहि | तूणयिषीमहि |
| श्र० तूणयिता | तूणयितारौ | तूणयितारः |
| तूणयितासे | तूणयितासाथे | तूणयिताध्वे |
| तूणयिताहे | तूणयितास्वहे | तूणयितास्महे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ० चूणयिष्यते | चूणयिष्येते | चूणयिष्यन्ते |
| चूणयिष्यसे | चूणयिष्येथे | चूणयिष्यध्वे |
| चूणयिष्ये | चूणयिष्यावहे | चूणयिष्यामहे |

| | | |
|---------------|--------------|--------------|
| भ० तूणयिष्यते | तूणयिष्येते | तूणयिष्यन्ते |
| तूणयिष्यसे | तूणयिष्येथे | तूणयिष्यध्वे |
| तूणयिष्ये | तूणयिष्यावहे | तूणयिष्यामहे |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| क्रि० अचूणयिष्यत | अचूणयिष्येताम् | अचूणयिष्यन्त |
| अचूणयिष्यथाः | अचूणयिष्येथाम् | अचूणयिष्यध्वम् |
| अचूणयिष्ये | अचूणयिष्यावहि | अचूणयिष्यामहि |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| क्रि० अतूणयिष्यत | अतूणयिष्येताम् | अतूणयिष्यन्त |
| अतूणयिष्यथाः | अतूणयिष्येथाम् | अतूणयिष्यध्वम् |
| अतूणयिष्ये | अतूणयिष्यावहि | अतूणयिष्यामहि |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| अ० अचूचुणत | अचूचुणेताम् | अचूचुणन्त |
| अचूचुणथाः | अचूचुणेथाम् | अचूचुणध्वम् |
| अचूचुणे | अचूचुणावहि | अचूचुणामहि |

अ० अचूचुणत् अचूचुणताम् अचूचुणन् । अचूचुणः अचूचुणतम् अचूचुणत । अचूचुणम् अचूचुणाव अचूचुणाम्

(१३३८) मुनिश्रीलावण्यवि० भिरचिते धातुर० द्वि० भागे गिगन्तमक्रिया

1642 तूण् (तूण्) संकोचने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | तूणयति | तूणयतः | तूणयन्ति |
| | तूणयसि | तूणयथः | तूणयथ |
| | तूणयामि | तूणयाव | तूणयामः |
| स० | तूणयेत् | तूणयेताम् | तूणयेयुः |
| | तूणयेः | तूणयेतम् | तूणयेत |
| | तूणयेयम् | तूणयेव | तूणयेम |
| ३० | तूणयतु | तूणयतात् | तूणयताम् |
| | तूणय | तूणयतात् | तूणयतम् |
| | तूणयानि | तूणयाव | तूणयाम |
| झ० | अतूणयत् | अतूणयताम् | अतूणयन् |
| | अतूणय | अतूणयतम् | अतूणयत |
| | अतूणयम् | अतूणयाव | अतूणयाम |
| अ० | अतूणयत् | अतूणयताम् | अतूणयन् |
| | अतूणयः | अतूणयतम् | अतूणयत |
| | अतूणयम् | अतूणयाव | अतूणयाम |
| प० | तूणयाश्चकार | तूणयाश्चक्रुः | तूणयाश्चकुः |
| | तूणयाश्चकथं | तूणयाश्चकथुः | तूणयाश्चक |
| | तूणयाश्चकार-चकर | तूणयाश्चकृव | तूणयाश्चकृम |
| | तूणयाम्बभूव | तूणयामास | |
| भा० | तूण्यात् | तूण्यास्ताम् | तूण्यासुः |
| | तूण्याः | तूण्यास्तम् | तूण्यास्त |
| | तूण्यासम् | तूण्यास्व | तूण्यास्म |
| श्व० | तूणयिता | तूणयितारौ | तूणयितारः |
| | तूणयितासि | तूणयितास्वः | तूणयितास्व |
| | तूणयितास्मि | तूणयितास्वः | तूणयितास्मः |
| भ० | तूणयिष्यति | तूणयिष्यतः | तूणयिष्यन्ति |
| | तूणयिष्यसि | तूणयिष्यथः | तूणयिष्यथ |
| | तूणयिष्यामि | तूणयिष्यावः | तूणयिष्यामः |
| क्रि० | अतूणयिष्यत् | अतूणयिष्यताम् | अतूणयिष्यन् |
| | अतूणयिष्यः | अतूणयिष्यतम् | अतूणयिष्यत |
| | अतूणयिष्यम् | अतूणयिष्याव | अतूणयिष्याम |

1641 चूण् (चूण्) संकोचने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | चूणयति | चूणयतः | चूणयन्ति |
| | चूणयसि | चूणयथः | चूणयथ |
| | चूणयामि | चूणयावः | चूणयामः |
| म० | चूणयेत् | चूणयेताम् | चूणयेयुः |
| | चूणयेः | चूणयेतम् | चूणयेत |
| | चूणयेयम् | चूणयेव | चूणयेम |
| प | चूणयतु | चूणयतात् | चूणयताम् |
| | चूणय | चूणयतात् | चूणयतम् |
| | चूणयानि | चूणयाव | चूणयाम |
| झ० | अचूणयत् | अचूणयताम् | अचूणयन् |
| | अचूणयः | अचूणयतम् | अचूणयत |
| | अचूणयम् | अचूणयाव | अचूणयाम |
| अ० | अचूणयत् | अचूणयताम् | अचूणयन् |
| | अचूणयः | अचूणयतम् | अचूणयत |
| | अचूणयम् | अचूणयाव | अचूणयाम |
| प० | चूणयाश्चकार | चूणयाश्चक्रुः | चूणयाश्चकुः |
| | चूणयाश्चकथं | चूणयाश्चकथुः | चूणयाश्चक |
| | चूणयाश्चकार-चकर | चूणयाश्चकृव | चूणयाश्चकृम |
| | चूणयाम्बभूव | चूणयामास | |
| भा० | चूण्यात् | चूण्यास्ताम् | चूण्यासुः |
| | चूण्याः | चूण्यास्तम् | चूण्यास्त |
| | चूण्यासम् | चूण्यास्व | चूण्यास्म |
| श्व० | चूणयिता | चूणयितारौ | चूणयितारः |
| | चूणयितासि | चूणयितास्वः | चूणयितास्व |
| | चूणयितास्मि | चूणयितास्वः | चूणयितास्मः |
| भ० | चूणयिष्यति | चूणयिष्यतः | चूणयिष्यन्ति |
| | चूणयिष्यसि | चूणयिष्यथः | चूणयिष्यथ |
| | चूणयिष्यामि | चूणयिष्यावः | चूणयिष्यामः |
| क्रि० | अचूणयिष्यत् | अचूणयिष्यताम् | अचूणयिष्यन् |
| | अचूणयिष्यः | अचूणयिष्यतम् | अचूणयिष्यत |
| | अचूणयिष्यम् | अचूणयिष्याव | अचूणयिष्याम |

1643 अण् (अण्) दाने-यमोपरिवेषणे इत्यत्र गिचो प्रहणादेषु घटादेरिति ह्रस्वो नास्ति गिचो नित्यत्वाद्भावपक्षे तु गिगि ह्रस्वो भवति अणयति ।

1644 पूण्ण (पूण्) सङ्घाते ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | पूणयति | पूणयतः | पूणयन्ति |
| | पूणयसि | पूणयथः | पूणयथ |
| | पूणयामि | पूणयावः | पूणयामः |
| स० | पूणयेत् | पूणयेताम् | पूणयेयुः |
| | पूणयेः | पूणयेतम् | पूणयेत |
| | पूणयेयम् | पूणयेव | पूणयेम |
| अ० | पूणयतु | पूणयतात् | पूणयन्तु |
| | पूणय | पूणयतात् | पूणयत |
| | पूणयानि | पूणयाव | पूणयाम |
| ह्य० | अपूणयत् | अपूणयताम् | अपूणयन् |
| | अपूणयः | अपूणयतम् | अपूणयत |
| | अपूणयम् | अपूणयाव | अपूणयाम |
| अ० | अपूणुणत् | अपूणुणताम् | अपूणुणन् |
| | अपूणुणः | अपूणुणतम् | अपूणुणत |
| | अपूणुणम् | अपूणुणाव | अपूणुणाम |
| प० | पूणयाञ्चकार | पूणयाञ्चक्रुः | पूणयाञ्चकुः |
| | पूणयाञ्चकथं | पूणयाञ्चकथुः | पूणयाञ्चक |
| | पूणयाञ्चकार-चकर | पूणयाञ्चकृव | पूणयाञ्चकृम |
| | पूणयाम्बभूव | पूणयामास | |
| आ० | पूण्यात् | पूण्यास्ताम् | पूण्यासुः |
| | पूण्याः | पूण्यास्तम् | पूण्यास्त |
| | पूण्यासम् | पूण्यास्व | पूण्यास्म |
| श्र० | पूणयिता | पूणयितारौ | पूणयितारः |
| | पूणयितासि | पूणयितास्थः | पूणयितास्थ |
| | पूणयितास्मि | पूणयितास्वः | पूणयितास्मः |
| भ० | पूणयिष्यति | पूणयिष्यतः | पूणयिष्यन्ति |
| | पूणयिष्यसि | पूणयिष्यथः | पूणयिष्यथ |
| | पूणयिष्यामि | पूणयिष्यावः | पूणयिष्यामः |
| क्रि० | अपूणयिष्यत् | अपूणयिष्यताम् | अपूणयिष्यन् |
| | अपूणयिष्यः | अपूणयिष्यतम् | अपूणयिष्यत |
| | अपूणयिष्यम् | अपूणयिष्याव | अपूणयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|------------------|----------------|
| व० | पूणयते | पूणयते | पूणयन्ते |
| | पूणयसे | पूणयथे | पूणयध्वे |
| | पूणये | पूणयावहे | पूणयामहे |
| स० | पूणयेत | पूणयेयाताम् | पूणयेरन् |
| | पूणयेथाः | पूणयेयाथाम् | पूणयेध्वम् |
| | पूणयेय | पूणयेवहि | पूणयेमहि |
| प० | पूणयताम् | पूणयेताम् | पूणयन्ताम् |
| | पूणयस्व | पूणयेथाम् | पूणयध्वम् |
| | पूणय | पूणयावहे | पूणयामहे |
| ह्य० | अपूणयत | अपूणयेताम् | अपूणयन्त |
| | अपूणयथाः | अपूणयेथाम् | अपूणयध्वम् |
| | अपूणये | अपूणयावहि | अपूणयामहि |
| अ० | अपूणुणत | अपूणुणेताम् | अपूणुणन्त |
| | अपूणुणथाः | अपूणुणेत्याम् | अपूणुणध्वम् |
| | अपूणुणे | अपूणुणावहि | अपूणुणामहि |
| प० | पूणयाञ्चक्रे | पूणयाञ्चकृते | पूणयाञ्चकिरे |
| | पूणयाञ्चकृषे | पूणयाञ्चकृथे | पूणयाञ्चकृद्वे |
| | पूणयाञ्चके | पूणयाञ्चकृवहे | पूणयाञ्चकृमहे |
| | पूणयाम्बभूव | पूणयामास | |
| आ० | पूणयिषीष्ट | पूणयिषीयास्ताम् | पूणयिषीरन् |
| | पूणयिषीष्टाः | पूणयिषीयास्याम् | पूणयिषीध्वम् |
| | पूणयिषीय | पूणयिषीवहि | पूणयिषीमहि |
| श्र० | पूणयिता | पूणयितारौ | पूणयितारः |
| | पूणयितासे | पूणयितासाथे | पूणयिताध्वे |
| | पूणयिताहे | पूणयितास्वहे | पूणयितास्महे |
| भ० | पूणयिष्यते | पूणयिष्येते | पूणयिष्यन्ते |
| | पूणयिष्यसे | पूणयिष्येथे | पूणयिष्यध्वे |
| | पूणयिष्ये | पूणयिष्यावहे | पूणयिष्यामहे |
| क्रि० | अपूणयिष्यत | अपूणयिष्येताम् | अपूणयिष्यन्त |
| | अपूणयिष्यथाः | अपूणयिष्येत्याम् | अपूणयिष्यध्वम् |
| | अपूणयिष्ये | अपूणयिष्यावहि | अपूणयिष्यामहि |

1645 चितुण (चिन्त्) स्मृत्याम् ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| ब० चिन्तयति | चिन्तयतः | चिन्तयन्ति |
| चिन्तयसि | चिन्तयथः | चिन्तयथ |
| चिन्तयामि | चिन्तयावः | चिन्तयामः |
| स० चिन्तयेत् | चिन्तयेताम् | चिन्तयेयुः |
| चिन्तयेः | चिन्तयेतम् | चिन्तयेत |
| चिन्तयेयम् | चिन्तयेव | चिन्तयेम |
| प० चिन्तयतु | चिन्तयतात् | चिन्तयताम् |
| चिन्तय | चिन्तयतात् | चिन्तयतम् |
| चिन्तयानि | चिन्तयाव | चिन्तयाम |
| ह्य० अचिन्तयत् | अचिन्तयताम् | अचिन्तयन् |
| अचिन्तयः | अचिन्तयतम् | अचिन्तयत |
| अचिन्तयम् | अचिन्तयाव | अचिन्तयाम |
| अ० अचिचिन्तत् | अचिचिन्तताम् | अचिचिन्तन् |
| अचिचिन्तः | अचिचिन्ततम् | अचिचिन्तत |
| अचिचिन्तम् | अचिचिन्ताव | अचिचिन्ताम |
| प० चिन्तयाश्चकार | चिन्तयाश्चकतुः | चिन्तयाश्चकुः |
| चिन्तयाश्चकथं | चिन्तयाश्चकथुः | चिन्तयाश्चक |
| चिन्तयाश्चकार-चकर | चिन्तयाश्चकृव | चिन्तयाश्चकृम |
| चिन्तयाश्चभूव | चिन्तयामास | |
| आः चिन्त्यात् | चिन्त्यास्ताम् | चिन्त्यासुः |
| चिन्त्याः | चिन्त्यास्तम् | चिन्त्यास्त |
| चिन्त्यामम् | चिन्त्यास्व | चिन्त्यास्म |
| श्र० चिन्तयिता | चिन्तयितारौ | चिन्तयितारः |
| चिन्तयितासि | चिन्तयितास्थः | चिन्तयितास्थ |
| चिन्तयितास्मि | चिन्तयितास्वः | चिन्तयितास्मः |
| भ० चिन्तयिष्यति | चिन्तयिष्यतः | चिन्तयिष्यन्ति |
| चिन्तयिष्यसि | चिन्तयिष्यथः | चिन्तयिष्यथ |
| चिन्तयिष्यामि | चिन्तयिष्यावः | चिन्तयिष्यामः |
| क्रि० अचिन्तयिष्यत् | अचिन्तयिष्यताम् | अचिन्तयिष्यन् |
| अचिन्तयिष्यः | अचिन्तयिष्यतम् | अचिन्तयिष्यत |
| अचिन्तयिष्यम् | अचिन्तयिष्याव | अचिन्तयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| ब० चिन्तयते | चिन्तयेते | चिन्तयन्ते |
| चिन्तयसे | चिन्तयेथे | चिन्तयध्वे |
| चिन्तये | चिन्तयावहे | चिन्तयामहे |
| स० चिन्तयेत | चिन्तयेयाताम् | चिन्तयेरन् |
| चिन्तयेथाः | चिन्तयेयाथाम् | चिन्तयेध्वम् |
| चिन्तयेय | चिन्तयेवहि | चिन्तयेमहि |
| प० चिन्तयताम् | चिन्तयेताम् | चिन्तयन्ताम् |
| चिन्तयस्व | चिन्तयेथाम् | चिन्तयध्वम् |
| चिन्तयै | चिन्तयावहै | चिन्तयामहै |
| ह्य० अचिन्तयत | अचिन्तयेताम् | अचिन्तयन्त |
| अचिन्तयथाः | अचिन्तयेथाम् | अचिन्तयध्वम् |
| अचिन्तये | अचिन्तयावहि | अचिन्तयामहि |
| अ० अचिचिन्तत | अचिचिन्तेताम् | अचिचिन्तन्त |
| अचिचिन्तथाः | अचिचिन्तेथाम् | अचिचिन्तध्वम् |
| अचिचिन्ते | अचिचिन्तावहि | अचिचिन्तामहि |
| प० चिन्तयाश्चक्रे | चिन्तयाश्चक्राते | चिन्तयाश्चक्रिरे |
| चिन्तयाश्चकृषे | चिन्तयाश्चक्राथे | चिन्तयाश्चकृहुवे |
| चिन्तयाश्चक्रे | चिन्तयाश्चकृवहे | चिन्तयाश्चकृमहे |
| चिन्तयाश्चभूव | चिन्तयामास | |
| आ० चिन्तयिषीष्ट | चिन्तयिषीस्ताम् | चिन्तयिषीरन् |
| चिन्तयिषीष्ठाः | चिन्तयिषीयास्थाम् | चिन्तयिषीह्वम् |
| चिन्तयिषीय | चिन्तयिषीवहि | चिन्तयिषीमहि |
| श्र० चिन्तयिता | चिन्तयितारौ | चिन्तयितारः |
| चिन्तयितासे | चिन्तयितासाथे | चिन्तयिताध्वे |
| चिन्तयिताहे | चिन्तयितास्वहे | चिन्तयितास्महे |
| भ० चिन्तयिष्यते | चिन्तयिष्येते | चिन्तयिष्यन्ते |
| चिन्तयिष्यसे | चिन्तयिष्येथे | चिन्तयिष्यध्वे |
| चिन्तयिष्ये | चिन्तयिष्यावहे | चिन्तयिष्यामहे |
| क्रि० अचिन्तयिष्यत | अचिन्तयिष्येताम् | अचिन्तयिष्यन्त |
| अचिन्तयिष्यथाः | अचिन्तयिष्येथाम् | अचिन्तयिष्यध्वम् |
| अचिन्तयिष्ये | अचिन्तयिष्यावहि | अचिन्तयिष्यामहि |

1646 पुस्तण् (पुस्त्) आदरानादरयोः ।

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| व० पुस्तयति | पुस्तयतः | पुस्तयन्ति |
| पुस्तयसि | पुस्तयथः | पुस्तयथ |
| पुस्तयामि | पुस्तयावः | पुस्तयामः |
| स० पुस्तयेत् | पुस्तयेताम् | पुस्तयेयुः |
| पुस्तयेः | पुस्तयेतम् | पुस्तयेत |
| पुस्तयेयम् | पुस्तयेव | पुस्तयेम |
| प० पुस्तयतु | पुस्तयतात् | पुस्तयताम् |
| पुस्तय | पुस्तयतात् | पुस्तयतम् |
| पुस्तयानि | पुस्तयाव | पुस्तयाम |
| झ० अपुस्तयत् | अपुस्तयताम् | अपुस्तयन् |
| अपुस्तयः | अपुस्तयतम् | अपुस्तयत |
| अपुस्तयम् | अपुस्तयाव | अपुस्तयाम |
| ञ० अपुस्तयत् | अपुस्तयताम् | अपुस्तयन् |
| अपुस्तयः | अपुस्तयतम् | अपुस्तयत |
| अपुस्तयम् | अपुस्तयाव | अपुस्तयाम |
| प० पुस्तयाश्चकार | पुस्तयाश्चक्रतुः | पुस्तयाश्चक्रुः |
| पुस्तयाश्चकथे | पुस्तयाश्चक्रथुः | पुस्तयाश्चक्रु |
| पुस्तयाश्चकार-चकर | पुस्तयाश्चक्रव | पुस्तयाश्चक्रुम |
| पुस्तयाम्भूव | पुस्तयामास | |
| आ० पुस्त्यात् | पुस्त्यास्ताम् | पुस्त्यासुः |
| पुस्त्याः | पुस्त्यास्तम् | पुस्त्यास्त |
| पुस्त्यासम् | पुस्त्यास्व | पुस्त्यास्म |
| श्व० पुस्तयिता | पुस्तयितारौ | पुस्तयितारः |
| पुस्तयितासि | पुस्तयितास्थः | पुस्तयितास्थ |
| पुस्तयितास्मि | पुस्तयितास्वः | पुस्तयितास्मः |
| भ० पुस्तयिष्यति | पुस्तयिष्यतः | पुस्तयिष्यन्ति |
| पुस्तयिष्यसि | पुस्तयिष्यथः | पुस्तयिष्यथ |
| पुस्तयिष्यामि | पुस्तयिष्यावः | पुस्तयिष्यामः |
| क्रि० अपुस्तयिष्यत् | अपुस्तयिष्यताम् | अपुस्तयिष्यन् |
| अपुस्तयिष्यः | अपुस्तयिष्यतम् | अपुस्तयिष्यत |
| अपुस्तयिष्यम् | अपुस्तयिष्याव | अपुस्तयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|-------------------|
| व० पुस्तयेते | पुस्तयेतं | पुस्तयेन्ते |
| पुस्तयेसे | पुस्तयेथे | पुस्तयेध्वे |
| पुस्तये | पुस्तयावहे | पुस्तयामहे |
| स० पुस्तयेत | पुस्तयेयाताम् | पुस्तयेरन् |
| पुस्तयेथाः | पुस्तयेयाथाम् | पुस्तयेध्वम् |
| पुस्तयेय | पुस्तयेवहि | पुस्तयेमहि |
| प० पुस्तयताम् | पुस्तयेताम् | पुस्तयन्ताम् |
| पुस्तयस्व | पुस्तयेथाम् | पुस्तयध्वम् |
| पुस्तये | पुस्तयावहै | पुस्तयामहै |
| झ० अपुस्तयत | अपुस्तयेताम् | अपुस्तयन्त |
| अपुस्तयथाः | अपुस्तयेथाम् | अपुस्तयध्वम् |
| अपुस्तये | अपुस्तयावहि | अपुस्तयामहि |
| ञ० अपुस्तयत | अपुस्तयेताम् | अपुस्तयन्त |
| अपुस्तयथाः | अपुस्तयेथाम् | अपुस्तयध्वम् |
| अपुस्तये | अपुस्तयावहि | अपुस्तयामहि |
| प० पुस्तयाश्चक्रे | पुस्तयाश्चक्राते | पुस्तयाश्चक्रिरे |
| पुस्तयाश्चक्रेषे | पुस्तयाश्चक्राथे | पुस्तयाश्चक्रुवै |
| पुस्तयाश्चक्रे | पुस्तयाश्चक्रुवहे | पुस्तयाश्चक्रुमहे |
| पुस्तयाम्भूव | पुस्तयामास | |
| आ० पुस्तयिषीष्ट | पुस्तयिषीयास्ताम् | पुस्तयिषीरन् |
| पुस्तयिषीष्ठाः | पुस्तयिषीयास्थाम् | पुस्तयिषीध्वम् |
| पुस्तयिषीय | पुस्तयिषीवहि | पुस्तयिषीमहि |
| श्व० पुस्तयिता | पुस्तयितारौ | पुस्तयितारः |
| पुस्तयितासे | पुस्तयितासाथे | पुस्तयिताध्वे |
| पुस्तयिताहे | पुस्तयितास्वहे | पुस्तयितास्महे |
| भ० पुस्तयिष्यते | पुस्तयिष्येते | पुस्तयिष्यन्ते |
| पुस्तयिष्यसे | पुस्तयिष्येथे | पुस्तयिष्यध्वे |
| पुस्तयिष्ये | पुस्तयिष्यावहे | पुस्तयिष्यामहे |
| क्रि० अपुस्तयिष्यत | अपुस्तयिष्येताम् | अपुस्तयिष्यन्त |
| अपुस्तयिष्यथाः | अपुस्तयिष्येथाम् | अपुस्तयिष्यध्वम् |
| अपुस्तयिष्ये | अपुस्तयिष्यावहि | अपुस्तयिष्यामहि |

1647 बुस्तण् (बुस्त्) आदरानादरयोः ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|----------------|
| व० | बुस्तयति | बुस्तयतः | बुस्तयन्ति |
| | बुस्तयसि | बुस्तयथः | बुस्तयथ |
| | बुस्तयामि | बुस्तयावः | बुस्तयामः |
| स० | बुस्तयेत् | बुस्तयेताम् | बुस्तयेयुः |
| | बुस्तयेः | बुस्तयेतम् | बुस्तयेत |
| | बुस्तयेयम् | बुस्तयेव | बुस्तयेम |
| प० | बुस्तयतु | बुस्तयतात् | बुस्तयन्तु |
| | बुस्तय | बुस्तयतात् | बुस्तयतम् |
| | बुस्तयानि | बुस्तयाव | बुस्तयाम |
| ह्य० | अबुस्तयत् | अबुस्तयताम् | अबुस्तयन् |
| | अबुस्तयः | अबुस्तयतम् | अबुस्तयत |
| | अबुस्तयम् | अबुस्तयाव | अबुस्तयाम |
| अ० | अबुबुस्तत् | अबुबुस्तताम् | अबुबुस्तन् |
| | अबुबुस्तः | अबुबुस्ततम् | अबुबुस्तत |
| | अबुबुस्तम् | अबुबुस्ताव | अबुबुस्ताम |
| प० | बुस्तयाञ्चकार | बुस्तयाञ्चक्रतुः | बुस्तयाञ्चकुः |
| | बुस्तयाञ्चकथं | बुस्तयाञ्चकथुः | बुस्तयाञ्चक |
| | बुस्तयाञ्चकार-चकर | बुस्तयाञ्चकृव | बुस्तयाञ्चकृम |
| | बुस्तयाम्बभूव | । | बुस्तयामास |
| आ० | बुस्त्यात् | बुस्त्यास्ताम् | बुस्त्यासुः |
| | बुस्त्याः | बुस्त्यास्तम् | बुस्त्यास्त |
| | बुस्त्यासम् | बुस्त्यास्व | बुस्त्यासम |
| श्व० | बुस्तयिता | बुस्तयितारौ | बुस्तयितारः |
| | बुस्तयितासि | बुस्तयितास्थः | बुस्तयितास्थ |
| | बुस्तयितास्मि | बुस्तयितास्वः | बुस्तयितास्मः |
| भ० | बुस्तयिष्यति | बुस्तयिष्यतः | बुस्तयिष्यन्ति |
| | बुस्तयिष्यसि | बुस्तयिष्यथः | बुस्तयिष्यथ |
| | बुस्तयिष्यामि | बुस्तयिष्यावः | बुस्तयिष्यामः |
| क्रि० | अबुस्तयिष्यत् | अबुस्तयिष्यताम् | अबुस्तयिष्यन् |
| | अबुस्तयिष्यः | अबुस्तयिष्यतम् | अबुस्तयिष्यत |
| | अबुस्तयिष्यम् | अबुस्तयिष्याव | अबुस्तयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | बुस्तयेते | बुस्तयेते | बुस्तयन्ते |
| | बुस्तयसे | बुस्तयेथे | बुस्तयध्वे |
| | बुस्तये | बुस्तयावहे | बुस्तयामहे |
| स० | बुस्तयेत | बुस्तयेयाताम् | बुस्तयेरन् |
| | बुस्तयेथाः | बुस्तयेयाथाम् | बुस्तयेध्वम् |
| | बुस्तयेय | बुस्तयेवहि | बुस्तयेमहि |
| प० | बुस्तयताम् | बुस्तयेताम् | बुस्तयन्ताम् |
| | बुस्तयस्व | बुस्तयेथाम् | बुस्तयध्वम् |
| | बुस्तये | बुस्तयावहे | बुस्तयामहे |
| ह्य० | अबुस्तयत | अबुस्तयेताम् | अबुस्तयन्त |
| | अबुस्तयथाः | अबुस्तयेथाम् | अबुस्तयध्वम् |
| | अबुस्तये | अबुस्तयावहि | अबुस्तयामहि |
| अ० | अबुबुस्तत | अबुबुस्तेताम् | अबुबुस्तन्त |
| | अबुबुस्तथाः | अबुबुस्तेथाम् | अबुबुस्तध्वम् |
| | अबुबुस्ते | अबुबुस्तावहि | अबुबुस्तामहि |
| प० | बुस्तयाञ्चके | बुस्तयाञ्चकाते | बुस्तयाञ्चकिरे |
| | बुस्तयाञ्चकृषे | बुस्तयाञ्चकृषे | बुस्तयाञ्चकृद्वे |
| | बुस्तयाञ्चके | बुस्तयाञ्चकृवहे | बुस्तयाञ्चकृमहे |
| | बुस्तयाम्बभूव | । | बुस्तयामास |
| आ० | बुस्तयिषीष्ट | बुस्तयिषीयास्ताम् | बुस्तयिषीरन् |
| | बुस्तयिषीष्टाः | बुस्तयिषीयास्थाम् | बुस्तयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | बुस्तयिषीय | बुस्तयिषीवहि | बुस्तयिषीमहि |
| श्व० | बुस्तयिता | बुस्तयितारौ | बुस्तयितारः |
| | बुस्तयितासे | बुस्तयितासाथे | बुस्तयिताध्वे |
| | बुस्तयिताहे | बुस्तयितास्वहे | बुस्तयितास्महे |
| भ० | बुस्तयिष्यते | बुस्तयिष्येते | बुस्तयिष्यन्ते |
| | बुस्तयिष्यसे | बुस्तयिष्येथे | बुस्तयिष्यध्वे |
| | बुस्तयिष्ये | बुस्तयिष्यावहे | बुस्तयिष्यामहे |
| क्रि० | अबुस्तयिष्यत | अबुस्तयिष्येताम् | अबुस्तयिष्यन्त |
| | अबुस्तयिष्यथाः | अबुस्तयिष्येथाम् | अबुस्तयिष्यध्वम् |
| | अबुस्तयिष्ये | अबुस्तयिष्यावहि | अबुस्तयिष्यामहि |

1648 मुस्तण् (मुस्त्) संज्ञान्ते ।

| | | | |
|-----|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | मुस्तयति | मुस्तयतः | मुस्तयन्ति |
| | मुस्तयसि | मुस्तयथः | मुस्तयथ |
| | मुस्तयामि | मुस्तयावः | मुस्तयामः |
| ब० | मुस्तयेत् | मुस्तयेताम् | मुस्तयेयुः |
| | मुस्तयेः | मुस्तयेतम् | मुस्तयेत |
| | मुस्तयेष्वम् | मुस्तयेष्व | मुस्तयेम |
| प० | मुस्तयन्तु | मुस्तयताम् | मुस्तयन्तु |
| | मुस्तय | मुस्तयतात् | मुस्तयतम् |
| | मुस्तयानि | मुस्तयाव | मुस्तयाम |
| झ० | अमुस्तयत् | अमुस्तयताम् | अमुस्तयन् |
| | अमुस्तयः | अमुस्तयतम् | अमुस्तयत |
| | अमुस्तयम् | अमुस्तयाव | अमुस्तयाम |
| ञ० | अमुस्तयत् | अमुस्तयताम् | अमुस्तयन् |
| | अमुस्तयः | अमुस्तयतम् | अमुस्तयत |
| | अमुस्तयम् | अमुस्ताव | अमुस्ताम |
| प० | मुस्तयाश्चकार | मुस्तयाश्चक्रुः | मुस्तयाश्चकुः |
| | मुस्तयाश्चकथं | मुस्तयाश्चक्रुः | मुस्तयाश्चक |
| | मुस्तयाश्चकार-चकर | मुस्तयाश्चक्रुव | मुस्तयाश्चक्रम |
| | मुस्तयाश्चभूव | । | मुस्तयामास |
| आ० | मुस्तयात् | मुस्तयास्ताम् | मुस्तयासुः |
| | मुस्तयाः | मुस्तयास्तम् | मुस्तयास्त |
| | मुस्तयासम् | मुस्तयास्व | मुस्तयास्म |
| श० | मुस्तयिता | मुस्तयितारौ | मुस्तयितारः |
| | मुस्तयितासि | मुस्तयितास्यः | मुस्तयितास्य |
| | मुस्तयितास्मि | मुस्तयितास्व | मुस्तयितास्मः |
| भ० | मुस्तयिष्यति | मुस्तयिष्यतः | मुस्तयिष्यन्ति |
| | मुस्तयिष्यसि | मुस्तयिष्यथः | मुस्तयिष्यथ |
| | मुस्तयिष्यामि | मुस्तयिष्यावः | मुस्तयिष्यामः |
| कि० | अमुस्तयिष्यत् | अमुस्तयिष्यताम् | अमुस्तयिष्यन् |
| | अमुस्तयिष्यः | अमुस्तयिष्यतम् | अमुस्तयिष्यत |
| | अमुस्तयिष्यम् | अमुस्तयिष्याव | अमुस्तयिष्याम |

| | | | |
|-----|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | मुस्तयेते | मुस्तयेते | मुस्तयन्ते |
| | मुस्तयेसे | मुस्तयेथे | मुस्तयन्थे |
| | मुस्तये | मुस्तयावहे | मुस्तयामहे |
| स० | मुस्तयेत | मुस्तयेताताम् | मुस्तयेरन् |
| | मुस्तयेथाः | मुस्तयेथाथाम् | मुस्तयेष्वम् |
| | मुस्तयेथ | मुस्तयेवहि | मुस्तयेमहि |
| प० | मुस्तयेताम् | मुस्तयेताम् | मुस्तयन्ताम् |
| | मुस्तयस्व | मुस्तयेथाम् | मुस्तयेष्वम् |
| | मुस्तये | मुस्तयावहे | मुस्तयामहे |
| झ० | अमुस्तयत् | अमुस्तयेताम् | अमुस्तयन्त |
| | अमुस्तयथाः | अमुस्तयेथाम् | अमुस्तयेष्वम् |
| | अमुस्तये | अमुस्तावहि | अमुस्तयामहि |
| ञ० | अमुस्तयत् | अमुस्तयेताम् | अमुस्तयन्त |
| | अमुस्तयथाः | अमुस्तयेथाम् | अमुस्तयेष्वम् |
| | अमुस्तये | अमुस्तावहि | अमुस्तयामहि |
| प० | मुस्तयाश्चके | मुस्तयाश्चकाते | मुस्तयाश्चकिरे |
| | मुस्तयाश्चकृषे | मुस्तयाश्चकाथे | मुस्तयाश्चकृषे |
| | मुस्तयाश्चके | मुस्तयाश्चकृवहे | मुस्तयाश्चक्रमहे |
| | मुस्तयाश्चभूव | । | मुस्तयामास |
| आ० | मुस्तयिषीष्ट | मुस्तयिषीयास्ताम् | मुस्तयिषीरन् |
| | मुस्तयिषीष्ठाः | मुस्तयिषीयास्थाम् | मुस्तयिषीष्वम् |
| | मुस्तयिषीय | मुस्तयिषीवहि | मुस्तयिषीमहि |
| श० | मुस्तयिता | मुस्तयितारौ | मुस्तयितारः |
| | मुस्तयितासे | मुस्तयितासाथे | मुस्तयिताध्वे |
| | मुस्तयिताहे | मुस्तयितास्वहे | मुस्तयितास्महे |
| भ० | मुस्तयिष्यते | मुस्तयिष्येते | मुस्तयिष्यन्ते |
| | मुस्तयिष्यसे | मुस्तयिष्येथे | मुस्तयिष्यध्वे |
| | मुस्तयिष्ये | मुस्तयिष्यावहे | मुस्तयिष्यामहे |
| कि० | अमुस्तयिष्यत् | अमुस्तयिष्येताम् | अमुस्तयिष्यन्त |
| | अमुस्तयिष्यथाः | अमुस्तयिष्येथाम् | अमुस्तयिष्येष्वम् |
| | अमुस्तयिष्ये | अमुस्तयिष्यावहि | अमुस्तयिष्यामहि |

1649 कृतण् (कृत्) संशब्दने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | कीर्तयति | कीर्तयतः | कीर्तयन्ति |
| | कीर्तयसि | कीर्तयथः | कीर्तयथ |
| | कीर्तयामि | कीर्तयावः | कीर्तयामः |
| स० | कीर्तयेत् | कीर्तयेताम् | कीर्तयेयुः |
| | कीर्तयेः | कीर्तयेतम् | कीर्तयेत |
| | कीर्तयेयम् | कीर्तयेव | कीर्तयेम |
| प० | कीर्तयतु | कीर्तयतात् | कीर्तयताम् |
| | कीर्तय | कीर्तयतात् | कीर्तयतम् |
| | कीर्तयानि | कीर्तयाव | कीर्तयाम |
| ह्य० | अकीर्तयेत् | अकीर्तयेताम् | अकीर्तयन् |
| | अकीर्तयेः | अकीर्तयेतम् | अकीर्तयेत |
| | अकीर्तयेयम् | अकीर्तयेव | अकीर्तयेम |
| अ० | अचीकृतत् | अचीकृतताम् | अचीकृतन् |
| | अचीकृतः | अचीकृततम् | अचीकृतत |
| | अचीकृतम् | अचीकृताव | अचीकृताम |
| प० | कीर्तयाश्चकार | कीर्तयाश्चकतुः | कीर्तयाश्चकुः |
| | कीर्तयाश्चकथं | कीर्तयाश्चकथुः | कीर्तयाश्चक |
| | कीर्तयाश्चकार-चकर | कीर्तयाश्चकृव | कीर्तयाश्चकृम |
| | कीर्तयाम्बभूव | । | कीर्तयामास |
| आ० | कीर्त्यात् | कीर्त्यास्ताम् | कीर्त्यासुः |
| | कीर्त्याः | कीर्त्यास्तम् | कीर्त्यास्त |
| | कीर्त्यासम् | कीर्त्यास्व | कीर्त्यास्म |
| श्व० | कीर्तयिता | कीर्तयितारौ | कीर्तयितारः |
| | कीर्तयितासि | कीर्तयितास्थः | कीर्तयितास्थ |
| | कीर्तयितास्मि | कीर्तयितास्वः | कीर्तयितास्मः |
| भ० | कीर्तयिष्यति | कीर्तयिष्यतः | कीर्तयिष्यन्ति |
| | कीर्तयिष्यसि | कीर्तयिष्यथः | कीर्तयिष्यथ |
| | कीर्तयिष्यामि | कीर्तयिष्यावः | कीर्तयिष्यामः |
| क्रि० | अकीर्तयिष्यत् | अकीर्तयिष्यताम् | अकीर्तयिष्यन् |
| | अकीर्तयिष्यः | अकीर्तयिष्यतम् | अकीर्तयिष्यत |
| | अकीर्तयिष्यम् | अकीर्तयिष्याव | अकीर्तयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | कीर्तयेते | कीर्तयेते | कीर्तयन्ते |
| | कीर्तयेसे | कीर्तयेथे | कीर्तयेध्वे |
| | कीर्तये | कीर्तयावहे | कीर्तयामहे |
| स० | कीर्तयेत | कीर्तयेयाताम् | कीर्तयेरन् |
| | कीर्तयेथाः | कीर्तयेयाथाम् | कीर्तयेध्वम् |
| | कीर्तयेथ | कीर्तयेवहि | कीर्तयेमहि |
| प० | कीर्तयेताम् | कीर्तयेताम् | कीर्तयन्ताम् |
| | कीर्तयेस्व | कीर्तयेथाम् | कीर्तयेध्वम् |
| | कीर्तये | कीर्तयावहे | कीर्तयामहे |
| ह्य० | अकीर्तयेत | अकीर्तयेताम् | अकीर्तयन्त |
| | अकीर्तयेथाः | अकीर्तयेथाम् | अकीर्तयेध्वम् |
| | अकीर्तये | अकीर्तयावहि | अकीर्तयामहि |
| अ० | अचीकृतत | अचीकृतेताम् | अचीकृतन्त |
| | अचीकृतथाः | अचीकृतेथाम् | अचीकृतध्वम् |
| | अचीकृते | अचीकृतावहि | अचीकृतामहि |
| प० | कीर्तयाश्चक्रे | कीर्तयाश्चक्राते | कीर्तयाश्चक्रिरे |
| | कीर्तयाश्चकृषे | कीर्तयाश्चकृथे | कीर्तयाश्चकृध्वे |
| | कीर्तयाश्चक्रे | कीर्तयाश्चकृवहे | कीर्तयाश्चकृमहे |
| | कीर्तयाम्बभूव | । | कीर्तयामास |
| आ० | कीर्तयिषीष्ट | कीर्तयिषीयास्ताम् | कीर्तयिषीरन् |
| | कीर्तयिषीष्टाः | कीर्तयिषीयास्थाम् | कीर्तयिषीध्वम् |
| | कीर्तयिषीय | कीर्तयिषीवहि | कीर्तयिषीमहि |
| श्व० | कीर्तयिता | कीर्तयितारौ | कीर्तयितारः |
| | कीर्तयितासे | कीर्तयितासाथे | कीर्तयिताध्वे |
| | कीर्तयिताहे | कीर्तयितास्वहे | कीर्तयितास्महे |
| भ० | कीर्तयिष्यते | कीर्तयिष्येते | कीर्तयिष्यन्ते |
| | कीर्तयिष्यसे | कीर्तयिष्येथे | कीर्तयिष्यध्वे |
| | कीर्तयिष्ये | कीर्तयिष्यावहे | कीर्तयिष्यामहे |
| क्रि० | अकीर्तयिष्यत | अकीर्तयिष्येताम् | अकीर्तयिष्यन्त |
| | अकीर्तयिष्यथाः | अकीर्तयिष्येथाम् | अकीर्तयिष्यध्वम् |
| | अकीर्तयिष्ये | अकीर्तयिष्यावहि | अकीर्तयिष्यामहि |

1650 स्वर्तण् (स्वर्त्) गतौ ।

| | | | |
|-------|---------------------|-------------------|------------------|
| व० | स्वर्तयति | स्वर्तयतः | स्वर्तयन्ति |
| | स्वर्तयसि | स्वर्तयथः | स्वर्तयथ |
| | स्वर्तयामि | स्वर्तयावः | स्वर्तयामः |
| स० | स्वर्तयेत् | स्वर्तयेताम् | स्वर्तयेयुः |
| | स्वर्तयेः | स्वर्तयेतम् | स्वर्तयेत |
| | स्वर्तयेयम् | स्वर्तयेव | स्वर्तयेम |
| प० | स्वर्तयेतु | स्वर्तयेतात् | स्वर्तयेन्तु |
| | स्वर्तये | स्वर्तयेतात् | स्वर्तयेतम् |
| | स्वर्तयानि | स्वर्तयाव | स्वर्तयाम |
| ह्य० | अस्वर्तयत् | अस्वर्तयताम् | अस्वर्तयन् |
| | अस्वर्तयः | अस्वर्तयतम् | अस्वर्तयत |
| | अस्वर्तयम् | अस्वर्तयाव | अस्वर्तयाम |
| अ० | असस्वर्तत् | असस्वर्तताम् | असस्वर्तन् |
| | असस्वर्तः | असस्वर्ततम् | असस्वर्तत |
| | असस्वर्तम् | असस्वर्ताव | असस्वर्ताम |
| प० | स्वर्तयाश्चकार | स्वर्तयाश्चक्रतुः | स्वर्तयाश्चक्रुः |
| | स्वर्तयाश्चकथं | स्वर्तयाश्चकथुः | स्वर्तयाश्चक्रुः |
| | स्वर्तयाश्चकार-चक्र | स्वर्तयाश्चकृव | स्वर्तयाश्चकृम |
| | स्वर्तयाम्बभूव | स्वर्तयामास | |
| भा० | स्वर्त्यात् | स्वर्त्यास्ताम् | स्वर्त्यासुः |
| | स्वर्त्याः | स्वर्त्यास्तम् | स्वर्त्यास्त |
| | स्वर्त्यासम् | स्वर्त्यास्व | स्वर्त्यास्म |
| श्व० | स्वर्तयिता | स्वर्तयितारौ | स्वर्तयितारः |
| | स्वर्तयितासि | स्वर्तयितास्थः | स्वर्तयितास्थ |
| | स्वर्तयितास्मि | स्वर्तयितास्वः | स्वर्तयितास्मः |
| भ० | स्वर्तयिष्यति | स्वर्तयिष्यतः | स्वर्तयिष्यन्ति |
| | स्वर्तयिष्यसि | स्वर्तयिष्यथः | स्वर्तयिष्यथ |
| | स्वर्तयिष्यामि | स्वर्तयिष्यावः | स्वर्तयिष्यामः |
| क्रि० | अस्वर्तयिष्यत् | अस्वर्तयिष्यताम् | अस्वर्तयिष्यन् |
| | अस्वर्तयिष्यः | अस्वर्तयिष्यतम् | अस्वर्तयिष्यत |
| | अस्वर्तयिष्यम् | अस्वर्तयिष्याव | अस्वर्तयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------------|--------------------|---------------------|
| व० | स्वर्तयेते | स्वर्तयेते | स्वर्तयन्ते |
| | स्वर्तयेसे | स्वर्तयेथे | स्वर्तयेध्वे |
| | स्वर्तये | स्वर्तयावहे | स्वर्तयामहे |
| स० | स्वर्तयेत | स्वर्तयेयाताम् | स्वर्तयेरन् |
| | स्वर्तयेथाः | स्वर्तयेयाथाम् | स्वर्तयेध्वम् |
| | स्वर्तयेथ | स्वर्तयेवहि | स्वर्तयेमहि |
| प० | स्वर्तयेताम् | स्वर्तयेताम् | स्वर्तयेन्ताम् |
| | स्वर्तयेस्व | स्वर्तयेथाम् | स्वर्तयेध्वम् |
| | स्वर्तये | स्वर्तयावहे | स्वर्तयामहे |
| ह्य० | अस्वर्तयत | अस्वर्तयेताम् | अस्वर्तयन्त |
| | अस्वर्तयथाः | अस्वर्तयेथाम् | अस्वर्तयेध्वम् |
| | अस्वर्तये | अस्वर्तयावहि | अस्वर्तयामहि |
| अ० | असस्वर्तत | असस्वर्तताम् | असस्वर्तन्त |
| | असस्वर्तथाः | असस्वर्तथाम् | असस्वर्तध्वम् |
| | असस्वर्ते | असस्वर्तावहि | असस्वर्तामहि |
| प० | स्वर्तयाश्चक्रे | स्वर्तयाश्चक्राते | स्वर्तयाश्चक्रिरे |
| | स्वर्तयाश्चक्रेषु | स्वर्तयाश्चक्राथे | स्वर्तयाश्चक्रुद्वे |
| | स्वर्तयाश्चक्रे | स्वर्तयाश्चक्रवहे | स्वर्तयाश्चक्रमहे |
| | स्वर्तयाम्बभूव | स्वर्तयामास | |
| भा० | स्वर्तयिषीष्ट | स्वर्तयिषीयास्ताम् | स्वर्तयिषीरन् |
| | स्वर्तयिषीष्ठाः | स्वर्तयिषीयाथाम् | स्वर्तयिषीध्वम् |
| | स्वर्तयिषीय | स्वर्तयिषीवहि | स्वर्तयिषीमहि |
| श्व० | स्वर्तयिता | स्वर्तयितारौ | स्वर्तयितारः |
| | स्वर्तयितासे | स्वर्तयितासाथे | स्वर्तयिताध्वे |
| | स्वर्तयिताहे | स्वर्तयितास्वहे | स्वर्तयितास्महे |
| भ० | स्वर्तयिष्यते | स्वर्तयिष्येते | स्वर्तयिष्यन्ते |
| | स्वर्तयिष्यसे | स्वर्तयिष्येथे | स्वर्तयिष्यध्वे |
| | स्वर्तयिष्ये | स्वर्तयिष्यावहे | स्वर्तयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्वर्तयिष्यत | अस्वर्तयिष्येताम् | अस्वर्तयिष्यन्त |
| | अस्वर्तयिष्यथाः | अस्वर्तयिष्येथाम् | अस्वर्तयिष्यध्वम् |
| | अस्वर्तयिष्ये | अस्वर्तयिष्यावहि | अस्वर्तयिष्यामहि |

1651 पथुण् (पन्थु) गतौ ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० पन्थयति | पन्थयतः | पन्थयन्ति |
| पन्थयसि | पन्थयथः | पन्थयथ |
| पन्थयामि | पन्थयावः | पन्थयामः |
| स० पन्थयेत् | पन्थयेताम् | पन्थयेयुः |
| पन्थयेः | पन्थयेतम् | पन्थयेत |
| पन्थयेयम् | पन्थयेव | पन्थयेम |
| प० पन्थयतु | पन्थयतात् | पन्थयताम् |
| पन्थय | पन्थयतात् | पन्थयतम् |
| पन्थयानि | पन्थयाव | पन्थयाम |
| ह्य० अपन्थयत् | अपन्थयताम् | अपन्थयन् |
| अपन्थयः | अपन्थयतम् | अपन्थयत |
| अपन्थयम् | अपन्थयाव | अपन्थयाम |
| अ० अपपन्थत् | अपपन्थताम् | अपपन्थन् |
| अपपन्थः | अपपन्थतम् | अपपन्थत |
| अपपन्थम् | अपपन्थाव | अपपन्थाम |
| प० पन्थयाञ्चकार | पन्थयाञ्चक्रुः | पन्थयाञ्चक्रुः |
| पन्थयाञ्चकथं | पन्थयाञ्चकथुः | पन्थयाञ्चक |
| पन्थयाञ्चकार-चकर | पन्थयाञ्चकृव | पन्थयाञ्चकृम |
| पन्थयाम्बभूव | । | पन्थयामास |
| भा० पन्थ्यात् | पन्थ्यास्ताम् | पन्थ्यासुः |
| पन्थ्याः | पन्थ्यास्तम् | पन्थ्यास्त |
| पन्थ्यासम् | पन्थ्यास्व | पन्थ्यास्म |
| श्व० पन्थयिता | पन्थयितारौ | पन्थयितारः |
| पन्थयितासि | पन्थयितास्थः | पन्थयितास्थ |
| पन्थयितास्मि | पन्थयितास्वः | पन्थयितास्मः |
| भ० पन्थयिष्यति | पन्थयिष्यतः | पन्थयिष्यन्ति |
| पन्थयिष्यसि | पन्थयिष्यथः | पन्थयिष्यथ |
| पन्थयिष्यामि | पन्थयिष्यावः | पन्थयिष्यामः |
| क्रि० अपन्थयिष्यत् | अपन्थयिष्यताम् | अपन्थयिष्यन् |
| अपन्थयिष्यः | अपन्थयिष्यतम् | अपन्थयिष्यत |
| अपन्थयिष्यम् | अपन्थयिष्याव | अपन्थयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| ब० पन्थयते | पन्थयेते | पन्थयन्ते |
| पन्थयसे | पन्थयेथे | पन्थयन्वे |
| पन्थये | पन्थयावहे | पन्थयामहे |
| स० पन्थयेत | पन्थयेयाताम् | पन्थयेरन् |
| पन्थयेथाः | पन्थयेयाथाम् | पन्थयेष्वम् |
| पन्थयेय | पन्थयेवहि | पन्थयेमहि |
| प० पन्थयताम् | पन्थयेताम् | पन्थयन्ताम् |
| पन्थयस्व | पन्थयेथाम् | पन्थयष्वम् |
| पन्थये | पन्थयावहे | पन्थयामहे |
| ह्य० अपन्थयत | अपन्थयेताम् | अपन्थयन्त |
| अपन्थयथाः | अपन्थयेथाम् | अपन्थयष्वम् |
| अपन्थये | अपन्थयावहि | अपन्थयामहि |
| अ० अपपन्थत | अपपन्थेताम् | अपपन्थन्त |
| अपपन्थथाः | अपपन्थेथाम् | अपपन्थष्वम् |
| अपपन्थे | अपपन्थावहि | अपपन्थामहि |
| प० पन्थयाञ्चक्रे | पन्थयाञ्चक्राते | पन्थयाञ्चकिरे |
| पन्थयाञ्चकृषे | पन्थयाञ्चक्राथे | पन्थयाञ्चकृद्वे |
| पन्थयाञ्चके | पन्थयाञ्चकृवहे | पन्थयाञ्चकृमहे |
| पन्थयाम्बभूव | । | पन्थयामास |
| भा० पन्थयिषीष्ट | पन्थयिषीयास्ताम् | पन्थयिषीरन् |
| पन्थयिषीष्टाः | पन्थयिषीयास्थाम् | पन्थयिषीह्वम् |
| पन्थयिषीय | पन्थयिषीवहि | पन्थयिषीमहि |
| श्व० पन्थयिता | पन्थयितारौ | पन्थयितारः |
| पन्थयितासे | पन्थयितामाथे | पन्थयिताध्वे |
| पन्थयिताहे | पन्थयितास्वहे | पन्थयितास्महे |
| भ० पन्थयिष्यते | पन्थयिष्येते | पन्थयिष्यन्ते |
| पन्थयिष्यसे | पन्थयिष्येथे | पन्थयिष्यन्वे |
| पन्थयिष्ये | पन्थयिष्यावहे | पन्थयिष्यामहे |
| क्रि० अपन्थयिष्यत् | अपन्थयिष्येताम् | अपन्थयिष्यन्त |
| अपन्थयिष्यथाः | अपन्थयिष्येथाम् | अपन्थयिष्यष्वम् |
| अपन्थयिष्ये | अपन्थयिष्यावहि | अपन्थयिष्यामहि |

1652 अथण् (अथ्) प्रतिहर्षे ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | आथयति | आथयतः | आथयन्ति |
| | आथयसि | आथयथः | आथयथ |
| | आथयामि | आथयावः | आथयामः |
| स० | आथयेत् | आथयेताम् | आथयेयुः |
| | आथयेः | अथयेतम् | आथयेत |
| | आथयेयम् | आथयेव | आथयेम |
| प० | आथयतु | आथयतात् | आथयताम् |
| | आथय | अथयतात् | आथयतम् |
| | आथयानि | आथयाव | आथयाम |
| लृ० | अआथयत् | अआथयताम् | अआथयन् |
| | अआथयः | अआथयतम् | अआथयत |
| | अआथयम् | अआथयाव | अआथयाम |
| अ० | अशिअथत् | अशिअथताम् | अशिअथन् |
| | अशिअथः | अशिअथतम् | अशिअथत |
| | अशिअथम् | अशिअथाव | अशिअथाम |
| प० | आथयाञ्चकार | आथयाञ्चकतुः | आथयाञ्चकुः |
| | आथयाञ्चक्ये | आथयाञ्चकथुः | आथयाञ्चक |
| | आथयाञ्चकार-चकर | आथयाञ्चकृव | आथयाञ्चकृम |
| | आथयाम्बभूव | । | आथयामास |
| भा० | आथ्यात् | आथ्यास्ताम् | आथ्यासुः |
| | आथ्याः | आथ्यास्तम् | आथ्यास्त |
| | आथ्यासम् | आथ्यास्व | आथ्यास्म |
| श्व० | आथयिता | आथयितारौ | आथयितारः |
| | आथयितासि | आथयितास्थः | आथयितास्थ |
| | आथयितास्मि | आथयितास्वः | आथयितास्मः |
| भ० | आथयिष्यति | आथयिष्यतः | आथयिष्यन्ति |
| | आथयिष्यसि | आथयिष्यथः | आथयिष्यथ |
| | आथयिष्यामि | अथयिष्यावः | आथयिष्यामः |
| क्रि० | अआथयिष्यत् | अआथयिष्यताम् | अआथयिष्यन् |
| | अआथयिष्यः | अआथयिष्यतम् | अअथयिष्यत |
| | अअथयिष्यम् | अआथयिष्याव | अआथयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | आथयते | आथयेते | आथयन्ते |
| | आथयसे | आथयेथे | आथयध्वे |
| | आथये | आथयावहे | आथयामहे |
| स० | आथयेत | आथयेयाताम् | आथयेरन् |
| | आथयेथाः | आथयेयाथाम् | आथयेष्वम् |
| | आथयेय | आथयेवहि | आथयेमहि |
| प० | आथयताम् | आथयेताम् | आथयन्ताम् |
| | आथयस्व | आथयेथाम् | आथयध्वम् |
| | आथयै | आथयावहै | आथयामहै |
| लृ० | अआथयत | अआथयेताम् | अआथयन्त |
| | अआथयथाः | अअथयेथाम् | अअथयध्वम् |
| | अआथये | अआथयावहि | अआथयामहि |
| अ० | अशिअथत | अशिअथेताम् | अशिअथन्त |
| | अशिअथथाः | अशिअथेथाम् | अशिअथध्वम् |
| | अशिअथे | अशिअथावहि | अशिअथामहि |
| प० | आथयाञ्चके | आथयाञ्चकाते | आथयाञ्चकिरे |
| | आथयाञ्चकृषे | आथयाञ्चकृषे | आथयाञ्चकृढ्वे |
| | आथयाञ्चके | आथयाञ्चकृवहे | आथयाञ्चकृमहे |
| | आथयाम्बभूव | । | आथयामास |
| भा० | आथयिषीष्ट | आथयिषीयास्ताम् | आथयिषीरन् |
| | आथयिषीष्ठाः | आथयिषीयास्थाम् | आथयिषीह्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | आथयिषीय | आथयिषीवहि | आथयिषीमहि |
| श्व० | आथयिता | आथयितारौ | आथयितारः |
| | आथयितासि | आथयितासाथे | आथयिताध्वे |
| | आथयिताहे | आथयितास्वहे | आथयितास्महे |
| भ० | आथयिष्यते | आथयिष्येते | आथयिष्यन्ते |
| | आथयिष्यसे | आथयिष्येथे | आथयिष्यध्वे |
| | आथयिष्ये | आथयिष्यावहे | आथयिष्यामहे |
| क्रि० | अआथयिष्यत | अआथयिष्येताम् | अआथयिष्यन्त |
| | अआथयिष्यथाः | अआथयिष्येथाम् | अआथयिष्यध्वम् |
| | अआथयिष्ये | अआथयिष्यावहि | अआथयिष्यामहि |

1653 पृथण् (पृथ्) प्रक्षेपणे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | पर्थयति | पर्थयतः | पर्थयन्ति |
| | पर्थयसि | पर्थयथः | पर्थयथ |
| | पर्थयामि | पर्थयावः | पर्थयामः |
| स० | पर्थयेत् | पर्थयेताम् | पर्थयेयुः |
| | पर्थयेः | पर्थयेतम् | पर्थयेत |
| | पर्थयेयम् | पर्थयेव | पर्थयेम |
| प० | पर्थयतु | पर्थयतात् | पर्थयन्तु |
| | पर्थय | पर्थयतात् | पर्थयत |
| | पर्थयानि | पर्थयाव | पर्थयाम |
| | अपर्थयत् | अपर्थयताम् | अपर्थयन् |
| | अपर्थयः | अपर्थयतम् | अपर्थयत |
| | अपर्थयम् | अपर्थयाव | अपर्थयाम |
| | अपीपृथत् | अपीपृथताम् | अपीपृथन् |
| | अपीपृथः | अपीपृथतम् | अपीपृथत |
| | अपीपृथम् | अपीपृथाव | अपीपृथाम |
| | अपपर्थत् | अपपर्थताम् | अपपर्थन् ३० |
| प० | पर्थयाञ्चकार | पर्थयाञ्चक्रुः | पर्थयाञ्चकुः |
| | पर्थयाञ्चकथं | पर्थयाञ्चकथुः | पर्थयाञ्चक |
| | पर्थयाञ्चकार-चकर | पर्थयाञ्चकृव | पर्थयाञ्चकृम |
| | पर्थयाम्बभूव | । | पर्थयामास |
| आ० | पर्थ्यात् | पर्थ्यास्ताम् | पर्थ्यासुः |
| | पर्थ्याः | पर्थ्यास्तम् | पर्थ्यास्त |
| | पर्थ्यासम् | पर्थ्यास्व | पर्थ्यास्म |
| श्व० | पर्थयिता | पर्थयितारौ | पर्थयितारः |
| | पर्थयितासि | पर्थयितास्थः | पर्थयितास्थ |
| | पर्थयितास्मि | पर्थयितास्वः | पर्थयितास्मः |
| भ० | पर्थयिष्यति | पर्थयिष्यतः | पर्थयिष्यन्ति |
| | पर्थयिष्यसि | पर्थयिष्यथः | पर्थयिष्यथ |
| | पर्थयिष्यामि | पर्थयिष्यावः | पर्थयिष्यामः |
| क्रि० | अपर्थयिष्यत् | अपर्थयिष्यताम् | अपर्थयिष्यन् |
| | अपर्थयिष्यः | अपर्थयिष्यतम् | अपर्थयिष्यत |
| | अपर्थयिष्यम् | अपर्थयिष्याव | अपर्थयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|------------------|
| ब० | पर्थयेते | पर्थयेते | पर्थय ते |
| | पर्थयसे | पर्थयेथे | पर्थयध्वे |
| | पर्थये | पर्थयावहे | पर्थयामहे |
| स० | पर्थयेत | पर्थयेताताम् | पर्थयेरन् |
| | पर्थयेथाः | पर्थयेथाथाम् | पर्थयेध्वम् |
| | पर्थयेय | पर्थयेवहि | पर्थयेमहि |
| प० | पर्थयताम् | पर्थयेताम् | पर्थयन्ताम् |
| | पर्थयस्व | पर्थयेथाम् | पर्थयध्वम् |
| | पर्थये | पर्थयावहे | पर्थयामहे |
| ह्य० | अपर्थयत | अपर्थयेताम् | अपर्थयन्त |
| | अपर्थयथाः | अपर्थयेथाम् | अपर्थयध्वम् |
| | अपर्थये | अपर्थयावहि | अपर्थयामहि |
| अ० | अपीपृथत | अपीपृथेताम् | अपीपृथन्त |
| | अपीपृथथाः | अपीपृथेथाम् | अपीपृथध्वम् |
| | अपीपृथे | अपीपृथावहि | अपीपृथामहि |
| | अपपर्थत | अपपर्थेताम् | अपपर्थन्त ३० |
| प० | पर्थयाञ्चके | पर्थयाञ्चकाते | पर्थयाञ्चकिरे |
| | पर्थयाञ्चकृषे | पर्थयाञ्चक्राये | पर्थयाञ्चकृद्धे |
| | पर्थयाञ्चके | पर्थयाञ्चकृवहे | पर्थयाञ्चकृमहे |
| | पर्थयाम्बभूव | । | पर्थयामास |
| आ० | पर्थयिषीष्ट | पर्थयिषीयास्ताम् | पर्थयिषीरन् |
| | पर्थयिषीष्ठाः | पर्थयिषीयास्थाम् | पर्थयिषीध्वम् ३० |
| | पर्थयिषीय | पर्थयिषीवहि | पर्थयिषीमहि |
| श्व० | पर्थयिता | पर्थयितारौ | पर्थयितारः |
| | पर्थयितासे | पर्थयितासाथे | पर्थयिताध्वे |
| | पर्थयिताहे | पर्थयितास्वहे | पर्थयितास्महे |
| भ० | पर्थयिष्यते | पर्थयिष्येते | पर्थयिष्यन्ते |
| | पर्थयिष्यसे | पर्थयिष्येथे | पर्थयिष्यध्वे |
| | पर्थयिष्ये | पर्थयिष्यावहे | पर्थयिष्यामहे |
| क्रि० | अपर्थयिष्यत | अपर्थयिष्येताम् | अपर्थयिष्यन्त |
| | अपर्थयिष्यथाः | अपर्थयिष्येथाम् | अपर्थयिष्यध्वम् |
| | अपर्थयिष्ये | अपर्थयिष्यावहि | अपर्थयिष्यामहि |

1654 प्रथण् (प्रथ्) प्रह्वाने । 1003 प्रथिष्वन्तूपाणि
अद्यतन्यां, अपप्रथदित्यादि

1655 छदण् (छद्) संवरणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------|---------------|
| व० | छादयति | छादयतः | छादयन्ति |
| | छादयसि | छादयथः | छादयथ |
| | छादयामि | छादयावः | छादयामः |
| स० | छादयेत् | छादयेताम् | छादयेयुः |
| | छादयेः | छादयेतम् | छादयेत |
| | छादयेयम् | छादयेव | छादयेम |
| प० | छादयतु | छादयतात् | छादयन्तु |
| | छादय | छादयतात् | छादयतम् |
| | छादयानि | छादयाव | छादयाम |
| ह्य० | अच्छादयत् | अच्छादयताम् | अच्छादयन् |
| | अच्छादयः | अच्छादयतम् | अच्छादयत |
| | अच्छादयम् | अच्छादयाव | अच्छादयाम |
| प्र० | अचिच्छदत् | अचिच्छदताम् | अचिच्छदन् |
| | अचिच्छदः | अचिच्छदतम् | अचिच्छदत |
| | अचिच्छदम् | अचिच्छदाव | अचिच्छदाम |
| प० | छादयाश्चकार | छादयाश्चक्रुः | छादयाश्चकुः |
| | छादयाश्चकथं | छादयाश्चक्रुः | छादयाश्चक |
| | छादयाश्चकार-चकर | छादयाश्चक्रुव | छादयाश्चकृम |
| | छादयाम्बभूव | । | छादयामास |
| आ० | छायात् | छायास्ताम् | छायासुः |
| | छायाः | छायास्तम् | छायास्त |
| | छायासम् | छायास्व | छायास्म |
| श्व० | छादयिता | छादयितारौ | छादयितारः |
| | छादयितासि | छादयितास्थः | छादयितास्थ |
| | छादयितास्मि | छादयितास्वः | छादयितास्मः |
| भ० | छादयिष्यति | छादयिष्यतः | छादयिष्यन्ति |
| | छादयिष्यसि | छादयिष्यथः | छादयिष्यथ |
| | छादयिष्यामि | छादयिष्यावः | छादयिष्यामः |
| क्रि० | अच्छादयिष्यत् | अच्छादयिष्यताम् | अच्छादयिष्यन् |
| | अच्छादयिष्यः | अच्छादयिष्यतम् | अच्छादयिष्यत |
| | अच्छादयिष्यम् | अच्छादयिष्याव | अच्छादयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|------------------|
| व० | छादयते | छादयेते | छादयन्ते |
| | छादयसे | छादयेथे | छादयन्वे |
| | छादये | छादयावहे | छादयामहे |
| स० | छादयेत | छादयेयाताम् | छादयेरन् |
| | छादयेथाः | छादयेयाथाम् | छादयेष्वम् |
| | छादयेय | छादयेवहि | छादयेमहि |
| प० | छादयताम् | छादयेताम् | छादयन्ताम् |
| | छादयस्व | छादयेथाम् | छादयष्वम् |
| | छादये | छादयावहे | छादयामहे |
| ह्य० | अच्छादयत | अच्छादयेताम् | अच्छादयन्त |
| | अच्छादयथाः | अच्छादयेथाम् | अच्छादयष्वम् |
| | अच्छादये | अच्छादयावहि | अच्छादयामहि |
| भ० | अचिच्छदत | अचिच्छदेताम् | अचिच्छदन्त |
| | अचिच्छदथाः | अचिच्छदेथाम् | अचिच्छदष्वम् |
| | अचिच्छदे | अचिच्छदावहि | अचिच्छदामहि |
| प० | छादयाश्चके | छादयाश्चक्राते | छादयाश्चक्रिरे |
| | छादयाश्चकृषे | छादयाश्चक्राथे | छादयाश्चकृद्वे |
| | छादयाश्चके | छादयाश्चकृवहे | छादयाश्चकृमहे |
| | छादयाम्बभूव | । | छादयामास |
| आ० | छादयिषीष्ट | छादयिषीयास्ताम् | छादयिषीरन् |
| | छादयिषीष्ठाः | छादयिषीयास्थाम् | छादयिषीह्वम् |
| | छादयिषीय | छादयिषीवहि | छादयिषीमहि |
| श्व० | छादयिता | छादयितारौ | छादयितारः |
| | छादयितासे | छादयितासाथे | छादयितावे |
| | छादयिताहे | छादयितास्वहे | छादयितास्महे |
| भ० | छादयिष्यते | छादयिष्येते | छादयिष्यन्ते |
| | छादयिष्यसे | छादयिष्येथे | छादयिष्यन्वे |
| | छादयिष्ये | छादयिष्यावहे | छादयिष्यामहे |
| क्रि० | अच्छादयिष्यत | अच्छादयिष्येताम् | अच्छादयिष्यन्त |
| | अच्छादयिष्यथाः | अच्छादयिष्येथाम् | अच्छादयिष्यष्वम् |
| | अच्छादयिष्ये | अच्छादयिष्यावहि | अच्छादयिष्यामहि |

1656 चुदण् (चुद्) सञ्चोदने ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| ब० | चोदयति | चोदयतः | चोदयन्ति |
| | चोदयसि | चोदयथः | चोदयथ |
| | चोदयामि | चोदयावः | चोदयामः |
| स० | चोदयेत् | चोदयेताम् | चोदयेयुः |
| | चोदयेः | चोदयेतम् | चोदयेत |
| | चोदयेयम् | चोदयेव | चोदयेम |
| प० | चोदयतु | चोदयतात् | चोदयताम् |
| | चोदय | चोदयतात् | चोदयतम् |
| | चोदयानि | चोदयाव | चोदयाम |
| ह्य० | अचोदयत् | अचोदयताम् | अचोदयन् |
| | अचोदयः | अचोदयतम् | अचोदयत |
| | अचोदयम् | अचोदयाव | अचोदयाम |
| झ० | अचूचुदत् | अचूचुदताम् | अचूचुदन् |
| | अचूचुदः | अचूचुदतम् | अचूचुदत |
| | अचूचुदम् | अचूचुदाव | अचूचुदाम |
| ण० | चोदयाञ्चकार | चोदयाञ्चक्रतुः | चोदयाञ्चक्रुः |
| | चोदयाञ्चकथं | चोदयाञ्चकथुः | चोदयाञ्चक |
| | चोदयाञ्चकार-चकर | चोदयाञ्चकृव | चोदयाञ्चकृम |
| | चोदयाम्बभूव | । | चोदयामास |
| आ० | चोद्यात् | चोद्यास्ताम् | चोद्यासुः |
| | चोद्याः | चोद्यास्तम् | चोद्यास्त |
| | चोद्यासम् | चोद्यास्व | चोद्यास्म |
| इ० | चोदयिता | चोदयितारौ | चोदयितारः |
| | चोदयितासि | चोदयितास्थः | चोदयितास्थ |
| | चोदयितास्मि | चोदयितास्वः | चोदयितास्मः |
| भ० | चोदयिष्यति | चोदयिष्यतः | चोदयिष्यन्ति |
| | चोदयिष्यसि | चोदयिष्यथः | चोदयिष्यथ |
| | चोदयिष्यामि | चोदयिष्यावः | चोदयिष्यामः |
| क्रि० | अचोदयिष्यत् | अचोदयिष्यताम् | अचोदयिष्यन् |
| | अचोदयिष्यः | अचोदयिष्यतम् | अचोदयिष्यत |
| | अचोदयिष्यम् | अच्छादयिष्याव | अचोदयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | चोदयते | चोदयेते | चोदयन्ते |
| | चोदयसे | चोदयेथे | चोदयध्वे |
| | चोदये | चोदयावहे | चोदयामहे |
| स० | चोदयेत् | चोदयेयाताम् | चोदयेरन् |
| | चोदयेथाः | चोदयेयाथाम् | चोदयेध्वम् |
| | चोदयेय | चोदयेवहि | चोदयेमहि |
| प० | चोदयताम् | चोदयेताम् | चोदयन्ताम् |
| | चोदयस्व | चोदयेथाम् | चोदयध्वम् |
| | चोदये | चोदयावहे | चोदयामहे |
| ह्य० | अचोदयत | अचोदयेताम् | अचोदयन्त |
| | अचोदयथाः | अचोदयेथाम् | अचोदयध्वम् |
| | अचोदये | अचोदयावहि | अचोदयामहि |
| अ० | अचूचुदत | अचूचुदेताम् | अचूचुदन्त |
| | अचूचुदथाः | अचूचुदेथाम् | अचूचुदध्वम् |
| | अचूचुदे | अचूचुदावहि | अचूचुदामहि |
| प० | चोदयाञ्चके | चोदयाञ्चक्राते | चोदयाञ्चक्रिरे |
| | चोदयाञ्चकृषे | चोदयाञ्चक्राथे | चोदयाञ्चकृद्वे |
| | चोदयाञ्चके | चोदयाञ्चकृवहे | चोदयाञ्चकृम |
| | चोदयाम्बभूव | । | चोदयामास |
| आ० | चोदयिषीष्ट | चोदयिषीयास्ताम् | चोदयिषीरन् |
| | चोदयिषीष्ठाः | चोदयिषीयाथाम् | चोदयिषीध्वम् |
| | चोदयिषीय | चोदयिषीवहि | चोदयिषीमहि |
| इ० | चोदयिता | चोदयितारौ | चोदयितारः |
| | चोदयितासे | चोदयितासाथे | चोदयिताध्वे |
| | चोदयिताहे | चोदयितास्वहे | चोदयितास्महे |
| भ० | चोदयिष्यते | चोदयिष्येते | चोदयिष्यन्ते |
| | चोदयिष्यसे | चोदयिष्येथे | चोदयिष्यध्वे |
| | चोदयिष्ये | चोदयिष्यावहे | चोदयिष्यामहे |
| क्रि० | अचोदयिष्यत् | अचोदयिष्येताम् | अचोदयिष्यन्त |
| | अचोदयिष्याः | अचोदयिष्येथाम् | अचोदयिष्यध्वम् |
| | अचोदयिष्ये | अचोदयिष्यावहि | अचोदयिष्यामहि |

1656 मिदुण् (मिन्द्) स्नेहने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | मिन्दयति | मिन्दयतः | मिन्दयन्ति |
| | मिन्दयसि | मिन्दयथः | मिन्दयथ |
| | मिन्दयामि | मिन्दयावः | मिन्दयामः |
| स० | मिन्दयेत् | मिन्दयेताम् | मिन्दयेयुः |
| | मिन्दयेः | मिन्दयेतम् | मिन्दयेत |
| | मिन्दयेयम् | मिन्दयेव | मिन्दयेम |
| प० | मिन्दयतु | मिन्दयतात् | मिन्दयन्तु |
| | मिन्दय | मिन्दयतात् | मिन्दयत |
| | मिन्दयानि | मिन्दयाव | मिन्दयाम |
| ह्य० | अमिन्दयत् | अमिन्दयताम् | अमिन्दयन् |
| | अमिन्दयः | अमिन्दयतम् | अमिन्दयत |
| | अमिन्दयम् | अमिन्दयाव | अमिन्दयाम |
| प्र० | अमिमिन्दत् | अमिमिन्दताम् | अमिमिन्दन् |
| | अमिमिन्दः | अमिमिन्दतम् | अमिमिन्दत |
| | अमिमिन्दम् | अमिमिन्दाव | अमिमिन्दाम |
| प० | मिन्दयाञ्चकार | मिन्दयाञ्चकतुः | मिन्दयाञ्चकुः |
| | मिन्दयाञ्चकर्थ | मिन्दयाञ्चकथुः | मिन्दयाञ्चक |
| | मिन्दयाञ्चकार-चकर | मिन्दयाञ्चकृव | मिन्दयाञ्चकृम |
| | मिन्दयाञ्चभूव | । | मिन्दयामास |
| आ० | मिन्धात् | मिन्धास्ताम् | मिन्धासुः |
| | मिन्धाः | मिन्धास्तम् | मिन्धास्त |
| | मिन्धासम् | मिन्धास्व | मिन्धास्म |
| श्व० | मिन्दयिता | मिन्दयितारौ | मिन्दयितारः |
| | मिन्दयितासि | मिन्दयितास्थः | मिन्दयितास्थ |
| | मिन्दयितास्मि | मिन्दयितास्वः | मिन्दयितास्मः |
| भ० | मिन्दयिष्यति | मिन्दयिष्यतः | मिन्दयिष्यन्ति |
| | मिन्दयिष्यसि | मिन्दयिष्यथः | मिन्दयिष्यथ |
| | मिन्दयिष्यामि | मिन्दयिष्यावः | मिन्दयिष्यामः |
| क्रि० | अमिन्दयिष्यत् | अमिन्दयिष्यताम् | अमिन्दयिष्यन् |
| | अमिन्दयिष्यः | अमिन्दयिष्यतम् | अमिन्दयिष्यत |
| | अमिन्दयिष्यम् | अमिन्दयिष्याव | अमिन्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|---------------------|------------------|
| व० | मिन्दयते | मिन्दयेते | मिन्दयन्ते |
| | मिन्दयसे | मिन्दयेथे | मिन्दयन्वे |
| | मिन्दये | मिन्दयावहे | मिन्दयामहे |
| स० | मिन्दयेत् | मिन्दयेयाताम् | मिन्दयेरन् |
| | मिन्दयेथाः | मिन्दयेयाथाम् | मिन्दयेष्वम् |
| | मिन्दयेय | मिन्दयेवहि | मिन्देमहि |
| प० | मिन्दयताम् | मिन्दयेताम् | मिन्दयन्ताम् |
| | मिन्दयस्व | मिन्दयेथाम् | मिन्दयष्वम् |
| | मिन्दये | मिन्दयावहे | मिन्दयामहे |
| ह्य० | अमिन्दयत् | अमिन्दयेताम् | अमिन्दयन्त |
| | अमिन्दयथाः | अमिन्दयेथाम् | अमिन्दयष्वम् |
| | अमिन्दये | अमिन्दयावहि | अमिन्दयामहि |
| अ० | अमिमिन्दत् | अमिमिन्देताम् | अमिमिन्दन्त |
| | अमिमिन्दथाः | अमिमिन्देथाम् | अमिमिन्दष्वम् |
| | अमिमिन्दे | अमिमिन्दावहि | अमिमिन्दामहि |
| प० | मिन्दयाञ्चके | मिन्दयाञ्चकाते | मिन्दयाञ्चकिरे |
| | मिन्दयाञ्चकृषे | मिन्दयाञ्चकृषे | मिन्दयाञ्चकृद्वे |
| | मिन्दयाञ्चके | मिन्दयाञ्चकृवहे | मिन्दयाञ्चकृमहे |
| | मिन्दयाञ्चभूव | । | मिन्दयामास |
| आ० | मिन्दयिषीष्ट | मिन्दयिषीष्टास्ताम् | मिन्दयिषीरन् |
| | मिन्दयिषीष्टाः | मिन्दयिषीष्टास्थाम् | मिन्दयिषीष्ट्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | मिन्दयिषीय | मिन्दयिषीवहि | मिन्दयिषीमहि |
| श्व० | मिन्दयिता | मिन्दयितारौ | मिन्दयितारः |
| | मिन्दयितासे | मिन्दयितासाथे | मिन्दयिताध्वे |
| | मिन्दयिताहे | मिन्दयितास्वहे | मिन्दयितास्महे |
| भ० | मिन्दयिष्यते | मिन्दयिष्येते | मिन्दयिष्यन्ते |
| | मिन्दयिष्यसे | मिन्दयिष्येथे | मिन्दयिष्यन्वे |
| | मिन्दयिष्ये | मिन्दयिष्यावहे | मिन्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अमिन्दयिष्यत् | अमिन्दयिष्येताम् | अमिन्दयिष्यन्त |
| | अमिन्दयिष्याः | अमिन्दयिष्येथाम् | अमिन्दयिष्यध्वम् |
| | अमिन्दयिष्ये | अमिन्दयिष्यावहि | अमिन्दयिष्यामहि |

१६५६ छर्दण् (छर्द) वमने ।

| | | |
|------------|----------|-----------|
| ब० छर्दयति | छर्दयतः | छर्दयन्ति |
| छर्दयसि | छर्दयथः | छर्दयथ |
| छर्दयामि | छर्दयावः | छर्दयामः |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| स० छर्दयेत् | छर्दयेताम् | छर्दयेयुः |
| छर्दयेः | छर्दयेतम् | छर्दयेत |
| छर्दयेयम् | छर्दयेव | छर्दयेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० छर्दयतु | छर्दयतात् | छर्दयताम् | छर्दयन्तु |
| छर्दय | छर्दयतात् | छर्दयतम् | छर्दयत |
| छर्दयानि | छर्दयाव | छर्दयाम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अछर्दयत् | अछर्दयताम् | अछर्दयन् |
| अछर्दयः | अछर्दयतम् | अछर्दयत |
| अछर्दयम् | अछर्दयाव | अछर्दयाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अचछर्दत् | अचछर्दताम् | अचछर्दन् |
| अचछर्दः | अचछर्दतम् | अचछर्दत |
| अचछर्दम् | अचछर्दाव | अचछर्दाम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| प० छर्दयाश्चकार | छर्दयाश्चक्रतुः | छर्दयाश्चक्रुः |
| छर्दयाश्चकथे | छर्दयाश्चक्रथुः | छर्दयाश्चक्र |
| छर्दयाश्चकार-चकर | छर्दयाश्चक्रव | छर्दयाश्चक्रम |

छर्दयाम्बभूव । छर्दयामास

| | | |
|-------------|-------------|----------|
| भा० छर्दात् | जर्दास्ताम् | छर्दासुः |
| छर्दाः | छर्दास्तम् | छर्दास्त |
| छर्दासम् | छर्दास्व | छर्दास्म |

| | | |
|--------------|--------------|--------------|
| श० छर्दयिता | छर्दयितारौ | छर्दयितारः |
| छर्दयितासि | छर्दयितास्यः | छर्दयितास्य |
| छर्दयितास्मि | छर्दयितास्वः | छर्दयितास्मः |

| | | |
|----------------|--------------|---------------|
| भ० छर्दयिष्यति | छर्दयिष्यतः | छर्दयिष्यन्ति |
| छर्दयिष्यसि | छर्दयिष्यथः | छर्दयिष्यथ |
| छर्दयिष्यामि | छर्दयिष्यावः | छर्दयिष्यामः |

| | | |
|--------------------|----------------|--------------|
| क्रि० अछर्दयिष्यत् | अछर्दयिष्यताम् | अछर्दयिष्यन् |
| अछर्दयिष्यः | अछर्दयिष्यतम् | अछर्दयिष्यत |
| अछर्दयिष्यम् | अछर्दयिष्याव | अछर्दयिष्याम |

| | | |
|------------|-----------|-----------|
| व० छर्दयते | छर्दयंते | छर्दयन्ते |
| छर्दयसे | छर्दयेथे | छर्दयध्वे |
| छर्दये | छर्दयावहे | छर्दयामहे |

| | | |
|------------|--------------|-------------|
| स० छर्दयेत | छर्दयेयाताम् | छर्दयेरन् |
| छर्दयेथाः | छर्दयेयाथाम् | छर्दयेध्वम् |
| छर्दयेय | छर्दयेवहि | छर्दयेमहि |

| | | |
|--------------|------------|-------------|
| प० छर्दयताम् | छर्दयेताम् | छर्दयन्ताम् |
| छर्दयस्व | छर्दयेथाम् | छर्दयध्वम् |
| छर्दये | छर्दयावहे | छर्दयामहे |

| | | |
|------------|-------------|-------------|
| झ० अछर्दयत | अछर्दयेताम् | अछर्दयन्त |
| अछर्दयथाः | अछर्दयेथाम् | अछर्दयध्वम् |
| अछर्दये | अछर्दयावहि | अछर्दयामहि |

| | | |
|------------|------------|-------------|
| भ० अवछर्दत | अवछर्दताम् | अवछर्दन्त |
| अवछर्दथाः | अवछर्दथाम् | अवछर्दध्वम् |
| अवछर्दे | अवछर्दावहि | अवछर्दामहि |

| | | |
|----------------|-----------------|-----------------|
| प० छर्दयाश्चके | छर्दयाश्चक्रते | छर्दयाश्चक्रिरे |
| छर्दयाश्चकृषे | छर्दयाश्चक्राथे | छर्दयाश्चकृध्वे |
| छर्दयाश्चके | छर्दयाश्चकृवहे | छर्दयाश्चकृमहे |

छर्दयाम्बभूव । छर्दयामास

| | | |
|-----------------|--------------------|---------------|
| भा० छर्दयिषीष्ट | छर्दयिषीष्टास्ताम् | छर्दयिषीरन् |
| छर्दयिषीष्टाः | छर्दयिषीष्टाथाम् | छर्दयिषीध्वम् |

| | | |
|-----------|-------------|-------------|
| छर्दयिषीय | छर्दयिषीवहि | छर्दयिषीमहि |
|-----------|-------------|-------------|

| | | |
|-------------|---------------|---------------|
| श० छर्दयिता | छर्दयितारौ | छर्दयितारः |
| छर्दयितासे | छर्दयितासाथे | छर्दयिताध्वे |
| छर्दयिताहे | छर्दयितास्वहे | छर्दयितास्महे |

| | | |
|----------------|---------------|---------------|
| भ० छर्दयिष्यते | छर्दयिष्येते | छर्दयिष्यन्ते |
| छर्दयिष्यसे | छर्दयिष्येथे | छर्दयिष्यध्वे |
| छर्दयिष्ये | छर्दयिष्यावहे | छर्दयिष्यामहे |

| | | |
|--------------------|----------------|-----------------|
| क्रि० अछर्दयिष्यत् | अछर्दयिष्यताम् | अछर्दयिष्यन्त |
| अछर्दयिष्यः | अछर्दयिष्यथाम् | अछर्दयिष्यध्वम् |
| अछर्दयिष्ये | अछर्दयिष्यावहि | अछर्दयिष्यामहि |

1660 बुधुण् (बुन्ध्) हिंसायाभ ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| ब० बुन्धयति | बुन्धयतः | बुन्धयन्ति |
| बुन्धयसि | बुन्धयथः | बुन्धयथ |
| बुन्धयामि | बुन्धयावः | बुन्धयामः |
| स० बुन्धयेत् | बुन्धयेताम् | बुन्धयेयुः |
| बुन्धयेः | बुन्धयेतम् | बुन्धयेत |
| बुन्धयेयम् | बुन्धयेव | बुन्धयेम |
| प० बुन्धयतु | बुन्धयतात् | बुन्धयताम् |
| बुन्धय | बुन्धयतात् | बुन्धयतम् |
| बुन्धयानि | बुन्धयाव | बुन्धयाम |
| झ० अबुन्धयत् | अबुन्धयताम् | अबुन्धयन् |
| अबुन्धयः | अबुन्धयतम् | अबुन्धयत |
| अबुन्धयम् | अबुन्धयाव | अबुन्धयाम |
| झ० अबुबुन्धत् | अबुबुन्धताम् | अबुबुन्धन् |
| अबुबुन्धः | अबुबुन्धतम् | अबुबुन्धत |
| अबुबुन्धम् | अबुबुन्धाव | अबुबुन्धाम |
| प० बुन्धयाश्चकार | बुन्धयाश्चक्रतुः | बुन्धयाश्चक्रुः |
| बुन्धयाश्चकर्त् | बुन्धयाश्चक्रथुः | बुन्धयाश्चक्र |
| बुन्धयाश्चकार-चकर | बुन्धयाश्चक्रव | बुन्धयाश्चक्रम |

बुन्धयाम्बभूव । बुन्धयामास

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| आ० बुन्ध्यात् | बुन्ध्यास्ताम् | बुन्ध्यासुः |
| बुन्ध्याः | बुन्ध्यास्तम् | बुन्ध्यास्त |
| बुन्ध्यासम् | बुन्ध्यास्व | बुन्ध्यास्म |
| श्व० बुन्धयिता | बुन्धयितारौ | बुन्धयितारः |
| बुधयितासि | बुन्धयितास्थः | बुन्धयितास्थ |
| बुन्धयितास्मि | बुन्धयितास्वः | बुन्धयितास्मः |
| भ० बुन्धयिष्यति | बुन्धयिष्यतः | बुन्धयिष्यन्ति |
| बुन्धयिष्यसि | बुन्धयिष्यथः | बुधयिष्यथ |
| बुन्धयिष्यामि | बुन्धयिष्यावः | बुन्धयिष्यामः |
| क्रि० अबुन्धयिष्यत् | अबुन्धयिष्यताम् | अबुन्धयिष्यन् |
| अबुन्धयिष्यः | अबुन्धयिष्यतम् | अबुन्धयिष्यत |
| अबुन्धयिष्यम् | अबुन्धयिष्याव | अबुन्धयिष्याम |

| | | |
|----------------------------|------------------|-------------------|
| व० बुन्धयते | बुन्धयते | बुन्धयन्ते |
| बुन्धयसे | बुन्धयेथे | बुन्धयन्ते |
| बुन्धये | बुन्धयावहे | बुन्धयामहे |
| स० बुन्धयेत | बुन्धयेयाताम् | बुन्धयेरन् |
| बुन्धयेथाः | बुन्धयेयाथाम् | बुन्धयेध्वम् |
| बुन्धयेय | बुन्धयेवहि | बुन्धयेमहि |
| प० बुन्धयताम् | बुन्धयेताम् | बुन्धयन्ताम् |
| बुन्धयस्व | बुन्धयेयाम् | बुन्धयध्वम् |
| बुन्धये | बुन्धयावहे | बुन्धयामहे |
| झ० अबुन्धयत | अबुन्धयेताम् | अबुन्धयन्त |
| अबुन्धयथाः | अबुन्धयेथाम् | अबुन्धयध्वम् |
| अबुन्धये | अबुन्धयावहि | अबुन्धयामहि |
| झ० अबुबुन्धत | अबुबुन्धेताम् | अबुबुन्धन्त |
| अबुबुन्धथाः | अबुबुन्धेथाम् | अबुबुन्धध्वम् |
| अबुबुन्धे | अबुबुन्धावहि | अबुबुन्धामहि |
| प० बुन्धयाश्चके | बुन्धयाश्चकाते | बुन्धयाश्चक्रिरे |
| बुन्धयाश्चकृषे | बुन्धयाश्चक्राये | बुन्धयाश्चक्रुवहे |
| बुन्धयाश्चके | बुन्धयाश्चक्रवहे | बुन्धयाश्चक्रमहे |
| बुन्धयाम्बभूव । बुन्धयामास | | |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| आ० बुन्धयिषीष्ट | बुन्धयिषीयास्ताम् | बुन्धयिषीरन् |
| बुन्धयिषीष्ठाः | बुन्धयिषीयास्थाम् | बुन्धयिषीढवम् |
| | | ध्वम् |
| बुन्धयिषीय | बुन्धयिषीवहि | बुन्धयिषीमहि |
| श्व० बुन्धयिता | बुन्धयितारौ | बुन्धयितारः |
| बुन्धयितासे | बुन्धयितासाथे | बुन्धयितास्वै |
| बुन्धयिताहे | बुन्धयितास्वडे | बुन्धयितास्महे |
| भ० बुन्धयिष्यते | बुन्धयिष्येते | बुन्धयिष्यन्ते |
| बुधयिष्यसे | बुन्धयिष्येथे | बुन्धयिष्यध्वे |
| बुन्धयिष्ये | बुन्धयिष्यवहे | बुन्धयिष्यामहे |
| क्रि० अबुन्धयिष्यत् | अबुन्धयिष्येताम् | अबुन्धयिष्यन्त |
| अबुन्धयिष्यथाः | अबुन्धयिष्येथाम् | अबुन्धयिष्यध्वम् |
| अबुन्धयिष्ये | अबुन्धयिष्यवहि | अबुन्धयिष्यामहि |

1661 वर्धण् (वर्ध्) छेदनपूरणयोः ।

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| ब० वर्धयति | वर्धयतः | वर्धयन्ति |
| वर्धयसि | वर्धयथः | वर्धयथ |
| वर्धयामि | वर्धयावः | वर्धयामः |
| स० वर्धयेत् | वर्धयेताम् | वर्धयेयुः |
| वर्धयेः | वर्धयेतम् | वर्धयेत |
| वर्धयेयम् | वर्धयेव | वर्धयेम |
| प० वर्धयतु | वर्धयतात् | वर्धयन्तु |
| वर्धय | वर्धयतात् | वर्धयत |
| वर्धयानि | वर्धयाव | वर्धयाम |
| ह्य० अवर्धयत् | अवर्धयताम् | अवर्धयन् |
| अवर्धयः | अवर्धयतम् | अवर्धयत |
| अवर्धयम् | अवर्धयाव | अवर्धयाम |
| अ० अववर्धत् | अववर्धताम् | अववर्धन् |
| अववर्धः | अववर्धतम् | अववर्धत |
| अववर्धम् | अववर्धयाव | अववर्धयाम |
| प० वर्धयाश्चकार | वर्धयाश्चक्रुः | वर्धयाश्चक्रुः |
| वर्धयाश्चकथ | वर्धयाश्चक्रुः | वर्धयाश्चक्रुः |
| वर्धयाश्चकार-चक्र | वर्धयाश्चक्रुव | वर्धयाश्चक्रुम |

वर्धयाम्बभूव । वर्धयामास

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| आ० वर्ध्यात् | वर्ध्यास्ताम् | वर्ध्यासुः |
| वर्ध्याः | वर्ध्यास्तम् | वर्ध्यास्त |
| वर्ध्यासम् | वर्ध्यास्व | वर्ध्यास्म |
| श्व० वर्धयिता | वर्धयितारौ | वर्धयितारः |
| वर्धयितासि | वर्धयितास्थः | वर्धयितास्थ |
| वर्धयितास्मि | वर्धयितास्वः | वर्धयितास्मः |
| भ० वर्धयिष्यति | वर्धयिष्यतः | वर्धयिष्यन्ति |
| वर्धयिष्यसि | वर्धयिष्यथः | वर्धयिष्यथ |
| वर्धयिष्यामि | वर्धयिष्यावः | वर्धयिष्यामः |
| क्रि० अवर्धयिष्यत् | अवर्धयिष्यताम् | अवर्धयिष्यन् |
| अवर्धयिष्यः | अवर्धयिष्यतम् | अवर्धयिष्यत |
| अवर्धयिष्यम् | अवर्धयिष्याव | अवर्धयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|-------------------|
| ब० वर्धयते | वर्धयते | वर्धयन्ते |
| वर्धयसे | वर्धयेथे | वर्धयन्ते |
| वर्धये | वर्धयावहे | वर्धयामहे |
| स० वर्धयेत् | वर्धयेयाताम् | वर्धयेरन् |
| वर्धयेथाः | वर्धयेयाथाम् | वर्धयेष्वम् |
| वर्धयेय | वर्धयेवहि | वर्धयेमहि |
| प० वर्धयताम् | वर्धयेताम् | वर्धयन्ताम् |
| वर्धयस्व | वर्धयेथाम् | वर्धयेष्वम् |
| वर्धये | वर्धयावहे | वर्धयामहे |
| श्व० अवर्धयत् | अवर्धयेताम् | अवर्धयन्त |
| अवर्धयथाः | अवर्धयेथाम् | अवर्धयेष्वम् |
| अवर्धये | अवर्धयावहि | अवर्धयामहि |
| अ० अववर्धत् | अववर्धेताम् | अववर्धन्त |
| अववर्धथाः | अववर्धेथाम् | अववर्धेष्वम् |
| अववर्धे | अववर्धावहि | अववर्धामहि |
| प० वर्धयाश्चक्रे | वर्धयाश्चक्राते | वर्धयाश्चक्रिरे |
| वर्धयाश्चक्रुषे | वर्धयाश्चक्राये | वर्धयाश्चक्रुद्वे |
| वर्धयाश्चक्रे | वर्धयाश्चक्रुवहे | वर्धयाश्चक्रुमहे |
| वर्धयाम्बभूव | वर्धयामास | |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| आ० वर्धयिषीष्ट | वर्धयिषीयास्ताम् | वर्धयिषीरन् |
| वर्धयिषीष्टाः | वर्धयिषीयास्तम् | वर्धयिषीद्वम् |
| वर्धयिषीय | वर्धयिषीवहि | वर्धयिषीमहि |
| श्व० वर्धयिता | वर्धयितारौ | वर्धयितारः |
| वर्धयितासे | वर्धयितासाथे | वर्धयितास्व |
| वर्धयिताहे | वर्धयितास्वः | वर्धयितास्महे |
| भ० वर्धयिष्यते | वर्धयिष्येते | वर्धयिष्यन्ते |
| वर्धयिष्यसे | वर्धयिष्येथे | वर्धयिष्यन्ते |
| वर्धयिष्ये | वर्धयिष्यावहे | वर्धयिष्यामहे |
| क्रि० अवर्धयिष्यत् | अवर्धयिष्येताम् | अवर्धयिष्यन्त |
| अवर्धयिष्यथाः | अवर्धयिष्येथाम् | अवर्धयिष्येष्वम् |
| अवर्धयिष्ये | अवर्धयिष्यावहि | अवर्धयिष्यामहि |

1662 गर्धण् (गर्ध) अभिकाङ्क्षायाः ।

| | | | |
|----|------------------|---------------|--------------|
| ब० | गर्धयति | गर्धयतः | गर्धयन्ति |
| | गर्धयसि | गर्धयथः | गर्धयथ |
| | गर्धयामि | गर्धयावः | गर्धयामः |
| स० | गर्धयेत् | गर्धयेताम् | गर्धयेयुः |
| | गर्धयेः | गर्धयेतम् | गर्धयेत |
| | गर्धयेयम् | गर्धयेव | गर्धयेम |
| प० | गर्धयतु | गर्धयतात् | गर्धयन्तु |
| | गर्धय | गर्धयतात | गर्धयतम् |
| | गर्धयानि | गर्धयाव | गर्धयाम |
| ल० | अगर्धयत् | अगर्धयताम् | अगर्धयन् |
| | अगर्धयः | अगर्धयतम् | अगर्धयत |
| | अगर्धयम् | अगर्धयाव | अगर्धयाम |
| अ० | अजगर्धत् | अजगर्धताम् | अजगर्धन् |
| | अजगर्धः | अजगर्धतम् | अजगर्धत |
| | अजगर्धम् | अजगर्धाव | अजगर्धाम |
| प० | गर्धयाञ्चकार | गर्धयाञ्चकतुः | गर्धयाञ्चकुः |
| | गर्धयाञ्चकथ | गर्धयाञ्चकथुः | गर्धयाञ्चक |
| | गर्धयाञ्चकार-चकर | गर्धयाञ्चकृव | गर्धयाञ्चकृम |

गर्धयाम्बभूव । गर्धयामास

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| आ० | गर्ध्यात् | गर्ध्यास्ताम् | गर्ध्यासुः |
| | गर्ध्याः | गर्ध्यास्तम् | गर्ध्यास्त |
| | गर्ध्यासम् | गर्ध्यास्व | गर्ध्यास्म |
| श्व० | गर्धयिता | गर्धयितारौ | गर्धयितारः |
| | गर्धयितासि | गर्धयितास्यः | गर्धयितास्य |
| | गर्धयितास्मि | गर्धयितास्वः | गर्धयितास्मः |
| भ० | गर्धयिष्यति | गर्धयिष्यतः | गर्धयिष्यन्ति |
| | गर्धयिष्यसि | गर्धयिष्यथः | गर्धयिष्यथ |
| | गर्धयिष्यामि | गर्धयिष्यावः | गर्धयिष्यामः |
| क्रि० | अगर्धयिष्यत् | अगर्धयिष्यताम् | अगर्धयिष्यन् |
| | अगर्धयिष्यः | अगर्धयिष्यतम् | अगर्धयिष्यत |
| | अगर्धयिष्यम् | अगर्धयिष्याव | अगर्धयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | गर्धयते | गर्धयते | गर्धयन्ते |
| | गर्धयसे | गर्धयथे | गर्धयध्वे |
| | गर्धये | गर्धयावहे | गर्धयामहे |
| स० | गर्धयेत | गर्धयेयाताम् | गर्धयेरन् |
| | गर्धयेथाः | गर्धयेयाथाम् | गर्धयेध्वम् |
| | गर्धयेय | गर्धयेवहि | गर्धयेमहि |
| प० | गर्धयताम् | गर्धयेताम् | गर्धयन्ताम् |
| | गर्धयस्व | गर्धयेथाम् | गर्धयध्वम् |
| | गर्धये | गर्धयावहे | गर्धयामहे |
| श्व० | अगर्धयत | अगर्धयेताम् | अगर्धयन्त |
| | अगर्धयथाः | अगर्धयेथाम् | अगर्धयध्वम् |
| | अगर्धये | अगर्धयावहि | अगर्धयामहि |
| अ० | अजगर्धत् | अजगर्धेताम् | अजगर्धन्त |
| | अजगर्धथाः | अजगर्धेथाम् | अजगर्धध्वम् |
| | अजगर्धे | अजगर्धावहि | अजगर्धामहि |
| प० | गर्धयाञ्चक्रे | गर्धयाञ्चकृते | गर्धयाञ्चक्रिरे |
| | गर्धयाञ्चकृषे | गर्धयाञ्चकृथे | गर्धयाञ्चकृद्वे |
| | गर्धयाञ्चक्रे | गर्धयाञ्चकृवहे | गर्धयाञ्चकृमहे |
| | गर्धयाम्बभूव | गर्धयामास | |
| आ० | गर्धयिषीष्ट | गर्धयिषीयास्ताम् | गर्धयिषीरन् |
| | गर्धयिषीष्टाः | गर्धयिषीयास्थाम् | गर्धयिषीद्वम् |
| | गर्धयिषीय | गर्धयिषीवहि | गर्धयिषीमहि |
| श्व० | गर्धयिता | गर्धयितारौ | गर्धयितारः |
| | गर्धयितासे | गर्धयितासाथे | गर्धयिताध्वे |
| | गर्धयिताहे | गर्धयितास्वहे | गर्धयितास्महे |
| भ० | गर्धयिष्यते | गर्धयिष्येते | गर्धयिष्यन्ते |
| | गर्धयिष्यसे | गर्धयिष्येथे | गर्धयिष्यध्वे |
| | गर्धयिष्ये | गर्धयिष्यवहे | गर्धयिष्यामहे |
| क्रि० | अगर्धयिष्यत् | अगर्धयिष्यताम् | अगर्धयिष्यन्त |
| | अगर्धयिष्यथाः | अगर्धयिष्येथाम् | अगर्धयिष्यध्वम् |
| | अगर्धयिष्ये | अगर्धयिष्यावहि | अगर्धयिष्यामहि |

1665 छपुण् (छम्प्) गती ।

| | | | |
|-------|------------------|------------------|----------------|
| ब० | छम्पयति | छम्पयतः | छम्पयन्ति |
| | छम्पयसि | छम्पयथः | छम्पयथ |
| | छम्पयामि | छम्पयावः | छम्पयामः |
| स० | छम्पयेत् | छम्पयेताम् | छम्पयेयुः |
| | छम्पयेः | छम्पयेतम् | छम्पयेत |
| | छम्पयेयम् | छम्पयेव | छम्पयेम |
| प० | छम्पयतु | छम्पयतात् | छम्पयताम् |
| | छम्पय | छम्पयतात् | छम्पयतम् |
| | छम्पयानि | छम्पयाव | छम्पयाम |
| ह्य० | अच्छम्पयत् | अच्छम्पयताम् | अच्छम्पयन् |
| | अच्छम्पयः | अच्छम्पयतम् | अच्छम्पयत |
| | अच्छम्पयम् | अच्छम्पयाव | अच्छम्पयाम |
| अ० | अचच्छम्पत् | अचच्छम्पताम् | अचच्छम्पन् |
| | अचच्छम्पः | अचच्छम्पतम् | अचच्छम्पत |
| | अचच्छम्पम् | अचच्छम्पाव | अचच्छम्पाम |
| प० | छम्पयाञ्चकार | छम्पयाञ्चक्रतुः | छम्पयाञ्चक्रुः |
| | छम्पयाञ्चकर्तुं | छम्पयाञ्चक्रथुः | छम्पयाञ्चक्र |
| | छम्पयाञ्चकार-चकर | छम्पयाञ्चकृव | छम्पयाञ्चकृम |
| | छम्पयाम्बभूव | । | छम्पयामास |
| आ० | छम्प्यात् | छम्प्यास्ताम् | छम्प्यासुः |
| | छम्प्याः | छम्प्यास्तम् | छम्प्यास्त |
| | छम्प्यासम् | छम्प्यास्व | छम्प्यास्म |
| श्र० | छम्पयिता | छम्पयितारौ | छम्पयितारः |
| | छम्पयितासि | छम्पयितास्थः | छम्पयितास्थ |
| | छम्पयितास्मि | छम्पयितास्वः | छम्पयितास्मः |
| भ० | छम्पयिष्यति | छम्पयिष्यतः | छम्पयिष्यन्ति |
| | छम्पयिष्यसि | छम्पयिष्यथः | छम्पयिष्यथ |
| | छम्पयिष्यामि | छम्पयिष्यावः | छम्पयिष्यामः |
| क्रि० | अच्छम्पयिष्यत् | अच्छम्पयिष्यताम् | अच्छम्पयिष्यन् |
| | अच्छम्पयिष्यः | अच्छम्पयिष्यतम् | अच्छम्पयिष्यत |
| | अच्छम्पयिष्यम् | अच्छम्पयिष्याव | अच्छम्पयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|-------------------|-------------------|
| व० | छम्पयते | छम्पयेते | छम्पयन्ते |
| | छम्पयसे | छम्पयेथे | छम्पयन्थे |
| | छम्पये | छम्पयावहे | छम्पयामहे |
| स० | छम्पयेत | छम्पयेयाताम् | छम्पयेरन् |
| | छम्पयेथाः | छम्पयेयाथाम् | छम्पयेचम् |
| | छम्पयेय | छम्पयेवहि | छम्पयेमहि |
| प० | छम्पयताम् | छम्पयेताम् | छम्पयन्ताम् |
| | छम्पयस्व | छम्पयेथाम् | छम्पयन्वम् |
| | छम्पयै | छम्पयावहै | छम्पयामहै |
| ह्य० | अच्छम्पयत | अच्छम्पयेताम् | अच्छम्पयन्त |
| | अच्छम्पयथाः | अच्छम्पयेथाम् | अच्छम्पयन्वम् |
| | अच्छम्पये | अच्छम्पयावहि | अच्छम्पयामहि |
| अ० | अचच्छम्पत | अचच्छम्पेताम् | अचच्छम्पन्त |
| | अचच्छम्पथाः | अचच्छम्पेथाम् | अचच्छम्पन्वम् |
| | अचच्छम्पे | अचच्छम्पावहि | अचच्छम्पामहि |
| प० | छम्पयाञ्चक्रे | छम्पयाञ्चक्राते | छम्पयाञ्चक्रिरे |
| | छम्पयाञ्चकृषे | छम्पयाञ्चक्राथे | छम्पयाञ्चकृद्देवे |
| | छम्पयाञ्चक्रे | छम्पयाञ्चकृवहे | छम्पयाञ्चकृमहे |
| | छम्पयाम्बभूव | । | छम्पयामास |
| आ० | छम्पयिषीष्ट | छम्पयिषीयास्ताम् | छम्पयिषीरन् |
| | छम्पयिषीष्टाः | छम्पयिषीयास्थाम् | छम्पयिषीद्वम् |
| | छम्पयिषीय | छम्पयिषीवहि | छम्पयिषीमहि |
| श्र० | छम्पयिता | छम्पयितारौ | छम्पयितारः |
| | छम्पयितासे | छम्पयितासाथे | छम्पयिताध्वे |
| | छम्पयिताहे | छम्पयितास्वहे | छम्पयितास्महे |
| भ० | छम्पयिष्यते | छम्पयिष्येते | छम्पयिष्यन्ते |
| | छम्पयिष्यसे | छम्पयिष्येथे | छम्पयिष्यन्थे |
| | छम्पयिष्ये | छम्पयिष्यावहे | छम्पयिष्यामहे |
| क्रि० | अच्छम्पयिष्यत | अच्छम्पयिष्येताम् | अच्छम्पयिष्यन्त |
| | अच्छम्पयिष्यथाः | अच्छम्पयिष्येथाम् | अच्छम्पयिष्यन्वम् |
| | अच्छम्पयिष्ये | अच्छम्पयिष्यावहि | अच्छम्पयिष्यामहि |

1666 क्षपुण् (क्षम्) क्षान्तौ ।

| | | |
|----------------------|-------------------|-----------------|
| व० क्षम्पयति | क्षम्पयतः | क्षम्पयन्ति |
| क्षम्पयसि | क्षम्पयथः | क्षम्पयथ |
| क्षम्पयामि | क्षम्पयावः | क्षम्पयामः |
| स० क्षम्पयेत् | क्षम्पयेताम् | क्षम्पयेयुः |
| क्षम्पयेः | क्षम्पयेतम् | क्षम्पयेत |
| क्षम्पयेयम् | क्षम्पयेव | क्षम्पयेम |
| प० क्षम्पयतु | क्षम्पयतात् | क्षम्पयताम् |
| क्षम्पय | क्षम्पयतात् | क्षम्पयतम् |
| क्षम्पयानि | क्षम्पयाव | क्षम्पयाम |
| ह्य० अक्षम्पयत् | अक्षम्पयताम् | अक्षम्पयन् |
| अक्षम्पयः | अक्षम्पयतम् | अक्षम्पयत |
| अक्षम्पयम् | अक्षम्पयाव | अक्षम्पयाम |
| अ० अचक्षम्पत् | अचक्षम्पताम् | अचक्षम्पन् |
| अचक्षम्पः | अचक्षम्पतम् | अचक्षम्पत |
| अचक्षम्पम् | अचक्षम्पाव | अचक्षम्पाम |
| प० क्षम्पयाञ्चकार | क्षम्पयाञ्चक्रतुः | क्षम्पयाञ्चकुः |
| क्षम्पयाञ्चकथं | क्षम्पयाञ्चकथुः | क्षम्पयाञ्चक |
| क्षम्पयाञ्चकार-चकर | क्षम्पयाञ्चकृव | क्षम्पयाञ्चकृम |
| क्षम्पयाम्बभूव | क्षम्पयामास | |
| आ० क्षम्प्यात् | क्षम्प्यास्ताम् | क्षम्प्यासुः |
| क्षम्प्याः | क्षम्प्यास्तम् | क्षम्प्यास्त |
| क्षम्प्यासम् | क्षम्प्यास्व | क्षम्प्यास्म |
| श्व० क्षम्पयिता | क्षम्पयितारौ | क्षम्पयितारः |
| क्षम्पयितासि | क्षम्पयितास्थः | क्षम्पयितास्थ |
| क्षम्पयितास्मि | क्षम्पयितास्वः | क्षम्पयितास्मः |
| भ० क्षम्पयिष्यति | क्षम्पयिष्यतः | क्षम्पयिष्यन्ति |
| क्षम्पयिष्यसि | क्षम्पयिष्यथः | क्षम्पयिष्यथ |
| क्षम्पयिष्यामि | क्षम्पयिष्यावः | क्षम्पयिष्यामः |
| क्रि० अक्षम्पयिष्यत् | अक्षम्पयिष्यताम् | अक्षम्पयिष्यन् |
| अक्षम्पयिष्यः | अक्षम्पयिष्यतम् | अक्षम्पयिष्यत |
| अक्षम्पयिष्यम् | अक्षम्पयिष्याव | अक्षम्पयिष्याम |

| | | |
|---------------------|--------------------|-------------------|
| व० क्षम्पयते | क्षम्पयेते | क्षम्पयन्ते |
| क्षम्पयसे | क्षम्पयेथे | क्षम्पयध्वे |
| क्षम्पये | क्षम्पयावहे | क्षम्पयामहे |
| स० क्षम्पयेत | क्षम्पयेयाताम् | क्षम्पयेरन् |
| क्षम्पयेथाः | क्षम्पयेयाथाम् | क्षम्पयेध्वम् |
| क्षम्पयेय | क्षम्पयेवहि | क्षम्पयेमहि |
| ह्य० क्षम्पयताम् | क्षम्पयेताम् | क्षम्पयन्ताम् |
| क्षम्पयस्व | क्षम्पयेथाम् | क्षम्पयध्वम् |
| क्षम्पये | क्षम्पयावहे | क्षम्पयामहे |
| ह्य० अक्षम्पयत | अक्षम्पयेताम् | अक्षम्पयन्त |
| अक्षम्पयथाः | अक्षम्पयेथाम् | अक्षम्पयध्वम् |
| अक्षम्पये | अक्षम्पयावहि | अक्षम्पयामहि |
| अ० अचक्षम्पत | अचक्षम्पेताम् | अचक्षम्पन्त |
| अचक्षम्पथाः | अचक्षम्पेथाम् | अचक्षम्पध्वम् |
| अचक्षम्पे | अचक्षम्पावहि | अचक्षम्पामहि |
| प० क्षम्पयाञ्चके | क्षम्पयाञ्चक्रते | क्षम्पयाञ्चकिरे |
| क्षम्पयाञ्चकृषे | क्षम्पयाञ्चक्रथे | क्षम्पयाञ्चकृध्वे |
| क्षम्पयाञ्चके | क्षम्पयाञ्चकृवहे | क्षम्पयाञ्चकृमहे |
| क्षम्पयाम्बभूव | क्षम्पयामास | |
| आ० क्षम्पयिषीष्ट | क्षम्पयिषीयास्ताम् | क्षम्पयिषीरन् |
| क्षम्पयिषीष्टाः | क्षम्पयिषीयास्याम् | क्षम्पयिषीध्वम् |
| क्षम्पयिषीय | क्षम्पयिषीवहि | क्षम्पयिषीमहि |
| श्व० क्षम्पयिता | क्षम्पयितारौ | क्षम्पयितारः |
| क्षम्पयितासे | क्षम्पयितासाथे | क्षम्पयिताध्वे |
| क्षम्पयिताहे | क्षम्पयितास्वहे | क्षम्पयितास्महे |
| भ० क्षम्पयिष्यते | क्षम्पयिष्येते | क्षम्पयिष्यन्ते |
| क्षम्पयिष्यसे | क्षम्पयिष्येथे | क्षम्पयिष्यध्वे |
| क्षम्पयिष्ये | क्षम्पयिष्यावहे | क्षम्पयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षम्पयिष्यत | अक्षम्पयिष्येताम् | अक्षम्पयिष्यन्त |
| अक्षम्पयिष्यथाः | अक्षम्पयिष्येथाम् | अक्षम्पयिष्यध्वम् |
| अक्षम्पयिष्ये | अक्षम्पयिष्यावहि | अक्षम्पयिष्यामहि |

1667 छपण् [छत्ण्] समुच्चङ्गायि । 1197 छपचवद्र्वाणि

1668 छिपण् (छिप्) क्षेपे । 1196 छिपचवद्र्वाणि

1669 हण् (हण्) व्यक्तायांवाचि ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|--------------|
| व० | हापयति | हापयतः | हापयन्ति |
| | हापयसि | हापयथः | हापयथ |
| | हापयामि | हापयावः | हापयामः |
| स० | हापयेत् | हापयेताम् | हापयेयुः |
| | हापयेः | हापयेतम् | हापयेत |
| | हापयेयम् | हापयेव | हापयेम |
| प० | हापयतु | हापयतात् | हापयताम् |
| | हापय | हापयतात् | हापयतम् |
| | हापयानि | हापयाव | हापयाम |
| ह्य० | अहापयत् | अहापयताम् | अहापयन् |
| | अहापयः | अहापयतम् | अहापयत |
| | अहापयम् | अहापयाव | अहापयाम |
| भ० | अजिहपत् | अजिहपताम् | अजिहपन् |
| | अजिहपः | अजिहपतम् | अजिहपत |
| | अजिहपम् | अजिहपाव | अजिहपाम |
| प० | हापयाञ्चकार | हापयाञ्चकतुः | हापयाञ्चकुः |
| | हापयाञ्चकर्थ | हापयाञ्चक्रथुः | हापयाञ्चक |
| | हापयाञ्चकार-चकर | हापयाञ्चकृव | हापयाञ्चकृम |
| | हापयाम्बभूव | । | हापयामास |
| भा० | हाप्यात् | हाप्यास्ताम् | हाप्यासुः |
| | हाप्याः | हाप्यास्तम् | हाप्यास्त |
| | हाप्यासम् | हाप्यास्व | हाप्यास्म |
| ध० | हापयिता | हापयितारौ | हापयितारः |
| | हापयितासि | हापयितास्थः | हापयितास्थ |
| | हापयितास्मि | हापयितास्वः | हापयितास्मः |
| भ० | हापयिष्यति | हापयिष्यतः | हापयिष्यन्ति |
| | हापयिष्यसि | हापयिष्यथः | हापयिष्यथ |
| | हापयिष्यामि | हापयिष्यावः | हापयिष्यामः |
| क्रि० | अहापयिष्यत् | अहापयिष्यताम् | अहापयिष्यन् |
| | अहापयिष्यः | अहापयिष्यतम् | अहापयिष्यत |
| | अहापयिष्यम् | अहापयिष्याव | अहापयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| प० | हापयते | हापयेते | हापयन्ते |
| | हापयसे | हापयेथे | हापयध्वे |
| | हापये | हापयावहे | हापयामहे |
| स० | हापयेत | हापयेयाताम् | हापयेरन् |
| | हापयेथाः | हापयेयाथाम् | हापयेध्वम् |
| | हापयेय | हापयेवहि | हापयेमहि |
| प० | हापयताम् | हापयेताम् | हापयन्ताम् |
| | हापयस्व | हापयेथाम् | हापयध्वम् |
| | हापये | हापयावहे | हापयामहे |
| ह्य० | अहापयत | अहापयताम् | अहापयन्त |
| | अहापयथाः | अहापयेथाम् | अहापयध्वम् |
| | अहापये | अहापयावहि | अहापयामहि |
| भ० | अजिहपत | अजिहपेताम् | अजिहपन्त |
| | अजिहपथाः | अजिहपेथाम् | अजिहपध्वम् |
| | अजिहपे | अजिहपावहि | अजिहपामहि |
| प० | हापयाञ्चके | हापयाञ्चकते | हापयाञ्चकिरे |
| | हापयाञ्चकृषे | हापयाञ्चकृषे | हापयाञ्चकृद्वे |
| | हापयाञ्चके | हापयाञ्चकृवहे | हापयाञ्चकृमहे |
| | हापयाम्बभूव | । | हापयामास |
| भा० | हापयिषीष्ट | हापयिषीयास्ताम् | हापयिषीरन् |
| | हापयिषीष्टाः | हापयिषीयास्याम् | हापयिषीद्वम् |
| | हापयिषीय | हापयिषीवहि | हापयिषीमहि |
| श्र० | हापयिता | हापयितारौ | हापयितारः |
| | हापयितासे | हापयितासाथे | हापयिताध्वे |
| | हापयिताहे | हापयितास्वहे | हापयितास्महे |
| भ० | हापयिष्यते | हापयिष्येते | हापयिष्यन्ते |
| | हापयिष्यसे | हापयिष्येथे | हापयिष्यध्वे |
| | हापयिष्ये | हापयिष्यावहे | हापयिष्यामहे |
| क्रि० | अहापयिष्यत | अहापयिष्येताम् | अहापयिष्यन्त |
| | अहापयिष्यथाः | अहापयिष्येथाम् | अहापयिष्यध्वम् |
| | अहापयिष्ये | अहापयिष्यावहि | अहापयिष्यामहि |

1670 डपुण् (डम्प्) सङ्घाते ।

| | | |
|---------------------|----------------|----------------|
| व० डम्पयति | डम्पयतः | डम्पयन्ति |
| डम्पयसि | डम्पयसः | डम्पयथ |
| डम्पयामि | डम्पयावः | डम्पयामः |
| स० डम्पयेत् | डम्पयेताम् | डम्पयेयुः |
| डम्पयेः | डम्पयेतम् | डम्पयेत |
| डम्पयेयम् | डम्पयेव | डम्पयेम |
| प० डम्पयतु | डम्पयतात् | डम्पयतु |
| डम्पय | डम्पयतात् | डम्पयतम् |
| डम्पयानि | डम्पयाव | डम्पयाम |
| ह्य० अडम्पयत् | अडम्पयताम् | अडम्पयन् |
| अडम्पयः | अडम्पयतम् | अडम्पयत |
| अडम्पयम् | अडम्पयाव | अडम्पयाम |
| अ० अडडम्पत् | अडडम्पताम् | अडडम्पन् |
| अडडम्पः | अडडम्पतम् | अडडम्पत |
| अडडम्पम् | अडडम्पाव | अडडम्पाम |
| प० डम्पयाश्चकार | डम्पयाश्चक्रुः | डम्पयाश्चक्रुः |
| डम्पयाश्चक्रुर्ध्वं | डम्पयाश्चक्रुः | डम्पयाश्चक्रुः |
| डम्पयाश्चकार-चकर | डम्पयाश्चक्रुव | डम्पयाश्चक्रुम |
| डम्पयाम्बभूव | डम्पयामास | |
| आ० डम्पयात् | डम्पयास्ताम् | डम्पयासुः |
| डम्पयाः | डम्पयास्तम् | डम्पयास्त |
| डम्पयासम् | डम्पयास्व | डम्पयास्म |
| भ० डम्पयिता | डम्पयितारौ | डम्पयितारः |
| डम्पयितासि | डम्पयितास्यः | डम्पयितास्य |
| डम्पयितास्मि | डम्पयितास्वः | डम्पयितास्मः |
| भ० डम्पयिष्यति | डम्पयिष्यतः | डम्पयिष्यन्ति |
| डम्पयिष्यसि | डम्पयिष्यथः | डम्पयिष्यथ |
| डम्पयिष्यामि | डम्पयिष्यावः | डम्पयिष्यामः |
| क्रि० अडम्पयिष्यत् | अडम्पयिष्यताम् | अडम्पयिष्यन् |
| अडम्पयिष्यः | अडम्पयिष्यतम् | अडम्पयिष्यत |
| अडम्पयिष्यम् | अडम्पयिष्याव | अडम्पयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० डम्पयते | डम्पयते | डम्पयन्ते |
| डम्पयसे | डम्पयेथे | डम्पयध्वे |
| डम्पये | डम्पयावहे | डम्पयामहे |
| स० डम्पयेत | डम्पयेयाताम् | डम्पयेन् |
| डम्पयेथाः | डम्पयेयाथाम् | डम्पयेय्वम् |
| डम्पयेय | डम्पयेवहि | डम्पयेमहि |
| प० डम्पयताम् | डम्पयेताम् | डम्पयन्ताम् |
| डम्पयस्व | डम्पयेथाम् | डम्पयध्वम् |
| डम्पये | डम्पयावहे | डम्पयामहे |
| ह्य० अडम्पयत | अडम्पयताम् | अडम्पयन्त |
| अडम्पयथाः | अडम्पयेथाम् | अडम्पयध्वम् |
| अडम्पये | अडम्पयावहि | अडम्पयामहि |
| अ० अडडम्पत | अडडम्पेताम् | अडडम्पन्त |
| अडडम्पथाः | अडडम्पेथाम् | अडडम्पध्वम् |
| अडडम्पे | अडडम्पावहि | अडडम्पामहि |
| प० डम्पयाञ्चक्रे | डम्पयाञ्चक्राते | डम्पयाञ्चक्रिरे |
| डम्पयाञ्चकृषे | डम्पयाञ्चक्राथे | डम्पयाञ्चकृध्वे |
| डम्पयाञ्चक्रे | डम्पयाञ्चकृवहे | डम्पयाञ्चकृमहे |
| डम्पयाम्बभूव | डम्पयामास | |
| आ० डम्पयिषीष्ट | डम्पयिषीयास्ताम् | डम्पयिषीन्त |
| डम्पयिषीष्टाः | डम्पयिषीयास्थाम् | डम्पयिषीध्वम् |
| डम्पयिषीय | डम्पयिषीवहि | डम्पयिषीमहि |
| भ० डम्पयिता | डम्पयितारौ | डम्पयितारः |
| डम्पयितासे | डम्पयितास्ये | डम्पयितास्ये |
| डम्पयिताहे | डम्पयितास्वहे | डम्पयितास्महे |
| भ० डम्पयिष्यते | डम्पयिष्येते | डम्पयिष्यन्ते |
| डम्पयिष्यसे | डम्पयिष्येथे | डम्पयिष्यध्वे |
| डम्पयिष्ये | डम्पयिष्यावहे | डम्पयिष्यामहे |
| क्रि० अडम्पयिष्यत | अडम्पयिष्यताम् | अडम्पयिष्यन्त |
| अडम्पयिष्यथाः | अडम्पयिष्येथाम् | अडम्पयिष्यध्वम् |
| अडम्पयिष्ये | अडम्पयिष्यावहि | अडम्पयिष्यामहि |

1671 डिपुण् (डिम्पु) सङ्घाते ।

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------|
| अ० डिम्पयति | डिम्पयतः | डिम्पयन्ति |
| डिम्पयसि | डिम्पयथः | डिम्पयथ |
| डिम्पयामि | डिम्पयावः | डिम्पयामः |
| स० डिम्पयेत् | डिम्पयेताम् | डिम्पयेयुः |
| डिम्पयेः | डिम्पयेतम् | डिम्पयेत |
| डिम्पयेयम् | डिम्पयेव | डिम्पयेम |
| प० डिम्पयतु | डिम्पयतात् | डिम्पयताम् |
| डिम्पय | डिम्पयतात् | डिम्पयतम् |
| डिम्पयानि | डिम्पयाव | डिम्पयाम |
| ह्य० अडिम्पयत् | अडिम्पयताम् | अडिम्पयन् |
| अडिम्पयः | अडिम्पयतम् | अडिम्पयत |
| अडिम्पयम् | अडिम्पयाव | अडिम्पयाम |
| अ० अडिडिम्पत् | अडिडिम्पताम् | अडिडिम्पन् |
| अडिडिम्पः | अडिडिम्पतम् | अडिडिम्पत |
| अडिडिम्पम् | अडिडिम्पाव | अडिडिम्पाम |
| प० डिम्पयाञ्चकार | डिम्पयाञ्चक्रुः | डिम्पयाञ्चक्रुः |
| डिम्पयाञ्चकथं | डिम्पयाञ्चकथुः | डिम्पयाञ्चक |
| डिम्पयाञ्चकार-चकर | डिम्पयाञ्चकृव | डिम्पयाञ्चकृमहे |
| डिम्पयाम्बभूव | डिम्पयामास | |
| आ० डिम्प्यात् | डिम्प्यास्ताम् | डिम्प्यासुः |
| डिम्प्याः | डिम्प्यास्तम् | डिम्प्यास्त |
| डिम्प्यासम् | डिम्प्यास्व | डिम्प्यास्म |
| अ० डिम्पयिता | डिम्पयितारौ | डिम्पयितारः |
| डिम्पयितासि | डिम्पयितास्थः | डिम्पयितास्थ |
| डिम्पयितास्मि | डिम्पयितास्वः | डिम्पयितास्मः |
| अ० डिम्पयिष्यति | डिम्पयिष्यतः | डिम्पयिष्यन्ति |
| डिम्पयिष्यसि | डिम्पयिष्यथः | डिम्पयिष्यथ |
| डिम्पयिष्यामि | डिम्पयिष्यावः | डिम्पयिष्यामः |
| क्रि० अडिम्पयिष्यत् | अडिम्पयिष्यताम् | अडिम्पयिष्यन् |
| अडिम्पयिष्यः | अडिम्पयिष्यतम् | अडिम्पयिष्यत |
| अडिम्पयिष्यम् | अडिम्पयिष्याव | अडिम्पयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० डिम्पयते | डिम्पयते | डिम्पयन्ते |
| डिम्पयसे | डिम्पयेथे | डिम्पयध्वे |
| डिम्पये | डिम्पयावहे | डिम्पयामहे |
| स० डिम्पयेत | डिम्पयेयाताम् | डिम्पयेरन् |
| डिम्पयेथाः | डिम्पयेयाथाम् | डिम्पयेध्वम् |
| डिम्पयेय | डिम्पयेवहि | डिम्पयेमहि |
| प० डिम्पयताम् | डिम्पयेताम् | डिम्पयन्ताम् |
| डिम्पयस्व | डिम्पयेथाम् | डिम्पयध्वम् |
| डिम्पये | डिम्पयावहे | डिम्पयामहे |
| ह्य० अडिम्पयत | अडिम्पयताम् | अडिम्पयन्त |
| अडिम्पयथाः | अडिम्पयेथाम् | अडिम्पयध्वम् |
| अडिम्पये | अडिम्पयावहि | अडिम्पयामहि |
| अ० अडिडिम्पत | अडिडिम्पेताम् | अडिडिम्पन्त |
| अडिडिम्पथाः | अडिडिम्पेथाम् | अडिडिम्पध्वम् |
| अडिडिम्पे | अडिडिम्पावहि | अडिडिम्पामहि |
| प० डिम्पयाञ्चक्रे | डिम्पयाञ्चक्राते | डिम्पयाञ्चक्रिरे |
| डिम्पयाञ्चकृषे | डिम्पयाञ्चक्राथे | डिम्पयाञ्चकृढ्वे |
| डिम्पयाञ्चक्रे | डिम्पयाञ्चकृवहे | डिम्पयाञ्चकृमहे |
| डिम्पयाम्बभूव | डिम्पयामास | |
| आ० डिम्पयिषीष्ट | डिम्पयिषीयास्ताम् | डिम्पयिषीरन् |
| डिम्पयिषीष्टाः | डिम्पयिषीशस्थाम् | डिम्पयिषीढ्वम् |
| डिम्पयिषीय | डिम्पयिषीवहि | डिम्पयिषीमहि |
| अ० डिम्पयिता | डिम्पयितारौ | डिम्पयितारः |
| डिम्पयितासे | डिम्पयितासाथे | डिम्पयिताध्वे |
| डिम्पयिताहे | डिम्पयितास्वहे | डिम्पयितास्महे |
| अ० डिम्पयिष्यते | डिम्पयिष्येते | डिम्पयिष्यन्ते |
| डिम्पयिष्यसे | डिम्पयिष्येथे | डिम्पयिष्यध्वे |
| डिम्पयिष्ये | डिम्पयिष्यावहे | डिम्पयिष्यामहे |
| क्रि० अडिम्पयिष्यत् | अडिम्पयिष्येताम् | अडिम्पयिष्यन्त |
| अडिम्पयिष्यथाः | अडिम्पयिष्येथाम् | अडिम्पयिष्यध्वम् |
| अडिम्पयिष्ये | अडिम्पयिष्यावहि | अडिम्पयिष्यामहि |

1672 शूर्पणू (शूर्प्) माने ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|----------------|
| व० | शूर्पयति | शूर्पयतः | शूर्पयन्ति |
| | शूर्पयसि | शूर्पयथः | शूर्पयथ |
| | शूर्पयामि | शूर्पयावः | शूर्पयामः |
| स० | शूर्पयेत् | शूर्पयेताम् | शूर्पयेयुः |
| | शूर्पयेः | शूर्पयेतम् | शूर्पयेत |
| | शूर्पयेयम् | शूर्पयेव | शूर्पयेम |
| प० | शूर्पयेतु | शूर्पयेतात् | शूर्पयेताम् |
| | शूर्पयि | शूर्पयतात् | शूर्पयतम् |
| | शूर्पयाणि | शूर्पयाव | शूर्पयाम |
| श० | अशूर्पयत् | अशूर्पयताम् | अशूर्पयन् |
| | अशूर्पयः | अशूर्पयतम् | अशूर्पयत |
| | अशूर्पयम् | अशूर्पयाव | अशूर्पयाम |
| अ० | अशूर्पयत् | अशूर्पयताम् | अशूर्पयन् |
| | अशूर्पयः | अशूर्पयतम् | अशूर्पयत |
| | अशूर्पयम् | अशूर्पयाव | अशूर्पयाम |
| प० | शूर्पयाश्चकार | शूर्पयाश्चक्रुः | शूर्पयाश्चकुः |
| | शूर्पयाश्चकथं | शूर्पयाश्चक्रथुः | शूर्पयाश्चक्र |
| | शूर्पयाश्चकार-चकर | शूर्पयाश्चकृव | शूर्पयाश्चकृम |
| | शूर्पयाम्बभूव | शूर्पयामास | |
| आ० | शूर्पयात् | शूर्पयास्ताम् | शूर्पयासुः |
| | शूर्पयाः | शूर्पयास्तम् | शूर्पयास्त |
| | शूर्पयासम् | शूर्पयास्व | शूर्पयास्म |
| श्व० | शूर्पयिता | शूर्पयितारौ | शूर्पयितारः |
| | शूर्पयितासि | शूर्पयितास्थः | शूर्पयितास्थ |
| | शूर्पयितास्मि | शूर्पयितास्वः | शूर्पयितास्मः |
| भ० | शूर्पयिष्यति | शूर्पयिष्यतः | शूर्पयिष्यन्ति |
| | शूर्पयिष्यसि | शूर्पयिष्यथः | शूर्पयिष्यथ |
| | शूर्पयिष्यामि | शूर्पयिष्यावः | शूर्पयिष्यामः |
| क्रि० | अशूर्पयिष्यत् | अशूर्पयिष्यताम् | अशूर्पयिष्यन् |
| | अशूर्पयिष्यः | अशूर्पयिष्यतम् | अशूर्पयिष्यत |
| | अशूर्पयिष्यम् | अशूर्पयिष्याव | अशूर्पयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | शूर्पयेते | शूर्पयेते | शूर्पयन्ते |
| | शूर्पयेसे | शूर्पयेथे | शूर्पयेध्वं |
| | शूर्पये | शूर्पयावहे | शूर्पयामहे |
| स० | शूर्पयेत | शूर्पयेताताम् | शूर्पयेरन् |
| | शूर्पयेथाः | शूर्पयेथाथाम् | शूर्पयेध्वम् |
| | शूर्पयेय | शूर्पयेवहि | शूर्पयेमहि |
| श० | अशूर्पयेताम् | अशूर्पयेताम् | अशूर्पयन्ताम् |
| | अशूर्पयेस्व | अशूर्पयेथाम् | अशूर्पयेध्वम् |
| | अशूर्पये | अशूर्पयावहे | अशूर्पयामहे |
| श्व० | अशूर्पयेत | अशूर्पयेताम् | अशूर्पयन्त |
| | अशूर्पयेथाः | अशूर्पयेथाम् | अशूर्पयेध्वम् |
| | अशूर्पये | अशूर्पयावहि | अशूर्पयामहि |
| भ० | अशूर्पयेत | अशूर्पयेताम् | अशूर्पयन्त |
| | अशूर्पयेथाः | अशूर्पयेथाम् | अशूर्पयेध्वम् |
| | अशूर्पये | अशूर्पयावहि | अशूर्पयामहि |
| प० | शूर्पयाश्चके | शूर्पयाश्चक्राते | शूर्पयाश्चक्रिरे |
| | शूर्पयाश्चकृषे | शूर्पयाश्चक्राथे | शूर्पयाश्चकृद्वे |
| | शूर्पयाश्चके | शूर्पयाश्चकृवहे | शूर्पयाश्चकृमहे |
| | शूर्पयाम्बभूव | शूर्पयामास | |
| आ० | शूर्पयिषीष्ट | शूर्पयिषीवास्ताम् | शूर्पयिषीरन् |
| | शूर्पयिषीष्टाः | शूर्पयिषीवास्थाम् | शूर्पयिषीद्वम् |
| | शूर्पयिषीथ | शूर्पयिषीवहि | शूर्पयिषीमहि |
| श्व० | शूर्पयिता | शूर्पयितारौ | शूर्पयितारः |
| | शूर्पयितासे | शूर्पयितासाथे | शूर्पयिताध्वे |
| | शूर्पयिताहे | शूर्पयितास्वहे | शूर्पयितास्महे |
| भ० | शूर्पयिष्येते | शूर्पयिष्येते | शूर्पयिष्यन्ते |
| | शूर्पयिष्येसे | शूर्पयिष्येथे | शूर्पयिष्येध्वे |
| | शूर्पयिष्ये | शूर्पयिष्यावहे | शूर्पयिष्यामहे |
| क्रि० | अशूर्पयिष्यत | अशूर्पयिष्येताम् | अशूर्पयिष्यन्त |
| | अशूर्पयिष्यथाः | अशूर्पयिष्येथाम् | अशूर्पयिष्येध्वम् |
| | अशूर्पयिष्ये | अशूर्पयिष्यावहि | अशूर्पयिष्यामहि |

1673 शुल्बण् (शुल्ब्) सज्जेने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | शुल्बयति | शुल्बयतः | शुल्बयन्ति |
| | शुल्बयसि | शुल्बयथः | शुल्बयथ |
| | शुल्बयामि | शुल्बयावः | शुल्बयामः |
| स० | शुल्बयेत् | शुल्बयेताम् | शुल्बयेयुः |
| | शुल्बयेः | शुल्बयेतम् | शुल्बयेत |
| | शुल्बयेयम् | शुल्बयेव | शुल्बयेम |
| प० | शुल्बयतु | शुल्बयतात् | शुल्बयताम् |
| | शुल्बय | शुल्बयतात् | शुल्बयतम् |
| | शुल्बयानि | शुल्बयाव | शुल्बयाम |
| ह्य० | अशुल्बयत् | अशुल्बयताम् | अशुल्बयन् |
| | अशुल्बयः | अशुल्बयतम् | अशुल्बयत |
| | अशुल्बयम् | अशुल्बयाव | अशुल्बयाम |
| भ० | अशुल्बत् | अशुल्बताम् | अशुल्बन् |
| | अशुल्बः | अशुल्बतम् | अशुल्बत |
| | अशुल्बम् | अशुल्बाव | अशुल्बाम |
| प० | शुल्बयाञ्चकार | शुल्बयाञ्चक्रुः | शुल्बयाञ्चकुः |
| | शुल्बयाञ्चकथं | शुल्बयाञ्चकथुः | शुल्बयाञ्चक |
| | शुल्बयाञ्चकार-चकर | शुल्बयाञ्चकृव | शुल्बयाञ्चक्रम |
| | शुल्बयाम्भूव | शुल्बयामास | |
| भा० | शुल्बयात् | शुल्बयास्ताम् | शुल्बयासुः |
| | शुल्बयाः | शुल्बयास्तम् | शुल्बयास्त |
| | शुल्बयासम् | शुल्बयास्व | शुल्बयास्म |
| क्ष० | शुल्बयिता | शुल्बयितारौ | शुल्बयितारः |
| | शुल्बयितासि | शुल्बयितास्थः | शुल्बयितास्थ |
| | शुल्बयितास्मि | शुल्बयितास्वः | शुल्बयितास्मः |
| भ० | शुल्बयिष्यति | शुल्बयिष्यतः | शुल्बयिष्यन्ति |
| | शुल्बयिष्यसि | शुल्बयिष्यथः | शुल्बयिष्यथ |
| | शुल्बयिष्यामि | शुल्बयिष्यावः | शुल्बयिष्यामः |
| क्रि० | अशुल्बयिष्यत् | अशुल्बयिष्यताम् | अशुल्बयिष्यन् |
| | अशुल्बयिष्यः | अशुल्बयिष्यतम् | अशुल्बयिष्यत |
| | अशुल्बयिष्यम् | अशुल्बयिष्याव | अशुल्बयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | शुल्बयते | शुल्बयेते | शुल्बयन्ते |
| | शुल्बयसे | शुल्बयेथे | शुल्बयध्वे |
| | शुल्बये | शुल्बयावहे | शुल्बयामहे |
| स० | शुल्बयेत | शुल्बयेयाताम् | शुल्बयेरन् |
| | शुल्बयेथाः | शुल्बयेयाथाम् | शुल्बयेध्वम् |
| | शुल्बयेय | शुल्बयेवहि | शुल्बयेमहि |
| प० | शुल्बयताम् | शुल्बयेताम् | शुल्बयन्ताम् |
| | शुल्बयस्व | शुल्बयेथाम् | शुल्बयध्वम् |
| | शुल्बये | शुल्बयावहे | शुल्बयामहे |
| ह्य० | अशुल्बयत | अशुल्बयेताम् | अशुल्बयन्त |
| | अशुल्बयथाः | अशुल्बयेथाम् | अशुल्बयध्वम् |
| | अशुल्बये | अशुल्बयावहि | अशुल्बयामहि |
| भ० | अशुल्बत् | अशुल्बेताम् | अशुल्बन्त |
| | अशुल्बथाः | अशुल्बेथाम् | अशुल्बध्वम् |
| | अशुल्बे | अशुल्बावहि | अशुल्बामहि |
| प० | शुल्बयाञ्चके | शुल्बयाञ्चक्रते | शुल्बयाञ्चकिरे |
| | शुल्बयाञ्चकृषे | शुल्बयाञ्चकृथे | शुल्बयाञ्चकृत्वे |
| | शुल्बयाञ्चके | शुल्बयाञ्चकृवहे | शुल्बयाञ्चकृमहे |
| | शुल्बयाम्भूव | शुल्बयामास | |
| भा० | शुल्बयिषीष्ट | शुल्बयिषीयास्ताम् | शुल्बयिषीरन् |
| | शुल्बयिषीष्टाः | शुल्बयिषीयास्थाम् | शुल्बयिषीध्वम् |
| | शुल्बयिषीय | शुल्बयिषीवहि | शुल्बयिषीमहि |
| क्ष० | शुल्बयिता | शुल्बयितारौ | शुल्बयितारः |
| | शुल्बयितासे | शुल्बयितासाथे | शुल्बयिताध्वे |
| | शुल्बयिताहे | शुल्बयितास्वहे | शुल्बयितास्महे |
| भ० | शुल्बयिष्यते | शुल्बयिष्येते | शुल्बयिष्यन्ते |
| | शुल्बयिष्यसे | शुल्बयिष्येथे | शुल्बयिष्यध्वे |
| | शुल्बयिष्ये | शुल्बयिष्यावहे | शुल्बयिष्यामहे |
| क्रि० | अशुल्बयिष्यत् | अशुल्बयिष्येताम् | अशुल्बयिष्यन्त |
| | अशुल्बयिष्यथाः | अशुल्बयिष्येथाम् | अशुल्बयिष्यध्वम् |
| | अशुल्बयिष्ये | अशुल्बयिष्यावहि | अशुल्बयिष्यामहि |

1674 डबुण् (डम्बु) क्षेपे ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० डम्बयति | डम्बयतः | डम्बयन्ति |
| डम्बयसि | डम्बयथः | डम्बयथ |
| डम्बयामि | डम्बयावः | डम्बयामः |
| स० डम्बयेत् | डम्बयेताम् | डम्बयेयुः |
| डम्बयेः | डम्बयेतम् | डम्बयेत |
| डम्बयेयम् | डम्बयेव | डम्बयेम |
| प० डम्बयतु | डम्बयतात् | डम्बयताम् |
| डम्बय | डम्बयतात् | डम्बयतम् |
| डम्बयानि | डम्बयाव | डम्बयाम |
| ह्य० अडम्बयत् | अडम्बयताम् | अडम्बयन् |
| अडम्बयः | अडम्बयतम् | अडम्बयत |
| अडम्बयम् | अडम्बयाव | अडम्बयाम |
| अ० अडडम्बत् | अडडम्बताम् | अडडम्बन् |
| अडडम्बः | अडडम्बतम् | अडडम्बत |
| अडडम्बम् | अडडम्बाव | अडडम्बाम |
| १० डम्बयाञ्चकार | डम्बयाञ्चक्रतुः | डम्बयाञ्चक्रुः |
| डम्बयाञ्चकर्थ | डम्बयाञ्चक्रथुः | डम्बयाञ्चक्र |
| डम्बयाञ्चकार-चकर | डम्बयाञ्चक्रव | डम्बयाञ्चक्रम |
| डम्बयान्बभूव | डम्बयामास | |
| आ० डम्बयात् | डम्बयास्ताम् | डम्बयासुः |
| डम्बयाः | डम्बयास्तम् | डम्बयास्त |
| डम्बयातम् | डम्बयास्व | डम्बयास्म |
| भ० डम्बयिता | डम्बयितारौ | डम्बयितारः |
| डम्बयितसि | डम्बयितास्थः | डम्बयितास्थ |
| डम्बयितास्मि | डम्बयितास्वः | डम्बयितास्मः |
| भ० डम्बयिष्यति | डम्बयिष्यतः | डम्बयिष्यन्ति |
| डम्बयिष्यसि | डम्बयिष्यथः | डम्बयिष्यथं |
| डम्बयिष्यामि | डम्बयिष्यावः | डम्बयिष्यामः |
| क्रि० अडम्बयिष्यत् | अडम्बयिष्यताम् | अडम्बयिष्यन् |
| अडम्बयिष्यः | अडम्बयिष्यतम् | अडम्बयिष्यत |
| अडम्बयिष्यम् | अडम्बयिष्याव | अडम्बयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० डम्बयते | डम्बयते | डम्बयते |
| डम्बयसे | डम्बयसे | डम्बयध्वे |
| डम्बये | डम्बयावहे | डम्बयामहे |
| स० डम्बयेत | डम्बयेयाताम् | डम्बयेरन् |
| डम्बयेथाः | डम्बयेयाथाम् | डम्बयेष्वम् |
| डम्बयेय | डम्बयेवहि | डम्बयेमहि |
| प० डम्बयताम् | डम्बयेताम् | डम्बयन्ताम् |
| डम्बयस्व | डम्बयेथाम् | डम्बयध्वम् |
| डम्बये | डम्बयावहे | डम्बयामहे |
| ह्य० अडम्बयत | अडम्बयताम् | अडम्बयन्त |
| अडम्बयथाः | अडम्बयेथाम् | अडम्बयध्वम् |
| अडम्बये | अडम्बयावहि | अडम्बयामहि |
| अ० अडडम्बत | अडडम्बेताम् | अडडम्बन्त |
| अडडम्बथाः | अडडम्बेथाम् | अडडम्बध्वम् |
| अडडम्बे | अडडम्बावहि | अडडम्बामहि |
| प० डम्बयाञ्चक्रे | डम्बयाञ्चक्रते | डम्बयाञ्चकिरे |
| डम्बयाञ्चकृषे | डम्बयाञ्चक्राये | डम्बयाञ्चकृद्वे |
| डम्बयाञ्चक्रे | डम्बयाञ्चकृवहे | डम्बयाञ्चकृमहे |
| डम्बयाम्बभूव | डम्बयामास | |
| आ० डम्बयिषीष्ट | डम्बयिषीयास्ताम् | डम्बयिषीगन् |
| डम्बयिषीष्टाः | डम्बयिषीयास्थाम् | डम्बयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| डम्बयिषीय | डम्बयिषीवहि | डम्बयिषीमहि |
| भ० डम्बयिता | डम्बयितारौ | डम्बयितारः |
| डम्बयितासे | डम्बयितासाथे | डम्बयिताध्वे |
| डम्बयिताहे | डम्बयितास्वहे | डम्बयितामहे |
| भ० डम्बयिष्यते | डम्बयिष्येते | डम्बयिष्यन्ते |
| डम्बयिष्यसे | डम्बयिष्येथे | डम्बयिष्यध्वे |
| डम्बयिष्ये | डम्बयिष्यावहे | डम्बयिष्यामहे |
| क्रि० अडम्बयिष्यत् | अडम्बयिष्येताम् | अडम्बयिष्यन्त |
| अडम्बयिष्यथाः | अडम्बयिष्येथाम् | अडम्बयिष्यध्वम् |
| अडम्बयिष्ये | अडम्बयिष्यावहि | अडम्बयिष्यामहि |

1675 डिबुण् (डिम्ब) क्षेपे ।

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| ४० डिम्बयसि | डिम्बयतः | डिम्बयन्ति |
| डिम्बयसि | डिम्बयथः | डिम्बयथ |
| डिम्बयामि | डिम्बयावः | डिम्बयामः |
| ५० डिम्बयेत् | डिम्बयेताम् | डिम्बयेयुः |
| डिम्बयेः | डिम्बयेतम् | डिम्बयेत |
| डिम्बयेयम् | डिम्बयेव | डिम्बयेम |
| ६० डिम्बयतु | डिम्बयतात् | डिम्बयताम् |
| डिम्बय | डिम्बयतात् | डिम्बयतम् |
| डिम्बयानि | डिम्बयाव | डिम्बयाम |
| ७० अडिम्बयत् | अडिम्बयताम् | अडिम्बयन् |
| अडिम्बयः | अडिम्बयतम् | अडिम्बयत |
| अडिम्बयम् | अडिम्बयाव | अडिम्बयाम |
| ८० अडिडिम्बत् | अडिडिम्बताम् | अडिडिम्बन् |
| अडिडिम्बः | अडिडिम्बतम् | अडिडिम्बत |
| अडिडिम्बम् | अडिडिम्बाव | अडिडिम्बाम |
| ९० डिम्बयाञ्चकार | डिम्बयाञ्चक्रतुः | डिम्बयाञ्चक्रुः |
| डिम्बयाञ्चकर्तुः | डिम्बयाञ्चक्रथुः | डिम्बयाञ्चक्र |
| डिम्बयाञ्चकार-चकर | डिम्बयाञ्चक्रव | डिम्बयाञ्चक्रम |
| डिम्बयाम्बभूव | डिम्बयामास | |
| १०० डिम्ब्यात् | डिम्ब्यास्ताम् | डिम्ब्यासुः |
| डिम्ब्याः | डिम्ब्यास्तम् | डिम्ब्यास्त |
| डिम्ब्यासम् | डिम्ब्यास्व | डिम्ब्यासु |
| ११० डिम्बयिता | डिम्बयितारौ | डिम्बयितारः |
| डिम्बयितासि | डिम्बयितास्थः | डिम्बयितास्थ |
| डिम्बयितासिः | डिम्बयितास्वः | डिम्बयितासुः |
| १२० डिम्बयिष्यति | डिम्बयिष्यतः | डिम्बयिष्यन्ति |
| डिम्बयिष्यसि | डिम्बयिष्यथः | डिम्बयिष्यथ |
| डिम्बयिष्यामि | डिम्बयिष्यावः | डिम्बयिष्यामः |
| १३० अडिम्बयिष्यत् | अडिम्बयिष्यताम् | अडिम्बयिष्यन् |
| अडिम्बयिष्यः | अडिम्बयिष्यतम् | अडिम्बयिष्यत |
| अडिम्बयिष्यम् | अडिम्बयिष्याव | अडिम्बयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| १४० डिम्बयते | डिम्बयंते | डिम्बयन्ते |
| डिम्बयते | डिम्बयंथे | डिम्बयन्थे |
| डिम्बये | डिम्बयावहे | डिम्बयामहे |
| १५० डिम्बयेत | डिम्बयेताताम् | डिम्बयेरन् |
| डिम्बयेथाः | डिम्बयेथायाम् | डिम्बयेष्वम् |
| डिम्बयेथ | डिम्बयेवहि | डिम्बयेमहि |
| १६० डिम्बयताम् | डिम्बयेताम् | डिम्बयन्ताम् |
| डिम्बयस्व | डिम्बयेथाम् | डिम्बयध्वम् |
| डिम्बयै | डिम्बयावहै | डिम्बयामहै |
| १७० अडिम्बयत | अडिम्बयंताम् | अडिम्बयन्त |
| अडिम्बयथाः | अडिम्बयेथाम् | अडिम्बयध्वम् |
| अडिम्बये | अडिम्बयावहि | अडिम्बयामहि |
| १८० अडिडिम्बत | अडिडिम्बेताम् | अडिडिम्बन्त |
| अडिडिम्बथाः | अडिडिम्बेथाम् | अडिडिम्बध्वम् |
| अडिडिम्बे | अडिडिम्बावहि | अडिडिम्बामहि |
| १९० डिम्बयाञ्चक्रे | डिम्बयाञ्चक्राते | डिम्बयाञ्चक्रिरे |
| डिम्बयाञ्चकृषे | डिम्बयाञ्चक्राथे | डिम्बयाञ्चकृद्वे |
| डिम्बयाञ्चक्रे | डिम्बयाञ्चकृवहे | डिम्बयाञ्चकृमहे |
| डिम्बयाम्बभूव | डिम्बयामास | |
| २०० डिम्बयिषीष्ट | डिम्बयिषीयारताम् | डिम्बयिषीरन् |
| डिम्बयिषीष्टाः | डिम्बयिषीणस्थाम् | डिम्बयिषीद्वम् |
| डिम्बयिषीय | डिम्बयिषीवहि | डिम्बयिषीमहि |
| २१० डिम्बयिता | डिम्बयितारौ | डिम्बयितारः |
| डिम्बयितासे | डिम्बयितासाथे | डिम्बयिताध्वे |
| डिम्बयिताहे | डिम्बयितास्वहे | डिम्बयितामहे |
| २२० डिम्बयिष्यते | डिम्बयिष्येते | डिम्बयिष्यन्ते |
| डिम्बयिष्यसे | डिम्बयिष्येथे | डिम्बयिष्यध्वे |
| डिम्बयिष्ये | डिम्बयिष्यावहे | डिम्बयिष्यामहे |
| २३० अडिम्बयिष्यत् | अडिम्बयिष्येताम् | अडिम्बयिष्यन्त |
| अडिम्बयिष्यथाः | अडिम्बयिष्येथाम् | अडिम्बयिष्यध्वम् |
| अडिम्बयिष्ये | अडिम्बयिष्यावहि | अडिम्बयिष्यामहि |

1676 सम्बण् (सम्ब्) सम्बन्धे ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० सम्बयति | सम्बयतः | सम्बयन्ति |
| सम्बयसि | सम्बयथः | सम्बयथ |
| सम्बयामि | सम्बयावः | सम्बयामः |
| स० सम्बयेन् | सम्बयेताम् | सम्बयेयुः |
| सम्बयेः | सम्बयेतम् | सम्बयेत |
| सम्बयेयम् | सम्बयेव | सम्बयेम |
| प० सम्बयतु | सम्बयतात् | सम्बयताम् |
| सम्बय | सम्बयतात् | सम्बयतम् |
| सम्बयानि | सम्बयाव | सम्बयाम |
| झ० असम्बयत् | असम्बयताम् | असम्बयन् |
| असम्बयः | असम्बयतम् | असम्बयत |
| असम्बयम् | असम्बयाव | असम्बयाम |
| ञ० अससम्बत् | अससम्बताम् | अससम्बन् |
| अससम्बः | अससम्बतम् | अससम्बत |
| अससम्बम् | अससम्बाव | अससम्बाम |
| ट० सम्बयाश्चकार | सम्बयाश्चक्रुः | सम्बयाश्चक्रुः |
| सम्बयाश्चकथं | सम्बयाश्चक्रुः | सम्बयाश्चक्रुः |
| सम्बयाश्चकार-चक्र | सम्बयाश्चक्रुव | सम्बयाश्चक्रुम |
| सम्बयाम्बभूव | सम्बयामास | |
| भा० सम्बयात् | सम्बयास्ताम् | सम्बयासुः |
| सम्बयाः | सम्बयास्तम् | सम्बयास्त |
| सम्बयासम् | सम्बयास्व | सम्बयास्म |
| श्र० सम्बयिता | सम्बयितारौ | सम्बयितारः |
| सम्बयितासि | सम्बयितास्थः | सम्बयितास्थ |
| सम्बयितास्मि | सम्बयितास्वः | सम्बयितास्मः |
| भ० सम्बयिष्यति | सम्बयिष्यतः | सम्बयिष्यन्ति |
| सम्बयिष्यसि | सम्बयिष्यथः | सम्बयिष्यथ |
| सम्बयिष्यामि | सम्बयिष्यावः | सम्बयिष्यामः |
| क्रि० असम्बयिष्यत् | असम्बयिष्यताम् | असम्बयिष्यन् |
| असम्बयिष्यः | असम्बयिष्यतम् | असम्बयिष्यत |
| असम्बयिष्यम् | असम्बयिष्याव | असम्बयिष्याम |

| | | |
|----------------------------------|--------------------|------------------|
| व० सम्बयते | सम्बयते | सम्बयन्ते |
| सम्बयसे | सम्बयेथे | सम्बयन्थे |
| सम्बये | सम्बयावहे | सम्बयामहे |
| स० सम्बयेत | सम्बयेयाताम् | सम्बयेयन् |
| सम्बयेथाः | सम्बयेयाथाम् | सम्बयेयाम् |
| सम्बयेथ | सम्बयेवहि | सम्बयेमहि |
| प० सम्बयताम् | सम्बयेताम् | सम्बयन्ताम् |
| सम्बयस्व | सम्बयेथाम् | सम्बयध्वम् |
| सम्बये | सम्बयावहे | सम्बयामहे |
| झ० असम्बयत | असम्बयेताम् | असम्बयन्त |
| असम्बयथाः | असम्बयेथाम् | असम्बयध्वम् |
| असम्बये | असम्बयावहि | असम्बयामहि |
| ञ० अससम्बत | अससम्बेताम् | अससम्बन्त |
| अससम्बथाः | अससम्बेथाम् | अससम्बध्वम् |
| अससम्बे | अससम्बावहि | अससम्बामहि |
| प० सम्बयाश्चक्रे | सम्बयाश्चक्रते | सम्बयाश्चक्रिरे |
| सम्बयाश्चक्रे | सम्बयाश्चक्राथे | सम्बयाश्चक्रुवहे |
| सम्बयाश्चक्रे | सम्बयाश्चक्रुवहे | सम्बयाश्चक्रुमहे |
| सम्बयाम्बभूव | सम्बयामास | |
| भा० सम्बयिषीष्ट | सम्बयिषीयास्ताम् | सम्बयिषीरन् |
| सम्बयिषीष्टाः | सम्बयिषीयास्थाम् | सम्बयिषीड्वम् |
| सम्बयिषीय | सम्बयिषीवहि | सम्बयिषीमहि |
| श्र० सम्बयिता | सम्बयितारौ | सम्बयितारः |
| सम्बयितासे | सम्बयितासाथे | सम्बयिताम्बहे |
| सम्बयिताहे | सम्बयितास्वहे | सम्बयितास्महे |
| भ० सम्बयिष्यते | सम्बयिष्यते | सम्बयिष्यन्ते |
| सम्बयिष्यसे | सम्बयिष्येथे | सम्बयिष्यध्वे |
| सम्बयिष्ये | सम्बयिष्यावहे | सम्बयिष्यामहे |
| क्रि० असम्बयिष्यत | असम्बयिष्येताम् | असम्बयिष्यन्त |
| असम्बयिष्यथाः | असम्बयिष्येथाम् | असम्बयिष्यध्वम् |
| असम्बयिष्ये | असम्बयिष्यावहि | असम्बयिष्यामहि |
| 1677 कुबुण् [कुम्ब] आच्छादने । | 368 कुबुण्द्रूपाणि | |
| 1678 कुबुण् (कुम्ब) भदने । | 369 कुबुण्द्रूपाणि | |
| 1679 कुबुण् (कुम्ब) भदने । | 370 कुबुण्द्रूपाणि | |

1680 पूर्वण् (पूर्व) निकेतने ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | पूर्वयति | पूर्वयतः | पूर्वयन्ति |
| | पूर्वयसि | पूर्वयथः | पूर्वयथ |
| | पूर्वयामि | पूर्वयावः | पूर्वयामः |
| स० | पूर्वयेत् | पूर्वयेताम् | पूर्वयेयुः |
| | पूर्वयेः | पूर्वयेतम् | पूर्वयेत |
| | पूर्वयेयम् | पूर्वयेव | पूर्वयेम |
| प० | पूर्वयतु | पूर्वयतात् | पूर्वयताम् |
| | पूर्वय | पूर्वयतात् | पूर्वयतम् |
| | पूर्वयाणि | पूर्वयाव | पूर्वयाम |
| ह्य० | अपूर्वयत् | अपूर्वयताम् | अपूर्वयन् |
| | अपूर्वयः | अपूर्वयतम् | अपूर्वयत् |
| | अपूर्वयम् | अपूर्वयाव | अपूर्वयाम |
| अ० | अपुपूर्वत् | अपुपूर्वताम् | अपुपूर्वन् |
| | अपुपूर्वः | अपुपूर्वतम् | अपुपूर्वत |
| | अपुपूर्वम् | अपुपूर्वाव | अपुपूर्वाम |
| प० | पूर्वयाश्चकार | पूर्वयाश्चक्रुः | पूर्वयाश्चक्रुः |
| | पूर्वयाश्चकथं | पूर्वयाश्चक्रथुः | पूर्वयाश्चक्र |
| | पूर्वयाश्चकार-चकर | पूर्वयाश्चक्रव | पूर्वयाश्चक्रम |
| | पूर्वयाम्बभूव | पूर्वयामास | |
| आ० | पूर्व्यात् | पूर्व्यास्ताम् | पूर्व्याशुः |
| | पूर्व्याः | पूर्व्यास्तम् | पूर्व्यास्त |
| | पूर्व्यास्मि | पूर्व्यास्व | पूर्व्यास्म |
| श्र० | पूर्वयिता | पूर्वयितारौ | पूर्वयितारः |
| | पूर्वयितासि | पूर्वयितास्यः | पूर्वयितास्य |
| | पूर्वयितास्मि | पूर्वयितास्वः | पूर्वयितास्मः |
| अ० | पूर्वयिष्यति | पूर्वयिष्यतः | पूर्वयिष्यन्ते |
| | पूर्वयिष्यसि | पूर्वयिष्यथः | पूर्वयिष्यथ |
| | पूर्वयिष्यामि | पूर्वयिष्यावः | पूर्वयिष्यामः |
| क्रि० | अपूर्वयिष्यत् | अपूर्वयिष्यताम् | अपूर्वयिष्यन् |
| | अपूर्वयिष्यः | अपूर्वयिष्यतम् | अपूर्वयिष्यत |
| | अपूर्वयिष्यम् | अपूर्वयिष्याव | अपूर्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|--------------------|
| व० | पूर्वयेते | पूर्वयेते | पूर्वयन्ते |
| | पूर्वयेते | पूर्वयेथे | पूर्वयन्थे |
| | पूर्वये | पूर्वयावहे | पूर्वयामहे |
| स० | पूर्वयेत | पूर्वयेयाताम् | पूर्वयेयन् |
| | पूर्वयेथाः | पूर्वयेयाथाम् | पूर्वयेध्वम् |
| | पूर्वयेथ | पूर्वयेवहि | पूर्वयेमहि |
| प० | पूर्वयताम् | पूर्वयेताम् | पूर्वयन्ताम् |
| | पूर्वयस्व | पूर्वयेथाम् | पूर्वयध्वम् |
| | पूर्वये | पूर्वयावहे | पूर्वयामहे |
| ह्य० | अपूर्वयत | अपूर्वयेताम् | अपूर्वयन्त |
| | अपूर्वयथाः | अपूर्वयेथाम् | अपूर्वयध्वम् |
| | अपूर्वये | अपूर्वयावहि | अपूर्वयामहि |
| अ० | अपुपूर्वत | अपुपूर्वेताम् | अपुपूर्वन्त |
| | अपुपूर्वथाः | अपुपूर्वेथाम् | अपुपूर्वध्वम् |
| | अपुपूर्वे | अपुपूर्वावहि | अपुपूर्वामहि |
| प० | पूर्वयाश्चक्रे | पूर्वयाश्चक्राते | पूर्वयाश्चक्रिरे |
| | पूर्वयाश्चक्रुषे | पूर्वयाश्चक्राथे | पूर्वयाश्चक्रुध्वे |
| | पूर्वयाश्चक्रे | पूर्वयाश्चक्रवहे | पूर्वयाश्चक्रुमहे |
| | पूर्वयाम्बभूव | पूर्वयामास | |
| आ० | पूर्वयिषीष्ट | पूर्वयिषीयास्ताम् | पूर्वयिषीरन् |
| | पूर्वयिषीष्टाः | पूर्वयिषीयास्थाम् | पूर्वयिषीध्वम् |
| | पूर्वयिषीय | पूर्वयिषीवहि | पूर्वयिषीमहि |
| श्र० | पूर्वयिता | पूर्वयितारौ | पूर्वयितारः |
| | पूर्वयितासे | पूर्वयितासाथे | पूर्वयिताध्वे |
| | पूर्वयिताहे | पूर्वयितास्वहे | पूर्वयितास्महे |
| अ० | पूर्वयिष्यते | पूर्वयिष्येते | पूर्वयिष्यन्ते |
| | पूर्वयिष्यसे | पूर्वयिष्येथे | पूर्वयिष्यध्वे |
| | पूर्वयिष्ये | पूर्वयिष्यावहे | पूर्वयिष्यामहे |
| क्रि० | अपूर्वयिष्यत | अपूर्वयिष्येताम् | अपूर्वयिष्यन्त |
| | अपूर्वयिष्यथाः | अपूर्वयिष्येथाम् | अपूर्वयिष्यध्वम् |
| | अपूर्वयिष्ये | अपूर्वयिष्यावहि | अपूर्वयिष्यामहि |

1681 यमण् [यम्] परिदेशणे । 386 यम् वङ्गपाणि
1682 व्ययण् (व्ययू) क्षये । 918 व्ययीवङ्गपाणि

1683 यष्टुण् (यन्त्र) सङ्कोचने ।

| | | | |
|-------|---------------------|------------------|------------------|
| व० | यन्त्रयति | यन्त्रयतः | यन्त्रयन्ति |
| | यन्त्रयसि | यन्त्रयथः | यन्त्रयथ |
| | यन्त्रयामि | यन्त्रयावः | यन्त्रयामः |
| स० | यन्त्रयेत् | यन्त्रयेताम् | यन्त्रयेयुः |
| | यन्त्रयेः | यन्त्रयेतम् | यन्त्रयेत |
| | यन्त्रयेयम् | यन्त्रयेव | यन्त्रयेम |
| प० | यन्त्रयतु | यन्त्रयतात् | यन्त्रयताम् |
| | यन्त्रय | यन्त्रयतात् | यन्त्रयतम् |
| | यन्त्रयानि | यन्त्रयाव | यन्त्रयाम |
| ह्य० | अयन्त्रयत् | अयन्त्रयताम् | अयन्त्रयन् |
| | अयन्त्रयः | अयन्त्रयतम् | अयन्त्रयत |
| | अयन्त्रयम् | अयन्त्रयाव | अयन्त्रयाम |
| अ० | अययन्त्रत् | अययन्त्रताम् | अययन्त्रन् |
| | अययन्त्रः | अययन्त्रतम् | अययन्त्रत |
| | अययन्त्रम् | अययन्त्राव | अययन्त्राम |
| प० | यन्त्रयाश्चकार | यन्त्रयाश्चक्रुः | यन्त्रयाश्चक्रुः |
| | यन्त्रयाश्चकथं | यन्त्रयाश्चक्रुः | यन्त्रयाश्चक्रुः |
| | यन्त्रयाश्चकार-चक्र | यन्त्रयाश्चक्रुव | यन्त्रयाश्चक्रुम |
| | यन्त्रयाम्बभूव | । | यन्त्रयामास |
| आ० | यन्त्र्यात् | यन्त्र्यास्ताम् | यन्त्र्यासुः |
| | यन्त्र्याः | यन्त्र्यास्तम् | यन्त्र्यास्त |
| | यन्त्र्यासम् | यन्त्र्यास्व | यन्त्र्यास्म |
| श्व० | यन्त्रयिता | यन्त्रयितारौ | यन्त्रयितारः |
| | यन्त्रयितासि | यन्त्रयितास्थः | यन्त्रयितास्थ |
| | यन्त्रयितास्मि | यन्त्रयितास्वः | यन्त्रयितास्मः |
| भ० | यन्त्रयिष्यति | यन्त्रयिष्यतः | यन्त्रयिष्यन्ति |
| | यन्त्रयिष्यसि | यन्त्रयिष्यथः | यन्त्रयिष्यथ |
| | यन्त्रयिष्यामि | यन्त्रयिष्यावः | यन्त्रयिष्यामः |
| क्रि० | अयन्त्रयिष्यत् | अयन्त्रयिष्यताम् | अयन्त्रयिष्यन् |
| | अयन्त्रयिष्यः | अयन्त्रयिष्यतम् | अयन्त्रयिष्यत |
| | अयन्त्रयिष्यम् | अयन्त्रयिष्याव | अयन्त्रयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | यन्त्रयते | यन्त्रयेते | यन्त्रयन्ते |
| | यन्त्रयसे | यन्त्रयसे | यन्त्रयस्व |
| | यन्त्रये | यन्त्रयावहे | यन्त्रयामहे |
| स० | यन्त्रयेत | यन्त्रयेयाताम् | यन्त्रयेरन् |
| | यन्त्रयेथाः | यन्त्रयेयाथाम् | यन्त्रयेध्वम् |
| | यन्त्रयेय | यन्त्रयेवहि | यन्त्रयेमहि |
| प० | यन्त्रयताम् | यन्त्रयेताम् | यन्त्रयन्ताम् |
| | यन्त्रयस्व | यन्त्रयेथाम् | यन्त्रयध्वम् |
| | यन्त्रये | यन्त्रयावहे | यन्त्रयामहे |
| ह्य० | अयन्त्रयत | अयन्त्रयेताम् | अयन्त्रयन्त |
| | अयन्त्रयथाः | अयन्त्रयेथाम् | अयन्त्रयध्वम् |
| | अयन्त्रये | अयन्त्रयावहि | अयन्त्रयामहि |
| अ० | अययन्त्रत | अययन्त्रेताम् | अययन्त्रन्त |
| | अययन्त्रथाः | अययन्त्रेथाम् | अययन्त्रध्वम् |
| | अययन्त्रे | अययन्त्रावहि | अययन्त्रामहि |
| प० | यन्त्रयाश्चक्रे | यन्त्रयाश्चक्रते | यन्त्रयाश्चक्रिरे |
| | यन्त्रयाश्चक्रे | यन्त्रयाश्चक्रये | यन्त्रयाश्चक्रवे |
| | यन्त्रयाश्चक्रे | यन्त्रयाश्चक्रवहे | यन्त्रयाश्चक्रमहे |
| | यन्त्रयाम्बभूव | । | यन्त्रयामास |
| आ० | यन्त्रयिषीष्ट | यन्त्रयिषीयास्ताम् | यन्त्रयिषीरन् |
| | यन्त्रयिषीष्ठाः | यन्त्रयिषीयास्थाम् | यन्त्रयिषीद्भ्वम् |
| | यन्त्रयिषीय | यन्त्रयिषीवहि | यन्त्रयिषीमहि |
| श्व० | यन्त्रयिता | यन्त्रयितारौ | यन्त्रयितारः |
| | यन्त्रयितासे | यन्त्रयितासाथे | यन्त्रयिताध्वे |
| | यन्त्रयिताहे | यन्त्रयितास्वहे | यन्त्रयितास्महे |
| भ० | यन्त्रयिष्यते | यन्त्रयिष्येते | यन्त्रयिष्यन्ते |
| | यन्त्रयिष्यसे | यन्त्रयिष्येथे | यन्त्रयिष्यस्व |
| | यन्त्रयिष्ये | यन्त्रयिष्यावहे | यन्त्रयिष्यामहे |
| क्रि० | अयन्त्रयिष्यत | अयन्त्रयिष्यताम् | अयन्त्रयिष्यन्त |
| | अयन्त्रयिष्यथाः | अयन्त्रयिष्येथाम् | अयन्त्रयिष्यध्वम् |
| | अयन्त्रयिष्ये | अयन्त्रयिष्यावहि | अयन्त्रयिष्यामहि |

1684 कुद्रुण् (कुन्द्) अनृतभाषणे ।

| | | | |
|-------|---------------------|-------------------|------------------|
| व० | कुन्द्रयति | कुन्द्रयतः | कुन्द्रयन्ति |
| | कुन्द्रयसि | कुन्द्रयथः | कुन्द्रयथ |
| | कुन्द्रयामि | कुन्द्रयावः | कुन्द्रयामः |
| स० | कुन्द्रयेत् | कुन्द्रयेताम् | कुन्द्रयेयुः |
| | कुन्द्रयेः | कुन्द्रयेतम् | कुन्द्रयेत |
| | कुन्द्रयेयम् | कुन्द्रयेव | कुन्द्रयेम |
| ५० | कुन्द्रयतु | कुन्द्रयतात् | कुन्द्रयताम् |
| | कुन्द्रय | कुन्द्रयतात् | कुन्द्रयतम् |
| | कुन्द्रयाणि | कुन्द्रयाव | कुन्द्रयाम |
| श० | अकुन्द्रयत् | अकुन्द्रयताम् | अकुन्द्रयन् |
| | अकुन्द्रयः | अकुन्द्रयतम् | अकुन्द्रयत |
| | अकुन्द्रयम् | अकुन्द्रयाव | अकुन्द्रयाम |
| अ० | अचुकुन्द्रत् | अचुकुन्द्रताम् | अचुकुन्द्रन् |
| | अचुकुन्द्रः | अचुकुन्द्रतम् | अचुकुन्द्रत |
| | अचुकुन्द्रम् | अचुकुन्द्राव | अचुकुन्द्राम |
| ५० | कुन्द्रयाश्चकार | कुन्द्रयाश्चक्रुः | कुन्द्रयाश्चकुः |
| | कुन्द्रयाश्चकथं | कुन्द्रयाश्चकथुः | कुन्द्रयाश्चक |
| | कुन्द्रयाश्चकार-चकर | कुन्द्रयाश्चकृव | कुन्द्रयाश्चकृम |
| | कुन्द्रयाम्बभूव | । कुन्द्रयामास | |
| आ० | कुन्द्रयात् | कुन्द्रयास्ताम् | कुन्द्रयासुः |
| | कुन्द्रयाः | कुन्द्रयास्तम् | कुन्द्रयास्त |
| | कुन्द्रयासम् | कुन्द्रयास्व | कुन्द्रयास्म |
| श० | कुन्द्रयिता | कुन्द्रयितारौ | कुन्द्रयितारः |
| | कुन्द्रयितासि | कुन्द्रयितास्थः | कुन्द्रयितास्थ |
| | कुन्द्रयितास्मि | कुन्द्रयितास्वः | कुन्द्रयितास्मः |
| अ० | कुन्द्रयिष्यति | कुन्द्रयिष्यतः | कुन्द्रयिष्यन्ति |
| | कुन्द्रयिष्यसि | कुन्द्रयिष्यथः | कुन्द्रयिष्यथ |
| | कुन्द्रयिष्यामि | कुन्द्रयिष्यावः | कुन्द्रयिष्यामः |
| क्रि० | अकुन्द्रयिष्यत् | अकुन्द्रयिष्यताम् | अकुन्द्रयिष्यन् |
| | अकुन्द्रयिष्यः | अकुन्द्रयिष्यतम् | अकुन्द्रयिष्यत |
| | अकुन्द्रयिष्यम् | अकुन्द्रयिष्याव | अकुन्द्रयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|---------------------|--------------------|
| व० | कुन्द्रयेते | कुन्द्रयेते | कुन्द्रयन्ते |
| | कुन्द्रयसे | कुन्द्रयेथे | कुन्द्रयन्वे |
| | कुन्द्रये | कुन्द्रयावहे | कुन्द्रयामहे |
| स० | कुन्द्रयेत | कुन्द्रयेयाताम् | कुन्द्रयेरन् |
| | कुन्द्रयेथाः | कुन्द्रयेयाथाम् | कुन्द्रयेध्वम् |
| | कुन्द्रयेय | कुन्द्रयेवहि | कुन्द्रयेमहि |
| ५० | कुन्द्रयताम् | कुन्द्रयेताम् | कुन्द्रयन्ताम् |
| | कुन्द्रयस्व | कुन्द्रयेथाम् | कुन्द्रयध्वम् |
| | कुन्द्रये | कुन्द्रयावहे | कुन्द्रयामहे |
| श० | अकुन्द्रयत | अकुन्द्रयेताम् | अकुन्द्रयन्त |
| | अकुन्द्रयथाः | अकुन्द्रयेथाम् | अकुन्द्रयध्वम् |
| | अकुन्द्रये | अकुन्द्रयावहि | अकुन्द्रयामहि |
| अ० | अचुकुन्द्रत | अचुकुन्त्रेताम् | अचुकुन्द्रन्त |
| | अचुकुन्द्रथाः | अचुकुन्त्रेथाम् | अचुकुन्द्रध्वम् |
| | अचुकुन्त्रे | अचुकुन्त्रावहि | अचुकुन्त्रामहि |
| ५० | कुन्द्रयाश्चके | कुन्द्रयाश्चकाते | कुन्द्रयाश्चकिरे |
| | कुन्द्रयाश्चकृषे | कुन्द्रयाश्चकाथे | कुन्द्रयाश्चकृवे |
| | कुन्द्रयाश्चके | कुन्द्रयाश्चकृवहे | कुन्द्रयाश्चकृमहे |
| | कुन्द्रयाम्बभूव | । कुन्द्रयामास | |
| आ० | कुन्द्रयिषोष्ट | कुन्द्रयिषीयास्ताम् | कुन्द्रयिषीरन् |
| | कुन्द्रयिषीष्ठाः | कुन्द्रयिषीयास्थाम् | कुन्द्रयिषीध्वम् |
| | कुन्द्रयिषीय | कुन्द्रयिषीवहि | कुन्द्रयिषीमहि |
| श० | कुन्द्रयिता | कुन्द्रयितारौ | कुन्द्रयितारः |
| | कुन्द्रयितासे | कुन्द्रयितासाथे | कुन्द्रयिताध्वे |
| | कुन्द्रयिताहे | कुन्द्रयितास्वहे | कुन्द्रयितास्महे |
| अ० | कुन्द्रयिष्यते | कुन्द्रयिष्येते | कुन्द्रयिष्यन्ते |
| | कुन्द्रयिष्यसे | कुन्द्रयिष्येथे | कुन्द्रयिष्यन्ते |
| | कुन्द्रयिष्ये | कुन्द्रयिष्यावहे | कुन्द्रयिष्यामहे |
| क्रि० | अकुन्द्रयिष्यत | अकुन्द्रयिष्येताम् | अकुन्द्रयिष्यन्त |
| | अकुन्द्रयिष्यथाः | अकुन्द्रयिष्येथाम् | अकुन्द्रयिष्यध्वम् |
| | अकुन्द्रयिष्ये | अकुन्द्रयिष्यावहि | अकुन्द्रयिष्यामहि |

1685 भ्रञ्ज (भ्रञ्ज) गतौ

| | | |
|--------------------------------|--------------------|------------------|
| व० भ्रञ्जयति | भ्रञ्जयतः | भ्रञ्जयन्ति |
| भ्रञ्जयसि | भ्रञ्जयथः | भ्रञ्जयथ |
| भ्रञ्जयामि | भ्रञ्जयावः | भ्रञ्जयामः |
| स० भ्रञ्जयेत् | भ्रञ्जयेताम् | भ्रञ्जयेयुः |
| भ्रञ्जयेः | भ्रञ्जयेतम् | भ्रञ्जयेत |
| भ्रञ्जयेयम् | भ्रञ्जयेव | भ्रञ्जयेम |
| प० भ्रञ्जयतु | भ्रञ्जयतात् | भ्रञ्जयताम् |
| भ्रञ्जय | भ्रञ्जयतात् | भ्रञ्जयतम् |
| भ्रञ्जयाणि | भ्रञ्जयाव | भ्रञ्जयाम |
| ह्य० अ० भ्रञ्जयत् | अ० भ्रञ्जयताम् | अ० भ्रञ्जयन् |
| अ० भ्रञ्जयः | अ० भ्रञ्जयतम् | अ० भ्रञ्जयत |
| अ० भ्रञ्जयम् | अ० भ्रञ्जयाव | अ० भ्रञ्जयाम |
| अ० अश० भ्रञ्जत् | अश० भ्रञ्जताम् | अश० भ्रञ्जन् |
| अश० भ्रञ्जः | अश० भ्रञ्जतम् | अश० भ्रञ्जत |
| अश० भ्रञ्जम् | अश० भ्रञ्जाव | अश० भ्रञ्जाम |
| प० भ्रञ्जयाञ्चकार | भ्रञ्जयाञ्चक्रुः | भ्रञ्जयाञ्चकुः |
| भ्रञ्जयाञ्चकथं | भ्रञ्जयाञ्चकथुः | भ्रञ्जयाञ्चक |
| भ्रञ्जयाञ्चकार-चकर | भ्रञ्जयाञ्चकृव | भ्रञ्जयाञ्चकृम |
| भ्रञ्जयाञ्चम्भूव । भ्रञ्जयामास | | |
| आ० भ्रञ्जयत् | भ्रञ्जयताम् | भ्रञ्जयासुः |
| भ्रञ्जयाः | भ्रञ्जयास्तम् | भ्रञ्जयास्त |
| भ्रञ्जयासम् | भ्रञ्जयास्व | भ्रञ्जयास्म |
| भ्य० भ्रञ्जयिता | भ्रञ्जयितारौ | भ्रञ्जयितारः |
| भ्रञ्जयितासि | भ्रञ्जयितास्थः | भ्रञ्जयितास्थ |
| भ्रञ्जयितास्मि | भ्रञ्जयितास्वः | भ्रञ्जयितास्मः |
| भ० भ्रञ्जयिष्यति | भ्रञ्जयिष्यतः | भ्रञ्जयिष्यन्ति |
| भ्रञ्जयिष्यसि | भ्रञ्जयिष्यथः | भ्रञ्जयिष्यथ |
| भ्रञ्जयिष्यामि | भ्रञ्जयिष्यावः | भ्रञ्जयिष्यामः |
| क्रि० अ० भ्रञ्जयिष्यत् | अ० भ्रञ्जयिष्यताम् | अ० भ्रञ्जयिष्यन् |
| अ० भ्रञ्जयिष्यः | अ० भ्रञ्जयिष्यतम् | अ० भ्रञ्जयिष्यत |
| अ० भ्रञ्जयिष्यम् | अ० भ्रञ्जयिष्याव | अ० भ्रञ्जयिष्याम |

| | | |
|-----------------------------|---------------------|---------------------|
| व० भ्रञ्जयते | भ्रञ्जयेते | भ्रञ्जयन्ते |
| भ्रञ्जयसे | भ्रञ्जयेथे | भ्रञ्जयध्वे |
| भ्रञ्जये | भ्रञ्जयावहे | भ्रञ्जयामहे |
| स० भ्रञ्जयेत | भ्रञ्जयेताम् | भ्रञ्जयेरन् |
| भ्रञ्जयेथाः | भ्रञ्जयेथाम् | भ्रञ्जयेध्वम् |
| भ्रञ्जयेय | भ्रञ्जयेवहि | भ्रञ्जयेमहि |
| प० भ्रञ्जयताम् | भ्रञ्जयेताम् | भ्रञ्जयन्ताम् |
| भ्रञ्जयस्व | भ्रञ्जयेथाम् | भ्रञ्जयध्वम् |
| भ्रञ्जये | भ्रञ्जयावहे | भ्रञ्जयामहे |
| ह्य० अ० भ्रञ्जयत् | अ० भ्रञ्जयेताम् | अ० भ्रञ्जयन्त |
| अ० भ्रञ्जयथाः | अ० भ्रञ्जयेथाम् | अ० भ्रञ्जयध्वम् |
| अ० भ्रञ्जये | अ० भ्रञ्जयावहि | अ० भ्रञ्जयामहि |
| अ० अश० भ्रञ्जत् | अश० भ्रञ्जेताम् | अश० भ्रञ्जन्त |
| अश० भ्रञ्जथाः | अश० भ्रञ्जेथाम् | अश० भ्रञ्जध्वम् |
| अश० भ्रञ्जे | अश० भ्रञ्जावहि | अश० भ्रञ्जामहि |
| प० भ्रञ्जयाञ्चके | भ्रञ्जयाञ्चकाते | भ्रञ्जयाञ्चकिरे |
| भ्रञ्जयाञ्चकृषे | भ्रञ्जयाञ्चकृाथे | भ्रञ्जयाञ्चकृद्वे |
| भ्रञ्जयाञ्चके | भ्रञ्जयाञ्चकृवहे | भ्रञ्जयाञ्चकृमहे |
| भ्रञ्जयाम्भूव । भ्रञ्जयामास | | |
| आ० भ्रञ्जयिषीष्ट | भ्रञ्जयिषीयास्ताम् | भ्रञ्जयिषीरन् |
| भ्रञ्जयिषीष्टाः | भ्रञ्जयिषीयास्थाम् | भ्रञ्जयिषीध्वम् |
| भ्रञ्जयिषीय | भ्रञ्जयिषीवहि | भ्रञ्जयिषीमहि |
| भ्र० भ्रञ्जयिता | भ्रञ्जयितारौ | भ्रञ्जयितारः |
| भ्रञ्जयितासे | भ्रञ्जयितासाथे | भ्रञ्जयिताध्वे |
| भ्रञ्जयिताहे | भ्रञ्जयितास्वहे | भ्रञ्जयितास्महे |
| भ० भ्रञ्जयिष्यते | भ्रञ्जयिष्येते | भ्रञ्जयिष्यन्ते |
| भ्रञ्जयिष्यसे | भ्रञ्जयिष्येथे | भ्रञ्जयिष्यध्वे |
| भ्रञ्जयिष्ये | भ्रञ्जयिष्यावहे | भ्रञ्जयिष्यामहे |
| क्रि० अ० भ्रञ्जयिष्यत् | अ० भ्रञ्जयिष्यताम् | अ० भ्रञ्जयिष्यन्त |
| अ० भ्रञ्जयिष्यथाः | अ० भ्रञ्जयिष्येथाम् | अ० भ्रञ्जयिष्यध्वम् |
| अ० भ्रञ्जयिष्ये | अ० भ्रञ्जयिष्यावहि | अ० भ्रञ्जयिष्यामहि |

1686 तिलणू (तिल्) स्नेहने । तिल् 439 वद्रूपाणि
1687 जलणू (जल्) आवरणे । जल् 973 वद्रूपाणि

1688 क्षलण् (क्षल्) शौचे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------|
| ब० क्षालयति | क्षालयतः | क्षालयन्ति |
| क्षालयसि | क्षालयथः | क्षालयथ |
| क्षालयामि | क्षालयावः | क्षालयामः |
| स० क्षालयेत् | क्षालयेताम् | क्षालयेयुः |
| क्षालयेः | क्षालयेतुम् | क्षालयेत |
| क्षालयेयम् | क्षालयेव | क्षालयेम |
| प० क्षालयतु | क्षालयतात् | क्षालयताम् |
| क्षालय | क्षालयतात् | क्षालयतम् |
| क्षालयानि | क्षालयाव | क्षालयाम |
| ह्य० अक्षालयत् | अक्षालयताम् | अक्षालयन् |
| अक्षालयः | अक्षालयतम् | अक्षालयत |
| अक्षालयम् | अक्षालयाव | अक्षालयाम |
| अ० अचिक्षलत् | अचिक्षलताम् | अचिक्षलन् |
| अचिक्षलः | अचिक्षलतम् | अचिक्षलत |
| अचिक्षलम् | अचिक्षलाव | अचिक्षलाम |
| प० क्षालयाञ्चकार | क्षालयाञ्चक्रुः | क्षालयाञ्चक्रुः |
| क्षालयाञ्चक्ये | क्षालयाञ्चक्रुः | क्षालयाञ्चक्रुः |
| क्षालयाञ्चकार-चक्र | क्षालयाञ्चक्रुव | क्षालयाञ्चक्रुम |
| क्षालयाम्बभूव | क्षालयामास | |
| आ० क्षाल्यात् | क्षाल्यास्ताम् | क्षाल्यासुः |
| क्षाल्याः | क्षाल्यास्तम् | क्षाल्यास्त |
| क्षाल्यासम् | क्षाल्यास्व | क्षाल्यास्म |
| थ० क्षालयिता | क्षालयितारौ | क्षालयितारः |
| क्षालयितासि | क्षालयितास्यः | क्षालयितास्य |
| क्षालयितास्मि | क्षालयितास्वः | क्षालयितास्मः |
| भ० क्षालयिष्यति | क्षालयिष्यतः | क्षालयिष्यन्ति |
| क्षालयिष्यसि | क्षालयिष्यथः | क्षालयिष्यथ |
| क्षालयिष्यामि | क्षालयिष्यावः | क्षालयिष्यामः |
| क्रि० अक्षालयिष्यत् | अक्षालयिष्यताम् | अक्षालयिष्यन् |
| अक्षालयिष्यः | अक्षालयिष्यतम् | अक्षालयिष्यत |
| अक्षालयिष्यम् | अक्षालयिष्याव | अक्षालयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| व० क्षालयते | क्षालयेते | क्षालयन्ते |
| क्षालयसे | क्षालयेथे | क्षालयध्वे |
| क्षालये | क्षालयावहे | क्षालयामहे |
| स० क्षालयेत | क्षालयेयाताम् | क्षालयेयुः |
| क्षालयेथाः | क्षालयेयाथाम् | क्षालयेष्वम् |
| क्षालयेय | क्षालयेवहि | क्षालयेमहि |
| प० क्षालयताम् | क्षालयेताम् | क्षालयन्ताम् |
| क्षालयस्व | क्षालयेथाम् | क्षालयध्वम् |
| क्षालये | क्षालयावहे | क्षालयामहे |
| ह्य० अक्षालयत | अक्षालयेताम् | अक्षालयन्त |
| अक्षालयथाः | अक्षालयेथाम् | अक्षालयध्वम् |
| अक्षालये | अक्षालयावहि | अक्षालयामहि |
| अ० अचिक्षलत | अचिक्षलेताम् | अचिक्षलन्त |
| अचिक्षलथाः | अचिक्षलेथाम् | अचिक्षलध्वम् |
| अचिक्षले | अचिक्षलावहि | अचिक्षलामहि |
| प० क्षालयाञ्चक्रे | क्षालयाञ्चक्राते | क्षालयाञ्चक्रिरे |
| क्षालयाञ्चक्रुषे | क्षालयाञ्चक्राये | क्षालयाञ्चक्रुद्वे |
| क्षालयाञ्चक्रे | क्षालयाञ्चक्रुवहे | क्षालयाञ्चक्रुमहे |
| क्षालयाम्बभूव | क्षालयामास | |
| आ० क्षालयिषीष्ट | क्षालयिषीयास्ताम् | क्षालयिषीरन् |
| क्षालयिषीष्टाः | क्षालयिषीयास्थाम् | क्षालयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| क्षालयिषीय | क्षालयिषीवहि | क्षालयिषीमहि |
| थ० क्षालयिता | क्षालयितारौ | क्षालयितारः |
| क्षालयितासे | क्षालयितासाथे | क्षालयिताध्वे |
| क्षालयिताहे | क्षालयितास्वहे | क्षालयितास्महे |
| भ० क्षालयिष्यते | क्षालयिष्येते | क्षालयिष्यन्ते |
| क्षालयिष्यसे | क्षालयिष्येथे | क्षालयिष्यध्वे |
| क्षालयिष्ये | क्षालयिष्यवहे | क्षालयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षालयिष्यत | अक्षालयिष्येताम् | अक्षालयिष्यन्त |
| अक्षालयिष्यथाः | अक्षालयिष्येथाम् | अक्षालयिष्यध्वम् |
| अक्षालयिष्ये | अक्षालयिष्यवहि | अक्षालयिष्यामहि |

1789 पुलण् (पुल्) समुच्छ्रये 980 पुलङ्गपाणि
1690 बिलण् (बिल्) भेदे । 1409 बिलत्वद्रूपाणि

1691 तलण् (तल्) प्रतिष्ठायाम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० तालयति | तालयतः | तालयन्ति |
| तालयति | तालयथः | तालयथ |
| नालयामि | नालयावः | नालयामः |
| स० तालयेत् | तालयेताम् | तालयेयुः |
| तालयेः | तालयेतम् | तालयेत |
| तालयेयम् | तालयेव | तालयेम |
| प० तालयतु | तालयतात् | तालयताम् |
| नालय | नालयतात् | नालयताम् |
| नालयानि | नालयाव | नालयाम |
| ह्य० अतालयत् | अतालयताम् | अतालयन् |
| अतालयः | अतालयतम् | अतालयत |
| अतालयम् | अतालयाव | अतालयाम |
| भ० अतीतलत् | अतीतलताम् | अतीतलन् |
| अतीतलः | अतीतलतम् | अतीतलत |
| अतीतलम् | अतीतलाव | अतीतलाम |
| प० तालयाञ्चकार | तालयाञ्चकतुः | तालयाञ्चकुः |
| तालयाञ्चक्य | तालयाञ्चक्युः | तालयाञ्चक |
| तालयाञ्चकार-वकर | तालयाञ्चकृव | तालयाञ्चकृम |
| तालयाञ्चभूव | । | तालयामास |
| भा० ताल्यात् | ताल्यास्ताम् | ताल्यासुः |
| ताल्याः | ताल्यास्तम् | ताल्यास्त |
| ताल्यासम् | ताल्यास्व | ताल्यास्म |
| श्व० तालयिता | तालयितारौ | तालयितारः |
| तालयितासि | तालयितास्थः | तालयितास्थ |
| तालयितास्मि | तालयितास्वः | तालयितास्मः |
| भ० तालयिष्यति | तालयिष्यतः | तालयिष्यन्ति |
| तालयिष्यसि | तालयिष्यथः | तालयिष्यथ |
| तालयिष्यामि | तालयिष्यावः | तालयिष्यामः |
| क्रि० अतालयिष्यत् | अतालयिष्यताम् | अतालयिष्यन् |
| अतालयिष्यः | अतालयिष्यतम् | अतालयिष्यत |
| अतालयिष्यम् | अतालयिष्याव | अतालयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| व० तालयते | तालयेते | तालयन्ते |
| तालयसे | तालयेथे | तालयध्वे |
| तालये | तालयावहे | तालयामहे |
| स० तालयेत | तालयेयाताम् | तालयेयन् |
| तालयेथाः | तालयेयाथाम् | तालयेध्वम् |
| तालयेय | तालयेवहि | तालयेमहि |
| प० तालयताम् | तालयेताम् | तालयन्ताम् |
| तालयसेव | तालयेथाम् | तालयध्वम् |
| तालये | तालयावहे | तालयामहे |
| ह्य० अतालयत | अतालयेताम् | अतालयन्त |
| अतालयथाः | अतालयेथाम् | अतालयध्वम् |
| अतालये | अतालयावहि | अतालयामहि |
| भ० अतीतलत् | अतीतलेताम् | अतीतलन्त |
| अतीतलथाः | अतीतलेथाम् | अतीतलध्वम् |
| अतीतले | अतीतलावहि | अतीतलामहि |
| प० तालयाञ्चके | तालयाञ्चकाते | तालयाञ्चकिरे |
| तालयाञ्चकृषे | तालयाञ्चकृथे | तालयाञ्चकृध्वे |
| तालयाञ्चके | तालयाञ्चकृवहे | तालयाञ्चकृमहे |
| तालयाञ्चभूव | । | तालयामास |
| भा० तालयिषीष्ट | तालयिषीयास्ताम् | तालयिषीन् |
| तालयिषीष्टाः | तालयिषीयास्थाम् | तालयिषीध्वम् |
| तालयिषीय | तालयिषीवहि | तालयिषीमहि |
| श्व० तालयिता | तालयितारौ | तालयितारः |
| तालयितासे | तालयितासाथे | तालयिताध्वे |
| तालयिताहे | तालयितास्वहे | तालयितामहे |
| भ० तालयिष्यते | तालयिष्येते | तालयिष्यन्ते |
| तालयिष्यसे | तालयिष्येथे | तालयिष्यध्वे |
| तालयिष्ये | तालयिष्यावहे | ●तालयिष्यामहे |
| क्रि० अतालयिष्यत् | अतालयिष्येताम् | अतालयिष्यन्त |
| अतालयिष्यथाः | अतालयिष्येथाम् | अतालयिष्यध्वम् |
| अतालयिष्ये | अतालयिष्यावहि | अतालयिष्यामहि |

1692 तुलण् (तुल्) उन्माने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | तोलयति | तोलयन्: | तोलयन्ति |
| | तोलयति | तोलयथ: | तोलयथ |
| | तोलयामि | तोलयाव: | तोलयाम: |
| स० | तोलयेत् | तोलयेताम् | तोलयेयुः |
| | तोलये: | तोलयेतम् | तोलयेत |
| | तोलयेयम् | तोलयध्वम् | तोलयेम |
| प० | तोलयतु | तोलयतात् | तोलयताम् |
| | तोलय | तोलयतात् | तोलयतम् |
| | तोलयानि | तोलयाव | तोलयाम |
| झ० | अतोलयत् | अतोलयताम् | अतोलयन् |
| | अतोलय: | अतोलयतम् | अतोलयत |
| | अतोलयम् | अतोलयाव | अतोलयाम |
| ञ० | अतुलत् | अतुलताम् | अतुलन् |
| | अतुल: | अतुलतम् | अतुलत |
| | अतुलम् | अतुलाव | अतुलाम |
| प० | तोलयाञ्चकार | तोलयाञ्चक्रुः | तोलयाञ्चकुः |
| | तोलयाञ्चकथं | तोलयाञ्चकथुः | तोलयाञ्चक |
| | तोलयाञ्चकार-वचर | तोलयाञ्चकृव | तोलयाञ्चकृम |
| | तोलयाञ्चभूव | । | तोलयामास |
| भा० | तोल्यात् | तोल्यास्ताम् | तोल्यासुः |
| | तोल्या: | तोल्यास्तम् | तोल्यास्त |
| | तोल्यासम् | तोल्यास्व | तोल्यास्म |
| ध० | तोलयिता | तोलयितारौ | तोलयितारः |
| | तोलयितासि | तोलयितास्थः | तोलयितास्थ |
| | तोलयितास्मि | तोलयितास्वः | तोलयितास्मः |
| भ० | तोलयिष्यति | तोलयिष्यतः | तोलयिष्यन्ति |
| | तोलयिष्यसि | तोलयिष्यथः | तोलयिष्यथ |
| | तोलयिष्यामि | तोलयिष्यावः | तोलयिष्यामः |
| क्रि० | अतोलयिष्यत् | अतोलयिष्यताम् | अतोलयिष्यन् |
| | अतोलयिष्य: | अतोलयिष्यतम् | अतोलयिष्यत |
| | अतोलयिष्यम् | अतोलयिष्याव | अतोलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | तोलयते | तोलयेते | तोलयन्ते |
| | तोलयसे | तोलयेथे | तोलयध्वे |
| | तोलये | तोलयावहे | तोलयामहे |
| स० | तोलयेत | तोलयेयाताम् | तोलयेरन् |
| | तोलयेथाः | तोलयेथाम् | तोलयेध्वम् |
| | तोलयेय | तोलयेवहि | तोलयेमहि |
| प० | तोलयताम् | तोलयेताम् | तोलयन्ताम् |
| | तोलयस्व | तोलयेथाम् | तोलयध्वम् |
| | तोलयै | तोलयावहे | तोलयामहे |
| ह्य० | अतोलयत | अतोलयेताम् | अतोलयन्त |
| | अतोलयथाः | अतोलयेथाम् | अतोलयध्वम् |
| | अतोलये | अतोलयावहि | अतोलयामहि |
| अ० | अतुलत् | अतुलेताम् | अतुलन्त |
| | अतुलथाः | अतुलेथाम् | अतुलध्वम् |
| | अतुले | अतुलावहि | अतुलामहि |
| प० | तोलयाञ्चके | तोलयाञ्चक्राते | तोलयाञ्चकिरे |
| | तोलयाञ्चकृषे | तोलयाञ्चक्राथे | तोलयाञ्चकृद्वे |
| | तोलयाञ्चके | तोलयाञ्चकृवहे | तोलयाञ्चकृमहे |
| | तोलयाञ्चभूव | । | तोलयामास |
| आ० | तोलयिषीष्ट | तोलयिषीयास्ताम् | तोलयिषीरन् |
| | तोलयिषीष्टाः | तोलयिषीयास्थाम् | तोलयिषीद्वम् |
| | तोलयिषीय | तोलयिषीवहि | तोलयिषीमहि |
| अ० | तोलयिता | तोलयितारौ | तोलयितारः |
| | तोलयितासे | तोलयितासाथे | तोलयिताध्वे |
| | तोलयिताहे | तोलयितास्वहे | तोलयितास्महे |
| भ० | तोलयिष्यते | तोलयिष्येते | तोलयिष्यन्ते |
| | तोलयिष्यसे | तोलयिष्येथे | तोलयिष्यध्वे |
| | तोलयिष्ये | तोलयिष्यावहे | तोलयिष्यामहे |
| क्रि० | अतोलयिष्यत् | अतोलयिष्येताम् | अतोलयिष्यन्त |
| | अतोलयिष्यथः | अतोलयिष्येथाम् | अतोलयिष्यध्वम् |
| | अतोलयिष्ये | अतोलयिष्यावहि | अतोलयिष्यामहि |

1693 दुलण् (दुल) उत्क्षेपे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | दोलयति | दोलयतः | दोलयन्ति |
| | दोलयसि | दोलयथः | दोलयथ |
| | दोलयामि | दोलयावः | दोलयामः |
| स० | दोलयेत् | दोलयेताम् | दोलयेयुः |
| | दोलयेः | दोलयेतम् | दोलयेत |
| | दोलयेयम् | दोलयेव | दोलयेम |
| प० | दोलयतु | दोलयतात् | दोलयन्तु |
| | दोलय | दोलयतात् | दोलयत |
| | दोलयानि | दोलयाव | दोलयाम |
| झ० | अदोलयत् | अदोलयताम् | अदोलयन् |
| | अदोलयः | अदोलयतम् | अदोलयत |
| | अदोलयम् | अदोलयाव | अदोलयाम |
| ञ० | अदुलत् | अदुलताम् | अदुलन् |
| | अदुलः | अदुलतम् | अदुलत |
| | अदुलम् | अदुलाव | अदुलाम |
| प० | दोलयाञ्चकार | दोलयाञ्चक्रुः | दोलयाञ्चकुः |
| | दोलयाञ्चकथं | दोलयाञ्चकथुः | दोलयाञ्चक |
| | दोलयाञ्चकार-चक्र | दोलयाञ्चकृव | दोलयाञ्चकृम |
| | दोलयाम्बभूव | । | दोलयामास |
| आ० | दोल्यात् | दोल्यास्ताम् | दोल्यासुः |
| | दोल्याः | दोल्यास्तम् | दोल्यास्त |
| | दोल्यासम् | दोल्यास्व | दोल्यास्म |
| इ० | दोलयिता | दोलयितारौ | दोलयितारः |
| | दोलयितासि | दोलयितास्थः | दोलयितास्थ |
| | दोलयितास्मि | दोलयितास्वः | दोलयितास्मः |
| भ० | दोलयिष्यति | दोलयिष्यतः | दोलयिष्यन्ति |
| | दोलयिष्यसि | दोलयिष्यथः | दोलयिष्यथ |
| | दोलयिष्यामि | दोलयिष्यावः | दोलयिष्यामः |
| क्रि० | अदोलयिष्यत् | अदोलयिष्यताम् | अदोलयिष्यन् |
| | अदोलयिष्यः | अदोलयिष्यतम् | अदोलयिष्यत |
| | अदोलयिष्यम् | अदोलयिष्याव | अदोलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | दोलयते | दोलयेते | दोलयन्ते |
| | दोलयसे | दोलयेथे | दोलयध्वे |
| | दोलये | दोलयावहे | दोलयामहे |
| स० | दोलयेत | दोलयेयाताम् | दोलयेरन् |
| | दोलयेथाः | दोलयेयाथाम् | दोलयेध्वम् |
| | दोलयेय | दोलयेवहि | दोलयेमहि |
| प० | दोलयताम् | दोलयेताम् | दोलयन्ताम् |
| | दोलयस्व | दोलयेथाम् | दोलयध्वम् |
| | दोलये | दोलयावहे | दोलयामहे |
| झ० | अदोलयत | अदोलयेताम् | अदोलयन्त |
| | अदोलयथाः | अदोलयेथाम् | अदोलयध्वम् |
| | अदोलये | अदोलयावहि | अदोलयामहि |
| ञ० | अदुलत् | अदुलेताम् | अदुलन्त |
| | अदुलथाः | अदुलेथाम् | अदुलध्वम् |
| | अदुले | अदुलावहि | अदुलामहि |
| प० | दोलयाञ्चक्रे | दोलयाञ्चक्राते | दोलयाञ्चक्रिरे |
| | दोलयाञ्चकृषे | दोलयाञ्चक्राथे | दोलयाञ्चकृध्वे |
| | दोलयाञ्चक्रे | दोलयाञ्चकृवहे | दोलयाञ्चकृमहे |
| | दोलयाम्बभूव | । | दोलयामास |
| आ० | दोलयिषोष्ट | दोलयिषीयास्ताम् | दोलयिषीरन् |
| | दोलयिषोष्टाः | दोलयिषीयास्थाम् | दोलयिषीध्वम् |
| | दोलयिषीय | दोलयिषीवहि | दोलयिषीमहि |
| इ० | दोलयिता | दोलयितारौ | दोलयितारः |
| | दोलयितासे | दोलयितासाथे | दोलयिताध्वे |
| | दोलयिताहे | दोलयितास्वहे | दोलयितास्महे |
| भ० | दोलयिष्यते | दोलयिष्येते | दोलयिष्यन्ते |
| | दोलयिष्यसे | दोलयिष्येथे | दोलयिष्यध्वे |
| | दोलयिष्ये | दोलयिष्यावहे | दोलयिष्यामहे |
| क्रि० | अदोलयिष्यत् | अदोलयिष्येताम् | अदोलयिष्यन्त |
| | अदोलयिष्यथाः | अदोलयिष्येथाम् | अदोलयिष्यध्वम् |
| | अदोलयिष्ये | अदोलयिष्यावहि | अदोलयिष्यामहि |

1694 बुलण् (बुल्) निमज्जने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | बोलयति | बोलयतः | बोलयन्ति |
| | बोलयसि | बोलयथः | बोलयथ |
| | बोलयामि | बोलयावः | बोलयामः |
| स० | बोलयेत् | बोलयेताम् | बोलयेयुः |
| | बोलयेः | बोलयेतम् | बोलयेत |
| | बोलयेयम् | बोलयेव | बोलयेम |
| प० | बोलयतु | बोलयतात् | बोलयताम् |
| | बोलय | बोलयतात् | बोलयतम् |
| | बोलायानि | बोलायव | बोलायाम |
| झ० | अबोलयत् | अबोलयताम् | अबोलयन् |
| | अबोलयः | अबोलयतम् | अबोलयत |
| | अबोलयम् | अबोलायव | अबोलायाम |
| अ० | अबूबुलत् | अबूबुलताम् | अबूबुलन् |
| | अबूबुलः | अबूबुलतम् | अबूबुलत |
| | अबूबुलम् | अबूबुलाव | अबूबुलाम |
| प० | बोलायान्नकार | बोलायान्नक्रतुः | बोलायान्नक्रुः |
| | बोलायान्नकर्थ | बोलायान्नकथुः | बोलायान्नक |
| | बोलायान्नकार-चक्र | बोलायान्नकृव | बोलायान्नकृम |
| | बोलायान्नभूव | । | बोलायामास |
| आ० | बोल्यात् | बोल्यास्ताम् | बोल्यासुः |
| | बोल्याः | बोल्यास्तम् | बोल्यास्त |
| | बोल्यासम् | बोल्यास्व | बोल्यास्म |
| श्व० | बोलीयता | बोलीयतारौ | बोलीयतारः |
| | बोलीयतासि | बोलीयतास्थः | बोलीयतास्थ |
| | बोलीयतास्मि | बोलीयतास्वः | बोलीयतास्मः |
| भ० | बोलीयिष्यति | बोलीयिष्यतः | बोलीयिष्यन्ति |
| | बोलीयिष्यसि | बोलीयिष्यथः | बोलीयिष्यथ |
| | बोलीयिष्यामि | बोलीयिष्यावः | बोलीयिष्यामः |
| क्रि० | अबोलयिष्यत् | अबोलयिष्यताम् | अबोलयिष्यन् |
| | अबोलयिष्यः | अबोलयिष्यतम् | अबोलयिष्यत |
| | अबोलयिष्यम् | अबोलयिष्याव | अबोलयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------------------|---------------------|-----------------|
| व० | बोलयते | बोलयेते | बोलयन्ते |
| | बोलयसे | बोलयेथे | बोलयध्वे |
| | बोलये | बोलायवहे | बोलायामहे |
| स० | बोलयेत | बोलायेयाताम् | बोलायेरन् |
| | बोलायेथाः | बोलायेयाथाम् | बोलायेध्वम् |
| | बोलायेय | बोलायेवहि | बोलायेमहि |
| प० | बोलायताम् | बोलायेताम् | बोलायन्ताम् |
| | बोलायन्व | बोलायेथाम् | बोलायध्वम् |
| | बोलायै | बोलायवहै | बोलायामहै |
| झ० | अबोलायत | अबोलायेताम् | अबोलायन्त |
| | अबोलायथाः | अबोलायेथाम् | अबोलायध्वम् |
| | अबोलाये | अबोलायवहि | अबोलायामहि |
| अ० | अबूबुलत | अबूबुलेताम् | अबूबुलन्त |
| | अबूबुलथाः | अबूबुलेथाम् | अबूबुलध्वम् |
| | अबूबुले | अबूबुलावहि | अबूबुलामहि |
| प० | बोलायान्नक्रे | बोलायान्नक्राते | बोलायान्नक्रिरे |
| | बोलायान्नकृषे | बोलायान्नक्राथे | बोलायान्नकृद्वे |
| | बोलायान्नक्रे | बोलायान्नकृवहे | बोलायान्नकृमहे |
| | बोलायान्नभूव | । | बोलायामास |
| आ० | बोलीयिषीष्ट | बोलीयिषीयास्ताम् | बोलीयिषीरन् |
| | बोलीयिषीष्टाः | बोलीयिषीयास्थाम् | बोलीयिषीध्वम् |
| | बोलीयिषीय | बोलीयिषीवहि | बोलीयिषीमहि |
| श्व० | बोलीयिता | बोलीयितारौ | बोलीयितारः |
| | बोलीयितासे | बोलीयितासाथे | बोलीयिताध्वे |
| | बोलीयिताहे | बोलीयितास्वहे | बोलीयितास्महे |
| भ० | बोलीयिष्यते | बोलीयिष्येते | बोलीयिष्यन्ते |
| | बोलीयिष्यसे | बोलीयिष्येथे | बोलीयिष्यध्वे |
| | बोलीयिष्ये | बोलीयिष्यावहे | बोलीयिष्यामहे |
| क्रि० | अबोलीयिष्यत | अबोलीयिष्येताम् | अबोलीयिष्यन्त |
| | अबोलीयिष्यथाः | अबोलीयिष्येथाम् | अबोलीयिष्यध्वम् |
| | अबोलीयिष्ये | अबोलीयिष्यावहि | अबोलीयिष्यामहि |
| | 1695 मूलण् (मूल) रोहणे । | मूल 427 वट्टपाणि | |
| | 1696 कलण् (कल्) क्षेपे । | कल 814 वट्टपाणि | |
| | 1697 किलण् (किल्) क्षेपे । | किलत् 1400 वट्टपाणि | |

1698 पिलण् (पिल्) क्षेपे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | पेलयति | पेलयतः | पेलयन्ति |
| | पेलयसि | पेलयथः | पेलयथ |
| | पेलयामि | पेलयावः | पेलयामः |
| स० | पेलयेत् | पेलयेताम् | पेलयेयुः |
| | पेलयेः | पेलयेतम् | पेलयेत |
| | पेलयेयम् | पेलयेव | पेलयेम |
| प० | पेलयतु | पेलयतात् | पेलयन्तु |
| | पेलय | पेलयतात् | पेलयत |
| | पेलयानि | पेलयाव | पेलयाम |
| ह्य० | अपेलयत् | अपेलयताम् | अपेलयन् |
| | अपेलयः | अपेलयतम् | अपेलयत |
| | अपेलयम् | अपेलयाव | अपेलयाम |
| अ० | अपीपिलत् | अपीपिलताम् | अपीपिलन् |
| | अपीपिलः | अपीपिलतम् | अपीपिलत |
| | अपीपिलम् | अपीपिलाव | अपीपिलाम |
| प० | पेलयाश्चकार | पेलयाश्चक्रुः | पेलयाश्चकुः |
| | पेलयाश्चकथं | पेलयाश्चकथुः | पेलयाश्चक |
| | पेलयाश्चकार-चक्र | पेलयाश्चकृव | पेलयाश्चकृम |
| | पेलयाम्बभूव | । | पेलयामास |
| आ० | पेल्यात् | पेल्यास्ताम् | पेल्यासुः |
| | पेल्याः | पेल्यास्तम् | पेल्यास्त |
| | पेल्यासम् | पेल्यास्व | पेल्यास्म |
| श्व० | पेलयिता | पेलयितारौ | पेलयितारः |
| | पेलयितासि | पेलयितास्थः | पेलयितास्थ |
| | पेलयिता स्म | पेलयितास्वः | पेलयितास्मः |
| भ० | पेलयिष्यति | पेलयिष्यतः | पेलयिष्यन्ति |
| | पेलयिष्यसि | पेलयिष्यथः | पेलयिष्यथ |
| | पेलयिष्यामि | पेलयिष्यावः | पेलयिष्यामः |
| क्रि० | अपेलयिष्यत् | अपेलयिष्यताम् | अपेलयिष्यन् |
| | अपेलयिष्यः | अपेलयिष्यतम् | अपेलयिष्यत |
| | अपेलयिष्यम् | अपेलयिष्याव | अपेलयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पेलयते | पेलयेते | पेलयन्ते |
| | पेलयसे | पेलयेथे | पेलयध्वे |
| | पेलये | पेलयावहे | पेलयामहे |
| स० | पेलयेत | पेलयेयाताम् | पेलयेस्म |
| | पेलयेथाः | पेलयेयाथाम् | पेलयेध्वम् |
| | पेलयेय | पेलयेवहि | पेलयेमहि |
| प० | पेलयताम् | पेलयेताम् | पेलयन्ताम् |
| | पेलयस्व | पेलयेथाम् | पेलयध्वम् |
| | पेलये | पेलयावहे | पेलयामहे |
| ह्य० | अपेलयत | अपेलयेताम् | अपेलयन्त |
| | अपेलयथाः | अपेलयेथाम् | अपेलयध्वम् |
| | अपेलये | अपेलयावहि | अपेलयामहि |
| अ० | अपीपिलत | अपीपिलेताम् | अपीपिलन्त |
| | अपीपिलथाः | अपीपिलेथाम् | अपीपिलध्वम् |
| | अपीपिले | अपीपिलावहि | अपीपिलामहि |
| प० | पेलयाश्चक्रे | पेलयाश्चक्राते | पेलयाश्चकिरे |
| | पेलयाश्चकृषे | पेलयाश्चक्राथे | पेलयाश्चकृद्वे |
| | पेलयाश्चक्रे | पेलयाश्चकृवहे | पेलयाश्चकृमहे |
| | पेलयाम्बभूव | । | पेलयामास |
| आ० | पेलयिषीष्ट | पेलयिषीयास्ताम् | पेलयिषीरन् |
| | पेलयिषीष्ठाः | पेलयिषीयास्थाम् | पेलयिषीद्वम् |
| | पेलयिषीय | पेलयिषीवहि | पेलयिषीमहि |
| श्व० | पेलयिता | पेलयितारौ | पेलयितारः |
| | पेलयितासे | पेलयितासाथे | पेलयिताध्वे |
| | पेलयिताहे | पेलयितास्वहे | पेलयितास्महे |
| भ० | पेलयिष्यते | पेलयिष्येते | पेलयिष्यन्ते |
| | पेलयिष्यसे | पेलयिष्येथे | पेलयिष्यध्वे |
| | पेलयिष्ये | पेलयिष्यावहे | पेलयिष्यामहे |
| क्रि० | अपेलयिष्यत | अपेलयिष्येताम् | अपेलयिष्यन्त |
| | अपेलयिष्यथाः | अपेलयिष्येथाम् | अपेलयिष्यध्वम् |
| | अपेलयिष्ये | अपेलयिष्यावहि | अपेलयिष्यामहि |

1699 पलण् (पल्) रक्षणे । पल् 982 बद्रूपाणि
1700 इलण् (इल्) प्रेरणे । इलत् 1401 बद्रूपाणि
1701 चलण् (चल्) श्रुतौ । चलत् 1406 बद्रूपाणि

1702 सान्त्वण् (सान्त्व) सामप्रयोगे ।

| | | | |
|-------|---------------------|--------------------|-------------------|
| व० | सान्त्वयति | सान्त्वयतः | सान्त्वयन्ति |
| | सान्त्वयसि | सान्त्वयथः | सान्त्वयथ |
| | सान्त्वयामि | सान्त्वयावः | सान्त्वयामः |
| स० | सान्त्वयेत् | सान्त्वयेताम् | सान्त्वयेयुः |
| | सान्त्वयेः | सान्त्वयेतम् | सान्त्वयेत |
| | सान्त्वयम् | सान्त्वयेव | सान्त्वयेम |
| प० | सान्त्वयतु | सान्त्वयतात् | सान्त्वयताम् |
| | सान्त्वय | सान्त्वयतात् | सान्त्वयतम् |
| | सान्त्वयानि | सान्त्वयाव | सान्त्वयाम |
| ह्य० | असान्त्वयत् | असान्त्वयताम् | असान्त्वयन् |
| | असान्त्वयः | असान्त्वयतम् | असान्त्वयत |
| | असान्त्वयम् | असान्त्वयाव | असान्त्वयाम |
| अ० | असान्त्वयत् | असान्त्वयताम् | असान्त्वयन् |
| | असान्त्वयः | असान्त्वयतम् | असान्त्वयत |
| | असान्त्वयम् | असान्त्वयाव | असान्त्वयाम |
| प० | सान्त्वयाञ्चकार | सान्त्वयाञ्चक्रतुः | सान्त्वयाञ्चक्रुः |
| | सान्त्वयाञ्चकथं | सान्त्वयाञ्चकथुः | सान्त्वयाञ्चक |
| | सान्त्वयाञ्चकार-चकर | सान्त्वयाञ्चक्रव | सान्त्वयाञ्चक्रम |
| | सान्त्वयाम्बभूव | । | सान्त्वयामास |
| आ० | सान्त्वयात् | सान्त्वयास्ताम् | सान्त्वयासुः |
| | सान्त्वयाः | सान्त्वयास्तम् | सान्त्वयास्त |
| | सान्त्वयासम् | सान्त्वयास्व | सान्त्वयास्म |
| श्च० | सान्त्वयिता | सान्त्वयितारौ | सान्त्वयितारः |
| | सान्त्वयितासि | सान्त्वयितास्थः | सान्त्वयितास्थ |
| | सान्त्वयितास्मि | सान्त्वयितास्वः | सान्त्वयितास्मः |
| भ० | सान्त्वयिष्यति | सान्त्वयिष्यतः | सान्त्वयिष्यन्ति |
| | सान्त्वयिष्यसि | सान्त्वयिष्यथः | सान्त्वयिष्यथ |
| | सान्त्वयिष्यामि | सान्त्वयिष्यावः | सान्त्वयिष्यामः |
| क्रि० | असान्त्वयिष्यत् | असान्त्वयिष्यताम् | असान्त्वयिष्यन् |
| | असान्त्वयिष्यः | असान्त्वयिष्यतम् | असान्त्वयिष्यत |
| | असान्त्वयिष्यम् | असान्त्वयिष्याव | असान्त्वयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------------|---------------------|---------------------|
| व० | सान्त्वयते | सान्त्वयेते | सान्त्वयन्ते |
| | सान्त्वयसे | सान्त्वयेथे | सान्त्वयध्वे |
| | सान्त्वये | सान्त्वयावहे | सान्त्वयामहे |
| स० | सान्त्वयेत | सान्त्वयेयाताम् | सान्त्वयेरन् |
| | सान्त्वयेथाः | सान्त्वयेयाथाम् | सान्त्वयेध्वम् |
| | सान्त्वयेय | सान्त्वयेवहि | सान्त्वयेमहि |
| प० | सान्त्वयताम् | सान्त्वयेताम् | सान्त्वयन्ताम् |
| | सान्त्वयस्व | सान्त्वयेथाम् | सान्त्वयध्वम् |
| | सान्त्वये | सान्त्वयावहे | सान्त्वयामहे |
| ह्य० | असान्त्वयत | असान्त्वयेताम् | असान्त्वयन्त |
| | असान्त्वयथाः | असान्त्वयेथाम् | असान्त्वयध्वम् |
| | असान्त्वये | असान्त्वयावहि | असान्त्वयामहि |
| अ० | असान्त्वयत | असान्त्वयेताम् | असान्त्वयन्त |
| | असान्त्वयथाः | असान्त्वयेथाम् | असान्त्वयध्वम् |
| | असान्त्वये | असान्त्वयावहि | असान्त्वयामहि |
| प० | सान्त्वयाञ्चक्रे | सान्त्वयाञ्चक्राते | सान्त्वयाञ्चक्रिरे |
| | सान्त्वयाञ्चक्रेषु | सान्त्वयाञ्चक्राथे | सान्त्वयाञ्चक्रुइवे |
| | सान्त्वयाञ्चक्रे | सान्त्वयाञ्चक्रवहे | सान्त्वयाञ्चक्रमहे |
| | सान्त्वयाम्बभूव | । | सान्त्वयामास |
| आ० | सान्त्वयिषीष्ट | सान्त्वयिषीयास्ताम् | सान्त्वयिषीरन् |
| | सान्त्वयिषीष्टाः | सान्त्वयिषीयास्थाम् | सान्त्वयिषीध्वम् |
| | सान्त्वयिषीय | सान्त्वयिषीवहि | सान्त्वयिषीमहि |
| श्च० | सान्त्वयिता | सान्त्वयितारौ | सान्त्वयितारः |
| | सान्त्वयितासे | सान्त्वयितासाथे | सान्त्वयिताध्वे |
| | सान्त्वयिताहे | सान्त्वयितास्वहे | सान्त्वयितास्महे |
| भ० | सान्त्वयिष्यते | सान्त्वयिष्येते | सान्त्वयिष्यन्ते |
| | सान्त्वयिष्यसे | सान्त्वयिष्येथे | सान्त्वयिष्यध्वे |
| | सान्त्वयिष्ये | सान्त्वयिष्यावहे | सान्त्वयिष्यामहे |
| क्रि० | असान्त्वयिष्यत | असान्त्वयिष्येताम् | असान्त्वयिष्यन्त |
| | असान्त्वयिष्यथाः | असान्त्वयिष्येथाम् | असान्त्वयिष्यध्वम् |
| | असान्त्वयिष्यं | असान्त्वयिष्यावहि | असान्त्वयिष्यामहि |

1703 धूशण् (धूश्) कान्तीकरणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० धूशयति | धूशयतः | धूशयन्ति |
| धूशयसि | धूशयथः | धूशयथ |
| धूशयामि | धूशयावः | धूशयामः |
| स० धूशयेत् | धूशयेताम् | धूशयेयुः |
| धूशयेः | धूशयेतम् | धूशयेत |
| धूशयेयम् | धूशयेव | धूशयेम |
| प० धूशयतु | धूशयतात् | धूशयताम् |
| धूशय | धूशयतात् | धूशयतम् |
| धूशयानि | धूशयाव | धूशयाम |
| ह्य० अधूशयत् | अधूशयताम् | अधूशयन् |
| अधूशयः | अधूशयतम् | अधूशयत |
| अधूशयम् | अधूशयाव | अधूशयाम |
| भ० अदधूशयत् | अदधूशयताम् | अदधूशयन् |
| अदधूशयः | अदधूशयतम् | अदधूशयत |
| अदधूशयम् | अदधूशयाव | अदधूशयाम |
| प० धूशयाञ्चकार | धूशयाञ्चक्रुः | धूशयाञ्चकुः |
| धूशयाञ्चकथे | धूशयाञ्चकथुः | धूशयाञ्चक |
| धूशयाञ्चकार-चकर | धूशयाञ्चकृव | धूशयाञ्चकृम |
| धूशयाम्बभूव | । | धूशयामास |
| भा० धूश्यात् | धूश्यास्ताम् | धूश्यासुः |
| धूश्याः | धूश्यास्तम् | धूश्यास्त |
| धूश्यासम् | धूश्यास्व | धूश्यास्म |
| श्व० धूशयिता | धूशयितारौ | धूशयितास्थ |
| धूशयितासि | धूशयितास्थः | धूशयितास्थ |
| धूशयितास्मि | धूशयितास्वः | धूशयितास्मः |
| भ० धूशयिष्यति | धूशयिष्यतः | धूशयिष्यन्ति |
| धूशयिष्यसि | धूशयिष्यथः | धूशयिष्यथ |
| धूशयिष्यामि | धूशयिष्यावः | धूशयिष्यामः |
| क्रि० अधूशयिष्यत् | अधूशयिष्यताम् | अधूशयिष्यन् |
| अधूशयिष्यः | अधूशयिष्यतम् | अधूशयिष्यत |
| अधूशयिष्यम् | अधूशयिष्याव | अधूशयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० लूषयते | लूषयेते | लूषयन्ते |
| लूषयसे | लूषयेथे | लूषयथे |
| लूषये | लूषयावहे | लूषयामहे |
| स० लूषयेत | लूषयेयाताम् | लूषयेरन् |
| लूषयेथाः | लूषयेयाथाम् | लूषयेध्वम् |
| लूषयेय | लूषयेवहि | लूषयेमहि |
| प० लूषयताम् | लूषयेताम् | लूषयन्ताम् |
| लूषयस्व | लूषयेथाम् | लूषयध्वम् |
| लूषये | लूषयावहे | लूषयामहे |
| ह्य० अलूषयत | अलूषयेताम् | अलूषयन्त |
| अलूषयथाः | अलूषयेथाम् | अलूषयध्वम् |
| अलूषये | अलूषयावहि | अलूषयामहि |
| भ० अलूषयत | अलूषयेताम् | अलूषयन्त |
| अलूषयथाः | अलूषयेथाम् | अलूषयध्वम् |
| अलूषये | अलूषयावहि | अलूषयामहि |
| प० लूषयाञ्चक्रे | लूषयाञ्चक्रते | लूषयाञ्चक्रिरे |
| लूषयाञ्चकृषे | लूषयाञ्चकृथे | लूषयाञ्चकृवहे |
| लूषयाञ्चक्रे | लूषयाञ्चकृवहे | लूषयाञ्चकृमहे |
| लूषयाम्बभूव | । | लूषयामास |
| भा० लूषयिषीष्ट | लूषयिषीयास्ताम् | लूषयिषीरन् |
| लूषयिषीष्ठाः | लूषयिषीथास्वाम् | लूषयिषीध्वम् |
| लूषयिषीय | लूषयिषीयहि | लूषयिषीमहि |
| श्व० लूषयिता | लूषयितारौ | लूषयितास्थ |
| लूषयितासे | लूषयितासाथे | लूषयिताध्वे |
| लूषयिताहे | लूषयितास्वहे | लूषयितास्महे |
| भ० लूषयिष्यते | लूषयिष्यते | लूषयिष्यन्ते |
| लूषयिष्यसे | लूषयिष्येथे | लूषयिष्यध्वे |
| लूषयिष्ये | लूषयिष्यावहे | लूषयिष्यामहे |
| क्रि० अलूषयिष्यत | लूषयिष्येताम् | अलूषयिष्यन्त |
| अलूषयिष्यथाः | अलूषयिष्येथाम् | अलूषयिष्यध्वम् |
| अलूषयिष्ये | अलूषयिष्यावहि | अलूषयिष्यामहि |

1706 रुषण् (रुष्) रोषे । 514 रुषवन्नूपाणि

1707 प्युषण् (प्युष्) उत्सर्गे । 1216 प्युषवन्नूपाणि

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| १० धूशयते | धूशयेते | धूशयन्ते |
| धूशयसे | धूशयेथे | धूशयध्वे |
| धूशये | धूशयावहे | धूशयामहे |
| स० धूशयेत | धूशयेयाताम् | धूशयेरन् |
| धूशयेथाः | धूशयेयाथाम् | धूशयेध्वम् |
| धूशयेय | धूशयेवहि | धूशयेमहि |
| प० धूशयताम् | धूशयेताम् | धूशयन्ताम् |
| धूशयस्व | धूशयेथाम् | धूशयध्वम् |
| धूशयै | धूशयावहै | धूशयामहै |
| ह्य० अधूशयत | अधूशयेताम् | अधूशयन्त |
| अधूशयथः | अधूशयेथाम् | अधूशयध्वम् |
| अधूशये | अधूशयावहि | अधूशयामहि |
| अ० अदधूशत | अदधूशेताम् | अदधूशन्त |
| अदधूशथाः | अदधूशेथाम् | अदधूशध्वम् |
| अदधूशे | अदधूशावहि | अदधूशामहि |
| प० धूशयाश्चक्रे | धूशयाश्चक्रते | धूशयाश्चकिरे |
| धूशयाश्चकृषे | धूशयाश्चक्रथे | धूशयाश्चकृध्वे |
| धूशयाश्चक्रे | धूशयाश्चकृवहे | धूशयाश्चकृमहे |
| धूशयाम्बभूव । धूशयामास | | |
| आ० धूशयिषीष्ट | धूशयिषीयास्ताम् | धूशयिषीरन् |
| धूशयिषीष्ठाः | धूशयिषीयास्थाम् | धूशयिषीध्वम् |
| धूशयिषीय | धूशयिषीवहि | धूशयिषीमहि |
| श्व० धूशयिता | धूशयितारौ | धूशयितारः |
| धूशयितासे | धूशयितासाथे | धूशयिताध्वे |
| धूशयिताहे | धूशयितास्वहे | धूशयितास्महे |
| भ० धूशयिष्यते | धूशयिष्येते | धूशयिष्यन्ते |
| धूशयिष्यसे | धूशयिष्येथे | धूशयिष्यध्वे |
| धूशयिष्ये | धूशयिष्यावहे | धूशदि० गमहे |
| क्रि० अधूशयिष्यत | अधूशयिष्येताम् | अधूशयिष्यन्त |
| अधूशयिष्यथाः | अधूशयिष्येथाम् | अधूशयिष्यध्वम् |
| अधूशयिष्ये | अधूशयिष्यावहि | अधूशयिष्यामहि |

1704 ऋषण् (ऋष्) ऋषणे । 53 ऋषूवत्प्राणि

1705 लृषण् (लृष्) हिंसायाम् ।

| | | |
|------------------------|----------------|---------------|
| व० लृषयति | लृषयतः | लृषयन्ति |
| लृषयसि | लृषयथः | लृषयथ |
| लृषयामि | लृषयावः | लृषयामः |
| स० लृषयेत् | लृषयेताम् | लृषयेयुः |
| लृषयेः | लृषयेतम् | लृषयेत |
| लृषयेयम् | लृषयेव | लृषयेम |
| प० लृषयतु | लृषयतात् | लृषयताम् |
| लृषय | लृषयतात् | लृषयतम् |
| लृषयानि | लृषयाव | लृषयाम |
| ह्य० अलृषयत् | अलृषयताम् | अलृषयन् |
| अलृषयः | अलृषयतम् | अलृषयत |
| अलृषयम् | अलृषयाव | अलृषयाम |
| अ० अलृलृषत् | अलृलृषताम् | अलृलृषन् |
| अलृलृषः | अलृलृषतम् | अलृलृषत |
| अलृलृषम् | अलृलृषाव | अलृलृषाम |
| प० लृषयाश्चकार | लृषयाश्चक्रतुः | लृषयाश्चक्रुः |
| लृषयाश्चकथे | लृषयाश्चक्रथुः | लृषयाश्चक्र |
| लृषयाश्चकार-चकर | लृषयाश्चक्रव | लृषयाश्चक्रम |
| लृषयाम्बभूव । लृषयामास | | |
| आ० लृष्यात् | लृष्यास्ताम् | लृष्यासुः |
| लृष्याः | लृष्यास्तम् | लृष्यास्त |
| लृष्यासम् | लृष्यास्व | लृष्यास्म |
| श्व० लृषयिता | लृषयितारौ | लृषयितारः |
| लृषयितासि | लृषयितास्थः | लृषयितास्थ |
| लृषयितास्मि | लृषयितास्वः | लृषयितास्मः |
| भ० लृषयिष्यति | लृषयिष्यतः | लृषयिष्यन्ति |
| लृषयिष्यसि | लृषयिष्यथः | लृषयिष्यथ |
| लृषयिष्यामि | लृषयिष्यावः | लृषयिष्यामः |
| क्रि० अलृषयिष्यत् | अलृषयिष्यताम् | अलृषयिष्यन् |
| अलृषयिष्यः | अलृषयिष्यतम् | अलृषयिष्यत |
| अलृषयिष्यम् | अलृषयिष्याव | अलृषयिष्याम |

1708 पसण् (पंस्) नाशने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | पंसयति | पंसयतः | पंसयन्ति |
| | पंसयसि | पंसयथः | पंसयथ |
| | पंसयामि | पंसयावः | पंसयामः |
| स० | पंसयेत् | पंसयेताम् | पंसयेयुः |
| | पंसयेः | पंसयेतम् | पंसयेत |
| | पंसयेयम् | पंसयेव | पंसयेम |
| प० | पंसयतु | पंसयतात् | पंसयताम् |
| | पंसय | पंसयतात् | पंसयतम् |
| | पंसयानि | पंसयाव | पंसयाम |
| ह्य० | अपंसयत् | अपंसयताम् | अपंसयन् |
| | अपंसयः | अपंसयतम् | अपंसयत |
| | अपंसयम् | अपंसयाव | अपंसयाम |
| अ० | अपपंसत् | अपपंसताम् | अपपंसन् |
| | अपपंसः | अपपंसतम् | अपपंसत |
| | अपपंसम् | अपपंसाव | अपपंसाम |
| प० | पंसयाश्चकार | पंसयाश्चक्रतुः | पंसयाश्चक्रुः |
| | पंसयाश्चक्रे | पंसयाश्चक्रुः | पंसयाश्चक्रुः |
| | पंसयाश्चक्र-चक्र | पंसयाश्चक्रुव | पंसयाश्चक्रुम |
| | पंसयाम्बभूव | पंसयामास | |
| आ० | पंस्यात् | पंस्यास्ताम् | पंस्यासुः |
| | पंस्याः | पंस्यास्तम् | पंस्यास्त |
| | पंस्यासम् | पंस्यास्व | पंस्यास्म |
| श्व० | पंसयिता | पंसयितारौ | पंसयितारः |
| | पंसयितासि | पंसयितास्थः | पंसयितास्थ |
| | पंसयितास्मि | पंसयितास्वः | पंसयितास्मः |
| भ० | पंसयिष्यति | पंसयिष्यतः | पंसयिष्यन्ति |
| | पंसयिष्यसि | पंसयिष्यथः | पंसयिष्यथ |
| | पंसयिष्यामि | पंसयिष्यावः | पंसयिष्यामः |
| क्रि० | अपंसयिष्यत् | अपंसयिष्यताम् | अपंसयिष्यन् |
| | अपंसयिष्यः | अपंसयिष्यतम् | अपंसयिष्यत |
| | अपंसयिष्यम् | अपंसयिष्याव | अपंसयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | पंसयते | पंसयेते | पंसयन्ते |
| | पंसयसे | पंसयेथे | पंसयध्वे |
| | पंसये | पंसयावहे | पंसयामहे |
| स० | पंसयेत | पंसयेयाताम् | पंसयेरन् |
| | पंसयेथाः | पंसयेयाथाम् | पंसयेध्वम् |
| | पंसयेय | पंसयेवहि | पंसयेमहि |
| प० | पंसयताम् | पंसयेताम् | पंसयन्ताम् |
| | पंसयस्व | पंसयेथाम् | पंसयध्वम् |
| | पंसये | पंसयावहे | पंसयामहे |
| ह्य० | अपंसयत | अपंसयेताम् | अपंसयन्त |
| | अपंसयथाः | अपंसयेथाम् | अपंसयध्वम् |
| | अपंसये | अपंसयावहि | अपंसयामहि |
| अ० | अपपंसत | अपपंसताम् | अपपंसन्त |
| | अपपंसथाः | अपपंसथाम् | अपपंसध्वम् |
| | अपपंसे | अपपंसावहि | अपपंसामहि |
| प० | पंसयाश्चक्रे | पंसयाश्चक्राते | पंसयाश्चक्रिरे |
| | पंसयाश्चक्रेषे | पंसयाश्चक्राथे | पंसयाश्चक्रुद्वे |
| | पंसयाश्चक्रे | पंसयाश्चक्रुवहे | पंसयाश्चक्रुमहे |
| | पंसयाम्बभूव | पंसयामास | |
| आ० | पंसयिषीष्ट | पंसयिषीयास्ताम् | पंसयिषीरन् |
| | पंसयिषीष्टाः | पंसयिषीयास्थाम् | पंसयिषीद्वम् |
| | पंसयिषीय | पंसयिषीवहि | पंसयिषीमहि |
| श्व० | पंसयिता | पंसयितारौ | पंसयितारः |
| | पंसयितासे | पंसयितासाथे | पंसयिताध्वे |
| | पंसयिताहे | पंसयितास्वहे | पंसयितास्महे |
| भ० | पंसयिष्यते | पंसयिष्येते | पंसयिष्यन्ते |
| | पंसयिष्यसे | पंसयिष्येथे | पंसयिष्यध्वे |
| | पंसयिष्ये | पंसयिष्यावहे | पंसयिष्यामहे |
| क्रि० | अपंसयिष्यत | अपंसयिष्येताम् | अपंसयिष्यन्त |
| | अपंसयिष्यथाः | अपंसयिष्येथाम् | अपंसयिष्यध्वम् |
| | अपंसयिष्ये | अपंसयिष्यावहि | अपंसयिष्यामहि |

1709 जसुण् (जंस्) रक्षणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | जंसयति | जंसयतः | जंसयन्ति |
| | जंसयसि | जंसयथः | जंसयथ |
| | जंसयामि | जंसयावः | जंसयामः |
| स० | जंसयेम् | जंसयेताम् | जंसयेयुः |
| | जंसयेः | जंसयेतम् | जंसयेत |
| | जंसयेयम् | जंसयेव | जंसयेम |
| प० | जंसयतु | जंसयतात् | जंसयताम् |
| | जंसय | जंसयतात् | जंसयतम् |
| | जंसयानि | जंसयाव | जंसयाम |
| ह्य० | अजंसयत् | अजंसयताम् | अजंसयन् |
| | अजंसयः | अजंसयतम् | अजंसयत |
| | अजंसयम् | अजंसयाव | अजंसयाम |
| अ० | अजजंसत् | अजजंसताम् | अजजंसन् |
| | अजजंसः | अजजंसतम् | अजजंसत |
| | अजजंसम् | अजजंसाव | अजजंसाम |
| प० | जंसयाञ्चकार | जंसयाञ्चक्रुः | जंसयाञ्चकुः |
| | जंसयाञ्चकथं | जंसयाञ्चकथुः | जंसयाञ्चक |
| | जंसयाञ्चकार-चकर | जंसयाञ्चकृव | जंसयाञ्चकृम |
| | जंसयाम्बभूव | । | जंसयामास |
| आ० | जंस्यात् | जंस्यास्ताम् | जंस्यासुः |
| | जंस्याः | जंस्यास्तम् | जंस्यास्त |
| | जंस्यासम् | जंस्यास्व | जंस्यास्म |
| श्व० | जंसयिता | जंसयितारौ | जंसयितारः |
| | जंसयितासि | जंसयितास्थः | जंसयितास्थ |
| | जंसयितास्मि | जंसयितास्वः | जंसयितास्मः |
| भ० | जंसयिष्यति | जंसयिष्यतः | जंसयिष्यन्ति |
| | जंसयिष्यसि | जंसयिष्यथः | जंसयिष्यथ |
| | जंसयिष्यामि | जंसयिष्यावः | जंसयिष्यामः |
| क्रि० | अजंसयिष्यत् | अजंसयिष्यताम् | अजंसयिष्यन् |
| | अजंसयिष्यः | अजंसयिष्यतम् | अजंसयिष्यत |
| | अजंसयिष्यम् | अजंसयिष्याव | अजंसयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | जंसयते | जंसयेते | जंसयन्ते |
| | जंसयसे | जंसयेथे | जंसयध्वे |
| | जंसये | जंसयावहे | जंसयामहे |
| स० | जंसयेत | जंसयेयाताम् | जंसयेरन् |
| | जंसयेथाः | जंसयेयाथाम् | जंसयेध्वम् |
| | जंसयेथ | जंसयवहि | जंसयेमहि |
| प० | जंसयताम् | जंसयेताम् | जंसयन्ताम् |
| | जंसयस्व | जंसयेथाम् | जंसयध्वम् |
| | जंसयै | जंसयावहे | जंसयामहे |
| ह्य० | अजंसयत | अजंसयेताम् | अजंसयन्त |
| | अजंसयथाः | अजंसयेथाम् | अजंसयध्वम् |
| | अजंसये | अजंसयावहि | अजंसयामहि |
| अ० | अजजंसत | अजजंसेताम् | अजजंसन्त |
| | अजजंसथाः | अजजंसेथम् | अजजंसध्वम् |
| | अजजंसे | अजजंसावहि | अजजंसामहि |
| प० | जंसयाञ्चक्रे | जंसयाञ्चक्राते | जंसयाञ्चकिरे |
| | जंसयाञ्चकृषे | जंसयाञ्चक्राथे | जंसयाञ्चकृद्वे |
| | जंसयाञ्चके | जंसयाञ्चकृवहे | जंसयाञ्चकृमहे |
| | जंसयाम्बभूव | । | जंसयामास |
| आ० | जंसयिषीष्ट | जंसयिषीयास्ताम् | जंसयिषीरन् |
| | जंसयिषीष्टाः | जंसयिषीयास्याम् | जंसयिषीद्वम् |
| | जंसयिषीय | जंसयिषीवहि | जंसयिषीमहि |
| श्व० | जंसयिता | जंसयितारौ | जंसयितारः |
| | जंसयितासे | जंसयितासाथे | जंसयिताध्वे |
| | जंसयिताहे | जंसयितास्वहे | जंसयितास्महे |
| भ० | जंसयिष्यते | जंसयिष्येते | जंसयिष्यन्ते |
| | जंसयिष्यसे | जंसयिष्येथे | जंसयिष्यध्वे |
| | जंसयिष्ये | जंसयिष्यवहे | जंसयिष्यामहे |
| क्रि० | अजंसयिष्यत | अजंसयिष्येताम् | अजंसयिष्यन्त |
| | अजंसयिष्यथाः | अजंसयिष्येथाम् | अजंसयिष्यध्वम् |
| | अजंसयिष्ये | अजंसयिष्यवहि | अजंसयिष्यामहि |

1712 पुंसण् (पुंस्) अभिमर्दने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | पुंसयति | पुंसयतः | पुंसयन्ति |
| | पुंसयसि | पुंसयथः | पुंसयथ |
| | पुंसयामि | पुंसयावः | पुंसयामः |
| स० | पुंसयेत् | पुंसयेताम् | पुंसयेयुः |
| | पुंसयेः | पुंसयेतम् | पुंसयेत |
| | पुंसयेथम् | पुंसयेव | पुंसयेम |
| प० | पुंसयतु | पुंसयतात् | पुंसयन्तु |
| | पुंसय | पुंसयतात् | पुंसयत |
| | पुंसयानि | पुंसयाव | पुंसयाम |
| ह्य० | अपुंसयत् | अपुंसयताम् | अपुंसयन् |
| | अपुंसयः | अपुंसयतम् | अपुंसयत |
| | अपुंसयम् | अपुंसयाव | अपुंसयाम |
| अ० | अपुपुंसत् | अपुपुंसताम् | अपुपुंसन् |
| | अपुपुंसः | अपुपुंसतम् | अपुपुंसत |
| | अपुपुंसम् | अपुपुंसाव | अपुपुंसाम |
| प० | पुंसयाञ्चकार | पुंसयाञ्चक्रुः | पुंसयाञ्चकुः |
| | पुंसयाञ्चकथं | पुंसयाञ्चकथुः | पुंसयाञ्चक्र |
| | पुंसयाञ्चकार-चकर | पुंसयाञ्चकृव | पुंसयाञ्चकृम |
| | पुंसयाम्बभूव | । | पुंसयामास |
| आ० | पुंस्यात् | पुंस्यास्ताम् | पुंस्यःसुः |
| | पुंस्याः | पुंस्यास्तम् | पुंस्यास्त |
| | पुंस्यासम् | पुंस्यास्व | पुंस्यास्म |
| श्व० | पुंसयिता | पुंसयितारौ | पुंसयितारः |
| | पुंसयितासि | पुंसयितास्थः | पुंसयितास्थ |
| | पुंसयितास्मि | पुंसयितास्वः | पुंसयितास्मः |
| भ० | पुंसयिष्यति | पुंसयिष्यतः | पुंसयिष्यन्ति |
| | पुंसयिष्यसि | पुंसयिष्यथः | पुंसयिष्यथ |
| | पुंसयिष्यामि | पुंसयिष्यावः | पुंसयिष्यामः |
| क्रि० | अपुंसयिष्यत् | अपुंसयिष्यताम् | अपुंसयिष्यन् |
| | अपुंसयिष्यः | अपुंसयिष्यतम् | अपुंसयिष्यत |
| | अपुंसयिष्यम् | ० पुंसयिष्याव | अपुंसयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | पुंसयते | पुंसयेते | पुंसयन्ते |
| | पुंसयसे | पुंसयेथे | पुंसयन्थे |
| | पुंसये | पुंसयावहे | पुंसयामहे |
| स० | पुंसयेत | पुंसयेयाताम् | पुंसयेरन् |
| | पुंसयेथाः | पुंसयेयाथाम् | पुंसयेध्वम् |
| | पुंसयेथ | पुंसयेवहि | पुंसयेमहि |
| प० | पुंसयताम् | पुंसयेताम् | पुंसयन्ताम् |
| | पुंसयस्व | पुंसयेथाम् | पुंसयध्वम् |
| | पुंसये | पुंसयावहे | पुंसयामहे |
| ह्य० | अपुंसयत | अपुंसयेताम् | अपुंसयन्त |
| | अपुंसयथाः | अपुंसयेथाम् | अपुंसयध्वम् |
| | अपुंसये | अपुंसयावहि | अपुंसयामहि |
| अ० | अपुपुंसत | अपुपुंसेताम् | अपुपुंसन्त |
| | अपुपुंसथाः | अपुपुंसेथाम् | अपुपुंसध्वम् |
| | अपुपुंसे | अपुपुंसावहि | अपुपुंसामहि |
| प० | पुंसयाञ्चके | पुंसयाञ्चकाते | पुंसयाञ्चकिरे |
| | पुंसयाञ्चकृषे | पुंसयाञ्चकृथाये | पुंसयाञ्चकृद्वे |
| | पुंसयाञ्चके | पुंसयाञ्चकृवहे | पुंसयाञ्चकृमहे |
| | पुंसयाम्बभूव | । | पुंसयामास |
| आ० | पुंसयिषीष्ठ | पुंसयिषीयास्ताम् | पुंसयिषीरन् |
| | पुंसयिषीष्ठाः | पुंसयिषीयास्थाम् | पुंसयिषीध्वम् |
| | पुंसयिषीय | पुंसयिषीवहि | पुंसयिषीमहि |
| श्व० | पुंसयिता | पुंसयितारौ | पुंसयितारः |
| | पुंसयितासे | पुंसयितासाथे | पुंसयिताध्वे |
| | पुंसयिताहे | पुंसयितास्वहे | पुंसयितास्महे |
| भ० | पुंसयिष्यते | पुंसयिष्येते | पुंसयिष्यन्ते |
| | पुंसयिष्यसे | पुंसयिष्येथे | पुंसयिष्यन्थे |
| | पुंसयिष्ये | पुंसयिष्यावहे | पुंसयिष्यामहे |
| क्रि० | अपुंसयिष्यत | अपुंसयिष्येताम् | अपुंसयिष्यन्त |
| | अपुंसयिष्यथाः | अपुंसयिष्येथाम् | अपुंसयिष्यध्वम् |
| | अपुंसयिष्ये | अपुंसयिष्यवहि | अपुंसयिष्यामहि |

1711 ब्रूयन् (ब्रूय) हिंसायाम् ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| ब० ब्रूयति | ब्रूयतः | ब्रूयन्ति |
| ब्रूयसि | ब्रूयथः | ब्रूयथ |
| ब्रूयामि | ब्रूयावः | ब्रूयामः |
| स० ब्रूयेम् | ब्रूयेताम् | ब्रूयेयुः |
| ब्रूयेः | ब्रूयेतम् | ब्रूयेत |
| ब्रूयेयम् | ब्रूयेव | ब्रूयेम |
| प० ब्रूयतु | ब्रूयतात् | ब्रूयताम् |
| ब्रूय | ब्रूयतात् | ब्रूयतम् |
| ब्रूयानि | ब्रूयाव | ब्रूयाम |
| ह्य० अब्रूयत् | अब्रूयताम् | अब्रूयन् |
| अब्रूयः | अब्रूयतम् | अब्रूयत |
| अब्रूयम् | अब्रूयाव | अब्रूयाम |
| अ० अब्रूयसत् | अब्रूयसताम् | अब्रूयसन् |
| अब्रूयसः | अब्रूयसतम् | अब्रूयसत |
| अब्रूयसम् | अब्रूयसाव | अब्रूयसाम |
| प० ब्रूयिष्यति | ब्रूयिष्यतः | ब्रूयिष्यन्ति |
| ब्रूयिष्यसि | ब्रूयिष्यथः | ब्रूयिष्यथ |
| ब्रूयिष्यामि | ब्रूयिष्यावः | ब्रूयिष्यामः |
| क्रि० अब्रूयिष्यत् | अब्रूयिष्यताम् | अब्रूयिष्यन् |
| अब्रूयिष्यः | अब्रूयिष्यतम् | अब्रूयिष्यत |
| अब्रूयिष्यम् | अब्रूयिष्याव | अब्रूयिष्याम |

अ० अब्रूयसत् अब्रूयसताम् अब्रूयसन्
अब्रूयसः अब्रूयसतम् अब्रूयसत
अब्रूयसम् अब्रूयसाव अब्रूयसाम

| | | |
|--------------------|------------------|-------------------|
| व० ब्रूयते | ब्रूयेते | ब्रूयन्ते |
| ब्रूयसे | ब्रूयेथे | ब्रूयध्वे |
| ब्रूये | ब्रूयावहे | ब्रूयामहे |
| स० ब्रूयेत | ब्रूयेयाताम् | ब्रूयेरन् |
| ब्रूयेथाः | ब्रूयेयाथाम् | ब्रूयेध्वम् |
| ब्रूयेय | ब्रूयेवहि | ब्रूयेमहि |
| प० ब्रूयताम् | ब्रूयेताम् | ब्रूयन्ताम् |
| ब्रूयस्व | ब्रूयेथाम् | ब्रूयध्वम् |
| ब्रूये | ब्रूयावहे | ब्रूयामहे |
| ह्य० अब्रूयत | अब्रूयेताम् | अब्रूयन्त |
| अब्रूयथाः | अब्रूयेथाम् | अब्रूयध्वम् |
| अब्रूये | अब्रूयावहि | अब्रूयामहि |
| अ० अब्रूयसत् | अब्रूयसेताम् | अब्रूयसन्त |
| अब्रूयसाः | अब्रूयसेथाम् | अब्रूयसध्वम् |
| अब्रूयसे | अब्रूयसेवहि | अब्रूयसेमहि |
| प० ब्रूयाश्चक्रे | ब्रूयाश्चक्रते | ब्रूयाश्चक्रिरे |
| ब्रूयाश्चक्रे | ब्रूयाश्चक्राथे | ब्रूयाश्चक्रुध्वे |
| ब्रूयाश्चक्रे | ब्रूयाश्चक्रवहे | ब्रूयाश्चक्रमहे |
| ब्रूयाम्बभूव | । | ब्रूयामास |
| आ० ब्रूयिषीष्ट | ब्रूयिषीयास्ताम् | ब्रूयिषीरन् |
| ब्रूयिषीष्ठाः | ब्रूयिषीयास्थाम् | ब्रूयिषीध्वम् |
| ब्रूयिषीय | ब्रूयिषीवहि | ब्रूयिषीमहि |
| श्व० ब्रूयिता | ब्रूयितारौ | ब्रूयितारः |
| ब्रूयितासे | ब्रूयितासाथे | ब्रूयिताध्वे |
| ब्रूयिताहे | ब्रूयितास्वहे | ब्रूयितास्महे |
| भ० ब्रूयिष्यते | ब्रूयिष्येते | ब्रूयिष्यन्ते |
| ब्रूयिष्यसे | ब्रूयिष्येथे | ब्रूयिष्यध्वे |
| ब्रूयिष्ये | ब्रूयिष्येवहे | ब्रूयिष्येमहे |
| क्रि० अब्रूयिष्यत् | अब्रूयिष्येताम् | अब्रूयिष्यन्त |
| अब्रूयिष्यथाः | अब्रूयिष्येथाम् | अब्रूयिष्यध्वम् |
| अब्रूयिष्ये | अब्रूयिष्येवहि | अब्रूयिष्येमहि |

अ० अब्रूयसत् अब्रूयसेताम् अब्रूयसन्त
अब्रूयसाः अब्रूयसेथाम् अब्रूयसध्वम्
अब्रूयसे अब्रूयसेवहि अब्रूयसेमहि

1712 पिसण् (पिसू) हिंसायाम् ।

| | | | |
|------|------------------|---------------|---------------|
| ब० | पेसयति | पेसयतः | पेसयन्ति |
| | पेसयसि | पेसयथः | पेसयथ |
| | पेसयामि | पेसयावः | पेसयामः |
| स० | पेसयेत् | पेसयेताम् | पेसयेयुः |
| | पेसयेः | पेसयेतम् | पेसयेत |
| | पेसयेयम् | पेसयेव | पेसयेम |
| प० | पेसयतु | पेसयतात् | पेसयताम् |
| | पेसय | पेसयतात् | पेसयतम् |
| | पेसयानि | पेसयाव | पेसयाम |
| ह्य० | अपेसयत् | अपेसयताम् | अपेसयन् |
| | अपेसयः | अपेसयतम् | अपेसयत |
| | अपेसयम् | अपेसयाव | अपेसयाम |
| अ० | अपीपिसत् | अपीपिसताम् | अपीपिसन् |
| | अपीपिसः | अपीपिसतम् | अपीपिसत |
| | अपीपिसम् | अपीपिसाव | अपीपिसाम |
| प० | पेसयाश्चकार | पेसयाश्चक्रुः | पेसयाश्चकुः |
| | पेसयाश्चक्र | पेसयाश्चक्रुः | पेसयाश्चक्र |
| | पेसयाश्चकार-चक्र | पेसयाश्चक्रुः | पेसयाश्चक्रुम |
| | पेसयाम्बभूव | । | पेसयामास |

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| भा० | पेस्यात् | पेस्यास्ताम् | पेस्यासुः |
| | पेस्याः | पेस्यास्तम् | पेस्यास्त |
| | पेस्यासम् | पेस्यास्व | पेस्यास्म |
| श्व० | पेसयिता | पेसयितारौ | पेसयितारः |
| | पेसयितासि | पेसयितास्थः | पेसयितास्थ |
| | पेसयितास्मि | पेसयितास्वः | पेसयितास्मः |
| भ० | पेसयिष्यति | पेसयिष्यतः | पेसयिष्यन्ति |
| | पेसयिष्यसि | पेसयिष्यथः | पेसयिष्यथ |
| | पेसयिष्यामि | पेसयिष्यावः | पेसयिष्यामः |
| क्रि० | अपेसयिष्यत् | अपेसयिष्यताम् | अपेसयिष्यन् |
| | अपेसयिष्यः | अपेसयिष्यतम् | अपेसयिष्यत |
| | अपेसयिष्यम् | अपेसयिष्याव | अपेसयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|------------------|
| ब० | पेसयते | पेसयेते | पेसयन्ते |
| | पेसयसे | पेसयेथे | पेसयध्वे |
| | पेसये | पेसयावहे | पेसयामहे |
| स० | पेसयेत | पेसयेयाताम् | पेसयेरन् |
| | पेसयेथाः | पेसयेयाधाम् | पेसयेध्वम् |
| | पेसयेय | पेसयेवहि | पेसयेमहि |
| प० | पेसयताम् | पेसयेताम् | पेसयन्ताम् |
| | पेसयस्व | पेसयेथाम् | पेसयध्वम् |
| | पेसये | पेसयावहे | पेसयामहे |
| ह्य० | अपेसयत | अपेसयेताम् | अपेसयन्त |
| | अपेसयथाः | अपेसयेथाम् | अपेसयध्वम् |
| | अपेसये | अपेसयावहि | अपेसयामहि |
| अ० | अपीपिसत | अपीपिसेताम् | अपीपिसन्त |
| | अपीपिसथाः | अपीपिसेथाम् | अपीपिसध्वम् |
| | अपीपिसे | अपीपिसावहि | अपीपिसामहि |
| प० | पेसयाश्चक्रे | पेसयाश्चक्राते | पेसयाश्चक्रिरे |
| | पेसयाश्चक्रे | पेसयाश्चक्रथे | पेसयाश्चक्रुध्वे |
| | पेसयाश्चक्रे | पेसयाश्चक्रवहे | पेसयाश्चक्रुमहे |
| | पेसयाम्बभूव | । | पेसयामास |
| भा० | पेसयिषीष्ठ | पेसयिषीयास्ताम् | पेसयिषीरन् |
| | पेसयिषीष्ठाः | पेसयिषीयास्थाम् | पेसयिषीध्वम् |
| | पेसयिषीय | पेसयिषीवहि | पेसयिषीमहि |
| श्व० | पेसयिता | पेसयितारौ | पेसयितारः |
| | पेसयितासे | पेसयितासाथे | पेसयिताध्वे |
| | पेसयिताहे | पेसयितास्वहे | पेसयितास्महे |
| भ० | पेसयिष्यते | पेसयिष्येते | पेसयिष्यन्ते |
| | पेसयिष्यसे | पेसयिष्येथे | पेसयिष्यध्वे |
| | पेसयिष्ये | पेसयिष्यावहे | पेसयिष्यामहे |
| क्रि० | अपेसयिष्यत | अपेसयिष्येताम् | अपेसयिष्यन्त |
| | अपेसयिष्यथाः | अपेसयिष्येथाम् | अपेसयिष्यध्वम् |
| | अपेसयिष्ये | अपेसयिष्यावहि | अपेसयिष्यामहि |

1713 जसण् (जत्) हिंसायाम् । 1223 जसूचवद्रूपाणि
 1714 बहण् (बह्) हिंसायाम् । 864 बहिवद्रूपाणि
 1715 णिहण् (स्निह्) स्नेहने । 1241 णिहोचवद्रूपाणि

1716 प्रक्षण् (प्रक्ष्) स्लेच्छले ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| व० | प्रक्षयति | प्रक्षयतः | प्रक्षयन्ति |
| | प्रक्षयसि | प्रक्षयथः | प्रक्षयथ |
| | प्रक्षयामि | प्रक्षयावः | प्रक्षयामः |
| स० | प्रक्षयेत् | प्रक्षयेताम् | प्रक्षयेयुः |
| | प्रक्षयेः | प्रक्षयेतम् | प्रक्षयेत |
| | प्रक्षयेयम् | प्रक्षयेव | प्रक्षयेम |
| प० | प्रक्षयतु | प्रक्षयतात् | प्रक्षयताम् |
| | प्रक्षय | प्रक्षयतात् | प्रक्षयतम् |
| | प्रक्षयाणि | प्रक्षयाव | प्रक्षयाम |
| ह० | अप्रक्षयत् | अप्रक्षयताम् | अप्रक्षयन् |
| | अप्रक्षयः | अप्रक्षयतम् | अप्रक्षयत |
| | अप्रक्षयम् | अप्रक्षयाव | अप्रक्षयाम |
| अ० | अप्रक्षयत् | अप्रक्षयताम् | अप्रक्षयन् |
| | अप्रक्षयः | अप्रक्षयतम् | अप्रक्षयत |
| | अप्रक्षयम् | अप्रक्षयाव | अप्रक्षयाम |
| प० | प्रक्षयाञ्चकार | प्रक्षयाञ्चकतुः | प्रक्षयाञ्चकुः |
| | प्रक्षयाञ्चकथ | प्रक्षयाञ्चकथुः | प्रक्षयाञ्चक |
| | प्रक्षयाञ्चकार-चकर | प्रक्षयाञ्चकव | प्रक्षयाञ्चकम् |
| | प्रक्षयाञ्चभूव | । | प्रक्षयामास |
| आ० | प्रक्षयात् | प्रक्षयास्ताम् | प्रक्षयासुः |
| | प्रक्षयाः | प्रक्षयास्तम् | प्रक्षयास्त |
| | प्रक्षयासम् | प्रक्षयास्व | प्रक्षयास्म |
| श० | प्रक्षयिता | प्रक्षयितारौ | प्रक्षयितारः |
| | प्रक्षयितासि | प्रक्षयितास्थः | प्रक्षयितास्थ |
| | प्रक्षयितास्मि | प्रक्षयितास्वः | प्रक्षयितास्मः |
| भ० | प्रक्षयिष्यति | प्रक्षयिष्यतः | प्रक्षयिष्यन्ति |
| | प्रक्षयिष्यसि | प्रक्षयिष्यथः | प्रक्षयिष्यथ |
| | प्रक्षयिष्यामि | प्रक्षयिष्यावः | प्रक्षयिष्यामः |
| क्रि० | अप्रक्षयिष्यत् | अप्रक्षयिष्यताम् | अप्रक्षयिष्यन् |
| | अप्रक्षयिष्यः | अप्रक्षयिष्यतम् | अप्रक्षयिष्यत |
| | अप्रक्षयिष्यम् | अप्रक्षयिष्याव | अप्रक्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | प्रक्षयते | प्रक्षयेते | प्रक्षयन्ते |
| | प्रक्षयसे | प्रक्षयेथे | प्रक्षयध्वे |
| | प्रक्षये | प्रक्षयावहे | प्रक्षयामहे |
| स० | प्रक्षयेत | प्रक्षयेचाताम् | प्रक्षयेरन् |
| | प्रक्षयेथाः | प्रक्षयेथाथाम् | प्रक्षयेध्वम् |
| | प्रक्षयेय | प्रक्षयेवहि | प्रक्षयेमहि |
| प० | प्रक्षयताम् | प्रक्षयेताम् | प्रक्षयन्ताम् |
| | प्रक्षयस्व | प्रक्षयेथाम् | प्रक्षयध्वम् |
| | प्रक्षयै | प्रक्षयावहै | प्रक्षयामहै |
| ह० | अप्रक्षयत | अप्रक्षयेताम् | अप्रक्षयन्त |
| | अप्रक्षयथाः | अप्रक्षयेथाम् | अप्रक्षयध्वम् |
| | अप्रक्षये | अप्रक्षयावहि | अप्रक्षयामहि |
| अ० | अप्रक्षयत | अप्रक्षयेताम् | अप्रक्षयन्त |
| | अप्रक्षयथाः | अप्रक्षयेथाम् | अप्रक्षयध्वम् |
| | अप्रक्षये | अप्रक्षयावहि | अप्रक्षयामहि |
| प० | प्रक्षयाञ्चके | प्रक्षयाञ्चकाते | प्रक्षयाञ्चकिरे |
| | प्रक्षयाञ्चकृषे | प्रक्षयाञ्चकाथे | प्रक्षयाञ्चकृत्वे |
| | प्रक्षयाञ्चके | प्रक्षयाञ्चकृवहे | प्रक्षयाञ्चकृमहे |
| | प्रक्षयाञ्चभूव | । | प्रक्षयामास |
| आ० | प्रक्षयिषीष्ट | प्रक्षयिषीयास्ताम् | प्रक्षयिषीरन् |
| | प्रक्षयिषीष्टाः | प्रक्षयिषीयास्थाम् | प्रक्षयिषीध्वम् |
| | प्रक्षयिषीय | प्रक्षयिषीवहि | प्रक्षयिषीमहि |
| श० | प्रक्षयिता | प्रक्षयितारौ | प्रक्षयितारः |
| | प्रक्षयितासे | प्रक्षयितासाथे | प्रक्षयिताध्वे |
| | प्रक्षयिताहे | प्रक्षयितास्वहे | प्रक्षयितास्महे |
| भ० | प्रक्षयिष्ये | प्रक्षयिष्येते | प्रक्षयिष्यन्ते |
| | प्रक्षयिष्यसे | प्रक्षयिष्येथे | प्रक्षयिष्यध्वे |
| | प्रक्षयिष्ये | प्रक्षयिष्यावहे | प्रक्षयिष्यामहै |
| क्रि० | अप्रक्षयिष्यत् | अप्रक्षयिष्येताम् | अप्रक्षयिष्यन्त |
| | अप्रक्षयिष्यथाः | अप्रक्षयिष्येथाम् | अप्रक्षयिष्यध्वम् |
| | अप्रक्षयिष्ये | अप्रक्षयिष्यावहि | अप्रक्षयिष्यामहि |

1717 भक्षण् (भक्ष्) अदने ।

| | | |
|--------------------------|----------------|---------------|
| ब० भक्षयति | भक्षयतः | भक्षयन्ति |
| भक्षयसि | भक्षयथः | भक्षयथ |
| भक्षयामि | भक्षयावः | भक्षयामः |
| स० भक्षयेत् | भक्षयेताम् | भक्षयेयुः |
| भक्षयेः | भक्षयेतम् | भक्षयेत |
| भक्षयेयम् | भक्षयेव | भक्षयेम |
| प० भक्षयतु | भक्षयतात् | भक्षयन्तु |
| भक्षय | भक्षयतात् | भक्षयत |
| भक्षयाणि | भक्षयाव | भक्षयाम |
| ह्य० अभक्षयत् | अभक्षयताम् | अभक्षयन् |
| अभक्षयः | अभक्षयतम् | अभक्षयत |
| अभक्षयम् | अभक्षयाव | अभक्षयाम |
| अ० अवभक्षत् | अवभक्षताम् | अवभक्षन् |
| अवभक्षः | अवभक्षतम् | अवभक्षत |
| अवभक्षम् | अवभक्षाव | अवभक्षाम |
| प० भक्षयाञ्चकार | भक्षयाञ्चकतुः | भक्षयाञ्चकुः |
| भक्षयाञ्चक्य | भक्षयाञ्चक्युः | भक्षयाञ्चक |
| भक्षयाञ्चकार-चकर | भक्षयाञ्चकृव | भक्षयाञ्चकृम |
| भक्षयाम्बभूव । भक्षयामास | | |
| आ० भक्ष्यात् | भक्ष्यास्ताम् | भक्ष्यासुः |
| भक्ष्याः | भक्ष्यास्तम् | भक्ष्यास्त |
| भक्ष्यासम् | भक्ष्यास्व | भक्ष्यास्म |
| श्व० भक्षयिता | भक्षयितारौ | भक्षयितारः |
| भक्षयितासि | भक्षयितास्थः | भक्षयितास्थ |
| भक्षयितास्मि | भक्षयितास्वः | भक्षयितास्मः |
| भ० भक्षयिष्यति | भक्षयिष्यतः | भक्षयिष्यन्ति |
| भक्षयिष्यसि | भक्षयिष्यथः | भक्षयिष्यथ |
| भक्षयिष्यामि | भक्षयिष्यावः | भक्षयिष्यामः |
| क्रि० अभक्षयिष्यत् | अभक्षयिष्यताम् | अभक्षयिष्यन् |
| अभक्षयिष्यः | अभक्षयिष्यतम् | अभक्षयिष्यत |
| अभक्षयिष्यम् | अभक्षयिष्याव | अभक्षयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|--------------------|-----------------|
| ब० भक्षयते | भक्षयेते | भक्षयन्ते |
| भक्षयसे | भक्षयेथे | भक्षयध्वे |
| भक्षये | भक्षयावहे | भक्षयामहे |
| स० भक्षयेत | भक्षयेयाताम् | भक्षयेरन् |
| भक्षयेथाः | भक्षयेयाथाम् | भक्षयेध्वम् |
| भक्षयेय | भक्षयेवहि | भक्षयेमहि |
| प० भक्षयताम् | भक्षयेताम् | भक्षयन्ताम् |
| भक्षयस्व | भक्षयेथाम् | भक्षयध्वम् |
| भक्षयै | भक्षयावहै | भक्षयामहै |
| ह्य० अभक्षयत | अभक्षयेताम् | अभक्षयन्त |
| अभक्षयथाः | अभक्षयेथाम् | अभक्षयध्वम् |
| अभक्षये | अभक्षयावहि | अभक्षयामहि |
| अ० अवभक्षत | अवभक्षेताम् | अवभक्षन्त |
| अवभक्षथाः | अवभक्षेथाम् | अवभक्षध्वम् |
| अवभक्षे | अवभक्षावहि | अवभक्षामहि |
| प० भक्षयाञ्चके | भक्षयाञ्चकते | भक्षयाञ्चकिरे |
| भक्षयाञ्चकृषे | भक्षयाञ्चकृषे | भक्षयाञ्चकृढवे |
| भक्षयाञ्चके | भक्षयाञ्चकृवहे | भक्षयाञ्चकृमहे |
| भक्षयाम्बभूव । भक्षयामास | | |
| आ० भक्षयिषीष्ट | भक्षयिषीष्टास्ताम् | भक्षयिषीरन् |
| भक्षयिषीष्ठाः | भक्षयिषीष्ठास्ताम् | भक्षयिषीढवम् |
| ध्वम् | | |
| भक्षयिषीय | भक्षयिषीवहि | भक्षयिषीमहि |
| श्व० भक्षयिता | भक्षयितारौ | भक्षयितारः |
| भक्षयितासे | भक्षयितासाथे | भक्षयिताध्वे |
| भक्षयिताहे | भक्षयितास्वहे | भक्षयितास्महे |
| भ० भक्षयिष्यते | भक्षयिष्यते | भक्षयिष्यन्ते |
| भक्षयिष्यसे | भक्षयिष्येथे | भक्षयिष्यध्वे |
| भक्षयिष्ये | भक्षयिष्यावहे | भक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अभक्षयिष्यत | अभक्षयिष्येताम् | अभक्षयिष्यन्त |
| अभक्षयिष्यथाः | अभक्षयिष्येथाम् | अभक्षयिष्यध्वम् |
| अभक्षयिष्ये | अभक्षयिष्यावहि | अभक्षयिष्यामहि |

1718 पक्षण् (पक्ष्) परिग्रहे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | पक्षयति | पक्षयतः | पक्षयन्ति |
| | पक्षयसि | पक्षयथः | पक्षयथ |
| | पक्षयामि | पक्षयावः | पक्षयामः |
| स० | पक्षयेत् | पक्षयेताम् | पक्षयेयुः |
| | पक्षयेः | पक्षयेतम् | पक्षयेत |
| | पक्षयेयम् | पक्षयेव | पक्षयेम |
| प० | पक्षयतु | पक्षयतात् | पक्षयन्तु |
| | पक्षय | पक्षयतात् | पक्षयत |
| | पक्षयानि | पक्षयाव | पक्षयाम |
| ह्य० | अपक्षयत् | अपक्षयताम् | अपक्षयन् |
| | अपक्षयः | अपक्षयतम् | अपक्षयत |
| | अपक्षयम् | अपक्षयाव | अपक्षयाम |
| अ० | अपपक्षत् | अपपक्षताम् | अपपक्षन् |
| | अपपक्षः | अपपक्षतम् | अपपक्षत |
| | अपपक्षम् | अपपक्षाव | अपपक्षाम |
| प० | पक्षयाञ्चकार | पक्षयाञ्चकतुः | पक्षयाञ्चकुः |
| | पक्षयाञ्चकर्थ | पक्षयाञ्चकथुः | पक्षयाञ्चक |
| | पक्षयाञ्चकार-चकर | पक्षयाञ्चकृव | पक्षयाञ्चकृम |
| | पक्षयाम्बभूव | । | पक्षयामास |
| आ० | पक्ष्यात् | पक्ष्यास्ताम् | पक्ष्यासुः |
| | पक्ष्याः | पक्ष्यास्तम् | पक्ष्यास्त |
| | पक्ष्यासम् | पक्ष्यास्व | पक्ष्यासम |
| श्च० | पक्षयिता | पक्षयितारौ | पक्षयितारः |
| | पक्षयितासि | पक्षयितास्थः | पक्षयितास्थ |
| | पक्षयितास्मि | पक्षयितास्वः | पक्षयितास्मः |
| भ० | पक्षयिष्यति | पक्षयिष्यतः | पक्षयिष्यन्ति |
| | पक्षयिष्यसि | पक्षयिष्यथः | पक्षयिष्यथ |
| | पक्षयिष्यामि | पक्षयिष्यावः | पक्षयिष्यामः |
| क्रि० | अपक्षयिष्यत् | अपक्षयिष्यताम् | अपक्षयिष्यन् |
| | अपक्षयिष्यः | अपक्षयिष्यतम् | अपक्षयिष्यत |
| | अपक्षयिष्यम् | अपक्षयिष्याव | अपक्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|-----------------|
| व० | पक्षयते | पक्षयते | पक्षयन्ते |
| | पक्षय | पक्षयेथे | पक्षयध्वे |
| | पक्षये | पक्षयावहे | पक्षयामहे |
| स० | पक्षयेत | पक्षयेयाताम् | पक्षयेरन् |
| | पक्षयेथाः | पक्षयेयाथाम् | पक्षयेध्वम् |
| | पक्षयेय | पक्षयेवहि | पक्षयेमहि |
| प० | पक्षयताम् | पक्षयेताम् | पक्षयन्ताम् |
| | पक्षयस्व | पक्षयेणाम् | पक्षयध्वम् |
| | पक्षयै | पक्षयावहे | पक्षयामहे |
| ह्य० | अपक्षयत | अपक्षयेताम् | अपक्षयन्त |
| | अपक्षयथाः | अपक्षयेथाम् | अपक्षयध्वम् |
| | अपक्षये | अपक्षयावहि | अपक्षयामहि |
| अ० | अपपक्षत | अपपक्षताम् | अपपक्षन्त |
| | अपपक्षथाः | अपपक्षेथाम् | अपपक्षध्वम् |
| | अपपक्षे | अपपक्षावहि | अपपक्षामहि |
| प० | पक्षयाञ्चके | पक्षयाञ्चकाते | पक्षयाञ्चकिरे |
| | पक्षयाञ्चकृषे | पक्षयाञ्चकृषे | पक्षयाञ्चकृद्वे |
| | पक्षयाञ्चके | पक्षयाञ्चकृवहे | पक्षयाञ्चकृमहे |
| | पक्षयाम्बभूव | । | पक्षयामास |
| आ० | पक्षयिषीष्ट | पक्षयिषीयस्ताम् | पक्षयिषीरन् |
| | पक्षयिषीष्टाः | पक्षयिषीयस्थाम् | पक्षयिषीढवम् |
| | | | ध्वम् |
| | पक्षयिषीय | पक्षयिषीवहि | पक्षयिषीमहि |
| श्च० | पक्षयिता | पक्षयितारौ | पक्षयितारः |
| | पक्षयितासे | पक्षयितासाथे | पक्षयिताध्वे |
| | पक्षयिताहे | पक्षयितास्वहे | पक्षयितास्महे |
| भ० | पक्षयिष्यते | पक्षयिष्यते | पक्षयिष्यन्ते |
| | पक्षयिष्यसे | पक्षयिष्यथे | पक्षयिष्यध्वे |
| | पक्षयिष्ये | पक्षयिष्यावहे | पक्षयिष्यामहे |
| क्रि० | अपक्षयिष्यत | अपक्षयिष्यताम् | अपक्षयिष्यन्त |
| | अपक्षयिष्यथाः | अपक्षयिष्येथाम् | अपक्षयिष्यध्वम् |
| | अपक्षयिष्ये | अपक्षयिष्यावहि | अपक्षयिष्यामहि |

1718 लक्ष्मिण् (लक्ष्) दर्शनाङ्कयोः ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| ब० लक्षयति | लक्षयतः | लक्षयन्ति |
| लक्षयसि | लक्षयथः | लक्षयथ |
| लक्षयामि | लक्षयावः | लक्षयामः |
| स० लक्षयेत् | लक्षयेताम् | लक्षयेयुः |
| लक्षयेः | लक्षयेतम् | लक्षयेत |
| लक्षयेयम् | लक्षयेव | लक्षयेम |
| प० लक्षयतु | लक्षयतात् | लक्षयन्तु |
| लक्षय | लक्षयतात् | लक्षयतम् |
| लक्षयानि | लक्षयाव | लक्षयाम |
| ह्य० अलक्षयत् | अलक्षयताम् | अलक्षयन् |
| अलक्षयः | अलक्षयतम् | अलक्षयत |
| अलक्षयम् | अलक्षयाव | अलक्षयाम |
| अ० अलक्षत् | अलक्षताम् | अलक्षन् |
| अलक्षः | अलक्षतम् | अलक्षत |
| अलक्षम् | अलक्षान | अलक्षाम |
| प० लक्षयाञ्चकार | लक्षयाञ्चकतुः | लक्षयाञ्चकुः |
| लक्षयाञ्चकर्थ | लक्षयाञ्चकथुः | लक्षयाञ्चक |
| लक्षयाञ्चकार-चक्र | लक्षयाञ्चकृव | लक्षयाञ्चकृम |
| लक्षयाञ्चभूव | । | लक्षयामास |
| आ० लक्ष्यात् | लक्ष्यास्ताम् | लक्ष्यास्तुः |
| लक्ष्याः | लक्ष्यास्तम् | लक्ष्यास्त |
| लक्ष्यासम् | लक्ष्यास्व | लक्ष्यास्म |
| श्व० लक्षयिता | लक्षयितारौ | लक्षयितारः |
| लक्षयितासि | लक्षयितास्थः | लक्षयितास्थ |
| लक्षयितास्मि | लक्षयितास्वः | लक्षयितास्मः |
| भ० लक्षयिष्यति | लक्षयिष्यतः | लक्षयिष्यन्ति |
| लक्षयिष्यसि | लक्षयिष्यथः | लक्षयिष्यथ |
| लक्षयिष्यामि | लक्षयिष्यावः | लक्षयिष्यामः |
| झि० अलक्षयिष्यत् | अलक्षयिष्यताम् | अलक्षयिष्यन् |
| अलक्षयिष्यः | अलक्षयिष्यतम् | अलक्षयिष्यत |
| अलक्षयिष्यम् | अलक्षयिष्याव | अलक्षयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० लक्षयते | लक्षयते | लक्षयन्ते |
| लक्षयसे | लक्षयेथे | लक्षयन्वे |
| लक्षये | लक्षयावहे | लक्षयामहे |
| स० लक्षयेत | लक्षयेयाताम् | लक्षयेरन् |
| लक्षयेथाः | लक्षयेयाथाम् | लक्षयेय्वम् |
| लक्षयेय | लक्षयेवहि | लक्षयेमहि |
| प० लक्षयताम् | लक्षयेताम् | लक्षयन्ताम् |
| लक्षयस्व | लक्षयेथाम् | लक्षयन्वम् |
| लक्षये | लक्षयावहे | लक्षयामहे |
| ह्य० अलक्षयत | अलक्षयेताम् | अलक्षयन्त |
| अलक्षयथाः | अलक्षयेथाम् | अलक्षयन्वम् |
| अलक्षये | अलक्षयावहि | अलक्षयामहि |
| अ० अलक्षयत | अलक्षयेताम् | अलक्षयन्त |
| अलक्षयथाः | अलक्षयेथाम् | अलक्षयन्वम् |
| अलक्षये | अलक्षयावहि | अलक्षयामहि |
| प० लक्षयाञ्चके | लक्षयाञ्चकते | लक्षयाञ्चकिरे |
| लक्षयाञ्चकृषे | लक्षयाञ्चकृषे | लक्षयाञ्चकृवहे |
| लक्षयाञ्चके | लक्षयाञ्चकृवहे | लक्षयाञ्चकृमहे |
| लक्षयाञ्चभूव | । | लक्षयामास |
| आ० लक्षयिषीष्ट | लक्षयिषीयास्ताम् | लक्षयिषीरन् |
| लक्षयिषीष्टाः | लक्षयिषीयास्याम् | लक्षयिषीव्वम् |
| लक्षयिषीय | लक्षयिषीवहि | लक्षयिषीमहि |
| श्व० लक्षयिता | लक्षयितारौ | लक्षयितारः |
| लक्षयितासे | लक्षयितासथे | लक्षयितास्वे |
| लक्षयिताहे | लक्षयितास्वहे | लक्षयितास्महे |
| अ० लक्षयिष्यते | लक्षयिष्यते | लक्षयिष्यन्ते |
| लक्षयिष्यसे | लक्षयिष्येथे | लक्षयिष्यन्वे |
| लक्षयिष्ये | लक्षयिष्यावहे | लक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अलक्षयिष्यत | अलक्षयिष्येताम् | अलक्षयिष्यन्त |
| अलक्षयिष्यथाः | अलक्षयिष्येथाम् | अलक्षयिष्यन्वम् |
| अलक्षयिष्ये | अलक्षयिष्यावहि | अलक्षयिष्यामहि |

1720 ज्ञाण् (ज्ञा) मारणादिनियोजनेषु । 1540 ज्ञाशब्दरूपाणि

1721 च्युण् (च्यु) सहने । 524 च्युङ्च्युङ्च्युपाणि

1722 भूण् (भू) अवस्थाने । भूवृत्तपाणि

1723 वृक्षण् (वृक्ष) भावणे । 54 वृक्षवृत्तपाणि

1724 रक्ण् (रक्) आस्वादाने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| ब० | राकयति | राकयतः | राकयन्ति |
| | राकयसि | राकयथः | राकयथ |
| | राकयामि | राकयावः | राकयामः |
| स० | राकयेत् | राकयेताम् | राकयेयुः |
| | राकयेः | राकयेतम् | राकयेत |
| | राकयेयम् | राकयेव | राकयेम |
| प० | राकयतु | राकयतात् | राकयन्तु |
| | राकय | राकयतात् | राकयतम् |
| | राकयाणि | राकयाव | राकयाम |
| ह्य० | अराकयत् | अराकयताम् | अराकयन् |
| | अराकयः | अराकयतम् | अराकयत |
| | अराकयम् | अराकयाव | अराकयाम |
| अ० | अरीरकत् | अरीरकताम् | अरीरकन् |
| | अरीरकः | अरीरकतम् | अरीरकत |
| | अरीरकम् | अरीरकाव | अरीरकाम |
| प० | राकयाश्चकार | राकयाश्चक्रुः | राकयाश्चक्रुः |
| | राकयाश्चकर्थ | राकयाश्चक्रुः | राकयाश्चक्रुः |
| | राकयाश्चकार-चकर | राकयाश्चक्रुव | राकयाश्चक्रुम |
| | राकयाम्बभूव | । | राकयामास |
| आ० | राक्यात् | राक्यास्ताम् | राक्यासुः |
| | राक्याः | राक्यास्तम् | राक्यास्त |
| | राक्यासम् | राक्यास्व | राक्यास्म |
| श्व० | राकयिता | राकयितारौ | राकयितारः |
| | राकयितासि | राकयितास्थः | राकयितास्थ |
| | राकयितास्मि | राकयितास्वः | राकयितास्मः |
| भ० | राकयिष्यति | राकयिष्यतः | राकयिष्यन्ति |
| | राकयिष्यसि | राकयिष्यथः | राकयिष्यथ |
| | राकयिष्यामि | राकयिष्यावः | राकयिष्यामः |
| क्रि० | अराकयिष्यत् | अराकयिष्यताम् | अराकयिष्यन् |
| | अराकयिष्यः | अराकयिष्यतम् | अराकयिष्यत |
| | अराकयिष्यम् | अराकयिष्याव | अराकयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | राकयते | राकयेते | राकयन्ते |
| | राकयसे | राकयेथे | राकयध्वे |
| | राकये | राकयावहे | राकयामहे |
| स० | राकयेत | राकयेयाताम् | राकयेरन् |
| | राकयेथाः | राकयेयाथाम् | राकयेध्वम् |
| | राकयेय | राकयेवहि | राकयेमहि |
| प० | राकयताम् | राकयेताम् | राकयन्ताम् |
| | राकयस्व | राकयेथाम् | राकयध्वम् |
| | राक्यै | राकयावहे | राकयामहे |
| ह्य० | अराकयत | अराकयेताम् | अराकयन्त |
| | अराकयथाः | अराकयेथाम् | अराकयध्वम् |
| | अराकये | अराकयावहि | अराकयामहि |
| अ० | अरीरकत | अरीरकेताम् | अरीरकन्त |
| | अरीरकथाः | अरीरकेथाम् | अरीरकध्वम् |
| | अरीरके | अरीरकावहि | अरीरकामहि |
| प० | राकयाश्चक्रे | राकयाश्चक्राते | राकयाश्चक्रिरे |
| | राकयाश्चक्रुषे | राकयाश्चक्राथे | राकयाश्चक्रुद्वे |
| | राकयाश्चक्रे | राकयाश्चक्रुवहे | राकयाश्चक्रुमहे |
| | राकयाम्बभूव | । | राकयामास |
| आ० | राकयिषीष्ट | राकयिषीयास्ताम् | राकयिषीरन् |
| | राकयिषीष्ठाः | राकयिषीयास्थाम् | राकयिषीद्वम् |
| | राकयिषीय | राकयिषीवहि | राकयिषीमहि |
| श्व० | राकयिता | राकयितारौ | राकयितारः |
| | राकयितासे | राकयिताराथे | राकयिताध्वे |
| | राकयिताहे | राकयितास्वहे | राकयितास्महे |
| भ० | राकयिष्यते | राकयिष्येते | राकयिष्यन्ते |
| | राकयिष्यसे | राकयिष्येथे | राकयिष्यध्वे |
| | राकयिष्ये | राकयिष्यावहे | राकयिष्यामहे |
| क्रि० | अराकयिष्यत | अराकयिष्येताम् | अराकयिष्यन्त |
| | अराकयिष्यथाः | अराकयिष्येथाम् | अराकयिष्यध्वम् |
| | अराकयिष्ये | अराकयिष्यावहि | अराकयिष्यामहि |

1725 लक् (लक्) आस्वादाने ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | लकयति | लकयतः | लकयन्ति |
| | लकयसि | लकयथः | लकयथ |
| | लकयामि | लकयावः | लकयामः |
| स० | लकयेत् | लकयेताम् | लकयेयुः |
| | लकयेः | लकयेतम् | लकयेत |
| | लकयेयम् | लकयेव | लकयेम |
| प० | लकयतु | लकयतात् | लकयताम् |
| | लकय | लकयतात् | लकयतम् |
| | लकयानि | लकयाव | लकयाम |
| झ० | अलकयत् | अलकयताम् | अलकयन् |
| | अलकयः | अलकयतम् | अलकयत |
| | अलकयम् | अलकयाव | अलकयाम |
| ञ० | अलीलकत् | अलीलकताम् | अलीलकन् |
| | अलीलकः | अलीलकतम् | अलीलकत |
| | अलीलकम् | अलीलकाव | अलीलकाम |
| प० | लकयाश्चकार | लकयाश्चक्रुः | लकयाश्चकुः |
| | लकयाश्चकथे | लकयाश्चक्रुः | लकयाश्चक |
| | लकयाश्चकार-चकर | लकयाश्चकृव | लकयाश्चकृम |
| | लकयाम्बभूव | । | लकयामास |
| भा० | लकयात् | लकयास्ताम् | लकयासुः |
| | लकयाः | लकयास्तम् | लकयास्त |
| | लकयासम् | लकयास्व | लकयास्म |
| भ० | लकयिता | लकयितारौ | लकयितारः |
| | लकयितासि | लकयितास्थः | लकयितास्थ |
| | लकयितास्मि | लकयितास्वः | लकयितास्मः |
| भ० | लकयिष्यति | लकयिष्यतः | लकयिष्यन्ति |
| | लकयिष्यसि | लकयिष्यतः | लकयिष्यथ |
| | लकयिष्यामि | लकयिष्यावः | लकयिष्यामः |
| क्रि० | अलकयिष्यत् | अलकयिष्यताम् | अलकयिष्यन् |
| | अलकयिष्यः | अलकयिष्यतम् | अलकयिष्यत |
| | अलकयिष्यम् | अलकयिष्याव | अलकयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | लकयते | लकयेते | लकयन्ते |
| | लकयसे | लकयेथे | लकयध्वे |
| | लकये | लकयावहे | लकयामहे |
| स० | लकयेत | लकयेयाताम् | लकयेरन् |
| | लकयेथाः | लकयेयाथाम् | लकयेध्वम् |
| | लकयेय | लकयेवहि | लकयेमहि |
| प० | लकयतान् | लकयेताम् | लकयन्ताम् |
| | लकयस्व | लकयेथाम् | लकयध्वम् |
| | लकये | लकयावहे | लकयामहे |
| झ० | अलकयत | अलकयेताम् | अलकयन्त |
| | अलकयथाः | अलकयेथाम् | अलकयध्वम् |
| | अलकये | अलकयावहि | अलकयामहि |
| ञ० | अलीलकत | अलीलकेताम् | अलीलकन्त |
| | अलीलकथाः | अलीलकेथाम् | अलीलकध्वम् |
| | अलीलके | अलीलकावहि | अलीलकामहि |
| प० | लकयाश्चक्रे | लकयाश्चक्राते | लकयाश्चक्रिरे |
| | लकयाश्चकृषे | लकयाश्चक्राथे | लकयाश्चकृद्वे |
| | लकयाश्चक्रे | लकयाश्चकृवहे | लकयाश्चकृमहे |
| | लकयाम्बभूव | । | लकयामास |
| भा० | लकयिषीष्ट | लकयिषीयास्ताम् | लकयिषीरन् |
| | लकयिषीष्टाः | लकयिषीयास्थाम् | लकयिषीध्वम् |
| | लकयिषीय | लकयिषीवहि | लकयिषीमहि |
| भ० | लकयिता | लकयितारौ | लकयितारः |
| | लकयितासे | लकयितासाथे | लकयिताध्वे |
| | लकयिताहे | लकयितास्वहे | लकयितास्महे |
| भ० | लकयिष्यते | लकयिष्येते | लकयिष्यन्ते |
| | लकयिष्यसे | लकयिष्येथे | लकयिष्यध्वे |
| | लकयिष्ये | लकयिष्यावहे | लकयिष्यामहे |
| क्रि० | अलकयिष्यत | अलकयिष्येताम् | अलकयिष्यन्त |
| | अलकयिष्यथाः | अलकयिष्येथाम् | अलकयिष्यध्वम् |
| | अलकयिष्ये | अलकयिष्यावहि | अलकयिष्यामहि |

1726 रागण् (रग) आस्तादने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| ब० | रागयति | रागयतः | रागयन्ति |
| | रागयसि | रागयथः | रागयथ |
| | रागयामि | रागयावः | रागयामः |
| स० | रागयेत् | रागयेताम् | रागयेयुः |
| | रागयेः | रागयेतम् | रागयेत |
| | रागयेयम् | रागयेव | रागयेम |
| प० | रागयतु | रागयतात् | रागयन्तु |
| | रागय | रागयतात् | रागयत |
| | रागयानि | रागयाव | रागयाम |
| झ० | अरागयत् | अरागयताम् | अरागयन् |
| | अरागयः | अरागयतम् | अरागयत |
| | अरागयम् | अरागयव | अरागयाम |
| ञ० | अरीरगत् | अरीरगताम् | अरीरगन् |
| | अरीरगः | अरीरगतम् | अरीरगत |
| | अरीरगम् | अरीरगाव | अरीरगाम |
| ट० | रागयाञ्चकार | रागयाञ्चकतुः | रागयाञ्चकुः |
| | रागयाञ्चकम् | रागयाञ्चकथुः | रागयाञ्चक |
| | रागयाञ्चकार-चकर | रागयाञ्चकृव | रागयाञ्चकृम |
| | रागयाम्बभूव | । | रागयामास |
| आ० | राग्यात् | राग्यास्ताम् | राग्यासुः |
| | राग्याः | राग्यास्तम् | राग्यास्त |
| | राग्यासम् | राग्यास्व | राग्यास्म |
| श्र० | रागयिता | रागयितारौ | रागयितारः |
| | रागयितासि | रागयितास्थः | रागयितास्थ |
| | रागयितास्मि | रागयितास्वः | रागयितास्मः |
| भ० | रागयिष्यति | रागयिष्यतः | रागयिष्यन्ति |
| | रागयिष्यसि | रागयिष्यथः | रागयिष्यथ |
| | रागयिष्यामि | रागयिष्यावः | रागयिष्यामः |
| क्रि० | अरागयिष्यत् | अरागयिष्यताम् | अरागयिष्यन् |
| | अरागयिष्यः | अरागयिष्यतम् | अरागयिष्यत |
| | अरागयिष्यम् | अरागयिष्यव | अरागयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | रागयते | रागयते | रागयन्ते |
| | रागयसे | रागयेथे | रागयध्वे |
| | रागये | रागयावहे | रागयामहे |
| स० | रागयेत | रागयेयाताम् | रागयेरन् |
| | रागयेथाः | रागयेयाथाम | रागयेध्वम् |
| | रागयेय | रागयेवहि | रागयेमहि |
| प० | रागयताम् | रागयेताम् | रागयन्ताम् |
| | रागयस्व | रागयेथाम | रागयध्वम् |
| | रागये | रागयेवहि | रागयेमहि |
| श्र० | अरागयत | अरागयेताम् | अरागयन्त |
| | अरागयथाः | अरागयेथाम | अरागयध्वम् |
| | अरागये | अरागयावहि | अरागयामहि |
| अ० | अरीरगत | अरीरगेताम् | अरीरगन्त |
| | अरीरगथाः | अरीरगेथाम | अरीरगध्वम् |
| | अरीरगे | अरीरगावहि | अरीरगामहि |
| प० | रागयाञ्चके | रागयाञ्चकते | रागयाञ्चकिरे |
| | रागयाञ्चकृषे | रागयाञ्चकृषे | रागयाञ्चकृद्वे |
| | रागयाञ्चके | रागयाञ्चकृवहे | रागयाञ्चकृमहे |
| | रागयाञ्चभूव | । | रागयामास |
| आ० | रागयिषीष्ट | रागयिषीयास्ताम् | रागयिषीरन् |
| | रागयिषीष्टाः | रागयिषीयास्थाम | रागयिषीद्वम् |
| | रागयिषीय | रागयिषीवहि | रागयिषीमहि |
| श्र० | रागयिता | रागयितारौ | रागयितारः |
| | रागयितासे | रागयितासाथे | रागयिताप्ते |
| | रागयिताहे | रागयितास्वहे | रागयितास्महे |
| भ० | रागयिष्यते | रागयिष्येते | रागयिष्यन्ते |
| | रागयिष्यसे | रागयिष्येथे | रागयिष्यध्वे |
| | रागयिष्ये | रागयिष्यवहे | रागयिष्यामहे |
| क्रि० | अरागयिष्यत् | अरागयिष्येताम् | अरागयिष्यन्त |
| | अरागयिष्यथाः | अरागयिष्येथाम | अरागयिष्यध्वम् |
| | अरागयिष्ये | अरागयिष्येवहि | अरागयिष्यामहि |

1727 लगण् (लृ) आस्वादने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | लागयति | लागयतः | लागयन्ति |
| | लागयसि | लागयथः | लागयथ |
| | लागयामि | लागयावः | लागयामः |
| स० | लागयेत् | लागयेताम् | लागयेयुः |
| | लागयेः | लागयेतम् | लागयेत |
| | लागयेयम् | लागयेव | लागयेम |
| प० | लागयतु | लागयतात् | लागयताम् |
| | लागय | लागयतात् | लागयतम् |
| | लागयानि | लागयाव | लागयाम |
| ह्य० | अलागयत् | अलागयताम् | अलागयन् |
| | अलागयः | अलागयतम् | अलागयत |
| | अलागयम् | अलागयाव | अलागयाम |
| अ० | अलीलगत् | अलीलगताम् | अलीलगन् |
| | अलीलगः | अलीलगतम् | अलीलगत |
| | अलीलगम् | अलीलगाव | अलीलगाम |
| प० | लागयाञ्चकार | लागयाञ्चकतुः | लागयाञ्चकुः |
| | लागयाञ्चकथं | लागयाञ्चकथुः | लागयाञ्चक |
| | लागयाञ्चकार-चकर | लागयाञ्चकृव | लागयाञ्चकृम |
| | लागयाम्बभूव | । | लागयामास |
| भा० | लाग्यात् | लाग्यास्ताम् | लाग्यासुः |
| | लाग्याः | लाग्यास्तम् | लाग्यास्त |
| | लाग्यासम् | लाग्यास्व | लाग्यास्म |
| श्व० | लागयिता | लागयितारौ | लागयितारः |
| | लागयितासि | लागयितास्थः | लागयितास्थ |
| | लागयितास्मि | लागयितास्वः | लागयितास्मः |
| भ० | लागयिष्यति | लागयिष्यतः | लागयिष्यन्ति |
| | लागयिष्यसि | लागयिष्यथः | लागयिष्यथ |
| | लागयिष्यामि | लागयिष्यावः | लागयिष्यामः |
| क्रि० | अलागयिष्यत् | अलागयिष्यताम् | अलागयिष्यन् |
| | अलागयिष्यः | अलागयिष्यतम् | अलागयिष्यत |
| | अलागयिष्यम् | अलागयिष्याव | अलागयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | लागयते | लागयेते | लागयन्ते |
| | लागयसे | लागयेथे | लागयध्वे |
| | लागये | लागयावहे | लागयामहे |
| स० | लागयेत् | लागयेयाताम् | लागयेरन् |
| | लागयेथाः | लागयेयाथाम् | लागयेध्वम् |
| | लागयेथ | लागयेवहि | लागयेमहि |
| प० | लागयताम् | लागयेताम् | लागयन्ताम् |
| | लागयस्व | लागयेथाम् | लागयध्वम् |
| | लागय | लागयावहे | लागयामहे |
| ह्य० | अलागयत | अलागयेताम् | अलागयन्त |
| | अलागयथाः | अलागयेथाम् | अलागयध्वम् |
| | अलागये | अलागयावहि | अलागयामहि |
| अ० | अलीलगत् | अलीलगेताम् | अलीलगन्त |
| | अलीलगथाः | अलीलगेथाम् | अलीलगध्वम् |
| | अलीलगे | अलीलगावहि | अलीलगामहि |
| प० | लागयाञ्चके | लागयाञ्चकते | लागयाञ्चकिरे |
| | लागयाञ्चकृषे | लागयाञ्चकृषे | लागयाञ्चकृद्वे |
| | लागयाञ्चके | लागयाञ्चकृवहे | लागयाञ्चकृमहे |
| | लागयाम्बभूव | । | लागयामास |
| भा० | लागयिषीष्ट | लागयिषीयास्ताम् | लागयिषीरन् |
| | लागयिषीष्टाः | लागयिषीयास्थाम् | लागयिषीध्वम् |
| | लागयिषीय | लागयिषीवहि | लागयिषीमहि |
| श्व० | लागयिता | लागयितारौ | लागयितारः |
| | लागयितासे | लागयितासाथे | लागयिताध्वे |
| | लागयिताहे | लागयितास्वहे | लागयितास्महे |
| भ० | लागयिष्यते | लागयिष्येते | लागयिष्यन्ते |
| | लागयिष्यसे | लागयिष्येथे | लागयिष्यध्वे |
| | लागयिष्ये | लागयिष्यावहे | लागयिष्यामहे |
| क्रि० | अलागयिष्यत | अलागयिष्येताम् | अलागयिष्यन्त |
| | अलागयिष्यथाः | अलागयिष्येथाम् | अलागयिष्यध्वम् |
| | अलागयिष्ये | अलागयिष्यावहि | अलागयिष्यामहि |

1728 लिङ्ग (लिङ्) चित्रीकरणे । 90 लिङ्गवृत्तपाणि

1729 चर्चण् (चर्च्) अध्ययने ।

| | | |
|----------------------|----------------|----------------|
| व० चर्चयति | चर्चयतः | चर्चयन्ति |
| चर्चयसि | चर्चयथः | चर्चयथ |
| चर्चयामि | चर्चयावः | चर्चयामः |
| स० चर्चयेत् | चर्चयेताम् | चर्चयेयुः |
| चर्चयेः | चर्चयेतम् | चर्चयेत |
| चर्चयेथम् | चर्चयेव | चर्चयेम |
| प० चर्चयतु चर्चयतात् | चर्चयताम् | चर्चयन्तु |
| चर्चय चर्चयतात् | चर्चयतम् | चर्चयत |
| चर्चयानि | चर्चयाव | चर्चयाम |
| ह्य० अचर्चयत् | अचर्चयताम् | अचर्चयन् |
| अचर्चयः | अचर्चयतम् | अचर्चयत |
| अचर्चयम् | अचर्चयाव | अचर्चयाम |
| अ० अचर्चयत् | अचर्चयताम् | अचर्चयन् |
| अचर्चयः | अचर्चयतम् | अचर्चयत |
| अचर्चयम् | अचर्चयाव | अचर्चयाम |
| प० चर्चयाञ्चकार | चर्चयाञ्चक्रुः | चर्चयाञ्चक्रुः |
| चर्चयाञ्चकथं | चर्चयाञ्चकथुः | चर्चयाञ्चक्रुः |
| चर्चयाञ्चकार-चकर | चर्चयाञ्चक्रुव | चर्चयाञ्चक्रुम |
| चर्चयाम्बभूव | । | चर्चयामास |
| आ० चर्चयितु | चर्चयिताम् | चर्चयितुः |
| चर्चयितः | चर्चयितम् | चर्चयित |
| चर्चयितम् | चर्चयित्वा | चर्चयितम् |
| श्व० चर्चयिता | चर्चयितारौ | चर्चयितारः |
| चर्चयितासि | चर्चयितास्थः | चर्चयितास्थ |
| चर्चयितास्मि | चर्चयितास्वः | चर्चयितास्मः |
| भ० चर्चयिष्यति | चर्चयिष्यतः | चर्चयिष्यन्ति |
| चर्चयिष्यसि | चर्चयिष्यथः | चर्चयिष्यथ |
| चर्चयिष्यामि | चर्चयिष्यावः | चर्चयिष्यामः |
| क्रि० अचर्चयिष्यत् | अचर्चयिष्यताम् | अचर्चयिष्यन् |
| अचर्चयिष्यः | अचर्चयिष्यतम् | अचर्चयिष्यत |
| अचर्चयिष्यम् | अचर्चयिष्याव | अचर्चयिष्याम |

| | | |
|------------------------------------|----------------------|-----------------|
| व० चर्चयते | चर्चयेते | चर्चयन्ते |
| चर्चयसे | चर्चयथे | चर्चयध्वे |
| चर्चये | चर्चयावहे | चर्चयामहे |
| स० चर्चयेत | चर्चयेयाताम् | चर्चयेरन् |
| चर्चयेथाः | चर्चयेयाथाम् | चर्चयेध्वम् |
| चर्चयेथ | चर्चयेवहि | चर्चयेमहि |
| प० चर्चयताम् | चर्चयेताम् | चर्चयन्ताम् |
| चर्चयस्व | चर्चयेथाम् | चर्चयध्वम् |
| चर्चये | चर्चयावहे | चर्चयामहे |
| ह्य० अचर्चयत | अचर्चयेताम् | अचर्चयन्त |
| अचर्चयथाः | अचर्चयेथाम् | अचर्चयध्वम् |
| अचर्चये | अचर्चयावहि | अचर्चयामहि |
| अ० अचर्चयत | अचर्चयेताम् | अचर्चयन्त |
| अचर्चयथाः | अचर्चयेथाम् | अचर्चयध्वम् |
| अचर्चये | अचर्चयावहि | अचर्चयामहि |
| प० चर्चयाञ्चक्रे | चर्चयाञ्चक्रते | चर्चयाञ्चक्रिरे |
| चर्चयाञ्चकृषे | चर्चयाञ्चक्राथे | चर्चयाञ्चकृद्वे |
| चर्चयाञ्चक्रे | चर्चयाञ्चकृवहे | चर्चयाञ्चकृमहे |
| चर्चयाम्बभूव | । | चर्चयामास |
| आ० चर्चयिषीष्ट | चर्चयिषीयास्ताम् | चर्चयिषीरम् |
| चर्चयिषीष्टाः | चर्चयिषीयास्थाम् | चर्चयिषीद्वम् |
| चर्चयिषीय | चर्चयिषीवहि | चर्चयिषीमहि |
| श्व० चर्चयिता | चर्चयितारौ | चर्चयितारः |
| चर्चयितासे | चर्चयितासाथे | चर्चयिताध्वे |
| चर्चयिताहे | चर्चयितास्त्रहे | चर्चयितास्महे |
| भ० चर्चयिष्यते | चर्चयिष्येते | चर्चयिष्यन्ते |
| चर्चयिष्यसे | चर्चयिष्येथे | चर्चयिष्यध्वे |
| चर्चयिष्ये | चर्चयिष्यावहे | चर्चयिष्यामहे |
| क्रि० अचर्चयिष्यत | अचर्चयिष्येताम् | अचर्चयिष्यन्त |
| अचर्चयिष्यथाः | अचर्चयिष्येथाम् | अचर्चयिष्यध्वम् |
| अचर्चयिष्ये | अचर्चयिष्यावहि | अचर्चयिष्यामहि |
| 1730 अञ्चणू (अञ्च्) विशेषणे । | 105 अञ्चूवहूपाणि | |
| 1781 मुचण (मुच्) प्रमोचने । | 1320 मुचल्लतीवहूपाणि | |
| 1732 अर्जणू (अर्ज्) प्रतियत्ने । | 142 अर्जबहूपाणि | |
| 1733 भजणू (भज्) विश्राणने । | 895 भर्जीवहूपाणि | |

1734 चटण् (चट्) भेदे ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० चाटयति | चाटयतः | चाटयन्ति |
| चाटयसि | चाटयथः | चाटयथ |
| चाटयामि | चाटयावः | चाटयामः |
| स० चाटयेत् | चाटयेताम् | चाटयेयुः |
| चाटयेः | चाटयेतम् | चाटयेत |
| चाटयेयम् | चाटयेव | चाटयेम |
| प० चाटयतु | चाटयतात् | चाटयताम् |
| चाटय | चाटयतात् | चाटयतम् |
| चाटयानि | चाटयाव | चाटयाम |
| आ० अचाटयत् | अचाटयताम् | अचाटयन् |
| अचाटयः | अचाटयतम् | अचाटयत |
| अचाटयम् | अचाटयाव | अचाटयाम |
| अ० अचीचटत् | अचीचटताम् | अचीचटन् |
| अचीचटः | अचीचटतम् | अचीचटत |
| अचीचटम् | अचीचटाव | अचीचटाम |
| प० चाटयाञ्चकार | चाटयाञ्चक्रुः | चाटयाञ्चक्रुः |
| चाटयाञ्चकथं | चाटयाञ्चकथुः | चाटयाञ्चक |
| चाटयाञ्चकार-चकर | चाटयाञ्चकृव | चाटयाञ्चकृम |
| चाटयाम्भूव | । | चाटयामास |
| आ० चाटयात् | चाटयास्ताम् | चाटयासुः |
| चाटयाः | चाटयास्तम् | चाटयास्त |
| चाटयासम् | चाटयास्व | चाटयास्म |
| श्व० चाटयिता | चाटयितारौ | चाटयितारः |
| चाटयितासि | चाटयितास्थः | चाटयितास्थ |
| चाटयितास्मि | चाटयितास्वः | चाटयितास्मः |
| भ० चाटयिष्यति | चाटयिष्यतः | चाटयिष्यन्ति |
| चाटयिष्यसि | चाटयिष्यथः | चाटयिष्यथ |
| चाटयिष्यामि | चाटयिष्यावः | चाटयिष्यामः |
| क्रि० अचाटयिष्यत् | अचाटयिष्यताम् | अचाटयिष्यन् |
| अचाटयिष्यः | अचाटयिष्यतम् | अचाटयिष्यत |
| अचाटयिष्यम् | अचाटयिष्याव | अचाटयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० चाटयते | चाटयेते | चाटयन्ते |
| चाटयसे | चाटयेथे | चाटयध्वे |
| चाटये | चाटयावहे | चाटयामहे |
| स० चाटयंत | चाटयेयाताम् | चाटयेरन् |
| चाटयेथाः | चाटयेयाथाम् | चाटयेध्वम् |
| चाटयेय | चाटयेवहि | चाटयेमहि |
| प० चाटयताम् | चाटयेताम् | चाटयन्ताम् |
| चाटयस्व | चाटयेथाम् | चाटयध्वम् |
| चाटयै | चाटयावहै | चाटयामहै |
| आ० अचाटयत | अचाटयेताम् | अचाटयन्त |
| अचाटयथाः | अचाटयेथाम् | अचाटयध्वम् |
| अचाटये | अचाटयावहि | अचाटयामहि |
| अ० अचीचटत | अचीचटेताम् | अचीचटन्त |
| अचीचटथाः | अचीचटेथाम् | अचीचटध्वम् |
| अचीचटे | अचीचटावहि | अचीचटामहि |
| प० चाटयाञ्चक्रे | चाटयाञ्चक्राते | चाटयाञ्चक्रिरे |
| चाटयाञ्चकृषे | चाटयाञ्चक्राथे | चाटयाञ्चकृद्वे |
| चाटयाञ्चके | चाटयाञ्चकृवहे | चाटयाञ्चकृमहे |
| चाटयाम्भूव | । | चाटयामास |
| आ० चाटयिषीष्ट | चाटयिषीयास्ताम् | चाटयिषीरन् |
| चाटयिषीष्टाः | चाटयिषीयास्थाम् | चाटयिषीध्वम् |
| चाटयिषीय | चाटयिषीवहि | चाटयिषीमहि |
| श्व० चाटयिता | चाटयितारौ | चाटयितारः |
| चाटयितासे | चाटयितासाथे | चाटयिताध्वे |
| चाटयिताहे | चाटयितास्वहे | चाटयितास्महे |
| भ० चाटयिष्यते | चाटयिष्येते | चाटयिष्यन्ते |
| चाटयिष्यसे | चाटयिष्येथे | चाटयिष्यध्वे |
| चाटयिष्ये | चाटयिष्यावहे | चाटयिष्यामहे |
| क्रि० अचाटयिष्यत | अचाटयिष्येताम् | अचाटयिष्यन्त |
| अचाटयिष्यथाः | अचाटयिष्येथाम् | अचाटयिष्यध्वम् |
| अचाटयिष्ये | अचाटयिष्यावहि | अचाटयिष्यामहि |

1736 घटण् (घट्) सङ्गते ।

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| व० घटयति | घटयतः | घटयन्ति |
| घटयसि | घटयथः | घटयथ |
| घटयामि | घटयावः | घटयामः |
| स० घटयेत् | घटयेताम् | घटयेयुः |
| घटयेः | घटयेतम् | घटयेत |
| घटयेयम् | घटयेव | घटयेम |
| प० घटयतु | घटयतात् | घटयताम् |
| घटय | घटयतात् | घटयतम् |
| घटयानि | घटयाव | घटयाम |
| अ० अघटयत् | अघटयताम् | अघटयन् |
| अघटयः | अघटयतम् | अघटयत |
| अघटयम् | अघटयाव | अघटयाम |
| अ० अजीघटत् | अजीघटताम् | अजीघटन् |
| अजीघटः | अजीघटतम् | अजीघटत |
| अजीघटम् | अजीघटाव | अजीघटाम |
| प० घटयाञ्चकार | घटयाञ्चक्रुः | घटयाञ्चक्रुः |
| घटयाञ्चर्क | घटयाञ्चक्रुः | घटयाञ्चक |
| घटयाञ्चकार-चकर | घटयाञ्चक्रुव | घटयाञ्चकृम |
| घटयाम्बभूव | घटयामास | |
| आ० घटयात् | घटयास्ताम् | घटयासुः |
| घटयाः | घटयास्तम् | घटयास्त |
| घटयासम् | घटयास्व | घटयास्म |
| श्व० घटयिता | घटयितारौ | घटयितारः |
| घटयितासि | घटयितास्थः | घटयितास्थ |
| घटयितास्मि | घटयितास्वः | घटयितास्मः |
| भ० घटयिष्यति | घटयिष्यतः | घटयिष्यन्ति |
| घटयिष्यसि | घटयिष्यतः | घटयिष्यथ |
| घटयिष्यामि | घटयिष्यावः | घटयिष्यामः |
| क्रि० अघटयिष्यत् | अघटयिष्यताम् | अघटयिष्यन् |
| अघटयिष्यः | अघटयिष्यतम् | अघटयिष्यत |
| अघटयिष्यम् | अघटयिष्याव | अघटयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० घटयते | घटयते | घटयन्ते |
| घटयसे | घटयथे | घटयध्वे |
| घटये | घटयावहे | घटयामहे |
| स० घटयेत् | घटयेताम् | घटयेरन् |
| घटयेथाः | घटयेथाम् | घटयेध्वम् |
| घटयेथ | घटयेवहे | घटयेमहि |
| प० घटयताम् | घटयेताम् | घटयन्ताम् |
| घटयस्व | घटयेथम् | घटयध्वम् |
| घटये | घटयावहे | घटयामहे |
| आ० अघटयत | अघटयेताम् | अघटयन्त |
| अघटयथाः | अघटयेथाम् | अघटयध्वम् |
| अघटये | अघटयावहि | अघटयामहि |
| अ० अजीघटत | अजीघटेताम् | अजीघटन्त |
| अजीघटथाः | अजीघटेथाम् | अजीघटध्वम् |
| अजीघटे | अजीघटावहि | अजीघटामहि |
| प० घटयाञ्चके | घटयाञ्चक्राते | घटयाञ्चकिरे |
| घटयाञ्चकृषे | घटयाञ्चक्राथे | घटयाञ्चकृद्वे |
| घटयाञ्चके | घटयाञ्चक्रवहे | घटयाञ्चकृमहे |
| घटयाम्बभूव | घटयामास | |
| आ० घटयिषीष्ट | घटयिषीयास्ताम् | घटयिषीरन् |
| घटयिषीष्टाः | घटयिषीयास्तम् | घटयिषीद्वम् |
| घटयिषीय | घटयिषीवहि | घटयिषीमहि |
| श्व० घटयिता | घटयितारौ | घटयितारः |
| घटयितासे | घटयितासाथे | घटयिताध्वे |
| घटयिताहे | घटयितास्वहे | घटयितास्महे |
| भ० घटयिष्यते | घटयिष्येते | घटयिष्यन्ते |
| घटयिष्यसे | घटयिष्येथे | घटयिष्यध्वे |
| घटयिष्ये | घटयिष्यावहे | घटयिष्यामहे |
| क्रि० अघटयिष्यत | अघटयिष्येताम् | अघटयिष्यन्त |
| अघटयिष्यथाः | अघटयिष्येथाम् | अघटयिष्यध्वम् |
| अघटयिष्ये | अघटयिष्यावहि | अघटयिष्यामहिः |

**1739 शब्दण् (शब्द) उपसर्गात् भाषा-
विष्कारयोः ।**

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | शब्दयति | शब्दयतः | शब्दयन्ति |
| | शब्दयसि | शब्दयथः | शब्दयथ |
| | शब्दयामि | शब्दयावः | शब्दयामः |
| स० | शब्दयेत् | शब्दयेताम् | शब्दयेयुः |
| | शब्दयेः | शब्दयेतम् | शब्दयेत |
| | शब्दयेयम् | शब्दयेव | शब्दयेम |
| प० | शब्दयतु | शब्दयतात् | शब्दयताम् |
| | शब्दय | शब्दयतात् | शब्दयतम् |
| | शब्दयानि | शब्दयाव | शब्दयाम |
| ह्य० | अशब्दयत् | अशब्दयताम् | अशब्दयन् |
| | अशब्दयः | अशब्दयतम् | अशब्दयत |
| | अशब्दयम् | अशब्दयाव | अशब्दयाम |
| अ० | अशशब्दत् | अशशब्दताम् | अशशब्दन् |
| | अशशब्दः | अशशब्दतम् | अशशब्दत |
| | अशशब्दम् | अशशब्दाव | अशशब्दाम |
| प० | शब्दयाञ्चकार | शब्दयाञ्चक्रुः | शब्दयाञ्चकुः |
| | शब्दयाञ्चकथं | शब्दयाञ्चकथुः | शब्दयाञ्चक |
| | शब्दयाञ्चकार-चकर | शब्दयाञ्चक्रुव | शब्दयाञ्चक्रम |
| | शब्दयाम्बभूव | । | शब्दयामास |
| आ० | शब्दयात् | शब्दयास्ताम् | शब्दयासु |
| | शब्दयाः | शब्दयास्तम् | शब्दयास्त |
| | शब्दयासम् | शब्दयास्व | शब्दयास्म |
| श्व० | शब्दयिता | शब्दयितारौ | शब्दयितारः |
| | शब्दयितासि | शब्दयितास्थः | शब्दयितास्थ |
| | शब्दयितास्मि | शब्दयितास्वः | शब्दयितास्मः |
| भ० | शब्दयिष्यति | शब्दयिष्यतः | शब्दयिष्यन्ति |
| | शब्दयिष्यसि | शब्दयिष्यथः | शब्दयिष्यथ |
| | शब्दयिष्यामि | शब्दयिष्यावः | शब्दयिष्यामः |
| क्रि० | अशब्दयिष्यत् | अशब्दयिष्यताम् | अशब्दयिष्यन् |
| | अशब्दयिष्यः | अशब्दयिष्यतम् | अशब्दयिष्यत |
| | अशब्दयिष्यम् | अशब्दयिष्याव | अशब्दयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|--------------------|-----------------|
| व० | शब्दयते | शब्दयेते | शब्दयन्ते |
| | शब्दयसे | शब्दयेथे | शब्दयन्थे |
| | शब्दये | शब्दयावहे | शब्दयामहे |
| स० | शब्दयेत | शब्दयेयाताम् | शब्दयेरन् |
| | शब्दयेथाः | शब्दयेयाथाम् | शब्दयेध्वम् |
| | शब्दयेथ | शब्दयेवहि | शब्दयेमहि |
| प० | शब्दयताम् | शब्दयेताम् | शब्दयन्ताम् |
| | शब्दयस्व | शब्दयेथाम् | शब्दयध्वम् |
| | शब्दये | शब्दयावहे | शब्दयामहे |
| ह्य० | अशब्दयत | अशब्दयेताम् | अशब्दयन्त |
| | अशब्दयथाः | अशब्दयेथाम् | अशब्दयध्वम् |
| | अशब्दये | अशब्दयावहि | अशब्दयामहि |
| अ० | अशशब्दत | अशशब्देताम् | अशशब्दन्त |
| | अशशब्दथाः | अशशब्देथाम् | अशशब्दध्वम् |
| | अशशब्दे | अशशब्दावहि | अशशब्दामहि |
| प | शब्दयाञ्चके | शब्दयाञ्चकाले | शब्दयाञ्चकिरे |
| | शब्दयाञ्चकृषे | शब्दयाञ्चकृषाथे | शब्दयाञ्चकृष्वे |
| | शब्दयाञ्चके | शब्दयाञ्चकृवहे | शब्दयाञ्चकृमहे |
| | शब्दयाञ्चभूव | । | शब्दयामाम |
| आ० | शब्दयिषीष्ट | शब्दयिषीष्ताम् | शब्दयिषीरन् |
| | शब्दयिषीष्टाः | शब्दयिषीष्टास्थाम् | शब्दयिषीष्ट्वम् |
| | शब्दयिषीष्ट | शब्दयिषीवहि | शब्दयिषीमहि |
| श्व० | शब्दयिता | शब्दयितारौ | शब्दयितारः |
| | शब्दयितामे | शब्दयितासाथे | शब्दयिताध्वे |
| | शब्दयिताहे | शब्दयितास्वहे | शब्दयिताममहे |
| भ० | शब्दयिष्यते | शब्दयिष्येते | शब्दयिष्यन्ते |
| | शब्दयिष्यसे | शब्दयिष्येथे | शब्दयिष्यन्थे |
| | शब्दयिष्ये | शब्दयिष्यावहे | शब्दयिष्यामहे |
| क्रि० | अशब्दयिष्यत | अशब्दयिष्यताम् | अशब्दयिष्यन्त |
| | अशब्दयिष्यथाः | अशब्दयिष्येथाम् | अशब्दयिष्यध्वम् |
| | अशब्दयिष्ये | अशब्दयिष्यावहि | अशब्दयिष्यामहि |
| | एवं | प्रशब्दयति | |

(१३९३) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| | |
|--|--|
| 1740 वृदण् (सृद्) आल्लवणे । वृदि 736 वद्रूपाणि | |
| 1741 आडः क्रन्दण् (आ-रन्द्) सातत्ये । कटु 316 वद्रूपाणि | |
| 1742 ध्वदण् (स्वद्) आस्वादाने । ध्वदि 729 वद्रूपाणि | |
| 1743 आस्वदः सकर्मकात् (आ-स्वद्) । स्वादि 731 वद्रूपाणि | |
| 1744 मुदण् (सुद्) संसर्गे । 726 । मुदिवद्रूपाणि | |
| 1745 शृधण् (शृध्) प्रसहने । 910 शृधूगूवद्रूपाणि | |
| 1746 कृपण् (कृप् ' अवकलकने । 959 कृपौड्वद्रूपाणि | |
| 1747 जमुण् (जम्भू) नाशने । 782 जमुड्वद्रूपाणि | |
| 1748 अमण् (अम्) रोगे । 391 अमवद्रूपाणि | |
| 1749 चरण् [चर्] असंशये । 410 चरवद्रूपाणि | |
| 1750 पूरण् (पूर) अप्यायने । 1268 पूरैविवद्रूपाणि | |
| 1751 दलण् (दल्] विदारणे । 413 दलवद्रूपाणि | |
| 1752 दिवण् (दिव्] अर्दने । 1144 दिवूचवद्रूपाणि | |

1753 पशण् (पश्) बन्धने ।

| | | |
|-----------|----------|---------|
| व० पशयति | पशयतः | पशयन्ति |
| पशयसि | पशयथः | पशयथ |
| पशयामि | पशयावः | पशयामः |
| स० पशयेत् | पशयेताम् | पशयेयुः |
| पशयेः | पशयेतम् | पशयेत |
| पशयेयम् | पशयेव | पशयेम |
| प० पशयतु | पशयतात् | पशयताम् |
| | पशयन्तु | |

| | | | |
|------------------|--------------|-------------|------|
| पशय | पशयतात् | पशयतम् | पशयत |
| पशयानि | पशयाव | पशयाम | |
| अ० अपशयत् | अपशयताम् | अपशयन् | |
| अपशयः | अपशयतम् | अपशयत | |
| अपशयम् | अपशयाव | अपशयाम | |
| अ० अपीपशत् | अपीपशताम् | अपीपशन् | |
| अपीपशः | अपीपशतम् | अपीपशत | |
| अपीपशम् | अपीपशाव | अपीपशाम | |
| प० पशयाञ्चकार | पशयाञ्चकतुः | पशयाञ्चकः | |
| पशयाञ्चकर्थ | पशयाञ्चकथुः | पशयाञ्चक | |
| पशयाञ्चकार-चकर | पशयाञ्चकृव | पशयाञ्चकृम | |
| पशयाम्बभूव | पशयामास | | |
| आ० पश्यात् | पश्यास्ताम् | पश्यासुः | |
| पश्याः | पश्यास्तम् | पश्यास्त | |
| पश्यासम् | पश्यास्व | पश्यास्म | |
| श्व० पशयिता | पशयितारौ | पशयितारः | |
| पशयितासि | पशयितास्थः | पशयितास्थ | |
| पशयितास्मि | पशयितास्वः | पशयितास्मः | |
| भ० पशयिष्यति | पशयिष्यतः | पशयिष्यन्ति | |
| पशयिष्यसि | पशयिष्यथः | पशयिष्यथ | |
| पशयिष्यामि | पशयिष्यावः | पशयिष्यामः | |
| क्रि० अपशयिष्यत् | अपशयिष्यताम् | अपशयिष्यन् | |
| अपशयिष्यः | अपशयिष्यतम् | अपशयिष्यत | |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते-धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१३९७)

| अपाशयिष्यम् | अपाशयिष्याव | अपाशयिष्याम | ध्वम् |
|-----------------|-----------------|----------------|---|
| व० पाशयते | पाशयेते | पाशयन्ते | पाशयिषीय पाशयिषीवहि पाशयिषीमहि |
| पाशयसे | पाशयेथे | पाशयन्थे | श्व० पाशयिता पाशयितारौ पाशयितारः |
| पाशये | पाशयावहे | पाशयामहे | पाशयितासे पाशयितासाथे पाशयिताच्चे |
| स० पाशयेत | पाशयेयाताम् | पाशयेरन् | पाशयिताहे पाशयितास्वहे पाशयितास्महे |
| पाशयेथाः | पाशयेयाथाम् | पाशयेध्वम् | श० पाशयिष्यते पाशयिष्येते पाशयिष्यन्ते |
| पाशयेय | पाशयेवहि | पाशयेमहि | पाशयिष्यसे पाशयिष्येथे पाशयिष्यन्थे |
| प० पाशयताम् | पाशयताम् | पाशयन्ताम् | पाशयिष्ये पाशयिष्यावहे पाशयिष्यामहे |
| पाशयस्व | पाशयेथाम् | पाशयध्वम् | क्रि० अपाशयिष्यत अपाशयिष्येताम् अपाशयिष्यन्त |
| पाशये | पाशयावहे | पाशयामहे | अपाशयिष्यथाः अपाशयिष्येथाम् अपाशयिष्यध्वम् |
| | | | अपाशयिष्ये अपाशयिष्यावहि अपाशयिष्यामहि |
| ह० अपाशयत | अपाशयेताम् | अपाशयन्त | 1754 पषण् (पष्) बन्धने । 926 पषीवद्रूपाणि |
| अपाशयथाः | अपाशयेथाम् | अपाशयध्वम् | 1755 पुषण् (पुष्) धारणे । 536 पुषवद्रूपाणि |
| अपाशये | अपाशयावहि | अपाशयामहि | 1756 घुषण् (घुष्) विशन्दने । 496 घुषीवद्रूपाणि |
| अ० अपीपशत | अपीपशेताम् | अपीपशन्त | 1757 भूषण् (भूष्) अलङ्कारे । 537 भूषवद्रूपाणि |
| अपीपशथाः | अपीपशेथाम् | अपीपशध्वम् | 1758 तसुण् [तस्] अलङ्कारे । 536 तसुवद्रूपाणि |
| अपीपश | अपीपशावहि | अपीपशामहि | 1759 जसण् (जस्) ताडने । 1223 जसूवद्रूपाणि |
| प० पाशयाञ्चक्रे | पाशयाञ्चक्राते | पाशयाञ्चकिरे | 1760 त्रसण् [त्रस्] वारणे । 1171 त्रसेच्वद्रूपाणि |
| पाशयाञ्चकृषे | पाशयाञ्चक्राथे | पाशयाञ्चकृद्वे | 1761 वसण् (वस्) स्नेहच्छेदावहरणेषु । 999 वसंवद्रूपाणि |
| पाशयाञ्चक्रे | पाशयाञ्चकृवहे | पाशयाञ्चकृमहे | 1762 प्रसण् [प्रस्] उत्क्षेपे । 1566 प्रसूश्वद्रूपाणि |
| पाशयाञ्चभूत् | पाशयामास | | 1763 प्रसण् (प्रस्) ग्रहणे । 854 प्रसूवद्रूपाणि |
| आ० पाशयिषीष्ट | पाशयिषीयास्ताम् | अपाशयिषीरन् | 1764 लसण् (लस्) शिल्पयोगे । 543 लसेवद्रूपाणि |
| पाशयिषीष्टाः | पाशयिषीयास्थाम् | अपाशयिषीद्वम् | 1765 अर्हण् (अर्ह) पूजायाम् । 564 अर्हवद्रूपाणि |

1766 मोक्षण् (मोक्ष) असने ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| ब० मोक्षयति | मोक्षयतः | मोक्षयन्ति |
| मोक्षयसि | मोक्षयथः | मोक्षयथ |
| मोक्षयामि | मोक्षयावः | मोक्षयामः |
| स० मोक्षयेत् | मोक्षयेताम् | मोक्षयेयुः |
| मोक्षयेः | मोक्षयेतम् | मोक्षयेत |
| मोक्षयेयम् | मोक्षयेव | मोक्षयेम |
| प० मोक्षयतु | मोक्षयतात् | मोक्षयन्तु |
| मोक्षय मोक्षयतात् | मोक्षयतम् | मोक्षयत |
| मोक्षयानि | मोक्षयाव | मोक्षयाम |
| झ० अमोक्षयत् | अमोक्षयताम् | अमोक्षयन् |
| अमोक्षयः | अमोक्षयतम् | अमोक्षयत |
| अमोक्षयम् | अमोक्षयाव | अमोक्षयाम |
| ञ० अमुमोक्षत् | अमुमोक्षताम् | अमुमोक्षन् |
| अमुमोक्षः | अमुमोक्षतम् | अमुमोक्षत |
| अमुमोक्षम् | अमुमोक्षाव | अमुमोक्षाम |
| प० मोक्षयाञ्चकार | मोक्षयाञ्चकतुः | मोक्षयाञ्चकुः |
| मोक्षयाञ्चकर्ष | मोक्षयाञ्चकथुः | मोक्षयाञ्चक |
| मोक्षयाञ्चकार-चकर | मोक्षयाञ्चकृव | मोक्षयाञ्चकृम |
| मोक्षयाञ्चभूव | मोक्षयामास | |
| आ० मोक्ष्यात् | मोक्ष्यास्ताम् | मोक्ष्यासुः |
| मोक्ष्याः | मोक्ष्यास्तम् | मोक्ष्यास्त |
| मोक्ष्यासम् | मोक्ष्यास्व | मोक्ष्यास्म |
| श्र० मोक्षयिता | मोक्षयितारौ | मोक्षयितारः |
| मोक्षयितासि | मोक्षयितास्थः | मोक्षयितास्थ |
| मोक्षयितास्मि | मोक्षयितास्वः | मोक्षयितास्मः |
| भ० मोक्षयिष्यति | मोक्षयिष्यतः | मोक्षयिष्यन्ति |
| मोक्षयिष्यसि | मोक्षयिष्यथः | मोक्षयिष्यथ |
| मोक्षयिष्यामि | मोक्षयिष्यावः | मोक्षयिष्यामः |
| क्रि० अमोक्षयिष्यत् | अमोक्षयिष्यताम् | अमोक्षयिष्यन् |
| अमोक्षयिष्यः | अमोक्षयिष्यतम् | अमोक्षयिष्यत |
| अमोक्षयिष्यम् | अमोक्षयिष्याव | अमोक्षयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० मोक्षयते | मोक्षयेते | मोक्षयन्ते |
| मोक्षयसे | मोक्षयेथे | मोक्षयध्वे |
| मोक्षये | मोक्षयावहे | मोक्षयामहे |
| स० मोक्षयेत | मोक्षयेयाताम् | मोक्षयेरन् |
| मोक्षयेथाः | मोक्षयेयाथाम् | मोक्षयेध्वम् |
| मोक्षयेय | मोक्षयेवहि | मोक्षयेमहि |
| प० मोक्षयताम् | मोक्षयेताम् | मोक्षयन्ताम् |
| मोक्षयस्व | मोक्षयेथाम् | मोक्षयध्वम् |
| मोक्षयै | मोक्षयावहे | मोक्षयामहे |
| झ० अमोक्षयत | अमोक्षयेताम् | अमोक्षयन्त |
| अमोक्षयथाः | अमोक्षयेथाम् | अमोक्षयध्वम् |
| अमोक्षये | अमोक्षयावहि | अमोक्षयामहि |
| ञ० अमुमोक्षत | अमुमोक्षेताम् | अमुमोक्षन्त |
| अमुमोक्षथाः | अमुमोक्षेथाम् | अमुमोक्षध्वम् |
| अमुमोक्षे | अमुमोक्षावहि | अमुमोक्षामहि |
| प० मोक्षयाञ्चके | मोक्षयाञ्चकाते | मोक्षयाञ्चकिरे |
| मोक्षयाञ्चकृषे | मोक्षयाञ्चक्राथे | मोक्षयाञ्चकृवे |
| मोक्षयाञ्चके | मोक्षयाञ्चकृवहे | मोक्षयाञ्चकृमहे |
| मोक्षयाञ्चभूव | मोक्षयामास | |
| आ० मोक्षयिषीष्ट | मोक्षयिषीयास्ताम् | मोक्षयिषीरन् |
| मोक्षयिषीष्टाः | मोक्षयिषीयास्थाम् | मोक्षयिषीध्वम् |
| मोक्षयिषीय | मोक्षयिषीवहि | मोक्षयिषीमहि |
| श्र० मोक्षयिता | मोक्षयितारौ | मोक्षयितारः |
| मोक्षयितासे | मोक्षयितासाथे | मोक्षयिताध्वे |
| मोक्षयिताहे | मोक्षयितास्वहे | मोक्षयितास्महे |
| भ० मोक्षयिष्यते | मोक्षयिष्येते | मोक्षयिष्यन्ते |
| मोक्षयिष्यसे | मोक्षयिष्येथे | मोक्षयिष्यध्वे |
| मोक्षयिष्ये | मोक्षयिष्यावहे | मोक्षयिष्यामहे |
| क्रि० अमोक्षयिष्यत | अमोक्षयिष्येताम् | अमोक्षयिष्यन्त |
| अमोक्षयिष्यथाः | अमोक्षयिष्येथाम् | अमोक्षयिष्यध्वम् |
| अमोक्षयिष्ये | अमोक्षयिष्यावहि | अमोक्षयिष्यामहि |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१३९९)

1768 तर्कण् (तर्क्) भासार्थः ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० तर्कयति | तर्कयतः | तर्कयन्ति |
| तर्कयसि | तर्कयथः | तर्कयथ |
| तर्कयामि | तर्कयावः | तर्कयामः |
| स० तर्कयेत् | तर्कयेताम् | तर्कयेयुः |
| तर्कयेः | तर्कयेतम् | तर्कयेत |
| तर्कयेयम् | तर्कयेव | तर्कयेम |
| प० तर्कयतु | तर्कयतात् | तर्कयताम् |
| तर्कय | तर्कयतात् | तर्कयतम् |
| तर्कयाणि | तर्कयाव | तर्कयाम |
| ह्य० अतर्कयन् | अतर्कयताम् | अतर्कयन् |
| अतर्कयः | अतर्कयतम् | अतर्कयत |
| अतर्कयम् | अतर्कयाव | अतर्कयाम |
| अ० अतर्कयत् | अतर्कयताम् | अतर्कयन् |
| अतर्कयः | अतर्कयतम् | अतर्कयत |
| अतर्कयम् | अतर्कयाव | अतर्कयाम |
| प० तर्कयाश्चकार | तर्कयाश्चक्रुः | तर्कयाश्चक्रुः |
| तर्कयाश्चकथे | तर्कयाश्चकथुः | तर्कयाश्चक्रुः |
| तर्कयाश्चकार-चकर | तर्कयाश्चकृव | तर्कयाश्चक्रुम |
| तर्कयाम्बभूव | तर्कयामास | |
| अ० तर्क्यात् | तर्क्यास्ताम् | तर्क्यासुः |
| तर्क्याः | तर्क्यास्तम् | तर्क्यास्त |
| तर्क्यासम् | तर्क्यास्व | तर्क्यास्म |
| श्र० तर्कयिता | तर्कयितारौ | तर्कयितारः |
| तर्कयितासि | तर्कयितास्थः | तर्कयितास्थ |
| तर्कयितास्मि | तर्कयितास्वः | तर्कयितास्मः |
| भ० तर्कयिष्यति | तर्कयिष्यतः | तर्कयिष्यन्ति |
| तर्कयिष्यसि | तर्कयिष्यथः | तर्कयिष्यथ |
| तर्कयिष्यामि | तर्कयिष्यावः | तर्कयिष्यामः |
| क्रि० अतर्कयिष्यत् | अतर्कयिष्यताम् | अतर्कयिष्यन् |
| अतर्कयिष्यः | अतर्कयिष्यतम् | अतर्कयिष्यत |
| अतर्कयिष्यम् | अतर्कयिष्याव | अतर्कयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| ब० तर्कयते | तर्कयेते | तर्कयन्ते |
| तर्कयसे | तर्कयेथे | तर्कयध्वे |
| तर्कये | तर्कयावहे | तर्कयामहे |
| स० तर्कयेत | तर्कयेयाताम् | तर्कयेरन् |
| तर्कयेथाः | तर्कयेयाथाम् | तर्कयेध्वम् |
| तर्कये | तर्कयेवहि | तर्कयेमहि |
| प० तर्कयेताम् | तर्कयेताम् | तर्कयन्ताम् |
| तर्कयस्व | तर्कयेथाम् | तर्कयध्वम् |
| तर्कये | तर्कयावहे | तर्कयामहे |
| ह्य० अतर्कयत | अतर्कयेताम् | अतर्कयन्त |
| अतर्कयथाः | अतर्कयेथाम् | अतर्कयध्वम् |
| अतर्कय | अतर्कयावहि | अतर्कयामहि |
| अ० अतर्कयत | अतर्कयेताम् | अतर्कयन्त |
| अतर्कयथाः | अतर्कयेथाम् | अतर्कयध्वम् |
| अतर्कय | अतर्कयावहि | अतर्कयामहि |
| प० तर्कयाश्चक्रे | तर्कयाश्चक्राते | तर्कयाश्चक्रिरे |
| तर्कयाश्चकृषे | तर्कयाश्चक्राथे | तर्कयाश्चकृद्वे |
| तर्कयाश्चक्रे | तर्कयाश्चकृवहे | तर्कयाश्चकृमहे |
| तर्कयाश्चभूव | तर्कयामास | |
| आ० तर्कयिषीष्ट | तर्कयिषीयास्ताम् | तर्कयिषीरन् |
| तर्कयिषीष्ठाः | तर्कयिषीयास्थाम् | तर्कयिषीध्वम् |
| तर्कयिषीय | तर्कयिषीवहि | तर्कयिषीमहि |
| श्र० तर्कयिता | तर्कयितारौ | तर्कयितारः |
| तर्कयितासे | तर्कयितासाथे | तर्कयिताध्वे |
| तर्कयिताहे | तर्कयितास्वहे | तर्कयितास्महे |
| भ० तर्कयिष्यते | तर्कयिष्येते | तर्कयिष्यन्ते |
| तर्कयिष्यसे | तर्कयिष्येथे | तर्कयिष्यध्वे |
| तर्कयिष्ये | तर्कयिष्यावहे | तर्कयिष्यामहे |
| क्रि० अतर्कयिष्यत | अतर्कयिष्येताम् | अतर्कयिष्यन्त |
| अतर्कयिष्यथाः | अतर्कयिष्येथाम् | अतर्कयिष्यध्वम् |
| अतर्कयिष्ये | अतर्कयिष्यावहि | अतर्कयिष्यामहि |

(१४००) मुनिश्रीलावण्यदि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

1769 रघुण् (रङ्घ्) भासार्थः । 637 रघुङ्घ्रूपाणि

1770 लघुण् (लङ्घ्) भासार्थः । 638 लघुङ्घ्रूपाणि

1771 लोचू (लोच्) भासार्थः । 646 लोचूङ्घ्रूपाणि

1772 विछण् (विच्छ्) भासार्थः । आयरहित

1343 विछत्तूपाणि

अणिजन्ताभ्यां पणिपनिभ्यां साहचर्यादजिन्तविच्छे-

रेषायप्रामे:

1773 अजुण् [अञ्ज्] भासार्थः । 1428 अजौप्वद्रूपाणि

1774 तुजुण् (तुञ्ज्) भासार्थः । 161 तुजुवद्रूपाणि

1775 पिजुण् [पिञ्ज्] भासार्थः । 1110 पिजुकिवद्रूपाणि

1776 लजुण् (लञ्ज्) भासार्थः । 115 लजुवद्रूपाणि

1777 लुज् (लुञ्ज्) भासार्थः ।

ब० लुञ्जयति लुञ्जयतः लुञ्जयन्ति

लुञ्जयमि लुञ्जयथः लुञ्जयथ

लुञ्जयामि लुञ्जयावः लुञ्जयामः

स० लुञ्जयेत् लुञ्जयेताम् लुञ्जयेयुः

लुञ्जयेः लुञ्जयेतम् लुञ्जयेत

लुञ्जयेयम् लुञ्जयेव लुञ्जयेम

प० लुञ्जयतु लुञ्जयतात् लुञ्जयताम् लुञ्जयन्तु

लुञ्जय लुञ्जयतात् लुञ्जयतम् लुञ्जयत

लुञ्जयानि लुञ्जयाव लुञ्जयाम

अ० अलुञ्जयत् अलुञ्जयताम् अलुञ्जयन्

अलुञ्जयः अलुञ्जयतम् अलुञ्जयत

अलुञ्जयम् अलुञ्जयाव अलुञ्जयाम

अ० अलुञ्जयत् अलुञ्जयताम् अलुञ्जयन्

अलुञ्जयः अलुञ्जयतम् अलुञ्जयत

अलुञ्जयम् अलुञ्जयाव अलुञ्जयाम

प० लुञ्जयाञ्चकार लुञ्जयाञ्चकतुः लुञ्जयाञ्चकृः

लुञ्जयाञ्चकर्थ लुञ्जयाञ्चकथुः लुञ्जयाञ्चक

लुञ्जयाञ्चकार-चकर लुञ्जयाञ्चकृव लुञ्जयाञ्चकृम

लुञ्जयाम्बभूव । लुञ्जयामास

आ० लुञ्जयात् लुञ्जयास्ताम् लुञ्जयासुः

लुञ्जयाः लुञ्जयास्तम् लुञ्जयास्त

लुञ्जयासम् लुञ्जयास्व लुञ्जयासम्

श्व० लुञ्जयिता लुञ्जयितारौ लुञ्जयितारः

लुञ्जयितासि लुञ्जयितास्थः लुञ्जयेतास्थ

लुञ्जयितास्मि लुञ्जयितास्वः लुञ्जयितास्मः

भ० लुञ्जयिष्यति लुञ्जयिष्यतः लुञ्जयिष्यन्ति

लुञ्जयिष्यसि लुञ्जयिष्यथः लुञ्जयिष्यथ

लुञ्जयिष्यामि लुञ्जयिष्यावः लुञ्जयिष्यामः

क्रि० अलुञ्जयिष्यत् अलुञ्जयिष्यताम् अलुञ्जयिष्यन्

अलुञ्जयिष्यः अलुञ्जयिष्यतम् अलुञ्जयिष्यत

अलुञ्जयिष्यम् अलुञ्जयिष्याव अलुञ्जयिष्याम

ब० लुञ्जयते लुञ्जयते लुञ्जयन्ते

लुञ्जयसे लुञ्जयेथे लुञ्जयस्वे

लुञ्जये लुञ्जयावहे लुञ्जयामहे

स० लुञ्जयेत लुञ्जयेयाताम् लुञ्जयेरन्

लुञ्जयेथाः लुञ्जयेयाथाम् लुञ्जयेथ्वम्

लुञ्जयेथ लुञ्जयेवहि लुञ्जयेमहि

| | | |
|---------------|-------------|--------------|
| प० लुञ्जयताम् | लुञ्जयेताम् | लुञ्जयन्ताम् |
| लुञ्जयस्व | लुञ्जयेथाम् | लुञ्जयध्वम् |
| लुञ्जये | लुञ्जयावहे | लुञ्जयामहे |

| | | |
|-------------|--------------|--------------|
| झ० अलुञ्जयत | अलुञ्जयेताम् | अलुञ्जयन्त |
| अलुञ्जयथाः | अलुञ्जयेथाम् | अलुञ्जयध्वम् |
| अलुञ्जये | अलुञ्जयावहि | अलुञ्जयामहि |

| | | |
|-------------|--------------|--------------|
| झ० अलुञ्जयत | अलुञ्जयेताम् | अलुञ्जयन्त |
| अलुञ्जयथाः | अलुञ्जयेथाम् | अलुञ्जयध्वम् |
| अलुञ्जये | अलुञ्जयावहि | अलुञ्जयामहि |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| प० लुञ्जयाश्चक्रे | लुञ्जयाश्चक्राते | लुञ्जयाश्चक्रिरे |
| लुञ्जयाश्चकृषे | लुञ्जयाश्चक्राथे | लुञ्जयाश्चकृवहे |
| लुञ्जयाश्चक्रे | लुञ्जयाश्चकृवहे | लुञ्जयाश्चकृमहे |

लुञ्जयाम्बभूव । लुञ्जयामास

| | | |
|------------------|-------------------|------------------|
| झा० लुञ्जयिषीष्ट | लुञ्जयिषीयास्ताम् | लुञ्जयिषीरन् |
| लुञ्जयिषीष्ठाः | लुञ्जयिषीयास्थाम् | लुञ्जयिषीवृष्वम् |

लुञ्जयिषीय लुञ्जयिषीवहि लुञ्जयिषीमहि

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| श्व० लुञ्जयिता | लुञ्जयितारौ | लुञ्जयितारः |
| लुञ्जयितासे | लुञ्जयितासाथे | लुञ्जयिताध्वे |
| लुञ्जयिताहे | लुञ्जयितास्वहे | लुञ्जयितास्महे |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| भ० लुञ्जयिष्यते | लुञ्जयिष्येते | लुञ्जयिष्यन्ते |
| लुञ्जयिष्यसे | लुञ्जयिष्येथे | लुञ्जयिष्यध्वे |
| लुञ्जयिष्ये | लुञ्जयिष्यावहे | लुञ्जयिष्यामहे |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| क्रि० अलुञ्जयिष्यत | अलुञ्जयिष्येताम् | अलुञ्जयिष्यन्त |
| अलुञ्जयिष्यथाः | अलुञ्जयिष्येथाम् | अलुञ्जयिष्यध्वम् |
| अलुञ्जयिष्ये | अलुञ्जयिष्यावहि | अलुञ्जयिष्यामहि |

1778 भजुण् (भञ्ज) भासार्थः । 1486 भजोपबृष्टपाणि

1779 पटण् (पट्) भासार्थः । 195 पटवृष्टपाणि

1780 पुटण् (पुट्) भासार्थः । 1441 पुटवृष्टपाणि

1781 लुटण् (लुट्) भासार्थः । 190 लुटवृष्टपाणि

1782 घटण् (घट्) भासार्थः । 1727 घटवृष्टपाणि

1783 घटुण् (घट्) भासार्थः ।

| | | |
|------------|----------|-----------|
| व० घण्टयति | घण्टयतः | घण्टयन्ति |
| घण्टयसि | घण्टयथः | घण्टयध्व |
| घण्टयामि | घण्टयावः | घण्टयामः |

| | | |
|-------------|------------|-----------|
| स० घण्टयेत् | घण्टयेताम् | घण्टयेयुः |
| घण्टयेः | घण्टयेतम् | घण्टयेत |
| घण्टयेयम् | घण्टयेव | घण्टयेम |

| | | | |
|------------|-----------|-----------|-----------|
| प० घण्टयतु | घण्टयतात् | घण्टयताम् | घण्टयन्तु |
| घण्टय | घण्टयतात् | घण्टयतम् | घण्टयत |
| घण्टयानि | घण्टयाव | घण्टयाम | |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| झ० अघण्टयत् | अघण्टयताम् | अघण्टयन् |
| अघण्टयः | अघण्टयतम् | अघण्टयत |
| अघण्टयम् | अघण्टयाव | अघण्टयाम |

| | | |
|-------------|------------|----------|
| भ० अजघण्टत् | अजघण्टताम् | अजघण्टन् |
| अजघण्टः | अजघण्टतम् | अजघण्टत |
| अजघण्टम् | अजघण्टाव | अजघण्टाम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| प० घण्टयाश्चकार | घण्टयाश्चक्रतुः | घण्टयाश्चक्रुः |
| घण्टयाश्चकषे | घण्टयाश्चक्रथुः | घण्टयाश्चक्र |
| घण्टयाश्चकार-चेकर | घण्टयाश्चकृष | घण्टयाश्चकृम |

घण्टयाम्बभूव । घण्टयामास

| | | |
|-------------|--------------|-----------|
| आ० घण्टयात् | घण्टयास्ताम् | घण्टयासुः |
|-------------|--------------|-----------|

(१४०२)

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| घण्टयाः | घण्टयास्तम् | घण्टयास्त |
| घण्टयासम् | घण्टयास्थ | घण्टयास्म |
| घ० घण्टयिता | घण्टयितारो | घण्टयितारः |
| घण्टयितासि | घण्टयितास्थः | घण्टयितास्थ |
| घण्टयितास्मि | घण्टयितास्वः | घण्टयितास्मः |
| अ० घण्टयिष्यति | घण्टयिष्यतः | घण्टयिष्यन्ति |
| घण्टयिष्यसि | घण्टयिष्यथः | घण्टयिष्यथ |
| घण्टयिष्यामि | घण्टयिष्यावः | घण्टयिष्यामः |
| क्रि० अघण्टयिष्यत् | अघण्टयिष्यताम् | अघण्टयिष्यन् |
| अघण्टयिष्यः | अघण्टयिष्यतम् | अघण्टयिष्यत |
| अघण्टयिष्यम् | अघण्टयिष्याव | अघण्टयिष्याम |
| घ० घण्टयेते | घण्टयेते | घण्टयन्ते |
| घण्टयेसे | घण्टयेथे | घण्टयन्थे |
| घण्टये | घण्टयावहे | घण्टयामहे |
| स० घण्टयेत | घण्टयेयाताम् | घण्टयेरन् |
| घण्टयेथाः | घण्टयेयाथाम् | घण्टयेष्वम् |
| घण्टयेथ | घण्टयेवहि | घण्टयेमहि |
| घ० घण्टयेताम् | घण्टयेताम् | घण्टयन्ताम् |
| घण्टयस्व | घण्टयेथाम् | घण्टयन्वम् |
| घण्टये | घण्टयावहे | घण्टयामहे |
| क्रि० अघण्टयत | अघण्टयेताम् | अघण्टयन्त |
| अघण्टयथाः | अघण्टयेथाम् | अघण्टयन्वम् |
| अघण्टये | अघण्टयावहि | अघण्टयामहि |
| अ० अजघण्टत | अजघण्टेताम् | अजघण्टन्त |
| अजघण्टथाः | अजघण्टेथाम् | अजघण्टन्वम् |
| अजघण्टे | अजघण्टावहि | अजघण्टामहि |

| | | |
|--|------------------|-----------------|
| प० घण्टयाश्चक्रे | घण्टयाश्चक्रति | घण्टयाश्चक्रिरे |
| घण्टयाश्चकृषे | घण्टयाश्चक्राथे | घण्टयाश्चकृष्वे |
| घण्टयाश्चक्रे | घण्टयाश्चकृवहे | घण्टयाश्चकृमहे |
| घण्टयाम्बभूव | घण्टयामास | |
| आ० घण्टयिषीष्ट | घण्टयिषीयास्ताम् | घण्टयिषीरन् |
| घण्टयिषीष्टाः | घण्टयिषीयास्थाम् | घण्टयिषीड्वम् |
| | | ध्वम् |
| घण्टयिषीय | घण्टयिषीवहि | घण्टयिषीमहि |
| घ० घण्टयिता | घण्टयितारो | घण्टयितारः |
| घण्टयितासे | घण्टयितासाथे | घण्टयितास्व |
| घण्टयिताहे | घण्टयितास्वहे | घण्टयितास्महे |
| अ० घण्टयिष्यते | घण्टयिष्येते | घण्टयिष्यन्ते |
| घण्टयिष्यसे | घण्टयिष्येथे | घण्टयिष्यन्थे |
| घण्टयिष्ये | घण्टयिष्यावहे | घण्टयिष्यामहे |
| क्रि० अघण्टयिष्यत | अघण्टयिष्येताम् | अघण्टयिष्यन्त |
| अघण्टयिष्यथाः | अघण्टयिष्येथाम् | अघण्टयिष्यन्वम् |
| अघण्टयिष्ये | अघण्टयिष्यावहि | अघण्टयिष्यामहि |
| 1784 वृत्तण् (वृत्) भासार्थः । 955 वृत्तवद्भूपाणि | | |
| 1785 पुथण् (पुथ) भासार्थः । 1154 पुथवद्भूपाणि | | |
| 1786 नदण् (नद) भासार्थः । 299 नदवद्भूपाणि | | |
| 1787 वृधण् [वृध] भासार्थः । 957 वृधवद्भूपाणि | | |
| 1788 गुपण् (गुप्) भासार्थः । 654 गुपवद्भूपाणि | | |
| 1789 ध्रुण् (ध्रुप्) भासार्थः । 84 ध्रुवहित 334 ध्रुववद्भूपाणि | | |
| अणिजन्ताभ्यां पणिपनिभ्यां साहचर्यादणिजन्तधूये- | | |
| रेवाग्रप्रसिः | | |
| 1790 कुपण् [कुप्] भासार्थः । 1191 कुपवद्भूपाणि | | |

1791 चीवण् (चीव्) भासार्थः ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| १० चीवयति | चीवयतः | चीवयन्ति |
| चीवयसि | चीवयथः | चीवयथ |
| चीवयामि | चीवयावः | चीवयामः |
| स० चीवयेत् | चीवयेताम् | चीवयेयुः |
| चीवयेः | चीवयेतम् | चीवयेत |
| चीवयेयम् | चीवयेव | चीवयेम |
| प० चीवयतु | चीवयतात् | चीवयताम् |
| चीवय | चीवयतात् | चीवयतम् |
| चीवयानि | चीवयाव | चीवयाम |
| ह्य० अचीवयत् | अचीवयताम् | अचीवयन् |
| अचीवयः | अचीवयतम् | अचीवयत |
| अ चीवयम् | अचीवयाव | अचीवयामः |
| अ० अचीचिवत् | अचीचिवताम् | अचीचिवन् |
| अचीचिवः | अचीचिवतम् | अचीचिवत |
| अचीचिवम् | अचीचिवाव | अचीचिवाम |
| प० चीवयाञ्चकार | चीवयाञ्चक्रतुः | चीवयाञ्चक्रुः |
| चीवयाञ्चकर्ष | चीवयाञ्चक्रथुः | चीवयाञ्चक्र |
| चीवयाञ्चकार-चकर | चीवयाञ्चक्रुव | चीवयाञ्चक्रुम |
| चीवयाञ्चभूव | । | चीवयामास |
| आ० चीव्यात् | चीव्यास्ताम् | चीव्यासुः |
| चीव्याः | चीव्यास्तम् | चीव्यास्त |
| चीव्याम् | चीव्यास्व | चीव्यास्म |
| श्र० चीवयिता | चीवयितारौ | चीवयितारः |
| चीवयितासि | चीवयितास्थः | चीवयितास्थ |
| चीवयितास्मि | चीवयितास्वः | चीवयितास्मः |
| भ० चीवयिष्यति | चीवयिष्यतः | चीवयिष्यन्ति |
| चीवयिष्यसि | चीवयिष्यथः | चीवयिष्यत |
| चीवयिष्यामि | चीवयिष्यावः | चीवयिष्यामः |
| क्रि० अचीवयिष्यत् | अचीवयिष्यताम् | अचीवयिष्यन् |
| अचीवयिष्यः | अचीवयिष्यतम् | अचीवयिष्यत |
| अचीवयिष्यम् | अचीवयिष्याव | अचीवयिष्याम |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| व० चीवयते | चीवयेते | चीवयन्ते |
| चीवयसे | चीवयेथे | चीवयध्वे |
| चीवये | चीवयावहे | चीवयामहे |
| स० चीवयेत् | चीवयेताम् | चीवयेयुः |
| चीवयेयाः | चीवयेयाथाम् | चीवयेय्वम् |
| चीवयेय | चीवयेवहि | चीवयेमहि |
| प० चीवयताम् | चीवयेताम् | चीवयन्ताम् |
| चीवयस्व | चीवयेथाम् | चीवयध्वम् |
| चीवयै | चीवयावहे | चीवयामहे |
| ह्य० अचीवयत | अचीवयेताम् | अचीवयन्त |
| अचीवयथाः | अचीवयेथाम् | अचीवयध्वम् |
| अचीवये | अचीवयावहि | अचीवयामहि |
| अ० अचीचिवत् | अचीचिवेताम् | अचीचिवन्त |
| अचीचिवथाः | अचीचिवेथाम् | अचीचिवध्वम् |
| अचीचिवे | अचीचिवावहि | अचीचिवामहि |
| प० चीवयाञ्चक्रे | चीवयाञ्चक्रते | चीवयाञ्चक्रिरे |
| चीवयाञ्चकृषे | चीवयाञ्चक्रथे | चीवयाञ्चकृध्वे |
| चीवयाञ्चक्रे | चीवयाञ्चकृवहे | चीवयाञ्चकृमहे |
| चीवयाञ्चभूव | । | चीवयामास |
| आ० चीवयिषीष्ट | चीवयिषीयस्ताम् | चीवयिषीरन् |
| चीवयिषीष्टाः | चीवयिषीयस्याम् | चीवयिषीध्वम् |
| चीवयिषीष्ट | चीवयिषीध्वि | चीवयिषीमहि |
| श्र० चीवयिता | चीवयितारौ | चीवयितारः |
| चीवयितासे | चीवयितासाथे | चीवयिताध्वे |
| चीवयिताहे | चीवयितास्वहे | चीवयितास्महे |
| भ० चीवयिष्यते | चीवयिष्येते | चीवयिष्यन्ते |
| चीवयिष्यसे | चीवयिष्येथे | चीवयिष्यध्वे |
| चीवयिष्ये | चीवयिष्यावहे | चीवयिष्यामहे |
| क्रि० अचीवयिष्यत | अचीवयिष्येताम् | अचीवयिष्यन्त |
| अचीवयिष्याः | अचीवयिष्येथाम् | अचीवयिष्यध्वम् |
| अचीवयिष्ये | अचीवयिष्यावहि | अचीवयिष्यामहि |

1793 कुशुण (कुष्) भासार्थः ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ६० कुशयति | कुशयतः | कुशयन्ति |
| कुशयसि | कुशयथः | कुशयथ |
| कुशयामि | कुशयावः | कुशयामः |
| स० कुशयेत् | कुशयेताम् | कुशयेयुः |
| कुशयेः | कुशयेतम् | कुशयेत |
| कुशयेयम् | कुशयेव | कुशयेम |
| प० कुशयतु | कुशयतात् | कुशयन्तु |
| कुशय | कुशयतात् | कुशयतम् |
| कुशयानि | कुशयाव | कुशयाम |
| अ० अकुशयत् | अकुशयताम् | अकुशयन् |
| अकुशयः | अकुशयतम् | अकुशयत |
| अकुशयम् | अकुशयाव | अकुशयाम |
| अ० अचुकुशत् | अचुकुशताम् | अचुकुशन् |
| अचुकुशः | अचुकुशतम् | अचुकुशत |
| अचुकुशम् | अचुकुशाव | अचुकुशाम |
| इ० कुशयाञ्चकार | कुशयाञ्चक्रुः | कुशयाञ्चकुः |
| कुशयाञ्चकथे | कुशयाञ्चक्रुः | कुशयाञ्चक |
| कुशयाञ्चकार-चक्र | कुशयाञ्चक्रुव | कुशयाञ्चक्रम |
| कुशयाञ्चभूव | कुशयामास | |
| आ० कुशयात् | कुशयास्ताम् | कुशयासुः |
| कुशयाः | कुशयास्तम् | कुशयास्त |
| कुशयासम् | कुशयास्व | कुशयास्म |
| अ० कुशयिता | कुशयितारौ | कुशयितारः |
| कुशयितासि | कुशयितास्थः | कुशयितास्थ |
| कुशयितास्मि | कुशयितास्वः | कुशयितास्मः |
| अ० कुशयिष्यति | कुशयिष्यतः | कुशयिष्यन्ति |
| कुशयिष्यसि | कुशयिष्यथः | कुशयिष्यथ |
| कुशयिष्यामि | कुशयिष्यावः | कुशयिष्यामः |
| क्रि० अकुशयिष्यत् | अकुशयिष्यताम् | अकुशयिष्यन् |
| अकुशयिष्यः | अकुशयिष्यतम् | अकुशयिष्यत |
| अकुशयिष्यम् | अकुशयिष्याव | अकुशयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ६० कुशयते | कुशयेते | कुशयन्ते |
| कुशयसे | कुशयेथे | कुशयन्थे |
| कुशये | कुशयावहे | कुशयामहे |
| स० कुशयेत | कुशयेयाताम् | कुशयेरन् |
| कुशयेथाः | कुशयेयाथाम् | कुशयेष्वम् |
| कुशयेय | कुशयेवहि | कुशयेमहि |
| प० कुशयताम् | कुशयेताम् | कुशयन्ताम् |
| कुशयस्व | कुशयेथाम् | कुशयन्वम् |
| कुशये | कुशयावहे | कुशयामहे |
| अ० अकुशयत | अकुशयेताम् | अकुशयन्त |
| अकुशयथाः | अकुशयेथाम् | अकुशयन्वम् |
| अकुशये | अकुशयावहि | अकुशयामहि |
| अ० अचुकुशत | अचुकुशेताम् | अचुकुशन्त |
| अचुकुशथाः | अचुकुशेथाम् | अचुकुशन्वम् |
| अचुकुशे | अचुकुशावहि | अचुकुशामहि |
| प० कुशयाञ्चके | कुशयाञ्चक्राते | कुशयाञ्चक्रिरे |
| कुशयाञ्चकथे | कुशयाञ्चक्राये | कुशयाञ्चक्रावे |
| कुशयाञ्चके | कुशयाञ्चक्रवहे | कुशयाञ्चक्रमहे |
| कुशयाञ्चभूव | कुशयामास | |
| आ० कुशयिषीष्ट | कुशयिषीयास्ताम् | कुशयिषीरन् |
| कुशयिषीष्टाः | कुशयिषीयास्थाम् | कुशयिषीद्वम् |
| कुशयिषीय | कुशयिषीवहि | कुशयिषीमहि |
| अ० कुशयिता | कुशयितारौ | कुशयितारः |
| कुशयितासे | कुशयितास्थे | कुशयितान्वे |
| कुशयिताहे | कुशयितास्वहे | कुशयितास्महे |
| अ० कुशयिष्यते | कुशयिष्येते | कुशयिष्यन्ते |
| कुशयिष्यसे | कुशयिष्येथे | कुशयिष्यन्थे |
| कुशयिष्ये | कुशयिष्यावहे | कुशयिष्यामहे |
| क्रि० अकुशयिष्यत | अकुशयिष्येताम् | अकुशयिष्यन्त |
| अकुशयिष्यथाः | अकुशयिष्येथाम् | अकुशयिष्यन्वम् |
| अकुशयिष्ये | अकुशयिष्यावहि | अकुशयिष्यामहि |

1764 त्रसुण् (त्रंस्) भासार्थः ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| व० | त्रंस्यति | त्रंस्यतः | त्रंस्यन्ति |
| | त्रंस्यसि | त्रंस्यथः | त्रंस्यथ |
| | त्रंस्यामि | त्रंस्यावः | त्रंस्यामः |
| स० | त्रंस्येत् | त्रंस्येताम् | त्रंस्येयुः |
| | त्रंस्येः | त्रंस्येतम् | त्रंस्येत |
| | त्रंस्येयम् | त्रंस्येव | त्रंस्येम |
| प० | त्रंस्यतु | त्रंस्यतात् | त्रंस्यताम् |
| | त्रंस्य | त्रंस्यतात् | त्रंस्यतम् |
| | त्रंस्यानि | त्रंस्याव | त्रंस्याम |
| ह्य० | अत्रंस्यत् | अत्रंस्यताम् | अत्रंस्यन् |
| | अत्रंस्यः | अत्रंस्यतम् | अत्रंस्यत |
| | अत्रंस्यम् | अत्रंस्याव | अत्रंस्याम |
| अ० | अतत्रंसत् | अतत्रंसताम् | अतत्रंसन् |
| | अतत्रंसः | अतत्रंसतम् | अतत्रंसत |
| | अतत्रंसम् | अतत्रंसव | अतत्रंसाम |
| प० | त्रंस्यञ्चकार | त्रंस्यञ्चक्रुः | त्रंस्यञ्चकुः |
| | त्रंस्यञ्चकथं | त्रंस्यञ्चकथुः | त्रंस्यञ्चक |
| | त्रंस्यञ्चकार-चकर | त्रंस्यञ्चकृव | त्रंस्यञ्चकृम |
| | त्रंस्यञ्चभूव | । | त्रंस्यामास |
| भा० | त्रंस्यात् | त्रंस्यास्ताम् | त्रंस्यासुः |
| | त्रंस्याः | त्रंस्यास्तम् | त्रंस्यास्त |
| | त्रंस्यासम् | त्रंस्यास्व | त्रंस्यास्म |
| श्व० | त्रंस्यिता | त्रंस्यितारौ | त्रंस्यितारः |
| | त्रंस्यितासि | त्रंस्यितास्थः | त्रंस्यितास्थ |
| | त्रंस्यितास्मि | त्रंस्यितास्वः | त्रंस्यितास्मः |
| भ० | त्रंस्यिष्यति | त्रंस्यिष्यतः | त्रंस्यिष्यन्ति |
| | त्रंस्यिष्यसि | त्रंस्यिष्यथः | त्रंस्यिष्यथ |
| | त्रंस्यिष्यामि | त्रंस्यिष्यावः | त्रंस्यिष्यामः |
| क्रि० | अत्रंस्यिष्यत् | अत्रंस्यिष्यताम् | अत्रंस्यिष्यन् |
| | अत्रंस्यिष्यः | अत्रंस्यिष्यतम् | अत्रंस्यिष्यत |
| | अत्रंस्यिष्यम् | ० | अत्रंस्यिष्याव |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | त्रंस्यते | त्रंस्येते | त्रंस्यन्ते |
| | त्रंस्यसे | त्रंस्येथे | त्रंस्यन्थे |
| | त्रंस्ये | त्रंस्यावहे | त्रंस्यामहे |
| स० | त्रंस्येत | त्रंस्येयाताम् | त्रंस्येरन् |
| | त्रंस्येथाः | त्रंस्येथाम् | त्रंस्येथम् |
| | त्रंस्येथ | त्रंस्येवहि | त्रंस्येमहि |
| प० | त्रंस्यताम् | त्रंस्येताम् | त्रंस्यन्ताम् |
| | त्रंस्यस्व | त्रंस्येथाम् | त्रंस्यथ्यम् |
| | त्रंस्ये | त्रंस्यावहे | त्रंस्यामहे |
| ह्य० | अत्रंस्यत | अत्रंस्येताम् | अत्रंस्यन्त |
| | अत्रंस्यथाः | अत्रंस्येथाम् | अत्रंस्यथ्यम् |
| | अत्रंस्ये | अत्रंस्यावहि | अत्रंस्यामहि |
| अ० | अतत्रंसत | अतत्रंसताम् | अतत्रंसन्त |
| | अतत्रंसथाः | अतत्रंसथाम् | अतत्रंसथ्यम् |
| | अतत्रंसे | अतत्रंसवहि | अतत्रंसमहि |
| प० | त्रंस्यञ्चके | त्रंस्यञ्चक्रते | त्रंस्यञ्चक्रिरे |
| | त्रंस्यञ्चकृषे | त्रंस्यञ्चक्राये | त्रंस्यञ्चकृवहे |
| | त्रंस्यञ्चके | त्रंस्यञ्चकृवहे | त्रंस्यञ्चकृमहे |
| | त्रंस्यञ्चभूव | । | त्रंस्यामास |
| भा० | त्रंस्यिषीष्ट | त्रंस्यिषीयास्ताम् | त्रंस्यिषीरन् |
| | त्रंस्यिषीष्ठाः | त्रंस्यिषीयास्थाम् | त्रंस्यिषीह्वम |
| | | | त्वम् |
| | त्रंस्यिषीय | त्रंस्यिषीवहि | त्रंस्यिषीमहि |
| श्व० | त्रंस्यिता | त्रंस्यितारौ | त्रंस्यितारः |
| | त्रंस्यितासे | त्रंस्यितासाथे | त्रंस्यिताथे |
| | त्रंस्यिताहे | त्रंस्यितास्वहे | त्रंस्यितारमहे |
| भ० | त्रंस्यिष्यते | त्रंस्यिष्येते | त्रंस्यिष्यन्ते |
| | त्रंस्यिष्यसे | त्रंस्यिष्येथे | त्रंस्यिष्यथे |
| | त्रंस्यिष्ये | त्रंस्यिष्यावहे | त्रंस्यिष्यामहे |
| क्रि० | अत्रंस्यिष्यत् | अत्रंस्यिष्येताम् | अत्रंस्यिष्यन्त |
| | अत्रंस्यिष्यथाः | अत्रंस्यिष्येथाम् | अत्रंस्यिष्यथ्यम् |
| | अत्रंस्यिष्ये | अत्रंस्यिष्यवहि | अत्रंस्यिष्यामहि |

1795 पिसुण् (पिस) भासार्थः ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| ब० पिसयति | पिसयतः | पिसयन्ति |
| पिसयसि | पिसयथः | पिसयथ |
| पिसयामि | पिसयावः | पिसयामः |
| स० पिं येत् | पिसयेताम् | पिसयेयुः |
| पिसयेः | पिसयेतम् | पिसयेत |
| पिसयेयम् | पिसयेव | पिसयेम |
| प० पिसयत | पिसयताम् | पिसयन्तु |
| पिसय | पिसयताम् | पिसयत |
| पिसयानि | पिसयाव | पिसयाम |
| अ० अपिसयत् | अपिसयताम् | अपिसयन् |
| अपिसयः | अपिसयतम् | अपिसयत |
| अपिसयम् | अपिसयाव | अपिसयाम |
| अ० अपिपिसत् | अपिपिसताम् | अपिपिसन् |
| अपिपिमः | अपिपिसतम् | अपिपिसत |
| अपिपिसम् | अपिपिसाव | अपिपिसाम |
| ब० पिसयाश्चकार | पिसयाश्चक्रुः | पिसयाश्चक्रुः |
| पिसयाश्चक्रथे | पिसयाश्चक्रथुः | पिसयाश्चक्र |
| पिसयाश्चकार-चक्रे | पिसयाश्चक्रव | पिसयाश्चक्रम |
| पिसयाम्बभूव | पिसयामास | |
| अ० पिस्त्यात् | पिस्त्यास्ताम् | पिस्त्यास्तुः |
| पिस्त्याः | पिस्त्यास्तम् | पिस्त्यास्त |
| पिस्त्यासम् | पिस्त्यास्व | पिस्त्यास्म |
| अ० पिसयिता | पिसयितारो | पिसयितारः |
| पिसयितासि | पिसयितास्थः | पिसयितास्थ |
| पिसयितास्मि | पिसयितास्वः | पिसयितास्मः |
| अ० पिसयिष्यति | पिसयिष्यतः | पिसयिष्यन्ति |
| पिसयिष्यसि | पिसयिष्यथः | पिसयिष्यथ |
| पिसयिष्यामि | पिसयिष्यावः | पिसयिष्यामः |
| क्रि० अपिसयिष्यत् | अपिसयिष्यताम् | अपिसयिष्यन् |
| अपिसयिष्यः | अपिसयिष्यतम् | अपिसयिष्यत |
| अपिसयिष्यम् | अपिसयिष्याव | अपिसयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० पिसयते | पिसयेते | पिसयन्ते |
| पिसयसे | पिसयथे | पिसयध्वे |
| पिसये | पिसयावहे | पिसयामहे |
| स० पिसयेत | पिसयेयाताम् | पिसयेरन् |
| पिसयेथाः | पिसयेयाथाम् | पिसयेध्वम् |
| पिसयेय | पिसयेवहि | पिसयेमहि |
| प० पिसयताम् | पिसयेताम् | पिसयन्ताम् |
| पिसयस्व | पिसयेथाम् | पिसयध्वम् |
| पिसये | पिसयावहे | पिसयामहे |
| अ० अपिसयत् | अपिसयेताम् | अपिसयन्त |
| अपिसयथाः | अपिसयेथाम् | अपिसयध्वम् |
| अपिसये | अपिसयावहि | अपिसयामहि |
| अ० अपिपिसत् | अपिपिसेताम् | अपिपिसन्त |
| अपिपिसथाः | अपिपिसेथाम् | अपिपिसध्वम् |
| अपिपिसे | अपिपिसावहि | अपिपिसामहि |
| प० पिसयाश्चक्रे | पिसयाश्चक्रते | पिसयाश्चक्रिरे |
| पिसयाश्चक्रथे | पिसयाश्चक्रथे | पिसयाश्चक्रुवे |
| पिसयाश्चक्रे | पिसयाश्चक्रवहे | पिसयाश्चक्रमहे |
| पिसयाम्बभूव | पिसयामास | |
| अ० पिसयिषीष्ट | पिसयिषीयास्ताम् | पिसयिषीरन् |
| पिसयिषीष्ठाः | पिसयिषीयाथाम् | पिसयिषीध्वम् |
| पिसयिषीय | पिसयिषीवहि | पिसयिषीमहि |
| अ० पिसयिता | पिसयितारो | पिसयितारः |
| पिसयितासे | पिसयितासाथे | पिसयिताध्वे |
| पिसयिताहे | पिसयितास्वहे | पिसयितास्महे |
| अ० पिसयिष्यते | पिसयिष्येते | पिसयिष्यन्ते |
| पिसयिष्यसे | पिसयिष्यथे | पिसयिष्यध्वे |
| पिसयिष्ये | पिसयिष्यावहे | पिसयिष्यामहे |
| क्रि० अपिसयिष्यत् | अपिसयिष्येताम् | अपिसयिष्यन्त |
| अपिसयिष्यथाः | अपिसयिष्येथाम् | अपिसयिष्यध्वम् |
| अपिसयिष्ये | अपिसयिष्यावहि | अपिसयिष्यामहि |

1796 कुसुण् (कुंस्) भासार्थः ।

| | | | |
|------|------------------|---------------|--------------|
| ब० | कुंसयति | कुंसयतः | कुंसयन्ति |
| | कुंसयसि | कुंसयथः | कुंसयथ |
| | कुंसयामि | कुंसयावः | कुंसयामः |
| स० | कुंसयेत् | कुंसयेताम् | कुंसयेयुः |
| | कुंसयेः | कुंसयेतम् | कुंसयेत |
| | कुंसयेयम् | कुंसयेव | कुंसयेम |
| प० | कुंसयतु | कुंसयतात् | कुंसयन्तु |
| | कुंसय | कुंसयतात् | कुंसयत |
| | कुंसयानि | कुंसयाव | कुंसयाम |
| ह्य० | अकुंसयत् | अकुंसयताम् | अकुंसयन् |
| | अकुंसयः | अकुंसयतम् | अकुंसयत |
| | अकुंसयम् | अकुंसयाव | अकुंसयाम |
| च० | अचुकुंसत् | अचुकुंसताम् | अचुकुंसन् |
| | अचुकुंसः | अचुकुंसतम् | अचुकुंसत |
| | अचुकुंसम् | अचुकुंसव | अचुकुंसाम |
| प० | कुंसयाञ्चकार | कुंसयाञ्चकतुः | कुंसयाञ्चकुः |
| | कुंसयाञ्चकथं | कुंसयाञ्चकथुः | कुंसयाञ्चक |
| | कुंसयाञ्चकार-चकर | कुंसयाञ्चकव | कुंसयाञ्चकम् |

कुंसयाञ्चभूव । कुंसयामास

| | | | |
|-------|--------------|----------------|---------------|
| भा० | कुंस्यात् | कुंस्यास्ताम् | कुंस्यासुः |
| | कुंस्याः | कुंस्यास्तम् | कुंस्यास्त |
| | कुंस्यासम् | कुंस्यास्व | कुंस्यास्म |
| अ० | कुंसयिता | कुंसयितारो | कुंसयितारः |
| | कुंसयितासि | कुंसयितास्यः | कुंसयितास्य |
| | कुंसयितास्मि | कुंसयितास्वः | कुंसयितास्मः |
| भ० | कुंसयिष्यति | कुंसयिष्यतः | कुंसयिष्यन्ति |
| | कुंसयिष्यसि | कुंसयिष्यथः | कुंसयिष्यथ |
| | कुंसयिष्यामि | कुंसयिष्यावः | कुंसयिष्यामः |
| क्रि० | अकुंसयिष्यत् | अकुंसयिष्यताम् | अकुंसयिष्यन् |
| | अकुंसयिष्य | अकुंसयिष्यतम् | अकुंसयिष्यत |
| | अकुंसयिष्यम् | अकुंसयिष्याव | अकुंसयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|----------------|
| ब० | कुंसयते | कुंसयेते | कुंसयन्ते |
| | कुंसयसे | कुंसयेथे | कुंसयन्वे |
| | कुंसये | कुंसयावहे | कुंसयामहे |
| स० | कुंसयेत | कुंसयेयाताम् | कुंसयेरन् |
| | कुंसयेथाः | कुंसयेयाथाम् | कुंसयेयम् |
| | कुंसयेय | कुंसयेवहि | कुंसयेमहि |
| प० | कुंसयतान् | कुंसयेताम् | कुंसयन्ताम् |
| | कुंसयस्व | कुंसयेधाम् | कुंसयन्म |
| | कुंसये | कुंसयावहे | कुंसयामहे |
| ह्य० | अकुंसयत | अकुंसयेताम् | अकुंसयन्त |
| | अकुंसयथाः | अकुंसयेथाम् | अकुंसयन्म |
| | अकुंसये | अकुंसयावहि | अकुंसयामहि |
| अ० | अचुकुंसत | अचुकुंसेताम् | अचुकुंसन्त |
| | अचुकुंसथाः | अचुकुंसेथाम् | अचुकुंसन्म |
| | अचुकुंसे | अचुकुंसावहि | अचुकुंसावहि |
| प० | कुंसयाञ्चके | कुंसयाञ्चकते | कुंसयाञ्चकिरे |
| | कुंसयाञ्चकथे | कुंसयाञ्चकथे | कुंसयाञ्चकथे |
| | कुंसयाञ्चके | कुंसयाञ्चकथे | कुंसयाञ्चकथे |
| | कुंसयाञ्चभूव | कुंसयामास | |
| भा० | कुंसयिषीष्ट | कुंसयिषीष्टाताम् | कुंसयिषीरन् |
| | कुंसयिषीष्टाः | कुंसयिषीष्टाथाम् | कुंसयिषीष्टन्म |
| | कुंसयिषीय | कुंसयिषीवहि | कुंसयिषीमहि |
| अ० | कुंसयिता | कुंसयितारो | कुंसयितारः |
| | कुंसयितासे | कुंसयितासाथे | कुंसयिताथे |
| | कुंसयिताहे | कुंसयितास्वहे | कुंसयितास्महे |
| भ० | कुंसयिष्यते | कुंसयिष्येते | कुंसयिष्यन्ते |
| | कुंसयिष्यसे | कुंसयिष्येथे | कुंसयिष्यन्मे |
| | कुंसयिष्ये | कुंसयिष्यावहे | कुंसयिष्यामहे |
| क्रि० | अकुंसयिष्यत | अकुंसयिष्येताम् | अकुंसयिष्यन्त |
| | अकुंसयिष्यथाः | अकुंसयिष्येथाम् | अकुंसयिष्यन्म |
| | अकुंसयिष्ये | अकुंसयिष्यावहि | अकुंसयिष्यामहि |

(१४०८)

मुनिश्रीलाघव्यवि० विरचिते धातुरा० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

1797 दसुण (दंस्) भासार्थः ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| ब० दसयति | दसयतः | दसयन्ति |
| दसयसि | दसयथः | दसयथ |
| दसयामि | दसयावः | दसयामः |
| स० दसयेत् | दसयेताम् | दसयेयुः |
| दसयेः | दसयेतम् | दसयेत |
| दसयेयम् | दसयेव | दसयेम |
| प० दसयतु | दसयतात् | दसयताम् |
| दसय | दसयतात् | दसयत |
| दसयानि | दसयाव | दसयाम |
| अ० अदसयत् | अदसयताम् | अदसयन् |
| अदसयः | अदसयतम् | अदसयत |
| अदसयम् | अदसयाव | अदसयाम |
| अ० अददसत् | अददसताम् | अददसन् |
| अददसः | अददसतम् | अददसत |
| अददसम् | अददसाव | अददसाम |
| प० दसयाश्चकार | दसयाश्चकतुः | दसयाश्चकुः |
| दसयाश्चकथ | दसयाश्चकथुः | दसयाश्चक |
| दसयाश्चकार-चकर | दसयाश्चकृव | दसयाश्चकृम |
| दसयाश्चभूव | दसयाभास | |
| आ० दस्यात् | दस्यास्ताम् | दस्यासुः |
| दस्याः | दस्यास्तम् | दस्यास्त |
| दस्यासम् | दस्यास्व | दस्यास्म |
| अ० दसयिता | दसयितारौ | दसयितारः |
| दसयितासि | दसयितास्थः | दसयितास्थ |
| दसयितास्मि | दसयितास्वः | दसयितास्मः |
| अ० दसयिष्यति | दसयिष्यतः | दसयिष्यन्ति |
| दसयिष्यसि | दसयिष्यथः | दसयिष्यथ |
| दसयिष्यामि | दसयिष्यावः | दसयिष्यामः |
| क्रि० अदसयिष्यत् | अदसयिष्यताम् | अदसयिष्यन् |
| अदसयिष्यः | अदसयिष्यतम् | अदसयिष्यत |
| अदसयिष्यम् | दसयिष्याव | अदसयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| व० दसयते | दसयते | दसयन्ते |
| दसयसे | दसयेथे | दसयन्वे |
| दसये | दसयावहे | दसयामहे |
| स० दसयेत | दसयेयाताम् | दसयेयन् |
| दसयेथाः | दसयेथायाम् | दसयेष्वाम् |
| दसयेथ | दसयेवहि | दसयेमहि |
| प० दसयताम् | दसयेताम् | दसयन्ताम् |
| दसयस्व | दसयेथाम् | दसयेष्वाम् |
| दसये | दसयावहे | दसयामहे |
| अ० अदसयत | अदसयेताम् | अदसयन्त |
| अदसयथाः | अदसयेथाम् | अदसयेष्वाम् |
| अदसये | अदसयावहि | अदसयामहि |
| अ० अददसत | अददसेताम् | अददसन्त |
| अददसथाः | अददसेथाम् | अददसेष्वाम् |
| अददसे | अददसावहि | अददसामहि |
| प० दसयाश्चक्रे | दसयाश्चकाते | दसयाश्चक्रे |
| दसयाश्चकृषे | दसयाश्चकाये | दसयाश्चकृद्वे |
| दसयाश्चके | दसयाश्चकृवहे | दसयाश्चकृमहे |
| दसयाश्चभूव | दसयाभास | |
| आ० दसयिषीष्ट | दसयिषीयास्ताम् | दसयिषीरन् |
| दसयिषीष्ठाः | दसयिषीयास्थाम् | दसयिषीद्वाम् |
| दसयिषीय | दसयिषीवहि | दसयिषीमहि |
| अ० दसयिता | दसयितारौ | दसयितारः |
| दसयितासे | दसयितासाथे | दसयिताध्वे |
| दसयिताहे | दसयितास्वहे | दसयितामहे |
| अ० दसयिष्यते | दसयिष्येते | दसयिष्यन्ते |
| दसयिष्यसे | दसयिष्येथे | दसयिष्यध्वे |
| दसयिष्ये | दसयिष्यावहे | दसयिष्यामहे |
| क्रि० अदसयिष्यत | अदसयिष्यताम् | अदसयिष्यन्त |
| अदसयिष्यथाः | अदसयिष्येथाम् | अदसयिष्येष्वाम् |
| अदसयिष्ये | अदसयिष्यवहि | अदसयिष्यामहि |

1798 बहण [बह] भासार्थः । 862 बहिवहूपाणि

1799 बहण (बह) भासार्थः । 560 बहिवहूपाणि

1800 बहण (बह) भासार्थः । 863 बहिवहूपाणि

1801 अहण (अह) भासार्थः । 858 अहिवहूपाणि

1802 बहुण् (बहु) भासार्यः ।

| | | | |
|-------|--------------|--------------|-------------|
| ब० | बहयति | बहयतः | बहयन्ति |
| | बहयसि | बहयथः | बहयथ |
| | बहयामि | बहयावः | बहयामः |
| स० | बहयेत् | बहयेताम् | बहयेयुः |
| | बहयेः | बहयेतम् | बहयेत |
| | बहयेयम् | बहयेव | बहयेम |
| प० | बहयतु | बहयताम् | बहयन्तु |
| | बहय | बहयतात् | बहयतम् |
| | बहयानि | बहयाव | बहयाम |
| झ० | अबहयत् | अबहयताम् | अबहयन् |
| | अबहयः | अबहयतम् | अबहयत |
| | अबहयम् | अबहयाव | अबहयाम |
| अ० | अबवहत् | अबवहताम् | अबवहन् |
| | अबवहः | अबवहतम् | अबवहत |
| | अबवहम् | अबवहाव | अबवहाम |
| प० | बहयावकार | बहयावकतुः | बहयावकृः |
| | बहयावकथ | बहयावकथुः | बहयावकृ |
| | बहयावकार-चकर | बहयावकृव | बहयावकृम |
| | बहयाम्बभूव | । | बहयामास |
| आ० | बह्यात् | बह्यास्ताम् | बह्यास्तुः |
| | बह्याः | बह्यास्तम् | बह्यास्त |
| | बह्यासम् | बह्यास्व | बह्यासम |
| श्र० | बहयिता | बहयितारो | बहयितारः |
| | बहयितासि | बहयितास्थः | बहयितास्थ |
| | बहयितास्मि | बहयितास्वः | बहयितास्मः |
| भ० | बहयिष्यति | बहयिष्यतः | बहयिष्यन्ति |
| | बहयिष्यसि | बहयिष्यथः | बहयिष्यथ |
| | बहयिष्यामि | बहयिष्यावः | बहयिष्यामः |
| क्रि० | अबहयिष्यत् | अबहयिष्यताम् | अबहयिष्यन् |
| | अबहयिष्यः | अबहयिष्यतम् | अबहयिष्यत |
| | अबहयिष्यम् | अबहयिष्याव | अबहयिष्याम |
| ब० | बहयते | बहयते | बहयन्ते |
| | बहयसे | बहयेथे | बहयध्वे |

| | | |
|-------|-------------|----------------|
| बहये | बहयावहे | बहयामहे |
| स० | बहयेत | बहयेताताम् |
| | बहयेथाः | बहयेथाथाम् |
| | बहयेय | बहयेवहि |
| प० | बहयताम् | बहयेताम् |
| | बहयस्व | बहयेथाम् |
| | बहये | बहयावहे |
| झ० | अबहयत | अबहयेताम् |
| | अबहयथाः | अबहयेथाम् |
| | अबहये | अबहयावहि |
| अ० | अबवहत | अबवहेताम् |
| | अबवहथाः | अबवहेथाम् |
| | अबवहे | अबवहावहि |
| प० | बहयावक्रे | बहयावक्रेते |
| | बहयावकृषे | बहयावकृषाये |
| | बहयावक्रे | बहयावकृवहे |
| | बहयाम्बभूव | । बहयामास |
| आ० | बहयिषीष्ट | बहयिषीयास्ताम् |
| | बहयिषीष्ठाः | बहयिषीयास्थाम् |
| | बहयिषीय | बहयिषीवहि |
| श्र० | बहयिता | बहयितारो |
| | बहयितासे | बहयितासाये |
| | बहयिताहे | बहयितास्वहे |
| भ० | बहयिष्यते | बहयिष्येते |
| | बहयिष्यसे | बहयिष्येथे |
| | बहयिष्ये | बहयिष्यावहे |
| क्रि० | अबहयिष्यत | अबहयिष्येताम् |
| | अबहयिष्यथाः | अबहयिष्येथाम् |
| | अबहयिष्ये | अबहयिष्यवाहे |

1803 बहुण् (बहु) भासार्यः । बहु 874 बहूपणि
 1804 युणि (युण्) जुगुप्सायाम् । युक् 1151 बहूपणि
 1805 गुणि (गृ) विज्ञाने । गृ 19 बहूपणि
 1806 वक्षिण् (वक्ष्) प्रलम्भने । वक्ष् 106 बहूपणि
 1807 कुटिण् (कुट्) प्रतापने । कुट् 1426 बहूपणि

1808 मदिष् (मद्) तृप्तियोगे ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| व० मादयति | मादयतः | मादयन्ति |
| मादयसि | मादयथः | मादयथ |
| मादयामि | मादयावः | मादयामः |
| म० मादयेत् | मादयेताम् | मादयेयुः |
| मादयेः | मादयेतम् | मादयेत |
| मादयेयम् | मादयेव | मादयेम |
| प० मादयतु | मादयतात् | मादयन्तु |
| मादय मादयतात् | मादयतम् | मादयत |
| मादयानि | मादयाव | मादयाम |
| ह्य० अमादयत् | अमादयताम् | अमादयन् |
| अमादयः | अमादयतम् | अमादयत |
| अमादयम् | अमादयाव | अमादयाम |
| अ० अमीमदत् | अमीमदताम् | अमीमदन् |
| अमीमदः | अमीमदतम् | अमीमदत |
| अमीमदम् | अमीमदाव | अमीमदाम |
| प० अदयाञ्चक्र | मादयाञ्चक्रुः | मादयाञ्चक्रुः |
| मादयाञ्चक्र | मादयाञ्चक्रुः | मादयाञ्चक्र |
| मादयाञ्चक्रा-त्रक | मादयाञ्चक्रुः | मादयाञ्चक्रुः |
| मादयाम्बभूव | मादयामास | |
| आ० मादयात् | मादयास्ताम् | मादयासुः |
| मादयाः | मादयास्तम् | मादयास्त |
| मादयासम् | मादयास्व | मादयास्म |
| श्व० मादयिता | मादयितारौ | मादयितारः |
| मादयितासि | मादयितास्थः | मादयितास्थ |
| मादयितास्मि | मादयितास्वः | मादयितास्मः |
| म० मादयिष्यति | मादयिष्यतः | मादयिष्यन्ति |
| मादयिष्यसि | मादयिष्यथः | मादयिष्यथ |
| मादयिष्यामि | मादयिष्यावः | मादयिष्यामः |
| क्रि० अमादयिष्यत् | अमादयिष्यताम् | अमादयिष्यन् |
| अमादयिष्यः | अमादयिष्यतम् | अमादयिष्यत |
| अमादयिष्यम् | अमादयिष्याव | अमादयिष्याम |
| व० मादयते | मादयेते | मादयन्ते |
| मादयसे | मादयेथे | मादयन्वे |
| मादये | मादयावहे | मादयामहे |

| | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|
| स० मादयेत | मादयेयाताम् | मादयेरन् |
| मादयेथाः | मादयेयाथाम् | मादयेध्वम् |
| मादयेय | मादयेवहि | मादयेमहि |
| प० मादयताम् | मादयेताम् | मादयन्ताम् |
| मादयस्व | मादयेथाम् | मादयन्वम् |
| मादये | मादयावहे | मादयामहे |
| ह्य० अमादयत् | अमादयेताम् | अमादयन्त |
| अमादयथाः | अमादयेथाम् | अमादयध्वम् |
| अमादये | अमादयावहि | अमादयामहि |
| अ० अमीमदत् | अमीमदेताम् | अमीमदन्त |
| अमीमदथाः | अमीमदेथाम् | अमीमदध्वम् |
| अमीमदे | अमीमदावहि | अमीमदामहि |
| प० मादयाञ्चक्रे | मादयाञ्चक्रते | मादयाञ्चक्रिरे |
| मादयाञ्चक्रे | मादयाञ्चक्राथे | मादयाञ्चक्रुवहे |
| मादयाञ्चक्रे | मादयाञ्चक्रुवहे | मादयाञ्चक्रुमहे |
| मादयाम्बभूव | मादयामास | |
| आ० मादयिषीष्ट | मादयिषीयास्ताम् | मादयिषीरन् |
| मादयिषीष्टाः | मादयिषीयाथाम् | मादयिषीध्वम् |
| मादयिषीय | मादयिषीवहि | मादयिषीमहि |
| श्व० मादयिता | मादयितारौ | मादयितारः |
| मादयितासे | मादयितासुथे | मादयितास्वे |
| मादयिताहे | मादयितास्वहे | मादयितास्महे |
| म० मादयिष्यते | मादयिष्येते | मादयिष्यन्ते |
| मादयिष्यसे | मादयिष्येथे | मादयिष्यन्वे |
| मादयिष्ये | मादयिष्यावहे | मादयिष्यामहे |
| क्रि० अमादयिष्यत् | अमादयिष्येताम् | अमादयिष्यन्त |
| अमादयिष्यथाः | अमादयिष्येथाम् | अमादयिष्यध्वम् |
| अमादयिष्ये | अमादयिष्यावहि | अमादयिष्यामहि |

1809 बिदण [विद्] चेतनाख्याननिर्वासेषु । विदक

1099 वज्रपाणि

- 1810 मनिण् (मन्) स्तम्भे । मनिच् । 263 वज्रपाणि
 1811 बलिण् (बल्) आभण्डने । बल् 979 वज्रपाणि
 1812 मलिण् (मल्) आभण्डने । मलि 812 वज्रपाणि
 1813 दिविण् (दिव्) परिक्राने । दिव् 1144 वज्रपाणि
 1814 वृषिण् (वृष्) शक्तिबन्धे । वृष् 520 वज्रपाणि

1815 कुत्सिण् (कुत्स) अवक्षेपे ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० कुत्सयति | कुत्सयतः | कुत्सयन्ति |
| कुत्सयसि | कुत्सयथः | कुत्सयथ |
| कुत्सयामि | कुत्सयावः | कुत्सयामः |
| स० कुत्सयेत् | कुत्सयेताम् | कुत्सयेयुः |
| कुत्सयेः | कुत्सयेतम् | कुत्सयेत |
| कुत्सयेयम् | कुत्सयेयव | कुत्सयेयम् |
| प० कुत्सयतु | कुत्सयतात् | कुत्सयतम् |
| कुत्सय | कुत्सयतात् | कुत्सयतम् |
| कुत्सयानि | कुत्सयाव | कुत्सयाम |
| ह्य० अकुत्सयत् | अकुत्सयताम् | अकुत्सयन् |
| अकुत्सयः | अकुत्सयतम् | अकुत्सयत |
| अकुत्सयम् | अकुत्सयाव | अकुत्सयाम |
| अ० अचुकुत्सत् | अचुकुत्सताम् | अचुकुत्सन् |
| अचुकुत्सः | अचुकुत्सतम् | अचुकुत्सत |
| अचुकुत्सम् | अचुकुत्साव | अचुकुत्साम |
| प० कुत्सयाञ्चकार | कुत्सयाञ्चक्रुः | कुत्सयाञ्चकुः |
| कुत्सयाञ्चकथं | कुत्सयाञ्चकथुः | कुत्सयाञ्चक |
| कुत्सयाञ्चकारन्वकर | कुत्सयाञ्चक्रुव | कुत्सयाञ्चक्रम |

कुत्सयाञ्चभूव । कुत्सयामास

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| आ० कुत्स्यात् | कुत्स्यास्ताम् | कुत्स्यातुः |
| कुत्स्याः | कुत्स्यास्तम् | कुत्स्यास्त |
| कुत्स्यासम् | कुत्स्यास्व | कुत्स्यास्म |
| कुत्सयिता | कुत्सयितारौ | कुत्सयितारः |
| कुत्सयितासि | कुत्सयितास्यः | कुत्सयितास्य |
| कुत्सयितास्मि | कुत्सयितास्वः | कुत्सयितास्मः |
| म० कुत्सयिष्यति | कुत्सयिष्यतः | कुत्सयिष्यन्ति |
| कुत्सयिष्यसि | कुत्सयिष्यथः | कुत्सयिष्यथ |
| कुत्सयिष्यामि | कुत्सयिष्यावः | कुत्सयिष्यामः |
| क्रि० अकुत्सयिष्यत् | अकुत्सयिष्यताम् | अकुत्सयिष्यन् |
| अकुत्सयिष्यः | अकुत्सयिष्यतम् | अकुत्सयिष्यत |
| अकुत्सयिष्यम् | अकुत्सयिष्याव | अकुत्सयिष्याम |

| | | |
|---------------------|-------------------|------------------|
| व० कुत्सयते | कुत्सयते | कुत्सयन्ते |
| कुत्सयसे | कुत्सयथे | कुत्सयन्थे |
| कुत्सये | कुत्सयावहे | कुत्सयामहे |
| स० कुत्सयेत | कुत्सयेयाताम् | कुत्सयेरन् |
| कुत्सयेथाः | कुत्सयेयाथाम् | कुत्सयेध्वम् |
| कुत्सयेथ | कुत्सयेवहि | कुत्सयेमहि |
| प० कुत्सयताम् | कुत्सयेताम् | कुत्सयन्ताम् |
| कुत्सयस्व | कुत्सयेथाम् | कुत्सयध्वम् |
| कुत्सये | कुत्सयावहे | कुत्सयामहे |
| ह्य० अकुत्सयत् | अकुत्सयेताम् | अकुत्सयन्त |
| अकुत्सयथाः | अकुत्सयेथाम् | अकुत्सयध्वम् |
| अकुत्सये | अकुत्सयावहि | अकुत्सयामहि |
| अ० अचुकुत्सत् | अचुकुत्सेताम् | अचुकुत्सन्त |
| अचुकुत्सथाः | अचुकुत्सेथाम् | अचुकुत्सध्वम् |
| अचुकुत्से | अचुकुत्सावहि | अचुकुत्सामहि |
| प० कुत्सयाञ्चक्रे | कुत्सयाञ्चक्रते | कुत्सयाञ्चक्रिरे |
| कुत्सयाञ्चकृषे | कुत्सयाञ्चक्राथे | कुत्सयाञ्चकृद्वे |
| कुत्सयाञ्चक्रे | कुत्सयाञ्चकृवहे | कुत्सयाञ्चकृमहे |
| कुत्सयाञ्चभूव | कुत्सयामास | |
| आ० कुत्सयिषीष्ट | कुत्सयिषीयास्ताम् | कुत्सयिषीरन् |
| कुत्सयिषीष्टाः | कुत्सयिषीयास्थाम् | कुत्सयिषीद्वम् |
| कुत्सयिषीय | कुत्सयिषीवहि | कुत्सयिषीमहि |
| श्र० कुत्सयिता | कुत्सयितारौ | कुत्सयितारः |
| कुत्सयितासि | कुत्सयितासथे | कुत्सयिताथे |
| कुत्सयिताहे | कुत्सयितास्वहे | कुत्सयितास्महे |
| भ० कुत्सयिष्यते | कुत्सयिष्येते | कुत्सयिष्यन्ते |
| कुत्सयिष्यसे | कुत्सयिष्येथे | कुत्सयिष्यन्थे |
| कुत्सयिष्ये | कुत्सयिष्यावहे | कुत्सयिष्यामहे |
| क्रि० अकुत्सयिष्यत् | अकुत्सयिष्येताम् | अकुत्सयिष्यन्त |
| अकुत्सयिष्यथाः | अकुत्सयिष्येथाम् | अकुत्सयिष्यध्वम् |
| अकुत्सयिष्ये | अकुत्सयिष्यावहि | अकुत्सयिष्यामहि |

1816 लक्षिण [लक्ष्] आलोचने 1719 लक्ष्मीनवभूषाणि

1817 हिष्किण् (हिष्क्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|----------------|
| ब० | हिष्कयति | हिष्कयतः | हिष्कयन्ति |
| | हिष्कयसि | हिष्कयथः | हिष्कयथ |
| | हिष्कयामि | हिष्कयावः | हिष्कयामः |
| स० | हिष्कयेत् | हिष्कयेताम् | हिष्कयेयुः |
| | हिष्कयेः | हिष्कयेतम् | हिष्कयेत |
| | हिष्कयेयम् | हिष्कयेव | हिष्कयेम |
| प० | हिष्कयतु | हिष्कयतात् | हिष्कयताम् |
| | हिष्कय | हिष्कयतात् | हिष्कयतम् |
| | हिष्कयाणि | हिष्कयाव | हिष्कयाम |
| भा० | अहिष्कयत् | अहिष्कयताम् | अहिष्कयन् |
| | अहिष्कयः | अहिष्कयतम् | अहिष्कयत |
| | अहिष्कयम् | अहिष्कयाव | अहिष्कयाम |
| अ० | अजिहिष्कत् | अजिहिष्कताम् | अजिहिष्कन् |
| | अजिहिष्कः | अजिहिष्कतम् | अजिहिष्कत |
| | अजिहिष्कम् | अजिहिष्काव | अजिहिष्काम |
| प० | हिष्कयाञ्चकार | हिष्कयाञ्चकतुः | हिष्कयाञ्चकुः |
| | हिष्कयाञ्चकथे | हिष्कयाञ्चकथुः | हिष्कयाञ्चक |
| | हिष्कयाञ्चकार-चक्र | हिष्कयाञ्चकृव | हिष्कयाञ्चकृम |
| | हिष्कयाम्बभूव | हिष्कयामास | |
| भा० | हिष्कयात् | हिष्कयास्ताम् | हिष्कयासुः |
| | हिष्कयाः | हिष्कयास्तम् | हिष्कयास्त |
| | हिष्कयासम् | हिष्कयास्व | हिष्कयास्म |
| श्र० | हिष्कयिता | हिष्कयितारौ | हिष्कयितारः |
| | हिष्कयितासि | हिष्कयितास्थः | हिष्कयितास्थ |
| | हिष्कयितास्मि | हिष्कयितास्वः | हिष्कयितास्मः |
| भ० | हिष्कयिष्यति | हिष्कयिष्यतः | हिष्कयिष्यन्ति |
| | हिष्कयिष्यसि | हिष्कयिष्यथः | हिष्कयिष्यथ |
| | हिष्कयिष्यामि | हिष्कयिष्यावः | हिष्कयिष्यामः |
| क्रि० | अहिष्कयिष्यत् | अहिष्कयिष्यताम् | अहिष्कयिष्यन् |
| | अहिष्कयिष्यः | अहिष्कयिष्यतम् | अहिष्कयिष्यत |
| | अहिष्कयिष्यम् | अहिष्कयिष्याव | अहिष्कयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | हिष्कयते | हिष्कयेते | हिष्कयन्ते |
| | हिष्कयसे | हिष्कयेथे | हिष्कयध्वे |
| | हिष्कये | हिष्कयावहे | हिष्कयामहे |
| स० | हिष्कयेत | हिष्कयेयाताम् | हिष्कयेरन् |
| | हिष्कयेथाः | हिष्कयेयाथाम् | हिष्कयेध्वम् |
| | हिष्कयेय | हिष्कयेवहि | हिष्कयेमहि |
| प० | हिष्कयताम् | हिष्कयेताम् | हिष्कयन्ताम् |
| | हिष्कयस्व | हिष्कयेथाम् | हिष्कयध्वम् |
| | हिष्कये | हिष्कयावहे | हिष्कयामहे |
| भा० | अहिष्कयत | अहिष्कयेताम् | अहिष्कयन्त |
| | अहिष्कयथाः | अहिष्कयेथाम् | अहिष्कयध्वम् |
| | अहिष्कये | अहिष्कयावहि | अहिष्कयामहि |
| अ० | अजिहिष्कत | अजिहिष्केताम् | अजिहिष्कन्त |
| | अजिहिष्कथाः | अजिहिष्केथाम् | अजिहिष्कध्वम् |
| | अजिहिष्के | अजिहिष्कावहि | अजिहिष्कामहि |
| प० | हिष्कयाञ्चक्रे | हिष्कयाञ्चकाते | हिष्कयाञ्चकिरे |
| | हिष्कयाञ्चकृषे | हिष्कयाञ्चकाये | हिष्कयाञ्चकृद्वे |
| | हिष्कयाञ्चके | हिष्कयाञ्चकृवहे | हिष्कयाञ्चकृमहे |
| | हिष्कयाम्बभूव | हिष्कयामास | |
| आ० | हिष्कयिषीष्ट | हिष्कयिषीयास्ताम् | हिष्कयिषीरन् |
| | हिष्कयिषीष्टाः | हिष्कयिषीयास्थाम् | हिष्कयिषीध्वम् |
| | हिष्कयिषीय | हिष्कयिषीवहि | हिष्कयिषीमहि |
| श्र० | हिष्कयिता | हिष्कयितारौ | हिष्कयितारः |
| | हिष्कयितासे | हिष्कयितासाथे | हिष्कयिताध्वे |
| | हिष्कयिताहे | हिष्कयितास्वहे | हिष्कयितास्महे |
| भ० | हिष्कयिष्यते | हिष्कयिष्येते | हिष्कयिष्यन्ते |
| | हिष्कयिष्यसे | हिष्कयिष्येथे | हिष्कयिष्यध्वे |
| | हिष्कयिष्ये | हिष्कयिष्यावहे | हिष्कयिष्यामहे |
| क्रि० | अहिष्कयिष्यत | अहिष्कयिष्येताम् | अहिष्कयिष्यन्त |
| | अहिष्कयिष्यथाः | अहिष्कयिष्येथाम् | अहिष्कयिष्यध्वम् |
| | अहिष्कयिष्ये | अहिष्कयिष्यावहि | अहिष्कयिष्यामहि |

1818 किष्कण् (किष्क्) हिंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| ब० | किष्कयति | किष्कयतः | किष्कयन्ति |
| | किष्कयसि | किष्कयथः | किष्कयथ |
| | किष्कयामि | किष्कयावः | किष्कयामः |
| स० | किष्कयेत् | किष्कयेताम् | किष्कयेयुः |
| | किष्कयेः | किष्कयेताम् | किष्कयेत |
| | किष्कयेयम् | किष्कयेव | किष्कयेम |
| प० | किष्कयतु | किष्कयतात् | किष्कयताम् |
| | किष्कय | किष्कयतात् | किष्कयतम् |
| | किष्कयाणि | किष्कयाव | किष्कयाम |
| ह्य० | अकिष्कयत् | अकिष्कयताम् | अकिष्कयन् |
| | अकिष्कयः | अकिष्कयतम् | अकिष्कयत |
| | अकिष्कयम् | अकिष्कयाव | अकिष्कयाम |
| अ० | अचिकिष्कत् | अचिकिष्कताम् | अचिकिष्कन् |
| | अचिकिष्कः | अचिकिष्कतम् | अचिकिष्कत |
| | अचिकिष्कम् | अचिकिष्काव | अचिकिष्काम |
| प० | किष्कयाश्चकार | किष्कयाश्चकतुः | किष्कयाश्चक्रुः |
| | किष्कयाश्चकर्त् | किष्कयाश्चक्रथुः | किष्कयाश्चक्र |
| | किष्कयाश्चकार-चकर | किष्कयाश्चकृव | किष्कयाश्चकृम |
| | किष्कयाम्बभूव | किष्कयामास | |
| आ० | किष्कयात् | किष्कयास्ताम् | किष्कयासुः |
| | किष्कयाः | किष्कयास्तम् | किष्कयास्त |
| | किष्कयासम् | किष्कयास्व | किष्कयास्म |
| अ० | किष्कयिता | किष्कयितारौ | किष्कयितारः |
| | किष्कयितासि | किष्कयितास्थः | किष्कयितास्थ |
| | किष्कयितास्मि | किष्कयितास्वः | किष्कयितास्मः |
| भ० | किष्कयिष्यति | किष्कयिष्यतः | किष्कयिष्यन्ति |
| | किष्कयिष्यसि | किष्कयिष्यथः | किष्कयिष्यथ |
| | किष्कयिष्यामि | किष्कयिष्यावः | किष्कयिष्यामः |
| क्रि० | अकिष्कयिष्यत् | अकिष्कयिष्यताम् | अकिष्कयिष्यन् |
| | अकिष्कयिष्यः | अकिष्कयिष्यतम् | अकिष्कयिष्यत |
| | अकिष्कयिष्यम् | अकिष्कयिष्याव | अकिष्कयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|--------------------|
| व० | किष्कयते | किष्कयेते | किष्कयन्ते |
| | किष्कयसे | किष्कयेथे | किष्कयन्थे |
| | किष्कये | किष्कयावहे | किष्कयामहे |
| स० | किष्कयेत | किष्कयेयाताम् | किष्कयेरन् |
| | किष्कयेथाः | किष्कयेयाथाम् | किष्कयेष्वम् |
| | किष्कयेय | किष्कयेवहि | किष्कयेमहि |
| प० | किष्कयताम् | किष्कयेताम् | किष्कयन्ताम् |
| | किष्कयस्व | किष्कयेथाम् | किष्कयस्वम् |
| | किष्कयै | किष्कयावहे | किष्कयामहे |
| ह्य० | अकिष्कयत | अकिष्कयेताम् | अकिष्कयन्त |
| | अकिष्कयथाः | अकिष्कयेथाम् | अकिष्कयेष्वम् |
| | अकिष्कये | अकिष्कयावहि | अकिष्कयामहि |
| अ० | अचिकिष्कत | अचिकिष्केताम् | अचिकिष्कन्त |
| | अचिकिष्कथाः | अचिकिष्केथाम् | अचिकिष्केष्वम् |
| | अचिकिष्के | अचिकिष्कावहि | अचिकिष्कामहि |
| प० | किष्कयाश्चक्रे | किष्कयाश्चक्रते | किष्कयाश्चक्रिरे |
| | किष्कयाश्चक्रुषे | किष्कयाश्चक्रथे | किष्कयाश्चक्रुद्वे |
| | किष्कयाश्चक्रे | किष्कयाश्चक्रुवहे | किष्कयाश्चक्रुमहे |
| | किष्कयाम्बभूव | किष्कयामास | |
| आ० | किष्कयिषीष्ट | किष्कयिषीयास्ताम् | किष्कयिषीरन् |
| | किष्कयिषीष्ठाः | किष्कयिषीयास्थाम् | किष्कयिषीह्वम् |
| | किष्कयिषीय | किष्कयिषीवहि | किष्कयिषीमहि |
| अ० | किष्कयिता | किष्कयितारौ | किष्कयितारः |
| | किष्कयितासे | किष्कयितास्थे | किष्कयितास्वे |
| | किष्कयिताहे | किष्कयितामहे | किष्कयितास्महे |
| भ० | किष्कयिष्यते | किष्कयिष्येते | किष्कयिष्यन्ते |
| | किष्कयिष्यसे | किष्कयिष्येथे | किष्कयिष्यन्थे |
| | किष्कयिष्ये | किष्कयिष्यावहे | किष्कयिष्यामहे |
| क्रि० | अकिष्कयिष्यत् | अकिष्कयिष्येताम् | अकिष्कयिष्यन्त |
| | अकिष्कयिष्यथाः | अकिष्कयिष्येथाम् | अकिष्कयिष्येष्वम् |
| | अकिष्कयिष्ये | अकिष्कयिष्यावहि | अकिष्कयिष्यामहि |

1819 निष्कण् (निष्क) परिमाणे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------|
| ब० निष्कयति | निष्कयतः | निष्कयन्ति |
| निष्कयसि | निष्कयथः | निष्कयथ |
| निष्कयामि | निष्कयावः | निष्कयामः |
| स० निष्कयेत् | निष्कयेताम् | निष्कयेयुः |
| निष्कयेः | निष्कयेतम् | निष्कयेत |
| निष्कयेयम् | निष्कयेव | निष्कयेम |
| क्यतु निष्कयतात् | निष्कयताम् | निष्कयन्तु |
| कय निष्कयतात् | निष्कयतम् | निष्कयत |
| कयाणि | निष्कयाव | निष्कयाम |
| निष्कयत् | अनिष्कयताम् | अनिष्कयन् |
| निष्कयः | अनिष्कयतम् | अनिष्कयत |
| निष्कयम् | अनिष्कयाव | अनिष्कयाम |
| निष्कयत् | अनिष्कयताम् | अनिष्कयन् |
| निष्कयः | अनिष्कयतम् | अनिष्कयत |
| निष्कयम् | अनिष्कयाव | अनिष्कयाम |
| कयाश्चकार | निष्कयाश्चकतुः | निष्कयाश्चक्रुः |
| कयाश्चकथ | निष्कयाश्चकथुः | निष्कयाश्चक्र |
| याश्चकार-चक्र | निष्कयाश्चकृव | निष्कयाश्चकृम |
| याश्चभूव | निष्कयामास | |
| | निष्कयास्ताम् | निष्कयासुः |
| याः | निष्कयास्तम् | निष्कयास्त |
| निष्कयासम् | निष्कयास्व | निष्कयास्म |
| निष्कयिता | निष्कयितारौ | निष्कयितारः |
| निष्कयितासि | निष्कयितास्थः | निष्कयितास्थ |
| निष्कयितासिम् | निष्कयितास्वः | निष्कयितास्मः |
| १० निष्कयिष्यति | निष्कयिष्यते | निष्कयिष्यन्ति |
| निष्कयिष्यसि | निष्कयिष्यथः | निष्कयिष्यथ |
| निष्कयिष्यामि | निष्कयिष्यावः | निष्कयिष्यामः |
| क्रि० अनिष्कयिष्यत् | अनिष्कयिष्यताम् | अनिष्कयिष्यन् |
| अनिष्कयिष्यः | अनिष्कयिष्यतम् | अनिष्कयिष्यत |
| अनिष्कयिष्यम् | अनिष्कयिष्याव | अनिष्कयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| व० निष्कयते | निष्कयते | निष्कयन्ते |
| निष्कयसे | निष्कयेथे | निष्कयध्वे |
| निष्कये | निष्कयावहे | निष्कयामहे |
| स० निष्कयेत् | निष्कयेयाताम् | निष्कयन्तु |
| निष्कयेथाः | निष्कयेयाथाम् | निष्कयेध्वम् |
| निष्कयेय | निष्कयेवहि | निष्कयेमहि |
| प० निष्कयताम् | निष्कयेताम् | निष्कयन्ताम् |
| निष्कयस्व | निष्कयेथाम् | निष्कयध्वम् |
| निष्कये | निष्कयावहे | निष्कयामहे |
| ह्य० अनिष्कयत | अनिष्कयेताम् | अनिष्कयन्त |
| अनिष्कयथाः | अनिष्कयेथाम् | अनिष्कयेध्वम् |
| अनिष्कये | अनिष्कयावहि | अनिष्कयामहि |
| अ० अनिनिष्कत | अनिनिष्केताम् | अनिनिष्कन्त |
| अनिनिष्कयाः | अनिनिष्केथाम् | अनिनिष्कध्वम् |
| अनिनिष्के | अनिनिष्कावहि | अनिनिष्कामहि |
| प० निष्कयाश्चक्रे | निष्कयाश्चक्राते | निष्कयाश्चक्रिरे |
| निष्कयाश्चक्रुषे | निष्कयाश्चक्राथे | निष्कयाश्चक्रुध्वे |
| निष्कयाश्चक्रे | निष्कयाश्चक्रवहे | निष्कयाश्चक्रमहे |
| निष्कयाम्भूव | निष्कयामास | |
| आ० निष्कयिषीष्ट | निष्कयिषीयास्ताम् | निष्कयिषीरन् |
| निष्कयिषीष्टाः | निष्कयिषीयास्थाम् | निष्कयिषीध्वम् |
| निष्कयिषीय | निष्कयिषीवहि | निष्कयिषीमहि |
| श्र० निष्कयिता | निष्कयितारी | निष्कयितारः |
| निष्कयितासे | निष्कयितासाथे | निष्कयिताध्वे |
| निष्कयिताहे | निष्कयितास्वहे | निष्कयितास्महे |
| भ० निष्कयिष्यते | निष्कयिष्येते | निष्कयिष्यन्ते |
| निष्कयिष्यसे | निष्कयिष्येथे | निष्कयिष्यध्वे |
| निष्कयिष्ये | निष्कयिष्यवहे | निष्कयिष्यामहे |
| क्रि० अनिष्कयिष्यत | अनिष्कयिष्येताम् | अनिष्कयिष्यन्त |
| अनिष्कयिष्यथाः | अनिष्कयिष्येथाम् | अनिष्कयिष्यध्वम् |
| अनिष्कयिष्ये | अनिष्कयिष्यवहि | अनिष्कयिष्यामहि |

1821 कृटिण् (कृट्) अप्रमादे ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० कृत्यति | कृत्यतः | कृत्यन्ति |
| कृत्यसि | कृत्यथः | कृत्यथ |
| कृत्यामि | कृत्यावः | कृत्यामः |
| स० कृत्येत् | कृत्येताम् | कृत्येयुः |
| कृत्येः | कृत्येतम् | कृत्येत |
| कृत्येयम् | कृत्येव | कृत्येम |
| प० कृत्यतु | कृत्यतात् | कृत्यताम् |
| कृत्य | कृत्यतात् | कृत्यतम् |
| कृत्यानि | कृत्याव | कृत्याम |
| ह्य० अकृत्यत् | अकृत्यताम् | अकृत्यन् |
| अकृत्यः | अकृत्यतम् | अकृत्यत |
| अकृत्यम् | अकृत्याव | अकृत्याम |
| अ० अचूकृतत् | अचूकृतताम् | अचूकृतन् |
| अचूकृतः | अचूकृततम् | अचूकृतत |
| अचूकृतम् | अचूकृताव | अचूकृताम |
| प० कृत्याश्चकार | कृत्याश्चकतुः | कृत्याश्चक्रुः |
| कृत्याश्चकथ | कृत्याश्च शुः | कृत्याश्चक |
| कृत्याश्चकार-चकर | कृत्याश्चकृव | कृत्याश्चकृम |
| कृत्याम्बभूव | कृत्यामास | |
| भा० कृत्यात् | कृत्यास्ताम् | कृत्यासुः |
| कृत्याः | कृत्यास्तम् | कृत्यास्त |
| कृत्यासम् | कृत्यास्व | कृत्यास्म |
| श्व० कृत्यिता | कृत्यितारौ | कृत्यितारः |
| कृत्यितासि | कृत्यितास्थः | कृत्यितास्थ |
| कृत्यितास्मि | कृत्यितास्वः | कृत्यितास्मः |
| भ० कृत्यिष्यति | कृत्यिष्यतः | कृत्यिष्यन्ति |
| कृत्यिष्यसि | कृत्यिष्यथः | कृत्यिष्यथ |
| कृत्यिष्यामि | कृत्यिष्यावः | कृत्यिष्यामः |
| क्रि० अकृत्यिष्यत् | अकृत्यिष्यताम् | अकृत्यिष्यन् |
| अकृत्यिष्यः | अकृत्यिष्यतम् | अकृत्यिष्यत |
| अकृत्यिष्यम् | अकृत्यिष्याव | अकृत्यिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० कृत्यते | कृत्येते | कृत्यन्ते |
| कृत्यसे | कृत्येथे | कृत्यन्वे |
| कृत्ये | कृत्यावहे | कृत्यामहे |
| म० कृत्येत | कृत्येयाताम् | कृत्येरन् |
| कृत्येथाः | कृत्येयाताम् | कृत्येय्वम् |
| कृत्येय | कृत्येवहि | कृत्येमहि |
| प० कृत्यताम् | कृत्येताम् | कृत्यन्ताम् |
| कृत्यस्व | कृत्येथाम् | कृत्यध्वम् |
| कृत्यै | कृत्यावहे | कृत्यामहे |
| ह्य० अकृत्यत | अकृत्येताम् | अकृत्यन्त |
| अकृत्यथाः | अकृत्येथाम् | अकृत्यय्वम् |
| अकृत्य | अकृत्यावहि | अकृत्यामहि |
| अ० अचूकृतत | अचूकृतेताम् | अचूकृतन्त |
| अचूकृतथाः | अचूकृतेथाम् | अचूकृतध्वम् |
| अचूकृते | अचूकृतावहि | अचूकृतामहि |
| प० कृत्याञ्चक्रे | कृत्याञ्चक्राते | कृत्याञ्चक्रिरे |
| कृत्याञ्चकृषे | कृत्याञ्चक्राथे | कृत्याञ्चकृद्वे |
| कृत्याञ्चक्रे | कृत्याञ्चकृवहे | कृत्याञ्चकृमहे |
| कृत्याम्बभूव | कृत्यामास | |
| भा० कृत्यिषीष्ट | कृत्यिषीयास्ताम् | कृत्यिषीरन् |
| कृत्यिषीष्ठाः | कृत्यिषीयास्थाम् | कृत्यिषीद्वम् |
| कृत्यिषीष | कृत्यिषीवहि | कृत्यिषीमहि |
| श्व० कृत्यिता | कृत्यितारौ | कृत्यितारः |
| कृत्यितासे | कृत्यितास्थे | कृत्यिताध्वे |
| कृत्यिताहे | कृत्यितास्वहे | कृत्यितास्महे |
| भ० कृत्यिष्यते | कृत्यिष्येते | कृत्यिष्यन्ते |
| कृत्यिष्यसे | कृत्यिष्येथे | कृत्यिष्यध्वे |
| कृत्यिष्य | कृत्यिष्यावहे | कृत्यिष्यामहे |
| क्रि० अकृत्यिष्यत | अकृत्यिष्येताम् | अकृत्यिष्यन्त |
| अकृत्यिष्यथाः | अकृत्यिष्येथाम् | अकृत्यिष्यय्वम् |
| अकृत्यिष्ये | अकृत्यिष्यावहि | अकृत्यिष्यामहि |

1822 कृटिण् (कृट्) छेदने । श्रुत् 1437 वङ्गपाणि
1823 शटिण् (शट्) श्लाघागम् । शट 222 वङ्गपाणि

1824 कृणिण् (कृण्) सङ्कोचने ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| १० कृणयति | कृणयतः | कृणयन्ति |
| कृणयसि | कृणयथः | कृणयथ |
| कृणयामि | कृणयावः | कृणयामः |
| स० कृणयेत् | कृणयेताम् | कृणयेयुः |
| कृणयेः | कृणयेतम् | कृणयेत |
| कृणयेयम् | कृणयेव | कृणयेम |
| प० कृणयतु | कृणयतात् | कृणयताम् |
| कृणय | कृणयतात् | कृणयतम् |
| कृणयानि | कृणयाव | कृणयाम |
| अ० अकृणयत् | अकृणयताम् | अकृणयन् |
| अकृणयः | अकृणयतम् | अकृणयत |
| अकृणयम् | अकृणयाव | अकृणयाम |
| अ० अचूकणत् | अचूकणताम् | अचूकणन् |
| अचूकणः | अचूकणतम् | अचूकणत |
| अचूकणम् | अचूकणाव | अचूकणाम |
| प० कृणयाश्चकार | कृणयाश्चक्रुः | कृणयाश्चक्रुः |
| कृणयाश्चकर्ष | कृणयाश्चक्रुः | कृणयाश्चक्रुः |
| कृणयाश्चकार-चकर | कृणयाश्चक्रुव | कृणयाश्चक्रुम |
| कृणयाम्बभूव | कृणयामास | |
| आ० कृणयात् | कृणयास्ताम् | कृणयासुः |
| कृणयाः | कृणयास्तम् | कृणयास्त |
| कृणयासम् | कृणयास्व | कृणयास्म |
| श्व० कृणयिता | कृणयितारौ | कृणयितारः |
| कृणयितासि | कृणयितास्थः | कृणयितास्थ |
| कृणयितास्मि | कृणयितास्वः | कृणयितास्मः |
| भ० कृणयिष्यति | कृणयिष्यतः | कृणयिष्यन्ति |
| कृणयिष्यसि | कृणयिष्यथः | कृणयिष्यथ |
| कृणयिष्यामि | कृणयिष्यावः | कृणयिष्यामः |
| क्रि० अकृणयिष्यत् | अकृणयिष्यताम् | अकृणयिष्यन् |
| अकृणयिष्यः | अकृणयिष्यतम् | अकृणयिष्यत |
| अकृणयिष्यम् | अकृणयिष्याव | अकृणयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|----------------|
| १० कृणयते | कृणयेते | कृणयन्ते |
| कृणयसे | कृणयेथे | कृणयन्थे |
| कृणये | कृणयावहे | कृणयामहे |
| स० कृणयेत | कृणयेयाताम् | कृणयेरन् |
| कृणयेथाः | कृणयेयाथाम् | कृणयेध्वम् |
| कृणयेय | कृणयेवहि | कृणयेमहि |
| प० कृणयताम् | कृणयेताम् | कृणयन्ताम् |
| कृणयस्व | कृणयेयाम् | कृणयध्वम् |
| कृणये | कृणयावहे | कृणयामहे |
| अ० अकृणयत् | अकृणयेताम् | अकृणयन्त |
| अकृणयथाः | अकृणयेथाम् | अकृणयध्वम् |
| अकृणये | अकृणयावहि | अकृणयामहि |
| अ० अचूकणत् | अचूकणेताम् | अचूकणन्त |
| अचूकणथाः | अचूकणेत्याम् | अचूकणध्वम् |
| अचूकणे | अचूकणावहि | अचूकणामहि |
| प० कृणयाञ्चके | कृणयाञ्चक्राते | कृणयाञ्चक्रिरे |
| कृणयाञ्चकृषे | कृणयाञ्चक्राथे | कृणयाञ्चकृद्धे |
| कृणयाञ्चके | कृणयाञ्चकृवहे | कृणयाञ्चकृमहे |
| कृणयाश्चभूव | कृणयामास | |
| आ० कृणयिषीष्ट | कृणयिषीयास्ताम् | कृणयिषीरन् |
| कृणयिषीष्ठाः | कृणयिषीयास्थाम् | कृणयिषीध्वम् |
| कृणयिषीय | कृणयिषीवहि | कृणयिषीमहि |
| श्व० कृणयिता | कृणयितारौ | कृणयितारः |
| कृणयितासे | कृणयितासाथे | कृणयिताध्वे |
| कृणयिताहे | कृणयितास्वहे | कृणयितास्महे |
| भ० कृणयिष्यते | कृणयिष्येते | कृणयिष्यन्ते |
| कृणयिष्यसे | कृणयिष्येथे | कृणयिष्यन्थे |
| कृणयिष्ये | कृणयिष्यावहे | कृणयिष्यामहे |
| क्रि० अकृणयिष्यत् | अकृणयिष्येताम् | अकृणयिष्यन्त |
| अकृणयिष्यथाः | अकृणयिष्येत्याम् | अकृणयिष्यध्वम् |
| अकृणयिष्ये | अकृणयिष्यावहि | अकृणयिष्यामहि |

1825 तृणिण् (तृण्) । पूरणे तृणिण् 1642 वङ्गपाणि

1826 भ्रूणिण् (भ्रूण) आगंसायाम् ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | भ्रूणयति | भ्रूणयतः | भ्रूणयन्ति |
| | भ्रूणयसि | भ्रूणयथः | भ्रूणयथ |
| | भ्रूणयामि | भ्रूणयावः | भ्रूणयामः |
| झ० | भ्रूणयेत् | भ्रूणयेताम् | भ्रूणयेयुः |
| | भ्रूणयेः | भ्रूणयेतम् | भ्रूणयेत |
| | भ्रूणयेयम् | भ्रूणयेव | भ्रूणयेम |
| प० | भ्रूणयतु | भ्रूणयतात् | भ्रूणयताम् |
| | भ्रूणय | भ्रूणयतात् | भ्रूणयतम् |
| | भ्रूणयानि | भ्रूणयाव | भ्रूणयाम |
| ह्य० | अभ्रूणयत् | अभ्रूणयताम् | अभ्रूणयन् |
| | अभ्रूणयः | अभ्रूणयतम् | अभ्रूणयत |
| | अभ्रूणयम् | अभ्रूणयाव | अभ्रूणयाम |
| अ० | अबुभ्रूणत् | अबुभ्रूणताम् | अबुभ्रूणन् |
| | अबुभ्रूणः | अबुभ्रूणतम् | अबुभ्रूणत |
| | अबुभ्रूणम् | अबुभ्रूणाव | अबुभ्रूणाम |
| प० | भ्रूणयाञ्चकार | भ्रूणयाञ्चकतुः | भ्रूणयाञ्चकुः |
| | भ्रूणयाञ्चकर्थ | भ्रूणयाञ्चकथुः | भ्रूणयाञ्चक |
| | भ्रूणयाञ्चकार-चकर | भ्रूणयाञ्चकुव | भ्रूणयाञ्चकुम |
| | भ्रूणयाम्बभूव | भ्रूणयामास | |
| भा० | भ्रूण्यात् | भ्रूण्यास्ताम् | भ्रूण्यासुः |
| | भ्रूण्याः | भ्रूण्यास्तम् | भ्रूण्यास्त |
| | भ्रूण्यासम् | भ्रूण्यास्व | भ्रूण्यास्म |
| श्व० | भ्रूणयिता | भ्रूणयितारौ | भ्रूणयितारः |
| | भ्रूणयितासि | भ्रूणयितास्थः | भ्रूणयितास्थ |
| | भ्रूणयितास्मि | भ्रूणयितास्वः | भ्रूणयितास्मः |
| भ० | भ्रूणयिष्यति | भ्रूणयिष्यतः | भ्रूणयिष्यन्ति |
| | भ्रूणयिष्यसि | भ्रूणयिष्यथः | भ्रूणयिष्यथ |
| | भ्रूणयिष्यामि | भ्रूणयिष्यावः | भ्रूणयिष्यामः |
| क्रि० | अभ्रूणयिष्यत् | अभ्रूणयिष्यताम् | अभ्रूणयिष्यन् |
| | अभ्रूणयिष्यः | अभ्रूणयिष्यतम् | अभ्रूणयिष्यत |
| | अभ्रूणयिष्यम् | अभ्रूणयिष्याव | अभ्रूणयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | भ्रूणयते | भ्रूणयेते | भ्रूणयन्ते |
| | भ्रूणयमे | भ्रूणयेथे | भ्रूणयन्वे |
| | भ्रूणये | भ्रूणयावहे | भ्रूणयामहे |
| स० | भ्रूणयेत् | भ्रूणयेयाताम् | भ्रूणयेरन् |
| | भ्रूणयेथाः | भ्रूणयेयाथाम् | भ्रूणयेध्वम् |
| | भ्रूणयेय | भ्रूणयेवहि | भ्रूणयेमहि |
| प० | भ्रूणयताम् | भ्रूणयेताम् | भ्रूणयन्ताम् |
| | भ्रूणयस्व | भ्रूणयेथाम् | भ्रूणयध्वम् |
| | भ्रूणय | भ्रूणयावहे | भ्रूणयामहे |
| ह्य० | अभ्रूणयत् | अभ्रूणयेताम् | अभ्रूणयन्त |
| | अभ्रूणयथाः | अभ्रूणयेथाम् | अभ्रूणयध्वम् |
| | अभ्रूणये | अभ्रूणयावहि | अभ्रूणयामहि |
| अ० | अबुभ्रूणत् | अबुभ्रूणताम् | अबुभ्रूणन्त |
| | अबुभ्रूणथाः | अबुभ्रूणथाम् | अबुभ्रूणध्वम् |
| | अबुभ्रूणे | अबुभ्रूणावहि | अबुभ्रूणामहि |
| प० | भ्रूणयाञ्चके | भ्रूणयाञ्चकाते | भ्रूणयाञ्चकिरे |
| | भ्रूणयाञ्चकृषे | भ्रूणयाञ्चक्राये | भ्रूणयाञ्चकृद्वे |
| | भ्रूणयाञ्चके | भ्रूणयाञ्चकृवहे | भ्रूणयाञ्चकृमहे |
| | भ्रूणयाम्बभूव | भ्रूणयामास | |
| भा० | भ्रूणयिषीष्ट | भ्रूणयिषीयास्ताम् | भ्रूणयिषीरन् |
| | भ्रूणयिषीष्टाः | भ्रूणयिषीयास्थाम् | भ्रूणयिषीध्वम् |
| | भ्रूणयिषीय | भ्रूणयिषीवहि | भ्रूणयिषीमहि |
| श्व० | भ्रूणयिता | भ्रूणयितारौ | भ्रूणयितारः |
| | भ्रूणयितासे | भ्रूणयितासाथे | भ्रूणयितास्व |
| | भ्रूणयिताहे | भ्रूणयितास्वहे | भ्रूणयितास्महे |
| भ० | भ्रूणयिष्यते | भ्रूणयिष्येते | भ्रूणयिष्यन्ते |
| | भ्रूणयिष्यसे | भ्रूणयिष्येथे | भ्रूणयिष्यध्वे |
| | भ्रूणयिष्ये | भ्रूणयिष्यावहे | भ्रूणयिष्यामहे |
| क्रि० | अभ्रूणयिष्यत् | अभ्रूणयिष्येताम् | अभ्रूणयिष्यन्त |
| | अभ्रूणयिष्यथाः | अभ्रूणयिष्येथाम् | अभ्रूणयिष्यध्वम् |
| | अभ्रूणयिष्ये | अभ्रूणयिष्यावहि | अभ्रूणयिष्यामहि |

1827 चितिण् (चित्] संदेदने । चित् 278 वङ्गपाणि

1829 गन्धिणू (गन्धू) अर्दने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| ब० | गन्धयति | गन्धयतः | गन्धयन्ति |
| | गन्धयसि | गन्धयथः | गन्धयथ |
| | गन्धयामि | गन्धयावः | गन्धयामः |
| स० | गन्धयेत् | गन्धयेताम् | गन्धयेयुः |
| | गन्धयेः | गन्धयेतम् | गन्धयेत |
| | गन्धयेयम् | गन्धयेव | गन्धयेम |
| प० | गन्धयतु | गन्धयतात् | गन्धयन्तु |
| | गन्धय | गन्धयतात् | गन्धयतम् |
| | गन्धयानि | गन्धयाव | गन्धयाम |
| ह्य० | अगन्धयत् | अगन्धयताम् | अगन्धयन् |
| | अगन्धयः | अगन्धयतम् | अगन्धयत |
| | अगन्धयम् | अगन्धयाव | अगन्धयाम |
| अ० | अजगन्धत् | अजगन्धताम् | अजगन्धन् |
| | अजगन्धः | अजगन्धतम् | अजगन्धत |
| | अजगन्धम् | अजगन्धाव | अजगन्धाम |
| प० | गन्धयाञ्चकार | गन्धयाञ्चक्रुः | गन्धयाञ्चकुः |
| | गन्धयाञ्चकथं | गन्धयाञ्चकथुः | गन्धयाञ्चक |
| | गन्धयाञ्चकार-चकर | गन्धयाञ्चकृव | गन्धयाञ्चकृम |
| | गन्धयाम्बभूव | गन्धयामास | |
| आ० | गन्ध्यात् | गन्ध्यास्ताम् | गन्ध्यासुः |
| | गन्ध्याः | गन्ध्यास्तम् | गन्ध्यास्त |
| | गन्ध्यासम् | गन्ध्यास्व | गन्ध्यास्म |
| श्व० | गन्धयिता | गन्धयितारी | गन्धयितारः |
| | गन्धयितासि | गन्धयितास्थः | गन्धयितास्थ |
| | गन्धयितासिम् | गन्धयितास्थः | गन्धयितास्थः |
| अ० | गन्धयिष्यति | गन्धयिष्यतः | गन्धयिष्यन्ति |
| | गन्धयिष्यसि | गन्धयिष्यथः | गन्धयिष्यथ |
| | गन्धयिष्यामि | गन्धयिष्यावः | गन्धयिष्यामः |
| क्रि० | अगन्धयिष्यत् | अगन्धयिष्यताम् | अगन्धयिष्यन् |
| | अगन्धयिष्यः | अगन्धयिष्यतम् | अगन्धयिष्यत |
| | अगन्धयिष्यम् | अगन्धयिष्याव | अगन्धयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| ब० | गन्धयेते | गन्धयेते | गन्धयन्ते |
| | गन्धयेसे | गन्धयेथे | गन्धयध्वे |
| | गन्धये | गन्धयावहे | गन्धयामहे |
| स० | गन्धयेत | गन्धयेयाताम् | गन्धयेरन् |
| | गन्धयेथाः | गन्धयेयाथाम् | गन्धयेध्वम् |
| | गन्धयेय | गन्धयेवहि | गन्धयेमहि |
| प० | गन्धयताम् | गन्धयेताम् | गन्धयन्ताम् |
| | गन्धयस्व | गन्धयेथाम् | गन्धयध्वम् |
| | गन्धये | गन्धयावहे | गन्धयामहे |
| ह्य० | अगन्धयत | अगन्धयेताम् | अगन्धयन्त |
| | अगन्धयथाः | अगन्धयेथाम् | अगन्धयध्वम् |
| | अगन्धये | अगन्धयावहि | अगन्धयामहि |
| अ० | अजगन्धत | अजगन्धेताम् | अजगन्धन्त |
| | अजगन्धथाः | अजगन्धेथाम् | अजगन्धध्वम् |
| | अजगन्धे | अजगन्धावहि | अजगन्धामहि |
| प० | गन्धयाञ्चक्रे | गन्धयाञ्चक्राते | गन्धयाञ्चकिरे |
| | गन्धयाञ्चकृषे | गन्धयाञ्चक्राथे | गन्धयाञ्चकृध्वे |
| | गन्धयाञ्चक्रे | गन्धयाञ्चकृवहे | गन्धयाञ्चकृमहे |
| | गन्धयाम्बभूव | गन्धयामास | |
| आ० | गन्धयिषीष्ट | गन्धयिषीयास्ताम् | गन्धयिषीरन् |
| | गन्धयिषीष्टाः | गन्धयिषीयास्थाम् | गन्धयिषीध्वम् |
| | गन्धयिषीय | गन्धयिषीवहि | गन्धयिषीमहि |
| श्व० | गन्धयिता | गन्धयितारी | गन्धयितारः |
| | गन्धयितासे | गन्धयितासाथे | गन्धयिताध्वे |
| | गन्धयिताहे | गन्धयितास्वहे | गन्धयितास्महे |
| अ० | सन्धयिष्यते | गन्धयिष्येते | गन्धयिष्यन्ते |
| | गन्धयिष्यसे | गन्धयिष्येथे | गन्धयिष्यध्वे |
| | गन्धयिष्ये | गन्धयिष्यावहे | गन्धयिष्यामहे |
| क्रि० | अगन्धयिष्यत | अगन्धयिष्येताम् | अगन्धयिष्यन्त |
| | अगन्धयिष्यथाः | अगन्धयिष्येथाम् | अगन्धयिष्यध्वम् |
| | अगन्धयिष्ये | अगन्धयिष्यावहि | अगन्धयिष्यामहि |

1828 वस्तिण् (वस्त्) अर्द्धने ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० वस्तयति | वस्तयतः | वस्तयन्ति |
| वस्तयसि | वस्तयथः | वस्तयथ |
| वस्तयामि | वस्तयावः | वस्तयामः |
| स० वस्तयेत् | वस्तयेताम् | वस्तयेयुः |
| वस्तयैः | वस्तयेतम् | वस्तयेत |
| वस्तयेयम् | वस्तयेव | वस्मयेम |
| प० वस्तयतु | वस्तयतात् | वस्तयताम् |
| वस्तय | वस्तयतात् | वस्तयतम् |
| वस्तयानि | वस्तयाव | वस्तयाम |
| ह्य० अवस्तयत् | अवस्तयताम् | अवस्तयन् |
| अवस्तयः | अवस्तयतम् | अवस्तयत |
| अवस्तयम् | अवस्तयाव | अवस्तयाम |
| अ० अववस्तत् | अववस्तताम् | अववस्तन् |
| अववस्तः | अववस्ततम् | अववस्तत |
| अववस्तम् | अववस्ताव | अववस्ताम |
| प० वस्तयाश्चकार | वस्तयाश्चक्रुः | वस्तयाश्चक्रुः |
| वस्तयाश्चकथ | वस्तयाश्चक्रुः | वस्तयाश्चक्रुः |
| वस्तयाश्चकार-चक्र | वस्तयाश्चक्रुव | वस्तयाश्चक्रुम |
| वस्तयाश्चभूव | वस्तयाभास | |
| आ० वस्त्यात् | वस्त्यास्ताम् | वस्त्यासुः |
| वस्त्याः | वस्त्यास्तम् | वस्त्यास्त |
| वस्त्यासम् | वस्त्यास्व | वस्त्यास्म |
| श्व० वस्तयिता | वस्तयितारौ | वस्तयितारः |
| वस्तयितासि | वस्तयितास्थः | वस्तयितास्थ |
| वस्तयितास्मि | वस्तयितास्वः | वस्तयितास्मः |
| अ० वस्तयिष्यति | वस्तयिष्यतः | वस्तयिष्यन्ति |
| वस्तयिष्यसि | वस्तयिष्यथः | वस्तयिष्यथ |
| वस्तयिष्यामि | वस्तयिष्यावः | वस्तयिष्यामः |
| क्रि० अवस्तयिष्यत् | अवस्तयिष्यताम् | अवस्तयिष्यन् |
| अवस्तयिष्यः | अवस्तयिष्यतम् | अवस्तयिष्यत |
| अवस्तयिष्यम् | अवस्तयिष्याव | अवस्तयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| व० वस्तयते | वस्तयेते | वस्तयन्ते |
| वस्तयसे | वस्तयेथे | वस्तयध्वे |
| वस्तये | वस्तयावहे | वस्तयामहे |
| स० वस्तयेत | वस्तयेयाताम् | वस्तयेरन् |
| वस्तयेथाः | वस्तयेयाथाम् | वस्तयेध्वम् |
| वस्तयेय | वस्तयेवहि | वस्तयेमहि |
| प० वस्तयताम् | वस्तयेताम् | वस्तयन्ताम् |
| वस्तयस्व | वस्तयेथाम् | वस्तयध्वम् |
| वस्तयै | वस्तयावहे | वस्तयामहे |
| ह्य० अवस्तयत | अवस्तयेताम् | अवस्तयन्त |
| अवस्तयथाः | अवस्तयेथाम् | अवस्तयध्वम् |
| अवस्तये | अवस्तयावहि | अवस्तयामहि |
| अ० अववस्तत | अववस्तेताम् | अववस्तन्त |
| अववस्तथाः | अववस्तेथाम् | अववस्तध्वम् |
| अववस्ते | अववस्तावहि | अववस्तामहि |
| प० वस्तयाश्चक्रे | वस्तयाश्चक्रते | वस्तयाश्चक्रिरे |
| वस्तयाश्चक्रुषे | वस्तयाश्चक्राथे | वस्तयाश्चक्रुवहे |
| वस्तयाश्चक्रे | वस्तयाश्चक्रुवहे | वस्तयाश्चक्रुमहे |
| वस्तयाश्चभूव | वस्तयामास | |
| आ० वस्तयिषीष्ट | वस्तयिषीस्ताम् | वस्तयिषीरन् |
| वस्तयिषीष्ठाः | वस्तयिषीस्थां | वस्तयिषीह्वम् |
| वस्तयिषीय | वस्तयिषीवहि | वस्तयिषीमहि |
| श्व० वस्तयिता | वस्तयितारौ | वस्तयितारः |
| वस्तयितासे | वस्तयितासाथे | वस्तयिताध्वे |
| वस्तयिताहे | वस्तयितास्वहे | वस्तयितास्महे |
| अ० वस्तयिष्यते | वस्तयिष्येते | वस्तयिष्यन्ते |
| वस्तयिष्यसे | वस्तयिष्येथे | वस्तयिष्यध्वे |
| वस्तयिष्ये | वस्तयिष्यावहे | वस्तयिष्यामहे |
| क्रि० अवस्तयिष्यत | अवस्तयिष्यताम् | अवस्तयिष्यन्त |
| अवस्तयिष्यथाः | अवस्तयिष्येथाम् | अवस्तयिष्यध्वम् |
| अवस्तयिष्ये | अवस्तयिष्यावहि | अवस्तयिष्यामहि |

(१४२०) मुनिश्रीलाभ्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

१८३० इपिण् (इप्) संघाते ।

| | | |
|-----------------|----------------|--------------|
| ३० डाःकति | डापयतः | डापयन्ति |
| डापयति | डापयथः | डापयथ |
| डापयामि | डापयावः | डापयामः |
| ४० डापयेत् | डापयेताम् | डापयेयुः |
| डापयेः | डापयेतम् | डापयेत |
| डापयेयम् | डापयेत | डापयेम |
| ५० डापयन्तु | डापयतात् | डापयताम् |
| डापय | डापयतात् | डापयताम् |
| डापयानि | डापयाव | डापयाम |
| ६० अडापयत् | अडापयताम् | अडापयन् |
| अडापयः | अडापयतम् | अडापयत |
| अडापयम् | अडापयाव | अडापयाम |
| ७० अडीडपत् | अडीडपताम् | अडापयन् |
| अडीडपः | अडीडपतम् | अडीडपत |
| अडीडपम् | अडीडपाव | अडीडपाम |
| ८० डापयाश्चकार | डापयाश्चक्रुः | डापयाश्चकुः |
| डापयाश्चकथे | डापयाश्चक्रथुः | डापयाश्चक |
| डापयाश्चकार-चकर | डापयाश्चकृव | डापयाश्चकृम |
| डापयाम्बभूव | डापयामांस | |
| ९० डाप्यात् | डाप्यास्ताम् | डाप्यासुः |
| डाप्याः | डाप्यास्तम् | डाप्यास्त |
| डाप्यासम् | डाप्यास्व | डाप्यास्म |
| १० डापयिता | डापयितारो | डापयितारः |
| डापयितासि | डापयितास्थः | डापयितास्थ |
| डापयितास्मि | डापयितास्वः | डापयितास्मः |
| ११ डापयिष्यति | डापयिष्यतः | डापयिष्यन्ति |
| डापयिष्यसि | डापयिष्यथः | डापयिष्यथ |
| डापयिष्यामि | डापयिष्यावः | डापयिष्यामः |
| १२ अडापयिष्यत् | अडापयिष्यताम् | अडापयिष्यन् |
| अडापयिष्यः | अडापयिष्यतम् | अडापयिष्यत |
| अडापयिष्यम् | अडापयिष्याव | अडापयिष्याम |

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| ३० डापयते | डापयेते | डापयन्ते |
| डापयसे | डापयेथे | डापयथ्वे |
| डापये | डापयावहे | डापयामहे |
| ४० डापयेत | डापयेताम् | डापयेरन् |
| डापयेथाः | डापयेयाथाम् | डापयेध्वम् |
| डापयेथ | डापयेवहि | डापयेमहि |
| ५० डापयताम् | डापयेताम् | डापयन्ताम् |
| डापयस्व | डापयेथाम् | डापयध्वम् |
| डापयै | डापयावहे | डापयामहे |
| ६० अडापयत | अडापयेताम् | अडापयन्त |
| अडापयथाः | अडापयेथाम् | अडापयध्वम् |
| अडापये | अडापयावहि | अडापयामहि |
| ७० अडीडपत | अडीडपेताम् | अडीडपन्त |
| अडीडपथाः | अडीडपेथाम् | अडीडपध्वम् |
| अडीडपे | अडीडपावहि | अडीडपामहि |
| ८० डापयाश्चक्रे | डापयाश्चक्राते | डापयाश्चक्रिरे |
| डापयाश्चकृषे | डापयाश्चक्राथे | डापयाश्चकृद्वे |
| डापयाश्चक्रे | डापयाश्चकृवहे | डापयाश्चकृमहे |
| डापयाम्बभूव | डापयामास | |
| ९० डापयिषीष्ट | डापयिषीयास्ताम् | डापयिषीरन् |
| डापयिषीष्ठाः | डापयिषीयास्थाम् | डापयिषीह्वम् |
| डापयिषीय | डापयिषीवहि | डापयिषीमहि |
| १० डापयिता | डापयितारो | डापयितारः |
| डापयितासे | डापयितासाथे | डापयिताध्वे |
| डापयिताहे | डापयितास्वहे | डापयितास्महे |
| ११ डापयिष्यते | डापयिष्येते | डापयिष्यन्ते |
| डापयिष्यसे | डापयिष्येथे | डापयिष्यध्वे |
| डापयिष्ये | डापयिष्यावहे | डापयिष्यामहे |
| १२ अडापयिष्यत | अडापयिष्येताम् | अडापयिष्यन्त |
| अडापयिष्यथाः | अडापयिष्येथाम् | अडापयिष्यध्वम् |
| अडापयिष्ये | अडापयिष्यावहि | अडापयिष्यामहि |

१८३१ डिपिण् (डिप्) संघाते । डिपच् ११९६ वद्रूपणि
 १८३२ डम्पिण् (डम्प्) संघाते । डपुण् १६७० वद्रूपणि
 १८३३ डिम्पिण् (डिम्प्) संघाते । डिपुण् १६७१ वद्रूपणि

1834 डम्भिण् (डम्भ्) संघाते ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० डम्भयति | डम्भयतः | डम्भवन्ति |
| डम्भयसि | डम्भयथः | डम्भयथ |
| डम्भयामि | डम्भयावः | डम्भयामः |
| स० डम्भयेत् | डम्भयेताम् | डम्भयेयुः |
| डम्भयेः | डम्भयेतम् | डम्भयेत |
| डम्भयेयम् | डम्भयेव | डम्भयेम |
| प० डम्भयतु | डम्भयतात् | डम्भयताम् |
| डम्भय | डम्भयतात् | डम्भयतम् |
| डम्भयानि | डम्भयाव | डम्भयाम |
| अ० अडम्भयत् | अडम्भयताम् | अडम्भयन् |
| अडम्भयः | अडम्भयतम् | अडम्भयत |
| अडम्भयम् | अडम्भयाव | अडम्भयाम |
| अ० अडडम्भत् | अडडम्भताम् | अडडम्भन् |
| अडडम्भः | अडडम्भतम् | अडडम्भत |
| अडडम्भम् | अडडम्भाव | अडडम्भाम |
| प० डम्भयाश्चकार | डम्भयाश्चक्रुः | डम्भयाश्चकुः |
| डम्भयाश्चकर्त् | डम्भयाश्चक्रुः | डम्भयाश्चक्रुः |
| डम्भयाश्चकार-चक्र | डम्भयाश्चक्रुव | डम्भयाश्चक्रम |
| डम्भयाश्चभूव | | स. |
| भा० डम्भ्यात् | डम्भ्यास्ताम् | डम्भ्यासुः |
| डम्भ्याः | डम्भ्यास्तम् | डम्भ्यास्त |
| डम्भ्यासम् | डम्भ्यास्व | डम्भ्यास्म |
| अ० डम्भयिता | डम्भयितारौ | डम्भयितारः |
| डम्भयितासि | डम्भयितास्थः | डम्भयितास्थ |
| डम्भयितामि | डम्भयितास्वः | डम्भयितास्मः |
| अ० डम्भयिष्यति | डम्भयिष्यतः | डम्भयिष्यन्ति |
| डम्भयिष्यसि | डम्भयिष्यथः | डम्भयिष्यथ |
| डम्भयिष्यामि | डम्भयिष्यावः | डम्भयिष्यामः |
| क्रि० अडम्भयिष्यत् | अडम्भयिष्यताम् | अडम्भयिष्यन् |
| अडम्भयिष्यः | अडम्भयिष्यतम् | अडम्भयिष्यत |
| अडम्भयिष्यम् | अडम्भयिष्याव | अडम्भयिष्याम |

| | | |
|----------------|----------------|----------------|
| व० डम्भयते | डम्भयेते | डम्भयस्ते |
| डम्भयसे | डम्भयेथे | डम्भयस्वे |
| डम्भये | डम्भयावहे | डम्भयामहे |
| स० डम्भयेत | डम्भयेयाताम् | डम्भयेरन् |
| डम्भयेथाः | डम्भयेयाताम् | डम्भयेष्वम् |
| डम्भयेथ | डम्भयेवहि | डम्भयेमहि |
| प० डम्भयताम् | डम्भयेताम् | डम्भयन्ताम् |
| डम्भयस्व | डम्भयेथाम् | डम्भयेष्वम् |
| डम्भय | डम्भयावहे | डम्भयामहे |
| अ० अडम्भयत | अडम्भयेताम् | अडम्भयन्त |
| अडम्भयथाः | अडम्भयेथाम् | अडम्भयेष्वम् |
| अडम्भयेथ | अडम्भयावहि | अडम्भयामहि |
| अ० अडडम्भत | अडडम्भेताम् | अडडम्भन्त |
| अडडम्भथाः | अडडम्भेथाम् | अडडम्भेष्वम् |
| अडडम्भे | अडडम्भावहि | अडडम्भामहि |
| प० डम्भयाश्चके | डम्भयाश्चकाते | डम्भयाश्चकिरे |
| डम्भयाश्चकृव | डम्भयाश्चकावहे | डम्भयाश्चकृवहे |
| डम्भयाश्चके | डम्भयाश्चकृवहे | डम्भयाश्चकृमहे |

डम्भयाश्चभूव . । डम्भयाश्चस

| | | |
|-------------------|--------------------|------------------|
| भा० डम्भयिषीष्ट | डम्भयिषीष्टास्ताम् | डम्भयिषीरन् |
| डम्भयिषीष्टाः | डम्भयिषीष्टास्थाम् | डम्भयिषीष्टवम् |
| डम्भयिषीय | डम्भयिषीवहि | डम्भयिषीमहि |
| अ० डम्भयिता | डम्भयितारौ | डम्भयितारः |
| डम्भयितासे | डम्भयितासाथे | डम्भयिताध्वे |
| डम्भयिताहे | डम्भयितास्वहे | डम्भयितास्महे |
| अ० डम्भयिष्यते | डम्भयिष्येते | डम्भयिष्यन्ते |
| डम्भयिष्यसे | डम्भयिष्येथे | डम्भयिष्यस्वे |
| डम्भयिष्ये | डम्भयिष्यावहे | डम्भयिष्यामहे |
| क्रि० अडम्भयिष्यत | अडम्भयिष्येताम् | अडम्भयिष्यन्त |
| अडम्भयिष्यथाः | अडम्भयिष्येथाम् | अडम्भयिष्येष्वम् |
| अडम्भयिष्ये | अडम्भयिष्यावहि | अडम्भयिष्यामहि |

1835 डिम्भण् (डिम्भ्) संघाते ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० | डिम्भयति | डिम्भयतः | डिम्भयन्ति |
| | डिम्भयसि | डिम्भयथः | डिम्भयथ |
| | डिम्भयामि | डिम्भयावः | डिम्भयामः |
| स० | डिम्भयेत् | डिम्भयेताम् | डिम्भयेयुः |
| | डिम्भयेः | डिम्भयेतम् | डिम्भयेत |
| | डिम्भयेयम् | डिम्भयेव | डिम्भयेम |
| प० | डिम्भयतु | डिम्भयतात् | डिम्भयताम् |
| | डिम्भय | डिम्भयतात् | डिम्भयतम् |
| | डिम्भयानि | डिम्भयाव | डिम्भयाम |
| ह्य० | अडिम्भयत् | अडिम्भयताम् | अडिम्भयन् |
| | अडिम्भयः | अडिम्भयतम् | अडिम्भयत |
| | अडिम्भयम् | अडिम्भयाव | अडिम्भयाम |
| अ० | अडिडिम्भत् | अडिडिम्भताम् | अडिडिम्भन् |
| | अडिडिम्भः | अडिडिम्भतम् | अडिडिम्भत |
| | अडिडिम्भम् | अडिडिम्भाव | अडिडिम्भाम |
| प० | डिम्भयाश्चकार | डिम्भयाश्चक्रुः | डिम्भयाश्चकुः |
| | डिम्भयाश्चकथ | डिम्भयाश्चक्रुः | डिम्भयाश्चक्रुः |
| | डिम्भयाश्चकार-चकर | डिम्भयाश्चक्रुव | डिम्भयाश्चक्रुम |
| | डिम्भयाम्बभूव | डिम्भयामास | |
| आ० | डिम्भ्यात् | डिम्भ्यास्ताम् | डिम्भ्यासुः |
| | डिम्भ्याः | डिम्भ्यास्तम् | डिम्भ्यास्त |
| | डिम्भ्यासम् | डिम्भ्यास्व | डिम्भ्यास्म |
| श्र० | डिम्भयिता | डिम्भयितारौ | डिम्भयितारः |
| | डिम्भयितासि | डिम्भयितास्थः | डिम्भयितास्थ |
| | डिम्भयितामि | डिम्भयितास्वः | डिम्भयितास्मः |
| भ० | डिम्भयिष्यति | डिम्भयिष्यतः | डिम्भयिष्यन्ति |
| | डिम्भयिष्यसि | डिम्भयिष्यथः | डिम्भयिष्यथ |
| | डिम्भयिष्यामि | डिम्भयिष्यावः | डिम्भयिष्यामः |
| क्रि० | अडिम्भयिष्यत् | अडिम्भयिष्यताम् | अडिम्भयिष्यन् |
| | अडिम्भयिष्यः | अडिम्भयिष्यतम् | अडिम्भयिष्यत |
| | अडिम्भयिष्यम् | अडिम्भयिष्याव | अडिम्भयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | डिम्भयते | डिम्भयेते | डिम्भयन्ते |
| | डिम्भयसे | डिम्भयेथे | डिम्भयध्वे |
| | डिम्भये | डिम्भयावहे | डिम्भयामहे |
| स० | डिम्भयेत | डिम्भयेयाताम् | डिम्भयेरन् |
| | डिम्भयेथाः | डिम्भयेथाम् | डिम्भयेध्वम् |
| | डिम्भयेय | डिम्भयेवहि | डिम्भयेमहि |
| प० | डिम्भयताम् | डिम्भयेताम् | डिम्भयन्ताम् |
| | डिम्भयस्व | डिम्भयेथाम् | डिम्भयध्वम् |
| | डिम्भय | डिम्भयावहे | डिम्भयामहे |
| ह्य० | अडिम्भयत | अडिम्भयेताम् | अडिम्भयन्त |
| | अडिम्भयथाः | अडिम्भयेथाम् | अडिम्भयध्वम् |
| | अडिम्भये | अडिम्भयावहि | अडिम्भयामहि |
| अ० | अडिडिम्भत | अडिडिम्भेताम् | अडिडिम्भन्त |
| | अडिडिम्भथाः | अडिडिम्भेथाम् | अडिडिम्भध्वम् |
| | अडिडिम्भे | अडिडिम्भावहि | अडिडिम्भामहि |
| प० | डिम्भयाश्चक्रे | डिम्भयाश्चक्रते | डिम्भयाश्चक्रे |
| | डिम्भयाश्चक्रे | डिम्भयाश्चक्राये | डिम्भयाश्चक्रुव |
| | डिम्भयाश्चक्रे | डिम्भयाश्चक्रुवहे | डिम्भयाश्चक्रुमहे |
| | डिम्भयाम्बभूव | डिम्भयामास | |
| आ० | डिम्भयिषीष्ट | डिम्भयिषीयास्ताम् | डिम्भयिषीरन् |
| | डिम्भयिषीष्टाः | डिम्भयिषीयास्थाम् | डिम्भयिषीध्वम् |
| | डिम्भयिषीय | डिम्भयिषीवहि | डिम्भयिषीमहि |
| श्र० | डिम्भयिता | डिम्भयितारौ | डिम्भयितारः |
| | डिम्भयितासे | डिम्भयितासाथे | डिम्भयिताध्वे |
| | डिम्भयिताहे | डिम्भयितास्वहे | डिम्भयितास्महे |
| भ० | डिम्भयिष्यते | डिम्भयिष्येते | डिम्भयिष्यन्ते |
| | डिम्भयिष्यसे | डिम्भयिष्येथे | डिम्भयिष्यध्वे |
| | डिम्भयिष्ये | डिम्भयिष्यावहे | डिम्भयिष्यामहे |
| क्रि० | अडिम्भयिष्यत् | अडिम्भयिष्येताम् | अडिम्भयिष्यन्त |
| | अडिम्भयिष्यथाः | अडिम्भयिष्येथाम् | अडिम्भयिष्यध्वम् |
| | अडिम्भयिष्ये | अडिम्भयिष्यावहि | अडिम्भयिष्यामहि |

1838 कुस्मिण् (कुस्म) कुस्मयने ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| व० | कुस्मयति | कुस्मयतः | कुस्मयन्ति |
| | कुस्मयसि | कुस्मयथः | कुस्मयथ |
| | कुस्मयामि | कुस्मयावः | कुस्मयामः |
| स० | कुस्मयेत् | कुस्मयेताम् | कुस्मयेयुः |
| | कुस्मयेः | कुस्मयेतम् | कुस्मयेत |
| | कुस्मयेयम् | कुस्मयेव | कुस्मयेय |
| प० | कुस्मयतु | कुस्मयतात् | कुस्मयताम् |
| | कुस्मय | कुस्मयतात् | कुस्मयतम् |
| | कुस्मयानि | कुस्मयाव | कुस्मयाम |
| ह्य० | अकुस्मयत् | अकुस्मयताम् | अकुस्मयन् |
| | अकुस्मयः | अकुस्मयतम् | अकुस्मयत |
| | अकुस्मयम् | अकुस्मयाव | अकुस्मयाम |
| अ० | अचुकुस्मत् | अचुकुस्मताम् | अचुकुस्मन् |
| | अचुकुस्मः | अचुकुस्मतम् | अचुकुस्मत |
| | अचुकुस्मम् | अचुकुस्माव | अचुकुस्माम |
| प० | कुस्मयाञ्चकार | कुस्मयाञ्चकतुः | कुस्मयाञ्चकुः |
| | कुस्मयाञ्चकथं | कुस्मयाञ्चकथुः | कुस्मयाञ्चक |
| | कुस्मयाञ्चकार-चकर | कुस्मयाञ्चकृव | कुस्मयाञ्चकृम |
| | कुस्मयाञ्चभूव | कुस्मयामास | |
| भा० | कुस्म्यात् | कुस्म्यास्ताम् | कुस्म्यासुः |
| | कुस्म्याः | कुस्म्यास्तम् | कुस्म्यास्त |
| | कुस्म्यासम् | कुस्म्यास्व | कुस्म्यास्म |
| श्व० | कुस्मयिता | कुस्मयितारौ | कुस्मयितारः |
| | कुस्मयितासि | कुस्मयितास्थः | कुस्मयितास्थ |
| | कुस्मयितास्मि | कुस्मयितास्वः | कुस्मयितास्मः |
| भ० | कुस्मयिष्यति | कुस्मयिष्यतः | कुस्मयिष्यन्ति |
| | कुस्मयिष्यसि | कुस्मयिष्यथः | कुस्मयिष्यथ |
| | कुस्मयिष्यामि | कुस्मयिष्यावः | कुस्मयिष्यामः |
| क्रि० | अकुस्मयिष्यत् | अकुस्मयिष्यताम् | अकुस्मयिष्यन् |
| | अकुस्मयिष्यः | अकुस्मयिष्यतम् | अकुस्मयिष्यत |
| | अकुस्मयिष्यम् | अकुस्मयिष्याव | अकुस्मयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|-------------------|
| व० | कुस्मयते | कुस्मयेते | कुस्मयन्ते |
| | कुस्मयसे | कुस्मयेथे | कुस्मयन्वे |
| | कुस्मये | कुस्मयावहे | कुस्मयामहे |
| स० | कुस्मयेत | कुस्मयेयाताम् | कुस्मयेरन् |
| | कुस्मयेथाः | कुस्मयेयाथाम् | कुस्मयेष्वम् |
| | कुस्मयेय | कुस्मयेवहि | कुस्मयेमहि |
| प० | कुस्मयताम् | कुस्मयेताम् | कुस्मयन्ताम् |
| | कुस्मयस्व | कुस्मयेथाम् | कुस्मयन्वम् |
| | कुस्मये | कुस्मयावहे | कुस्मयामहे |
| ह्य० | अकुस्मयत | अकुस्मयेताम् | अकुस्मयन्त |
| | अकुस्मयथाः | अकुस्मयेथाम् | अकुस्मयेष्वम् |
| | अकुस्मये | अकुस्मयावहि | अकुस्मयेमहि |
| अ० | अचुकुस्मत | अचुकुस्मेताम् | अचुकुस्मन्त |
| | अचुकुस्मथाः | अचुकुस्मेथाम् | अचुकुस्मेष्वम् |
| | अचुकुस्मे | अचुकुस्मावहि | अचुकुस्मामहि |
| प० | कुस्मयाञ्चके | कुस्मयाञ्चकाते | कुस्मयाञ्चकिरे |
| | कुस्मयाञ्चकृषे | कुस्मयाञ्चकाथे | कुस्मयाञ्चकृद्वे |
| | कुस्मयाञ्चके | कुस्मयाञ्चकृषहे | कुस्मयाञ्चकृमहे |
| | कुस्मयाञ्चभूव | कुस्मयामास | |
| भा० | कुस्मयिषीष्ट | कुस्मयिषीयास्ताम् | कुस्मयिषीरन् |
| | कुस्मयिषीष्ठाः | कुस्मयिषीयास्थाम् | कुस्मयिषीष्वम् |
| | कुस्मयिषीय | कुस्मयिषीवहि | कुस्मयिषीमहि |
| श्व० | कुस्मयिता | कुस्मयितारौ | कुस्मयितारः |
| | कुस्मयितासे | कुस्मयितासाथे | कुस्मयिताश्वे |
| | कुस्मयिताहे | कुस्मयितास्वहे | कुस्मयितास्महे |
| भ० | कुस्मयिष्यते | कुस्मयिष्येते | कुस्मयिष्यन्ते |
| | कुस्मयिष्यसे | कुस्मयिष्येथे | कुस्मयिष्यन्वे |
| | कुस्मयिष्ये | कुस्मयिष्यावहे | कुस्मयिष्यामहे |
| क्रि० | अकुस्मयिष्यते | अकुस्मयिष्येताम् | अकुस्मयिष्यन्त |
| | अकुस्मयिष्यथाः | अकुस्मयिष्येथाम् | अकुस्मयिष्येष्वम् |
| | अकुस्मयिष्ये | अकुस्मयिष्यावहि | अकुस्मयिष्यामहि |

1839 गूरिण (गूर) उद्यमे । गूरचि 1272 वङ्गपाणि

1840 तन्त्रिण (तन्त्र) कुटुम्बधारणे ।

| | | |
|----------------------|------------------|-----------------|
| व० तन्त्रयति | तन्त्रयतः | तन्त्रयन्ति |
| तन्त्रयसि | तन्त्रयथः | तन्त्रयथ |
| तन्त्रयामि | तन्त्रयावः | तन्त्रयामः |
| व० तन्त्रयेत् | तन्त्रयेताम् | तन्त्रयेयुः |
| तन्त्रयेः | तन्त्रयेतम् | तन्त्रयेत |
| तन्त्रयेयम् | तन्त्रयेव | तन्त्रयेम |
| प० तन्त्रयतु | तन्त्रयतात् | तन्त्रयताम् |
| तन्त्रय | तन्त्रयतात् | तन्त्रयतम् |
| तन्त्रयाणि | तन्त्रयाव | तन्त्रयाम |
| ह्य० अतन्त्रयत् | अतन्त्रयताम् | अतन्त्रयन् |
| अतन्त्रयः | अतन्त्रयतम् | अतन्त्रयत |
| अतन्त्रयम् | अतन्त्रयाव | अतन्त्रयाम |
| अ० अतन्त्रयत् | अतन्त्रयताम् | अतन्त्रयन् |
| अतन्त्रयः | अतन्त्रयतम् | अतन्त्रयत |
| अतन्त्रयम् | अतन्त्रयाव | अतन्त्रयाम |
| प० तन्त्रयाञ्चकार | तन्त्रयाञ्चकतुः | तन्त्रयाञ्चकुः |
| तन्त्रयाञ्चकथं | तन्त्रयाञ्चकथुः | तन्त्रयाञ्चक |
| तन्त्रयाञ्चकार-चकर | तन्त्रयाञ्चकुव | तन्त्रयाञ्चकम् |
| तन्त्रयाञ्चभूव | तन्त्रयामास | |
| आ० तन्त्र्यात् | तन्त्र्यास्ताम् | तन्त्र्यासुः |
| तन्त्र्याः | तन्त्र्यास्तम् | तन्त्र्यास्त |
| तन्त्र्यासम् | तन्त्र्यास्व | तन्त्र्यासम् |
| श्व० तन्त्रयिता | तन्त्रयितारौ | तन्त्रयितारः |
| तन्त्रयितासि | तन्त्रयिताथः | तन्त्रयिताथ |
| तन्त्रयितास्मि | तन्त्रयितास्वः | तन्त्रयितास्मः |
| भ० तन्त्रयिष्यति | तन्त्रयिष्यतः | तन्त्रयिष्यन्ति |
| तन्त्रयिष्यसि | तन्त्रयिष्यथः | तन्त्रयिष्यथ |
| तन्त्रयिष्यामि | तन्त्रयिष्यावः | तन्त्रयिष्यामः |
| क्रि० अतन्त्रयिष्यत् | अतन्त्रयिष्यताम् | अतन्त्रयिष्यन् |
| अतन्त्रयिष्यः | अतन्त्रयिष्यतम् | अतन्त्रयिष्यत |
| अतन्त्रयिष्यम् | अतन्त्रयिष्याव | अतन्त्रयिष्याम |

| | | |
|---------------------|--------------------|-------------------|
| व० तन्त्रयते | तन्त्रयेते | तन्त्रयन्ते |
| तन्त्रयसे | तन्त्रयेथे | तन्त्रयध्वे |
| तन्त्रये | तन्त्रयावहे | तन्त्रयामहे |
| स० तन्त्रयेत | तन्त्रयेयाताम् | तन्त्रयेरन् |
| तन्त्रयेथाः | तन्त्रयेयाथाम् | तन्त्रयेध्वम् |
| तन्त्रयेथ | तन्त्रयेवहि | तन्त्रयेमहि |
| प० तन्त्रयताम् | तन्त्रयेताम् | तन्त्रयन्ताम् |
| तन्त्रयस्व | तन्त्रयेथाम् | तन्त्रयध्वम् |
| तन्त्रयै | तन्त्रयावहै | तन्त्रयामहै |
| झ० अतन्त्रयत | अतन्त्रयेताम् | अतन्त्रयन्त |
| अतन्त्रयथाः | अतन्त्रयेथाम् | अतन्त्रयध्वम् |
| अतन्त्रये | अतन्त्रयावहि | अतन्त्रयामहि |
| अ० अतन्त्रयत | अतन्त्रयेताम् | अतन्त्रयन्त |
| अतन्त्रयथाः | अतन्त्रयेथाम् | अतन्त्रयध्वम् |
| अतन्त्रये | अतन्त्रयावहि | अतन्त्रयामहि |
| प० तन्त्रयाञ्चक्रे | तन्त्रयाञ्चकाते | तन्त्रयाञ्चकिरे |
| तन्त्रयाञ्चकृषे | तन्त्रयाञ्चक्राथे | तन्त्रयाञ्चकृध्वे |
| तन्त्रयाञ्चक्रे | तन्त्रयाञ्चकृवहे | तन्त्रयाञ्चकृमहे |
| तन्त्रयान्वभूव | तन्त्रयामास | |
| आ० तन्त्रयिषीष्ट | तन्त्रयिषीयास्ताम् | तन्त्रयिषीन् |
| तन्त्रयिषीष्ठाः | तन्त्रयिषीयास्थाम् | तन्त्रयिषीध्वम् |
| तन्त्रयिषीथ | तन्त्रयिषीवहि | तन्त्रयिषीमहि |
| श्व० तन्त्रयिता | तन्त्रयितारौ | तन्त्रयितारः |
| तन्त्रयितासे | तन्त्रयितासाथे | तन्त्रयिताध्वे |
| तन्त्रयिताहे | तन्त्रयितास्वहे | तन्त्रयितास्महे |
| भ० तन्त्रयिष्यते | तन्त्रयिष्येते | तन्त्रयिष्यन्ते |
| तन्त्रयिष्यसे | तन्त्रयिष्येथे | तन्त्रयिष्यध्वे |
| तन्त्रयिष्ये | तन्त्रयिष्यावहे | तन्त्रयिष्यामहे |
| क्रि० अतन्त्रयिष्यत | अतन्त्रयिष्येताम् | अतन्त्रयिष्यन्त |
| अतन्त्रयिष्यथाः | अतन्त्रयिष्येथाम् | अतन्त्रयिष्यध्वम् |
| अतन्त्रयिष्ये | अतन्त्रयिष्यावहि | अतन्त्रयिष्यामहि |

1841 मन्त्रिण् (मन्त्र्) गुप्तभाषणे ।

| | | |
|----------------------|------------------|-----------------|
| ब० मन्त्रयति | मन्त्रयतः | मन्त्रयन्ति |
| मन्त्रयसि | मन्त्रयथः | मन्त्रयथ |
| मन्त्रयामि | मन्त्रयावः | मन्त्रयामः |
| स० मन्त्रयेत् | मन्त्रयेताम् | मन्त्रयेयुः |
| मन्त्रयेः | मन्त्रयेतम् | मन्त्रयेत |
| मन्त्रयेयम् | मन्त्रयेव | मन्त्रयेम |
| प० मन्त्रयतु | मन्त्रयतात् | मन्त्रयताम् |
| मन्त्रय | मन्त्रयतात् | मन्त्रयतम् |
| मन्त्रयाणि | मन्त्रयाव | मन्त्रयाम |
| झ० अमन्त्रयत् | अमन्त्रयताम् | अमन्त्रयन् |
| अमन्त्रयः | अमन्त्रयतम् | अमन्त्रयत |
| अमन्त्रयम् | अमन्त्रयाव | अमन्त्रयाम |
| अ० अमन्त्रत् | अमन्त्रताम् | अमन्त्रन् |
| अमन्त्रः | अमन्त्रतम् | अमन्त्रत |
| अमन्त्रम् | अमन्त्राव | अमन्त्राम |
| प मन्त्रयाश्चकार | मन्त्रयाश्चकतु | मन्त्रयाश्चकुः |
| मन्त्रयाश्चकथ | मन्त्रयाश्चकथुः | मन्त्रयाश्चक |
| मन्त्रयाश्चकार-चकर | मन्त्रयाश्चकृव | मन्त्रयाश्चकृम |
| मन्त्रयाम्बभूव । | मन्त्रयामोस | |
| आ० मन्त्र्यात् | मन्त्र्यास्ताम् | मन्त्र्यासुः |
| मन्त्र्याः | मन्त्र्यास्तम् | मन्त्र्यास्त |
| मन्त्र्यासम् | मन्त्र्यास्व | मन्त्र्यास्म |
| अ० मन्त्रयिता | मन्त्रयिताम् | मन्त्रयितारः |
| मन्त्रयितासि | मन्त्रयितास्थः | मन्त्रयितास्थ |
| मन्त्रयितास्मि | मन्त्रयितास्वः | मन्त्रयितास्मः |
| भ० मन्त्रयिष्यति | मन्त्रयिष्यतः | मन्त्रयिष्यन्ति |
| मन्त्रयिष्यसि | मन्त्रयिष्यथः | मन्त्रयिष्यथ |
| मन्त्रयिष्यामि | मन्त्रयिष्यावः | मन्त्रयिष्यामः |
| क्रि० अमन्त्रयिष्यत् | अमन्त्रयिष्यताम् | अमन्त्रयिष्यन् |
| अमन्त्रयिष्यः | अमन्त्रयिष्यतम् | अमन्त्रयिष्यत |
| अमन्त्रयिष्यम् | अमन्त्रयिष्याव | अमन्त्रयिष्याम |

| | | |
|---------------------|--------------------|-------------------|
| ब० मन्त्रयते | मन्त्रयेते | मन्त्रयन्ते |
| मन्त्रयसे | मन्त्रयेथे | मन्त्रयन्थे |
| मन्त्रये | मन्त्रयावहे | मन्त्रयामहे |
| स० मन्त्रयेत | मन्त्रयेयाताम् | मन्त्रयेरन् |
| मन्त्रयेथाः | मन्त्रयेयाथाम् | मन्त्रयेष्वम् |
| मन्त्रयेय | मन्त्रयेवहि | मन्त्रयेमहि |
| प० मन्त्रयताम् | मन्त्रयेताम् | मन्त्रयन्ताम् |
| मन्त्रयस्व | मन्त्रयेथाम् | मन्त्रयध्वम् |
| मन्त्रये | मन्त्रयावहे | मन्त्रयामहे |
| झ० अमन्त्रयत | अमन्त्रयेताम् | अमन्त्रयन्त |
| अमन्त्रयथाः | अमन्त्रयेथाम् | अमन्त्रयध्वम् |
| अमन्त्रये | अमन्त्रयावहि | अमन्त्रयामहि |
| अ० अमन्त्रत | अमन्त्रेताम् | अमन्त्रन्त |
| अमन्त्रथाः | अमन्त्रेथाम् | अमन्त्रध्वम् |
| अमन्त्रे | अमन्त्रावहि | अमन्त्रामहि |
| प० मन्त्रयाञ्चक्रे | मन्त्रयाञ्चक्रते | मन्त्रयाञ्चकिरे |
| मन्त्रयाञ्चकृषे | मन्त्रयाञ्चक्राथे | मन्त्रयाञ्चकृह्णे |
| मन्त्रयाञ्चक्रे | मन्त्रयाञ्चकृबहे | मन्त्रयाञ्चकृमहे |
| मन्त्रयाम्बभूव । | मन्त्रयामास | |
| आ० मन्त्रयिषीष्ट | मन्त्रयिषीयास्ताम् | मन्त्रयिषीरन् |
| मन्त्रयिषीष्टाः | मन्त्रयिषीयास्थाम् | मन्त्रयिषीध्वम् |
| मन्त्रयिषीय | मन्त्रयिषीवहि | मन्त्रयिषीमहि |
| अ० मन्त्रयिता | मन्त्रयितारौ | मन्त्रयितारः |
| मन्त्रयितासे | मन्त्रयितासाथे | मन्त्रयिताध्वे |
| मन्त्रयिताहे | मन्त्रयितास्वहे | मन्त्रयितास्महे |
| अ० मन्त्रयिष्यते | मन्त्रयिष्येते | मन्त्रयिष्यन्ते |
| मन्त्रयिष्यसे | मन्त्रयिष्येथे | मन्त्रयिष्यन्थे |
| मन्त्रयिष्ये | मन्त्रयिष्यावहे | मन्त्रयिष्यामहे |
| क्रि० अमन्त्रयिष्यत | अमन्त्रयिष्येताम् | अमन्त्रयिष्यन्त |
| अमन्त्रयिष्यथाः | अमन्त्रयिष्येथाम् | अमन्त्रयिष्यध्वम् |
| अमन्त्रयिष्ये | अमन्त्रयिष्यावहि | अमन्त्रयिष्यामहि |

1842 ललिण् (लल्] ईसायाम् । कृतलकार

लङ् 254 वङ्गपाणि

1843 स्पशिण् (स्पश्) ग्रहणभ्लेषणयोः ।

| | | | |
|-------|-----------------|-----------------|----------------|
| न० | स्पशयति | स्पशयतः | स्पशयन्ति |
| | स्पशयसि | स्पशयथः | स्पशयथ |
| | स्पशयामि | स्पशयावः | स्पशयामः |
| स० | स्पशयेत् | स्पशयेताम् | स्पशयेयुः |
| | स्पशयेः | स्पशयेतम् | स्पशयेत |
| | स्पशयेयम् | स्पशयेव | स्पशयेम |
| प० | स्पशयतु | स्पशयतात् | स्पशयताम् |
| | स्पशय | स्पशयतात् | स्पशयतम् |
| | स्पशयानि | स्पशयाव | स्पशयाम |
| ह्य० | अस्पशयत् | अस्पशयताम् | अस्पशयन् |
| | अस्पशयः | अस्पशयतम् | अस्पशयत |
| | अस्पशयम् | अस्पशयाव | अस्पशयाम |
| अ० | अपस्पशत् | अपस्पशताम् | अपस्पशन् |
| | अपस्पशः | अपस्पशतम् | अपस्पशत |
| | अपस्पशम् | अपस्पशाव | अपस्पशाम |
| प० | स्पशयाञ्चकार | स्पशयाञ्चक्रतुः | स्पशयाञ्चकुः |
| | स्पशयाञ्चक्यै | स्पशयाञ्चक्रुः | स्पशयाञ्चक |
| | स्पशयाञ्चकर-चकर | स्पशयाञ्चकृव | स्पशयाञ्चकृम |
| | स्पशयाम्बभूव | स्पशयामास | |
| श्र० | स्पशयितु | स्पशयिताम् | स्पशयितुः |
| | स्पशयः | स्पशयस्तम् | स्पशयस्त |
| | स्पशयाम् | स्पशयास्व | स्पशयाम् |
| श्र० | स्पशयिता | स्पशयितारौ | स्पशयितारः |
| | स्पशयितासि | स्पशयितास्थः | स्पशयितास्थ |
| | स्पशयितास्मि | स्पशयितास्वः | स्पशयितास्मः |
| अ० | अस्पशयिष्यति | अस्पशयिष्यतः | अस्पशयिष्यन्ति |
| | अस्पशयिष्यसि | अस्पशयिष्यथः | अस्पशयिष्यथ |
| | अस्पशयिष्यामि | अस्पशयिष्यावः | अस्पशयिष्यामः |
| क्रि० | अस्पशयिष्यत् | अस्पशयिष्यताम् | अस्पशयिष्यन् |
| | अस्पशयिष्यः | अस्पशयिष्यतम् | अस्पशयिष्यत |
| | अस्पशयिष्यम् | अस्पशयिष्याव | अस्पशयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | स्पशयते | स्पशयेते | स्पशयन्ते |
| | स्पशयसे | स्पशयेथे | स्पशयध्वे |
| | स्पशये | स्पशयावहे | स्पशयामहे |
| स० | स्पशयेत | स्पशयेयाताम् | स्पशयेरन् |
| | स्पशयेथाः | स्पशयेयाथाम् | स्पशयेध्वम् |
| | स्पशयेय | स्पशयेवहि | स्पशयेमहि |
| प० | स्पशयताम् | स्पशयेताम् | स्पशयन्ताम् |
| | स्पशयस्व | स्पशयेथाम् | स्पशयध्वम् |
| | स्पशयै | स्पशयावहे | स्पशयामहे |
| ह्य० | अस्पशयत | अस्पशयेताम् | अस्पशयन्त |
| | अस्पशयथाः | अस्पशयेथाम् | अस्पशयध्वम् |
| | अस्पशये | अस्पशयावहि | अस्पशयामहि |
| अ० | अपस्पशत | अपस्पशेताम् | अपस्पशन्त |
| | अपस्पशथाः | अपस्पशेथाम् | अपस्पशध्वम् |
| | अपस्पशे | अपस्पशावहि | अपस्पशामहि |
| प० | स्पशयाञ्चके | स्पशयाञ्चकाते | स्पशयाञ्चक्रिरे |
| | स्पशयाञ्चकृषे | स्पशयाञ्चक्राथे | स्पशयाञ्चकृड्वे |
| | स्पशयाञ्चके | स्पशयाञ्चक्रवहे | स्पशयाञ्चकृमहे |
| | स्पशयाञ्चभूव | स्पशयामास | |
| आ० | स्पशयिषीष्ट | स्पशयिषीयास्ताम् | स्पशयिषीरन् |
| | स्पशयिषीष्टाः | स्पशयिषीयास्थाम् | स्पशयिषीड्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | स्पशयिषीय | स्पशयिषीवहि | स्पशयिषीमहि |
| श्र० | स्पशयिता | स्पशयितारौ | स्पशयितारः |
| | स्पशयितासे | स्पशयितामाथे | स्पशयितारः |
| | स्पशयिताहे | स्पशयितास्वहे | स्पशयितास्महे |
| अ० | अस्पशयिष्यते | अस्पशयिष्येते | अस्पशयिष्यन्ते |
| | अस्पशयिष्यसे | अस्पशयिष्येथे | अस्पशयिष्यध्वे |
| | अस्पशयिष्ये | अस्पशयिष्यावहे | अस्पशयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्पशयिष्यत् | अस्पशयिष्येताम् | अस्पशयिष्यन्त |
| | अस्पशयिष्यथाः | अस्पशयिष्येथाम् | अस्पशयिष्यध्वम् |
| | अस्पशयिष्ये | अस्पशयिष्यावहि | अस्पशयिष्यामहि |

1814 दंशिण् (दंश्) दशने । दंश् 496 वङ्गानि

1845 दंसिण् (दंस्) दशने च । दंसिण् 193 वङ्गानि

1846 भर्त्सिण् (भर्त्स्) संतर्जने ।

| | | | |
|-------|---------------------|------------------|-----------------|
| व० | भर्त्सयति | भर्त्सयतः | भर्त्सयन्ति |
| | भर्त्सयसि | भर्त्सयथः | भर्त्सयथ |
| | भर्त्सयामि | भर्त्सयावः | भर्त्सयामः |
| स० | भर्त्सयेत् | भर्त्सयेताम् | भर्त्सयेयुः |
| | भर्त्सयेः | भर्त्सयेतम् | भर्त्सयेत |
| | भर्त्सयेयम् | भर्त्सयेव | भर्त्सयेम |
| प० | भर्त्सयतु | भर्त्सयतात् | भर्त्सयताम् |
| | भर्त्सय | भर्त्सयतात् | भर्त्सयतम् |
| | भर्त्सयानि | भर्त्सयाव | भर्त्सयाम |
| ह्य० | अभर्त्सयत् | अभर्त्सयताम् | अभर्त्सयन् |
| | अभर्त्सयः | अभर्त्सयतम् | अभर्त्सयत |
| | अभर्त्सयम् | अभर्त्सयाव | अभर्त्सयाम |
| अ० | अवभर्त्सत् | अवभर्त्सताम् | अवभर्त्सन् |
| | र्त्सः | अवभर्त्सतम् | अवभर्त्सत |
| | अवभर्त्सम् | अवभर्त्साव | अवभर्त्साम |
| प० | भर्त्सयाञ्चकार | भर्त्सयाञ्चक्रुः | भर्त्सयाञ्चकुः |
| | भर्त्सयाञ्चक्य | भर्त्सयाञ्चक्रुः | भर्त्सयाञ्चक |
| | भर्त्सयाञ्चकार-चक्र | भर्त्सयाञ्चकृव | भर्त्सयाञ्चकृम |
| | भर्त्सयाम्बभूव | । | भर्त्सयामास |
| आ० | भर्त्स्यात् | भर्त्स्यास्ताम् | भर्त्स्यासुः |
| | भर्त्स्याः | भर्त्स्यास्तम् | भर्त्स्यास्त |
| | भर्त्स्यासम् | भर्त्स्यास्व | भर्त्स्यास्म |
| श्व० | भर्त्सयिता | भर्त्सयितारौ | भर्त्सयितारः |
| | भर्त्सयितासि | भर्त्सयितास्थः | भर्त्सयितास्थ |
| | भर्त्सयितास्मि | भर्त्सयितास्वः | भर्त्सयितास्मः |
| भ० | भर्त्सयिष्यति | भर्त्सयिष्यतः | भर्त्सयिष्यन्ति |
| | भर्त्सयिष्यसि | भर्त्सयिष्यथः | भर्त्सयिष्यथ |
| | भर्त्सयिष्यामि | भर्त्सयिष्यावः | भर्त्सयिष्यामः |
| क्रि० | अभर्त्सयिष्यत् | अभर्त्सयिष्यताम् | अभर्त्सयिष्यन् |
| | अभर्त्सयिष्यः | अभर्त्सयिष्यतम् | अभर्त्सयिष्यत |
| | अभर्त्सयिष्यम् | अभर्त्सयिष्याव | अभर्त्सयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|-------------------|
| व० | भर्त्सयते | भर्त्सयेते | भर्त्सयन्ते |
| | भर्त्सयसे | भर्त्सयेथे | भर्त्सयध्वे |
| | भर्त्सये | भर्त्सयावहे | भर्त्सयामहे |
| स० | भर्त्सयेत | भर्त्सयेथाताम् | भर्त्सयेरन् |
| | भर्त्सयेथाः | भर्त्सयेथाथाम् | भर्त्सयेध्वम् |
| | भर्त्सयेय | भर्त्सयेवहि | भर्त्सयेमहि |
| प० | भर्त्सयताम् | भर्त्सयेताम् | भर्त्सयन्ताम् |
| | भर्त्सयस्व | भर्त्सयेथाम् | भर्त्सयध्वम् |
| | भर्त्सये | भर्त्सयावहे | भर्त्सयामहे |
| ह्य० | अभर्त्सयत | अभर्त्सयेताम् | अभर्त्सयन्त |
| | अभर्त्सयथाः | अभर्त्सयेथाम् | अभर्त्सयध्वम् |
| | अभर्त्सये | अभर्त्सयावहि | अभर्त्सयामहि |
| अ० | अवभर्त्सत | अवभर्त्सेताम् | अवभर्त्सन्त |
| | अवभर्त्सथाः | अवभर्त्सेथाम् | अवभर्त्सध्वम् |
| | अवभर्त्से | अवभर्त्सावहि | अवभर्त्सामहि |
| प० | भर्त्सयाञ्चक्रे | भर्त्सयाञ्चक्रेते | भर्त्सयाञ्चक्रिरे |
| | भर्त्सयाञ्चकृषे | भर्त्सयाञ्चकृषे | भर्त्सयाञ्चकृद्वे |
| | भर्त्सयाञ्चक्रे | भर्त्सयाञ्चकृवहे | भर्त्सयाञ्चकृमहे |
| | भर्त्सयाम्बभूव | । | भर्त्सयामास |
| आ० | भर्त्सयिषीष्ट | भर्त्सयिषीयास्ताम् | भर्त्सयिषीरन् |
| | भर्त्सयिषीष्टाः | भर्त्सयिषीयास्थाम् | भर्त्सयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | भर्त्सयिषीय | भर्त्सयिषीवहि | भर्त्सयिषीमहि |
| श्व० | भर्त्सयिता | भर्त्सयितारौ | भर्त्सयितारः |
| | भर्त्सयितासे | भर्त्सयितासाथे | भर्त्सयिताध्वे |
| | भर्त्सयिताहे | भर्त्सयितास्वहे | भर्त्सयितास्महे |
| भ० | भर्त्सयिष्यते | भर्त्सयिष्येते | भर्त्सयिष्यन्ते |
| | भर्त्सयिष्यसे | भर्त्सयिष्येथे | भर्त्सयिष्यध्वे |
| | भर्त्सयिष्ये | भर्त्सयिष्यावहे | भर्त्सयिष्यामहे |
| क्रि० | अभर्त्सयिष्यत | अभर्त्सयिष्येताम् | अभर्त्सयिष्यन्त |
| | अभर्त्सयिष्यथाः | अभर्त्सयिष्येथाम् | अभर्त्सयिष्यध्वम् |
| | अभर्त्सयिष्ये | अभर्त्सयिष्यावहि | अभर्त्सयिष्यामहि |

1847 यक्षिण् (यक्ष्) पूजायाम् ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | यक्षयति | यक्षयतः | यक्षयन्ति |
| | यक्षयसि | यक्षयथः | यक्षयथ |
| | यक्षयामि | यक्षयावः | यक्षयामः |
| स० | यक्षयेत् | यक्षयेताम् | यक्षयेयुः |
| | यक्षयेः | यक्षयेतम् | यक्षयेत |
| | यक्षयेयम् | यक्षयेव | यक्षयेम |
| प० | यक्षयन्तु | यक्षयतात् | यक्षयताम् |
| | यक्षय | यक्षयतात् | यक्षयतम् |
| | यक्षयाणि | यक्षयाव | यक्षयाम |
| भा० | अयक्षयत् | अयक्षयताम् | अयक्षयन् |
| | अयक्षयः | अयक्षयतम् | अयक्षयत |
| | अयक्षयम् | अयक्षयाव | अयक्षयाम |
| अ० | अययक्षत् | अययक्षताम् | अययक्षन् |
| | अययक्षः | अययक्षतम् | अययक्षत |
| | अययक्षम् | अययक्षाव | अययक्षाम |
| प० | यक्षयाञ्चकार | यक्षयाञ्चकतुः | यक्षयाञ्चकुः |
| | यक्षयाञ्चकथं | यक्षयाञ्चकथुः | यक्षयाञ्चक |
| | यक्षयाञ्चकार-चकर | यक्षयाञ्चकृव | यक्षयाञ्चकृम |
| | यक्षयाम्बभूव | । | यक्षयामास |
| भा० | यक्ष्यात् | यक्ष्यास्ताम् | यक्ष्यासुः |
| | यक्ष्याः | यक्ष्यास्तम् | यक्ष्यास्त |
| | यक्ष्यासम् | यक्ष्यास्व | यक्ष्यास्म |
| श्व० | यक्षयिता | यक्षयितारौ | यक्षयितारः |
| | यक्षयितासि | यक्षयितास्थः | यक्षयितास्थ |
| | यक्षयितास्मि | यक्षयितास्वः | यक्षयितास्मः |
| म० | यक्षयिष्यति | यक्षयिष्यतः | यक्षयिष्यन्ति |
| | यक्षयिष्यसि | यक्षयिष्यथः | यक्षयिष्यथ |
| | यक्षयिष्यामि | यक्षयिष्यावः | यक्षयिष्यामः |
| क्रि० | यक्षयिष्यत् | अयक्षयिष्यताम् | अयक्षयिष्यन् |
| | अयक्षयिष्यः | अयक्षयिष्यतम् | अयक्षयिष्यत |
| | अयक्षयिष्यम् | अयक्षयिष्याव | अयक्षयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | यक्षयते | यक्षयेते | यक्षयन्ते |
| | यक्षयसे | यक्षयेथे | यक्षयध्वे |
| | यक्षये | यक्षयावहे | यक्षयामहे |
| स० | यक्षयेत् | यक्षयेयाताम् | यक्षयेरन् |
| | यक्षयेथाः | यक्षयेयाथाम् | यक्षयेध्वम् |
| | यक्षयेय | यक्षयेवहि | यक्षयेमहि |
| प० | यक्षयताम् | यक्षयेताम् | यक्षयन्ताम् |
| | यक्षयस्व | यक्षयेथाम् | यक्षयध्वम् |
| | यक्षये | यक्षयावहे | यक्षयामहे |
| भा० | अयक्षयत | अयक्षयेताम् | अयक्षयन्त |
| | अयक्षयथाः | अयक्षयेथाम् | अयक्षयध्वम् |
| | अयक्षये | अयक्षयावहि | अयक्षयामहि |
| अ० | अययक्षत | अययक्षेताम् | अययक्षन्त |
| | अययक्षथाः | अययक्षेथाम् | अययक्षध्वम् |
| | अययक्षे | अययक्षावहे | अययक्षामहि |
| प० | यक्षयाञ्चके | यक्षयाञ्चकृते | यक्षयाञ्चकिरे |
| | यक्षयाञ्चकृषे | यक्षयाञ्चक्राथे | यक्षयाञ्चकृद्वे |
| | यक्षयाञ्चके | यक्षयाञ्चकृन्हे | यक्षयाञ्चकृमहे |
| | यक्षयाम्बभूव | । | यक्षयामास |
| भा० | यक्षयिषीष्ट | यक्षयिषीयास्ताम् | यक्षयिषीरन् |
| | यक्षयिषीष्ठाः | यक्षयिषीयास्थाम् | यक्षयिषीद्वे |
| | यक्षयिषीय | यक्षयिषीवहि | यक्षयिषीमहि |
| श्व० | यक्षयिता | यक्षयितारौ | यक्षयितारः |
| | यक्षयितासे | यक्षयितासाथे | यक्षयिताध्वे |
| | यक्षयिताहे | यक्षयितास्वहे | यक्षयितास्महे |
| म० | यक्षयिष्यते | यक्षयिष्येते | यक्षयिष्यन्त |
| | यक्षयिष्यसे | यक्षयिष्येथे | यक्षयिष्यध्वे |
| | यक्षयिष्ये | यक्षयिष्यावहे | यक्षयिष्यामहे |
| क्रि० | अयक्षयिष्यत | अयक्षयिष्येताम् | अयक्षयिष्यन्त |
| | अयक्षयिष्यथाः | अयक्षयिष्येथाम् | अयक्षयिष्यध्वम् |
| | अयक्षयिष्ये | अयक्षयिष्यावहि | अयक्षयिष्यामहि |

1849 बलेष्कण् (बलेष्क्) दर्शने ।

| | | | |
|-------|--------------------|------------------|-----------------|
| ब० | डलेष्कयति | डलेष्कयतः | डलेष्कयन्ति |
| | डलेष्कयसि | डलेष्कयथः | डलेष्कयथ |
| | डलेष्कयामि | डलेष्कयावः | डलेष्कयामः |
| स० | डलेष्कयेत् | डलेष्कयेताम् | डलेष्कयेयुः |
| | डलेष्कयेः | डलेष्कयेतम् | डलेष्कयेत |
| | डलेष्कयेयम् | डलेष्कयेव | डलेष्कयेम |
| प० | डलेष्कयतु | डलेष्कयतात् | डलेष्कयताम् |
| | डलेष्कय | डलेष्कयतात् | डलेष्कयतम् |
| | डलेष्कयाणि | डलेष्कयाव | डलेष्कयाम |
| झ० | अडलेष्कयत् | अडलेष्कयताम् | अडलेष्कयन् |
| | अडलेष्कयः | अडलेष्कयतम् | अडलेष्कयत |
| | अडलेष्कयम् | अडलेष्कयाव | अडलेष्कयाम |
| अ० | अबिडलेष्कत् | अबिडलेष्कताम् | अबिडलेष्कन् |
| | अबिडलेष्कः | अबिडलेष्कतम् | अबिडलेष्कत |
| | अबिडलेष्कम् | अबिडलेष्काव | अबिडलेष्काम |
| प० | डलेष्कयाञ्चकार | डलेष्कयाञ्चकतुः | डलेष्कयाञ्चकुः |
| | डलेष्कयाञ्चकथं | डलेष्कयाञ्चकथुः | डलेष्कयाञ्चक |
| | डलेष्कयाञ्चकार-चकर | डलेष्कयाञ्चकृव | डलेष्कयाञ्चकृम |
| | डलेष्कयाञ्चभूव | डलेष्कयामास | |
| आ० | डलेष्ण्यात् | डलेष्ण्यास्ताम् | डलेष्ण्यासुः |
| | डलेष्ण्याः | डलेष्ण्यास्तम् | डलेष्ण्यास्त |
| | डलेष्ण्यासम् | डलेष्ण्यास्व | डलेष्ण्यास्म |
| भ० | डलेष्कयिता | डलेष्कयितारौ | डलेष्कयितारः |
| | डलेष्कयितासि | डलेष्कयितास्थः | डलेष्कयितास्थ |
| | डलेष्कयितास्मि | डलेष्कयितास्वः | डलेष्कयितास्मः |
| भ० | डलेष्कयिष्यति | डलेष्कयिष्यतः | डलेष्कयिष्यन्ति |
| | डलेष्कयिष्यसि | डलेष्कयिष्यथः | डलेष्कयिष्यथ |
| | डलेष्कयिष्यामि | डलेष्कयिष्यावः | डलेष्कयिष्यामः |
| क्रि० | अडलेष्कयिष्यत् | अडलेष्कयिष्यताम् | अडलेष्कयिष्यन् |
| | अडलेष्कयिष्यः | अडलेष्कयिष्यतम् | अडलेष्कयिष्यत |
| | अडलेष्कयिष्यम् | अडलेष्कयिष्याव | अडलेष्कयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|--------------------|--------------------|
| व० | उलेष्कयते | उलेष्कयेते | उलेष्कयन्ते |
| | उलेष्कयसे | उलेष्कयेथे | उलेष्कयाध्वे |
| | उलेष्कयं | उलेष्कयावहे | उलेष्कयामहे |
| स० | उलेष्कयेत | उलेष्कयेयाताम् | उलेष्कयेरन् |
| | उलेष्कयेथाः | उलेष्कयेयाथाम् | उलेष्कयेष्वम् |
| | उलेष्कयेय | उलेष्कयेवहि | उलेष्कयेमहि |
| प० | उलेष्कयताम् | उलेष्कयेताम् | उलेष्कयन्ताम् |
| | उलेष्कयस्व | उलेष्कयेथान् | उलेष्कयस्वम् |
| | उलेष्कयै | उलेष्कयावहे | उलेष्कयामहे |
| ह्य० | अउलेष्कयत | अउलेष्कयेताम् | अउलेष्कयन्त |
| | अउलेष्कयथाः | अउलेष्कयेथाम् | अउलेष्कयेष्वम् |
| | अउलेष्कये | अउलेष्कयावहि | अउलेष्कयामहि |
| अ० | अविउलेष्कत | अविउलेष्केताम् | अविउलेष्कन्त |
| | अविउलेष्कथाः | अविउलेष्केथाम् | अविउलेष्केष्वम् |
| | अविउलेष्के | अविउलेष्कावहि | अविउलेष्कामहि |
| प० | उलेष्कयाञ्चके | उलेष्कयाञ्चकते | उलेष्कयाञ्चकिरे |
| | उलेष्कयाञ्चकृषे | उलेष्कयाञ्चकृथे | उलेष्कयाञ्चकृत्वे |
| | उलेष्कयाञ्चके | उलेष्कयाञ्चकृवहे | उलेष्कयाञ्चकृमहे |
| | उलेष्कयाम्बभूव | । | उलेष्कयामास |
| भा० | उलेष्कयिषीष्ट | उलेष्कयिषीयास्ताम् | उलेष्कयिषीरन् |
| | उलेष्कयिषीष्ठाः | उलेष्कयिषीयास्थाम् | उलेष्कयिषीध्वम् |
| | उलेष्कयिषीय | उलेष्कयिषीवहि | उलेष्कयिषीमहि |
| श्व० | उलेष्कयिता | उलेष्कयितारौ | उलेष्कयितारः |
| | उलेष्कयितासे | उलेष्कयितासाथे | उलेष्कयिताध्वे |
| | उलेष्कयिताहे | उलेष्कयितास्वहे | उलेष्कयितास्महे |
| म० | उलेष्कयिष्यते | उलेष्कयिष्येते | उलेष्कयिष्यन्ते |
| | उलेष्कयिष्यसे | उलेष्कयिष्येथे | उलेष्कयिष्यध्वे |
| | उलेष्कयिष्ये | उलेष्कयिष्यावहे | उलेष्कयिष्यामहे |
| क्रि० | अउलेष्कयिष्यत | अउलेष्कयिष्येताम् | अउलेष्कयिष्यन्त |
| | अउलेष्कयिष्यथाः | अउलेष्कयिष्येथाम् | अउलेष्कयिष्येष्वम् |
| | अउलेष्कयिष्ये | अउलेष्कयिष्यावहि | अउलेष्कयिष्यामहि |

1850 सुखण् (सुख) तत्क्रियायाम् ।

| | | |
|----------------|----------------|---------------|
| व० सुखयति | सुखयतः | सुखयन्ति |
| सुखयसि | सुखयथः | सुखयथ |
| सुखयामि | सुखयावः | सुखयामः |
| स० सुखयेत् | सुखयेताम् | सुखयेयुः |
| सुखयेः | सुखयेतम् | सुखयेत |
| सुखयेयम् | सुखयेव | सुखयेम |
| प० सुखयतु | सुखयतात् | सुखयताम् |
| सुखय | सुखयतात् | सुखयतम् |
| सुखयानि | सुखयाव | सुखयाम |
| ह्य० असुखयत् | असुखयताम् | असुखयन् |
| असुखयः | असुखयतम् | असुखयत |
| असुखयम् | असुखयाव | असुखयाम |
| अ० असुसुखत् | असुसुखताम् | असुसुखन् |
| असुसुखः | असुसुखतम् | असुसुखत |
| असुसुखम् | असुसुखाव | असुसुखाम |
| प० सुखयाञ्चकार | सुखयाञ्चक्रुः | सुखयाञ्चक्रुः |
| सुखयाञ्चकथं | सुखयाञ्चक्रथुः | सुखयाञ्चक्र |
| सुखयाञ्चकार-कर | सुखयाञ्चक्रव | सुखयाञ्चक्रम |

सुखयाम्बभूव । सुखयामास

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| आ० सुख्यात् | सुख्यास्ताम् | सुख्यासुः |
| सुख्याः | सुख्यास्तम् | सुख्यास्त |
| सुख्यासम् | सुख्यास्व | सुख्यास्म |
| श्व० सुखयिता | सुखयितारौ | सुखयितारः |
| सुखयितासि | सुखयितास्थः | सुखयितास्थ |
| सुखयितास्मि | सुखयितास्वः | सुखयितास्मः |
| भ० सुखयिष्यति | सुखयिष्यतः | सुखयिष्यन्ति |
| सुखयिष्यसि | सुखयिष्यथः | सुखयिष्यथ |
| सुखयिष्यामि | सुखयिष्यावः | सुखयिष्यामः |
| क्रि० असुखयिष्यत् | असुखयिष्यताम् | असुखयिष्यन् |
| असुखयिष्यः | असुखयिष्यतम् | असुखयिष्यत |
| असुखयिष्यम् | असुखयिष्याव | असुखयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| व० सुखयते | सुखयेते | सुखयन्ते |
| सुखयसे | सुखयेथे | सुखयध्वे |
| सुखये | सुखयावहे | सुखयामहे |
| स० सुखयेत | सुखयेयाताम् | सुखयेरन् |
| सुखयेथाः | सुखयेयाथाम् | सुखयेष्वम् |
| सुखयेय | सुखयेवहि | सुखयेमहि |
| प० सुखयताम् | सुखयेताम् | सुखयन्ताम् |
| सुखयस्व | सुखयेथाम् | सुखयध्वम् |
| सुखये | सुखयावहै | सुखयामहै |
| ह्य० असुखयत | असुखयेताम् | असुखयन्त |
| असुखयथाः | असुखयेथाम् | असुखयध्वम् |
| असुखये | असुखयावहि | असुखयामहि |
| अ० असुसुखत | असुसुखेताम् | असुसुखन्त |
| असुसुखथाः | असुसुखेथाम् | असुसुखध्वम् |
| असुसुखे | असुसुखावहि | असुसुखामहि |
| प० सुखयाञ्चक्रे | सुखयाञ्चक्रते | सुखयाञ्चक्रिरे |
| सुखयाञ्चक्रेषु | सुखयाञ्चक्राथे | सुखयाञ्चक्रद्वे |
| सुखयाञ्चक्रे | सुखयाञ्चक्रवहे | सुखयाञ्चक्रमहे |

सुखयाम्बभूव । सुखयामास

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| आ० सुखयिषीष्ट | सुखयिषीयास्ताम् | सुखयिषीरन् |
| सुखयिषीष्ठाः | सुखयिषीयास्थाम् | सुखयिषीध्वम् |
| सुखयिषीय | सुखयिषीवहि | सुखयिषीमहि |
| श्व० सुखयिता | सुखयितारौ | सुखयितारः |
| सुखयितासे | सुखयितासाथे | सुखयिताध्वे |
| सुखयिताहे | सुखयितास्वहे | सुखयितास्महे |
| भ० सुखयिष्यते | सुखयिष्येते | सुखयिष्यन्ते |
| सुखयिष्यसे | सुखयिष्येथे | सुखयिष्यध्वे |
| सुखयिष्ये | सुखयिष्यावहे | सुखयिष्यामहे |
| क्रि० असुखयिष्यत् | असुखयिष्येताम् | असुखयिष्यन्त |
| असुखयिष्यथाः | असुखयिष्येथाम् | असुखयिष्यध्वम् |
| असुखयिष्ये | असुखयिष्यावहि | असुखयिष्यामहि |

1851 दुःखन् (दुःख) तत्क्रियायाम् ।

| | | |
|--------------------------|----------------|---------------|
| ब० दुःखयति | दुःखयतः | दुःखयन्ति |
| दुःखयसि | दुःखयथः | दुःखयथ |
| दुःखयामि | दुःखयावः | दुःखयामः |
| स० दुःखयेत् | दुःखयेताम् | दुःखयेयुः |
| दुःखयेः | दुःखयेतम् | दुःखयेत |
| दुःखयेयम् | दुःखयेव | दुःखयेम |
| प० दुःखयंतु | दुःखयतात् | दुःखयन्तु |
| दुःखय | दुःखयतात् | दुःखयतम् |
| दुःखयानि | दुःखयाव | दुःखयाम |
| अ० अदुःखयत् | अदुःखयताम् | अदुःखयन् |
| अदुःखयः | अदुःखयतम् | अदुःखयत |
| अदुःखयम् | अदुःखयाव | अदुःखयाम |
| अ० अदुदुःखत् | अदुदुःखताम् | अदुदुःखन् |
| अदुदुःखः | अदुदुःखतम् | अदुदुःखत |
| अदुदुःखम् | अदुदुःखाव | अदुदुःखाम |
| प० दुःखयाञ्चकार | दुःखयाञ्चक्रुः | दुःखयाञ्चकुः |
| दुःखयाञ्चकथे | दुःखयाञ्चकथुः | दुःखयाञ्चक |
| दुःखयाञ्चकार-कर | दुःखयाञ्चकृव | दुःखयाञ्चकृम |
| दुःखयाम्बभूव । दुःखयामास | | |
| भा० दुःख्यात् | दुःख्यास्ताम् | दुःख्यासुः |
| दुःख्याः | दुःख्यास्तम् | दुःख्यास्त |
| दुःख्यासम् | दुःख्यास्व | दुःख्यास्म |
| श्र० दुःखयिता | दुःखयितारौ | दुःखयितारः |
| दुःखयितासि | दुःखयितास्थः | दुःखयितास्थ |
| दुःखयितास्मि | दुःखयितास्वः | दुःखयितास्म |
| भ० दुःखयिष्यति | दुःखयिष्यतः | दुःखयिष्यन्ति |
| दुःखयिष्यसि | दुःखयिष्यथः | दुःखयिष्यथ |
| दुःखयिष्यामि | दुःखयिष्यावः | दुःखयिष्यामः |
| क्रि० अदुःखयिष्यत् | अदुःखयिष्यताम् | अदुःखयिष्यन् |
| अदुःखयिष्य | अदुःखयिष्यतम् | अदुःखयिष्यत |
| अदुःखयिष्यम् | अदुःखयिष्याव | अदुःखयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|------------------|-----------------|
| व० दुःखयते | दुःखयते | दुःखयन्ते |
| दुःखयसे | दुःखयथे | दुःखयध्वे |
| दुःखये | दुःखयावहे | दुःखयामहे |
| स० दुःखयेत् | दुःखयेयाताम् | दुःखयेरन् |
| दुःखयेथाः | दुःखयेयाथाम् | दुःखयेध्वम् |
| दुःखयेय | दुःखयेवहि | दुःखयेमहि |
| प० दुःखयताम् | दुःखयेताम् | दुःखयन्ताम् |
| दुःखयस्व | दुःखयेथाम् | दुःखयध्वम् |
| दुःखयै | दुःखयावहै | दुःखयामहै |
| अ० अदुःखयत | अदुःखयेताम् | अदुःखयन्त |
| अदुःखयथाः | अदुःखयेथाम् | अदुःखयध्वम् |
| अदुःखये | अदुःखयावहि | अदुःखयामहि |
| अ० अदुदुःखत् | अदुदुःखताम् | अदुदुःखन्त |
| अदुदुःखथाः | अदुदुःखेथाम् | अदुदुःखध्वम् |
| अदुदुःखे | अदुदुःखावहि | अदुदुःखामहि |
| प० दुःखयाञ्चक्र | दुःखयाञ्चक्राते | दुःखयाञ्चक्रिरे |
| दुःखयाञ्चकृषे | दुःखयाञ्चक्राथे | दुःखयाञ्चकृद्वे |
| दुःखयाञ्चक्रे | दुःखयाञ्चकृवहे | दुःखयाञ्चकृमहे |
| दुःखयाम्बभूव । दुःखयामास | | |
| भा० दुःखयिषीष्ट | दुःखयिषीयास्ताम् | दुःखयिषीरन् |
| दुःखयिषीष्ठाः | दुःखयिषीयास्थाम् | दुःखयिषीध्वम् |
| दुःखयिषीय | दुःखयिषीवहि | दुःखयिषीमहि |
| श्र० दुःखयिता | दुःखयितारौ | दुःखयितारः |
| दुःखयितासे | दुःखयितासाथे | दुःखयिताध्वे |
| दुःखयिताहे | दुःखयितास्वहे | दुःखयितास्महे |
| भ० दुःखयिष्यते | दुःखयिष्येते | दुःखयिष्यन्ते |
| दुःखयिष्यसे | दुःखयिष्यथे | दुःखयिष्यध्वे |
| दुःखयिष्ये | दुःखयिष्यावहे | दुःखयिष्यामहे |
| क्रि० अदुःखयिष्यत् | अदुःखयिष्येताम् | अदुःखयिष्यन्त |
| अदुःखयिष्यथाः | अदुःखयिष्येथाम् | अदुःखयिष्यध्वम् |
| अदुःखयिष्ये | अदुःखयिष्यावहि | अदुःखयिष्यामहि |

1853 अघण् (अघ्) यापककरणे ।

| | | |
|----------------------|-------------|-------------|
| ब० अघयति | अघयतः | अघयन्ति |
| अघयसि | अघयथः | अघयथ |
| अघयामि | अघयावः | अघयामः |
| स० अघयेत् | अघयेताम् | अघयेयुः |
| अघयेः | अघयेतम् | अघयेत |
| अघयेयम् | अघयेव | अघयेम |
| प० अघयतु | अघयतात् | अघयताम् |
| अघय | अघयतात् | अघयतम् |
| अघयानि | अघयाव | अघयाम |
| ह्य० आघयत् | आघयताम् | आघयन् |
| आघयः | आघयतम् | आघयत |
| आघयम् | आघयाव | आघयाम |
| अ० आजिघत् | आजिघताम् | आजिघन् |
| आजिघः | आजिघतम् | आजिघत |
| आजिघम् | आजिघाव | आजिघाम |
| प० अघयाञ्चकार | अघयाञ्चकतुः | अघयाञ्चकुः |
| अघयाञ्चकथं | अघयाञ्चकथुः | अघयाञ्चक |
| अघयाञ्चकार-चकर | अघयाञ्चकृव | अघयाञ्चकृम |
| अघयाम्बभूव । अघयामास | | |
| आ० अघ्यात् | अघ्यास्ताम् | अघ्यासुः |
| अघ्याः | अघ्यास्तम् | अघ्यास्त |
| अघ्यामम् | अघ्यास्व | अघ्यास्म |
| क्ष० अघयिता | अघयितारौ | अघयितारः |
| अघयितासि | अघयितास्थः | अघयितास्थ |
| अघयितास्मि | अघयितास्व | अघयितास्मः |
| भ० अघयिष्यति | अघयिष्यतः | अघयिष्यन्ति |
| अघयिष्यसि | अघयिष्यथः | अघयिष्यथ |
| अघयिष्यामि | अघयिष्यावः | अघयिष्यामः |
| क्रि० आघयिष्यत् | आघयिष्यताम् | आघयिष्यन् |
| आघयिष्यः | आघयिष्यतम् | आघयिष्यत |
| आघयिष्यम् | आघयिष्याव | आघयिष्याम |

| | | |
|----------------------|----------------|---------------|
| ब० अघयते | अघयेते | अघयन्ते |
| अघयसे | अघयेथे | अघयध्वे |
| अघये | अघयावहे | अघयामहे |
| स० अघयेत | अघयेयाताम् | अघयेरन् |
| अघयेथाः | अघयेयाथाम् | अघयेध्वम् |
| अघयेय | अघयेवहि | अघयेमहि |
| प० अघयताम् | अघयेताम् | अघयन्ताम् |
| अघयस्व | अघयेथाम् | अघयध्वम् |
| अघये | अघयावहे | अघयामहे |
| ह्य० आघयत | आघयेताम् | आघयन्त |
| आघयथाः | आघयेथाम् | आघयध्वम् |
| आघये | आघयावहि | आघयामहि |
| अ० आजिघत | आजिघेताम् | आजिघन्त |
| आजिघथाः | आजिघेथाम् | आजिघध्वम् |
| आजिघे | आजिघावहि | आजिघामहि |
| प० अघयाञ्चक्रे | अघयाञ्चकृते | अघयाञ्चक्रे |
| अघयाञ्चकृषे | अघयाञ्चकृथे | अघयाञ्चकृन्वे |
| अघयाञ्चके | अघयाञ्चकृवहे | अघयाञ्चकृमहे |
| अघयाम्बभूव । अघयामास | | |
| आ० अघयिषीष्ट | अघयिषीयास्ताम् | अघयिषीरन् |
| अघयिषीष्ठाः | अघयिषीयास्थाम् | अघयिषीद्वम् |
| अघयिषीय | अघयिषीवहि | अघयिषीध्वि |
| क्ष० अघयिता | अघयितारौ | अघयितारः |
| अघयितासे | अघयितासाथे | अघयिताध्वे |
| अघयिताहे | अघयितास्वहे | अघयितास्महे |
| भ० अघयिष्यते | अघयिष्येते | अघयिष्यन्ते |
| अघयिष्यसे | अघयिष्येथे | अघयिष्यध्वे |
| अघयिष्ये | अघयिष्यावहे | अघयिष्यामहे |
| क्रि० आघयिष्यत | आघयिष्येताम् | आघयिष्यन्त |
| आघयिष्यथाः | आघयिष्येथाम् | आघयिष्यध्वम् |
| आघयिष्ये | आघयिष्यावहि | आघयिष्यामहि |

1854 रचण् (रच्) प्रतियत्ने ।

| | | |
|----------------------|--------------|--------------|
| ब० रचयति | रचयतः | रचयन्ति |
| रचयसि | रचयथः | रचयथ |
| रचयामि | रचयावः | रचयामः |
| स० रचयेत् | रचयेताम् | रचयेयुः |
| रचयेः | रचयेतम् | रचयेत |
| रचयेयम् | रचयेव | रचयेम |
| प० रचयतु | रचयतात् | रचयन्तु |
| रचय | रचयतात् | रचयत |
| रचयानि | रचयाव | रचयाम |
| ह्य० अरचयत् | अरचयताम् | अरचयन् |
| अरचयः | अरचयतम् | अरचयत |
| अरचयम् | अरचयाव | अरचयाम |
| अ० अररचत् | अररचताम् | अररचन् |
| अररचः | अररचतम् | अररचत |
| अररचम् | अररचाव | अररचाम |
| प० रचयाञ्चकार | रचयाञ्चक्रुः | रचयाञ्चक्रुः |
| रचयाञ्चकथं | रचयाञ्चकथुः | रचयाञ्चक्र |
| रचयाञ्चकार-चकर | रचयाञ्चकृव | रचयाञ्चकृम |
| रचयाम्बभूव । रचयामास | | |
| आ० रच्यात् | रच्यास्ताम् | रच्यासुः |
| रच्याः | रच्यास्तम् | रच्यास्त |
| रच्यासम् | रच्यास्व | रच्यास्म |
| श्च० रचयिता | रचयितारौ | रचयितारः |
| रचयितासि | रचयितास्थः | रचयितास्थ |
| रचयितास्मि | रचयितास्वः | रचयितास्मः |
| भ० रचयिष्यति | रचयिष्यतः | रचयिष्यन्ति |
| रचयिष्यसि | रचयिष्यथः | रचयिष्यथ |
| रचयिष्यामि | रचयिष्यावः | रचयिष्यामः |
| क्रि० अरचयिष्यत् | अरचयिष्यताम् | अरचयिष्यन् |
| अरचयिष्यः | अरचयिष्यतम् | अरचयिष्यत |
| अरचयिष्यम् | अरचयिष्याव | अरचयिष्याम |

| | | |
|----------------------|----------------|---------------|
| व० रचयते | रचयेते | रचयन्ते |
| रचयसे | रचयेथे | रचयध्वे |
| रचये | रचयावहे | रचयामहे |
| ख० रचयेत | रचयेयाताम् | रचयेरन् |
| रचयेथाः | रचयेयाथाम् | रचयेध्वम् |
| रचयेथ | रचयेवहि | रचयेमहि |
| प० रचयताम् | रचयेताम् | रचयन्ताम् |
| रचयस्व | रचयेथाम् | रचयध्वम् |
| रचयै | रचयावहे | रचयामहे |
| ह्य० अरचयत | अरचयेताम् | अरचयन्त |
| अरचयथाः | अरचयेथाम् | अरचयध्वम् |
| अरचये | अरचयावहि | अरचयामहि |
| अ० अररचत | अररचेताम् | अररचन्त |
| अररचथाः | अररचेथाम् | अररचध्वम् |
| अररचे | अररचावहि | अररचामहि |
| प० रचयाञ्चक्रे | रचयाञ्चक्राते | रचयाञ्चकिरे |
| रचयाकृषे | रचयाञ्चक्राथे | रचयाञ्चकृव्हे |
| रचयाञ्चके | रचयाञ्चकृवहे | रचयाञ्चकृमहे |
| रचयाम्बभूव । रचयामास | | |
| आ० रचयिषीष्ट | रचयिषीयास्ताम् | रचयिषीरन् |
| रचयिषीष्ठाः | रचयिषीयास्थाम् | रचयिषीड्वम् |
| ध्वम् | | |
| रचयिषीय | रचयिषीवहि | रचयिषीमहि |
| श्च० रचयिता | रचयितारौ | रचयितारः |
| रचयितासे | रचयितासाथे | रचयिताध्वे |
| रचयिताहे | रचयितास्वहे | रचयितास्महे |
| भ० रचयिष्यते | रचयिष्येते | रचयिष्यन्ते |
| रचयिष्यसे | रचयिष्येथे | रचयिष्यध्वे |
| रचयिष्ये | रचयिष्यावहे | रचयिष्यामहे |
| क्रि० अरचयिष्यत | अरचयिष्येताम् | अरचयिष्यन्त |
| अरचयिष्यथाः | अरचयिष्येथाम् | अरचयिष्यध्वम् |
| अरचयिष्ये | अरचयिष्यावहि | अरचयिष्यामहि |

1855 सूचण् (सूच) पैशुन्ये ।

| | | |
|------------------------|----------------|---------------|
| व० सूचयति | सूचयतः | सूचयन्ति |
| सूचयति | सूचयथः | सूचयथ |
| सूचयामि | सूचयावः | सूचयामः |
| स० सूचयेत् | सूचयेताम् | सूचयेयुः |
| सूचयेः | सूचयेतम् | सूचयेत |
| सूचयेयम् | सूचयेव | सूचयेम |
| प० सूचयतु | सूचयतात् | सूचयन्तु |
| सूचय | सूचयतात् | सूचयत |
| सूचयानि | सूचयाव | सूचयाम |
| अ० असूचयत् | असूचयताम् | असूचयन् |
| असूचयः | असूचयतम् | असूचयत |
| असूचयम् | असूचयाव | असूचयाम |
| अ० असुसूचत् | असुसूचताम् | असुसूचन् |
| असुसूचः | असुसूचतम् | असुसूचत |
| असुसूचम् | असुसूचाव | असुसूचाम |
| प० सूचयाञ्चकार | सूचयाञ्चक्रतुः | सूचयाञ्चक्रुः |
| सूचयाञ्चकथं | सूचयाञ्चक्रथुः | सूचयाञ्चक्र |
| सूचयाञ्चकार-चकर | सूचयाञ्चकृव | सूचयाञ्चकृम |
| सूचयाम्बभूव । सूचयामास | | |
| आ० सूच्यात् | सूच्यास्ताम् | सूच्यातु |
| सूच्याः | सूच्यास्तम् | सूच्यास्त |
| सूच्यासम् | सूच्यास्व | सूच्यास्म |
| अ० सूचयिता | सूचयितारौ | सूचयितारः |
| सूचयितासि | सूचयितास्थः | सूचयितास्थ |
| सूचयितास्मि | सूचयितास्वः | सूचयितास्मः |
| अ० सूचयिष्यति | सूचयिष्यतः | सूचयिष्यन्ति |
| सूचयिष्यसि | सूचयिष्यथः | सूचयिष्यथ |
| सूचयिष्यामि | सूचयिष्यावः | सूचयिष्यामः |
| क्रि० असूचयिष्यत् | असूचयिष्यताम् | असूचयिष्यन् |
| असूचयिष्यः | असूचयिष्यतम् | असूचयिष्यत |
| असूचयिष्यम् | असूचयिष्याव | असूचयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|------------------|
| १० सूचयते | सूचयेते | सूचयन्ते |
| सूचयते | सूचयेथे | सूचयध्वे |
| सूचये | सूचयावहे | सूचयामहे |
| स० सूचयेत | सूचयेयाताम् | सूचयेरन् |
| सूचयेथाः | सूचयेयाथाम् | सूचयेध्वम् |
| सूचयेय | सूचयेवहि | सूचयेमहि |
| प० सूचयताम् | सूचयेताम् | सूचयन्ताम् |
| सूचयस्व | सूचयेथाम् | सूचयध्वम् |
| सूचये | सूचयावहे | सूचयामहे |
| अ० असूचयत | असूचयताम् | असूचयन्त |
| असूचयथाः | असूचयेथाम् | असूचयध्वम् |
| असूचये | असूचयावहि | असूचयामहि |
| अ० असुसूचत | असुसूचेताम् | असुसूचन्त |
| असुसूचथाः | असुसूचेथाम् | असुसूचध्वम् |
| असुसूचे | असुसूचावहि | असुसूचामहि |
| प० सूचयाञ्चक्रे | सूचयाञ्चक्राते | सूचयाञ्चक्रिरे |
| सूचयाञ्चक्रे | सूचयाञ्चक्राथे | सूचयाञ्चक्रुद्वे |
| सूचयाञ्चक्रे | सूचयाञ्चक्रुवहे | सूचयाञ्चक्रुमहे |
| सूचयाम्बभूव । सूचयामास | | |
| आ० सूचयिषीष्ट | सूचयिषीयास्ताम् | सूचयिषीरन् |
| सूचयिषीष्टाः | सूचयिषीयास्थाम् | सूचयिषीद्वम् |
| ध्वम् | | |
| सूचयिषीय | सूचयिषीवहि | सूचयिषीमहि |
| अ० सूचयिता | सूचयितारौ | सूचयितारः |
| सूचयितासे | सूचयितासाथे | सूचयिताध्वे |
| सूचयिताहे | सूचयितास्वहे | सूचयितास्महे |
| अ० सूचयिष्यते | सूचयिष्येते | सूचयिष्यन्ते |
| सूचयिष्यते | सूचयिष्येथे | सूचयिष्यध्वे |
| सूचयिष्ये | सूचयिष्यावहे | सूचयिष्यामहे |
| क्रि० असूचयिष्यत | असूचयिष्येताम् | असूचयिष्यन्त |
| असूचयिष्यथाः | असूचयिष्येथाम् | असूचयिष्यध्वम् |
| असूचयिष्ये | असूचयिष्यावहि | असूचयिष्यामहि |

1856 भाजण् (भाज्) पृथक्कर्मणि ।

| | | |
|-----------------|---------------|---------------|
| व० भाजयति | भाजयतः | भाजयन्ति |
| भाजयसि | भाजयथः | भाजयथ |
| भाजयामि | भाजयावः | भाजयामः |
| स० भाजयेत् | भाजयेताम् | भाजयेयुः |
| भाजयेः | भाजयेतम् | भाजयेत |
| भाजयेयम् | भाजयेव | भाजयेम |
| प० भाजयतु | भाजयतात् | भाजयन्तु |
| भाजय | भाजयतात् | भाजयतम् |
| भाजयानि | भाजयाव | भाजयाम |
| ह्य० अभाजयत् | अभाजयताम् | अभाजयन् |
| अभाजयः | अभाजयतम् | अभाजयत |
| अभाजयम् | अभाजयाव | अभाजयाम |
| अ० अबभाजत् | अबभाजताम् | अबभाजन् |
| अबभाजः | अबभाजतम् | अबभाजत |
| अबभाजम् | अबभाजाव | अबभाजाम |
| प० भाजयाञ्चकार | भाजयाञ्चक्रुः | भाजयाञ्चक्रुः |
| भाजयाञ्चकर्तुः | भाजयाञ्चक्रुः | भाजयाञ्चक्रुः |
| भाजयाञ्चकार-चकर | भाजयाञ्चकृव | भाजयाञ्चकृम |

भाजयाम्बभूव । भाजयामास

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| आ० भाज्यात् | भाज्यास्ताम् | भाज्यासुः |
| भाज्याः | भाज्यास्तम् | भाज्यास्त |
| भाज्यासम् | भाज्यास्व | भाज्यास्म |
| श्व० भाजयिता | भाजयितारौ | भाजयितारः |
| भाजयितासि | भाजयितास्थः | भाजयितास्थ |
| भाजयितास्मि | भाजयितास्वः | भाजयितास्मः |
| भ० भाजयिष्यति | भाजयिष्यतः | भाजयिष्यन्ति |
| भाजयिष्यसि | भाजयिष्यथः | भाजयिष्यथ |
| भाजयिष्यामि | भाजयिष्यावः | भाजयिष्यामः |
| क्रि० अभाजयिष्यत् | अभाजयिष्यताम् | अभाजयिष्यन् |
| अभाजयिष्यः | अभाजयिष्यतम् | अभाजयिष्यत |
| अभाजयिष्यम् | अभाजयिष्याव | अभाजयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० भाजयते | भाजयेते | भाजयन्ते |
| भाजयसे | भाजयेथे | भाजयन्थे |
| भाजये | भाजयावहे | भाजयामहे |
| स० भाजयेत | भाजयेयाताम् | भाजयेरन् |
| भाजयेथाः | भाजयेयाथाम् | भाजयेध्वम् |
| भाजयेय | भाजयेवहि | भाजयेमहि |
| प० भाजयताम् | भाजयेताम् | भाजयन्ताम् |
| भाजयस्व | भाजयेथाम् | भाजयध्वम् |
| भाजयै | भाजयावहे | भाजयामहे |
| ह्य० अभाजयत | अभाजयेताम् | अभाजयन्त |
| अभाजयथाः | अभाजयेथाम् | अभाजयध्वम् |
| अभाजये | अभाजयावहि | अभाजयामहि |
| अ० अबभाजत | अबभाजताम् | अबभाजन्त |
| अबभाजथाः | अबभाजथाम् | अबभाजध्वम् |
| अबभाजे | अबभाजावहि | अबभाजामहि |
| प० भाजयाञ्चक्रे | भाजयाञ्चक्राते | भाजयाञ्चकिरे |
| भाजयाञ्चकृषे | भाजयाञ्चक्राथे | भाजयाञ्चकृद्वे |
| भाजयाञ्चक्रे | भाजयाञ्चकृवहे | भाजयाञ्चकृमहे |
| भाजयाम्बभूव । भाजयामास | | |
| आ० भाजयिषीष्ट | भाजयिषीयास्ताम् | भाजयिषीरन् |
| भाजयिषीष्ठाः | भाजयिषीयास्थाम् | भाजयिषीद्वम् |
| भाजयिषीय | भाजयिषीवहि | भाजयिषीमहि |
| श्व० भाजयिता | भाजयितारौ | भाजयितारः |
| भाजयितासे | भाजयितासाथे | भाजयिताध्वे |
| भाजयिताहे | भाजयितास्वहे | भाजयितास्महे |
| भ० भाजयिष्यते | भाजयिष्येते | भाजयिष्यन्ते |
| भाजयिष्यसे | भाजयिष्येथे | भाजयिष्यन्थे |
| भाजयिष्ये | भाजयिष्यावहे | भाजयिष्यामहे |
| क्रि० अभाजयिष्यत | अभाजयिष्येताम् | अभाजयिष्यन्त |
| अभाजयिष्यथाः | अभाजयिष्येथाम् | अभाजयिष्यध्वम् |
| अभाजयिष्ये | अभाजयिष्यावहि | अभाजयिष्यामहि |

1857 सभाजण् (सभाज्) प्रीतिसेवनयोः ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| व० सभाजयति | सभाजयतः | सभाजयन्ति |
| सभाजयसि | सभाजयथः | सभाजयथ |
| सभाजयामि | सभाजयावः | सभाजयामः |
| स० सभाजयेत् | सभाजयेताम् | सभाजयेयुः |
| सभाजयेः | सभाजयेतम् | सभाजयेत |
| सभाजयेयम् | सभाजयेव | सभाजयेम |
| प० सभाजयतु | सभाजयतात् | सभाजयताम् |
| सभाजय | सभाजयतात् | सभाजयतम् |
| सभाजयानि | सभाजयाव | सभाजयाम |
| ह्य० असभाजयत् | असभाजयताम् | असभाजयन् |
| असभाजयः | असभाजयतम् | असभाजयत |
| असभाजयम् | असभाजयाव | असभाजयाम |
| अ० अससभाजत् | अससभाजताम् | अससभाजन् |
| अससभाजः | अससभाजतम् | अससभाजत |
| अससभाजम् | अससभाजाव | अससभाजाम |
| प० सभाजयाञ्चकार | सभाजयाञ्चक्रतुः | सभाजयाञ्चक्रुः |
| सभाजयाञ्चकथं | सभाजयाञ्चक्रथुः | सभाजयाञ्चक्र |
| सभाजयाञ्चकार-चक्र | सभाजयाञ्चक्रव | सभाजयाञ्चक्रम् |
| सभाजयाम्बभूव । | सभाजयामास | |
| भा० सभाज्यात् | सभाज्यास्ताम् | सभाज्यासुः |
| सभाज्याः | सभाज्यास्तम् | सभाज्यास्त |
| सभाज्यासम् | सभाज्यास्व | सभाज्यास्म |
| भ० सभाजयिता | सभाजयितारौ | सभाजयितारः |
| सभाजयितासि | सभाजयितास्थः | सभाजयितास्थ |
| सभाजयितास्मि | सभाजयितास्वः | सभाजयितास्मः |
| भ० सभाजयिष्यति | सभाजयिष्यतः | सभाजयिष्यन्ति |
| सभाजयिष्यसि | सभाजयिष्यथः | सभाजयिष्यथ |
| सभाजयिष्यामि | सभाजयिष्यावः | सभाजयिष्यामः |
| क्रि० असभाजयिष्यत् | असभाजयिष्यताम् | असभाजयिष्यन् |
| असभाजयिष्यः | असभाजयिष्यतम् | असभाजयिष्यत |
| असभाजयिष्यम् | असभाजयिष्याव | असभाजयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-----------------|
| व० सभाजयेते | सभाजयेते | सभाजयन्ते |
| सभाजयसे | सभाजयेथे | सभाजयध्वे |
| सभाजये | सभाजयावहे | सभाजयामहे |
| स० सभाजयेत | सभाजयेताम् | सभाजयेरन् |
| सभाजयेथाः | सभाजयेथाम् | सभाजयेध्वम् |
| सभाजयेय | सभाजयेवहि | सभाजयेमहि |
| प० सभाजयताम् | सभाजयेताम् | सभाजयन्ताम् |
| सभाजयस्व | सभाजयेथाम् | सभाजयध्वम् |
| सभाजयै | सभाजयावहे | सभाजयामहे |
| ह्य० असभाजयत | असभाजयेताम् | असभाजयन्त |
| असभाजयथाः | असभाजयेथाम् | असभाजयध्वम् |
| असभाजये | असभाजयावहि | असभाजयामहि |
| अ० अससभाजत | अससभाजेताम् | अससभाजन्त |
| अससभाजथाः | अससभाजेथाम् | अससभाजध्वम् |
| अससभाजे | अससभाजावहि | अससभाजामहि |
| प० सभाजयाञ्चक्रे | सभाजयाञ्चक्राते | सभाजयाञ्चकिरे |
| सभाजयाञ्चकृषे | सभाजयाञ्चक्राथे | सभाजयाञ्चकृद्वे |
| सभाजयाञ्चक्रे | सभाजयाञ्चकृवहे | सभाजयाञ्चकृमहे |
| सभाजयाम्बभूव । | सभाजयामास | |
| भा० सभाजयिषीष्ट | सभाजयिषीयास्ताम् | सभाजयिषीरन् |
| सभाजयिषीष्ठाः | सभाजयिषीयास्थाम् | सभाजयिषीध्वम् |
| सभाजयिषीय | सभाजयिषीवहि | सभाजयिषीमहि |
| भ० सभाजयिता | सभाजयितारौ | सभाजयितारः |
| सभाजयितासे | सभाजयितासाथे | सभाजयिताध्वे |
| सभाजयिताहे | सभाजयितास्वहे | सभाजयितास्महे |
| भ० सभाजयिष्यते | सभाजयिष्येते | सभाजयिष्यन्ते |
| सभाजयिष्यसे | सभाजयिष्येथे | सभाजयिष्यध्वे |
| सभाजयिष्ये | सभाजयिष्यावहे | सभाजयिष्यामहे |
| क्रि० असभाजयिष्यत् | असभाजयिष्येताम् | असभाजयिष्यन्त |
| असभाजयिष्यथाः | असभाजयिष्येथाम् | असभाजयिष्यध्वम् |
| असभाजयिष्ये | असभाजयिष्यावहि | असभाजयिष्यामहि |

1858 लजण् (लज्) प्रकाशने ।

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| व० लजयति | लजयतः | लजयन्ति |
| लजयसि | लजयथः | लजयथ |
| लजयामि | लजयावः | लजयामः |
| स० लजयेत् | लजयेताम् | लजयेयुः |
| लजयेः | लजयेतम् | लजयेत |
| लजयेयम् | लजयेव | लजयेम |
| प० लजयतु | लजयतात् | लजयताम् |
| लजय | लजयतात् | लज तम् |
| लजयामि | लजयाव | लजयाम |
| ह्य० अलजयत् | अलजयताम् | अलजयन् |
| अलजयः | अलजयतम् | अलजयत |
| अलजयम् | अलजयाव | अलजयाम |
| भ० अललजत् | अललजताम् | अललजन् |
| अललजः | अललजतम् | अललजत |
| अललजम् | अललजाव | अललजाम |
| प० लजयाश्चकार | लजयाश्चक्रुः | लजयाश्चक्रुः |
| लजयाश्चकर्थ | लजयाश्चक्रुः | लजयाश्चक्रुः |
| लजयाश्चकार-चकर | लजयाश्चक्रुव | लजयाश्चक्रुम |
| लजयाम्बभूव | लजयामास | |
| आ० लज्यात् | लज्यास्ताम् | लज्यासुः |
| लज्याः | लज्यास्तम् | लज्यास्त |
| लज्यासम् | लज्यास्व | लज्यास्म |
| श्व० लजयिता | लजयितारौ | लजयितारः |
| लजयितासि | लजयितास्थः | लजयितास्थ |
| लजयितास्मि | लजयितास्वः | लजयितास्मः |
| भ० लजयिष्यति | लजयिष्यतः | लजयिष्यन्ति |
| लजयिष्यसि | लजयिष्यथः | लजयिष्यथ |
| लजयिष्यामि | लजयिष्यावः | लजयिष्यामः |
| क्रि० अलजयिष्यत् | अलजयिष्यताम् | अलजयिष्यन् |
| अलजयिष्यः | अलजयिष्यतम् | अलजयिष्यत |
| अलजयिष्यम् | अलजयिष्याव | अलजयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|-----------------|
| व० लजयते | लजयेते | लजयन्ते |
| लजयसे | लजयेथे | लजयध्वे |
| लजये | लजयावहे | लजयामहे |
| स० लजयेत | लजयेयाताम् | लजयेरन् |
| लजयेथाः | लजयेयाथाम् | लजयेष्वम् |
| लजयेय | लजयेवहि | लजयेमहि |
| प० लजयताम् | लजयेताम् | लजयन्ताम् |
| लजयस्व | लजयेथाम् | लजयध्वम् |
| लजये | लजयावहे | लजयामहे |
| ह्य० अलजयत | अलजयेताम् | अलजयन्त |
| अलजयथाः | अलजयेथाम् | अलजयध्वम् |
| अलजये | अलजयावहि | अलजयामहि |
| भ० अललजत | अललजेताम् | अललजन्त |
| अललजथाः | अललजेथाम् | अललजध्वम् |
| अललजे | अललजावहि | अललजामहि |
| प० लजयाश्चक्रे | लजयाश्चक्राते | लजयाश्चक्रिरे |
| लजयाश्चक्रुषे | लजयाश्चक्राये | लजयाश्चक्रुद्वे |
| लजयाश्चक्रे | लजयाश्चक्रुवहे | लजयाश्चक्रुमहे |
| लजयाम्बभूव | लजयामास | |
| आ० लजयिषीष्ट | लजयिषीयास्ताम् | लजयिषीरन् |
| लजयिषीष्ठाः | लजयिषीयास्थाम् | लजयिषीध्वम् |
| लजयिषीय | लजयिषीवहि | लजयिषीमहि |
| श्व० लजयिता | लजयितारौ | लजयितारः |
| लजयितासे | लजयितासाथे | लजयिताध्वे |
| लजयिताहे | लजयितास्वहे | लजयितास्महे |
| भ० लजयिष्यते | लजयिष्येते | लजयिष्यन्ते |
| लजयिष्यसे | लजयिष्येथे | लजयिष्यध्वे |
| लजयिष्ये | लजयिष्यावहे | लजयिष्यामहे |
| क्रि० अलजयिष्यत | अलजयिष्येताम् | अलजयिष्यन्त |
| अलजयिष्यथाः | अलजयिष्येथाम् | अलजयिष्यध्वम् |
| अलजयिष्ये | अलजयिष्यावहि | अलजयिष्यामहि |

1860 कूट्ण (कूट्) दाहे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० कूटयति | कूटयतः | कूटयन्ति |
| कूटयसि | कूटयथः | कूटयथ |
| कूटयामि | कूटयावः | कूटयामः |
| स० कूटयेत् | कूटयेताम् | कूटयेयुः |
| कूटयेः | कूटयेतम् | कूटयेत |
| कूटयेयम् | कूटयेव | कूटयेम |
| प० कूटयतु | कूटयतात् | कूटयताम् |
| कूटय | कूटयतात् | कूटयतम् |
| कूटयानि | कूटयाव | कूटयाम |
| अ० अकूटयत् | अकूटयताम् | अकूटयन् |
| अकूटयः | अकूटयतम् | अकूटयत |
| अकूटयम् | अकूटयाव | अकूटयाम |
| अ० अचुकूटत् | अचुकूटताम् | अचुकूटन् |
| अचुकूटः | अचुकूटतम् | अचुकूटत |
| अचुकूटम् | अचुकूटाव | अचुकूटाम |
| प० कूटयाञ्चकार | कूटयाञ्चकतुः | कूटयाञ्चकुः |
| कूटयाञ्चकथं | कूटयाञ्चकथुः | कूटयाञ्चक |
| कूटयाञ्चकार-चकर | कूटयाञ्चकृव | कूटयाञ्चकृम |
| कूटयाञ्चभूव | । | कूटयामास |
| आ० कूटयात् | कूटयास्ताम् | कूटयासुः |
| कूटयाः | कूटयास्तम् | कूटयास्त |
| कूटयासम् | कूटयास्व | कूटयास्म |
| अ० कूटयिता | कूटयितारौ | कूटयितारः |
| कूटयितासि | कूटयितास्थः | कूटयितास्थ |
| कूटयितास्मि | कूटयितास्वः | कूटयितास्मः |
| अ० कूटयिष्यति | कूटयिष्यतः | कूटयिष्यन्ति |
| कूटयिष्यसि | कूटयिष्यथः | कूटयिष्यथ |
| कूटयिष्यामि | कूटयिष्यावः | कूटयिष्यामः |
| क्रि० अकूटयिष्यत् | अकूटयिष्यताम् | अकूटयिष्यन् |
| अकूटयिष्यः | अकूटयिष्यतम् | अकूटयिष्यत |
| अकूटयिष्यम् | अकूटयिष्याव | अकूटयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| व० कूटयते | कूटयेते | कूटयन्ते |
| कूटयसे | कूटयेथे | कूटयन्वे |
| कूटये | कूटयावहे | कूटयामहे |
| स० कूटयेत | कूटयेयाताम् | कूटयेरन् |
| कूटयेथाः | कूटयेयाथाम् | कूटयेष्वम् |
| कूटयेय | कूटयेवहि | कूटयेमहि |
| प० कूटयताम् | कूटयेताम् | कूटयन्ताम् |
| कूटयस्व | कूटयेथाम् | कूटयेष्वम् |
| कूटये | कूटयावहे | कूटयामहे |
| अ० अकूटयत | अकूटयेताम् | अकूटयन्त |
| अकूटयथाः | अकूटयेथाम् | अकूटयेष्वम् |
| अकूटये | अकूटयावहि | अकूटयामहि |
| अ० अचुकूटत | अचुकूटेताम् | अचुकूटन्त |
| अचुकूटथाः | अचुकूटेथाम् | अचुकूटेष्वम् |
| अचुकूटे | अचुकूटावहि | अचुकूटामहि |
| प० कूटयाञ्चके | कूटयाञ्चकाते | कूटयाञ्चकिरे |
| कूटयाञ्चकृषे | कूटयाञ्चकाथे | कूटयाञ्चकृदवे |
| कूटयाञ्चके | कूटयाञ्चकृवहे | कूटयाञ्चकृमहे |
| कूटयाञ्चभूव | । | कूटयामास |
| आ० कूटयिषीष्ट | कूटयिषीयास्ताम् | कूटयिषीरन् |
| कूटयिषीष्ठाः | कूटयिषीयास्थाम् | कूटयिषीद्वम् |
| कूटयिषीय | कूटयिषीवहि | कूटयिषीमहि |
| अ० कूटयिता | कूटयितारौ | कूटयितारः |
| कूटयितासे | कूटयितासाथे | कूटयितास्वे |
| कूटयिताहे | कूटयितास्वहे | कूटयितास्महे |
| अ० कूटयिष्यते | कूटयिष्येते | कूटयिष्यन्ते |
| कूटयिष्यसे | कूटयिष्येथे | कूटयिष्यन्वे |
| कूटयिष्ये | कूटयिष्यावहे | कूटयिष्यामहे |
| क्रि० अकूटयिष्यत | अकूटयिष्येताम् | अकूटयिष्यन्त |
| अकूटयिष्यथाः | अकूटयिष्येथाम् | अकूटयिष्येष्वम् |
| अकूटयिष्ये | अकूटयिष्यावहि | अकूटयिष्यामहि |

1862 वटण् (वट्) ग्रन्थे ।

| | | |
|------------------|--------------|--------------|
| व० वटयति | वटयतः | वटयन्ति |
| वटयसि | वटयथः | वटयथ |
| वटयामि | वटयावः | वटयामः |
| स० वटयेत् | वटयेताम् | वटयेयुः |
| वटयेः | वटयेतम् | वटयेत |
| वटयेयम् | वटयेव | वटयेम |
| प० वटयतु | वटयतात् | वटयताम् |
| वटय | वटयतात् | वटयतम् |
| वटयामि | वटयाव | वटयाम |
| ह्य० अवटयत् | अवटयताम् | अवटयन् |
| अवटयः | अवटयतम् | अवटयत |
| अवटयम् | अवटयाव | अवटयाम |
| अ० अववटत् | अववटताम् | अववटन् |
| अववटः | अववटतम् | अववटत |
| अववटम् | अववटाव | अववटाम |
| प० वटयाञ्चकार | वटयाञ्चक्रुः | वटयाञ्चक्रुः |
| वटयाञ्चकथं | वटयाञ्चकथुः | वटयाञ्चक्रु |
| वटयाञ्चकार-चकर | वटयाञ्चकुव | वटयाञ्चक्रम |
| वटयाञ्चभूव | वटयामास | |
| आ० वटयात् | वटयास्ताम् | वटयासुः |
| वटयाः | वटयास्तम् | वटयास्त |
| वटयासम् | वटयास्व | वटयास्म |
| श्र० वटयिता | वटयितारौ | वटयितारः |
| वटयितासि | वटयितास्थः | वटयितास्थ |
| वटयितास्मि | वटयितास्वः | वटयितास्मः |
| भ० वटयिष्यति | वटयिष्यतः | वटयिष्यन्ति |
| वटयिष्यसि | वटयिष्यथः | वटयिष्यथ |
| वटयिष्यामि | वटयिष्यावः | वटयिष्यामः |
| क्रि० अवटयिष्यत् | अवटयिष्यताम् | अवटयिष्यन् |
| अवटयिष्यः | अवटयिष्यतम् | अवटयिष्यत |
| अवटयिष्यम् | अवटयिष्याव | अवटयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|----------------|
| व० वटयते | वटयेते | वटयन्ते |
| वटयसे | वटयेथे | वटयन्वे |
| वटये | वटयावहे | वटयामहे |
| स० वटयेत | वटयेयाताम् | वटयेरन् |
| वटयेथाः | वटयेयाथाम् | वटयेष्वम् |
| वटयेय | वटयेवहि | वटयेमहि |
| प० वटयताम् | वटयेताम् | वटयन्ताम् |
| वटयस्व | वटयेथाम् | वटयेष्वम् |
| वटये | वटयावहे | वटयामहे |
| ह्य० अवटयत | अवटयेताम् | अवटयन्त |
| अवटयथाः | अवटयेथाम् | अवटयेष्वम् |
| अवटये | अवटयावहि | अवटयामहि |
| अ० अववटत | अववटेताम् | अववटन्त |
| अववटथाः | अववटेथाम् | अववटेष्वम् |
| अववटे | अववटावहि | अववटामहि |
| प० वटयाञ्चक्रे | वटयाञ्चकाले | वटयाञ्चकिरे |
| वटयाञ्चक्रेषु | वटयाञ्चकाले | वटयाञ्चकृते |
| वटयाञ्चक्रे | वटयाञ्चकृवहे | वटयाञ्चकृमहे |
| वटयाञ्चभूव | वटयामास | |
| आ० वटयिषीष्ट | वटयिषीयास्ताम् | वटयिषीरन् |
| वटयिषीष्टाः | वटयिषीयास्थाम् | वटयिषीह्वम् |
| वटयिषीय | वटयिषीवहि | वटयिषीमहि |
| श्र० वटयिता | वटयितारौ | वटयितारः |
| वटयितासि | वटयितासाथे | वटयितास्वे |
| वटयिताहे | वटयितास्वहे | वटयितास्महे |
| भ० वटयिष्यते | वटयिष्येते | वटयिष्यन्ते |
| वटयिष्यसे | वटयिष्येथे | वटयिष्यन्वे |
| वटयिष्ये | वटयिष्यावहे | वटयिष्यामहे |
| क्रि० अवटयिष्यत | अवटयिष्येताम् | अवटयिष्यन्त |
| अवटयिष्यथाः | अवटयिष्येथाम् | अवटयिष्येष्वम् |
| अवटयिष्ये | अवटयिष्यावहि | अवटयिष्यामहि |

1861 पटण् (पट्) ग्रन्थे ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| ब० | पटयति | पटयतः | पटयन्ति |
| | पटयसि | पटयथः | पटयथ |
| | पटयामि | पटयावः | पटयामः |
| स० | पटयेत् | पटयेताम् | पटयेयुः |
| | पटयेः | पटयेतम् | पटयेत |
| | पटयेयम् | पटयेव | पटयेम |
| प० | पटयतु | पटयतात् | पटयताम् |
| | पटय | पटयतात् | पटयतम् |
| | पटयानि | पटयाव | पटयाम |
| ह्य० | अपटयत् | अपटयताम् | अपटयन् |
| | अपटयः | अपटयतम् | अपटयत |
| | अपटयम् | अपटयाव | अपटयाम |
| अ० | अपटयत् | अपटयताम् | अपटयन् |
| | अपटयः | अपटयतम् | अपटयत |
| | अपटयम् | अपटयाव | अपटयाम |
| प० | पटयाञ्चकार | पटयाञ्चक्रुः | पटयाञ्चकुः |
| | पटयाञ्चकथं | पटयाञ्चकथुः | पटयाञ्चक |
| | पटयाञ्चकार-चकर | पटयाञ्चकृव | पटयाञ्चकृम |
| | पटयाम्बभूव | । | पटयामास |
| आ० | पटयात् | पटयास्ताम् | पटयासुः |
| | पटयाः | पटयास्तम् | पटयास्त |
| | पटयास्तम् | पटयास्व | पटयास्म |
| श्व० | पटयित्वा | पटयितारौ | पटयितारः |
| | पटयितासि | पटयितास्थः | पटयितास्थ |
| | पटयितास्मि | पटयितास्वः | पटयितास्मः |
| भ० | पटयिष्यति | पटयिष्यतः | पटयिष्यन्ति |
| | पटयिष्यसि | पटयिष्यथः | पटयिष्यथ |
| | पटयिष्यामि | पटयिष्यावः | पटयिष्यामः |
| क्रि० | अपटयिष्यत् | अपटयिष्यताम् | अपटयिष्यन् |
| | अपटयिष्यः | अपटयिष्यतम् | अपटयिष्यत |
| | अपटयिष्यम् | अपटयिष्याव | अपटयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|----------------|---------------|
| ब० | पटयेते | पटयेते | पटयन्ते |
| | पटयसे | पटयेथे | पटयध्वे |
| | पटये | पटयावहे | पटयामहे |
| स० | पटयेत | पटयेयाताम् | पटयेरन् |
| | पटयेथाः | पटयेयाथाम् | पटयेध्वम् |
| | पटयेय | पटयेवहि | पटयेमहि |
| प० | पटयताम् | पटयेताम् | पटयन्ताम् |
| | पटयस्व | पटयेथाम् | पटयध्वम् |
| | पटयै | पटयावहै | पटयामहै |
| ह्य० | अपटयत | अपटयेताम् | अपटयन्त |
| | अपटयथाः | अपटयेथाम् | अपटयध्वम् |
| | अपटये | अपटयावहि | अपटयामहि |
| अ० | अपटयत | अपटयेताम् | अपटयन्त |
| | अपटयथाः | अपटयेथाम् | अपटयध्वम् |
| | अपटये | अपटयावहि | अपटयामहि |
| प० | पटयाञ्चक्रे | पटयाञ्चक्राते | पटयाञ्चकिरे |
| | पटयाञ्चक्रेषे | पटयाञ्चक्राथे | पटयाञ्चकृद्वे |
| | पटयाञ्चक्रे | पटयाञ्चकृवहे | पटयाञ्चकृमहे |
| | पटयाम्बभूव | । | पटयामास |
| आ० | पटयिषीष्ट | पटयिषीगस्ताम् | पटयिषीरन् |
| | पटयिषीष्टाः | पटयिषीयास्थाम् | पटयिषीद्वम् |
| | पटयिषीय | पटयिषीवहि | पटयिषीमहि |
| श्व० | पटयिता | पटयितारौ | पटयितारः |
| | पटयितासे | पटयितासाथे | पटयिताध्वे |
| | पटयिताहे | पटयितास्वहे | पटयितास्महे |
| भ० | पटयिष्यते | पटयिष्येते | पटयिष्यन्ते |
| | पटयिष्यसे | पटयिष्येथे | पटयिष्यध्वे |
| | पटयिष्ये | पटयिष्यावहे | पटयिष्यामहे |
| क्रि० | अपटयिष्यत | अपटयिष्येताम् | अपटयिष्यन्त |
| | अपटयिष्यथाः | अपटयिष्येथाम् | अपटयिष्यध्वम् |
| | अपटयिष्ये | अपटयिष्यावहि | अपटयिष्यामहि |

1863 खेटण् (खेट्) भक्षणणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | खेटयति | खेटयतः | खेटयन्ति |
| | खेटयसि | खेटयथः | खेटयथ |
| | खेटयामि | खेटयावः | खेटयामः |
| स० | खेटयेत् | खेटयेताम् | खेटयेयुः |
| | खेटयेः | खेटयेतम् | खेटयेत |
| | खेटयेयम् | खेटयेव | खेटयेम |
| प० | खेटयतु | खेटयतात् | खेटयताम् |
| | खेटय | खेटयतात् | खेटयतम् |
| | खेटयानि | खेटयाव | खेटयाम |
| ह्य० | अखेटयत् | अखेटयताम् | अखेटयन् |
| | अखेटयः | अखेटयतम् | अखेटयत |
| | अखेटयम् | अखेटयाव | अखेटयाम |
| अ० | अचिखेटत् | अचिखेटताम् | अचिखेटन् |
| | चिखेटः | अचिखेटतम् | अचिखेटत |
| | अचिखेटम् | अचिखेटाव | अचिखेटाम |
| प० | खेटयाञ्चकार | खेटयाञ्चकतुः | खेटयाञ्चकुः |
| | खेटयाञ्चकथं | खेटयाञ्चकथुः | खेटयाञ्चक |
| | खेटयाञ्चकार-चकर | खेटयाञ्चकृव | खेटयाञ्चकृम |
| | खेटयाम्बभूव | । | खेटयामास |
| आ० | खेटयात् | खेटयास्ताम् | खेटयासुः |
| | खेटयाः | खेटयास्तम् | खेटयास्त |
| | खेटयासम् | खेटयास्व | खेटयास्म |
| श्व० | खेटयिता | खेटयितारौ | खेटयितारः |
| | खेटयितासि | खेटयितास्थः | खेटयितास्थ |
| | खेटयितास्मि | खेटयितास्वः | खेटयितास्मः |
| भ० | खेटयिष्यति | खेटयिष्यतः | खेटयिष्यन्ति |
| | खेटयिष्यसि | खेटयिष्यथः | खेटयिष्यथ |
| | खेटयिष्यामि | खेटयिष्यावः | खेटयिष्यामः |
| क्रि० | अखेटयिष्यत् | अखेटयिष्यताम् | अखेटयिष्यन् |
| | अखेटयिष्यः | अखेटयिष्यतम् | अखेटयिष्यत |
| | अखेटयिष्यम् | अखेटयिष्याव | अखेटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | खेटयेते | खेटयेते | खेटयन्ते |
| | खेटयसे | खेटयेथे | खेटयध्वे |
| | खेटये | खेटयावहे | खेटयामहे |
| स० | खेटयेत | खेटयेयाताम् | खेटयेरन् |
| | खेटयेथाः | खेटयेयाथाम् | खेटयेध्वम् |
| | खेटयेय | खेटयेवहि | खेटयेमहि |
| प० | खेटयताम् | खेटयेताम् | खेटयन्ताम् |
| | खेटयस्व | खेटयेथाम् | खेटयध्वम् |
| | खेटये | खेटयावहै | खेटयामहै |
| ह्य० | अखेटयत | अखेटयेताम् | अखेटयन्त |
| | अखेटयथाः | अखेटयेथाम् | अखेटयध्वम् |
| | अखेटये | अखेटयावहि | अखेटयामहि |
| अ० | अचिखेटत् | अचिखेटताम् | अचिखेटन्त |
| | अचिखेटथाः | अचिखेटेथाम् | अचिखेटध्वम् |
| | अचिखेटे | अचिखेटावहि | अचिखेटामहि |
| प० | खेटयाञ्चक्रे | खेटयाञ्चक्राते | खेटयाञ्चक्रिरे |
| | खेटयाञ्चकृषे | खेटयाञ्चक्राथे | खेटयाञ्चकृद्वे |
| | खेटयाञ्चक्रे | खेटयाञ्चकृवहे | खेटयाञ्चकृमहे |
| | खेटयाम्बभूव | । | खेटयामास |
| आ० | खेटयिषीष्ट | खेटयिषीयास्ताम् | खेटयिषीरन् |
| | खेटयिषीष्ठाः | खेटयिषीयास्थाम् | खेटयिषीद्वम् |
| | खेटयिषीय | खेटयिषीवहि | खेटयिषीमहि |
| श्व० | खेटयिता | खेटयितारौ | खेटयितारः |
| | खेटयितासे | खेटयितासाथे | खेटयिताध्वे |
| | खेटयिताहे | खेटयितास्वहे | खेटयितास्महे |
| भ० | खेटयिष्यते | खेटयिष्येते | खेटयिष्यन्ते |
| | खेटयिष्यसे | खेटयिष्येथे | खेटयिष्यध्वे |
| | खेटयिष्ये | खेटयिष्यावहे | खेटयिष्यामहे |
| क्रि० | अखेटयिष्यत | अखेटयिष्येताम् | अखेटयिष्यन्त |
| | अखेटयिष्यथाः | अखेटयिष्येथाम् | अखेटयिष्यध्वम् |
| | अखेटयिष्ये | अखेटयिष्यावहि | अखेटयिष्यामहि |

1864 खोटण् (खोट्) क्षेपे ।

| | | | |
|------|-----------------|---------------|-------------|
| व० | खोटयति | खोटयतः | खोटयन्ति |
| | खोटयसि | खोटयथः | खोटयथ |
| | खोटयामि | खोटयावः | खोटयामः |
| स० | खोटयेत् | खोटयेताम् | खोटयेयुः |
| | खोटयेः | खोटयेतम् | खोटयेत |
| | खोटयेयम् | खोटयेव | खोटयेम |
| प० | खोटयतु | खोटयतात् | खोटयताम् |
| | खोटय | खोटयतात् | खोटयतम् |
| | खोटयानि | खोटयाव | खोटयाम |
| ह्य० | अखोटयत् | अखोटयताम् | अखोटयन् |
| | अखोटयः | अखोटयतम् | अखोटयत |
| | अखोटयम् | अखोटयाव | अखोटयाम |
| भ० | अचुखोटत् | अचुखोटताम् | अचुखोटन् |
| | अचुखोटः | अचुखोटतम् | अचुखोटत |
| | अचुखोटम् | अचुखोटव | अचुखोटाम |
| प० | खोटयाञ्चकार | खोटयाञ्चक्रुः | खोटयाञ्चकुः |
| | खोटयाञ्चक्ये | खोटयाञ्चक्युः | खोटयाञ्चक |
| | खोटयाञ्चकार-चकर | खोटयाञ्चकृव | खोटयाञ्चकृम |

खोटयाम्बभूव । खोटयामास

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| आ० | खोटयात् | खोटयास्ताम् | खोटयासुः |
| | खोटयाः | खोटयास्तम् | खोटयास्त |
| | खोटयासम् | खोटयास्व | खोटयास्म |
| श्व० | खोटयिता | खोटयितारौ | खोटयितारः |
| | खोटयितासि | खोटयितास्थः | खोटयितास्थ |
| | खोटयितास्मि | खोटयितास्वः | खोटयितास्मः |
| भ० | खोटयिष्यति | खोटयिष्यतः | खोटयिष्यन्ति |
| | खोटयिष्यसि | खोटयिष्यथः | खोटयिष्यथ |
| | खोटयिष्यामि | खोटयिष्यावः | खोटयिष्यामः |
| क्रि० | अखोटयिष्यत् | अखोटयिष्यताम् | अखोटयिष्यन् |
| | अखोटयिष्यः | अखोटयिष्यतम् | अखोटयिष्यत |
| | अखोटयिष्यम् | अखोटयिष्याव | अखोटयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | खोटयते | खोटयेते | खोटयन्ते |
| | खोटयसे | खोटयेथे | खोटयन्वे |
| | खोटये | खोटयावहे | खोटयामहे |
| स० | खोटयेत | खोटयेयाताम् | खोटयेरन् |
| | खोटयेथाः | खोटयेयाथाम् | खोटयेय्वम् |
| | खोटयेय | खोटयेवहि | खोटयेमहि |
| प० | खोटयताम् | खोटयेताम् | खोटयन्ताम् |
| | खोटयस्व | खोटयेथाम् | खोटयय्वम् |
| | खोटयै | खोटयावहै | खोटयामहै |
| ह्य० | अखोटयत | अखोटयेताम् | अखोटयन्त |
| | अखोटयथाः | अखोटयेथाम् | अखोटयय्वम् |
| | अखोटये | अखोटयावहि | अखोटयामहि |
| भ० | अचुखोटत | अचुखोटताम् | अचुखोटन्त |
| | अचुखोटथाः | अचुखोटेथाम् | अचुखोटय्वम् |
| | अचुखोटे | अचुखोटावहि | अचुखोटामहि |
| प० | खोटयाञ्चके | खोटयाञ्चकाते | खोटयाञ्चकिरे |
| | खोटयाञ्चकृषे | खोटयाञ्चक्राथे | खोटयाञ्चकृवै |
| | खोटयाञ्चके | खोटयाञ्चकृवहे | खोटयाञ्चकृमहे |
| | खोटयाम्बभूव | । | खोटयामास |
| आ० | खोटयिषीष्ट | खोटयिषीयास्ताम् | खोटयिषीरन् |
| | खोटयिषीष्ठाः | खोटयिषीयास्थाम् | खोटयिषीह्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | खोटयिषीय | खोटयिषीवहि | खोटयिषीमहि |
| श्व० | खोटयिता | खोटयितारौ | खोटयितारः |
| | खोटयितासे | खोटयितासाथे | खोटयिताथे |
| | खोटयिताहे | खोटयितास्वहे | खोटयितास्महे |
| भ० | खोटयिष्यते | खोटयिष्येते | खोटयिष्यन्ते |
| | खोटयिष्यसे | खोटयिष्येथे | खोटयिष्यन्वे |
| | खोटयिष्ये | खोटयिष्यावहे | खोटयिष्यामहे |
| क्रि० | अखोटयिष्यत | अखोटयिष्येताम् | अखोटयिष्यन्त |
| | अखोटयिष्यथाः | अखोटयिष्येथाम् | अखोटयिष्यय्वम् |
| | अखोटयिष्ये | अखोटयिष्यावहि | अखोटयिष्यामहि |

1865 पुटण् (पुट्) संसर्गे ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० पुटयति | पुटयतः | पुटयन्ति |
| पुटयसि | पुटयथः | पुटयथ |
| पुटयामि | पुटयावः | पुटयामः |
| स० पुटयेत् | पुटयेताम् | पुटयेयुः |
| पुटयेः | पुटयेतम् | पुटयेत |
| पुटयेयम् | पुटयेव | पुटयेम |
| प० पुटयतु | पुटयतात् | पुटयताम् |
| पुटय | पुटयतात् | पुटयतम् |
| पुटयानि | पुटयाव | पुटयाम |
| झ० अपुटयत् | अपुटयताम् | अपुटयन् |
| अपुटयः | अपुटयतम् | अपुटयत |
| अपुटयम् | अपुटयाव | अपुटयाम |
| झ० अपुटयत् | अपुटयताम् | अपुटयन् |
| अपुटयः | अपुटयतम् | अपुटयत |
| अपुटयम् | अपुटयाव | अपुटयाम |
| ण० पुटयाञ्चकार | पुटयाञ्चक्रतुः | पुटयाञ्चक्रुः |
| पुटयाञ्चकथं | पुटयाञ्चक्रथुः | पुटयाञ्चक्र |
| पुटयाञ्चकार-चकर | पुटयाञ्चकृव | पुटयाञ्चकृम |
| पुटयाम्बभूव | पुटयामास | |
| आ० पुटयात् | पुटयास्ताम् | पुटयासुः |
| पुटयाः | पुटयास्तम् | पुटयास्त |
| पुटयासम् | पुटयास्व | पुटयास्म |
| श्र० पुटयिता | पुटयितारौ | पुटयितारः |
| पुटयितासि | पुटयितास्थः | पुटयितास्थ |
| पुटयितास्मि | पुटयितास्वः | पुटयितास्मः |
| अ० पुटयिष्यति | पुटयिष्यतः | पुटयिष्यन्ति |
| पुटयिष्यसि | पुटयिष्यथः | पुटयिष्यथ |
| पुटयिष्यामि | पुटयिष्यावः | पुटयिष्यामः |
| क्रि० अपुटयिष्यत् | अपुटयिष्यताम् | अपुटयिष्यन् |
| अपुटयिष्यः | अपुटयिष्यतम् | अपुटयिष्यत |
| अपुटयिष्यम् | अपुटयिष्याव | अपुटयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० पुटयेते | पुटयेते | पुटयन्ते |
| पुटयसे | पुटयेथे | पुटयन्वे |
| पुटये | पुटयावहे | पुटयामहे |
| स० पुटयेत | पुटयेयाताम् | पुटयेरन् |
| पुटयेथाः | पुटयेयाथाम् | पुटयेध्वम् |
| पुटयेय | पुटयेवहि | पुटयेमहि |
| प० पुटयेताम् | पुटयेताम् | पुटयन्ताम् |
| पुटयस्व | पुटयेथाम् | पुटयध्वम् |
| पुटये | पुटयावहे | पुटयामहे |
| झ० अपुटयत | अपुटयेताम् | अपुटयन्त |
| अपुटयथाः | अपुटयेथाम् | अपुटयध्वम् |
| अपुटये | अपुटयावहि | अपुटयामहि |
| अ० अपुपुटत | अपुपुटेताम् | अपुपुटन्त |
| अपुपुटथाः | अपुपुटेथाम् | अपुपुटध्वम् |
| अपुपुटे | अपुपुटावहि | अपुपुटामहि |
| प० पुटयाञ्चके | पुटयाञ्चक्राते | पुटयाञ्चकिरे |
| पुटयाञ्चकृषे | पुटयाञ्चक्राथे | पुटयाञ्चकृदवे |
| पुटयाञ्चके | पुटयाञ्चकृवहे | पुटयाञ्चकृमहे |
| पुटयाम्बभूव | पुटयामास | |
| आ० पुटयिषीष्ट | पुटयिषीयास्ताम् | पुटयिषीरन् |
| पुटयिषीष्टाः | पुटयिषीयास्थाम् | पुटयिषीद्वम् |
| पुटयिषीथ | पुटयिषीवहि | पुटयिषीमहि |
| श्र० पुटयिता | पुटयितारौ | पुटयितारः |
| पुटयितासे | पुटयितासाथे | पुटयिताध्वे |
| पुटयिताहे | पुटयितास्वहे | पुटयितास्महे |
| अ० पुटयिष्यते | पुटयिष्येते | पुटयिष्यन्ते |
| पुटयिष्यसे | पुटयिष्येथे | पुटयिष्यन्वे |
| पुटयिष्ये | पुटयिष्यावहे | पुटयिष्यामहे |
| क्रि० अपुटयिष्यत | अपुटयिष्येताम् | अपुटयिष्यन्त |
| अपुटयिष्यथाः | अपुटयिष्येथाम् | अपुटयिष्यध्वम् |
| अपुटयिष्ये | अपुटयिष्यावहि | अपुटयिष्यामहि |

1867 शठण् (शट्) सम्यग्भाषणे ।

| | | |
|----------------------|--------------|-------------|
| ब० शठयति | शठयतः | शठयन्ति |
| शठयसि | शठयथः | शठयथ |
| शठयामि | शठयावः | शठयामः |
| स० शठयेत् | शठयेताम् | शठयेयुः |
| शठयेः | शठयेतम् | शठयेत |
| शठयेयम् | शठयेव | शठयेम |
| प० शठयतु | शठयतात् | शठयन्तु |
| शठय | शठयतात् | शठयत |
| शठयानि | शठयाव | शठयाम |
| ह्य० अशठयत् | अशठयताम् | अशठयन् |
| अशठयः | अशठयतम् | अशठयत |
| अशठयम् | अशठयाव | अशठयाम |
| अ० अशठयत् | अशठयताम् | अशठयन् |
| अशठयः | अशठयतम् | अशठयत |
| अशठयम् | अशठयाव | अशठयाम |
| प० शठयाञ्चकार | शठयाञ्चकतुः | शठयाञ्चकुः |
| शठयाञ्चकथं | शठयाञ्चकथुः | शठयाञ्चक |
| शठयाञ्चकार-चकर | शठयाञ्चकृव | शठयाञ्चकृम |
| शठयाम्बभूव । शठयामास | | |
| आ० शठयात् | शठयास्ताम् | शठयासुः |
| शठयाः | शठयास्तम् | शठयास्त |
| शठयासम् | शठयास्व | शठयास्म |
| श्व० शठयिता | शठयितारौ | शठयितारः |
| शठयितासि | शठयितास्थः | शठयितास्थ |
| शठयितास्मि | शठयितास्वः | शठयितास्मः |
| भ० शठयिष्यति | शठयिष्यतः | शठयिष्यन्ति |
| शठयिष्यसि | शठयिष्यथः | शठयिष्यथ |
| शठयिष्यामि | शठयिष्यावः | शठयिष्यामः |
| क्रि० अशठयिष्यत् | अशठयिष्यताम् | अशठयिष्यन् |
| अशठयिष्यः | अशठयिष्यतम् | अशठयिष्यत |
| अशठयिष्यम् | अशठयिष्याव | अशठयिष्याम |

| | | |
|----------------------|----------------|---------------|
| व० शठयते | शठयेते | शठयन्ते |
| शठयसे | शठयेथे | शठयध्वे |
| शठये | शठयावहे | शठयामहे |
| स० शठयेत | शठयेयाताम् | शठयेरन् |
| शठयेथाः | शठयेयाथाम् | शठयेध्वम् |
| शठयेय | शठयेवहि | शठयेमहि |
| प० शठयताम् | शठयेताम् | शठयन्ताम् |
| शठयस्व | शठयेथाम् | शठयध्वम् |
| शठये | शठयावहे | शठयामहे |
| ह्य० अशठयत | अशठयेताम् | अशठयन्त |
| अशठयथाः | अशठयेथाम् | अशठयध्वम् |
| अशठये | अशठयावहि | अशठयामहि |
| अ० अशठयत | अशठयेताम् | अशठयन्त |
| अशठयथाः | अशठयेथाम् | अशठयध्वम् |
| अशठये | अशठयावहि | अशठयामहि |
| प० शठयाञ्चके | शठयाञ्चकाते | शठयाञ्चकिरे |
| शठयाञ्चकृषे | शठयाञ्चकाथे | शठयाञ्चकृद्धे |
| शठयाञ्चके | शठयाञ्चकृवहे | शठयाञ्चकृमहे |
| शठयाम्बभूव । शठयामास | | |
| आ० शठयिषीष्ट | शठयिषीयास्ताम् | शठयिषीरन् |
| शठयिषीष्ठाः | शठयिषीयास्थाम् | शठयिषीध्वम् |
| शठयिषीय | शठयिषीवहि | शठयिषीमहि |
| श्व० शठयिता | शठयितारौ | शठयितारः |
| शठयितासे | शठयितासाथे | शठयिताध्वे |
| शठयिताहे | शठयितास्वहे | शठयितास्महे |
| भ० शठयिष्यते | शठयिष्येते | शठयिष्यन्ते |
| शठयिष्यसे | शठयिष्येथे | शठयिष्यध्वे |
| शठयिष्ये | शठयिष्यावहे | शठयिष्यामहे |
| क्रि० अशठयिष्यत | अशठयिष्येताम् | अशठयिष्यन्त |
| अशठयिष्यथाः | अशठयिष्येथाम् | अशठयिष्यध्वम् |
| अशठयिष्ये | अशठयिष्यावहि | अशठयिष्यामहि |

1868 श्वठण् (श्वट्) सम्याभाषणे ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | श्वठयति | श्वठयतः | श्वठयन्ति |
| | श्वठयसि | श्वठयथः | श्वठयथ |
| | श्वठयामि | श्वठयावः | श्वठयामः |
| स० | श्वठयेत् | श्वठयेताम् | श्वठयेयुः |
| | श्वठयेः | श्वठयेतम् | श्वठयेत |
| | श्वठयेयम् | श्वठयेव | श्वठयेम |
| प० | श्वठयतु | श्वठयतात् | श्वठयताम् |
| | श्वठय | श्वठयतात् | श्वठयतम् |
| | श्वठयानि | श्वठयाव | श्वठयाम |
| ह्य० | अश्वठयत् | अश्वठयताम् | अश्वठयन् |
| | अश्वठयः | अश्वठयतम् | अश्वठयत |
| | अश्वठयम् | अश्वठयाव | अश्वठयाम |
| अ० | अशश्वठत् | अशश्वठताम् | अशश्वठन् |
| | अशश्वठः | अशश्वठतम् | अशश्वठत |
| | अशश्वठम् | अशश्वठाव | अशश्वठाम |
| प० | श्वठयाञ्चकार | श्वठयाञ्चकतुः | श्वठयाञ्चकुः |
| | श्वठयाञ्चकर्थ | श्वठयाञ्चकथुः | श्वठयाञ्चक |
| | श्वठयाञ्चकार-वकर | श्वठयाञ्चकृव | श्वठयाञ्चकृम |
| | श्वठयाञ्चभूव | । | श्वठयामास |
| आ० | श्वठयात् | श्वठयास्ताम् | श्वठयासुः |
| | श्वठयाः | श्वठयास्तम् | श्वठयास्त |
| | श्वठयासम् | श्वठयास्व | श्वठयास्म |
| श्व० | श्वठयिता | श्वठयितारौ | श्वठयितारः |
| | श्वठयितासि | श्वठयितास्थः | श्वठयितास्थ |
| | श्वठयितास्मि | श्वठयितास्वः | श्वठयितास्मः |
| भ० | श्वठयिष्यति | श्वठयिष्यतः | श्वठयिष्यन्ति |
| | श्वठयिष्यसि | श्वठयिष्यथः | श्वठयिष्यथ |
| | श्वठयिष्यामि | श्वठयिष्यावः | श्वठयिष्यामः |
| क्रि० | अश्वठयिष्यत् | अश्वठयिष्यताम् | अश्वठयिष्यन् |
| | अश्वठयिष्यः | अश्वठयिष्यतम् | अश्वठयिष्यत |
| | अश्वठयिष्यम् | अश्वठयिष्याव | अश्वठयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | श्वठयेते | श्वठयेते | श्वठयन्ते |
| | श्वठयेसे | श्वठयेथे | श्वठयेध्वे |
| | श्वठये | श्वठयावहे | श्वठयामहे |
| स० | श्वठयेत | श्वठयेयाताम् | श्वठयेरन् |
| | श्वठयेथाः | श्वठयेयाथाम् | श्वठयेध्वम् |
| | श्वठयेय | श्वठयेवहि | श्वठयेमहि |
| प० | श्वठयताम् | अश्वठयेताम् | श्वठयन्ततःम् |
| | श्वठयस्व | श्वठयेथाम् | श्वठयध्वम् |
| | श्वठयै | श्वठयावहै | श्वठयामहै |
| ह्य० | अश्वठयत | अश्वठयेताम् | अश्वठयन्त |
| | अश्वठयथाः | अश्वठयेथाम् | अश्वठयध्वम् |
| | अश्वठये | अश्वठयावहि | अश्वठयामहि |
| अ० | अशश्वठत | अशश्वठेताम् | अशश्वठन्त |
| | अशश्वठथाः | अशश्वठेथाम् | अशश्वठध्वम् |
| | अशश्वठे | अशश्वठावहि | अशश्वठामहि |
| प० | श्वठयाञ्चके | श्वठयाञ्चकाते | श्वठयाञ्चकिरे |
| | श्वठयाञ्चकृषे | श्वठयाञ्चकाथे | श्वठयाञ्चकृद्वे |
| | श्वठयाञ्चके | श्वठयाञ्चकृवहे | श्वठयाञ्चकृमहे |
| | श्वठयाञ्चभूव | । | श्वठयामास |
| आ० | श्वठयिषीष्ट | श्वठयिषीयास्ताम् | श्वठयिषीरन् |
| | श्वठयिषीष्टाः | श्वठयिषीयास्थाम् | श्वठयिषीध्वम् |
| | श्वठयिषीय | श्वठयिषीवहि | श्वठयिषीमहि |
| श्व० | श्वठयिता | श्वठयितारौ | श्वठयितारः |
| | श्वठयितासे | श्वठयितासाथे | श्वठयिताध्वे |
| | श्वठयिताहे | श्वठयितास्वहे | श्वठयितास्महे |
| भ० | श्वठयिष्यते | श्वठयिष्येते | श्वठयिष्यन्ते |
| | श्वठयिष्यसे | श्वठयिष्येथे | श्वठयिष्यध्वे |
| | श्वठयिष्ये | श्वठयिष्यावहे | श्वठयिष्यामहे |
| क्रि० | अश्वठयिष्यत | अश्वठयिष्येताम् | अश्वठयिष्यन्त |
| | अश्वठयिष्यथाः | अश्वठयिष्येथाम् | अश्वठयिष्यध्वम् |
| | अश्वठयिष्ये | अश्वठयिष्यावहि | अश्वठयिष्यामहि |

1869 दण्डण् (दण्ड्) दण्डनिपाते ।

| | | |
|--------------------------|----------------|----------------|
| ब० दण्डयति | दण्डयतः | दण्डयन्ति |
| दण्डयसि | दण्डयथः | दण्डयथ |
| दण्डयामि | दण्डयावः | दण्डयामः |
| स० दण्डयेत् | दण्डयेताम् | दण्डयेयुः |
| दण्डयेः | दण्डयेतम् | दण्डयेत |
| दण्डयेयम् | दण्डयेव | दण्डयेम |
| प० दण्डयतु | दण्डयताम् | दण्डयन्तु |
| दण्डय दण्डयतात् | दण्डयतम् | दण्डयत |
| दण्डयानि | दण्डयाव | दण्डयाम |
| भा० अदण्डयत् | अदण्डयताम् | अदण्डयन् |
| अदण्डयः | अदण्डयतम् | अदण्डयत |
| अदण्डयाम् | अदण्डयाव | अदण्डयाम |
| अददण्डत् | अददण्डताम् | अददण्डन् |
| अददण्डः | अददण्डतम् | अददण्डत |
| अददण्डम् | अददण्डाव | अददण्डाम |
| दण्डयाश्चकार | दण्डयाश्चक्रुः | दण्डयाश्चक्रुः |
| दण्डयाश्चकथुः | दण्डयाश्चक्रुः | दण्डयाश्चक्रुः |
| दण्डयाश्चकार-चक्रुः | दण्डयाश्चक्रुव | दण्डयाश्चक्रुम |
| दण्डयाम्बभूव । दण्डयामास | | |
| भा० दण्डयात् | दण्डयास्ताम् | दण्डयासुः |
| दण्डयाः | दण्डयास्तम् | दण्डयास्त |
| दण्डयासम् | दण्डयास्व | दण्डयास्म |
| भ० दण्डयिता | दण्डयितारौ | दण्डयितारः |
| दण्डयितासि | दण्डयितास्थः | दण्डयितास्थ |
| दण्डयितास्मि | दण्डयितास्वः | दण्डयितास्मः |
| भ० दण्डयिष्यति | दण्डयिष्यतः | दण्डयिष्यन्ति |
| दण्डयिष्यसि | दण्डयिष्यथः | दण्डयिष्यथ |
| दण्डयिष्यामि | दण्डयिष्यावः | दण्डयिष्यामः |
| क्रि० अदण्डयिष्यत् | अदण्डयिष्यताम् | अदण्डयिष्यन् |
| अदण्डयिष्यः | अदण्डयिष्यतम् | अदण्डयिष्यत |
| अदण्डयिष्यम् | अदण्डयिष्याव | अदण्डयिष्याम |

| | | |
|--------------------------|------------------|-------------------|
| व० दण्डयेते | दण्डयेते | दण्डयन्ते |
| दण्डयसे | दण्डयेथे | दण्डयध्वे |
| दण्डये | दण्डयावहे | दण्डयामहे |
| स० दण्डयेत | दण्डयेयाताम् | दण्डयेरन् |
| दण्डयेथाः | दण्डयेयाथाम् | दण्डयेध्वम् |
| दण्डयेय | दण्डयेवहि | दण्डयेमहि |
| प० दण्डयताम् | दण्डयेताम् | दण्डयन्ताम् |
| दण्डयस्व | दण्डयेथाम् | दण्डयध्वम् |
| दण्डये | दण्डयावहे | दण्डयामहे |
| ह्य० अदण्डयत | अदण्डयेताम् | अदण्डयन्त |
| अदण्डयथाः | अदण्डयेथाम् | अदण्डयध्वम् |
| अदण्डये | अदण्डयावहि | अदण्डयामहि |
| अ० अददण्डत | अददण्डेताम् | अददण्डन्त |
| अददण्डथाः | अददण्डेथाम् | अददण्डध्वम् |
| अददण्डे | अददण्डावहि | अददण्डामहि |
| प० दण्डयाश्चक्रे | दण्डयाश्चक्राते | दण्डयाश्चक्रिरे |
| दण्डयाश्चक्रेषु | दण्डयाश्चक्राथे | दण्डयाश्चक्रुद्वे |
| दण्डयाश्चक्रे | दण्डयाश्चक्रुवहे | दण्डयाश्चक्रुमहे |
| दण्डयाम्बभूव । दण्डयामास | | |
| भा० दण्डयिषीष्ट | दण्डयिषीयास्ताम् | दण्डयिषीरन् |
| दण्डयिषीष्ठाः | दण्डयिषीयास्थाम् | दण्डयिषीध्वम् |
| ध्वम् | | |
| दण्डयिषीय | दण्डयिषीवहि | दण्डयिषीमहि |
| भ० दण्डयिता | दण्डयितारौ | दण्डयितारः |
| दण्डयितासे | दण्डयितास्थे | दण्डयिताध्वे |
| दण्डयिताहे | दण्डयितास्वहे | दण्डयितास्महे |
| भ० दण्डयिष्यते | दण्डयिष्येते | दण्डयिष्यन्ते |
| दण्डयिष्यसे | दण्डयिष्येथे | दण्डयिष्यध्वे |
| दण्डयिष्ये | दण्डयिष्यावहे | दण्डयिष्यामहे |
| क्रि० अदण्डयिष्यत् | अदण्डयिष्येताम् | अदण्डयिष्यन्त |
| अदण्डयिष्यथाः | अदण्डयिष्येथाम् | अदण्डयिष्यध्वम् |
| अदण्डयिष्ये | अदण्डयिष्यावहि | अदण्डयिष्यामहि |

1870 व्रणण् (व्रण्) गात्रविचूर्णने ।

| | | |
|---------------------|-----------------|---------------|
| व० व्रणयति | व्रणयतः | व्रणयन्ति |
| व्रणयसि | व्रणयथः | व्रणयथ |
| व्रणयामि | व्रणयावः | व्रणयामः |
| व्र० व्रणयेत् | व्रणयेताम् | व्रणयेयुः |
| व्रणयेः | व्रणयेतम् | व्रणयेत |
| व्रणयेयम् | व्रणयेव | व्रणयेम |
| प० व्रणयतु | व्रणयतात् | व्रणयताम् |
| व्रणय | व्रणयतात् | व्रणयतम् |
| व्रणयानि | व्रणयाव | व्रणयाम |
| व्र० अव्रणयत् | अव्रणयताम् | अव्रणयन् |
| अव्रणयः | अव्रणयतम् | अव्रणयत |
| अव्रणयम् | अव्रणयाव | अव्रणयाम |
| अ० अवव्रणत् | अवव्रणताम् | अवव्रणन् |
| अवव्रणः | अवव्रणतम् | अवव्रणत |
| अवव्रणम् | अवव्रणाव | अवव्रणाम |
| प० व्रणयाञ्चकार | व्रणयाञ्चकतुः | व्रणयाञ्चकुः |
| व्रणयाञ्चकर्थ | व्रणयाञ्चकथुः | व्रणयाञ्चक |
| व्रणयाञ्चकार-चकर | व्रणयाञ्चकृव | व्रणयाञ्चकृम |
| व्रणयाञ्चभूव | । व्रणयामास | |
| भा० व्रण्यात् | व्रण्यास्ताम् | व्रण्यासुः |
| व्रण्याः | व्रण्यास्तम् | व्रण्यास्त |
| व्रण्यासम् | व्रण्यास्व | व्रण्यास्म |
| व्र० व्रणयिता | व्रणयितारौ | व्रणयितारः |
| व्रणयितासि | व्रणयितास्थः | व्रणयितास्थ |
| व्रणयितास्मि | व्रणयितास्वः | व्रणयितास्मः |
| अ० व्रणयिष्यति | व्रणयिष्यतः | व्रणयिष्यन्ति |
| व्रणयिष्यसि | व्रणयिष्यथः | व्रणयिष्यथ |
| व्रणयिष्यामि | व्रणयिष्यावः | व्रणयिष्यामः |
| क्रि० अवव्रणयिष्यत् | अवव्रणयिष्यताम् | अवव्रणयिष्यन् |
| अवव्रणयिष्यः | अवव्रणयिष्यतम् | अवव्रणयिष्यत |
| अवव्रणयिष्यम् | अवव्रणयिष्याव | अवव्रणयिष्याम |

| | | |
|---------------------|------------------|------------------|
| व० व्रणयते | व्रणयेते | व्रणयन्ते |
| व्रणयसे | व्रणयेथे | व्रणयध्वे |
| व्रणये | व्रणयावहे | व्रणयामहे |
| स० व्रणयेत | व्रणयेयाताम् | व्रणयेरन् |
| व्रणयेथाः | व्रणयेयाथाम् | व्रणयेध्वम् |
| व्रणयेय | व्रणयेवहि | व्रणयेमहि |
| प० व्रणयताम् | व्रणयेताम् | व्रणयन्तान् |
| व्रणयस्व | व्रणयेथाम् | व्रणयध्वम् |
| व्रणयै | व्रणयावहे | व्रणयामहे |
| व्र० अव्रणयत् | अव्रणयेताम् | अव्रणयन्त |
| अव्रणयथाः | अव्रणयेथाम् | अव्रणयध्वम् |
| अव्रणये | अव्रणयावहि | अव्रणयामहि |
| अ० अवव्रणत् | अवव्रणेताम् | अवव्रणन्त |
| अवव्रणथाः | अवव्रणेथाम् | अवव्रणध्वम् |
| अवव्रणे | अवव्रणावहि | अवव्रणामहि |
| प० व्रणयाञ्चके | व्रणयाञ्चकाते | व्रणयाञ्चकिरे |
| व्रणयाञ्चकृषे | व्रणयाञ्चकाथे | व्रणयाञ्चकृद्वे |
| व्रणयाञ्चके | व्रणयाञ्चकृवहे | व्रणयाञ्चकृमहे |
| व्रणयाञ्चभूव | । व्रणयामास | |
| भा० व्रणयिषीष्ट | व्रणयिषीष्टाताम् | व्रणयिषीरन् |
| व्रणयिषीष्टाः | व्रणयिषीष्टाथाम् | व्रणयिषीद्वम् |
| व्रणयिषीय | व्रणयिषीवहि | व्रणयिषीमहि |
| व्र० व्रणयिता | व्रणयितारौ | व्रणयितारः |
| व्रणयितासे | व्रणयितासाथे | व्रणयिताध्वे |
| व्रणयिताहे | व्रणयितास्वहे | व्रणयितास्महे |
| अ० व्रणयिष्यते | व्रणयिष्येते | व्रणयिष्यन्ते |
| व्रणयिष्यसे | व्रणयिष्येथे | व्रणयिष्यध्वे |
| व्रणयिष्ये | व्रणयिष्यावहे | व्रणयिष्यामहे |
| क्रि० अवव्रणयिष्यत् | अवव्रणयिष्यताम् | अवव्रणयिष्यन्त |
| अवव्रणयिष्यथाः | अवव्रणयिष्येथाम् | अवव्रणयिष्यध्वम् |
| अवव्रणयिष्ये | अवव्रणयिष्यावहि | अवव्रणयिष्यामहि |

1871 वर्णण् (वर्ण्) वर्णक्रियाविस्तारगुणवचनेषु ।

वर्णण् 1640 वङ्गपाणि

1872 पर्णण् (पर्ण) हरितभावे ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| ब० | पर्णयति | पर्णयतः | पर्णयन्ति |
| | पर्णयसि | पर्णयथः | पर्णयथ |
| | पर्णयामि | पर्णयावः | पर्णयामः |
| ब० | पर्णयेत् | पर्णयेताम् | पर्णयेयुः |
| | पर्णयेः | पर्णयेतम् | पर्णयेत |
| | पर्णयेयम् | पर्णयेव | पर्णयेम |
| प० | पर्णयतु | पर्णयतात् | पर्णयन्तु |
| | पर्णय | पर्णयतात् | पर्णयत |
| | पर्णयानि | पर्णयाव | पर्णयाम |
| | र्णयत् | अपर्णयताम् | अपर्णयन् |
| | र्णयः | अपर्णयतम् | अपर्णयत |
| | र्णयम् | अपर्णयाव | अपर्णयाम |
| | अपपर्णत् | अपपर्णताम् | अपपर्णन् |
| | अपपर्णः | अपपर्णतम् | अपपर्णत |
| | अपपर्णम् | अपपर्णाव | अपपर्णाम |
| प० | पर्णयाञ्चकार | पर्णयाञ्चक्रतुः | पर्णयाञ्चक्रुः |
| | पर्णयाञ्चकथ | पर्णयाञ्चकथुः | पर्णयाञ्चक्र |
| | पर्णयाञ्चकार-चकर | पर्णयाञ्चकृव | पर्णयाञ्चकृम |
| | र्णयाम्बभूव | । | पर्णयामास |
| | पर्ण्यात् | पर्ण्यास्ताम् | पर्ण्यासुः |
| | पर्ण्याः | पर्ण्यास्तम् | पर्ण्यास्त |
| | पर्ण्यासम् | पर्ण्यास्व | पर्ण्यास्म |
| ।० | पर्णयिता | पर्णयितारौ | पर्णयितारः |
| | पर्णयितासि | पर्णयितास्थः | पर्णयितास्थ |
| | पर्णयितास्मि | पर्णयितास्वः | पर्णयितास्मः |
| भ० | पर्णयिष्यति | पर्णयिष्यतः | पर्णयिष्यन्ति |
| | पर्णयिष्यसि | पर्णयिष्यथः | पर्णयिष्यथ |
| | पर्णयिष्यामि | पर्णयिष्यावः | पर्णयिष्यामः |
| क्रि० | अपर्णयिष्यत् | अपर्णयिष्यताम् | अपर्णयिष्यन् |
| | अपर्णयिष्यः | अपर्णयिष्यतम् | अपर्णयिष्यत |
| | अपर्णयिष्यम् | अपर्णयिष्याव | अपर्णयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| ब० | पर्णयेते | पर्णयेते | पर्णयन्ते |
| | पर्णयसे | पर्णयेथे | पर्णयध्वे |
| | पर्णये | पर्णयावहे | पर्णयामहे |
| स० | पर्णयेत | पर्णयेयाताम् | पर्णयेरन् |
| | पर्णयेथाः | पर्णयेयाथाम् | पर्णयेध्वम् |
| | पर्णयेय | पर्णयेवहि | पर्णयेमहि |
| प० | पर्णयेताम् | पर्णयेताम् | पर्णयन्तान् |
| | पर्णयस्व | पर्णयेथाम् | पर्णयध्वम् |
| | पर्णये | पर्णयावहे | पर्णयामहे |
| ह्य० | अपर्णयत | अपर्णयेताम् | अपर्णयन्त |
| | अपर्णयथाः | अपर्णयेथाम् | अपर्णयध्वम् |
| | अपर्णये | अपर्णयावहि | अपर्णयामहि |
| अ० | अपपर्णत | अपपर्णेताम् | अपपर्णन्त |
| | अपपर्णथाः | अपपर्णेथाम् | अपपर्णध्वम् |
| | अपपर्णे | अपपर्णावहि | अपपर्णामहि |
| प० | पर्णयाञ्चक्रे | पर्णयाञ्चक्राते | पर्णयाञ्चक्रिरे |
| | पर्णयाञ्चकृषे | पर्णयाञ्चक्राथे | पर्णयाञ्चकृद्वे |
| | पर्णयाञ्चक्रे | पर्णयाञ्चकृवहे | पर्णयाञ्चकृमहे |
| | पर्णयाम्बभूव | । | पर्णयामास |
| आ० | पर्णयिषीष्ट | पर्णयिषीयास्ताम् | पर्णयिषीरन् |
| | पर्णयिषीष्टाः | पर्णयिषीयास्थाम् | पर्णयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | पर्णयिषीय | पर्णयिषीवहि | पर्णयिषीमहि |
| श्र० | पर्णयिता | पर्णयितारौ | पर्णयितारः |
| | पर्णयितासे | पर्णयितासाथे | पर्णयिताध्वे |
| | पर्णयिताहे | पर्णयितास्वहे | पर्णयितास्महे |
| भ० | पर्णयिष्यते | पर्णयिष्येते | पर्णयिष्यन्ते |
| | पर्णयिष्यसे | पर्णयिष्येथे | पर्णयिष्यध्वे |
| | पर्णयिष्ये | पर्णयिष्यावहे | पर्णयिष्यामहे |
| क्रि० | अपर्णयिष्यत | अपर्णयिष्यताम् | अपर्णयिष्यन्त |
| | अपर्णयिष्यथाः | अपर्णयिष्येथाम् | अपर्णयिष्यध्वम् |
| | अपर्णयिष्ये | अपर्णयिष्यावहि | अपर्णयिष्यामहि |

1873 कर्ण्ण (कर्ण) भेदे ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| ब० कर्णयति | कर्णयतः | कर्णयन्ति |
| कर्णयसि | कर्णयथः | कर्णयथ |
| कर्णयामि | कर्णयावः | कर्णयामः |
| ह० कर्णयेत् | कर्णयेताम् | कर्णयेयुः |
| कर्णयेः | कर्णयेतम् | कर्णयेत |
| कर्णयेयम् | कर्णयेव | कर्णयेम |
| प० कर्णयतु | कर्णयतात् | कर्णयताम् |
| कर्णय | कर्णयतात् | कर्णयतम् |
| कर्णयानि | कर्णयाव | कर्णयाम |
| ह्य० अकर्णयत् | अकर्णयताम् | अकर्णयन् |
| अकर्णयः | अकर्णयतम् | अकर्णयत |
| अकर्णयम् | अकर्णयाव | अकर्णयाम |
| अ० अचकर्णत् | अचकर्णताम् | अचकर्णन् |
| अचकर्णः | अचकर्णतम् | अचकर्णत |
| अचकर्णम् | अचकर्णाव | अचकर्णाम |
| प० कर्णयाञ्चकार | कर्णयाञ्चक्रतुः | कर्णयाञ्चक्रुः |
| कर्णयाञ्चकथ | कर्णयाञ्चक्रथुः | कर्णयाञ्चक्र |
| कर्णयाञ्चकार-चकर | कर्णयाञ्चक्रव | कर्णयाञ्चक्रम |
| कर्णयाम्बभूव | । | कर्णयामास |
| आ० कर्णयत् | कर्णयस्ताम् | कर्णयसुः |
| कर्णयः | कर्णयस्तम् | कर्णयस्त |
| कर्णयसम् | कर्णयस्व | कर्णयस्म |
| श्व० कर्णयिता | कर्णयितारौ | कर्णयितारः |
| कर्णयितासि | कर्णयितास्थः | कर्णयितास्थ |
| कर्णयितास्मि | कर्णयितास्वः | कर्णयितास्मः |
| भ० कर्णयिष्यति | कर्णयिष्यतः | कर्णयिष्यन्ति |
| कर्णयिष्यसि | कर्णयिष्यथः | कर्णयिष्यथ |
| कर्णयिष्यामि | कर्णयिष्यावः | कर्णयिष्यामः |
| क्रि० अकर्णयिष्यत् | अकर्णयिष्यताम् | अकर्णयिष्यन् |
| अकर्णयिष्यः | अकर्णयिष्यतम् | अकर्णयिष्यत |
| अकर्णयिष्यम् | अकर्णयिष्याव | अकर्णयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-------------------|-----------------|
| व० कर्णयते | कर्णयते | कर्णयन्ते |
| कर्णयसे | कर्णयेथे | कर्णयध्वे |
| कर्णये | कर्णयावहे | कर्णयामहे |
| स० कर्णयेत | कर्णयेयाताम् | कर्णयेरन् |
| कर्णयेथाः | कर्णयेयाथाम् | कर्णयेध्वम् |
| कर्णयेय | कर्णयेवहि | कर्णयेमहि |
| प० कर्णयताम् | कर्णयेताम् | कर्णयन्ताम् |
| कर्णयस्व | कर्णयेथाम् | कर्णयध्वम् |
| कर्णये | कर्णयावहे | कर्णयामहे |
| ह्य० अकर्णयत | अकर्णयेताम् | अकर्णयन्त |
| अकर्णयथाः | अकर्णयेथाम् | अकर्णयध्वम् |
| अकर्णये | अकर्णयावहि | अकर्णयामहि |
| अ० अचकर्णत् | अचकर्णेताम् | अचकर्णन्त |
| अचकर्णथाः | अचकर्णेत्याम् | अचकर्णध्वम् |
| अचकर्णे | अचकर्णावहि | अचकर्णामहि |
| प० कर्णयाञ्चक्रे | कर्णयाञ्चक्राते | कर्णयाञ्चक्रिरे |
| कर्णयाञ्चकृषे | कर्णयाञ्चक्राथे | कर्णयाञ्चकृद्वे |
| कर्णयाञ्चक्रे | कर्णयाञ्चकृवहे | कर्णयाञ्चकृमहे |
| कर्णयाम्बभूव | । | कर्णयामास |
| आ० कर्णयिषीष्ट | कर्णयिषीयास्ताम् | कर्णयिषीरन् |
| कर्णयिषीष्टाः | कर्णयिषीयास्थाम् | कर्णयिषीद्वम् |
| कर्णयिषीय | कर्णयिषीवहि | कर्णयिषीमहि |
| श्व० कर्णयिता | कर्णयितारौ | कर्णयितारः |
| कर्णयितासे | कर्णयितासाथे | कर्णयिताध्वे |
| कर्णयिताहे | कर्णयितास्वहे | कर्णयितास्महे |
| भ० कर्णयिष्यते | कर्णयिष्यते | कर्णयिष्यन्त |
| कर्णयिष्यसे | कर्णयिष्येथे | कर्णयिष्यध्वे |
| कर्णयिष्ये | कर्णयिष्यावहे | कर्णयिष्यामहे |
| क्रि० अकर्णयिष्यत | अकर्णयिष्यताम् | अकर्णयिष्यन्त |
| अकर्णयिष्यथाः | अकर्णयिष्येत्याम् | अकर्णयिष्यध्वम् |
| अकर्णयिष्ये | अकर्णयिष्यावहि | अकर्णयिष्यामहि |

1874 तूण्ण (तूण्) संकोचने ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० तूणयति | तूणयतः | तूणयन्ति |
| तूणयसि | तूणयथः | तूणयथ |
| तूणयामि | तूणयावः | तूणयामः |
| स० तूणयेत् | तूणयेताम् | तूणयेयुः |
| तूणयेः | तूणयेतम् | तूणयेत |
| तूणयेयम् | तूणयेव | तूणयेम |
| प० तूणयतु | तूणयतात् | तूणयन्तु |
| तूणय | तूणयतात् | तूणयत |
| तूणयानि | तूणयाव | तूणयाम |
| ह्य० अतूणयत् | अतूणयताम् | अतूणयन् |
| अतूणयः | अतूणयतम् | अतूणयत |
| अतूणयम् | अतूणयाव | अतूणयाम |
| अ० अतुतूणत् | अतुतूणताम् | अतुतूणन् |
| अतुतूणः | अतुतूणतम् | अतुतूणत |
| अतुतूणम् | अतुतूणाव | अतुतूणाम |
| प० तूणयाञ्चकार | तूणयाञ्चक्रुः | तूणयाञ्चक्रुः |
| तूणयाञ्चकथं | तूणयाञ्चकथुः | तूणयाञ्चक |
| तूणयाञ्चकार-चकर | तूणयाञ्चकृव | तूणयाञ्चकृम |
| तूणयाम्बभूव । | तूणयामास | |
| आ० तूण्यात् | तूण्यास्ताम् | तूण्यासुः |
| तूण्याः | तूण्यास्तम् | तूण्यास्त |
| तूण्यासम् | तूण्यास्व | तूण्यास्म |
| श्व० तूणयिता | तूणयितारौ | तूणयितारः |
| तूणयितासि | तूणयितास्थः | तूणयितास्थ |
| तूणयितास्मि | तूणयितास्वः | तूणयितास्मः |
| भ० तूणयिष्यति | तूणयिष्यतः | तूणयिष्यन्ति |
| तूणयिष्यसि | तूणयिष्यथः | तूणयिष्यथ |
| तूणयिष्यामि | तूणयिष्यावः | तूणयिष्यामः |
| क्रि० अतूणयिष्यत् | अतूणयिष्यताम् | अतूणयिष्यन् |
| अतूणयिष्यः | अतूणयिष्यतम् | अतूणयिष्यत |
| अतूणयिष्यम् | अतूणयिष्याव | अतूणयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० तूणयते | तूणयेते | तूणयन्ते |
| तूणयसे | तूणयेथे | तूणयध्वे |
| तूणये | तूणयावहे | तूणयामहे |
| स० तूणयेत | तूणयेयाताम् | तूणयेरन् |
| तूणयेथः | तूणयेयाथाम् | तूणयेध्वम् |
| तूणयेय | तूणयेवहि | तूणयेमहि |
| प० तूणयताम् | तूणयेताम् | तूणयन्ताम् |
| तूणयस्व | तूणयेथाम् | तूणयध्वम् |
| तूणयै | तूणयावहे | तूणयामहे |
| ह्य० अतूणयत | अतूणयेताम् | अतूणयन्त |
| अतूणयथाः | अतूणयेथाम् | अतूणयध्वम् |
| अतूणये | अतूणयावहि | अतूणयामहि |
| अ० अतुतूणत | अतुतूणेताम् | अतुतूणन्त |
| अतुतूणथाः | अतुतूणेथाम् | अतुतूणध्वम् |
| अतुतूणे | अतुतूणावहि | अतुतूणामहि |
| प० तूणयाञ्चके | तूणयाञ्चकाते | तूणयाञ्चकिरे |
| तूणयाकृषे | तूणयाञ्चकाथे | तूणयाञ्चकृद्वे |
| तूणयाञ्चके | तूणयाञ्चकृवहे | तूणयाञ्चकृमहे |
| तूणयाम्बभूव । | तूणयामास | |
| आ० तूणयिषीष्ट | तूणयिषीयास्ताम् | तूणयिषीरन् |
| तूणयिषीष्ठाः | तूणयिषीयास्थाम् | तूणयिषीध्वम् |
| तूणयिषीय | तूणयिषीवहि | तूणयिषीमहि |
| श्व० तूणयिता | तूणयितारौ | तूणयितारः |
| तूणयितासे | तूणयितासाथे | तूणयिताध्वे |
| तूणयिताहे | तूणयितास्वहे | तूणयितास्महे |
| भ० तूणयिष्यते | तूणयिष्येते | तूणयिष्यन्ते |
| तूणयिष्यसे | तूणयिष्येथे | तूणयिष्यध्वे |
| तूणयिष्ये | तूणयिष्यावहे | तूणयिष्यामहे |
| क्रि० अतूणयिष्यत् | अतूणयिष्येताम् | अतूणयिष्यन्त |
| अतूणयिष्यथाः | अतूणयिष्येथाम् | अतूणयिष्यध्वम् |
| अतूणयिष्ये | अतूणयिष्यावहि | अतूणयिष्यामहि |

1875 गणण् (गण्) संख्याने ।

| | | | |
|-------|----------------|---------------|--------------|
| व० | गणयति | गणयतः | गणयन्ति |
| | गणयसि | गणयथः | गणयथ |
| | गणयामि | गणयावः | गणयामः |
| झ० | गणयेत् | गणयेताम् | गणयेयुः |
| | गणयेः | गणयेतम् | गणयेत |
| | गणयेयम् | गणयेव | गणयेम |
| प० | गणयतु | गणयतात् | गणयन्तु |
| | गणय | गणयतात् | गणयत |
| | गणयानि | गणयाव | गणयाम |
| झ० | अगणयत् | अगणयताम् | अगणयन् |
| | अगणयः | अगणयतम् | अगणयत |
| | अगणयम् | अगणयाव | अगणयाम |
| अ० | अजगणत् | अजगणताम् | अजगणन् |
| | अजगणः | अजगणतम् | अजगणत |
| | अजगणम् | अजगणाव | अजगणाम |
| | अजीगणत् | अजीगणताम् | अजीगणन् इ० |
| प० | गणयाश्चकार | गणयाश्चक्रतुः | गणयाश्चक्रुः |
| | गणयाश्चकर्थ | गणयाश्चक्रथुः | गणयाश्चक्र |
| | गणयाश्चकार-चकर | गणयाश्चकृव | गणयाश्चकृम |
| | गणयाम्बभूव | । | गणयामास |
| आ० | गण्यात् | गण्यास्ताम् | गण्यासुः |
| | गण्याः | गण्यास्तम् | गण्यास्त |
| | गण्यासम् | गण्यास्व | गण्यास्म |
| श्व० | गणयिता | गणयितारौ | गणयितारः |
| | गणयितासि | गणयितास्थः | गणयितास्थ |
| | गणयितास्मि | गणयितास्वः | गणयितास्मः |
| भ० | गणयिष्यति | गणयिष्यतः | गणयिष्यन्ति |
| | गणयिष्यसि | गणयिष्यथः | गणयिष्यथ |
| | गणयिष्यामि | गणयिष्यावः | गणयिष्यामः |
| क्रि० | अगणयिष्यत् | अगणयिष्यताम् | अगणयिष्यन् |
| | अगणयिष्यः | अगणयिष्यतम् | अगणयिष्यत |
| | अगणयिष्यम् | अगणयिष्याव | अगणयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | गणयते | गणयेते | गणयन्ते |
| | गणयसे | गणयेथे | गणयध्वे |
| | गणये | गणयावहे | गणयामहे |
| स० | गणयेत | गणयेयाताम् | गणयेरन् |
| | गणयेथाः | गणयेथाथाम् | गणयेध्वम् |
| | गणयेय | गणयेवहि | गणयेमहि |
| प० | गणयताम् | गणयेताम् | गणयन्ताम् |
| | गणयस्व | गणयेथाम् | गणयध्वम् |
| | गणयै | गणयावहै | गणयामहै |
| झ० | अगणयत | अगणयेताम् | अगणयन्त |
| | अगणयथाः | अगणयेथाम् | अगणयध्वम् |
| | अगणये | अगणयावहि | अगणयामहि |
| अ० | अजगणत | अजगणेताम् | अजगणन्त |
| | अजगणथाः | अजगणेथाम् | अजगणध्वम् |
| | अजगणे | अजगणावहि | अजगणामहि |
| | अजीगणत | अजीगणेताम् | अजीगणन्त इ० |
| प० | गणयाञ्चक्रे | गणयाञ्चक्राते | गणयाञ्चक्रिरे |
| | गणयाञ्चकृषे | गणयाञ्चक्राथे | गणयाञ्चकृद्वे |
| | गणयाञ्चक्रे | गणयाञ्चकृवहे | गणयाञ्चकृमहे |
| | गणयाम्बभूव | । | गणयामास |
| आ० | गणयिषीष्ट | गणयिषीयास्ताम् | गणयिषीरन् |
| | गणयिषीष्ठाः | गणयिषीयास्थाम् | गणयिषीध्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | गणयिषीय | गणयिषीवहि | गणयिषीमहि |
| श्व० | गणयिता | गणयितारौ | गणयितारः |
| | गणयितासे | गणयितासाथे | गणयिताध्वे |
| | गणयिताहे | गणयितास्वहे | गणयितास्महे |
| भ० | गणयिष्यते | गणयिष्येते | गणयिष्यन्ते |
| | गणयिष्यसे | गणयिष्येथे | गणयिष्यध्वे |
| | गणयिष्ये | गणयिष्यावहे | गणयिष्यामहे |
| क्रि० | अगणयिष्यत | अगणयिष्येताम् | अगणयिष्यन्त |
| | अगणयिष्यथाः | अगणयिष्येथाम् | अगणयिष्यध्वम् |
| | अगणयिष्ये | अगणयिष्यावहि | अगणयिष्यामहि |

1876 कुण् (कुण्) आमन्त्रणे ।

| | | | |
|-------|------------------------|----------------|---------------|
| ब० | कुणयति | कुणयतः | कुणयन्ति |
| | कुणयसि | कुणयथः | कुणयथ |
| | कुणयामि | कुणयावः | कुणयामः |
| स० | कुणयेत् | कुणयेताम् | कुणयेयुः |
| | कुणयेः | कुणयेतम् | कुणयेत |
| | कुणयेयम् | कुणयेव | कुणयेम |
| प० | कुणयतु | कुणयतात् | कुणयताम् |
| | कुणय | कुणयतात् | कुणयतम् |
| | कुणयानि | कुणयाव | कुणयाम |
| ह्य० | अकुणयत् | अकुणयताम् | अकुणयन् |
| | अकुणयः | अकुणयतम् | अकुणयत |
| | अकुणयम् | अकुणयाव | अकुणयाम |
| अ० | अचुकुणत् | अचुकुणताम् | अचुकुणन् |
| | अचुकुणः | अचुकुणतम् | अचुकुणत |
| | अचुकुणम् | अचुकुणाव | अचुकुणाम |
| प० | कुणयाञ्चकार | कुणयाञ्चक्रतुः | कुणयाञ्चक्रुः |
| | कुणयाञ्चकथे | कुणयाञ्चकथुः | कुणयाञ्चक |
| | कुणयाञ्चकार-चकर | कुणयाञ्चकृव | कुणयाञ्चकृम |
| | कुणयाम्बभूव । कुणयामास | | |
| भा० | कुण्यात् | कुण्यास्ताम् | कुण्यासुः |
| | कुण्याः | कुण्यास्तम् | कुण्यास्त |
| | कुण्यासम् | कुण्यास्व | कुण्यास्म |
| श्व० | कुणयिता | कुणयितारौ | कुणयितारः |
| | कुणयितासि | कुणयितास्थः | कुणयितास्थ |
| | कुणयितास्मि | कुणयितास्वः | कुणयितास्मः |
| भ० | कुणयिष्यति | कुणयिष्यतः | कुणयिष्यन्ति |
| | कुणयिष्यसि | कुणयिष्यथः | कुणयिष्यथ |
| | कुणयिष्यामि | कुणयिष्यावः | कुणयिष्यामः |
| क्रि० | अकुणयिष्यत् | अकुणयिष्यताम् | अकुणयिष्यन् |
| | अकुणयिष्यः | अकुणयिष्यतम् | अकुणयिष्यत |
| | अकुणयिष्यम् | अकुणयिष्याव | अकुणयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------------|------------------|----------------|
| व० | कुणयते | कुणयेते | कुणयन्ते |
| | कुणयसे | कुणयेथे | कुणयध्वे |
| | कुणये | कुणयावहे | कुणयामहे |
| स० | कुणयेत | कुणयेयाताम् | कुणयेरन् |
| | कुणयेथाः | कुणयेयाथाम् | कुणयेध्वम् |
| | कुणयेय | कुणयेवहि | कुणयेमहि |
| प० | कुणयताम् | कुणयेताम् | कुणयन्ताम् |
| | कुणयस्व | कुणयेथाम् | कुणयध्वम् |
| | कुणयै | कुणयावहै | कुणयामहै |
| ह्य० | अकुणयत | अकुणयेताम् | अकुणयन्त |
| | अकुणयथाः | अकुणयेथाम् | अकुणयध्वम् |
| | अकुणये | अकुणयावहि | अकुणयामहि |
| अ० | अचुकुणत | अचुकुणेताम् | अचुकुणन्त |
| | अचुकुणथाः | अचुकुणेत्याम् | अचुकुणध्वम् |
| | अचुकुणे | अचुकुणावहि | अचुकुणामहि |
| प० | कुणयाञ्चक्रे | कुणयाञ्चक्राते | कुणयाञ्चक्रिरे |
| | कुणयाञ्चक्रे | कुणयाञ्चक्राथे | कुणयाञ्चकृद्वे |
| | कुणयाञ्चक्रे | कुणयाञ्चकृवहे | कुणयाञ्चकृमहे |
| | कुणयाम्बभूव । कुणयामास | | |
| भा० | कुणयिषीष्ट | कुणयिषीयास्ताम् | कुणयिषीरन् |
| | कुणयिषीष्टाः | कुणयिषीयास्थाम् | कुणयिषीद्वम् |
| | कुणयिषीय | कुणयिषीवहि | कुणयिषीमहि |
| श्व० | कुणयिता | कुणयितारौ | कुणयितारः |
| | कुणयितासे | कुणयितासाथे | कुणयिताध्वे |
| | कुणयिताहे | कुणयितास्वहे | कुणयितास्महे |
| भ० | कुणयिष्यते | कुणयिष्येते | कुणयिष्यन्ते |
| | कुणयिष्यसे | कुणयिष्येथे | कुणयिष्यध्वे |
| | कुणयिष्ये | कुणयिष्यावहे | कुणयिष्यामहे |
| क्रि० | अकुणयिष्यत | अकुणयिष्येताम् | अकुणयिष्यन्त |
| | अकुणयिष्यथाः | अकुणयिष्येत्याम् | अकुणयिष्यध्वम् |
| | अकुणयिष्ये | अकुणयिष्यावहि | अकुणयिष्यामहि |

1877 गुण् (गुण्) आमन्त्रणे ।

| | | |
|-------------------|----------------|----------------|
| ब० गुणयति | गुणयतः | गुणयन्ति |
| गुणयसि | गुणयथः | गुणयथ |
| गुणयामि | गुणयावः | गुणयामः |
| भ० गुणयेत् | गुणयेताम् | गुणयेयुः |
| गुणयेः | गुणयेतम् | गुणयेत |
| गुणयेयम् | गुणयेव | गुणयेम |
| प० गुणयतु | गुणयतात् | गुणयताम् |
| गुणय | गुणयतात् | गुणयतम् |
| गुणयानि | गुणयाव | गुणयाम |
| झ० अगुणयत् | अगुणयताम् | अगुणयन् |
| अगुणयः | अगुणयतम् | अगुणयत |
| अगुणयम् | अगुणयाव | अगुणयाम |
| ञ० अजुगुणत् | अजुगुणताम् | अजुगुणन् |
| अजुगुणः | अजुगुणतम् | अजुगुणत |
| अजुगुणम् | अजुगुणाव | अजुगुणाम |
| प० गुणयाश्चकार | गुणयाश्चक्रतुः | गुणयाश्चक्रुः |
| गुणयाश्चकथे | गुणयाश्चक्रथुः | गुणयाश्चक्र |
| गुणयाश्चकार-चकर | गुणयाश्चक्रव | गुणयाश्चक्रमहे |
| गुणयाम्बभूव । | गुणयामास | |
| आ० गुण्यात् | गुण्यास्ताम् | गुण्यासुः |
| गुण्याः | गुण्यास्तम् | गुण्यास्त |
| गुण्यासम् | गुण्यास्व | गुण्यास्म |
| श्व० गुणयिता | गुणयितारौ | गुणयितारः |
| गुणयितासि | गुणयितास्थः | गुणयितास्थ |
| गुणयितास्मि | गुणयितास्वः | गुणयितास्मः |
| भ० गुणयिष्यति | गुणयिष्यतः | गुणयिष्यन्ति |
| गुणयिष्यसि | गुणयिष्यथः | गुणयिष्यथ |
| गुणयिष्यामि | गुणयिष्यावः | गुणयिष्यामः |
| क्रि० अगुणयिष्यत् | अगुणयिष्यताम् | अगुणयिष्यन् |
| अगुणयिष्यः | अगुणयिष्यतम् | अगुणयिष्यत |
| अगुणयिष्यम् | अगुणयिष्याव | अगुणयिष्याम |

| | | |
|------------------|------------------|----------------|
| व० गुणयते | गुणयेते | गुणयन्ते |
| गुणयसे | गुणयेथे | गुणयध्वे |
| गुणये | गुणयावहे | गुणयामहे |
| स० गुणयेत | गुणयेयाताम् | गुणयेरन् |
| गुणयेथाः | गुणयेयाथाम् | गुणयेध्वम् |
| गुणयेय | गुणयेवहि | गुणयेमहि |
| प० गुणयताम् | गुणयेताम् | गुणयन्ताम् |
| गुणयस्व | गुणयेथाम् | गुणयध्वम् |
| गुणयै | गुणयावहै | गुणयामहै |
| झ० अगुणयत | अगुणयेताम् | अगुणयन्त |
| अगुणयथाः | अगुणयेथाम् | अगुणयध्वम् |
| अगुणये | अगुणयावहि | अगुणयामहि |
| ञ० अजुगुणत | अजुगुणेताम् | अजुगुणन्त |
| अजुगुणथाः | अजुगुणेत्याम् | अजुगुणध्वम् |
| अजुगुणे | अजुगुणावहि | अजुगुणामहि |
| प० गुणयाञ्चक्रे | गुणयाञ्चक्राते | गुणयाञ्चकिरे |
| गुणयाञ्चकृषे | गुणयाञ्चक्राथे | गुणयाञ्चकृद्वे |
| गुणयाञ्चक्रे | गुणयाञ्चकृवहे | गुणयाञ्चकृमहे |
| गुणयाम्बभूव । | गुणयामास | |
| आ० गुणयिषीष्ट | गुणयिषीयास्ताम् | गुणयिषीरन् |
| गुणयिषीष्ठाः | गुणयिषीयास्थाम् | गुणयिषीद्वम् |
| गुणयिषीय | गुणयिषीवहि | गुणयिषीमहि |
| श्व० गुणयिता | गुणयितारौ | गुणयितारः |
| गुणयितासे | गुणयितासाथे | गुणयिताध्वे |
| गुणयिताहे | गुणयितास्वहे | गुणयितास्महे |
| भ० गुणयिष्यते | गुणयिष्येते | गुणयिष्यन्ते |
| गुणयिष्यसे | गुणयिष्येथे | गुणयिष्यध्वे |
| गुणयिष्ये | गुणयिष्यावहे | गुणयिष्यामहे |
| क्रि० अगुणयिष्यत | अगुणयिष्येताम् | अगुणयिष्यन्त |
| अगुणयिष्यथाः | अगुणयिष्येत्याम् | अगुणयिष्यध्वम् |
| अगुणयिष्ये | अगुणयिष्यावहि | अगुणयिष्यामहि |

1878 केतण् (केत्) आमन्त्रणे ।

| | | | |
|------|-----------------|---------------|---------------|
| ब० | केतयति | केतयतः | केतयन्ति |
| | केतयमि | केतयथः | केतयथ |
| | केतयामि | केतयावः | केतयामः |
| स० | केतयेत् | केतयेताम् | केतयेयुः |
| | केतयेः | केतयेतम् | केतयेत |
| | केतयेयम् | केतयेव | केतयेम |
| प० | केतयतु | केतयतात् | केतयन्तु |
| | केतय | केतयतात् | केतयत |
| | केतयानि | केतयाव | केतयाम |
| ह्य० | अकेतयत् | अकेतयताम् | अकेतयन् |
| | अकेतयः | अकेतयतम् | अकेतयत |
| | अकेतयम् | अकेतयाव | अकेतयाम |
| अ० | अचिकेतत् | अचिकेतताम् | अचिकेतन् |
| | अचिकेतः | अचिकेततम् | अचिकेतत |
| | अचिकेतम् | अचिकेताव | अचिकेताम |
| प० | केतयाञ्चकार | केतयाञ्चक्रुः | केतयाञ्चक्रुः |
| | केतयाञ्चकथ | केतयाञ्चकथुः | केतयाञ्चक्र |
| | केतयाञ्चकार-चकर | केतयाञ्चकृव | केतयाञ्चकृम |

केतयाञ्चभूव । केतयामास

| | | | |
|-------|-------------|---------------|--------------|
| आ० | केत्यात् | केत्यास्ताम् | केत्यासुः |
| | केत्याः | केत्यास्तम् | केत्यास्त |
| | केत्यासम् | केत्यास्व | केत्यास्म |
| श्व० | केतयिता | केतयितारौ | केतयितारः |
| | केतयितासि | केतयितास्थः | केतयितास्थ |
| | केतयितास्मि | केतयितास्वः | केतयितास्मः |
| भ० | केतयिष्यति | केतयिष्यतः | केतयिष्यन्ति |
| | केतयिष्यसि | केतयिष्यथः | केतयिष्यथ |
| | केतयिष्यामि | केतयिष्यावः | केतयिष्यामः |
| क्रि० | अकेतयिष्यत् | अकेतयिष्यताम् | अकेतयिष्यन् |
| | अकेतयिष्यः | अकेतयिष्यतम् | अकेतयिष्यत |
| | अकेतयिष्यम् | अकेतयिष्याव | अकेतयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | केतयते | केतयेते | केतयन्ते |
| | केतयसे | केतयेथे | केतयध्वे |
| | केतये | केतयावहे | केतयामहे |
| स० | केतयेत | केतयेयाताम् | केतयेरन् |
| | केतयेथाः | केतयेयाथाम् | केतयेध्वम् |
| | केतयेथ | केतयेवहि | केतयेमहि |
| प० | केतयताम् | केतयेताम् | केतयन्ताम् |
| | केतयस्व | केतयेथाम् | केतयध्वम् |
| | केतयै | केतयावहै | केतयामहै |
| ह्य० | अकेतयत | अकेतयेताम् | अकेतयन्त |
| | अकेतयथाः | अकेतयेथाम् | अकेतयध्वम् |
| | अकेतये | अकेतयावहि | अकेतयामहि |
| अ० | अचिकेतत | अचिकेतेताम् | अचिकेतन्त |
| | अचिकेतथाः | अचिकेतेथाम् | अचिकेतध्वम् |
| | अचिकेते | अचिकेतावहि | अचिकेतामहि |
| प० | केतयाञ्चके | केतयाञ्चकते | केतयाञ्चकिरे |
| | केतयाञ्चकृषे | केतयाञ्चकृथे | केतयाञ्चकृद्वे |
| | केतयाञ्चक्रे | केतयाञ्चकृवहे | केतयाञ्चकृमहे |
| | केतयाञ्चभूव | केतयामास | |
| आ० | केतयिषीष्ट | केतयिषीयास्ताम् | केतयिषीरन् |
| | केतयिषीष्टाः | केतयिषीयास्थाम् | केतयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | केतयिषीय | केतयिषीवहि | केतयिषीमहि |
| श्व० | केतयिता | केतयितारौ | केतयितारः |
| | केतयितासे | केतयितासाथे | केतयिताध्वे |
| | केतयिताहे | केतयितास्वहे | केतयितास्महे |
| भ० | केतयिष्यते | केतयिष्येते | केतयिष्यन्ते |
| | केतयिष्यसे | केतयिष्येथे | केतयिष्यध्वे |
| | केतयिष्ये | केतयिष्यावहे | केतयिष्यामहे |
| क्रि० | अकेतयिष्यत | अकेतयिष्येताम् | अकेतयिष्यन्त |
| | अकेतयिष्यथाः | अकेतयिष्येथाम् | अकेतयिष्यध्वम् |
| | अकेतयिष्ये | अकेतयिष्यावहि | अकेतयिष्यामहि |

1879 पतण् (पत्) गतौ वा ।

| | | | |
|-------|----------------|---------------|--------------|
| व० | पतयति | पतयतः | पतयन्ति |
| | पतयसि | पतयथः | पतयथ |
| | पतयामि | पतयावः | पतयामः |
| स० | पतयेत् | पतयेताम् | पतयेयुः |
| | पतयेः | पतयेतम् | पतयेत |
| | पतयेयम् | पतयेव | पतयेम |
| प० | पतयतु | पतयतात् | पतयताम् |
| | पतय | पतयतात् | पतयतम् |
| | पतयामि | पतयाव | पतयाम |
| ह्य० | अपतयत् | अपतयताम् | अपतयन् |
| | अपतयः | अपतयतम् | अपतयत |
| | अपतयम् | अपतयाव | अपतयाम |
| अ० | अपपतत् | अपपतताम् | अपपतन् |
| | अपपतः | अपपततम् | अपपतत |
| | अपपतम् | अपपताव | अपपताम |
| प० | पतयाश्चकार | पतयाश्चक्रुः | पतयाश्चक्रुः |
| | पतयाश्चकर्थ | पतयाश्चक्रथुः | पतयाश्चक्र |
| | पतयाश्चकार-चकर | पतयाश्चक्रव | पतयाश्चक्रम |
| | पतयाम्बभूव | पतयामास | |
| आ० | पत्यात् | पत्यास्ताम् | पत्यास्तुः |
| | पत्याः | पत्यास्तम् | पत्यास्त |
| | पत्यासम् | पत्यास्व | पत्यास्म |
| श्र० | पतयिता | पतयितारौ | पतयितारः |
| | पतयितासि | पतयितास्थः | पतयितास्थ |
| | पतयितास्मि | पतयितास्वः | पतयितास्मः |
| भ० | पतयिष्यति | पतयिष्यतः | पतयिष्यन्ति |
| | पतयिष्यसि | पतयिष्यथः | पतयिष्यथ |
| | पतयिष्यामि | पतयिष्यावः | पतयिष्यामः |
| क्रि० | अपतयिष्यत् | अपतयिष्यताम् | अपतयिष्यन् |
| | अपतयिष्यः | अपतयिष्यतम् | अपतयिष्यत |
| | अपतयिष्यम् | अपतयिष्याव | अपतयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|----------------|-----------------|
| व० | पतयते | पतयेते | पतयन्ते |
| | पतयसे | पतयेथे | पतयध्वे |
| | पतये | पतयाव | पतयामहे |
| स० | पतयेत | पतयेयाताम् | पतयेरन् |
| | पतयेथाः | पतयेयाथाम् | पतयेध्वम् |
| | पतयेय | पतयेवहि | पतयेमहि |
| प० | पतयताम् | पतयेताम् | पतयन्ताम् |
| | पतयस्व | पतयेथाम् | पतयध्वम् |
| | पतये | पतयावहे | पतयामहे |
| ह्य० | अपतयत | अपतयेताम् | अपतयन्त |
| | अपतयथाः | अपतयेथाम् | अपतयध्वम् |
| | अपतये | अपतयावहि | अपतयामहि |
| अ० | अपपतत | अपपतेताम् | अपपतन्त |
| | अपपतथाः | अपपतेथाम् | अपपतध्वम् |
| | अपपते | अपपतावहि | अपपतामहि |
| प० | पतयाश्चक्रे | पतयाश्चक्राते | पतयाश्चकिरे |
| | पतयाश्चक्रुषे | पतयाश्चक्राथे | पतयाश्चक्रुद्वे |
| | पतयाश्चक्रे | पतयाश्चक्रवहे | पतयाश्चक्रमहे |
| | पतयाम्बभूव | पतयामास | |
| आ० | पतयिषीष्ट | पतयिषीयास्ताम् | पतयिषीरन् |
| | पतयिषीष्ठाः | पतयिषीयास्थाम् | पतयिषीध्वम् |
| | पतयिषीय | पतयिषीवहि | पतयिषीमहि |
| श्र० | पतयिता | पतयितारौ | पतयितारः |
| | पतयितासे | पतयितासाथे | पतयिताध्वे |
| | पतयिताहे | पतयितास्वहे | पतयितास्महे |
| भ० | पतयिष्यते | पतयिष्येते | पतयिष्यन्ते |
| | पतयिष्यसे | पतयिष्येथे | पतयिष्यध्वे |
| | पतयिष्ये | पतयिष्यावहे | पतयिष्यामहे |
| क्रि० | अपतयिष्यत | अपतयिष्येताम् | अपतयिष्यन्त |
| | अपतयिष्यथाः | अपतयिष्येथाम् | अपतयिष्यध्वम् |
| | अपतयिष्ये | अपतयिष्यावहि | अपतयिष्यामहि |

1880 वातण् (वात्) गतिसुखसेवनयोः ।

| | | |
|--------------------|---------------|--------------|
| व० वातयति | वातयतः | वातयन्ति |
| वातयसि | वातयथः | वातयथ |
| वातयामि | वातयावः | वातयामः |
| स० वातयेत् | वातयेताम् | वातयेयुः |
| वातयेः | वातयेतम् | वातयेत |
| वातयेयम् | वातयेव | वातयेम |
| प० वातयतु वातयतात् | वातयताम् | वातयन्तु |
| वातय वातयतात् | वातयतम् | वातयत |
| वातयानि | वातयाव | वातयाम |
| ह्य० अवातयत् | अवातयताम् | अवातयन् |
| अवातयः | अवातयतम् | अवातयत |
| अवातयम् | अवातयाव | अवातयाम |
| अ० अववातत् | अववातताम् | अववातन् |
| अववातः | अववाततम् | अववातत |
| अववातम् | अववाताव | अववाताम |
| प० वातयाञ्चकार | वातयाञ्चक्रुः | वातयाञ्चकुः |
| वातयाञ्चकथं | वातयाञ्चकथुः | वातयाञ्चक |
| वातयाञ्चकार-चकर | वातयाञ्चकृव | वातयाञ्चकृम |
| वातयाम्बभूव | वातयामास | |
| आ० वात्यात् | वात्यास्ताम् | वात्यासुः |
| वात्याः | वात्यास्तम् | वात्यास्त |
| वात्यासम् | वात्यास्व | वात्यास्म |
| श्र० वातयिता | वातयितारौ | वातयितारः |
| वातयितासि | वातयितास्थः | वातयितास्थ |
| वातयितास्मि | वातयितास्वः | वातयितास्मः |
| भ० वातयिष्यति | वातयिष्यतः | वातयिष्यन्ति |
| वातयिष्यसि | वातयिष्यथः | वातयिष्यथ |
| वातयिष्यामि | वातयिष्यावः | वातयिष्यामः |
| क्रि० अवातयिष्यत् | अवातयिष्यताम् | अवातयिष्यन् |
| अवातयिष्यः | अवातयिष्यतम् | अवातयिष्यत |
| अवातयिष्यम् | अवातयिष्याव | अवातयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० वातयते | वातयेते | वातयन्ते |
| वातयसे | वातयेथे | वातयध्वे |
| वातये | वातयावहे | वातयामहे |
| स० वातयेत | वातयेयाताम् | वातयेरन् |
| वातयेथाः | वातयेयाथाम् | वातयेध्वम् |
| वातयेय | वातयेवहि | वातयेमहि |
| प० वातयताम् | वातयेताम् | वातयन्ताम् |
| वातयस्व | वातयेथाम् | वातयध्वम् |
| वातयै | वातयावहै | वातयामहै |
| ह्य० अवातयत | अवातयेताम् | अवातयन्त |
| अवातयथाः | अवातयेथाम् | अवातयध्वम् |
| अवातये | अवातयावहि | अवातयामहि |
| अ० अववातत | अववातेताम् | अववातन्त |
| अववातथाः | अववातेथाम् | अववातध्वम् |
| अववाते | अववातावहि | अववातामहि |
| प० वातयाञ्चके | वातयाञ्चक्राते | वातयाञ्चक्रिरे |
| वातयाञ्चकृषे | वातयाञ्चक्राथे | वातयाञ्चकृद्वे |
| वातयाञ्चके | वातयाञ्चकृवहे | वातयाञ्चकृमहे |
| वातयाम्बभूव | वातयामास | |
| आ० वातयिषीष्ट | वातयिषीयास्ताम् | वातयिषीरन् |
| वातयिषीष्ठाः | वातयिषीयास्थाम् | वातयिषीद्वम् |
| वातयिषीय | वातयिषीवहि | वातयिषीमहि |
| श्र० वातयिता | वातयितारौ | वातयितारः |
| वातयितासे | वातयितासाथे | वातयिताध्वे |
| वातयिताहे | वातयितास्वहे | वातयितास्महे |
| भ० वातयिष्यते | वातयिष्येते | वातयिष्यन्ते |
| वातयिष्यसे | वातयिष्येथे | वातयिष्यध्वे |
| वातयिष्ये | वातयिष्यावहे | वातयिष्यामहे |
| क्रि० अवातयिष्यत | अवातयिष्येताम् | अवातयिष्यन्त |
| अवातयिष्यथाः | अवातयिष्येथाम् | अवातयिष्यध्वम् |
| अवातयिष्ये | अवातयिष्यावहि | अवातयिष्यामहि |

1881 कथण् (कथ्) वाक्यप्रबन्धे ।

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| व० कथयति | कथयतः | कथयन्ति |
| कथयसि | कथयथः | कथयथ |
| कथयामि | कथयावः | कथयामः |
| स० कथयेत् | कथयेताम् | कथयेयुः |
| कथयेः | कथयेतम् | कथयेत |
| कथयेयम् | कथयेव | कथयेम |
| प० कथयतु | कथयतात् | कथयताम् |
| कथय | कथयतात् | कथयतम् |
| कथयानि | कथयाव | कथयाम |
| अ० अकथयत् | अकथयताम् | अकथयन् |
| अकथयः | अकथयतम् | अकथयत |
| अकथयम् | अकथयाव | अकथयाम |
| अ० अचकथत् | अचकथताम् | अचकथन् |
| अचकथः | अचकथतम् | अचकथत |
| अचकथम् | अचकथाव | अचकथाम |
| प० कथयाश्चकार | कथयाश्चक्रतुः | कथयाश्चक्रुः |
| कथयाश्चकथ | कथयाश्चक्रथुः | कथयाश्चक्र |
| कथयाश्चकार-चकर | कथयाश्चक्रव | कथयाश्चक्रम |
| कथयाम्बभूव | कथयामास | |
| आ० कथ्यात् | कथ्यास्ताम् | कथ्यासुः |
| कथ्याः | कथ्यास्तम् | कथ्यास्त |
| कथ्यासम् | कथ्यास्व | कथ्यास्म |
| श्व० कथयिता | कथयितारौ | कथयितारः |
| कथयितासि | कथयितास्थः | कथयितास्थ |
| कथयितास्मि | कथयितास्वः | कथयितास्मः |
| भ० कथयिष्यति | कथयिष्यतः | कथयिष्यन्ति |
| कथयिष्यसि | कथयिष्यथः | कथयिष्यथ |
| कथयिष्यामि | कथयिष्यावः | कथयिष्यामः |
| क्रि० अकथयिष्यत् | अकथयिष्यताम् | अकथयिष्यन् |
| अकथयिष्यः | अकथयिष्यतम् | अकथयिष्यत |
| अकथयिष्यम् | अकथयिष्याव | अकथयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० कथयते | कथयेते | कथयन्ते |
| कथयसे | कथयेथे | कथयध्वे |
| कथये | कथयावहे | कथयामहे |
| स० कथयेत | कथयेयाताम् | कथयेरन् |
| कथयेथाः | कथयेयाथाम् | कथयेध्वम् |
| कथयेय | कथयेवहि | कथयेमहि |
| प० कथयताम् | कथयेताम् | कथयन्ताम् |
| कथयस्व | कथयेथाम् | कथयध्वम् |
| कथये | कथयावहे | कथयामहे |
| ह्य० अकथयत | अकथयेताम् | अकथयन्त |
| अकथयथाः | अकथयेथाम् | अकथयध्वम् |
| अकथये | अकथयावहि | अकथयामहि |
| अ० अचकथत | अचकथेताम् | अचकथन्त |
| अचकथथाः | अचकथेथाम् | अचकथध्वम् |
| अचकथे | अचकथावहि | अचकथामहि |
| प० कथयाश्चके | कथयाश्चक्राते | कथयाश्चक्रिरे |
| कथयाश्चकृषे | कथयाश्चक्राथे | कथयाश्चकृद्वे |
| कथयाश्चके | कथयाश्चकृवहे | कथयाश्चकृमहे |
| कथयाम्बभूव | कथयामास | |
| आ० कथयिषीष्ट | कथयिषीयास्ताम् | कथयिषीरन् |
| कथयिषीष्ठाः | कथयिषीयास्थाम् | कथयिषीद्वम् |
| कथयिषीय | कथयिषीवहि | कथयिषीमहि |
| श्व० कथयिता | कथयितारौ | कथयितारः |
| कथयितासे | कथयितासाथे | कथयिताध्वे |
| कथयिताहे | कथयितास्वहे | कथयितास्महे |
| भ० कथयिष्यते | कथयिष्येते | कथयिष्यन्ते |
| कथयिष्यसे | कथयिष्येथे | कथयिष्यध्वे |
| कथयिष्ये | कथयिष्यावहे | कथयिष्यामहे |
| क्रि० अकथयिष्यत | अकथयिष्येताम् | अकथयिष्यन्त |
| अकथयिष्यथाः | अकथयिष्येथाम् | अकथयिष्यध्वम् |
| अकथयिष्ये | अकथयिष्यावहि | अकथयिष्यामहि |

1882 अथण् (अथ्] दौर्विल्ये ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | अथयति | अथयतः | अथयन्ति |
| | अथयसि | अथयथः | अथयथ |
| | अथयामि | अथयावः | अथयामः |
| स० | अथयेत् | अथयेताम् | अथयेयुः |
| | अथयेः | अथयेतम् | अथयेत |
| | अथयेयम् | अथयेव | अथयेम |
| प० | अथयतु | अथयतात् | अथयताम् |
| | अथय | अथयतात् | अथयतम् |
| | अथयानि | अथयाव | अथयाम |
| भा० | अथययत् | अथययताम् | अथययन् |
| | अथययः | अथययतम् | अथययत |
| | अथययम् | अथययाव | अथययाम |
| भ० | अशथयत् | अशथयताम् | अशथयन् |
| | अशथयः | अशथयतम् | अशथयत |
| | अशथयम् | अशथयाव | अशथयाम |
| प० | अथयाञ्चकार | अथयाञ्चकतुः | अथयाञ्चकुः |
| | अथयाञ्चकर्तुं | अथयाञ्चकथुः | अथयाञ्चक |
| | अथयाञ्चकार-चकर | अथयाञ्चकृव | अथयाञ्चकृम |
| | अथयाम्बभूव | । | अथयामास |
| भा० | अथ्यात् | अथ्यास्ताम् | अथ्यासुः |
| | अथ्याः | अथ्यास्तम् | अथ्यास्त |
| | अथ्यासम् | अथ्यास्व | अथ्यास्म |
| श्व० | अथयिता | अथयितारौ | अथयितारः |
| | अथयितासि | अथयितास्थः | अथयितास्थ |
| | अथयितास्मि | अथयितास्वः | अथयितास्मः |
| भ० | अथयिष्यति | अथयिष्यतः | अथयिष्यन्ति |
| | अथयिष्यसि | अथयिष्यथः | अथयिष्यथ |
| | अथयिष्यामि | अथयिष्यावः | अथयिष्यामः |
| क्रि० | अथययिष्यत् | अथययिष्यताम् | अथययिष्यन् |
| | अथययिष्यः | अथययिष्यतम् | अथययिष्यत |
| | अथययिष्यम् | अथययिष्याव | अथययिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | अथयते | अथयैते | अथयन्ते |
| | अथयसे | अथयेथे | अथयन्त्वे |
| | अथये | अथयावहे | अथयामहे |
| स० | अथयेत | अथयेयाताम् | अथयेरन् |
| | अथयेथाः | अथयेयाथाम् | अथयेष्वम् |
| | अथयेय | अथयेवहि | अथयमहि |
| प० | अथयताम् | अथयेताम् | अथयन्ताम् |
| | अथयस्व | अथयेथाम् | अथयष्वम् |
| | अथये | अथयावहे | अथयामहे |
| भा० | अथययत | अथययेताम् | अथययन्त |
| | अथययथाः | अथययेथाम् | अथययष्वम् |
| | अथयये | अथययावहि | अथययामहि |
| भ० | अशथयत | अशथयेताम् | अशथयन्त |
| | अशथयथाः | अशथयेथाम् | अशथयष्वम् |
| | अशथये | अशथयावहि | अशथयामहि |
| प० | अथयाञ्चके | अथयाञ्चकाते | अथयाञ्चकिरे |
| | अथयाञ्चकृषे | अथयाञ्चकाये | अथयाञ्चकृदवे |
| | अथयाञ्चके | अथयाञ्चकृवहे | अथयाञ्चकृमहे |
| | अथयाम्बभूव | । | अथयामास |
| भा० | अथयिषीष्ट | अथयिषीयास्ताम् | अथयिषीरन् |
| | अथयिषीष्टाः | अथयिषीयास्थाम् | अथयिषीदवम् |
| | | | ष्वम् |
| | अथयिषीय | अथयिषीवहि | अथयिषीमहि |
| श्व० | अथयिता | अथयितारौ | अथयितारः |
| | अथयितासे | अथयितासाथे | अथयिताष्वे |
| | अथयिताहे | अथयितास्वहे | अथयितास्महे |
| भ० | अथयिष्यते | अथयिष्येते | अथयिष्यन्ते |
| | अथयिष्यसे | अथयिष्येथे | अथयिष्यन्त्वे |
| | अथयिष्ये | अथयिष्यावहे | अथयिष्यामहे |
| क्रि० | अथययिष्यत | अथययिष्येताम् | अथययिष्यन्त |
| | अथययिष्यथाः | अथययिष्येथाम् | अथययिष्यष्वम् |
| | अथययिष्ये | अथययिष्यावहि | अथययिष्यामहि |
| | लृत्वे | लृथयति | अशलृथयत् |

1883 છેદણ્ (છેદ્) ટ્રિધીકરણે ।

| | | |
|--------------------|---------------|---------------|
| વ૦ છેદયતિ | છેદયતઃ | છેદયન્તિ |
| છેદયસિ | છેદયથઃ | છેદયથ |
| છેદયામિ | છેદયાવઃ | છેદયામઃ |
| સ૦ છેદયેત્ | છેદયેતામ્ | છેદયેયુઃ |
| છેદયેઃ | છેદયેતમ્ | છેદયેત |
| છેદયેયમ્ | છેદયેવ | છેદયેમ |
| પ૦ છેદયતુ છેદયતાત્ | છેદયતામ્ | છેદયન્તુ |
| છેદય છેદયતાત્ | છેદયતમ્ | છેદયત |
| છેદયાનિ | છેદયાવ | છેદયામ |
| હ૦ અછેદયત્ | અછેદયતામ્ | અછેદયન્ |
| અછેદયઃ | અછેદયતમ્ | અછેદયત |
| અછેદયમ્ | અછેદયાવ | અછેદયામ |
| અ૦ અચિછેદત્ | અચિછેદતામ્ | અચિછેદન્ |
| અચિછેદઃ | અચિછેદતમ્ | અચિછેદત |
| અચિછેદમ્ | અચિછેદાવ | અચિછેદામ |
| પ૦ છેદયાશ્ચકાર | છેદયાશ્ચક્રુઃ | છેદયાશ્ચક્રુઃ |
| છેદયાશ્ચકર્થ | છેદયાશ્ચક્રુઃ | છેદયાશ્ચક્રુઃ |
| છેદયાશ્ચકાર-ચકર | છેદયાશ્ચક્રવ | છેદયાશ્ચક્રમ |
| છેદયામ્બભૂવ | છેદયામાસ | |
| આ૦ છેદયાત્ | છેદયાસ્તામ્ | છેદયાસુઃ |
| છેદયાઃ | છેદયાસ્તમ્ | છેદયાસ્ત |
| છેદયાસમ્ | છેદયાસ્વ | છેદયાસ્મ |
| અ૦ છેદયિતા | છેદયિતારૌ | છેદયિતારઃ |
| છેદયિતાસિ | છેદયિતાસ્થઃ | છેદયિતાસ્થ |
| છેદયિતાસ્મિ | છેદયિતાસ્વઃ | છેદયિતાસ્મઃ |
| મ૦ છેદયિષ્યતિ | છેદયિષ્યતઃ | છેદયિષ્યન્તિ |
| છેદયિષ્યસિ | છેદયિષ્યથઃ | છેદયિષ્યથ |
| છેદયિષ્યામિ | છેદયિષ્યાવઃ | છેદયિષ્યામઃ |
| ક્રિ૦ અછેદયિષ્યત્ | અછેદયિષ્યતામ્ | અછેદયિષ્યન્ |
| અછેદયિષ્યઃ | અછેદયિષ્યતમ્ | અછેદયિષ્યત |
| અછેદયિષ્યમ્ | અછેદયિષ્યાવ | અછેદયિષ્યામ |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| વ૦ છેદયતે | છેદયેતે | છેદયન્તે |
| છેદયસે | છેદયેથે | છેદયવે |
| છેદયે | છેદયાવહે | છેદયામહે |
| સ૦ છેદયેત | છેદયેયાતામ્ | છેદયેયન્ |
| છેદયેથાઃ | છેદયેયાથામ્ | છેદયેધ્વમ્ |
| છેદયેય | છેદયેવહિ | છેદયેમહિ |
| પ૦ છેદયતામ્ | છેદયેતામ્ | છેદયન્તામ્ |
| છેદયસ્વ | છેદયેથામ્ | છેદયધ્વમ્ |
| છેદયે | છેદયાવહે | છેદયામહે |
| હ૦ અછેદયત | અછેદયેતામ્ | અછેદયન્ત |
| અછેદયથાઃ | અછેદયેથામ્ | અછેદયધ્વમ્ |
| અછેદયે | અછેદયાવહિ | અછેદયામહિ |
| અ૦ અચિછેદત | અચિછેદેતામ્ | અચિછેદન્ત |
| અચિછેદથાઃ | અચિછેદેથામ્ | અચિછેદધ્વમ્ |
| અચિછેદે | અચિછેદાવહિ | અચિછેદામહિ |
| પ૦ છેદયાઞ્ચક્રે | છેદયાઞ્ચક્રાતે | છેદયાઞ્ચક્રિરે |
| છેદયાઞ્ચક્રુષે | છેદયાઞ્ચક્રાયે | છેદયાઞ્ચક્રુવે |
| છેદયાશ્ચક્રે | છેદયાશ્ચક્રવહે | છેદયાશ્ચક્રમહે |
| છેદયામ્બભૂવ | છેદયામાસ | |
| આ૦ છેદયિષીષ્ટ | છેદયિષીયાસ્તામ્ | છેદયિષીરન્ |
| છેદયિષીષ્ઠાઃ | છેદયિષીયાસ્થામ્ | છેદયિષીદ્ધમ્ |
| છેદયિષીય | છેદયિષીવહિ | છેદયિષીમહિ |
| અ૦ છેદયિતા | છેદયિતારૌ | છેદયિતારઃ |
| છેદયિતાસે | છેદયિતાસાયે | છેદયિતાધ્વે |
| છેદયિતાહે | છેદયિતાસ્વહે | છેદયિતાસ્મહે |
| મ૦ છેદયિષ્યતે | છેદયિષ્યેતે | છેદયિષ્યન્તે |
| છેદયિષ્યસે | છેદયિષ્યેથે | છેદયિષ્યધ્વે |
| છેદયિષ્યે | છેદયિષ્યાવહે | છેદયિષ્યામહે |
| ક્રિ૦ અછેદયિષ્યત | અછેદયિષ્યેતામ્ | અછેદયિષ્યન્ત |
| અછેદયિષ્યથાઃ | અછેદયિષ્યેથામ્ | અછેદયિષ્યધ્વમ્ |
| અછેદયિષ્યે | અછેદયિષ્યાવહિ | અછેદયિષ્યામહિ |

1884 गदण् (गद्) गर्जे ।

| | | | |
|-------|-----------------|--------------|--------------|
| ब० | गदयति | गदयतः | गदयन्ति |
| | गदयसि | गदयथः | गदयथ |
| | गदयामि | गदयावः | गदयामः |
| स० | गदयेत् | गदयेताम् | गदयेयुः |
| | गदयेः | गदयेतम् | गदयेत |
| | गदयेयम् | गदयेव | गदयेम |
| प० | गदयतु | गदयतात् | गदयताम् |
| | गदय | गदयतात् | गदयतम् |
| | गदयानि | गदयाव | गदयाम |
| ह० | अगदयत् | अगदयताम् | अगदयन् |
| | अगदयः | अगदयतम् | अगदयत |
| | अगदयम् | अगदयाव | अगदयाम |
| अ० | अजगदत् | अजगदताम् | अजगदन् |
| | अजगदः | अजगदतम् | अजगदत |
| | अजगदम् | अजगदाव | अजगदाम |
| प० | गदयाञ्चकार | गदयाञ्चक्रुः | गदयाञ्चक्रुः |
| | गदयाञ्चकृ | गदयाञ्चक्रुः | गदयाञ्चक्रुः |
| | गदयाञ्चकार-चक्र | गदयाञ्चक्रुव | गदयाञ्चक्रुम |
| | गदयाम्बभूव | गदयामास | |
| आ० | गद्यात् | गद्यास्ताम् | गद्यासुः |
| | गद्याः | गद्यास्तम् | गद्यास्त |
| | गद्यासम् | गद्यास्व | गद्यास्म |
| इ० | गदयिता | गदयितारौ | गदयितारः |
| | गदयितासि | गदयितास्थः | गदयितास्थ |
| | गदयितास्मि | गदयितास्वः | गदयितास्मः |
| भ० | गदयिष्यति | गदयिष्यतः | गदयिष्यन्ति |
| | गदयिष्यसि | गदयिष्यथः | गदयिष्यथ |
| | गदयिष्यामि | गदयिष्यावः | गदयिष्यामः |
| क्रि० | अगदयिष्यत् | अगदयिष्यताम् | अगदयिष्यन् |
| | अगदयिष्यः | अगदयिष्यतम् | अगदयिष्यत |
| | अगदयिष्यम् | अगदयिष्याव | अगदयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | गदयते | गदयेते | गदयन्ते |
| | गदयसे | गदयेथे | गदयध्वे |
| | गदये | गदयावहे | गदयामहे |
| स० | गदयेत | गदयेयाताम् | गदयेरन् |
| | गदयेथाः | गदयेयाथाम् | गदयेध्वम् |
| | गदयेय | गदयेवहि | गदयेमहि |
| प० | गदयताम् | गदयेताम् | गदयन्ताम् |
| | गदयस्व | गदयेथाम् | गदयध्वम् |
| | गदये | गदयावहे | गदयामहे |
| ह० | अगदयत | अगदयेताम् | अगदयन्त |
| | अगदयथाः | अगदयेथाम् | अगदयध्वम् |
| | अगदये | अगदयावहि | अगदयामहि |
| अ० | अजगदत | अजगदेताम् | अजगदन्त |
| | अजगदथाः | अजगदेथाम् | अजगदध्वम् |
| | अजगदे | अजगदावहि | अजगदामहि |
| प० | गदयाञ्चक्रे | गदयाञ्चक्राते | गदयाञ्चक्रिरे |
| | गदयाञ्चकृषे | गदयाञ्चक्राथे | गदयाञ्चकृड्वे |
| | गदयाञ्चक्रे | गदयाञ्चक्रवहे | गदयाञ्चक्रमहे |
| | गदयाम्बभूव | गदयामास | |
| आ० | गदयिषीष्ट | गदयिषीयास्ताम् | गदयिषीरन् |
| | गदयिषीष्टाः | गदयिषीयास्थाम् | गदयिषीड्वम् |
| | गदयिषीय | गदयिषीवहि | गदयिषीमहि |
| इ० | गदयिता | गदयितारौ | गदयितारः |
| | गदयितासे | गदयितासाथे | गदयिताध्वे |
| | गदयिताहे | गदयितास्वहे | गदयितास्महे |
| भ० | गदयिष्यते | गदयिष्येते | गदयिष्यन्ते |
| | गदयिष्यसे | गदयिष्येथे | गदयिष्यध्वे |
| | गदयिष्ये | गदयिष्यावहे | गदयिष्यामहे |
| क्रि० | अगदयिष्यत | अगदयिष्येताम् | अगदयिष्यन्त |
| | अगदयिष्यथाः | अगदयिष्येथाम् | अगदयिष्यध्वम् |
| | अगदयिष्ये | अगदयिष्यावहि | अगदयिष्यामहि |

1885 अन्धण् (अन्धू) दृष्ट्युपसंहारे ।

| | | | |
|-------|--------------------------|----------------|---------------|
| ब० | अन्धयति | अन्धयतः | अन्धयन्ति |
| | अन्धयसि | अन्धयथः | अन्धयथ |
| | अन्धयामि | अन्धयावः | अन्धयामः |
| स० | अन्धयेत् | अन्धयेताम् | अन्धयेयुः |
| | अन्धयेः | अन्धयेतम् | अन्धयेत |
| | अन्धयेयम् | अन्धयेव | अन्धयेम |
| प० | अन्धयतु | अन्धयतात् | अन्धयताम् |
| | अन्धय | अन्धयतात् | अन्धयतम् |
| | अन्धयानि | अन्धयाव | अन्धयाम |
| लृ० | अन्धयत् | अन्धयताम् | अन्धयन् |
| | अन्धयः | अन्धयतम् | अन्धयत |
| | अन्धयम् | अन्धयाव | अन्धयाम |
| अ० | अन्दिधत् | अन्दिधताम् | अन्दिधन् |
| | अन्दिधः | अन्दिधतम् | अन्दिधत |
| | अन्दिधम् | अन्दिधाव | अन्दिधाम |
| प० | अन्धयाञ्चकार | अन्धयाञ्चक्रुः | अन्धयाञ्चकुः |
| | अन्धयाञ्चकथं | अन्धयाञ्चकथुः | अन्धयाञ्चक |
| | अन्धयाञ्चकार-वकर | अन्धयाञ्चकृव | अन्धयाञ्चकृम |
| | अन्धयान्बभूव । अन्धयामास | | |
| भा० | अन्ध्यात् | अन्ध्यास्ताम् | अन्ध्यासुः |
| | अन्ध्याः | अन्ध्यास्तम् | अन्ध्यास्त |
| | अन्ध्यासम् | अन्ध्यास्व | अन्ध्यास्म |
| श्व० | अन्धयिता | अन्धयितारौ | अन्धयितारः |
| | अन्धयितासि | अन्धयितास्थः | अन्धयितास्थ |
| | अन्धयितास्मि | अन्धयितास्वः | अन्धयितास्मः |
| भ० | अन्धयिष्यति | अन्धयिष्यतः | अन्धयिष्यन्ति |
| | अन्धयिष्यसि | अन्धयिष्यथः | अन्धयिष्यथ |
| | अन्धयिष्यामि | अन्धयिष्यावः | अन्धयिष्यामः |
| क्रि० | अन्धयिष्यत् | अन्धयिष्यताम् | अन्धयिष्यन् |
| | अन्धयिष्यः | अन्धयिष्यतम् | अन्धयिष्यत |
| | अन्धयिष्यम् | अन्धयिष्याव | अन्धयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------------------|------------------|-----------------|
| व० | अन्धयते | अन्धयेते | अन्धयन्ते |
| | अन्धयसे | अन्धयेथे | अन्धयन्थे |
| | अन्धये | अन्धयावहे | अन्धयामहे |
| स० | अन्धयेत | अन्धयेयाताम् | अन्धयेरन् |
| | अन्धयेथाः | अन्धयेयाथाम् | अन्धयेष्वम् |
| | अन्धयेय | अन्धयेवहि | अन्धयेमहि |
| प० | अन्धयताम् | अन्धयेताम् | अन्धयन्ताम् |
| | अन्धयस्व | अन्धयेधाम् | अन्धयध्वम् |
| | अन्धयै | अन्धयावहै | अन्धयामहै |
| लृ० | अन्धयत | अन्धयेताम् | अन्धयन्त |
| | अन्धयथाः | अन्धयेधाम् | अन्धयध्वम् |
| | अन्धये | अन्धयावहि | अन्धयामहि |
| अ० | अन्दिधत् | अन्दिधेताम् | अन्दिधन्त |
| | अन्दिधथाः | अन्दिधेधाम् | अन्दिधध्वम् |
| | अन्दिधे | अन्दिधावहि | अन्दिधामहि |
| प० | अन्धयाञ्चक्रे | अन्धयाञ्चक्रते | अन्धयाञ्चकिरे |
| | अन्धयाञ्चकृषे | अन्धयाञ्चक्रथे | अन्धयाञ्चकृध्वे |
| | अन्धयाञ्चक्रे | अन्धयाञ्चकृवहे | अन्धयाञ्चकृमहे |
| | अन्धयान्बभूव । अन्धयामास | | |
| भा० | अन्धयिषीष्ट | अन्धयिषीयास्ताम् | अन्धयिषीरन् |
| | अन्धयिषीष्टाः | अन्धयिषीयास्थाम् | अन्धयिषीध्वम् |
| | अन्धयिषीय | अन्धयिषीवहि | अन्धयिषीमहि |
| श्व० | अन्धयिता | अन्धयितारौ | अन्धयितारः |
| | अन्धयितासे | अन्धयितासाथे | अन्धयिताध्वे |
| | अन्धयिताहै | अन्धयितास्वहे | अन्धयितास्महे |
| भ० | अन्धयिष्यते | अन्धयिष्येते | अन्धयिष्यन्ते |
| | अन्धयिष्यसे | अन्धयिष्येथे | अन्धयिष्यन्थे |
| | अन्धयिष्ये | अन्धयिष्यावहे | अन्धयिष्यामहे |
| क्रि० | अन्धयिष्यत् | अन्धयिष्येताम् | अन्धयिष्यन्त |
| | अन्धयिष्यथाः | अन्धयिष्येधाम् | अन्धयिष्यध्वम् |
| | अन्धयिष्ये | अन्धयिष्यावहि | अन्धयिष्यामहि |

1886 स्तनण् (स्तन्) गर्जे ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| ब० | स्तनयति | स्तनयतः | स्तनयन्ति |
| | स्तनयसि | स्तनयथः | स्तनयथ |
| | स्तनयामि | स्तनयावः | स्तनयामः |
| स० | स्तनयेत् | स्तनयेताम् | स्तनयेयुः |
| | स्तनयेः | स्तनयेतम् | स्तनयेत |
| | स्तनयेयम् | स्तनयेव | स्तनयेम |
| प० | स्तनयतु | स्तनयतात् | स्तनयताम् |
| | स्तनय | स्तनयतात् | स्तनयतम् |
| | स्तनयानि | स्तनयाव | स्तनयाम |
| ह्य० | अस्तनयत् | अस्तनयताम् | अस्तनयन् |
| | अस्तनयः | अस्तनयतम् | अस्तनयत |
| | अस्तनयम् | अस्तनयाव | अस्तनयाम |
| अ० | अतस्तनत् | अतस्तनताम् | अतस्तनन् |
| | अतस्तनः | अतस्तनतम् | अतस्तनत |
| | अतस्तनम् | अतस्तनाव | अतस्तनाम |
| प० | स्तनयाश्चकार | स्तनयाश्चक्रतुः | स्तनयाश्चक्रुः |
| | स्तनयाश्चकथं | स्तनयाश्चक्रथुः | स्तनयाश्चक्र |
| | स्तनयाश्चकार-चकर | स्तनयाश्चकृव | स्तनयाश्चकृम |
| | स्तनयाम्बभूव । | स्तनयामास | |
| आ० | स्तन्यात् | स्तन्यास्ताम् | स्तन्यासुः |
| | स्तन्याः | स्तन्यास्तम् | स्तन्यास्त |
| | स्तन्यासम् | स्तन्यास्व | स्तन्यास्म |
| श्व० | स्तनयिता | स्तनयितारौ | स्तनयितारः |
| | स्तनयितासि | स्तनयितास्थः | स्तनयितास्थ |
| | स्तनयितास्मि | स्तनयितास्वः | स्तनयितास्मः |
| अ० | स्तनयिष्यति | स्तनयिष्यतः | स्तनयिष्यन्ति |
| | स्तनयिष्यसि | स्तनयिष्यथः | स्तनयिष्यथ |
| | स्तनयिष्यामि | स्तनयिष्यावः | स्तनयिष्यामः |
| क्रि० | अस्तनयिष्यत् | अस्तनयिष्यताम् | अस्तनयिष्यन् |
| | अस्तनयिष्यः | अस्तनयिष्यतम् | अस्तनयिष्यत |
| | अस्तनयिष्यम् | अस्तनयिष्याव | अस्तनयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|------------------|-----------------|
| व० | स्तनयते | स्तनयेते | स्तनयन्ते |
| | स्तनयसे | स्तनयेथे | स्तनयध्वे |
| | स्तनये | स्तनयावहे | स्तनयामहे |
| स० | स्तनयेत | स्तनयेयाताम् | स्तनयेरन् |
| | स्तनयेथाः | स्तनयेयाथाम् | स्तनयेध्वम् |
| | स्तनयेय | स्तनयेवहि | स्तनयेमहि |
| प० | स्तनयताम् | स्तनयेताम् | स्तनयन्ताम् |
| | स्तनयस्व | स्तनयेथाम् | स्तनयध्वम् |
| | स्तनये | स्तनयावहे | स्तनयामहे |
| ह्य० | अस्तनयत | अस्तनयेताम् | अस्तनयन्त |
| | अस्तनयथाः | अस्तनयेथाम् | अस्तनयध्वम् |
| | अस्तनये | अस्तनयावहि | अस्तनयामहि |
| अ० | अतस्तनत | अतस्तनेताम् | अतस्तनन्त |
| | अतस्तनथाः | अतस्तनेथाम् | अतस्तनध्वम् |
| | अतस्तने | अतस्तनावहि | अतस्तनामहि |
| प० | स्तनयाश्चक्रे | स्तनयाश्चक्राते | स्तनयाश्चक्रिरे |
| | स्तनयाश्चकृषे | स्तनयाश्चक्राथे | स्तनयाश्चकृद्वे |
| | स्तनयाश्चक्रे | स्तनयाश्चकृवहे | स्तनयाश्चकृमहे |
| | स्तनयाम्बभूव । | स्तनयामास | |
| आ० | स्तनयिषीष्ट | स्तनयिषीयास्ताम् | स्तनयिषीरन् |
| | स्तनयिषीष्ठाः | स्तनयिषीयास्थाम् | स्तनयिषीध्वम् |
| | स्तनयिषीय | स्तनयिषीवहि | स्तनयिषीमहि |
| श्व० | स्तनयिता | स्तनयितारौ | स्तनयितारः |
| | स्तनयितासे | स्तनयितासाथे | स्तनयिताध्वे |
| | स्तनयिताहे | स्तनयितास्वहे | स्तनयितास्महे |
| अ० | स्तनयिष्यते | स्तनयिष्येते | स्तनयिष्यन्ते |
| | स्तनयिष्यसे | स्तनयिष्येथे | स्तनयिष्यध्वे |
| | स्तनयिष्ये | स्तनयिष्यावहे | स्तनयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तनयिष्यत | अस्तनयिष्येताम् | अस्तनयिष्यन्त |
| | अस्तनयिष्यथाः | अस्तनयिष्येथाम् | अस्तनयिष्यध्वम् |
| | अस्तनयिष्ये | अस्तनयिष्यावहि | अस्तनयिष्यामहि |

1887 ध्वनण् (ध्वन्) शब्दे ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० ध्वनयति | ध्वनयतः | ध्वनयन्ति |
| ध्वनयसि | ध्वनयथः | ध्वनयथ |
| ध्वनयामि | ध्वनयावः | ध्वनयामः |
| स० ध्वनयेत् | ध्वनयेताम् | ध्वनयेयुः |
| ध्वनयेः | ध्वनयेतम् | ध्वनयेत |
| ध्वनयेयम् | ध्वनयेव | ध्वनयेम |
| प० ध्वनयतु | ध्वनयतात् | ध्वनयताम् |
| ध्वनय | ध्वनयतात् | ध्वनयतम् |
| ध्वनयानि | ध्वनयाव | ध्वनयाम |
| ह्य० अध्वनयत् | अध्वनयताम् | अध्वनयन् |
| अध्वनयः | अध्वनयतम् | अध्वनयत |
| अध्वनयम् | अध्वनयाव | अध्वनयाम |
| अ० अदध्वनत् | अदध्वनताम् | अदध्वनन् |
| अदध्वनः | अदध्वनतम् | अदध्वनत |
| अदध्वनम् | अदध्वनाव | अदध्वनाम |
| प० ध्वनयाश्चकार | ध्वनयाश्चक्रुः | ध्वनयाश्चक्रुः |
| ध्वनयाश्चकथे | ध्वनयाश्चक्रुः | ध्वनयाश्चक्रुः |
| ध्वनयाश्चकार-चकर | ध्वनयाश्चक्रुव | ध्वनयाश्चक्रुम |
| ध्वनयाम्बभूव | । | ध्वनयामास |
| आ० ध्वन्यात् | ध्वन्यास्ताम् | ध्वन्यासुः |
| ध्वन्याः | ध्वन्यास्तम् | ध्वन्यास्त |
| ध्वन्यासम् | ध्वन्यास्व | ध्वन्यास्म |
| श्व० ध्वनयिता | ध्वनयितारौ | ध्वनयितारः |
| ध्वनयितासि | ध्वनयितास्थः | ध्वनयितास्थ |
| ध्वनयितास्मि | ध्वनयितास्वः | ध्वनयितास्मः |
| भ० ध्वनयिष्यति | ध्वनयिष्यतः | ध्वनयिष्यन्ति |
| ध्वनयिष्यसि | ध्वनयिष्यथः | ध्वनयिष्यथ |
| ध्वनयिष्यामि | ध्वनयिष्यावः | ध्वनयिष्यामः |
| क्रि० अध्वनयिष्यत् | अध्वनयिष्यताम् | अध्वनयिष्यन् |
| अध्वनयिष्यः | अध्वनयिष्यतम् | अध्वनयिष्यत |
| अध्वनयिष्यम् | अध्वनयिष्याव | अध्वनयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० ध्वनयते | ध्वनयेते | ध्वनयन्ते |
| ध्वनयसे | ध्वनयेथे | ध्वनयध्वे |
| ध्वनये | ध्वनयावहे | ध्वनयामहे |
| स० ध्वनयेत | ध्वनयेताताम् | ध्वनयेयुः |
| ध्वनयेथाः | ध्वनयेथाताम् | ध्वनयेध्वम् |
| ध्वनयेय | ध्वनयेवहि | ध्वनयेमहि |
| प० ध्वनयताम् | ध्वनयेताम् | ध्वनयन्ताम् |
| ध्वनयस्व | ध्वनयेथाम् | ध्वनयध्वम् |
| ध्वनये | ध्वनयावहे | ध्वनयामहे |
| ह्य० अध्वनयत | अध्वनयेताम् | अध्वनयन्त |
| अध्वनयथाः | अध्वनयेथाम् | अध्वनयध्वम् |
| अध्वनये | अध्वनयावहि | अध्वनयामहि |
| अ० अदध्वनत | अदध्वनेताम् | अदध्वनन्त |
| अदध्वनथाः | अदध्वनेथाम् | अदध्वनध्वम् |
| अदध्वने | अदध्वनावहि | अदध्वनामहि |
| प० ध्वनयाश्चक्रे | ध्वनयाश्चक्राते | ध्वनयाश्चक्रिरे |
| ध्वनयाश्चकृषे | ध्वनयाश्चक्राथे | ध्वनयाश्चकृवहे |
| ध्वनयाश्चक्रे | ध्वनयाश्चकृवहे | ध्वनयाश्चक्रुमहे |
| ध्वनयाम्बभूव | । | ध्वनयामास |
| आ० ध्वनयिषीष्ट | ध्वनयिषीयास्ताम् | ध्वनयिषीरन् |
| ध्वनयिषीष्टाः | ध्वनयिषीयास्थाम् | ध्वनयिषीद्वम् |
| | | ध्वम् |
| ध्वनयिषीय | ध्वनयिषीवहि | ध्वनयिषीमहि |
| श्व० ध्वनयिता | ध्वनयितारौ | ध्वनयितारः |
| ध्वनयितासे | ध्वनयितासाथे | ध्वनयिताध्वे |
| ध्वनयिताहे | ध्वनयितास्वहे | ध्वनयितास्महे |
| भ० ध्वनयिष्यते | ध्वनयिष्येते | ध्वनयिष्यन्ते |
| ध्वनयिष्यसे | ध्वनयिष्येथे | ध्वनयिष्यध्वे |
| ध्वनयिष्ये | ध्वनयिष्यावहे | ध्वनयिष्यामहे |
| क्रि० अध्वनयिष्यत् | अध्वनयिष्येताम् | अध्वनयिष्यन्त |
| अध्वनयिष्यथाः | अध्वनयिष्येथाम् | अध्वनयिष्यध्वम् |
| अध्वनयिष्ये | अध्वनयिष्यावहि | अध्वनयिष्यामहि |

1888 स्तेनण् (स्तेन्) चौर्ये ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| ब० | स्तेनयति | स्तेनयतः | स्तेनयन्ति |
| | स्तेनयसि | स्तेनयथः | स्तेनयथ |
| | स्तेनयामि | स्तेनयावः | स्तेनयामः |
| स० | स्तेनयेत् | स्तेनयेताम् | स्तेनयेयुः |
| | स्तेनयेः | स्तेनयेतम् | स्तेनयेत |
| | स्तेनयेथम् | स्तेनयेव | स्तेनयेम |
| प० | स्तेनयतु | स्तेनयतात् | स्तेनयन्तु |
| | स्तेनय | स्तेनयतात् | स्तेनयत |
| | स्तेनयानि | स्तेनयाव | स्तेनयाम |
| ह्य० | अस्तेनयत् | अस्तेनयताम् | अस्तेनयन् |
| | अस्तेनयः | अस्तेनयतम् | अस्तेनयत |
| | अस्तेनयम् | अस्तेनयाव | अस्तेनयाम |
| भ० | अतिस्तेनत् | अतिस्तेनताम् | अतिस्तेनन् |
| | अतिस्तेनः | अतिस्तेनतम् | अतिस्तेनत |
| | अतिस्तेनम् | अतिस्तेनाव | अतिस्तेनाम |
| क० | स्तेनयाश्चकार | स्तेनयाश्चक्रुः | स्तेनयाश्चक्रुः |
| | स्तेनयाश्चकथे | स्तेनयाश्चक्रुः | स्तेनयाश्चक्रुः |
| | स्तेनयाश्चकार-चकर | स्तेनयाश्चक्रुव | स्तेनयाश्चक्रुम |
| | स्तेनयाम्बभूव | स्तेनयामास | |
| भा० | स्तेन्यात् | स्तेन्यास्ताम् | स्तेन्यासुः |
| | स्तेन्याः | स्तेन्यास्तम् | स्तेन्यास्त |
| | स्तेन्यासम् | स्तेन्यास्व | स्तेन्यास्म |
| ज० | स्तेनयिता | स्तेनयितारौ | स्तेनयितारः |
| | स्तेनयितासि | स्तेनयितास्थः | स्तेनयितास्थ |
| | स्तेनयितास्मि | स्तेनयितास्वः | स्तेनयितास्मः |
| म० | स्तेनयिष्यति | स्तेनयिष्यतः | स्तेनयिष्यन्ति |
| | स्तेनयिष्यसि | स्तेनयिष्यथः | स्तेनयिष्यथ |
| | स्तेनयिष्यामि | स्तेनयिष्यावः | स्तेनयिष्यामः |
| क्रि० | अस्तेनयिष्यत् | अस्तेनयिष्यताम् | अस्तेनयिष्यन् |
| | अस्तेनयिष्यः | अस्तेनयिष्यतम् | अस्तेनयिष्यत |
| | अस्तेनयिष्यम् | अस्तेनयिष्याव | अस्तेनयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|-------------------|--------------------|
| ब० | स्तेनयते | स्तेनयेते | स्तेनयन्ते |
| | स्तेनयसे | स्तेनयेथे | स्तेनयध्वे |
| | स्तेनये | स्तेनयावहे | स्तेनयामहे |
| स० | स्तेनयेत | स्तेनयेताताम् | स्तेनयेयुः |
| | स्तेनयेथाः | स्तेनयेथाथाम् | स्तेनयेध्वम् |
| | स्तेनयेय | स्तेनवहि | स्तेनयेमहि |
| प० | स्तेनयताम् | स्तेनयेताम् | स्तेनयन्ताम् |
| | स्तेनयस्व | स्तेनयेथाम् | स्तेनयध्वम् |
| | स्तेनयै | स्तेनयावहै | स्तेनयामहै |
| ह्य० | अस्तेनयत | अस्तेनयेताम् | अस्तेनयन्त |
| | अस्तेनयथाः | अस्तेनयेथाम् | अस्तेनयध्वम् |
| | अस्तेनये | अस्तेनयावहि | अस्तेनयामहि |
| भ० | अतिस्तेनत | अतिस्तेनेताम् | अतिस्तेनन्त |
| | अतिस्तेनथाः | अतिस्तेनेथाम् | अतिस्तेनध्वम् |
| | अतिस्तेने | अतिस्तेनावहि | अतिस्तेनामहि |
| प० | स्तेनयाश्चक्रे | स्तेनयाश्चक्राते | स्तेनयाश्चक्रिरे |
| | स्तेनयाश्चक्रुषे | स्तेनयाश्चक्राथे | स्तेनयाश्चक्रुध्वे |
| | स्तेनयाश्चक्रे | स्तेनयाश्चक्रुवहे | स्तेनयाश्चक्रुमहे |
| | स्तेनयाम्बभूव | स्तेनयामास | |
| भा० | स्तेनयिषीष्ट | स्तेनयिषीयास्ताम् | स्तेनयिषीरन् |
| | स्तेनयिषीष्टाः | स्तेनयिषीयास्थाम् | स्तेनयिषीध्वम् |
| | स्तेनयिषीय | स्तेनयिषीवहि | स्तेनयिषीमहि |
| श्र० | स्तेनयिता | स्तेनयितारौ | स्तेनयितारः |
| | स्तेनयितासे | स्तेनयितासाथे | स्तेनयिताध्वे |
| | स्तेनयिताहे | स्तेनयितास्वहे | स्तेनयितास्महे |
| भ० | स्तेनयिष्यते | स्तेनयिष्येते | स्तेनयिष्यन्ते |
| | स्तेनयिष्यसे | स्तेनयिष्येथे | स्तेनयिष्यध्वे |
| | स्तेनयिष्ये | स्तेनयिष्यावहे | स्तेनयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तेनयिष्यत | अस्तेनयिष्येताम् | अस्तेनयिष्यन्त |
| | अस्तेनयिष्यथाः | अस्तेनयिष्येथाम् | अस्तेनयिष्यध्वम् |
| | अस्तेनयिष्ये | अस्तेनयिष्यावहि | अस्तेनयिष्यामहि |

1889 ऊनण् (ऊन्) परिहाणे ।

| | | | |
|-------|----------------|-------------|-------------|
| व० | ऊनयति | ऊनयतः | ऊनयन्ति |
| | ऊनयसि | ऊनयथः | ऊनयथ |
| | ऊनयामि | ऊनयावः | ऊनयामः |
| स० | ऊनयेत् | ऊनयेताम् | ऊनयेयुः |
| | ऊनयेः | ऊनयेतम् | ऊनयेत |
| | ऊनयेयम् | ऊनयेव | ऊनयेम |
| प० | ऊनयतु | ऊनयतात् | ऊनयताम् |
| | ऊनय | ऊनयतात् | ऊनयतम् |
| | ऊनयानि | ऊनयाव | ऊनयाम |
| ह्य० | औनयत् | औनयताम् | औनयन् |
| | औनयः | औनयतम् | औनयत |
| | औनयम् | औनयाव | औनयाम |
| भ० | औनितत् | औनितताम् | औनितन् |
| | औनितः | औनिततम् | औनितत |
| | औनितम् | औनिनाव | औनिनाम |
| प० | ऊनयाञ्चकार | ऊनयाञ्चकतुः | ऊनयाञ्चकुः |
| | ऊनयाञ्चकथं | ऊनयाञ्चकथुः | ऊनयाञ्चक |
| | ऊनयाञ्चकार-चकर | ऊनयाञ्चकव | ऊनयाञ्चकम |
| | ऊनयाम्बभूव | । | ऊनयामास |
| आ० | ऊन्यात् | ऊन्यास्ताम् | ऊन्यासुः |
| | ऊन्याः | ऊन्यास्तम् | ऊन्यास्त |
| | ऊन्यासम् | ऊन्यास्व | ऊन्यास्म |
| श्र० | ऊनयिता | ऊनयितारौ | ऊनयितारः |
| | ऊनयितासि | ऊनयितास्थः | ऊनयितास्थ |
| | ऊनयितास्मि | ऊनयितास्वः | ऊनयितास्मः |
| भ० | ऊनयिष्यति | ऊनयिष्यतः | ऊनयिष्यन्ति |
| | ऊनयिष्यसि | ऊनयिष्यथः | ऊनयिष्यथ |
| | ऊनयिष्यामि | ऊनयिष्यावः | ऊनयिष्यामः |
| क्रि० | औनयिष्यत् | औनयिष्यताम् | औनयिष्यन् |
| | औनयिष्यः | औनयिष्यतम् | औनयिष्यत |
| | औनयिष्यम् | औनयिष्याव | औनयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | ऊनयते | ऊनयेते | ऊनयन्ते |
| | ऊनयसे | ऊनयेथे | ऊनयध्वे |
| | ऊनये | ऊनयावहे | ऊनयामहे |
| स० | ऊनयेत | ऊनयेयाताम् | ऊनयेरन् |
| | ऊनयेथाः | ऊनयेयाथाम् | ऊनयेध्वम् |
| | ऊनयेथ | ऊनयेवहि | ऊनयेमहि |
| प० | ऊनयताम् | ऊनयेताम् | ऊनयन्ताम् |
| | ऊनयस्व | ऊनयेथाम् | ऊनयध्वम् |
| | ऊनयै | ऊनयावहै | ऊनयामहै |
| ह्य० | औनयत | औनयेताम् | औनयन्त |
| | औनयथाः | औनयेथाम् | औनयध्वम् |
| | औनये | औनयावहि | औनयामहि |
| भ० | औनितत | औनिनेताम् | औनिनन्त |
| | औनितथाः | औनिनेथाम् | औनिनध्वम् |
| | औनिने | औनिनावहि | औनिनामहि |
| प० | ऊनयाञ्चके | ऊनयाञ्चकाते | ऊनयाञ्चकिरे |
| | ऊनयाञ्चकृषे | ऊनयाञ्चकाथे | ऊनयाञ्चकृत्वे |
| | ऊनयाञ्चके | ऊनयाञ्चकृवहे | ऊनयाञ्चकृमहे |
| | ऊनयाम्बभूव | । | ऊनयामास |
| आ० | ऊनयिषीष्ट | ऊनयिषीयास्ताम् | ऊनयिषीरन् |
| | ऊनयिषीष्टाः | ऊनयिषीयास्थाम् | ऊनयिषीध्वम् |
| | ऊनयिषीथ | ऊनयिषीवहि | ऊनयिषीमहि |
| श्र० | ऊनयिता | ऊनयितारौ | ऊनयितारः |
| | ऊनयितासे | ऊनयितासाथे | ऊनयिताध्वे |
| | ऊनयिताहे | ऊनयितास्वहे | ऊनयितास्महे |
| भ० | ऊनयिष्यते | ऊनयिष्येते | ऊनयिष्यन्ते |
| | ऊनयिष्यसे | ऊनयिष्येथे | ऊनयिष्यध्वे |
| | ऊनयिष्ये | ऊनयिष्यावहे | ऊनयिष्यामहे |
| क्रि० | औनयिष्यत | औनयिष्येताम् | औनयिष्यन्त |
| | औनयिष्यथाः | औनयिष्येथाम् | औनयिष्यध्वम् |
| | औनयिष्ये | औनयिष्यावहि | औनयिष्यामहि |

1890 कृण् (कृप्) दौबैल्ये ।

| | | |
|------------------------|----------------|--------------|
| व० कृपयति | कृपयतः | कृपयन्ति |
| कृपयसि | कृपयथः | कृपयथ |
| कृपयामि | कृपयावः | कृपयामः |
| स० कृपयेत् | कृपयेताम् | कृपयेयुः |
| कृपयेः | कृपयेतम् | कृपयेत |
| कृपयेयम् | कृपयेव | कृपयेम |
| प० कृपयतु | कृपयतात् | कृपयताम् |
| कृपय | कृपयतात् | कृपयतम् |
| कृपयाणि | कृपयाव | कृपयाम |
| ह्य० अकृपयत् | अकृपयताम् | अकृपयन् |
| अकृपयः | अकृपयतम् | अकृपयत |
| अकृपयम् | अकृपयाव | अकृपयाम |
| अ० अचकृपत् | अचकृपताम् | अचकृपन् |
| अचकृपः | अचकृपतम् | अचकृपत |
| अचकृपम् | अचकृपाव | अचकृपाम |
| प० कृपयाञ्चकार | कृपयाञ्चक्रुः | कृपयाञ्चकुः |
| कृपयाञ्चकथं | कृपयाञ्चक्रथुः | कृपयाञ्चक |
| कृपयाञ्चकार-चकर | कृपयाञ्चक्रव | कृपयाञ्चक्रम |
| कृपयाम्बभूव । कृपयामास | | |
| भा० कृप्यात् | कृप्यास्ताम् | कृप्यासुः |
| कृप्याः | कृप्यास्तम् | कृप्यास्त |
| कृप्यासम् | कृप्यास्व | कृप्यास्म |
| श्व० कृपयिता | कृपयितारौ | कृपयितारः |
| कृपयितासि | कृपयितास्थः | कृपयितास्थ |
| कृपयितास्मि | कृपयितास्वः | कृपयितास्मः |
| भ० कृपयिष्यति | कृपयिष्यतः | कृपयिष्यन्ति |
| कृपयिष्यसि | कृपयिष्यथः | कृपयिष्यथ |
| कृपयिष्यामि | कृपयिष्यावः | कृपयिष्यामः |
| क्रि० अकृपयिष्यत् | अकृपयिष्यताम् | अकृपयिष्यन् |
| अकृपयिष्यः | अकृपयिष्यतम् | अकृपयिष्यत |
| अकृपयिष्यम् | अकृपयिष्याव | अकृपयिष्याम |

1891 रूपण् (रूप्) रूपक्रियायाम् ।

| | | |
|------------------------|----------------|--------------|
| व० रूपयति | रूपयतः | रूपयन्ति |
| रूपयसि | रूपयथः | रूपयथ |
| रूपयामि | रूपयावः | रूपयामः |
| स० रूपयेत् | रूपयेताम् | रूपयेयुः |
| रूपयेः | रूपयेतम् | रूपयेत |
| रूपयेयम् | रूपयेव | रूपयेम |
| प० रूपयतु | रूपयतात् | रूपयताम् |
| रूपय | रूपयतात् | रूपयतम् |
| रूपयाणि | रूपयाव | रूपयाम |
| ह्य० अरूपयत् | अरूपयताम् | अरूपयन् |
| अरूपयः | अरूपयतम् | अरूपयत |
| अरूपयम् | अरूपयाव | अरूपयाम |
| अ० अरूपयत् | अरूपयताम् | अरूपयन् |
| अरूपयः | अरूपयतम् | अरूपयत |
| अरूपयम् | अरूपयाव | अरूपयाम |
| प० रूपयाञ्चकार | रूपयाञ्चक्रुः | रूपयाञ्चकुः |
| रूपयाञ्चकथं | रूपयाञ्चक्रथुः | रूपयाञ्चक |
| रूपयाञ्चकार-चकर | रूपयाञ्चक्रव | रूपयाञ्चक्रम |
| रूपयाम्बभूव । रूपयामास | | |
| भा० रूप्यात् | रूप्यास्ताम् | रूप्यासुः |
| रूप्याः | रूप्यास्तम् | रूप्यास्त |
| रूप्यासम् | रूप्यास्व | रूप्यास्म |
| श्व० रूपयिता | रूपयितारौ | रूपयितारः |
| रूपयितासि | रूपयितास्थः | रूपयितास्थ |
| रूपयितास्मि | रूपयितास्वः | रूपयितास्मः |
| भ० रूपयिष्यति | रूपयिष्यतः | रूपयिष्यन्ति |
| रूपयिष्यसि | रूपयिष्यथः | रूपयिष्यथ |
| रूपयिष्यामि | रूपयिष्यावः | रूपयिष्यामः |
| क्रि० अरूपयिष्यत् | अरूपयिष्यताम् | अरूपयिष्यन् |
| अरूपयिष्यः | अरूपयिष्यतम् | अरूपयिष्यत |
| अरूपयिष्यम् | अरूपयिष्याव | अरूपयिष्याम |

मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१४६७)

व० कृपयते कृपयेते कृपयन्ते
कृपयसे कृपयेथे कृपयध्वे
कृपये कृपयावहे कृपयामहे

स० कृपयेत कृपयेयाताम् कृपयेरन्
कृपयेथाः कृपयेयाथाम् कृपयेध्वम्
कृपयेय कृपयेवहि कृपयेमहि

प० कृपयताम् कृपयेताम् कृपयन्ताम्
कृपयस्व कृपयेथाम् कृपयध्वम्
कृपये कृपयावहे कृपयामहे

ह्य० अकृपयत अकृपयेताम् अकृपयन्त
अकृपयथाः अकृपयेथाम् अकृपयध्वम्
अकृपये अकृपयावहि अकृपयामहि

अ० अचकृपत अचकृपेताम् अचकृपन्त
अचकृपथाः अचकृपेथाम् अचकृपध्वम्
अचकृपे अचकृपावहि अचकृपामहि

प० कृपयाञ्चक्रे कृपयाञ्चक्राते कृपयाञ्चकिरे
कृपयाञ्चकृषे कृपयाञ्चक्राथे कृपयाञ्चकृद्वे
कृपयाञ्चक्रे कृपयाञ्चकृवहे कृपयाञ्चकृमहे
कृपयाञ्चभूव कृपयाञ्चमास

आ० कृपयिषीष्ट कृपयिषीयास्ताम् कृपयिषीरन्
कृपयिषीष्ठाः कृपयिषीयास्थाम् कृपयिषीद्वम्
ध्वम्

कृपयिषीय कृपयिषीवहि कृपयिषीमहि

श्व० कृपयिता कृपयितारौ कृपयितारः
कृपयितासे कृपयितासाथे कृपयिताध्वे
कृपयिताहे कृपयितास्वहे कृपयितास्महे

भ० कृपयिष्यते कृपयिष्येते कृपयिष्यन्ते
कृपयिष्यसे कृपयिष्येथे कृपयिष्यध्वे
कृपयिष्ये कृपयिष्यावहे कृपयिष्यामहे

क्रि० अकृपयिष्यत अकृपयिष्येताम् अकृपयिष्यन्त
अकृपयिष्यथाः अकृपयिष्येथाम् अकृपयिष्यध्वम्
अकृपयिष्ये अकृपयिष्यावहि अकृपयिष्यामहि

व० रूपयते रूपयेते रूपयन्ते
रूपयसे रूपयेथे रूपयध्वे
रूपये रूपयावहे रूपयामहे

स० रूपयेत रूपयेयाताम् रूपयेरन्
रूपयेथाः रूपयेयाथाम् रूपयेध्वम्
रूपयेय रूपयेवहि रूपयेमहि

प० रूपयताम् रूपयेताम् रूपयन्ताम्
रूपयस्व रूपयेथाम् रूपयध्वम्
रूपये रूपयावहे रूपयामहे

ह्य० अरूपयत अरूपयेताम् अरूपयन्त
अरूपयथाः अरूपयेथाम् अरूपयध्वम्
अरूपये अरूपयावहि अरूपयामहि

अ० अरूपपत अरूपपेताम् अरूपपन्त
अरूपपथाः अरूपपेथाम् अरूपपध्वम्
अरूपपे अरूपपावहि अरूपपामहि

प० रूपयाञ्चक्रे रूपयाञ्चक्राते रूपयाञ्चकिरे
रूपयाञ्चकृषे रूपयाञ्चक्राथे रूपयाञ्चकृद्वे
रूपयाञ्चक्रे रूपयाञ्चकृवहे रूपयाञ्चकृमहे
रूपयाञ्चभूव । रूपयाञ्चमास

आ० रूपयिषीष्ट रूपयिषीयास्ताम् रूपयिषीरन्
रूपयिषीष्ठाः रूपयिषीयास्थाम् रूपयिषीद्वम्
ध्वम्

रूपयिषीय रूपयिषीवहि रूपयिषीमहि

श्व० रूपयिता रूपयितारौ रूपयितारः
रूपयितासे रूपयितासाथे रूपयिताध्वे
रूपयिताहे रूपयितास्वहे रूपयितास्महे

भ० रूपयिष्यते रूपयिष्येते रूपयिष्यन्ते
रूपयिष्यसे रूपयिष्येथे रूपयिष्यध्वे
रूपयिष्ये रूपयिष्यावहे रूपयिष्यामहे

क्रि० अरूपयिष्यत अरूपयिष्येताम् अरूपयिष्यन्त
अरूपयिष्यथाः अरूपयिष्येथाम् अरूपयिष्यध्वम्
अरूपयिष्ये अरूपयिष्यावहि अरूपयिष्यामहि

1892 क्षपण् (क्षप) प्रेरणे ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| व० क्षपयति | क्षपयतः | क्षपयन्ति |
| क्षपयसि | क्षपयथः | क्षपयथ |
| क्षपयामि | क्षपयावः | क्षपयामः |
| स० क्षपयेत् | क्षपयेताम् | क्षपयेयुः |
| क्षपयेः | क्षपयेतम् | क्षपयेत |
| क्षपयेयम् | क्षपयेव | क्षपयेम |
| प० क्षपयतु | क्षपयतात् | क्षपयताम् |
| क्षपय | क्षपयतात् | क्षपयतम् |
| क्षपयति | क्षपयाव | क्षपयाम |
| ह्य० अक्षपयत् | अक्षपयताम् | अक्षपयन् |
| अक्षपयः | अक्षपयतम् | अक्षपयत |
| अक्षपयम् | अक्षपयाव | अक्षपयाम |
| अ० अचक्षपत् | अचक्षपताम् | अचक्षपन् |
| अचक्षपः | अचक्षपतम् | अचक्षपत |
| अचक्षपम् | अचक्षपाव | अचक्षपाम |
| प० क्षपयाञ्चकार | क्षपयाञ्चक्रुः | क्षपयाञ्चक्रुः |
| क्षपयाञ्चकथं | क्षपयाञ्चक्रुः | क्षपयाञ्चक्रुः |
| क्षपयाञ्चकार-चकर | क्षपयाञ्चक्रुव | क्षपयाञ्चक्रुम |
| क्षपयाम्बभूव | क्षपयामास | |
| आ० क्षप्यात् | क्षप्यास्ताम् | क्षप्यासुः |
| क्षप्याः | क्षप्यास्तम् | क्षप्यास्त |
| क्षप्यासम् | क्षप्यास्व | क्षप्यास्म |
| श्व० क्षपयिता | क्षपयितारौ | क्षपयितारः |
| क्षपयितासि | क्षपयितास्थः | क्षपयितास्थ |
| क्षपयितास्मि | क्षपयितास्वः | क्षपयितास्मः |
| म० क्षपयिष्यति | क्षपयिष्यतः | क्षपयिष्यन्ति |
| क्षपयिष्यसि | क्षपयिष्यथः | क्षपयिष्यथ |
| क्षपयिष्यामि | क्षपयिष्यावः | क्षपयिष्यामः |
| क्रि० अक्षपयिष्यत् | अक्षपयिष्यताम् | अक्षपयिष्यन् |
| अक्षपयिष्यः | अक्षपयिष्यतम् | अक्षपयिष्यत |
| अक्षपयिष्यम् | अक्षपयिष्याव | अक्षपयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० क्षपयते | क्षपयेते | क्षपयन्ते |
| क्षपयसे | क्षपयेथे | क्षपयन्वे |
| क्षपये | क्षपयावहे | क्षपयामहे |
| स० क्षपयेत | क्षपयेयाताम् | क्षपयेरन् |
| क्षपयेथाः | क्षपयेयाथाम् | क्षपयेध्वम् |
| क्षपयेय | क्षपयेवहि | क्षपयेमहि |
| प० क्षपयताम् | क्षपयेताम् | क्षपयन्ताम् |
| क्षपयस्व | क्षपयेथाम् | क्षपयध्वम् |
| क्षपये | क्षपयावहे | क्षपयामहे |
| ह्य० अक्षपयत | अक्षपयेताम् | अक्षपयन्त |
| अक्षपयथाः | अक्षपयेथाम् | अक्षपयध्वम् |
| अक्षपये | अक्षपयावहि | अक्षपयामहि |
| अ० अचक्षपत | अचक्षपेताम् | अचक्षपन्त |
| अचक्षपथाः | अचक्षपेथाम् | अचक्षपध्वम् |
| अचक्षपे | अचक्षपावहि | अचक्षपामहि |
| प० क्षपयाञ्चक्रे | क्षपयाञ्चक्राते | क्षपयाञ्चक्रिरे |
| क्षपयाञ्चकृषे | क्षपयाञ्चक्राथे | क्षपयाञ्चकृद्वे |
| क्षपयाञ्चक्रे | क्षपयाञ्चक्रुवहे | क्षपयाञ्चक्रुमहे |
| क्षपयाम्बभूव | क्षपयामास | |
| आ० क्षपयिषीष्ट | क्षपयिषीयास्ताम् | क्षपयिषीरन् |
| क्षपयिषीष्टाः | क्षपयिषीयास्थाम् | क्षपयिषीद्वम् |
| क्षपयिषीय | क्षपयिषीवहि | क्षपयिषीमहि |
| श्व० क्षपयिता | क्षपयितारौ | क्षपयितारः |
| क्षपयितासे | क्षपयितासाथे | क्षपयिताध्वे |
| क्षपयिताहे | क्षपयितास्वहे | क्षपयितास्महे |
| म० क्षपयिष्यते | क्षपयिष्येते | क्षपयिष्यन्ते |
| क्षपयिष्यसे | क्षपयिष्येथे | क्षपयिष्यन्वे |
| क्षपयिष्ये | क्षपयिष्यावहे | क्षपयिष्यामहे |
| क्रि० अक्षपयिष्यत् | अक्षपयिष्येताम् | अक्षपयिष्यन्त |
| अक्षपयिष्यथाः | अक्षपयिष्येथाम् | अक्षपयिष्यध्वम् |
| अक्षपयिष्ये | अक्षपयिष्यावहि | अक्षपयिष्यामहि |

1893 लाभन् (लाभ्) प्रेरणे ।

| | | |
|------------------------|----------------|---------------|
| ब० लाभयति | लाभयतः | लाभयन्ति |
| लाभयसि | लाभयथः | लाभयथ |
| लाभयामि | लाभयावः | लाभयामः |
| स० लाभयेत् | लाभयेताम् | लाभयेयुः |
| लाभयेः | लाभयेतम् | लाभयेत |
| लाभयेयम् | लाभयेव | लाभयेम |
| प० लाभयतु | लाभयतात् | लाभयन्तु |
| लाभय | लाभयतात् | लाभयतम् |
| लाभयानि | लाभयाव | लाभयाम |
| ह्य० अलाभयत् | अलाभयताम् | अलाभयन् |
| अलाभयः | अलाभयतम् | अलाभयत |
| अलाभयम् | अलाभयाव | अलाभयाम |
| अ० अललाभत् | अललाभताम् | अललाभन् |
| अललाभः | अललाभतम् | अललाभत |
| अललाभम् | अललाभाव | अललाभाम |
| प० लाभयाञ्चकार | लाभयाञ्चक्रतुः | लाभयाञ्चक्रुः |
| लाभयाञ्चकथं | लाभयाञ्चकथुः | लाभयाञ्चक |
| लाभयाञ्चकार-नकर | लाभयाञ्चकृव | लाभयाञ्चकृम |
| लाभयाम्बभूव । लाभयामास | | |
| भा० लाभ्यात् | लाभ्यास्ताम् | लाभ्यासुः |
| लाभ्याः | लाभ्यास्तम् | लाभ्यास्त |
| लाभ्यासम् | लाभ्यास्व | लाभ्यास्म |
| श्व० लाभयिता | लाभयितारौ | लाभयितारः |
| लाभयितासि | लाभयितास्थः | लाभयितास्थ |
| लाभयितास्मि | लाभयितास्वः | लाभयितास्मः |
| भ० लाभयिष्यति | लाभयिष्यतः | लाभयिष्यन्ति |
| लाभयिष्यसि | लाभयिष्यथः | लाभयिष्यथ |
| लाभयिष्यामि | लाभयिष्यावः | लाभयिष्यामः |
| क्रि० अलाभयिष्यत् | अलाभयिष्यताम् | अलाभयिष्यन् |
| अलाभयिष्यः | अलाभयिष्यतम् | अलाभयिष्यत |
| अलाभयिष्यम् | अलाभयिष्याव | अलाभयिष्याम |

| | | |
|------------------------|-----------------|----------------|
| व० लाभयते | लाभयेते | लाभयन्ते |
| लाभयसे | लाभयेथे | लाभयध्वे |
| लाभये | लाभयावहे | लाभयामहे |
| स० लाभयेत | लाभयेयाताम् | लाभयेरन् |
| लाभयेथाः | लाभयेयाथाम् | लाभयेष्वम् |
| लाभयेय | लाभयेवहि | लाभयेमहि |
| प० लाभयताम् | लाभयेताम् | लाभयन्ताम् |
| लाभयस्व | लाभयेथाम् | लाभयध्वम् |
| लाभये | लाभयावहे | लाभयामहे |
| ह्य० अलाभयत | अलाभयेताम् | अलाभयन्त |
| अलाभयथाः | अलाभयेथाम् | अलाभयध्वम् |
| अलाभये | अलाभयावहि | अलाभयामहि |
| अ० अललाभत | अललाभेताम् | अललाभन्त |
| अललाभथाः | अललाभेथाम् | अललाभध्वम् |
| अललाभे | अललाभावहि | अललाभामहि |
| प० लाभयाञ्चके | लाभयाञ्चक्राते | लाभयाञ्चकिरे |
| लाभयाञ्चकृषे | लाभयाञ्चक्राथे | लाभयाञ्चकृद्वे |
| लाभयाञ्चके | लाभयाञ्चकृवहे | लाभयाञ्चकृमहे |
| लाभयाम्बभूव । लाभयामास | | |
| भा० लाभयिषीष्ट | लाभयिषीयास्ताम् | लाभयिषीरन् |
| लाभयिषीष्ठाः | लाभयिषीयास्थाम् | लाभयिषीध्वम् |
| लाभयिषीय | लाभयिषीवहि | लाभयिषीमहि |
| श्व० लाभयिता | लाभयितारौ | लाभयितारः |
| लाभयितासे | लाभयितासाथे | लाभयिताध्वे |
| लाभयिताहे | लाभयितास्वहे | लाभयितास्महे |
| भ० लाभयिष्यते | लाभयिष्येते | लाभयिष्यन्ते |
| लाभयिष्यसे | लाभयिष्येथे | लाभयिष्यध्वे |
| लाभयिष्ये | लाभयिष्यावहे | लाभयिष्यामहे |
| क्रि० अलाभयिष्यत | अलाभयिष्येताम् | अलाभयिष्यन्त |
| अलाभयिष्यथाः | अलाभयिष्येथाम् | अलाभयिष्यध्वम् |
| अलाभयिष्ये | अलाभयिष्यावहि | अलाभयिष्यामहि |

1894 भागणु (भाग] क्रोधे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | भागयति | भागयतः | भागयन्ति |
| | भागयसि | भागयथः | भागयथ |
| | भागयामि | भागयावः | भागयामः |
| स० | भागयेत् | भागयेताम् | भागयेयुः |
| | भागयेः | भागयेतम् | भागयेत |
| | भागयेयम् | भागयेव | भागयेम |
| प० | भागयतु | भागयतात् | भागयताम् |
| | भागय | भागयतात् | भागयतम् |
| | भागयानि | भागयाव | भागयाम |
| श० | अभागयत् | अभागयताम् | अभागयन् |
| | अभागयः | अभागयतम् | अभागयत |
| | अभागयम् | अभागयाव | अभागयाम |
| ल० | अवभागयत् | अवभागयताम् | अवभागयन् |
| | अवभागयः | अवभागयतम् | अवभागयत |
| | अवभागयम् | अवभागाव | अवभागाम |
| प० | भागयाञ्चकार | भागयाञ्चक्रुः | भागयाञ्चक्रुः |
| | भागयञ्चकथं | भागयाञ्चक्रुः | भागयाञ्चक्रुः |
| | भागयाञ्चकार-चकर | भागयाञ्चक्रुव | भागयाञ्चक्रुम |
| | भागयाम्बभूव | भागयामास | |
| भा० | भाग्यात् | भाग्यास्ताम् | भाग्यासुः |
| | भाग्याः | भाग्यास्तम् | भाग्यास्त |
| | भाग्यासम् | भाग्यास्व | भाग्यास्म |
| श्व० | भागयिता | भागयितारौ | भागयितारः |
| | भागयितासि | भागयितास्थः | भागयितास्थ |
| | भागयितास्मि | भागयितास्वः | भागयितास्मः |
| म० | भागयिष्यति | भागयिष्यतः | भागयिष्यन्ति |
| | भागयिष्यसि | भागयिष्यथः | भागयिष्यथ |
| | भागयिष्यामि | भागयिष्यावः | भागयिष्यामः |
| क्रि० | अभागयिष्यत् | अभागयिष्यताम् | अभागयिष्यन् |
| | अभागयिष्यः | अभागयिष्यतम् | अभागयिष्यत |
| | अभागयिष्यम् | अभागयिष्याव | अभागयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | भागयते | भागयैते | भागयन्ते |
| | भागयसे | भागयेथे | भागयध्वे |
| | भागये | भागयावहे | भागयामहे |
| स० | भागयेत | भागयेयाताम् | भागयेरन् |
| | भागयेथाः | भागयेयाथाम् | भागयेध्वम् |
| | भागयेय | भागयेवहि | भागयेमहि |
| प० | भागयताम् | भागयेताम् | भागयन्ताम् |
| | भागयस्व | भागयेथाम् | भागयध्वम् |
| | भागये | भागयावहे | भागयामहे |
| श्व० | अभागयत | अभागयेताम् | अभागयन्त |
| | अभागयथाः | अभागयेथाम् | अभागयध्वम् |
| | अभागये | अभागयावहि | अभागयामहि |
| ल० | अवभागयत | अवभागेताम् | अवभागयन्त |
| | अवभागयथाः | अवभागेथाम् | अवभागयध्वम् |
| | अवभागे | अवभागावहि | अवभागयामहि |
| प० | भागयाञ्चक्रे | भागयाञ्चक्राते | भागयाञ्चक्रिरे |
| | भागयाञ्चकृषे | भागयाञ्चक्राये | भागयाञ्चकृद्वे |
| | भागयाञ्चक्रे | भागयाञ्चकृवहे | भागयाञ्चकृमहे |
| | भागयाम्बभूव | भागयामास | |
| भा० | भागयिषीष्ट | भागयिषीयास्ताम् | भागयिषीरन् |
| | भागयिषीष्टाः | भागयिषीयास्थाम् | भागयिषीद्वम् |
| | भागयिषीय | भागयिषीवहि | भागयिषीमहि |
| श्व० | भागयिता | भागयितारौ | भागयितारः |
| | भागयितासे | भागयितासाथे | भागयिताध्वे |
| | भागयिताहे | भागयितास्वहे | भागयितास्महे |
| म० | भागयिष्यते | भागयिष्येते | भागयिष्यन्ते |
| | भागयिष्यसे | भागयिष्येथे | भागयिष्यध्वे |
| | भागयिष्ये | भागयिष्यावहे | भागयिष्यामहे |
| क्रि० | अभागयिष्यत् | अभागयिष्येताम् | अभागयिष्यन्त |
| | अभागयिष्यथाः | अभागयिष्येथाम् | अभागयिष्यध्वम् |
| | अभागयिष्ये | अभागयिष्यावहि | अभागयिष्यामहि |

1895 गोमण् (गोम्) उपलेपने ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|---------------|
| व० | गोमयति | गोमयतः | गोमयन्ति |
| | गोमयसि | गोमयथः | गोमयथ |
| | गोमयामि | गोमयावः | गोमयामः |
| ल० | गोमयेत् | गोमयेताम् | गोमयेयुः |
| | गोमयेः | गोमयेतम् | गोमयेत |
| | गोमयेयम् | गोमयेव | गोमयेम |
| प० | गोमयतु | गोमयतात् | गोमयताम् |
| | गोमय | गोमयतात् | गोमयतम् |
| | गोमयानि | गोमयाव | गोमयाम |
| ह्य० | अगोमयत् | अगोमयताम् | अगोमयन् |
| | अगोमयः | अगोमयतम् | अगोमयत |
| | अगोमयम् | अगोमयाव | अगोमयाम |
| अ० | अजुगोमत् | अजुगोमताम् | अजुगोमन् |
| | अजुगोमः | अजुगोमतम् | अजुगोमत |
| | अजुगोमम् | अजुगोमाव | अजुगोमाम |
| प० | गोमयाञ्चकार | गोमयाञ्चक्रतुः | गोमयाञ्चक्रुः |
| | गोमयाञ्चकथं | गोमयाञ्चकथुः | गोमयाञ्चक |
| | गोमयाञ्चकार-चकर | गोमयाञ्चकृव | गोमयाञ्चकृम |
| | गोमयाम्बभूव | । | गोमयामास |
| आ० | गोम्यात् | गोम्यास्ताम् | गोम्यासुः |
| | गोम्याः | गोम्यास्तम् | गोम्यास्त |
| | गोम्यासम् | गोम्यास्व | गोम्यास्म |
| श्व० | गोमयिता | गोमयितारौ | गोमयितारः |
| | गोमयितासि | गोमयितास्थः | गोमयितास्थ |
| | गोमयितास्मि | गोमयितास्वः | गोमयितास्मः |
| भ० | गोमयिष्यति | गोमयिष्यतः | गोमयिष्यन्ति |
| | गोमयिष्यसि | गोमयिष्यथः | गोमयिष्यथ |
| | गोमयिष्यामि | गोमयिष्यावः | गोमयिष्यामः |
| क्रि० | अगोमयिष्यत् | अगोमयिष्यताम् | अगोमयिष्यन् |
| | अगोमयिष्यः | अगोमयिष्यतम् | अगोमयिष्यत |
| | अगोमयिष्यम् | अगोमयिष्याव | अगोमयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | गोमयते | गोमयेते | गोमयन्ते |
| | गोमयसे | गोमयेथे | गोमयष्वे |
| | गोमये | गोमयावहे | गोमयामहे |
| स० | गोमयेत | गोमयेथाताम् | गोमयेरन् |
| | गोमयेथाः | गोमयेथाथाम् | गोमयेष्वम् |
| | गोमयेथ | गोमयेवहि | गोमयेमहि |
| प० | गोमयताम् | गोमयेताम् | गोमयन्ताम् |
| | गोमयस्व | गोमयेथाम् | गोमयष्वम् |
| | गोमयै | गोमयावहै | गोमयामहै |
| ह्य० | अगोमयत | अगोमयेताम् | अगोमयन्त |
| | अगोमयथाः | अगोमयेथाम् | अगोमयष्वम् |
| | अगोमये | अगोमयावहि | अगोमयामहि |
| अ० | अजुगोमत | अजुगोमेताम् | अजुगोमन्त |
| | अजुगोमथाः | अजुगोमेथाम् | अजुगोमष्वम् |
| | अजुगोमे | अजुगोमावहि | अजुगोमामहि |
| प० | गोमयाञ्चके | गोमयाञ्चक्रते | गोमयाञ्चक्रिरे |
| | गोमयाञ्चकृषे | गोमयाञ्चक्राथे | गोमयाञ्चकृद्वे |
| | गोमयाञ्चके | गोमयाञ्चकृवहे | गोमयाञ्चकृमहे |
| | गोमयाम्बभूव | । | गोमयामास |
| आ० | गोमयिषीष्ट | गोमयिषीयास्ताम् | गोमयिषीरन् |
| | गोमयिषीष्ठाः | गोमयिषीयास्थाम् | गोमयिषीद्वम् |
| | | | च्वम् |
| | गोमयिषीय | गोमयिषीवहि | गोमयिषीमहि |
| श्व० | गोमयिता | गोमयितारौ | गोमयितारः |
| | गोमयितासे | गोमयितासाथे | गोमयिताष्वे |
| | गोमयिताहे | गोमयितास्वहे | गोमयितास्महे |
| भ० | गोमयिष्यते | गोमयिष्येते | गोमयिष्यन्ते |
| | गोमयिष्यसे | गोमयिष्येथे | गोमयिष्यष्वे |
| | गोमयिष्ये | गोमयिष्यावहे | गोमयिष्यामहे |
| क्रि० | अगोमयिष्यत | अगोमयिष्येताम् | अगोमयिष्यन्त |
| | अगोमयिष्यथाः | अगोमयिष्येथाम् | अगोमयिष्यष्वम् |
| | अगोमयिष्ये | अगोमयिष्यावहि | अगोमयिष्यामहि |

(१४७२) मुनिश्रीलावण्यावे० विरचिते धातुर० द्वि० भागे निगन्तप्रक्रिया

1896 सामण् (साम्] सान्त्वने ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| व० | सामयति | सामयतः | सामयन्ति |
| | सामयसि | सामयथः | सामयथ |
| | सामयामि | सामयावः | सामयामः |
| स० | सामयेत् | सामयेताम् | सामयेयुः |
| | सामयेः | सामयेतम् | सामयेत |
| | सामयेयम् | सामयेव | सामयेम |
| प० | सामयतु | सामयतात् | सामयताम् |
| | सामय | सामयतात् | सामयतम् |
| | सामयानि | सामयाव | सामयाम |
| झ० | असामयत् | असामयताम् | असामयन् |
| | असामयः | असामयतम् | असामयत |
| | असामयम् | असामयाव | असामयाम |
| अ० | अससामत् | अससामताम् | अससामन् |
| | अससामः | अससामतम् | अससामत |
| | अससामम् | अससामाव | अससामाम |
| प० | सामयाञ्चकार | सामयाञ्चक्रुः | सामयाञ्चक्रुः |
| | सामयाञ्चकथं | सामयाञ्चकथुः | सामयाञ्चक्र |
| | सामयाञ्चकार-चकर | सामयाञ्चकृव | सामयाञ्चकृमहे |
| | सामयाम्बभूव | सामयामास | |
| आ० | साम्यात् | साम्यास्ताम् | साम्यासुः |
| | साम्याः | साम्यास्तम् | साम्यास्त |
| | साम्यासम् | साम्यास्व | साम्यास्म |
| श्व० | सामयिता | सामयितारौ | सामयितारः |
| | सामयितासि | सामयितास्थः | सामयितास्थ |
| | सामयितास्मि | सामयितास्वः | सामयितास्मः |
| भ० | सामयिष्यति | सामयिष्यतः | सामयिष्यन्ति |
| | सामयिष्यसि | सामयिष्यथः | सामयिष्यथ |
| | सामयिष्यामि | सामयिष्यावः | सामयिष्यामः |
| क्रि० | असामयिष्यत् | असामयिष्यताम् | असामयिष्यन् |
| | असामयिष्यः | असामयिष्यतम् | असामयिष्यत |
| | असामयिष्यम् | असामयिष्याव | असामयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|----------------|----------------|
| व० | सामयते | सामयेते | सामयन्ते |
| | सामयसे | सामयेथे | सामयध्वे |
| | सामये | सामयावहे | सामयामहे |
| स० | सामयेत | सामयेयाताम् | सामयेरन् |
| | सामयेथाः | सामयेयाथाम् | सामयेध्वम् |
| | सामयेय | सामयेवहि | सामयमहि |
| प० | सामयताम् | सामयेताम् | सामयन्ताम् |
| | सामयस्व | सामयेथाम् | सामयध्वम् |
| | सामयै | सामयावहै | सामयामहै |
| झ० | असामयत | असामयेताम् | असामयन्त |
| | असामयथाः | असामयेथाम् | असामयध्वम् |
| | असामये | असामयावहि | असामयामहि |
| अ० | अससामत | अससामेताम् | अससामन्त |
| | अससामथाः | अससामेथाम् | अससामध्वम् |
| | अससामे | अससामावहि | अससामामहि |
| प० | सामयाञ्चके | सामयाञ्चक्राते | सामयाञ्चक्रिरे |
| | सामयाञ्चकृषे | सामयाञ्चक्राथे | सामयाञ्चकृद्वे |
| | सामयाञ्चके | सामयाञ्चकृवहे | सामयाञ्चकृमहे |
| | सामयाम्बभूव | सामयामास | |
| आ० | सामयिषीष्ट | सामयिषीस्ताम् | सामयिषीरन् |
| | सामयिषीष्टाः | सामयिषीयारथाम् | सामयिषीध्वम् |
| | सामयिषीय | सामयिषीवहि | सामयिषीमहि |
| श्व० | सामयिता | सामयितारैः | सामयितारः |
| | सामयितासे | सामयितासाथे | सामयिताध्वे |
| | सामयिताहे | सामयितास्वहे | सामयितास्महे |
| भ० | सामयिष्यते | सामयिष्येते | सामयिष्यन्ते |
| | सामयिष्यसे | सामयिष्येथे | सामयिष्यध्वे |
| | सामयिष्ये | सामयिष्यावहे | सामयिष्यामहे |
| क्रि० | असामयिष्यत | असामयिष्येताम् | असामयिष्यन्त |
| | असामयिष्यथाः | असामयिष्येथाम् | असामयिष्यध्वम् |
| | असामयिष्ये | असामयिष्यावहि | असामयिष्यामहि |

1897 श्रामण् (श्राम्] आमन्नणे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| व० श्रामयति | श्रामयतः | श्रामयन्ति |
| श्रामयसि | श्रामयथः | श्रामयथ |
| श्रामयामि | श्रामयावः | श्रामयामः |
| स० श्रामयेत् | श्रामयेताम् | श्रामयेयुः |
| श्रामयेः | श्रामयेतम् | श्रामयेत |
| श्रामयेयम् | श्रामयेव | श्रामयेम |
| ५० श्रामयतु | श्रामयतात् | श्रामयताम् |
| श्रामय | श्रामयतात् | श्रामयतम् |
| श्रामयणि | श्रामयाव | श्रामयाम |
| इ० अश्रामयत् | अश्रामयताम् | अश्रामयन् |
| अश्रामयः | अश्रामयतम् | अश्रामयत |
| अश्रामयम् | अश्रामयाव | अश्रामयाम |
| अ० अशश्रामत् | अशश्रामताम् | अशश्रामन् |
| अशश्रामः | अशश्रामतम् | अशश्रामत |
| अशश्रामम् | अशश्रामाव | अशश्रामाम |
| प० श्रामयाञ्चकार | श्रामयाञ्चकतुः | श्रामयाञ्चकुः |
| श्रामयाञ्चक्यं | श्रामयाञ्चक्युः | श्रामयाञ्चक |
| श्रामयाञ्चकार-चकर | श्रामयाञ्चकुव | श्रामयाञ्चकृम |
| श्रामयाम्बभूव | । | श्रामयामास |
| आ० श्राम्यात् | श्राम्यास्ताम् | श्राम्यासुः |
| श्राम्याः | श्राम्यास्तम् | श्राम्यास्त |
| श्राम्यासम् | श्राम्यास्व | श्राम्यास्म |
| श्व० श्रामयिता | श्रामयितारौ | श्रामयितारः |
| श्रामयितासि | श्रामयितास्थः | श्रामयितास्थ |
| श्रामयितास्मि | श्रामयितास्वः | श्रामयितास्मः |
| भ० श्रामयिष्यति | श्रामयिष्यतः | श्रामयिष्यन्ति |
| श्रामयिष्यसि | श्रामयिष्यथः | श्रामयिष्यथ |
| श्रामयिष्यामि | श्रामयिष्यावः | श्रामयिष्यामः |
| क्रि० अश्रामयिष्यत् | अश्रामयिष्यताम् | अश्रामयिष्यन् |
| अश्रामयिष्यः | अश्रामयिष्यतम् | अश्रामयिष्यत |
| अश्रामयिष्यम् | अश्रामयिष्याव | अश्रामयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० श्रामयेते | श्रामयेते | श्रामयन्ते |
| श्रामयेसे | श्रामयेथे | श्रामयध्वे |
| श्रामये | श्रामयावहे | श्रामयामहे |
| स० श्रामयेत | श्रामयेयातम् | श्रामयेरन् |
| श्रामयेथाः | श्रामयेयाथाम् | श्रामयेध्वम् |
| श्रामयेय | श्रामयेवहि | श्रामयेमहि |
| प० श्रामयताम् | श्रामयेताम् | श्रामयन्ताम् |
| श्रामयस्व | श्रामयेथाम् | श्रामयध्वम् |
| श्रामये | श्रामयावहे | श्रामयामहे |
| इ० अश्रामयत | अश्रामयेताम् | अश्रामयन्त |
| अश्रामयथाः | अश्रामयेथाम् | अश्रामयध्वम् |
| अश्रामये | अश्रामयावहि | अश्रामयामहि |
| अ० अशश्रामत | अशश्रामेताम् | अशश्रामन्त |
| अशश्रामथाः | अशश्रामेथाम् | अशश्रामध्वम् |
| अशश्रामे | अशश्रामावहि | अशश्रामामहि |
| प० श्रामयाञ्चके | श्रामयाञ्चकते | श्रामयाञ्चकिरे |
| श्रामयाञ्चकृषे | श्रामयाञ्चक्राये | श्रामयाञ्चकृदवे |
| श्रामयाञ्चके | श्रामयाञ्चकृवहे | श्रामयाञ्चकृमहे |
| श्रामयाम्बभूव | । | श्रामयामास |
| आ० श्रामयिषीष्ट | श्रामयिषीयास्ताम् | श्रामयिषीरन् |
| श्रामयिषीष्टाः | श्रामयिषीयास्थाम् | श्रामयिषीदध्वम् |
| श्रामयिषीय | श्रामयिषीवहि | श्रामयिषीमहि |
| श्व० श्रामयिता | श्रामयितारौ | श्रामयितारः |
| श्रामयितासे | श्रामयितासाये | श्रामयिताध्वे |
| श्रामयिताहे | श्रामयितास्वहे | श्रामयितास्महे |
| भ० श्रामयिष्यते | श्रामयिष्येते | श्रामयिष्यन्ते |
| श्रामयिष्यसे | श्रामयिष्येथे | श्रामयिष्यध्वे |
| श्रामयिष्ये | श्रामयिष्यावहे | श्रामयिष्यामहे |
| क्रि० अश्रामयिष्यत | अश्रामयिष्येताम् | अश्रामयिष्यन्त |
| अश्रामयिष्यथाः | अश्रामयिष्येथाम् | अश्रामयिष्यध्वम् |
| अश्रामयिष्ये | अश्रामयिष्यावहि | अश्रामयिष्यामहि |

1898 स्तोमण् (स्तोम्) श्लाघायाम् ।

| | | | |
|-------|-------------------|------------------|-----------------|
| ब० | स्तोमयति | स्तोमयतः | स्तोमयन्ति |
| | स्तोमयसि | स्तोमयथः | स्तोमयथ |
| | स्तोमयामि | स्तोमयावः | स्तोमयामः |
| ज० | स्तोमयेत् | स्तोमयेताम् | स्तोमयेयुः |
| | स्तोमयेः | स्तोमयेतम् | स्तोमयेत |
| | स्तोमयेयम् | स्तोमयेव | स्तोमयेम |
| प० | स्तोमयतु | स्तोमयतात् | स्तोमयन्तु |
| | स्तोमय | स्तोमयतात् | स्तोमयत |
| | स्तोमयानि | स्तोमयाव | स्तोमयाम |
| ख० | अस्तोमयत् | अस्तोमयताम् | अस्तोमयन् |
| | अस्तोमयः | अस्तोमयतम् | अस्तोमयत |
| | अस्तोमयम् | अस्तोमयाव | अस्तोमयाम |
| अ० | अतुस्तोमत् | अतुस्तोमताम् | अतुस्तोमन् |
| | अतुस्तोमः | अतुस्तोमतम् | अतुस्तोमत |
| | अतुस्तोमम् | अतुस्तोमाव | अतुस्तोमाम |
| प० | स्तोमयाश्चकार | स्तोमयाश्चक्रतुः | स्तोमयाश्चक्रुः |
| | स्तोमयाश्चकथं | स्तोमयाश्चक्रथुः | स्तोमयाश्चक्र |
| | स्तोमयाश्चकार-चकर | स्तोमयाश्चक्रव | स्तोमयाश्चक्रम |
| | स्तोमयाश्चभूव | स्तोमयाश्चमास | |
| आ० | स्तोम्यात् | स्तोम्यास्ताम् | स्तोम्यासुः |
| | स्तोम्याः | स्तोम्यास्तम् | स्तोम्यास्त |
| | स्तोम्यासम् | स्तोम्यास्व | स्तोम्यास्म |
| श्व० | स्तोमयिता | स्तोमयितारौ | स्तोमयितारः |
| | स्तोमयितासि | स्तोमयितास्थः | स्तोमयितास्थ |
| | स्तोमयितास्मि | स्तोमयितास्वः | स्तोमयितास्मः |
| भ० | स्तोमयिष्यति | स्तोमयिष्यतः | स्तोमयिष्यन्ति |
| | स्तोमयिष्यसि | स्तोमयिष्यथः | स्तोमयिष्यथ |
| | स्तोमयिष्यामि | स्तोमयिष्यावः | स्तोमयिष्यामः |
| क्रि० | अस्तोमयिष्यत् | अस्तोमयिष्यताम् | अस्तोमयिष्यन् |
| | अस्तोमयिष्यः | अस्तोमयिष्यतम् | अस्तोमयिष्यत |
| | अस्तोमयिष्यम् | अस्तोमयिष्याव | अस्तोमयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्तोमयते | स्तोमयेते | स्तोमयन्ते |
| | स्तोमयसे | स्तोमयेथे | स्तोमयध्वे |
| | स्तोमये | स्तोमयावहे | स्तोमयामहे |
| स० | स्तोमयेत | स्तोमयेयाताम् | स्तोमयेरन् |
| | स्तोमयेथाः | स्तोमयेयाथाम् | स्तोमयेध्वम् |
| | स्तोमयेय | स्तोमयेवहि | स्तोमयेमहि |
| प० | स्तोमयताम् | स्तोमयेताम् | स्तोमयन्ताम् |
| | स्तोमयस्व | स्तोमयेथाम् | स्तोमयध्वम् |
| | स्तोमये | स्तोमयावहे | स्तोमयामहे |
| ह्य० | अस्तोमयत | अस्तोमयेताम् | अस्तोमयन्त |
| | अस्तोमयथाः | अस्तोमयेथाम् | अस्तोमयध्वम् |
| | अस्तोमये | अस्तोमयावहि | अस्तोमयामहि |
| अ० | अतुस्तोमत | अतुस्तोमेताम् | अतुस्तोमन्त |
| | अतुस्तोमथाः | अतुस्तोमेथाम् | अतुस्तोमध्वम् |
| | अतुस्तोमे | अतुस्तोमावहि | अतुस्तोमामहि |
| प० | स्तोमयाश्चक्रे | स्तोमयाश्चक्राते | स्तोमयाश्चक्रिरे |
| | स्तोमयाश्चकृषे | स्तोमयाश्चक्राथे | स्तोमयाश्चकृद्वे |
| | स्तोमयाश्चक्रे | स्तोमयाश्चकृवहे | स्तोमयाश्चकृमहे |
| | स्तोमयाश्चभूव | स्तोमयाश्चमास | |
| आ० | स्तोमयिषीष्ट | स्तोमयिषीयास्ताम् | स्तोमयिषीरन् |
| | स्तोमयिषीष्टाः | स्तोमयिषीयास्थाम् | स्तोमयिषीध्वम् |
| | स्तोमयिषीय | स्तोमयिषीवहि | स्तोमयिषीमहि |
| श्व० | स्तोमयिता | स्तोमयितारौ | स्तोमयितारः |
| | स्तोमयितासे | स्तोमयितासाथे | स्तोमयिताध्वे |
| | स्तोमयिताहे | स्तोमयितास्वहे | स्तोमयितास्महे |
| भ० | स्तोमयिष्यते | स्तोमयिष्येते | स्तोमयिष्यन्ते |
| | स्तोमयिष्यसे | स्तोमयिष्येथे | स्तोमयिष्यध्वे |
| | स्तोमयिष्ये | स्तोमयिष्यावहे | स्तोमयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्तोमयिष्यत | अस्तोमयिष्येताम् | अस्तोमयिष्यन्त |
| | अस्तोमयिष्यथाः | अस्तोमयिष्येथाम् | अस्तोमयिष्यध्वम् |
| | अस्तोमयिष्ये | अस्तोमयिष्यावहि | अस्तोमयिष्यामहि |

1899 व्ययण् (व्यय्) वित्तसमुत्सर्गे ।

| | | |
|--------------------------|----------------|----------------|
| व० व्यययति | व्यययतः | व्यययन्ति |
| व्यययसि | व्यययथः | व्यययथ |
| व्यययामि | व्यययावः | व्यययामः |
| स० व्यययेत् | व्यययेताम् | व्यययेयुः |
| व्यययेः | व्यययेतम् | व्यययेत |
| व्यययेयम् | व्यययेव | व्यययेम |
| प० व्यययतु | व्यययतात् | व्यययन्तु |
| व्ययय | व्यययतात् | व्यययतम् |
| व्यययानि | व्यययाव | व्यययाम |
| ह्य० अव्यययत् | अव्यययताम् | अव्यययन् |
| अव्यययः | अव्यययतम् | अव्यययत |
| अव्यययम् | अव्यययाव | अव्यययाम |
| अ० अवव्ययत् | अवव्ययताम् | अवव्ययन् |
| अवव्ययः | अवव्ययतम् | अवव्ययत |
| अवव्ययम् | अवव्ययाव | अवव्ययाम |
| प० व्यययाञ्चकार | व्यययाञ्चक्रुः | व्यययाञ्चक्रुः |
| व्यययाञ्चकथं | व्यययाञ्चकथुः | व्यययाञ्चक |
| व्यययाञ्चकार-चकर | व्यययाञ्चकृव | व्यययाञ्चकृम |
| व्यययाम्बभूव । व्यययामास | | |
| आ० व्यय्यात् | व्यय्यास्ताम् | व्यय्यासुः |
| व्यय्याः | व्यय्यास्तम् | व्यय्यास्त |
| व्यय्यासम् | व्यय्यास्व | व्यय्यास्म |
| श्र० व्यययिता | व्यययितारौ | व्यययितारः |
| व्यययितासि | व्यययितास्थः | व्यययितास्थ |
| व्यययितास्मि | व्यययितास्वः | व्यययितास्मः |
| भ० व्यययिष्यति | व्यययिष्यतः | व्यययिष्यन्ति |
| व्यययिष्यसि | व्यययिष्यथः | व्यययिष्यथ |
| व्यययिष्यामि | व्यययिष्यावः | व्यययिष्यामः |
| क्रि० अव्यययिष्यत् | अव्यययिष्यताम् | अव्यययिष्यन् |
| अव्यययिष्यः | अव्यययिष्यतम् | अव्यययिष्यत |
| अव्यययिष्यम् | अव्यययिष्याव | अव्यययिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० व्यययते | व्यययेते | व्यययन्ते |
| व्यययसे | व्यययेथे | व्यययध्वे |
| व्ययये | व्यययावहे | व्यययामहे |
| स० व्यययेत | व्यययेयाताम् | व्यययेरन् |
| व्यययेथाः | व्यययेयाथाम् | व्यययेध्वम् |
| व्यययेय | व्यययेवहि | व्यययेमहि |
| प० व्यययताम् | व्यययेताम् | व्यययन्ताम् |
| व्यययस्व | व्यययेथाम् | व्यययध्वम् |
| व्यययै | व्यययावहै | व्यययामहै |
| श्र० अव्यययत | अव्यययेताम् | अव्यययन्त |
| अव्यययथाः | अव्यययेथाम् | अव्यययध्वम् |
| अव्ययये | अव्यययावहि | अव्यययामहि |
| अ० अवव्ययत | अवव्ययेताम् | अवव्ययन्त |
| अवव्ययथाः | अवव्ययेथाम् | अवव्ययध्वम् |
| अवव्यये | अवव्ययावहि | अवव्ययामहि |
| प० व्यययाञ्चक्रे | व्यययाञ्चक्राते | व्यययाञ्चक्रिरे |
| व्यययाञ्चकृषे | व्यययाञ्चक्राथे | व्यययाञ्चकृद्वे |
| व्यययाञ्चक्रे | व्यययाञ्चकृवहे | व्यययाञ्चकृमहे |
| व्यययाम्बभूव | । व्यययामास | |
| आ० व्यययिषीष्ट | व्यययिषीयास्ताम् | व्यययिषीरन् |
| व्यययिषीष्ठाः | व्यययिषीयास्थाम् | व्यययिषीद्वम् |
| व्यययिषीय | व्यययिषीवहि | व्यययिषीमहि |
| श्र० व्यययिता | व्यययितारौ | व्यययितारः |
| व्यययितासे | व्यययितासाथे | व्यययिताध्वे |
| व्यययिताहे | व्यययितास्वहे | व्यययितास्महे |
| भ० व्यययिष्येते | व्यययिष्येते | व्यययिष्यन्ते |
| व्यययिष्यसे | व्यययिष्येथे | व्यययिष्यध्वे |
| व्यययिष्ये | व्यययिष्यावहे | व्यययिष्यामहे |
| क्रि० अव्यययिष्यत | अव्यययिष्येताम् | अव्यययिष्यन्त |
| अव्यययिष्यथाः | अव्यययिष्येथाम् | अव्यययिष्यध्वम् |
| अव्यययिष्ये | अव्यययिष्यावहि | अव्यययिष्यामहि |

1900 सूत्रण् (सूत्र) विमोचने ।

| | | | |
|-------|--------------------|-----------------|-----------------|
| ब० | सूत्रयति | सूत्रयतः | सूत्रयन्ति |
| | सूत्रयसि | सूत्रयथः | सूत्रयथ |
| | सूत्रयामि | सूत्रयावः | सूत्रयामः |
| स० | सूत्रयेत् | सूत्रयेताम् | सूत्रयेयुः |
| | सूत्रयेः | सूत्रयेतम् | सूत्रयेत |
| | सूत्रयेयम् | सूत्रयेव | सूत्रयेम |
| प० | सूत्रयतु | सूत्रयतात् | सूत्रयताम् |
| | सूत्रय | सूत्रयतात् | सूत्रयतम् |
| | सूत्रयाणि | सूत्रयाव | सूत्रयाम |
| ह्य० | असूत्रयत् | असूत्रयताम् | असूत्रयन् |
| | असूत्रयः | असूत्रयतम् | असूत्रयत |
| | असूत्रयम् | असूत्रयाव | असूत्रयाम |
| | असुसूत्रत् | असुसूत्रताम् | असुसूत्रन् |
| | असुसूत्रः | असुसूत्रतम् | असुसूत्रत |
| | असुसूत्रम् | असुसूत्राव | असुसूत्राम |
| प० | सूत्रयाश्चकार | सूत्रयाश्चक्रुः | सूत्रयाश्चकुः |
| | सूत्रयाश्चकर्त्तुः | सूत्रयाश्चक्रुः | सूत्रयाश्चक्रुः |
| | सूत्रयाश्चकार-चकर | सूत्रयाश्चक्रुव | सूत्रयाश्चक्रुम |
| | सूत्रयाम्बभूव | सूत्रयामास | |
| आ० | सूत्र्यात् | सूत्र्यास्ताम् | सूत्र्यासुः |
| | सूत्र्याः | सूत्र्यास्तम् | सूत्र्यास्त |
| | सूत्र्यासम् | सूत्र्यास्व | सूत्र्यास्म |
| श्व० | सूत्रयिता | सूत्रयितारौ | सूत्रयितारः |
| | सूत्रयितासि | सूत्रयितास्थः | सूत्रयितास्थ |
| | सूत्रयितास्मि | सूत्रयितास्वः | सूत्रयितास्मः |
| म० | सूत्रयिष्यति | सूत्रयिष्यतः | सूत्रयिष्यन्ति |
| | सूत्रयिष्यसि | सूत्रयिष्यथः | सूत्रयिष्यथ |
| | सूत्रयिष्यामि | सूत्रयिष्यावः | सूत्रयिष्यामः |
| क्रि० | असूत्रयिष्यत् | असूत्रयिष्यताम् | असूत्रयिष्यन् |
| | असूत्रयिष्यः | असूत्रयिष्यतम् | असूत्रयिष्यत |
| | असूत्रयिष्यम् | असूत्रयिष्याव | असूत्रयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | सूत्रयते | सूत्रयते | सूत्रयन्ते |
| | सूत्रयसे | सूत्रयेथे | सूत्रयध्वे |
| | सूत्रये | सूत्रयावहे | सूत्रयामहे |
| स० | सूत्रयेत् | सूत्रयेयाताम् | सूत्रयेरन् |
| | सूत्रयेथाः | सूत्रयेयाधाम | सूत्रयेध्वम् |
| | सूत्रयेय | सूत्रयेवहि | सूत्रयेमहि |
| प० | सूत्रयताम् | सूत्रयेताम् | सूत्रयन्ताम् |
| | सूत्रयस्व | सूत्रयेथाम् | सूत्रयध्वम् |
| | सूत्रये | सूत्रयावहे | सूत्रयामहे |
| ह्य० | असूत्रयत | असूत्रयेताम् | असूत्रयन्त |
| | असूत्रयथाः | असूत्रयेथाम् | असूत्रयध्वम् |
| | असूत्रये | असूत्रयावहि | असूत्रयामहि |
| अ० | असुसूत्रत | असुसूत्रेताम् | असुसूत्रन्त |
| | असुसूत्रथाः | असुसूत्रेथाम् | असुसूत्रध्वम् |
| | असुसूत्रे | असुसूत्रावहि | असुसूत्रामहि |
| प० | सूत्रयाश्चके | सूत्रयाश्चकाते | सूत्रयाश्चकिरे |
| | सूत्रयाश्चकृषे | सूत्रयाश्चकाये | सूत्रयाश्चकृवहे |
| | सूत्रयाश्चके | सूत्रयाश्चकृवहे | सूत्रयाश्चकृमहे |
| | सूत्रयाम्बभूव | सूत्रयामास | |
| आ० | सूत्रयिषीष्ट | सूत्रयिषीयास्ताम् | सूत्रयिषीरन् |
| | सूत्रयिषीष्ठाः | सूत्रयिषीयास्थाम् | सूत्रयिषीध्वम् |
| | सूत्रयिषीय | सूत्रयिषीवहि | सूत्रयिषीमहि |
| श्व० | सूत्रयिता | सूत्रयितारौ | सूत्रयितारः |
| | सूत्रयितासे | सूत्रयितासाथे | सूत्रयिताध्वे |
| | सूत्रयितःहे | सूत्रयितास्वहे | सूत्रयितास्महे |
| म० | सूत्रयिष्यते | सूत्रयिष्येते | सूत्रयिष्यन्ते |
| | सूत्रयिष्यसे | सूत्रयिष्येथे | सूत्रयिष्यध्वे |
| | सूत्रयिष्ये | सूत्रयिष्यावहे | सूत्रयिष्यामहे |
| क्रि० | असूत्रयिष्यत | असूत्रयिष्येताम् | असूत्रयिष्यन्त |
| | असूत्रयिष्यथाः | असूत्रयिष्येथाम् | असूत्रयिष्यध्वम् |
| | असूत्रयिष्ये | असूत्रयिष्यावहि | असूत्रयिष्यामहि |

1901 मूत्रण् (मूत्र) प्रसवणे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | मूत्रयति | मूत्रयतः | मूत्रयन्ति |
| | मूत्रयसि | मूत्रयथः | मूत्रयथ |
| | मूत्रयामि | मूत्रयावः | मूत्रयामः |
| स० | मूत्रयेत् | मूत्रयेताम् | मूत्रयेयुः |
| | मूत्रयेः | मूत्रयेतम् | मूत्रयेत |
| | मूत्रयेयम् | मूत्रयेव | मूत्रयेम |
| प० | मूत्रयतु | मूत्रयतात् | मूत्रयताम् |
| | मूत्रय | मूत्रयतात् | मूत्रयतम् |
| | मूत्रयाणि | मूत्रयाव | मूत्रयाम |
| ह्य० | अमूत्रयत् | अमूत्रयताम् | अमूत्रयन् |
| | अमूत्रयः | अमूत्रयतम् | अमूत्रयत |
| | अमूत्रयम् | अमूत्रयाव | अमूत्रयाम |
| अ० | अमुमूत्रत् | अमुमूत्रताम् | अमुमूत्रन् |
| | अमुमूत्रः | अमुमूत्रतम् | अमुमूत्रत |
| | अमुमूत्रम् | अमुमूत्राव | अमुमूत्राम |
| प० | मूत्रयाश्चकार | मूत्रयाश्चक्रुः | मूत्रयाश्चकुः |
| | मूत्रयाश्चकथ | मूत्रयाश्चकथुः | मूत्रयाश्चक |
| | मूत्रयाश्चकार-चकर | मूत्रयाश्चकृव | मूत्रयाश्चकृम |
| | मूत्रयाम्बभूव | । | मूत्रयामास |
| आ० | मूत्र्यात् | मूत्र्यास्ताम् | मूत्र्यासुः |
| | मूत्र्याः | मूत्र्यास्तम् | मूत्र्यास्त |
| | मूत्र्यासम् | मूत्र्यास्व | मूत्र्यास्म |
| श्व० | मूत्रयिता | मूत्रयितारौ | मूत्रयितारः |
| | मूत्रयितासि | मूत्रयितास्थः | मूत्रयितास्थ |
| | मूत्रयितास्मि | मूत्रयितास्वः | मूत्रयितास्मः |
| भ० | मूत्रयिष्यति | मूत्रयिष्यतः | मूत्रयिष्यन्ति |
| | मूत्रयिष्यसि | मूत्रयिष्यथः | मूत्रयिष्यथ |
| | मूत्रयिष्यामि | मूत्रयिष्यावः | मूत्रयिष्यामः |
| क्रि० | अमूत्रयिष्यत् | अमूत्रयिष्यताम् | अमूत्रयिष्यन् |
| | अमूत्रयिष्यः | अमूत्रयिष्यतम् | अमूत्रयिष्यत |
| | अमूत्रयिष्यम् | अमूत्रयिष्याव | अमूत्रयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| ब० | मूत्रयते | मूत्रयेते | मूत्रयन्ते |
| | मूत्रयसे | मूत्रयेथे | मूत्रयध्वे |
| | मूत्रये | मूत्रयावहे | मूत्रयामहे |
| स० | मूत्रयेत | मूत्रयेयाताम् | मूत्रयेरन् |
| | मूत्रयेथाः | मूत्रयेयाथाम् | मूत्रयेध्वम् |
| | मूत्रयेय | मूत्रयेवहि | मूत्रयेमहि |
| प० | मूत्रयताम् | मूत्रयेताम् | मूत्रयन्ताम् |
| | मूत्रयस्व | मूत्रयेथाम् | मूत्रयध्वम् |
| | मूत्रयै | मूत्रयावहै | मूत्रयामहै |
| ह्य० | अमूत्रयत | अमूत्रयेताम् | अमूत्रयन्त |
| | अमूत्रयथाः | अमूत्रयेथाम् | अमूत्रयध्वम् |
| | अमूत्रये | अमूत्रयावहि | अमूत्रयामहि |
| अ० | अमुमूत्रत | अमुमूत्रेताम् | अमुमूत्रन्त |
| | अमुमूत्रथाः | अमुमूत्रेथाम् | अमुमूत्रध्वम् |
| | अमुमूत्र | अमुमूत्रावहि | अमुमूत्रामहि |
| प० | मूत्रयाश्चके | मूत्रयाश्चकाते | मूत्रयाश्चकिरे |
| | मूत्रयाश्चकृषे | मूत्रयाश्चकृथे | मूत्रयाश्चकृद्वे |
| | मूत्रयाश्चके | मूत्रयाश्चकृवहे | मूत्रयाश्चकृमहे |
| | मूत्रयाम्बभूव | । | मूत्रयामास |
| आ० | मूत्रयिषीष्ट | मूत्रयिषीयास्ताम् | मूत्रयिषीरन् |
| | मूत्रयिषीष्ठाः | मूत्रयिषीयास्थाम् | मूत्रयिषीध्वम् |
| | मूत्रयिषीय | मूत्रयिषीवहि | मूत्रयिषीमहि |
| श्व० | मूत्रयिता | मूत्रयितारौ | मूत्रयितारः |
| | मूत्रयितासे | मूत्रयितासाथे | मूत्रयिताध्वे |
| | मूत्रयिताहे | मूत्रयितास्वहे | मूत्रयितास्महे |
| भ० | मूत्रयिष्यते | मूत्रयिष्येते | मूत्रयिष्यन्ते |
| | मूत्रयिष्यसे | मूत्रयिष्येथे | मूत्रयिष्यध्वे |
| | मूत्रयिष्ये | मूत्रयिष्यावहे | मूत्रयिष्यामहे |
| क्रि० | अमूत्रयिष्यत | अमूत्रयिष्येताम् | अमूत्रयिष्यन्त |
| | अमूत्रयिष्यथाः | अमूत्रयिष्येथाम् | अमूत्रयिष्यध्वम् |
| | अमूत्रयिष्ये | अमूत्रयिष्यावहि | अमूत्रयिष्यामहि |

1902 पारण (पार्) कर्मसमाप्तौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | पारयति | पारयतः | पारयन्ति |
| | पारयसि | पारयथः | पारयथ |
| | पारयामि | पारयावः | पारयामः |
| स० | पारयेत् | पारयेताम् | पारयेयुः |
| | पारयेः | पारयेतम् | पारयेत |
| | पारयेयम् | पारयेव | पारयेम |
| प० | पारयतु | पारयतात् | पारयताम् |
| | पारय | पारयतात् | पारयतम् |
| | पारयाणि | पारयाव | पारयाम |
| ह्य० | अपारयत् | अपारयताम् | अपारयन् |
| | अपारयः | अपारयतम् | अपारयत |
| | अपारयम् | अपारयाव | अपारयाम |
| अ० | अपपारत् | अपपारताम् | अपपारन् |
| | अपपारः | अपपारतम् | अपपारत |
| | अपपारम् | अपपाराव | अपपाराम |
| प० | पारयाञ्चकार | पारयाञ्चक्रुः | पारयाञ्चकुः |
| | पारयाञ्चकथं | पारयाञ्चकथुः | पारयाञ्चक |
| | पारयाञ्चकार-चकर | पारयाञ्चकृव | पारयाञ्चकृम |
| | पारयाम्बभूव | । | पारयामास |
| आ० | पार्यात् | पार्यास्ताम् | पार्यासुः |
| | पार्याः | पार्यास्तम् | पार्यास्त |
| | पार्यासम् | पार्यास्व | पार्यास्म |
| श्व० | पारयिता | पारयितारौ | पारयितारः |
| | पारयितासि | पारयितास्थः | पारयितास्थ |
| | पारयितास्मि | पारयितास्वः | पारयितास्मः |
| भ० | पारयिष्यति | पारयिष्यतः | पारयिष्यन्ति |
| | पारयिष्यसि | पारयिष्यथः | पारयिष्यथ |
| | पारयिष्यामि | पारयिष्यावः | पारयिष्यामः |
| क्रि० | अपारयिष्यत् | अपारयिष्यताम् | अपारयिष्यन् |
| | अपारयिष्यः | अपारयिष्यतम् | अपारयिष्यत |
| | अपारयिष्यम् | अपारयिष्याव | अपारयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | पारयते | पारयेते | पारयन्ते |
| | पारयसे | पारयेथे | पारयध्वे |
| | पारये | पारयावहे | पारयामहे |
| स० | पारयेत | पारयेयाताम् | पारयेरन् |
| | पारयेथाः | पारयेयाथाम् | पारयेध्वम् |
| | पारयेय | पारयेवहि | पारयेमहि |
| प० | पारयताम् | पारयेताम् | पारयन्ताम् |
| | पारयस्व | पारयेथाम् | पारयध्वम् |
| | पारयै | पारयावहे | पारयामहे |
| ह्य० | अपारयत | अपारयेताम् | अपारयन्त |
| | अपारयथाः | अपारयेथाम् | अपारयध्वम् |
| | अपारये | अपारयावहि | अपारयामहि |
| अ० | अपपारत | अपपारेताम् | अपपारन्त |
| | अपपारथाः | अपपारेथाम् | अपपारध्वम् |
| | अपपारे | अपपारावहि | अपपारामहि |
| प० | पारयाञ्चक्रे | पारयाञ्चक्राते | पारयाञ्चक्रिरे |
| | पारयाञ्चकृषे | पारयाञ्चकृषे | पारयाञ्चकृढ्वे |
| | पारयाञ्चक्रे | पारयाञ्चकृवहे | पारयाञ्चकृमहे |
| | पारयाम्बभूव | । | पारयामास |
| आ० | पारयिषीष्य | पारयिषीयास्ताम् | पारयिषीरन् |
| | पारयिषीष्ठाः | पारयिषीयास्थाम् | पारयिषीध्वम् |
| | पारयिषीय | पारयिषीवहि | पारयिषीमहि |
| श्व० | पारयिता | पारयितारौ | पारयितारः |
| | पारयितासे | पारयितासाथे | पारयिताध्वे |
| | पारयिताहे | पारयितास्वहे | पारयितारमहे |
| भ० | पारयिष्यते | पारयिष्येते | पारयिष्यन्ते |
| | पारयिष्यसे | पारयिष्येथे | पारयिष्यध्वे |
| | पारयिष्ये | पारयिष्यावहे | पारयिष्यामहे |
| क्रि० | अपारयिष्यत | अपारयिष्येताम् | अपारयिष्यन्त |
| | अपारयिष्यथाः | अपारयिष्येथाम् | अपारयिष्यध्वम् |
| | अपारयिष्ये | अपारयिष्यावहि | अपारयिष्यामहि |

1903 तीरण् (तीर्) कर्मसमाप्तौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० तीरयति | तीरयतः | तीरयन्ति |
| तीरयसि | तीरयथः | तीरयथ |
| तीरयामि | तीरयावः | तीरयामः |
| स० तीरयेत् | तीरयेताम् | तीरयेयुः |
| तीरयेः | तीरयेतम् | तीरयेत |
| तीरयेयम् | तीरयेव | तीरयेम |
| ष० तीरयतु | तीरयतात् | तीरयताम् |
| तीरय | तीरयतात् | तीरयतम् |
| तीरयाणि | तीरयाव | तीरयाम |
| ह्य० अतीरयत् | अतीरयताम् | अतीरयन् |
| अतीरयः | अतीरयतम् | अतीरयत |
| अतीरयम् | अतीरयाव | अतीरयाम |
| भ० अतितीरत् | अतितीस्ताम् | अतितीरन् |
| अतितीरः | अतितीरतम् | अतितीरत |
| अतितीरम् | अतितीराव | अतितीराम |
| प० तीरयाञ्चकार | तीरयाञ्चक्रुः | तीरयाञ्चक्रुः |
| तीरयाञ्चकथं | तीरयाञ्चकथुः | तीरयाञ्चक |
| तीरयाञ्चकार-चकर | तीरयाञ्चक्रुव | तीरयाञ्चक्रम |
| तीरयाञ्चभूव | । | तीरयामास |
| आ० तीर्यात् | तीर्यास्ताम् | तीर्यासुः |
| तीर्याः | तीर्यास्तम् | तीर्यास्त |
| तीर्यासम् | तीर्यास्व | तीर्यास्म |
| श्व० तीरयिता | तीरयितारौ | तीरयितारः |
| तीरयितासि | तीरयितास्थः | तीरयितास्थ |
| तीरयितास्मि | तीरयितास्वः | तीरयितास्मः |
| भ० तीरयिष्यति | तीरयिष्यतः | तीरयिष्यन्ति |
| तीरयिष्यसि | तीरयिष्यथः | तीरयिष्यथ |
| तीरयिष्यामि | तीरयिष्यावः | तीरयिष्यामः |
| क्रि० अतीरयिष्यत् | अतीरयिष्यताम् | अतीरयिष्यन् |
| अतीरयिष्यः | अतीरयिष्यतम् | अतीरयिष्यत |
| अतीरयिष्यम् | अतीरयिष्याव | अतीरयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० तीरयते | तीरयेते | तीरयन्ते |
| तीरयसे | तीरयेथे | तीरयध्वे |
| तीरये | तीरयावहे | तीरयामहे |
| स० तीरयेत | तीरयेयाताम् | तीरयेरन् |
| तीरयेथाः | तीरयेयाथाम् | तीरयेध्वम् |
| तीरयेय | तीरयेवहि | तीरयेमहि |
| प० तीरयताम् | तीरयेताम् | तीरयन्ताम् |
| तीरयस्व | तीरयेथाम् | तीरयध्वम् |
| तीरये | तीरयावहै | तीरयामहै |
| ह्य० अतीरयत् | अतीरयेताम् | अतीरयन्त |
| अतीरयथाः | अतीरयेथाम् | अतीरयध्वम् |
| अतीरये | अतीरयावहि | अतीरयामहि |
| भ० अतितीरत् | अतितीरेताम् | अतितीरन्त |
| अतितीरथाः | अतितीरेथाम् | अतितीरध्वम् |
| अतितीरे | अतितीरावहि | अतितीरामहि |
| प० तीरयाञ्चके | तीरयाञ्चकाते | तीरयाञ्चकिरे |
| तीरयाञ्चकृषे | तीरयाञ्चकाथे | तीरयाञ्चकृद्वे |
| तीरयाञ्चके | तीरयाञ्चकृवहे | तीरयाञ्चकृमहे |
| तीरयाञ्चभूव | । | तीरयामास |
| आ० तीरयिषाष्ट | तीरयिषीयास्ताम् | तीरयिषीरन् |
| तीरयिषीष्टाः | तीरयिषीयास्थाम् | तीरयिषीद्वम् |
| तीरयिषीय | तीरयिषीवहि | तीरयिषीमहि |
| श्व० तीरयिता | तीरयितारौ | तीरयितारः |
| तीरयितासे | तीरयितासाथे | तीरयिताध्वे |
| तीरयिताहे | तीरयितास्वहे | तीरयितामहे |
| भ० तीरयिष्यते | तीरिष्येते | तीरयिष्यन्ते |
| तीरयिष्यसे | तीरयिष्येथे | तीरयिष्यध्वे |
| तीरयिष्ये | तीरयिष्यावहे | तीरयिष्यामहे |
| क्रि० अतीरयिष्यत् | अतीरयिष्येताम् | अतीरयिष्यन्त |
| अतीरयिष्यथाः | अतीरयिष्येथाम् | अतीरयिष्यध्वम् |
| अतीरयिष्ये | अतीरयिष्यावहि | अतीरयिष्यामहि |

(१४८०) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया

1904 कत्रण् (कत्र्) शैथिल्ये ।

| | | |
|--------------------|-----------------|----------------|
| ब० कत्रयति | कत्रयतः | कत्रयन्ति |
| कत्रयसि | कत्रयथः | कत्रयथ |
| कत्रयामि | कत्रयावः | कत्रयामः |
| क० कत्रयेत् | कत्रयेताम् | कत्रयेयुः |
| कत्रयेः | कत्रयेतम् | कत्रयेत |
| कत्रयेयम् | कत्रयेव | कत्रयेम |
| प० कत्रयतु | कत्रयतात् | कत्रयताम् |
| कत्रय | कत्रयतात् | कत्रयतम् |
| कत्रयाणि | कत्रयाव | कत्रयाम |
| ह्य० अकत्रयत् | अकत्रयताम् | अकत्रयन् |
| अकत्रयः | अकत्रयतम् | अकत्रयत |
| अकत्रयम् | अकत्रयाव | अकत्रयाम |
| अ० अचकत्रत् | अचकत्रताम् | अचकत्रन् |
| अचकत्रः | अचकत्रतम् | अचकत्रत |
| अचकत्रम् | अचकत्राव | अचकत्राम |
| प० कत्रयाञ्चकार | कत्रयाञ्चक्रतुः | कत्रयाञ्चक्रुः |
| कत्रयाञ्चकर्त्तुः | कत्रयाञ्चक्रथुः | कत्रयाञ्चक्र |
| कत्रयाञ्चकार-चकर | कत्रयाञ्चक्रव | कत्रयाञ्चक्रम |
| कत्रयाम्बभूव | । | कत्रयामास |
| आ० कत्र्यात् | कत्र्यास्ताम् | कत्र्यासुः |
| कत्र्याः | कत्र्यास्तम् | कत्र्यास्त |
| कत्र्यासम् | कत्र्यास्व | कत्र्यास्म |
| श्व० कत्रयिता | कत्रयितारौ | कत्रयितारः |
| कत्रयितासि | कत्रयितास्थः | कत्रयितास्थ |
| कत्रयितास्मि | कत्रयितास्वः | कत्रयितास्मः |
| भ० कत्रयिष्यति | कत्रयिष्यतः | कत्रयिष्यन्ति |
| कत्रयिष्यसि | कत्रयिष्यथः | कत्रयिष्यथ |
| कत्रयिष्यामि | कत्रयिष्यावः | कत्रयिष्यामः |
| क्रि० अकत्रयिष्यत् | अकत्रयिष्यताम् | अकत्रयिष्यन् |
| अकत्रयिष्यः | अकत्रयिष्यतम् | अकत्रयिष्यत |
| अकत्रयिष्यम् | अकत्रयिष्याव | अकत्रयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|-------------------|
| ब० कत्रयते | कत्रयेते | कत्रयन्ते |
| कत्रयसे | कत्रयेथे | कत्रयन्वे |
| कत्रये | कत्रयावहे | कत्रयामहे |
| स० कत्रयेत | कत्रयेयाताम् | कत्रयेरन् |
| कत्रयेथाः | कत्रयेयाथाम् | कत्रयेध्वम् |
| कत्रयेय | कत्रयेवहि | कत्रयेमहि |
| प० कत्रयताम् | कत्रयेताम् | कत्रयन्ताम् |
| कत्रयस्व | कत्रयेथाम् | कत्रयध्वम् |
| कत्रयै | कत्रयावहे | कत्रयामहे |
| ह्य० अकत्रयत | अकत्रयेताम् | अकत्रयन्त |
| अकत्रयथाः | अकत्रयेथाम् | अकत्रयध्वम् |
| अकत्रये | अकत्रयावहि | अकत्रयामहि |
| अ० अचकत्रत | अचकत्रेताम् | अचकत्रन्त |
| अचकत्रथाः | अचकत्रेथाम् | अचकत्रध्वम् |
| अचकत्र | अचकत्रावहि | अचकत्रामहि |
| प० कत्रयाञ्चक्रे | कत्रयाञ्चक्राते | कत्रयाञ्चकिरे |
| कत्रय ऽञ्चकृषे | कत्रयाञ्चक्राथे | कत्रयाञ्चक्रुध्वे |
| कत्रयाञ्चक्रे | कत्रयाञ्चक्रवहे | कत्रयाञ्चक्रमहे |
| कत्रयाम्बभूव | । | कत्रयामास |
| आ० कत्रयिषीष्ट | कत्रयिषीयास्ताम् | कत्रयिषीरन् |
| कत्रयिषीष्टाः | कत्रयिषीयास्थाम् | कत्रयिषीध्वम् |
| कत्रयिषीय | कत्रयिषीवहि | कत्रयिषीमहि |
| श्व० कत्रयिता | कत्रयितारौ | कत्रयितारः |
| कत्रयितासे | कत्रयितासाथे | कत्रयिताध्वे |
| कत्रयिताहे | कत्रयितास्वहे | कत्रयितास्महे |
| भ० कत्रयिष्यते | कत्रयिष्येते | कत्रयिष्यन्ते |
| कत्रयिष्यसे | कत्रयिष्येथे | कत्रयिष्यध्वे |
| कत्रयिष्ये | कत्रयिष्यावहे | कत्रयिष्यामहे |
| क्रि० अकत्रयिष्यत् | अकत्रयिष्येताम् | अकत्रयिष्यन्त |
| अकत्रयिष्यथाः | अकत्रयिष्येथाम् | अकत्रयिष्यध्वम् |
| अकत्रयिष्ये | अकत्रयिष्यावहि | अकत्रयिष्यामहि |

फ. १८६) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१४८१)

1905 गात्रण् (गात्र्) शैथिल्ये ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|-----------------|
| व० | गात्रयति | गात्रयतः | गात्रयन्ति |
| | गात्रयसि | गात्रयथः | गात्रयथ |
| | गात्रयामि | गात्रयावः | गात्रयामः |
| क्ष० | गात्रयेत् | गात्रयेताम् | गात्रयेयुः |
| | गात्रयेः | गात्रयेतम् | गात्रयेत |
| | गात्रयेयम् | गात्रयेव | गात्रयेम |
| प० | गात्रयतु | गात्रयतात् | गात्रयताम् |
| | गात्रय | गात्रयतात् | गात्रयतम् |
| | गात्रयाणि | गात्रयाव | गात्रयाम |
| ह्य० | अगात्रयत् | अगात्रयताम् | अगात्रयन् |
| | अगात्रयः | अगात्रयतम् | अगात्रयत |
| | अगात्रयम् | अगात्रयाव | अगात्रयाम |
| अ० | अजगात्रत् | अजगात्रताम् | अजगात्रन् |
| | अजगात्रः | अजगात्रतम् | अजगात्रत |
| | अजगात्रम् | अजगात्राव | अजगात्राम |
| प० | गात्रयाश्चकार | गात्रयाश्चक्रुः | गात्रयाश्चक्रुः |
| | गात्रयाश्चकथ | गात्रयाश्चकथुः | गात्रयाश्चक |
| | गात्रयाश्चकार-चकर | गात्रयाश्चकृव | गात्रयाश्चकृम |
| | गात्रयाम्बभूव | । | गात्रयामास |
| आ० | गात्र्यात् | गात्र्यान्ताम् | गात्र्यासुः |
| | गात्र्याः | गात्र्यास्तम् | गात्र्यास्त |
| | गात्र्यासम् | गात्र्यास्व | गात्र्यास्म |
| श्व० | गात्रयिता | गात्रयितारौ | गात्रयितारः |
| | गात्रयितासि | गात्रयितास्थः | गात्रयितास्थ |
| | गात्रयितास्मि | गात्रयितास्वः | गात्रयितास्मः |
| भ० | गात्रयिष्यति | गात्रयिष्यतः | गात्रयिष्यन्ति |
| | गात्रयिष्यसि | गात्रयिष्यथः | गात्रयिष्यथ |
| | गात्रयिष्यामि | गात्रयिष्यावः | गात्रयिष्यामः |
| क्रि० | अगात्रयिष्यत् | अगात्रयिष्यताम् | अगात्रयिष्यन् |
| | अगात्रयिष्यः | अगात्रयिष्यतम् | अगात्रयिष्यत |
| | अगात्रयिष्यम् | अगात्रयिष्याव | अगात्रयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | गात्रयते | गात्रयेते | गात्रयन्ते |
| | गात्रयसे | गात्रयेथे | गात्रयध्वे |
| | गात्रये | गात्रयावहे | गात्रयामहे |
| स० | गात्रयेत | गात्रयेयाताम् | गात्रयेरन् |
| | गात्रयेथाः | गात्रयेयाथाम् | गात्रयेध्वम् |
| | गात्रयेय | गात्रयेवहि | गात्रयेमहि |
| प० | गात्रयताम् | गात्रयेताम् | गात्रयन्ताम् |
| | गात्रयस्व | गात्रयेथाम् | गात्रयध्वम् |
| | गात्रये | गात्रयावहे | गात्रयामहे |
| ह्य० | अगात्रयत | अगात्रयेताम् | अगात्रयन्त |
| | अगात्रयथाः | अगात्रयेथाम् | अगात्रयध्वम् |
| | अगात्रये | अगात्रयावहि | अगात्रयामहि |
| अ० | अजगात्रत | अजगात्रेताम् | अजगात्रन्त |
| | अजगात्रथाः | अजगात्रेथाम् | अजगात्रध्वम् |
| | अजगात्रे | अजगात्रावहि | अजगात्रामहि |
| प० | गात्रयाञ्चके | गात्रयाञ्चकाते | गात्रयाञ्चकिरे |
| | गात्रयाञ्चकृषे | गात्रयाञ्चकृषे | गात्रयाञ्चकृद्वे |
| | गात्रयाञ्चके | गात्रयाञ्चकृवहे | गात्रयाञ्चकृमहे |
| | गात्रयाम्बभूव | । | गात्रयामास |
| आ० | गात्रयिषीष्ट | गात्रयिषीयास्ताम् | गात्रयिषीरन् |
| | गात्रयिषीष्ठाः | गात्रयिषीयास्थाम् | गात्रयिषीद्वम् |
| | गात्रयिषीय | गात्रयिषीवहि | गात्रयिषीमहि |
| श्व० | गात्रयिता | गात्रयितारौ | गात्रयितारः |
| | गात्रयितासे | गात्रयितासाथे | गात्रयिताध्वे |
| | गात्रयिताहे | गात्रयितास्वहे | गात्रयितास्महे |
| भ० | गात्रयिष्यते | गात्रयिष्येते | गात्रयिष्यन्ते |
| | गात्रयिष्यसे | गात्रयिष्येथे | गात्रयिष्यध्वे |
| | गात्रयिष्ये | गात्रयिष्यावहे | गात्रयिष्यामहे |
| क्रि० | अगात्रयिष्यत | अगात्रयिष्येताम् | अगात्रयिष्यन्त |
| | अगात्रयिष्यथाः | अगात्रयिष्येथाम् | अगात्रयिष्यध्वम् |
| | अगात्रयिष्ये | अगात्रयिष्यावहि | अगात्रयिष्यामहि |

1906 चित्रण (चित्र) चित्रक्रियाक- ।

दाचिदृष्टयोः ।

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| व० चित्रयति | चित्रयतः | चित्रयन्ति |
| चित्रयसि | चित्रयथः | चित्रयथ |
| चित्रयामि | चित्रयावः | चित्रयामः |
| स० चित्रयेत् | चित्रयेताम् | चित्रयेयुः |
| चित्रयेः | चित्रयेतम् | चित्रयेत |
| चित्रयेयम् | चित्रयेव | चित्रयेम |
| प० चित्रयतु | चित्रयतात् | चित्रयन्तु |
| चित्रय | चित्रयतात् | चित्रयत |
| चित्रयाणि | चित्रयाव | चित्रयाम |
| ह्य० अचित्रयत् | अचित्रयताम् | अचित्रयन् |
| अचित्रयः | अचित्रयतम् | अचित्रयत |
| अचित्रयम् | अचित्रयाव | अचित्रयाम |
| अ० अचित्रित् | अचित्रितताम् | अचित्रितन् |
| अचित्रितः | अचित्रिततम् | अचित्रित |
| अचित्रितम् | अचित्रिताव | अचित्रिताम |
| प० चित्रयाञ्चकार | चित्रयाञ्चक्रतुः | चित्रयाञ्चक्रुः |
| चित्रयाञ्चकथे | चित्रयाञ्चकथुः | चित्रयाञ्चक |
| चित्रयाञ्चकार-चकर | चित्रयाञ्चकृव | चित्रयाञ्चकृम |
| चित्रयाञ्चभूव | । चित्रयामास | |
| आ० चित्र्यात् | चित्र्यास्ताम् | चित्र्यासुः |
| चित्र्याः | चित्र्यास्तम् | चित्र्यास्त |
| चित्र्यासम् | चित्र्यास्व | चित्र्यास्म |
| श्व० चित्रयिता | चित्रयितारौ | चित्रयितारः |
| चित्रयितासि | चित्रयितास्थः | चित्रयितास्थ |
| चित्रयितास्मि | चित्रयितास्वः | चित्रयितास्मः |
| भ० चित्रयिष्यति | चित्रयिष्यतः | चित्रयिष्यन्ति |
| चित्रयिष्यसि | चित्रयिष्यथः | चित्रयिष्यथ |
| चित्रयिष्यामि | चित्रयिष्यावः | चित्रयिष्यामः |
| क्रि० अचित्रयिष्यत् | अचित्रयिष्यताम् | अचित्रयिष्यन् |
| अचित्रयिष्यः | अचित्रयिष्यतम् | अचित्रयिष्यत |
| अचित्रयिष्यम् | अचित्रयिष्याव | अचित्रयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| व० चित्रयते | चित्रयेते | चित्रयन्ते |
| चित्रयसे | चित्रयेथे | चित्रयथ्वे |
| चित्रये | चित्रयावहे | चित्रयामहे |
| स० चित्रयेत | चित्रयेयाताम् | चित्रयेरन् |
| चित्रयेथाः | चित्रयेयाथाम् | चित्रयेथ्वम् |
| चित्रयेय | चित्रयेवहि | चित्रयेमहि |
| प० चित्रयताम् | चित्रयेताम् | चित्रयन्ताम् |
| चित्रयस्व | चित्रयेथाम् | चित्रयथ्वम् |
| चित्रये | चित्रयावहे | चित्रयामहे |
| ह्य० अचित्रयत | अचित्रयेताम् | अचित्रयन्त |
| अचित्रयथाः | अचित्रयेथाम् | अचित्रयथ्वम् |
| अचित्रये | अचित्रयावहि | अचित्रयामहि |
| अ० अचित्रित | अचित्रितताम् | अचित्रितन् |
| अचित्रितथाः | अचित्रितेथाम् | अचित्रितथ्वम् |
| अचित्रिते | अचित्रितावहि | अचित्रितामहि |
| प० चित्रयाञ्चके | चित्रयाञ्चक्राते | चित्रयाञ्चकिरे |
| चित्रयाञ्चकृषे | चित्रयाञ्चक्राथे | चित्रयाञ्चकृद्वे |
| चित्रयाञ्चक्रे | चित्रयाञ्चकृवहे | चित्रयाञ्चकृमहे |
| चित्रयाञ्चभूव | । चित्रयामास | |
| आ० चित्रयिषीष्ट | चित्रयिषीयास्ताम् | चित्रयिषीरन् |
| चित्रयिषीष्टाः | चित्रयिषीयास्थाम् | चित्रयिषीद्वम् |
| चित्रयिषीय | चित्रयिषीवहि | चित्रयिषीमहि |
| श्व० चित्रयिता | चित्रयितारौ | चित्रयितारः |
| चित्रयितासे | चित्रयितासाथे | चित्रयिताथ्वे |
| चित्रयिताहे | चित्रयितास्वहे | चित्रयितास्महे |
| भ० चित्रयिष्यते | चित्रयिष्येते | चित्रयिष्यन्ते |
| चित्रयिष्यसे | चित्रयिष्येथे | चित्रयिष्यथ्वे |
| चित्रयिष्ये | चित्रयिष्यावहे | चित्रयिष्यामहे |
| क्रि० अचित्रयिष्यत | अचित्रयिष्येताम् | अचित्रयिष्यन्त |
| अचित्रयिष्यथाः | अचित्रयिष्येथाम् | अचित्रयिष्यथ्वम् |
| अचित्रयिष्ये | अचित्रयिष्यावहि | अचित्रयिष्यामहि |

1907 छिद्रण् (छिद्र) भेदे ।

| | | | |
|-------|-------------------|-------------------|-----------------|
| ब० | छिद्रयति | छिद्रयतः | छिद्रयन्ति |
| | छिद्रयसि | छिद्रयथः | छिद्रयथ |
| | छिद्रयामि | छिद्रयावः | छिद्रयामः |
| स० | छिद्रयेत् | छिद्रयेताम् | छिद्रयेयुः |
| | छिद्रयेः | छिद्रयेतम् | छिद्रयेत |
| | छिद्रयेयम् | छिद्रयेव | छिद्रयेम |
| प० | छिद्रयतु | छिद्रयतात् | छिद्रयताम् |
| | छिद्रय | छिद्रयतात् | छिद्रयतम् |
| | छिद्रयाणि | छिद्रयाव | छिद्रयाम |
| ह्य० | अच्छिद्रयत् | अच्छिद्रयताम् | अच्छिद्रयन् |
| | अच्छिद्रयः | अच्छिद्रयतम् | अच्छिद्रयत |
| | अच्छिद्रयम् | अच्छिद्रयाव | अच्छिद्रयाम |
| अ० | अचिच्छिद्रत् | अचिच्छिद्रताम् | अचिच्छिद्रन् |
| | अचिच्छिद्रः | अचिच्छिद्रतम् | अचिच्छिद्रत |
| | अचिच्छिद्रम् | अचिच्छिद्राव | अचिच्छिद्राम |
| प० | छिद्रयाश्चकार | छिद्रयाश्चक्रतुः | छिद्रयाश्चक्रुः |
| | छिद्रयाश्चकथे | छिद्रयाश्चक्रयुः | छिद्रयाश्चक्र |
| | छिद्रयाश्चकार-चकर | छिद्रयाश्चक्रव | छिद्रयाश्चक्रम |
| | छिद्रयाम्बभूव | । | छिद्रयामास |
| आ० | छिद्रयात् | छिद्रयास्ताम् | छिद्रयासुः |
| | छिद्रयाः | छिद्रयास्तम् | छिद्रयास्त |
| | छिद्रयासम् | छिद्रयास्व | छिद्रयास्म |
| श्व० | छिद्रयिता | छिद्रयितारौ | छिद्रयितारः |
| | छिद्रयितासि | छिद्रयितास्थः | छिद्रयितास्थ |
| | छिद्रयितास्मि | छिद्रयितास्वः | छिद्रयितास्मः |
| भ० | छिद्रयिष्यति | छिद्रयिष्यतः | छिद्रयिष्यन्ति |
| | छिद्रयिष्यसि | छिद्रयिष्यथः | छिद्रयिष्यथ |
| | छिद्रयिष्यामि | छिद्रयिष्यावः | छिद्रयिष्यामः |
| क्रि० | अच्छिद्रयिष्यत् | अच्छिद्रयिष्यताम् | अच्छिद्रयिष्यन् |
| | अच्छिद्रयिष्यः | अच्छिद्रयिष्यतम् | अच्छिद्रयिष्यत |
| | अच्छिद्रयिष्यम् | अच्छिद्रयिष्याव | अच्छिद्रयिष्याम |

| | | | |
|-------|------------------|--------------------|--------------------|
| ब० | छिद्रयते | छिद्रयेते | छिद्रयन्ते |
| | छिद्रयसे | छिद्रयेथे | छिद्रयध्वे |
| | छिद्रये | छिद्रयावहे | छिद्रयामहे |
| स० | छिद्रयेत | छिद्रयेयाताम् | छिद्रयेरन् |
| | छिद्रयेथाः | छिद्रयेयाथाम् | छिद्रयेध्वम् |
| | छिद्रयेय | छिद्रयेवहि | छिद्रयेमहि |
| प० | छिद्रयताम् | छिद्रयेताम् | छिद्रयन्ताम् |
| | छिद्रयस्व | छिद्रयेथाम् | छिद्रयध्वम् |
| | छिद्रयै | छिद्रयावहै | छिद्रयामहै |
| ह्य० | अच्छिद्रयत | अच्छिद्रयेताम् | अच्छिद्रयन्त |
| | अच्छिद्रयथाः | अच्छिद्रयेथाम् | अच्छिद्रयध्वम् |
| | अच्छिद्रये | अच्छिद्रयावहि | अच्छिद्रयामहि |
| अ० | अचिच्छिद्रत् | अचिच्छिद्रेताम् | अचिच्छिद्रन्त |
| | अचिच्छिद्रथाः | अचिच्छिद्रेथाम् | अचिच्छिद्रध्वम् |
| | अचिच्छिद्रे | अचिच्छिद्रावहि | अचिच्छिद्रामहि |
| प० | छिद्रयाञ्चक्रे | छिद्रयाञ्चक्राते | छिद्रयाञ्चक्रिरे |
| | छिद्रयाञ्चकृषे | छिद्रयाञ्चक्राथे | छिद्रयाञ्चकृद्वे |
| | छिद्रयाञ्चक्रे | छिद्रयाञ्चकृवहे | छिद्रयाञ्चकृमहे |
| | छिद्रयाम्बभूव | । | छिद्रयामास |
| आ० | छिद्रयिषीष्ट | छिद्रयिषीयास्ताम् | छिद्रयिषीरन् |
| | छिद्रयिषीष्ठाः | छिद्रयिषीयास्थाम् | छिद्रयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | छिद्रयिषीय | छिद्रयिषीवहि | छिद्रयिषीमहि |
| श्व० | छिद्रयिता | छिद्रयितारौ | छिद्रयितारः |
| | छिद्रयितासे | छिद्रयितासाथे | छिद्रयिताध्वे |
| | छिद्रयिताहे | छिद्रयितास्वहे | छिद्रयितास्महे |
| भ० | छिद्रयिष्यते | छिद्रयिष्येते | छिद्रयिष्यन्ते |
| | छिद्रयिष्यसे | छिद्रयिष्येथे | छिद्रयिष्यध्वे |
| | छिद्रयिष्ये | छिद्रयिष्यावहे | छिद्रयिष्यामहे |
| क्रि० | अच्छिद्रयिष्यत् | अच्छिद्रयिष्येताम् | अच्छिद्रयिष्यन्त |
| | अच्छिद्रयिष्यथाः | अच्छिद्रयिष्येथाम् | अच्छिद्रयिष्यध्वम् |
| | अच्छिद्रयिष्ये | अच्छिद्रयिष्यावहि | अच्छिद्रयिष्यामहि |

1908 मिश्रण (मिश्र) संपर्चने ।

| | | |
|------------------|----------------|---------------|
| व० मिश्रयति | मिश्रयतः | मिश्रयन्ति |
| मिश्रयसि | मिश्रयथः | मिश्रयथ |
| मिश्रयामि | मिश्रयावः | मिश्रयामः |
| स० मिश्रयेत् | मिश्रयेताम् | मिश्रयेयुः |
| मिश्रयेः | मिश्रयेतम् | मिश्रयेत |
| मिश्रयेयम् | मिश्रयेव | मिश्रयेम |
| प० मिश्रयतु | मिश्रयतात् | मिश्रयन्तु |
| मिश्रय | मिश्रयतात् | मिश्रयत |
| मिश्रयाणि | मिश्रयाव | मिश्रयाम |
| ह० अमिश्रयत् | अमिश्रयताम् | अमिश्रयन् |
| अमिश्रयः | अमिश्रयतम् | अमिश्रयत |
| अमिश्रयम् | अमिश्रयाव | अमिश्रयाम |
| अ० अमिश्रित् | अमिश्रिताम् | अमिश्रित् |
| अमिश्रितः | अमिश्रितम् | अमिश्रित |
| अमिश्रितम् | अमिश्रित्वा | अमिश्रित्वा |
| प० मिश्रयाञ्चकार | मिश्रयाञ्चकतुः | मिश्रयाञ्चकुः |
| मिश्रयाञ्चक | मिश्रयाञ्चकथुः | मिश्रयाञ्चक |
| मिश्रयाञ्चकर-चकर | मिश्रयाञ्चक | मिश्रयाञ्चकम् |

मिश्रयाम्बभूव । मिश्रयामास

| | | |
|---------------------|-----------------|----------------|
| आ० मिश्रयात् | मिश्रयास्तम् | मिश्रयास्तुः |
| मिश्रयाः | मिश्रयास्तम् | मिश्रयास्त |
| मिश्रयासम् | मिश्रयास्व | मिश्रयास्म |
| भ० मिश्रयिता | मिश्रयितारौ | मिश्रयितारः |
| मिश्रयितासि | मिश्रयितास्थः | मिश्रयितास्थ |
| मिश्रयितास्मि | मिश्रयितास्वः | मिश्रयितास्मः |
| भ० मिश्रयिष्यति | मिश्रयिष्यतः | मिश्रयिष्यन्ति |
| मिश्रयिष्यसि | मिश्रयिष्यथः | मिश्रयिष्यथ |
| मिश्रयिष्यामि | मिश्रयिष्यावः | मिश्रयिष्यामः |
| क्रि० अमिश्रयिष्यत् | अमिश्रयिष्यताम् | अमिश्रयिष्यन् |
| अमिश्रयिष्यः | अमिश्रयिष्यतम् | अमिश्रयिष्यत |
| अमिश्रयिष्यम् | अमिश्रयिष्याव | अमिश्रयिष्याम |

| | | |
|--------------------|------------------|------------------|
| व० मिश्रयते | मिश्रयते | मिश्रयन्ते |
| मिश्रयसे | मिश्रयेथे | मिश्रयध्वे |
| मिश्रये | मिश्रयावहे | मिश्रयामहे |
| स० मिश्रयेत | मिश्रयेताम् | मिश्रयेरन् |
| मिश्रयेथाः | मिश्रयेथाया | मिश्रयेध्वम् |
| मिश्रयेय | मिश्रयेवहि | मिश्रयेमहि |
| प० मिश्रयताम् | मिश्रयेताम् | मिश्रयन्ताम् |
| मिश्रयस्व | मिश्रयेथाम् | मिश्रयध्वम् |
| मिश्रयै | मिश्रयावहे | मिश्रयामहे |
| ह० अमिश्रयत | अमिश्रयेताम् | अमिश्रयन्त |
| अमिश्रयथाः | अमिश्रयेथाम् | अमिश्रयध्वम् |
| अमिश्रये | अमिश्रयावहि | अमिश्रयामहि |
| अ० अमिश्रित | अमिश्रिताम् | अमिश्रितन्त |
| अमिश्रयथाः | अमिश्रयेथाम् | अमिश्रयध्वम् |
| अमिश्रये | अमिश्रयावहि | अमिश्रयामहि |
| प० मिश्रयाञ्चके | मिश्रयाञ्चकाते | मिश्रयाञ्चकिरे |
| मिश्रयाञ्चकृषे | मिश्रयाञ्चकाये | मिश्रयाञ्चकृद्वे |
| मिश्रयाञ्चके | मिश्रयाञ्चकवहे | मिश्रयाञ्चकृमहे |
| मिश्रयाञ्चभूव | मिश्रयामास | |
| आ० मिश्रयिषीष्ट | मिश्रयिषीगस्ताम् | मिश्रयिषीन् |
| मिश्रयिषीष्टाः | मिश्रयिषीगस्थम् | मिश्रयिषीद्वम् |
| मिश्रयिषीय | मिश्रयिषीवहि | मिश्रयिषीमहि |
| भ० मिश्रयिता | मिश्रयितारौ | मिश्रयितारः |
| मिश्रयितासे | मिश्रयितासाथे | मिश्रयिताध्वे |
| मिश्रयिताहे | मिश्रयितास्वहे | मिश्रयितास्महे |
| भ० मिश्रयिष्यते | मिश्रयिष्येते | मिश्रयिष्यन्ते |
| मिश्रयिष्यसे | मिश्रयिष्येथे | मिश्रयिष्यध्वे |
| मिश्रयिष्ये | मिश्रयिष्यावहे | मिश्रयिष्यामहे |
| क्रि० अमिश्रयिष्यत | अमिश्रयिष्यताम् | अमिश्रयिष्यन्त |
| अमिश्रयिष्यथाः | अमिश्रयिष्येथाम् | अमिश्रयिष्यध्वम् |
| अमिश्रयिष्ये | अमिश्रयिष्यावहि | अमिश्रयिष्यामहि |

1909 वरण् (वर) ईप्सायाम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० वरयति | वरयतः | वरयन्ति |
| वरयसि | वरयथः | वरयथ |
| वरयामि | वरयावः | वरयामः |
| स० वरयेत् | वरयेताम् | वरयेयुः |
| वरयेः | वरयेतम् | वरयेत |
| वरयेयम् | वरयेव | वरयेम |
| प० वरयतु | वरयतात् | वरयताम् |
| वरय | वरयतात् | वरयतम् |
| वरयाणि | वरयाव | वरयाम |
| अ० अवरयत् | अवरयताम् | अवरयन् |
| अवरयः | अवरयतम् | अवरयत |
| अवरयम् | अवरयाव | अवरयाम |
| अ० अववरत् | अववरताम् | अववरन् |
| अववरः | अववरतम् | अववरत |
| अववरम् | अववराव | अववराम |
| प० वरयाञ्चकार | वरयाञ्चक्रुः | वरयाञ्चकुः |
| वरयाञ्चकथं | वरयाञ्चक्रुः | वरयाञ्चक्रुः |
| वरयाञ्चकार-चक्र | वरयाञ्चक्रुव | वरयाञ्चक्रुम |
| वरयाञ्चभूव | वरयामास | |
| आ० वर्यात् | वर्यास्ताम् | वर्यासुः |
| वर्याः | वर्यास्तम् | वर्यास्त |
| वर्यासम् | वर्यास्व | वर्यासम |
| श्व० वरयिता | वरयितारौ | वरयितारः |
| वरयितासि | वरयितास्थः | वरयितास्थ |
| वरयितास्मि | वरयितास्वः | वरयितास्मः |
| भ० वरयिष्यति | वरयिष्यतः | वरयिष्यन्ति |
| वरयिष्यसि | वरयिष्यथः | वरयिष्यथ |
| वरयिष्यामि | वरयिष्यावः | वरयिष्यामः |
| क्रि० अववरयिष्यत् | अववरयिष्यताम् | अववरयिष्यन् |
| अववरयिष्यः | अववरयिष्यतम् | अववरयिष्यत |
| अववरयिष्यम् | अववरयिष्याव | अववरयिष्यम |

| | | |
|------------------|----------------|----------------|
| ब० वरयते | वरयेते | वरयन्ते |
| वरयसे | वरयेथे | वरयध्वे |
| वरये | वरयावहे | वरयामहे |
| स० वरयेत | वरयेताम् | वरयेयन् |
| वरयेथाः | वरयेथायाम् | वरयेध्वम् |
| वरयेय | वरयेवहि | वरयेमहि |
| प० वरयाताम् | वरयेताम् | वरयन्ताम् |
| वरयस्व | वरयेथाम् | वरयध्वम् |
| वरयै | वरयावहे | वरयामहे |
| अ० अवरयत | अवरयेताम् | अवरयन्त |
| अवरयथाः | अवरयेथाम् | अवरयध्वम् |
| अवरये | अवरयावहि | अवरयामहि |
| अ० अववरत | अववरेताम् | अववरन्त |
| अववरथाः | अववरेथाम् | अववरध्वम् |
| अववरे | अववरावहि | अववरामहि |
| प० वरयाञ्चक्रे | वरयाञ्चक्राते | वरयाञ्चकिरे |
| वरयाञ्चकृषे | वरयाञ्चक्राथे | वरयाञ्चकृध्वे |
| वरयाञ्चक्रे | वरयाञ्चकृवहे | वरयाञ्चकृमहे |
| वरयाञ्चभूव | वरयामास | |
| आ० वरयिषीष्ट | वरयिषीष्टाताम् | वरयिषीरन् |
| वरयिषीष्ठाः | वरयिषीष्टाथाम् | वरयिषीध्वम् |
| वरयिषीय | वरयिषीवहि | वरयिषीमहि |
| श्व० वरयिता | वरयितारौ | वरयितारः |
| वरयितासे | वरयितासाथे | वरयिताध्वे |
| वरयिताहे | वरयितास्वहे | वरयितास्महे |
| भ० वरयिष्यते | वरयिष्येते | वरयिष्यन्ते |
| वरयिष्यसे | वरयिष्येथे | वरयिष्यध्वे |
| वरयिष्ये | वरयिष्यावहे | वरयिष्यामहे |
| क्रि० अववरयिष्यत | अववरयिष्येताम् | अववरयिष्यन्त |
| अववरयिष्यथाः | अववरयिष्येथाम् | अववरयिष्यध्वम् |
| अववरयिष्ये | अववरयिष्यावहि | अववरयिष्यामहि |

1910 स्वरण् (स्वर) आक्षेपे ।

| | | | |
|-------|------------------|-----------------|----------------|
| ब० | स्वरयति | स्वरयतः | स्वरयन्ति |
| | स्वरयसि | स्वरयथः | स्वरयथ |
| | स्वरयामि | स्वरयावः | स्वरयामः |
| स० | स्वरयेत् | स्वरयेताम् | स्वरयेयुः |
| | स्वरयेः | स्वरयेतम् | स्वरयेत |
| | स्वरयेयम् | स्वरयेव | स्वरयेम |
| प० | स्वरयतु | स्वरयतात् | स्वरयन्तु |
| | स्वरय | स्वरयतात् | स्वरयतम् |
| | स्वरयाणि | स्वरयाव | स्वरयाम |
| ह्य० | अस्वरयत् | अस्वरयताम् | अस्वरयन् |
| | अस्वरयः | अस्वरयतम् | अस्वरयत |
| | अस्वरयम् | अस्वरयाव | अस्वरयाम |
| अ० | असस्वरत् | असस्वरताम् | असस्वरन् |
| | असस्वरः | असस्वरतम् | असस्वरत |
| | असस्वरम् | असस्वराव | असस्वराम |
| प० | स्वरयाञ्चकार | स्वरयाञ्चक्रतुः | स्वरयाञ्चक्रुः |
| | स्वरयाञ्चक्यं | स्वरयाञ्चक्रथुः | स्वरयाञ्चक्र |
| | स्वरयाञ्चकार-चकर | स्वरयाञ्चक्रव | स्वरयाञ्चक्रम |
| | स्वरयाम्बभूव | । | स्वरयामास |
| आ० | स्वर्यात् | स्वर्यास्ताम् | स्वर्यासुः |
| | स्वर्याः | स्वर्यास्तम् | स्वर्यास्त |
| | स्वर्यासम् | स्वर्यास्व | स्वर्यास्म |
| श्व० | स्वरयिता | स्वरयितारौ | स्वरयितारः |
| | स्वरयितासि | स्वरयितास्थः | स्वरयितास्थ |
| | स्वरयितास्मि | स्वरयितास्वः | स्वरयितास्मः |
| भ० | स्वरयिष्यति | स्वरयिष्यतः | स्वरयिष्यन्ति |
| | स्वरयिष्यसि | स्वरयिष्यथः | स्वरयिष्यथ |
| | स्वरयिष्यामि | स्वरयिष्यावः | स्वरयिष्यामः |
| क्रि० | अस्वरयिष्यत् | अस्वरयिष्यताम् | अस्वरयिष्यन् |
| | अस्वरयिष्यः | अस्वरयिष्यतम् | अस्वरयिष्यत |
| | अस्वरयिष्यम् | अस्वरयिष्याव | अस्वरयिष्याम |

| | | | |
|-------|-----------------|------------------|--------------------|
| व० | स्वरयते | स्वरयेते | स्वरयन्ते |
| | स्वरयसे | स्वरयेथे | स्वरयध्वे |
| | स्वरये | स्वरयावहे | स्वरयामहे |
| स० | स्वरयेत् | स्वरयेयाताम् | स्वरयेयन् |
| | स्वरयेथाः | स्वरयेयाथाम् | स्वरयेय्वम् |
| | स्वरयेय | स्वरयेवहि | स्वरयेमहि |
| प० | स्वरयताम् | स्वरयेताम् | स्वरयन्ताम् |
| | स्वरयस्व | स्वरयेथाम् | स्वरयध्वम् |
| | स्वरयै | स्वरयावहे | स्वरयामहे |
| ह्य० | अस्वरयत | अस्वरयेताम् | अस्वरयन्त |
| | अस्वरयथाः | अस्वरयेथाम् | अस्वरयध्वम् |
| | अस्वरये | अस्वरयावहि | अस्वरयामहि |
| अ० | असस्वरत | असस्वरेताम् | असस्वरन्त |
| | असस्वरथाः | असस्वरेथाम् | असस्वरध्वम् |
| | असस्वरे | असस्वरावहि | असस्वरामहि |
| प० | स्वरयाञ्चक्रे | स्वरयाञ्चक्राते | स्वरयाञ्चक्रिरे |
| | स्वरयाञ्चक्रुषे | स्वरयाञ्चक्राथे | स्वरयाञ्चक्रवृद्धे |
| | स्वरयाञ्चक्रे | स्वरयाञ्चक्रवहे | स्वरयाञ्चक्रमहे |
| | स्वरयाम्बभूव | । | स्वरयामास |
| आ० | स्वरयिषीष्ट | स्वरयिषीयास्ताम् | स्वरयिषीरन |
| | स्वरयिषीष्टाः | स्वरयिषीयास्थाम् | स्वरयिषीरवम् |
| | स्वरयिषीय | स्वरयिषीवहि | स्वरयिषीमहि |
| श्व० | स्वरयिता | स्वरयितारौ | स्वरयितारः |
| | स्वरयितासे | स्वरयिताथे | स्वरयिताध्वे |
| | स्वरयिताहे | स्वरयितास्वहे | स्वरयितास्महे |
| भ० | स्वरयिष्यते | स्वरयिष्येते | स्वरयिष्यन्ते |
| | स्वरयिष्यसे | स्वरयिष्येथे | स्वरयिष्यध्वे |
| | स्वरयिष्ये | स्वरयिष्यावहे | स्वरयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्वरयिष्यत | अस्वरयिष्येताम् | अस्वरयिष्यन्त |
| | अस्वरयिष्यथाः | अस्वरयिष्येथाम् | अस्वरयिष्यध्वम् |
| | अस्वरयिष्ये | अस्वरयिष्यावहि | अस्वरयिष्यामहि |

1911 शारण् (शार्) दौर्बल्ये ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | शारयति | शारयतः | शारयन्ति |
| | शारयसि | शारयथः | शारयथ |
| | शारयामि | शारयावः | शारयामः |
| स० | शारयेत् | शारयेताम् | शारयेयुः |
| | शारयेः | शारयेतम् | शारयेत |
| | शारयेयम् | शारयेव | शारयेम |
| प० | शारयतु | शारयतात् | शारयताम् |
| | शारय | शारयतात् | शारयतम् |
| | शारयाणि | शारयाव | शारयाम |
| ह्य० | अशारयत् | अशारयताम् | अशारयन् |
| | अशारयः | अशारयतम् | अशारयत |
| | अशारयम् | अशारयाव | अशारयाम |
| अ० | अशशारत् | अशशारताम् | अशशारन् |
| | अशशारः | अशशारतम् | अशशारत |
| | अशशारम् | अशशाराव | अशशाराम |
| प० | शारयाञ्चकार | शारयाञ्चक्रुः | शारयाञ्चकुः |
| | शारयाञ्चकथं | शारयाञ्चक्रुः | शारयाञ्चक |
| | शारयाञ्चकार-चकर | शारयाञ्चकृव | शारयाञ्चकृम |
| | शारयाम्बभूव | । | शारयामास |
| आ० | शार्यात् | शार्यास्ताम् | शार्यासुः |
| | शार्या | शार्यास्तम् | शार्यास्त |
| | शार्यासम् | शार्यास्व | शार्यास्म |
| श्व० | शारयिता | शारयितारौ | शारयितारः |
| | शारयितासि | शारयितास्थः | शारयितास्थ |
| | शारयितास्मि | शारयितास्वः | शारयितास्मः |
| भ० | शारयिष्यति | शारयिष्यतः | शारयिष्यन्ति |
| | शारयिष्यसि | शारयिष्यथः | शारयिष्यथ |
| | शारयिष्यामि | शारयिष्यावः | शारयिष्यामः |
| क्रि० | अशारयिष्यत् | अशारयिष्यताम् | अशारयिष्यन् |
| | अशारयिष्यः | अशारयिष्यतम् | अशारयिष्यत |
| | अशारयिष्यम् | अशारयिष्याव | अशारयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-----------------|------------------|
| व० | शारयते | शारयेते | शारयन्ते |
| | शारयसे | शारयेथे | शारयध्वे |
| | शारये | शारयावहे | शारयामहे |
| स० | शारयेत | शारयेथाताम् | शारयेरन् |
| | शारयेथाः | शारयेथाथाम् | शारयेध्वम् |
| | शारयेथ | शारयेवहि | शारयेमहि |
| प० | शारयताम् | शारयेताम् | शारयन्ताम् |
| | शारयस्व | शारयेथाम् | शारयध्वम् |
| | शारये | शारयावहे | शारयामहे |
| ह्य० | अशारयत् | अशारयेताम् | अशारयन्त |
| | अशारयथाः | अशारयेथाम् | अशारयध्वम् |
| | अशारये | अशारयावहि | अशारयामहि |
| अ० | अशशारत् | अशशारेताम् | अशशारन्त |
| | अशशारथाः | अशशारेथाम् | अशशारध्वम् |
| | अशशारे | अशशारावहि | अशशारामहि |
| प० | शारयाञ्चक्रे | शारयाञ्चक्रते | शारयाञ्चकिरे |
| | शारयाञ्चक्रुषे | शारयाञ्चक्राथे | शारयाञ्चक्रुध्वे |
| | शारयाञ्चक्रे | शारयाञ्चकृवहे | शारयाञ्चकृमहे |
| | शारयाम्बभूव | । | शारयामास |
| आ० | शारयिषीष्ट | शारयिषीयास्ताम् | शारयिषीरन् |
| | शारयिषीष्टाः | शारयिषीयास्थाम् | शारयिषीध्वम् |
| | शारयिषीय | शारयिषीवहि | शारयिषीमहि |
| श्व० | शारयिता | शारयितारौ | शारयितारः |
| | शारयितासे | शारयितासाथे | शारयिताध्वे |
| | शारयिताहे | शारयितास्वहे | शारयितास्महे |
| भ० | शारयिष्यते | शारयिष्येते | शारयिष्यन्ते |
| | शारयिष्यसे | शारयिष्येथे | शारयिष्यध्वे |
| | शारयिष्ये | शारयिष्यावहे | शारयिष्यामहे |
| क्रि० | अशारयिष्यत् | अशारयिष्येताम् | अशारयिष्यन्त |
| | अशारयिष्यथाः | अशारयिष्येथाम् | अशारयिष्यध्वम् |
| | अशारयिष्ये | अशारयिष्यावहि | अशारयिष्यामहि |

1912 कुमारण (कुमार) क्रीडायाम् ।

| | | | |
|-------|-------------------|-----------------|----------------|
| ब० | कुमारयति | कुमारयतः | कुमारयन्ति |
| | कुमारयसि | कुमारयथः | कुमारयथ |
| | कुमारयामि | कुमारयावः | कुमारयामः |
| स० | कुमारयेत् | कुमारयेताम् | कुमारयेयुः |
| | कुमारयेः | कुमारयेतम् | कुमारयेत |
| | कुमारयेयम् | कुमारयेव | कुमारयेम |
| प० | कुमारयतु | कुमारयतात् | कुमारयताम् |
| | कुमारय | कुमारयतात् | कुमारयतम् |
| | कुमारयाणि | कुमारयाव | कुमारयाम |
| ह्य० | अकुमारयत् | अकुमारयताम् | अकुमारयन् |
| | अकुमारयः | अकुमारयतम् | अकुमारयत |
| | अकुमारयम् | अकुमारयाव | अकुमारयाम |
| अ० | अचुकुमारत् | अचुकुमारताम् | अचुकुमारन् |
| | अचुकुमारः | अचुकुमारतम् | अचुकुमारत |
| | अचुकुमारम् | अचुकुमाराव | अचुकुमाराम |
| प० | कुमारयाञ्चकार | कुमारयाञ्चकतुः | कुमारयाञ्चकुः |
| | कुमारयाञ्चकथं | कुमारयाञ्चकथुः | कुमारयाञ्चक |
| | कुमारयाञ्चकार-चकर | कुमारयाञ्चकृव | कुमारयाञ्चकृम |
| | कुमारयाम्बभूव | । | कुमारयामास |
| आ० | कुमार्यात् | कुमार्यास्ताम् | कुमार्यासुः |
| | कुमार्याः | कुमार्यास्तम् | कुमार्यास्त |
| | कुमार्यासम् | कुमार्यास्व | कुमार्यास्म |
| श्व० | कुमारयिता | कुमारयितारौ | कुमारयितारः |
| | कुमारयितासि | कुमारयितास्थः | कुमारयितास्थ |
| | कुमारयितास्मि | कुमारयितास्वः | कुमारयितास्मः |
| भ० | कुमारयिष्यति | कुमारयिष्यतः | कुमारयिष्यन्ति |
| | कुमारयिष्यसि | कुमारयिष्यथः | कुमारयिष्यथ |
| | कुमारयिष्यामि | कुमारयिष्यावः | कुमारयिष्यामः |
| क्रि० | अकुमारयिष्यत् | अकुमारयिष्यताम् | अकुमारयिष्यन् |
| | अकुमारयिष्यः | अकुमारयिष्यतम् | अकुमारयिष्यत |
| | अकुमारयिष्यम् | अकुमारयिष्याव | अकुमारयिष्याम |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| ब० | कुमारयते | कुमारयेते | कुमारयन्ते |
| | कुमारयसे | कुमारयेथे | कुमारयध्वे |
| | कुमारये | कुमारयावहे | कुमारयामहे |
| स० | कुमारयेत | कुमारयेयाताम् | कुमारयेरन् |
| | कुमारयेथाः | कुमारयेयाथाम् | कुमारयेध्वम् |
| | कुमारयेय | कुमारयेवहि | कुमारयेमहि |
| प० | कुमारयताम् | कुमारयेताम् | कुमारयन्ताम् |
| | कुमारयस्व | कुमारयेथाम् | कुमारयध्वम् |
| | कुमारये | कुमारयावहे | कुमारयामहे |
| ह्य० | अकुमारयत | अकुमारयेताम् | अकुमारयन्त |
| | अकुमारयथाः | अकुमारयेथाम् | अकुमारयध्वम् |
| | अकुमारये | अकुमारयावहि | अकुमारयामहि |
| अ० | अचुकुमारत | अचुकुमारेताम् | अचुकुमारन्त |
| | अचुकुमारथाः | अचुकुमारेथाम् | अचुकुमारध्वम् |
| | अचुकुमारे | अचुकुमारावहि | अचुकुमारामहि |
| प० | कुमारयाञ्चक्रे | कुमारयाञ्चकते | कुमारयाञ्चकिरे |
| | कुमारयाञ्चकृषे | कुमारयाञ्चकृथे | कुमारयाञ्चकृद्वे |
| | कुमारयाञ्चक्रे | कुमारयाञ्चकृवहे | कुमारयाञ्चकृमहे |
| | कुमारयाम्बभूव | । | कुमारयामास |
| आ० | कुमारयिषीष्ट | कुमारयिषीष्टाताम् | कुमारयिषीरन् |
| | कुमारयिषीष्टाः | कुमारयिषीष्टाथाम् | कुमारयिषीध्वम् |
| | कुमारयिषीय | कुमारयिषीवहि | कुमारयिषीमहि |
| श्व० | कुमारयिता | कुमारयितारौ | कुमारयितारः |
| | कुमारयितासे | कुमारयितासाथे | कुमारयिताध्वे |
| | कुमारयिताहे | कुमारयितास्वहे | कुमारयितास्महे |
| भ० | कुमारयिष्यते | कुमारयिष्येते | कुमारयिष्यन्ते |
| | कुमारयिष्यसे | कुमारयिष्येथे | कुमारयिष्यध्वे |
| | कुमारयिष्ये | कुमारयिष्यावहे | कुमारयिष्यामहे |
| क्रि० | अकुमारयिष्यत् | अकुमारयिष्येताम् | अकुमारयिष्यन्त |
| | अकुमारयिष्यथाः | अकुमारयिष्येथाम् | अकुमारयिष्यध्वम् |
| | अकुमारयिष्ये | अकुमारयिष्यावहि | अकुमारयिष्यामहि |

1913 कलण् (कल्) सङ्ख्यानगत्योः ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० कलयति | कलयतः | कलयन्ति |
| कलयसि | कलयथः | कलयथ |
| कलयामि | कलयावः | कलयामः |
| स० कलयेत् | कलयेताम् | कलयेयुः |
| कलयेः | कलयेतम् | कलयेत |
| कलयेयम् | कलयेव | कलयेम |
| प० कलयतु कलयतात् | कलयताम् | कलयन्तु |
| कलय कलयतात् | कलयतम् | कलयत |
| कलयानि | कलयाव | कलयाम |
| ह्य० अकलयत् | अकलयताम् | अकलयन् |
| अकलयः | अकलयतम् | अकलयत |
| अकलयम् | अकलयाव | अकलयाम |
| अ० अचकलत् | अचकलताम् | अचकलन् |
| अचकलः | अचकलतम् | अचकलत |
| अचकलम् | अचकलाव | अचकलाम |
| प० कलयाञ्चकार | कलयाञ्चक्रुः | कलयाञ्चकुः |
| कलयाञ्चकथं | कलयाञ्चक्रथुः | कलयाञ्चक्र |
| कलयाञ्चकार-चकर | कलयाञ्चक्रव | कलयाञ्चक्रम |
| कलयाञ्चभूव | । | कलयामास |
| आ० कल्यात् | कल्यास्ताम् | कल्यासुः |
| कल्याः | कल्यास्तम् | कल्यास्त |
| कल्यासम् | कल्यास्व | कल्यास्म |
| श्व० कलयिता | कलयितारौ | कलयितारः |
| कलयितासि | कलयितास्थः | कलयितास्थ |
| कलयितास्मि | कलयितास्वः | कलयितास्मः |
| भ० कलियिष्यति | कलियिष्यतः | कलियिष्यन्ति |
| कलियिष्यसि | कलियिष्यथः | कलियिष्यथ |
| कलियिष्यामि | कलियिष्यावः | कलियिष्यामः |
| क्रि० अकलियिष्यत् | अकलियिष्यताम् | अकलियिष्यन् |
| अकलियिष्यः | अकलियिष्यतम् | अकलियिष्यत |
| अकलियिष्यम् | अकलियिष्याव | अकलियिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० कलयते | कलयेते | कलयन्ते |
| कलयसे | कलयेथे | कलयन्ने |
| कलये | कलयावहे | कलयामहे |
| स० कलयेत | कलयेयाताम् | कलयेरन् |
| कलयेथाः | कलयेयाथाम् | कलयेध्वम् |
| कलयेय | कलयेवहि | कलयेमहि |
| प० कलयताम् | कलयेताम् | कलयन्ताम् |
| कलयस्व | कलयेथाम् | कलयध्वम् |
| कलये | कलयावहे | कलयामहे |
| ह्य० अकलयत | अकलयेताम् | अकलयन्त |
| अकलयथाः | अकलयेथाम् | अकलयध्वम् |
| अकलये | अकलयावहि | अकलयामहि |
| अ० अचकलत | अचकलेताम् | अचकलन्त |
| अचकलथाः | अचकलेथाम् | अचकलध्वम् |
| अचकले | अचकलावहि | अचकलामहि |
| प० कलयाञ्चके | कलयाञ्चकाते | कलयाञ्चकिरे |
| कलयाञ्चकृषे | कलयाञ्चकाथे | कलयाञ्चकृवे |
| कलयाञ्चके | कलयाञ्चकृवहे | कलयाञ्चकृमहे |
| कलयाञ्चभूव | । | कलयामास |
| आ० कलियिषीष्ट | कलियिषीयास्ताम् | कलियिषीरन् |
| कलियिषीष्ठाः | कलियिषीयास्थाम् | कलियिषीढ्वम् |
| कलियिषीय | कलियिषीवहि | कलियिषीमहि |
| श्व० कलयिता | कलयितारौ | कलयितारः |
| कलयितासे | कलयितासाथे | कलयिताध्वे |
| कलयिताहे | कलयितास्थहे | कलयितास्महे |
| भ० कलियिष्यते | कलियिष्येते | कलियिष्यन्ते |
| कलियिष्यसे | कलियिष्येथे | कलियिष्यध्वे |
| कलियिष्ये | कलियिष्यावहे | कलियिष्यामहे |
| क्रि० अकलियिष्यत | अकलियिष्येताम् | अकलियिष्यन्त |
| अकलियिष्यथाः | अकलियिष्येथाम् | अकलियिष्यध्वम् |
| अकलियिष्ये | अकलियिष्यावहि | अकलियिष्यामहि |

1914 शीलण् (शील) उपधारणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| ब० शीलयति | शीलयतः | शीलयन्ति |
| शीलयसि | शीलयथः | शीलयथ |
| शीलयामि | शीलयावः | शीलयामः |
| स० शीलयेत् | शीलयेताम् | शीलयेयुः |
| शीलयेः | शीलयेतम् | शीलयेत |
| शीलयेथम् | शीलयेव | शीलयेम |
| प० शीलयतु | शीलयतात् | शीलयताम् |
| शीलय | शीलयतात् | शीलयतम् |
| शीलयानि | शीलयाव | शीलयाम |
| ह्य० अशीलयत् | अशीलयताम् | अशीलयन् |
| अशीलयः | अशीलयतम् | अशीलयत |
| अशीलयम् | अशीलयाव | अशीलयाम |
| अ० अशिशिलत् | अशिशिलताम् | अशिशिलन् |
| अशिशिलः | अशिशिलतम् | अशिशिलत |
| अशिशिलम् | अशिशिलाव | अशिशिलाम |
| प० शीलयाश्चकार | शीलयाश्चक्रुः | शीलयाश्चकुः |
| शीलयाश्चकथे | शीलयाश्चक्रुः | शीलयाश्चक |
| शीलयाश्चकार-चकर | शीलयाश्चक्रुः | शीलयाश्चकुम |
| शीलयाश्चभूव | शीलयामास | |
| अ० शीलयात् | शीलयास्ताम् | शीलयासुः |
| शीलयाः | शीलयास्तम् | शीलयास्त |
| शीलयासम् | शीलयास्व | शीलयास्म |
| श्व० शीलयिता | शीलयितारौ | शीलयितारः |
| शीलयितासि | शीलयितास्थः | शीलयितास्थ |
| शीलयितास्मि | शीलयितास्वः | शीलयितास्मः |
| भ० शीलयिष्यति | शीलयिष्यतः | शीलयिष्यन्ति |
| शीलयिष्यसि | शीलयिष्यथः | शीलयिष्यथ |
| शीलयिष्यामि | शीलयिष्यावः | शीलयिष्यामः |
| क्रि० अशीलयिष्यत् | अशीलयिष्यताम् | अशीलयिष्यन् |
| अशीलयिष्यः | अशीलयिष्यतम् | अशीलयिष्यत |
| अशीलयिष्यम् | अशीलयिष्याव | अशीलयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ब० शीलयते | शीलयेते | शीलयन्ते |
| शीलयसे | शीलयेथे | शीलयथ्वे |
| शीलये | शीलयावहे | शीलयामहे |
| स० शीलयेत | शीलयेयाताम् | शीलयेरन् |
| शीलयेथाः | शीलयेयाथाम् | शीलयेष्वम् |
| शीलयेथ | शीलयेवहि | शीलयेमहि |
| प० शीलयताम् | शीलयेताम् | शीलयन्ताम् |
| शीलयस्व | शीलयेथाम् | शीलयष्वम् |
| शीलये | शीलयावहे | शीलयामहे |
| ह्य० अशीलयत | अशीलयेताम् | अशीलयन्त |
| अशीलयथाः | अशीलयेथाम् | अशीलयष्वम् |
| अशीलये | अशीलयावहि | अशीलयामहि |
| अ० अशिशिलत | अशिशिलेताम् | अशिशिलन्त |
| अशिशिलथाः | अशिशिलेथाम् | अशिशिलष्वम् |
| अशिशिले | अशिशिलावहि | अशिशिलामहि |
| प० शीलयाश्चक्रे | शीलयाश्चक्रते | शीलयाश्चक्रिरे |
| शीलयाश्चकृषे | शीलयाश्चक्रथे | शीलयाश्चकृद्वे |
| शीलयाश्चक्रे | शीलयाश्चकृवहे | शीलयाश्चकृमहे |
| शीलयाश्चभूव | शीलयामास | |
| आ० शीलयिषीष्ट | शीलयिषीयास्ताम् | शीलयिषीरन् |
| शीलयिषीष्टाः | शीलयिषीयास्थाम् | शीलयिषीष्वम् |
| शीलयिषीय | शीलयिषीवहि | शीलयिषीमहि |
| श्व० शीलयिता | शीलयितारौ | शीलयितारः |
| शीलयितासे | शीलयितासाथे | शीलयिताथ्वे |
| शीलयिताहे | शीलयितास्वहे | शीलयितास्महे |
| भ० शीलयिष्यते | शीलयिष्येते | शीलयिष्यन्ते |
| शीलयिष्यसे | शीलयिष्येथे | शीलयिष्यथ्वे |
| शीलयिष्ये | शीलयिष्यावहे | शीलयिष्यामहे |
| क्रि० अशीलयिष्यत | अशीलयिष्येताम् | अशीलयिष्यन्त |
| अशीलयिष्यथाः | अशीलयिष्येथाम् | अशीलयिष्यष्वम् |
| अशीलयिष्ये | अशीलयिष्यावहि | अशीलयिष्यामहि |

1916 काल् (काल्) उपदेशे ।

| | | |
|-------------------|----------------|---------------|
| व० कालयति | कालयतः | कालयन्ति |
| कालयसि | कालयथः | कालयथ |
| कालयामि | कालयावः | कालयामः |
| स० कालयेत् | कालयेताम् | कालयेयुः |
| कालयेः | कालयेतम् | कालयेत |
| कालयेथम् | कालयेव | कालयेम |
| प० कालयतु | कालयतात् | कालयताम् |
| कालय | कालयतात् | कालयतम् |
| कालयानि | कालयाव | कालयाम |
| ह्य० अकालयत् | अकालयताम् | अकालयन् |
| अकालयः | अकालयतम् | अकालयत |
| अकालयम् | अकालयाव | अकालयाम |
| अ० अचकालत् | अचकालताम् | अचकालन् |
| अचकालः | अचकालतम् | अचकालत |
| अचकालम् | अचकालाव | अचकालाम |
| प० कालयाश्चकार | कालयाश्चक्रुः | कालयाश्चक्रुः |
| कालयाश्चकथे | कालयाश्चक्रथुः | कालयाश्चक्र |
| कालयाश्चकार-चकर | कालयाश्चक्रव | कालयाश्चक्रुम |
| कालयाम्बभूव | । | कालयामास |
| आ० काल्यात् | काल्यास्ताम् | काल्यासुः |
| काल्याः | काल्यास्तम् | काल्यास्त |
| काल्यासम् | काल्यास्व | काल्यास्म |
| श्व० कालयिता | कालयितारौ | कालयितारः |
| कालयितासि | कालयितास्थः | कालयितास्थ |
| कालयितास्मि | कालयितास्वः | कालयितास्मः |
| भ० कालयिष्यति | कालयिष्यतः | कालयिष्यन्ति |
| कालयिष्यसि | कालयिष्यथः | कालयिष्यथ |
| कालयिष्यामि | कालयिष्यावः | कालयिष्यामः |
| क्रि० अकालयिष्यत् | अकालयिष्यताम् | अकालयिष्यन् |
| अकालयिष्यः | अकालयिष्यतम् | अकालयिष्यत |
| अकालयिष्यम् | अकालयिष्याव | अकालयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|-----------------|
| व० कालयते | कालयेते | कालयन्ते |
| कालयसे | कालयेथे | कालयध्वे |
| कालये | कालयावहे | कालयामहे |
| स० कालयेत | कालयेयाताम् | कालयेरन् |
| कालयेथाः | कालयेयाथाम् | कालयेध्वम् |
| कालयेय | कालयेवहि | कालयेमहि |
| प० कालयताम् | कालयेताम् | कालयन्ताम् |
| कालयस्व | कालयेथाम् | कालयध्वम् |
| कालये | कालयावहे | कालयामहे |
| ह्य० अकालयत | अकालयेताम् | अकालयन्त |
| अकालयथाः | अकालयेथाम् | अकालयध्वम् |
| अकालये | अकालयावहि | अकालयामहि |
| अ० अचकालत | अचकालेताम् | अचकालन्त |
| अचकालथाः | अचकालेथाम् | अचकालध्वम् |
| अचकाले | अचकालावहि | अचकालामहि |
| प० कालयाश्चक्रे | कालयाश्चक्राते | कालयाश्चक्रिरे |
| कालयाश्चकृषे | कालयाश्चक्राथे | कालयाश्चकृद्वे |
| कालयाश्चक्रे | कालयाश्चक्रुवहे | कालयाश्चक्रुमहे |
| कालयाम्बभूव | । | कालयामास |
| आ० कालयिषीष्ट | कालयिषीयस्ताम् | कालयिषीरन् |
| कालयिषीष्ठाः | कालयिषीयास्थाम् | कालयिषीद्वम् |
| कालयिषीय | कालयिषीवहि | कालयिषीमहि |
| श्व० कालयिता | कालयितारौ | कालयितारः |
| कालयितासे | कालयितासाथे | कालयिताध्वे |
| कालयिताहे | कालयितास्वहे | कालयितास्महे |
| भ० कालयिष्यते | कालयिष्येते | कालयिष्यन्ते |
| कालयिष्यसे | कालयिष्येथे | कालयिष्यध्वे |
| कालयिष्ये | कालयिष्यावहे | कालयिष्यामहे |
| क्रि० अकालयिष्यत | अकालयिष्येताम् | अकालयिष्यन्त |
| अकालयिष्यथाः | अकालयिष्येथाम् | अकालयिष्यध्वम् |
| अकालयिष्ये | अकालयिष्यावहि | अकालयिष्यामहि |

1917 पत्यूलण् (पत्यूल्) लवनपवनयोः ।

| | | |
|----------------------|------------------|-----------------|
| व० पत्यूलयति | पत्यूलयतः | पत्यूलयन्ति |
| पत्यूलयसि | पत्यूलयथः | पत्यूलयथ |
| पत्यूलयामि | पत्यूलयावः | पत्यूलयामः |
| स० पत्यूलयेत् | पत्यूलयेताम् | पत्यूलयेयुः |
| पत्यूलयेः | पत्यूलयेतम् | पत्यूलयेत |
| पत्यूलयेयम् | पत्यूलयेव | पत्यूलयेम |
| पत्यूलयतु | पत्यूलयतात् | पत्यूलयताम् |
| पत्यूलय | पत्यूलयतात् | पत्यूलयतम् |
| पत्यूलयानि | पत्यूलयाव | पत्यूलयाम |
| अ० अपत्यूलयत् | अपत्यूलयताम् | अपत्यूलयन् |
| अपत्यूलयः | अपत्यूलयतम् | अपत्यूलयत |
| अपत्यूलयम् | अपत्यूलयाव | अपत्यूलयाम |
| अ० अपपत्यूलत् | अपपत्यूलताम् | अपपत्यूलन् |
| अपपत्यूलः | अपपत्यूलतम् | अपपत्यूलत |
| अपपत्यूलम् | अपपत्यूलाव | अपपत्यूलाम |
| पत्यूलयाञ्चकार | पत्यूलयाञ्चक्रुः | पत्यूलयाञ्चकुः |
| पत्यूलयाञ्चकथं | पत्यूलयाञ्चकथुः | पत्यूलयाञ्चक्र |
| पत्यूलयाञ्चकार-चकार | पत्यूलयाञ्चकृव | पत्यूलयाञ्चकृम |
| पत्यूलयाञ्चभूव | पत्यूलयामास | |
| आ० पत्यूल्यात् | पत्यूल्यास्ताम् | पत्यूल्यासुः |
| पत्यूल्याः | पत्यूल्यास्तम् | पत्यूल्यास्त |
| पत्यूल्यासम् | पत्यूल्यास्व | पत्यूल्यास्म |
| श्व० पत्यूलयिता | पत्यूलयितारौ | पत्यूलयितारः |
| पत्यूलयितासि | पत्यूलयितास्थः | पत्यूलयितास्थ |
| पत्यूलयितारिम | पत्यूलयितास्वः | पत्यूलयितास्मः |
| भ० पत्यूलयिष्यति | पत्यूलयिष्यतः | पत्यूलयिष्यन्ति |
| पत्यूलयिष्यसि | पत्यूलयिष्यथः | पत्यूलयिष्यथ |
| पत्यूलयिष्यामि | पत्यूलयिष्यावः | पत्यूलयिष्यामः |
| क्रि० अपत्यूलयिष्यत् | अपत्यूलयिष्यताम् | अपत्यूलयिष्यन् |
| अपत्यूलयिष्यः | अपत्यूलयिष्यतम् | अपत्यूलयिष्यत |
| अपत्यूलयिष्यम् | अपत्यूलयिष्याव | अपत्यूलयिष्याम |

| | | |
|----------------------|-------------------|-------------------|
| व० पत्यूलयते | पत्यूलयते | पत्यूलयन्ते |
| पत्यूलयसे | पत्यूलयथे | पत्यूलयध्वे |
| पत्यूलये | पत्यूलयावहे | पत्यूलयामहे |
| स० पत्यूलयेत | पत्यूलयेयाताम् | पत्यूलयेरन् |
| पत्यूलयेथाः | पत्यूलयेयाथाम् | पत्यूलयेध्वम् |
| पत्यूलयेय | पत्यूलयेवहि | पत्यूलयेमहि |
| प० पत्यूलयताम् | पत्यूलयेताम् | पत्यूलयन्ताम् |
| पत्यूलयस्व | पत्यूलयेथाम् | पत्यूलयध्वम् |
| पत्यूलये | पत्यूलयावहे | पत्यूलयामहे |
| ह्य० अपत्यूलयत | अपत्यूलयेताम् | अपत्यूलयन्त |
| अपत्यूलयथाः | अपत्यूलयेथाम् | अपत्यूलयध्वम् |
| अपत्यूलये | अपत्यूलयेवहि | अपत्यूलयामहि |
| अ० अपपत्यूलत | अपपत्यूलेताम् | अपपत्यूलन्त |
| अपपत्यूलथाः | अपपत्यूलेथाम् | अपपत्यूलध्वम् |
| अपपत्यूले | अपपत्यूलावहि | अपपत्यूलामहि |
| प० पत्यूलयाञ्चके | पत्यूलयाञ्चक्राते | पत्यूलयाञ्चकिरे |
| पत्यूलयाञ्चकृषे | पत्यूलयाञ्चक्राथे | पत्यूलयाञ्चकृद्वे |
| पत्यूलयाञ्चके | पत्यूलयाञ्चकृवहे | पत्यूलयाञ्चकृमहे |
| पत्यूलयाञ्चभूव | पत्यूलयामास | |
| आ० पत्यूलयिषीष्ट | पत्यूलयिषीयस्ताम् | पत्यूलयिषीरन् |
| पत्यूलयिषीष्ठाः | पत्यूलयिषीयस्थाम् | पत्यूलयिषीध्वम् |
| पत्यूलयिषीय | पत्यूलयिषीवहि | पत्यूलयिषीमहि |
| श्व० पत्यूलयिता | पत्यूलयितारौ | पत्यूलयितारः |
| पत्यूलयितासे | पत्यूलयितासाथे | पत्यूलयिताध्वे |
| पत्यूलयिताहे | पत्यूलयितास्वहे | पत्यूलयितास्महे |
| भ० पत्यूलयिष्यते | पत्यूलयिष्येते | पत्यूलयिष्यन्ते |
| पत्यूलयिष्यसे | पत्यूलयिष्येथे | पत्यूलयिष्यध्वे |
| पत्यूलयिष्ये | पत्यूलयिष्येवहे | पत्यूलयिष्यामहे |
| क्रि० अपत्यूलयिष्यत् | अपत्यूलयिष्येताम् | अपत्यूलयिष्यन्त |
| अपत्यूलयिष्यथाः | अपत्यूलयिष्येथाम् | अपत्यूलयिष्यध्वम् |
| अपत्यूलयिष्ये | अपत्यूलयिष्येवहि | अपत्यूलयिष्यामहि |

1914 अंशण् (अंश्) समाधाते ।

| | | |
|------------------|---------------|--------------|
| ब० अंशयति | अंशयतः | अंशयन्ति |
| अंशयसि | अंशयथः | अंशयथ |
| अंशयामि | अंशयावः | अंशयामः |
| स० अंशयेत् | अंशयेताम् | अंशयेयुः |
| अंशयेः | अंशयेतम् | अंशयेत |
| अंशयेयम् | अंशयेव | अंशयेम |
| प० अंशयतु | अंशयतात् | अंशयन्तु |
| अंशय | अंशयतात् | अंशयतम् |
| अंशयानि | अंशयाव | अंशयाम |
| ह्य० आंशयत् | आंशयताम् | आंशयन् |
| आंशयः | आंशयतम् | आंशयत |
| आंशयम् | आंशयाव | आंशयाम |
| अ० आंशिशत् | आंशिशताम् | आंशिशन् |
| आंशिशः | आंशिशतम् | आंशिशत |
| आंशिशम् | आंशिशाव | आंशिशाम |
| ष० अंशयाञ्चकार | अंशयाञ्चक्रुः | अंशयाञ्चकुः |
| अंशयाञ्चकथं | अंशयाञ्चकथुः | अंशयाञ्चक |
| अंशयाञ्चकार-चकर | अंशयाञ्चकृव | अंशयाञ्चकृम |
| अंशयाञ्चभूव | । | अंशयामास |
| आ० अंश्यात् | अंश्यास्ताम् | अंश्यासुः |
| अंश्याः | अंश्यास्तम् | अंश्यास्त |
| अंश्यासम् | अंश्यास्व | अंश्यास्म |
| श्च० अंशयिता | अंशयितारौ | अंशयितारः |
| अंशयितासि | अंशयितास्थः | अंशयितास्थ |
| अंशयितास्मि | अंशयितास्वः | अंशयितास्मः |
| भ० अंशयिष्यति | अंशयिष्यतः | अंशयिष्यन्ति |
| अंशयिष्यसि | अंशयिष्यथः | अंशयिष्यथ |
| अंशयिष्यामि | अंशयिष्यावः | अंशयिष्यामः |
| क्रि० आंशयिष्यत् | आंशयिष्यताम् | आंशयिष्यन् |
| आंशयिष्यः | आंशयिष्यतम् | आंशयिष्यत |
| आंशयिष्यम् | आंशयिष्याव | आंशयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ब० अंशयते | अंशयेते | अंशयन्ते |
| अंशयसे | अंशयेथे | अंशयन्थे |
| अंशये | अंशयावहे | अंशयामहे |
| स० अंशयेत | अंशयेयाताम् | अंशयेरन् |
| अंशयेथाः | अंशयेयाथाम् | अंशयेष्वम् |
| अंशयेथ | अंशयेवहि | अंशयेमहि |
| प० अंशयताम् | अंशयेताम् | अंशयन्ताम् |
| अंशयस्व | अंशयेथाम् | अंशयेष्वम् |
| अंशये | अंशयावहे | अंशयामहे |
| ह्य० आंशयत् | आंशयेताम् | आंशयन्त |
| आंशयथाः | आंशयेथाम् | आंशयेष्वम् |
| आंशये | आंशयावहि | आंशयामहि |
| अ० आंशिशत | आंशिशेताम् | आंशिशन्त |
| आंशिशथाः | आंशिशेथाम् | आंशिशेष्वम् |
| आंशिशे | आंशिशावहि | आंशिशामहि |
| प० अंशयाञ्चके | अंशयाञ्चक्राते | अंशयाञ्च |
| अंशयाञ्चकृषे | अंशयाञ्चक्राये | अंशयाञ्चकृः |
| अंशयाञ्चके | अंशयाञ्चकृवहे | अंशयाञ्चकृमहे |
| अंशयाञ्चभूव | । | अंशयामास |
| आ० अंशयिषीष्ट | अंशयिषीयास्ताम् | अंशयिषीरन् |
| अंशयिषीष्टाः | अंशयिषीयास्थाम् | अंशयिषीद्वम् |
| अंशयिषीय | अंशयिषीवहि | अंशयिषीमहि |
| श्च० अंशयिता | अंशयितारौ | अंशयितारः |
| अंशयितासे | अंशयितासाथे | अंशयिताथ्वे |
| अंशयिताहे | अंशयितास्वहे | अंशयितास्महे |
| भ० अंशयिष्यते | अंशयिष्येते | अंशयिष्यन्ते |
| अंशयिष्यसे | अंशयिष्येथे | अंशयिष्यन्थे |
| अंशयिष्ये | अंशयिष्यावहे | अंशयिष्यामहे |
| क्रि० आंशयिष्यत् | आंशयिष्येताम् | आंशयिष्यन्त |
| आंशयिष्यथाः | आंशयिष्येथाम् | आंशयिष्येष्वम् |
| आंशयिष्ये | आंशयिष्यावहि | आंशयिष्यामहि |

1919 पषण् (पष्) अनुपसर्गः ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|--------------|
| ब० | पषयति | पषयतः | पषयन्ति |
| | पषयसि | पषयथः | पषयथ |
| | पषयामि | पषयावः | पषयामः |
| स० | पषयेत् | पषयेताम् | पषयेयुः |
| | पषयेः | पषयेतम् | पषयेत |
| | पषयेयम् | पषयेव | पषयेम |
| प० | पषयतु | पषयतात् | पषयन्तु |
| | पषय | पषयतात् | पषयतम् |
| | पषयाणि | पषयाव | पषयाम |
| ह्य० | अपषयत् | अपषयताम् | अपषयन् |
| | अपषयः | अपषयतम् | अपषयत |
| | अपषयम् | अपषयाव | अपषयाम |
| अ० | अपपषत् | अपपषताम् | अपपषन् |
| | अपपषः | अपपषतम् | अपपषत |
| | अपपषम् | अपपषाव | अपपषाम |
| प० | पषयाञ्चकार | पषयाञ्चक्रुः | पषयाञ्चक्रुः |
| | पषयाञ्चकथं | पषयाञ्चकथुः | पषयाञ्चक |
| | पषयाञ्चकार-चकर | पषयाञ्चकृव | पषयाञ्चकृम |
| | पषयाम्बभूव | । | पषयामास |
| आ० | पष्यात् | पष्यास्ताम् | पष्यासुः |
| | पष्याः | पष्यास्तम् | पष्यास्त |
| | पष्यासम् | पष्यास्व | पष्यास्म |
| श्व० | पषयिता | पषयितारौ | पषयितारः |
| | पषयितासि | पषयितास्थः | पषयितास्थ |
| | पषयितास्मि | पषयितास्वः | पषयितास्मः |
| भ० | पषयिष्यति | पषयिष्यतः | पषयिष्यन्ति |
| | पषयिष्यसि | पषयिष्यथः | पषयिष्यथ |
| | पषयिष्यामि | पषयिष्यावः | पषयिष्यामः |
| क्रि० | अपषयिष्यत् | अपषयिष्यताम् | अपषयिष्यन् |
| | अपषयिष्यः | अपषयिष्यतम् | अपषयिष्यत |
| | अपषयिष्यम् | अपषयिष्याव | अपषयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| ब० | पषयते | पषयेते | पषयन्ते |
| | पषयसे | पषयेथे | पषयन्थे |
| | पषये | पषयावहे | पषयामहे |
| स० | पषयेत | पषयेयाताम् | पषयेरन् |
| | पषयेथाः | पषयेयाथाम् | पषयेष्वम् |
| | पषयेय | पषयेवहि | पषयेमहि |
| प० | पषयताम् | पषयेताम् | पषयन्ताम् |
| | पषयस्व | पषयेथाम् | पषयध्वम् |
| | पषये | पषयावहे | पषयामहे |
| ह्य० | अपषयत | अपषयेताम् | अपषयन्त |
| | अपषयथाः | अपषयेथाम् | अपषयध्वम् |
| | अपषये | अपषयावहि | अपषयामहि |
| अ० | अपपषत | अपपषेताम् | अपपषन्त |
| | अपपषथाः | अपपषेथाम् | अपपषध्वम् |
| | अपपषे | अपपषावहि | अपपषामहि |
| प० | पषयाञ्चके | पषयाञ्चकाते | पषयाञ्चकिरे |
| | पषयाञ्चकृषे | पषयाञ्चकाथे | पषयाञ्चकृद्वे |
| | पषयाञ्चके | पषयाञ्चकृवहे | पषयाञ्चकृमहे |
| | पषयाम्बभूव | । | पषयामास |
| आ० | पषयिषीष्ट | पषयिषीयास्ताम् | पषयिषीरन् |
| | पषयिषीष्टाः | पषयिषीयास्थाम् | पषयिषीद्वम् |
| | | | च्वम् |
| | पषयिषीय | पषयिषीवहि | पषयिषीमहि |
| श्व० | पषयिता | पषयितारौ | पषयितारः |
| | पषयितासे | पषयितासाथे | पषयिताध्वे |
| | पषयिताहे | पषयितास्वहे | पषयितास्महे |
| भ० | पषयिष्यते | पषयिष्येते | पषयिष्यन्ते |
| | पषयिष्यसे | पषयिष्येथे | पषयिष्यध्वे |
| | पषयिष्ये | पषयिष्यावहे | पषयिष्यामहे |
| क्रि० | अपषयिष्यत | अपषयिष्येताम् | अपषयिष्यन्त |
| | अपषयिष्यथाः | अपषयिष्येथाम् | अपषयिष्यध्वम् |
| | अपषयिष्ये | अपषयिष्यावहि | अपषयिष्यामहि |

1920 गवेषण् (गवेष्) मार्गणे ।

| | | |
|--------------------|----------------|----------------|
| ब० गवेषयति | गवेषयतः | गवेषयन्ति |
| गवेषयसि | गवेषयथः | गवेषयथ |
| गवेषयामि | गवेगथावः | गवेषयामः |
| स० गवेषयेत् | गवेषयेताम् | गवेषयेयुः |
| गवेषयेः | गवेषयेतम् | गवेषयेत |
| गवेषयेयम् | गवेषयेव | गवेषयेम |
| प० गवेषयतु | गवेषयतात् | गवेषयताम् |
| गवेषय | गवेषयतात् | गवेषयतम् |
| गवेषयानि | गवेषयाव | गवेषयाम |
| ह्य० अगवेषयत् | अगवेषयताम् | अगवेषयन् |
| अगवेषयः | अगवेषयतम् | अगवेषयत |
| अगवेषयम् | अगवेषयाव | अगवेषयाम |
| अ० अजगवेषत् | अजगवेषताम् | अजगवेषन् |
| अजगवेषः | अजगवेषतम् | अजगवेषत |
| अजगवेषम् | अजगवेषाव | अजगवेषाम |
| प० गवेषयाश्चकार | गवेषयाश्चक्रुः | गवेषयाश्चक्रुः |
| गवेषयाश्चकर्षे | गवेषयाश्चक्रुः | गवेषयाश्चक्रुः |
| गवेषयाश्चकार-चक्र | गवेषयाश्चक्रुष | गवेषयाश्चक्रुम |
| गवेषयाम्बभूव | । | गवेषयामास |
| आ० गवेष्यात् | गवेष्यास्ताम् | गवेष्यासुः |
| गवेष्याः | गवेष्यास्तम् | गवेष्यास्त |
| गवेष्यासम् | गवेष्यास्त्र | गवेष्यास्म |
| थ० गवेषयिता | गवेषयितारो | गवेषयितारः |
| गवेषयितासि | गवेषयितास्थः | गवेषयितास्थ |
| गवेषयितारिम | गवेषयितास्वः | गवेषयितास्मः |
| भ० गवेषयिष्यति | गवेषयिष्यतः | गवेषयिष्यन्ति |
| गवेषयिष्यसि | गवेषयिष्यथः | गवेषयिष्यथ |
| गवेषयिष्यामि | गवेषयिष्यावः | गवेषयिष्यामः |
| क्रि० अगवेषयिष्यत् | अगवेषयिष्यताम् | अगवेषयिष्यन् |
| अगवेषयिष्यः | अगवेषयिष्यतम् | अगवेषयिष्यत |
| अगवेषयिष्यम् | अगवेषयिष्यव | अगवेषयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|------------------|
| ब० गवेषयते | गवेषयेते | गवेषयन्ते |
| गवेषयसे | गवेषयेथे | गवेषयन्थे |
| गवेषये | गवेषयावहे | गवेषयामहे |
| स० गवेषयेत | गवेषयेयाताम् | गवेषयेरन् |
| गवेषयेथाः | गवेषयेयाथाम् | गवेषयेथाम् |
| गवेषयेथ | गवेषयेवहि | गवेषयेमहि |
| प० गवेषयताम् | गवेषयेताम् | गवेषयन्ताम् |
| गवेषयस्त्र | गवेषयेथाम् | गवेषयन्थम् |
| गवेषयै | गवेषयावहे | गवेषयामहे |
| ह्य० अगवेषयत | अगवेषयेताम् | अगवेषयन्त |
| अगवेषयथाः | अगवेषयेथाम् | अगवेषयन्थम् |
| अगवेषये | अगवेषयावहि | अगवेषयामहि |
| अ० अजगवेषत | अजगवेषेताम् | अजगवेषन्त |
| अजगवेषथाः | अजगवेषेथाम् | अजगवेषन्थम् |
| अजगवेषे | अजगवेषावहि | अजगवेषामहि |
| प० गवेषयाश्चक्रे | गवेषयाश्चक्राते | गवेषयाश्चक्रिरे |
| गवेषयाश्चकृषे | गवेषयाश्चक्राथे | गवेषयाश्चक्रुषे |
| गवेषयाश्चक्रे | गवेषयाश्चक्रुवहे | गवेषयाश्चक्रुमहे |
| गवेषयाम्बभूव | । | गवेषयामास |
| आ० गवेषयिषीष्ट | गवेषयिषीयास्ताम् | गवेषयिषीरन् |
| गवेषयिषीष्ठाः | गवेषयिषीयास्थाम् | गवेषयिषीद्वम् |
| गवेषयिषीय | गवेषयिषीवहि | गवेषयिषीमहि |
| थ० गवेषयिता | गवेषयितारो | गवेषयितारः |
| गवेषयितासे | गवेषयितासाथे | गवेषयिताध्वे |
| गवेषयिताहे | गवेषयितास्वहे | गवेषयितास्महे |
| भ० गवेषयिष्यते | गवेषयिष्येते | गवेषयिष्यन्ते |
| गवेषयिष्यसे | गवेषयिष्येथे | गवेषयिष्यन्थे |
| गवेषयिष्ये | गवेषयिष्यवहे | गवेषयिष्यामहे |
| क्रि० अगवेषयिष्यत | अगवेषयिष्येताम् | अगवेषयिष्यन्त |
| अगवेषयिष्यथाः | अगवेषयिष्येथाम् | अगवेषयिष्यन्थम् |
| अगवेषयिष्ये | अगवेषयिष्यावहि | अगवेषयिष्यामहि |

1921 मृषण् (मृष्) क्षान्तौ ।

| | | | |
|-----|------------------|----------------|---------------|
| ब० | मृषयति | मृषयतः | मृषयन्ति |
| | मृषयसि | मृषयथः | मृषयथ |
| | मृषयामि | मृषयावः | मृषयामः |
| स० | मृषयेत् | मृषयेताम् | मृषयेयुः |
| | मृषयेः | मृषयेतम् | मृषयेत |
| | मृषयेयम् | मृषयेव | मृषयेम |
| प० | मृषयतु | मृषयतात् | मृषयन्तु |
| | मृषय | मृषयतात् | मृषयतम् |
| | मृषयाणि | मृषयाव | मृषयाम |
| झ० | अमृषयत् | अमृषयताम् | अमृषयन् |
| | अमृषयः | अमृषयतम् | अमृषयत |
| | अमृषयम् | अमृषयाव | अमृषयाम |
| ञ० | अममृषत् | अममृषताम् | अममृषन् |
| | अममृषः | अममृषतम् | अममृषत |
| | अममृषम् | अममृषाव | अममृषाम |
| ष० | मृषयाञ्चकार | मृषयाञ्चक्रतुः | मृषयाञ्चक्रुः |
| | मृषयाञ्चकथं | मृषयाञ्चक्रथुः | मृषयाञ्चक्र |
| | मृषयाञ्चकार-चक्र | मृषयाञ्चक्रव | मृषयाञ्चक्रम |
| | मृषयाम्बभूव | । | मृषयामास |
| आ० | मृष्यात् | मृष्यास्ताम् | मृष्यासुः |
| | मृष्याः | मृष्यास्तम् | मृष्यास्त |
| | मृष्यासम् | मृष्यास्व | मृष्यास्म |
| इ० | मृषयिता | मृषयितारौ | मृषयितारः |
| | मृषयितासि | मृषयितास्यः | मृषयितास्थ |
| | मृषयितास्मि | मृषयितास्वः | मृषयितास्मः |
| अ० | मृषयिष्यति | मृषयिष्यतः | मृषयिष्यन्ति |
| | मृषयिष्यसि | मृषयिष्यथः | मृषयिष्यथ |
| | मृषयिष्यामि | मृषयिष्यावः | मृषयिष्यामः |
| कि० | अमृषयिष्यत् | अमृषयिष्यताम् | अमृषयिष्यन् |
| | अमृषयिष्यः | अमृषयिष्यतम् | अमृषयिष्यत |
| | अमृषयिष्यम् | अमृषयिष्याव | अमृषयिष्याम |

| | | | |
|-----|--------------|-----------------|----------------|
| व० | मृषयते | मृषयेते | मृषयन्ते |
| | मृषयसे | मृषयेथे | मृषयध्वे |
| | मृषये | मृषयावहे | मृषयामहे |
| स० | मृषयेत् | मृषयेयाताम् | मृषयेरन् |
| | मृषयेथाः | मृषयेयाथाम् | मृषयेध्वम् |
| | मृषयेय | मृषयेवहि | मृषयेमहि |
| प० | मृषयताम् | मृषयेताम् | मृषयन्ताम् |
| | मृषयस्व | मृषयेथाम् | मृषयध्वम् |
| | मृषये | मृषयावहे | मृषयामहे |
| झ० | अमृषयत | अमृषयेताम् | अमृषयन्त |
| | अमृषयथाः | अमृषयेथाम् | अमृषयध्वम् |
| | अमृषये | अमृषयावहि | अमृषयामहि |
| ञ० | अममृषत | अममृषेताम् | अममृषन्त |
| | अममृषथाः | अममृषेथाम् | अममृषध्वम् |
| | अममृषे | अममृषावहि | अममृषामहि |
| ष० | मृषयाञ्चक्रे | मृषयाञ्चक्राते | मृषयाञ्चक्रिरे |
| | मृषयाञ्चकृषे | मृषयाञ्चक्राथे | मृषयाञ्चकृद्वे |
| | मृषयाञ्चक्रे | मृषयाञ्चकृवहे | मृषयाञ्चक्रमहे |
| | मृषयाम्बभूव | । | मृषयामास |
| आ० | मृषयिषीष्ट | मृषयिषीयास्ताम् | मृषयिषीरन् |
| | मृषयिषीष्टाः | मृषयिषीयास्थाम् | मृषयिषीध्वम् |
| | मृषयिषीय | मृषयिषीवहि | मृषयिषीमहि |
| इ० | मृषयिता | मृषयितारौ | मृषयितारः |
| | मृषयितासे | मृषयितासाथे | मृषयिताध्वे |
| | मृषयिताहे | मृषयितास्वहे | मृषयितास्महे |
| अ० | मृषयिष्यते | मृषयिष्येते | मृषयिष्यन्ते |
| | मृषयिष्यसे | मृषयिष्येथे | मृषयिष्यध्वे |
| | मृषयिष्ये | मृषयिष्यावहे | मृषयिष्यामहे |
| कि० | अमृषयिष्यत | अमृषयिष्येताम् | अमृषयिष्यन्त |
| | अमृषयिष्यथाः | अमृषयिष्येथाम् | अमृषयिष्यध्वम् |
| | अमृषयिष्ये | अमृषयिष्यावहि | अमृषयिष्यामहि |

1922 रसण् (रस्) आस्वादनस्नेहनयोः ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| ब० | रसयति | रसयतः | रसयन्ति |
| | रसयसि | रसयथः | रसयथ |
| | रसयामि | रसयावः | रसयामः |
| स० | रसयेत् | रसयेताम् | रसयेयुः |
| | रसयेः | रसयेतम् | रसयेत |
| | रसयेयम् | रसयेव | रसयेम |
| प० | रसयतु | रसयतात् | रसयन्तु |
| | रसय | रसयतात् | रसयत |
| | रसयाणि | रसयाव | रसगाम |
| ह्य० | अरसयत् | अरसयताम् | अरसयन् |
| | अरसयः | अरसयतम् | अरसयत |
| | अरसयम् | अरसयाव | अरसयाम |
| अ० | अररसत् | अररसताम् | अररसन् |
| | अररसः | अररसतम् | अररसत |
| | अररसम् | अररसाव | अररसाम |
| प० | रसयाञ्चकार | रसयाञ्चक्रुः | रसयाञ्चकुः |
| | रसयाञ्चक्य | रसयाञ्चक्युः | रसयाञ्चक |
| | रसयाञ्चकार-चकर | रसयाञ्चकृव | रसयाञ्चकृम |
| | रसयाम्बभूव | । | रसयामास |
| भा० | रस्यात् | रस्यास्ताम् | रस्यासुः |
| | रस्याः | रस्यास्तम् | रस्यास्त |
| | रस्यासम् | रस्यास्व | रस्यास्म |
| श्व० | रसयिता | रसयितारौ | रसयितारः |
| | रसयितासि | रसयितास्थः | रसयितास्थ |
| | रसयितास्मि | रसयितास्वः | रसयितास्मः |
| भ० | रसयिष्यति | रसयिष्यतः | रसयिष्यन्ति |
| | रसयिष्यसि | रसयिष्यथः | रसयिष्यथ |
| | रसयिष्यामि | रसयिष्यावः | रसयिष्यामः |
| क्रि० | अरसयिष्यत् | अरसयिष्यताम् | अरसयिष्यन् |
| | अरसयिष्यः | अरसयिष्यतम् | अरसयिष्यत |
| | अरसयिष्यम् | अरसयिष्याव | अरसयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | रसयते | रसयेते | रसयन्ते |
| | रसयसे | रसयेथे | रसयन्वे |
| | रसयं | रसयावहे | रसयामहे |
| स० | रसयेत | रसयेयाताम् | रसयेरन् |
| | रसयेथाः | रसयेयाथाम् | रसयेष्वम् |
| | रसयेय | रसयेवहि | रसयेमहि |
| प० | रसयताम् | रसयेताम् | रसयन्ताम् |
| | रमयस्व | रसयेथाम् | रसयध्वम् |
| | रसयै | रसयावहे | रसयामहे |
| ह्य० | अरसयत | अरसयेताम् | अरसयन्त |
| | अरसयथाः | अरसयेथाम् | अरसयध्वम् |
| | अरसये | अरसयावहि | अरसयामहि |
| अ० | अररसत | अररसेताम् | अररसन्त |
| | अररसथाः | अररसेथाम् | अररसध्वम् |
| | अररसे | अररसावहि | अररसामहि |
| प० | रसयाञ्चक्रे | रसयाञ्चक्रते | रसयाञ्चक्रिरे |
| | रसयाञ्चकृषे | रसयाञ्चक्राथे | रसयाञ्चकृद्वे |
| | रसयाञ्चक्रे | रसयाञ्चकृवहे | रसयाञ्चकृमहे |
| | रसयाम्बभूव | । | रसयामास |
| भा० | रसयिषीष्ट | रसयिषीयास्ताम् | रसयिषीरन् |
| | रसयिषीष्ठाः | रसयिषीयास्थाम् | रसयिषीद्वम् |
| | रसयिषीय | रसयिषीवहि | रसयिषीमहि |
| श्व० | रसयिता | रसयितारौ | रसयितारः |
| | रसयितासे | रसयितासाथे | रसयिताष्वे |
| | रसयिताहे | रसयितास्वहे | रसयितास्महे |
| भ० | रसयिष्यते | रसयिष्येते | रसयिष्यन्ते |
| | रसयिष्यसे | रसयिष्येथे | रसयिष्यन्वे |
| | रसयिष्ये | रसयिष्यावहे | रसयिष्यामहे |
| क्रि० | अरसयिष्यत् | अरसयिष्येताम् | अरसयिष्यन्त |
| | अरसयिष्यथाः | अरसयिष्येथाम् | अरसयिष्यध्वम् |
| | अरसयिष्ये | अरसयिष्यावहि | अरसयिष्यामहि |

1923 वासण् (वास्) उपसेवायाम् ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वासयति | वासयतः | वासयन्ति |
| वासयसि | वासयथः | वासयथ |
| वासयामि | वासथावः | वासयामः |
| स० वासयेत् | वासयेताम् | वासयेयुः |
| वासयेः | वासयेतम् | वासयेत |
| वासयेयम् | वासयेव | वासयेम |
| प० वासयतु | वासयतात् | वासयताम् |
| वासय | वासयतात् | वासयतम् |
| वासयानि | वासयाव | वासयाम |
| प्र० अवासयत् | अवासयताम् | अवासयन् |
| अवासयः | अवासयतम् | अवासयत |
| अवासयम् | अवासयाव | अवासयाम |
| अ० अववासत् | अववासताम् | अववासन् |
| अववासः | अववासतम् | अववासत |
| अववासम् | अववासाव | अववासाम |
| प० वासयाञ्चकार | वासयाञ्चक्रुः | वासयाञ्चकुः |
| वासयाञ्चकथं | वासयाञ्चक्रुः | वासयाञ्चक |
| वासयाञ्चकार-चकर | वासयाञ्चक्रुव | वासयाञ्चक्रम |
| वासयाञ्चभूव | वासयाञ्चभूव | वासयाञ्चभूव |
| आ० वास्यात् | वास्यास्ताम् | वास्यासुः |
| वास्याः | वास्यास्तम् | वास्यास्त |
| वास्यासम् | वास्यास्व | वास्यास्म |
| श्व० वासयिता | वासयितारौ | वासयितारः |
| वासयितासि | वासयितास्थः | वासयितास्थ |
| वासयितास्मि | वासयितास्वः | वासयितास्मः |
| भ० वासयिष्यति | वासयिष्यतः | वासयिष्यन्ति |
| वासयिष्यसि | वासयिष्यथः | वासयिष्यथ |
| नामयिष्यामि | वासयिष्यावः | वासयिष्यामः |
| क्रि० अवासयिष्यत् | अवासयिष्यताम् | अवासयिष्यन् |
| अवासयिष्यः | अवासयिष्यतम् | अवासयिष्यत |
| अवासयिष्यम् | अवासयिष्याव | अवासयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० वासयते | वासयते | वासयन्ते |
| वासयसे | वासयेथे | वासयध्वे |
| वासये | वासयावहे | वासयामहे |
| स० वासयेत | वासयेयाताम् | वासयेरन् |
| वासयेथाः | वासयेथायाम् | वासयेष्वम् |
| वासयेथ | वासयेवहि | वासयेमहि |
| प० वासयताम् | वासयेताम् | वासयन्ताम् |
| वासयस्व | वासयेथाम् | वासयध्वम् |
| वासयै | वासयावहे | वासयामहे |
| ह्य० अवासयत | अवासयेताम् | अवासयन्त |
| अवासयथाः | अवासयेथाम् | अवासयध्वम् |
| अवासये | अवासयावहि | अवासयामहि |
| अ० अववासत | अववासेताम् | अववासन्त |
| अववासथाः | अववासेथाम् | अववासध्वम् |
| अववासे | अववासावहि | अववासामहि |
| प० वासयाञ्चके | वासयाञ्चक्राते | वासयाञ्चक्रिरे |
| वासयाञ्चकृषे | वासयाञ्चक्राथे | वासयाञ्चकृद्वे |
| वासयाञ्चक्रे | वासयाञ्चकृवहे | वासयाञ्चकृमहे |
| वासयाञ्चभूव | वासयाञ्चभूव | वासयाञ्चभूव |
| आ० वासयिषीष्ट | वासयिषीयास्ताम् | वासयिषीरन् |
| वासयिषीष्टाः | वासयिषीयास्थाम् | वासयिषीद्वम् |
| वासयिषीय | वासयिषीवहि | वासयिषीमहि |
| श्व० वासयिता | वासयितारौ | वासयितारः |
| वासयितासे | वासयितासाथे | वासयिताध्वे |
| वासयिताहे | वासयितास्वहे | वासयितास्महे |
| भ० वासयिष्यते | वासयिष्येते | वासयिष्यन्ते |
| वासयिष्यसे | वासयिष्येथे | वासयिष्यध्वे |
| वासयिष्ये | वासयिष्यावहे | वासयिष्यामहे |
| क्रि० अवासयिष्यत | अवासयिष्येताम् | अवासयिष्यन्त |
| अवासयिष्यथाः | अवासयिष्येथाम् | अवासयिष्यध्वम् |
| अवासयिष्ये | अवासयिष्यावहि | अवासयिष्यामहि |

1924 निवासण् (निवास) आच्छादने ।

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| ब० निवासयति | निवासयतः | निवासयन्ति |
| निवासयसि | निवासयथः | निवासयथ |
| निवासयामि | निवासयावः | निवासयामः |
| स० निवासयेत् | निवासयेताम् | निवासयेयुः |
| निवासयेः | निवासयेतम् | निवासयेत |
| निवासयेयम् | निवासयेव | निवासयेम |
| प० निवासयतु | निवासयतात् | निवासयताम् |
| निवासय | निवासयतात् | निवासयतम् |
| निवासयानि | निवासयाव | निवासयाम |
| ह० अनिवासयत् | अनिवासयताम् | अनिवासयन् |
| अनिवासयः | अनिवासयतम् | अनिवासयत |
| अनिवासयम् | अनिवासयाव | अनिवासयाम |
| अ० अनिनिवासत् | अनिनिवासताम् | अनिनिवासन् |
| अनिनिवासः | अनिनिवासतम् | अनिनिवासत |
| अनिनिवासम् | अनिनिवासाव | अनिनिवासाम |
| प० निवासयाञ्चकार | निवासयाञ्चक्रतुः | निवासयाञ्चक्रुः |
| निवासयाञ्चकथं | निवासयाञ्चक्रथुः | निवासयाञ्चक्र |
| निवासयाञ्चकार-चकर | निवासयाञ्चकृव | निवासयाञ्चकृम |
| निवासयाम्बभूव | । | निवासयामास |
| आ० निवास्यात् | निवास्यास्ताम् | निवास्यासुः |
| निवास्याः | निवास्यास्तम् | निवास्यास्त |
| निवास्यासम् | निवास्यास्व | निवास्यास्म |
| श्व० निवासयिता | निवासयितारौ | निवासयितारः |
| निवासयितासि | निवासयितास्थः | निवासयितास्थ |
| निवासयितास्मि | निवासयितास्वः | निवासयितास्मः |
| भ० निवासयिष्यति | निवासयिष्यतः | निवासयिष्यन्ति |
| निवासयिष्यसि | निवासयिष्यथः | निवासयिष्यथ |
| निवासयिष्यामि | निवासयिष्यावः | निवासयिष्यामः |
| क्रि० अनिवासयिष्यत् | अनिवासयिष्यताम् | अनिवासयिष्यन् |
| अनिवासयिष्यः | अनिवासयिष्यतम् | अनिवासयिष्यत |
| अनिवासयिष्यम् | अनिवासयिष्याव | अनिवासयिष्याम |

| | | |
|---------------------|---------------------|-------------------|
| व० निवासयते | निवासयते | निवासयन्ते |
| निवासयसे | निवासयसे | निवासयसे |
| निवासये | निवासयावहे | निवासयामहे |
| स० निवासयेत | निवासयेयाताम् | निवासयेरन् |
| निवासयेथाः | निवासयेयाथाम् | निवासयेध्वम् |
| निवासयेय | निवासयेवहि | निवासयेमहि |
| प० निवासयताम् | निवासयेताम् | निवासयन्ताम् |
| निवासयस्व | निवासयेथाम् | निवासयध्वम् |
| निवासये | निवासयावहे | निवासयामहे |
| ह्य० अनिवासयत | अनिवासयेताम् | अनिवासयन्त |
| अनिवासयथाः | अनिवासयेथाम् | अनिवासयध्वम् |
| अनिवासये | अनिवासयावहि | अनिवा । यामहि |
| अ० अनिनिवासत | अनिनिवासेताम् | अनिनिवासन्त |
| अनिनिवासाथाः | अनिनिवासेथाम् | अनिनिवासाध्वम् |
| अनिनिवासे | अनिनिवासावहि | अनिनिवासामहि |
| प० निवासयाञ्चक्रे | निवासयाञ्चक्राते | निवासयाञ्चकिरे |
| निवासयाञ्चकृषे | निवासयाञ्चक्राथे | निवासयाञ्चकृत्वे |
| निवासयाञ्चके | निवासयाञ्चकृवहे | निवासयाञ्चकृमहे |
| निवासयाम्बभूव | । | निवासयामास |
| आ० निवासयिषीष्ट | निवासयिषीष्टास्ताम् | निवासयिषीरन् |
| निवामयिषीष्टाः | निवासयिषीष्टास्थाम् | निवासयिषीष्टध्वम् |
| निवासयिषीय | निवासयिषीवहि | निवासयिषीमहि |
| श्व० निवासयिता | निवासयितारौ | निवासयितारः |
| निवासयितासे | निवासयितासाथे | निवासयिताध्वे |
| निवासयिताहे | निवासयितास्वहे | निवासयितास्महे |
| भ० निवासयिष्यते | निवासयिष्येते | निवासयिष्यन्ते |
| निवासयिष्यसे | निवासयिष्येथे | निवासयिष्यध्वे |
| निवासयिष्ये | निवासयिष्यावहे | निवासयिष्यामहे |
| क्रि० अनिवासयिष्यत् | अनिवासयिष्येताम् | अनिवासयिष्यन्त |
| अनिवासयिष्यथाः | अनिवासयिष्येथाम् | अनिवासयिष्यध्वम् |
| अनिवासयिष्ये | अनिवासयिष्यावहि | अनिवासयिष्यामहि |

1925 चहण् (चह्) कल्कने ।

| | | |
|------------------|--------------|-------------|
| व० चहयति | चहयतः | चहयन्ति |
| चहयसि | चहयथः | चहयथ |
| चहयामि | चहयावः | चहयामः |
| स० चहयेत् | चहयेताम् | चहयेयुः |
| चहयेः | चहयेतम् | चहयेत |
| चहयेयम् | चहयेव | चहयेम |
| प० चहयतु | चहयतात् | चहयताम् |
| चहय | चहयतात् | चहयतम् |
| चहयानि | चहयाव | चहयाम |
| ह्य० अचहयत् | अचहयताम् | अचहयन् |
| अचहयः | अचहयतम् | अचहयत |
| अचहयम् | अचहयाव | अचहयाम |
| अ० अचचहत् | अचचहताम् | अचचहन् |
| अचचहः | अचचहतम् | अचचहत |
| अचचहम् | अचचहाव | अचचहाम |
| प० चहयाञ्चकार | चहयाञ्चक्रुः | चहयाञ्चकुः |
| चहयाञ्चकथं | चहयाञ्चकथुः | चहयाञ्चक |
| चहयाञ्चकार-चकर | चहयाञ्चकुच | चहयाञ्चकृम |
| चहयाम्बभूव | । | चहयामास |
| आ० चह्यात् | चह्यास्ताम् | चह्यासुः |
| चह्याः | चह्यास्तम् | चह्यास्त |
| चह्यासम् | चह्यास्व | चह्यास्म |
| श्व० चहयिता | चहयितारौ | चहयितारः |
| चहयितासि | चहयितास्थः | चहयितास्थ |
| चहयितास्मि | चहयितास्वः | चहयितास्मः |
| भ० चहयिष्यति | चहयिष्यतः | चहयिष्यन्ति |
| चहयिष्यसि | चहयिष्यथः | चहयिष्यथ |
| चहयिष्यामि | चहयिष्यावः | चहयिष्यामः |
| क्रि० अचहयिष्यत् | अचहयिष्यताम् | अचहयिष्यन् |
| अचहयिष्यः | अचहयिष्यतम् | अचहयिष्यत |
| अचहयिष्यम् | अचहयिष्याव | अचहयिष्याम |

| | | |
|-----------------|----------------|---------------|
| व० चहयते | चहयेते | चहयन्ते |
| चहयसे | चहयेथे | चहयध्वे |
| चहये | चहयावहे | चहयामहे |
| स० चहयेत | चहयेयाताम् | चहयेरन् |
| चहयेथाः | चहयेयाथाम् | चहयेध्वम् |
| चहयेय | चहयेवहि | चहयेमहि |
| प० चहयताम् | चहयेताम् | चहयन्ताम् |
| चहयस्व | चहयेथाम् | चहयध्वम् |
| चहयै | चहयावहै | चहयामहै |
| ह्य० अचहयत | अचहयेताम् | अचहयन्त |
| अचहयथाः | अचहयेथाम् | अचहयध्वम् |
| अचहये | अचहयावहि | अचहयामहि |
| अ० अचचहत | अचचहेताम् | अचचहन्त |
| अचचहथाः | अचचहेथाम् | अचचहध्वम् |
| अचचहे | अचचहावहि | अचचहामहि |
| प० चहयाञ्चक्रे | चहयाञ्चक्राते | चहयाञ्चकिरे |
| चहयाञ्चकृषे | चहयाञ्चक्राथे | चहयाञ्चकृद्वे |
| चहयाञ्चक्रे | चहयाञ्चकृवहे | चहयाञ्चकृमहे |
| चहयाम्बभूव | । | चहयामास |
| आ० चहयिषीष्ट | चहयिषीयास्ताम् | चहयिषीरन् |
| चहयिषीष्टाः | चहयिषीयास्थाम् | चहयिषीद्वम् |
| चहयिषीय | चहयिषीवहि | चहयिषीमहि |
| श्व० चहयिता | चहयितारौ | चहयितारः |
| चहयितासे | चहयितासाथे | चहयिताध्वे |
| चहयिताहे | चहयितास्वहे | चहयितास्महे |
| भ० चहयिष्यते | चहयिष्येते | चहयिष्यन्ते |
| चहयिष्यसे | चहयिष्येथे | चहयिष्यध्वे |
| चहयिष्ये | चहयिष्यावहे | चहयिष्यामहे |
| क्रि० अचहयिष्यत | अचहयिष्येताम् | अचहयिष्यन्त |
| अचहयिष्यथाः | अचहयिष्येथाम् | अचहयिष्यध्वम् |
| अचहयिष्ये | अचहयिष्यावहि | अचहयिष्यामहि |

1926 महण् (मह्) पूजायाम् ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|--------------|
| व० | महयति | महयतः | महयन्ति |
| | महयसि | महयथः | महयथ |
| | महयामि | महयावः | महयामः |
| स० | महयेत् | महयेताम् | महयेयुः |
| | महयेः | महयेतम् | महयेत |
| | महयेयम् | महयेव | महयेम |
| प० | महयतु महयतात् | महयताम् | महयन्तु |
| | महय महयतात् | महयतम् | महयत |
| | महयानि | महयाव | महयाम |
| लृ० | अमहयत् | अमहयताम् | अमहयन् |
| | अमहयः | अमहयतम् | अमहयत |
| | अमहयम् | अमहयाव | अमहयाम |
| अ० | अममहत् | अममहताम् | अममहन् |
| | अममहः | अममहतम् | अममहत |
| | अममहम् | अममहाव | अममहाम |
| प० | महयाश्चकार | महयाश्चक्रुः | महयाश्चक्रुः |
| | महयाश्चकथ | महयाश्चकथुः | महयाश्चक |
| | महयाश्चकार-चकर | महयाश्चकृव | महयाश्चकृम |
| | महयाम्बभूव | महयामास | |
| आ० | मह्यात् | मह्यास्ताम् | मह्यासुः |
| | मह्याः | मह्यास्तम् | मह्यास्त |
| | मह्यासम् | मह्यास्व | मह्यास्म |
| श्र० | महयिता | महयितारौ | महयितारः |
| | महयितासि | महयितास्थः | महयितास्थ |
| | महयितास्मि | महयितास्वः | महयितास्मः |
| अ० | महयिष्यति | महयिष्यतः | महयिष्यन्ति |
| | महयिष्यसि | महयिष्यथः | महयिष्यथ |
| | महयिष्यामि | महयिष्यावः | महयिष्यामः |
| क्रि० | अमहयिष्यत् | अमहयिष्यताम् | अमहयिष्यन् |
| | अमहयिष्यः | अमहयिष्यतम् | अमहयिष्यत |
| | अमहयिष्यम् | अमहयिष्याव | अमहयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | महयते | महयेते | महयन्ते |
| | महयसे | महयेथे | महयन्वे |
| | महये | महयावहे | महयामहे |
| स० | महयेत | महयेयाताम् | महयेरन् |
| | महयेथाः | महयेयाथाम् | महयेध्वम् |
| | महयेय | महयेवहि | महयेमहि |
| प० | महयताम् | महयेताम् | महयन्ताम् |
| | महयस्व | महयेथाम् | महयध्वम् |
| | महये | महयावहै | महयामहै |
| लृ० | अमहयत | अमहयेताम् | अमहयन्त |
| | अमहयथाः | अमहयेथाम् | अमहयध्वम् |
| | अमहये | अमहयावहि | अमहयामहि |
| अ० | अममहत | अममहेताम् | अममहन्त |
| | अममहथाः | अममहेथाम् | अममहध्वम् |
| | अममहे | अममहावहि | अममहामहि |
| प० | महयाश्चक्रे | महयाश्चक्राते | महयाश्चक्रिरे |
| | महयाश्चकृषे | महयाश्चक्राथे | महयाश्चकृद्वे |
| | महयाश्चक्रे | महयाश्चकृवहे | महयाश्चकृमहे |
| | महयाम्बभूष | महयामास | |
| आ० | महयिषीष्ट | महयिषीयास्ताम् | महयिषीरन् |
| | महयिषीष्ठाः | महयिषीयास्थाम् | महयिषीद्वम् |
| | ममहयिषीय | महयिषीवहि | महयिषीमहि |
| श्र० | महयिता | महयितारौ | महयितारः |
| | महयितासे | महयितासाथे | महयिताथे |
| | महयिताहे | महयितास्वहे | महयितास्महे |
| अ० | महयिष्यते | महयिष्येते | महयिष्यन्ते |
| | महयिष्यसे | महयिष्येथे | महयिष्यन्वे |
| | महयिष्ये | महयिष्यावहे | महयिष्यामहे |
| क्रि० | अमहयिष्यत | अमहयिष्येताम् | अमहयिष्यन्त |
| | अमहयिष्यथाः | अमहयिष्येथाम् | अमहयिष्यध्वम् |
| | अमहयिष्ये | अमहयिष्यावहि | अमहयिष्यामहि |

1927 रहण् (रह्) त्यागे ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| व० | रहयति | रहयतः | रहयन्ति |
| | रहयसि | रहयथः | रहयथ |
| | रहयामि | रहयावः | रहयामः |
| स० | रहयेत् | रहयेताम् | रहयेयुः |
| | रहयेः | रहयेतम् | रहयेत |
| | रहयेयम् | रहयेव | रहयेम |
| प० | रहयतु | रहयतात् | रहयताम् |
| | रहय | रहयतात् | रहयतम् |
| | रहयाणि | रहयाव | रहयाम |
| ह्य० | अरहयत् | अरहयताम् | अरहयन् |
| | अरहयः | अरहयतम् | अरहयत |
| | अरहयम् | अरहयाव | अरहयाम |
| अ० | अरहत् | अरहताम् | अरहन् |
| | अरहः | अरहतम् | अरहत |
| | अरहम् | अरहाव | अरहाम |
| प० | रहयाञ्चकार | रहयाञ्चक्रुः | रहयाञ्चकुः |
| | रहयाञ्चकथं | रहयाञ्चकथुः | रहयाञ्चक |
| | रहयाञ्चकार-चकर | रहयाञ्चक्रव | रहयाञ्चकृम |
| | रहयाञ्चभूव | रहयामास | |
| आ० | रह्यात् | रह्यास्ताम् | रह्यासुः |
| | रह्याः | रह्यास्तम् | रह्यास्त |
| | रह्यासम् | रह्यास्व | रह्यास्म |
| श्व० | रहयिता | रहयितारौ | रहयितारः |
| | रहयितासि | रहयितास्थः | रहयितास्थ |
| | रहयितास्मि | रहयितास्वः | रहयितास्मः |
| भ० | रहयिष्यति | रहयिष्यतः | रहयिष्यन्ति |
| | रहयिष्यसि | रहयिष्यथः | रहयिष्यथ |
| | रहयिष्यामि | रहयिष्यावः | रहयिष्यामः |
| क्रि० | अरहयिष्यत् | अरहयिष्यताम् | अरहयिष्यन् |
| | अरहयिष्यः | अरहयिष्यतम् | अरहयिष्यत |
| | अरहयिष्यम् | अरहयिष्याव | अरहयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | रहयते | रहयेते | रहयन्ते |
| | रहयसे | रहयेथे | रहयध्वे |
| | रहये | रहयावहे | रहयामहे |
| स० | रहयेत | रहयेयाताम् | रहयेरन् |
| | रहयेथाः | रहयेयाथाम् | रहयेध्वम् |
| | रहयेय | रहयेवहि | रहयेमहि |
| प० | रहयताम् | रहयेताम् | रहयन्ताम् |
| | रहयस्व | रहयेथाम् | रहयध्वम् |
| | रहये | रहयावहे | रहयामहे |
| ह्य० | अरहयत | अरहयेताम् | अरहयन्त |
| | अरहयथाः | अरहयेथाम् | अरहयध्वम् |
| | अरहये | अरहयावहि | अरहयामहि |
| अ० | अरहत् | अरहेताम् | अरहन्त |
| | अरहथाः | अरहेथाम् | अरहध्वम् |
| | अरहे | अरहावहि | अरहामहि |
| प० | रहयाञ्चके | रहयाञ्चकाते | रहयाञ्चकिरे |
| | रहयाञ्चकृषे | रहयाञ्चकृषे | रहयाञ्चकृष्टे |
| | रहयाञ्चके | रहयाञ्चकृवहे | रहयाञ्चकृमहे |
| | रहयाञ्चभूव | रहयामास | |
| आ० | रहयिषीष्ट | रहयिषीयास्ताम् | रहयिषीरन् |
| | रहयिषीष्टाः | रहयिषीयास्थाम् | रहयिषीध्वम् |
| | रहयिषीय | रहयिषीवहि | रहयिषीमहि |
| श्व० | रहयिता | रहयितारौ | रहयितारः |
| | रहयितासे | रहयितासाथे | रहयिताध्वे |
| | रहयिताहे | रहयितास्वहे | रहयितास्महे |
| भ० | रहयिष्यते | रहयिष्येते | रहयिष्यन्ते |
| | रहयिष्यसे | रहयिष्येथे | रहयिष्यध्वे |
| | रहयिष्ये | रहयिष्यावहे | रहयिष्यामहे |
| क्रि० | अरहयिष्यत | अरहयिष्येताम् | अरहयिष्यन्त |
| | अरहयिष्यथाः | अरहयिष्येथाम् | अरहयिष्यध्वम् |
| | अरहयिष्ये | अरहयिष्यावहि | अरहयिष्यामहि |

मुनिश्रोलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१५०३)

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | स्पृहयते | स्पृहयेते | स्पृहयन्ते |
| | स्पृहयसे | स्पृहयेथे | स्पृहयध्वे |
| | स्पृहये | स्पृहयावहे | स्पृहयामहे |
| स० | स्पृहयेत | स्पृहयेयाताम् | स्पृहयेरन् |
| | स्पृहयेथाः | स्पृहयेयाथाम् | स्पृहयेध्वम् |
| | स्पृहयेय | स्पृहयेवहि | स्पृहयेमहि |
| प० | स्पृहयताम् | स्पृहयेताम् | स्पृहयन्ताम् |
| | स्पृहयस्व | स्पृहयेथाम् | स्पृहयध्वम् |
| | स्पृहयै | स्पृहयावहे | स्पृहयामहे |
| ह्य० | अस्पृहयत | अस्पृहयेताम् | अस्पृहयन्त |
| | अस्पृहयथाः | अस्पृहयेथाम् | अस्पृहयध्वम् |
| | अस्पृहये | अस्पृहयावहि | अस्पृहयामहि |
| अ० | अपस्पृहत | अपस्पृहेताम् | अपस्पृहन्त |
| | अपस्पृहथाः | अपस्पृहेथाम् | अपस्पृहध्वम् |
| | अपस्पृहे | अपस्पृहावहि | अपस्पृहामहि |
| प० | स्पृहयाञ्चके | स्पृहयाञ्चकाते | स्पृहयाञ्चकिरे |
| | स्पृहयाञ्चकुषे | स्पृहयाञ्चकाये | स्पृहयाञ्चकृद्वे |
| | स्पृहयाञ्चके | स्पृहयाञ्चकृवहे | स्पृहयाञ्चकृमहे |
| | स्पृहयाम्बभूव | स्पृहयामस | |
| आ० | स्पृहयिषीष्ट | स्पृहयिषीयास्ताम् | स्पृहयिषीरन् |
| | स्पृहयिषीष्टाः | स्पृहयिषीयास्थाम् | स्पृहयिषीद्वम् |
| | स्पृहयिषीय | स्पृहयिषीवहि | स्पृहयिषीमहि |
| श्व० | स्पृहयिता | स्पृहयितारौ | स्पृहयितारः |
| | स्पृहयितासे | स्पृहयितासाये | स्पृहयिताध्वे |
| | स्पृहयिताहे | स्पृहयितास्वहे | स्पृहयितामहे |
| भ० | स्पृहयिष्यते | स्पृहयिष्येते | स्पृहयिष्यन्ते |
| | स्पृहयिष्यसे | स्पृहयिष्येथे | स्पृहयिष्यध्वे |
| | स्पृहयिष्ये | स्पृहयिष्यावहे | स्पृहयिष्यामहे |
| क्रि० | अस्पृहयिष्यत | अस्पृहयिष्येताम् | अस्पृहयिष्यन्त |
| | अस्पृहयिष्यथाः | अस्पृहयिष्येथाम् | अस्पृहयिष्यध्वम् |
| | अस्पृहयिष्ये | अस्पृहयिष्यावहि | अस्पृहयिष्यामहि |

| | | | |
|-------|----------------|-------------------|------------------|
| व० | रुक्षयते | रुक्षयेते | रुक्षयन्ते |
| | रुक्षयसे | रुक्षयेथे | रुक्षयध्वे |
| | रुक्षय | रुक्षयावहे | रुक्षयामहे |
| स० | रुक्षयेत | रुक्षयेयाताम् | रुक्षयेरन् |
| | रुक्षयेथाः | रुक्षयेयाथाम् | रुक्षयेध्वम् |
| | रुक्षयेय | रुक्षयेवहि | रुक्षयेमहि |
| प० | रुक्षयताम् | रुक्षयेताम् | रुक्षयन्ताम् |
| | रुक्षयस्व | रुक्षयेथाम् | रुक्षयध्वम् |
| | रुक्षयै | रुक्षयावहे | रुक्षयामहे |
| ह्य० | अरुक्षयत | अरुक्षयेताम् | अरुक्षयन्त |
| | अरुक्षयथाः | अरुक्षयेथाम् | अरुक्षयध्वम् |
| | अरुक्षये | अरुक्षयावहि | अरुक्षयामहि |
| अ० | अरुक्षत | अरुक्षेताम् | अरुक्षन्त |
| | अरुक्षथाः | अरुक्षेथाम् | अरुक्षध्वम् |
| | अरुक्षे | अरुक्षावहि | अरुक्षामहि |
| प० | रुक्षयाञ्चके | रुक्षयाञ्चकाते | रुक्षयाञ्चकिरे |
| | रुक्षयाञ्चकुषे | रुक्षयाञ्चकाये | रुक्षयाञ्चकृद्वे |
| | रुक्षयाञ्चके | रुक्षयाञ्चकृवहे | रुक्षयाञ्चकृमहे |
| | रुक्षयाम्बभूव | रुक्षयामस | |
| आ० | रुक्षयिषीष्ट | रुक्षयिषीयास्ताम् | रुक्षयिषीरन् |
| | रुक्षयिषीष्टाः | रुक्षयिषीयास्थाम् | रुक्षयिषीद्वम् |
| | रुक्षयिषीय | रुक्षयिषीवहि | रुक्षयिषीमहि |
| श्व० | रुक्षयिता | रुक्षयितारौ | रुक्षयितारः |
| | रुक्षयितासे | रुक्षयितासाये | रुक्षयिताध्वे |
| | रुक्षयिताहे | रुक्षयितास्वहे | रुक्षयितामहे |
| भ० | रुक्षयिष्यते | रुक्षयिष्येते | रुक्षयिष्यन्ते |
| | रुक्षयिष्यसे | रुक्षयिष्येथे | रुक्षयिष्यध्वे |
| | रुक्षयिष्ये | रुक्षयिष्यावहे | रुक्षयिष्यामहे |
| क्रि० | अरुक्षयिष्यत | अरुक्षयिष्येताम् | अरुक्षयिष्यन्त |
| | अरुक्षयिष्यथाः | अरुक्षयिष्येथाम् | अरुक्षयिष्यध्वम् |
| | अरुक्षयिष्ये | अरुक्षयिष्यावहि | अरुक्षयिष्यामहि |

1929 स्पृहण् (स्पृह्) ईप्सायाम् ।

| | | | |
|-----|-------------------|----------------|---------------|
| ब० | स्पृहयति | स्पृहयतः | स्पृहयन्ति |
| | स्पृहयसि | स्पृहयथः | स्पृहयथ |
| | स्पृहयामि | स्पृहयावः | स्पृहयामः |
| ग० | स्पृहेत् | स्पृहेताम् | स्पृहेयुः |
| | स्पृहयेः | स्पृहयेतम् | स्पृहयेत |
| | स्पृहयेयम् | स्पृहयेव | स्पृहयेम |
| प० | स्पृहयतु | स्पृहयतात् | स्पृहयताम् |
| | स्पृहय | स्पृहयतात् | स्पृहयतम् |
| | स्पृहयाणि | स्पृहयाव | स्पृहयाम |
| भा० | अस्पृहयत् | अस्पृहयताम् | अस्पृहयन् |
| | अस्पृहयः | अस्पृहयतम् | अस्पृहयत |
| | अस्पृहयम् | अस्पृहयाव | अस्पृहयाम |
| भ० | अपस्पृहत् | अपस्पृहताम् | अपस्पृहन् |
| | अपस्पृहः | अपस्पृहतम् | अपस्पृहत |
| | अपस्पृहम् | अपस्पृहाव | अपस्पृहाम |
| प० | स्पृहयाञ्चकार | स्पृहयाञ्चकतुः | स्पृहयाञ्चकुः |
| | स्पृहयाञ्चकथं | स्पृहयाञ्चकथुः | स्पृहयाञ्चक |
| | स्पृहयाञ्चकार-चकर | स्पृहयाञ्चकृव | स्पृहयाञ्चकृम |
| | स्पृहयाम्बभूव | स्पृहयामास | |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|----------------|
| आ० | स्पृह्यात् | स्पृह्यास्ताम् | स्पृह्यासुः |
| | स्पृह्याः | स्पृह्यास्तम् | स्पृह्यास्त |
| | स्पृह्यासम् | स्पृह्यास्व | स्पृह्यास्म |
| श्व० | स्पृहयिता | स्पृहयितारौ | स्पृहयितारः |
| | स्पृहयितासि | स्पृहयितास्थः | स्पृहयितास्थ |
| | स्पृहयितास्मि | स्पृहयितास्वः | स्पृहयितास्मः |
| म० | स्पृहयिष्यति | स्पृहयिष्यतः | स्पृहयिष्यन्ति |
| | स्पृहयिष्यसि | स्पृहयिष्यथः | स्पृहयिष्यथ |
| | स्पृहयिष्यामि | स्पृहयिष्यावः | स्पृहयिष्यामः |
| क्रि० | अस्पृहयिष्यत् | अस्पृहयिष्यताम् | अस्पृहयिष्यन् |
| | अस्पृहयिष्यः | अस्पृहयिष्यतम् | अस्पृहयिष्यत |
| | अस्पृहयिष्यम् | अस्पृहयिष्याव | अस्पृहयिष्याम |

1930 रूक्षण् (रूक्ष्) पारुष्ये ।

| | | | |
|-----|-------------------|----------------|---------------|
| ब० | रूक्षयति | रूक्षयतः | रूक्षयन्ति |
| | रूक्षयसि | रूक्षयथः | रूक्षयथ |
| | रूक्षयामि | रूक्षयावः | रूक्षयामः |
| ग० | रूक्षयेत् | रूक्षयेताम् | रूक्षयेयुः |
| | रूक्षयेः | रूक्षयेतम् | रूक्षयेत |
| | रूक्षयेयम् | रूक्षयेव | रूक्षयेम |
| प० | रूक्षयतु | रूक्षयतात् | रूक्षयताम् |
| | रूक्षय | रूक्षयतात् | रूक्षयतम् |
| | रूक्षयाणि | रूक्षयाव | रूक्षयाम |
| भा० | अरूक्षयत् | अरूक्षयताम् | अरूक्षयन् |
| | अरूक्षयः | अरूक्षयतम् | अरूक्षयत |
| | अरूक्षयम् | अरूक्षयाव | अरूक्षयाम |
| भ० | अरूक्षत् | अरूक्षताम् | अरूक्षन् |
| | अरूक्षः | अरूक्षतम् | अरूक्षत |
| | अरूक्षम् | अरूक्षाव | अरूक्षाम |
| प० | रूक्षयाञ्चकार | रूक्षयाञ्चकतुः | रूक्षयाञ्चकुः |
| | रूक्षयाञ्चकथं | रूक्षयाञ्चकथुः | रूक्षयाञ्चक |
| | रूक्षयाञ्चकार-चकर | रूक्षयाञ्चकृव | रूक्षयाञ्चकृम |
| | रूक्षयाम्बभूव | रूक्षयामास | |

| | | | |
|-------|---------------|-----------------|----------------|
| आ० | रूक्ष्यात् | रूक्ष्यास्ताम् | रूक्ष्यासुः |
| | रूक्ष्याः | रूक्ष्यास्तम् | रूक्ष्यास्त |
| | रूक्ष्यासम् | रूक्ष्यास्व | रूक्ष्यास्म |
| श्व० | रूक्षयिता | रूक्षयितारौ | रूक्षयितारः |
| | रूक्षयितासि | रूक्षयितास्थः | रूक्षयितास्थ |
| | रूक्षयितास्मि | रूक्षयितास्वः | रूक्षयितास्मः |
| म० | रूक्षयिष्यति | रूक्षयिष्यतः | रूक्षयिष्यन्ति |
| | रूक्षयिष्यसि | रूक्षयिष्यथः | रूक्षयिष्यथ |
| | रूक्षयिष्यामि | रूक्षयिष्यावः | रूक्षयिष्यामः |
| क्रि० | अरूक्षयिष्यत् | अरूक्षयिष्यताम् | अरूक्षयिष्यन् |
| | अरूक्षयिष्यः | अरूक्षयिष्यतम् | अरूक्षयिष्यत |
| | अरूक्षयिष्यम् | अरूक्षयिष्याव | अरूक्षयिष्याम |

1931 मृगणि (मृग्) अन्वेषणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० मृगयति | मृगयतः | मृगयन्ति |
| मृगयसि | मृगयथः | मृगयथ |
| मृगयामि | मृगयावः | मृगयामः |
| स० मृगयेत् | मृगयेताम् | मृगयेयुः |
| मृगयेः | मृगयेतम् | मृगयेत |
| मृगयेयम् | मृगयेव | मृगयेम |
| प० मृगयतु | मृगयतात् | मृगयताम् |
| मृगय | मृगयतात् | मृगयतम् |
| मृगयाणि | मृगयाव | मृगयाम |
| ह्य० अमृगयत् | अमृगयताम् | अमृगयन् |
| अमृगय | अमृगयतम् | अमृगयत |
| अमृगयाम् | अमृगयाव | अमृगयाम |
| अ० अमृगात् | अमृगाताम् | अमृगान् |
| अमृगाः | अमृगतम् | अमृगत |
| अमृगाम् | अमृगाव | अमृगाम |
| प० मृगयाञ्चकार | मृगयाञ्चक्रुः | मृगयाञ्चकुः |
| मृगयाञ्चक्य | मृगयाञ्चक्रुः | मृगयाञ्चक्रुः |
| मृगयाञ्चकार-चक्र | मृगयाञ्चक्रुः | मृगयाञ्चक्रुः |
| मृगयाञ्चभूव | मृगयाञ्चभूव | मृगयाञ्चभूव |
| आ० मृगयात् | मृगयास्ताम् | मृगयासुः |
| मृगयाः | मृगयास्तम् | मृगयास्त |
| मृगयासम् | मृगयास्व | मृगयास्म |
| श्र० मृगयिता | मृगयितारौ | मृगयितारः |
| मृगयितासि | मृगयितास्थः | मृगयितास्थ |
| मृगयितास्मि | मृगयितास्वः | मृगयितास्मः |
| भ० मृगयिष्यति | मृगयिष्यतः | मृगयिष्यन्ति |
| मृगयिष्यसि | मृगयिष्यथः | मृगयिष्यथ |
| मृगयिष्यामि | मृगयिष्यावः | मृगयिष्यामः |
| क्रि० अमृगयिष्यत् | अमृगयिष्यताम् | अमृगयिष्यन् |
| अमृगयिष्यः | अमृगयिष्यतम् | अमृगयिष्यत |
| अमृगयिष्यम् | अमृगयिष्याव | अमृगयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| ब० मृगयते | मृगयेते | मृगयन्ते |
| मृगयसे | मृगयेथे | मृगयध्वे |
| मृगये | मृगयावहे | मृगयामहे |
| स० मृगयेत् | मृगयेताम् | मृगयेयुः |
| मृगयेथाः | मृगयेथाम् | मृगयेध्वम् |
| मृगयेथ | मृगयेवहि | मृगयेमहि |
| प० मृगयताम् | मृगयेताम् | मृगयन्ताम् |
| मृगयस्व | मृगयेथाम् | मृगयध्वम् |
| मृगये | मृगयावहे | मृगयामहे |
| ह्य० अमृगयत | अमृगयेताम् | अमृगयन्त |
| अमृगयथाः | अमृगयेथाम् | अमृगयध्वम् |
| अमृगये | अमृगयेवहि | अमृगयामहि |
| अ० अमृगात् | अमृगेताम् | अमृगान्त |
| अमृगयाः | अमृगेथाम् | अमृगध्वम् |
| अमृगे | अमृगेवहि | अमृगामहि |
| प० मृगयाञ्चके | मृगयाञ्चक्रुः | मृगयाञ्चकिरे |
| मृगयाञ्चकृषे | मृगयाञ्चकृषे | मृगयाञ्चकृषे |
| मृगयाञ्चके | मृगयाञ्चकृषे | मृगयाञ्चकृषे |
| मृगयाञ्चभूव | मृगयाञ्चभूव | मृगयाञ्चभूव |
| आ० मृगयिषीष्ट | मृगयिषीयास्ताम् | मृगयिषीस्म |
| मृगयिषीष्टाः | मृगयिषीयास्थाम् | मृगयिषीध्वम् |
| मृगयिषीय | मृगयिषीवहि | मृगयिषीमहि |
| श्र० मृगयिता | मृगयितारौ | मृगयितारः |
| मृगयितासे | मृगयितासाथे | मृगयिताध्वे |
| मृगयिताहे | मृगयितास्वहे | मृगयितास्महे |
| भ० मृगयिष्यते | मृगयिष्येते | मृगयिष्यन्ते |
| मृगयिष्यसे | मृगयिष्येथे | मृगयिष्यध्वे |
| मृगयिष्ये | मृगयिष्यावहे | मृगयिष्यामहे |
| क्रि० अमृगयिष्यत | अमृगयिष्येताम् | अमृगयिष्यन्त |
| अमृगयिष्यथाः | अमृगयिष्येथाम् | अमृगयिष्यध्वम् |
| अमृगयिष्ये | अमृगयिष्यावहि | अमृगयिष्यामहि |

1932 अर्थणि (अर्थ) उपयाचने ।

| | | | |
|-------|------------------|----------------|---------------|
| व० | अर्थयति | अर्थयतः | अर्थयन्ति |
| | अर्थयति | अर्थयथः | अर्थयथ |
| | अर्थयामि | अर्थयावः | अर्थयामः |
| स० | अर्थयेत् | अर्थयेताम् | अर्थयेयुः |
| | अर्थयेः | अर्थयेतम् | अर्थयेत |
| | अर्थयेयम् | अर्थयेव | अर्थयेम |
| प० | अर्थयतु | अर्थयतात् | अर्थयन्तु |
| | अर्थय | अर्थयतात् | अर्थयत |
| | अर्थयानि | अर्थयाव | अर्थयाम |
| ह्य० | अर्थयत् | अर्थयताम् | अर्थयन् |
| | अर्थयः | अर्थयतम् | अर्थयत |
| | अर्थयम् | अर्थयाव | अर्थयाम |
| अ० | अर्तिथत् | अर्तिथताम् | अर्तिथन् |
| | अर्तिथः | अर्तिथतम् | अर्तिथत |
| | अर्तिथम् | अर्तिथाव | अर्तिथाम |
| प० | अर्थयाञ्चकार | अर्थयाञ्चकतुः | अर्थयाञ्चकुः |
| | अर्थयाञ्चक्ये | अर्थयाञ्चक्युः | अर्थयाञ्चक |
| | अर्थयाञ्चकार-चकर | अर्थयाञ्चकृव | अर्थयाञ्चकृम |
| | अर्थयाम्बभूव | । | अर्थयामास |
| भा० | अर्थ्यात् | अर्थ्यास्ताम् | अर्थ्यासुः |
| | अर्थ्याः | अर्थ्यास्तम् | अर्थ्यास्त |
| | अर्थ्यासम् | अर्थ्यास्व | अर्थ्यास्म |
| श्र० | अर्थयिता | अर्थयितारौ | अर्थयितारः |
| | अर्थयितासि | अर्थयितास्थः | अर्थयितास्थ |
| | अर्थयितास्मि | अर्थयितास्वः | अर्थयितास्मः |
| म० | अर्थयिष्यति | अर्थयिष्यतः | अर्थयिष्यन्ति |
| | अर्थयिष्यसि | अर्थयिष्यथः | अर्थयिष्यथ |
| | अर्थयिष्यामि | अर्थयिष्यावः | अर्थयिष्यामः |
| क्रि० | अर्थयिष्यत् | अर्थयिष्यताम् | अर्थयिष्यन् |
| | अर्थयिष्यः | अर्थयिष्यतम् | अर्थयिष्यत |
| | अर्थयिष्यम् | अर्थयिष्याव | अर्थयिष्याम |

| | | | |
|-------|---------------|------------------|-----------------|
| व० | अर्थयते | अर्थयेते | अर्थयन्ते |
| | अर्थयसे | अर्थयेथे | अर्थयस्व |
| | अर्थये | अर्थयावहे | अर्थयामहे |
| स० | अर्थयेत् | अर्थयेयाताम् | अर्थयेरन् |
| | अर्थयेथाः | अर्थयेयाथाम् | अर्थयेध्वम् |
| | अर्थयेय | अर्थयेवहि | अर्थयेमहि |
| प० | अर्थयताम् | अर्थयेताम् | अर्थयन्ताम् |
| | अर्थयस्व | कथयेथाम् | अर्थयध्वम् |
| | अर्थये | अर्थयावहे | अर्थयामहे |
| ह्य० | अर्थयत | अर्थयेताम् | अर्थयन्त |
| | अर्थयथाः | अर्थयेथाम् | अर्थयध्वम् |
| | अर्थये | अर्थयावहि | अर्थयामहि |
| अ० | अर्तिथत | अर्तिथेताम् | अर्तिथन्त |
| | अर्तिथथाः | अर्तिथेथाम् | अर्तिथध्वम् |
| | अर्तिथे | अर्तिथावहि | अर्तिथामहि |
| प० | अर्थयाञ्चक्रे | अर्थयाञ्चक्राते | अर्थयाञ्चक्रिरे |
| | अर्थयाञ्चकृषे | अर्थयाञ्चक्राये | अर्थयाञ्चकृवे |
| | अर्थयाञ्चक्रे | अर्थयाञ्चकृवहे | अर्थयाञ्चकृमहे |
| | अर्थयाम्बभूव | । | अर्थयामास |
| भा० | अर्थयिषीष्ट | अर्थयिषीयास्ताम् | अर्थयिषीरन् |
| | अर्थयिषीष्टाः | अर्थयिषीयास्थाम् | अर्थयिषीध्वम् |
| | अर्थयिषीय | अर्थयिषीवहि | अर्थयिषीमहि |
| श्र० | अर्थयिता | अर्थयितारौ | अर्थयितारः |
| | अर्थयितासे | अर्थयितासाथे | अर्थयितास्व |
| | अर्थयिताहे | अर्थयितास्वहे | अर्थयितास्महे |
| म० | अर्थयिष्यते | अर्थयिष्येते | अर्थयिष्यन्ते |
| | अर्थयिष्यसे | अर्थयिष्येथे | अर्थयिष्यस्व |
| | अर्थयिष्ये | अर्थयिष्यावहे | अर्थयिष्यामहे |
| क्रि० | अर्थयिष्यत | अर्थयिष्येताम् | अर्थयिष्यन्त |
| | अर्थयिष्यथाः | अर्थयिष्येथाम् | अर्थयिष्यध्वम् |
| | अर्थयिष्ये | अर्थयिष्यावहि | अर्थयिष्यामहि |

1933 पदणि (पद्) गतौ ।

| | | | |
|-------|----------------|--------------|-------------|
| ब० | पदयति | पदयतः | पदयन्ति |
| | पदयसि | पदयथः | पदयथ |
| | पदयामि | पदयावः | पदयामः |
| स० | पदयेत् | पदयेताम् | पदयेयुः |
| | पदयेः | पदयेतम् | पदयेत |
| | पदयेयम् | पदयेव | पदयेम |
| प० | पदयतु | पदयतात् | पदयताम् |
| | पदय | पदयतात् | पदयतम् |
| | पदयानि | पदयाव | पदयाम |
| ह्य० | अपदयत् | अपदयताम् | अपदयन् |
| | अपदयः | अपदयतम् | अपदयत |
| | अपदयम् | अपदयाव | अपदयाम |
| अ० | अपपदत् | अपपदताम् | अपपदन् |
| | अपपदः | अपपदतम् | अपपदत |
| | अपपदम् | अपपदाव | अपपदाम |
| प० | पदयाञ्चकार | पदयाञ्चकतुः | पदयाञ्चकुः |
| | पदयाञ्चकर्थ | पदयाञ्चकथुः | पदयाञ्चक |
| | पदयाञ्चकार-चकर | पदयाञ्चकव | पदयाञ्चकृम |
| | पदयाम्बभूव | । | पदयामास |
| आ० | पयात् | पयास्ताम् | पयासुः |
| | पयाः | पयास्तम् | पयास्त |
| | पयासम् | पयासव | पयासम् |
| श्व० | पदयिता | पदयितारौ | पदयितारः |
| | पदयितासि | पदयितास्थः | पदयिताथ |
| | पदयितास्मि | पदयितास्वः | पदयितामः |
| भ० | पदयिष्यति | पदयिष्यतः | पदयिष्यन्ति |
| | पदयिष्यसि | पदयिष्यथः | पदयिष्यथ |
| | पदयिष्यामि | पदयिष्यावः | पदयिष्यामः |
| क्रि० | अपदयिष्यत् | अपदयिष्यताम् | अपदयिष्यन् |
| | अपदयिष्यः | अपदयिष्यतम् | अपदयिष्यत |
| | अपदयिष्यम् | अपदयिष्याव | अपदयिष्याम |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|---------------|
| व० | पदयते | पदयेते | पदयन्ते |
| | पदयसे | पदयेथे | पदयध्वे |
| | पदये | पदयावहे | पदयामहे |
| स० | पदयेत | पदयेयाताम् | पदयेरन् |
| | पदयेथाः | पदयेयाथाम् | पदयेध्वम् |
| | पदयेय | पदयेवहि | पदयेमहि |
| प० | पदयताम् | पदयेताम् | पदयन्ताम् |
| | पदयस्व | पदयेथाम् | पदयध्वम् |
| | पदये | पदयावहे | पदयामहे |
| ह्य० | अपदयत | अपदयेताम् | अपदयन्त |
| | अपदयथाः | अपदयेथाम् | अपदयध्वम् |
| | अपदये | अपदयावहि | अपदयामहि |
| अ० | अपपदत | अपपदेताम् | अपपदन्त |
| | अपपदथाः | अपपदेथाम् | अपपदध्वम् |
| | अपपदे | अपपदावहि | अपपदामहि |
| प० | पदयाञ्चके | पदयाञ्चकते | पदयाञ्चकिरे |
| | पदयाञ्चकृषे | पदयाञ्चकृषे | पदयाञ्चकृद्वे |
| | पदयाञ्चके | पदयाञ्चकृवहे | पदयाञ्चकृमहे |
| | पदयाम्बभूव | । | पदयामास |
| आ० | पदयिषीष्ट | पदयिषीयास्ताम् | पदयिषीरन् |
| | पदयिषीष्ठाः | पदयिषीयास्थाम् | पदयिषीध्वम् |
| | | | चम् |
| | पदयिषीय | पदयिषीवहि | पदयिषीमहि |
| श्व० | पदयिता | पदयितारौ | पदयितारः |
| | पदयितासे | पदयितासाथे | पदयिताध्वे |
| | पदयिताहे | पदयितास्वहे | पदयितामहे |
| भ० | पदयिष्यते | पदयिष्येते | पदयिष्यन्ते |
| | पदयिष्यसे | पदयिष्येथे | पदयिष्यध्वे |
| | पदयिष्ये | पदयिष्यावहे | पदयिष्यामहे |
| क्रि० | अपदयिष्यत | अपदयिष्येताम् | अपदयिष्यन्त |
| | अपदयिष्यथाः | अपदयिष्येथाम् | अपदयिष्यध्वम् |
| | अपदयिष्ये | अपदयिष्यावहि | अपदयिष्यामहि |

1934 संग्रामणि (संग्राम) युद्धे ।

| | | | |
|-------|--|--|--|
| ४६ | सं ग्रामयति सं ग्रामयसि सं ग्रामयामि | सं ग्रामयतः सं ग्रामयथः सं ग्रामयावः | सं ग्रामयन्तु सं ग्रामयथ सं ग्रामयामः |
| स० | सं ग्रामयेत् सं ग्रामयेः सं ग्रामयेयम् | सं ग्रामयेताम् सं ग्रामयेतम् सं ग्रामयेव | सं ग्रामयेयुः सं ग्रामयेत सं ग्रामयेम |
| प० | सं ग्रामयतु सं ग्रामय सं ग्रामयाणि | सं ग्रामयतात् सं ग्रामयतम् सं ग्रामयाव | सं ग्रामयन्तु सं ग्रामयत सं ग्रामयाम |
| ह्य० | असं ग्रामयत् असं ग्रामयः असं ग्रामयम् | असं ग्रामयताम् असं ग्रामयतम् असं ग्रामयाव | असं ग्रामयन् असं ग्रामयत असं ग्रामयाम |
| अ० | असत् ग्रामत् असत् ग्रामः असत् ग्रामम् | असत् ग्रामताम् असत् ग्रामतम् असत् ग्रामाव | असत् ग्रामन् असत् ग्रामत असत् ग्रामाम |
| य० | सं ग्रामयाञ्चकार सं ग्रामयाञ्चक्य सं ग्रामयाञ्चकार-चकर | सं ग्रामयाञ्चक्रुः सं ग्रामयाञ्चक्रुः सं ग्रामयाञ्चक्रुव | सं ग्रामयाञ्चकुः सं ग्रामयाञ्चकुः सं ग्रामयाञ्चकुम |
| | सं ग्रामयाम्बभूव | सं ग्रामयामास | |
| आ० | सं ग्राम्यात् सं ग्राम्याः सं ग्राम्यासम् | सं ग्राम्यास्ताम् सं ग्राम्यास्तम् सं ग्राम्यास्व | सं ग्राम्यासुः सं ग्राम्यास्त सं ग्राम्यास्म |
| श्च० | सं ग्रामयिता सं ग्रामयितासि सं ग्रामयितास्मि | सं ग्रामयितारौ सं ग्रामयितास्थः सं ग्रामयितास्वः | सं ग्रामयितारः सं ग्रामयितास्थ सं ग्रामयितास्मः |
| अ० | सं ग्रामयिष्यति सं ग्रामयिष्यसि सं ग्रामयिष्यामि | सं ग्रामयिष्यतः सं ग्रामयिष्यथः सं ग्रामयिष्यावः | सं ग्रामयिष्यन्ति सं ग्रामयिष्यथ सं ग्रामयिष्यामः |
| क्रि० | असं ग्रामयिष्यत् असं ग्रामयिष्यः असं ग्रामयिष्यम् | असं ग्रामयिष्यताम् असं ग्रामयिष्यतम् असं ग्रामयिष्याव | असं ग्रामयिष्यन् असं ग्रामयिष्यत असं ग्रामयिष्याम |

| | | | |
|-------|---|--|--|
| १० | सं ग्रामयते सं ग्रामयसे सं ग्रामये | सं ग्रामयेते सं ग्रामयेथे सं ग्रामयावहे | सं ग्रामयन्ते सं ग्रामयध्वे सं ग्रामयामहे |
| स० | सं ग्रामयेत सं ग्रामयेथाः सं ग्रामयेय | सं ग्रामयेयाताम् सं ग्रामयेयाथाम् सं ग्रामयेवहि | सं ग्रामयेरन् सं ग्रामयेध्वम् सं ग्रामयेमहि |
| ५० | सं ग्रामयताम् सं ग्रामयस्व सं ग्रामयै | सं ग्रामयेताम् सं ग्रामयेथाम् सं ग्रामयावहै | सं ग्रामयन्ताम् सं ग्रामयध्वम् सं ग्रामयामहै |
| ह्य० | असं ग्रामयत असं ग्रामयथाः असं ग्रामये | असं ग्रामयेताम् असं ग्रामयेथाम् असं ग्रामयावहि | असं ग्रामयन्त असं ग्रामयध्वम् असं ग्रामयामहि |
| अ० | असं ग्रामत असंसं ग्रामथाः असंसं ग्रामे | असंसं ग्रामेताम् असंसं ग्रामेथाम् असंसं ग्रामावहि | असंसं ग्रामन्त असंसं ग्रामध्वम् असंसं ग्रामामहि |
| ५० | सं ग्रामयाञ्चके सं ग्रामयाञ्चकृषे सं ग्रामयाञ्चके | सं ग्रामयाञ्चक्राते सं ग्रामयाञ्चक्राये सं ग्रामयाञ्चकृवहे | सं ग्रामयाञ्चकिरे सं ग्रामयाञ्चकृवम् सं ग्रामयाञ्चकृमहे |
| | सं ग्रामयाम्बभूव | सं ग्रामयामास | |
| आ० | सं ग्रामयिषीष्ट सं ग्रामयिषीष्टाः | सं ग्रामयिषीयास्ताम् सं ग्रामयिषीयास्थाम् | सं ग्रामयिषीरन् सं ग्रामयिषीध्वम् सं ग्रामयिषीमहि |
| | सं ग्रामयिषीय | सं ग्रामयिषीवहि | सं ग्रामयिषीमहि |
| श्व० | सं ग्रामयिता सं ग्रामयितासे सं ग्रामयिताहे | सं ग्रामयितारौ सं ग्रामयितासाये सं ग्रामयितास्वहे | सं ग्रामयितारः सं ग्रामयिताध्वे सं ग्रामयितामहे |
| म० | सं ग्रामयिष्यते सं ग्रामयिष्यसे सं ग्रामयिष्ये | सं ग्रामयिष्येते सं ग्रामयिष्येथे सं ग्रामयिष्यावहे | सं ग्रामयिष्यन्ते सं ग्रामयिष्यध्वे सं ग्रामयिष्यामहे |
| क्रि० | असं ग्रामयिष्यत असं ग्रामयिष्यथाः असं ग्रामयिष्ये | असं ग्रामयिष्येताम् असं ग्रामयिष्येथाम् असं ग्रामयिष्यावहि | असं ग्रामयिष्यन्त असं ग्रामयिष्यध्वम् असं ग्रामयिष्यामहि |

1935 शूरणि (शूर्) विक्रान्तौ ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|--------------|
| व० | शूरयति | शूरयतः | शूरयन्ति |
| | शूरयसि | शूरयथः | शूरयथ |
| | शूरयामि | शूरयावः | शूरयामः |
| स० | शूरयेत् | शूरयेताम् | शूरयेयुः |
| | शूरयेः | शूरयेतम् | शूरयेत |
| | शूरयेयम् | शूरयेव | शूरयेम |
| प० | शूरयतु | शूरयतात् | शूरयन्तु |
| | शूरय | शूरयतात् | शूरयतम् |
| | शूरयाणि | शूरयाव | शूरयाम |
| ह्य० | अशूरयत् | अशूरयताम् | अशूरयन् |
| | अशूरयः | अशूरयतम् | अशूरयत |
| | अशूरयाम् | अशूरयाव | अशूरयाम |
| अ० | अशूरयत् | अशूरयताम् | अशूरयन् |
| | अशूरयः | अशूरयतम् | अशूरयत |
| | अशूरयाम् | अशूरयाव | अशूरयाम |
| प० | शूरयाञ्चकार | शूरयाञ्चकतुः | शूरयाञ्चकुः |
| | शूरयाञ्चक्य | शूरयाञ्चक्युः | शूरयाञ्चक |
| | शूरयाञ्चकार-चकर | शूरयाञ्चकव | शूरयाञ्चकम् |
| | शूरयाम्बभूव | । | शूरयामास |
| आ० | शूर्यात् | शूर्यास्ताम् | शूर्यासुः |
| | शूर्याः | शूर्यास्तम् | शूर्यास्त |
| | शूर्यासम | शूर्यास्व | शूर्यास्म |
| श्व० | शूरयिता | शूरयितारौ | शूरयितारः |
| | शूरयितासि | शूरयितास्थः | शूरयितास्थ |
| | शूरयितास्मि | शूरयितास्वः | शूरयितास्मः |
| भ० | शूरयिष्यति | शूरयिष्यतः | शूरयिष्यन्ति |
| | शूरयिष्यसि | शूरयिष्यथः | शूरयिष्यथ |
| | शूरयिष्यामि | शूरयिष्यावः | शूरयिष्यामः |
| क्रि० | अशूरयिष्यत् | अशूरयिष्यताम् | अशूरयिष्यन् |
| | अशूरयिष्यः | अशूरयिष्यतम् | अशूरयिष्यत |
| | अशूरयिष्यम् | अशूरयिष्याव | अशूरयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| व० | शूरयेते | शूरयेते | शूरयन्ते |
| | शूरयसे | शूरयेथे | शूरयन्वे |
| | शूरये | शूरयावहे | शूरयामहे |
| स० | शूरयेत | शूरयेयाताम् | शूरयेरन् |
| | शूरयेथाः | शूरयेयाथाम् | शूरयेय्वम् |
| | शूरयेय | शूरयेवहि | शूरयेमहि |
| प० | शूरयताम् | शूरयेताम् | शूरयन्ताम् |
| | शूरयस्व | शूरयेथाम् | शूरयन्वम् |
| | शूरये | शूरयावहे | शूरयामहे |
| ह्य० | अशूरयत | अशूरयेताम् | अशूरयन्त |
| | अशूरयथाः | अशूरयेथाम् | अशूरयन्वम् |
| | अशूरये | अशूरयावहि | अशूरयामहि |
| अ० | अशूरयत | अशूरयेताम् | अशूरयन्त |
| | अशूरयथाः | अशूरयेथाम् | अशूरयन्वम् |
| | अशूरये | अशूरयावहि | अशूरयामहि |
| प० | शूरयाञ्चके | शूरयाञ्चकाते | शूरयाञ्चकिरे |
| | शूरयाञ्चकृषे | शूरयाञ्चकाथे | शूरयाञ्चकृढवे |
| | शूरयाञ्चके | शूरयाञ्चकवहे | शूरयाञ्चकृमहे |
| | शूरयाम्बभूव | । | शूरयामास |
| आ० | शूरयिषीष्ट | शूरयिषीयास्ताम् | शूरयिषीरन् |
| | शूरयिषीष्टाः | शूरयिषीयास्थाम् | शूरयिषीद्वम् |
| | शूरयिषीय | शूरयिषीवहि | शूरयिषीमहि |
| श्व० | शूरयिता | शूरयितारौ | शूरयितारः |
| | शूरयितासे | शूरयितासाथे | शूरयितास्वे |
| | शूरयिताहे | शूरयितास्वहे | शूरयितास्महे |
| भ० | शूरयिष्यते | शूरयिष्येते | शूरयिष्यन्ते |
| | शूरयिष्यसे | शूरयिष्येथे | शूरयिष्यन्वे |
| | शूरयिष्ये | शूरयिष्यावहे | शूरयिष्यामहे |
| क्रि० | अशूरयिष्यत | अशूरयिष्येताम् | अशूरयिष्यन्त |
| | अशूरयिष्यथाः | अशूरयिष्येथाम् | अशूरयिष्यन्वम् |
| | अशूरयिष्ये | अशूरयिष्यावहि | अशूरयिष्यामहि |

1936 वीरणि (वीर्) विक्रान्तौ ।

| | | |
|-------------------|---------------|--------------|
| व० वीरयति | वीरयतः | वीरयन्ति |
| वीरयसि | वीरयथः | वीरयथ |
| वीरयामि | वीरयावः | वीरयामः |
| स० वीरयेत् | वीरयेताम् | वीरयेयुः |
| वीरयेः | वीरयेतम् | वीरयेत |
| वीरयेयम् | वीरयेव | वीरयेम |
| प० वीरयतु | वीरयतात् | वीरयन्तु |
| वीरय | वीरयतात् | वीरयत |
| वीरयामि | वीरयाव | वीरयाम |
| ह्य० अवीरयत् | अवीरयताम् | अवीरयन् |
| अवीरयः | अवीरयतम् | अवीरयत |
| अवीरयम् | अवीरयाव | अवीरयाम |
| अ० अविबीरत् | अविबीरताम् | अविबीरन् |
| अविबीरः | अविबीरतम् | अविबीरत |
| अविबीरम् | अविबीराव | अविबीराम |
| प० वीरयाञ्चकार | वीरयाञ्चकतुः | वीरयाञ्चकुः |
| वीरयाञ्चकम् | वीरयाञ्चकथुः | वीरयाञ्चक |
| वीरयाञ्चकार-चक्र | वीरयाञ्चकृव | वीरयाञ्चकृम |
| वीरयाम्बभूव | वीरयामास | |
| आ० वीर्यात् | वीर्यास्ताम् | वीर्यासुः |
| वीर्याः | वीर्यास्तम् | वीर्यास्त |
| वीर्यासम् | वीर्यास्व | वीर्यास्म |
| श्र० वीरयिता | वीरयितारौ | वीरयितारः |
| वीरयितासि | वीरयितास्थः | वीरयितास्थ |
| वीरयितास्मि | वीरयितास्वः | वीरयितास्मः |
| अ० वीरयिष्यति | वीरयिष्यतः | वीरयिष्यन्ति |
| वीरयिष्यसि | वीरयिष्यथः | वीरयिष्यथ |
| वीरयिष्यामि | वीरयिष्यावः | वीरयिष्यामः |
| क्रि० अवीरयिष्यत् | अवीरयिष्यताम् | अवीरयिष्यन् |
| अवीरयिष्यः | अवीरयिष्यतम् | अवीरयिष्यत |
| अवीरयिष्यम् | अवीरयिष्याव | अवीरयिष्याम |

| | | |
|------------------|-----------------|----------------|
| व० वीरयते | वीरयेते | वीरयन्ते |
| वीरयसे | वीरयेथे | वीरयध्वे |
| वीरये | वीरयावहे | वीरयामहे |
| स० वीरयेत | वीरयेयाताम् | वीरयेरन् |
| वीरयेथाः | वीरयेयाथाम् | वीरयेध्वम् |
| वीरयेय | वीरयेवहि | वीरयेमहि |
| प० वीरयताम् | वीरयेताम् | वीरयन्ताम् |
| वीरयस्व | वीरयेथाम् | वीरयध्वम् |
| वीरयै | वीरयावहै | वीरयामहै |
| ह्य० अवीरयत | अवीरयेताम् | अवीरयन्त |
| अवीरयथाः | अवीरयेथाम् | अवीरयध्वम् |
| अवीरये | अवीरयावहि | अवीरयामहि |
| अ० अविबीरत | अविबीरेताम् | अविबीरन्त |
| अविबीरथाः | अविबीरेथाम् | अविबीरध्वम् |
| अविबीरे | अविबीरावहि | अविबीरामहि |
| प० वीरयाञ्चक्रे | वीरयाञ्चकाते | वीरयाञ्चकिरे |
| वीरयाञ्चकृषे | वीरयाञ्चकाये | वीरयाञ्चकृढवे |
| वीरयाञ्चक्रे | वीरयाञ्चकृवहे | वीरयाञ्चकृमहे |
| वीरयाम्बभूव | वीरयामास | |
| आ० वीरयिषीष्ट | वीरयिषीयास्ताम् | वीरयिषीरन् |
| वीरयिषीष्टाः | वीरयिषीयास्थाम् | वीरयिषीढवम् |
| वीरयिषीय | वीरयिषीवहि | वीरयिषीमहि |
| श्र० वीरयिता | वीरयितारौ | वीरयितारः |
| वीरयितासे | वीरयितास्थे | वीरयिताध्वे |
| वीरयिताहे | वीरयितास्वहे | वीरयितास्महे |
| अ० वीरयिष्यते | वीरयिष्येते | वीरयिष्यन्ते |
| वीरयिष्यसे | वीरयिष्येथे | वीरयिष्यध्वे |
| वीरयिष्ये | वीरयिष्यावहे | वीरयिष्यामहे |
| क्रि० अवीरयिष्यत | अवीरयिष्येताम् | अवीरयिष्यन्त |
| अवीरयिष्यथाः | अवीरयिष्येथाम् | अवीरयिष्यध्वम् |
| अवीरयिष्ये | अवीरयिष्यावहि | अवीरयिष्यामहि |

1937 सत्रणि (सत्र) संदानक्रियायाम् ।

| | | |
|--------------------|----------------|---------------|
| व० सत्रयति | सत्रयतः | सत्रयन्ति |
| सत्रयसि | सत्रयथः | सत्रयथ |
| सत्रयामि | सत्रयावः | सत्रयामः |
| स० सत्रयेत् | सत्रयेताम् | सत्रयेयुः |
| सत्रयेः | सत्रयेतम् | सत्रयेत |
| सत्रयेयम् | सत्रयेव | सत्रयेम |
| प० सत्रयतु | सत्रयतात् | सत्रयताम् |
| सत्रय | सत्रयतात् | सत्रयतम् |
| सत्रयाणि | सत्रयाव | सत्रयाम |
| ह्य० असत्रयत् | असत्रयताम् | असत्रयन् |
| असत्रयः | असत्रयतम् | असत्रयत |
| असत्रयम् | असत्रयाव | असत्रयाम |
| अ० अससत्रत् | अससत्रताम् | अससत्रन् |
| अससत्रः | अससत्रतम् | अससत्रत |
| अससत्रम् | अससत्राव | अससत्राम |
| प० सत्रयाञ्चकार | सत्रयाञ्चकतुः | सत्रयाञ्चकुः |
| सत्रयाञ्चक्यै | सत्रयाञ्चकथुः | सत्रयाञ्चक |
| सत्रयाञ्चकार-चकर | सत्रयाञ्चकृव | सत्रयाञ्चकृम |
| सत्रयाम्बभूव | । | सत्रयामास |
| भा० सत्र्यात् | सत्र्यास्ताम् | सत्र्यासुः |
| सत्र्याः | सत्र्यास्तम् | सत्र्यास्त |
| सत्र्यासम् | सत्र्यास्व | सत्र्यास्म |
| श्व० सत्रयिता | सत्रयितारौ | सत्रयितारः |
| सत्रयितासि | सत्रयितास्थः | सत्रयितास्थ |
| सत्रयितास्मि | सत्रयितास्वः | सत्रयितास्मः |
| भ० सत्रयिष्यति | सत्रयिष्यतः | सत्रयिष्यन्ति |
| सत्रयिष्यसि | सत्रयिष्यथः | सत्रयिष्यथ |
| सत्रयिष्यामि | सत्रयिष्यावः | सत्रयिष्यामः |
| क्रि० असत्रयिष्यत् | असत्रयिष्यताम् | असत्रयिष्यन् |
| असत्रयिष्यः | असत्रयिष्यतम् | असत्रयिष्यत |
| असत्रयिष्यम् | असत्रयिष्याव | असत्रयिष्याम |

| | | |
|-------------------|------------------|-----------------|
| व० सत्रयेते | सत्रयेते | सत्रयन्ते |
| सत्रयसे | सत्रयेथे | सत्रयध्वे |
| सत्रये | सत्रयावहे | सत्रयामहे |
| स० सत्रयेत | सत्रयेयाताम् | सत्रयेरन् |
| सत्रयेथाः | सत्रयेयाथाम् | सत्रयेध्वम् |
| सत्रयेय | सत्रयेवहि | सत्रयेमहि |
| प० सत्रयताम् | सत्रयेताम् | सत्रयन्ताम् |
| सत्रयस्व | सत्रयेशाम् | सत्रयध्वम् |
| सत्रये | सत्रयावहे | सत्रयामहे |
| ह्य० असत्रयत | असत्रयेताम् | असत्रयन्त |
| असत्रयथाः | असत्रयेथाम् | असत्रयध्वम् |
| असत्रये | असत्रयावहि | असत्रयामहि |
| अ० अससत्रत | अससत्रेताम् | अससत्रन्त |
| अससत्रथाः | अससत्रेथाम् | अससत्रध्वम् |
| अससत्रे | अससत्रावहि | अससत्रामहि |
| प० सत्रयाञ्चके | सत्रयाञ्चकते | सत्रयाञ्चकिरे |
| सत्रयाञ्चकृषे | सत्रयाञ्चकाथे | सत्रयाञ्चकृद्वे |
| सत्रयाञ्चके | सत्रयाञ्चकृवहे | सत्रयाञ्चकृमहे |
| सत्रयाम्बभूव | । | सत्रयामास |
| भा० सत्रयिषीष्ट | सत्रयिषीयास्ताम् | सत्रयिषीरन् |
| सत्रयिषीष्टाः | सत्रयिषीयाथाम् | सत्रयिषीध्वम् |
| सत्रयिषीय | सत्रयिषीवहि | सत्रयिषीमहि |
| श्व० सत्रयिता | सत्रयितारौ | सत्रयितारः |
| सत्रयितासे | सत्रयितासाथे | सत्रयिताध्वे |
| सत्रयिताहे | सत्रयितास्वहे | सत्रयितास्महे |
| भ० सत्रयिष्यते | सत्रयिष्येते | सत्रयिष्यन्ते |
| सत्रयिष्यसे | सत्रयिष्येथे | सत्रयिष्यध्वे |
| सत्रयिष्ये | सत्रयिष्यावहे | सत्रयिष्यामहे |
| क्रि० असत्रयिष्यत | असत्रयिष्येताम् | असत्रयिष्यन्त |
| असत्रयिष्यथाः | असत्रयिष्येथाम् | असत्रयिष्यध्वम् |
| असत्रयिष्ये | असत्रयिष्यावहि | असत्रयिष्यामहि |

1938 स्थूलण् (स्थूल) परिवृंहणे ।

| | | |
|---------------------|-----------------|-----------------|
| ब० स्थूलयति | स्थूलयतः | स्थूलयन्ति |
| स्थूलयसि | स्थूलयथः | स्थूलयथ |
| स्थूलयामि | स्थूलयावः | स्थूलयामः |
| म० स्थूलयेत् | स्थूलयेताम् | स्थूलयेयुः |
| स्थूलयेः | स्थूलयेतम् | स्थूलयेत |
| स्थूलयेरम् | स्थूलयेव | स्थूलयेम |
| प० स्थूलयतु | स्थूलयतात् | स्थूलयताम् |
| स्थूलय | स्थूलयतात् | स्थूलयतम् |
| स्थूलयाणि | स्थूलयाव | स्थूलयाम |
| ह० अस्थूलयत् | अस्थूलयताम् | अस्थूलयन् |
| अस्थूलयः | अस्थूलयतम् | अस्थूलयत |
| अस्थूलयम् | अस्थूलयाव | अस्थूलयाम |
| अ० अतुस्थूलत् | अतुस्थूलताम् | अतुस्थूलन् |
| अतुस्थूलः | अतुस्थूलतम् | अतुस्थूलत |
| अतुस्थूलम् | अतुस्थूलाव | अतुस्थूलाम |
| प० स्थूलयाञ्चकार | स्थूलयाञ्चकतुः | स्थूलयाञ्चक्रुः |
| स्थूलयाञ्चकथि | स्थूलयाञ्चकथुः | स्थूलयाञ्चक |
| स्थूलयाञ्चकार-चकर | स्थूलयाञ्चकृव | स्थूलयाञ्चकृमहे |
| स्थूलयाञ्चभूव | | स्थूलयामास |
| आ० स्थूल्यात् | स्थूल्यास्ताम् | स्थूल्यासुः |
| स्थूल्याः | स्थूल्यास्तम् | स्थूल्यास्त |
| स्थूल्यासम् | स्थूल्यास्व | स्थूल्यास्म |
| इ० स्थूलयिता | स्थूलयितारौ | स्थूलयितारः |
| स्थूलयितासि | स्थूलयितासथः | स्थूलयितासथ |
| स्थूलयितासिम् | स्थूलयितास्वः | स्थूलयितास्मः |
| अ० स्थूलयिष्यति | स्थूलयिष्यतः | स्थूलयिष्यन्ति |
| स्थूलयिष्यसि | स्थूलयिष्यथः | स्थूलयिष्यथ |
| स्थूलयिष्यामि | स्थूलयिष्यावः | स्थूलयिष्यामः |
| क्रि० अस्थूलयिष्यत् | अस्थूलयिष्यताम् | अस्थूलयिष्यन् |
| अस्थूलयिष्यः | अस्थूलयिष्यतम् | अस्थूलयिष्यत |
| अस्थूलयिष्यम् | अस्थूलयिष्याव | अस्थूलयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|------------------|
| ब० स्थूलयेते | स्थूलयेते | स्थूलयन्ते |
| स्थूलयेसे | स्थूलयेथे | स्थूलयन्थे |
| स्थूलये | स्थूलयावहे | स्थूलयामहे |
| स० स्थूलयेत | स्थूलयेताताम् | स्थूलयेरन् |
| स्थूलयेथाः | स्थूलयेथाथाम् | स्थूलयेष्वम |
| स्थूलयेय | स्थूलयेवहि | स्थूलयेमहि |
| प० स्थूलयताम् | स्थूलयेताम् | स्थूलयन्ताम् |
| स्थूलयस्व | स्थूलयेथाम् | स्थूलयस्वम |
| स्थूलये | स्थूलयावहे | स्थूलयामहे |
| ह० अस्थूलयत | अस्थूलयेताम् | अस्थूलयन्त |
| अस्थूलयथाः | अस्थूलयेथाम् | अस्थूलयस्वम |
| अस्थूलये | अस्थूलयावहि | अस्थूलयामहि |
| अ० अतुस्थूलत | अतुस्थूलेताम् | अतुस्थूलन्त |
| अतुस्थूलथाः | अतुस्थूलेथाम् | अतुस्थूलस्वम |
| अतुस्थूले | अतुस्थूलावहि | अतुस्थूलामहि |
| प० स्थूलयाञ्चक्रे | स्थूलयाञ्चकते | स्थूलयाञ्चकिरे |
| स्थूलयाञ्चकृषे | स्थूलयाञ्चकृषे | स्थूलयाञ्चकृवहे |
| स्थूलयाञ्चके | स्थूलयाञ्चकृवहे | स्थूलयाञ्चकृमहे |
| स्थूलयाञ्चभूव | | स्थूलयामास |
| आ० स्थूलयिषीष्ट | स्थूलयिषीयास्ताम् | स्थूलयिषीरन् |
| स्थूलयिषीष्टाः | स्थूलयिषीयास्याम् | स्थूलयिषीहवम |
| | | ध्वम् |
| स्थूलयिषीय | स्थूलयिषीवहि | स्थूलयिषीमहि |
| अ० स्थूलयिता | स्थूलयितारौ | स्थूलयितारः |
| स्थूलयितासे | स्थूलयितासाथे | स्थूलयिताध्वे |
| स्थूलयिताहे | स्थूलयितास्वहे | स्थूलयितास्महे |
| अ० स्थूलयिष्यते | स्थूलयिष्येते | स्थूलयिष्यन्ते |
| स्थूलयिष्यसे | स्थूलयिष्येथे | स्थूलयिष्यध्वे |
| स्थूलयिष्ये | स्थूलयिष्यावहे | स्थूलयिष्यामहे |
| क्रि० अस्थूलयिष्यत | अस्थूलयिष्येताम् | अस्थूलयिष्यन्त |
| अस्थूलयिष्यथाः | अस्थूलयिष्येथाम् | अस्थूलयिष्यध्वम् |
| अस्थूलयिष्ये | अस्थूलयिष्यावहि | अस्थूलयिष्यामहि |

फ. १९०) मुनिश्रीऋषिऋषि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१५१३)

1940 गृहणि (गृह) ग्रहणे ।

| | | |
|-------------------|---------------|---------------|
| ब० गृहयति | गृहयतः | गृहयन्ति |
| गृहयसि | गृहयथः | गृहयथ |
| गृहयामि | गृहयावः | गृहयामः |
| स० गृहयेत् | गृहयेताम् | गृहयेयुः |
| गृहयेः | गृहयेतम् | गृहयेत |
| गृहयेयम् | गृहयेव | गृहयेम |
| प० गृहयतु | गृहयतात् | गृहयताम् |
| गृहय | गृहयतात् | गृहयतम् |
| गृहयाणि | गृहयाव | गृहयाम |
| ह्य० अगृहयत् | अगृहयताम् | अगृहयन् |
| अगृहयः | अगृहयतम् | अगृहयत |
| अगृहयम् | अगृहयव | अगृहयाम |
| अ० अजगृहत् | अजगृहताम् | अजगृहन् |
| अजगृहः | अजगृहतम् | अजगृहत |
| अजगृहम् | अजगृहव | अजगृहाम |
| प० गृहयाश्चकार | गृहयाश्चक्रुः | गृहयाश्चक्रुः |
| गृहयाश्चकथं | गृहयाश्चकथुः | गृहयाश्चक |
| गृहयाश्चकार-चकर | गृहयाश्चकृव | गृहयाश्चकृम |
| गृहयाम्बभूव | गृहयामास | |
| आ० गृह्यात् | गृह्यास्ताम् | गृह्यासुः |
| गृह्याः | गृह्यास्तम् | गृह्यास्त |
| गृह्यासम् | गृह्यास्व | गृह्यास्म |
| श्व० गृहयिता | गृहयितारौ | गृहयितारः |
| गृहयितासि | गृहयितास्थः | गृहयितास्थ |
| गृहयितास्मि | गृहयितास्वः | गृहयितास्मः |
| भ० गृहयिष्यति | गृहयिष्यतः | गृहयिष्यन्ति |
| गृहयिष्यसि | गृहयिष्यथः | गृहयिष्यथ |
| गृहयिष्यामि | गृहयिष्यावः | गृहयिष्याम |
| क्रि० अगृहयिष्यत् | अगृहयिष्यताम् | अगृहयिष्यन् |
| अगृहयिष्यः | अगृहयिष्यतम् | अगृहयिष्यत |
| अगृहयिष्यम् | अगृहयिष्याव | अगृहयिष्याम |

| | | |
|-------------------|-----------------|------------------|
| व० गृहयते | गृहयेते | गृहयन्ते |
| गृहयसे | गृहयेथे | गृहयन्थे |
| गृहये | गृहयावहे | गृहयामहे |
| स० गृहयेत | गृहयेयाताम् | गृहयेरन् |
| गृहयेथाः | गृहयेयाथाम् | गृहयेवम् |
| गृहयेय | गृहयेवहि | गृहयेमहि |
| प० गृहयताम् | गृहयेताम् | गृहयन्ताम् |
| गृहयस्व | गृहयेथाम् | गृहयन्थ्वम् |
| गृहये | गृहयावहे | गृहयामहे |
| ह्य० अगृहयत | अगृहयेताम् | अगृहयन्त |
| अगृहयथाः | अगृहयेथाम् | अगृहयन्थ्वम् |
| अगृहये | अगृहयावहि | अगृहयामहि |
| अ० अजगृहत | अजगृहेताम् | अजगृहन्त |
| अजगृहथाः | अजगृहेथाम् | अजगृहन्थ्वम् |
| अजगृहे | अजगृहावहि | अजगृहामहि |
| प० गृहयाश्चक्रे | गृहयाश्चक्रते | गृहयाश्चकिरे |
| गृहयाश्चक्रे | गृहयाश्चकथे | गृहयाश्चकृव |
| गृहयाश्चक्रे | गृहयाश्चकृवहे | गृहयाश्चकृमहे |
| गृहयाम्बभूव | गृहयामास | |
| आ० गृहयिषीष्ट | गृहयिषीयास्ताम् | गृहयिषीरन् |
| गृहयिषीष्टाः | गृहयिषीयाथाम् | गृहयिषीवम् |
| गृहयिषीय | गृहयिषीवहि | गृहयिषीमहि |
| श्व० गृहयिता | गृहयितारौ | गृहयितारः |
| गृहयितासे | गृहयितासाथे | गृहयिताथे |
| गृहयितहे | गृहयितास्वहे | गृहयितास्महे |
| भ० गृहयिष्यते | गृहयिष्येते | गृहयिष्यन्ते |
| गृहयिष्यसे | गृहयिष्येथे | गृहयिष्यन्थे |
| गृहयिष्ये | गृहयिष्यावहे | गृहयिष्यामहे |
| क्रि० अगृहयिष्यत् | अगृहयिष्येताम् | अगृहयिष्यन्त |
| अगृहयिष्यथाः | अगृहयिष्येथाम् | अगृहयिष्यन्थ्वम् |
| अगृहयिष्ये | अगृहयिष्यावहि | अगृहयिष्यामहि |

1941 कुहणि (कुह) विस्मापने ।

| | | | |
|-------|-----------------|----------------|--------------|
| व० | कुहयति | कुहयतः | कुहयन्ति |
| | कुहयसि | कुहयथः | कुहयथ |
| | कुहयामि | कुहयावः | कुहयामः |
| स० | कुहयेत् | कुहयेताम् | कुहयेयुः |
| | कुहयेः | कुहयेतम् | कुहयेत |
| | कुहयेयम् | कुहयेव | कुहयेम |
| प० | कुहयतु | कुहयतात् | कुहयताम् |
| | कुहय | कुहयतात् | कुहयतम् |
| | कुहयानि | कुहयाव | कुहयाम |
| ह्य० | अकुहयत् | अकुहयताम् | अकुहयन् |
| | अकुहयः | अकुहयतम् | अकुहयत |
| | अकुहयम् | अकुहयाव | अकुहयाम |
| भ० | अचुकुहत् | अचुकुहताम् | अचुकुहन् |
| | अचुकुहः | अचुकुहतम् | अचुकुहत |
| | अचुकुहम् | अचुकुहाव | अचुकुहाम |
| प० | कुहयाञ्चकार | कुहयाञ्चक्रुः | कुहयाञ्चकुः |
| | कुहयाञ्चकथं | कुहयाञ्चक्रथुः | कुहयाञ्चक्र |
| | कुहयाञ्चकार-चकर | कुहयाञ्चक्रव | कुहयाञ्चक्रम |
| | कुहयाञ्चभूव | कुहयामास | |
| भा० | कुह्यात् | कुह्यास्ताम् | कुह्यासुः |
| | कुह्याः | कुह्यास्तम् | कुह्यास्त |
| | कुह्यासम | कुह्यास्व | कुह्यास्म |
| श्र० | कुहयिता | कुहयितारौ | कुहयितारः |
| | कुहयितासि | कुहयितास्थः | कुहयितास्थ |
| | कुहयितास्मि | कुहयितास्वः | कुहयितास्मः |
| भ० | कुहयिष्यति | कुहयिष्यतः | कुहयिष्यन्ति |
| | कुहयिष्यसि | कुहयिष्यथः | कुहयिष्यथ |
| | कुहयिष्यामि | कुहयिष्यावः | कुहयिष्यामः |
| क्रि० | अकुहयिष्यत् | अकुहयिष्यताम् | अकुहयिष्यन् |
| | अकुहयिष्यः | अकुहयिष्यतम् | अकुहयिष्यत |
| | अकुहयिष्यम् | अकुहयिष्याव | अकुहयिष्याम |
| व० | कुहयते | कुहयेते | कुहयन्ते |

| | | | |
|------|--------------|-----------------|-----------------|
| | कुहयसे | कुहयेथे | कुहयध्वे |
| | कुहये | कुहयावहे | कुहयामहे |
| स० | कुहयेत | कुहयेयाताम् | कुहयेरन् |
| | कुहयेथाः | कुहयेयाथाम् | कुहयेध्वम् |
| | कुहयेय | कुहयेवहि | कुहयेमहि |
| प० | कुहयताम् | कुहयेताम् | कुहयन्ताम् |
| | कुहयस्व | कुहयेथाम् | कुहयध्वम् |
| | कुहये | कुहयावहे | कुहयामहे |
| ह्य० | अकुहयत | अकुहयेताम् | अकुहयन्त |
| | अकुहयथाः | अकुहयेथाम् | अकुहयध्वम् |
| | अकुहये | अकुहयावहि | अकुहयामहि |
| भ० | अचुकुहत | अचुकुहेताम् | अचुकुहन्त |
| | अचुकुहथाः | अचुकुहेथाम् | अचुकुहध्वम् |
| | अचुकुहे | अचुकुहावहि | अचुकुहामहि |
| प० | कुहयाञ्चक्रे | कुहयाञ्चक्राते | कुहयाञ्चक्रिरे |
| | कुहयाञ्चकृषे | कुहयाञ्चक्राथे | कुहयाञ्चक्रव्हे |
| | कुहयाञ्चक्रे | कुहयाञ्चक्रवहे | कुहयाञ्चक्रमहे |
| | कुहयाम्बभूव | कुहयामास | |
| भा० | कुहयिषीष्ट | कुहयिषीयास्ताम् | कुहयिषीरन् |
| | कुहयिषीष्टाः | कुहयिषीयाथाम् | कुहयिषीध्वम् |

| | | | |
|-------|-------------|----------------|----------------|
| | कुहयिषीय | कुहयिषीवहि | कुहयिषीमहि |
| श्र० | कुहयिता | कुहयितारौ | कुहयितारः |
| | कुहयितासे | कुहयितासाथे | कुहयिताध्वे |
| | कुहयिताहे | कुहयितास्वहे | कुहयितास्महे |
| भ० | कुहयिष्यते | कुहयिष्येते | कुहयिष्यन्ते |
| | कुहयिष्यसे | कुहयिष्येथे | कुहयिष्यध्वे |
| | कुहयिष्ये | कुहयिष्यावहे | कुहयिष्यामहे |
| क्रि० | अकुहयिष्यत | अकुहयिष्येताम् | अकुहयिष्यन्त |
| | अकुहयिष्यथा | अकुहयिष्येथाम् | अकुहयिष्यध्वम् |
| | अकुहयिष्ये | अकुहयिष्यावहि | अकुहयिष्यामहि |

1942 युज् (युज्) संपर्चने । युजिच् 1254 वद्रूपाणि

1943 लीण् (ली) द्रवीकरणे । अकृतात्त्वलीङ्च्

1248 वद्रूपाणि

1944 मीण् (मी) मतो । मयि 713 वद्रूपाणि

मुनिश्रोलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे णिगन्तप्रक्रिया (१५१५)

1945 प्रीगुण् (प्री) तपणे । प्रीगुश् 1510 ध्रुपाणि
 1946 ध्रुगुण् (ध्रु) कम्पने । ध्रुगुट् 1291 ध्रुपाणि
 1947 वृगुण् (वृ) आवरणे । वृगुट् 1294 वृपाणि
 1948 जृण् (जृ) वयोहानौ । जृषच् 1145 वृपाणि

1949 चीकण् (चीक्) आमर्षणे ।

| | | | |
|-------|------------------|---------------|--------------|
| व० | चीकयति | चीकयतः | चीकयन्ति |
| | चीकयसि | चीकयथः | चीकयथ |
| | चीकयामि | चीकयावः | चीकयामः |
| स० | चीकयेत् | चीकयेताम् | चीकयेयुः |
| | चीकयेः | चीकयेतम् | चीकयेत |
| | चीकयेथम् | चीकयेव | चीकयेम |
| प० | चीकयतु | चीकयतात् | चीकयन्तु |
| | चीकय | चीकयतात् | चीकयत |
| | चीकयानि | चीकयाव | चीकयाम |
| ह्य० | अचीकयत् | अचीकयताम् | अचीकयन् |
| | अचीकयः | अचीकयतम् | अचीकयत |
| | अचीकयम् | अचीकयाव | अचीकयाम |
| अ० | अचीचिकत् | अचीचिकताम् | अचीचिकन् |
| | अचीचिक | अचीचिकतम् | अचीचिकत |
| | अचीचिकम् | अचीचिकाव | अचीचिकाम |
| प० | चीकयाश्चकार | चीकयाश्चक्रुः | चीकयाश्चकुः |
| | चीकयाश्चकथं | चीकयाश्चकथुः | चीकयाश्चक्र |
| | चीकयाश्चकार-च कर | चीकयाश्चकुव | चीकयाश्चक्रम |
| | चीकयाम्बभूव | । | चीकयामास |
| आ० | चीकयात् | चीकयास्ताम् | चीकयामुः |
| | चीकया | चीकयास्तम् | चीकयास्त |
| | चीकयासम् | चीकयास्व | चीकयास्म |
| श्च० | चीकयिता | चीकयितारौ | चीकयितारः |
| | चीकयितासि | चीकयितास्थः | चीकयितास्थ |
| | चीकयितास्मि | चीकयितास्वः | चीकयितास्मः |
| अ० | चीकयिष्यति | चीकयिष्यतः | चीकयिष्यन्ति |
| | चीकयिष्यसि | चीकयिष्यथः | चीकयिष्यथ |
| | चीकयिष्यामि | चीकयिष्यावः | चीकयिष्यामः |
| क्रि० | अचीकयिष्यत् | अचीकयिष्यताम् | अचीकयिष्यन् |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| | अचीकयिष्यः | अचीकयिष्यतम् | अचीकयिष्यत |
| | अचीकयिष्यम् | अचीकयिष्याव | अचीकयिष्याम |
| व० | चीकयते | चीकयेते | चीकयन्ते |
| | चीकयसे | चीकयेथे | चीकयन्थे |
| | चीकये | चीकयावहे | चीकयामहे |
| स० | चीकयेत | चीकयेताताम् | चीकयेरन् |
| | चीकयेथाः | चीकयेथाथाम् | चीकयेथ्वम् |
| | चीकयेथ | चीकयेवहि | चीकयेमहि |
| प० | चीकयताम् | चीकयेताम् | चीकयन्ताम् |
| | चीकयस्व | चीकयेथाम् | चीकयथ्वम् |
| | चीकये | चीकयावहै | चीकयामहै |
| ह्य० | अचीकयत | अचीकयेताम् | अचीकयन्त |
| | अचीकयथाः | अचीकयेथाम् | अचीकयथ्वम् |
| | अचीकये | अचीकयावहि | अचीकयामहि |
| अ० | अचीचिकत | अचीचिकेताम् | अचीचिकन्त |
| | अचीचिकथाः | अचीचिकेथाम् | अचीचिकथ्वम् |
| | अचीचिके | अचीचिकावहि | अचीचिकामहि |
| प० | चीकयाश्चक्रे | चीकयाश्चक्राते | चीकयाश्चक्रिरे |
| | चीकयाश्चकृषे | चीकयाश्चक्राथे | चीकयाश्चकृद्वे |
| | चीकयाश्चक्रे | चीकयाश्चकृवहे | चीकयाश्चकृमहे |
| | चीकयाम्बभूव | । | चीकयामास |
| आ० | चीकयिषीष्ट | चीकयिषीयस्ताम् | चीकयिषीरन् |
| | चीकयिषीष्टाः | चीकयिषीयास्थाम् | चाकयिषीद्वम् |
| | | | ध्वम् |
| | चीकयिषीय | चीकयिषीवहि | चीकयिषीमहि |
| श्च० | चीकयिता | चीकयितारौ | चीकयितारः |
| | चीकयितासे | चीकयितासाथे | चीकयिताथ्वे |
| | चीकयिताहे | चीकयितास्वहे | चीकयितास्महे |
| अ० | चीकयिष्यते | चीकयिष्येते | चीकयिष्यन्ते |
| | चीकयिष्यसे | चीकयिष्येथे | चीकयिष्यथ्वे |
| | चीकयिष्ये | चीकयिष्यावहे | चीकयिष्यामहे |
| क्रि० | अचीकयिष्यत | अचीकयिष्येताम् | अचीकयिष्यन्त |
| | अचीकयिष्यथाः | अचीकयिष्येथाम् | अचीकयिष्यथ्वम् |
| | अचीकयिष्ये | अचीकयावहहि | अचीकयिष्यामहि |

1950 शीकणू (शीक्) आमर्षणे ।

| | | | |
|-------|-----------------|---------------|---------------|
| ब० | शीकयति | शीकयतः | शीकयन्ति |
| | शीकयसि | शीकयथः | शीकयथ |
| | शीकयामि | शीकयावः | शीकयामः |
| स० | शीकयेत् | शीकयेताम् | शीकयेयुः |
| | शीकयेः | शीकयेतम् | शीकयेत |
| | शीकयेयम् | शीकयेय | शीकयेम |
| प० | शीकयतु | शीकयतात् | शीकयताम् |
| | शीकय | शीकयतात् | शीकयतम् |
| | शीकयानि | शीकयाव | शीकयाम |
| | अशीकयत् | अशीकयताम् | अशीकयन् |
| | अशीकयः | अशीकयतम् | अशीकयत |
| | अशीकयम् | अशीकयाव | अशीकयाम |
| अ० | अशीशिकत् | अशीशिकताम् | अशीशिकन् |
| | अशीशिकः | अशीशिकतम् | अशीशिकत |
| | अशीशिकम् | अशीशिकाव | अशीशिकाम |
| प० | शीकयाञ्चकार | शीकयाञ्चकतुः | शीकयाञ्चक्रुः |
| | शीकयाञ्चक्यै | शीकयाञ्चक्युः | शीकयाञ्चक |
| | शीकयाञ्चकार-चकर | शीकयाञ्चकृव | शीकयाञ्चकृमहे |
| | शीकयाम्बभूव | । | शीकयामास |
| आ० | शीक्यात् | शीक्यास्ताम् | शीक्यासुः |
| | शीक्याः | शीक्यास्तम् | शीक्यास्त |
| | शीक्यासम् | शीक्यास्व | शीक्यासम |
| झ० | शीकयिता | शीकयितारौ | शीकयितारः |
| | शीकयितारि | शीकयितास्थः | शीकयितास्थ |
| | शीकयितामि | शीकयितास्वः | शीकयितास्मः |
| भ० | शीकयिष्यति | शीकयिष्यतः | शीकयिष्यन्ति |
| | शीकयिष्यसि | शीकयिष्यथः | शीकयिष्यथ |
| | शीकयिष्यामि | शीकयिष्यावः | शीकयिष्यामः |
| क्रि० | अशीकयिष्यत् | अशीकयिष्यताम् | अशीकयिष्यन् |
| | अशीकयिष्यः | अशीकयिष्यतम् | अशीकयिष्यत |
| | अशीकयिष्यम् | अशीकयिष्याव | अशीकयिष्याम |

| | | | |
|-------|--------------|-----------------|----------------|
| ब० | शीकयते | शीकयेते | शीकयन्ते |
| | शीकयसे | शीकयेथे | शीकयध्वे |
| | शीकये | शीकयावहे | शीकयामहे |
| स० | शीकयेत | शीकयेयाताम् | शीकयेरन् |
| | शीकयेथाः | शीकयेयाथाम् | शीकयेष्वम् |
| | शीकयेय | शीकयेवहि | शीकयेमहि |
| प० | शीकयताम् | शीकयेताम् | शीकयन्ताम् |
| | शीकयस्व | शीकयेथाम् | शीकयाचम् |
| | शीकये | शीकयावहे | शीकयामहे |
| ह्य० | अशीकयत | अशीकयेताम् | अशीकयन्त |
| | अशीकयथाः | अशीकयेथाम् | अशीकयध्वम् |
| | अशीकये | अशीकयावहि | अशीकयामहि |
| अ० | अशीशिकत | अशीशिकेताम् | अशीशिकन्त |
| | अशीशिकथाः | अशीशिकेथाम् | अशीशिकध्वम् |
| | अशीशिके | अशीशिकावहि | अशीशिकामहि |
| प० | शीकयाञ्चके | शीकयाञ्चकाते | शीकयाञ्चकिरे |
| | शीकयाञ्चकृषे | शीकयाञ्चक्राये | शीकयाञ्चकृद्वे |
| | शीकयाञ्चके | शीकयाञ्चकृवहे | शीकयाञ्चकृमहे |
| | शीकयाम्बभूव | । | शीकयामास |
| आ० | शीकयिषीष्ट | शीकयिषीयास्ताम् | शीकयिषीन् |
| | शीकयिषीष्टाः | शीकयिषीयास्थाम् | शीकयिषीद्वम् |
| | शीकयिषीय | शीकयिषीवहि | शीकयिषीमहि |
| झ० | शीकयिता | शीकयितारौ | शीकयितारः |
| | शीकयितासे | शीकयितासाये | शीकयिताध्वे |
| | शीकयिताहे | शीकयितास्वहे | शीकयितास्महे |
| भ० | शीकयिष्यते | शीकयिष्येते | शीकयिष्यन्ते |
| | शीकयिष्यसे | शीकयिष्येथे | शीकयिष्यध्वे |
| | शीकयिष्ये | शीकयिष्यावहे | शीकयिष्यामहे |
| क्रि० | अशीकयिष्यत् | अशीकयिष्येताम् | अशीकयिष्यन्त |
| | अशीकयिष्यथाः | अशीकयिष्येथाम् | अशीकयिष्यध्वम् |
| | अशीकयिष्ये | अशीकयिष्यावहि | अशीकयिष्यामहि |

1951 मार्गण् (मार्ग) अन्वेषणे ।

| | | |
|---------------------|------------------|-----------------|
| ब० मार्गयति | मार्गयतः | मार्गयन्ति |
| मार्गयसि | मार्गयथः | मार्गयथ |
| मार्गयामि | मार्गयावः | मार्गयामः |
| स० मार्गयेत् | मार्गयेताम् | मार्गयेयुः |
| मार्गयेः | मार्गयेतम् | मार्गयेत |
| मार्गयेयम् | मार्गयेव | मार्गयेम |
| प० मार्गयतु | मार्गयतात् | मार्गयताम् |
| मार्गय | मार्गयतात् | मार्गयतम् |
| मार्गयाणि | मार्गयाव | मार्गयाम |
| ह्र० अमार्गयत् | अमार्गयताम् | अमार्गयन् |
| अमार्गय | अमार्गयतम् | अमार्गयत |
| अमार्गयम् | अमार्गयाव | अमार्गयाम |
| अ० अमार्गयत् | अमार्गयताम् | अमार्गयन् |
| अमार्गयः | अमार्गयतम् | अमार्गयत |
| अमार्गयम् | अमार्गयाव | अमार्गयाम |
| प० मार्गयाश्चकार | मार्गयाश्चक्रुः | मार्गयाश्चक्रुः |
| मार्गयाश्चक्रथि | मार्गयाश्चक्रथुः | मार्गयाश्चक्र |
| मार्गयाश्चकार-चकर | मार्गयाश्चक्रव | मार्गयाश्चक्रम् |
| मार्गयाम्बभूव | । | मार्गयामास |
| आ० मार्गयात् | मार्गयास्ताम् | मार्गयासुः |
| मार्गयाः | मार्गयास्तम् | मार्गयास्त |
| मार्गयासम् | मार्गयास्व | मार्गयास्म |
| श्व० मार्गयिता | मार्गयितारौ | मार्गयितारः |
| मार्गयितासि | मार्गयितास्थः | मार्गयितास्थ |
| मार्गयितास्मि | मार्गयितास्वः | मार्गयितास्मः |
| भ० मार्गयिष्यति | मार्गयिष्यतः | मार्गयिष्यन्ति |
| मार्गयिष्यसि | मार्गयिष्यथः | मार्गयिष्यथ |
| मार्गयिष्यामि | मार्गयिष्यावः | मार्गयिष्यामः |
| क्रि० अमार्गयिष्यत् | अमार्गयिष्यताम् | अमार्गयिष्यन् |
| अमार्गयिष्यः | अमार्गयिष्यतम् | अमार्गयिष्यत |
| अमार्गयिष्यम् | अमार्गयिष्याव | अमार्गयिष्याम |

| | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|
| ब० मार्गयते | मार्गयते | मार्गयन्ते |
| मार्गयसे | मार्गयथे | मार्गयध्वे |
| मार्गये | मार्गयावहे | मार्गयामहे |
| स० मार्गयेत | मार्गयेयाताम् | मार्गयेरन् |
| मार्गयेथाः | मार्गयेथायाम् | मार्गयेध्वम् |
| मार्गयेथ | मार्गयेबहि | मार्गयेमहि |
| प० मार्गयताम् | मार्गयेताम् | मार्गयन्ताम् |
| मार्गयस्व | मार्गयेथाम् | मार्गयध्वम् |
| मार्गये | मार्गयावहे | मार्गयामहे |
| ह्र० अमार्गयत | अमार्गयेताम् | अमार्गयन्त |
| अमार्गयथाः | अमार्गयेथाम् | अमार्गयध्वम् |
| अमार्गये | अमार्गयावहि | अमार्गयामहि |
| अ० अमार्गयत | अमार्गयेताम् | अमार्गयन्त |
| अमार्गयथाः | अमार्गयेथाम् | अमार्गयध्वम् |
| अमार्गये | अमार्गयावहि | अमार्गयामहि |
| प० मार्गयाश्चक्रे | मार्गयाश्चक्राते | मार्गयाश्चक्रिरे |
| मार्गयाश्चक्रुषे | मार्गयाश्चक्राये | मार्गयाश्चक्रुद्वे |
| मार्गयाश्चक्रे | मार्गयाश्चक्रुवहे | मार्गयाश्चक्रुमहे |
| मार्गयाम्बभूव | । | मार्गयामास |
| आ० मार्गयिषीष्ट | मार्गयिषीयास्ताम् | मार्गयिषीरन् |
| मार्गयिषीष्टाः | मार्गयिषीयास्थाम् | मार्गयिषीद्वम् |
| मार्गयिषीय | मार्गयिषीवहि | मार्गयिषीमहि |
| श्व० मार्गयिता | मार्गयितारौ | मार्गयितारः |
| मार्गयितासे | मार्गयितासाये | मार्गयिताध्वे |
| मार्गयिताहे | मार्गयितास्वहे | मार्गयितामहे |
| भ० मार्गयिष्यते | मार्गयिष्येते | मार्गयिष्यन्ते |
| मार्गयिष्यसे | मार्गयिष्येथे | मार्गयिष्यध्वे |
| मार्गयिष्ये | मार्गयिष्यावहे | मार्गयिष्यामहे |
| क्रि० अमार्गयिष्यत | अमार्गयिष्येताम् | अमार्गयिष्यन्त |
| अमार्गयिष्यथाः | अमार्गयिष्येथाम् | अमार्गयिष्यध्वम् |
| अमार्गयिष्ये | अमार्गयिष्यावहि | अमार्गयिष्यामहि |

(२५१८) मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे निगन्तप्रक्रिया

1952 वृचण् (वृच्) संपर्चने । वृचैङ्क् 1108

वद्रूपाणि

1953 रिचण् (रिच्) विद्योजने । रिचैङ्क् 1474

वद्रूपाणि

1954 वचण् (वच्) भाषणे । वचैङ्क् 1096 वद्रूपाणि

1955 अर्चिण् [अर्च्] पूजायाम् । अर्चै 104 वद्रूपाणि

1956 वृजिण् (वृज्) वर्जने । वृजैकि 1111 वद्रूपाणि

1957 मृजौण् (मृज्) शौचालङ्कारयोः । मृजौक्

1087 वद्रूपाणि

1958 कटुण् [कट्] शोकं । कटुङ्क् 978 वद्रूपाणि

1959 अग्र्यण् (अग्र्य्) संदर्भे । अग्र्यङ्क् 717 वद्रूपाणि

1960 ग्रन्थण् (ग्रन्थ्) संदर्भे । ग्रन्थङ्क् 718 वद्रूपाणि

1961 क्रथण् (क्रथ्) हिसायाम् । क्रथै 1045 वद्रूपाणि

1962 अर्दिण् (अर्दि) हिसायाम् । अर्दि 301 वद्रूपाणि

1963 अथण् (अथ्) बन्धने च । अथण् 1252 वद्रूपाणि

1964 वदिण् [वद्] भाषणे । वद 998 वद्रूपाणि

1965 छदण् (छद्) अपवारणे । छदण् 1655 वद्रूपाणि

1966 आङः सदण् (आ-सद्) गतौ ।

३० सादयति सादयतः सादयन्ति

सादयसि सादयथः सादयथ

सादयामि सादयावः सादयामः

४० सादयेत् सादयेताम् सादयेयुः

सादयेः सादयेतम् सादयेत

सादयेयम् सादयेव सादयेम

५० सादयतु सादयतात् सादयताम् सादयन्तु

सादय सादयतात् सादयतम् सादयत

सादयानि सादयाव सादयाम

६० असादयत् असादयताम् असादयन्

असादयः असादयतम् असादयत

असादयम् असादयाव असादयाम

अ० असीसदत् असीसदताम् असीसदन्

असीसदः असीसदतम् असीसदत

असीसदम् असीसदाव असीसदाम

५० सादयाञ्चकार सादयाञ्चकतुः सादयाञ्चकुः

सादयाञ्चकथ सादयाञ्चकथुः सादयाञ्चक

सादयाञ्चकार-चकर सादयाञ्चकृव सादयाञ्चकृम

सादयाम्बभूव । सादयामास

भा० सायात् सायास्ताम् सायासुः

सायाः सायास्तम् सायास्त

सायासम् सायास्व सायास्म

श्व० सादयिता सादयितारौ सादयितारः

सादयितासि सादयितास्थः सादयितास्थ

सादयितास्मि सादयितास्वः सादयितास्मः

भ० सादयिष्यति सादयिष्यतः सादयिष्यन्ति

सादयिष्यसि सादयिष्यथः सादयिष्यथ

सादयिष्यामि सादयिष्यावः सादयिष्यामः

क्रि० असादयिष्यत् असादयिष्यताम् असादयिष्यन्

असादयिष्यः असादयिष्यतम् असादयिष्यत

असादयिष्यम् असादयिष्याव असादयिष्याम

मुनिश्रीः लघुवि० विरचिते धातुर० द्वि० भागे निगन्तप्रक्रिया (१५१०)

| | | |
|-----------------|-----------------|----------------|
| ब० सादयते | सादयेते | सादयन्ते |
| सादयसे | सादयेथे | सादयध्वे |
| सादये | सादयावहे | सादयामहे |
| स० सादयेत | सादयेताताम् | सादयेरन् |
| सादयेथाः | सादयेथाताम् | सादयध्वम् |
| सादयेथ | सादयेवहि | सादयेमहि |
| प० सादयताम् | सादयेताम् | सादयन्ताम् |
| सादयस्व | सादयेथाम् | सादयध्वम् |
| सादये | सादयावहे | सादयामहे |
| अ० असादयत | असादयेताम् | असादयन्त |
| असादयथाः | असादयेथाताम् | असादयध्वम् |
| असादये | असादयावहि | असादयामहि |
| अ० असीसदत | असीसदेताम् | असीसदन्त |
| असीसदथाः | असीसदेथाताम् | असीसदध्वम् |
| असीसदे | असीसदावहि | असीसदामहि |
| प० सादयाञ्चक्रे | सादयाञ्चकृते | सादयाञ्चकिरे |
| सादयाञ्चकृषे | सादयाञ्चकृषे | सादयाञ्चकृध्वे |
| सादयाञ्चक्रे | सादयाञ्चकृवहे | सादयाञ्चकृमहे |
| सादयाञ्चभूष | सादयामास | |
| अ० सादयिषीष्ट | सादयिषीयास्ताम् | सादयिषीरन् |
| सादयिषीष्टाः | सादयिषीयास्ताम् | सादयिषीध्वम् |
| सादयिषीय | सादयिषीवहि | सादयिषीमहि |
| अ० सादयिता | सादयितारौ | सादयितारः |
| सादयितासे | सादयितासाधे | सादयिताध्वे |
| सादयिताहे | सादयितास्वहे | सादयितास्महे |

| | | |
|------------------|------------------|----------------|
| अ० सादयिष्यते | सादयिष्येते | सादयिष्यन्ते |
| सादयिष्यसे | सादयिष्येथे | सादयिष्यध्वे |
| सादयिष्ये | सादयिष्यावहे | सादयिष्यामहे |
| क्रि० असादयिष्यत | असादयिष्येताम् | असादयिष्यन्त |
| असादयिष्यथाः | असादयिष्येथाताम् | असादयिष्यध्वम् |
| असादयिष्ये | असादयिष्यावहि | असादयिष्यामहि |

- 1967 छृदण् (छृद्) संदीपने । ऊर्ध्वप्री 1515 वङ्गपाणि
- 1968 शुन्धिण् (शुन्ध्) शुद्धौ । शुन्ध 323 वङ्गपाणि
- 1969 तन्नृण् (तन्) श्रद्धाघाते । तन्नृयी 1499 वङ्गपाणि
- 1970 मानण् (मान्) पूजायाम् । मनिच् 1263 वङ्गपाणि
- 1971 तपिण् (तप्) दाहे । तपं 333 वङ्गपाणि
- 1972 तृपण् (तृप्) प्रीणने । तृपौच् 1189 वङ्गपाणि
- 1973 आप्लण् (आप्) लम्बने । आप्लट् 1307 वङ्गपाणि
- 1974 दभेण् (दभ्) भये । दभैत् 1389 वङ्गपाणि
- 1975 ईरण् (ईर्) क्षेपे । ईरिक् 1115 वङ्गपाणि
- 1976 मृषिण् (मृष्) तितिक्षायाम् । मृषू 528 वङ्गपाणि
- 1977 शिपण् (शिप्) असर्वोपयोगे । शिप 508 वङ्गपाणि
- 1978 जुपण् (जुप्) परितर्कणे । जुपति 1472 वङ्गपाणि
- 1979 घृषण् (घृष्) प्रसहने । विघृषाद् 1312 वङ्गपाणि
- 1980 हिसुण् (हिस्) हिसायाम् । हिमुप् 1474 वङ्गपाणि
- 1981 गहण् (गह्) विनिन्दने । गहिं 360 वङ्गपाणि
- 1982 पृहण् (पृह्) मर्षणे । पृहि 990 वङ्गपाणि

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि--सर्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण--
विद्यापोठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक संविग्नशास्त्रीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-
विजयश्रीमद्गुरुराजश्रीविजयनेमिसुरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरैन्दिरा-
यमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य णिग-
न्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे

द्वितीयभागे

॥ चूरादिगणः सम्पूर्णः ॥

समर्थितश्च धातुरत्नाकरस्य णिगन्तरूपपरम्पराप्रकृति-
निरूपणो नाम द्वितीयो भागः ॥



उग्रस्थेषु सदा स्खलद्रतितया दोषप्रबन्धान्वये
नो हास्यास्पदमत्र दोषवदनायां स्यामहं धीमताम् ।
नो प्राथ्याः कृतिनो निसर्गगिरिमावासा मया शोधने
तेषां दोषगणप्रमाजितविधिस्त्वाभाविकोऽयं यतः ॥ १ ॥
गच्छन्तः स्खलन्तः कायि भवन्त्येव प्रमादतः ।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः ॥२॥



॥ अथ शुद्धिपत्रकम् ॥

| प० | पं० | शुद्ध | अशुद्ध | प० | पं० | शुद्ध | अशुद्ध |
|-----|-----|------------|-------------|-----|-----|-------------|--------------------|
| २ | ११ | णिण् | णिग् | १७८ | १ | त्यवसात- | त्यवसात- |
| ४ | १० | पाययः | पायय | १८८ | १ | उछाये | उच्छाये |
| ६ | ५ | ध्यापयावः | ध्यापयामः | २०१ | १५ | अचुकुटे | अचुकुण्टे |
| ७ | ३ | स्थापयसि | स्थापयसि | २४५ | १२ | अतूडयन् | अतूडयत् |
| ७ | ९ | स्थापयवाहै | स्थापयवाहै | २४५ | ९ | तडयै | तूडयै |
| २० | २४ | गारयितास्थ | गारयितास्थः | २५० | १ | कड्ड | कड्ड |
| २८ | ९ | तारयै | तारयै | २५३ | १ | विलासे | विलासे, लत्वे |
| २९ | १ | ट्थे | थे | २५३ | ३२ | | लत्त्वामावे लाडयति |
| ३५ | १ | न्यक्करणे | न्यक्करणे | २५६ | १ | अड्ड | अड्ड |
| ५० | १ | व | वै | २५७ | १ | चुड्ड | चुड्ड |
| १२५ | ७ | वाञ्छयेयम् | वाञ्छयेयम् | २५७ | १४ | अचुच्यताम् | अचुच्यताम् |
| १२७ | १ | हीच्छ | हीछ | २६९ | १७ | अचिकणत् | अचीकणत् |
| १२८ | १ | हुर्छा | हुर्छा | | | छाए रूपमा | ची दीर्घ जाणवी |
| १२९ | १ | मुर्छा | मूर्च्छ | २७३ | १ | शोण | शोण |
| १३९ | १ | स्मुर्छा | स्मूर्छ | २७६ | | प्रेर- | प्रेरण- |
| १५४ | १ | कृज | कृज् | २७९ | १३ | अचुच्युत | अचुच्युतत |
| १६२ | १ | जज | ज | २८३ | | चकृवः | चकृव |
| १७० | ६ | मजयः | मोजयेः | २८५ | ३० | डीयादेशे तु | ऋतीययति इत्यादि |
| ५१ | १४ | अमूमुज | अमूमुजत् | २८६ | | कुन्थयताः | कुन्थयतः |
| ५१ | १३ | अमूमुजताम् | अमूमुजेताम् | २९० | | माथु | मान्थ |
| ५१ | १४ | अमूमुजथाम् | अमूमुजेशाम् | २९१ | | खाद | खादू |
| ५१ | १५ | अमूमुज | अमूमुजे | २९५ | | आदयेताम् | अनादयेताम् |
| ५१ | १५ | अमूमुजावहि | अमूमुजावहि | | | आदयावहि | अनादयावहि |
| १७७ | १३ | अचीकटत | अचीकटत | २९८ | १० | णर्द | नर्द |
| | | | | २९८ | ३१ | नर्द | णर्द |

| प० | पं० | शुद्ध | अशुद्ध | प० | पं० | शुद्ध | अशुद्ध |
|-----|-----|---------------------------------------|-------------|-----|-----|------------------------------|------------------|
| | | णद | नर्द | | | घवु | घवु |
| ३९८ | ८ | नर्दयेध्वम् | नर्दयेध्वम् | ४४२ | १ | घवु | घवु |
| ३०७ | १ | दुणदु | दुनदु | ४४७ | १६ | अटिष्ठिवत् | अटिष्ठिवेताम् |
| ३१५ | १८ | चक्र | चके | | | अटिष्ठिवन्ते | |
| ३४६ | १० | वर्कयाणि | वर्कयाणि | ४४८ | ९ | क्षवय | क्षेवये |
| ३४७ | १० | राफयाणि | राफयाणि | ४५९ | १ | जूर्वे | जुर्वे |
| ३५० | १० | कर्बयाणि | कर्बयाणि | ४६१ | १ | अर्वे | अर्व |
| ३५१ | १० | खर्वयाणि | खर्वयाणि | ४६३ | १ | मुर्वे | मूर्व |
| ३५३ | २ | बर्वयति | चर्वयति | ४६९ | १५ | अजिहन्विः | अजिहन्विः |
| ३६० | १ | ३५८ रि | ३६६ रिखु | ४६९ | १६ | अजिहन्विम् | अजिहन्विम् |
| ३६७ | ६ | सेभयेथा | सेभयेथाः | ४७२ | १ | इन्व् | इन्व् |
| " | २५ | सेभयित | सेभयिताहे | ४७२ | ३ | प्रतितुप्तयवगमनप्र- | प्रीतितुप्तयवगम- |
| ३८७ | १ | भक्तयोः | भक्तयोः | | | वेश श्रयण- | नप्रवेशश्रयण- |
| ३९२ | १० | ईक्षयाणि | ईक्षयाणि | ४७८ | २ | नशयति | नेशयति |
| " | २ | ईक्ष्यध्वम् | ईक्ष्यध्वे | ४७९ | १० | दर्शयाणि | दर्शयाणि |
| " | १८ | चक्र | चके | ४८८ | १ | ऊच्छ | उच्छ |
| ४०१ | ३ | चारय स | चारयसि | ४८८ | १७ | चक्रः | चक्रुः |
| " | ३३ | भक्षणादन्यत्रात्मनेपदे चारयते इत्यादि | | ४९१ | १ | शेष | शिष् |
| ४०८ | १० | क्ष्मीलयाणि | क्ष्मीलयाणि | ५०९ | ३३ | ५२७ वृष् (वृष्) सेचने । | |
| ४१७ | ३० | ४२८ फल (फल्) | फल (फल्) | | | वृष् ५२० वृष्पाणि | |
| | | निष्पत्तौ । ४१४ डिफलावृष्पाणि | | ५२० | १ | त्रयादश | त्रयोदश |
| ४२७ | | सल् | सल् | ५२६ | १६ | चक्रथुः | चक्रतुः |
| ४३२ | | चेल | चेल | ५२७ | ३३ | ५४७ पेसृ (पेस्) गतौ । पिसृ | |
| ४३५ | ३१ | चलने न आत्मनेपदम् | | | | ५४६ वृष्पाणि | |
| ४३७ | १ | श्वल् | श्वल् | ५४० | १ | उहृ | उहृ |
| ४३८ | २२ | चव्यासुः | चव्यासुः | ५४१ | १ | तुहृ | तुहृ |
| ४४१ | १९ | मवया | मर्वया | ५८२ | २ | वङ्क् | वङ्क् |
| " | | " | " | ६०४ | २३ | वस्व्यास्त | वस्व्यास्त |
| | | | | ६०५ | ३१ | व्य | व्यः |

| પ૦ | પં. | શુદ્ધ | અશુદ્ધ |
|-----|-----|----------------------|-------------|
| ૬૨૪ | ૧ | દીસૌ | દીસૌ ચ |
| ૬૬૬ | ૩૩ | મેદે | મદે |
| | | કળ્ | કળ્ |
| ૬૬૯ | ૩૩ | ૬૯૨ મહુડ્ | (મળ્) |
| | | વેષ્ટને । મહુ ૨૩૧ | વટ્ટપાણિ |
| ૬૬૦ | ૩૩ | મહુડ્ | મહુડ્ |
| ૬૭૬ | ૩૩ | પક્ષે પળાયયતિ | પળાયયત: |
| | | | ઇત્યાદિ । |
| ૬૭૯ | ૨ | વિથ્ | વિથ્ |
| ૬૯૦ | ૧ | દાદ | દદિ |
| ૭૧૩ | ૧૪ | અતેપયત | અતેપયામ |
| ૭૨૦ | ૧ | પપ્ | મેપ્ |
| ૭૨૨ | ૩૩ | ૭૬૨ | ત્રપૌષિ |
| | | (ત્રપ્) | લજ્ઞાયામ |
| | | ત્રૈ | વટ્ટપાણિ |
| ૭૨૨ | ૩૩ | ગર્હાયમ્—જુગુપ્સયતિ | ઇત્યાદિ |
| ૭૪૧ | | જૃમ્ભયાણિ | જૃમ્ભયાણિ |
| ૭૪૬ | | ઇવટ્ટુ | ઇવટ્ટુ |
| ૭૬૩ | | દુર્ગન્ધ | દુર્ગન્ધ |
| ૭૬૩ | ૨૭ | ચિષ્ટેતે | ચિષ્ટેતે |
| ૭૬૭ | ૧૩ | અચકલત | અચકલત |
| ૭૭૯ | ૨ | મ્લેલે- | મ્લે- |
| ૭૮૩ | ૩૩ | ૮૩૩ ઈષિ (ઈષ્) ગતિ- | |
| | | હિસાદર્શનેષુ ઈષ ૬૦૬ | વટ્ટપાણિ |
| ૭૮૬ | ૩૯ | અયેષચિષ્યદ્ | અયેષચિષ્યન્ |
| ૭૯૪ | ૧ | ત્રયોદશ | ત્રયોદશ |
| ૭૯૭ | ૧૬ | અબઞ્જસત | અબઞ્જસેતામ્ |
| | | અબઞ્જસન્ત-- | |

| પ૦ | પં. | શુદ્ધ | અશુદ્ધ |
|------|--------|-------------------|-------------------|
| ૮૧૪ | ૧ | વલ્હિ | વલ્હ્ |
| ૮૨૪ | ૧૧ | દક્ષયાણિ | દક્ષયાણિ |
| ૮૨૯ | ૧ | યાશ્ચયામ્ | યાશ્ચયામ્ |
| ૮૩૨ | ૧૪ | અશિશ્રાયત્ | અશિશ્રાયત્ |
| ૮૩૨ | ૩૩ | નયે | પ્રાપણે |
| ૮૪૬ | ૧૮--૧૯ | પ્રાથ | પ્રોથ |
| | | ૪ રૂપોમાં વાંચવાં | |
| ૮૭૧ | | બ્રાષયાણિ | બ્રાષયાણિ |
| ૮૮૧ | | તાન્ત | તાન્ત: |
| ૮૯૦ | | ધ્વંસઙ્ | ધ્વંસઙ્ |
| ૮૯૬ | ૩૩ | જ્વલયતિ | અજિજ્વલત્ |
| | | જ્વલયતિ | પ્રાજિજ્વલત્ |
| ૮૯૮ | ૨ | પથે | પથે |
| ૯૦૮ | ૧ | વૈકલ્યે | વૈકલ્યે |
| ૯૧૬ | ૧ | સંસ્ત્યાનયો: | બન્ધુસંસ્ત્યાનયો: |
| ૯૨૩ | ૨૦ | યાજયિષીરત્ | યાજયિષીરન્ |
| ૯૩૪ | ૧ | સ્વદને | સ્વદને |
| ૯૪૬ | ૧૦ | રગયાણિ | રગયાણિ |
| ૧૦૦૪ | ૧૪ | અસસંસ્તયત્ | અસસંસ્તત્ |
| ૧૧૦૬ | ૩૩ | અસક્ (અસ્) ધુવિ | અસી ૯૩૨ |
| | | | વટ્ટપાણિ |
| ૧૦૧૧ | ૨ | પૃચ્છે | પૃચ્છે |
| ,, | ૧૭ | અપીપૃચમ્ | અપીપૃચમ્ |
| | ૧૮ | અપર્પચન્ | અપર્પચન્ |
| ૧૦૨૨ | ૩૩ | એવં દ્વેષાપયતિ | દ્વેષાપયતીયાદિ |
| | | ઇત્યાદિ | |
| ૧૧૨૪ | ૧ | ષ્ટં | ષ્ટંગક્ |
| ૧૦૨૬ | ૧૧ | દ્વેષયાણિ | દ્વેષયાણિ |

| प० | पं० | शुद्ध | अशुद्ध | प० | पं० | शुद्ध | अशुद्ध |
|------|-----|-----------------------|--------------|-----------|------|---------------------------|--------------|
| १०२५ | १८ | चक्र | चक्रुः | ११३८ | १ | तिक्च | तिकट् |
| १०२९ | २ | दावा- | दाना- | ११४० | १ | अप् | आप् |
| १०३० | २ | ओहाक् | ओहाक् | ११४० | १ | हिसायाम् | हिसाकरणयोः । |
| १०३४ | २ | शौचे | शौचे च | ११८४ | | अचीचर्चत् | अचचर्चत् |
| १०३४ | १५ | अनीनिजत् | अनीनिजत् | | | अचीचर्चताम् | अचचर्चताम् |
| १०४२ | २ | ब्रीड्च | ब्रीड्च | | | अचीचर्चन् | अचचर्चन् |
| १०५१ | १५ | अतीतिमत् | अतीतिमत् | ११९० | १ | कथन- | कथन |
| १०५६ | ३० | गतिशोषणयोः | | ११९३ | १० | दर्फ्यानि | दर्फ्याणि |
| | | निरक्षने | | ११९४ | १० | दृम्फ्यानि | दृम्फ्याणि |
| १०५६ | ३१ | ॥ | निरक्षने | १२१३ | ३४ | चालयति | चालयते |
| ११७३ | ३३ | षट् (सह) शक्तौ | षट् ११० | | | इत्यादि कम्पने तु । | |
| | | बहूपणि । | | १२२१ | १ | हिसायान् | हिसायाम् |
| १०६२ | ३५ | दाङ् | दाच् | १२२७ | १ | स्तृहौ | स्तहौत् |
| १०६६ | ३१ | दाङ् | दाच् | १२२८ | १ | स्तृहौ | स्तृहौत् |
| ॥ | ३४ | दाङ् | दाच् | १२५४ | १ | ओलस्जैत् | ओलस्जैति |
| १०६५ | ३३ | साधयति असीषधत् | साधयते असीष- | १२५८ | २ | रुधृम्पी | रुधृंपी |
| | | धत् इत्यादि ज्ञाने तु | | ॥ | १ | रिचृम्पी | रिचृंपी |
| १०७३ | १ | युषच् | युषच् | १२५९ | १ | विचृम्पी | विचृंपी |
| १०८५ | १ | तुषच् | तुष | १२६० | १ | भिदृम्पी | भिदृंपी |
| १०९० | १ | नाष्टकम् | नामष्टकम् | १२६१ | १ | छिदृम्पी | छिदृंपी |
| ११०६ | ३७ | दी-दा | दी-दा अनादरे | १२६२ | १ | क्षुदृम्पी | क्षुदृंपी |
| १११० | ३५ | डीङ्च | डीङ्च-गतौ | १२६३ | १ | उदृदृम्पी | उदृदृंपी |
| १११० | १ | ब्रीङ्च | ब्रीङ्च | १२६४ - ३४ | १४८२ | पृचैप् (पृच्] संपर्के । | |
| ११११ | १ | प्रीङ्च- | प्रीङ्च | | | पृचैङ्क ११०८ | वद्ग्राणि |
| ११३१ | १ | षोच्- | षोच् | १२६८ | १ | विजृङ्की | विजृङ्की |
| ११३४ | ३६ | व्याप्तौ | शक्तौ | १२७० | १ | पिण्ड | पिण्ड |

| प० | पं० | शुद्ध | अशुद्ध | प० | पं० | शुद्ध | अशुद्ध |
|------|-----|-------------------------------|------------|------|------|------------------------------------|-----------|
| ११७० | १७ | चक्रुः | चक्रुः | १३९० | १० | राग्यानि | राग्यानि |
| ११७१ | १८ | चक्रुः | चक्रुः | १३९४ | ३४ | १७१७ कण्ण (कण्ण) निमीलने | |
| १२८५ | ३२ | अद्यतन्यामयं विशेषः, अतस्तरत् | | | | १२७० कण्ण वडूपाणि । | |
| | | अतस्तरताम् अतस्तरन् ३० | | १३९४ | | यत्तण (यत्त) निकारोपस्कारयोः । | |
| १२९३ | ३ | आययाणि | आययाणि | | | ७११ यतैवडूपाणि | |
| १३०१ | १० | चोरयाणि | चोरयाणि | १३९६ | १२ | अप्या- | आप्या |
| १३०९ | ६ | अर्कयः | अर्कयः | १३९८ | १० | मोक्षयाणि | मोक्षयाणि |
| १३१० | १० | अर्कयाणि | अर्कयाणि | १४०० | ६ | यदि- | यादि- |
| १३१० | ४ | पिञ्चयत् | पिञ्चयेत् | १४१६ | ३४ | तूणिण | तूणिण |
| १३११ | १ | बाल- | बाल | १४२१ | ९ | डम्भय | डम्भय |
| १३२० | १ | खट्वा | खट्वा | १४४२ | ३४ | | |
| १३२१ | १ | सट्वा | सट्वा | | | १८३६ स्थमिण (स्थम्) वितर्के १८३७ | |
| १३५१ | ३२ | १६५८ गुर्वाण (गूर्वा) निके- | | | | वडूपाणि | |
| | | तने गुर्दि ७३४ वडूपाणि | | १४२७ | | शमिण (शम्) आलोचने । १८५९ | |
| १३५५ | ३२ | बन्धण (बन्ध) संयमने । | | | | शमूवडूपाणि | |
| | | १५५२ बन्धण वडूपाणि । १६६४ | | १४२३ | ३४ | गू चि | गूरैचि |
| | | बन्धण (बन्ध) संयमने । ७४६ | | १४९० | ३४ | १९१५ वेल्ण । वेल् उपादेशे । | |
| | | बन्धिवडूपाणि | | | | वेल् ४४३ वडूपाणि | |
| १३५७ | १० | क्षम्पयाणि | क्षम्पयाणि | १४९५ | १० | गवेषयाणि | गवेषयाणि |
| १३६७ | १० | यन्त्रयाणि | यन्त्रयाणि | १४९७ | १० | रसयाणि | रसयाणि |
| १३६९ | ३४ | आव- | अपव- | १५०२ | ३४ | १९२१ रुहुण (रुह) गतो । | |
| १३७८ | १० | लूषयाणि | लूषयाणि | | | रुहु ५५५ वडूपाणि | |
| १३७९ | १ | पसण | पसण | १५१६ | अर्थ | अर्थ | |
| १३८६ | १० | पक्षयाणि | पक्षयाणि | १५३२ | १० | स्थूलयाणि | स्थूलयाणि |
| १३८७ | १० | लक्षयाणि | लक्षयाणि | १५३८ | १८ | सादयति आसादयति सर्वेषामापूर्वकं च | |
| १३८८ | ३४ | बुक् | बुक् | | | बोध्यम् | |

॥ प्रथमभागसत्कं किञ्चिद्वक्तव्यम् ।

खदशा भूतप्रादुर्भावे इत्यस्माद्धौ "असिद्धं बहिरङ्गमन्तरङ्ग" इति न्यायेन पूर्वमानादेशो खवानेति भवति । ननु अन्तर्भूतश्चानिमित्तकत्वेन उट एवान्तरङ्गत्वं ननु धातुश्चाहिनिमित्तकस्यानादेश-
स्येति चेन्न, द्विविशिष्टाप्रत्ययस्य कश्चित्त्वेन कायमनुभवन्ति कार्यो निमित्ततया नाश्रीयत" इति न्यायान्निमि-
तत्वायोगेन धातुमात्रस्य निमित्तत्वेनादेशस्यैवान्तरङ्गत्वात् । अत एव पारायणे खवानेत्युदाहृतम् ।
मतान्तरे तु खौनीहि ।

गुरुनाम्न्यदेरित्यत्र ऋच्छवर्जनमुकारादिसंयोगान्तधातोरुपलक्षणमत एव पारायणे ऋञ्जेरानृञ्जे
ऋम्फेरानृम्फ । उपलक्षणत्वानभ्युपगमे ऋञ्जाञ्चके ऋम्फाञ्चकारेति स्यादपि तु पारायणासङ्गत्यामादेशो
मतान्तरमालिङ्गति ।

ऋञ्श अस्यारेतिरूपसमर्थने व्यपदेशिवद्भावास्वीकारो दक्षितः तस्यायमभिप्रायः—यत्रादिपदमन्त-
पदं वा साक्षाद् गृहीतं तत्रादिरेव भन्त एवेति अवधारणविधिः, अत एव पारायणे सूर्यधातोः
त्रिविपि सूरित्युदाहृतमन्यथा द्वयोः संयोगसंज्ञापक्षे संयोगादित्वात् "संयोगस्यादौ स्कोर्लुङ्" इति कञ्चि
सूडिति स्यात्, यत्र साक्षान्न गृहीतं तत्र व्यपदेशिवद्भावप्रवृत्तिः । एतदस्वारस्ये आरेति रूपसमर्थन-
स्थले प्रान्ते आदिपदं दत्तं तेन अन्यदपि सू.यं शब्दविद्भिः ।

॥ द्वितीयभागे लुटच् धातोः रूपद्वयं अलुलूटत् अलुलोडत् इत्यादि.

DHĀTURATNĀKARA

धातुरत्नाकरः

मुनिलावण्यविजय सूरिविनिर्मितः

तृतीयो भागः

सन्नन्त प्रक्रिया

**NAVRANG • नवरंग**

1992

This publication has been brought out with financial assistance from Government of India, Ministry of Human Resources Development.

If any defect is found in this book, please return the copy by V.P.P. to the Publisher for exchange free of cost of postage.

DHĀTURATNĀKARA, VOL III

First Published 1867 Saka

Reprint 1992

Rs. 820 per set of Vols. 1-7

Published by:
Mrs Nirmal Singal, for
NAVRANG Booksellers & Publishers
RB-7, Inder Puri, New Delhi - 12
Phone: 5722197, 589914

Printed by :
Diamond Printers,
B-74, Phase II, Naraina Industrial Area,
New Delhi - 28

श्रीविजयनेमिसूरिग्रन्थमाला. (ग्रन्थरत्न-५.)

॥ श्रीमज्जिनपुङ्गवेभ्यो नमः ॥

सकलस्वपरसमयपाराचारपारीण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-तपो-
गच्छाधिपति-भट्टारकाचार्यवर्य-जगद्गुरुश्रीमद्विजयनेमिसूरि-
भगवद्भ्यो नमः ॥

श्रीमत्तयोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-कोविदकु-
लालङ्कार-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराज-विजयनेमिसूरीश्वर-
चरणारविन्दचञ्चरीकायमाणान्तिषत्पन्यास-
लावण्यविजयप्रणीतो

धातुरत्नाकरः

॥ तस्य चायं तृतीयो भागः ॥

स च

मरुदेशान्तर्गत कोशीलाग्रामवास्तव्यश्रेष्ठिवर्याणां द्रव्यसाहाय्येन राजनगर
जैनग्रन्थप्रकाशक सभायाः कार्यवाहकेन वाडीलाल बापुलाल
शाह इत्यनेन प्रकाश्यं नीतः ।

प्रत ५००)

(प्रथमावृत्तिः

मूल्य रु. २-०-०

धातुरत्नाकर त्रीजा तथा चोथा भागना

मददगारोना नाम,

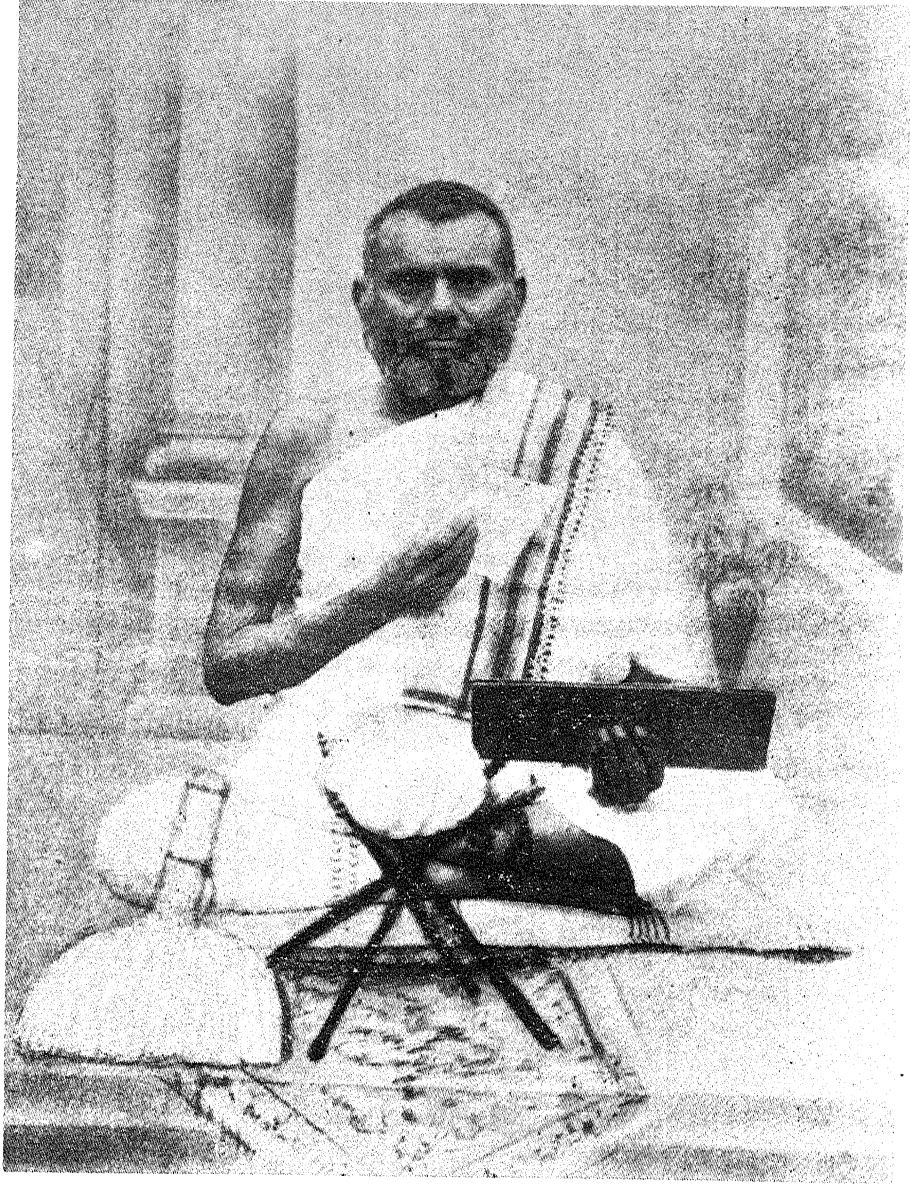


- १००१) शा. फतेलालजी मगराजजी कोशीलाव.
३०१) शा. गुलाबचंदजी पुनमचंदजी ,,
१५१) शा. देवीचंदजी हजारामलजी. ,,
१५१) शा. दीपचंदजी हीमतमलजी. ,,
१२१) शा. सरदारमलजी भीमाजी ,,
१०१) शा. पुनमचंदजी धुलाजी. ,,
१०१) शा. रतनचंदजी खीमाजी. ,,
१०१) शा. चोमनाजी लखमाजी धुलाजी पनाजी.

सर्वतन्त्रस्वतन्त्र-शासनसम्राट्-सूरिचक्रचक्रवर्ति जगद्गुरु—

तपोगच्छाधिपति-भट्टारक

आचार्य श्रीविजयनेमिसूरीश्वरः



पन्यासपद सं. १९६०

मागर शु. ३

जन्म सं. १९२९

कार्तिक शु. १

दीक्षा सं. १९४५

ज्येष्ठ शु. ७

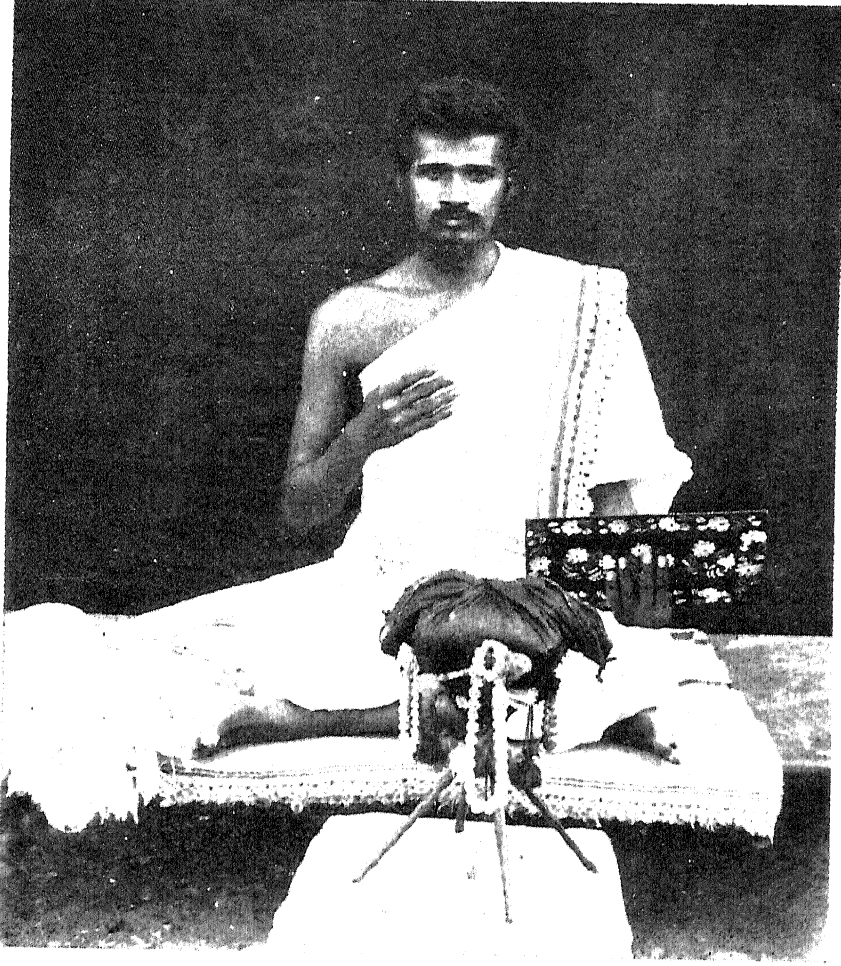
सूरिपद सं. १९६४

ज्येष्ठ शु. ५

गणिपद सं. १९६०

कार्तिक कृष्ण ७

સર્વતન્ત્રસ્વતન્ત્ર-શાસનસમ્રાટ્-તપોગચ્છાધિપતિ
આચાર્ય મહારાજ શ્રી વિજયનેમિસૂરિ-વિનેયરત્ન-



પ્રવર્તકશ્રીલાવણ્યવિજયઃ

તિલકમંજરીની પરાગનાદ્ધી ટીકા અને ધાતુરત્નાકર વિગેરે ગ્રન્થના પ્રણેતા
જન્મ સં. ૧૯૫૩ દીક્ષા સં. ૧૯૭૩ અષાઢ સુદ ૫.

शुद्धि पत्रकम्

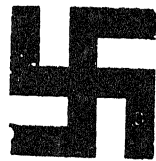


| पत्र | पंक्ति | अशुद्ध | शुद्धि |
|------|--------|--------------|--------------|
| १ | १७ | मिच्छति | मिच्छति |
| ३ | ११ | वाचना | वचना |
| ३ | २३ | गुप्तिर्जो | गुप्तिजो |
| ४ | ८ | प्रयुञ्जन्ते | प्रयुञ्जते |
| ६ | २० | जिगसाणि | जिगिषाणि |
| ६ | २१ | अजर्गीपाव | अजिगीषाव. |
| १० | १६ | सुसृग् | सुसृग् |
| १४ | १८ | स्य | स्ये |
| १६ | २२ | अशिश्नाम | अशिश्ना |
| १९ | १ | शाख | शाखु |
| २३ | ३० | अरिक्त्रि | अरिक्त्रि |
| २६ | ११ | अलिलपा | अलिलक्त्रिषा |
| ४१ | १ | स्फुज | स्फुर्जे |
| ४८ | १७ | शिट | शिट |
| ५९ | १६ | लुट | लुट |
| ७३ | ३१ | अचुक्षु | अचुक्षु |
| ७९ | १ | दर्शने | दर्शने |
| ७९ | २५ | चिकदि | चिकर्दि |
| १०२ | ७ | अर्चि | एर्चि |
| ११८ | १६ | ऊर्वे | उव |
| १३१ | १ | जष्ट | जिष्ट |
| १३६ | २० | जिघत्साणि | जिघत्सानि |
| ११७ | १ | हर्ष | हर्षे |
| १४४ | १६ | स्तक्ष | स्तक्ष |

| पत्र | पंक्ति | अशुद्ध | शुद्धि |
|------|--------|----------------|----------------|
| १७६ | २३ | षन्त | षत |
| १७८ | १६ | जुचो | जुघो |
| १७९ | १६ | पिपणिष | पिपणायिष |
| " | " | इत्तादि | इत्यादि |
| १९२ | ८ | षन्त | षत |
| १९२ | १७ | षते | षेते |
| १९२ | २४ | रिरम्पिश्चक्रे | रिरम्पिषाश्चके |
| १९३ | २३ | षन्त | षत |
| १९४ | २३ | " | " |
| १९५ | २३ | " | " |
| १९६ | २३ | " | " |
| २१४ | १७ | षते | षेते |
| २२० | ८ | षन्त | षत |
| २३० | ८ | पिः | पिषुः |
| २३१ | " | " | " |
| २३२ | " | " | " |
| २३३ | " | " | " |
| २३७ | " | " | " |
| २३८ | " | " | " |
| २३८ | ५ | शिशप्साणि | शिशत्सानि |
| २४५ | ७ | पिः | पिषुः |
| २४६ | " | " | " |
| २५० | २ | षते | षेते |
| २५२ | " | " | " |
| २५३ | १९ | विट्टत्सा-णि | विट्टत्सानि, |
| २६१ | १७ | स्रत्स्यान | संस्त्या |
| २६२ | १२ | स्व | स्वः |

| पत्र | पंक्ति | अशुद्ध | शुद्धि |
|------|--------|---------------|---------------|
| २६५ | १५ | हवग | ह्वग |
| २६६ | १ | विवप्ससते | विवप्सते |
| " | ३ | पिवप्ससतां | विवप्सतां |
| " | ५ | अविवप्ससत | अविवप्सत |
| २७० | १७ | षते | षेते |
| २७८ | १६ | प्यां | प्सांक् |
| २८२ | १ | रू | रु |
| २८३ | १७ | ददरि | दिदरि |
| " | २० | दिदरिद्रासाणि | दिदरिद्रासानि |
| २९१ | ८ | षन्त | षत |
| २९६ | ५ | निनक्षानि | निनक्षाणि |
| ३०१ | ५ | रिरात्साणि | रिरात्सानि |
| " | २० | विव्यत्साणि | विव्यत्सानि |
| ३०२ | ५ | तितिषा | तितिमिषा |
| ३१४ | १९ | विवशि | विवर्शि |
| " | २२ | शुशुक्षानि | शुशुक्षाणि |
| ३१५ | २७ | तुनुक्षिता | तुतुक्षिता |
| ३१९ | ५ | शिशषा | शिशमिषा |
| ३३० | ६ | षताम् | षेताम् |
| ३३१ | १७ | शुष | क्षुच् |
| ३३१ | ११ | निनत्सि-ष्ट | निनत्सिषीष्ट |
| ३३२ | ४ | षते | षेते |
| " | ८ | षताम् | षेताम् |
| ३३६ | २१ | तितेगिषानि | तितेगिषाणि |
| ३६१ | ६ | अपिस्फरषत् | अपिस्फरिषत् |
| ३७२ | १८ | गुरति | गुरैति |
| ३८२ | ४ | तितनिषानि | तितनिषाणि |

| पत्र | पंक्ति | अशुद्ध | शुद्धि |
|------|--------|------------|-------------|
| ३९३ | ३७ | जषच् | जृषच् |
| ४२७ | १७ | तितेलषिया | तितेलयिषा |
| ४२८ | २ | तालाषया | तालयिषा |
| ४३० | १९ | यलिल | एलिल |
| ४३१ | २२ | असिस | असिसा |
| ४३३ | ७ | षी | षीः |
| ४३२ | २९ | ष्यामि | ष्यामि |
| ४३४ | २१ | आमम्र | अमिम्र |
| ४३५ | २२ | अलिलक्ष | अलिलक्ष |
| ४४१ | २ | शब्दषिया | शब्दयिषा |
| ४४१ | १७ | स्वद | स्वाद |
| ४४२ | १६ | जसहने | प्रसहने |
| ४५२ | १६ | पुथुण् | पथण् |
| ४५२ | ३ | | : |
| ४५४ | १ | भासार्थ | मासार्थः |
| " | २ | तित्रस | तित्रंस |
| ४६५ | २१ | षथाम् | षेथाम् |
| ४६९ | ६ | असुसूचयिषम | असुसूचयिषाम |
| ४७२ | २ | शिश | शिश |
| ४७३ | १ | वण | वर्ण |
| ४८२ | १६ | कन् | चित्र |
| " | २२ | षिषु | षिषुः |
| ४८३ | ७ | " | " |



॥ श्रीमज्जिनपुद्गवेभ्यो नमः ॥

सकलस्वपरसमयपारावारपारीण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक तपोगच्छा-
धिपति-भट्टारकाचार्य-जगद्गुरुश्रीमद्विजयनेमिसूरिभगवद्भ्यो नमः ।

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनरणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-कोविदकुलालङ्कार-
अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणारदिन्दचञ्चरी-
कायमाणान्तिपन्मुनिलावण्यविजयप्रणीतो



नत्वा श्रीनेमिनामान-माजन्मब्रह्मचारिणम्,
तीर्थनाथं गुरुं चैव भारतीं जिनभाषिताम् ॥ १ ॥
धातुरत्नाकरस्याहं लावण्यविजयो मुनिः,
भागं तृतीयमातन्वे बालानां सुखहेतवे ॥ २ ॥

णिगन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणानन्तरं सन्नन्तरूपपरम्पराप्रकृ-
तिरुदाह्रियते । तुमर्हादिच्छायां सन्नतत्सनः ॥ ३ । ४ । २१ ॥ यो
धातुरिषेः कर्म इषिणैव च समानकर्तृकः स तुमर्हः तस्मादिच्छायामर्थं
सन्प्रत्ययो वा भवति न चेत्स इच्छासन्नन्तो भवति । कर्तुमिच्छति चि-
कीर्षति । गन्तुमिच्छति जिगमिषति । तुमर्हादिति किम् ? अकर्मणो-
ऽसमानकर्तृकाच्च सा भूत् । गमनेनेच्छति । भोजनमिच्छति देवदत्तस्य ।
इच्छायामिति किम् ? भोक्तुं व्रजति । अतत्सन इति किम् ? चिकी-
र्षितुमिच्छति । तद्ग्रहणं किम् ? जुगुप्सिषते । सनोऽकारः किम् ?

अर्थान् प्रतीषिषति । नकारः सन्ग्रहणेषु विशेषणार्थः । कथं नदी-
कूलं पिपतिषति । श्वा मुमूर्षति । पतितुमिच्छति इति वाक्यवदुपमा-
नाद् भविष्यति ॥ २१ ॥

धातोरिति वर्त्तते तस्य तुमर्हादिति विशेषणम्, तदेव यो धातुरित्यादिना
व्याचष्टे-इषेः कर्मेति इषेर्धातोर्यो धातुः कर्मत्वार्थः । कर्म च क्रियाव्याप्यं शास्त्री-
यं गृह्यते, न तु लौकिकं क्रियालक्षणं, कृत्रिमाकृत्रिमयोः कृत्रिमे संप्रत्ययात् । क्रि-
याव्याप्यत्वञ्च धातोर्द्धाभ्यां प्रकाराभ्यां सम्भवति, अभिधेयद्वारेण स्वरूपेण च,
तत्र स्वरूपेण कर्मसम्भवेऽपि समानकर्तृकत्वं विशेषणं नोपपद्यते । तथाहि-धातोः
स्वरूपेण कर्मत्वं यथा पंचिमिच्छति पचतिमिच्छतीति इकिञ्चित्तवः स्वरूपार्थं क्रि-
यन्त इति तदन्तेन धातुद्रव्यस्वभावोऽभिधीयत इतीषिकर्मत्वं तस्मास्ति साध्यस्व-
भावासम्भवात् समानकर्तृकत्वासम्भव इत्यर्थद्वारेणैव कर्मत्वं समानकर्तृकत्वञ्च तरय-
श्रीयते । इषेरिष्यर्थस्येच्छायां कर्म इषिणेप्यर्थेनैवेच्छया समानकर्तृक इत्यर्थः । ननु
तद्व्यापि कथं धातुरिच्छायाः कर्म भवति, धातुर्हि क्रियार्थशब्दः प्रकृतिभूतोऽधीयते
स च स्वार्थं क्रियायां गुणीभूतो नेच्छायाः प्रत्ययार्थस्य कर्म भवति, अभिधेय एव
हि कर्मादिभावप्रतिपत्तिर्न तु वाचकोऽभिधेय इति । तथा समानकर्तृकत्वमपि कर्तुः
क्रियाभिसम्बन्धत्वादक्रियात्मनि धातौ न सम्भवतीति कथमुक्तं यो धातुरिषेः कर्म
इषिणैव च समानकर्तृक इति । उच्यते । धातुरित्यप्यर्थ एवोपचाराद्धातुशब्दाभि-
धेयः अर्थे च कार्यासम्भवात्तद्वाचिशब्दप्रतिपत्तिरिति तदर्थच्छब्दात्सन् प्रत्ययो
भवतीत्यदोषः । नन्वेवमपि कर्मत्वं समानकर्तृकत्वेति धातोर्विशेषणेन निवर्त्तते एक-
स्य सिद्धस्वभावत्वादपरस्य च साध्यस्वभावत्वादिति नैष दोषः समानकर्तृकत्वं सा-
म्प्रतिकसाध्यस्वभावापेक्षं कर्मत्वञ्चोत्तरकालिकसाध्यस्वभावापेक्षं साध्यं हि फलप्राप्ति-
कालेऽवश्यंभावेन, सिद्धस्वरूपेण च सम्भवदपि धातोः कर्मत्वं समानकर्तृकत्वानुरो-
धेन तदर्थस्याश्रीयत इत्युक्तं कर्तुमिच्छतीति । अत्रेप्यमाणत्वात्करोत्यर्थस्येपिकर्मता
इषिणैव च समानकर्तृकता यस्मादहं करोमीत्येवमिच्छति । उदाहरणे तु व्युत्पा-
दित इच्छामात्रं वाच्यम्, तदन्तस्य च केवलस्य प्रयोगासम्भवादवश्यंभावेन भावक-
र्मकर्त्रभिधायकप्रत्ययपरता, तत्र भावाभिधायकप्रत्ययपरतायां कर्तुमिच्छा चिकीर्षति
विग्रहः, कर्माभिधायकप्रत्ययपरतायां कर्तुमेषितव्यं चिकीर्षितव्यमिति कर्त्रभिधा-
यकप्रत्ययपरतायां कर्तुमिच्छति चिकीर्षतीति । ननु कदादेः कर्मणोऽविवक्षायां
करोत्यर्थस्येप्यमाणता भवतु तद्विवक्षायां तु करोत्यर्थस्य तादर्थ्येन प्रवृत्तत्वादपि-

क्रियायाः कटादिरेव व्याप्यो न करोत्यर्थ इति नैष दोषः । तत्रापि कटादिविशिष्टस्य करोत्यर्थस्यैवेष्ट्यमाणता । उभयोर्वा उभयोरपीष्ट्यमाणत्वे साक्षात्करोत्यर्थस्येष्ट्यमाणता तद्द्वारेण कटादेः, नहि द्रव्यस्य करोत्यादिक्रियाव्यवधानमन्तरेण साक्षादिष्ट्यमाणतोपगन्नेति । गमनेनेच्छतीति । नात्र गमिरिषेः कर्मेति समानकर्तृकत्वेऽपि सन्न भवति । भोजनमिच्छति देवदत्तस्येत्यत्र तु भुज्यर्थस्येष्टिकर्मत्वेऽपि भिन्नकर्तृकत्वात् सन्नभावः । भोक्तुं व्रजतीति अत्रेच्छार्थस्याभावात् न भवति । सति हीच्छायाः प्रत्ययार्थत्वे प्रत्यासत्त्या यो धातुरिषेः कर्म इषिणैव च समानकर्तृकस्तस्मात्सन्नित्येतस्यार्थस्य लाभः, असति त्विच्छाग्रहणे यस्याः कस्याश्चित्क्रियायाः कर्म यया कयाचित् क्रियया समानकर्तृको यो धातुरित्येतावानप्यर्थो लभ्यते तत्रापि सन्प्रत्ययः स्यादितोच्छाग्रहणम् । चिकीर्षितुमिच्छतीति । अतत्सन इति वाचनादन्यत्र सन्नन्तात्सन्न भवति । अत्र चूर्णिकारः किलैवमाह-अथ सन्नन्तात् सना भवितव्यम्, न भवितव्यम्, किं कारणमर्थगत्यर्थः शब्दयोगोऽर्थं प्रत्याययिष्यामीति शब्दः प्रयुज्यते, तत्रैकेनैव च तस्यार्थस्योक्तत्वादुक्तार्थानामप्रयोगादन्यप्रयोगाभाव इति, न तर्हीदानीमिदं भवति एषितुमिच्छति एषिषितीति, अथास्त्यत्र विशेषः एकस्या इच्छाया अयमिषिः साधनं वर्तमानकालश्च प्रत्ययः अपरस्या बाह्यं साधनं सर्वकालश्च प्रत्ययः, इहापि तर्ह्येकस्याः करोतिविशिष्ट इषिः साधनं वर्तमानकालश्च प्रत्ययः अपरस्या बाह्यं साधनं सर्वकालश्च प्रत्ययः । येनैव हेतुना एतद्वाक्यं भवति चिकीर्षितुमिच्छतीति तेनैव वृत्तिरपि प्राप्नोति तस्मात् सन्नन्तात्सनः प्रतिषेधो वक्तव्यः । विवरणकारस्तु प्रतिव्यक्तिलक्षणप्रवृत्तौ वाचनिको निषेधः, आकृतिपक्षे तु सकृल्लक्षणप्रवृत्तौ तत्प्रवृत्तेः प्राक्प्रत्ययान्तप्रकृत्यसम्भवात्प्रत्ययो न भवतीति न्यायायानुवादोऽयमित्याह-तच्चायुक्तम्, एवं तु यङ्सन्ग्यन्तात्सनि बोधूयिरयिषतीत्यादिलेखस्य विरोधात्, तस्माद् वाचनिक एव प्रतिषेधः । गुपेः ” गुप्तिर्जोर्गर्हेति सन्नन्ताद् जुगुप्सितुमिच्छतीत्यनेन सन् । तद्ग्रहणादिच्छार्थसन्परिग्रहादन्यार्थसन्नन्तादप्रतिषेधः । अर्थान् प्रतीषितीति प्रत्येतुमिच्छतीति सन् । स्वरादेर्द्वितीय इत्येकस्वरस्य सनोर्द्विवचनम् । सन्यस्येत्यकारस्येत्यम् । असत्यकारे एकस्वश्चाभावाद् द्विवचनादि न स्यादिति । अथ क्रिमर्थो नकारो न्ह्यस्य प्रयोगे श्रवणमस्तीत्याह नकार इत्यादि । सन् ग्रहणेषु सन्यङ्चेत्यादौ विशेषणार्थो नकारः । कथमिति इच्छायां सन्विधीयते, इच्छा च नाम मोहनीयकर्मविशेषोदयायादित आत्मपरिणामो बाह्याभ्यतरपरिग्रहाभिलाषरूपः,

यदि वा प्रवृत्तिनिमित्तं भावोऽभिप्रायो मनःसमीक्षामात्रं तदुभयमपि चैतन्यवि-
कारो न कूलादावस्ति, नहि कूलादिषु बुद्धिपूर्विका प्रवृत्तिरस्ति । न च शुनो
मर्त्तुमिच्छास्ति, प्रियत्वाज्जोदितस्य, तत्कथं सन् प्रत्ययो, येन नदीकूलं पिपतिष-
तीत्यादि प्रयोग इत्याशङ्क्यार्थः, परिहरति पतितुमिच्छतीति वाक्यवद् भविष्यति
अयमर्थो लोकव्यवहारनिबन्धनामचेतनस्यापीच्छामाश्रित्य नदीकूलं पिपतिषतीत्या-
दयः प्रयोगाः साधुत्वेनावस्थाप्यन्ते । तथा च नदीकूलं शीर्यमाणलोष्ठं जायमान-
भिदाकं श्वानं च शूनाक्षमेकान्तावस्थानशीलमुपलभ्य तत्रेच्छाधारोपात्तपतितुमि-
च्छतीत्यादि वाक्यं लोकाः प्रयुञ्जन्ते तद्वत्सन्प्रत्ययोऽपि भविष्यतीति । परमार्थत-
स्त्विच्छा भवतु सा वाऽध्वललोकप्रतिपत्तिमाश्रित्य व्यवहारः प्रवर्त्तते । यदुक्तम्—
“यच्चात्र भ्रमजं ज्ञानं, यच्च ज्ञानमलौकिकम् । न ताभ्यां व्यवहारोऽस्ति लोकाः
शब्दनिबन्धनाः ॥ १ ॥ इति । अन्ये तु कूलं पिपतिषतीतिवत् श्वा मुभूर्षतीतिति
च किलेवार्थगर्भी प्रतिपत्तिमाहुस्तच्च न युक्तम् । यद्वाध्यम् । न वै तिङन्तेनोपमान-
मस्ति । अयमर्थः—तिङन्तार्थोपमानं न विद्यते क्रियायाः साध्यैकस्वभावत्वादिनि-
ष्पन्नस्वरूपत्वादिदं तदिति सर्वनामपरामर्शविषयवस्तुगोचरत्वादुपमानोपमेयभाव-
स्य अत्रेदं तदिति परामर्शभावादिति भावः । अथवा सर्वं चेतनावत् । तथा च
वेदोऽपि सर्वभावानां चेतन्यं प्रतिपादयति । स ह्येवमाह—कंसकाः सर्पन्ति शिरी-
षोऽयः स्वपिति, सुवर्चला आदित्यमनुपर्येति आस्कन्द कपिलकेत्युक्ते तृणमास्क-
न्दति । अयस्कान्तदयः सङ्ग्रामति । ऋषिः पठति शृणीत ग्रावाणः इति । वैचि-
त्र्येण च सर्ववदार्थानामुपलम्भात् सर्वचेतनमसङ्गः सर्वत्र नोद्भावनीय इति । अत्र
चात्माद्वैतदर्शने दोषाभावः ॥



१ भू सत्तायाम् । भवितुमिच्छतीति

- १ बुभूष-ति तः न्ति सि थः थ बुभूषा-मि वः मः
- २ बुभूषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बुभूष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
बुभूषा-णि व म
- ४ अबुभूष-त्ताम् न् : तम् तम् अबुभूषा-व म
- ५ अबुभू-षीत् सिष्टाम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ बुभूषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
बुभूषाम्बभूव बुभूषामास
- ७ बुभूष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बुभूषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बुभूषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बुभूषिष्या-मि
वः मः (अबुभूषिष्या-व म
- १० अबुभूषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

३ घ्रां (घ्रा) गन्धोपादाने

- १ जिघ्रास-ति तः न्ति सि थः थ जिघ्रासा-मि वः मः
- २ जिघ्रासे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिघ्रास-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
जिघ्रासा-नि व म
- ४ अजिघ्रास-त्ताम् न् : तम् तम् अजिघ्रासा-व म
- ५ अजिघ्रा-सीत् सिष्टाम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ जिघ्रासामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
जिघ्रासाश्चकार जिघ्रासाम्बभूव
- ७ जिघ्रास्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिघ्रासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिघ्रासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिघ्रासिष्या-मि
वः मः (अजिघ्रासिष्या-व म
- १० अजिघ्रासिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

२ पां (पा) पाने

- १ पिपास-ति तः न्ति सि थः थ पिपासा-मि वः मः
- २ पिपासे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपास-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
पिपासा-नि व म
- ४ अपिपास-त्ताम् न् : तम् तम् अपिपासा-व म
- ५ अपिपा-सीत् सिष्टाम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ पिपासाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपासाश्चकार पिपासामास
- ७ पिपास्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपासिष्या-मि
वः मः (अपिपासिष्या-व म
- १० अपिपासिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

४ ध्मां (ध्मा) शब्दाग्निसंयोगयोः

- १ दिध्मास-ति तः न्ति सि थः थ दिध्मासा-मि वः मः
- २ दिध्मासे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्मास-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
दिध्मासा-नि व म
- ४ अदिध्मास-त्ताम् न् : तम् तम् अदिध्मासा-व म
- ५ अदिध्मा-सीत् सिष्टाम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ दिध्मासाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
दिध्मासाम्बभूव दिध्मासामास
- ७ दिध्मास्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्मासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्मासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिध्मासिष्या-मि
वः मः (अदिध्मासिष्या-व म
- १० अदिध्मासिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

५ छ्वां (स्था) गतिनिवृत्तौ

- १ तिष्ठास-ति तः न्ति सि थः थ तिष्ठासा-मि वः मः
- २ तिष्ठासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिष्ठास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिष्ठासा-नि व म
- ४ अतिष्ठास-त् ताम् न् : तम् तम् अतिष्ठासा-व म
- ५ अतिष्ठा-सीत् सिष्टाम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ तिष्ठासाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तिष्ठासाञ्चकार तिष्ठासामास
- ७ तिष्ठास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिष्ठासिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिष्ठासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिष्ठासिष्या-मि
वः मः (अतिष्ठासिष्या-व म
- १० अतिष्ठासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

७ दांम् (दा) दाने ।

- १ दित्स-ति तः न्ति सि थः थ दित्सा-मि वः मः
- २ दित्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दित्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दित्सा-नि व म
- ४ अदित्स-त् ताम् न् : तम् तम् अदित्सा-व म
- ५ अदित्-सीत् सिष्टाम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ दित्साञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
दित्साम्बभूव दित्सामास
- ७ दित्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दित्सिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दित्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दित्सिष्या-मि
वः मः (अदित्सिष्या-व म
- १० अदित्सिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१ म्नां (म्ना) अभ्यासे

- १ मिम्नास-ति तः न्ति सि थः थ मिम्नासा-मि वः मः
- २ मिम्नासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिम्नास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिम्नासा-नि व म
- ४ अमिम्नास-त् ताम् न् : तम् तम् अमिम्नासा-व म
- ५ अमिम्ना-सीत् सिष्टाम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ मिम्नासामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिम सिम
मिम्नासाञ्चकार मिम्नासाम्बभूव
- ७ मिम्नास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिम्नासिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिम्नासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिम्नासिष्या-मि
वः मः (अमिम्नासिष्या-व म
- १० अमिम्नासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

८ जिं [जि] अभिभवे ।

- १ जिगीष-ति तः न्ति सि थः थ जिगीषा-मि वः मः
- २ जिगीषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगीष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगीषा-नि व म
- ४ अजिगीष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिगीषा-व म
- ५ अजिगी-सीत् सिष्टाम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ जिगीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिगीषाञ्चकार जिगीषामास
- ७ जिगीष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगीषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगीष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगीष्या-मि
वः मः (अजिगीष्या-व म
- १० अजिगीष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

९ जि (जि) अभिभवे

- १ जिञ्जीष-ति तः न्ति सि थः थ जिञ्जीषा-मि वः मः
- २ जिञ्जीषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिञ्जीष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिञ्जीषा-णि व म
- ४ अजिञ्जीष-त्ताम् नः तम् त म् अजिञ्जीषा-व म
- ५ अजिञ्जी-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ जिञ्जीषाञ्च-कारकतुः कृः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जिञ्जीषाम्बभूव जिञ्जीषामास
- ७ जिञ्जीष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिञ्जीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिञ्जीषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिञ्जीषिष्या-मि
वः मः (अजिञ्जीषिष्या-व म
- १० अजिञ्जीषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

११ ई (इ) गतौ

- १ ईषिष-ति तः न्ति सि थः थ ईषिषा-मि वः मः
- २ ईषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ईषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
ईषिषा-णि व म
- ४ ईषिष-त्ताम् नः तम् त म् ईषिषा-व म
- ५ ईषि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ ईषिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
ईषिषाञ्चकार ईषिषाम्बभूव
- ७ ईषिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ईषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ईषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ईषिषिष्या-मि
वः मः (ईषिषिष्या-व म
- १० ईषिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

१० क्षि (क्षि) क्षये

- १ चिक्षीष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षीषा-मि वः मः
- २ चिक्षीषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्षीष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्षीषा-णि व म
- ४ अचिक्षीष-त्ताम् नः तम् त म् अचिक्षीषा-व म
- ५ अचिक्षी-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ चिक्षीषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
चिक्षीषाञ्चकार चिक्षीषामास
- ७ चिक्षीष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्षीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्षीषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षीषिष्या-मि
वः मः (अचिक्षीषिष्या-व म
- १० अचिक्षीषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

१२ डु (डु) गतौ

- १ डुदूष-ति तः न्ति सि थः थ डुदूषा-मि वः मः
- २ डुदूषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ डुदूष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
डुदूषा-णि व म
- ४ अडुदूष-त्ताम् नः तम् त म् अडुदूषा-व म
- ५ अडुदू-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ डुदूषाञ्च-कारकतुः कृः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
डुदूषाम्बभूव डुदूषामास
- ७ डुदूष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ डुदूषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ डुदूषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ डुदूषिष्या-मि
वः मः (अडुदूषिष्या-व म
- १० अडुदूषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

१३ छं [छ] गतौ ।

- १ दुद्रुष-ति तः न्ति सि थः थ दुद्रुषा-मि वः मः
- २ दुद्रुषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुद्रुष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दुद्रुषा-णि व म
- ४ अदुद्रुष-त्ताम् नः तम् त म अदुद्रुषा-व म
- ५ अदुद्रु-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ दुद्रुषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दुद्रुषाञ्चकार दुद्रुषामास
- ७ दुद्रुष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् रत सम स्व स्म
- ८ दुद्रुषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ रिम स्वः रमः
- ९ दुद्रुषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुद्रुषिष्या मि
वः मः (अदुद्रुषिष्या-व म
- १० अदुद्रुषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१४ शं (श) गतौ ।

- १ शुश्रुष-ति तः न्ति सि थः थ शुश्रुषा-मि वः मः
- २ शुश्रुषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुश्रुष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शुश्रुषा-णि व म
- ४ अशुश्रुष-त्ताम् नः तम् त म अशुश्रुषा-व म
- ५ अशुश्रु-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ शुश्रुषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शुश्रुषाञ्चकार शुश्रुषामास
- ७ शुश्रुष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् रत सम स्व स्म
- ८ शुश्रुषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ रिम स्वः रमः
- ९ शुश्रुषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुश्रुषिष्या मि
वः मः (अशुश्रुषिष्या-व म
- १० अशुश्रुषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१५ छं (छ) गतौ

- १ सुस्रुष-ति तः न्ति सि थः थ सुस्रुषा-मि वः मः
- २ सुस्रुषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सुस्रुष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सुस्रुषा-णि व म
- ४ असुस्रुष-त्ताम् नः तम् त म असुस्रुषा-व म
- ५ असुस्रु-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ सुस्रुषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिम सिम
सुस्रुषाञ्चकार सुस्रुषाम्बभूव
- ७ सुस्रुष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् रत सम स्व स्म
- ८ सुस्रुषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ रिम स्वः रमः
- ९ सुस्रुषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सुस्रुषिष्या मि
वः मः (असुस्रुषिष्या-व म
- १० असुस्रुषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१६ छं (छ) स्थैर्ये च

- १ दुध्रुष-ति तः न्ति सि थः थ दुध्रुषा-मि वः मः
- २ दुध्रुषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुध्रुष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दुध्रुषा-णि व म
- ४ अदुध्रुष-त्ताम् नः तम् त म अदुध्रुषा-व म
- ५ अदुध्रु-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ दुध्रुषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दुध्रुषाञ्चकार दुध्रुषामास
- ७ दुध्रुष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् रत सम स्व स्म
- ८ दुध्रुषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ रिम स्वः रमः
- ९ दुध्रुषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुध्रुषिष्या मि
वः मः (अदुध्रुषिष्या-व म
- १० अदुध्रुषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१७ सुं (सु) गतौ

- १ सुसृष-ति तः न्ति सि थः थ सुसृषा-मि वः मः
- २ सुसृषे-त्ताम् सुः : तम् त यम् व म
- ३ सुसृष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सुसृषा-णि व म
- ४ असुसृष-त्ताम् नः : तम् तम् असुसृषा-व म
- ५ असुसृष-षीत् षिष्टम् षीषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- सुसृषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिम सिम
सुसृषाश्चकार सुसृषाम्बभूव
- ७ सुसृष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सुसृषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सुसृषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सुसृषिष्या-मि
वः मः (असुसृषिष्या-व म
- १० असुसृषिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्

१८ स्मृं (स्मृ) चिन्तायाम्

- १ सुस्मूर-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ सुस्मूर्षे-तयाताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सुस्मूर-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहे षामहे
- ४ असुस्मूर-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (ध्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ असुस्मूर्षि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ह्द्वम्
- ६ सुस्मूर्षाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
सुस्मूर्षाम्बभूव सुस्मूर्षामास
- ७ सुस्मूर्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ८ सुस्मूर्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्नहे
- ९ सुस्मूर्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यरे ष्येथे ष्यवे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असुस्मूर्षि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१९ शृं (शृ) सेचने

- १ जिगीर्ष-ति तः न्ति सि थः थ जिगीर्षा-मि वः मः
- २ जिगीर्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगीर्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगीर्षा-णि व म
- ४ अजिगीर्ष-त्ताम् नः : तम् तम् अजिगीर्षा-व म
- ५ अजिगीर्ष-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- जिगीर्षाश्चकार कृतुः कृत्यः कथुः ककार कर कृष कृम
जिगीर्षाम्बभूव जिगीर्षामास
- ७ जिगीर्ष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगीर्षिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगीर्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगीर्षिष्या-मि
वः मः (अजिगीर्षिष्या-व म
- १० अजिगीर्षिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्

२० शृं (शृ) सेचने

- १ जिगीर्ष-ति तः न्ति सि थः थ जिगीर्षा-मि वः मः
- २ जिगीर्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगीर्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगीर्षा-णि व म
- ४ अजिगीर्ष-त्ताम् नः : तम् तम् अजिगीर्षा-व म
- ५ अजिगीर्ष-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- जिगीर्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिगीर्षाश्चकार जिगीर्षाम्बभूव
- ७ जिगीर्ष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगीर्षिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगीर्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगीर्षिष्या-मि
वः मः (अजिगीर्षिष्या-व म
- १० अजिगीर्षिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्

२१ औस्वृ (स्वृ) शब्दोपतापयोः

- १ सिस्वरिष-ति तः न्ति सि थः थ सिस्वरिषा-मि वः मः
 - २ सिस्वरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ सिस्वरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सिस्वरिषा-णि व म
 - ४ असिस्वरिष-त्ताम् नः तम् तम् असिस्वरिषा-व म
 - ५ असिस्वरि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
 - ६ सिस्वरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिम सिम
सिस्वरिषाश्चकार सिस्वरिषाम्बभूव
 - ७ सिस्वरिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ सिस्वरिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९ सिस्वरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्वरिषिष्या-मि
वः मः (असिस्वरिषिष्या-व म
 - १० असिस्वरिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
- पक्षे सिस्वरिस्थाने सुस्वर-ज्ञेयम्

२३ ध्वृ (ध्वृ) कौटिल्ये

- १ दुध्वृष-ति तः न्ति सि थः थ दुध्वृषा-मि वः मः
- २ दुध्वृषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुध्वृष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दुध्वृषा-णि व म
- ४ अदुध्वृष-त्ताम् नः तम् तम् अदुध्वृषा-व म
- ५ अदुध्वृष-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ दुध्वृषामा-स सतुः सुः कथ कथुः क कार कर क्व क्वम
दुध्वृषाश्चकार दुध्वृषाम्बभूव
- ७ दुध्वृष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुध्वृषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुध्वृषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुध्वृषिष्या-मि
वः मः (अदुध्वृषिष्या-व म
- १० अदुध्वृषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२२ दृष्टृ (दृष्टृ) धरणे

- १ दुदृष्टृष-ति तः न्ति सि थः थ दुदृष्टृषा-मि वः मः
- २ दुदृष्टृषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुदृष्टृष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दुदृष्टृषा-णि व म
- ४ अदुदृष्टृष-त्ताम् नः तम् तम् अदुदृष्टृषा-व म
- ५ अदुदृष्टृष-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ दुदृष्टृषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दुदृष्टृषाश्चकार दुदृष्टृषामास
- ७ दुदृष्टृष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुदृष्टृषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुदृष्टृषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुदृष्टृषिष्या-मि
वः मः (अदुदृष्टृषिष्या-व म
- १० अदुदृष्टृषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२४ हृष्टृ (हृष्टृ) कौटिल्ये ।

- १ जुहृष्टृष-ति तः न्ति सि थः थ जुहृष्टृषा-मि वः मः
- २ जुहृष्टृषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुहृष्टृष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जुहृष्टृषा-णि व म
- ४ अजुहृष्टृष-त्ताम् नः तम् तम् अजुहृष्टृषा-व म
- ५ अजुहृष्टृष-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ जुहृष्टृषामा-स सतुः सुः सि सथुः स स सिम सिम
जुहृष्टृषाश्चकार जुहृष्टृषाम्बभूव
- ७ जुहृष्टृष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुहृष्टृषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुहृष्टृषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुहृष्टृषिष्या-मि
वः मः (अजुहृष्टृषिष्या-व म
- १० अजुहृष्टृषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२५ सृ (सृ) गतौ ।

- १सिसीर्ष-ति तः न्ति सि थः थ सिसीर्षा-मि वः मः
- २ सिसीर्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसीर्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसीर्षा-णि व म
- ४असिसीर्ष-त् ताम् न्ः तम् तम् असिसीर्षा-व म
- ५असिसीर्ष-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६सिसीर्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिम सिम
सिसीर्षाश्चकार सिसीर्षाम्बभूव
- ७ सिसीर्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८सिसीर्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९सिसीर्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसीर्षिष्या-मि
वः मः (असिसीर्षिष्या-व म
- १०असिसीर्षिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्

२६ ऋ (ऋ) प्रापणे ।

- १ अरिरिष-ति तः न्ति सि थः थ अरिरिषा-मि वः मः
- २ अरिरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अरिरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अरिरिषा-णि व म
- ४ अरिरिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अरिरिषा-व म
- ५ अरिरि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ अरिरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अरिरिषाश्चकार अरिरिषामास
- ७ अरिरिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अरिरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९अरिरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अरिरिषिष्या-मि
वः मः (आरिरिषिष्या-व म
- १० आरिरिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्

२७ वृ (वृ) प्लवनतरणयोः ।

- १ तितरिष-ति तः न्ति सि थः थ तितरिषा-मि वः मः
- २ तितरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितरिषा-णि व म
- ४ अतितरिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अतितरिषा-व म
- ५ अतितरि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तितरिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
तितरिषाम्बभूव तितरिषामास
- ७ तितरिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितरिषिष्या-मि
वः मः (अतितरिषिष्या-व म
- १०अतितरिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्
पक्षे तितरिस्थाने तितरी-तितीर-इति च
सर्वत्र ज्ञेयम् ॥

२८ दृधे (धे) पाने ।

- १ धित्स-ति तः न्ति सि थः थ धित्सा-मि वः मः
- २ धित्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ धित्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
धित्सा-नि व म
- ४ अधित्स-त् ताम् न्ः तम् तम् अधित्सा-व म
- ५ अधित्-सीत् सिष्टाम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ धित्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
धित्साश्चकार धित्साम्बभूव
- ७ धित्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ धित्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ धित्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ धित्सिष्या-मि
वः मः (अधित्सिष्या-व म
- १० अधित्सिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्

२९ दैव् (दे) शोधने ।

- १ दिदास-ति तः न्ति सिथः थ दिदासा-मि वः मः
- २ दिदासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदासा-नि व म
- ४ अदिदास-त् ताम् न् : तम् तम् अदिदासा-व म
- ५ अदिदा-सीत् सिष्टम् सिधुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ दिदासामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिदासाश्चकार दिदासाम्बभूव
- ७ दिदास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदासिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदासिष्य-ति तः न्ति सिथः थ दिदासिष्या-मि
वः मः (अदिदासिष्या-व म
- १० अदिदासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३० ध्यै (ध्यै) चिन्तायाम् ।

- १ दिध्यास-ति तः न्ति सिथः थ दिध्यासा-मि वः मः
- २ दिध्यासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्यास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिध्यासा-नि व म
- ४ अदिध्यास-त् ताम् न् : तम् तम् दिध्यासा-व म
- ५ अदिध्या-सीत् सिष्टम् सिधुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ दिध्यासाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिध्यासाश्चकार दिध्यासामास
- ७ दिध्यास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्यासिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्यासिष्य-ति तः न्ति सिथः थ दिध्यासिष्या-मि
वः मः (अदिध्यासिष्या-व म
- १० अदिध्यासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३१ ग्लै (ग्लै) हर्षक्षये ।

- १ जिग्लास-ति तः न्ति सिथः थ जिग्लासा-मि वः मः
- २ जिग्लासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिग्लास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिग्लासा-नि व म
- ४ अजिग्लास-त् ताम् न् : तम् तम् अजिग्लासा-व म
- ५ अजिग्ला-सीत् सिष्टम् सिधुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ जिग्लासामा-स सतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जिग्लासाश्चकार जिग्लासामास
- ७ जिग्लास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिग्लासिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिग्लासिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जिग्लासिष्या-मि
वः मः (अजिग्लासिष्या-व म
- १० अजिग्लासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३८ ग्लै (ग्लै) गात्रविनामे ।

- १ मिम्लास-ति तः न्ति सिथः थ मिम्लासा-मि वः मः
- २ मिम्लासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिम्लास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिम्लासा-नि व म
- ४ अमिम्लास-त् ताम् न् : तम् तम् अमिम्लासा-व म
- ५ अमिम्ला-सीत् सिष्टम् सिधुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ मिम्लासामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिम्लासाश्चकार मिम्लासाम्बभूव
- ७ मिम्लास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिम्लासिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिम्लासिष्य-ति तः न्ति सिथः थ मिम्लासिष्या-मि
वः मः (अमिम्लासिष्या-व म
- १० अमिम्लासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३३ छैं (छै) न्यङ्गकरणे ।

- १ दिद्यास-ति तः न्ति सि थः थ दिद्यासा- मि वः मः
- २ दिद्यासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिद्यास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिद्यासा-नि व म
- ४ अदिद्यास-त् ताम् न् : तम् तम् अदिद्यासा-व म
- ५ अदिद्या-सीत् सिष्टाम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
सिष्व सिष्म
- ६ दिद्यासाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
दिद्यासाम्बभूव दिद्यासामास
- ७ दिद्यास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिद्यासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिद्यासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिद्यासिष्या-मि
वः मः (अदिद्यासिष्या-व म
- १० अदिद्यासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३४ छैं (छै) स्वप्ने ।

- १ दिद्रास-ति तः न्ति सि थः थ दिद्रासा-मि वः मः
- २ दिद्रासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिद्रास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिद्रासा-नि व म
- ४ अदिद्रास-त् ताम् न् : तम् तम् अदिद्रासा-व म
- ५ अदिद्रा-सीत् सिष्टाम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
सिष्व सिष्म
- ६ दिद्रासाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
दिद्रासाम्बभूव दिद्रासामास
- ७ दिद्रास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिद्रासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिद्रासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिद्रासिष्या-मि
वः मः (अदिद्रासिष्या-व म
- १० अदिद्रासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३५ छैं (छै) तृती ।

- १ दिध्रास-ति तः न्ति सि थः थ दिध्रासा-मि वः मः
- २ दिध्रासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्रास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिध्रासा-नि व म
- ४ अदिध्रास-त् ताम् न् : तम् तम् अदिध्रासा-व म
- ५ अदिध्रा-सीत् सिष्टाम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
सिष्व सिष्म
- ६ दिध्रासाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिध्रासाश्चकार दिध्रासामास
- ७ दिध्रास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्रासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्रासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिध्रासिष्या-मि
वः मः (अदिध्रासिष्या-व म
- १० अदिध्रासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३६ कै [कै] शब्दे

- १ चिकास-ति तः न्ति सि थः थ चिकासा-मि वः मः
- २ चिकासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकासा-नि व म
- ४ अचिकास-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकासा-व म
- ५ अचिका-सीत् सिष्टाम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
सिष्व सिष्म
- ६ चिकासाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिकासाम्बभूव चिकासामास
- ७ चिकास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकासिष्या-मि
वः मः (अचिकासिष्या-व म
- १० अचिकासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३७ गैं (गै) शब्दे ।

- १ जिगास-ति तः न्ति सि थः थ जिगासा-मि वः मः
- २ जिगासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगासा-नि व म
- ४ अजिगास-त् ताम् न् : तम् तम् अजिगासा-व म
- ५ अजिगा-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठम्
- ६ जिगासाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
जिगासाम्बभूव जिगासामास
- ७ जिगास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगासिष्या-मि
वः मः (अजिगासिष्या-व म
- १० अजिगासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३८ रैं (रै) शब्दे ।

- १ रिरास-ति तः न्ति सि थः थ रिरासा-मि वः मः
- २ रिरासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरासा-नि व म
- ४ अरिरास-त् ताम् न् : तम् तम् अरिरासा-व म
- ५ अरिरा-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठम्
- ६ रिरासाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
रिरासाम्बभूव रिरासामास
- ७ रिरास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरासिष्या-मि
वः मः (अरिरासिष्या-व म
- १० अरिरासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३९ ष्यैं (ष्यै) संघाते च ।

- १ तिष्ट्यास-ति तः न्ति सि थः थ तिष्ट्यासा-मि वः मः
- २ तिष्ट्यासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिष्ट्यास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिष्ट्यासा-नि व म
- ४ अतिष्ट्यास-त् ताम् न् : तम् तम् अतिष्ट्यासा-व म
- ५ अतिष्ट्या-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठम्
- ६ तिष्ट्यासाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
तिष्ट्यासाश्चकार तिष्ट्यासामास
- ७ तिष्ट्यास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिष्ट्यासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिष्ट्यासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिष्ट्यासिष्या-मि
वः मः (अतिष्ट्यासिष्या-व म
- १० अतिष्ट्यासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
ष्टिवेः षकार एव ठकारपरः,
अन्येषां घ्राप्रभृतीनान्तु षकारस्तवर्गपरः,

४० स्त्यैं [स्त्य] संघाते च ।

- १ तिस्त्यास-ति तः न्ति सि थः थ तिस्त्यासा-मि वः मः
- २ तिस्त्यासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्त्यास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिस्त्यासा-नि व म
- ४ अतिस्त्यास-त् ताम् न् : तम् तम् अतिस्त्यासा-व म
- ५ अतिस्त्या-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठम्
- ६ तिस्त्यासाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
तिस्त्यासाश्चकार तिस्त्यासामास
- ७ तिस्त्यास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्त्यासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्त्यासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिस्त्यासिष्या-मि
वः मः (अतिस्त्यासिष्या-व म
- १० अतिस्त्यासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४१ खैं (खै) खदने

- १ चिखास-ति तः न्ति सि थः थ चिखासा-मि वः मः
- २ चिखासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखास-तु तात् ताम् न्त् " तात् तम् त
चिखासा-नि व म
- ४ अचिखास-त् ताम् न् : तम् तम् अचिखासा-व म
- ५ अचिखा-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठ
- ६ चिखासाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिखासाम्बभू चिखासामास
- ७ चिखास्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखासिष्या-मि
वः मः (अचिखासिष्या-व म
- १० अचिखासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४२ खैं (खै) क्षये

- १ चिक्षास-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षासा-मि वः मः
- २ चिक्षासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्षास-तु तात् ताम् न्त् " तात् तम् त
चिक्षासा-नि व म
- ४ अचिक्षास-त् ताम् न् : तम् तम् अचिक्षासा-व म
- ५ अचिक्षा-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठ
- ६ चिक्षासाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
चिक्षासाम्बभू चिक्षासामास
- ७ चिक्षास्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्षासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्षासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षासिष्या-मि
वः मः (अचिक्षासिष्या-व म
- १० अचिक्षासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४३ जैं (जै) क्षये ।

- १ जिजास-ति तः न्ति सि थः थ जिजासा-मि वः मः
- २ जिजासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजास-तु तात् ताम् न्त् " तात् तम् त
जिजासा-नि व म
- ४ अजिजास-त् ताम् न् : तम् तम् अजिजासा-व म
- ५ अजिजा-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठ
- ६ जिजासाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
जिजासाम्बभू जिजासामास
- ७ जिजास्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजासिष्या-मि
वः मः (अजिजासिष्या-व म
- १० अजिजासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४४ जैं [जै] क्षये ।

- १ सिषास-ति तः न्ति सि थः थ सिषासा-मि वः मः
- २ सिषासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिषास-तु तात् ताम् न्त् " तात् तम् त
सिषासा-नि व म
- ४ असिषास-त् ताम् न् : तम् तम् असिषासा-व म
- ५ असिषा-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठ
- ६ सिषासाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिषासाम्बभू सिषासामास
- ७ सिषास्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिषासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिषासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिषासिष्या-मि
वः मः (असिषासिष्या-व म
- १० असिषासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

अधोपदेशत्वे सिषास्थाने सिषा इति शेषम्

४५ छैं [छै] पाके ।

- १ सिन्धास-ति तः न्ति सि थः थ सिन्धासा-मि वः मः
- २ सिन्धासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिन्धास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिन्धासा-नि व म
- ४ असिन्धास-त् ताम् न् : तम् तम् असिन्धासा-व म
- ५ असिन्धा-सीत् सिधम् सिधुः सीः सिधम् सिध सिधम्
सिध्व सिध्व
- ६ सिन्धासाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
सिन्धासाश्चकार सिन्धासामास
- ७ सिन्धास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सप्त स्व स्म
- ८ सिन्धासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ सिन्धासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिन्धासिष्या-मि
वः मः (असिन्धासिष्या-व म
- १० असिन्धासिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

४८ ओवैं (वै) शोषणे

- १ विवास-ति तः न्ति सि थः थ विवासा-मि वः मः
- २ विवासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवासा-नि व म
- ४ अविवास-त् ताम् न् : तम् तम् अविवासा-व म
- ५ अविवा-सीत् सिधम् सिधुः सीः सिधम् सिध सिधम्
सिध्व सिध्व
- ६ विवासाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
विवासाश्चकार विवासामास
- ७ विवास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सप्त स्व स्म
- ८ विव सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ विव सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवासिष्या-मि
वः मः (अविवासिष्या-व म
- १० अविवासिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

४६ श्रैं (श्रै) पाके ।

- १ शिश्नास-ति तः न्ति सि थः थ शिश्नासा-मि वः मः
- २ शिश्नासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिश्नास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्नासा-नि व म
- ४ अशिश्नास-त् ताम् न् : तम् तम् अशिश्नासा-व म
- ५ अशिश्ना-सीत् सिधम् सिधुः सीः सिधम् सिध सिधम्
सिध्व सिध्व
- ६ शिश्नासाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
शिश्नासाश्चकार शिश्नासामास
- ७ शिश्नास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सप्त स्व स्म
- ८ शिश्नासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ शिश्नासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्नासिष्या-मि
वः मः (अशिश्नासिष्या-व म
- १० अशिश्नासिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

४९ पै (पै) शोषणे । पां २ वद्रूपाणि

४९ णैं (णै) वेष्टने

- १ सिष्णास-ति तः न्ति सि थः थ सिष्णासा-मि वः मः
- २ सिष्णासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिष्णास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिष्णासा-नि व म
- ४ असिष्णास-त् ताम् न् : तम् तम् असिष्णासा-व म
- ५ असिष्णा-सीत् सिधम् सिधुः सीः सिधम् सिध सिधम्
सिध्व सिध्व
- ६ सिष्णासाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
सिष्णासाश्चकार सिष्णासामास
- ७ सिष्णास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सप्त स्व स्म
- ८ सिष्णासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ सिष्णासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिष्णासिष्या-मि
वः मः (असिष्णासिष्या-व म
- १० असिष्णासिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५० फक् (फक्) नीचैर्गतौ ।

- १ पिफक्किष-तितः न्ति सि थः थ पिफक्किषा-मि वः मः
- २ पिफक्किषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिफक्किष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिफक्किषा-णि व म
- ४ अपिफक्किष-त् ताम् नः तम् तम् अपिफक्किषा-व म
- ५ अपिफक्कि-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ पिफक्किषामा-स सतु सुः सि थः स स सि व सि म
पिफक्किषाश्चकार पिफक्किषाम्बभूव
- ७ पिफक्किष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिफक्किषिता-'' रौ रः सि थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ पिफक्किषिष्य-तितः न्ति सि थः थ पिफक्किषिष्या-
मि वः मः (अपिफक्किषिष्या-व म
- १० अपिफक्किषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

५१ तक् (तक्) हसने ।

- १ तितक्किष-तितः न्ति सि थः थ तितक्किषा-मि वः मः
- २ तितक्किषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितक्किष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितक्किषा-णि व म
- ४ अतितक्किष-त् ताम् नः तम् तम् अतितक्किषा-व म
- ५ अतितक्कि-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ तितक्किषाम्बभू-व वतुः दुः वि थ वथुः व व वि व वि म
तितक्किषाश्चकार तितक्किषामास
- ७ तितक्किष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितक्किषिता-'' रौ रः सि थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ तितक्किषिष्य-तितः न्ति सि थः थ तितक्किषिष्या-
मि वः मः (अतितक्किषिष्या-व म
- १० अतितक्किषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

५२ तक्कु (तक्कु) कृच्छ्रजीवने ।

- १ तितक्कुष-तितः न्ति सि थः थ तितक्कुषा-मि वः मः
- २ तितक्कुषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितक्कुष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितक्कुषा-णि व म
- ४ अतितक्कुष-त् ताम् नः तम् तम् अतितक्कुषा-व म
- ५ अतितक्कु-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ तितक्कुषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कु व कृ म
तितक्कुषाम्बभूव तितक्कुषामास
- ७ तितक्कुष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितक्कुषिता-'' रौ रः सि थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ तितक्कुषिष्य-तितः न्ति सि थः थ तितक्कुषिष्या-
मि वः मः (अतितक्कुषिष्या-व म
- १० अतितक्कुषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

५३ शुक [शुक] गतौ ।

- १ शुशुक्किष-तितः न्ति सि थः थ शुशुक्किषा-मि वः मः
- २ शुशुक्किषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुशुक्किष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुशुक्किषा-णि व म
- ४ अशुशुक्किष-त् ताम् नः तम् तम् अशुशुक्किषा-व म
- ५ अशुशुक्कि-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ शुशुक्किषाम्बभू-व वतुः दुः वि थ वथुः व व वि व वि म
शुशुक्किषाश्चकार शुशुक्किषामास
- ७ शुशुक्किष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशुक्किषिता-'' रौ रः सि थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ शुशुक्किषिष्य-तितः न्ति सि थः थ शुशुक्किषिष्या-
मि वः मः (अशुशुक्किषिष्या-व म
- १० अशुशुक्किषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्षे शुशुक्कि-स्थाने शुशुक्कि-इतिज्ञेयम्

५४ बुक् (बुक्) भाषणे ।

- १ बुबुक्किष-ति तः न्ति सि थः थ बुबुक्किषा-मि वः मः
- २ बुबुक्किषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बुबुक्किष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
बुबुक्किषा-णि व म
- ४ अबुबुक्किष-त्ताम् नः तम् तम् अबुबुक्किषा-व म
- ५ अबुबुक्कि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बुबुक्किषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
बुबुक्किषाश्चकार बुबुक्किषाम्बभूव
- ७ बुबुक्किष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बुबुक्किषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ बुबुक्किषिष्य-तितः न्ति सि थः थ बुबुक्किषिष्या-
मि वः मः (अबुबुक्किषिष्या-व म
- १० अबुबुक्किषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५६ राख् (राख्) शोषणालमर्थयोः ।

- १ रिराखिष-ति तः न्ति सि थः थ रिराखिषा-मि वः मः
- २ रिराखिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिराखिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रिराखिषा-णि व म
- ४ अरिराखिष-त्ताम् नः तम् तम् अरिराखिषा-व म
- ५ अरिराखि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिराखिषाश्चकार कतुः कुः कथ कथुः क कार कर कृव कृम
रिराखिषाम्बभूव रिराखिषामास
- ७ रिराखिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिराखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ रिराखिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ रिराखिषिष्या-
मि वः मः (अरिराखिषिष्या-व म
- १० अरिराखिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५५ ओख् (ओख्) शोषणालमर्थयोः ।

- १ ओचिखिष-ति तः न्ति सि थः थ ओचिखिषा-मि वः मः
- २ ओचिखिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ओचिखिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
ओचिखिषा-णि व म
- ४ ओचिखिष-त्ताम् नः तम् तम् ओचिखिषा-व म
- ५ ओचिखि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ ओचिखिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
ओचिखिषाश्चकार ओचिखिषामास
- ७ ओचिखिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ओचिखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ ओचिखिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ ओचिखिषिष्या-
मि वः मः (ओचिखिषिष्या-व म
- १० ओचिखिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५७ लाख् [लाख्] शोषणालमर्थयोः ।

- १ लिलाखिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलाखिषा-मि वः मः
- २ लिलाखिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलाखिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलाखिषा-णि व म
- ४ अलिलाखिष-त्ताम् नः तम् तम् अलिलाखिषा-व म
- ५ अलिलाखि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लिलाखिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लिलाखिषाश्चकार लिलाखिषामास
- ७ लिलाखिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलाखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ लिलाखिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ लिलाखिषिष्या-
मि वः मः (अलिलाखिषिष्या-व म
- १० अलिलाखिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५८ ब्राख् (ब्राख्) शोषणालमर्थयोः ।

- १ दिद्राखिष-ति तः न्ति सि थः थ दिद्राखिषा-मि वः मः
 २ दिद्राखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ दिद्राखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 दिद्राखिषा-णि व म
 ४ अदिद्राखिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदिद्राखिषा-व म
 ५ अदिद्राखि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
 विष्व विष्म
 ६ दिद्राखिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 दिद्राखिषाश्चकार दिद्राखिषाम्बभूव
 ७ दिद्राखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ दिद्राखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ दिद्राखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिद्राखिषिष्या-
 मि वः मः (अदिद्राखिषिष्या-व म
 १० अदिद्राखिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

६० शाख् (शाख्) व्याप्तौ ।

- १ शिशाखिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशाखिषा-मि वः मः
 २ शिशाखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ शिशाखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 शिशाखिषा-णि व म
 ४ अशिशाखिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिशाखिषा-व म
 ५ अशिशाखि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
 विष्व विष्म
 ६ शिशाखिषाश्चकार कतुः कुः कथ कथुः क कार करकृवकृम
 शिशाखिषाम्बभूव शिशाखिषामास
 ७ शिशाखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ शिशाखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ शिशाखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशाखिषिष्या-
 मि वः मः (अशिशाखिषिष्या-व म
 १० अशिशाखिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५९ ब्राख् (ब्राख्) शोषणालमर्थयोः ।

- १ दिभ्राखिष-ति तः न्ति सि थः थ दिभ्राखिषा-मि वः मः
 २ दिभ्राखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ दिभ्राखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 दिभ्राखिषा-णि व म
 ४ अदिभ्राखिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदिभ्राखिषा-व म
 ५ अदिभ्राखि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
 विष्व विष्म
 ६ दिभ्राखिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 दिभ्राखिषाश्चकार दिभ्राखिषामास
 ७ दिभ्राखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ दिभ्राखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ दिभ्राखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिभ्राखिषिष्या-
 मि वः मः (अदिभ्राखिषिष्या-व म
 १० अदिभ्राखिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

६१ श्लाख् [श्लाख्] व्याप्तौ ।

- १ शिश्लाखिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्लाखिषा-मि वः मः
 २ शिश्लाखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ शिश्लाखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 शिश्लाखिषा-णि व म
 ४ अशिश्लाखिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिश्लाखिषा-व म
 ५ अशिश्लाखि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
 विष्व विष्म
 ६ शिश्लाखिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 शिश्लाखिषाश्चकार शिश्लाखिषामास
 ७ शिश्लाखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ शिश्लाखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ शिश्लाखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्लाखिषिष्या-
 मि वः मः (अशिश्लाखिषिष्या-व म
 १० अशिश्लाखिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२१ औस्वृ (स्वृ) शब्दोपतापयोः

- १सिस्वरिष-ति तः न्ति सि थः थसिस्वरिषा-मि वः मः
- २ सिस्वरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिस्वरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिस्वरिषा-णि व म
- ४असिस्वरिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिस्वरिषा-व म
- ५असिस्वरि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्व
- ६सिस्वरिषा-स सतुः सुः सि थः स स सिम सिम
सिस्वरिषा-श्चकार सिस्वरिषाम्बभूव
- ७ सिस्वरिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८सिस्वरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९सिस्वरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थसिस्वरिषिष्या-मि
वः मः (असिस्वरिषिष्या-व म
- १०असिस्वरिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

पक्षे सिस्वरिस्थाने सुस्वर-ज्ञेयम्

२३ ध्वृ (ध्वृ) कौटिल्ये

- १ दुध्वृष-ति तः न्ति सि थः थ दुध्वृषा-मि वः मः
- २ दुध्वृषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुध्वृष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दुध्वृषा-णि व म
- ४ अदुध्वृष-त् ताम् न् : तम् तम् अदुध्वृषा-व म
- ५ अदुध्वृष-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्व
- ६ दुध्वृषा-स सतुः सुः कथं कथुः क कार कर क्व क्वम्
दुध्वृषा-श्चकार दुध्वृषाम्बभूव दुध्वृषामास
- ७ दुध्वृष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुध्वृषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुध्वृषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुध्वृषिष्या-मि
वः मः (अदुध्वृषिष्या-व म
- १०अदुध्वृषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२२ दृष्टृ (दृष्टृ) वरणे

- १ दुदृष्टृष-ति तः न्ति सि थः थ दुदृष्टृषा-मि वः मः
- २ दुदृष्टृषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुदृष्टृष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दुदृष्टृषा-णि व म
- ४ अदुदृष्टृष-त् ताम् न् : तम् तम् अदुदृष्टृषा-व म
- ५ अदुदृष्टृष-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्व
- ६ दुदृष्टृषाम्बभू-व वतुः वुः वि थः व व विव विम
दुदृष्टृषा-श्चकार दुदृष्टृषामास
- ७ दुदृष्टृष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुदृष्टृषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुदृष्टृषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुदृष्टृषिष्या-मि
वः मः (अदुदृष्टृषिष्या-व म
- १० अदुदृष्टृषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२४ हृष्टृ (हृष्टृ) कौटिल्ये ।

- १ जुहृष्टृष-ति तः न्ति सि थः थ जुहृष्टृषा-मि वः मः
- २ जुहृष्टृषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुहृष्टृष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुहृष्टृषा-णि व म
- ४ अजुहृष्टृष-त् ताम् न् : तम् तम् अजुहृष्टृषा-व म
- ५ अजुहृष्टृष-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्व
- ६ जुहृष्टृषामा-स सतुः सुः सि थः स स सिम सिम
जुहृष्टृषा-श्चकार जुहृष्टृषाम्बभूव
- ७ जुहृष्टृष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुहृष्टृषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुहृष्टृषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुहृष्टृषिष्या-मि
वः मः (अजुहृष्टृषिष्या-व म
- १० अजुहृष्टृषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२५ सू (सू) गतौ ।

- १ सिसीर्ष-ति तः न्ति सिथः थ सिसीर्षा-मिवः मः
- २ सिसीर्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसीर्ष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
सिसीर्षा-णि व म
- ४ असिसीर्ष-त् ताम् नः तम् तम् असिसीर्षा-व म
- ५ असिसीर्-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिसीर्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिम सिम
सिसीर्षाश्चकार सिसीर्षाम्बभूव
- ७ सिसीर्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसीर्षिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसीर्षिष्य-ति तः न्ति सिथः थ सिसीर्षिष्या-मि
वः मः (असिसीर्षिष्या-व म
- १० असिसीर्षिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

२६ ऋ (ऋ) प्रापणे ।

- १ अरिरिष-ति तः न्ति सिथः थ अरिरिषा-मिवः मः
- २ अरिरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अरिरिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
अरिरिषा-णि व म
- ४ अरिरिष-त् ताम् नः तम् तम् अरिरिषा-व म
- ५ अरिरि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ अरिरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अरिरिषाश्चकार अरिरिषामास
- ७ अरिरिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अरिरिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अरिरिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ अरिरिषिष्या-मि
वः मः (आरिरिषिष्या-व म
- १० आरिरिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

२७ वृ (वृ) प्लवनतरणयोः ।

- १ तितरिष-ति तः न्ति सिथः थ तितरिषा-मिवः मः
- २ तितरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितरिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
तितरिषा-णि व म
- ४ अतितरिष-त् ताम् नः तम् तम् अतितरिषा-व म
- ५ अतितरि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तितरिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
तितरिषाम्बभूव तितरिषामास
- ७ तितरिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितरिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितरिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तितरिषिष्या-मि
वः मः (अतितरिषिष्या-व म
- १० अतितरिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्षे तितरिस्थाने तितरी-तितीर-इति च
सर्वत्र ज्ञेयम् ॥

२८ दूधे (धे) पाने ।

- १ धित्स-ति तः न्ति सिथः थ धित्सा-मिवः मः
- २ धित्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ धित्स-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
धित्सा-नि व म
- ४ अधित्स-त् ताम् नः तम् तम् अधित्सा-व म
- ५ अधित्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ धित्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
धित्साश्चकार धित्साम्बभूव
- ७ धित्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ धित्सिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ धित्सिष्य-ति तः न्ति सिथः थ धित्सिष्या-मि
वः मः (अधित्सिष्या-व म
- १० अधित्सिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

७२ लखु (लङ्ख) गतौ ।

- १ लिलङ्खिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलङ्खिषा-मि वः मः
- २ लिलङ्खिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलङ्खिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलङ्खिषा-णि व म
- ४ अलिलङ्खिष-त् ताम् नः तम् त म् अलिलङ्खिषा-व म
- ५ अलिलङ्खि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्वा षिष्वा
- ६ लिलङ्खिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लिलङ्खिषाश्चकार लिलङ्खिषाम्बभूव
- ७ लिलङ्खिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलङ्खिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलङ्खिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलङ्खिषिष्या-मि
वः मः (अलिलङ्खिषिष्या-व म
- १० अलिलङ्खिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

७३ रिखु (रिङ्ख) गतौ ।

- १ रिरिङ्खिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरिङ्खिषा-मि वः मः
- २ रिरिङ्खिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरिङ्खिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरिङ्खिषा-णि व म
- ४ अरिरिङ्खिष-त् ताम् नः तम् त म् अरिरिङ्खिषा-व म
- ५ अरिरिङ्खि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्वा षिष्वा
- ६ रिरिङ्खिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
रिरिङ्खिषाम्बभूव रिरिङ्खिषामास
- ७ रिरिङ्खिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरिङ्खिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरिङ्खिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरिङ्खिषिष्या-मि
मि वः मः (अरिरिङ्खिषिष्या-व म
- १० अरिरिङ्खिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

७४ इखि (इङ्ख) गतौ ।

- १ ऐचिखिष-ति तः न्ति सि थः थ ऐचिखिषा-मि वः मः
- २ ऐचिखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ऐचिखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ऐचिखिषा-णि व म
- ४ ऐचिखिष-त् ताम् नः तम् त म् ऐचिखिषा-व म
- ५ ऐचिखि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्वा षिष्वा
- ६ ऐचिखिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
ऐचिखिषाश्चकार ऐचिखिषामास
- ७ ऐचिखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ऐचिखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ऐचिखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ऐचिखिषिष्या-मि
वः मः (ऐचिखिषिष्या-व म
- १० ऐचिखिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

७५ इखु (इङ्ख) गतौ ।

- १ इञ्चिखिष-ति तः न्ति सि थः थ इञ्चिखिषा-मि वः मः
 - २ इञ्चिखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ इञ्चिखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
इञ्चिखिषा-णि व म
 - ४ ऐञ्चिखिष-त् ताम् नः तम् त म् ऐञ्चिखिषा-व म
 - ५ ऐञ्चिखि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्वा षिष्वा
 - ६ इञ्चिखिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
इञ्चिखिषाम्बभूव इञ्चिखिषामास
 - ७ इञ्चिखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ इञ्चिखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९ इञ्चिखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ इञ्चिखिषिष्या-मि
वः मः (ऐञ्चिखिषिष्या-व म
 - १० ऐञ्चिखिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
- ७६ ईखु (ईङ्ख) गतौ । इखु ७५ वङ्गपाणि
। नवरं इस्थाने ईवोध्यः ।

७७ वल्ग (वल्ग्) गतौ ।

- १ विवल्गिष-ति तः न्ति सि थः थ विवल्गिषा-मिवः म
- २ विवल्गिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवल्गिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवल्गिषा-णि व म
- ४ अविवल्गिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविवल्गिषा-व म
- ५ अविवल्गि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवल्गिषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विवल्गिषाश्चकार विवल्गिषामास
- ७ विवल्गिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवल्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवल्गिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ विवल्गिषिष्या-
मि वः मः (अविवल्गिषिष्या-व म
- १० अविवल्गिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

७८ रगु (रङ्ग्) गतौ ।

- १ रिरङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरङ्गिषा-मिवः मः
- २ रिरङ्गिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरङ्गिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरङ्गिषा-णि व म
- ४ अरिरङ्गिष-त् ताम् न् : तम् तम् अरिरङ्गिषा-व म
- ५ अरिरङ्गि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरङ्गिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
रिरङ्गिषाम्बभूव रिरङ्गिषामास
- ७ रिरङ्गिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरङ्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरङ्गिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ रिरङ्गिषिष्या-
मि वः मः (अरिरङ्गिषिष्या-व म
- १० अरि-ङ्गिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

७९ लगु (लङ्ग्) गतौ ।

- १ लिलङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलङ्गिषा-मिवः मः
- २ लिलङ्गिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलङ्गिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलङ्गिषा-णि व म
- ४ अलिलङ्गिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलिलङ्गिषा-व म
- ५ अलिलङ्गि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लिलङ्गिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स ससिव सिम
लिलङ्गिषाश्चकार लिलङ्गिषाम्बभूव
- ७ लिलङ्गिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलङ्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलङ्गिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलङ्गिषिष्या-मि
वः मः (अलिलङ्गिषिष्या-व म
- १० अलिलङ्गिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

८० तगु (तङ्ग्) गतौ ।

- १ तितङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ तितङ्गिषा-मिवः मः
- २ तितङ्गिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितङ्गिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितङ्गिषा-णि व म
- ४ अतितङ्गिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतितङ्गिषा-व म
- ५ अतितङ्गि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तितङ्गिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
तितङ्गिषाम्बभूव तितङ्गिषामास
- ७ तितङ्गिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितङ्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितङ्गिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ तितङ्गिषिष्या-मि
वः मः (अतितङ्गिषिष्या-व म
- १० अतितङ्गिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

८१ अगु (अङ्ग) गतौ ।

- १ शिश्रङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्रङ्गिषा-मि वः म
- २ शिश्रङ्गिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिश्रङ्गिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्रङ्गिषा-णि व म
- ४ अशिश्रङ्गिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिश्रङ्गिषा-व म
- ५ अशिश्रङ्गि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्व
- ६ शिश्रङ्गिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिश्रङ्गिषाश्चकार शिश्रङ्गिषामास
- ७ शिश्रङ्गिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ शिश्रङ्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्रङ्गिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्रङ्गिषिष्या-
मि वः मः (अशिश्रङ्गिषिष्या-व म
- १० अशिश्रङ्गिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

८२ अगु (अङ्ग) गतौ ।

- १ अङ्गिगिष-ति तः न्ति सि थः थ अङ्गिगिषा-मि वः मः
- २ अङ्गिगिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अङ्गिगिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
अङ्गिगिषा-णि व म
- ४ आङ्गिगिष-त्ताम् नः तम् तम् आङ्गिगिषा-व म
- ५ आङ्गिगि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्व
- ६ अङ्गिगिषाश्चकार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
अङ्गिगिषाम्बभूव अङ्गिगिषामास
- ७ अङ्गिगिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ अङ्गिगिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अङ्गिगिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अङ्गिगिषिष्या-
मि वः मः (आङ्गिगिषिष्या-व म
- १० आङ्गिगिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

८३ श्लगु (श्लङ्ग) गतौ ।

- १ शिश्लङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्लङ्गिषा-मि वः मः
- २ शिश्लङ्गिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिश्लङ्गिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्लङ्गिषा-णि व म
- ४ अशिश्लङ्गिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिश्लङ्गिषा-व म
- ५ अशिश्लङ्गि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्व
- ६ शिश्लङ्गिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शिश्लङ्गिषाश्चकार शिश्लङ्गिषाम्बभूव
- ७ शिश्लङ्गिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ शिश्लङ्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्लङ्गिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्लङ्गिषिष्या-
मि वः मः (अशिश्लङ्गिषिष्या-व म
- १० अशिश्लङ्गिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

८४ वगु (वङ्ग) गतौ ।

- १ विवङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ विवङ्गिषा-मि वः मः
- २ विवङ्गिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवङ्गिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विवङ्गिषा-णि व म
- ४ अविवङ्गिष-त्ताम् नः तम् तम् अविवङ्गिषा-व म
- ५ अविवङ्गि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्व
- ६ विवङ्गिषाश्चकार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
विवङ्गिषाम्बभूव विवङ्गिषामास
- ७ विवङ्गिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ विवङ्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवङ्गिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवङ्गिषिष्या-मि
वः मः (अविवङ्गिषिष्या-व म
- १० अविवङ्गिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

८५ मगु (मङ्गु) गतौ ।

- १मिमङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमङ्गिषा-मि वः मः
- २ मिमङ्गिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३मिमङ्गिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमङ्गिषा-णि व म
- ४अमिमङ्गिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमङ्गिषा-व म
- ५अमिमङ्गि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ मिमङ्गिषामा-व सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमङ्गिषाश्चके मिमङ्गिषाम्बभूव
- ७ मिमङ्गिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमङ्गिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९मिमङ्गिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमङ्गिषिष्या-
मि वः मः (अमिमङ्गिषिष्या-व म
- १०अमिमङ्गिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

८७ इगु (इङ्गु) गतौ ।

- १इङ्गिगिष-ति तः न्ति सि थः थ इङ्गिगिषा-मि वः मः
 - २ इङ्गिगिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ इङ्गिगिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
इङ्गिगिषा-णि व म
 - ४ऐङ्गिगिष-त्ताम् नः तम् तम् ऐङ्गिगिषा-व म
 - ५ऐङ्गिगि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
 - ६इङ्गिगिषाश्च-केकातेकिरेकृषेकायेकृष्टेकेकृष्टहेकृमहे
इङ्गिगिषाम्बभूव इङ्गिगिषामास
 - ७ इङ्गिगिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ इङ्गिगिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९इङ्गिगिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ इङ्गिगिषिष्या-
मि वः मः (ऐङ्गिगिषिष्या-व म
 - १०ऐङ्गिगिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
- कार, ऋतुः, कृ, कथं, कथुः, क, कार, कर, कृव, कृम,

८६ स्वगु (स्वङ्गु) गतौ ।

- १सिस्वङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ सिस्वङ्गिषा-मि वः मः
 - २ सिस्वङ्गिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ सिस्वङ्गिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सिस्वङ्गिषा-णि व म
 - ४असिस्वङ्गिष-त्ताम् नः तम् तम् असिस्वङ्गिषा-व म
 - ५ असिस्वङ्गि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
 - ६सिस्वङ्गिषाश्च-केकातेकिरेकृषेकायेकृष्टेकेकृष्टहेकृमहे
सिस्वङ्गिषाम्बभूव सिस्वङ्गिषामास
 - ७ सिस्वङ्गिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ सिस्वङ्गिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९सिस्वङ्गिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्वङ्गिषि-
ष्या-मि वः मः (असिस्वङ्गिषिष्या-व म
 - १०असिस्वङ्गिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
- कार, ऋतुः, कृ, कथं, कथुः, क, कार, कर, कृव, कृम

८८ उगु (उङ्गु) गतौ ।

- १उङ्गिगिष-ति तः न्ति सि थः थ उङ्गिगिषा-मि वः मः
- २ उङ्गिगिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ उङ्गिगिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
व म उङ्गिगिषा-णि व म
- ४ औङ्गिगिष-त्ताम् नः तम् तम् औङ्गिगिषा-व म
- ५ औङ्गिगि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ उङ्गिगिषाम्बभू-व वतुः वः विथ वथुः व व विव विम
उङ्गिगिषाश्चके उङ्गिगिषामास
- ७ उङ्गिगिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ उङ्गिगिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९उङ्गिगिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ उङ्गिगिषिष्या-मि
वः मः (औङ्गिगिषिष्या-व म
- १० औङ्गिगिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

८९ रिगु (रिङ्ग) गतौ ।

- १ रिरङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरङ्गिषा-मि वः मः
- २ रिरङ्गिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरङ्गिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरङ्गिषा-णि व म
- ४ अरिरङ्गिष-त् ताम् नः तम् तम् अरिरङ्गिषा-व म
- ५ अरिरङ्गि-षीत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरङ्गिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रिरङ्गिषाश्चकार रिरङ्गिषामास
- ७ रिरङ्गिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरङ्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरङ्गिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरङ्गिषिष्या-
मि वः मः (अरिरङ्गिषिष्या-व म
- १० अरिरङ्गिषिष्य-त् ताम् नः तम् त

९१ त्वगु (त्वङ्ग) कम्पने च ।

- १ तित्वङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ तित्वङ्गिषा-मि वः मः
- २ तित्वङ्गिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तित्वङ्गिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म तित्वङ्गिषा-णि व म
- ४ अतित्वङ्गिष-त् ताम् नः तम् तम् अतित्वङ्गिषा-
व म
- ५ अतित्वङ्गि-षीत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तित्वङ्गिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तित्वङ्गिषाश्चकार तित्वङ्गिषाम्बभूव
- ७ तित्वङ्गिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तित्वङ्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तित्वङ्गिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तित्वङ्गिषि
ष्या-मि वः मः (अतित्वङ्गिषिष्या-व म
- १० अतित्वङ्गिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

९० लिगु (लिङ्ग) गतौ ।

- १ लिलङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलङ्गिषा-मि वः मः
- २ लिलङ्गिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलङ्गिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलङ्गिषा-णि व म
- ४ अलिलङ्गिष-त् ताम् नः तम् तम् अलिलङ्गिषा-व म
- ५ अलिलङ्गि-षीत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लिलङ्गिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
लिलङ्गिषाम्बभूव लिलङ्गिषामास
- ७ लिलङ्गिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलङ्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलङ्गिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलङ्गिषिष्या-
मि वः मः (अलिलङ्गिषिष्या-व म
- १० अलिलङ्गिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

९२ युगु (युङ्ग) वर्जने ।

- १ युयुङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ युयुङ्गिषा-मि वः मः
- २ युयुङ्गिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ युयुङ्गिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म युयुङ्गिषा-णि व म
- ४ अयुयुङ्गिष-त् ताम् नः तम् तम् अयुयुङ्गिषा-
व म
- ५ अयुयुङ्गि-षीत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ युयुङ्गिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
युयुङ्गिषाश्चकार युयुङ्गिषामास
- ७ युयुङ्गिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ युयुङ्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ युयुङ्गिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ युयुङ्गिषि
ष्या-मि वः मः (अयुयुङ्गिषिष्या-व म
- १० अयुयुङ्गिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

९३ जुगु (जुङ्ग्) वर्जने ।

- १ जुजुङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ जुजुङ्गिषा-मि वः मः
- २ जुजुङ्गिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुजुङ्गिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुजुङ्गिषा-णि व म
- ४ अजुजुङ्गिष-त् ताम् नः तम् तम् अजुजुङ्गिषा-व म
- ५ अजुजुङ्गि-षीत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जुजुङ्गिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
जुजुङ्गिषाश्चकार जुजुङ्गिषामास
- ७ जुजुङ्गिष्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुजुङ्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुजुङ्गिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुजुङ्गिषिष्या-
मि वः मः (अजुजुङ्गिषिष्या-व म
- १० अजुजुङ्गिषिष्य-त् ताम् नः तम् त

९४ वुगु (वुङ्ग्) वर्जने ।

- १ वुवुङ्गिष-ति तः न्ति सि थः थ वुवुङ्गिषा-मि वः मः
- २ वुवुङ्गिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ वुवुङ्गिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
वुवुङ्गिषा-णि व म
- ४ अवुवुङ्गिष-त् ताम् नः तम् तम् अवुवुषा-व म
- ५ अवुवुङ्गि-षीत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ वुवुङ्गिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
वुवुङ्गिषाम्बभूव वुवुङ्गिषामास
- ७ वुवुङ्गिष्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ वुवुङ्गिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ वुवुङ्गिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ वुवुङ्गिषिष्या-
मि वः मः (अवुवुङ्गिषिष्या-व म
- १० अवुवुङ्गिषिष्य-त् : ताम् नः तम् त म्

९५ गग्घ (गग्घ्) हसने ।

- १ जिगग्घिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगग्घिषा-मि वः मः
- २ जिगग्घिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगग्घिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म जिगग्घिषा-णि व म
- ४ अजिगग्घिष-त् ताम् नः तम् तम् अजिगग्घिषा-
- ५ अजिगग्घि-षीत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिगग्घिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिगग्घिषाश्चकार जिगग्घिषाम्बभूव
- ७ जिगग्घिष्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगग्घिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगग्घिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगग्घिषि
ष्या-मि वः मः (अजिगग्घिषिष्या-व म
- १० अजिगग्घिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

९६ दग्घु (दग्घ्) पालने ।

- १ दिदग्घिष-ति तः न्ति सि थः थ दिदग्घिषा-मि वः मः
- २ दिदग्घिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदग्घिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म दिदग्घिषा-णि व म
- ४ अदिदग्घिष-त् ताम् नः तम् तम् अदिदग्घिषा-
- ५ अदिदग्घि-षीत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिदग्घिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
दिदग्घिषाश्चकार दिदग्घिषामास
- ७ दिदग्घिष्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदग्घिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदग्घिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दि द्धिषि
ष्या-मि वः मः (अदिदग्घिषिष्या-व म
- १० अदिदग्घिषिष्य-त् : ताम् नः तम् तम्

५४ बुक्क (बुक्क) भाषणे ।

- १ बुबुक्किष-ति तः न्ति सि थः थ बुबुक्किषा-मि वः मः
- २ बुबुक्किषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बुबुक्किष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बुबुक्किषा-णि व म
- ४ अबुबुक्किष-त् ताम् नः तम् तम् अबुबुक्किषा-व म
- ५ अबुबुक्कि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बुबुक्किषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
बुबुक्किषाश्चकार बुबुक्किषाम्बभूव
- ७ बुबुक्किष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बुबुक्किषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बुबुक्किषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बुबुक्किषिष्या-
मि वः मः (अबुबुक्किषिष्या-व म
- १० अबुबुक्किषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५६ राख् (राख्) शोषणालमर्थयोः ।

- १ रिराखिष-ति तः न्ति सि थः थ रिराखिषा-मि वः मः
- २ रिराखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिराखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिराखिषा-णि व म
- ४ अरिराखिष-त् ताम् नः तम् तम् अरिराखिषा-व म
- ५ अरिराखि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिराखिषाश्च-कार क्रतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
रिराखिषाम्बभूव रिराखिषामास
- ७ रिराखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिराखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिराखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिराखिषिष्या-
मि वः मः (अरिराखिषिष्या-व म
- १० अरिराखिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५५ ओख् (ओख्) शोषणालमर्थयोः ।

- १ ओचिखिष-ति तः न्ति सि थः थ ओचिखिषा-मि वः मः
- २ ओचिखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ओचिखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ओचिखिषा-णि व म
- ४ ओचिखिष-त् ताम् नः तम् तम् ओचिखिषा-व म
- ५ ओचिखि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ ओचिखिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
ओचिखिषाश्चकार ओचिखिषामास
- ७ ओचिखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ओचिखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ओचिखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ओचिखिषिष्या-
मि वः मः (ओचिखिषिष्या-व म
- १० ओचिखिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५७ लाख् [लाख्] शोषणालमर्थयोः ।

- १ लिलाखिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलाखिषा-मि वः मः
- २ लिलाखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलाखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलाखिषा-णि व म
- ४ अलिलाखिष-त् ताम् नः तम् तम् अलिलाखिषा-व म
- ५ अलिलाखि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लिलाखिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लिलाखिषाश्चकार लिलाखिषामास
- ७ लिलाखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलाखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलाखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलाखिषिष्या-
मि वः मः (अलिलाखिषिष्या-व म
- १० अलिलाखिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५८ ब्राख् (ब्राख्) शोषणालमर्थयोः ।

- १ दिद्राखिष-ति तः न्ति सि थः थ दिद्राखिषा-मि वः मः
- २ दिद्राखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिद्राखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिद्राखिषा-णि व म
- ४ अदिद्राखिष-त् ताम् न् : तम् त म् अदिद्राखिषा-व म
- ५ अदिद्राखि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिद्राखिषामा-स सतुः सुः सि थः स स सि व सि म
दिद्राखिषाश्चकार दिद्राखिषाम्बभूव
- ७ दिद्राखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिद्राखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिद्राखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिद्राखिषिष्या-
मि वः मः (अदिद्राखिषिष्या-व म
- १० अदिद्राखिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

६० शाख् (शाख्) व्याप्तौ ।

- १ शिशाखिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशाखिषा-मि वः मः
- २ शिशाखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशाखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशाखिषा-णि व म
- ४ अशिशाखिष-त् ताम् न् : तम् त म् अशिशाखिषा-व म
- ५ अशिशाखि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शिशाखिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार करकृवकृम
शिशाखिषाम्बभूव शिशाखिषामास
- ७ शिशाखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशाखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशाखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशाखिषिष्या-
मि वः मः (अशिशाखिषिष्या-व म
- १० अशिशाखिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

५९ ध्राख् (ध्राख्) शोषणालमर्थयोः ।

- १ दिध्राखिष-ति तः न्ति सि थः थ दिध्राखिषा-मि वः मः
- २ दिध्राखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्राखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिध्राखिषा-णि व म
- ४ अदिध्राखिष-त् ताम् न् : तम् त म् अदिध्राखिषा-व म
- ५ अदिध्राखि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिध्राखिषाम्बभू-व वतुः वुः वि थ वथुः व व वि व वि म
दिध्राखिषाश्चकार दिध्राखिषामास
- ७ दिध्राखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्राखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्राखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिध्राखिषिष्या-
मि वः मः (अदिध्राखिषिष्या-व म
- १० अदिध्राखिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

६१ श्लाख् [श्लाख्] व्याप्तौ ।

- १ शिश्लाखिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्लाखिषा-मि वः मः
- २ शिश्लाखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिश्लाखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्लाखिषा-णि व म
- ४ अशिश्लाखिष-त् ताम् न् : तम् त म् अशिश्लाखिषा-व म
- ५ अशिश्लाखि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शिश्लाखिषाम्बभू-व वतुः वुः वि थ वथुः व व वि व वि म
शिश्लाखिषाश्चकार शिश्लाखिषामास
- ७ शिश्लाखिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्लाखिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्लाखिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्लाखिषिष्या-
मि वः मः (अशिश्लाखिषिष्या-व म
- १० अशिश्लाखिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१०५ अञ्च् (अञ्च्) गतौ च ।

- १ अञ्चिचिष-तितः न्ति सिथः थ अञ्चिचिषा-मिवः मः
- २ अञ्चिचिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अञ्चिचिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
अञ्चिचिषा-णि व म
- ४ अञ्चिचिष-त्ताम् न् : तम् तम् अञ्चिचिषा-व म
- ५ अञ्चिचि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ अञ्चिचिषाञ्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
अञ्चिचिषाम्बभूव अञ्चिचिषामास
- ७ अञ्चिचिष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अञ्चिचिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अञ्चिचिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ अञ्चिचिषिष्या-
मिवः मः (अञ्चिचिषिष्या-व म
- १० अञ्चिचिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्

१०७ चञ्च् (चञ्च्) गतौ ।

- १ चिचञ्चिष तितः न्ति सिथः थ चिचञ्चिषा-मिवः मः
- २ चिचञ्चिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचञ्चिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
चिचञ्चिषा-णि व म
- ४ अचिचञ्चिष-त्ताम् न् : तम् तम् अचिचञ्चिषा-व म
- ५ अचिचञ्चि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिचञ्चिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिचञ्चिषाञ्चकार चिचञ्चिषाम्बभूव
- ७ चिचञ्चिष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचञ्चिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचञ्चिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिचञ्चिषिष्या-
मिवः मः (अचिचञ्चिषिष्या-व म
- १० अचिचञ्चिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्

१०६ वञ्च् (वञ्च्) गतौ ।

- १ विवञ्चिष-तितः न्ति सिथः थ विवञ्चिषा-मिवः मः
- २ विवञ्चिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवञ्चिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
विवञ्चिषा-णि व म
- ४ अविवञ्चिष-त्ताम् न् : तम् तम् अविवञ्चिषा-व म
- ५ अविवञ्चि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवञ्चिषाञ्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
विवञ्चिषाम्बभूव विवञ्चिषामास
- ७ विवञ्चिष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवञ्चिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवञ्चिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ विवञ्चिषिष्या-
मिवः मः (अविवञ्चिषिष्या-व म
- १० अविवञ्चिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्

१०८ तञ्च् (तञ्च्) गतौ ।

- १ तितञ्चिष-तितः न्ति सिथः थ तितञ्चिषा-मिवः मः
- २ तितञ्चिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितञ्चिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
तितञ्चिषा-णि व म
- ४ अतितञ्चिष-त्ताम् न् : तम् तम् अतितञ्चिषा-व म
- ५ अतितञ्चि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तितञ्चिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तितञ्चिषाञ्चकार तितञ्चिषामास
- ७ तितञ्चिष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितञ्चिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितञ्चिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तितञ्चिषिष्या-
मिवः मः (अतितञ्चिषिष्या-व म
- १० अतितञ्चिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्

१०९ त्वञ्च (त्वञ्च) गतौ ।

- १ तित्वञ्चिष-ति तः न्ति सि थः थ तित्वञ्चिषा-मिवः मः
- २ तित्वञ्चिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तित्वञ्चिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
व म तित्वञ्चिषा-णि व म
- ४ अतित्वञ्चिष-त्ताम् नः तम् तम् अतित्वञ्चिषा-
- ५ अतित्वञ्चि-षीत् षिष्टाम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तित्वञ्चिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
तित्वञ्चिषाञ्चकार तित्वञ्चिषामास
- ७ तित्वञ्चिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तित्वञ्चिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तित्वञ्चिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तित्वञ्चिषिष्या-
-मिवः मः (अतित्वञ्चिषिष्या-व म
- १० अतित्वञ्चिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१११ मुञ्च (मुञ्च) गतौ ।

- १ मुमुञ्चिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमुञ्चिषा-मिवः मः
- २ मुमुञ्चिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमुञ्चिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमुञ्चिषा-णि व म
- ४ अमुमुञ्चिष-त्ताम् नः तम् तम् अमुमुञ्चिषा-व म
- ५ अमुमुञ्चि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मुमुञ्चिषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
मुमुञ्चिषाम्बभूव मुमुञ्चिषामास
- ७ मुमुञ्चिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमुञ्चिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमुञ्चिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमुञ्चिषिष्या-
-मिवः मः (अमुमुञ्चिषिष्या-व म
- १० अमुमुञ्चिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

११० मञ्च (मञ्च) गतौ ।

- १ मिमञ्चिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमञ्चिषा-मिवः मः
- २ मिमञ्चिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमञ्चिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमञ्चिषा-णि व म
- ४ अमिमञ्चिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमञ्चिषा-व म
- ५ अमिमञ्चि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमञ्चिषामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सिव सिम
मिमञ्चिषाञ्चकार मिमञ्चिषाम्बभूव
- ७ मिमञ्चिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमञ्चिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमञ्चिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमञ्चिषिष्या-
-मिवः मः (अमिमञ्चिषिष्या-व म
- १० अमिमञ्चिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

११२ मुञ्च (मुञ्च) गतौ ।

- १ मुमुञ्चिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमुञ्चिषा-मिवः मः
- २ मुमुञ्चिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमुञ्चिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमुञ्चिषा-णि व म
- ४ अमुमुञ्चिष-त्ताम् नः तम् तम् अमुमुञ्चिषा-व म
- ५ अमुमुञ्चि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मुमुञ्चिषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
मुमुञ्चिषाम्बभूव मुमुञ्चिषामास
- ७ मुमुञ्चिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमुञ्चिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमुञ्चिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमुञ्चिषिष्या-
-मिवः मः (अमुमुञ्चिषिष्या-व म
- १० अमुमुञ्चिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

११३ मुच् (मुच्) गतौ ।

- १ मुच्चिष-ति तः न्ति सि थः थ मुच्चिषा-मि वः मः
- २ मुच्चिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुच्चिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुच्चिषा-णि व म
- ४ अमुच्चिष-त् ताम् न् : तम् त म् अमुच्चिषा-व म
- ५ अमुच्चि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ मुच्चिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
मुच्चिषाश्चक्रे मुच्चिषामास
- ७ मुच्चिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुच्चिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुच्चिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुच्चिषिष्या-मि
वः मः (अमुच्चिषिष्या-व म
- १० अमुच्चिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
पक्षे सर्वत्र मुच्चिषस्थाने मुच्चोचि-इति ज्ञेयम्

११४ म्लुच् (म्लुच्) गतौ ।

- १ मुम्लुचिष-ति तः न्ति सि थः थ मुम्लुचिषा-मि वः मः
- २ मुम्लुचिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुम्लुचिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुम्लुचिषा-णि व म
- ४ अमुम्लुचिष-त् ताम् न् : तम् त म् अमुम्लुचिषा-व म
- ५ अमुम्लुचि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ मुम्लुचिषाश्च-क क्रात किर कृष कथि कृद्वै ककु वद्वै कृमहे
मुम्लुचिषामास मुम्लुचिषाम्बभूव
- ७ मुम्लुचिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुम्लुचिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुम्लुचिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुम्लुचिषिष्या-मि
वः मः (अमुम्लुचिषिष्या-व म
- १० अमुम्लुचिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
पक्षे सर्वत्र मुम्लुचिस्थाने मुम्लोचि-इति ज्ञेयम्
कार, कतु, कः, कथ, कथु, क, कार, कर, कव, कम

११५ ग्लुञ्च् (ग्लुञ्च्) गतौ ।

- १ जुग्लुञ्चिष-ति तः न्ति सि थः थ जुग्लुञ्चिषा-मि वः मः
- २ जुग्लुञ्चिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुग्लुञ्चिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुग्लुञ्चिषा-णि व म
- ४ अजुग्लुञ्चिष-त् ताम् न् : तम् त म् अजुग्लुञ्चिषा-व म
- ५ अजुग्लुञ्चि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ जुग्लुञ्चिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जुग्लुञ्चिषाश्चक्रे जुग्लुञ्चिषाम्बभूव
- ७ जुग्लुञ्चिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुग्लुञ्चिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुग्लुञ्चिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुग्लुञ्चिषिष्या-मि
वः मः (अजुग्लुञ्चिषिष्या-व म
- १० अजुग्लुञ्चिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

११६ षश्च (षश्च) गतौ ।

- १ सिषश्चिष-ति तः न्ति सि थः थ सिषश्चिषा-मि वः मः
- २ सिषश्चिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिषश्चिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिषश्चिषा-णि व म
- ४ असिषश्चिष-त् ताम् न् : तम् त म् असिषश्चिषा-व म
- ५ असिषश्चि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ सिषश्चिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
सिषश्चिषामास सिषश्चिषाश्चक्रे
- ७ सिषश्चिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिषश्चिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिषश्चिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिषश्चिषिष्या-मि
वः मः (असिषश्चिषिष्या-व म
- १० असिषश्चिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
सर्वत्र सिषस्थाने 'सिष' इति शुद्धम् ।

११७ जुष्ट (जुच्) स्तेये ।

१ जुष्टुचिष-तितः न्ति सिथः थ जुष्टुचिषा-मि वः मः

२ जुष्टुचिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ जुष्टुचिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

जु चिषा-णि व म

४ अजुष्टुचिष-त् ताम् नः तम् त म् अजुष्टुचिषा-व म

५ अजुष्टुचि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्व

६ जुष्टुचिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम

जुष्टुचिषाश्चकार जुष्टुचिषामास

७ जु चिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जुष्टुचिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ जुष्टुचिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ जुष्टुचिषिष्या-मि

वः मः (अजुष्टुचिषिष्या-व म

१० अजुष्टुचिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

पक्षे सर्वत्र जुष्टुचिस्थाने जुष्टोचि-इति ज्ञेयम्

*जुष्टुचिषाश्चकार,

११८ ग्लुच् (ग्लुच्) स्तेये ।

१ ग्लुच्चिष-तितः न्ति सिथः थ ग्लुच्चिषा-मि वः मः

२ ग्लुच्चिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ ग्लुच्चिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

ग्लुच्चिषा-णि व म

४ अग्लुच्चिष-त् ताम् नः तम् त म् अग्लुच्चिषा व म

५ अग्लुच्चि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्व

६ ग्लुच्चिषामा-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम

ग्लुच्चिषाश्चकार ग्लुच्चिषाम्बभूव

७ ग्लुच्चिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ ग्लुच्चिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ ग्लुच्चिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ ग्लुच्चिषिष्या-

-मि वः मः (अग्लुच्चिषिष्या-व म

१० अग्लुच्चिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

पक्षे सर्वत्र ग्लुच्चिस्थाने ग्लुचोचि-इति ज्ञेयम्

*ग्लुच्चिषाश्चकार,

११९ म्लेछ (म्लेछ) अव्यक्तायां वाचि ।

१ मिम्लेच्छिष-तितः न्ति सिथः थ मिम्लेच्छिषा-

मि वः मः

२ मिम्लेच्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ मिम्लेच्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

षा-व म

मिम्लेच्छिषा-णि व म

४ मिम्लेच्छिष-त् ताम् नः तम् त म् मिम्लेच्छि-

५ मिम्लेच्छि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

कृम

षिष्व षिष्व

६ मिम्लेच्छिषाश्चकार कतुः कु कथं कथुः क कार कर कृव

मिम्लेच्छिषामास मिम्लेच्छिषाम्बभूव

७ मिम्लेच्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ मिम्लेच्छिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ मिम्लेच्छिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ मिम्लेच्छि-

षिष्या-मि वः म (मिम्लेच्छिषिष्या-व म

१० मिम्लेच्छिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१२० लछ (लच्छ) लक्षणे ।

१ लिलच्छिष-तितः न्ति सिथः थ लिलच्छिषा-मि वः मः

२ लिलच्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ लिलच्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

षा-व म

लिलच्छिषा-णि व म

४ अलिलच्छिष-त् ताम् नः तम् त म् अलिलच्छि

५ अलिलच्छि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

कृम

षिष्व षिष्व

६ लिलच्छिषाश्चकार कतुः कु कथं कथुः क कार कर कृव

लिलच्छिषाम्बभूव लिलच्छिषामास

७ लिलच्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ लिलच्छिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ लिलच्छिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ लिलच्छिषि-

ष्या-मि वः मः (अलिलच्छिषिष्या-व म

१० अलिलच्छिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१२१ लाङ् (लाङ्) लक्षणे ।

- १ लिलाङ्छिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलाङ्छिषा-
मि वः मः
- २ लिलाङ्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलाङ्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
षा-व म लिलाङ्छिषा-णि व म
- ४ अलिलाङ्छिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलिलाङ्छि-
- ५ अलिलाङ्छि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृव कृम षिष्व षिष्व
- ६ लिलाङ्छिषाञ्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
लिलाङ्छिषाम्बभूव लिलाङ्छिषामास
- ७ लिलाङ्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलाङ्छिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलाङ्छिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलाङ्छिषि
ष्या-मि वः मः (अलिलाङ्छिषिष्या-व म
- १० अलिलाङ्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२२ वाङ् (वाङ्) इच्छायाम् ।

- १ विवाङ्छिष-ति तः न्ति सि थः थ विवाङ्छिषा-
मि वः मः
- २ विवाङ्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवाङ्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
षा-व म विवाङ्छिषा-णि व म
- ४ अविवाङ्छिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविवाङ्छि-
- ५ अविवाङ्छि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृव कृम षिष्व षिष्व
- ६ विवाङ्छिषाञ्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
विवाङ्छिषाम्बभूव विवाङ्छिषामास
- ७ विवाङ्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवाङ्छिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवाङ्छिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवाङ्छिषि
ष्या-मि वः मः (अविवाङ्छिषिष्या-व म
- १० अविवाङ्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२३ आङ् (आङ्) आयामे ।

- १ आङ्छिष-ति तः न्ति सि थः थ आङ्छिषा-मि
वः मः
- २ आङ्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ आङ्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
षा-व म आङ्छिषा-णि व म
- ४ आङ्छिष-त् ताम् न् : तम् तम् आङ्छि-
- ५ आङ्छि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ आङ्छिषाञ्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
आङ्छिषाम्बभूव आङ्छिषामास
- ७ आङ्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ आङ्छिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ आङ्छिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ आङ्छिषि
ष्या-मि वः मः (आङ्छिषिष्या-व म
- १० आङ्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२४ ह्रीङ् (ह्रीङ्) लजायाम् ।

- १ जिह्रीङ्छिष-ति तः न्ति सि थः थ जिह्रीङ्छिषा-
मि वः मः
- २ जिह्रीङ्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिह्रीङ्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
षा-व म जिह्रीङ्छिषा-णि व म
- ४ अजिह्रीङ्छिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिह्रीङ्छि-
- ५ अजिह्रीङ्छि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ जिह्रीङ्छिषाञ्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
जिह्रीङ्छिषामास जिह्रीङ्छिषाम्बभूव
- ७ जिह्रीङ्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिह्रीङ्छिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिह्रीङ्छिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिह्रीङ्छि-
ष्या-मि वः मः (अजिह्रीङ्छिषिष्या-व म
- १० अजिह्रीङ्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२५ हुर्छा (हुर्छ) कौटिल्ये ।

- १ जुहूर्छिष-ति तः न्ति सि थः थ जुहूर्छिषा-मि वः मः
- २ जुहूर्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुहूर्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुहूर्छिषा-णि व म
- ४ अजुहूर्छिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजुहूर्छिषा-व म
- ५ अजुहूर्छि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ जुहूर्छिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जुहूर्छिषाम्बभूव जुहूर्छिषामास
- ७ जुहूर्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुहूर्छिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुहूर्छिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुहूर्छिषिष्या-मि
वः मः (अजुहूर्छिषिष्या-व म
- १० अजुहूर्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१२७ स्फूर्छा (स्फूर्छ) विस्मृतौ ।

- १ पुस्फूर्छिष-ति तः न्ति सि थः थ पुस्फूर्छिषा-मि वः मः
- २ पुस्फूर्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुस्फूर्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
षा-व म पुस्फूर्छिषा-णि व म
- ४ अपुस्फूर्छिष-त् ताम् न् : तम् त म् अपुस्फूर्छि
- ५ अपुस्फूर्छि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ पुस्फूर्छिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
पुस्फूर्छिषाम्बभूव पुस्फूर्छिषामास
- ७ पुस्फूर्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुस्फूर्छिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुस्फूर्छिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुस्फूर्छिषिष्या-
-मि वः मः (अपुस्फूर्छिषिष्या-व म
- १० अपुस्फूर्छिषिष्य-त् : ताम् न् तम् त म्

१२६ मुर्छा (मूर्छ) मोहसमुच्छाययोः ।

- १ मुमूर्छिष ति तः न्ति सि थः थ मुमूर्छिषा मि वः मः
- २ मुमूर्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमूर्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमूर्छिषा-णि व म
- ४ अमुमूर्छिष-त् ताम् न् : तम् तम् अमुमूर्छिषा-व म
- ५ अमुमूर्छि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ मुमूर्छिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
मुमूर्छिषाम्बभूव मुमूर्छिषामास
- ७ मुमूर्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमूर्छिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमूर्छिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमूर्छिषिष्या-मि
वः मः (अमुमूर्छिषिष्या-व म
- १० अमुमूर्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१२४ स्मूर्छा (स्मूर्छ) विस्मृतौ ।

- १ सुस्मूर्छिष-ति तः न्ति सि थः थ सुस्मूर्छिषा-मि वः मः
- २ सुस्मूर्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सुस्मूर्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म सुस्मूर्छिषा-णि व म
- ४ असुस्मूर्छिष-त् ताम् न् : तम् तम् असुस्मूर्छिषा-
- ५ असुस्मूर्छि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ सुस्मूर्छिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
सुस्मूर्छिषामास सुस्मूर्छिषाम्बभूव
- ७ सुस्मूर्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सुस्मूर्छिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सुस्मूर्छिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सुस्मूर्छिषि-
ष्या-मि वः म (असुस्मूर्छिषिष्या-व म
- १० असुस्मूर्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१२९ युष् (युष्) प्रमादे ।

- १ युयुच्छिष-ति तः न्ति सिथः थ युयुच्छिषा-मि वः मः
- २ युयुच्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ युयुच्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
युयुच्छिषा-णि व म
- ४ अयुयुच्छिष-त् ताम् न् : तम् तम् अयुयुच्छिषा-व म
- ५ अयुयुच्छि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्म
- ६ युयुच्छिषा-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
युयुच्छिषामास युयुच्छिषाम्बभूव
- ७ युयुच्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ युयुच्छिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ युयुच्छिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ युयुच्छिषिष्या-
मि वः म (अयुयुच्छिषिष्या-व म
- १० अयुयुच्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१३१ धृज् (धृज्) गतौ ।

- १ दिधृजिष-ति तः न्ति सिथः थ दिधृजिषा-मि वः मः
- २ दिधृजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधृजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
षा-व म दिधृजिषा-णि व म
- ४ अदिधृजिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदिधृजि
- ५ अदिधृजि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ दिधृजिषा-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
दिधृजिषाम्बभूव दिधृजिषामास
- ७ दिधृजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधृजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधृजिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ दिधृजिषिष्या-
मि वः म (अदिधृजिषिष्या-व म
- १० अदिधृजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१३० धृज् (धृज्) गतौ ।

- १ दिधजिष-ति तः न्ति सिथः थ दिधजिषा-मि वः मः
- २ दिधजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिधजिषा-णि व म
- ४ अदिधजिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदिधजिषा-व म
- ५ अदिधजि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ दिधजिषा-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
दिधजिषाम्बभूव दिधजिषामास
- ७ दिधजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधजिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ दिधजिषिष्या-
मि वः म (अदिधजिषिष्या-व म
- १० अदिधजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१३२ ध्वज् (ध्वज्) गतौ ।

- १ दिध्वजिष-ति तः न्ति सिथः थ दिध्वजिषा-मि वः मः
- २ दिध्वजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्वजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिध्वजिषा-णि व म
- ४ अदिध्वजिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदिध्वजिषा-व म
- ५ अदिध्वजि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ दिध्वजिषा-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
दिध्वजिषाम्बभूव दिध्वजिषामास
- ७ दिध्वजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्वजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्वजिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ दिध्वजिषिष्या-
मि वः म (अदिध्वजिषिष्या-व म
- १० अदिध्वजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१३३ ध्वजु [ध्वञ्ज्) गतौ ।

- १ दिध्वञ्जिष-ति तः न्ति सि थः थ दिध्वञ्जिषा मि वः मः
- २ दिध्वञ्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्वञ्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिध्वञ्जिषा-णि व म
- ४ अदिध्वञ्जिष-त् ताम् न् : तम् त म अदिध्वञ्जिषा-व म
- ५ अदिध्वञ्जि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिध्वञ्जिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिध्वञ्जिषाश्चकार दिध्वञ्जिषामास
- ७ दिध्वञ्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्वञ्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्वञ्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिध्वञ्जिषिष्या-मि
वः मः (अदिध्वञ्जिषिष्या-व म
- १० अदिध्वञ्जिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३५ ध्रजु (ध्रञ्ज्) गतौ ।

- १ दिध्रञ्जिष-ति तः न्ति सि थः थ दिध्रञ्जिषा मि वः मः
- २ दिध्रञ्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्रञ्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
-व म दिध्रञ्जिषा-णि व म
- ४ अदिध्रञ्जिष-त् ताम् न् : तम् त म् अदिध्रञ्जिषा-व म
- ५ अदिध्रञ्जि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिध्रञ्जिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिध्रञ्जिषामास दिध्रञ्जिषाश्चकार
- ७ दिध्रञ्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्रञ्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्रञ्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिध्रञ्जिषि-
ष्या-मि वः मः (अदिध्रञ्जिषिष्या-व म
- १० अदिध्रञ्जिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३४ ध्रज (ध्रञ्ज्) गतौ ।

- १ दिध्रजिष-ति तः न्ति सि थः थ दिध्रजिषा मि वः मः
- २ दिध्रजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्रजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिध्रजिषा-णि व म
- ४ अदिध्रजिष-त् ताम् न् : तम् त म् अदिध्रजिषा-व म
- ५ अदिध्रजि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिध्रजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिध्रजिषाश्चकार दिध्रजिषामास
- ७ दिध्रजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्रजिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्रजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिध्रजिषिष्या-मि
वः मः (अदिध्रजिषिष्या-व म
- १० अदिध्रजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३६ वज (वञ्ज्) गतौ ।

- १ विवजिष-ति तः न्ति सि थः थ विवजिषा मि वः मः
- २ विवजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवजिषा-णि व म
- ४ अविवजिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविवजिषा-व म
- ५ अविवजि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवजिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिमः
विवजिषाश्चकार विवजिषाम्बभूव
- ७ विवजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवजिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवजिषि-
ष्या-मि वः मः (अविवजिषिष्या-व म
- १० अविवजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३७ व्रज (व्रज्) गतौ ।

- १ विव्रजिष-ति तः न्ति सि थः थ विव्रजिषा-मि वः मः
- २ विव्रजिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विव्रजिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विव्रजिषा-णि व म
- ४ अविव्रजिष-त्ताम् न् : तम् तम् अविव्रजिषा-व म
- ५ अविव्रजि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विव्रजिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विव्रजिषाश्चकार विव्रजिषाम्बभूष
- ७ विव्रजिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विव्रजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विव्रजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विव्रजिषि-
ष्या-मि वः मः (अविव्रजिषिष्या-व म
- १० अविव्रजिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

१३८ षस्ज (षज्ज्) गतौ ।

- १ सिसजिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसजिषा-मि वः मः
- २ सिसजिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसजिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसजिषा-णि व म
- ४ असिसजिष-त्ताम् न् : तम् तम् असिसजिषा-व म
- ५ असिसजि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिसजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसजिषामास सिसजिषाश्चकार
- ७ सिसजिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसजिषि-
ष्या-मि वः मः (असिसजिषिष्या-व म
- १० असिसजिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

१३९ अज (अज्) क्षेपणे ।

- १ विवीष-ति तः न्ति सि थः थ विवीषा-मि वः मः
- २ विवीषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवीष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विवीषा-णि व म
- ४ अविवीष-त्ताम् न् : तम् तम् अविवीषा-व म
- ५ अविवी-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विवीषाश्चकार विवीषामास
- ७ विवीष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवीषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवीषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवीषिष्या-मि
वः मः (अविवीषिष्या-व म
- १० अविवीषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

१४० कुजू [कुज्] स्तेये ।

- १ चुकोजिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकोजिषा-मि वः मः
- २ चुकोजिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकोजिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकोजिषा-णि व म
- ४ अचुकोजिष-त्ताम् न् : तम् तम् अचुकोजिषा-व म
- ५ अचुकोजि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुकोजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुकोजिषाश्चकार चुकोजिषामास
- ७ चुकोजिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकोजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकोजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकोजिषिष्या-
मि वः मः (अचुकोजिषिष्या-व म
- १० अचुकोजिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्
पक्षे चुकोजि-स्थाने चुकुजि-इति ज्ञेयम्

१४१ खुज् [खुज्) स्तेये ।

- १ खुजोर्जिष-ति तः न्ति सि थः थ खुजोर्जिषा-मि वः मः
- २ खुजोर्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ खुजोर्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
खुजोर्जिषा-णि व म
- ४ अखुजोर्जिष-त् ताम् नः तम् तम् अखुजोर्जिषा-व म
- ५ अखुजोर्जि-षीत् पिष्टम् पिः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्व पिष्व
- ६ खुजोर्जिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
खुजोर्जिषाश्चकार खुजोर्जिषामास
- ७ खुजोर्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ खुजोर्जिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ खुजोर्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ खुजोर्जिषिष्या-
मि वः मः (अखुजोर्जिषिष्या-व म
- १० अखुजोर्जिषिष्य-त् ताम् नः तम् त
पक्षे खुजोर्जि-स्थाने खुजुर्जि-इति ज्ञेयम्

१४२ अर्ज (अर्ज्) अर्जने ।

- १ अर्जिजिष-ति तः न्ति सि थः थ अर्जिजिषा-मि वः मः
- २ अर्जिजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अर्जिजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अर्जिजिषा-णि व म
- ४ अर्जिजिष-त् ताम् नः तम् तम् अर्जिजिषा-व म
- ५ अर्जिजि-षीत् पिष्टम् पिः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्व पिष्व
- ६ अर्जिजिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
अर्जिजिषाश्चकार अर्जिजिषाम्बभूष
- ७ अर्जिजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अर्जिजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अर्जिजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अर्जिजिषि
ष्या-मि वः मः (अर्जिजिषिष्या-व म
- १० अर्जिजिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४३ सर्ज (सर्ज्) अर्जने ।

- १ सिसर्जिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसर्जिषा-मि वः मः
- २ सिसर्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसर्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसर्जिषा-णि व म
- ४ असिसर्जिष-त् ताम् नः तम् तम् असिसर्जिषा-व व
- ५ असिसर्जि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्व पिष्व
- ६ सिसर्जिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
सिसर्जिषामास सिसर्जिषाश्चके
- ७ सिसर्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसर्जिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसर्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसर्जिषि-
ष्या-मि वः मः (असिसर्जिषिष्या-व म
- १० असिसर्जिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४४ कर्ज (कर्ज्) व्यथने ।

- १ चिकर्जिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकर्जिषा-मि वः मः
- २ चिकर्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकर्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिकर्जिषा-णि व म
- ४ अचिकर्जिष-त् ताम् नः तम् तम् अचिकर्जिषा-
- ५ अचिकर्जि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्व पिष्व
- ६ चिकर्जिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
चिकर्जिषाश्चकार चिकर्जिषामास
- ७ चिकर्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकर्जिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकर्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकर्जिषि
ष्या-मि वः मः (अचिकर्जिषिष्या-व म
- १० अचिकर्जिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४५ खज् (खज्) मार्जने च ।

- १ चिखजिष-ति तः न्ति सिथः थ चिखजिषा-मि वः मः
- २ चिखजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिखजिषा-णि व म
- ४ अचिखजिष-त् ताम् न्ः तम् त म् अचिखजिषा-व म
- ५ अचिखजि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ चिखजिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिखजिषाम्बभूव चिखजिषाम्बभूव
- ७ चिखजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखजिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिखजिषिष्या-
मि वः मः (अचिखजिषिष्या-व म
- १० अचिखजिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्
चिखजिषाञ्कार

१४६ खज (खज्) मन्थे ।

- १ चिखजिष-ति तः न्ति सिथः थ चिखजिषा-मि वः मः
- २ चिखजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिखजिषा-णि व म
- ४ अचिखजिष-त् ताम् न्ः तम् त म् अचिखजिषा-व म
- ५ अचिखजि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ चिखजिषाञ्कार के काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
चिखजिषाम्बभूव चिखजिषामास
- ७ चिखजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखजिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिखजिषि-
ष्या-मि वः मः (अचिखजिषिष्या-व म
- १० अचिखजिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्
*कार, कृतुः, कृः, कर्थ, कथुः, क, कार, कर, कृव, कृम,

१४७ खज् (खज्) गति वैकृत्ये ।

- १ चिखजिष-ति तः न्ति सिथः थ चिखजिषा-मि वः मः
- २ चिखजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिखजिषा-णि व म
- ४ अचिखजिष-त् ताम् न्ः तम् त म् अचिखजिषा-
व म
- ५ अचिखजि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ चिखजिषाञ्कार के काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
चिखजिषाम्बभूव चिखजिषामास
- ७ चिखजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखजिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिखजिषिष्या-
मि वः मः (अचिखजिषिष्या-व म
- १० अचिखजिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्
*कार, कृतुः, कृः, कर्थ, कथुः, क, कार, कर, कृव, कृम,

४१८ पज् (पज्) कम्पने ।

- १ पजिजिष-ति तः न्ति सिथः थ पजिजिषा-मि वः मः
- २ पजिजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पजिजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म पजिजिषा-णि व म
- ४ अजिजिष-त् ताम् न्ः तम् त म् अजिजिषा-
व म
- ५ अजिजि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ पजिजिषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पजिजिषाम्बभूव पजिजिषामास
- ७ पजिजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पजिजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पजिजिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ पजिजिषिष्या-
मि वः मः (अजिजिषिष्या-व म
- १० अजिजिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्
*पजिजिषाञ्कार

१४९ ट्ठो स्फूर्ज (स्फूर्ज्) वज्रनिर्घोषे

- १ पुस्फूर्जिष-ति तः न्ति सि थः थ पुस्फूर्जिषा-मि वः मः
- २ पुस्फूर्जिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुस्फूर्जिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
पुस्फूर्जिषा-णि व म
- ४ अपुस्फूर्जिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुस्फूर्जिषा-व म
- ५ अपुस्फूर्जि-षीत्षिष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्व
- ६ पुस्फूर्जिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
पुस्फूर्जिषाम्बभूव पुस्फूर्जिषामास
- ७ पुस्फूर्जिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुस्फूर्जिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुस्फूर्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुस्फूर्जिषि-
ष्या-मि वः मः (अपुस्फूर्जिष्या-व म
- १० अपुस्फूर्जिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१५० क्षीज (क्षीज्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ चिक्षीजिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षीजिषा-मि वः मः
- २ चिक्षीजिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्षीजिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
व म चिक्षीजिषा-णि व म
- ४ अचिक्षीजिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिक्षीजिषा
- ५ अचिक्षीजि-षीत्षिष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्व
- ६ चिक्षीजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिक्षीजिषाश्चकार चिक्षीजिषामास
- ७ चिक्षीजिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्षीजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्षीजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षीजिषिष्या-
मि वः मः (अचिक्षीजिषिष्या-व म
- १० अचिक्षीजिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१५१ कूज (कूज्) अव्यक्ते शब्दे

- १ चुकूजिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकूजिषा-मि वः मः
- २ चुकूजिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकूजिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
चुकूजिषा-णि व म
- ४ अचुकूजिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुकूजिषा-व म
- ५ अचुकूजि-षीत्षिष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्व
- ६ चुकूजिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चुकूजिषाश्चकार चुकूजिषाम्बभूव
- ७ चुकूजिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकूजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकूजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकूजिषिष्या-
मि वः मः (अचुकूजिषिष्या-व म
- १० अचुकूजिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१५२ गुज (गुज्) अव्यक्ते शब्दे

- १ जुगुजिष-ति तः न्ति सि थः थ जुगुजिषा-मि वः मः
- २ जुगुजिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुगुजिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
व म जुगुजिषा-णि व म
- ४ अजुगुजिष-त्ताम् नः तम् तम् अजुगुजिषा-
- ५ अजुगुजि-षीत्षिष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्व
- ६ जुगुजिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
जुगुजिषाम्बभूव जुगुजिषामास
- ७ जुगुजिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुगुजिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगुजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगुजिषिष्या-
मि वः मः (अजुगुजिषिष्या-व म
- १० अजुगुजिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे जुगुजि-स्थाने जुगोजि-इति ज्ञेयम्

१५३ गुजु (गुञ्ज) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ जुगुञ्जिष-ति तः न्ति सि थः थ जुगुञ्जिषा-मि वः मः
- २ जुगुञ्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुगुञ्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुगुञ्जिषा-णि व म
- ४ अजुगुञ्जिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजुगुञ्जिषा-व म
- ५ अजुगुञ्जि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ जुगुञ्जिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जुगुञ्जिषाम्बभूव जुगुञ्जिषामास
- ७ जुगुञ्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुगुञ्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगुञ्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगुञ्जिषिष्या
मि वः मः (अजुगुञ्जिषिष्या-व म
- १० अजुगुञ्जिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५५ लजु (लञ्ज) भर्त्सने ।

- १ लिलिञ्जिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलिञ्जिषा-मि वः मः
- २ लिलिञ्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलिञ्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
षा-वम लिलिञ्जिषा-णि व म
- ४ अलिलिञ्जिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलिलिञ्जि-
५ अलिलिञ्जि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ लिलिञ्जिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
लिलिञ्जिषाम्बभूव लिलिञ्जिषामास
- ७ लिलिञ्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलिञ्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलिञ्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलिञ्जिषि-
ष्या-मि वः मः (अलिलिञ्जिषिष्या-व म
- १० अलिलिञ्जिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५४ लज (लञ्ज) भर्त्सने ।

- १ लिलिजिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलिजिषा-मि वः मः
- २ लिलिजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलिजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलिजिषा-णि व म
- ४ अलिलिजिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलिलिजिषा-व म
- ५ अलिलिजि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ लिलिजिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
लिलिजिषामास लिलिजिषाम्बभूव
- ७ लिलिजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलिजिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलिजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलिजिषिष्या
-मि वः म (अलिलिजिषिष्या-व म
- १० अलिलिजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५६ तज (तञ्ज) भर्त्सने ।

- १ तिततिजिष-ति तः न्ति सि थः थ तिततिजिषा-मि वः मः
- २ तिततिजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिततिजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिततिजिषा-णि व म
- ४ अतिततिजिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतिततिजिषा-व म
- ५ अतिततिजि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ तिततिजिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
तिततिजिषाम्बभूव तिततिजिषामास
- ७ तिततिजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिततिजिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिततिजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिततिजिषिष्या-
मि वः मः (अतिततिजिषिष्या-व म
- १० अतिततिजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५७ लाज (लाज्) भर्जने च ।

- १ लिलाजिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलाजिषा-मि वः मः
- २ लिलाजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलाजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलाजिषा-णि व म
- ४ अलिलाजिष-त् ताम् न् : तम् त म अलिलाजिषा-व म
- ५ अलिलाजि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ लिलाजिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
लिलाजिषामास लिलाजिषाम्बभूव
- ७ लिलाजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलाजिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलाजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलाजिषिष्या-
मि वः म (अलिलाजिषिष्या-व म
- १० अलिलाजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१५९ जज (जज्) युद्धे ।

- १ जिजजिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजजिषा-मि वः मः
- २ जिजजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजजिषा-णि व म
- ४ अजिजजिष-त् ताम् न् : तम् त म् अजिजजिषा-व म
- ५ अजिजजि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ जिजजिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जिजजिषाम्बभूव जिजजिषामास
- ७ जिजजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजजिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजजिषिष्या-
मि वः म (अजिजजिषिष्या-व म
- १० अजिजजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१५८ लाजु (लाज्ज्) भर्जने च ।

- १ लिलाज्जिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलाज्जिषा-मि वः मः
- २ लिलाज्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलाज्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
षा-व म लिलाज्जिषा-णि व म
- ४ अलिलाज्जिष-त् ताम् न् : तम् त म् अलिलाज्जि-
५ अलिलाज्जि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ लिलाज्जिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
लिलाज्जिषाम्बभूव लिलाज्जिषामास
- ७ लिलाज्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलाज्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलाज्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलाज्जिषि-
ष्या-मि वः म (अलिलाज्जिषिष्या-व म
- १० अलिलाज्जिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६० जजु (जज्ज्) युद्धे ।

- १ जिजज्जिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजज्जिषा-मि वः मः
- २ जिजज्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजज्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजज्जिषा-णि व म
- ४ अजिजज्जिष-त् ताम् न् : तम् त म् अजिजज्जिषा-व म
- ५ अजिजज्जि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ जिजज्जिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जिजज्जिषाम्बभूव जिजज्जिषामास
- ७ जिजज्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजज्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजज्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजज्जिषिष्या-
मि वः म (अजिजज्जिषिष्या-व म
- १० अजिजज्जिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६१ तुज (तुज्) हिंसायाम् ।

- १ तुतुजिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतुजिषा-मि वः मः
- २ तुतुजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतुजिषा-णि व म
- ४ अतुतुजिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतुतुजिषा-व म
- ५ अतुतुजि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्म
- ६ तुतुजिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
तुतुजिषामास तुतुजिषाम्बभूव
- ७ तुतुजिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुजिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतुजिषिष्या-
मि वः म (अतुतुजिषिष्या-व म
- १० अतुतुजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे तुतुजि-स्थाने तुतोति-इति ज्ञेयम्

१६२ तुजु (तुज्ज्) बलने च ।

- १ तुतुज्जिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतुज्जिषा-मि वः मः
- २ तुतुज्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुज्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
-व म तुतुज्जिषा-णि व म
- ४ अतुतुज्जिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतुतुज्जिषा
- ५ अतुतुज्जि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ तुतुज्जिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
तुतुज्जिषाम्बभूव तुतुज्जिषामास
- ७ तुतुज्जिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुज्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुज्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतुज्जिषिष्या-
मि वः म (अतुतुज्जिषिष्या-व म
- १० अतुतुज्जिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१६३ गर्ज (गर्ज्) शब्दे ।

- १ जिगर्जिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगर्जिषा-मि वः मः
- २ जिगर्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगर्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगर्जिषा-णि व म
- ४ अजिगर्जिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिगर्जिषा-व म
- ५ अजिगर्जि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ जिगर्जिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जिगर्जिषाम्बभूव जिगर्जिषामास
- ७ जिगर्जिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगर्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगर्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगर्जिषिष्या-
मि वः म (अजिगर्जिषिष्या-व म
- १० अजिगर्जिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१६४ गजु (गज्ज्) शब्दे ।

- १ जिगज्जिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगज्जिषा-मि वः मः
 - २ जिगज्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ जिगज्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगज्जिषा-णि व म
 - ४ अजिगज्जिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिगज्जिषा-व म
 - ५ अजिगज्जि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
 - ६ जिगज्जिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जिगज्जिषाम्बभूव जिगज्जिषामास
 - ७ जिगज्जिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ जिगज्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९ जिगज्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगज्जिषिष्या-
मि वः म (अजिगज्जिषिष्या-व म
 - १० अजिगज्जिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
- १६५ गृज (गृज्) शब्दे । गर्जे १६३ वद्रूपाणि

१६६ गृज् (गृज्) शब्दे ।

- १ जिगृञ्जिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगृञ्जिषा-मि वः मः
- २ जिगृञ्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगृञ्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगृञ्जिषा-णि व म
- ४ अजिगृञ्जिष-त् ताम् नः तम् त म अजिगृञ्जिषा-व म
- ५ अजिगृञ्जि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिगृञ्जिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिगृञ्जिषाश्चकार जिगृञ्जिषामास
- ७ जिगृञ्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगृञ्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगृञ्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगृञ्जिषिष्या-
मि वः मः (अजिगृञ्जिषिष्या-व म
- १० अजिगृञ्जिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

१६८ मुज् (मुज्) शब्दे ।

- १ मुमुञ्जिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमुञ्जिषा-मि वः मः
- २ मुमुञ्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमुञ्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमुञ्जिषा-णि व म
- ४ अमुमुञ्जिष-त् ताम् नः तम् त म अमुमुञ्जिषा-व म
- ५ अमुमुञ्जि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मुमुञ्जिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मुमुञ्जिषाश्चकार मुमुञ्जिषामास
- ७ मुमुञ्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमुञ्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमुञ्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमुञ्जिषिष्या-
मि वः मः (अमुमुञ्जिषिष्या-व म
- १० अमुमुञ्जिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

१६७ मुज् (मुज्) शब्दे ।

- १ मुमुञ्जिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमुञ्जिषा-मि वः मः
- २ मुमुञ्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमुञ्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमुञ्जिषा-णि व म
- ४ अमुमुञ्जिष-त् ताम् नः तम् त म अमुमुञ्जिषा-व म
- ५ अमुमुञ्जि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मुमुञ्जिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मुमुञ्जिषाश्चकार मुमुञ्जिषाम्बभूव
- ७ मुमुञ्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमुञ्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमुञ्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमुञ्जिषिष्या-
मि वः मः (अमुमुञ्जिषिष्या-व म
- १० अमुमुञ्जिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

१६९ मृज् (मृज्) शब्दे ।

- १ मिमृञ्जिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमृञ्जिषा-मि वः मः
- २ मिमृञ्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमृञ्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
-व म मिमृञ्जिषा-णि व म
- ४ अमिमृञ्जिष-त् ताम् नः तम् त म अमिमृञ्जिषा-
व म
- ५ अमिमृञ्जि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमृञ्जिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमृञ्जिषामास मिमृञ्जिषाश्चकार
- ७ मिमृञ्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमृञ्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमृञ्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमृञ्जिषि-
ष्या-मि वः मः (अमिमृञ्जिषिष्या-व म
- १० अमिमृञ्जिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

पक्षे मुमुञ्जिष्याने मुमीजि इति ज्ञेयम् ।

१७० मज्ज (मज्) शब्दे ।

- १ मिमजिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमजिषा-मि वः मः
- २ मिमजिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमजिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
-व म मिमजिषा-णि व म
- ४ अमिमजिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमजिषा-
- ५ अमिमजि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ मिमजिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
मिमजिषामास मिमजिषाश्चकार
- ७ मिमजिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमजिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमजिषिष्या-
-मि वः मः (अमिमजिषिष्या-व म
- १० अमिमजिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७१ गज [गज्] मद्ने च ।

- १ जिगजिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगजिषा मि वः मः
- २ जिगजिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगजिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगजिषा-णि व म
- ४ अजिगजिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिगजिषा-व म
- ५ अजिगजि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ जिगजिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
जिगजिषाश्चकार जिगजिषामास
- ७ जिगजिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगजिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगजिषिष्या-
मि वः मः (अजिगजिषिष्या-व म
- १० अजिगजिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७२ त्यजं (त्यज्) हानौ ।

- १ तित्यक्ष-ति तः न्ति सि थः थ तित्यक्षा-मि वः मः
- २ तित्यक्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तित्यक्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तित्यक्षा-णि व म
- ४ अतित्यक्ष-त्ताम् नः तम् तम् अतित्यक्षा-व म
- ५ अतित्य-क्षीत् क्षिष्टाम् क्षिष्टुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिष्टम्
क्षिष्ट्व क्षिष्ट्व
- ६ तित्यक्षाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
तित्यक्षाश्चकार तित्यक्षामास
- ७ तित्यक्ष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तित्यक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तित्यक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तित्यक्षिष्या-
मि वः मः (अतित्यक्षिष्या-व म
- १० अतित्यक्षिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७३ षज्जं (षज्ज्) संगे ।

- १ सिसङ्क्ष-ति तः न्ति सि थः थ सिसङ्क्षा-मि वः मः
- २ सिसङ्क्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसङ्क्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसङ्क्षा-णि व म
- ४ असिसङ्क्ष-त्ताम् नः तम् तम् असिसङ्क्षा-व म
- ५ असिसङ्क्ष-क्षीत् क्षिष्टाम् क्षिष्टुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिष्टम्
क्षिष्ट्व क्षिष्ट्व
- ६ सिसङ्क्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
सिसङ्क्षाश्चकार सिसङ्क्षाम्बभूव
- ७ सिसङ्क्ष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसङ्क्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसङ्क्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसङ्क्षिष्या-
मि वः मः (असिसङ्क्षिष्या-व म
- १० असिसङ्क्षिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७४ कटे (कट्) वर्षावरणयोः

- १ चिकटिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकटिषा-मि वः मः
- २ चिकटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
-व म चिकटिषा-णि व म
- ४ अचिकटिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकटिषा-
- ५ अचिकटि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्
- ६ चिकटिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिकटिषामास चिकटिषाश्चकार
- ७ चिकटिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकटिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकटिषिष्या-
मि वः मः (अचिकटिषिष्या-व म
- १० अचिकटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७६ षट् (षट्) वेष्टने ।

- १ विषटिष-ति तः न्ति सि थः थ विषटिषा-मि वः मः
- २ विषटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विषटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विषटिषा-णि व म
- ४ अविषटिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविषटिषा-व म
- ५ अविषटि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्
- ६ विषटिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विषटिषाश्चकार विषटिषामास
- ७ विषटिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विषटिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विषटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विषटिषिष्या-
मि वः मः (अविषटिषिष्या-व म
- १० अविषटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७५ शट् [शट्] रुजाविशरणगत्यवशातनेषु

- १ शिशटिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशटिषा-मि वः मः
- २ शिशटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशटिषा-णि व म
- ४ अशिशटिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिशटिषा-व म
- ५ अशिशटि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्
- ६ शिशटिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशटिषाश्चकार शिशटिषामास
- ७ शिशटिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशटिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशटिषिष्या-
मि वः मः (अशिशटिषिष्या-व म
- १० अशिशटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७७ किट (कट्) उत्प्राप्ते ।

- १ चिकिटिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकिटिषा-मि वः मः
- २ चिकिटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकिटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिकिटिषा-णि व म
- ४ अचिकिटिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकिटिषा-
- ५ अचिकिटि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्
- ६ चिकिटिषामा-स सतुः वुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिकिटिषाश्चकार चिकिटिषाम्बभूष
- ७ चिकिटिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकिटिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकिटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकिटिषि-
ष्या-मि वः मः (अचिकिटिषिष्या-व म
- १० अचिकिटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे चिकिटि-स्थाने चिकेडि-इति ज्ञेयम्

१७८ खिट (खिट्) उत्प्रासे ।

- १ चिखिटिष-ति तः न्ति सिथः थ चिखिटिषा-मि वः म
- २ चिखिटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखिटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिखिटिषा-णि व म
- ४ अचिखिटिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिखिटिषा-व म
- ५ अचिखिटि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिखिटिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिखिटिषाश्चकार चिखिटिषाम्बभूव
- ७ चिखिटिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखिटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्म
- ९ चिखिटिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिखिटिषिष्या-
-मि वः मः (अचिखिटिषिष्या-व म
- १० अचिखिटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म
पक्षे चिखिटि-स्थाने चिखेति-इति ज्ञेयम्

१८० षिट (सिट्) अनादरे ।

- १ सिसिटिष-ति तः न्ति सिथः थ सिसिटिषा-मि वः म
- २ सिसिटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसिटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
-व म सिसिटिषा-णि व म
- ४ असिसिटिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिसिटिषा
- ५ असिसिटि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिसिटिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसिटिषाश्चकार सिसिटिषामास
- ७ सिसिटिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसिटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्म
- ९ सिसिटिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ सिसिटिषिष्या-
-मि वः मः (असिसिटिषिष्या-व म
- १० असिसिटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म
पक्षे सिसिटि-स्थाने सिसेति-इति ज्ञेयम्

१७९ शट (शट्) अनादरे ।

- १ शिशिटिष-ति तः न्ति सिथः थ शिशिटिषा-मि वः म
- २ शिशिटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशिटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म शिशिटिषा-णि व म
- ४ अशिशिटिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिशिटिषा-
- ५ अशिशिटि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शिशिटिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशिटिषाश्चकार शिशिटिषामास
- ७ शिशिटिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशिटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्म
- ९ शिशिटिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शिशिटिषि-
ष्या-मि वः मः (अशिशिटिषिष्या-व म
- १० अशिशिटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म
पक्षे शिशिटि-स्थाने शिशेति-इति ज्ञेयम्

१८१ जट (जट्) संचाते ।

- १ जिजटिष-ति तः न्ति सिथः थ जिजटिषा-मि वः म
- २ जिजटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजटिषा-णि व म
- ४ अजिजटिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिजटिषा-व म
- ५ अजिजटि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिजटिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिजटिषाश्चकार जिजटिषाम्बभूव
- ७ जिजटिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्म
- ९ जिजटिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जिजटिषिष्या-
मि वः मः (अजिजटिषिष्या-व म
- १० अजिजटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

१८२ झट (झट्) संघाते ।

- १ जिझटिष-तितः न्ति सिथः थ जिझटिषा-मि वः मः
- २ जिझटिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिझटिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
जिझटिषा-णि व म
- ४ अजिझटिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिझटिषा-व म
- ५ अजिझटि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिझटिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिझटिषाश्चकार जिझटिषाम्बभूव
- ७ जिझटिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिझटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिझटिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ जिझटिषिष्या-
मि वः मः (अजिझटिषिष्या-व म
- १० अजिझटिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१८३ पिट (पिट्) शब्दे च ।

- १ पिपिटिष-तितः न्ति सिथः थ पिपिटिषा-मि वः मः
- २ पिपिटिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपिटिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
पिपिटिषा-णि व म
- ४ अपिपिटिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिपिटिषा-व म
- ५ अपिपिटि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपिटिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपिटिषाश्चकार पिपिटिषाम्बभूव
- ७ पिपिटिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपिटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपिटिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ पिपिटिषिष्या-
मि वः मः (अपिपिटिषिष्या-व म
- १० अपिपिटिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे पिपिटि-स्थाने पिपिटि-इति ज्ञयम्

१८४ भट (भट्) श्रुतौ ।

- १ बिभटिष-तितः न्ति सिथः थ बिभटिषा-मि वः मः
- २ बिभटिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बिभटिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
व म बिभटिषा-णि व म
- ४ अबिभटिष-त्ताम् नः तम् तम् अबिभटिषा-
व म बिभटिषा-णि व म
- ५ अबिभटि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बिभटिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बिभटिषाश्चकार बिभटिषामास
- ७ बिभटिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिभटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिभटिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ बिभटिषि-
ष्या-मि वः मः (अबिभटिषिष्या-व म
- १० अबिभटिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१८५ तट (तट्) उच्छ्राये ।

- १ तितटिष-तितः न्ति सिथः थ तितटिषा-मि वः मः
- २ तितटिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितटिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
-व म तितटिषा-णि व म
- ४ अतितटिष-त्ताम् नः तम् तम् अतितटिषा-
व म तितटिषा-णि व म
- ५ अतितटि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तितटिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तितटिषाश्चकार तितटिषामास
- ७ तितटिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितटिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ तितटिषिष्या-
मि वः मः (अतितटिषिष्या-व म
- १० अतितटिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९४ अट (अट्) गतौ ।

- १ अटिटिष-तितः न्ति सिथः थ अटिटिषा-मिवः मः
- २ अटिटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अटिटिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
अटिटिषा-णि व म
- ४ आटिटिष-त् ताम् न् : तम् त प्र आटिटिषा-व म
- ५ आटिटि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ अटिटिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अटिटिषाश्चकार अटिटिषामास
- ७ अटिटिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अटिटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अटिटिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ अटिटिषिष्या-मि
वः मः (आटिटिषिष्या-व म
- १० आटिटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१९५ पट (पट्) गतौ ।

- १ पिपटिष-तितः न्ति सिथः थ पिपटिषा-मिवः मः
- २ पिपटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपटिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
पिपटिषा-णि व म
- ४ अपिपटिष-त् ताम् न् : तम् त म् अपिपटिषा व म
- ५ अपिपटि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपटिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपटिषाश्चकार पिपटिषाम्बभूव
- ७ पिपटिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपटिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ पिपटिषिष्या-
-मि वः मः (अपिपटिषिष्या-व म
- १० अपिपटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१९६ इटि (इट्) गतौ ।

- १ इटिटिष-तितः न्ति सिथः थ इटिटिषा-मिवः मः
- २ इटिटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ इटिटिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
इटिटिषा-णि व म
- ४ ऐटिटिष-त् ताम् न् : तम् त म् ऐटिटिषा-व म
- ५ ऐटिटि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ इटिटिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
इटिटिषाश्चकार इटिटिषामास
- ७ इटिटिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ इटिटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ इटिटिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ इटिटिषिष्या-मि
वः मः (ऐटिटिषिष्या-व म
- १० ऐटिटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१९७ कटि (कट्) गतौ ।

- १ चिकेटिष-तितः न्ति सिथः थ चिकेटिषा-मिवः मः
- २ चिकेटिषे-त् ताम् युः : , तम् त यम् व म
- ३ चिकेटिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
चिकेटिषा-णि व म
- ४ अचिकेटिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचिकेटिषा-व म
- ५ अचिकेटि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिकेटिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिकेटिषाश्चकार चिकेटिषाम्बभूव
- ७ चिकेटिष्या-त् स्ताम् सुः : , स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकेटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकेटिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ चिकेटिषिष्या-
मि वः मः (अचिकेटिषिष्या-व म
- १० अचिकेटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
पक्षे चिकेस्थाने चिकि-इति होयम्
- १९८ कटि (कट्) गतौ । कटे १७४ वद्रूपाणि

१९९ कटु (कण्ट) गतौ ।

- १ चिकण्टिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकण्टिषा-मि वः म
- २ चिकण्टिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकण्टिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकण्टिषा-णि व म
- ४ अचिकण्टिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिकण्टिषा-व म
- ५ अचिकण्टि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ चिकण्टिषाश्च-कार क्तुः कु कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
चिकण्टिषाम्बभूव चिकण्टिषामास
- ७ चिकण्टिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकण्टिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकण्टिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकण्टिषि-
ष्या-मि वः मः (अचिकण्टिष्या-व म
- १० अचिकण्टिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
२०० कटै (कट्) गतौ । कटे १७४ वद्रूपाणि

२०२ मुट (मुट्) प्रमर्दने ।

- १ मुमुटिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमुटिषा-मि वः मः
- २ मुमुटिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमुटिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
व म मुमुटिषा-णि व म
- ४ अमुमुटिष-त्ताम् नः तम् तम् अमुमुटिषा-
- ५ अमुमुटि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ मुमुटिषाश्च-कार क्तुः कु कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
मुमुटिषाम्बभूव मुमुटिषामास
- ७ मुमुटिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमुटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमुटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमुटिषिष्या-
मि वः मः (अमुमुटिषिष्या-व म
- १० अमुमुटिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे मुमुस्थाने मुमो-इति ज्ञेयम्

२०१ कुटु (कुण्ट) वैकल्ये ।

- १ चुकुण्टिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुण्टिषा-मि वः मः
- २ चुकुण्टिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकुण्टिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुण्टिषा-णि व म
- ४ अचुकुण्टिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुकुण्टिषा-व म
- ५ अचुकुण्टि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ चुकुण्टिषामा-स सतुः सुः सि थः स स सि व सि म
चुकुण्टिषाश्चकार चुकुण्टिषाम्बभूव
- ७ चुकुण्टिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुण्टिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुण्टिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुण्टिषिष्या-
मि वः मः (अचुकुण्टिषिष्या-व म
- १० अचुकुण्टिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२०३ चुट (चुट्) अरुपीभावे ।

- १ चुचुटिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचुटिषा-मि वः मः
- २ चुचुटिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचुटिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चुचुटिषा-णि व म
- ४ अचुचुटिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुचुटिषा-
- ५ अचुचुटि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ चुचुटिषाम्बभू-व वतुः उः वि थः व व वि व वि म
चुचुटिषाश्चकार चुचुटिषामास
- ७ चुचुटिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचुटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचुटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचुटिषिष्या-
मि वः मः (अचुचुटिषिष्या-व म
- १० अचुचुटिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे चुचुस्थाने चुचो-इति ज्ञेयम्

२०४ चुण्ट (चुण्ट्) अल्पीभावे ।

- १ चुचुण्टिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचुण्टिषा-मि वः मः
- २ चुचुण्टिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचुण्टिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म - चुचुण्टिषा-णि व म
- ४ अचुचुण्टिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अचुचुण्टिषा-
- ५ अचुचुण्टि-षीत् विष्टाम् विष्णुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चुचुण्टिषाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम
चुचुण्टिषाश्चकार चुचुण्टिषामास
- ७ चुचुण्टिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचुण्टिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचुण्टिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचुण्टिषिष्या-
मि वः मः (अचुचुण्टिषिष्या-व म
- १० अचुचुण्टिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

२०६ रुट्ट (रुट्ट्) स्तेये ।

- १ रुहण्टिष-ति तः न्ति सि थः थ रुहण्टिषा-मि वः मः
- २ रुहण्टिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रुहण्टिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रुहण्टिषा-णि व म
- ४ अरुहण्टिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अरुहण्टिषा-व म
- ५ अरुहण्टि-षीत् विष्टाम् विष्णुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ रुहण्टिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
रुहण्टिषाश्चकार रुहण्टिषाम्बभूव
- ७ रुहण्टिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रुहण्टिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रुहण्टिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रुहण्टिषिष्या-
मि वः मः (अरुहण्टिषिष्या-व म
- १० अरुहण्टिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

२०५ षट्ट (षण्ट्) विभाजने ।

- १ विषण्टिष-ति तः न्ति सि थः थ विषण्टिषा-मि वः मः
- २ विषण्टिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विषण्टिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विषण्टिषा-णि व म
- ४ अविषण्टिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अविषण्टिषा-व म
- ५ अविषण्टि-षीत् विष्टाम् विष्णुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ विषण्टिषाश्च-कार कतुः कु कथं कथुः क कार कर कृव कृम
विषण्टिषाम्बभूव विषण्टिषामास
- ७ विषण्टिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विषण्टिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विषण्टिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विषण्टिषि-
ष्या-मि वः मः (अविषण्टिषा-व म
- १० अविषण्टिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

२०७ लुट्ट (लुण्ट्) स्तेये ।

- १ लुलुण्टिष-ति तः न्ति सि थः थ लुलुण्टिषा-मि वः मः
- २ लुलुण्टिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लुलुण्टिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म लुलुण्टिषा-णि व म
- ४ अलुलुण्टिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अलुलुण्टिषा-
- ५ अलुलुण्टि-षीत् विष्टाम् विष्णुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ लुलुण्टिषाश्च-कार कतुः कु कथं कथुः क कार कर कृव कृम
लुलुण्टिषाम्बभूव लुलुण्टिषामास
- ७ लुलुण्टिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलुण्टिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलुण्टिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलुण्टिषिष्या-
मि वः मः (अलुलुण्टिष्या-व म
- १० अलुलुण्टिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

२०८ स्फट (स्फट्) विकसने ।

- १ पिस्फटिष-ति तः न्ति सि थः थ पिस्फटिषा-मि वः मः
- २ पिस्फटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिस्फटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म पिस्फटिषा-णि व म
- ४ अपिस्फटिष-त् ताम् नः तम् त म अपिस्फटिषा-
- ५ अपिस्फटि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिस्फटिषाम्बभू-व षतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
पिस्फटिषाश्चकार पिस्फटिषामास
- ७ पिस्फटिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिस्फटिषिता- " री रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिस्फटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिस्फटिषिष्या-
मि वः मः (अपिस्फटिषिष्या-व म
- १० अपिस्फटिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

२०९ स्फुट् (स्फुट्) विकसने ।

- १ पुस्फुटिष-ति तः न्ति सि थः थ पुस्फुटिषा-मि वः मः
- २ पुस्फुटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुस्फुटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुस्फुटिषा-णि व म
- ४ अपुस्फुटिष-त् ताम् नः तम् त म अपुस्फुटिषा-व म
- ५ अपुस्फुटि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पुस्फुटिषाश्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
पुस्फुटिषाम्बभूष पुस्फुटिषामास
- ७ पुस्फुटिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुस्फुटिषिता- " री रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुस्फुटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुस्फुटिषि-
ष्या-मि वः मः (अपुस्फुटिषिष्या-व म
- १० अपुस्फुटिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म
पक्षे पुस्फु-स्थाने पुस्फो-इति ज्ञेयम्

२१० लट (लट्) बाल्ये ।

- १ लिलटिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलटिषा-मि वः मः
- २ लिलटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलटिषा-णि व म
- ४ अलिलटिष-त् ताम् नः तम् त म अलिलटिषा-व म
- ५ अलिलटि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लिलटिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लिलटिषाश्चकार लिलटिषाम्बभूष
- ७ लिलटिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलटिषिता- " री रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलटिषिष्या-
मि वः मः (अलिलटिषिष्या-व म
- १० अलिलटिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

२११ रट (रट्) परिभाषणे ।

- १ रिरटिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरटिषा-मि वः मः
- २ रिरटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म रिरटिषा-णि व म
- ४ अरिरटिष-त् ताम् नः तम् त म अरिरटिषा-
- ५ अरिरटि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरटिषाश्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
रिरटिषाम्बभूष रिरटिषामास
- ७ रिरटिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरटिषिता- " री रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरटिषिष्या-
मि वः मः (अरिरटिषिष्या-व म
- १० अरिरटिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

२१२ रट (रट्) परिभाषणे

- १ रिरिठिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरिठिषा-मि वः मः
- २ रिरिठिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरिठिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरिठिषा-णि व म
- ४ अरिरिठिष-त् ताम् न् : तम् तम् अरिरिठिषा-व म
- ५ अरिरिठि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ रिरिठिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थं क्रथुः क कार कर कृव कृम
रिरिठिषाम्बभूव रिरिठिषामास
- ७ रिरिठिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरिठिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरिठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरिठिषि-
ष्या-मि वः मः (अरिरिठिष्या-व म
- १० अरिरिठिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२१३ पठ (पठ्) व्यक्तायां वाचि ।

- १ पिपिठिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपिठिषा-मि वः मः
- २ पिपिठिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपिठिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म पिपिठिषा-णि व म
- ४ अपिपिठिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिपिठिषा-
- ५ अपिपिठि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ पिपिठिषाम्बभू-व षतुः उः विथ वथुः व व विव विम
पिपिठिषाश्चकार पिपिठिषामास
- ७ पिपिठिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपिठिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
पिपिठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपिठिषिष्या-
मि वः मः (अपिपिठिषिष्या-व म
- ९ अपिपिठिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२१४ वठ (वट्) स्थौल्ये

- १ विवठिष-ति तः न्ति सि थः थ विवठिषा-मि वः मः
- २ विवठिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवठिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवठिषा-णि व म
- ४ अविवठिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविवठिषा-व म
- ५ अविवठि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ विवठिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवठिषाश्चकार विवठिषाम्बभूव
- ७ विवठिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवठिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवठिषिष्या-
मि वः मः (अविवठिषिष्या-व म
- १० अविवठिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२१५ मठ (मट्) मदनिवासयोश्च

- १ मिमठिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमठिषा-मि वः मः
- २ मिमठिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमठिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म मिमठिषा-णि व म
- ४ अमिमठिष-त् ताम् न् : तम् तम् अमिमठिषा-
- ५ अमिमठि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ मिमठिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थं क्रथुः क कार कर कृव कृम
मिमठिषाम्बभूव मिमठिषामास
- ७ मिमठिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमठिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमठिषिष्या-
मि वः मः (अमिमठिषिष्या-व म
- १० अमिमठिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२१६ कट (कट्) कृच्छजीवने

- १ चिकटिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकटिषा-मि वः मः
- २ चिकटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिकटिषा-णि व म
- ४ अचिकटिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचिकटिषा-
- ५ अचिकटि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्म
- ६ चिकटिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृष कृम
चिकटिषाम्बभूव चिकटिषामास
- ७ चिकटिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकटिषिष्या-
मि वः मः (अचिकटिषिष्या-व म
- १० अचिकटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२१८ उठ (उट्) उपघाते ।

- १ ओटिठिष-ति तः न्ति सि थः थ ओटिठिषा-मि वः मः
- २ ओटिठिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ओटिठिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म ओटिठिषा-णि व म
- ४ ओटिठिष-त् ताम् न् : तम् त म् ओटिठिषा-
- ५ ओटिठि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्म
- ६ ओटिठिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
ओटिठिषाश्चकार ओटिठिषामास
- ७ ओटिठिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ओटिठिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ओटिठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ओटिठिषिष्या-
मि वः मः (ओटिठिषिष्या-व म
- १० ओटिठिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२१७ हठ (हट्) बलात्कारे

- १ जिहटिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहटिषा-मि वः मः
- २ जिहटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहटिषा-णि व म
- ४ अजिहटिष-त् ताम् न् : तम् त म् अजिहटिषा-व म
- ५ अजिहटि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्म
- ६ जिहटिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिहटिषाश्चकार जिहटिषाम्बभूव
- ७ जिहटिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहटिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहटिषिष्या-
मि वः मः (अजिहटिषिष्या-व म
- १० अजिहटिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२१९ रुठ (रुट्) उपघाते

- १ रुठिष-ति तः न्ति सि थः थ रुठिषा-मि वः मः
- २ रुठिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रुठिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रुठिषा-णि व म
- ४ अरुठिष-त् ताम् न् : तम् त म् अरुठिषा-व म
- ५ अरुठि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्म
- ६ रुठिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृष कृम
रुठिषाम्बभूव रुठिषामास
- ७ रुठिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रुठिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रुठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रुठिषि-
ष्या-मि वः मः (अरुठिषिष्या-व म
- १० अरुठिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
पक्षे रु-स्थाने रुरो-इति ज्ञेयम्

२२० लुठ (लुट्) उपधाते।

- १ लुलुठिष-ति तः न्ति सि थः थ लुलुठिषा-मि वः मः
- २ लुलुठिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लुलुठिष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
लुलुठिषा-णि व म
- ४ अलुलुठिष-त्ताम् नः तम् तम् अलुलुठिषा-व म
- ५ अलुलुठि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लुलुठिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लुलुठिषाश्चकार लुलुठिषामास
- ७ लुलुठिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलुठिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलुठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलुठिषिष्या-
मि वः मः (अलुलुठिषिष्या-व म
- १० अलुलुठिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे लुलु-स्थाने लुलो-इति ज्ञेयम्

२२१ पिठ (पिठ्) हिंसाकलेशनयोः

- १ पिपिठिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपिठिषा-मि वः मः
- २ पिपिठिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपिठिष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
-व म पिपिठिषा-णि व म
- ४ अपिपिठिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिपिठिषा-
- ५ अपिपिठि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपिठिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपिठिषामास पिपिठिषाश्चकार
- ७ पिपिठिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपिठिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपिठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपिठिषिष्या-
-मि वः मः (अपिपिठिषिष्या-व म
- १० अपिपिठिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे पिपि-स्थाने पिपे-इति ज्ञेयम्

२२२ शठ [शट्] कैतने च

- १ शिशठिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशठिषा मि वः मः
- २ शिशठिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशठिष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
शिशठिषा-णि व म
- ४ अशिशठिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिशठिषा-व म
- ५ अशिशठि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शिशठिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशठिषाश्चकार शिशठिषामास
- ७ शिशठिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशठिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशठिषिष्या-
मि वः मः (अशिशठिषिष्या-व म
- १० अशिशठिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२२३ शुठ (शुट्) गतिप्रतिधाते ।

- १ शुशुठिष-ति तः न्ति सि थः थ शुशुठिषा-मि वः मः
- २ शुशुठिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुशुठिष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
व म शुशुठिषा-णि व म
- ४ अशुशुठिष-त्ताम् नः तम् तम् अशुशुठिषा-
- ५ अशुशुठि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शुशुठिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शुशुठिषाश्चकार शुशुठिषाम्बभूव
- ७ शुशुठिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशुठिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुशुठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुशुठिषि-
ष्या-मि वः मः (अशुशुठिषिष्या-व म
- १० अशुशुठिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे शुशु-स्थाने शुशो-इति ज्ञेयम्

२२४ कुटु (कुण्ट) आलस्ये च

- १ चुकुण्ठिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुण्ठिषा मि वः मः
- २ चुकुण्ठिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकुण्ठिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुण्ठिषा-णि व म
- ४ अचुकुण्ठिष-त् ताम् नः तम् त म अचुकुण्ठिषा-व म
- ५ अचुकुण्ठि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
षिष्व विष्व
- ६ चुकुण्ठिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुकुण्ठिषाश्चकार चुकुण्ठिषामास
- ७ चुकुण्ठिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुण्ठिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुण्ठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुण्ठिषिष्या
मि वः मः (अचुकुण्ठिषिष्या-व म
- १० अचुकुण्ठिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

२२६ शुटु (शुण्ट) शोषणे ।

- १ शुशुण्ठिष-ति तः न्ति सि थः थ शुशुण्ठिषा-मि वः मः
- २ शुशुण्ठिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुशुण्ठिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म शुशुण्ठिषा-णि व म
- ४ अशुशुण्ठिष-त् ताम् नः तम् त म अशुशुण्ठिषा-
- ५ अशुशुण्ठि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
षिष्व विष्व
- ६ शुशुण्ठिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शुशुण्ठिषाश्चकार शुशुण्ठिषाम्बभूष
- ७ शुशुण्ठिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशुण्ठिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुशुण्ठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुशुण्ठिषि
ष्या-मि वः मः (अशुशुण्ठिषिष्या-व म
- १० अशुशुण्ठिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

२२५ लुठ (लुण्ट) आलस्ये च ।

- १ ललुण्ठिष-ति तः न्ति सि थः थ ललुण्ठिषा-मि वः मः
- २ ललुण्ठिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ललुण्ठिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ललुण्ठिषा-णि व म
- ४ अललुण्ठिष-त् ताम् नः तम् त म अललुण्ठिषा-व म
- ५ अललुण्ठि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
षिष्व विष्व
- ६ ललुण्ठिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
ललुण्ठिषाश्चकार ललुण्ठिषामास
- ७ ललुण्ठिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ललुण्ठिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ललुण्ठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ललुण्ठिषिष्या
मि वः मः (अललुण्ठिषिष्या-व म
- १० अललुण्ठिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

२२७ अठ (अट्) गतौ ॥

- १ अटिठिष-ति तः न्ति सि थः थ अटिठिषा-मि वः मः
- २ अटिठिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अटिठिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
-व म अटिठिषा-णि व म
- ४ आटिठिष-त् ताम् नः तम् त म आटिठिषा-
- ५ आटिठि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
षिष्व विष्व
- ६ अटिठिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अटिठिषामास अटिठिषाश्चकार
- ७ अटिठिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अटिठिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अटिठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अटिठिषिष्या
-मि वः मः (आटिठिषिष्या-व म
- १० आटिठिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

२२८ रुटु (रुण्ट) गतौ ।

- १ रुहण्टिष-ति तः न्ति सि थः थ रुहण्टिषा मि वः मः
- २ रुहण्टिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रुहण्टिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रुहण्टिषा-णि व म
- ४ अरुहण्टिष-त् ताम् न् : तम् तम् अरुहण्टिषा-व म
- ५ अरुहण्टि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रुहण्टिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रुहण्टिषाश्चकार रुहण्टिषामास
- ७ रुहण्टिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रुहण्टिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रुहण्टिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रुहण्टिषिष्या-
मि वः मः (अरुहण्टिषिष्या-व म
- १० अरुहण्टिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२२९ पुडु (पुण्ड) प्रमर्दने ।

- १ पुपुण्डिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपुण्डिषा मि वः मः
- २ पुपुण्डिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपुण्डिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपुण्डिषा-णि व म
- ४ अपुपुण्डिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपुपुण्डिषा-व म
- ५ अपुपुण्डि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पुपुण्डिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पुपुण्डिषाश्चकार पुपुण्डिषामास
- ७ पुपुण्डिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपुण्डिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपुण्डिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपुण्डिषिष्या-
मि वः मः (अपुपुण्डिषिष्या-व म
- १० अपुपुण्डिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२३० मुडु (मुड्) खंडने च ।

- १ मुमुण्डिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमुण्डिषा मि वः मः
- २ मुमुण्डिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमुण्डिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमुण्डिषा-णि व म
- ४ अमुमुण्डिष-त् ताम् न् : तम् तम् अमुमुण्डिषा-व म
- ५ अमुमुण्डि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मुमुण्डिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मुमुण्डिषाश्चकार मुमुण्डिषामास
- ७ मुमुण्डिष्या-त् स्तम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमुण्डिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमुण्डिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमुण्डिषिष्या-
मि वः मः (अमुमुण्डिषिष्या-व म
- १० अमुमुण्डिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२३१ मडु (मण्ड) भूषायाम् ।

- १ मिमण्डिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमण्डिषा मि वः मः
- २ मिमण्डिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमण्डिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमण्डिषा-णि व म
- ४ अमिमण्डिष-त् ताम् न् : तम् तम् अमिमण्डिषा-व म
- ५ अमिमण्डि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमण्डिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमण्डिषाश्चकार मिमण्डिषाम्बभूव
- ७ मिमण्डिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमण्डिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमण्डिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमण्डिषिष्या-
मि वः मः (अमिमण्डिषिष्या-व म
- १० अमिमण्डिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२३२ गडु (गण्ड) वेदनैकदेशे ।

- १ जिगण्डिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगण्डिषा-मि वः मः
- २ जिगण्डिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगण्डिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
व म जिगण्डिषा-णि व म
- ४ अजिगण्डिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिगण्डिषा-
- ५ अजिगण्डि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ जिगण्डिषाश्च-कार क्रतुः कृः कर्ष्य क्रथुः क कार कर कृव
जिगण्डिषाम्बभूष जिगण्डिषामास
- ७ जिगण्डिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगण्डिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगण्डिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगण्डिषिष्या-
मि वः मः (अजिगण्डिषिष्या-व म
- १० अजिगण्डिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२३३ शौड (शौड) गर्वे ।

- १ शुशौडिष-ति तः न्ति सि थः थ शुशौडिषा-मि वः मः
- २ शुशौडिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुशौडिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शुशौडिषा-णि व म
- ४ अशुशौडिष-त्ताम् नः तम् तम् अशुशौडिषा-व म
- ५ अशुशौडि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ शुशौडिषाश्च-कार क्रतुः कृः कर्ष्य क्रथुः क कार कर कृव
शुशौडिषाम्बभूष शुशौडिषामास
- ७ शुशौडिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशौडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुशौडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुशौडिषि-
ष्या-मि वः मः (अशुशौडिषिष्या-व म
- १० अशुशौडिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२३४ यौड (यौड) सम्बन्धे ।

- १ युयौडिष-ति तः न्ति सि थः थ युयौडिषा-मि वः मः
- २ युयौडिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ युयौडिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
युयौडिषा-णि व म
- ४ अयुयौडिष-त्ताम् नः तम् तम् अयुयौडिषा-व म
- ५ अयुयौडि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ युयौडिषाश्च-कार क्रतुः कृः कर्ष्य क्रथुः क कार कर कृव कृम
युयौडिषाम्बभूष युयौडिषामास
- ७ युयौडिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ युयौडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ युयौडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ युयौडिषिष्या-
मि वः मः (अयुयौडिषिष्या-व म
- १० अयुयौडिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२३५ मेड (मेड) उन्मादे ।

- १ मिमेडिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमेडिषा-मि वः मः
- २ मिमेडिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमेडिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमेडिषा-णि व म
- ४ अमिमेडिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमेडिषा-व म
- ५ अमिमेडि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ मिमेडिषाश्च-कार क्रतुः कृः कर्ष्य क्रथुः क कार कर कृव
मिमेडिषामास मिमेडिषाम्बभूष
- ७ मिमेडिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमेडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमेडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमेडिषिष्या-
मि वः मः (अमिमेडिषिष्या-व म
- १० अमिमेडिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२३६ ज्रेड (ज्रेड) उन्मादे ।

- १ मिज्रेडिष-ति तः न्ति सि थः थ मिज्रेडिषा-मि वः मः
- २ मिज्रेडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिज्रेडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिज्रेडिषा-णि व म
- ४ अमिज्रेडिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अमिज्रेडिषा-व म
- ५ अमिज्रेडि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ मिज्रेडिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
मिज्रेडिषामास मिज्रेडिषाम्बभूव
- ७ मिज्रेडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिज्रेडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिज्रेडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिज्रेडिषिष्या-
मि वः म (अमिज्रेडिषिष्या-व म
- १० अमिज्रेडिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

२३८ लोड (लोड) उन्मादे ।

- १ लुलोडिष-ति तः न्ति सि थः थ लुलोडिषा-मि वः मः
- २ लुलोडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लुलोडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलोडिषा-णि व म
- ४ अलुलोडिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अलुलोडिषा-व म
- ५ अलुलोडि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ लुलोडिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
लुलोडिषाम्बभूव लुलोडिषामास
- ७ लुलोडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलोडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलोडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलोडिषि-
ष्या-मि वः म (अलुलोडिषिष्या-व म
- १० अलुलोडिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

२३७ म्लेड (म्लेड) उन्मादे ।

- १ मिम्लेडिष-ति तः न्ति सि थः थ मिम्लेडिषा-मि वः मः
- २ मिम्लेडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिम्लेडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म मिम्लेडिषा-णि व म
- ४ अमिम्लेडिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अमिम्लेडिषा-
- ५ अमिम्लेडि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ मिम्लेडिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
मिम्लेडिषाम्बभूव मिम्लेडिषामास
- ७ मिम्लेडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिम्लेडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिम्लेडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिम्लेडिषिष्या-
मि वः म (अमिम्लेडिषिष्या-व म
- १० अमिम्लेडिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

२३९ लौड (लौड) उन्मादे ।

- १ लुलौडिष-ति तः न्ति सि थः थ लुलौडिषा-मि वः मः
- २ लुलौडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लुलौडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलौडिषा-णि व म
- ४ अलुलौडिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अलुलौडिषा-व म
- ५ अलुलौडि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लुलौडिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
लुलौडिषाम्बभूव लुलौडिषामास
- ७ लुलौडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलौडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलौडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलौडिषिष्या-
मि वः म (अलुलौडिषिष्या-व म
- १० अलुलौडिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

२४० रौड् (रौड्) अनादरे ।

- १ हरौडिष-ति तः न्ति सिथः थ हरौडिषा-मि वः मः
- २ हरौडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ हरौडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
हरौडिषा-णि व म
- ४ अहरौडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अहरौडिषा-व म
- ५ अहरौडि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ हरौडिषाञ्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
हरौडिषामास हरौडिषाम्बभूव
- ७ हरौडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ हरौडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ हरौडिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ हरौडिषिष्या-
मि वः मः (अहरौडिषिष्या-व म
- १० अहरौडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२४१ रौड् (रौड्) अनादरे ।

- १ हरौडिष-ति तः न्ति सिथः थ हरौडिषा-मि वः मः
- २ हरौडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ हरौडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
हरौडिषा-णि व म
- ४ अहरौडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अहरौडिषा-व म
- ५ अहरौडि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ हरौडिषाञ्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
हरौडिषामास हरौडिषाम्बभूव
- ७ हरौडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ हरौडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ हरौडिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ हरौडिषि-
ष्या-मि वः मः (अहरौडिषिष्या-व म
- १० अहरौडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२४२ तौड् (तौड्) अनादरे ।

- १ तुतौडिष-ति तः न्ति सिथः थ तुतौडिषा-मि वः मः
- २ तुतौडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतौडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतौडिषा-णि व म
- ४ अतुतौडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतुतौडिषा-व म
- ५ अतुतौडि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तुतौडिषाञ्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
तुतौडिषाम्बभूव तुतौडिषामास
- ७ तुतौडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतौडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतौडिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तुतौडिषिष्या-
मि वः मः (अतुतौडिषिष्या-व म
- १० अतुतौडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२४३ क्रौड् (क्रौड्) विहारे ।

- १ चिक्रीडिष-ति तः न्ति सिथः थ चिक्रीडिषा-मि वः मः
- २ चिक्रीडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्रीडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्रीडिषा-णि व म
- ४ अचिक्रीडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिक्रीडिषा-व म
- ५ अचिक्रीडि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिक्रीडिषाञ्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
चिक्रीडिषाम्बभूव चिक्रीडिषामास
- ७ चिक्रीडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्रीडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्रीडिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिक्रीडिषिष्या-
मि वः मः (अचिक्रीडिषिष्या-व म
- १० अचिक्रीडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२४४ तुट् (तुट्) तोडने ।

- १ तुतुडिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतुडिषा-मि वः मः
- २ तुतुडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतुडिषा-णि व म
- ४ अतुतुडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतुतुडिषा-व म
- ५ अतुतुडि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ तुतुडिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तुतुडिषाश्चकार तुतुडिषाम्बभूव
- ७ तुतुडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुडिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतुडिषिष्या
-मि वः मः (अतुतुडिषिष्या-व म
- १० अतुतुडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे तुट्-स्थाने तुतो-इति ज्ञेयम्

२४५ तृट् (तृट्) तोडने ।

- १ तृतृडिष-ति तः न्ति सि थः थ तृतृडिषा-मि वः मः
- २ तृतृडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तृतृडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तृतृडिषा-णि व म
- ४ अतृतृडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतृतृडिषा-व म
- ५ अतृतृडि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ तृतृडिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तृतृडिषाश्चकार तृतृडिषामास
- ७ तृतृडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तृतृडिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तृतृडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तृतृडिषिष्या-
मि वः मः (अतृतृडिषिष्या-व म
- १० अतृतृडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२४६ तोट् (तोट्) तोडने ।

- १ तुतोडिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतोडिषा-मि वः मः
- २ तुतोडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतोडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतोडिषा-णि व म
- ४ अतुतोडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतुतोडिषा-व म
- ५ अतुतोडि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ तुतोडिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुतोडिषाश्चकार तुतोडिषामास
- ७ तुतोडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतोडिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतोडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतोडिषिष्या
-मि वः मः (अतुतोडिषिष्या-व म
- १० अतुतोडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२४७ हुट् (हुट्) गतौ ।

- १ जुहुडिष-ति तः न्ति सि थः थ जुहुडिषा-मि वः मः
- २ जुहुडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुहुडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुहुडिषा-णि व म
- ४ अजुहुडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजुहुडिषा-व म
- ५ अजुहुडि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ जुहुडिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जुहुडिषाश्चकार जुहुडिषाम्बभूव
- ७ जुहुडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुहुडिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुहुडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुहुडिषिष्या-
मि वः मः (अजुहुडिषिष्या-व म
- १० अजुहुडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२४८ हूड (हूड्) गतौ ।

- १ जुहूडिष-ति तः न्ति सि थः थ जुहूडिषा-मि वः मः
- २ जुहूडिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुहूडिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
व म जुहूडिषा-णि व म
- ४ अजुहूडिष-त्ताम् नः : तम् त म अजुहूडिषा-
- ५ अजुहूडि-षीत्षिष्टाम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ जुहूडिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृष कृम
जुहूडिषाम्बभूष जुहूडिषामास
- ७ जुहूडिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुहूडिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुहूडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुहूडिषिष्या-
-मि वः मः (अजुहूडिषिष्या-व म
- १० अजुहूडिषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म

२४९ हूड (हूड्) गतौ ।

- १ जुहूडिष-ति तः न्ति सि थः थ जुहूडिषा-मि वः मः
- २ जुहूडिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुहूडिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
जुहूडिषा-णि व म
- ४ अजुहूडिष-त्ताम् नः : तम् त म अजुहूडिषा-व म
- ५ अजुहूडि-षीत्षिष्टाम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ जुहूडिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जुहूडिषाश्चकार जुहूडिषाम्बभूष
- ७ जुहूडिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुहूडिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुहूडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुहूडिषिष्या-
-मि वः मः (अजुहूडिषिष्या-व म
- १० अजुहूडिषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म

२५० हौड (हौड्) गतौ ।

- १ जुहौडिष-ति तः न्ति सि थः थ जुहौडिषा-मि वः मः
- २ जुहौडिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुहौडिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
व म जुहौडिषा-णि व म
- ४ अजुहौडिष-त्ताम् नः : तम् त म अजुहौडिषा-
- ५ अजुहौडि-षीत्षिष्टाम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ जुहौडिषाश्चकार जुहौडिषामास
- ७ जुहौडिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुहौडिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुहौडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुहौडिषिष्या-
-मि वः मः (अजुहौडिषिष्या-व म
- १० अजुहौडिषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म

२५१ खौड (खौड्) प्रतीघाते ।

- १ चुखौडिष-ति तः न्ति सि थः थ चुखौडिषा-मि वः मः
- २ चुखौडिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुखौडिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
चुखौडिषा-णि व म
- ४ अचुखौडिष-त्ताम् नः : तम् त म अचुखौडिषा-व म
- ५ अचुखौडि-षीत्षिष्टाम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ चुखौडिषाश्चकार चुखौडिषामास
- ७ चुखौडिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुखौडिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुखौडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुखौडिषि-
ष्या-मि वः मः (अचुखौडिषिष्या-व म
- १० अचुखौडिषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म

२५२ विड (विड्) आक्रोशे ।

- १ विविडिष-ति तः न्ति सि थः थ विविडिषा-मि वः मः
- २ विविडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विविडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विविडिषा-णि व म
- ४ अविविडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविविडिषा-व म
- ५ अविविडि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षी षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्म
- ६ विविडिषाश्च-कार क्रतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
विविडिषाम्बभूव विविडिषामास
- ७ विविडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विविडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विविडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विविडिषि-
ष्या-मि वः मः (अविविडिषिष्या-व म
- १० अविविडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
पक्षे विवि-स्थाने विवे-इति ज्ञेयम्

२५४ लड (लड्) विलासे ।

- १ लिलडिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलडिषा-मि वः मः
- २ लिलडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलडिषा-णि व म
- ४ अलिलडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलिलडिषा-व म
- ५ अलिलडि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ लिलडिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
लिलडिषाश्चकार लिलडिषामास
- ७ लिलडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलडिषिष्या-
-मि वः मः (अलिलडिषिष्या-व म
- १० अलिलडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
डस्य लत्वे लडि-स्थाने ललि-इति ज्ञेयम्

२५३ अड (अड्) उद्यमे ।

- १ अडिडिष-ति तः न्ति सि थः थ अडिडिषा-मि वः मः
- २ अडिडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अडिडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अडिडिषा-णि व म
- ४ आडिडिष-त् ताम् न् : तम् तम् आडिडिषा-व म
- ५ आडिडि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्म
- ६ अडिडिषाश्च-कार क्रतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
अडिडिषाम्बभूव अडिडिषामास
- ७ अडिडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अडिडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अडिडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अडिडिषिष्या-
मि वः मः (आडिडिषिष्या-व म
- १० आडिडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२५५ कड (कण्ड्) मर्दने ।

- १ चिकण्डिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकण्डिषा-मि वः मः
- २ चिकण्डिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकण्डिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिकण्डिषा-णि व म
- ४ अचिकण्डिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकण्डिषा-
व म
- ५ अचिकण्डि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्म
- ६ चिकण्डिषाश्च-कार क्रतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
चिकण्डिषाम्बभूव चिकण्डिषामास
- ७ चिकण्डिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकण्डिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकण्डिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकण्डिषिष्या-
मि वः मः (अचिकण्डिषिष्या-व म
- १० अचिकण्डिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२५६ कडु (कड्) कार्कश्ये ।

- १ चिकडिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकडिषा-मि वः मः
- २ चिकडिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकडिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिकडिषा-णि व म
- ४ अचिकडिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिकडिषा-व म
- ५ अचिकडि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ चिकडिषाश्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
चिकडिषाम्बभूव चिकडिषामास
- ७ चिकडिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकडिषिष्या-
मि वः मः (अचिकडिषिष्या-व म
- १० अचिकडिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२५८ चुडु (चुड्) हावकरणे ।

- १ चुचुडिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचुडिषा-मि वः मः
- २ चुचुडिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचुडिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचुडिषा-णि व म
- ४ अचुचुडिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुचुडिषा-व म
- ५ अचुचुडि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ चुचुडिषाश्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
चुचुडिषाम्बभूव चुचुडिषामास
- ७ चुचुडिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचुडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचुडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचुडिषिष्या-
मि वः मः (अचुचुडिषिष्या-व म
- १० अचुचुडिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२५७ अड्ड (अड्) अभियोगे ।

- १ अड्डिष-ति तः न्ति सि थः थ अड्डिषा-मि वः मः
- २ अड्डिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अड्डिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
अड्डिषा-णि व म
- ४ अड्डिष-त्ताम् नः तम् तम् अड्डिषा-व म
- ५ अड्डि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ अड्डिषाश्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
अड्डिषाम्बभूव अड्डिषामास
- ७ अड्डिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अड्डिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अड्डिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अड्डिषिष्या-
मि वः मः (आड्डिषिष्या-व म
- १० अड्डिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२५९ अण (अण्) शब्दे ।

- १ अणिणिष-ति तः न्ति सि थः थ अणिणिषा-मि वः मः
- २ अणिणिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अणिणिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
अणिणिषा-णि व म
- ४ अणिणिष-त्ताम् नः तम् तम् अणिणिषा-व म
- ५ अणिणि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ अणिणिषाश्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
अणिणिषामास अणिणिषाम्बभूव
- ७ अणिणिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अणिणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अणिणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अणिणिषिष्या-
मि वः मः (अणिणिषिष्या-व म
- १० अणिणिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

२६० रण (रण्) शब्दे ।

- १ रिरणिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरणिषा-मि वः मः
- २ रिरणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म रिरणिषा-णि व म
- ४ अरिरणिष-त् ताम् न् : तम् त म् अरिरणिषा-
- ५ अरिरणि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ रिरणिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थं कथुः क कार कर कृव कृम
रिरणिषाम्बभूव रिरणिषामास
- ७ रिरणिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरणिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरणिषिष्या
-मि वः मः (अरिरणिषिष्या-व म
- १० अरिरणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२६२ व्रण (व्रण्) शब्दे ।

- १ विव्रणिष-ति तः न्ति सि थः थ विव्रणिषा-मि वः मः
- २ विव्रणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विव्रणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म विव्रणिषा-णि व म
- ४ अविव्रणिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविव्रणिषा-
- ५ अविव्रणि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ विव्रणिषाम्बभू-व षतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विव्रणिषाश्चकार विव्रणिषामास
- ७ विव्रणिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विव्रणिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विव्रणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विव्रणिषिष्या
-मि वः मः (अविव्रणिषिष्या-व म
- १० अविव्रणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२६१ वण (वण्) शब्दे ।

- १ विवणिष-ति तः न्ति सि थः थ विवणिषा-मि वः मः
- २ विवणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवणिषा-णि व म
- ४ अविवणिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविवणिषा-व म
- ५ अविवणि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ विवणिषामा-स षतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवणिषाश्चकार विवणिषाम्बभूव
- ७ विवणिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवणिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवणिषिष्या-
मि वः मः (अविवणिषिष्या-व म
- १० अविवणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२६३ वण (वण्) शब्दे ।

- १ विवणिष-ति तः न्ति सि थः थ विवणिषा-मि वः मः
- २ विवणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवणिषा-णि व म
- ४ अविवणिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविवणिषा-व म
- ५ अविवणि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ विवणिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थं कथुः क कार कर कृव कृम
विवणिषाम्बभूव विवणिषामास
- ७ विवणिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवणिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवणिषि-
ष्या-मि वः मः (अविवणिषा-व म
- १० अविवणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२६४ भण (भण्) शब्दे ।

- १ विभणिष-ति तः न्ति सि थः थ विभणिषा-मि वः मः
- २ विभणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विभणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विभणिषा-णि व म
- ४ अविभणिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविभणिषा-व म
- ५ अविभणि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विभणिषामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
विभणिषाश्चकार विभणिषाम्बभूव
- ७ विभणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विभणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विभणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विभणिषिष्या-
-मि वः मः (अविभणिषिष्या-व म
- १० अविभणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२६५ भ्रण (भ्रण्) शब्दे ।

- १ विभ्रणिष-ति तः न्ति सि थः थ विभ्रणिषा-मि वः मः
- २ विभ्रणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विभ्रणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विभ्रणिषा-णि व म
- ४ अविभ्रणिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविभ्रणिषा-व म
- ५ अविभ्रणि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विभ्रणिषाम्बभू-व वतुः वुः वि थ वथुः व व वि व वि म
विभ्रणिषाश्चकार विभ्रणिषामास
- ७ विभ्रणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विभ्रणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विभ्रणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विभ्रणिषिष्या-
मि वः मः (अविभ्रणिषिष्या-व म

२६६ मण (मण्) शब्दे ।

- १ मिमणिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमणिषा-मि वः मः
- २ मिमणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म मिमणिषा-णि व म
- ४ अमिमणिष-त् ताम् न् : तम् तम् अमिमणिषा-
- ५ अमिमणि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमणिषामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
मिमणिषाश्चकार मिमणिषाम्बभूव
- ७ मिमणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमणिषि-
ष्या-मि वः मः (अमिमणिषिष्या-व म
- १० अमिमणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२६७ धण (धण्) शब्दे ।

- १ दिधणिष-ति तः न्ति सि थः थ दिधणिषा-मि वः मः
- २ दिधणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
-व म दिधणिषा-णि व म
- ४ अदिधणिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदिधणिषा-
- ५ अदिधणि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिधणिषाम्बभू-व वतुः वुः वि थ वथुः व व वि व वि म
दिधणिषामास दिधणिषाश्चकार
- ७ दिधणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिधणिषिष्या-
-मि वः मः (अदिधणिषिष्या-व म

२६८ ध्वण (ध्वण्) शब्दे ।

- १ दिध्वणिष-ति तः न्ति सि थः थ दिध्वणिषा-मि वः मः
- २ दिध्वणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्वणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिध्वणिषा-णि व म
- ४ अदिध्वणिष-त् ताम् न् : तम् त म अदिध्वणिषा-व म
- ५ अदिध्वणि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिध्वणिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिध्वणिषाश्चकार दिध्वणिषामास
- ७ दिध्वणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्वणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्वणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिध्वणिषिष्या-
-मि वः मः (अदिध्वणिषिष्या-व म
- १० अदिध्वणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२७० कण (कण्) शब्दे ।

- १ चिकणिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकणिषा-मि वः मः
- २ चिकणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकणिषा-णि व म
- ४ अचिकणिष-त् ताम् न् : तम् त म अचिकणिषा-व म
- ५ अचिकणि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिकणिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिकणिषाश्चकार चिकणिषामास
- ७ चिकणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकणिषिष्या-
-मि वः मः (अचिकणिषिष्या-व म
- १० अचिकणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२६९ ध्रण (ध्रण्) शब्दे ।

- १ दिध्रणिष-ति तः न्ति सि थः थ दिध्रणिषा-मि वः मः
- २ दिध्रणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्रणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिध्रणिषा-णि व म
- ४ अदिध्रणिष-त् ताम् न् : तम् त म् अदिध्रणिषा-व म
- ५ अदिध्रणि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिध्रणिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिध्रणिषाश्चकार दिध्रणिषामास
- ७ दिध्रणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्रणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्रणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिध्रणिषिष्या-
-मि वः मः (अदिध्रणिषिष्या-व म
- १० अदिध्रणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२७१ क्वण (क्वण्) शब्दे ।

- १ चिक्वणिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्वणिषा-मि वः मः
- २ चिक्वणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्वणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म चिक्वणिषा-णि व म
- ४ अचिक्वणिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचिक्वणिषा-व म
- ५ अचिक्वणि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिक्वणिषामा-स सतुः सः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिक्वणिषाश्चकार चिक्वणिषाम्बभूव
- ७ चिक्वणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्वणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्वणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्वणिषि-
ष्या-मि वः मः (अचिक्वणिषिष्या-व म
- १० अचिक्वणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२७२ चण (चण्) शब्दे ।

- १ चिचणिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचणिषा-मि वः मः
- २ चिचणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचणिषा-णि व म
- ४ अचिचणिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचिचणिषा-व म
- ५ अचिचणि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चिचणिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिचणिषाश्चकार चिचणिषामास
- ७ चिचणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचणिषिष्या
-मि वः मः (अचिचणिषिष्या-व म
- १० अचिचणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२७३ ओण (ओण्) अपनयने ।

- १ ओणिणिष-ति तः न्ति सि थः थ ओणिणिषा-मि वः मः
- २ ओणिणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ओणिणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ओणिणिषा-णि व म
- ४ ओणिणिष-त् ताम् न् : तम् त म् ओणिणिषा-व म
- ५ ओणिणि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
कृम विष्व विष्म
- ६ ओणिणिषाश्च-कार कृतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
ओणिणिषामास ओणिणिषाम्बभूव
- ७ ओणिणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ओणिणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ओणिणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ओणिणिषिष्या
-मि वः म (ओणिणिषिष्या-व म
- १० ओणिणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२६४ शोण (शोण्) वर्णगत्योः ।

- १ शुशोणिष-ति तः न्ति सि थः थ शुशोणिषा-मि वः मः
- २ शुशोणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुशोणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुशोणिषा-णि व म
- ४ अशुशोणिष-त् ताम् न् : तम् त म् अशुशोणिषा-व म
- ५ अशुशोणि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ शुशोणिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शुशोणिषाश्चकार शुशोणिषामास
- ७ शुशोणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशोणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुशोणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुशोणिषिष्या
-मि वः मः (अशुशोणिषिष्या-व म
- १० अशुशोणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२७५ श्रोण (श्रोण्) सङ्घाते ।

- १ शुश्रोणिष-ति तः न्ति सि थः थ शुश्रोणिषा-मि वः मः
- २ शुश्रोणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुश्रोणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुश्रोणिषा-णि व म
- ४ अशुश्रोणिष-त् ताम् न् : तम् त म् अशुश्रोणिषा-व म
- ५ अशुश्रोणि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ शुश्रोणिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शुश्रोणिषाश्चकार शुश्रोणिषाम्बभूव
- ७ शुश्रोणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुश्रोणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुश्रोणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुश्रोणिषि-
ष्या-मि वः मः (अशुश्रोणिषिष्या-व म
- १० अशुश्रोणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२७६ श्लोण (श्लोण) संघाते ।

- १ शुश्लोणिष-ति तः न्ति सि थः थ शुश्लोणिषा-मि वः मः
- २ शुश्लोणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुश्लोणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुश्लोणिषा-णि व म
- ४ अशुश्लोणिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशुश्लोणिषा-व म
- ५ अशुश्लोणि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शुश्लोणिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शुश्लोणिषाश्चकार शुश्लोणिषाम्बभूव
- ७ शुश्लोणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुश्लोणिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुश्लोणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुश्लोणिषिष्या-
-मि वः मः (अशुश्लोणिषिष्या-व म
- १० अशुश्लोणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२७७ पैण (पैण) गतिप्रेरणश्लेषणेषु ।

- १ पिपैणिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपैणिषा-मि वः मः
- २ पिपैणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपैणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपैणिषा-णि व म
- ४ अपिपैणिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिपैणिषा-व म
- ५ अपिपैणि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपैणिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
पिपैणिषाश्चकार पिपैणिषामास
- ७ पिपैणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपैणिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपैणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपैणिषिष्या-
-मि वः मः (अपिपैणिषिष्या-व म
- १० अपिपैणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२७८ चितै (चित्) संज्ञाने ।

- १ चिचितिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचितिषा-मि वः मः
- २ चिचितिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचितिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिचितिषा-णि व म
- ४ अचिचितिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिचितिषा-
- ५ अचिचिति-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिचितिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिचितिषाश्चकार चिचितिषाम्बभूव
- ७ चिचितिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचितिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचितिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचितिषि-
ष्या-मि वः मः (अचिचितिषिष्या-व म
- १० अचिचितिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे चिचि-स्थाने चिचे-इति ज्ञेयम्

२७९ अत (अत्) सातत्यगमने ।

- १ अतितिष-ति तः न्ति सि थः थ अतितिषा-मि वः मः
- २ अतितिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अतितिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
-व म अतितिषा-णि व म
- ४ आतितिष-त् ताम् न् : तम् तम् आतितिषा-
- ५ आतिति-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ अतितिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
अतितिषामास अतितिषाश्चकार
- ७ अतितिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अतितिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अतितिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अतितिषिष्या-
-मि वः मः (आतितिषिष्या-व म
- १० आतितिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२८० च्युट् (च्युत्) आसेचने ।

- १ चुच्युतिष-ति तः न्ति सि थः थ चुच्युतिषा-मि वः मः
- २ चुच्युतिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुच्युतिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुच्युतिषा-णि व म
- ४ अचुच्युतिष-त् ताम् नः तम् त म् अचुच्युतिषा-व म
- ५ अचुच्युति-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुच्युतिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुच्युतिषाश्चकार चुच्युतिषामास
- ७ चुच्युतिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुच्युतिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुच्युतिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुच्युतिषिष्या-
-मि वः मः (अचुच्युतिषिष्या-व म
- १० अचुच्युतिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्षे चुच्यु-स्थाने चुच्यो-इति ज्ञेयम्

२८१ चुट् (चुत्) क्षरणे ।

- १ चुचुतिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचुतिषा-मि वः मः
- २ चुचुतिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचुतिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचुतिषा-णि व म
- ४ अचुचुतिष-त् ताम् नः तम् त म् अचुचुतिषा-व म
- ५ अचुचुति-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुचुतिषाश्च-कार क्तुः क्तुः कथं कथुः क कार कर क्व कृम
चुचुतिषामास चुचुतिषाम्बभूष
- ७ चुचुतिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचुतिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचुतिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचुतिषिष्या-मि
वः म (अचुचुतिषिष्या-व म
- १० अचुचुतिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्षे चुचु-स्थाने चुचो-इति ज्ञेयम्

२८२ स्तुट् (श्रुत्) क्षरणे ।

- १ चुश्रुतिष-ति तः न्ति सि थः थ चुश्रुतिषा-मि वः मः
- २ चुश्रुतिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुश्रुतिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुश्रुतिषा-णि व म
- ४ अचुश्रुतिष-त् ताम् नः तम् त म् अचुश्रुतिषा-व म
- ५ अचुश्रुति-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुश्रुतिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चुश्रुतिषाश्चकार चुश्रुतिषाम्बभूष
- ७ चुश्रुतिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुश्रुतिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुश्रुतिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुश्रुतिषिष्या-
-मि वः मः (अचुश्रुतिषिष्या-व म
- १० अचुश्रुतिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्षे चुश्रु-स्थाने चुश्रो-इति ज्ञेयम्

२८३ स्च्युट् (श्च्युत्) क्षरणे ।

- १ चुश्च्युतिष-ति तः न्ति सि थः थ चुश्च्युतिषा-मि वः मः
- २ चुश्च्युतिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुश्च्युतिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चुश्च्युतिषा-णि व म
- ४ अचुश्च्युतिष-त् ताम् नः तम् त म् अचुश्च्युतिषा-व म
- ५ अचुश्च्युति-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुश्च्युतिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुश्च्युतिषाश्चकार चुश्च्युतिषामास
- ७ चुश्च्युतिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुश्च्युतिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुश्च्युतिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुश्च्युतिषिष्या-मि
वः म (अचुश्च्युतिषिष्या-व म
- १० अश्च्युतिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्षे चुश्च्यु-स्थाने चुश्च्यो-इति ज्ञेयम्

२८४ जुट् (जुत्) भासने ।

- १ जुजुतिष-ति तः न्ति सिथः थ जुजुतिषा मि वः मः
- २ जुजुतिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुजुतिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुजुतिषा-णि व म
- ४ अजुजुतिष-त् ताम् नः तम् तम् अजुजुतिषा-व म
- ५ अजुजुति-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जुजुतिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जुजुतिषाश्चकार जुजुतिषामास
- ७ जुजुतिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुजुतिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुजुतिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जुजुतिषिष्या-
-मि वः मः (अजुजुतिषिष्या-व म
- १० अजुजुतिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्
पक्षे जुजु-स्थाने जुजो इति ज्ञेयम्

२८५ अट् (अन्त्) बन्धने ।

- १ अन्तितिष-ति तः न्ति सिथः थ अन्तितिषा-मि
वः मः
- २ अन्तितिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अन्तितिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म अन्तितिषा-णि व म
- ४ आन्तितिष-त् ताम् नः तम् तम् आन्तितिषा-
व म
- ५ आन्तिति-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ अन्तितिषाश्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
अन्तितिषामास अन्तितिषाम्बभूव
- ७ अन्तितिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अन्तितिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अन्तितिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ अन्तितिषि-
ष्या-मि वः मः (आन्तितिषिष्या-व म
- १० आन्तितिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

२८६ कित् (कित्) निवासे ।

- १ चिकित्सिष-ति तः न्ति सिथः थ चिकित्सिषा-मि
वः मः
- २ चिकित्सिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकित्सिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिकित्सिषा-णि व म
- ४ अचिकित्सिष-त् ताम् नः तम् तम् अचिकित्सिषा-
व म
- ५ अचिकित्सि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ चिकित्सिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिकित्सिषाश्चकार चिकित्सिषामास
- ७ चिकित्सिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकित्सिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकित्सिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिकित्सिषि-
ष्या-मि वः मः (अचिकित्सिषिष्या-व म
- १० अचिकित्सिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

२८७ ऋत् (ऋत्) घृणागतिस्पर्धेषु ।

- १ अर्त्ति-तिष-ति तः न्ति सिथः थ अर्त्ति-तिषा-मि वः मः
- २ अर्त्ति-तिषे-त् ताम् युः : , तम् त यम् व म
- ३ अर्त्ति-तिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अर्त्ति-तिषा-णि व म
- ४ आर्त्ति-तिष-त् ताम् नः तम् तम् आर्त्ति-तिषा-व म
- ५ आर्त्ति-ति-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ अर्त्ति-तिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
अर्त्ति-तिषाश्चकार अर्त्ति-तिषाम्बभूव
- ७ अर्त्ति-तिष्या-त् स्ताम् सुः : , स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अर्त्ति-तिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अर्त्ति-तिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ अर्त्ति-तिषि-
ष्या-मि वः मः (आर्त्ति-तिषिष्या-व म
- १० आर्त्ति-तिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

- १ ऋतितोयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
 २ ऋतितोयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ ऋतितोयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
 षावहे षामहे
 ४ आर्तितोयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
 षावहि षामहि (ढ्वम् षि ध्वहि षमहि
 ५ आर्तितोयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
 ६ ऋतितोयिषाश्च-के कातेकिरेकृषेकाथेकृद्वे केकृवहे कृमहे
 ऋतितोयिषाम्बभूव ऋतितोयिषामास (य वहि महि
 ७ ऋतितोयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
 ८ ऋतितोयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
 ९ ऋतितोयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० आर्तितोयिषि ष्यतष्येताम् ष्यन्तष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२८९ पुन्थ (पुन्थ) हिंसासंक्लेशनयोः ।

- १ पुपुन्थिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपुन्थिषा-मि वः मः
 २ पुपुन्थिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ पुपुन्थिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 पुपुन्थिषा-णि व म
 ४ अपुपुन्थिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपुपुन्थिषा-व म
 ५ अपुपुन्थि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ पुपुन्थिषाम्बभू-व वतुः दुः सिथ सथुः स व विव सिम
 पुपुन्थिषाश्चकार पुपुन्थिषामास
 ७ पुपुन्थिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ पुपुन्थिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ पुपुन्थिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपुन्थिषिष्या-
 मि वः मः (अपुपुन्थिषिष्या-व म
 १० अपुपुन्थिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२८८ कुथु (कुन्थ) हिंसासंक्लेशनयोः ।

- १ चुकुन्थिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुन्थिषा-मि वः मः
 २ चुकुन्थिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ चुकुन्थिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 चुकुन्थिषा-णि व म
 ४ अचुकुन्थिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुकुन्थिषा-व म
 ५ अचुकुन्थि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ चुकुन्थिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 चुकुन्थिषाश्चकार चुकुन्थिषाम्बभूव
 ७ चुकुन्थिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चुकुन्थिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चुकुन्थिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुन्थिषिष्या-
 मि वः मः (अचुकुन्थिषिष्या-व म
 १० अचुकुन्थिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२७८ लुथु (लुन्थ) हिंसासंक्लेशनयोः ।

- १ लुलुन्थिष-ति तः न्ति सि थः थ लुलुन्थिषा-मि वः मः
 २ लुलुन्थिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ लुलुन्थिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 व म लुलुन्थिषा-णि व म
 ४ अलुलुन्थिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलुलुन्थिषा-
 ५ अलुलुन्थि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ लुलुन्थिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 लुलुन्थिषाश्चकार लुलुन्थिषाम्बभूव
 ७ लुलुन्थिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ लुलुन्थिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ लुलुन्थिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलुन्थिषि-
 ष्या-मि वः मः (अलुलुन्थिषिष्या-व म
 १० अलुलुन्थिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

२९१ मन्थ (मन्थ) हिंसासंकलेशनयोः ।

१मिमन्थिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमन्थिषा मि वः मः

२ मिमन्थिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ मिमन्थिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

मिमन्थिषा-णि व म

४अमिमन्थिष-त् ताम् न् : तम् त म अमिमन्थिषा-व म

५ अमिमन्थि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्

षिष्व पिष्व

६ मिमन्थिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

मिमन्थिषाश्चकार मिमन्थिषामास

७मिमन्थिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८मिमन्थिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ मिमन्थिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमन्थिषिष्या

-मि वः मः (अमिमन्थिषिष्या-व म

१०अमिमन्थिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२९२ मन्थ (मन्थ) हिंसासंकलेशनयोः ।

२९४ खाद (खाद्) भक्षणे ।

१चिखादिष-ति तः न्ति सि थः थ चिखादिषा-मि वः मः

२ चिखादिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चिखादिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

व म

चिखादिषा-णि व म

४अचिखादिष-त् ताम् न् : तम् त म अचिखादिषा-

५अचिखादि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्

षिष्व पिष्व

६ चिखादिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

चिखादिषाश्चकार चिखादिषामास

७ चिखादिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चिखादिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९चिखादिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखादिषिष्या

-मि वः मः (अचिखादिषिष्या-व म

१०अचिखादिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२९३ मान्थ (मान्थ) हिंसासंकलेशनयोः ।

१ मिमान्थिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमान्थिषा-मि

वः मः

२ मिमान्थिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ मिमान्थिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

व म

मिमान्थिषा-णि व म

४अमिमान्थिष-त् ताम् न् : तम् त म अमिमान्थिषा-

५ अमिमान्थि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्

कृम

षिष्व पिष्व

६ मिमान्थिषाश्च-कार कृतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव

मिमान्थिषामास मिमान्थिषाम्बभूव

७ मिमान्थिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ मिमान्थिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ मिमान्थिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमान्थिषि-

ष्या-मि वः मः (अमिमान्थिषिष्या-व म

१०अमिमान्थिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२९५ बद् (बद्) स्थैर्ये ।

१ बिबदिष-ति तः न्ति सि थः थ बिबदिषा-मि वः मः

२ बिबदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ बिबदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

बिबदिषा-णि व म

४ अबिबदिष-त् ताम् न् : तम् त म अबिबदिषा व म

५ अबिबदि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्

षिष्व पिष्व

६ बिबदिषामा-स सतुः सुः सिथ संथुः सं स सिव सिम

बिबदिषाश्चकार बिबदिषाम्बभूव

७ बिबदिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ बिबदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ बिबदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिबदिषि-

ष्या-मि वः मः (अबिबदिषिष्या-व म

१०अबिबदिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

२९६ खद् (खद्) हिंसायां च ।

- १ चिखदिष-ति तः न्ति सि थः थ चिखदिषा-मि वः मः
- २ चिखदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिखदिषा-णि व म
- ४ अचिखदिष-त् ताम् नः तम् तम् अचिखदिषा-व म
- ५ अचिखदि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
कृम विष्व विष्व
- ६ चिखदिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
चिखदिषाम्बभूव चिखदिषामास
- ७ चिखदिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखदिषिष्या-
मि वः मः (अचिखदिषिष्या-व म
- १० अचिखदिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

२९८ रद् (रद्) विद्धेखने ।

- १ रिरदिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरदिषा-मि वः मः
- २ रिरदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरदिषा-णि व म
- ४ अरिरदिष-त् ताम् नः तम् तम् अरिरदिषा-व म
- ५ अरिरदि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
कृम विष्व विष्व
- ६ रिरदिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
रिरदिषाम्बभूव रिरदिषामास
- ७ रिरदिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरदिषिष्या-
मि वः मः (अरिरदिषिष्या-व म
- १० अरिरदिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

२९७ गद् (गद्) व्यक्तायां वाचि ।

- १ जिगदिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगदिषा-मि वः मः
- २ जिगदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगदिषा-णि व म
- ४ अजिगदिष-त् ताम् नः तम् तम् अजिगदिषा-व म
- ५ अजिगदि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ जिगदिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
जिगदिषाश्चकार जिगदिषामास
- ७ जिगदिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगदिषिष्या-
मि वः मः (अजिगदिषिष्या-व म
- १० अजिगदिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

२९९ णद् (नद्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ निनदिष-ति तः न्ति सि थः थ निनदिषा-मि वः मः
- २ निनदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनदिषा-णि व म
- ४ अनिनदिष-त् ताम् नः तम् तम् अनिनदिषा-व म
- ५ अनिनदि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
कृम विष्व विष्व
- ६ निनदिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
निनदिषाम्बभूव निनदिषामास
- ७ निनदिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनदिषि-
ष्या-मि वः मः (अनिनदिषिष्या-व म
- १० अनिनदिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

३०० जिह्विदा (जिह्व्) अव्यक्ते शब्दे ।

१ जिह्विदिष-ति तः न्ति सि थः थ जिह्विदिषा-मि वः मः

२ जिह्विदिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ जिह्विदिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
षा-व म जिह्विदिषा-णि व म

४ अजिह्विदिष-त्ताम् न् : तम् तम् अजिह्विदि

५ अजिह्विदि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्म

६ जिह्विदिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृष

जिह्विदिषाम्बभूव जिह्विदिषामास

७ जिह्विदिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जिह्विदिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ जिह्विदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिह्विदिषि-
ष्या-मि वः मः (अजिह्विदिषिष्या-व म

१० अजिह्विदिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

३०२ नर्द (नर्द्) शब्दे ।

१ निनर्दिष-ति तः न्ति सि थः थ निनर्दिषा-मि वः मः

२ निनर्दिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ निनर्दिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
व म निनर्दिषा-णि व म

४ अनिनर्दिष-त्ताम् न् : तम् तम् अनिनर्दिषा-

५ अनिनर्दि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म

६ निनर्दिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
निनर्दिषाश्चकार निनर्दिषामास

७ निनर्दिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ निनर्दिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ निनर्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनर्दिषिष्या-
-मि वः मः (अनिनर्दिषिष्या-व म

१० अनिनर्दिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

३३ गर्द (गर्द्) शब्दे । गर्द ३०२ वद्रूपाणि

३०१ अर्द (अर्द्) गतियाचनयोः ।

१ अर्दिदिष-ति तः न्ति सि थः थ अर्दिदिषा-मि वः मः

२ अर्दिदिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ अर्दिदिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
अर्दिदिषा-णि व म

४ आर्दिदिष-त्ताम् न् : तम् तम् आर्दिदिषा-व म

५ आर्दिदि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म

६ अर्दिदिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
अर्दिदिषाश्चकार अर्दिदिषाम्बभूव

७ अर्दिदिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ अर्दिदिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ अर्दिदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अर्दिदिषिष्या-
मि वः मः (आर्दिदिषिष्या-व म

१० आर्दिदिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

३४ गर्द (गर्द्) शब्दे ।

१ जिगर्दिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगर्दिषा-मि वः मः

२ जिगर्दिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ जिगर्दिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
जिगर्दिषा-णि व म

४ अजिगर्दिष-त्ताम् न् : तम् तम् अजिगर्दिषा-व म

५ अजिगर्दि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म

६ जिगर्दिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृष कृम
जिगर्दिषाम्बभूव जिगर्दिषामास

७ जिगर्दिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जिगर्दिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ जिगर्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगर्दिषि-
ष्या-मि वः मः (अजिगर्दिषिष्या-व म

१० अजिगर्दिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

३०५ तर्द (तर्द) हिंसायाम् ।

- १ तितर्दिष-ति तः न्ति सि थः थ तितर्दिषा-मि वः मः
- २ तितर्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितर्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितर्दिषा-णि व म
- ४ अतितर्दिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतितर्दिषा-व म
- ५ अतितर्दि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ तितर्दिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
तितर्दिषाम्बभूव तितर्दिषामास
- ७ तितर्दिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितर्दिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितर्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितर्दिषि-
ष्या-मि वः मः (अतितर्दिषिष्या-व म
- १० अतितर्दिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३०७ खर्द (खर्द) दर्शने ।

- १ चिखर्दिष-ति तः न्ति सि थः थ चिखर्दिषा-मि वः मः
- २ चिखर्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखर्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिखर्दिषा-णि व म
- ४ अचिखर्दिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिखर्दिषा-व म
- ५ अचिखर्दि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ चिखर्दिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
चिखर्दिषाम्बभूव चिखर्दिषामास
- ७ चिखर्दिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखर्दिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखर्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखर्दिषिष्या-
मि वः मः (अचिखर्दिषिष्या-व म
- १० अचिखर्दिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३०६ कर्द (कर्द) कुत्सिते शब्दे ।

- १ चिकर्दिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकर्दिषा-मि वः मः
- २ चिकर्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकर्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकर्दिषा-णि व म
- ४ अचिकर्दिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकर्दिषा-व म
- ५ अचिकर्दि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिकर्दिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिकर्दिषाश्चकार चिकर्दिषामास
- ७ चिकर्दिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकर्दिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकर्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकर्दिषिष्या-
मि वः मः (अचिकर्दिषिष्या-व म
- १० अचिकर्दिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३०८ अर्दु (अर्दु) बन्धने ।

- १ अर्दिदिष-ति तः न्ति सि थः थ अर्दिदिषा-मि वः मः
- २ अर्दिदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अर्दिदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अर्दिदिषा-णि व म
- ४ आर्दिदिष-त् ताम् न् : तम् तम् आर्दिदिषा-व म
- ५ आर्दिदि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ अर्दिदिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
अर्दिदिषाम्बभूव अर्दिदिषामास
- ७ अर्दिदिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अर्दिदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अर्दिदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अर्दिदिषि-
ष्या-मि वः मः (आर्दिदिषिष्या-व म
- १० आर्दिदिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३०९ इडु (इन्द्) परमैश्वर्ये ।

- १ इन्दिदिष-ति तः न्ति सि थः थ इन्दिदिषा-मि वः मः
- २ इन्दिदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ इन्दिदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
इन्दिदिषा-णि व म
- ४ अइन्दिदिष-त् ताम् न् : तम् त म् अइन्दिदिषा-व म
- ५ अइन्दिदि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ इन्दिदिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थं कथुः क कार कर कृव
इन्दिदिषाम्बभूष इन्दिदिषामास
- ७ इन्दिदिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ इन्दिदिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ इन्दिदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ इन्दिदिषि
ष्या-मि वः मः (अइन्दिदिषिष्या-व म
- १० अइन्दिदिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३१० षिडु (विन्द्) अवयवे ।

- १ विविन्दिष-ति तः न्ति सि थः थ विविन्दिषा-मि वः मः
- विविन्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- विविन्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म विविन्दिषा-णि व म
- ४ अविविन्दिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविविन्दिषा
- ५ अविविन्दि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ विविन्दिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थं कथुः क कार कर कृव
विविन्दिषाम्बभूष विविन्दिषामास
- ७ विविन्दिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ विविन्दिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विविन्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विविन्दिषि-
ष्या-मि वः मः (अविविन्दिषिष्या-व म
- १० अविविन्दिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३११ णिडु (निन्द्) कुत्सायाम् ।

- १ निनिन्दिष-ति तः न्ति सि थः थ निनिन्दिषा-मि
वः मः
- २ निनिन्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनिन्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म निनिन्दिषा-णि व म
- ४ अनिनिन्दिष-त् ताम् न् : तम् त म् अनिनिन्दिषा-व
- ५ अनिनिन्दि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ निनिन्दिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
निनिन्दिषाश्चकार निनिन्दिषामास
- ७ निनिन्दिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ निनिन्दिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनिन्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनिन्दिषि
ष्या-मि वः मः (अनिनिन्दिषिष्या-व म
- १० अनिनिन्दिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३१२ टुनडु (नन्द्) समृद्धौ ।

- १ निनन्दिष-ति तः न्ति सि थः थ निनन्दिषा-मि वः मः
- २ निनन्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनन्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म निनन्दिषा-णि व म
- ४ अनिनन्दिष-त् ताम् न् : तम् त म् अनिनन्दिषा-
- ५ अनिनन्दि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ निनन्दिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थं कथुः क कार कर कृव
नininन्दिषाम्बभूष निनन्दिषामास
- ७ निनन्दिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ निनन्दिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनन्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनन्दिषिष्या
मि वः मः (अनिनन्दिषिष्या-व म
- १० अनिनन्दिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३१३ कटु (चन्द्) दीप्त्याह्लादनयोः ।

- १ चिचन्दिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचन्दिषा-मि वः म
- २ चिचन्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचन्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिचन्दिषा-णि व म
- ४ अचिचन्दिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिचन्दिषा-
- ५ अचिचन्दि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृष्व षिष्व षिष्व
- ६ चिचन्दिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
चिचन्दिषाम्बभूव चिचन्दिषामास
- ७ चिचन्दिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचन्दिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचन्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचन्दिषिष्या
-मि वः मः (अचिचन्दिषिष्या-व म
- १० अचिचन्दिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३१४ कटु (चन्द्) चेष्टायाम् ।

- १ तिचन्दिष-ति तः न्ति सि थः थ तिचन्दिषा मि वः मः
- २ तिचन्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिचन्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिचन्दिषा-णि व म
- ४ अतिचन्दिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतिचन्दिषा व म
- ५ अतिचन्दि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृष्व षिष्व षिष्व
- ६ तिचन्दिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तिचन्दिषाश्चकार तिचन्दिषाम्बभूव
- ७ तिचन्दिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिचन्दिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिचन्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिचन्दिषिष्या
-मि वः मः (अतिचन्दिषिष्या-व म
- १० अतिचन्दिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३१५ कटु (कन्द्) रोदनाह्लादनयोः ।

- १ चिकन्दिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकन्दिषा-मि वः म
- २ चिकन्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकन्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिकन्दिषा-णि व म
- ४ अचिकन्दिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकन्दिषा-
- ५ अचिकन्दि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृष्व षिष्व षिष्व
- ६ चिकन्दिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिकन्दिषाश्चकार चिकन्दिषामास
- ७ चिकन्दिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकन्दिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकन्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकन्दिषिष्या
-मि वः मः (अचिकन्दिषिष्या-व म
- १० अचिकन्दिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३१६ कटु (कन्द्) रोदनाह्लादनयोः ।

- १ चिक्रन्दिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्रन्दिषा-मि वः मः
- २ चिक्रन्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्रन्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म चिक्रन्दिषा-णि व म
- ४ अचिक्रन्दिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिक्रन्दिषा-व
- ५ अचिक्रन्दि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृष्व षिष्व षिष्व
- ६ चिक्रन्दिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
चिक्रन्दिषाम्बभूव चिक्रन्दिषामास
- ७ चिक्रन्दिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्रन्दिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्रन्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्रन्दिषि
ष्या-मि वः मः (अचिक्रन्दिषिष्या-व म
- १० अचिक्रन्दिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३१७ कलवु (कलन्द्) रोदनाह्वानयोः ।

- १ चिकलन्दिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकलन्दिषा-मि वः मः
- २ चिकलन्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकलन्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त व म चिकलन्दिषा-णि व म
- ४ अचिकलन्दिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकलन्दिषा-व म
- ५ अचिकलन्दि-धीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम् कृम षिष्व षिष्व
- ६ चिकलन्दिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः ककार कर कृव चिकलन्दिषाम्बभूव चिकलन्दिषामास
- ७ चिकलन्दिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकलन्दिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकलन्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकलन्दिषि ष्या-मि वः मः (अचिकलन्दिषिष्या-व म
- १० अचिकलन्दिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३१८ क्लिडु (क्लिन्द्) परिदेवने ।

- १ चिक्लिन्दिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्लिन्दिषा-मि वः मः
- २ चिक्लिन्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्लिन्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त व म चिक्लिन्दिषा-णि व म
- ४ अचिक्लिन्दिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिक्लिन्दिषा-व म
- ५ अचिक्लिन्दि-धीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम् षिष्व षिष्व
- ६ चिक्लिन्दिषाम्बभूव वतुः उः विथ दथुः व व विव विम चिक्लिन्दिषाश्चकार चिक्लिन्दिषामास
- ७ चिक्लिन्दिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्लिन्दिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्लिन्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्लिन्दिषि ष्या-मि वः मः (अचिक्लिन्दिषिष्या-व म
- १० अचिक्लिन्दिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३१९ स्कन्द् (स्कन्द्) गतिशोषणयोः ।

- १ चिस्कन्त्स-ति तः न्ति सि थः थ चिस्कन्त्सा-मि वः मः
- २ चिस्कन्त्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिस्कन्त्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त चिस्कन्त्सा-णि व म
- ४ अचिस्कन्त्स-त् ताम् न् : तम् तम् अचिस्कन्त्सा-व म
- ५ अचिस्कन्त्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम् कृम सिष्व सिष्व
- ६ चिस्कन्त्साश्च-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः ककार कर कृव चिस्कन्त्साम्बभूव चिस्कन्त्सामास
- ७ चिस्कन्त्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिस्कन्त्सिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिस्कन्त्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिस्कन्त्सि ष्या-मि वः मः (अचिस्कन्त्सिष्या-व म
- १० अचिस्कन्त्सिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३२० सिधू (सिध्) गत्याम् ।

- १ सिसिधिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसिधिषा-मि वः मः
- २ सिसिधिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसिधिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त म सिसिधिषा-णि व म
- ४ असिसिधिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिसिधिषा-व म
- ५ असिसिधि-धीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम् षिष्व षिष्व
- ६ सिसिधिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम सिसिधिषाश्चकार सिसिधिषाम्बभूव
- ७ सिसिधिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसिधिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसिधिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसिधिषि ष्या-मि वः मः (असिसिधिषिष्या-व म
- १० असिसिधिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम् पक्षे सिसि-स्थाने सिसे इति ज्ञेयम्
- ३१२ सिधौ (सिध्) शास्त्रमाङ्गल्ययोः ।
सिधू ३२० बहूपाणि

३२२ शुन्ध (शुन्ध्) शुद्धौ ।

- १ शुशुन्धिष-ति तः न्ति सि थः थ शुशुन्धिषा-मि वः मः
- २ शुशुन्धिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुशुन्धिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शुशुन्धिषा-णि व म
- ४ अशुशुन्धिष-त्ताम् नः तम् तम् अशुशुन्धिषा-व म
- ५ अशुशुन्धि-पीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ शुशुन्धिषाश्च-कारकतुः कृः कथं कथुः क कार कर कृव
शुशुन्धिषाम्बभूव शुशुन्धिषामास
- ७ शुशुन्धिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशुन्धिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुशुन्धिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुशुन्धिषि
ष्या-मि वः मः (अशुशुन्धिषिष्या-व म
- १० अशुशुन्धिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

३२३ स्तन (स्तन्) शब्दे ।

- १ तिस्तनिष-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तनिषा-मि वः
मः
- २ तिस्तनिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्तनिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
म तिस्तनिषा-णि व म
- ४ अतिस्तनिष-त्ताम् नः तम् तम् अतिस्तनिषा-व म
- ५ अतिस्तनि-पीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तिस्तनिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तिस्तनिषाश्चकार तिस्तनिषामास
- ७ तिस्तनिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्तनिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्तनिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तनिषिष्या-
मि वः मः (अतिस्तनिषिष्या-व म
- १० अतिस्तनिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

३२४ धन (धन्) शब्दे ।

- १ दिधनिष-ति तः न्ति सि थः थ दिधनिषा-मि वः मः
- २ दिधनिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधनिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दिधनिषा-णि व म
- ४ अदिधनिष-त्ताम् नः तम् तम् अदिधनिषा-व म
- ५ अदिधनि-पीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिधनिषाश्च-कारकतुः कृः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
दिधनिषाम्बभूव दिधनिषामास
- ७ दिधनिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधनिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधनिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिधनिषिष्या-
मि वः मः (अदिधनिषिष्या-व म
- १० अदिधनिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

३२५ ध्वन (ध्वन्) शब्दे ।

- १ दिध्वनिष-ति तः न्ति सि थः थ दिध्वनिषा-मि वः मः
- २ दिध्वनिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्वनिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दिध्वनिषा-णि व म
- ४ अदिध्वनिष-त्ताम् नः तम् तम् अदिध्वनिषा-व म
- ५ अदिध्वनि-पीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ दिध्वनिषाश्च-कारकतुः कृः कथं कथुः क कार कर कृव
दिध्वनिषाम्बभूव दिध्वनिषामास
- ७ दिध्वनिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्वनिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्वनिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिध्वनिषि-
ष्या-मि वः मः (अदिध्वनिषिष्या-व म
- १० अदिध्वनिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

३२६ चन (चन्) शब्दे ।

- १ चिचनिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचनिषा-मि वः मः
- २ चिचनिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचनिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचनिषा-णि व म
- ४ अचिचनिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिचनिषा-व म
- ५ अचिचनि-धीत् पिष्टम् पिष्टुः धीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
कृम पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ चिचनिषाञ्च-कार क्रतुः कृः कर्थं क्रथुः क कार कर कृव
चिचनिषाम्बभूव चिचनिषामास
- ७ चिचनिष्या-त् त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचनिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचनिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचनिषि
ष्या-मि वः मः (अचिचनिषिष्या-व म
- १० अचिचनिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३२७ स्वन (स्वन) शब्दे ।

- १ सिस्वनिष-ति तः न्ति सि थः थ सिस्वनिषा-मि
वः मः
- २ सिस्वनिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिस्वनिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म सिस्वनिषा-णि व म
- ४ असिस्वनिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिस्वनिषा-व
- ५ असिस्वनि-धीत् पिष्टम् पिष्टुः धीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
कृम पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ सिस्वनिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिस्वनिषाञ्चकार सिस्वनिषामास
- ७ सिस्वनिष्या-त् त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिस्वनिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिस्वनिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्वनिषि
ष्या-मि वः मः (असिस्वनिषिष्या-व म
- १० असिस्वनिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३२८ घन (घन्) शब्दे ।

- १ घिघनिष-ति तः न्ति सि थः थ घिघनिषा-मि वः मः
 - २ घिघनिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ घिघनिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
घिघनिषा-णि व म
 - ४ अघिघनिष-त् ताम् न् : तम् तम् अघिघनिषा-व म
 - ५ अघिघनि-धीत् पिष्टम् पिष्टुः धीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
कृम पिष्ट्व पिष्ट्म
 - ६ घिघनिषाञ्च-कार क्रतुः कृः कर्थं क्रथुः क कार कर कृव
घिघनिषाम्बभूव घिघनिषामास
 - ७ घिघनिष्या-त् त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ घिघनिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९ घिघनिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ घिघनिषि-
ष्या-मि वः मः (अघिघनिषिष्या-व म
 - १० अघिघनिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
- ३२९ वन (वन्) भक्तौ । वन ३२८ वद्रूपाणि

३३० घन (सन्) भक्तौ ।

- १ सिसनिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसनिषा-मि वः मः
- २ सिसनिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसनिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म सिसनिषा-णि व म
- ४ असिसनिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिसनिषा-व
- ५ असिसनि-धीत् पिष्टम् पिष्टुः धीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
कृम पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ सिसनिषाञ्च-कार क्रतुः कृः कर्थं क्रथुः क कार कर कृव
सिसनिषाम्बभूव सिसनिषामास
- ७ सिसनिष्या-त् त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसनिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसनिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसनिषिष्या-
मि वः मः (असिसनिषिष्या-व म
- १० असिसनिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३३१ कने (कन्) दीप्तिकान्तिगतिषु ।

१ चिकनिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकनिषा-मि वः मः

२ चिकनिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चिकनिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त

चिकनिषा-णि व म

४ अचिकनिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिकनिषा-व म

५ अचिकनि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्व

६ चिकनिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम

चिकनिषाश्चकार चिकनिषाम्बभूव

७ चिकनिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चिकनिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ चिकनिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकनिषिष्या-

-मि वः मः (अचिकनिषिष्या-व म

१० अचिकनिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

३३३ तप् (तप्) संतापे ।

१ तितप्स-ति तः न्ति सि थः थ तितप्सा-मि वः मः

२ तितप्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ तितप्स-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त

तितप्सा-णि व म

४ अतितप्स-त्ताम् नः तम् तम् अतितप्सा-व म

५ अतितप्-सीत्सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्

सिष्व सिष्व

६ तितप्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

तितप्साश्चकार तितप्सामास

७ तितप्स्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ तितप्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ तितप्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितप्सिष्या-मि वः

मः (अतितप्सिष्या-व म

१० अतितप्सिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

३३२ गुपौ (गुप्) रक्षणे ।

१ जुगोपायिषति तः न्ति सि थः थ जुगोपायिषा-मि वः मः

२ जुगोपायिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ जुगोपायिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त

व म जुगोपायिषा-णि व म

४ अजुगोपायिष-त्ताम् नः तम् तम् अजुगोपायिषा-

५ अजुगोपायि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्व

६ जुगोपायिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

जुगोपायिषाश्चकार जुगोपायिषामास

७ जुगोपायिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जुगोपायिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ जुगोपायिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगोपायिषि-

ष्या-मि वः मः (अजुगोपायिषिष्या-व म

१० अजुगोपायिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे जुगोपिषति, जुगुपिषति जुगुप्सति

३३४ धूप (धूप) संतापे ।

१ दुधूपिष-ति तः न्ति सि थः थ दुधूपिषा-मि वः मः

२ दुधूपिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ दुधूपिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त

दुधूपिषा-णि व म

४ अदुधूपिष-त्ताम् नः तम् तम् अदुधूपिषा-व म

५ अदुधूपि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्व

६ दुधूपिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम

दुधूपिषामास दुधूपिषाम्बभूव

७ दुधूपिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ दुधूपिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ दुधूपिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुधूपिषिष्या-मि

वः म (अदुधूपिषिष्या-व म

१० अदुधूपिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे दुधूपि-स्थाने दुधूपायि-इति ज्ञेयम्

३३५ रप (रप्) व्यक्ते वचने ।

- १ रिरपिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरपिषा-मि वः मः
- २ रिरपिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरपिष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
रिरपिषा-णि व म
- ४ अरिरपिष-त् ताम् न् : तम् तम् अरिरपिषा-व म
- ५ अरिरपि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरपिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
रिरपिषामास रिरपिषाम्बभूव
- ७ रिरपिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरपिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरपिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरपिषिष्या-मि
वः म (अरिरपिषिष्या-व म
- १० अरिरपिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३३७ जल्प (जल्प्) व्यक्ते वचने ।

- १ जिजलिपिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजलिपिषा-मि वः मः
- २ जिजलिपिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजलिपिष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
म जिजलिपिषा-णि व म
- ४ अजिजलिपिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिजलिपिषा-व
- ५ अजिजलिपि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिजलिपिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
जिजलिपिषाश्चकार जिजलिपिषामास
- ७ जिजलिपिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजलिपिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजलिपिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजलिपिषिष्या-
-मि वः मः (अजिजलिपिषिष्या-व म
- १० अजिजलिपिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३३६ लप (लप्) व्यक्ते वचने ।

- १ लिलिपिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलिपिषा-मि वः मः
- २ लिलिपिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलिपिष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
लिलिपिषा-णि व म
- ४ अलिलिपिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलिलिपिषा-व म
- ५ अलिलिपि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लिलिपिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लिलिपिषाश्चकार लिलिपिषाम्बभूव
- ७ लिलिपिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलिपिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलिपिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलिपिषिष्या-
-मि वः मः (अलिलिपिषिष्या-व म
- १० अलिलिपिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३३८ जप (जप्) मानसे च ।

- १ जिजपिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजपिषा-मि वः मः
- २ जिजपिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजपिष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
जिजपिषा-णि व म
- ४ अजिजपिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिजपिषा-व म
- ५ अजिजपि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिजपिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
जिजपिषाश्चकार जिजपिषामास
- ७ जिजपिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजपिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजपिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजपिषिष्या-
मि वः मः (अजिजपिषिष्या-व म
- १० अजिजपिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३३९ चप (चप्) सान्त्वने ।

- १ चिचपिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचपिषा-मि वः मः
- २ चिचपिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचपिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
-व म चिचपिषा-णि व म
- ४ अचिचपिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिचपिषा-व म
- ५ अचिचपि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिचपिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिचपिषामास चिचपिषाश्चकार
- ७ चिचपिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचपिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचपिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचपिषिष्या-मि वः मः
(अचिचपिषिष्या-व म
- १० अचिचपिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३४० षप (सप्) समवाये ।

- १ सिसपिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसपिषा-मि वः मः
- २ सिसपिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसपिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
सिसपिषा-णि व म
- ४ असिसपिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिसपिषा-व म
- ५ असिसपि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिसपिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसपिषामास सिसपिषाश्चकार
- ७ सिसपिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसपिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसपिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसपिषिष्या-मि वः मः
(असिसपिषिष्या-व म
- १० असिसपिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३४१ सृप् (सृप्) गतौ ।

- १ सिसृप्स-ति तः न्ति सि थः थ सिसृप्सा-मि वः मः
- २ सिसृप्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसृप्स-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
सिसृप्सा-नि व म
- ४ असिसृप्स-त् ताम् न् : तम् तम् असिसृप्सा-व म
- ५ असिसृप्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ सिसृप्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
सिसृप्साश्चकार सिसृप्साम्बभूव
- ७ सिसृप्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसृप्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसृप्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसृप्सिष्या-मि वः मः
(असिसृप्सिष्या-व म
- १० असिसृप्सिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३४२ चुप (चुप्) मन्दायां गतौ ।

- १ चुचुपिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचुपिषा-मि वः मः
- २ चुचुपिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचुपिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
चुचुपिषा-णि व म
- ४ अचुचुपिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुचुपिषा-व म
- ५ अचुचुपि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुचुपिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुचुपिषामास चुचुपिषाश्चकार
- ७ चुचुपिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचुपिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचुपिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचुपिषिष्या-मि वः मः
(अचुचुपिषिष्या-व म
- १० अचुचुपिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे चुचु-स्थाने चुचो-इति ज्ञेयम्

३४३ तुप् (तुप्) हिंसायाम् ।

- १ तुतुपिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतुपिषा-मि वः मः
- २ तुतुपिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुपिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
-व म तुतुपिषा-णि व म
- ४ अतुतुपिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतुतुपिषा-
- ५ अतुतुपि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ तुतुपिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुतुपिषामास तुतुपिषाश्चकार
- ७ तुतुपिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुपिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुपिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतुपिषिष्या-मि
वः मः (अतुतुपिषिष्या-व म
- १० अतुतुपिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म
पक्षे तुतु-स्थाने ततो-इति ज्ञेयम्

३४४ तुम्प (तुम्प) हिंसायाम् ।

- १ तुतुम्पिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतुम्पिषा-मि वः मः
- २ तुतुम्पिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुम्पिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतुम्पिषा-णि व म
- ४ अतुतुम्पिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतुतुम्पिषा-व म
- ५ अतुतुम्पि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ तुतुम्पिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तुतुम्पिषाश्चकार तुतुम्पिषाम्बभूव
- ७ तुतुम्पिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुम्पिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुम्पिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतुम्पिषिष्या-मि
वः मः (अतुतुम्पिषिष्या-व म
- १० अतुतुम्पिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

३४५ त्रुप (त्रुप) हिंसायाम् ।

- १ त्रुतुपिष-ति तः न्ति सि थः थ त्रुतुपिषा-मि वः मः
- २ त्रुतुपिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ त्रुतुपिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
त्रुतुपिषा-णि व म
- ४ अत्रुतुपिष-त् ताम् न् : तम् तम् अत्रुतुपिषा-व म
- ५ अत्रुतुपि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ त्रुतुपिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
त्रुतुपिषाश्चकार त्रुतुपिषामास
- ७ त्रुतुपिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ त्रुतुपिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ त्रुतुपिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ त्रुतुपिषिष्या-मि वः
मः (अत्रुतुपिषिष्या-व म
- १० अत्रुतुपिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

३४६ त्रुम्प (त्रुम्प) हिंसायाम् ।

- १ त्रुतुम्पिष-ति तः न्ति सि थः थ त्रुतुम्पिषा-मि वः मः
- २ त्रुतुम्पिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ त्रुतुम्पिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
त्रुतुम्पिषा-णि व म
- ४ अत्रुतुम्पिष-त् ताम् न् : तम् तम् अत्रुतुम्पिषा-व म
- ५ अत्रुतुम्पि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ त्रुतुम्पिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
त्रुतुम्पिषाश्चकार त्रुतुम्पिषाम्बभूव
- ७ त्रुतुम्पिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ त्रुतुम्पिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ त्रुतुम्पिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ त्रुतुम्पिषिष्या-मि
वः मः (अत्रुतुम्पिषिष्या-व म
- १० अत्रुतुम्पिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

३४७ तुफ (तुफ्) हिंसायाम् ।

- १ तुतुफिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतुफिषा-मि वः मः
- २ तुतुफिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुफिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतुफिषा-णि व म
- ४ अतुतुफिष त्ताम् नः तम् तम् अतुतुफिषा-व म
- ५ अतुतुफि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष् व पिष्म
- ६ तुतुफिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कृष कृम
तुतुफिषाम्बभूव तुतुफिषामास
- ७ तुतुफिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुफिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुफिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतुफिषिष्या-मि
वः मः (अतुतुफिषिष्या-व म
- १० अतुतुफिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

३४९ त्रुफ (त्रुफ्) हिंसायाम् ।

- १ त्रुतुफिष-ति तः न्ति सि थः थ त्रुतुफिषा-मि वः मः
- २ त्रुतुफिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ त्रुतुफिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
त्रुतुफिषा-णि व म
- ४ अत्रुतुफिष त्ताम् नः तम् तम् अत्रुतुफिषा-व म
- ५ अत्रुतुफि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम षिष् व पिष्म
- ६ त्रुतुफिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कृष कृम
त्रुतुफिषाम्बभूव त्रुतुफिषामास
- ७ त्रुतुफिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ त्रुतुफिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ त्रुतुफिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ त्रुतुफिषिष्या-मि
वः मः (अत्रुतुफिषिष्या-व म
- १० अत्रुतुफिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

३४८ तुम्फ (तुम्फ्) हिंसायाम् ।

- १ तुतुम्फिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतुम्फिषा-मि वः मः
- २ तुतुम्फिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुम्फिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतुम्फिषा-णि व म
- ४ अतुतुम्फिष त्ताम् नः तम् तम् अतुतुम्फिषा-व म
- ५ अतुतुम्फि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष् व पिष्म
- ६ तुतुम्फिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुतुम्फिषाश्चकार तुतुम्फिषामास
- ७ तुतुम्फिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुम्फिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुम्फिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतुम्फिषिष्या-मि
वः मः (अतुतुम्फिषिष्या-व म
- १० अतुतुम्फिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

३५० त्रुम्फ (त्रुम्फ्) हिंसायाम् ।

- १ त्रुतुम्फिष-ति तः न्ति सि थः थ त्रुतुम्फिषा-मि वः मः
- २ त्रुतुम्फिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ त्रुतुम्फिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
त्रुतुम्फिषा-णि व म
- ४ अत्रुतुम्फिष त्ताम् नः तम् तम् अत्रुतुम्फिषा-व म
- ५ अत्रुतुम्फि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष् व पिष्म
- ६ त्रुतुम्फिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
त्रुतुम्फिषाश्चकार त्रुतुम्फिषाम्बभूव
- ७ त्रुतुम्फिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ त्रुतुम्फिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ त्रुतुम्फिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ त्रुतुम्फिषिष्या-मि
वः मः (अत्रुतुम्फिषिष्या-व म
- १० अत्रुतुम्फिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

३५१ षर्फ (षर्फ) गतौ ।

- १ विवर्फिष-ति तः न्ति सि थः थ विवर्फिषा-मि वः मः
- २ विवर्फिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवर्फिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विवर्फिषा-णि व म
- ४ अविवर्फिष-त्ताम् नः तम् तम् अविवर्फिषा-व म
- ५ अविवर्फि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवर्फिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव कृम
विवर्फिषाम्बभूव विवर्फिषामास
- ७ विवर्फिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवर्फिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवर्फिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवर्फिषिष्या-
मि वः मः (अविवर्फिषिष्या-व म
- १० अविवर्फिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

३५३ रफु (रम्फ) गतौ ।

- १ रिरम्फिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरम्फिषा-मि वः मः
- २ रिरम्फिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरम्फिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरम्फिषा-णि व म
- ४ अरिरम्फिष-त्ताम् नः तम् तम् अरिरम्फिषा-व म
- ५ अरिरम्फि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरम्फिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रिरम्फिषाश्चकार रिरम्फिषामास
- ७ रिरम्फिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरम्फिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरम्फिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरम्फिषिष्या-
मि वः मः (अरिरम्फिषिष्या-व म
- १० अरिरम्फिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

३५२ रिफ (रिफ) गतौ ।

- १ रिरिफिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरिफिषा-मि वः मः
- २ रिरिफिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरिफिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरिफिषा-णि व म
- ४ अरिरिफिष-त्ताम् नः तम् तम् अरिरिफिषा-व म
- ५ अरिरिफि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ रिरिफिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव
रिरिफिषाम्बभूव रिरिफिषामास
- ७ रिरिफिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरिफिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरिफिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरिफिषिष्या-
मि वः मः (अरिरिफिषिष्या-व म
- १० अरिरिफिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

३५४ अर्व (अर्व) गतौ ।

- १ अर्विविष-ति तः न्ति सि थः थ अर्विविषा-मि वः मः
- २ अर्विविषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अर्विविष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
अर्विविषा-णि व म
- ४ आर्विविष-त्ताम् नः तम् तम् आर्विविषा-व म
- ५ आर्विवि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ अर्विविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
अर्विविषाश्चकार अर्विविषाम्बभूव
- ७ अर्विविष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अर्विविषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अर्विविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अर्विविषिष्या-
मि वः मः (आर्विविषिष्या-व म
- १० आर्विविषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

३५५ कर्ब (कर्व) गतौ ।

- १ चिकर्विष-ति तः न्ति सि थः थ चिकर्विषा-मि वः मः
- २ चिकर्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकर्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकर्विषा-णि व म
- ४ अचिकर्विष-त् ताम् न्ः तम् तम् अचिकर्विषा-व म
- ५ अचिकर्वि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चिकर्विषाम्भू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिकर्विषामास चिकर्विषाश्चकार
- ७ चिकर्विष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकर्विषिता- " रौ रः सि स्थः थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकर्विषिष्या-
मि वः मः (अचिकर्विषिष्या-व म
- १० अचिकर्विषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

३५६ खर्व (खर्व) गतौ ।

- १ चिखर्विष-ति तः न्ति सि थः थ चिखर्विषा-मि वः मः
- २ चिखर्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखर्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिखर्विषा-णि व म
- ४ अचिखर्विष-त् ताम् न्ः तम् तम् अचिखर्विषा-व म
- ५ अचिखर्वि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चिखर्विषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिखर्विषाश्चकार चिखर्विषाम्भूव
- ७ चिखर्विष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखर्विषिता- " रौ रः सि स्थः थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखर्विषिष्या-
मि वः मः (अचिखर्विषिष्या-व म
- १० अचिखर्विषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

३५७ गर्ब (गर्व) गतौ ।

- १ जिगर्विष-ति तः न्ति सि थः थ जिगर्विषा-मि वः मः
- २ जिगर्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगर्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगर्विषा-णि व म
- ४ अजिगर्विष-त् ताम् न्ः तम् तम् अजिगर्विषा-व म
- ५ अजिगर्वि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ जिगर्विषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिगर्विषाश्चकार जिगर्विषाम्भूव
- ७ जिगर्विष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगर्विषिता- " रौ रः सि स्थः थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगर्विषिष्या-
मि वः मः (अजिगर्विषिष्या-व म
- १० अजिगर्विषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

३५८ चर्व (चर्व) गतौ ।

- १ चिचर्विष-ति तः न्ति सि थः थ चिचर्विषा-मि वः मः
- २ चिचर्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचर्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचर्विषा-णि व म
- ४ अचिचर्विष-त् ताम् न्ः तम् तम् अचिचर्विषा-व म
- ५ अचिचर्वि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चिचर्विषाम्भू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिचर्विषाश्चकार चिचर्विषामास
- ७ चिचर्विष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचर्विषिता- " रौ रः सि स्थः थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचर्विषिष्या-
मि वः मः (अचिचर्विषिष्या-व म
- १० अचिचर्विषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

३५९ तर्ब (तर्ब) गतौ ।

- १ तितर्बिष-ति तः न्ति सि थः थ तितर्बिषा-मि वः मः
- २ तितर्बिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितर्बिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितर्बिषा-णि व म
- ४ अतितर्बिष-त् ताम् नः तम् तम् अतितर्बिषा-व म
- ५ अतितर्बि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ तितर्बिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तितर्बिषामास तितर्बिषाश्चकार
- ७ तितर्बिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितर्बिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितर्बिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितर्बिषिष्या-
मि वः मः (अतितर्बिषिष्या-व म
- १० अतितर्बिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

३६० नर्ब (नर्ब) गतौ ।

- १ निनर्बिष-ति तः न्ति सि थः थ निनर्बिषा-मि वः मः
- २ निनर्बिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनर्बिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनर्बिषा-णि व म
- ४ अनिनर्बिष-त् ताम् नः तम् तम् अनिनर्बिषा-व म
- ५ अनिनर्बि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ निनर्बिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
निनर्बिषाश्चकार निनर्बिषाम्बभूव
- ७ निनर्बिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनर्बिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनर्बिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनर्बिषिष्या-
मि वः मः (अनिनर्बिषिष्या-व म
- १० अनिनर्बिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

३६१ पर्व (पर्व) गतौ ।

- १ पिपर्विष-ति तः न्ति सि थः थ पिपर्विषा-मि वः मः
- २ पिपर्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपर्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपर्विषा-णि व म
- ४ अपिपर्विष-त् ताम् नः तम् तम् अपिपर्विषा-व म
- ५ अपिपर्वि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ पिपर्विषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपर्विषाश्चकार पिपर्विषाम्बभूव
- ७ पिपर्विष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपर्विषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपर्विषिष्या-
मि वः मः (अपिपर्विषिष्या-व म
- १० अपिपर्विषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

३६२ बर्ब (बर्ब) गतौ ।

- १ बिबर्विष-ति तः न्ति सि थः थ बिबर्विषा-मि वः मः
- २ बिबर्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बिबर्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बिबर्विषा-णि व म
- ४ अबिबर्विष-त् ताम् नः तम् तम् अबिबर्विषा-व म
- ५ अबिबर्वि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ बिबर्विषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बिबर्विषाश्चकार बिबर्विषामास
- ७ बिबर्विष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिबर्विषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिबर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिबर्विषिष्या-मि
वः मः (अबिबर्विषिष्या-व म
- १० अबिबर्विषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

३६३ शर्ब (शर्ब) गतौ ।

- १ शिशर्बिष-ति तः न्ति सिथः थ शिशर्बिषा-मि वः म
- २ शिशर्बिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशर्बिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशर्बिषा-णि व म
- ४ अशिशर्बिष-त् ताम् न् : तम् त म् अशिशर्बिषा-व म
- ५ अशिशर्बि-धीत् पिष्टम् पिषुः धीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ शिशर्बिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कुष कृष
शिशर्बिषाम्बभूष शिशर्बिषामास
- ७ शिशर्बिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशर्बिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशर्बिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शिशर्बिषिष्या-
मि वः मः (अशिशर्बिषिष्या-व म
- १० अशिशर्बिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३६४ शर्ब (सर्व) गतौ ।

- १ सिसर्बिष-ति तः न्ति सिथः थ सिसर्बिषा-मि वः मः
 - २ सिसर्बिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ सिसर्बिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसर्बिषा-णि व म
 - ४ असिसर्बिष-त् ताम् न् : तम् त म् असिसर्बिषा-व म
 - ५ असिसर्बि-धीत् पिष्टम् पिषुः धीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
 - ६ सिसर्बिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
सिसर्बिषाञ्चकार सिसर्बिषाम्बभूष
 - ७ सिसर्बिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ सिसर्बिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९ सिसर्बिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ सिसर्बिषिष्या-
मि वः मः (असिसर्बिषिष्या-व म
 - १० असिसर्बिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
- ३६५ सर्व (सर्व) गतौ । शर्ब ३६४ वट्टपाणि

३६६ रिशु (रिम्ब) गतौ ।

- १ रिरिम्बिष-ति तः न्ति सिथः थ रिरिम्बिषा-मि वः मः
- २ रिरिम्बिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरिम्बिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म रिरिम्बिषा-णि व म
- ४ अरिरिम्बिष-त् ताम् न् : तम् त म् अरिरिम्बिषा-व म
- ५ अरिरिम्बि-धीत् पिष्टम् पिषुः धीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ रिरिम्बिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कुष कृष
रिरिम्बिषाम्बभूष रिरिम्बिषामास
- ७ रिरिम्बिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरिम्बिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरिम्बिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ रिरिम्बिषिष्या-
मि वः मः (अरिरिम्बिषिष्या-व म
- १० अरिरिम्बिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३६७ रशु (रम्ब) गतौ ।

- १ रिरिम्बिष-ति तः न्ति सिथः थ रिरिम्बिषा-मि वः म
- २ रिरिम्बिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरिम्बिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरिम्बिषा-णि व म
- ४ अरिरिम्बिष-त् ताम् न् : तम् त म् अरिरिम्बिषा-व म
- ५ अरिरिम्बि-धीत् पिष्टम् पिषुः धीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ रिरिम्बिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रिरिम्बिषाञ्चकार रिरिम्बिषामास
- ७ रिरिम्बिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरिम्बिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरिम्बिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ रिरिम्बिषिष्या-
मि वः मः (अरिरिम्बिषिष्या-व म
- १० अरिरिम्बिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३६८ कुबु (कुम्ब) आच्छादने ।

- १ चुकुम्बिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुम्बिषा-मि वः मः
- २ चुकुम्बिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकुम्बिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुम्बिषा-णि व म
- ४ अचुकुम्बिष-त् ताम् नः तम् त म् अचुकुम्बिषा-व म
- ५ अचुकुम्बि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चुकुम्बिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव कृम
चुकुम्बिषाम्बभूव चुकुम्बिषामास
- ७ चुकुम्बिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुम्बिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुम्बिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुम्बिषिष्या-
मि वः मः (अचुकुम्बिषिष्या-व म
- १० अचुकुम्बिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

३६९ लुबु (लुम्ब) अर्दने ।

- १ लुलुम्बिष-ति तः न्ति सि थः थ लुलुम्बिषा-मि वः मः
- २ लुलुम्बिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लुलुम्बिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलुम्बिषा-णि व म
- ४ अलुलुम्बिष-त् ताम् नः तम् त म् अलुलुम्बिषा-व म
- ५ अलुलुम्बि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ लुलुम्बिषामा-स सतुः सुः सि थः स स सि वः सि म
लुलुम्बिषाश्चकार लुलुम्बिषाम्बभूव
- ७ लुलुम्बिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलुम्बिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलुम्बिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलुम्बिषिष्या-
मि वः मः (अलुलुम्बिषिष्या-व म
- १० अलुलुम्बिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

३७० तुबु (तुम्ब) अर्दने ।

- १ तुतुम्बिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतुम्बिषा मि वः मः
- २ तुतुम्बिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुम्बिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतुम्बिषा-णि व म
- ४ अतुतुम्बिष-त् ताम् नः तम् त म् अतुतुम्बिषा-व म
- ५ अतुतुम्बि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ तुतुम्बिषाम्बभू-व वतुः वुः वि थः वथुः व व वि व वि म
तुतुम्बिषाश्चकार तुतुम्बिषामास
- ७ तुतुम्बिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुम्बिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुम्बिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतुम्बिषिष्या-
मि वः मः (अतुतुम्बिषिष्या-व म
- १० अतुतुम्बिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

३७१ चुबु (चुम्ब) वक्रसंयोगे ।

- १ चुचुम्बिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचुम्बिषा-मि वः मः
- २ चुचुम्बिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचुम्बिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचुम्बिषा-णि व म
- ४ अचुचुम्बिष-त् ताम् नः तम् त म् अचुचुम्बिषा-व म
- ५ अचुचुम्बि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
कृम विष्व विष्म
- ६ चुचुम्बिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव कृम
चुचुम्बिषाम्बभूव चुचुम्बिषामास
- ७ चुचुम्बिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचुम्बिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचुम्बिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचुम्बिषिष्या-
मि वः मः (अचुचुम्बिषिष्या-व म
- १० अचुचुम्बिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

३७२ सृभू (सृभू) हिंसायाम् ।

- १ सिसभिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसभिषा-मि वः मः
- २ सिसभिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसभिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म सिसभिषा-णि व म
- ४ असिसभिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिसभिषा-व म
- ५ असिसभि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिसभिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसभिषामास सिसभिषाश्चकार
- ७ सिसभिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसभिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसभिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसभिषिष्या-
मि वः मः (असिसभिषिष्या-व म
- १० असिसभिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३७३ सृम्भू (सृम्भू) हिंसायाम् ।

- १ सिसृम्भिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसृम्भिषा-मि वः मः
- २ सिसृम्भिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसृम्भिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म सिसृम्भिषा-णि व म
- ४ असिसृम्भिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिसृम्भिषा-व
- ५ असिसृम्भि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिसृम्भिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
सिसृम्भिषाश्चकार सिसृम्भिषाम्बभूव
- ७ सिसृम्भिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसृम्भिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसृम्भिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसृम्भिषिष्या-
मि वः मः (असिसृम्भिषिष्या-व म
- १० असिसृम्भिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३७४ स्त्रिभू (स्त्रिभू) हिंसायाम् ।

- १ स्त्रिभिष-ति तः न्ति सि थः थ स्त्रिभिषा-मि वः मः
- २ स्त्रिभिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ स्त्रिभिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म स्त्रिभिषा-णि व म
- ४ अस्त्रिभिष-त् ताम् न् : तम् तम् अस्त्रिभिषा-व
- ५ अस्त्रिभि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ स्त्रिभिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
स्त्रिभिषाश्चकार स्त्रिभिषाम्बभूव
- ७ स्त्रिभिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ स्त्रिभिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ स्त्रिभिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ स्त्रिभिषिष्या-
मि वः मः (अस्त्रिभिषिष्या-व म
- १० अस्त्रिभिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे स्त्रि-स्थाने स्त्रि-इति ज्ञेयम्

३७५ सिम्भ (सिम्भ) हिंसायाम् ।

- १ सिसिम्भिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसिम्भिषा-मि
वः मः
- २ सिसिम्भिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसिम्भिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म सिसिम्भिषा-णि व म
- ४ असिसिम्भिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिसिम्भिषा-व
- ५ असिसिम्भि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिसिम्भिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसिम्भिषाश्चकार सिसिम्भिषामास
- ७ सिसिम्भिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसिम्भिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसिम्भिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसिम्भिषि
ष्या-मि वः मः (असिसिम्भिषिष्या-व म
- १० असिसिम्भिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३७६ भर्म (भर्म) हिंसायाम् ।

- १ विभभिष-ति तः न्ति सि थः थ विभभिषा-मि वः मः
- २ विभभिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विभभिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विभभिषा-णि व म
- ४ अविभभिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अविभभिषा-व म
- ५ अविभभि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विभभिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विभभिषामास विभभिषाश्चकार
- ७ विभभिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विभभिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विभभिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विभभिषिष्या-
मि वः मः (अविभभिषिष्या-व म
- १० अविभभिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

३७८ यभ (यभ) मैथुने ।

- १ यियप्स-ति तः न्ति सि थः थ यियप्सा-मि वः मः
- २ यियप्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ यियप्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
यियप्सा-नि व म
- ४ अयियप्स-त् ताम् न्ः तम् तम् अयियप्सा-व म
- ५ अयियप्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ यियप्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
यियप्साश्चकार यियप्साम्बभूव
- ७ यियप्स्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ यियप्सिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ यियप्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ यियप्सिष्या-
मि वः मः (अयियप्सिष्या-व म
- १० अयियप्सिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

३७७ शुम्भ (शुम्भ) भाषणे च ।

- १ शुशुम्भिष-ति तः न्ति सि थः थ शुशुम्भिषा-मि वः मः
- २ शुशुम्भिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुशुम्भिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुशुम्भिषा-णि व म
- ४ अशुशुम्भिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अशुशुम्भिषा-व म
- ५ अशुशुम्भि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शुशुम्भिसामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शुशुम्भिसाश्चकार शुशुम्भिसाम्बभूव
- ७ शुशुम्भिस्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशुम्भिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुशुम्भिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुशुम्भिषिष्या-मि
वः मः (अशुशुम्भिषिष्या-व म
- १० अशुशुम्भिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

३७९ जभ (जभ) मैथुने ।

- १ जिजम्भिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजम्भिषा-मि वः मः
- २ जिजम्भिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजम्भिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म जिजम्भिषा-णि व म
- ४ अजिजम्भिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अजिजम्भिषा-व म
- ५ अजिजम्भि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिजम्भिसाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिजम्भिसाश्चकार जिजम्भिसामास
- ७ जिजम्भिस्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजम्भिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजम्भिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजम्भिषिष्या-
मि वः मः (अजिजम्भिषिष्या-व म
- १० अजिजम्भिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

३८० चम् (चम्) अदने ।

- १ चिचमिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचमिषा-मि वः मः
- २ चिचमिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचमिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचमिषा-णि व म
- ४ अचिचमिष-त्ताम् न्ः तम् तम् अचिचमिषा-व म
- ५ अचिचमि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
कृम पिष्व पिष्म
- ६ चिचमिषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
चिचमिषाम्बभूव चिचमिषामास
- ७ चिचमिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचमिषि
ष्या-मि वः मः (अचिचमिषिष्या-व म
- १० अचिचमिषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

३८१ छम् (छम्) अदने ।

- १ चिच्छमिष-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छमिषा-मि वः मः
- २ चिच्छमिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिच्छमिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
म चिच्छमिषा-णि व म
- ४ अचिच्छमिष-त्ताम् न्ः तम् तम् अचिच्छमिषा-व म
- ५ अचिच्छमि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
कृम पिष्व पिष्म
- ६ चिच्छमिषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
चिच्छमिषाम्बभूव चिच्छमिषामास
- ७ चिच्छमिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिच्छमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिच्छमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छमिषि
ष्या-मि वः मः (अचिच्छमिषिष्या-व म
- १० अचिच्छमिषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

३८२ जम् (जम्) अदने ।

- १ जिजमिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजमिषा-मि वः मः
- २ जिजमिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजमिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
म जिजमिषा-णि व म
- ४ अजिजमिष-त्ताम् न्ः तम् तम् अजिजमिषा-व म
- ५ अजिजमि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्व पिष्म
- ६ जिजमिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिजमिषाञ्चकार जिजमिषामास
- ७ जिजमिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजमिषिष्या
मि वः मः (अजिजमिषिष्या-व म
- १० अजिजमिषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

३८३ झम् (झम्) अदने ।

- १ जिझमिष-ति तः न्ति सि थः थ जिझमिषा-मि वः मः
- २ जिझमिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिझमिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिझमिषा-णि व म
- ४ अजिझमिष-त्ताम् न्ः तम् तम् अजिझमिषा-व म
- ५ अजिझमि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्व पिष्म
- ६ जिझमिषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जिझमिषाम्बभूव जिझमिषामास
- ७ जिझमिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिझमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिझमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिझमिषिष्या
मि वः मः (अजिझमिषिष्या-व म
- १० अजिझमिषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

३८४ जिम् (जिम्) अदने ।

- १ जिजिमिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजिमिषा-मि वः मः
- २ जिजिमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजिमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म जिजिमिषा-णि व म
- ४ अजिजिमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिजिमिषा-व म
- ५ अजिजिमि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष्व पिष्व
- ६ जिजिमिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिजिमिषाञ्चकार जिजिमिषामास
- ७ जिजिमिष्या-त् त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजिमिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजिमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजिमिषिष्या-मि वः
मः (अजिजिमिषिष्या-व म
- १० अजिजिमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे जिजि-स्थाने जिजे-इति ज्ञेयम्

३८५ क्रम् (क्रम्) पादविक्षेपे ।

- १ चिक्रमिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्रमिषा-मि वः मः
- २ चिक्रमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्रमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्रमिषा-णि व म
- ४ अचिक्रमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिक्रमिषा-व म
- ५ अचिक्रमि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ चिक्रमिषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
चिक्रमिषाम्बभूव चिक्रमिषामास
- ७ चिक्रमिष्या-त् त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्रमिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्रमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्रमिषि
ष्या-मि वः मः (अचिक्रमिषिष्या-व म
- १० अचिक्रमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३८६ यम् (यम्) उपरमे ।

- १ यियंस्त-ति तः न्ति सि थः थ यियंस्ता-मि वः मः
- २ यियंस्ते-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ यियंस्त-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
यियंस्ता-णि व म
- ४ अयियंस्त-त् ताम् न् : तम् तम् अयियंस्ता-व म
- ५ अयियं-सीत् सिष्टाम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ यियंस्ताञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
यियंताम्बभूव यियंतामास
- ७ यियंस्या-त् त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ यियंसिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ यियंसिष्य-ति तः न्ति सि थः थ यियंसिष्या-मि वः
मः (अयियंसिष्या-व म
- १० अयियंसिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३८७ स्यम् (स्यम्) शब्दे ।

- १ सिस्यमिष-ति तः न्ति सि थः थ सिस्यमिषा-मि वः मः
- २ सिस्यमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिस्यमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म सिस्यमिषा-णि व म
- ४ असिस्यमिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिस्यमिषा-व म
- ५ असिस्यमि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ सिस्यमिषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
सिस्यमिषाम्बभूव सिस्यमिषामास
- ७ सिस्यमिष्या-त् त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिस्यमिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिस्यमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्यमिषि
ष्या-मि वः मः (असिस्यमिषिष्या-व म
- १० असिस्यमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

३८' णम् (नम्) प्रकृत्ये ।

- १ निनंस-ति तः न्ति सि थः थ निनंसा-मि वः मः
- २ निनंसे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनंस-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनंसा-नि व म
- ४ अनिनंस-त्ताम् न् : तम् तम् अनिनंसा व म
- ५ अनिनं-सीत् सिष्टाम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठ
- ६ निनंसाञ्च-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव क्रम
निनंसाम्बभूव निनंसामास
- ७ निनंस्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनंसिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनंसिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनंसिष्या-मि वः
मः (अनिनंसिष्या-व म
- १० अनिनंसिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

३८९ षम् (सम्) वैकृत्ये ।

- १ सिसमिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसमिषा-मि वः मः
- २ सिसमिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसमिषा-णि व म
- ४ असिसमिष-त्ताम् न् : तम् तम् असिसमिषा-व म
- ५ असिसमि-षीत् षिष्टाम् षिष्ठुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्ठम्
क्रम षिष्ठ षिष्ठ
- ६ सिसमिषाञ्च-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
सिसमिषाम्बभूव सिसमिषामास
- ७ सिसमिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसमिषि-
ष्या-मि वः मः (असिसमिषिष्या-व म
- १० असिसमिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

३९० ष्टम् (स्तम्) वकृत्ये ।

- १ तिस्तमिष-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तमिषा-मि वः मः
- २ तिस्तमिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्तमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म तिस्तमिषा-णि व म
- ४ अतिस्तमिष-त्ताम् न् : तम् तम् अतिस्तमिषा-व म
- ५ अतिस्तमि-षीत् षिष्टाम् षिष्ठुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्ठम्
षिष्ठ षिष्ठ
- ६ तिस्तमिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तिस्तमिषाञ्चकार तिस्तमिषामास
- ७ तिस्तमिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्तमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्तमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तमिषिष्या-
मि वः मः (अतिस्तमिषिष्या-व म
- १० अतिस्तमिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

३९१ अम् (अम्) शब्दभक्त्योः ।

- १ अमिमिष-ति तः न्ति सि थः थ अमिमिषा-मि वः मः
 - २ अमिमिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ अमिमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अमिमिषा-णि व म
 - ४ आमिमिष-त्ताम् न् : तम् तम् आमिमिषा-व म
 - ५ आमिमि-षीत् षिष्टाम् षिष्ठुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्ठम्
क्रम षिष्ठ षिष्ठ
 - ६ अमिमिषाञ्च-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
अमिमिषाम्बभूव अमिमिषामास
 - ७ अमिमिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ अमिमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९ अमिमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अमिमिषि-
ष्या-मि वः मः (आमिमिषिष्या-व म
 - १० आमिमिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्
- ३९२ अम् (अम्) गतौ । अम् ३९१ वदूपाणि

३९३ द्रम (द्रम्) गतौ ।

- १ दिद्रमिष-ति तः न्ति सि थः थ दिद्रमिषा-मि वः मः
- २ दिद्रमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिद्रमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिद्रमिषा-णि व म
- ४ अदिद्रमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदिद्रमिषा-व म
- ५ अदिद्रमि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिद्रमिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थं कथुः क कार कर कृव कुम
दिद्रमिषाम्बभूव दिद्रमिषामास
- ७ दिद्रमिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिद्रमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिद्रमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिद्रमिषिष्या-मि
वः मः (अदिद्रमिषिष्या-व म
- १० अदिद्रमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३९५ मीम् (मीम्) गतौ ।

- १ मिमीमिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमीमिषा-मि वः मः
- २ मिमीमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमीमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमीमिषा-णि व म
- ४ अमिमीमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अमिमीमिषा-व म
- ५ अमिमीमि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कुम षिष्व षिष्व
- ६ मिमीमिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थं कथुः क कार कर कृव
मिमीमिषाम्बभूव मिमीमिषामास
- ७ मिमीमिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमीमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमीमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमीमिषि
ष्या-मि वः मः (अमिमीमिषिष्या-व म
- १० अमिमीमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३९४ हम्म (हम्म) गतौ ।

- १ जिहम्मिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहम्मिषा-मि वः मः
- २ जिहम्मिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहम्मिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म जिहम्मिषा-णि व म
- ४ अजिहम्मिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिहम्मिषा-व म
- ५ अजिहम्मि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कुम षिष्व षिष्व
- ६ जिहम्मिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थं कथुः क कार कर कृव
जिहम्मिषाम्बभूव जिहम्मिषामास
- ७ जिहम्मिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहम्मिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहम्मिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहम्मिषि
ष्या-मि वः मः (अजिहम्मिषिष्या-व म
- १० अजिहम्मिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३९६ गम्ह (गम्) गतौ ।

- १ जिगमिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगमिषा-मि वः मः
- २ जिगमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगमिषा-णि व म
- ४ अजिगमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिगमिषा-व म
- ५ अजिगमि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कुम षिष्व षिष्व
- ६ जिगमिषाम्बभू-व वतुः वः विथ वथुः व व विव विम
जिगमिषाश्चकार जिगमिषामास
- ७ जिगमिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगमिषिष्या
-मि वः मः (अजिगमिषिष्या-व म
- १० अजिगमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

३९७ हय (हय्) क्लान्तौ च ।

- १ जिहयिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहयिषा-मि वः मः
- २ जिहयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहयिषा-णि व म
- ४ अजिहयिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिहयिषा-व म
- ५ अजिहयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिहयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिहयिषाश्चकार जिहयिषाम्बभूव
- ७ जिहयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहयिषिष्या-
-मि वः मः (अजिहयिषिष्या-व म
- १० अजिहयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

३९८ हर्य (हर्य) क्लान्तौ च ।

- १ जिहयिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहयिषा-मि वः मः
- २ जिहयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहयिषा-णि व म
- ४ अजिहयिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिहयिषा-व म
- ५ अजिहयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिहयिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कुवकुंम
जिहयिषामास जिहयिषाम्बभूव
- ७ जिहयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहयिषिष्या-
-मि वः मः (अजिहयिषिष्या-व म
- १० अजिहयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

३९९ मव्य (मव्य) बन्धने ।

- १ मिमव्यिष-ति तः त सि थः थ मिमव्यिषा-मि वः मः
- २ मिमव्यिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमव्यिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमव्यिषा-णि व म
- ४ अमिमव्यिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमव्यिषा-व म
- ५ अमिमव्यि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमव्यिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमव्यिषाश्चकार मिमव्यिषामास
- ७ मिमव्यिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमव्यिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमव्यिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमव्यिषिष्या-
मि वः मः (अमिमव्यिषिष्या-व म
- १० अमिमव्यिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

४०० सुक्ष्य (सुक्ष्य) इण्यर्थः ।

- १ सुसुक्ष्यिष-ति तः न्ति सि थः थ सुसुक्ष्यिषा-मि वः मः
- २ सुसुक्ष्यिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सुसुक्ष्यिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सुसुक्ष्यिषा-णि व म
- ४ असुसुक्ष्यिष-त्ताम् नः तम् तम् असुसुक्ष्यिषा-व म
- ५ असुसुक्ष्यि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सुसुक्ष्यिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सुसुक्ष्यिषाश्चकार सुसुक्ष्यिषामास
- ७ सुसुक्ष्यिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सुसुक्ष्यिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सुसुक्ष्यिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सुसुक्ष्यिषि-
ष्या-मि वः मः (असुसुक्ष्यिषिष्या-व म
- १० असुसुक्ष्यिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

४०१ ईर्क्ष्य (ईर्क्ष्य) ईर्क्ष्यार्थः ।

- १ ईर्क्ष्यिष-ति तः न्ति सि थः थ ईर्क्ष्यिषा-मि वः
मः
- २ ईर्क्ष्यिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ईर्क्ष्यिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ईर्क्ष्यिषा-णि व म
- ४ अर्क्ष्यिष-त् ताम् नः तम् त म अर्क्ष्यिषा-व म
- ५ अर्क्ष्यि-धीत् विष्टम् विष्टुः धीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ ईर्क्ष्यिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
ईर्क्ष्यिषाश्चकार ईर्क्ष्यिषामास
- ७ ईर्क्ष्यिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ईर्क्ष्यिषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ईर्क्ष्यिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ईर्क्ष्यिषिष्या-मि वः मः
(अर्क्ष्यिषिष्या-व म
- १० अर्क्ष्यिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

४०२ ईर्ष्य (ईर्ष्य) ईर्ष्यार्थः ।

- १ ईर्ष्यिष-ति तः न्ति सि थः थ ईर्ष्यिषा-मि वः मः
- २ ईर्ष्यिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ईर्ष्यिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ईर्ष्यिषा-णि व म
- ४ अर्ष्यिष-त् ताम् नः तम् त म अर्ष्यिषा-व म
- ५ अर्ष्यि-धीत् विष्टम् विष्टुः धीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
कृम विष्ट्व विष्ट्व
- ६ ईर्ष्यिषाश्च-कार कृतुः कृः कथं कथुः क कार कर कृव
ईर्ष्यिषामास ईर्ष्यिषाम्बभू
- ७ ईर्ष्यिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ईर्ष्यिषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ईर्ष्यिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ईर्ष्यिषिष्या-मि वः मः
(अर्ष्यिषिष्या-व म
- १० अर्ष्यिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

४०७ शुच्य (शुच्य) अभिषवे ।

- १ शुच्यिष-ति तः त सि थः थ शुच्यिषा-मि वः मः
- २ शुच्यिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुच्यिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुच्यिषा-णि व म
- ४ अशुच्यिष-त् ताम् नः तम् त म अशुच्यिषा-व म
- ५ अशुच्यि-धीत् विष्टम् विष्टुः धीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ शुच्यिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शुच्यिषाश्चकार शुच्यिषामास
- ७ शुच्यिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुच्यिषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुच्यिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुच्यिषिष्या-मि वः मः
(अशुच्यिषिष्या-व म
- १० अशुच्यिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

४०८ चुच्यै (चुच्य) अभिषवे ।

- १ चुच्यिष-ति तः न्ति सि थः थ चुच्यिषा-मि वः मः
- २ चुच्यिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुच्यिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुच्यिषा-णि व म
- ४ अचुच्यिष-त् ताम् नः तम् त म अचुच्यिषा-व म
- ५ अचुच्यि-धीत् विष्टम् विष्टुः धीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ चुच्यिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चुच्यिषाश्चकार चुच्यिषाम्बभू
- ७ चुच्यिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुच्यिषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुच्यिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुच्यिषिष्या-मि वः मः
(अचुच्यिषिष्या-व म
- १० अचुच्यिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

४०५ त्सर (त्सर्) छद्वागतौ ।

- १ तित्सरिष-ति तः न्ति सि थः थ तित्सरिषा-मि वः मः
- २ तित्सरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तित्सरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तित्सरिषा-णि व म
- ४ अतित्सरिष-त् ताम् न् : तम् त म् अतित्सरिषा-व म
- ५ अतित्सरि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तित्सरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तित्सरिषाश्चकार तित्सरिषामास
- ७ तित्सरिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ तित्सरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तित्सरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तित्सरिषिष्या-
मि वः मः (अतित्सरिषिष्या-व म
- १० अतित्सरिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४०७ अत्र (अत्र्) गतौ ।

- १ आविअत्रिष-ति तः न्ति सि थः थ आविअत्रिषा-मि वः मः
- २ आविअत्रिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ आविअत्रिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अविअत्रिषा-णि व म
- ४ आविअत्रिष-त् ताम् न् : तम् त म् आविअत्रिषा-व म
- ५ आविअत्रि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ आविअत्रिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अविअत्रिषाश्चकार अविअत्रिषामास
- ७ आविअत्रिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ आविअत्रिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ आविअत्रिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ आविअत्रिषिष्या-
मि वः मः (आविअत्रिषिष्या-व म
- १० आविअत्रिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४०६ कमर (कमर्) ह्रस्वने ।

- १ चिकमरिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकमरिषा-मि वः मः
- २ चिकमरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकमरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकमरिषा-णि व म
- ४ अचिकमरिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचिकमरिषा-व म
- ५ अचिकमरि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिकमरिषाश्चकार क्तुः क्तुः कथं कथुः क वार कर कुवकृम
चिकमरिषामास चिकमरिषाम्बभूव
- ७ चिकमरिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ चिकमरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकमरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकमरिषिष्या-
मि वः मः (अचिकमरिषिष्या-व म
- १० अचिकमरिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४०८ वत्र (वत्र्) गतौ ।

- १ विवत्रिष-ति तः न्ति सि थः थ विवत्रिषा-मि वः मः
- २ विवत्रिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवत्रिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवत्रिषा-णि व म
- ४ अविवत्रिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविवत्रिषा-व म
- ५ अविवत्रि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवत्रिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवत्रिषाश्चकार विवत्रिषाम्बभूव
- ७ विवत्रिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ विवत्रिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवत्रिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवत्रिषिष्या-
मि वः मः (अविवत्रिषिष्या-व म
- १० अविवत्रिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४१९ मञ्ज (मञ्ज) गतौ ।

- १ मिमञ्जिष-तितः न्ति सिथः थ मिमञ्जिषा-मिवः मः
- २ मिमञ्जिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमञ्जिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
मिमञ्जिषा-णि व म
- ४ अमिमञ्जिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमञ्जिषा-व म
- ५ अमिमञ्जि-षीत्षिष्टाम् पिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट पिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ मिमञ्जिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
मिमञ्जिषाञ्चकार मिमञ्जिषाम्बभूव
- ७ मिमञ्जिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमञ्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमञ्जिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ मिमञ्जिषिष्या-मि
वः मः (अमिमञ्जिषिष्या-व म
- १० अमिमञ्जिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४१० चर (चर्) भक्षणे च ।

- १ चिचरिष-तितः न्ति सिथः थ चिचरिषा-मिवः मः
- २ चिचरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
चिचरिषा-णि व म
- ४ अचिचरिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिचरिषा-व म
- ५ अचिचरि-षीत्षिष्टाम् पिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट पिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ चिचरिषाञ्चकार कतुः कः कथं कथुः क कार कर कृवकृम
चिचरिषामास चिचरिषाम्बभूव
- ७ चिचरिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचरिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ चिचरिषिष्या-मि
वः म (अचिचरिषिष्या-व म
- १० अचिचरिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४११ धोरु (धोर) गतेध्यातुयें ।

- १ दुधोरिष-तितः न्ति सिथः थ दुधोरिषा-मिवः मः
- २ दुधोरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुधोरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
दुधोरिषा-णि व म
- ४ अदुधोरिष-त्ताम् नः तम् तम् अदुधोरिषा-व म
- ५ अदुधोरि-षीत्षिष्टाम् पिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट पिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ दुधोरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दुधोरिषाञ्चकार दुधोरिषामास
- ७ दुधोरिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुधोरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुधोरिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ दुधोरिषिष्या-मि
वः मः (अदुधोरिषिष्या-व म
- १० अदुधोरिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४१२ खोरु (खोर) गतेःप्रतीघाते ।

- १ चुखोरिष-तितः न्ति सिथः थ चुखोरिषा-मिवः मः
- २ चुखोरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुखोरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
चुखोरिषा-णि व म
- ४ अचुखोरिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुखोरिषा-व म
- ५ अचुखोरि-षीत्षिष्टाम् पिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट पिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ चुखोरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुखोरिषाञ्चकार चुखोरिषामास
- ७ चुखोरिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुखोरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुखोरिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ चुखोरिषिष्या-मि
मिवः मः (अचुखोरिषिष्या-व म
- १० अचुखोरिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४१३ दल (दल्) विशरणे ।

- १ दिदलिष-ति तः न्ति सि थः थ दिदलिषा-मि वः मः
- २ दिदलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदलिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदलिषा-णि व म
- ४ अदिदलिष-त्ताम् नः तम् तम् अदिदलिषा-व म
- ५ अदिदलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ दिदलिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
दिदलिषाम्बभूव दिदलिषामास
- ७ दिदलिष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदलिषिष्या-
मि वः मः (अदिदलिषिष्या-व म
- १० अदिदलिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४१४ झिकला (फल्) विशरणे ।

- १ पिफलिष-ति तः न्ति सि थः थ पिफलिषा-मि वः मः
- २ पिफलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिफलिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पिफलिषा-णि व म
- ४ अपिफलिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिफलिषा-व म
- ५ अपिफलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ पिफलिषाम्बभू-वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
पिफलिषाश्चकार पिफलिषामास
- ७ पिफलिष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिफलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिफलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिफलिषिष्या-
मि वः मः (अपिफलिषिष्या-व म
- १० अपिफलिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४१५ मील (मील्) निमेषणे ।

- १ मिमीलिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमीलिषा-मि वः मः
- २ मिमीलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमीलिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमीलिषा-णि व म
- ४ अमिमीलिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमीलिषा-व म
- ५ अमिमीलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ मिमीलिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
मिमीलिषाम्बभूव मिमीलिषामास
- ७ मिमीलिष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमीलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमीलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमीलिषि-
ष्या-मि वः मः (अमिमीलिषिष्या-व म
- १० अमिमीलिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४१६ शमील (शमील्) निमेषणे ।

- १ शिशमीलिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशमीलिषा-मि वः
मः
- २ शिशमीलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशमीलिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
व म शिशमीलिषा-णि व म
- ४ अशिशमीलिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिशमीलिषा-
व म
- ५ अशिशमीलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ शिशमीलिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
शिशमीलिषाम्बभूव शिशमीलिषामास
- ७ शिशमीलिष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशमीलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशमीलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशमीलिषि-
ष्या-मि वः मः (अशिशमीलिषिष्या-व म
- १० अशिशमीलिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४१७ स्मील (स्मील) निमेषणे ।

१सिस्मीलिष-ति तः न्ति सि थः थ सिस्मीलिषा-मि वः
मः

२ सिस्मीलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ सिस्मीलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म सिस्मीलिषा-णि व म

४असिस्मीलिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिस्मीलिषा

५ असिस्मीलि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्

६ सिस्मीलिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
सिस्मीलिषामास सिस्मीलिषाञ्कार

७ सिस्मीलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ सिस्मीलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९सिस्मीलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्मीलिषि
ष्या-मि वः मः (असिस्मीलिषिष्या-व म

१०असिस्मीलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

४१९ पील (पील) प्रतिष्ठम्भे ।

१पिपीलिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपीलिषा-मि वः मः

२ पिपीलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ पिपीलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपीलिषा-णि व म

४अपिपीलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिपीलिषा-व म

५ अपिपीलि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्

६ पिपीलिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
पिपीलिषाञ्कार पिपीलिषामास

७ पिपीलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ पिपीलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९पिपीलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपीलिषिष्या-
मि वः मः (अपिपीलिषिष्या-व म

१०अपिपीलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

४१८ क्षमील (क्षमील) निमेषणे ।

१चिश्मीलिष-ति तः न्ति सि थः थ चिश्मीलिषा-मि वः
मः

२ चिश्मीलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चिश्मीलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिश्मीलिषा-णि व म

४अचिश्मीलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिश्मीलिषा-

५ अचिश्मीलि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्

६ चिश्मीलिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिश्मीलिषाञ्कार चिश्मीलिषाम्बभूव

७ चिश्मीलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चिश्मीलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९चिश्मीलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिश्मीलिषि-
ष्या-मि वः मः (अचिश्मीलिषिष्या-व म

१०अचिश्मीलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

४२० नील (नील) वर्णे ।

१निनीलिष-ति तः न्ति सि थः थ निनीलिषा-मि वः मः

२ निनीलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ निनीलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनीलिषा-णि व म

४अनिनीलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अनिनीलिषा-व म

५ अनिनीलि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्

६ निनीलिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
निनीलिषाञ्कार निनीलिषाम्बभूव

७ निनीलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ निनीलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९निनीलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनीलिषिष्या-
मि वः मः (अनिनीलिषिष्या-व म

१०अनिनीलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

४२१ शील (शील्) समाधौ ।

- १ शिशील्लिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशील्लिषा-मि वः मः
- २ शिशील्लिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशील्लिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
म शिशील्लिषा-णि व म
- ४ अशिशील्लिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिशील्लिषा-व म
- ५ अशिशील्लि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ शिशील्लिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
शिशील्लिषाम्बभूव शिशील्लिषामास
- ७ शिशील्लिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशील्लिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशील्लिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशील्लिषिष्या-
मि वः मः (अशिशील्लिषिष्या-व म
- १० अशिशील्लिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

४२३ कूल (कूल्) आचरणे ।

- १ चुकूलिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकूलिषा-मि वः मः
- २ चुकूलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकूलिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
चुकूलिषा-णि व म
- ४ अचुकूलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुकूलिषा-व म
- ५ अचुकूलि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ चुकूलिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
चुकूलिषाम्बभूव चुकूलिषामास
- ७ चुकूलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकूलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकूलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकूलिषिष्या-
मि वः मः (अचुकूलिषिष्या-व म
- १० अचुकूलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

४२२ कील (कील्) बन्धे ।

- १ चिकील्लिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकील्लिषा-मि वः मः
- २ चिकील्लिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकील्लिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
म चिकील्लिषा-णि व म
- ४ अचिकील्लिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकील्लिषा-व म
- ५ अचिकील्लि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ चिकील्लिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
चिकील्लिषाम्बभूव चिकील्लिषामास
- ७ चिकील्लिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकील्लिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकील्लिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकील्लिषि-
ष्या-मि वः मः (अचिकील्लिषिष्या-व म
- १० अचिकील्लिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

४२४ शूल (शूल्) रुजायाम् ।

- १ शुशूलिष-ति तः न्ति सि थः थ शुशूलिषा-मि वः मः
- २ शुशूलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुशूलिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
शुशूलिषा-णि व म
- ४ अशुशूलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशुशूलिषा-व म
- ५ अशुशूलि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ शुशूलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शुशूलिषाञ्चकार शुशूलिषामास
- ७ शुशूलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशूलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुशूलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुशूलिषिष्या-
मि वः मः (अशुशूलिषिष्या-व म
- १० अशुशूलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

४२५ तुल (तुल्) निष्कृषे ।

- १ तुल्लिष-ति तः न्ति सि थः थ तुल्लिषा-मि वः मः
- २ तुल्लिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुल्लिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तुल्लिषा-णि व म
- ४ अतुल्लिष-त्ताम् नः तम् तम् अतुल्लिषा-व म
- ५ अतुल्लि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्व विष्व
- ६ तुल्लिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुल्लिषामास तुल्लिषाश्चकार
- ७ तुल्लिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुल्लिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुल्लिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुल्लिषिष्या-मि वः मः
(अतुल्लिषिष्या-व म
- १० अतुल्लिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४२६ पूल (पूल्) संघाते ।

- १ पुप्लिष-ति तः न्ति सि थः थ पुप्लिषा-मि वः मः
- २ पुप्लिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुप्लिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पुप्लिषा-णि व म
- ४ अपुप्लिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुप्लिषा-व म
- ५ अपुप्लि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्व विष्व
- ६ पुप्लिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पुप्लिषाश्चकार पुप्लिषाम्बभूव
- ७ पुप्लिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुप्लिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुप्लिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुप्लिषिष्या-मि वः मः
(अपुप्लिषिष्या-व म
- १० अपुप्लिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४२७ मूल (मूल्) प्रतिष्ठायाम् ।

- १ मुमूलिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमूलिषा-मि वः मः
- २ मुमूलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमूलिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमूलिषा-णि व म
- ४ अमुमूलिष-त्ताम् नः तम् तम् अमुमूलिषा-व म
- ५ अमुमूलि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्व विष्व
- ६ मुमूलिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मुमूलिषाश्चकार मुमूलिषाम्बभूव
- ७ मुमूलिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमूलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमूलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमूलिषिष्या-मि वः मः
(अमुमूलिषिष्या-व म
- १० अमुमूलिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४२८ फल (फल्) निष्पत्तौ ।

- १ पिफलिष-ति तः न्ति सि थः थ पिफलिषा-मि वः मः
- २ पिफलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिफलिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पिफलिषा-णि व म
- ४ अपिफलिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिफलिषा-व म
- ५ अपिफलि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्व विष्व
- ६ पिफलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिफलिषाश्चकार पिफलिषामास
- ७ पिफलिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिफलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिफलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिफलिषिष्या-मि वः मः
(अपिफलिषिष्या-व म
- १० अपिफलिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४२९ फुल (फुल्ल) विकसने ।

- १ पुफुल्लिष-ति तः न्ति सि थः थ पुफुल्लिषा-मि वः मः
- २ पुफुल्लिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुफुल्लिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुफुल्लिषा-णि व म
- ४ अपुफुल्लिष-त् ताम् नः तम् तम् अपुफुल्लिषा-व म
- ५ अपुफुल्लि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पुफुल्लिषाश्च-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
पुफुल्लिषाम्बभूव पुफुल्लिषामास
- ७ पुफुल्लिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुफुल्लिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुफुल्लिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुफुल्लिषिष्या-
मि वः मः (अपुफुल्लिषिष्या-व म
- १० अपुफुल्लिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

४३० चुल (चुल्ल) हावकरणे ।

- १ चुचुल्लिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचुल्लिषा-मि वः मः
- २ चुचुल्लिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचुल्लिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचुल्लिषा-णि व म
- ४ अचुचुल्लिष-त् ताम् नः तम् तम् अचुचुल्लिषा-व म
- ५ अचुचुल्लि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ चुचुल्लिषाश्च-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः ककार कर कृव
चुचुल्लिषाम्बभूव चुचुल्लिषामास
- ७ चुचुल्लिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचुल्लिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचुल्लिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचुल्लिषिष्या-
मि वः मः (अचुचुल्लिषिष्या-व म
- १० अचुचुल्लिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

४३१ चिल्ल (चिल्ल) शैथिल्ये च ।

- १ चिचिल्लिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचिल्लिषा-मि वः
मः
- २ चिचिल्लिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचिल्लिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिचिल्लिषा-णि व म
- ४ अचिचिल्लिष-त् ताम् नः तम् तम् अचिचिल्लिषा-व म
- ५ अचिचिल्लि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिचिल्लिषामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
चिचिल्लिषाश्चकार चिचिल्लिषाम्बभूव
- ७ चिचिल्लिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचिल्लिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचिल्लिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचिल्लिषिष्या-
मि वः मः (अचिचिल्लिषिष्या-व म
- १० अचिचिल्लिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

४३२ पेल (पेल्ल) गतौ ।

- १ पिपेलिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपेलिषा-मि वः मः
- २ पिपेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपेलिषा-णि व म
- ४ अपिपेलिष-त् ताम् नः तम् तम् अपिपेलिषा-व म
- ५ अपिपेलि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपेलिषाम्बभू-व वतुः उः वि थ वथुः व व वि व वि म
पिपेलिषाश्चकार पिपेलिषामास
- ७ पिपेलिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपेलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपेलिषिष्या-
मि वः मः (अपिपेलिषिष्या-व म
- १० अपिपेलिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

४३३ फेल् (फेल्) गतौ ।

- १ पिफेलिष-ति तः न्ति सि थः थ पिफेलिषा-मि वः मः
 २ पिफेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ पिफेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 पिफेलिषा-णि व म
 ४ अपिफेलिष-त्ताम् नः तम् त म् अपिफेलिषा-व म
 ५ अपिफेलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ पिफेलिषाश्च-कार क्तुः क्तुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
 पिफेलिषामास पिफेलिषाम्बभूव
 ७ पिफेलिष्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ पिफेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ पिफेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिफेलिषिष्या-
 -मि वः मः (अपिफेलिषिष्या-व म
 १० अपिफेलिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

४३४ शेल् (शेल्) गतौ ।

- १ शिशेलिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशेलिषा-मि वः मः
 २ शिशेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ शिशेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 शिशेलिषा-णि व म
 ४ अशिशेलिष-त्ताम् नः तम् त म् अशिशेलिषा-व म
 ५ अशिशेलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ शिशेलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 शिशेलिषाश्चकार शिशेलिषामास
 ७ शिशेलिष्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ शिशेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ शिशेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशेलिषिष्या-
 मि वः मः (अशिशेलिषिष्या-व म
 १० अशिशेलिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

४३५ सेल् (सेल्) गतौ ।

- १ सिसेलिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसेलिषा-मि वः मः
 २ सिसेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ सिसेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 सिसेलिषा-णि व म
 ४ असिसेलिष-त्ताम् नः तम् त म् असिसेलिषा-व म
 ५ असिसेलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ सिसेलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 सिसेलिषाश्चकार सिसेलिषामास
 ७ सिसेलिष्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ सिसेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ सिसेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसेलिषि-
 ष्या-मि वः मः (असिसेलिषिष्या-व म
 १० असिसेलिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
 ४३६ सेल् (सेल्) गतौ । सेल् ४३५ बट्टपाणि

४३७ वेह्ल (वेह्ल) गतौ ।

- १ विवेह्लिष-ति तः न्ति सि थः थ विवेह्लिषा-मि वः मः
 २ विवेह्लिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ विवेह्लिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 विवेह्लिषा-णि व म
 ४ अविवेह्लिष-त्ताम् नः तम् त म् अविवेह्लिषा-व म
 ५ अविवेह्लि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ विवेह्लिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 विवेह्लिषाश्चकार विवेह्लिषाम्बभूव
 ७ विवेह्लिष्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ विवेह्लिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ विवेह्लिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवेह्लिषिष्या-
 -मि वः मः (अविवेह्लिषिष्या-व म
 १० अविवेह्लिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

४३८ सल (सल) गतौ ।

- १ सिसलिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसलिषा-मि वः मः
- २ सिसलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसलिषा-णि व म
- ४ असिसलिष-त् ताम् नः तम् त म असिसलिषा-व म
- ५ असिसलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिसलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसलिषाश्चकार सिसलिषामास
- ७ निसलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निसलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसलिषिष्या-
मि वः मः (असिसलिषिष्या-व म
- १० असिसलिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

४३९ तिल (तिल) गतौ ।

- १ तितिलिष-ति तः न्ति सि थः थ तितिलिषा-मि वः मः
- २ तितिलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितिलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितिलिषा-णि व म
- ४ अतितिलिष-त् ताम् नः तम् त म अतितिलिषा-व म
- ५ अतितिलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तितिलिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तितिलिषाश्चकार तितिलिषाम्बभूव
- ७ तितिलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितिलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितिलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितिलिषिष्या-
मि वः मः (अतितिलिषिष्या-व म
- १० अतितिलिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म
पक्षे तिति स्थाने तिते-इति ज्ञेयम्

४४० तिल (तिल) गतौ ।

- १ तितिलिष-ति तः न्ति सि थः थ तितिलिषा-मि वः मः
- २ तितिलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितिलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितिलिषा-णि व म
- ४ अतितिलिष-त् ताम् नः तम् त म अतितिलिषा-व म
- ५ अतितिलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तितिलिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः ककार कर कृष क्रम
तितिलिषाम्बभूव तितिलिषामास
- ७ तितिलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितिलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितिलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितिलिषिष्या-
मि वः मः (अतितिलिषिष्या-व म
- १० अतितिलिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

४४१ पल (पल) गतौ ।

- १ पिपलिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपलिषा-मि वः मः
- २ पिपलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपलिषा-णि व म
- ४ अपिपलिष-त् ताम् नः तम् त म अपिपलिषा-व म
- ५ अपिपलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
क्रम षिष्व षिष्व
- ६ पिपलिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः ककार कर कृष
पिपलिषाम्बभूव पिपलिषामास
- ७ पिपलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपलिषिष्या-
मि वः मः (अपिपलिषिष्या-व म
- १० अपिपलिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

४४२ वेल्ल (वेल्) गतौ ।

- १ विवेलिष-ति तः तन्ति सि थः थ विवेलिषा-मि वः मः
- २ विवेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवेलिषा-णि व म
- ४ अविवेलिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविवेलिषा-व म
- ५ अविवेलि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष् व पिष्म
- ६ विवेलिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
विवेलिषाश्चकार विवेलिषामास
- ७ विवेलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवेलिषिष्य-ति तः तन्ति सि थः थ विवेलिषिष्या-
मि वः मः (अविवेलिषिष्या-व म
- १० अविवेलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४४३ वेल् (वेल्) चलने ।

- १ विवेलिष-ति तः तन्ति सि थः थ विवेलिषा-मि वः मः
- २ विवेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवेलिषा-णि व म
- ४ अविवेलिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविवेलिषा-व म
- ५ अविवेलि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष् व पिष्म
- ६ विवेलिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवेलिषाश्चकार विवेलिषाम्बभूव
- ७ विवेलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवेलिषिष्य-ति तः तन्ति सि थः थ विवेलिषिष्या-
मि वः मः (अविवेलिषिष्या-व म
- १० अविवेलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४४४ चेल् (चेल्) चलने ।

- १ चिचेलिष-ति तः तन्ति सि थः थ चिचेलिषा-मि वः मः
- २ चिचेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचेलिषा-णि व म
- ४ अचिचेलिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचिचेलिषा-व म
- ५ अचिचेलि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष् व पिष्म
- ६ चिचेलिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
चिचेलिषाश्चकार चिचेलिषामास
- ७ चिचेलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचेलिषिष्य-ति तः तन्ति सि थः थ चिचेलिषि-
ष्या-मि वः मः (अचिचेलिषिष्या-व म
- १० अचिचेलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४४५ केल् (केल्) चलने ।

- १ चिकेलिष-ति तः तन्ति सि थः थ चिकेलिषा-मि वः मः
- २ चिकेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकेलिषा-णि व म
- ४ अचिकेलिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचिकेलिषा-व म
- ५ अचिकेलि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
षिष् व पिष्म
- ६ चिकेलिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कुवकुम
चिकेलिषामास चिकेलिषाम्बभूव
- ७ चिकेलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकेलिषिष्य-ति तः तन्ति सि थः थ चिकेलिषिष्या-
मि वः मः (अचिकेलिषिष्या-व म
- १० अचिकेलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४४६ क्वेल (क्वेल) चलने ।

- १ चिक्वेलिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्वेलिषा-मिवः मः
- २ चिक्वेलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्वेलिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
व म चिक्वेलिषा-णि व म
- ४ अचिक्वेलिष-त्ताम् नः तम् त म् अचिक्वेलिषा-
- ५ अचिक्वेलि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्वा षिष्वा
- ६ चिक्वेलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिक्वेलिषाश्चकार चिक्वेलिषामास
- ७ चिक्वेलिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्वेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्वेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्वेलिषिष्या
मिवः मः (अचिक्वेलिषिष्या-व म
- १० अचिक्वेलिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

४४८ स्खल (स्खल) चलने ।

- १ चिस्खलिष-ति तः न्ति सि थः थ चिस्खलिषा-मिवः मः
- २ चिस्खलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिस्खलिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
म चिस्खलिषा-णि व म
- ४ अचिस्खलिष-त्ताम् नः तम् त म् अचिस्खलिषा-व
- ५ अचिस्खलि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्वा षिष्वा
- ६ चिस्खलिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिस्खलिषाश्चकार चिस्खलिषाम्बभूव
- ७ चिस्खलिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिस्खलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिस्खलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिस्खलिषि-
ष्या-मिवः मः (अचिस्खलिषिष्या-व म
- १० अचिस्खलिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

४४७ खेल (खेल) चलने ।

- १ चिखेलिष-ति तः न्ति सि थः थ चिखेलिषा-मिवः मः
- २ चिखेलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखेलिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिखेलिषा-णि व म
- ४ अचिखेलिष-त्ताम् नः तम् त म् अचिखेलिषा-व म
- ५ अचिखेलि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्वा षिष्वा
- ६ चिखेलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिखेलिषाश्चकार चिखेलिषामास
- ७ चिखेलिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखेलिषि-
ष्या-मिवः मः (अचिखेलिषिष्या-व म
- १० अचिखेलिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

४४९ खल (खल] संचये च ।

- १ चिखलिष-ति तः न्ति सि थः थ चिखलिषा-मिवः मः
- २ चिखलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखलिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिखलिषा-णि व म
- ४ अचिखलिष-त्ताम् नः तम् त म् अचिखलिषा-व म
- ५ अचिखलि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्वा षिष्वा
- ६ चिखलिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव कृम
चिखलिषामास चिखलिषाम्बभूव
- ७ चिखलिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखलिषिष्या-
-मिवः मः (अचिखलिषिष्या-व म
- १० अचिखलिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

४५० श्वल (श्वल्) आशु गतौ ।

- १ शिश्वलिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्वलिषा-मि वः मः
- २ शिश्वलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिश्वलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्वलिषा-णि व म
- ४ अशिश्वलिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अशिश्वलिषा-व म
- ५ अशिश्वलि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शिश्वलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिश्वलिषामास शिश्वलिषाश्चकार
- ७ शिश्वलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्वलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्वलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्वलिषि-
ष्या-मि वः मः (अशिश्वलिषिष्या-व म
- १० अशिश्वलिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

४५२ गल (गल्) अदने ।

- १ जिगलिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगलिषा मि वः मः
- २ जिगलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगलिषा-णि व म
- ४ अजिगलिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अजिगलिषा-व म
- ५ अजिगलि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिगलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिगलिषाश्चकार जिगलिषामास
- ७ जिगलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगलिषिष्या-
मि वः मः (अजिगलिषिष्या-व म
- १० अजिगलिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

४५१ श्वल (श्वल्) आशु गतौ ।

- १ शिश्वलिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्वलिषा-मि वः मः
- २ शिश्वलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिश्वलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
म शिश्वलिषा-णि व म
- ४ अशिश्वलिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अशिश्वलिषा-व म
- ५ अशिश्वलि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शिश्वलिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव कृम
शिश्वलिषाम्बभूव शिश्वलिषामास
- ७ शिश्वलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्वलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्वलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्वलिषिष्या-
मि वः मः (अशिश्वलिषिष्या-व म
- १० अशिश्वलिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

४५३ चर्व (चर्व्) अदने ।

- १ चिचर्विष-ति तः न्ति सि थः थ चिचर्विषा-मि वः मः
- २ चिचर्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचर्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचर्विषा-णि व म
- ४ अचिचर्विष-त् ताम् न्ः तम् तम् अचिचर्विषा-व म
- ५ अचिचर्वि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिचर्विषामा-स सतुः सुः सिध सथुः स स सिव सिम
चिचर्विषाश्चकार चिचर्विषाम्बभूव
- ७ चिचर्विष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचर्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचर्विषिष्या-
मि वः मः (अचिचर्विषिष्या-व म
- १० अचिचर्विषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

४५४ पुर्व (पूर्व) पूरणे ।

- १ पुपृर्विष-ति तः न्ति सि थः थ पुपृर्विषा-मि वः मः
- २ पुपृर्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपृर्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपृर्विषा-णि व म
- ४ अपुपृर्विष-त् ताम् न् : तम् त म् अपुपृर्विषा-व म
- ५ अपुपृर्वि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्य
- ६ पुपृर्विषाञ्च-कार क्रतुः क्रुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
पुपृर्विषाम्बभूव पुपृर्विषामास
- ७ पुपृर्विष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपृर्विषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपृर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपृर्विषिष्या-
मि वः मः (अपुपृर्विषिष्या-व म
- १० अपुपृर्विषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४५५ पर्व (पर्व) पूरणे ।

- १ पिपर्विष-ति तः न्ति सि थः थ पिपर्विषा-मि वः मः
- २ पिपर्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपर्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपर्विषा-णि व म
- ४ अपिपर्विष-त् ताम् न् : तम् त म् अपिपर्विषा-व म
- ५ अपिपर्वि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्य
- ६ पिपर्विषाञ्च-कार क्रतुः क्रुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
पिपर्विषामास पिपर्विषाम्बभूव
- ७ पिपर्विष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपर्विषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपर्विषिष्या-
मि वः मः (अपिपर्विषिष्या-व म
- १० अपिपर्विषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४५६ मर्व (मर्व) पूरणे ।

- १ मिमर्विष-ति तः न्ति सि थः थ मिमर्विषा-मि वः मः
- २ मिमर्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमर्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमर्विषा-णि व म
- ४ अमिमर्विष-त् ताम् न् : तम् त म् अमिमर्विषा-व म
- ५ अमिमर्वि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्य
- ६ मिमर्विषाञ्च-कार क्रतुः क्रुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
मिमर्विषाम्बभूव मिमर्विषामास
- ७ मिमर्विष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमर्विषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमर्विषि-
ष्या-मि वः मः (अमिमर्विषिष्या-व म
- १० अमिमर्विषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
४५७ मर्व (मर्व) गतौ । मर्व ४५६ वद्रूपाणि

४५८ धवु (धन्व) गतौ ।

- १ दिधन्विष-ति तः न्ति सि थः थ दिधन्विषा-मि वः मः
- २ दिधन्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधन्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिधन्विषा-णि व म
- ४ अदिधन्विष-त् ताम् न् : तम् त म् अदिधन्विषा-व म
- ५ अदिधन्वि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्य
- ६ दिधन्विषाञ्च-कार क्रतुः क्रुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
दिधन्विषाम्बभूव दिधन्विषामास
- ७ दिधन्विष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधन्विषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधन्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिधन्विषि-
ष्या मि वः मः (अदिधन्विषिष्या-व म
- १० अदिधन्विषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४५९ शव (शव्) गतौ ।

- १ शिशविष-ति तः न्ति सि थः थ शिशविषा-मि वः मः
- २ शिशविषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशविष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
शिशविषा-णि व म
- ४ अशिशविष-त्ताम् न्ः तम् तम् अशिशविषाव म
- ५ अशिशवि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ शिशविषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशविषामास शिशविषाश्कार
- ७ शिशविष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशविषि-
ष्या-मि वः मः (अशिशविषिष्या-व म
- १० अशिशविषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

४६१ खर्व (खर्व) द्रुपे ।

- १ चिखर्विष-ति तः न्ति सि थः थ चिखर्विषा-मि वः मः
- २ चिखर्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखर्विष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
म चिखर्विषा-णि व म
- ४ अचिखर्विष-त्ताम् न्ः तम् तम् अचिखर्विषा-व
- ५ अचिखर्वि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ चिखर्विषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः ककार कर कृव कृम
चिखर्विषाम्बभूव चिखर्विषामास
- ७ चिखर्विष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखर्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखर्विषिष्या-
मि वः मः (अचिखर्विषिष्या-व म
- १० अचिखर्विषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

४६० कर्व (कर्व) द्रुपे ।

- १ चिकर्विष-ति तः न्ति सि थः थ चिकर्विषा-मि वः मः
- २ चिकर्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकर्विष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
चिकर्विषा-णि व म
- ४ अचिकर्विष-त्ताम् न्ः तम् तम् अचिकर्विषा-व म
- ५ अचिकर्वि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ चिकर्विषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिकर्विषाश्कार चिकर्विषाम्बभूव
- ७ चिकर्विष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकर्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकर्विषिष्या-
मि वः मः (अचिकर्विषिष्या-व म
- १० अचिकर्विषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

४६२ गर्व (गर्व) द्रुपे ।

- १ जिगर्विष-ति तः न्ति सि थः थ जिगर्विषा मि वः मः
- २ जिगर्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगर्विष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
जिगर्विषा-णि व म
- ४ अजिगर्विष-त्ताम् न्ः तम् तम् अजिगर्विषा-व म
- ५ अजिगर्वि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ जिगर्विषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिगर्विषाश्कार जिगर्विषामास
- ७ जिगर्विष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगर्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगर्विषिष्या-
मि वः मः (अजिगर्विषिष्या-व म
- १० अजिगर्विषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

४६३ छिच् (छिच्) निरसने ।

- १ तिष्ठेविष-ति तः न्ति सि थः थ तिष्ठेविषा-मि वः मः
- २ तिष्ठेविषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिष्ठेविष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिष्ठेविषा-णि व म
- ४ अतिष्ठेविष-त् ताम् नः तम् त म अतिष्ठेविषा-व म
- ५ अतिष्ठेवि-धीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तिष्ठेविषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
तिष्ठेविषाश्चकार तिष्ठेविषामास
- ७ तिष्ठेविष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिष्ठेविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिष्ठेविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिष्ठेविषिष्या-
मि वः मः (अतिष्ठेविषिष्या-व म
- १० अतिष्ठेविषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

४६४ क्षिच् (क्षिच्) निरसने ।

- १ चिक्षेविष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षेविषा-मि वः मः
- २ चिक्षेविषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्षेविष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्षेविषा-णि व म
- ४ अचिक्षेविष-त् ताम् नः तम् त म् अचिक्षेविषा-व म
- ५ अचिक्षेवि-धीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिक्षेविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिक्षेविषाश्चकार चिक्षेविषाम्बभूव
- ७ चिक्षेविष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त स्म स्व स्म
- ८ चिक्षेविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्षेविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षेविषिष्या-
मि वः मः (अचिक्षेविषिष्या-व म
- १० अचिक्षेविषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्षे चुक्ष्यति

४६५ जीव (जीव्) प्राणधारणे ।

- १ जिजीविष-ति तः न्ति सि थः थ जिजीविषा-मि वः मः
- २ जिजीविषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजीविष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व म जिजीविषा-णि व म
- ४ अजिजीविष-त् ताम् नः तम् त म् अजिजीविषा-
व म
- ५ अजिजीवि-धीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिजीविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिजीविषाश्चकार जिजीविषाम्बभूव
- ७ जिजीविष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजीविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजीविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजीविषिष्या-
मि वः मः (अजिजीविषिष्या-व म
- १० अजिजीविषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

४६६ पीव (पीव्) स्थौल्ये ।

- १ पिपीविष-ति तः न्ति सि थः थ पिपीविषा-मि वः मः
- २ पिपीविषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपीविष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपीविषा-णि व म
- ४ अपिपीविष-त् ताम् नः तम् त म् अपिपीविषा-व म
- ५ अपिपीवि-धीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ पिपीविषाश्चकार कृतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव
पिपीविषाम्बभूव पिपीविषामास
- ७ पिपीविष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपीविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपीविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपीविषिष्या-
मि वः मः (अपिपीविषिष्या-व म
- १० अपिपीविषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

४६७ मीव (मीव्) स्थौल्ये ।

- १मिमीविष-तितः न्ति सिथः थ मिमीविषा-मि वः मः
- २ मिमीविषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमीविष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमीविषा-णि व म
- ४अमिमीविष-त्ताम् न्ः तम् त म् अमिमीविषा-व म
- ५अमिमीवि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमीविषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमीविषाश्चकार मिमीविषामास
- ७ मिमीविष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमीविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९मिमीविषिष्य-तितः न्ति सिथः थ मिमीविषिष्या-
मि वः मः (अमिमीविषिष्या-व म
- १०अमिमीविषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्

४६८ तीव (तीव्) स्थौल्ये ।

- १तितीविष-तितः न्ति सिथः थ तितीविषा-मि वः मः
- २ तितीविषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितीविष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितीविषा-णि व म
- ४ अतितीविष-त्ताम् न्ः तम् त म् अतितीविषा-व म
- ५ अतितीवि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तितीविषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तितीविषाश्चकार तितीविषामास
- ७ तितीविष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितीविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितीविषिष्य-तितः न्ति सिथः थ तितीविषि-
ष्या-मि वः मः (अतितीविषिष्या-व म
- १०अतितीविषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्

४६९ नीव (नीव्) स्थौल्ये ।

- १निनीविष-तितः न्ति सिथः थ निनीविषा-मि वः मः
- २ निनीविषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनीविष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनीविषा-णि व म
- ४अनिनीविष-त्ताम् न्ः तम् त म् अनिनीविषा-व म
- ५ अनिनीवि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ निनीविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
निनीविषाश्चकार निनीविषाम्बभूव
- ७ निनीविष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनीविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९निनीविषिष्य-तितः न्ति सिथः थ निनीविषिष्या-
मि वः मः (अनिनीविषिष्या-व म
- १०अनिनीविषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्

४७० ऊर्व (ऊर्व्) हिंसायाम् ।

- १ऊर्विषिष-तितः न्ति सिथः थ ऊर्विषिषा-मि वः मः
- २ ऊर्विषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ऊर्विषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ऊर्विषिषा-णि व म
- ४और्विषिष-त्ताम् न्ः तम् त म् और्विषिषा-व म
- ५ और्विषि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ ऊर्विषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
ऊर्विषिषाश्चकार ऊर्विषिषामास
- ७ ऊर्विषिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ऊर्विषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ऊर्विषिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ ऊर्विषिषिष्या-
मि वः मः (और्विषिषिष्या-व म
- १०और्विषिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्

४७१ तुर्वे (तूर्व) हिंसायाम् ।

- १ तुतुर्विष-ति तः न्ति सि थः थ तुतुर्विषा-मि वः मः
- २ तुतुर्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुर्विष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतुर्विषा-णि व म
- ४ अतुतुर्विष-त्ताम् नः तम् तम् अतुतुर्विषा-व म
- ५ अतुतुर्वि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तुतुर्विषाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम
तुतुर्विषाश्चकार तुतुर्विषामास
- ७ तुतुर्विष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुर्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतुर्विषिष्या-
मि वः मः (अतुतुर्विषिष्या-व म
- १० अतुतुर्विषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४७३ दुर्वे (दूर्व) हिंसायाम् ।

- १ दुदुर्विष-ति तः न्ति सि थः थ दुदुर्विषा-मि वः मः
- २ दुदुर्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुदुर्विष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दुदुर्विषा-णि व म
- ४ अदुदुर्विष-त्ताम् नः तम् तम् अदुदुर्विषा-व म
- ५ अदुदुर्वि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दुदुर्विषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दुदुर्विषाश्चकार दुदुर्विषाम्बभूव
- ७ दुदुर्विष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुदुर्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुदुर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुदुर्विषिष्या-मि
वः मः (अदुदुर्विषिष्या-व म
- १० अदुदुर्विषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४७२ थुर्वे (थूर्व) हिंसायाम् ।

- १ तुथुर्विष-ति तः न्ति सि थः थ तुथुर्विषा-मि वः मः
- २ तुथुर्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुथुर्विष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तुथुर्विषा-णि व म
- ४ अतुथुर्विष-त्ताम् नः तम् तम् अतुथुर्विषा-व म
- ५ अतुथुर्वि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तुथुर्विषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तुथुर्विषाश्चकार तुथुर्विषाम्बभूव
- ७ तुथुर्विष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुथुर्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुथुर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुथुर्विषिष्या-
मि वः मः (अतुथुर्विषिष्या-व म
- १० अतुथुर्विषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४७४ धुर्वे (धूर्व) हिंसायाम् ।

- १ दुधुर्विष-ति तः न्ति सि थः थ दुधुर्विषा-मि वः मः
- २ दुधुर्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुधुर्विष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दुधुर्विषा-णि व म
- ४ अदुधुर्विष-त्ताम् नः तम् तम् अदुधुर्विषा-व म
- ५ अदुधुर्वि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ दुधुर्विषाश्च-कार कतुः कृः कथं कथुः कृ कार कर कृव
दुधुर्विषाम्बभूव दुधुर्विषामास
- ७ दुधुर्विष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुधुर्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुधुर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुधुर्विषिष्या-
मि वः मः (अदुधुर्विषिष्या-व म
- १० अदुधुर्विषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४७५ जुर्वे (जूर्वे) हिंसायाम् ।

- १ जुजूर्विष-ति तः न्ति सि थः थ जुजूर्विषा-मि वः मः
- २ जुजूर्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुजूर्विष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जुजूर्विषा-णि व म
- ४ अजुजूर्विष-त्ताम् नः तम् त म् अजुजूर्विषा-व म
- ५ अजुजूर्वि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ जुजूर्विषाञ्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव
जुजूर्विषाम्बभूव जुजूर्विषामास
- ७ जुजूर्विष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सप् स्व स्म
- ८ जुजूर्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुजूर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुजूर्विषिष्या-
मि वः मः (अजुजूर्विषिष्या-व म
- १० अजुजूर्विषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

४७६ अर्व (अर्व) हिंसायाम् ।

- १ अर्विषिष-ति तः न्ति सि थः थ अर्विषिषा-मि वः मः
- २ अर्विषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अर्विषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
अर्विषिषा-णि व म
- ४ अर्विषिष-त्ताम् नः तम् त म् अर्विषिषा-व म
- ५ अर्विषि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ अर्विषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अर्विषिषाञ्चकार अर्विषिषामास
- ७ अर्विषिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सप् स्व स्म
- ८ अर्विषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अर्विषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अर्विषिषिष्या-
मि वः मः (अर्विषिषिष्या-व म
- १० अर्विषिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

४७७ भर्व (भर्व) हिंसायाम् ।

- १ बिभर्विष-ति तः न्ति सि थः थ बिभर्विषा-मि वः मः
- २ बिभर्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बिभर्विष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
बिभर्विषा-णि व म
- ४ अबिभर्विष-त्ताम् नः तम् त म् अबिभर्विषा-व म
- ५ अबिभर्वि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ बिभर्विषाञ्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव
बिभर्विषाम्बभूव बिभर्विषामास
- ७ बिभर्विष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सप् स्व स्म
- ८ बिभर्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिभर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिभर्विषि-
ष्या-मि वः मः (अबिभर्विषिष्या-व म
- १० अबिभर्विषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

४७८ शर्व (शर्व) हिंसायाम् ।

- १ शिशर्विष-ति तः न्ति सि थः थ शिशर्विषा-मि वः मः
- २ शिशर्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशर्विष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशर्विषा-णि व म
- ४ अशिशर्विष-त्ताम् नः तम् त म् अशिशर्विषा-व म
- ५ अशिशर्वि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ शिशर्विषाञ्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव
शिशर्विषाम्बभूव शिशर्विषामास
- ७ शिशर्विष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सप् स्व स्म
- ८ शिशर्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशर्विषि-
ष्या मि वः मः (अशिशर्विषिष्या-व म
- १० अशिशर्विषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

४८० मघ (मघ्) बन्धने ।

- १ मिमविष-ति तः न्ति सि थः थ मिमविषा-मि वः मः
- २ मिमविषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमविष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमविषा-णि व म
- ४ अमिमविष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमविषा-व म
- ५ अमिमवि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ मिमविषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमविषाश्चकार मिमविषामास
- ७ मिमविष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमविषि-
ष्या-मि वः मः (अमिमविषिष्या-व म
- १० अमिमविषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४८१ गुर्वि (गृर्वि) उद्यमे ।

- १ जुगूर्विष-ति तः न्ति सि थः थ जुगूर्विषा-मि वः मः
- २ जुगूर्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुगूर्विष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जुगूर्विषा-णि व म
- ४ अजुगूर्विष-त्ताम् नः तम् तम् अजुगूर्विषा-व म
- ५ अजुगूर्वि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ जुगूर्विषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जुगूर्विषाश्चकार जुगूर्विषामास
- ७ जुगूर्विष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुगूर्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगूर्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगूर्विषिष्या-
मि वः मः (अजुगूर्विषिष्या-व म
- १० अजुगूर्विषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४८२ पिबु (पिन्व) सेवने ।

- १ पिपन्विष-ति तः न्ति सि थः थ पिपन्विषा-मि वः मः
- २ पिपन्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपन्विष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपन्विषा-णि व म
- ४ अपिपन्विष-त्ताम् नः तम् तम् अपिपन्विषा-व म
- ५ अपिपन्वि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ पिपन्विषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपन्विषाश्चकार पिपन्विषाम्बभूव
- ७ पिपन्विष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपन्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपन्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपन्विषिष्या-
मि वः मः (अपिपन्विषिष्या-व म
- १० अपिपन्विषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४८३ मिबु (मिन्व) सेवने ।

- १ मिमिन्विष-ति तः न्ति सि थः थ मिमिन्विषा-मि वः मः
- २ मिमिन्विषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमिन्विष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमिन्विषा-णि व म (व म
- ४ अमिमिन्विष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमिन्विषा-व म
- ५ अमिमिन्वि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ मिमिन्विषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमिन्विषाश्चकार मिमिन्विषामास
- ७ मिमिन्विष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमिन्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमिन्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमिन्विषि-
ष्या-मि वः मः (अमिमिन्विषिष्या-व म
- १० अमिमिन्विषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४८४ निवु (निव्) सेचने ।

- १ निनिनिवष-ति तः न्ति सि थः थ निनिनिवषामिवः मः
- २ निनिनिवषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनिनिवष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनिनिवषा-णि व म (व म
- ४ अनिनिनिवष-त् ताम् न् : तम् त म अनिनिनिवषा-
- ५ अनिनिनिव-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ निनिनिवषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
निनिनिवषाश्चकार निनिनिवषामासः
- ७ निनिनिवष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनिनिवषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनिनिवषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनिनिवषि-
ष्यामिवः मः (अनिनिनिवषिष्या-व म
- १० अनिनिनिवषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४८५ दिवु (दिव्) प्रीणने ।

- १ जिहिनिवष-ति तः न्ति सि थः थ जिहिनिवषामिवः मः
- २ जिहिनिवषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहिनिवष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहिनिवषा-णि व म (व म
- ४ अजिहिनिवष-त् ताम् न् : तम् त म् अजिहिनिवषा-
- ५ अजिहिनिव-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिहिनिवषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिहिनिवषाश्चकार जिहिनिवषाम्बभूव
- ७ जिहिनिवष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहिनिवषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहिनिवषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहिनिवषि-
ष्यामिवः मः (अजिहिनिवषिष्या-व म
- १० अजिहिनिवषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४८६ दिवु (दिव्) प्रीणने ।

- १ दिदिनिवष-ति तः न्ति सि थः थ दिदिनिवषामिवः मः
- २ दिदिनिवषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदिनिवष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदिनिवषा-णि व म (व म
- ४ अदिदिनिवष-त् ताम् न् : तम् त म् अदिदिनिवषा-
- ५ अदिदिनिव-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ दिदिनिवषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
दिदिनिवषाम्बभूव दिदिनिवषामासः
- ७ दिदिनिवष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदिनिवषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदिनिवषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदिनिवषि-
ष्यामिवः मः (अदिदिनिवषिष्या-व म
- १० अदिदिनिवषिष्य-त् ताम् न् : म् त तम्

४८७ जिवु (जिन्व्) प्रीणने ।

- १ जिजिनिवष-ति तः न्ति सि थः थ जिजिनिवषामिवः मः
- २ जिजिनिवषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजिनिवष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजिनिवषा-णि व म (व म
- ४ अजिजिनिवष-त् ताम् न् : तम् त म् अजिजिनिवषा-
- ५ अजिजिनिव-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिजिनिवषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिजिनिवषाश्चकार जिजिनिवषाम्बभूव
- ७ जिजिनिवष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजिनिवषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजिनिवषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजिनिवषि-
ष्यामिवः मः (अजिजिनिवषिष्या-व म
- १० अजिजिनिवषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

४८८ इवु (इन्व्) व्याप्तौ च ।

- १ इन्विषिष-ति तः न्ति सि यः थ इन्विषिषा-मि वः मः
- २ इन्विषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ इन्विषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
इन्विषिषा-णि व म
- ४ अइन्विषिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अइन्विषिषा-व म
- ५ अइन्विषि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ इन्विषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
इन्विषिषाश्चकार इन्विषिषामास
- ७ इन्विषिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ इन्विषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ इन्विषिषिष्य-ति तः न्ति सि यः थ इन्विषिषि-
ष्या-मि वः मः (अन्विषिषिष्या-व म
- १० अइन्विषिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

४८९ अव (अन्) रक्षणगतिकान्तिप्रीति-
तृप्त्यवगमनप्रवेशभ्रमणस्वाम्यर्थयाचन
क्रियेच्छादीप्त्यवाप्त्यालिङ्गनहिंसादह-
नभाषवृद्धिषु.

- १ अविषिष-ति तः न्ति सि यः थ अविषिषा-मि वः मः
- २ अविषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अविषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अविषिषा-णि व म
- ४ आविषिष-त् ताम् न्ः तम् तम् आविषिषा-व म
- ५ आविषि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ अविषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अविषिषाश्चकार अविषिषामास
- ७ अविषिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अविषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अविषिषिष्य-ति तः न्ति सि यः थ अविषिषिषि-
ष्या-मि वः मः (आविषिषिष्या-व म
- १० आविषिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

४९० कश् (कश्) शब्दे ।

- १ चिकशिष-ति तः न्ति सि यः थ चिकशिषा-मि वः मः
- २ चिकशिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकशिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकशिषा-णि व म
- ४ अचिकशिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अचिकशिषा-व म
- ५ अचिकशि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिकशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिकशिषाश्चकार चिकशिषाम्बभूव
- ७ चिकशिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकशिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकशिषिष्य-ति तः न्ति सि यः थ चिकशिषिषि-
ष्या-मि वः मः (अचिकशिषिष्या-व म
- १० अचिकशिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

४९१ मिश (मिश) रोषे च ।

- १ मिमिशिष-ति तः न्ति सि यः थ मिमिशिषा-मि वः मः
- २ मिमिशिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमिशिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमिशिषा-णि व म (व म
- ४ अमिमिशिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अमिमिशिषा-
- ५ अमिमिशि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमिशिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमिशिषाश्चकार मिमिशिषामास
- ७ मिमिशिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमिशिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमिशिषिष्य-ति तः न्ति सि यः थ मिमिशिषि-
ष्या-मि वः मः (अमिमिशिषिष्या-व म
- १० अमिमिशिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्
पक्षे मिमि-स्थाने मिमे इति होयम्

४९२ मश (मश) रोषे च ।

- १ मिमशिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमशिषामि वः मः
- २ मिमशिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमशिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमशिषा-णि व म (व म
- ४ अमिमशिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमशिषा
- ५ अमिमशि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ मिमशिषामा-स सतुः सुः सिथः सथुः स स सिव सिम
मिमशिषाश्चकार मिमशिषाम्बभूव
- ७ मिमशिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमशिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमशिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमशिषि
ष्या-मि वः मः (अमिमशिषिष्या-व म
- १० अमिमशिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४९४ णिश (निश) समाधौ ।

- १ निनिशिष-ति तः न्ति सि थः थ निनिशिषामि वः मः
- २ निनिशिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनिशिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
निनिशिषा-णि व म (व म
- ४ अनिनिशिष-त्ताम् नः तम् तम् अनिनिशिषा-
- ५ अनिनिशि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ निनिशिषाम्बभू-व वतुः उः विथः वथुः व व विव विम
निनिशिषाश्चकार निनिशिषामास
- ७ निनिशिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनिशिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनिशिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनिशिषि
-ष्यामि वः मः (अनिनिशिषिष्या-व म
- १० अनिनिशिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे निनि-स्थाने नेनि-इति ज्ञेयम्

४९३ शश (शश) प्लुतिगतौ ।

- १ शिशिशिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशिशिषामि वः मः
- २ शिशिशिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशिशिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशिशिषा-णि व म (व म
- ४ अशिशिशिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिशिशिषा-
- ५ अशिशिशि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ शिशिशिषामा-स सतुः सुः सिथः सथुः स स सिव सिम
शिशिशिषाश्चकार शिशिशिषाम्बभूव
- ७ शिशिशिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशिशिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशिशिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशिशिषि
ष्या-मि वः मः (अशिशिशिषिष्या-व म
- १० अशिशिशिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४९५ दृश (दृश) प्रेक्षणे ।

- १ दिदृक्ष-ति तः न्ति सि थः थ दिदृक्षा-मि वः मः
- २ दिदृक्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदृक्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदृक्षा-णि व म (व म
- ४ अदिदृक्ष-त्ताम् नः तम् तम् अदिदृक्षा-
- ५ अदिदृ-क्षीत् क्षिष्टम् क्षिष्टुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिषम्
क्षम क्षिष्व क्षिष्व
- ६ दिदृक्षाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव
दिदृक्षाम्बभूव दिदृक्षामास
- ७ दिदृक्ष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदृक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदृक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदृक्षिष्या-
मि वः मः (अदिदृक्षिष्या-व म
- १० अदिदृक्षिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४९६ दंश (दंश्) दशने ।

- १ दिदंक्ष-ति तः न्ति सि थः थ दिदंक्षा-मि वः मः
- २ दिदंक्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदंक्ष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
दिदंक्षा-णि व म
- ४ अदिदंक्ष-त्ताम् नः तम् तम् अदिदंक्षा-व म
- ५ अदिदं-क्षीत् क्षिष्टम् क्षिपुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिपम्
कृम कृव क्षिप्व क्षिप्म
- ६ दिदंक्षाश्च-कार कतुः कुः कर्त्तुः कृ कार-कर
दिदंक्षाम्बभूव दिदंक्षामास
- ७ दिदंक्ष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदंक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदंक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदंक्षिष्या-मि
वः मः (अदिदंक्षिष्या-व म
- १० अदिदंक्षिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४९७ घृष्ट (घृष्) शब्दे ।

- १ जुघुषिष-ति तः न्ति सि थः थ जुघुषिषा-मि वः मः
- २ जुघुषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुघुषिष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
जुघुषिषा-णि व म
- ४ अजुघुषिष-त्ताम् नः तम् तम् अजुघुषिषा-व म
- ५ अजुघुषि-षीत् पिष्टम् पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिप्म
- ६ जुघुषिषाश्च कार कतुः कुः कर्त्तुः कृ कार कर कृव कृम
जुघुषिषाम्बभूव जुघुषिषामास
- ७ जुघुषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुघुषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुघुषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुघुषिषिष्या-
मि वः मः (अजुघुषिषिष्या-व म
- १० अजुघुषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे जुघु-स्थाने जुघो-इति ज्ञेयम्

४९८ चूष (चूष्) पाने ।

- १ चुचूषिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचूषिषा-मि वः मः
- २ चुचूषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचूषिष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
चुचूषिषा-णि व म
- ४ अचुचूषिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुचूषिषा-व म
- ५ अचुचूषि-षीत् पिष्टम् पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिप्म
- ६ चुचूषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुचूषिषामास चुचूषिषाश्चकार
- ७ चुचूषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचूषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचूषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचूषिषिष्या-
मि वः मः (अचुचूषिषिष्या-व म
- १० अचुचूषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

४९९ तृष (तृष्) तुष्टौ ।

- १ तुतृषिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतृषिषा-मि वः मः
- २ तुतृषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतृषिष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
तुतृषिषा-णि व म
- ४ अतुतृषिष-त्ताम् नः तम् तम् अतुतृषिषा-व म
- ५ अतुतृषि-षीत् पिष्टम् पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिप्म
- ६ तुतृषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुतृषिषाश्चकार तुतृषिषामास
- ७ तुतृषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतृषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतृषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतृषिषिष्या-
मि वः मः (अतुतृषिषिष्या-व म
- १० अतुतृषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५०० पूष (पूष्) वृद्धौ ।

- १ पुपूषिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपूषिषामि वः मः
- २ पुपूषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपूषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपूषिषा-णि व म
- ४ अपुपूषिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुपूषिषा-व म
- ५ अपुपूषि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ पुपूषिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थं कथुः क कार कर कृव
पुपूषिषाम्बभूव पुपूषिषामास
- ७ पुपूषिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपूषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपूषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपूषिषिष्या-
मि वः मः (अपुपूषिषिष्या-व म
- १० अपुपूषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५०१ लुष (लुष्) स्तेये ।

- १ लुलूषिष-ति तः न्ति सि थः थ लुलूषिषा-मि वः मः
- २ लुलूषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लुलूषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलूषिषा-णि व म
- ४ अलुलूषिष-त्ताम् नः तम् तम् अलुलूषिषा-व म
- ५ अलुलूषि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिाम्
षिष्व षिष्व
- ६ लुलूषिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थं कथुः क कार कर कृव कृम
लुलूषिषामास लुलूषिषाम्बभूव
- ७ लुलूषिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलूषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलूषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलूषिषिष्या-
मि वः मः (अलुलूषिषिष्या-व म
- १० अलुलूषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५०२ मूष (मूष्) स्तेये ।

- १ मुमूषिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमूषिषा-मि वः मः
- २ मुमूषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमूषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमूषिषा-णि व म
- ४ अमुमूषिष-त्ताम् नः तम् तम् अमुमूषिषा-व म
- ५ अमुमूषि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ मुमूषिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थं कथुः क कार कर कृव
मुमूषिषाम्बभूव मुमूषिषामास
- ७ मुमूषिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमूषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमूषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमूषिष्या-
मि वः मः (अमुमूषिषिष्या-व म
- १० अमुमूषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५०३ पूष (सूष्) प्रसवे ।

- १ सुसूषिष-ति तः न्ति सि थः थ सुसूषिषा-मि वः मः
- २ सुसूषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सुसूषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सुसूषिषा-णि व म
- ४ असुसूषिष-त्ताम् नः तम् तम् असुसूषिषा-व म
- ५ असुसूषि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ सुसूषिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थं कथुः क कार कर कृव
सुसूषिषाम्बभूव सुसूषिषामास
- ७ सुसूषिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सुसूषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सुसूषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सुसूषिषि-
ष्या मि वः मः (असुसूषिषिष्या-व म
- १० असुसूषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५०४ ऊष (ऊष्) रुजायाम् ।

- १ ऊषिषिष-ति तः न्ति सि थः थ ऊषिषिषा-मि वः मः
- २ ऊषिषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ऊषिषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
ऊषिषिषा-णि व म
- ४ औषिषिष-त्ताम् नः तम् तम् औषिषिषाव म
- ५ औषिषि-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ ऊषिषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
ऊषिषिषामास ऊषिषिषाश्चकार
- ७ ऊषिषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ऊषिषिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ऊषिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ऊषिषिषिष्या-मि
वः मः (औषिषिषिष्या-व म
- १० औषिषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५०५ ईष (ईष्) उच्छे ।

- १ ईषिषिष-ति तः न्ति सि थः थ ईषिषिषा मि वः मः
- २ ईषिषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ईषिषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
ईषिषिषा-णि व म
- ४ औषिषिष-त्ताम् नः तम् तम् औषिषिषा-व म
- ५ औषिषि-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ ईषिषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
ईषिषिषाश्चकार ईषिषिषामास
- ७ ईषिषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ईषिषिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ईषिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ईषिषिषिष्या-मि
वः मः (औषिषिषिष्या-व म
- १० औषिषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५०६ कृषं (कृष्) विलंबने ।

- १ चिकृक्ष-ति तः न्ति सि थः थ चिकृक्षा-मि वः मः
- २ चिकृक्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकृक्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकृक्षा-णि व म
- ४ अचिकृक्ष-त्ताम् नः तम् तम् अचिकृक्षा-व म
- ५ अचिकृ-क्षीत् क्षिष्टाम् क्षिषुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिषम्
कृम कृव क्षिष्व क्षिष्म
- ६ चिकृक्षाश्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार-कर
चिकृक्षाम्बभूव चिकृक्षामास
- ७ चिकृक्ष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकृक्षिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकृक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकृक्षिष्या-मि
वः मः (अचिकृक्षिष्या-व म
- १० अचिकृक्षिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५०७ कष (कष्) हिंसायाम् ।

- १ चिकषिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकषिषा-मि वः मः
- २ चिकषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
म चिकषिषा-णि व म
- ४ अचिकषिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिकषिषा-व म
- ५ अचिकषि-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ चिकषिषाश्च कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार-कर कृव कृम
चिकषिषाम्बभूव चिकषिषामास
- ७ चिकषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकषिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकषिषिष्या-मि
वः मः (अचिकषिषिष्या-व म
- १० अचिकषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५०८ शिष (शिष्) हिंसायाम् ।

- १ शिशिषिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशिषिषामि वः मः
- २ शिशिषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशिषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिषिषिषा-णि व म (म
- ४ अशिषिष त्ताम् नः तम् तम् अशिषिषिषा व
- ५ अशिषिषि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
कृम विष्व विष्म
- ६ शिशिषिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
शिषिषिषाम्बभूव शिशिषिषामास
- ७ शिशिषिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशिषिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशिषि
षिष्या-मि वः मः (अशिषिषिषिष्या-व म
- १० अशिषिषिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म
पक्षे शिशि-स्थाने शिशे इति ज्ञेयम्

५०९ जष (जष्) हिंसायाम् ।

- १ जिजषिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजषिषा-मि वः मः
- २ जिजषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजषिषा-णि व म
- ४ अजिजषिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिजषिषा-व म
- ५ अजिजषि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ जिजषिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
जिजषिषामास जिजषिषाम्बभूव
- ७ जिजषिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजषिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजषिषिष्या-
मि वः मः (अजिजषिषिष्या-व म
- १० अजिजषिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म

५१० झष (झष्) हिंसायाम् ।

- १ जिझषिष ति तः न्ति सि थः थ जिझषिषा-मि वः मः
- २ जिझषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिझषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिझषिषा-णि व म
- ४ अजिझषिष त्ताम् नः तम् तम् अजिझषा-व म
- ५ अजिझषि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
कृम विष्व विष्म
- ६ जिझषिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
जिझषिषाम्बभूव जिझषिषामास
- ७ जिझषिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिझषिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिझषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिझषि-
ष्या-मि वः मः (अजिझषिषिष्या-व म
- १० अजिझषिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म

५११ ञष (ञष्) हिंसायाम् ।

- १ ञिषिषिष ति तः न्ति सि थः थ ञिषिषिषा मि वः मः
- २ ञिषिषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ञिषिषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ञिषिषिषा-णि व म
- ४ अञिषिषिष-त्ताम् नः तम् तम् अञिषिषिषा वम
- ५ अञिषिषि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
कृम विष्व विष्म
- ६ ञिषिषिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
ञिषिषिषाम्बभूव ञिषिषिषामास
- ७ ञिषिषिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स स्म स्व स्म
- ८ ञिषिषिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ञिषिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ञिषिषिषि-
ष्या मि वः मः (अञिषिषिषिष्या व म
- १० अञिषिषिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म

५१२ मष (मृ) हिंसायाम् ।

- १ मिमषिषति तः न्ति सि थः थ मिमषिषा मि वः मः
- २ मिमषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमषिषा-णि व म (व म
- ४ अमिमषिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमषिषा-व म
- ५ अमिमषि-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ मिमषिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
मिमषिषाश्चकार मिमषिषामास
- ७ मिमषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमषिषि-
ष्या-मि वः मः (अमिमषिषिष्या-व म
- १० अमिमषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५१३ मुष (मुष) हिंसायाम् ।

- १ मुमुषिषति तः न्ति सि थः थ मुमुषिषा मि वः मः
- २ मुमुषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमुषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमुषिषा-णि व म
- ४ अमुमुषिष-त्ताम् नः तम् तम् अमुमुषिषा-व म
- ५ अमुमुषि-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ मुमुषिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव
मुमुषिषाम्बभूव मुमुषिषामास
- ७ मुमुषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमुषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमुषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमुषिषि-
ष्या-मि वः मः (अमुमुषिषिष्या-व म
- १० अमुमुषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे मुमु-स्थाने मुमो इति ज्ञेयम्

५१४ रुष (रुष) हिंसायाम् ।

- १ रुरुषिषति तः न्ति सि थः थ रुरुषिषा मि वः मः
- २ रुरुषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रुरुषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रुरुषिषा-णि व म
- ४ अरुरुषिष-त्ताम् नः तम् तम् अरुरुषिषा-व म
- ५ अरुरुषि-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ रुरुषिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव
रुरुषिषाम्बभूव रुरुषिषामास
- ७ रुरुषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रुरुषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रुरुषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रुरुषिषिष्या-
मि वः मः (अरुरुषिषिष्या-व म
- १० अरुरुषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे रुरु-स्थाने रुरो इति ज्ञेयम्

५१५ रिष (रिष) हिंसायाम् ।

- १ रिरिषिषति तः न्ति सि थः थ रिरिषिषा मि वः मः
- २ रिरिषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरिषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरिषिषा-णि व म
- ४ अरिरिषिष-त्ताम् नः तम् तम् अरिरिषिषा-व म
- ५ अरिरिषि-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ रिरिषिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव कृम
रिरिषिषामास रिरिषिषाम्बभूव
- ७ रिरिषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरिषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरिषिषिष्या-
मि वः मः (अरिरिषिषिष्या-व म
- १० अरिरिषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे रिरि-स्थाने रिरे-इति ज्ञेयम्

५१६ यूष (यूष्) हिंसायाम् ।

- १ यूयूषिष-तितः न्ति सि थः थ यूयूषिषा मि वः मः
- २ यूयूषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ यूयूषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
यूयूषिषा-णि व म (व म
- ४ अयूयूषिष-त्ताम् नः तम् तम् अयूयूषिषा-व म
- ५ अयूयूषि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ यूयूषिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
यूयूषिषाश्चकार यूयूषिषामास
- ७ यूयूषिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ यूयूषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ यूयूषिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ यूयूषिषि-
ष्या-मि वः मः (अयूयूषिषिष्या-व म
- १० अयूयूषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५१८ शष (शष्) हिंसायाम् ।

- १ शिशषिष-तितः न्ति सि थः थ शिशषिषामि वः मः
- २ शिशषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशषिषा-णि व म
- ४ अशिशषिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिशषिषा-व म
- ५ अशिशषि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
कृम विष्ट्व विष्ट्व
- ६ शिशषिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव
शिशषिषाम्बभूव शिशषिषामास
- ७ शिशषिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशषिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ शिशषिषिष्या-
मि वः मः (अशिशषिषिष्या-व म
- १० अशिशषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५१७ जूष (जूष्) हिंसायाम् ।

- १ जुजूषिष-तितः न्ति सि थः थ जुजूषिषा मि वः मः
- २ जुजूषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुजूषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जुजूषिषा-णि व म
- ४ अजुजूषिष-त्ताम् नः तम् तम् अजुजूषिषा-व म
- ५ अजुजूषि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
कृम विष्ट्व विष्ट्व
- ६ जुजूषिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव
जुजूषिषाम्बभूव :: जुजूषिषामास
- ७ जुजूषिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुजूषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुजूषिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ जुजूषिषिष्या-
मि वः मः (अजुजूषिषिष्या-व म
- १० अजुजूषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५१९ चष (चष्) हिंसायाम् ।

- १ चिचषिष-तितः न्ति सि थः थ चिचषिषा-मि वः मः
- २ चिचषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचषिषा-णि व म
- ४ अचिचषिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिचषिषा-व म
- ५ अचिचषि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ चिचषिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव कृम
चिचषिषामास चिचषिषाम्बभूव
- ७ चिचषिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचषिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ चिचषिषिष्या-
मि वः मः (अचिचषिषिष्या-व म
- १० अचिचषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५२० वृद्धि (वृद्धि) सङ्घाते च ।

- १ विवर्षिषति-तः न्ति सि थः थ विवर्षिषा मि वः मः
- २ विवर्षिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवर्षिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विवर्षिषा-णि व म (व म
- ४ अविवर्षिष-त्ताम् नः तम् त म अविवर्षिषा-
- ५ अविवर्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवर्षिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विवर्षिषाम्बभूष विवर्षिषामास
- ७ विवर्षिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवर्षिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवर्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवर्षिषि-
ष्या-मि वः मः (अविवर्षिषिष्या-व म
- १० अविवर्षिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

५२२ जर्द्ध (जर्द्ध) सेचने ।

- १ जिजिषिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजिषिषा मि वः मः
- २ जिजिषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजिषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजिषिषा-णि व म (व म
- ४ अजिजिषिष-त्ताम् नः तम् त म अजिजिषिषा-
- ५ अजिजिषि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ जिजिषिषाम्बभू-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
जिजिषिषाम्बभूष जिजिषिषामास
- ७ जिजिषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजिषिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजिषिषि-
ष्या-मि वः मः (अजिजिषिषिष्या-व म
- १० अजिजिषिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म
पक्षे जिजि-स्थाने जिजे-इति ज्ञेयम्

५२१ भष (भष) भट्सने ।

- १ बिभषिष-ति तः न्ति सि थः थ बिभषिषा मि वः मः
- २ बिभषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बिभषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
बिभषिषा-णि व म (व म
- ४ अबिभषिष-त्ताम् नः तम् त म अबिभषिषा-
- ५ अबिभषि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ बिभषिषाम्बभू-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
बिभषिषाम्बभूष बिभषिषामास
- ७ बिभषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिभषिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिभषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिभषिषि-
ष्या-मि वः मः (अबिभषिषिष्या-व म
- १० अबिभषिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

५२३ बिष् (बिष्) सेचने ।

- १ बिबिषिष-ति तः न्ति सि थः थ बिबिषिषा मि वः मः
- २ बिबिषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बिबिषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
बिबिषिषा-णि व म (व म
- ४ अबिबिषिष-त्ताम् नः तम् त म अबिबिषिषा-
- ५ अबिबिषि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बिबिषिषाम्बभू-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव कृम
बिबिषिषाम्बभूष बिबिषिषामास
- ७ बिबिषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिबिषिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिबिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिबिषिषि-
ष्या-मि वः मः (अबिबिषिषिष्या-व म
- १० अबिबिषिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म
पक्षे बिबि-स्थाने बिबे-इति ज्ञेयम्

५२४ मिष् (मिष्) सेचने ।

- १ मिमिषिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमिषिषामि वः मः
- २ मिमिषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमिषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमिषिषा-णि व म (व म
- ४ अमिमिषिष-त् ताम् न् : तम् त म् अमिमिषिषा-
- ५ अमिमिषि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमिषिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमिषिषाश्चकार मिमिषिषाम्बभूव
- ७ मिमिषिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म-
- ८ मिमिषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमिषिषि
ष्या-मि वः मः (अमिमिषिषिष्या-व म
- १० अमिमिषिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
पक्षे मिमि-स्थाने मिमे-इति ज्ञेयम्

५२५ निष् (निष्) सेचने ।

- १ निनिषिष-ति तः न्ति सि थः थ निनिषिषामि वः मः
- २ निनिषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनिषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनिषिषा-णि व म (व म
- ४ अनिनिषिष-त् ताम् न् : तम् त म् अनिनिषिषा-
- ५ अनिनिषि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ निनिषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
निनिषिषाश्चकार निनिषिषामास
- ७ निनिषिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनिषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनिषिषि
ष्यामि वः मः (अनिनिषिषिष्या-व म
- १० अनिनिषिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
पक्षे निनि-स्थाने निने-इति ज्ञेयम्

५२६ पृष् (पृष्) सेचने ।

- १ पिपिषिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपिषिषा-मि वः मः
 - २ पिपिषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ पिपिषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपिषिषा-णि व म (व म
 - ४ अपिपिषिष-त् ताम् न् : तम् त म् अपिपिषिषा-
 - ५ अपिपिषि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
 - ६ पिपिषिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपिषिषाश्चकार पिपिषिषाम्बभूव
 - ७ पिपिषिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ पिपिषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९ पिपिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपिषिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपिषिषिष्या-व म
 - १० अपिपिषिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
- ५२७ वृष् (वृष्) सेचने । वृष् ५२० वट्टपाणि

५२८ मृष् (मृष्) सेचने च ।

- १ मिमिषिषा-ति तः न्ति सि थः थ मिमिषिषा मि वः मः
- २ मिमिषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमिषिषा-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमिषिषा-णि व म (व म
- ४ अमिमिषिषा-त् ताम् न् : तम् त म् अमिमिषिषा-
- ५ अमिमिषि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ मिमिषिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
मिमिषिषाम्बभूव मिमिषिषामास
- ७ मिमिषिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमिषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमिषिषि
ष्या-मि वः मः (अमिमिषिषिष्या-व म
- १० अमिमिषिषिष्य-त् ताम् न् : म् त तम्

५२९ उष् (उष्) दाहे ।

- ओष्णिष्णिष्-ति तः न्ति सि थः थ ओष्णिष्णिष्मि वः मः
 २ ओष्णिष्णिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ ओष्णिष्णिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
 ओष्णिष्णिष्-णि व म
 ४ ओष्णिष्णिष-त्ताम् नः तम् तम् ओष्णिष्णिष्मि व म
 ५ ओष्णिष्णि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 कर-कृम कृव षिष्व षिष्व
 ६ ओष्णिष्णिष्मि-कार कतुः कृः कर्थ कथुः कृ कार
 ओष्णिष्णिष्मि-भूष ओष्णिष्णिष्मि-मास
 ७ ओष्णिष्णिष्मि-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ ओष्णिष्णिष्मि-ता " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
 ९ ओष्णिष्णिष्मि-ति तः न्ति सि थः थ ओष्णिष्णिष्मि
 ष्या-मि वः मः (ओष्णिष्णिष्मि-व म
 १० ओष्णिष्णिष्मि-त्ताम् नः तम् तम्

५३० श्रिष् (श्रिष्) दाहे ।

- १ श्रिष्मिष्मि-ति तः न्ति सि थः थ श्रिष्मिष्मि-मि वः मः
 २ श्रिष्मिष्मिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ श्रिष्मिष्मिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
 श्रिष्मिष्मि-णि व म
 ४ अश्रिष्मिष्मिष-त्ताम् नः तम् तम् अश्रिष्मिष्मि-व म
 ५ अश्रिष्मिष्मि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ श्रिष्मिष्मिष्मि-कार कतुः कृः कर्थ कथुः कृ कार कर कृव कृम
 श्रिष्मिष्मिष्मि-भूष श्रिष्मिष्मि-मास
 ७ श्रिष्मिष्मिष्मि-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ श्रिष्मिष्मिष्मि-ता " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
 ९ श्रिष्मिष्मिष्मि-ति तः न्ति सि थः थ श्रिष्मिष्मिष्मि
 ष्या-मि वः मः (अश्रिष्मिष्मिष्मि-व म
 १० अश्रिष्मिष्मिष्मि-त्ताम् नः तम् तम्
 पक्षे श्रिष्मि-स्थाने श्रिष्मि-इति ज्ञेयम्

५३१ श्लिष् (श्लिष्) दाहे ।

- १ श्लिष्मिष्मि-ति तः न्ति सि थः थ श्लिष्मिष्मि-मि वः मः
 २ श्लिष्मिष्मिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ श्लिष्मिष्मिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
 व म श्लिष्मिष्मि-णि व म
 ४ अश्लिष्मिष्मिष-त्ताम् नः तम् तम् अश्लिष्मिष्मि-व म
 ५ अश्लिष्मिष्मि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ श्लिष्मिष्मिष्मि-भू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 श्लिष्मिष्मि-मास श्लिष्मिष्मि-कार
 ७ श्लिष्मिष्मिष्मि-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ श्लिष्मिष्मिष्मि-ता " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
 ९ श्लिष्मिष्मिष्मि-ति तः न्ति सि थः थ श्लिष्मिष्मि-
 ष्या-मि वः मः (अश्लिष्मिष्मिष्मि-व म
 १० अश्लिष्मिष्मिष्मि-त्ताम् नः तम् तम्
 पक्षे श्लिष्मि-स्थाने श्लिष्मि-इति ज्ञेयम्

५३२ पुष् (पुष्) दाहे ।

- १ पुष्मिष्मि-ति तः न्ति सि थः थ पुष्मिष्मि-मि वः मः
 २ पुष्मिष्मिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ पुष्मिष्मिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
 पुष्मिष्मि-णि व म
 ४ अपुष्मिष्मिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुष्मिष्मि-व म
 ५ अपुष्मिष्मि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ पुष्मिष्मिष्मि-भू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 पुष्मिष्मि-कार पुष्मिष्मि-मास
 ७ पुष्मिष्मिष्मि-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ पुष्मिष्मिष्मि-ता " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
 ९ पुष्मिष्मिष्मि-ति तः न्ति सि थः थ पुष्मिष्मिष्मि-
 मि वः मः (अपुष्मिष्मिष्मि-व म
 १० अपुष्मिष्मिष्मि-त्ताम् नः तम् तम्
 पक्षे पुष्मि-स्थाने पुष्मि-इति ज्ञेयम्

५३३ प्लुष (प्लुष) दाहे

- १ पुप्लुषिष-ति तः न्ति सि थः थ पुप्लुषिषा-मि वः मः
- २ पुप्लुषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुप्लुषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुप्लुषिषा-णि व म
- ४ अपुप्लुषिष-त् ताम् नः तम् तम् अपुप्लुषिषा-व म
- ५ अपुप्लुषि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्व विष्व
- ६ पुप्लुषिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
पुप्लुषिषाश्चकार पुप्लुषिषामास
- ७ पुप्लुषिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुप्लुषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुप्लुषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुप्लुषिषिष्या-
मि वः मः (अपुप्लुषिषिष्या-व म
- १० अपुप्लुषिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे पुप्लु-स्थाने पुप्लो-इति ज्ञेयम्

५३५ हृष (हृष) अलीके ।

- १ जिहृषिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहृषिषा-मि वः मः
- २ जिहृषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहृषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहृषिषा-णि व म
- ४ अजिहृषिष-त् ताम् नः तम् तम् अजिहृषिषा-व म
- ५ अजिहृषि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
कृम विष्व विष्व
- ६ जिहृषिषाम्बभू-व वतुः उः कथं कथुः क कार कर कृव
जिहृषिषाम्बभूव जिहृषिषामास
- ७ जिहृषिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहृषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहृषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहृषिषि-
ष्या मि वः मः (अजिहृषिषिष्या-व म
- १० अजिहृषिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५३४ वृष (वृष) सङ्गर्षे

- १ जिघर्षिष-ति तः न्ति सि थः थ जिघर्षिषा-मि वः मः
- २ जिघर्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिघर्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिघर्षिषा-णि व म
- ४ अजिघर्षिष-त् ताम् नः तम् तम् अजिघर्षिषा-व म
- ५ अजिघर्षि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्व विष्व
- ६ जिघर्षिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिघर्षिषाश्चकार जिघर्षिषाम्बभूव
- ७ जिघर्षिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिघर्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिघर्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिघर्षिषिष्या-
मि वः मः (अजिघर्षिषिष्या-व म
- १० अजिघर्षिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५३६ पुष (पुष) पुष्टौ ।

- १ पुपुषिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपुषिषा-मि वः मः
- २ पुपुषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपुषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपुषिषा-णि व म
- ४ अपुपुषिष-त् ताम् नः तम् तम् अपुपुषिषा-व म
- ५ अपुपुषि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्व विष्व
- ६ पुपुषिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
पुपुषिषाश्चकार पुपुषिषामास
- ७ पुपुषिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपुषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपुषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपुषिषि-
ष्या मि वः मः (अपुपुषिषिष्या-व म
- १० अपुपुषिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे पुपु-स्थाने पुपो-इति ज्ञेयम्

५३७ भूष (भूष्) अलंकारे

- १ भूभूषिष-ति तः न्ति सि थः थ भूभूषिषा-मि वः मः
- २ भूभूषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ भूभूषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
भूभूषिषा-णि व म
- ४ अबुभूषिष-त्ताम् नः तम् त म् अबुभूषिषा-व म
- ५ अबुभूषि-षीत्षिष्टाम् विषुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
षिष्व षिष्व
- ६ भूभूषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
भूभूषिषाश्चकार भूभूषिषामास
- ७ भूभूषिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ भूभूषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ भूभूषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ भूभूषिषिष्या
-मि वः मः (अबुभूषिषिष्या-व म
- १० अबुभूषिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५३९ तुस (तुस्) शब्दे ।

- १ तुतुसिष ति तः न्ति सि थः थ तुतुसिषा मि वः मः
- २ तुतुसिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुसिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतुसिषा-णि व म
- ४ अतुतुसिष-त्ताम् नः तम् त म् अतुतुसिषा-व म
- ५ अतुतुसि-षीत्षिष्टाम् विषुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
कुम् षिष्व षिष्व
- ६ तुतुसिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
तुतुसिषाम्बभूष तुतुसिषामास
- ७ तुतुसिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतुसिषि-
ष्या मि वः मः (अतुतुसिषिष्या-व म
- १० अतुतुसिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे तुतु-स्थाने तुतो-इति ज्ञेयम्

५३८ तसु (तंस्) अलङ्कारे

- १ तितंसिष-ति तः न्ति सि थः थ तितंसिषा-मि वः मः
- २ तितंसिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितंसिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तितंसिषा-णि व म
- ४ अतितंसिष-त्ताम् नः तम् त म् अतितंसिषा-व म
- ५ अतितंसि-षीत्षिष्टाम् विषुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तितंसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तितंसिषाश्चकार तितंसिषाम्बभूष
- ७ तितंसिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितंसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितंसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितंसिषिष्या
मि वः मः (अतितंसिषिष्या-व म
- १० अतितंसिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५४० हस (हस्) शब्दे ।

- १ जिहसिष ति तः न्ति सि थः थ जिहसिषा मि वः मः
- २ जिहसिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहसिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहसिषा-णि व म
- ४ अजिहसिष-त्ताम् नः तम् त म् अजिहसिषा-व म
- ५ अजिहसि-षीत्षिष्टाम् विषुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिहसिषाम्बभू व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिहसिषाश्चकार जिहसिषामास
- ७ जिहसिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहसिषि-
ष्या-मि वः मः (अजिहसिषिष्या-व म
- १० अजिहसिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५४१ हस (हस्) शब्दे ।

- १ जिहसिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहसिषा-मि वः मः
- २ जिहसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहसिषा-णि व म
- ४ अजिहसिष-त् ताम् नः तम् त म अजिहसिषा-व म
- ५ अजिहसि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ जिहसिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिहसिषाश्चकार जिहसिषामास
- ७ जिहसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहसिषि-
ष्या-मि वः मः (अजिहसिषिष्या-व म
- १० अजिहसिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

५४२ लस (लस्) श्लेषणक्रीडनयोः

- १ लिलसिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलसिषा-मि वः मः
- २ लिलसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलसिषा-णि व म
- ४ अलिलसिष-त् ताम् नः तम् त म अलिलसिषा-व म
- ५ अलिलसि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ लिलसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लिलसिषाश्चकार लिलसिषाम्बभूव
- ७ लिलसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलसिषिष्या-
मि वः मः (अलिलसिषिष्या-व म
- १० अलिलसिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

५४२ रस (रस्) शब्दे

- १ रिरसिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरसिषा-मि वः मः
- २ रिरसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरसिषा-णि व म
- ४ अरिरसिष-त् ताम् नः तम् त म अरिरसिषा-व म
- ५ अरिरसि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ रिरसिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रिरसिषाश्चकार रिरसिषामास
- ७ रिरसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरसिषिष्या-
मि वः मः (अरिरसिषिष्या-व म
- १० अरिरसिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

५४४ घस्ल (घस्) अदने ।

- १ जिघत्स-ति तः न्ति सि थः थ जिघत्सा-मि वः मः
- २ जिघत्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिघत्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिघत्सा-णि व म
- ४ अजिघत्स-त् ताम् नः तम् त म अजिघत्सा-व म
- ५ अजिघत् सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
कृम सिष्व सिष्व
- ६ जिघत्साश्च-कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
जिघत्साम्बभूव जिघत्सामास
- ७ जिघत्सप्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिघत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिघत्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिघत्सि-
ष्या मि वः मः (अजिघत्सिष्या-व म
- १० अजिघत्सिष्य-त् ताम् नः तम् त म

५४५ हस् (हस्) हसने ।

- १ जिहसिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहसिषामि वः मः
- २ जिहसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहसिषा-णि व म (व म
- ४ अजिहसिष-त् ताम् नः तम् तम् अजिहसिषा
- ५ अजिहसि-षीत् षिष्टम् विषुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
षिष्व षिष्म
- ६ जिहसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिहसिषाश्चकार जिहसिषाम्बभूव
- ७ जिहसिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहसिषि
ष्या-मि वः मः (अजिहसिषिष्या-व म
- १० अजिहसिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५४६ पिप् (पिप्) गतौ ।

- १ पिपिषिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपिषिषामि वः मः
- २ पिपिषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपिषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपिषिषा-णि व म (व म
- ४ अपिपिषिष-त् ताम् नः तम् तम् अपिपिषिषा-
- ५ अपिपिषि-षीत् षिष्टम् विषुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
षिष्व षिष्म
- ६ पिपिषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपिषिषाश्चकार पिपिषिषामास
- ७ पिपिषिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपिषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपिषिषि
ष्यामि वः मः (अपिपिषिषिष्या-व म
- १० अपिपिषिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे पिपि-स्थाने पिपे-इति ज्ञेयम्

५४७ पेस् (पेस्) गतौ ।

- १ पिपेसिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपेसिषा-मि वः मः
- २ पिपेसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपेसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपेसिषा-णि व म (व म
- ४ अपिपेसिष-त् ताम् नः तम् तम् अपिपेसिषा-
- ५ अपिपेसि-षीत् षिष्टम् विषुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
षिष्व षिष्म
- ६ पिपेसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपेसिषाश्चकार पिपेसिषाम्बभूव
- ७ पिपेसिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपेसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपेसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपेसिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपेसिषिष्या-व म
- १० अपिपेसिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५४८ वेस् (वेस्) गतौ ।

- १ विवेसिष-ति तः न्ति सि थः थ विवेसिषा मि वः मः
- २ विवेसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवेसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवेसिषा-णि व म (व म
- ४ अविवेसिष-त् ताम् नः तम् तम् अविवेसिषा-
- ५ अविवेसि-षीत् षिष्टम् विषुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
कृम षिष्व षिष्म
- ६ विवेसिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
विवेसिषाम्बभूव विवेसिषामास
- ७ विवेसिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवेसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवेसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवेसिषि
ष्या-मि वः मः (अविवेसिषिष्या-व म
- १० अविवेसिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५४९ शस् (शस्) हिंसायाम् ।

- १ शिशसिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशसिषा-मि वः मः
- २ शिशसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशसिषा-णि व म (व म
- ४ अशिशसिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिशसिषा
- ५ अशिशसि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्य
- ६ शिशसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शिशसिषाञ्चकार शिशसिषाम्बभूव
- ७ शिशसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म-
- ८ शिशसिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशसिषि-
ष्या-मि वः मः (अशिशसिषिष्या-व म
- १० अशिशसिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५५१ मिह (मिह्) सेचने ।

- १ मिमिक्ष-ति तः न्ति सि थः थ मिमिक्षा-मि वः मः
- २ मिमिक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमिक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमिक्षा-णि व म
- ४ अमिमिक्ष-त् ताम् न् : तम् तम् अमिमिक्षा-व म
- ५ अमिमि-क्षीत् क्षिष्टम् क्षिषुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिषम्
क्षिष्व क्षिष्य
- ६ मिमिक्षाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
मिमिक्षामास मिमिक्षाञ्चकार
- ७ मिमिक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमिक्षिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमिक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमिक्षि-
ष्या-मि वः मः (अमिमिक्षिष्या-व म
- १० अमिमिक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५५० शंस (शंस) स्तुतौ च ।

- १ शिशंसिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशंसिषा-मि वः मः
- २ शिशंसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशंसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशंसिषा-णि व म (व म
- ४ अशिशंसिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिशंसिषा-
- ५ अशिशंसि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्य
- ६ शिशंसिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
शिशंसिषाञ्चकार शिशंसिषामास
- ७ शिशंसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशंसिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशंसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशंसिषि-
ष्या-मि वः मः (अशिशंसिषिष्या-व म
- १० अशिशंसिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५५२ दह (दह्) भस्मीकरणे ।

- १ दिधक्षि-ति तः न्ति सि थः थ दिधक्षा मि वः मः
- २ दिधक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिधक्षा-णि व म (व म
- ४ अदिधक्ष-त् ताम् न् : तम् तम् अदिधक्षा-
- ५ अदिध-क्षीत् क्षिष्टम् क्षिषुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिषम्
क्षिष्व क्षिष्य
- ६ दिधक्षाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
दिधक्षाम्बभूव दिधक्षामास
- ७ दिधक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधक्षिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिधक्षि-
ष्या-मि वः मः (अदिधक्षिष्या-व म
- १० अदिधक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५५३ चह (चह) कल्कने ।

- १ चिचहिष-तितः न्ति सिथः थ चिचहिषा-मि वः मः
- २ चिचहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचहिषा-णि व म (व म
- ४ अचिचहिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिचहिषा-
- ५ अचिचहि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिचहिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिचहिषाश्चकार चिचहिषाम्बभूव
- ७ चिचहिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचहिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचहिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ चिचहिषि
ष्या-मि वः मः (अचिचहिषिष्या-व म
- १० अचिचहिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५५५ रह (रह) गतौ ।

- १ रिरंहिष-तितः न्ति सिथः थ रिरंहिषा-मि वः मः
- २ रिरंहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरंहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरंहिषा-णि व म (व म
- ४ अरिरंहिष-त् ताम् न् : तम् तम् अरिरंहिषा-
- ५ अरिरंहि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरंहिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
रिरंहिषाश्चकार रिरंहिषाम्बभूव
- ७ रिरंहिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरंहिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरंहिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ रिरंहिषि
ष्या-मि वः मः (अरिरंहिषिष्या-व म
- १० अरिरंहिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५५४ रह (रह) त्यागे ।

- १ रिरहिष-तितः न्ति सिथः थ रिरहिषा-मि वः मः
- २ रिरहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरहिषा-णि व म (व म
- ४ अरिगहिष-त् ताम् न् : तम् तम् अरिरहिषा-
- ५ अरिरहि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरहिषाम्बभू-व सतुः सुः विथ वथुः व व विव विम
रिरहिषाश्चकार रिरहिषामास
- ७ रिरहिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरहिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरहिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ रिरहिषि-
ष्या-मि वः मः (अरिरहिषिष्या-व म
- १० अरिरहिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५५६ वृह (वृह) वृद्धौ ।

- १ दिदहिष-तितः न्ति सिथः थ दिदहिषा-मि वः मः
- २ दिदहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदहिषा-णि व म (व म
- ४ अदिदहिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदिदहिषा-
- ५ अदिदहि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कुम् षिष्व षिष्व
- ६ दिदहिषाश्च-कार कतुः कुः कथै कथुः क्रकार कर कृव
दिदहिषाम्बभूव दिदहिषामास
- ७ दिदहिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदहिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदहिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ दिदहिषि-
ष्या-मि वः मः (अदिदहिषिष्या-व म
- १० अदिदहिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५५७ दृह (दृह्) वृद्धौ ।

- १ दिवृहिष-ति तः न्ति सि थः थ दिवृहिषा-मि वः मः
- २ दिवृहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिवृहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिवृहिषा-णि व म
- ४ अदिवृहिष-त् ताम् नः तम् तम् अदिवृहिषा-व म
- ५ अदिवृहि-षीत् विष्टम् विष्टुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
कृम विष्व विष्म
- ६ दिवृहिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
दिवृहिषाम्बभूव दिवृहिषामास
- ७ दिवृहिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिवृहिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिवृहिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिवृहिष्या-
-मि वः मः (अदिवृहिषिष्या-व म
- १० अदिवृहिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

५५८ वृह (वृह्) वृद्धौ ।

- १ विवृहिष-ति तः न्ति सि थः थ विवृहिषा-मि वः मः
- २ विवृहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवृहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवृहिषा-णि व म (व म
- ४ अविवृहिष-त् ताम् नः तम् तम् अविवृहिषा-
- ५ अविवृहि-षीत् विष्टम् विष्टुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ विवृहिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विवृहिषाश्चकार विवृहिषामास
- ७ विवृहिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवृहिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवृहिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवृहिषि
ष्या-मि वः मः (अविवृहिषिष्या-व म
- १० अविवृहिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

५५९ वृह् [वृह्] शब्दे च ।

५६० वृहु (वृह्) शब्दे च ।

- १ विवृहिष-ति तः न्ति सि थः थ विवृहिषा-मि वः मः
- २ विवृहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवृहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवृहिषा-णि व म (व म
- ४ अविवृहिष-त् ताम् नः तम् तम् अविवृहिषा-
- ५ अविवृहि-षीत् विष्टम् विष्टुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ विवृहिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
विवृहिषामास विवृहिषाम्बभूव
- ७ विवृहिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवृहिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवृहिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवृहिषिष्या-
-मि वः मः (अविवृहिषिष्या-व म
- १० अविवृहिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

५६१ उहृ (उह्) अर्द्धेने ।

- १ उजिहिष-ति तः न्ति सि थः थ उजिहिषा-मि वः मः
- २ उजिहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ उजिहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
उजिहिषा-णि व म (व म
- ४ औजिहिष-त् ताम् नः तम् तम् औजिहिषा-
- ५ औजिहि-षीत् विष्टम् विष्टुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
कृम विष्व विष्म
- ६ उजिहिषाश्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
उजिहिषाम्बभूव उजिहिषामास
- ७ उजिहिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ उजिहिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ उजिहिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ उजिहिषि
ष्या-मि वः मः (औजिहिषिष्या-व म
- १० औजिहिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

५६२ तुहृ (तुह) अद्ने

- १ तुतुहिष-तितः न्ति सि थः थ तुतुहिषा-मि वः मः
- २ तुतुहिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुहिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
तुतुहिषा-णि व म
- ४ अतुतुहिष-त्ताम् नः तम् तम् अतुतुहिषा-व म
- ५ अतुतुहि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तुतुहिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुतुहिषाश्चकार तुतुहिषामास
- ७ तुतुहिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ तुतुहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुहिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ तुतुहिषिष्या
मि वः मः (अतुतुहिषिष्या-व म
- १० अतुतुहिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे त्तु-स्थाने त्तु-इति ज्ञेयम्

५६३ दुहृ (दुह) अद्ने

- १ दुदुहिष-तितः न्ति सि थः थ दुदुहिषा-मि वः मः
- २ दुदुहिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुदुहिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
दुदुहिषा-णि व म
- ४ अदुदुहिष-त्ताम् नः तम् तम् अदुदुहिषा-व म
- ५ अदुदुहि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दुदुहिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
दुदुहिषाश्चकार दुदुहिषाम्बभूव
- ७ दुदुहिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ दुदुहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुदुदुहिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ दुदुदुहिषिष्या
-मि वः मः (अदुदुहिषिष्या-व म
- १० अदुदुहिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे दुदु-स्थाने दुदु-इति ज्ञेयम्

५६४ अहृ (अहृ) पृजायाम् ।

- १ अजिहिष-तितः न्ति सि थः थ अजिहिषा-मि वः मः
- २ अजिहिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अजिहिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
अजिहिषा-णि व म
- ४ आजिहिष-त्ताम् नः तम् तम् आजिहिषा-व म
- ५ आजिहि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कृम षिष्व षिष्व
- ६ अजिहिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
अजिहिषाम्बभूव अजिहिषामास
- ७ अजिहिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ अजिहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अजिहिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ अजिहिषि-
ष्या मि वः मः (आजिहिषिष्या-व म
- १० आजिहिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५६५ मह (मह) पृजायाम् ।

- १ मिमहिष-तितः न्ति सि थः थ मिमहिषा-मि वः मः
- २ मिमहिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमहिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
मिमहिषा-णि व म
- ४ अमिमहिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमहिषा-व म
- ५ अमिमहि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमहिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमहिषाश्चकार मिमहिषामास
- ७ मिमहिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ मिमहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमहिषिष्य-तितः न्ति सि थः थ मिमहिषि-
ष्या-मि वः मः (अमिमहिषिष्या-व म
- १० अमिमहिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५६६ उक्ष (उक्ष) सेवने ।

- १ उचिक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ उचिक्षिषा-मि वः मः
- २ उचिक्षिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ उचिक्षिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
उचिक्षिषा-णि व म
- ४ औचिक्षिष-त्ताम् नः तम् तम् औचिक्षिषा-व म
- ५ औचिक्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
कर-कृम कृव षिष्व षिष्व
- ६ उचिक्षिषाञ्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार
उचिक्षिषाम्बभूव उचिक्षिषामास
- ७ उचिक्षिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ उचिक्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ उचिक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ उचिक्षिषिष्या-
मि वः मः (औचिक्षिषिष्या-व म
- १० औचिक्षिषिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्

५६८ मक्ष (मक्ष) सङ्घाते ।

- १ मिमक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमक्षिषा-मि वः मः
- २ मिमक्षिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमक्षिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
मिमक्षिषा-णि व म [व म
- ४ अमिमक्षिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमक्षिषा-
व म
- ५ अमिमक्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमक्षिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- मिमक्षिषामास मिमक्षिषाञ्चकार
- ७ मिमक्षिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमक्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ मिमक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमक्षि-
षिष्या-मि वः मः (अमिमक्षिषिष्या-व म
- १० अमिमक्षिषिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्

५६७ रक्ष (रक्ष) पालने ।

- १ रिरक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरक्षिषा-मि वः मः
- २ रिरक्षिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरक्षिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
रिरक्षिषा-णि व म
- ४ अरिरक्षिष-त्ताम् नः तम् तम् अरिरक्षिषा-व म
- ५ अरिरक्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरक्षिषाञ्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
रिरक्षिषाम्बभूव रिरक्षिषामास
- ७ रिरक्षिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरक्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ रिरक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरक्षिषिष्या-
मि वः मः (अरिरक्षिषिष्या-व म
- १० अरिरक्षिषिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्

५६९ मुक्ष (मुक्ष) सङ्घाते ।

- १ मुमुक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमुक्षिषा-मि वः मः
- २ मुमुक्षिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमुक्षिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
मुमुक्षिषा-णि व म
- ४ अमुमुक्षिष-त्ताम् नः तम् तम् अमुमुक्षिषा-व म
- ५ अमुमुक्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मुमुक्षिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- मुमुक्षिषाञ्चकार मुमुक्षिषामास
- ७ मुमुक्षिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमुक्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ मुमुक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमुक्षिषि-
ष्या-मि वः मः (अमुमुक्षिषिष्या-व म
- १० अमुमुक्षिषिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्

५७० अक्षौ (अक्ष) व्याप्तौ च ।

- १ अचिक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ अचिक्षिषा-मि वः मः
- २ अचिक्षिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अचिक्षिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
अचिक्षिषा-णि व म
- ४ आचिक्षिष-त्ताम् नः तम् तम् आचिक्षिषा-व म
- ५ आचिक्षि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
कर-कृम कृव पिष्व पिष्म
- ६ अचिक्षिषाञ्च-कार क्तुः कृः कर्थं कथुः क कार
अचिक्षिषाम्बभूव अचिक्षिषामास
- ७ अचिक्षिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अचिक्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ अचिक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अचिक्षिषि-
ष्या-मि वः मः (आचिक्षिषिष्या-व म
- १० आचिक्षिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे ।

- १ तितक्षा-ति तः न्ति सि थः थ तितक्षा-मि वः मः
- २ तितक्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितक्षा-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तितक्षा-णि व म (व म
- ४ अतितक्षा-त्ताम् नः तम् तम् अतितक्षा-
- ५ अतित-क्षीत् क्षिष्टाम् क्षिपुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट
क्षिषम् क्षिष्व क्षिष्म
- ६ तितक्षामा-स सतुः सुः सि थः स स सि व सि म
तितक्षाञ्चकार तितक्षाम्बभूव
- ७ तितक्ष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ तितक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितक्षिष्या-
मि वः मः (अतितक्षिष्या-व म
- १० अतितक्षिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५७१ तक्षौ (तक्ष) तनृकरणे ।

- १ तितक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ तितक्षिषा-मि वः मः
- २ तितक्षिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितक्षिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तितक्षिषा-णि व म
- ४ अतितक्षिष-त्ताम् नः तम् तम् अतितक्षिषा-व म
- ५ अतितक्षि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ तितक्षिषाञ्च-कार क्तुः कृः कर्थं कथुः क कार कर कृव कृम
तितक्षिषाम्बभूव तितक्षिषामास
- ७ तितक्षिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितक्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ तितक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितक्षिषिष्या-
मि वः मः (अतितक्षिषिष्या-व म
- १० अतितक्षिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५७२ त्वक्षौ (त्वक्ष) तनृकरणे ।

- १ तित्वक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ तित्वक्षिषा-मि वः मः
- २ तित्वक्षिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तित्वक्षिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तित्वक्षिषा-णि व म (व म
- ४ अतित्वक्षिष-त्ताम् नः तम् तम् अतित्वक्षिषा-
- ५ अतित्वक्षि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ तित्वक्षिषाम्बभू-व वतुः वुः वि थः व व वि व वि म
तित्वक्षिषाञ्चकार तित्वक्षिषामास
- ७ तित्वक्षिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तित्वक्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ तित्वक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तित्वक्षिषि-
ष्या-मि वः मः (अतित्वक्षिषिष्या-व म
- १० अतित्वक्षिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५७२ त्वक्ष (त्वक्ष्) पक्षे

- १ तित्वक्ष-ति तः न्ति सि थः थ तित्वक्षा-मि वः मः
- २ तित्वक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तित्वक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तित्वक्षा-णि व म
- ४ अतित्वक्ष-त् ताम् न् : तम् तम् अतित्वक्षा-व म
- ५ अतित्व-क्षीत् क्षिष्टम् क्षिष्टुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिष्टम्
कर-कृम कृव क्षिष्ट्व क्षिष्टम्
- ६ तित्वक्षाञ्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार
तित्वक्षाम्बभूष तित्वक्षामास
- ७ तित्वक्ष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तित्वक्षिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ तित्वक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तित्वक्षिष्या-
मि वः मः (अतित्वक्षिष्या-व म
- १० अतित्वक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५७४ तृक्ष (तृक्ष्) गतौ ।

- १ तितृक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ तितृक्षिषा-मि वः मः
- २ तितृक्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितृक्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितृक्षिषा-णि व म [व म
- ४ अतितृक्षिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतितृक्षिषा-
- ५ अतितृक्षि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ तितृक्षिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तितृक्षिषामास तितृक्षिषाञ्चकार
- ७ तितृक्षिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितृक्षिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ तितृक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितृक्षि-
षिष्य-मि वः मः (अतितृक्षिषिष्या-व म
- १० अति क्षिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५७३ निक्ष (निक्ष्) चुम्बने ।

- १ निनिक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ निनिक्षिषा-मि वः मः
- २ निनिक्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनिक्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनिक्षिषा-णि व म
- ४ अनिनिक्षिष-त् ताम् न् : तम् तम् अनिनिक्षिषाव म
- ५ अनिनिक्षि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ निनिक्षिषाञ्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
निनिक्षिषाम्बभूष निनिक्षिषामास
- ७ निनिक्षिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनिक्षिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ निनिक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनिक्षिषि-
ष्या-मि वः मः (अनिनिक्षिषिष्या-व म
- १० अनिनिक्षिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५७५ स्तक्ष (स्तृक्ष्) गतौ ।

- १ तिस्तृक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तृक्षिषामि वः मः
- २ तिस्तृक्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्तृक्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिस्तृक्षिषा-णि व म
- ४ अतिस्तृक्षिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतिस्तृक्षिषाव म
- ५ अतिस्तृक्षि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ तिस्तृक्षिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तिस्तृक्षिषाञ्चकार तिस्तृक्षिषामास
- ७ तिस्तृक्षिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्तृक्षिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ तिस्तृक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तृक्षिषि-
ष्यामि वः मः (अतिस्तृक्षिषिष्या-व म
- १० अतिस्तृक्षिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

५७६ णक्ष (नक्ष) गतौ ।

- १ निनक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ निनक्षिषा-मि वः मः
- २ निनक्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनक्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
नininक्षिषा-णि व म
- ४ अनिनक्षिष-त् ताम् नः तम् तम् अनिनक्षिषा-व म
- ५ अनिनक्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ निनक्षिषाञ्च-कार क्तुः कः कर्थ कथुः ककार कर कृष कृम
नininक्षिषाम्बभूव निनक्षिषामास
- ७ निनक्षिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनक्षिषिता -" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनक्षिषिष्या-
मि वः मः (अनिनक्षिषिष्या-व म
- १० अनिनक्षिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५७७ वक्ष (वक्ष) रोषे ।

- १ विवक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ विवक्षिषा-मि वः मः
- २ विवक्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवक्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवक्षिषा-णि व म (वम
- ४ अविवक्षिष-त् ताम् नः तम् तम् अविवक्षिषा-व म
- ५ अविवक्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवक्षिषाम्बभू-व वतुः वुः विव वथुः वव विव विम
विवक्षिषाञ्चकार विवक्षिषामास
- ७ विवक्षिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवक्षिषिता -" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवक्षिषि-
ष्या-मि वः मः (अविवक्षिषिष्या-व म
- १० अविवक्षिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५७८ त्वक्ष (त्वक्ष) त्वचने ।

- १ तित्वक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ तित्वक्षिषा-मि वः मः
- २ तित्वक्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तित्वक्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तित्वक्षिषा-णि व म (व म
- ४ अतित्वक्षिष-त् ताम् नः तम् तम् अतित्वक्षिषा-व म
- ५ अतित्वक्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तित्वक्षिषामा-स सतुः सुः सि थः सथुः सं स सि व सिम
तित्वक्षिषाञ्चकार तित्वक्षिषाम्बभूव
- ७ तित्वक्षिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तित्वक्षिषिता -" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तित्वक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तित्वक्षिष्या-
मि वः मः (अतित्वक्षिषिष्या-व म
- १० अतित्वक्षिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५७९ सूक्ष (सूक्ष) अनादरे ।

- १ सुसूक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ सुसूक्षिषा-मि वः मः
- २ सुसूक्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सुसूक्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सुसूक्षिषा-णि व म
- ४ असुसूक्षिष-त् ताम् नः तम् तम् असुसूक्षिषा-व म
- ५ असुसूक्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कर-कृम कृव
- ६ सुसूक्षिषाञ्च-कार क्तुः कः कर्थ कथुः क कार
सुसूक्षिषाम्बभूव सुसूक्षिषामास
- ७ सुसूक्षिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सुसूक्षिषिता -" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सुसूक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सुसूक्षिषि-
ष्या-मि वः मः (असुसूक्षिषिष्या-व म
- १० असुसूक्षिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

५८० काक्षु (काङ्क्ष) काङ्क्षायाम् ।

- १ चिकाङ्क्षिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकाङ्क्षिषा-मिवः मः
- २ चिकाङ्क्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकाङ्क्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकाङ्क्षिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अचिकाङ्क्षिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचिकाङ्क्षि-
- ५ अचिकाङ्क्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिषम्
- ६ चिकाङ्क्षिषामा-स सतुः सुः सिय सथुः स स सिव सिम
चिकाङ्क्षिषाञ्चकार चिकाङ्क्षिषाम्बभूव
- ७ चिकाङ्क्षिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकाङ्क्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकाङ्क्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकाङ्क्षि-
षिष्या-मिवः मः (अचिकाङ्क्षिषिष्या-व म
- १० अचिकाङ्क्षिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

५८२ माक्षु (माङ्क्ष) काङ्क्षायाम् ।

- १ मिमाङ्क्षिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमाङ्क्षिषा-मिवः मः
- २ मिमाङ्क्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमाङ्क्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमाङ्क्षिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अमिमाङ्क्षिष-त् ताम् न् : तम् त म् अमिमाङ्क्षि-
- ५ अमिमाङ्क्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिषम्
- ६ मिमाङ्क्षिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमाङ्क्षिषामास मिमाङ्क्षिषाञ्चकार
- ७ मिमाङ्क्षिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमाङ्क्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमाङ्क्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमाङ्क्षिषि-
ष्या-मिवः मः (अमिमाङ्क्षिषिष्या-व म
- १० अमिमाङ्क्षिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

५८१ वाक्षु (वाङ्क्ष) काङ्क्षायाम् ।

- १ विवाङ्क्षिष-ति तः न्ति सि थः थ विवाङ्क्षिषा-मिवः मः
- २ विवाङ्क्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवाङ्क्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवाङ्क्षिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अविवाङ्क्षिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविवाङ्क्षि-
- ५ अविवाङ्क्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिषम्
- ६ विवाङ्क्षिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विवाङ्क्षिषाञ्चकार विवाङ्क्षिषामास
- ७ विवाङ्क्षिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवाङ्क्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवाङ्क्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवाङ्क्षि-
षिष्या-मिवः मः (अविवाङ्क्षिषिष्या-व म
- १० अविवाङ्क्षिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

५८३ द्राक्षु (द्राङ्क्ष) घोरवासिते ।

- १ दिद्राङ्क्षिष-ति तः न्ति सि थः थ दिद्राङ्क्षिषा-मिवः मः
- २ दिद्राङ्क्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिद्राङ्क्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिद्राङ्क्षिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अदिद्राङ्क्षिष-त् ताम् न् : तम् त म् अदिद्राङ्क्षि-
- ५ अदिद्राङ्क्षि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिषम् कृम
- ६ दिद्राङ्क्षिषाञ्च-कार कतुः कुः कर्य कथुः क कार कर कृव
दिद्राङ्क्षिषाम्बभूव दिद्राङ्क्षिषामास
- ७ दिद्राङ्क्षिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिद्राङ्क्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिद्राङ्क्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिद्राङ्क्षिषि-
ष्या-मिवः मः (अदिद्राङ्क्षिषिष्या-व म
- १० अदिद्राङ्क्षिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

५८३ ध्राक्षु (ध्राक्ष्) घोरवासिते च ।

- १ दिध्राङ्क्षिष-ति तः न्तिसिथः य दिध्राङ्क्षिषा मि वः मः
- २ दिध्राङ्क्षिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्राङ्क्षिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
दिध्राङ्क्षिषा-णि व म (धा-व म
- ४ अदिध्राङ्क्षिष-त्ताम् नः तम् तम् अदिध्राङ्क्षि-
- ५ अदिध्राङ्क्षि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ दिध्राङ्क्षिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव
दिध्राङ्क्षिषाम्बभूव दिध्राङ्क्षिषामास
- ७ दिध्राङ्क्षिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्राङ्क्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्राङ्क्षिषिष्य-ति तः न्तिसिथः य दिध्राङ्क्षिषि
ष्या-मि वः मः (अदिध्राङ्क्षिषिष्या-व म
- १० अदिध्राङ्क्षिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

५८२ ध्वाक्षु (ध्वाक्ष्) घोरवासिते च ।

- १ दिध्वाङ्क्षिष-ति तः न्तिसिथः य दिध्वाङ्क्षिषा-
मि वः मः
- २ दिध्वाङ्क्षिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिध्वाङ्क्षिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
दिध्वाङ्क्षिषा-णि व म (इक्षिषा-व म
- ४ अदिध्वाङ्क्षिष-त्ताम् नः तम् तम् अदिध्वा-
- ५ अदिध्वाङ्क्षि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिध्वाङ्क्षिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिध्वाङ्क्षिषामास दिध्वाङ्क्षिषाश्चकार
- ७ दिध्वाङ्क्षिषिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्वाङ्क्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्वाङ्क्षिषिष्य-ति तः न्तिसिथः य दिध्वाङ्क्षि-
षिष्या-मि वः मः (अदिध्वाङ्क्षिषिष्या-व म
- १० अदिध्वाङ्क्षिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्



॥ अथ भवादावात्मनेपदिनः ॥

५८६ गाङ् (गा) गतौ ।

- १ जिगा-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ जिगासे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिगा-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अजिगा-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अजिगासि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इवम् ध्वम्
- ६ जिगासामा-स सतुः सुः सिथ सथुः म स सिव सिम
जिगासाञ्चक्रे जिगासाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जिगासिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिगासिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिगासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिगासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५८८ डीङ् (डी) विहायसां गतौ ।

- १ डिडयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ डिडयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ डिडयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अडिडयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अडिडयिषि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इवम् ध्वम्
- ६ डिडयिषाञ्चक्रे-क्रेक्रेते क्रिरे कृषे क्रथे कृ वेक्रे कृवहे कृमहे
डिडयिषाम्बभूव डिडयिषामास (य वहि महि
- ७ डिडयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ डिडयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ डिडयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अडिडयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५८७ स्मिङ् (स्मि) ईषद्धसने ।

- १ सिस्मयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ सिस्मयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्मयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ असिस्मयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ असिस्मयिषि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इवम् ध्वम्
- ६ सिस्मयिषाम्बभू-व वतु वुः विथ वथु वव विव विम
सिस्मयिषाञ्चक्रे सिस्मयिषामास (य वहि महि
- ७ सिस्मयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिस्मयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिस्मयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिस्मयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५८९ उङ् (उ) शब्दे ।

- १ ऊषि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ ऊषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ऊषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ औषि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ औषिषि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इवम् ध्वम्
- ६ ऊषिषाम्बभू-व वतु वुः विथ वथु वव विव विम
ऊषिषाञ्चक्रे ऊषिषामास (य वहि महि
- ७ ऊषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ऊषिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ऊषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० औषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९० कुङ् (कु) शब्दे ।

- १ चुकू-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चुकूषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुकू-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अचुकू-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचुकूषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चुकूषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
चुकूषाम्बभूव चुकूषामास (य वहि महि
- ७ चुकूषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चुकूषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुकूषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचुकूषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९२ चुङ् (चु) शब्दे ।

- १ जुघू-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जुघूषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुघू-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अजुघू-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजुघूषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जुघूषामा स सतुः सुः सिध सधुः स स सिव सिम
जुघूषाञ्चके जुघूषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जुघूषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुघूषिता-” रौ र से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुघूषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुघूषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९१ गुङ् (गु) शब्दे ।

- १ जुगू-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जुगूषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुगू-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अजुगू-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजुगूषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जुगूषाम्बभूव व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
जुगूषाञ्चके जुगूषामास (य वहि महि
- ७ जुगूषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुगूषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुगूषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुगूषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९३ कुङ् (कु) शब्दे ।

- १ जुङ्गू-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जुङ्गूषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुङ्गू-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अजुङ्गू-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजुङ्गूषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जुङ्गूषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
जुङ्गूषाम्बभूव जुङ्गूषामास (य वहि महि
- ७ जुङ्गूषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुङ्गूषिता-” रौ र से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुङ्गूषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुङ्गूषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९४ च्युङ् (च्यु) गतौ ।

- १ चुच्यु-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चुच्युषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुच्यु-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचुच्यु-पत पेटाम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचुच्युषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ चुच्युषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृत्वे के कृवहे कृमहे चुच्युषाम्बभूव चुच्युषामास (य वहि महि
- ७ चुच्युषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चुच्युषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुच्युषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचुच्युषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९६ जुङ् (जु) गतौ ।

- १ जुजु-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जुजुषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुजु-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजुजु-पत पेटाम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजुजुषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ जुजुषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम जुजुषाञ्चके जुजुषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ जुजुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुजुषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुजुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुजुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९५ ज्युङ् (ज्यु) गतौ ।

- १ जुज्यु-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जुज्युषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुज्यु-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजुज्यु-पत पेटाम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजुज्युषि-ष्ट पाताम् पन्त ष्टाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ जुज्युषाम्बभूव व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जुज्युषाञ्चके जुज्युषामास (य वहि महि
- ७ जुज्युषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- १ जुज्युषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुज्युषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुज्युषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९७ प्रुङ् (प्रु) गतौ ।

- १ पुप्रु-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ पुप्रुषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पुप्रु-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अपुप्रु-पत पेटाम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि [पि ध्वहि धमहि
- ५ अपुप्रुषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ पुप्रुषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृत्वे के कृवहे कृमहे पुप्रुषाम्बभूव पुप्रुषामास [य वहि महि
- ७ पुप्रुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पुप्रुषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पुप्रुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपुप्रुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९८ प्लुङ् (प्लु) गतौ ।

- १ पुप्लु-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ पुप्लुषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पुप्लु-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अपुप्लु-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अपुप्लुषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ पुप्लुषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
पुप्लुषाम्बभूव पुप्लुषामास (य वहि महि
- ७ पुप्लुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पुप्लुषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पुप्लुषि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपुप्लुषि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६०० पूङ् (पू) पवने ।

- १ पिपवि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ पिपविषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपवि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अपिपवि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अपिपविषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ पिपविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स ससिव सिम
पिपविषाञ्चके पिपविषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पिपविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपविषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपविषि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपिपविषि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५९९ रुङ् (रु) रषणे च ।

- १ रुरु-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ रुरुषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रुरु-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अरुरु-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अरुरुषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ रुरुषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रुरुषाञ्चके रुरुषामास (य वहि महि
- ७ रुरुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रुरुषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रुरुषि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अरुरुषि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६०१ मूङ् (मू) वधने ।

- १ मुमु-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ मुमुषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मुमु-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अमुमु-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अमुमुषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ मुमुषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
मुमुषाम्बभूव मुमुषामास (य वहि महि
- ७ मुमुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मुमुषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मुमुषि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमुमुषि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६०२ धृङ् (धृ) अविध्वंसने ।

- १ दिधीर्-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे सावहे षामहे
- २ दिधीर्षे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिधीर्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् सै
सावहै षामहै
- ४ अदिधीर्-षत षेताम् षन्त सथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदिधीर्षि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ दिधीर्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिधीर्षाञ्चक्रे दिधीर्षामास (य वहि महि
- ७ दिधीर्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिधीर्षिता-” रौ रः से साथे ध्वे से स्वहे स्महे
- ९ दिधीर्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिधीर्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६०४ देङ् (दे) पालने ।

- १ दित्-सते जेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ दिन्से-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दित्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अदित्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदित्सि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ दित्साञ्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृङ्वे क्रे कृवहे कृमहे
दित्साञ्चभूव दित्सासास (य वहि महि
- ७ दित्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दित्सिता-” रौ रः से साथे ध्वे से स्वहे स्महे
- ९ दित्सि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदित्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६०३ मेङ् (मे) प्रतिदाने ।

- १ मित्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ मिन्से-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मित्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अमित्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अमित्सि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ मित्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मित्साञ्चक्रे मित्साम्बभूव (य वहि महि
- ७ मित्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मित्सिता-” रौ रः से साथे ध्वे से स्वहे स्महे
- ९ मित्सि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमित्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६०५ त्रैङ् (त्रै) पालने ।

- १ तिन्ना-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ तिन्नासे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तिन्ना-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अतिन्ना-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतिन्नासि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ तिन्नासाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तिन्नासाञ्चक्रे तिन्नासासास (य वहि महि
- ७ तिन्नासिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तिन्नासिता-” रौ रः से साथे ध्वे से स्वहे स्महे
- ९ तिन्नासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतिन्नासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६०६ श्यैङ् (श्यै) गतौ ।

- १ शिश्य-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ शिश्यसे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिश्य-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अशिश्न-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अशिश्नसि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् षध्वम् षम्
- ६ शिश्नसाम्बभू-व वतु दुः विथ वथुः व व विव विम
शिश्नसाम्बभूवे शिश्नसामास (य वहि महि)
- ७ शिश्नसिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिश्नसिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिश्नसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अशिश्नसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६०८ कुङ् (वङ्क्) कौटिल्ये ।

- १ विवङ्कि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवङ्किषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवङ्कि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविवङ्कि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अविवङ्किषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् षध्वम् षम्
- ६ विवङ्किषाम्बभू-व वतु दुः विथ वथुः व व विव विम
विवङ्किषाम्बभूवे विवङ्किषामास (य वहि महि)
- ७ विवङ्किषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवङ्किषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवङ्किषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अविवङ्किषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६०७ प्यैङ् (प्ये) वृद्धौ ।

- १ पिप्या-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ पिप्यासे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिप्या-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अपिप्या-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अपिप्यासि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् षध्वम् षम्
- ६ पिप्यासामा-स सतुः सु सिथ सथुः स स सिव सिम
पिप्यासाम्बभूवे पिप्यासाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ पिप्यासिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिप्यासिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिप्यासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अपिप्यासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६०९ मकुङ् (मङ्क्) मण्डने ।

- १ मिमङ्कि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमङ्किषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमङ्कि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमिमङ्कि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अमिमङ्किषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् षध्वम् षम्
- ६ मिमङ्किषाम्बभू-व वतु दुः विथ वथुः व व विव विम
मिमङ्किषाम्बभूवे मिमङ्किषामास (य वहि महि)
- ७ मिमङ्किषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमङ्किषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमङ्किषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अमिमङ्किषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६१० अकुङ् (अङ्क्) लक्षणे ।

- १ अञ्चिकि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ अञ्चिकिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अञ्चिकि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ आञ्चिकि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ आञ्चिकिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ अञ्चिकिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
अञ्चिकिषाञ्चके अञ्चिकिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ अञ्चिकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अञ्चिकिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अञ्चिकिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० आञ्चिकिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६१२ लोक् (लोक्) दर्शने ।

- १ लुल्लोकि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ लुल्लोकिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लुल्लोकि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अलुल्लोकि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अलुल्लोकिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ लुल्लोकिषाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
लुल्लोकिषाम्बभूव लुल्लोकिषामास (य वहि महि
- ७ लुल्लोकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लुल्लोकिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लुल्लोकिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अलुल्लोकिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६११ शोक् (शोक्) सेचने ।

- १ शिशिकि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिशिकिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिशिकि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अशिशिकि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अशिशिकिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शिशिकिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
शिशिकिषाञ्चके शिशिकिषामास (य वहि महि
- ७ शिशिकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिशिकिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशिकिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अशिशिकिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६१२ श्लोक् (श्लोक्) संचालने ।

- १ शुश्लोकि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शुश्लोकिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शुश्लोकि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अशुश्लोकि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अशुश्लोकिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शुश्लोकिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शुश्लोकिषाञ्चके शुश्लोकिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शुश्लोकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शुश्लोकिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शुश्लोकिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अशुश्लोकिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६१४ त्रेकृङ् (त्रेक्) शब्दोत्साहे ।

- १ दित्रेकि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ दित्रेकिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दित्रेकि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अदित्रेकि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अदित्रेकिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ दित्रेकिषाञ्च-के क्राते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
दित्रेकिषाम्बभूष दित्रेकिषामास (य वहि महि
- ७ दित्रेकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दित्रेकिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दित्रेकिषि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
- १० अदित्रेकिषि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

६१६ रेकृङ् (रेक्) शंकायाम् ।

- १ रिरेकि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ रिरेकिषे-त याताम् रन् थाः यास्थाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरेकि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अरिरेकि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अरिरेकिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ रिरेकिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
रिरेकिषाञ्चके रिरेकिषाम्बभूष (य वहि महि
- ७ रिरेकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरेकिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिरेकिषि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
- १० अरिरेकिषि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

६१५ ध्रेकृङ् (ध्रेक्) शब्दोत्साहे ।

- १ दिध्रेकि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ दिध्रेकिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिध्रेकि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अदिध्रेकि-पत पाताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अदिध्रेकिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ दिध्रेकिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिध्रेकिषाञ्चके दिध्रेकिषामास (य वहि महि
- ७ दिध्रेकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिध्रेकिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिध्रेकिषि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
- १० अदिध्रेकिषि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

६१७ शकृङ् (शक्) शंकायाम् ।

- १ शिशक्कि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिशक्किषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिशक्कि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अशिशक्कि-पत पाताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि [पि ध्वहि ध्महि
- ५ अशिशक्किषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ शिशक्किषाञ्च-क क्राते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
शिशक्किषाम्बभूष शिशक्किषामास (य वहि महि
- ७ शिशक्किषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिशक्किषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशक्किषि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
- १० अशिशक्किषि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

६१८ ककि (कक्) लौल्ये ।

- १ चिककि-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिककिषे-त याताम् रन् थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिककि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचिककि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचिककिषि-ष्ट पाताम् पत षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिककिषाम्भू-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम चिककिषाम्भू चिककिषाम्भूष (य वहि महि
- ७ चिककिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिककिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिककिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचिककिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६२० वृकि (वृक्) आदाने ।

- १ विवर्कि-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवर्किषे-त याताम् रन् थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवर्कि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अविवर्कि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अविवर्किषि-ष्ट पाताम् पन्त षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विवर्किषाम्भू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम विवर्किषाम्भू विवर्किषाम्भूष (य वहि महि
- ७ विवर्किषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवर्किषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवर्किषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अविवर्किषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६१९ कुकि (कुक्) आदाने ।

- १ चुकोकि-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चुकोकिषे-त याताम् रन् थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुकोकि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचुकोकि-पत पाताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचुकोकिषि-ष्ट पाताम् पत षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चुकोकिषाम्भू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम चुकोकिषाम्भू चुकोकिषाम्भूष (य वहि महि
- ७ चुकोकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चुकोकिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुकोकिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचुकोकिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६२१ चकि (चक्) तृतिप्रतीचातयोः ।

- १ चिचकि-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिचकिषे-त याताम् रन् थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिचकि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचिचकि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि [पि ध्वहि धमहि
- ५ अचिचकिषि-ष्ट पाताम् पत षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिचकिषाम्भू-क्रेकते क्तिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे चिचकिषाम्भू चिचकिषाम्भूष [य वहि महि
- ७ चिचकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिचकिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिचकिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचिचकिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६२२ ककुङ् (कङ्क्) गतौ ।

- १ चिकङ्कि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिकङ्किषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकङ्कि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ अचिकङ्कि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अचिकङ्किषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ चिकङ्किषाञ्च-के क्राते किरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- चिकङ्किषाम्बभूव चिकङ्किषामास (य वहि महि
- ७ चिकङ्किषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकङ्किषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकङ्किषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचिकङ्किषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२४ त्रिकुङ् (त्रङ्क्) गतौ ।

- १ तित्रङ्कि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ तित्रङ्किषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तित्रङ्कि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहे पाणहे
- ४ अतित्रङ्कि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अतित्रङ्किषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ तित्रङ्किषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
- तित्रङ्किषाञ्च के तित्रङ्किषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ तित्रङ्किषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तित्रङ्किषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तित्रङ्किषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे [ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अतित्रङ्किषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२३ श्वकुङ् (श्वङ्क्) गतौ ।

- १ शिश्वङ्कि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिश्वङ्किषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिश्वङ्कि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ अशिश्वङ्कि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अशिश्वङ्किषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ शिश्वङ्किषाञ्च-के क्राते किरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- शिश्वङ्किषाम्बभूव शिश्वङ्किषामास (य वहि महि
- ७ शिश्वङ्किषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिश्वङ्किषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिश्वङ्किषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अशिश्वङ्किषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२५ श्रकुङ् (श्रङ्क्) गतौ ।

- १ शिश्रङ्कि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिश्रङ्किषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिश्रङ्कि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ अशिश्रङ्कि-पत पाताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि [पि प्वहि प्महि
- ५ अशिश्रङ्किषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ शिश्रङ्किषाञ्च-के क्राते किरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- शिश्रङ्किषाम्बभूव शिश्रङ्किषामास (य वहि महि
- ७ शिश्रङ्किषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिश्रङ्किषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिश्रङ्किषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अशिश्रङ्किषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२६ श्लकुङ् (श्लक्) गतौ ।

- १ शिश्लकुङ्-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ शिश्लकुङ्क्वि-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिश्लकुङ्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अशिश्लकुङ्-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अशिश्लकुङ्क्विषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शिश्लकुङ्क्विषाञ्च-क्रेकाते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे क्रेकृवहेकृमहे
शिश्लकुङ्क्विषाम्बभूव शिश्लकुङ्क्विषामास (य वहि महि
- ७ शिश्लकुङ्क्विषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिश्लकुङ्क्विषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिश्लकुङ्क्विषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिश्लकुङ्क्विषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२७ डौकङ् (डौक्) गतौ ।

- १ डुडौकि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ डुडौक्विषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ डुडौकि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अडुडौकि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अडुडौक्विषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ डुडौक्विषाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम
डुडौक्विषाञ्चक्रे डुडौक्विषामास (य वहि महि
- ७ डुडौक्विषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ डुडौक्विषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ डुडौक्विषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अडुडौक्विषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२८ त्रौकङ् (त्रौक्) गतौ ।

- १ तुत्रौकि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ तुत्रौक्विषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तुत्रौकि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अतुत्रौकि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतुत्रौक्विषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ तुत्रौक्विषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तुत्रौक्विषाञ्चक्रे तुत्रौक्विषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ तुत्रौक्विषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तुत्रौक्विषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तुत्रौक्विषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतुत्रौक्विषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२९ ष्वष्कि (ष्वष्क्) गतौ ।

- १ षिष्वष्कि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ षिष्वष्क्विषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ षिष्वष्कि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अषिष्वष्कि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अषिष्वष्क्विषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ षिष्वष्क्विषाञ्च-क्रेकाते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे क्रेकृवहेकृमहे
षिष्वष्क्विषाम्बभूव षिष्वष्क्विषामास [य वहि महि
- ७ षिष्वष्क्विषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ षिष्वष्क्विषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ षिष्वष्क्विषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अषिष्वष्क्विषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३० वस्कि (वस्क्) गतौ ।

- १ ववस्कि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ ववस्किषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ववस्कि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अववस्कि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अववस्किषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ ववस्किषाञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे केकृवहे कृमहे
ववस्किषाम्बभूव ववस्किषामास (य वहि महि
- ७ ववस्किषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ववस्किषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ववस्किषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अववस्कि षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३१ मस्कि (मस्क्) गतौ ।

- १ मिमस्कि षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमस्किषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमस्कि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमिमस्कि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमस्किषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ मिमस्किषाम्बभू-व वतुः वु विथ वथुः व व विव विम
मिमस्किषाञ्चके मिमस्किषामास (य वहि महि
- ७ मिमस्किषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमस्किषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमस्किषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमस्किषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३२ तिकि (तिक्) गतौ ।

- १ तितेकि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ तितेकिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितेकि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अतितेकि-षत षेताम् षन्त सथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतिनेकिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ तितेकिषाम्बभू-व वतुः वु विथ वथुः व व विव विम
तितेकिषाञ्चके तितेकिषामास (य वहि महि
- ७ तितेकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तितेकिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तितेकिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतितेकिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे तिते-स्थाने तिति-इति ज्ञेयम्

६३३ टिकि (टिक्) गतौ ।

- १ टिटिकि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ टिटिकिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ टिटिकि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अटिटिकि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अटिटिकिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ टिटिकिषाञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे केकृवहे कृमहे
टिटिकिषाम्बभूव टिटिकिषामास (य वहि महि
- ७ टिटिकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ टिटिकिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ टिटिकिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अटिटिकिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे टिटि-स्थाने टिटि-इति ज्ञेयम्

६३४ टीकृ (टीक्) गतौ ।

- १ टिट्टीकि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ टिट्टीकिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ टिट्टीकि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहे पामहे
- ४ अटिट्टीकि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अटिट्टीकिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ टिट्टीकिषाञ्च-के कते किरे कृषे काथे कृ वे केकृवहेकृमहे
टिट्टीकिषाम्बभूव टिट्टीकिषामास (य वहि महि
- ७ टिट्टीकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ टिट्टीकिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
- ९ टिट्टीकिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अटिट्टीकिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३६ सेकृ (सेक्) गतौ ।

- १ सिस्सेकि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिस्सेकिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्सेकि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहे पामहे
- ४ असिस्सेकि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ असिस्सेकिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ सिस्सेकिषामा स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
सिस्सेकिषाञ्चके सिस्सेकिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ सिस्सेकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिस्सेकिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
- ९ सिस्सेकिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिस्सेकिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३५ सेकृ (सेक्) गतौ ।

- १ सिस्सेकि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिस्सेकिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्सेकि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहे पामहे
- ४ असिस्सेकि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ असिस्सेकिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ सिस्सेकिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिस्सेकिषाञ्चके सिस्सेकिषामास (य वहि महि
- ७ सिस्सेकिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिस्सेकिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
- ९ सिस्सेकिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिस्सेकिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३७ रडुक् (रडूक्) गतौ ।

- १ रिरडिक्-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ रिरडिक्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरडिक्-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहे पामहे
- ४ अरिरडिक्-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अरिरडिक्षि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ रिरडिक्षाञ्च-के कते किरे कृषे काथे कृ वे केकृवहेकृमहे
रिरडिक्षाम्बभूव रिरडिक्षामास (य वहि महि
- ७ रिरडिक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरडिक्षिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
- ९ रिरडिक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरिरडिक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३८ लघुङ् (लङ्घ) गतौ ।

- १ लिलङ्घि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ लिलङ्घिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लिलङ्घि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अलिलङ्घि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अलिलङ्घिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ लिलङ्घिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लिलङ्घिषाञ्चक्रे लिलङ्घिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ लिलङ्घिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लिलङ्घिषिता-” रौ रः से सा थध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिलङ्घिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलिलङ्घिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्तष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६४० वघुङ् (वङ्घ) गत्याक्षेपे ।

- १ विवङ्घि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवङ्घिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवङ्घि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अविवङ्घि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अविवङ्घिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विवङ्घिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवङ्घिषाञ्चक्रे विवङ्घिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ विवङ्घिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवङ्घिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवङ्घिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवङ्घिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्तष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३९ अघुङ् (अङ्घ) गत्याक्षेपे ।

- १ अञ्जि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ अञ्जिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अञ्जि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ आञ्जि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ आञ्जिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ अञ्जिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे
अञ्जिषाम्बभूव अञ्जिषामास (य वहि महि
- ७ अञ्जिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अञ्जिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अञ्जिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आञ्जिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्तष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६४१ मघुङ् (मङ्घ) कैतवे च ।

- १ मिमङ्घि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ मिमङ्घिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमङ्घि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अमिमङ्घि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अमिमङ्घिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ मिमङ्घिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमङ्घिषाञ्चक्रे मिमङ्घिषामास (य वहि महि
- ७ मिमङ्घिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमङ्घिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमङ्घिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमङ्घिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्तष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६४२ राघृङ् (राघ्) सामर्थ्ये ।

- १ रिराघि-पतेषेते पन्ते पसे षेथे षध्वे षे पावहे पामहे
- २ रिराघिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिराघि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् षध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अरिराघि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् षध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अरिराघिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् डध्वम् ध्वम्
- ६ रिराघिषाम्-के क्राते क्रिरे कृणे अथे कृद्धे के कृवहे कृमहे
गिराघिषाम्बभूव रिराघिषामास (य वहि महि
- ७ रिराघिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिराघिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिराघिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्य ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरिराघिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

६४४ द्राघृङ् (द्राघ्) आयासे च ।

- १ दिद्राघि-पते षेते पन्ते पसे षेथे षध्वे षे पावहे पामहे
- २ दिद्राघिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिद्राघि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् षध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अदिद्राघि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् षध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अदिद्राघिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् डध्वम् ध्वम्
- ६ दिद्राघिषाम्-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिद्राघिषाम्बभूव दिद्राघिषामास (य वहि महि
- ७ दिद्राघिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिद्राघिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिद्राघिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्य ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिद्राघिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

६४३ लाघृङ् (लाघ्) सामर्थ्ये ।

- १ लिलाघि-पते षेते पन्ते पसे षेथे षध्वे षे पावहे पामहे
- २ लिलाघिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लिलाघि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् षध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अलिलाघि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् षध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अलिलाघिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् डध्वम् ध्वम्
- ६ लिलाघिषाम्-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लिलाघिषाम्बभूव लिलाघिषामास (य वहि महि
- ७ लिलाघिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लिलाघिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिलाघिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्य ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलिलाघिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

६४५ श्लाघृङ् (श्लाघ्) कन्थने ।

- १ शिश्लाघि-पते षेते पन्ते पसे षेथे षध्वे षे पावहे पामहे
- २ शिश्लाघिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि मा
- ३ शिश्लाघि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् षध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अशिश्लाघि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् षध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अशिश्लाघिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् डध्वम् ध्वम्
- ६ शिश्लाघिषाम्-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिश्लाघिषाम्बभूव शिश्लाघिषामास (य वहि महि
- ७ शिश्लाघिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिश्लाघिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिश्लाघिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्य ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिश्लाघिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

६४६ लोचृङ् (लोच्) दर्शने ।

- १ लुलोचि-पतेपेतेपन्तेपसेपेथेपध्वेपेपावहेपामहे
- २ लुलोचिषे-तयाताम्रन्थाःयाथाम्ध्वम्यवहिमहि
- ३ लुलोचि-पताम्पेताम्पन्ताम्पस्वपेथाम्पध्वम्पैपावहैपामहै
- ४ अलुलोचि-पतपेताम्पन्तपथाःपेथाम्पध्वम्पेपावहिपामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अलुलोचिषि-ष्टपाताम्पतष्टाःपाथाम्इद्वम्ध्वम्
- ६ लुलोचिषाम्बभूव लुलोचिषामास (यवहिमहि
- ७ लुलोचिषिषी-ष्टयास्ताम्रन्ष्टाःयास्थाम्ध्वम्
- ८ लुलोचिषिता-” रौ रः सेसाथेध्वेहेस्वहेस्महे
- ९ लुलोचिषि-ष्यतेष्यंतेष्यन्तेष्यसेष्यंथेष्यध्वेष्येष्येप्यावहेप्यामहे (ष्येष्यावहिप्यामहि
- १० अलुलोचिषि-ष्यतष्यंताम्ष्यन्तष्यथाःष्यंथाम्ष्यध्वम्

६४८ शचि (शच्) व्यक्तायां वाचि ।

- १ शिशचि-पतेपेतेपन्तेपसेपेथेपध्वेपेपावहेपामहे
- २ शिशचिषे-तयाताम्रन्थाःयाथाम्ध्वम्यवहिमहि
- ३ शिशचि-पताम्पेताम्पन्ताम्पस्वपेथाम्पध्वम्पैपावहैपामहै
- ४ अशिशचि-पतपेताम्पन्तपथाःपेथाम्पध्वम्पेपावहिपामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अशिशचिषि-ष्टपाताम्पतष्टाःपाथाम्इद्वम्ध्वम्
- ६ शिशचिषाम्बभूव शिशचिषामास (यवहिमहि
- ७ शिशचिषिषी-ष्टयास्ताम्रन्ष्टाःयास्थाम्ध्वम्
- ८ शिशचिषिता-” रौ रः सेसाथेध्वेहेस्वहेस्महे
- ९ शिशचिषि-ष्यतेष्यंतेष्यन्तेष्यसेष्यंथेष्यध्वेष्येष्येप्यावहेप्यामहे (ष्येष्यावहिप्यामहि
- १० अशिशचिषि-ष्यतष्यंताम्ष्यन्तष्यथाःष्यंथाम्ष्यध्वम्

६४७ षचि (सच्) सेचने ।

- १ सिसचि-पतेपेतेपन्तेपसेपेथेपध्वेपेपावहेपामहे
- २ सिसचिषे-तयाताम्रन्थाःयाथाम्ध्वम्यवहिमहि
- ३ सिसचि-पताम्पेताम्पन्ताम्पस्वपेथाम्पध्वम्पैपावहैपामहै
- ४ असिसचि-पतपेताम्पन्तपथाःपेथाम्पध्वम्पेपावहिपामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ असिसचिषि-ष्टपाताम्पतष्टाःपाथाम्इद्वम्ध्वम्
- ६ सिसचिषामा-ससतुःसुःसिथसथुःसससिवसिमसिसचिषाम्बभूव (यवहिमहि
- ७ सिसचिषिषी-ष्टयास्ताम्रन्ष्टाःयास्थाम्ध्वम्
- ८ सिसचिषिता-” रौ रः सेसाथेध्वेहेस्वहेस्महे
- ९ सिसचिषि-ष्यतेष्यंतेष्यन्तेष्यसेष्यंथेष्यध्वेष्येष्येप्यावहेप्यामहे (ष्येष्यावहिप्यामहि
- १० असिसचिषि-ष्यतष्यंताम्ष्यन्तष्यथाःष्यंथाम्ष्यध्वम्

६४९ कचि (कच्) बन्धने ।

- १ चिकचि-पतेपेतेपन्तेपसेपेथेपध्वेपेपावहेपामहे
- २ चिकचिषे-तयाताम्रन्थाःयाथाम्ध्वम्यवहिमहि
- ३ चिकचि-पताम्पेताम्पन्ताम्पस्वपेथाम्पध्वम्पैपावहैपामहै
- ४ अचिकचि-पतपेताम्पन्तपथाःपेथाम्पध्वम्पेपावहिपामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अचिकचिषि-ष्टपाताम्पतष्टाःपाथाम्इद्वम्ध्वम्
- ६ चिकचिषामा-ससतुःसुःसिथसथुःसससिवसिमचिकचिषाम्बभूव (यवहिमहि
- ७ चिकचिषिषी-ष्टयास्ताम्रन्ष्टाःयास्थाम्ध्वम्
- ८ चिकचिषिता-” रौ रः सेसाथेध्वेहेस्वहेस्महे
- ९ चिकचिषि-ष्यतेष्यंतेष्यन्तेष्यसेष्यंथेष्यध्वेष्येष्येप्यावहेप्यामहे (ष्येष्यावहिप्यामहि
- १० अचिकचिषि-ष्यतष्यंताम्ष्यन्तष्यथाःष्यंथाम्ष्यध्वम्

६५० कचुङ् (कच्) दीप्तौ ।

- १ चिकश्चि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिकश्चिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकश्चि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचिकश्चि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अचिकश्चिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिकश्चिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रेकृवहे कृमहे चिकश्चिषाम्बभूव चिकश्चिषामास (य वहि महि
- ७ चिकश्चिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकश्चिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकश्चिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचिकश्चिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६५२ श्वचुङ् (श्वच्) गतौ ।

- १ शिश्वश्चि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिश्वश्चिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिश्वश्चि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अशिश्वश्चि-पत पाताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि [पि प्वहि प्महि
- ५ अशिश्वश्चिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शिश्वश्चिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रेकृवहे कृमहे शिश्वश्चिषाम्बभूव शिश्वश्चिषामास (य वहि महि
- ७ शिश्वश्चिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिश्वश्चिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिश्वश्चिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अशिश्वश्चिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६५१ श्वचि (श्वच्) गतौ ।

- १ शिश्वचि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिश्वचिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिश्वचि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अशिश्वचि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अशिश्वचिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शिश्वचिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रेकृवहे कृमहे शिश्वचिषाम्बभूव शिश्वचिषामास (य वहि महि
- ७ शिश्वचिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिश्वचिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिश्वचिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अशिश्वचिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६५३ विचि (वच्) दीप्तौ ।

- १ विवचि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवचिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवचि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अविवचि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अविवचिषि-ष्ट पाताम् पन्त प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विवचिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विवविम विवचिषाश्चक्रे विवचिषामास (य वहि महि
- ७ विवचिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवचिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवचिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अविवचिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६५४ मचि (मच्) कल्कने ।

- १ मिमचि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमचिषे-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमचि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अमिमचि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अमिमचिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ मिमचिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
मिमचिषाञ्चक्रे मिमचिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ मिमचिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्ताम् ध्वम्
- ८ मिमचिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमचिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमचिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६५५ मुचुङ् (मुञ्च्) कल्कने ।

- १ मुमुञ्चि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मुमुञ्चिषे-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मुमुञ्चि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अमुमुञ्चि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अमुमुञ्चिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ मुमुञ्चिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः वव विव विम
मुमुञ्चिषाञ्चक्रे मुमुञ्चिषामास (य वहि महि
- ७ मुमुञ्चिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्ताम् ध्वम्
- ८ मुमुञ्चिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मुमुञ्चिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमुमुञ्चिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६५६ मचुङ् (मञ्च्) धारणोच्छ्रायपूजनेषु च ।

- १ मिमञ्चि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमञ्चिषे-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमञ्चि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अमिमञ्चि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अमिमञ्चिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ मिमञ्चिषाञ्च-क्रेक्रेते क्तिरे कृषे क्राथे कृन्वे क्रे कृवहे कृमहे
मिमञ्चिषाम्बभूव मिमञ्चिषामास [य वहि महि
- ७ मिमञ्चिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्ताम् ध्वम्
- ८ मिमञ्चिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमञ्चिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमञ्चिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६५७ पचुङ् (पञ्च्) व्यक्तीकरणे ।

- १ पिपञ्चि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिपञ्चिषे-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपञ्चि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अपिपञ्चि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अपिपञ्चिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ पिपञ्चिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
पिपञ्चिषाञ्चक्रे पिपञ्चिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ पिपञ्चिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्ताम् ध्वम्
- ८ पिपञ्चिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपञ्चिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिपञ्चिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६५८ ष्टुचि (स्तुच्) प्रसादे ।

- १ तुस्तोचि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ तुस्तोचिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तुस्तोचि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहे षामहे
- ४ अतुस्तोचि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतुस्तोचिषि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ तुस्तोचिषाश्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृ वे क्रेकृवहे कृमहे
तुस्तोचिषाम्बभूष तुस्तोचिषामास (य वहि महि
- ७ तुस्तोचिषिषी-ष्ट याताम् रन् ष्ठा यास्थाम् ध्वम्
- ८ तुस्तोचिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्तहे स्महे
- ९ तुस्तोचिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतुस्तोचिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे स्तो-स्थाने स्तु-इति ज्ञेयम्

६५९ एजुङ् (एज्) दीप्तौ ।

- १ एजिजि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ एजिजिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ एजिजि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहे षामहे
- ४ ऐजिजि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ ऐजिजिषि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ एजिजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
एजिजिषाश्चक्रे एजिजिषामास (य वहि महि
- ७ एजिजिषिषी-ष्ट याताम् रन् ष्ठा यास्थाम् ध्वम्
- ८ एजिजिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्तहे स्महे
- ९ एजिजिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० ऐजिजिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६० ब्रेजु (ब्रेज्) दीप्तौ ।

- १ बिब्रेजि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बिब्रेजिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिब्रेजि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहे षामहे
- ४ अबिब्रेजि-षत षेताम् षन्त सथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अबिब्रेजिषि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ बिब्रेजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बिब्रेजिषाश्चक्रे बिब्रेजिषामास (य वहि महि
- ७ बिब्रेजिषिषी-ष्ट याताम् रन् ष्ठा यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिब्रेजिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्तहे स्महे
- ९ बिब्रेजिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिब्रेजिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६१ भ्राजि (भ्राज्) दीप्तौ ।

- १ बिभ्राजि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बिभ्राजिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभ्राजि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहे षामहे
- ४ अबिभ्राजि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अबिभ्राजिषि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ बिभ्राजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बिभ्राजिषाश्चक्रे बिभ्राजिषामास (य वहि महि
- ७ बिभ्राजिषिषी-ष्ट याताम् रन् ष्ठा यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभ्राजिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्तहे स्महे
- ९ बिभ्राजिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिभ्राजिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६२ इजुङ् (इज्) गतौ ।

- १ इञ्जिजि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ इञ्जिजिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ इञ्जिजि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ पेञ्जिजि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ पेञ्जिजिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ इञ्जिजिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रेकृवहे कृमहे
इञ्जिजिषाम्बभूव इञ्जिजिषामास (य वहि महि
- ७ इञ्जिजिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ इञ्जिजिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ इञ्जिजिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० पेञ्जिजिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६४ ऋजि (ऋज्) गतिस्थानार्जनोपार्जनेषु ।

- १ अर्जिजि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ अर्जिजिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अर्जिजि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ आर्जिजि-षत षेताम् षन्त सथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ आर्जिजिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ अर्जिजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अर्जिजिषाञ्चक्रे अर्जिजिषामास (य वहि महि
- ७ अर्जिजिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अर्जिजिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अर्जिजिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आर्जिजिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६३ ईजि (ईज्) कुत्सने च ।

- १ ईजिजि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ ईजिजिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ईजिजि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ पेजिजि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ पेजिजिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ ईजिजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
ईजिजिषाञ्चक्रे ईजिजिषामास (य वहि महि
- ७ ईजिजिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ईजिजिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ईजिजिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० पेजिजिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६५ ऋजुङ् (ऋज्) भर्जने ।

- १ ऋजिजि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ ऋजिजिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ऋजिजि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ आर्जिजि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ आर्जिजिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ ऋजिजिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रेकृवहे कृमहे
ऋजिजिषाम्बभूव ऋजिजिषामास (य वहि महि
- ७ ऋजिजिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ऋजिजिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ऋजिजिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आर्जिजिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६६ भृजैङ् (भृज्) भर्जने ।

- १ विभर्जि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विभर्जिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विभर्जि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविभर्जि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अविभर्जिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ विभर्जिषाम्बभू-व वतु दुः विथ वथुः व व विव विम
विभर्जिषाम्बभूव विभर्जिषामास (य वहि महि
- ७ विभर्जिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विभर्जिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विभर्जिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविभर्जिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६८ घट्टि (घट्) चलने ।

- १ जिघट्टि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिघट्टिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिघट्टि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिघट्टि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अजिघट्टिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ जिघट्टिषाम्बभू-व वतु दुः विथ वथुः व व विव विम
जिघट्टिषाम्बभूव जिघट्टिषामास (य वहि महि
- ७ जिघट्टिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिघट्टिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिघट्टिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिघट्टिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६७ तित्ति (तिज्) क्षमानिश्चानयोः ।

- १ तित्तिक्षि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ तित्तिक्षिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तित्तिक्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अतित्तिक्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतित्तिक्षिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ तित्तिक्षिषाम्बभू-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रेकृवहे कृमहे
तित्तिक्षिषाम्बभूव तित्तिक्षिषामास (य वहि महि
- ७ तित्तिक्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तित्तिक्षिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तित्तिक्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतित्तिक्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६९ स्फुटि (स्फुट्) विकसने ।

- १ पुस्फोटि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पुस्फोटिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पुस्फोटि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपुस्फोटि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अपुस्फोटिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ पुस्फोटिषाम्बभू-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रेकृवहे कृमहे
पुस्फोटिषाम्बभूव पुस्फोटिषामास (य वहि महि
- ७ पुस्फोटिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पुस्फोटिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पुस्फोटिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपुस्फोटिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६७२ लोष्टि (लोष्ट) संघाते ।

- १ चिच्चेष्टि-पते पेतं पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
 - २ चिच्चेष्टिषे-त याताम् रन्थाः यास्याम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ चिच्चेष्टि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
 - ४ अचिच्चेष्टि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि व्वहि प्महि
 - ५ अचिच्चेष्टिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पेथाम् इह्वम् ध्वम्
 - ६ चिच्चेष्टिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
चिच्चेष्टिषाञ्चक्रे चिच्चेष्टिषाम्बभूव (य वहि महि
 - ७ चिच्चेष्टिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्याम् ध्वम्
 - ८ चिच्चेष्टिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ चिच्चेष्टिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्य ष्यावहि ष्यामहि
 - १० अचिच्चेष्टिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
 - १ लुलोष्टि-पते पेतं पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
 - २ लुलोष्टिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ लुलोष्टि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
यावहै पामहै
 - ४ अलुलोष्टि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि [पि व्वहि प्महि
 - ५ अलुलोष्टिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
 - ६ लुलोष्टिषाञ्च क्रेकाते किरे कृषे काथे कृत्वे के कृवहे कृमहे
लुलोष्टिषाम्बभूव लुलोष्टिषामास [य वहि महि
 - ७ लुलोष्टिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्याम् ध्वम्
 - ८ लुलोष्टिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ लुलोष्टिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्य ष्यावहि ष्यामहि
 - १० अलुलोष्टिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६७३. वेष्टि (वेष्ट) वेष्टने ।

- | | |
|--|--|
| १ जुगोष्टि-पते पेतं पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे | १ विवेष्टि-पते पेतं पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे |
| २ जुगोष्टिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् पध्वम् य वहि महि | २ विवेष्टिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् पध्वम् य वहि महि |
| ३ जुगोष्टि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै | ३ विवेष्टि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पाणहै |
| ४ अजुगोष्टि-पत पाताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि | ४ अत्रिवेष्टि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि |
| ५ अजुगोष्टिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ङ्ग्वम् पध्वम् | ५ अत्रिवेष्टिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ङ्ग्वम् पध्वम् |
| ६ जुगोष्टिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जुगोष्टिषाञ्चक्रे जुगोष्टिषामान (य वहि महि | ६ विवेष्टिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम विवेष्टिषाञ्चक्रे विवेष्टिषाम्बभूव [य वहि महि |
| ७ जुगोष्टिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् पध्वम् | ७ विवेष्टिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् पध्वम् |
| ८ जुगोष्टिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे | ८ विवेष्टिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे |
| ९ जुगोष्टिषि-ष्यंतं ष्यंतं ष्यन्ते ष्यसे ष्यंथे ष्यध्वे ष्यं प्यावहे प्यामहे (ध्रं प्यावहि प्यामहि | ९ विवेष्टिषि-ष्यंतं ष्यंतं ष्यन्ते ष्यसे ष्यंथे ष्यध्वे ष्यं प्यावहे प्यामहे [ष्ये प्यावहि प्यामहि |
| १० अजुगोष्टिषि-ष्यतं ष्यताम् ष्यन्तं ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम् | १० अत्रिवेष्टिषि-ष्यतं ष्यताम् ष्यन्तं ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम् |

६७४ अट्टि (अट्ट) हिंसातिक्रमयोः ।

- १ अट्टि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ अट्टिषे-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अट्टि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ आट्टि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ आट्टिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ अट्टिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
अट्टिषाञ्चक्रे अट्टिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ अट्टिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्ताम् ध्वम्
- ८ अट्टिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अट्टिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० आट्टिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६७५ एटि (एट्ट) विवाधायाम् ।

- १ एटि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ एटिषे-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ एटि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ ऐटि-पत पाताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ ऐटिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ एटिषाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम
एटिषाञ्चक्रे एटिषामास (य वहि महि
- ७ एटिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्ताम् ध्वम्
- ८ एटिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ एटिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० ऐटिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६७६ हेटि (हेट्ट) विवाधायाम् ।

- १ जेहेटि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जेहेटिषे-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेहेटि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
यावहै पामहै
- ४ अजेहेटि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि [पि प्वहि प्महि
- ५ अजेहेटिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेहेटिषाञ्च-क्रेक्रेते क्तिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
जेहेटिषाम्बभूव जेहेटिषामास [य वहि महि
- ७ जेहेटिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्ताम् ध्वम्
- ८ जेहेटिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेहेटिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजेहेटिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्
सर्वत्र जेहेस्थाने जिह्मिति शुद्धम् ।

६७७ मटुई (मण्ड) शोके ।

- १ मिमण्डि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ मिमण्डिषे-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमण्डि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पाणहै
- ४ अमिमण्डि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अमिमण्डिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मिमण्डिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
मिमण्डिषाञ्चक्रे मिमण्डिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ मिमण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्ताम् ध्वम्
- ८ मिमण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमण्डिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे [प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अमिमण्डिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

६७८ कटुङ् (कण्ट) शोके ।

- १ चिकण्ठि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिकण्ठिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकण्ठि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिकण्ठि-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अचिकण्ठिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चिकण्ठिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विमि
चिकण्ठिषाञ्चके चिकण्ठिषामास (य वहि महि
- ७ चिकण्ठिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकण्ठिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकण्ठिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकण्ठिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८० वटुङ् (वण्ट) एकचर्यायां ।

- १ विवण्ठि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवण्ठिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवण्ठि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षाणहै
- ४ अविवण्ठि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अविवण्ठिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ विवण्ठिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवण्ठिषाञ्चके विवण्ठिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ विवण्ठिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवण्ठिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवण्ठिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवण्ठिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६७९ मुटुङ् (मुण्ट) पलायने ।

- १ मुमुण्ठि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मुमुण्ठिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मुमुण्ठि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमुमुण्ठि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अमुमुण्ठिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मुमुण्ठिषाञ्च-केकाते किरे कृषे काथे कृढ्वे के कृवहेकृमहे
मुमुण्ठिषाम्बभूव मुमुण्ठिषामास [य वहि महि
- ७ मुमुण्ठिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मुमुण्ठिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मुमुण्ठिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमुमुण्ठिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८१ अटुङ् (अण्ट) गतौ ।

- १ अण्ठि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ अण्ठिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अण्ठि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ आण्ठि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ आण्ठिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ अण्ठिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
अण्ठिषाञ्चके अण्ठिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ अण्ठिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अण्ठिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अण्ठिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आण्ठिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८२ पडुङ् (पण्ड) गतौ ।

- १ पिपण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिपण्डिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपिपण्डि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अपिपण्डिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षध्वम् ध्वम्
- ६ पिपण्डिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
पिपण्डिषाञ्चक्रे पिपण्डिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पिपण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपण्डिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिपण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८४ पिडुङ् (पिण्ड) संघाते ।

- १ पिपिण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिपिण्डिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपिण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपिपिण्डि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अपिपिण्डिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षध्वम् ध्वम्
- ६ पिपिण्डिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
पिपिण्डिषाञ्चक्रे पिपिण्डिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ पिपिण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपिण्डिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपिण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिपिण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८३ हुडङ् (हुण्ड) संघाते ।

- १ जुहुण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जुहुण्डिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुहुण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजुहुण्डि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अजुहुण्डिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षध्वम् ध्वम्
- ६ जुहुण्डिषाञ्च-क्रेकाते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहेकृमहे
जुहुण्डिषाम्बभूव जुहुण्डिषामास [य वहि महि
- ७ जुहुण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुहुण्डिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुहुण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुहुण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८५ शडुङ् (शण्ड) रुजायाञ्च ।

- १ शिशण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ शिशण्डिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिशण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अशिशण्डि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अशिशण्डिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षध्वम् ध्वम्
- ६ शिशण्डिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम
शिशण्डिषाञ्चक्रे शिशण्डिषामास (य वहि महि
- ७ शिशण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिशण्डिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिशण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८६ तडुङ् (तण्ड) ताडने ।

- १ तितण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ तितण्डिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अतितण्डि-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अतितण्डिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ तितण्डिषाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
तितण्डिषाम्बभूव तितण्डिषामास (य वहि महि
- ७ तितण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तितण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तितण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतितण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८८ खडुङ् (खण्ड) मन्थे ।

- १ चिखण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिखण्डिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिखण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिखण्डि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अचिखण्डिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ चिखण्डिषाश्च-व वतुः वः विथ वथुः व व विव विम
चिखण्डिषाश्चके चिखण्डिषामास (य वहि महि
- ७ चिखण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिखण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिखण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिखण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८७ कडुङ् (कण्ड) मर्दे ।

- १ चिकण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिकण्डिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिकण्डि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अचिकण्डिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ चिकण्डिषाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
चिकण्डिषाम्बभूव चिकण्डिषामास (य वहि महि
- ७ चिकण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८९ खुडुङ् (खुण्ड) गतिवैकल्ये ।

- १ चुखण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चुखण्डिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुखण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचुखण्डि-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अचुखण्डिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ चुखण्डिषाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
चुखण्डिषाम्बभूव चुखण्डिषामास (य वहि महि
- ७ चुखण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चुखण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुखण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचुखण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६९० कुडुङ् (कुण्ड) दाहे ।

- १ चुकुण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चुकुण्डिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुकुण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचुकुण्डि-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अचुकुण्डिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ चुकुण्डिषाश्च-के काते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
चुकुण्डिषाम्बभूव चुकुण्डिषामास (य वहि महि
- ७ चुकुण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चुकुण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुकुण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचुकुण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६९२ मडुङ् (मण्ड) वेष्टने ।

- १ मिमण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमण्डिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमिमण्डि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अमिमण्डिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ मिमण्डिषाश्च-के काते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
मिमण्डिषाम्बभूव मिमण्डिषामास (य वहि महि
- ७ मिमण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६९१ वडुङ् (वण्ड) वेष्टने ।

- १ विवण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवण्डिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविवण्डि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अविवण्डिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ विवण्डिषाश्च-के काते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
विवण्डिषाम्बभूव विवण्डिषामास (य वहि महि
- ७ विवण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६९३ भडुङ् (भण्ड) परिभाषणे ।

- १ बिभण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बिभण्डिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अबिभण्डि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अबिभण्डिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ बिभण्डिषाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम
बिभण्डिषाश्चके बिभण्डिषामास (य वहि महि
- ७ बिभण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिभण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६९६ भुडुङ (भुण्ड) वरणे ।

- १ बुभुण्डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
 २ बुभुण्डिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ बुभुण्डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
 षावहै षामहै
 ४ अबुभुण्डि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
 षावहि षामहि [षि ध्वहि ध्महि
 ५ अबुभुण्डिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
 ६ बुभुण्डिषाश्च-क् क्राते किरै कृषे काथे कृद्वे क्रेकृवहेकृमहे
 बुभुण्डिषाम्बभूव बुभुण्डिषामास (य वहि महि
 ७ बुभुण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ बुभुण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ बुभुण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अबुभुण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वः

६९७ चड्ड (चण्ड) कोपे ।

- | | |
|--|--|
| १ तुतुण्डि-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे | १ चिचण्डि-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे |
| २ तुतुण्डिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि | २ चिचण्डिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि |
| ३ तुतुण्डि-पताम् पेटात् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै पावहै पामहै | ३ चिचण्डि-पताम् पेटात् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै पावहै पामहै |
| ४ अतुतुण्डि-पत पेटात् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् ये पावहि पामहि (षि प्वहि प्महि | ४ अचिचण्डि-पत पेटात् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् ये पावहि पामहि (षि प्वहि प्महि |
| ५ अतुतुण्डिषि-ष्ट पाताम् पन्त ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम् | ५ अचिचण्डिषि-ष्ट पाताम् पन्त ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम् |
| ६ तुतुण्डिषाञ्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काये कृध्वे क्रे क्वहे क्महे तुतुण्डिषाम्बभूष तुतुण्डिषामास (य वहि महि | ६ चिचण्डिषाम्बभू-व वतुः बुः विथ वथुः व व विव विम चिचण्डिषाञ्चके चिचण्डिषामास (य वहि महि |
| ७ तुतुण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् | ७ चिचण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् |
| ८ तुतुण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे | ८ चिचण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे |
| ९ तुतुण्डिषि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि | ९ चिचण्डिषि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि |
| १० अतुतुण्डिषि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम् | १० अचिचण्डिषि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम् |

६९८ द्राड्ड (द्राड्) विशरणे ।

- १ दिद्राडि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ दिद्राडिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिद्राडि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेत्याम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अदिद्राडि-पत पताम् पन्त पथाः पेत्याम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अदिद्राडिषि-पताताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिद्राडिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- दिद्राडिषाम्बभूव दिद्राडिषामास (य वहि महि
- ७ दिद्राडिषिषी-प यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिद्राडिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिद्राडिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अदिद्राडिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येत्याम् प्यध्वम्

७०० शाड्ड (शाड्) श्लाघायाम् ।

- १ शिशाडि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिशाडिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिशाडि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेत्याम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अशिशाडि-पत पाताम् पन्त पथाः पेत्याम् पध्वम् पे
पावहि पामहि [पि प्वहि प्महि
- ५ अशिशाडिषि-पताताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शिशाडिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- शिशाडिषाम्बभूव शिशाडिषामास (य वहि महि
- ७ शिशाडिषिषी-प यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिशाडिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशाडिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अशिशाडिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येत्याम् प्यध्वम्

६९९ ध्राड्ड (ध्राड्) विशरणे ।

- १ दिध्राडि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ दिध्राडिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिध्राडि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेत्याम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अदिध्राडि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेत्याम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अदिध्राडिषि-पताताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिध्राडिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- दिध्राडिषाम्बभूव दिध्राडिषामास (य वहि महि
- ७ दिध्राडिषिषी-प यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिध्राडिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिध्राडिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अदिध्राडिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येत्याम् प्यध्वम्

७०१ वाड्ड (वाड्) आप्लाव्ये ।

- १ विवाडि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवाडिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवाडि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेत्याम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अविवाडि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेत्याम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अविवाडिषि-पताताम् पन्त प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विवाडिषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- विवाडिषाञ्चके विवाडिषामास (य वहि महि
- ७ विवाडिषिषी-प यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवाडिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवाडिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अविवाडिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येत्याम् प्यध्वम्

७०२ हेडृङ् (हेड्) अनादरे ।

- १ जिहेडि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिहेडिषे-त याताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिहेडि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अजिहेडि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिहेडिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ङ्त्वम् ध्वम्
- ६ जिहेडिषाम्भू-स सतुः सुः सिय सथुः सस सिव सिम
जिहेडिषाम्भूष जिहेडिषाम्भूष (य वहि महि
- ७ जिहेडिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिहेडिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिहेडिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिहेडिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७०४ हिडृङ् (हिण्) गतौ च ।

- १ जिहिण्डि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिहिण्डिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिहिण्डि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अजिहिण्डि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिहिण्डिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ङ्त्वम् ध्वम्
- ६ जिहिण्डिषाम्भू-व वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम
जिहिण्डिषाम्भूष जिहिण्डिषाम्भूष (य वहि महि
- ७ जिहिण्डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिहिण्डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिहिण्डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिहिण्डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७०३ होडृङ् (होड्) अनादरे ।

- १ जुहोडि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जुहोडिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुहोडि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
यावहै पामहै
- ४ अजुहोडि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजुहोडिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ङ्त्वम् ध्वम्
- ६ जुहोडिषाम्भू-क्रेकाते क्रिरे कृषे काथे कृत्वे क्रेकृवहेकृमहे
जुहोडिषाम्भूष जुहोडिषाम्भूष (य वहि महि
- ७ जुहोडिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुहोडिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुहोडिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुहोडिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७०५ विणुङ् (विण्) ग्रहणे ।

- १ जिधिणि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिधिणिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिधिणि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अजिधिणि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिधिणिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ङ्त्वम् ध्वम्
- ६ जिधिणिषाम्भू-क्रेकाते क्रिरे कृषे काथे कृत्वे क्रेकृवहेकृमहे
जिधिणिषाम्भूष जिधिणिषाम्भूष (य वहि महि
- ७ जिधिणिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिधिणिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिधिणिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिधिणिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७०६ घुण्ण (घुण्ण) ग्रहणे ।

- १ जुघुणि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ जुघुणिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुघुणि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजुघुणि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि [पि प्वहि प्वहि
- ५ अजुघुणिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ जुघुणिषाञ्च-क्रे कते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे क्रेकृवहेकृमहे जुघुणिषाम्बभूव जुघुणिषामास (य वहि महि
- ७ जुघुणिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुघुणिषिता-” रौ रः से साथे प्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुघुणिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजुघुणिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

७०८ घुणि (घुण्) भ्रमणे ।

- १ जुघुणि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ जुघुणिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुघुणि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पाणहै
- ४ अजुघुणि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अजुघुणिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ जुघुणिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जुघुणिषाञ्चक्रे जुघुणिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ जुघुणिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुघुणिषिता-” रौ रः से साथे प्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुघुणिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे [प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजुघुणिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम् पक्षे जुघु-स्थाने जुचो-इति ज्ञेयम्

७०७ घृण्ण (घृण्ण) ग्रहणे ।

- १ जिघृणि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ जिघृणिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिघृणि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजिघृणि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् ये पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अजिघृणिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ जिघृणिषाञ्च-क्रे कते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे क्रेकृवहेकृमहे जिघृणिषाम्बभूव जिघृणिषामास (य वहि महि
- ७ जिघृणिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिघृणिषिता-” रौ रः से साथे प्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिघृणिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजिघृणिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

७०९ घृणि (घृण्) भ्रमणे ।

- १ जुघृणि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ जुघृणिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुघृणि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजुघृणि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अजुघृणिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ जुघृणिषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जुघृणिषाञ्चक्रे जुघृणिषामास (य वहि महि
- ७ जुघृणिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुघृणिषिता-” रौ रः से साथे प्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुघृणिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजुघृणिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

७१० पणि (पण) व्यवहारस्तुत्योः ।

- १ पिपणि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ पिपणिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपणि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अपिपणि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अपिपणिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ पिपणिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम पिपणिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पिपणिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपणिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपणिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अपिपणिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येशाम् प्यध्वम् पक्षे पिपणिष-ति तः न्ति सिथः इत्वादि

७११ यतैङ् (यत्) प्रयत्ने ।

- १ यियति-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ यियतिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ यियति-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अयियति-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अयियतिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ यियतिषाम्बभूव-के क्राते किरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे यियतिषाम्बभूव यियतिषामास (य वहि महि
- ७ यियतिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ यियतिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ यियतिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अयियतिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येशाम् प्यध्वम् पक्षे जुजु-स्थाने जुजो-इति ज्ञेयम्

७१२ युतृङ् (युत) भासने ।

- १ युयुति-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ युयुतिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ युयुति-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अयुयुति-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अयुयुतिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ युयुतिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम युयुतिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ युयुतिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ युयुतिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ युयुतिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अयुयुतिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येशाम् प्यध्वम् पक्षे युयु-स्थाने युयो-इति ज्ञेयम्

७१३ जुतृङ् (जुत्) भासने ।

- १ जुजुति-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जुजुतिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुजुति-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजुजुति-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजुजुतिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जुजुतिषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जुजुतिषाम्बभूव जुजुतिषामास (य वहि महि
- ७ जुजुतिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुजुतिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुजुतिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजुजुतिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येशाम् प्यध्वम् पक्षे जुजु-स्थाने जुजो-इति ज्ञेयम्

७१४ विथृङ् (विथ्) याचने ।

- १ विविथि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विविथिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विविथि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविविथि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अविविथिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विविथिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विविथिषाञ्चरे विविथिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ विविथिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विविथिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विविथिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविविथिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे विवि-स्थाने विवे इति ज्ञेयम्

७१५ वेथृङ् (वेथ्) याचने ।

- १ विवेथि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवेथिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवेथि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविवेथि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अविवेथिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विवेथिषाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
विवेथिषाम्बभूव विवेथिषामास (य वहि महि
- ७ विवेथिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवेथिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवेथिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवेथिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१६ नाथृङ् (नाथ्) उपतापैश्वर्याशीःषु च ।

- १ निनाथि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ निनाथिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनाथि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अनिनाथि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अनिनाथिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ निनाथिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
निनाथिषाञ्चके निनाथिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ निनाथिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ निनाथिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनाथिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनिनाथिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१७ अथृङ् (अन्थ्) शैथिल्ये ।

- १ शिश्रन्थि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ शिश्रन्थिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिश्रन्थि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अशिश्रन्थि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अशिश्रन्थिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शिश्रन्थिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिश्रन्थिषाञ्चके शिश्रन्थिषामास (य वहि महि
- ७ शिश्रन्थिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिश्रन्थिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिश्रन्थिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिश्रन्थिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१८ ग्रथुङ् (ग्रन्थ्) कौटिल्ये ।

- १ जिग्रन्थि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिग्रन्थिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिग्रन्थि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेत्याम् पध्वम् पै पावहै पामहै
- ४ अजिग्रन्थि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेत्याम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजिग्रन्थिषि-ष्ट पाताम् पत घाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ जिग्रन्थिषाम्बभू-व वतु दुः विथ वधुः व व विव विम जिग्रन्थिषाम्बभूव जिग्रन्थिषामास (य वहि महि
- ७ जिग्रन्थिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिग्रन्थिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिग्रन्थिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिग्रन्थिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

७२० श्वदुङ् (श्वद्) श्वैत्ये ।

- १ शिश्विन्दि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिश्विन्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिश्विन्दि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेत्याम् पध्वम् पै पावहै पामहै
- ४ अशिश्विन्दि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेत्याम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अशिश्विन्दिषि-ष्ट पाताम् पत घाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ शिश्विन्दिषाम्बभू-के क्राते किरे कृषे काथे कृध्वे केकृवहे कृमहे शिश्विन्दिषाम्बभूव शिश्विन्दिषामास (य वहि महि
- ७ शिश्विन्दिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिश्विन्दिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिश्विन्दिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिश्विन्दिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

७१९ कत्थि (कत्थ्) श्लाघायाम् ।

- १ चिकत्थि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिकत्थिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकत्थि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेत्याम् पध्वम् पै पावहै पामहै
- ४ अचिकत्थि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेत्याम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अचिकत्थिषि-ष्ट पाताम् पत घाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ चिकत्थिषाम्बभू-के क्राते किरे कृषे काथे कृध्वे केकृवहे कृमहे चिकत्थिषाम्बभूव चिकत्थिषामास (य वहि महि
- ७ चिकत्थिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकत्थिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकत्थिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकत्थिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

७२१ वदुङ् (वन्द्) स्तुत्यभिवादनयोः ।

- १ विवन्दि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवन्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवन्दि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेत्याम् पध्वम् पै पावहै पामहै
- ४ अविवन्दि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेत्याम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अविवन्दिषि-ष्ट पाताम् पत घाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ विवन्दिषाम्बभू-व वतु दुः विथ वधुः व व विव विम विवन्दिषाम्बभूव विवन्दिषामास (य वहि महि
- ७ विवन्दिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवन्दिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवन्दिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवन्दिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

७२२ भदुङ् (भन्द) सुखकल्याणयोः ।

- १ बिभन्दि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बिभन्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभन्दि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अबिभन्दि-षत षेताम् षन्त सथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अबिभन्दिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ बिभन्दिषाम्बभू-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम
बिभन्दिषाश्चक्रे बिभन्दिषामास (य वहि महि
- ७ बिभन्दिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभन्दिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभन्दिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिभन्दिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७२४ स्पदुङ् (स्पन्द) किञ्चिच्चलने ।

- १ पिस्पन्दि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिस्पन्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिस्पन्दि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपिस्पन्दि-षत षेताम् षन्त सथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपिस्पन्दिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ पिस्पन्दिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रेकृवहेकृमहे
पिस्पन्दिषाम्बभूष पिस्पन्दिषामास (य वहि महि
- ७ पिस्पन्दिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिस्पन्दिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिस्पन्दिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिस्पन्दिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७२३ मदुङ् (मन्द) स्तुतिमोदमदस्वप्नगतिषु ।

- १ मिमन्दि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमन्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमन्दि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमिमन्दि-षत षेताम् षन्त सथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमन्दिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ मिमन्दिषाम्बभू-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमन्दिषाश्चक्रे मिमन्दिषामास (य वहि महि
- ७ मिमन्दिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमन्दिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमन्दिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमन्दिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७२५ क्लिदुङ् (क्लिन्द) परिदेवने ।

- १ चिक्लिन्दि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिक्लिन्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिक्लिन्दि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिक्लिन्दि-षत षेताम् षन्त सथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचिक्लिन्दिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ चिक्लिन्दिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रेकृवहेकृमहे
चिक्लिन्दिषाम्बभूष चिक्लिन्दिषामास (य वहि महि
- ७ चिक्लिन्दिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिक्लिन्दिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्लिन्दिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिक्लिन्दिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७२६ मुदि (मुद्) हर्षे ।

- १ मुमुदि-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ मुमुदिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मुमुदि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अमुमुदि-पत पेटाम् पन्त सथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अमुमुदिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मुमुदिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- मुमुदिषाञ्चक्रे मुमुदिषामास (य वहि महि
- ७ मुमुदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मुमुदिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मुमुदिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमुमुदिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम् पक्षे मुमु-स्थाने मुमो-इति ज्ञेयम्

७२८ हर्दि (हद्) परिषोत्सर्गे ।

- १ जिहत्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ जिहत्से-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिहत्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् से सावहै सामहै
- ४ अजिहत्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से सावहि सामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजिहत्सि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जिहत्साञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे जिहत्साम्बभूव जिहत्सामास (य वहि महि
- ७ जिहत्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिहत्सिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिहत्सि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिहत्सि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

७२७ ददि (दद्) दाने ।

- १ दिददि-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ दिददिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिददि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अदिददि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अदिददिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दिददिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- दिददिषाञ्चक्रे दिददिषामास (य वहि महि
- ७ दिददिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिददिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिददिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिददिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

७२९ ष्वदि (स्वद्) आस्वादने ।

- १ सिस्वदि-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिस्वदिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्वदि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ असिस्वदि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ असिस्वदिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सिस्वदिषाञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे सिस्वदिषाम्बभूव सिस्वदिषामास (य वहि महि
- ७ सिस्वदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिस्वदिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिस्वदिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिस्वदिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

७३० स्वदि (स्वर्द्) आस्वादाने ।

- १ सिस्वदि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिस्वदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्वदि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अस्वदि-पत पेताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि ध्महि)
- ५ अस्वदिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ सिस्वदिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम सिस्वदिषाञ्चक्रे सिस्वदिषाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ सिस्वदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिस्वदिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिस्वदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अस्वदिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७३२ उदि (ऊर्द्) मानक्रीडयोश्च ।

- १ ऊदिदि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ ऊदिदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ऊदिदि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ औदिदि-पत पेताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि ध्महि)
- ५ औदिदिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ ऊदिदिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम उदिदिषाञ्चक्रे ऊदिदिषाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ ऊदिदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ऊदिदिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ऊदिदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० औदिदिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७३१ स्वादि (स्वाद्) आस्वादाने ।

- १ सिस्वादि-पतेपते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिस्वादिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्वादि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अस्वादि-पत पेताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि ध्महि)
- ५ अस्वादिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ सिस्वादिषाञ्चक्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वेकेकृवहेकृमहे सिस्वादिषाम्बभूव सिस्वादिषामास (य वहि महि)
- ७ सिस्वादिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिस्वादिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिस्वादिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अस्वादिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७३३ कुदि (कूर्द्) क्रीडायाम् ।

- १ चुकृदि-पतेपते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चुकृदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुकृदि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचुकृदि-पत पेताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि ध्महि)
- ५ अचुकृदिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चुकृदिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चुकृदिषाञ्चक्रे चुकृदिषामास (य वहि महि)
- ७ चुकृदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चुकृदिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुकृदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अचुकृदिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७३४ गुदि (गुर्द) क्रीडायाम् ।

- १ जुगुर्दि-पते पते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जुगुर्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ जुगुर्दि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ अजुगुर्दि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजुगुर्दिषि-ष्ट पाताम् पत छाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जुगुर्दिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स सं सिब सिम जुगुर्दिषाश्चके जुगुर्दिषाम्बभूव (यवहिमहि
- ७ जुगुर्दिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् छाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुगुर्दिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुगुर्दिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजुगुर्दिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

७३५ गुदि (गुद) क्रीडायाम् ।

- १ जुगुदि-पतेपेतेपन्तेपसेपेथेपध्वेपेपावहेपामहे
- २ जुगुदिषे-तयाताम्रन्थाःयाथाम्ध्वम्यवहिमहि
- ३ जुगुदि-पताम्पेताम्पन्ताम्पस्वपेथाम्पध्वम्पेपावहेपामहे
- ४ अजुगुदि-पतपेताम्पन्तपथाःपेथाम्पध्वम्पेपावहिपामहि (पिप्वहिप्महि
- ५ अजुगुदिषि-ष्टपाताम्पतछाःपाथाम्इद्वम्ध्वम्
- ६ जुगुदिषाश्चकेकतेकिरेकृषेकथेकृद्वेकेकृवहेकृमहे जुगुदिषाम्बभूव जुगुदिषामास (यवहिमहि
- ७ जुगुदिषिषी-ष्टयास्ताम्रन्छाःयास्थाम्ध्वम्
- ८ जुगुदिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुगुदिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजुगुदिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम् पक्षे जुगु-स्थाने जुगो-इति होयम्

७३६ वृदि (सूद) क्षरणे ।

- १ सुसुदि-पतेपेतेपन्तेपसेपेथेपध्वेपेपावहेपामहे
- २ सुसुदिषे-तयाताम्रन्थाःयाथाम्ध्वम्यवहिमहि
- ३ सुसुदि-पताम्पेताम्पन्ताम्पस्वपेथाम्पध्वम्पेपावहेपामहे
- ४ असुसुदि-पतपेताम्पन्तपथाःपेथाम्पध्वम्पेपावहिपामहि (पिप्वहिप्महि
- ५ असुसुदिषि-ष्टपाताम्पतछाःपाथाम्इद्वम्ध्वम्
- ६ सुसुदिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स सं सिब सिम सुसुदिषाश्चके सुसुदिषाम्बभूव (यवहिमहि
- ७ सुसुदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् छाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सुसुदिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सुसुदिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० असुसुदिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

७३७ झदि (ह्रस्व) शब्दे ।

- १ जिहादि-पतेपेतेपन्तेपसेपेथेपध्वेपेपावहेपामहे
- २ जिहादिषे-तयाताम्रन्थाःयाथाम्ध्वम्यवहिमहि
- ३ जिहादि-पताम्पेताम्पन्ताम्पस्वपेथाम्पध्वम्पेपावहेपामहे
- ४ अजिहादि-पतपेताम्पन्तपथाःपेथाम्पध्वम्पेपावहिपामहि (पिप्वहिप्महि
- ५ अजिहादिषि-ष्टपाताम्पतछाःपाथाम्इद्वम्ध्वम्
- ६ जिहादिषाम्बभूव न्तुः उः विथ नथुः न व विव विम जिहादिषाश्चके जिहादिषामास (यवहिमहि
- ७ जिहादिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् छाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिहादिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिहादिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजिहादिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

७३८ ह्रादैङ् (ह्राद्) सुखे च ।

- १ जिह्वादि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिह्वादिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिह्वादि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिह्वादि-षत षेताम् षन्त सथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अजिह्वादिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ जिह्वादिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
जिह्वादिषाञ्चक्रे जिह्वादिषामास (य वहि महि
- ७ जिह्वादिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिह्वादिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिह्वादिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिह्वादिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७४० स्कुदुङ् (स्कुन्द्) आप्रवणे ।

- १ चुस्कुन्दि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चुस्कुन्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुस्कुन्दि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचुस्कुन्दि-षत षेताम् षन्त सथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अचुस्कुन्दिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ चुस्कुन्दिषाञ्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
चुस्कुन्दिषाम्बभूव चुस्कुन्दिषामास (य वहि महि
- ७ चुस्कुन्दिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चुस्कुन्दिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुस्कुन्दिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचुस्कुन्दिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७३९ पदि (पद्) कुत्सिते शब्दे ।

- १ पिपदि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिपदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपदि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपिपदि-षत षेताम् षन्त सथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अपिपदिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ पिपदिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
पिपदिषाञ्चक्रे पिपदिषामास (य वहि महि
- ७ पिपदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपदिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिपदिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७४१ पधि (पध्) वृद्धौ ।

- १ पदिधि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पदिधिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पदिधि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ पेदिधि-षत षेताम् षन्त सथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ पेदिधिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ पदिधिषाञ्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
पदिधिषाम्बभूव पदिधिषामास (य वहि महि
- ७ पदिधिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पदिधिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पदिधिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० पेदिधिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७४२ स्पर्धि (स्पर्ध्) सङ्घर्षे ।

- १ पिस्पर्द्धि-पते षेते पन्ते पसे षेथे षध्वे षे पावहे पामहे
- २ पिस्पर्द्धिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिस्पर्द्धि-पताम् षेताम् पन्ताम् पस्व षेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अपिस्पर्द्धि-पत षेताम् पन्त पथाः षेथाम् पध्वम् षे
पावहि पामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अपिस्पर्द्धिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ पिस्पर्द्धिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिस्पर्द्धिषाश्चक्रे पिस्पर्द्धिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पिस्पर्द्धिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिस्पर्द्धिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिस्पर्द्धिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिस्पर्द्धिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७४४ बाधृङ् (बाध्) रोटने ।

- १ बिबाधि-पते षेते पन्ते पसे षेथे षध्वे षे पावहे पामहे
- २ बिबाधिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिबाधि-पताम् षेताम् पन्ताम् पस्व षेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अबिबाधि-पत षेताम् पन्त पथाः षेथाम् पध्वम् षे
पावहि पामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अबिबाधिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ बिबाधिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
बिबाधिषाश्चक्रे बिबाधिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ बिबाधिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिबाधिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिबाधिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिबाधिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७४३ गाधृङ् (गाध्) प्रतिष्ठालिप्साग्रन्थेषु ।

- १ जिगाधि-पते षेते पन्ते पसे षेथे षध्वे षे पावहे पामहे
- २ जिगाधिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिगाधि-पताम् षेताम् पन्ताम् पस्व षेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अजिगाधि-पत षेताम् पन्त पथाः षेथाम् पध्वम् षे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजिगाधिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जिगाधिषाश्चक्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
जिगाधिषाम्बभूव जिगाधिषामास (य वहि महि
- ७ जिगाधिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिगाधिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिगाधिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिगाधिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७४५ दधि (दध्) धारणे ।

- १ दिदधि-पते षेते पन्ते पसे षेथे षध्वे षे पावहे पामहे
- २ दिदधिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदधि-पताम् षेताम् पन्ताम् पस्व षेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अदिदधि-पत षेताम् पन्त पथाः षेथाम् पध्वम् षे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अदिदधिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिदधिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिदधिषाश्चक्रे दिदधिषामास (य वहि महि
- ७ दिदधिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिदधिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदधिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिदधिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७४६ बधि (बध्) बन्धने ।

बैरूप्ये-

- १ बीभत्सि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ बीभत्सिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बीभत्सि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अबीभत्सि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अबीभत्सिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ बीभत्सिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे बीभत्सिषाम्बभूष बीभत्सिषामास (य वहि महि
- ७ बीभत्सिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बीभत्सिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बीभत्सिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबीभत्सिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् अर्थान्तरे-बिबधि-पते पते पन्ते इत्यादि

७४७ नाधृङ् (नाध्) नाधृङ् वत् ।

- १ निनाधि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ निनाधिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनाधि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अनिनाधि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अनिनाधिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ निनाधिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे निनाधिषाम्बभूष निनाधिषामास (य वहि महि
- ७ निनाधिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ निनाधिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनाधिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनिनाधिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७४८ पनि (पन्) स्तुतौ ।

- १ पिपनि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ पिपनिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपनि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अपिपनि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अपिपनिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ पिपनिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम पिपनिषाञ्चके पिपनिषामास (य वहि महि
- ७ पिपनिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपनिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपनिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिपनिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् पक्षे पिपनायिष-ति तः न्ति सि थः थ मि वः मः

७४९ मानि (मान्) पूजायाम् ।

विचारे-

- १ मीमांसि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ मीमांसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मीमांसि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अमीमांसि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अमीमांसिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ मीमांसिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम मीमांसिषाञ्चके मीमांसिषामास (य वहि महि
- ७ मीमांसिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मीमांसिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मीमांसिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमीमांसिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् अर्थान्तरे मिमानयिष-ति तः न्ति सि थः थ इत्यादि

७५० तिपृङ् (तिप्) क्षरणे ।

- १ तितितिपि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ तितितिपिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितितिपि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अतितितिपि-पत पाताम् पन्त पथाः पेशाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि [पि प्वहि प्महि
- ५ अतितितिपिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तितितिपिषाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृद्वेके कृवहे कृमहे
तितितिपिषाम्बभूव तितितिपिषामास (य वहि महि
- ७ तितितिपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तितितिपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तितितिपिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अतितितिपिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येशाम् प्यध्वम्
पक्षे तिति-स्थाने तिते-इति ज्ञेयम्

७५२ टिपृङ् (स्तेप्) क्षरणे ।

- १ तिस्तेपि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ तिस्तेपिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तिस्तेपि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अतिस्तेपि-पत पाताम् पन्त पथाः पेशाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अतिस्तेपिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तिस्तेपिषाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृद्वेके कृवहे कृमहे
तिस्तेपिषाम्बभूव तिस्तेपिषामास (य वहि महि
- ७ तिस्तेपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तिस्तेपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तिस्तेपिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अतिस्तेपिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येशाम् प्यध्वम्

७५१ श्चिपृङ् (स्तिप्) क्षरणे ।

- १ तिस्तिपि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ तिस्तिपिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तिस्तिपि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अतिस्तिपि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अतिस्तिपिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तिस्तिपिषाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृद्वेके कृवहे कृमहे
तिस्तिपिषाम्बभूव तिस्तिपिषामास (य वहि महि
- ७ तिस्तिपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तिस्तिपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तिस्तिपिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अतिस्तिपिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येशाम् प्यध्वम्
पक्षे तिस्ति-स्थाने तिस्ते-इति ज्ञेयम्

७५३ तेपृङ् (तेप्) कम्पने च ।

- १ तितेपि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ तितेपिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितेपि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पे
पावहै पाणहै
- ४ अतितेपि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अतितेपिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तितेपिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तितेपिषाञ्चके तितेपिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ तितेपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तितेपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तितेपिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अतितेपिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येशाम् प्यध्वम्

७५४ दुवेष्टु (वेप्) चलने ।

- १ विवेपि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवेपिषे-त याताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवेपि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविवेपि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविवेपिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् षध्वम् ष्वम्
- ६ विवेपिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवेपिषाम्बभूव विवेपिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ विवेपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवेपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवेपिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवेपिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७५६ जेष्टु (जेप्) चलने ।

- १ जिगेपि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिगेपिषे-त याताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिगेपि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिगेपि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिगेपिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् षध्वम् ष्वम्
- ६ जिगेपिषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिगेपिषाम्बभूव जिगेपिषामास (य वहि महि
- ७ जिगेपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिगेपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिगेपिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिगेपिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७५५ केष्टु (केप्) चलने ।

- १ चिकेपि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिकेपिषे-त याताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकेपि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिकेपि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचिकेपिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् षध्वम् ष्वम्
- ६ चिकेपिषाम्बभूव-के काते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
चिकेपिषाम्बभूव चिकेपिषामास [य वहि महि
- ७ चिकेपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकेपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकेपिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकेपिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७५७ कष्टु (कम्प) चलने ।

- १ चिकम्पि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिकम्पिषे-त याताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकम्पि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिकम्पि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचिकम्पिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् षध्वम् ष्वम्
- ६ चिकम्पिषाम्बभूव-के काते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
चिकम्पिषाम्बभूव चिकम्पिषामास (य वहि महि
- ७ चिकम्पिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकम्पिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकम्पिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकम्पिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७५८ ग्लेपृङ् (ग्लेप्) दैन्ये च ।

- १ जिग्लेपि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिग्लेपिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिग्लेपि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिग्लेपि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिग्लेपिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ जिग्लेपिषाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृङ्वे के कृवहेकृमहे
जिग्लेपिषाम्बभूव जिग्लेपिषामास (य वहि महि
- ७ जिग्लेपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिग्लेपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिग्लेपिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिग्लेपिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७६० रेपृङ् (रेप्) गतौ ।

- १ रिरेपि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ रिरेपिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरेपि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षाणहै
- ४ अरिरेपि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरिरेपिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ रिरेपिषामा-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
रिरेपिषाञ्चके रिरेपिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ रिरेपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरेपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिरेपिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरिरेपिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७५९ मेपृङ् (मेप्) गतौ ।

- १ मिमेपि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमेपिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमेपि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमिमेपि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि [पि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमेपिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ मिमेपिषाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृङ्वे के कृवहेकृमहे
मिमेपिषाम्बभूव मिमेपिषामास (य वहि महि
- ७ मिमेपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमेपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमेपिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमेपिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७६१ लेपृङ् (लेप्) गतौ ।

- १ लिलेपि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ लिलेपिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लिलेपि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अलिलेपि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अलिलेपिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ लिलेपिषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लिलेपिषाञ्चके लिलेपिषामास (य वहि महि
- ७ लिलेपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लिलेपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिलेपिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलिलेपिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७६२ अप्रपौषि (अप्र) लज्जायाम् ।

- १ तिप्रपि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ तिप्रपिषे-त याताम् रन्थाः यास्याम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तिप्रपि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अतिप्रपि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतिप्रपिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् षध्वम् ध्वम्
- ६ तिप्रपिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः ससः सिव सिम
तिप्रपिषाञ्चक्रे तिप्रपिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ तिप्रपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्याम् ध्वम्
- ८ तिप्रपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तिप्रपिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहै ष्यामहै (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतिप्रपिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे तिप्रप्सते तिप्रप्सते तिप्रप्सन्ते इत्यादि

७६३ गुपि (गुप) गोपनकुत्सनयोः ।

गर्हायाम्-

- १ जुगुप्ति-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जुगुप्तिषे-त याताम् रन्थाः यास्याम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुगुप्ति-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अजुगुप्ति-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अजुगुप्तिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् षध्वम् ध्वम्
- ६ जुगुप्तिषाञ्च-क्रे कते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
जुगुप्तिषाम्बभूव जुगुप्तिषामास [य वहि महि
- ७ जुगुप्तिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्याम् ध्वम्
- ८ जुगुप्तिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुगुप्तिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहै ष्यामहै (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुगुप्तिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
अन्यत्र जुगोपि जुगुपि-षते षेते षन्ते षसे इत्यादि
जुगोपयिष-ति तः न्ति सि थः थ इत्यादि

७६४ अबुङ् (अम्ब) शब्दे ।

- १ अम्बिबि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ अम्बिबिषे-त याताम् रन्थाः यास्याम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अम्बिबि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ आम्बिबि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ आम्बिबिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् षध्वम् ध्वम्
- ६ अम्बिबिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः क्व विव विम
अम्बिबिषाञ्चक्रे अम्बिबिषामास (य वहि महि
- ७ अम्बिबिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्याम् ध्वम्
- ८ अम्बिबिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अम्बिबिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहै ष्यामहै (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आम्बिबिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७६५ रबुङ् (रम्ब) शब्दे ।

- १ रिरम्बि-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ रिरम्बिषे-त याताम् रन्थाः यास्याम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरम्बि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अरिरम्बि-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अरिरम्बिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् षध्वम् ध्वम्
- ६ रिरम्बिषाञ्च-क्रे कते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
रिरम्बिषाम्बभूव रिरम्बिषामास (य वहि महि
- ७ रिरम्बिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्याम् ध्वम्
- ८ रिरम्बिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिरम्बिषि-ष्यत ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहै ष्यामहै (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरिरम्बिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७६६ लघुङ् (लम्) अवलंसने च ।

- १ लिलम्बि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ लिलम्बिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लिलम्बि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अलिलम्बि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अलिलम्बिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ लिलम्बिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- लिलम्बिषाञ्चक्रे लिलम्बिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ लिलम्बिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लिलम्बिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिलम्बिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलिलम्बिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७६८ क्लीबृङ् (क्लीब्) आधाष्टये ।

- १ चिक्लीबि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिक्लीबिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिक्लीबि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
यावहै पामहै
- ४ अचिक्लीबि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि [पि प्वहि प्महि
- ५ अचिक्लीबिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिक्लीबिषाञ्च-क्रेकाते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- चिक्लीबिषाम्बभूव चिक्लीबिषामास [य वहि महि
- ७ चिक्लीबिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिक्लीबिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्लीबिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिक्लीबिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७६७ कवृङ् (कव्) वणे ।

- १ चिकवि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिकविषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकवि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अचिकवि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अचिकविषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिकविषाञ्च-क्रेकाते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- चिकविषाम्बभूव चिकविषामास (य वहि महि
- ७ चिकविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकविषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकविषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकविषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७६९ क्षीबृङ् (क्षीब्) मर्दे ।

- १ चिक्षीबि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिक्षीबिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिक्षीबि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अचिक्षीबि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अचिक्षीबिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिक्षीबिषाम्बभू-व वतुः वः विथ वथुः व व विव विम
- चिक्षीबिषाञ्चक्रे चिक्षीबिषामास (य वहि महि
- ७ चिक्षीबिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिक्षीबिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्षीबिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिक्षीबिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७० शीमृङ् (शीम्) कथने ।

- १ शिशोभि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिशोभिषे-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिशोभि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अशिशोभि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अशिशोभिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पेथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ शिशोभिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शिशोभिषाम्बभूव शिशोभिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शिशोभिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्ताम् ध्वम्
- ८ शिशोभिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशोभिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिशोभिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७२ शलिभ (शल्भ) कथने ।

- १ शिशलिभ-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिशलिभषे-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिशलिभ-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अशिशलिभ-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अशिशलिभषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ शिशलिभषाम्बभू-क्नेक्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
शिशलिभषाम्बभूव शिशलिभषामास (य वहि महि
- ७ शिशलिभषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्ताम् ध्वम्
- ८ शिशलिभषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशलिभषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिशलिभषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७१ वोमृङ् (वोम्) कथने ।

- १ विवोभि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवोभिषे-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवोभि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अविवोभि-पत पताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अविवोभिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ विवोभिषाम्बभू-क्नेक्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
विवोभिषाम्बभूव विवोभिषामास (य वहि महि
- ७ विवोभिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्ताम् ध्वम्
- ८ विवोभिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवोभिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवोभिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७३ वलिभ (वल्भ) भोजने ।

- १ विवलिभ-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवलिभषे-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवलिभ-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अविवलिभ-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अविवलिभषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ विवलिभषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विवलिभषाम्बभूव विवलिभषामास (य वहि महि
- ७ विवलिभषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्ताम् ध्वम्
- ८ विवलिभषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवलिभषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवलिभषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७४ गलिभ (गरभ्) शब्दे ।

- १ जिगलिभ-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिगलिभषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिगलिभ-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिगलिभ-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिगलिभषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ जिगलिभषाश्च-क्रेक्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे
जिगलिभषाम्बभूव जिगलिभषामास (य वहि महि
- ७ जिगलिभषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिगलिभषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिगलिभषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिगलिभषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७६ अम्बिभ (अम्भ्) शब्दे ।

- १ अम्बिभ-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ अम्बिभषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अम्बिभ-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ आम्बिभ-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ आम्बिभषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ अम्बिभषाश्च-क्रेक्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहेकृमहे
अम्बिभषाम्बभूव अम्बिभषामास (य वहि महि
- ७ अम्बिभषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अम्बिभषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अम्बिभषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आम्बिभषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७५ रेभृङ् (रेभ्) शब्दे ।

- १ रिरिरेभि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ रिरिरेभिषे-त याताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरिरेभि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अरिरिरेभि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरिरिरेभिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ रिरिरेभिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
रिरिरेभिषाश्चक्रे रिरिरेभिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ रिरिरेभिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरिरेभिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिरिरेभिषि-ष्यते ष्येते षन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरिरिरेभिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७७ रभृङ् (रम्भ्) शब्दे ।

- १ रिरिरेभि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ रिरिरेभिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरिरेभि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अरिरिरेभि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरिरिरेभिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ रिरिरेभिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रिरिरेभिषाश्चक्रे रिरिरेभिषामास (य वहि महि
- ७ रिरिरेभिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरिरेभिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिरिरेभिषि-ष्यते ष्येते षन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरिरिरेभिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७६८ लभुङ् (लम्भ्) शब्दे ।

- १ लिलम्भि-पते पते पन्ते पसे पेषे पध्वे पेषे पावहे पामहे
- २ लिलम्भिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लिलम्भि-पताम् पेषताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पौ
पावहै पामहै
- ४ अलिलम्भि-पत पेषताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पेषे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अलिलम्भिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ लिलम्भिषाञ्च-क्रेकाते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहेकृमहे
लिलम्भिषाम्बभूव लिलम्भिषामास [य वहि महि
- ७ लिलम्भिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लिलम्भिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिलम्भिषि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अलिलम्भिषि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७६९ लभुङ् (लम्भ्) शब्दे ।

- १ तिस्तम्भि-पते पते पन्ते पसे पेषे पध्वे पेषे पावहे पामहे
- २ तिस्तम्भिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तिस्तम्भि-पताम् पेषताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पौ
पावहै पामहै
- ४ अतिस्तम्भि-पत पेषताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पेषे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतिस्तम्भिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ तिस्तम्भिषाम्बभू-व वतुः डुः विथ वधुः व व विव विम
तिस्तम्भिषाञ्चके तिस्तम्भिषामास (य वहि महि
- ७ तिस्तम्भिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तिस्तम्भिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तिस्तम्भिषि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतिस्तम्भिषि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७८० स्कुभुङ् (स्कुम्भ्) शब्दे ।

- १ चिस्कुम्भि-पते पते पन्ते पसे पेषे पध्वे पेषे पावहे पामहे
- २ चिस्कुम्भिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिस्कुम्भि-पताम् पेषताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पौ
पावहै पामहै
- ४ अचिस्कुम्भि-पत पताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पेषे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचिस्कुम्भिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ चिस्कुम्भिषाञ्च-क्रेकाते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहेकृमहे
चिस्कुम्भिषाम्बभूव चिस्कुम्भिषामास (य वहि महि
- ७ चिस्कुम्भिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिस्कुम्भिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिस्कुम्भिषि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचिस्कुम्भिषि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७८१ स्तुभुङ् (स्तुम्भ्) शब्दे ।

- १ तुस्तोभि-पते पते पन्ते पसे पेषे पध्वे पेषे पावहे पामहे
- २ तुस्तोभिषे-त याताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तुस्तोभि-पताम् पेषताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पौ
पावहै पामहै
- ४ अतुस्तोभि-पत पेषताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पेषे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतुस्तोभिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पेषाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ तुस्तोभिषामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम
तुस्तोभिषाञ्चके तुस्तोभिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ तुस्तोभिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तुस्तोभिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तुस्तोभिषि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतुस्तोभिषि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
पक्षे तुस्तो-स्थाने तुस्तु-इति द्वेयम्

७८२ जभुङ् (जम्भ) गात्रविनामे ।

- १ जिजम्भि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिजम्भिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिजम्भि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिजम्भि-षत षेताम् षन्त पथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिजम्भिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जिजम्भिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिजम्भिषाश्चक्रे जिजम्भिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जिजम्भिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिजम्भिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिजम्भिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिजम्भिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८४ जृमुङ् (जृम्भ) गात्रविनामे ।

- १ जिजृम्भि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिजृम्भिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिजृम्भि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिजृम्भि-षत षेताम् षन्त पथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिजृम्भिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जिजृम्भिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिजृम्भिषाश्चक्रे जिजृम्भिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जिजृम्भिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिजृम्भिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिजृम्भिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिजृम्भिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८३ जभैङ् (जभ्) गात्रविनामे ।

- १ जिजम्भि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिजम्भिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिजम्भि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिजम्भि-षत षेताम् षन्त पथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिजम्भिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जिजम्भिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रेकृवहेकृमहे
जिजम्भिषाम्बभूव जिजम्भिषामास (य वहि महि
- ७ जिजम्भिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिजम्भिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिजम्भिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिजम्भिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८५ रभि (रभ्) राभस्ये ।

- १ आरिप्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ आरिप्से-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ आरिप्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ आरिप्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ आरिप्सि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ आरिप्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
आरिप्साश्चक्रे आरिप्सामास (य वहि महि
- ७ आरिप्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ आरिप्सिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ आरिप्सि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आरिप्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८६ डुलिभिष् (लभ्) प्राप्नो ।

- १ लिप्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ लिप्से-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ लिप्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अलिप्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अलिप्सि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ लिप्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
लिप्साञ्चके लिप्सामास (य वहि महि
- ७ लिप्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लिप्सिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिप्सि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलिप्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८७ भामि (भाम्) क्रोधे ।

- १ बिभामि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बिभामिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ बिभामि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अबिभामि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अबिभामिषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ बिभामिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
बिभामिषाञ्चके बिभामिषामास (य वहि महि
- ७ बिभामिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभामिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभामिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिभामिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८८ क्षमौषि (क्षम्) सहने ।

- १ चिक्षमि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिक्षमिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ चिक्षमि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिक्षमि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचिक्षमिषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिक्षमिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिक्षमिषाञ्चके चिक्षमिषाम्बभूष (य वहि महि
- ७ चिक्षमिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिक्षमिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्षमिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिक्षमिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे चिक्षं-सते सेते सन्ते इत्यादि

७८९ कमृक् (कम्) कान्तौ ।

- १ चिकामि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिकामिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ चिकामि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिकामि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचिकामिषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिकामिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिकामिषाञ्चके चिकामिषाम्बभूष (य वहि महि
- ७ चिकामिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकामिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकामिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकामिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे चिकामि-स्थाने चिकामयि-इति ज्ञेयम्

७९० अयि (अय्) गतौ ।

- १ अयियि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ अयियिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ अयियि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ आयियि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ आयियिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ अयियिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अयियिषाञ्चक्रे अयियिषामास (य वहि महि
- ७ अयियिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अयियिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अयियिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आयियिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७९२ पयि (पय्) गतौ ।

- १ पिपयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिपयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ पिपयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपिपयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपिपयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ पिपयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपयिषाञ्चक्रे पिपयिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पिपयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिपयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७९१ वयि (वय्) गतौ ।

- १ विवयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ विवयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविवयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविवयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ विवयिषाञ्चक्रे-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे
विवयिषाम्बभूव विवयिषामास (य वहि महि
- ७ विवयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७९३ मयि (मय्) गतौ ।

- १ मिमयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ मिमयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमिमयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ मिमयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमयिषाञ्चक्रे मिमयिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ मिमयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७९४ नयि (नय्) गतौ ।

- १ निनयि-पतेषेतेषन्तेषसेषेथेषध्वेषेषावहेषामहे
- २ निनयिषे-तयाताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ निनयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पैषावहैषामहै
- ४ अनिनयि-पतपेटाम् पन्तपथाः पेशाम् पध्वम् पेषावहिषामहि (पिष्वहिष्महि
- ५ अनिनयिषि-ष्टपाताम् पतष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ निनयिषाम्बभू-वं वतुः दुः विथ्वथुः वव विव विम निनयिषाश्चक्रे निनयिषामास (य वहिमहि
- ७ निनयिषिषी-ष्टयास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ निनयिषिता-” रौ रः सेसाथेष्वेहेस्वहेस्महे
- ९ निनयिषि-ष्यतेष्येतेष्यन्तेष्यसेष्येथेष्यध्वेष्येष्येष्यावहेष्यामहे (ष्येष्यावहिष्यामहि
- १० अनिनयिषि-ष्यतष्येताम् प्यन्तष्यथाः प्येशाम् प्यध्वम्

७९६ रयि (रय्) गतौ ।

- १ रिरयि-पतेषेतेषन्तेषसेषेथेषध्वेषेषावहेषामहे
- २ रिरयिषे-तयाताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ रिरयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पैषावहैषामहै
- ४ अरिरयि-पतपेटाम् पन्तपथाः पेशाम् पध्वम् पेषावहिषामहि (पिष्वहिष्महि
- ५ अरिरयिषि-ष्टपाताम् पतष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ रिरयिषामा-स सतुः सुः सिथ्वसथुः सस सिव सिम रिरयिषाश्चक्रे रिरयिषाम्बभूव (य वहिमहि
- ७ रिरयिषिषी-ष्टयास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरयिषिता-” रौ रः सेसाथेष्वेहेस्वहेस्महे
- ९ रिरयिषि-ष्यतेष्येतेष्यन्तेष्यसेष्येथेष्यध्वेष्येष्येष्यावहेष्यामहे (ष्येष्यावहिष्यामहि
- १० अरिरयिषि-ष्यतष्येताम् प्यन्तष्यथाः प्येशाम् प्यध्वम्

७९५ चयि (चय्) गतौ ।

- १ चिचयि-पतेषेतेषन्तेषसेषेथेषध्वेषेषावहेषामहे
- २ चिचयिषे-तयाताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ चिचयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पैषावहैषामहै
- ४ अचिचयि-पतपेटाम् पन्तपथाः पेशाम् पध्वम् पेषावहिषामहि (पिष्वहिष्महि
- ५ अचिचयिषि-ष्टपाताम् पतष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिचयिषाश्चक्रे-क्रेकातेकिरेकृषेकाथेकृद्वेकेकृवहेकृमहे चिचयिषाम्बभूव चिचयिषामास (य वहिमहि
- ७ चिचयिषिषी-ष्टयास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिचयिषिता-” रौ रः सेसाथेष्वेहेस्वहेस्महे
- ९ चिचयिषि-ष्यतेष्येतेष्यन्तेष्यसेष्येथेष्यध्वेष्येष्येष्यावहेष्यामहे (ष्येष्यावहिष्यामहि
- १० अचिचयिषि-ष्यतष्येताम् प्यन्तष्यथाः प्येशाम् प्यध्वम्

७९७ तयि (तय्) रक्षणे च ।

- १ तितयि-पतेषेतेषन्तेषसेषेथेषध्वेषेषावहेषामहे
- २ तितयिषे-तयाताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ तितयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पैषावहैषामहै
- ४ अतितयि-पतपेटाम् पन्तपथाः पेशाम् पध्वम् पेषावहिषामहि (पिष्वहिष्महि
- ५ अतितयिषि-ष्टपाताम् पतष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ तितयिषामा-स सतुः सुः सिथ्वसथुः सस सिव सिम तितयिषाश्चक्रे तितयिषाम्बभूव (य वहिमहि
- ७ तितयिषिषी-ष्टयास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तितयिषिता-” रौ रः सेसाथेष्वेहेस्वहेस्महे
- ९ तितयिषि-ष्यतेष्येतेष्यन्तेष्यसेष्येथेष्यध्वेष्येष्येष्यावहेष्यामहे (ष्येष्यावहिष्यामहि
- १० अतितयिषि-ष्यतष्येताम् प्यन्तष्यथाः प्येशाम् प्यध्वम्

७९८ णयि (नय्) रक्षणे च । नयि ७९४ वद्रूपाणि

७९९ दिदि (दय्) दानगतिहिंसादहनेषु च ।

- १ दिदि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दिदियिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदिदि-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदिदियिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिदियिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
दिदियिषाम्बभूव दिदियिषामास (य वहि महि
- ७ दिदियिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिदियिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदियिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिदियिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०१ पूयैङ् (पूय्) दुर्गन्धविशरणयोः ।

- १ पुपूयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पुपूयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पुपूयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपुपूयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अपुपूयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ पुपूयिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
पुपूयिषाम्बभूव पुपूयिषामास (य वहि महि
- ७ पुपूयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पुपूयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पुपूयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपुपूयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०० ऊयैङ् (ऊय्) तन्तु सन्ताने ।

- १ ऊयियि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ ऊयियिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ऊयियि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ औयियि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ औयियिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ ऊयियिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
ऊयियिषाम्बभूव ऊयियिषामास (य वहि महि
- ७ ऊयियिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ऊयियिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ऊयियिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० औयियिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०२ कनूयैङ् (कनूय्) शब्दोन्दनयोः ।

- १ चुकनूयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चुकनूयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुकनूयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचुकनूयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अचुकनूयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चुकनूयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चुकनूयिषाम्बभूव चुकनूयिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ चुकनूयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चुकनूयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुकनूयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचुकनूयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०३ क्षमायैङ् (क्षमाय्) विधूतने ।

- १ चिक्षमायि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिक्षमायिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिक्षमायि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिक्षमायि-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचिक्षमायिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चिक्षमायिषाम्बभूव व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिक्षमायिषाञ्चक्रे चिक्षमायिषामास (य वहि महि
- ७ चिक्षमायिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिक्षमायिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्षमायिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिक्षमायिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०५ ओप्यायैङ् (प्याय्) वृद्धौ ।

- १ पिप्यायि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिप्यायिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिप्यायि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपिप्यायि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपिप्यायिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पिप्यायिषाम्बभूव व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिप्यायिषाञ्चक्रे पिप्यायिषामास (य वहि महि
- ७ पिप्यायिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिप्यायिषिता-'' रौ रः से सासे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिप्यायिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिप्यायिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०४ स्फायैङ् (स्फाय्) वृद्धौ ।

- १ पिस्फायि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिस्फायिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिस्फायि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपिस्फायि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपिस्फायिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पिस्फायिषाञ्चक्रे ऋते क्रिरे कृषे ऋथे कृद्वेकेकृवहेकृमहे
पिस्फायिषाम्बभूव पिस्फायिषामास (य वहि महि
- ७ पिस्फायिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिस्फायिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिस्फायिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिस्फायिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०६ तायैङ् (ताय्) संतानपालनयोः ।

- १ तितायि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ तितायिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितायि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अतितायि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतितायिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तितायिषामा-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
तितायिषाञ्चक्रे तितायिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ तितायिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तितायिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तितायिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतितायिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०७ षलि (षल्) संवरणे ।

- १ विवलि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवलिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ विवलि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविवलि-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अविवलिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ विवलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विवलिषाञ्चक्रे विवलिषामास (य वहि महि
- ७ विवलिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवलिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवलिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवलिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०९ शलि (शल्) चलने ।

- १ शिशलि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ शिशलिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ शिशलि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अशिशलि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अशिशलिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ शिशलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशलिषाञ्चक्रे शिशलिषामास (य वहि महि
- ७ शिशलिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिशलिषिता-” रौ रः से सासे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशलिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिशलिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०८ वलि (वल्) संवरणे ।

- १ विवलि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवलिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ विवलि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविवलि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अविवलिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ विवलिषाञ्चक्रे-क्रे काते किरि कृषे काथे कृन्वे क्रे कृवहे कृमहे
विवलिषाम्बभूव विवलिषामास (य वहि महि
- ७ विवलिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवलिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवलिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवलिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१० मलि (मल्) धारणे ।

- १ मिमलि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमलिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ मिमलि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमिमलि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अमिमलिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ मिमलिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमलिषाञ्चक्रे मिमलिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ मिमलिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमलिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमलिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमलिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८११ मल्लि (मल्ल) धारणे ।

- १ मिमल्लि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमल्लिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमल्लि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अमिमल्लि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अमिमल्लिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ मिमल्लिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमल्लिषाश्चक्रे मिमल्लिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ मिमल्लिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमल्लिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमल्लिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमल्लिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१३ भल्लि (भल्ल) परिभाषणहिंसादानेषु ।

- १ बिभल्लि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बिभल्लिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभल्लि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अबिभल्लि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अबिभल्लिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ बिभल्लिषाश्च-क्रेकाते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
बिभल्लिषाम्बभूव बिभल्लिषामास [य वहि महि
- ७ बिभल्लिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभल्लिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभल्लिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिभल्लिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१२ भलि (भल्ल) परिभाषणहिंसादानेषु ।

- १ बिभलि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बिभलिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभलि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अबिभलि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अबिभलिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ बिभलिषाश्च-क्रेकाते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
बिभलिषाम्बभूव बिभलिषामास (य वहि महि
- ७ बिभलिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभलिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभलिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिभलिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१४ कलि (कल्ल) शब्दसंख्यानयोः ।

- १ चिकलि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिकलिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकलि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अचिकलि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अचिकलिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ चिकलिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
चिकलिषाश्चक्रे चिकलिषामास (य वहि महि
- ७ चिकलिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकलिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकलिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकलिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१५ कल्लि (कल्) अशब्दे ।

- १ चिकल्लि-पतेपेते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिकल्लिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकल्लि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचिकल्लि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अचिकल्लिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ चिकल्लिषाञ्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे क्रेकृवहेकृमहे चिकल्लिषाम्बभूव चिकल्लिषामास (य वहि महि
- ७ चिकल्लिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकल्लिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकल्लिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकल्लिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१६ तेवृङ् (तेव्) देवने ।

- १ तितेवि-पतेपेते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ तितेविषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितेवि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अतितेवि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अतितेविषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ तितेविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तितेविषाञ्च-क्रे तितेविषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ तितेविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तितेविषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तितेविषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतितेविषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१७ देवृङ् (देव्) देवने ।

- १ दिदेवि-पतेपेते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ दिदेविषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदेवि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अदिदेवि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अदिदेविषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ दिदेविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम दिदेविषाञ्च-क्रे दिदेविषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ दिदेविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिदेविषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदेविषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिदेविषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१८ सेवृङ् (सेव्) सेवने ।

- १ सिसेवि-पतेपेते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिसेविषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिसेवि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ असिसेवि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ असिसेविषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ सिसेविषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम सिसेविषाञ्च-क्रे सिसेविषामास (य वहि महि
- ७ सिसेविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिसेविषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिसेविषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिसेविषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१९ सेवृङ् (सेव्) सेवने । सेवङ् ८१८ वद्रपाणि

८२० केवृङ्ग (केव्) सेवने ।

- १० अचिकेविषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८२२ गेवृङ् (गेव्) सेवने ।

- १० अजिगेविषि व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

८२३. खेवृद्ध (खेव्) सेवने ।

- १० अचिखेविषि-व्यत ज्येताम् व्यन्त व्यथाः ज्येथाम् व्यध्वम्

८२३ ग्लेवृद्ध (ग्लेव) सेवने ।

- १० अजिह्वे विषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्तष्यथाः ष्येताम् ष्यध्वम्

૭૨૬ મેઘુક્ (મેઘ) સેધને ।

- १ मिमेवि-पते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
 २ मिमेविषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ मिमेवि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
 षावहै षामहै
 ४ अमिमेवि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
 षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
 ५ अमिमेविषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षुड्वम् ध्वम्
 ६ मिमेविषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृड्वे के कृवहे कृमहे
 मिमेविषाम्बभूव मिमेविषामास (यवहि महि
 ७ मिमेविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ मिमेविषिता-” रौ रः से साथेध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ मिमेविषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अमिमेविषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८२७ म्लेष्टुङ् (म्लेष्ट्र) सेषने ।

- १ मिम्लेवि-पते पेतं पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
२ मिम्लेविषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ मिम्लेवि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
४ अमिम्लेवि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
५ अमिम्लेविषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
६ मिम्लेविषाम्बभू-व वतु बुः विथ वथुः व व विव विम
मिम्लेविषाश्चक्रे मिम्लेविषामास (य वहि महि
७ मिम्लेविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
८ मिम्लेविषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ मिम्लेविषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
१० अमिम्लेविषि-प्यत प्येताम् प्यन्तप्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

८२८ रेवुङ् (रेव्) गतौ ।

- १ रिरेवि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ रिरेविषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरेवि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अरिरेवि-पत पाताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि [पि प्वहि प्महि
- ५ अरिरेविषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ रिरेविषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृत्वे के कृवहे कृमहे रिरेविषाम्बभूव रिरेविषामास (य वहि महि
- ७ रिरेविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरेविषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिरेविषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अरिरेविषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम् ८२९ पवि (पव) गतौ । पूङ् ६०० वद्रूपाणि

८३० काशङ् (काश्) दीप्तौ ।

- १ चिकाशि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिकाशिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकाशि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचिकाशि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अचिकाशिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिकाशिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृत्वे के कृवहे कृमहे चिकाशिषाम्बभूव चिकाशिषामास (य वहि महि
- ७ चिकाशिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकाशिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकाशिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचिकाशिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

८३१ क्लेशि (क्लेश्) विबाधने ।

- १ चिक्लेशि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिक्लेशिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिक्लेशि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचिक्लेशि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अचिक्लेशिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिक्लेशिषाम्बभू-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम चिक्लेशिषाञ्चके चिक्लेशिषामास (य वहि महि
- ७ चिक्लेशिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिक्लेशिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्लेशिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचिक्लेशिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

७४६ भाषिच (भाष्) व्यक्तायां वाचि ।

- १ बिभषि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ बिभषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभषि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अबिभषि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अबिभषिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ बिभषिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृत्वे के कृवहे कृमहे बिभषिषाम्बभूव बिभषिषामास (य वहि महि
- ७ बिभषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभषिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभषिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अबिभषिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

८३३ ईषि (ईष्) गतिर्हिंसादर्शनेषु ।

- १ ईषिषि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ ईषिषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ईषिषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ ऐषिषि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ ऐषिषिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ ईषिषिषाश्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
ईषिषिषाम्बभूव ईषिषिषामास (य वहि महि
- ७ ईषिषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ईषिषिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ईषिषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० ऐषिषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८३५ येषू (येष्) प्रयत्ने ।

- १ यियेषि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ यियेषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ यियेषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अयियेषि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अयियेषिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ यियेषिषाश्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
यियेषिषाम्बभूव यियेषिषामास (य वहि महि
- ७ यियेषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ यियेषिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ यियेषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयियेषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८३४ गेषू (गेष) अन्विच्छायाम् ।

- १ जिगेषि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिगेषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिगेषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिगेषि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिगेषिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ जिगेषिषाश्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
जिगेषिषाम्बभूव जिगेषिषामास (य वहि महि
- ७ जिगेषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिगेषिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिगेषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिगेषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८३६ जेषू (जेष) गतौ ।

- १ जिजेषि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिजेषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिजेषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिजेषि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिजेषिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ जिजेषिषाश्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
जिजेषिषाम्बभूव जिजेषिषामास (य वहि महि
- ७ जिजेषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिजेषिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिजेषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिजेषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८३७ णेष्टृ (नेष्) गतौ ।

- १ निनेषि-षते षेते षन्ते षसे षेये षध्वे षे षावहे षामहे
- २ निनेषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनेषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अनिनेषि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अनिनेषिषि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ष्वम्
- ६ निनेषिषाञ्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
निनेषिषाम्बभूव निनेषिषामास (य वहि महि
- ७ निनेषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ निनेषिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनेषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनिनेषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८३९ हेष्टृ (हेष्) गतौ ।

- १ जिहेषि-षते षेते षन्ते षसे षेये षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिहेषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिहेषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिहेषि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अजिहेषिषि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ष्वम्
- ६ जिहेषिषाञ्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
जिहेषिषाम्बभूव जिहेषिषामास (य वहि महि
- ७ जिहेषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिहेषिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिहेषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिहेषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८३८ एष्टृ (एष्) गतौ ।

- १ एषिषि-षते षेते षन्ते षसे षेये षध्वे षे षावहे षामहे
- २ एषिषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ एषिषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ ऐषिषि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ ऐषिषिषि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ एषिषिषाञ्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
एषिषिषाम्बभूव एषिषिषामास (य वहि महि
- ७ एषिषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ एषिषिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ एषिषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० ऐषिषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४० रेष्टृ (रेष्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ रिरेषि-षते षेते षन्ते षसे षेये षध्वे षे षावहे षामहे
- २ रिरेषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरेषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अरिरेषि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अरिरेषिषि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ रिरेषिषाञ्च-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम
रिरेषिषाञ्चक्रे रिरेषिषामास (य वहि महि
- ७ रिरेषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरेषिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिरेषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरिरेषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४१ हेष्टङ् (हेष्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ जिहेषि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिहेषिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिहेषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिहेषि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अजिहेषिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् षध्वम् षम्
- ६ जिहेषिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
जिहेषिषाम्बभूव जिहेषिषामास (य वहि महि
- ७ जिहेषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिहेषिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिहेषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिहेषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४३ जुधुंषि (जुध्) कान्तीकरणे ।

- १ जुधुंषि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जुधुंषिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुधुंषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजुधुंषि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अजुधुंषिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् षध्वम् षम्
- ६ जुधुंषिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
जुधुंषिषाम्बभूव जुधुंषिषामास (य वहि महि
- ७ जुधुंषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुधुंषिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुधुंषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुधुंषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४२ पिपिर्षि (पिष्) स्नेहने ।

- १ पिपिर्षि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिपिर्षिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपिर्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपिपिर्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अपिपिर्षिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् षध्वम् षम्
- ६ पिपिर्षिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
पिपिर्षिषाम्बभूव पिपिर्षिषामास (य वहि महि
- ७ पिपिर्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपिर्षिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपिर्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिपिर्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४४ सिस्त्रिंषि (सिस्) प्रमादे ।

- १ सिस्त्रिंषि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ सिस्त्रिंषिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्त्रिंषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ असिस्त्रिंषि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ असिस्त्रिंषिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् षध्वम् षम्
- ६ सिस्त्रिंषिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
सिस्त्रिंषिषाम्बभूव सिस्त्रिंषिषामास (य वहि महि
- ७ सिस्त्रिंषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिस्त्रिंषिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिस्त्रिंषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिस्त्रिंषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४५ कासि (कास्) शब्दकुत्सायाम् ।

- १ चिकासि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिकासिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकासि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
पावहै पामहै
- ४ अचिकासि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
पावहि पामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अचिकासिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ चिकासिषाम्बभू-व वतुः डः विथ वथुः व व विव विम
चिकासिषाश्चक्रे चिकासिषामास (य वहि महि
- ७ चिकासिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकासिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकासिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकासिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४७ ब्रासि (ब्रास्) दीप्तौ ।

- १ बिब्रासि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ बिब्रासिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिब्रासि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
पावहै पामहै
- ४ अबिब्रासि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
पावहि पामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अबिब्रासिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ बिब्रासिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
बिब्रासिषाश्चक्रे बिब्रासिषाम्बभूष (य वहि महि
- ७ बिब्रासिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिब्रासिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिब्रासिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिब्रासिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४६ भासि (भास्) दीप्तौ ।

- १ बिभासि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ बिभासिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभासि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
पावहै पामहै
- ४ अबिभासि-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
पावहि पामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अबिभासिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ बिभासिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
बिभासिषाम्बभूव बिभासिषामास (य वहि महि
- ७ बिभासिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभासिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभासिषि-ष्यत ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिभासिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४८ भ्लासि (भ्लास्) दीप्तौ ।

- १ बिभ्लासि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ बिभ्लासिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभ्लासि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
पावहै पामहै
- ४ अबिभ्लासि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
पावहि पामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अबिभ्लासिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ बिभ्लासिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
बिभ्लासिषाम्बभूव बिभ्लासिषामास [य वहि महि
- ७ बिभ्लासिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभ्लासिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभ्लासिषि-ष्यत ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिभ्लासिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४९ रासृङ् (रास्) शब्दे ।

- १ रिरासि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ रिरासिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरासि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अरिरासि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अरिरासिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ रिरासिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
रिरासिषाञ्चके रिरासिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ रिरासिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरासिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिरासिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरिरासिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८५१ णसि (नस्) कौटिल्ये ।

- १ निनसि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ निनसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनसि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अनिनसि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अनिनसिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ निनसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
निनसिषाञ्चके निनसिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ निनसिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ निनसिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनसिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनिनसिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८५० णासृङ् (नास्) शब्दे ।

- १ निनासि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ निनासिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनासि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अनिनासि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अनिनासिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ निनासिषाम्बभू व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
निनासिषाञ्चके निनासिषामास (य वहि महि
- ७ निनासिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ निनासिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनासिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनिनासिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८५२ भ्यसि (भ्यस्) भये ।

- १ बिभ्यमि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बिभ्यसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभ्यसि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अबिभ्यसि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अबिभ्यसिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ बिभ्यसिषाञ्चके क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृदवे के कृवहेकृमहे
बिभ्यसिषाम्बभूव बिभ्यसिषामास (य वहि महि
- ७ बिभ्यसिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभ्यसिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभ्यसिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिभ्यसिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८५३ आङ्-शसुङ् (आ-शंस) इच्छायाम् ।

- १ आशिशांसि-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ आशिशांसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ आशिशांसि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ आशिशांसि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ आशिशांसिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ आशिशांसिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विष विम
- आशिशांसिषाश्चक्रे आशिशांसिषामास (य वहि महि
- ७ आशिशांसिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ आशिशांसिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ आशिशांसिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आशिशांसिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८५५ ग्लसूङ् (ग्लस्) अदने ।

- १ जिग्लसि-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिग्लसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिग्लसि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अजिग्लसि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अजिग्लसिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ जिग्लसिषाश्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
- जिग्लसिषाम्बभूव जिग्लसिषामास [य वहि महि
- ७ जिग्लसिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिग्लसिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिग्लसिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिग्लसिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८५४ ग्रसूङ् (ग्रस्) अदने ।

- १ जिग्रसि-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिग्रसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिग्रसि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अजिग्रसि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अजिग्रसिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ जिग्रसिषाश्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
- जिग्रसिषाम्बभूव जिग्रसिषामास (य वहि महि
- ७ जिग्रसिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिग्रसिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिग्रसिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिग्रसिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८५६ वसूङ् (वस्) करणे ।

- १ जिघंसि-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिघंसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिघंसि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अजिघंसि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अजिघंसिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ जिघंसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- जिघंसिषाश्चक्रे जिघंसिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जिघंसिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिघंसिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिघंसिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिघंसिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८५७ ईहि (ईह्) चेषायाम् ।

- १ ईजिहि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ ईजिहिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ईजिहि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ ऐजिहि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ ऐजिहिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ ईजिहिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ईजिहिषाञ्चक्रे ईजिहिषामास (य वहि महि
- ७ ईजिहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ईजिहिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ईजिहिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० ऐजिहिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८५९ णिहि (णिह्) गतौ ।

- १ पिण्णिहि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिण्णिहिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिण्णिहि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षाणहै
- ४ अपिण्णिहि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपिण्णिहिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पिण्णिहिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- पिण्णिहिषाञ्चक्रे पिण्णिहिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ पिण्णिहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिण्णिहिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिण्णिहिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिण्णिहिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे णिहि-स्थाने णेहि-इति ज्ञेयम्

८५८ अहुह् (अह्) गतौ ।

- १ अजिहि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ अजिहिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अजिहि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ आजिहि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ आजिहिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ अजिहिषाञ्चक्रे अजिहिषामास (य वहि महि
- अजिहिषाम्बभूव अजिहिषामास (य वहि महि
- ७ अजिहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अजिहिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अजिहिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आजिहिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८६० गहि (गह्) कुत्सने ।

- १ जिगहि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिगहिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिगहि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अजिगहि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिगहिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जिगहिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- जिगहिषाञ्चक्रे जिगहिषामास (य वहि महि
- ७ जिगहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिगहिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिगहिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिगहिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८६१ गलिह (गल्ह) कुत्सने ।

- १ जिगलिह-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिगलिहपे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ जिगलिह-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजिगलिह-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजिगलिहपि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्त्वम् ध्वम्
- ६ जिगलिहषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम जिगलिहषाञ्चक्रे जिगलिहषामास (य वहि महि
- ७ जिगलिहपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिगलिहपिता-” रौ रः से सासे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिगलिहपि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजिगलिहपि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

८६३ वलिह (वल्ह) प्राधान्ये ।

- १ विवलिह-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवलिहपे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ विवलिह-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अविवलिह-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अविवलिहपि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्त्वम् ध्वम्
- ६ विवलिहषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम विवलिहषाञ्चक्रे विवलिहषामास (य वहि महि
- ७ विवलिहपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवलिहपिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवलिहपि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अविवलिहपि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

८६२ बहिं (बर्ह) प्राधान्ये ।

- १ विवहिं-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवहिंपे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ विवहिं-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अविवहिं-पत पाताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अविवहिंपि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्त्वम् ध्वम् विवहिंषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम विवहिंषाञ्चक्रे विवहिंषामास (य वहि महि
- ७ विवहिंपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवहिंपिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवहिंपि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अविवहिंपि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

८६४ बहिं (बर्ह) परिभाषणहिसाच्छादनेषु ।

- १ बिबहिं-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ बिबहिंपे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ बिबहिं-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पाणहै
- ४ अबिबहिं-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अबिबहिंपि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्त्वम् ध्वम्
- ६ बिबहिंषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम बिबहिंषाञ्चक्रे बिबहिंषाम्बभूव [यवहि महि
- ७ बिबहिंपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिबहिंपिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिबहिंपि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे [प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अबिबहिंपि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

८६५ बलिह (बल्ह) परिभाषणहिंसाछादनेषु ।

- १ बिबलिह-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बिबलिहषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिबलिह-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अबिवलिह-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अबिवलिहषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्त्वम् ध्वम्
- ६ बिबलिहषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
बिबलिहषाञ्चक्रे बिबलिहषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ बिबलिहषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिबलिहषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिबलिहषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिवलिहषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८६७ जेहङ् (जेह्) प्रयत्ने ।

- १ जिजेहि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिजेहिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिजेहि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिजेहि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिजेहिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्त्वम् ध्वम्
- ६ जिजेहिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
जिजेहिषाम्बभूव जिजेहिषामास (य वहि महि
- ७ जिजेहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिजेहिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिजेहिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिजेहिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८६६ वेहङ् (वेह्) प्रयत्ने ।

- १ विवेहि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवेहिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवेहि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविवेहि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविवेहिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्त्वम् ध्वम्
- ६ विवेहिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
विवेहिषाञ्चक्रे विवेहिषामास (य वहि महि
- ७ विवेहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवेहिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवेहिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवेहिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८६८ वाहङ् (वाह्) प्रयत्ने ।

- १ विवाहि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवाहिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवाहि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविवाहि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविवाहिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्त्वम् ध्वम्
- ६ विवाहिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
विवाहिषाञ्चक्रे विवाहिषामास (य वहि महि
- ७ विवाहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवाहिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवाहिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवाहिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८६९ द्राह् (द्राह्) निक्षेपे ।

- १ दिद्राहि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ दिद्राहिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ दिद्राहि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अदिद्राहि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अदिद्राहिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् ड्त्वम् ध्वम्
- ६ दिद्राहिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम दिद्राहिषाश्चक्रे दिद्राहिषामास (य वहिमहि
- ७ दिद्राहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिद्राहिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिद्राहिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिद्राहिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८७० ऊहि (ऊह्) तर्के ।

- १ ऊजिहि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ ऊजिहिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ ऊजिहि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ औजिहि-पत पाताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ औजिहिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् ड्त्वम् ध्वम्
- ६ ऊजिहिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम ऊजिहिषाश्चक्रे ऊजिहिषामास (य वहिमहि
- ७ ऊजिहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ऊजिहिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ऊजिहिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० औजिहिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८७१ गाहौड् (गाह्) विलोडने ।

- १ जिगाहि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिगाहिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ जिगाहि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजिगाहि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजिगाहिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् ड्त्वम् ध्वम्
- ६ जिगाहिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे कथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जिगाहिषाम्बभूव जिगाहिषामास (य वहिमहि
- ७ जिगाहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिगाहिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिगाहिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिगाहिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् पक्षे जिघा-क्षते क्षेते क्षन्ते क्षसे क्षेथे क्षध्वे क्षे क्षावहे क्षामहे इ०

८७२ ग्लहौड् (ग्लह्) ग्रहणे ।

- १ जिग्लहि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिग्लहिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ जिग्लहि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पाणहै
- ४ अजिग्लहि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजिग्लहिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् ड्त्वम् ध्वम्
- ६ जिग्लहिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जिग्लहिषाश्चक्रे जिग्लहिषाम्बभूव [य वहिमहि
- ७ जिग्लहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिग्लहिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिग्लहिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिग्लहिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् पक्षे जिग्ल-क्षत क्षेते क्षन्ते क्षसे क्षेथे क्षध्वे क्षे क्षावहे क्षामहे इ०

८७३ बहुङ् (बंङ्) वृद्धौ ।

- १ बिबंङि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बिबंङिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिबंङि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अबिबंङि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अबिबंङिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ बिबंङिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे
बिबंङिषाम्बभूव बिबंङिषामास (य वहि महि
- ७ बिबंङिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिबंङिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिबंङिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिबंङिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८७५ दक्षि (दक्ष्) शैघ्रये च ।

- १ दिदक्षि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दिदक्षिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदक्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदिदक्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदिदक्षिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिदक्षिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिदक्षिषाञ्च क्रे दिदक्षिषामास (य वहि महि
- ७ दिदक्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिदक्षिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदक्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिदक्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८७४ महुङ् (मंङ्) वृद्धौ ।

- १ मिमंङि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमंङिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमंङि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमिमंङि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अमिमंङिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ मिमंङिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमंङिषाञ्च क्रे मिमंङिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ मिमंङिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमंङिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमंङिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमंङिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८७६ धुक्षि (धुक्ष्) सन्डीपनक्कुशनजीवनेषु ।

- १ दुधुक्षि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दुधुक्षिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दुधुक्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदुधुक्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदुधुक्षिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दुधुक्षिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे
दुधुक्षिषाम्बभूव दुधुक्षिषामास (य वहि महि
- ७ दुधुक्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दुधुक्षिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दुधुक्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदुधुक्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८७७ धिक्षि (धिक्ष) संदीपनक्लेशनजीवनेषु ।

- १ दिधिक्षि-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दिधिक्षिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिधिक्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदिधिक्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदिधिक्षिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ दिधिक्षिषाञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
- दिधिक्षिषाम्बभूव दिधिक्षिषामास (य वहि महि
- ७ दिधिक्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिधिक्षिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिधिक्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिधिक्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८७९ शिक्षि (शिक्ष) विद्योपादाने ।

- १ शिक्षि-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ शिक्षिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिक्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अशिक्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशिक्षिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ शिक्षिषाञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
- शिक्षिषाम्बभूव शिक्षिषामास (य वहि महि
- ७ शिक्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिक्षिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिक्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिक्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८७८ वृक्षि (वृक्ष) वरणे ।

- १ विवृक्षि-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवृक्षिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवृक्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविवृक्षि-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविवृक्षिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ विवृक्षिषाञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
- विवृक्षिषाम्बभूव विवृक्षिषामास (य वहि महि
- ७ विवृक्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवृक्षिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवृक्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवृक्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८० भिक्षि (भिक्ष) याज्ञायाम् ।

- १ बिभिक्षि-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बिभिक्षिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभिक्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अबिभिक्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अबिभिक्षिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ बिभिक्षिषाञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
- बिभिक्षिषाम्बभूव बिभिक्षिषामास (य वहि महि
- ७ बिभिक्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभिक्षिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभिक्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिभिक्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८१ दीक्षि (दोक्ष) मौण्डयेज्योपनयननि
यमव्रतादेशेषु ।

- १ दिदीक्षि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दिदीक्षिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदीक्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदिदीक्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदिदीक्षिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ दिदीक्षिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वधुः व व विव विम
दिदीक्षिषाम्बभूवे दिदीक्षिषामास (य वहि महि
- ७ दिदीक्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिदीक्षिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदीक्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिदीक्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८२ ईक्षि (ईक्ष्) दर्शने ।

- १ ईचिक्षि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ ईचिक्षिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ईचिक्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ ऐचिक्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ ऐचिक्षिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ ईचिक्षिषाम्बभू-वे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
ईचिक्षिषाम्बभूव ईचिक्षिषामास (य वहि महि
- ७ ईचिक्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ईचिक्षिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ईचिक्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० ऐचिक्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

इतिश्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सर्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-

विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-

विजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिरा-

यमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य

सन्नन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे

तृतीयभागे

॥ भवादावात्मनेपदिनः ॥

॥ अथोभयपदिनः ॥

८८३ भिगू (भि) सेवायाम् ।

- १ शिश्रयिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्रयिषा-मि वः मः
- २ शिश्रयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिश्रयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्रयिषा-णि व म (व म
- ४ अशिश्रयिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिश्रयिषा-
- ५ अशिश्रयि-षीत् षिष्टाम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शिश्रयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिश्रयिषाश्चकार शिश्रयिषामास
- ७ शिश्रयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्रयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्रयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्रयिषिष्या-
मि वः मः (अशिश्रयिषिष्या-व म
- १० अशिश्रयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे शिश्रयि-स्थाने शिश्री-इति ज्ञेयम्

- १ शिश्रयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ शिश्रयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिश्रयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अशिश्रयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अशिश्रयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ शिश्रयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिश्रयिषाश्चक्रे शिश्रयिषामास (य वहि महि
- ७ शिश्रयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ शिश्रयिषिता-" रौ रः से सासे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिश्रयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिश्रयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यथाः ष्यन्त ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे शिश्रयि-स्थाने शिश्री-इति ज्ञेयम्

८८४ णीगू (नी) प्रापणे ।

- १ निनीष-ति तः न्ति सि थः थ निनीषा-मि वः मः
- २ निनीषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनीष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
निनीषा-णि व म
- ४ अनिनीष-त्ताम् नः तम् तम् अनिनीषा-व म
- ५ अनिनी-षीत् षिष्टाम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ निनीषाश्च कार कतुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कुव कृम
निनीषाम्बभूव निनीषामास
- ७ निनीष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनीषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनीषिष्या-मि
वः मः (अनिनीषिष्या-व म
- १० अनिनीषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ निनी-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ निनीषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनी-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अनिनी-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अनिनीषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ निनीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
निनीषाश्चक्रे निनीषामास (य वहि महि
- ७ निनीषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ निनीषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनीषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनिनीषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८५ हृग् (हृ) हरणे ।

- १ जिह्रीर्ष-ति तः न्ति सि थः थ जिह्रीर्षा-मि वः मः
- २ जिह्रीर्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिह्रीर्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
जिह्रीर्षा-णि व म
- ४ अजिह्रीर्ष-त्ताम् नः तम् तम् अजिह्रीर्षा-व म
- ५ अजिह्रीर्ष-पीत्षिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम
षिष्व पिष्व
- ६ जिह्रीर्षाञ्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जिह्रीर्षाम्बभूव जिह्रीर्षामास
- ७ जिह्रीर्षा-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिह्रीर्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिह्रीर्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिह्रीर्षिष्या-मि वः मः
(अजिह्रीर्षिष्या-व म
- १० अजिह्रीर्षिष्य-त्ताम् नः तम् त म

- १ जिह्रीर्ष-पतेपेते पन्ते पसे पेथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ जिह्रीर्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिह्रीर्ष-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अजिह्रीर्ष-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि पमहि
- ५ अजिह्रीर्षि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जिह्रीर्षाम्बभू व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिह्रीर्षाञ्चके जिह्रीर्षामास (य वहि महि
- ७ जिह्रीर्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिह्रीर्षिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिह्रीर्षि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिह्रीर्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८६ ऋग् (ऋ) भरणे ।

- १ विभरिष-ति तः न्ति सि थः थ विभरिषा-मि वः मः
- २ विभरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विभरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
विभरिषा-णि व म
- ४ अविभरिष-त्ताम् नः तम् तम् अविभरिषा-व म
- ५ अविभरि-पीत्षिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम
षिष्व पिष्व
- ६ विभरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विभरिषामास विभरिषाञ्चकार
- ७ विभरिषिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विभरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विभरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विभरिषिष्या-मि
वः मः (अविभरिषिष्या-व म
- १० अविभरिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म
पक्षे विभरि-स्थाने बुभूर-इति ज्ञेयम्

- १ विभरि-पतेपेते पन्ते पसे पेथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ विभरिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विभरि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अविभरि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि पमहि
- ५ अविभरिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विभरिषाञ्च-के काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
विभरिषाम्बभूव विभरिषामास (य वहि महि
- ७ विभरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विभरिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विभरिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविभरिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८७ धृम् (धृ) धारणे ।

- १ दिधीर्ष-ति तः न्ति सि थः थ दिधीर्षा-मि वः मः
- २ दिधीर्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधीर्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
दिधीर्षा-णि व म
- ४ अदिधर्ष-त्ताम् नः तम् त म् अदिधीर्षा-व म
- ५ अदिधोर्-षीत् षिष्टाम् षिष्ठुः षी षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिधीर्षामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
दिधीर्षाश्चकार दिधीर्षाम्बभूव
- ७ दिधीर्ष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधीर्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधीर्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिधीर्षिष्या-मि वः मः
(अदिधीर्षिष्या-व म
- १० अदिधीर्षिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

- १ दिधीर्ष-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दिधीर्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिधीर्ष-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहे षामहे
- ४ अदिधोर्-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदिधीर्षि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिधीर्षामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
दिधीर्षाश्चक्रे दिधीर्षाम्बभूव (य वहि महि
- ७ दिधीर्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिधीर्षिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिधीर्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिधीर्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८८ चुक् (कृ) करणे ।

- १ चिकीर्ष-ति तः न्ति सि थः थ चिकीर्षा-मि वः मः
- २ चिकीर्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकीर्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
चिकीर्षा-णि व म
- ४ अचिकीर्ष-त्ताम् नः तम् त म् अचिकीर्षा-व म
- ५ अचिकोर्-षीत् षिष्टाम् षिष्ठुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिकीर्षाम्बभू-व वतुः उः वि थ वथुः व व वि व वि म
चिकीर्षाश्चकार चिकीर्षामास
- ७ चिकीर्ष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकीर्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकीर्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकीर्षिष्या-मि
वः मः (अचिकीर्षिष्या-व म
- १० अचिकीर्षिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

- १ चिकोर्-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिकीर्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकोर्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहे षामहे
- ४ अचिकीर्ष-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचिकीर्षि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिकीर्षामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
चिकीर्षाश्चक्रे चिकीर्षाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चिकीर्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकीर्षिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकीर्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकीर्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८९ हिक्की (हिक्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ जिहिक्किष-ति तः न्ति सि थः थ जिहिक्किषा-मि वः मः
- २ जिहिक्किषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहिक्किष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहिक्किषा-णि व म
- ४ अजिहिक्किष-त्ताम् नः तम् तम् अजिहिक्किषा-व म
- ५ अजिहिक्कि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिहिक्किषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिहिक्किषाश्चकार जिहिक्किषाम्बभूव
- ७ जिहिक्किष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहिक्किषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहिक्किषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहिक्किषिष्या-
मि वः मः (अजिहिक्किषिष्या-व म
- १० अजिहिक्किषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ जिहिक्कि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिहिक्किषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिहिक्कि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिहिक्कि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजिहिक्किषि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ जिहिक्किषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिहिक्किषाश्चक्रे जिहिक्किषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जिहिक्किषिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ जिहिक्किषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिहिक्किषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिहिक्किषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८९० अश्चिचूग् (अश्चि) गतौ च ।

- १ अश्चिचिष-ति तः न्ति सि थः थ अश्चिचिषा-मि वः मः
- २ अश्चिचिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अश्चिचिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
अश्चिचिषा-णि व म
- ४ आश्चिचिष-त्ताम् नः तम् तम् आश्चिचिषा-व म
- ५ आश्चिचि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ अश्चिचिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
अश्चिचिषाश्चकार अश्चिचिषामास
- ७ अश्चिचिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अश्चिचिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अश्चिचिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अश्चिचिषिष्या-
मि वः मः (आश्चिचिषिष्या-व म
- १० आश्चिचिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ अश्चिचि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ अश्चिचिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अश्चिचि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ आश्चिचि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ आश्चिचिषि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ अश्चिचिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
अश्चिचिषाश्चक्रे अश्चिचिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ अश्चिचिषिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ अश्चिचिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अश्चिचिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आश्चिचिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८९१ याचुः (याच) याच्यायाम् ।

- १ यियाचिष-ति तः न्ति सि थः थ यियाचिषा-मि वः मः
- २ यियाचिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ यियाचिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
यियाचिषा-णि व म
- ४ अयियाचिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अयियाचिषा-व म
- ५ अयियाचि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ यियाचिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
यियाचिषाञ्चकार यियाचिषाम्बभूव
- ७ यियाचिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ यियाचिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ यियाचिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ यियाचिषिष्या-
मि वः मः (अयियाचिषिष्या-व म
- १० अयियाचिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

- १ यियाचि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ यियाचिषे-त् याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ यियाचि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अयियाचि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अयियाचिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ यियाचिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
यियाचिषाञ्चक्रे यियाचिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ यियाचिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ यियाचिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ यियाचिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयियाचिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८९२ डुपर्चीष् (पच्) पाके ।

- १ पिपक्ष-ति तः न्ति सि थः थ पिपक्षा-मि वः मः
- २ पिपक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपक्षा-णि व म
- ४ अपिपक्ष-त् ताम् न्ः तम् तम् अपिपक्षा-व म
- ५ अपिप-क्षीत् क्षिष्टम् क्षिषुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिषम्
क्षिष्व क्षिष्व
- ६ पिपक्षाम्बभू-व षतुः डुः विथ वथुः व व विव विम
पिपक्षाञ्चकार पिपक्षामास
- ७ पिपक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपक्षिष्या-मि वः मः
(अपिपक्षिष्या-व म
- १० अपिपक्षिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

- १ पिपक्-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिपक्षे-त् याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपक्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपिपक्-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपिपक्षि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ पिपक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपक्षाञ्चक्रे पिपक्षाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पिपक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपक्षिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिपक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८९३ राज् (राज्) दीप्तौ ।

- १ रिराजिष-ति तः न्ति सि थः थ रिराजिषा-मि वः मः
- २ रिराजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिराजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिराजिषा-णि व म
- ४ अरिराजिष-त् ताम् न् : तम् तम् अरिराजिषा-व म
- ५ अरिराजि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिराजिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
रिराजिषाश्चकार रिराजिषाम्बभूव
- ७ रिराजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिराजिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिराजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिराजिषिष्या-
मि वः मः (अरिराजिषिष्या-व म
- १० अरिराजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

- १ रिराजि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
 - २ रिराजिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ रिराजि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
 - ४ अरिराजि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
 - ५ अरिराजिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
 - ६ रिराजिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
रिराजिषाश्चक्रे रिराजिषाम्बभूव (य वहि महि
 - ७ रिराजिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ रिराजिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ रिराजिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 - १० अरिराजिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ८९४ दृभ्राजि (भ्राज्) दीप्तौ । भ्राजि ६६१ वद्रूपाणि

८९५ भर्जी (भज्) सेवायाम् ।

- १ बिभक्ष-ति तः न्ति सि थः थ बिभक्षा-मि वः मः
- २ बिभक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बिभक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बिभक्षा-णि व म
- ४ अबिभक्ष-त् ताम् न् : तम् तम् अबिभक्षा-व म
- ५ अबिभक्-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बिभक्षाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
बिभक्षाश्चकार बिभक्षामास
- ७ बिभक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिभक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
बिभक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिभक्षिष्या-मि
वः मः (अबिभक्षिष्या-व म
- १० अबिभक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
कषयोः क्षो ज्ञेयः

- १ बिभक्-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बिभक्षे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभक्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अबिभक्-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अबिभक्षि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ बिभक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
बिभक्षाश्चक्रे बिभक्षाम्बभूव (य वहि महि
- ७ बिभक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभक्षिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिभक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
कषयोः क्षो ज्ञेयः

८९२ रञ्जी (रञ्ज) रागे ।

- १ रिरङ्क्ष-ति तः न्ति सि थः थ रिरङ्क्षा-मि वः मः
- २ रिरङ्क्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरङ्क्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरङ्क्षा-णि व म
- ४ अरिरङ्क्ष-त्ताम् नः तम् त म अरिरङ्क्षा-व म
- ५ अरिरङ्क्ष-क्षीत् क्षिष्टम् क्षिष्टुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिष्टम्
क्षिष्ट्व क्षिष्टम्
- ६ रिरङ्क्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रिरङ्क्षाश्चकार रिरङ्क्षामास
- ७ रिरङ्क्ष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त-सम् स्व स्म
- ८ रिरङ्क्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरङ्क्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरङ्क्षिष्या-मि वः म
(अरिरङ्क्षिष्या-व म
- १० अरिरङ्क्षिष्य-त्ताम् नः तम् त म

- १ रिरङ्क्-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ रिरङ्क्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरङ्क्-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अरिरङ्क्-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अरिरङ्क्षि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
रिरङ्क्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
रिरङ्क्षाम्बभूव (य वहि महि
- ६ रिरङ्क्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरङ्क्षिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिरङ्क्षि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यथ्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरिरङ्क्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्
कषयोः क्षो ज्ञय

८९१ रेदृग् (रेद) परिभाषणयाचनयोः ।

- १ रिरेटिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरेटिषा-मि वः मः
- २ रिरेटिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरेटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरेटिषा-णि व म
- ४ अरिरेटिष-त्ताम् नः तम् तम् अरिरेटिषा-व म
- ५ अरिरेटि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ रिरेटिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
रिरेटिषाश्चकार रिरेटिषाम्बभूव
- ७ रिरेटिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त-सम् स्व स्म
- ८ रिरेटिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरेटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरेटिषिष्या-मि
वः मः (अरिरेटिषिष्या-व म
- १० अरिरेटिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

- १ रिरेटि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ रिरेटिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरेटि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अरिरेटि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अरिरेटिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
रिरेटिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
रिरेटिषाश्चकार रिरेटिषाम्बभूव (य वहि महि
- ६ रिरेटिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरेटिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिरेटिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यथ्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरिरेटिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

८९८ वेणूग् (वेण्) गतिज्ञानचिन्तानिशा-
मनवादिप्रग्रहणेषु ।

- १ विवेणिष-ति तः न्ति सि थः थ विवे णिषा-मि वः मः
- २ विवेणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवेणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवेणिषा-णि व म
- ४ अविवेणिष-त्तामन्तुः तम् त म् अविवेणिषा-व म
- ५ अविवेणि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवेणिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवेणिषाश्चकार विवेणिषाम्बभूव
- ७ विवेणिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवेणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवेणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवे णिषिष्या-
मि वः मः (अविवेणिषिष्या-व म
- १० अविवेणिषिष्य-त्ताम् नुः : तम् त म्

८९९ चत्तेग् (चत्) याचने ।

- १ चिचतिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचतिषा-मि वः मः
- २ चिचतिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचतिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचतिषा-णि व म
- ४ अचिचतिष-त्तामन्तुः तम् त म् अचिचतिषा-व म
- ५ अचिचति-षीत् षिष्टाम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कर-कृम कृव
- ६ चिचतिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार
चिचतिषाम्बभूव चिचतिषामास
- ७ चिचतिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचतिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचतिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचतिषिष्या-
मि वः मः (अचिचतिषिष्या-व म
- १० अचिचतिषिष्य-त्ताम् नुः : तम् त म्

- १ विवेणि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवेणिषे-त् याताम् रन्थाः याथाम् ष्वम् यवहि महि
- ३ विवेणि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविवेणि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविवेणिषि-ष्ताताम् षत षाः षाथाम् ष्वम् यवहि महि
- ६ विवेणिषाश्च-के काते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे कृवहे कृमहे
विवेणिषाम्बभूव विवेणिषामास (य वहि महि
- ७ विवेणिषिषी-ष्तास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ष्वम्
- ८ विवेणिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवेणिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवेणिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

- १ चिचति-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिचतिषे-त् याताम् रन्थाः याथाम् ष्वम् य वहि महि
- ३ चिचति-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिचति-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचिचतिषि-ष्ताताम् षत षाः षाथाम् ष्वम् यवहि महि
- ६ चिचतिषाश्च-के काते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे कृवहे कृमहे
चिचतिषाम्बभूव चिचतिषामास (य वहि महि
- ७ चिचतिषिषी-ष्तास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ष्वम्
- ८ चिचतिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिचतिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिचतिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१०० प्रोथृग् (प्रोथ्) पर्याप्तौ ।

- १ पुप्रोथिष-ति तः न्ति सि थः थ पुप्रोथिषा-मि वः मः
- २ पुप्रोथिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुप्रोथिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुप्रोथिषा-णि व म
- ४ अपुप्रोथिष-त्ताम् न् : तम् तम् अपुप्रोथिषा-व म
- ५ अपुप्रोथि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ पुप्रोथिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पुप्रोथिषाश्चकार पुप्रोथिषाम्बभूव
- ७ पुप्रोथिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुप्रोथिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुप्रोथिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुप्रोथिषिष्या-
मि वः मः (अपुप्रोथिषिष्या-व म
- १० अपुप्रोथिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म

- १ पुप्रोथि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पुप्रोथिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ पुप्रोथि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपुप्रोथि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपुप्रोथिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ पुप्रोथिषाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
पुप्रोथिषाम्बभूव पुप्रोथिषामास (य वहि महि
- ७ पुप्रोथिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पुप्रोथिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पुप्रोथिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपुप्रोथिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०१ मिथृग् (मिथ्) मेधाहिसनयो ।

- १ मिमिथिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमिथिषा-मि वः मः
- २ मिमिथिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमिथिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमिथिषा-णि व म
- ४ अमिमिथिष-त्ताम् न् : तम् तम् अमिमिथिषा-व म
- ५ अमिमिथि-षीत् विष्टाम् विः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म कर-कृम कृव
- ६ मिमिथिषाश्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार
मिमिथिषाम्बभूव मिमिथिषामास
- ७ मिमिथिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमिथिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमिथिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमिथिषिष्या-
मि वः मः (अमिमिथिषिष्या-व म
- १० अमिमिथिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म
पक्षे मिमि-स्थाने मिमे-इति ज्ञेयम्

- १ मिमिथि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमिथिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ मिमिथि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमिमिथि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमिथिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ मिमिथिषाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
मिमिथिषाम्बभूव मिमिथिषामास (य वहि महि
- ७ मिमिथिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमिथिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमिथिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमिथिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे मिमि-स्थाने मिमे-इति ज्ञेयम्

९०२ मेथृग् (मेथृ) संगमे च ।

- १ मिमेशिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमेशिषा-मि वः मः
- २ मिमेशिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमेशिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमेशिषा-णि व म
- ४ अमिमेशिष-त्ताम् नः तम् त म् अमिमेशिषा-व म
- ५ अमिमेशि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमेशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमेशिषाश्चकार मिमेशिषाम्बभूव
- ७ मिमेशिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमेशिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थस्मि स्वः स्मः
- ९ मिमेशिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमेशिषिष्या-
मि वः मः (अमिमेशिषिष्या-व म
- १० अमिमेशिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

- १ मिमेशि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमेशिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ मिमेशि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमिमेशि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमेशिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इड्वम् ध्वम्
- ६ मिमेशिषाश्च-क्रेक्रेते क्रिरे कृषे काथे कृड्वेके कृवहे कृमहे
मिमेशिषाम्बभूव मिमेशिषामास (य वहि महि
- ७ मिमेशिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमेशिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमेशिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमेशिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९०३ चदेग् (चद्) याचने ।

- १ चिचदिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचदिषा-मि वः मः
- २ चिचदिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचदिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचदिषा-णि व म
- ४ अचिचदिष-त्ताम् नः तम् त म् अचिचदिषा-व म
- ५ अचिचदि-षीत्षिष्टाम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कर-कृम कृव
- ६ चिचदिषाश्च-कारकतुः कः कथं कथुः क कार
चिचदिषाम्बभूव चिचदिषामास
- ७ चिचदिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचदिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थस्मि स्वः स्मः
- ९ चिचदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचदिषिष्या-
मि वः मः (अचिचदिषिष्या-व म
- १० अचिचदिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

- १ चिचदि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिचदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ चिचदि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिचदि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचिचदिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इड्वम् ध्वम्
- ६ चिचदिषाश्च-क्रेक्रेते क्रिरे कृषे काथे कृड्वेके कृवहे कृमहे
चिचदिषाम्बभूव चिचदिषामास (य वहि महि
- ७ चिचदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिचदिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिचदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिचदिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०४ ऊबुन्दिगू (बुन्द) निशामने ।

- १ बुबुन्दिष-ति तः न्ति सि थः थ बुबुन्दिषा-मि वः मः
- २ बुबुन्दिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बुबुन्दिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
बुबुन्दिषा-णि व म
- ४ अबुबुन्दिष-त्ताम् नः तम् त म् अबुबुन्दिषा-व म
- ५ अबुबुन्दि-षीत् षिष्ठाम् षिषुः षीः षिष्ठम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बुबुन्दिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
बुबुन्दिषाश्चकार बुबुन्दिषाम्बभूव
- ७ बुबुन्दिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सप् स्व स्म
- ८ बुबुन्दिषिता-" रौ रः सिस्थ स्थस्मि स्वः स्म
- ९ बुबुन्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बुबुन्दिषिष्या-
मि वः मः (अबुबुन्दिषिष्या-व म
- १० अबुबुन्दिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

- १ बुबुन्दि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ बुबुन्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बुबुन्दि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अबुबुन्दि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अबुबुन्दिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ बुबुन्दिषाश्च-क्रेकाते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
बुबुन्दिषाम्बभूव बुबुन्दिषामास (य वहि महि
- ७ बुबुन्दिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ बुबुन्दिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बुबुन्दिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबुबुन्दिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०५ णिहृगू (निद्) कुत्सासन्निकर्षयोः ।

- १ निनिदिष-ति तः न्ति सि थः थ निनिदिषा-मि वः मः
- २ निनिदिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनिदिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
निनिदिषा-णि व म
- ४ अनिनिदिष-त्ताम् नः तम् त म् अनिनिदिषा-व म
- ५ अनिनिदि-षीत् षिष्ठाम् षिः षीः षिष्ठम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कर कृम कृव
- ६ निनिदिषाश्च-कार क्तुः कः कर्थ कथुः क कार
निनिदिषाम्बभूव निनिदिषामास
- ७ निनिदिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सप् स्व स्म
- ८ निनिदिषिता-" रौ रः सिस्थ स्थस्मि स्वः स्म
- ९ निनिदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनिदिषि-
ष्या-मि वः मः (अनिनिदिषिष्या-व म
- १० अनिनिदिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्
पक्षे निनि-स्थाने निने-इति ज्ञेयम्

- १ निनिदि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ निनिदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनिदि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अनिनिदि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनिनिदिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ निनिदिषाश्च-क्रेकाते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
निनिदिषाम्बभूव निनिदिषामास (य वहि महि
- ७ निनिदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ निनिदिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनिदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनिनिदिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे निनि-स्थाने निने-इति ज्ञेयम्

१०६ णेदृग् (नेद्) कुत्सासन्निकर्षयोः ।

- १ निनेदिष-ति तः न्ति सि थः थ निनेदिषा-मि वः मः
- २ निनेदिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनेदिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
निनेदिषा-णि व म
- ४ अनिनेदिष-त्ताम् नः तम् तम् अनिनेदिषा-व म
- ५ अनिनेदि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ निनेदिषामा-स सतुः सुः मिथ सथुः स म सिव सिम
निनेदिषाश्चकार निनेदिषाम्बभूव
- ७ निनेदिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनेदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनेदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनेदिषिष्या-
मि वः मः (अनिनेदिषिष्या-व म
- १० अनिनेदिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ निनेदि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ निनेदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनेदि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अनिनेदि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनिनेदिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ निनेदिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे क्रे क्वहे कृमहे
निनेदिषाम्बभूव निनेदिषामास (य वहि महि
- ७ निनेदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ निनेदिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनेदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनिनेदिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०७ मिदृग् (मिद्) मेधाहिसयो ।

- १ मिमिदिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमिदिषा-मि वः मः
- २ मिमिदिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमिदिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमिदिषा-णि व म
- ४ अमिमिदिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमिदिषा-व म
- ५ अमिमिदि-षीत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कर-कृम कृव
- ६ मिमिदिषाश्च-कार क्तुः कः कर्थ कथुः क कार
मिमिदिषाम्बभूव मिमिदिषामास
- ७ मिमिदिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमिदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमिदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमिदिषिष्या-
मि वः मः (अमिमिदिषिष्या-व म
- १० अमिमिदिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे मिमि-स्थाने मिमे-इति ज्ञेयम्

- १ मिमिदि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमिदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमिदि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अमिमिदि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमिदिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ मिमिदिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे क्रे क्वहे कृमहे
मिमिदिषाम्बभूव मिमिदिषामास (य वहि महि
- ७ मिमिदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ मिमिदिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमिदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमिदिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे मिमि-स्थाने मिमे-इति ज्ञेयम्

९१० शृधृग् (शृध्) उन्दे ।

- १ शिशधिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशधिषा-मि वः मः
- २ शिशधिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशधिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशधिषा-णि व म
- ४ अशिशधिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिशधिषा-व म
- ५ अशिशधि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ शिशधिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशधिषामास शिशधिषाश्चकार
- ७ शिशधिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशधिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशधिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशधिषिष्या-
मि वः मः (अशिशधिषिष्या-व म
- १० अशिशधिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ शिशधि-षतेषेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ शिशधिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ शिशधि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अशिशधि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशिशधिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ शिशधिषाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
शिशधिषाम्बभूष शिशधिषामास (यवहि महि
- ७ शिशधिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ शिशधिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशधिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिशधिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९११ मृधृग् (मृध्) उन्दे ।

- १ मिमधिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमधिषा-मि वः मः
- २ मिमधिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमधिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमधिषा-णि व म
- ४ अमिमधिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमधिषा-व म
- ५ अमिमधि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ मिमधिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव कृम
मिमधिषाम्बभूष मिमधिषामास
- ७ मिमधिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमधिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमधिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमधिषिष्या-मि
वः मः (अमिमधिषिष्या-व म
- १० अमिमधिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ मिमधि-षतेषेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमधिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ मिमधि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमिमधि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमधिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ मिमधिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमधिषाश्चके मिमधिषामास (यवहि महि
- ७ मिमधिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ मिमधिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमधिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमधिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९१२ बुधृग् (बुध्) बोधने ।

- १ बुबुधिष-ति तः न्ति सि थः थ बुबुधिषा-मि वः मः
- २ बुबुधिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बुबुधिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
बुबुधिषा-णि व म
- ४ अबुबुधिष-त्ताम् नः तम् तम् अबुबुधिषा-व म
- ५ अबुबुधि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बुबुधिषाञ्च-कारकतुः कृः कथं कथुः ककार कर कृव कृम
बुबुधिषाम्बभूव बुबुधिषामास
- ७ बुबुधिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बुबुधिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बुबुधिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बुबुधिषिष्या-मि
वः मः (अबुबुधिषिष्या-व म
- १० अबुबुधिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे बुबु-स्थाने बुबो-इति ज्ञेयम्

९१३ खनृग् (खन्) अवदारणे ।

- १ चिखनिष-ति तः न्ति सि थः थ चिखनिषा-मि वः मः
- २ चिखनिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखनिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
चिखनिषा-णि व म
- ४ अचिखनिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिखनिषा-व म
- ५ अचिखनि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिखनिषाम्बभूव-ववतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिखनिषामास चिखनिषाञ्चकार
- ७ चिखनिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखनिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखनिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिनिषिष्या-मि
वः मः (अचिखनिषिष्या-व म
- १० अचिखनिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ बुबुधि-पतेपेतेपन्तेपसेपेथेपध्वेपेपावहेषामहे
- २ बुबुधिषे-तयाताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहिमहि
- ३ बुबुधि-पताम्पेताम्पन्ताम्पस्वपेथाम्पध्वम्पै
पावहैषामहै
- ४ अबुबुधि-पतपेताम्पन्तपथाःपेथाम्पध्वम्पे
पावहिषामहि (पिष्वहिष्महि
- ५ अबुबुधिषि-ष्टपाताम्पतष्टाःपाथाम् इद्वम्पध्वम्
- ६ बुबुधिषाम्बभूव ववतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बुबुधिषाञ्चके बुबुधिषामास (यवहिमहि
- ७ बुबुधिषिषी-ष्टयास्ताम् रन्ष्टाःयास्थाम् ध्वम्
- ८ बुबुधिषिता-" रौ रः सेसाथेध्वेहेस्वहेस्महे
- ९ बुबुधिषि-ष्यतेष्येतेष्यन्तेष्यसेष्येथेष्यध्वेष्ये
ष्यावहेष्यामहे (ष्येष्यावहिष्यामहि
- १० अबुबुधिषि-ष्यतष्येताम्प्यन्तष्यथाःष्येथाम्प्यध्वम्
पक्षे बुबु-स्थाने बुबो-इति ज्ञेयम्

- १ चिखनि-पतेपेतेपन्तेपसेपेथेपध्वेपेपावहेषामहे
- २ चिखनिषे-तयाताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहिमहि
- ३ चिखनि-पताम्पेताम्पन्ताम्पस्वपेथाम्पध्वम्पै
पावहैषामहै
- ४ अचिखनि-पतपेताम्पन्तपथाःपेथाम्पध्वम्पे
पावहिषामहि (पिष्वहिष्महि
- ५ अचिखनिषि-ष्टपाताम्पतष्टाःपाथाम् इद्वम्पध्वम्
- ६ चिखनिषाञ्च-केकातेकिरेकृषेकाथेकृद्वेकेकृवहेकृमहे
चिखनिषाम्बभूव चिखनिषामास (यवहिमहि
- ७ चिखनिषिषी-ष्टयास्ताम् रन्ष्टाःयास्थाम् ध्वम्
- ८ चिखनिषिता-" रौ रः सेसाथेध्वेहेस्वहेस्महे
- ९ चिखनिषि-ष्यतेष्येतेष्यन्तेष्यसेष्येथेष्यध्वेष्ये
ष्यावहेष्यामहे (ष्येष्यावहिष्यामहि
- १० अचिखनिषि-ष्यतष्येताम्प्यन्तष्यथाःष्येथाम्प्यध्वम्

११४ दानी (दान्) अखण्डने । तत्रार्जवे

१दिदांसिष-ति तः न्ति सि थः थ दिदांसिषा-मि वः मः

२ दिदांसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व मः

३ दिदांसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदांसिषा-णि व म

४अदिदांसिष-त्ताम् न् : तम् तम् अदिदांसिषा-व म

५. अदिदांसि-षीत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व

६दिदांसिषाश्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कृष कृम
दिदांसिषाम्बभूष दिदांसिषामास

७ दिदांसिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ दिदांसिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९दिदांसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदांसिषिष्या-
मि वः मः (अदिदांसिषिष्या-व म

१०अदिदांसिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

११५ शानी (शान्) तेजने । तत्र निशाने

१शिशांसिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशांसिषा-मि वः मः

२ शिशांसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व मः

३ शिशांसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशांसिषा-णि व म (वम

४अशिशांसिष-त्ताम् न् : तम् तम् अशिशांसिषा-

५. अशिशांसि-षीत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व

६ शिशांसिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशांसिषाश्चकार शिशांसिषामास

७ शिशांसिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ शिशांसिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९शिशांसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशांसिषि-
ष्या-मि वः मः (अशिशांसिषिष्या-व म

१०अशिशांसिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१ दिदांसि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे

२ दिदांसिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ दिदांसि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै

४ अदिदांसि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि

५ अदिदांसिषि-ष्र षाताम् षत ष्राः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्

६ दिदांसिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिदांसिषाश्चक्रे दिदांसिषामास (य वहि महि

७ दिदांसिषिषी-ष्र याताम् रन् ष्राः याथाम् ध्वम्

८ दिदांसिषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ दिदांसिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१०अदिदांसिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१ शिशांसि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे

२ शिशांसिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि

३ शिशांसि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै

४ अशिशांसि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि

५ अशिशांसिषि-ष्र षाताम् षत ष्राः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्

६ शिशांसिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशांसिषाश्चक्रे शिशांसिषामास (य वहि महि

७ शिशांसिषिषी-ष्र याताम् रन् ष्राः याथाम् ध्वम्

८ शिशांसिषिता- " रौ रः से सासे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ शिशांसिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१०अशिशांसिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यन्त ष्येथाम् ष्यध्वम्

११६ शर्पी (शप्) आक्रोशे ।

- १ शिशप्स-ति तः न्ति सि थः थ शिशप्सा-मि वः मः
- २ शिशप्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशप्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशप्सा-णि व म
- ४ अशिशप्स-त्ताम् न् : तम् तम् अशिशप्सा-व म
- ५ अशिशप्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ शिशप्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशप्साश्चकार शिशप्सामास
- ७ शिशप्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशप्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशप्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशप्सिष्या-मि
वः मः (अशिशप्सिष्या-व म
- १० अशिशप्सिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

- १ शिशप्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ शिशप्से-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ शिशप्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अशिशप्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (वि ष्वहि ष्वहि
- ५ अशिशप्सि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्त्वम् ध्वम्
- ६ शिशप्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशप्साश्चक्रे शिशप्सामास (य वहि महि
- ७ शिशप्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिशप्सिता-" रौ रः से सासे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशप्सि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिशप्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११७ चायृग् (चाय्) पूजानिशामनयोः ।

- १ चिचायिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचायिषा-मि वः मः
- २ चिचायिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचायिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचायिषा-णि व म
- ४ अचिचायिष-त्ताम् न् : तम् तम् अचिचायिषा-व म
- ५ अचिचायि-षीत् षिष्टाम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिचायिषाश्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कृष कृम
चिचायिषाम्बभूष चिचायिषामास
- ७ चिचायिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचायिषिता " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचायिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचायिषिष्या-
मि वः मः (अचिचायिषिष्या-व म
- १० अचिचायिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

- १ चिचायि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिचायिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिचायि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिचायि-षत पाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे-
षावहि षामहि (वि ष्वहि ष्वहि
- ५ अचिचायिषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्त्वम् ध्वम्
- ६ चिचायिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिचायिषाश्चक्रे चिचायिषामास (य वहि महि
- ७ चिचायिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिचायिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिचायिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिचायिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९१८ व्ययी (व्यय्) गतौ ।

- १ विव्ययिष-ति तः न्ति सि थः थ विव्ययिषा-मि वः मः
- २ विव्ययिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विव्ययिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विव्ययिषा-णि व म
- ४ अविव्ययिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविव्ययिषा-व म
- ५ अविव्ययि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ विव्ययिषाञ्च-कार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः ककार कर कृव कृम्
विव्ययिषाम्बभूव विव्ययिषामास
- ७ विव्ययिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विव्ययिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ विव्ययिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विव्ययिषिष्या-
मि वः मः (अ विव्ययिषिष्या-व म
- १० अविव्ययिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

- १ विव्ययि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षथ्वे षे षावहे षामहे
- २ विव्ययिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विव्ययि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षथ्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविव्ययि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षथ्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अविव्ययिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ विव्ययिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विव्ययिषाञ्चक्रे विव्ययिषामास (य वहि महि
- ७ विव्ययिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विव्ययिषिता-" रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विव्ययिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यथ्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविव्ययिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यथ्वम्

९१९ अली (अल्) भूषणपर्याप्तिवारणेषु ।

- १ अलिलिष-ति तः न्ति सि थः थ अलिलिषा-मि वः मः
- २ अलिलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अलिलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अलिलिषा-णि व म
- ४ आलिलिष-त् ताम् न् : तम् त म् आलिलिषा-व म
- ५ आलिलि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ अलिलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अलिलिषाञ्चकार अलिलिषामास
- ७ अलिलिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अलिलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ अलिलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अलिलिषिष्या-
मि वः मः (आलिलिषिष्या-व म
- १० आलिलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

- १ अलिलि षते षेते षन्ते षसे षेथे षथ्वे षे षावहे षामहे
- २ अलिलिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अलिलि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षथ्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ आलिलि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षथ्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ आलिलिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ अलिलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अलिलिषाञ्चक्रे अलिलिषामास (य वहि महि
- ७ अलिलिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अलिलिषिता-" रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अलिलिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यथ्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आलिलिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यथ्वम्

१२० धावू (धावू) गतिशुध्योः ।

- १ दिधाविष-ति तः न्ति सि थः थ दिधाविषा-मि वः मः
- २ दिधाविषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधाविष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिधाविषा-णि व म
- ४ अदिधाविष-त् ताम् नः तम् तम् अदिधाविषा-व म
- ५ अदिधावि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिधाविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिधाविषाश्चकार दिधाविषाम्बभूव
- ७ दिधाविष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधाविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधाविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिधाविषिष्या-
मि वः मः (अदिधाविषिष्या-व म
- १० अदिधाविषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म

- १ दिधावि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दिधाविषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिधावि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदिधावि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदिधाविषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिधाविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिधाविषाश्चक्रे दिधाविषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ दिधाविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिधाविषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिधाविषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिधाविषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२१ चिचीवृ (चीवृ) णीवत् ।

- १ चिचीविष-ति तः न्ति सि थः थ चिचीविषा-मि वः मः
- २ चिचीविषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचीविष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचीविषा-णि व म
- ४ अचिचीविष-त् ताम् नः तम् त म अचिचीविषा-व म
- ५ अचिचीवि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिचीविषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिचीविषाश्चकार चिचीविषामास
- ७ चिचीविष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचीविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचीविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचीविषिष्या-
मि वः मः (अचिचीविषिष्या-व म
- १० अचिचीविषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म

- १ चिचीवि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिचीविषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिचीवि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिचीवि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अचिचीविषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिचीविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिचीविषाश्चक्रे चिचीविषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चिचीविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिचीविषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिचीविषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिचीविषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९२२ दाशृ (दाश्) दाने ।

- १ दिदाशिष-ति तः न्ति सि थः थ दिदाशिषा-मि वः मः
- २ दिदाशिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदाशिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदाशिषा-णि व म
- ४ अदिदाशिष-त्ताम् नः तम् त म् अदिदाशिषा-व म
- ५ अदिदाशि-वीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ दिदाशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिदाशिषाश्चकार दिदाशिषाम्बभूव
- ७ दिदाशिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदाशिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदाशिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदाशिषिष्या-
मि वः मः (अदिदाशिषिष्या-व म
- १० अदिदाशिषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म्

- १ दिदाशि-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ दिदाशिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदाशि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अदिदाशि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अदिदाशिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिदाशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिदाशिषाश्चक्रे दिदाशिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ दिदाशिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिदाशिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदाशिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिदाशिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथा ष्येथाम् ष्यध्वम्

९२३ झषी (झष्) आदानसंवरणयोः ।

- १ जिझषिष-ति तः न्ति सि थः थ जिझषिषा-मि वः मः
- २ जिझषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिझषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिझषिषा-णि व म
- ४ अजिझषिष-त्ताम् नः तम् त म् अजिझषिषा-व म
- ५ अजिझषि-वीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ जिझषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिझषिषाश्चकार जिझषिषामास
- ७ जिझषिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिझषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिझषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिझषिषिष्या-
मि वः मः (अजिझषिषिष्या-व म
- १० अजिझषिषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म्

- १ जिझषि-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिझषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिझषि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अजिझषि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजिझषिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जिझषिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिझषिषाश्चक्रे जिझषिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जिझषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिझषिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिझषिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिझषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथा ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२४ भेषृग् (भेष्) भवे ।

- १ विभेषिष-ति तः न्ति सि थः थ विभेषिषा-मि वः मः
- २ विभेषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विभेषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विभेषिषा-णि व म
- ४ अविभेषिष-त्ताम् नः तम् त म अविभेषिषा-व म
- ५ अविभेषि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ विभेषिषाम्भू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
विभेषिषाश्चकार विभेषिषामास
- ७ विभेषिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विभेषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विभेषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विभेषिषिष्या-मि
वः मः (अविभेषिषिष्या-व म
- १० अविभेषिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

- १ विभेषि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विभेषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विभेषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहे षामहे
- अविभेषि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविभेषिषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् इड्वम् ध्वम्
- ६ विभेषिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विभेषिषाश्चक्रे विभेषिषाम्भूव (य वहि महि
- ७ विभेषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विभेषिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विभेषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविभेषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१२५ भ्रेषृग् (भ्रेष्) बलने व ।

- १ विभ्रेषिष-ति तः न्ति सि थः थ विभ्रेषिषा-मि वः मः
- २ विभ्रेषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विभ्रेषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विभ्रेषिषा-णि व म
- ४ अविभ्रेषिष-त्ताम् नः तम् त म अविभ्रेषिषा-व म
- ५ अविभ्रेषि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ विभ्रेषिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विभ्रेषिषाश्चकार विभ्रेषिषाम्भूव
- ७ विभ्रेषिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विभ्रेषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विभ्रेषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विभ्रेषिषिष्या-मि
वः मः (अविभ्रेषिषिष्या-व म
- १० अविभ्रेषिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

- १ विभ्रेषि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विभ्रेषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विभ्रेषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहे षामहे
- ४ अविभ्रेषि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविभ्रेषिषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् इड्वम् ध्वम्
- ६ विभ्रेषिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विभ्रेषिषाश्चक्रे विभ्रेषिषाम्भूव (य वहि महि
- ७ विभ्रेषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विभ्रेषिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विभ्रेषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविभ्रेषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१२६ पाठी (पष) बाधनस्पर्शनायोः ।

- १ पिपषिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपषिषा-मि वः मः
- २ पिपषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपषिषा-णि व म
- ४ अपिपषिष-त्ताम् न्ः तम् त म अपिपषिषा-व म
- ५ अपिपषि-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट पिष्टम्
- ६ पिपषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपषिषाश्चकार पिपषिषाम्बभूव
- ७ पिपषिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सन् स्व स्म
- ८ पिपषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ सिम स्वः स्मः
- ९ पिपषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपषिषिष्या-
मि वः मः (अपिपषिषिष्य-व म
- १० अपिपषिषिष्य-त्ताम् न्ः तम् त म

- १ पिपषि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ पिपषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपषि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अपिपषि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अपिपषिषि-पताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ पिपषिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपषिषाश्चक्रे पिपषिषाम्बभूव (य वहिमहि
- ७ पिपषिषिषी-प यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपषिषिता-" रौ रः से साथे प्वे हे स्वे स्महे
- ९ पिपषिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यथ्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्य प्यावहि प्यामहि

० अपिपषिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यथ्वम्

१२७ लषी (लष्) कान्तौ ।

- १ लिलिषिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलिषिषा-मि वः मः
- २ लिलिषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलिषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलिषिषा-णि व म
- ४ अलिलिषिष-त्ताम् न्ः तम् त म अलिलिषिषा व म
- ५ अलिलिषि-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट पिष्टम्
- ६ लिलिषिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लिलिषिषाश्चकार लिलिषिषाम्बभूव
- ७ लिलिषिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सन् स्व स्म
- ८ लिलिषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ सिम स्वः स्मः
- ९ लिलिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलिषिषिष्या-मि
वः मः (अलिलिषिषिष्या-व स
- १० अलिलिषिषिष्य-त्ताम् न्ः तम् त म

- १ लिलिषि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ लिलिषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लिलिषि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अलिलिषि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अलिलिषिषि-पताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ लिलिषिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लिलिषिषाश्चक्रे लिलिषिषाम्बभूव (य वहिमहि
- ७ लिलिषिषिषी-प यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लिलिषिषिता-" रौ रः से साथे प्वे हे स्वे स्महे
- ९ लिलिषिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यथ्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्य प्यावहि प्यामहि

१० अलिलिषिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यथ्वम्

१२८ ऋषी (ऋष्) भक्षणे ।

- १ विचविच-ति तः न्ति सि थः थ विचविषा-मि वः मः
- २ विचविषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विचविष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विचविषा-णि व म
- ४ अविचविष-त्ताम् नः तम् त म अविचविषा-व म
- ५ अविचविष-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विचविषाम्बभू-व वतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विचविषाश्चकार विचविषामास
- ७ विचविष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विचविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
विचविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विचविषिष्या-
मि वः मः (अविचविषिष्या-व म
- १० अविचविषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म

- १ विचविषि-पते पते पन्ते पसे पथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विचविषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विचविषि-षताम् षेताम् पन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अविचविषि-षत षेताम् पन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविचविषिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विचविषामा स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विचविषाश्चक्रे विचविषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ विचविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विचविषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विचविषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविचविषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२९ छषी (छष्) हिंसायाम् ।

- १ चिच्छविष-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छविषा-मि वः मः
- २ चिच्छविषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिच्छविष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिच्छविषा-णि व म
- ४ अचिच्छविष-त्ताम् नः तम् त म अचिच्छविषा-व म
- ५ अचिच्छविष-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिच्छविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिच्छविषाश्चकार चिच्छविषाम्बभूव
- ७ चिच्छविष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिच्छविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिच्छविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छविषिष्या-
मि वः मः (अचिच्छविषिष्या-व म
- १० अचिच्छविषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म

- १ चिच्छविषि-पते पते पन्ते पसे पथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिच्छविषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिच्छविषि-षताम् षेताम् पन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अचिच्छविषि-षत षेताम् पन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचिच्छविषिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिच्छविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिच्छविषाश्चक्रे चिच्छविषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चिच्छविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिच्छविषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिच्छविषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिच्छविषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९३० त्विषीं (त्विष्) दीप्तौ ।

- १ तित्विक्ष-ति तः न्ति सि थः थ तित्विक्षा-मि वः मः
- २ तित्विक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तित्विक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तित्विक्षा-णि व म
- ४ अतित्विक्ष-त्ताम न् : तम् तम् अतित्विक्षा-व म
- ५ अतित्विक्ष-क्षीत् क्षिष्टाम् क्षिपुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिषम्
क्षिष्व क्षिष्व
- ६ तित्विक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तित्विक्षाश्चकार तित्विक्षाम्बभूव
- ७ तित्विक्षया-त्ताम युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तित्विक्षिता-" रौ रः सिस्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तित्विक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तित्विक्षिष्या-
मि वः मः (अतित्विक्षिष्या-व म
- १० अतित्विक्षिष्य-त्ताम न् : तम् तम्

- १ तित्विक्ष-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ तित्विक्षे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ तित्विक्ष-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अतित्विक्ष-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अतित्विक्षि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ तित्विक्षाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
तित्विक्षाम्बभूव तित्विक्षामास (य वहि महि
- ७ तित्विक्षिषी-ष्ट याताम् रन् प्राः याथाम् ध्वम्
- ८ तित्विक्षिता-" रौ रः से साथे प्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तित्विक्षि-ष्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अतित्विक्षि-ष्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

९०७ अषीः (अष्) गत्यादानयोश्च ।

- १ अषिषिष-ति तः न्ति सि थः थ अषिषिषा-मि वः मः
- २ अषिषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अषिषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अषिषिषा-णि व म
- ४ आषिषिष-त्ताम न् : तम् तम् आषिषिषा-व म
- ५ आषिषि-षीत् षिष्टाम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कर-कृम कृव
- ६ अषिषिषाश्च-कार कतुः कः कर्थ कथुः क कार
अषिषिषाम्बभूव अषिषिषामास
- ७ अषिषिष्या-त्ताम युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अषिषिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अषिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अषिषिषिष्या-मि
वः मः (आषिषिषिष्या-व म
- १० आषिषिषिष्य-त्ताम न् : तम् तम्

- १ अषिषि-पते पेटे पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ अषिषिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ अषिषि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ आषिषि-पत पाताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि [पि प्वहि प्महि
- ५ आषिषिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ अषिषिषाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
अषिषिषाम्बभूव अषिषिषामास (य वहि महि
- ७ अषिषिषिषी-ष्ट याताम् रन् प्राः याथाम् ध्वम्
- ८ अषिषिषिता-" रौ रः से साथे प्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अषिषिषि-ष्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० आषिषिषि-ष्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

९३२ असी (अस्) गत्यादानयोश्च ।

- १ असि सिष-ति तः न्ति सि थः थ असि सिषा-मि वः मः
- २ असि सिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ असि सिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
असि सिषा-ति व म
- ४ आसि सिष-त्ताम् नः तम् तम् अ-सि सिषा-व म
- ५ आसि सि-षोत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कर-कृम कृव
- ६ असि सिषा-ङ्कार क्रतुः कुः कथं कथुः क कार
असि सिषाम्बभूव असि सिषामास
- ७ असि सिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ असि सिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ असि सिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ असि सिषिष्या-
मि वः मः (आसि सिषिष्या-व म
- १० आसि सिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ असि सि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ असि सिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ष्वम् य वहि महि
- ३ असि सि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् ष्वम् पे
पावहे पामहे
- ४ आसि सि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् ष्वम् पे
पावहि पामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ आसि सिषि ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ष्वम्
- ६ असि सिषा-ङ्कारे क्रते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
असि सिषाम्बभूव असि सिषामास (य वहि महि
- ७ असि सिषि-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ष्वम्
- ८ असि सिषिता-" रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ असि सिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यथ्वे प्यं
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० आसि सिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यथ्वम्

९३३ दासृग् (दास्) दाने ।

- १ दिदा सिष-ति तः न्ति सि थः थ दिदा सिषा-मि वः मः
- २ दिदा सिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदा सिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदा सिषा-णि व म
- ४ अदिदा सिष-त्ताम् नः तम् तम् अदिदा सिषा-व म
- ५ अदिदा सि-षोत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिदा सिषाया-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिदा सिषाश्चकार दिदा सिषाम्बभूव
- ७ दिदा सिष्या-त्ताम् युः : स्ताम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदा सिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदा सिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदा सिषिष्या-
मि वः मः (अदिदा सिषिष्या-व म
- १० अदिदा सिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ दिदा सि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ दिदा सिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ष्वम् य वहि महि
- ३ दिदा सि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् ष्वम् पे
पावहे पामहे
- ४ अदिदा सि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् ष्वम् ये
पावहि पामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अदिदा सिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ष्वम्
- ६ दिदा सिषा-ङ्कारे क्रते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
दिदा सिषाम्बभूव दिदा सिषामास (य वहि महि
- ७ दिदा सिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ष्वम्
- ८ दिदा सिषिता-" रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदा सिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यथ्वे प्यं
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अदिदा सिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यथ्वम्

१३४ माहृग् (माह्) माने ।

- १ मिमाहिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमाहिषा-मि बः मः
- २ मिमाहिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमाहिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमाहिषा-णि ब म
- ४ अमिमाहिष-त्ताम् न् : तम् तम् अमिमाहिषा-व म
- ५ अमिमाहि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमाहिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमाहिषाश्चकार मिमाहिषाम्बभूव
- ७ मिमाहिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमाहिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमाहिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमाहिषिष्या-मि बः मः
मि बः मः (अमिमाहिषिष्या-व म
- १० अमिमाहिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

- १ मिमाहि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमाहिषे-त्ताताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ मिमाहि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहे षामहे
- ४ अमिमाहि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमाहिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मिमाहिषाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
मिमाहिषाम्बभूव मिमाहिषामास (य वहि महि
- ७ मिमाहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमाहिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमाहिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमाहिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३५ गुह्रौङ् (गुह्) संवदणे ।

- १ जुघुक्ष-ति तः न्ति सि थः थ जुघुक्षा-मि बः मः
- २ जुघुक्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुघुक्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जुघुक्षा-णि ब म
- ४ अजुघुक्ष-त्ताम् न् : तम् तम् अजुघुक्षा-व म
- ५ अजुघु-क्षीत्क्षिष्टाम् क्षिषुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिषम्
क्षिष्व क्षिष्व कर-कृम कृव
- ६ जुघुक्षाश्च-कार क्रतुः कः कर्थ कथुः क कार
जुघुक्षाम्बभूव जुघुक्षामास
- ७ जुघुक्ष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुघुक्षिता-" रौ रः सिस्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुघुक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुघुक्षिष्या-मि बः मः
(अजुघुक्षिष्या-व म
- १० अजुघुक्षिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

- १ जुघु-क्षते क्षेते क्षन्ते क्षसे क्षेथे क्षध्वे क्षे क्षावहे क्षामहे
- २ जुघुक्षे-त्ताताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ जुघु-क्षताम् क्षेताम् क्षन्ताम् क्षस्व क्षेथाम् क्षध्वम् क्षे
क्षावहे क्षामहे
- ४ अजुघु-क्षत क्षेताम् क्षन्त क्षथाः क्षेथाम् क्षध्वम् क्षे
क्षावहि क्षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजुघुक्षि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जुघुक्षाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
जुघुक्षाम्बभूव जुघुक्षामास (य वहि महि
- ७ जुघुक्षि-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुघुक्षिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुघुक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुघुक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९३४ भलक्षी (भलक्ष) भक्षणे ।

- १ विभलक्षिष-ति तः न्ति सि थः य विभलक्षिषा-मि वः मः
- २ विभलक्षिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विभलक्षिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विभलक्षिषा-णि व म
- ४ अविभलक्षिष-तताम न् : तम् तम् अविभलक्षिषा-व म
- ५ अविभलक्षि-षीत् षिष्ठाम् षिषुः षीः षिष्ठम् षिष्ठ षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विभलक्षिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विभलक्षिषाश्चकार विभलक्षिषाम्बभूव
- ७ विभलक्षिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्त स्म
- ८ विभलक्षिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थस्मि स्वः स्मः
- ९ विभलक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः य विभलक्षिषिष्या
मि वः मः (अविभलक्षिषिष्या-व म
- १० अविभलक्षिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम् .

- १ विभलक्षि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विभलक्षिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विभलक्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहे षामहे
- ४ अविभलक्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् ये
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविभलक्षिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ विभलक्षिषाश्च के क्राते क्रिरे कृषे क्राये कृध्वे के कृवहे कृमहे
विभलक्षिषाम्बभूव विभलक्षिषामास (य वहि महि
- ७ विभलक्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विभलक्षिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विभलक्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविभलक्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९३७ द्युति (द्युत्) दीप्तौ ।

- १ दिद्युति-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दिद्युतिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिद्युति-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहे षामहे
- ४ अदिद्युति-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदिद्युतिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ दिद्युतिषाश्च के क्राते क्रिरे कृषे क्राये कृध्वे के कृवहे कृमहे
दिद्युतिषाम्बभूव दिद्युतिषामास (य वहि महि
- ७ दिद्युतिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिद्युतिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिद्युतिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिद्युतिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे दिद्यु-स्थाने दिद्यो-इति ज्ञेयम्

९३८ रुचि (रुच्) अभिप्रीत्याश्च ।

- १ रुरुचि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ रुरुचिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रुरुचि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहे षामहे
- ४ अरुचि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरुचिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ रुरुचिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रुचिषाश्च के रुचिषामास (य वहि महि
- ७ रुरुचिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रुरुचिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रुरुचिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरुचिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यन्त ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे रुच-स्थाने रुरो-इति ज्ञेयम्

९३९ घुटि (घुद) परिवर्तने ।

- १ जुघुटि-घटे घेते घन्ते घसे घेथे घन्धे घे घावहे घामहे
 २ जुघुटिघे-न्त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जुघुटि-घताम् घेताम् घन्ताम् घस्व घेथाम् घध्वम् घै
 घावहे घामहे
 ४ अजुघुटि-घत घाताम् घन्त घथाः घेथाम् घध्वम् घे
 घावहि घामहि (षि घ्वहे घ्महि
 ५ अजुघुटिषि-घ घाताम् घत घ्राः घाथाम् ड्वम् घ्वम्
 ६ जुघुटिषा-म्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
 जुघुटिषाञ्चक्रे जुघुटिषामास (य वहि महि
 ७ जुघुटिषिषी-घ यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जुघुटिषिता-” रौ रः से साथे ध्वहे स्वहे स्महे
 ९ जुघुटिषि-घ्यते घ्येते घ्यन्ते घ्यसे घ्येथे घ्याध्वे घ्ये
 घ्यावहे घ्यामहे (घ्यं घ्यावहि घ्यामहि
 १० अजुघुटिषि-घ्यत घ्येताम् घ्यन्त घ्यथाः घ्येथाम् घ्यध्वम्
 पक्षे जुघु-स्थाने जुघो-इति ज्ञेयम्

१४० रुटि (रुट) प्रतीघाते ।

- १ रुहटि-पते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावां षामहे
 २ रुहटिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ रुहटि-धताम् षेताम् षन्ताम् षत्व षेथाम् पध्वम् पै
 षावहै षामहै
 ४ अरुहटि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
 षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्वहि
 ५ अरुहटिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्वम् ध्वम्
 ६ रुहटिषाम्बभू-ववतुः वुः विथ वथुः वव विव विम
 रुहटिषाश्चके रुहटिषामास् (य वहि महि
 ७ रुहटिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ रुहटिषिता-” रौ रः से सासे ध्वे हे स्वां स्महे
 ९ रुहटिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अरुहटिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यथाः ष्यन्त ष्यथाम् ष्यध्वम्
 पक्षे रुह-स्थाने रुरो-इति इयम्

९४१ लुटि (लुट्) प्रतीधाते ।

१. लुलुटि-पतेप्रेते पन्ते पसे पेथे पन्थे पे पावहे पामहे
 २. लुलुटिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
 ३. लुलुटि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
 पावहै पामहै
 ४. अलुलुटि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
 पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
 ५. अलुलुटिषि-ष्ट पाताम् पत शाः पाथाम् डड्वम् ध्वम्
 ६. लुलुटिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृड्वे के कृवहे कृम्
 लुलुटिषाम्बभूव लुलुटिषामासः (य वहि महि
 ७. लुलुटिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् शाः यास्थाम् ध्वम्
 ८. लुलुटिषिता-” रौ रः से साथे ध्वहे स्वहे स्महे
 ९. लुलुटिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यन्थे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १०. अलुलुटिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
 पक्षे लुलु-स्थाने लुलो-इति ज्ञेयम्

९४२ लुठि (लुङ्) प्रतीयाते ।

- १ लुलुटि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
 २ लुलुटिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि ।
 ३ लुलुटि-षताम् षेताम् षन्ताम् षत्व षेयाम् षध्वम् ।
 षावहै षामहै
 ४ अलुलुटि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
 षावहि षामहि (षि ष्वहि ष
 ५ अलुलुटिषि-ष्ट षाताम् षतु षाः षाथाम् इद्वम्
 ६ लुलुटिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव
 लुलुटिषाञ्चक्रे लुलुटिषामास (य र्वा
 ७ लुलुटिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ लुलुटिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ लुलुटिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्याम
 १० अलुलुटिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
 पक्षे लुलु-स्थाने लुलो-इति ज्ञेयम्

१४३ श्विताङ् (श्वित्) वर्णे ।

- १ शिश्विति-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ शिश्वितिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिश्विति-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै पावहै पामहै
- ४ अशिश्विति-पत पेटाम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अशिश्वितिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शिश्वितिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- शिश्वितिषाम्बभूव शिश्वितिषामास (य वहि महि
- ७ शिश्वितिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिश्वितिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिश्वितिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिश्वितिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् पक्षे शिश्वि-स्थाने शिश्वे-इति ज्ञेयम्

१४४ जिमिदाङ् (मिद्) स्नेहने ।

- १ मिमिदि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ मिमिदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमिदि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै पावहै पामहै
- ४ अमिमिदि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अमिमिदिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ मिमिदिषाम्बभू-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- मिमिदिषाम्बभूव मिमिदिषामास [य वहि महि
- ७ मिमिदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमिदिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमिदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- अमिमिदिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् पक्षे मिमि स्थाने मिमे-इति ज्ञेयम्

१४५ जिष्विदाङ् (ष्विद्) मोचने च ।

- १ चिष्विदि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ चिष्विदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिष्विदि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै पावहै पामहै
- ४ अचिष्विदि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अचिष्विदिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिष्विदिषाम्बभू-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- चिष्विदिषाम्बभूव चिष्विदिषामास (य वहि महि
- ७ चिष्विदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिष्विदिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिष्विदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिष्विदिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् पक्षे चिष्वि-स्थाने चिष्वे-इति ज्ञेयम्

१४६ जिष्विदाङ् (ष्विद्) मोचने च ।

- १ सिष्विदि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ सिष्विदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिष्विदि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै पावहै पामहै
- ४ असिष्विदि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ असिष्विदिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पेषाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ सिष्विदिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- सिष्विदिषाम्बभूव सिष्विदिषामास (य वहि महि
- ७ सिष्विदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिष्विदिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिष्विदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिष्विदिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् पक्षे सिष्वि स्थाने सिष्वे-इति ज्ञेयम्

९४७ शुभि (शुभ) दीप्तौ ।

- १ शुशुभि-षतेषेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ शुशुभिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शुशुभि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अशुशुभि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशुशुभिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शुशुभिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
शुशुभिषाम्बभूव शुशुभिषामास (य वहि महि
- ७ शुशुभिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शुशुभिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शुशुभिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशुशुभिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे शुशु-स्थाने शुशो-इति ज्ञेयम्

९४९ णभि (नभ) हिंसायाम् ।

- १ निनभि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ निनभिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनभि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अनिनभि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनिनभिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ निनभिषाञ्चभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
नininभिषाञ्चके निनभिषामास (य वहि महि
- ७ निनभिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ निनभिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनभिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनिनभिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९४८ क्षुभि (क्षुभ) सञ्चलने ।

- १ चुक्षुभि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चुक्षुभिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुक्षुभि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अचुक्षुभि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचुक्षुभिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चुक्षुभिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुक्षुभिषाञ्चके चुक्षुभिषामास (य वहि महि
- ७ चुक्षुभिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चुक्षुभिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुक्षुभिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचुक्षुभिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे चुक्षु-स्थाने चुक्षो-इति ज्ञेयम्

९५० तुभि (तुभ) हिंसायाम् ।

- १ तुतुभि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ तुतुभिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तुतुभि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अतुतुभि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतुतुभिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ तुतुभिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुतुभिषाञ्चके तुतुभिषामास (य वहि महि
- ७ तुतुभिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तुतुभिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तुतुभिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतुतुभिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे तुतु-स्थाने तुतो-इति ज्ञेयम्

१५१ सन्धुक् (सन्धु) विश्वासे ।

- १ सिस्रम्भि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिस्रम्भिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्रम्भि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ असिस्रम्भि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ असिस्रम्भिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ सिस्रम्भिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम सिस्रम्भिषाम्बभूव सिस्रम्भिषामास (य वहि महि
- ७ सिस्रम्भिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिस्रम्भिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिस्रम्भिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० असिस्रम्भिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१५३ संसुक् (संसु) अवसंसने ।

- १ सिस्रंसि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिस्रंसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्रंसि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ असिस्रंसि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ असिस्रंसिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ सिस्रंसिषाम्बभूव के काते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे सिस्रंसिषाम्बभूव सिस्रंसिषामास (य वहि महि
- ७ सिस्रंसिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिस्रंसिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिस्रंसिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० असिस्रंसिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१५२ अशुक् (अशु) अवसंसने ।

- १ बिअंशि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ बिअंशिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिअंशि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अबिअंशि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अबिअंशिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ बिअंशिषाम्बभूव के काते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे बिअंशिषाम्बभूव बिअंशिषामास (य वहि महि
- ७ बिअंशिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिअंशिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिअंशिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अबिअंशिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१५४ ध्वंसुक् (ध्वंस) गतौ च ।

- १ दिध्वंसि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ दिध्वंसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिध्वंसि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अदिध्वंसि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अदिध्वंसिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ दिध्वंसिषाम्बभूव स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम दिध्वंसिषाम्बभूव दिध्वंसिषामास (य वहि महि
- ७ दिध्वंसिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिध्वंसिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिध्वंसिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अदिध्वंसिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२५ वृत्तः (वृत्) वर्तने ।

- १ विवर्ति-पते पते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवर्तिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवर्ति-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहे पामहे
- ४ अविवर्ति-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अविवर्तिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ विवर्तिषाम्बभू-व वतु वु विथ वथुः व व विव विम
विवर्तिषाञ्चके विवर्तिषामास (य वहि महि)
- ७ विवर्तिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवर्तिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवर्तिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अविवर्तिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१२६ स्यन्दौङ् (स्यन्द) स्रवणे ।

- १ सिस्यन्दि-पते पते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिस्यन्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्यन्दि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहे पामहे
- ४ असिस्यन्दि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ असिस्यन्दिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ सिस्यन्दिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
सिस्यन्दिषाञ्चके सिस्यन्दिषाम्बभूष (य वहि महि)
- ७ सिस्यन्दिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिस्यन्दिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिस्यन्दिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० असिस्यन्दिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

- १ विवृत्स-ति तः न्ति सिथः थ विवृत्सा-मि वः मः
- २ विवृत्से-त्ताम् युः तम् त यम् व म
- ३ विवृत्स-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
विवृत्सा-णि व म
- ४ अविवृत्स-त्ताम् न्ः तम् तम् अविवृत्सा-व म
- ५ अविवृत्-सोत् सशाम् सिपुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ विवृत्साम्बभू-व वतु वु विथ वथुः व व विव विम
विवृत्सामास विवृत्साञ्चकार
- ७ विवृत्स्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवृत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवृत्सिष्य-ति तः न्ति सिथः थ विवृत्सिष्या-मि वः
मः (आष्वृत्सिष्या-व म
- १० अविवृत्सिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

- १ सिस्यन्त-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ सिस्यन्तसे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्यन्त-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् से
सावहे सामहे
- ४ असिस्यन्त-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ असिस्यन्तिसि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ सिस्यन्तसाञ्च-के काते क्रिरे कृषे काथे कृड्वे के कृवहे कृमहे
सिस्यन्तसाम्बभूष सिस्यन्तसामास (य वहि महि)
- ७ सिस्यन्तिसिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिस्यन्तिसिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिस्यन्तिसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० असिस्यन्तिसि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

- १ सिव्यन्त्स-ति तः न्ति सि यः थ सिव्यन्त्सा-मि वः मः
 २ सिव्यन्त्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ सिव्यन्त्स-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
 सिव्यन्त्सा-नि व म
 ४ असिव्यन्त्स-त्ताम् नः तम् तम् असिव्यन्त्सा-व म
 ५ असिव्यन्त्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
 सिष्व सिष्म
 ६ सिव्यन्त्साञ्च-कार क्तुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
 सिव्यन्त्साम्बभूव सिव्यन्त्सामास
 ७ सिव्यन्त्स्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ सिव्यन्त्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ सिव्यन्त्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिव्यन्त्सिष्या-मि
 वः मः (असिव्यन्त्सिष्या-व म
 १० असिव्यन्त्सिष्य-त्ताम् नः तम् त म

- १ विवृत्स-ति तः न्ति सि थः थ विवृत्सा-मि वः मः
 २ विवृत्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ विवृत्स-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
 विवृत्सा-नि व म
 ४ अविवृत्स-त्ताम् नः तम् तम् अविवृत्सा-व म
 ५ अविवृत्-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्म
 ६ विवृत्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व वविव विम
 विवृत्साञ्चकार विवृत्सामास
 ७ विवृत्स्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ विवृत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ विवृत्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवृत्सिष्या-मि
 वः मः (अविवृत्सिष्या-व म
 १० अविवृत्सिष्य-त्ताम् नः तम् त म

९५७ वृधृक् (वृध्) वृद्धौ ।

- १ विवर्धि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
 २ विवर्धिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ विवर्धि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पै
 पावहै पामहै
 ४ अविवर्धि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
 पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अविवर्धिषि-ष्ट याताम् पत घ्राः याथाम् इन्वम् ध्वम्
 ६ विवर्धिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृत्वे के कृवहे कृमहे
 विवर्धिषाम्बभूव विवर्धिषामास [य वहि महि
 ७ विवर्धिषिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
 ८ विवर्धिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
 ९ विवर्धिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यथ्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अविवर्धिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यथ्वम्

९५८ शधृक् (शध्) शब्दकुत्सायाम् ।

- १ शिशर्धि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
 २ शिशर्धिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ शिशर्धि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पै
 पावहै पाणहै
 ४ अशिशर्धि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
 पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अशिशर्धिषि-ष्ट याताम् पत घ्राः याथाम् इन्वम् ध्वम्
 ६ शिशर्धिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 शिशर्धिषाञ्चके शिशर्धिषाम्बभूव [य वहि महि
 ७ शिशर्धिषिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
 ८ शिशर्धिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
 ९ शिशर्धिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यथ्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अशिशर्धिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यथ्वम्

- १ शिशृत्स-ति तः न्ति सि थः थ शिशृत्सा-मि वः मः
- २ शिशृत्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशृत्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशृत्सा-नि व म
- ४ अशिशृत्स-त् ताम् न् : तम् तम् अशृत्सा-व म
- ५ अशिशृत्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ शिशृत्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
शिशृत्सामास शिशृत्साश्चकार
- ७ शिशृत्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशृत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशृत्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशृत्सिष्या-मि
वः मः (अशिशृत्सिष्या-व म
- १० अशिशृत्सिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

- १ चिकलृप्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ चिकलृप्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकलृप्-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सावहै सामहै
- ४ अचिकलृप्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचिकलृप्सि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिकलृप्साश्च-क्रं क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे क्रमहे
चिकलृप्साम्बभूव चिकलृप्सामास (य वहि महि
- ७ चिकलृप्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकलृप्सिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकलृप्सि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकलृप्सि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

२५५ कृपौङ् (कृप्) सामर्थ्ये ।

- १ चिकलिपि-पते पते पन्ते पसे पथे षध्वे पे षावहे षामहे
- २ चिकलिपिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकलिपि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् षध्वम् पे
षावहै षामहै
- ४ अचिकलिपि-षत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् षध्वम् पे
षावहि षामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचिकलिपिषि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिकलिपिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
चिकलिपिषाश्चक्रे चिकलिपिषामास (य वहि महि
- ७ चिकलिपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकलिपिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकलिपिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकलिपिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

- १ चिकलृप्-ति तः न्ति सि थः थ चिकलृप्सा-मि वः मः
- २ चिकलृप्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकलृप्-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकलृप्सा-नि व म
- ४ अचिकलृप्-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकलृप्सा-व म
- ५ अचिकलृप्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ चिकलृप्साश्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः ककार कर कृष क्रम
चिकलृप्साम्बभूव चिकलृप्सामास
- ७ चिकलृप्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकलृप्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकलृप्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकलृप्सिष्या-
मि वः मः (अचिकलृप्सिष्या-व म
- १० अचिकलृप्सिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

९६० ज्वल (ज्वल्) दीप्तौ ।

- १ जिज्वलिष-ति तः न्ति सि थः थ जिज्वलिषा-मि वः मः
- २ जिज्वलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिज्वलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिज्वलिषा-णि व म
- ४ अजिज्वलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिज्वलिषा-व म
- ५ अजिज्वलि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिज्वलिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
जिज्वलिषाम्भूष जिज्वलिषामास
- ७ जिज्वलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिज्वलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिज्वलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिज्वलिषिष्या-मि वः मः
(अजिज्वलिषिष्या-व म
- १० अजिज्वलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त न्
- ९६१ कुच (कुच्) संपर्चनकौटिल्यप्रतिष्ठम्भविलेखनेषु ।
कुच वद्रूपाणि

९६२ पट्ट (पत्) गतौ ।

- १ पिपतिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपतिषा-मि वः मः
- २ पिपतिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपतिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपतिषा-णि व म
- ४ अपिपतिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिपतिषा-व म
- ५ अपिपति-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपतिषाम्भू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपतिषाश्चकार पिपतिषामास
- ७ पिपतिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपतिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपतिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपतिषिष्या-मि वः मः
(अपिपतिषिष्या-व म
- १० अपिपतिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

१ पित्स-ति तः न्ति सि थः थ पित्सा-मि वः मः

- २ पित्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पित्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पित्सा-नि व म
- ४ अपित्स-त् ताम् न् : तम् तम् अपित्सा-व म
- ५ अपित्सीत् सिष्टाम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ पित्साम्भू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पित्सामास पित्साश्चकार
- ७ पित्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पित्सिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पित्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पित्सिष्या-मि वः मः
(अपित्सिष्या-व म
- १० अपित्सिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

९६३ पथै (पथ्) गतौ ।

- १ पिपथिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपथिषा-मि वः मः
- २ पिपथिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपथिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपथिषा-णि व म
- ४ अपिपथिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिपथिषा-व म
- ५ अपिपथि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपथिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
पिपथिषाम्भूष पिपथिषामास
- ७ पिपथिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपथिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपथिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपथिषिष्या-मि वः मः
(अपिपथिषिष्या-व म
- १० अपिपथिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

१६४ कथये (कथ्) निष्पाके ।

- १ चिक्वथिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्वथिषा-मि वः मः
- २ चिक्वथिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्वथिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्वथिषा-णि व म म
- ४ अचिक्वथिष-त्ताम् न्ः तम् तम् अचिक्वथिषा-व म
- ५ अचिक्वथि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिक्वथिषाश्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः ककार कर कृव क्रम
चिक्वथिषाम्बभूव चिक्वथिषामास
- ७ चिक्वथिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्वथिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्वथिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्वथिषिष्या-मि वः मः
(अचिक्वथिषिष्या-व म
- १० अचिक्वथिषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

१६६ षट् (सट्) विशरणगत्यवसादनेषु ।

- १ सिषत्स-ति तः न्ति सि थः थ सिषत्सा-मि वः मः
- २ सिषत्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिषत्स-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सिषत्सा-नि व म
- ४ असिषत्स-त्ताम् न्ः तम् तम् असिषत्सा-व म
- ५ असिषत्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ सिषत्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
सिषत्साश्चकार सिषत्साम्बभूव
- ७ सिषत्स्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिषत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिषत्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिषत्सिष्या-मि वः मः
(असिषत्सिष्या-व म
- १० असिषत्सिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

१६५ मथे (मथ्) विलोडने ।

- १ मिमथिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमथिषा-मि वः मः
- २ मिमथिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमथिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमथिषा-णि व म
- ४ अमिमथिष-त्ताम् न्ः तम् तम् अमिमथिषा-व म
- ५ अमिमथि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमथिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमथिषाश्चकार मिमथिषामास
- ७ मिमथिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमथिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमथिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमथिषिष्या-मि वः मः
(अमिमथिषिष्या-व म
- १० अमिमथिषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

१६७ शट् (शट्) विशरणगत्यवसादनेषु ।

- १ शिशत्स-ति तः न्ति सि थः थ शिशत्सा-मि वः मः
- २ शिशत्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशत्स-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशत्सा-नि व म
- ४ अशिशत्स-त्ताम् न्ः तम् तम् अशिशत्सा-व म
- ५ अशिशत्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ शिशत्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शिशत्साश्चकार शिशत्साम्बभूव
- ७ शिशत्स्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशत्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशत्सिष्या-मि वः मः
(अशिशत्सिष्या-व म
- १० अशिशत्सिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम्

९६८ बुध (बुध्) अवगमने ।

१ बुधुधिष-ति तः न्ति सि थः थ बुधुधिषा-मि वः मः

२ बुधुधिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ बुधुधिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
बुधुधिषा-णि व म

४ अबुधुधिष-त्ताम् नः तम् तम् अबुधुधिषा-व म

५ अबुधुधि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व

६ बुधुधिषाञ्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम

बुधुधिषाम्बभूव बुधुधिषामास

७ बुधुधिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ बुधुधिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ बुधुधिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बुधुधिषिष्या-मि
वः मः (अबुधुधिषिष्या-व म

१० अबुधुधिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

पक्षे बुधु-स्थाने बुधो-इति ज्ञेयम्

९७० भ्रम् (भ्रम्) चलने ।

१ विभ्रमिष-ति तः न्ति सि थः थ विभ्रमिषा-मि वः मः

२ विभ्रमिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ विभ्रमिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
विभ्रमिषा-णि व म

४ अविभ्रमिष-त्ताम् नः तम् तम् अविभ्रमिषा-व म

५ अविभ्रमि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कर-कृम कृव६ विभ्रमिषाञ्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार
विभ्रमिषाम्बभूव विभ्रमिषामास

७ विभ्रमिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ विभ्रमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ विभ्रमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विभ्रमिषिष्या-मि
वः मः (अविभ्रमिषिष्या-व म

१० अविभ्रमिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

९७१ क्षर (क्षर्) सञ्चलने ।

१ विक्षरिष-ति तः न्ति सि थः थ विक्षरिषा-मि वः मः

२ विक्षरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ विक्षरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
विक्षरिषा-णि व म

४ अविक्षरिष-त्ताम् नः तम् तम् अविक्षरिषा-व म

५ अविक्षरि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व६ विक्षरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विक्षरिषाञ्चकार विक्षरिषामास

७ विक्षरिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ विक्षरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ विक्षरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विक्षरिषिष्या-मि
वः मः (अविक्षरिषिष्या-व म

१० अविक्षरिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१ चिक्षरिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षरिषा-मि वः मः

२ चिक्षरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चिक्षरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
चिक्षरिषा-णि व म

४ अचिक्षरिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिक्षरिषा-व म

५ अचिक्षरि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व६ चिक्षरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिक्षरिषामास चिक्षरिषाञ्चकार

७ चिक्षरिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चिक्षरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ चिक्षरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षरिषिष्या-मि
वः मः (अचिक्षरिषिष्या-व म

१० अचिक्षरिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१७२ चल (चल्) कम्पने ।

- १ चिचलिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचलिषा-मि वः मः
- २ चिचलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचलिषा-णि व म
- ४ अचिचलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिचलिषा-व म
- ५ अचिचलि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म कर-कृम कृव
- ६ चिचलिषाश्च-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार
चिचलिषाम्बभूव चिचलिषामास
- ७ चिचलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचलिषिष्या-
मि वः मः (अचिचलिषिष्या-व म
- १० अचिचलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७४ टल (टल्) वैकलव्ये ।

- १ टिटलिष-ति तः न्ति सि थः थ टिटलिषा-मि वः मः
- २ टिटलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ टिटलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
टिटलिषा-णि व म
- ४ अटिटलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अटिटलिषा-व म
- ५ अटिटलि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ टिटलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
टिटलिषामास टिटलिषाश्चकार
- ७ टिटलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ टिटलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ टिटलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ टिटलिषिष्या-मि
मि वः मः (अटिटलिषिष्या-व म
- १० अटिटलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७३ जल (जल्) घाटये ।

- १ जिजलिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजलिषा-मि वः मः
- २ जिजलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजलिषा-णि व म
- ४ अजिजलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिजलिषा-व म
- ५ अजिजलि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ जिजलिषाश्च-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
जिजलिषाम्बभूव जिजलिषामास
- ७ जिजलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजलिषिष्या-
मि वः मः (अजिजलिषिष्या-व म
- १० अजिजलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७५ ट्वल (ट्वल्) वैकलव्ये ।

- १ टिट्वलिष-ति तः न्ति सि थः थ टिट्वलिषा-मि वः मः
- २ टिट्वलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ टिट्वलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
टिट्वलिषा-णि व म
- ४ अटिट्वलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अटिट्वलिषा-व म
- ५ अटिट्वलि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ टिट्वलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
टिट्वलिषाश्चकार टिट्वलिषामास
- ७ टिट्वलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ टिट्वलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ टिट्वलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ टिट्वलिषिष्या-
मि वः मः (अटिट्वलिषिष्या-व म
- १० अटिट्वलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

९७६ छल (स्थल्) स्थाने ।

- १ तिस्थलिष-ति तः न्ति सि थः थ तिस्थलिषा-मि वः मः
- २ तिस्थलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्थलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिस्थलिषा-णि व म
- ४ अतिस्थलिष-त् ताम् न् : तम् त म् अतिस्थलिषा-व म
- ५ अतिस्थलि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तिस्थलिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृषकृग
तिस्थलिषाम्बभूव तिस्थलिषामास
- ७ तिस्थलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्थलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्थलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिस्थलिषिष्या-मि वः मः
(अतिस्थलिषिष्या-व म
- १० अतिस्थलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

९७८ णल (नल्) दाने ।

- १ निनलिष-ति तः न्ति सि थः थ निनलिषा-मि वः मः
- २ निनलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनलिषा-णि व म
- ४ अनिनलिष-त् ताम् न् : तम् त म् अनिनलिषा-व म
- ५ अनिनलि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ निनलिषामा-स सतुः सुः सि थः सथुः स स सि व सि म
निनलिषाश्चकार निनलिषाम्बभूव
- ७ निनलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनलिषिष्या-मि वः मः
(अनिनलिषिष्या-व म
- १० अनिनलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

९७७ हल (हल्) विलेखने ।

- १ जिहलिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहलिषा-मि वः मः
- २ जिहलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहलिषा-णि व म
- ४ अजिहलिष-त् ताम् न् : तम् त म् अजिहलिषा-व म
- ५ अजिहलि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिहलिषाम्बभू-व वतुः वुः वि थः वथुः व व वि व वि म
जिहलिषाश्चकार जिहलिषामास
- ७ जिहलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहलिषिष्या-मि वः मः
(अजिहलिषिष्या-व म
- १० अजिहलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

९७९ बल (बल्) प्राणनधान्यावरोधयोः ।

- १ बिबलिष-ति तः न्ति सि थः थ बिबलिषा-मि वः मः
- २ बिबलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बिबलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बिबलिषा-णि व म
- ४ अबिबलिष-त् ताम् न् : तम् त म् अबिबलिषा-व म
- ५ अबिबलि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बिबलिषामा-स सतुः सुः सि थः सथुः स स सि व सि म
बिबलिषाश्चकार बिबलिषाम्बभूव
- ७ बिबलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिबलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिबलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिबलिषिष्या-मि वः मः
(अबिबलिषिष्या-व म
- १० अबिबलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१८० पुल (पुल्) महत्त्वे ।

- १ पुपुलिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपुलिषा-मि वः मः
- २ पुपुलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपुलिष-तु तात्ताम् न्नु " तात्ताम् त
पुपुलिषा-णि व म
- ४ अपुपुलिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुपुलिषा-व म
- ५ अपुपुलि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ पुपुलिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थं क्रथुः क कार कर क्व कृम
पुपुलिषाम्बभूव पुपुलिषामास
- ७ पुपुलिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपुलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपुलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपुलिषिष्या-मि
वः मः (अपुपुलिषिष्या-व म
- १० अपुपुलिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म
पक्षे पुपु-स्थाने पुपो-इति ज्ञेयम्

१८२ पल (पल्) गतौ ।

- १ पिपलिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपलिषा-मि वः मः
- २ पिपलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपलिष-तु तात्ताम् न्नु " तात्ताम् त
पिपलिषा-णि व म
- ४ अपिपलिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिपलिषा-व म
- ५ अपिपलि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म कर-कृम क्व
- ६ पिपलिषाश्च-कार क्रतुः कुः कर्थं क्रथुः क कार
पिपलिषाम्बभूव पिपलिषामास
- ७ पिपलिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपलिषिष्या-मि
वः मः (अपिपलिषिष्या-व म
- १० अपिपलिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१८१ कुल (कुल्) बन्धुसन्तस्यानयोः ।

- १ चुकुलिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुलिषा-मि वः मः
- २ चुकुलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकुलिष-तु तात्ताम् न्नु " तात्ताम् त
चुकुलिषा-णि व म
- ४ अचुकुलिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुकुलिषा-व म
- ५ अचुकुलि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चुकुलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुकुलिषाश्चकार चुकुलिषामास
- ७ चुकुलिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुलिषिष्या-मि
वः मः (अचुकुलिषिष्या-व म
- १० अचुकुलिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म
पक्षे चुकु-स्थाने चुको-इति ज्ञेयम्

१८२ फल (फल्) गतौ ।

- १ पिफलिष-ति तः न्ति सि थः थ पिफलिषा-मि वः मः
- २ पिफलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिफलिष-तु तात्ताम् न्नु " तात्ताम् त
पिफलिषा-णि व म
- ४ अपिफलिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिफलिषा-व म
- ५ अपिफलि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ पिफलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिफलिषामास पिफलिषाश्चकार
- ७ पिफलिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिफलिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिफलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिफलिषिष्या-मि
वः मः (अपिफलिषिष्या-व म
- १० अपिफलिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

९८४ शल (शल्) गतौ ।

- १ शिशलिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशलिषा-मि वः मः
- २ शिशलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशलिषा-णि व म
- ४ अशिशलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिशलिषा-व म
- ५ अशिशलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शिशलिषाश्च-कार कतुः कृः कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
शिशलिषाम्बभूव शिशलिषामास
- ७ शिशलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशलिषिष्या-
मि वः मः (अशिशलिषिष्या-व म
- १० अशिशलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

९८६ कुश (कुश्र) आह्वानरोदनयोः ।

- १ चुकुक्ष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुक्षा-मि वः मः
- २ चुकुक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकुक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुक्षा-णि व म
- ४ अचुकुक्ष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुकुक्षा-व म
- ५ अचुकु-क्षीत् क्षिष्टम् क्षिषुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिषम्
क्षिष्व क्षिष्व
- ६ चुकुक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चुकुक्षाश्चकार चुकुक्षाम्बभूव
- ७ चुकुक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुक्षिष्या-मि वः मः
(अचुकुक्षिष्या-व म
- १० अचुकुक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

९८५ हुल (हुल्) हिंसासंवरणयोश्च ।

- १ जुहुलिष-ति तः न्ति सि थः थ जुहुलिषा-मि वः मः
- २ जुहुलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुहुलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुहुलिषा-णि व म
- ४ अजुहुलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजुहुलिषा-व म
- ५ अजुहुलि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जुहुलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जुहुलिषाश्चकार जुहुलिषामास
- ७ जुहुलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुहुलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुहुलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुहुलिषिष्या-मि
वः मः (अजुहुलिषिष्या-व म
- १० अजुहुलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे जुहु-स्थाने जुहो-इति ज्ञेयम्

९८६ कस (कस्) गतौ ।

- १ चिकसिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकसिषा-मि वः मः
- २ चिकसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकसिषा-णि व म
- ४ अचिकसिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकसिषा-व म
- ५ अचिकसि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिकसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिकसिषाश्चकार चिकसिषाम्बभूव
- ७ चिकसिष्या-त् स्ताम् सुः : तम् तम् सम् स्व स्म
- ८ चिकसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकसिषिष्या-मि
वः मः (अचिकसिषिष्या-व म
- १० अचिकसिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

९८८ सहं (सह) जन्मनि ।

- १ रुहक्ष-ति तः न्ति सि थः थ रुहक्षा-मि वः मः
- २ रुहक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रुहक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रुहक्षा-णि व म
- ४ अरुहक्ष-त् ताम् न् : तम् तम् अरुहक्षा-व म
- ५ अरुह क्षीत् क्षिष्टम् क्षिपुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिषम्
क्षिष्व क्षिष्म
- ६ रुहक्षाञ्च-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कुव क्रम
रुहक्षाम्बभूव रुहक्षामास
- ७ रुहक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रुहक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रुहक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रुहक्षिष्या-मि वः मः
(अरुहक्षिष्या-व म
- १० अरुहक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

९८९ रमिं (रम्) क्रीडायाम् ।

- १ रिरंसि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ रिरंसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरंसि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पाणहै
- ४ अरिरंसि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ अरिरंसिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्वम् ध्वम्
- ६ रिरंसिषामा-" सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिन
रिरंसिषाञ्चके रिरंसिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ रिं सिषिषो-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरंसिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिरंसिषि-ष्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे [ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अरिरंसिषि-ष्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९९० षहि (षह) मर्षणे ।

- १ सिसहि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिसहिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिसहि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ असिसहि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ असिसहिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्वम् ध्वम्
- ६ सिसहिषाञ्च-के काते किरे कृपे काथे कृड्वे के कुवहे क्रमहे
सिसहिषाम्बभूव सिसहिषामास (य वहि महि
- ७ सिसहिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिसहिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिसहिषि-ष्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असिसहिषि-ष्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९९१ यजो (यज्) देवपूजासंगतिकरणदानेषु ।

- १ यियक्ष-ति त न्ति सि थः थ यियक्षा-मि वः मः
- २ यियक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ यियक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
यियक्षा-णि व म
- ४ अयियक्ष-त् ताम् न् : तम् तम् अयियक्षा-व म
- ५ अयियक्-षीत् क्षिष्टम् क्षिपुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिषम्
क्षिष्व क्षिष्म
- ६ यियक्षाञ्च-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कुव क्रम
यियक्षाम्बभूव यियक्षामास
- ७ यियक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ यियक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ यियक्षिष्य-ति त न्ति सि थः थ यियक्षिष्या-मि
वः म (अयियक्षिष्या-व म
- १० अयियक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

- १ यियक्-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पेषावहे पामहे
- २ यियक्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ यियक्-पताम् पेषताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अयियक्-पत पेषताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अयियक्षि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ यियक्षाम्बभू-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम
यियक्षाम्बभू यियक्षामास (य वहि महि
- ७ यियक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः याथाम् ध्वम्
- ८ यियक्षिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ यियक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयियक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ विवा-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ विवासे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि नहि
- ३ विवा-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अविवा-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अविवासि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विवासामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवासाञ्चकार विवासाम्बभूव (य वहि महि
- ७ विवासिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः याथाम् ध्वम्
- ८ विवासिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९९२ वेङ्ग (वे) तन्तु सन्ताने ।

- १ विवास-ति तः न्ति सि थः थ विवासा-मि व मः
- २ विवासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवास-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
विवासा-नि व म
- ४ अविवास-त् ताम् न् : तम् त म् अविवासा-व म
- ५ अविवा-सीत् सिधम् सिधुः सीः सिधम् सिष्ट सिधम्
सिध्व सिध्म
- ६ विवासामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवासाञ्चकार विवासाम्बभूव
- ७ विवास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवासिता-” रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवासिष्या-मि
वः मः (अविवासिष्या व म
- १० अविवासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

९९३ व्येङ्ग (व्ये) संवरणे ।

- १ विव्यास-ति तः न्ति मि थः थ विव्यासा-मि वः मः
- २ विव्यासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विव्यास-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
विव्यासा नि व म
- ४ अविव्यास-त् ताम् न् : तम् त म् अविव्यासा-व म
- ५ अविव्या-सीत् सिधम् सिधुः सीः सिधम् सिष्ट सिधम्
सिध्व सिध्म
- ६ विव्यासाम्बभू-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम
विव्यासाञ्चकार विव्यासामास
- ७ विव्यास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विव्यासिता-” रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विव्यासिष्य-ति तः न्ति मि थः थ विव्यासिष्या-मि
वः मः (अविव्यासिष्या व म
- १० अविव्यासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

- १ विव्या-सतेसेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ विव्यासे-तयाताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विव्या-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहे सामहे
- ४ अविव्या-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अविव्यासि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विव्यासामा-ससतुः सुः सिथ सथुः स स सिथ सिम
विव्यासाश्चक्रे विव्यासाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ विव्यासिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः याथाम् ध्वम्
- ८ विव्यासिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
- ९ विव्यासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अविव्यासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

- १ जुहू-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे सावहे षामहे
- २ जुहूषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुहू-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहे षामहे
- ४ अजुहू-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अजुहूषि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जुहूषाम्बभू-व वतु दुः विथ वथुः व व विव विम
जुहूषाश्चक्रे जुहूषामास (य वहि महि)
- ७ जुहूषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः याथाम् ध्वम्
- ८ जुहूषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
- ९ जुहूषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अजुहूषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

११४ हृग् (ह्वे) स्पर्धाशब्दयोः ।

- १ जुहूष-ति तः न्ति सि थः थ जुहूषा-मि वः मः
- २ जुहूषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुहूष-तु तात्ताम् न्तु ” तात् तम् त
जुहूषा णि व म
- ४ अजुहूष-त्ताम् नः तम् तम् अजुहूषा-व म
- ५ अजुहू-षीत् षिथम् षिषुः षीः षिथम् षिष्ट षिषम्
षिध्व षिध्म
- ६ जुहूषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
जुहूषाश्चकार जुहूषामास
- ७ जुहूष्या-न्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुहूषिता-” रौ रः र सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुहूषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुहूषिष्या-मि वः मः
(अजुहूषिष्या-व म)
- १० अजुहूषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

११५ ङुवर्षी (वप्) बीजसन्ताने ।

- १ विवप्स-ति तः न्ति सि थः थ विवप्सा-मि वः मः
- २ विवप्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवप्स-तु तात्ताम् न्तु ” तात् तम् त
विवप्सा-नि व म
- ४ अविवप्स-त्ताम् नः तम् तम् अविवप्सा-व म
- ५ अविवप्-मीत् मिथम् मिषुः सीः सिथम् सिष्ट सिषम्
सिध्व सिध्म
- ६ विवप्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवप्साश्चकार विवप्साम्बभूव
- ७ विवप्स्या-न्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवप्सिता-” रौ रः र सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवप्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवप्सिष्या-मि
वः मः (अविवप्सिष्या-व म)
- १० अविवप्सिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ विवप्स-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ विवप्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवप्स-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अविवप्स-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अविवप्सि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ध्वम् ध्वम्
- ६ विवप्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवप्साञ्चक्रे विवप्साम्बभूव [य वहि महि
- ७ विवप्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवप्सिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवप्सि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवप्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ विवक्-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवक्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवक्-पताम् पेषताम् पन्ताम् पस्व पेषथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अविवक्-पत पेषताम् पन्त पथाः पेषथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अविवक्षि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ध्वम् ध्वम्
- ६ विवक्षाञ्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
विवक्षाम्बभूव विवक्षामास (य वहि महि
- ७ विवक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवक्षिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवक्षि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९९६ बर्ही (वह) प्रापणे ।

- १ विवक्ष-ति तः न्ति सि थः थ विवक्षा-मि वः मः
- २ विवक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवक्ष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
विवक्षा-णि व म
- ४ अविवक्ष-त् ताम् न् : तम् तम् अविवक्षा-व म
- ५ अविव-क्षीत् क्षिष्टम् क्षिषुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिषम्
क्षिष्टव क्षिष्म
- ६ विवक्षाञ्च-कार कतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
विवक्षाम्बभूव विवक्षामास
- ७ विवक्ष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवक्षिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवक्षिष्या-मि वः मः
(अविवक्षिष्या-व म
- १० अविवक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

९९७ द्वोश्चि (श्वि) गतिवृद्धयोः ।

- १ शिश्चयिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्चयिषा-मि वः मः
- २ शिश्चयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिश्चयिष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
शिश्चयिषा-णि व म व म
- ४ अशिश्चयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिश्चयिषा-
- ५ अशिश्चयि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्म
- ६ शिश्चयिषाञ्च-कार कतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
शिश्चयिषाम्बभूव शिश्चयिषामास
- ७ शिश्चयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्चयिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि रः स्मः
- ९ शिश्चयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्चयिषिष्या-मि वः मः
(अशिश्चयिषिष्या-व म
- १० अशिश्चयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१९८ वद (वद्) व्यक्तायांवाचि ।

- १ विवदिष-ति तः न्ति मिथः थ विवदिषा-मि वः मः
- २ विवदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवदिषा-णि व म
- ४ अविवदिष-त्ताम् नः तम् तम् अविवदिषा-व म
- ५ अविवदि-षीत् सिष्टम् सिषुः षीः सिष्टम् सिष्ट सिषम
सिष्ट सिषम
- ६ विदिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
विवदिषाञ्चक्रे विवदिषामास
- ७ विवदिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवदिषिता-" रौ रः र सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवदिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ विवदिषिष्या-मि
वः मः (अविवदिषिष्या-व म
- १० अविवदिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१९९ वसं (वस्) निवासे ।

- १ विवत्स-ति तः न्ति सिथः थ विवत्सा-मि वः मः
- २ विवत्से-त् ताम् युः : तम् त सम् व म
- ३ विवत्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवत्सा-नि व म
- ४ अविवत्स-त्ताम् नः तम् तम् अविवत्सा-व म
- ५ अविवत्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम
विवत्साञ्चक्रे विवत्साम्बभूव
- ६ विवत्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवत्साञ्चक्रे विवत्साम्बभूव
- ७ विवत्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवत्सिष्य-ति तः न्ति सिथः थ विवत्सिष्या-मि
वः मः (अविवत्सिष्या-व म
- १० अविवत्सिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
इति यजादिः

१००० घटि (घट्) चंष्टायाम् ।

- १ जिघटि-पते पते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिघटिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिघटि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अजिघटि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजिघटिषि-ष्ट पाताम् पत घाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जिघटिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिघटिषाञ्चक्रे जिघटिषामास (य वहि महि
- ७ जिघटिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिघटिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिघटिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिघटिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१००१ क्षजुङ् (क्षज्) गतिज्ञानयोः ।

- १ चिक्षञ्जि-पते पते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिक्षञ्जिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिक्षञ्जि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अचिक्षञ्जि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचिक्षञ्जिषि-ष्ट पाताम् पत घाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिक्षञ्जिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिक्षञ्जिषाञ्चक्रे चिक्षञ्जिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चिक्षञ्जिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिक्षञ्जिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्षञ्जिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिक्षञ्जिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१००२ व्यथिष् (व्यथ्) भयचलनयोः ।

- १ विव्यथि-पतेषेते पन्ते पसे पेषे पध्वे षे पावहे पामहे
- २ विव्यथिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विव्यथि-पताम् पेषताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै पावहै पामहै
- ४ अविव्यथि-पत पेषताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् षे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अविव्यथिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ विव्यथिषाम्भू-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे केकृवहेकृमहे विव्यथिषाम्भूव विव्यथिषामास (य वहि महि
- ७ विव्यथिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विव्यथिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
- ९ विव्यथिषि-व्यते ध्यते ध्यन्ते व्यसे ध्यथे ध्यध्वे ध्यं व्यावहे व्यामहे (ध्यं व्यावहि व्यामहि
- १० अविव्यथिषि-व्यत ध्यताम् ध्यन्त व्यथाः ध्यथाम् ध्यध्वम्

१००४ अदिष् (अद्) मदने ।

- १ मिअदि-पतेषेते पन्ते पसे पेषे पध्वे षे पावहे पामहे
- २ मिअदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिअदि-पताम् पेषताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै पावहै पामहै
- ४ अमिअदि-पत पाताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् षे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अमिअदिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मिअदिषाम्भू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम मिअदिषाम्भूव मिअदिषामास (य वहि महि
- ७ मिअदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिअदिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
- ९ मिअदिषि-व्यते ध्यते ध्यन्ते व्यसे ध्यथे ध्यध्वे ध्यं व्यावहे व्यामहे (ध्यं व्यावहि व्यामहि
- १० अमिअदिषि-व्यत ध्यताम् ध्यन्त व्यथाः ध्यथाम् ध्यध्वम्

१००३ प्रथिष् (प्रथ्) प्रख्याने ।

- १ पिप्रथि-पतेषेते पन्ते पसे पेषे पध्वे षे पावहे पामहे
- २ पिप्रथिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिप्रथि-पताम् पेषताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै पावहै पामहै
- ४ अपिप्रथि-पत पेषताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् षे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अपिप्रथिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पिप्रथिषाम्भू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम पिप्रथिषाम्भूव पिप्रथिषामास (य वहि महि
- ७ पिप्रथिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिप्रथिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
- ९ पिप्रथिषि-व्यते ध्यते ध्यन्ते व्यसे ध्यथे ध्यध्वे ध्यं व्यावहे व्यामहे (ध्यं व्यावहि व्यामहि
- १० अपिप्रथिषि-व्यत ध्यताम् ध्यन्त व्यथाः ध्यथाम् ध्यध्वम्

१००५ स्खदिष् (स्खद्) स्खदने ।

- १ चिस्खदि-पतेषेते पन्ते पसे पेषे पध्वे षे पावहे पामहे
- २ चिस्खदिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिस्खदि-पताम् पेषताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै पावहै पामहै
- ४ अचिस्खदि-पत पेषताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् षे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अचिस्खदिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चिस्खदिषाम्भू-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम चिस्खदिषाम्भूव चिस्खदिषामास (य वहि महि
- ७ चिस्खदिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिस्खदिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
- ९ चिस्खदिषि-व्यते ध्यते ध्यन्ते व्यसे ध्यथे ध्यध्वे ध्यं व्यावहे व्यामहे (ध्यं व्यावहि व्यामहि
- १० अचिस्खदिषि-व्यत ध्यताम् ध्यन्त व्यथाः ध्यथाम् ध्यध्वम्

१००६ कदुङ् (कन्द) वैकल्ये ।

- १ चिकन्दि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिकन्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकन्दि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अचिकन्दि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचिकन्दिषि-पृ पाताम् पत प्राः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ चिकन्दिषाम्भू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
चिकन्दिषाञ्चके चिकन्दिषामास (य वहि महि
- ७ चिकन्दिषिषी-पृ यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकन्दिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकन्दिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्यं
प्यावहे प्यामहे (प्यं प्यावहि प्यामहि
- १० अचिकन्दिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यध्वम्

१००८ कदुङ् (कन्द) वैकल्ये ।

- १ चिक्कन्दि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिक्कन्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिक्कन्दि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अचिक्कन्दि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचिक्कन्दिषि-पृ पाताम् पत प्राः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ चिक्कन्दिषाञ्च-के काते किरे कृषे क्राथे कृद्वेके कृवहेकृमहे
चिक्कन्दिषाम्भूव चिक्कन्दिषामास (य वहि महि
- ७ चिक्कन्दिषिषी-पृ यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिक्कन्दिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्कन्दिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्यं
प्यावहे प्यामहे (प्यं प्यावहि प्यामहि
- १० अचिक्कन्दिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यध्वम्

१००७ कदुङ् (कन्द) वैकल्ये ।

- १ चिक्रन्दि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिक्रन्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिक्रन्दि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अचिक्रन्दि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचिक्रन्दिषि-पृ पाताम् पत प्राः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ चिक्रन्दिषामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम
चिक्रन्दिषाञ्चके चिक्रन्दिषाम्भूव (य वहि महि
- ७ चिक्रन्दिषिषी-पृ यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिक्रन्दिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्रन्दिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्यं
प्यावहे प्यामहे (प्यं प्यावहि प्यामहि
- १० अचिक्रन्दिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यध्वम्

१००९ कपि (कप्) कृपायाम् ।

- १ चिक्रपि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिक्रपिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिक्रपि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अचिक्रपि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचिक्रपिषि-पृ पाताम् पत प्राः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ चिक्रपिषामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम
चिक्रपिषाञ्चके चिक्रपिषाम्भूव (य वहि महि
- ७ चिक्रपिषिषी-पृ यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिक्रपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्रपिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्यं
प्यावहे प्यामहे (प्यं प्यावहि प्यामहि
- १० अचिक्रपिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यध्वम्

१०१० जित्त्वरिष् (त्वर्) सम्भ्रमे ।

- १ तित्त्वरि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ तित्त्वरिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तित्त्वरि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अतित्त्वरि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतित्त्वरिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ष्वम् षवम्
- ६ तित्त्वरिषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तित्त्वरिषाञ्चके तित्त्वरिषामास (य वहि महि
- ७ तित्त्वरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तित्त्वरिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तित्त्वरिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतित्त्वरिषि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०११ प्रसिष् (प्रस्) विस्तारे ।

- १ पिप्रसि-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिप्रसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिप्रसि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपिप्रसि-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अपिप्रसिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ष्वम् षवम्
- ६ पिप्रसिषाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- पिप्रसिषाम्बभूव पिप्रसिषामास (य वहि महि
- ७ पिप्रसिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिप्रसिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिप्रसिषि-ष्यत ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिप्रसिषि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०१२ दक्षि (दक्ष्) हिंसागत्याः ।

- १ दिदक्षि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दिदक्षिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदक्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदिदक्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अदिदक्षिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ष्वम् षवम्
- ६ दिदक्षिषाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- दिदक्षिषाम्बभूव दिदक्षिषामास (य वहि महि
- ७ दिदक्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिदक्षिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदक्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिदक्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १०१३ आं (आ) पाके । आं ४६ वदूपाणि
- १०१४ स्मृ (स्मृ) आध्याने । स्मृ १८ वदूपाणि

१०१५ कृ (कृ) भये ।

- १ दिदरिष-ति तः न्ति सिथः थ दिदरिषा-मि वः मः
- २ दिदरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदरिष-तु तात्ताम् न्तु ” तात् तम् त
दिदरिषा-नि व म
- ४ अदिदरिष-त्ताम् नः तम् तम् अदिदरिषा-व म
- ५ अदिदरि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिषम्
- ६ दिदरिषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव कृम
दिदरिषाम्बभूव दिदरिषामास
- ७ दिदरिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदरिषिता-” रौ रः सिस्थः स्थस्मि स्व स्मः
- ९ दिदरिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ दिदरिषिष्या-मि
वः मः (अदिदरिषिष्या-व म
- १० अदिदरिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे दिदरि-स्थाने ददीर दिदरि-इति होयम्

१०१६ नृ (नृ) नये ।

- १ निनरिष-ति तः न्ति सि थः थ निनरिषा-मि वः मः
- २ निनरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
निनरिषा-णि व म
- ४ अनिनरिष-त्ताम् नः तम् तम् अनिनरिषा-व म
- ५ अनिनरि-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ निनरिषाश्च-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कुव कृम
निनरिषाम्बभूव निनरिषामास
- ७ निनरिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनरिषिष्या-मि
वः मः (अनिनरिषिष्या-व म
- १० अनिनरिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म
- पक्षे निनरि-स्थाने निनरी निनोर-इति ज्ञेयम्

१०१९ चक (चक्) तृनौ च ।

- १ चिचकिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचकिषा-मि वः मः
- २ चिचकिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचकिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
चिचकिषा-णि व म
- ४ अचिचकिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिचकिषा-व म
- ५ अचिचकि-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म कर-कृम कुव
- ६ चिचकिषाश्च-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार
चिचकिषाम्बभूव चिचकिषामास
- ७ चिचकिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचकिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचकिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचकिषिष्या-
मि वः मः (अचिचकिषिष्या-व म
- १० अचिचकिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१०१७ ष्टक (स्तक्) प्रतीधाने ।

- १ तिस्तकिष-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तकिषा-मि वः मः
- २ तिस्तकिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्तकिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
तिस्तकिषा-णि व म म
- ४ अतिस्तकिष-त्ताम् नः तम् तम् अतिस्तकिषा-व
- ५ अतिस्तकि-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ तिस्तकिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तिस्तकिषाश्चकार तिस्तकिषामास
- ७ तिस्तकिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्तकिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्तकिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तकिषिष्या-मि
वः मः (अतिस्तकिषिष्या-व म
- १० अतिस्तकिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म
- ११ स्तक (स्तक्) प्रतीधाने । प्रक. १०१७ यदप्राण

१०२० अक (अक्) कुटिलायां गतौ ।

- १ अचिकिष-ति तः न्ति सि थः थ अचिकिषा मि वः मः
- २ अचिकिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अचिकिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
अचिकिषा-णि व म
- ४ आचिकिष-त्ताम् नः तम् तम् आचिकिषा-व म
- ५ आचिकि-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ अचिकिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अचिकिषामास अचिकिषाश्चकार
- ७ अचिकिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अचिकिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अचिकिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अचिकिषिष्या-मि
वः मः (आचिकिषिष्या-व म
- १० आचिकिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१०२१ कखे (कख्) हसने ।

१ चिकखिष-ति तः न्ति सिथः थ चिकखिषा-मि वः मः

२ चिकखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चिकखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

चिकखिषा-णि व म

४ अचिकखिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकखिषा-व म

५ अचिकखि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिषम्

६ चिकखिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव कृम

चिकखिषाम्बभूव चिकखिषामास

७ चिकखिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चिकखिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः

९ चिकखिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिकखिषिष्या-
मि वः मः (अचिकखिषिष्या-व म

१० अचिकखिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०२३ रणे (रग्) शङ्कायाम् ।

१ रिरिगिष-ति तः न्ति सिथः थ रिरिगिषा-मि वः मः

२ रिरिगिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ रिरिगिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

रिरिगिषा-णि व म

४ अरिरिगिष-त् ताम् न् : तम् तम् अरिरिगिषा-व म

५ अरिरिगि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिषम्

६ रिरिगिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम

रिरिगिषाश्चकार रिरिगिषाम्बभूव

७ रिरिगिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ रिरिगिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः

९ रिरिगिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ रिरिगिषिष्या-मि वः
मः (अरिरिगिषिष्या-व म

१० अरिरिगिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०२२ अग (अग्) अकवत् ।

१ अचिगिष-ति तः न्ति सिथः थ अचिगिषा-मि वः मः

२ अचिगिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ अचिगिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

अचिगिषा-णि व म

४ आचिगिष-त् ताम् न् : तम् तम् आचिगिषा-व म

५ आचिगि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिषम्

६ अचिगिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

अचिगिषाश्चकार अचिगिषामास

७ अचिगिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ अचिगिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः

९ अचिगिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ अचिगिषिष्या-
मि वः मः (आचिगिषिष्या-व म

१० आचिगिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०२४ लगे (लग्) सङ्गे ।

१ लिलिगिष-ति तः न्ति सिथः थ लिलिगिषा मि वः मः

२ लिलिगिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ लिलिगिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

लिलिगिषा-णि व म

४ अलिलिगिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलिलिगिषा-व म

५ अलिगि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिषम्

६ लिलिगिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम

लिलिगिषाश्चकार लिलिगिषाम्बभूव

७ लिलिगिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ लिलिगिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः

९ लिलिगिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ लिलिगिषिष्या-
मि वः मः (अलिलिगिषिष्या-व म

१० अलिलिगिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०२५ हगे (हग्) संवरणे ।

- १ जिहगिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहगिषा-मि वः मः
- २ जिहगिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहगिष-तु तात् तात् न्तु " तात् तम् त
जिहगिषा-णि व म
- ४ अजिहगिष-त् ताम् न् : तम् त म् अजिहगिषा-व म
- ५ अजिहगि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्ट्म
- ६ जिहगिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिहगिषाश्चकार जिहगिषामास
- ७ जिहगिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहगिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहगिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहगिषिष्या-
मि वः मः (अजिहगिषिष्या-व म
- १० अजिहगिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१०२६ हगे (हग्) संवरणे ।

- १ जिहगिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहगिषा-मि वः मः
- २ जिहगिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहगिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहगिषा-णि व म
- ४ अजिहगिष-त् ताम् न् : तम् त म् अजिहगिषा-व म
- ५ अजिहगि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्ट्म
- ६ जिहगिषामा स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिहगिषाश्चकार जिहगिषाम्बभूव
- ७ जिहगिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहगिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहगिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहगिषिष्या-
मि वः मः (अजिहगिषिष्या-व म
- १० अजिहगिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१०२७ पगे (सग्) संवरणे ।

- १ सिसगिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसगिषा-मि वः मः
- २ सिसगिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसगिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसगिषा-णि व म
- ४ असिसगिष-त् ताम् न् : तम् त म् असिसगिषा-व म
- ५ असिसगि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्ट्म
- ६ सिसगिषाश्चकार कतुः कृः कथ कथुः क कार कर कृव कृम
सिसगिषाम्बभूव सिसगिषामास
- ७ सिसगिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसगिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसगिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसगिषिष्या-
मि वः पः (असिसगिषिष्या-व म
- १० असिसगिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
- १०२८ संगे (सग्) संवरणे । पगे १०२७ वद्रूपाणि

१०२९ षुगे (स्थग्) संवरणे ।

- १ तिस्थगिष-ति तः न्ति सि थः थ तिस्थगिषा-मि वः मः
- २ तिस्थगिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्थगिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिस्थगिषा-णि व म
- ४ अतिस्थगिष-त् ताम् न् : तम् त म् अतिस्थगिषा-व म
- ५ अतिस्थगि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्ट्म
- ६ तिस्थगिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तिस्थगिषाश्चकार तिस्थगिषामास
- ७ तिस्थगिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्थगिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्थगिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिस्थगिषिष्या-
मि वः मः (अतिस्थगिषिष्या-व म
- १० अतिस्थगिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
- १०३० स्थगे (स्थग्) संवरणे । षुगे १०२९ वद्रूपाणि
- १०३१ वट (वट्) परिभाषणे । वट १०३१ वद्रूपाणि
- १०३२ भट [भट्] परिभाषणे । भट १०३२ वद्रूपाणि
- १०३३ णट (नट्) नतौ । णट १०३३ वद्रूपाणि

१०३४ गड (गड्) कम्पने ।

- १ जिगडिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगडिषा-मि वः मः
- २ जिगडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगडिषा-णि व म
- ४ अजिगडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिगडिषा-व म
- ५ अजिगडि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्म कर-कृम कृव
- ६ जिगडिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार
जिगडिषाम्बभूय जिगडिषामास
- ७ जिगडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगडिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगडिषिष्या-
मि वः मः (अजिगडिषिष्या-व म
- १० अजिगडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
लत्वे जिगडिषतीत्यादि

१०३५ हेड (हेड्) वेष्टने ।

- १ जिहेडिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहेडिषा-मि वः मः
- २ जिहेडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहेडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहेडिषा-णि व म
- ४ अजिहेडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिहेडिषा-व म
- ५ अजिहेडि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्म
- ६ जिहेडिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
जिहेडिषाम्बभूय जिहेडिषामास
- ७ जिहेडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहेडिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहेडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहेडिषिष्या-
मि वः मः (अजिहेडिषिष्या-व म
- १० अजिहेडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०३६ लड (लड्) जिहोन्मथने ।

- १ लिलडिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलडिषा-मि वः मः
- २ लिलडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलडिषा-णि व म
- ४ अलिलडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलिलडिषा-व म
- ५ अलिलडि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्म
- ६ लिलडिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व वविव विम
लिलडिषामास लिलडिषाश्चकार
- ७ लिलडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलडिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलडिषिष्या-मि
वः मः (अलिलडिषिष्या-व म
- १० अलिलडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
लत्वे लिलडिषतीत्यादि ।

१०३७ फण (फण्) गतौ ।

- १ पिफणिष-ति तः न्ति सि थः थ पिफणिषा-मि वः मः
 - २ पिफणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ पिफणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिफणिषा-णि व म
 - ४ अपिफणिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिफणिषा-व म
 - ५ अपिफणि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्म
 - ६ पिफणिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व वविव विम
पिफणिषाश्चकार पिफणिषामास
 - ७ पिफणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ पिफणिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९ पिफणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिफणिषिष्या-मि
वः मः (अपिफणिषिष्या-व म
 - १० अपिफणिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
- १०३८ कण [कण्] गतौ । कण २७० वदूपाणि
१०३९ रण [रण्] गतौ । २६० वदूपाणि
१०४० चण [चण्] हिमादानयोश्च । चण २७२ वदूपाणि

१०४१ शण (शण्) दाने ।

१ शिशणिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशणिषा-मि वः म

२ शिशणिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ शिशणिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त

शिशणिषा-णि व म

४ अशिशणिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिशणिषा-व म

५ अशिशणि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्व

६ शिशणिषास्वभू-व वतुः दुः विथ वथुः व ववि व विम

शिशणिषाश्चकार शिशणिषामास

७ शिशणिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ शिशणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ शिशणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशणिषिष्या-

मि वः मः (अशिशणिषिष्या-व म

१० अशिशणिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१०४३ स्नथ (स्नथ्) हिसार्थः ।

१ सिस्नथिष-ति तः न्ति सि थः थ सिस्नथिषा-मि वः मः

२ सिस्नथिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ सिस्नथिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त

सिस्नथिषा-णि व म

४ असिस्नथिष-त्ताम् नः तम् तम् असिस्नथिषा-व म

५ असिस्नथि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्व

६ सिस्नथिषास्वभू-व वतुः दुः विथ वथुः व ववि व विम

सिस्नथिषामास सिस्नथिषाश्चकार

७ सिस्नथिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ सिस्नथिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ सिस्नथिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्नथिषिष्या-

मि वः मः (असिस्नथिषिष्या-व म

१० असिस्नथिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१०४२ श्रण (श्रण्) दाने ।

१ शिश्रणिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्रणिषा-मि वः मः

२ शिश्रणिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ शिश्रणिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त

शिश्रणिषा-णि व म

४ अशिश्रणिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिश्रणिषा-व म

५ अशिश्रणि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्व

६ शिश्रणिषाश्चकार कर्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम

शिश्रणिषास्वभूष शिश्रणिषामास

७ शिश्रणिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ शिश्रणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ शिश्रणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्रणिषिष्या-

मि वः मः (अशिश्रणिषिष्या-व म

१० अशिश्रणिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१०४४ क्कथ (क्कथ्) हिसार्थः ।

१ चिक्कथिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्कथिषा-मि वः मः

२ चिक्कथिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चिक्कथिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त

चिक्कथिषा-णि व म

४ अचिक्कथिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिक्कथिषा-व म

५ अचिक्कथि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्व

कर-कृम कृव

६ चिक्कथिषाश्चकार कर्तुः कृः कर्थ कथुः क कार

चिक्कथिषास्वभूष चिक्कथिषामास

७ चिक्कथिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चिक्कथिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ चिक्कथिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्कथिषिष्या-

मि वः मः (अचिक्कथिषिष्या-व म

१० अचिक्कथिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१०४५ कथ (कथ) हिंसार्थः ।

- १ चिक्रथिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्रथिषा-मि वः मः
- २ चिक्रथिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्रथिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्रथिषा-णि व म
- ४ अचिक्रथिष-त् ताम् नः तम् तम् अचिक्रथिषा-व म
- ५ अचिक्रथि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिक्रथिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व ववि वविम
चिक्रथिषाश्चकार चिक्रथिषामास
- ७ चिक्रथिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्रथिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्रथिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्रथिषिष्या-मि
मः वः (अचिक्रथिषिष्या-व म
- १० अचिक्रथिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१०४६ कलथ (कलथ) हिंसार्थः ।

- १ चिक्रथिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्रथिषा-मि वः मः
- २ चिक्रथिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्रथिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्रथिषा-णि व म
- ४ अचिक्रथिष-त् ताम् नः तम् तम् अचिक्रथिषा-व म
- ५ अचिक्रथि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिक्रथिषाश्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर क्व क्वम
चिक्रथिषाम्बभूव चिक्रथिषामास
- ७ चिक्रथिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्रथिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्रथिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्रथिषिष्या-मि
मः वः (अचिक्रथिषिष्या-व म
- १० अचिक्रथिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१०४७ छद् (छद्) ऊजने ।

- १ चिच्छदिष-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छदिषा-मि वः मः
- २ चिच्छदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिच्छदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिच्छदिषा-णि व म
- ४ अचिच्छदिष-त् ताम् नः तम् तम् अचिच्छदिषा-व म
- ५ अचिच्छदि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिच्छदिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व ववि वविम
चिच्छदिषामास चिच्छदिषाश्चकार
- ७ चिच्छदिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिच्छदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिच्छदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छदिषिष्या-मि
मि वः मः (अचिच्छदिषिष्या-व म
- १० अचिच्छदिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१०४८ मद् (मद्) हर्षग्लपनयोः ।

- १ मिमदिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमदिषा-मि वः मः
 - २ मिमदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ मिमदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमदिषा-णि व म
 - ४ अभिमदिष-त् ताम् नः तम् तम् अभिमदिषा-व म
 - ५ अभिमदि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कर-कृम क्व
 - ६ मिमदिषाश्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर क्व क्वम
मिमदिषाम्बभूव मिमदिषामास
 - ७ मिमदिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ मिमदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९ मिमदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमदिषिष्या-मि
मः वः (अभिमदिषिष्या-व म
 - १० अभिमदिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
- १०४९ छन (स्तन्) शब्दे । स्तन ३२३ वदूपाणि
१०५० स्तन (स्तन्) शब्दे । वट ३२३ वदूपाणि
१०५१ ध्वन [ध्वन्] शब्दे । ध्वन ३२५ वदूपाणि
१०५२ स्वन (स्वन्) अवतंसे । ३२७ वदूपाणि
१०५३ चन [चन्] हिंसायाम् । चन ३२६ वदूपाणि

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० तृतीयभागे सन्नन्तप्रक्रिया ॥ (२७७)

१०५४ ज्वर (ज्वर्) रोगे ।

- १ जिज्वरिष-ति तः न्ति सि थः थ जिज्वरिषा-मि वः मः
२ जिज्वरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
३ जिज्वरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिज्वरिषा-णि व म

४ अजिज्वरिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिज्वरिषा-व म
५ अजिज्वरि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व

६ जिज्वरिषाञ्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
जिज्वरिषाम्बभूव जिज्वरिषामास

७ जिज्वरिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जिज्वरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ जिज्वरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिज्वरिषिष्या-मि
वः मः (अजिज्वरिषिष्या-व म

१० अजिज्वरिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०५५ चल [चल्] कम्पने । चल ९७२ वक्षपाणि

१०५६ हल (हल्) चलने ।

१ जिहल्लिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहल्लिषा-मि वः मः

२ जिहल्लिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ जिहल्लिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

जिहल्लिषा-णि व म

४ अजिहल्लिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिहल्लिषा-व म

५ अजिहल्लि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व

६ जिहल्लिषाञ्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
जिहल्लिषाम्बभूव जिहल्लिषामास

७ जिहल्लिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जिहल्लिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ जिहल्लिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहल्लिषिष्या-मि
वः मः (अजिहल्लिषिष्या-व म

१० अजिहल्लिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०५७ हल (हल्) चलने ।

१ जिहल्लिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहल्लिषा-मि वः मः

२ जिहल्लिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ जिहल्लिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

जिहल्लिषा-णि व म

४ अजिहल्लिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिहल्लिषा-व म

५ अजिहल्लि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व

६ जिहल्लिषामा-स सतुः सुः सि थः थः स स सि व सि म

जिहल्लिषाञ्चकार जिहल्लिषाम्बभूव

७ जिहल्लिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जिहल्लिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ जिहल्लिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहल्लिषिष्या-मि
वः मः (अजिहल्लिषिष्या-व म

१० अजिहल्लिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०५८ ज्वल [ज्वल्] दीप्तौ । ज्वल ९६० वक्षपाणि

इति श्रीमत्तपोगणगनाङ्गणगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-

विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-

विजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरैन्दिरा-

यमाणान्तिपन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य

सन्नन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे

तृतीयभागे

॥ भ्वादिगणः संपूर्णः ॥

१०५९ अद् (अद्) भक्षणे ।

- १ जिघत्स-ति तः न्ति सि थः थ जिघत्सा-मि वः मः
- २ जिघत्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिघत्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिघत्सा-नि व म
- ४ अजिघत्स-त् ताम् न् : तम् त म् अजिघत्सा-व म
- ५ अजिघत्-सीत् सिष्टाम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ जिघत्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिघत्साश्चकार जिघत्साम्बभूव
- ७ जिघत्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिघत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिघत्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिघत्सिष्या-मि वः
मः (अजिघत्सिष्या-व म
- १० अजिघत्सिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१०६० ष्यां (ष्या) भक्षणे ।

- १ पिप्सास-ति तः न्ति सि थः थ पिप्सासा-मि वः मः
- २ पिप्सासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिप्सास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिप्सासा-नि व म
- ४ अपिप्सास-त् ताम् न् : तम् त म् अपिप्सासा-व म
- ५ अपिप्सा-सीत् सिष्टाम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ पिप्सासामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिप्सासाश्चकार पिप्सासाम्बभूव
- ७ पिप्सास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिप्सासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिप्सासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिप्सासिष्या-
मि वः मः (अपिप्सासिष्या-व म
- १० अपिप्सासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१०६१ भाक् (भा) दोषौ ।

- १ बिभास-ति तः न्ति सि थः थ बिभासा-मि वः मः
- २ बिभासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बिभास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बिभासा-नि व म
- ४ अबिभास-त् ताम् न् : तम् त म् अबिभासा-व म
- ५ अबिभा-सीत् सिष्टाम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ बिभासाश्चकार बिभासाम्बभूव बिभासामास
- ७ बिभास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिभासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिभासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिभासिष्या-मि वः
मः (अबिभासिष्या-व म
- १० अबिभासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१०६२ याक् (या) प्रापणे ।

- १ यियास-ति तः न्ति सि थः थ यियासा-मि वः मः
 - २ यियासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ यियास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
यियासा-नि व म
 - ४ अयियास-त् ताम् न् : तम् त म् अयियासा-व म
 - ५ अयिया-सीत् सिष्टाम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
 - ६ यियासाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव कृम
यियासाम्बभूव यियासामास
 - ७ यियास्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ यियासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९ यियासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ यियासिष्या-मि
वः मः (अयियासिष्या-व म
 - १० अयियासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
- १०६३ वाक् (वा) गतिबन्धनयोः । ओवै ४८ वद्रूपाणि
१०६४ णाक् [स्ता] शौचे । णौ ४२ वद्रूपाणि
१०६५ आक् [आ] पाके । आं ४६ वद्रूपाणि
१०६६ द्राक् [द्रा] कुत्सित गतौ । द्रै ३४ वद्रूपाणि
१०७७ पाक् [पा] रक्षणे । २ वद्रूपाणि

१०६८ लाङ्क (ला) आदाने ।

- १ लिलास-ति तः न्ति सि थः थ लिलासा-मि वः मः
- २ लिलासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलासा-नि व म
- ४ अलिलास-त् ताम् न् : तम् त म् अलिलासा-व म
- ५ अलिला-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ लिलासाञ्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कृष कृम
लिलासाम्बभूव लिलासामास
- ७ लिलास्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलासिता " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलासिष्या-मि
वः मः (अलिलासिष्या-व म
- १० अलिलासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
१०६९ लाङ्क (ला) दाने । रै ३८ वद्रूपाणि
१०७० दाङ्क [दा] लवने । दैव् २९ वद्रूपाणि

१०७१ ख्याङ्क (ख्या) प्रकथने ।

- १ चिख्यास-ति तः न्ति सि थः थ चिख्यासा-मि वः मः
- २ चिख्यासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिख्यास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिख्यासा-नि व म
- ४ अचिख्यास-त् ताम् न् : तम् त म् अचिख्यासा-व म
- ५ अचख्या-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ चिख्यासामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
चिख्यासाञ्चकार चिख्यासाम्बभूव
- ७ चिख्यास्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिख्यासिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिख्यासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिख्यासिष्या-मि
वः मः (अचिख्यासिष्या-व म
- १० अचिख्यासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१०७२ प्राङ्क (प्रा) पूरणे ।

- १ पिप्रास-ति तः न्ति सि थः थ पिप्रासा-मि वः मः
- २ पिप्रासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिप्रास-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिप्रासा-नि व म
- ४ अपिप्रास-त् ताम् न् : तम् त म् अपिप्रासा-व म
- ५ अपिप्रा-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ पिप्रासाम्बभू-व वतुः उः वि थ वथुः व व वि व वि म
पिप्रासाञ्चकार पिप्रासामास
- ७ पिप्रास्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिप्रासिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
पिप्रासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिप्रासिष्या-मि वः
मः (अपिप्रासिष्या-व म
- १० अपिप्रासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१०७३ माङ्क (मा) माने ।

- १ मित्स-ति तः न्ति सि थः थ मित्सा-मि वः मः
- २ मित्से-न् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मित्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मित्सा-नि व म
- ४ अमित्स-त् ताम् न् : तम् त म् अमित्सा-व म
- ५ अमित-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ मित्सामा-म सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
मित्साञ्चकार मित्साम्बभूव
- ७ मित्स्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मित्सिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मित्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मित्सिष्या-मि वः मः
(अमित्सिष्या-व म
- १० अमित्सिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
- १०७४ इङ्क [इ] स्मरणे । अज्ञानार्थे गम् ३९८ वद्रूपाणि
१०७५ इङ्क [इ] गतौ । गम् ३९६ वद्रूपाणि
ज्ञाने तु इ ११ वद्रूपाणि

१८७६ षोड् (षी) प्रजनकान्त्यसनखादने च ।

१ विवीष-ति तः न्ति सि थः थ विवीषा-मि वः मः

२ विवीषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ विवीष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

विवीषा-णि व म

४ अविवीष-त् ताम् न् : तम् तम् अविवीषा-व म

५ अविवी-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्

विष्ट्व विष्ट्व

६ विवीषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम्

विवीषाम्बभूव विवीषामास

७ विवीष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ विवीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ विवीषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवीषिष्या-मि वः म

(अविवीषिष्या-व म

१० अविवीषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

अत्र ईक इति प्रत्ययेऽस्य रूपाणि ई ११ वदूपाणि

१०७९ तुक् (तु) वृत्तिहिंसापूरणेषु ।

१ तुतृष-ति तः न्ति सि थः थ तुतृषा-मि वः मः

२ तुतृषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ तुतृष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

तुतृषा-णि व म

४ अतुतृष-त् ताम् न् : तम् तम् अतुतृषा-व म

५ अतुतृ-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्

विष्ट्व विष्ट्व

६ तुतृषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम

तुतृषाञ्चकार तुतृषामास

७ तुतृष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ तुतृषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ तुतृषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतृषिष्या-मि वः म

(अतुतृषिष्या-व म

१० अतुतृषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०७७ षुक् (षु) अभिगमने ।

१ दुद्यूष-ति तः न्ति सि थः थ दुद्यूषा-मि वः मः

२ दुद्यूषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ दुद्यूष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

दुद्यूषा-णि व म

४ अदुद्यूष-त् ताम् न् : तम् तम् अदुद्यूषा-व म

५ अदुद्यू-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्

विष्ट्व विष्ट्व

६ दुद्यूषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम्

दुद्यूषाम्बभूव दुद्यूषामास

७ दुद्यूष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ दुद्यूषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ दुद्यूषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुद्यूषिष्या-मि वः म

मः (अदुद्यूषिष्या-व म

१० अदुद्यूषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०७८ षुक् [मु] प्रसवैश्वर्ययोः । षु १७ वदूपाणि

१०८० युक् (यु) मिश्रणे ।

१ युयूष-ति तः न्ति सि थः थ युयूषा-मि व मः

२ युयूषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ युयूष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

युयूषा-णि व म

४ अयुयूष-त् ताम् न् : तम् तम् अयुयूषा-व म

५ अयुयू-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्

विष्ट्व विष्ट्व

६ युयूषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम

युयूषाञ्चकार युयूषाम्बभूव

७ युयूष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ युयूषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ युयूषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ युयूषिष्या-मि

वः मः

(अयुयूषिष्या-व म

१० अयुयूषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०८१ णक् (नु) स्तुतौ ।

- १ नुनृष-ति तः न्ति सि थः थ नुनृषा-मि वः मः
- २ नुनृषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ नुनृष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
नुनृषा-णि व म
- ४ अनुनृष-त् ताम् न् : तम् तम् अनुनृषा-व म
- ५ अनुनृ-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ नुनृषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
नुनृषाश्चकार नुनृषामास
- ७ नुनृष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ नुनृषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ नुनृषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ नुनृषिष्या-मि वः मः
(अनुनृषिष्या-व म
- १० अनुनृषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१०८२ क्षणक् (क्षण) तेजने ।

- १ चुक्ष्णष-ति तः न्ति सि थः थ चुक्ष्णषा-मि वः मः
- २ चुक्ष्णषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुक्ष्णष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुक्ष्णषा-णि व म
- ४ अचुक्ष्णष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुक्ष्णषा-व म
- ५ अचुक्ष्ण-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुक्ष्णषाश्चकार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
चुक्ष्णषाम्बभूव चुक्ष्णषामास
- ७ चुक्ष्णष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुक्ष्णषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुक्ष्णषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुक्ष्णषिष्या-मि
वः मः (अचुक्ष्णषिष्या-व म
- १० अचुक्ष्णषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१०८३ स्नुक् (स्नु) प्रस्नवने ।

- १ सुस्नुष-ति तः न्ति सि थः थ सुस्नुषा-मि वः मः
- २ सुस्नुषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सुस्नुष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सुस्नुषा-णि व म
- ४ असुस्नुष-त् ताम् न् : तम् तम् असुस्नुषा-व म
- ५ असुस्नु-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सुस्नुषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
सुस्नुषामास सुस्नुषाश्चकार
- ७ सुस्नुष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सुस्नुषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सुस्नुषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सुस्नुषिष्या-मि वः मः
(असुस्नुषिष्या-व म
- १० असुस्नुषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१०८४ दुक्षु (क्षु) शब्दे ।

- १ चुक्ष्णष-ति तः न्ति सि थः थ चुक्ष्णषा-मि वः मः
- २ चुक्ष्णषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुक्ष्णष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुक्ष्णषा-णि व म
- ४ अचुक्ष्णष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुक्ष्णषा-व म
- ५ अचुक्ष्ण-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कर-कृम कृव
- ६ चुक्ष्णषाश्चकार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः ककार
चुक्ष्णषाम्बभूव चुक्ष्णषामास
- ७ चुक्ष्णष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुक्ष्णषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुक्ष्णषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुक्ष्णषिष्या-मि वः मः
(अचुक्ष्णषिष्या-व म
- १० अचुक्ष्णषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१०८५ रुक् (रु) शब्दे ।

- १ रुक्-ति तः न्ति सि थः थ रुक्-मि वः मः
 २ रुक्-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ रुक्-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 रुक्-णि व म
 ४ अरुक्-त् ताम् न् : तम् तम् अरुक्-व म
 ५ अरुक्-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्म
 ६ रुक्-कार कतुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कृव क्रम
 रुक्-माम्बभूव रुक्-मामास
 ७ रुक्-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ रुक्-षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ रुक्-षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रुक्-षिष्या-मि वः म
 (अरुक्-षिष्या-व म
 १० अरुक्-षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०८६ कुंक (कु) शब्दे ।

- १ कुंक-ति तः न्ति सि थः थ कुंक-मि वः मः
 २ कुंक-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ कुंक-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 कुंक-णि व म
 ४ अकुंक-त् ताम् न् : तम् तम् अकुंक-व म
 ५ अकुंक-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्म
 ६ कुंक-कार कतुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कृव क्रम
 कुंक-माम्बभूव कुंक-मामास
 ७ कुंक-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ कुंक-षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ कुंक-षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ कुंक-षिष्या-मि वः म
 (अकुंक-षिष्या-व म
 १० अकुंक-षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०८७ रुदृक् (रुद्) अश्रुविमोचने ।

- १ रुदृक्-ति तः न्ति सि थः थ रुदृक्-मि वः मः
 २ रुदृक्-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ रुदृक्-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 रुदृक्-णि व म
 ४ अरुदृक्-त् ताम् न् : तम् तम् अरुदृक्-व म
 ५ अरुदृक्-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्म
 ६ रुदृक्-कार कतुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कृव क्रम
 रुदृक्-माम्बभूव रुदृक्-मामास
 ७ रुदृक्-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ रुदृक्-षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ रुदृक्-षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रुदृक्-षिष्या-मि वः
 मः (अरुदृक्-षिष्या-व म
 १० अरुदृक्-षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०८८ जिस्वपंक (स्वप्) शब्दे ।

- १ जिस्वपंक-ति तः न्ति सि थः थ जिस्वपंक-मि वः मः
 २ जिस्वपंक-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ जिस्वपंक-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 जिस्वपंक-णि व म
 ४ अजिस्वपंक-त् ताम् न् : तम् तम् अजिस्वपंक-व म
 ५ अजिस्वपंक-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्म
 ६ जिस्वपंक-कार कतुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कृव क्रम
 जिस्वपंक-माम्बभूव जिस्वपंक-मामास
 ७ जिस्वपंक-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ जिस्वपंक-षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ जिस्वपंक-षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिस्वपंक-षिष्या-मि
 वः मः (अजिस्वपंक-षिष्या-व म
 १० अजिस्वपंक-षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०८९ अन (अन्) प्राणने ।

- १ अनिनिष-ति तः न्ति सि थः थ अनिनिषा-मि वः मः
- २ अनिनिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अनिनिष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
अनिनिषा-णि व म
- ४ आनिनिष-त् ताम् न् : तम् तम् आनिनिषा-व म
- ५ आनिनि-षीत् पिश्राम् पिशुः पीः पिश्रम् पिष्ट पिषम्
कृपः विष्व विष्म
- ६ अनिनिषाश्च-कार कर्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
अनिनिषाम्बभूव अनिनिषामास
- ७ अनिनिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अनिनिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अनिनिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अनिनिषिष्या-मि
वः पः (आनिनिषिष्या-व म
- १० आनिनिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

१०९१ जक्षक् (जक्ष) भक्षहसनयोः ।

- १ जिजक्षिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजक्षिषा-मि वः मः
- २ जिजक्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजक्षिष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
जिजक्षिषा-णि व म
- ४ अजिजक्षिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिजक्षिषा-व म
- ५ अजिजक्षि-षीत् पिश्राम् पिशुः पीः पिश्रम् पिष्ट पिषम्
विष्व विष्म
- ६ जिजक्षिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिजक्षिषाश्चकार जिजक्षिषाम्बभूव
- ७ जिजक्षिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजक्षिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजक्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजक्षिषिष्या-मि
वः मः (अजिजक्षिषिष्या-व म
- १० अजिजक्षिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

१०९० श्वसक् (श्वस्) प्राणने ।

- १ शिश्वसिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्वसिषा-मि वः मः
- २ शिश्वसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिश्वसिष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
शिश्वसिषा-णि व म म
- ४ अशिश्वसिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिश्वसिषा-व म
- ५ अशिश्वसि-षीत् पिश्राम् पिशुः पीः पिश्रम् पिष्ट पिषम्
विष्व विष्म
- ६ शिश्वसिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिश्वसिषाश्चकार शिश्वसिषामास
- ७ शिश्वसिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्वसिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्वसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्वसिषिष्या-मि
वः मः (अशिश्वसिषिष्या-व म
- १० अशिश्वसिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

१०९२ दरिद्राक् (दरिद्रा) दुर्गतौ ।

- १ ददरिद्रास-ति तः न्ति सि थः थदिदरिद्रासा-मि वः मः
- २ दिदरिद्रासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदरिद्रास-तु तात् तात् न्तु ” तात् तम् त
दिदरिद्रासा-णि व म व म
- ४ अदिदरिद्रास-त् ताम् न् : तम् तम् अदिदरिद्रासा-व म
- ५ अदिदरिद्रा-सीत् सिश्राम् सिशुः सीः सिश्रम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ दिदरिद्रासाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिदरिद्रासाश्चकार दिदरिद्रासामास
- ७ दिदरिद्रास्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदरिद्रासिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदरिद्रासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदरिद्रासिष्या-मि
वः मः (अदिदरिद्रासिष्या-व म
- १० अदिदरिद्रासिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

१दिदरिद्रिष-ति तः न्ति सि थः थदिदरिद्रिषा-मि वः मः

२ दिदरिद्रिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ दिदरिद्रिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

दिदरिद्रिषा-णि व म व म

४ अदिदरिद्रिष-त् ताम् नः तम् त म् अदिदरिद्रिषा

५ अदिदरिद्रि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्

विष्ट्व विष्ट्व

६ दिदरिद्रिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

दिदरिद्रिषाञ्चकार दिदरिद्रिषामास

७ दिदरिद्रिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ दिदरिद्रिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ दिदरिद्रिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थदिदरिद्रिषिष्या

मि वः मः (अदिदरिद्रिषिष्या-व म

१० अदिदरिद्रिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

१०९४ चकासृक् (चकाम्) दीप्तौ ।

१ चिचकासिष-ति तः न्ति सि थः थचिचकासिषा-मि

वः मः

२ चिचकासिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चिचकासिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

चिचकासिषा-णि व म व म

४ अचिचकासिष-त् ताम् नः तम् त म् अचिचकासिषा

५ अचिचकासि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्

विष्ट्व विष्ट्व

६ चिचकासिषाञ्च-कारकृतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव

चिचकासिषाम्बभूव चिचकासिषामास

७ चिचकासिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चिचकासिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ चिचकासिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थचिचकासिषि

ष्या-मि वः पः (अचिचकासिषिष्या-व म

१० अचिचकासिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

१०९३ जागृक् (जागृ) निद्राक्षये ।

१ जिजागरिष-ति तः न्ति सि थः थजिजागरिषा-मि वः मः

२ जिजागरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ जिजागरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

जिजागरिषा-णि व म व म

४ अजिजागरिष-त् ताम् नः तम् त म् अजिजागरिषा

५ अजिजागरि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्

विष्ट्व विष्ट्व

६ जिजागरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम

जिजागरिषाञ्चकार जिजागरिषाम्बभूव

७ जिजागरिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जिजागरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ जिजागरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थजिजागरिषि

ष्या-मि वः मः (अजिजागरिषिष्या-व म

१० अजिजागरिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

१०९५ शास्त्र (शास्त्र) अनुशिष्टौ ।

१ शिशसिष-ति तः न्ति सि थः थशिशसिषा-मि वः मः

२ शिशसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ शिशसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

शिशसिषा-णि व म म

४ अशिशसिष-त् ताम् नः तम् त म् अशिशसिषा-व

५ अशिशसि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्

विष्ट्व विष्ट्व

६ शिशसिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

शिशसिषाञ्चकार शिशसिषामास

७ शिशसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ शिशसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ शिशसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थशिशसिषिष्य

मि वः मः (अशिशसिषिष्या-व म

१० अशिशसिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

१०९६ वचक् (वच्) भाषणे ।

- १ विवक्ष-ति तः न्ति सि थः थ विवक्षा-मि वः मः
- २ विवक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् व
विवक्षा-णि व म
- ४ अविवक्ष-त् ताम् न् : तम् तम् अविवक्षा-व म
- ५ अविव क्षीत् क्षिप्रम् क्षिपुः क्षीः क्षिप्रम् क्षिप्रक्षिपम्
क्षिप्र क्षिप्रम्
- ६ विवक्षाश्च-कार क्तुः क्तुः कर्त्थ क्तुः क कार कर कृव कृम
विवक्षाम्बभूव विवक्षामास
- ७ विवक्ष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवक्षिष्या-मि वः मः
(अविवक्षिष्या-व म
- १० अविवक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०९८ मस्तुक् (संस्तु) स्वप्ने ।

- १ सिसंस्तिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसंस्तिषा-मि वः मः
- २ सिसंस्तिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसंस्तिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसंस्तिषा-णि व म म
- ४ असिसंस्तिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिसंस्तिषा-व म
- ५ असिसंस्ति-षीत् षिप्रम् षिपुः षीः षिप्रम् षिप्रषिपम्
षिप्र षिप्रम्
- ६ सिसंस्तिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसंस्तिषाश्चकार सिसंस्तिषामास
- ७ सिसंस्तिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसंस्तिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसंस्तिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसंस्तिषिष्या-मि वः मः
(असिसंस्तिषिष्या-व म
- १० असिसंस्तिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०९७ मृजौक् (मृज्) शुद्धौ ।

- १ मिमार्जिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमार्जिषा-मि वः मः
- २ मिमार्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमार्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमार्जिषा-णि व म
- ४ अमिमार्जिष-त् ताम् न् : तम् तम् अमिमार्जिषा-व म
- ५ अमिमार्जि-षीत् षिप्रम् षिपुः षीः षिप्रम् षिप्रषिपम्
षिप्र षिप्रम्
- ६ मिमार्जिषाश्च-कार क्तुः क्तुः कर्त्थ क्तुः क कार कर कृव कृम
मिमार्जिषाम्बभूव मिमार्जिषामास
- ७ मिमार्जिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमार्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमार्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमार्जिषिष्या-मि
व मः (अमिमार्जिषिष्या-व म
- १० अमिमार्जिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे मिमार्जि-स्थाने मिमृक्-इति ज्ञेयम्

१०९९ विदक् (विद्) ज्ञाने ।

- १ विविदिष-ति तः न्ति सि थः थ विविदिषा-मि वः मः
- २ विविदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विविदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विविदिषा-णि व म
- ४ अविविदिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविविदिषा-व म
- ५ अविविदि-षीत् षिप्रम् षिपुः षीः षिप्रम् षिप्रषिपम्
षिप्र षिप्रम्
- ६ विविदिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विविदिषाश्चकार विविदिषाम्बभूव
- ७ विविदिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विविदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विविदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विविदिषिष्या-मि
व मः (अविविदिषिष्या-व म
- १० अविविदिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

११०० हनंक् (हन्) हिंसागत्योः ।

- १ जिघांस-ति तः न्ति सिथः थ जिघांसा-मि वः मः
- २ जिघांसे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिघांस-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिघांसा-नि व म
- ४ अजिघांस-त् ताम् न् : तम् त म् अजिघांसा-व म
- ५ अजिघां-सीत् सिष्टाम् सिषुः सी सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ जिघांसामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिघांसाश्चकार जिघांसाम्बभूव
- ७ जिघांस्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिघांसिता-" रौ रः सिस्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिघांसिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जिघांसिष्या-मि वः
मः (अजिघांसिष्या-व म
- १० अजिघांसिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

११०१ वशक् (वश्) कान्तौ ।

- १ विवशिष-ति तः न्ति सिथः थ विवशिषा-मि वः मः
- २ विवशिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवशिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवशिषा-णि व म
- ४ अविवशिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविवशिषा-व म
- ५ अविवशि-षीत् विष्टाम् सिषुः पीः विष्टम् विष्ट सिषम्
विष्व विष्व
- ६ विवशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवशिषाश्चकार विवशिषाम्बभूव
- ७ विवशिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवशिषिता-" रौ रः सिस्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवशिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ विवशिषिष्या-मि वः
मः (अविवशिषिष्या-व म
- १० अविवशिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
- ११०२ असक् (अस्-भू) भुवि । भू १ वदूपाणि

११०३ षसक् (सस्) स्वप्ने ।

- १ सिससिष-ति तः न्ति सिथः थ सिससिषा-मि वः मः
- २ सिससिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिससिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिससिषा-णि व म
- ४ असिससिष-त् ताम् न् : तम् त म् असिससिषा-व म
- ५ असिससि-षीत् विष्टाम् सिषुः पीः विष्टम् विष्ट सिषम्
विष्व विष्व
- ६ सिससिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिससिषाश्चकार सिससिषामा-म
- ७ सिससिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिससिषिता-" रौ रः सिस्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिससिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ सिससिषिष्या-मि
वः मः (असिससिषिष्या-व म
- १० असिससिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

११०४ इङ्क् (इ) अध्ययने ।

- १ अधिजिगां-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ अधिजिगांसे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अधिजिगां-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहे सामहे
- ४ अध्यजिगां-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अध्यजिगांसि-ष्ट ताताम् षत श्राः प्राथाम् ड्ठ्वम् ध्वम्
- ६ अधिजिगांसामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
अधिजिगांसाश्चक्रे अधिजिगांसाम्बभूव [वहि महि
- ७ अधिजिगांसिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य
- ८ अधिजिगांसिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अधिजिगांसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यते ष्येथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अध्यजिगांसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११०५ शीङ्क् (शी) स्वप्ने ।

- १ शिशयि-पतेपेते पन्ते पसे पेथे ष्वे षे षावहे षामहे
- २ शिशयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिशयि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् ष्वम् पै षावहै षामहै
- ४ अशिशयि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् ष्वम् पे षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अशिशयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शिशयिषाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- शिशयिषाम्बभूव शिशयिषामास (य वहि महि
- ७ शिशयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिशयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिशयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११०७ सूङ्क् (सू) प्राणिगर्भविमोचने ।

- १ सुसू-पतेपेते पन्ते पसे पेथे ष्वे षे षावहे षामहे
- २ सुसूषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सुसू-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् ष्वम् पै षावहै षामहै
- ४ असुसू-पत पाताम् पन्त पथाः पेथाम् ष्वम् पे षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ असुसूषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ सुसूषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- सुसूषाञ्चके सुसूषामास (य वहि महि
- ७ सुसूषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सुसूषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सुसूषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असुसूषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११०६ हुङ्क् (हु) अपनयने ।

- १ जुहु-पतेपेते पन्ते पसे पेथे ष्वे षे षावहे षामहे
- २ जुहुषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुहु-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् ष्वम् पै षावहै षामहै
- ४ अजुहु-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् ष्वम् पे षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अजुहुषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जुहुषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- जुहुषाञ्चके जुहुषामास (य वहि महि
- ७ जुहुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुहुषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुहुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुहुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११०८ पृचैक् (पृच) संपर्चने ।

- १ पिपचि-पतेपेते पन्ते पसे पेथे ष्वे षे षावहे षामहे
- २ पिपचिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपचि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् ष्वम् पै षावहै षामहै
- ४ अपिपचि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् ष्वम् पे षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अपिपचिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पेथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ पिपचिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- पिपचिषाञ्चके पिपचिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पिपचिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपचिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपचिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिपचिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११०९ पृजुक् (पृज्) सम्पर्वने ।

- १ पिपृजि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ पिपृजिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपृजि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अपिपृजि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि षमहि
- ५ अपिपृजिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ पिपृजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपृजिषाश्चक्रे पिपृजिषामास (य वहि महि
- ७ पिपृजिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपृजिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपृजिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यं ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिपृजिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

११११ वृजैकि (वृज्) वर्जने ।

- १ विवर्जि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ विवर्जिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवर्जि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अविवर्जि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (वि प्वहि षमहि
- ५ अविवर्जिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विवर्जिषाश्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के क्वहे क्वमहे
विवर्जिषाम्बभूव विवर्जिषामास (य वहि महि
- ७ विवर्जिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवर्जिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवर्जिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यं ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवर्जिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१११० पिजुकि (पिज्) सम्पर्वने ।

- १ पिपिजि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ पिपिजिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपिजि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अपिपिजि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि षमहि
- ५ अपिपिजिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ पिपिजिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपिजिषाश्चक्रे पिपिजिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पिपिजिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपिजिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपिजिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यं ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिपिजिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१११२ निजुकि (निज्) विशुद्धौ ।

- १ निनिजिजि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ निनिजिजिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनिजिजि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अनिनिजिजि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेशाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि षमहि
- ५ अनिनिजिजिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ निनिजिजिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
निनिजिजिषाश्चक्रे निनिजिजिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ निनिजिजिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ निनिजिजिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनिजिजिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यं ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनिनिजिजिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१११३ शिशुकि (शिञ्ज) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ शिशिञि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ शिशिञिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिशिञि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अशिशिञि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अशिशिञिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शिशिञिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- शिशिञिषाञ्चके शिशिञिषामास (य वहि महि
- ७ शिशिञिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिशिञिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशिञिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिशिञिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१११५ ईरिक् (ईर) गतिकम्पनयोः ।

- १ ईरि रि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ ईरि रिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ईरि रि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ ऐरि रि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ ऐरि रिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ ईरि रिषाञ्च-के क्राते किरे कृषे क्राथे कृद्वेके कृवहेकृमहे
ईरि रिषाम्बभूष ईरि रिषामास (य वहि महि
- ७ ईरि रिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ईरि रिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ईरि रिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० ऐरि रिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१११४ ईडिक् (ईड्) स्तुतौ ।

- १ ईडि डि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ ईडि डिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ईडि डि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ ऐडि डि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ ऐडि डिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ ईडि डिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ईडि डिषाञ्चके ईडि डिषाम्बभूष (य वहि महि
- ७ ईडि डिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ईडि डिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ईडि डिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० ऐडि डिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१११६ ईशिक् (ईश्) औभ्रयें ।

- १ ईशि शि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ ईशि शिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ईशि शि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ ऐशि शि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ ऐशि शिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ ईशि शिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ईशि शिषाञ्चके ईशि शिषाम्बभूष (य वहि महि
- ७ ईशि शिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ईशि शिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ईशि शिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० ऐशि शिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१११७ वसिक् (वस्) आच्छादने ।

- १ विसि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ विसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विसि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अविसि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अविसिषि-पताम् पत पाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विसिषाञ्चके विसिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ विसिषिषी-पताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विसिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विसिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अविसिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यध्वम्

१११९ आसिक् (आस्) उपवेशने ।

- १ आसिसि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ आसिसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ आसिसि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ आसिसि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ आसिसिषि-पताम् पत पाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ आसिसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
आसिसिषाञ्चके आसिसिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ आसिसिषिषी-पताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ आसिसिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ आसिसिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० आसिसिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यध्वम्

१११८ आङःशासुकि (आ-शासु) इच्छायाम् ।

- १ अशिशासि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ अशिशासिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ अशिशासि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अशिशासि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अशिशासिषि-पताम् पत पाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ अशिशासिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अशिशासिषाञ्चके अशिशासिषामास (य वहि महि
- ७ अशिशासिषिषी-पताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अशिशासिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अशिशासिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अशिशासिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यध्वम्

११२० कसुकि (कम्) गतिसातनयोः ।

- १ चिकंसि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ चिकंसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ चिकंसि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अचिकंसि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अचिकंसिषि-पताम् पत पाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिकंसिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वेके कृवहेकृमहे
चिकंसिषाम्बभूव चिकंसिषामास (य वहि महि
- ७ चिकंसिषिषी-पताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकंसिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकंसिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचिकंसिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यध्वम्

११२१ णिडुकि (निडु) चुम्बने ।

- १ निनिंसि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ निनिंसिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनिंसि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अनिनिंसि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अनिनिंसिषि-ष पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ निनिंसिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
निनिंसिषाञ्चके निनिंसिषामास (य वहि महि
- ७ निनिंसिषिषी-ष यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ निनिंसिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनिंसिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनिनिंसिषि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११२२ चक्षिक् (चक्ष) व्यक्तायांवाचि ।

- १ चिकशा-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ चिकशासे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकशा-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् से
सावहै सामहै
- ४ अचिकशा-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अचिकशासि ष पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ चिकशासाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कवहे कृमहे
चिकशासाम्बभूव चिकशासामास (य वहि महि
- ७ चिकशानि-ष यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकशासिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकशासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकशासि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे चिकशा-स्थाने चिखशा-इति चिखया
इति च ज्ञेयम्

१ चिकशास-तितः न्तिसिथः थचिकशासा-मिवः मः

- २ चिकशासे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकशास-तु तात् तात् न्तु ” तात् तम् त
चिकशासा-नि व म
- ४ अचिकशास-त्ताम् न् : तम् त म् अचिकशासा-व म
- ५ अचिकशा-सीत् सिष्टाम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ चिकशासाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
चिकशासाञ्चकार चिकशासामास
- ७ चिकशास्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त स्म स्व स्म
- ८ चिकशासिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकशासिष्य-तितः न्तिसिथः थचिकशासिष्या-मि
वः मः (अचिकशासिष्या-व म
- १० अचिकशासिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्
पक्षे चिकशा-स्थाने चिखशा इति चिखया
इति च ज्ञेयम्

११२३ ऊणुगृक् (ऊणु) आच्छादने । प्रपूर्वोऽयम्

- १ प्रोणुनू-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ प्रोणुनूषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ प्रोणुनू-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ प्रोणुनू-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ प्रोणुनूषि-ष पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ प्रोणुनूषाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कवहे कृमहे
प्रोणुनूषाम्बभूव प्रोणुनूषामास (य वहि महि
- ७ प्रोणुनूषिषी-ष यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ प्रोणुनूषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ प्रोणुनूषि-ष्यत ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० प्रोणुनूषि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे प्रोणुनू-स्थाने प्रोणुनू स्थाने प्रोणुनवि
प्रोणुनवि प्रोणुनुवि प्रोणुनुवि इति ज्ञेयम्

- १ प्रोणुनृष-ति तः न्ति सिथः थ प्रोणुनृषा-मि वः मः
- २ प्रोणुनृषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ प्रोणुनृष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
प्रोणुनृषा-णि व म
- ४ प्रोणुनृष-त् ताम् नः तम् त म् प्रोणुनृषा-व म
- ५ प्रोणुनृ-वीत् विष्टाम् विषुः वीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ प्रोणुनृषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
प्रोणुनृषाश्चकार प्रोणुनृषाम्बभूव
- ७ प्रोणुनृष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ प्रोणुनृषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ प्रोणुनृषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ प्रोणुनृषिष्या-मि वः
मः (प्रोणुनृषिष्या-व म
- १० प्रोणुनृषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म
पक्षे प्रोणुनृ-स्थाने प्रोणुनृवि प्रोणुनृवि
प्रोणुनृ स्थाने प्रोणुनृवि प्रोणुनृवि

- १ तुष्टृष-ति तः न्ति सिथः थ तुष्टृषा-मि वः मः
- २ तुष्टृषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुष्टृष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुष्टृषा-णि व म
- ४ अतुष्टृष-त् ताम् नः तम् त म् अतुष्टृषा-व म
- ५ अतुष्टृ-वीत् विष्टाम् विषुः वीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ तुष्टृषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तुष्टृषाश्चकार तुष्टृषाम्बभूव
- ७ तुष्टृष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुष्टृषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुष्टृषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तुष्टृषिष्या-मि वः
मः (अतुष्टृषिष्या-व म
- १० अतुष्टृषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्
- ११ २५ भ्रूङ्क् (भ्रू-वङ्) व्यक्तायां याचि । वही ९९६ वद्पाणि

११२४ ङृङ्क् (स्तु) स्तुतौ ।

- १ तुष्टृ-पते पेटे पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ तुष्टृषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तुष्टृ-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अतुष्टृ-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वमहि
- ५ अतुष्टृषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ तुष्टृषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तुष्टृषाश्चक्रे तुष्टृषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ तुष्टृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तुष्टृषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तुष्टृषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतुष्टृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११२६ द्विषीक् (द्विष्) अप्रोतौ ।

- १ दिद्विक्-पते पेटे पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ दिद्विक्षे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिद्विक्-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अदिद्विक्-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वमहि
- ५ अदिद्विक्षि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिद्विक्षाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृरे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
दिद्विक्षाम्बभूव दिद्विक्षामास (य वहि महि
- ७ दिद्विक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिद्विक्षिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिद्विक्षि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिद्विक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ दिद्विक्ष-ति तः न्ति सिथः थ दिद्विक्षा-मि वः मः
- २ दिद्विक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिद्विक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिद्विक्षा-णि व म
- ४ अदिद्विक्ष-त् ताम् नः तम् तम् अदिद्विक्षा-व म
- ५ अदिद्वि-क्षीत् क्षिप्रम् क्षिपुः क्षीः क्षिप्रम् क्षिष्ट क्षिषम्
क्षिष्व क्षिष्म
- ६ दिद्विक्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिद्विक्षाम्बभूव दिद्विक्षामास
- ७ दिद्विक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिद्विक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिद्विक्षिष्य-ति तः न्ति सिथः थ दिद्विक्षिष्या-मि
वः मः (अदिद्विक्षिष्या-व म
- १० अदिद्विक्षिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

- १ दुधुक्ष-ति तः न्ति सिथः थ दुधुक्षा-मि वः मः
- २ दुधुक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुधुक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दुधुक्षा-णि व म
- ४ अदुधुक्ष-त् ताम् नः तम् तम् अदुधुक्षा-व म
- ५ अदुधुक्-षीत् विष्टम् विपुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ दुधुक्षाम्बभू-कार कतुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कुव कृम
दुधुक्षाम्बभूव दुधुक्षामास
- ७ दुधुक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुधुक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुधुक्षिष्य-ति तः न्ति सिथः थ दुधुक्षिष्या-मि वः
(अदुधुक्षिष्या-व म
- १० अदुधुक्षिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

११२७ दुहौ (दुह) क्षरणे ।

- १ दुधुक्-षते षेते षन्ते षसे षेथे षन्वे षे षावहे षामहे
- २ दुधुक्षे-त् याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दुधुक्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षन्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदुधुक्-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षन्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदुधुक्षि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दुधुक्षाम्बभू-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम
दुधुक्षाम्बभूव दुधुक्षामास (य वहि महि
- ७ दुधुक्षिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ दुधुक्षिता-" रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दुधुक्षि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यन्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदुधुक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यन्वम्

११२८ दिधौक (दिह) लेपे ।

- १ दिधिक-षते षेते षन्ते षसे षेथे षन्वे षे षावहे षामहे
- २ दिधिक्षे-त् याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिधिक-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षन्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदिधिक-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षन्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदिधिक्षि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिधिक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिधिक्षाम्बभूव दिधिक्षामास (य वहि महि
- ७ दिधिक्षिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ दिधिक्षिता-" रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिधिक्षि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यन्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिधिक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यन्वम्

- १ दिधिक्ष-ति तः न्ति सि थः थ दिधिक्षा-मि वः मः
- २ दिधिक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधिक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिधिक्षा-णि व म
- ४ अदिधिक्ष-त् ताम् नः तम् तम् अदिधिक्षा-व म
- ५ अदिधिक्ष-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
कृम विष्म विष्म
- ६ दिधिक्षाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
दिधिक्षाम्बभूव दिधिक्षामास
- ७ दिधिक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधिक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधिक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिधिक्षिष्या-मि वः
मः (अदिधिक्षिष्या-व म
- १० अदिधिक्षिष्य-त् ताम् नः तम् त म

- १ लिलिक्ष-ति तः न्ति सि थः थ लिलिक्षा मि वः मः
- २ लिलिक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलिक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलिक्षा-णि व म
- ४ अलिलिक्ष-त् ताम् नः तम् तम् अलिलिक्षा-व म
- ५ अलिलिक् षीत् पिष्टाम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
विष्म विष्म
- ६ लिलिक्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लिलिक्षाञ्चकार लिलिक्षामास
- ७ लिलिक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलिक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलिक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलिक्षिष्या-मि वः
मः (अलिलिक्षिष्या-व म
- १० अलिलिक्षिष्य-त् ताम् नः तम् त म

११२७ लिहोक् (लिह्) आस्वादाने ।

- १ लिलिक्-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ लिलिक्षे-त् याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लिलिक्-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पै
यावहै पामहै
- ४ अलिलिक्-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि [षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अलिलिक्षि-ष्ट याताम् पत ष्टाः याथाम् द्ध्वम् ध्वम्
- ६ लिलिक्षाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृप्वे के कृवहे कृमहे
लिलिक्षाम्बभूव लिलिक्षामास [य वहि महि
- ७ लिलिक्षिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ लिलिक्षिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिलिक्षि-ष्यते प्येते प्यन्ते प्यते प्येथे प्यथ्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अलिलिक्षि-ष्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यथ्वम्

११३० हुक् (हु) दानादानयोः ।

- १ जुहूक्ष-ति तः न्ति सि थः थ जुहूक्षा मि वः मः
- २ जुहूक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुहूक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुहूक्षा-णि व म
- ४ अजुहूक्ष-त् ताम् नः तम् तम् अजुहूक्षा-व म
- ५ अजुहूक् षीत् पिष्टाम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
विष्म विष्म
- ६ जुहूक्षामा स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जुहूक्षाञ्चकार जुहूक्षाम्बभूव
- ७ जुहूक्षक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुहूक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुहूक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुहूक्षिष्या-मि वः मः
(अजुहूक्षिष्या-व म
- १० अजुहूक्षिष्य-त् ताम् नः तम् त म

११३१ ओहांक् (हा) त्यागे ।

- १ जिहास-ति तः न्ति सि थः थ जिहासा-मि वः मः
- २ जिहासे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहास-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
जिहासा-णि व म
- ४ अजिहास-त्ताम् नः तम् तम् अजिहासा-व म
- ५ अजिहा सीत्सिष्टम् सिधुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म कर-कृम कृव
- ६ जिहासाश्च-कार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः क कार
जिहासाम्बभूथ जिहासामास
- ७ जिहास्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहासिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहासिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहासिष्या-मि वः
मः (अजिहासिष्या-व म
- १० अजिहासिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

११३२ जिभीक् (भी) भये ।

- १ बिभीष-ति तः न्ति सि थः थ बिभीषा-मि वः मः
- २ बिभीषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बिभीष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
बिभीषा-णि व म
- ४ अबिभीष-त्ताम् नः तम् तम् अबिभीषा-व म
- ५ अबिभी-सीत्सिष्टम् सिधुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ बिभीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बिभीषामास बिभीषाश्चकार
- ७ बिभीष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिभीषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिभीषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिभीषिष्या-मि वः
मः (अबिभीषिष्या-व म
- १० अबिभीषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

११३३ ह्रीक् (ह्री) लज्जायाम् ।

- १ जिह्रीष-ति तः न्ति सि थः थ जिह्रीषा-मि वः मः
- २ जिह्रीषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिह्रीष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
जिह्रीषा-णि व म
- ४ अजिह्रीष-त्ताम् नः तम् तम् अजिह्रीषा-व म
- ५ अजिह्री-षीत्सिष्टम् सिधुः पीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ जिह्रीषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिह्रीषाश्चकार जिह्रीषाम्बभूथ
- ७ जिह्रीष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिह्रीषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिह्रीषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिह्रीषिष्या-मि वः
मः (अजिह्रीषिष्या-व म
- १० अजिह्रीषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

११३४ ष्टक् (ष्ट) पालनपूरणयोः ।

- १ पुपूष-ति तः न्ति सि थः थ पुपूषा-मि वः मः
- २ पुपूषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपूष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
पुपूषा-णि व म
- ४ अपुपूष-त्ताम् नः तम् तम् अपुपूषा-व म
- ५ अपुपूर-षीत्सिष्टम् सिधुः पीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ पुपूषाश्च-कार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव कृम
पुपूषाम्बभूथ पुपूषामास
- ७ पुपूष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपूषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपूषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपूषिष्या-मि वः
(अपुपूषिष्या-व म
- १० अपुपूषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

११३५ ऋक् [ऋ] गर्तो । ऋ २६ चद्रपाणि

१०३६ ओहाङ्क् (हा) गतौ ।

- १ जिहा-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ जिहासे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिहा-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अजिहा-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अजिहासि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जिहासाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृत्वे के कृवहे कृमहे
जिहासाम्बभूष जिहासामास (य वहि महि
- ७ जिहासिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिहासिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिहासि-ष्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्य ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजिहासि-ष्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
११३७ माङ्क् [मा] माने । में ६०३ वदूपाणि
११३८ डुदाङ्क् [दा] दाने । परस्मैपदे दाम् ३४ वदूपाणि
आत्मनेपदे ङिङ् ६०४ वदूपाणि

११३९ डुधाङ्क् (धा) धारणे ।

- १ धित्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ धित्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ धित्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अधित्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अधित्सि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ धित्सामा-ससतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
धित्साश्चक्रे धित्साम्बभूष (य वहि महि
- ७ धित्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ धित्सिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ धित्सि-ष्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्य ध्यावहि ध्यामहि
- १० अधित्सि-ष्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
परस्मैपदेतु टेंध २८ वदूपाणि
० डुडुङ्क् (ष्ट) पोषणे च । षुङ् ४८ वदूपाणि
नवरं इडभावात् इड्हरहितानि

११४१ जिजुंकी (निज्) शौचे च ।

- १ निनिक्षि-ति तः न्ति सिथ थ निनिक्षा-मि वः मः
- २ निनिक्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनिक्षि-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
निनिक्षा-नि व म
- ४ अनिनिक्षि-त्ताम् नः तम् तम् अनिनिक्षा-व म
- ५ अनिनिक्षि-षीत् पिथाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ निनिक्षाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कृष कृम
निनिक्षाम्बभूष निनिक्षामास
- ७ निनिक्षिया-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनिक्षिता-" रौ रः सिस्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनिक्षिष्य-ति तः न्ति सिथ थ निनिक्षिष्या-मि
वः मः (अनिनिक्षिष्या-व म
- १० अनिनिक्षिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
- १ निनिक्षि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ निनिक्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनिक्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अनिनिक्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अनिनिक्षि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ निनिक्षाम्बभू-व वतु उः विथ वथुः व व विवविम
निनिक्षाश्चक्रे निनिक्षामास (य वहि महि
- ७ निनिक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ निनिक्षिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनिक्षि-ष्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्य ध्यावहि ध्यामहि
- १० अनिनिक्षि-ष्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

११४२ विजुकी (विज्) पृथग्भावे ।

- १ विविक्ष-ति तः न्ति सिथः थ विविक्षा-मि वः मः
- २ विविक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् थ म
- ३ विविक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विविक्षा णि व म
- ४ अविविक्ष-त्ताम् नः तम् तम् अविविक्षा-व म
- ५ अविवि-क्षीत् क्षिप्रम् क्षिपुः क्षीः क्षिप्रम् क्षिप्र क्षिपम्
क्षिप्व क्षिप्म
- ६ विविक्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विविक्षाञ्चकार विविक्षामास
- ७ विविक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विविक्षिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ विविक्षिष्य-ति तः न्ति सिथः थ विविक्षिष्या-मि
वः मः (अविविक्षिष्या-व म
- १० अविविक्षिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

११४३ विष्णुकि (विष्) व्याप्तौ ।

- १ विविक्ष-ति तः न्ति सिथः थ विविक्षा-मि वः मः
- २ विविक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विविक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विविक्षा-णि व म
- ४ अविविक्ष-त्ताम् नः तम् तम् अविविक्षा-व म
- ५ अविविक्-षीत् षिष्टम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिषम
- ६ विविक्षाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव क्रम
विविक्षाम्बभूव विविक्षामास
- ७ विविक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विविक्षिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ विविक्षिष्य-ति तः न्ति सिथः थ विविक्षिष्या-मि वः
मः (अविविक्षिष्या-व म
- १० अविविक्षिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

- १ विविक्-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ विविक्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विविक्-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् प
पावहै पामहै
- ४ अविविक्-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अविविक्षि-प्र पाताम् पत प्राः पाथाम् डड्वम् ध्वम्
- ६ विविक्षाम्बभू-व वतु वु विथ वथुः व व विव विम
विविक्षाञ्चके विविक्षामास (य वहि महि
- ७ विविक्षिषी-प्र यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विविक्षिता-'' रौ रः से साथे थ्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विविक्षि-प्यते प्यते प्यन्त प्यमे प्यथे प्यथ्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अविविक्षि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यथ्वम्

- १ विविक्-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ विविक्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विविक्-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अविविक्-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अविविक्षि-प्र पाताम् पत प्राः पाथाम् डड्वम् ध्वम्
- ६ विविक्षामा-स मतुः सुः सिथ सथुः स स सिथ सिम
विविक्षाञ्चके विविक्षाम्बभूव (य वहि महि
- ७ विविक्षिषी-प्र यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विविक्षिता-'' रौ रः से साथे थ्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विविक्षि-प्यते प्यते प्यन्त प्यमे प्यथे प्यथ्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अविविक्षि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यथ्वम्

इतिश्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-
विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-
विजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दरेन्द्रिन्दिरा-
यमाणान्तिषण्डुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य
सन्नन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे

तृतीयभागे

॥ अदादिगणः संपूर्णः ॥

॥ अथ दिवादयः ॥

११४४ दिवूच् (दिव्) क्रीडाजयेच्छापणिद्यु-
तिस्तुतिगतिषु ।

१ दिदेविष-ति तः न्ति सि थः थ दिदेविषा-मि वः मः
२ दिदेविषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
३ दिदेविष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
दिदेविषा-णि व म

४ अदिदेविष-त् ताम् न्नुः तम् त म् अदिदेविषा-व म

५ अदिदेवि-वीत् विष्टम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्

६ दिदेविषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिदेविषाश्चकार दिदेविषाम्बभूव

७ दिदेविष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ दिदेविषिता-" रौ रः सिस्थ स्थ स्मि स्वः स्मः

९ दिदेविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदेविषिष्या-मि
वः मः (अदिदेविषिष्या-व म

१० अदिदेविषिष्य-त् ताम् न्नुः तम् त म्
पक्षे दिदेवि-स्थाने दुद्यु-इति ज्ञेयम्

११४५ जृष् (जृ) जरसि ।

१ जिजरिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजरिषा-मि वः मः

२ जिजरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ जिजरिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
जिजरिषा-णि व म

४ अजिजरिष-त् ताम् न्नुः तम् त म् अजिजरिषा-व म

५ अजिजरि-वीत् विष्टम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्

६ जिजरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिजरिषाश्चकार जिजरिषाम्बभूव

७ जिजरिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जिजरिषिता-" रौ रः सिस्थ स्थ स्मि स्वः स्मः

९ जिजरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजरिषिष्या-मि
वः मः (अजिजरिषिष्या-व म

१० अजिजरिषिष्य-त् ताम् न्नुः तम् त म्
पक्षे जिजरि-स्थाने जिजरी इति जिजरी
इति च ज्ञेयम् ।

११४६ झृष् (झृ) जरसि ।

- १ जिझरिष-ति त न्ति सिथः थ जिझरिषा-मि वः मः
- २ जिझरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिझरिष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
जिझरिषा-णि व म
- ४ अजिझरिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिझरिषा-व म
- ५ अजिझरि-सीत् सिष्टम् सिधुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ जिझरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
जिझरिषाञ्चकार जिझरिषाम्बभूव
- ७ जिझरिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिझरिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ सिम स्वः स्मः
- ९ जिझरिषिष्य-ति त न्ति सिथः थ जिझरिषिष्या-मि
वः मः (अजिझरिषिष्या-व म
- १० अजिझरिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे जिझरि-स्थाने जिझरी इति जिझीर्
इति च ज्ञेयम् ।

११४७ शॉच् (शो) तक्षणे ।

- १ शिशस-ति त न्ति सिथः थ शिशसा-मि वः मः
- २ शिशसे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशस-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
शिशसा-नि व म
- ४ अशिशस-त् ताम् न् : तम् तम् अशिशसा-व म
- ५ अशिश-सीत् सिष्टम् सिधुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ शिशसाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
शिशसाम्बभूव शिशसामास
- ७ शिशस्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशसिता-” रौ रः सि स्थः स्थ सिम स्वः स्मः
- ९ शिशसिष्य-ति त न्ति सिथः थ शिशसिष्या-मि
वः मः (अशिशसिष्या-व म
- १० अशिशसिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
११४८ दौच् [दो] छेदने । दाम् ७ द्रूपाणि

११४९ छौच् (छो) छेदने ।

- १ चिच्छास-ति त न्ति सिथः थ चिच्छासा-मि वः मः
- २ चिच्छासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिच्छास-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
चिच्छासा-नि व म
- ४ अचिच्छास-त् ताम् न् : तम् तम् अचिच्छासा-व म
- ५ अचिच्छा-सीत् सिष्टम् सिधुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ चिच्छासाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम
चिच्छासाञ्चकार चिच्छासामास
- ७ चिच्छास्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिच्छासिता-” रौ रः सि स्थः स्थ सिम स्वः स्मः
- ९ अचिच्छासिष्य-ति त न्ति सिथः थ चिच्छासिष्या-मि
वः मः (अचिच्छासिष्या-व म
- १० अचिच्छासिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

११५० षौच् (सो) अन्तर्कर्मणि ।

- १ सिषास-ति त न्ति सिथः थ सिषासा-मि वः मः
- २ सिषासे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिषास-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
सिषासा-नि व म
- ४ सिषास-त् ताम् न् : तम् तम् सिषासा-व म
- ५ सिषा-सीत् सिष्टम् सिधुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
कृप सिष्व सिष्व
- ६ सिषासाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
सिषासाम्बभूव सिषासामास
- ७ सिषास्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिषासिता-” रौ रः सि स्थः स्थ सिम स्वः स्मः
- ९ सिषासिष्य-ति त न्ति सिथः थ सिषासिष्या-मि वः
मः (सिषासिष्या-व म
- १० असिषासिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

११५१ व्रीडिष (व्रीड) लज्जायाम् ।

- १ व्रीडिष-ति तः न्ति सि थः थ व्रीडिषा-मि वः मः
- २ व्रीडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ व्रीडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व्रीडिषा-णि व म
- ४ अव्रीडिष-त् ताम् न् : तम् तम् अव्रीडिषा-व म
- ५ अव्रीडि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ व्रीडिषाञ्च-कार क्तुः क्तुः कर्त्थ क्तुः क कार कर कृव कृम
व्रीडिषाम्बभूव व्रीडिषामास
- ७ व्रीडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ व्रीडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ व्रीडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ व्रीडिषिष्या-मि
व मः (अव्रीडिषिष्या-व म
- १० अव्रीडिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

११५२ नृतेष (नृत्) नर्तने ।

- १ निनर्तिष-ति तः न्ति सि थः थ निनर्तिषा-मि वः मः
- २ निनर्तिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनर्तिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनर्तिषा-णि व म
- ४ अनिनर्तिष-त् ताम् न् : तम् तम् अनिनर्तिषा-व म
- ५ अनिनर्ति षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ निनर्तिषाञ्च-कार क्तुः क्तुः कर्त्थ क्तुः क कार कर कृव कृम
निनर्तिषाम्बभूव निनर्तिषामास
- ७ निनर्तिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनर्तिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनर्तिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनर्तिषिष्या-मि
व मः (अनिनर्तिषिष्या-व म
- १० अनिनर्तिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

- १ निनृत्स-ति तः न्ति सि थः थ निनृत्सा-मि वः मः
- २ निनृत्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनृत्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनृत्सा-नि व म
- ४ अनिनृत्स-त् ताम् न् : तम् तम् अनिनृत्सा-व म
- ५ अनिनृत्-सीत् सिष्टाम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ निनृत्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
निनृत्साञ्चकार निनृत्सामास
- ७ निनृत्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनृत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनृत्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनृत्सिष्या-मि वः
मः (अनिनृत्सिष्या-व म
- १० अनिनृत्सिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१०४५ कुथिष (कुथ) पूतोभावे ।

- १ चुकुथिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुथिषा-मि वः मः
- २ चुकुथिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकुथिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुथिषा-णि व म
- ४ अचुकुथिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुकुथिषा-व म
- ५ अचुकुथि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ चुकुथिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुकुथिषाञ्चकार चुकुथिषामास
- ७ चुकुथिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुथिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुथिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुथिषिष्या-मि
मः वः (अचुकुथिषिष्या-व म
- १० अचुकुथिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे कुथि-स्थाने कोथि-इति ज्ञेयम्

११५४ पुथच् (पुथ्) हिंसायाम् ।

- १ पुपुथिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपुथिषा-मि वः मः
- २ पुपुथिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपुथिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपुथिषा-णि व म
- ४ अपुपुथिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपुपुथिषा-व म
- ५ अपुपुथि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ पुपुथिषाश्च-कार क्तुः क्तुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
पुपुथिषाम्बभूव पुपुथिषामास
- ७ पुपुथिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपुथिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपुथिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपुथिषिष्या-मि
वः मः (अपुपुथिषिष्या-व म
- १० अपुपुथिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म
पक्षे पुथि-स्थाने पंथि-इति ज्ञेयम्

११५६ राधच् (राध्) वृद्धौ ।

- १ रिरात्स-ति तः न्ति सि थः थ रिरात्सा-मि वः मः
- २ रिरात्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरात्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरात्सा-णि व म
- ४ अरिरात्स-त् ताम् न् : तम् तम् अरिरात्सा-व म
- ५ अरिरात्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ रिरात्साश्च-कार क्तुः क्तुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
रिरात्सामास रिरात्साश्चकार
- ७ रिरात्स्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरात्सिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरात्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरात्सिष्या-मि वः
मः (अरिरात्सिष्या-व म
- १० अरिरात्सिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

११५५ गुधच् (गुध्) परिवेष्टने ।

- १ जुगुधिष-ति तः न्ति सि थः थ जुगुधिषा-मि वः मः
- २ जुगुधिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुगुधिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुगुधिषा-णि व म
- ४ अजुगुधिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजुगुधिषा-व म
- ५ अजुगुधि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ जुगुधिषामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
जुगुधिषाश्चकार जुगुधिषाम्बभूव
- ७ जुगुधिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुगुधिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगुधिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगुधिषिष्या-मि
वः मः (अजुगुधिषिष्या-व म
- १० अजुगुधिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म
पक्षे गुधि-स्थाने गोधि-इति ज्ञेयम्

११५७ व्यधच् (व्यध्) ताडने ।

- १ विव्यत्स-ति तः न्ति सि थः थ विव्यत्सा-मि वः मः
- २ विव्यत्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विव्यत्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विव्यत्सा-णि व म
- ४ अविव्यत्स-त् ताम् न् : तम् तम् अविव्यत्सा-व म
- ५ अविव्यत्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व कर-कृम कृव
- ६ विव्यत्साश्च-कार क्तुः क्तुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
विव्यत्साम्बभूव विव्यत्सामास
- ७ विव्यत्स्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विव्यत्सिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विव्यत्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विव्यत्सिष्या-मि
वः मः (अविव्यत्सिष्या-व म
- १० अविव्यत्सिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

११५८ क्षिप्ञ्च (क्षिप्) प्रेरणे ।

- १ चिक्षिप्स-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षिप्सा-मि वः मः
- २ चिक्षिप्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्षिप्स-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
चिक्षिप्सा-णि व म
- ४ अचिक्षिप्स-त्ताम् नः तम् तम् अचिक्षिप्सा-व म
- ५ अचिक्षिप्सीत् सिष्टाम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
सिष्व सिष्म कर-कृम कृव
- ६ चिक्षिप्साञ्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार
चिक्षिप्साञ्चभूव चिक्षिप्सामास
- ७ चिक्षिप्स्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्षिप्सिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्षिप्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षिप्सिष्या-मि
वः मः (अचिक्षिप्सिष्या-व म
- १० अचिक्षिप्सिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

११५९ पुष्पञ्च (पुष्प) विकसने ।

- १ पुपुष्पिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपुष्पिषा-मि वः मः
- २ पुपुष्पिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपुष्पिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
पुपुष्पिषा-णि व म
- ४ अपुपुष्पिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुपुष्पिषा-व म
- ५ अपुपुष्पिष-पीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्व पिष्म
- ६ पुपुष्पिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
पुपुष्पिषाञ्चभूव पुपुष्पिषामास
- ७ पुपुष्पिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपुष्पिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपुष्पिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपुष्पिषिष्या-मि
वः मः (अपुपुष्पिषिष्या-व म
- १० अपुपुष्पिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

११६० तिम (तिम) आर्द्रभावे ।

- १ तितिमिष-ति तः न्ति सि थः थ तितिमिषा-मि वः मः
- २ तितिमिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितिमिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
तितिषा-णि व म
- ४ अतितिमिष-त्ताम् नः तम् तम् अतितिमिषा-व म
- ५ अतितिमिष-पीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्व पिष्म
- ६ तितिमिषामा-स सतुः सुः सि थः थ स सि व सि म
तितिमिषाञ्चकार तितिमिषाञ्चभूव
- ७ तितिमिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितिमिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितिमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितिमिषिष्या-
मि वः मः (अतितिमिषिष्या-व म
- १० अतितिमिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे तिमि-स्थाने तेमि इति ज्ञेयम्

११६१ तीम (तीम) आर्द्रभावे ।

- १ तितोमिष-ति तः न्ति सि थः थ तितोमिषा-मि वः मः
- २ तितोमिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितोमिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
तितोमिषा-णि व म
- ४ अतितोमिष-त्ताम् नः तम् तम् अतितोमिषा-व म
- ५ अतितोमिष-पीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्व पिष्म
- ६ तितोमिषाञ्चभू-व वतुः वुः वि थः थ व वि व वि म
तितोमिषामास तितोमिषाञ्चकार
- ७ तितोमिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितोमिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितोमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितोमिषिष्या-
मि वः मः (अतितोमिषिष्या-व म
- १० अतितोमिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

११६२ छिमच् (स्तिम्) आर्द्रभावे ।

- १ तिस्तिमिष-ति तः न्ति सिथः थ तिस्तिमिषा-मि वः मः
- २ तिस्तिमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्तिमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिस्तिमिषा-णि व म म
- ४ अतिस्तिमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतिस्तिमिषा-व म
- ५ अतिस्तिमि-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
कृम पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ तिस्तिमिषाञ्च-कार कतुः कु कर्थ कथुः क दार कर कृथ
तिस्तिमिषाम्बभूव तिस्तिमिषामास
- ७ तिस्तिमिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्तिमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्तिमिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तिस्तिमिषिष्य
मि वः मः (अतिस्तिमिषिष्या-व म
- १० अतिस्तिमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे स्तिमि-स्थाने स्तेभि-इति ज्ञेयम्

११६३ छीमच् (स्तीम्) आर्द्रभावे ।

- १ तिस्तीमिष-ति तः न्ति सिथः थ तिस्तीमिषा-मि वः मः
- २ तिस्तीमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्तीमिष-तु तात् तात् न्तु " तात् तम् त
तिस्तीमिषा-णि व म
- ४ अतिस्तीमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतिस्तीमिषा-व म
- ५ अतिस्तीमि-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ तिस्तीमिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व ववि वविम
तिस्तीमिषाञ्चकार तिस्तीमिषामास
- ७ तिस्तीमिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्तीमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्तीमिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तिस्तीमिषिष्या
मि वः मः (अतिस्तीमिषिष्या-व म
- १० अतिस्तीमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे श्तिमि-स्थाने श्तिमि-इति ज्ञेयम्

११६४ चिवूच् (सिव्) उतौ ।

- १ सिसेविष-ति तः न्ति सिथः थ सिसेविषा-मि वः मः
- २ सिसेविषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसेविष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसेविषा-णि व म
- ४ असिसेविष-त् ताम् न् : तम् तम् असिसेविषा-व म
- ५ असिसेवि-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ सिसेविषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व ववि वविम
सिसेविषाञ्चकार सिसेविषामास
- ७ सिसेविष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसेविषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
सिसेविषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ सिसेविषिष्या-
मि वः मः (असिसेविषिष्या-व म
- १० असिसेविषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे सिसेवि-स्थाने सुस्य इति ज्ञेयम्

११६५ श्रिवूच् (श्रिव्) गतिशोषणयोः ।

- १ शुश्रूष-ति तः न्ति सिथः थ शुश्रूषा-मि वः मः
- २ शुश्रूषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुश्रूष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुश्रूषा-णि व म
- ४ अशुश्रूष-त् ताम् न् : तम् तम् अशुश्रूषा-व म
- ५ अशुश्रू-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ शुश्रूषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व ववि वविम
शुश्रूषाञ्चकार शुश्रूषामास
- ७ शुश्रूष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुश्रूषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुश्रूषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शुश्रूषिष्या-मि वः मः
(अशु विष्या-व म
- १० अशुश्रूषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे श्श्रू-स्थाने श्श्रू-इति ज्ञेयम्

११६६ छिवूच् (छिव्) निरमने । वही ४६३ वदूपाणि

११६७ छिवूच् (छिव्) निरमने । छिवू ४६४ वदूपाणि

११६८ इषच् (इष) गतौ ।

- १ ण्षिषिष-ति तः न्ति सि थः थ ण्षिषिषा मि वः मः
- २ ण्षिषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ण्षिषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ण्षिषिषा-णि व म
- ४ ण्षिषिष-त् ताम् नः तम् तम् ण्षिषिषा-व म
- ५ ण्षिषि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
कृम षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ ण्षिषिषाञ्च कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार वर कृव
ण्षिषिषाम्बभूव ण्षिषिषामास
- ७ ण्षिषिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ण्षिषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ण्षिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ण्षिषिषिष्या-मि
वः मः (ण्षिषिषिष्या-व म
- १० ण्षिषिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

११६९ ण्सूच (स्नसृ) निरसने ।

- १ सिस्नसिष-ति तः न्ति सि थः थ सिस्नसिषा मि वः मः
- २ सिस्नसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिस्नसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिस्नसिषा-णि व म म
- ४ असिस्नसिष-त् ताम् नः तम् तम् असिस्नसिषा-व म
- ५ असिस्नसि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ सिस्नसिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
सिस्नसिषाञ्चकार सिस्नसिषामास
- ७ सिस्नसिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिस्नसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिस्नसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्नसिषिष्या-मि
वः मः (असिस्नसिषिष्या-व म
- १० असिस्नसिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

११७० कनसूच (कनस) ह्वृतिदीप्तयोः ।

- १ चिकनसिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकनसिषा मि वः मः
- २ चिकनसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकनसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकनसिषा-णि व म व म
- ४ अचिकनसिष-त् ताम् नः तम् तम् अचिकनसिषा-व म
- ५ अचिकनसि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ चिकनसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिकनसिषाञ्चकार चिकनसिषाम्बभूव
- ७ चिकनसिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकनसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकनसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकनसिषिष्या-मि
वः मः (अचिकनसिषिष्या-व म
- १० अचिकनसिषिष्य-त् ताम् तः तम् त म

११७१ त्रसैच (त्रसृ) भये ।

- १ तित्रसिष-ति तः न्ति सि थः थ तित्रसिषा मि वः मः
- २ तित्रसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तित्रसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तित्रसिषा-णि व म
- ४ अतित्रसिष-त् ताम् नः तम् तम् अतित्रसिषा-व म
- ५ अतित्रसि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ तित्रसिषाञ्च कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क दार कर कृव कृम
तित्रसिषाम्बभूव तित्रसिषामास
- ७ तित्रसिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तित्रसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तित्रसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तित्रसिषिष्या-मि
वः मः (अतित्रसिषिष्या-व म
- १० अतित्रसिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

११७२ प्युसच् (प्युस्) दाहे ।

- १ प्युसिष-ति तः न्ति सि थः थ प्युसिषा-मि वः मः
- २ प्युसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ प्युसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
प्युसिषा-णि व म
- ४ अप्युसिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अप्युसिषा-व म
- ५ अप्युसि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ प्युसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
प्युसिषाञ्चकार प्युसिषाम्बभूव
- ७ प्युसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ प्युसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ प्युसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ प्युसिषिष्या-मि वः मः
(अप्युसिषिष्या-व म
- १० अप्युसिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्
पक्षे प्युसि-स्थाने प्योसि-इति ज्ञेयम्

११७४ सुहच् (सुह) शक्तौ ।

- १ सुसुहिष-ति तः न्ति सि थः थ सुसुहिषा-मि वः मः
- २ सुसुहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सुसुहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सुसुहिषा-णि व म
- ४ असुसुहिष-त् ताम् न्ः तम् तम् असुसुहिषा-व म
- ५ असुसुहि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ सुसुहिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
सुसुहिषाञ्चकार सुसुहिषाम्बभूव
- ७ सुसुहिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सुसुहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सुसुहिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सुसुहिषिष्या-मि वः मः
(असुसुहिषिष्या-व म
- १० असुसुहिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्
पक्षे सुहि-स्थाने सोहि-इति ज्ञेयम्

११७३ षहच् (षह) शक्तौ ।

- १ सिसहिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसहिषा-मि वः मः
- २ सिसहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसहिषा-णि व म
- ४ असिसहिष-त् ताम् न्ः तम् तम् असिसहिषा-व म
- ५ असिसहि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ सिसहिषाञ्च-कार क्तुः क्तुः कथुः ककार कर कृव कृम
सिसहिषाम्बभूव सिसहिषामास
- ७ सिसहिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसहिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसहिषिष्या-मि वः मः
(असिसहिषिष्या-व म
- १० असिसहिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

११७५ पुवच् (पुष्) पुष्टौ ।

- १ पुपुक्ष-ति तः न्ति सि थः थ पुपुक्षा-मि वः मः
- २ पुपुक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपुक्ष-तु तात् ताम् न्तु " ताम् तम् त
पुपुक्षा-णि व म
- ४ अपुपुक्ष-त् ताम् न्ः तम् तम् अपुपुक्षा-व म
- ५ अपुपुक्ष-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ पुपुक्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ विथुः वव विव विम
पुपुक्षाञ्चकार पुपुक्षामास
- ७ पुपुक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपुक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपुक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपुक्षिष्या-मि वः मः
(अपुपुक्षिष्या-व म
- १० अपुपुक्षिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

११७६ उच्चच् (उच्च) समवाये ।

- १ अचिचिष-तितःन्ति सिथःथ अचिचिषा-मि वः म
- २ अचिचिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अचिचिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अचिचिषा-णि व म
- ४ औचिचिष-त् ताम् न् : तम् तम् औचिचिषा व म
- ५ औचिचि षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्व
- ६ अचिचिषाम्बभू व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
अचिचिषाञ्चकार अचिचिषामास
- ७ अचिचिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अचिचिषिता " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अचिचिषिष्य-तितःन्ति सिथःथ अचिचिषिष्या मि
वः मः (औचिचिषिष्या-व म
- १० औचिचिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
- ११७७ छटच् (छट्) विलोटने । छट् १९० वृषाणि ।

११७९ किलदौच् (किल्द) आद्रभावे ।

- १ चिकिलदिष-तितःन्ति सिथःथचिकिलदिषा-मि वः मः
- २ चिकिलदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकिलदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकिलदिषा-णि व म
- ४ अचिकिलदिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकिलदिषा-व म
- ५ अचिकिलदि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्व
- ६ चिकिलदिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
चिकिलदिषाञ्चकार चिकिलदिषामास
- ७ चिकिलदिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकिलदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकिलदिषिष्य-तितःन्ति सिथःथचिकिलदिषिष्या-
मि वः मः (अचिकिलदिषिष्या-व म
- १० अचिकिलदिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
- पक्ष चिकिलदि-स्थाने चिकलेदि इति ज्ञेयम्

११७८ चिदांच् (चिद्) गात्रप्रभरणे ।

- १ सिष्वित्स-तितःन्ति सिथःथ सिष्वित्सा-मि वः मः
- २ सिष्वित्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिष्वित्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिष्वित्सा-नि व म
- ४ असिष्वित्स-त् ताम् न् : तम् तम् असिष्वित्सा-व म
- ५ असिष्वित्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ सिष्वित्साञ्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
सिष्वित्साञ्चकार सिष्वित्साभास
- ७ सिष्वित्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिष्वित्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिष्वित्सिष्य-तितःन्ति सिथःथ सिष्वित्सिष्या मि
वः मः (असिष्वित्सिष्या-व म
- १० असिष्वित्सिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

- १ चिकिलत्स-तितःन्ति सिथःथचिकिलत्सा-मि वः मः
- २ चिकिलत्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकिलत्स तु तात् ताम् न्तु " ताम् तम् त
चिकिलत्सा-नि व म
- ४ अचिकिलत्स-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकिलत्सा-व म
- ५ अचिकिलत्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
कृम सिष्व सिष्व
- ६ चिकिलत्साञ्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
चिकिलत्साञ्चकार चिकिलत्साभास
- ७ चिकिलत्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकिलत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकिलत्सिष्य-तितःन्ति सिथःथ चिकिलत्सिष्या-
मि वः मः (अचिकिलत्सिष्या-व म
- १० अचिकिलत्सिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

११८० त्रिमिदाच् (मिद्) स्नेहने ।

- १ मिमेदिप-ति तः न्ति सि थः थ मिमेदिपा-मि वः मः
 - २ मिमेदिपे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ मिमेदिप-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमेदिपा-णि व म
 - ४ अमिमेदिप-त् ताम् नः तम् तम् अमिमेदिपा-व म
 - ५ अमिमेदि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्टि विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
 - ६ मिमेदिपाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
मिमेदिपाञ्चकार मिमेदिपामास
 - ७ मिमेदिप्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ मिमेदिपिता- रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९ मिमेदिपिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमेदिपिष्या-मि
वः मः (अमिमेदिपिष्या-व म
 - १० अमिमेदिपिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे मिमेदि-स्थाने मिमेदि-इति ज्ञेयम्
- ११८१ त्रिद्विदाच् (द्विद्) मोचने च । त्रिद्विदा
३०० वद्रूपाणि

११८२ क्षुधंच् (क्षुध्र) वृभुक्षायाम् ।

- १ क्षुध्र-ति तः न्ति सि थः थ क्षुध्र-मि वः मः
- २ क्षुध्र-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ क्षुध्र-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
क्षुध्र-नि व म
- ४ अक्षुध्र-त् ताम् नः तम् तम् अक्षुध्र-व म
- ५ अक्षुध्र-सीत् सिष्टाम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्टि सिष्टम्
सिष्ट्व सिष्टम्
- ६ क्षुध्र-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
क्षुध्राम्बभूव क्षुध्रामास
- ७ क्षुध्र-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ क्षुध्र-रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ क्षुध्र-ति तः न्ति सि थः थ क्षुध्र-मि
वः मः (अक्षुध्र-व म
- १० अक्षुध्र-त् ताम् नः तम् तम्

११८३ शुधंच् (शुध्र) शौचे ।

- १ शुध्र-ति तः न्ति सि थः थ शुध्र-मि वः मः
- २ शुध्र-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुध्र-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्लिदिपा-नि व म
- ४ अशुध्र-त् ताम् नः तम् तम् अशुध्र-व म
- ५ अशुध्र-सीत् सिष्टाम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्टि सिष्टम्
सिष्ट्व सिष्टम्
- ६ शुध्र-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
शुध्राम्बभूव शुध्रामास
- ७ शुध्र-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुध्र-रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुध्र-ति तः न्ति सि थः थ शुध्र-मि वः मः
(अशुध्र-व म
- १० अशुध्र-त् ताम् नः तम् तम्

११८४ कृधंच् (कृध्र) कोपे ।

- १ कृध्र-ति तः न्ति सि थः थ कृध्र-मि वः मः
- २ कृध्र-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ कृध्र-तु तात् ताम् न्तु " ताम् तम् त
कृध्र-नि व म
- ४ अकृध्र-त् ताम् नः तम् तम् अकृध्र-व म
- ५ अकृध्र-सीत् सिष्टाम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्टि सिष्टम्
कृम सिष्ट्व सिष्टम्
- ६ कृध्र-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
कृध्राम्बभूव कृध्रामास
- ७ कृध्र-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ कृध्र-रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ कृध्र-ति तः न्ति सि थः थ कृध्र-मि वः
मः (अकृध्र-व म
- १० अकृध्र-त् ताम् नः तम् तम्

११८५ पिधञ्च (सिध) संराद्धौ ।

- १ सिधित्स-ति तः न्ति सिधः थ सिधित्सा-मि वः मः
- २ सिधित्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिधित्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिधित्सा-नि व म
- ४ असिधित्स-त् ताम् नः तम् तम् असिधित्सा-व म
- ५ असिधि-षीत् सिधाम् सिधुः सीः सिधम् सिध् सिधम्
सिध्व सिध्म
- ६ सिधित्साञ्च-कार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव क्रम
सिधित्साञ्चकार सिधित्साञ्चकार
- ७ सिधित्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिधित्सिता " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिधित्सिष्य-ति तः न्ति सिधः थ सिधित्सिष्या-मि
वः मः (असिधित्सिष्या-व म
- १० असिधित्सिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

- १ ईत्से-ति तः न्ति सिधः थ ईत्सा-मि वः मः
- २ ईत्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ईत्से-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ईत्सा-नि व म
- ४ ऐत्से-त् ताम् नः तम् तम् ऐत्सा-व म
- ५ ऐत्-सीत् सिधाम् सिधुः सीः सिधम् सिध् सिधम्
सिध्व सिध्म
- ६ ईत्साञ्च-कार ईत्साञ्चकार ईत्साञ्चकार
- ७ ईत्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ईत्सिता " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ईत्सिष्य-ति तः न्ति सिधः थ ईत्सिष्या-मि वः मः
(ऐत्सिष्या-व म
- १० ऐत्सिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

११८६ ऋधञ्च (ऋध) वृद्धौ ।

- १ अर्दिधिष-ति तः न्ति सिधः थ अर्दिधिषा-मि वः मः
- २ अर्दिधिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अर्दिधिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अर्दिधिषा-णि व म
- ४ अर्दिधिष-त् ताम् नः तम् तम् अर्दिधिषा-व म
- ५ अर्दिधि-षीत् विधाम् विधुः षीः विधम् विध् विधम्
विध्व विध्म
- ६ अर्दिधिषाञ्च-कार अर्दिधिषाञ्चकार अर्दिधिषाञ्चकार
- ७ अर्दिधिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अर्दिधिषिता " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अर्दिधिषिष्य-ति तः न्ति सिधः थ अर्दिधिषिष्या-मि
वः मः (अर्दिधिषिष्या-व म
- १० अर्दिधिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

११८७ गृधञ्च (गृध) अभिकाङ्क्षायाम् ।

- १ जिगर्धिष-ति तः न्ति सिधः थ जिगर्धिषा-मि वः मः
- २ जिगर्धिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगर्धिष-तु तात् ताम् न्तु " ताम् तम् त
जिगर्धिषा-णि व म
- ४ अजिगर्धिष-त् ताम् नः तम् तम् अजिगर्धिषा-व म
- ५ अजिगर्धि-षीत् विधाम् विधुः षीः विधम् विध् विधम्
विध्व विध्म
- ६ जिगर्धिषाञ्च-कार जिगर्धिषाञ्चकार जिगर्धिषाञ्चकार
- ७ जिगर्धिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगर्धिषिता " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगर्धिषिष्य-ति तः न्ति सिधः थ जिगर्धिषिष्या-मि वः
मः (अजिगर्धिषिष्या-व म
- १० अजिगर्धिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

११८८ रधौच् (रध्) हिंसासंराद्धयोः ।

- १ रिरधिष-ति तःन्ति सि थःथ रिरधिषा-मि वः मः
- २ रिरधिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरधिष-तु तात् ताम् न्त् " तात् तम् त
रिरधिषा-णि व म
- ४ अरिरधिष-त् ताम् नः तम् त म् अरिरधिषा-व म
- ५ अरिरधि-षीत् विष्टम् सिषुः षीः विष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरधिषाञ्च-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
रिरधिषाम्बभूव रिरधिषामास
- ७ रिरधिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरधिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरधिषिष्य-ति तःन्ति सि थःथ रिरधिषिष्या-मि
वः मः (अरिरधिषिष्या-व म
- १० अरिरधिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

११८९ तृपौच् (तृप्) प्रीतो ।

- १ तितर्पिष-ति तःन्ति सि थःथ तितर्पिषा-मि वः मः
- २ तितर्पिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितर्पिष-तु तात् ताम् न्त् " ताम् तम् त
तितर्पिषा-णि व म
- ४ अतितर्पिष-त् ताम् नः तम् त म् अतितर्पिषा-व म
- ५ अतितर्पि-षीत् विष्टम् सिषुः षीः विष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तितर्पिषाम्बभू-व वतुः तुः विथ वथुः व व विव विम
तितर्पिषामास तितर्पिषाञ्चकार
- ७ तितर्पिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितर्पिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितर्पिषिष्य-ति तःन्ति सि थःथ तितर्पिषिष्या-मि वः
मः (अतितर्पिषिष्या-व म
- १० अतितर्पिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

- १ रिरित्स-ति तःन्ति सि थःथ रिरित्सा-मि वः मः
- २ रिरित्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरित्स-तु तात् ताम् न्त् " तात् तम् त
रिरित्सा-नि व म
- ४ अरिरित्स-त् ताम् नः तम् त म् अरिरित्सा-व म
- ५ अरिरित्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ रिरित्साञ्च-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
रिरित्साम्बभू रिरित्सामास
- ७ रिरित्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरित्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरित्सिष्य-ति तःन्ति सि थःथ रिरित्सिष्या-मि वः मः
(अरिरित्सिष्या-व म
- १० अरिरित्सिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

- १ तितृप्स-ति तःन्ति सि थःथ तितृप्स-मि वः मः
- २ तितृप्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितृप्स-तु तात् ताम् न्त् " तात् तम् त
तितृप्सा-नि व म
- ४ अतितृप्स-त् ताम् नः तम् त म् अतितृप्सा-व म
- ५ अतितृप्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ तितृप्साञ्च-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
तितृप्साम्बभूव तितृप्सामास
- ७ तितृप्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितृप्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितृप्सिष्य-ति तःन्ति सि थःथ तितृप्सिष्या-मि वः
मः (अतितृप्सिष्या-व म
- १० अतितृप्सिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

११९० दृषौच् (दृप्) हर्षमोहनयोः ।

- १ दिदृप्षि-ति तः न्ति सिथः थ दिदृप्षि-मि वः मः
- २ दिदृप्षि-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदृप्षि-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् तम् त
दिदृप्षि-णि व म
- ४ अदिदृप्षि-त्ताम् नः तम् तम् अदिदृप्षि-व म
- ५ अदिदृप्षि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विध्व विध्व
- ६ दिदृप्षि-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
दिदृप्षि-मि व म दिदृप्षि-मामास
- ७ दिदृप्षि-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ दिदृप्षिता- " रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदृप्षि-ति तः न्ति सिथः थ दिदृप्षि-मि वः मः
मः (अदिदृप्षि-व म
- १० अदिदृप्षि-त्ताम् नः तम् तम्

- १ दिदृप्षि-ति तः न्ति सिथः थ दिदृप्षि-मि वः मः
- २ दिदृप्षि-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदृप्षि-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् तम् त
दिदृप्षि-नि व म
- ४ अदिदृप्षि-त्ताम् नः तम् तम् अदिदृप्षि-व म
- ५ अदिदृप्षि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विध्व विध्व
- ६ दिदृप्षि-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
दिदृप्षि-मि व म दिदृप्षि-मामास
- ७ दिदृप्षि-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ दिदृप्षिता- " रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदृप्षि-ति तः न्ति सिथः थ दिदृप्षि-मि वः मः
मः (अदिदृप्षि-व म
- १० अदिदृप्षि-त्ताम् नः तम् तम्

११९१ कुपच् (कुप्) क्रोधे ।

- १ चुकोपिष-ति तः न्ति सिथः थ चुकोपिष-मि वः मः
- २ चुकोपिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकोपिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् तम् त
चुकोपिष-णि व म
- ४ अचुकोपिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुकोपिष-व म
- ५ अचुकोपि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विध्व विध्व
- ६ चुकोपिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
चुकोपिषामास चुकोपिषाञ्चकार
- ७ चुकोपिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ चुकोपिषिता- " रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकोपिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चुकोपिषिष्या-मि वः मः
मः (अचुकोपिषिष्या-व म
- १० अचुकोपिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे चुकोपि-स्थाने चुकोपि-इति ज्ञेयम्

११९२ गुपच् (गुप्) व्याकुलत्वे ।

- १ जुगोपिष-ति तः न्ति सिथः थ जुगोपिष-मि वः मः
- २ जुगोपिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुगोपिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् तम् त
जुगोपिषा-नि व म
- ४ अजुगोपिष-त्ताम् नः तम् तम् अजुगोपिषा-व म
- ५ अजुगोपि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विध्व विध्व
- ६ जुगोपिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
जुगोपिषामास जुगोपिषाञ्चकार
- ७ जुगोपिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ जुगोपिषिता- " रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगोपिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जुगोपिषिष्या-मि वः मः
मः (अजुगोपिषिष्या-व म
- १० अजुगोपिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे जुगो-स्थाने जुगि-इति ज्ञेयम्

११९३ युपच् (युप्) विमोहने ।

- १ युयोपिष-तितः न्ति सिथः थ युयोपिषा-मि वः मः
- २ युयोपिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ युयोपिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
युयोपिषा-णि व म
- ४ अयुयोपिष-त्ताम् नः तम् तम् अयुयोपिषा-व म
- ५ अयुयोपि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्व
- ६ युयोपिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थं क्रथुः क कार कर कृव कृम
युयोपिषाम्बभूव युयोपिषामास
- ७ युयोपिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ युयोपिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ युयोपिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ युयोपिषिष्या-मि
वः मः (अयुयोपिषिष्या-व म
- १० अयुयोपिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे युयो-स्थाने युयु इति ज्ञेयम्

११९४ रुपच् (रुप्) विमोहने ।

- १ रुरोपिष-तितः न्ति सिथः थ रुरोपिषा-मि वः मः
- २ रुरोपिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रुरोपिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रुरोपिषा-णि व म
- ४ अरुरोपिष-त्ताम् नः तम् तम् अरुरोपिषा-व म
- ५ अरुरोपि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्व
- ६ रुरोपिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रुरोपिषाञ्चकार रुरोपिषामास
- ७ रुरोपिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रुरोपिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रुरोपिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ रुरोपिषिष्या-मि
वः मः (अरुरोपिषिष्या-व म
- १० अरुरोपिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे रुरो-स्थाने रुरु-इति ज्ञेयम्

११९५ लुपच् (लुप्) विमोहने ।

- १ लुलोपिष-तितः न्ति सिथः थ लुलोपिषा-मि वः मः
- २ लुलोपिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लुलोपिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलोपिषा-णि व म
- ४ अलुलोपिष-त्ताम् नः तम् तम् अलुलोपिषा-व म
- ५ अलुलोपि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्व
- ६ लुलोपिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लुलोपिषामास लुलोपिषाञ्चकार
- ७ लुलोपिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलोपिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलोपिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ लुलोपिषिष्या-मि
वः मः (अलुलोपिषिष्या-व म
- १० अलुलोपिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे लुलो-स्थाने लुलु-इति ज्ञेयम्

११९६ डिपच् (डिप्) क्षेपे ।

- १ डिडेपिष-तितः न्ति सिथः थ डिडेपिषा-मि वः मः
- २ डिडेपिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ डिडेपिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
डिडेपिषा-णि व म
- ४ अडिडेपिष-त्ताम् नः तम् तम् अडिडेपिषा-व म
- ५ अडिडेपि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
षिष्व विष्व कर कृव कृम
- ६ डिडेपिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थं क्रथुः क कार
डिडेपिषाम्बभूव डिडेपिषामास
- ७ डिडेपिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ डिडेपिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ डिडेपिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ डिडेपिषिष्या-मि
वः मः (अडिडेपिषिष्या-व म
- १० अडिडेपिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

११९७ ण्पच्च (स्तप्) समुच्छाये ।

- १ तुस्तूपिप-ति तः न्ति सिथः थ तुस्तूपिपा-मि वः मः
- २ तुस्तूपिपे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुस्तूपिप-तु तात् ताम् न्तु " ताम् तम् त
तुस्तूपिपा-णि व म
- ४ अतुस्तूपिप-त् ताम् नः तम् तम् अतुस्तूपिपा-व म
- ५ अतुस्तूपि-पीत् पिष्टम् पितुः पीः पिष्टम् पिष्ट विषम्
पिष्व पिष्व
- ६ तुस्तूपिपामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तुस्तूपिपाञ्चकार तुस्तूपिपाम्बभूव
- ७ तुस्तूपिप्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ तुस्तूपिपिता-" रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुस्तूपिपिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तुस्तूपिपिष्या-मि
वः मः (अतुस्तूपिपिष्या-व म
- १० अतुस्तूपिपिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

११९८ लुभच्च (लुभ्) गाङ्ग्ये ।

- १ लुलोभिष-ति तः न्ति सि थ थ लुलोभिषा-मि वः मः
- २ लुलोभिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लुलोभिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलोभिषा-णि व म
- ४ अलुलोभिष-त् ताम् नः तम् तम् अलुलोभिषा-व म
- ५ अलुलोभि-पीत् पिष्टम् पितुः पीः पिष्टम् पिष्ट विषम्
पिष्व पिष्व
- ६ लुलोभिषाम्बभू-व वतुः वुः सिथ वथुः व व सिव सिम
लुलोभिषाञ्चकार लुलोभिषामास
- ७ लुलोभिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ लुलोभिषिता-" रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलोभिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ लुलोभिषिष्या-मि
वः मः (अलुलोभिषिष्या-व म
- १० अलुलोभिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे लुलो-स्थाने लुलु-इति ज्ञेयम्

११९९ क्षुभच्च (क्षुभ्) संचलने ।

- १ क्षुक्षोभिष-ति तः न्ति सिथः थ क्षुक्षोभिषा-मि वः मः
- २ क्षुक्षोभिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ क्षुक्षोभिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
क्षुक्षोभिषा-णि व म
- ४ अक्षुक्षोभिष-त् ताम् नः तम् तम् अक्षुक्षोभिषा-व म
- ५ अक्षुक्षोभि-पीत् पिष्टम् पितुः पीः पिष्टम् पिष्ट विषम्
पिष्व पिष्व
- ६ क्षुक्षोभिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
क्षुक्षोभिषाञ्चकार क्षुक्षोभिषाम्बभूव क्षुक्षोभिषामास
- ७ क्षुक्षोभिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ क्षुक्षोभिषिता-" रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ क्षुक्षोभिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ क्षुक्षोभिषिष्या-मि
वः मः (अक्षुक्षोभिषिष्या-व म
- १० अक्षुक्षोभिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१२०० णभच्च (नभ्) हिंसायाम् ।

- १ निनभिष-ति तः न्ति सि थ थ निनभिषा-मि वः मः
- २ निनभिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनभिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनभिषा-णि व म
- ४ अनिनभिष-त् ताम् नः तम् तम् अनिनभिषा-व म
- ५ अनिनभि-पीत् पिष्टम् पितुः पीः पिष्टम् पिष्ट विषम्
पिष्व पिष्व
- ६ निनभिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
निनभिषाञ्चकार निनभिषाम्बभूव
- ७ निनभिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ निनभिषिता-" रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनभिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ निनभिषिष्या-मि
वः मः (अनिनभिषिष्या-व म
- १० अनिनभिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१२०१ तुभच् (तुभ) हिंसायाम् ।

- १ तुतोभिष-ति तः न्ति सिथः थतुतोभिषा-मि वः मः
- २ तुतोभिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतोभिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतोभिषा-णि व म
- ४ अतुतोभिष-त् ताम् नः तम् तम् अतुतोभिषा-व म
- ५ अतुतोभि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तुतोभिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तुतोभिषाञ्चकार तुतोभिषाम्बभूव
- ७ तुतोभिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतोभिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतोभिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थतुतोभिषिष्या-मि
वः मः (अतुतोभिषिष्या-व म
- १० अतुतोभिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे तुतो-स्थाने तुतु-इति ज्ञेयम्

१२०२ नशौच् (नश्) अदर्शने ।

- १ निनशिष-ति तः न्ति सिथः थ निनशिषा-मि वः मः
- २ निनशिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनशिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनशिषा-णि व म
- ४ अनिनशिष-त् ताम् नः तम् तम् अनिनशिषा-व म
- ५ अनिनश-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ निनशिषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव कृम
निनशिषाम्बभूव निनशिषामास
- ७ निनशिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनशिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनशिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ निनशिषिष्या-मि
वः मः (अनिनशिषिष्या-व म
- १० अनिनशिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे निनशि-स्थाने निनङ्क-इति ज्ञेयम्

१२०३ चुशच् (कुश्) श्लेषणे ।

- १ चुकोशिष-ति तः न्ति सिथः थ चुकोशिषा-मि वः मः
- २ चुकोशिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकोशिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकोशिषा-णि व म
- ४ अचुकोशिष-त् ताम् नः तम् तम् अचुकोशिषा-व म
- ५ अचुकोशि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुकोशिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुकोशिषाञ्चकार चुकोशिषामास
- ७ चुकोशिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकोशिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकोशिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चुकोशिषिष्या-मि
वः मः (अचुकोशिषिष्या-व म
- १० अचुकोशिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे चुको-स्थाने चुकु इति ज्ञेयम्

१२०४ भृशच् (भृश्) अधःपतने ।

- १ बिभशिषि-ति तः न्ति सिथः थ बिभशिषिषा-मि वः मः
- २ बिभशिषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बिभशिषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बिभशिषिषा-णि व म
- ४ अबिभशिषिष-त् ताम् नः तम् तम् अबिभशिषिषा-व म
- ५ अबिभशिषि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बिभशिषिषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव कृम
बिभशिषिषाम्बभूव बिभशिषिषामास
- ७ बिभशिषिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिभशिषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिभशिषिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ बिभशिषिषिष्या-मि
वः मः (अबिभशिषिषिष्या-व म
- १० अबिभशिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१२०५ अंशुच् (अंश्) अधःपतने ।

- १ बिभ्रंशिष-ति तः न्ति सिथः थबिभ्रंशिषा-मिवः मः
- २ बिभ्रंशिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बिभ्रंशिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बिभ्रंशिषा-णि व म
- ४ अबिभ्रंशिष-त् ताम् न् : तम् तम् अबिभ्रंशिषा-व म
- ५ अबिभ्रंशि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्व विष्म
- ६ बिभ्रंशिषामा-सस्तुः सुः सिथसथुः सस सिव सिम
बिभ्रंशिषाञ्चकार बिभ्रंशिषाम्बभूव
- ७ बिभ्रंशिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिभ्रंशिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थस्मि स्वः स्मः
- ९ बिभ्रंशिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थबिभ्रंशिषिष्या-मि
वः मः (अबिभ्रंशिषिष्या-व म
- १० अबिभ्रंशिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२०६ कृशच् (कृश्) तनुत्वे ।

- १ चिकशिष-ति तः न्ति सिथः थचिकशिषा-मिवः मः
- २ चिकशिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकशिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकशिषा-णि व म
- ४ अचिकशिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकशिषा-व म
- ५ अचिकशि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्व विष्म
- ६ चिकशिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
चिकशिषाञ्चकार चिकशिषामास
- ७ चिकशिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकशिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थस्मि स्वः स्मः
- ९ चिकशिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थचिकशिषिष्या-मि
वः मः (अचिकशिषिष्या-व म
- १० अचिकशिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२०६ वृशच् (वृश्) षरणे ।

- १ विवशिष-ति तः न्ति सिथः थविवशिषा-मिवः मः
- २ विवशिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवशिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवशिषा-णि व म
- ४ अविवशिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविवशिषा-व म
- ५ अविवशि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्व विष्म
- ६ विवशिषाञ्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
विवशिषाम्बभूव विवशिषामास
- ७ विवशिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवशिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थस्मि स्वः स्मः
- ९ विवशिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थविवशिषिष्या-मि
वः मः (अविवशिषिष्या-व म
- १० अविवशिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२०८ शुषच् (शुष्) शोषणे ।

- १ शुशुक्ष-ति तन्ति सिथः थशुशुक्षा मिवः मः
- २ शुशुक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुशुक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुशुक्षा-नि व म
- ४ अशुशुक्ष-त् ताम् न् : तम् तम् अशुशुक्षा-व म
- ५ अशुशुक्ष-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्व विष्म
- ६ शुशुक्षाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
शुशुक्षाञ्चकार शुशुक्षामास
- ७ शुशुक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशुक्षिता-" रौ रः सिस्थः स्थस्मि स्वः स्मः
- ९ शुशुक्षिष्य-ति तः न्ति सिथः थशुशुक्षिष्या-मिवः मः
(अशुशुक्षिष्या व म
- १० अशुशुक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२०९ दुषञ्च (दुष्) वैकृत्ये ।

- १ दुदुक्ष-ति तः न्ति सि थः थ दुदुक्षा मि वः मः
- २ दुदुक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुदुक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दुदुक्षा-णि व म
- ४ अदुदुक्ष-त् ताम् नः तम् तम् अदुदुक्षा-व म
- ५ अदुदुक्-वीत् विष्टम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ दुदुक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दुदुक्षाञ्चकार दुदुक्षाम्बभूव
- ७ दुदुक्ष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुदुक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुदुक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुदुक्षिष्या मि वः मः
(अदुदुक्षिष्या-व म)
- १० अदुदुक्षिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१२१० श्लिषञ्च (श्लिष्) आलिङ्गने ।

- १ श्लिष-ति तः न्ति सि थः थ श्लिषा मि वः मः
- २ श्लिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ श्लिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
श्लिषा-णि व म
- ४ अश्लिष-त् ताम् नः तम् तम् अश्लिषा-व म
- ५ अश्लिक्-वीत् विष्टम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ श्लिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
श्लिषाञ्चकार श्लिषामास
- ७ श्लिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ श्लिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ श्लिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ श्लिषिष्या-मि
वः मः (अश्लिषिष्या-व म)
- १० अश्लिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१२११ छृञ्च [छृ] दाहे । छृ ५३३ वदूपाणि

१२१२ त्रितृषञ्च (तृष्) पिपासायाम् ।

- १ त्रितृष-ति तः न्ति सि थः थ त्रितृषा मि वः मः
- २ त्रितृषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ त्रितृष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
त्रितृषा-णि व म
- ४ अत्रितृष-त् ताम् नः तम् तम् अत्रितृषा-व म
- ५ अत्रितृष-वीत् विष्टम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ त्रितृषाञ्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कृष कृम
त्रितृषाम्बभूव त्रितृषामास
- ७ त्रितृष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ त्रितृषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ त्रितृषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ त्रितृषिष्या-मि
वः मः (अत्रितृषिष्या-व म)
- १० अत्रितृषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१२१३ तुषञ्च (तुष्) तुष्टौ ।

- १ तुतुक्ष-ति तः न्ति सि थः थ तुतुक्षा मि वः मः
- २ तुतुक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतुक्षा-णि व म
- ४ अतुतुक्ष-त् ताम् नः तम् तम् अतुतुक्षा-व म
- ५ अतुतुक्-वीत् विष्टम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ तुतुक्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुतुक्षाञ्चकार तुतुक्षामास
- ७ तुतुक्ष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतुक्षिष्या-मि वः मः
(अतुतुक्षिष्या-व म)
- १० अतुतुक्षिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१२१४ हृषञ्च (हृष्) तुष्टौ । हृष ५३५ वदूपाणि

१२१५ रुषञ्च (रुष्) रोषे । रुष ५१४ वदूपाणि

१२१६ प्युषच् (प्युष्) विभागे ।

- १ पुप्योषिष-ति तः न्ति सिथः थपुप्योषिषा-मि वः मः
- २ पुप्योषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुप्योषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुप्योषिषा-णि व म
- ४ अपुप्योषिष-त् ताम् नः तम् तम् अपुप्योषिषा-व म
- ५ अपुप्योषि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ पुप्योषिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पुप्योषिषाञ्चकार पुप्योषिषाम्बभूव
- ७ पुप्योषिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुप्योषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुप्योषिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थपुप्योषिषिष्या-मि
वः मः (अपुप्योषिषिष्या-व म
- १० अपुप्योषिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
- १२१७ प्युषच् [प्युस्] विभागे । प्युषच् ११७३ वदूपाणि

१२१८ पुसच् (पुस्) विभागे ।

- १ पुपोसिष-ति तः न्ति सिथः थपुपोसिषा मि वः मः
- २ पुपोसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपोसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपोसिषा-णि व म
- ४ अपुपोसिष-त् ताम् नः तम् तम् अपुपोसिषा-व म
- ५ अपुपोसि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ पुपोसिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पुपोसिषाञ्चकार पुपोसिषामास
- ७ पुपोसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपोसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपोसिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थपुपोसिषिष्या-मि
वः मः (अपुपोसिषिष्या-व म
- १० अपुपोसिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे पुपो-स्थाने पुपु-इति ज्ञेयम्

१२१९ विवसच् (विस्त्र) प्रेरणे ।

- १ विवसिष-ति तः न्ति सिथः थविवसिषा-मि वः मः
- २ विवसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवसिषा-णि व म
- ४ अविवसिष-त् ताम् नः तम् तम् अविवसिषा-व म
- ५ अविवसि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ विवसिषाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः ककार कर कृव कृम
विवसिषाम्बभूव विवसिषामास
- ७ विवसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवसिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थविवसिषिष्या-मि
वः मः (अविवसिषिष्या-व म
- १० अविवसिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१२२० कुसच् (कुस्) प्रलेषे ।

- १ चुकोसिष-ति तः न्ति सिथः थचुकोसिषा-मि वः मः
- २ चुकोसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकोसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकोसिषा-णि व म
- ४ अचुकोसिष-त् ताम् नः तम् तम् अचुकोसिषा-व म
- ५ अचुकोसि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ चुकोसिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुकोसिषाञ्चकार चुकोसिषामास
- ७ चुकोसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकोसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकोसिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थचुकोसिषिष्या-मि
वः मः (अचुकोसिषिष्या-व म
- १० अचुकोसिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे चुको-स्थाने चुकु-इति ज्ञेयम्
१२२१ असूव (अस्) क्षेपणे । असी १३२ वदूपाणि नवर्
परस्मैपदमेव

१२२२ यसूच् (यस्) प्रयत्ने ।

- १ यियसिष-ति तः न्ति सिथः थ यियसिषा-मिवः मः
- २ यियसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ यियसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
यियसिषा-णि व म
- ४ अयियसिष-त् ताम् न् : तम् तम् अयियसिषा-व म
- ५ अयियसि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ यियसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
यियसिषाञ्चकार यियसिषाम्बभूव
- ७ यियसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ यियसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ यियसिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ यियसिषिष्या-
मिवः मः (अयियसिषिष्या-व म
- १० अयियसिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२२३ जसूच् (जस्) मोक्षणे ।

- १ जिजसिष-ति तः न्ति सिथः थ जिजसिषा-मिवः मः
- २ जिजसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजसिषा-णि व म
- ४ अजिजसिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिजसिषा-व म
- ५ अजिजसि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिजसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिजसिषाञ्चकार जिजसिषाम्बभूव
- ७ जिजसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजसिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जिजसिषिष्या-
मिवः मः (अजिजसिषिष्या-व म
- १० अजिजसिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२२४ तसूच् (तस्) उपक्षये ।

- १ तितसिष-ति तः न्ति सिथः थ तितसिषा-मिवः मः
- २ तितसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितसिषा-णि व म
- ४ अतितसिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतितसिषा-व म
- ५ अतितसि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तितसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तितसिषाञ्चकार तितसिषाम्बभूव
- ७ तितसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितसिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तितसिषिष्या-मि
वः मः (अतितसिषिष्या-व म
- १० अतितसिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२२५ दसूच् (दस्) उपक्षये ।

- १ दिदसिष-ति तः न्ति सिथः थ दिदसिषा-मिवः मः
- २ दिदसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदसिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदसिषा-णि व म
- ४ अदिदसिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदिदसिषा-व म
- ५ अदिदसि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिदसिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
दिदसिषाम्बभूव दिदसिषामास
- ७ दिदसिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदसिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ दिदसिषिष्या-मि
वः मः (अदिदसिषिष्या-व म
- १० अदिदसिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२२६ वसृच् (वसृ) स्तम्भे ।

- १ विवसिष-ति तः न्ति सि थः थ विवसिषा-मि वः मः
- २ विवसिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवसिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विवसिषा-णि व म
- ४ अविवसिष-त्ताम् न् : तम् तम् अविवसिषा-व म
- ५ अविवसि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवसिषाञ्चकार विवसिषाम्बभूव
- ७ विवसिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवसिषिष्या-
मि वः मः (अविवसिषिष्या-व म
- १० अविवसिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म

१२२७ वुसृच् (वुसृ) उत्सर्गे ।

- १ वुवोसिष-ति तः न्ति सि थः थ वुवोसिषा-मि वः मः
- २ वुवोसिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ वुवोसिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
वुवोसिषा-णि व म
- ४ अवुवोसिष-त्ताम् न् : तम् तम् अवुवोसिषा-व म
- ५ अवुवोसि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ वुवोसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
वुवोसिषाञ्चकार वुवोसिषाम्बभूव
- ७ वुवोसिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ वुवोसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ वुवोसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ वुवोसिषिष्या-मि
वः मः (अवुवोसिषिष्या-व म
- १० अवुवोसिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म
पक्षे वुवो-स्थाने वुवु-इति ज्ञेयम्

१२२८ मुसृच् (मुसृ) खण्डने ।

- १ मुमोसिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमोसिषा-मि वः मः
- २ मुमोसिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमोसिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमोसिषा-णि व म
- ४ अमुमोसिष-त्ताम् न् : तम् तम् अमुमोसिषा-व म
- ५ अमुमोसि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मुमोसिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मुमोसिषाञ्चकार मुमोसिषाम्बभूव
- ७ मुमोसिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमोसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमोसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमोसिषिष्या-
मि वः मः (अमुमोसिषिष्या-व म
- १० अमुमोसिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म
पक्षे मुमो-स्थाने मुमु-इति ज्ञेयम्

१२२९ मसृच् (मसृ) परिणामे ।

- १ मिमसिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमसिषा-मि वः मः
- २ मिमसिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमसिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमसिषा-णि व म
- ४ अमिमसिष-त्ताम् न् : तम् तम् अमिमसिषा-व म
- ५ अमिमसि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमसिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ क्रथुः क वार कर कृव क्रम
मिमसिषाम्बभूव मिमसिषामास
- ७ मिमसिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमसिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमसिषिष्या-मि
वः मः (अमिमसिषिष्या-व म
- १० अमिमसिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म

१२३० शमूच् (शम्] उपशमे ।

- १ शिशमिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशमिषा-मि वः मः
- २ शिशमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशमिषा-णि व म
- ४ अशिशमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिशमिषा-व म
- ५ अशिशमि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ शिशमिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शिशमिषाश्चकार शिशमिषाम्बभूव
- ७ शिशमिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशमिषिष्या-मि
वः मः (अशिशमिषिष्या-व म
- १० अशिशमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२३१ दमूच् (दम्) उपशमे ।

- १ दिदमिष-ति तः न्ति सि थः थ दिदमिषा-मि वः मः
- २ दिदमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदमिषा-णि व म
- ४ अदिदमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदिदमिषा-व म
- ५ अदिदमि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ दिदमिषाश्च-कार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कुव कृम
दिदमिषाम्बभूव दिदमिषामास
- ७ दिदमिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदमिषिष्या-मि
वः मः (अदिदमिषिष्या-व म
- १० अदिदमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२३२ तमूच् (तम्) काङ्क्षायाम् ।

- १ तितमिष-ति तः न्ति सि थः थ तितमिषा-मि वः मः
- २ तितमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितमिषा-णि व म
- ४ अतितमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतितमिषा-व म
- ५ अतितमि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ तितमिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तितमिषाश्चकार तितमिषाम्बभूव
- ७ तितमिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितमिषिष्या-मि
वः मः (अतितमिषिष्या-व म
- १० अतितमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२३३ श्रमूच् (श्रम्) खेदतपसोः ।

- १ शिश्रमिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्रमिषा-मि वः मः
- २ शिश्रमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिश्रमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्रमिषा-णि व म
- ४ अशिश्रमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिश्रमिषा-व म
- ५ अशिश्रमि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ शिश्रमिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शिश्रमिषाश्चकार शिश्रमिषाम्बभूव
- ७ शिश्रमिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्रमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्रमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्रमिषिष्या-मि
वः मः (अशिश्रमिषिष्या-व म
- १० अशिश्रमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
- १२३४ श्रमूच् (श्रम्) अनवस्थाने । श्रम् ९७० वक्ष्याणि

१२३५ क्षमौच् (क्षम्] सहने ।

- १ चिक्षमिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षमिषा-मि वः मः
 २ चिक्षमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ चिक्षमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 चिक्षमिषा-णि व म
 ४ अचिक्षमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिक्षमिषा-व म
 ५ अचिक्षमि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ चिक्षमिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 चिक्षमिषाश्चकार चिक्षमिषाम्बभूव
 ७ चिक्षमिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चिक्षमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चिक्षमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षमिषिष्या-
 मि वः मः (अचिक्षमिषिष्या-व म
 १० अचिक्षमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

- १ चिक्षंस्-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षंसा मि वः मः
 २ चिक्षंसे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ चिक्षंस्-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 चिक्षंसा-नि व म
 ४ अचिक्षंस्-त् ताम् न् : तम् तम् अचिक्षंसा-व म
 ५ अचिक्षं-षीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
 सिष्व सिष्व
 ६ चिक्षंसाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 चिक्षंसाश्चकार चिक्षंसामास
 ७ चिक्षंस्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चिक्षंसिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चिक्षंसिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षंसिष्या-मि वः
 मः (अचिक्षंसिष्या-व म
 १० अचिक्षंसिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
 १२३६ मदौच् [मद] हर्षे । मदौ १०४८ वद्रूपाणि

११३७ कलमूच् (कलम्) ग्लानौ ।

- १ चिकलमिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकलमिषा-मि वः मः
 २ चिकलमिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ चिकलमिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 चिकलमिषा-णि व म व म
 ४ अचिकलमिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकलमिषा-
 ५ अचिकलमि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ चिकलमिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 चिकलमिषाश्चकार चिकलमिषाम्बभूव
 ७ चिकलमिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चिकलमिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चिकलमिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकलमिषिष्या-
 मि वः मः (अचिकलमिषिष्या-व म
 १० अचिकलमिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१२३८ मुहौच् (मुह्) वैचिष्ये ।

- १ मुमोहिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमोहिषा-मि वः मः
 २ मुमोहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ मुमोहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 मुमोहिषा-णि व म
 ४ अमुमोहिष-त् ताम् न् : तम् तम् अमुमोहिषा-व म
 ५ अमुमोहि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ मुमोहिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 मुमोहिषाश्चकार मुमोहिषाम्बभूव
 ७ मुमोहिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ मुमोहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ मुमोहिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमोहिषिष्या-मि
 वः मः (अमुमोहिषिष्या-व म
 १० अमुमोहिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
 पक्षे मुमोहि स्थाने मुमुहि इति मुमुक
 इति च ज्ञेयम्

१२३९ द्रुहौच (द्रुह्) जिघांसायाम् ।

१ द्रुहोहिष-ति तः न्ति सि थः थ द्रुहोहिषा-मि वः मः

२ द्रुहोहिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ द्रुहोहिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त

द्रुहोहिषा-णि व म

४ अद्रुहोहिष-त्ताम् नः तम् तम् अद्रुहोहिषा-व म

५ अद्रुहोहि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्व

६ द्रुहोहिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृ व कृम

द्रुहोहिषाम्बभूव द्रुहोहिषामास

७ द्रुहोहिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ द्रुहोहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ द्रुहोहिष्य-ति तः न्ति सि थः थ द्रुहोहिष्य-मि

वः मः (अद्रुहोहिष्य-व म

१० अद्रुहोहिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे द्रुहोहि-स्थाने द्रुहोहि इति द्रुहोहि

इति च ज्ञेयम्

१२४० ण्हौच (स्नुह्) उद्गिरणे ।

१ सुस्नोहिष-ति तः न्ति सि थः थ सुस्नोहिषा-मि वः मः

२ सुस्नोहिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ सुस्नोहिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त

सुस्नोहिषा-णि व म

४ असुस्नोहिष-त्ताम् नः तम् तम् असुस्नोहिषा-व म

५ असुस्नोहि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्व

६ सुस्नोहिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व वविव विम

सुस्नोहिषाश्चकार सुस्नोहिषामास

७ सुस्नोहिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ सुस्नोहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ सुस्नोहिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सुस्नोहिष्य-मि

वः मः (असुस्नोहिष्य-व म

१० असुस्नोहिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे सुस्नोहि-स्थाने सुस्नुहि-इति सुस्नुहि

इति च ज्ञेयम्

१२४१ ण्हौच (स्निह्) प्रीतौ ।

१ सिस्नेहिष-ति तः न्ति सि थः थ सिस्नेहिषा-मि वः मः

२ सिस्नेहिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ सिस्नेहिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त

सिस्नेहिषा-णि व म

४ असिस्नेहिष-त्ताम् नः तम् तम् असिस्नेहिषा-व म

५ असिस्नेहि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्व

६ सिस्नेहिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व वविव विम

सिस्नेहिषामास सिस्नेहिषाश्चकार

७ सिस्नेहिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ सिस्नेहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ सिस्नेहिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्नेहिष्य-मि

वः मः (असिस्नेहिष्य-व म

१० असिस्नेहिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे सिस्नेहि-स्थाने सिस्निहि-इति सिस्निहि

इति च ज्ञेयम्

१२४२ ण्हौच (सू) प्राणिप्रसवे । ण्हौच ११०७ वद्रूपाणि

१२४३ दूह्य (दू) परितापे ।

१ दूह्य-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पेषावहे पामहे

२ दूह्ये-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ दूह्य-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त

पामहे पामहे

४ अदूह्य-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पेषावहे पामहे

(पि ध्वहि धमहि

५ अदूह्यि-ष्यताम् पत पथाः पथाम् पथ्वम् पेषावहे पामहे

६ दूह्यामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम

दूह्याश्चरे दूह्याम्बभूव (यवहि महि

७ दूह्यिषी-ष्यताम् पत पथाः पथाम् पथ्वम्

८ दूह्यिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ दूह्यि-ष्यते ध्वेते ध्वन्ते ध्वसे ध्वेथे ध्वध्वे ध्वे

ध्यावहे ध्यामहे

(ध्ये ध्यावहि ध्यामहि

१० अदूह्यि-ष्यत ध्येताम् ध्वन्त ध्वथाः ध्वेथाम् ध्वध्वम्

१२४४ दीङ्च (दी) क्षये ।

- १ दिधी-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दिधीषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदी-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदिदी-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदिदीषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिदीषाम्बभू-व वतुः बुः विथ वथुः व व विव विम
दिदीषाञ्चक्रे दिदीषामास (य वहि महि
- ७ दिदीषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिदीषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदीषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिदीषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२४५ धीङ्च (धी) अनावरे ।

- १ दिधी-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
 - २ दिधीषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ दिधी-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
 - ४ अदिधी-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
 - ५ अदिधीषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
 - ६ दिधीषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे
दिधीषाम्बभूव दिधीषामास (य वहि महि
 - ७ दिधीषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ दिधीषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ दिधीषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 - १० अदिधीषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १२४६ मीङ्च [मी] हिंसायाम् । भेङ् ६०३ वद्पाणि

१२४७ रीङ्च (री) झवणे ।

- १ दिदा-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे से सावहे सामहे
- २ दिदासे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदा-षताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अदिदा-षत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदिदामि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिदासामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिदासाञ्चक्रे दिदासाम्बभूव (य वहि महि
- ७ दिदासिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिदासिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिदासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ रिरी-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे से सावहे सामहे
- २ रिरीषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रिरी-षताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अरिरी-षत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरिरीषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ रिरीषाम्बभू-व वतुः बुः विथ वथुः व व विव विम
रिरीषाञ्चक्रे रिरीषामास (य वहि महि
- ७ रिरीषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रिरीषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रिरीषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरिरीषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२४८ लीङ् (ली) प्रलेषणे ।

- १ लिली-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ लिलीषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लिली-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ अलिली-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अलिलीषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ लिलीषाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे लिलीषाम्भूष लिलीषामास (य वहि महि
- ७ लिलीषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लिलीषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिलीषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अलिलीषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम् १२४९ डीङ् (डी) गतौ । डीङ् वदूपाणि

१२५१ पीङ् (पी) पाने ।

- १ पिपी-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ पिपीषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपी-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ अपिपी-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि प्वहि
- ५ अपिपीषि-ष्ट पाताम् पन्त प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ पिपीषाम्भू-व वतुः वः विथ वथुः व व विव विमं पिपीषाञ्चके पिपीषामास (य वहि महि
- ७ पिपीषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिपीषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपीषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अपिपीषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

१२५० व्रीङ् (व्री) वरणे ।

- १ विव्री-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विव्रीषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विव्री-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ अविव्री-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि प्वहि
- ५ अविव्रीषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विव्रीषाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे विव्रीषाम्भूष विव्रीषामास (य वहि महि
- ७ विव्रीषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विव्रीषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विव्रीषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अविव्रीषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

१२५२ ईङ् (ई) गतौ ।

- १ ईषि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ ईषिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ईषि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ ऐषि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि [पि प्वहि प्वहि प्वहि
- ५ ऐषिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ ईषिषाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे ईषिषाम्भूष ईषिषामास [य वहि महि
- ७ ईषिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ईषिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ईषिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० ऐषिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

१२५३ प्रीङ्च् (प्री) प्रीतौ ।

- १ पिप्री-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ पिप्रीषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिप्री-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अपिप्री-पत पेटाम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि षमहि)
- ५ अपिप्रीषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ पिप्रीषाम्बभूव-व वतुः बुः दिथ वथुः व व विव विम
पिप्रीषाञ्चके पिप्रीषामास (य वहि महि)
- ७ पिप्रीषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पिप्रीषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिप्रीषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अपिप्रीषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२५५ सृजिच् (सृज्) विसर्गे ।

- १ सिसृक्-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिसृक्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिसृक्-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ असिसृक्-पत पेटाम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि षमहि)
- ५ असिसृक्षि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ सिसृक्षाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
सिसृक्षाम्बभूव सिसृक्षामास (य वहि महि)
- ७ सिसृक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिसृक्षिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिसृक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० असिसृक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२५४ युजिच् (युज्) समाधौ ।

- १ युयुक्-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ युयुक्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ युयुक्-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै
यावहै पामहै
- ४ अयुयुक्-पत पेटाम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि [पि प्वहि षमहि]
- ५ अयुयुक्षि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ युयुक्षाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
युयुक्षाम्बभूव युयुक्षामास [य वहि महि]
- ७ युयुक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ युयुक्षिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ युयुक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अयुयुक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२५६ वृत्तिचि (वृत्) वरणे ।

- १ विवर्ति-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवर्तिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवर्ति-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अविवर्ति-पत पेटाम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि षमहि)
- ५ अविवर्तिषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ विवर्तिषाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
विवर्तिषाम्बभूव विवर्तिषामास (य वहि महि)
- ७ विवर्तिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवर्तिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवर्तिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अविवर्तिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२५७ पदिच् (पद्) गतौ ।

- १ पिट्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ पिट्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिट्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् से सावहै सामहै
- ४ अपिट्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से सावहि सामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अपिट्सि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् ध्वम्
- ६ पिट्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम पित्साञ्चके पित्सामास (य वहि महि
- ७ पित्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पित्सिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पित्सि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपित्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२५९ खिदिच् (खिद्) दैन्ये ।

- १ चिखिट्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ चिखिट्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिखिट्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् से सावहै सामहै
- ४ अचिखिट्-स त सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से सावहि सामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अचिखिट्सि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् ध्वम्
- ६ चिखिट्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चिखित्साञ्चके चिखित्सामास (य वहि महि
- ७ चिखिट्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिखिट्सिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिखिट्सि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिखिट्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६० विदिच् (विद्) सत्तायाम् ।

- १ विविट्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ विविट्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विविट्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् से सावहै सामहै
- ४ अविविट्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से सावहि सामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अविविट्सि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् ध्वम्
- ६ विविट्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम विवित्साञ्चके विवित्साम्बभूव (य वहि महि
- ७ विवित्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विवित्सिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवित्सि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवित्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६० युधिच् (युध्) सम्प्रहारे ।

- १ युयुट्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ युयुट्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ युयुट्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् से सावहै सामहै
- ४ अयुयुट्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से सावहि सामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अयुयुट्सि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् ध्वम्
- ६ युयुट्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम युयुत्साञ्चके युयुत्साम्बभूव (य वहि महि
- ७ युयुट्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ युयुट्सिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ युयुट्सि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयुयुट्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६१ अनोरुधिच् (अनु-रुध्) कामे ।

- १ अनुरुधत्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ अनुरुधत्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अनुरुधत्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै सावहै सामहै
- ४ अन्वरुधत्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से सावहि सामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अन्वरुधत्सि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ अनुरुधत्साञ्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृढ्वे क्रे कृबहे कृमहे अनुरुधत्साम्बभूव अनुरुधत्सामास (य वहि महि
- ७ अनुरुधत्सि-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अनुरुधत्सिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अनुरुधत्सि-ष्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अन्वरुधत्सि-ष्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२६२ बुधिच् (बुध्) ज्ञाने ।

- १ बुभुत्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ बुभुत्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बुभुत्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै सावहै सामहै
- ४ अबुभुत्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से सावहि सामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अबुभुत्सि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बुभुत्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम बुभुत्साञ्चक्रे बुभुत्साम्बभूव (य वहि महि
- ७ बुभुत्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बुभुत्सिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बुभुत्सि-ष्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अबुभुत्सि-ष्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२६३ मनिच् (मन्) ज्ञाने ।

- १ मिमं-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ मिमंसे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमं-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै सावहै सामहै
- ४ अमिमं-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से सावहि सामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमंसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मिमंन्नाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम मिमंसाञ्चक्रे मिमंसामास (य वहि महि
- ७ मिमंसिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमंसिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमंसि-ष्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमिमंसि-ष्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२६४ अनिच् (अन्) प्राणने ।

- १ अनिनि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ अनिनिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अनिनि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै षावहै षामहै
- ४ आनिनि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ आनिनिषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ अनिनिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम अनिनिषाञ्चक्रे अनिनिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ अनिनिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अनिनिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अनिनिषि-ष्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० आनिनिषि-ष्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२६५ जनैचि (जन्) प्रादुर्भावे ।

- १ जिजनि-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जिजनिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिजनि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजिजनि-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अजिजनिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ जिजनिषाञ्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राये कृड्वे क्रे कृवहे कृमहे
जिजनिषाम्बभूव जिजनिषामास (य वहि महि
- ७ जिजनिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिजनिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिजनिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिजनिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६६ दीपेचि (दीप्) दीप्तौ ।

- १ दिदीपि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दिदीपिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदीपि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदिदीपि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदिदीपिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ दिदीपिषामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम
दिदीपिषाञ्चक्रे दिदीपिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ दिदीपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिदीपिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदीपिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिदीपिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६७ तपिच (तप्) ऐश्वर्ये वा ।

- १ तितप्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ तितप्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितप्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अतितप्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतितप्सि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षेथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ तितप्सामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम
तितप्साञ्चक्रे तितप्साम्बभूव (य वहि महि
- ७ तितप्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तितप्सिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तितप्सि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतितप्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६८ पूरेचि (पूर) आप्यायने ।

- १ पुपूरि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पुपूरिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पुपूरि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपुपूरि-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अपुपूरिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ पुपूरिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वधुः व व विव विम
पुपूरिषाञ्चक्रे पुपूरिषामास (य वहि महि
- ७ पुपूरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पुपूरिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पुपूरिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपुपूरिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६९ धूरेङ्च् (धूर) जरायाम् ।

- १ जुधूरि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जुधूरिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुधूरि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अजुधूरि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजुधूरिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ जुधूरिषाम्भू-क्रे काते क्रिरे कृपे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
जुधूरिषाम्भूव जुधूरिषामास (य वहि महि
- ७ जुधूरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुधूरिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुधूरिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुधूरिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२७१ धूरेङ्च् (धूर) गतौ ।

- १ दुधूरि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ दुधूरिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दुधूरि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अदुधूरि-पत पाताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अदुधूरिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ दुधूरिषाम्भू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दुधूरिषाम्भूके दुधूरिषामास (य वहि महि
- ७ दुधूरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दुधूरिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दुधूरिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदुधूरिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२७० जूरैचि (जूर) जरायाम् ।

- १ जुजूरि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जुजूरिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुजूरि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अजुजूरि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजुजूरिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ जुजूरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जुजूरिषाम्भूके जुजूरिषाम्भूव [य वहि महि
- ७ जुजूरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुजूरिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुजूरिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुजूरिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२७२ गूरैचि (गूर) गतौ ।

- १ जुगूरि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जुगूरिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुगूरि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अजुगूरि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजुगूरिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ जुगूरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जुगूरिषाम्भूके जुगूरिषाम्भूव (य वहि महि
- ७ जुगूरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुगूरिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुगूरिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुगूरिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२७३ शूरैचि (शूर) स्तम्भे ।

- १ शुश्रुरि-पते पेटे पन्ते पसे पेथे पच्चे पे पावहे पामहे
 २ शुश्रुरिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
 ३ शुश्रुरि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
 पावहै पामहै
 ४ अशुश्रुरि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
 पावहि पामहि (षि ध्वहि षमहि
 ५ अशुश्रुरिषि ष पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्रवम् ध्वम्
 ६ शुश्रुरिषाम्बभू व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 शुश्रुरिषाञ्चक्रे शुश्रुरिषामास (य वहि महि
 ७ शुश्रुरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ शुश्रुरिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ शुश्रुरिषि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
 १० अशुश्रुरिषि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१२७४ त्वरेचि (त्वर) त्वरायाम् ।

- १ तुत्तरि-पत पेते पन्ते पसे पेथे पञ्चे पे पावहे पामहे
 २ तुत्तरिषे-तयाताम् रन् थाः थाथाम् ध्वम् य वहि नहि
 ३ तुत्तरि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
 पावहै पामहै
 ४ अतुत्तरि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
 पावहि पामहि (षि व्हहि प्महि
 ५ अतुत्तरिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
 ६ तुत्तरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 तुत्तरिषाञ्चक्रे तुत्तरिषाम्बभूव (य वहि महि
 ७ तुत्तरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ तुत्तरिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वेहे स्महे
 ९ तुत्तरिषि-ष्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यते ध्येथे ध्यञ्चे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अतुत्तरिषि-ष्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२७५ चूरैनि (चूर) दाहे ।

- १ चुचूरि-षतेषेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
 २ चुचूरिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ चुचूरि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
 षावहै षामहै
 ४ अचुचूरि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
 षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
 ५ अचुचूरिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठा षाथाम् इद्वम् ध्वम्
 ६ चुचूरिषाश्च के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 चुचूरिषाम्बभूव चुचूरिषामास (य वहि महि
 ७ चुचूरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ चुचूरिषिता-” रौ रे सः साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चुचूरिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अचुचूरिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२७६ किलिशिच (किलिश) उपतापे ।

- १ चिकलेशि - षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
 २ चिकलेशि षे - त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ चिकलेशि - षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
 षावहे षामहे
 ४ अचिकलेशि - षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
 षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
 ५ अचिकलेशि षि - ष्ट षताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम्
 ६ चिकलेशि षाम्बभू - ववतु वु विथ वथुः वव विव
 चिकलेशि षाञ्चक्रे चिकलेशि षामास (यवहि.
 ७ चिकलेशि षिषी - ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ चिकलेशि षिता - " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चिकलेशि षि - ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्यै
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अचिकलेशि षि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
 पक्षे चिकलेशि स्थाने चिकिलशि - इति ज्ञेयम्

१२७७ लिङिच् (लिङ्) अल्पत्वे ।

- १ लिङिक्-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ लिङिक्-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लिङिक्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अलिङिक्-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अलिङिक्-षत षाताम् षत षथाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ लिङिक्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ७ लिङिक्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ८ लिङिक्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ९ लिङिक्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- १० अलिङिक्-षत षाताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि

१२७८ काश्चि [काश्] दीप्तौ । काश्चि ८३० वदूपाणि

१२८० शर्कोच् (शक्) मर्षणे ।

- १ शर्को-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ शर्को-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शर्को-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अशर्को-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशर्को-षत षेताम् षन्त षथाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शर्को-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ७ शर्को-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ८ शर्को-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ९ शर्को-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- १० अशर्को-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि

१२७९ वाशिच् (वाश्) शब्दे ।

- १ विवाशि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवाशि-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवाशि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अविवाशि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविवाशि-षत षेताम् षन्त षथाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विवाशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवाशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ विवाशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवाशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ८ विवाशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवाशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ९ विवाशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवाशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- १० अविवाशि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि

- १ शिश्न-ति तः न्ति सि थः थ शिश्ना-मि वः मः
- २ शिश्ने-त ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिश्न-तु ताव ताम् न्तु " ताव तम् त
शिश्ना-णि व म
- ४ अशिश्न-त ताम् न्तु : तम् तम् अशिश्ना-व म
- ५ अशिश्न-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष षिष
- ६ शिश्नाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिश्नाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ शिश्ना-त ताम् न्तु : तम् तम् अशिश्ना-व म
- ८ शिश्ना-त ताम् न्तु : तम् तम् अशिश्ना-व म
- ९ शिश्ना-त ताम् न्तु : तम् तम् अशिश्ना-व म
- १० अशिश्न-त ताम् न्तु : तम् तम् अशिश्ना-व म

१२८१ शुशोचि (शुच) पूतिभावे ।

- १ शुशोचि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ शुशोचिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शुशोचि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहे षामहे
- ४ अशुशोचि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशुशोचिषि-ष्ट षाताम् षन्त ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ शुशोचिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
शुशोचिषाश्चक्रे शुशोचिषामास (य वहि महि
- ७ शुशोचिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शुशोचिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शुशोचिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशुशोचिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे शुशो-स्थाने शुशु-इति ज्ञेयम्
परस्मैपदेतु शुष ९९ वद्गूपाणि

१२८२ रज्जीच् (रज्जू) रागे । रज्जी ८९६ वद्गूपाणि
१२८३ शर्पीच् [शप्] आक्रोशे । शर्पी ९९६ वद्गूपाणि

१२८४ मृषीच् (मृष्) तितिक्षायाम् ।

- १ मिमर्षि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमर्षिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमर्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहे षामहे
- ४ अमिमर्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमर्षिषि-ष्ट षाताम् षन्त ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ मिमर्षिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
मिमर्षिषाम्बभूष मिमर्षिषामास [य वहि महि
- ७ मिमर्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मिमर्षिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमर्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमर्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
परस्मैपदे मृषू ५२८ वद्गूपाणि ।

१२८५ णर्हीच् (नह) बन्धने ।

- १ निनट-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ निनटसे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनट-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् से
सावहे सामहे
- ४ अनिनट-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनिनटसि-ष्ट षाताम् षन्त ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ निनटसाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
नininटसाम्बभूष निनटसामास (य वहि महि
- ७ निनटसि-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ निनटसिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनटसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनिनटसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ निनटस-ति तः न्ति सि थः य निनटसा-मि वः मः
- २ निनटसे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनटस-तु तात्ताम् न्तु ” तात्ताम् त
नininटसा-नि व म
- ४ अनिनटस-त्ताम् नः तम् तम् अनिनटसा-व म
- ५ अनिनट सीत्सिष्टाम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व कर-कृम कृव
- ६ निनटसाश्च-कार क्रतुः कः कथं कथुः क कार
नininटसाम्बभूष निनटसामास
- ७ निनटस्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनटसिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनटसिष्य-तितः न्ति सि थः य निनटसिष्या-मि वः मः
(अनिनटसिष्या-व म
- १० अनिनटसिष्य-त्ताम् नः : तम् त म

इतिश्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-
विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-
विजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिरा-
यमाणान्तिपन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य
सन्नन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे
तृतीयभागे

॥ दिवादिगणः संपूर्णः ॥

१२८६ धुंगट् (सु) अभिषवे । आत्मनेपदे पूडौच् १२४२

वद्गूपाणि परस्मैपदेतु धुक् १०७८ वद्गूपाणि

१२८७ षिङ्गट् (सि) बन्धने ।

- १ सिस्ती-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ सिस्तीषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्ती-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ असिस्ती-षत षताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ असिस्तीषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ सिस्तीषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृड्वे क्रे कृवहे कृमहे
सिस्तीषाम्बभूव सिस्तीषामास (य वहि महि
- ७ सिस्तीषिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ सिस्तीषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिस्तीषि-ष्यत ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्य ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिस्तीषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ सिस्तीष-ति तः न्ति सि थः थ सिस्तीषा-मि वः मः
- २ सिस्तीषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिस्तीष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
सिस्तीषा-णि व म
- ४ असिस्तीष-त्ताम् नः तम् तम् असिस्तीषा-व म
- ५ असिस्ती-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिस्तीषाश्च-कार क्रतुः कृः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
सिस्तीषाम्बभूव सिस्तीषामास
- ७ सिस्तीष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिस्तीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिस्तीषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्तीषिष्या-मि वः
मः (असिस्तीषिष्या-व म
- १० असिस्तीषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१२८८ शिगृ (शि) निशाने ।

- १ शिशि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिशिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिशि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अशिशि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि)
- ५ अशिशिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शिशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शिशिषाश्चक्रे शिशिषाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ शिशिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ शिशिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अशिशिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१२९० चिगृ (चि) चयने ।

- १ चिची-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिचीषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिची-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अचिची-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि)
- ५ अचिचीषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चिचीषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिचीषाश्चक्रे चिचीषाम्बभूव [य वहि महि]
- ७ चिचीषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ चिचीषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिचीषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि]
- १० अचिचीषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्
पक्षे चिची-स्थाने चिकी-इति ज्ञेयम्

- १ शिशिष-ति तः न्ति सिथः थ शिशिषा-मिवः मः
- २ शिशिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशिष-तु तात्ताम् न्तु ” तात्तम् त
शिशिषा-णि व म
- ४ अशिशिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिशिषा-व म
- ५ अशिशि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्व पिष्म
- ६ शिशिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
शिशिषामास शिशिषाश्चकार
- ७ शिशिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शिशिषिष्या-मिवः
मः (अशिशिषिष्या-व म)
- १० अशिशिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
३२८९ डुमिगृ (मि) प्रक्षेपणे । परस्मैपदे मांक १०७३
वदूपाणि आत्मनेपदे तु मांक ११३७ वदूपाणि

- १ चिची-पति तः न्ति सिथः थ चिचीषा-मिवः मः
- २ चिचीषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचीष-तु तात्ताम् न्तु ” तात्तम् त
चिचीषा-णि व म
- ४ अचिचीष-त्ताम् नः तम् तम् अचिचीषा-व म
- ५ अचिची-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्व पिष्म
- ६ चिचीषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
चिचीषाश्चकार चिचीषामास
- ७ चिचीष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचीषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचीषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिचीषिष्या-मिवः
मः (अचिचीषिष्या-व म)
- १० अचिचीषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे चिची-स्थाने चिकी-इति ज्ञेयम्

१२९१ धृग् (धू) कम्पने ।

- १ दुधू-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दुधूषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दुधू-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अदुधू-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदुधूषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दुधूषाम्बभू व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
दुधूषाञ्चक्रे दुधूषामास (य वहि महि
- ७ दुधूषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दुधूषिता-'' रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दुधूषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदुधूषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२९२ स्तृग् (स्तृ) आच्छादने ।

- १ तिस्तीर्-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ तिस्तीर्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि नहि
- ३ तिस्तीर्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अतिस्तीर्-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतिस्तीर्षि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ तिस्तीर्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तिस्तीर्षाञ्चक्रे तिस्तीर्षाम्बभूष (य वहि महि
- ७ तिस्तीर्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तिस्तीर्षिता-'' रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तिस्तीर्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतिस्तीर्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ दुधूष-ति तः न्ति सिथः थ दुधूषा-मि वः मः
- २ दुधूषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुधूष-तु तात् तात् न्तु '' तात् तम् त
दुधूषा-णि व म
- ४ अदुधूष-त्ताम् नः तम् तम् अदुधूषा व म
- ५ अदुधू-षीत् षिथाम् षिथुः षीः षिथम् षिथ षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ दुधूषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
दुधूषाञ्चकार दुधूषामास
- ७ दुधूष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुधूषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुधूषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ दुधूषिष्या-मि वः मः
(अदुधूषिष्या-व म
- १० अदुधूषिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्

- १ तिस्तीर्षे-ति तः न्ति सिथः थ तिस्तीर्षा-मि वः मः
- २ तिस्तीर्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्तीर्ष-तु तात् तात् न्तु '' तात् तम् त
तिस्तीर्षा-णि व म
- ४ अतिस्तीर्षे-त्ताम् नः तम् तम् अतिस्तीर्षा-व म
- ५ अतिस्ती-र्षीत् षिथाम् षिथुः षीः षिथम् षिथ षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ तिस्तीर्षाञ्चकार क्रतुः कु कर्थ कथुः ककार कर कृव क्रम
तिस्तीर्षाम्बभूष तिस्तीर्षामास
- ७ तिस्तीर्ष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्तीर्षिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्तीर्षिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तिस्तीर्षिष्या-मि
व मः (अतिस्तीर्षिष्या-व म
- १० अतिस्तीर्षिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्

१२९४ धृगृ (धृ) धरणे ।

- १ विधरि-षतेषेतेषन्तेषसेषेथेषध्वेषे षावहे षामहे
- २ विधरिषे-तयाताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विधरि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविधरि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अविधरिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विधरिषाश्च क्रेकाते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
विधरिषाम्बभूव विधरिषामास (य वहि महि
- ७ विधरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विधरिषिता-" रौ र से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विधरिषि-ष्यतेष्येतेष्यन्तेष्यसेष्येथेष्यध्वेष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविधरिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे विधरि-स्थाने विधरी इति बुवूर
इति च ज्ञेयम्

- १ विधरिष-ति तः न्ति सि थः थ विधरिषा-मि वः मः
- २ विधरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विधरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विधरिषा-णि व म
- ४ अविधरिष-त्ताम् नः तम् तम् अविधरिषा-व म
- ५ अविधरि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विधरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विधरिषाश्चकार विधरिषामास
- ७ विधरिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विधरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विधरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विधरिषिष्या-मि
वः मः (अविधरिषिष्या-व म
- १० अविधरिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे विधरि-स्थाने विधरी इति बुवूर
इति च ज्ञेयम्

१२९५ हिट् (हि) गतिवृद्धयोः ।

- १ जिघीष-ति तः न्ति सि थः थ जिघीषा-मि वः मः
- २ जिघीषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिघीष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिघीषा-णि व म
- ४ अजिघीष-त्ताम् नः तम् तम् अजिघीषा-व म
- ५ अजिघी-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिघीषाश्च कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जिघीषाम्बभूव जिघीषामास
- ७ जिघीष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिघीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिघीषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिघीषिष्या-मि वः मः
(अजिघीषिष्या-व म
- १० अजिघीषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१२९६ ध्रुगृ (ध्रु) ध्रवणे ।

- १ शुध्रू-षतेषेतेषन्तेषसेषेथेषध्वेषे षावहे षामहे
- २ शुध्रूषे-तयाताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शुध्रू-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अशुध्रू-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अशुध्रूषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शुध्रूषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शुध्रूषाश्चक्रे शुध्रूषामास (य वहि महि
- ७ शुध्रूषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शुध्रूषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शुध्रूषि-ष्यतेष्येतेष्यन्तेष्यसेष्येथेष्यध्वेष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशुध्रूषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
१२९७ डुदृ (डु) उपतापे । डुं १२ वदूपाणि
१२९८ ष्टृ (ष्टृ) प्रीतौ । ष्टृक् ११३४ वदूपाणि
१२९९ स्मृद् [स्मृ] पालने च । स्मृ १८ वदूपाणि
१३०० शक्कृद् [शक्] व्याप्तौ । शकीच् १२८०
वदूपाणि तत्र जिज्ञासायामात्मनेपदघटितं रूपम् । न-
न्यत्र परस्मैपदघटितं रूपमिति विवेकव्यम् ।

१३०१ तिक (तिक्) हिंसायाम् ।

१ तितेकिष-ति तः न्ति सिथः थ तितेकिषा-मि वः मः

२ तितेकिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ तितेकिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितेकिषा-णि व म

४ अतितेकिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतितेकिषा-व म

५ अतितेकि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म६ तितेकिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तितेकिषाश्चकार तितेकिषामास

७ तितेकिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ तितेकिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ तितेकिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तितेकिषिष्या-मि
वः मः (अतितेकिषिष्या-व म१० अतितेकिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे तिते-स्थाने तिति-इति ज्ञेयम्

१३०२ तिग (तिग्) हिंसायाम् ।

१ तितेगिष-ति तः न्ति सिथः थ तिते गिषा-मि वः मः

२ तितेगिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ तितेगिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितेगिषा-नि व म

४ अतितेगिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतितेगिषा-व म

५ अतितेगि-षीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म६ तितेगिषाश्च-कार कतुः कु कथं कथुः क कार कर कृ कृम
तितेगिषाम्बभूव तितेगिषामास

७ तितेगिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ तितेगिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ तितेगिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तितेगिषिष्या-मि
वः मः (अतितेगिषिष्या-व म१० अतितेगिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे तिते-स्थाने तिति-इति ज्ञेयम्

१३०३ षघद (सघ्) हिंसायाम् ।

१ सिसघिष-ति तः न्ति सिथः थ सिसघिषा-मि वः मः

२ सिसघिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ सिसघिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसघिषा-णि व म

४ असिसघिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिसघिषा-व म

५ असिसघि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म६ सिसघिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसघिषाश्चकार सिसघिषामास

७ सिसघिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ सिसघिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ सिसघिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ सिसघिषिष्या-मि
वः मः (असिसघिषिष्या-व म

१० असिसघिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१३०४ राधंद् (राध्) संसिद्धौ । राधंश्
११५६ इतिवद्रूपम् ।

वधे तु—

१ रित्स-ति तः न्ति सिथः थ रित्सा-मि वः मः

२ रित्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ रित्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रित्सा-नि व म

४ अरित्स-त् ताम् न् : तम् तम् अरित्सा-व म

५ अरित्-षीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म६ रित्साश्च कार कतुः कु कथं कथुः क कार कर कृ कृम
रित्साम्बभूव रित्सामास

७ रित्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ रित्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ रित्सिष्य-ति तः न्ति सिथः थ रित्सिष्या-मि वः मः
(अरित्सिष्या-व म

१० अरित्सिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१३०५ साधद् (साध्) संसिद्धौ ।

- १ सिसात्स-ति तः न्ति सि थः थ सिसात्सा-मि वः मः
- २ सिसात्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसात्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसात्सा-नि व म
- ४ असिसात्स-त्ताम् न् : तम् तम् असिसात्सा-व म
- ५ असिसात्-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठ
- ६ सिसात्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसात्साञ्चकार सिसात्सामास
- ७ सिसात्स्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसात्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसात्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसात्सिष्या-मि
वः मः (असिसात्सिष्या-व म
- १० असिसात्सिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्
- १३०६ ऋधृट् (ऋध्) वृद्धौ । ऋधृच् ११८३ वट्टपाणि

१३०९ इम्भृद् (इम्भ्) इम्भे ।

- १ दिदम्भिष-ति तः न्ति मि थः थ दिदम्भिषा मि वः मः
- २ दिदम्भिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदम्भिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदम्भिषा-नि व म
- ४ अदिदम्भिष-त्ताम् न् : तम् तम् अदिदम्भिषा-व म
- ५ अदिदम्भि-षीत् पिष्टम् पिष्ठुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट पिष्ट
- ६ दिदम्भिषामा म सतुः सुः मिथ सथुः म म मिथ मिम
दिदम्भिषाञ्चकार दिदम्भिषाम्बभूव
- ७ दिदम्भिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदम्भिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदम्भिषिष्य-ति तः न्ति मि थः थ दिदम्भिषिष्या-मि
वः मः (अदिदम्भिषिष्या-व म
- १० अदिदम्भिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

१३०७ आप्लृट् (आप्) व्याप्तौ ।

- १ ईप्स-ति तः न्ति सि थः थ ईप्सा-मि वः मः
- २ ईप्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ईप्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ईप्सा-नि व म
- ४ ऐप्स-त्ताम् न् : तम् तम् ऐप्सा-व म
- ५ ऐप्-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठ
- ६ ईप्साञ्च-कार कतुः कु कथं कथुः कवार कर कृव कृम
ईप्साम्बभूव ईप्सामास
- ७ ईप्स्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ईप्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ईप्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ईप्सिष्या-मि वः मः
, ऐप्सिष्या-व म
- १० ऐप्सिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्
- १३०८ टृप्ठ (तृप्) ट्रीणने । तृप्ठच् ११८९ वट्टपाणि
। नवरं नितपिं पटितानि इतरहितान्येव

- १ धीप्स-ति तः न्ति मि थः थ धीप्सा-मि वः मः
- २ धीप्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ धीप्स-तु तात् तात् न्तु " तात् तम् त
धीप्सा-नि व म
- ४ अधीप्स-त्ताम् न् : तम् तम् अधीप्सा-व म
- ५ अधीप्-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठ
- ६ धीप्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
धीप्साञ्चकार धीप्सामास
- ७ धीप्स्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ धीप्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ धीप्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ धीप्सिष्या-मि वः मः
(अधीप्सिष्या-व म
- १० अधीप्सिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्
पक्षे धीप् स्थाने धिप्-इति ज्ञेयम्

१३१० कृवुट् (कृण्व) हिंसागत्यो ।

- १ चिकृण्विष-ति तः न्ति सि थः थ चिकृण्विषा-मि वः मः
- २ चिकृण्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकृण्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकृण्विषा-णि व म म
- ४ अचिकृण्विष-त् ताम् नः तम् तम् अचिकृण्विषा-व
- ५ अचिकृण्वि-पीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट विषम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ चिकृण्विषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिकृण्विषाञ्चकार चिकृण्विषाम्बभूव
- ७ चिकृण्विष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकृण्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकृण्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकृण्विषिष्या-मि
वः मः (अचिकृण्विषिष्या-व म
- १० अचिकृण्विषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म

१३१२ जिघृषाट् (धृष्) प्रागल्भ्ये ।

- १ दिधर्षिष-ति तः न्ति सि थः थ दिधर्षिषा-मि वः मः
- २ दिधर्षिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधर्षिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिधर्षिषा-णि व म
- ४ अदिधर्षिष-त् ताम् नः तम् तम् अदिधर्षिषा-व म
- ५ अदिधर्षि-पीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट विषम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ दिधर्षिषाञ्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
दिधर्षिषाम्बभूव दिधर्षिषामास
- ७ दिधर्षिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधर्षिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधर्षिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिधर्षिषिष्या-मि
वः मः (अदिधर्षिषिष्या-व म
- १० अदिधर्षिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म

१३११ धिबुट् (धिन्व) गतौ ।

- १ दिधिन्विष-ति तः न्ति सि थः थ दिधिन्विषा-मि वः मः
- २ दिधिन्विषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधिन्विष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिधिन्विषा-णि व म व म
- ४ अदिधिन्विष-त् ताम् नः तम् तम् अदिधिन्विषा-
- ५ अदिधिन्वि-पीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट विषम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ दिधिन्विषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दिधिन्विषामास दिधिन्विषाञ्चकार
- ७ दिधिन्विष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधिन्विषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधिन्विषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिधिन्विषिष्या-मि
वः मः (अदिधिन्विषिष्या-व म
- १० अदिधिन्विषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म

१३१३ श्रिघिट् (स्तिघ्) आत्कन्दने ।

- १ तिस्तेघि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्व पे पावहे पामहे
- २ तिस्तेघिषे-त् याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तिस्तेघि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पथ्वम् पे
पावहे पामहे
- ४ अतिस्तेघि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अतिस्तेघिषि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ तिस्तेघिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तिस्तेघिषाञ्चके तिस्तेघिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ तिस्तेघिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तिस्तेघिषिता-" रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तिस्तेघिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यन्ते ष्य
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतिस्तेघिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यन्त
पक्षे तिस्ते-स्थाने तिस्ति-इति ज्ञेयम्

१३१४ अशौटि (अश्) व्याप्तौ ।

- १ अशिशि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षन्वे षे षावहे षामहे
- २ अशिशिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अशिशि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षन्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ आशिशि-षत येताम् षन्त पथाः षेथाम् षन्वम् षे
षावहि षानहि (पि ष्वहि षमहि

- ५ आशिशिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इव्वम् ध्वम्
- ६ अशिशिषामा-त सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम
अशिशिषाश्च के अशिशिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ अशिशिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः याथाम् ध्वम्
- ८ अशिशिषिता-'' रौ रः से माथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अशिशिषि-ष्यत ष्येत ष्यन्त ष्यसे ष्येथे ष्यन्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आशिशिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यन्वम्

इतिश्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-
विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रहाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-
विजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसुरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरैन्दिरा-
यमाणान्तिपन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य

सन्नन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे

तृतीयभागे

॥ स्वादिगणः संपूर्णः ॥

१३१५ तुदीति (तुद्) व्यथने ।

- १ तुतुत्-सते सेते सन्ते सते सेथे सन्वे से सावहे सामहे
- २ तुतुत्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तुतुत्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सन्वम् से
सावहै सामहै
- ४ अतुतुत्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सन्वम् से
सावहि सामहि (पि ष्वहि षमहि

- ५ अतुतुत्सि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इव्वम् ध्वम्
- ६ अतुतुत्साश्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृत्से के कृवहे कृमहे
तुतुत्साम्बभूव तुतुत्सामास (य वहि महि
- ७ तुतुत्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः याथाम् ध्वम्
- ८ तुतुत्सिता-'' रौ रः से माथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तुतुत्सि-ष्यत ष्येत ष्यन्त ष्यसे ष्येथे ष्यन्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतुतुत्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यन्वम्

(३४०) ॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० तृतीयभागे सन्नन्तप्रक्रिया ॥

- १ तुतुत्स-ति तः न्ति सिथः थ तुतुत्सा-मि वः मः
- २ तुतुत्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतुत्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतुत्सा-नि व म
- ४ अतुतुत्स-त्ताम् नः तम् तम् अतुतुत्सा व म
- ५ अतुतुत्स-सीत् सिष्टम् सिषुः सी सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ तुतुत्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुतुत्साश्चकार तुतुत्सामास
- ७ तुतुत्स्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुत्सिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तुतुत्सिष्या-मि वः मः
(अतुतुत्सिष्या-व म
- १ अतुतुत्सिष्य-त्ताम् नः : तम् त म

- १ विभ्रज्जिष-ति तः न्ति सिथः थ विभ्रज्जिषा-मि वः मः
- २ विभ्रज्जिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विभ्रज्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विभ्रज्जिषा-णि व म
- ४ अविभ्रज्जिष-त्ताम् नः तम् तम् अविभ्रज्जिषा-व म
- ५ अविभ्रज्जिष-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
कृम पिष्व पिष्व
- ६ विभ्रज्जिषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
विभ्रज्जिषाम्बभूव विभ्रज्जिषामास
- ७ विभ्रज्जिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विभ्रज्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विभ्रज्जिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ विभ्रज्जिषिष्या-मि वः मः
(अविभ्रज्जिषिष्या-व म
- १० अविभ्रज्जिषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म
पक्षे विभ्रज्जि-स्थाने विभ्रज्जि इति विभ्रक्
इति विभ्रक् इति च ज्ञेयम्

१३१६ अस्जोत् (अस्ज्) पाके ।

- १ विभ्रज्जि-पतेपेते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विभ्रज्जिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विभ्रज्जि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अविभ्रज्जि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि प्महि
- ५ अविभ्रज्जिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठा पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विभ्रज्जिषाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे
विभ्रज्जिषाम्बभूव विभ्रज्जिषामास (य वहि महि
- ७ विभ्रज्जिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विभ्रज्जिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विभ्रज्जिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्य
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविभ्रज्जिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे विभ्रज्जि-स्थाने विभ्रज्जि इति विभ्रक् इति
विभ्रक् इति च ज्ञेयम्

१३१७ क्षिपीं (क्षिप्) प्रेरणे ।

- १ चिक्षिप्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ चिक्षिप्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिक्षिप्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अचिक्षिप्-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (पि ध्वहि प्महि
- ५ अचिक्षिप्सि-ष्ट पाताम् पत ष्ठा पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिक्षिप्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिक्षिप्साश्चके चिक्षिप्साम्बभूव (य वहि महि
- ७ चिक्षिप्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिक्षिप्सिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्षिप्सि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्य
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिक्षिप्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे चिक्षिप्-स्थाने चिक्षिप् इति विभ्रक् इति
विभ्रक् इति च ज्ञेयम्

१३१८ दिशीन् (दिश्) अतिसर्जने ।

- १ दिदिक्-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ दिदिक्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदिक्-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अदिदिक्-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अदिदिक्षि-ष्ट पाताम् पन्त ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ दिदिक्षाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
दिदिक्षाम्बभू दिदिक्षामास (य वहि महि
- ७ दिदिक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिदिक्षिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदिक्षि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिदिक्षि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

- १ दिदिक्ष-ति तः न्ति सिथः यदिदिक्षा-मि वः मः
- २ दिदिक्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदिक्ष-तु तात्ताम् न्तु ” तात् तम् त
दिदिक्षा-णि व म
- ४ अदिदिक्ष-त्ताम् नः तम् तम् अदिदिक्षा-व म
- ५ अदिदिक् षीत् षिष्ठाम् षिठुः षीः षिष्ठम् षिष्ठ षिष्ठम्
षिष्ठ षिष्ठ कर-कम् क्व
- ६ दिदिक्षाम्बभू-कार क्तुः कः कर्थ कथुः क कार
दिदिक्षाम्बभूय दिदिक्षामास
- ७ दिदिक्ष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सत् स्व स्म
- ८ दिदिक्षिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ दिदिक्षिष्य-ति तः न्ति सिथः यदिदिक्षिष्या-मि वः मः
(अदिदिक्षिष्या-व म
- १० अदिदिक्षिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१३१९ कृषीन् (कृष्) विलेखने ।

- १ चिकृक्-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ चिकृक्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकृक्-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अचिकृक्-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि [पि प्वहि प्वहि
- ५ अचिकृक्षि-ष्ट पाताम् पन्त ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ चिकृक्षाम्बभू-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के क्वहे क्वमहे
चिकृक्षाम्बभूव चिकृक्षामास [य वहि महि
- ७ चिकृक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिकृक्षिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकृक्षि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकृक्षि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्
पक्षे कृष् ५०३ वदपाणि

१३२० मुच्छन्ती (मुच) मोक्षणे ।

- १ मुमुक्-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ मुमुक्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मुमुक्-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अमुमुक्-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अमुमुक्षि-ष्ट पाताम् पन्त ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ मुमुक्षाम्बभू-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के क्वहे क्वमहे
मुमुक्षाम्बभूव मुमुक्षामास (य वहि महि
- ७ मुमुक्षि-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मुमुक्षिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मुमुक्षि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमुमुक्षि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्
पक्षे मुमु-स्थाने मो-इति ज्ञेयम्

- १ मुमुक्ष-ति तः न्ति सि थः थ मुमुक्षा-मि वः मः
- २ मुमुक्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमुक्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
मुमुक्षा-णि व म
- ४ अमुमुक्ष-त्ताम् नः तम् तम् अमुमुक्षा-व म
- ५ अमुमुक्-षीत्षिष्टाम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मुमुक्षाम्बभू-व वतुः दुः विथ वधुः व व विव विम
मुमुक्षामास मुमुक्षाञ्कार
- ७ मुमुक्ष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमुक्षिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमुक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमुक्षिष्या-मि वः मः
(अमुमुक्षिष्या-व म

- १० अमुमुक्षिष्य-त्ताम् नः तम् त म
पक्षे मुमु-स्थाने मो-इति ज्ञेयम्
अत्राय विवेकः—कर्मकर्तृकस्य सन्नन्तमुच्चातोः मोक्षते
'मुमुक्षते' इति रूपद्वयं भवति, अविवक्षितकर्मकाद् मुच्चातोः सनि 'फलवति कर्तरि' 'मोक्षते-मुमुक्षते' तद्वि-
न्ने कर्तरि 'मुमुक्षति' इति रूपम् सकर्मकाद् मुच्चातोः
सनि 'फलवति कर्तरि' 'मुमुक्षते' 'तद्विन्नकर्तरि' 'मुमु-
क्षति-इति रूपमिति.

१३२१ विचिंत (सिच्) क्षरणे ।

- १ सिचिक्-षते षेते षन्ते षते षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ सिचिक्से-त्ताताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिचिक्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहे षामहे
- ४ असिचिक्-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ असिचिक्षि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् षध्वम् ष्वम्
- ६ सिचिक्षामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम
सिचिक्षाञ्चके सिचिक्षाम्बभूव [य वहि महि
- ७ सिचिक्षिषो-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिचिक्षिता-" रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिचिक्षि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्य
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिचिक्षि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्याः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ सिचिक्-ति तः न्ति सि थः थ सिचिक्षा-मि वः मः
- २ सिचिक्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिचिक्-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
सिचिक्षा-णि व म
- ४ असिचिक्-त्ताम् नः तम् तम् असिचिक्षा-व म
- ५ असिचिक्-षीत्षिष्टाम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिचिक्षाम्बभू-व वतुः कु कथं कथुः क कार कर कृव कृम
सिचिक्षाम्बभूव सिचिक्षामास
- ७ सिचिक्ष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिचिक्षिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिचिक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिचिक्षिष्या-मि वः
मः (असिचिक्षिष्या-व म
- १० असिचिक्षिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१३२२ विदृष्टंती (विद्) लाभे ।

- १ विदित्स-ति तः न्ति सि थः थ विदित्सा-मि वः मः
- २ विदित्से-त्ताताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विदित्स-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
विदित्सा-नि व म
- ४ अविदित्स-त्ताताम् नः तम् तम् अविदित्सा-व म
- ५ अविदित्स-सीत्सिष्टाम् सिषु सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ विदित्साम्बभू-व वतुः दुः विथ वधुः व व विव विम
विदित्साञ्कार विदित्सामास
- ७ विदित्स्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विदित्सिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विदित्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विदित्सिष्या-मि
वः मः (अविदित्सिष्या-व म
- १० अविदित्सिष्य-त्ताताम् नः तम् त म
आत्मनेपदेतु विदिंश्च १२५८ वृत्ताणि

१३२३ लुलृती (लृण) छेदने ।

- १ लुलृप्स-ति तः न्ति सि थः थ लुलृप्सा-मि वः मः
- २ लुलृप्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लुलृप्स-तु तात् तात् न्तु " तात् तम् त
लुलृप्सा-णि व म
- ४ अलुलृप्स-त्ताम् न् : तम् तम् अलुलृप्सा व म
- ५ अलुलृप्-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठम्
- ६ लुलृप्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लुलृप्साञ्चकार लुलृप्सामास
- ७ लुलृप्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलृप्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलृप्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलृप्सिष्या-मि वः मः
(अलुलृप्सिष्या-व म
- १० अलुलृप्सिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

- १ लुलृप्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ लुलृप्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लुलृप्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व मेथाम् सध्वम् मे
सावहे सामहे
- ४ अलुलृप्-सत सेताम् सन्त सथाः मेथाम् सध्वम् मे
सावहि सामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अलुलृप्सि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ लुलृप्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लुलृप्साञ्चक्रे लुलृप्सामास (य वहि महि
- ७ लुलृप्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लुलृप्सिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लुलृप्सि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलुलृप्सि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१३२४ लिर्पीत् (लिप्) उपदेहे ।

- १ लिर्लिप्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ लिर्लिप्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिर्लिप्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व मेथाम् सध्वम् मे
सावहे सामहे
- ४ अलिर्लिप्-सत सेताम् सन्त सथाः मेथाम् सध्वम् मे
सावहि सामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अलिर्लिप्सि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ लिर्लिप्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लिर्लिप्साञ्चक्रे लिर्लिप्साम्बभूष (य वहि महि
- ७ लिर्लिप्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लिर्लिप्सिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिर्लिप्सि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलिर्लिप्सि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

- १ लिर्लिप्-ति तः न्ति सि थः थ लिर्लिप्सा-मि वः मः
- २ लिर्लिप्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिर्लिप्-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिर्लिप्सा-णि व म
- ४ अलिर्लिप्-त्ताम् न् : तम् तम् अलिर्लिप्सा-व म
- ५ अलिर्लिप्-सीत् सिष्टम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिष्ठ सिष्ठम्
- ६ लिर्लिप्साञ्च-कार कतुः कु कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
लिर्लिप्साम्बभूव लिर्लिप्सामास
- ७ लिर्लिप्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिर्लिप्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिर्लिप्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिर्लिप्सिष्या-मि
व मः (अलिर्लिप्सिष्या-व म
- १० अलिर्लिप्सिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

१३२५ कृतेत् (कृत्) छेदने ।

- १ चिकृतिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकृतिषा-मि वः मः
 २ चिकृतिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ चिकृतिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 चिकृतिषा-णि व म
 ४ अचिकृतिष-त् ताम् न्तु : तम् त म् अचिकृतिषा-व म
 ५ अचिकृति-षीत् सिष्टम् सिष्टुः षीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
 सिष्टव सिष्टम्
 ६ चिकृतिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 चिकृतिषाञ्चकार चिकृतिषाम्बभूव
 ७ चिकृतिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चिकृतिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चिकृतिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकृतिषिष्या-मि
 वः मः (अचिकृतिषिष्या व म
 १० अचिकृतिषिष्य-त् ताम् न्तु : तम् त म्

१३२६ खिदत् (खिद्) परिघाते ।

- १ चिखित्स-ति तः न्ति सि थः थ चिखित्सा-मि वः मः
 २ चिखित्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ चिखित्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 चिखित्सा-नि व म
 ४ अचिखित्स-त् ताम् न्तु : तम् त म् अचिखित्सा-व म
 ५ अचिखित्-सीत् सिष्टम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
 सिष्टव सिष्टम्
 ६ चिखित्साञ्च-कार कतुः कृः कर्थ क्रथुः ककार कर कृव क्रम
 चिखित्साम्बभूव चिखित्सामास
 ७ चिखित्स्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चिखित्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चिखित्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखित्सिष्या-मि
 वः मः (अचिखित्सिष्या-व म
 १० अचिखित्सिष्य-त् ताम् न्तु : तम् त म्

१३२७ पिशत् (पिश्र) अवयवे ।

- १ चिकृत्स-ति तः न्ति सि थः थ चिकृत्सा-मि वः मः
 २ चिकृत्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ चिकृत्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 चिकृत्सा-नि व म
 ४ अचिकृत्स-त् ताम् न्तु : तम् त म् अचिकृत्सा-व म
 ५ अचिकृत्-सीत् सिष्टम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
 सिष्टव सिष्टम्
 ६ चिकृत्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 चिकृत्साञ्चकार चिकृत्सामास
 ७ चिकृत्स्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चिकृत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चिकृत्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकृत्सिष्या-मि
 वः मः (अचिकृत्सिष्या व म
 १० अचिकृत्सिष्य-त् ताम् न्तु : तम् त म्

- १ पिपेशिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपेशिषा-मि वः मः
 २ पिपेशिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ पिपेशिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 पिपेशिषा-णि व म
 ४ अपिपेशिष-त् ताम् न्तु : तम् त म् अपिपेशिषा-व म
 ५ अपिपेशि-षीत् सिष्टम् सिष्टुः षीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
 सिष्टव सिष्टम्
 ६ पिपेशिषाञ्च-कार कतुः कृः कर्थ क्रथुः ककार कर कृव क्रम
 पिपेशिषाम्बभूव पिपेशिषामास
 ७ पिपेशिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ पिपेशिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ पिपेशिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपेशिषिष्या-मि
 वः मः (अपिपेशिषिष्या-व म
 १० अपिपेशिषिष्य-त् ताम् न्तु : तम् त म्
 पक्षे पिपे-स्याने पिपि-इति ज्ञेयम्

१३२८ रिन् (रि) गतौ ।

- १ रिरीष-तितः न्ति सि थः थ रिरीषा-मि वः मः
- २ रिरीषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरीष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरीषा-णि व म
- ४ अरिरीष-त् ताम् न् : तम् त म् अरिरीषा-व म
- ५ अरिरी-षीत् बिष्टम् बिषुः षीः बिष्टम् बिष्ट बिषम्
बिष्व बिष्म
- ६ रिगीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रिरीषाञ्चकार रिरीषामास
- ७ रिरीष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरीषिष्य-तितः न्ति सि थः थ रिरीषिष्या-मि वः मः
(अरिरीषिष्या-व म
- १० अरिरीषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३२९ पिन् (पि) गतौ ।

- १ पिपीष-तितः न्ति सि थः थ पिपीषा-मि वः मः
- २ पिपीषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपीष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपीषा-णि व म
- ४ अपिपीष-त् ताम् न् : तम् त म् अपिपीषा-व म
- ५ अपिपी-षीत् बिष्टम् बिषुः षीः बिष्टम् बिष्ट बिषम्
बिष्व बिष्म
- ६ पिपीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपीषाञ्चकार पिपीषामास
- ७ पिपीष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपीषिष्य-तितः न्ति सि थः थ पिपीषिष्या-मि वः मः
(अपिपीषिष्या-व म
- १० अपिपीषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३३० धिन् (धि) धारणे ।

- १ दिधीष-तितः न्ति सि थः थ दिधीषा-मि वः मः
- २ दिधीषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधीष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिधीषा-णि व म
- ४ अदिधीष-त् ताम् न् : तम् त म् अदिधीषा-व म
- ५ अदिधी-षीत् बिष्टम् बिषुः षीः बिष्टम् बिष्ट बिषम्
बिष्व बिष्म कर कृम् कृव
- ६ दिधीषाञ्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
दिधीषाम्बभूय दिधीषामास
- ७ दिधीष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधीषिष्य-तितः न्ति सि थः थ दिधीषिष्या-मि वः मः
(अदिधीषिष्या-व म
- १० अदिधीषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
- १३३१ क्षिन् (क्षि) निवासगत्योः । क्षि १० वृद्धपाणि
१३३२ मृन् (मृ) प्रेरणे । मृ १७ वृद्धपाणि

१३३३ मृन् (मृ) प्राणत्यागे ।

- १ मुमृषे-तितः न्ति सि थः थ मुमृषा-मि वः मः
- २ मुमृषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमृष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमृषा-णि व म
- ४ अमुमृष-त् ताम् न् : तम् त म् अमुमृषा-व म
- ५ अमुमृ-षीत् बिष्टम् बिषुः षीः बिष्टम् बिष्ट बिषम्
बिष्व बिष्म
- ६ मुमृषाञ्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
मुमृषाम्बभूय मुमृषामास
- ७ मुमृष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमृषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमृषिष्य-तितः न्ति सि थः थ मुमृषिष्या-मि वः मः
(अमुमृषिष्या-व म
- १० अमुमृषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३३४ कृत् (कृ) विक्षेपे ।

- १ चिकरीष-ति तः न्ति सिथः थ चिकरीषा-मिवः मः
- २ चिकरीषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकरीष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकरीषा-णि व म
- ४ अचिकरीष-त ताम् नः तम् त म् अचिकरीषा-व म
- ५ अचिकरी-पीत पिशम पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ चिकरीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिकरीषाश्चकार चिकरीषाम्बभूव
- ७ चिकरीष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकरीषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकरीषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिकरीषिष्या-मि
वः मः (अचिकरीषिष्या-व म
- १० अचिकरीषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्ष करी-स्थाने करि-इति ज्ञेयम्

१३३५ लिखत् (लिख्) अक्षरविन्यासे ।

- १ लिलेखिष-ति तः न्ति सिथः थ लिलेखिषा-मिवः मः
- २ लिलेखिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलेखिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलेखिषा-णि व म
- ४ अलिलेखिष-त् ताम् नः तम् त म् अलिलेखिषा-व म
- ५ अलिलेखि-पीत पिशम पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ लिलेखिषाश्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
लिलेखिषाम्बभूव लिलेखिषामास
- ७ लिलेखिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलेखिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलेखिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ लिलेखिषिष्या-मि
वः मः (अलिलेखिषिष्या-व म
- १० अलिलेखिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्ष लिखे-स्थाने लिखि-इति ज्ञेयम्

१३३६ गृत् (गृ) निगरणे ।

- १ जिगरीष-ति तः न्ति सिथः थ जिगरीषा-मिवः मः
- २ जिगरीषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगरीष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगरीषा-णि व म
- ४ अजिगरीष-त् ताम् नः तम् त म् अजिगरीषा-व म
- ५ अजिगरी-पीत पिशम पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ जिगरीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिगरीषाश्चकार जिगरीषामास
- ७ जिगरीष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगरीषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगरीषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जिगरीषिष्या-मि
वः मः (अजिगरीषिष्या-व म
- १० अजिगरीषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्ष जिगरी-स्थाने जिगरी-इति ज्ञेयम्

१३३७ जर्चत् (जर्च) परिभाषणे ।

- १ जिजर्चिष-ति तः न्ति सिथः थ जिजर्चिषा-मिवः मः
- २ जिजर्चिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजर्चिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजर्चिषा-णि व म
- ४ अजिजर्चिष-त् ताम् नः तम् त म् अजिजर्चिषा-व म
- ५ अजिजर्चि-पीत पिशम पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ जिजर्चिषाश्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
जिजर्चिषाम्बभूव जिजर्चिषामास
- ७ जिजर्चिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजर्चिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजर्चिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जिजर्चिषिष्या-मि
वः मः (अजिजर्चिषिष्या-व म
- १० अजिजर्चिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१३८ झर्चत् (झर्च्) परिभाषणे ।

- १ जिझर्चिष-ति तः न्ति सि थः थ जिझर्चिषा-मि वः मः
- २ जिझर्चिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिझर्चिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिझर्चिषा-णि व म
- ४ अजिझर्चिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिझर्चिषा-व म
- ५ अजिझर्चि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ जिझर्चिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिझर्चिषाश्चकार जिझर्चिषामास
- ७ जिझर्चिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिझर्चिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिझर्चिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिझर्चिषिष्या-
मि वः मः (अजिझर्चिषिष्या-व म
- १० अजिझर्चिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१३४१ ओवस्वौत् (वश्) छेदने ।

- १ विव्रश्चिष-ति तः न्ति सि थः थ विव्रश्चिषा-मि वः मः
- २ विव्रश्चिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विव्रश्चिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विव्रश्चिषा-णि व म
- ४ अविव्रश्चिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविव्रश्चिषा-व म
- ५ अविव्रश्चि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ विव्रश्चिषाश्च कार कतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
विव्रश्चिषाम्बभूव विव्रश्चिषामास
- ७ विव्रश्चिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विव्रश्चिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विव्रश्चिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विव्रश्चिषिष्या-मि
वः मः (अविव्रश्चिषिष्या-व म
- १० अविव्रश्चिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे विव्रश्चि स्थाने विव्रक् इति ज्ञेयम्

१३३९ त्वचत् (त्वच्) संबरणे ।

- १ तित्वचिष-ति तः न्ति सि थः थ तित्वचिषा-मि वः मः
- २ तित्वचिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तित्वचिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तित्वचिषा-णि व म
- ४ अतित्वचिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतित्वचिषा-व म
- ५ अतित्वचि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म
- ६ तित्वचिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तित्वचिषाश्चकार तित्वचिषामास
- ७ तित्वचिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तित्वचिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तित्वचिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तित्वचिषिष्या-
मि वः मः (अतित्वचिषिष्या-व म
- १० अतित्वचिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१३४० कृचत् (कृच्) स्तुतौ । अर्थ १०४ वदपाणि

- १३४२ कृछत् (कृछ्) इन्द्रियप्रलयमूर्तिभावयोः ।
- १ कृचिच्छिष-ति तः न्ति सि थः थ कृचिच्छिषा-मि वः मः
- २ कृचिच्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ कृचिच्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
कृचिच्छिषा-णि व म
- ४ आचिच्छिष-त् ताम् न् : तम् तम् आचिच्छिषा-व म
- ५ आचिच्छि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्म कर-कृम कृव
- ६ कृचिच्छिषाश्च-कार कतुः कृः कर्थ कथुः क कार
कृचिच्छिषाम्बभूय कृचिच्छिषामास
- ७ कृचिच्छिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ कृचिच्छिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ कृचिच्छिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ कृचिच्छिषि
ष्या-मि वः मः (आचिच्छिषिष्या-व म
- १० आचिच्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१३४३ विच्छत् (विच्छ) गतौ ।

१ विविच्छिष-ति तः न्तिसिथः थविविच्छिषा-मिवःमः

२ विविच्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ विविच्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

विच्छिषा-णि व म

व म

४ अविविच्छिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविविच्छिषा-

५ अविविच्छि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्म

६ विविच्छिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

विविच्छिषाञ्चकार विविच्छिषाम्बभूव

७ विविच्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ विविच्छिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ विविच्छिषिष्य-ति तः न्तिसिथः थविविच्छिषि-

ष्या-मिवः मः

(अविविच्छिषिष्या व म

१० अविविच्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

पक्षे विविच्छि-स्थाने विविच्छाथि-इति ज्ञेयम्

१३४४ मिच्छत् (मिच्छ) उत्कलेशे ।

१ मिमिच्छिष-ति तः न्तिसिथः थमिमिच्छिषा-मिवःमः

२ मिमिच्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ मिमिच्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

मिमिच्छिषा-णि व म

व म

४ ममिमिच्छिष-त् ताम् न् : तम् त म् अमिमिच्छिषा-

५ अमिमिच्छि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

कृम

षिष्व षिष्म

६ मिमिच्छिषाञ्च-कार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव

मिमिच्छिषाम्बभूव मिमिच्छिषामास

७ मिमिच्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ मिमिच्छिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ मिमिच्छिषिष्य-ति तः न्तिसिथः थमिमिच्छिषिष्या

मिवः मः

(अमिमिच्छिषिष्या-व म

१० अमिमिच्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३४५ उच्छत् (उच्छ) विधासे ।

१ उचिच्छिष-ति तः न्तिसिथः थउचिच्छिषा-मिवःमः

२ उचिच्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ उचिच्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

उचिच्छिषा-णि व म

४ औचिच्छिष-त् ताम् न् : तम् त म् औचिच्छिषा-व म

५ औचिच्छि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

षिष्व षिष्म

६ उचिच्छिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

उचिच्छिषाञ्चकार उचिच्छिषामास

७ उचिच्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ उचिच्छिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ उचिच्छिषिष्य-ति तः न्तिसिथः थउचिच्छिषिष्या

मिवः मः

(औचिच्छिषिष्या व म

१० औचिच्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३४६ उच्छत् (उच्छ) उच्छे ।

१ उच्छिच्छिष-ति तः न्तिसिथः थउच्छिच्छिषा-मिवःमः

२ उच्छिच्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ उच्छिच्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

उच्छिच्छिषा-णि व म

४ औच्छिच्छिष-त् ताम् न् : तम् त म् औच्छिच्छिषा-व म

५ औच्छिच्छि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्

कृम

षिष्व षिष्म

६ उच्छिच्छिषाञ्च-कार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव

उच्छिच्छिषाम्बभूव उच्छिच्छिषामास

७ उच्छिच्छिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ उच्छिच्छिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ उच्छिच्छिषिष्य-ति तः न्तिसिथः थउच्छिच्छिषिष्या

मिवः मः

(औच्छिच्छिषिष्या-व म

१० औच्छिच्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३४७ प्रछत् (प्रच्छ) क्षीप्तायाम् ।

- १ पिपृच्छिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपृच्छिषा-मिवः मः
- २ पिपृच्छिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपृच्छिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपृच्छिषा-णि व म
- ४ अपिपृच्छिष-त्ताम् न् : तम् तम् अपिपृच्छिषा-व म
- ५ अपिपृच्छिष-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ पिपृच्छिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपृच्छिषाश्चकार पिपृच्छिषामास
- ७ पिपृच्छिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपृच्छिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपृच्छिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपृच्छिषिष्या-मिवः मः
(अपिपृच्छिषिष्या-व म
- १० अपिपृच्छिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

१३४९ सृजत् (सृज्) विसर्गे ।

- १ सिसृक्ष-ति तः न्ति सि थः थ सिसृक्षा-मिवः मः
 - २ सिसृक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 - ३ सिसृक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसृक्षा-णि व म
 - ४ असिसृक्ष-त्ताम् न् : तम् तम् असिसृक्षा-व म
 - ५ असिसृक्ष-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
 - ६ सिसृक्षामा स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
सिसृक्षाश्चकार सिसृक्षाम्बभूव
 - ७ सिसृक्ष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 - ८ सिसृक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 - ९ सिसृक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसृक्षिष्या-मिवः मः
(असिसृक्षिष्या-व म
 - १० असिसृक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् त म
- १३५० रुजोत् (रुज्) भङ्गे । रुहं ९८८ वृक्षाणि

१३४८ उब्जत् (उब्ज्) आजर्गे ।

- १ उब्जिजिष-ति तः न्ति सि थः थ उब्जिजिषा-मिवः मः
- २ उब्जिजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ उब्जिजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
उब्जिजिषा-णि व म
- ४ औब्जिजिष-त्ताम् न् : तम् तम् औब्जिजिषा-व म
- ५ औब्जिजि-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ उब्जिजिषाश्चकार कतुः कु कर्थकथुः ककार कर कृवक्रम
उब्जिजिषाम्बभूव उब्जिजिषामास
- ७ उब्जिजिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ उब्जिजिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ उब्जिजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ उब्जिजिषिष्या-मिवः मः
(औब्जिजिषिष्या-व म
- १० औब्जिजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

१३५१ भुजोत् (भुज्) कौटिल्ये ।

- १ बुभुक्ष-ति तः न्ति सि थः थ बुभुक्षा-मिवः मः
- २ बुभुक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बुभुक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बुभुक्षा-णि व म
- ४ अबुभुक्ष-त्ताम् न् : तम् तम् अबुभुक्षा-व म
- ५ अबुभुक्ष-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ बुभुक्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बुभुक्षाश्चकार बुभुक्षामास
- ७ बुभुक्ष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बुभुक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बुभुक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बुभुक्षिष्या-मिवः मः
(अबुभुक्षिष्या-व म
- १० अबुभुक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

१३५२ दुमस्त्रोत (मस्त्र) शुद्धौ ।

- १ मिमङ्क्ष-ति तः न्ति सि थः थ मिमङ्क्षा-मि वः मः
- २ मिमङ्क्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमङ्क्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमङ्क्षा-णि व म
- ४ अमिमङ्क्ष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमङ्क्षा-व म
- ५ अमिमङ्क्ष-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ मिमङ्क्षाश्च-कार क्तुः कुः कर्त्तुः क कार कर कृक्कम्
मिमङ्क्षाम्बभूव मिमङ्क्षामास
- ७ मिमङ्क्ष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमङ्क्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
मिमङ्क्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमङ्क्षिष्या-मि वः मः
(अमिमङ्क्षिष्या-व म
- ९ अमिमङ्क्षिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१३५४ झझत् (झझ) परिभाषणे ।

- १ जिझझिष-ति तः न्ति सि थः थ जिझझिषा-मि वः मः
- २ जिझझिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिझझिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिझझिषा-णि व म
- ४ अजिझझिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिझझिषा-व म
- ५ अजिझझि-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ जिझझिषामा-स सतुः सुः सि थः सतुः स स सि व सि म
जिझझिषाश्चकार जिझझिषाम्बभूव
- ७ जिझझिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिझझिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
जिझझिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिझझिषिष्या-मि
वः मः (अजिझझिषिष्या-व म
- ९ अजिझझिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१३५३ जर्जत् (जर्ज) परिभाषणे ।

- १ जिजर्जिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजर्जिषा-मि वः मः
- २ जिजर्जिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिजर्जिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजर्जिषा-णि व म
- ४ अजिजर्जिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिजर्जिषा-व म
- ५ अजिजर्जि-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ जिजर्जिषामा-स सतुः सुः सि थः सतुः स स सि व सि म
जिजर्जिषाश्चकार जिजर्जिषाम्बभूव
- ७ जिजर्जिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
जिजर्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
जिजर्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजर्जिषिष्या-मि
वः मः (अजिजर्जिषिष्या-व म
- ९ अजिजर्जिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१३५५ उद्झत् (उज्झ) उत्सर्गे ।

- १ उज्झिषिष-ति तः न्ति सि थः थ उज्झिषिषा-मि वः मः
- २ उज्झिषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ उज्झिषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
उज्झिषिषा-णि व म
- ४ औज्झिषिष-त्ताम् नः तम् तम् औज्झिषिषा-व म
- ५ औज्झिषि-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ उज्झिषिषाम्बभू-व वतुः वुः वि थः वतुः व व वि व वि म
उज्झिषिषामास उज्झिषिषाश्चकार
- ७ उज्झिषिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ उज्झिषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
उज्झिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ उज्झिषिषिष्या-मि
वः मः (औज्झिषिषिष्या-व म
- ९ औज्झिषिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१३५६ जुडत् (जुड) गतौ ।

- १ जुजोडिष-ति तः न्ति सि थः थ जुजोडिषा-मिवः मः
- २ जुजोडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुजोडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुजोडिषा-णि व म
- ४ अजुजोडिष-त् ताम् नः तम् तम् अजुजोडिषा-व म
- ५ अजुजोडि-धीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिषम्
- ६ जुजोडिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
जुजोडिषाश्चकार जुजोडिषामास
- ७ जुजोडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुजोडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुजोडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुजोडिषिष्या-मि
वः मः (अजुजोडिषिष्या-व म
- १० अजुजोडिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे जुजो-स्थाने जुजु-इति ज्ञेयम्

१३५७ पृडत् (पृड) सुखने ।

- १ पिपडिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपडिषा-मिवः मः
- २ पिपडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपडिषा-णि व म
- ४ अपिपडिष-त् ताम् नः तम् तम् अपिपडिषा-व म
- ५ अपिपडि-धीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिषम्
- ६ पिपडिषाश्चकार-कु कथं कथुः क कार कर कृव कृम
पिपडिषाम्बभूव पिपडिषामास
- ७ पिपडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपडिषिष्या-मि
वः मः (अपिपडिषिष्या-व म
- १० अपिपडिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१३५८ मृडत् (मृड) सुखने ।

- १ मिमडिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमडिषा-मिवः मः
- २ मिमडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमडिषा-णि व म
- ४ अमिमडिष-त् ताम् नः तम् तम् अमिमडिषा-व म
- ५ अमिमडि-धीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिषम्
- ६ मिमडिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमडिषाश्चकार मिमडिषाम्बभूव
- ७ मिमडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमडिषिष्या-मि
वः मः (अमिमडिषिष्या-व म
- १० अमिमडिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१३५९ कडत् (कड) मदे ।

- १ चिकडिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकडिषा-मिवः मः
- २ चिकडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकडिषा-णि व म
- ४ अचिकडिष-त् ताम् नः तम् तम् अचिकडिषा-व म
- ५ अचिकडि-धीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिषम्
- ६ चिकडिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
चिकडिषाश्चकार चिकडिषामास
- ७ चिकडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकडिषिष्या-मि
वः मः (अचिकडिषिष्या-व म
- १० अचिकडिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१३६० मृणत् (मृण्) प्रीणने ।

- १ पिपणिष-ति तः न्ति सिथः थ पिपणिषा-मि वः मः
- २ पिपणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपणिषा-णि व म
- ४ अपिपणिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अपिपणिषा-व म
- ५ अपिपणि-षीत् षिष्टम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपणिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपणिषाश्चकार पिपणिषाम्बभूव
- ७ पिपणिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपणिषिता-" री रः सिस्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपणिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ पिपणिषिष्या-मि
वः मः (अपिपणिषिष्या-व म
- १० अपिपणिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

१३६१ तुणत् (तुण्) कौटिल्ये ।

- १ तुतोणिष-ति तः न्ति सिथः थ तुतोणिषा-मि वः मः
- २ तुतोणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतोणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतोणिषा-णि व म
- ४ अतुतोणिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अतुतोणिषा-व म
- ५ अतुतोणि-षीत् षिष्टम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तुतोणिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तुतोणिषाश्चकार तुतोणिषाम्बभूव
- ७ तुतोणिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतोणिषिता-" री रः सिस्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतोणिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तुतोणिषिष्या-मि
वः मः (अतुतोणिषिष्या-व म
- १० अतुतोणिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्
पक्षे तुतो स्थाने तत् इति ज्ञेयम्

१३६२ मृणत् (मृण्) हिंसायाम् ।

- १ मिमणिष-ति तः न्ति सिथः थ मिमणिषा-मि वः मः
- २ मिमणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमणिषा-णि व म
- ४ अमिमणिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अमिमणिषा-व म
- ५ अमिमणि-षीत् षिष्टम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमणिषाश्च-कार कतुः कु कर्थ कथुः क कार कर क्व कृम
मिमणिषाम्बभूव मिमणिषामास
- ७ मिमणिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमणिषिता-" री रः सिस्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमणिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ मिमणिषिष्या-मि
वः मः (अमिमणिषिष्या-व म
- १० अमिमणिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

१३६३ दृणत् (दृण्) गतिकौटिल्ययोश्च ।

- १ दुद्रोणिष-ति तः न्ति सिथः थ दुद्रोणिषा-मि वः मः
- २ दुद्रोणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुद्रोणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दुद्रोणिषा-णि व म
- ४ अदुद्रोणिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अदुद्रोणिषा-व म
- ५ अदुद्रोणि-षीत् षिष्टम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दुद्रोणिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दुद्रोणिषामास दुद्रोणिषाश्चकार
- ७ दुद्रोणिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुद्रोणिषिता-" री रः सिस्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुद्रोणिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ दुद्रोणिषिष्या-मि
वः मः (अदुद्रोणिषिष्या-व म
- १० अदुद्रोणिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्
पक्षे दुद्रो-स्थाने दुद्रु इति ज्ञेयम्

१३६४ पुणत् (पुण्) शुभे ।

१ पुपोणिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपोणिषा-मिवः मः

२ पुपोणिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ पुपोणिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त

पुपोणिषा-णि व म

४ अपुपोणिष-त्ताम् न् तम् तम् अपुपोणिषा-व म

५ अपुपोणि-धीत् विष्टम् विष्टुः धीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्

६ पुपोणिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम

पुपोणिषाञ्चकार पुपोणिषामास

७ पुपोणिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ पुपोणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ पुपोणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपोणिषिष्या-मि
वः मः (अपुपोणिषिष्या-व म

१० अपुपोणिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे पुपो-स्थाने पुपु-इति ज्ञेयम्

१३६६ कुणत् (कुण्) शब्दोपकरणयोः ।

१ चुकोणिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकोणिषा-मिवः मः

२ चुकोणिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चुकोणिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त

चुकोणिषा-णि व म

४ अचुकोणिष-त्ताम् न् तम् तम् अचुकोणिषा-व म

५ अचुकोणि-धीत् विष्टम् विष्टुः धीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्

६ चुकोणिषाञ्चकार कतुः कः कथं कथुः क कार कर कृव कृम

चुकोणिषाम्बभूव चुकोणिषामास

७ चुकोणिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चुकोणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ चुकोणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकोणिषिष्या-मि
वः मः (अचुकोणिषिष्या-व म

१० अचुकोणिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे चुको-स्थाने चुकु-इति ज्ञेयम्

१३६५ मुणत् (मुण्) प्रतीक्षाने ।

१ मुमोणिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमोणिषा-मिवः मः

२ मुमोणिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ मुमोणिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त

मुमोणिषा-णि व म

४ अमुमोणिष-त्ताम् न् तम् तम् अमुमोणिषा-व म

५ अमुमोणि-धीत् विष्टम् विष्टुः धीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्

६ मुमोणिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम

मुमोणिषाञ्चकार मुमोणिषामास

७ मुमोणिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ मुमोणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ मुमोणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमोणिषिष्या-मि
वः मः (अमुमोणिषिष्या-व म

१० अमुमोणिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे मुमो-स्थाने मुमु-इति ज्ञेयम्

१३६७ जुणत् (जुण्) भ्रमणे ।

१ जुघोणिष-ति तः न्ति सि थः थ जुघोणिषा-मिवः मः

२ जुघोणिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ जुघोणिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त

जुघोणिषा-णि व म

४ अजुघोणिष-त्ताम् न् तम् तम् अजुघोणिषा-व म

५ अजुघोणि-धीत् विष्टम् विष्टुः धीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम् कर-कृम कृव

६ जुघोणिषाञ्चकार कतुः कः कथं कथुः क कार

जुघोणिषाम्बभूव जुघोणिषामास

७ जुघोणिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जुघोणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ जुघोणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुघोणिषिष्या-मि
वः मः (अजुघोणिषिष्या-व म

१० अजुघोणिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे जुघो-स्थाने जुघु-इति ज्ञेयम्

१३६८ घृणत् (घृण्) भ्रमणे ।

- १ जुघृणिष-ति तः न्ति सिथः थ जुघृणिषा-मि वः मः
- २ जुघृणिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुघृणिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जुघृणिषा-णि व म
- ४ अजुघृणिष-त्ताम् नः तम् तम् अजुघृणिषा-व म
- ५ अजुघृणिषी-त्ताम् पिशुः पीः पिशुम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म कृम कृव
- ६ जुघृणिषाश्च-कार क्तुः कृः कथं कथुः क कार कर
जुघृणिषाम्बभूव जुघृणिषामास
- ७ जुघृणिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुघृणिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुघृणिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जुघृणिषिष्या-मि वः मः
(अजुघृणिषिष्या-व म
- १० अजुघृणिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ विचृत्स-ति तः न्ति सिथः थ विचृत्सा-मि वः मः
- २ विचृत्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विचृत्स-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विचृत्सा-नि व म
- ४ अविचृत्स-त्ताम् नः तम् तम् अविचृत्सा-व म
- ५ अविचृत्सी-त्ताम् सिशुः सीः सिशुम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ विचृत्साम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विचृत्साश्चकार विचृत्सामास
- ७ विचृत्स्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विचृत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विचृत्सिष्य-ति तः न्ति सिथः थ विचृत्सिष्या-मि वः मः
(अविचृत्सिष्या-व म
- १० अविचृत्सिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१३६९ चृतेत् (चृत्) हिंसाग्रन्थयोः ।

- १ चिचर्तिष-ति तः न्ति सिथः थ चिचर्तिषा-मि वः मः
- २ चिचर्तिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचर्तिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचर्तिषा-णि व म
- ४ अचिचर्तिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिचर्तिषा-व म
- ५ अचिचर्तिषी-त्ताम् पिशुः पीः पिशुम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ चिचर्तिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिचर्तिषाश्चकार चिचर्तिषामास
- ७ चिचर्तिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचर्तिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचर्तिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिचर्तिषिष्या-मि वः मः
(अचिचर्तिषिष्या-व म
- १० अचिचर्तिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१३७० णुदत् (णुद) प्रेम्णे ।

- १ णुनुत्स-ति तः न्ति सिथः थ णुनुत्सा-मि वः मः
- २ णुनुत्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ णुनुत्स-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
णुनुत्सा-नि व म
- ४ अणुनुत्स-त्ताम् नः तम् तम् अणुनुत्सा-व म
- ५ अणुनुत्सी-त्ताम् सिशुः सीः सिशुम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ णुनुत्साश्च-कार क्तुः कृः कथं कथुः क कार करकृव कृप
णुनुत्साम्बभूव णुनुत्सामास
- ७ णुनुत्स्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ णुनुत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ णुनुत्सिष्य-ति तः न्ति सिथः थ णुनुत्सिष्या-मि वः मः
(अणुनुत्सिष्या-व म
- १० अणुनुत्सिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१३७२ विधत् (विध्) विधाने ।

- १ विवेधिष-ति तः न्ति सिथः थ विवेधिषा-मि वः मः
- २ विवेधिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व न
- ३ विवेधिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवेधिषा-णि व म
- ४ अविवेधिष-त् ताम् नः तम् तम् अविवेधिषा-व म
- ५ अविवेधि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ विवेधिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
विवेधिषाञ्चकार विवेधिषामास
- ७ विवेधिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवेधिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवेधिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ विवेधिषिष्या-
मि वः मः (अविवेधिषिष्या-व म
- १० अविवेधिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे विवे-स्थाने धिवि-ज्ञेयम्

१३७४ शुनत् (शुन्) गतौ ।

- १ शुशोनिष-ति तः न्ति सिथः थ शुशोनिषा-मि वः मः
- २ शुशोनिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुशोनिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुशोनिषा-णि व म
- ४ अशुशोनिष-त् ताम् नः तम् तम् अशुशोनिषा-
व म (विष्ट्व विष्टम्
- ५ अशुशोनि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
शुशोनिषाञ्चकार शुशोनिषाम्बभूव
- ६ शुशोनिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ शुशोनिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशोनिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुशोनिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शुशोनिषि
ष्या-मि वः मः (अशुशोनिषिष्या-व म
- १० अशुशोनिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे शुशो-स्थाने शुशु-इति ज्ञेयम्

१३७३ जुन (जुन्) गतौ ।

- १ जुजोनिष-ति तः न्ति सिथः थ जुजोनिषा-मि वः मः
- २ जुजोनिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुजोनिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुजोनिषा-णि व म
- ४ अजुजोनिष-त् ताम् नः तम् तम् अजुजोनिषा-व म
- ५ अजुजनि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ जुजोनिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
जुजोनिषाञ्चकार जुजोनिषामास
- ७ जुजोनिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुजोनिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुजोनिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जुजोनिषिष्या-
मि वः मः (अजुजोनिषिष्या-व म
- १० अजुजोनिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे जुजो-स्थाने जुजु इति ज्ञेयम्

१३७५ लुपत् (लुप्) स्पर्शे ।

- १ चुच्छुप्स-ति तः न्ति सिथः थ चुच्छुप्सा-मि वः मः
- २ चुच्छुप्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुच्छुप्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुच्छुप्सा-नि व म
- ४ अचुच्छुप्स-त् ताम् नः तम् तम् अचुच्छुप्सा-व म
- ५ अचुच्छुप्-सीत् सिष्टम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
सिष्ट्व सिष्टम्
- ६ चुच्छुप्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चुच्छुप्साञ्चकार चुच्छुप्साम्बभूव
- ७ चुच्छुप्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुच्छुप्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुच्छुप्सिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चुच्छुप्सिष्या-
मि वः मः (अचुच्छुप्सिष्या-व म
- १० अचुच्छुप्सिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१३७६ रिफत् (रिफ्) कथनयुद्धहिंसादानेषु

- १ रिरेफिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरेफिषा-मि वः मः
- २ रिरेफिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरेफिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरेफिषा-णि व म
- ४ अरिरेफिष-त् ताम् न् : तम् तम् अरिरेफिषा-व म
- ५ अरिरेफि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ रिरेफिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
रिरेफिषाश्चकार रिरेफिषामास
- ७ रिरेफिष्या-त् स्ताम् दुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरेफिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरेफिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरेफिषिष्या-मि
वः मः (अरिरेफिषिष्या-व म
- १० अरिरेफिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे रिरे-स्थाने रिरे-इति ज्ञेयम्

१३८८ तृम्फत् (तृम्फ्) तृप्तौ ।

- १ तितृम्फिष-ति तः न्ति सि थः थ तितृम्फिषामि वः मः
- २ तितृम्फिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितृम्फिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितृम्फिषा-णि व म
- ४ अतितृम्फिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतितृम्फिषा-व म
- ५ अतितृम्फि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ तितृम्फिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
तितृम्फिषाम्बभूव तितृम्फिषामास
- ७ तितृम्फिष्या-त् स्ताम् दुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितृम्फिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितृम्फिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितृम्फिषिष्या-
मि वः मः (अतितृम्फिषिष्या-व म
- १० अतितृम्फिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१३७७ तृफत् (तृफ्) तृप्तौ ।

- १ तितृफिष-ति तः न्ति सि थः थ तितृफिषा-मि वः मः
- २ तितृफिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितृफिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितृफिषा-णि व म
- ४ अतितृफिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतितृफिषा-व म
- ५ अतितृफि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ तितृफिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
तितृफिषाम्बभूव तितृफिषामास
- ७ तितृफिष्या-त् स्ताम् दुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितृफिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितृफिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितृफिषिष्या-मि
वः मः (अतितृफिषिष्या-व म
- १० अतितृफिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१३७९ ऋफत् (ऋफ्) हिंसायाम् ।

- १ अर्पिफिष-ति तः न्ति सि थः थ अर्पिफिषामि वः मः
- २ अर्पिफिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अर्पिफिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अर्पिफिषा-णि व म
- ४ अर्पिफिष-त् ताम् न् : तम् तम् अर्पिफिषा-व म
- ५ अर्पिफि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ अर्पिफिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
अर्पिफिषाश्चकार अर्पिफिषामास
- ७ अर्पिफिष्या-त् स्ताम् दुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अर्पिफिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अर्पिफिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अर्पिफिषि-
ष्या-मि वः मः (अर्पिफिषिष्या-व म
- १० अर्पिफिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१३८० ऋम्फत् (ऋम्फ) द्वितीयायाम् ।

- १ ऋम्फिष-ति तः न्ति सि थः थ ऋम्फिषा-मिबः मः
- २ ऋम्फिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ऋम्फिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ऋम्फिषा-णि व म
- ४ आर्म्फिष-त्ताम् न् : तम् तम् आर्म्फिषा-व म
- ५ आर्म्फि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ ऋम्फिषाम्बभू-व बभुः वुः विष्व बभुः व व विव विम
ऋम्फिषामास ऋम्फिषाश्चकार
- ७ ऋम्फिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ऋम्फिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ऋम्फिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ऋम्फिषिष्या-मि
बः मः (आर्म्फिषिष्या-व म
- १० अर्म्फिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३८१ इम्फत् (इम्फ) उत्कलेष्टी ।

- १ इम्फिष-ति तः न्ति सि थः थ इम्फिषा-मिबः मः
- २ इम्फिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ इम्फिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
इम्फिषा-णि व म
- ४ अइम्फिष-त्ताम् न् : तम् तम् अइम्फिषा-व म
- ५ अइम्फि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ इम्फिषाश्च-कार क्तुः क्तुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
इम्फिषाम्बभूव इम्फिषामास
- ७ इम्फिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ इम्फिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ इम्फिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ इम्फिषिष्या-मि
बः मः (अइम्फिषिष्या-व म
- १० अइम्फिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३८२ इम्फत् (इम्फ) उत्कलेष्टी ।

- १ इम्फिष-ति तः न्ति सि थः थ इम्फिषा-मिबः मः
- २ इम्फिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ इम्फिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
इम्फिषा-णि व म
- ४ अइम्फिष-त्ताम् न् : तम् तम् अइम्फिषा-व म
- ५ अइम्फि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ इम्फिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
इम्फिषाश्चकार इम्फिषाम्बभूव
- ७ इम्फिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ इम्फिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ इम्फिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ इम्फिषिष्या-मि
बः मः (अइम्फिषिष्या-व म
- १० अइम्फिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१३८३ गुफात् (गुफ) ग्रन्थने ।

- १ जुगोफिष-ति तः न्ति सि थः थ जुगोफिषा-मिबः मः
- २ जुगोफिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुगोफिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुगोफिषा-णि व म (म
- ४ अजुगोफिष-त्ताम् न् : तम् तम् अजुगोफिषा-व
- ५ अजुगोफि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म कृम कृव
- ६ जुगोफिषाश्च-कार क्तुः क्तुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जुगोफिषाम्बभूव जुगोफिषामास
- ७ जुगोफिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुगोफिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगोफिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगोफिषिष्या-मि
बः मः (अजुगोफिषिष्या-व म
- १० अजुगोफिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
पक्षे जुगो स्थाने जुगु-इति ज्ञेयम्

१३८४ गुम्फत् (गुम्फ्) ग्रन्थने ।

- १ जुगुम्फिष-ति तः न्ति सि थः थ जुगुम्फिषा मि वः मः
- २ जुगुम्फिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुगुम्फिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुगुम्फिषा-णि व म
- ४ अजुगुम्फिष-त् ताम् नः : तम् तम् अजुगुम्फिषा-व म
- ५ अजुगुम्फि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व (कृ म)
- ६ जुगुम्फिषाञ्च-कार क्तुः क्तुः कर्त्थ क्तुः क कार कर क्व
जुगुम्फिषाम्बभूव जुगुम्फिषामास
- ७ जुगुम्फिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुगुम्फिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगुम्फिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगुम्फिषिष्या-मि
वः मः (अजुगुम्फिषिष्या-व म
- १० अजुगुम्फिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

१३८६ उम्भत् (उम्भ्) पूरणे

- १ उम्बिभिष-ति तः न्ति सि थः थ उम्बिभिषा-मि वः मः
- २ उम्बिभिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ उम्बिभिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
उम्बिभिषा-णि व म
- ४ औम्बिभिष-त् ताम् नः : तम् तम् औम्बिभिषा-व म
- ५ औम्बिभि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ उम्बिभिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
उम्बिभिषाञ्चकार उम्बिभिषामास
- ७ उम्बिभिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ उम्बिभिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ उम्बिभिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ उम्बिभिषिष्या-मि
वः मः (औम्बिभिषिष्या-व म
- १० औम्बिभिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

१३८५ उभत् (उभ्) पूरणे

- १ ओबिभिष-ति तः न्ति सि थः थ ओबिभिषा-मि वः मः
- २ ओबिभिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ओबिभिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ओबिभिषा-णि व म
- ४ औबिभिष-त् ताम् नः : तम् तम् औबिभिषा-व म
- ५ औबिभि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ ओबिभिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
ओबिभिषाञ्चकार ओबिभिषामास
- ७ ओबिभिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ओबिभिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ओबिभिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ओबिभिषि
ष्या-मि वः मः (औबिभिषिष्या-व म
- १० ओबिभिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

१३८७ शुभत् (शुभ्) शोभार्थे ।

- १ शुशोभिष-ति तः न्ति सि थः थ शुशोभिषा-मि वः मः
- २ शुशोभिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शुशोभिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुशोभिषा-णि व म
- ४ अशुशोभिष-त् ताम् नः : तम् तम् अशुशोभिषा-व म
- ५ अशुशोभि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ शुशोभिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शुशोभिषाञ्चकार शुशोभिषामास
- ७ शुशोभिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशोभिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुशोभिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुशोभिषिष्या-मि
वः मः (अशुशोभिषिष्या-व म
- १० अशुशोभिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्
पक्षे शुशो-स्थाने शुशु-इति ज्ञयम्

१३८८ शुम्भत् (शुम्भ्) शोभार्थे । शुम्भ ३७७ वदूपाणि

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० तृतीयभागे सन्नन्तप्रक्रिया ॥ (३५९)

१३८९ दृभैत् (दृभ्) ग्रन्थे ।

- १ दिदभिष-ति तः न्ति सि थः थ दिदभिषा-मि वः मः
- २ दिदभिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिदभिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदभिषा-णि व म

४ अदिदभिष-त्ताम् नः तम् तम् अदिदभिषा-व म

५ अदिदभि-षीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म

६ दिदभिषाश्च-कार क्तुः क्तः कर्थ कथुः क कार कर क्व क्म

दिदभिषाम्बभूव दिदभिषामास

७ दिदभिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ दिदभिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ दिदभिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदभिषिष्या-मि
वः मः (अदिदभिषिष्या-व म

१० अदिदभिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१३९० लुभत लुभ] विमं दने । लुभतु ११९८ वृत्पाणि

१३९२ क्षुरत् (क्षुर) विलेखने ।

१ चुक्षोरिष-ति तः न्ति सि थः थ चुक्षोरिषा-मि वः मः

२ चुक्षोरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चुक्षोरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त

चुक्षोरिषा-णि व म

४ अचुक्षोरिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुक्षोरिषा-व म

५ अचुक्षोरि-षीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म

६ चुक्षोरिषामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म

चुक्षोरिषाश्चकार चुक्षोरिषाम्बभूव

७ चुक्षोरिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चुक्षोरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ चुक्षोरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुक्षोरिषिष्या-मि
वः मः (अचुक्षोरिषिष्या-व म

१० अचुक्षोरिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे चुक्षो स्थाने चुक्षु-इति ज्ञेयम्

१३९१ कुरत् (कुर) शब्दे ।

१ चुकोरिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकोरिषा-मि वः मः

२ चुकोरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चुकोरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त

चुकोरिषा-णि व म

४ अचुकोरिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुकोरिषा-व म

५ अचुकोरि-षीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म

६ चुकोरिषामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म

चुकोरिषाश्चकार चुकोरिषाम्बभूव

७ चुकोरिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चुकोरिषिता-" रौ रः सि थ स्थ स्मि स्वः स्मः

९ चुकोरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकोरिषिष्या-मि
वः मः (अचुकोरिषिष्या-व म

१० अचुकोरिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे चुको स्थाने चुकु-इति ज्ञेयम्

१३९३ खुरत् (खुर) छेदने च ।

१ चुखोरिष-ति तः न्ति सि थः थ चुखोरिषा-मि वः मः

२ चुखोरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चुखोरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त

चुखोरिषा-णि व म

४ अचुखोरिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुखोरिषा-व म

५ अचुखोरि-षीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म

६ चुखोरिषामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म

चुखोरिषामास चुखोरिषाश्चकार

७ चुखोरिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चुखोरिषिता-" रौ रः सि थ स्थ स्मि स्वः स्मः

९ चुखोरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुखोरिषिष्या-मि
वः मः (अचुखोरिषिष्या-व म

१० अचुखोरिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे चुखो स्थाने चुखु-इति ज्ञेयम्

(३६०) ॥ मुनिश्रीलाङ्घ्यवि० विराचते धातुर० तृतीयभागे सन्नन्तप्रक्रिया ॥

१३९४ घुरत् (घुर) भीमार्थशब्दयोः ।

१ जुघोरिष-तितः न्ति सिथः थ जुघोरिषा-मिवः मः

२ जुघोरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ जुघोरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

जुघोरिषा-णि व म

४ अजुघोरिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजुघोरिषा-व म

५ अजुघोरि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्

विष्व विष्म

६ जुघोरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम

जुघोरिषाम्बभूव जुघोरिषामास

७ जुघोरिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जुघोरिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थ सिम स्वः स्मः

९ जुघोरिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ जुघोरिषिष्या-मि

वः मः

(अजुघोरिषिष्या-व म

१० अजुघोरिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

पक्षे जुघो-स्थाने जुघु-इति ज्ञेयम्

१३९६ मुरत् (मुर) सवेष्टने ।

१ मुमोरिष-तितः न्ति सिथः थ मुमोरिषा-मिवः मः

२ मुमोरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ मुमोरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

मुमोरिषा-णि व म

४ अमुमोरिष-त् ताम् न् : तम् त म् अमुमोरिषा-व म

५ अमुमोरि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्

विष्व विष्म

६ मुमोरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम

मुमोरिषाम्बभूव मुमोरिषामास

७ मुमोरिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ मुमोरिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थ सिम स्वः स्मः

९ मुमोरिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ मुमोरिषिष्या-मि

वः मः

(अमुमोरिषिष्या-व म

१० अमुमोरिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

पक्षे मुमो-स्थाने मुमु-इति ज्ञेयम्

१३९५ पुरत् (पुर) अग्रगते ।

१ पुपोरिष-तितः न्ति सिथः थ पुपोरिषा-मिवः मः

२ पुपोरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ पुपोरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

पुपोरिषा-णि व म

४ अपुपोरिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपुपोरिषा-व म

५ अपुपोरि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्

विष्व विष्म

६ पुपोरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम

पुपोरिषाम्बभूव पुपोरिषामास

७ पुपोरिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ पुपोरिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थ सिम स्वः स्मः

९ पुपोरिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ पुपोरिषिष्या-मि

वः मः

(अपुपोरिषिष्या-व म

१० अपुपोरिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

पक्षे पुपो-स्थाने पुपु-इति ज्ञेयम्

१३९७ सुरत् (सुर) ऐश्वर्यदीप्तयोः ।

१ सुसोरिष-तितः न्ति सिथः थ सुसोरिषा-मिवः मः

२ सुसोरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ सुसोरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

सुसोरिषा-णि व म

४ असुसोरिष-त् ताम् न् : तम् तम् असुसोरिषा-व म

५ असुसोरि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्

विष्व विष्म

६ सुसोरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम

सुसोरिषाम्बभूव सुसोरिषामास

७ सुसोरिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ सुसोरिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थ सिम स्वः स्मः

९ सुसोरिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ सुसोरिषिष्या-मि

वः मः

(असुसोरिषिष्या-व म

१० असुसोरिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

पक्षे सुसो-स्थाने सुसु-इति ज्ञेयम्

॥ मुनिश्रीलावण्याद० विरचिते धातुर० तृतीयभागे सन्नन्तप्रक्रिया ॥ (३६१)

१३९८ स्फुरत् (स्फुर) स्फुरणे ।

- १ पिस्फुरिष-ति तः न्ति सि थः थ पिस्फुरिषामि वः मः
- २ पिस्फुरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिस्फुरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिस्फुरिषा-णि व म
- ४ अपिस्फुरिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिस्फुरिषाव म
- ५ अपिस्फुरि-षीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ पिस्फुरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिस्फुरिषाश्चकार पिस्फुरिषामास
- ७ पिस्फुरिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिस्फुरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिस्फुरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिस्फुरिषि-
ष्या-मि वः मः (अपिस्फुरिषिष्या-व म
- १० अपिस्फुरिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१४ ० किलत् (किल) श्वेत्यक्रीडनयोः ।

- १ चिकेलिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकेलिषा-मि वः मः
- २ चिकेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकेलिषा-णि व म व म
- ४ अचिकेलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिकेलिषा-
- ५ अचिकेलि-षीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ चिकेलिषाश्चकार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव क्रम
चिकेलिषाम्बभूव चिकेलिषामास
- ७ चिकेलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकेलिषिष्या-
मि वः मः (अचिकेलिषिष्या-व म
- १० अचिकेलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
पक्षे चिके-स्थाने चिकि इति ज्ञेयम्

१३९९ स्फुलत् (स्फुल) स्फुरणे

- १ पिस्फुलिष-ति तः न्ति सि थः थ पिस्फुलिषा मि वः मः
- २ पिस्फुलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिस्फुलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिस्फुलिषा-णि व म व म
- ४ अपिस्फुलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिस्फुलिषा-
- ५ अपिस्फुलि-षीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ पिस्फुलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिस्फुलिषाश्चकार पिस्फुलिषामास
- ७ पिस्फुलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिस्फुलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिस्फुलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिस्फुलिषिष्या-
मि वः मः (अपिस्फुलिषिष्या-व म
- १० अपिस्फुलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१४०१ इलत् (इल) गतिस्वप्नप्रक्षेपणेषु

- १ एलिलिष-ति तः न्ति सि थः थ एलिलिषा-मि वः मः
- २ एलिलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ एलिलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
एलिलिषा-णि व म
- ४ ऐलिलिष-त् ताम् न् : तम् तम् ऐलिलिषा-व म
- ५ ऐलिलि-षीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ एलिलिषाश्चकार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव क्रम
एलिलिषाम्बभूव एलिलिषामास
- ७ एलिलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ एलिलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ एलिलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ एलिलिषिष्या-
मि वः मः (ऐलिलिषिष्या-व म
- १० ऐलिलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१४०२ हिलत् (हिल्) हावकरणे ।

- १ जिहेलिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहेलिषामि वः मः
- २ जिहेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहेलिषा-णि व म
- ४ अजिहेलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिहेलिषा-व म
- ५ अजिहेलि-पीत् पिष्टम् पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ जिहेलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिहेलिषामास जिहेलिषाश्कार
- ७ जिहेलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहेलिषिष्या-
मि वः मः (अजिहेलिषिष्या-व म
- १० अजिहेलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे जिहे-स्थाने जिहि-इति ज्ञेयम्

१४०३ शिलत् (शिल्) उञ्छे ।

- १ शिशेलिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशेलिषामि वः मः
- २ शिशेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशेलिषा-णि व म व म
- ४ अशिशेलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिशेलिषा-व म
- ५ अशिशेलि-पीत् पिष्टम् पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ शिशेलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशेलिषामास शिशेलिषाश्कार
- ७ शिशेलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशेलिषिष्या-
मि वः मः (अशिशेलिषिष्या-व म
- १० अशिशेलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे शिशे-स्थाने शिशि-इति ज्ञेयम्

१४०४ सिलत् (सिल्) उञ्छे

- १ सिसेलिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसेलिषामि वः मः
- २ सिसेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिसेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसेलिषा-णि व म
- ४ असिसेलिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिसेलिषा-व म
- ५ असिसेलि-पीत् पिष्टम् पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ सिसेलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसेलिषामास सिसेलिषाश्कार
- ७ सिसेलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसेलिषिष्या-
मि वः मः (असिसेलिषिष्या-व म
- १० असिसेलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे सिसे-स्थाने सिस्-इति ज्ञेयम्

१४०५ तिलत् (तिल्) स्नेहने । तिल ४३९ वट्टपाणि
१४०६ विलत् (विल्) विलसने । ९७२ वल वट्टपाणि

१४०७ चिलत् (चिल्) वसने

- १ चिचेलिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचेलिषामि वः मः
- २ चिचेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचेलिषा-णि व म
- ४ अचिचेलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिचेलिषा-व म
- ५ अचिचेलि-पीत् पिष्टम् पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ चिचेलिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिचेलिषामास चिचेलिषाश्कार
- ७ चिचेलिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचेलिषिष्या-
मि वः मः (अचिचेलिषिष्या-व म
- १० अचिचेलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे चिचे-स्थाने चिचि-इति ज्ञेयम्

॥ मुनिश्रीलावण्यावि० विरचिते धातुर० तृतीयभागे सन्नन्तप्रक्रिया ॥ (३६३)

१४०८ विलत् (विल्) वरणे ।

- १ विवेलिष-ति तः न्ति सि थः थ विवेलिषामि वः मः
- २ विवेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवेलिषा-णि व म
- ४ अविवेलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविवेलिषा-व म
- ५ अविवेलि-षीत् पिष्टम् पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ विवेलिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
विवेलिषामास विवेलिषाश्चकार
- ७ विवेलिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवेलिषिष्या-
मि वः मः (अविवेलिषिष्या-व म
- १० अविवेलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे विवे-स्थाने विवि-इति ज्ञेयम्

१४०९ विलत् (विल्) मेडने । विलत् १४०८ वद्रूपाणि
नवरं वकारस्थाने वकारो ज्ञेयः ।

१४१० णिलत् (निल्) गहने ।

- १ निनेलिष-ति तः न्ति सि थः थ निनेलिषा-मि वः मः
- २ निनेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनेलिषा-णि व म व म
- ४ अनिनेलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अनिनेलिषा-व म
- ५ अनिनेलि-षीत् पिष्टम् पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ निनेलिषाश्चकार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव क्रम
निनेलिषाम्बभूव निनेलिषामास
- ७ निनेलिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनेलिषिष्या-
मि वः मः (अनिनेलिषिष्या-व म
- १० अनिनेलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे निने-स्थाने निनि-इति ज्ञेयम्

१४११ मिलत् (मिल्) श्लेषणे

- १ मिमेलिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमेलिषा-मि वः मः
- २ मिमेलिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमेलिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमेलिषा-णि व म
- ४ अमिमेलिष-त् ताम् न् : तम् तम् अमिमेलिषा-व म
- ५ अमिमेलि-षीत् पिष्टम् पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ मिमेलिषाश्चकार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव क्रम
मिमेलिषाम्बभूव मिमेलिषामास
- ७ मिमेलिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमेलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमेलिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमेलिषिष्या-
मि वः मः (अमिमेलिषिष्या-व म
- १० अमिमेलिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे मिमे-स्थाने मिमि-इति ज्ञेयम्

१४१२ स्पृशत् (स्पृश्) संस्पर्शे

- १ पिस्पृश-ति तः न्ति सि थः थ पिस्पृशामि-वः मः
- २ पिस्पृशे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिस्पृश-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिस्पृशा-णि व म
- ४ अपिस्पृश-त् ताम् न् : तम् तम् अपिस्पृशा-व म
- ५ अपिस्पृश्-षीत् पिष्टम् पिपुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ पिस्पृशाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
पिस्पृशाश्चकार पिस्पृशामास
- ७ पिस्पृश्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिस्पृशिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिस्पृशिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिस्पृशिष्या-
मि वः मः (अपिस्पृशिष्या-व म
- १० अपिस्पृशिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
१४१३ रुत् (रुश्) हिंसायाम् । रुत् १४०८ वद्रूपाणि ।

१४१४ रिशन्त (रिश्) हिंसायाम् ।

- १ रिरिक्ष-ति तः न्ति सि थः थ रिरिक्षा-मि वः मः
- २ रिरिक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरिक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरिक्षा-णि व म
- ४ अरिरिक्ष-त् ताम् न् : तम् तम् अरिरिक्षा-व म
- ५ अरिरिक्ष-वीत् पिशम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिषम् (३. म
- ६ रिरिक्षाञ्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
रिरिक्षाम्बभूव रिरिक्षामास
- ७ रिरिक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरिक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
रिरिक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरिक्षिष्या-मि
वः मः (अरिरिक्षिष्या-व म
- १० अरिरिक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
१४१५ विशन्त (विश) प्रवेशने । विजुंकी १५४२
वद्रूपाणि । त्वरं परस्मैपदघटितान्येव ।

१४१६ मृशन्त (मृश) आमर्शने

- १ मिमृश-ति तः न्ति सि थः थ मिमृशा-मि वः मः
- २ मिमृशे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमृश-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमृशा-णि व म
- ४ अमिमृश-त् ताम् न् : तम् तम् अमिमृशा-व म
- ५ अमिमृश-वीत् पिशम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिषम्
- ६ मिमृशाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
मिमृशाञ्चकार मिमृशामास
- ७ मिमृश्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमृशिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमृशिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमृशिष्या-मि
वः मः (अमिमृशिष्या-व म
- १० अमिमृशिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
१४१७ वीशन्त (वीश) गतौ । लिशच् १२७७ वद्रूपाणि

१४१८ ऋषेत् (ऋश्) गतौ

- १ अर्षिषिष-ति तः न्ति सि थः थ अर्षिषिषा-मि वः मः
- २ अर्षिषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अर्षिषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अर्षिषिषा-णि व म
- ४ आर्षिषिष-त् ताम् न् : तम् तम् आर्षिषिषा-व म
- ५ आर्षिषि-वीत् पिशम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिषम्
- ६ अर्षिषिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
अर्षिषिषाञ्चकार अर्षिषिषामास
- ७ अर्षिषिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अर्षिषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अर्षिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अर्षिषिषिष्या-मि
वः मः (आर्षिषिषिष्या-व म
- १० आर्षिषिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
१४१९ इषत् (इश्) इच्छायाम् । इषच् ११६७ वद्रूपाणि
१४२० मिषत् (मिश्) स्पर्शायाम् । मिष् ५२४ वद्रूपाणि

१४२१ वृहौत (वृह) उद्यमे ।

- १ विवर्हिष-ति तः न्ति सि थः थ विवर्हिषा-मि वः मः
- २ विवर्हिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवर्हिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवर्हिषा-णि व म
- ४ अविवर्हिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविवर्हिषा-व म
- ५ अविवर्हि-वीत् पिशम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिषम्
- ६ विवर्हिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
विवर्हिषाञ्चकार विवर्हिषामास
- ७ विवर्हिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवर्हिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवर्हिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवर्हिषिष्या-मि
वः मः (अविवर्हिषिष्या-व म
- १० अविवर्हिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे विवर्हि-स्थाने विवृक्-इति ज्ञेयम्

१४२१ वृद्धौत् (वृह्) उद्यमे ।

- १ विवृक्ष-ति तः न्ति सि थः थ विवृक्षा-मि वः मः
- २ विवृक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व न
- ३ विवृक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवृक्षा-णि व म
- ४ अविवृक्ष-त् ताम् नः तम् तम् अविवृक्षा-व म
- ५ अविवृ-क्षीत् क्षिष्टम् क्षिष्टुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्टक्षिष्टम्
क्षिष्टव क्षिष्टम्
- ६ विवृक्षाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः वव विव विम
विवृक्षाञ्चकार विवृक्षामास
- ७ विवृक्ष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवृक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवृक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवृक्षिष्या-मि व
मः (अविवृक्षिष्या व म
- १० अविवृक्षिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे वृह् ५५९ वद्रूपाणि

१४२२ तृद्धौ (तृह्) हिंसायाम् ।

- १ तितृहिष-ति तः न्ति सि थः थ तितृहिषा-मि वः मः
- २ तितृहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितृहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितृहिषा-णि व म
- ४ अतितृहिष-त् ताम् नः तम् तम् अतितृहिषा-व म
- ५ अतितृहि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्टषिष्टम्
षिष्टव षिष्टम्
- ६ तितृहिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः वव विव विम
तितृहिषाञ्चकार तितृहिषामास
- ७ तितृहिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितृहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितृहिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितृहिषिष्या-मि वः मः
(अतितृहिषिष्या व म
- १० अतितृहिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे तितृहि-स्थाने तितृक्-इति ज्ञेयम् ।

१४२३ तृद्धौत् (तृह्) हिंसायाम् ।

- १ तितृहिष-ति तः न्ति सि थः थ तितृहिषा-मि वः मः
- २ तितृहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितृहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितृहिषा-णि व म
- ४ अतितृहिष-त् ताम् नः तम् तम् अतितृहिषा-व म
- ५ अतितृहिष-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्टषिष्टम्
षिष्टव षिष्टम्
- ६ तितृहिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तितृहिषाञ्चकार तितृहिषाम्बभूव
- ७ तितृहिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितृहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितृहिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितृहिषिष्या-मि वः मः
(अतितृहिषिष्या-व म
- १० अतितृहिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे तितृहि-स्थाने तितृक्-इति ज्ञेयम्

१४२४ स्तृद्धौत् (स्तृह्) हिंसायाम् ।

- १ तिस्तृहिष-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तृहिषा-मि वः मः
- २ तिस्तृहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्तृहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिस्तृहिषा-णि व म
- ४ अतिस्तृहिष-त् ताम् नः तम् तम् अतिस्तृहिषा-व म
व म (विष्व विष्म
- ५ अतिस्तृहि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्टषिष्टम्
तिस्तृहिषाञ्चकार तिस्तृहिषाम्बभूव
- ६ तिस्तृहिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ तिस्तृहिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्तृहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्तृहिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तृहिषिष्या-मि वः मः
(अतिस्तृहिषिष्या-व म
- १० अतिस्तृहिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे तिस्तृहि-स्थाने तिस्तृक्-इति ज्ञेयम्

१४२५ स्तृहोत् (स्तृह) हिंसायाम् ।

- १ तिस्तृहिष-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तृहिषामि वः मः
- २ तिस्तृहिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्तृहिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिस्तृहिषा-णि व म
- ४ अतिस्तृहिषत्ताम् नः तम् तम् अतिस्तृहिषाव म
- ५ अतिस्तृहि-षीत् पिष्टाम् पिषुः पी पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ तिस्तृहिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विथ विम
तिस्तृहिषाश्चकार तिस्तृहिषामास
- ७ तिस्तृहिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्तृहिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्तृहिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तृहिषि-
ष्या-मि वः मः (अतिस्तृहिचिष्या-व म
- १० अतिस्तृहिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे तिस्तृहि स्थाने तिस्तृक्-इति ज्ञेयम्

१४२६ कुटत् (कुट) कौटिल्ये ।

- १ चुकुटिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुटिषा-मि वः मः
- २ चुकुटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकुटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुटिषा-णि व म
- ४ अचुकुटिष त्ताम् नः तम् तम् अचुकुटिषा-व म
- ५ अचुकुटि-षीत् पिष्टाम् पिषुः पी पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ चुकुटिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिथ सिम
चुकुटिषाश्चकार चुकुटिषाम्बभूव
- ७ चुकुटिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुटिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुटिषिष्या-
मि वः मः (अचुकुटिषिष्या-व म
- १० अचुकुटिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४२७ गुत् (गु) पुरीषोत्सर्गे ।

- १ जुगूष-ति तः न्ति सि थः थ जुगूषा-मि वः मः
- २ जुगूषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुगूष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुगूषा-णि व म
- ४ अजुगूष-त्ताम् नः तम् तम् अजुगूषा-व म
- ५ अजुगू-षीत् पिष्टाम् पिषुः पी पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व कृम कृव
- ६ जुगूषाश्च-कार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
जुगूषाम्बभूव जुगूषामास
- ७ जुगूष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुगूषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगूषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगूषिष्या-मि
वः मः (अजुगूषिष्या-व म
- १० अजुगूषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
१४२८ धृत् (धृ) गतिर्थः योः । धृ १६ वद्वाणि
१४२९ णूत् (नू) स्तवने । १०८१ णुक् वद्वाणि
१४३० ध्रूत् (ध्रू) विधूतने । ध्रूगट् । १२९१
वद्वाणि । नवरं परस्वैपदवटितान्येव

१४३१ कुचत् [कुच्] संकोचने । कुच १०० वद्वाणि
नवरं गुणभावविशिष्टानि चुकुचिघटितान्येवेत्यर्थः ।

१४३२ व्यचत् (व्यच्) व्याजीकरणे ।

- १ विविचिष-ति तः न्ति सि थः थ विविचिषा-मि वः मः
- २ विविचिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विविचिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विविचिषा-णि व म
- ४ अविविचिष त्ताम् नः तम् तम् अविविचिषा व
- ५ अविविचि-षीत् पिष्टाम् पिषुः पी पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ विविचिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
विविचिषाम्बभूव विविचिषामास
- ७ विविचिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विविचिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विविचिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विविचिषिष्या-
मि वः मः (अविविचिषिष्या-व म
- १० अविविचिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
१४३३ गुजत् (गुज्) शब्दे । गुज १५२ वद्वाणि ।
तान्यपि जुगुजिघटितान्येव ।

१४३४ घुटत् (घुट्) प्रतीघाते ।

- १ जुघुटिष-ति तः न्ति सि थः थ जुघुटिषा-मि वः मः
- २ जुघुटिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुघुटिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जुघुटिषा-णि व म
- ४ अजुघुटिष-त्ताम् नः तम् तम् अजुघुटिषा-व म
- ५ अजुघुटि-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ जुघुटिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जुघुटिषाश्चकार जुघुटिषामास
- ७ जुघुटिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुघुटिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुघुटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुघुटिषि-
ष्या-मि वः मः (अजुघुटिषिष्या-व म
- १० अजुघुटिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
१४३५ घुटत् (घुट्) छेदने । घुट् २०३ वद्रूपाणि ।
नवः चुचुटिषटितान्येव ।

१४३६ छुटत् (छुट्) छेदने ।

- १ चुच्छुटिष-ति तः न्ति सि थः थ चुच्छुटिषा-मि वः मः
- २ चुच्छुटिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुच्छुटिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चुच्छुटिषा-णि व म
- ४ अचुच्छुटिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुच्छुटिषा-व म
- ५ अचुच्छुटि-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ चुच्छुटिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चुच्छुटिषाश्चकार चुच्छुटिषाम्बभूव
- ७ चुच्छुटिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुच्छुटिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुच्छुटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुच्छुटिषिष्या-
मि वः मः (अचुच्छुटिषिष्या-व म
- १० अचुच्छुटिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१४३७ घुटत् (घुट्) छेदने ।

- १ तुघुटिष-ति तः न्ति सि थः थ तुघुटिषा-मि वः मः
- २ तुघुटिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुघुटिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तुघुटिषा-णि व म
- ४ अतुघुटिष-त्ताम् नः तम् तम् अतुघुटिषा-व म
- ५ अतुघुटि-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व कृम कृव
- ६ तुघुटिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
तुघुटिषाम्बभूव तुघुटिषामास
- ७ तुघुटिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुघुटिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुघुटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुघुटिषिष्या-मि
वः मः (अतुघुटिषिष्या-व म
- १० अतुघुटिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१४३८ तुटत् (तुट्) कलहकर्मणि ।

- १ तुटुटिष-ति तः न्ति सि थः थ तुटुटिषा-मि वः मः
- २ तुटुटिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुटुटिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तुटुटिषा-णि व म
- ४ अतुटुटिष-त्ताम् नः तम् तम् अतुटुटिषा-व म
- ५ अतुटुटि-षीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ तुटुटिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
तुटुटिषाम्बभूव तुटुटिषामास
- ७ तुटुटिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुटुटिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुटुटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुटुटिषिष्या-
मि वः मः (अतुटुटिषिष्या-व म
- १० अतुटुटिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
१४३९ मुटत् (मुट्) आक्षेप । प्रमदनयोः मुट् २०२
वद्रूपाणि तानि च मुमुटिषटितान्येव ।

(३६८) ॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० तृतीयभागे सन्नस्तप्रक्रिया ॥

१४४० स्फुटत् [स्फुट्] विकसने । स्फुट् २०९ वदूपाणि
तानि च पोस्फुटि घटितान्येव ।

१४४१ पुटत् (पुट्) संश्लेषणे ।

१ पुपुटिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपुटिषा-मि वः मः

२ पुपुटिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ पुपुटिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

पुपुटिषा-णि व म

४ अपुपुटिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुपुटिषा-व म

५ अपुपुटि-पीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म

६ पुपुटिषाम्बभू-व वक्तुः वुः विथ वथुः व व विव विम

पुपुटिषामास पुपुटिषाश्कार

७ पुपुटिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ पुपुटिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ पुपुटिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपुटिषिष्या-
मि वः मः (अपुपुटिषिष्या-व म

१० अपुपुटिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१४४२ लुटत् (लुट्) संश्लेषणे । लुट् २०० वदूपाणि
तानि च ललुटि घटितान्येव ।

१४४२ कृडत् (कृड्) वसने ।

१ चिकृडिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकृडिषा-मि वः मः

२ चिकृडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चिकृडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

चिकृडिषा-णि व म

४ अचिकृडिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिकृडिषा वम

५ अचिकृडि-पीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म

६ चिकृडिषाश्-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर क्व क्वम

चिकृडिषाम्बभू चिकृडिषामास

७ चिकृडिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चिकृडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ चिकृडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकृडिषिष्यामि
वः मः (अचिकृडिषिष्या-व म

१० अचिकृडिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१४४३ कुडत् (कुड्) बाल्ये च ।

१ चुकुडिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुडिषा-मि वः मः

२ चुकुडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ चुकुडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

चुकुडिषा-णि व म

४ अचुकुडिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुकुडिषा-व म

५ अचुकुडि-पीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म

६ चुकुडिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिब सिम
चुकुडिषाश्कार चुकुडिषाम्बभू

७ चुकुडिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ चुकुडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ चुकुडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुडिषिष्या-
मि वः मः (अचुकुडिषिष्या-व म

१० अचुकुडिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१४४४ गुडत् (गुड्) रक्षायाम् ।

१ जुगुडिष-ति तः न्ति सि थः थ जुगुडिषा-मि वः मः

२ जुगुडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ जुगुडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

जुगुडिषा-णि व म

४ अजुगुडिष-त्ताम् नः तम् तम् अजुगुडिषा-व म

५ अजुगुडि-पीत् पिष्टाम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म क्व क्व

६ जुगुडिषाश्-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर क्व क्वम
जुगुडिषाम्बभू जुगुडिषामास

७ जुगुडिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जुगुडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ जुगुडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगुडिषिष्या-मि
वः मः (अजुगुडिषिष्या-व म

१० अजुगुडिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१४४५ जुडत् (जुड्) बन्धे । जुडत् । १३५९

वदूपाणि । तानि च जुजुडिघटितान्येव

॥ मुनिश्रीलावण्याव० विरचिते धातुर० तृतीयभागे सन्नन्तप्राक्या ॥ (३६९)

१४४८ लुडत् (लुड) संवरणे ।

- १ लुलुडिष-ति तः न्ति सि थः थ लुलुडिषा-मि वः मः
- २ लुलुडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लुलुडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलुडिषा-णि व म
- ४ अलुलुडिष-त्ताम् नः तम् तम् अलुलुडिषा-व म
- ५ अलुलुडि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ लुलुडिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लुलुडिषाञ्चकार लुलुडिषामास
- ७ लुलुडिष्या-त् स्ताम् मुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ लुलुडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलुडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलुडिषिष्या-मि
वः मः (अलुलुडिषिष्या-व म
- १० अलुलुडिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४५० स्थुडत् (स्थुड) संवरणे ।

- १ तुस्थुडिष-ति तः न्ति सि थः थ तुस्थुडिषा-मि वः मः
- २ तुस्थुडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुस्थुडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुस्थुडिषा-णि व म
- ४ अतुस्थुडिष-त्ताम् नः तम् तम् अतुस्थुडिषा-व म
- ५ अतुस्थुडि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ तुस्थुडिषामा-स सतुः मुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तुस्थुडिषाञ्चकार तुस्थुडिषाम्बभूव
- ७ तुस्थुडिष्या-त् स्ताम् मुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ तुस्थुडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुस्थुडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुस्थुडिषिष्या-मि
वः मः (अतुस्थुडिषिष्या-व म
- १० अतुस्थुडिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४४९ थुडत् (थुड) संवरणे ।

- १ तुथुडिष-ति तः न्ति सि थः थ तुथुडिषा-मि वः मः
- २ तुथुडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुथुडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुथुडिषा-णि व म
- ४ अतुथुडिष-त्ताम् नः तम् तम् अतुथुडिषा-व म
- ५ अतुथुडि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ तुथुडिषाञ्चकार कतुः कु कथ कथुः क कार कर कृव क्रम
तुथुडिषाम्बभूव तुथुडिषामास
- ७ तुथुडिष्या-त् स्ताम् मुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ तुथुडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुथुडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुथुडिषिष्या-मि
वः मः (अतुथुडिषिष्या-व म
- १० अतुथुडिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४५१ वुडत् (वुड) उन्मर्गे च ।

- १ वुवुडिष-ति तः न्ति सि थः थ वुवुडिषा-मि वः मः
- २ वुवुडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ वुवुडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
वुवुडिषा-णि व म
- ४ अवुवुडिष-त्ताम् नः तम् तम् अवुवुडिषा-व म
- ५ अवुवुडि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ वुवुडिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
वुवुडिषाञ्चकार वुवुडिषामास
- ७ वुवुडिष्या-त् स्ताम् मुः : स्तम् स्त सम स्व स्म
- ८ वुवुडिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ वुवुडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ वुवुडिषिष्या-मि
वः मः (अवुवुडिषिष्या-व म
- १० अवुवुडिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४५२ वृडत् (वृड्) संघाते ।

- १ वृड्-ति तः न्ति सि थः थ वृड्-मि वः मः
- २ वृड्-त ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ वृड्-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
वृड्-णि व म
- ४ अवृड्-त ताम् न् : तम् तम् अवृड्-व म
- ५ अवृड्-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ वृड्-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
वृड्-वकार वृड्-वमास
- ७ वृड्-स्तम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ वृड्-रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ वृड्-ति तः न्ति सि थः थ वृड्-मि वः मः
(अवृड्-व म)
- १० अवृड्-त ताम् न् : तम् त म

१४५४ दुडत् (दुड्) निमज्जने ।

- १ दुड्-ति तः न्ति सि थः थ दुड्-मि वः मः
- २ दुड्-त ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दुड्-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दुड्-णि व म
- ४ अदुड्-त ताम् न् : तम् तम् अदुड्-व म
- ५ अदुड्-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ दुड्-कार कतुः कुः कथ कथुः क कार कर क्व क् म
दुड्-वकार दुड्-वमास
- ७ दुड्-स्तम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुड्-रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुड्-ति तः न्ति सि थः थ दुड्-मि वः मः
(अदुड्-व म)
- १० अदुड्-त ताम् न् : तम् त म

१४५३ वृडत् (वृड्) संघाते ।

- १ वृड्-ति तः न्ति सि थः थ वृड्-मि वः मः
- २ वृड्-त ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ वृड्-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
वृड्-णि व म
- ४ अवृड्-त ताम् न् : तम् तम् अवृड्-व म
- ५ अवृड्-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ वृड्-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
वृड्-वकार वृड्-वमास
- ७ वृड्-स्तम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ वृड्-रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ वृड्-ति तः न्ति सि थः थ वृड्-मि वः मः
(अवृड्-व म)
- १० अवृड्-त ताम् न् : तम् त म

१४५५ हुडत् (हुड्) निमज्जने ।

- १ हुड्-ति तः न्ति सि थः थ हुड्-मि वः मः
- २ हुड्-त ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ हुड्-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
हुड्-णि व म
- ४ अहुड्-त ताम् न् : तम् तम् अहुड्-व म
- ५ अहुड्-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ हुड्-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
हुड्-वकार हुड्-वमास
- ७ हुड्-स्तम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ हुड्-रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ हुड्-ति तः न्ति सि थः थ हुड्-मि वः मः
(अहुड्-व म)
- १० अहुड्-त ताम् न् : तम् त म

१४५६ तुडत् (तुड) निमज्जने ।

- १ तुडुडिष-ति तः न्ति सि थः थ तुडुडिषा-मि वः मः
- २ तुडुडिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुडुडिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुडुडिषा-णि व म
- ४ अतुडुडिष-त् ताम् नः तम् तम् अतुडुडिषा-व म
- ५ अतुडुडि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ तुडुडिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
तुडुडिषाश्चकार तुडुडिषामास
- ७ तुडुडिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ तुडुडिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुडुडिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुडुडिषिष्या-मि
वः मः (अतुडुडिषिष्या-व म
- १० अतुडुडिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४५७ चुणत् (चुण्) छेदने ।

- १ चुचुणिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचुणिषा-मि वः मः
- २ चुचुणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचुणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचुणिषा-णि व म
- ४ अचुचुणिष-त् ताम् नः तम् तम् अचुचुणिषा-व म
- ५ अचुचुणि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ चुचुणिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
चुचुणिषाश्चकार चुचुणिषामास
- ७ चुचुणिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचुणिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचुणिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचुणिषिष्या-मि
वः मः (अचुचुणिषिष्या व म
- १० अचुचुणिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४५८ डिपत् (डिप्) क्षेपे । डिपच् ११९३ वृहपाणि
तानि च डिडिपि घटितान्येव ।

१४५९ छुरत् (छुर) छेदने ।

- १ चुच्छुरिष-ति तः न्ति सि थः थ चुच्छुरिषा-मि वः मः
- २ चुच्छुरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुच्छुरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुच्छुरिषा-णि व म
- ४ अचुच्छुरिष-त् ताम् नः तम् तम् अचुच्छुरिषा-व म
- ५ अचुच्छुरि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ चुच्छुरिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
चुच्छुरिषाश्चकार चुच्छुरिषाम्बभूव
- ७ चुच्छुरिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुच्छुरिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अचुच्छुरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अचुच्छुरिषिष्या-
मि वः मः (अचुच्छुरिषिष्या-व म
- १० अचुच्छुरिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४६० स्फुरत् (स्फुर) स्फुरणे ।

- १ पुस्फुरिष-ति तः न्ति सि थः थ पुस्फुरिषा-मि वः मः
- २ पुस्फुरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुस्फुरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुस्फुरिषा-णि व म
- ४ अपुस्फुरिष-त् ताम् नः तम् तम् अपुस्फुरिषा-व म
- ५ अपुस्फुरि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ पुस्फुरिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
पुस्फुरिषाश्चकार पुस्फुरिषामास
- ७ पुस्फुरिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुस्फुरिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुस्फुरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुस्फुरिषिष्या-मि
वः मः (अपुस्फुरिषिष्या व म
- १० अपुस्फुरिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४६१ स्फुलत् (स्फुल्) संवये च ।

- १ पुस्फुलिष-ति त न्ति सि थः थ पुस्फुलिषा-मि वःमः
- २ पुस्फुलिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुस्फुलिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
- पुस्फुलिषा-णि व म
- ४ अपुस्फुलिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुस्फुलिषा-त्र म
- ५ अपुस्फुलि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट षिष्ट कर कृम कृव
- ६ पुस्फुलिषाञ्च-कार क्तु कुः कर्थ कथु क काग
- पुस्फुलिषाम्बभूय पुस्फुलिषामः स
- ७ पुस्फुलिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुस्फुलिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ पुस्फुलिषिष्य-ति त न्ति सि थः थ पुस्फुलिषिष्या-मि
वःमः (अपुस्फुलिषिष्या-व म
- १० अपुस्फुलिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म
- १४६२ कुङ्त् (कु) शब्दे । कुङ् ५९० वदपाणि
- १४६३ कृङ्त् (कृ) शब्दे । कृङ् ५९० वदपाणि

१४६४ गुरेति (गुर) उद्यमे ।

- १ जुगुरि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जुगुरिषे-त्ताताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुगुरि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अजुगुरि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अजुगुरिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जुगुरिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
जुगुरिषाम्बभूय जुगुरिषामास (य वहि महि
- ७ जुगुरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुगुरिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुगुरिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुगुरिषि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १४६५ कुङ्त् [कु] व्यापारे । कुङ्क ११३४ वदपाणि

१४६६ दृङ्त् (दृ) आदरे ।

- १ दिदरि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दिदरिषे-त्ताताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदरि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदिदरि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदिदरिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिदरिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
दिदरिषाम्बभूय दिदरिषामास (य वहि महि
- ७ दिदरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिदरिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदरिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिदरिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१४६७ धृङ्त् (धृ) स्थाने ।

- १ दिधरि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ दिधरिषे-त्ताताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिधरि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अदिधरि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदिधरिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दिधरिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
दिधरिषाम्बभूय दिधरिषामास (य वहि महि
- ७ दिधरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दिधरिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिधरिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदिधरिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१४६८ ओविजैति (विज्) भयचलनयोः ।

- १ विविजि-षतेषेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विविजिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विविजि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अविविजि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविविजिषि ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठवम् ध्वम्
- ६ विविजिषाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
विविजिषाम्बभूव विविजिषामास (य वहि महि
- ७ विविजिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ विविजिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विविजिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविविजिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्
१४६९ ओलजैट् (लज्) व्रीडे । लज् १५४ वदपाणि

१४७० ओलजैति (लज्) व्रीडे ।

- १ लिलजि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ लिलजिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लिलजि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अलिलजि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अलिलजिषि ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठवम् ध्वम्
- ६ लिलजिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लिलजिषाश्चके लिलजिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ लिलजिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लिलजिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिलजिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलिलजिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१४७१ ष्वजिन्त (स्वज्) सङ्गे ।

- १ सिस्वङ्क-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ सिस्वङ्क्षे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्वङ्क-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ असिस्वङ्क-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ असिस्वङ्क्षि-ष्ट षाताम् षन्त ष्ठाः षाथाम् ष्ठवम् ध्वम्
- ६ सिस्वङ्क्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिस्वङ्क्षाम्बभूव सिस्वङ्क्षामास (य वहि महि
- ७ सिस्वङ्क्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिस्वङ्क्षिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिस्वङ्क्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिस्वङ्क्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१४७२ जुषति (जुष्) प्रीतिस्नेहनयोः ।

- १ जुजोषि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ जुजोषिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुजोषि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अजुजोषि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजुजोषिषि ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठवम् ध्वम्
- ६ जुजोषिषाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
जुजोषिषाम्बभूव जुजोषिषामास (य वहि महि
- ७ जुजोषिषि-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जुजोषिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुजोषिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजुजोषिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्
पक्षे जुजो-स्थाने जुजु-इति ज्ञेयम्

इतिश्रीमत्तपोगणगनाङ्गणगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-
विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविद्यशास्त्रीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-
विजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिन्दिरा-
यमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य
सन्नन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे
तृतीयभागे

॥ तुदादिगणः संपूर्णः ॥

१४७३ रुधृपी (रुध्) आवरणे ।

- १ रुहृत्स-ति तः न्ति सि थः थ रुहृत्सा-मि वः मः
- २ रुहृत्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रुहृत्स-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
रुहृत्सा-नि व म
- ४ अरुहृत्स-त्ताम् नः तम् तम् अरुहृत्सा-व म
- ५ अरुहृत्-सीत् सिग्रम् सिगुः सीः सिग्रम् सिष्ट सिषम
सिष्व सिष्म
- ६ रुहृत्साम्बभू-व वतुः दुः विथ वधुः व व विव विम
रुहृत्साश्च कार रुहृत्सामास
- ७ रुहृत्स्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रुहृत्सिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रुहृत्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रुहृत्सिष्या-मि वः मः
(अरुहृत्सिष्या-व म
- १० अरुहृत्सिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

पक्षे रुधिव् १२६१ वदपाणि

१४७४ रिचृपी (रिच्) विरेचने ।

- १ रिरिक्-षते षेते षन्ते षसे षेथे षन्वे षे पावहे षामहे
- २ रिरिक्षे त याताम् रन्थाः याथाम् ष्वम् य वहि महि
- ३ रिरिक्-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षन्वम् षं
यावहे षामहे
- ४ अरिरिक्-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षन्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरिरिक्षि-ष्ट याताम् षत षाः याथाम् ष्वम् ष्वम्
- ६ रिरिक्षाश्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृवे कृवहे कृमहे
रिरिक्षाम्बभूव रिरिक्षामास [य वहि महि
- ७ रिरिक्षिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ष्वम्
- ८ रिरिक्षिता-'' रौ रः साथे ष्वहे स्वहे स्महे
- ९ रिरिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यमे ष्येथे ष्यन्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यं ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरिरिक्षि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यन्वम्
पक्षे रिशन्त १४१४ वदपाणि

१४७५ विचृपी (विच्) पृथग्भावे । विचृकी ११४२ वदपाणि

१४७६ युज्णी (युज्) योगे ।

- १ युयुक्ष-ति तः न्ति सि थः थ युयुक्षा-मि वः मः
- २ युयुक्षे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ युयुक्ष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
युयुक्षा-णि व म
- ४ अयुयुक्ष-त्ताम् नः तम् तम् अयुयुक्षा-व म
- ५ अयुयुक्-पीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्ट्व
- ६ युयुक्षाञ्च-कार कतुः कृः कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
युयुक्षाम्बभूव युयुक्षामास
- ७ युयुक्ष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सप् स्व स्म
- ८ युयुक्षिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ युयुक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ युयुक्षिष्या-मि वः मः
(अयुयुक्षिष्या-व म
- १० अयुयुक्षिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे युजिञ्च १२२४ वृत्पाणि ।

१४ ७ भिद्वणी (भिद्) विदारणे ।

- १ बिभित्-सते सेते सन्ते सते सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ बिभित्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभित्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अबिभित्-सत सेताम् सन्त सथा सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (बि भ्वहि भ्महि
- ५ अबिभित्सि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बिभि-म्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बिभित्साञ्चके बिभित्सामास (य वहि महि
- ७ बिभित्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बिभित्सिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभित्सि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबिभित्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथा ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ बिभित्स-ति तः न्ति सि थः थ बिभित्सा-मि वः मः
- २ बिभित्से-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ बिभित्स-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
बिभित्सा-नि व म
- ४ अबिभित्स-त्ताम् नः तम् तम् अबिभित्सा-व म
- ५ अबिभित् सीत् सिष्टम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
सिष्ट्व सिष्ट्व
- ६ बिभित्साञ्च-कार कतुः कृः कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
बिभित्साम्बभूव बिभित्सामास
- ७ बिभित्स्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सप् स्व स्म
- ८ बिभित्सिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिभित्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिभित्सिष्या-मि
वः मः (अबिभित्सिष्या-व म
- १० अबिभित्सिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१४७४ छिद्वणी (छिद्) दधीकरणे ।

- १ चिच्छिद्-सत सेते सन्ते सते सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ चिच्छित्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिच्छिद्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अचिच्छिद्-सत सेताम् सन्त सथा सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (चि छ्वहि छ्महि
- ५ अचिच्छित्सि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चिच्छित्साञ्च-के काते किरकृषे काथे कृत्वे के कृवहे कृमहे
चिच्छित्साम्बभूव चिच्छित्सामास (य वहि महि
- ७ चिच्छित्सिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चिच्छित्सिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिच्छित्सि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिच्छित्सि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथा ष्येथाम् ष्यध्वम्

१ चिच्छित्स-ति तः न्ति मिथः थ चिच्छित्सा-मि वः मः

२ चिच्छित्से-त ताम् युः : तम् त यम व म

३ चिच्छित्स-तु तात ताम् न्तु " तात तम् त

चिच्छित्सा-ति व म

४ अचिच्छित्स-त ताम् तः तम् तम् अचिच्छित्सा-व म

५ अचिच्छित्-सीत मिश्राम मिषु सीः मिश्रम् मिष्टमिषम्
मिष्व मिष्म

६ चिच्छित्सामा-स सतुः सुः मिथ सधुः स स मिव सिम

चिच्छित्साञ्चकार चिच्छित्सम्बभूव

७ चिच्छित्सया-त ताम् सुः : स्तम् स्त सम स्व स्म

८ चिच्छित्सिता-" रौ रः मि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ चिच्छित्सिष्य-ति तः न्ति मिथः थ चिच्छित्सिष्या-
मि वः मः (अचिच्छित्सिष्या व म

१० अचिच्छित्सिष्य-त ताम् नः तम् तम्

१४८० ऊट्टृदृषी (छृद्) दीप्तिदेवनयोः ।

१ चिच्छृदि-षते षते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे

२ चिच्छृदि-षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ चिच्छृदि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहै षामहै

४ अचिच्छृदि-षत षेताम् षन्त पथा षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि

५ अचिच्छृदि-ष-षताम् षत प्राः षेथाम् इद्वम् ध्वम्

६ चिच्छृदि-षामा-स सतुः सुः मिथ सधुः स स सिव सिम

चिच्छृदि-षाञ्चकार चिच्छृदि-षाम्बभूव (य वहि महि

७ चिच्छृदि-षिषी-ष यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्

८ चिच्छृदि-षिता-" रौ रः मे साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ चिच्छृदि-षि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यते ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्य ष्यावहि ष्यामहि

१० अचिच्छृदि-षि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१४८१ श्रुदृषी (श्रुद्) संपेषे ।

१ चुक्षुत्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे

२ चुक्षुत्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ चुक्षुत्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् से
सावहै सामहै

४ अचुक्षुत्-सत सेताम् सन्त मथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि षमहि

५ अचुक्षुत्सि-षताम् षत प्राः षाथाम् इद्वम् ध्वम्

६ चुक्षुत्साञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृचवे कृवहे कृमहे
चुक्षुत्साम्बभूव चुक्षुत्सामास (य वहि महि

७ चुक्षुत्सिषी-ष यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्

८ चुक्षुत्सिता-" रौ रः मे साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ चुक्षुत्सि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यते ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्य ष्यावहि ष्यामहि

१० अचुक्षुत्सि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्
ष्यते ष्यथे ११८० वदपाणि ।

१ चिच्छृत्-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे

२ चिच्छृत्से-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ चिच्छृत्-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् से
सावहै सामहै

४ अचिच्छृत्-सत सेताम् सन्त मथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि षमहि

५ अचिच्छृत्सि-षताम् षत प्राः षाथाम् इद्वम् ध्वम्

६ चिच्छृत्सामा-स सतुः सुः मिथ सधुः स स सिव सिम
चिच्छृत्साञ्चकार चिच्छृत्साम्बभूव (य वहि महि

७ चिच्छृत्सिषी-ष यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्

८ चिच्छृत्सिता-" रौ रः मे साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ चिच्छृत्सि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यते ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्य ष्यावहि ष्यामहि

१० अचिच्छृत्सि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

- १ चिच्छर्दिष-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छर्दिषा-मि वः मः
 २ चिच्छर्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ चिच्छर्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 चिच्छर्दिषा-णि व म
 ४ अचिच्छर्दिष-त् ताम् नः तम् तम् अचिच्छर्दिषा-
 व म (षिष् व षिष्म
 ५ अचिच्छर्दि-षीत् षिष्टाम् षिष्ठः षीः षिष्ठम् षिष्ठ षिष्म
 चिच्छर्दिषाश्चकार चिच्छर्दिषाम्बभूव
 ६ चिच्छर्दिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिन
 ७ चिच्छर्दिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चिच्छर्दिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चिच्छर्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छर्दिषि
 ष्या-मि वः मः (अचिच्छर्दिषिष्या-व म
 १० अचिच्छर्दिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४८१ ऊनृदृषो (तृद्) हिंसानादरयोः ।

- १ तितर्दि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे षे षावहे षामहे
 २ तितर्दिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ तितर्दि-षताम् षेताम् षन्ताम् पस्व षेथाम् षध्वम् पै
 षावहै षामहै
 ४ अतितर्दि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
 षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
 ५ अतितर्दिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठवम् ध्वम्
 ६ तितर्दिषा-मा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 तितर्दिषाश्चक्रे तितर्दिषाम्बभूव (य वहि महि
 ७ तितर्दिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ तितर्दिषिता-" रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
 ९ तितर्दिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अतितर्दिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

सर्वत्र तितृत्-स्थाने तितृत्स् इति शुद्धम् ।

- १ चिच्छृत्स-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छृत्सा-मि वः मः
 २ चिच्छृत्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ चिच्छृत्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 चिच्छृत्सा-णि व म
 ४ अचिच्छृत्स-त् ताम् तः तम् तम् अचिच्छृत्सा-व म
 ५ अचिच्छृत्-सीत् सिष्टाम् सिष्ठः सीः सिष्टम् सिष्ठ सिष्म
 सिष् व सिष्म
 ६ चिच्छृत्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 चिच्छृत्साश्चकार चिच्छृत्साम्बभूव
 ७ चिच्छृत्स्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चिच्छृत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चिच्छृत्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छृत्सिष्या-
 मि वः मः (अचिच्छृत्सिष्या-व म
 १० अचिच्छृत्सिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

- १ तितृत्-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे षे षावहे षामहे
 २ तितृत्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ तितृत्-षताम् षेताम् षन्ताम् पस्व षेथाम् षध्वम् पै
 षावहै षामहै
 ४ अतितृत्-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
 षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
 ५ अतितृत्षि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठवम् ध्वम्
 ६ तितृत्षा-श्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृ-वे के कृवहे कृमहे
 तितृत्षाम्बभूव तितृत्षामास (य वहि महि
 ७ तितृत्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ तितृत्षिता-" रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
 ९ तितृत्षि-ष्यत ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अतितृत्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ तितर्दिष-ति तः न्ति सि थः थ तितर्दिषा-मि वः मः
 २ तितर्दिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ तितर्दिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम्-त
 तितर्दिषा-णि व म
 ४ अतितर्दिष-त्ताम् नः तम् तम् अतितर्दिषा-व म
 ५ अतितर्दि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
 षिष्ट्व षिष्टम्
 ६ तितर्दिषाञ्च-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
 तितर्दिषाम्बभूव तितर्दिषामास
 ७ तितर्दिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ तितर्दिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ तितर्दिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितर्दिषिष्या-मि
 वः मः (अतितर्दिषिष्या-व म
 १० अतितर्दिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

- १ तितृत्स-ति तः न्ति सि थः थ तितृत्सा-मि वः मः
 २ तितृत्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ तितृत्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 तितृत्सा-णि व म
 ४ अतितृत्स-त्ताम् नः तम् तम् अतितृत्सा-व म
 ५ अतितृत्-सीत् सिष्टम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
 सिष्ट्व सिष्टम्
 ६ तितृत्साञ्च-कार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः ककार कर कृव कृम
 तितृत्साम्बभूव तितृत्सामास
 ७ तितृत्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ तितृत्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ तितृत्सिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितृत्सिष्या-मि वः
 मः (अतितृत्सिष्या-व म
 १० अतितृत्सिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४८२ पृचैव (पृच) सपके ।

- १ पिपर्चिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपर्चिषा-मि वः मः
 २ पिपर्चिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ पिपर्चिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 पिपर्चिषा-णि व म
 ४ अपिपर्चिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिपर्चिषा-व म
 ५ अपिपर्चि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
 षिष्ट्व षिष्टम्
 ६ पिपर्चिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 पिपर्चिषाञ्चकार पिपर्चिषामास
 ७ पिपर्चिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ पिपर्चिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ पिपर्चिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपर्चिषिष्या-मि
 वः मः (अपिपर्चिषिष्या-व म
 १० अपिपर्चिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१४८३ वृचैव (वृच) वरणे ।

- १ विवर्चिष-ति तः न्ति सि थः थ विवर्चिषा-मि वः मः
 २ विवर्चिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ विवर्चिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 विवर्चिषा-णि व म
 ४ अविवर्चिष-त्ताम् नः तम् तम् अविवर्चिषा-व म
 ५ अविवर्चि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
 षिष्ट्व षिष्टम्
 ६ विवर्चिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 विवर्चिषाञ्चकार विवर्चिषामास
 ७ विवर्चिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ विवर्चिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ विवर्चिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवर्चिषिष्या-मि
 वः मः (अविवर्चिषिष्या-व म
 १० अविवर्चिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
 १४८४ तञ्च (तञ्च) संकोचने । तञ्च १०८ वद्रूपाणि

१४८५ तञ्जोप् (तञ्ज) संकोचने ।

- १ तितञ्जिष-ति तः न्ति सि थः थ ततञ्जिषा-मि वः मः
- २ तितञ्जिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितञ्जिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितञ्जिषा-णि व म
- ४ अतितञ्जिष-त्ताम् न् : तम् तम् अतितञ्जिषा-व म
- ५ अतितञ्जि-धीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिषम् (कृ म
- ६ तितञ्जिषाञ्च-कार कतुः क्तुः कर्थ क्तुः क वार कर कृव
तितञ्जिषाम्बभूव तितञ्जिषामास
- ७ तितञ्जिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितञ्जिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितञ्जिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितञ्जिषिष्या-मि
वः मः (अतितञ्जिषिष्या-व म
- १० अतितञ्जिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे तितञ्जि-स्थाने तितङ्क-इति ज्ञेयम्

१४८६ भञ्जोप् (भञ्ज) आमदेने ।

- १ विभङ्क्ष-ति तः न्ति सि थः थ विभङ्क्षा-मि वः मः
- २ विभङ्क्षो-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विभङ्क्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विभङ्क्षा-णि व म
- ४ अविभङ्क्ष-त्ताम् न् : तम् तम् अविभङ्क्षा-व म
- ५ अविभङ्क्ष-धीत् क्षिष्टम् क्षिषुः क्षीः क्षिष्टम् क्षिष्ट क्षिषम्
क्षिष्व क्षिषम्
- ६ विभङ्क्षामा स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
विभङ्क्षाञ्चकार विभङ्क्षाम्बभूव
- ७ विभङ्क्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विभङ्क्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विभङ्क्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विङ्क्षिष्या-मि
वः मः (अविङ्क्षिष्या-व म
- १० अविभङ्क्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
१४८७ भुजोप् (भुज) पालनाभ्यवहारयोः पालनेऽर्थे
भुजोत् १३५१ वरपाणि

पालनभिन्नेऽर्थे ।

- १ बुभुक्ष-पते पते पन्ते पसे पेथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ बुभुक्षो-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि मडि
- ३ बुभुक्ष-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पथ्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अबुभुक्ष-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अबुभुक्षि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ बुभुक्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बुभुक्षाञ्चक्रे बुभुक्षामास (वहि महि
- ७ बुभुक्षिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य
- ८ बुभुक्षिता-" रौ रः से साथे प्वे हे स्वेहे स्महे
- ९ बुभुक्षि-ष्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अबुभुक्षि-ष्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

१४८८ अञ्जोप् (अञ्ज) व्यक्तिप्रक्षणगतिषु

- १ अञ्जिजिष-ति तः न्ति सि थः थ अञ्जिजिषामि वः मः
- २ अञ्जिजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अञ्जिजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अञ्जिजिषा-णि व म
- ४ आजिञ्जिष-त्ताम् न् : तम् तम् आजिञ्जिषा-व म
- ५ आजिञ्जि-धीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिषम्
- ६ अञ्जिजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अञ्जिजिषाञ्चकार अञ्जिजिषामास
- ७ अञ्जिजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अञ्जिजिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अञ्जिजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अञ्जिजिषि
ष्या-मि वः मः (अञ्जिजिषिष्या-व म
- १० आजिञ्जिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१४८९ ओविजैप् (विज्) भयचलनयोः ।

१ विविजिष-ति त न्ति सि थः थ विविजिषा-मिवः मः

२ विविजिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ विविजिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

विविजिषा-णि व म

४ अविविजिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविविजिषा-व म

५ अविविजि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्

पिष्ट्व पिष्टम्

६ विविजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

विविजिषाश्चकार विविजिषामास

७ विविजिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ विविजिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ विविजिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विविजिषिष्या-

मिवः मः

(अविविजिषिष्या-व म

१० अविविजिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१४९० कृनैत् (कृन्) वेष्टने । कृनैत् १३२५ वदधाणि

१४९२ शिष्टिप् (शिष्) विशेषणे ।

१ शिशिक्ष-ति त न्ति सि थः थ शिशिक्षा-मिवः मः

२ शिशिक्षे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ शिशिक्ष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

शिशिक्षा-णि व म

४ अशिशिक्ष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिशिक्षा-व म

५ अशिशिक्ष-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्

पिष्ट्व पिष्टम्

६ शिशिक्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

शिशिक्षाश्चकार शिशिक्षामास

७ शिशिक्ष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ शिशिक्षिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ शिशिक्षिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशिक्षिष्या-

मिवः मः

(अशिशिक्षिष्या-व म

१० अशिशिक्षिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१४९१ उन्दिप् (उन्द्) क्लेदने ।

१ उन्दिदिष-ति तः न्ति सि थः थ उन्दिदिषा-मिवः मः

२ उन्दिदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ उन्दिदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

उन्दिदिषा-णि व म

४ औन्दिदिष-त् ताम् न् : तम् तम् औन्दिदिषा-व म

५ औन्दिदि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्

पिष्ट्व पिष्टम्

६ उन्दिदिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

उन्दिदिषाश्चकार उन्दिदिषामास

७ उन्दिदिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म

८ उन्दिदिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ उन्दिदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ उन्दिदिषिष्या-

मिवः मः

(औन्दिदिषिष्या-व म

१० औन्दिदिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१४९३ पिष्टिप् (पिष्) सञ्चूर्णने ।

१ पिपिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपिषा-मिवः मः

२ पिपिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ पिपिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

पिपिषा-णि व म

४ अपिपिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिपिषा-व म

५ अपिपिष-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्

पिष्ट्व पिष्टम्

६ पिपिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

पिपिषाश्चकार पिपिषाम्बभूव

७ पिपिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ पिपिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ पिपिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपिषिष्या-

मिवः मः

(अपिपिषिष्या-व म

१० अपिपिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० तृतीयभागे सन्नन्तप्रक्रिया ॥ (३८१)

१४९४ हिंसु (हिम्) हिंसायाम् ।

१ जिहिंसिष-ति तः न्ति सि स्थः थ जिहिंसिषा-मि वः मः

२ जिहिंसिषे-त्ताम् युः : तम् त थम् व म

३ जिहिंसिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त

जिहिंसिषा-णि व म

४ अजिहिंसिष-त्ताम् न् तम् तम् अजिहिंसिषा-व म

५ अजिहिंसि-शीत विष्टम् षिः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्

६ जिहिंसिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विथ विम

जिहिंसिषाश्च हाग जिहिंसिषामास

७ जिहिंसिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ जिहिंसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ जिहिंसिषिष्य-ति तः न्ति सि स्थः थ जिहिंसिषिष्य-

मि वः मः (अ जिहिंसिषिष्या-व म

१० अजिहिंसिषिष्य-त्ताम् न् तम् तम्

१४९५ नृह् (नृह्) हिंसायाम् । नृह्तात् १४९६ वः पाणि
तानि च तितहिं ष्टितान्येव ।

१४९६ विदिप् (विद्) द्वैत्य । विदिच् १४९७ वट्टपाणि

१४९७ विदिप् (विद्) विचारणे । विदिच् १४९८ वट्टपाणि

१४९८ जिहन्धेपि (इन्ध्) दीप्तौ ।

१ इन्दिधि-पते पते पन्ते पसे पेषे पथ्वे पेषे पावहे पामहे

२ इन्दिधिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ इन्दिधि-पताम् पेषताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पेष
यावहे पामहे

४ ऐन्दिधि-पत पेषताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पेष
पावहि पामहि [पि प्वहि प्वहि

५ ऐन्दिधिषि ष्टपाताम् पत प्राः पाथाम् डध्वम् ध्वम्

६ इन्दिधिषाश्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृषे क्रे कृवहे कृमहे

इन्दिधिषाम्बभूव इन्दिधिषामास [य वहि महि

७ इन्दिधिषिषी-ष्ट याताम् रन् प्राः याथाम् ध्वम्

८ इन्दिधिषिता-" रौ रः मेः साथे प्वेहे स्वहे स्महे

९ इन्दिधिषि-ष्यत प्यत प्यन्त प्यमे प्येथे प्यथ्वे प्ये

प्यावहे प्यामहे (ह्य प्यावहि प्यामहि

१० ऐन्दिधिषि-ष्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यध्वम्

इतिश्रोमत्तयोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-

विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविप्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-

विजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिरा-

यमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरन्नाकरस्य

सन्नन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे

तृतीयभागे

॥ रुधादिगणः संपूर्णः ॥

१४९९ तन्वी (तन्) विस्नारे ।

- १ तितनिष-ति तः न्ति सि थः थ तितनिषा-मि वः मः
- २ तितनिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितनिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितनिषा-नि व म
- ४ अतितनिष-त् ताम् न् : तम् त म् अतितनिषा-व म
- ५ अतितनि-षोत् सिष्ठम् सिष्ठुः षीः सिष्ठम् सिष्ठुः सिष्ठम्
सिष्ठम् सिष्ठम्
- ६ तितनिषाञ्च-कार क्तुः क्तुः कर्त्थ क्तुः क कार कर कृव कृम
तितनिषाम्बभूव तितनिषामास
- ७ तितनिष्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितनिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितनिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितनिषिष्या-मि
वः मः (अतितनिषिष्या-व म
- १० अतितनिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

- १ तितनि-षते षेते षन्ते षते षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ तितनिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितनि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अतितनि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतितनिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ तितनिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ तितनिषाञ्चके तितनिषाम्बभूव [य वहि महि
- ८ तितनिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तितनिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतितनिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ तितंस-ति तः न्ति सि थः थ तितंसा-मि वः मः
- २ तितंसे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितंस-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितंसा-णि व म
- ४ अतितंस-त् ताम् न् : तम् त म् अतितंसा-व म
- ५ अतितंस-सीत् सिष्ठम् सिष्ठुः सीः सिष्ठम् सिष्ठुः सिष्ठम्
सिष्ठम् सिष्ठम्
- ६ तितंसाञ्च-कार क्तुः क्तुः कर्त्थ क्तुः ककार कर कृव कृम
तितंसाम्बभूव तितंसामास
- ७ तितंस्या-त् ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितंमिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितंसिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितंसिष्या-मि वः मः
(अतितंसिष्या-व म
- १० अतितंसिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
पक्षे तितं-स्थाने तितां-इति ज्ञेयम्

- १ तितं-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ तितंसे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितं-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अतितं-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतितं सि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ तितंसाञ्च-के काते क्तिरेकृषे काथे कृत्वे के कृवहे कृमहे
तितंसाम्बभूव तितंसामास (य वहि महि
- ७ तितं सिषी-ष्ट याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम्
- ८ तितंसिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तितंसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतितंसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे तितं-स्थाने तितां-इति ज्ञेयम्

१५०० षण्यू (सन्) दाने ।

- १ सिसनि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ सिसनिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिसनि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ असिसनि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ असिसनिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ सिसनिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
सिसनिषाञ्चके सिसनिषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ सिसनिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिसनिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिसनिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिसनिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१५०१ क्षणू (क्षण) हिंसायाम् ।

- १ चिक्षणिष-ति तः न्ति सिथः थ चिक्षणिषा-मि वः मः
- २ चिक्षणिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म
- ३ चिक्षणिष-तु तात्ताम् न्तु '' तात्ताम् त
चिक्षणिषा-णि व म
- ४ अचिक्षणिष-त्ताम् नः तम् तम् अचक्षणषा-व म
- ५ अचिक्षणि-षीत् षिष्टम् षिडुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिक्षणिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिक्षणिषाञ्चकार चिक्षणिषाम्बभूव
- ७ चिक्षणिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्षणिषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्षणिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिक्षणिषिष्या-
मि वः मः (अचिक्षणिषिष्या-व म
- १० अचिक्षणिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ सिषा-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ सिषासे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिषा-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ असिषा-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ असिषासि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ सिषासाञ्च-के क्राते क्रिरेकृषे क्राथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
सिषासाम्बभूव सिषासामास (य वहि महि
- ७ सिषासिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सिषासिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिषासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिषासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ चिक्षणि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ चिक्षणिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिक्षणि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अचिक्षणि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अचिक्षणिषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ चिक्षणिषाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम
चिक्षणिषाञ्चके चिक्षणिषामास (वहि महि
- ७ चिक्षणिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ चिक्षणिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्षणिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिक्षणिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१५०२ क्षिण्ययी (क्षिण्) हिंसायाम् ।

- १ चिक्षेणिष-ति त न्ति सि थः थ चिक्षेणिषा-मि वः मः
 २ चिक्षेणिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व न
 ३ चिक्षेणिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 चिक्षेणिषा-णि व म
 ४ अचिक्षेणिष-त् ताम् न्तुः तम् तम् अचिक्षेणिषा-व म
 ५ अचिक्षेणि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
 पिष्ट्व पिष्टम्
 ६ चिक्षेणिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 चिक्षेणिषाश्चकार चिक्षेणिषामास
 ७ चिक्षेणिषिष्या-त् ताम् न्तुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चिक्षेणिषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चिक्षेणिषिष्य-ति त न्ति सि थः थ चिक्षेणिषिष्या-
 मि व मः (अचिक्षेणिषिष्या-व म
 १० अचिक्षेणिषिष्य-त् ताम् न्तुः तम् तम्
 वक्षे चिक्षे-स्थाने चिक्षि-ज्ञेयम्

१५३ ऋण्ययी (ऋण्) गतौ ।

- १ अर्णिनिष-ति त न्ति सि थः थ अर्णिनिषा-मि वः मः
 २ अर्णिनिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ अर्णिनिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 अर्णिनिषा-णि व म
 ४ आर्णिनिष-त् ताम् न्तुः तम् तम् आर्णिनिषा-व म
 ५ आर्णिनि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
 पिष्ट्व पिष्टम्
 ६ अर्णिनिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 अर्णिनिषाश्चकार अर्णिनिषामास
 ७ अर्णिनिष्या-त् ताम् न्तुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ अर्णिनिषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ अर्णिनिषिष्य-ति त न्ति सि थः थ अर्णिनिषिष्या-
 मि वः मः (आर्णिनिषिष्या-व म
 १० अर्णिनिषिष्य-त् ताम् न्तुः तम् तम्

- १ चिक्षेणि-पतं पेतं पन्ते पते पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
 २ चिक्षेणिषे-त् याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ चिक्षेणि-षताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पै
 पावहै पामहै
 ४ अचिक्षेणि-षत पेताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
 पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अचिक्षेणिषि-ष्ट याताम् पत प्राः याथाम् ड्वम् ध्वम्
 ६ चिक्षेणिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 चिक्षेणिषाश्चकार चिक्षेणिषामास वहि महि
 ७ चिक्षेणिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य
 ८ चिक्षेणिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चिक्षेणिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अचिक्षेणिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम्
 पक्षे चिक्षे-स्थाने चिक्षि-इति ज्ञेयम्

- १ अर्णिनि-पतं पेतं पन्ते पते पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
 २ अर्णिनिषे-त् याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ अर्णिनि-षताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पै
 यावहै पामहै
 ४ आर्णिनि-षत पेताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
 पावहि पामहि [पि ध्वहि धमहि
 ५ आर्णिनिषि-ष्ट याताम् पत प्राः याथाम् ड्वम् ध्वम्
 ६ अर्णिनिषाश्च-के क्रांते क्रिरे कृने काथे कृन्वे के कृवहे कृमहे
 अर्णिनिषाम्बभूव अर्णिनिषामास [य वहि महि
 ७ अर्णिनिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य
 ८ अर्णिनिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ अर्णिनिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अर्णिनिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१५०४ तृण्यो (तृण्) अदने ।

- १ तितर्णि-प्रते वेते पन्ते वसे वेथे षध्वे षे पावहे षामहे
- २ तितर्णिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितर्णि-प्रताम् वेताम् पन्ताम् षस्व वेथाम् षध्वम् पै
पावहै षामहै
- ४ अतितर्णि-प्रत वेताम् पन्त षथाः वेथाम् षध्वम् षे
पावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतितर्णिषि-प्रताताम् प्रत प्राः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ तितर्णिषाश्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
तितर्णिषाम्बभूव तितर्णिषामास (य वहि महि
- ७ तितर्णिषिषी-प्रयास्ताम् रन् प्राः याथाम् ध्वम्
- ८ तितर्णिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तितर्णिषि-प्र्यत प्र्येते प्र्यन्ते प्र्यसे प्र्यथे प्र्यध्वे प्र्ये
प्र्यावहे प्र्यामहे (प्र्ये प्र्यावहि प्र्यामहि
- १० अतितर्णिषि-प्र्यत प्र्येताम् प्र्यन्त प्र्यथाः प्र्यथाम् प्र्यध्वम्

१५०५ घृण्यो (घृण्) दीनौ

- १ जिघर्णि-प्रते वेते पन्ते वसे वेथे षध्वे षे पावहे षामहे
- २ जिघर्णिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिघर्णि-प्रताम् वेताम् पन्ताम् षस्व वेथाम् षध्वम् पै
पावहै षामहै
- ४ अजिघर्णि-प्रत वेताम् पन्त षथाः वेथाम् षध्वम् षे
पावहि षामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अजिघर्णिषि-प्रताताम् प्रत प्राः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ जिघर्णिषाश्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
जिघर्णिषाम्बभूव जिघर्णिषामास [य वहि महि
- ७ जिघर्णिषिषी-प्रयास्ताम् रन् प्राः याथाम् ध्वम्
- ८ जिघर्णिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिघर्णिषि-प्र्यत प्र्येते प्र्यन्ते प्र्यसे प्र्यथे प्र्यध्वे प्र्ये
प्र्यावहे प्र्यामहे (प्र्ये प्र्यावहि प्र्यामहि
- १० अजिघर्णिषि-प्र्यत प्र्येताम् प्र्यन्त प्र्यथाः प्र्यथाम् प्र्यध्वम्

- १ तितर्णिष-ति तः न्ति सि थः थ तितर्णिषा-मि वः मः
- २ तितर्णिषे-त्ताम् युः : तम् त थम् व म
- ३ तितर्णिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तितर्णिषा-णि व म
- ४ अतितर्णिष-त्ताम् न् तम् तम् अतितर्णिषा-व म
- ५ अतितर्णि-पीत् पिथम् पिथुः पीः पिथम् पिथ विषम
पिथ विषम
- ६ तितर्णिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तितर्णिषाश्च हार तितर्णिषामास
- ७ तितर्णिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ तितर्णिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितर्णिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितर्णिषिष्या
मि वः मः (अतितर्णिषिष्या-व म
- १० अतितर्णिषिष्य-त्ताम् न् तम् तम्

- १ जिघर्णिष-ति तः न्ति सि थः थ जिघर्णिषा-मि वः मः
- २ जिघर्णिषे-त्ताम् युः : तम् त थम् व म
- ३ जिघर्णिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिघर्णिषा-णि व म
- ४ अजिघर्णिष-त्ताम् न् तम् तम् अजिघर्णिषा-व म
- ५ अजिघर्णि-पीत् पिथम् पिथुः पीः पिथम् पिथ विषम
पिथ विषम
- ६ जिघर्णिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिघर्णिषाश्च कार जिघर्णिषामास
- ७ जिघर्णिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ जिघर्णिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिघर्णिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिघर्णिषिष्या
मि वः मः (अजिघर्णिषिष्या-व म
- १० अजिघर्णिषिष्य-त्ताम् न् तम् तम्

१५०६ वन्यूयी (वन्) याचने ।

- १ विवनि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे पावहे षामहे
- २ विवनिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवनि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् पै पावहै षामहै
- ४ अविवनि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे पावहि षामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अविवनिषि-षताम् षत षाः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ विवनिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे विवनिषाम्बभूव विवनिषामास (य वहि महि
- ७ विवनिषिषी-ष यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ विवनिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवनिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवनिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१५०७ मन्जूयी (मन) बोधने

- १ मिमनि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे पावहे षामहे
- २ मिमनिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमनि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् पै यावहै षामहै
- ४ अमिमनि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे पावहि षामहि [पि ष्वहि षमहि
- ५ अमिमनिषि-षताम् षत षाः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ मिमनिषाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे मिमनिषाम्बभूव मिमनिषामास [य वहि महि
- ७ मिमनिषिषी-ष यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ मिमनिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमनिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमनिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

॥ तनादिगणः संपूर्णः ॥

१५०८ डुक्रीण्य (क्री) द्रव्यविनिमये

- १ चिक्रीष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्रीषा-मिवः म
- २ चिक्रीषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्रीष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त चिक्रीषा-णि व म
- ४ अचिक्रीष-त्ताम् नः तम् तम् अचिक्रीषा-व म
- ५ अचिक्री-षीन् पिथाम् पिथुः षीः पिथम् पिथ विषम् पिष्व पिष्म
- ६ चिक्रीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चिक्रीषाञ्चकार चिक्रीषामास
- ७ चिक्रीष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ चिक्रीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्रीषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्रीषिष्या-मिवः म (अचिक्रीषिष्या-व म
- १० अचिक्रीषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ चिक्री-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे पावहे षामहे
- २ चिक्रीषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिक्री-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् पै पावहै षामहै
- ४ अचिक्री-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे पावहि षामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अचिक्रीषि-षताम् षत षाः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ चिक्रीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चिक्रीषाञ्चके चिक्रीषामास (य वहि महि
- ७ चिक्रीषिषी-ष याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ चिक्रीषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिक्रीषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिक्रीषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१५०९ बिग्श (सि) वन्धने । बिग्श १२८७ वद्रपाणि

१५१० प्रीगृश् (प्री) तृप्तिकान्त्योः ।

- १ पिप्रीष-ति तः न्ति सिथः थ पिप्रीषा-मि वः मः
- २ पिप्रीषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिप्रीष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिप्रीषा-णि व म
- ४ अपिप्रीष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिप्रीषा-व म
- ५ अपिप्री-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ पिप्रीषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिप्रीषाश्चकार पिप्रीषाम्बभूव
- ७ पिप्रीष्या-त् ताम् न्तुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिप्रीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिप्रीषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ पिप्रीषिष्या-मि
वः मः (अपिप्रीषिष्या-व म

१० अपिप्रीषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

पक्षे प्रीङ्क् १२५३ वङ्गपाणि

१५११ श्रीगृश् (श्री) पाके । श्रिग् ८८३ वङ्गपाणि
तामि च शिश्रीषट्ठितान्येव ।

१५१२ मीगृश् (मी) हिसायाम् । परस्मैपदे माङ्क

१०७३ वङ्गपाणि । आत्मनेपदे मेङ्क् ६०३ वङ्गपाणि

१५१३ युगृश् (यु) बन्धने

- १ यियवि-पते पते पन्ते पते पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ यियविषे-त् याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ यियवि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अयियवि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि भमहि
- ५ अयियविषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्रवम् ध्वम्
- ६ यियविषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व ववि वविम
यियविषाश्चकार यियविषामास वहि महि
- ७ यियविषिषी-ष्ट याताम् रन् प्राः याथाम् ध्वम् य
- ८ यियविषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ यियविषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयियविषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम्
पक्षे यियवि-स्थाने युयू-इति ज्ञेयम्
परस्मैपदे तु युक् १०८० वङ्गपाणि

१५१४ चुस्कृश् (चुक्) आप्रवणे

- १ चुस्कृप-ति तः न्ति सिथः थ चुस्कृषा-मि वः मः
- २ चुस्कृषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुस्कृष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुस्कृषा-णि व म
- ४ अचुस्कृष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुस्कृषा-व म
- ५ अचुस्कृ-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म (कृम
- ६ चुस्कृषाश्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कुव
चुस्कृषाम्बभूव चुस्कृषामास
- ७ चुस्कृष्या-त् ताम् न्तुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुस्कृषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुस्कृषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चुस्कृषिष्या-मि
वः मः (अचुस्कृषिष्या-व म
- १० अचुस्कृषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

- १ चुस्कृ-पते पते पन्ते पते पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ चुस्कृषे-त् याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुस्कृ-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अचुस्कृ-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामाहे (पि ध्वहि भमहि
- ५ अचुस्कृषि-ष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् इद्रवम् ध्वम्
- ६ चुस्कृषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चुस्कृषाश्चकार चुस्कृषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चुस्कृषिषी-ष्ट याताम् रन् प्राः याथाम् ध्वम्
- ८ चुस्कृषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुस्कृषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचुस्कृषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१५१५ कृन्श (कृ) शब्दे ।

- १ चुकृन्-ति तः न्ति सि थः थ चुकृन्-मि वः मः
- २ चुकृन्-त तात् तात् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकृन्-तु तात् तात् न्तु " तात् तम् त
चुकृन्-णि व म
- ४ अचुकृन्-त तात् न्तु : तम् तम् अचुकृन्-व म
- ५ अचुकृन्-पीत् पिष्टम् पिबुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ चुकृन्-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चुकृन्-आश्चकार चुकृन्-आम्बभूव
- ७ चुकृन्-त तात् न्तु : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकृन्-तिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकृन्-क्षिप्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकृन्-क्षिप्या-मि
वः मः (अचुकृन्-क्षिप्या-व म
- १० अचुकृन्-क्षिप्य-त तात् न्तु : तम् तम्

१५१६ कृन्श (कृ) हिंसायाम् ।

- १ दुद्रु-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ दुद्रु-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दुद्रु-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अदुद्रु-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अदुद्रु-पि-त पाताम् पत प्राः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ दुद्रु-मा-त सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दुद्रु-आश्चकार दुद्रु-आम्बभूव (य वहि महि
- ७ दुद्रु-क्षिपि-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ दुद्रु-क्षिता-" रौ रः से साथे प्व हे स्वहे स्महे
- ९ दुद्रु-क्षि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यथ्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अदुद्रु-क्षि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम् प्यथ्वम्
पक्षे कृन् १३ वद्रपाणि

१५१७ कृन्श (कृ) उपादाने

- १ चुकृन्-ति तः न्ति सि थः थ जिचृक्षा-मि वः मः
- २ चुकृन्-त तात् तात् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकृन्-तु तात् तात् न्तु " तात् तम् त
जिचृक्षा-णि व म
- ४ अचुकृन्-त तात् न्तु : तम् तम् अजिचृक्षा-व म
- ५ अचुकृन्-पीत् पिष्टम् पिबुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व (कृ म
- ६ जिचृक्षा-आश्चकार कृतुः कुः कथं कथुः क वनर कर कुय
जिचृक्षा-आम्बभूव जिचृक्षा-आमस
- ७ जिचृक्ष्या-त तात् न्तु : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिचृक्षिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिचृक्षिप्य-ति तः न्ति सि थः थ जिचृक्षिप्या-मि
वः मः (अजिचृक्षिप्या-व म
- १० अजिचृक्षिप्य-त तात् न्तु : तम् तम्

- १ जिघृक्-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ जिघृक्षे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिघृक्-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पथ्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजिघृक्-पत पताम् पन्त पथाः पेशाम् पथ्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि प्महि)
- ५ अजिघृक्षि-पताम् पत प्ताः पाथाम् इवम् ध्वम्
- ६ जिघृक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जिघृक्षाश्चक्रे जिघृक्षाम्बभूव [य वहि महि]
- ७ जिघृक्षिषी-प यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ जिघृक्षिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिघृक्षि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यंथे प्यथ्वे प्ये प्यावहे प्यामहे [प्ये प्यावहि प्यामहि]
- १० अजिघृक्षिष्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येशाम् प्यथ्वम्

- १ पुपू-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ पुपूषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पुपू-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पेशाम् पथ्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अपुपू-पत पताम् पन्त पथाः पेशाम् ध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि प्महि)
- ५ अपुपूषि-पताम् पत प्ताः पाथाम् इवम् ध्वम्
- ६ पुपूषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम पुपूषाश्चक्रे पुपूषामास (वहि महि)
- ७ पुपूषिषी-प यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ पुपूषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पुपूषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यंथे प्यथ्वे प्ये प्यावहे प्यामहे [प्ये प्यावहि प्यामहि]
- १० अपुपूषिष्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येशाम् प्यथ्वम्

१५१८ पूगश (पू) पयने ।

- १ पुपूष-ति तः न्ति सि थः थ पुपूषा-मि वः मः
- २ पुपूषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपूष-तु तात् ताम् न्तु '' तात् तम् त पुपूषा-णि व म
- ४ अपुपूष-त ताम् नः तम् तम् अपुपूषा व म
- ५ अपुपू-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम् पिष्व पिष्म
- ६ पुपूषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर क्व क्वम् पुपूषाम्बभूव पुपूषामास
- ७ पुपूष्या-त स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपूषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपूषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपूषिष्या मि वः मः (अपुपूषिष्या-व म)
- १० अपुपूषिष्य-त ताम् नः तम् तम्

१५१९ लृगश (लृ) छेदने

- १ लृलृष-ति तः न्ति सि थः थ लृलृषा-मि वः मः
- २ लृलृषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लृलृष-तु तात् ताम् न्तु '' तात् तम् त लृलृषा-णि व म
- ४ अलृलृष-त ताम् नः तम् तम् अलृलृषा-व म
- ५ अलृलृ-पीत् पिष्टाम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम् पिष्व पिष्म
- ६ लृलृषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम लृलृषाश्चकार लृलृषामास
- ७ लृलृष्या-त स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लृलृषिता-'' रौ रः मि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लृलृषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लृलृषिष्या-मि वः मः (अलृलृषिष्या-व म)
- १० अलृलृषिष्य-त ताम् नः तम् तम्

- १ लुलृ पते षेतं पन्ते पते षेथे षध्वे षे पावहे पामहे
- २ लुलृषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लुलृ-पताम् षेताम् पन्ताम् पस्व षेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अलुलृ-पत षेताम् पन्त पथाः षेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ अलुलृषि-ष्ट पाताम् पत षाः पाथाम् इड्वम् ध्वम्
- ६ लुलृषामा-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
लुलृषाञ्चक्रे लुलृषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ लुलृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लुलृषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लुलृषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे [ष्यं ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलुलृषिष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
१५२० श्रूगश् [ध्रू] कम्पने । श्रूग्ट १२९९ वद्रूपाणि

१५२१ स्तृगश् (स्तृ) आच्छादने ।

- १ तिस्तृषि-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तृरिषा-मि वः मः
- २ तिस्तृरिषे-तृ तात् युः : तम् त यम् व म
- ३ तिस्तृरिष-तु तात् तात् न्तु " तात् तम् त
तिस्तृरिषा-णि व म
- ४ अतिस्तृरिष-तृ तात् नः तम् तम् अतिस्तृरिषा-
- ५ अतिस्तृरि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तिस्तृरिषाञ्चकार कतुः कुः कर्तृ कथुः क कार कर कृव कृम
तिस्तृरिषाम्बभूव तिस्तृरिषामास
- ७ तिस्तृरिष्या-तृ स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्तृरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्तृरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तृरिषिष्या-
मि वः मः (अतिस्तृरिषिष्या-व म
- १० अतिस्तृरिषिष्य-तृ तात् नः तम् तम्
पक्षे तिस्तृरि-स्थाने तिस्तृरी इति
तिस्तृरी इति च ज्ञेयम्

- १ तिस्तृ-पते षेतं पन्ते पते षेथे षध्वे पे पावहे पामहे
- २ तिस्तृरिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तिस्तृरि-पताम् षेताम् पन्ताम् पस्व षेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अतिस्तृरि-पत षेताम् पन्त पथाः षेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ अतिस्तृरिषि-ष्ट पाताम् पत षाः पाथाम् इड्वम् ध्वम्
- ६ तिस्तृरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तिस्तृरिषाञ्चक्रे तिस्तृरिषामास (वहि महि
- ७ तिस्तृरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ तिस्तृरिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तिस्तृरिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यं ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतिस्तृरिषिष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
पक्षे तिस्तृरि-स्थाने तिस्तृरी इति तिस्तृरी
इति च ज्ञेयम् ।

१५२२ कृगश् (कृ) हिंसायाम्

- १ चिकरिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकरिषा-मि वः मः
- २ चिकरिषे-तृ तात् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिकरिष-तु तात् तात् न्तु " तात् तम् त
चिकरिषा-णि व म
- ४ अधिकरिष-तृ तात् नः तम् तम् अचिकरिषा-व म
- ५ अचिकरि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिकरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिकरिषाञ्चकार चिकरिषामास
- ७ चिकरिष्या-तृ स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकरिषिष्या-
मि वः मः (अचिकरिषिष्या-व म
- १० अचिकरिषिष्य-तृ तात् नः तम् तम्
पक्षे चिकरी-स्थाने चिकरी-इति चिकरी
इति च ज्ञेयम्

- १ चिकरि-पतेषेतेषन्तेषसे षेथे षन्वे षे षावहे षामहे
- २ चिकरिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ष्वम् य वहि महि
- ३ चिकरि-षताम् षेताम् षन्ताम् पस्व षेथाम् ष्वम् षे
षावहै षामहै
- ४ अचिकरि-पत षेताम् पन्त पथाः षेथाम् ष्वम् षे
षावहि षामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अचिकरिषि-ष्ट षाताम् पत ष्ठाः याथाम् ष्वम्
- ६ चिकरिषाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे
चिकरिषाम्बभूव चिकरिषामास (य वहि महि
- ७ चिकरिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः याथाम् ष्वम्
- ८ चिकरिषिता-" रौ रः से साथे ष्वे हे ष्वहे स्महे
- ९ चिकरिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यन्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिकरिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यथम्
पक्षे चिकरि-स्थाने चिकरी-इति चिकीर
इति च : ज्ञेयम् ।

१५२३ वृग्म् (वृ) वरः । वृग्म् १२९४ वृग्पाणि

१५२४ ज्यांश् (ज्यां) हानौ ।

- १ जिज्यास-ति तन्ति सिथः थ जिज्यासा-मि वः मः
- २ जिज्यासे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिज्यास-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
जिज्यासा-नि व म
- ४ अजिज्यास-त्ताम् नः तम् तम् अजिज्यासा-व म
- ५ अजिज्या सीत्सिष्टाम् सिष्ठुः सीः सिष्ठम् सिष्ठसिष्ठम्
सिष्ठ्व सिष्ठम्
- ६ जिज्यासाम्बभू-व वतुः उः सिथ वथुः व व विव विम
जिज्यासाश्चकार जिज्यासामास
- ७ जिज्यास्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिज्यासिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिज्यासिष्य-ति तन्ति सिथः थ जिज्यासिष्या-
मि वः मः (अजिज्यासिष्या-व म
- १० अजिज्यासिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१५२५ रींश् (री) गतिरेषणयोः ।

- १ रिरीष-ति तन्ति सिथः थ रिरीषा-मि वः मः
- २ रिरीषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रिरीष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
रिरीषा-णि व म
- ४ अरिरीष-त्ताम् नः तम् तम् अरिरीषा-व म
- ५ अरिरी-षीत्षिष्टाम् पिष्ठुः पीः पिष्ठम् पिष्ठपिष्ठम्
पिष्ठ्व पिष्ठम्
- ६ रिरीषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
रिरीषाश्चकार रिरीषाम्बभूव
- ७ रिरीष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरीषिष्य-ति तन्ति सिथः थ रिरीषिष्या-
मि वः मः (अरिरीषिष्या-व म
- १० अरिरीषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१५२६ लींश् (ली) श्लेषणे ।

- १ लिलीष-ति तन्ति सिथः थ लिलीषा-मि वः मः
- २ लिलीषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिलीष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
लिलीषा-णि व म
- ४ अलिलीष-त्ताम् नः तम् तम् अलिलीषा-
व म (विष्ठ्व विष्ठम्
- ५ अलिली-षीत्षिष्टाम् पिष्ठुः पीः पिष्ठम् पिष्ठपिष्ठम्
लिलीषाश्चकार लिलीषाम्बभूव
- ६ लिलीषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ लिलीष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलीषिष्य-ति तन्ति सिथः थ लिलीषि-
ष्या-मि वः मः (अलिलीषिष्या-व म
- १० अलिलीषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१५२७ व्लीश् (व्ली) वरणे ।

- १ विल्लीष-ति तः न्ति सिथः थ विल्लीषा-मि वः मः
- २ विल्लीषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व न
- ३ विल्लीष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विल्लीषा-णि व म
- ४ अविल्लीष-त् ताम् न् : तम् तम् अविल्लीषा-व म
- ५ अविल्ली-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्
- ६ विल्लीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विथ विम
विल्लीषाञ्चकार विल्लीषामास
- ७ विल्लीष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विल्लीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विल्लीषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ विल्लीषिष्या-
मि वः मः (अविल्लीषिष्या-व म
- १० अविल्लीषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५२८ ल्वीश् (ल्वी) गतौ ।

- १ लिल्वीष-ति तः न्ति सिथः थ लिल्वीषा-मि वः मः
- २ लिल्वीषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लिल्वीष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिल्वीषा-णि व म
- ४ अलिल्वीष-त् ताम् न् : तम् तम् अलिल्वीषा-व म
- ५ अलिल्वी-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्
- ६ लिल्वीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विथ विम
लिल्वीषाञ्चकार लिल्वीषामास
- ७ लिल्वीष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिल्वीषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिल्वीषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ लिल्वीषिष्या-
मि वः मः (अलिल्वीषिष्या-व म
- १० अलिल्वीषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५२९ कृश् (कृ) हिंसायाम् । कृश् १५२२
वदूपाणि । नवरं परस्मैपदं टितान्नेव ।

१५३० मृश् (मृ) हिंसायाम् ।

- १ मिमरिष-ति तः न्ति सिथः थ मिमरिषा-मि वः मः
- २ मिमरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमरिषा-णि व म
- ४ अमिमरिष-त् ताम् न् : तम् तम् अमिमरिषा-व म
- ५ अमिमरिष-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्टम्
- ६ मिमरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमरिषाञ्चकार मिमरिषाम्बभूष
- ७ मिमरिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमरिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ मिमरिषिष्या-
मि वः मः (अमिमरिषिष्या-व म
- १० अमिमरिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे मिमरि-स्थाने मिमरी-इति मुमूर
इति च ज्ञेयम् ।

१५३१ शृश् (शृ) हिंसायाम् ।

- १ शिशरिष-ति तः न्ति सिथः थ शिशरिषा-मि वः मः
- २ शिशरिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिशरिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशरिषा-णि व म
- ४ अशिशरिष-त् ताम् न् : तम् तम् अशिशरिषा-
व म (विष्ट विष्टम्
- ५ अशिशरि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
शिशरिषाञ्चकार शिशरिषाम्बभूष
- ६ शिशरिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ शिशरिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशरिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शिशरिषि-
ष्या-मि वः मः (अशिशरिषिष्या-व म
- १० अशिशरिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे शिशरि-स्थाने शिशरी-इति शिशर
इति च ज्ञेयम् ।

१५३२ पृश् (पृ) पालनपूरणयोः ।

- १ पिपरिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपरिषा-मि वः मः
- २ पिपरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
पिपरिषा-णि व म
- ४ अपिपरिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिपरिषा-
- ५ अपिपरि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपरिषाञ्चकार क्तुः क्तुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
पिपरिषाम्बभूव पिपरिषामास
- ७ पिपरिष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपरिषिष्या-
मि वः मः (अपिपरिषिष्या-व म
- १० अपिपरिषिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्
पक्षे पिपरि-स्थाने पिपरी इति पुपुर
इति च ज्ञेयम्

१५३३ वृश् (वृ) वरणे । वृग् १२९४ वद्रूपाणि
नवरं परस्मैपदधटितान्येव ।

१५३४ भृश् (भृ) भर्जने च ।

- १ विभरिष-ति तः न्ति सि थः थ विभरिषा-मि वः मः
- २ विभरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विभरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
विभरिषा-णि व म
- ४ विभरिष-त्ताम् नः तम् तम् विभरिषा-व म
- ५ विभरि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विभरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विभरिषाञ्चकार विभरिषामास
- ७ विभरिष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विभरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विभरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विभरिषिष्या-
मि वः मः (विभरिषिष्या-व म
- १० विभरिषिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्
पक्षे विभरि-स्थाने विभरी इति बुभूर इति ज्ञेयम्

१५३५ दृश् [दृ] विदारणे । दृ १०१५ वद्रूपाणि
१५३६ जृश् [जृ] वयोहानौ । जष् ११४५ वद्रूपाणि
१५३७ नृश् (नृ) नयने । नृ १०१६ वद्रूपाणि

१५३८ गृश् (गृ) शब्दे ।

- १ जिगरिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगरिषा-मि वः मः
- २ जिगरिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिगरिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
जिगरिषा-णि व म
- ४ अजिगरिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिगरिषा-व म
- ५ अजिगरि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिगरिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिगरिषाञ्चकार जिगरिषामास
- ७ जिगरिष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगरिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगरिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगरिषि-
ष्या-मि वः मः (अजिगरिषिष्या-व म
- १० अजिगरिषिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्
पक्षे जिगरि-स्थाने जिगरी-इति जिगोर
इति च ज्ञेयम् ।

१५३९ ऋश् (ऋ) गतौ

- १ अरिषिष-ति तः न्ति सि थः थ अरिषिषा-मि वः मः
- २ अरिषिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अरिषिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्तम् त
अरिषिषा-णि व म
- ४ आरिषिष-त्ताम् नः तम् तम् आरिषिषा-व म
- ५ आरिषि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ अरिषिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अरिषिषाञ्चकार अरिषिषामास
- ७ अरिषिष्या-त्स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अरिषिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अरिषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अरिषिषिष्या-
मि वः मः (आरिषिषिष्या-व म
- १० आरिषिषिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्
पक्षे अरिषि-स्थाने अरिरी-इति ईषि
इति च ज्ञेयम्
आरिषि-स्थाने आरिरी-इति ऐषि
इति च ज्ञेयम् ।

१५४० ज्ञांश् (ज्ञा) अवबोधने ।

- १ जिज्ञा-सते सेते सन्ते ससे सेथे सध्वे से सावहे सामहे
- २ जिज्ञासे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिज्ञा-सताम् सेताम् सन्ताम् सस्व सेथाम् सध्वम् सै
सावहै सामहै
- ४ अजिज्ञा-सत सेताम् सन्त सथाः सेथाम् सध्वम् से
सावहि सामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजिज्ञासि-ष्ट पाताम् षत श्राः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ जिज्ञासाश्च-क्रे क्राते क्रिरेकृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे
जिज्ञासाम्बभूव जिज्ञासामास (य वहि महि
- ७ जिज्ञासिषी-ष्ट यास्ताम् रन् श्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जिज्ञासिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिज्ञासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजिज्ञासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
१५४१ क्षिपश् [क्षि] हिंसायाम् । क्षि १० वदूपाणि

१५४२ व्रींश् (व्री) वरणे ।

- १ विव्रीष-ति तः न्ति सि थः थ विव्रीषा-मि वः मः
- २ विव्रीषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विव्रीष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
विव्रीषा-णि व म
- ४ अविव्रीष-त् ताम् न् : तम् तम् अविव्रीषा-
- ५ अविव्री-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विव्रीषाश्चकार कृतुः कृः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
विव्रीषाम्बभूव विव्रीषामास
- ७ विव्रीष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विव्रीषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विव्रीषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विव्रीषिष्या-
मि वः मः (अविव्रीषिष्या-व म
- १० अविव्रीषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५४३ व्रींश् (व्री) भरणे ।

- १ विव्रीष-ति तः न्ति सि थः थ विव्रीषा-मि वः म
- २ विव्रीषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विव्रीष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
विव्रीषा-णि व म
- ४ अविव्रीष-त् ताम् न् : तम् तम् अविव्रीषा-व म
- ५ अविव्री-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विव्रीषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विव्रीषाश्चकार विव्रीषामास
- ७ विव्रीष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विव्रीषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विव्रीषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विव्रीषिष्या-
मि वः मः (अविव्रीषिष्या-व म
- १० अविव्रीषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५४४ हेठश् (हेठ) भूतप्रादुर्भावे ।

- १ जिहेठिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहेठिषा-मि वः मः
- २ जिहेठिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिहेठिष-तु तात् ताम् न्तु ” तात् तम् त
जिहेठिषा-णि व म
- ४ अजिहेठिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिहेठिषा-व म
- ५ अजिहेठि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिहेठिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिहेठिषाश्चकार जिहेठिषामास
- ७ जिहेठिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहेठिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहेठिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहेठिषि-
ष्या-मि वः मः (अजिहेठिषिष्या-व म
- १० अजिहेठिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
१५४५ मृडत् (मृड्) सुखने । मृडत् १३५८ वदूपाणि

१५४६ ग्रन्थश (ग्रन्थ) मोचनप्रतिहर्षयोः

- १ शिश्रन्थिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्रन्थिषामि वः मः
- २ शिश्रन्थिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ शिश्रन्थिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्रन्थिषा-णि व म
- ४ अशिश्रन्थिषत् ताम् न् : तम् त म् अशिश्रन्थिषाव म
- ५ अशिश्रन्थि-पीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ शिश्रन्थिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शिश्रन्थिषाश्चकार शिश्रन्थिषाम्बभूव
- ७ शिश्रन्थिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्रन्थिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्रन्थिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्रन्थिषिष्या
मि वः मः (अशिश्रन्थिषिष्या-व म
- १० अशिश्रन्थिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
- १५४७ ग्रन्थश (ग्रन्थ) विलोडने । ग्रन्थ २९२ वदूपाणि

१५४८ ग्रन्थश (ग्रन्थ) संदर्भे

- १ जिग्रन्थिष-ति तः न्ति सि थः थ जिग्रन्थिषामि वः मः
- २ जिग्रन्थिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिग्रन्थिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिग्रन्थिषा-णि व म
- ४ अजिग्रन्थिषत् ताम् न् : तम् त म् अजिग्रन्थिषाव म
- ५ अजिग्रन्थि-पीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ जिग्रन्थिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिग्रन्थिषाश्चकार जिग्रन्थिषामास
- ७ जिग्रन्थिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ जिग्रन्थिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिग्रन्थिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिग्रन्थिषिष्या
मि वः मः (अजिग्रन्थिषिष्या-व म
- १० अजिग्रन्थिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
- १५४९ कुन्थश (कुन्थ) संक्षेपे । कुथु २८८ वदूपाणि

१५५० मृदश (मृद्) श्लोदे ।

- १ मिमदिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमदिषामि वः मः
- २ मिमदिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मिमदिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमदिषा-णि व म
- ४ अमिमदिष-त् ताम् न् : तम् त म् अमिमदिषा-
व म (विष्व विष्म
- ५ अमिमदि-पीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
मिमदिषाश्चकार मिमदिषाम्बभूव
- ६ मिमदिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ मिमदिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमदिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमदिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमदिषि-
ष्या-मि वः मः (अमिमदिषिष्या-व म
- १० अमिमदिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
- १५५१ गुधश (गुव्) रोषे । गुधव् ११५५ वदूपाणि

१५५२ वन्धश (वन्ध्) वन्धने ।

- १ विभन्तिष-ति त न्ति सि थः थ विभन्तिषामि वः मः
- २ विभन्तिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विभन्तिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विभन्तिषा-णि व म -व म
- ४ अविभन्तिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविभन्तिषा
- ५ अविभन्तु सीत् सिष्टम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
सिष्ट्व सिष्टम्
- ६ विभन्तिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विभन्तिषाश्चकार विभन्तिषामास
- ७ विभन्तिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विभन्तिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विभन्तिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विभन्तिषिष्या-
मि वः मः (अविभन्तिषिष्या-व म
- १० अविभन्तिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्
- १५५३ क्षुभश (क्षुभ्) संचलने । क्षुभव् ११९९ वदूपाणि
- १५५४ णभश (नम्) णभव् १२०० वदूपाणि
- १५५५ तुभश (तुम्) तुभव् १२०१ वदूपाणि

सर्वत्र विभन्तिष स्थाने विभन्तिष इति शुद्धम् ।

१५५६ खवश् (खव) हैठवत्

- १ चिखविष-ति तः न्ति सि थः थ चिखविषा-मि वः मः
- २ चिखविषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखविष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिखविषा-णि व म
- ४ अचिखविष-त् ताम् नः तम् तम् अचिखविषा-व म
- ५ अचिखवि-पीत् पिष्टम् पिडुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ चिखविषाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम
चिखविषाञ्चकार चिखविषामास
- ७ चिखविष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ चिखविषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखविषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखविषिष्या-
मि वः मः (अचिखविषिष्या-व म
- १० अचिखविषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१५५७ क्लिशौश् (क्लिश) निवाधने ।

- १ चिक्लेशिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्लेशिषा-मि वः मः
- २ चिक्लेशिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिक्लेशिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्लेशिषा-णि व म -व म
- ४ अचिक्लेशिष-त् ताम् नः तम् तम् अचिक्लेशिषा
- ५ अचिक्लेशि-पीत् पिष्टम् पिडुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ चिक्लेशिषाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम
चिक्लेशिषाञ्चकार चिक्लेशिषामास
चिक्लेशिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
चिक्लेशिषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
चिक्लेशिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्लेशिषि-
ष्या-मि वः मः (अचिक्लेशिषिष्या-व म
- ७ अचिक्लेशिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे चिक्लेशि-स्थाने चिक्लिशि-इति
चिक्लिक्-इति च ज्ञेयम् ।

१५५८ अशश् (अश) भोजने ।

- १ अशिशिष-ति तः न्ति सि थः थ अशिशिषा-मि वः मः
- २ अशिशिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अशिशिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अशिशिषा-णि व म
- ४ आशिशिष-त् ताम् नः तम् तम् आशिशिषा-व म
- ५ आशिशि-पीत् पिष्टम् पिडुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट्व पिष्टम्
- ६ अशिशिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
अशिशिषाञ्चकार अशिशिषाम्बभूव
- ७ अशिशिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अशिशिषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अशिशिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अशिशिषिष्या-
मि वः मः (आशिशिषिष्या-व म
- १० आशिशिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
१५५९ इषश् (इष) आभीक्ष्ण्ये । इषन् ११६५ वदूपाणि
१५६० विषश् (विष) विप्रयोगे । विष् ५२८ वदूपाणि
१५६१ पुषश् (पुष) स्नेहसेचन पुरणेषु । पुष् ६३२ वदूपाणि
१५६२ लुषश् (लुष) स्नेहसेचन पुरणेषु । लुष् ५३३ वदूपाणि
१५६३ मुषश् (मुष) स्तंभे । मुष ५९३ वदूपाणि
१५६४ पुषश् [पुष] पुष्ट । पुष ५३६ वदूपाणि
१५६५ कुषश् (कुष) निष्कर्षे ।
१ चुकोषिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकोषिषा-मि वः मः
२ चुकोषिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
३ चुकोषिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकोषिषा-णि व म
४ अचुकोषिष-त् ताम् नः तम् तम् अचुकोषिषा-
व म (विष्ट्व पिष्टम्
५ अचुकोषि-पीत् पिष्टम् पिडुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
चुकोषिषाञ्चकार चुकोषिषाम्बभूव
६ चुकोषिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
७ चुकोषिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
८ चुकोषिषिता-'' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
९ चुकोषिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकोषिषि-
ष्या-मि वः मः (अचुकोषिषिष्या-व म
१० अचुकोषिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे चुको स्थाने चुकु-इति ज्ञेयम्

१५६६ ध्रस्वश् (ध्रस्व) उच्छे ।

१ दिध्रसिष-ति तः न्ति सि थः थ दिध्रसिषा-मि वः मः

२ दिध्रसिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म

३ दिध्रसिष-बु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त

दिध्रसिषा-णि व म

४ अदिध्रसिष त्ताम् न् : तम् तम् अदिध्रसिषा-व म

५ अदिध्रसि षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व

६ दिध्रसिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

दिध्रसिषाञ्चकार दिध्रसिषामास

७ दिध्रसिष्या-त् स्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म

८ दिध्रसिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः

९ दिध्रसिषिष्य ति तः न्ति सि थः थ दिध्रसि षिष्या-मि

वः मः (अदिध्रसिषिष्या-व म

१० अदिध्रसिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म

१५६७ वृडश् (वृ) संभक्तौ ।

१ विवरि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे

२ विवरिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ विवरि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् पै
षावहै षामहै

४ अविवरि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि षमहि

५ अविवरिषि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्

६ विवरिषाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे
विवरिषाम्बभूष विवरिषामास (य वहि महि

७ विवरिषिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्

८ विवरिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे रवहे स्महे

९ विवरिषि-ष्यत ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अविवरिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

पक्षे विवरि-स्थाने विवरी-इति वुवूर
इति च ज्ञेयम्

इतिश्रोमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-

विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-

विजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेंदिन्दिरा-

यमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य

सन्नन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे

तृतीयभागे

॥ क्रयादिगणः संपूर्णः ॥

१५६८ चुरण् (चुर) स्तेये ।

- १ चुचोरयिषति तः न्ति सि थः थ चुचोरयिषामि वः मः
- २ चुचोरयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म
- ३ चुचोरयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचोरयिषा-णि व म व म
- ४ अचुचोरयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुचोरयिषा-
- ५ अचुचोरयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुचोरयिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
चुचोरयिषाञ्चकार चुचोरयिषामास
- ७ चुचोरयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचोरयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचोरयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ चुचोरयिषिष्या
-मि वः मः (अचुचोरयिषिष्या-व म
- १० अचुचोरयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५७० घृण् (घृ) क्खणे

- १ जिघारयिषति तः न्ति सि थः थ जिघारयिषामि वः मः
- २ जिघारयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिघारयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिघारयिषा-णि व म
- ४ अजिघारयिषत् ताम् न् : तम् तम् जिघारयिषा व म
- ५ अजिघारयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिघारयिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
जिघारयिषाञ्चकार जिघारयिषामास
- ७ जिघारयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिघारयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिघारयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ जिघारयिषि
ष्या-मि वः मः (अजिघारयिषिष्या-व म
- १० अजिघारयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५६९ पृण् (पृ) पूरणे ।

- १ पिपारयिषति तः न्ति सि थः थ पिपारयिषामि वः मः
- २ पिपारयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपारयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपारयिषा-णि व म -व म
- ४ अपिपारयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिपारयिषा-
- ५ अपिपारयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपारयिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
पिपारयिषाञ्चकार पिपारयिषामास
- ७ पिपारयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपारयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपारयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ पिपारयिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपारयिषिष्या-व म
- १० अपिपारयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५७१ श्वल्क (श्वल्क्) भाषणे ।

- १ शिश्वल्कयिषति तः न्ति सि थः थ शिश्वल्कयिषामि
- २ शिश्वल्कयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः म
- ३ शिश्वल्कयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्वल्कयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अशिश्वल्कयिषत् ताम् न् : तम् तम् अशिश्वल्कयि
- ५ अशिश्वल्कयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ शिश्वल्कयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्ष कथुः क वार कर कृव
शिश्वल्कयिषाम्बभूव शिश्वल्कयिषामास
- ७ शिश्वल्कयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्वल्कयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्वल्कयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ शिश्वल्कयि
षिष्या-मि वः मः (अशिश्वल्कयिषिष्या-व म
- १० अशिश्वल्कयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५७२ वल्कण् (वल्क्) भाषणे ।

- १ विवल्कयिषति तः न्ति सि थः थ विवल्कयिषामि वः
- २ विवल्कयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ विवल्कयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवल्कयिषा-णि व म व म
- ४ अविवल्कयिषत् ताम् न् : तम् त म् अविवल्कयिषा
- ५ अविवल्कयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ विवल्कयिषामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
विवल्कयिषाञ्चकार विवल्कयिषाम्बभूव
- ७ विवल्कयिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवल्कयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवल्कयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवल्कयिषि
ष्या-मि वः मः (अविवल्कयिषिष्या-व म
- १० अविवल्कयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१५७४ धक्क (धक्क्) नाशने ।

- १ दिधक्कयिष-ति तः न्ति सि थः थ दिधक्कयिषामि वः मः
- २ दिधक्कयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ दिधक्कयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिधक्कयिषा-णि व म व म
- ४ अदिधक्कयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अदिधक्कयिषा-
- ५ अदिधक्कयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्ट्व -कर कृम कृव
- ६ दिधक्कयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार
दिधक्कयिषाम्बभूव दिधक्कयिषामास
- ७ दिधक्कयिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधक्कयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधक्कयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिधक्कयिषिष्या
-मि वः मः (अदिधक्कयिषिष्या-व म
- १० अदिधक्कयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१५७३ नक्क (नक्क्) नाशने ।

- १ निनक्कयिषति तः न्ति सि थः थ निनक्कयिषामि वः मः
- २ निनक्कयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनक्कयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनक्कयिषा-णि व म
- ४ अनिनक्कयिषत् ताम् न् : तम् त म् अनिनक्कयिषाव म
- ५ अनिनक्कयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ निनक्कयिषामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
निनक्कयिषाञ्चकार निनक्कयिषाम्बभूव
- ७ निनक्कयिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनक्कयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनक्कयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनक्कयिषि
ष्या-मि वः मः (अनिनक्कयिषिष्या-व म
- १० अनिनक्कयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१५७५ चक्कण् (चक्क्) व्यथने

- १ चिचक्कयिषति तः न्ति सि थः थ चिचक्कयिषामि वः मः
- २ चिचक्कयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिचक्कयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचक्कयिषा-णि व म -व म
- ४ अचिचक्कयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचिचक्कयिषा
- ५ अचिचक्कयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्ट्व (कृम
- ६ चिचक्कयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
चिचक्कयिषाम्बभूव चिचक्कयिषामास
- ७ चिचक्कयिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचक्कयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचक्कयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचक्कयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिचक्कयिषिष्या-व म
- १० अचिचक्कयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१५७६ चुक् (चुक्) व्यधने

- १ चुचुकयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचुकयिषामि वः मः
- २ चुचुकयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचुकयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचुकयिषा-णि व म -व म
- ४ अचुचुकयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुचुकयिषा
- ५ अचुचुकयि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट पृष्म (३म)
- ६ चुचुकयिषाञ्च-कारकतुः कः कथं कथुः क कारक कृव
चुचुकयिषाम्भूव चुचुकयिषामास
- ७ चुचुकयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचुकयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचुकयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचुकयिषि
ष्या-मि वः मः (अचुचुकयिषिष्या-व म
- १० अचुचुकयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१५७८ अर्कण् (अर्क) हतवने ।

- १ अर्कयिषति तः न्ति सि थः थ अर्कयिषामि वः मः
- २ अर्कयिषे-ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अर्कयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
अर्कयिषा-णि व म
- ४ आर्कयिषत्ताम् नः तम् तम् आर्कयिषाव म
- ५ आर्कयि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट पृष्म
- ६ अर्कयिषामा स सतु सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
अर्कयिषाञ्चकार अर्कयिषाम्भूव
- ७ अर्कयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अर्कयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अर्कयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अर्कयिषि-
ष्या-मि वः मः (आर्कयिषिष्या-व म
- १० अर्कयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१५७७ टक्ण् (टक्) बन्धने ।

- १ टिट्कयिष-ति तः न्ति सि थः थ टिट्कयिषामि वः मः
- २ टिट्कयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ टिट्कयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
टिट्कयिषा-णि व म व म
- ४ अटिट्कयिष-त्ताम् नः तम् तम् अटिट्कयिषा-
- ५ अटिट्कयि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट पृष्म -कार कृम कृव
- ६ टिट्कयिषाञ्च-कारकतुः कः कथं कथुः क कार
टिट्कयिषाम्भूव टिट्कयिषामास
- ७ टिट्कयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ टिट्कयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ टिट्कयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ टिट्कयिषिष्या-
मि वः मः (अटिट्कयिषिष्या-व म
- १० अटिट्कयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१५७९ पिच्चण् (पिच्च) कुट्टने ।

- १ पिपिच्चयिषति तः न्ति सि थः थ पिपिच्चयिषामि वः मः
- २ पिपिच्चयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपिच्चयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपिच्चयिषा-णि व म व म
- ४ अपिपिच्चयिषत्ताम् नः तम् तम् अपिपिच्चयिषा-
- ५ अपिपिच्चयि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम्
पिष्ट पृष्म
- ६ पिपिच्चयिषामा स सतु सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
पिपिच्चयिषाञ्चकार पिपिच्चयिषाम्भूव
- ७ पिपिच्चयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपिच्चयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपिच्चयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपिच्चयिषि-
ष्या-मि वः मः (अपिपिच्चयिषिष्या-व म
- १० अपिपिच्चयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१५८० पचुण् (पञ्च) विस्तारे ।

- १ पिपञ्चयिषति तः न्ति सिथः थ पिपञ्चयिषामि वः मः
- २ पिपञ्चयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म
- ३ पिपञ्चयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपञ्चयिषा-णि व म व म
- ४ अपिपञ्चयिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अपिपञ्चयिषा
- ५ अपिपञ्चयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षष्म
- ६ पिपञ्चयिषामा-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
पिपञ्चयिषाश्चकार पिपञ्चयिषाम्बभूव
- ७ पिपञ्चयिष्या-त् ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपञ्चयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपञ्चयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ पिपञ्चयिषि
ष्या मि वः मः (अपिपञ्चयिषिष्या-व म
- १० अपिपञ्चयिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

१५८२ ऊर्जिज् (ऊर्ज) बलप्राणनयोः ।

- १ ऊर्जिजयिषति तः न्ति सिथः थ ऊर्जिजयिषामि वः मः
- २ ऊर्जिजयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म
- ३ ऊर्जिजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ऊर्जिजयिषा-णि व म
- ४ और्जिजयिषत् ताम् न्ः तम् तम् और्जिजयिषाव म
- ५ और्जिजयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ ऊर्जिजयिषामा स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
ऊर्जिजयिषाश्चकार ऊर्जिजयिषाम्बभूव
- ७ ऊर्जिजयिष्या-त् ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ऊर्जिजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ऊर्जिजयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ ऊर्जिजयिषि-
ष्या-मि वः मः (और्जिजयिषिष्या व म
- १० और्जिजयिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

१५८१ म्लेच्छण् (म्लेच्छ) म्लेच्छने ।

- १ मिम्लेच्छयिषति तः न्ति सिथः थ मिम्लेच्छयिषामि वः मः
- २ मिम्लेच्छयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ मिम्लेच्छयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिम्लेच्छयिषा-णि व म यिषा-व म
- ४ अमिम्लेच्छयिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अमिम्लेच्छ-
- ५ अमिम्लेच्छयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म -कर कृम कृव
- ६ मिम्लेच्छयिषाश्चकार कृतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
मिम्लेच्छयिषाम्बभूव मिम्लेच्छयिषामास
- ७ मिम्लेच्छयिष्या-त् ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिम्लेच्छयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिम्लेच्छयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ मिम्लेच्छयि-
षिष्या मि वः मः (अमिम्लेच्छयिषिष्या-व म
- १० अमिम्लेच्छयिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

१५८३ तुज् (तुज्ज) हिंसाबलदान निकेतनेषु

- १ तुतुजयिष-ति तः न्ति सिथः थ तुतुजयिषा मि वः मः
- २ तुतुजयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म
- ३ तुतुजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतुजयिषा-णि व म -व म
- ४ अतुतुजयिष-त् ताम् न्ः तम् तम् अतुतुजयिषा
- ५ अतुतुजयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म (कृम
- ६ तुतुजयिषाश्चकार कृतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
तुतुजयिषाम्बभूव तुतुजयिषामास
- ७ तुतुजयिष्या-त् ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुजयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तुतुजयिषिष्या
-मि वः मः (अतुतुजयिषिष्या-व म
- १० अतुतुजयिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् तम्

१५८४ पिजुण (पिञ्ज) हिंसाबलदाननिकेतनेषु

- १ पिपिञ्जयिषति तः न्ति सि थः थ पिपिञ्जयिषामि वः मः
- २ पिपिञ्जयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पिपिञ्जयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपिञ्जयिषा-णि व म -व म
- ४ अपिपिञ्जयिष-त् ताम् नः तम् तम् अपिपिञ्जयिषा
- ५ अपिपिञ्जयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपिञ्जयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपिञ्जयिषाश्चकार पिपिञ्जयिषामास
- ७ पिपिञ्जयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपिञ्जयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपिञ्जयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपिञ्जयिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपिञ्जयिषिष्या-व म
- १० अपिपिञ्जयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१५८६ पूजण (पूज्) पूजयाम्

- १ पुपूजयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपूजयिषा-मि वः मः
- २ पुपूजयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपूजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपूजयिषा-णि व म
- ४ अपुपूजयिष-त् ताम् नः तम् तम् अपुपूजयिषा-व म
- ५ अपुपूजयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पुपूजयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पुपूजयिषाश्चकार पुपूजयिषामास
- ७ पुपूजयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपूजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपूजयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपूजयिषिष्या-
मि वः मः (अपुपूजयिषिष्या-व म
- १० अपुपूजयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१५८५ क्षजुण (क्षजू) कृच्छ्रजीवने

- १ चिक्षञ्जयिषति तः न्ति सि थः थ चिक्षञ्जयिषामि वः मः
- २ चिक्षञ्जयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म (मः)
- ३ चिक्षञ्जयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्षञ्जयिषा-णि व म व म
- ४ अचिक्षञ्जयिषत् ताम् नः तम् तम् अचिक्षञ्जयिषा
- ५ अचिक्षञ्जयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिक्षञ्जयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिक्षञ्जयिषाश्चकार चिक्षञ्जयिषामास
- ७ चिक्षञ्जयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्षञ्जयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्षञ्जयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षञ्जयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिक्षञ्जयिषिष्या-व म
- १० अचिक्षञ्जयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१५८७ गजण (गज्) शब्दे ।

- १ जिगाजयिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगाजयिषा-मि
- २ जिगाजयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वःमः)
- ३ जिगाजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगाजयिषा-णि व म -व म
- ४ अजिगाजयिषत् ताम् नः तम् तम् अजिगाजयिषा
- ५ अजिगाजयि-षीत् षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ जिगाजयिषाश्चकार कृतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
जिगाजयिषाम्बभूव जिगाजयिषामास
- ७ जिगाजयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगाजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगाजयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगाजयि
षिष्या-मि वः मः (अजिगाजयिषिष्या-व म
- १० अजिगाजयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१५८८ मार्जण् (मार्ज्) शब्दे ।

- १ मिमार्जयिषति तः न्ति सि थः थ मिमार्जयिषामिवः
- २ मिमार्जयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म (मः)
- ३ मिमार्जयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमार्जयिषा-णि व म व म
- ४ अमिमार्जयिषत् ताम् न् : तम् तम् अमिमार्जयिषा
- ५ अमिमार्जयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्म
- ६ मिमार्जयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमार्जयिषाश्चकार मिमार्जयिषामास
- ७ मिमार्जयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमार्जयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमार्जयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ मिमार्जयिषि
ष्या-मि वः मः (अमिमार्जयिषिष्या-व म
- १० अमिमार्जयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५९० वज्रण् (वज्र्) मार्गणसंस्कारगत्योः

- १ विवाजयिषति तः न्ति सि थः थ विवाजयिषा-मि
- २ विवाजयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ विवाजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवाजयिषा-णि व म -व म
- ४ अविवाजयिषत् ताम् न् : तम् तम् अविवाजयिषा
- ५ अविवाजयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्म कृम
- ६ विवाजयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क वार कर कृव
विवाजयिषाम्बभूव विवाजयिषामास
- ७ विवाजयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवाजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवाजयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ विवाजयि
षिष्या-मि वः मः (अविवाजयिषिष्या-व म
- १० अविवाजयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५८९ तिजण् (तिज्) निशाने

- १ तितेजयिषति तः न्ति सि थः थ तितेजयिषामिवः मः
- २ तितेजयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितेजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितेजयिषा-णि व म (व म
- ४ अतितेजयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतितेजयिषा
- ५ अतितेजयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्म
- ६ तितेजयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तितेजयिषाश्चकार तितेजयिषामास
- ७ तितेजयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितेजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितेजयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ तितेजयिषि
ष्या-मि वः मः (अतितेजयिषिष्या-व म
- १० अतितेजयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५९१ व्रजण् (व्रज्) मार्गणसंस्कारगत्योः

- १ विव्राजयिषति तः न्ति सि थः थ विव्राजयिषामिव मः
- २ विव्राजयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विव्राजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विव्राजयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अविव्राजयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविव्राजयि
- ५ अविव्राजयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्ट्व विष्म
- ६ विव्राजयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विव्राजयिषाश्चकार विव्राजयिषामास
- ७ विव्राजयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विव्राजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विव्राजयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ विव्राजयिषि
ष्या-मि व मः (अविव्राजयिषिष्या-व म
- १० अविव्राजयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५९२ रुज्ण (रुज्) हिंसायाम् ।

- १ रुज्णयिष-ति तः न्ति सि थः थ रुज्णयिषा-मि वः मः
- २ रुज्णयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ रुज्णयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रुज्णयिषा-णि व म
- ४ अरुज्णयिषत् ताम् न् : तम् तम् अरुज्णयिषाव म
- ५ अरुज्णयि-षीत् षिष्टम् षिः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ रुज्णयिषामा स सतु सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
रुज्णयिषाश्चकार रुज्णयिषाम्बभूव
- ७ रुज्णयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रुज्णयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रुज्णयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रुज्णयिषि-
ष्या-मि वः मः (अरुज्णयिषिष्या-व म
- १० अरुज्णयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५९४ तुट्ण (तुट्) छेदने ।

- १ तुतोटयिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतोटयिषामि वः मः
- २ तुतोटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतोटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतोटयिषा-णि व म -व म
- ४ अतुतोटयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतुतोटयिषा
- ५ अतुतोटयि-षीत् षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम् (वृम
- ६ तुतोटयिषाश्चकार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
तुतोटयिषाम्बभूव तुतोटयिषामास
- ७ तुतोटयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतोटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतोटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतोटयिषिष्या
-मि वः मः अतुतोटयिषिष्या व म
- १० अतुतोटयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५९३ नट्ण (नट्) अथस्पन्दने ।

- १ निनाटयिषति तः न्ति सि थः थ निनाटयिषामि वः मः
- २ निनाटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ निनाटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनाटयिषा-णि व म व म
- ४ अनिनाटयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अनिनाटयिषा
- ५ अनिनाटयि-षीत् षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ निनाटयिषामा-स सतु सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
निनाटयिषाश्चकार निनाटयिषाम्बभूव
- ७ निनाटयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनाटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनाटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनाटयिषि-
ष्या-मि वः मः (अनिनाटयिषिष्या-व म
- १० अनिनाटयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५९५ चुट्ण (चुट्) छेदने ।

- १ चुचोटयिषति तः न्ति सि थः थ चुचोटयिषा-मि वः मः
- २ चुचोटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (ः
- ३ चुचोटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचोटयिषा-णि व म व म
- ४ अचुचोटयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुचोटयिषा-
- ५ अचुचोटयि-षीत् षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम् - कर कृम कृव
- ६ चुचोटयिषाश्चकार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार
चुचोटयिषाम्बभूव चुचोटयिषामास
- ७ चुचोटयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचोटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचोटयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ चुचोटयिषिष्या
-मि वः मः (अचुचोटयिषिष्या-व म
- १० अचुचोटयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१५९६ चुटुण् (चुण्) छेदने

- १ चुचुण्टयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचुण्टयिषामि वः मः
- २ चुचुण्टयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचुण्टयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचुण्टयिषा-णि व म (व म
- ४ अचुचुण्टयिष-त् ताम् नः तम् तम् अचुचुण्टयिषा-
- ५ अचुचुण्टयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम
विष्व विष्म
- ६ चुचुण्टयिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
चुचुण्टयिषाम्बभूव चुचुण्टयिषामास
- ७ चुचुण्टयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचुण्टयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचुण्टयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचुण्टयिषि
ष्या-मि वः मः (अचुचुण्टयिषिष्या-व म
- १० अचुचुण्टयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१५९८ कुट्टण् (कुट्) कुत्सने च ।

- १ चुकुट्टयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुट्टयिषामि वः मः
- २ चुकुट्टयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकुट्टयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुट्टयिषा-णि व म (व म
- ४ अचुकुट्टयिष-त् ताम् नः तम् तम् अचुकुट्टयिषा-
- ५ अचुकुट्टयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम
विष्व विष्म
- ६ चुकुट्टयिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
चुकुट्टयिषाम्बभूव चुकुट्टयिषामास
- ७ चुकुट्टयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुट्टयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुट्टयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुट्टयिषि
ष्या-मि वः मः (अचुकुट्टयिषिष्या-व म
- १० अचुकुट्टयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१५९७ छुट्टण् (छुट्) छेदने ।

- १ चुच्छोटयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुच्छोटयिषामि वः मः
- २ चुच्छोटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ चुच्छोटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुच्छोटयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अचुच्छोटयिष-त् ताम् नः तम् तम् अचुच्छोटयि
- ५ अचुच्छोटयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम
विष्व विष्म
- ६ चुच्छोटयिषाम्बभूव कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
चुच्छोटयिषाम्बभूव चुच्छोटयिषामास
- ७ चुच्छोटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुच्छोटयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुच्छोटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुच्छोटयिषि
ष्या-मि वः मः (अचुच्छोटयिषिष्या-व म
- १० अचुच्छोटयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१५९९ पुट्टण् (पुट्) अल्पीभावे ।

- १ पुपुट्टयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपुट्टयिषा-मि वः मः
- २ पुपुट्टयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपुट्टयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपुट्टयिषा-णि व म (व म
- ४ अपुपुट्टयिष-त् ताम् नः तम् तम् अपुपुट्टयिषा-
- ५ अपुपुट्टयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम
विष्व विष्म (कृम
- ६ पुपुट्टयिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव कृम
पुपुट्टयिषाम्बभूव पुपुट्टयिषामास
- ७ पुपुट्टयिष्या-त् स्ताम् सुः : तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपुट्टयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपुट्टयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपुट्टयिषिष्य
-मि वः मः (अपुपुट्टयिषिष्या-व म
- १० अपुपुट्टयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६०० चुट्टण (चुट्ट) अल्पोभावे ।

- १ चुचुट्टयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचुट्टयिषामि वः मः
- २ चुचुट्टयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचुट्टयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचुट्टयिषा-णि व म
- ४ अचुचुट्टयिष-त् ताम् नः तम् तम् अचुचुट्टयिषा-व म
- ५ अचुचुट्टयि-षीत् षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुचुट्टयिषामा-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
चुचुट्टयिषाञ्चकार चुचुट्टयिषाम्बभूव
- ७ चुचुट्टयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचुट्टयिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचुट्टयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचुट्टयिषिष्या
मि वः मः (अचुचुट्टयिषिष्या-व म
- १० अचुचुट्टयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६०१ सुट्टण (सुट्ट) अल्पोभावे

- १ सुषुट्टयिष-ति तः न्ति सि थः थ सुषुट्टयिषा-मि वः मः
- २ सुषुट्टयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सुषुट्टयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सुषुट्टयिषा-णि व म [व म
- ४ असुषुट्टयिष-त् ताम् नः तम् तम् असुषुट्टयिषा-
- ५ असुषुट्टयि-षीत् षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सुषुट्टयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सुषुट्टयिषाञ्चकार सुषुट्टयिषामास
- ७ सुषुट्टयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ सुषुट्टयिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सुषुट्टयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सुषुट्टयिषि
ष्या-मि वः मः (असुषुट्टयिषिष्या-व म
- १० असुषुट्टयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६०२ पुट्टण (पुट्ट) संचूर्णने ।

- १ पुपोटयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपोटयिषामि वः मः
- २ पुपोटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुपोटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपोटयिषा-णि व म
- ४ अपुपोटयिष-त् ताम् नः तम् तम् अपुपोटयिषा-
व म (षिष्व षिष्व
- ५ अपुपोटयि-षीत् षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
पुपोटयिषाञ्चकार पुपोटयिषाम्बभूव
- ६ पुपोटयिषामा-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
- ७ पुपोटयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपोटयिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपोटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपोटयिषि
ष्या-मि वः मः (अपुपोटयिषिष्या-व म
- १० अपुपोटयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६०३ मुट्टण (मुट्ट) संचूर्णने ।

- १ मुमोटयिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमोटयिषा-मि वः मः
- २ मुमोटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमोटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमोटयिषा-णि व म (-व म
- ४ अमुमोटयिष-त् ताम् नः तम् तम् अमुमोटयिषा-
- ५ अमुमोटयि-षीत् षिष्टम् सिषु सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ मुमोटयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मुमोटयिषाञ्चकार मुमोटयिषामास
- ७ मुमोटयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमोटयिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमोटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमोटयिषि-
ष्या-मि वः मः (अमुमोटयिषिष्या-व म
- १० अमुमोटयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६०४ अट्टण् (अट्ट) अनादरे ।

- १ अट्टिद्वयिष-ति तः न्ति सि थः थ अट्टिद्वयिषामि वः मः
- २ अट्टिद्वयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ अट्टिद्वयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अट्टिद्वयिषा-णि व म
- ४ आट्टिद्वयिषत् ताम् नः तम् त म् आट्टिद्वयिषाव म
- ५ आट्टिद्वयि-षीत् बिष्टम् बिषुः षीः बिष्टम् बिष्ट बिषम्
बिष्व बिष्म
- ६ अट्टिद्वयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
अट्टिद्वयिषाञ्चकार अट्टिद्वयिषाम्बभूव
- ७ अट्टिद्वयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अट्टिद्वयिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अट्टिद्वयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अट्टिद्वयिषिष्या
मि वः मः (आट्टिद्वयिषिष्या-व म
- १० आट्टिद्वयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१६०६ लुण्टण् (लुण्ट्) स्तेये च ।

- १ लुलुण्टयिष-ति तः न्ति सि थः थ लुलुण्टयिषामि वः मः
- २ लुलुण्टयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ लुलुण्टयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलुण्टयिषा-णि व म
- ४ अलुलुण्टयिष-त् ताम् नः तम् त म् अलुलुण्टयिषा
व म (बिष्व बिष्म
- ५ अलुलुण्टयि-षीत् बिष्टम् बिषुः षीः बिष्टम् बिष्ट बिषम्
लुलुण्टयिषाञ्चकार लुलुण्टयिषाम्बभूव
- ६ लुलुण्टयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ लुलुण्टयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलुण्टयिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलुण्टयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलुण्टयिषि
ष्या-मि वः मः (अलुलुण्टयिषिष्या-व म
- १० अलुलुण्टयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१६०५ स्मिटण् (स्मिट्) अनादरे

- १ सिस्मेटयिष-ति तः न्ति सि थः थ सिस्मेटयिषामि वः
- २ सिस्मेटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ सिस्मेटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिस्मेटयिषा-णि व म [व म
- ४ असिस्मेटयिषत् ताम् नः तम् त म् असिस्मेटयिषा
- ५ असिस्मेटयि-षीत् बिष्टम् बिषुः षीः बिष्टम् बिष्ट बिषम्
बिष्व बिष्म
- ६ सिस्मेटयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिस्मेटयिषाञ्चकार सिस्मेटयिषामास
- ७ सिस्मेटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ सिस्मेटयिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिस्मेटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्मेटयिषि
ष्या-मि वः मः (असिस्मेटयिषिष्या-व म
- १० असिस्मेटयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१६०६ स्मिटण् (स्मिट्) स्नेहने ।

- १ सिस्नेटयिष-ति तः न्ति सि थः थ सिस्नेटयिषा-मि
- २ सिस्नेटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
- ३ सिस्नेटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिस्नेटयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ असिस्नेटयिष-त् ताम् नः तम् त म् असिस्नेटयि-
- ५ असिस्नेटयि-षीत् बिष्टम् बिषुः षीः बिष्टम् बिष्ट बिषम्
बिष्व बिष्म
- ६ सिस्नेटयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिस्नेटयिषाञ्चकार सिस्नेटयिषामास
- ७ सिस्नेटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिस्नेटयिषिता-' रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिस्नेटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्नेटयि-
षिष्या-मि वः मः (असिस्नेटयिषिष्या-व म
- १० असिस्नेटयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१६०८ घट्टण् (घट्ट) चट्टने

- १ जिघट्टयिष-ति तः न्ति सि थः थ जिघट्टयिषामिवः मः
- २ जिघट्टयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिघट्टयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिघट्टयिषा-णि व म (व म
- ४ अजिघट्टयिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिघट्टयिषा-
- ५ अजिघट्टयि-षीत् विष्टाम् पिषुः पीः विष्टम् विष्ट पिषम्
विष्व विष्म
- ६ जिघट्टयिषाञ्चकार क्तुः क्तुः कर्थं कथुः क कार कर कृव कृम
जिघट्टयिषाम्बभूव जिघट्टयिषामास
- ७ जिघट्टयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिघट्टयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिघट्टयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिघट्टयिषि
ष्या-मि वः मः (अजिघट्टयिषिष्या-व म
- १० अजिघट्टयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६१० षट्टण् (षट्ट) हिंसायाम् ।

- १ सिषट्टयिष-ति तः न्ति सि थः थ सिषट्टयिषामिवः मः
- २ सिषट्टयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ सिषट्टयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सिषट्टयिषा-णि व म (व म
- ४ असिषट्टयिष-त्ताम् नः तम् तम् असिषट्टयिषा-
- ५ असिषट्टयि-षीत् विष्टाम् पिषुः पीः विष्टम् विष्ट पिषम्
विष्व विष्म
- ६ सिषट्टयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विथ विम
सिषट्टयिषाञ्चकार सिषट्टयिषामास
- ७ सिषट्टयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिषट्टयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिषट्टयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिषट्टयिषि
ष्या-मि वः मः (असिषट्टयिषिष्या-व म
- १० असिषट्टयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६०९ खट्टण् (खट्ट) संवरणे ।

- १ चिखट्टयिषति तः न्ति सि थः थ चिखट्टयिषामिवः मः
- २ चिखट्टयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चिखट्टयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिखट्टयिषा-णि व म
- ४ अचिखट्टयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिखट्टयिषा-
- ५ अचिखट्टयि-षीत् विष्टाम् पिषुः पीः विष्टम् विष्ट पिषम्
विष्व विष्म (कृम
- ६ चिखट्टयिषाञ्चकार क्तुः क्तुः कर्थं कथुः क कार कर कृव कृम
चिखट्टयिषाम्बभूव चिखट्टयिषामास
- ७ चिखट्टयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखट्टयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखट्टयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखट्टयिषि
ष्यामि वः मः (अचिखट्टयिषिष्या-व म
- १० अचिखट्टयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६११ स्फिटण् (स्फिट्) हिंसायाम् ।

- १ पिस्फेटयिषति तः न्ति सि थः थ पिस्फेटयिषामिवः मः
- २ पिस्फेटयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ पिस्फेटयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पिस्फेटयिषा-णि व म (घा-व म
- ४ अपिस्फेटयिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिस्फेटयिषा-
- ५ अपिस्फेटयि-षीत् विष्टाम् पिषुः पीः विष्टम् विष्ट पिषम्
विष्व विष्म
- ६ पिस्फेटयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विथ विम
पिस्फेटयिषाञ्चकार पिस्फेटयिषामास
- ७ पिस्फेटयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिस्फेटयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिस्फेटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिस्फेटयिषि
ष्यामि वः मः (अपिस्फेटयिषिष्या-व म
- १० अपिस्फेटयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६१२ स्फुण्ड (स्फुण्ड) परिहासे ।

- १ पुस्फुण्डयिषति तः न्ति सि थः थ पुस्फुण्डयिषामिवः
- २ पुस्फुण्डयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ पुस्फुण्डयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पुस्फुण्डयिषा-णि व म व म
- ४ अपुस्फुण्डयिषत्ताम् नः तम् तम् अपुस्फुण्डयिषा
- ५ अपुस्फुण्डयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व -कर कृम कृव
- ६ पुस्फुण्डयिषाञ्च-कार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार
पुस्फुण्डयिषाम्बभूव पुस्फुण्डयिषामास
- ७ पुस्फुण्डयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुस्फुण्डयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुस्फुण्डयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ पुस्फुण्डयिषि
ष्या मि वः मः (अपुस्फुण्डयिषिष्या-व म
- १० अपुस्फुण्डयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६१४ वटुण् (वण्ट्) विभाजने ।

- १ विवण्टयिषति तः न्ति सि थः थ विवण्टयिषामिवः मः
- २ विवण्टयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवण्टयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विवण्टयिषा-णि व म -व म
- ४ अविवण्टयिष-त्ताम् नः तम् तम् अविवण्टयिषा
- ५ अविवण्टयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (वृ-म
- ६ विवण्टयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
विवण्टयिषाम्बभूव विवण्टयिषामास
- ७ विवण्टयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवण्टयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवण्टयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ विवण्टयिषि
ष्या मि वः मः (अविवण्टयिषिष्या-व म
- १० अविवण्टयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६१३ कीटण् (कीट्) वर्णने ।

- १ चिकीटयिषति तः न्ति सि थः थ चिकीटयिषामिवः
- २ चिकीटयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ चिकीटयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकीटयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अचिकीटयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिकीटयि
- ५ अचिकीटयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिकीटयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिकीटयिषाञ्चकार चिकीटयिषाम्बभूव
- ७ चिकीटयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकीटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकीटयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ चिकीटयिषि
ष्या मि वः मः (अचिकीटयिषिष्या-व म
- १० अचिकीटयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६१५ हटण् (हट्) रोषे ।

- १ हरोटयिष-ति तः न्ति सि थः थ हरोटयिषा-मिवः मः
- २ हरोटयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ हरोटयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
हरोटयिषा-णि व म
- ४ अहरोटयिषत्ताम् नः तम् तम् अहरोटयिषाव म
- ५ अहरोटयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ हरोटयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
हरोटयिषाञ्चकार हरोटयिषाम्बभूव
- ७ हरोटयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ हरोटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ हरोटयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ हरोटयिषि
ष्या मि वः मः (अहरोटयिषिष्या-व म
- १० अहरोटयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६१६ शठण् (शठ्) संस्कारगत्योः ।

- १ शिशठयिषति तः न्ति सिथः थ शिशठयिषामि वः
- २ शिशठयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ शिशठयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशठयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अशिशठयिष-त ताम् न् : तम् तम् अशिशठयि
- ५ अशिशठयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व (कुम्)
- ६ शिशठयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
शिशठयिषाम्बभूव शिशठयिषामास
- ७ शिशठयिष्या-त त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशठयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशठयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शिशठयिषि
ष्य-मि वः मः (अशिशठयिषिष्या-व म)
- १० अशिशठयिषिष्य-त ताम् न् : तम् तम्

१६१८ श्वठण् (श्वठ्) संस्कारगत्योः ।

- १ शिश्वठयिषति तः न्ति सिथः थ शिश्वठयिषामि वः
- २ शिश्वठयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः]
- ३ शिश्वठयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्वठयिषा-णि व म यिषा-व म
- ४ अशिश्वठयिष-त ताम् न् : तम् तम् अशिश्वठयि
- ५ अशिश्वठयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व (कुम्)
- ६ शिश्वठयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
शिश्वठयिषाम्बभूव शिश्वठयिषामास
- ७ शिश्वठयिष्या-त त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्वठयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्वठयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शिश्वठयि
षिष्या मि वः मः अशिश्वठयिषिष्या-व म
- १० अशिश्वठयिषिष्य-त ताम् न् : तम् तम्

१६१७ श्वठण् (श्वठ्) संस्कारगत्योः ।

- १ शिश्वठयिषति तः न्ति सिथः थ शिश्वठयिषामि वः
- २ शिश्वठयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ शिश्वठयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्वठयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अशिश्वठयिष-त ताम् न् : तम् तम् अशिश्वठयि
- ५ अशिश्वठयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व (कुम्)
- ६ शिश्वठयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शिश्वठयिषाश्चकार शिश्वठयिषाम्बभूव
- ७ शिश्वठयिष्या-त त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्वठयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्वठयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शिश्वठयिषि
ष्या-मि वः मः (अशिश्वठयिषिष्या-व म)
- १० अशिश्वठयिषिष्य-त ताम् न् : तम् तम्

१६१९ शुठण् (शुठ्) आलस्ये ।

- १ शुशुठयिष-ति तः न्ति सिथः थ शुशुठयिषामि वः
- २ शुशुठयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ शुशुठयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुशुठयिषा-णि व म व म
- ४ अशुशुठयिष-त ताम् न् : तम् तम् अशुशुठयिषा
- ५ अशुशुठयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व (कुम्)
- ६ शुशुठयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार
शुशुठयिषाम्बभूव शुशुठयिषामास
- ७ शुशुठयिष्या-त त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशुठयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुशुठयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शुशुठयिषि
ष्या मि वः मः (अशुशुठयिषिष्या-व म)
- १० अशुशुठयिषिष्य-त ताम् न् : तम् तम्

१६२० शुठ्ण् (शुट्) शोषणे ।

- १ शुठ्ण्यति-तः न्ति सि थः थ शुठ्ण्यमिवः
- २ शुठ्ण्यिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ शुठ्ण्यिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुठ्ण्यिषा-णि व म
- ४ अशुठ्ण्यिष-त् ताम् नः तम् त म् अशुठ्ण्यिषा
व म (विष्णु विष्म
- ५ अशुठ्ण्यिष-पीत् विष्णुम् विष्णुः पी विष्णुम् विष्णु विष्म
शुठ्ण्यिषाश्चकार शुठ्ण्यिषाम्बभूव
- ६ शुठ्ण्यिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ शुठ्ण्यिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुठ्ण्यिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुठ्ण्यिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुठ्ण्यिषि
ष्या-मि वः मः (अशुठ्ण्यिषिष्या-व म
- १० अशुठ्ण्यिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१६२२ लडण् (लड्) उपसेवायाम् ।

- १ लिलाडयिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलाडयिषामिवः
- २ लिलाडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ लिलाडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलाडयिषा-णि व म व म
- ४ अलिलाडयिष-त् ताम् नः तम् त म् अलिलाडयिष
५ अलिलाडयि-पीत् विष्णुम् विष्णुः पी विष्णुम् विष्णु विष्म
विष्णु विष्म
- ६ लिलाडयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सि
लिलाडयिषाश्चकार लिलाडयिषाम्बभूव
- ७ लिलाडयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलाडयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलाडयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलाडयिषि
ष्या-मि वः मः (अलिलाडयिषिष्या-व म
- १० अलिलाडयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
ऽस्य लट्त्वे लिलालयिषति-इत्यादि

१६२१ गुठ्ण् (गुट्) वेष्टने ।

- १ गुठ्ण्यति-तः न्ति सि थः थ गुठ्ण्यमिवः मः
- २ गुठ्ण्यिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ गुठ्ण्यिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
गुठ्ण्यिषा-णि व म [म
- ४ अगुठ्ण्यिष-त् ताम् नः तम् त म् अगुठ्ण्यिषाव
- ५ अगुठ्ण्यिष-पीत् विष्णुम् विष्णुः पी विष्णुम् विष्णु विष्म
विष्णु विष्म
- ६ गुठ्ण्यिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
गुठ्ण्यिषाश्चकार गुठ्ण्यिषाम्बभूव
- ७ गुठ्ण्यिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ गुठ्ण्यिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ गुठ्ण्यिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ गुठ्ण्यिषि
ष्या-मि वः मः (अगुठ्ण्यिषिष्या-व म
- १० अगुठ्ण्यिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१६२३ स्फुडण् (स्फुड्) परिहासे ।

- १ पुस्फुडयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुस्फुडयिषामिवः म
- २ पुस्फुडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ पुस्फुडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुस्फुडयिषा-णि व म (-व म
- ४ अपुस्फुडयिष-त् ताम् नः तम् त म् अपुस्फुडयिषा
- ५ अपुस्फुडयि-पीत् विष्णुम् विष्णुः पी विष्णुम् विष्णु विष्म
विष्णु विष्म
- ६ पुस्फुडयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव वि
पुस्फुडयिषाश्चकार पुस्फुडयिषामास
- ७ पुस्फुडयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुस्फुडयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुस्फुडयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुस्फुडयिषि
ष्या-मि वः मः (अपुस्फुडयिषिष्या-व म
- १० अपुस्फुडयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१६२४ ओलडुण् (ओलण्ड) उत्प्रेषे ।

- १ लिलण्डयिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलण्डयिषामि वः
 २ लिलण्डयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
 ३ लिलण्डयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 लिलण्डयिषा-णि व म व म
 ४ अलिलण्डयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अलिलण्डयिषा
 ५ अलिलण्डयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ लिलण्डयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 लिलण्डयिषाञ्चकार लिलण्डयिषाम्बभूव
 ७ लिलण्डयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ लिलण्डयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ लिलण्डयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलण्डयिषि
 ष्या-मि वः मः (अलिलण्डयिषिष्या-व म
 १० अलिलण्डयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६२६ तडण् (तड्) आघाते ।

- १ तिताडयिषति तः न्ति सि थः थ तिताडयिषामि वः
 २ तिताडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
 ३ तिताडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 तिताडयिषा-णि व म
 ४ अतिताडयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अतिताडयिषा
 व म (षिष्व षिष्व
 ५ अतिताडयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 तिताडयिषाञ्चकार तिताडयिषाम्बभूव
 ६ तिताडयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 ७ तिताडयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ तिताडयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ तिताडयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिताडयिषि
 ष्या-मि वः मः (अतिताडयिषिष्या-व म
 १० अतिताडयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६२५ पीडण् (पीड्) गहने

- १ पिपीडयिषति तः न्ति सि थः थ पिपीडयिषामि वः मः
 २ पिपीडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ पिपीडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 पिपीडयिषा-णि व म [व म
 ४ अपिपीडयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अपिपीडयिषा
 ५ अपिपीडयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ पिपीडयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 पिपीडयिषाञ्चकार पिपीडयिषामास
 ७ पिपीडयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
 ८ पिपीडयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि म् स्वः स्मः
 ९ पिपीडयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपीडयिषि
 ष्या-मि वः मः (अपिपीडयिषिष्या-व म
 १० अपिपीडयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६२७ खडण् (खड्) भेदे ।

- १ चिखाडयिषति तः न्ति सि थः थ चिखाडयिषामि वः मः
 २ चिखाडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
 ३ चिखाडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 चिखाडयिषा-णि व म (-व म
 ४ अचिखाडयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचिखाडयिषा
 ५ अचिखाडयि-षीत् षिष्टम् षिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
 सिष्व सिष्व
 ६ चिखाडयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 चिखाडयिषाञ्चकार चिखाडयिषामास
 ७ चिखाडयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चिखाडयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चिखाडयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखाडयिषि
 ष्या-मि वः मः (अचिखाडयिषिष्या-व म
 १० अचिखाडयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६२८ खडुण् (खड्) भेदे

- १ चिखडयिषति तः न्ति सि थः थ चिखडयिषामि वः
- २ चिखडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ चिखडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिखडयिषा-णि व म व म
- ४ अचिखडयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचिखडयिषा
- ५ अचिखडयि-षीत् षिष्टाम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ चिखडयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिखडयिषाम्बभू चिखडयिषामास
- ७ चिखडयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखडयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखडयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखडयि
षिष्या-मि वः मः (अचिखडयिषिष्या-व म
- १० अचिखडयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६३० कुडुण् (कुड्) रक्षणे ।

- १ चुकुडयिषति तः न्ति सि थः थ चुकुडयिषामि वः मः
- २ चुकुडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुकुडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुडयिषा-णि व म (-व म
- ४ अचुकुडयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचुकुडयिषा
- ५ अचुकुडयि-षीत् षिष्टाम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुकुडयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुकुडयिषाम्बभू चुकुडयिषामास
- ७ चुकुडयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुडयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुडयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुडयिषि
ष्या-मि वः मः (अचुकुडयिषिष्या-व म
- १० अचुकुडयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६२९ कडुण् (कण्ड्) खडने च ।

- १ चिकण्डयिषति तः न्ति सि थः थ चिकण्डयिषामि वः
- २ चिकण्डयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ चिकण्डयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकण्डयिषा-णि व म (व म
- ४ अचिकण्डयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचिकण्डयिषा
- ५ अचिकण्डयि-षीत् षिष्टाम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिकण्डयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिकण्डयिषाम्बभू चिकण्डयिषामास
- ७ चिकण्डयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकण्डयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकण्डयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकण्डयि
षिष्या-मि वः मः (अचिकण्डयिषिष्या-व म
- १० अचिकण्डयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६३१ गुडुण् (गुड्) वेषने च ।

- १ जुगुडयिषति तः न्ति सि थः थ जुगुडयिषामि वः मः
- २ जुगुडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुगुडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुगुडयिषा-णि व म [म
- ४ अजुगुडयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अजुगुडयिषा
- ५ अजुगुडयि-षीत् षिष्टाम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जुगुडयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जुगुडयिषाम्बभू जुगुडयिषामास
- ७ जुगुडयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुगुडयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगुडयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगुडयिषि-
ष्या-मि वः मः (अजुगुडयिषिष्या-व म
- १० अजुगुडयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६३२ चुडुण् (चुड्) छेदने ।

- १ चुचुडयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचुडयिषामि वः मः
- २ चुचुडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचुडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचुडयिषा-णि व म (-व म
- ४ अचुचुडयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अचुचुडयिषा
- ५ अचुचुडयि-धीत् षिष्टम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुचुडयिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
चुचुडयिषाञ्चकार चुचुडयिषामास
- ७ चुचुडयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचुडयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचुडयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचुडयिषि
ष्या-मि वः मः (अचुचुडयिषिष्या-व म
- १० अचुचुडयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६३४ भडुण् (भण्ड्) कल्याणे ।

- १ बिभण्डयिषति तः न्ति सि थः थ बिभण्डयिषामि वः
- २ बिभण्डयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ बिभण्डयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बिभण्डयिषा-णि व म (व म
- ४ अबिभण्डयिषत् ताम् न् : तम् त म् अबिभण्डयिषा
- ५ अबिभण्डयि-धीत् षिष्टम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बिभण्डयिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
बिभण्डयिषाञ्चकार बिभण्डयिषामास
- ७ बिभण्डयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिभण्डयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिभण्डयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिभण्डयि
षिष्या-मि वः मः (अबिभण्डयिषिष्या-व म
- १० अबिभण्डयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६३३ मडुण् (मड्) भूषायाम्

- १ मिमडयिषति तः न्ति सि थः थ मिमडयिषामि वः
- २ मिमडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ मिमडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमडयिषा-णि व म व म
- ४ अमिमडयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अमिमडयिषा
- ५ अमिमडयि-धीत् षिष्टम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ मिमडयिषाञ्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
मिमडयिषाम्बभू मिमडयिषामास
- ७ मिमडयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमडयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमडयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमडयि
षिष्या-मि वः मः (अमिमडयिषिष्या-व म
- १० अमिमडयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६३५ पिडुण् (पिड्) संघाते

- १ पिपिडयिषति तः न्ति सि थः थ पिपिडयिषामि वः
- २ पिपिडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ पिपिडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपिडयिषा-णि व म [षा-व म
- ४ अपिपिडयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अपिपिडयि
- ५ अपिपिडयि-धीत् षिष्टम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपिडयिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
पिपिडयिषाञ्चकार पिपिडयिषामास
- ७ पिपिडयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ पिपिडयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि मम् स्वः स्मः
- ९ पिपिडयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपिडयिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपिडयिषिष्या-व म
- १० अपिपिडयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१६३६ ईडण् (ईड्) स्तुतौ

- १ ईडिडयिषति तः न्ति सिथः थ ईडिडयिषामिवः मः
- २ ईडिडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ ईडिडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ईडिडयिषा-णि व म
- ४ पेडिडयिष-त् ताम् नः तम् तम् पेडिडयिषा व म
- ५ पेडिडयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ ईडिडयिषाश्चकार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कृव कृम
ईडिडयिषाम्बभूव ईडिडयिषामास
- ७ ईडिडयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ईडिडयिषिता " रौरः सिस्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ ईडिडयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ ईडिडयिषि
ष्या-मि वः मः (पेडिडयिषिष्या-व म
- १० पेडिडयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६३८ जुडण् (जुड्) प्रेरणे ।

- १ जुजोडयिषति तः न्ति सिथः थ जुजोडयिषामिवः मः
- २ जुजोडयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जुजोडयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुजोडयिषा-णि व म [म
- ४ अजुजोडयिषत् ताम् नः तम् तम् अजुजोडयिषाव
- ५ अजुजोडयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ जुजोडयिषामा स सतु सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जुजोडयिषाश्चकार जुजोडयिषाम्बभूव
- ७ जुजोडयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुजोडयिषिता- " रौरः सिस्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ जुजोडयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जुजोडयिषि
ष्या-मि वः मः (अजुजोडयिषिष्या-व म
- १० अजुजोडयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६३७ चड् (चण्ड्) कोपे ।

- १ चिचण्डयिषति तः न्ति सिथः थ चिचण्डयिषामिवः मः
- २ चिचण्डयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (म
- ३ चिचण्डयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचण्डयिषा-णि व म (व म
- ४ अचिचण्डयिषत् ताम् नः तम् तम् अचिचण्डयिषा
- ५ अचिचण्डयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ चिचण्डयिषाम्बभू-व वतुः वतुः विथ वथुः व व विव विम
चिचण्डयिषाश्चकार चिचण्डयिषामास
- ७ चिचण्डयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचण्डयिषिता- " रौरः सिस्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ चिचण्डयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिचण्डयि
षिष्या-मि वः मः (अचिचण्डयिषिष्या-व म
- १० अचिचण्डयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६३९ चूर्ण् (चूर्ण्) प्रेरणे ।

- १ चुचूर्णयिष-ति तः न्ति सिथः थ चुचूर्णयिषामिवः मः
- २ चुचूर्णयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचूर्णयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचूर्णयिषा-णि व म (व म
- ४ अचुचूर्णयिष-त् ताम् नः तम् तम् अचुचूर्णयिषा
- ५ अचुचूर्णयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ चुचूर्णयिषाम्बभू-व वतुः वतुः विथ वथुः व व विव विम
चुचूर्णयिषाश्चकार चुचूर्णयिषामास
- ७ चुचूर्णयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचूर्णयिषिता- " रौरः सिस्थः स्थ स्मि स्व स्मः
- ९ चुचूर्णयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चुचूर्णयिषि
ष्या-मि वः मः (अचुचूर्णयिषिष्या-व म
- १० अचुचूर्णयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६४० वण् (वण्) प्रेरणे

- १ विवर्णयिषति तः न्ति सि थः थ विवर्णयिषामि वः मः
- २ विवर्णयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ विवर्णयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवर्णयिषा-णि व म (व म
- ४ अविवर्णयिष-त्ताम् नः तम् तम् अविवर्णयिषा
- ५ अविवर्णयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ विवर्णयिषाश्चकार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव कृम
विवर्णयिषाम्बभूव विवर्णयिषामास
- ७ विवर्णयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवर्णयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवर्णयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवर्णयिषि
ष्या-मि वः मः (अविवर्णयिषिष्या-व म
- १० अविवर्णयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६४२ तृण् (तृण्) संकोचने ।

- १ तुतृणयिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतृणयिषामि वः मः
- २ तुतृणयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तुतृणयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतृणयिषा-णि व म (व म
- ४ अतुतृणयिष-त्ताम् नः तम् तम् अतुतृणयिषा-
- ५ अतुतृणयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ तुतृणयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुतृणयिषाश्चकार तुतृणयिषामास
- ७ तुतृणयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतृणयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतृणयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतृणयिषि
ष्या-मि वः मः (अतुतृणयिषिष्या-व म
- १० अतुतृणयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६४१ चूण् (चूण्) संकोचने ।

- १ चुचूणयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुचूणयिषामि वः मः
- २ चुचूणयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ चुचूणयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुचूणयिषा-णि व म (-व म
- ४ अचुचूणयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुचूणयिषा
- ५ अचुचूणयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चुचूणयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुचूणयिषाश्चकार चुचूणयिषामास
- ७ चुचूणयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुचूणयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुचूणयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुचूणयिषि
ष्या-मि वः मः (अचुचूणयिषिष्या-व म
- १० अचुचूणयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६४३ श्रण् (श्रण्) दाने ।

- १ शिश्राणयिषति तः न्ति सि थः थ शिश्राणयिषामि वः मः
- २ शिश्राणयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ शिश्राणयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्राणयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अशिश्राणयिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिश्राणयि
- ५ अशिश्राणयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म (कृम
- ६ शिश्राणयिषाश्चकार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव
शिश्राणयिषाम्बभूव शिश्राणयिषामास
- ७ शिश्राणयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्राणयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्राणयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्राणयि
षिष्य-मि वः मः (अशिश्राणयिषिष्या-व म
- १० अशिश्राणयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६४४ पूण्ण (पूण्) संघाते ।

- १ पुपूणयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपूणयिषा-मि
- २ पुपूणयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
- ३ पुपूणयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपूणयिषा-णि व म -व म
- ४ अपुपूणयिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुपूणयिषा
- ५ अपुपूणयि-षीत्षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृव कृम
- ६ पुपूणयिषाश्चकार क्रतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
पुपूणयिषाम्बभूव पुपूणयिषामास
- ७ पुपूणयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपूणयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपूणयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपूणयि
षिष्या-मि वः मः (अपुपूणयिषिष्या-व म
- १० अपुपूणयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६४६ पुस्तण् (पुस्त्) आदरानादरयोः

- १ पुपुस्तयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपुस्तयिषा-मि वः
- २ पुपुस्तयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ पुपुस्तयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपुस्तयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अपुपुस्तयिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुपुस्तयि
- ५ अपुपुस्तयि-षीत्षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृम
- ६ पुपुस्तयिषाश्चकार क्रतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
पुपुस्तयिषाम्बभूव पुपुस्तयिषामास
- ७ पुपुस्तयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपुस्तयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपुस्तयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपुस्तयिषि
ष्य-मि वः मः (अपुपुस्तयिषिष्या-व म
- १० अपुपुस्तयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६४५ चितुण् (चिन्त्) स्मृत्याम् ।

- १ चिचिन्तयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचिन्तयिषा-मि
- २ चिचिन्तयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ चिचिन्तयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचिन्तयिषा-णि व म षा व म
- ४ अचिचिन्तयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिचिन्तयि
- ५ अचिचिन्तयि-षीत्षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व -कर कृम कृव
- ६ चिचिन्तयिषाश्चकार क्रतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
चिचिन्तयिषाम्बभूव चिचिन्तयिषामास
- ७ चिचिन्तयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचिन्तयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचिन्तयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचिन्तयि
षिष्या-मि वः मः (अचिचिन्तयिषिष्या-व म
- १० अचिचिन्तयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६४७ बुस्तण् (बुस्त्) आदरानादरयोः

- १ बुबुस्तयिष-ति तः न्ति सि थः थ बुबुस्तयिषा-मि
- २ बुबुस्तयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ बुबुस्तयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
बुबुस्तयिषा-णि व म -व म
- ४ अबुबुस्तयिष-त्ताम् नः तम् तम् अबुबुस्तयिषा
- ५ अबुबुस्तयि-षीत्षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ बुबुस्तयिषाश्चकार क्रतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
बुबुस्तयिषाम्बभूव बुबुस्तयिषामास
- ७ बुबुस्तयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बुबुस्तयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बुबुस्तयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बुबुस्तयि
षिष्या-मि वः मः (अबुबुस्तयिषिष्या-व म
- १० अबुबुस्तयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६४८ मुस्तण् (मुस्त) संघाते ।

- १ मुमुस्तयिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमुस्तयिषामि वः मः
- २ मुमुस्तयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ मुमुस्तयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमुस्तयिषा-णि व म (-व म
- ४ अमुमुस्तयिष-त्ताम् न् : तम् तम् अमुमुस्तयिषा
- ५ अमुमुस्तयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ मुमुस्तयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मुमुस्तयिषाञ्चकार मुमुस्तयिषामास
- ७ मुमुस्तयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमुस्तयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमुस्तयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमुस्तयिषि
ष्या-मि वः मः (अमुमुस्तयिषिष्या-व म
- १० अमुमुस्तयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म

१६५० स्वर्तण् (स्वर्त्त) गतौ ।

- १ सिस्वर्तयिषति तः न्ति सि थः थ सिस्वर्तयिषामि वः
- २ सिस्वर्तयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ सिस्वर्तयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिस्वर्तयिषा-णि व म (व म
- ४ असिस्वर्तयिषत्ताम् न् तम् तम् असिस्वर्तयिषा
- ५ असिस्वर्तयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ सिस्वर्तयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिस्वर्तयिषाञ्चकार सिस्वर्तयिषामास
- ७ सिस्वर्तयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिस्वर्तयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिस्वर्तयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्वर्तयि
षिष्या-मि वः मः (असिस्वर्तयिषिष्या-व म
- १० असिस्वर्तयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म

१६४९ कृत्ण् (कृत्) संशब्दने

- १ चिक्रीर्तयिषति तः न्ति सि थः थ चिक्रीर्तयिषामि वः
- २ चिक्रीर्तयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ चिक्रीर्तयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्रीर्तयिषा-णि व म व म
- ४ अचिक्रीर्तयिष-त्ताम् न् : तम् तम् अचिक्रीर्तयिषा
- ५ अचिक्रीर्तयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम् कृम
- ६ चिक्रीर्तयिषाञ्चकार कृतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
चिक्रीर्तयिषाम्बभूव चिक्रीर्तयिषामास
- ७ चिक्रीर्तयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्रीर्तयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्रीर्तयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्रीर्तयि
षिष्या-मि वः मः (अचिक्रीर्तयिषिष्या-व म
- १० अचिक्रीर्तयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म

१६५१ पत्थण् (पत्थ्) गतौ

- १ पिपत्थयिषति तः न्ति सि थः थ पिपत्थयिषामि वः
- २ पिपत्थयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ पिपत्थयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपत्थयिषा-णि व म [षा-व म
- ४ अपिपत्थयिष-त्ताम् न् तम् तम् अपिपत्थयि
- ५ अपिपत्थयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ पिपत्थयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपत्थयिषाञ्चकार पिपत्थयिषामास
- ७ पिपत्थयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ पिपत्थयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि मम् स्वः स्मः
- ९ पिपत्थयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपत्थयिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपत्थयिषिष्या-व म
- १० अपिपत्थयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म

१६५२ अथण् (अथ) प्रतियोगे ।

- १ शिप्राथयिषति तः न्ति सि थः थ शिप्राथयिषामिषः
- २ शिप्राथयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ शिप्राथयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
शिप्राथयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अशिप्राथयिषत्ताम् नः तम् तम् अशिप्राथयि
- ५ अशिप्राथयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म (कृम)
- ६ शिप्राथयिषाश्चकार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
शिप्राथयिषाम्बभूव शिप्राथयिषामास
- ७ शिप्राथयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिप्राथयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिप्राथयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ शिप्राथयिषि
ष्य-मि वः मः (अशिप्राथयिषिष्या-व म)
- १० अशिप्राथयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६५४ प्रथण् (प्रथ) प्रख्याने ।

- १ पिप्राथयिष-ति तः न्ति सि थः थ पिप्राथयिषा-मि
- २ पिप्राथयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ पिप्राथयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
पिप्राथयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अपिप्राथयिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिप्राथयिषा
- ५ अपिप्राथयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म (कृव कृम)
- ६ पिप्राथयिषाश्चकार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर
पिप्राथयिषाम्बभूव पिप्राथयिषामास
- ७ पिप्राथयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिप्राथयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिप्राथयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ पिप्राथयि
षिष्या-मि वः मः (अपिप्राथयिषिष्या-व म)
- १० अपिप्राथयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६५३ पृथण् (पृथ) प्रक्षेपणे ।

- १ पिपर्थयिषति तः न्ति सि थः थ पिपर्थयिषामि वः
- २ पिपर्थयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ पिपर्थयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
पिपर्थयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अपिपर्थयिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिपर्थयि
- ५ अपिपर्थयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ पिपर्थयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपर्थयिषाश्चकार पिपर्थयिषाम्बभूव
- ७ पिपर्थयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपर्थयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपर्थयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ पिपर्थयिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपर्थयिषिष्या-व म)
- १० अपिपर्थयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६५५ छदण् (छद्) संवरणे ।

- १ चिच्छादयिषति तः न्ति सि थः थ चिच्छादयिषामि
- २ चिच्छादयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ चिच्छादयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
चिच्छादयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अचिच्छादयिषत्ताम् नः तम् तम् अचिच्छादयि
- ५ अचिच्छादयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म -कार कृम कृव
- ६ चिच्छादयिषाश्चकार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर
चिच्छादयिषाम्बभूव चिच्छादयिषामास
- ७ चिच्छादयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिच्छादयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिच्छादयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ चिच्छादयि
षिष्या-मि वः मः (अचिच्छादयिषिष्या-व म)
- १० अचिच्छादयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६५६ चुदण् (चुद्) संवोदने ।

- १ चुवोदयिषति तः न्ति सि थः थ चुवोदयिषामि वः
- २ चुवोदयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ चुवोदयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
- चुवोदयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अचुवोदयिषत्ताम् नः तम् तम् अचुवोदयि
- ५ अचुवोदयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
- विष्व विष्म (कृम)
- ६ चुवोदयिषाश्चकार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
- चुवोदयिषाम्बभूव चुवोदयिषामास
- ७ चुवोदयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुवोदयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुवोदयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ चुवोदयिषि
- ष्य-मि वः मः (अचुवोदयिषिष्या-व म)
- १० अचुवोदयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६५८ गुर्दण् (गुर्द्) निकेतने ।

- १ जुगूर्दयिष-ति तः न्ति सि थः थ जुगूर्दयिषा-मि
- २ जुगूर्दयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः]
- ३ जुगूर्दयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
- जुगूर्दयिषा-णि व म -व म
- ४ अजुगूर्दयिष-त्ताम् नः तम् तम् अजुगूर्दयिषा
- ५ अजुगूर्दयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
- विष्व विष्म (कृव कृम)
- ६ जुगूर्दयिषाश्चकार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर
- जुगूर्दयिषाम्बभूव जुगूर्दयिषामास
- ७ जुगूर्दयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुगूर्दयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगूर्दयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ जुगूर्दयि
- षिष्या-मि वः मः (अजुगूर्दयिषिष्या-व म)
- १० अजुगूर्दयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६५७ मिदण् (मिन्द) स्नेहने ।

- १ मिमन्दयिषति तः न्ति सि थः थ मिमन्दयिषामि वः
- २ मिमन्दयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ मिमन्दयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
- मिमन्दयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अमिमन्दयिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमन्दयि
- ५ अमिमन्दयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
- विष्व विष्म
- ६ मिमन्दयिषाश्चकार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर
- मिमन्दयिषाम्बभूव मिमन्दयिषामास
- ७ मिमन्दयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमन्दयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमन्दयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ मिमन्दयिषि
- ष्या मि वः मः (अमिमन्दयिषिष्या-व म)
- १० अमिमन्दयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६५९ छदण् (छर्द्) वमने ।

- १ चिच्छर्दयिषति तः न्ति सि थः थ चिच्छर्दयिषामि
- २ चिच्छर्दयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ चिच्छर्दयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
- चिच्छर्दयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अचिच्छर्दयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिच्छर्दयि
- ५ अचिच्छर्दयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
- विष्व विष्म -कार कृम कृव
- ६ चिच्छर्दयिषाश्चकार क्तुः क्तुः कर्थ कथुः क कार कर
- चिच्छर्दयिषाम्बभूव चिच्छर्दयिषामास
- ७ चिच्छर्दयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिच्छर्दयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिच्छर्दयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ चिच्छर्दयि
- षिष्या-मि वः मः (अचिच्छर्दयिषिष्या-व म)
- १० अचिच्छर्दयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६६० बुधुण (बुन्ध्) द्विसायाम्

- १ बुबुन्धयिष-ति तः न्ति सि थः थ बुबुन्धयिषा-मि
- २ बुबुन्धयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ बुबुन्धयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बुबुन्धयिषा-णि व म -व म
- ४ अबुबुन्धयिष-त् ताम् नः तम् तम् अबुबुन्धयिषा
- ५ अबुबुन्धयि-षीत् विष्टाम् विषुः पी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म कृम
- ६ बुबुन्धयिषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बुबुन्धयिषाम्बभूव बुबुन्धयिषामास
- ७ बुबुन्धयिष्या-त् स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बुबुन्धयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बुबुन्धयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बुबुन्धयि
ष्या-मि वः मः (अबुबुन्धयिषिष्या-व म
- १० अबुबुन्धयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६६२ गर्धण् (गर्ध्) अभिकाङ्क्षायाम्

- १ जिगर्धयिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगर्धयिषामि वः
- २ जिगर्धयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म [मः]
- ३ जिगर्धयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगर्धयिषा-णि व म (घा व म
- ४ अजिगर्धयिष-त् ताम् नः तम् तम् अजिगर्धयि
- ५ अजिगर्धयि-षीत् विष्टाम् विषुः पी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ जिगर्धयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिगर्धयिषाम्बभूव जिगर्धयिषामास
- ७ जिगर्धयिष्या-त् स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगर्धयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगर्धयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगर्धयिषि
ष्या-मि वः मः (अजिगर्धयिषिष्या-व म
- १० अजिगर्धयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६६१ वधेण् (वधे) छेदनपूरणयोः

- १ विवर्धयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवर्धयिषा-मि
- २ विवर्धयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ विवर्धयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवर्धयिषा-णि व म वा-व म
- ४ अविवर्धयिष-त् ताम् नः तम् तम् अविवर्धयि
- ५ अविवर्धयि-षीत् विष्टाम् विषुः पी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ विवर्धयिषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विवर्धयिषाम्बभूव विवर्धयिषामास
- ७ विवर्धयिष्या-त् स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवर्धयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवर्धयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवर्धयि
ष्या-मि वः मः (अविवर्धयिषिष्या-व म
- १० अविवर्धयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६६३ बन्धण् (बन्ध्) संयमने

- १ बिबन्धयिष-ति तः न्ति सि थः थ बिबन्धयिषामि वः
- २ बिबन्धयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व न
- ३ बिबन्धयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बिबन्धयिषा-णि व म वा-व म
- ४ अबिबन्धयिष-त् ताम् नः तम् तम् अबिबन्धयि
- ५ अबिबन्धयि-षीत् विष्टाम् विषुः पी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ बिबन्धयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बिबन्धयिषाम्बभूव बिबन्धयिषामास
- ७ बिबन्धयिष्या-त् स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिबन्धयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिबन्धयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिबन्धयिषि
ष्या-मि वः मः (अबिबन्धयिषिष्या-व म
- १० अबिबन्धयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६६४ वधण् (वध्) संयमने

- १ विबाधयिषति तः न्ति सि थः थ विबाधयिषामि व मः
- २ विबाधयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म
- ३ विबाधयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विबाधयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अविबाधयिष-त् ताम् न्ः तम् त म् अविबाधयि
- ५ अविबाधयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ विबाधयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विबाधयिषाश्चकार विबाधयिषामास
- ७ विबाधयिष्या-त् स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विबाधयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विबाधयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विबाधयिषि
ष्या-मि व मः (अविबाधयिषिष्या-व म
- १० अविबाधयिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्

१६६६ क्षपुण् (क्षम्प्) क्षान्तौ

- १ चिक्षम्पयिषति तः न्ति सि थः थ चिक्षम्पयिषामि वः
- २ चिक्षम्पयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म [मः
- ३ चिक्षम्पयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्षम्पयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अचिक्षम्पयिष-त् ताम् न्ः तम् त म् अचिक्षम्पयि
- ५ अचिक्षम्पयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चिक्षम्पयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिक्षम्पयिषाश्चकार चिक्षम्पयिषामास
- ७ चिक्षम्पयिष्या-त् स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्षम्पयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्षम्पयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षम्पयिषि
ष्या-मि व मः (अचिक्षम्पयिषिष्या-व म
- १० अचिक्षम्पयिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्

१६६५ छपुण् (छम्प्) गतौ ।

- १ चिच्छम्पयिषति तः न्ति सि थः थ चिच्छम्पयिषामि
- २ चिच्छम्पयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ चिच्छम्पयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिच्छम्पयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अचिच्छम्पयिषत् ताम् न्ः तम् त म् अचिच्छम्पयि
- ५ अचिच्छम्पयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चिच्छम्पयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिच्छम्पयिषाश्चकार चिच्छम्पयिषामास
- ७ चिच्छम्पयिष्या-त् स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिच्छम्पयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिच्छम्पयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ चिच्छम्पयि-
ष्या मि व मः (अचिच्छम्पयिषिष्या-व म
- १० अचिच्छम्पयिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्

१६६७ ङूपण् (स्त्वप्) समुच्छाये

- १ तुङ्गूपयिष-ति तः न्ति सि थः थ तुङ्गूपयिषा-मि
- २ तुङ्गूपयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ तुङ्गूपयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुङ्गूपयिषा-णि व म -व म
- ४ अतुङ्गूपयिषत् ताम् न्ः तम् त म् अतुङ्गूपयिषा
- ५ अतुङ्गूपयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म कृम
- ६ तुङ्गूपयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
तुङ्गूपयिषाम्बभूव तुङ्गूपयिषामास
- ७ तुङ्गूपयिष्या-त् स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुङ्गूपयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुङ्गूपयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुङ्गूपयि
ष्या-मि व मः (अतुङ्गूपयिषिष्या-व म
- १० अतुङ्गूपयिषिष्य-त् ताम् न्ः तम् त म्

१६६८ डिपण (डिप्) क्षेपे ।

- १ डिडेपयिष-ति तः न्ति सि थः थ डिडेपयिषामिवः
- २ डिडेपयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ डिडेपयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
डिडेपयिषा-णि व म व म
- ४ अडिडेपयिषत् ताम् नः तम् तम् अडिडेपयिषा
- ५ अडिडेपयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ डिडेपयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
डिडेपयिषाञ्चकार डिडेपयिषाम्बभूव
- ७ डिडेपयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ डिडेपयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ डिडेपयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ डिडेपयिषि
ष्या-मि वः मः (अडिडेपयिषिष्या-व म
- १० अडिडेपयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६७० डपुण (डम्प) संघाते ।

१६७१ डिपुण (डिम्प) संघाते ।

- १ डिडम्पयिष-ति तः न्ति सि थः थ डिडम्पयिषामिवः मः
- २ डिडम्पयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ डिडम्पयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
डिडम्पयिषा-णि व म (-व म
- ४ अडिडम्पयिषत् ताम् नः तम् तम् अडिडम्पयिषा
- ५ अडिडम्पयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ डिडम्पयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
डिडम्पयिषाञ्चकार डिडम्पयिषामास
- ७ डिडम्पयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ डिडम्पयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ डिडम्पयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ डिडम्पयिषि
ष्या-मि वः मः (अडिडम्पयिषिष्या-व म
- १० अडिडम्पयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६६९ हपण (हप्) व्यक्तायां वाचि

- १ जिह्वापयिष-ति तः न्ति सि थः थ जिह्वापयिषामिव मः
- २ जिह्वापयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ जिह्वापयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिह्वापयिषा-णि व म [ग
- ४ अजिह्वापयिषत् ताम् नः तम् तम् अजिह्वापयिषाव
- ५ अजिह्वापयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ जिह्वापयिषामा स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिह्वापयिषाञ्चकार जिह्वापयिषाम्बभूव
- ७ जिह्वापयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिह्वापयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिह्वापयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिह्वापयिषि
ष्या-मि वः मः (अजिह्वापयिषिष्या-व म
- १० अजिह्वापयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६७२ शुर्पण (शुर्प) माने ।

- १ शुशूर्पयिष-ति तः न्ति सि थः थ शुशूर्पयिषामिवः
- २ शुशूर्पयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ शुशूर्पयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शुशूर्पयिषा-णि व म
- ४ अशुशूर्पयिष-त् ताम् नः तम् तम् अशुशूर्पयिषा
व ग (विष्ट्व विष्टम्
- ५ अशुशूर्पयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
- ६ शुशूर्पयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शुशूर्पयिषाञ्चकार शुशूर्पयिषाम्बभूव
- ७ शुशूर्पयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशूर्पयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुशूर्पयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुशूर्पयिषि
ष्या-मि वः मः (अशुशूर्पयिषिष्या-व म
- १० अशुशूर्पयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१६९३ शुल्बण् (शुल्ब) सज्जने च ।

- १ शुशुल्बयिषति तः न्ति सि थः थ शुशुल्बयिषामिवः
- २ शुशुल्बयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (मः
- ३ शुशुल्बयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शुशुल्बयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अशुशुल्बयिष-त्ताम् नः तम् तम् अशुशुल्बयि
- ५ अशुशुल्बयि-षीत् विष्टाम् विषुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ शुशुल्बयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
शुशुल्बयिषाञ्चकार शुशुल्बयिषाम्भूव
- ७ शुशुल्बयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शुशुल्बयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शुशुल्बयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुशुल्बयिषि
ष्या-मि व मः (अशुशुल्बयिषिष्या-व म
- १० अशुशुल्बयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६९५ डिवुण् (डिव्) डिवुण् क्षेपे

- १ डिडिम्बयिषति तः न्ति सि थः थ डिडिम्बयिषामिवः
- २ डिडिम्बयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म [मः
- ३ डिडिम्बयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
डिडिम्बयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अडिडिम्बयिष-त्ताम् नः तम् तम् अडिडिम्बयि
- ५ अडिडिम्बयि-षीत् विष्टाम् विषुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ डिडिम्बयिषाम्भू-व वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम
डिडिम्बयिषाञ्चकार डिडिम्बयिषामास
- ७ डिडिम्बयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ डिडिम्बयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ डिडिम्बयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ डिडिम्बयि
षिष्या-मि व मः (अडिडिम्बयिषिष्या-व म
- १० अडिडिम्बयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६९४ डुवुण् (डुव्) क्षेपे

- १ डिडिम्बयिष-ति तः न्ति सि थः थ डिडिम्बयिषा-मि
- २ डिडिम्बयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ डिडिम्बयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
डिडिम्बयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अडिडिम्बयिष-त्ताम् नः तम् तम् अडिडिम्बयि
- ५ अडिडिम्बयि-षीत् विष्टाम् विषुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ डिडिम्बयिषाम्भू-व वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम
डिडिम्बयिषाञ्चकार डिडिम्बयिषामास
- ७ डिडिम्बयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ डिडिम्बयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ डिडिम्बयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ डिडिम्बयि-
षिष्या-मि व मः (अडिडिम्बयिषिष्या-व म
- १० अडिडिम्बयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६९६ सम्बण् (सम्ब) सम्बन्धे

- १ सिसम्बयिषति तः न्ति सि थः थ सिसम्बयिषामिवः
- २ सिसम्बयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म [मः
- ३ सिसम्बयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसम्बयिषा-णि व म षा-व म
- ४ असिसम्बयिष-त्ताम् नः तम् तम् असिसम्बयि
- ५ असिसम्बयि-षीत् विष्टाम् विषुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ सिसम्बयिषाम्भू-व वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम
सिसम्बयिषाञ्चकार सिसम्बयिषामास
- ७ सिसम्बयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसम्बयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसम्बयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसम्बयिषि
ष्या-मि व मः (असिसम्बयिषिष्या-व म
- १० असिसम्बयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६७७ कुबुण (कुम्ब) आच्छादने ।

- १ चुकुम्बयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुम्बयिषामि वः
- २ चुकुम्बयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (मः)
- ३ चुकुम्बयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुम्बयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अचुकुम्बयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुकुम्बयि
- ५ अचुकुम्बयि-षीत् विष्टाम् विषुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चुकुम्बयिषामा-स सतुः सुः सि थः स थुः स स सि थ सिम
चुकुम्बयिषाञ्चकार चुकुम्बयिषाम्भूष
- ७ चुकुम्बयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुम्बयिषिता-" रौ रः सि थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुम्बयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुम्बयिषि
ष्या-मि वः मः (अचुकुम्बयिषिष्या-व म
- १० अचुकुम्बयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६७९ तुबुण (तुम्ब) अर्दने

- १ तुम्बयिष-ति तः न्ति सि थः थ तुम्बयिषामि वः
- २ तुम्बयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म [मः]
- ३ तुम्बयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तुम्बयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अतुम्बयिष-त्ताम् नः तम् तम् अतुम्बयि
- ५ अतुम्बयि-षीत् विष्टाम् विषुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ तुम्बयिषाम्भू-व वतुः वुः वि थ वथुः व व विव विम
तुम्बयिषाञ्चकार तुम्बयिषामास
- ७ तुम्बयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुम्बयिषिता-" रौ रः सि थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुम्बयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुम्बयि
षिष्या-मि वः मः (अतुम्बयिषिष्या-व म
- १० अतुम्बयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६७८ लुलुण् (लुम्ब) अर्दने

- १ लुलुम्बयिष-ति तः न्ति सि थः थ लुलुम्बयिषा-मि
- २ लुलुम्बयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ लुलुम्बयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलुम्बयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अलुलुम्बयिष-त्ताम् नः तम् तम् अलुलुम्बयि
- ५ अलुलुम्बयि-षीत् विष्टाम् विषुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ लुलुम्बयिषाम्भूव वतुः वुः वि थ वथुः व व विव विम
लुलुम्बयिषाञ्चकार लुलुम्बयिषामास
- ७ लुलुम्बयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलुम्बयिषिता-" रौ रः सि थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलुम्बयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलुम्बयि
षिष्या मि वः मः (अलुलुम्बयिषिष्या-व म
- १० अलुलुम्बयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६८० पुर्वण् (पुर्व) निकेतने ।

- १ पुपूर्वयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपूर्वयिषा-मि
- २ पुपूर्वयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म [वः मः]
- ३ पुपूर्वयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपूर्वयिषा-णि व म -व म
- ४ अपुपूर्वयिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुपूर्वयिषा
- ५ अपुपूर्वयि-षीत् विष्टाम् विषुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म (कृव कृम
- ६ पुपूर्वयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
पुपूर्वयिषाम्भूव पुपूर्वयिषामास
- ७ पुपूर्वयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपूर्वयिषिता-" रौ रः सि थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपूर्वयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपूर्वयि
षिष्या मि वः मः (अपुपूर्वयिषिष्या-व म
- १० अपुपूर्वयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६८१ यमण् (यम्) परिवेषणे ।

- १ यियामयिष-ति तः न्ति सि थः थ यियामयिषामिवः
- २ यियामयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ यियामयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
यियामयिषा-णि व म व म
- ४ अयियामयिषत् ताम् नः तम् त म् अयियामयिषा
- ५ अयियामयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ यियामयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
यियामयिषाञ्चकार यियामयिषाम्बभूव
- ७ यियामयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ यियामयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ यियामयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ यियामयिषि
ष्या-मि वः मः (अयियामयिषिष्या-व म
- १० अयियामयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

१६८२ व्ययण् (व्यय्) क्षेपे

- १ विव्याययिष-ति तः न्ति सि थः थ विव्याययिषामिवः
- २ विव्याययिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ विव्याययिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विव्याययिषा-णि व म [व म
- ४ अविव्याययिषत् ताम् नः तम् त म् अविव्याययिषा
- ५ अविव्याययि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ विव्याययिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विव्याययिषाञ्चकार विव्याययिषाम्बभूव
- ७ विव्याययिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विव्याययिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विव्याययिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विव्याययिषि
ष्या-मि वः मः (अविव्याययिषिष्या-व म
- १० अविव्याययिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

१६८३ यनुण् (यन्त्र) संकोचने ।

- १ यियन्त्रयिष-ति तः न्ति सि थः थ यियन्त्रयिषामिवः मः
- २ यियन्त्रयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ यियन्त्रयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
यियन्त्रयिषा-णि व म (-व म
- ४ अयियन्त्रयिषत् ताम् नः तम् त म् अयियन्त्रयिषा
- ५ अयियन्त्रयि-षीत् सिष्टाम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
सिष्ट्व सिष्ट्व
- ६ यियन्त्रयिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
यियन्त्रयिषाञ्चकार यियन्त्रयिषामास
- ७ यियन्त्रयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ यियन्त्रयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ यियन्त्रयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ यियन्त्रयिषि
ष्या-मि वः मः (अयियन्त्रयिषिष्या-व म
- १० अयियन्त्रयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

१६८४ कुडुण् (कुन्द्र) अतृप्तभाषणे ।

- १ चुकुन्द्रयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुन्द्रयिषामिवः
- २ चुकुन्द्रयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ चुकुन्द्रयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुन्द्रयिषा-णि व म
- ४ अचुकुन्द्रयिषत् ताम् नः तम् त म् अचुकुन्द्रयिष
व म (विष्ट्व विष्ट्व
- ५ चुकुन्द्रयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
चुकुन्द्रयिषाञ्चकार चुकुन्द्रयिषाम्बभूव
- ६ चुकुन्द्रयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ चुकुन्द्रयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुन्द्रयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुन्द्रयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुन्द्रयिषि
ष्या-मि वः मः (अचुकुन्द्रयिषिष्या-व म
- १० अचुकुन्द्रयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

१६८५ श्वभ्रण् (श्वभ्र) गतौ ।

- १ शिश्वभ्रयिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्वभ्रयिषामि
- २ शिश्वभ्रयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
- ३ शिश्वभ्रयिष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
शिश्वभ्रयिषा-णि व म -व म
- ४ अशिश्वभ्रयिषत्ताम् नः तम् तम् अशिश्वभ्रयिषा
- ५ अशिश्वभ्रयि-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म (कृव कृम
- ६ शिश्वभ्रयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
शिश्वभ्रयिषाम्बभूव शिश्वभ्रयिषामास
- ७ शिश्वभ्रयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्वभ्रयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्वभ्रयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्वभ्रयि
षिष्या-मि वः मः (अशिश्वभ्रयिषिष्या-व म
- १० अशिश्वभ्रयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६८७ जलण् (जल्) अपवारणे ।

- १ जिजालयिषति तः न्ति सि थः थ जिजालयिषामि वः
- २ जिजालयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ जिजालयिष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
जिजालयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अजिजालयिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिजालयि
- ५ अजिजालयि-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ जिजालयिषामा-स सतुः सुः सि थः स स सि व सि म
जिजालयिषाश्चकार जिजालयिषाम्बभूव
- ७ जिजालयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजालयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजालयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजालयि
षिष्या-मि वः मः (अजिजालयिषिष्या-व म
- १० अजिजालयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६८६ तिलण् (तिल) स्नेहने

- १ तितेलयिष-ति तः न्ति सि थः थ तितेलयिष्या-मि
- २ तितेलयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ तितेलयिष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
तितेलयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अतितेलयिष-त्ताम् नः तम् तम् अतितेलयि
- ५ अतितेलयि पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ तितेलयिषाम्बभूव वतुः वुः वि थ वथुः व व वि व वि म
तितेलयिषाश्चकार तितेलयिषामास
- ७ तितेलयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितेलयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितेलयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितेलयि-
षिष्या-मि वः मः (अतितेलयिषिष्या-व म
- १० अतितेलयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६८८ क्षलण् (क्षल्) शौचे

- १ चिक्षालयिषति तः न्ति सि थः थ चिक्षालयिषामि वः
- २ चिक्षालयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ चिक्षालयिष-तु तात्ताम् न्नु " तात् तम् त
चिक्षालयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अचिक्षालयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिक्षालयि
- ५ अचिक्षालयि-पीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ चिक्षालयिषाम्बभू-व वतुः वुः वि थ वथुः व व वि व वि म
चिक्षालयिषाश्चकार चिक्षालयिषामास
- ७ चिक्षालयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्षालयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्षालयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षालयि
षिष्या-मि वः मः (अचिक्षालयिषिष्या-व म
- १० अचिक्षालयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६८९ पुलङ् (पुल) समुदाये ।

- १ पुपोलयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपोलयिषा-मि
- २ पुपोलयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म [वः मः
- ३ पुपोलयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपोलयिषा-णि व म -व म
- ४ अपुपोलयिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुपोलयिषा
- ५ अपुपोलयि-षीत् षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृव कृम
- ६ पुपोलयिषाञ्चकार क्तुः क्तुः कर्त्थ कथुः क कार कर
पुपोलयिषाम्बभूव पुपोलयिषामास
- ७ पुपोलयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपोलयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपोलयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपोलयि
षिष्या-मि वः मः (अपुपोलयिषिष्या-व म
- १० अपुपोलयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६९१ तलङ् (तल) प्रतिष्ठायाम्

- १ तितालयिष-ति तः न्ति सि थः थ तितालयिषा-मि
- २ तितालयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ तितालयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तितालयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अतितालयिष-त्ताम् नः तम् तम् अतितालयि
- ५ अतितालयि षीत् षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तितालयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तितालयिषाञ्चकार तितालयिषामास
- ७ तितालयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितालयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितालयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितालयि-
षिष्या-मि वः मः (अतितालयिषिष्या-व म
- १० अतितालयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६९० बिबलङ् (बिब्ल) भेदे ।

- १ बिबेलयिषति तः न्ति सि थः थ बिबेलयिषामि वः
- २ बिबेलयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (मः
- ३ बिबेलयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
बिबेलयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अबिबेलयिष-त्ताम् नः तम् तम् अबिबेलयि
- ५ अबिबेलयि-षीत् षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बिबेलयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
बिबेलयिषाञ्चकार बिबेलयिषाम्बभूव
- ७ बिबेलयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिबेलयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिबेलयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिबेलयिषि
ष्या-मि वः मः (अबिबेलयिषिष्या-व म
- १० अबिबेलयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६९२ तुलङ् (तुल) उन्मादे

- १ तुतोलयिषति तः न्ति सि थः थ तुतोलयिषामि वः
- २ तुतोलयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म [मः
- ३ तुतोलयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतोलयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अतुतोलयिष-त्ताम् नः तम् तम् अतुतोलयि
- ५ अतुतोलयि-षीत् षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तुतोलयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुतोलयिषाञ्चकार तुतोलयिषामास
- ७ तुतोलयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतोलयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतोलयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतोलयि
षिष्या-मि वः मः (अतुतोलयिषिष्या-व म
- १० अतुतोलयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६९३ दुल्ल (दुल) उक्क्षेपे

- १ दुदोलयिष-ति तः न्ति सि थः थ दुदोलयिषा-मि
- २ दुदोलयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ दुदोलयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दुदोलयिषा-णि व म -व म
- ४ अदुदोलयिषत्ताम् नः तम् तम् अदुदोलयिषा
- ५ अदुदोलयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व कृम
- ६ दुदोलयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
दुदोलयिषाम्बभूव दुदोलयिषामास
- ७ दुदोलयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुदोलयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुदोलयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ दुदोलयिषि
ष्या-मि वः मः (अदुदोलयिषिष्या-व म
- १० अदुदोलयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६९४ मुल्ल (मूल) रोहणे

- १ मुमूलयिषति तः न्ति सि थः थ मुमूलयिषामि वः
- २ मुमूलयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ मुमूलयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमूलयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अमुमूलयिषत्ताम् नः तम् तम् अमुमूलयि
- ५ अमुमूलयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व (कृम
- ६ मुमूलयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
मुमूलयिषाम्बभूव मुमूलयिषामास
- ७ मुमूलयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमूलयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमूलयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ मुमूलयिषि
ष्य-मि वः मः (अमुमूलयिषिष्या-व म
- १० अमुमूलयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६९४ बुल्ल (बुल) निमज्जने

- १ बुबोलयिष ति तः न्ति सि थः थ बुबोलयिषामि वः
- २ बुबोलयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व न [मः]
- ३ बुबोलयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
बुबोलयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अबुबोलयिष-त्ताम् नः तम् तम् अबुबोलयि
- ५ अबुबोलयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ बुबोलयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बुबोलयिषाञ्चकार बुबोलयिषामास
- ७ बुबोलयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बुबोलयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बुबोलयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ बुबोलयिषि
ष्या-मि वः मः (अबुबोलयिषिष्या-व म
- १० अबुबोलयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६९६ कल्ल (कल्) क्षेपे ।

- १ चिकालयिष ति तः न्ति सि थः थ चिकालयिषा-मि
- २ चिकालयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ चिकालयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकालयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अचिकालयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिकालयि
- ५ अचिकालयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व -कर कृम कृव
- ६ चिकालयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार
चिकालयिषाम्बभूव चिकालयिषामास
- ७ चिकालयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकालयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकालयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ चिकालयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिकालयिषिष्या-व म
- १० अचिकालयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१६९७ किलण् (किल्) क्षेपे ।

- १ चिकेलयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकेलयिषामि वः
- २ चिकेलयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ चिकेलयिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
चिकेलयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अचिकेलयिष-त्ताम् नः : तम् त म् अचिकेलयि
- ५ अचिकेलयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म - कर कृम कृव
- ६ चिकेलयिषाञ्च-कार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
चिकेलयिषाम्बभूव चिकेलयिषामास
- ७ चिकेलयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकेलयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
चिकेलयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ चिकेलयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिकेलयिषिष्या-व म
- १० अचिकेलयिषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म्

१६९९ पलण् (पल्) रक्षणे

- १ पिपालयिषति तः न्ति सि थः थ पिपालयिषामि वः
- २ पिपालयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ पिपालयिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
पिपालयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अपिपालयिषत्ताम् नः : तम् त म् अपिपालयि
- ५ अपिपालयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म (कृम
- ६ पिपालयिषाञ्चकार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
पिपालयिषाम्बभूव पिपालयिषामास
- ७ पिपालयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपालयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपालयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ पिपालयिषि
ष्य-मि वः मः (अपिपालयिषिष्या-व म
- १० अपिपालयिषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म्

१६९८ पिलण् (पिल्) क्षेपे

- १ पिपेलयिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपेलयिषामि वः
- २ पिपेलयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व न [मः]
- ३ पिपेलयिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
पिपेलयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अपिपेलयिष-त्ताम् नः : तम् त म् अपिपेलयि
- ५ अपिपेलयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ पिपेलयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपेलयिषाञ्चकार पिपेलयिषामास
- ७ पिपेलयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपेलयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपेलयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ पिपेलयिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपेलयिषिष्या-व म
- १० अपिपेलयिषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म्

१७०० इलण् (इल्) प्रेक्षणे

- १ एलिलयिष-ति तः न्ति सि थः थ एलिलयिषा-मि
- २ एलिलयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ एलिलयिष-तु तात् ताम् न्नु " तात् तम् त
एलिलयिषा-णि व म -व म
- ४ ऐलिलयिषत्ताम् नः : तम् त म् ऐलिलयिषा
- ५ ऐलिलयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म कृम
- ६ एलिलयिषाञ्चकार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
एलिलयिषाम्बभूव एलिलयिषामास
- ७ एलिलयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ एलिलयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ एलिलयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ एलिलयिषि
ष्या-मि वः मः (ऐलिलयिषिष्या-व म
- १० ऐलिलयिषिष्य-त्ताम् नः : तम् त म्

१७०१ चल्ण् (चल्) भृतौ ।

- १ चिचालयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचालयिषामिवः
- २ चिचालयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ चिचालयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचालयिषा-णि व म (व म
- ४ अचिचालयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचिचालयिषा
- ५ अचिचालयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिचालयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिचालयिषाञ्चकार चिचालयिषामास
- ७ चिचालयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचालयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचालयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचालयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिचालयिषिष्या-व म
- १० अचिचालयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७०३ धृशण् (धृश) कान्तीकरणे

- १ दुधूसयिष-ति तः न्ति सि थः थ दुधूसयिषा-मिवः
- २ दुधूसयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ दुधूसयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दुधूसयिषा-णि व म व म
- ४ अदुधूसयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदुधूसयिषा
- ५ अदुधूसयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ दुधूसयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दुधूसयिषाञ्चकार दुधूसयिषामास
- ७ दुधूसयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुधूसयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुधूसयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुधूसयिषि
ष्या-मि वः मः (अदुधूसयिषिष्या-व म
- १० अदुधूसयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७०२ सान्त्वण् (सान्त्व) सामप्रयोगे ।

- १ सिसान्त्वयिषति तः न्ति सि थः थ सिसान्त्वयिषामिवः
- २ सिसान्त्वयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः म
- ३ सिसान्त्वयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसान्त्वयिषा-णि व म (यिषा-व म
- ४ असिसान्त्वयिषत् ताम् न् तम् तम् असिसान्त्व
- ५ असिसान्त्वयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिसान्त्वयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसान्त्वयिषाञ्चकार सिसान्त्वयिषामास
- ७ सिसान्त्वयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसान्त्वयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसान्त्वयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसान्त्वयि
षिष्या-मि वः मः (असिसान्त्वयिषिष्या-व म
- १० असिसान्त्वयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७०४ श्लिषण् (श्लिष) श्लेषणे

- १ शिश्लेषयिषति तः न्ति सि थः थ शिश्लेषयिषामिवः
- २ शिश्लेषयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ शिश्लेषयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्लेषयिषा-णि व म [षा-व म
- ४ अशिश्लेषयिष-त् ताम् न् तम् तम् अशिश्लेषयि
- ५ अशिश्लेषयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शिश्लेषयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिश्लेषयिषाञ्चकार शिश्लेषयिषामास
- ७ शिश्लेषयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ शिश्लेषयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि म् स्वः स्मः
- ९ शिश्लेषयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्लेषयि
षिष्या मि वः मः (अशिश्लेषयिषिष्या-व म
- १० अशिश्लेषयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७०५ लृषण (लृष) हिंसायाम् ।

- १ लृलृषयिष-ति तः न्ति सि थः थ लृलृषयिषा-मि
- २ लृलृषयिषे-त्ताम् युः । तम् त यम् व म (वः मः
- ३ लृलृषयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
लृलृषयिषा-णि व म षा व म
- ४ अलृलृषयिष-त्ताम् नः तम् तम् अलृलृषयि-
- ५ अलृलृषयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्ट - कर कृम कृव
- ६ लृलृषयिषाञ्च-कार कृतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
लृलृषयिषाम्बभूव लृलृषयिषामास
- ७ लृलृषयिष्या-त्स्ताम् सुः । स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लृलृषयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लृलृषयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ लृलृषयिषि-
ष्या-मि वः मः (अलृलृषयिषिष्या-व म
- १० अलृलृषयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७०६ लृषण (लृष) उत्सर्गे

- १ पुलृषयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुलृषयिषा मि
- २ पुलृषयिषे-त्ताम् युः । तम् त यम् व म (वः मः
- ३ पुलृषयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पुलृषयिषा-णि व म -व म
- ४ अपुलृषयिष-त्ताम् नः तम् तम् अपुलृषयिषा
- ५ अपुलृषयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्ट कृम
- ६ पुलृषयिषाञ्च-कार कृतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
पुलृषयिषाम्बभूव पुलृषयिषामास
- ७ पुलृषयिष्या-त्स्ताम् सुः । स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुलृषयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुलृषयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ पुलृषयिषि-
ष्या-मि वः मः (अपुलृषयिषिष्या-व म
- १० अपुलृषयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७०६ रुषण (रुष) रोषे

- १ रुषयिषति तः न्ति सि थः थ रुषयिषामि वः
- २ रुषयिषे-त्ताम् युः । तम् त यम् व म (मः
- ३ रुषयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रुषयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अरुषयिष-त्ताम् नः तम् तम् अरुषयि
- ५ अरुषयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्ट (कृम
- ६ रुषयिषाञ्च-कार कृतुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
रुषयिषाम्बभूव रुषयिषामास
- ७ रुषयिष्या-त्स्ताम् सुः । स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रुषयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रुषयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ रुषयिषि-
ष्या-मि वः मः (अरुषयिषिष्या-व म
- १० अरुषयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७०८ पसुण (पस) नाशने

- १ पिपसयिषति तः न्ति सि थः थ पिपसयिषामि वः
- २ पिपसयिषे-त्ताम् युः । तम् त यम् व म (मः
- ३ पिपसयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपसयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अपिपसयिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिपसयि
- ५ अपिपसयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट विष्ट
- ६ पिपसयिषाम्बभूव-वतुः वुः विथ वथुः व व विव विमं
पिपसयिषाञ्च-कार पिपसयिषामास
- ७ पिपसयिष्या-त्स्ताम् सुः । स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपसयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपसयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ पिपसयिषि-
ष्या-मि वः मः (अपिपसयिषिष्या-व म
- १० अपिपसयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७०९ जसुण् (जस्) रक्षणे

- १ जिजंसयिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजंसयिषामि वः
- २ जिजंसयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ जिजंसयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजंसयिषा-णि व म (व म
- ४ अजिजंसयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अजिजंसयिषा
- ५ अजिजंसयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिजंसयिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
जिजंसयिषाञ्चकार जिजंसयिषामास
- ७ जिजंसयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजंसयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजंसयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजंसयिषि
ष्या-मि वः मः (अजिजंसयिषिष्या-व म
- १० अजिजंसयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७११ ब्रसण् (ब्रस्) हिंसायाम्

- १ ब्रुब्रसयिष-ति तः न्ति सि थः थ ब्रुब्रसयिषामि वः
- २ ब्रुब्रसयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ ब्रुब्रसयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ब्रुब्रसयिषा-णि व म (व म
- ४ अब्रुब्रसयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अब्रुब्रसयिषा
- ५ अब्रुब्रसयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ ब्रुब्रसयिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
ब्रुब्रसयिषाञ्चकार ब्रुब्रसयिषामास
- ७ ब्रुब्रसयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ब्रुब्रसयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ब्रुब्रसयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ब्रुब्रसयिषि
ष्या-मि वः मः (अब्रुब्रसयिषिष्या-व म
- १० अब्रुब्रसयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७१० पुंसण् (पुंस्) अभिमर्दने ।

- १ पुपुंसयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपुंसयिषामि वः
- २ पुपुंसयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ पुपुंसयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपुंसयिषा-णि व म (-व म
- ४ अपुपुंसयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपुपुंसयिषा
- ५ अपुपुंसयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पुपुंसयिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
पुपुंसयिषाञ्चकार पुपुंसयिषामास
- ७ पुपुंसयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपुंसयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपुंसयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपुंसयिषिष्या
-मि वः मः (अपुपुंसयिषिष्या-व म
- १० अपुपुंसयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७१२ पिसण् (पिस्) हिंसायाम्

- १ पिपेसयिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपेसयिषामि वः
- २ पिपेसयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ पिपेसयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपेसयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अपिपेसयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिपेसयि
- ५ अपिपेसयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपेसयिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
पिपेसयिषाञ्चकार पिपेसयिषामास
- ७ पिपेसयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ पिपेसयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि सम् स्वः स्मः
- ९ पिपेसयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपेसयि
षिष्या-मि वः मः (अपिपेसयिषिष्या-व म
- १० अपिपेसयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७१३ जसण् (जस्) हिंसायाम्

- १ जिजासयिष-ति तः न्ति सि थः थ जिजासयिषामिवः
 २ जिजासयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
 ३ जिजासयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 जिजासयिषा-णि व म (व म
 ४ अजिजासयिषत्ताम् नः तम् तम् अजिजासयिषा
 ५ अजिजासयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ जिजासयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 जिजासयिषाश्चकार जिजासयिषामास
 ७ जिजासयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ जिजासयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ जिजासयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजासयिषि
 ष्या-मि वः मः (अजिजासयिषिष्या-व म
 १० अजिजासयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१७१५ णिहण् (णिह्) स्नेहने

- १ सिष्णेहयिष-ति तः न्ति सि थः थ सिष्णेहयिषा-मि
 २ सिष्णेहयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
 ३ सिष्णेहयिष-तु तात् ताम् न्तु तात् तम् त
 सिष्णेहयिषा-णि-व-म व म
 ४ असिष्णेहयिषत्ताम् नः तम् तम् असिष्णेहयिषा
 ५ असिष्णेहयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व कृम
 ६ सिष्णेहयिषाश्चकार क्तुः क्तुः कथं कथुः क कार कर कृव
 सिष्णेहयिषाम्बभूव सिष्णेहयिषामास
 ७ सिष्णेहयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ सिष्णेहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ सिष्णेहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिष्णेहयिषि
 ष्या-मि वः मः (असिष्णेहयिषिष्या-व म
 १० असिष्णेहयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१७१४ बहण् (बह्) हिंसायाम् ।

- बिबहयिष-ति तः न्ति सि थः थ बिबहयिषा-मि
 बिबहयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
 बिबहयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 बिबहयिषा-णि व म (-व म
 ४ अबिबहयिष-त् ताम् नः तम् तम् अबिबहयिषा
 ५ अबिबहयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ बिबहयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 बिबहयिषाश्चकार बिबहयिषामास
 बिबहयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 बिबहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 बिबहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिबहयिषिष्या
 -मि वः मः (अबिबहयिषिष्या-व म
 १० अबिबहयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१७१६ ब्रक्षण् (ब्रक्ष्) म्लेच्छने

- १ मिब्रक्षयिष-ति तः न्ति सि थः थ मिब्रक्षयिषामिवः
 २ मिब्रक्षयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
 ३ मिब्रक्षयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 मिब्रक्षयिषा-णि व म [षा-व म
 ४ अमिब्रक्षयिष-त् ताम् नः तम् तम् अमिब्रक्षयि
 ५ अमिब्रक्षयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
 षिष्व षिष्व
 ६ मिब्रक्षयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 मिब्रक्षयिषाश्चकार मिब्रक्षयिषामास
 मिब्रक्षयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
 मिब्रक्षयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि मम् स्वः स्मः
 ९ मिब्रक्षयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिब्रक्षयि
 ष्या-मि वः मः (अमिब्रक्षयिषिष्या-व म
 १० अमिब्रक्षयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१७१७ भक्षण (भक्ष) अदने ।

- १ विभक्षयिष तितः न्तिसिथः थ विभक्षयिषा-मि
- २ विभक्षयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ विभक्षयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विभक्षयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अविभक्षयिष-त्ताम् नः तम् तम् अविभक्षयि
- ५ अविभक्षयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म -कर कृम कृव
- ६ विभक्षयिषाश्च-कार क्रतुः क्रुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
विभक्षयिषाम्भूव विभक्षयिषामास
- ७ विभक्षयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विभक्षयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विभक्षयिषिष्यति तः न्तिसिथः थ विभक्षयिषि
ष्या-मि वः मः (अविभक्षयिषिष्या-व म
- १० अविभक्षयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७१९ लक्षण (लक्ष) दर्शनाङ्कनयोः

- १ लिलक्षयिष तितः न्तिसिथः थ लिलक्षयिषा-मि
- २ लिलक्षयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ लिलक्षयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलक्षयिषा-णि व म -व म
- ४ अलिलक्षयिषत्ताम् नः तम् तम् अलिलक्षयिषा
- ५ अलिलक्षयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म कृम
- ६ लिलक्षयिषाश्च-कार क्रतुः क्रुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
लिलक्षयिषाम्भूव लिलक्षयिषामास
- ७ लिलक्षयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलक्षयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलक्षयिषिष्यति तः न्तिसिथः थ लिलक्षयिषि
ष्या-मि वः मः (अलिलक्षयिषिष्या-व म
- १० अलिलक्षयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७१८ पक्षण (पक्ष) परिग्रहे

- १ पिपक्षयिष तितः न्तिसिथः थ पिपक्षयिषामि वः
- २ पिपक्षयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ पिपक्षयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपक्षयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अपिपक्षयिषत्ताम् नः तम् तम् अपिपक्षयि
- ५ अपिपक्षयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म (कृम
- ६ पिपक्षयिषाश्च-कार क्रतुः क्रुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
पिपक्षयिषाम्भूव पिपक्षयिषामास
- ७ पिपक्षयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपक्षयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपक्षयिषिष्यति तः न्तिसिथः थ पिपक्षयिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपक्षयिषिष्या-व म
- १० अपिपक्षयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ लिलक्षयि-षतेषेते षन्ते षसे षेथे षथ्वे षे षावहे षामहे
- २ लिलक्षयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ लिलक्षयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षथ्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अलिलक्षयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षथ्वम् षे
षावहि षामाह (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अलिलक्षयिषि-षताम् षत षा षथाम् इद्वम् थ्वम्
- ६ लिलक्षयिषाश्च-कारे क्रते क्रिरे कृषे क्रथे कृद्वे क्रेकृवहे कृमहे
लिलक्षयिषाम्भूव लिलक्षयिषामास (य वहि महि
- ७ लिलक्षयिषिषी-ष्यताम् रन् षाः यास्थाम् थ्वम्
- ८ लिलक्षयिषिता- " रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिलक्षयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यथ्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यथ्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलिलक्षयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१७२० ज्ञाण (ज्ञा) मारणादिनियोजनेषु

- १ जिज्ञपयिषति तः न्ति सिथः थ जिज्ञपयिषामिवः
- २ जिज्ञपयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ जिज्ञपयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिज्ञपयिषा-णि व म [व म
- ४ अजिज्ञपयिषत्ताम् नः तम् तम् अजिज्ञपयिषा
- ५ अजिज्ञपयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जिज्ञपयिषामा स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिज्ञपयिषाञ्चकार जिज्ञपयिषाम्बभूव
- ७ जिज्ञपयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिज्ञपयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिज्ञपयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जिज्ञपयिषि
ष्या-मि वः मः (अजिज्ञपयिषिष्या-व म
- १० अजिज्ञपयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१७२१ च्युण् (च्यु) सहने ।

- १ चिच्यावयिषति तः न्ति सिथः थ चिच्यावयिषामिवः
- २ चिच्यावयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ चिच्यावयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिच्यावयिषा-णि व म (चा-व म
- ४ अचिच्यावयिषत्ताम् नः तम् तम् अचिच्यावयि
- ५ अचिच्यावयि-षीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ चिच्यावयिषाम्बभूव वतुः वः विथ वथुः व व चिव विम
चिच्यावयिषाञ्चकार चिच्यावयिषामास
- ७ चिच्यावयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिच्यावयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिच्यावयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिच्यावयि
षिष्या-मि वः मः (अचिच्यावयिषिष्या-व म
- १० अचिच्यावयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्
पक्षे चिच्याव-स्थाने चुच्याव इति ज्ञेयम्

१७२२ भूण् (भू) अवकल्कने

- १ भ्रीप्स-ति तः न्ति सिथः थ भ्रीप्सा-मि वः मः
- २ भ्रीप्से-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ भ्रीप्स-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
भ्रीप्सा-नि व म
- ४ अभ्रीप्स-त् ताम् नः तम् तम् अभ्रीप्सा-व म
(सिष्व सिष्व
- ५ अभ्रीप्-सीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
भ्रीप्साञ्चकार भ्रीप्साम्बभूव
- ६ भ्रीप्सामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ भ्रीप्स्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ भ्रीप्सिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ भ्रीप्सिष्य-ति तः न्ति सिथः थ भ्रीप्सिष्या-मि वः मः
(अभ्रीप्सिष्या-व म
- १० अभ्रीप्सिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

- १ बिभावयिषति तः न्ति सिथः थ बिभावयिषामिवः
- २ बिभावयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ बिभावयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बिभावयिषा-णि व म व म
- ४ अबिभावयिषत्ताम् नः तम् तम् अबिभावयिषा
- ५ अबिभावयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बिभावयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
बिभावयिषाञ्चकार बिभावयिषाम्बभूव
- ७ बिभावयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिभावयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिभावयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ बिभावयिषि
ष्या-मि वः मः (अबिभावयिषिष्या-व म
- १० अबिभावयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१७२३ बुक्कण् (बुक्क्) भषणे

- १ बुबुक्कयिष-ति तः न्ति सि थः थ बुबुक्कयिषा-मि वः
- २ बुबुक्कयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ बुबुक्कयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बुबुक्कयिषा-णि व म (व म
- ४ अबुबुक्कयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अबुबुक्कयिषा-
- ५ अबुबुक्कयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ बुबुक्कयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बुबुक्कयिषाञ्चकार बुबुक्कयिषामास
- ७ बुबुक्कयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बुबुक्कयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बुबुक्कयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बुबुक्कयिषि-
ष्या-मि वः मः (अबुबुक्कयिषिष्या-व म
- १० अबुबुक्कयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७२५ लकण् (लक्) आस्वादने

- १ लिलाकयिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलाकयिषा-मि
- २ लिलाकयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ लिलाकयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलाकयिषा-णि व म व म
- ४ अलिलाकयिषत् ताम् न् : तम् तम् अलिलाकयिषा-
- ५ अलिलाकयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व कृम
- ६ लिलाकयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
लिलाकयिषाम्बभूव लिलाकयिषामास
- ७ लिलाकयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलाकयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलाकयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलाकयिषि-
ष्या-मि वः मः (अलिलाकयिषिष्या-व म
- १० अलिलाकयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७२४ रकण् (रक्) आस्वादने

- १ रिराकयिष-ति तः न्ति सि थः थ रिराकयिषा-मि
- २ रिराकयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ रिराकयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिराकयिषा-णि व म (-व म
- ४ अरिराकयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अरिराकयिषा-
- ५ अरिराकयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ रिराकयिषाम्बभू व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रिराकयिषाञ्चकार रिराकयिषामास
- ७ रिराकयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिराकयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिराकयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिराकयिषि-
ष्या-मि वः मः (अरिराकयिषिष्या-व म
- १० अरिराकयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७२६ रगण् (रग्) आस्वादने

- १ रिरागयिषति तः न्ति सि थः थ रिरागयिषामि वः
- २ रिरागयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ रिरागयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरागयिषा-णि व म [षा-व म
- ४ अरिरागयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अरिरागयि
- ५ अरिरागयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ रिरागयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रिरागयिषाञ्चकार रिरागयिषामास
- ७ रिरागयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ रिरागयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि मम् स्वः स्मः
- ९ रिरागयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरागयि-
षिष्या-मि वः मः (अरिरागयिषिष्या-व म
- १० अरिरागयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७२७ लग्ण (लग्) आस्वादने ।

- १ लिलागयिषति तः न्ति सि थः थ लिलागयिषामि वः
- २ लिलागयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (मः
- ३ लिलागयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलागयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अलिलागयिष-त्ताम् नः तम् त म् अलिलागयि
- ५ अलिलागयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ लिलागयिषामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
लिलागयिषाश्चकार लिलागयिषाम्बभूव
- ७ लिलागयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलागयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलागयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलागयि
षिष्या-मि वः मः (अलिलागयिषिष्या-व म
- १० अलिलागयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

१७२९ चर्चण् (चर्च्) अध्ययने ।

- १ चिचर्चयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचर्चयिषामि
- २ चिचर्चयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म [वः मः
- ३ चिचर्चयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचर्चयिषा-णि व म -व म
- ४ अचिचर्चयिषत्ताम् नः तम् त म् अचिचर्चयिषा
- ५ अचिचर्चयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म (कृव कृम
- ६ चिचर्चयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
चिचर्चयिषाम्बभूव चिचर्चयिषामास
- ७ चिचर्चयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचर्चयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचर्चयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचर्चयि
षिष्या-मि वः मः (अचिचर्चयिषिष्या-व म
- १० अचिचर्चयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

१७२८ लिगुण् (लिङ्ग्) चित्रोकरणे

- १ लिलिङ्गयिषति तः न्ति सि थः थ लिलिङ्गयिषामि वः
- २ लिलिङ्गयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म [मः
- ३ लिलिङ्गयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलिङ्गयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अलिलिङ्गयिष-त्ताम् नः तम् त म् अलिलिङ्गयि
- ५ अलिलिङ्गयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ लिलिङ्गयिषाम्बभू-व वतुः वुः वि थ वथुः व व वि व वि म
लिलिङ्गयिषाश्चकार लिलिङ्गयिषामास
- ७ लिलिङ्गयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलिङ्गयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलिङ्गयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलिङ्गयि
षिष्या-मि वः मः (अलिलिङ्गयिषिष्या-व म
- १० अलिलिङ्गयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

१७३० अञ्चण् (अञ्च्) विशेषणे

- १ अञ्चिचयिष-ति तः न्ति सि थः थ अञ्चिचयिषा-मि
- २ अञ्चिचयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ अञ्चिचयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
अञ्चिचयिषा-णि व म षा-व म
- ४ आञ्चिचयिष-त्ताम् नः तम् त म् आञ्चिचयि
- ५ आञ्चिचयि-षीत् विष्टाम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ अञ्चिचयिषाम्बभूव वतुः वुः वि थ वथुः व व वि व वि म
अञ्चिचयिषाश्चकार अञ्चिचयिषामास
- ७ अञ्चिचयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अञ्चिचयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अञ्चिचयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अञ्चिचयि-
षिष्या-मि वः मः (आञ्चिचयिषिष्या-व म
- १० आञ्चिचयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

१७३१ मुचण् (मुच्) प्रमोदने ।

- १ मुमोचयिषति तः न्ति सि थः थ मुमोचयिषामि वः
- २ मुमोचयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ मुमोचयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमोचयिषा-णि व म
- ४ अमुमोचयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अमुमोचयिषा
व म (विष् व विष्म
- ५ अमुमोचयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
मुमोचयिषाञ्चकार मुमोचयिषाम्बभूव
- ६ मुमोचयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ मुमोचयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमोचयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमोचयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमोचयिषि
ष्या-मि वः मः (अमुमोचयिषिष्या-व म
- १० अमुमोचयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७३२ अर्जण् (अर्ज्) प्रतियत्ने

- १ अर्जिजयिषति तः न्ति सि थः थ अर्जिजयिषामि वः
- २ अर्जिजयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ अर्जिजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अर्जिजयिषा-णि व म [व म
- ४ आर्जिजयिषत् ताम् न् : तम् त म् आर्जिजयिषा
- ५ आर्जिजयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष् व विष्म
- ६ अर्जिजयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
अर्जिजयिषाञ्चकार अर्जिजयिषाम्बभूव
- ७ अर्जिजयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अर्जिजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अर्जिजयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अर्जिजयिषि
ष्या-मि वः मः (आर्जिजयिषिष्या-व म
- १० आर्जिजयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७३३ भजण् (भज्) विश्राणने

- १ विभाजयिषति तः न्ति सि थः थ विभाजयिषामि वः
- २ विभाजयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ विभाजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विभाजयिषा-णि व म व म
- ४ अविभाजयिषत् ताम् न् : तम् त म् अविभाजयिषा
- ५ अविभाजयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष् व विष्म
- ६ विभाजयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विभाजयिषाञ्चकार विभाजयिषाम्बभूव
- ७ विभाजयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विभाजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विभाजयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विभाजयिषि
ष्या-मि वः मः (अविभाजयिषिष्या-व म
- १० अविभाजयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७३४ चटण् (चट्) भेदे ।

- १ चिचाटयिषति तः न्ति सि थः थ चिचाटयिषामि वः
- २ चिचाटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ चिचाटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचाटयिषा-णि व म (-व म
- ४ अचिचाटयिषत् ताम् न् : तम् त म् अचिचाटयिषा
- ५ अचिचाटयि-षीत् ~~विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्~~
~~विष् व विष्म~~
- ६ चिचाटयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिचाटयिषाञ्चकार चिचाटयिषामास
- ७ चिचाटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचाटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचाटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचाटयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिचाटयिषिष्या-व म
- १० अचिचाटयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

+विष्टम्, विष्टुः, षीः, विष्टम्,
विष्ट, विषम्, विष्, विष्म

१७३५ स्फुटण् (स्फुट्) भेदे ।

- १ पुस्फोटयिषति तः न्ति सि थः थ पुस्फोटयिषामि वः
- २ पुस्फोटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ पुस्फोटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुस्फोटयिषा-णि व म
- ४ अपुस्फोटयिष-त् ताम् नः तम् त म् अपुस्फोटयिषा
व म (विष्णु विष्म
- ५ पुस्फोटयि-धीत् विष्टम् विषुः षी विष्टम् विष्ट विषम्
पुस्फोटयिषाञ्चकार पुस्फोटयिषाम्बभूव
- ६ पुस्फोटयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ पुस्फोटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुस्फोटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुस्फोटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुस्फोटयिषि
ष्या-मि वः मः (अपुस्फोटयिषिष्या-व म
- १० अपुस्फोटयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१७३६ कणण (कण्) निमोलने ।

- १ चिकाणयिषति तः न्ति सि थः थ चिकाणयिषामि वः
- २ चिकाणयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ चिकाणयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकायिषा-णि व म (-व म
- ४ अचिकाणयिषत् ताम् नः तम् त म् अचिकाणयिषा
- ५ अचिकाणयि-धीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ चिकाणयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिकाणयिषाञ्चकार चिकाणयिषामास
- ७ चिकाणयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकाणयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकाणयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकाणयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिकाणयिषिष्या-व म
- १० अचिकाणयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१७३६ घटण (घट्) संघाते

- १ जिघाटयिषति तः न्ति सि थः थ जिघाटयिषामि वः
- २ जिघाटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ जिघाटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिघाटयिषा-णि व म [व म
- ४ अजिघाटयिषत् ताम् नः तम् त म् अजिघाटयिषा
- ५ अजिघाटयि-धीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ जिघाटयिषामा स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिघाटयिषाञ्चकार जिघाटयिषाम्बभूव
- ७ जिघाटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिघाटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिघाटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिघाटयिषि
ष्या-मि वः मः (अजिघाटयिषिष्या-व म
- १० अजिघाटयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१७३८ यतण (यत्) निकारोपस्कारयोः

- १ यियातयिष-ति तः न्ति सि थः थ यियातयिषामि वः
- २ यियातयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ यियातयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
यियातयिषा-णि व म व म
- ४ अयियातयिषत् ताम् नः तम् त म् अयियातयिषा
- ५ अयियातयि-धीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ यियातयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
यियातयिषाञ्चकार यियातयिषाम्बभूव
- ७ यियातयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ यियातयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ यियातयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ यियातयिषि
ष्या-मि वः मः (अयियातयिषिष्या-व म
- १० अयियातयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्

१७३९ शब्दण् (शब्द) उपसर्गाद्भाषाविष्कारयोः

- १ विशिशब्दयिषति तः न्ति सि थः थ विशिशब्दयिषा
- २ विशिशब्दयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (मि वः मः)
- ३ विशिशब्दयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त विशिशब्दयिषा-णि व म षा-व म
- ४ व्यशिशब्दयिष-त्ताम् नः तम् तम् व्यशिशब्दयि
- ५ व्यशिशब्दयि षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम् षिष्व षिष्व
- ६ विशिशब्दयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम विशिशब्दयिषाञ्चकार विशिशब्दयिषामास
- ७ विशिशब्दयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विशिशब्दयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विशिशब्दयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ विशिशब्दयि षिष्या-मि वः मः (व्यशिशब्दयिषिष्या-व म
- १० व्यशिशब्दयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७४० षूदण् (सूद) आसवणे ।

- १ सुषूदयिष-ति तः न्ति सि थः थ सुषूदयिषा-मि
- २ सुषूदयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ सुषूदयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त सुषूदयिषा-णि व म व म
- ४ असुषूदयिष-त्ताम् नः तम् तम् असुषूदयिषा-
- ५ असुषूदयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम् षिष्व षिष्व -कर कृम कृव
- ६ सुषूदयिषाञ्च-कार क्रतुः कृः कथं कथुः क कार सुषूदयिषाम्बभूव सुषूदयिषामास
- ७ सुषूदयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सुषूदयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सुषूदयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ सुषूदयिषिष्या-मि वः मः (असुषूदयिषिष्या-व म
- १० असुषूदयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७४१ आङः (आक्रन्द) क्रन्दण् सातत्ये

- १ आचिक्रन्दयिषति तः न्ति सि थः थ आचिक्रन्दयिषामि वः
- २ आचिक्रन्दयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (मः)
- ३ आचिक्रन्दयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त आचिक्रन्दयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ आचिक्रन्दयिष-त्ताम् नः तम् तम् आचिक्रन्दयि
- ५ आचिक्रन्दयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम् षिष्व षिष्व (कृम
- ६ आचिक्रन्दयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः कृः कथं कथुः क कार कर कृव आचिक्रन्दयिषाम्बभूव आचिक्रन्दयिषामास
- ७ आचिक्रन्दयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ आचिक्रन्दयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ आचिक्रन्दयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ आचिक्रन्दयि षिष्य-मि वः मः (आचिक्रन्दयिषिष्या-व म
- १० आचिक्रन्दयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७४२ ष्वदण् (स्वद) आस्वादेने

- १ सिस्वादयिषति तः न्ति सि थः थ सिस्वादयिषामि वः
- २ सिस्वादयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (मः)
- ३ सिस्वादयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त सिस्वादयिषा-णि व म षा-व म
- ४ असिस्वादयिष-त्ताम् नः तम् तम् असिस्वादयि
- ५ असिस्वादयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम् षिष्व षिष्व
- ६ सिस्वादयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम सिस्वादयिषाञ्चकार सिस्वादयिषामास
- ७ सिस्वादयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिस्वादयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिस्वादयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ सिस्वादयिषि ष्या-मि वः मः (असिस्वादयिषिष्या-व म
- १० असिस्वादयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७४३ आस्वदः (आ-स्वद) सकमकात्

१७४२ वद्रूपाणि

१७४४ मुदण् (मुद्) संसर्गे

- १ मुमोदयिषति तः न्ति सि थः थ मुमोदयिषामिवः
- २ मुमोदयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ मुमोदयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमोदयिषा-णि व म [व म
- ४ अमुमोदयिषत् ताम् नः : तम् त म् अमुमोदयिषा
- ५ अमुमोदयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ मुमोदयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मुमोदयिषाञ्चकार मुमोदयिषाम्बभूव
- ७ मुमोदयिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमोदयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमोदयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमोदयिषि
ष्या-मि वः मः (अमुमोदयिषिष्या-व म
- १० अमुमोदयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

१७४६ कृपण् (कृप्) अवकल्कने ।

- १ चिकल्पयिषति तः न्ति सि थः थ चिकल्पयिषामिवः
- २ चिकल्पयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ चिकल्पयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकल्पयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अचिकल्पयिषत् ताम् नः : तम् त म् अचिकल्पयि
- ५ अचिकल्पयि-षीत् सिष्टम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
सिष्ट्व सिष्ट्व
- ६ चिकल्पयिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
चिकल्पयिषाञ्चकार चिकल्पयिषामास
- ७ चिकल्पयिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकल्पयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकल्पयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकल्पयि
षिष्या-मि वः मः (अचिकल्पयिषिष्या-व म
- १० अचिकल्पयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

१७४५ शधण् (शध्) जसहने

- १ शिशर्धयिषति तः न्ति सि थः थ शिशर्धयिषामिवः
- २ शिशर्धयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ शिशर्धयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशर्धयिषा-णि व म षा व म
- ४ अशिशर्धयिष-त् ताम् नः : तम् त म् अशिशर्धयि
(विष्ट्व विष्ट्व
- ५ अशिशर्धयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
शिशर्धयिषाञ्चकार शिशर्धयिषाम्बभूव
- ६ शिशर्धयिषामास सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ शिशर्धयिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशर्धयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशर्धयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशर्धयिषि
ष्या-मि वः मः (अशिशर्धयिषिष्या-व म
- १० अशिशर्धयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

१७४७ जभुण् (जम्भ) नाशने

- १ जिजम्भयिषति तः न्ति सि थः थ जिजम्भयिषामिवः
- २ जिजम्भयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ जिजम्भयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजम्भयिषा-णि व म व म
- ४ अजिजम्भयिषत् ताम् नः : तम् त म् अजिजम्भयिषा
- ५ अजिजम्भयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ जिजम्भयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिजम्भयिषाञ्चकार जिजम्भयिषाम्बभूव
- ७ जिजम्भयिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजम्भयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजम्भयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजम्भयि
षिष्या-मि वः मः (अजिजम्भयिषिष्या-व म
- १० अजिजम्भयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

१७४८ अमण (अम्) रोगे

- १ आमिमयिषति तः न्ति सि थः थ आमिमयिषा मि वः
- २ आमिमयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ आमिमयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
आमिमयिषा-णि व म [व म
- ४ आमिमयिषत्ताम् नः : तम् तम् आमिमयिषा
- ५ आमिमयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ आमिमयिषामास सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
आमिमयिषाञ्चकार आमिमयिषाम्बभूव
- ७ आमिमयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ आमिमयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ आमिमयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ आमिमयिषि
ष्या-मि वः मः (आमिमयिषिष्या-व म
- १० आमिमयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

१७५० पूरण (पूर) आप्यायने

- १ पुपूरयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपूरयिषा-मि वः
- २ पुपूरयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ पुपूरयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपूरयिषा-णि व म व म
- ४ अपुपूरयिष-त्ताम् नः : तम् तम् अपुपूरयिषा-
(विष्व विष्म
- ५ अपुपूरयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
पुपूरयिषाञ्चकार पुपूरयिषाम्बभूव
- ६ पुपूरयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ पुपूरयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपूरयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपूरयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ पुपूरयिषि-
ष्या-मि वः मः (अपुपूरयिषिष्या-व म
- १० अपुपूरयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

१७५९ चरण (चर) असंशये ।

- १ विचिचारयिषति तः न्ति सि थः थ विचिचारयिषामि
- २ विचिचारयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वःमः
- ३ विचिचारयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विचिचारयिषा-णि व म (यिषा-व म
- ४ अविचिचारयिषत्ताम् नः : तम् तम् अविचिचार
- ५ अविचिचारयिषीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
— विष्व विष्म
- ६ विचिचारयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विचिचारयिषाञ्चकार विचिचारयिषामास
- ७ विचिचारयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विचिचारयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विचिचारयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ विचिचारयि
षिष्या-मि वः मः (अविचिचारयिषिष्या-व म
- १० अविचिचारयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

१७५१ दलण (दलं) विदारणे

- १ दिदालयिषति तः न्ति सि थः थ दिदालयिषामि वः
- २ दिदालयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ दिदालयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदालयिषा-णि व म व म
- ४ अदिदालयिषत्ताम् नः : तम् तम् अदिदालयिषा
- ५ अदिदालयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ दिदालयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिदालयिषाञ्चकार दिदालयिषाम्बभूव
- ७ दिदालयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदालयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदालयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ दिदालयि
षिष्या-मि वः मः (अदिदालयिषिष्या-व म
- १० अदिदालयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

+विष्टम्, विष्टुः, षीः, विष्टम्, विष्ट, विषम्, विष्व, विष्म

१७५२ दिवण् (दिव्) अर्द्धने ।

- १ दिदावयिष-ति तः न्ति सि थः थ दिदावयिषा-मि
- २ दिदावयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ दिदावयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदावयिषा-णि व म व म
- ४ अदिदावयिष-त ताम् न् : तम् त म् अदिदावयिषा
- ५ अदिदावयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम
विष्व विष्म -कर कृम कृव
- ६ दिदावयिषाञ्च-कार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार
दिदावयिषाम्बभूव दिदावयिषामास
- ७ दिदावयिष्या-त ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदावयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदावयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदावयिषि
ष्या मि वः मः (अदिदावयिषिष्या-व म
- १० अदिदावयिषिष्य-त ताम् न् : तम् त म्

१७५४ पषण् (पष्) बन्धने

- १ पिपावयिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपावयिषामि वः
- २ पिपावयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ पिपावयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपावयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अपिपावयिष-त ताम् न् : तम् त म् अपिपावयि
- ५ अपिपावयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम
विष्व विष्म (कृम
- ६ पिपावयिषाञ्चकार क्रतुः कुः कथं क्रथुः क कार कर कृव
पिपावयिषाम्बभूव पिपावयिषामास
- ७ पिपावयिष्या-त ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपावयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपावयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपावयि
षिष्य-मि वः मः (अपिपावयिषिष्या-व म
- १० अपिपावयिषिष्य-त ताम् न् : तम् त म्

१७५३ पशण् (पश्) बन्धने

- १ पिपाशयिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपाशयिषा-मि
- २ पिपाशयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ पिपाशयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपाशयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अपिपाशयिष-त ताम् न् : तम् त म् अपिपाशयि
- ५ अपिपाशयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम
विष्व विष्म
- ६ पिपाशयिषाम्बभू व वतुः कुः विथ वथुः व व विव विम
पिपाशयिषाञ्चकार पिपाशयिषामास
- ७ पिपाशयिष्या-त ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपाशयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपाशयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपाशयि
षिष्या मि वः मः (अपिपाशयिषिष्या-व म
- १० अपिपाशयिषिष्य-त ताम् न् : तम् त म्

१७५५ पुषण् (पुष्) भारणे

- १ पुपोषयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपोषयिषा-मि वः
- २ पुपोषयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व न [मः]
- ३ पुपोषयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपोषयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अपुपोषयिष-त ताम् न् : तम् त म् अपुपोषयि
- ५ अपुपोषयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम
विष्व विष्म
- ६ पुपोषयिषाम्बभू व वतुः कुः विथ वथुः व व विव विम
पुपोषयिषाञ्चकार पुपोषयिषामास
- ७ पुपोषयिष्या-त ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपोषयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपोषयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपोषयिषि
ष्या मि वः मः (अपुपोषयिषिष्या-व म
- १० अपुपोषयिषिष्य-त ताम् न् : तम् त म्

१७५६ बुध्ण (बुष्) विशङ्क्षने

- १ जुघोषयिषति-तः न्ति सि थः थ जुघोषयिषामि वः
- २ जुघोषयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ जुघोषयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुघोषयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अजुघोषयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अजुघोषयि
- ५ अजुघोषयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व (कृव कृम
- ६ जुघोषयिषाम्बभू-व वतुः कुः कथं कथुः क कार कर
जुघोषयिषाम्बभूव जुघोषयिषामास
- ७ जुघोषयिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुघोषयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुघोषयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुघोषयिषि
ष्या-मि वः मः (अजुघोषयिषिष्या-व म
- १० अजुघोषयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७५८ तसुण् (तंस) अङ्कारे ।

- १ तितंसयिष-ति तः न्ति सि थः थ तितंसयिषामि
- २ तितंसयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
- ३ तितंसयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितंसयिषा-णि व म -व म
- ४ अतितंसयिषत् ताम् न् : तम् त म् अतितंसयिषा
- ५ अतितंसयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व (कृव कृम
- ६ तितंसयिषाम्बभू-व वतुः कुः कथं कथुः क कार कर
तितंसयिषाम्बभूव तितंसयिषामास
- ७ तितंसयिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितंसयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितंसयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितंसयि
षिष्या-मि वः मः (अतितंसयिषिष्या-व म
- १० अतितंसयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७५७ भूषण (भूष्) अलङ्कारे

- १ बुभूषयिष-ति तः न्ति सि थः थ बुभूषयिषा-मि वः
- २ बुभूषयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ बुभूषयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बुभूषयिषा-णि व म -व म
- ४ अबुभूषयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अबुभूषयिष-
- ५ अबुभूषयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व कृम
- ६ बुभूषयिषाम्बभू-व वतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
बुभूषयिषाम्बभूव बुभूषयिषामास
- ७ बुभूषयिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बुभूषयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बुभूषयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बुभूषयिषि-
ष्या-मि वः मः (अबुभूषयिषिष्या-व म
- १० अबुभूषयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७५९ जसण् (जस्) ताडने ।

- १ जिजासयिषति-तः न्ति सि थः थ जिजासयिषामि वः
- २ जिजासयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ जिजासयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजासयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अजिजासयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अजिजासयि
- ५ अजिजासयिषीत् विष्टाम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ जिजासयिषामा-स सतुः सुः सि थ सथुः स स सि व सि म
जिजासयिषाम्बभूव जिजासयिषामास
- ७ जिजासयिष्या-त् त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजासयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजासयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिजासयि
षिष्या-मि वः मः (अजिजासयिषिष्या-व म
- १० अजिजासयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१९६० वसण् (वस्) चारणे

- १ तित्रासयिष-ति तः न्ति सि थः थ तित्रासयिषा-मि
 २ तित्रासयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
 ३ तित्रासयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
 तित्रासयिषा-णि व म व म
 ४ अतित्रासयिषत्ताम् नः तम् तम् अतित्रासयिषा
 ५ अतित्रासयि-षीत् षिट्ताम् षिः षीः षिट्ताम् षिट् षिषम्
 षिष्व षिषम् कृम
 ६ तित्रासयिषाञ्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
 तित्रासयिषाञ्चकार तित्रासयिषामास
 ७ तित्रासयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ तित्रासयिषिता- " रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ तित्रासयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तित्रासयिषि
 ष्या-मि वः मः (अतित्रासयिषिष्या-व म
 १० अतित्रासयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७६२ धसण् (धस्) उभेपे

- १ दिध्रासयिष-ति तः न्ति सि थः थ दिध्रासयिषा-मि वः
 २ दिध्रासयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
 ३ दिध्रासयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
 दिध्रासयिषा-णि व म (व म
 ४ अदिध्रासयिष-त्ताम् नः तम् तम् अदिध्रासयिषा
 ५ अदिध्रासयि-षीत् षिट्ताम् षिः षीः षिट्ताम् षिट् षिषम्
 षिष्व षिषम्
 ६ दिध्रासयिषाञ्चभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
 दिध्रासयिषाञ्चकार दिध्रासयिषामास
 ७ दिध्रासयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ दिध्रासयिषिता- " रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ दिध्रासयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिध्रासयिषि
 ष्या-मि वः मः (अदिध्रासयिषिष्या-व म
 १० अदिध्रासयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७६१ वसण् (वस्) स्नेहच्छेदावहरणेपु

- १ वित्रासयिष-ति तः न्ति सि थः थ वित्रासयिषा-मि
 २ वित्रासयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
 ३ वित्रासयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
 वित्रासयिषा-णि व म (-व म
 ४ अवित्रासयिषत्ताम् नः तम् तम् अवित्रासयिषा
 ५ अवित्रासयि-षीत् षिट्ताम् षिः षीः षिट्ताम् षिट् षिषम्
 षिष्व षिषम्
 ६ वित्रासयिषाञ्चभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
 वित्रासयिषाञ्चकार वित्रासयिषामास
 ७ वित्रासयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ वित्रासयिषिता- " रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ वित्रासयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ वित्रासयिषि
 ष्या-मि वः मः (अवित्रासयिषिष्या-व म
 १० अवित्रासयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७६३ वसण् (वस्) ग्रहणे

- १ जिग्रासयिषति तः न्ति सि थः थ जिग्रासयिषामि वः
 २ जिग्रासयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
 ३ जिग्रासयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
 जिग्रासयिषा-णि व म [षा-व म
 ४ अजिग्रासयिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिग्रासयि
 ५ अजिग्रासयि-षीत् षिट्ताम् षिः षीः षिट्ताम् षिट् षिषम्
 षिष्व षिषम्
 ६ जिग्रासयिषाञ्चभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
 जिग्रासयिषाञ्चकार जिग्रासयिषामास
 ७ जिग्रासयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त स्व स्म
 ८ जिग्रासयिषिता- " रौरः सि स्थः स्थ स्मि मम् स्वः स्मः
 ९ जिग्रासयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिग्रासयि
 षिष्या-मि वः मः (अजिग्रासयिषिष्या-व म
 १० अजिग्रासयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१५६४ लसण् (लस्) शिल्पयोगे

- १ लिलासयिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलासयिषा-मि
- २ लिलासयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ लिलासयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलासयिषा-णि व म व म
- ४ अलिलासयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलिलासयिषा
- ५ अलिलासयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म कृम
- ६ लिलासयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
लिलासयिषाश्चभूव लिलासयिषामास
- ७ लिलासयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलासयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलासयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलासयिषि
ष्या-मि वः मः (अलिलासयिषिष्या-व म
- १० अलिलासयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७३६ मोक्षण् (मोक्ष) असने

- १ मुमोक्षयिष-ति तः न्ति सि थः थ मुमोक्षयिषा-मि वः
- २ मुमोक्षयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ मुमोक्षयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमोक्षयिषा-णि व म (व म
- ४ अमुमोक्षयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अमुमोक्षयिषा
- ५ अमुमोक्षयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ मुमोक्षयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मुमोक्षयिषाश्चकार मुमोक्षयिषामास
- ७ मुमोक्षयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमोक्षयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमोक्षयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमोक्षयिषि
ष्या-मि वः मः (अमुमोक्षयिषिष्या-व म
- १० अमुमोक्षयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७६५ अहेण् (अह्) पूजायाम्

- १ अर्जिहयिष-ति तः न्ति सि थः थ अर्जिहयिषा-मि
- २ अर्जिहयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ अर्जिहयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अर्जिहयिषा-णि व म (-व म
- ४ अर्जिहयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अर्जिहयिषा
- ५ अर्जिहयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ अर्जिहयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अर्जिहयिषाश्चकार अर्जिहयिषामास
- ७ अर्जिहयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अर्जिहयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अर्जिहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अर्जिहयिषि
ष्या-मि वः मः (अर्जिहयिषिष्या-व म
- १० अर्जिहयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७६७ लोकण् (लोक) भासार्थः

- १ लुलोकयिषति तः न्ति सि थः थ लुलोकयिषामि वः
- २ लुलोकयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः]
- ३ लुलोकयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलोकयिषा-णि व म [षा-व म
- ४ अलुलोकयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलुलोकयि
- ५ अलुलोकयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ लुलोकयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लुलोकयिषाश्चकार लुलोकयिषामास
- ७ लुलोकयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलोकयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलोकयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलोकयि
षिष्या-मि वः मः (अलुलोकयिषिष्या-व म
- १० अलुलोकयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७६८ तर्कण् (तर्क्) भासार्थः ।

- १ तितर्कयिष-ति तः न्ति सि थः थ तितर्कयिषामि
- २ तितर्कयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
- ३ तितर्कयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तितर्कयिषा-णि व म -व म
- ४ अतितर्कयिषत्ताम् नः तम् तम् अतितर्कयिषा
- ५ अतितर्कयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृव कृम
- ६ तितर्कयिषाश्चकार क्तुः क्तुः कर्त्थ क्तुः क कार कर
तितर्कयिषाम्बभूव तितर्कयिषामास
- ७ तितर्कयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितर्कयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितर्कयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितर्कयि
षिष्या-मि वः मः (अतितर्कयिषिष्या-व म
- १० अतितर्कयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७७० लघुण् (लङ्घ) भासार्थः

- १ लिलङ्घयिषति तः न्ति सि थः थ लिलङ्घयिषामिवः
- २ लिलङ्घयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ लिलङ्घयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलङ्घयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अलिलङ्घयिष-त्ताम् नः तम् तम् अलिलङ्घयि
- ५ अलिलङ्घयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लिलङ्घयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लिलङ्घयिषाश्चकार लिलङ्घयिषामास
- ७ लिलङ्घयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलङ्घयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलङ्घयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलङ्घयि
षिष्या-मि वः मः (अलिलङ्घयिषिष्या-व म
- १० अलिलङ्घयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७६९ रघुण् (रङ्घ) भासार्थः ।

- १ रिरङ्घयिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरङ्घयिषा-मिवः
- २ रिरङ्घयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ रिरङ्घयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरङ्घयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अरिरङ्घयिष-त्ताम् नः तम् तम् अरिरङ्घयि
- ५ अरिरङ्घयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरङ्घयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
रिरङ्घयिषाश्चकार रिरङ्घयिषाम्बभूव
- ७ रिरङ्घयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरङ्घयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरङ्घयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरङ्घयि
षिष्या-मि वः मः (अरिरङ्घयिषिष्या-व म
- १० अरिरङ्घयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७७१ लोचुण् (लोच) भासार्थः

- १ लुलोचयिष-ति तः न्ति सि थः थ लुलोचयिषा-मि
- २ लुलोचयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ लुलोचयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलोचयिषा-णि व म -व म
- ४ अलुलोचयिषत्ताम् नः तम् तम् अलुलोचयिष
- ५ अलुलोचयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ लुलोचयिषाश्चकार क्तुः क्तुः कर्त्थ क्तुः क कार कर कृव
लुलोचयिषाम्बभूव लुलोचयिषामास
- ७ लुलोचयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलोचयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलोचयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलोचयिषि
ष्या-मि वः मः (अलुलोचयिषिष्या-व म
- १० अलुलोचयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७७२ विहण् (विच्छ्) भासार्थः

- १ विविच्छयिष-ति तः न्ति सि थः थ विविच्छयिषामि
- २ विविच्छयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ विविच्छयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विविच्छयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अविविच्छयिषत् ताम् न् : तम् तम् अविविच्छयि
- ५ अविविच्छयि-षीत् षिष्टाम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
षिष्व षिष्म
- ६ विविच्छयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विविच्छयिषाश्चकार विविच्छयिषामास
- ७ विविच्छयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विविच्छयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विविच्छयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विविच्छयिषि
ष्या-मि वः मः (अविविच्छयिषिष्या-व म
- १० अविविच्छयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७७४ तुजुण् (तुज्ज्) भासार्थः

- १ तुतुज्जयिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतुज्जयिषामि वः
- २ तुतुज्जयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ तुतुज्जयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतुज्जयिषा-णि व म (व म)
- ४ अतुतुज्जयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतुतुज्जयिषा
- ५ अतुतुज्जयि-षीत् षिष्टाम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
षिष्व षिष्म
- ६ तुतुज्जयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुतुज्जयिषाश्चकार तुतुज्जयिषामास
- ७ तुतुज्जयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतुज्जयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतुज्जयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतुज्जयिषि
ष्या-मि वः मः (अतुतुज्जयिषिष्या-व म
- १० अतुतुज्जयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७७३ अजुण् (अज्ज्) भासार्थः

- १ अज्जिजयिष-ति तः न्ति सि थः थ अज्जिजयिषामि
- २ अज्जिजयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ अज्जिजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अज्जिजयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ आज्जिजयिषत् ताम् न् : तम् तम् आज्जिजयिषा
- ५ आज्जिजयि-षीत् षिष्टाम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
षिष्व षिष्म कृम
- ६ अज्जिजयिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
अज्जिजयिषाम्बभूव अज्जिजयिषामास
- ७ अज्जिजयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अज्जिजयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अज्जिजयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अज्जिजयिषि
ष्या-मि वः मः (आज्जिजयिषिष्या-व म
- १० आज्जिजयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७७५ पिजुण् (पिज्ज्) भासार्थः

- १ पिपिज्जयिषति तः न्ति सि थः थ पिपिज्जयिषामि वः
- २ पिपिज्जयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः]
- ३ पिपिज्जयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपिज्जयिषा-णि व म [षा-व म]
- ४ अपिपिज्जयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिपिज्जयि
- ५ अपिपिज्जयि-षीत् षिष्टाम् षिपुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
षिष्व षिष्म
- ६ पिपिज्जयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपिज्जयिषाश्चकार पिपिज्जयिषामास
- ७ पिपिज्जयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ पिपिज्जयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि मम् स्वः स्मः
- ९ पिपिज्जयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपिज्जयि
षिष्या-मि वः मः (अपिपिज्जयिषिष्या-व म
- १० अपिपिज्जयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१९६६ लजुण् (लञ्) भासार्थः

- १ लिलञ्जयिष-ति तः न्ति सि थः थ लिलञ्जयिषा-मि
- २ लिलञ्जयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ लिलञ्जयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलञ्जयिषा-णि व म व म
- ४ अलिलञ्जयिषत्ताम् न् : तम् त म् अलिलञ्जयिषा
- ५ अलिलञ्जयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ लिलञ्जयिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
लिलञ्जयिषाम्बभूव लिलञ्जयिषामास
- ७ लिलञ्जयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलञ्जयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलञ्जयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलञ्जयिषि
ष्या-मि वः मः (अलिलञ्जयिषिष्या-व म
- १० अलिलञ्जयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७७८ भजुण् (भञ्) भासार्थः

- १ बिभञ्जयिषति तः न्ति सि थः थ बिभञ्जयिषामि वः
- २ बिभञ्जयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ बिभञ्जयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बिभञ्जयिषा-णि व म [षा-व म
- ४ अबिभञ्जयिष-त् ताम् न् तम् त म् अबिभञ्जयि
- ५ अबिभञ्जयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बिभञ्जयिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
बिभञ्जयिषाम्बभूव बिभञ्जयिषामास
- ७ बिभञ्जयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिभञ्जयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि सम् स्वः स्मः
- ९ बिभञ्जयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिभञ्जयि
षिष्या-मि वः मः (अबिभञ्जयिषिष्या-व म
- १० अबिभञ्जयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७७७ लुजुण् (लुञ्) भासार्थः

- १ लुलुञ्जयिष-ति तः न्ति सि थः थ लुलुञ्जयिषा-मि वः
- २ लुलुञ्जयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ लुलुञ्जयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलुञ्जयिषा-णि व म (व म
- ४ अलुलुञ्जयिष-त्ताम् न् : तम् त म् अलुलुञ्जयिषा
- ५ अलुलुञ्जयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लुलुञ्जयिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
लुलुञ्जयिषाम्बभूव लुलुञ्जयिषामास
- ७ लुलुञ्जयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलुञ्जयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलुञ्जयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलुञ्जयिषि
ष्या-मि वः मः (अलुलुञ्जयिषिष्या-व म
- १० अलुलुञ्जयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७७९ पटण् (पट्) भासार्थः

- १ पिपाटयिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपाटयिषा-मि
- २ पिपाटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ पिपाटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपाटयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अपिपाटयिष-त्ताम् न् तम् त म् अपिपाटयि
- ५ अपिपाटयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पिपाटयिषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
पिपाटयिषाम्बभूव पिपाटयिषामास
- ७ पिपाटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपाटयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपाटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपाटयिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपाटयिषिष्या-व म
- १० अपिपाटयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७८० पुटण् (पुट्) भासार्थः

- १ पुपोटयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपोटयिषामि वः
- २ पुपोटयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ पुपोटयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपोटयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अपुपोटयिष-त्ताम् न् : तम् त म् अपुपोटयि
- ५ अपुपोटयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ पुपोटयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पुपोटयिषाश्चकार पुपोटयिषामास
- ७ पुपोटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपोटयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपोटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपोटयिषि
ष्या-मि व मः (अपुपोटयिषिष्या-व म
- १० अपुपोटयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्

१७८२ घटण् (घट्) भासार्थः ।

- १ जिघाटयिषति तः न्ति सि थः थ जिघाटयिषामि वः
- २ जिघाटयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ जिघाटयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिघाटयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अजिघाटयिष-त्ताम् न् : तम् त म् अजिघाटयि
- ५ अजिघाटयिषीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ जिघाटयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिघाटयिषाश्चकार जिघाटयिषाम्बभूव
- ७ जिघाटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिघाटयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिघाटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिघाटयि
षिष्या-मि व मः (अजिघाटयिषिष्या-व म
- १० अजिघाटयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्

१७८१ लुटण् (लुट्) भासार्थः

- १ लुलोटयिषति तः न्ति सि थः थ लुलोटयिषामि वः
- २ लुलोटयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ लुलोटयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
लुलोटयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अलुलोटयिष-त्ताम् न् : तम् त म् अलुलोटयि
- ५ अलुलोटयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ लुलोटयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लुलोटयिषाश्चकार लुलोटयिषामास
- ७ लुलोटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लुलोटयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लुलोटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लुलोटयिषि
ष्या-मि व मः (अलुलोटयिषिष्या-व म
- १० अलुलोटयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्

१७८३ घटण् (घट्) भासार्थः

- १ जिघण्टयिषति तः न्ति सि थः थ जिघण्टयिषामि वः
- २ जिघण्टयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ जिघण्टयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिघण्टयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अजिघण्टयिष-त्ताम् न् : तम् त म् अजिघण्टयि
- ५ अजिघण्टयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म (कृम
- ६ जिघण्टयिषाश्चकार कृतुः कृः कथं कथुः क कार कर कृव
जिघण्टयिषाम्बभूव जिघण्टयिषामास
- ७ जिघण्टयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिघण्टयिषिता- " रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिघण्टयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिघण्टयि
षिष्या-मि व मः (अजिघण्टयिषिष्या-व म
- १० अजिघण्टयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्

१७८४ धृत् (धृत्) भासार्थः

- १ विवर्तयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवर्तयिषामि वः
- २ विवर्तयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ विवर्तयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवर्तयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अविवर्तयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविवर्तयि
- ५ अविवर्तयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम् (कृम
- ६ विवर्तयिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
विवर्तयिषाम्बभूव विवर्तयिषामास
- ७ विवर्तयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवर्तयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवर्तयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवर्तयिषि
ष्य-मि वः मः (अविवर्तयिषिष्या-व म
- १० अविवर्तयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७८६ नदण् (नद्) भासार्थः

- १ निनादयिष-ति तः न्ति सि थः थ निनादयिष्या-मि
- २ निनादयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ निनादयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
निनादयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अनिनादयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अनिनादयि
- ५ अनिनादयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ निनादयिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
निनादयिषाम्बभूव निनादयिषामास
- ७ निनादयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनादयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनादयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनादयि
षिष्या-मि वः मः (अनिनादयिषिष्या-व म
- १० अनिनादयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७८५ पुथुण् (पुथ्) भासार्थः

- १ पुपोथयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपोथयिषामि वः
- २ पुपोथयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ पुपोथयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपोथयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अपुपोथयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अपुपोथयि
- ५ अपुपोथयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ पुपोथयिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
पुपोथयिषाम्बभूव पुपोथयिषामास
- ७ पुपोथयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपोथयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपोथयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपोथयिषि
ष्या-मि वः मः (अपुपोथयिषिष्या-व म
- १० अपुपोथयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७८७ वृधण् (वृध्) भासार्थः ।

- १ विवर्धयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवर्धयिषामि वः
- २ विवर्धयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ विवर्धयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवर्धयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अविवर्धयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविवर्धयि
- ५ अविवर्धयिषीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्टम्
- ६ विवर्धयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवर्धयिषाम्बभूव विवर्धयिषाम्बभूव
- ७ विवर्धयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवर्धयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवर्धयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवर्धयि
षिष्या-मि वः मः (अविवर्धयिषिष्या-व म
- १० अविवर्धयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१७८८ गुपण् (गुप्) भासार्थः

- १ जुगोपयिष-ति तः न्ति सि थः थ जुगोपयिषामि वः
- २ जुगोपयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ जुगोपयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
जुगोपयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अजुगोपयिष-त्ताम् नः तम् तम् अजुगोपयि
- ५ अजुगोपयि-षीत् विष्टम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ जुगोपयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जुगोपयिषाञ्चकार जुगोपयिषामास
- ७ जुगोपयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुगोपयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगोपयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगोपयिषि
ष्या-मि वः मः (अजुगोपयिषिष्या-व म
- १० अजुगोपयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७९० कुपण् (कुप्) भासार्थः

- १ चुकोपयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकोपयिषामि वः
- २ चुकोपयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ चुकोपयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
चुकोपयिषा-णि व म -व म
- ४ अचुकोपयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुकोपयिष
- ५ अचुकोपयि-षीत् विष्टम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म कृम
- ६ चुकोपयिषाञ्चकार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
चुकोपयिषाम्बभूव चुकोपयिषामास
- ७ चुकोपयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकोपयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकोपयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकोपयिषि
ष्या-मि वः मः (अचुकोपयिषिष्या-व म
- १० अचुकोपयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७८९ धूपण् (धूप) भासार्थः ।

- १ दुधूपयिष-ति तः न्ति सि थः थ दुधूपयिषामि
- २ दुधूपयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ दुधूपयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
दुधूपयिषा-णि व म व म
- ४ अदुधूपयिष-त्ताम् नः तम् तम् अदुधूपयिषा
- ५ अदुधूपयि-षीत् विष्टम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म -कर कृम कृव
- ६ दुधूपयिषाञ्चकार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
दुधूपयिषाम्बभूव दुधूपयिषामास
- ७ दुधूपयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुधूपयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुधूपयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुधूपयिषि
ष्या-मि वः मः (अदुधूपयिषिष्या-व म
- १० अदुधूपयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७९१ चीवण् (चीव्) भासार्थः ।

- १ चिचीवयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचीवयिषामि
- २ चिचीवयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
- ३ चिचीवयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
चिचीवयिषा-णि व म -व म
- ४ अचिचीवयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिचीवयिषा
- ५ अचिचीवयि-षीत् विष्टम् विष्टुः वीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म (कृव कृम
- ६ चिचीवयिषाञ्चकार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
चिचीवयिषाम्बभूव चिचीवयिषामास
- ७ चिचीवयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचीवयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचीवयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचीवयि
षिष्या-मि वः मः (अचिचीवयिषिष्या-व म
- १० अचिचीवयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१७९२ दशुण् (दंश) भासाथः ।

- १ दिदंशयिष-तितः न्ति सि थः थ दिदंशयिषा-मि
 २ दिदंशयिषे-तताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
 ३ दिदंशयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 दिदंशयिषा-णि व म व म
 ४ अदिदंशयिष-तताम् न् : तम् तम् अदिदंशयिषा
 ५ अदिदंशयि-पीत् विष्टाम् विषुः पीः विष्टम् विष्ट विषम्
 विष्व विष्म - कर कृम कृव
 ६ दिदंशयिषाञ्च-कार क्तुः कृः कर्थ कथु क कार
 दिदंशयिषाम्बभूव दिदंशयिषामास
 ७ दिदंशयिष्या-तस्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ दिदंशयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ दिदंशयिषिष्यति-तः न्ति सि थः थ दिदंशयिषि
 ष्या मि वः मः (अदिदंशयिषिष्या-व म
 १० अदिदंशयिषिष्य-तताम् न् : तम् तम्

१७९४ त्रसुण् (त्रंस) भासाथः ।

- १ तित्रंसयिष-तितः न्ति सि थः थ तित्रंसयिषामि
 २ तित्रंसयिषे-तताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
 ३ तित्रंसयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 तित्रंसयिषा-णि व म -व म
 ४ अतित्रंसयिष-तताम् न् : तम् तम् अतित्रंसयिषा
 ५ अतित्रंसयि-पीत् विष्टाम् विषुः पीः विष्टम् विष्ट विषम्
 विष्व विष्म (कृव कृम
 ६ तित्रंसयिषाञ्चकार-क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर
 तित्रंसयिषाम्बभूव तित्रंसयिषामास
 ७ तित्रंसयिष्या-तस्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ तित्रंसयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ तित्रंसयिषिष्यति-तः न्ति सि थः थ तित्रंसयि
 षिष्या मि वः मः अतित्रंसयिषिष्या व म
 १० अतित्रंसयिषिष्य-तताम् न् : तम् तम्

१७९३ कुशुण् (कुंश) भासाथः

- १ चुकुंशयिष-तितः न्ति सि थः थ चुकुंशयिषा-मि वः
 २ चुकुंशयिषे-तताम् युः : तम् त यम् व म (मः
 ३ चुकुंशयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 चुकुंशयिषा-णि व म -व म
 ४ अचुकुंशयिष-तताम् न् : तम् तम् अचुकुंशयिष
 ५ अचुकुंशयि-पीत् विष्टाम् विषुः पीः विष्टम् विष्ट विषम्
 विष्व विष्म कृम
 ६ चुकुंशयिषाञ्च-वार क्तुः कृः कर्थ कथुः क कार कर कृव
 चुकुंशयिषाम्बभूव चुकुंशयिषामास
 ७ चुकुंशयिष्या-तस्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चुकुंशयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चुकुंशयिषिष्यति-तः न्ति सि थः थ चुकुंशयिषि
 ष्या मि वः मः (अचुकुंशयिषिष्या-व म
 १० अचुकुंशयिषिष्य-तताम् न् : तम् तम्

१७९५ पिशुण् (पिंश) भासाथः

- १ पिपिंसयिष-तितः न्ति सि थः थ पिपिंसयिषा-मि
 २ पिपिंसयिषे-तताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
 ३ पिपिंसयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
 पिपिंसयिषा-णि व म षा-व म
 ४ अपिपिंसयिष-तताम् न् : तम् तम् अपिपिंसयि
 ५ अपिपिंसयि-पीत् विष्टाम् विषुः पीः विष्टम् विष्ट विषम्
 विष्व विष्म
 ६ पिपिंसयिषाम्बभू व वतुः वुः विथ वथु व व विव विम
 पिपिंसयिषाञ्चकार पिपिंसयिषामास
 ७ पिपिंसयिष्या-तस्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ पिपिंसयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ पिपिंसयिषिष्यति-तः न्ति सि थः थ पिपिंसयि
 षिष्या मि वः मः (अपिपिंसयिषिष्या-व म
 १० अपिपिंसयिषिष्य-तताम् न् : तम् तम्

१७९६ कुसुण (कुस्) भासार्थः

- १ चुकुंसयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुंसयिषा-मि व
- २ चुकुंसयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ चुकुंसयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुंसयिषा-णि व म व म
- ४ अचुकुंसयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुकुंसयिषा
(विष् व विष्म
- ५ अचुकुंसयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्म
चुकुंसयिषाञ्चकार चुकुंसयिषाम्बभूव
- ६ चुकुंसयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ चुकुंसयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुंसयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुंसयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुंसयि
षिष्या-मि वः मः (अचुकुंसयिषिष्या व म
- १० अचुकुंसयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७९८ वहण् (वह्) भासार्थः ।

- १ विवहयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवहयिषा-मि
- २ विवहयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ विवहयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवहयिषा-णि व म (व म
- ४ अविवहयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविवहयिषा
- ५ अविवहयि-षीत् सिष्टम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्म
सिष्ट सिष्म
- ६ विवहयिषाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
विवहयिषाञ्चकार विवहयिषामास
- ७ विवहयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवहयिषि-
ष्या-मि वः मः (अविवहयिषिष्या-व म
- १० अविवहयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

+विष्टम्, विष्टुः, षीः, विष्टम्,
विष्ट, विष्म, विष्ट, विष्म

१७९७ दसुण (दस्) भासार्थः

- १ दिदंशयिषति तः न्ति सि थः थ दिदंशयिषा मि वः
- २ दिदंशयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ दिदंशयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदंशयिषा-णि व म [व म
- ४ अदिदंशयिषत् ताम् न् : तम् तम् अदिदंशयिषा
- ५ अदिदंशयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्म
विष् व विष्म
- ६ दिदंशयिषामास सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिदंशयिषाञ्चकार दिदंशयिषाम्बभूव
- ७ दिदंशयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदंशयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदंशयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदंशयिषि
ष्या-मि वः मः (अदिदंशयिषिष्या-व म
- १० अदिदंशयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१७९९ वृहुण् (वृह्) भासार्थः

- १ विवृहयिषति तः न्ति सि थः थ विवृहयिषामि वः
- २ विवृहयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ विवृहयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवृहयिषा-णि व म व म
- ४ अविवृहयिषत् ताम् न् : तम् तम् अविवृहयिषा
- ५ अविवृहयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्म
विष् व विष्म
- ६ विवृहयिषामास सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवृहयिषाञ्चकार विवृहयिषाम्बभूव
- ७ विवृहयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवृहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवृहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवृहयिषि-
ष्या-मि वः मः (अविवृहयिषिष्या-व म
- १० अविवृहयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८०० वहण् (वह्) भासार्थः ।

- १ विवहयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवहयिषा-मि वः
- २ विवहयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ विवहयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवहयिषा-णि व म (व म
- ४ अविवहयिष-त् ताम् नः तम् तम् अविवहयिषा
- ५ अविवहयि-षीत् सिष्टम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट विषम्
सिष्टम् सिष्टम्
- ६ विवहयिषाम्बभू-व वतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवहयिषाञ्चकार विवहयिषामास
- ७ विवहयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवहयिषि-
ष्या-मि वः मः (अविवहयिषिष्या-व म
- १० अविवहयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म
+षिष्टम्, विष्टुः, षीः, षिष्टम्,
षिष्ट, विषम्, विष्व, विष्म

१८०१ अहुण् (अह्) भासार्थः

- १ अजिहयिष-ति तः न्ति सि थः थ अजिहयिषा-मि वः
- २ अजिहयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ अजिहयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अजिहयिषा-णि व म व म
- ४ आजिहयिष-त् ताम् नः तम् तम् आजिहयिषा-
(विष्व विष्म
- ५ आजिहयि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
अजिहयिषाञ्चकार अजिहयिषाम्बभूव
- ६ अजिहयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ अजिहयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अजिहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अजिहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अजिहयि-
ष्या-मि वः मः (आजिहयिषिष्या व म
- १० आजिहयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

१८०२ बहुण् (बह्) भासार्थः

- १ विवहयिषति तः न्ति सि थः थ विवहयिषामि वः
- २ विवहयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ विवहयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवहयिषा-णि व म व म
- ४ अविवहयिषत् ताम् नः तम् तम् अविवहयिषा
- ५ अविवहयि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
षिष्टम् विष्म
- ६ विवहयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
विवहयिषाञ्चकार विवहयिषाम्बभूव
- ७ विवहयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवहयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ विवहयिषि-
ष्या-मि वः मः (अविवहयिषिष्या-व म
- १० अविवहयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

१८०३ महुण् (मंह्) भासार्थः

- १ मिमहयिषति तः न्ति सि थः थ मिमहयिषा मि वः
- २ मिमहयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ मिमहयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमहयिषा-णि व म [व म
- ४ अमिमहयिषत् ताम् नः तम् तम् अमिमहयिषा
- ५ अमिमहयि-षीत् षिष्टम् षिष्टुः षीः षिष्टम् षिष्ट विषम्
षिष्टम् विष्म
- ६ मिमहयिषामास सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमहयिषाञ्चकार मिमहयिषाम्बभूव
- ७ मिमहयिष्या-त् ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमहयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ मिमहयिषि-
ष्या-मि वः मः (अमिमहयिषिष्या-व म
- १० अमिमहयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म

१८०४ युणि (यु) जुगुप्तायाम्

- १ यियावयि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ यियावयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ यियावयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ अयियावयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अयियावयिषि-पताताम् पत प्ताः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ यियावयिषि-पते क्राते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के क्वहे कुमहे यियावयिषाम्भूय यियावयिषामास (वहि महि
- ७ यियावयिषिषी-पयास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ यियावयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ यियावयिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अयियावयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८०६ वञ्चिण (वञ्च) प्रलम्भने

- १ विवञ्चयि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ विवञ्चयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवञ्चयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ अविवञ्चयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अविवञ्चयिषि-पताताम् पत प्ताः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ विवञ्चयिषि-पते क्राते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के क्वहे कुमहे विवञ्चयिषाम्भूय विवञ्चयिषामास (वहि महि
- ७ विवञ्चयिषिषी-पयास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ विवञ्चयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवञ्चयिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अविवञ्चयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८०५ गुणी (गु) विज्ञाने

- १ जिगारयि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ जिगारयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिगारयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ अजिगारयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजिगारयिषि-पताताम् पत प्ताः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ जिगारयिषि-पते क्राते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के क्वहे कुमहे जिगारयिषाम्भूय जिगारयिषामास (वहि महि
- ७ जिगारयिषिषी-पयास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ जिगारयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिगारयिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजिगारयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८०६ कुटिण (कुट्) प्रतापने

- १ चुकोटयि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ चुकोटयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुकोटयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ अचुकोटयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अचुकोटयिषि-पताताम् पत प्ताः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ चुकोटयिषि-पते क्राते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के क्वहे कुमहे चुकोटयिषाम्भूय चुकोटयिषामास (य वहि महि
- ७ चुकोटयिषिषी-पयास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ चुकोटयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुकोटयिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचुकोटयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८०८ मदिण् (मद्) तृप्तियोगे

- १ मिमादयि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ मिमादयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमादयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अमिमादयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अमिमादयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ मिमादयिषाञ्चक्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
मिमादयिषाम्बभूव मिमादयिषामास (वहि महि
- ७ मिमादयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ मिमादयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमादयिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्यं ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमादयिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम्

१८१० मनिण् (मन्) स्तम्भे

- १ मिमानयि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ मिमानयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमानयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अमिमानयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे पावहि पामहि [पि प्वहि प्महि
- ५ अमिमानयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ मिमानयिषाञ्चक्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
मिमानयिषाम्बभूव मिमानयिषामास [य वहि महि
- ७ मिमानयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः याथाम् ध्वम्
- ८ मिमानयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमानयिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्यं ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमानयिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्व

१८०९ विदिण् (विद्) चेतनाख्याननिवासेषु

- १ विवेदयि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ विवेदयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवेदयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अविवेदयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अविवेदयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विवेदयिषाञ्चक्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
विवेदयिषाम्बभूव विवेदयिषामास (वहि महि
- ७ विवेदयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ विवेदयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवेदयिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्यं ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवेदयिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम्

१८११ वलिण् (वल्) आभण्डने

- १ विवालयि-पते पते पन्ते पसे पथे पथ्वे पे पावहे पामहे
- २ विवालयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवालयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पथ्वम् पे पावहै पामहै
- ४ विवालयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पथ्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ विवालयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विवालयिषाञ्चक्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
विवालयिषाम्बभूव विवालयिषामास (वहि महि
- ७ विवालयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ विवालयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवालयिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्यं
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्यं ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवेदयिषि-ष्यत ष्यताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम्

१८१२ भलिण् (भल्) आभण्डने

- १ बिभालयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ बिभलयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बिभालयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेत्याम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अबिभालयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेत्याम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अबिभालयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ बिभा यिषाश्चक्रे क्राते क्रिरे कृपे क्राथे कृत्वे क्रेकृवहे कृमहे
- बिभलयिषाम्बभूव बिभालयिषामास (वहि महि
- ७ बिभालयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ बिभालयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बिभा यिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अबिभालयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येत्याम्

१८१४ वृषिण् (वृष्) शक्तिवन्द्ये

- १ विवर्षयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवर्षयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवर्षयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेत्याम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अविवर्षयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेत्याम् पध्वम् पे पावहि पामहि [पि प्वहि प्महि
- ५ अविवर्षयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ विवर्षयिषाश्चक्रे क्राते क्रिरे कृपे क्राथे कृत्वे क्रेकृवहे कृमहे
- विवर्षयिषाम्बभूव विवर्षयिषामास [य वहि महि
- ७ विवर्षयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः याथाम् ध्वम्
- ८ विवर्षयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवर्षयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अविवर्षयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येत्याम्

१८१३ दिविण् (दिष्) परिकूजने

- १ दिदेवयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ दिवदेयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदेवयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेत्याम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अदिदेवयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेत्याम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अदिदेवयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ दिदेवयिषाश्चक्रे क्राते क्रिरे कृपे क्राथे कृत्वे क्रेकृवहे कृमहे
- दिदेवयिषाम्बभूव दिदेवयिषामास (वहि महि
- ७ दिदेवयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ दिदेवयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदेवयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अदिदेवयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येत्याम्

१८१५ कुत्सिण् (कुत्स्) अवक्षेपे

- १ चुकुत्सयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चुकुत्सयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुकुत्सयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेत्याम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचुकुत्सयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेत्याम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अचुकुत्सयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ चुकुत्सयिषाश्चक्रे क्राते क्रिरे कृपे क्राथे कृत्वे क्रेकृवहे कृमहे
- चुकुत्सयिषाम्बभूव चुकुत्सयिषामास (वहि महि
- ७ चुकुत्सयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ चुकुत्सयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुकुत्सयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचुकुत्सयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येत्याम्

१८१६ लक्षिण (लक्ष) आलोचने

- १ लिलक्षयि-पतेपेते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ लिलक्षयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लिलक्षयि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अलिलक्षयि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अलिलक्षयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टा पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ लिलक्षयिषाञ्चक्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे केकृवहे कृमहे लिलक्षयिषाम्बभूव लिलक्षयिषामास (वहि महि
- ७ लिलक्षयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ लिलक्षयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिलक्षयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अलिलक्षयिषिष्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८१८ किष्कण् (किष्क) हिंसायाम्

- १ चिकिष्कयि-पते पेते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिकिष्कयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिकिष्कयि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचिकिष्कयि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि [पि प्वहि प्महि
- ५ अचिकिष्कयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चिकिष्कयिषाञ्चक्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे केकृवहे कृमहे चिकिष्कयिषाम्बभूव चिकिष्कयिषामास (वहि महि
- ७ चिकिष्कयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः याथाम् ध्वम् य
- ८ चिकिष्कयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिकिष्कयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचिकिष्कयिषिष्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८१७ हिष्कण् (हिष्क) हिंसायाम्

- १ जिहिष्कयि-पते पेते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिहिष्कयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिहिष्कयि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजिहिष्कयि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजिहिष्कयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जिहिष्कयिषाञ्चक्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे केकृवहे कृमहे जिहिष्कयिषाम्बभूव जिहिष्कयिषामास (वहि महि
- ७ जिहिष्कयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ जिहिष्कयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिहिष्कयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजिहिष्कयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८१९ निष्कण् (निष्क) परिमाणे

- १ निनिष्कयि-पते पेते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ निनिष्कयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ निनिष्कयि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अनिनिष्कयि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अनिनिष्कयिषि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ निनिष्कयिषाञ्चक्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे केकृवहे कृमहे निनिष्कयिषाम्बभूव निनिष्कयिषामास (वहि महि
- ७ निनिष्कयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ निनिष्कयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ निनिष्कयिषि-प्यत प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अनिनिष्कयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८२० तर्जिण् (तर्ज्) संतर्जने

- १ तितर्जयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ तितर्जयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितर्जयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अतितर्जयि-पत पताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अतितर्जयिषि-पताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ तितर्जयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तितर्जयिषाञ्चक्रे तितर्जयिषाम्बभूव [वहि महि
- ७ तितर्जयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ तितर्जयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
- ९ तितर्जयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अतितर्जयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येषाम्

१८२२ तुटि - (तुट्) छेदने

- १ तुत्रोटयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ तुत्रोटयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तुत्रोटयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अतुत्रोटयि-पत पताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अतुत्रोटयिषि-पताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ तुत्रोटयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तुत्रोटयिषाञ्चक्रे तुत्रोटयिषाम्बभूव [वहि महि
- ७ तुत्रोटयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ तुत्रोटयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
- ९ तुत्रोटयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अतुत्रोटयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येषाम्

१८२१ कूटिण् (कूट्) अप्रमादे

- १ चुकूटयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चुकूटयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुकूटयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचुकूटयि-पत पताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अचुकूटयिषि-पताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चुकूटयिषाम्बभू-व वतुः उ विथ वथुः व व विव विम चुकूटयिषाञ्चक्रे चुकूटयिषामास [वहि महि
- ७ चुकूटयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ चुकूटयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
- ९ चुकूटयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचुकूटयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येषाम्

१८२३ शठिण् (शट्) श्लाघायाम्

- १ शिशठाठयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिशठाठयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिशठाठयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अशिशठाठयि-पत पताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अशिशठाठयिषि-पताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शिशठाठयिषाम्बभू-व वतुः उ विथ वथुः व व विव विम शिशठाठयिषाञ्चकार शिशठाठयिषामास वहि महि
- ७ शिशठाठयिषिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य
- ८ शिशठाठयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
- ९ शिशठाठयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अशिशठाठयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येषाम्

१८२५ कृणिण् (कृण्) संकोचने

- १ चुकृणयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चुकृणयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुकृणयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अचुकृणयि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अचुकृणयिषिष्ट पाताम् पत पाः पाथाम् इवम् ध्वम्
- ६ चुकृणयिषाम्बभू-व वतु उ विथ वथुः व वविव विम
चुकृणयिषाञ्चके चुकृणयिषामास (वहि महि
- ७ चुकृणयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ चुकृणयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुकृणयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचुकृणयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१८२६ बुभ्रूण (भ्रूण) आशायाम्

- १ बुभ्रूणयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ बुभ्रूणयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बुभ्रूणयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अबुभ्रूणयि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अबुभ्रूणयिषिष्ट पाताम् पत पाः पाथाम् इवम् ध्वम्
- ६ बुभ्रूणयिषामा स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
बुभ्रूणयिषाञ्चके बुभ्रूणयिषाम्बभूव [वहि महि
- ७ बुभ्रूणयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ बुभ्रूणयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बुभ्रूणयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबुभ्रूणयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१८२५ तृणिण् (तृण्) पूरणे

- १ तुतृणयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ तुतृणयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तुतृणयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अतुतृणयि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अतुतृणयिषिष्ट पाताम् पत पाः पाथाम् इवम् ध्वम्
- ६ तुतृणयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तुतृणयिषाञ्चके तुतृणयिषाम्बभूव (वहि महि
- ७ तुतृणयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ तुतृणयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तुतृणयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतुतृणयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१८२७ चित्तिण् (चित्) संवेदने

- १ चिचेतयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चिचेतयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चिचेतयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अचिचेतयि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अचिचेतयिषिष्ट पाताम् पत पाः पाथाम् इवम् ध्वम्
- ६ चिचेतयिषाम्बभू-व वतु उ विथ वथुः व वविव विम
चिचेतयिषाञ्चकार चिचेतयिषामासव हि महि
- ७ चिचेतयिषिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य
- ८ चिचेतयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चिचेतयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचिचेतयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१८२८ वस्तिण् (वस्त) अर्द्धे

- १ विवस्ति-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवस्तिपि-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवस्ति-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अविवस्ति-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अविवस्तिपिषट्-पताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ विवस्तिपिषाम्भू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
विवस्तिपिषाञ्चक्रे विवस्तिपिषामास (वहि महि
- ७ विवस्तिपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ विवस्तिपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
- ९ विवस्तिपिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अविवस्तिपिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम्

१८३० डपिण् (डप्) संघाते

- १ डिडापयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ डिडापयिपे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ डिडापयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अडिडापयि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अडिडापयिपिषट्-पताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ डिडापयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
डिडापयिषाञ्चक्रे डिडापयिषाम्भूव (वहि महि
- ७ डिडापयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ डिडापयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
- ९ डिडापयिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अडिडापयिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम्

१८२९ गन्धिण् (गन्ध) अर्द्धे

- १ जिगन्धि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिगन्धिपि-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिगन्धि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अजिगन्धि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजिगन्धिपिषट्-पताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ जिगन्धिपिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिगन्धिपिषाञ्चक्रे जिगन्धिपिषाम्भूव (वहि महि
- ७ जिगन्धिपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ठाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ जिगन्धिपिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
- ९ जिगन्धिपिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजिगन्धिपिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम्

१८३१ डिपिण् (डिप्) संघाते

- १ डिडेपयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ डिडेपयिपे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ डिडेपयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अडिडेपयि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अडिडेपयिपिषट्-पताम् पत प्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ डिडेपयिषाम्भू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
डिडेपयिषाञ्चक्रे डिडेपयिषामासव हि महि
- ७ डिडेपयिषी-ष्ट याताम् रन् प्ठाः याथाम् ध्वम् य
- ८ डिडेपयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
- ९ डिडेपयिषि-प्यते प्यते प्यन्ते प्यसे प्यथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अडिडेपयिषि-प्यत प्यताम् प्यन्त प्यथाः प्यथाम्

१८३२ डम्पिण (डम्प) संघाते

- १ डिडम्पयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वं पे पावहे पामहे
- २ डिडम्पयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ डिडम्पयि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अडिडम्पयि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अडिडम्पयिषिष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ डिडम्पयिषाम्बभू-व वतु बु विथ वथुः व व विव विम
डिडम्पयिषाञ्चक्रे डिडम्पयिषामास (वहि महि
- ७ डिडम्पयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ डिडम्पयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ डिडम्पयिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अडिडम्पयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१८३४ डम्भिण (डम्भ) संघाते

- १ डिडम्भयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वं पे पावहे पामहे
- २ डिडम्भयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ डिडम्भयि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अडिडम्भयि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अडिडम्भयिषिष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ डिडम्भयिषामा स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
डिडम्भयिषाञ्चक्रे डिडम्भयिषाम्बभूव [वहि महि
- ७ डिडम्भयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ डिडम्भयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ डिडम्भयिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अडिडम्भयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१८३३ डिम्पण (डिम्प) संघाते

- १ डिडिम्पयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वं पे पावहे पामहे
- २ डिडिम्पयिषेत याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ डिडिम्पयि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अडिडिम्पयि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अडिडिम्पयिषिष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ डिडिम्पयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
डिडिम्पयिषाञ्चक्रे डिडिम्पयिषाम्बभूव (वहि महि
- ७ डिडिम्पयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ डिडिम्पयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ डिडिम्पयिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अडिडिम्पयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१८३५ डिम्भिण (डिम्भ) संघाते

- १ डिडिम्भयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वं पे पावहे पामहे
- २ डिडिम्भयिषेत याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ डिडिम्भयि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पै
पावहै पामहै
- ४ अडिडिम्भयि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अडिडिम्भयिषिष्ट पाताम् पत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ डिडिम्भयिषाम्बभू-व वतु बु विथ वथुः व व विव विम
डिडिम्भयिषाञ्चकार डिडिम्भयिषामास वहि महि
- ७ डिडिम्भयिषिषी-ष्ट याताम् रन् प्राः याथाम् ध्वम् य
- ८ डिडिम्भयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ डिडिम्भयिषि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अडिडिम्भयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१८३६ स्यमिण् (स्यम्) वितर्के

- १ सिस्यामयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिस्यामयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिस्यामयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ असिस्यामयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ असिस्यामयिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ सिस्यामयिषाश्चक्रे क्रातेकिरेकृषे काथेकृद्वे कृवहे कृमहे
- सिस्यामयिषाम्बभूव सिस्यामयिषामास (वहि महि
- ७ सिस्यामयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ सिस्यामयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिस्यामयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० असिस्यामयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१८३८ कुस्मिण् (कुस्म्) कुस्मयने

- १ चुकुस्मयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चुकुस्मयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुकुस्मयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अचुकुस्मयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि [पि प्वहि प्महि
- ५ अचुकुस्मयिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ चुकुस्मयिषाश्चक्रे क्रातेकिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- चुकुस्मयिषाम्बभूव चुकुस्मयिषामास [वहि महि
- ७ चुकुस्मयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः याथाम् ध्वम् य
- ८ चुकुस्मयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुकुस्मयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अचुकुस्मयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१८३७ शमिण् (शम्) आलोचने

- १ शिशामयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ शिशामयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिशामयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अशिशामयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अशिशामयिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ शिशामयिषाश्चक्रे क्रातेकिरेकृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- शिशामयिषाम्बभूव शिशामयिषामास (वहि महि
- ७ शिशामयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ शिशामयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशामयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अशिशामयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१८३९ गूरिण् (गूर) उद्यमे

- १ जुगूरयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जुगूरयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जुगूरयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजुगूरयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजुगूरयिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जुगूरयिषाश्चक्रे क्रातेकिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- जुगूरयिषाम्बभूव जुगूरयिषामास (वहि महि
- ७ जुगूरयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ जुगूरयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जुगूरयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजुगूरयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१८४० तन्त्रिण (तन्त्र) कुटुम्बधारणे

- १ तितन्त्रयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ तितन्त्रयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितन्त्रयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अतितन्त्रयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अतितन्त्रयिषि-पताम् पत प्ताः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ तितन्त्रयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तितन्त्रयिषाञ्चके तितन्त्रयिषाम्बभूव [वहि महि
तेतन्त्रयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ताः याथाम् ध्वम् य
तेतन्त्रयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
तेतन्त्रयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे [प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- ७ अतितन्त्रयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८४२ ललिण (ललृ) ईप्सायाम्

- १ लिलालयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ लिलालयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लिलालयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अलिलालयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अलिलालयिषि-पताम् पत प्ताः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ लिलालयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लिलालयिषाञ्चके लिलालयिषामास (वहि महि
- ७ लिलालयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ताः याथाम् ध्वम् य
- ८ लिलालयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लिलालयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अलिलालयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८४१ मन्त्रिण (मन्त्र) गुप्तभाषणे

- १ मिमन्त्रयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ मिमन्त्रयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमन्त्रयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अमिमन्त्रयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अमिमन्त्रयिषि-पताम् पत प्ताः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ मिमन्त्रयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमन्त्रयिषाञ्चके मिमन्त्रयिषाम्बभूव (वहि महि
- ७ मिमन्त्रयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्ताः याथाम् ध्वम् य
- ८ मिमन्त्रयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमन्त्रयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अमिमन्त्रयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८४३ स्पशिण (स्पशृ) ग्रहणश्लेषणयोः

- १ पिस्पाशयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ पिस्पाशयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिस्पाशयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे
पावहै पामहै
- ४ अपिस्पाशयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे
पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अपिस्पाशयिषि-पताम् पत प्ताः पाथाम् इह्वम् ध्वम्
- ६ पिस्पाशयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिस्पाशयिषाञ्चकार पिस्पाशयिषामास वहि महि
- ७ पिस्पाशयिषिषी-ष्ट याताम् रन् प्ताः याथाम् ध्वम् य
- ८ पिस्पाशयिषिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिस्पाशयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अपिस्पाशयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८४४ दक्षिण (दंश्) दर्शने

- १ दिदंशयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ दिदंशयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दिदंशयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अदिदंशयि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अदिदंशयिषि-पताम् पत प्ताः पाथाम् ड्वम् ध्वम्
- ६ दिदंशयिषाञ्चक्रेक्रातेकिरेकृषेक्रायेकृवेकृवहेकृमहे दिदंशयिषाम्बभूव दिदंशयिषामास (वहि महि
- ७ दिदंशयिषिषी-प यास्ताम् रन् प्ताः याथाम् ध्वम् य
- ८ दिदंशयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दिदंशयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अदिदंशयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८४६ यक्षिण (यक्ष) पूजायाम्

- १ यियक्षयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ यियक्षयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ यियक्षयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अयियक्षयि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि [पि प्वहि प्वहि
- ५ अयियक्षयिषि-पताम् पत प्ताः पाथाम् ड्वम् ध्वम्
- ६ यियक्षयिषाञ्चक्रेक्रातेकिरेकृषेक्रायेकृवेकृवहेकृमहे यियक्षयिषाम्बभूव यियक्षयिषामास [वहि महि
- ७ यियक्षयिषिषी-प यास्ताम् रन् प्ताः याथाम् ध्वम् य
- ८ यियक्षयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ यियक्षयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अयियक्षयिषिप्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१८४५ दंसिण (दंस्) दर्शने च

- १ दिदंसयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
 - २ दिदंसयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ दिदंसयि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
 - ४ अदिदंसयि-पत पताम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्वहि
 - ५ अदिदंसयिषि-पताम् पत प्ताः पाथाम् ड्वम् ध्वम्
 - ६ दिदंसयिषाञ्चक्रेक्रातेकिरेकृषेक्रायेकृवेकृवहेकृमहे दिदंसयिषाम्बभूव दिदंसयिषामास (वहि महि
 - ७ दिदंसयिषिषी-प यास्ताम् रन् प्ताः याथाम् ध्वम् य
 - ८ दिदंसयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ दिदंसयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
 - १० अदिदंसयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्
- १८४६ भर्त्सिण (भर्त्स) संतर्जने विभर्त्सयिषते इत्यादि

१८४३ अङ्गण (अङ्क) लक्षणो

- १ अञ्चिकयिषति तः न्ति सि थः थ अञ्चिकयिषामि वः
- २ अञ्चिकयिषे-त ताम् युः तम् त यम् व म (मः
- ३ अञ्चिकयिष-तु तात् ताम् न्तु” तात् तम् त अञ्चिकयिषा-णि व म व म
- ४ आञ्चिकयिषत्ताम् नः तम् तम् आञ्चिकयिषा
- ५ आञ्चिकयि-षीत् पिष्टाम् पिषु षीः पिष्टम् पिष्ट पिष्टम् पिष्व पिष्म
- ६ अञ्चिकयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम अञ्चिकयिषाञ्चकार अञ्चिकयिषाम्बभूव
- ७ अञ्चिकयिष्या-त् स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अञ्चिकयिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अञ्चिकयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ अञ्चिकयिषिष्या-मि वः मः (आञ्चिकयिषिष्या-व म
- १० आञ्चिकयिषिष्य-त् ताम् नः तम् तम्

१८४९ व्लेष्कण् (व्लेष्क्) दर्शने

- १ व्लेष्कयिषति-तः न्ति सि थः थ व्लेष्कयिषामि
- २ व्लेष्कयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ व्लेष्कयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
व्लेष्कयिषा-णि व म (यिषा व म
- ४ अव्लेष्कयिषत् ताम् न् : तम् तम् अव्लेष्क
- ५ अव्लेष्कयि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म (कृम
- ६ व्लेष्कयिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
व्लेष्कयिषाम्बभूव व्लेष्कयिषामास
- ७ व्लेष्कयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
व्लेष्कयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
व्लेष्कयिषिष्यति-तः न्ति सि थः थ व्लेष्कयि
षिष्य-मि वः मः (अव्लेष्कयिषिष्या व म
- ८ (१) अव्लेष्कयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८५१ दुःखण् (दु ख्) तत्क्रियायाम्

- १ दुदुःखयिष-ति-तः न्ति सि थः थ दुदुःखयिषा-मि
- २ दुदुःखयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ दुदुःखयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दुदुःखयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अदुदुःखयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदुदुःखयि
- ५ अदुदुःखयि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ दुदुःखयिषाम्बभू व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दुदुःखयिषाश्चकार दुदुःखयिषामास
- ७ दुदुःखयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुदुःखयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुदुःखयिषिष्यति-तः न्ति सि थः थ दुदुःखयि
षिष्या मि वः मः (अदुदुःखयिषिष्या-व म
- १० अदुदुःखयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८५० सुखण् (सु ख्) तत्क्रियायाम्

- १ सुसुखयिष-ति-तः न्ति सि थः थ सुसुखयिषा-मि वः
- २ सुसुखयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ सुसुखयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सुसुखयिषा-णि व म षा-व म
- ४ असुसुखयिष-त् ताम् न् : तम् तम् असुसुखयि
- ५ असुसुखयि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ सुसुखयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सुसुखयिषाश्चकार सुसुखयिषामास
- ७ सुसुखयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सुसुखयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सुसुखयिषिष्यति-तः न्ति सि थः थ सुसुखयिषि
ष्या-मि वः मः (असुसुखयिषिष्या-व म
- १० असुसुखयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८५२ अङ्गण् (अङ्ग) पदलक्षणयोः

- १ अङ्गिगयिष-ति-तः न्ति सि थः थ अङ्गिगयिषा-मि
- २ अङ्गिगयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ अङ्गिगयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अङ्गिगयिषा-णि व म व म
- ४ आङ्गिगयिषत् ताम् न् : तम् तम् आङ्गिगयिषा
- ५ आङ्गिगयि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म कृम
- ६ अङ्गिगयिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
अङ्गिगयिषाम्बभूव अङ्गिगयिषामास
- ७ अङ्गिगयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अङ्गिगयिषिता " रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अङ्गिगयिषिष्यति-तः न्ति सि थः थ अङ्गिगयिषि
ष्या-मि वः मः (आङ्गिगयिषिष्या-व म
- १० आङ्गिगयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८५३ अघण् (अघ्) पापकरणे

- १ अजिघयिषति-तः न्ति सि थः थ अजिघयिषामि वः
- २ अजिघयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ अजिघयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
अजिघयिषा-णि व म (षा व म
- ४ आजिघयिष-त्ताम् न् तम् तम् आजिघयि
- ५ आजिघयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ अजिघयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अजिघयिषाश्चकार अजिघयिषामास
- ७ अजिघयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अजिघयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अजिघयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अजिघयिषि
ष्या-मि वः मः (आजिघयिषिष्या-व म
- १० आजिघयिषिष्य-त्ताम् न् तम् तम्

१८५५ सूचण् (सूच्) पैशून्ये

- १ सुसूचयिषति-तः न्ति सि थः थ सुसूचयिषामि वः
- २ सुसूचयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ सुसूचयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सुसूचयिषा-णि व म -व म
- ४ असुसूचयिष-त्ताम् न् तम् तम् असुसूचयिष
- ५ असुसूचयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ सुसूचयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कुव
सुसूचयिषाम्बभूव सुसूचयिषामास
- ७ सुसूचयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सुसूचयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सुसूचयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सुसूचयिषि
ष्या-मि वः मः (असुसूचयिषिष्या-व म
- १० असुसूचयिषिष्य-त्ताम् न् तम् तम्

१८५४ रचण् (रच्) प्रतियत्ने

- १ रिरचयिषति-तः न्ति सि थः थ रिरचयिषामि मि
- २ रिरचयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ रिरचयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरचयिषा-णि व म व म
- ४ अरिरचयिष-त्ताम् न् तम् तम् अरिरचयिषा
- ५ अरिरचायि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व -कर कृम कुव
- ६ रिरचयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
रिरचयिषाम्बभूव रिरचयिषामास
- ७ रिरचयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरचयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरचयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरचयिषि
ष्या-मि वः मः (अरिरचयिषिष्या-व म
- १० अरिरचयिषिष्य-त्ताम् न् तम् तम्

१८५६ भाजण् (भाज्) पृथक् कर्मणि

- १ बिभाजयिषति-तः न्ति सि थः थ बिभाजयिषामि
- २ बिभाजयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
- ३ बिभाजयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
बिभाजयिषा-णि व म -व म
- ४ अबिभाजयिषत्ताम् न् तम् तम् अबिभाजयिषा
- ५ अबिभाजयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कुव कृम
- ६ बिभाजयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
बिभाजयिषाम्बभूव बिभाजयिषामास
- ७ बिभाजयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ बिभाजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ बिभाजयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिभाजयि
ष्या-मि वः मः (अबिभाजयिषिष्या-व म
- १० अबिभाजयिषिष्य-त्ताम् न् तम् तम्

१८५७ सभाजण् (सभाज्) प्रीतिसेवनयोः

- १ सिसभाजयिषति तः न्तिसि थः थ सिसभाजयिषामिवः
- २ सिसभाजयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ सिसभाजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसभाजयिषा-णि व म (यिषा व म
- ४ असिसभाजयिष-त् ताम् न् : तम् तम् असिसभाज
- ५ असिसभाजयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिसभाजयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसभाजयिषाञ्चकार सिसभाजयिषामास
- ७ सिसभाजयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसभाजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसभाजयिषिष्यति तः न्तिसि थः थ सिसभाजयिज
षिष्या-मि वः मः (असिसभाजयिषिष्या-व म
- १० असिसभाजयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८५९ लजुण् (लज्ज्) प्रकाशने

- १ लिलजयिष-ति तः न्तिसि थः थ लिलजयिषामिवः
- २ लिलजयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ लिलजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलजयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अलिलजयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलिलजयि
- ५ अलिलजयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लिलजयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लिलजयिषाञ्चकार लिलजयिषाम्बभूव
- ७ लिलजयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलजयिषिष्यति तः न्तिसि थः थ लिलजयिषि
ष्यामि वः मः (अलिलजयिषिष्या-व म
- १० अलिलजयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८५८ लजण् (लज्) लजुण् प्रकाशने

- १ लिलजयिष-ति तः न्तिसि थः थ लिलजयिषा-मि वः
- २ लिलजयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ लिलजयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलजयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अलिलजयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अलिलजयि
- ५ अलिलजयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लिलजयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लिलजयिषाञ्चकार लिलजयिषामास
- ७ लिलजयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलजयिषिष्यति तः न्तिसि थः थ लिलजयिषि
ष्या-मि वः मः (अलिलजयिषिष्या-व म
- १० अलिलजयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८६० कूटण् (कूट्) दाहे

- १ चुकूटयिष-ति तः न्तिसि थः थ चुकूटयिषा-मि वः
- २ चुकूटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ चुकूटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकूटयिषा-णि व म [षा-व म
- ४ अचुकूटयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुकूटयि-
- ५ अचुकूटयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चुकूटयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चुकूटयिषाञ्चकार चुकूटयिषामास
- ७ चुकूटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ चुकूटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि मम् स्वः स्मः
- ९ चुकूटयिषिष्यति तः न्तिसि थः थ चुकूटयिषि
ष्या-मि वः मः (अचुकूटयिषिष्या-व म
- १० अचुकूटयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८६१ पटण् (पट) ग्रन्थे

- १ पिपटयिषति तः न्ति सि थः थ पिपटयिषामि वः
- २ पिपटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ पिपटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपटयिषा-णि व म [व म
- ४ अपिपटयिषत् ताम् न् : तम् तम् अपिपटयिषा
- ५ अपिपटयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ पिपटयिषामास सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
पिपटयिषाश्चकार पिपटयिषाम्बभूव
- ७ पिपटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपटयिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपटयिषिष्या-व म
- १० अपिपटयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८६३ खेटण् (खेट्) भक्षणे

- १ चिखेटयिषति तः न्ति सि थः थ चिखेटयिषामि वः
- २ चिखेटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ चिखेटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिखेटयिषा-णि व म व म
- ४ अचिखेटयिषत् ताम् न् : तम् तम् अचिखेटयिषा
- ५ अचिखेटयि-षीत् विष्टाम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चिखेटयिषामास सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
चिखेटयिषाश्चकार चिखेटयिषाम्बभूव
- ७ चिखेटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिखेटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिखेटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिखेटयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिखेटयिषिष्या-व म
- १० अचिखेटयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८६२ षटण् (षट्) ग्रन्थे

- १ विषटयिष-ति तः न्ति सि थः थ विषटयिषामि वः
- २ विषटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ विषटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विषटयिषा-णि व म (व म
- ४ अविषटयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविषटयिषा
- ५ अविषटयि-षीत् सिष्टाम् सिष्टुः षीः सिष्टम् सिष्ट विषम्
* सिष्व सिष्म
- ६ विषटयिषाम्बभू-व वतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
विषटयिषाश्चकार विषटयिषामास
- ७ विषटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विषटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विषटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विषटयिषि
ष्या-मि वः मः (अविषटयिषिष्या-व म
- १० अविषटयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८६४ खोटण् (खोट्) क्षेपे

- १ चुखोटयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुखोटयिषामि वः
- २ चुखोटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ चुखोटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुखोटयिषा-णि व म व म
- ४ अचुखोटयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अचुखोटयिषा
(विष्व विष्म
- ५ अचुखोटयि-षीत् सिष्टाम् सिष्टुः षीः सिष्टम् सिष्ट विषम्
चुखोटयिषाश्चकार चुखोटयिषाम्बभूव
- ६ चुखोटयिषामास सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
- ७ चुखोटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुखोटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुखोटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुखोटयि
ष्या-मि वः मः (अचुखोटयिषिष्या-व म
- १० अचुखोटयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

* विष्टाम्, विष्टुः, षीः, पिष्टम्, पिष्टुः,
विषम्, विष्व, विष्म,

१८६५ पुट् (पुट्) ससर्गे

- १ पुपुटयिष-ति तः न्ति सि थः थ पुपुटयिषा-मि वः
- २ पुपुटयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ पुपुटयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पुपुटयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अपुपुटयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अपुपुटयि
- ५ अपुपुटयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ पुपुटयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पुपुटयिषाञ्चकार पुपुटयिषाम्बभूव
- ७ पुपुटयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पुपुटयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पुपुटयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पुपुटयिषिष्या-
मि वः मः (अपुपुटयिषिष्या-व म
- १० अपुपुटयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१८६७ शठण् (शठ्) सम्यग्भाषणे

- १ शिशठाठयिषति तः न्ति सि थः थ शिशठाठयिषामि वः
- २ शिशठाठयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ शिशठाठयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम्
शिशठाठयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अशिशठाठयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अशिशठाठयि
- ५ अशिशठाठयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शिशठाठयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशठाठयिषाञ्चकार शिशठाठयिषामास
- ७ शिशठाठयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशठाठयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशठाठयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशठाठयिषि
ष्या-मि वः मः (अशिशठाठयिषिष्या-व म
- १० अशिशठाठयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१८६६ वटुण् (वण्ट्) विभाजने

- १ विवण्टयिषति तः न्ति सि थः थ विवण्टयिषामि वः
- २ विवण्टयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः]
- ३ विवण्टयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विवण्टयिषा-णि व म [षा-व म
- ४ अविवण्टयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अविवण्टयि
- ५ अविवण्टयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवण्टयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विवण्टयिषाञ्चकार विवण्टयिषामास
- ७ विवण्टयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ विवण्टयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि मम् स्वः स्मः
- ९ विवण्टयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवण्टयि
षिष्या-मि वः मः (अविवण्टयिषिष्या-व म
- १० अविवण्टयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१८६८ श्वठण् (श्वठ्) सम्यग्भाषणे

- १ शिश्वठयिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्वठयिषा-मि
- २ शिश्वठयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ शिश्वठयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्वठयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अशिश्वठयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अशिश्वठयि
- ५ अशिश्वठयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शिश्वठयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिश्वठयिषाञ्चकार शिश्वठयिषामास
- ७ शिश्वठयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्वठयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्वठयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्वठयिषि
ष्या-मि वः मः (अशिश्वठयिषिष्या-व म
- १० अशिश्वठयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१८६९ दण्डण् (दण्ड्) दण्डनिपातने

- १ दिदण्डयिष-ति तः न्ति सि थः थ दिदण्डयिषा-मि
- २ दिदण्डयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ दिदण्डयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदण्डयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अदिदण्डयिष-त्ताम् न् : तम् त म अदिदण्डयि
- ५ अदिदण्डयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृम)
- ६ दिदण्डयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
दिदण्डयिषाञ्चकार दिदण्डयिषामास
- ७ दिदण्डयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदण्डयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदण्डयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदण्डयि
षिष्य-मि व मः (अदिदण्डयिषिष्या-व म)
- १० अदिदण्डयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म

१८७१ वण्ण् (वण्) वणक्रियाविस्तार गुणवचनेषु

- १ विवर्णयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवर्णयिषा-मि
- २ विवर्णयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ विवर्णयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विवर्णयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अविवर्णयिष-त्ताम् न् : तम् त म अविवर्णयि
- ५ अविवर्णयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवर्णयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
विवर्णयिषाञ्चकार विवर्णयिषामास
- ७ विवर्णयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवर्णयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवर्णयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवर्णयि
षिष्या मि व मः (अविवर्णयिषिष्या-व म)
- १० अविवर्णयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म

१८७० व्रणण् (व्रण्) गात्रविचूर्णने

- १ विव्रणयिष-ति तः न्ति सि थः थ विव्रणयिषा-मि वः
- २ विव्रणयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व न [मः]
- ३ विव्रणयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विव्रणयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अविव्रणयिष-त्ताम् न् : तम् त म अविव्रणयि
- ५ अविव्रणयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृम)
- ६ विव्रणयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
विव्रणयिषाञ्चकार विव्रणयिषामास
- ७ विव्रणयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विव्रणयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विव्रणयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विव्रणयिषि
ष्या मि व मः (अविव्रणयिषिष्या-व म)
- १० अविव्रणयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म

१८७२ पर्णण् (पर्ण्) हरितभावे

- १ पिपर्णयिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपर्णयिषा-मि
- २ पिपर्णयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ पिपर्णयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपर्णयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अपिपर्णयिष-त्ताम् न् : तम् त म अपिपर्णयिषा
- ५ अपिपर्णयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृम)
- ६ पिपर्णयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
पिपर्णयिषाञ्चकार पिपर्णयिषामास
- ७ पिपर्णयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपर्णयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपर्णयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपर्णयिषि-
ष्या मि व मः (अपिपर्णयिषिष्या-व म)
- १० अपिपर्णयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म

१८७३ कण्ण (कर्ण) भेदे

- १ चिकर्णयिषति तः न्ति सि थः थ चिकर्णयिषा मि वः
- २ चिकर्णयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ चिकर्णयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकर्णयिषा-णि व म [व म
- ४ अचिकर्णयिषत् ताम् नः : तम् त म् अचिकर्णयिषा
- ५ अचिकर्णयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ चिकर्णयिषामास सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
चिकर्णयिषाञ्चकार चिकर्णयिषाम्बभूव
- ७ चिकर्णयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकर्णयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकर्णयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकर्णयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिकर्णयिषिष्या व म
- १० अचिकर्णयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

१८७४ तूण्ण (तूण) संकोचने

- १ तुतूणयिष-ति तः न्ति सि थः थ तुतूणयिषा-मि वः
- २ तुतूणयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ तुतूणयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तुतूणयिषा-णि व म (व म
- ४ अतुतूणयिष-त् ताम् नः : तम् त म् अतुतूणयिषा
- ५ अतुतूणयि-षीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
* सिष्व सिष्म
- ६ तुतूणयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तुतूणयिषाञ्चकार तुतूणयिषामास
- ७ तुतूणयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तुतूणयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुतूणयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तुतूणयिषि-
ष्या-मि वः मः (अतुतूणयिषिष्या व म
- १० अतुतूणयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

* पिष्टम्, पिषुः, षीः, पिष्टम्, पिष्ट,
पिषम्, पिष्व, पिष्म,

१८७५ गण्ण (गण्) संख्याने

- १ जिगणयिषति तः न्ति सि थः थ जिगणयिषामि वः
- २ जिगणयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ जिगणयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगणयिषा-णि व म व म
- ४ अजिगणयिषत् ताम् नः : तम् त म् अजिगणयिषा
- ५ अजिगणयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ जिगणयिषामास सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
जिगणयिषाञ्चकार जिगणयिषाम्बभूव
- ७ जिगणयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगणयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगणयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ जिगणयिषि
ष्या-मि वः मः (अजिगणयिषिष्या व म
- १० अजिगणयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

१८७६ कुण्ण (कुण्) आमन्त्रणे

- १ चुकुणयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुणयिषा-मि वः
- २ चुकुणयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ चुकुणयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुणयिषा-णि व म व म
- ४ अचुकुणयिष-त् ताम् नः : तम् त म् अचुकुणयिषा
(पिष्व पिष्म
- ५ अचुकुणयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
चुकुणयिषाञ्चकार चुकुणयिषाम्बभूव
- ६ चुकुणयिषामास सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
- ७ चुकुणयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुणयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुणयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुणयि
षिष्या-मि वः मः (अचुकुणयिषिष्या व म
- १० अचुकुणयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

१८७७ गुणण् (गुण) आमन्त्रणे

- १ जुगुणयिष-ति तः न्ति सि थः थ जुगुणयिषा-मि वः
- २ जुगुणयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ जुगुणयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जुगुणयिषा-णि व म -व म
- ४ अजुगुणयिष-त्ताम् नः तम् तम् अजुगुणयिष
- ५ अजुगुणयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व कृम
- ६ जुगुणयिषाश्चकार क्रतुः क्रुः कर्थ क्रथुः क्र कार कर कृव
जुगुणयिषाम्बभूव जुगुणयिषामास
- ७ जुगुणयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुगुणयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगुणयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगुणयिषि
ष्या-मि वः मः (अजुगुणयिषिष्या-व म
- १० अजुगुणयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१८७९ पतण् (पत्) वा गतौ

- १ पिपतयिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपतयिषा-मि वः
- २ पिपतयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ पिपतयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपतयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अपिपतयिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिपतयि
- ५ अपिपतयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ पिपतयिषाश्चभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिपतयिषाश्चकार पिपतयिषामास
- ७ पिपतयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपतयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपतयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपतयिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपतयिषिष्या-व म
- १० अपिपतयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म
पक्षे (पल् गतौ (इतिवद्रूपम्

१८७८ केतण् (केत्) आमन्त्रणे

- १ चिकेतयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकेतयिषा मि
- २ चिकेतयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ चिकेतयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकेतयिषा-णि व म व म
- ४ अचिकेतयिषत्ताम् नः तम् तम् अचिकेतयिषा
- ५ अचिकेतयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व कर कृम कृव
- ६ चिकेतयिषाश्चकार क्रतुः क्रुः कर्थ क्रथुः क्र कार कर
चिकेतयिषाम्बभूव चिकेतयिषामास
- ७ चिकेतयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकेतयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकेतयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकेतयि
षिष्या-मि वः मः (अचिकेतयिषिष्या-व म
- १० अचिकेतयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१८८० वातण् (वात्) गतिसुखसेवनयोः

- १ विवातयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवातयिषा-मि
- २ विवातयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
- ३ विवातयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विवातयिषा-णि व म -व म
- ४ अविवातयिषत्ताम् नः तम् तम् अविवातयिषा
- ५ अविवातयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व (कृव कृम
- ६ विवातयिषाश्चकार क्रतुः क्रुः कर्थ क्रथुः क्र कार कर
विवातयिषाम्बभूव विवातयिषामास
- ७ विवातयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवातयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवातयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवातयि
षिष्या-मि वः मः (अविवातयिषिष्या-व म
- १० अविवातयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१८८१ कथण् (कथ्) वाक्यप्रवन्धे

- १ चिकथयिष-ति तः न्ति सिथः थ चिकथयिषामि
- २ चिकथयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ चिकथयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकथयिषा-णि व म व म
- ४ अचिकथयिषत्ताम् नः तम् तम् अचिकथयिषा
- ५ अचिकथयि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म -कर कृम कृव
- ६ चिकथयिषाञ्च-कार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः क कार
चिकथयिषाम्बभूव चिकथयिषामास
- ७ चिकथयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकथयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकथयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिकथयि
षिष्या-मि वः मः (अचिकथयिषिष्या-व म
- १० अचिकथयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१८८३ छेदण् (छेद्) द्वैधीकरणे

- १ चिच्छेदयिष-ति तः न्ति सिथः थ चिच्छेदयिषामि
- २ चिच्छेदयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ चिच्छेदयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिच्छेदयिषा-णि व म -व म
- ४ अचिच्छेदयिषत्ताम् नः तम् तम् अचिच्छेदयिषा
- ५ अचिच्छेदयि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म (कृव कृम
- ६ चिच्छेदयिषाञ्चकार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः क कार कर
चिच्छेदयिषाम्बभूव चिच्छेदयिषामास
- ७ चिच्छेदयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिच्छेदयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिच्छेदयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिच्छेदयि
षिष्या मि वः मः (अचिच्छेदयिषिष्या व म
- १० अचिच्छेदयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१८८२ श्रथण् (श्रथ्) दौर्बल्ये

- १ शिश्रथयिषति तः न्ति सिथः थ शिश्रथयिषामि वः
- २ शिश्रथयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ शिश्रथयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्रथयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अशिश्रथयिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिश्रथयि
- ५ अशिश्रथयि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ शिश्रथयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिश्रथयिषाञ्चकार शिश्रथयिषामास
- ७ शिश्रथयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्रथयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्रथयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शिश्रथयि
षिष्या-मि वः मः (अशिश्रथयिषिष्या-व म
- १० अशिश्रथयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१८८४ गदण् (गद्) गर्जे

- १ जिगदयिष-ति तः न्ति सिथः थ जिगदयिषामि वः
- २ जिगदयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ जिगदयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगदयिषा-णि व म -व म
- ४ अजिगदयिष-त्ताम् नः तम् तम् अजिगदयिष
- ५ अजिगदयि-षीत् पिष्टम् पिष्टुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म कृम
- ६ जिगदयिषाञ्चकार क्रतुः कृः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
जिगदयिषाम्बभूव जिगदयिषामास
- ७ जिगदयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगदयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगदयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जिगदयिषि
ष्या-मि वः मः (अजिगदयिषिष्या-व म
- १० अजिगदयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म

१८८५ अन्धण (अन्ध) दृष्ट्युपसंहारे

- १ अन्दिधयिष-ति तः न्ति सि थः थ अन्दिधयिषा मि
- २ अन्दिधयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ अन्दिधयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अन्दिधयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ आन्दिधयिष-त् ताम् न् : तम् तम् आन्दिधयि
- ५ आन्दिधयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृम
- ६ अन्दिधयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
अन्दिधयिषाश्चभूव अन्दिधयिषामास
- ७ अन्दिधयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अन्दिधयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अन्दिधयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अन्दिधयि
षिष्य-मि व मः (आन्दिधयिषिष्या-व म
- १० आन्दिधयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८८७ ध्वनण (ध्वन्) शब्दे

- १ दिध्वनयिष-ति तः न्ति सि थः थ दिध्वनयिषा-मि
- २ दिध्वनयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ दिध्वनयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिध्वनयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अदिध्वनयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अदिध्वनयि
- ५ अदिध्वनयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ दिध्वनयिषाश्चभू व वतुः वुः विथ वथु व व विव विम
दिध्वनयिषाश्चकार दिध्वनयिषामास
- ७ दिध्वनयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिध्वनयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिध्वनयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिध्वनयि
- १०

१८८६ स्तनण (स्तन्) गजे

- १ तिस्तनयिष-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तनयिषामिदः
- २ तिस्नयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ तिस्तनयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिस्तनयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अतिस्नयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतिस्नयि
- ५ अतिस्तनयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तिस्तनयिषाश्चभू-व वतुः वुः विथ वथु व व विव विम
तिस्तनयिषाश्चकार तिस्तनयिषामास
- ७ तिस्तनयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्तनयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्तनयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तनयिषि
ष्या-मि व मः (अतिस्तनयिषिष्या-व म
- १० अतिस्तनयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८८८ स्तेनण (स्तेन्) चोर्थे

- १ तिस्तेनयिष-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तेनयिषा-मि
- २ तिस्तेनयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ तिस्तेनयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तिस्तेनयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अतिस्तेनयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतिस्तेनयिषा
- ५ अतिस्तेनयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ तिस्तेनयिषाश्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
तिस्तेनयिषाश्चभूव तिस्तेनयिषामास
- ७ तिस्तेनयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तिस्तेनयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तिस्तेनयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तिस्तेनयिषि
ष्या-मि व मः (अतिस्तेनयिषिष्या-व म
- १० अतिस्तेनयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१८८९ ऊनण् (ऊन्) परिहाणे

- १ ऊननयिष-ति तः न्ति सि थः थ ऊननयिषा-मि
- २ ऊननयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ ऊननयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
ऊननयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ औननयिष-त्ताम् न् : तम् त म् औननयि
- ५ औननयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृम
- ६ ऊननयिषाश्चकार क्रतुः कुः कर्थं क्रथुः क कार कर कृव
ऊननयिषाम्बभूव ऊननयिषामास
- ७ ऊननयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ऊननयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ऊननयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ ऊननयिषि
ष्या-मि वः मः (औननयिषिष्या-व म
- १० औननयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्

१८९१ रूण् (रूप्) रूपक्रियायाम्

- १ रूरूपयिष-ति तः न्ति सि थः थ रूरूपयिषा-मि
- २ रूरूपयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ रूरूपयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रूरूपयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अरूरूपयिष-त्ताम् न् : तम् त म् अरूरूपयि-
- ५ अरूरूपयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रूरूपयिषाम्बभू व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रूरूपयिषाश्चकार रूरूपयिषामास
- ७ रूरूपयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रूरूपयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रूरूपयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रूरूपयिषि
ष्या मि वः मः (अरूरूपयिषिष्या-व म
- १० अरूरूपयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्

१८९० कृण् (कृष्) दौबल्ये

- १ चिकृपयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकृपयिषामिवः
- २ चिकृपयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व न [मः
- ३ चिकृपयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकृपयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अचिकृपयिष-त्ताम् न् : तम् त म् अचिकृपयि
- ५ अचिकृपयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिकृपयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिकृपयिषाश्चकार चिकृपयिषामास
- ७ चिकृपयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकृपयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकृपयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकृपयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिकृपयिषिष्या-व म
- १० अचिकृपयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्

१८९२ क्षण् (क्षप्) लाभण् प्रेरणे

- १ चिक्षपयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षपयिषा-मि
- २ चिक्षपयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ चिक्षपयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्षपयिषा-णि व म व म
- ४ अचिक्षपयिष-त्ताम् न् : तम् त म् अचिक्षपयिषा
- ५ अचिक्षपयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ चिक्षपयिषाश्चकार क्रतुः कुः कर्थं क्रथुः क कार कर कृव
चिक्षपयिषाम्बभूव चिक्षपयिषामास
- ७ चिक्षपयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्षपयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्षपयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्षपयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिक्षपयिषिष्या-व म
- १० अचिक्षपयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् त म्

१८९३ लाभण् (लाभ) प्रेरणे

- १ लिलाभयिषति तः न्ति सि थः थ लिलाभयिषामि वः
- २ लिलाभयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ लिलाभयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
लिलाभयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अलिलाभयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अलिलाभयि
- ५ अलिलाभयिषीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ लिलाभयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लिलाभयिषाश्चकार लिलाभयिषाम्बभूष
- ७ लिलाभयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलाभयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलाभयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ लिलाभयि
षिष्या-मि वः मः (अलिलाभयिषिष्या-व म
- १० अलिलाभयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१८९५ गोमण् (गोम्) उपलपने

- १ जुगोमयिष-ति तः न्ति सि थः थ जुगोमयिषा-मि वः
- २ जुगोमयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ जुगोमयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुगोमयिषा-णि व म (व म
- ४ अजुगोमयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अजुगोमयिषा
- ५ अजुगोमयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ जुगोमयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जुगोमयिषाश्चकार जुगोमयिषामास
- ७ जुगोमयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुगोमयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जुगोमयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुगोमयिषि
ष्या-मि वः मः (अजुगोमयिषिष्या-व म
- १० अजुगोमयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१८९४ भामण् (भाम्) क्राधे

- १ बिभामयिषति तः न्ति सि थः थ बिभामयिषामि वः
- २ बिभामयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ बिभामयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
बिभामयिषा-णि व म [षा-व म
- ४ अबिभामयिष-त् ताम् न् : तम् त म् अबिभामयि
- ५ अबिभामयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ बिभामयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बिभामयिषाश्चकार बिभामयिषामास
- ७ बिभामयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ बिभामयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि म् स्वः स्मः
- ९ बिभामयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ बिभामयि
षिष्या-मि वः मः (अबिभामयिषिष्या-व म
- १० अबिभामयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१८९६ सामण् (साम्) सान्त्वने

- १ सिसामयिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसामयिषा-मि
- २ सिसामयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ सिसामयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसामयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ असिसामयिष-त् ताम् न् : तम् त म् असिसामयि
- ५ असिसामयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिसामयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सिसामयिषाश्चकार सिसामयिषामास
- ७ सिसामयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसामयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसामयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसामयिषि
ष्या-मि वः मः (असिसामयिषिष्या-व म
- १० असिसामयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् त म्

१८९७ आमण् (आम्) अमान्त्रणे

- १ शिश्रामयिष-ति तः न्ति सिथः थ शिश्रामयिषामि वः
- २ शिश्रामयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म [मः
- ३ शिश्रामयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्रामयिषा-णि व म षा व म
- ४ अशिश्रामयिष-त्ताम् न् तम् तम् अशिश्रामयि
अशिश्रामयि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ५ शिश्रामयिषाम्बभूव वतुः कुः कथं कथुः क कार कर
शिश्रामयिषाम्बभूव शिश्रामयिषामास
- ७ शिश्रामयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्रामयिषिता-रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्रामयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शिश्रामयि
षिष्या-मि वः मः (अशिश्रामयिषिष्या-व म
- १० अशिश्रामयिषिष्य-त्ताम् न् तम् तम्

१८९९ वियण् (विय) वित्तसमुत्सर्गे

- १ विव्यययिष-ति तः न्ति सिथः थ विव्यययिषामि
- २ विव्यययिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म [मः
- ३ विव्यययिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विव्यययिषा-णि व म -व म
- ४ अविव्यययिषत्ताम् न् तम् तम् अविव्यययिषा
- ५ अविव्यययि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृव कृम
- ६ विव्यययिषाम्बभूव वतुः कुः कथं कथुः क कार कर
विव्यययिषाम्बभूव विव्यययिषामास
- ७ विव्यययिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विव्यययिषिता-रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विव्यययिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ विव्यययि
षिष्या मि वः मः अविव्यययिषिष्या द म
- १० अविव्यययिषिष्य-त्ताम् न् तम् तम्

१८९८ स्तोमण् (स्तोम्) श्लाघायाम्

- १ तुस्तोमयिष-ति तः न्ति सिथः थ तुस्तोमयिषामि
- २ तुस्तोमयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ तुस्तोमयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
तुस्तोमयिषा-णि व म व म
- ४ अतुस्तोमयिषत्ताम् न् तम् तम् अतुस्तोमयिषा
- ५ अतुस्तोमयि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व -कर कृम कृव
- ६ तुस्तोमयिषाम्बभूव वतुः कुः कथं कथुः क कार कर
तुस्तोमयिषाम्बभूव तुस्तोमयिषामास
- ७ तुस्तोमयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अतुस्तोमयिषिता-रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तुस्तोमयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ तुस्तोमयि
षिष्या-मि वः मः (अतुस्तोमयिषिष्या-व म
- १० अतुस्तोमयिषिष्य-त्ताम् न् तम् तम्

१९०० सूत्रण् (सूत्र) विमोचने

- १ सुसूत्रयिष-ति तः न्ति सिथः थ सुसूत्रयिषामि वः
- २ सुसूत्रयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (मः
- ३ सुसूत्रयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सुसूत्रयिषा-णि व म -व म
- ४ असुसूत्रयिषत्ताम् न् तम् तम् असुसूत्रयिषा
- ५ असुसूत्रयि-षीत्षिष्टाम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ सुसूत्रयिषाम्बभूव वतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव
सुसूत्रयिषाम्बभूव सुसूत्रयिषामास
- ७ सुसूत्रयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सुसूत्रयिषिता-रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सुसूत्रयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ सुसूत्रयिषि
ष्या-मि वः मः असुसूत्रयिषिष्या द म
- १० असुसूत्रयिषिष्य-त्ताम् न् तम् तम्

१९०१ मूत्रण (मूत्र) प्रकृषणे

- १ मुमूत्रयिषति-तः न्ति सि थः थ मुमूत्रयिषामि वः
- २ मुमूत्रयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ मुमूत्रयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मुमूत्रयिषा-णि व म [व म
- ४ अमुमूत्रयिषत् ताम् न् : तम् तम् अमुमूत्रयिषा
- ५ अमुमूत्रयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मुमूत्रयिषामास सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मुमूत्रयिषाश्चकार मुमूत्रयिषाम्बभूव
- ७ मुमूत्रयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मुमूत्रयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मुमूत्रयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मुमूत्रयिषि
ष्या-मि वः मः (अमुमूत्रयिषिष्या-व म
- १० अमुमूत्रयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१९०३ तीरण (तीर्) कर्मसमाप्तौ

- १ तित्तीरयिष-ति तः न्ति सि थः थ तित्तीरयिषामि वः
- २ तित्तीरयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ तित्तीरयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तित्तीरयिषा-णि व म व म
- ४ अतित्तीरयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतित्तीरयिषा
(षिष्व षिष्व
- ५ अतित्तीरयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
तित्तीरयिषाश्चकार तित्तीरयिषाम्बभूव
- ६ तित्तीरयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ तित्तीरयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तित्तीरयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तित्तीरयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तित्तीरयि
षिष्या-मि वः मः (अतित्तीरयिषिष्या-व म
- १० अतित्तीरयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१९०२ पारण (पार) कर्मसमाप्तौ

- १ पिपाययिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपाययिषामि-मि
- २ पिपाययिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ पिपाययिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपाययिषा-णि व म (व म
- ४ अपिपाययिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिपाययिषा
- ५ अपिपाययि-षीत् षिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्व
- ६ पिपाययिषाम्बभू-व वतुः वः विथ वथुः व व विव विम
पिपाययिषाश्चकार पिपाययिषामास
- ७ पिपाययिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपाययिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपाययिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपाययिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपाययिषिष्या-व म
- १० अपिपाययिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१९०४ कत्रण (कत्र) गात्रण शैथिल्ये

- १ चिकत्रयिषति-तः न्ति सि थः थ चिकत्रयिषामि वः
- २ चिकत्रयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ चिकत्रयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकत्रयिषा-णि व म व म
- ४ अचिकत्रयिषत् ताम् न् : तम् तम् अचिकत्रयिषा
- ५ अचिकत्रयि-षीत् षिष्टम् सिषुः षीः षिष्टम् सिष्ट सिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिकत्रयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिकत्रयिषाश्चकार चिकत्रयिषाम्बभूव
- ७ चिकत्रयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकत्रयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकत्रयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकत्रयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिकत्रयिषिष्या-व म
- १० अचिकत्रयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१९०५ गात्रण (गात्र) शैथिल्ये

- १ जिगात्रयिषति तः न्ति सि थः थ जिगात्रयिषामि वः
- २ जिगात्रयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ जिगात्रयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगात्रयिषा-णि व म [व म
- ४ अजिगात्रयिषत् ताम् नः : तम् तम् अजिगात्रयिषा
- ५ अजिगात्रयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ जिगात्रयिषामास सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जिगात्रयिषाञ्चकार जिगात्रयिषाम्बभूव
- ७ जिगात्रयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगात्रयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगात्रयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगात्रयिषि
ष्या-मि वः मः (अजिगात्रयिषिष्या-व म
- १० अजिगात्रयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

१९०७ छिद्रण (छिद्र) भेदे

- १ चिच्छिद्रयिषति तः न्ति सि थः थ चिच्छिद्रयिषामि
- २ चिच्छिद्रयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ चिच्छिद्रयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिच्छिद्रयिषा-णि व म (यिषाव म
- ४ अचिच्छिद्रयिष-त् ताम् नः : तम् तम् अचिच्छिद्र
- ५ अचिच्छिद्रयि-षीत् सिष्टम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
सिष्ट्व सिष्ट्व
- ६ चिच्छिद्रयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिच्छिद्रयिषाञ्चकार चिच्छिद्रयिषामास
- ७ चिच्छिद्रयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिच्छिद्रयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिच्छिद्रयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छिद्रयि
षिष्या-मि वः मः (अचिच्छिद्रयिषिष्या-व म
- १० अचिच्छिद्रयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

१९०६ चित्रण (कत्र्) चित्रक्रिया कदाचिद्दृष्ट्याः

- १ चिचित्रयिषति तः न्ति सि थः थ चिचित्रयिषामि वः
- २ चिचित्रयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ चिचित्रयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचित्रयिषा-णि व म व म
- ४ अचिचित्रयिषत् ताम् नः : तम् तम् अचिचित्रयिषा
- ५ अचिचित्रयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ चिचित्रयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चिचित्रयिषाञ्चकार चिचित्रयिषाम्बभूव
- ७ चिचित्रयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचित्रयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचित्रयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचित्रयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिचित्रयिषिष्या-व म
- १० अचिचित्रयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

१९०८ मिश्रण (मिश्र) संपर्चने

- १ मिमिश्रयिषति तः न्ति सि थः थ मिमिश्रयिषामि वः
- २ मिमिश्रयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ मिमिश्रयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमिश्रयिषा-णि व म व म
- ४ अमिमिश्रयिष-त् ताम् नः : तम् तम् अमिमिश्रयिषा
(विष्ट्व विष्ट्व
- ५ अमिमिश्रयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
मिमिश्रयिषाञ्चकार मिमिश्रयिषाम्बभूव
- ६ मिमिश्रयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ मिमिश्रयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमिश्रयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमिश्रयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमिश्रयि
षिष्या-मि वः मः (अमिमिश्रयिषिष्या-व म
- १० अमिमिश्रयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् तम्

१९०९ वरण् (वर) ईप्तायाम्

- १ विवरयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवरयिषा-मि वः
- २ विवरयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
- ३ विवरयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विवरयिषा-णि व म -व म
- ४ अविवरयिष-त्ताम् नः तम् तम् अविवरयिषा
- ५ अविवरयि-षीत्षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृव कृम
- ६ विवरयिषाश्चकार क्रतुः कृः कर्थं क्रथुः क कार कर
विवरयिषाम्बभूव विवरयिषामास
- ७ विवरयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवरयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवरयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवरयिषि
ष्या-मि वः मः (अविवरयिषिष्या-व म
- १० अविवरयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९११ शरण् (शार) दीर्घल्ये

- १ शिशारयिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशारयिषा-मि वः
- २ शिशारयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ शिशारयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशारयिषा-णि व म -व म
- ४ अशिशारयिष-त्ताम् नः तम् तम् अशिशारयिष
- ५ अशिशारयि-षीत्षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ शिशारयिषाश्चकार क्रतुः कृः कर्थं क्रथुः क कार कर कृव
शिशारयिषाम्बभूव शिशारयिषामास
- ७ शिशारयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशारयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशारयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशारयिषि
ष्या-मि वः मः (अशिशारयिषिष्या-व म
- १० अशिशारयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९१० स्वरण् (स्वर) आक्षेपे

- १ सिस्वरयिष-ति तः न्ति सि थः थ सिस्वरयिषा-मि वः
- २ सिस्वरयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ सिस्वरयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सिस्वरयिषा-णि व म (षा व म
- ४ असिस्वरयिष-त्ताम् नः तम् तम् असिस्वरयि
- ५ असिस्वरयि-षीत्षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ सिस्वरयिषाश्चकार क्रतुः कृः कर्थं क्रथुः क कार कर
सिस्वरयिषाम्बभूव सिस्वरयिषामास
- ७ सिस्वरयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिस्वरयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिस्वरयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिस्वरयिषि
ष्या-मि वः मः (असिस्वरयिषिष्या-व म
- १० असिस्वरयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९१२ कुमारण् (कुमार) क्रीडायां

- १ चुकुमारयिष-ति तः न्ति सि थः थ चुकुमारयिषा-मि वः
- २ चुकुमारयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ चुकुमारयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चुकुमारयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अचुकुमारयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचुकुमारयि
- ५ अचुकुमारयि-षीत्षिष्टम् षिषु षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कर कृम कृव
- ६ चुकुमारयिषाश्चकार क्रतुः कृः कर्थं क्रथुः क कार कर
चुकुमारयिषाम्बभूव चुकुमारयिषामास
- ७ चुकुमारयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चुकुमारयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चुकुमारयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चुकुमारयि
षिष्या-मि वः मः (अचुकुमारयिषिष्या-व म
- १० अचुकुमारयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९१३ कलण् (कल्) संस्थानगत्योः

- १ चिकलयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकलयिषा-मि
- २ चिकलयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ चिकलयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकलयिषा-णि व म व म
- ४ अचिकलयिष-त्ताम् नः तम् त म् अचिकलयिषा
- ५ अचिकलयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ चिकलयिषाश्च-कार क्तुः कृः कथं कथुः क कार कर कृव
चिकलयिषाम्बभूव चिकलयिषामास
- ७ चिकलयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकलयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकलयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकलयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिकलयिषिष्या-व म
- १० अचिकलयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

१९१५ वेलेण् (वेल्) उपदेशे

- १ विवेलयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवेलयिषामि वः
- २ विवेलयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व न [मः
- ३ विवेलयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विवेलयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अविवेलयिष-त्ताम् नः तम् त म् अविवेलयि
- ५ अविवेलयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवेलयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विवेलयिषाश्चकार विवेलयिषामास
- ७ विवेलयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवेलयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवेलयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवेलयिषि
ष्या-मि वः मः (अविवेलयिषिष्या-व म
- १० अविवेलयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

१९१४ शीलण् (शील्) उपधारणे

- १ शिशीलयिष-ति तः न्ति सि थः थ शिशीलयिषामि
- २ शिशीलयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ शिशीलयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशीलयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अशिशीलयिष-त्ताम् नः तम् त म् अशिशीलयि
- ५ अशिशीलयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ शिशीलयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशीलयिषाश्चकार शिशीलयिषामास
- ७ शिशीलयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशीलयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशीलयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिशीलयिषि
ष्या-मि वः मः (अशिशीलयिषिष्या-व म
- १० अशिशीलयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

१९१६ कालण् (काल्) उपदेशे

- १ चिकालयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकालयिषामि
- २ चिकालयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ चिकालयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिकालयिषा-णि व म (यिषा-व म
- ४ अचिकालयिष-त्ताम् नः तम् त म् अचिकाल
- ५ अचिकालयिषीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृम
- ६ चिकालयिषाश्चकार क्तुः कृः कथं कथुः क कार कर कृव
चिकालयिषाम्बभूव चिकालयिषामास
- ७ चिकालयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकालयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकालयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकालयि
षिष्य-मि वः मः (अचिकालयिषिष्या-व म
- १० अचिकालयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्

१९१७ पल्यूलण् (पल्यूल) लवनपवनयोः

- १ पिपल्यूलयिषति तः न्ति सि थः थ पिपल्यूलयिषामि
- २ पिपल्यूलयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
- ३ पिपल्यूलयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
पिपल्यूलयिषा-णि व म यिषा-व म
- ४ अपिपल्यूलयिषत्ताम् नः तम् तम् अपिपल्यूल
- ५ अपिपल्यूलयि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृव कृम
- ६ पिपल्यूलयिषाञ्चकार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
पिपल्यूलयिषाम्बभूव पिपल्यूलयिषामास
- ७ पिपल्यूलयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपल्यूलयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपल्यूलयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपल्यूलयि
षिष्या-मि वः मः (अपिपल्यूलयिषिष्या-व म
- १० अपिपल्यूलयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९१९ पषण् (पष्) अनुपसर्गः

- १ पिपषयिषति तः न्ति सि थः थ पिपषयिषा-मि वः
- २ पिपषयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ पिपषयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
पिपषयिषा-णि व म -व म
- ४ अपिपषयिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिपषयिष
- ५ अपिपषयि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ पिपषयिषाञ्चकार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
पिपषयिषाम्बभूव पिपषयिषामास
- ७ पिपषयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपषयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपषयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपषयिषि
ष्या-मि वः मः (अपिपषयिषिष्या-व म
- १० अपिपषयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९१८ अंशण् (अंश्) समाघाते

- १ अंशिशयिष-ति तः न्ति सि थः थ अंशिशयिषा-मि वः
- २ अंशिशयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ अंशिशयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
अंशिशयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अंशिशयिष-त्ताम् नः तम् तम् अंशिशयि
- ५ अंशिशयि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ अंशिशयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
अंशिशयिषाञ्चकार अंशिशयिषामास
- ७ अंशिशयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अंशिशयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अंशिशयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अंशिशयिषि
ष्या-मि वः मः (अंशिशयिषिष्या-व म
- १० अंशिशयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९२० गवेषण् (गवेष्) मार्गणे

- १ जिगवेषयिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगवेषयिषा मि
- २ जिगवेषयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ जिगवेषयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात्ताम् त
जिगवेषयिषा-णि व म षा-व म
- ४ जिगवेषयिष-त्ताम् नः तम् तम् जिगवेषयि
- ५ जिगवेषयि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कर कृम कृव
- ६ जिगवेषयिषाञ्चकार क्तुः कुः कर्थ कथुः क कार
जिगवेषयिषाम्बभूव जिगवेषयिषामास
- ७ जिगवेषयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगवेषयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगवेषयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगवेषयि
षिष्या-मि वः मः (जिगवेषयिषिष्या-व म
- १० जिगवेषयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९२१ मृषण् (मृष्) क्षान्तौ

- १ मिमृषयिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमृषयिषा-मि
- २ मिमृषयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ मिमृषयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमृषयिषा-णि व म व म
- ४ अमिमृषयिषत्ताम् नः तम् तम् अमिमृषयिषा
- ५ अमिमृषयि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व कृम
- ६ मिमृषयिषाञ्च-कार क्रतुः कुः कर्थकथुः क कार कर कृव
मिमृषयिषाञ्चभूव मिमृषयिषामास
- ७ मिमृषयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमृषयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमृषयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमृषयिषि
ष्या-मि वः मः (अमिमृषयिषिष्या-व म
- १० अमिमृषयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९२३ वासण् (वास्) उपसेवायाम्

- १ विवासयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवासयिषामि वः
- २ विवासयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व न [मः
- ३ विवासयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
विवासयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अविवासयिष-त्ताम् नः तम् तम् अविवासयि
- ५ अविवासयि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ विवासयिषाञ्चभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
विवासयिषाञ्चकार विवासयिषामास
- ७ विवासयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवासयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवासयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवासयिषि
ष्या-मि वः मः (अविवासयिषिष्या-व म
- १० अविवासयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९२२ रसण् (रस्) आस्वादनस्नेहनयोः

- १ रिरसयिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरसयिषा-मि
- २ रिरसयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ रिरसयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरसयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अरिरसयिष-त्ताम् नः तम् तम् अरिरसयि-
- ५ अरिरसयि-षीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरसयिषाञ्चभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
रिरसयिषाञ्चकार रिरसयिषामास
- ७ रिरसयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरसयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरसयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरसयिषि
ष्या-मि वः मः (अरिरसयिषिष्या-व म
- १० अरिरसयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९२४ निवासण् (निवास्) आच्छादने

- १ निनिवासयिष-ति तः न्ति सि थः थ निनिवासयिषामि
- २ निनिवासयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ निनिवासयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
निनिवासयिषा-णि व म (यिषा-व म
- ४ अनिनिवासयिष-त्ताम् नः तम् तम् अनिनिवास
- ५ अनिनिवासयिषीत्षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व (कृम
- ६ निनिवासयिषाञ्चकार क्रतुः कुः कर्थकथुः क कार कर कृव
निनिवासयिषाञ्चभूव निनिवासयिषामास
- ७ निनिवासयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ निनिवावयिषिता-" रौरः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ निनिवासयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ निनिवास
यिषिष्य-मि वः मः (अनिनिवासयिषिष्या-व म
- १० अनिनिवासयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९२५ चहण् (चह्) कल्कने

- १ चिचहयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिचहयिषामि वः
- २ चिचहयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ चिचहयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचहयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अचिचहयिष-त्ताम् न् : तम् तम् अचिचहयि
- ५ अचिचहयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ चिचहयिषाम्बभूव वतुः दुः स्थि वथुः व व विव विम
चिचहयिषाञ्चकार चिचहयिषामास
- ७ चिचहयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिचहयिषि
ष्यामि वः मः (अचिचहयिषिष्या-व म
- १० अचिचहयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

१९२७ रहण् (रह्) त्यागे

- १ रिरहयिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरहयिषा-
- २ रिरहयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः
- ३ रिरहयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरहयिषा-णि व म (षा-व म
- ४ अरिरहयिष-त्ताम् न् : तम् तम् अरिरहयि
- ५ अरिरहयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरहयिषाम्बभूव वतुः दुः स्थि वथुः व व विव वि
रिरहयिषाञ्चकार रिरहयिषामास
- ७ रिरहयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरहयिषि
ष्यामि वः मः (अरिरहयिषिष्या-व म
- १० अरिरहयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

१९२६ महण् (मह्) पूजायाम्

- १ मिमहयिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमहयिषा-मि वः
- २ मिमहयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ मिमहयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमहयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अमिमहयिष-त्ताम् न् : तम् तम् अमिमहयि
- ५ अमिमहयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ मिमहयिषाम्बभूव वतुः दुः स्थि वथुः व व विव विम
मिमहयिषाञ्चकार मिमहयिषामास
- ७ मिमहयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमहयिषि
ष्यामि वः मः (अमिमहयिषिष्या-व म
- १० अमिमहयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

१९२८ रहण् (रह्) गतौ

- १ रिरंहयिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरंहयिषा-मि वः
- २ रिरंहयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ रिरंहयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरंहयिषा-णि व म [षा-व म
- ४ अरिरंहयिष-त्ताम् न् : तम् तम् अरिरंहयि-
- ५ अरिरंहयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्व
- ६ रिरंहयिषाम्बभूव वतुः दुः स्थि वथुः व व विव विम
रिरंहयिषाञ्चकार रिरंहयिषामास
- ७ रिरंहयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरंहयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि सम् स्वः स्मः
- ९ रिरंहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरंहयिषि
ष्यामि वः मः (अरिरंहयिषिष्या-व म
- १० अरिरंहयिषिष्य-त्ताम् न् : तम् तम्

१९२९ स्तुहण् (स्तुह्) ईप्सायाम्

- १ पिस्वृहयिष-ति तः न्ति सि थः थ पिस्वृहयिषामि वः
- २ पिस्वृहयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (मः)
- ३ पिस्वृहयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
पिस्वृहयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अपिस्वृहयिष-त्ताम् नः तम् तम् अपिस्वृहयि
- ५ अपिस्वृहयि-षीत् षिष्टाम् षिष्टुः षी षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ पिस्वृहयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिस्वृहयिषाञ्चकार पिस्वृहयिषाम्बभूव
- ७ पिस्वृहयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिस्वृहयिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिस्वृहयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिस्वृहयिषि
ष्यामि व मः (अपिस्वृहयिषिष्या-व म)
- १० अपिः पृहयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९३१ मृगणि (मृग्) अन्वेषणे

- १ मिमृगयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमृगयिषे-त्ताताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मिमृगयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अमिमृगयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमृगयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ मिमृगयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मिमृगयिषाञ्चके मिमृगयिषाम्बभूव [वहि महि
- ७ मिमृगयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य
- ८ मिमृगयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमृगयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमृगयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१९३० रुक्षण् (रुक्ष्) पारुष्ये

- १ रुक्षयिष-ति तः न्ति सि थः थ रुक्षयिषामि
- २ रुक्षयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ रुक्षयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
रुक्षयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अरुक्षयिष-त्ताम् नः तम् तम् अरुक्षयि
- ५ अरुक्षयि-षीत् षिष्टाम् षिष्टुः षी षिष्टम् षिष्ट षिष्टम्
षिष्ट्व षिष्टम्
- ६ रुक्षयिषाम्बभूव वतुः सुः सिथ वथुः व व विव विम
रुक्षयिषाञ्चकार रुक्षयिषामास
- ७ रुक्षयिष्या-त्स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रुक्षयिषिता-" रौ रः सिस्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रुक्षयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रुक्षयिषि
ष्यामि व मः (अरुक्षयिषिष्या-व म)
- १० अरुक्षयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९३२ अर्थणि (अर्थ्) उपयाचने

- १ अर्त्थयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ अर्त्थयिषे-त्ताताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अर्त्थयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अर्त्थयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अर्त्थयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ अर्त्थयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
अर्त्थयिषाञ्चके अर्त्थयिषाम्बभूव (वहि महि
- ७ अर्त्थयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य
- ८ अर्त्थयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अर्त्थयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अर्त्थयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१९३३ पदणि (पद्) गतौ

- १ पिपदयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ पिपदयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पिपदयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अपिपदयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपिपदयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ पिपदयिषाञ्चक्रेकातेकिरेकृषेकाथे कृद्वेक्रेकृवहेकृमहे
पिपदयिषाम्बभूव पिपदयिषामास (वहि महि
- ७ पिपदयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ पिपदयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पिपदयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिपदयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१९३५ शूरणि (शूर) विक्रान्तौ

- १ शुशूरयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ शुशूरयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शुशूरयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अशुशूरयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशुशूरयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ शुशूरयिषाञ्चक्रेकातेकिरेकृषेकाथे कृद्वेक्रेकृवहेकृमहे
शुशूरयिषाम्बभूव शुशूरयिषामास [वहि महि
- ७ शुशूरयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ शुशूरयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शुशूरयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशुशूरयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१९३४ संग्रामणि (संग्राम) युद्धे

- १ सिसंग्रामयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ सिसंग्रामयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिसंग्रामयिषताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ असिसंग्रामयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ असिसंग्रामयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ सिसंग्रामयिषाञ्चक्रेकातेकिरेकृषेकाथे कृद्वेक्रेकृवहेकृमहे
सिसंग्रामयिषाम्बभूवसिसंग्रामयिषामास (वहि महि
- ७ सिसंग्रामयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ सिसंग्रामयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिसंग्रामयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असिसंग्रामयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१९३६ विरणि (वीर) विक्रान्तौ

- १ विवीरयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ विवीरयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवीरयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अविवीरयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अविवीरयिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ विवीरयिषाञ्चक्रेकातेकिरेकृषेकाथे कृद्वेक्रेकृवहेकृमहे
विवीरयिषाम्बभूव विवीरयिषामास (वहि महि
- ७ विवीरयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ विवीरयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवीरयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवीरयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१९३७ सत्रणि (सत्र्) संदानक्रियायाम्

- १ सिसत्रयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ सिसत्रयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सिसत्रयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- असिसत्रयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ असिसत्रयिषि-ष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इड्वम् ध्वम्
- ६ सिसत्रयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम सिसत्रयिषाञ्चक्रे सिसत्रयिषाम्बभूव [वहि महि
- ७ सिसत्रयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ सिसत्रयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सिसत्रयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे [प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० असिसत्रयिषिष्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१९३९ गर्बणि (गर्ब्) माने

- १ जिगर्बयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिगर्बयिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिगर्बयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजिगर्बयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजिगर्बयिषिष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इड्वम् ध्वम्
- ६ जिगर्बयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जिगर्बयिषाञ्चक्रे जिगर्बयिषामास (वहि महि
- ७ जिगर्बयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ जिगर्बयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिगर्बयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजिगर्बयिषिष्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१९३८ स्थूलणि (स्थूल्) परिवृद्धणे

- १ तुस्थूलयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ तुस्थूलयिषेत याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तुस्थूलयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अतुस्थूलयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अतुस्थूलयिषिष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इड्वम् ध्वम्
- ६ तुस्थूलयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तुस्थूलयिषाञ्चक्रे तुस्थूलयिषाम्बभूव (वहि महि
- ७ तुस्थूलयिषिषीष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ तुस्थूलयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तुस्थूलयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अतुस्थूलयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

१९४० गृहणि (गृह्) ग्रहणे

- १ जिगृहयि-पते पते पन्ते पसे पथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ जिगृहयिषेत याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जिगृहयि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पथाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अजिगृहयि-पत पेटाम् पन्त पथाः पथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि प्वहि प्महि
- ५ अजिगृहयिषिष्ट पाताम् पत घ्राः पाथाम् इड्वम् ध्वम्
- ६ जिगृहयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जिगृहयिषाञ्चकार जिगृहयिषामास वहि महि
- ७ जिगृहयिषिषी-ष्ट याताम् रन् घ्राः याथाम् ध्वम् य
- ८ जिगृहयिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जिगृहयिषि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्यध्वम् प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजिगृहयिषि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम्

११४१ कुहणि (कुह्) विस्मापने

- १ चुकुहयि-पते पते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ चुकुहयिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चुकुहयि-पताम् पेताम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पावहे पामहे
- ४ अचुकुहयि-पत पेताम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (प ध्वहि ध्महि
- ५ अचुकुहयिषि ष्ट पाताम् पत ष्ठा पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चुकुहयिषाञ्चक्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे चुकुहयिषाम्बभूव चुकुहयिषामास (य वहि महि
- ७ चुकुहयिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः याथाम् ध्वम्
- ८ चुकुहयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चुकुहयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचुकुहयिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११४३ लीण् (ली) ब्रवीकरणे

- १ लिलीनयिषतितः न्ति सि थः थ लिलीनयिषामि वः
- २ लिलीनयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ लिलीनयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त लिलीनयिषा-णि व म व म
- ४ अलिलीनयिषत्ताम् नः तम् तम् अलिलीनयिषा
- ५ अलिलीनयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम् षिष्व षिष्म
- ६ लिलीनयिषामास सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम लिलीनयिषाञ्चकार लिलीनयिषाम्बभूव
- ७ लिलीनयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ लिलीनयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ लिलीनयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ लिलीनयिषि ष्या-मि वः मः (अलिलीनयिषिष्या-व म
- १० अलिलीनयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम् पक्षे लिलीनयि-इति स्थाने लिलाययि इति लिलयि इति च ज्ञेयम्

११४२ युजण् (युज्) संपर्चने

- १ युयोजयिषतितः न्ति सि थः थ युयोजयिषामि वः
- २ युयोजयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ युयोजयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त युयोजयिषा-णि व म [व म
- ४ अयुयोजयिषत्ताम् नः तम् तम् अयुयोजयिषा
- ५ अयुयोजयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम् षिष्व षिष्म
- ६ युयोजयिषामास सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम युयोजयिषाञ्चकार युयोजयिषाम्बभूव
- ७ युयोजयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ युयोजयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ युयोजयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ युयोजयिषि ष्या-मि वः मः (अयुयोजयिषिष्या-व म
- १० अयुयोजयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम् पक्षे युयोजयि-स्थाने युयुजि इति युयोजि इति च ज्ञेयम्

११४४ मीण् (मी) मतौ

- १ मिमाययिषतितः न्ति सि थः थ मिमाययिषामि
- २ मिमाययिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ मिमाययिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त मिमाययिषा-णि व म (यिषाव म
- ४ अमिमाययिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमाय
- ५ अमिमाययि-षीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम् सिष्व सिष्म
- ६ मिमाययिषाम्बभू व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम मिमाययिषाञ्चकार मिमाययिषामास
- ७ मिमाययिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमाययिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमाययिषिष्यति तः न्ति सि थः थ मिमाययि षिष्या-मि वः मः (अमिमाययिषिष्या-व म
- १० अमिमाययिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम् मिमाययि-स्थाने पक्षे मिमयि इति ज्ञेयम्

१९४२ प्रीगुण (प्री) तर्पने

- १ पिप्रीणयिष-ति तः न्ति सि थः थ पिप्रीणयिषामिवः
- २ पिप्रीणयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ पिप्रीणयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिप्रीणयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अपिप्रीणयिष-त् ताम् नः तम् त म् अपिप्रीणयि
- ५ अपिप्रीणयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ पिप्रीणयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिप्रीणयिषाश्चकार पिप्रीणयिषामास
- ७ पिप्रीणयिष्या-त् स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिप्रीणयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिप्रीणयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिप्रीणयिषि
ष्या-मि व मः (अपिप्रीणयिषिष्या-व म
- १० अपिप्रीणयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्षे पिप्रीणयि-स्थाने पिप्रयि इतिज्ञेयम्

१९४६ धुगुण (धृ) कम्पने

- १ दुधूनयिष-ति तः न्ति सि थः थ दुधूनयिषामि
- २ दुधूनयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ दुधूनयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दुधूनयिषा-णि व म (यिषा-व म
- ४ अदुधूनयिष-त् ताम् नः तम् त म् अदुधून
- ५ अदुधूनयिषीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व (कृम
- ६ दुधूनयिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार करकृष
दुधूनयिषाम्बभूष दुधूनयिषामास
- ७ दुधूनयिष्या-त् स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दुधूनयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दुधूनयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दुधूनयिषि
ष्य-मि व मः (अदुधूनयिषिष्या-व म
- १० अदुधूनयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्षे (धृगृद्) १२९१ इति वद्रूपाणि

१९४७ वृगुण (वृ) आवरणे

- १ पिप्रयि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षाहे षामहे
- २ पिप्रयिषे-त् याताम् रन्थाः याथाम् ध्वं य वहि महि
- ३ पिप्रयि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षाहै षामहै
- ४ अपिप्रयि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपिप्रयिषि-ष्ट षाताम् षन्त षाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ पिप्रयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पिप्रयिषाश्चक्रे पिप्रयिषामास (य वहि महि
- ७ पिप्रयिषिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ पिप्रयिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वेहे स्महे
- ९ पिप्रयिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपिप्रयिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ विषारयिष-ति तः न्ति सि थः थ विषारयिषामि
- २ विषारयिषे-त् ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ विषारयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
विषारयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अविषारयिष-त् ताम् नः तम् त म् अविषारयि
- ५ अविषारयि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्व
- ६ विषारयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
विषारयिषाश्चकार विषारयिषामास
- ७ विषारयिष्या-त् स्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विषारयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विषारयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विषारयिषि
ष्या-मि व मः (अविषारयिषिष्या-व म
- १० अविषारयिषिष्य-त् ताम् नः तम् त म्
पक्षे (वृगृद्) १२९४ इति वद्रूपाणि

१९४८ जृण् (जृ) षयोदानौ

- १ जिजारयिष-ति तः न्ति सिथः थ जिजारयिषामि
- २ जिजारयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ जिजारयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिजारयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अजिजारयिषत्ताम् नः तम् त म् अजिजारयि
- ५ अजिजारयि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म कर कृम कृव
- ६ जिजारयिषाश्चकार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर
जिजारयिषाम्बभूव जिजारयिषामास
- ७ जिजारयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिजारयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिजारयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ जिजारयि
षिष्या-मि वः मः (अजिजारयिषिष्या-व म
- १० अजिजारयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्
पक्षे जृषच् ११४५ षद्रूपाणि

१९५० शीकण् (शा) आमर्षणे

- १ शिशिकयिषति तः न्ति सिथः थ शिशिकयिषामि
- २ शिशिकयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः]
- ३ शिशिकयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिशिकयिषा-णि व म यिषा-व म
- ४ अशिशिकयिषत्ताम् नः तम् त म् अशिशिक
- ५ अशिशिकयि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म (कृव कृम
- ६ शिशिकयिषाश्चकार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर
शिशिकयिषाम्बभूव शिशिकयिषामास
- ७ शिशिकयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशिकयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशिकयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ शिशिकयि
षिष्या-मि वः मः (अशिशिकयिषिष्या-व म
- १० अशिशिकयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्
पक्षे शिशिकयि-स्थाने शिशिकि-इतिज्ञेयम्

१९४९ चोक्ण् (चीक्) आमर्षणे

- १ चिचीकयिष-ति तः न्ति सिथः थ चिचीकयिषामि वः
- २ चिचीकयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः]
- ३ चिचीकयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिचीकयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अचिचीकयिष-त्ताम् नः तम् त म् अचिचीकयि
- ५ अचिचीकयि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म
- ६ चिचीकयिषाश्चकार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
चिचीकयिषाम्बभूव चिचीकयिषामास
- ७ चिचीकयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिचीकयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिचीकयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ चिचीकयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिचीकयिषिष्या-व म
- १० अचिचीकयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्
पक्षे चिचीकयि-स्थाने चिचीकि-इतिज्ञेयम्

१९५१ मार्गण् (मार्ग) अन्वेषणे

- १ मिमार्गयिषति तः न्ति सिथः थ मिमार्गयिषामि वः
- २ मिमार्गयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ मिमार्गयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमार्गयिषा-णि व म -व म
- ४ अमिमार्गयिष-त्ताम् नः तम् त म् अमिमार्गयिष
- ५ अमिमार्गयि-षीत् विष्टम् विषुः षीः विष्टम् विष्ट विषम्
विष्व विष्म कृम
- ६ मिमार्गयिषाश्चकार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
मिमार्गयिषाम्बभूव मिमार्गयिषामास
- ७ मिमार्गयिष्या-त्ताम् युः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमार्गयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमार्गयिषिष्य-ति तः न्ति सिथः थ मिमार्गयिषि
ष्या-मि वः मः (अमिमार्गयिषिष्या-व म
- १० अमिमार्गयिषिष्य-त्ताम् नः तम् त म्
पक्षे मिमार्गयि-स्थाने मिमार्गि-इतिज्ञेयम्

१९५२ पृष्ठण् (पृष्) सपर्चने

- १ पिपर्चयिष-ति तः न्ति सि थः थ पिपर्चयिषामि वः
- २ पिपर्चयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ पिपर्चयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
पिपर्चयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अपिपर्चयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अपिपर्चयि
- ५ अपिपर्चयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ पिपर्चयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पिपर्चयिषाश्चकार पिपर्चयिषाम्बभूव
- ७ पिपर्चयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ पिपर्चयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ पिपर्चयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ पिपर्चयिषि
ष्यामि वः मः (अपिपर्चयिषिष्या-व म)
- १० अपिपर्चयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे पिपर्चयि-स्थाने पिपर्चि-इति ज्ञेयम्

१९५३ रिचण् (रिच्) वियोजनेष

- १ रिरेचयिष-ति तः न्ति सि थः थ रिरेचयिषा-मि वः
- २ रिरेचयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मेः)
- ३ रिरेचयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
रिरेचयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अरिरेचयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अरिरेचयि
- ५ अरिरेचयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व षिष्म
- ६ रिरेचयिषाम्बभू ववतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
रिरेचयिषाश्चकार रिरेचयिषामास
- ७ रिरेचयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ रिरेचयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ रिरेचयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ रिरेचयिषि
ष्यामि वः मः (अरिरेचयिषिष्या-व म)
- १० अरिरेचयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे रिरेचयि-स्थाने रिरेचि-इति रिरेचि
इति च ज्ञेयम् ।

१९५४ वचण् (वच्) भाषणे

- १ विवाचयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवाचयिषामि वः
- २ विवाचयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ विवाचयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम्
विवाचयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अविवाचयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अविवाचयि
- ५ अविवाचयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व पिष्म
- ६ विवाचयिषाम्बभू ववतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
विवाचयिषाश्चकार विवाचयिषामास
- ७ विवाचयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवाचयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवाचयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवाचयिषि
ष्यामि वः मः (अविवाचयिषिष्या-व म)
- १० अविवाचयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे विवाचयि-स्थाने विवचि-इति ज्ञेयम्

१९५५ अचिण् (अच्) पूजायाम्

- १ अचिचयिषति तः न्ति सि थः थ अचिचयिषा-मि वः
- २ अचिचयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ अचिचयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
अचिचयिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ आचिचयिष-त् ताम् न् : तम् तम् आचिचयि-
- ५ आचिचयि-षीत् षिष्टम् षिषुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम्
षिष्व पिष्म
- ६ अचिचयिषाम्बभू ववतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
अचिचयिषाश्चकार अचिचयिषामास
- ७ अचिचयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ अचिचयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि मम् स्वः स्मः
- ९ अचिचयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अचिचयिषि
ष्यामि वः मः (आचिचयिषिष्या-व म)
- १० आचिचयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

- १ अर्चिचि-पते पेटे पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पाहे पामहे
- २ अर्चिचिपे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अर्चिचि-पताम् पेटाम् पन्ताम् पस्व पेथाम् पध्वम् पे पाहे पामहे
- ४ अर्चिचि-पत पेटाम् पन्त पथाः पेथाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अर्चिचिषि-ष्ट याताम् पन्त ष्ठाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ अर्चिचिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम अर्चिचिषाश्चक्रे अर्चिचिषामास (य वहि महि
- ७ अर्चिचिषिषी-ष्ट याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ अर्चिचिषिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
- ९ अर्चिचिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अर्चिचिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

१९५७ मृजौण् (मृज्) शोचालङ्कारयोः

- १ मिमार्जयिष-ति तः न्ति सि थः थ मिमार्जयिषामि वः
- २ मिमार्जयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म [मः
- ३ मिमार्जयिष-तु तात्ताम् न्तु ” तात् तम् त मिमार्जयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अमिमार्जयिष-त्ताम् न्ः तम् तम् अमिमार्जयि
- ५ अमिमार्जयि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम् पिष्व पिष्म
- ६ मिमार्जयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम मिमार्जयिषाश्चकार मिमार्जयिषामास
- ७ मिमार्जयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमार्जयिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमार्जयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमार्जयिषिष्या-मि व मः (अमिमार्जयिषिष्या-व म
- १० अमिमार्जयिषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम् पक्षे (मृजौक्) १०८७ इतिवद्रूपम्

१९५६ वृजैण् (वृज्) वर्जने

- १ विवर्जयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवर्जयिषामि
- २ विवर्जयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ विवर्जयिष-तु तात्ताम् न्तु ” तात् तम् त विवर्जयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अविवर्जयिष-त्ताम् न्ः तम् तम् अविवर्जयि
- ५ अविवर्जयि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम् पिष्व पिष्म
- ६ विवर्जयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम विवर्जयिषाश्चकार विवर्जयिषामास
- ७ विवर्जयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवर्जयिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवर्जयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवर्जयिषिष्या-मि व मः (अविवर्जयिषिष्या-व म
- १० अविवर्जयिषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम् पक्षे विवर्जयि-स्थाने विवर्जि-ज्ञेयम्

१९५८ कण्टुण् (कण्ट्) शोके

- १ चिकण्टयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिकण्टयिषामि
- २ चिकण्टयिषे-त्ताम् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ चिकण्टयिष-तु तात्ताम् न्तु ” तात् तम् त चिकण्टयिषा-णि व म (यिषा-व म
- ४ अचिकण्टयिष-त्ताम् न्ः तम् तम् अचिकण्ट
- ५ अचिकण्टयिषीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम् पिष्व पिष्म (कृम
- ६ चिकण्टयिषाश्चकार कतुः कृः कथं कथुः ककार करकृ चिकण्टयिषाम्बभू चिकण्टयिषामास
- ७ चिकण्टयिष्या-त्ताम् सुः स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिकण्टयिषिता-” रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिकण्टयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिकण्टयिषिष्या-मि व मः (अचिकण्टयिषिष्या-व म
- १० अचिकण्टयिषिष्य-त्ताम् न्ः तम् तम् पक्षे चिकण्टयि-स्थाने चिकण्ट-इतिज्ञेयम्

१९६९ ग्रन्थण् (ग्रन्थ) सन्दर्भे

- १ शिश्रन्थयिषति-तः न्ति सि थः थ शिश्रन्थयिषामि
- २ शिश्रन्थयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
- ३ शिश्रन्थयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
शिश्रन्थयिषा-णि व म यिषा-व म
- ४ अशिश्रन्थयिषत्ताम् नः तम् तम् अशिश्रन्थ
- ५ अशिश्रन्थयि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म (कृव कृम
- ६ शिश्रन्थयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
शिश्रन्थयिषाम्बभूव शिश्रन्थयिषामास
- ७ शिश्रन्थयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्रन्थयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्रन्थयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्रन्थयि
षिष्या-मि वः मः (अशिश्रन्थयिषिष्या-व म
- १० अशिश्रन्थयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे शिश्रन्थयि स्थाने शिश्रन्थि-इतिज्ञेयम्

१९६१ क्रथण् (क्रथ) हिंसायाम्

- १ चिक्राथयिष-ति तः न्ति सि थः थ चिक्राथयिषा-मि वः
- २ चिक्राथयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ चिक्राथयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
चिक्राथयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अचिक्राथयिष-त्ताम् नः तम् तम् अचिक्राथयि
- ५ अचिक्राथयि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ चिक्राथयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चिक्राथयिषाञ्चकार चिक्राथयिषामास
- ७ चिक्राथयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ चिक्राथयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ चिक्राथयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिक्राथयिषि
ष्या-मि वः मः (अचिक्राथयिषिष्या-व म
- १० अचिक्राथयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे चिक्राथयि-स्थाने चिक्राथि-इतिज्ञेयम्

१९६० ग्रन्थण् (ग्रन्थ) मन्दर्भे

- १ जिग्रन्थयिष-ति तः न्ति सि थः थ जिग्रन्थयिषा मि
- २ जिग्रन्थयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ जिग्रन्थयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिग्रन्थयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अजिग्रन्थयिषत्ताम् नः तम् तम् अजिग्रन्थयि
- ५ अजिग्रन्थयि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म कर कृम कृव
- ६ जिग्रन्थयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर
जिग्रन्थयिषाम्बभूव जिग्रन्थयिषामास
- ७ जिग्रन्थयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिग्रन्थयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिग्रन्थयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिग्रन्थयि
षिष्या-मि वः मः (अजिग्रन्थयिषिष्या-व म
- १० अजिग्रन्थयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे जिग्रन्थयि-स्थाने जिग्रन्थि-इतिज्ञेयम्

१९६२ अर्दिण् (अर्द्) हिंसायाम्

- १ अर्दिदयिषति-तः न्ति सि थः थ अर्दिदयिषा-मि वः
- २ अर्दिदयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ अर्दिदयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
अर्दिदयिषा-णि व म -व म
- ४ आर्दिदयिष-त्ताम् नः तम् तम् आर्दिदयिष
- ५ आर्दिदयि-षीत् पिष्टम् पिषुः पीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म कृम
- ६ अर्दिदयिषाञ्चकार कतुः कुः कर्थ कथुः क कार कर कृव
अर्दिदयिषाम्बभूव अर्दिदयिषामास
- ७ अर्दिदयिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ अर्दिदयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ अर्दिदयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ अर्दिदयिषि
ष्या-मि वः मः (आर्दिदयिषिष्या-व म
- १० आर्दिदयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

णिजभावपक्षे

- १ अदिदि-पते पते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ अदिदिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अदिदि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ आदिदि-पत पताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (प ध्वहि षमहि
- ५ आदिदिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ अदिदिषाश्च-क्रेकाते क्रे कृषे काथे कृध्वे के कवहे कृमहे अदिदिषाम्भूव अदिदिषामास (महि
- ७ अदिदिषिषी-ष्ट याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि
- ८ अदिदिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अदिदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्यावहि ष्यामहि
- १० आदिदिषि-ष्यत ष्याम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् ष्ये

१९६४- वदिण् (वद्) भाषणे

- १ विवादयिष-ति तः न्ति सि थः थ विवादयिषामि
- २ विवादयिषे-त तात् युः तम् त यम् व म (वः मः
- ३ विवादयिष-तु तात् तात् न्तु " तात् तम् त विवादयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अविवादयिष-त तात् न् : तम् तम् अविवादयि
- ५ अविवादयि-षीत् षिष्टम् षिष्ठुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम् षिष्व षिष्म
- ६ विवादयिषाम्भूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम विवादयिषाश्चकार विवादयिषामास
- ७ विवादयिष्या-त स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ विवादयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ विवादयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ विवादयिषि ष्या-मि वः मः (अविवादयिषिष्या-व म
- १० अविवादयिषिष्य-त तात् न् : तम् तम्

१९६३ अथण् (अथ) बन्धने च

पक्षे

- १ शिश्राथयिष-ति तः न्ति सि थः थ शिश्राथयिषामि
- २ शिश्राथयिषे-त तात् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ शिश्राथयिष-तु तात् तात् न्तु " तात् तम् त शिश्राथयिषा-णि व म (यिषा-व म
- ४ अशिश्राथयिष त तात् न् : तम् तम् अशिश्राथ
- ५ अशिश्राथयिषीत् षिष्टम् षिष्ठुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिषम् षिष्व षिष्म (कृम
- ६ शिश्राथयिषाश्चकार कतुः कुः कथं कथुः क कार कर कृव शिश्राथयिषाम्भूव शिश्राथयिषामास
- ७ शिश्राथयिष्या-त स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिश्राथयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिश्राथयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शिश्राथयिषि ष्य-मि वः मः (अशिश्राथयिषिष्या-व म
- १० अशिश्राथयिषिष्य-त तात् न् : तम् तम् पक्षे शिश्राथयि-स्याने शिश्राथि-इतिज्ञेयम्

- १ विवदि-पते पते पन्ते पसे पेथे पध्वे पे पावहे पामहे
- २ विवदिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ विवदि-पताम् पताम् पन्ताम् पस्व पेषाम् पध्वम् पे पावहै पामहै
- ४ अविवदि-पत पताम् पन्त पथाः पेषाम् पध्वम् पे पावहि पामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ अविवदिषि-ष्ट पाताम् पत प्ठाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ विवदिषाश्चक्रेकाते क्रे कृषे काथे कृध्वे के कवहे कृमहे विवदिषाम्भूव विवदिषामास (वहि महि
- ७ विवदिषिषी-ष्ट याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य
- ८ विवदिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ विवदिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अविवदिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१९६५ छद्ण (छद्) अपवारणे

- १ चिच्छादयिषति तः न्ति सि थः थ चिच्छादयिषामि
 २ चिच्छादयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
 ३ चिच्छादयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
 चिच्छादयिषा-णि व म षा-व म
 ४ अचिच्छादयिषत्ताम् नः तम् तम् अचिच्छादयि
 अचिच्छादयि षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
 चिष्ट विष्ट
 चिच्छादयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 चिच्छादयिषाञ्चकार चिच्छादयिषामास
 ५ चिच्छादयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चिच्छादयिषिता-" रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चिच्छादयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छादयि
 षिष्या-मि व मः (अचिच्छादयिषिष्या-व म
 १० अचिच्छादयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
 पक्षे चिच्छादयि-स्थाने चिच्छदि-इतिज्ञेयम्

१९६७ छद्ण (छद्) सन्दीपने

- १ चिच्छर्दयिषति तः न्ति सि थः थ चिच्छर्दयिषामिवः
 २ चिच्छर्दयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
 ३ चिच्छर्दयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
 चिच्छर्दयिषा-णि व म षाव म
 ४ अचिच्छर्दयिषत्ताम् नः तम् तम् अचिच्छर्दयि
 अचिच्छर्दयि षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
 चिष्ट विष्ट
 चिच्छर्दयिषामास सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 चिच्छर्दयिषाञ्चकार चिच्छर्दयिषाम्बभूव
 ५ चिच्छर्दयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ चिच्छर्दयिषिता-" रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ चिच्छर्दयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ चिच्छर्दयिषि
 ष्या-मि व मः (अचिच्छर्दयिषिष्या-व म
 १० अचिच्छर्दयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
 पक्षे चिच्छर्दयि-स्थाने चिच्छर्दि-इतिज्ञेयम्

१९६६ आङ् (आ-सद्) सद्ण गतौ

- १ आसिषादयिषति तः न्ति सि थः थ आसिषादयिषामि
 २ आसिषादयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
 ३ आसिषादयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
 आसिषादयिषा-णि व म (षाव म
 ४ आसिषादयिष-त्ताम् नः तम् तम् आसिषादि
 ५ आसिषादयि-षीत् सिष्टम् सिष्टुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्टम्
 सिष्ट सिष्ट
 ६ आसिषादयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 आसिषादयिषाञ्चकार आसिषादयिषामास
 ७ आसिषादयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ आसिषादयिषिता-" रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ आसिषादयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ आसिषाद
 यिषिष्या-मि व मः (आसिषादयिषिष्या-व म
 १० आसिषादयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
 पक्षे आसिषादयि-स्थाने आसिषदि-इतिज्ञेयम्

१९६८ शुन्धिण् (शुन्ध्) शुद्धौ

- १ शुशुन्धयिषति तः न्ति सि थः थ शुशुन्धयिषामिवः
 २ शुशुन्धयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
 ३ शुशुन्धयिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
 शुशुन्धयिषा-णि व म (षाव म
 ४ अशुशुन्धयिषत्ताम् नः तम् तम् अशुशुन्धयिषाव
 ५ अशुशुन्धयि-षीत् सिष्टम् सिष्टुः षीः सिष्टम् सिष्ट विष्टम्
 चिष्ट विष्ट
 ६ शुशुन्धयिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 शुशुन्धयिषाञ्चकार शुशुन्धयिषाम्बभूव
 ७ शुशुन्धयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
 ८ शुशुन्धयिषिता-" रौ रः सि स्थ स्थ स्मि स्वः स्मः
 ९ शुशुन्धयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ शुशुन्धयिषि
 ष्या-मि व मः (अशुशुन्धयिषिष्या-व म
 १० अशुशुन्धयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

- १ शुशुन्धि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे पे षावहे षामहे
- २ शुशुन्धिषे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शुशुन्धि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
यावहे षामहे
- ४ अशुशुन्धि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशुशुन्धिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
- ६ शुशुन्धिषाञ्चक्रेक्रेते क्तिरे कृषे क्राथे कृध्वे क्रे कृवहे कृमहे
शुशुन्धिषाम्बभूव शुशुन्धिषामास [वहि महि
- ७ शुशुन्धिषिषी-ष्ट याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य
- ८ शुशुन्धिषिता-" रौ रसेः साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शुशुन्धिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्व ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशुशुन्धिषिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

- १ तितंस-तितः न्ति सिथः थ तितंसा-मि वः मः
- २ तितंसे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म
- ३ तितंस-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम्
तितंसा-नि व म
- ४ अतितंस-त्ताम् नः तम् तम् अतितंसा-व म
- ५ अतितं-सीत् सिष्टाम् सिष्ठुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिष्ठम्
सिध्व सिष्म
- ६ तितंसाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम
तितंसाञ्चकार तितंसामास
- ७ तितंस्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितंसिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितंसिष्य-तितः न्ति सिथः थ तितंसिष्या-मि
वः मः (अतितंसिष्या-व म
- १० अतितंसिष्य-त्ताम् नः तम् तम्

१९६९ तनू (तन्) अद्धाघाते

- १ तितानयिष-तितः न्ति सिथः थ तितानयिषामि वः
- २ तितानयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ तितानयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितानयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अतितानयिष-त्ताम् नः तम् तम् अतितानयि
- ५ अतितानयि-षीत् षिष्टाम् षिष्ठुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्ठम्
षिध्व षिष्म
- ६ तितानयिषामा स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
तितानयिषाञ्चकार तितानयिषाम्बभूव
- ७ तितानयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितानयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितानयिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ तितानयिषि
ष्यामि वः मः (अतितानयिषिष्या-व म
- १० अतितानयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे तितानयि-स्थाने तितानि-इति ज्ञेयम्

१९७० मानण् (मान्) पूजायाम्

- १ मिमानयिषतितः न्ति सिथः थ मिमानयिषामि वः
- २ मिमानयिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ मिमानयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमानयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अमिमानयिष-त्ताम् नः तम् तम् अमिमानयि
- ५ अमिमानयि-षीत् षिष्टाम् षिष्ठुः षीः षिष्टम् षिष्ट षिष्ठम्
षिध्व षिष्म
- ६ मिमानयिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम
मिमानयिषाञ्चकार मिमानयिषामास
- ७ मिमानयिष्या-त्स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ मिमानयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि सम् स्वः स्मः
- ९ मिमानयिषिष्य-तितः न्ति सिथः थ मिमानयिषि
ष्या-मि वः मः (अमिमानयिषिष्या-व म
- १० अमिमानयिषिष्य-त्ताम् नः तम् तम्
पक्षे मिमानयि-स्थाने मिमानि-इति ज्ञेयम्

१९६१ तपिण् (तप्) दाहे

- १ तितापयिष-ति तः न्ति सि थः थ तितापयिषामि वः
- २ तितापयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ तितापयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
तितापयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अतितापयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतितापयि
- ५ अतितापयि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ तितापयिषामा स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तितापयिषाञ्चकार तितापयिषाम्भूष
- ७ तितापयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितापयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितापयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितापयिषि
ष्या-मि वः मः (अतितापयिषिष्या-व म
- १० अतितापयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्

१९७२ तपण् (तृप्) घीणने

- १ तितर्पयिष-ति तः न्ति सि थः थ तितर्पयिषामि वः
- २ तितर्पयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ तितर्पयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम्
तितर्पयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अतितर्पयिष-त् ताम् न् : तम् तम् अतितर्पयि
- ५ अतितर्पयि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ तितर्पयिषाम्भूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तितर्पयिषाञ्चकार तितर्पयिषामास
- ७ तितर्पयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ तितर्पयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ तितर्पयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ तितर्पयिषि
ष्या-मि वः मः (अतितर्पयिषिष्या-व म
- १० अतितर्पयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे तितर्पयि-स्थाने तितर्पि-इति ज्ञेयम्

१९७३ आप्लण् (अप्) लम्भने

- १ तितपि-पते पते पन्ते पसे पेथे पथ्वे पे षावहे षामहे
- २ तितपिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तितपि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षै
षावहै षामहै
- ४ अतितपि-षत षेताम् षन्त षथाः षेथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (पि व्वहि व्वहि
- ५ अतितपिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ष्वम्
- ६ तितपिषाञ्चक्रे क्रातेक्रिरेकृषे क्राथेकृत्वे क्रेकृवहे कृमहे
तितपिषाम्भूष तितपिषामास (वहि महि
- ७ तितपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् य
- ८ तितपिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तितपिषि-ष्यत ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतितपिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

- १ आपिपयिषति तः न्ति सि थः थ आपिपयिषामि वः
- २ आपिपयिषे-त् ताम् युः : तम् त यम् व म [मः]
- ३ आपिपयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
आपिपयिषा-णि व म [षा-व म
- ४ आपिपयिष-त् ताम् न् : तम् तम् आपिपयि-
- ५ आपिपयि-षीत् पिष्टाम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्व
- ६ आपिपयिषाम्भूव वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम
आपिपयिषाञ्चकार आपिपयिषामास
- ७ आपिपयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त स्व स्म
- ८ आपिपयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि मम् स्वः स्मः
- ९ आपिपयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ आपिपयिषि
ष्या-मि वः मः (आपिपयिषिष्या-व म
- १० आपिपयिषिष्य-त् ताम् न् : तम् तम्
पक्षे आपिपयि-स्थाने आपिपि-इति ज्ञेयम्

१९७४ द्रुमैण (दृभ) भये

- १ दिदर्भयिषति तः न्ति सि थः थ दिदर्भयिषामि वः
- २ दिदर्भयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ दिदर्भयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिदर्भयिषा-णि व म [व म
- ४ अदिदर्भयिषत्ताम् नः तम् त म् अदिदर्भयिषा
- ५ अदिदर्भयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ दिदर्भयिषामास सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दिदर्भयिषाञ्चकार दिदर्भयिषाम्बभूव
- ७ दिदर्भयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिदर्भयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिदर्भयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिदर्भयिषि
ष्या-मि वः मः (अदिदर्भयिषिष्या-व म
- १० अदिदर्भयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्
पक्षे दिदर्भयि-स्थाने दिदर्भि-इति ज्ञेयम्

१९७६ मृषिण् (मृष) तितिक्षायाम्

- १ मिमर्षयिषति तः न्ति सि थः थ मिमर्षयिषा-मि
- २ मिमर्षयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ मिमर्षयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
मिमर्षयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अमिमर्षयिष-त्ताम् नः तम् त म् अमिमर्षयि
- ५ अमिमर्षयि-षीत् सिष्टम् सिषुः सीः सिष्टम् सिष्ट सिषम्
सिष्व सिष्म
- ६ मिमर्षयिषाम्बभूः व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मिमर्षयिषाञ्चकार मिमर्षयिषामास
- ७ मिमर्षयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ मिमर्षयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ मिमर्षयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ मिमर्षयिषि
ष्या-मि वः मः (अमिमर्षयिषिष्या-व म
- १० अमिमर्षयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्

१९७५ ईरिण् (ईर) क्षेपे

- १ ईरिरयिषति तः न्ति सि थः थ ईरिरयिषामि वः
- २ ईरिरयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म (मः)
- ३ ईरिरयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
ईरिरयिषा-णि व म
- ४ ऐरिरयिषत्ताम् नः तम् त म् ऐरिरयिषा-व म
- ५ ऐरिरयि-षीत् पिष्टम् पिषुः षीः पिष्टम् पिष्ट पिषम्
पिष्व पिष्म
- ६ ईरिरयिषामास सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
ईरिरयिषाञ्चकार ईरिरयिषाम्बभूव
- ७ ईरिरयिष्या-त् स्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ ईरिरयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ ईरिरयिषिष्यति तः न्ति सि थः थ ईरिरयिषिष्या
-मि वः मः (ऐरिरयिषिष्या-व म
- १० ऐरिरयिषिष्य-त् ताम् नः : तम् त म्
पक्षे रिरयि-इति स्थाने रिर-इति ज्ञेयम्

- १ मिमर्षि-षते षेते षन्ते षसे षेथे षध्वे षे षावहे षामहे
- २ मिमर्षिषे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ मिमर्षि-षताम् षेताम् षन्ताम् षस्व षेथाम् षध्वम् षे
षावहे षामहे
- ४ अमिमर्षि-षत षेताम् षन्त षथाः षथाम् षध्वम् षे
षावहि षामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अमिमर्षिषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठवम् ध्वम्
- ६ मिमर्षिषा-ञ्चक्रेकतेकिक्रेकृषे क्राथे कृ द्वेक्रे कृवहे कृमहे
मिमर्षिषाम्बभूव मिमर्षिषामास (वहि महि
- ७ मिमर्षिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य
- ८ मिमर्षिषिता-" रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मिमर्षिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्यध्वम् ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमिमर्षिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम्

१२७७ शिषण् (शिष्) असर्धोपयोगे

- १ शिशोषयिषति तः न्ति सि थः थ शिशोषयिषामि
- २ शिशोषयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म [वः मः
- ३ शिशोषयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
शिषोषयिषा-णि व म यिषा-व म
- ४ अशिषोषयिषत् ताम् नः तम् त म् अशिषोष
- ५ अशिषोषयि-षीत् पिष्टम् विषुः षीः पिष्टम् पिष्ट विषम्
षिष्व पिष्म (कृव कृम
- ६ शिशोषयिषाञ्चकार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर
शिषोषयिषाम्बभूव शिशोषयिषामास
- ७ शिशोषयिष्या-त त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ शिशोषयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ शिशोषयिषिष्य तितः न्ति सि थः थ शिशोषयि
षिष्या-मि वः मः (अशिषोषयिषिष्या-व म
- १० अशिषोषयिषिष्य-त ताम् नः तम् त म
पक्षे शिशोषयि-स्थाने शिशिषि-इति ज्ञेयम्
शिषोषि-इति च ज्ञेयम्

१२७८ जुषण् (जुष्) परितर्कणे

- १ जुजोषयिष-ति तः न्ति सि थः थ जुजोषयिषा-मि
- २ जुजोषयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः
- ३ जुजोषयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जुजोषयिषा-णि व म षा-व म
- ४ अजुजोषयिषत् ताम् नः तम् त म् अजुजोषयि
- ५ अजुजोषयि-षीत् पिष्टम् विषुः षीः पिष्टम् पिष्ट विषम्
षिष्व पिष्म कर कृम कृव
- ६ जुजोषयिषाञ्चकार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार
जुजोषयिषाम्बभूव जुजोषयिषामास
- ७ जुजोषयिष्या-त त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जुजोषयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ रिम स्व स्मः
- ९ जुजोषयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जुजोषयि
षिष्या-मि वः मः (अजुजोषयिषिष्या-व म
- १० अजुजोषयिषिष्य-त ताम् नः तम् त म
पक्षे जुजोषयि-स्थाने जुजुषि-इति जुजोषि
इति च ज्ञेयम्

१२७९ धृषण् (धृष्) प्रसहने

- १ दिधर्षयिषति तः न्ति सि थः थ दिधर्षयिषा-मि वः
- २ दिधर्षयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म (मः
- ३ दिधर्षयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
दिधर्षयिषा-णि व म -व म
- ४ अदिधर्षयिष-त ताम् नः तम् त म् अदिधर्षयिष
- ५ अदिधर्षयि-षीत् पिष्टम् विषुः षीः पिष्टम् पिष्ट विषम्
षिष्व पिष्म कृम
- ६ दिधर्षयिषाञ्चकार क्रतुः कुः कर्थ क्रथुः क कार कर कृव
दिधर्षयिषाम्बभूव दिधर्षयिषामास
- ७ दिधर्षयिष्या-त त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ दिधर्षयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ दिधर्षयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ दिधर्षयिषि
ष्या-मि वः मः (अदिधर्षयिषिष्या-व म
- १० अदिधर्षयिषिष्य-त ताम् नः तम् त म
पक्षे दिधर्षयि-स्थाने दिधर्षि-इति ज्ञेयम्

१२८० हिंसण् (हिंस) हिंसायाम्

- १ जिहिंसयिष-ति तः न्ति सि थः थ जिहिंसयिषामि वः
- २ जिहिंसयिषे-त ताम् युः : तम् त यम् व म [मः
- ३ जिहिंसयिष-तु तात् ताम् न्तु " तात् तम् त
जिहिंसयिषा-णि व म (षा व म
- ४ अजिहिंसयिष-त ताम् नः तम् त म् अजिहिंसयि
- ५ अजिहिंसयि-षीत् पिष्टम् विषुः षीः पिष्टम् पिष्ट विषम्
षिष्व पिष्म
- ६ जिहिंसयिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिहिंसयिषाञ्चकार जिहिंसयिषामास
- ७ जिहिंसयिष्या-त त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिहिंसयिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिहिंसयिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिहिंसयिषि
ष्या-मि वः मः (अजिहिंसयिषिष्या-व म
- १० अजिहिंसयिषिष्य-त ताम् नः तम् त म
पक्षे जिहिंसयि-स्थाने जिहिंस-इति ज्ञेयम्

१९८१ गहण् (गह्) विनिन्दने

- १ जिगह्यिष-ति तः न्ति सि थः थ जिगह्यिषा-मि
- २ जिगह्यिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ जिगह्यिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
जिगह्यिषा-णि व म (षा-व म)
- ४ अजिगह्यिष-त्ताम् नः : तम् तम् अजिगह्यि
- ५ अजिगह्यि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व
- ६ जिगह्यिषाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जिगह्यिषाश्चकार जिगह्यिषामास
- ७ जिगह्यिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ जिगह्यिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ जिगह्यिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ जिगह्यिषि
ष्या-मि वः मः (अजिगह्यिषिष्या-व म)
- १० अजिगह्यिषिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्
पक्षे जिगह्यि-स्थाने जिगहि-इति ज्ञेयम्

१९८२ षहण् (सह्) मर्षणे

- १ सिसाह्यिष-ति तः न्ति सि थः थ सिसाह्यिषा-मि
- २ सिसाह्यिषे-त्ताम् युः : तम् त यम् व म (वः मः)
- ३ सिसाह्यिष-तु तात्ताम् न्तु " तात् तम् त
सिसाह्यिषा-णि व म व म
- ४ असिसाह्यिषत्ताम् नः : तम् तम् असिसाह्यिषा
- ५ असिसाह्यि-षीत् विष्टम् विष्टुः षीः विष्टम् विष्ट विष्टम्
विष्ट्व विष्ट्व कृम
- ६ सिसाह्यिषाश्चकार कृतुः कुः कथं कथुः कः कार कर कृव
सिसाह्यिषाम्बभूव सिसाह्यिषामास
- ७ सिसाह्यिषिष्या-त्ताम् सुः : स्तम् स्त सम् स्व स्म
- ८ सिसाह्यिषिता-" रौ रः सि स्थः स्थ स्मि स्वः स्मः
- ९ सिसाह्यिषिष्य-ति तः न्ति सि थः थ सिसाह्यिषि
ष्या-मि वः मः (असिसाह्यिषिष्या-व म)
- १० असिसाह्यिषिष्य-त्ताम् नः : तम् तम्
पक्षे सिसाह्यि-स्थाने सिसहि-इति ज्ञेयम्

इति श्रीमत्तपोगणगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-

विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-

विजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दरेन्दिन्दिरा-

यमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य

सन्नन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे

तृतीयभागे

॥ चुरादिगणः संपूर्णः ॥

इति श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-तीर्थरक्षणपरायण-
विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-
विजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्द्रिन्दिरा-
यमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य
सन्नन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे
तृतीयभागे
॥ चुरादिगणः संपूर्णः ॥

समर्थितश्च धातुरत्नाकरस्य सन्नन्तरूपपरम्परा-
प्रकृतिनिरूपणो नाम तृतीयभागः ।

“छन्नस्थेषु सदा स्खलद्गतितया दोषप्रबन्धान्वये ।

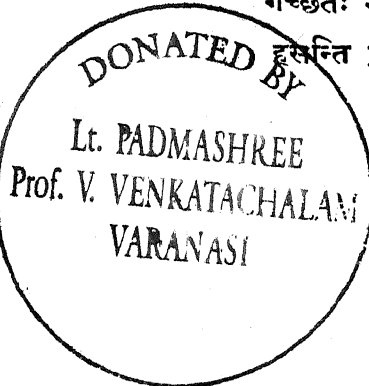
नो हास्यास्पदमत्र दोषघटनायां स्यामहं धीमताम् ॥

नो प्रार्थ्याः कृतिनो निसर्गगरिमावासा मया शोधने ।

तेषां दोषगणप्रमार्जनविधिः स्थाभाविकोऽयं यतः ॥ १ ॥

गच्छतः स्खलनं क्वापि भवत्येव प्रमादतः ।

हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः ॥ २ ॥



श्री र स्तु ॥



REPRODUCTION OF EARLIER EDITION OF
DHĀTURATNĀKARA

DHĀTURATNĀKARA

धातुरत्नाकरः

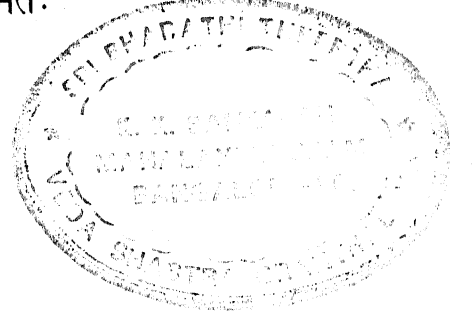
BY

MUNI LĀVAṆYA VIJAYA SŪRI

मुनिलावण्यविजय सूरिविनिर्मितः

Vol. IV
YAṆANTA

चतुर्थो भागः
यङन्त प्रक्रिया



NAVRANG • नवरंग

1992

This publication has been brought out with financial assistance from Government of India, Ministry of Human Resources Development.

If any defect is found in this book, please return the copy by V.P.P. to the Publisher for exchange free of cost of postage.

DHĀTURATNĀKARA, VOL IV

First Published 1867 Saka

Reprint 1992

Rs. 820 per set of Vols. 1-7

Published by:
Mrs Nirmal Singal, for
NAVRANĠ Booksellers & Publishers
RB-7, Inder Puri, New Delhi - 12
Phone: 5722197, 589914

Printed by :
Diamond Printers,
B-74, Phase II, Naraina Industrial Area,
New Delhi - 28

श्रीविजयनेमिसूरिग्रन्थमाला. (ग्रन्थरत्न-४.)

॥ श्रीमज्जिनपुङ्गवेभ्यो नमः ॥

सकलस्वपरसमयपारावारपारीण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-तपो-
गच्छाधिपति-भट्टारकाचार्यवर्य-जगद्गुरुश्रीमद्विजयनेमिसूरि-
भगवद्भ्यो नमः ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-कोविदकु-
लालङ्कार-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराज-विजयनेमिसूरीश्वर-
चरणारविन्दचञ्चरीकायमाणान्तिषत्प्रवर्तक
लावण्यविजयप्रणीतो

धातुरत्नाकरः

॥ तस्य चायं चतुर्थो भागः ॥

स च

मरुदेशान्तर्गत कोशीलाग्राम वास्तव्यश्रेष्ठिवर्याणां द्रव्यसाहाय्येन राजनगर
जैनग्रन्थप्रकाशक सभायाः कार्यवाहकेन बाडीलाल बापुलाल
शाह इत्यनेन प्राकाश्यं नीतः ।

प्रत ५००]

[प्रथमावृत्तिः

सर्वतन्त्रस्वतंत्र-शासनसम्राट्-सूरिचक्रचक्रवर्ति-जगद्गुरु-

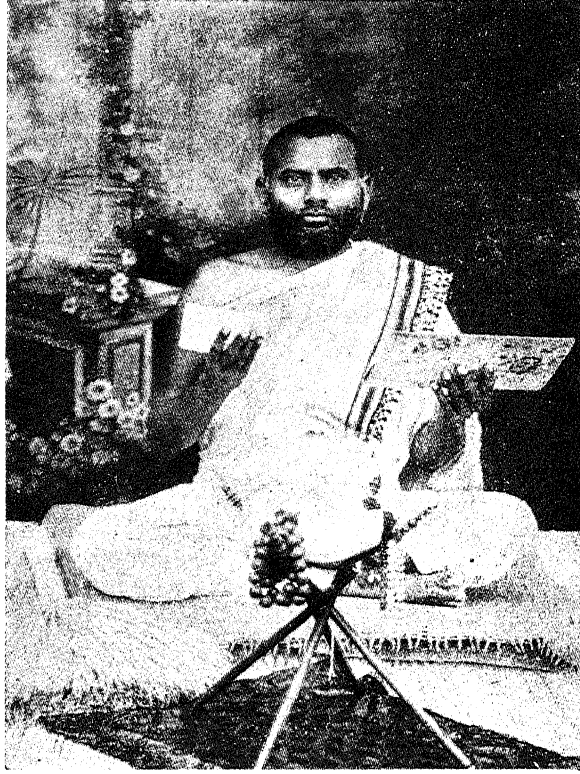
तपोगच्छाधिपति-भट्टारक

आचार्य श्रीविजयनेमिसूरीश्वरः

जन्म सं. १९२९
कार्तिक शु. १

दीक्षा सं. १९४५
उषेष्ट शु. ७

गणितपद सं. १९६०
कार्तिक कृष्ण ७

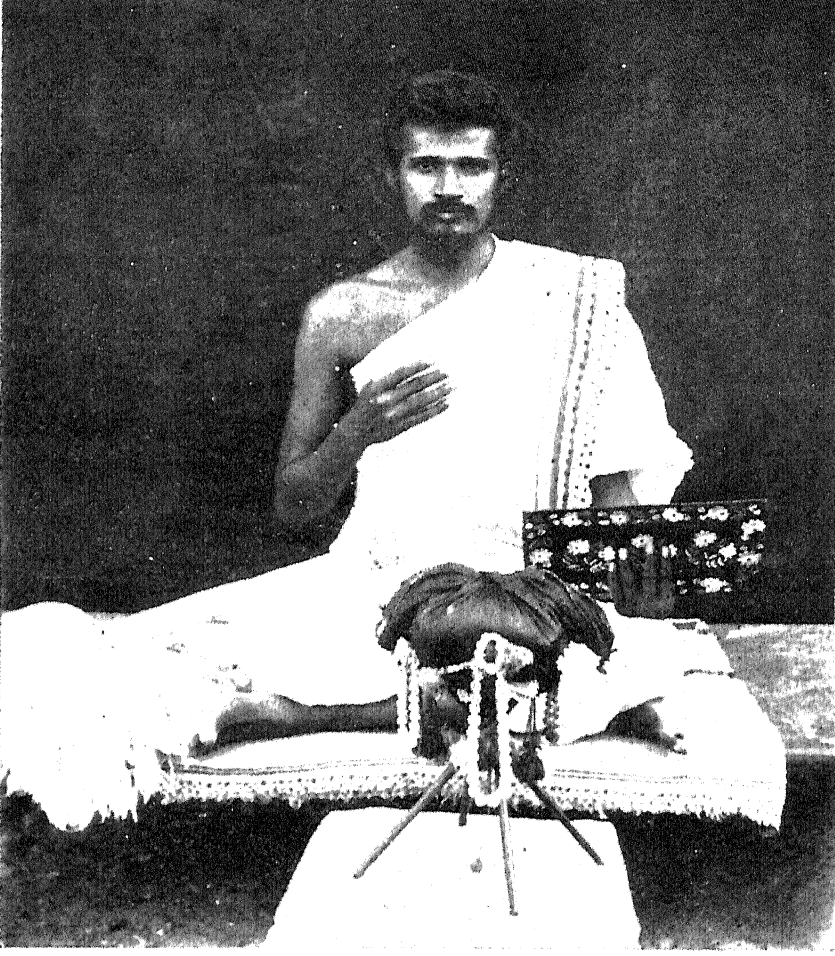


सूरिपद सं. १९६४
ज्येष्ठ शु. ५

पन्न्यासपद सं. १९६०
मागशर शु. ३

धर्मः प्रापि मया यतः शिवफलः कल्पद्रुतुल्योऽनघो
यन्नामस्मृतिरेव मङ्गलकरी सर्वाघसंहारिणी ।
श्रीतीर्थङ्करशासनैकरसिकः सद्ब्रह्मसौभाग्यभृत्
सोऽयं श्रीगुरुनेमिसूरिभगवान् बोधं विधत्तां मम ॥१॥

सर्वतन्त्रस्वतन्त्र-शासनसम्राट्-तपोगच्छाधिपति
आचार्य महाराज श्री विजयनेमिसूरि-विनेयरत्न-



प्रवर्तकश्रीलावण्यविजयः

तिलकमंजरीनी परागनाम्नी टीका अने धातुस्तनाकर विगेरे ग्रन्थना प्रणेता
जन्म सं. १९५३ दीक्षा सं. १९७३ अषाढ सुद ५.

॥ आशीश्वशीलशालिने श्रीनेमीश्वराय नमो नमः ॥

॥ श्रीदेवगुर्वष्टकम् ॥

[श्लेषोल्लसितानि पञ्चचामरवृत्तानि]



नमामि नेमितीर्थपं सदा सुशीलशालिनं,
समस्तसूरिचक्रचक्रवर्त्तिताविराजिनम् ।
प्रदीप्रदीपमालिकाधिकप्रकाशशालिकां,
विधाय विश्वनालिकां दधानमात्मसम्भवम् ॥१॥

शिवाङ्गनाङ्गं तथाप्यलं शिवाङ्गजन्मनि,
समुद्रजातरूपचारुवैभवोपशोभितम् ।
ततो नु साधुशङ्खं नरं च चक्रमुत्तमं,
नमामि नेमितीर्थपं सदा सुशीलशालिनम् ॥२॥

विशालनेमचन्द्रमोललाटपट्टशालिनं,
बालचन्द्रवज्रगजनप्रमोददाकृतिम् ।
अलक्ष्यलक्षलक्षणोपलक्षितं दमक्षमं,
नमामि नेमितीर्थपं सदा सुशीलशालिनम् ॥३॥

पयोदनादतर्जिकम्बुकण्ठपेशलध्वनि-
चमत्कृताखिलाङ्गराजिराजिगीतगौरवम् ।
निजौजसाहिसज्जनार्दनावलेपलोपिनं,
नमामि नेमितीर्थपं सदा सुशीलशालिनम् ॥४॥

सुदर्शनप्रधानपुरुषोत्तमैकबान्धवं,
प्रकल्प्य कल्पनाकृतं सुखं नु भोगराजिजम् ।
निधानमादधानमात्मशर्मणां यथास्थितं,
नमामि नेमितीर्थपं सदा सुशीलशालिनम् ॥५॥

क्षमाधरं वरं सुवृद्धिमाढयतां गतं गतं,
ततो दधानमात्मसार्वभौमसम्पदां पदम् ।
क्षमाभृदुत्तमाङ्गचुम्बिताङ्घ्रिपद्मरेणुकं,
नमामि नेमितीर्थपं सदा सुशीलशालिनम् ॥६॥

विभाव्य नामगौ नमौ च वर्गप्रान्तगावपि,
युतौ गुणेन च श्रिया च चक्रिमादिभागगौ ।
ततोऽमरद्रुकामधेनुकामरत्नतोऽधिकं,
नमामि नेमितीर्थपं सदा सुशीलशालिनम् ॥७॥

पदत्रयप्रचारगाञ्च गां मुखाङ्गणं गतां,
तथाप्यशेषदेशकाललीनभावगामिनीम् ।
सुधाप्रवाहवाहिनीं वहानमिज्यताभृतम्,
नमामि नेमितीर्थपं सदा सुशीलशालिनम् ॥८॥

[शार्दूलविक्रीडितवृत्तम्]

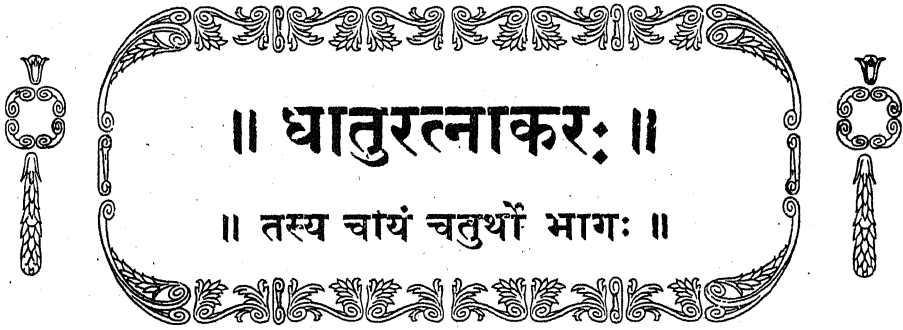
देवश्लेषगुरुङ्गमष्टकमिदं गीतं शमालिप्रदं,
दक्षाभ्यर्थनया प्रणुन्नमनसा भक्त्येकलीनात्मना ।
लावण्येन प्रवर्त्तकेन रचितं पञ्चादिमैश्वामरैः,
श्रोतृणां पठतां नृणाञ्च शिवदं स्तात्पुष्पदन्तावधि ॥१॥
॥ इति श्रीदेवगुर्वष्टकम् ॥



॥ श्रीमज्जिनपुद्गवेभ्यो नमः ॥

सकलस्वपरसमयपारावारपारीण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-तपोग-
च्छाधिपति-भट्टारकाचार्य-जगद्गुरुश्रीमद्विजयनेमिसूरिभगवद्भ्यो नमः ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-कोविदकुलालङ्कार-
अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणारविन्दचञ्चरी-
कायमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयप्रणीतो



नत्वा श्रीनेमिनामान-माजन्मब्रह्मचारिणम्,
तीर्थनाथं गुरुं चैव भारतीं जिनभाषिताम् ॥ १ ॥
धातुरत्नाकरस्याहं लावण्यविजयो मुनिः,
भागं चतुर्थमातन्वे बालानां सुखहेतवे ॥ २ ॥

सन्नन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणानन्तरं यदन्तरूपा परम्पराप्रकृतिरुदाहियते ।
व्यञ्जनादेरेकस्वराद् भृशभाभीक्ष्ण्ये यद् वा ॥ ३ । ४ । ९ ॥ गुणक्रियाणाम-
धिश्रयणादीनां क्रियान्तराव्यवहितानां साकल्येन सम्पत्तिः फलातिरेको वा भृश-
त्वम् । प्रधानक्रियाया विक्लेदादेः क्रियान्तराव्यवधानावृत्तिराभीक्ष्ण्यम् । तद्विशि-
ष्टेऽर्थे वर्तमानाद्धातोर्व्यञ्जनादेरेकस्वराद्यङ्प्रत्ययो वा भवति । भृशं पुनः पुनर्वा
पचति पापचपते । जाज्वल्यते । अथाभीक्ष्ण्ययदन्तस्याभीक्ष्ण्ये द्वित्वं कस्मान्न भवति

उक्तार्थत्वात् । यदा तु भृशार्थयङन्तादाभीक्ष्ण्यविवक्षा तदा भवत्येव । पापच्यते पाप-
च्यते इति । तथा भृशार्थयङन्तादाभीक्ष्ण्ये आभीक्ष्ण्ययङन्ताद्वा भृशार्थं विवक्षिते यदा
पञ्चमी केवला तदा सा केवला तदर्थद्योतनेऽसमर्थेति तदर्थद्योतने द्विवचनमपेक्षते ।
पापच्यस्व पापच्यस्वेति । धातोरित्येव तेन सोपसर्गान्न भवति । भृशं प्राप्ति ।
व्यञ्जनादेरिति किम् ? भृशमीक्षते । एकस्वरादिति किम् ? भृशं चकास्ति । केचि-
ज्जागर्त्तेरिच्छन्ति । जाजाग्रीयते । सर्वस्माद्धातोरायादिप्रत्ययरहितात्केचिदिच्छन्ति ।
अवाच्यते । दादरिच्यते । भृशाभीक्ष्ण्ये इति किम् ? पचति । वेति किम् ? लुनीहि
लुनीहीत्येवायं लुनातीत्यादि यथा स्यात् ॥

भृशाभीक्ष्ण्येति समाहारद्वन्द्वान्तसप्तमी । अथ किमिदं भृशत्वमाक्षीक्ष्यञ्चे-
त्याह—गुणक्रियाणामिति, पचादयो धातवोऽधिश्चयणाद्यादिके विकलेदाद्यन्ते क्रिया-
त्मनि समुदाये स्वेषामवयवानां प्रतिक्षणविनाशिनं युगपदभावात् साकल्येन युगप-
न्निवृत्तिदर्शनयोरभावेऽपि अव्यतिरेकादध्यवसीयमानतद्रूपत्वादेकदेशानामेकदेशे नि-
वृत्तिदर्शनयोर्निवृत्तिदर्शनभाजि प्रवर्तन्ते, तत्र केचन क्रियाभागा गुणा परार्था
भवन्ति, केचन मुख्या यदर्थस्ते गुणा यथा—पचावधिश्चयणोदकावसेचनतण्डु-
लावपनैधोपकर्षणपरिघट्टनावश्रावणोद्वर्त्तनपरिवर्त्तनावतारणादिलक्षणाः क्रियाभा-
गाः कर्तृव्यापाररूपा विकृतये तण्डुलानामोदनभावाय भवन्तो गुणाः, विकृ-
तिस्तु तण्डुलव्यापारो मुख्यः क्रियाभागस्तादर्थ्यादधिश्चयणादीनाम्, तत्र या गुण-
क्रिया अधिश्चयणादयस्ताः कश्चित्साकल्येन निर्वर्त्तयति कश्चित् न, कश्चित् साकल्येन
निर्वर्त्तयन् क्रियान्तरैरतत्क्रियावयवैस्ता व्यवदधाति, कश्चित्तु क्रियान्तरेभ्यो व्या-
वृत्तास्ता एवाधिश्चयणादिकाः संपादयति, तत्र तासां गुणक्रियाणामधिश्चयणादीनां
क्रियान्तरैरव्यवहितानां साकल्येन कात्स्न्येन सर्वासां या सम्पत्तिर्भावस्तद् भृशत्वम् ।
एवं हि सा समुदायरूपा क्रिया सम्पूर्णावयवाऽन्यूना भृशा भवति, इदं वा भृशत्व-
मित्याह—फलातिरेको वा फलस्यातिरेको फलसमाप्तावपि क्रियानुपरतिः, यावता
प्रमाणेनार्थस्ततोऽधिकप्रमाणता वा प्रकर्षः, तथा चैवं प्रवृत्तौ प्रयुज्यते, भृशं दी यो
भृशं ज्वलति देदीप्यते जाज्वल्यते इति । आभीक्ष्ण्यमाह प्रधानक्रियाया इत्यादि ।
पचौ विकलेदः प्रधानक्रिया तां कश्चिदवसार्य क्रियान्तरमारभ्य पुनस्तामेव क्रिया-
मारभते, तदर्थमेवाधिश्चयणाद्यादिकां क्रियां प्रवर्त्तयति, कश्चित्तु तामेव क्रियान्त-
रेण व्यवधत्ते । तत्र क्रियान्तराव्यवधानेन तस्या क्रियायाः आवृत्तिः पुनः पुनर्भावः
पौनःपुन्यमाभीक्ष्ण्यम्, सन्यङश्चेति निर्देशाद् यङित्येव विज्ञायते नायङिति । भृशे

आभीक्ष्ण्ये चार्थे वर्त्तमानादिति । अनेन भृशाभीक्ष्ण्य इति प्रकृतेर्विशेषणं न प्रत्यय-
स्येति विज्ञायते, यमर्थं प्रकृतिरभिधातुमशक्ता सामर्थ्यात् स प्रत्ययार्थतया पर्यवस्यति ।
यथाऽपत्यादिकोऽर्थो दाशरथिरित्यादौ, दशरथशब्दो हि स्वार्थमेव बोधयति नापत्या-
र्थमिति अत्र तु प्रकृतिरेव तमर्थमभिधातुमलमिति कथं प्रत्ययस्यासावर्थः कथ्यता-
मिति । ननु किं प्रकृतेरयमर्थः सम्भवतीति सम्भवमात्रेण प्रकृत्यर्थो न प्रत्ययार्थोऽ-
यमिति हन्त तर्हि धातोः क्रियावाचित्वात् प्रकृतिधर्मोऽपि भृशाभीक्ष्ण्यार्थः प्रत्यय-
वाच्यः स्यादिति प्रत्ययस्याप्यसावर्थः सम्भवतीति प्रत्ययार्थोऽपि न कस्मादयमिति
। उच्यते । अन्तरङ्गत्वात्प्रकृतिविशेषणमेतत्, प्रकृत्यर्थविशेषणत्वे च प्रत्ययस्यासौ
भवत्येवार्थः, तस्यार्थान्तरानिर्देशात् अनिर्दिष्टत्वात्स्वार्थ एवोत्पत्तेः, स्वार्थश्चास्य
प्रकृत्यर्थ इति । प्रकृतिविशेषणत्वे चोभयानुग्रहः कृतो भवति, प्रत्ययार्थविशेषणत्वे च
तस्यैवायमर्थः स्यान्न प्रकृतेरिति प्रकृत्यर्थविशेषणमेतदिति । पापच्यते इति आगुणा-
वन्यादेरिति पूर्वस्याकारः, एवं जाज्वल्यत इति । अथेति भृशाभीक्ष्ण्यविच्छेद इति
परिहरति उक्तार्थत्वादिति, आभीक्ष्ण्यस्य यङैव द्योतित्वाद् द्विवचनस्यानर्थक्यादि-
त्यर्थः । ननु यङन्तस्यापि द्विवचनं दृश्यते पापच्यते पापच्यत इति तत्कथमित्याह
यदा त्वित्यादि । अयमर्थः-द्विविधो हि यङर्थः पौनःपुन्यं भृशत्वञ्चेति तत्र यदा
पौनःपुन्ये यङ् तदा तत्रैव नास्ति द्विवचनम्, यदा तु भृशार्थं तदा पौनःपुन्य-
द्योतनाय द्विवचनं न विरुध्यते, धातोरित्येवेति, धातुग्रहणं सोपसर्गसमुदायाद्यङ्नि-
वृत्त्यर्थमनुवर्त्यत इत्यर्थः । न च धातुरेव भृशाभीक्ष्ण्यार्थविशिष्टक्रियावाची द्योतक-
स्तूपसर्गो न वाचक इति न भविष्यतीति वाच्यम्, यतो धातूपसर्गसमुदायस्य
क्रियाविशेषावगतिहेतुत्वात्सोपसर्गे भृशाभीक्ष्ण्यं ततो यङ्प्रत्ययः स्यात् ततश्चोप-
सर्गस्यापि द्विवचनं प्रसज्यते । अथ निरूपसर्गे भृशाभीक्ष्ण्यं तद्विशेषकत्वादुपसर्ग-
स्य सोपसर्गस्य भृशाभीक्ष्ण्यत्वे धात्वधिकारेऽपि प्रपापच्यत इति यङ्विधिर्न स्याद्
अभृशाभीक्ष्ण्यवृत्तित्वाद्यदाह अडादीनां व्यवस्थायै पृथक्त्वेन प्रकल्पना, धातूपसर्गयो-
र्धातुः क्रियावाचीति निर्णयः ॥ अत्रोच्यते विशिष्टैव क्रिया साधनेन निर्वर्त्यते नतृत्पन्ना
सती विशेषेणान्यत उत्पद्यमानेन सम्बध्यते, ततोऽतिशयवतीतरा च क्रिया धातुनै-
वोच्यते सोऽतिशय उक्तोऽपि अस्या वाचकभेदादनभिव्यक्तः प्रादिसन्निधानात्
प्रतीयते ततश्च विशेषस्यापि तावदभिधायकाः प्रादयो न भवन्ति किमुत क्रियाया
भविष्यन्तीति । तत्र यद्यपि धातुर्वाचक उपसर्गस्तु द्योतकस्तथाप्यसति धात्वधि-
कारे वाचकद्योतकविभागस्य शब्देनेहाधीकृतत्वात् संघातादेवोत्पत्तिः स्यादिति धा-

तोरित्यनुवर्त्तते । भृशमीक्षते इति । ईक्षि दर्शने । चकास्तीति । चकासृक्-दीप्तौ मतान्तरद्वयमाह-केचिदित्यादि । जाजाग्रीयत इति ऋतोरीरिति रीः । अवाव्यत इति । अव रक्षणादौ । ननु भृशाभीक्ष्ण्ययङोऽपि विप्रतिषेधेन पञ्चमी भवति । यङोऽवकाशो यो धातुरेकस्वरो व्यञ्जनादिभृशाभीक्ष्ण्ये वर्त्ततेऽधातुसम्बन्धश्च लोलूयते पोपूयते । पञ्चम्यवकाशो यः स्वरादिर्येकस्वरो भृशाभीक्ष्ण्यवृत्तिः धातुसम्बन्धश्च स भवानीहस्वेहस्वेत्येवायमीहते । इहोभयं प्राप्नोति स भवान् लुनीहि लुनीहि इत्येवायं लुनाति । पञ्चमी भवति विप्रतिषेधेन, सामान्यविशेषभावेन क्रियाभेदाश्रयोऽत्र धातुसम्बन्धः । न तर्हीदानीमिदं भवति स भवान् लोलूयस्व लोलूयस्वेत्येवायं लोलूयत इति । भवति च । भिन्नविषयत्वाद्विप्रतिषेधाभावात् । कर्तृकर्मणोर्हि हिस्वौ विधीयेते । क्रियाविशेषे स्वार्थे यङ् । तत्रान्तरङ्गत्वाद्यङा भवितव्यम् । बहिरङ्गत्वं तु पञ्चम्याः कर्त्राद्यपेक्षणाद्धातुसम्बन्धापेक्षणाच्च ॥ भृशार्थपौनःपुन्ययोः प्रतिपिपादयिषित्वादेकतरस्मिन् यङ्प्रत्ययोऽपरस्मिन्तु हिस्वौ तयोश्च केवलयोर्भृशाभीक्ष्ण्येऽभिव्यङ्क्तुमसामर्थ्यात् तदन्तस्य द्विवचनं प्रवर्त्तते । कथं तर्हि लुनीहि लुनीहीत्येवायं लुनाति अन्तरङ्गत्वाद्यङ् एव प्राप्तेः । सत्यम्, एतदर्थमेवात्र वाग्रहणमित्याह-वेति किमित्यादि । ननु च भृशाभीक्ष्ण्ये यङः पूर्वमेव परत्वाद् द्विवचनं कस्मान्न भवति । अथ यङः पूर्वं द्विवचने कृते तेनैव भृशाभीक्ष्ण्यस्यार्थस्योक्तत्वात् पुनस्तत्र यङ् न प्राप्नोतीति यङ्विधानमनर्थकं स्यादिति चेन्न भृशार्थतायां द्विवचनस्यानभिधानात्, तत्र यङ्सावकाशत्वात् । उच्यते । द्विवचनस्याभीक्ष्ण्यार्थं कृतसर्वकार्यावस्थायां विधीयमानत्वाद् बहिरङ्गत्वात् । यङस्तु धात्ववस्थायामेव प्रवर्त्तनादन्तरङ्गत्वात्पूर्वमेव प्रवृत्तिरित्यदोषः । यदुक्तम्-कृते द्विवचनं न भवति यङैवाभीक्ष्ण्यार्थस्योक्तत्वात्, यदा भृशार्थतायां यङ् तदा पौनःपुन्यविवक्षया द्विवचने पापच्यते पापच्यत इति भवतीति उक्तम् ॥



१ भू-सत्तायाम्

- १ बोभू-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बोभूये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बोभू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबोभू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि)
- ५ अबोभूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ बोभूयाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
बोभूयाम्बभूव बोभूयामास (य वहि महि)
- ७ बोभूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ बोभूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बोभूयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अबोभूयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३ प्रां (प्रा) गन्धोपादाने

- १ जेघ्री-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेघ्रीये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेघ्री-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेघ्री-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि)
- ५ अजेघ्रीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ जेघ्रीयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जेघ्रीयाञ्चके जेघ्रीयाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ जेघ्रीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ जेघ्रीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेघ्रीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अजेघ्रीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२ पां (पा) पाने

- १ पेपी-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेपीये-त याताम् रन् थाः येथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपेपी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि)
- ५ अपेपीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ पेपीयाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम
पेपीयाञ्चके पेपीयामास (य वहि महि)
- ७ पेपीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ पेपीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अपेपीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४ ध्मां (ध्मा) शब्दाग्निसंयोगयोः

- १ देध्मी-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देध्मीये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देध्मी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदेध्मी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि)
- ५ अदेध्मीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ देध्मीयाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
देध्मीयाम्बभूव देध्मीयामास (य वहि महि)
- ७ देध्मीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ देध्मीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देध्मीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अदेध्मीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५ छां (स्था) गतिनिवृत्तौ

- १ तेष्ठी-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ तेष्ठीये-त याताम् रन् थाः येथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ तेष्ठी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अतेष्ठी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
 ५ अतेष्ठीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
 ६ तेष्ठीयाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
 तेष्ठीयाश्चक्रे तेष्ठीयामास (य वहि महि
 ७ तेष्ठीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्द्वम् ध्वम्
 ८ तेष्ठीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ तेष्ठीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
 अतेष्ठीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७ दां (दा) दाने

- १ देदी-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ देदीये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ देदी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अदेदी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
 ५ अदेदीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
 ६ देदीयाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 देदीयाम्बभूष देदीयामास (य वहि महि
 ७ देदीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्द्वम् ध्वम्
 ८ देदीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ देदीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अदेदीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६ म्नां (म्ना) अभ्यासे

- माम्ना-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 १ माम्नाये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 २ माम्ना-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ३ माम्ना-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
 ४ माम्नायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
 ५ माम्नायामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 माम्नायाश्चक्रे माम्नायाम्बभूव (य वहि महि
 ६ माम्नायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्द्वम् ध्वम्
 ७ माम्नायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ८ माम्नायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
 ९ अमाम्नायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८ जिं (जि) अभिभवे

- १ जेजी-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जेजीये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जेजी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अजेजी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
 ५ अजेजीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
 ६ जेजीयाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
 जेजीयाश्चक्रे जेजीयामास (य वहि महि
 ७ जेजीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्द्वम् ध्वम्
 ८ जेजीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जेजीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अजेजीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९ जिं (जि) अभिभावे

- १ जेज्जी-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेज्जीये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेज्जी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेज्जी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि षमहि
- ५ अजेज्जीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ जेज्जीयाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जेज्जीयाम्बभूव जेज्जीयामास (य वहि महि
- ७ जेज्जीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ जेज्जीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेज्जीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेज्जीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११ दुं (दु) गतौ । तत्रापि कुटिलार्थे ।

एवं सर्वत्र गतौ कुटिलेऽर्थे ज्ञेयम् ।

- १ दोदू-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दोदूये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दोदू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदोदू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि षमहि
- ५ अदोदूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ दोदूयामा-स सतुः सुः सिथ संथुः स स सिव सिम दोदूयाश्चके दोदूयाम्बभूव (य वहि महि
- ७ दोदूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ दोदूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दोदूयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदोदूयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१० क्षिं (क्षि) क्षये

- १ चेक्षी-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेक्षीये-त याताम् रन् थाः येथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेक्षी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेक्षी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि षमहि
- ५ अचेक्षीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ चेक्षीयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चेक्षीयाश्चके चेक्षीयामास (य वहि महि
- ७ चेक्षीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ चेक्षीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेक्षीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेक्षीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२ द्रुं (द्रु) गतौ

- १ दोद्रू-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दोद्रूये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दोद्रू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदोद्रू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि षमहि
- ५ अदोद्रूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ दोद्रूयाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे दोद्रूयाम्बभूव दोद्रूयामास (य वहि महि
- ७ दोद्रूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ दोद्रूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दोद्रूयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदोद्रूयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३ सुं (शु) गतौ

- १ शोशू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशूये-त याताम् रन् थाः येथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि)
- ५ अशोशूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशूयाम्बभू-व वतुः बुः विथ वथुः व व विव विम शोशूयाश्चक्रे शोशूयामास (य वहि महि)
- ७ शोशूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्वम् ध्वम्
- ८ शोशूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशूयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अशोशूयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१५ धुं (ध्रु) स्थैर्ये च

- १ दोधू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दोधूये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दोधू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदोधू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि)
- ५ अदोधूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दोधूयाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे दोधूयाश्चक्रे दोधूयामास (य वहि महि)
- ७ दोधूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्वम् ध्वम्
- ८ दोधूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दोधूयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अदोधूयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१४ सुं (सु) गतौ

- १ सोसू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सोसूये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सोसू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असोसू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि)
- ५ असोसूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सोसूयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम सोसूयाश्चक्रे सोसूयामास (य वहि महि)
- ७ सोसूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्वम् ध्वम्
- ८ सोसूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सोसूयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० असोसूयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१६ सुं (सु) प्रसवैश्वर्ययोः

- १ सोसू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सोसूये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सोसू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असोसू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि)
- ५ असोसूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सोसूयाम्बभू-व वतुः बुः विथ वथुः व व विव विम सोसूयाश्चक्रे सोसूयामास (य वहि महि)
- ७ सोसूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्वम् ध्वम्
- ८ सोसूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सोसूयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० असोसूयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१७ स्मृ (स्मृ) चिन्तायाम्

- १ सास्मर्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सास्मर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सास्मर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असास्मर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ असास्मरि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ सास्मराञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
सास्मराम्बभूष सास्मरामास (य वहि महि
- ७ सास्मरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् इद्वम् ध्वम्
- ८ सास्मरिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सास्मरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असास्मरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२० औस्वृ (स्वृ) शब्दोपतापयोः

- १ सास्वर्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सास्वर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सास्वर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असास्वर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ असास्वरि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ सास्वराञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
सास्वराम्बभूष सास्वरामास (य वहि महि
- ७ सास्वरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् इद्वम् ध्वम्
- ८ सास्वरिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सास्वरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असास्वरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१८ गृ (गृ) सेचने

- १ जेग्री-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेग्रीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेग्री-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेग्री-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अजेग्रीयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ जेग्रीयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
जेग्रीयाम्बभू जेग्रीयामास (य वहि महि
- ७ जेग्रीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् इद्वम् ध्वम्
- ८ जेग्रीयिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेग्रीयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजेग्रीयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१९ गृ (गृ) सेचने । प्रां ३ वद्वपाणि

२१ दृष्ट (दृष्ट) वरणे

- १ दाद्वर्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाद्वर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दाद्वर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदाद्वर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अदाद्वरि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ दाद्वराम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
दाद्वराम्बभू दाद्वरामास (य वहि महि
- ७ दाद्वरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् इद्वम् ध्वम्
- ८ दाद्वरिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दाद्वरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदाद्वरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२२ धृ (धृ) कौटिल्ये

- १ दाध्वर्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाध्वर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दाध्वर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदाध्वर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अदाध्वरि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ दाध्वरामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम दाध्वराम्बभूव दाध्वराश्चक्रे [य वहि महि
- ७ दाध्वरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ दाध्वरिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दाध्वरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्यं ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदाध्वरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२४ स् (स्) गतौ

- १ सेस्त्री-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेस्त्रीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेस्त्री-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेस्त्री-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ असेस्त्रीयि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ सेस्त्रीयाम्बभूव व वतुः वः विथ वधुः व व विव विम सेस्त्रीयाश्चक्रे सेस्त्रीयामास (य वहि महि
- ७ सेस्त्रीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ सेस्त्रीयिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेस्त्रीयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्यं ध्यावहि ध्यामहि
- १० असेस्त्रीयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२३ हृ (हृ) कौटिल्ये

- १ जाह्वर्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाह्वर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाह्वर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाह्वर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाह्वरि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ जाह्वराश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जाह्वराम्बभूव जाह्वरामास (य वहि महि
- ७ जाह्वरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ जाह्वरिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाह्वरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्यं ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजाह्वरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२५ ऋ (ऋ) प्रापणे

- १ अरार्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ अरार्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अरार्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ आरार्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ आरारि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ अरारामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम अराराश्चक्रे अराराम्बभूव [य वहि महि
- ७ अरारिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ अरारिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अरारि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे [ध्यं ध्यावहि ध्यामहि
- १० आरारि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२५ कृ (कृ) प्रापणे ।

- १ अरारू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ अरारूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अरारू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ आरारू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि
- ५ आरारि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ अराराश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्ध्ये के कृवहे कृमहे
अराराम्बभूव अरारामास (य वहि महि
- ७ अरारिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ अरारिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अरारि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० आरारि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२७ दृधे (धे) पाने ।

- १ देधी-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देधीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देधी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदेधी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि
- ५ अदेधीयि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ देधीयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
देधीयाश्चके देधीयाम्बभूव (य वहि महि
- ७ देधीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ देधीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देधीयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदेधीयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२६ तृ (तृ) प्लवनतरणयोः ।

- १ तेतीरू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेतीर्ये-त याताम् रन्थाः येथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेतीरू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेतीरू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि
- ५ अतेतीरि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ तेतीराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
तेतीराश्चके तेतीरामास (य वहि महि
- ७ तेतरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ तेतीरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेतीरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतेतीरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२८ दैव् (दै) शोधने ।

- १ दादा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दादाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दादा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदादा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि
- ५ अदादायि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ दादायाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्ध्ये के कृवहे कृमहे
दादायाम्बभूव दादायामास (य वहि महि
- ७ दादायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ दादायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दादायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदादायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२९ ध्यै (ध्यै) चिन्तायाम् ।

- १ दाध्या-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ दाध्याये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ दाध्या-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अदाध्या-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (ह्वम् षि ध्वहि ध्महि
 ५ अदाध्ययि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
 ६ दाध्यायाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 दाध्यायाम्बभूव दाध्यायामास (य वहि महि
 ७ दाध्यायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्ध्वम् ध्वम्
 ८ दाध्यायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ दाध्यायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अदाध्यायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

३१ म्लै (म्लै) गात्रविनामे ।

- १ माम्ला-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ माम्लाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ माम्ला-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अमाम्ला-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (ह्वम् षि ध्वहि ध्महि
 ५ अमाम्लायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
 ६ माम्लायामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 माम्लयाश्चके माम्लयाम्बभूव (य वहि महि
 ७ माम्लायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्ध्वम् ध्वम्
 ८ माम्लायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ माम्लायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अमाम्लायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

३० ग्लै (ग्लै) हर्षक्षये ।

- १ जाग्ला-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जाग्लायै-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जाग्ला-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अजाग्ला-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (ह्वम् षि ध्वहि ध्महि
 ५ अजाग्लायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
 ६ जाग्लायाम्बभू-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम
 जाग्लयाश्चके जाग्लयामास (य वहि महि
 ७ जाग्लायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्ध्वम् ध्वम्
 ८ जाग्लायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जाग्लायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अजाग्लायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

३२ ध्यै (ध्यै) न्यङ्गकरणे ।

- १ दाद्या-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ दाद्याये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ दाद्या-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अदाद्या-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (ह्वम् षि ध्वहि ध्महि
 ५ अदाद्यायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
 ६ दाद्यायाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 दाद्यायाम्बभूव दाद्यायामास (य वहि महि
 ७ दाद्यायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्ध्वम् ध्वम्
 ८ दाद्यायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ दाद्यायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अदाद्यायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

३३ ऌ (ऌ) स्वप्ने

- १ दाद्रा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाद्राये-त याताम् रन् थाः येथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दाद्रा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदाद्रा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि)
- ५ अदाद्रायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ दाद्रायाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम दाद्रायाम्बभूव दाद्रायामास (य वहि महि)
- ७ दाद्रायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ८ दाद्रायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दाद्रायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अदाद्रायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

३५ कै (कै) शब्दे ।

- १ चाका-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे याम
- २ चाकाये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाका-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाका-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि)
- ५ अचाकायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ चाकायाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चाकायाश्च कृषे चाकायामास (य वहि महि)
- ७ चाकायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ८ चाकायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अचाकायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

३४ ऐ (ऐ) तृप्तौ ।

- १ दाध्रा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाध्राये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दाध्रा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदाध्रा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि)
- ५ अदाध्रायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ दाध्रायामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम दाध्रायाम्बभूव दाध्रायाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ दाध्रायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ८ दाध्रायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दाध्रायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अदाध्रायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

३६ गै (गै) शब्दे ।

- १ जेगी-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेगीये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेगी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेगी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि)
- ५ अजेगीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ जेगीयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जेगीयाम्बभूव जेगीयामास (य वहि महि)
- ७ जेगीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ८ जेगीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेगीयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अजेगीयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

३७ रैं (रं) शब्दे ।

- १ रारा-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ राराये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अरारायि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ रारायाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम रारायाश्चक्रे रारायामास (य वहि महि
- ७ रारायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ रारायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरारायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३९ स्तयै (स्तयै) संघाते च ।

- १ तास्ता-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तास्ताये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तास्ता-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतास्ता-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अतास्तायि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ तास्तायाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे तास्तायाम्बभूव तास्तायामास (य वहि महि
- ७ तास्तायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ तास्तायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तास्तायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतास्तायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

अत्र स्ता-स्थाने स्त्या-इति ज्ञेयम् ।

३८ ष्यै (ष्यै) संघाते च ।

- १ ताष्टा-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ ताष्टाये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ताष्टा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अताष्टा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अताष्टायि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ ताष्टायामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम ताष्टायाश्चक्रे ताष्टायाम्बभूव (य वहि महि
- ७ ताष्टायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ ताष्टायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ताष्टायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अताष्टायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

अत्र ष्टा-स्थाने ष्या-इति ज्ञेयम् ।

४० खै (खै) खदने ।

- १ खाचा-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ खाचाये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ खाचा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अखाचा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अखाचायि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ खाचायाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम खाचायाश्चक्रे खाचायामास (य वहि महि
- ७ खाचायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ खाचायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ खाचायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अखाचायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

अत्र खाचा-स्थाने चाखा-इति ज्ञेयम् ।

४१ क्षै (क्ष) क्षये ।

- १ चाक्षा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाक्षाये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाक्षा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाक्षा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अचाक्षायि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ चाक्षायाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाक्षायाम्बभूव चाक्षायामास (य वहि महि
- ७ चाक्षायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ८ चाक्षायिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाक्षायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाक्षायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४३ सै (सै) क्षये ।

- १ सेसी-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेसीये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेसी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेसी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ असेसीयि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ सेसीयाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे सेसीयाञ्चभूव सेसीयामास (य वहि महि
- ७ सेसीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ८ सेसीयिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेसीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असेसीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४२ जै (जै) क्षये ।

- १ जाजा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाजाये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाजा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाजा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अजाजायि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ जाजायामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जाजायाम्बभूव जाजायाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जाजायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ८ जाजायिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाजायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाजायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४४ औ (औ) पाके ।

- १ शाश्रा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाश्राये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाश्रा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाश्रा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अशाश्रायि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ शाश्रायाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम शाश्रायाम्बभूव शाश्रायामास (य वहि महि
- ७ शाश्रायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ८ शाश्रायिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाश्रायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशाश्रायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४६ लैं (लै) पाके ।

- १ सास्ना-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सास्नाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सास्ना-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असास्ना-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ असास्नायि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ सास्नायाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे काये कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे सास्नायाम्बभूव सास्नायामास (य वहि महि
- ७ सास्नायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ सास्नायिता- " रौ रः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सास्नायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असास्नायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४६ पै (पै) शोषणे । ४१२ वद्रूपाणि ।

४८ लौं (लै) वेष्टने ।

- १ सास्ना-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सास्नाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सास्ना-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असास्ना-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ असास्नायि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ सास्नायामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम सास्नायाश्चक्रे सास्नायाम्बभूव (य वहि महि
- ७ सास्नायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ सास्नायिता- " रौ रः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सास्नायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असास्नायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४७ ओवैं (वै) शोषणे ।

- १ वावा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावाये-त याताम् रन्थाः वेथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व वेथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावा-यत येताम् यन्त यथाः वेथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवावायि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः वाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ वावायाश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे काये कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे वावायाम्बभूव वावायामास (य वहि महि
- ७ वावायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ वावायिता- " रौ रः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवावायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४९ फक्क (फक्) नीचैर्गतौ ।

- १ पाफक्क-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पाफक्कये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पाफक्क-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपाफक्क-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अपाफक्कि ष याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ पाफक्काश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे काये कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे पाफक्काम्बभूव पाफक्कामास (य वहि महि
- ७ पाफक्किषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् द्वम् ध्वम्
- ८ पाफक्किता- " रौ रः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पाफक्कि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपाफक्कि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५० तक (तक्) हसने ।

- १ तातक्-यते येते कर्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातक्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तातक्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतातक्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अतातकि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तातकाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे तातकाम्बभूव तातकामास (य वहि महि
- ७ तातकिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातकिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातकि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
- १० अतातकि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

५२ शुक (शुक) गतौ ।

- १ शोशुक-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशुक-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशुक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशुक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अशोशुकि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशुकाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे शोशुकाम्बभूव शोशुकामास (य वहि महि
- ७ शोशुकिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोशुकिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशुकि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
- १० अशोशुकि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

५१ तक् (तङ्क्) कृच्छ्रजीवने

- १ तातङ्क्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातङ्क्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तातङ्क्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतातङ्क्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अतातङ्कि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तातङ्काम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तातङ्काश्च के तातङ्कामास (य वहि महि
- ७ तातङ्किषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातङ्किता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातङ्कि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
- १० अतातङ्कि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

५३ बुक् (बुक्) भाषणे ।

- १ बोबुक्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बोबुक्-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बोबुक्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबोबुक्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अबोबुकि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बोबुकाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे बोबुकाम्बभूव बोबुकामास (य वहि महि
- ७ बोबुकिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बोबुकिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बोबुकि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
- १० अबोबुकि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

५४ राख् (राख्) शोषणालमर्थयोः ।

- १ राराख्-यते येतं यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ राराख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ राराख्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अराराख्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अराराखि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ राराखाञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
- ७ राराखाम्बभूव राराखामास (य वहि महि
- ८ राराखिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ राराखिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० राराखि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि

५६ द्राख् (द्राख्) शोषणालमर्थयोः ।

- १ दाद्राख्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाद्राख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दाद्राख्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदाद्राख्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अदाद्राखि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दाद्राखामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ दाद्राखाञ्चके दाद्राखाम्बभूव (य वहि महि
- ८ दाद्राखिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ दाद्राखिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० दाद्राखि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि

५५ लाख् (लाख्) शोषणालमर्थयोः ।

- १ लालाख्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालाख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालाख्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलालाख्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अलालाखि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालाखाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ लालाखाञ्चके लालाखामास (य वहि महि
- ८ लालाखिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ लालाखिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० लालाखि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि

५७ ध्राख् (ध्राख्) शोषणालमर्थयोः ।

- १ दाध्राख्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाध्राख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दाध्राख्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदाध्रा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अदाध्राखि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दाध्राखाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ दाध्राखाञ्चके दाध्राखामास (य वहि महि
- ८ दाध्राखिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ दाध्राखिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० दाध्राखि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि

५८ शाख (शाख) व्याप्तौ ।

- १ शाशाख-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशाख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशाख-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशाख-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अशाशाखि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशाखाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे शाशाखाम्बभूव शाशाखामास (य वहि महि)
- ७ शाशाखिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशाखिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशाखि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अशाशाखि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९ श्लाख (श्लाख) व्याप्तौ ।

- १ शाश्लाख-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाश्लाख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाश्लाख-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाश्लाख-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अशाश्लाखि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाश्लाखाश्च-व वतु षुः विथ वथुः व व विव विम शाश्लाखाश्चके शाश्लाखामास (य वहि महि)
- ७ शाश्लाखिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाश्लाखिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाश्लाखि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अशाश्लाखि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६० कक्ख (कक्ख) हसने ।

- १ चाकक्ख-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकक्ख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकक्ख-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकक्ख-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अचाकक्खि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकक्खामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चाकक्खाश्चके चाकक्खाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ चाकक्खिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकक्खिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकक्खि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अचाकक्खि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६१ नख (नख) गतौ ।

- १ नानख-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नानख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानख-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनानख-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अनानखि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नानखाम्बभू-व वतु षुः विथ वथुः व व विव विम नानखाश्चके नानखामास (य वहि महि)
- ७ नानखिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नानखिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नानखि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अनानखि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३ वख (वख्) गतौ ।

- १ वावख्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावख्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अवावख्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अवावखि-ष्ट याताम् षत छाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावखाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
वावखाम्बभूव वावखामास (य वहि महि
- ७ वावखिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावखिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावखि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवावखि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६५ रख (रख्) गतौ ।

- १ रारख्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारख्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अरारख्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अरारखि-ष्ट याताम् षत छाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारखाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
रारखाम्बभूव रारखामास (य वहि महि
- ७ रारखिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारखिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारखि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अरारखि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६४ मख (मख्) गतौ ।

- १ मामख्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामख्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अमामख्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अमामखि-ष्ट याताम् षत छाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामखाम्बभूव व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
मामखाञ्चके मामखामास (य वहि महि
- ७ मामखिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामखिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामखि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमामखि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६६ लख (लख्) गतौ ।

- १ लालख्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालख्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अलालख्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अलालखि-ष्ट याताम् षत छाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालखाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
लालखाम्बभूव लालखामास (य वहि महि
- ७ लालखिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ला. खिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालखि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अलालखि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६७ मखु (मङ्ख) गतौ ।

- १ मामङ्ख-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामङ्खये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामङ्ख-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामङ्ख-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमामङ्खि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामङ्खामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स ससिव सिम
- मामङ्खाम्बभूव मामङ्खाश्चके [य वहि महि
- ७ मामङ्खिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामङ्खिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामङ्खि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमामङ्खि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६९ लखु (लङ्ख) गतौ ।

- १ लालङ्ख-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालङ्खये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालङ्ख-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलालङ्ख-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अलालङ्खि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालङ्खाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व वविच विम
- लालङ्खाश्चके लालङ्खामास (य वहि महि
- ७ लालङ्खिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालङ्खिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालङ्खि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलालङ्खि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८ रखु (रङ्ख) गतौ ।

- १ रारङ्ख-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारङ्खये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारङ्ख-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारङ्ख-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरारङ्खि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारङ्खाश्च-के काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- रारङ्खाम्बभूव रारङ्खामास (य वहि महि
- ७ रारङ्खिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारङ्खिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारङ्खि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरारङ्खि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७० रिखु (रिङ्ख) गतौ ।

- १ रेरिङ्ख-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रेरिङ्खये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रेरिङ्ख-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरेरिङ्ख-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरेरिङ्खि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रेरिङ्खामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स ससिव सिम
- रेरिङ्खाश्चके रेरिङ्खाम्बभूव [य वहि महि
- ७ रेरिङ्खिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रेरिङ्खिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रेरिङ्खि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० रेरिङ्खि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१ वलग (वल्ग) गतौ ।

- १ वावल्ग-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावल्ग्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावल्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावल्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवावल्गि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावल्गाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम वावल्गाश्चके वावल्गामास (य वहि महि
- ७ वावल्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावल्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावल्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवावल्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७३ लगु (लङ्ग) गतौ ।

- १ लालङ्ग-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालङ्ग्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालङ्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलालङ्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अलालङ्गि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालङ्गामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम लालङ्गाश्चके लालङ्गाम्बभूव (य वहि महि
- ७ लालङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालङ्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अलालङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७२ रगु (रङ्ग) गतौ ।

- १ रारङ्ग-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारङ्ग्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारङ्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारङ्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अरारङ्गि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारङ्गाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम रारङ्गाश्चके रारङ्गामास (य वहि महि
- ७ रारङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारङ्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अरारङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७४ तगु (तङ्ग) गतौ ।

- १ तातङ्ग-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातङ्ग्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तातङ्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतातङ्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अतातङ्गि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तातङ्गाश्च-के कातेकिरे कृषे काथे कृव्हे के कृवहे कृमहे तातङ्गाम्बभूव तातङ्गामास (य वहि महि
- ७ तातङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातङ्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतातङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७५ अगु (अङ्गु) गतौ ।

- १ शाअङ्गु-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाअङ्गुये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाअङ्गु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाअङ्गु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अशाअङ्गि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाअङ्गाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- शाअङ्गाश्चके शाअङ्गामास (य वहि महि
- ७ शाअङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाअङ्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाअङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अशाअङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७७ वगु (वङ्गु) गतौ ।

- १ वावङ्गु-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावङ्गुये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावङ्गु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावङ्गु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अवावङ्गि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावङ्गामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- वावङ्गाश्चके वावङ्गाम्बभूव (य वहि महि
- ७ वावङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावङ्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवावङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७६ ऋगु (ऋङ्गु) गतौ ।

- १ शाऋङ्गु-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाऋङ्गुये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाऋङ्गु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाऋङ्गु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अशाऋङ्गि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाऋङ्गाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- शाऋङ्गाश्चके शाऋङ्गामास (य वहि महि
- ७ शाऋङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाऋङ्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाऋङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अशाऋङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७८ मगु (मङ्गु) गतौ ।

- १ मामङ्गु-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामङ्गुये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामङ्गु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामङ्गु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अमामङ्गि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामङ्गाम्बभू-के काते किरि कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- मामङ्गाश्चके मामङ्गामास (य वहि महि
- ७ मामङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामङ्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमामङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७९ स्वगु (स्वङ्ग) गतौ ।

- १ सास्वङ्ग-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सास्वङ्गये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ सास्वङ्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असास्वङ्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ असास्वङ्गि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सास्वङ्गामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम सास्वङ्गाम्बभूव सास्वङ्गाश्चके [य वहि महि
- ७ सास्वङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सास्वङ्गिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सास्वङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असास्वङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

८१ लिगु (लिङ्ग) गतौ ।

- १ लेलिङ्ग-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लेलिङ्गये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ लेलिङ्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलेलिङ्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अलेलिङ्गि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लेलिङ्गाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम लेलिङ्गाश्चके लेलिङ्गामास (य वहि महि
- ७ लेलिङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लेलिङ्गिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लेलिङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अलेलिङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

८० रिगु (रिङ्ग) गतौ ।

- १ रेरिङ्ग-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रेरिङ्गये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ रेरिङ्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरेरिङ्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अरेरिङ्गि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रेरिङ्गाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे रेरिङ्गाम्बभूव रेरिङ्गामास (य वहि महि
- ७ रेरिङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रेरिङ्गिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रेरिङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अरेरिङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

८२ त्वगु (त्वङ्ग) कम्पने च ।

- १ तात्वङ्ग-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तात्वङ्गये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ तात्वङ्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतात्वङ्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि प्वहि प्वहि
- ५ अतात्वङ्गि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तात्वङ्गामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तात्वङ्गाश्चके तात्वङ्गाम्बभूव [य वहि महि
- ७ तात्वङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तात्वङ्गिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तात्वङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे [ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० तात्वङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

८३ युगु (युङ्ग) वर्जने ।

- १ योयुङ्ग-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ योयुङ्गये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ योयुङ्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै यावहे यामहे
- ४ अयोयुङ्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अयोयुङ्गि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ योयुङ्गाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम योयुङ्गाश्चके योयुङ्गामास (य वहि महि
- ७ योयुङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ योयुङ्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ योयुङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अयोयुङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

८५ वुगु (वुङ्ग) वर्जने ।

- १ वोवुङ्ग-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वोवुङ्गये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वोवुङ्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै यावहे यामहे
- ४ अवोवुङ्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अवोवुङ्गि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वोवुङ्गामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वोवुङ्गाश्चके वोवुङ्गाम्बभूव (य वहि महि
- ७ वोवुङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वोवुङ्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वोवुङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवोवुङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

८४ जुगु (जुङ्ग) वर्जने ।

- १ जोजुङ्ग-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोजुङ्गये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोजुङ्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै यावहे यामहे
- ४ अजोजुङ्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजोजुङ्गि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोजुङ्गाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोजुङ्गाश्चके जोजुङ्गामास (य वहि महि
- ७ जोजुङ्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोजुङ्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोजुङ्गि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजोजुङ्गि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

८६ गग्घ (गग्घ) हसने ।

- १ जागग्घ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जागग्घये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जागग्घ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै यावहे यामहे
- ४ अजागग्घ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजागग्घि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जागग्घाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्धे के कृवहे कृमहे जागग्घाम्बभूव जागग्घामास (य वहि महि
- ७ जागग्घिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जागग्घिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जागग्घि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजागग्घि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

८७ दधु (दङ्घ) पालने ।

- १ दादङ्घ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दादङ्घ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दादङ्घ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदादङ्घ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदादङ्घि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दादङ्घामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम दादङ्घाम्बभूव दादङ्घाश्चके [य वहि महि
- ७ दादङ्घिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दादङ्घिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दादङ्घि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदादङ्घि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८९ लधु (लङ्घ) शोषणे ।

- १ लालङ्घ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालङ्घ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालङ्घ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलालङ्घ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अलालङ्घि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालङ्घाम्बभूव लालङ्घामास (य वहि महि
- ७ लालङ्घिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालङ्घिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालङ्घि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलालङ्घि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८ शिशु (शिङ्घ) आघ्राणे ।

- १ शेशिङ्घ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शेशिङ्घ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शेशिङ्घ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशेशिङ्घ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अशेशिङ्घि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शेशिङ्घाश्चके काते किरि कृषे काथे कृद्दे के कृवहे कृमहे शेशिङ्घाम्बभूव शेशिङ्घामास (य वहि महि
- ७ शेशिङ्घिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शेशिङ्घिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शेशिङ्घि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशेशिङ्घि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९० शुच (शुच्) शोके ।

- १ शोशुच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशुच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशुच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशुच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अशोशुचि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशुचामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम शोशुचाश्चके शोशुचाम्बभूव [य वहि महि
- ७ शोशुचिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोशुचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशुचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशोशुचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९१ कुच (कुच्) शब्दे तारे

- १ चोकुच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुचये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ष्महि
- ५ अचोकुचि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोकुचामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोकुचाम्बभूव चोकुचाश्चके [य वहि महि
- ७ चोकुचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोकुचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकुचि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचोकुचि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९२ कुञ्च (कुञ्च्) गतौ ।

- १ चोकुञ्च्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुञ्चये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुञ्च्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुञ्च्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ष्महि
- ५ अचोकुचि-ष्ट पाताम् षत षाः पास्थाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोकुचाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे चोकुचाम्बभूव चोकुचामास (य वहि महि
- ७ चोकुचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोकुचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकुचि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचोकुचि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- ९३ कुञ्च च (कुञ्च्) कौटिल्यालपीभावयोः कुच ९१ वदूपाणि ।

९४ लुञ्च (लुञ्च्) अपनयने ।

- १ लोलुञ्च्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलुञ्चये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लोलुञ्च्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलोलुञ्च्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ष्महि
- ५ अलोलुचि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लोलुचाम्बभूव लोलुचामास (य वहि महि
- ७ लोलुचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लोलुचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लोलुचि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अलोलुचि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९५ वञ्च (वञ्च्) गतौ ।

- १ वनीवञ्च्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वनीवञ्चये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वनीवञ्च्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवनीवञ्च्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि ष्महि
- ५ अवनीवचि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वनीवचामा-सं सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वनीवचाश्चके वनीवचाम्बभूव [य वहि महि
- ७ वनीवचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वनीवचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वनीवचि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवनीवचि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९६ चञ्च् (चञ्च्) गतौ ।

- १ चाचच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाचच्चे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाचच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाचच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाचचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाचचाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम चाचचाश्चक्रे चाचचामास (य वहि महि
- ७ चाचचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाचचिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाचचि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचाचचि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९८ त्वञ्च् (त्वञ्च्) गतौ ।

- १ तात्वच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तात्वच्चे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तात्वच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतात्वच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अतात्वचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तात्वचामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तात्वचाश्चक्रे तात्वचाम्बभूव (य वहि महि
- ७ तात्वचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तात्वचिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तात्वचि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतात्वचि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९७ तञ्च् (तञ्च्) गतौ ।

- १ तातच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातच्चे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तातच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतातच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अतातचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तातचाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम तातचाश्चक्रे तातचामास (य वहि महि
- ७ तातचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातचिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातचि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतातचि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९९ मञ्च् (मञ्च्) गतौ ।

- १ मामच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामच्चे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अमामचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामचाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे मामचाम्बभूव मामचामास (य वहि महि
- ७ मामचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामचिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामचि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमामचि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१०० मुञ्च (मुञ्च) गतौ ।

- १ मोमुञ्च-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमुञ्चये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमुञ्च-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमुञ्च-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अमोमुञ्चि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मोमुञ्चाञ्च-के काते क्रिरे कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
मोमुञ्चाम्बभूव मोमुञ्चामास (य वहि महि
- ७ मोमुञ्चिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मोमुञ्चिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमुञ्चि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमोमुञ्चि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१०१ मुञ्च (मुञ्च) गतौ ।

- १ मोमुञ्च-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमुञ्चये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमुञ्च-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमुञ्च-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अमोमुञ्चि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मोमुञ्चाम्बभू-व वतुः वित्थ वथुः व व विव विम
मोमुञ्चाञ्चके मोमुञ्चामास (य वहि महि
- ७ मोमुञ्चिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मोमुञ्चिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमुञ्चि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमोमुञ्चि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- १०२ मुञ्च (मुञ्च) गतौ मुञ्च १०१ वङ्गपाणि

१०३ म्लुञ्च (म्लुञ्च) गतौ ।

- १ मोम्लुञ्च-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोम्लुञ्चये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोम्लुञ्च-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोम्लुञ्च-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अमोम्लुञ्चि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मोम्लुञ्चामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मोम्लुञ्चाञ्चके मोम्लुञ्चाम्बभूव (य वहि महि
- ७ मोम्लुञ्चिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मोम्लुञ्चिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोम्लुञ्चि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमोम्लुञ्चि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१०४ ग्लुञ्च (ग्लुञ्च) गतौ ।

- १ जोग्लुञ्च-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोग्लुञ्चये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोग्लुञ्च-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोग्लुञ्च-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अजोग्लुञ्चि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोग्लुञ्चाम्बभू-व वतुः वित्थ वथुः व व विव विम
जोग्लुञ्चाञ्चके जोग्लुञ्चामास (य वहि महि
- ७ जोग्लुञ्चिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोग्लुञ्चिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोग्लुञ्चि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजोग्लुञ्चि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१०५ षस्व (सश्च) गतौ ।

- १ सासश्च-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासश्च्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासश्च-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासश्च-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ असासश्चि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सासश्चाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे सासश्चाम्बभूव सासश्चामास (य वहि महि
- ७ सासश्चिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासश्चिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासश्चि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असासश्चि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०८ म्लेच्छ (म्लेच्छ) अव्यक्तायां वाचि ।

- १ मेम्लेच्छ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेम्लेच्छ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेम्लेच्छ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अमेम्लेच्छ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अमेम्लेच्छि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेम्लेच्छाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे मेम्लेच्छाम्बभूव मेम्लेच्छामास (य वहि महि
- ७ मेम्लेच्छिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेम्लेच्छिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेम्लेच्छि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमेम्लेच्छि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

यस्य सानुनासिकत्वे मेम्लेक्ष्यते ।

१०६ गुच् (गुच्) स्तेये ।

- १ जोगुच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगुच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगुच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगुच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अजोगुचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोगुचाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जोगुचाम्बभूव जोगुचामास (य वहि महि
- ७ जोगुचिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोगुचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोगुचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोगुचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०७ ग्लुच् (ग्लुच्) स्तेये । ग्लुच् १०४ वद्रूपाणि ।

१०९ लछ (लछ) लक्षणे ।

- १ लालछ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालछ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालछ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलालछ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अलालच्छि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालच्छाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे लालच्छाम्बभूव लालच्छामास (य वहि महि
- ७ लालच्छिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालच्छिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालच्छि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलालच्छि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

यस्य सानुनासिकत्वे लालक्ष्यते ।

११० लाछु (लाञ्छ) लक्षणे ।

- १ लालाञ्छ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालाञ्छये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालाञ्छ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अलालाञ्छ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अलालाञ्छि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ लालाञ्छाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- लालाञ्छाम्बभूव लालाञ्छामास (य वहि महि
- ७ लालाञ्छिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालाञ्छिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालाञ्छि-ह्यते ह्येते ह्यन्ते ह्यसे ह्येथे ह्यध्वे ह्ये ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
- १० अलालाञ्छि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्

पक्षे लालञ्छयन्ते ।

१११ वाछु (वाञ्छ) इच्छायाम् ।

- १ वावाञ्छ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावाञ्छये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावाञ्छ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अवावाञ्छ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवावाञ्छि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ वावाञ्छाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- वावाञ्छाम्बभूव वावाञ्छामास (य वहि महि
- ७ वावाञ्छिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावाञ्छिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावाञ्छि-ह्यते ह्येते ह्यन्ते ह्यसे ह्येथे ह्यध्वे ह्ये ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
- १० अवावाञ्छि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्

पक्षे वावाञ्छयन्ते ।

११२ होछ (हीच्छ) लज्जायाम् ।

- १ जेहीछ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेहीछये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेहीछ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यावहै
- ४ अजेहीछ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजेहीछि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ जेहीछाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- जेहीछाम्बभूव जेहीछामास (य वहि महि
- ७ जेहीछिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जेहीछिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेहीछि-ह्यते ह्येते ह्यन्ते ह्यसे ह्येथे ह्यध्वे ह्ये ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
- १० अजेहीछि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्

पक्षे जेहीछयन्ते ।

११३ हुछा (हृछ) कौटिल्ये ।

- १ जोहृछ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोहृछये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोहृछ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अजोहृछ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजोहृछि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ जोहृछाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
- जोहृछाञ्चके जोहृछामास (य वहि महि
- ७ जोहृछिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोहृछिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोहृछि-ह्यते ह्येते ह्यन्ते ह्यसे ह्येथे ह्यध्वे ह्ये ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
- १० अजोहृछि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे जोहृछयन्ते १० ।

११४ मुहूर्त्ता (मुहूर्त्) मोहसमुह्राययोः ।

- १ मोमूर्च्छ-यते येते यन्ते यस्य येथे यच्चे ये यावहे यामहे
 २ मोमूर्च्छये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ मोमूर्च्छ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अमोमूर्च्छ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
 ५ अमोमूर्च्छि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
 ६ मोमूर्च्छाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 मोमूर्च्छाश्चक्रे मोमूर्च्छामास (य वहि महि
 ७ मोमूर्च्छिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ मोमूर्च्छिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ मोमूर्च्छि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यच्चे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अमोमूर्च्छि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
 यस्य सानुनासिकत्वे मोमूर्धते ।

११६ स्मूर्त्ता (स्मूर्त्) विस्मृतौ ।

- १ सोस्मूर्च्छ-यते येते यन्ते यस्य येथे यच्चे ये यावहे यामहे
 २ सोस्मूर्च्छये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ सोस्मूर्च्छ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ असोस्मूर्च्छ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
 ५ असोस्मूर्च्छि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
 ६ सोस्मूर्च्छामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 सोस्मूर्च्छाश्चक्रे सोस्मूर्च्छाश्चक्रे सोस्मूर्च्छाश्चक्रे (य वहि महि
 ७ सोस्मूर्च्छिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ सोस्मूर्च्छिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ सोस्मूर्च्छि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यच्चे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० असोस्मूर्च्छि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
 यस्य सानुनासिकत्वे सोस्मूर्धते ।

११५ स्फूर्त्ता (स्फूर्त्) विस्मृतौ ।

- १ पोस्फूर्च्छ-यते येते यन्ते यस्य येथे यच्चे ये यावहे यामहे
 २ पोस्फूर्च्छये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ पोस्फूर्च्छ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अपोस्फूर्च्छ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
 ५ अपोस्फूर्च्छि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
 ६ पोस्फूर्च्छाश्च-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 पोस्फूर्च्छाश्चक्रे पोस्फूर्च्छामास (य वहि महि
 ७ पोस्फूर्च्छिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ पोस्फूर्च्छिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ पोस्फूर्च्छि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यच्चे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अपोस्फूर्च्छि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
 यस्य सानुनासिकत्वे पोस्फूर्धते ।

११७ युच्छ (युच्छ) प्रमादे ।

- १ योयुच्छ-यते येते यन्ते यस्य येथे यच्चे ये यावहे यामहे
 २ योयुच्छये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ योयुच्छ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अयोयुच्छ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
 ५ अयोयुच्छि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
 ६ योयुच्छाश्च-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 योयुच्छाश्चक्रे योयुच्छामास (य वहि महि
 ७ योयुच्छिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ योयुच्छिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ योयुच्छि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यच्चे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अयोयुच्छि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
 यस्य सानुनासिकत्वे योयुधते ।

पक्षे योयुधते ।

११८ धृज (धृज्) गतौ ।

- १ दरीधृज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ दरीधृजये-यताताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ दरीधृज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अदरीधृज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि व्हहि ध्महि
 ५ अदरीधृजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
 ६ दरीधृजाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 दरीधृजाश्च० दरीधृजामास (य वहि महि
 ७ दरीधृजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ दरीधृजिता-० रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जरीधृजि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्यंथे ज्यध्वे ज्ये
 व्यावहे व्यामहे (ज्ये व्यावहि व्यामहि
 १० अदरीधृजि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१२० ध्वज (ध्वज) गतौ ।

- १ दाध्वज्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ दाध्वज्ये-त याताम् रन् याः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ दाध्वज् यताम् यंताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अदाध्वज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
 ५ अदाध्वजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् डुध्वम् ध्वम्
 ६ दाध्वजामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 दाध्वजाश्चक्रे दाध्वजाम्बभूव (य वहि महि
 ७ दाध्वजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ दाध्वजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ दाध्वजि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
 १० अदाध्वजि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

११९ धृजु (धृञ्ज) गतौ ।

- १ दरीधृञ्ज-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ दरीधृञ्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् यषहि महि
 ३ दरीधृञ्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अदरीधृञ्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि ष्महि
 ५ अदरीधृञ्जि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ष्वम्
 ६ दरीधृञ्जाम्बभू-व वतुः वु विथ वथुः व व विव विम
 दरीधृञ्जश्चक्रे दरीधृञ्जामास (य वहि महि
 ७ दरीधृञ्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ दरीधृञ्जिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ दरीधृञ्जि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अदरीधृञ्जि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२१ ध्वजु (ध्वज्ज्) गतौ ।

- १ दाध्वञ्ज-यते येते यन्ते यस्य येथे यन्वे ये यावहे यामहे
 २ दाध्वञ्जये-त याताम् रन् याः याथाम् ध्वम् यवहि मर्हि
 ३ दाध्वञ्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् र्यध्वम् य
 यावहै यामहै
 ४ अदाध्वञ्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि व्हहि धमहि
 ५ अदाध्वञ्जि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् डुद्वम् ध्व
 ६ दाध्वञ्जाञ्च-क्रे काते किरे कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृ
 दाध्वञ्जाम्बभूव दाध्वञ्जामास (य वहिः
 ७ दाध्वञ्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ दाध्वञ्जिता - ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्रहे स्महे
 ९ दाध्वञ्जि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यन्वे ज्य
 ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
 १० अदाध्वञ्जि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१२२ ध्रज (ध्रज्) गतौ ।

- १ दाध्रज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाध्रज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दाध्रज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदाध्रज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अदाध्रजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दाध्रजाम्बभूव व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम दाध्रजाश्चक्रे दाध्रजामास (य वहि महि
- ७ दाध्रजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दाध्रजिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दाध्रजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदाध्रजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२४ वज (वज्) गतौ ।

- १ वावज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवावजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावजामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वावजाश्चक्रे वावजाम्बभूव (य वहि महि
- ७ वावजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावजिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवावजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२३ ध्रज् (ध्रज्) गतौ ।

- १ दाध्रज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाध्रज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दाध्रज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदाध्रज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अदाध्रजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दाध्रजाम्बभूव व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम दाध्रजाश्चक्रे दाध्रजामास (य वहि महि
- ७ दाध्रजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दाध्रजिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दाध्रजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदाध्रजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२५ व्रज (व्रज्) गतौ ।

- १ वाव्रज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वाव्रज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वाव्रज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवाव्रज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवाव्रजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वाव्रजाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे वाव्रजाम्बभूव वाव्रजामास (य वहि महि
- ७ वाव्रजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वाव्रजिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वाव्रजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवाव्रजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२६ षज्ज (सज्ज) गतौ ।

- १ सासज्ज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासज्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासज्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासज्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ असासज्जि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सासज्जाम्बभू-व वतु ङुः विथ वथुः व व विव विम सासज्जाश्चक्रे सासज्जामास (य वहि महि
- ७ सासज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासज्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासज्जि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असासज्जि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- १२६-२ अज [अज्ज] क्षेपणे च । वेकीयते

१२८ खुज्ज (खुज्ज) स्तेये ।

- १ चोखुज्ज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यानहे
- २ चोखुज्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोखुज्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोखुज्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अचोखुज्जि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोखुज्जाम्बभू-व वतु ङुः विथ वथुः व व विव विम चोखुजाश्चक्रे चोखुज्जामास (य वहि महि
- ७ चोखुज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोखुज्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोखुज्जि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचोखुज्जि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२७ कुज्ज (कुज्ज) स्तेये ।

- १ चोकुज्ज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुज्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुज्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुज्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अचोकुज्जि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोकुज्जाश्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्धवे क्रे वृवहे कृमहे चोकुज्जाम्बभूव चोकुज्जामास (य वहि महि
- ७ चोकुज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोकुज्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकुज्जि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचोकुज्जि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२९ सर्ज (सर्ज) अर्जने ।

- १ सासर्ज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासर्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासर्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासर्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ असासर्जि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सासर्जामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम सासर्जाश्चक्रे सासर्जाम्बभूव (य वहि महि
- ७ सासर्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासर्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासर्जि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असासर्जि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१३० कर्ज (कर्ज) व्यथने ।

- १ चाकर्ज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ चाकर्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ चाकर्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अचाकर्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अचाकर्जि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ चाकर्जामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 चाकर्जश्चक्रे चाकर्जाम्बभूव (य वहि महि
 ७ चाकर्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ चाकर्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चाकर्जि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
 १० अचाकर्जि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१३२ खज (खज्) मन्थे ।

- १ चाखज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ चाखजये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ चाखज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अचाखज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अचाखजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ चाखजाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 चाखजाश्चक्रे चाखजामास (य वहि महि
 ७ चाखजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ चाखजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चाखजि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
 १० अचाखजि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्
 १३३ खजु (खज्जु) गति वैकल्ये खज १३२ वद्रूपाणि
 १३३ खजु (खज्जु) गति वैकल्ये चाखज्जयते १०

१३१ खर्ज (खर्ज) मार्जने च ।

- १ चाखर्ज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ चाखर्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ चाखर्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अचाखर्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अचाखर्जि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ चाखर्जामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 चाखर्जश्चक्रे चाखर्जाम्बभूव (य वहि महि
 ७ चाखर्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ चाखर्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चाखर्जि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
 १० अचाखर्जि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१३४ द्रवोष्फूर्जा (स्फूर्ज) वज्रनिर्घोषे ।

- १ पोस्फूर्ज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ पोस्फूर्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ पोस्फूर्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अपोस्फूर्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अपोस्फूर्जि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ पोस्फूर्जाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 पोस्फूर्जाश्चक्रे पोस्फूर्जामास (य वहि महि
 ७ पोस्फूर्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ पोस्फूर्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ पोस्फूर्जि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
 १० अपोस्फूर्जि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्
 अत्र पोस्फु-स्वान्ते पोस्फु-इति शेषम् ।

१३५ क्षीज (क्षीज्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ चेक्षीज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेक्षीज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेक्षीज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेक्षीज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचेक्षीजि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेक्षीजाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चेक्षीजाश्चक्रे चेक्षीजामास (य वहि महि
- ७ चेक्षीजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेक्षीजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेक्षीजि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि
- १० अचेक्षीजि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१३७ गुज (गुज्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ जोगुज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगुज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगुज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगुज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजोगुजि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोगुजाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोगुजाश्चक्रे जोगुजामास (य वहि महि
- ७ जोगुजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोगुजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोगुजि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि
- १० अजोगुजि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१३६ कूज (कूज्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ चोकूज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकूज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकूज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकूज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचोकूजि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोकूजाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे चोकूजाम्बभूव चोकूजामास (य वहि महि
- ७ चोकूजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोकूजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकूजि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि
- १० अचोकूजि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१३८ गुज्ज (गुज्ज्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ जोगुज्ज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगुज्ज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगुज्ज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगुज्ज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजोगुज्जि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोगुज्जाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे जोगुज्जाम्बभूव जोगुज्जामास (य वहि महि
- ७ जोगुज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोगुज्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोगुज्जि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि
- १० अजोगुज्जि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१३९ लज् (लज्) भर्त्सने ।

- १ लालज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालज्जे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अलालज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अलालजि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालजाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम लालजाम्बभूव लालजामास (य वहि महि
- ७ लालजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
- ९ लालजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अलालजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१४१ तर्ज् (तर्ज्) भर्त्सने ।

- १ तातर्ज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातर्ज्जे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तातर्ज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अतातर्ज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतातर्जि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तातर्जामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तातर्जामास तातर्जाम्बभूव (य वहि महि
- ७ तातर्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातर्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
- ९ तातर्जि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतातर्जि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

~~१४२ लाज (लाज्) भर्त्सने च लाज १३९ वृत्तपाणि~~
१४२ लाज [लाज्] भर्त्सने च लाजाच्यते इ०

१४० लज्ज (लज्ज) भर्त्सने ।

- १ लालज्ज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालज्जजे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालज्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अलालज्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अलालजि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालजाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम लालजाम्बभूव लालजामास (य वहि महि
- ७ लालजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
- ९ लालजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अलालजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१४३ लाज्ज (लाज्ज) भर्त्सने च ।

- १ लालाज्ज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालाज्जजे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालाज्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अलालाज्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अलालाजि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालाजाम्बभू-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्धवे के कृद्धे कृमहे लालाजाम्बभूव लालाजामास (य वहि महि
- ७ लालाजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालाजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
- ९ लालाजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अलालाजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१४४ जज (जज्) युद्धे ।

- १ जाजज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाजज्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाजज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाजज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अजाजजि-ष्ट पाताम् षत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाजजामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जाजजाश्चक्रे जाजजाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जाजजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाजजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाजजि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजाजजि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

१४६ तुज (तुज्) हिंसायाम् ।

- १ तोतुज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतुज्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतुज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतुज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अतोतुजि-ष्ट पाताम् षत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोतुजाश्च-क्रे काते किर कृषे काथे कृद्भवे क्रे कृवहे कृमहे तोतुजाम्बभूव तोतुजामास (य वहि महि
- ७ तोतुजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोतुजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतुजि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अतोतुजि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

१४५ जज्ज (जज्ज्) युद्धे ।

- १ जाजज्ज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाजज्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाजज्ज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाजज्ज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अजाजज्जि-ष्ट पाताम् षत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाजज्जाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जाजज्जाश्चक्रे जाजज्जामास (य वहि महि
- ७ जाजज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाजज्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाजज्जि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अजाजज्जि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

१४७ तुज्ज (तुज्ज्) बलने च ।

- १ तोतुज्ज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतुज्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतुज्ज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतुज्ज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अतोतुज्जि-ष्ट पाताम् षत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोतुज्जाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तोतुज्जाश्चक्रे तोतुज्जामास (य वहि महि
- ७ तोतुज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोतुज्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतुज्जि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अतोतुज्जि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

१४८ गर्ज (गर्ज्) शब्दे ।

- १ जागर्ज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जागर्ज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जागर्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अजागर्ज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अजागर्जि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ जागर्जिश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काये कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे
 जागर्जाम्बभूव जागर्जामास (य वहि महि
 ७ जागर्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जागर्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जागर्जि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
 १० अजागर्जि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१५० गृज (गृज्) शब्दे ।

- १ जरोगृज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जरोगृज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जरोगृज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अजरोगृज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अजरोगृजि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ जरोगृजामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 जरोगृजाश्चक्रे जरोगृजाम्बभूव (य वहि महि
 ७ जरोगृजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जरोगृजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जरोगृजि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
 १० अजरोगृजि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१४९ गज्ज (गज्ज्) शब्दे ।

- १ जागज्ज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जागज्ज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जागज्ज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अजागज्ज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अजागज्जि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ जागज्जाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 जागज्जाश्चक्रे जागज्जामास (य वहि महि
 ७ जागज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जागज्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जागज्जि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
 १० अजागज्जि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१५१ गृज्ज (गृज्ज्) शब्दे ।

- १ जरोगृज्ज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जरोगृज्ज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जरोगृज्ज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अजरोगृज्ज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अजरोगृज्जि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ जरोगृज्जाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 जरोगृज्जाश्चक्रे जरोगृज्जामास (य वहि महि
 ७ जरोगृज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जरोगृज्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जरोगृज्जि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
 १० अजरोगृज्जि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१५६ गज (गञ्) मदने च ।

- १ जागज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जागज्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जागज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजागज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजागजि-ष्ट याताम् षत षाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जागजाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जागजाम्बभूव जागजामास (य वहि महि
- ७ जागजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जागजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जागजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजागजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१५८ षञ् (सञ्ज्) सङ्गे ।

- १ सासज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासज्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ असासजि-ष्ट याताम् षत षाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सासजाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे सासजाम्बभूव सासजामास (य वहि महि
- ७ सासजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असासजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१५७ त्यज् (त्यज्) हानौ ।

- १ तात्यज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तात्यज्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तात्यज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतात्यज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतात्यजि-ष्ट याताम् षत षाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तात्यजाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे तात्यजाम्बभूव तात्यजामास (य वहि महि
- ७ तात्यजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तात्यजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तात्यजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतात्यजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१५९ कट् (कट्) शब्दे ।

- १ चाकट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचाकटि-ष्ट याताम् षत षाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकटाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाकटाश्चके चाकटामास (य वहि महि
- ७ चाकटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचाकटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१६० शट् (शट्) रुजाविशरगत्यवशातनेषु ।

- १ शाशट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अशाशटि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशटामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम शाशटाम्बभूव शाशटाम्बभूव [य वहि महि
- ७ शाशटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशाशटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१६१ वट् (वट्) वेष्टने ।

- १ वावट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अवावटि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावटामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वावटाम्बभूव वावटाम्बभूव [य वहि महि
- ७ वावटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवावटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१६२ किट् (किट्) उत्त्रासे ।

- १ चेकिट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेकिट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेकिट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेकिट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अचेकिटि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेकिटाम्बभूव चेकिटाम्बभूव चेकिटामास (य वहि महि
- ७ चेकिटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेकिटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेकिटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेकिटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१६३ खिट् (खिट्) उत्त्रासे ।

- १ चेखिट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेखिट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेखिट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेखिट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अचेखिटि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेखिटाम्बभूव चेखिटाम्बभूव चेखिटामास (य वहि महि
- ७ चेखिटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेखिटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेखिटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेखिटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१६४ शिट् (शिट्) अनादरे ।

- १ शेशिट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शेशिट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शेशिट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशेशिट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अशेशिटि-ष्ट पाताम् षत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शेशिटामा-स सन्तुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम शेशिटाम्बभूव शेशिटाम्बभूव [य वहि महि
- ७ शेशिटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शेशिटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शेशिटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशेशिटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१६६ जट् (जट्) संघाते ।

- १ जाजट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाजट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाजट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाजट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाजटि-ष्ट पाताम् षत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाजटाम्बभूव-क्रे क्राते क्तिरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे जाजटाम्बभूव जजटामास (य वहि महि
- ७ जाजटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाजटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाजटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाजटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१६५ षिट् (मिट्) अनादरे ।

- १ सेषिट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेषिट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेषिट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेषिट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ध्वहि ध्महि
- ५ असेषिटि-ष्ट पाताम् षत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सेषिटामा-स सन्तुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम सेषिटाम्बभूव सेषिटाम्बभूव [य वहि महि
- ७ सेषिटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सेषिटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेषिटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असेषिटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१६७ झट् (झट्) संघाते ।

- १ जाझट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाझट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाझट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाझट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाझटि-ष्ट पाताम् षत प्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाझटाम्बभूव-व वतु डः विथ वधुः व व विव विम जाझटाम्बभूव जाझटामास (य वहि महि
- ७ जाझटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाझटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाझटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाझटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१६८ पिट (पिट्) शब्दे च ।

- १ पेपिट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेपिट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपिट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अपेपिट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अपेपिटि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पेपिटि-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- पेपिटाम्बभूव पेपिटामास (य वहि महि
- ७ पेपिटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पेपिटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपिटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपेपिटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१७० तट (तट्) उच्छ्राये ।

- १ तातट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तातट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अतातट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतातटि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तातटि-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- तातटाम्बभूव तातटामास (य वहि महि
- ७ तातटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतातटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१६९ भट (भट्) भृतौ ।

- १ बाभट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अबाभट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अबाभटि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभटा-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- बाभटाम्बभूव बाभटामास (य वहि महि
- ७ बाभटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाभटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अबाभटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१७१ खट (खट्) काङ्क्षे ।

- १ चाखट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाखट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाखट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अचाखट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचाखटि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाखटा-व वतुः वुः विथ वयुः व व विव विम
- चाखटाम्बभूव चाखटामास (य वहि महि
- ७ चाखटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाखटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाखटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचाखटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१७२ णट् (नट्) नृत्तौ ।

- १ नानट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नानट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अनानट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अनानटि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ नानटाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे नानटाम्बभूव नानटामास (य वहि महि
- ७ नानटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नानटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नानटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अनानटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१७३ षट् (सट्) अवयवे ।

- १ सासट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ असासट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ असासटि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ सासटाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे सासटाम्बभूव सासटामास (य वहि महि
- ७ सासटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असासटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१७३ हट् (हट्) दीप्तौ ।

- १ जाहट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाहट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाहट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अजाहट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाहटि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ जाहटाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जाहटाम्बभूव जाहटामास (य वहि महि
- ७ जाहटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाहटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाहटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजाहटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१७५ लुट् (लुट्) विलोदने ।

- १ लोलुट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलुट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लोलुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अलोलुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अलोलुटि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ लोलुटाम्बभूव-व वलुः वुः विथ वथुः व व विव विम लोलुटाश्चके लोलुटामास (य वहि महि
- ७ लोलुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लोलुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लोलुटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अलोलुटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१७६ चिट (चिट्) प्रैष्ये ।

- १ चेचिट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेचिट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेचिट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेचिट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अचेचिटि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेचिटामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चेचिटाम्बभूव चेचिटाम्बभूव [य वहि महि
- ७ चेचिटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेचिटिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेचिटि-च्यते च्येते च्यन्ते च्यसे च्येथे च्यध्वे च्ये च्यावहे च्यामहे (च्ये च्यावहि च्यामहि
- १० अचेचिटि-च्यत च्येताम् च्यन्त च्यथाः च्येथाम् च्यध्वम्

१७८ हेट (हेट्) विवाधायाम् ।

- १ जेहेट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेहेट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेहेट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेहेट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अजेहेटि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेहेटाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जेहेटाम्बभूव जेहेटामास (य वहि महि
- ७ जेहेटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जेहेटिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेहेटि-च्यते च्येते च्यन्ते च्यसे च्येथे च्यध्वे च्ये च्यावहे च्यामहे (च्ये च्यावहि च्यामहि
- १० अजेहेटि-च्यत च्येताम् च्यन्त च्यथाः च्येथाम् च्यध्वम्

१७७ चिट (चिट्) शब्दे ।

- १ वेचिट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेचिट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेचिट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेचिट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि षमहि
- ५ अवेचिटि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेचिटामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वेचिटाम्बभूव वेचिटाम्बभूव [य वहि महि
- ७ वेचिटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेचिटिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेचिटि-च्यते च्येते च्यन्ते च्यसे च्येथे च्यध्वे च्ये च्यावहे च्यामहे (च्ये च्यावहि च्यामहि
- १० अवेचिटि-च्यत च्येताम् च्यन्त च्यथाः च्येथाम् च्यध्वम्

१७९ अट (अट्) गतौ ।

- १ अटाट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ अटाट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अटाट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ आटाट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ आटाटि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ अटाटाञ्च-क्रेकाते किरै कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे अटाटाम्बभूव अटाटामास (य वहि महि
- ७ अटाटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अटाटिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अटाटि-च्यते च्येते च्यन्ते च्यसे च्येथे च्यध्वे च्ये च्यावहे च्यामहे (च्ये च्यावहि च्यामहि
- १० आटाटि-च्यत च्येताम् च्यन्त च्यथाः च्येथाम् च्यध्वम्

१८० पट (पट्) गतौ ।

- १ पापट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपापट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि प्वहि प्वहि
- ५ अपापटि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पापटामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम पापटाश्चके पापटाम्बभूव [य वहि महि
- ७ पापटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पापटिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पापटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपापटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१८१ किट (किट्) गतौ ।

- १ चेकिट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेकिट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेकिट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेकिट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अचेकिटि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम् चेकिटामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम चेकिटाम्बभूव चेकिटाश्चके [य वहि महि
- ६ चेकिटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ७ चेकिटिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ८ चेकिटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेकिटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१८२ कट (कट्) गतौ ।

- १ चाकट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अचाकटि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकटाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम चाकटाश्चके चाकटामास (य वहि महि
- ७ चाकटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकटिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१८३ कट्ट (कट्ट) गतौ ।

- १ चाकण्ट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकण्ट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकण्ट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकण्ट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अचाकण्टि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकण्टाश्चके-क्रेकाते क्रेरे कृषे काथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे चाकण्टाम्बभूव चाकण्टामास (य वहि महि
- ७ चाकण्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकण्टिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकण्टि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकण्टि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१८४ कट्टै (कट्ट) गतौ । १८२ कट वट्टपाणि

१८५ कुट् (कुण्ट) वैकल्ये ।

- १ चोकुण्ट-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुण्ट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुण्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुण्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचोकुण्टि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोकुण्टामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोकुण्टाम्बभूव चोकुण्टाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ चोकुण्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोकुण्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकुण्टि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोकुण्टि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१८७ चुट (चुट्) अल्पीभावे ।

- १ चोचुट्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोचुट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोचुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोचुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचोचुटि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोचुटाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चोचुटाश्चक्रे चोचुटामास (य वहि महि
- ७ चोचुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोचुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोचुटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोचुटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१८६ मुट् (मुट्) प्रमर्दने ।

- १ मोमुट्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमुट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ध्वहि धमहि
- ५ अमोमुटि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मोमुटामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मोमुटाम्बभूव मोमुटाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ मोमुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मोमुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमुटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमोमुटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१८८ चुट् (चुण्ट्) अल्पीभावे ।

- १ चोचुण्ट्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोचुण्ट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोचुण्ट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोचुण्ट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचोचुण्टि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोचुण्टाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे चोचुण्टाम्बभूव चोचुण्टामास (य वहि महि
- ७ चोचुण्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोचुण्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोचुण्टि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोचुण्टि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१८९ वडु (वण्ट्) विभाजने ।

- १ वावण्ट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावण्ट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावण्ट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावण्ट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अवावण्टि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ वावण्टाश्च-के क्राते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे वावण्टाम्बभूव वण्टातामास (य वहि महि
- ७ वावण्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावण्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावण्टि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अवावण्टि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१९१ लुडु (लुण्ट्) स्तेये ।

- १ लोलुण्ट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलुण्ट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लोलुण्ट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलोलुण्ट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अलोलुण्टि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ लोलुण्टाश्च-के क्राते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे लोलुण्टाम्बभूव लोलुण्टातामास (य वहि महि
- ७ लोलुण्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लोलुण्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लोलुण्टि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अलोलुण्टि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१९० रुडु (रुण्ट्) स्तेये ।

- १ रोरुण्ट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रोरुण्ट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रोरुण्ट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अरोरुण्ट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अरोरुण्टि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ रोरुण्टाश्च-के क्राते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे रोरुण्टाम्बभूव रोरुण्टातामास (य वहि महि
- ७ रोरुण्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रोरुण्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रोरुण्टि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अरोरुण्टि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१९२ स्फट (स्फट्) विशरणे ।

- १ पास्फाट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पास्फाट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पास्फाट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपास्फाट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अपास्फाटि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ पास्फाटाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम पास्फाटाश्चके पास्फाटातामास (य वहि महि
- ७ पास्फाटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पास्फाटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पास्फाटि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अपास्फाटि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

अत्र स्फट्-स्थाने स्फट्-इति बोध्यम् ।

१९३ स्फुट् (स्फुट्) विशरणे ।

- १ पोस्फुट्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोस्फुट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोस्फुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोस्फुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अपोस्फुटि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोस्फुटामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम पोस्फुटाम्बभूव पोस्फुटाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ पोस्फुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पोस्फुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोस्फुटि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
- १० अपोस्फुटि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१९४ लट् (लट्) बाल्ये ।

- १ लालट्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलालट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि प्वहि प्वहि
- ५ अलालटि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालटामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम लालटाश्चक्रे लालटाम्बभूव [य वहि महि
- ७ लालटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालटि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
- १० अलालटि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१९५ रट् (रट्) परिभाषणे ।

- १ रारट्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अरारटि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारटाम्बभूव-ववतुः वुः विथ वथुः व व विव विम रारटाश्चक्रे रारटामास (य वहि महि
- ७ रारटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारटि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
- १० अरारटि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१९६ रट् (रट्) परिभाषणे ।

- १ रारट्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ रारट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अरारटि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारटाश्चक्रे-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे रारटाम्बभूव रारटामास (य वहि महि
- ७ रारटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारटि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
- १० अरारटि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

DONATED BY
Lt. PADMASHREE
Prof. V. VENKATACHALAM
VARANASI

१९७ पठ (पठ्) व्यक्तायां वाचि ।

- १ पापठ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापठ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपापठ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अपापठि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पापठाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे पापठाश्चक्रे पापठामास (य वहि महि
- ७ पापठिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पापठिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पापठि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपापठि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१९८ वठ (वठ्) स्थौल्ये ।

- १ वावठ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावठ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावठ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अवावठि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावठाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे वावठाश्चक्रे वावठामास (य वहि महि
- ७ वावठिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावठिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावठि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवावठि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१९९ मठ (मठ्) मदनिवासयोश्च ।

- १ मामठ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामठ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामठ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अमामठि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामठाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे मामठाश्चक्रे मामठामास (य वहि महि
- ७ मामठिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामठिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामठि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमामठि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२०० कठ (कठ्) कृच्छ्रजीवने ।

- १ चाकठ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकठ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकठ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अचाकठि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकठाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चाकठाश्चक्रे चाकठामास (य वहि महि
- ७ चाकठिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकठिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकठि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचाकठि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२०० हठ (हट्) बलात्कारे ।

- १ जाहट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाहट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाहट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाहट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अजाहटि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाहटाञ्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे जाहटाम्बभूव जाहटामास (य वहि महि
- ७ जाहटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाहटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाहटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजाहटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२०३ लुठ (लुट्) उपघाते ।

- १ लोलुट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलुट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लोलुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलोलुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अलोलुटि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लोलुटाञ्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे लोलुटाम्बभूव लोलुटामास (य वहि महि
- ७ लोलुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लोलुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लोलुटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अलोलुटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२०२ रुठ (रुट्) उपघाते ।

- १ रोरुट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रोरुट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रोरुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अरोरुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अरोरुटि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रोरुटाञ्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे रोरुटाम्बभूव रोरुटामास (य वहि महि
- ७ रोरुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रोरुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रोरुटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अरोरुटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२०४ पिठ (पिट्) हिंसासंक्लेसनयोः ।

- १ पेपिट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेपिट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपिट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपेपिट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अपेपिटि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पेपिटाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम पेपिटाञ्चके पेपिटामास (य वहि महि
- ७ पेपिटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पेपिटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपिटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपेपिटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२०५ शठ (शट्) कैतवे च ।

- १ शाशट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अशाशटि-ष्ट पाताम् षत टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशटाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम शाशटाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शाशटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अशाशटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२०७ कुट्ट (कुण्ट) आलस्ये च ।

- १ चोक्कुण्ट-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोक्कुण्ट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोक्कुण्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोक्कुण्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचोक्कुण्टि-ष्ट पाताम् षत टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोक्कुण्टामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोक्कुण्टाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चोक्कुण्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोक्कुण्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोक्कुण्टि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचोक्कुण्टि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२०६ शुठ (शुट्) गतिप्रतीघाते ।

- १ शोशुट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशुट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अशोशुटि-ष्ट पाताम् षत टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशुटाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम शोशुटाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शोशुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोशुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशुटि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अशोशुटि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२०८ लुट्ट (लुण्ट) आलस्ये च ।

- १ लोलुण्ट-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलुण्ट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लोलुण्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलोलुण्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अलोलुण्टि-ष्ट पाताम् षत टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लोलुण्टामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम लोलुण्टाम्बभूव (य वहि महि
- ७ लोलुण्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लोलुण्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लोलुण्टि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अलोलुण्टि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२०९ शुटु (शुण्ट) शोषणे ।

- १ शोशुण्ट-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशुण्ट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशुण्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशुण्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि एवहि धमहि
- ५ अशोशुण्टि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशुण्टाम्बभू-व वतुः बुः विथ वथुः व व विव विम शोशुण्टाश्चक्रे शोशुण्टामास (य वहि महि
- ७ शोशुण्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोशुण्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशुण्टि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अशोशुण्टि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२११ पुडु (पुण्ड) प्रमर्दने ।

- १ पोपुण्ड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपुण्ड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपुण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोपुण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि एवहि धमहि
- ५ अपोपुण्डि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोपुण्डाम्बभू-व वतुः बुः विथ वथुः व व विव विम पोपुण्डाश्चक्रे पोपुण्डामास (य वहि महि
- ७ पोपुण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पोपुण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोपुण्डि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपोपुण्डि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२१० रुटु (रुण्ट) गतौ ।

- १ रोरुण्ट-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रोरुण्ट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रोरुण्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरोरुण्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि एवहि धमहि
- ५ अरोरुण्टि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रोरुण्टाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे रोरुण्टाम्बभूव रोरुण्टामास (य वहि महि
- ७ रोरुण्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रोरुण्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रोरुण्टि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अरोरुण्टि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२१२ मुटु (मुण्ड) खण्डने च ।

- १ मोमुण्ड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमुण्ड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमुण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमुण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि एवहि धमहि
- ५ अमोमुण्डि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मोमुण्डाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे मोमुण्डाम्बभूव मोमुण्डामास (य वहि महि
- ७ मोमुण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मोमुण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमुण्डि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमोमुण्डि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२१३ मडु (मण्ड) भूषायाम् ।

- १ मामण्ड-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २मामण्ड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३मामण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अमामण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
 ५अमामण्डि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ मामण्डामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 मामण्डाश्चक्रे मामण्डाम्बभूव (य वहि महि
 ७ मामण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ मामण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ मामण्डि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १०अमामण्डि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२१५ शौड (शौड) गर्वे ।

- १ शोशौड-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २शोशौड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ शोशौड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अशोशौड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
 ५ अशोशौडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ शोशौडाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
 शोशौडाश्चक्रे शोशौडामास (य वहि महि
 ७ शोशौडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ शोशौडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ शोशौडि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १०अशोशौडि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२१४ गडु (गण्ड) बदनैकदेशे ।

- १ जागण्ड-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जागण्ड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जागण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अजागण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
 ५ अजागण्डि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ जागण्डामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 जागण्डाश्चक्रे जागण्डाम्बभूव (य वहि महि
 ७ जागण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जागण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जागण्डि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अजागण्डि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२१६ यौड (यौड) संबन्धे ।

- १ योयौड-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ योयौड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ योयौड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अयोयौड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
 ५ अयोयौडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ योयौडाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
 योयौडाश्चक्रे योयौडामास (य वहि महि
 ७ योयौडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ योयौडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ योयौडि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १०अयोयौडि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२१७ मेड (मेड्) उन्मादे ।

- १ मेमेड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमेड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमेड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमेड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अमेमेडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेमेडाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे मेमेडाम्बभूव मेमेडामास (य वहि महि
- ७ मेमेडिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेमेडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमेडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमेमेडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२१९ म्लेड् (म्लेड्) उन्मादे ।

- १ मेम्लेड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेम्लेड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेम्लेड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेम्लेड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अमेम्लेडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेम्लेडाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे मेम्लेडाम्बभूव मेम्लेडामास (य वहि महि
- ७ मेम्लेडिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेम्लेडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेम्लेडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमेम्लेडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२१८ म्रेड् (म्रेड्) उन्मादे ।

- १ मेमेड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमेड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमेड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अमेमेड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अमेमेडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेमेडाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे मेमेडाम्बभूव मेमेडामास (य वहि महि
- ७ मेमेडिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेमेडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमेडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमेमेडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२२० लोड् (लोड्) उन्मादे ।

- १ लोलोड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलोड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लोलोड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलोलोड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अलोलोडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लोलोडाम्बभूव-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम लोलोडाश्चके लोलोडामास (य वहि महि
- ७ लोलोडिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लोलोडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लोलोडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलोलोडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२२१ लौड (लौड) उन्मादे ।

- १ लोलौङ्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ लोलौङ्ये-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् यवहि महि
 ३ लोलौङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अलोलौङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
 ५ अलोलौङि-ष्ट पाताम् षत ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
 ६ लोलौङाम्बभ्रु-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
 लोलौङाश्चक्रे लोलौङामास (य वहि महि
 ७ लोलौङिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ लोलौङिता- ' रौरः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ लोलौङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अलोलौङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२२२ गोड (रोड) अनादरे ।

- १ रोरोड्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ रोरोड्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ रोरोड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अरोरोड्-यत येताम् यन्त यथाः देथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि व्हहि षमहि
 ५ अरोरोडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
 ६ रोरोडामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सित्र सिम
 रोरोडाश्चके रोरोडाम्बभूव (य वहि महि
 ७ रोरोडिषी-ष्टे यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ रोरोडिता- " री रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ रोरोडि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
 व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 १० अरोरोडि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

२१३ रौडू (रौडू) अनादरे ।

- १ रोरोड्—यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ रोरोड्ये—त याताम् रन् थाः यांथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ रोरोड्—यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यं
 यावहे यामहे
 ४ अरोरोड्—यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
 ५ अरोरोडि—ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्वम् ध्वम्
 ६ रोरोडाम्बभू—व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 रोरोडाश्चक्रे रोरोडामास (य वहि महि
 ७ रोरोडिषी—ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ रोरोडिता—' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ रोरोडि—व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
 व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 १० अरोरोडि—व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

२२४ तौड़ (तौड़) अनादरे ।

- १ तोतौड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ तोतौड्ये-यताताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ तोतौड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अतोतौड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अतोतौडि-एट षाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्ड्वम् ध्वम्
 ६ तोतौडामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 तोतौडाश्चक्रे तोतौडाम्बभूव (य वहि महि
 ७ तोतौडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ तोतौडिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ तोतौडि-ह्यते ह्येते ह्यन्ते ह्यसे ह्येथे ह्यध्वे ह्यं
 ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
 १० अतोतौडि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्

२२५ क्रीड (क्रीड) विहारे ।

- १ चेंक्रीड्-यते येते यन्ते यस्य येथ्ये यध्वे ये यावहे यामहे
२ चेक्रीड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ चेक्रीड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्य येथाम् यध्वम् ये
यावहै यामहै
४ अचेक्रीड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (णि ष्वहि ष्महि
५ अचेक्रीडि-ष्ट पाताम् षत ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
६ चेक्रीडाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चेक्रीडाश्चक्रे चेक्रीडामास (य वहि महि
७ चेक्रीडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
८ चेक्रीडिता-” रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ चेक्रीडि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथ्ये ज्यध्वे ज्ये
ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
१० अचेक्रीडि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

૨૨૬ તુઢ (તુઢ) તોડને ।

- १ तोतुङ्-यते येते यन्ते यस्ये यध्वे ये यावहे यामहे
 रतोतुङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ तोतुङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अतोतुङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
 ५ अतोतुङि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् इध्वम् ध्वम्
 ६ तोतुडाम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
 तोतुडाञ्चके तोतुडामास (य वहि महि
 ७ तोतुङिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ तोतुङिता- १ रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ तोतुङि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यावहे ज्यामहे (ज्य ज्यावहि ज्यामहि
 १० अतोतुङि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

२२७ वृद्ध (वृद्ध) तोडने ।

- १ तोतूड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ तोतूड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ तोतूड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै
 यावहै यामहै
 ४ अतोतूड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
 ५ अतोतूडि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ध्वम्
 ६ तोतूडामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 तोतूडाश्चके तोतूडाम्बभूव (य वहि महि
 ७ तोतूडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ तोतूडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ तोतूडि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
 १० अतोतूडि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

२२८ तोड्ड (तोड्ड) तोडने ।

- १ तोतोड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ तोतोड्ये-तयाताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ तोतोड्-यताम् यताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अतोतोड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
 ५ अतोतोडि-ष्ट पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ तोतोडामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 तोतोडाश्चक्रे तोतोडाम्बभूव (य वहि महि
 ७ तोतोडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ तोतोडिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ तोतोडि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यस्ये व्येथे व्यध्वे व्यै
 व्यावहे व्यामहे (व्यै व्यावहि व्यामहि
 १० अतोतोडि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

२२९ हुड (हुड्) गतौ ।

- १ जोहुङ्-यते येते यन्ते यस्य येथ्ये यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जोहुङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जोहुङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यरव येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अजोहुङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि एवहि धमहि
 ५ अजोहुङि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्वम् ध्वम्
 ६ जोहुडाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 जोहुडाम्बभूव जोहुडामास (य वहि महि
 ७ जोहुङिषी-ष्टयारताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जोहुङिता- 'रौ र से साथे ध्वे हे स्वहे रन्हे
 ९ जोहुङि-ह्यते ह्येते ह्यन्ते ह्यसे ह्येथ्ये ह्यध्वे ह्ये
 ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
 १० अजोहुङि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्

२३० हृह (हृह) गतौ ।

- १ जोहृङ्-यते यंत यन्ते यस्य यथे यथ्वे ये यावहे यामहे
 २ जोहृङ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
 ३ जोहृङ्-यताम् यंताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यावहे
 ४ अजोहृङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
 ५ अजोहृङि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ववम् ध्वम्
 ६ जोहृडाश्च-के काते क्रिरे कृषे काथे कृत्वे के वृवहे कृमहे
 जोहृडाम्बभूव जोहृडामास (य वहि महि
 ७ जोहृङिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जोहृङिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे र्महे
 ९ जोहृङि-ध्यते ध्यंत ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अजोहृङि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२३१ हूह (हूह) गती ।

- १ जोहूङ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जोहूङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जोहूङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अजोहूङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
 ५ अजोहूङि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 ६ जोहूङाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृत्वे क्रे कुवहे कृमहे
 जोहूङाम्बभूव जोहूङामास (य वहि महि
 ७ जोहूङिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् षम
 ८ जोहूङिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जोहूङि-द्यते द्येते द्यन्ते द्यसे द्येथे द्यध्वे द्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (द्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अजोहूङि-द्यत द्येताम् द्यन्त द्यथाः द्येथाम् द्यध्वम्

२३२ हौड (हौड्) गतौ ।

- १ जोहौड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ जोहौड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ जोहौड्-यताम् येताम् यन्ताम् यरव येथाम् यध्वम् यै
यावहै यामहै
४ अजोहौड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ध्वहि स्महि
५ अजोहौडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
६ जोहौडाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जोहौडाश्चक्रे जोहौडामास (य वहि महि
७ जोहौडिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
८ जोहौडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ जोहौडि-ह्यते ह्येसे ह्यन्ते ह्यसे ह्येथे ह्यध्वे ह्ये
ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
१० अजोहौडि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्

२३३ खोड् (खोड्) प्रतीघाते ।

- १ चोखोड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोखोड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोखोड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोखोड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अचोखोडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ चोखोडाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चोखोडाश्चक्रे चोखोडामास (य वहि महि
- ७ चोखोडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोखोडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोखोडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोखोडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२३५ लड् (लड्) विलासे ।

- १ लालड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलालड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अलालडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ लालडाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम लालडाम्बभूव लालडामास (य वहि महि
- ७ लालडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलालडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२३४ विड् (विड्) आक्रोशे ।

- १ वेविड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेविड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेविड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेविड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अवेविडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ वेविडाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम वेविडाम्बभूव वेविडामास (य वहि महि
- ७ वेविडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेविडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेविडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेविडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२३६ कण्ड् (कण्ड्) मदे ।

- १ चाकण्ड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकण्ड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकण्ड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकण्ड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अचाकण्डि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ चाकण्डाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाकण्डाम्बभूव चाकण्डामास (य वहि महि
- ७ चाकण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकण्डि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकण्डि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२३७ कड्ड (कड्ड) कार्कश्ये ।

- १ चाकड्ड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकड्डये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकड्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकड्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाकड्डि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकड्डामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चाकड्डाम्बभूव चाकड्डाञ्चके [य वहि महि
- ७ चाकड्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकड्डिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकड्डि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकड्डि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२३९ रण (रण) शब्दे ।

- १ ररण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ ररणये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ररण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अरणि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रणाम्बभूव व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम रणाञ्चके रणामास (य वहि महि
- ७ रणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रणिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रणि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२३८ चुड्ड (चुड्ड) हावकरणे ।

- १ चोचुड्ड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोचुड्डये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोचुड्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोचुड्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचोचुड्डि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोचुड्डामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोचुड्डाम्बभूव चोचुड्डाञ्चके [य वहि महि
- ७ चोचुड्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोचुड्डिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोचुड्डि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोचुड्डि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२४० वण (वण) शब्दे । अनुस्वारे ।

- १ ववण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ ववणये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ववण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अववण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अववणि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ ववणाञ्चके काते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे ववणाम्बभूव ववणास (य वहि महि
- ७ ववणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ववणिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ववणि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अववणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् अनुनामिके ववण्यते एवं सर्वत्र

२४१ व्रण (व्रण) शब्दे ।

- १ वं व्रण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वं व्रण्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ वं व्रण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवं व्रण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवं व्रणि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ वं व्रणाश्च-के काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे वं व्रणाम्बभूव वं व्रणामास (य वहि महि
- ७ वं व्रणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वं व्रणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वं व्रणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवं व्रणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२४२ वण (वण) शब्दे । अनुस्वारे ।

- १ वं वण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वं वण्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वं वण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवं वण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवं वणि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ वं वणाम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम वं वणाश्चके वं वणामास (य वहि महि
- ७ वं वणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वं वणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वं वणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवं वणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् अनुनासिके बम्भण्यते इ० एवं सर्वत्र

२४३ भण (भण) शब्दे ।

- १ वं भण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वं भण्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वं भण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवं भण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवं भणि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ वं भणामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम वं भणाम्बभूव वं भणाश्चके [य वहि महि
- ७ वं भणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वं भणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वं भणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवं भणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२४४ भ्रण (भ्रण) शब्दे ।

- १ वं भ्रण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वं भ्रण्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वं भ्रण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवं भ्रण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवं भ्रणि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ वं भ्रणामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम वं भ्रणाश्चके वं भ्रणाम्बभूव [य वहि महि
- ७ वं भ्रणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वं भ्रणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वं भ्रणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवं भ्रणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२४५ मण (मण) शब्दे ।

- १ म'मण-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ म'मण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ म'मण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अम'मण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अम'मणि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ म'मणाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम म'मणाश्चक्रे म'मणामास (य वहि महि
- ७ म'मणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ म'मणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ म'मणि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अम'मणि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२४७ ध्वण (ध्वण) शब्दे ।

- १ द'ध्वण-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ द'ध्वण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ द'ध्वण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अद'ध्वण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अद'ध्वणि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ द'ध्वणाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे द'ध्वणाम्बभूव द'ध्वणामास (य वहि महि
- ७ द'ध्वणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ द'ध्वणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ द'ध्वणि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अद'ध्वणि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२४६ धण (धण) शब्दे । अनुस्वारे ।

- १ द'धण-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ द'धण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ द'धण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अद'धण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 - ५ अद'धणि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ द'धणाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे द'धणाम्बभूव द'धणामास (य वहि महि
 - ७ द'धणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ द'धणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ द'धणि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 - १० अद'धणि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- अनुनसिके दन्धण्यते इ० एवं सर्वत्र

२४८ ध्रण (ध्रण) शब्दे ।

- १ द'ध्रण-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ द'ध्रण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ द'ध्रण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अद'ध्रण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अद'ध्रणि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ द'ध्रणाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे द'ध्रणाम्बभूव द'ध्रणामास (य वहि महि
- ७ द'ध्रणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ द'ध्रणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ द'ध्रणि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अद'ध्रणि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२४९ कण (कण) शब्दे । अनुस्वारे ।

- १ च'कण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ च'कण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ च'कण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अच'कण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अच'कणि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ च'कणाश्च-केकाते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे क्रमहे च'कणाम्बभूव च'कणामास (य वहि महि
- ७ च'कणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ च'कणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ च'कणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अच'कणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् अनुनासिके तु चङ्कण्यते इ० एवं सर्वत्र

२५० क्वण (क्वण) शब्दे ।

- १ च'क्वण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ च'क्वण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ च'क्वण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अच'क्वण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अच'क्वणि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ च'क्वणाम्बभू-ववतुः वुः विथ वधुः वव विव विम च'क्वणाश्चके च'क्वणामास (य वहि महि
- ७ च'क्वणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ च'क्वणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ च'क्वणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अच'क्वणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२५१ चण (चण) शब्दे । अनुस्वारे

- १ च'चण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ च'चण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ च'चण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अच'चण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अच'चणि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ च'चणामा-स सतुः सुः स्थि सधुः स स सिव सिम च'चणाम्बभूव च'चणाश्चके [य वहि महि
- ७ च'चणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ च'चणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ च'चणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अच'चणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् अनुनासिके तु चञ्चण्यते एवं सर्वत्र

२५२ शोण (शोण) वर्णगत्योः ।

- १ शो'शोण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शो'शोण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शो'शोण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशो'शोण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि षमहि
- ५ अशो'शोणि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ शो'शोणामा-स सतुः सुः स्थि सधुः स स सिव सिम शो'शोणाश्चके शो'शोणाम्बभूव [य वहि महि
- ७ शो'शोणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शो'शोणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शो'शोणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशो'शोणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२५३ श्रोण (श्रोण) संघाते ।

- १ शोश्रोण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोश्रोण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोश्रोण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोश्रोण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अशोश्रोणि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोश्रोणाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- शोश्रोणास्वभूव शोश्रोणामास (य वहि महि
- ७ शोश्रोणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोश्रोणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोश्रोणि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अशोश्रोणि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२५५ पैण (पैण) गतिप्रेरणश्लेषणेषु ।

- १ पेपैण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेपैण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपैण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अपेपैण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अपेपैणि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पेपैणाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- पेपैणास्वभूव पेपैणामास (य वहि महि
- ७ पेपैणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पेपैणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपैणि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपेपैणि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२५४ श्लोण (श्लोण) संघाते ।

- १ शोश्लोण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोश्लोण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोश्लोण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोश्लोण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अशोश्लोणि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोश्लोणास्वभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
- शोश्लोणाश्चके शोश्लोणामास (य वहि महि
- ७ शोश्लोणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोश्लोणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोश्लोणि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अशोश्लोणि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२५६ चित्ते (चित्) संज्ञाने ।

- १ चेचित्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेचित्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेचित्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेचित्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचेचित्ति-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेचिताश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- चेचितास्वभूव चेचित्तामास (य वहि महि
- ७ चेचित्तिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेचित्तिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेचित्ति-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचेचित्ति-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२५७ च्युट् (च्युत) आसेचने ।

- १ चोच्युत्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोच्युतये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोच्युत-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोच्युत्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अचोच्युति-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ चोच्युताम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चोच्युताम्बभू चोच्युतामास (य वहि महि
- ७ चोच्युतिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोच्युतिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोच्युति-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोच्युति-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२५९ स्चुट् (स्चुत) क्षरणे ।

- १ चोश्चुत्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोश्चुतये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोश्चुत-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोश्चुत्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अचोश्चुति-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ चोश्चुतामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोश्चुताम्बभूव चोश्चुताम्बभूव चोश्चुताम्बभूव [य वहि महि
- ७ चोश्चुतिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोश्चुतिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोश्चुति-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोश्चुति-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२५८ चुट् (चुत) क्षरणे ।

- १ चोचुत्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोचुतये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोचुत-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोचुत्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अचोचुति-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ चोचुताम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चोचुताम्बभू चोचुतामास (य वहि महि
- ७ चोचुतिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोचुतिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोचुति-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोचुति-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२६० स्च्युट् (स्च्युत) क्षरणे ।

- १ चोश्च्युत्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोश्च्युतये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोश्च्युत-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोश्च्युत्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अचोश्च्युति-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ चोश्च्युतामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोश्च्युताम्बभूव चोश्च्युताम्बभूव [य वहि महि
- ७ चोश्च्युतिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोश्च्युतिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोश्च्युति-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोश्च्युति-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२६१ जुत् (जुत) भामने ।

- १ जोजुत्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोजुत्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोजुत-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोजुत्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजोजुति-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम् जोजुताश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जोजुताम्बभूव जोजुतामास (य वहि महि जोजुतिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् जोजुतिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ६ जोजुति-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजोजुति-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२६३ कुथु (कुन्थ) हिंसासंक्लेशनयोः ।

- १ चोकुन्थ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुन्थ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुन्थ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुन्थ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचोकुन्थि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोकुन्थाम्बभू-व वतुः वुः वित्य वथुः व व विव विम चोकुन्थाश्चके चोकुन्थामास (य वहि महि
- ७ चोकुन्थिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोकुन्थिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकुन्थि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचोकुन्थि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२६२ कित (कित्) निवासे ।

- १ चेकित्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेकित्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेकित्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेकित्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचेकिति-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेकिताश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चेकिताम्बभूव चेकितामास (य वहि महि
- ७ चेकितिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेकितिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेकिति-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचेकिर्ति-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२६४ पुथु (पुन्थ) हिंसासंक्लेशनयोः ।

- १ पोपुन्थ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपुन्थ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपुन्थ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अपोपुन्थ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अपोपुन्थि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोपुन्थाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे पोपुन्थाम्बभूव पोपुन्थामास (य वहि महि
- ७ पोपुन्थिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पोपुन्थिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोपुन्थि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपोपुन्थि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२६९ खाद् (खाद्) भक्षणे ।

- १ खाद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ खाद्-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ खाद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अखाद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
 ५ अखादि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ खादाश्चक्रे खादामास (य वहि महि
 ७ खादिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ खादिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
 ९ खादि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अखादि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२७२ गद् (गद्) व्यक्तायां वाचि ।

- १ जागद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जागद्-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जागद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अजागद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
 ५ अजागदि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ जागदामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 जागदाश्चक्रे जागदाम्बभूव (य वहि महि
 ७ जागदिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जागदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
 ९ जागदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अजागदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२७० वद् (वद्) स्थैर्ये ।

- १ वावद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ वावद्-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ वावद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अवावद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
 ५ अवावदि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ वावदाश्चक्रे वावदामास (य वहि महि
 ७ वावदिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ वावदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
 ९ वावदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अवावदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२७३ रद् (रद्) विलेखने ।

- १ रारद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ रारद्-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ रारद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अरारद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
 ५ अरारदि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ रारदामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 रारदाश्चक्रे रारदाम्बभूव (य वहि महि
 ७ रारदिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ रारदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वे स्महे
 ९ रारदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अरारदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१ खद् (खद्) हिंसायाश्च २७१ खद् (खद्) हिंसायाश्च । खाद् वद् रूपानि
 २७१ खद् (खद्) हिंसायाश्च । खाद् वद् रूपानि

२७४ णद (नद्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ नानद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नानद्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अनानद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अनानदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नानदाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम नानदाश्चक्रे नानदामास (य वहि महि
- ७ नानदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नानदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नानदि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अनानदि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२७६ नर्द (नर्द्) शब्दे ।

- १ नानर्द्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नानर्द्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानर्द्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अनानर्द्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अनानर्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नानर्दाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे नानर्दाम्बभूव नानर्दामास (य वहि महि
- ७ नानर्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नानर्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नानर्दि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अनानर्दि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२७७ णर्द (नर्द्) शब्दे । नर्द २७६ वट्टुण्णि

२७५ जिक्षिक्ता (क्षिक्त्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ चेक्षिक्त्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेक्षिक्त्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेक्षिक्त्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अचेक्षिक्त्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचेक्षिक्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेक्षिक्ताश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चेक्षिक्दाम्बभूव चेक्षिक्दामास (य वहि महि
- ७ चेक्षिक्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेक्षिक्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेक्षिक्दि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचेक्षिक्दि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२७८ गर्द (गर्द्) शब्दे ।

- १ जागर्द्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जागर्द्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जागर्द्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अजागर्द्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजागर्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जागर्दाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जागर्दाम्बभूव जागर्दामास (य वहि महि
- ७ जागर्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जागर्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जागर्दि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजागर्दि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२७९ तर्द (तर्द) हिंसायाम् ।

- १ तातर्द-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातर्दये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तातर्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतातर्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अतातर्दि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तातर्दाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तातर्दाश्चक्रे तातर्दामास (य वहि महि)
- ७ तातर्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातर्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातर्दि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अतातर्दि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२८० कर्द (कर्द) कुत्सिते शब्दे ।

- १ चाकर्द-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकर्दये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकर्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकर्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अचाकर्दि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकर्दामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चाकर्दाश्चक्रे चाकर्दाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ चाकर्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकर्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकर्दि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अचाकर्दि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२८१ खर्द (खर्द) दशने ।

- १ च.खर्द-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाखर्दये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाखर्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाखर्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अचाखर्दि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाखर्दाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाखर्दाश्चक्रे चाखर्दामास (य वहि महि)
- ७ चाखर्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाखर्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाखर्दि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अचाखर्दि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२८२ विन्दु (विन्दु) अवयवे ।

- १ वेविन्दु-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेविन्दुये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेविन्दु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेविन्दु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अवेविन्दि-ष्ट पाताम् पत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेविन्दामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वेविन्दाश्चक्रे वेविन्दाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ वेविन्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेविन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेविन्दि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अवेविन्दि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२८३ णिडु (निन्द) कुत्सायाम् ।

- १ नेनिन्द-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनिन्द्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नेनिन्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनेनिन्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनेनिन्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नेनिन्दि-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम नेनिन्दि-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ नेनिन्दि-षी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नेनिन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनिन्दि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनेनिन्दि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२८५ चडु (चन्द) दीप्त्याह्लादनयोः ।

- १ चाचन्द-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाचन्द्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाचन्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाचन्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचाचन्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाचन्दि-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाचन्दि-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ चाचन्दि-षी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाचन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाचन्दि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाचन्दि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२८४ टुनडु (नन्द) समृद्धौ ।

- १ नानन्द-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नानन्द्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानन्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनानन्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनानन्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नानन्दि-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम नानन्दि-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ नानन्दि-षी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नानन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नानन्दि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनानन्दि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२८६ ञडु (ञन्द) चेष्टायाम् ।

- १ ताञ्जन्द-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ ताञ्जन्द्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ताञ्जन्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अताञ्जन्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अताञ्जन्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ ताञ्जन्दि-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम ताञ्जन्दि-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ ताञ्जन्दि-षी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ताञ्जन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ताञ्जन्दि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अताञ्जन्दि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२८७ कटु (कन्द) रोदनाह्वानयोः ।

- १ चाकन्द-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ चाकन्दये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ चाकन्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अचाकन्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि व्वहि ध्महि
 ५ अचाकन्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
 ६ चाकन्दाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे क्रे क्वहे कृमहे
 चाकन्दांश्च भूव चाकन्दांश्च (यवहि महि
 ७ चाकन्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ चाकन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चाकन्दि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्यं
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अचाकन्दि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२८८ क्रदु (क्रन्द) रोदनाह्वानयोः ।

- १ चाक्रन्द-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ चाक्रन्द्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ चाक्रन्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अचाक्रन्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
 ५ अचाक्रन्दि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
 ६ चाक्रन्दाश्च-के काते किरे कृषे काषे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 चाक्रन्दाम्बभूव चाक्रन्दामास (य वहि महि
 ७ चाक्रन्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ चाक्रन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चाक्रन्दि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अचाक्रन्दि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

२८९ बलदु (कलन्द) रोदनाह्वानयोः ।

- १ चाक्लन्द्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ चाक्लन्द्ये-त याताम् रन्थाः याताम् ध्वम् य वहि महि
३ चाक्लन्द्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
४ अचाक्लन्द्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
५ अचाक्लन्दि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढवम् ध्वम्
६ चाक्लन्दाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम
चाक्लन्दाश्चक्रे चाक्लन्दामास (य वहिमहि
७ चाक्लन्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
८ चाक्लन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ चाक्लगिद-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावाहः ध्यामहि
१० अचाक्लन्दि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२९० किलदु (किलन्दू) रोदनाह्वानयोः ।

- १ चेक्किन्द्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ चेक्किन्द्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ चेक्किन्द्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै
 यावहे यामहे
 ४ अचेक्किन्द्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि एवहि एमहि
 ५ अचेक्किन्दि-ष्ट पाताम् षत प्राः पाथाम् इद्वम् ध्वम्
 ६ चेक्किन्दाम्बभू-व वतुः बुः दिथ वथुः व व विव विम
 चेक्किन्दाश्चक्रे चेक्किन्दामास (य वहि महि
 ७ चेक्किन्दिषो-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
 चेक्किन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चेक्किन्दि-ह्यते ह्येते ह्यन्ते ह्यसे ह्येथे ह्यध्वे ह्ये
 ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
 १० अचेक्किन्दि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्

२९१ स्कन्द् (स्कन्द्) गतिशोषणयोः ।

- १ चनीस्कद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चनीस्कद्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चनीस्कद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचनीस्कद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचनीस्कदि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चनीस्कदाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विमि चनीस्कदाञ्चक्रे चनीस्कदामास (य वहि महि
- ७ चनीस्कदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चनीस्कदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चनीस्कदि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचनीस्कदि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२९२ विध् (विध्) गत्याम् ।

- १ सेषिध्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेषिध्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेषिध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेषिध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ असेषिधि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सेषिधाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विमि सेषिधाञ्चक्रे सेषिधामास (य वहि महि
- ७ सेषिधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सेषिधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेषिधि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असेषिधि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- २९३ विधौ (विध्) शास्त्रमाङ्गल्ययोः । २९२ विध् वद्रूपाणि

२९४ शुन्ध (शुन्ध) शुद्धौ ।

- १ शोशुध्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशुध्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशुध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशुध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अशोशुधि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशुधामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम शोशुधाञ्चक्रे शोशुधाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शोशुधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोशुधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशुधि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अशोशुधि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२९५ स्तन (स्तन्) शब्दे ।

- १ तंस्तन्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तंस्तन्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तंस्तन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतंस्तन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतंस्तनि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तंस्तनामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तंस्तनाञ्चक्रे तंस्तनाम्बभूव (य वहि महि
- ७ तंस्तनिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तंस्तनिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तंस्तनि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतंस्तनि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२९६ धन (धन्) शब्दे ।

- १ दधन्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दधन्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दधन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदधन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अदधनि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दधनाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- दधनाम्बभूव दधनामास (य वहि महि
- ७ दधनिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दधनिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दधनि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदधनि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२९८ चन (चन्) शब्दे ।

- १ चचन्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चचन्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चचन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अचचन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अचचनि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चचनाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- चचनाम्बभूव चचनामास (य वहि महि
- ७ चचनिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चचनिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चचनि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचचनि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२९७ ध्वन (ध्वन्) शब्दे ।

- १ दध्वन्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दध्वन्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दध्वन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदध्वन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अदध्वनि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दध्वनाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- दध्वनाम्बभूव दध्वनामास (य वहि महि
- ७ दध्वनिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दध्वनिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दध्वनि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदध्वनि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

२९९ स्वन (स्वन) शब्दे ।

- १ सस्वन-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सस्वन्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सस्वन-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असस्वन-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ असस्वनि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सस्वनाम्बभूव-व वतुः व वितु वधुः व व विव विम
- सस्वनाञ्चके सस्वनामास (य वहि महि
- ७ सस्वनिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सस्वनिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सस्वनि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असस्वनि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

३०० वन (वन्) शब्दे ।

- १ व'वन्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ व'वन्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ व'वन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अव'वन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अव'वनि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ व'वनाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम व'वनाश्चक्रे व'वनामास (य वहि महि
- ७ व'वनिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ व'वनिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ व'वनि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अव'वनि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ३०१ वन (वन्) भक्तौ । वन ३०० वट्टपाणि

३०२ वन (सन्) भक्तौ ।

- १ सासा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासायि-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ङ्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ असासायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सासायाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे सासायाम्बभूव सासायामास (य वहि महि
- ७ सासायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ सासायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असासायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १ सं'सन्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सं'सन्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- ३ सं'सन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असं'सन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ असं'सनि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सं'सनाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम सं'सनाश्चक्रे सं'सनामास (य वहि महि
- ७ सं'सनिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सं'सनिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सं'सनि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असं'सनि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३०३ कनै (कन्) दीप्तिकान्तिगतिषु ।

- १ च'कन्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ च'कन्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ च'कन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अच'कन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अच'कनि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ च'कनाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे च'कनाम्बभूव च'कनामास (य वहि महि
- ७ च'कनिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ च'कनिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ च'कनि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अच'कनि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३०४ गुप् (गुप्) रक्षणे ।

- १ जोगुप्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगुप्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगुप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगुप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजोगुपि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोगुप्-म्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोगुपाञ्चके जोगुपामास (य वहि महि
- ७ जोगुपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोगुपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोगुपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोगुपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३०६ धृप् (धृप्) संतापे ।

- १ दोधृप्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दोधृप्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ दोधृप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदोधृप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अदोधृपि-ष्ट पाताम् षत षाः पास्थाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दोधृपाञ्चके काते किरि कृषे काथे कृद्ध्वे के कृवहे कृमहे दोधृपाम्बभूव दोधृपामास (य वहि महि
- ७ दोधृपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दोधृपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दोधृपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदोधृपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३०५ तप् (तप्) संतापे ।

- १ तातप्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातप्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तातप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतातप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ध्वहि धमहि
- ५ अतातपि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तातपामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तातपाञ्चके तातपाम्बभूव [य वहि महि
- ७ तातपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतातपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३०७ रप् (रप्) व्यक्ते वचने ।

- १ रारप्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारप्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अरारपि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारपामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम रारपाञ्चके रारपाम्बभूव रारपाञ्चके [य वहि महि
- ७ रारपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरारपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३०८ लप (लप्) व्यक्ते वचने ।

- १ लालप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालप्-ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अलालप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ अलालपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ लालपाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे कृमहे
लालपाम्बभूव लालपामास (य वहि महि
- ७ लालपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अलालपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

३१० जप (जप्) व्यक्ते वचने ।

- १ जजप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जजप्-ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जजप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यावहै
- ४ अजजप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ अजजपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ जजपाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे कृमहे
जजपाम्बभूव जजपामास (य वहि महि
- ७ जजपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जजपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जजपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अजजपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

३०९ जलप (जल्प्) व्यक्ते वचने ।

- १ जाजल्प्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाजल्प्-ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाजल्प्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अजाजल्प्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ अजाजलिपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ जाजल्पाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे कृमहे
जाजल्पाम्बभूव जाजल्पामास (य वहि महि
- ७ जाजलिपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाजलिपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाजलिपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अजाजलिपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

३११ चप (चप्) सान्तवने ।

- १ चाचप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाचप्-ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाचप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अचाचप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ अचाचपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ चाचपाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ चाचपाञ्चके चाचपामास (य वहि महि
- ८ चाचपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ चाचपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० चाचपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- ११ अचाचपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

३१२ षप् (षप्) समवाये ।

- १ सासप्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ असासपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ सासपाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सासपाश्चके सासपामास (य वहि महि
- ७ सासपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असासपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३१३ सृष्ट् (सृष्ट्) गतौ ।

- १ सरीसृप्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सरीसृप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सरीसृप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असरीसृप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ असरीसृपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ सरीसृपामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
सरीसृपाश्चके सरीसृपाम्बभूव [य वहि महि
- ७ सरीसृपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सरीसृपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सरीसृपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असरीसृपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३१४ चुप् (चुप्) सन्दायां गतौ ।

- १ चोचुप्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोचुप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ चोचुप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोचुप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचोचुपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ चोचुपाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
चोचुपाम्बभूव चोचुपामास (य वहि महि
- ७ चोचुपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोचुपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोचुपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोचुपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३१५ तुप् (तुप्) हिंसायाम् ।

- १ तोतुप्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतुप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतुप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतुप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतोतुपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ तोतुपामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
तोतुपाम्बभूव तोतुपाश्चके [य वहि महि
- ७ तोतुपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोतुपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतुपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतोतुपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ११ तुम्प् (तुम्प्) हिंसायाम् । ३१५ तुप वदूपाणि

३२४ रफ (रफ्) गतौ ।

- १ रारफ्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारफ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारफ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारफ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अरारफि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारफाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
रारफाम्बभूव रारफामास (य वहि महि
- ७ रारफिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारफिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारफि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरारफि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३२६ कर्ब (कर्ब्) गतौ ।

- १ चाकर्ब-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकर्ब्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकर्ब-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकर्ब-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचाकर्बि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकर्बाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
चाकर्बाम्बभूव चाकर्बामास (य वहि महि
- ७ चाकर्बिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकर्बिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकर्बि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकर्बि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३२५ रफ् (रम्फ्) गतौ ।

- १ रारम्फ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारम्फ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारम्फ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारम्फ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अरारम्फि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारम्फाम्बभू-व वतुः वुः विय वधुः व व विव विम
- ७ रारम्फाश्च-के रारम्फामास (य वहि महि
- ८ रारम्फिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ९ रारम्फिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० रारम्फि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- ११ अरारम्फि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३२७ खर्ब (खर्ब्) गतौ ।

- १ चाखर्ब-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाखर्ब्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाखर्ब-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाखर्ब-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचाखर्बि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाखर्बाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
चाखर्बाम्बभूव चाखर्बामास (य वहि महि
- ७ चाखर्बिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाखर्बिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाखर्बि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाखर्बि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३३० तर्ब (तर्ब) गतौ ।

- १ तातर्ब-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ तातर्बये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहिम् महि
 ३ तातर्ब-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै
 यावहै यामहै
 ४ अतातर्ब-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
 ५ अतातर्बि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् इह्वम् ध्वम्
 ६ तानर्बाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
 तातर्बाश्चक्रे तातर्बामास (य वहि महि
 ७ तातर्बिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ तातर्बिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ तातर्बि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अतातर्बि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३३१ नर्व (नर्व) गतौ ।

- १ नानर्ब-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ नानर्ब्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ नानर्ब-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अनानर्ब-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि [पि प्वहि प्वहि
 ५ अनानर्बि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ नानर्बामा-स सत्तुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 नानर्बश्चक्रे नानर्बाम्बभूव [य वहि महि
 ७ नानर्बिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ नानर्बिता-'' री रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ नानर्बि-ष्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये
 प्यावहे प्यामहे [प्ये प्यावहि प्यामहि
 १० अनानर्बि-ष्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

३३२ पर्व (पर्व) गतौ ।

- १ पापर्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपापर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अपापर्वि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पापर्वाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम पापर्वाम्बभूव पापर्वामास (य वहि महि
- ७ पापर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पापर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पापर्वि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अपापर्वि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

३३३ बर्व (बर्व) गतौ ।

- १ बाबर्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाबर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाबर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाबर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि षमहि
- ५ अबाबर्वि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाबर्वामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम बाबर्वाम्बभूव बाबर्वामास [य वहि महि
- ७ बाबर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाबर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाबर्वि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे [प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अबाबर्वि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

३३४ शर्व (शर्व) गतौ ।

- १ शाशर्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ शाशर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अशाशर्वि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशर्वाम्बभूव-के काते किरै कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे शाशर्वाम्बभूव शाशर्वामास (य वहि महि
- ७ शाशर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशर्वि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अशाशर्वि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

३३५ सर्व (सर्व) गतौ ।

- १ सासर्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अशासर्वि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सासर्वामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम सासर्वाम्बभूव सासर्वामास [य वहि महि
- ७ सासर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासर्वि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे प्येथे प्यध्वे प्ये प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
- १० असासर्वि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

३३६ सर्व (सर्व) गतौ । ३३५ बर्व वट्टपाणि

३३७ रिबु (रिम्बु) गतौ ।

- १ रेरिम्बु-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रेरिम्बुये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रेरिम्बु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरेरिम्बु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरेरिम्बि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रेरिम्बाम्बभू-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम रेरिम्बाश्चक्रे रेरिम्बामास (य वहि महि
- ७ रेरिम्बिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रेरिम्बिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रेरिम्बि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरेरिम्बि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३३८ रबु (रम्बु) गतौ ।

- १ रारम्बु-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारम्बुये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारम्बु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारम्बु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरारम्बि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारम्बाम्बभू-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम रारम्बाश्चक्रे रारम्बामास (य वहि महि
- ७ रारम्बिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारम्बिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारम्बि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरारम्बि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३३९ कुबु (कुम्बु) आच्छादने ।

- १ चोकुम्बु-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुम्बुये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुम्बु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुम्बु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचोकुम्बि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोकुम्बामा-स सतु सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोकुम्बाश्चक्रे चोकुम्बाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चोकुम्बिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोकुम्बिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकुम्बि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोकुम्बि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३४० लुबु (लुम्बु) अर्दने ।

- १ लोलुम्बु-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलुम्बुये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लोलुम्बु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलोलुम्बु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अलोलुम्बि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लोलुम्बामा-स सतु सुः सिथ सथुः स स सिव सिम लोलुम्बाश्चक्रे लोलुम्बाम्बभूव (य वहि महि
- ७ लोलुम्बिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लोलुम्बिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लोलुम्बि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलोलुम्बि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३४१ तुबु (तुम्ब) अर्द्धने ।

- १ तोतुम्ब-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतुम्बये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतुम्ब-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतुम्ब-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतोतुम्बि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोतुम्बामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तोतुम्बाश्चके तोतुम्बाम्बभूव (य वहि महि
- ७ तोतुम्बिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोहेम्बिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतुम्बि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतोतुम्बि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

३४२ चुबु (चुम्ब) वक्रसंयोगे ।

- १ चोचुम्ब-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोचुम्बये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोचुम्ब-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोचुम्ब-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचोचुम्बि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोचुम्बामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोचुम्बाश्चके चोचुम्बाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चोचुम्बिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोचुम्बिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोचुम्बि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचोचुम्बि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

३४३ सुभू (सुभ्) हिंसायाम् ।

- १ सरीसृभ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सरीसृभये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सरीसृभ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असरीसृभ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ असरीसृभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सरीसृभाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम सरीसृभाश्चके सरीसृभामास (य वहि महि
- ७ सरीसृभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सरीसृभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सरीसृभि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० असरीसृभि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- ३४४ सुम्भू (सुम्भ्) हिंसायाम् । ३४५ सुभू वट्टपाणि

३४५ स्त्रिभू (स्त्रिभ्) हिंसायाम् ।

- १ सेस्त्रिभू-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेस्त्रिभूये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेस्त्रिभू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेस्त्रिभू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ असेस्त्रिभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सेस्त्रिभाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम सेस्त्रिभाश्चके सेस्त्रिभामास (य वहि महि
- ७ सेस्त्रिभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सेस्त्रिभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेस्त्रिभि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० असेस्त्रिभि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

३४६ बिम्भ (सिम्भ) हिंसायाम् ।

- १ सेषिभ्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेषिभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेषिभ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेषिभ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ असेषिभि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सेषिभाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम सेषिभाश्चक्रे सेषिभामास (य वहि महि
- ७ सेषिभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सेषिभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेषिभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असेषिभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३४८ शुम्भ (शुम्भ) भाषणे च ।

- १ शोशुभ्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशुभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशुभ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशुभ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अशोशुभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशुभाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम शोशुभाश्चक्रे शोशुभामास (य वहि महि
- ७ शोशुभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोशुभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशुभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशोशुभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३४७ भभ (भभ) हिंसायाम् ।

- १ बाभभ्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभभ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाभभ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अबाभभि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभभामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम बाभभाश्चक्रे बाभभाम्बभूव (य वहि महि
- ७ बाभभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाभभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबाभभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३४९ यभ (यभ) मैथुने ।

- १ यायभ्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ यायभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ यायभ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अयायभ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अयायभि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ यायभाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे क्रमहे यायभाम्बभूव यायभामास (य वहि महि
- ७ यायभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ यायभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ यायभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयायभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३५० जभ (जभ) मैथुने तत्रगद्यार्थे ।

- १ जञ्जभ्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जञ्जभ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जञ्जभ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अजञ्जभ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजञ्जभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जञ्जभाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जञ्जभाम्बभूव जञ्जभामास (य वहि महि
- ७ जञ्जभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जञ्जमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जञ्जभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजञ्जभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३५२ छम् (छम्) अदने ।

- १ चंछम्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चंछभ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चंछम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अचंछम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचंछमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चंछमाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चंछमाम्बभूव चंछमामास (य वहि महि
- ७ चंछमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चंछमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चंछमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचंछमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३५१ चम् (चम्) अदने ।

- १ चंचम्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चंचभ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चंचम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यावहै
- ४ अचंचम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचंचमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चंचमाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चंचमाम्बभूव चंचमामास (य वहि महि
- ७ चंचमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चंचमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चंचमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचंचमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३५३ जम् (जम्) अदने ।

- १ जंजम्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जंजभ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जंजम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अजंजम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजंजमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जंजमाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जंजमाश्चके जंजमामास (य वहि महि
- ७ जंजमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जंजमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जंजमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजंजमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३५४ झम् (झम्) अदने ।

- १ जंझम्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जंझम्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जंझम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजंझम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अजंझमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जंझमाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
- जंझमाश्चके जंझमामास (य वहि महि
- ७ जंझमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जंझमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जंझमि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजंझमि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

३५५ जिम् (जिम्) अदने ।

- १ जेजिम्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेजिम्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेजिम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अजेजिम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अजेजिमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेजिमाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
- जेजिमाश्चके जेजिमामास (य वहि महि
- ७ जेजिमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जेजिमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेजिमि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजेजिमि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

३५६ क्रम् (क्रम्) पादविक्षेपे ।

- १ चंक्रम्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चंक्रम्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चंक्रम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचंक्रम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अचंक्रमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चंक्रमाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
- चंक्रमाश्चके चंक्रमामास (य वहि महि
- ७ चंक्रमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चंक्रमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चंक्रमि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचंक्रमि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

३५४ यम् (यम्) उपरमे । अनुस्वारे

- १ यंयम्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ यंयम्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ यंयम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अयंयम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अयंयमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ यंयमामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- यंयमाश्चके यंयमाम्बभूव (य वहि महि
- ७ यंयमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ यंयमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ यंयमि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अयंयमि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

सानुनासिकत्वे यन्त्यम्यते इ०

३५८ स्यम् (स्यम्) शब्दे ।

- १ सेसिम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेसिम्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेसिम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेसिम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ असेसिमि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सेसिमाश्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
सेसिमास्वभूव सेसिमामास (य वहि महि
- ७ सेसिमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सेसिमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेसिमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असेसिमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३६० षम् (सम्) वैकृत्ये ।

- १ संसम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ संसम्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ संसम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असंसम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ असंसमि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ संसमाश्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
संसमास्वभूव संसमामास (य वहि महि
- ७ संसमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ संसमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ संसमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असंसमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३५९ णम् (नम्) प्रहृत्वे ।

- १ ननम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ ननम्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ननम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अननम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अननमि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ ननमास्वभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
ननमाश्चक्रे ननमामास (य वहि महि
- ७ ननमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ननमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ननमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अननमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३६१ ष्टम् (स्तम्) वैकृत्ये ।

- १ तंस्तम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तंस्तम्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तंस्तम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतंस्तम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतंस्तमि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तंस्तमामा-स सतु सुः सिथ सधुः स स सिव सिभ
तंस्तमाश्चक्रे तंस्तमास्वभूव (य वहि महि
- ७ तंस्तमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तंस्तमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तंस्तमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतंस्तमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३६२ द्रम् (द्रम्) गतौ ।

- १ द्रम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ द्रम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ द्रम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अद्रम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अद्रमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ द्रमाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे क्महे
- द्रमाम्बभूव द्रमामास (य वहि महि
- ७ द्रमिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ द्रमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ द्रमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अद्रमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३६३ हम् (हम्) गतौ ।

- १ जहम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ जहम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ जहम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अजहम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावह यामहि (षि ष्वहि षमहि
 - ५ अजहमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ जहमामा-स सतु सुः सिथ सथुः स स सिव सि
 - जहमाश्चक्रे जहमाम्बभूव (य वहि महि
 - ७ जहमिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ जहमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ जहमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 - १० अजहमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- अप्रमुरतोनुनासिकस्येत्यप्रानुनासिकजाति-परिग्रहादतोऽनुनासिकान्नत्वे पूर्वस्य मुरन्तः ।

३६४ मीम् (मीम्) गतौ ।

- १ मीम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मीम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मीम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अमीम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अमीमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मीमाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे क्महे
- मीमाम्बभूव मीमामास (य वहि महि
- ७ मीमिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मीमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मीमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमीमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३६५ गम् (गम्) गतौ ।

- १ जगम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जगम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जगम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजगम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अजगमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जगमाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- जगमाश्चक्रे जगमामास (य वहि महि
- ७ जगमिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जगमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जगमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजगमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

यलवा सानुनासिका निरनुनासिकाश्च तत्र
सानुनासिक पक्षे

३६६ हय (हय्) क्लान्तौ च ।

- १ ज'हयँ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ ज'हयँये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ज'हयँ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अज'हयँ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अज हयि-ष्ट पाताम् षत ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ ज'हयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम ज'हयाश्चक्रे ज'हयामास (य वहि महि
- ७ ज'हयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
- ८ ज'हयिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ज'हयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अज'हयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् निरनुनासिकपक्षे जाह्वयते । एवं सर्वत्रापि

३६७ हर्य (हर्य) क्लान्तौ च ।

- १ जाहयँ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाहयँये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाहयँ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाहयँ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अजाहयि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाहयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जाहयाश्चक्रे जाहयाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जाहयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
- ८ जाहयिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाहयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाहयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३६८ मव्य (मव्य) बन्धने । वययोर्निरनुनासिकत्वे

- १ मामव्य-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामव्यये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामव्य-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामव्य-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अमामव्यि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामव्याम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम मामव्याश्चक्रे मामव्यामास (य वहि महि
- ७ मामव्यिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
- ८ मामव्यिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामव्यि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमामव्यि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् तयोश्च सानुनासिकत्वेऽनुस्वारजात्याश्रयणात् मव्यैयते ।

३६९ सूक्ष्य (सूक्ष्य) ईड्यार्थः ।

- १ सोसूक्ष्य-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सोसूक्ष्यये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सोसूक्ष्य-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असोसूक्ष्य-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ असोसूक्ष्यि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सोसूक्ष्याश्च-क्रे क्राते किरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे सोसूक्ष्याम्बभूव सोसूक्ष्यामास (य वहि महि
- ७ सोसूक्ष्यिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
- ८ सोसूक्ष्यिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सोसूक्ष्यि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असोसूक्ष्यि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३७० शुच्यै (शुच्य) अभिषवे ।

- १ शोशुच्य-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशुच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशुच्य-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अशोशुच्य-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि)
- ५ अशोशुच्यि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् षद्वम् ध्वम्
- ६ शोशुच्याञ्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- शोशुच्याम्बभूव शोशुच्यामास (य वहि महि)
- ७ शोशुच्यिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ शोशुच्यिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशुच्यि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अशोशुच्यि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३७२ त्सर् (त्सर्) छद्मगतौ ।

- १ तात्सर्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तात्सर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तात्सर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अतात्सर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि)
- ५ अतात्सरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् षद्वम् ध्वम्
- ६ तात्सराम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम तात्सराञ्चक्रे तात्सरामास (य वहि महि)
- ७ तात्सरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ तात्सरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तात्सरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अतात्सरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३७१ चुच्यै (चुच्य) अभिषवे ।

- १ चोचुच्य-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोचुच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोचुच्य-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अचोचुच्य-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि)
- ५ अचोचुच्यि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् षद्वम् ध्वम्
- ६ चोचुच्याम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम चोचुच्याञ्चक्रे चोचुच्यामास (य वहि महि)
- ७ चोचुच्यिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चोचुच्यिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोचुच्यि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अचोचुच्यि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३७३ कमर (कमर्) दृष्टने ।

- १ चाकमर्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकमर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकमर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अचाकमर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि)
- ५ अचाकमरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् षद्वम् ध्वम्
- ६ चाकमराञ्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- चाकमराम्बभूव चाकमरामास (य वहि महि)
- ७ चाकमरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चाकमरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकमरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अचाकमरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३७४ बभ्र (बभ्र) गतौ ।

- १ बावभ्र-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बावभ्रये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ बावभ्र-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबावभ्र-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि प्वहि प्वहि
- ५ अबावभ्रि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्द्वम् प्वम्
- ६ बावभ्राञ्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद् वेक्रे कृवहे कृमहे
बावभ्राम्बभूव बावभ्रामास (य वहि महि
- ७ बावभ्रिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् प्वम् द्वम्
- ८ बावभ्रिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बावभ्रि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबावभ्रि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३७५ मभ्र (मभ्र) गतौ ।

- १ मामभ्र-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामभ्रये-त याताम् रन्थाः याथाम् प्वम् य वहि महि
- ३ मामभ्र-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामभ्र-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि प्वहि प्वहि
- ५ अमामभ्रि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्द्वम् प्वम्
- ६ मामभ्राम्बभू-ववतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
मामभ्राञ्चके मामभ्रामास (य वहि महि
- ७ मामभ्रिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् प्वम् द्वम्
- ८ मामभ्रिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामभ्रि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमामभ्रि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३७६ चर (चर) भक्षणे च ।

- १ चचूर्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चचूर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् प्वम् य वहि महि
- ३ चचूर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचचूर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [द्वम् पि प्वहि प्वहि
- ५ अचचूर्-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्द्वम् प्वम्
- ६ चचूरामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चचूराञ्चके चचूराम्बभूव [य वहि महि
- ७ चचूरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् प्वम् द्वम्
- ८ चचूरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चचूरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचचूरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३७७ धोर् (धोर्) गतेश्चातुर्ये ।

- १ दोधोर्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दोधोर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् प्वम् य वहि महि
- ३ दोधोर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदोधोर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि प्वहि प्वहि
- ५ अदोधोर्-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्द्वम् प्वम्
- ६ दोधोगामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दोधोराम्बभूव दोधोगाञ्चके [य वहि महि
- ७ दोधोरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् प्वम् द्वम्
- ८ दोधोरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दोधोरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदोधोरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३७८ खोर् (खोर्) गतेः प्रतीघाते ।

- १ चोखोर्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोखोर्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोखोर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोखोर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [ढ्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचोखोरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोखोरामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोखोराश्चके चोखोराम्बभूव [य वहि महि
- ७ चोखोरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ चोखोरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोखोरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोखोरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३८० जिफला (फल्) विशरणे ।

- १ पंफुल्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पंफुल्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ पंफुल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपंफुल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपंफुलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षास्थाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पंफुलाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे पंफुलाम्बभूव पंफुलामास (य वहि महि
- ७ पंफुलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ पंफुलि- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पंफुलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपंफुलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३७९ दल (दल्) विशरणे । लस्यस्नानुनासिकत्वे

- १ दंदल्लं-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दंदल्ल्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दंदल्लं-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदंदल्लं-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदंदलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दंदलामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम दंदलाम्बभूव दंदलाश्चके [य वहि महि
- ७ दंदलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ दंदलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दंदलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदंदलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् निरनुनासिकत्वे दादल्यते इ०

३८१ मील (मील) निमेषणे ।

- १ मेमील-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमील्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमील-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमील-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमेमीलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेमीलाम्बभू-व वतुः वः विथ वथुः व व विव विम मेमीलाश्चके मेमीलामास (य वहि महि
- ७ मेमीलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ मेमीलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमीलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमेमीलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३८२ इमील (इमील्) निमेषणे ।

- १ इमील-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ इमील्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ इमील-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अइमील-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्महि
 ५ अइमीलि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ इमीलामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 इमीलाम्बभूव इमीलाम्बभूव [य वहि महि
 ७ इमीलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 इमीलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ इमीलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अइमीलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३८४ क्षमील (क्षमील्) निमेषणे ।

- १ क्षमील-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ क्षमील्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ क्षमील-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अक्षमील-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि ष्वम्
 ५ अक्षमीलि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः यास्थाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ क्षमीलाम्बभूव-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 क्षमीलाम्बभूव क्षमीलामास (य वहि महि
 ७ क्षमीलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ क्षमीलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ क्षमीलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अक्षमीलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३८३ स्मील (स्मील्) निमेषणे ।

- १ स्मील-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ स्मील्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ स्मील-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अस्मील-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
 ५ अस्मीलि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ स्मीलामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 स्मीलाम्बभूव स्मीलाम्बभूव [य वहि महि
 ७ स्मीलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 स्मीलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ स्मीलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अस्मीलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३८५ पील (पील्) प्रतिष्ठम्भे ।

- १ पील-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ पील्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ पील-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अपील-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
 ५ अपीलि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ पीलाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 पीलाम्बभूव पीलामास (य वहि महि
 ७ पीलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ पीलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ पीलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अपीलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३८६ णील (नील) वर्णे ।

- १ नेनील्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनील्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ नेनील्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनेनील्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अं नीलि-ष्ट पाताम् षत घाः पाथाम् ड् द्वम् ध्वम्
- ६ नेनीलाम्बभूव नेनीलामास (य वहि महि
- ७ नेनीलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ नेनीलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनीलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनेनीलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३८८ कील (कील) बन्धने ।

- १ चेकील्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेकील्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेकील्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेकील्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचेकीलि-ष्ट पाताम् षत घाः पाथाम् ड् द्वम् ध्वम्
- ६ चेकीलामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चेकाम्बभूव चेकीलाम्बभूव [य वहि महि
- ७ चेकीलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चेकीलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेकीलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेकीलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३८७ शील (शील) समाधौ ।

- १ शोशील्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशील्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशील्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशील्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अशोशीलि-ष्ट पाताम् षत घाः पाथाम् ड् द्वम् ध्वम्
- ६ शोशीलाम्बभूव शोशीलामास (य वहि महि
- ७ शोशीलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ शोशीलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशीलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशोशीलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३८९ कूल (कूल) आवरणे ।

- १ चोक्कूल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोक्कूल्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोक्कूल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोक्कूल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचोक्कूलि-ष्ट पाताम् षत घाः पाथाम् ड् द्वम् ध्वम्
- ६ चोक्कूलामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोक्कूलाम्बभूव चोक्कूलाम्बभूव [य वहि महि
- ७ चोक्कूलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चोक्कूलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोक्कूलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोक्कूलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३९० शूल (शूल) रुजायाम् ।

- १ शोशूल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशूल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ शोशूल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशूल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि षमहि
- ५ अशोशूलि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ शोशूलाञ्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
शोशूलाम्बभूव शोशूलामास (य वहि महि
- ७ शोशूलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ शोशूलिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे रमहे
- ९ शोशूलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशोशूलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३९२ पूल (पूल) संघाते ।

- १ पोपूल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपूल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपूल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोपूल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [द्वम् पि ध्वहि षमहि
- ५ अपोपूलि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ पोपूलामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
पोपूलाञ्चक्रे पोपूलाम्बभूव [य वहि महि
- ७ पोपूलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ पोपूलिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे रमहे
- ९ पोपूलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपोपूलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३९१ तूल (तूल) निष्कर्षे ।

- १ तोतूल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतूल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतूल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतूल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि षमहि
- ५ अतोतूलि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ तोतूलाम्बभू-व वतुः वुः विश्व वथुः व व विव विम
तोतूलाञ्चक्रे तोतूलामास (य वहि महि
- ७ तोतूलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ तोतूलिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे रमहे
- ९ तोतूलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतोतूलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३९३ मूल (मूल) प्रतिष्ठायाम् ।

- १ मोमूल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमूल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमूल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमूल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि षमहि
- ५ अमोमूलि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ मोमूलामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मोमूलाम्बभूव मोमूलाञ्चक्रे [य वहि महि
- ७ मोमूलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ मोमूलिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे रमहे
- ९ मोमूलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमोमूलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३९४ फल [फल] निष्पत्तौ ।

त्रिफला ३८० वट्टपाणि ।

३९५ फुल (फुल्ल) विकसने ।

- १ पोफुल्ल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोफुल्लये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोफुल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोफुल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अपोफुल्लि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ पोफुल्लाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम पोफुल्लाम्बभूव पोफुल्लामास (य वहि महि
- ७ पोफुल्लिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ पोफुल्लिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोफुल्लि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपोफुल्लि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३९७ चिल्ल (चिल्ल) शैथिल्ये च ।

- १ चेचिल्ल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेचिल्लये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेचिल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेचिल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचेचिल्लि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ चेचिल्लाम्बभू-के काते किरं कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चेचिल्लाम्बभूव चेचिल्लामास (य वहि महि
- ७ चेचिल्लिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चेचिल्लिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेचिल्लि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेचिल्लि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३९६ चुल (चुल्ल) हावकरणे ।

- १ चोचुल्ल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोचुल्लये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोचुल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोचुल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचोचुल्लि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ चोचुल्लाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चोचुल्लाम्बभूव चोचुल्लामास (य वहि महि
- ७ चोचुल्लिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चोचुल्लिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोचुल्लि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोचुल्लि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३९८ पेल (पेल्ल) गतौ ।

- १ पेपेल्ल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेपेल्लये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपेल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपेपेल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अपेपेल्लि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ पेपेल्लाम्बभू-के काते किरं कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे पेपेल्लाम्बभूव पेपेल्लामास (य वहि महि
- ७ पेपेल्लिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ पेपेल्लिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपेल्लि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपेपेल्लि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

३९९ फेल्ह (फेल्) गतौ ।

- १ पेफेल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यत्वे ये यावहे यामहे
 २ पेफेल्ये-त याताम् रन् थाः याथाम ध्वम् य वहि महि
 ३ पेफेल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अपेफेल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (ह्वम् षि व्हहि ध्वहि
 ५ अपेफेलि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
 ६ पेफेलाञ्च-के काते क्रिरे कृषे काथे कृह्वे के कृवहे कृमहे
 पेफेलाम्बभूव पेफेलामास (य वहि महि
 ७ पेफेलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
 ८ पेफेलिता " रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्वहे स्महे
 ९ पेफेलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्यथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० अपेफेलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्यथाम् ष्यध्वम्

४०१ बेल्ल (सेल्) गतौ ।

१. सेषेल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यन्वे ये यावहे यामहे
सेषेल्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
२. सेषेल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहै यामहै
३. असेषेल्-यन् येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (ध्वम् षि ध्वहि ध्वहि
४. असेषेलि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
सेषेलाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सेषेलाश्चक्रं सेषेलामास (य वहिमहि
५. सेषेलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ध्वम्
६. सेषेलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
७. सेषेलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यन्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
८. असेषेलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४०० शैल (शैल) गतौ ।

- १ शिशिल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ शिशिल्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ शिशिल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहै यामहै
४ अशिशिल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
५ अशिशिलि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
६ शिशिलाग्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शिशिलाश्चक्रे शिशिलामास (य वहि महि
७ शिशिलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
८ शिशिलिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्वहे स्महे
९ शिशिलि-ह्यते ह्येते ह्यन्ते ह्यसे ह्येथे ह्यध्वे ह्ये
ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
१० अशिशिलि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्

४०२ सेल् (सेल्) गतौ ।

- १ सेसेल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यन्वे ये यावहे यामहे
 २ सेसेल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ सेसेल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ असेसेल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (त्वम् षि ध्वहि ध्महि
 ५ असेसेलि-ष्ट पाताम् षत द्याः पाथाम् ङ्त्वम् ध्वम्
 ६ सेसेलाञ्च-क्वे काते क्तिरे कृषे काषे कृद्वे क्वे वृवहे वृमहे
 सेसेलाम्बभूव सेसेलामास (य वहि महि
 ७ सेसेलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
 ८ सेसेलिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ सेसेलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १० असेसेलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथम् ष्यध्वम्

४०३ वेह् (वेह्ल्) गतौ ।

- १ वेवेह्ल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेवेह्ल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेवेह्ल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अयेवेह्ल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अवेवेह्लि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्वम् ध्वम्
- ६ वेवेह्लामा-स सतु सुः स्थि स्थुः स स स्वि सिम
- वेवेह्लाश्चक्रे वेवेह्लाम्बभूव (य वहि महि
- ७ वेवेह्लिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
- ८ वेवेह्लिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेवेह्लि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेवेह्लि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४०४ सल (सल्) गतौ । लस्य सानुनासिकत्वे तत्र

- १ स'सल्ल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ स'सल्ल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ स'सल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अस'सल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
 - ५ अस'सल्लि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्वम् ध्वम्
 - ६ स'सल्लाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 - स'सल्लश्चक्रे स'सल्लामास (य वहि महि
 - ७ स'सल्लिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
 - ८ स'सल्लिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ स'सल्लि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्या हे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 - १० अस'सल्लि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- निरनुनासिकत्वे तु सासल्यते

४०५ तिल् (तिल्) गतौ ।

- १ तेतिल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेतिल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेतिल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेतिल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अतेतिल्लि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्वम् ध्वम्
- ६ तेतिलाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- तेतिलश्चक्रे तेतिलामास (य वहि महि
- ७ तेतिलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
- ८ तेतिलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेतिलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतेतिलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४०६ तिल्ल (तिल्ल) गतौ ।

- १ तेतिल्ल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेतिल्ल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेतिल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेतिल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अतेतिल्लि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्वम् ध्वम्
- ६ तेतिल्लाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- तेतिल्लश्चक्रे तेतिल्लामास (य वहि महि
- ७ तेतिल्लिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
- ८ तेतिल्लिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेतिल्लि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतेतिल्लि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४०७ पल्ल (पल्ल) गतौ । तत्र निरनुनासिकत्वे

- १ पापल्ल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापल्लये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अपापल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि

५ अपापल्लि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्द्वम् ध्वम्

६ पापल्लश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे पापल्लाम्बभूव पापल्लामास (य वहि महि

७ पापल्लिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ पापल्लिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ पापल्लि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अपापल्लि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् सानुनासिकत्वे तु पपल्लं यते

४१० चेल् (चेल्) चलने ।

- १ चे चेल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चे चेल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चे चेल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अचे चेल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि

५ अचे चेलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्द्वम् ध्वम्

६ चे चेल्ाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चे चेल्ाम्बभूव चे चेल्ामास (य वहि महि

७ चे चेलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ चे चेलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ चे चेलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अचे चेलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४०८ वेल् (वेल्) गतौ ।

- १ वे वेल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वे वेल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वे वेल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अवे वेल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि

५ अवे वेलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्द्वम् ध्वम्

६ वे वेल्ामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वे वेल्ाम्बभूव वे वेल्ाम्बभूव (य वहि महि

७ वे वेलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ वे वेलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ वे वेलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अवे वेलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४-९ वेल् (वेल्) चलने । ४-८ वेल् वद्गुपाणि

४११ केल् (केल्) चलने ।

- १ के केल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ के केल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ के केल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अके केल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि

५ अके केलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्द्वम् ध्वम्

६ के केल्ाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम के केल्ाम्बभूव के केल्ामास (य वहि महि

७ के केलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ के केलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ के केलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अके केलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

૪૧૨ ષવેલ્હ (ષવેલ્હ) ચલ્હને

- १ चेकवेल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 चेकवेल् ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 २ चेबवेल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अचेकवेल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (ढवम् षि ष्वहि ष्महि
 ५ अचेकवेलि ४ पाताम् पत ष्टाः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्
 ङ्चकवेलाञ्-के काते किरे कृषे काथे कृद्वचके कृवहे कृमहे
 चेकवेलाम्बभूव चेकवेलामास (य वहि महि
 ७ चेकवेलिषी-४ यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
 ८ चेकवेलिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चेकवेलि-प्यते प्येते प्यन्ते प्यसे ण्येथे प्यध्वं प्ये
 प्यावहे प्यामहे (प्ये प्यावहि प्यामहि
 १० अचेकवेलि-प्यत प्येताम् प्यन्त प्यथाः प्येथाम् प्यध्वम्

४१३ खेळ (खेल्) चलने ।

- १ चेखेल-यते देते यन्ते असे देथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ चेखे ह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वह महि
 ३ चेखेल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अचेखेल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावह यामहि (षि एवहि धमहि
 ५ अचेखेलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् षुदुधम् ध्वम्
 ६ चेखेलामा-स स्तुः सुः सिथ स्थुः स स सिव स्मि.
 चेखेलाञ्जके चेखेलाम्बभूव (य वह महि
 ७ चेखेलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 चेखेलिता- " रौ र. से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ८ चेखेलि-व्यते वृते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
 व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 ९ अचेखेलि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

४१४ स्वल (स्वल) चलने । सानुनासिकत्वे

- १ चंस्खल्लै-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ चंस्खल्लै-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ चंस्खल्लै-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहै यावहै
४ अचंस्खल्लै-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (ह्वम् पि ज्वहि षमहि
५ अचंस्खलि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ड्ह्वम् ध्वम्
६ चंस्खलाञ्च-त्रे त्राते क्रिरे कृषे त्राये कृद्वे के कृवहे कृमहे
चंस्खलाम्बभृव चंस्खलामास (य वहि महि
७ चंस्खलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् छाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
८ चंस्खलिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ चंस्खलि-ष्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
१० अचंस्खलि-ष्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
निरनुनासिकत्वे तु चास्खल्यते

३१५. खल (खल्) चलने । तत्र सानुनासिकत्वे

- १ चंखल्लं-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ चंखल्लंये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ चंखल्लं-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
४ अचंखल्लं-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (ध्वम् षि ध्वहि षमहि
५ अचंखलि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् डध्वम् ध्वम्
६ चंखलाग्ध्वभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
चंखलाञ्जके चंखलामास (य वहि महि
७ चंखलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ध्वम्
८ चंखलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ चंखलि-ध्यते द्येसे द्यन्ते द्यसे द्येथे द्यध्वे द्ये
ध्यावहे ध्यामहे (द्ये ध्यावहि ध्यामहि
१० अचंखलि-ध्यत द्येताम् द्यन्त द्यथाः द्येथाम् द्यध्वम्
निरनुनासिकत्वे चाखल्यते

४१६ श्वल (श्वल) आशुगतौ तत्र सानुनासिकत्वे

१ शंश्चल्ल-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ शंश्चल्लये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ शंश्चल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अशंश्चल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ड्वम् षि ष्वहि षमहि

५ अशंश्चलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्वम् ध्वम्

६ शंश्चलाञ्च-के काते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे

शंश्चलाम्बभूव शंश्चलामास (य वहि महि

७ शंश्चलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्

८ शंश्चलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ शंश्चलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अशंश्चलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् निरनुनासिकत्वे शाश्चल्यते

४१७ गल (गल्) अदने । तत्र सानुनासिकत्वे

१ जंगल्ल-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ जंगल्लये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ जंगल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे

४ अजंगल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ड्वम् षि ष्वहि षमहि

५ अजंगलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्वम् ध्वम्

६ जंगलाञ्च-के काते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे

जंगलाम्बभूव जंगलामास (य वहि महि

७ जंगलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्

८ जंगलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ जंगलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि यामहि

१० अजंगलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् निरनुनासिकत्वे तु जागल्यते

४१७ श्वल्ल (श्वल्ल) आशुगतौ । लकारद्वयस्य निरनुनासिकत्वे

१ शाश्वल्ल-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ शाश्वल्लये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ शाश्वल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अशाश्वल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि

५ अशाश्वलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्वम् ध्वम्

६ शाश्वल्लामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिः

शाश्वल्लाम्बभूव शाश्वल्लामास (य वहि महि

७ शाश्वलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ शाश्वलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे +

९ शाश्वलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अशाश्वलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् सानुनासिकत्वे तु शंश्चल्लयते

३६५ चर्व (चर्व) अदने ।

१ चाचर्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ चाचर्वये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ चाचर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अचाचर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ड्वम् षि ष्वहि षमहि

५ अचाचर्वि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्वम् ध्वम्

६ चाचर्वाम्बभूव व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

चाचर्वाञ्चके चाचर्वामास (य वहि महि

७ चाचर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्

८ चाचर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ चाचर्वि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अचाचर्वि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् यङोयकारस्य सानुनासिकत्वे रल्लुकीति

वकारल्लुकि चाचर्व्यते इ०

४२० पूर्व (पूर्व) पूरणे ।

- १ पोपूर्व-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपूर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपूर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अपोपूर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि

५ अपोपूर्वि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्

६ पोपूर्वाभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम पोपूर्वाभूक्ते पोपूर्वामास (य वहि महि

७ पोपूर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम् पोपूर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ पोपूर्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि

१० अपोपूर्वि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे पोपूर्यते

४२१ पूर्व (पूर्व) पूरणे ।

१ पापूर्व-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ पापूर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ पापूर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अपापूर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि

५ अपापूर्वि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्

६ पापूर्वाभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम पापूर्वाभूक्ते पापूर्वामास (य वहि महि

७ पापूर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ पापूर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ पापूर्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि

१० अपापूर्वि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे पापूर्यते

४२२ मर्व (मर्व) पूरणे ।

१ मामर्व-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ मामर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ मामर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये

यावहे यामहे

४ अमामर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि

५ अमामर्वि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम् ६ मामर्वाभू-क्ते क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे

मामर्वाभूक्ते मामर्वामास (य वहि महि

७ मामर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ मामर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ मामर्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि

१० अमामर्वि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

४२३ मर्व (मर्व) गतौ । मर्व ४२२ वट्टपणि यस्य सानुनासिकत्वे मामूर्यते इ०

४२४ धवु (धन्व) गतौ । निरनुनासिकत्वे वकार-यकारयोः ।

१ दाधन्व-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ दाधन्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ दाधन्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अदाधन्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि

५ अदाधन्वि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्

६ दाधन्वाभू-क्ते क्राते क्रिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे दाधन्वाभूक्ते दाधन्वामास (य वहि महि

७ दाधन्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ दाधन्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ दाधन्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि

१० अदाधन्वि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे दधनूर्यते यस्य

सानुनासिकत्वे तु दधनूर्यते यस्य निरनुनासिकत्वे तु दाधनूर्यते । यद्यपि परत्वान्नित्वाच्च पूर्वमू-

टि दाधनूर्यत इत्येव स्यात्तथापि अनुनासिकत्वविधानसामर्थ्यात् पूर्वमागमे द-

न्धनूर्यत इति

४२५ शव (शव्) गतौ । तत्र वकारस्यैव सानुना-
सिकत्वे ।

- १ शंशवँ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शंशवँये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शंशवँ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अशंशवँ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अशंशवि-ष्ट पाताम् षत घाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ शंशवाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
शंशवाम्बभूव शंशवामास (य वहि महि
- ७ शंशविषी-ष्ट यास्ताम् रन् घाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ शंशविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शंशवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशंशवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
यङोयकारस्यैव सानुनासिकत्वे वका-
स्योऽति शाशौयँते । उभयोः सानुनासि-
कत्वे शंशौयँते । उभयोर्निरनुनासिक-
त्वे शाशव्यते ।

४२६ कर्व (कर्व) दपे ।

- १ चाकर्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अचाकर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाकर्वि-ष्ट पाताम् षत घाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ चाकर्वाम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
चाकर्वाम्बभूव चाकर्वामास (य वहि महि
- ७ चाकर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन् घाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चाकर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकर्वि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकर्वि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
यस्य सानुनासिकत्वपक्षे चाकर्वयँते इ०

४२७ खर्व (खर्व) दपे ।

- १ चाखर्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाखर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाखर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अचाखर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाखर्वि-ष्ट पाताम् षत घाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ चाखर्वाम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
चाखर्वाम्बभूव चाखर्वामास (य वहि महि
- ७ चाखर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन् घाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चाखर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाखर्वि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाखर्वि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
यस्य सानुनासिकत्वपक्षे चाखर्वयँते इ०

४२८ गर्व (गर्व) दपे ।

- १ जागर्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जागर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जागर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अजागर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजागर्वि-ष्ट पाताम् षत घाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ जागर्वाम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
जागर्वाम्बभूव जागर्वामास (य वहि महि
- ७ जागर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन् घाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जागर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जागर्वि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजागर्वि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
यस्य सानुनासिकत्वपक्षे जागर्वयँते इ०

४२९ छिठ् (छिठ्) निरसने । तिर्वाष्टिवइति
पूर्वस्य तित्वे

- १ तेष्टिठ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेष्टिव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेष्टिठ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेष्टिठ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अतेष्टिवि ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् द्व्वम् ध्वम्
- ६ तेष्टिवामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- तेष्टिवाश्चक्रे तेष्टिवाम्बभूव (य वहि महि
- ७ तेष्टिविषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्व्वम्
- ८ तेष्टिविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेष्टिवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतेष्टिवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् पक्षे टेष्टिव्यते

~~यस्यानुसिकत्वे तोष्टयूयँते टोष्टयूयँते~~

यस्यानुसिकत्वे तोष्टयूयँते टोष्टयूयँते

४३१ क्षिठ् (क्षिठ्) निरसने ।

- १ चेक्षिठ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- चेक्षिव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेक्षिठ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेक्षिठ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अचेक्षिवि ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् द्व्वम् ध्वम्
- ६ चेक्षिवाश्च-के काते क्तिरे कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे
- चेक्षिवाम्बभूव चेक्षिवामास (य वहि महि
- ७ चेक्षिविषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्व्वम्
- ८ चेक्षिविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेक्षिवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेक्षिवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

~~यस्य सानुनासिकत्वपक्षे जोष्ययँते इ०~~

यस्य सानुनासिकत्वपक्षे जोष्ययँते इ०

४३१ जीव (जीव्) प्राणधारणे ।

- १ जेजीठ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेजीव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेजीठ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेजीठ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अजेजीवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् द्व्वम् ध्वम्
- ६ जेजीवाश्च-के काते क्तिरे कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे
- जेजीवाम्बभूव जेजीवामास (य वहि महि
- ७ जेजीविषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्व्वम्
- ८ जेजीविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेजीवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेजीवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

~~यस्य सानुनासिकत्वपक्षे जोष्ययँते इ०~~

यस्य सानुनासिकत्वपक्षे जोष्ययँते

४३२ पीठ् (पीठ्) स्थौल्ये ।

- १ पेपीठ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेपीव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपीठ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपेपीठ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अपेपीवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् द्व्वम् ध्वम्
- ६ पेपीवाम्बभूव व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- पेपीवाश्चक्रे पेपीवामास (य वहि महि
- ७ पेपीविषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्व्वम्
- ८ पेपीविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपीवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपेपीवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

~~यस्य सानुनासिकत्वपक्षे जोष्ययँते इ०~~

यस्य सानुनासिकत्वपक्षे जोष्ययँते ।

४३३ मीव (मीव) स्थौल्ये ।

- १ मेमीव-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमीव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमीव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अमेमीव-यत येताम् यन्त यथा येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अमेमीवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ मेमीवाञ्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे मेमीवाञ्चभूष मेमीवामास (य वहि महि
- ७ मेमीविषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
- ८ मेमीविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमीवि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्ये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमेमीवि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथा ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे मेम्ययते इ०

४३४ तीव (तीव) स्थौल्ये ।

- १ तेतीव-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेतीव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेतीव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अतेतीव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अतेतीवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ तेतीवाञ्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे तेतीवाञ्चभूष (य वहि महि
- ७ तेतीविषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
- ८ तेतीविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेतीवि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्ये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतेतीवि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथा ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे तेत्ययते इ०

४३५ नीव (नीव) स्थौल्ये ।

- १ नेनीव-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनीव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नेनीव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यावहै
- ४ अनेनीव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अनेनीवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ नेनीवाञ्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे नेनीवाञ्चभूष नेनीवामास (य वहि महि
- ७ नेनीविषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
- ८ नेनीविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनीवि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्ये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अनेनीवि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथा ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे नेन्ययते इ०

३३६ तूर्व (तूर्व) हिंसायाम् ।

- १ तोतूर्व-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतूर्व्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतूर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अतोतूर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अतोतूर्वि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ तोतूर्वाञ्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे तोतूर्वाञ्चभूष (य वहि महि
- ७ तोतूर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
- ८ तोतूर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतूर्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्ये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतोतूर्वि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथा ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे तोतूर्यते इ०

४३७ थुर्व (थूर्व) हिंसात् ।

- १ तोश्वर्च-यते यते ण्ते ण्से येये ण्ध्वे ये यावहे यामहे
२ तोश्वर्चये-त णाताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् व वहि महि
३ तोश्वर्च-रेताम् येताम् यन्ताम् दस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
४ अतोश्वर्च-यत रेताम् णन्त यथा येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (त्वम् पि ष्वहि ध्वहि
५ अतोश्वर्चि ष्टपाताम् षत ष्टाः पाथाम् ढ्वत् वम् ध्वम्
६ तोश्वर्चमिभू-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम
तोश्वर्चश्चके तोश्वर्चामास (य वहि महि
७ तोश्वर्चिषी ष्टास्ताम् रन् ष्टाः षास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
८ तोश्वर्चिता- " रौ र से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ तोश्वर्चि-ण्यते ण्येते ण्ते ण्से ण्येये ण्यध्वे ण्ये
ण्यावहे ण्यामहे (ण्ये ण्यावहि ण्यामहि
१० अतोश्वर्चि ण्त ण्येताम् ण्यन्त ण्यथाः ण्येथम् ण्यध्वम्
यस्य स.नुनासिकत्वपक्षे तोश्वर्यते इ०

४२८ दुर्वै (दूर्वै) हिंसायाम् ।

१. दोदूर्ध्व-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२. दोदूर्ध्वस्ये-तयाताम् रन्थाः याथाम् यध्व-यवहि महि
३. दोदूर्ध्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहै यामहै
४. ओदूर्ध्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (दवम् पि ध्वहि ध्वहि
५. अदोदूर्ध्व-एषाताम् षत षाः पास्थाम् ङ्द्वम् वम्
६. ओदूर्ध्व-वे वाते किरि कृषे काथे कृद्वे वे कृवहे कृमहे
दोदूर्ध्वाम्स्वभूय दोदूर्ध्वामास (यवहि महि
७. दोदूर्ध्वविषी-एयास्ताम् रन्था यास्थाम् ध्वम् द्वम्
८. दोदूर्ध्विता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९. दोदूर्ध्वि-व्यते व्यते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
१०. अदोदूर्ध्वि-व्यत व्येता व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
यस्य सानुनासिकत्वपक्षे दोदूर्ध्वयते १०

४३२ ध्रुव (धूर्व) हिंसायाम् ।

१. दोधूर्व-यते येते यन्ते दसे येथे यध्वे ये थावहे गामहे
 दोधूर्वये त ताताम रन्था राथाम ध्वम् यवहि महि
 २. दोधूर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 थावहे गामहे
 ३. अदोधूर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 थावहि गामहि [द्वम् षि ष्वहि ष्वहि
 ४. अदोधूर्वि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्वम् ध्वम्
 ५. दोधूर्वामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 दोधूर्वाञ्जके दोधूर्वाञ्जभूव [यवहि महि
 ६. दोधूर्विषी ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
 दोधूर्विता " रौ रः से साथे ध्वे हे त्वहे स्महे
 ७. दोधूर्वि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्यये व्यध्वे व्ये
 व्यावहे व्यामहे [व्ये व्यावहि व्यामहि
 ८. अदोधूर्वि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
 यस्य स नुनासिकत्वपक्षे दोधूर्व्यते इ०

४४० जुर्वै (जूर्ब) हिंसायाम् ।

- जोजूर्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
जोजूर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
जोजूर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
अजोजूर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (ध्वम् षि ध्वहि ष्वहि
अजोजूर्वि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् डध्वम् ध्वम्
जोजूर्वामा-स सतु सुः स्थि सधुः स ससिब सिम
जोजूर्वान्वभूव जोजूर्वान्वके [य वहि महि
जोजूर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ध्वम्
जोजूर्विता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
जोजूर्वि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
अजोजूर्वि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
यस्य सानुनासिकत्वपक्षे जोजूर्व्यते इ०

४४१ भव (भव्) हिंसायाम् ।

- १ बाभर्ह्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभर्ह्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभर्ह्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाभर्ह्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अबाभर्हि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभर्वाभ्व-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम बाभर्वाभ्वके बाभर्वाभास (य वहि महि
- ७ बाभर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ बाभर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभर्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अबाभर्हि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे बाभर्यते इ०

४४२ शर्व (शर्व्) हिंसायाम् ।

- १ शाशर्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अशाशर्वि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशर्वाभ्व-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे शाशर्वाभ्व भूव शाशर्वाभास (य वहि महि
- ७ शाशर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ शाशर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशर्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अशाशर्वि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे शाशर्यते इ०

४४३ मूर्व (मूर्व्) बन्धने ।

- १ मोमूर्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमूर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमूर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमूर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अमोमूर्वि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ मोमूर्वामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मोमूर्वाभ्वके मोमूर्वाभ्व भूव [य वहि महि
- ७ मोमूर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ मोमूर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमूर्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमोमूर्वि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे मोमूर्यते इ०

४४४ मव (मव्) बन्धने । वस्यैव सानुनासिकत्वे

- १ ममव-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ ममवये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ममव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अममव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अममवि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ ममवामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम ममवाभ्वके ममवाभ्व भूव [य वहि महि
- ७ ममविषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ ममविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ममवि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अममवि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् वस्यैव सानुनासिकत्वे मामूर्यते । उभयोः सानुनासिकत्वे ममूर्यते उभयोः निरनुनासिकत्वे मामव्यत

४४५ गुर्वै (गुर्व्) उद्यमे ।

- १ जोगूर्व-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगूर्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगूर्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगूर्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि
- ५ अजोगूर्वि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोगूर्वाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोगूर्वाञ्चक्रे जोगूर्वामास (य वहि महि
- ७ जोगूर्विषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जोगूर्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोगूर्वि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अजोगूर्वि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे जोगूर्वैते इ०

४४६ पिबु (पिन्व) सेचने ।

- १ पेपिन्व-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेपिन्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपिन्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपेपिन्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि
- ५ अपेपिन्वि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पेपिन्वाञ्चक्रे काते किरि कृषे काथे कृषे के कृवहे कृमहे पेपिन्वाम्बभूव पेपिन्वामास (य वहि महि
- ७ पेपिन्विषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ पेपिन्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपिन्वि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अपेपिन्वि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे पेपिन्वैते इ०

४४७ भिबु (भिन्व) सेचने ।

- १ भेमिन्व-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ भेमिन्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ भेमिन्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अभेमिन्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि
- ५ अभेमिन्वि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ भेमिन्वामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम भेमिन्वाञ्चक्रे भेमिन्वाम्बभूव (य वहि महि
- ७ भेमिन्विषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ भेमिन्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ भेमिन्वि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अभेमिन्वि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे भेमिन्वैते इ०

४४८ निबु (निन्व) सेचने ।

- १ नेनिन्व-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनिन्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नेनिन्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनेनिन्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि
- ५ अनेनिन्वि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नेनिन्वाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम नेनिन्वाञ्चक्रे नेनिन्वामास (य वहि महि
- ७ नेनिन्विषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ नेनिन्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनिन्वि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अनेनिन्वि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे नेनिन्वैते इ०

४४९ हिवु (हिन्व) प्रीणने ।

- १ जेहिन्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेहिन्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेहिन्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेहिन्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजेहिन्वि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः याथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ जेहिन्वाश्च-के क्राते किरै कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- जेहिन्वाम्बभूव जेहिन्वामास (य वहि महि
- ७ जेहिन्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जेहिन्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेहिन्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजेहिन्वि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे जेहिन्वयँते इ०

४५० दिवु (दिन्व) प्रीणने ।

- १ देदिन्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देदिन्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देदिन्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदेदिन्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अदेदिन्वि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः याथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ देदिन्वामा-स सतु सुः सिथसथुः स स सिव सिम
- देदिन्वाश्च-के देदिन्वाम्बभूव (य वहि महि
- ७ देदिन्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ देदिन्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देदिन्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदेदिन्वि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे देदिन्वयँते इ०

४५१ जिवु (जिन्व) प्रीणने ।

- १ जेजिन्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेजिन्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेजिन्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेजिन्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजेजिन्वि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः याथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ जेजिन्वाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- जेजिन्वाश्च-के जेजिन्वामास (य वहि महि
- ७ जेजिन्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जेजिन्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेजिन्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजेजिन्वि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वपक्षे जेजिन्वयँते इ०

४५२ कश (कश्) शब्दे ।

- १ चाकश-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकश् यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाकशि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः याथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ चाकशाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- चाकशाश्च-के चाकशामास (य वहि महि
- ७ चाकशिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकशि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचाकशि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

४५३ मिश (मिश्) रोषे च ।

- १ मेमिश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमिश्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमिश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमिश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अमेमिशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेमिशामा-स सतु. सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मेमिशश्चक्रे मेमिशाम्बभूव (य वहि महि
- ७ मेमिशिषी-यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेमिशिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमिशि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमेमिशि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

४५५ शश (शश्) प्लुतिगतौ ।

- १ शाशश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशश्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अशाशशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशशाम्बभू-व वतु. उः विथ वथुः व व विव विम शाशशश्चक्रे शाशशामास (य वहि महि
- ७ शाशशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशशिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशशि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अशाशशि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

४५४ मश (मश्) रोषे च ।

- १ मामश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मानश्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अमामशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामशाम्बभू-व वतु. उः विथ वथुः व व विव विम मामशश्चक्रे मामशामास (य वहि महि
- ७ मामशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामशिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ म.मशि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमामशि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

४५६ णिश (निश्) समाधौ ।

- १ नेनिश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनिश्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नेनिश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनेनिश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अनेनिशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नेनिशश्चक्रे-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे नेनिशाम्बभूव नेनिशामास (य वहि महि
- ७ नेनिशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नेनिशिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनिशि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अनेनिशि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

४५७ वृश् (वृश्) प्रेरणे ।

१ दरीदृश्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ दरीदृश्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ दरीदृश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे

४ अदरीदृश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि

५ अदरीदृशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्

६ दरीदृशामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दरीदृशाश्चक्रे दरीदृशाम्बभूव (य वहि महि

७ दरीदृशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ दरीदृशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ दरीदृशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अदरीदृशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४५९ जुष्ट (जुष्ट) शब्दे ।

१ जोषुष्ट-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ जोषुष्ट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ जोषुष्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे

४ अजोषुष्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि

५ अजोषुष्टि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्

६ जोषुषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जोषुषाश्चक्रे जोषुषामास (य वहि महि

७ जोषुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ जोषुषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ जोषुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अजोषुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४५८ दंश् (दंश्) दंशने ।

१ दन्दश्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ दन्दश्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ दन्दश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे

४ अदन्दश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि

५ अदन्दशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्

६ दन्दशाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
दन्दशाश्चक्रे दन्दशामास (य वहि महि

७ दन्दशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ दन्दशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ दन्दशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अदन्दशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४६० चृष (चृष्) पाने ।

१ चोचृष्ट-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ चोचृष्ट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ चोचृष्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे

४ अचोचृष्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि

५ अचोचृष्टि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्

६ चोचृषाश्चक्रे-क्राते किरै कृषे क्राये कृवे क्रे कृवहे कृमहे
चोचृषाम्बभूव चोचृषामास (य वहि महि

७ चोचृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ चोचृषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ चोचृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अचोचृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४६१ तृष (तृष्) तुष्टौ ।

- १ तोतृष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतृष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतृष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अतोतृष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतोतृषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोतृषामा-स सतु सुः सिथ सथुः स स सिव स्मि तोतृषाश्चके तोतृषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ तोतृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोतृषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतोतृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४६२-पृष (पृष्) वृद्धौ ।

- १ पोपृष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपृष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपृष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अपोपृष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपोपृषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोपृषाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृढ्वेके कृवहे कृमहे पोपृषाम्बभूव पोपृषामास (य वहि महि
- ७ पोपृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पोपृषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोपृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपोपृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४६३ लृष (लृष्) स्तेये ।

- १ लोलृष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलृष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लोलृष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यावहै
- ४ अलोलृष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अलोलृषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लोलृषाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृढ्वेके कृवहे कृमहे लोलृषाम्बभूव लोलृषामास (य वहि महि
- ७ लोलृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लोलृषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लोलृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलोलृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४६४ मृष (मृष्) स्तेये ।

- १ मोमृष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमृष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमृष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अमोमृष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमोमृषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मोमृषाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृढ्वेके कृवहे कृमहे मोमृषाम्बभूव मोमृषामास (य वहि महि
- ७ मोमृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मोमृषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमोमृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४६५ षूष (षूष्) प्रसवे ।

- १ सोषूष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सोषूष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सोषूष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असोषूष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ असोषूषि ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ सोषूषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव हिम सोषूषाश्चक्रे सोषूषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ सोषूषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सोषूषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सोषूषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असोषूषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४६७ कष (कष्) हिंसायाम् ।

- १ चाकष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अचाकष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचाकषि ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ चाकषाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे चाकषाम्बभूव चाकषामास (य वहि महि
- ७ चाकषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४६६ कृष (कृष्) विलेखने ।

- १ चरीकृष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चरीकृष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चरीकृष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचरीकृष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचरीकृषि ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ चरीकृषाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे चरीकृषाम्बभूव चरीकृषामास (य वहि महि
- ७ चरीकृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चरीकृषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चरीकृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचरीकृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४६८ शिष (शिष्) हिंसायाम् ।

- १ शेशिष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शेशिष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शेशिष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशेशिष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशेशिषि ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ शेशिषाम्बभूव व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम शेशिषाश्चक्रे शेशिषामास (य वहि महि
- ७ शेशिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शेशिषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शेशिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशेशिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४६९ जष (जष्) हिंसायाम् ।

- १ जाजङ-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाजङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ जाजङ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाजङ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि)
- ५ अजाजङि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाजङाश्च-व वतु दुः विथ वथुः व व विव विम जाजङाश्चके जाजङामास (य वहि महि)
- ७ जाजङिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाजङिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाजङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अजाजङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४७१ वाव (वष्) हिंसायाम् ।

- १ वावङ-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ वावङ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावङ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्महि]
- ५ अवावङि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावङामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वावङाश्चके वावङाम्बभूव [य वहि महि]
- ७ वावङिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावङिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि]
- १० अवावङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४७० झष (झष्) हिंसायाम् ।

- १ जाझङ-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाझङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ जाझङ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाझङ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि)
- ५ अजाझङि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाझङाश्च-के क्राते किरै कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जाझङाम्बभूव जाझङामास (य वहि महि)
- ७ जाझङिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ज झङिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाझङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अजाझङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४७२ मष (मष्) हिंसायाम् ।

- १ मामङ-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहिमहि
- ३ मामङ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामङ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि)
- ५ अमामङि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामङामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मामङाम्बभूव मामङाश्चके [य वहि महि]
- ७ मामङिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामङिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अमामङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१४ रहु (रंह) गतौ ।

- १ रारंह-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारंहये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ रारंह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारंह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ष्वहि ष्महि
- ५ अरारंहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारह्वा-अके काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
रारह्वाम्बभूव रारह्वामास (य वहि महि
- ७ रारंहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ रारंहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारंहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरारंहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१६ दृहु (दृह) वृद्धौ ।

- १ दरीदृह-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दरीदृहये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दरीदृह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदरीदृह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ष्वहि ष्महि
- ५ अदरीदृहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दरीदृहाम्बभूव-व वतु दुः विथ वथुः व व विव विम
दरीदृहाम्बभूव दरीदृहामास (य वहि महि
- ७ दरीदृहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ दरीदृहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दरीदृहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदरीदृहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१५ वृह (वृह) वृद्धौ ।

- १ दरीवृह-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दरीवृहये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दरीवृह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदरीवृह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [ढ्वम् पि ष्वहि ष्महि
- ५ अदरीवृहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दरीवृहामा-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
दरीवृहाम्बभूव दरीवृहाम्बभूव [य वहि महि
- ७ दरीवृहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ दरीवृहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दरीवृहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदरीवृहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१७ वृह (वृह) वृद्धौ ।

- १ वरीवृह-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृहये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ष्वहि ष्महि
- ५ अवरीवृहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वरीवृहामा-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम
वरीवृहाम्बभूव वरीवृहाम्बभूव [य वहि महि
- ७ वरीवृहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ वरीवृहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवरीवृहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१८ वृह (वृह) शब्दे च । वृह ५१७ वृहपाणि

५१९ वृह (वृह) शब्दे च ।

- १ वरीवृह-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवरीवृहि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ वरीवृहाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वेके कृवहे कृमहे वरीवृहाम्बभूव वरीवृहामास (य वहि महि
- ७ वरीवृहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ वरीवृहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृहि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवरीवृहि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५२१ दुहृ (दुहृ) अर्दने ।

- १ दोदुह-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दोदुह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दोदुह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदोदुह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदोदुहि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ दोदुहाम्बभू-व वतुः वुः सिथ वथुः व व विव विम दोदुहाश्चके दोदुहामास (य वहि महि
- ७ दोदुहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ दोदुहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दोदुहि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अदोदुहि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५२० तुहृ (तुहृ) अर्दने ।

- १ तोतुह-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतुह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतुह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतुह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतोतुहि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ तोतुहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तोतुहाश्चके तोतुहाम्बभूव [य वहि महि
- ७ तोतुहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ तोतुहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतुहि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे [व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतोतुहि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५२२ मह (मह) पूजायाम् ।

- १ मामह-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमामहि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ मामहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मामहाम्बभूव मामहाश्चके [य वहि महि
- ७ मामहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ मामहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामहि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमामहि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

४८१ भष् (भष्) भर्त्सने ।

- १ बाभष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाभष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अबाभषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभषाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
बाभषाम्बभूव बाभषामास (य वहि महि
- ७ बाभषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाभषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभषि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अबाभषि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

४८३ विष् (विष्) सेचने ।

- १ वेविष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेविष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेविष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेविष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अवेविषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेविषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
वेविषाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
वेविषाम्बभूव वेविषामास (य वहि महि
- ७ वेविषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेविषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेविषि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवेविषि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

४८२ जिष् (जिष्) सेचने ।

- १ जेजिष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेजिष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेजिष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेजिष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अजेजिषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेजिषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जेजिषाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
जेजिषाम्बभूव जेजिषामास (य वहि महि
- ७ जेजिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जेजिषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेजिषि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजेजिषि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

४८४ मिष् (मिष्) सेचने ।

- १ मेमिष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमिष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमिष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमिष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अमेमिषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेमिषाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे
मेमिषाम्बभूव मेमिषामास (य वहि महि
- ७ मेमिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेमिषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमिषि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमेमिषि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

४८५ निष् (निष्) सेचने ।

- १ नेनिष्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनिष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- नेनिष् यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनेनिष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनेनिषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नेनिषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- नेनिषाञ्चके नेनिषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ नेनिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नेनिषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
- ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनेनिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४८६ पृष् (पृष्) सेचने ।

- १ परीपृष्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- परीपृष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ परीपृष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपरीपृष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपरीपृषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ परीपृषाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- परीपृषाम्बभूव परीपृषामास (य वहि महि
- ७ परीपृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ परीपृषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ परीपृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
- ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपरीपृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४८७ वृष् (वृष्) सेचने । वृष् ४८० वद्रूपाणि

४८८ मृष् (मृष्) सहने च ।

- १ मरीमृष्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मरीमृष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मरीमृष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अमरीमृष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमरीमृषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मरीमृषाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- मरीमृषाम्बभूव मरीमृषामास (य वहि महि
- ७ मरीमृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मरीमृषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मरीमृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
- ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमरीमृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४८९ श्रष् (श्रष्) दाहे ।

- १ शेश्रिष्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शेश्रिष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शेश्रिष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशेश्रिष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशेश्रिषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शेश्रिषाम्बभूव शेश्रिषामास (य वहि महि
- ७ शेश्रिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शेश्रिषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शेश्रिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
- ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशेश्रिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४९० श्लिषू (श्लिष्) दाहे ।

- १ श्लिषू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ श्लिष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ श्लिषू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अश्लिषू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अश्लिषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ श्लिषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम श्लिषाम्बभूव श्लिषामास (य वहि महि
- ७ श्लिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ श्लिषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ श्लिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अश्लिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४९२ प्लुषू (प्लुष्) दाहे ।

- १ प्लुषू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ प्लुष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ प्लुषू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अप्लुषू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अप्लुषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ प्लुषाम्बभूव-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे प्लुषाम्बभूव प्लुषामास (य वहि महि
- ७ प्लुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ प्लुषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ प्लुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अप्लुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४९१ प्रुषू (प्रुष्) दाहे ।

- १ प्रुषू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ प्रुष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ प्रुषू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अप्रुषू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अप्रुषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ प्रुषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम प्रुषाम्बभूव प्रुषामास (य वहि महि
- ७ प्रुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ प्रुषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ प्रुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अप्रुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४९३ वृषू (वृष्) संहर्षे ।

- १ जरीवृषू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जरीवृष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जरीवृषू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अजरीवृषू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अजरीवृषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जरीवृषाम्बभूव-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे जरीवृषाम्बभूव जरीवृषामास (य वहि महि
- ७ जरीवृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जरीवृषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जरीवृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजरीवृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४९४ हृष् (हृष्) अलीके ।

- १ जरीहृष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जरीहृष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जरीहृष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजरीहृष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजरीहृषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जरीहृषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम जरीहृषाश्चक्रे जरीहृषामास (य वहि महि
- ७ जरीहृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जरीहृषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जरीहृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजरीहृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४९६ भूष् (भूष्) अलङ्कारे ।

- १ बोभूष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बोभूष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बोभूष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबोभूष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अबोभूषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बोभूषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम बोभूषाश्चक्रे बोभूषामास (य वहि महि
- ७ बोभूषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बोभूषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बोभूषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबोभूषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४९५ पुष् (पुष्) पुष्टौ ।

- १ पोपुष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपुष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपुष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोपुष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपोपुषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोपुषाश्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे पोपुषाम्बभूव पोपुषामास (य वहि महि
- ७ पोपुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पोपुषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोपुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपोपुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४९७ तस् (तस्) अलङ्कारे ।

- १ तातस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तातस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतातस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतातसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तातसाश्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे तातसाम्बभूव तातसामास (य वहि महि
- ७ तातसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतातसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४९८ तुस् (तुम्) शब्दे ।

- १ तोतुस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतुस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतुस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतुस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतोतुसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोतुसाम्बभूव-के काते किरि कृषे काथे कृड्वे के कृवहे कृमहे तोतुसाम्बभूव तोतुसामास (य वहि महि
- ७ तोतुसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोतुसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतुसि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतोतुसि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

४९९ हस् (हम्) शब्दे ।

- १ जाहस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाहस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाहस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाहस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजाहसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाहसाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जाहसाम्बभूव जाहसामास (य वहि महि
- ७ जाहसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाहसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाहसि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजाहसि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५०० हस् (हम्) शब्दे ।

- १ जाहस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाहस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाहस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाहस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजाहसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाहसाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जाहसाम्बभूव जाहसामास (य वहि महि
- ७ जाहसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाहसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाहसि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजाहसि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५०१ रस् (रम्) शब्दे ।

- १ रारस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अरारसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारसाम्बभूव-के काते किरि कृषे काथे कृड्वे के कृवहे कृमहे रारसाम्बभूव रारसामास (य वहि महि
- ७ रारसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारस्-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अरारसि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५०२ लस् (लस्) श्लेषण क्रीडनयोः ।

- १ लालस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अलालस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अलालसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालसामा-स सतु सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
लालसाञ्चक्रे लालसाम्बभूव (य वहि महि
- ७ लालसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालसि ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलालसि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५०४ हस् (हस्) हसने ।

- १ जाहस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाहस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाहस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अजाहस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अजाहसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाहसाम्बभू-व वतु दुः विथ वथुः व व विव विम
जाहसाञ्चक्रे जाहसामास (य वहि महि
- ७ जाहसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाहसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाहसि ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाहसि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५०३ घस्ल (घस्) अदने ।

- १ जाघस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाघस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाघस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अजाघस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अजाघसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाघसाम्बभू-व वतु दुः विथ वथुः व व विव विम
जाघसाञ्चक्रे जाघसामास (य वहि महि
- ७ जाघसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाघसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाघसि ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाघसि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५०५ पिस् (पिस्) गतौ ।

- १ पेपिस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेपिस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपिस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अपेपिस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अपेपिसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पेपिसाञ्चक्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
पेपिसाम्बभूव पेपिसामास (य वहि महि
- ७ पेपिसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पेपिसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपिसि ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपेपिसि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५०६ पेस् (पेस्) गतौ ।

- १ पेपेस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेपेस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपेस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपेपेस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अपेपेसि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पेपेसाञ्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे पेपेसाम्बभूव पेपेसामास (य वहि महि
- ७ पेपेसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पेपेसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपेसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपेपेन्मि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५०७ वेस् (वैस्) गतौ ।

- १ वेवेस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेवेस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेवेस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेवेस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अवेवेसि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेवेसाम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम वेवेसाञ्चक्रे वेवेसामास (य वहि महि
- ७ वेवेसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेवेसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेवेन्मि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेवेन्मि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५०८ शस् (शस्) हिंसायाम् ।

- १ शाशस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अशाशसि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशसाम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम शाशसाञ्चक्रे शाशसामास (य वहि महि
- ७ शाशसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशाशसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५०९ शंस् (शंस्) स्तुतौ च ।

- १ शाशस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अशाशसि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशसामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम शाशसाञ्चक्रे शाशसाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शाशसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशाशसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१० मिहं (मिह्) सेचने ।

- १ मेमिह्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमिह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ मेमिह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमिह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमेमिहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ष्वम्
- ६ मेमिहाश्च-के काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे मेमिहाम्बभूव मेमिहामास (य वहि महि
- ७ मेमिहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ मेमिहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमिहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमेमिहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१२ चह (चह्) कलकने ।

- १ चाचह्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाचह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाचह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाचह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचाचहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ चाचहाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाचहाश्चके चाचहामास (य वहि महि
- ७ चाचहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चाचहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाचहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाचहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५११ दहं (दह्) भस्मोकरणे ।

- १ दादह्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दादह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दादह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदादह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदादहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ दादहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम दादहाश्चके दादहाम्बभूव [य वहि महि
- ७ दादहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ दादहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दादहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदादहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१३ रह (रह्) त्यागे ।

- १ रारह्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरारहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ रारहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम रारहाम्बभूव रारहाश्चके [य वहि महि
- ७ रारहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ रारहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरारहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१४ रहु (रंह) गतौ ।

- १ रारंह-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारंहये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ रारंह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारंह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरारंहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारहाम्बभूव-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे
रारहाम्बभूव रारहामास (य वहि महि
- ७ रारहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ रारहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरारंहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१६ दृहु (दृह) वृद्धौ ।

- १ दरीदृह-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दरीदृहये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दरीदृह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदरीदृह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदरीदृहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दरीदृहाम्बभूव-व वतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दरीदृहाम्बभूव दरीदृहामास (य वहि महि
- ७ दरीदृहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ दरीदृहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दरीदृहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदरीदृहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१५ दृह (दृह) वृद्धौ ।

- १ दरीदृह-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दरीदृहये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दरीदृह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदरीदृह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [ढ्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदरीदृहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दरीदृहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
दरीदृहाम्बभूव दरीदृहाम्बभूव [य वहि महि
- ७ दरीदृहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ दरीदृहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दरीदृहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदरीदृहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१७ वृह (वृह) वृद्धौ ।

- १ वरीवृह-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृहये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवरीवृहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वरीवृहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
वरीवृहाम्बभूव वरीवृहाम्बभूव [य वहि महि
- ७ वरीवृहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ वरीवृहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवरीवृहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५१८ वृह (वृह) शब्दे च । वृह ५१७ वृहपाणि

५१९ वृहृ (वृहृ) शब्दे च ।

- १ वरीवृहृ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृहृये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृहृ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृहृ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवरीवृहि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्वम् द्वम् ध्वम्
- ६ वरीवृहृ-क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कुवहे क्रमहे वरीवृहृहाम्बभूव वरीवृहृहामास (य वहि महि
- ७ वरीवृहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ वरीवृहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृहि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवरीवृहि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५२१ दुहृ (दुहृ) अर्द्धने ।

- १ दोदुहृ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दोदुहृये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दोदुहृ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदोदुहृ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदोदुहि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्वम् द्वम् ध्वम्
- ६ दोदुहृहाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम दोदुहृहाम्बभूव दोदुहृहामास (य वहि महि
- ७ दोदुहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ दोदुहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दोदुहि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अदोदुहि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५२० तुहृ (तुहृ) अर्द्धने ।

- १ तोतुहृ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतुहृये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतुहृ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतुहृ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतोतुहि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्वम् द्वम् ध्वम्
- ६ तोतुहृहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तोतुहृहाम्बभूव तोतुहृहामास [य वहि महि
- ७ तोतुहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ तोतुहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतुहि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे [व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतोतुहि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५२२ मह (मह) पूजायाम् ।

- १ मामहृ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामहृये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामहृ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामहृ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमामहि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्वम् द्वम् ध्वम्
- ६ मामहृहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मामहृहाम्बभूव मामहृहामास [य वहि महि
- ७ मामहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ मामहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामहि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमामहि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५२३ रक्ष (रक्ष्) पालने ।

- १ रारक्ष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारक्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारक्ष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारक्ष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अरारक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ रारक्षाश्च-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे रारक्षाम्बभूव रारक्षामास (य वहि महि
- ७ रारक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारक्षि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अरारक्षि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५२५ मुक्ष (मुक्ष्) संघाते ।

- १ मोमुक्ष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमुक्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमुक्ष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमुक्ष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अमोमुक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ मोमुक्षाश्च-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे मोमुक्षाम्बभूव मोमुक्षामास (य वहि महि
- ७ मोमुक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मोमुक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमुक्षि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमोमुक्षि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५२४ मक्ष (मक्ष्) संघाते ।

- १ मामक्ष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामक्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामक्ष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामक्ष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अमामक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ मामक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मामक्षाश्चके मामक्षाम्बभूव (य वहि महि
- ७ मामक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामक्षि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमामक्षि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५२६ तक्षौ (तक्ष्) तनूकरणे ।

- १ तातक्ष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातक्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तातक्ष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतातक्ष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतातक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ तातक्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तातक्षाश्चके तातक्षामास (य वहि महि
- ७ तातक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातक्षि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतातक्षि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५२७ त्वक्षौ (त्वक्ष) तनूकरणे ।

- १ तात्वक्ष-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तात्वक्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तात्वक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतात्वक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतात्वक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तात्वक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तात्वक्षाम्बभूव (य वहि महि
- ७ तात्वक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तात्वक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तात्वक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतात्वक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५२९ तृक्ष (तृक्ष) गतौ ।

- १ तरीतृक्ष-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तरीतृक्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तरीतृक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतरीतृक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतरीतृक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तरीतृक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तरीतृक्षाम्बभूव [य वहि महि
- ७ तरीतृक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तरीतृक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तरीतृक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतरीतृक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५२८ णिक्ष (निक्ष) चुम्बने ।

- १ नेनिक्ष-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनिक्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नेनिक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनेनिक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनेनिक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नेनिक्षाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम नेनिक्षाम्बभूव (य वहि महि
- ७ नेनिक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नेनिक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनिक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनेनिक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५३० स्तृक्ष (स्तृक्ष) गतौ ।

- १ तरीस्तृक्ष-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तरीस्तृक्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तरीस्तृक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतरीस्तृक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतरीस्तृक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तरीस्तृक्षाम्बभूव-के काते क्तिरे कृषे काये कृद्धे के कृवहे कृमहे तरीस्तृक्षाम्बभूव तरीस्तृक्षामास (य वहि महि
- ७ तरीस्तृक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तरीस्तृक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तरीस्तृक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतरीस्तृक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५३१ णक्ष (नक्ष) गतौ ।

- १ नानक्ष-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नानक्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यावहै
- ४ अनानक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अनानक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ नानक्षाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे नानक्षाम्बभूव नानक्षामास (य वहि महि)
- नानक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- नानक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- नानक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अनानक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५३४ सूक्ष (सूक्ष्) अनादरे ।

- १ सोसूक्ष-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सोसूक्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सोसूक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ असोसूक्षि-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ असोसूक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ सोसूक्षाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे सोसूक्षाम्बभूव सोसूक्षामास (य वहि महि)
- ७ सोसूक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सोसूक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सोसूक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० असोसूक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५३२ वक्ष (वक्ष) रोषे ।

- १ वावक्ष-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावक्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अवावक्षि-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अवावक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ वावक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव हिम वावक्षाञ्चके वावक्षाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ वावक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अवावक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ५३३ त्वक्ष (त्वक्ष्) त्वचने । त्वक्षौ ५२७ वङ्गूपाणि

५३५ काक्ष (काक्ष्) काङ्क्षायाम् ।

- १ चाकाक्ष-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकाक्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकाक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अचाकाक्षि-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अचाकाक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ चाकाक्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाकाक्षाञ्चके चाकाक्षामास (य वहि महि)
- ७ चाकाक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकाक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकाक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अचाकाक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५३८ द्राक्षु (द्राक्ष्) घोरवासिते च ।

- १ दाद्राङ्क्ष-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 २ दाद्राङ्क्ष्ये-तयाताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ दाद्राङ्क्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै
 यावहै यामहै
 ४ अदाद्राङ्क्ष--यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
 ५ अदाद्राङ्क्षि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्ह्वम् ध्वम्
 ६ दाद्राङ्क्षाम्बभू-व वतुः दुः विथ वयुः व व विव विम
 दाद्राङ्क्षाश्चक्रे दाद्राङ्क्षामास (य वहिमहि
 ७ दाद्राङ्क्षषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्याः यास्थाम् ध्वम्
 ८ दाद्राङ्क्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ दाद्राङ्क्षि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यध्वे ज्ये
 ज्यावे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
 १० अदाद्राङ्क्षि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

५३९ ध्राक्षु (ध्राङ्क्षू) घोरवासिते च ।

- १ दाध्राङ्क्ष-यते येते यन्ते यस्य येथे यन्वे ये यावहे यामहे
२ दाध्राङ्क्षये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ दाध्राङ्क्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहै यामहै
४ अदाध्राङ्क्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
५ अदाध्राङ्क्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
६ दाध्राङ्क्षश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कुवहे कुमहे
दाध्राङ्क्षाम्बभूव दाध्राङ्क्षामास (य वहि महि
७ दाध्राङ्क्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
८ दाध्राङ्क्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ दाध्राङ्क्ष-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यन्वे ज्ये
ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
१० अदाध्राङ्क्ष ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

५४० ध्वाक्षु (ध्वाङ्क्ष) धोरवासिते च ।

- १ दाध्वाङ्क्ष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाध्वाङ्क्षये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दाध्वाङ्क्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदाध्वाङ्क्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदाध्वाङ्क्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ दाध्वाङ्क्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम दाध्वाङ्क्षाम्बभूव दाध्वाङ्क्षामास (य वहि महि
- ७ दाध्वाङ्क्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दाध्वाङ्क्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दाध्वाङ्क्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदाध्वाङ्क्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५४१ डीड (डी) विहायसां गतौ ।

- १ डीड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ डीडये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ डीड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अडीड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ङ्वम् षि ष्वहि षमहि
- ५ अडीडयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ डीडयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम डीडयाश्चक्रे डीडयामास (य वहि महि
- ७ अडीडयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ डीडयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ डीडयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अडीडयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५४१ गाङ् (गा) गतौ । गै ३६ वद्रूपाणि

५४२ ष्मिङ् (स्मि) ईषद्गसने ।

- १ सेष्मी-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेष्मीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेष्मी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेष्मी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ङ्वम् षि ष्वहि षमहि
- ५ असेष्मीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ सेष्मीयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम सेष्मीयाम्बभूव सेष्मीयाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ सेष्मीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ सेष्मीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेष्मीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असेष्मीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५४४ कुङ् (कु) शब्दे ।

- १ चोक्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोक्कये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोक्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोक्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ङ्वम् षि ष्वहि षमहि
- ५ अचोक्कयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ चोक्कयाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमह चोक्कयाम्बभूव चोक्कयामास (य वहि महि
- ७ अचोक्कयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ चोक्कयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोक्कयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोक्कयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

अत्र चोक्-स्थाने चोक्-इति ज्ञेयम् ।

५४५ गुङ् (गु) शब्दे ।

- १ जोगू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अजोगूयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ जोगूयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोगूयाश्चक्रे जोगूयामास (य वहि महि
- ७ जोगूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जोगूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोगूयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोगूयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५४६ घुङ् (घु) शब्दे ।

- १ जोघू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोघूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोघू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोघू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अजोघूयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ जोघूयाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जोघूयाम्बभूव जोघूयामास (य वहि महि
- ७ जोघूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जोघूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोघूयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोघूयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५४७ डुङ् (डु) शब्दे ।

- १ जोङ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अजोङ्गयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ जोङ्गयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोङ्गयाश्चक्रे जोङ्गयामास (य वहि महि
- ७ जोङ्गयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जोङ्गयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोङ्गयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोङ्गयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५४८ च्युङ् (च्यु) गतौ ।

- १ चोच्यू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोच्यूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोच्यू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोच्यू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अचोच्यूयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ चोच्यूयाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चोच्यूयाम्बभूव चोच्यूयामास (य वहि महि
- ७ चोच्यूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चोच्यूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोच्यूयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोच्यूयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५४९ जुङ् (जु) गतौ ।

- १ जोज्यु-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोज्युये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोज्यु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोज्यु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अजोज्युयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोज्युयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जोज्युयाश्चक्रे जोज्युयाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जोज्युयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ जोज्युयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोज्युयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजोज्युयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५५० जुङ् (जु) गतौ ।

- १ जोजू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोजूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोजू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोजू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अजोजूयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोजूयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोजूयाश्चक्रे जोजूयामास (य वहि महि
- ७ जोजूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ जोजूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोजूयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजोजूयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५५१ प्रुङ् (प्रु) गतौ ।

- १ पोप्रू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोप्रूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोप्रू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोप्रू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अपोप्रूयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोप्रूयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम पोप्रूयाश्चक्रे पोप्रूयामास (य वहि महि
- ७ पोप्रूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ पोप्रूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोप्रूयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपोप्रूयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५५२ प्लुङ् (प्लु) गतौ ।

- १ पोप्लू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोप्लूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोप्लू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोप्लू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अपोप्लूयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोप्लूयाश्चक्रे-क्रे कातेकिरे कृषे काये कृध्वे के कृवहे कृमहे पोप्लूयाम्बभूव पोप्लूयामास (य वहि महि
- ७ पोप्लूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ पोप्लूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोप्लूयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपोप्लूयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५५३ रुङ् (रु) रोषणे च ।

- १ रोरू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रोरूये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रोरू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरोरू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरोरूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ रोरूयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ रोरूयाश्चके रोरूयाम्बभूव (य वहि महि
- ८ रोरूयिता- " रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रोरूयि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अरोरूयि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५५५ मूङ् (मू) बन्धने ।

- १ मोमू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमूये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमोमूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ मोमूयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ मोमूयाश्चके मोमूयाम्बभूव [य वहि महि
- ८ मोमूयिता- " रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमूयि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे [व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमोमूयि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५५४ पूङ् (पू) पवने ।

- १ पोपू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपूये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोपू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपोपूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ पोपूयाम्बभूव व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ पोपूयाश्चके पोपूयामास (य वहि महि
- ८ पोपूयिता- " रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोपूयि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अपोपूयि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५५६ धृङ् (धृ) अविध्वंसने ।

- १ देध्री-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देध्रीये-त याताम् रन् थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ देध्री-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदेध्री-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदेध्रीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ देध्रीयाश्चके काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- ७ देध्रीयाश्चके देध्रीयाम्बभूव देध्रीयामास (य वहि महि
- ८ देध्रीयिता- " रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देध्रीयि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अदेध्रीयि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५५७ मङ् (मे) प्रतिदाने ।

- १ मेमी-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ मेमीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ मेमी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अमेमी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि धमहि
 - ५ अमेमीयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ मेमीयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मेमीयाम्बभूव मेमीयाश्चक्रे [य वहि महि
 - ७ मेमीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
 - ८ मेमीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ मेमीयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 - १० अमेमीयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- ५५८ ढङ् (दे) पालने । दाम् ७ वद्रूपाणि

५५९ ञङ् (जै) पालने ।

- १ तात्रा-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तात्राये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तात्रा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतात्रा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अतात्रायि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तात्रायाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम तात्रायाश्चक्रे तात्रायामास (य वहि महि
- ७ तात्रायिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ तात्रायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तात्रायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतात्रायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५६० श्यङ् (श्ये) गतौ ।

- १ शाश्या-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाश्याये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाश्या-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाश्या-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अशाश्यायि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाश्यायाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम शाश्यायाश्चक्रे शाश्यायामास (य वहि महि
- ७ शाश्यायिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ शाश्यायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाश्यायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अशाश्यायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५६१ ष्यङ् (ष्ये) वृद्धौ ।

- १ पाप्या-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पाप्याये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पाप्या-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपाप्या-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अपाप्यायि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पाप्यायाश्चक्रे क्राते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमह पाप्यायाम्बभूव पाप्यायामास (य वहि महि
- ७ पाप्यायिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ पाप्यायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पाप्यायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपाप्यायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

५६२ वड् (वङ्क्) कौटिल्ये ।

- १ वावङ्क्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावङ्क्-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावङ्क्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावङ्क्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अवावङ्क्-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्वम् ध्वम्
- ६ वावङ्क्-यते कृते कृरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- ७ वावङ्क्-यते यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावङ्क्-यते- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावङ्क्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे (ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अव. वङ्क्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम्

५६४ शीकृङ् (शीक्) सेचने ।

- १ शीशीक-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शीशीक-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शीशीक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशीशीक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अशीशीक-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्वम् ध्वम्
- ६ शीशीकाश्च-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ शीशीकाश्च-शीशीकामास (य वहि महि
- ८ शीशीकिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ शीशीकिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० शीशीकि-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे (ये ध्यावहि ध्यामहि
- ११ अशीशीकि-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम्

५६३ मङ्क् (मङ्क्) मण्डने ।

- १ मामङ्क्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामङ्क्-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामङ्क्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामङ्क्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अमामङ्क्-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्वम् ध्वम्
- ६ मामङ्क्-यते सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम
- ७ मामङ्क्-यते यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामङ्क्-यते- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामङ्क्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे (ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमामङ्क्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम्

५६५ लोक् (लोक) दर्शने ।

- १ लोलोक-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलोक-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लोलोक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलोलोक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अलोलोकि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्वम् ध्वम्
- ६ लोलोकाश्च-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ लोलोकाश्च-लोलोकामास (य वहि महि
- ८ लोलोकिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ लोलोकिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० लोलोकि-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे (ये ध्यावहि ध्यामहि
- ११ अलोलोकि-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम्

५६६ प्रलोकङ् (प्रलोक) संघाते ।

- १ शोश्लोक-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोश्लोक्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोश्लोक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अशोश्लोक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अशोश्लोकि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोश्लोकाश्वभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम शोश्लोकाश्वके शोश्लोकामास (य वहि महि)
- ७ शोश्लोकिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोश्लोकिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोश्लोकि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अशोश्लोकि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५६८ ध्रोकङ् (ध्रोक) शब्दोत्साहे ।

- १ देध्रोक-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देध्रोक्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देध्रोक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यावहै
- ४ अदेध्रोक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अदेध्रोकि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ देध्रोकाश्व-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे देध्रोकाम्बभूव देध्रोकामास (य वहि महि)
- ७ देध्रोकिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ देध्रोकिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देध्रोकि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अदेध्रोकि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५६७ द्रेकङ् (द्रेक) शब्दोत्साहे ।

- १ द्रेक-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ द्रेक्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ द्रेक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अद्रेक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अद्रेकि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ द्रेकाश्व-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे द्रेकाम्बभूव द्रेकामास (य वहि महि)
- ७ द्रेकिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ द्रेकिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ द्रेकि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अद्रेकि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५६९ रेकङ् (रेक) शब्दायाम् ।

- १ रेरेक-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रेरेक्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रेरेक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अरेरेक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अरेरेकि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रेरेकामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम रेरेकाश्वके रेरेकाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ रेरेकिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रेरेकिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रेरेकि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अरेरेकि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५७० शकुङ् (शङ्क्) शङ्कायाम् ।

- १ शाशङ्क-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशङ्कये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशङ्क-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशङ्क-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अशाशङ्कि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशङ्कामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- शाशङ्काञ्चके शाशङ्काम्बभूव (य वहि महि
- ७ शाशङ्किषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशङ्किता- " रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशङ्कि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशाशङ्कि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५७२ कुकि (कुक्) आदाने ।

- १ चोक्कु-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोक्कुये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोक्कु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोक्कु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचोक्कुकि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोक्कुका-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- चोक्कुकाञ्चके चोक्कुकाम्बभूव [य वहि महि
- ७ चोक्कुकिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोक्कुकिता- " रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोक्कुकि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोक्कुकि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५७१ ककि (कक्) लौत्ये ।

- १ चाक-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाककि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाककाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
- चाककाञ्चके चाककामास (य वहि महि
- ७ चाककिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाककिता- " रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाककि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाककि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५७३ वृकि (वृक्) आदाने ।

- १ वरीवृक् यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृकये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृक् यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृक्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवरोवृकि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वरीवृकाञ्चके वराते किर कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- वरीवृकाम्बभूव वरीवृकामास (य वहि महि
- ७ वरीवृकिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वरीवृकिता- " रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृकि-ष्यते ष्यते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवरीवृकि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५७४ चकि (चक्) तृतिप्रतीघातयोः ।

- १ चाचक्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाचक्थे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाचक्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाचक्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचाचकि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ष्त्वम् ध्वम्
- ६ चाचकाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम चाचकाश्चक्रे चाचकामास (य वहि महि
- ७ चाचकिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाचकिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाचकि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचाचकि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५७६ श्वकुङ्क् (श्वङ्क्) गतौ ।

- १ शाश्वङ्क्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाश्वङ्क्थे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाश्वङ्क्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाश्वङ्क्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशाश्वङ्कि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ष्त्वम् ध्वम्
- ६ शाश्वङ्काश्चक्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे शाश्वङ्काम्बभूव शाश्वङ्कामास (य वहि महि
- ७ शाश्वङ्किषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाश्वङ्किता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाश्वङ्कि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अशाश्वङ्कि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५७५ ककुङ्क् (कङ्क्) गतौ ।

- १ चाकङ्क्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकङ्क्थे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकङ्क्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकङ्क्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचाकङ्कि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ष्त्वम् ध्वम्
- ६ चाकङ्काम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम चाकङ्काश्चक्रे चाकङ्कामास (य वहि महि
- ७ चाकङ्किषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकङ्किता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकङ्कि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचाकङ्कि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५७७ त्रकुङ्क् (त्रङ्क्) गतौ ।

- १ तात्रङ्क्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तात्रङ्क्थे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तात्रङ्क्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतात्रङ्क्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतात्रङ्कि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ष्त्वम् ध्वम्
- ६ तात्रङ्काश्चक्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे तात्रङ्काम्बभूव तात्रङ्कामास (य वहि महि
- ७ तात्रङ्किषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तात्रङ्किता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तात्रङ्कि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतात्रङ्कि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५७८ अकुङ् (अङ्क) गतौ ।

- १ शाअङ्क-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाअङ्कये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाअङ्क-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाअङ्क-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अशाअङ्कि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाअङ्काम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- शाअङ्काश्चक्रे शाअङ्कामास (य वहि महि
- ७ शाअङ्किषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाअङ्किता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाअङ्कि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशाअङ्कि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५८० डौढौक (ढौक) गतौ ।

- १ डौढौक-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ डौढौकये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ डौढौक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अडौढौक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अडौढौकि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ डौढौकाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- डौढौकाश्चक्रे डौढौकामास (य वहि महि
- ७ डौढौकिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ डौढौकिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ डौढौकि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अडौढौकि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५७९ श्लकुङ् (श्लङ्क) गतौ ।

- १ शाश्लङ्क-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाश्लङ्कये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाश्लङ्क-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाश्लङ्क-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अशाश्लङ्कि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाश्लङ्काम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- शाश्लङ्काश्चक्रे शाश्लङ्कामास (य वहि महि
- ७ शाश्लङ्किषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाश्लङ्किता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाश्लङ्कि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशाश्लङ्कि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५८१ त्रौकुङ् (त्रौक) गतौ ।

- १ त्रौकुङ्क-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ त्रौकुङ्कये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ त्रौकुङ्क-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अत्रौकुङ्क-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अत्रौकुङ्कि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ त्रौकुङ्काम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- त्रौकुङ्काश्चक्रे त्रौकुङ्कामास (य वहि महि
- ७ त्रौकुङ्किषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ त्रौकुङ्किता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ त्रौकुङ्कि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अत्रौकुङ्कि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५८२ ष्वष्टिक (ष्वष्टकु) गतौ ।

- १ षाष्पष्प-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ षाष्पष्पये-त याताम् रन्थाः याथाम ध्वम्य वहि महि
३ षाष्पष्प-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
४ अषाष्पष्प-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
५ अषाष्पष्पिक-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् षड्वम् ध्वम्
६ षाष्पष्पाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
षाष्पष्पकाश्चके षाष्पष्पकामास (य वहि महि
७ षाष्पष्पिकषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
८ षाष्पष्पिकता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ षाष्पष्पिक-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
१० अषाष्पष्पिक ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५८३ वस्कि (वस्कु) गतौ ।

- १ वावस्व-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ वावस्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ वावस्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै
यावहै यामहै
४ अवावस्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ध्वहि स्महि
५ अवावस्वि ष्टाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
६ वावस्काञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
वावस्काम्बभूव वावस्कामास (य वहि महि
७ वावस्किषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
८ वावस्किता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ वावस्कि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
ध्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
१० अवावस्कि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

५८४ मस्कि (मस्क) गतौ ।

- १ मामस्क् यते येते यन्ते यस्य येथे यच्च ये यावहे यामहे
२ मामस्क्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ मामस्क्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यच्चम् ये
यावहै यावहै
४ अमामस्क्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यच्चम् ये
यावहि यामहि (षि ज्वहि षमहि
५ अमामस्कि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
६ मामस्काश्च-के काते किरे कृषे काथे कुट्वे के कुवहे कुमहे
मामस्काम्बभूष मामस्कामास (य वहि महि
७ मामस्किषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
८ मामस्किता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ मामस्कि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यच्च ज्ये
ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
१० अमामस्कि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यच्चम्

५८५ तिक्कि (तिक्कु) गतौ ।

- १ तेतिक्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेतिक्-ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेतिक्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहै यामहै
- ४ अतेतिक्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अतेतिक्-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तेतिकामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव स्मि
तेतिकाश्चक्रे तेतिकाश्चभूष (य वहि महि
- ७ तेतिकिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तेतिकिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेतिकि-व्यते व्रते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतेतिक्-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

५८६ टिकि (टिक्) गतौ ।

- १ टेटिक-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ टेटिक्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ टेटिक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अटेटिक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अटेटिकि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ टेटिकाश्च-के काते किरै कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे
टेटिकाम्बभूव टेटिकामास (य वहि महि
- ७ टेटिकिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ टेटिकिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ टेटिकि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अटेटिकि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५८८ सेकृङ् (सेक्) गतौ ।

- १ सेसेक-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेसेक्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेसेक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेसेक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ असेसेकि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सेसेकाम्बभूव-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
सेसेकाम्बभूव सेसेकाश्चके [य वहि महि
- ७ सेसेकिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सेसेकिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेसेकि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असेसेकि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५८७ टीकृङ् (टीक्) गतौ ।

- १ टेटीक-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ टेटीक्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ टेटीक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अटेटिक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अटेटिकि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ टेटीकाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
टेटीकाश्चके टेटीकामास (य वहि महि
- ७ टेटीकिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ टेटीकिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ टेटीकि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अटेटिकि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५८९ सेकृङ् (सेक्) गतौ ।

- १ सेसेक-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेसेक्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेसेक-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेसेक-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ असेसेकि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सेसेकाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
सेसेकाश्चके सेसेकामास (य वहि महि
- ७ सेसेकिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सेसेकिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेसेकि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असेसेकि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९० रघुङ् (रङ्घ) गतौ ।

- १ ररङ्घ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ ररङ्घये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ररङ्घ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अररङ्घ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अररङ्घि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ ररङ्घाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- ७ ररङ्घाम्बभूव ररङ्घामास (य वहि महि
- ८ ररङ्घिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ ररङ्घिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० ररङ्घि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अररङ्घि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९१ लघुङ् (लङ्घ) गतौ । लघु ८९ वङ्गपाणि

५९२ वघुङ् (वङ्घ) गत्याक्षारे ।

- १ वरङ्घ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरङ्घये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वरङ्घ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरङ्घ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अवरङ्घि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वरङ्घाम्बभूव-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ वरङ्घाम्बभूव वरङ्घामास (य वहि महि
- ८ वरङ्घिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ वरङ्घिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० वरङ्घि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवरङ्घि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९३ मघुङ् (मङ्घ) केतवे च ।

- १ मामङ्घ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामङ्घये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामङ्घ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामङ्घ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अमामङ्घि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामङ्घामा-स सतु सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ मामङ्घाम्बभूव मामङ्घाश्चके [य वहि महि
- ८ मामङ्घिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ मामङ्घिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० मामङ्घि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमामङ्घि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९४ राघुङ् (राघ्) सन्धेयं ।

- १ राराघ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ राराघये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ राराघ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अराराघ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अराराघि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ राराघाम्बभूव-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ राराघाम्बभूव राराघामास (य वहि महि
- ८ राराघिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ राराघिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० राराघि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अराराघि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

५९५ लाघट् (लाघ) सामर्थ्ये ।

- १ लालाघ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालाघ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालाघ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलालाघ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अलालाघि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालाघाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम लालाघाश्चक्रे लालाघामास (य वहि महि
- ७ लालाघिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालाघिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालाघि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्येथामहे (ज्ये ज्येवहि ज्येथामहि
- १० अलालाघि-यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

५९७ श्लाघट् (श्लाघ) कत्यने ।

- १ शाश्लाघ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाश्लाघ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाश्लाघ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाश्लाघ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अशाश्लाघि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाश्लाघामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम शाश्लाघाम्बभूव शाश्लाघाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ शाश्लाघिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाश्लाघिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाश्लाघि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्येथामहे (ज्ये ज्येवहि ज्येथामहि
- १० अशाश्लाघि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

५९६ द्राघट् (द्राघ) आयासे च ।

- १ दाद्राघ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाद्राघ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दाद्राघ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदाद्राघ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अदाद्राघि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दाद्राघाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम दाद्राघाश्चक्रे दाद्राघामास (य वहि महि
- ७ दाद्राघिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दाद्राघिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दाद्राघि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्येथामहे (ज्ये ज्येवहि ज्येथामहि
- १० अदाद्राघि-यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

५९८ श्लोचट् (श्लोच्) दर्शने ।

- १ शोश्लोच-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोश्लोच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोश्लोच-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोश्लोच-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अशोश्लोचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोश्लोचामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम शोश्लोचाश्चक्रे शोश्लोचाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शोश्लोचिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोश्लोचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोश्लोचि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्येथामहे (ज्ये ज्येवहि ज्येथामहि
- १० अशोश्लोचि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

५९९ षचि (सच्) संचने ।

- १ सासच-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ सासच-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासच-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ असासचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सासचाश्च-के काते किरै कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
सासचाम्बभूव सासचामास (य वहि महि
- ७ सासचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असासचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६०० शचि (शच्) व्यक्तायां वाचि ।

- १ शाशच-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशच-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशच-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशाशचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशचामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शाशचाश्चके शाशचाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शाशचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशाशचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६०१ कचि (कच्) बन्धने ।

- १ चाकच-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकच-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकच-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचाकचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकचाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम
चाकचाश्चके चाकचामास (य वहि महि
- ७ चाकचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६०२ कचुङ् (कञ्च) दीप्तौ च ।

- १ चाकञ्च-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकञ्च्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकञ्च-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकञ्च-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचाकञ्चि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकञ्चामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चाकञ्चाश्चके चाकञ्चाम्बभूव [य वहि महि
- ७ चाकञ्चिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकञ्चिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकञ्चि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकञ्चि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६०३ श्वचि (श्वच्) गतौ ।

- १ शाश्वच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाश्वच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाश्वच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्य येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाश्वच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि)
- ५ अशाश्वचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाश्वचाश्व-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- ७ शाश्वचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाश्वचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाश्वचि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अशाश्वचि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६०५ वचि (वच्) दीप्तौ ।

- १ वावर्च्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावर्च्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावर्च्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्य येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अवावर्च्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि)
- ५ अवावर्चि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावर्चाश्व-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- ७ वावर्चिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावर्चिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावर्चि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अवावर्चि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- ६०६ मचि (मच्) कल्कने । मञ्च् ९९ वद्रूपाणि

६०४ श्वचुङ् (श्वञ्च्) गतौ ।

- १ शाश्वञ्च्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाश्वञ्च्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाश्वञ्च्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्य येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाश्वञ्च्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि)
- ५ अशाश्वचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाश्वचाश्व-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- ७ शाश्वचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाश्वचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाश्वचि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अशाश्वचि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६०७ मुचुङ् (मुञ्च्) कल्कने ।

- १ मोमुञ्च्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमुञ्च्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमुञ्च्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्य येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमुञ्च्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि)
- ५ अमोमुचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मोमुञ्चामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम
- ७ मोमुञ्चाश्व-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- ८ मोमुचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ मोमुचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० मोमुचि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अमोमुचि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६०८ मधुच् (मञ्च्) धारणोच्छायपूजनेषु च

- १ मामञ्च्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामञ्च्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामञ्च्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामञ्च्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अमामञ्चि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामञ्चामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- मामञ्चाञ्चके मामञ्चाम्बभूव [य वहि महि
- ७ मामञ्चिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामञ्चिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामञ्चि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमामञ्चि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६१० ष्टुचि (स्तुच्) प्रसादे ।

- १ तोष्टुच्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोष्टुच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोष्टुच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अतोष्टुच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अतोष्टुचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोष्टुचाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
- तोष्टुचाम्बभूव तोष्टुचामास (य वहि महि
- ७ तोष्टुचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोष्टुचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोष्टुचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतोष्टुचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६०९ पधुच् (पञ्च्) व्यक्तीकरणे ।

- १ पापञ्च्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापञ्च्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापञ्च्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपापञ्च्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अपापञ्चि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पापञ्चामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- पापञ्चाञ्चके पापञ्चाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पापञ्चिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पापञ्चिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पापञ्चि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपापञ्चि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६११ वेञ्जच् (वेञ्ज्) दीप्तौ ।

- १ वेञ्जच्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेञ्जच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेञ्जच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेञ्जच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अवेञ्जि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेञ्जाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- वेञ्जाञ्चके वेञ्जामास (य वहि महि
- ७ वेञ्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेञ्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेञ्जि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेञ्जि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६१२ भ्राजि (भ्राज्) दीतौ ।

- १ बाभ्राज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभ्राज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभ्राज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाभ्राज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अबाभ्राजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभ्राजाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- बाभ्राजाश्चक्रे बाभ्राजामास (य वहि महि
- ७ बाभ्राजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाभ्राजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभ्राजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अबाभ्राजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६१३ भृजैः (भृज्) भर्जने ।

- १ बरीभृज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बरीभृज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बरीभृज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबरीभृज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अबरीभृजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बरीभृजाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- बरीभृजाम्बभूव बरीभृजामास (य वहि महि
- ७ बरीभृजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बरीभृजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बरीभृजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अबरीभृजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६१४ तिजि (तिज्) क्षमानिशामनयोः ।

- तेतिज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेतिज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेतिज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेतिज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अतेतिजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तेतिजाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- तेतिजाम्बभूव तेतिजामास (य वहि महि
- ७ तेतिजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तेतिजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेतिजि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतेतिजि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६१५ घट्टि (घट्ट्) चलने ।

- १ जाघट्ट-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाघट्ट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाघट्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाघट्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अजाघट्टि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाघट्टाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- जाघट्टाश्चक्रे जाघट्टामास (य वहि महि
- ७ जाघट्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाघट्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाघट्टि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजाघट्टि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६१६ स्फुटि (स्फुट्) विकसने । स्फुट् ११३
वद्वपाणि

६१७ चेष्टि (चेष्ट) संघाताम् ।

- १ चेचेष्ट-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेचेष्टये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेचेष्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेचेष्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अचेचेष्टि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेचेष्टाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चेचेष्टाश्चक्रे चेचेष्टामास (य वहि महि)
- ७ चेचेष्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेचेष्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेचेष्टि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अचेचेष्टि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६१९ लोष्टि (लोष्ट) संघाते ।

- १ लोलोष्ट-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलोष्टये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लोलोष्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलोलोष्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अलोलोष्टि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लोलोष्टाश्चक्रे क्राते किरै कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे लोलोष्टाम्बभूव लोलोष्टामास (य वहि महि)
- ७ लोलोष्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लोलोष्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लोलोष्टि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अलोलोष्टि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६१८ गोष्टि (गोष्ट) संघाते ।

- १ जोगोष्ट-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगोष्टये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगोष्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगोष्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अजोगोष्टि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोगोष्टाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोगोष्टाश्चक्रे जोगोष्टामास (य वहि महि)
- ७ जोगोष्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोगोष्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोगोष्टि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अजोगोष्टि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२० वेष्टि (वेष्ट) संघाते ।

- १ वेवेष्ट-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेवेष्टये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेवेष्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेवेष्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अवेवेष्टि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेवेष्टाश्चक्रे क्राते किरै कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे वेवेष्टाम्बभूव वेवेष्टामास (य वहि महि)
- ७ वेवेष्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेवेष्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेवेष्टि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अवेवेष्टि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२१ हेठि (हेठ्) विवाधायाम् ।

- १ जेहेठ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेहेठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेहेठ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अजेहेठ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अजेहेठि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेहेठाश्च-के काते किरै कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे जेहेठाम्बभूव जेहेठामास (य वहि महि
- ७ जेहेठिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जेहेठिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेहेठि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेहेठि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२३ कटुङ् (कण्ठ) शोके ।

- १ चाकण्ठ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकण्ठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकण्ठ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकण्ठ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अचाकण्ठि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकण्ठामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम चाकण्ठाश्चके चाकण्ठाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चाकण्ठिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकण्ठिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकण्ठि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकण्ठि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२२ मटुङ् (मण्ठ) शोके ।

- १ मामण्ठ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामण्ठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामण्ठ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामण्ठ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि धमहि
- ५ अमामण्ठि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामण्ठामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम मामण्ठाश्चके मामण्ठाम्बभूव [य वहि महि
- ७ मामण्ठिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामण्ठिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामण्ठि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमामण्ठि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२४ मुटुङ् (मुण्ठ) पलायने ।

- १ मोमुण्ठ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमुण्ठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमुण्ठ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमुण्ठ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अमोमुण्ठि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मोमुण्ठाम्बभू-व वतुः उः विथ वधुः व व विव विम मोमुण्ठाश्चके मोमुण्ठामास (य वहि महि
- ७ मोमुण्ठिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मोमुण्ठिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमुण्ठि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमोमुण्ठि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२५ वडुङ् (वण्ट) एकचर्यायाम् ।

- १ वावण्ट-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावण्ट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावण्ट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अवावण्ट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवावण्टि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावण्टामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वावण्टाश्चक्रे वावण्टाम्बभूव [य वहि महि
- ७ वावण्टिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावण्टिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावण्टि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवावण्टि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२७ हुडुङ् (हुण्ड) संघाते ।

- १ जोहुण्ड-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोहुण्ड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोहुण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अजोहुण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजोहुण्डि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोहुण्डाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम जोहुण्डाश्चक्रे जोहुण्डामास (य वहि महि
- ७ जोहुण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोहुण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोहुण्डि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोहुण्डि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२६ पडुङ् (पण्ड) गतौ ।

- १ पापण्ड-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापण्ड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यावहै
- ४ अपापण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अपापण्डि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पापण्डाश्च-क्रे काते किरै कृषे काथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे पापण्डाम्बभूव पापण्डामास (य वहि महि
- ७ पापण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पापण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पापण्डि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपापण्डि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२८ पिडुङ् (पिण्ड) संघाते ।

- १ पेपिण्ड-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेपिण्ड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपिण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अपेपिण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अपेपिण्डि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पेपिण्डामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम पेपिण्डाश्चक्रे पेपिण्डाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पेपिण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पेपिण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपिण्डि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपेपिण्डि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६२९ शङुङ् (शण्ड्) रुजायाञ्च ।

- १ शाशण्ड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशण्ड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशाशण्डि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशण्डाञ्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे
- शाशण्डाम्बभूव शाशण्डामास (य वहि महि
- ७ शाशण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशण्डिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशण्डि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशाशण्डि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३० तडुङ् (तण्ड्) ताडने ।

- १ तातण्ड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातण्ड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तातण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतातण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतातण्डि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तातण्डाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- तातण्डाञ्चक्रे तातण्डामास (य वहि महि
- ७ तातण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातण्डिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातण्डि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतातण्डि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३१ कडुङ् (कण्ड्) मडे । कडु २३६ वङ्गूपाणि

६३२ खडुङ् (खण्ड्) मन्थे ।

- १ चाखण्ड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाखण्ड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाखण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाखण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचाखण्डि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाखण्डाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- चाखण्डाञ्चक्रे चाखण्डामास (य वहि महि
- ७ चाखण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाखण्डिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाखण्डि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाखण्डि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३३ खुडुङ् (खुण्ड्) गतिवैकल्ये ।

- १ चोखुण्ड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोखुण्ड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ चोखुण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोखुण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचोखुण्डि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोखुण्डाञ्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे
- चोखुण्डाम्बभूव चोखुण्डामास (य वहि महि
- ७ चोखुण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोखुण्डिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोखुण्डि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोखुण्डि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६३४ कुडुङ् (कुण्ड) दाहे ।

- १ चोकुण्ड-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुण्डये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचोकुण्डि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोकुण्डाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे चोकुण्डाम्बभूव चोकुण्डामास (य वहि महि
- ७ चोकुण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोकुण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकुण्डि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचोकुण्डि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६३५ वडुङ् (वण्ड) वेष्टने ।

- १ वावण्ड-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावण्डये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अवावण्डि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावण्डाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे वावण्डाम्बभूव वावण्डामास (य वहि महि
- ७ वावण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावण्डि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवावण्डि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६३६ मडुङ् (मण्ड) वेष्टने । मडु २१३ वद्रूपाणि

६३७ भडुङ् (भण्ड) परिभरणे ।

- १ वामण्ड-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वामण्डये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वामण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवाभण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अवाभण्डि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वामण्डाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम वामण्डाश्चक्रे वामण्डामास (य वहि महि
- ७ वामण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वामण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वामण्डि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवाभण्डि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- ६३८ मुडुङ् (मुण्ड) कल्कने । मुडु २१२ वद्रूपाणि

६३९ तुडु (तुण्ड) तोडने ।

- १ तोतुण्ड-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतुण्डये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतुण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतुण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतोतुण्डि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोतुण्डाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तोतुण्डाश्चक्रे तोतुण्डामास (य वहि महि
- ७ तोतुण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोतुण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतुण्डि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतोतुण्डि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६३९ अतोतुण्डि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६४ भुङ् (भुण्ड) वरणे ।

- १ बोभुण्ड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बोभुण्डये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बोभुण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबोभुण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि)
- ५ अबोभुण्डि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बोभुण्डाम्बभूव वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम बोभुण्डाश्च के बोभुण्डामास (य वहि महि)
- ७ बोभुण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बोभुण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बोभुण्डि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अबोभुण्डि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

४ द्राड् (द्राड्) विशरणे ।

- १ दाद्राड्-यते यते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाद्राये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दाद्राड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदाद्राड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि)
- ५ अदाद्राडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दाद्राडाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे दाद्राडाम्बभूव दाद्राडामास (य वहि महि)
- ७ दाद्राडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दाद्राडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दाद्राडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अदाद्राडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६४१ चङ् (चण्ड) कोपे ।

- १ चःचण्ड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चःचण्डये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चःचण्ड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचःचण्ड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि)
- ५ अचःचण्डि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चःचण्डाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चःचण्डाम्बभूव चःचण्डामास (य वहि महि)
- ७ चःचण्डिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चःचण्डिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चःचण्डि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अचःचण्डि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६४२ ध्राड् (ध्राड्) विशरणे ।

- १ दध्राड्-यते यते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दध्राड्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दध्राड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदध्राड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि)
- ५ अदध्राडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दध्राडाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे दध्राडाम्बभूव दध्राडामास (य वहि महि)
- ७ दध्राडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दध्राडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दध्राडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अदध्राडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६४४ शाडङ् (शाड) श्लाघायाम् ।

- १ शाशाड्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशाड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशाड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशाड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अशाशाडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशाडाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
शाशाडाम्बभूव शाशाडामास (य वहि महि
- ७ शाशाडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशाडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशाडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशाशाडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६४६ हेडङ् (हेड) अनादरे ।

- १ जेहेड्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेहेड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेहेड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेहेड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजेहेडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेहेडाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
जेहेडाम्बभूव जेहेडामास (य वहि महि
- ७ जेहेडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जेहेडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेहेडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेहेडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६४५ वाडङ् (वाड) आप्लाव्ये ।

- १ वावाड्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावाड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावाड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावाड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अवावाडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावाडाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
वावाडाम्बभूव वावाडामास (य वहि महि
- ७ वावाडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावाडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावाडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवावाडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६४७ होडङ् (होड) अनादरे ।

- १ जोहोड्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोहोड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोहोड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोहोड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजोहोडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोहोडाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जोहोडाश्च-के जोहोडामास (य वहि महि
- ७ जोहोडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोहोडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोहोडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोहोडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६४८ हिङुङ् (हिङ्) गतौ च ।

- १ जेहिङुङ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेहिङुङ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेहिङुङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेहिङुङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजेहिङिङ-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेहिङण्डाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जेहिङण्डाश्चक्रे जेहिङण्डामास (य वहि महि
- ७ जेहिङिङिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जेहिङिङिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेहिङिङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेहिङिङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६५० घुणुङ् (घुण्) ग्रहणे ।

- १ जोघुणुङ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोघुणुङ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोघुणुङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोघुणुङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजोघुणिङ-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोघुणुणामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जोघुणुणाश्चक्रे जोघुणुणाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जोघुणिङिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोघुणिङिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोघुणिङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोघुणिङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६४९ घिणुङ् (घिण्) ग्रहणे ।

- १ जेघिणुङ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेघिणुङ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेघिणुङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेघिणुङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजेघिणिङ-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेघिणुणामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जेघिणुणाम्बभूव जेघिणुणाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ जेघिणिङिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जेघिणिङिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेघिणिङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेघिणिङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६५१ घृणुङ् (घृण्) ग्रहणे ।

- १ जरिघृणुङ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जरिघृणुङ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जरिघृणुङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजरिघृणुङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजरिघृणिङ-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जरिघृणुणाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जरिघृणुणाश्चक्रे जरिघृणुणामास (य वहि महि
- ७ जरिघृणिङिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जरिघृणिङिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जरिघृणिङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजरिघृणिङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६५२ घुणि (घुण्) भ्रमणे ।

- १ जोघुण-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जोघुण्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जोघुण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अजोघुण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
 ५ अजोघुणि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 ६ जोघुणामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 जोघुणाश्चक्रे जोघुणाम्बभूव (य वहि महि
 ७ जोघुणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जोघुणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जोघुणि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
 व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 १० अजोघुणि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६५४ पणि (पण्) व्यवहारस्तुयोः ।

- १ पम्पण-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ पम्पण्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ पम्पण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अपम्पण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
 ५ अपम्पणि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 ६ पम्पणामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 पम्पणाम्बभूव पम्पणाश्चक्रे [य वहि महि
 ७ पम्पणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ पम्पणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ पम्पणि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
 व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 १० अपम्पणि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६५३ घूर्णि (घूर्ण्) भ्रमणे ।

- १ जोघूर्ण-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जोघूर्ण्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जोघूर्ण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अजोघूर्ण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
 ५ अजोघूर्णि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 ६ जोघूर्णाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 जोघूर्णाश्चक्रे जोघूर्णामास (य वहि महि
 ७ जोघूर्णिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जोघूर्णिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जोघूर्णि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
 व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 १० अजोघूर्णि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६५५ यतैङ् (यत्) प्रयत्ने ।

- १ यायत्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ यायत्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ यायत्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अयायत्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहियामहि (षि ष्वहि ष्वहि
 ५ अयायति-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 ६ यायताम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 यायताश्चक्रे यायतामास (य वहि महि
 ७ यायतिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ यायतिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ यायति-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
 व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 १० अयायति-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६५६ युतृङ् (युत) भासने ।

- १ योयुत्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ योयुत्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ योयुत्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अयोयुत्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अयोयुति-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ योयुताश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे योयुताम्बभूव योयुतामास (य वहि महि
- ७ योयुतिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ योयुतिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ योयुति-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अयोयुति-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६५७ जुतृङ् (जुत) भासने । जुतृ
२६१ वद्रूपाणि

६५८ विथृङ् (विथ्) याचने ।

- १ वेविथ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेविथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेविथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेविथ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अवेविथि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ वेविथाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम वेविथाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम वेविथाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम वेविथाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ वेविथिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेविथिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेविथि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवेविथि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६५९ वेथृङ् (वेथ्) याचने ।

- १ वेवेथ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेवेथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेवेथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेवेथ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अवेवेथि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ वेवेथाम्बभू-व वतुः वुः वेथ वथुः व व विव विम वेवेथाम्बभू-व वतुः वुः वेथ वथुः व व विव विम वेवेथाम्बभू-व वतुः वुः वेथ वथुः व व विव विम
- ७ वेवेथिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेवेथिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेवेथि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवेवेथि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६६० नाथृङ् (नाथ्) उपतापैश्वर्यांशीषुः च

- १ नानथ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नानथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनानथ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अनानथि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ नानथाम्बभू-व वतुः वुः नाथ वथुः व व विव विम नानथाम्बभू-व वतुः वुः नाथ वथुः व व विव विम नानथाम्बभू-व वतुः वुः नाथ वथुः व व विव विम
- ७ नानथिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नानथिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नानथि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अनानथि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६६१ अशुङ् (अन्थ) शैथिल्ये ।

- १ शाअन्थ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाअन्थये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाअन्थ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाअन्थ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अशाअन्थि-ष्ट याताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाअन्थाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- शाअन्थाम्बभूव शाअन्थामास (य वहि महि
- ७ शाअन्थिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाअन्थिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाअन्थि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशाअन्थि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६३ कत्थि (कत्थ) श्लाघायाम् ।

- १ चाकत्थ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकत्थये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ चाकत्थ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकत्थ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाकत्थि-ष्ट याताम् षत षाः पास्थाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकत्थाम्बभू-के क्राते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- चाकत्थाम्बभूव चाकत्थामास (य वहि महि
- ७ चाकत्थिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकत्थिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकत्थि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकत्थि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६२ अशुङ् (अन्थ) कौटिल्ये ।

- १ जाग्रन्थ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाग्रन्थये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाग्रन्थ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाग्रन्थ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाग्रन्थि-ष्ट याताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाग्रन्थाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- जाग्रन्थाम्बभूव जाग्रन्थामास (य वहि महि
- ७ जाग्रन्थिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाग्रन्थिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाग्रन्थि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाग्रन्थि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६४ श्विदुङ् (श्विन्द) श्वैत्ये ।

- १ शोश्विन्द-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोश्विन्दये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोश्विन्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोश्विन्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अशोश्विन्दि-ष्ट याताम् षत षाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोश्विन्दि-के क्राते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- शोश्विन्दि-काम्बभूव शोश्विन्दि-कामास (य वहि महि
- ७ शोश्विन्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोश्विन्दिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोश्विन्दि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशोश्विन्दि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६६५ वदुङ् (वन्द) स्तुत्यभिवादनयोः ।

- १ वावन्द-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावन्दये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावन्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावन्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवावन्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावन्दामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- वावन्दाम्बभूव वावन्दाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ वावन्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावन्दि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवावन्दि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६६६ भदुङ् (भन्द) सुखकल्याणयोः ।

- १ बाभन्द-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभन्दये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभन्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाभन्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अबाभन्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभन्दामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- बाभन्दाश्चक्रे बाभन्दाम्बभूव (य वहि महि
- ७ बाभन्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाभन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभन्दि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अबाभन्दि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६६७ मदुङ् (मन्द) स्तुतिमोदमदस्वप्नगतिषु

- १ मामन्द-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामन्दये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामन्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामन्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अमामन्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामन्दाश्चक्रे-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- मामन्दाश्चक्रे मामन्दामास (य वहि महि
- ७ मामन्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामन्दि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमामन्दि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६६८ स्पदुङ् (स्पन्द) किञ्चिच्चलने ।

- १ पास्पन्द-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पास्पन्दये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पास्पन्द-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपास्पन्द-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहियामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अपास्पन्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पास्पन्दाश्चक्रे-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- पास्पन्दाश्चक्रे पास्पन्दास (य वहि महि
- ७ पास्पन्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पास्पन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पास्पन्दि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपास्पन्दि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- ६६९ क्लिदुङ् (क्लिन्द) परिदेवने क्लिदु २९० वद्रूपाणि

६७० मुदि (मुद्) हर्षे ।

- १ मोमुद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमुदये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमुद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमुद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अमोमुदि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मोमुदामा-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम मोमुदाम्बभूव मोमुदाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ मोमुदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मोमुदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमुदि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमोमुदि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६७१ ददि (दद्) दाने ।

- १ दादद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाददये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दादद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदादद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अदाददि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दाददामा-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम दाददाम्बभूव दाददाश्चक्रे (य वहि महि
- ७ दाददिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दाददिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दाददि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदाददि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६७२ हर्दि (हद्) पुरीसोत्सर्गे ।

- १ जाहद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाहदये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाहद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाहद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजाहर्दि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाहदाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जाहदाश्चक्रे जाहदामास (य वहि महि
- ७ जाहर्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाहर्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाहर्दि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजाहर्दि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६७३ ष्वदि (स्वद्) आस्वादाने ।

- १ सास्वद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सास्वदये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सास्वद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असास्वद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ असास्वदि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सास्वदाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम सास्वदाश्चक्रे सास्वदामास (य वहि महि
- ७ सास्वदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सास्वदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सास्वदि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असास्वदि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६७४ स्वर्दि (स्वर्द्) आस्वादाने ।

- १ सास्वर्द्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सास्वर्दये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सास्वर्द्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असास्वर्द्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ असास्वर्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सास्वर्दामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम सास्वर्दाश्चके सास्वर्दाम्बभूव [य वहि महि
- ७ सास्वर्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सास्वर्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सास्वर्दि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे [व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० असास्वर्दि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६७६ कूर्दि (कूर्द्) क्रीडायाम् ।

- १ चोक्कूर्द्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोक्कूर्दये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोक्कूर्द्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोक्कूर्द्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचोक्कूर्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोक्कूर्दामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोक्कूर्दाश्चके चोक्कूर्दाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चोक्कूर्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोक्कूर्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोक्कूर्दि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचोक्कूर्दि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६७५ स्वादि (स्वाद्) आस्वादाने ।

- १ सास्वाद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सास्वादये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सास्वाद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ असास्वाद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ असास्वादि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सास्वादाश्च-के काते किरे कृषे काये कृद्वेके कृवहे कृमहे सास्वादाम्बभूव सास्वादामास (य वहि महि
- ७ सास्वादिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सास्वादिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सास्वादि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० असास्वादि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६७७ गुर्दि (गुर्द्) क्रीडायाम् ।

- १ जोगूर्द्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगूर्दये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगूर्द्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगूर्द्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजोगूर्दि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोगूर्दाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोगूर्दाश्चके जोगूर्दामास (य वहि महि
- ७ जोगूर्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोगूर्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोगूर्दि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अजोगूर्दि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६७८ गुदि (गुद्) क्रीडायाम् ।

- १ जोगुद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगुद्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगुद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगुद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजोगुदि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोगुदाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोगुदाश्चक्रे जोगुदामास (य वहि महि
- ७ जोगुदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोगुदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोगुदि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजोगुदि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६७९ षूदि (सूद्) क्षरणे ।

- १ सोषुद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सोषुद्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सोषुद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असोषुद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ असोषुदि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सोषुदामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम सोषुदाश्चक्रे सोषुदाम्बभूव (य वहि महि
- ७ सोषुदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सोषुदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सोषुदि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असोषुदि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६८० हादि (हाद्) शब्दे ।

- १ जाहाद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाहाद्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाहाद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अजाहाद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाहादि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाहादाम्बभू-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जाहादाम्बभूव जाहादामास (य वहि महि
- ७ जाहादिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाहादिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाहादि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजाहादि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६८१ ह्रादैङ् (ह्राद्) सुखे च ।

- १ जाहाद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाहाद्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाहाद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाहाद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाहादि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाहादामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जाहादाश्चक्रे जाहादाम्बभूव [य वहि महि
- ७ जाहादिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाहादिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाहादि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे [ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजाहादि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

६८२ पदि (पद्) कुत्सिते शब्दे ।

- १ पापद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापद्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपापद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अपापदि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पापदाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- पापदाम्बभूव पापदामास (य वहि महि
- ७ पापदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् छाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पापदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पापदि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अपापदि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

६८४ स्पधि (स्पृध्) संघर्षे ।

- १ पास्पध्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पास्पध्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पास्पध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपास्पध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अपास्पधि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पास्पधाम्बभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम
- पास्पधाश्चके पास्पधामास (य वहि महि
- ७ पास्पधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् छाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पास्पधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पास्पधि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अपास्पधि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

६८३ स्कुदुङ् (स्कुन्द्) आप्रवणे ।

- १ चोस्कुन्द्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोस्कुन्द्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोस्कुन्द्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोस्कुन्द्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अचोस्कुन्दि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोस्कुन्दाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- चोस्कुन्दाम्बभूव चोस्कुन्दामास (य वहि महि
- ७ चोस्कुन्दिषी-ष्ट यास्ताम् रन् छाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोस्कुन्दिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोस्कुन्दि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अचोस्कुन्दि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

६८५ गाधृङ् (गाध्) प्रतिष्ठालिप्ताग्रन्थेषु

- १ जागाध्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जागाध्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जागाध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजागाध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजागाधि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जागाधाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- जागाधाम्बभूव जागाधामास (य वहि महि
- ७ जागाधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् छाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जागाधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जागाधि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अजागाधि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

६८६ बाधृङ् (बाध्) रोटने ।

- १ बाबाध-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाबाधये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाबाध-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाबाध-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अबाबाधि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाबाधाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे बाबाधाम्बभूव बाबाधामास (य वहि महि
- ७ बाबाधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाबाधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाबाधि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबाबाधि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८७ दधि (दध्) धारणे ।

- १ दादध-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दादधये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दादध-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदादध-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अदादधि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दादधाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे दादधाम्बभूव दादधामास (य वहि महि
- ७ दादधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दादधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दादधि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदादधि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८८ बधि (बध्) बन्धने ।

- १ बाबध-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाबधये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाबध-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाबध-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अबाबधि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाबधाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम बाबधाश्चके बाबधामास (य वहि महि
- ७ बाबधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाबधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाबधि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबाबधि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६८९ नाधृङ् (नाध्) उपतापैश्वर्याशीर्याश्वास्तु

- १ नानाध-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नानाधये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानाध-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनानाध-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अनानाधि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नानाधाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे नानाधाम्बभूव नानाधामास (य वहि महि
- ७ नानाधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नानाधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नानाधि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनानाधि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६९० पनि (पन्) स्तुतौ ।

- १ पम्पन्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पम्पनये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पम्पन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपम्पन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अपम्पनि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पम्पनाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम पम्पनाञ्चक्रे पम्पनामास (य वहि महि
- ७ पम्पनिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पम्पनिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पम्पनि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अपम्पनि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६९२ तिपृङ् (तिप्) क्षरणे ।

- १ तेतिप्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेतिप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ तेतिप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेतिप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतेतिपि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तेतिपाञ्च-क्रे क्राते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे तेतिपाम्बभूव तेतिपामास (य वहि महि
- ७ तेतिपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तेतिपिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेतिपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतेतिपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६९१ मानि (मान्) पूजायाम् ।

- १ मामान्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामान्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामान्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामान्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अमामानि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामानाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम मामानाञ्चक्रे मामानामास (य वहि महि
- ७ मामानिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामानिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामानि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमामानि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६९३ षिपृङ् (स्तिप्) क्षरणे ।

- १ तेष्टिप्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेष्टिप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेष्टिप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेष्टिप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतेष्टिपि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तेष्टिपाञ्च-क्रे क्राते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे तेष्टिपाम्बभूव तेष्टिपामास (य वहि महि
- ७ तेष्टिपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तेष्टिपिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेष्टिपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतेष्टिपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

६९४ ऐपृङ् (स्तेप्) क्षरणे ।

- १ तेष्टेप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेष्टेप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेष्टेप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेष्टेप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अतेष्टेपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तेष्टेपाश्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे तेष्टेपाम्बभूव तेष्टेपामास (य वहि महि
- ७ तेष्टेपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तेष्टेपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेष्टेपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतेष्टेपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६९५ तेपृङ् (तेप्) कम्पने च ।

- १ तेतेप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेतेप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेतेप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेतेप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अतेतेपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तेतेपाश्च-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे तेतेपाम्बभूव तेतेपामास (य वहि महि
- ७ तेतेपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तेतेपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेतेपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतेतेपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६९६ ड्वेपृङ् (वेप्) चलने ।

- १ वेवेप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेवेप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेवेप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेवेप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अवेवेपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेवेपाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विथ विम वेवेपाश्चक्रे वेवेपामास (य वहि महि
- ७ वेवेपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेवेपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेवेपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेवेपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६९७ केपृङ् (केप्) चलने ।

- १ चेकेप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेकेप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेकेप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेकेप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अचेकेपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेकेपाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विथ विम चेकेपाश्चक्रे चेकेपामास (य वहि महि
- ७ चेकेपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेकेपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेकेपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेकेपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६९८ गेपृङ् (गेप्) चलने ।

- १ जेगेट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेगेट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेगेट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेगेट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजेगेपि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेगेपामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जेगेपाम्बभूव जेगेपाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ जेगेपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जेगेपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेगेपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेगेपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

६९९ कपृङ् (कम्प्) चलने ।

- १ चाकम्पट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकम्प्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकम्पट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकम्पट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाकम्पि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकम्पाग्वभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाकम्पाश्चक्रे चाकम्पामास (य वहि महि
- ७ चाकम्पिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकम्पिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकम्पि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकम्पि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७०० ग्लेपृङ् (ग्लेप्) दैन्ये च ।

- १ जेग्लेट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेग्लेट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेग्लेट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेग्लेट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजेग्लेपि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेग्लेपाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जेग्लेपाश्चक्रे जेग्लेपामास (य वहि महि
- ७ जेग्लेपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जेग्लेपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेग्लेपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेग्लेपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७०१ मेपृङ् (मेप्) गती ।

- १ मेमेट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमेट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमेट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमेट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अमेमेपि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेमेपामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मेमेपाश्चक्रे मेमेपाम्बभूव (य वहि महि
- ७ मेमेपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेमेपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमेपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमेमेपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

(१७२) ॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० चतुर्थभागे यङन्तप्रक्रिया ॥

७०२ रेपृङ् (रेप्) गतौ ।

- १ रेरेप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रेरेप्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रेरेप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरेरेप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अरेरेपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ रेरेपामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम रेरेपाम्बभूव रेरेपाश्चक्रे [य वहि महि]
- ७ रेरेपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रेरेपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रेरेपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अरेरेपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

७०३ लेपृङ् (लेप्) गतौ ।

- १ लेलेप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लेलेप्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लेलेप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलेलेप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अलेलेपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ लेलेपामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम लेलेपाम्बभूव लेलेपाश्चक्रे (य वहि महि)
- ७ लेलेपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लेलेपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लेलेपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अलेलेपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

७०४ त्रपौषि (त्रप्) लज्जायाम् ।

- १ तात्रप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तात्रप्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तात्रप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतात्रप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अतात्रपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ तात्रपाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तात्रपाश्चक्रे तात्रपामास (य वहि महि)
- ७ तात्रपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तात्रपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तात्रपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अतात्रपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- ७०५ गुपि(गुप्)गोपनकुत्सनयोः गुपौ ३ः वद्रूपाणि
- ७०६ रबुङ् (रम्ब्) शब्दे । रबु ३३८ वद्रूपाणि

७०७ लबुङ् (लम्ब्) अवसंज्ञने च ।

- १ लालम्ब-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालम्ब्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालम्ब-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलालम्ब-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अलालम्बि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ लालम्बाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम लालम्बाश्चक्रे दालम्बामास (य वहि महि)
- ७ लालम्बिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालम्बिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालम्बि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अलालम्बि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

७०८ कवृड् (कव्) वर्णे ।

- १ चाकड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचाकडि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकडाम्बभूव व वतुः वुः वित्थ वथुः व व वित्थ विम चाकडाम्बभूव चाकडामास (य वहि महि
- ७ चाकडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१० क्षीवृड् (क्षीव्) भदे ।

- १ चेक्षीव-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेक्षीव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेक्षीव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अचेक्षीव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचेक्षीवि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेक्षीवाम्बभूव चेक्षीवामास (य वहि महि
- ७ चेक्षीविषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेक्षीविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेक्षीवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेक्षीवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७०९ क्लोवृड् (क्लीव्) आधाष्ट्ये ।

- १ चेक्लीव-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेक्लीव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेक्लीव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेक्लीव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचेक्लीवि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेक्लीवामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिथ सिम चेक्लीवाम्बभूव चेक्लीवाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चेक्लीविषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेक्लीविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेक्लीवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेक्लीवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७११ शीवृड् (शीव्) कथ्यने ।

- १ शेशीव-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शेशीव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शेशीव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशेशीव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ध्वहि धमहि
- ५ अशेशीवि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शेशीवामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिथ सिम शेशीवाम्बभूव शेशीवाम्बभूव [य वहि महि
- ७ शेशीविषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शेशीविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शेशीवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशेशीवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१२ वीवृद्ध (वीम्) कथने ।

- १ वेवीम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेवीभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेवीम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेवीम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवेवीभि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ वेवीभामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- वेवीभाञ्चक्रे वेवीभाम्बभूव [य वहि महि
- ७ वेवीभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेवीभिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेवीभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेवीभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१४ वलिभ (वल्भ) भोजने ।

- १ वावलम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावलभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावलम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अवावलम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवावलभि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ वावलभाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- वावलभाम्बभूव वावलभामास (य वहि महि
- ७ वावलभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावलमिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावलभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवावलभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१३ शलिभ (शल्भ) कथने ।

- १ शाशलम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशलभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशलम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशलम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अशाशलभि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ शाशलभामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- शाशलभाञ्चक्रे शाशलभाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शाशलभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशलमिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशलभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशाशलभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१५ गलिभ (गल्भ) धाष्ट्ये ।

- १ जागलम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जागलभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जागलम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजागलम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजागलिभि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ जागलभाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- जागलभाञ्चक्रे जागलभामास (य वहि महि
- ७ जागलिभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जागलिमिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जागलिभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजागलिभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१६ रेभृङ् (रेभ्) शब्दे ।

- १ रेरेभ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रेरेभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रेरेभ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरेरेभ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अरेरेभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रेरेभाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
रेरेभाम्बभूव रेरेभामास (य वहि महि
- ७ रेरेभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रेरेभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रेरेभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरेरेभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१७ रभृङ् (रम्भ्) शब्दे ।

- १ रारम्भ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारम्भ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारम्भ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारम्भ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अरारम्भि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारम्भाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
रारम्भाम्बभूव रारम्भामास (य वहि महि
- ७ रारम्भिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारम्भिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारम्भि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरारम्भि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१८ लभृङ् (लम्भ्) शब्दे ।

- १ लालम्भ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालम्भ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालम्भ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलालम्भ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अलालम्भि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालम्भाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विग
लालम्भाश्चके लालम्भामास (य वहि मा
- ७ लालम्भिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालम्भिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालम्भि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलालम्भि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७१९ षभृङ् (स्तम्भ्) स्तम्भे ।

- १ तास्तम्भ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे या
- २ तास्तम्भ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तास्तम्भ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतास्तम्भ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अतास्तम्भि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तास्तम्भाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
तास्तम्भाम्बभूव तास्तम्भामास (य वहि महि
- ७ तास्तम्भिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तास्तम्भिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तास्तम्भि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतास्तम्भि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७२० स्कभुङ् (स्कम्भ) स्तम्भे ।

- १ चास्कम्भ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चास्कम्भये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चास्कम्भ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचास्कम्भ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचास्कम्भि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चास्कम्भाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चास्कम्भाम्बभूव चास्कम्भामास (य वहि महि
- ७ चास्कम्भिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् चास्कम्भिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे चास्कम्भि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचास्कम्भि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७२१ षुभुङ् (स्तम्भ) स्तम्भे ।

- १ तोष्टुम्भ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोष्टुम्भये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोष्टुम्भ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोष्टुम्भ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अतोष्टुम्भि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोष्टुम्भाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे तोष्टुम्भाम्बभूव तोष्टुम्भामास (य वहि महि
- ७ तोष्टुम्भिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोष्टुम्भिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोष्टुम्भि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतोष्टुम्भि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७२२ जमुङ् (जम्भ) गात्रविनामे ।

- १ जाजम्भ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाजम्भये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाजम्भ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाजम्भ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजाजम्भि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाजम्भाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जाजम्भाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जाजम्भामास (य वहि महि
- ७ जाजम्भिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाजम्भिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाजम्भि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाजम्भि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १२३ जभैङ् (जम्भ) गात्रविनामे । जभ ३५० वङ्गपाणि

७२४ जृमुङ् (जृम्भ) गात्रविनामे ।

- १ जरीजृम्भ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जरीजृम्भये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जरीजृम्भ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजरीजृम्भ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजरीजृम्भि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जरीजृम्भाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जरीजृम्भाम्बभूव जरीजृम्भामास (य वहि महि
- ७ जरीजृम्भिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जरीजृम्भिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जरीजृम्भि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजरीजृम्भि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७२५ रभि (रभ्) राभस्ये ।

- १ रारभ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारभ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारभ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अरारभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारभाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृड्वे के कृवहे कृमहे
- रारभाम्बभूव रारभामास (य वहि महि
- ७ रारभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरारभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७२७ भामि (भाम्) क्रोधे ।

- १ बाभाम-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभाम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभाम-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाभाम-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अबाभामि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभामाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृड्वे के कृवहे कृमहे
- बाभामाम्बभूव बाभामामास (य वहि महि
- ७ बाभामिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाभामिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभामि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबाभामि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७२६ डलभिष् (लभ्) प्राप्ते ।

- १ लालभ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालभ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलालभ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अलालभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लालभाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृड्वे के कृवहे कृमहे
- लालभाम्बभूव लालभामास (य वहि महि
- ७ लालभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलालभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७२८ क्षमौषि (क्षम्) सहने ।

- १ चक्षम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चक्षम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चक्षम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचक्षम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अचक्षमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चक्षमाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृड्वे के कृवहे कृमहे
- चक्षमाम्बभूव चक्षमामास (य वहि महि
- ७ चक्षमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चक्षमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चक्षमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचक्षमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७२९ कमूङ् (कम) कान्तौ ।

- १ चङ्कम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चङ्कम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चङ्कम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचङ्कम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचङ्कमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ चङ्कमाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- चङ्कमाञ्चभूव चङ्कमामास (य वहि महि
- चङ्कमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- चङ्कमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- चङ्कमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
- ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- ० अचङ्कमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

० वयि (वय) गतौ । यस्य निरनुनासिकत्वे

- वावर-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - वावये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - वावर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - अवावर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
 - अवावयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
 - वावयाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 - वावयाञ्चभूव वावयामास (य वहि महि
 - वावयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
 - वावयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - वावयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 - ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 - ० अवावयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- सानुनासिकत्वे तु ष्वय्ययते

७३१ पयि (पय) गतौ । यस्य निरनुनासिकत्वे

- १ पापर-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ पापर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ पापर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अपापर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
 - ५ अपापयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
 - ६ पापयाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 - पापयाञ्चभूव पापयामास (य वहि महि
 - ७ पापयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
 - ८ पापयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ पापयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 - ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 - १० अपापयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- सानुनासिकत्वे तु ष्वय्ययते

७३२ मयि (मय) गतौ । यस्य निरनुनासिकत्वे

- १ मामर-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ मामर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ मामर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अमामर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
 - ५ अमामयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
 - ६ मामयाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 - मामयाञ्चभूव मामयामास (य वहि महि
 - ७ मामयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
 - ८ मामयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ मामयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 - ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 - १० अमामयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- सानुनासिकत्वे तु ष्वय्ययते

७३३ नयि (नय्) गतौ । यस्य निरनुनासिकत्वे

१ नानय-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ नानयये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ नानय-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अनानय-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि

५ अनानयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्

६ नानयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम नानयाम्बभूव नानयामास (य वहि महि

७ नानयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ नानयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ नानयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अनानयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् सानुनासिकत्वे तु नञ् ययते

७३४ चयि (चय्) गतौ । यस्य निरनुनासिकत्वे

१ चाचय-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ चाचयये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ चाचय-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अचाचय-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि

५ अचाचयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्

६ चाचयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाचयाम्बभूव चाचयामास (य वहि महि

७ चाचयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ चाचयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ चाचयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अचाचयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् सानुनासिकत्वे तु चञ् ययते

७३५ रयि (रय्) गतौ । यस्य निरनुनासिकत्वे

१ रारय-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ रारयये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ रारय-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अरारय-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि

५ अरारयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्

६ रारयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम रारयाम्बभूव रारयामास (य वहि महि

७ रारयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ रारयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ रारयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अरारयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् सानुनासिकत्वे तु रंरययते

७३६ तयि (तय्) रक्षणे च यस्य निरनुनासिकत्वे

१ तातय-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ तातयये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ तातय-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अतातय-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि

५ अतातयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्

६ तातयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तातयाम्बभूव तातयामास (य वहि महि

७ तातयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ तातयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ तातयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अतातयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् सानुनासिकत्वे तु तन्तययते

७३७ णयि (नय्) रक्षणे च । नयि ७३३ वद्रूपाणि

७३८ दयि (दय्) दानगतिर्हिंसादहनेषु च ।

यस्य निरनुनासिकत्वे

- १ दादय-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दादये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दादय-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदादय-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अदादयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ दादयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम दादयाम्बभूव दादयाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ दादयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ दादयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दादयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदादयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् सानुनासिकत्वे दन्द्ययंते

७४० कनूयैङ् (कनूय्) शब्दोन्दनयोः ।

- १ चोक्नूय-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोक्नूये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोक्नूय-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोक्नूय-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचोक्नूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोक्नूयाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम चोक्नूयाश्चक्रे चोक्नूयामास (य वहि महि
- ७ चोक्नूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ चोक्नूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोक्नूयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचोक्नूयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७३९ पूयैङ् (पूय्) दुग्न्धविशरणयोः ।

- १ पोपूय-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपूये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपूय-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोपूय-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अपोपूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोपूयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम पोपूयाश्चक्रे पोपूयाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पोपूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ पोपूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोपूयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपोपूयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७४१ क्षमायैङ् (क्षमाय्) विधूनने ।

- १ चाक्षमाय-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाक्षमाये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाक्षमाय-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाक्षमाय-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाक्षमायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाक्षमायाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम चाक्षमायाश्चक्रे चाक्षमायामास (य वहि महि
- ७ चाक्षमायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ चाक्षमायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाक्षमायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचाक्षमायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

७४२ स्फायैङ् (स्फाय्) वृद्धौ ।

- १ पास्फाय-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पास्फायये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पास्फाय-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपास्फाय-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अपास्फायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पास्फायामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम पास्फायाश्चक्रे पास्फायाम्बभूव [य वहि महि
- ७ पास्फायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ पास्फायिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पास्फायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपास्फायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७४३ ओप्यायैङ् (प्याय्) वृद्धौ ।

- १ पाप्याय-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ पाप्यायये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ पाप्याय-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अपाप्याय-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
 - ५ अपाप्यायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ पाप्यायामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम पाप्यायाश्चक्रे पाप्यायाम्बभूव (य वहि महि
 - ७ पाप्यायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
 - ८ पाप्यायिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ पाप्यायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 - १० अपाप्यायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- “पाप्या” स्थाने ‘पेपी’ इति सवन्त्रे ज्ञेयम् ।

७४४ तायैङ् (ताय्) संतानपालनयोः ।

- १ ताताय-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातायये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ताताय-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अताताय-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अतातायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तातायाम्बभूव-व वतुः दुः विथ वधुः व व विव विम तातायाश्चक्रे तातायामास (य वहि महि
- ७ तातायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ तातायिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतातायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७४५ वलि (वल्) संवरणे । लस्य निरनुनासिकत्वे

- १ वावल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ वावलये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ वावल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
 - ४ अवावल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
 - ५ अवावलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ वावलाश्च-क्रे क्राते किरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे वावलाश्चक्रे वावलामास (य वहि महि
 - ७ वावलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
 - ८ वावलिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ वावलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 - १० अवावलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- सानुनासिकत्वे तु वंवल्यते

७४६ वल्लि (वल्ल्) संवरणे ।

लघोर्निर्गुनासिकत्वे

- १ वावल्ल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ वावल्लये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ वावल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अवावल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
 ५ अवावलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् इद्वम् ध्वम्
 ६ वावल्लाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 वावल्लाम्बभूव वावल्लामाभ (यवहि महि
 ७ वावल्लिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
 ८ वावल्लिता- ” रौ र. से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ वावल्लि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यस्य ध्येये ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अवावलि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
 सानुनासिकत्वे तु वंवल्लैत्येते

५४७ शलि (शल्) चलने च ।

तस्य निरनुनासिकत्वे

- १ शाशल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यन्वे ये यावहे यामहे
 २ शाशल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् यवहि महि
 ३ शाशल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अशाशल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्वहि
 ५ अशाशलि-ष्ट पाताम् षत षाः पास्थाम् ड् द्वम् ध्वम्
 ६ शाशलाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 शाशलाम्बभूव शाशलामास (यवहि महि
 ७ शाशलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
 ८ शाशलिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ शाशलि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यन्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अशाशलि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
 सानुनासिकत्वे तु शंशलैयते

७४८ मलि (मल्) धारणे ।

लस्य निरनुनासिकत्वे

- १ मामल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ मामल्थे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ मामल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
४ अमामल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
५ अमामलि-ष्टषाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
६ मामलाम्बभू-व वतुः दुः विथ वधुः व व विव विम
मामलाश्चक्रे मामलामास (य वहि महि
७ मामलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
मामलिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
८ मामलि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
९ अमामलि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
सानुनासिकत्वे तु मंमलैयते

७४९ महि (मह) धारणे । लयोर्निरनुनासिकत्वं

१. मामल्ल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २. मामल्लये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य धहि महि
 ३. मामल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४. अमामल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (ढवम् षि ष्वहि ष्महि
 ५. अमामल्लि-ष्ट पाताम् षत ठाः पाथाम् ड्ढवम् ध्वम्
 ६. मामल्लाम्बभू-व वतु डः विथ बथुः व व विव विम
 मामल्लाम्बके मामल्लामास (य वहि महि
 ७. मामल्लिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
 ८. मामल्लिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९. मामल्लि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
 ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 १०. अमामल्लि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
 सानुनासिकत्वे तु संमल्लैष्यते

७२४ तेवृङ् (तेव्) देवने ।

- १ तेतेव-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ तेतेव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
 ३ तेतेव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्य येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अतेतेव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (द्वम् षि ष्वहि ष्वहि
 ५ अतेतेवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षास्थाम् द्व्वम् ध्वम्
 ६ तेतेवाञ्च-के काते क्रिरे कृषे काये कृड्वे के कृवहे कृमहे
 तेतेवाभ्वभूय तेतेवामास (य वहि महि
 ७ तेतेविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्व्वम्
 ८ तेतेविता- ” रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ तेतेवि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
 १० अतेतेवि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

यङी-यकारस्य-साननासिकत्वे-तेतय्यन्ते

यङी यकारस्य सानुनासिकत्वे तातय्यते

७५५ देवृङ्ग (देव्) देवने ।

१. देदेठ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २. देदेठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
 ३. देदेठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् य
 यावहै यामहै
 ४. अदेदेठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (द्वम् णि ध्वहि षमहि
 ५. अदेदेवि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् इद्वम् ध्वम्
 ६. देदेष्टाश्च-के काते किरे कृषे काये कृत्वे के कृवहे कृगह
 देदेवाम्भूव देदेवामाभ (य वहि महि
 ७. देदेविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
 ८. देदेविता ' रौ र से साथे ध्वे हे स्वहे षमहे
 ९. देदेवि-ह्यते ह्येते ह्यन्ते ह्यस्य ह्येथे ह्यध्वे ह्ये
 ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
 १०. अदेदेवि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्

~~यह ग सानुनासिक ने देखा है~~

यस्य सानुनासिकत्वे दादयूयंते ।

७५.६. षेवृड् (सेव्) सेवने ।

- १ सेषेठ-यते येते यन्ते असे येये यध्वे ये यावहे यामहे
२ सेषेठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ सेषेठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
४ असेषेठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वम् षि व्वहि ष्महि
५ असेषेवि-ष्ट षाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
६ सेषेवाम्बभू-ववतुः उः विथवथुः व व विव विम
सेषेवाश्चक्रे सेषेवामास (यवहिमहि
७ सेषेविषो-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ध्वम्
सेषेविता-” रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
८ सेषेवि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये
व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
९ असेषेवि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

~~TOP SECRET - FRODO~~

यस्य सानुतासिकत्वं सासयूयंते

७५७ सेवृद्ध (सेव्) सेवने ।

- १ सेसेठ-यते येते यन्ते यस्य येधे यध्वे यं यावहे यामहे
 २ सेसेव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ सेसेठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ असेसेठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (द्वम् पि प्वहि भ्महि
 ५ असेसेवि-ष्ट पाताम् षत ठाः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्
 ६ सेसेवाङ्ग्वभू-व वतु उः विथ वथु व व विव विम
 सेसेवाञ्चक्रे सेसेवामास (य वहि महि
 ७ सेसेविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ङ्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
 ८ सेसेवित्ता- ' रौरः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ सेसेवि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यध्वे ज्ये
 ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्यं ज्य्यावहि ज्य्यामहि
 १० असेसेवि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

यस्य सान्नासिकन्वे सेसययँने

यस्य सानुनासिकत्वे सासयूयंते ।

७५८ केवृड् (केव्) सेवने ।

- १ चेकेठ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ चेकेठ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ चेकेठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
४ अचेकेठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि षमहि
५ अचेकेवि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ड्वम् ध्वम्
६ चेकेवामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चेकेवाम्बभूव चेकेवाश्चक्रे [य वहि महि
७ चेकेविषी-ष्ट यास्ताम् रन् छाः यास्थाम् ध्वम् ड्वम्
८ चेकेविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ चेकेवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
१० अचेकेवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
यस्य साननासिकृत्वे चेकययुते

यस्य सानुनासिकत्वे चाक्यूयते ।

७५९ खेवृङ् (खेव्) सेवने ।

- १ चेखेव-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
२ चेखेव्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ चेखेव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
४ अचेखेव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्वहि
५ अचेखेवि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
६ चेखेवामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
चेखेवाश्चक्रे चेखेवाम्बभूव (य वहि महि
७ चेखेविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
८ चेखेविता- " रौरः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
९ चेखेवि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये
ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
१० अचेखेवि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

यस्य सानुनासिकत्वे चाख्यय्यते ।

७६० गेवृङ् (गेव्) सेवने ।

- १ जेगेठ-यते येते यन्ते यस्य येद्ये यध्वे ये यावह यामहे
 २ जेगेठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जेगेठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अजेगेठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ध्महि
 ५ अजेगेवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
 ६ जेगेवाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
 जेगेवाश्चक्रे जेगेवामास (य वहि महि
 ७ जेगेविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
 ८ जेगेविता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जेगेवि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येद्ये ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अजेगेवि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
 यस्य साधनासिक्त्वे जेगययैते

यस्य सानुनासिकत्वे जागयूयंते ।

७६१ ग्लेवूड (ग्लेव्) सेवने ।

- १ जेग्लेठ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ जेग्लेठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ जेग्लेठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्य येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
४ अजेग्लेठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (ध्वम् णि ध्वहि षमहि
५ अजेग्लेवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
६ जेग्लेवाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जेग्लेवाञ्चक्रे जेग्लेवामास (य वहि महि
७ जेग्लेविषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
८ जेग्लेविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ जेग्लेवि-ह्यते ह्येसे ह्यन्ते ह्यसे ह्येथे ह्यध्वे ह्ये
ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
१० अजेग्लेवि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्
यस्य साननासिकत्ये जेग्लेययैने

यस्य सानुनासिकत्वे जागृत्ययंते ।

७६२ पेवृङ् (पेव्) सेवने ।

- १ पेपेठ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेपेठ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपेठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपेपेठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अपेपेवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पेपेवामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम पेपेवाम्बभूव पेपेवाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ पेपेविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ पेपेविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपेवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपेपेवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे पेपयूयँते

यस्य सानुनासिकत्वे पापयूयँते

७६४ मेवृङ् (मेव्) सेवने ।

- १ मेमेठ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमेठ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमेठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमेठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अमेमेवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेमेवाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम मेमेवाश्चक्रे मेमेवामास (य वहि महि
- ७ मेमेविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ मेमेविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमेवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमेमेवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे मेमयूयँते

यस्य सानुनासिकत्वे मामयूयँते ।

७६३ प्लेवृङ् (प्लेव्) सेवने ।

- १ पेप्लेठ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेप्लेठ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेप्लेठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपेप्लेठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अपेप्लेवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पेप्लेवामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम पेप्लेवाश्चक्रे पेप्लेवाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पेप्लेविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ पेप्लेविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेप्लेवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपेप्लेवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे पेप्लयूयँते

यस्य सानुनासिकत्वे पाप्लयूयँते ।

७६५ म्लेवृङ् (म्लेव्) सेवने ।

- १ मेम्लेठ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेम्लेठ्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेम्लेठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेम्लेठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अमेम्लेवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेम्लेवाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम मेम्लेवाश्चक्रे मेम्लेवामास (य वहि महि
- ७ मेम्लेविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ मेम्लेविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेम्लेवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमेम्लेवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे मेम्लयूयँते

यस्य सानुनासिकत्वे माम्लयूयँते ।

७६६ रेवृङ् (रेव्) गतौ ।

- १ रेरेव-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रेरेव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रेरेव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरेरेव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरेरेवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ रेरेवाम्बभू-ववतुः वुः विथ वथुः व व विव विम रेरेवाश्च के रेरेवामास (य वहि महि
- ७ रेरेविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ रेरेविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रेरेवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरेरेवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

~~यस्य सानुनासिकत्वे रेरेवृङ्ते~~

यस्य सानुनासिकत्वे रारयूयते ।

७६७ पवि (पव्) गतौ । वययोर्निरनुनासिकत्वे

- १ पापव-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपापव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपापवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ पापवाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे कृमहे पापवाम्बभूव पापवामास (य वहि महि
- ७ पापविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ पापविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पापवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपापवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

सानुनासिकत्वे पपौयते । यस्यैव सानुनासिकत्वे

सिकत्वे पौपौयते । वस्यैव सानुनासिकत्वे पपपूयते ।

७६८ काशङ् (काश्) दीप्तौ ।

- १ चाकाश्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकाश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकाश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकाश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचाकाशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ चाकाशाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे कृमहे चाकाशाम्बभूव चाकाशामास (य वहि महि
- ७ चाकाशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकाशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकाशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकाशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७६९ क्लेशि (क्लेश्) विवाधने ।

- १ चेक्लेश्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेक्लेश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेक्लेश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेक्लेश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचेक्लेशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ चेक्लेशाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे कृमहे चेक्लेशाम्बभूव चेक्लेशामास (य वहि महि
- ७ चेक्लेशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेक्लेशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेक्लेशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेक्लेशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७० भाषि च (भाष्) व्यक्तायां वाचि ।

- १ वाभाष्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वाभाष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वाभाष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवाभाष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवाभाषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ वाभाषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वाभाषाश्चक्रे वाभाषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ वाभाषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वाभाषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वाभाषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवाभाषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७१ नेषृङ् (नेष्) अन्विच्छायाम् ।

- १ नेगेष्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेगेष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नेगेष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनेगेष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनेगेषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ नेगेषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम नेगेषाश्चक्रे नेगेषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ नेगेषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नेगेषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेगेषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनेगेषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७२ येषृङ् (येष्) प्रयत्ने ।

- १ येयेष्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ येयेष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ येयेष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अयेयेष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अयेयेषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ येयेषाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम येयेषाश्चक्रे येयेषामास (य वहि महि
- ७ येयेषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ येयेषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ येयेषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयेयेषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७३ जेषृङ् (जेष्) गती ।

- १ जेजेष्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेजेष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेजेष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अजेजेष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजेजेषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ जेजेषाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जेजेषाम्बभूव जेजेषामास (य वहि महि
- ७ अजेजेषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ अजेजेषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेजेषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेजेषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७४ णेष्टृङ् (नेष्) गतौ ।

- १ नेनेः-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ नेनेऽध्वे-त याताम् रन् याः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ नेनेः-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अनेनेः-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
 ५ अनेनेषि-ष्ट षाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 ६ नेनेषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
 नेनेषाम्बभूव नेनेषाञ्चक्रे [य वहि महि
 ७ नेनेषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
 ८ नेनेषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ नेनेषि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 व्यावहे व्यामहे (ज्ये व्यावहि व्यामहि
 १० अनेनेषि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

७७५. हेषड् (हेष्) गतौ ।

- १ जेहेच-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जेहेच्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जेहेच-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अजेहेच-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
 ५ अजेहेषि-ष्ट षाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 ६ जेहेषामा-स सतुः सुः सथ सथुः स स सिव सिम
 जेहेषाश्चक्रे जेहेषाम्बभूव (य वहि महि
 ७ जेहेषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जेहेषिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जेहेषि-च्यते च्यते च्यन्ते च्यसे च्येथे च्यध्वे च्ये
 च्यावहे च्यामहे (च्ये च्यावहि च्यामहि
 १० अजेहेषि-च्यत च्येताम् च्यन्त च्यथाः च्येथाम् च्यध्वम्

७७६ रेष्टुङ् (रेष्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ रेरेऽ-यते येते यन्ते असे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ रेरेष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ रेरेऽ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहै यामहै
४ अरेरेऽ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ध्वहि ष्महि
५ अरेरेषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढवम् ध्वम्
६ रेरेषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रेरेषाश्चक्रे रेरेषामास (थ वहि महि
७ रेरेषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
८ रेरेषिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ रेरेषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
१० अरेरेषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७७७ हेष्टुङ् (हेष्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ जेहेह-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जेहेह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ जेहेह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै
 यावहै यामहै
 ४ अजेहेह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि व्हहि ह्महि
 ५ अजेहेषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 ६ जेहेषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 जेहेषाश्चक्रे जेहेषामास (य वहि महि
 ७ जेहेषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ जेहेषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जेहेषि-ह्यते ह्येसे ह्यन्ते ह्यसे ह्येथे ह्यध्वे ह्ये
 ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
 १० अजेहेषि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्

७७८ पर्षि (पर्ष) स्नेहने ।

- १ पापर्ष-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
२ पापर्ष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ पापर्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यं
यावहै यामहै
४ अपापर्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि व्हि धमहि
५ अपापर्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
६ पापर्षाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृगंह
पापर्षाम्बभूव पापर्षामास (यवहि महि
७ पापर्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
८ पापर्षिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
९ पापर्षि-ह्यते ह्येते ह्यन्ते ह्यसे ह्येथे ह्यध्वे ह्ये
ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
१० अपापर्षि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्

७७९ घुषुङ् (घुंष्) कान्तीकरणे ।

- १ जोधुं-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 २ जोधुं-यते याताम् यन्थाः याथाम् यध्वम् यवहि महि
 ३ जोधुं-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अजोधुं-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
 ५ अजोधुं-यत पाताम् षत ष्ठाः पास्थाम् षड्वम् ष्वम्
 ६ जोधुं-यते काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 जोधुं-याम्भूव जोधुं-यामास (यवहि महि
 ७ जोधुं-यति याताम् यन्थाः यास्थाम् यध्वम्
 ८ जोधुं-यति- " री रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ जोधुं-यते व्यंते व्यन्ते व्यस्ये व्येये व्यध्वे व्ये
 व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 १० अजोधुं-यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

७८० संस्रद्ध (सं) प्रमादे ।

- १ सास्त्रस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ सास्त्रस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ सास्त्रस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
४ असास्त्रस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
५ असास्त्रसि-ष्टषाताम् षत षाः षाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
६ सास्त्रसाम्बभू-व वतुः डः विथ वथुः व व विव विम
सास्त्रसाश्चक्रे सास्त्रसामास (य वहि महि
७ सास्त्रसिषो-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
८ सास्त्रसिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्वहे स्महे
९ सास्त्रसि-ह्यते ह्येते ह्यन्ते ह्यसे ह्येथे ह्यध्वे ह्ये
ह्यावहे ह्यामहे (ह्ये ह्यावहि ह्यामहि
१० असास्त्रसि-ह्यत ह्येताम् ह्यन्त ह्यथाः ह्येथाम् ह्यध्वम्

७८१ कासृङ् (कास्) शब्दकुत्सायाम् ।

- १ चाकास्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ चाकास्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ चाकास्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै
 यावहै यामहै
 ४ अचाकास्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
 ५ अचाकासि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् षड्वम् ध्वम्
 ६ चाकासाम्बभू-व वतुः वुः विथ बथुः व व विव विम
 चाकासाञ्चक्रे चाकासामास (य वहि महि
 ७ चाकासिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ चाकासिता- ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्त्वहे स्महे
 ९ चाकासि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यस्ये व्येथे व्यध्वे व्ये
 व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 १० अचाकासि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

७८२ भासि (भास्) दीप्तौ ।

- १ बाभास्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभास्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभास्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाभास्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ध्वहि ध्महि
- ५ अबाभासि-ष्ट पाताम् षत घाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभासामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम बाभासाश्चक्रे बाभासाम्बभूव [य वहि महि
- ७ बाभासिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाभासिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबाभासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८३ दृभासृङ् (भास्) दीप्तौ ।

- १ बाभास्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभास्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभास्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाभास्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अबाभासि-ष्ट पाताम् षत घाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभासामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम बाभासाश्चक्रे बाभासाम्बभूव (य वहि महि
- ७ बाभासिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाभासिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबाभासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८४ दुभ्लासृङ् (भ्लास्) दीप्तौ ।

- १ बाभ्लास्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभ्लास्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभ्लास्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाभ्लास्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अबाभ्लासि-ष्ट पाताम् षत घाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभ्लासाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम बाभ्लासाश्चक्रे बाभ्लासामास (य वहि महि
- ७ बाभ्लासिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाभ्लासिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभ्लासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबाभ्लासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८५ रासृङ् (रास्) शब्दे ।

- १ रारास्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारास्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारास्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अरारास्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अरारासि-ष्ट पाताम् षत घाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारासाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे रारासाम्बभूव रारासामास (य वहि महि
- ७ रारासिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारासिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरारासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८६ णासुङ् (नास्) शब्दे ।

- १ नानास्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नानास्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानास्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनानास्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनानासि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नानासामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम नानासाश्चके नानासाम्बभूव [य वहि महि
- ७ नानासिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् नानासिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ८ नानासि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनानासि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८८ भ्यसि (भ्यस्) भये ।

- १ बाभ्यस्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभ्यस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभ्यस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाभ्यस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अबाभ्यसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभ्यसाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम बाभ्यसाश्चके बाभ्यसामास (य वहि महि
- ७ बाभ्यसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाभ्यसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभ्यसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबाभ्यसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८७ णसि (नस्) कौटिह्ये ।

- १ नानस्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नानस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अनानस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनानसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नानसाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे नानसाम्बभूव नानसामास (य वहि महि
- ७ नानसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नानसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नानसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनानसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७८९ आङः शसुङ् (शंस्) इच्छायाम् ।

- १ शंशस्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शंशस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शंशस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशंशस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशंशसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शंशसामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम शंशसाश्चके शंशसाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शंशसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शंशसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शंशसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अशंशसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् अत्र शंश इति स्थाने शंश इति ज्ञेयम् ।

७९० ग्रस् (ग्रस्) अदने ।

- १ जाग्रस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाग्रस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाग्रस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अजाग्रस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाग्रसि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाग्रसाञ्च-के काते किरि कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे जाग्रसाम्बभूव जाग्रसामास (य वहि महि
- ७ जाग्रसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाग्रसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाग्रसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाग्रसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७९१ ग्लस् (ग्लस्) अदने ।

- १ जाग्लस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाग्लस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाग्लस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाग्लस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाग्लसि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाग्लसाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम जाग्लसाञ्चके जाग्लसामास (य वहि महि
- ७ जाग्लसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाग्लसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाग्लसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाग्लसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७९२ घस् (घस्) करणे ।

- १ जाघस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाघस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाघस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाघस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाघसि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाघसामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जाघसाञ्चके जाघसाम्बभूव [य वहि महि
- ७ जाघसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाघसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाघसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाघसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७९३ ण्लिहि (ण्लिह्) गतौ ।

- १ पेण्लिह्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेण्लिह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेण्लिह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपेण्लिह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि + (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अपेण्लिहि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पेण्लिहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम पेण्लिहाञ्चके पेण्लिहाम्बभूव (य वहि महि +
- ७ पेण्लिहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् +
- ८ पेण्लिहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेण्लिहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपेण्लिहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७९४ गहिं (गह्) कुत्सने ।

- १ जागह्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जागह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जागह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजागह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजागहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ जागहाम्बभूव-के काते किरि कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जागहाम्बभूव जागहामास (य वहि महि
- ७ जागहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जागहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जागहि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अजागहि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

७९५ गलिह (गल्ह) कुत्सने ।

- १ जागल्ह-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जागल्ह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जागल्ह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजागल्ह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजागलिह-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ जागल्हाम्बभूव-व वतुः वः विथ वथुः व व विव विम जागल्हाम्बभूव जागल्हामास (य वहि महि
- ७ जागलिहषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जागलिहता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जागलिह-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अजागलिह-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

७९६ वहिं (वह्) प्राधान्ये ।

- १ वावह्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अवावहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ वावहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वावहाम्बभूव वावहामास (य वहि महि
- ७ वावहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ वावहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावहि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे [व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवावहि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

७९७ वलिह (वल्ह) प्राधान्ये ।

- १ वावलह्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावलह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावलह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावलह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अवावलिह-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ वावलहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वावलहाम्बभूव वावलहामास (य वहि महि
- ७ वावलिहषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ वावलिहता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावलिह-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवावलिह-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

७९८ बर्हि (बर्ह) परिभाषणहिंसाच्छादनेषु

- १ बावर्ह-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बावर्ह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बावर्ह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबावर्ह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अबावर्हि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ बावर्हाम्बभूव व वतुः वुः विथ वधुः व व विव विम बावर्हाम्बभूव बावर्हामास (य वहि महि
- ७ बावर्हिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ बावर्हिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बावर्हि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अबावर्हि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०० वेव्ह (वेह) प्रयत्ने ।

- १ वेवेह-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेवेह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेवेह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेवेह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अवेवेहि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेवेहाम्बभूव वेवेहामास (य वहि महि
- ७ वेवेहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ वेवेहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेवेहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवेवेहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

७९९ बल्लिह (बल्लह) परिभाषणहिंसाच्छादनेषु

- १ बाबल्लह-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाबल्लह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाबल्लह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाबल्लह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अबाबल्लिह-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाबल्लहाम्बभूव बाबल्लहामास (य वहि महि
- ७ बाबल्लिहषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ बाबल्लिहता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाबल्लिह-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अबाबल्लिह-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०१ जेह (जेह) प्रयत्ने ।

- १ जेजेह-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेजेह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेजेह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेजेह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजेजेहि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेजेहाम्बभूव जेजेहामास (य वहि महि
- ७ जेजेहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ जेजेहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेजेहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजेजेहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०२ वावाह् (वाह्) प्रयत्ने ।

- १ वावाह्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावाह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावाह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावाह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवावाहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ वावाहाम्बभू-व वतुः वुः वित्थ वथुः व व विव विम वावाहाश्च के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे वावाहाम्बभूव वावाहामास (य वहि महि
- ७ वावाहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ वावाहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावाहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवावाहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०३ द्रावाह् (द्राह्) निक्षेपे ।

- १ द्रावाह्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ द्रावाह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ द्रावाह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अद्रावाह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अद्रावाहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ द्रावाहाश्च-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे द्रावाहाम्बभूव द्रावाहामास (य वहि महि
- ७ द्रावाहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ द्रावाहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ द्रावाहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अद्रावाहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०४ गाहौह् (गाह्) विलोडने ।

- १ जागाह्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जागाह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जागाह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजागाह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजागाहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ जागाहाश्च-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे जागाहाम्बभूव जागाहामास (य वहि महि
- ७ जागाहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जागाहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जागाहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजागाहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०५ ग्लहौह् (ग्लह्) ग्रहणे ।

- १ जाग्लह्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाग्लह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाग्लह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाग्लह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाग्लहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
- ६ जाग्लहाश्च-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे जाग्लहाम्बभूव जाग्लहामास (य वहि महि
- ७ जाग्लहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जाग्लहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाग्लहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाग्लहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०६ बहुङ् (बह्) वृद्धौ ।

- १ बाबह्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाबह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाबह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाबह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्ध्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अबाबहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाबहाम्बभूव बाबहामास (यवहि महि
- ७ बाबहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ड्ढ्वम्
- ८ बाबहिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाबहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबाबहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०८ दक्षि (दक्ष्) रौप्रथे च ।

- १ दादक्ष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दादक्ष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दादक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदादक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदादक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दादक्षाम्बभूव व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम दादक्षाम्बभूव दादक्षामास (यवहि महि
- ७ दादक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दादक्षिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दादक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदादक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०७ महुङ् (मंह्) वृद्धौ ।

- १ मामंह-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामंह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामंह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामंह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्ध्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अमामंहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पास्थाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामंहाम्बभूव मामंहामास (यवहि महि
- ७ मामंहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ड्ढ्वम्
- ८ मामंहिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामंहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमामंहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८०९ धुक्षि (धुक्ष्) संदीपनक्लेशनजीवनेषु

- १ दोधुक्ष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दोधुक्ष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दोधुक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदोधुक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदोधुक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दोधुक्षाम्बभूव व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम दोधुक्षाम्बभूव दोधुक्षामास (यवहि महि
- ७ दोधुक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दोधुक्षिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दोधुक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदोधुक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१० धिक्षि (धिक्ष) संदीपनक्लेशनजीवनेषु

- १ देधिक्ष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देधिक्ष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देधिक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदेधिक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अदेधिक्षि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ देधिक्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम देधिक्षाश्चक्रे देधिक्षामास (य वहि महि
- ७ देधिक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ देधिक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देधिक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदेधिक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१२ शिक्षि (शिक्ष) विद्योपादाने ।

- १ शिशिक्ष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शिशिक्ष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शिशिक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशिशिक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अशिशिक्षि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शिशिक्षाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम शिशिक्षाश्चक्रे शिशिक्षामास (य वहि महि
- ७ शिशिक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शिशिक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शिशिक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशिशिक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८११ वृक्षि (वृक्ष) वरणे ।

- १ वरीवृक्ष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृक्ष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवरीवृक्षि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वरीवृक्षाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे वरीवृक्षाम्बभूव वरीवृक्षामास (य वहि महि
- ७ वरीवृक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वरीवृक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवरीवृक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१३ भिक्षि (भिक्ष) याज्ज्यायाम् ।

- १ वेभिक्ष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेभिक्ष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेभिक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेभिक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवेभिक्षि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेभिक्षाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे वेभिक्षाम्बभूव वेभिक्षामास (य वहि महि
- ७ वेभिक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेभिक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेभिक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेभिक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१४ दीक्षि (दीक्ष्) औण्ड्यैज्योपनयननिय-
मव्रतादेशेषु ।

- १ देदीक्ष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देदीक्ष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देदीक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अदेदीक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अदेदीक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ देदीक्षाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
देदीक्षाश्चक्रे देदीक्षामास (य वहि महि)
- ७ देदीक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ देदीक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देदीक्षि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अदेदीक्षि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१६ णीगृ (नी) प्रापणे ।

- १ नेनी-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नेनी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अनेनी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (ङ्वम् षि ध्वहि धमहि)
- ५ अनेनीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नेनीयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
नेनीयाश्चक्रे नेनीयामास (य वहि महि)
- ७ नेनीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ नेनीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अनेनीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१५ श्रिगृ (श्रि) सेवायाम् ।

- १ शोश्री-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोश्रीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोश्री-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अशोश्री-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (ङ्वम् षि ध्वहि धमहि)
- ५ अशोश्रीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोश्रीयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
शोश्रीयाम्बभूव शोश्रीयाश्चक्रे [य वहि महि]
- ७ शोश्रीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ शोश्रीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोश्रीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अशोश्रीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१७ हंगृ (ह) हरणे ।

- १ जेह्री-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेह्रीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेह्री-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अजेह्री-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (ङ्वम् षि ध्वहि धमहि)
- ५ अजेह्रीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेह्रीयाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
जेह्रीयाश्चक्रे जेह्रीयामास (य वहि महि)
- ७ जेह्रीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ जेह्रीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेह्रीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अजेह्रीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१८ ङृग् (ङृ) भरणे ।

- १ वेङ्ग्री-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेङ्ग्रीये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेङ्ग्री-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेङ्ग्री-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवेङ्ग्रीयि-ष्ट षाताम् षत ष्टाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ वेङ्ग्रीयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वेङ्ग्रीयाम्बभूव वेङ्ग्रीयाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ वेङ्ग्रीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ वेङ्ग्रीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेङ्ग्रीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेङ्ग्रीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८२१ हिक्की (हिक्क्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ जेहिक्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेहिक्क्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेहिक्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेहिक्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजेहिक्कि-ष्ट षाताम् षत ष्टाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ जेहिक्काम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जेहिक्काश्चक्रे जेहिक्कामास (य वहि महि
- ७ जेहिक्किषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जेहिक्किता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेहिक्कि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेहिक्कि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८१९ ङृग् (ङृ) धारणे । धृङ् ५५६ वङ्गपाणि

८२० डुकृग् (कृ) करणे ।

- १ चेङ्क्री-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेङ्क्रीये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेङ्क्री-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेङ्क्री-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचेङ्क्रीयि-ष्ट षाताम् षत ष्टाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ चेङ्क्रीयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चेङ्क्रीयाश्चक्रे चेङ्क्रीयाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चेङ्क्रीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चेङ्क्रीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेङ्क्रीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेङ्क्रीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८२२ याचृग् (याच्) याञ्चयाम् ।

- १ यायाच्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ यायाच्च्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ यायाच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अयायाच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अयायाचि-ष्ट षाताम् षत ष्टाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ यायाचाश्चक्रे-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम यायाचाश्चक्रे यायाचामास (य वहि महि
- ७ यायाचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ यायाचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ यायाचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयायाचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८२३ डुपचीष् (पच्) पाके ।

- १ पापच्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापच्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपापच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि)
- ५ अपापचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पापचास्वभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम पापचाश्चक्रे पापचामास (य वहि महि)
- ७ पापचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पापचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पापचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अपापचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८२४ राज्ग (राज्) दीप्तौ ।

- १ राराज-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ राराज्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ राराज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अराराज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि)
- ५ अराराजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ राराजामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम राराजाम्बभूव राराजाश्चक्रे [य वहि महि]
- ७ राराजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ राराजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ राराजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अराराजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८२५ आजि (आज्) दीप्तौ । आजि ६१२ वद्वृपाणि

८२६ भजीं (भज्) सेवायाम् ।

- १ बाभज-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभज्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाभज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि)
- ५ अबाभजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभजामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम बाभजाश्चक्रे बाभजाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ बाभजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बाभजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अबाभजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८२७ रज्जीं (रज्ज्) रागे ।

- १ रारज-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारज्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि)
- ५ अरारजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारजाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम रारजाश्चक्रे रारजामास (य वहि महि)
- ७ रारजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)

१० अरारजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८२८ रेदृग् (रेट्) परिभाषणयाचनयोः ।

- १ रेरेट्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रेरेट्-ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रेरेट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरेरेट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अरेरेटि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रेरेटाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम रेरेटाम्बभू रेरेटामास (य वहि महि)
- ७ रेरेटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रेरेटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रेरेटि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि)
- १० अरेरेटि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

८३० चतेग् (चत्) याचने ।

- १ चाचत्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाचत्-ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाचत्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाचत्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अचाचति-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाचतामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चाचताम्बभू चाचतामास (य वहि महि)
- ७ चाचतिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाचतिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाचति-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि)
- १० अचाचति-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

८२९ वेणुग् (वेण्) गतिज्ञानचिन्तानिशा-
मनवादित्रग्रहणेषु ।

- १ वेवेण-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेवेण-ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेवेण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेवेण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अवेवेणि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेवेणामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वेवेणाम्बभू वेवेणामास [य वहि महि]
- ७ वेवेणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेवेणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेवेणि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि)
- १० अवेवेणि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

८३१ प्रोथुग् (प्रोथ्) पर्याप्तौ ।

- १ पोप्रोथ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोप्रोथ-ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोप्रोथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोप्रोथ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अपोप्रोथि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोप्रोथाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम पोप्रोथाम्बभू पोप्रोथामास (य वहि महि)
- ७ पोप्रोथिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पोप्रोथिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोप्रोथि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि)
- १० अपोप्रोथि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

८३२ मिथृग् (मिथ्) मेधाहिंसयोः ।

- १ मेमिथ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमिथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमिथ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमिथ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अमेमिथि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेमिथाञ्च-के क्राते किरि कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे मेमिथाम्बभूव मेमिथामास (य वहि महि
- ७ मेमिथिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेमिथिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमिथि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमेमिथि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८३३ मेथृग् (मेथ्) संगमे च ।

- १ मेमेथ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमेथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमेथ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमेथ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अमेमेथि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेमेथाञ्च-के क्राते किरि कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे मेमेथाम्बभूव मेमेथामास (य वहि महि
- ७ मेमेथिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेमेथिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमेथि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमेमेथि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८३४ चदृग् (चद्) याचने ।

- १ चाचद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाचद्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाचद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाचद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अचाचदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाचदाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाचदाञ्चके चाचदामास (य वहि महि
- ७ चाचदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाचदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाचदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाचदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८३५ ऊबुद्ग (बुन्द) निशामने ।

- १ बूबुद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बूबुद्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बूबुद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबूबुद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अबूबुदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बूबुदाञ्च-के क्राते किरि कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे बूबुदाम्बभूव बूबुदामास (य वहि महि
- ७ बूबुदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बूबुदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बूबुदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबूबुदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८३६ णिङ्ग (निङ्) कुत्सासन्निकर्षयोः ।

- १ नेनिङ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनिङ्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नेनिङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनेनिङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अनेनिङ्-ष्ट याताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नेनिदाश्च-भू-ववतुः वुः विथ वथुः व व विव विम नेनिदाश्चके नेनिदामास (य वहि महि
- ७ नेनिदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नेनिदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनिदि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अनेनिदि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

८३८ मिङ्ग (मिङ्) मेधाहिंसयोः ।

- १ मेमिङ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमिङ्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमिङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमिङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अमेमिङ्-ष्ट याताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेमिदाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के क्वहे क्महे मेमिदाम्बभूव मेमिदामास (य वहि महि
- ७ मेमिदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेमिदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमिदि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमेमिदि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

८३७ णेङ्ग (नेङ्) कुत्सासन्निकर्षयोः ।

- १ नेनेङ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनेङ्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नेनेङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनेनेङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अनेनेङ्-ष्ट याताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नेनेदाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के क्वहे क्महे नेनेदाम्बभूव नेनेदामास (य वहि महि
- ७ नेनेदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नेनेदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनेदि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अनेनेङ्-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

८३९ मेङ्ग (मेङ्) मेधाहिंसयोः ।

- १ मेमेङ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमेङ्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमेङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमेङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अमेमेङ्-ष्ट याताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेमेदाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के क्वहे क्महे मेमेदाम्बभूव मेमेदामास (य वहि महि
- ७ मेमेदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेमेदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमेदि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमेमेङ्-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

८४० मेधृग् (मेध्) संगमे च ।

- १ मेमेध्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमेध्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमेध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमेध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अमेमेधि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मेमेधाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम मेमेधाश्चक्रे मेमेधामास (य वहि महि
- ७ मेमेधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेमेधिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमेधि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमेमेधि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४१ शृधृग् (शृध्) उन्दे ।

- १ शरीशृध्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शरीशृध्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शरीशृध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशरीशृध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अशरीशृधि-ष्ट पाताम् षत षाः पास्थाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शरीशृधाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे शरीशृधाम्बभूव शरीशृधामास (य वहि महि
- ७ शरीशृधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शरीशृधिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शरीशृधि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अशरीशृधि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४२ मृधृग् (मृध्) उन्दे ।

- १ मरीमृध्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मरीमृध्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मरीमृध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमरीमृध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अमरीमृधि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मरीमृधाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम मरीमृधाश्चक्रे मरीमृधामास (य वहि महि
- ७ मरीमृधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मरीमृधिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मरीमृधि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमरीमृधि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४३ बुधृग् (बुध्) बोधने ।

- १ बबुध्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बबुध्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बबुध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबुबुध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अबुबुधि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बबुधाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे बबुधाम्बभूव बबुधामास (य वहि महि
- ७ बबुधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बबुधिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बबुधि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अबुबुधि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८४४ खनृग् (खन्) अवधारणे ।

- १ चङ्खन्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चङ्खन्त्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चङ्खन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचङ्खन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचङ्खन्ति-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढवम् ध्वम्
- ६ चङ्खन्नाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चङ्खन्नाश्चक्रे चङ्खन्नामास (य वहि महि
- ७ चङ्खन्निषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चङ्खन्निता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चङ्खन्ति-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचङ्खन्ति-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम् पक्षे चाखायते

८४६ शानी (शान्) तेजने ।

- १ शाशान्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशान्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशान्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशान्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशाशानि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढवम् ध्वम्
- ६ शाशानाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम शाशानाश्चक्रे शाशानामास (य वहि महि
- ७ शाशानिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशानिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशानि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अशाशानि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

८४५ दानी (दान्) अखण्डने ।

- १ दादान्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दादान्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ दादान्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदादान्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदादानि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पास्थाम् ड्ढवम् ध्वम्
- ६ दादानाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे दादानाम्बभूव दादानामास (य वहि महि
- ७ दादानिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दादानिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दादानि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अदादानि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

८४७ शर्पी (शप्) आक्रोशे ।

- १ शाशप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशाशपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढवम् ध्वम्
- ६ शाशपाश्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे शाशपाम्बभूव शाशपामास (य वहि महि
- ७ शाशपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशपिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अशाशपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

८४८ चायृग् (चाय्) पूजानिशामनयोः ।

- १ चेकी-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेकीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेकी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेकी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अचेकीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ चेकीयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चेकीयाश्चक्रे चेकीयाम्बभूव [य वहि महि
- ७ चेकीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चेकीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेकीयि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे [ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचेकीयि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

८४९ वाय्यी (वाय्) गतौ ।

- १ वाव्यर-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वाव्यरये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वाव्यर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवाव्यर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अवाव्ययि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ वाव्ययाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम वाव्ययाश्चक्रे वाव्ययामास (य वहि महि
- ७ वाव्ययिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ वाव्ययिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वाव्ययि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवाव्ययि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकारवे वव्यय्यते

८५० धावृग् (धाव्) गतिशुद्धयोः ।

- १ दाधाव-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दाधाव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दाधाव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अदाधाव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अदाधावि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ दाधावाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काये कृद्वे कृवहे कृमहे दाधावाम्बभूव दाधावामास (य वहि महि
- ७ दाधाविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ दाधाविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दाधावि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदाधावि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकारवे दाधौयते

८५१ चीवृग् (चीव्) झषीवत् ।

- १ चेचीव-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेचीव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेचीव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेचीव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अचेचीवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ चेचीवामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चेचीवाश्चक्रे चेचीवाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चेचीविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चेचीविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेचीवि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचेचीवि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकारवे चेच्युयते

८५२ दाशृग् (दाश्) दाने ।

- १ दादाश्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दादाश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दादाश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यावहे
- ४ अदादाश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अदादाशि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दादाशाश्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे दादाशाम्बभूव दादाशामास (य वहि महि
- ७ दादाशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दादाशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दादाशि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि

१० अदादाशि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

८५३ झषी (झष्) आदानसंवरणयोः । झष

४७० षड्रूपाणि

८५५ भेषृग् (भेष्) चलने च ।

- १ वेभ्रेष्ठ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेभ्रेष्ठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेभ्रेष्ठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अवेभ्रेष्ठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ध्वहि धमहि
- ५ अवेभ्रेषि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेभ्रेषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वेभ्रेषाश्चक्रे वेभ्रेषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ वेभ्रेषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेभ्रेषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेभ्रेषि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे [ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि

१० अवेभ्रेषि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

८५६ पषी (पष्) बाधनस्पर्शनयोः ।

८५४ भेषृग् (भेष्) भये ।

- १ वेभ्रेष्ठ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेभ्रेष्ठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेभ्रेष्ठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अवेभ्रेष्ठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अवेभ्रेषि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेभ्रेषाम्बभू-व वतुः डुः विथ वथुः व व विव विम वेभ्रेषाश्चक्रे वेभ्रेषामास (य वहि महि
- ७ वेभ्रेषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेभ्रेषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेभ्रेषि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि

१० अवेभ्रेषि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

- १ पापष्ठ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापष्ठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापष्ठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अपापष्ठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अपापषि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पापषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम पापषाश्चक्रे पापषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पापषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पापषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पापषि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि

१० अपापषि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

८५७ लषी (लष्) कान्तौ ।

- १ लालल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ लालल-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ लालल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अलालल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
 - ५ अलाललषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ लाललषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम लाललषाश्चक्रे लाललषामास (य वहि महि
 - ७ लाललषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ लाललषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ लाललषि-ल्यते ल्येते ल्यन्ते ल्यसे ल्येथे ल्यध्वे ल्ये व्यावहे ल्यामहे (ल्ये व्यावहि ल्यामहि
 - १० अलाललषि-ल्यत ल्येताम् ल्यन्त ल्यथाः ल्येथाम् ल्यध्वम्
- ८५८ चषी (चष्) भक्षणे । चष ४७९ वद्रूपाणि

८५९ छषी (छष्) हिंसायाम् ।

- १ चाच्छल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाच्छल-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाच्छल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाच्छल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अचाच्छलषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाच्छलषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चाच्छलषाश्चक्रे चाच्छलषाम्बभूष (य वहि महि
- ७ चाच्छलषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाच्छलषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाच्छलषि-ल्यते ल्येते ल्यन्ते ल्यसे ल्येथे ल्यध्वे ल्ये व्यावहे ल्यामहे (ल्ये व्यावहि ल्यामहि
- १० अचाच्छलषि-ल्यत ल्येताम् ल्यन्त ल्यथाः ल्येथाम् ल्यध्वम्

८६० त्वषी (त्विष्) दीप्तौ ।

- १ तेत्विष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेत्विष्-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेत्विष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेत्विष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अतेत्विषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तेत्विषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तेत्विषाम्बभूष तेत्विषाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ तेत्विषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तेत्विषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेत्विषि-ल्यते ल्येते ल्यन्ते ल्यसे ल्येथे ल्यध्वे ल्ये व्यावहे ल्यामहे (ल्ये व्यावहि ल्यामहि
- १० अतेत्विषि-ल्यत ल्येताम् ल्यन्त ल्यथाः ल्येथाम् ल्यध्वम्

८६१ दासृग् (दास्) दाने ।

- १ दादास्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दादास्-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दादास्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदादास्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अदादासि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दादासाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम दादासाश्चक्रे दादासामास (य वहि महि
- ७ दादासिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दादासिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दादासि-ल्यते ल्येते ल्यन्ते ल्यसे ल्येथे ल्यध्वे ल्ये व्यावहे ल्यामहे (ल्ये व्यावहि ल्यामहि
- १० अदादासि-ल्यत ल्येताम् ल्यन्त ल्यथाः ल्येथाम् ल्यध्वम्

८६२ माहृ (माहृ) माने ।

- १ भामाहृ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ भामाहृये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ भामाहृ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अभामाहृ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अभामाहि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ भामाहाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ७ भामाहाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ८ भामाहाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- ९ भामाहाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- १० भामाहाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम

८६३ भलक्षी (भलक्ष) भक्षणे ।

- १ बाभलक्ष-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभलक्षये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभलक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाभलक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अबाभलक्षि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ बाभलक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ बाभलक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ८ बाभलक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ९ बाभलक्षामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- १० अबाभलक्षि-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि

८६३ गुहृग (गुहृ) संवरणे ।

- १ जोगुहृ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगुहृये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगुहृ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगुहृ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अजोगुहि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ जोगुहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ जोगुहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ८ जोगुहि-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- ९ जोगुहि-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- १० अजोगुहि-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि

८६५ द्युति (द्युति) दीप्तौ ।

- १ द्युति-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ द्युतिये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ द्युति-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अद्युति-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अद्युति-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ द्युति-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- ७ द्युति-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- ८ द्युति-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- ९ द्युति-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- १० अद्युति-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि

८६६ घुटि (घुट्) परिवर्तने ।

- १ जोघुट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोघुट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोघुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोघुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अजोघुटि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोघुटाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जोघुटाम्बभूव जोघुटामास (य वहि महि
- ७ जोघुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोघुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोघुटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोघुटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८६७ रुटि (रुट्) प्रतीघाते ।

- १ रोरुट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ रोरुट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ रोरुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अरोरुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
 - ५ अरोरुटि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ रोरुटाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे रोरुटाम्बभूव रोरुटामास (य वहि महि
 - ७ रोरुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ रोरुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ रोरुटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 - १० अरोरुटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ८६८ लुटि (लुट्) प्रतीघाते । लुट् १७५ वद्रूपाणि
- ८६९ लुठि (लुठ्) प्रतीघाते । लुठ् २०३ वद्रूपाणि

८७० श्विताङ् (श्वित्) वर्णे ।

- १ शोश्वित्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोश्वित्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोश्वित्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोश्वित्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अशोश्विति-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोश्विताश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे शोश्विताम्बभूव शोश्वितामास (य वहि महि
- ७ शोश्वितिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोश्वितिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोश्विति-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशोश्विति-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८७१ जिमिदाङ् (भिद्) स्नेहने । मिद्गु

८३८ वद्रूपाणि

८७२ जिश्चिदाङ् (श्विद्) मोचने च ।

जिश्चिदा २७५ वद्रूपाणि

८७३ जिष्चिदाङ् (श्विद्) मोचने च ।

- १ सेष्चिद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेष्चिद्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेष्चिद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेष्चिद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ असेष्चिदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सेष्चिदाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम सेष्चिदाश्चके सेष्चिदामास (य वहि महि
- ७ सेष्चिदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सेष्चिदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेष्चिदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असेष्चिदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८७४ क्षुभि (क्षुभ्) सञ्चलने ।

- १ चोक्षुभ्-यते येते यन्ते यस्य येये यच्चे ये यावहे यामहे
- २ चोक्षुभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोक्षुभ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोक्षुभ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अचोक्षुभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोक्षुभाञ्च-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे
चोक्षुभाम्बभूव चोक्षुभामास (य वहि महि
- ७ चोक्षुभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोक्षुभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोक्षुभि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यच्चे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अचोक्षुभि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

८७६ तुभि (तुभ्) हिंसायाम् ।

- १ तोतुभ्-यते येते यन्ते यस्य येये यच्चे ये यावहे यामहे
- २ तोतुभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतुभ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतुभ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अतोतुभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोतुभाञ्च-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे
तोतुभाम्बभूव तोतुभामास (य वहि महि
- ७ तोतुभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोतुभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतुभि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यच्चे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अतोतुभि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

८७५ णभि (नभ्) हिंसायाम् ।

- १ नानभ्-यते येते यन्ते यस्य येये यच्चे ये यावहे यामहे
- २ नानभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानभ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनानभ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अनानभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नानभाञ्च-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे
नानभाम्बभूव नानभामास (य वहि महि
- ७ नानभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नानभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नानभि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यच्चे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अनानभि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

८७७ स्रम्भृङ् (स्रम्भ्) विश्वासे ।

- १ सास्रभ्-यते येते यन्ते यस्य येये यच्चे ये यावहे यामहे
- २ सास्रभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सास्रभ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असास्रभ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ असास्रभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सास्रभाम्बभू-व वतुः वुः विश्व वथुः व व विव विम
- ७ सास्रभाञ्च-के सास्रभामास (य वहि महि
- ८ सास्रभिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ सास्रभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० सास्रभि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यच्चे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० असास्रभि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

८७८ अंशुङ् (अंश्) अवसंसने ।

- १ वनीअइ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वनीअइ-यते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वनीअइ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवनीअइ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवनीअशि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वनीअशाम्बभू-व वतु दुः विथ वथुः व व विव विम वनीअशाम्बभू वनीअशामास (य वहि महि
- ७ वनीअशिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वनीअशिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वनीअशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवनीअशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८० ध्वंसङ् (ध्वंस्) गतौ च ।

- १ दनीध्वस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दनीध्वस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दनीध्वस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदनीध्वस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अदनीध्वसि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दनीध्वसाम्बभू-व वतु दुः विथ वथुः व व विव विम दनीध्वसाम्बभू दनीध्वसामास (य वहि महि
- ७ दनीध्वसिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दनीध्वसिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दनीध्वसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदनीध्वसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८७९ संसृङ् (संस्) अवसंसने ।

- १ सनीस्रस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सनीस्रस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सनीस्रस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असनीस्रस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ असनीस्रसि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सनीस्रसाम्बभू-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे सनीस्रसाम्बभू सनीस्रसामास (य वहि महि
- ७ सनीस्रसिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सनीस्रसिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सनीस्रसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असनीस्रसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८१ वृत्तङ् (वृत्) वर्तने ।

- १ वरीवृत्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृत्त्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृत्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृत्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवरीवृत्ति-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वरीवृत्ताश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे वरीवृत्ताम्बभू वरीवृत्तामास (य वहि महि
- ७ वरीवृत्तिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वरीवृत्तिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृत्ति-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवरीवृत्ति-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८२ स्यन्दौङ् (स्यन्द) स्रवणे ।

- १ सास्यद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सास्यद्वे-त याताम् रन् थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ सास्यद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असास्यद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ असास्यदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ सास्यदाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- सास्यदाम्बभूव सास्यदामास (य वहि महि
- ७ सास्यदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सास्यदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सास्यदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असास्यदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८३ वृधृङ् (वृध्) वृद्धौ ।

- १ वरीवृध्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृध्वे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवरीवृधि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ वरीवृधाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- वरीवृधाम्बभूव वरीवृधामास (य वहि महि
- ७ वरीवृधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वरीवृधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृधि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवरीवृधि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८४ शृधृङ् (शृ) शब्द कृत्सायाम् ।

शृधृग् ८४१ वद्रूपाणि

८८५ कृपौङ् (कृप्) सामर्थ्ये ।

- १ चलीकलृ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चलीकलृये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चलीकलृ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचलीकलृ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचलीकलृपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ चलीकलृपाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- चलीकलृपाश्चके चलीकलृपामास (य वहि महि
- ७ चलीकलृपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चलीकलृपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चलीकलृपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचलीकलृपिष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८८६ ज्वल (ज्वल्) दीप्तौ ।

- १ जाज्वल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाज्वल्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाज्वल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाज्वल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजाज्वलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ जाज्वलाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- जाज्वलाश्चके जाज्वलामास (य वहि महि
- ७ जाज्वलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् +
- ८ जाज्वलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाज्वलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाज्वलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- लस्य सानुनासिकत्वे जञ्ज्वल्यते
- ८८७ कुच (कुच्) संपर्चनकौटिल्य प्रतिष्ठ-
म्भविलेखने । कुच ९१ वद्रूपाणि

८८८ पल् (पत्) गतौ ।

- १ पनीपत्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
: पनीपत्ये-त याताम् रन्था: याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पनीपत्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अपनीपत्-यत येताम् यन्त यथा: येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपनीपति-ष्ट याताम् षत षा: षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पनीपताम्बभू-व वतु डु: विथ वथु: व व विव विम
पनीपताश्चक्रे पनीपतामास (य वहि महि
- ७ पनीपतिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षा: यास्थाम् ध्वम्
- ८ पनीपतिता- " रौ र: से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पनीपति-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अपनीपति-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथा: व्येथाम् व्यध्वम्

८८९ पथे (पथ्) गतौ ।

- १ पापथ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापथ्ये-त याताम् रन्था: याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अपापथ-यत येताम् यन्त यथा: येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपापथि-ष्ट याताम् षत षा: षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पापथामा-स सतु: सु: सिथ सथु: स स सिव सिम
पापथाश्चक्रे पापथाम्बभूव [य वहि महि
- ७ पापथिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षा: यास्थाम् ध्वम्
- ८ पापथिता- " रौ र: से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पापथि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
व्यावहे व्यामहे [व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अपापथि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथा: व्येथाम् व्यध्वम्

८९० कथथे (क्वथ) निष्पाके ।

- १ चाक्वथ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ चाक्वथ्ये-त याताम् रन्था: याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ चाक्वथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यावहे
 - ४ अचाक्वथ-यत येताम् यन्त यथा: येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
 - ५ अचाक्वथि-ष्ट याताम् षत षा: षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ चाक्वथाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
चाक्वथाम्बभूव चाक्वथामास (य वहि महि
 - ७ चाक्वथिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षा: यास्थाम् ध्वम्
 - ८ चाक्वथिता- " रौ र: से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ चाक्वथि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 - १० अचाक्वथि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथा: व्येथाम् व्यध्वम्
- ८९१ मथे (मथ्) विलोडने । मन्थ
२६७ बद्रूपाणि

८९२ षद्लं (सद्) विशरणगत्यवसादनेषु तत्र गर्हो

- १ सासद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासद्ध्ये-त याताम् रन्था: याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ असासद्-यत येताम् यन्त यथा: येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ असासदि-ष्ट याताम् षत षा: षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सासदामा-स सतु: सु: सिथ सथु: स स सिव सिम
सासदाश्चक्रे सासदाम्बभूव (य वहि महि
- ७ सासदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षा: यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासदिता- " रौ र: से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासदि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० असासदि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथा: व्येथाम् व्यध्वम्

८९३ शद्ल (शद्) शातने ।

- १ शाशद्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशद्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्वहि
- ५ अशाशदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ शाशदाम्बभू-व वतुः वुः सिथ वथुः व व सिव सिम
- ७ शाशदाश्चक्रे शाशदामास (य वहि महि
- ८ शाशदिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ शाशदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० शाशदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि

१० अशाशदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८९४ बुध (बुध्) अवगमने । बुध्ग

८४३ बद्रूपाणि

८९५ ड्वम् (वम्) उद्गिरणे ।

- १ वंघम्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वंघम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वंघम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवंघम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ष्वहि ष्वहि
- ५ अवंघमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ वंघमामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ वंघमाश्चक्रे वंघमाम्बभूव [य वहि महि
- ८ वंघमिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ९ वंघमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० वंघमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे [ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवंघमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८९६ भ्रम् (भ्रम्) चलने ।

- १ ब्रम्भम्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ ब्रम्भम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ब्रम्भम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अब्रम्भम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्वहि
- ५ अब्रम्भमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ ब्रम्भमाश्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के क्वहे क्वमहे
- ७ ब्रम्भमिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ ब्रम्भमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ब्रम्भमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अब्रम्भमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८९७ क्षर (क्षर्) सञ्चलने ।

- १ चाक्षर्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाक्षर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाक्षर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाक्षर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ङ्वम् पि ष्वहि ष्वहि
- ५ अचाक्षरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ चाक्षरामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- ७ चाक्षराश्चक्रे चाक्षराम्बभूव (य वहि महि
- ८ चाक्षरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ९ चाक्षरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- १० चाक्षरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचाक्षरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

८९८ चल (चल) कम्पने ।

- १ चाचल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाचल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाचल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाचल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अचाचलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाचलाञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे क्रमहे चाचलाम्बभूव चाचलामास (य वहि महि
- ७ चाचलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ चाचलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाचलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाचलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् लस्य सानुनासिकत्वे चञ्चल्यते

९०० टल (टल्) वैक्लव्ये ।

- १ टाटल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ टाटल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ टाटल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अटाटल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अटाटलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ टाटलाञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे क्रमहे टाटलाम्बभूव टाटलामास (य वहि महि
- ७ टाटलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ टाटलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ टाटलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अटाटलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् लस्य सानुनासिकत्वे टण्टल्यते

८९९ जल (जल्) घात्ये ।

- १ जाजल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाजल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाजल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाजल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अजाजलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाजलाञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे क्रमहे जाजलाम्बभूव जाजलामास (य वहि महि
- ७ जाजलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ जाजलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाजलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाजलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् लस्य सानुनासिकत्वे जञ्जल्यते

९०१ ट्वल (ट्वल्) वैक्लव्ये ।

- १ टाट्वल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ टाट्वल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ टाट्वल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अटाट्वल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अटाट्वलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ टाट्वलाञ्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे क्रमहे टाट्वलाम्बभूव टाट्वलामास (य वहि महि
- ७ टाट्वलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ टाट्वलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ टाट्वलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अटाट्वलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् लस्य सानुनासिकत्वे टण्ट्वल्यते

९०२ षुल (स्थल्) स्थाने ।

- १ तास्थल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तास्थल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तास्थल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतास्थल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अतास्थलि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ तास्थलाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तास्थलाश्चक्रे तास्थलामास (य वहि महि
- ७ तास्थलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ तास्थलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तास्थलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतास्थलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् लस्य सानुनासिकत्वे तंस्थल्यते

९०३ हल (हल्) विलेखने ।

- १ जाहल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाहल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाहल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाहल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाहलि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ जाहलाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जाहलाश्चक्रे जाहलामास (य वहि महि
- ७ जाहलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जाहलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाहलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाहलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् लस्य सानुनासिकत्वे जंहल्यते

९०४ णल (नल्) गन्धे ।

- १ नानल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नानल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनानल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अनानलि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ नानलामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम नानलाश्चक्रे नानलाम्बभूव (य वहि महि
- ७ नानलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ नानलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नानलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनानलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् लस्य सानुनासिकत्वे नन्नल्यते

९०५ बल (बल्) प्राणनधान्याषरोधयोः ।

- १ बाबल्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाबल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाबल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबाबल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [द्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अबाबलि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्ठ्वम् ध्वम्
- ६ बाबलामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम बाबलाश्चक्रे बाबलाम्बभूव [य वहि महि
- ७ बाबलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ बाबलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाबलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबाबलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् लस्य सानुनासिकत्वे बम्बल्यते

९०६ पुल (पुल) महत्त्वे ।

- १ पोपुल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपुल्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपुल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोपुल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अपोपुलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोपुलामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम पोपुलाश्चक्रे पोपुलाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पोपुलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ पोपुलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोपुलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपोपुलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९०७ कुल (कुल्) बन्धुसंस्त्यानयोः ।

- १ चोकुल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुल्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अचोकुलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोकुलाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चोकुलाश्चक्रे चोकुलामास (य वहि महि
- ७ चोकुलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ चोकुलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकुलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोकुलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९०८ पल (पल्) गतौ ।

- १ पापल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापल्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपापल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [ढ्वम् षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अपापलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ पापलामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम पापलाश्चक्रे पापलाम्बभूव [य वहि महि
- ७ पापलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ पापलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पापलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपापलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् लस्य सानुनासिकत्वे पम्पल्यते
- ९०९ फल (फल्) गतौ । जिफला ३८० वद्रूपाणि
- ९१० शल (शल्) गतौ । शलि ७४७ वद्रूपाणि

९११ हुल (हुल्) हिंसासंवरणयोः ।

- १ जोहुल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोहुल्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोहुल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोहुल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अजोहुलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोहुलाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोहुलाश्चक्रे जोहुलामास (य वहि महि
- ७ जोहुलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ जोहुलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोहुलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोहुलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९१२ कुशं (कुश्) आहारो नदनयोः ।

- १ चोक्नुह-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोक्नुह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोक्नुह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोक्नुह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अचोक्नुशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोक्नुशाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चोक्नुशाश्चक्रे चोक्नुशामास (य वहि महि
- ७ चोक्नुशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोक्नुशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोक्नुशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोक्नुशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९१४ रुहं (रुह्) जन्मनि ।

- १ रोरुह-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रोरुह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रोरुह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरोरुह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ष्वहि ष्महि
- ५ अरोरुहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रोरुहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम रोरुहाश्चक्रे रोरुहाम्बभूव (य वहि महि
- ७ रोरुहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ रोरुहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रोरुहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरोरुहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९१३ कस (कम्) गतौ ।

- १ चनीकस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चनीकस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चनीकस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचनीकस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अचनीकसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चनीकसाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चनीकसाश्चक्रे चनीकसामास (य वहि महि
- ७ चनीकसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चनीकसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चनीकसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचनीकसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९१५ रमि (रम्) क्रीडायाम् ।

- १ रंरम्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रंरम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रंरम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरंरम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ष्वहि ष्महि
- ५ अरंरमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रंरमामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम रंरमाश्चक्रे रंरमाम्बभूव [य वहि महि
- ७ रंरमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रंरमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रंरमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरंरमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९१६ षहि (सह) मर्षणे ।

- १ सासह्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ असासहि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ह्वम् ध्वम्
- ६ सासहाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
- सासहाम्बभूव सासहामास (य वहि महि
- ७ सासहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ सासहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असासहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९१७ यजी (यज्) देवपूजासंगतिकरणदानेषु

- १ यायज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ यायज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ यायज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अयायज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अयायजि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ह्वम् ध्वम्
- ६ यायजामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- यायजाम्बभूव यायजाश्चके [य वहि महि
- ७ यायजिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ यायजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ यायजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयायजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९१८ वेग् (वे) तन्तुसंताने । ओवै

४७ वद्रूपाणि

९१९ व्यंग् (व्ये) संवरणे ।

- १ वेवी-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेवीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेवी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अवेवी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि ह्वम्
- ५ अवेवीयि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ह्वम् ध्वम्
- ६ वेवीयाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- वेवीयाश्च वेवीयामास (य वहि महि
- ७ वेवीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ वेवीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेवीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेवीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९२० ह्वेग् (ह्वे) स्पृष्टांशद्वयोः ।

- १ जोह्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजोह्यि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ह्वम् ध्वम्
- ६ जोह्यामा-स स्तुः सुः सिथ स्थुः स स सिव सिम
- जोह्याश्चके जोह्याम्बभूव (य वहि महि
- ७ जोह्यिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ जोह्यिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोह्यि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोह्यि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९२१ डुवपि (वप्) बीजसंताने ।

- १ वावट्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अवावट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवावपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् ध्वम्
- ६ वावपाप्मा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वावपाप्मक्रे वावपाप्मभूव (य वहि महि
- ७ वावपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवावपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९२२ वही (वह्) प्रापणे ।

- १ वावह्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अवावह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवावहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावहाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम वावहाम्बक्रे वावहाम्बभूव (य वहि महि
- ७ वावहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ वावहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवावहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९२३ दूवोश्चि (श्वि) गतिवृद्धयोः ।

- १ शोश्ची-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोश्चीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोश्ची-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यावहै
- ४ अशोश्ची-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशोश्चीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोश्चीयाश्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे शोश्चीयाम्बभूव शोश्चीयाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शोश्चीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ शोश्चीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोश्चीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशोश्चीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् पक्षे शोश्चीयते

९२४ वद (वद्) व्यक्तायां वाचि ।

- १ वावद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावद्वये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अवावद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवावदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावदाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम वावदाम्बभूव वावदाम्बभूव [य वहि महि
- ७ वावदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवावदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२५ वसं (वस्) निघासे ।

- १ वावस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवावसि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावसामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वावसाञ्चक्रे वावसाम्बभूव (य वहि महि
- ७ वावसिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवावसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६ घटिष् (घट्) चेष्टायाम् ।

- १ जाघट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाघट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाघट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाघट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाघटि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाघटाम्बभू-व वतुः बुः विथ वथुः व व विव विम जाघटाञ्चक्रे जाघटामास (य वहि महि
- ७ जाघटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाघटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाघटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाघटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२७ क्षजुङ् (क्षज्ज) गतिदानयोः ।

- १ चाक्षज्ज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाक्षज्ज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाक्षज्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अचाक्षज्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाक्षज्जि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाक्षज्जाञ्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राये कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे चाक्षज्जाम्बभूव चाक्षज्जामास (य वहि महि
- ७ चाक्षज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाक्षज्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाक्षज्जि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाक्षज्जि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२८ व्यथिष् (व्यथ्) भयचलनयोः ।

- १ वाव्यथ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वाव्यथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वाव्यथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवाव्यथ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवाव्यथि-ष्ट याताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वाव्यथामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वाव्यथाम्बभूव वाव्यथाञ्चक्रे [य वहि महि
- ७ वाव्यथिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वाव्यथिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वाव्यथि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवाव्यथि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९२९ प्रथिष् (प्रथ्) प्रख्याने ।

- १ पाप्रथ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पाप्रथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पाप्रथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपाप्रथ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि)
- ५ अपाप्रथि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पाप्रथाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे पाप्रथाम्बभूव पाप्रथामास (य वहि महि)
- ७ पाप्रथिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पाप्रथिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पाप्रथि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अपाप्रथि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९३४ म्रदिष् (म्रद्) मर्दने ।

- १ माम्रद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ माम्रद्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ माम्रद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमाम्रद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि)
- ५ अमाम्रदि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ माम्रदाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम माम्रदामास (य वहि महि)
- ७ माम्रदिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ माम्रदिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ माम्रदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अमाम्रदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९३१ स्खदिष् (स्खद्) स्खदने ।

- १ चास्खद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ चास्खद्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
 - ३ चास्खद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अचास्खद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि)
 - ५ अचास्खदि-ष्ट पाताम् षत षाः पास्थाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ चास्खदाश्च-क्रे काते किरे कृषे काथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे चास्खदाम्बभूव चास्खदामास (य वहि महि)
 - ७ चास्खदिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ चास्खदिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ चास्खदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
 - १० अचास्खदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ९३२ कदुङ् (कन्द्) वैक्लव्ये । कदु २८७ वद्रूपाणि
९३३ क्रदुङ् (क्रन्द्) वैक्लव्ये । क्रदु २८८ वद्रूपाणि
९३४ क्कदुङ् (क्कन्द्) वैक्लव्ये । क्कदु २८९ वद्रूपाणि

९३५ कपि (कप्) कृपायाम् ।

- १ चाक्रप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाक्रप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाक्रप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाक्रप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि)
- ५ अचाक्रपि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाक्रपाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाक्रपामास (य वहि महि)
- ७ चाक्रपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाक्रपिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाक्रपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अचाक्रपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९३६ जिम्ब्रिष् (त्वर्) सम्भ्रमे ।

- १ तात्वर-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तात्वर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ तात्वर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतात्वर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि + (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतात्वरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ तात्वरश्च-के काते किरु कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- तात्वराम्बभूव तात्वरामास (य वहि महि
- ७ तात्वरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् +
- ८ तात्वरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तात्वरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतात्वरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे तात्पर्याते

९३७ प्रसिष् (प्रम्) विस्तारे ।

- १ पाप्रस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पाप्रस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ पाप्रस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपाप्रस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपाप्रसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ पाप्रसाश्च-के काते किरु कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- पाप्रसाम्बभूव पाप्रसामास (य वहि महि
- ७ पाप्रसिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् यध्वम्
- ८ पाप्रसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पाप्रसि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपाप्रसि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- ९३८ दक्षि (दक्ष्) हिंसागत्योः दक्षि ८०८ वङ्गपाणि
- ९३९ आ (आ) पाके । श्रै ४४ वङ्गपाणि
- ९४० स्मृ (स्मृ) आध्याने । स्मृ १७ वङ्गपाणि

९४१ दृ (दृ) भये ।

- १ देदीर्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देदीर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ देदीर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदेदीर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदेदीरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ देदीराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम देदीराश्चके देदीरामास (य वहि महि +
- ७ देदीरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् यध्वम्
- ८ देदीरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देदीरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदेदीरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९४२ नृ (नृ) नये ।

- १ नेनीर्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनीर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ नेनीर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनेनीर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि + (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनेनीरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ नेनीराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम नेनीराश्चके नेनीरामास (य वहि महि +
- ७ नेनीरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् यध्वम्
- ८ नेनीरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनीरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अनेनीरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९४३ शक (स्तक्) प्रतीघाते ।

- १ तास्तक्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तास्तक्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तास्तक्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतास्तक्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अतास्तकि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तास्तकामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम तास्तकाम्बभूव तास्तकाश्चक्रे [यवहि महि
- ७ तास्तकिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तास्तकिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तास्तकि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतास्तकि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- ९४४ स्तक (स्तक्) प्रतीघाते । शक ९४३ वद्रूपाणि
- ९४५ चक (चक्) तृप्तौ । चकि ५७४ वद्रूपाणि

९४७ रगे (रग्) शङ्कायाम् ।

- १ रारग्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारग्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारग्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारग्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अरारगि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रारगामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम रारगाश्चक्रे रारगाश्चभूव (य वहि महि
- ७ रारगिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारगिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारगि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अरारगि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९४८ लग्ने (लग्) सङ्गे ।

- १ चालग्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चालग्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चालग्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचालग्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अचालगि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चालगाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम चालगाश्चक्रे चालगामास (य वहि महि
- ७ चालगिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चालगिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चालगि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचालगि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९४९ हगे (हग्) संवरणे ।

- १ जाह्ग-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाह्गये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाह्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाह्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि)
- ५ अजाह्गि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाह्गाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जाह्गाम्बभू जाह्गामास (य वहि महि)
- ७ जाह्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाह्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाह्गि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अजाह्गि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९५० हगे (हग्) संवरणे ।

- १ जाह्ग-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाह्गये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाह्ग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाह्ग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि)
- ५ अजाह्गि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाह्गाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जाह्गाम्बभू जाह्गामास (य वहि महि)
- ७ जाह्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाह्गिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाह्गि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अजाह्गि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९५१ षगे (सग्) संवरणे ।

- १ सासग-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासगये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि)
- ५ असासगि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सासगामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम सासगाम्बभू सासगामास (य वहि महि)
- ७ सासगिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासगिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासगि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० असासगि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९४५ सगे (सग्) संवरणे । षगे ९५१ वद्रूपाणि

९५३ षुगे (स्थग्) संवरणे ।

- १ तास्थग-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तास्थगये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तास्थग-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतास्थग-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि)
- ५ अतास्थगि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तास्थगाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तास्थगाम्बभू तास्थगामास (य वहि महि)
- ७ तास्थगिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तास्थगिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तास्थगि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अतास्थगि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९४५ स्थगे (स्थग्) संवरणे । षुगे ९५३ वद्रूपाणि

९५५ वट (वट्) परिभाषणे । वट १६१ वद्रूपाणि

९५६ भट (भट्) परिभाषणे । भट १६९ वद्रूपाणि

९५७ णट (नट्) नतौ । नट १७२ इति वद्रूपाणि

९५८ गड (गङ्) सेचने ।

- १ जागङ्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जागङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जागङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजागङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि ध्वहि
- ५ अजागङि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जागङाश्च-के क्राते किरि कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे जागङाम्बभूव जागङामास (य वहि महि
- ७ जागङिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जागङिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जागङि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अजागङि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्
- ९५९ हेड (हेड्) वेष्टने । हेड्डः ६४६ वद्रूपाणि
- ९६० लड (लड्) जिहोन्मथने लड २३५ वद्रूपाणि

९६१ फण (फण्) गतौ ।

- १ फम्फण-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ फम्फण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ फम्फण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अफम्फण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि ध्वहि
- ५ अफम्फणि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ फम्फणाश्च-के क्राते किरि कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे फम्फणाम्बभूव फम्फणामास (य वहि महि
- ७ फम्फणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ फम्फणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ फम्फणि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अफम्फणि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्
- ९६२ कण (कण्) गतौ । कण वद्रूपाणि

९६३ रण (रण्) गतौ । रण २४९ वद्रूपाणि

- १ रंरण-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रंरण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रंरण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरंरण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि ध्वहि
- ५ अरंरणि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रंरणाश्च-के क्राते किरि कृषे क्राथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे रंरणाम्बभूव रंरणामास (य वहि महि
- ७ रंरणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रंरणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रंरणि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अरंरणि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्
- ९६४ चण (चण्) हिंसादानयोश्च चण २५१ वद्रूपाणि

९६५ शण (शण्) दाने ।

- १ शंशण-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शंशण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शंशण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशंशण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि ध्वहि
- ५ अशंशणि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शंशणाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम शंशणाश्चके शंशणामास (य वहि महि
- ७ शंशणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शंशणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शंशणि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अशंशणि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

९६६ अण (अण्) दाने ।

- १ शंअण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शंअण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ शंअण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशंअण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशंअणि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शंअणाञ्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे
- शंअणाम्बभूव शंअणामास (य वहि महि
- ७ शंअणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शंअणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शंअणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशंअणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९६८ कनथ (कनथ्) हिंसार्थः ।

- १ चाकनथ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकनथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकनथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकनथ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचाकनथि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकनथाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाकनथाञ्चक्रे चाकनथामास (य वहि महि
- ७ चाकनथिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकनथिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकनथि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकनथि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९६७ स्नथ (स्नथ्) हिंसार्थः ।

- १ सास्नथ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सास्नथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सास्नथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असास्नथ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ असास्नथि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सास्नथाञ्च-क्रे काते किरि कृषे काथे कृढ्वे क्रे कृवहे कृमहे
- सास्नथाम्बभूव सास्नथामास (य वहि महि
- ७ सास्नथिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सास्नथिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सास्नथि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असास्नथि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९६९ क्रथ (क्रथ्) हिंसार्थः ।

- १ चाक्रथ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाक्रथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाक्रथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाक्रथ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचाक्रथि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाक्रथाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाक्रथाञ्चक्रे चाक्रथामास (य वहि महि
- ७ चाक्रथिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाक्रथिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाक्रथि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाक्रथि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९७० कृथ (कृथ्) हिंसार्थः ।

- १ चाकृथ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकृथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकृथ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकृथ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाकृथि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकृथाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चाकृथाम्बभूव चाकृथामास (य वहि महि
- ७ चाकृथिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकृथिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकृथि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाकृथि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९७१ छद् (छद्) ऊर्जने ।

- १ चाच्छद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाच्छद्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाच्छद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाच्छद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाच्छदि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाच्छदामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चाच्छदाम्बभूव चाच्छदाश्चके [य वहि महि
- ७ चाच्छदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाच्छदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाच्छदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाच्छदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

९७२ मद्दे (मद्) हर्षग्लपनयोः ।

- १ मामद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामद्दे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अमामदि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामदामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मामदाश्चके मामदाम्बभूव (य वहि महि
- ७ मामदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमामदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ९७३ छन (स्तन्) शब्दे । स्तन २९५ वट्टपाणि
- ९७४ स्तन (स्तन्) अवतंसने । स्तन २९५ वट्टपाणि
- ९७५ ध्वन (ध्वन) शब्दे । ध्वन २९७ वट्टपाणि
- ९७६ स्वन (स्वन) शब्दे । स्वन २९९ वट्टपाणि
- ९७७ चन (चन्) हिंसायाम् चन । २९८ वट्टपाणि
- ९९८ ज्वर (ज्वर्) रोगे ।
- १ जाज्वर्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाज्वर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाज्वर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाज्वर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [ध्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाज्वरि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाज्वरामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जाज्वराश्चके जाज्वराम्बभूव [य वहि महि
- ७ जाज्वरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ध्वम्
- ८ जाज्वरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाज्वरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाज्वरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे जाज्वर्यते
- ९७९ चल (चल) कम्पने । चल ८९८ वट्टपाणि

९८० ह्वल (ह्वल्) चलने ।

- १ जाह्वल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाह्वल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाह्वल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्य येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाह्वल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अजाह्वलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् ष्वम् ध्वम्
- ६ जाह्वलास्वभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
- जाह्वलाश्चक्रे जाह्वलामास (य वहि महि
- ७ जाह्वलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ जाह्वलिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाह्वलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
- ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाह्वलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- लस्य सानुनासिकत्वे जं ह्वल्यते

९८१ ह्वल (ह्वल्) चलने ।

- १ जाह्वल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाह्वल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाह्वल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्य येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाह्वल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अजाह्वलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् ष्वम् ध्वम्
- ६ जाह्वलाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम
- जाह्वलाश्चक्रे जाह्वलामास (य वहि महि
- ७ जाह्वलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ जाह्वलिता-” रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाह्वलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
- ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाह्वलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- लस्य सानुनासिकत्वे तु जं ह्वल्यते
- ९८२ ज्वल (ज्वल्) दीप्तौ । ज्वल ८८६ वद्रूपाणि

श्रीमत्पोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौमतीर्थरक्षणपरायण-

विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविज्ञशास्त्रीयआचार्यचूडामणि-

अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिराम-

न्दिरेन्दिरायमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयविर-

चितस्य धातुरत्नाकरस्य यङन्तरूपपरम्परा

प्रकृतिनिरूपणे चतुर्थभागे भ्वादिगणः

संपूर्णः ।

९८३ प्साङ्क (प्सा) भक्षणणे ।

- १ पाप्सा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पाप्साये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पाप्सा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अपाप्सा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अपाप्सायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ पाप्सायाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
पाप्सायाम्बभूव पाप्सायामास (य वहि महि
- ७ पाप्सायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ पाप्सायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पाप्सायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपाप्सायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९८४ भाङ्क (भा) दीप्तौ ।

- १ बाभा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बाभाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बाभा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अब्राभा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अब्राभायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ बाभायाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
बाभायाम्बभूव बाभायामास (य वहि महि
- ७ बाभायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ बाभायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बाभायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अब्राभायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

९८५ याङ्क (या) प्रापणे ।

- १ याया-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ यायाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ याया-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अयाया-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अयायायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ यायायाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
यायायाम्बभूव यायायामास (य वहि महि
- ७ यायायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ यायायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ यायायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अयायायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- १८६ वाङ्क (वा) गतिगन्धनयोः ओवँ ४७ वद्रूपाणि
९८७ णाङ्क (स्ना) शौचे । णँ ४८ वद्रूपाणि
९८८ आङ्क (आ) पाके । आँ ४४ वद्रूपाणि
९८९ द्राङ्क (द्रा) कुत्सितगतौ । द्रँ ३३ वद्रूपाणि

९९० पाङ्क (पा) रक्षणणे ।

- १ पापा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पापाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पापा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अपापा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अपापायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ पापायाम्बभूव-ववतु वुः विथ वथुः व व विव विम
पापायाश्चके पापायामास (य वहि महि
- ७ पापायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ पापायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पापायि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपापायि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१११ लांक (ला) आदाने ।

- १ लाला-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लाला-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलाला-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि
- ५ अलालायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ लालायाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम लालायाम्बभू लालायामास (य वहि महि
- ७ लालायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ लालायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालायि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अलालायि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

११२ रांक (रा) दाने । रै ३७ वद्रूपाणि
११३ दांवक दा) लघने । दैव् २८ वद्रूपाणि

११४ रूयांक (रूया) प्रथने ।

- १ चारूया-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चारूयाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चारूया-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचारूया-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि
- ५ अचारूयायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ चारूयायाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम चारूयायाम्बभू चारूयायामास (य वहि महि
- ७ चारूयायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चारूयायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चारूयायि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचारूयायि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

११५ प्रांक (प्रा) पूरणे ।

- १ पाप्रा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पाप्राये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पाप्रा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपाप्रा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि
- ५ अपाप्रायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ पाप्रायामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम पाप्रायाम्बभू पाप्रायाम्बभू (य वहि महि
- ७ पाप्रायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ पाप्रायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पाप्रायि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अपाप्रायि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

११६ मांक (मा) माने । मंङ् ५५७ वद्रूपाणि
११७ वींक (वी) प्रजनकान्त्यस्तनखादाने च व्यंग ११९ वद्रूपाणि

११८ दूयूंक (दू) अभिगमने ।

- १ दौदूयू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दौदूयूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दौदूयू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदौदूयू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि
- ५ अदौदूयूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ दौदूयूयाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम दौदूयूयाम्बभू दौदूयूयामास (य वहि महि
- ७ दौदूयूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ दौदूयूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दौदूयूयि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अदौदूयूयि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

९९९ षुक् (सु) प्रसवैश्वर्ययोः ।

- १ सोषू-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सोषूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सोषू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असोषू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ असोषूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ सोषूयाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम सोषूयाञ्चक्रे सोषूयामास (य वहि महि
- ७ सोषूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ सोषूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सोषूयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असोषूयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१००१ युक् (यु) मिश्रणे ।

- १ योयू-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ योयूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ योयू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अयोयू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अयोयूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ योयूयाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम योयूयाञ्चक्रे योयूयामास (य वहि महि
- ७ योयूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ योयूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ योयूयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयोयूयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१००० तुक् (तु) वृत्तिहिंसापूरणेषु ।

- १ तोतू-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अतोतूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोतूयाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम तोतूयाञ्चक्रे तोतूयामास (य वहि महि
- ७ तोतूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ तोतूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतूयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतोतूयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१००२ णक् (णु) स्तुतौ ।

- १ नोनू-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नोनूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नोनू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनोनू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अनोनूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ नोनूयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम नोनूयाञ्चक्रे नोनूयाम्बभूव (य वहि महि
- ७ नोनूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ नोनूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नोनूयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनोनूयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१००३ क्षणुक् (क्षणु) तेजने ।

- १ चोक्ष्णू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ चोक्ष्णूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ चोक्ष्णू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व वेथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
४ अचोक्ष्णू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
५ अचोक्ष्णूयि ४ पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् डड्वम् ध्वम्
६ चोक्ष्णूयाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृड्वेके कृवहे कृमहे
चोक्ष्णूयाम्बभूव चोक्ष्णूयामास (यवहि महि
७ चोक्ष्णूयिषी-४ यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
८ चोक्ष्णूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
९ चोक्ष्णूयि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यस्ये व्येथे व्यध्वे व्ये
व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
१० अचोक्ष्णूयि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१००४ स्नुक् (स्नु) प्रस्तवने ।

- १ सोस्नु-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ सोस्नुये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ सोस्नु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ असोस्नु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि षमहि
 ५ असोस्नुयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
 ६ सोस्नुयाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृध्वे के कृवहे कृमहे
 सोस्नुयाम्बभूव सोस्नुयामास (य वहि महि
 ७ सोस्नुयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ सोस्नुयिता-” रौ र. से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ सोस्नुयि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये-ज्यावहि ज्यामहि
 १० असोस्नुयि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१००५ दुक्षुक् (क्षु) शब्दे ।

- १ चोक्षू-यते येते यन्ते यस्य येथे यच्चै ये यावहे यामहे
 २ चोक्षूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ चोक्षू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अचोक्षू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
 ५ अचोक्षूयि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ड्ध्वम् ध्वम्
 ६ चोक्षूयाश्च-के काते किरै कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 चोक्षूयास्वभूव चोक्षूयामास (य वहि महि
 ७ चोक्षूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ चोक्षूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चोक्षूयि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यस्ये व्येथे व्यध्वे व्ये
 व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 १० अचोक्षूयि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
 १००६ रुक् (रु) शब्दे । रुक् ५५३ वज्रपाणि

१००७ कुंक (कु) शब्दे ।

- १ चोक्-यत येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ चोक्थे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य धहि महि
 ३ चोक्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अचोक्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि प्वहि षमहि
 ५ अचोक्थि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ड्वम् ध्वम्
 ६ चोक्थ्याम्बभू-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम'
 चोक्थ्याश्चक्रे चोक्थ्यामास (य वहि महि
 ७ चोक्थिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ चोक्थिता- ' रौरः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चोक्थि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये
 ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
 १० अचोक्थि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१००८ रुद्क (रुद्) अश्रुविमोचने ।

- १ रोरुद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रोरुद्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रोरुद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरोरुद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अरोरुदि ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रोरुदाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
रोरुदाम्बभूव रोरुदामास (य वहि महि
- ७ रोरुदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रोरुदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रोरुदि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अरोरुदि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१००९ जिष्वपंक (स्वप्) शये ।

- १ सोषुप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सोषुप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सोषुप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असोषुप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ असोषुपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सोषुपाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
सोषुपाम्बभूव सोषुपामास (य वहि महि
- ७ सोषुपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सोषुपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सोषुपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० असोषुपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०१० श्वसक् (श्वस्) प्राणने ।

- १ शाश्वस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाश्वस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाश्वस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाश्वस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अशाश्वसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाश्वसाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
शाश्वसाम्बभूव शाश्वसामास (य वहि महि
- ७ शाश्वसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाश्वसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाश्वसि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अशाश्वसि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०११ जक्षक् (जक्ष्) भक्षहसनयोः ।

- १ जाजक्ष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाजक्ष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाजक्ष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाजक्ष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजाजक्षि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाजक्षाम्बभू-व वतु वुः विथ वथुः व व विव विम
जाजक्षाश्चके जाजक्षामास (य वहि महि
- ७ जाजक्षिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाजक्षिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाजक्षि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अजाजक्षि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- १०१२ शास्क् (शास्) अनुशिष्टौ शिष ४६८ वद्रूपानि

१०१३ वचक् (वच्) भाषणे ।

- १ वावच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ वावच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अवावचि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावचाश्च-के क्राते किरै कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे वावचाम्बभूष वावचामास (यवहि महि
- ७ वावचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावचिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवावचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०१५ सस्तुक् (सस्तु) स्वप्ने ।

- १ सासंस्तु-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासंस्त्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ सासंस्तु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासंस्तु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ असासंस्ति-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सासंस्ताम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम सासंस्ताश्चके सासंस्तामास (यवहि महि
- ७ सासंस्तिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासंस्तिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासंस्ति-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असासंस्ति-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०१४ मृजौक् (मृज्) शुद्धौ ।

- १ मरीमृज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मरीमृज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ मरीमृज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमरीमृज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अमरीमृजि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मरीमृजाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम मरीमृजाश्चके मरीमृजामास (यवहि महि
- ७ मरीमृजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मरीमृजिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मरीमृजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमरीमृजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०१६ विदक् (विद्) ज्ञाने ।

- १ वेविद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेविद्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् यवहि महि
- ३ वेविद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेविद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अवेविदि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेविदाश्च-के क्राते किरै कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे वेविदाम्बभूष वेविदामास (यवहि महि
- ७ वेविदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेविदिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेविदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेविदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०१७ हनक् (हन्) हिंसागत्योः । वधे

- १ जेघनी-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेघनीये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ जेघनी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अजेघनी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि

इम ५ अजेघनीयि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्

६ जेघनीयाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जेघनीयाम्बभूव जेघनीयामास (य वहि महि

७ जेघनीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्

वम ८ जेघनीयिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे +

९ जेघनीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अजेघनीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् अन्यत्र जङ्घन्यते

१०१९ षसक् (सम्) स्वप्ने ।

- १ सासस्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ असासस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि

५ असाससि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्

६ साससाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम साससाश्चके साससामास (य वहि महि

७ साससिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्

८ साससिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ साससि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० असाससि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०१८ वशक् (वश्) कान्तौ ।

- १ वावश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अवावश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि

५ अवावशि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्

६ वावशाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे वावशाम्बभूव वावशामास (य वहि महि

७ वावशिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्

८ वावशिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ वावशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अवावशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०२० शीङ्क् (शी) स्वप्ने ।

- १ शाशश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अशाशश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि

५ अशाशयि-ष्ट पाताम् षत छाः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम् इम

६ शाशयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम शाशयाश्चके शाशयामास (य वहि महि

७ शाशयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्

८ शाशयिता- ' ' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे इम

९ शाशयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अशाशयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे शंशय्यते

१०२१ हनुङ्क् (हनु) अपचने ।

- १ जोह्नु-यते येते यन्ते यसे येये यच्चे ये यावहे यामहे
- २ जोह्नुये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोह्नु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोह्नु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [ह्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजोह्नुयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ जोह्नुयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जोह्नुयाश्चके जोह्नुयाम्बभूव [य वहि महि
- ७ जोह्नुयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ जोह्नुयिता-” रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोह्नुयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यच्चे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोह्नुयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०२२ षूङ्क् (षू) प्राणिगर्भविमोचने ।

पुंक् १९९ ऋद्रूपाणि

१०२३ पृचैङ्क् (पृच्) संपर्चने ।

- १ परीपृच्-यते येते यन्ते यसे येये यच्चे ये यावहे यामहे
- २ परीपृच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ परीपृच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अपरीपृच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपरीपृचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ परीपृचाश्च-के काते किरै कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे परीपृचाम्बभूव परीपृचामास (य वहि महि
- ७ परीपृचिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ परीपृचिता-” रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ परीपृचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यच्चे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपरीपृचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०२४ पृजुङ्क् (पृज्) संपर्चने ।

- १ परीपृज्-यते येते यन्ते यसे येये यच्चे ये यावहे यामहे
- २ परीपृज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ परीपृज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपरीपृज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपरीपृज्-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ परीपृजामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम परीपृजाम्बभूव परीपृजाम्बभूव [य वहि महि
- ७ परीपृजिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ परीपृजिता-” रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ परीपृजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यच्चे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपरीपृजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०२५ पिजुङ्कि (पिज्) संपर्चने ।

- १ पेपिज्-यते येते यन्ते यसे येये यच्चे ये यावहे यामहे
- २ पेपिज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपिज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपेपिज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपेपिज्-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ पेपिजामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम पेपिजाम्बभूव पेपिजाम्बभूव (य वहि महि
- ७ पेपिजिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पेपिजिता-” रौ रः से साथे ष्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपिजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यच्चे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपेपिजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०२६ वृजैकि (वृज्) वर्जने ।

- १ वरीवृज्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अवरीवृजि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वरीवृजाश्च-के काते किरे कृषे काये कृद् वे के कृवहे कृमहे वरीवृजाम्बभूव वरीवृजामास (य वहि महि
- ७ वरीवृजिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वरीवृजिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृजि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अवरीवृजि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१०२७ णिजुकि (निज्) शुद्धौ ।

- १ नेनिज्ज-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनिज्ज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नेनिज्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनेनिज्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अनेनिज्जि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नेनिज्जामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम नेनिज्जाम्बभूव नेनिज्जामास (य वहि महि
- ७ नेनिज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नेनिज्जिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनिज्जि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अनेनिज्जि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१०२८ शिजुकि (शिज्) अव्यक्ते शब्दे ।

- १ शोशिज्ज-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशिज्ज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशिज्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशिज्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अशोशिज्जि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशिज्जामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम शोशिज्जाम्बभूव शोशिज्जाम्बभूव शोशिज्जाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शोशिज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोशिज्जिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशिज्जि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अशोशिज्जि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्
- १०२९ वसिक (वस्) आच्छादने वस् ९२५ वृत्पाणि

१०३० आङः शास्त्रिकि (आ-शास्) इच्छायाम्

- १ शाशास्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशास्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशास्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशास्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अशाशासि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शाशासामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम शाशासाश्चके शाशासाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शाशासिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शाशासिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशासि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अशाशासि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१०३१ कसुकि (कस्) गतिशातनयोः ।

- १ चाकंस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकंस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकंस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकंस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाकंसि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकंसामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चाकंसाश्चके चाकंसाम्बभूव [य वहि महि
- ७ चाकंसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकंसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकंसि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे [व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचाकंसि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०३२ णिसुकि (निस्) चुम्बने ।

- १ नेनिंस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नेनिंस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नेनिंस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अनेनिंस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अनेनिंसि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नेनिंसाश्च-के काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे नेनिंसाम्बभूव नेनिंसामास (य वहि महि
- ७ नेनिंसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नेनिंसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नेनिंसि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अनेनिंसि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०३३ चक्षिक् (चक्ष्) व्यक्तायां वाचि ।

- १ चाकशा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकशाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकशा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकशा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ध्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अचाकशायि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकशायामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चाकशायाम्बभूव चाकशायाम्बभूव [य वहि महि
- ७ चाकशायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ड्ढ्वम्
- ८ चाकशायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकशायि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचाकशायि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम् पक्षे ह्ययांक् १९४ वद्रूपाणि

१०३४ ऊर्णुगृक् (ऊर्णु) आच्छादने ।

- १ ऊर्णोन्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ ऊर्णोन्थे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ ऊर्णोन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ और्णोन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ और्णोन्थि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ ऊर्णोन्थामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम ऊर्णोन्थाश्चके ऊर्णोन्थाम्बभूव (य वहि महि
- ७ ऊर्णोन्थिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् +
- ८ ऊर्णोन्थिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ ऊर्णोन्थि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० और्णोन्थि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०३५ टुङ्गक् (स्तु) स्तुतौ ।

- १ तोष्टू-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोष्टूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोष्टू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोष्टू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ष्महि
- ५ अतोष्टूयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्द्वम् ध्वम्
- ६ तोष्टूयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तोष्टूयाश्चके तोष्टूयाम्बभूव (य वहि महि
- ७ तोष्टूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ तोष्टूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोष्टूयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतोष्टूयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १०३६ ऋगृक् (ऋ-वच्) व्यक्तायां वाचि ।
वचंक् १०१३ वद्रूपाणि

१०३७ द्विषीक् (द्विष्) अप्रीतौ ।

- १ देद्विष्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देद्विष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देद्विष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदेद्विष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि ष्महि
- ५ अदेद्विषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्द्वम् ध्वम्
- ६ देद्विषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम देद्विषाश्चके देद्विषाम्बभूव [य वहि महि
- ७ देद्विषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ देद्विषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देद्विषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदेद्विषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०३८ दुह्रीक् (दुह्) क्षरणे ।

- १ दोदुह्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दोदुह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दोदुह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अदोदुह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ष्महि
- ५ अदोदुहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्द्वम् ध्वम्
- ६ दोदुहाश्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राये कृद्वे के कृवहे कृमहे दोदुहाम्बभूव दोदुहामास (य वहि महि
- ७ दोदुहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ दोदुहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दोदुहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदोदुहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०३९ दिह्रीक् (दिह्) लेपे ।

- १ देदिह्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देदियेह्-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देदिह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदेदिह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ष्महि
- ५ अदेदिहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्द्वम् ध्वम्
- ६ देदिहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम देदिहाम्बभूव देदिहाश्चके [य वहि महि
- ७ देदिहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ देदिहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देदिहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदेदिहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०४० लिहीक् (लिह्) आस्वादाने ।

- १ लेलिह्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लेलिह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लेलिह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अलेलिह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अलेलिहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ह्वम् ध्वम्
- ६ लेलिहाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
लेलिहाम्बभूव लेलिहामास (य वहि महि
- ७ लेलिहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ लेलिहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लेलिहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलेलिहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १०४१ हुक् (हु) दानादानयोः । हंग् ९२० वद्रूपाणि

१०४२ ओहाङ्क (हा) त्यागे ।

- १ जेही-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेहीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेही-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अजेही-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अजेहीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ह्वम् ध्वम्
- ६ जेहीयाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
जेहीयाम्बभूव जेहीयामास (य वहि महि
- ७ जेहीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ जेहीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेहीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेहीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०४३ जिभीक् (भी) भये ।

- १ वेभी-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेभीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेभी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अवेभी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अवेभीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ह्वम् ध्वम्
- ६ वेभीयाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
वेभीयाम्बभूव वेभीयामास (य वहि महि
- ७ वेभीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ वेभीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेभीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेभीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १०४४ ङीक् (ङी) लज्जायाम् । हंग् ८१७ वद्रूपाणि

१०४५ णक् (ण) नपाल पूरणयोः ।

- १ पेप्री-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेप्रीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेप्री-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहै यामहै
- ४ अपेप्री-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् पि ध्वहि ध्महि
- ५ अपेप्रीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ह्वम् ध्वम्
- ६ पेप्रीयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
पेप्रीयाश्चके पेप्रीयामास (य वहि महि
- ७ पेप्रीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ पेप्रीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेप्रीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपेप्रीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १०४६ ऋक् (ऋ) गतौ । ऋ २५ वद्रूपाणि

१०४७ ओहाङ्क (हा) गतौ ।

- १ जाहा-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ जाहाये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ जाहा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे

४ अजाहा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (ह्वम् पि ष्वहि ष्वहि

५ अजाहायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ह्वम् ध्वम्

६ जाहायामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जाहायाश्चके जाहायाम्बभूव (य वहि महि

७ जाहायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्

८ जाहायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ जाहायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अजाहायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०४८ माङ्क (मा) मानशब्दयोः । प्र ५५७ वद्रूपाणि

१०४९ डुदाङ्क (दा) दाने । दाम् ७ वद्रूपाणि

१०५० डुधाङ्क (धा) धारणे । दधे २७ वद्रूपाणि

१०५१ डुडुङ्क (भृ) पोषणे च भृग् ८१८ वद्रूपाणि

१०५२ णिङ्की (निज्) शौचे ।

१ नेनिज-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ नेनिज्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ नेनिज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे

४ अनेनिज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये

यावहि यामहि

[पि ष्वहि ष्वहि

५ अनेनिजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ह्वम् ध्वम्

६ नेनिजामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम

नेनिजाश्चके नेनिजाम्बभूव [य वहि महि

७ नेनिजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ नेनिजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ नेनिजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अनेनिजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०५३ विङ्की (विज्) पृथग्भावे ।

१ वेविज-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ वेविज्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ वेविज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे

४ अवेविज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्वहि

५ अवेविजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ह्वम् ध्वम्

६ वेविजामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम

वेविजाम्बभूव वेविजाश्चके [य वहि महि

७ वेविजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ वेविजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ वेविजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अवेविजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०५४ विष्की (विष्) व्याप्तौ । विष् ४८४ वद्रूपाणि

श्रीमत्तपोगणगनाङ्गणगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौमतीर्थरक्षणपरायण-

विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीयआचार्यचूडामणि-

अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसुरीश्वरचरणेन्दिराम-

न्दिरेन्दिन्दिरायमाणान्तिपन्मुनिलावण्यविजयविर-

चित्तस्य धातुरत्नाकरस्य यङन्तरूपपरम्परा

प्रकृतिनिरूपणे चतुर्थभागे अदादिगणः

संपूर्णः ।

१०५५ दिव्च् (दिव्) क्रीडाजयेच्छापणि-
द्युतिस्तुतिगतिषु ।

- १ देदीठ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देदीठये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देदीठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अदेदीठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वावम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अदेदीवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ देदीवाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
देदीवाश्चके देदीवामास (य वहि महि
- ७ देदीविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ देदीविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देदीवि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अदेदीवि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
यस्य सानुनासिकत्वे देद्युयँते

१०५६ जृब्च् (जृ) जरसि ।

- १ जेजीर्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेजीर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेजीर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अजेजीर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वावम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अजेजीरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ जेजीराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जेजीराश्चके जेजीरामास (य वहि महि
- ७ जेजीरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जेजीरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेजीरि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अजेजीरि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०५७ झब्च् (झृ) जरसि ।

- १ जेझीर्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेझीर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेझीर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अजेझीर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वावम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अजेझीरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ जेझीरामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जेझीराश्चके जेझीराम्बभूव (य वहि महि
- ७ जेझीरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जेझीरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेझीरि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अजेझीरि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०५८ शोच् (शो) तक्षणे ।

- १ शाशा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अशाशा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (द्वावम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अशाशायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ शाशायाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
शाशयाश्चके शाशायामास (य वहि महि
- ७ शाशायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ शाशायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशायि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये
व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अशाशायि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- १०५९ दो (दो) छेदने । दांम् ७ वङ्गपाणि

१०६० छों (छो) छेदने ।

- १ चाच्छा-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाच्छाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाच्छा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाच्छा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ष्महि
- ५ अचाच्छायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाच्छायाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चाच्छयाञ्चक्रे चाच्छायामास (य वहि महि
- ७ चाच्छायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ चाच्छायिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाच्छायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचाच्छायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०६२ व्रीडच् (व्रीड) लज्जायाम् ।

- १ वेव्रीड-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेव्रीडये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ वेव्रीड-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेव्रीड-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ष्महि
- ५ अवेव्रीडि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेव्रीडाञ्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे वेव्रीडाम्बभूव वेव्रीडामास (य वहि महि
- ७ वेव्रीडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेव्रीडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेव्रीडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेव्रीडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०६१ षोंच (सो) अन्तकर्मणि ।

- १ सेषी-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेषीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेषी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेषी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ष्महि
- ५ असेषीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सेषीयाञ्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे सेषीयाम्बभूव सेषीयामास (य वहि महि
- ७ सेषीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ सेषीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेषीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असेषीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०६३ नृत्तच् (नृत्त) नर्तने ।

- १ नरीनृत्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नरीनृत्ते-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नरीनृत्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनरीनृत्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ष्महि
- ५ अनरीनृत्ति-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नरीनृताञ्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे नरीनृतामास (य वहि महि
- ७ नरीनृत्तिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नरीनृत्तिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नरीनृत्ति-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनरीनृत्ति-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०६४ कुथच् (कुथ्) पूतिभावे ।

- १ चोकुथ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुथ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुथ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अचोकुथि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोकुथाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चोकुथाश्चक्रे चोकुथामास (य वहि महि
- ७ चोकुथिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोकुथिता- " रौ रः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकुथि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि
- १० अचोकुथि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१०६६ गुधच् (गुध्) परिवेष्टने ।

- १ जोगुध्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगुध्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगुध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगुध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अजोगुधि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोगुधामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम जोगुधाश्चक्रे जोगुधाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जोगुधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोगुधिता- " रौ रः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोगुधि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि
- १० अजोगुधि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१०६५ पुथच् (पुथ्) हिंसायाम् ।

- १ पोपुथ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपुथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपुथ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ पोपुथ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ पोपुथि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोपुथाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम पोपुथाश्चक्रे पोपुथामास (य वहि महि
- ७ पोपुथिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पोपुथिता- " रौ रः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोपुथि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि
- १० अपोपुथि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१०६७ राधच् (राध्) वृद्धौ ।

- १ राराध्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ राराध्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ राराध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अराराध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अराराधि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ राराधाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम राराधाश्चक्रे राराधामास (य वहि महि
- ७ राराधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ राराधिता- " रौ रः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ राराधि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि
- १० अराराधि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१०६८ व्यध् (व्यध्) ताडने ।

- १ वेविध्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 २ वेविध्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ वेविध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अवेविध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अवेविधि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 ६ वेविधाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 वेविधाश्चक्रे वेविधामास (य वहि महि
 ७ वेविधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ वेविधिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ वेविधि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अवेविधि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१०७० पुष्पच् (पुष्प) विकसने ।

- १ पोपुष्प-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 २ पोपुष्प्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ पोपुष्प-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अपोपुष्प-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अपोपुष्पि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 ६ पोपुष्पाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 पोपुष्पाश्चक्रे पोपुष्पामास (य वहि महि
 ७ पोपुष्पिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ पोपुष्पिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ पोपुष्पि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अपोपुष्पि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१०६९ क्षिपञ्च (क्षिप्) प्रेरणे ।

- १ चेक्षिप्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 २ चेक्षिप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ चेक्षिप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अचेक्षिप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अचेक्षिपि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 ६ चेक्षिपाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 चेक्षिपाश्चक्रे चेक्षिपामास (य वहि महि
 ७ चेक्षिपिषी-२ यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ चेक्षिपिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चेक्षिपि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अचेक्षिपि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१०७१ तिमच् (तिम्) आर्द्रभावे ।

- १ तेतिम्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 २ तेतिम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ तेतिम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अतेतिम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम्
 यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
 ५ अतेतिमि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 ६ तेतिमामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सि
 तेतिमाश्चक्रे तेतिमाम्बभूष (य वहि महि
 ७ तेतिमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ तेतिमिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ तेतिमि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अतेतिमि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१०७२ तीमच् (तीम्) आर्द्रभावे ।

- १ तेतीम्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेतीम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेतीम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेतीम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि ध्वहि ध्महि)
- ५ अतेतीमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ तेतीमाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तेतीमाञ्चक्रे तेतीमामास (य वहि महि)
- ७ तेतीमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तेतीमिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेतीमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अतेतीमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०७३ ष्टिमच् (ष्टिम) आर्द्रभावे ।

- १ तेष्टिम्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेष्टिम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेष्टिम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेष्टिम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि ध्वहि ध्महि)
- ५ अतेष्टिमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ तेष्टिमाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तेष्टिमाञ्चक्रे तेष्टिमामास (य वहि महि)
- ७ तेष्टिमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तेष्टिमिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेष्टिमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अतेष्टिमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०७४ ष्टीमच् (ष्टीम्) आर्द्रभावे ।

- १ तेष्टीम्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेष्टीम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेष्टीम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेष्टीम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि ध्वहि ध्महि)
- ५ अतेष्टीमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ तेष्टीमामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तेष्टीमाञ्चक्रे तेष्टीमाम्बभूष (य वहि महि)
- ७ तेष्टीमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तेष्टीमिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेष्टीमि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अतेष्टीमि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०७५ चिवूच् (चिवू) उत्तौ ।

- १ सेषीठ-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेषीठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेषीठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेषीठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि ध्वहि ध्महि)
- ५ असेषीचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ सेषीवाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम सेषीवाञ्चक्रे सेषीवामास (य वहि महि)
- ७ सेषीचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सेषीचिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेषीचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० असेषीचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे सेष्ययूते

१०७६ श्रिवृच् (श्रिवृ) गतिशोषणयोः ।

- १ श्रोश्रीवृ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ श्रोश्रीवृ-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ श्रोश्रीवृ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अश्रोश्रीवृ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ङ्वम् षि ष्वहि ष्महि

५ अश्रोश्रीवि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्

६ श्रोश्रीवाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे

श्रोश्रीवाम्बभूव श्रोश्रीवामास (य वहि महि

७ श्रोश्रीविषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ङ्ढ्वम्

८ श्रोश्रीविता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ श्रोश्रीवि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि

१० अश्रोश्रीवि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे श्रोश्र्यते

१०७७ श्रिवृच् (श्रिवृ) गतिशोषणयोः ।

श्रिवृ ४२९ वट्टपाणि

१०७८ श्रिवृच् (श्रिवृ) गतिशोषणयोः ।

श्रिवृ ४३० वट्टपाणि

१०७९ णस्वच् (णस्व) निरसने ।

- १ सास्नस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सास्नस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सास्नस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ असास्नस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि

५ असास्नसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्

६ सास्नसाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे

सास्नसाम्बभूव सास्नसामास (य वहि महि

७ सास्नसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ सास्नसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ सास्नसि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि

१० असास्नसि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०८० कनस्वच् (कनस्व) हवृतिदीप्तयोः ।

- १ चाक्नस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाक्नस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाक्नस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अचाक्नस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि

५ अचाक्नसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्

६ चाक्नसाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे

चाक्नसाम्बभूव चाक्नसामास (य वहि महि

७ चाक्नसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ चाक्नसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ चाक्नसि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि

१० अचाक्नसि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०८१ त्रसच् (त्रस्) भये ।

- १ तात्रस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तात्रस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तात्रस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अतात्रस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि

५ अतात्रसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्

६ तात्रसाम्बभू-व वतुः वितुः वितुः व व विव विम

तात्रसाञ्चके तात्रसामास (य वहि महि

७ तात्रसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ तात्रसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ तात्रसि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि

१० अतात्रसि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०८२ प्युस्च (प्युस्) दाहे ।

- १ पोप्युस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ पोप्युस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ पोप्युस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अपोप्युस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि)
 - ५ अपोप्युसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ पोप्युसाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम पोप्युसाश्चक्रे पोप्युसामास (य वहि महि)
 - ७ पोप्युसिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ पोप्युसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ पोप्युसि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि)
 - १० अपोप्युसि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- १०८३ षह (सह) शक्तौ । षहि ११६ वद्रूपाणि

१०८४ पुहच् (पुह्) शक्तौ ।

- १ सोपुह्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ सोपुह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ सोपुह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ असोपुह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि + (पि ध्वहि ध्महि)
 - ५ असोपुहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ सोपुहाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम सोपुहाश्चक्रे सोपुहामास (य वहि महि)
 - ७ सोपुहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् +
 - ८ सोपुहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ सोपुहि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि)
 - १० असोपुहि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- १०८५ पुषच् (पुष्) पुष्टौ । पुष ४९५ वद्रूपाणि
- १ ८६ लुटच् (लुट्) विलोटने । लुट १७५ वद्रूपाणि
- १०८७ ष्विदांच् (ष्विद्) गात्रप्रक्षरणे ८७३

१०८८ क्किदौच (क्किद्) आर्द्रभावे ।

- १ चेक्किद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ चेक्किद्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ चेक्किद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अचेक्किद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि)
 - ५ अचेक्किदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ चेक्किदामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चेक्किदाश्चक्रे चेक्किदाम्बभूव (य वहि महि)
 - ७ चेक्किदिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ चेक्किदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ चेक्किदि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि)
 - १० अचेक्किदि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- १०८९ त्रिमिदांच् (मिद्) स्नेहने मिदग् ८३८ वद्रूपाणि
- १०९० त्रिष्विदांच् (ष्विद्) मोचने । त्रिष्विदा २७५ वद्रूपाणि

१०९१ क्षुधंच् (क्षुध्) बुभुक्षायाम् ।

- १ चोक्षुध्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ चोक्षुध्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ चोक्षुध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अचोक्षुध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि)
 - ५ अचोक्षुधि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ चोक्षुधाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चोक्षुधाश्चक्रे चोक्षुधामास (य वहि महि)
 - ७ चोक्षुधिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ चोक्षुधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ चोक्षुधि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि)
 - १० अचोक्षुधि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- १०९२ शुधंच् (शुध्) शौचे । शुन्ध २९४ वद्रूपाणि

१०९३ कुध्च् (कुध्) कोपे ।

- १ चोक्रुध्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोक्रुध्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोक्रुध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोक्रुध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अचोक्रुधि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ष्टवम् ध्वम्
- ६ चोक्रुधाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चोक्रुधाञ्चभूव चोक्रुधामास (य वहि महि
- ७ चोक्रुधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोक्रुधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोक्रुधि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचोक्रुधि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- १०९४ पिध्च् (सिध्) सराद्धौ पिधु २९२ वद्रूपाणि

१०९५ गृध्च् (गृध्) अभिकाङ्क्षायाम् ।

- १ जरीगृध्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जरीगृध्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जरीगृध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजरीगृध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अजरीगृधि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ष्टवम् ध्वम्
- ६ जरीगृधाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे जरीगृधाञ्चभूव जरीगृधामास (य वहि महि
- ७ जरीगृधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जरीगृधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जरीगृधि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अजरीगृधि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०९६ रधौच् (रध्) हिंसासंराद्धयोः ।

- १ रारध्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रारध्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रारध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरारध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अरारधि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ष्टवम् ध्वम्
- ६ रारधाञ्चभू-व वतुः वित्थ वथुः व व विव विम रारधाञ्चके रारधामास (य वहि महि
- ७ रारधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रारधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रारधि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अरारधि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०९७ तृपौच् (तृप्) प्रीतौ ।

- १ तरोतृप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तरोतृप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- ३ तरोतृप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतरोतृप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अतरोतृपि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ष्टवम् ध्वम्
- ६ तरोतृपाञ्च-के क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वे के कृवहे कृमहे तरोतृपाञ्चभूव तरोतृपामास (य वहि महि
- ७ तरोतृपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तरोतृपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तरोतृपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतरोतृपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१०९८ डृषौच् (डृप्) हर्षमोहनयोः ।

- १ दरीदृच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दरीदृच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ दरीदृच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदरीदृच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदरीदृषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् षट्ठ्वम् ष्वम्
- ६ दरीदृषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम दरीदृषाञ्चके दरीदृषामास (य वहि महि
- ७ दरीदृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ष्वम्
- ८ दरीदृषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दरीदृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदरीदृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०९९ कुपच् (कुप्) कोपे ।

- १ चोकुच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचोकुषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् षट्ठ्वम् ष्वम्
- ६ चोकुषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चोकुषाञ्चके चोकुषामास (य वहि महि
- ७ चोकुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ष्वम्
- ८ चोकुषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोकुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१००० गुपच् (गुप्) व्याकुलत्वे ।

३०४ गुपौ वट्टपाणि

११०१ युपच् (युप्) विमोहने ।

- १ योयुच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ योयुच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ योयुच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अयोयुच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अयोयुषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् षट्ठ्वम् ष्वम्
- ६ योयुषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम योयुषाञ्चके क्राते किर कृषे काथे कृट्वे के कृवहे कृमहे
- ७ योयुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ष्वम्
- ८ योयुषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ योयुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयोयुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१००२ रुपच् (रुप) विमोहने ।

- १ रोरुच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रोरुच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ रोरुच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरोरुच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरोरुषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् षट्ठ्वम् ष्वम्
- ६ रोरुषाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम रोरुषाञ्चके क्राते किर कृषे काथे कृट्वे के कृवहे कृमहे
- ७ रोरुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ष्वम्
- ८ रोरुषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रोरुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरोरुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११०३ लुपच् (लुप्) विमोहने । तत्र गङ्गे

- १ लोलुप-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलुप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लोलुप-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलोलुप-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि)
- ५ अलोलुपि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ लोलुपामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम लोलुपाश्चक्रे लोलुपाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ लोलुपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लोलुपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लोलुपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अलोलुपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११०४ डिपच् (डिप्) क्षेपे ।

- १ डेडिप-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ डेडिप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ डेडिप-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अडेडिप-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि)
- ५ अडेडिपि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ डेडिपामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम डेडिपाश्चक्रे डेडिपाम्बभूव [य वहि महि]
- ७ डेडिपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ डेडिपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ डेडिपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि]
- १० अडेडिपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११०५ श्रूपच् (श्रुप्) समुच्छाये ।

- १ तोश्रूप-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोश्रूप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोश्रूप-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोश्रूप-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि)
- ५ अतोश्रूपि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ तोश्रूपाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे तोश्रूपाम्बभूव तोश्रूपामास (य वहि महि)
- ७ तोश्रूपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोश्रूपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोश्रूपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अतोश्रूपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११०६ लुभच् (लुभ्) गार्ध्वे ।

- १ लोलुभ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलुभ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लोलुभ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलोलुभ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि)
- ५ अलोलुभि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ष्वम् य वहि महि
- ६ लोलुभामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम लोलुभाम्बभूव लोलुभाश्चक्रे [य वहि महि]
- ७ लोलुभिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लोलुभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लोलुभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अलोलुभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११०७ शुभच् (शुभ्) संचलने ।

- १ शुभि ८७४ वद्रूपाणि
- ११०८ णभच् (नभ्) हिसायाम् णभि ८७५ वद्रूपणि
- ११०९ तुभच् (तुभ्) हिसायाम् तुभि ८७६ वद्रूपाणि

१११० नशौच् (नश्) अदर्शने ।

- १ नानश्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नानश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नानश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनानश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अनानशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नानशाश्च-क्रे क्राते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे नानशाम्बभूष नानशामास (य वहि महि
- ७ नानशिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नानशिता-” रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नानशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनानशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१११२ वृश् (वृश्) अधःपतने ।

- १ वरीवृश्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवरीवृशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वरीवृशाम्बभू-व वतुः वः विथ वधुः व व विव विम वरीवृशाश्चक्रे वरीवृशामास (य वहि महि
- ७ वरीवृशिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वरीवृशिता-” रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवरीवृशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११११ कुशच् (कुश्) श्लेषणे ।

- १ चोकुश्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचोकुशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोकुशाम्बभू-व वतुः वः विथ वधुः व व विव विम चोकुशाश्चक्रे चोकुशामास (य वहि महि
- ७ चोकुशिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोकुशिता-” रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकुशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोकुशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०६२ वृश्च (वृश्) अधःपतने ।

- १ वावृश्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावृश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावृश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावृश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवावृशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वावृशाश्च-क्रे क्राते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे वावृशाम्बभूष वावृशामास (य वहि महि
- ७ वावृशिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वावृशिता-” रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावृशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवावृशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१११४ वृश्च (वृश्) वरणे ।

- १ वरीवृश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृश्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवरीवृशि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वरीवृशामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वरीवृशाश्चके वरीवृशाम्बभूव (य वहि महि
- ७ वरीवृशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वरीवृशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवरीवृशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१११५ कृश्च (कृश्) तनुत्वे ।

- १ चरीकृश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चरीकृश्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चरीकृश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचरीकृश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचरीकृशि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चरीकृशामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चरीकृशाश्चके चरीकृशाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चरीकृशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चरीकृशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चरीकृशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे [ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचरीकृशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१११६ शुश्च (शुष्) शोषणे ।

- १ शोशुश्च-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशुष्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशुश्च-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशुश्च-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशोशुषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशुषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम शोशुषाम्बभूव शोशुषाश्चके [य वहि महि
- ७ शोशुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोशुषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अशोशुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१११७ दुश्च (दुष्) वैकृत्ये ।

- १ दोदुश्च-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दोदुष्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दोदुश्च-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदोदुश्च-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदोदुषि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दोदुषाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे दोदुषाम्बभूव दोदुषामास (य वहि महि
- ७ दोदुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दोदुषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दोदुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अदोदुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१११८ श्लिष्य (श्लिष्) आलिङ्गने ।

- १११८ श्लिष्य (श्लिष्) आलिङ्गने ।
- १११९ प्लुष्य (प्लुष्) दाहे । प्लुष्य ४९२ वद्रूपाणि

११२० त्रितृषच् (तृष्) पिपासायाम् ।

- १ त्रीतृष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ त्रीतृष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ त्रीतृष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अत्रीतृष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अत्रीतृषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ त्रीतृषाम्-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम त्रीतृषाश्चक्रे त्रीतृषाम्बभूव (य वहि महि
- ७ त्रीतृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ त्रीतृषिता- " री रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ त्रीतृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अत्रीतृषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११२१ तुषच् (तुष्) तुष्टौ ।

- १ तोतुष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतुष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतुष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतुष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अतोतुषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोतुषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम तोतुषाश्चक्रे तोतुषामास (य वहि महि
- ७ तोतुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोतुषिता- " री रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतोतुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११२२ ढषच् (ढष्) तुष्टौ । ढष ४९४ वद्रूपाणि

११२३ रुषच् (रुष्) रोषे । रुष ४७४ वद्रूपाणि

११२४ प्युषच् (प्युष्) विभागे ।

- १ पोप्युष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोप्युष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोप्युष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोप्युष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अपोप्युषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोप्युषाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम पोप्युषाश्चक्रे पोप्युषामास (य वहि महि
- ७ पोप्युषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पोप्युषिता- " री रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोप्युषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपोप्युषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१०८३ प्युसच् (प्युस्) विभागे । प्युसच्

१०८२ वद्रूपाणि

११२६ पुसच् (पुस्) विभागे ।

- १ पोपुस-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपुस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपुस-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोपुस-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अपोपुसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोपुसाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम पोपुसाश्चक्रे पोपुसामास (य वहि महि
- ७ पोपुसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पोपुसिता- " री रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोपुसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपोपुसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११२७ विसच् (विस्) प्रेरणे ।

- १ वेचिस्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 २ वेचिस्स्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् यवहि महि
 ३ वेचिस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै
 यावहं यामहं
 ४ अवेचिस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
 ५ अवेचिसि-ष्ट पाताम् षत प्राः पास्थाम् ड्डवम् ध्वम्
 ६ वेचिसाश्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राये कृद्वे के कृवहे कृमहे
 वेचिसाम्बभूष वेचिसामास (यवहि महि
 ७ वेचिसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् प्राः यास्थाम् ध्वम्
 ८ वेचिसिता- ' ' रौ रेः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ वेचिसि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यध्वे ज्ये
 ज्यावहे ज्यामहे (ज्ये ज्यावहि ज्यामहि
 १० अवेचिसि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

११२८ कुसञ्च (कुम्) श्लेषे ।

- १ चोक्कुस्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 २ चोक्कुस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम ध्वम् य वह्नि महि
 ३ चोक्कुस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अचोक्कुस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
 ५ अचोक्कुसि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् डह्वम् ध्वम्
 ६ चोक्कुसाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
 चोक्कुसाश्चके चोक्कुसामास (यवहि महि
 ७ चोक्कुसिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ चोक्कुसिता- ' रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ चोक्कुसि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्य ध्यावहि ध्यामहि
 १० अचोक्कुसि ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

११२९ यस्यच (यस्) प्रयत्ने ।

- १ यायस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 २ यायस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य बहि महि
 ३ यायस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहै यामहै
 ४ अयायस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
 ५ अयायसि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ष्ढवम् ध्वम्
 ६ यायसाम्बभू-व वतु बुः विथ वधुः व व विव विम
 यायसाञ्चक्रे यायसामास (य बहि महि
 ७ यायसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
 ८ यायसिता- " रौरः से साये ध्वे हे स्वहे स्पहे
 ९ यायसि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यन्वे व्ये
 व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 १० अयायसि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

११३. जसृच (जस्) मोक्षणे ।

- १ जाजस्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
२ जाजस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
३ जाजस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् यै
यावहै यामहै
४ अजाजस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि व्हहि षमहि
५ अज।जसि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् इध्वम् ध्वम्
६ जाजसास्वभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम
जाजसाश्चक्रे जाजसामास (य वहि महि
७ जाजसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
८ जाजसिता- ' रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
९ जाजसि-ध्यते द्येते द्यन्ते द्यसे द्येथे द्यध्वे द्ये
द्यावहे द्यामहे (द्ये द्यावहि द्यामहि
१० अजाजसि-ध्यत द्येताम् द्यन्त द्यथाः द्येथाम् द्यध्वम्

११३१ तसृच् (तस्) उपक्षये ।

- १ तातस्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ तातस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतातस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अतातसि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्
- ६ तातसाम्बभू-क्रे काते क्रिरे कृषे काथे कृद्वे के क्वहे क्महे तातसाम्बभूव तातसामास (य वहि महि
- ७ तातसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातसिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतातसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११३२ दसृच् (दस्) उपक्षये ।

- १ दादस्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दादस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दादस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदादस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अदादसि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्
- ६ दादसाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम दादसाम्बभूव दादसामास (य वहि महि
- ७ दादसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दादसिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दादसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अदादसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ११३३ वसृच् (वस्) स्तम्भे । वसं ९२५ वद्रूपाणि

११३४ वुसृच् (वुस्) उत्सर्गे ।

- १ वोवुस्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वोवुस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वोवुस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवोवुस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अवोवुसि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्
- ६ वोवुसाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम वोवुसाम्बभूव वोवुसामास (य वहि महि
- ७ वोवुसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वोवुसिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वोवुसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवोवुसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११३५ मुसृच् (मुस्) खण्डने ।

- १ मोमुस्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमुस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमुस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमुस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि प्वहि प्वहि
- ५ अमोमुसि-ष्ट पाताम् षत घ्राः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्
- ६ मोमुसाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम मोमुसाम्बभूव मोमुसामास (य वहि महि
- ७ मोमुसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् घ्राः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मोमुसिता-'' रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमुसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमोमुसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११३६ मसैच् (मस्) परिणामे ।

- १ मामस्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अमामसि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामसामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मामसाञ्चके मामसाम्बभूव (य वहि महि
- ७ मामसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामसि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमामसि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

११३८ दमूच् (दम्) उपशमे ।

- १ दन्दम्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दन्दम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दन्दम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अदन्दम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अदन्दमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दन्दमाञ्च-के क्राते किरे कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे दन्दमाम्बभूव दन्दमामास (य वहि महि
- ७ दन्दमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दन्दमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दन्दमि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अदन्दमि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

११३७ शमूच् (शम्) उपशमे ।

- १ शंशम्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शंशम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शंशम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशंशम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अशंशमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शंशमामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम शंशमाञ्चके शंशमाम्बभूव [य वहि महि
- ७ शंशमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शंशमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शंशमि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे [व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अशंशमि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

११३९ तमूच् (तम्) काङ्क्षायाम् ।

- १ तन्तम्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तन्तम्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तन्तम्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतन्तम्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अतन्तमि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तन्तमामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तन्तमाम्बभूव तन्तमाञ्चके [य वहि महि
- ७ तन्तमिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तन्तमिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तन्तमि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतन्तमि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१० अदोद्गृहि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

११४७ णुहौच् (स्नुह्) उद्गिरणे ।

- १ सोऽणुह्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सोऽणुह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सोऽणुह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असोऽणुह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ असोऽणुहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ सोऽणुहाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे
सोऽणुहाम्बभूव सोऽणुहामास (य वहि महि
- ७ सोऽणुहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ सोऽणुहिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सोऽणुहि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० असोऽणुहि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

११४८ णिहौच् (स्निह्) प्रीतौ ।

- १ सेऽणिह्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेऽणिह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेऽणिह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेऽणिह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ असेऽणिहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ सेऽणिहाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे
सेऽणिहाम्बभूव सेऽणिहामास (य वहि महि
- ७ सेऽणिहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ सेऽणिहिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेऽणिहि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० असेऽणिहि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्
- ११४९ षडौच् (स्त्र) प्राणिप्रसवे । षुक् १९९ वद्रूपाणि
- ११५० ङुङ्च् (ङ्) परितापे । ङुं ११ वद्रूपाणि
- ११५१ ङीङ्च् (ङी) क्षये । ङां ७ वद्रूपाणि
- ११५२ धीङ्च् (धी) अनादरे । द्धे २७ वद्रूपाणि
- ११५३ मीङ्च् (मी) हिसायाम् । मैङ् ५५७ वद्रूपाणि

११५४ रीङ्च् (री) स्रवणे ।

- १ रेरी-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रेरीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रेरी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरेरी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अरेरीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ रेरीयाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे
रेरीयाम्बभूव रेरीयामास (य वहि महि
- ७ रेरीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ रेरीयिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रेरीयि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अरेरीयि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

११५५ लीङ्च् (ली) प्रलेषणे ।

- १ लेली-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लेलीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लेली-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलेली-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अलेलीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ लेलीयाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे
लेलीयाम्बभूव लेलीयामास (य वहि महि
- ७ लेलीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ लेलीयिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लेलीयि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येये ज्यध्वे ज्ये ज्यवहे ज्यामहे (ज्ये ज्यवहि ज्यामहि
- १० अलेलीयि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्
- ११५६ डीङ्च् (डी) गतौ । डीङ् ५४३ वद्रूपाणि

११५७ व्रीड् (व्री) वरणे ।

- १ वेव्री-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेव्रीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेव्री-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेव्री-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ऋ ष्वहि ष्वहि
- ५ अवेव्रीयि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ वेव्रीयाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- वेव्रीयाम्बभूव वेव्रीयामास (य वहि महि
- ७ वेव्रीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् +
- ८ वेव्रीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेव्रीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेव्रीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ११५८ पौड् (पी) पाने पां २ वद्रूपाणि
- ११५९ प्रोड् (प्री) प्रीतौ । पृक् १०४५ वद्रूपाणि

११६० युजिच् (युज्) समाधौ ।

- १ योयुज्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ योयुज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ योयुज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अयोयुज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अयोयुजि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ योयुजाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- योयुजाम्बभूव योयुजामास (य वहि महि
- ७ योयुजिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ योयुजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ योयुजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयोयुजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११६१ सृजिच् (सृज्) विसर्गे ।

- १ सरीसृज्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सरीसृज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सरीसृज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असरीसृज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ असरीसृजि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ सरीसृजाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- सरीसृजाम्बभूव सरीसृजामास (य वहि महि
- ७ सरीसृजिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सरीसृजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सरीसृजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असरीसृजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ११६२ वृत्ति (वृत्) वरणे वृत्तः
- ८४१ वद्रूपाणि

११६३ पदिच् (पद्) गतौ ।

- १ पनीपद्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पनीपद्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पनीपद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपनीपद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अपनीपदि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ पनीपदाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- पनीपदाम्बभूव पनीपदामास (य वहि महि
- ७ पनीपदिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पनीपदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पनीपदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपनीपदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ११६४ विदिच् (विद्) सत्तायाम् ।
- १०१६ विदक् वद्रूपाणि

११६५ ग्विदिच् (ग्विद्) दैन्ये ।

- १ चेखिद्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेखिद्व्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेखिद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेखिद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ब्वहि ब्वहि
- ५ अचेखिदि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् षट्ठ्वम् ध्वम्
- ६ चेखिद्वामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम
- चेखिद्वाम्बभूव चेखिद्वाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चेखिदिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेखिदिता- " रौ रः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेखिदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेखिदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११६६ युधिच् (युध्) सम्प्रहारे ।

- १ योयुध्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ योयुध्व्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ योयुध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अयोयुध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ब्वहि ब्वहि
- ५ अयोयुधि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् षट्ठ्वम् ध्वम्
- ६ योयुध्वामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम
- योयुध्वाम्बभूव योयुध्वाम्बभूव [य वहि महि
- ७ योयुधिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ योयुधिता- " रौ रः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ योयुधि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अयोयुधि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११६७ जनैचि (जन्) प्रादुर्भावे ।

- १ जञ्जन्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जञ्जन्व्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जञ्जन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अजञ्जन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ब्वहि ब्वहि
- ५ अजञ्जनि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् षट्ठ्वम् ध्वम्
- जञ्जनाञ्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राये कृद्वे के कृवहे कृमहे
- जञ्जनाम्बभूव जञ्जनामास (य वहि महि
- ७ जञ्जनिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जञ्जनिता- " रौ रः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
- जञ्जनि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजञ्जनि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम् पक्षे जाजायते

११६८ अनुरुधिच् (अनु-रुध्) कामे ।

- १ रोरुध्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रोरुध्व्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रोरुध्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरोरुध्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ब्वहि ब्वहि
- ५ अरोरुधि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् षट्ठ्वम् ध्वम्
- ६ रोरुध्वामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम
- रोरुध्वाम्बभूव रोरुध्वाम्बभूव [य वहि महि
- ७ रोरुधिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रोरुधिता- " रौ रः से साधे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रोरुधि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरोरुधि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ११६९ युधिच् (युध्) ज्ञाने । बर्हिगू ८४३ बर्हिपाणि

११७० मर्निच् (मन्) ज्ञाने ।

- १ मम्मन्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मम्मन्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मम्मन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमम्मन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अमम्मन्ति-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मम्मनाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे मम्मनाम्बभूव मम्मनामास (य वहि महि
- ७ मम्मन्निषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मम्मनिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मम्मन्ति-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये व्यावहे ज्यामहे (ज्ये व्यावहि ज्यामहि
- १० अमम्मन्ति ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

११७३ पूरैचि (पूर) आप्यायने ।

- १ पोपूर-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपूरये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपूर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोपूर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ङ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अपोपूरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पोपूराम्बभू-व वतु ङः विथ वधुः व व विव विम पोपूराञ्चके पोपूरामास (य वहि महि
- ७ पोपूरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ पोपूरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोपूरि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये व्यावहे ज्यामहे (ज्ये व्यावहि ज्यामहि
- १० अपोपूरि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

११७१ दीपैचि (दीप्) दीप्तौ ।

- १ देदीप्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देदीप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देदीप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदेदीप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अदेदीपि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ देदीपाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे देदीपाम्बभूव देदीपामास (य वहि महि
- ७ देदीपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ देदीपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देदीपि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये व्यावहे ज्यामहे (ज्ये व्यावहि ज्यामहि
- १० अदेदीपि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्
- ११७२ तपिच् (तप्) पेश्वर्ये वा । तप ३०५ वद्रूपाणि

११७४ घूरैचि (घूर) जरायाम् ।

- १ जोघूर-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोघूरये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोघूर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोघूर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ङ्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अजोघूरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोघूराम्बभू-व वतु ङः विथ वधुः व व विव विम जोघूराञ्चके जोघूरामास (य वहि महि
- ७ जोघूरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ जोघूरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोघूरि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये व्यावहे ज्यामहे (ज्ये व्यावहि ज्यामहि
- १० अजोघूरि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

११७५ जूरचि (जूर) जरायाम् ।

- १ जोजूर-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोजूरये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोजूर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोजूर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अजोजूरि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ जोजूरामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जोजूराश्चक्रे जोजूराम्बभूव [य वहि महि
- ७ जोजूरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जोजूरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोजूरि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे [ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि
- १० अजोजूरि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

११७७ गूरचि (गूर) गतौ ।

- १ जोगूर-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगूरये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगूर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगूर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अजोगूरि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ जोगूराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोगूराश्चक्रे जोगूरामास (य वहि महि
- ७ जोगूरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जोगूरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोगूरि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि
- १० अजोगूरि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

११७६ धूरचि (धूर) गतौ ।

- १ दोधूर-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दोधूरये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दोधूर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदोधूर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अदोधूरि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ दोधूरामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम दोधूराश्चक्रे दोधूराम्बभूव (य वहि महि
- ७ दोधूरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ दोधूरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दोधूरि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि
- १० अदोधूरि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

११७८ शूरचि (शूर) स्तम्भे ।

- १ शोशूर-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशूरये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशूर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशूर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि षमहि
- ५ अशोशूरि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्द्वम् ध्वम्
- ६ शोशूराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम शोशूराश्चक्रे शोशूरामास (य वहि महि
- ७ शोशूरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ शोशूरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशूरि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ज्य्यावहे ज्य्यामहे (ज्ये ज्य्यावहि ज्य्यामहि
- १० अशोशूरि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

११७९ तुरैचि (तृ) त्वरायाम् ।

- १ तोतृर-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतृर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतृर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतृर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अतोतृरि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोतृरामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तोतृराश्वके तोतृराम्बभूव (य वहि महि
- ७ तोतृरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ तोतृरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतृरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतोतृरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११८० चूरैचि (चूर) दाहे ।

- १ चोचूर-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोचूर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोचूर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोचूर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [ढ्वम् पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अचोचूरि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोचूरामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोचूराश्वके चोचूराम्बभूव [य वहि महि
- ७ चोचूरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ चोचूरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोचूरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोचूरि-ष्यत येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११८१ क्लिशिच (क्लिश) उपतापे ।

- १ चेक्लिश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेक्लिश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेक्लिश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अचेक्लिश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अचेक्लिशि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेक्लिशाश्व-के काते क्लिरे कृपे कापे कृत्वे के कृवहे कृमहे चेक्लिशाम्बभूव चेक्लिशामास (य वहि महि
- ७ चेक्लिशिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेक्लिशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेक्लिशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेक्लिशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११८२ लिशिच (लिश) अल्पतये ।

- १ लेलिश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लेलिश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लेलिश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलेलिश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अलेलिशि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ लेलिशामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम लेलिशाम्बभूव लेलिशाश्वके [य वहि महि
- ७ लेलिशिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लेलिशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लेलिशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलेलिशि-ष्यत येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ११८३ काशिच (काश) दीप्तौ । काशङ् ७६३ वट्टपाणि

११८४ वासिच् (वाश्) शब्दे ।

- १ वावाश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वावाश्च-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वावाश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवावाश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवावाशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढवम् ध्वम्
- ६ वावाशाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- वावाशाम्बभूव वावाशामास (य वहि महि
- ७ वावाशिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ वावाशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वावाशि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवावाशि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

११८५ शकीच् (शक्) मर्षणे ।

- १ शाशक्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शाशक्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शाशक्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशाशक्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशाशकि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढवम् ध्वम्
- ६ शाशकाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- शाशकाम्बभूव शाशकामास (य वहि महि
- ७ शाशकिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम्
- ८ शाशकिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शाशकि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अशाशकि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- ११८६ शुञ्चैच् (शुञ्च) पृतिभावे । शुच९० वद्रूपाणि
- ११८७ रञ्जीच् (रञ्ज) रागे । रञ्जी ८२७ वद्रूपाणि
- ११८८ शपीच् (शप्) आक्रोशे । शपी ८४७ वद्रूपाणि
- ११८९ मृषीच् (मृश) तितिक्षायाम् मृष ४८८ वद्रूपाणि
- ११९० णहीच् (नह) बन्धने ।

- १ नानह्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ नानह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ नानह्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अनानह्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढवम् षि ष्वहि ष्महि
 - ५ अनानहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ड्ढवम् ध्वम्
 - ६ नानहाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
 - नानहाम्बभूव नानहामास (य वहि महि
 - ७ नानहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् ढवम्
 - ८ नानहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ नानहि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 - १० अनानहि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
 - ११९१ शुङ्ग (सु) अभिषवे । शुङ् ९२९ वद्रूपाणि
 - ११९२ षिङ्ग (सि) बन्धने । षिङ् १०६१ वद्रूपाणि
- श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्व-
ज्ञशासनसार्वभौमतीर्थरक्षणपरायणवि-
द्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-
संविग्रशाखीयआचार्यचूडामणि
-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुरा-
जविजयनेमिसुरीश्वरचर-
णेन्द्रिरामन्दिरेंद्रिन्द्रिरा-
यमाणान्तिपन्मुनिलाव-
ण्यविजयविरचि-
तस्य धातुरत्नाक-
रस्य यङन्तरूप-
परस्परा प्रकृति-
निरूपणे च-
तुर्थभागे
दिवादिगणः संपूर्ण ॥

११९३ शिगृट् (शि) निशाने ।

- १ शोशी-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अशोशीयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशीयाश्च-के क्राते किरै कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- शोशीयाम्बभूव शोशीयामास (य वहि महि
- ७ शोशीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ शोशीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अशोशीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ११९४ डुमिगृट् (मि) प्रक्षेपणे । मेंडू ५५७ वट्टूपाणि

११९५ चिगृट् (चि) चयने ।

- १ चेची-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेचीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेची-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेची-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अचेचीयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेचीयाश्च-के क्राते किरै कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- चेचीयाम्बभूव चेचीयामास (य वहि महि
- ७ चेचीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ चेचीयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेचीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचेचीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११९६ धूगृट् (धू) कम्पने ।

- १ दोधू-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दोधूये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दोधू-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदोधू-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अदोधूयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दोधूयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- दोधूयाश्चके दोधूयामास (य वहि महि
- ७ दोधूयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ दोधूयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दोधूयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदोधूयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११९७ स्तृगृट् (स्तृ) आच्छादने ।

- १ तास्तर-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तास्तरये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तास्तर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतास्तर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अतास्तरि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तास्तराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- तास्तराश्चके तास्तरामास (य वहि महि
- ७ तास्तरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ तास्तरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तास्तरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतास्तरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- ११९८ कृगृट् (कृ) हिसायां । डुकृगृ ८२० वट्टूपाणि
- ११९९ वृगृट् (वृ) वरणे । ब्रीडू ११५७ वट्टूपाणि

१२०० हिङ् (हि) गतिवृद्धयोः ।

- १ जेघी-यते येते यन्ते यस्य येधे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेघीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेघी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेघी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजेघीयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ जेघीयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम जेघीयाश्चक्रे जेघीयाम्बभूव (य वहि महि
- ७ जेघीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ जेघीयिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेघीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येधे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेघीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२.१ श्रुट् (श्रु) श्रवणे ।

- १ शोश्त्र-यते येते यन्ते यस्य येधे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोश्त्रये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोश्त्र-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोश्त्र-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्महि
- ५ अशोश्त्रयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ शोश्त्र्याम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम शोश्त्रयाश्चक्रे शोश्त्रयामास (य वहि महि
- ७ शोश्त्रयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ शोश्त्रयिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोश्त्रयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येधे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशोश्त्रयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १२०२ दुडुट् (दु) उपतापे । दु ११ वद्रूपाणि
- १२०३ प्रुट् (पु) प्रीती । प्रुक् १०४५ वद्रूपाणि
- १२०४ स्मृट् (स्मृ) पालने । स्मृ १७ वद्रूपाणि
- १२०५ शक्ल द्वा शक् व्याप्तौ शक् ११८५ वद्रूपाणि
- १२०६ दतिकट् (तिक) हिंसायाम् तिकि ५८५ वद्रूपाणि

१२०७ तिगट् (तिग्) हिंसायाम् ।

- १ तेतिग्-यते येते यन्ते यस्य येधे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेतिग्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेतिग्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेतिग्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अतेतिगि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ तेतिगाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम तेतिगाश्चक्रे तेतिगामास (य वहि महि
- ७ तेतिगिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तेतिगिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेतिगि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येधे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतेतिगि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२०८ षघट् (सघ्) हिंसायाम् ।

- १ सासघ-यते येते यन्ते यस्य येधे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासघ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासघ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासघ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ असासघि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ सासघाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः वव विव विम सासघाश्चक्रे सासघामास (य वहि महि
- ७ सासघिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासघिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासघि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येधे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असासघि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२०९ राधट् (राध्) संसिद्धौ राधच् १०६७ वट्टपाणि

१२१० साधट् (साध्) संसिद्धौ ।

- १ सासाध-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सासाध्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सासाध-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असासाध-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि व्हि ध्महि
- ५ असासाधि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सासाधाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- सासाधाश्चक्रे सासाधामास (य वहि महि
- ७ सासाधिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सासाधिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सासाधि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असासाधि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- १२११ तृपट् (तृप्) प्रीणने । तृपौच १०९७ वट्टपाणि

१२१२ दम्भट् (दम्भ्) दम्भने ।

- १ दादम्भ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दादम्भ्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दादम्भ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदादम्भ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि व्हि ध्महि
- ५ अदादभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दादभाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- दादभाश्चक्रे दादभामास (य वहि महि
- ७ दादभिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दादभिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दादभि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदादभि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२१३ कृण्वट् (कृण्व्) हिंसायाम् ।

- १ चरीकृण्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चरीकृण्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चरीकृण्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचरीकृण्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ङ्वम् षि व्हि ध्महि
- ५ अचरीकृण्वि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चरीकृण्वामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- चरीकृण्वाश्चक्रे चरीकृण्वाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चरीकृण्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ चरीकृण्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चरीकृण्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचरीकृण्वि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे चरीकृण्व्यंते

१२१४ धिनुट् (धिन्व्) गतौ ।

- १ देधिन्व-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देधिन्व्वे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देधिन्व-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदेधिन्व-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ङ्वम् षि व्हि ध्महि
- ५ अदेधिन्वि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ देधिन्वाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- देधिन्वाश्चक्रे देधिन्वामास (य वहि महि
- ७ देधिन्विषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ देधिन्विता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देधिन्वि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अदेधिन्वि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे देधिन्व्यंते

१२१५ त्रिधृषाट् (धृष्) प्रागल्भ्ये ।

- १ दरीधृष-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दरीधृष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ दरीधृष-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदरीधृष-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अदरीधृषि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ दरीधृषाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- दरीधृषाम्बभूव दरीधृषामास (य वहि महि
- ७ दरीधृषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः याथाम् ध्वम्
- ८ दरीधृषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दरीधृषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदरीधृषि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२१६ त्रिधृषि (स्तिष्) आस्कन्दने ।

- १ तेष्टिष्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तेष्टिष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तेष्टिष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतेष्टिष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अतेष्टिषि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ तेष्टिषाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- तेष्टिषाम्बभूव तेष्टिषामास (य वहि महि
- ७ तेष्टिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः याथाम् ध्वम्
- ८ तेष्टिषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तेष्टिषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतेष्टिषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२१७ अशौटि (अश) व्याप्तौ ।

- १ अशाङ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ अशाङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ अशाङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ आशाङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ आशाशि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ अशाशाञ्च-के काते किरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- अशाशाम्बभूव अशाशामास (य वहि महि
- ७ अशाशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः याथाम् ध्वम्
- ८ अशाशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ अशाशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० आशाशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

श्रीमत्तपोगणगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्व-
ज्ञशासनसार्वभौमतीर्थरक्षणपरायणवि-
द्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-
संविग्रशाखीयआचार्यचूडामणि
-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुरा-
जविजयनेमिसुरीश्वरचर-
णेन्दिरामन्दिरेन्दिन्दिरा-
यमाणान्तिषन्मुनिलाव-
ण्यविजयविरचि-
तस्य धातुरत्नाक-
रस्य यङन्तरूप-
परम्पराप्रकृति-
निरूपणे
चतुर्थभागे
स्वादिगणः संपूर्ण ॥

१२१८ तुदीत् (तुद्) व्यथने ।

- १ तोतुद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोतुद्ध्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोतुद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोतुद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतोतुदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तोतुदाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तोतुदाश्च के तोतुदामास (यवहि महि
- ७ तोतुदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोतुदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोतुदि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतोतुदि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१२१९ अस्जीत् (अस्ज्) पाके ।

- १ बरीभृज्ज-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बरीभृज्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ बरीभृज्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबरीभृज्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अबरीभृज्जि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बरीभृज्जाश्च-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे बरीभृज्जाम्बभूव बरीभृज्जामास (यवहि महि
- ७ बरीभृज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बरीभृज्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बरीभृज्जि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अबरीभृज्जि व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- १२२० क्षिपीत् (क्षिप) प्रेगणे । क्षिपन् १०६९ वद्रूपाणि पक्षे परत्वाद् भजादेशेऽपि स्थानिवद्भावेन पूर्वण स्वरेण सह ण्वृत्ति बरीभृज्यते

१२२१ दिशीत् (दिश्) अतिसर्जने ।

- १ देदिश्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देदिश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देदिश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदेदिश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अदेदिशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ देदिशाश्च-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे देदिशाम्बभूव देदिशामास (यवहि महि
- ७ देदिशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ देदिशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देदिशि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अदेदिशि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- २२२ कृषीत् (कृष्) विलेखने । ४६६ कृषं वद्रूपाणि
- १२२३ मुच्छती (मुच्) मोक्षणे १०० मुञ्च वद्रूपाणि

१२२४ सिचीत् (सिच्) क्षरणे ।

- १ सेसिच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेसिच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेसिच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेसिच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ असेसिचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ सेसिचाश्च-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे सेसिचाम्बभूव सेसिचामास (यवहि महि
- ७ सेसिचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सेसिचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेसिचि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० असेसिचि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- १२२५ चिदन्ती (चिद्) लाभे विदकृ १०१६ वद्रूपाणि
- १२२६ लुण्ती (लुण्) छेदने । लुणच् ११०३ वद्रूपाणि

१२२७ लिपीत् (लिप्) उपदेशे ।

- १ लेलिप्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लेलिप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लेलिप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलेलिप्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अलेलिपि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ लेलिपाश्च-क्रे काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे लेलिपास्वभूष लेलिपामास (य वहि महि
- ७ लेलिपिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लेलिपिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लेलिपि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अलेलिपि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१२२८ कृतैत् (कृत्) छेदने ।

- १ चरीकृत्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चरीकृत्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चरीकृत्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचरीकृत्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अचरीकृति-ष्ट याताम् षत ष्ठाः पास्थाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चरीकृताश्च-क्रे काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे चरीकृतास्वभूष चरीकृतामास (य वहि महि
- ७ चरीकृतिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चरीकृतिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चरीकृति-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचरीकृति-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१२२९ खिदन्त् (खिद्) परिचाने । खिदिच्

१०६५ वङ्गपाणि

१२३० पिशत् (पिश्) अवयवे ।

- १ पेपिश्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ पेपिश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ पेपिश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अपेपिश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
 - ५ अपेपिशि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ पेपिशाश्च-क्रे काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे पेपिशास्वभूष पेपिशामास (य वहि महि
 - ७ पेपिशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ पेपिशिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ पेपिशि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 - १० अपेपिशि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- १२३१ णित् (रि) गतौ । ११५४ रीढ्चू वङ्गपाणि
- १२३२ पित् (पि) गतौ । २ पां वङ्गपाणि
- १२३३ धित् (धि) धारणे ढ्धे २७ वङ्गपाणि
- १२३४ क्षित् (क्षि) निवासगत्योः । क्षि १० वङ्गपाणि
- १२३५ षत् (स्त) प्रेरणे । षुक् १९९ वङ्गपाणि
- १२१८ मृत (मृ) प्राणत्यागे ।
- १ मेम्री-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ मेम्रीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ मेम्री-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अमेम्री-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ध्वहि ध्महि
 - ५ अमेम्रीयि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
 - ६ मेम्रीयास्वभू-व वतुः वुः विथ वधुः व व विथ विम मेम्रीयाश्चक्रे मेम्रीयामास (य वहि महि
 - ७ मेम्रीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
 - ८ मेम्रीयिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ मेम्रीयि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
 - १० अमेम्रीयि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१२३७ कृत (कृ) विक्षेपे ।

- १ चेकीर्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेकीर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेकीर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अचेकीर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (ढ्वम् पि ष्वहि ष्महि
- ५ अचेकीरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेकीराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
चेकीराश्चक्रे चेकीरामास (य वहि महि
- ७ चेकीरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ चेकीरिता- " रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेकीरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेकीरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२३९ लिखत् (लिख्) अक्षरविन्यासे ।

- १ लेलिख-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लेलिख्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लेलिख-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अलेलिख-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अलेलिखि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ लेलिखाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
लेलिखाश्चक्रे लेलिखामास (य वहि महि
- ७ लेलिखिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लेलिखिता- " रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लेलिखि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलेलिखि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२३८ कृत (कृ) निगरणे । तत्र गर्हो

- १ जेगिल्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेगिल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेगिल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अजेगिल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अजेगिलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ जेगिलाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जेगिलाश्चक्रे जेगिलामास (य वहि महि
- ७ जेगलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् +
- ८ जेगिलिता- " रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेगिलि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजेगिलि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२४० जर्चत् (जर्च) परिभाषणे ।

- १ जाजर्च-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाजर्च्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाजर्च-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अजाजर्च-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ष्वहि ष्महि
- ५ अजाजर्चि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाजर्चामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जाजर्चाश्चक्रे जाजर्चाम्बभूष (य वहि महि
- ७ जाजर्चिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाजर्चिता- " रौरः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाजर्चि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाजर्चि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२४१ झर्चत् (झर्च्) परिभाषणे ।

- १ जाझर्च-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाझर्चये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाझर्च-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाझर्च-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अजाझर्चि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाझर्चाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम जाझर्चाश्चक्रे जाझर्चामास (य वहि महि
- ७ जाझर्चिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाझर्चिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाझर्चि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अजाझर्चि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२४२ त्वचत् (त्वच्) संवरणे ।

- १ तात्वच-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तात्वचये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तात्वच-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतात्वच-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अतात्वचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तात्वचाश्च-क्रे काते किरि कृषे काये कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे तात्वचाम्बभूव तात्वचामास (य वहि महि
- ७ तात्वचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तात्वचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तात्वचि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अतात्वचि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२४३ ओग्रस्चौत् (व्रश्च) छेदने ।

- १ वरीवृश्च-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृश्चये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृश्च-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृश्च-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवरीवृश्चि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वरीवृश्चाश्च-क्रे काते किरि कृषे काये कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे वरीवृश्चाम्बभूव वरीवृश्चामास (य वहि महि
- ७ वरीवृश्चिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वरीवृश्चिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृश्चि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवरीवृश्चि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२४४ विच्छत् (विच्छ्) गतौ ।

- १ वेविच्छ-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेविच्छये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेविच्छ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेविच्छ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्महि
- ५ अवेविच्छि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेविच्छाम्बभू-व वतुः उः विथ वथुः व व विव विम वेविच्छाश्चक्रे वेविच्छामास (य वहि महि
- ७ वेविच्छिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेविच्छिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेविच्छि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अवेविच्छि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे वेविश्यते

११४५ मिछत् (मिछ) उःकलेः ।

- १ मेमिच्छ-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मेमिच्छये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मेमिच्छ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमेमिच्छ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अमेमिच्छि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ मेमिच्छाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- मेमिच्छाम्बभूव मेमिच्छामास (य वहि महि
- ७ मेमिच्छिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मेमिच्छिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मेमिच्छि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमेमिच्छि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे मेमिच्छ्यते

१२४६ प्रछत् (प्रछ) झीप्सायाम् ।

- १ परीपृच्छ-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ परीपृच्छये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ परीपृच्छ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपरीपृच्छ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अपरीपृच्छि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ परीपृच्छामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
- परीपृच्छाम्बभूव परीपृच्छाञ्चके [य वहि महि
- ७ परीपृच्छिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ परीपृच्छिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ परीपृच्छि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अपरीपृच्छि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम् यस्य सानुनासिकत्वे परीपृश्यते

१२४७ सजत् (सृज्) विसर्गे । सृजिञ् ११६१ वद्रूपाणि

१२४८ रुजोत् (रुज्) भङ्गे ।

- १ रोरुज-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रोरुजये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रोरुज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरोरुज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अरोरुजि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ रोरुजाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- रोरुजाम्बभूव रोरुजामास (य वहि महि
- ७ रोरुजिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रोरुजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रोरुजि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अरोरुजि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१२४९ भुजोत् (भुज्) कौटिल्ये ।

- १ बोभुज-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बोभुजये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बोभुज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अबोभुज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि षमहि
- ५ अबोभुजि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् इद्वम् ध्वम्
- ६ बोभुजाञ्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे
- बोभुजाम्बभूव बोभुजामास (य वहि महि
- ७ बोभुजिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बोभुजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बोभुजि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अबोभुजि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१२५० टुमरुजोत (मरुज्) शुद्धौ ।

- १ मामरुज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामरुज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामरुज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अमामरुज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अमामरुजि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामरुजामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
मामरुजाश्चक्रे मामरुजामास (य वहि महि
- ७ मामरुजिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामरुजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामरुजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमामरुजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२५२ झझं (झझ) परिभाषणे ।

- १ जाझझ्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाझझ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाझझ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अजाझझ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजाझझि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाझझाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जाझझाश्चक्रे जाझझामास (य वहि महि
- ७ जाझझिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जाझझिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाझझि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाझझि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२५१ जर्जव् (जर्ज) परिभाषणे ।

- १ जार्जर्ज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जार्जर्ज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जार्जर्ज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अजार्जर्ज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि
- ५ अजार्जर्जि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जार्जर्जाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
जार्जर्जाश्चक्रे जार्जर्जामास (य वहि महि
- ७ जार्जर्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जार्जर्जिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जार्जर्जि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजार्जर्जि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२५३ जुडत् (जुड्) गतौ ।

- १ जोजुड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोजुड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोजुड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अजोजुड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि [पि ध्वहि धमहि
- ५ अजोजुडि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोजुडामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
जोजुडाश्चक्रे जोजुडाम्बभूव [य वहि महि
- ७ जोजुडिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोजुडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोजुडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोजुडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२५४ पृडत् (पृड्) सुखने ।

- १ परीपृड्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ परीपृड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ परीपृड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपरीपृड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ अपरीपृडि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ परीपृडाश्च-क्रे क्राते किरि कृषे क्राये कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे परीपृडाम्बभूव परीपृडामास (य वहि महि
- ७ परीपृडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ परीपृडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ परीपृडि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अपरीपृडि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१२५६ कडत् (कड्) मदे ।

- १ चाकड्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चाकड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चाकड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचाकड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ अचाकडि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चाकडाश्च-क्रे क्राते किरि कृषे क्राये कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे चाकडाम्बभूव चाकडामास (य वहि महि
- ७ चाकडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चाकडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चाकडि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचाकडि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१२५५ मृडत् (मृड्) सुखने ।

- १ मरीमृड्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मरीमृड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मरीमृड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमरीमृड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ अमरीमृडि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मरीमृडाश्च-क्रे क्राते किरि कृषे क्राये कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे मरीमृडाम्बभूव मरीमृडामास (य वहि महि
- ७ मरीमृडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मरीमृडिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मरीमृडि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमरीमृडि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१२५७ पृणत् (पृण्) प्रीणने ।

- १ परीपृण्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ परीपृण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ परीपृण्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपरीपृण्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि षमहि
- ५ अपरीपृणि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ परीपृणामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम परीपृणाम्बभूव परीपृणाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ परीपृणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ परीपृणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ परीपृणि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अपरीपृणि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१२५८ तृणत् (तृण्) कौटिल्ये ।

- १ तृणीतृण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तृणीतृण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तृणीतृण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतृणीतृण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अतृणीतृणि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ तृणीतृणामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम तृणीतृणाम्बभूव तृणीतृणाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ तृणीतृणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तृणीतृणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तृणीतृणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतृणीतृणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६० द्रूणत् (द्रूण्) गतिकौटिल्ययोश्च ।

- १ द्रूणीद्रूण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ द्रूणीद्रूण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ द्रूणीद्रूण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अद्रूणीद्रूण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अद्रूणीद्रूणि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ द्रूणीद्रूणाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे द्रूणीद्रूणाम्बभूव द्रूणीद्रूणामास (य वहि महि
- ७ द्रूणीद्रूणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ द्रूणीद्रूणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ द्रूणीद्रूणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अद्रूणीद्रूणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

११५९ मृणत् (मृण्) हिंसायाम् ।

- १ मरीमृण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मरीमृण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मरीमृण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमरीमृण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अमरीमृणि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ मरीमृणाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे मरीमृणाम्बभूव मरीमृणामास (य वहि महि
- ७ मरीमृणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मरीमृणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मरीमृणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमरीमृणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६१ पुणत् (पुण्) शुभे ।

- १ पोपुण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपुण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपुण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अपोपुण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि
- ५ अपोपुणि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ पोपुणाश्च-क्रे काते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे पोपुणाम्बभूव पोपुणामास (य वहि महि
- ७ पोपुणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पोपुणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोपुणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपोपुणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६२ मुणत् (मुण) प्रतिज्ञाने ।

- १ मोमुण-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमुण्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमुण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमुण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अमोमुणि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मोमुणामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मोमुणाश्चक्रे मोमुणाम्बभूव (य वहि महि
- ७ मोमुणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मोमुणिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमुणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अमोमुणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६३ कुणत् (कुण) शब्दोपकरणयोः ।

- १ चोकुण-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुण्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि धमहि
- ५ अचोकुणि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोकुणामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोकुणाश्चक्रे चोकुणाम्बभूव [य वहि महि
- ७ चोकुणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोकुणिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोकुणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचोकुणि-ष्यत येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १२६४ चुणत् (चुण) भ्रमणे । ६५२ चुणि वद्रूपाणि
- १२६५ घूर्णत् (घूर्ण) भ्रमणे । ६५३ घूर्णि वद्रूपाणि

१२६६ चृत्तैत् (चृत्) हिंसाग्रन्थयोः ।

- १ चरीचृत्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चरीचृत्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चरीचृत्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचरीचृत्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अचरीचृति-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चरीचृताश्च-क्रे क्राते किरे कृषे क्राथे कृद्वे क्रे कृवहे कृमहे चरीचृताम्बभूव चरीचृतामास (य वहि महि
- ७ चरीचृतिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चरीचृतिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चरीचृति-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचरीचृति-ष्यत येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२६७ णुद्वत् (नुद्) प्रेरणे ।

- १ नोनुद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ नोनुद्वे-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ नोनुद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अनोनुद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि
- ५ अनोनुदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ नोनुदाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम नोनुदाश्चक्रे नोनुदामास (य वहि महि
- ७ नोनुदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ नोनुदिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ नोनुदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अनोनुदि-ष्यत येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १२६८ षद्लत् (सद्) अवसादने । षद्लत् ८९२ वद्रूपाणि
- १२६९ विधत् (विध्) विधाने व्यधं च १०६८ वद्रूपाणि

१२७० जुनत् (जुन्) गतौ ।

- १ जोजुन्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोजुन्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोजुन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येशाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोजुन्-यत येताम् यन्त यथाः येशाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अजोजुनि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जोजुनाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जोजुनाञ्चके जोजुनामास (य वहि महि)
- ७ जोजुनिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोजुनिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोजुनि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अजोजुनि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येशाम् ष्यध्वम्

१२७२ छुपत् (छुप्) स्पर्शे ।

- १ चोच्छुप्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोच्छुप्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोच्छुप्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येशाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोच्छुप्-यत येताम् यन्त यथाः येशाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ध्वहि धमहि]
- ५ अचोच्छुपि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चोच्छुपामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चोच्छुपाञ्चके चोच्छुपाम्बभूष [य वहि महि]
- ७ चोच्छुपिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोच्छुपिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोच्छुपि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि]
- १० अचोच्छुपि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येशाम् ष्यध्वम्

१२७१ शुनत् (शुन्) गतौ ।

- १ शोशुन्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशुन्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशुन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येशाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशुन्-यत येताम् यन्त यथाः येशाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि धमहि)
- ५ अशोशुनि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशुनामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम शोशुनाञ्चके शोशुनाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ शोशुनिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोशुनिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशुनि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अशोशुनि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येशाम् ष्यध्वम्

१२७३ रिफत् (रिफ्) कथनयुद्धादिसादानेषु ।

- १ रेरिफ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रेरिफ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रेरिफ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येशाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरेरिफ-यत येताम् यन्त यथाः येशाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ङ्वम् षि ध्वहि धमहि)
- ५ अरेरिफि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रेरिफाञ्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राथे कृद्वेके कृवहे कृमहे रेरिफाम्बभूष रेरिफामास (य वहि महि)
- ७ रेरिफिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ रेरिफिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रेरिफि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अरेरिफि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येशाम् ष्यध्वम्

१२७४ तृफत् (तृफ्) तृप्तौ ।

- १ तृरीतृफ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तृरीतृफये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तृरीतृफ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतृरीतृफ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ङ्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अतृरीतृफि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ष्वम्
- ६ तृरीतृफाम्बभू-व वतुः उः विथ वधुः व व विव विम तृरीतृफाश्चक्रे तृरीतृफामास (य वहि महि
- ७ तृरीतृफिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ङ्वम्
- ८ तृरीतृफिता- " री रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तृरीतृफि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतृरीतृफि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२७५ तृफत् (तृफ्) तृप्तौ । तृफत् १२७४ वङ्गपाणि

१२७८ गुफत् (गुफ्) ग्रन्थने ।

- १ जोगुफ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगुफये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगुफ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगुफ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजोगुफि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ष्वम्
- ६ जोगुफाश्च-क्रे काते किरै कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे जोगुफाम्बभूष जोगुफामास (य वहि महि
- ७ जोगुफिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोगुफिता- " री रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोगुफि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोगुफि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२७९ गुम्फत् (गुम्फ्) ग्रन्थने गुफत् १२७८ वङ्गपाणि
१२८० शुभत् (शुभ्) शोभार्थे । शुम्भ ३४८ वङ्गपाणि
१२८१ शुम्भत् (शुम्भ) शोभार्थे । शुम्भ ३४८ वङ्गपाणि

१२७६ दृफत् (दृफ्) उत्कलेष्टौ ।

- १ दृरीदृफ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दृरीदृफये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दृरीदृफ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदृरीदृफ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदृरीदृफि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दृरीदृफामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम दृरीदृफाश्चक्रे दृरीदृफाम्बभूष (य वहि महि
- ७ दृरीदृफिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दृरीदृफिता- " री रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दृरीदृफि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदृरीदृफि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२७७ दृम्फत् (दृम्फ्) उत्कलेष्टौ दृफत् १२७६ वङ्गपाणि

१२८२ दृभेत् (दृभ्) ग्रन्थने ।

- १ दृरीदृभ-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ दृरीदृभये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ दृरीदृभ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदृरीदृभ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [षि ष्वहि ष्महि
- ५ अदृरीदृभि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ दृरीदृभामा-स सतुः सुः सिथ सधुः स स सिव सिम दृरीदृभाश्चक्रे दृरीदृभाम्बभूष [य वहि महि
- ७ दृरीदृभिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ दृरीदृभिता- " री रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ दृरीदृभि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदृरीदृभि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१२८३ लुभत् (लुभ्) विमोहने । लुम्भ ११० वङ्गपाणि

१२८४ कुरत् (कुर) शब्दे ।

- १ चोक्कुर-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोक्कुर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ चोक्कुर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोक्कुर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि ध्वहि धमहि
- ५ अचोक्कुरि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ चोक्कुराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- चोक्कुराश्च के चोक्कुरामास (य वहि महि +
- ७ चोक्कुरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोक्कुरिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोक्कुरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये व्यावहे व्यामहे (ध्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचोक्कुरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२८५ क्षुरत् (क्षुर) विलेखने ।

- १ चोक्षुर-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोक्षुर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोक्षुर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोक्षुर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि ध्वहि धमहि
- ५ अचोक्षुरि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ चोक्षुराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- चोक्षुराश्च के चोक्षुरामास (य वहि महि +
- ७ चोक्षुरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चोक्षुरिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोक्षुरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये व्यावहे व्यामहे (ध्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचोक्षुरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२८६ खुरत् (खुर) छेदने ।

- १ चोखुर-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोखुर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ चोखुर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोखुर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि + (यि ध्वहि धमहि
- ५ अचोखुरि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ चोखुराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- चोखुराश्च के चोखुरामास (य वहि महि +
- ७ चोखुरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम् +
- ८ चोखुरिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोखुरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये व्यावहे व्यामहे (ध्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचोखुरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- १२८७ घुरत् (घुर) भीमार्थशब्दयोः ।
- १२८८ पुरत् (पुर) अग्रगमने ।

१२८९ मुरत् (मुर) संवेष्टने ।

- १ मोमुर-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमुर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमुर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमुर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि ध्वहि धमहि
- ५ अमोमुरि-ष्ट पाताम् षत ष्टाः पाथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ मोमुराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- मोमुराश्च के मोमुरामास (य वहि महि +
- ७ मोमुरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मोमुरिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमुरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये व्यावहे व्यामहे (ध्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अमोमुरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

मु स्थाने म् इति होयम् ॥

११९० सुरत् (सुर) अश्वर्यदीप्त्यो ।

- १ सोसूर-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सोसूरये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सोसूर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असोसूर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ असोसूरि-ष्ट याताम् षत षाः याथाम् षट्त्वम् ध्वम्
- ६ सोसूराश्व-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे सोसूराश्वभूष सोसूराश्वमास (य वहि महि
- ७ सोसूरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ सोसूरिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सोसूरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असोसूरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२९२ स्फलत् (स्फल्) स्फुरणे ।

- १ पास्फल्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पास्फल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पास्फल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपास्फल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अपास्फलि-ष्ट याताम् षत षाः याथाम् षट्त्वम् ध्वम्
- ६ पास्फलाश्व-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे पास्फलाश्वभूष पास्फलाश्वमास (य वहि महि
- ७ पास्फलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ पास्फलिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पास्फलि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपास्फलि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम् लस्य सानुनासिकत्वे पंस्फल्यते

१२९१ स्फरत् (स्फर) स्फुरणे ।

- १ पास्फर्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पास्फर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पास्फर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपास्फर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अपास्फरि-ष्ट याताम् षत षाः याथाम् षट्त्वम् ध्वम्
- ६ पास्फरामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम पास्फराश्वभूष पास्फराश्वके (य वहि महि
- ७ पास्फरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ पास्फरिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पास्फरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपास्फरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२९३ किलत् (किल्) श्वेत्यक्रीडनयोः ।

- १ चेकिल्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेकिल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेकिल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- अचेकिल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि ध्वहि धमहि
- ५ अचेकिलि-ष्ट याताम् षत षाः याथाम् षट्त्वम् ध्वम्
- ६ चेकिलाश्व-के काते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे चेकिलाश्वभूष चेकिलाश्वमास (य वहि महि
- ७ चेकिलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ चेकिलिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेकिलि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येये ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचेकिलि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१२९४ हिलत् (हिल्) हावकरणे ।

- १ जेहिल्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेहिल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेहिल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजेहिल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अजेहिलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ह्वम् ध्वम्
- ६ जेहिलाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम जेहिलाश्चक्रे जेहिलामास (य वहि महि
- ७ जेहिलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ जेहिलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जेहिलि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अजेहिलि व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१२९५ शिलत् (शिल्) उञ्छे ।

- १ शेशिल्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शेशिल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शेशिल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशेशिल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अशेशिलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ह्वम् ध्वम्
- ६ शेशिलामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम शेशिलाश्चक्रे शेशिलाम्बभूव (य वहि महि
- ७ शेशिलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ शेशिलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शेशिलि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अशेशिलि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१२९६ सिलत् (सिल्) उञ्छे ।

- १ सेसिल्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सेसिल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सेसिल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असेसिल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ असेसिलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ह्वम् ध्वम्
- ६ सेसिलाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम सेसिलाश्चक्रे सेसिलामास (य वहि महि
- ७ सेसिलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ सेसिलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सेसिलि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० असेसिलि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- १२९७ तिलत् (तिल्) स्नेहने । तिल ४०५ वद्रूपाणि
- १२९८ चलत् (चल्) विलसने । चल ८९८ वद्रूपाणि

१२९९ चिलत् (चिल्) वसने ।

- १ चेचिल्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेचिल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेचिल्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेचिल्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ह्वम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचेचिलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ह्वम् ध्वम्
- ६ चेचिलाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चेचिलाश्चक्रे चेचिलामास (य वहि महि
- ७ चेचिलिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
- ८ चेचिलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेचिलि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अचेचिलि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

- १ मेमिल्ल-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 २ मेमिल्लये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 ३ मेमिल्ल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
 यावहे यामहे
 ४ अमेमिल्ल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
 यावहि यामहि (ह्वम् पि ध्वहि ध्वहि
 ५ अमेमिल्लि-ष्ट पाताम् षत ष्याः षाथाम् ड्ववम् ध्वम्
 ६ मेमिल्लाम्बभू-व वतुः बुधः विथ वधुः व व विव विम
 मेमिल्लाम्बभू मेमिल्लाम्बभू (य वहि महि
 ७ मेमिल्लिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्याः यास्थाम् ध्वम् ह्वम्
 ८ मेमिल्लिता- " रौरः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 ९ मेमिल्लि-ल्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये
 ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 १० अमेमिल्लि-ल्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१३०४ स्पृशन्त (स्पृश) संस्पृशे ।

- १ परीस्पृश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ परीस्पृश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ परीस्पृश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपरीस्पृश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपरीस्पृशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ परीस्पृशाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम परीस्पृशाश्चक्रे परीस्पृशामास (य वहि महि
- ७ परीस्पृशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ परीस्पृशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ परीस्पृशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अपरीस्पृशि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३०६ रिशन्त (रिश्) हिंसायाम् ।

- १ रेरिश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रेरिश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रेरिश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरेरिश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरेरिशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रेरिशाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम रेरिशाश्चक्रे रेरिशामास (य वहि महि
- ७ रेरिशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रेरिशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रेरिश्-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरेरिश्-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३०५ रुशन्त (रुश्) हिंसायाम् ।

- १ रोरुश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रोरुश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रोरुश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अरोरुश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अरोरुशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ रोरुशामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम रोरुशाश्चक्रे रोरुशाम्बभूव (य वहि महि
- ७ रोरुशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रोरुशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रोरुशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरोरुशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३०७ विशन्त (विश्) प्रवेशने ।

- १ वेविश्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेविश्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेविश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेविश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
- ५ अवेविशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ वेविशाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम वेविशाश्चक्रे वेविशामास (य वहि महि
- ७ वेविशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वेविशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेविश्-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अवेविशि ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३०८ मृशंत (मृश) आमर्शने ।

- १ मरीमृश-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मरीमृश्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मरीमृश-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अमरीमृश-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि षमहि

५ अमरीमृशि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्वम् ध्वम्

६ मरीमृशामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मरीमृशाश्चक्रे मरीमृशाम्बभूव (य वहि महि

७ मरीमृशिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ मरीमृशिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ मरीमृशि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अमरीमृशि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३०९ लिशंत (लिश) गतौ लिशिच ११८२ वद्रूपाणि

१३१० मिषत् (मिश) स्पृष्टायाम् । मिषू ४८४ वद्रूपाणि

१३११ वृहौत् (वृह) उद्यमे वृह ५१७ वद्रूपाणि

१३१२ तृहौत् (तृह) हिंसायाम् ।

- १ तरीतृह-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तरीतृह्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तरीतृह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अतरीतृह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् पि ष्वहि षमहि

५ अतरीतृहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्वम् ध्वम्

६ तरीतृहाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तरीतृहाश्चक्रे तरीतृहामास (य वहि महि

७ तरीतृहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्

८ तरीतृहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ तरीतृहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अतरीतृहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३१३ तृहौत् (तृह) हिंसायाम् तृहौत् १३१४ वद्रूपाणि

१३१४ स्तृहौत् (स्तृह) हिंसायाम् ।

- १ तरीस्तृह-ते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तरीस्तृह्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तरीस्तृह-ताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अतरीस्तृह-त येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [ढ्वम् पि ष्वहि षमहि

५ अतरीस्तृहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्वम् ध्वम्

६ तरीस्तृहामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तरीस्तृहाश्चक्रे तरीस्तृहाम्बभूव [य वहि महि

७ तरीस्तृहिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्

८ तरीस्तृहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ तरीस्तृहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अतरीस्तृहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३१५ स्तृहौत् (स्तृह) हिंसायाम् । स्तृहौत् १३१४ वद्रूपाणि

१३१६ कुटत् (कुट्) कौटिल्ये ।

१ चोकुट-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे

२ चोकुट्ये-त याताम् रन् थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ चोकुट-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अचोकुट-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि षमहि

५ अचोकुटि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्वम् ध्वम्

६ चोकुटाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे चोकुटाम्बभूव चोकुटामास (य वहि महि

७ चोकुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ चोकुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ चोकुटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अचोकुटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३१७ गुंत (गु) पुरीषोत्सर्गे । गुह् ५४५ वद्रूपाणि

१३१८ धृत (ध्रु) गतिस्थैर्ययोः । ध्रु १५ वद्रूपाणि

१३१९ णूत् (नृ) स्तवने । णुव् १००२ वद्रूपाणि

१३२० धूत् (ध्रु) विध्वनने । ध्रूगट् ११९६ वद्रूपाणि

१३२१ कुचत् (कुच्) संकोचने । कुच ९१ वद्रूपाणि

१३२२ व्यचत् (व्यच्) व्याजीकरणे ।

- १ वेविच-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेविच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेविच-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अवेविच-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि षमहि

५ अवेविचि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्

६ वेविचामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम वेविचाश्चके वेविचाम्बभूव (य वहि महि

७ वेविचिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्

८ वेविचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ वेविचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अवेविचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३२३ गुजत् (गुज्] शब्दे । गुज १३७ वद्रूपाणि

१३२४ घुटत् (घुट्) प्रतीधाते । घुटि ८६६ वद्रूपाणि

१३२५ चुटत् (चुट्) छेदने । चुट १८७ वद्रूपाणि

१३२६ छुटत् (छुट्) छेदने ।

१ चोच्छुट्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ चोच्छुट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

चोच्छुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

अचोच्छुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि षमहि

५ अचोच्छुटि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्

६ चोच्छुटाश्च-के काते किरि कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे चोच्छुटाम्बभूव चोच्छुटामास (य वहि महि

७ चोच्छुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्

८ चोच्छुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ चोच्छुटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अचोच्छुटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३२७ वुटत् (वुट्) छेदने ।

१ तोवुट्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ तोवुट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ तोवुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अतोवुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि षमहि

५ अतोवुटि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्

६ तोवुटाम्बभूव व वुटुः वुः विथ वथुः व व विव विम तोवुटाश्चके तोवुटामास (य वहि महि

७ तोवुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्

८ तोवुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ तोवुटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अतोवुटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३२८ तुरत् (तुर्) कलहकर्मणि ।

१ तोतु-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ तोतुये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ तोतुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अतोतुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ध्वहि षमहि

५ अतोतुटि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्

६ तोतुटामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तोतुटाश्चके तोतुटाम्बभूव [य वहि महि

७ तोतुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन्ष्टाः यास्थाम् ध्वम्

८ तोतुटिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ तोतुटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अतोतुटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३२९ मुटत् (मुट्) आक्षेपप्रमर्दनयोः ।

मुट १८६ वद्रूपाणि

१३३० स्फुटत् (स्फुट्-विकसने । स्फुट् १९३ वद्रूपाणि

१३३१ पुटत् (पुट्) संश्लेषणे ।

- १ पोपुट्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोपुट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पोपुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोपुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अपोपुटि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ पोपुटि-क्वे क्राते किरि कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे
- पोपुटाम्बभूव पोपुटामास (य वहि महि)
- ७ पोपुटिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पोपुटिता-'' रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोपुटि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अपोपुटि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १३३२ लुटत् (लुट्) संश्लेषणे । लुट् २०३ वद्रूपाणि

१३३३ कृडत् (कृड्) घसने ।

- १ चरीकृड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चरीकृड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चरीकृड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचरीकृड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अचरीकृडि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ चरीकृडामा-स सतुः सुः सिथि सथुः स ससिथि सिमि
- चरीकृडाम्बभूव चरीकृडामास (य वहि महि)
- ७ चरीकृडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चरीकृडिता-'' रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चरीकृडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अचरीकृडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३३४ कुडत् (कुड्) वान्ये च ।

- १ चोकुड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोकुड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोकुड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोकुड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अचोकुडि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- चोकुडाम्बभूव चोकुडामास (य वहि महि)
- ६ चोकुडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- चोकुडिता-'' रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ७ चोकुडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अचोकुडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३३५ गुडत् (गुड्) रक्षायाम् ।

- १ जोगुड्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोगुड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोगुड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोगुड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अजोगुडि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- जोगुडाम्बभूव जोगुडामास (य वहि महि)
- ६ जोगुडिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- जोगुडिता-'' रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ७ जोगुडि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि)
- १० अजोगुडि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १३३६ जुडत् (जुड्) वन्धे । जुडत् १२५३ वद्रूपाणि
- १३४५ तुडत् (तुड्) तोडने । तुड् २२६ वद्रूपाणि

१३३८ लुङत (लुङ्) संवरणे ।

- १ लोलुङ्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लोलुङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ लोलुङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलोलुङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अलोलुङि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ष्वम्
- ६ लोलुङाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम लोलुङाश्चक्रे लोलुङामास (य वहि महि
- ७ लोलुङिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ष्वम्
- ८ लोलुङिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लोलुङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अलोलुङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३४० स्थुङत (स्थुङ्) संवरणे ।

- १ तोस्थुङ्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोस्थुङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ तोस्थुङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोस्थुङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतोस्थुङि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ष्वम्
- ६ तोस्थुङाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे तोस्थुङाम्बभूव तोस्थुङामास (य वहि महि
- ७ तोस्थुङिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ष्वम्
- ८ तोस्थुङिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोस्थुङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतोस्थुङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३३९ थुङत (थुङ्) संवरणे ।

- १ तोथुङ्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोथुङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ तोथुङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतोथुङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतोथुङि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ष्वम्
- ६ तोथुङाश्च-के क्राते क्तिरे कृषे काथे कृद्वे के कृवहे कृमहे तोथुङाम्बभूव तोथुङामास (य वहि महि
- ७ तोथुङिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ष्वम्
- ८ तोथुङिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोथुङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतोथुङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३४१ वुङत (वुङ्) उत्सर्गे च ।

- १ वोवुङ्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वोवुङ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ वोवुङ्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवोवुङ्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अवोवुङि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् षड्वम् ष्वम्
- ६ वोवुङाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम वोवुङाश्चक्रे वोवुङामास (य वहि महि
- ७ वोवुङिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ष्वम्
- ८ वोवुङिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वोवुङि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये व्यावहे व्यामहे (ष्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवोवुङि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३४२ झुडत् (झुड्) संघाते ।

- १ बोझुड्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बोझुड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बोझुड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबोझुड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि)
- ५ अबोझुडि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ बोझुडाश्च-के काते किरे कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे बोझुडाम्बभूष बोझुडामास (य वहि महि)
- ७ बोझुडिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बोझुडिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बोझुडि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अबोझुडि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१३४४ दुडत् (दुड्) निमज्जने ।

- १ दोदुड्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ दोदुड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ दोदुड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अदोदुड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि)
 - ५ अदोदुडि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् षड्वम् ध्वम्
 - ६ दोदुडाश्च-के काते किरे कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे दोदुडाम्बभूष दोदुडामास (य वहि महि)
 - ७ दोदुडिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ दोदुडिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ दोदुडि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
 - १० अदोदुडि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- १३४५ हुडत् (हुड्) निमज्जने । हुड् २२९ खट्वापाणि

१३४३ झुडत् (झुड्) संघाते ।

- १ बोझुड्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बोझुड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बोझुड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबोझुड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि)
- ५ अबोझुडि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ बोझुडामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम बोझुडाम्बभूष बोझुडाश्चके [य वहि महि]
- ७ बोझुडिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बोझुडिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बोझुडि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अबोझुडि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१३४६ झुडत् (झुड्) निमज्जने ।

- १ तोझुड्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तोझुड्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तोझुड्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अतोझुड्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि ध्महि)
- ५ अतोझुडि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् षड्वम् ध्वम्
- ६ तोझुडाश्च-के काते किरे कृषे काये कृद्वे के कृवहे कृमहे तोझुडाम्बभूष तोझुडामास (य वहि महि)
- ७ तोझुडिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तोझुडिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तोझुडि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अतोझुडि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१३४७ चुणत् (चुण्) छेदने ।

- १ चोचुण-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ चोचुण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
 - ३ चोचुण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अचोचुण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्महि
 - ५ अचोचुणि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् ष्वम्
 - ६ चोचुणाम्बभूव ववतुः वुः विथ वधुः व व विव विम चोचुणाश्च चोचुणामास (य वहि महि
 - ७ चोचुणिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ चोचुणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ चोचुणि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 - १० अचोचुणि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- १३४८ डिपत् (डिप्) क्षेपे । डिपच् ११०४ वद्रूपाणि

१३४९ दुरत् (दुर) छेदने ।

- १ चोचदुर-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोचदुर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोचदुर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोचदुर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढवम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अचोचदुरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् ष्वम्
- ६ चोचदुराश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राये कृद्वे के कृवहे कृमहे चोचदुराम्बभूव चोचदुरामास (य वहि महि
- ७ चोचदुरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढवम्
- ८ चोचदुरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोचदुरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचोचदुरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१३५० स्फुरत् (स्फुर) स्फुरणे ।

- १ पोस्फुर-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पोस्फुर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
- ३ पोस्फुर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अपोस्फुर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढवम् षि ष्वहि ष्महि
- ५ अपोस्फुरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् ष्वम्
- ६ पोस्फुराश्च-क्रे क्राते क्रिरे कृषे क्राये कृद्वे के कृवहे कृमहे पोस्फुराम्बभूव पोस्फुरामास (य वहि महि
- ७ पोस्फुरिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढवम्
- ८ पोस्फुरिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पोस्फुरि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अपोस्फुरि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्

१३५१ स्फुलत् (स्फुल्) संचये च ।

- १ पोस्फुल-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ पोस्फुल्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ पोस्फुल-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अपोस्फुल-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढवम् षि ष्वहि ष्महि
 - ५ अपोस्फुलि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्वम् ष्वम्
 - ६ पोस्फुलाम्बभूव ववतुः वुः विथ वधुः व व विव विम पोस्फुलाश्च पोस्फुलामास (य वहि महि
 - ७ पोस्फुलिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ढवम्
 - ८ पोस्फुलिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ पोस्फुलि-ध्यते ध्येते ध्यन्ते ध्यसे ध्येथे ध्यध्वे ध्ये ध्यावहे ध्यामहे (ध्ये ध्यावहि ध्यामहि
 - १० अपोस्फुलि-ध्यत ध्येताम् ध्यन्त ध्यथाः ध्येथाम् ध्यध्वम्
- १३५२ कुङ्कत् (कुङ्) शब्दे । कुङ् १००७ वद्रूपाणि
 १३५३ कृङ्कत् (कृङ्) शब्दे । कृङ् १००७ वद्रूपाणि
 १३५४ गुरैति (गुर) उद्यमे । गुरैचि ११७७ वद्रूपाणि
 १३५५ पृङ्कत् (पृङ्) व्यायामे । पृङ् १०४५ वद्रूपाणि

१३५६ दृङ् (दृ) आदने ।

- १ देद्री-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ देद्रीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ देद्री-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अदेद्री-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अदेद्रीयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ देद्रीयाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम देद्रीयाश्चक्रे देद्रीयामास (य वहि महि
- ७ देद्रीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्
- ८ देद्रीयिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ देद्रीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अदेद्रीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १३५७ धृङ् [धृ] स्थाने । धृङ् ५५६ वद्रूपाणि
- १३५८ ओविजति (विज्) भञ्जनयोः । विज् की १०५३ वद्रूपाणि
- १३५९ ओलजैङ् (लज्) व्रीडे । लज वद्रूपाणि

१३६० ओलरुजैत् (लरुज्) व्रीडे ।

- १ लालज्ज-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ लालज्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ लालज्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अलालज्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अलालज्जि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ लालज्जाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम लालज्जाश्चक्रे लालज्जामास (य वहि महि
- ७ लालज्जिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ लालज्जिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ लालज्जि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अलालज्जि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३६१ ष्वजित् (स्वज्ज्) संगे ।

- १ सास्वज्ज-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सास्वज्जये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सास्वज्ज-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असास्वज्ज-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ असास्वजि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ सास्वज्जाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम सास्वजाश्चक्रे सास्वजामास (य वहि महि
- ७ सास्वजिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सास्वजिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सास्वजि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० असास्वजि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३६२ जुषैति (जुष्) प्रीतिसेवनयोः ।

- १ जोजुष्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जोजुष्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जोजुष्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजोजुष्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अजोजुषि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्द्वम् ध्वम्
- ६ जोजुषामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जोजुषाश्चक्रे जोजुषाम्बभूष (य वहि महि
- ७ जोजुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जोजुषिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जोजुषि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजोजुषि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

श्रीमत्तपोगणगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्व-
 ज्ञशासनसार्वभौमतीर्थरक्षणपरायणवि-
 द्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-
 संविग्रशाखीयभाचार्यचूडामणि
 -अखण्डविजयश्रीमद्गुरुरा-
 जविजयनेमिसुरीश्वरचर-
 णेन्द्रिरामन्दिरिन्दिरा-
 यमाणान्तिषन्मुनिलाव-
 ण्यविजयविरचि-
 तस्य धातुरत्नाक-
 रस्य यङन्तरूप-
 परम्पराप्रकृति-
 निरूपणे
 चतुर्थभागे
 तुदादिगणः संपूर्णः॥

१३६४ रिष्टृम्पी (रिश्) विरेचने ।

- १ रेरिश्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ रेरिश्चे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ रेरिश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
 - ४ अरेरिश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
 - ५ अरेरिश्चि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
 - ६ रेरिचाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
रेरिचाश्चक्रे रेरिचामास (य वहि महि
 - ७ रेरिचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
 - ८ रेरिचिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ रेरिचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
 - १० अरेरिश्चि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १३६५ विष्टृम्पी (विच्) पृथग्भावे ।
 व्यचत् १३२२ वद्रूपाणि
 १३६६ युष्टृम्पी (युज्) योगे । युजिञ्च

१३६३ रुष्टृम्पी (रुष्) आवरणे ।

- १ रोरुश्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ रोरुश्चे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ रोरुश्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अरोरुश्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अरोरुश्चि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ रोरुधामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम
रोरुधाश्चक्रे रोरुधाम्बभूष (य वहि महि
- ७ रोरुधिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ रोरुधिता- " रौरः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ रोरुधि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अरोरुश्चि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३६७ भिष्टृम्पी (भिद्) विदारणे ।

- १ बेभिद्-यते येते यन्ते यसे येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बेभिद्चे-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बेभिद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये
यावहे यामहे
- ४ अबेभिद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये
यावहि यामहि (षि ष्वहि ष्वहि
- ५ अबेभिदि-ष्ट याताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ बेभिदाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
बेभिदाश्चक्रे बेभिदामास (य वहि महि
- ७ बेभिदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बेभिदिता- " रौरः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बेभिदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये
ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबेभिदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३६८ छिद्म्पी (छिद्) द्वैधीकरणे ।

- १ चेच्छिद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेच्छिद्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेच्छिद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेच्छिद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अचेच्छिदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेच्छिदामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चेच्छिदाश्चके चेच्छिदाम्बभूव (य वहि महि
- ७ चेच्छिदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेच्छिदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेच्छिदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचेच्छिदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३६९ क्षुद्म्पी (क्षुद्) संपेधे ।

- १ क्षोक्षुद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ क्षोक्षुद्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ क्षोक्षुद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अक्षोक्षुद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अक्षोक्षुदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ क्षोक्षुदाश्च-के काते किरै कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे क्षोक्षुदाम्बभूव क्षोक्षुदामास (य वहि महि
- ७ क्षोक्षुदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ क्षोक्षुदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ क्षोक्षुदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अक्षोक्षुदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३७० उच्छृद्म्पी (छृद्) दीप्तिदेवनयोः ।

- १ चरीच्छृद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चरीच्छृद्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चरीच्छृद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचरीच्छृद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ष्वहि षमहि
- ५ अचरीच्छृदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चरीच्छृदाम्बभूव-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चरीच्छृदाश्चके चरीच्छृदामास (य वहि महि
- ७ चरीच्छृदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चरीच्छृदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चरीच्छृदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अचरीच्छृदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३७१ उत्तृद्म्पी (तृद्) हिसानादरयोः ।

- १ तरोत्तृद्-यते येते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तरोत्तृद्-ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तरोत्तृद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतरोत्तृद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ष्वहि षमहि
- ५ अतरोत्तृदि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ङ्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तरोत्तृदामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तरोत्तृदाश्चके तरोत्तृदाम्बभूव [य वहि महि
- ७ तरोत्तृदिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तरोत्तृदिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तरोत्तृदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अतरोत्तृदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३७२ पृचैप् (पृच) संपर्के । पृचैङ्क्

१०२३ वङ्गपाणि

१३७३ वृचैप् (वृच्) वरणे ।

- १ वरीवृच्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वरीवृच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वरीवृच्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवरीवृच्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अवरीवृचि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ष्वम्
- ६ वरीवृचामा-स सतुः सुः सिथ सथुः सस सिव सिम वरीवृचाम्बभूव वरीवृचाश्चक्रे [य वहि महि
- ७ वरीवृचिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ वरीवृचिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वरीवृचि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यस्ये व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अवरीवृचि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- १३७४ तञ्चूप् (तञ्च्) संकोचने । तञ्चू ९७ वद्रूपाणि

१३७५ तञ्जौप् (तञ्ज्) संकोचने ।

- १ तातज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तातज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तातज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतातज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अतातजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः याथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ तातजाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे तातजाम्बभूव तातजामास (य वहि महि
- ७ तातजिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तातजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तातजि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यस्ये व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अतातजि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१३७६ भञ्जौप् (भञ्ज्) आमर्दने ।

- १ बम्भज्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बम्भज्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बम्भज्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबम्भज्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अबम्भजि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बम्भजाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे बम्भजाम्बभूव बम्भजामास (य वहि महि
- ७ बम्भजिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ बम्भजिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बम्भजि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यस्ये व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अबम्भजि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्
- १३७७ भुजंप् (भुज्) पालनाभ्यवहारयोः । भुजौत् १२४९ वद्रूपाणि
- १३७८ ओविजंप् [विज्] भयचलनयोः । विजौ की १०५३ वद्रूपाणि
- १३७९ कृतैप् (कृत्] वेष्टने । कृतैत् १२२८ वद्रूपाणि
- १३८० शिष्ट्लप् (शिष्) विशेषणे शिष ४६८ वद्रूपाणि
- १३८१ पिष्ट्लप् (पिष्) सञ्चूर्णने ।
- १ पेपिष्ठ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ पेपिष्ठ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ पेपिष्ठ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यावहे
- ४ अपेपिष्ठ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ष्वहि षमहि
- ५ अपेपिषि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ पेपिषाश्च-के काते किरे कृषे काथे कृढ्वे के कृवहे कृमहे पेपिषाम्बभूव पेपिषामास (य वहि महि
- ७ पेपिषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ पेपिषिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ पेपिषि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यस्ये व्येथे व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि
- १० अपेपिषि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१३८२ हिस्व (हिस्) हिंसायाम् ।

- १ जेहिस्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जेहिस्व्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जेहिस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अजेहिस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि ध्वहि धमहि

५ अजेहिस्-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् षट्ठ्वम् ध्वम्

६ जेहिंसामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जेहिंसाश्चक्रे जेहिंसाम्बभूव (य वहि महि

७ जेहिंसिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ जेहिंसिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ जेहिंसि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अजेहिंसि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३८३ तृह्ण (तृह्) हिंसायाम् । तृहौत् १३१ वट्टपाणि

१३८४ खिदिप् [खिद्] द्विभ्ये खिदिच ११६५ वट्टपाणि

१३८५ खिदिप [खिद्] विचारणे । विदक्

१०१६ वट्टपाणि

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्व-

ज्ञशासनसार्वभौमतीर्थरक्षणपरायणवि-

द्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-

संविग्रशाखीयआचार्यचूडामणि

-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुरा-

जविजयनेमिसुरीश्वरचर-

णेन्दिरामन्दिरैन्दिरा-

यमाणान्तिषन्मुनिलाव-

ण्यविजयविरचि-

तस्य धातुरत्नाक-

रस्य यङन्तरूप-

परम्पराप्रकृतिनिरूपणे चतुर्थभागे

रुधादिगणः संपूर्णः ॥

१३८६ तनूयी (तन्) विस्तारे ।

- १ तन्तन्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तन्तन्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तन्तन्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अतन्तन्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [यि ध्वहि धमहि

५ अतन्तनि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् षट्ठ्वम् ध्वम्

६ तन्तनामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तन्तनाश्चक्रे तन्तनाम्बभूव [य वहि महि

७ तन्तनिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ तन्तनिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ तन्तनि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे [ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अतन्तनि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३८७ षण्यूयी (सन्) दाने । षन ३०२ वट्टपाणि

१३८८ क्षेणूयी (क्षण) हिंसायाम् ।

- १ चङ्क्षण-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चङ्क्षण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चङ्क्षण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अचङ्क्षण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि ध्वहि धमहि

५ अचङ्क्षणि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् षट्ठ्वम् ध्वम्

६ चङ्क्षणाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चङ्क्षणाश्चक्रे चङ्क्षणामास (य वहि महि

७ चङ्क्षणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम्

८ चङ्क्षणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे

९ चङ्क्षणि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अचङ्क्षणि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१३८९ क्षिण्यी (क्षिण) दाने ।

- १ चेक्षिण-यते यंते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेक्षिण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेक्षिण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेक्षिण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (पि ध्वहि धमहि)
- ५ अचेक्षिणि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ चेक्षिणाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम चेक्षिणाञ्चके चेक्षिणामास (य वहि महि)
- ७ चेक्षिणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेक्षिणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेक्षिणि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ध्यावहे ध्यामहे (ज्ये ध्यावहि ध्यामहि)
- १० अचेक्षिणि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्

१३९० तृण्यी (तृण) अदाने ।

- १ तरीतृण-यते यंते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ तरीतृण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ तरीतृण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अतरीतृण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि [पि ध्वहि धमहि]
- ५ अतरीतृणि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ तरीतृणामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम तरीतृणाञ्चके तरीतृणाम्बभूव [य वहि महि]
- ७ तरीतृणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ तरीतृणिता " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ तरीतृणि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ध्यावहे ध्यामहे [ज्ये ध्यावहि ध्यामहि]

१० अतरीतृणि ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम् १३९१ घृण्यी (घृण) दीप्तौ ।

- १ जरीघृण-यते यंते यन्ते यसे येथे यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जरीघृण्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जरीघृण-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजरीघृण-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये

यावहि यामहि

(पि ध्वहि धमहि

- ५ अजरीघृणि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्
- ६ जरीघृणामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम जरीघृणाञ्चके जरीघृणाम्बभूव (य वहि महि)
- ७ जरीघृणिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ जरीघृणिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जरीघृणि-ज्यते ज्येते ज्यन्ते ज्यसे ज्येथे ज्यध्वे ज्ये ध्यावहे ध्यामहे (ज्ये ध्यावहि ध्यामहि)

- १० अजरीघृणि-ज्यत ज्येताम् ज्यन्त ज्यथाः ज्येथाम् ज्यध्वम्
- १३९२ वन्यि (वन्) याचने । वन ३०० वट्टपाणि
- १३९३ मन्यि [मन्] बोधने । मनिञ्च ११७० वट्टपाणि

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्व-

ज्ञशासनसार्वभौमतीर्थरक्षणपरायणवि-

द्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-

संविग्रशास्त्रीयआचार्यचूडामणि

-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुरा-

जविजयनेमिसूरीश्वरचर-

णेन्द्ररामन्दिरेन्द्रिन्द्रिरा-

यमाणान्तिपन्मुनिलाव-

ण्यविजयविरचि-

तस्य धातुरत्नाक-

रस्य यङन्तरूप-

परम्पराप्रकृतिनिरूपणे चतुर्थभागे

तनादिगणः संपूर्णः ॥

१३९४ डुकीं [की] द्रव्याविनिमये ।

डुक्कु ८२० वट्टपाणि

१३९५ सिङ्ग [सि] बन्धने षोड् १०६१ वट्टपाणि

१३९६ प्रीङ्ग [प्रो] तृप्तिकान्त्योः । पृक्

१०४५ वट्टपाणि

१३९७ श्रीङ्ग [श्री] वरणे । श्रीङ्ग ८१५ वट्टपाणि

१३९८ मीङ्ग [मी] हिसायाम् । मीङ्ग ५५७ वट्टपाणि

१३९९ युङ्ग [यु] बन्धने । युक् १००१ वट्टपाणि

१४०० स्कुंश् (स्कु) आप्रवणे ।

- १ चोस्कु-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चोस्कुये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चोस्कु-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचोस्कु-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्यम् पि ध्वहि ध्वहि
- ५ अचोस्कुयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्वम् ष्वम्
- ६ चोस्कुयाम्बभू-ववतुः वुः विथ बधुः व व विव विम चोस्कुयाम्बभूव चोस्कुयामास (य वहि महि
- ७ चोस्कुयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ष्वम्
- ८ चोस्कुयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चोस्कुयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अचोस्कुयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१४०३ ग्रहीश् (ग्रह) उपायने ।

- १ जरीगृह-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ जरीगृह्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् यध्वम् य वहि महि
 - ३ जरीगृह-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अजरीगृह-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्यम् पि ध्वहि ध्वहि
 - ५ अजरीगृहि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्वम् ष्वम्
 - ६ जरीगृह्याञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राये कृद्वे के कृवहे कृमहे जरीगृह्याञ्च जरीगृह्यामास (य वहि महि
 - ७ जरीगृहिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ष्वम्
 - ८ जरीगृहिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ जरीगृहि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
 - १० अजरीगृहि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १४०४ पूगश् (पू) पवने । पूङ् ५५४ वङ्पाणि

१४०१ क्वृश् (क्वृ) शब्दे ।

- १ चोक्वृ-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ चोक्वृये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ चोक्वृ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अचोक्वृ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्यम् पि ध्वहि ध्वहि
 - ५ अचोक्वृयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्वम् ष्वम्
 - ६ चोक्वृयाञ्च-के क्राते क्रिरे कृषे क्राये कृद्वे के कृवहे कृमहे चोक्वृयाञ्च चोक्वृयामास (य वहि महि
 - ७ चोक्वृयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ष्वम्
 - ८ चोक्वृयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ चोक्वृयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
 - १० अचोक्वृयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १४०२ द्रृगश् [द्रृ] हिंसायाम् । द्रुं १२ वङ्पाणि

१४०५ लृगश् (लृ) छेदने ।

- १ लोलृ-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ लोलृये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ लोलृ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अलोलृ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्यम् पि ध्वहि ध्वहि
 - ५ अलोलृयि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः पाथाम् ष्वम् ष्वम्
 - ६ लोलृयाम्बभू-ववतुः वुः विथ बधुः व व विव विम लोलृयाम्बभूव लोलृयामास (य वहि महि
 - ७ लोलृयिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् ष्वम्
 - ८ लोलृयिता- " रौ रः से साथे ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ लोलृयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
 - १० अलोलृयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १४०६ धृगश् (धृ) कम्पने । धृङ् ११९६ वङ्पाणि

१४०७ स्तृग्श (स्तृ) आच्छादने ।

- १ तेस्तीर्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ तेस्तीर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ तेस्तीर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अतेस्तीर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि प्वहि प्वहि
 - ५ अतेस्तीरि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्
 - ६ तेस्तीराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम तेस्तीराश्चक्रे तेस्तीरामास (य वहि महि
 - ७ तेस्तीरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ङ्ढवम्
 - ८ तेस्तीरिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ तेस्तीरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्ये प्यावहि प्यामहि
 - १० अतेस्तीरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १४०८ कृग्श [कृ] हिंसायाम् । कृत १२३७ वद्रूपाणि

१४०९ वृग्श (वृ) वरणे ।

- १ वोवूर-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ वोवूर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ वोवूर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अवोवूर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि प्वहि प्वहि
 - ५ अवोवूरि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्
 - ६ वोवूराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम वोवूराश्चक्रे वोवूरामास (य वहि महि
 - ७ वोवूरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ङ्ढवम्
 - ८ वोवूरिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ वोवूरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्ये प्यावहि प्यामहि
 - १० अवोवूरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १४१० ज्यांश (ज्या) हानौ । जि ८ वद्रूपाणि
- १४११ रींश (री) गतिरेषणयोः रीङ्च ११५४ वद्रूपाणि
- १४१२ लींश (ली) श्लेषणे लीङ्च । ११५६ वद्रूपाणि

१४१३ व्लींश (व्ली) वरणे ।

- १ वेव्ली-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ वेव्लीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ वेव्ली-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अवेव्ली-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि प्वहि प्वहि
- ५ अवेव्लीयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्
- ६ वेव्लीयाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम वेव्लीयाश्चक्रे वेव्लीयामास (य वहि महि
- ७ वेव्लीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ङ्ढवम्
- ८ वेव्लीयिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ वेव्लीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्ये प्यावहि प्यामहि
- १० अवेव्लीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१४१४ ल्वींश (ल्वी) हिंसायाम् ।

- १ लेल्वी-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
 - २ लेल्वीये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
 - ३ लेल्वी-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
 - ४ अलेल्वी-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् पि प्वहि प्वहि
 - ५ अलेल्वीयि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ङ्ढवम् ध्वम्
 - ६ लेल्वीयामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम लेल्वीयाश्चक्रे लेल्वीयाम्बभूष (य वहि महि
 - ७ लेल्वीयिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ङ्ढवम्
 - ८ लेल्वीयिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
 - ९ लेल्वीयि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये प्यावहे प्यामहे (ष्ये प्यावहि प्यामहि
 - १० अलेल्वीयि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १४१५ कृंश (कृ) हिंसायाम् । कृत १२३७ वद्रूपाणि
- १४१६ मृंश (मृ) हिंसायाम् । मुरत् १२८९ वद्रूपाणि

१४१७ शृश् (शृ) हिंसायाम् ।

- १ शोशीर्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशीर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशीर्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशीर्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अशोशीरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशीराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- शोशीराम्बभूव शोशीरामास (य वहि महि
- ७ शोशीरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ शोशीरिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशीरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अशोशीरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १४१८ पृश् (पृ) पालनपूरणयोः पुरत् १२८८ वद्रूपाणि

१४१९ बृश् (बृ) वरणे ।

- १ बोबूर-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बोबूर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बोबूर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबोबूर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अबोबूरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बोबूराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- बोबूराम्बभूव बोबूरामास (य वहि महि
- ७ बोबूरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ बोबूरिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बोबूरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबोबूरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १४२० मृश् (मृ) वरणे ।

- १ बोभूर-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ बोभूर्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ बोभूर-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अबोभूर-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अबोभूरि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ बोभूराम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- बोभूराम्बभूव बोभूरामास (य वहि महि
- ७ बोभूरिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ बोभूरिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ बोभूरि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अबोभूरि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १४२१ दृश् (दृ) विदारणे । दृ १४१ वद्रूपाणि
- १४२२ जृश् (जृ) वयोहानौ । जृषच् १०५६ वद्रूपाणि
- १४२३ नृश् (नृ) नये । नृ १४२ वद्रूपाणि
- १४२४ ज्ञाश् (ज्ञा) अवबोधने ।
- १ जाज्ञा-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ जाज्ञाये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ जाज्ञा-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अजाज्ञा-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ढ्वम् षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अजाज्ञायि-ष्ट पाताम् षत ष्ठाः षाथाम् ष्ढ्वम् ध्वम्
- ६ जाज्ञायाम्बभू-व वतुः वुः विथ वथुः व व विव विम
- जाज्ञायाम्बभूव जाज्ञायामास (य वहि महि
- ७ जाज्ञायिषी-ष्ट यास्ताम् रन् ष्ठाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ जाज्ञायिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ जाज्ञायि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि
- १० अजाज्ञायि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्
- १४२५ क्षिपश् (क्षि) हिंसायाम् । क्षि १० वद्रूपाणि
- १४२६ त्रीश् (त्री) वरणे । त्रीषच् ११५७ वद्रूपाणि
- १४२७ म्रीश् (म्री) भरणे । मृग् ८१८ वद्रूपाणि
- १४२८ षेठश् (षेठ) भूतप्रादुर्भावे हेति ६२१ वद्रूपाणि
- १४२९ मृडश् (मृड) सुखने । मृडत् १२५५ वद्रूपाणि

१४३० ग्रन्थश्च (ग्रन्थ) मोचनप्रतिहर्षयोः ।

१ शाग्रथ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ शाग्रथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ शाग्रथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अशाग्रथ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि ध्वहि धमहि

५ अशाग्रथि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्

६ शाग्रथाम्बभू-व वतुः विय वथुः व व विव विम शाग्रथाश्चक्रे शाग्रथामास (य वहि महि

७ शाग्रथिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्

८ शाग्रथिता- " रौरः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे

९ शाग्रथि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अशाग्रथि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१४३१ ग्रन्थश्च (ग्रन्थ) विलोडने । ग्रन्थ २६७ वद्रूपाणि

१४३२ ग्रन्थश्च (ग्रन्थ) संदर्भे ।

१ जाग्रथ-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ जाग्रथ्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ जाग्रथ-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अजाग्रथ-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि

५ अजाग्रथि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्

६ जाग्रथाम्बभू-व वतुः विय वथुः व व विव विम जाग्रथाश्चक्रे जाग्रथामास (य वहि महि

७ जाग्रथिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ जाग्रथिता- " रौरः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे

९ जाग्रथि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अजाग्रथि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१४३३ कुन्थश्च (कुन्थ) संक्रुशे कुथञ्च १०६४ वद्रूपाणि

१४३४ मृदश्च (मृद) क्षोदे ।

१ मरीमृद्-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ मरीमृद्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ मरीमृद्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अमरीमृद्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि ध्वहि धमहि

५ अमरीमृदि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्

६ मरीमृदाम्बभू-व वतुः विय वथुः व व विव विम मरीमृदाश्चक्रे मरीमृदामास (य वहि महि

७ मरीमृदिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्

८ मरीमृदिता- " रौरः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे

९ मरीमृदि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अमरीमृदि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१४३५ गुधश्च (गुध) रोषे । गुधञ्च १०६६ वद्रूपाणि

१४३६ बन्धश्च (बन्ध) बन्धने । बधि ६८८ वद्रूपाणि

१४३७ क्षुभश्च (क्षुभ) संचलने । क्षुभि ८७४ वद्रूपाणि

१४३८ णभश्च (नभ) हिंसायाम् । णभि ८७५ वद्रूपाणि

१४३९ तुभश्च (तुभ) हिंसायाम् । तुभि ८७६ वद्रूपाणि

१४४० खवश्च (खव) भूतप्रादुर्भावे ।

वययोर्निरनुनासिकत्वे

१ चाखव-यते येते यन्ते यस्य येथे यध्वे ये यावहे यामहे

२ चाखव्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि

३ चाखव-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे

४ अचाखव-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (द्वम् षि ध्वहि धमहि

५ अचाखवि-ष्ट पाताम् षत षाः षाथाम् ङ्ङ्वम् ध्वम्

६ चाखवामा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम चाखवाश्चक्रे चाखवाम्बभूष (य वहि महि

७ चाखविषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम् द्वम्

८ चाखविता- " रौरः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे

९ चाखवि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येथे ष्यध्वे ष्ये ष्यावहे ष्यामहे (ष्ये ष्यावहि ष्यामहि

१० अचाखवि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

तयोः सानुनासिकरवे चङ्गौयते । च-
स्यैव सानुनासिकरवे चङ्ग्यते । यस्यैव

सानुनासिकरवे चाङ्गौयते

१४४१ क्लिशौश् (क्लिश्) विषाधने ।

क्लिशिच् ११८१ वङ्गपाणि

१४४२ अशश[अश] भोजने अशौटि १२१७ वङ्गपाणि

१४४३ विषश् (विष्) विप्रयोगे । विष् ४८३ वङ्गपाणि

१४४४ मुषश् (मुष्) स्नेहसेचनपूरणेषु ।

मुष् ४९१ वङ्गपाणि

१४४५ प्लुषश् [प्लुष्] स्नेहसेचनपूरणेषु ।

प्लुष् ४९२ वङ्गपाणि

१४४६ मुषश् (मुष्) स्तेये । मुष् ४७३ वङ्गपाणि

१४४७ पुषश् (पुष्) पुष्टौ पुष । ४९५ वङ्गपाणि

१४४८ कुषश् (कुष्) निष्कवे ।

१ चोकुट्-यते येते यन्ते यसे येये यच्चे ये यावहे यामहे

२ चोकुट्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् च्वम् य वहि महि

३ चोकुट्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यच्चम् ये
यावहे यामहे

४ अचोकुट्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यच्चम् ये
यावहि यामहि (यि च्वहि च्वहि

५ अचोकुषि-ष्ट याताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् च्वम्

६ चोकुषाश्च-क्रे क्राते क्तिरे कृषे क्राये कृङ्वे के कृवहे कृमहे

चोकुषाम्बभूव चोकुषामास (य वहि महि

७ चोकुषिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् च्वम्

८ चोकुषिता-” रौ रः से साये च्वे हे स्वहे स्महे

९ चोकुषि-च्यते च्येते च्यन्ते च्यसे च्येये च्यच्चे च्ये

च्यावहे च्यामहे (च्ये च्यावहि च्यामहि

१० अचोकुषि-च्यत च्येताम् च्यन्त च्यथाः च्येथाम् च्यच्चम्

१४४९ ध्रस्वश् (ध्रस्) उङ्गळे ।

१ दाधस्-यते येते यन्ते यसे येये यच्चे ये यावहे यामहे

२ दाधस्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् च्वम् य वहि महि

३ दाधस्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यच्चम् ये
यावहे यामहे

४ अदाधस्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यच्चम् ये
यावहि यामहि (यि च्वहि च्वहि

५ अदाधसि-ष्ट याताम् षत षाः पाथाम् ङ्ङ्वम् च्वम्

६ दाधसामा-स सतुः सुः स्थि सथुः स स सिव सिम

दाधसाम्बभूव दाधसाश्चक्रे [य वहि महि

७ दाधसिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् च्वम्

८ दाधसिता-” रौ रः से साये च्वे हे स्वहे स्महे

९ दाधसि-च्यते च्येते च्यन्ते च्यसे च्येये च्यच्चे च्ये

च्यावहे च्यामहे (च्ये च्यावहि च्यामहि

१० अदाधसि-च्यत च्येताम् च्यन्त च्यथाः च्येथाम् च्यच्चम्

१४५० वृङ्गश् (वृ) संभक्तौ । व्रीङ्च् ११५७ वङ्गपाणि

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्व-

ज्ञशासनसार्वभौमतीर्थरक्षणपरायणवि-

द्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-

संविग्रशाखीयआचार्यचूडामणि

-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुरा-

जविजयनेमिसुरीश्वरचर-

णेन्दिरामन्दिरेंदिन्दिरा-

यमाणान्तिषण्मुनिलाब-

ण्यविजयविरचि-

तस्य धातुरत्नाक-

रस्य यङन्तरूप-

परम्पराप्रकृतिनिरूपणे चतुर्थभागे

क्रथादिगणः संपूर्णः ॥

१४५१ सूचण (सूच) पेश्म्ये ।

- १ सोसूच-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सोसूच्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सोसूच-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असोसूच-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (षि ध्वहि ध्वहि
- ५ असोसूचि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ सोसूचाम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम सोसूचाश्चक्रे सोसूचामास (य वहि महि
- ७ सोसूचिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ सोसूचिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सोसूचि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असोसूचि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१४५२ सूत्रश (सूत्र) विमोचने ।

- १ सोसूत्र-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ सोसूत्र्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ सोसूत्र-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ असोसूत्र-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ध्वम् षि ध्वहि ध्वहि
- ५ असोसूत्रि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ सोसूत्राम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम सोसूत्राश्चक्रे सोसूत्रामास (य वहि महि
- ७ सोसूत्रिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ सोसूत्रिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ सोसूत्रि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० असोसूत्रि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

१४५३ मूत्रण (मूत्र) प्रस्त्रवणे ।

- १ मोमूत्र-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मोमूत्र्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मोमूत्र-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमोमूत्र-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (ध्वम् षि ध्वहि ध्वहि
- ५ अमोमूत्रि-ष्ट पाताम् षत षाः पाथाम् ढ्वम् ध्वम्
- ६ मोमूत्राम्बभू-व वतुः दुः विथ वथुः व व विव विम मोमूत्राश्चक्रे मोमूत्रामास (य वहि महि
- ७ मोमूत्रिषी-ष्ट यास्ताम् रन् षाः यास्थाम् ध्वम् ढ्वम्
- ८ मोमूत्रिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मोमूत्रि-ष्यते ष्येते ष्यन्ते ष्यसे ष्येये ष्यध्वे ष्ये ध्यावहे ध्यामहे (ष्ये ध्यावहि ध्यामहि
- १० अमोमूत्रि-ष्यत ष्येताम् ष्यन्त ष्यथाः ष्येथाम् ष्यध्वम्

- १४५४ युजण (युज) संपर्चने युजिच्च ११६० वद्रूपाणि
- १४५५ लीण (ली) ब्रवीकरणे लीङ्च ११५५ वद्रूपाणि
- १४५६ मीण (मी) मत्तौ । मङ् १५५७ वद्रूपाणि
- १४५७ प्रीगण (प्री) तर्पणे । ष्क् १०४५ वद्रूपाणि
- १४५८ धृगण (धृ) कम्पने । धृगूट ११९६ वद्रूपाणि
- १४५९ वृगण (वृ) आवरणे । व्रीङ्च ११५७ वद्रूपाणि
- १४६० जृण (जृ) वयोहानौ । जङ्च १०४६ वद्रूपाणि

चीकण (चीक्) आमर्षणे ।

- १ चेचीक्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ चेचीक्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ चेचीक्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अचेचीक्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि व्हि व्हि महि)
- ५ अचेचीकि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ चेचीकाश्च-के क्राते किरे कृषे क्राये कृद्वे के कृवहे कृमहे चेचीकाम्बभूव चेचीकामास (य वहि महि)
- ७ चेचीकिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ चेचीकिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ चेचीकि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अचेचीकि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

शीकण (शीक्) आमर्षणे ।

- १ शोशीक्-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ शोशीक्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ शोशीक्-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अशोशीक्-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि व्हि व्हि महि)
- ५ अशोशीकि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ शोशीकाश्च-के क्राते किरे कृषे क्राये कृद्वे के कृवहे कृमहे शोशीकाम्बभूव शोशीकामास (य वहि महि)
- ७ शोशीकिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ शोशीकिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ शोशीकि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अशोशीकि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१४६१ मार्गण (मार्ग) अन्वेषणे ।

- १ मामार्गि-यते येते यन्ते यस्य येये यध्वे ये यावहे यामहे
- २ मामार्ग्ये-त याताम् रन्थाः याथाम् ध्वम् य वहि महि
- ३ मामार्गि-यताम् येताम् यन्ताम् यस्व येथाम् यध्वम् ये यावहे यामहे
- ४ अमामार्गि-यत येताम् यन्त यथाः येथाम् यध्वम् ये यावहि यामहि (यि व्हि व्हि महि)
- ५ अमामार्गि-ष्ट पाताम् षत षाः याथाम् ड्ढ्वम् ध्वम्
- ६ मामार्गिमा-स सतुः सुः सिथ सथुः स स सिव सिम मामार्गिश्चके मामार्गिम्बभूव (य वहि महि)
- ७ मामार्गिषी-ष्ट यास्ताम् रन्थाः यास्थाम् ध्वम्
- ८ मामार्गिता- " रौ रः से साये ध्वे हे स्वहे स्महे
- ९ मामार्गि-व्यते व्येते व्यन्ते व्यसे व्येये व्यध्वे व्ये व्यावहे व्यामहे (व्ये व्यावहि व्यामहि)
- १० अमामार्गि-व्यत व्येताम् व्यन्त व्यथाः व्येथाम् व्यध्वम्

१४६२ पृचण (पृच्) संपर्चने । पृचैङ्क १०२३ वद्रूपाणि

१४६३ रिचण [रिच्] वियोजने ।

रिचिपी १३६४ वद्रूपाणि

१४६४ वचण [वच्] भाषणे । वचंक्

१०१३ वद्रूपाणि

१४६५ वृजैण [वृज्] वजने वृजैकि १०२६ वद्रूपाणि

१४६६ मृजौण (मृज्) शौचालङ्कारयोः ।

मृजौक् १०१४ वद्रूपाणि

१४६७ कटुण [कण्ट्] शोके । कटुङ्क ६२३ वद्रूपाणि

१४६८ अन्थण (अन्थ्) संदर्भे अन्थश् १४३० वद्रूपाणि

१४६९ क्रथण [क्रथ्] हिसायाम् । क्रथ ९६९ वद्रूपाणि

१४७० अथण [अथ्] बन्धने । अन्थश् १४३२ वद्रूपाणि

१४७१ वदिण (वद्) भाषणे । वद ९२४ वद्रूपाणि

१४७२ छदण (छद्) अपवारणे । छद ९७१ वद्रूपाणि

१४७३ आढः सदण (आ-सद्) गतौ ।

वदल् ८९२ वद्रूपाणि

(३०८) ॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० चतुर्थभागे यङन्तप्रक्रिया ॥

| | |
|---|---|
| १४७४ छृषण् (छृष्) संदीपने । ऊछृषयी १३७० वद्रूपाणि | १४८२ शिषण् [शिष्] असर्षोपयोगे । शिष ४६८ वद्रूपाणि |
| १४७५ शुम्भिण् (शुम्भ्) शुम्भौ । शुम्भ २९४ वद्रूपाणि | १४८३ जुषण् [जुष्] परितर्कणे । जुषेति १३६२ वद्रूपाणि |
| १४७६ तनूण् [तन्] अन्नाघाते तनूयी १३८६ वद्रूपाणि | १४८४ धुषण् [धुष्] प्रसहने । जिघृषाद् १२१५ वद्रूपाणि |
| १४७७ मानण् [मान्] पूज्यायाम् मानि ६९१ वद्रूपाणि | १४८५ हिसुण् [हिस्] हिंसायाम् । हिसुप् १३८२ वद्रूपाणि |
| १४७८ तपिण् [तप्] दाहे । तपं ३०५ वद्रूपाणि | १४८६ गर्हण् (गर्ह्) विनिन्दने गर्हि ७९४ वद्रूपाणि |
| १४७९ तृपण् (तृप्) मीणने । तृपौच १-९७ वद्रूपाणि | १४८७ षहण् (षह्) महणे । षहि ९१६ वद्रूपाणि |
| १४८० वृभैण् [वृभ्] भये । वृभैत् १२८२ वद्रूपाणि | |
| १४८१ मृषिण् (मृष्) तितिक्षायाम् । मृष् ४८८ वद्रूपाणि । | |

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौमतीर्थरक्षणपरायण-

विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीयआचार्यचूडामणि-

अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसुरीश्वरचरणेन्दिराम-

न्दिरेन्दिन्दिरायमाणान्तिपन्मुनिलावण्यविजयविर-

चितस्य धातुरत्नाकरस्य यङन्तरूपपरम्परा-

प्रकृतिनिरूपणे चतुर्थभागे

चुरादिगणः संपूर्णः ॥

समर्थितश्च धातुरत्नाकरस्य णिगन्तरूपपर-

म्पराप्रकृतिनिरूपणे नाम चतुर्थभागः ॥

DHĀTURATNĀKARA



यङलुवन्त प्रक्रिया

NAVRANG • नवरंग

1992

This publication has been brought out with financial assistance from Government of India, Ministry of Human Resources Development.

If any defect is found in this book, please return the copy by V.P.P. to the Publisher for exchange free of cost of postage.

DHĀTURATNĀKARA, VOL V

First Published 1867 Saka

Reprint 1992

Rs. 820 per set of Vols. 1-7

Published by:
Mrs Nirmal Singal, for
NAVRANG Booksellers & Publishers,
RB-7, Inder Puri, New Delhi - 12
Phone: 5722197, 589914

Printed by :
Diamond Printers,
B-74, Phase II, Naraina Industrial Area,
New Delhi - 28

श्रीतपोगच्छाधिपति-शासनसम्राट्-स्वरिचक्रचक्रवर्ति-सर्वतन्त्रस्वतन्त्र-जगद्गुरुश्रीमद्विजयनेमि
सूरीश्वरपट्टालंकार-व्याकरणवाचस्पति-शास्त्रविशारद-कविरत्न-श्रीमद्विजयलावण्यसूरीश्वर-
शिष्यरत्नविद्वद्वर्यमुनिश्रीदक्षविजयशिष्यरत्नविद्वद्वर्यबालमुनिश्रीसुशीलविजयविरचितं

॥ श्रीनेमिसूरीश्वराष्टकम् ॥

[शार्दूलविकीटितवृत्तानि]

यज्ज्ञानं च निबन्धसिन्धुतरणे, नौकानिभं वर्त्तते ।

यद्वाणी शुभमानसाम्बुजरवि-नानार्थसंबोधिनी ॥

यत्कीर्त्तिः किल दिक्षु विस्तृततरा, चन्द्रोज्ज्वला सर्वदा ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ १ ॥

यस्य क्षान्तिरनल्पकोपशमने, धाराधराभा वरा ।

नानाशिष्यप्रशिष्यवृन्दसाहितं, सद्बोधिरत्नप्रदम् ॥

दुर्दान्तप्रतिवादिवादनपुणं, सम्राट्पदालङ्कृतं ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ २ ॥

नानातर्कपरायणं गुणयुतं, लावण्यलीलालयं ।

न्यायव्याकरणादिशास्त्ररचना-नैपुण्यभाजां वरम् ॥

तीर्थोद्धारधुरन्धरं मुनिवरं, चारित्ररत्नाकरं ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ ३ ॥

वैराग्यद्रुमवर्धने जलधरं, श्वेताम्बराग्रेसरं ।

भव्यानामुपकारकारकुशलं, सिद्धान्तपारङ्गतम् ॥

नानादर्शनदर्शनामलधियं, सद्ब्रह्मचर्याश्रितं ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ ४ ॥

गीतार्थानुसृते तथाऽऽगमगते, पान्थं पथि प्रोद्यतं ।

विद्वद्बृन्दसुवन्दितामलगुणं, विद्वत्सभाभासुरम् ॥

यद्वाचा विमलाचलादिप्रभृतेः, संघा वरा निर्गता ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ ५ ॥

नन्दीवर्धनकारितप्रतिमया, श्रीवर्द्धमानप्रभो ।

रम्ये काननमण्डिते मधुपुरे, रत्नाकरालङ्कृते ॥

वर्षारम्भादिने महोदयकरं, यज्जन्म जातं शुभं ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ ६ ॥

लक्ष्मीचन्द्र इति श्रुतस्सुजनको, यस्यास्ति धर्मोद्यत-

श्रार्वाचारविचारचारुचरिता, माता च दीपालिका ।

वाग्दक्षो हि सतां प्रियो गुणनिधिः, श्रीबालचन्द्रोऽनुजो ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ ७ ॥

येषामीक्षणतोऽपि यान्ति विपुलं, भाग्योदयं सज्जना ।

भूपालावलिमौलिपूजितपदा,—म्भोजं च दिव्याकृतिम् ॥

सम्पूर्णेन्दुसुमण्डलाभवदनं, चन्द्रार्धभालस्थलं ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ ८ ॥

[सगंधरावृत्तम्]

नानाविद्याब्धिदेवाचलविमलधिया—मुक्तिसौभाग्यभाजां ।

श्रीमल्लावण्यसूरीश्वरप्रगुरुसतां, दक्षनाम्नो गुरोश्च ॥

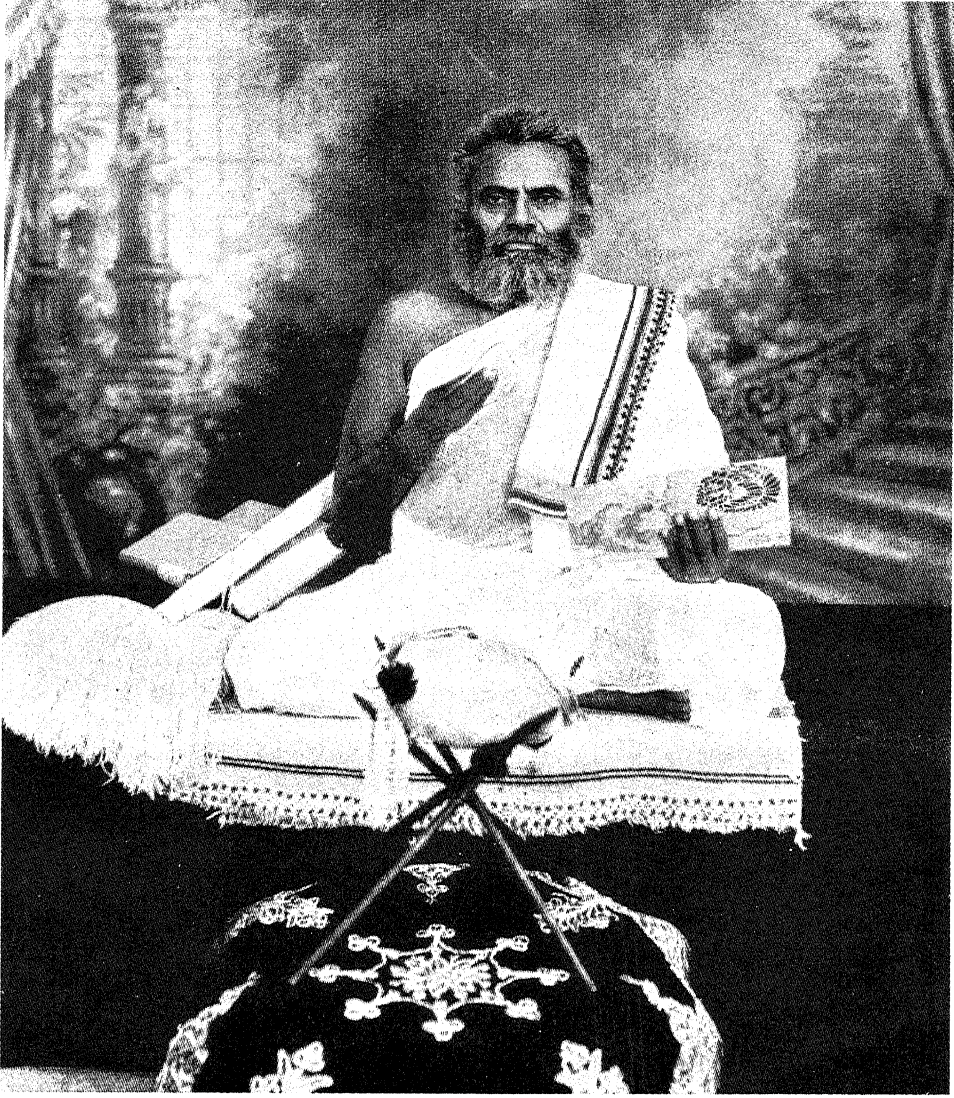
आसाद्यानुग्रहं चाष्टकमिदममलं, श्रीसुशीलेन दृढं ।

नित्यं भव्यात्मनां वै श्रुतिपठनकृतां मोददानाय भूयात् ॥ १ ।

॥ इति श्रीनेमिसूरीश्वराष्टकम् ॥



सर्वतन्त्रस्वतन्त्र-शासनसम्राट्-सूरिचक्रवर्त्ति जगद्गुरुतपागच्छाधिपति-भट्टारक



भव्याब्ध्यामदवृद्धिचन्द्रसदृशं, श्रीनेमिसूरीश्वरं ।
सम्यग्दर्शनबोधदानसदनं, चारित्रभानूदयम् ॥
जैनेन्द्रागमतत्त्वनन्दनघनं, लावण्ययोगालयं ॥
भो दक्षास्त्रिविधं हितं प्रणमत, प्रज्ञाप्रमोदक्षमम् ॥ १ ॥

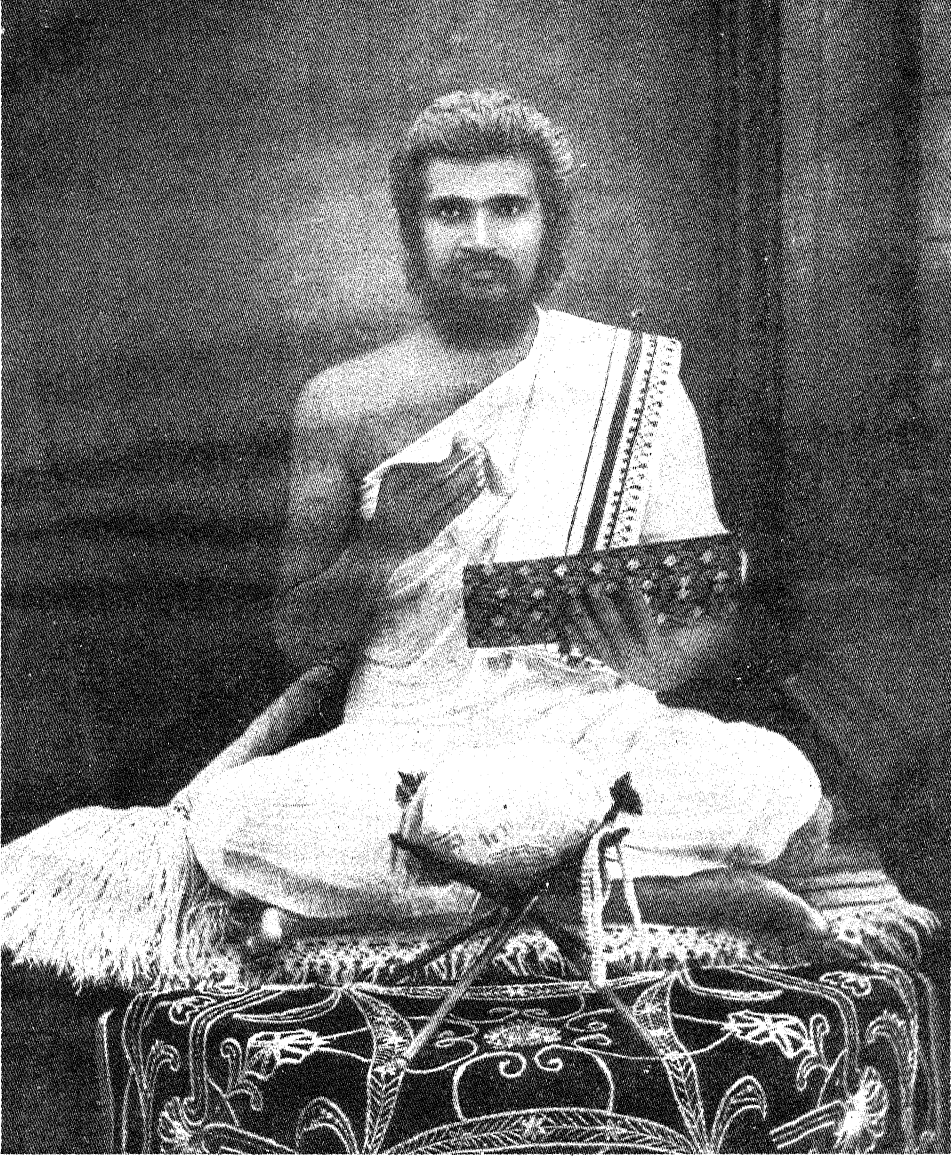
आचार्य श्रीविजयनेमिसूरीश्वरः
सूरिपद सं. १९६४ ज्येष्ठ शु. ५ भावनगर

गणपद सं. १९६० कार्तिक कृष्ण ७ वल्लभीपुर (वळा) : पद्मासपद सं. १९६० मागशर शु. ३ वल्लभीपुर (वळा)

जन्म सं. १९२९ कार्तिक शु. १ मधुमती (महवा) : दीक्षा सं. १९४५ ज्येष्ठ शु. ७ भावनगर

तपोगच्छाधिपति—सर्वतन्त्रस्वतन्त्र—शासनसम्राट्—सूरिचक्रचक्रवर्ति—जगद्गुरु—भट्टारकाचार्यवर्य—
 श्रीमद्विजयनेमिसूरीश्वरपट्टालङ्कार—
 व्याकरणवाचस्पति—शास्त्रविशारद—कविरत्न—निरुपमव्याख्यानसुधावर्षि—विबुधशिरोमणि—धातुरत्नाकर—
 तिलकमञ्जरीटीकाद्यनेकग्रन्थप्रणेता—

जन्म-वि. सं. १९५३ भाद्रपद वद ५ दीक्षा-वि. सं. १९७२ अषाढ सुद ५ वडी दीक्षा-वि. सं. १९७३ मागशर
 प्रवर्त्तकपद-वि. सं. १९८७ कार्तिक (प्रायः) बोटाद (काठीयावाड) ॥ सादडी, (मारवाड) ॥
 सुद ३ सादडी, (मारवाड) ॥ वद २, अमदावाद ॥



गणिपद-वि. सं. १९९० मागशर पद्मशास्त्रपद-वि. सं. १९९० मागशर उपाध्याय पद-वि. सं. १९९१ जेठ
 आचार्यपद-वि. सं. १९९२ वैशाख सुद ८, भावनगर ॥ सुद १०, भावनगर ॥
 वद १२, महुवा (काठीयावाड) ॥ सुद ४, अमदावाद ॥

भट्टारकाचार्यश्रीमद्विजयलावण्यसूरीश्वरः ॥

“न्यायव्याकरणागमेषु ललिते, काव्ये तथा छन्दसि । साहित्यप्रभृतौ प्रबन्धगगने यद्वीकराः विस्तृताः ॥
 प्रत्युत्पन्नमतिः प्रसादसदनं, व्याख्यानवाचस्पतिः । सोऽयं दक्षप्रमोददो विजयते, लावण्यसूरीश्वरः ॥१॥”

× प्रकृतिग्रहणे यङ्लुबन्तस्यापि ग्रहणम् ×



यस्माच्छब्दाद्यः प्रत्ययो विधीयते सा तस्य प्रकृतिः, सा चात्र सामर्थ्याद्वातुरूपैव ग्राह्या यङ्लुबन्तत्वस्यान्यत्रासम्भवात्, एवमुत्तरन्यायेऽपि वाच्यम् । यस्य धातोः केवलस्य यत् कार्यमुक्तं तत् तस्य यङ्लुबन्तस्यापि स्यात्, तेन प्रणिदत्ते इत्यत्र केवले इव यङ्लुबन्तेऽपि दागि परे “नेर्द्धमादा०” [२, ३, ७९] इति नेर्नो णः सिद्धः, यथा—प्रणिदादेति । सत्ताकरं चास्य “एकस्वरादनुस्वारेतः” [४, ४, ४५] इति बृहत्सूत्ररचनम् । तथाहि । अनुस्वारेतस्तावत् कृगादिधातवः, ते च सर्वेऽप्येकस्वरा एव भवन्ति, न त्वनेकस्वरः कश्चिदप्यनुस्वारेदस्तीत्यतः “एकस्वराद्” इत्यस्य व्यवच्छेद्याभावात् कर्तेत्यादावि-इनिषेधार्थम् “अनुस्वारेतः” इत्येतावताऽपि सूत्रेण सरति । अथेत्यं ब्रूये, अस्ति हनादेशो वधधातुरदन्तत्वादनेकस्वरः स्थानिवद्भावाच्चानुस्वारेच्च, तत्प्रयोगेषु चावधीदित्यादिषु इङ्-निषेधो न दृश्यते; “अनुस्वारेतः” इत्येतावदेव च सूत्रं यदि क्रियते तदा अवधीत् इत्यादिषु इङ्निषेधः प्रसज्यते इति चेत्तर्हि तस्येङ्निषेधनिवृत्त्यर्थम् “अवधानुस्वारेतः” इति सूत्रमस्तु, “एकस्वरानुस्वारेतः” [४, ४, ५६] इत्येतावत्तु किमर्थम् ? एवं सूत्रकृतिर्हि तदैव सार्थिका स्याद्यदि न केवलमेको वधधातुः किन्त्वन्येऽपि बहवो धातवोऽनेकस्वरानुस्वारेतः स्युर्नैव न्यथा, तादृशाश्च बहवो धातवस्तदैव सम्भवेयुः यदि कृगादीन् यङ्लुबन्तीकृत्यैष न्यायः स्फोर्यते । तद्यथा कृधातुर्यङ्लुबन्तत्वे चर्क इत्यादिरूपत्वादानेकस्वर एतन्न्याय-स्फोरणादनुस्वारेचेति; ततश्च चर्करितेत्यादाववधीदित्यादावपि चेङ्निषेधनिवृत्त्यर्थत्वाद् “एकस्वरादनुस्वारेतः” इति सूत्रकृतिः सार्थिका स्यात् । तदेवमिमं न्यायं विनाऽनुपपद्यमानमनेकस्वरानुस्वारेद्वातुबाहुल्यं विनाऽनुपपद्यमानम् “एकस्वरादनुस्वारेतः” [४, ४, ५६] इति बृहत्सूत्रकरणमिमं न्यायं ज्ञापयति । चटुलश्चायमग्रेतनेनापोद्यमानत्वात् ॥



× तिवा शवाऽनुबन्धेन निर्दिष्टं यद् गणेन च ।

एकस्वरनिमित्तं च पञ्चैतानि न यङ्लुपि ॥ १ ॥ ×

निर्दिष्टमिति तिवेत्यादिचतुर्षु योज्यम् । ततश्च तिवादिनिर्दिष्टमेकस्वरशब्दमुच्चार्य विहितं च कार्यं विवक्षितधातोर्थं यङ्लुप् स्यात् तदा न स्यात् । पूर्वणातिप्रसंगे प्राप्ते तन्निषेधपरोऽयं न्यायः । तत्र तिवा निर्दिष्टं द्विधा—अलुप्तेन लुप्तेन च । तत्रालुप्तेन यथा—“न कवतेर्यङः” [४-१-४८] इति कस्य चत्वनिषेधः । अयं कोकूयते इत्यादौ स्याच्चौकवीतीत्यादौ तु न । लुप्तेन यथा—“डे पिबः पीप्य” [४-१-३३] इति पीप्यादेशः । अयं पिबतेः केवलस्य स्याद्यथा

पिबन्तं प्रायुक्त अपीप्यत्, यङ्लुबन्तस्य तु न स्याद्यथा पापतं प्रायुक्त अपापयत् । शवा निर्दिष्टं यथा-“ निसस्तपेऽनासेवायाम् ” [२-३-३५] इति निसः सस्य षत्वम् । इदं निष्टपतीत्यादौ स्यान्निस्तातपीतीत्यादौ तु न । अनुबन्धेन निर्दिष्टं यथा-“ गापास्था-सादामाहाकः [४-३-९६] इति एत्वम् । इदं हेयादित्यादौ स्याज्जहायादित्यादौ तु न । गणेन निर्दिष्टं त्रिधा-संख्यया आदिशब्देन बहुवचनेन च । तत्र संख्यया यथा-“ रुत्प-श्रकाच्छिदयः ” [४-४-८८] इतीद् । अयं स्वपितीत्यादौ स्यात्सोषोप्तीत्यादौ तु न । आदिशब्देन यथा-“ लृदिद्द्युतादिपुष्यादेः परस्मै ” [३-४-६४] इत्यङ् । अयमद्युतदि-त्यादौ स्यात् अदेद्योतीदित्यादौ तु न । बहुवचनेन यथा-“ तेर्ग्रहादिभ्यः ” [४-४-३३] इत्यनेन ग्रहादिभ्यः परस्याशितस्तिप्रत्ययस्यादौ “ स्ताद्यशितो० ” [४-४-३२] इत्यनेन प्राप्तस्य इटोऽनुज्ञाविधिः । स भणितिः इत्यादौ स्यात् बम्भाणिरित्यादौ तु न । एकस्वरनिमित्तं यथा-“ एकस्वरादनुस्वारेतः ” [४-४-५६] इतीङ्निषेधः । अयं शक्त इत्यादौ स्यात् शाशकित इत्यादौ तु न । ननु शाशकित इत्यादावेकस्वरत्वाभावादेव “एकस्वरादनुस्वारेतः” इति सूत्रं न प्रवर्त्स्यति किं न्यायेन, सत्यम्, परं शकिधातुर्यद्येकस्वरस्तदा प्रकृतिग्रहणे यङ्लुबन्तस्थापीति न्यायात् शासकिरप्येकस्वर उच्यते । तथा चात्रापि “एकस्वरादनुस्वारेतः” [४-४-५६] इतीङ्निषेधः प्राप्नोति, परमेतन्न्यायेन निषेधान्न स्यात् । व्यक्तिकरं त्वस्य तत्तत्सूत्रेषु तिवादिनिर्देशा एव । तथाहि । तिवादिनिर्देशास्तावत्तत्सूत्रेषु कृतास्तेषां च विशेषः प्रायोऽन्यः कोऽपि न, एतावांस्तु दृश्यते, यदुत यङ्लुबन्तप्रयोगेषु तत्तत्सूत्रोक्तकार्याणि न सन्तीति ततोऽर्थापत्त्या ज्ञायते-एतदर्थमेवैते कृता इति । तरलत्वं त्वस्याद्ये पञ्चमे चांशे न । दृश्यते शेषेषु च दृश्यते । तत्र द्वितीये यथा-अपादित्यादाविव अपापादित्यादावपि “ पिबै-तिदाभूयः सिचो लुप्परसौ न चेद् ” [४, ३, ६६] इत्यनेन शब्दनिर्दिष्टोऽपि सिचो लुबि-ङ्निषेधश्चाभूताम् । तृतीये यथा-नृत्त इत्यादाविव नरीनृत्तः इत्यादावपि “ डीयञ्च्यैदितः क्तयोः ” [४, ४, ६१] इत्यनेनानुबन्धनिर्दिष्टोऽपि इङ्निषेधोऽजनि । तुर्ये यथा-स्पृष्टा इत्यादाविव स्पृशेर्यङ्लुपि रागमे तिबि पस्प्रष्टि इत्यादावपि “ स्पृष्टादिसृपो वा ” [४, ४, ११२] इत्यनेन गणनिर्दिष्टोऽप्यदागम आगात् ॥



॥ श्रीमज्जिनपुङ्गवेभ्यो नमः ॥

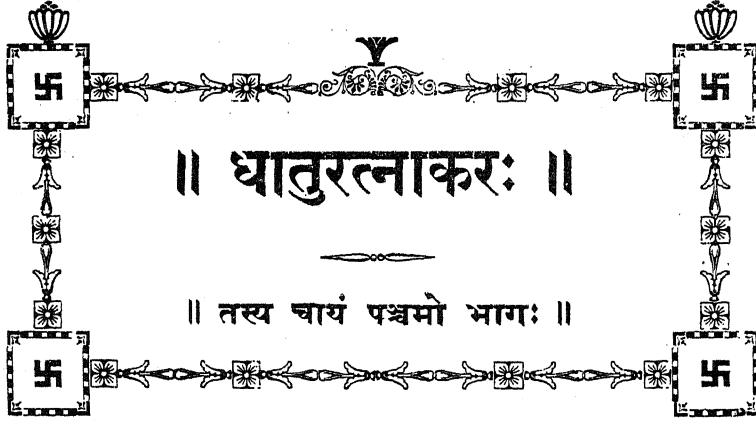
सकलस्वपरसमयपारावारपारीण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-तपोगच्छाधिपति-

भट्टारकाचार्य-जगद्गुरुश्रीमद्विजयनेमिसूरिभगवद्भ्यो नमः ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-कोविद-

कुलालङ्कार-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वर-

चरणारविन्दचञ्चरीकायमाणान्तिषन्मुनिलावण्यविजयप्रणीतो --



॥ धातुरत्नाकरः ॥

॥ तस्य चायं पञ्चमो भागः ॥

नत्वा श्रीनेमिनामान-माजन्मब्रह्मचारिणम् ।

तीर्थनाथं गुरुं चैव भारतीं जिनभाषिताम् ॥ १ ॥

धातुरत्नाकरस्याहं लावण्यविजयो मुनिः ।

भागं पञ्चममातन्वे बालानां सुखहेतवे ॥ २ ॥

यङन्तरूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणानन्तरं यङ्लुबन्तरूपा परम्पराप्रकृतिरुदाह्रियते ।
बहुलं लुप् ॥ ३ । ४ । १४ ॥ यङो लुब् बहुलं भवति । बोभूयते । बोभवीति । बोभोति ।
रोरूयते । रोरूवीति । रोरोति । लालप्यते । लालपीति । लालप्ति । चंक्रम्यते । चंक्रमीति ।
चंक्रन्ति । जंजप्यते । जंजपीति । जंजप्ति । बहुलग्रहणं प्रयोगानुसरणार्थम् । तेन कचिन्न
भवति । लोलूया । पोषूया ॥ यङ्लुप् चेति वचनाद् यङ्लुबन्तानामदादित्वम् । इङित
इत्यनुबन्धनिर्देशाद्यङ्लुबन्तादात्मनेपदं न भवति । यङ्त्तुस्तोरिति वेडागमः ॥

तिवा शवानुबन्धेन, निर्दिष्टं यद् गणेन च ।

एकस्वरनिमित्तं च, पञ्चैतानि न यङ्लुपि ॥ १ ॥

॥ १ भू सत्तायाम् ॥

वर्त्तमाना, लट्, Present.

| | | |
|-------------------|---|-------------------|
| बोभवीति बोभोति | } | बोभूतः, बोभुवति । |
| बोभवीषि बोभोषि | | |
| बोभवीमि बोभोमि | } | बोभूयः, बोभूथ । |
| | | |
| | } | बोभूवः, बोभूमः ॥ |
| | | |

सत्तमी, विध्यर्थ, लिङ्, Potential.

| |
|---------------------------------|
| बोभूयात्, बोभूयाताम्, बोभूयुः । |
| बोभूयाः, बोभूयातम्, बोभूयात । |
| बोभूयाम्, बोभूयाव, बोभूयाम ॥ |

पञ्चमी, आक्षार्थ, लोट्, Imperative.

| | | | | |
|-------------------------------|---|----------|---|-----------|
| बोभवीतु बोभोतु बोभूतात् | } | बोभूताम् | } | बोभुवतु । |
| बोभूहि बोभूतात् | | | | |
| बोभवानि, बोभवाव, बोभवाम ॥ | | | | |

ह्यस्तनी, लङ्, Imperfect.

| | | |
|---------------------------|---|----------------------|
| अबोभवीत् अबोभोत् | } | अबोभूताम्, अबोभुवः । |
| अबोभवीः अबोभोः | | |
| अबोभवम्, अबोभूव, अबोभूम ॥ | | |

अद्यतनी, लुङ्, Aorist.

| |
|--------------------------------|
| अबोभोत्, अबोभोताम्, अबोभूवन् । |
| अबोभोः, अबोभोतम्, अबोभोत । |
| अबोभूवम्, अबोभोव, अबोभोम ॥ |

केचित्तु—

| | | |
|----------------------|---|-----------------------|
| अबोभूवीत् अबोभोत् | } | अबोभूताम्, अबोभूवुः । |
| | | |

| | | |
|----------------------------|---|--------------------|
| अबोभूवीः अबोभोः | } | अबोभूतम्, अबोभूत । |
| अबोभूवम्, अबोभूव, अबोभूम ॥ | | |

परोक्षा, लिट्, Perfect ॥

| | |
|--|------------------------------|
| बोभवाश्चकार, बोभवाश्चकतुः, बोभवाश्चकुः । | |
| बोभवाश्चकर्थ, बोभवाश्चकथुः, बोभवाश्चक । | |
| बोभवाश्चकार बोभवाश्चकर | } बोभवाश्चकृव, बोभवाश्चकृम । |
| | |
| बोभवाम्बभूव, बोभवाम्बभूवतुः, बोभवाम्बभूवुः । | |
| बोभवाम्बभूविथ, बोभवाम्बभूवथुः, बोभवाम्बभूव । | |
| बोभवाम्बभूव, बोभवाम्बभूविव, बोभवाम्बभूविम ॥ | |
| बोभवामास, बोभवामासतुः, बोभवामासुः । | |
| बोभवामासिथ, बोभवामासथुः, बोभवामास । | |
| बोभवामास, बोभवामासिव, बोभवामासिम ॥ | |

आशीः, लिङ्, Benedictive.

| |
|-------------------------------------|
| बोभूयात्, बोभूयास्ताम्, बोभूयासुः । |
| बोभूयाः, बोभूयास्तम्, बोभूयास्त । |
| बोभूयासम्, बोभूयास्व, बोभूयास्म ॥ |

श्वस्तनी, लुट्, I-Future.

| |
|---|
| बोभविता, बोभवितारौ, बोभवितारः । |
| बोभवितासि, बोभवितास्थः, बोभवितास्थ । |
| बोभवितास्मि, बोभवितास्वः, बोभवितास्मः ॥ |

भविष्यन्ती, लृट्, II-Future.

| |
|---|
| बोभविष्यति, बोभविष्यतः, बोभविष्यन्ति । |
| बोभविष्यसि, बोभविष्यथः, बोभविष्यथ । |
| बोभविष्यामि, बोभविष्यावः, बोभविष्यामः ॥ |

क्रियातिपत्तिः, लृङ्, Conditional.

| |
|---|
| अबोभविष्यत्, अबोभविष्यताम्, अबोभविष्यन् । |
| अबोभविष्यः, अबोभविष्यतम्, अबोभविष्यथ । |
| अबोभविष्यम्, अबोभविष्याव, अबोभविष्याम ॥ |

२ पां (पा) पाने ॥

- व० पा-पेति, पाति, पीतः, पति, पेधि, पासि, पीथः, पीथ, पेमि, पामि, पीवः, पीमः ॥
- स० पापी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- प० पा-पेतु, पातु, पीतात्, पीताम्, पतु, पीहि, पीतात्, पीतम्, पीत, पानि, पाव, पाम ॥
- ह्य० अपा-पेत्, पात्, पीताम्, पुः, पेः, पाः, पीतम्, पीत, पाम्, पीव, पीम ॥
- अ० अपा-पात्, पाताम्, पुः, पाः, पातम्, पात, पाम्, पाव, पाम ॥
- प० पापा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- आ० पापेया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- श्व० पापिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- भ० पापिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- क्रि० अपापिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३ प्रां (प्रा) गन्धोपादाने ॥

- १ जा-प्रेति, प्राति, प्रीतः, प्रति, प्रेधि, प्रासि, प्रीथः, प्रीथ, प्रेमि, प्रामि, प्रीवः, प्रीमः ॥ [याव, याम ॥
- २ जाघ्री-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, ३ जा-प्रेतु, प्रातु, प्रीतात्, प्रीताम्, प्रतु, प्रीहि, प्रीतात्, प्रीतम्, प्रीत, प्राणि, प्राव, प्राम ॥
- ४ अजा-प्रेत्, प्रात्, प्रीताम्, पुः, प्रेः, प्राः, प्रीतम्, प्रीत, प्राम्, प्रीव, प्रीम ॥
- ५ अजाघ्रास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥ [प्राव, प्राम ॥
- ॥ अजा-प्रात्, प्राताम्, पुः, प्राः, प्रातम्, प्रात, प्राम्, ६ जाघ्रा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाघ्रेया } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- जाघ्राया } ८ जाघ्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ जाघ्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजाघ्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

४ ध्मां (ध्मा) शब्दाग्निसंयोगयोः ॥

- १ दा-ध्मेति, ध्माति, ध्मीतः, ध्मति, ध्मेधि, ध्मासि, ध्मीथः, ध्मीथ, ध्मेमि, ध्मामि, ध्मीवः, ध्मीमः ॥
- २ दाध्मी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दा-ध्मेतु, ध्मातु, ध्मीतात्, ध्मीताम्, ध्मतु, ध्मीहि, ध्मीतात्, ध्मीतम्, ध्मीत, ध्मानि, ध्माव, ध्माम ॥
- ४ अदा-ध्मेत्, ध्मात्, ध्मीताम्, ध्मुः, ध्मेः, ध्माः, ध्मीतम्, ध्मीत, ध्माम्, ध्मीव, ध्मीम ॥
- ५ अदाध्मास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाध्मा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाध्मेया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ दाध्मिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ दाध्मिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाध्मिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५ ध्मां (ध्मा) गतिनिवृत्तौ ॥

- १ ता-स्थेति, स्थाति, स्थीतः, स्थति, स्थेधि, स्थासि, स्थीथः, स्थीथ, स्थेमि, स्थामि, स्थीवः, स्थीमः ॥
- २ तास्थी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ता-स्थेत्, स्थातु, स्थीतात्, स्थीताम्, स्थतु, स्थीहि, स्थीतात्, स्थीतम्, स्थीत, स्थानि, स्थाव, स्थाम ॥
- ४ अता-स्थेत्, स्थात्, स्थीताम्, स्थुः, स्थेः, स्थाः, स्थीतम्, स्थीत, स्थाम्, स्थीव, स्थीम ॥
- ५ अता-स्थात्, स्थाताम्, स्थुः, स्थाः, स्थातम्, स्थात, स्थाम्, स्थाव, स्थाम ॥
- ६ तास्था-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तास्थेया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ तास्थिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ तास्थिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतास्थिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६ म्रां (म्रा) अभ्यासे ॥

- १ मा-मनेति, म्नाति, म्नीतः, म्नति, म्नेषि, म्नासि, म्नीथः, म्नीथ, म्नेमि, म्नामि, म्नीवः, म्नीमः ॥
- २ माह्नी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मा-मनेतु, म्नातु, म्नीतात्, म्नीताम्, म्नुतु, म्नीहि, म्नीतात्, म्नीतम्, म्नीत, म्नानि, म्नाव, म्नाम ॥
- ४ अमा-मनेत्, म्नात्, म्नीताम्, म्नुः, म्नेः, म्नाः, म्नीतम्, म्नीत, म्नाम्, म्नीव, म्नीम ॥
- ५ अमाह्नास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ माह्ना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ माह्नेया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ माह्नीता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ माह्नीष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमाह्नीष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७ दांम् (दा) दाने ॥

- १ दा-देति, दाति, त्तः, दति, देषि, दासि, त्थः, त्थ, देमि, दामि, द्दः, द्मः ॥
- २ दाद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दादेतु-दादातु, दात्तात्, दात्ताम्, दादतु, देहि, दात्तात्, दातम्, दात्त, दादा-नि, व, म ॥
- ४ अदा-देत्, दात्, ताम्, दुः, देः, दाः, त्तम्, त्त, दाम्, द्द, द्म ॥
- ५ अदा-दात्, दाताम्, दुः, दाः, दातम्, दात, दाम्, दाव, दाम ॥
- ६ दादा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादेया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दादिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदादिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८ जिं (जि) जये ॥

- १ जे-जयीति, जेति, जितः, ज्यति, जयीषि, जेषि, जिथः, जिथ, जयीमि, जेमि, जिवः, जिमः ॥
- २ जेजि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जे-जयीतु, जेतु, जितात्, जिताम्, ज्यतु, जिहि, जितात्, जितम्, जित, जयानि, जयाव, जयाम ॥
- ४ अजे-जयीत्, जेत, जिताम्, जयुः, जयीः, जेः, जितम्, जित, जयम्, जिव, जिम ॥
- ५ अजेजाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ जेजया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेजया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेजयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेजयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेजयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९ जिं (जि) अभिमवे ॥

- १ जे-जयीति, जेति, जितः, जियति, जयीषि, जेषि, जिथः, जिथ, जयीमि, जेमि, जिवः, जिमः ॥
- २ जेजि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जे-जयीतु, जेतु, जितात्, जिताम्, जियतु, जिहि, जितात्, जितम्, जित, जयाणि, जयाव, जयाम ॥
- ४ अजे-जयीत्, जेत, जिताम्, जयुः, जयीः, जेः, जितम्, जित, जयम्, जिव, जिम ॥
- ५ अजेजाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ जेजया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेजया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेजयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेजयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेजयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१० क्षि (क्षि) क्षये ॥

- १ चे-क्षयीति, क्षेति, क्षितः, क्षियति, क्षयीषि, क्षेपि, क्षियः, क्षिय, क्षयीमि, क्षेमि, क्षिवः, क्षिमः ॥
- २ चेक्षि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चे-क्षयीतु, क्षेतु, क्षितात्, क्षिताम्, क्षियतु, क्षिहि, क्षितात्, क्षितम्, क्षित, क्षयाणि, क्षयाव, क्षयाम ॥
- ४ अचे-क्षयीत्, क्षेत्, क्षिताम्, क्षयुः, क्षयीः, क्षेः, क्षितम्, क्षित, क्षयम्, क्षिव, क्षिम ॥
- ५ अचेक्षाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेक्षया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेक्षीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेक्षयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेक्षयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेक्षयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११ दुं (दु) गतौ ॥

- १ दो-द्वीति, दोति, दुतः, दुवति, द्वीषि, दोषि, दुथः, दुथ, द्वीमि, दोमि, दुवः, दुमः ॥
- २ दोदु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दो-द्वीतु, दोतु, दुतात्, दुताम्, दुवतु, दुहि, दुतात्, दुतम्, दुत, दवानि, दवाव, दवाम ॥
- ४ अदो-द्वीत्, दोत्, दुताम्, दवुः, द्वीः, दोः, दुतम्, दुत, दवम्, दुव, दुम ॥
- ५ अदोदाव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दोदवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोदूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दोदविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोदविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदोदविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२ दुं (दु) गतौ ॥

- १ दो-द्वीति, दोति, दुतः, दुवति, द्वीषि, दोषि, दुथः, दुथ, द्वीमि, दोमि, दुवः, दुमः ॥
- २ दोदु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दो-द्वीतु, दोतु, दुतात्, दुताम्, दुवतु, दुहि, दुतात्, दुतम्, दुत, दवानि, दवाव, दवाम ॥
- ४ अदो-द्वीत्, दोत्, दुताम्, दवुः, द्वीः, दोः, दुतम्, दुत, दवम्, दुव, दुम ॥
- ५ अदोदुव-त्, ताम्, नः, तम्, त, म्, अदोदुवा-व, म ॥
- ६ दोदवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोदूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दोदविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोदविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदोदविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३ शुं (शु) गतौ ॥

- १ शो-श्वीति, शोति, शुतः, शुवति, श्वीषि, शोषि, शुथः, शुथ, श्वीमि, शोमि, शुवः, शुमः ॥
- २ शोशु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शो-श्वीतु, शोतु, शुतात्, शुताम्, शुवतु, शुहि, शुतात्, शुतम्, शुत, शवानि, शवाव, शवाम ॥
- ४ अशो-श्वीत्, शोत्, शुताम्, शवुः, श्वीः, शोः, शुतम्, शुत, शवम्, शुव, शुम ॥
- ५ अशोशाव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शोशवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोशविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४ सुं (सु) गतौ ॥

- १ सो-सवीति, सोति, सुतः, सुवति, सवीषि, सोषि, सुथः, सुथ, सवीमि, सोमि, सुवः, सुमः ॥
- २ सोसु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सो-सवीतु, सोतु, सुतात्, सुताम्, सुवतु, सुहि, सुतात्, सुतम्, सुत, सुवाणि, सुवाव, सुवाम ॥
- ४ असो-सवीत्, सोत्, सुताम्, सवुः, सवीः, सोः, सुतम्, सुत, सवम्, सुव, सुम ॥
- ५ असोसुव-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, असो-सुवा-व, म ॥
- ६ सोस्रवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोस्रया-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोस्रविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोस्रविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असोस्रविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१५ ध्रुं (ध्रु) स्थैर्ये च ॥

- १ दो-ध्रवीति, ध्रोति, ध्रुतः, ध्रुवति, ध्रवीषि, ध्रोषि, ध्रुथः, ध्रुथ, ध्रवीमि, ध्रोमि, ध्रुवः, ध्रुमः ॥
- २ दोध्रु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दो-ध्रवीतु, ध्रोतु, ध्रुतात्, ध्रुताम्, ध्रुवतु, ध्रुहि, ध्रुतात्, ध्रुतम्, ध्रुत, ध्रवाणि, ध्रवाव, ध्रवाम ॥
- ४ अदो-ध्रवीत्, ध्रोत्, ध्रुताम्, ध्रुतुः, ध्रवीः, ध्रोः, ध्रुतम्, ध्रुत, ध्रवम्, ध्रुव, ध्रुम ॥
- ५ अदोध्राव-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दोध्रवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोध्रया-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दोध्रविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोध्रविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदोध्रविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१६ सुं (सु) प्रसवैश्वर्ययोः ॥

- १ सो-सवीति, सोति, सुतः, सुवति, सवीषि, सोषि, सुथः, सुथ, सोवीमि, सोमि, सुवः, सुमः ॥
- २ सोसु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सो-सवीतु, सोतु, सुतात्, सुताम्, सुवतु, सुहि, सुतात्, सुतम्, सुत, सुवाणि, सुवाव, सुवाम ॥
- ४ असो-सवीत्, सोत्, सुताम्, सवुः, सवीः, सोः, सुतम्, सुत, सवम्, सुव, सुम ॥
- ५ असोसाव-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सोस्रवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोस्रया-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोस्रविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोस्रविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असोस्रविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१७ स्मृं (स्मृ) चिन्तायाम् ॥

- १ सरि-स्मरीति, स्मर्ति, स्मृतः, स्मरति, स्मरीषि, स्मर्षि, स्मृथः, स्मृथ, स्मरीमि, स्मर्मि, स्मृवः, स्मृमः ॥
- २ सरिस्मृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सरि-स्मरीतु, स्मर्तु, स्मृतात्, स्मृताम्, स्मरतु, स्मृहि, स्मृतात्, स्मृतम्, स्मृत, स्मराणि, स्मराव, स्मराम ॥
- ४ असरि-स्मरीत्, स्मः, स्मृताम्, स्मरुः, स्मरीः, स्मः, स्मृतम्, स्मृत, स्मरम्, स्मृव, स्मृम ॥
- ५ असरिस्मार-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सरिस्मरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सरिस्मर्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सरिस्मरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सरिस्मरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अत, अम्, आव, आम ॥
- १० असरिस्मरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे-सरिस्थाने, सरी, इति, सर-इति च ज्ञेयम् ॥

१८ गुं (गु) सेचने ॥

- १ जरि-गरीति, गर्ति, गृतः, प्रति, गरीषि, गर्षि, गृथः, गृथ, गरीमि, गर्मि, गृवः, गृमः ॥
 - २ जरिगृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
 - ३ जरि-गरीतु, गर्तु, गृतात्, गृताम्, ग्रतु, गृहि, गृतात्, गृतम्, गृत, गराणि, गराव, गराम ॥
 - ४ अजरि-गरीत्, गः, गृताम्, गरुः, गरीः, गः, गृतम्, गृत, गरम्, गृव, गृम ॥ [इष्, इष्म ॥
 - ५ अजरिगार्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ जरिगरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ जरिग्रिया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ जरिग्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ जरिग्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 - १० अजरिग्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे-जरि स्थाने, जरी-इति, जर् इति च ज्ञेयम् ॥

१९ घृं (घृ) सेचने ॥

- १ जरि-घरीति, घर्ति, घृतः, प्रति, घरीषि, घर्षि, घृथः, घृथ, घरीमि, घर्मि, घृवः, घृमः ॥
 - २ जरिघृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
 - ३ जरि-घरीतु, घर्तु, घृतात्, घृताम्, ग्रतु, घृहि, घृतम्, घृत, घराणि, घराव, घराम ॥
 - ४ अजरि-घरीत्, घः, घृताम्, घरुः, घरीः, घः, घृतम्, घृत, घरम्, घृव, घृम ॥ [इष्, इष्म ॥
 - ५ अजरिघार्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ जरिघरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ जरिघ्रिया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ जरिघ्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ जरिघ्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 - १० अजरिघ्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे-जरि स्थाने, जरी-इति, जर् इति च ज्ञेयम् ॥

२० औस्वृ (स्वृ) शब्दोपतापयोः ॥

- १ सरि-खरीति, खर्ति, स्वृतः, स्वति, खरीषि, खर्षि, स्वृथः, स्वृथ, खरीमि, खर्मि, स्वृवः, स्वृमः ॥
 - २ सरिस्वृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
 - ३ सरि-खरीतु, खर्तु, स्वृतात्, स्वृताम्, स्वतु, स्वृहि, स्वृतात्, स्वृतम्, स्वृत, स्वराणि, स्वराव, स्वराम ॥
 - ४ असरि-खरीत्, खः, स्वृताम्, खरुः, खरीः, खः, स्वृतम्, स्वृत, स्वरम्, स्वृव, स्वृम ॥
 - ५ असरिस्वार्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ सरिस्वरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ सरिस्वर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ सरिस्वरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ सरिस्वरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
 - १० असरिस्वरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे-सरि स्थाने, सरी-इति, सर् इति च ज्ञेयम् ॥

२१ दृ (दृ) वरणे ॥

- १ दरि-द्वरीति, द्वर्ति, द्वृतः, द्वति, द्वरीषि, द्वर्षि, द्वृथः, द्वृथ, द्वरीमि, द्वर्मि, द्वृवः, द्वृमः ॥
 - २ दरिद्वृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
 - ३ दरि-द्वरीतु, द्वर्तु, द्वृतात्, द्वृताम्, द्वतु, द्वृहि, द्वृतात्, द्वृतम्, द्वृत, द्वराणि, द्वराव, द्वराम ॥
 - ४ अदरि-द्वरीत्, द्वः, द्वृताम्, द्वरुः, द्वरीः, द्वः, द्वृतम्, द्वृत, द्वरम्, द्वृव, द्वृम ॥ [इष्, इष्म ॥
 - ५ अदरिद्वार्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ दरिद्वरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ दरिद्वर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ दरिद्वरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ दरिद्वरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 - १० अदरिद्वरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे-दरि स्थाने, दरी-इति, दर् इति च ज्ञेयम् ॥

२२ धृं (धृ) कौटिल्ये ॥

- १ दरि-ध्रीति, धर्ति, धृतः, ध्रति, ध्वरीषि, धर्षि, धृथः, धृथ, ध्वरीमि, धर्मि, ध्रुवः, ध्रुमः ॥
- २ दरिध्रु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दरि-ध्वरीतु, धर्तु, धृतात्, धृताम्, ध्रतु, धृहि, धृतात्, धृतम्, धृत, ध्वराणि, ध्वराव, ध्वराम ॥
- ४ अदरि-ध्वरीत्, ध्वः, धृताम्, ध्वरः, ध्वरीः, ध्वः, धृतम्, धृत, ध्वरम्, ध्रुव, ध्रुम ॥
- ५ अदरिध्वर-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दरिध्वरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दरिध्वर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दरिध्वरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दरिध्वरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदरिध्वरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे-दरि-स्थाने, दरी-इति, दद्-इति च ज्ञेयम् ॥

२३ हूं (हृ) कौटिल्ये ॥

- १ जरि-हरीति, हर्ति, हृतः, ह्रति, ह्वरीषि, हर्षि, हृथः, हृथ, ह्वरीमि, हर्मि, ह्रुवः, ह्रुमः ॥
- २ जरिहृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जरि-हरीतु, हर्तु, हृतात्, हृताम्, ह्रतु, हृहि, हृतात्, हृतम्, हृत, ह्वराणि, ह्वराव, ह्वराम ॥
- ४ अजरि-हरीत्, हः, हृताम्, ह्वरः, ह्वरीः, हः, हृतम्, हृत, ह्वरम्, ह्रुव, ह्रुम ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अजरिह्वार-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्ट, इष्व, इष्म ॥
- ६ जरिह्वरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जरिह्वर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जरिह्वरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जरिह्वरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजरिह्वरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे जरि-स्थाने, जरी-इति, जर्-इति, च ज्ञेयम् ॥

२४ सुं (सु) गतौ ॥

- १ सरि-सरीति, सर्ति, सृतः, स्रति, सरीषि, सर्षि, सृथः, सृथ, सरीमि, सर्मि, स्रुवः, स्रुमः ॥
- २ सरिसृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सरि-सरीतु, सर्तु, सृतात्, सृताम्, स्रतु, सृहि, सृतात्, सृतम्, सृत, सराणि, सराव, सराम ॥
- ४ असरि-सरीत्, सः, सृताम्, स्रुः, सरीः, सः, सृतम्, सृत, सरम्, स्रुव, स्रुम ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ असरिसार-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सरिसरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सरिस्रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सरिसरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सरिसरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असरिसरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे सरि-स्थाने, सरी-इति, सद्-इति, च ज्ञेयम् ॥

२५ क्रं (क्र) प्रापणे ॥

- १ अरि-यरीति, यर्ति, यृतः, य्रति, यरीषि, यर्षि, यृथः, यृथ, यरीमि, यर्मि, य्रुवः, य्रुमः ॥
- २ अरियृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ अरि-यरीतु, यर्तु, यृतात्, यृताम्, य्रतु, यृहि, यृतात्, यृतम्, यृत, यराणि, यराव, यराम ॥
- ४ आरि-यरीत्, यः, यृताम्, य्रुः, यरीः, यः, यृतम्, यृत, यरम्, य्रुव, य्रुम ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ आरियार-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्ट, इष्व, इष्म ॥
- ६ अरियरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अरिग्रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अरियरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अरियरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० आरियरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे अरि-स्थाने, अरी इति, आरि-स्थाने, आरी इति ज्ञेयम् ॥

ऋ (ऋ) प्रापणे ॥

- १ अररीति, अरति, अर्कतः, आरति, अररीषि, अररिषि, अर्कथः, अर्कथ, अररीमि, अरमि, अर्कवः, अर्कमः ॥
- २ अर्क-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ अररीतु-अरु, अर्कतात्, अर्कताम्, आरु, अर्कहि, अर्कतात्, अर्कतम्, अर्कत, अरराणि, अरराव, अरराम ॥
- ४ आ-ररीत्, रः, र्कताम्, ररुः, ररीः, रः, र्कतम्, र्कत, ररम्, र्कव, र्कम ॥
- ५ आरार्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ अररा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ आरिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अररिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अररिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० आररिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२६ तृ पुवनतरणयोः । (बाहुलकादत्रेच्चाभावः)

- १ ता-तलि, तीर्तः, तिरति, तर्षि, तीर्थः, तीर्थ, तर्षि, तीर्वः, तीर्मः ॥
- २ ताती-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ता-तर्षु, तीर्तात्, तीर्ताम्, तिरतु, तीर्हि, तीर्तात्, तीर्तम्, तीर्त, तराणि, तराव, तराम ॥
- ४ अता-तः, तीर्ताम्, तर्षुः, तः, तीर्तम्, तीर्त, तरम्, तीर्व, तीर्म ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अतातार्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ तातरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातीर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातरीता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२७ दृधे (धे) पाने ॥

- १ दा-धेति, धाति, तः, धति, धेषि, धासि, त्थः, त्थ, धेमि, धामि, द्वः, द्सः ॥
- २ दाधू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दा-धेत्, धात्, तात्, ताम्, धत्, धेहि, दात्तात्, दातम्, दात्, दाधानि, दाधाव, दाधाम ॥
- ४ अदा-धेत्, धात्, ताम्, धुः, धेः, धाः, तम्, त, धाम्, द्व, द्स ॥
- ५ अदा-धात्, धाताम्, धुः, धाः, धातम्, धात, धाम्, धाव, धाम ॥
- ६ दाधा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाधेया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदाधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२८ दैव (दै) शोधने ॥

- १ दा-देति, दाति, दीतः, दति, देषि, दासि, दीथः, दीथ, देमि, दामि, दीवः, दीमः ॥
- २ दादी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दा-देत्, दात्, दीतात्, दीताम्, दत्, दीहि, दीतात्, दीतम्, दीत, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अदा-देत्, दात्, दीताम्, दुः, देः, दाः, दीतम्, दीत, दाम्, दीव, दीम ॥
- ५ अदादास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ दादा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादाया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दादिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदादिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२९ ध्यै (ध्यै) चिन्तायाम् ॥

- १ दा-धेति, ध्याति, ध्यीतः, ध्यति, ध्येषि, ध्यासि, ध्यीथः, ध्यीथ, ध्येमि, ध्यामि, ध्यीवः, ध्यीमः ॥
- २ दाध्या-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दा-धेतु, ध्यातु, ध्यीतात्, ध्यीताम्, ध्यतु, ध्यीहि, ध्यीतात्, ध्यीतम्, ध्यीत, ध्यानि, ध्याव, ध्याम ॥
- ४ अदा-धेत्, ध्यात्, ध्यीताम्, ध्युः, ध्येः, ध्याः, ध्यीतम्, ध्यीत, ध्याम्, ध्यीव, ध्यीम ॥
- ५ अदाध्यास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाध्या-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाध्याया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
दाध्याया } स्व, स्म ॥
- ८ दाध्याया-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाध्याय-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदाध्याय-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

३० ग्लै (ग्लै) हर्षयै ॥

- १ जा-ग्लेति, ग्लति, ग्लीतः, ग्लति, ग्लेषि, ग्लसि, ग्लीथः, ग्लीथ, ग्लेमि, ग्लामि, ग्लीवः, ग्लीमः ॥
- २ जाग्ली-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जा-ग्लेतु, ग्लतु, ग्लीतात्, ग्लीताम्, ग्लतु, ग्लीहि, ग्लीतात्, ग्लीतम्, ग्लीत, ग्लानि, ग्लव, ग्लाम ॥
- ४ अजा-ग्लेत्-ग्लत्, ग्लीताम्, ग्लुः, ग्लेः, ग्लाः, ग्लीतम्, ग्लीत, ग्लाम्, ग्लीव, ग्लीम ॥
- ५ अजाग्लास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाग्ला-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाग्लेया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
जाग्लेया } स्व, स्म ॥
- ८ जाग्लेया-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाग्लेय-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजाग्लेय-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

३१ म्लै (म्लै) गात्रविनामे ॥

- १ मा-म्लेति, म्लति, म्लीतः, म्लति, म्लेषि, म्लसि, म्लीथः, म्लीथ, म्लेमि, म्लामि, म्लीवः, म्लीमः ॥
- २ माम्ली-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मा-म्लेतु, म्लतु, म्लीतात्, म्लीताम्, म्लतु, म्लीहि, म्लीतात्, म्लीतम्, म्लीत, म्लानि, म्लव, म्लाम ॥
- ४ अमा-म्लेत्, म्लत्, म्लीताम्, म्लुः, म्लेः, म्लाः, म्लीतम्, म्लीत, म्लाम्, म्लीव, म्लीम ॥
- ५ अमाम्लास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ माम्ला-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ माम्लेया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
माम्लेया } स्व, स्म ॥
- ८ माम्लेया-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ माम्लेय-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमाम्लेय-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

३२ घ्यै (घ्यै) न्यङ्गकरणे ॥

- १ दा-धेति, ध्याति, धीतः, ध्यति, ध्येषि, ध्यासि, धीथः, धीथ, ध्येमि, ध्यामि, धीवः, धीमः ॥
- २ दाधी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दा-धेतु, ध्यातु, धीतात्, धीताम्, ध्यतु, धीहि, धीतात्, धीतम्, धीत, ध्यानि, ध्याव, ध्याम ॥
- ४ अदा-धेत्, ध्यात्, धीताम्, ध्युः, ध्येः, ध्याः, धीतम्, धीत, ध्याम्, धीव, धीम ॥
- ५ अदाधास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाधा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाधेया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
दाधेया } स्व, स्म ॥
- ८ दाधेया-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाधेय-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदाधेय-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

३३ द्रै ((द्रै) स्वप्ने ॥

- १ दा-ध्रेति, धाति, ध्रीतः, ध्रति, ध्रेषि, द्रासि, ध्रीथः, ध्रीथ, ध्रेमि, द्रामि, ध्रीवः, ध्रीमः ॥
- २ दाद्री-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दां-ध्रेतु, धातु, ध्रीतात्, ध्रीताम्, ध्रतु, ध्रीहि, ध्रीतात्, ध्रीतम्, ध्रीत, ध्राणि, ध्राव, ध्राम ॥
- ४ अदा-ध्रेत्, ध्रात्, ध्रीताम्, धुः, ध्रेः, ध्राः, ध्रीतम्, ध्रीत, ध्राम्, ध्रीव, ध्रीम ॥
- ५ अदाध्रास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाधा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाध्रेया } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
दाध्राया } स्व, स्म ॥
- ८ दाध्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाध्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदाध्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

३४ ध्रै (ध्रै) तृप्ति ॥

- १ दा-ध्रेति, ध्राति, ध्रीतः ध्रति, ध्रेषि, ध्रासि, ध्रीथः, ध्रीथ, ध्रेमि, ध्रामि, ध्रीवः, ध्रीमः ॥
- २ दाध्री-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दा-ध्रेतु, ध्रातु, ध्रीतात्, ध्रीताम्, ध्रतु, ध्रीहि, ध्रीतात्, ध्रीतम्, ध्रीत, ध्राणि, ध्राव, ध्राम ॥
- ४ अदा-ध्रेत्, ध्रात्, ध्रीताम्, धुः, ध्रेः, ध्राः, ध्रीतम्, ध्रीत, ध्राम्, ध्रीव, ध्रीम ॥
- ५ अदाध्रास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाध्रा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाध्रेया } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
दाध्राया } स्व, स्म ॥
- ८ दाध्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाध्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदाध्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

३५ कै (कै) शब्दे ॥

- १ चा-केति, काति, कीतः, कति, केषि, कासि, कीथः, कीथ, केमि, कामि, कीवः, कीमः ॥
- २ चाकी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चा-केतु, कातु, कीतात्, कीताम्, कतु, कीहि, कीतात्, कीतम्, कीत, कानि, काव, काम ॥
- ४ अचा-केत्, कात्, कीताम्, कुः, केः, काः, कीतम्, कीत, काम्, कीव, कीम ॥
- ५ अचाकास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाका-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकाया-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३६ गै (गै) शब्दे ॥

- १ जा-गेति, गाति, गीतः, गति, गेषि, गासि, गीथः, गीथ, गेमि, गामि, गीवः, गीमः ॥
- २ जागी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जा-गेतु, गातु, गीतात्, गीताम्, गतु, गीहि, गीतात्, गीतम्, गीत, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अजा-गेत्, गात्, गीताम्, गुः, गेः, गाः, गीतम्, गीत, गाम्, गीव, गीम ॥
- ५ अजागास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जागा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागेया-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३७ रै (रै) शब्दे ॥

- १ रा-रेति, राति, रीतः, रति, रेपि, रासि, रीथः, रीथ, रेमि, रामि, रीवः, रीमः ॥
- २ रा-री-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रा-रेतु, रातु, रीतात्, रीताम्, रतु, रीहि, रीतात्, रीतम्, रीत, राणि, राव, राम ॥
- ४ अरा-रेत्, रात्, रीताम्, रुः, रेः, राः, रीतम्, रीत्, राम्, रीव, रीम ॥
- ५ अरा-रास्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रा-रा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रा-राया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रा-रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रा-रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरा-रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३८ छै (छै) संघाते च ॥

- १ ता-छेति, छ्याति, छीतः, छ्यति, छेषि, छ्यासि, छ्योथः, छ्यीथ, छ्येमि, छ्यामि, छ्यीवः, छ्यीमः ॥
- २ ता-छयी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ता-छेतु, छ्यातु, छ्यीतात्, छ्यीताम्, छ्यतु, छ्यीहि, छ्यीतात्, छ्यीतम्, छ्यीत, छ्यानि, छ्याव, छ्याम ॥
- ४ अता-छेत्, छ्यात्, छ्यीताम्, छ्युः, छ्येः, छ्याः, छ्यीतम्, छ्यीत, छ्याम्, छ्यीव, छ्यीम ॥
- ५ अता-छ्यास्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ ता-छ्या-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ता-छ्येया- } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
ता-छ्याया- } स्व, स्म ॥
- ८ ता-छ्यिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ता-छ्यिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अता-छ्यिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३९ स्तै (स्तै) संघाते च ॥

- १ ता-स्त्येति, स्त्याति, स्तीतः, स्त्यति, स्त्येषि, स्त्यासि, स्तीथः, स्तीथ, स्त्येमि, स्त्यामि, स्तीवः, स्तीमः ॥
- २ ता-स्त्यी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ता-स्त्येतु, स्त्यातु, स्तीतात्, स्तीताम्, स्त्यतु, स्तीहि, स्तीतात्, स्तीतम्, स्तीत, स्त्यानि, स्त्याव, स्त्याम ॥
- ४ अता-स्त्येत्, स्त्यात्, स्तीताम्, स्त्युः, स्त्येः, स्त्याः, स्तीतम्, स्तीत, स्त्याम्, स्तीव, स्तीम ॥
- ५ अता-स्त्यास्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ ता-स्त्या-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ता-स्त्येया- } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
ता-स्त्याया- } सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ता-स्त्यिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ता-स्त्यिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अता-स्त्यिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४० खै (खै) खदने ॥

- १ चा-खेति, खाति, खीतः, खेति, खेषि, खासि, खीथः, खीथ, खेमि, खामि, खीवः, खीमः ॥
- २ चा-खी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चा-खेतु, खातु, खीतात्, खीताम्, खतु, खीहि, खीतात्, खीतम्, खीत, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अचा-खेत्, खात्, खीताम्, खुः, खेः, खाः, खीतम्, खीत, खाम, खीव, खीम ॥
- ५ अचा-खास्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चा-खा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चा-खाया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चा-खिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चा-खिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचा-खिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४१ क्षैं (क्षै) क्षये ॥

- १ चा-क्षेति, क्षाति, क्षीतः, क्षति, क्षेषि, क्षासि, क्षीथः, क्षीथ, क्षेमि, क्षामि, क्षीवः, क्षीमः ॥
- २ चाक्षी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चा-क्षेत्, क्षातु, क्षीतात्, क्षीताम्, क्षतु, क्षीहि, क्षीतात्, क्षीतम्, क्षीत, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अच्चा-क्षेत्, क्षात्, क्षीताम्, क्षुः, क्षेः, क्षाः, क्षीतम्, क्षीत, क्षाम्, क्षीव, क्षीम ॥
- ५ अच्चाक्षास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाक्षा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाक्षेया } -त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, चाक्षया } स्व, स्म ॥
- ८ चाक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अच्चाक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

४२ जैं (जै) क्षये ॥

- १ जा-जेति, जाति, जीतः, जति, जेषि, जासि, जीथः, जीथ, जेमि, जामि, जीवः, जीमः ॥
- २ जाजी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जा-जेत्, जातु, जीतात्, जीताम्, जतु, जीहि, जीतात्, जीतम्, जीत, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अजा-जेत्, जात्, जीताम्, जुः, जेः, जाः, जीतम्, जीत, जाम्, जीव, जीम ॥
- ५ अजाजास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजाया-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४३ सैं (सै) क्षये ॥

- १ सा-सेति, साति, सीतः, सति, सेषि, सासि, सीथः, सीथ, सेमि, सामि, सीवः, सीमः ॥ [याव, याम ॥
- २ सासी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सा-सेत्, सातु, सीतात्, सीताम्, सतु, सीहि, सीतात्, सीतम्, सीत, सानि, साव, साम ॥
- ४ असा-सेत्, सात्, सीताम्, सुः, सेः, साः, सीतम्, सीत, साम्, सीव, सीम ॥
- ५ असासास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- असा-सात्, साताम्, सुः, साः, सातम्, सात, साम्, साव, साम ॥
- ६ सासा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासेया } -त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सासिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असासिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

४४ सैं (सै) पाके ॥

- १ सा-सेति, साति, सीतः, सति, सेषि, सासि, सीथः, सीथ, सेमि, सामि, सीवः, सीमः ॥
- २ सासी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सा-सेत्, सातु, सीतात्, सीताम्, सतु, सीहि, सीतात्, सीतम्, सीत, सानि, साव, साम ॥
- ४ असा-सेत्, सात्, सीताम्, सुः, सेः, साः, सीतम्, सीत, साम्, सीव, सीम ॥
- ५ असासास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सासा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासेया } -त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सासिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असासिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

४५ श्रै (श्रै) पाके ॥

- १ शा-श्रेति, श्राति, श्रीतः, श्रति, श्रेषि, श्रासि, श्रीथः, श्रीथ, श्रेमि श्रामि, श्रीवः, श्रीमः ॥
- २ शाश्री-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शा-श्रेतु, श्रातु, श्रीतात्, श्रीताम्, श्रतु, श्रीहि, श्रीतात्, श्रीतम्, श्रीत, श्राणि, श्राव, श्राम ॥
- ४ अशा-श्रेत्, श्रात्, श्रीताम्, शुः, श्रेः, श्राः, श्रीतम्, श्रीत, श्राम्, श्रीव, श्रीम ॥
- ५ अशाश्रास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाश्रा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्रेया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशाश्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४६ पै (पै) शोषणे ॥

- १ पा-पेति, पाति, पीतः, पति, पेषि, पासि, पीथः, पीथ, पेमि, पामि, पीवः, पीमः ॥
- २ पापी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पा-पेतु, पातु, पीतात्, पीताम्, पतु, पीहि, पीतात्, पीतम्, पीत, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अपा-पेत्, पात्, पीताम्, पुः, पेः, पाः, पीतम्, पीत, पाम्, पीव, पीम ॥
- ५ अपापास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पापा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापेया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपापिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४७ ओवै (वै) शोषणे ॥

- १ वा-वेति, वाति, वीतः, वति, वेषि, वासि, वीथः, वीथ, वेमि, वामि, वीवः, वीमः ॥
- २ वावी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वा-वेतु, वातु, वीतात्, वीताम्, वतु, वीहि, वीतात्, वीतम्, वीत, वानि, वाव, वाम ॥
- ४ अवा-वेत्, वात्, वीताम्, उः, वेः, वाः, वीतम्, वीत, वाम्, वीव, वीम ॥
- ५ अवावास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वावा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावाया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वाविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वाविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवाविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४८ णै (णै) वेष्टने ॥

- १ सा-श्रेति, श्राति, श्रीतः, श्रति, श्रेषि, श्रासि, श्रीथः, श्रीथ, श्रेमि, श्रामि, श्रीवः, श्रीमः ॥
- २ साश्री-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सा-श्रेतु, श्रातु, श्रीतात्, श्रीताम्, श्रतु, श्रीहि, श्रीतात्, श्रीतम्, श्रीत, श्राणि, श्राव, श्राम ॥
- ४ असा-श्रेत्, श्रात्, श्रीताम्, शुः, श्रेः, श्राः, श्रीतम्, श्रीत, श्राम्, श्रीव, श्रीम ॥
- ५ असाश्रास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ साश्रा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ साश्रेया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ साश्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ साश्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असाश्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४९ फक् (फक्) नीचैर्गतौ ॥

- १ पाफ-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, ख्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, कः, कमः ॥
- २ पाफक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पाफ-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, क्तु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अपाफ-कीत्, क्, ग्, क्क्ताम्, कुः, कीः, क्, ग्, क्तम्, क्त, कम्, क्व, क्म ॥
- ५ अपाफक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पाफक्का-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पाफक्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पाफक्किता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पाफक्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपाफक्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५० तक् (तक्) हसने ॥

- १ तात-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, ख्षि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, कः, कमः ॥
- २ तातक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, क्तु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अतात-कीत्, क्, ग्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, ग्, क्तम्, क्त, कम्, क, कम ॥
- ५ अतातक् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अतातक् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तातक्का-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातक्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातक्किता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातक्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातक्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५१ तक् (तक्) कृच्छ्रजीवने ॥

- १ तातक्-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, ख्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, कः, कमः ॥
- २ तातक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तातक्-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, क्तु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अतात-कीत्, क्, ग्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, ग्, क्तम्, क्त, कम्, क्व, क्म ॥
- ५ अतातक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तातक्का-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातक्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातक्किता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातक्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातक्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५२ शक् (शक्) गतौ ॥

- १ शो-शुकीति, शोक्ति, शुक्तः, शुक्ति, शुकीषि, शोखि, शोक्षि, शुकथः, शुकथ, शुकीमि, शोकिम, शुकः, शुकमः ॥
- २ शोशुक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शो-शुकीतु, शोक्तु, शुक्तात्, शुक्ताम्, शुकतु, शुगिध, शुक्तात्, शुक्तम्, शुक्त, शुकानि, शुकाव, शुकाम ॥
- ४ अशो-शुकीत्, शोक्, शोग्, शुक्ताम्, शुकः, शुकीः, शोक्, शोग्, शुक्तम्, शुक्त, शुकम्, शुक, शुकम ॥
- ५ अशोशोक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शोशोका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशुक्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशोकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशोकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोशोकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५३ बुक् (बुक्) भाषणे ॥

- १ बोबु-कीति, कृत्ति, कृक्ः, कृति, कीषि, कृषि, कृषि, कृथः, कृथ, कीमि, किमि, क्वः, क्वमः ॥
- २ बोबुक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बोबु-कीतु, कृत्तु, कृक्तात्, कृक्ताम्, कृत्तु, कृग्धि, कृक्तात्, कृक्ताम्, कृक्, कृक्ता, कृक्ता, कृक्ता ॥
- ४ अबोबु-कीत्, कृ, गृ, कृताम्, कृः, कीः, कृ, गृ, कृक्ताम्, कृक्ता, कृक्ता, कृक्ता, कृक्ता ॥
- ५ अबोबुक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ बोबुक्का-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बोबुक्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बोबुक्किता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बोबुक्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबोबुक्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५४ राखृ (राखृ) शोषणालमर्थयोः ॥

- १ रारा-खीति, क्ति, कः, खति, खीषि, खिषि, क्ति, कथः, कथ, खीमि, खिमि, ख्वः, ख्वमः ॥
- २ राराखृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रारा-खीतु, कृ, कृतात्, कृताम्, खतु, गिध, कृतात्, कृताम्, कृ, खणि, खिव, खाम ॥
- ४ अरारा-खीत्, कृ, गृ, कृताम्, खुः, खीः, कृ, गृ, कृताम्, कृ, खम्, ख्व, ख्वम ॥
- ५ अराराखृ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ राराखा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ राराख्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ राराखिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ राराखिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अराराखिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५५ लाखृ (लाखृ) शोषणालमर्थयोः ॥

- १ लाला-खीति, क्ति, कः, खति, खीषि, खिषि, क्ति, कथः, कथ, खीमि, खिमि, ख्वः, ख्वमः ॥
- २ लालाखृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लाला-खीतु, कृ, कृतात्, कृताम्, खतु, गिध, कृतात्, कृताम्, कृ, खानि, खिव, खाम ॥
- ४ अलाला-खीत्, कृ, गृ, कृताम्, खुः, खीः, कृ, गृ, कृताम्, कृ, खम्, ख्व, ख्वम ॥
- ५ अलालाखृ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ लालाखा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालाख्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालाखिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालाखिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालाखिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५६ द्राखृ (द्राखृ) शोषणालमर्थयोः ॥

- १ दाद्रा-खीति, क्ति, कः, खति, खीषि, खिषि, क्ति, कथः, कथ, खीमि, खिमि, ख्वः, ख्वमः ॥
- २ दाद्राखृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाद्रा-खीतु, कृ, कृतात्, कृताम्, खतु, गिध, कृतात्, कृताम्, कृ, खानि, खिव, खाम ॥
- ४ अदाद्रा-खीत्, कृ, गृ, कृताम्, खुः, खीः, कृ, गृ, कृताम्, कृ, खम्, ख्व, ख्वम ॥
- ५ अदाद्राखृ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ दाद्राखा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाद्राख्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाद्राखिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाद्राखिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाद्राखिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५७ ध्राख् (ध्राख्) शोषणालमर्थयोः ॥

- १ ध्राधा-खीति, क्ति, क्तः, खति, खीषि, क्षि, खषि, कथः, कथ, खीमि, खिमि, ख्वः, ख्वः ॥
- २ ध्राधाख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ध्राधा-खीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, खतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अधाधा-खीत्, क्, गू, क्ताम्, खुः, खीः, क्, गू, क्तम्, क्त, खम्, ख्व, ख्वः ॥
- ५ अधाधाख्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ ध्राधाखा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ध्राधाख्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ध्राधाखिता-'' , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ध्राधाखिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अधाधाखिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५८ शाख् (शाख्) व्याप्तौ ॥

- १ शाशा-खीति, क्ति, क्तः, खति, खीषि, खषि, क्षि, कथः, कथ, खीमि, खिमि, ख्वः, ख्वः ॥
- २ शाशाख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाशा-खीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, खतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अशाशा-खीत्, क्, गू, क्ताम्, खुः, खीः, क्, गू, क्तम्, क्त, खम्, ख्व, ख्वः ॥
- ५ अशाशाख्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाशाखा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशाख्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशाखिता-'' , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशाखिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशाखिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५९ श्लाख् (श्लाख्) व्याप्तौ ॥

- १ शाश्ला-खीति, क्ति, क्तः, खति, खीषि, खषि, क्षि, कथः, कथ, खीमि, खिमि, ख्वः, ख्वः ॥
- २ शाश्लाख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्ला-खीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, खतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अशाश्ला-खीत्, क्, गू, क्ताम्, खुः, खीः, क्, गू, क्तम्, क्त, खम्, ख्व, ख्वः ॥
- ५ अशाश्लाख्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाश्लाखा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्लाख्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्लाखिता-'' , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्लाखिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाश्लाखिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६० कक्ख (कक्ख) हसने ॥

- १ चाकक्-खीति, क्ति, क्तः, खति, खीषि, खषि, क्षि, कथः, कथ, खीमि, खिमि, ख्वः, ख्वः ॥
- २ चाकक्ख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाकक्-खीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, खतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अचाक-क्खीत्, क्, गू, क्ताम्, क्खुः, क्खीः, क्, गू, क्तम्, क्त, क्खम्, क्ख्व, क्ख्वः ॥
- ५ अचाकक्ख्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकक्खा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकक्ख्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकक्खिता-'' , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकक्खिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकक्खिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६१ नख (नख्) गतौ ॥ ६२ णख (नख्) गतौ ॥

- १ नान-खीति, कि, क्तः, खति, खीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, खीमि, खिम, ख्वः, ख्वमः ॥
- २ नानख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नान-खीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, खतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अनान-खीत्, क्, ग्, क्ताम्, खुः, खीः, क्, ग्, क्तम्, क्त, खम्, ख्व, ख्वम ॥
- ५ अनानाख् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अनानख् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नानखा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानख्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानखिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानखिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनानखिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६३ वख (वख्) गतौ ॥

- १ वाव-खीति, कि, क्तः, खति, खीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, खीमि, खिम, ख्वः, ख्वमः ॥
- २ वावख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-खीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, क्तम्, क्त, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अवाव-खीत्, क्, ग्, क्ताम्, खुः, खीः, क्, ग्, क्तम्, क्त, खम्, ख्व, ख्वम ॥
- ५ अवावाख् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवावख् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावखा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावख्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावखिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावखिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावखिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६४ मख (मख्) गतौ ॥

- १ माम-खीति, कि, क्तः, खति, खीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, खीमि, खिम, ख्वः, ख्वमः ॥
- २ मामख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माम-खीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, खतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अमाम-खीत्, क्, ग्, क्ताम्, खुः, खीः, क्, ग्, क्तम्, क्त, खम्, ख्व, ख्वम ॥
- ५ अमामाख् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अमामाख् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामखा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामख्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामखिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामखिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामखिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६५ रख (रख्) गतौ ॥

- १ रार-खीति, कि, क्तः, खति, खीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, खीमि, खिम, ख्वः, ख्वमः ॥
- २ रारख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रार-खीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, खतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अरार-खीत्, क्, ग्, क्ताम्, खुः, खीः, क्, ग्, क्तम्, क्त, खम्, ख्व, ख्वम ॥
- ५ अराराख् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अराराख् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारखा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारख्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारखिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारखिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारखिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६६ लख (लख्) गतौ ॥

- १ लाल-खीति, कि, कः, खति, खीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, खीमि, खिम, खवः, खमः ॥
- २ लालख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लाल-खीतु, कु, कात्, काम्, खतु, गिध, कात्, कम्, क, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अलाल-खीत्, क्, ग्, काम्, खुः, खीः, क्, ग्, कम्, क, खम्, ख्व, ख्म ॥
- ५ अलालाख् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अलालख् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लालखा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालख्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ लालखिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ लालखिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालखिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६७ मखु (मङ्ख्) गतौ ॥

- १ मामङ्-खीति, कि, कः, खति, खीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, खीमि, ख्वः, ख्मः ॥
- २ मामङ्ख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मामङ्-खीतु, कु, कात्, काम्, खतु, गिध, कात्, कम्, क, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अमाम-ङ्खीत्, न्, ङ्काम्, ङुः, ङ्कीः, न्, ङ्कम्, ङ्क, ङ्कम्, ङ्ख्व, ङ्ख्म ॥
- ५ अमामङ्ख्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामङ्ख्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ मामङ्खिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ मामङ्खिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामङ्खिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६८ रखु (रङ्ख्) गतौ ॥

- १ रारङ्-खीति, कि, कः, खति, खीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, खीमि, खिम, ख्वः, ख्मः ॥
- २ रारङ्ख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रारङ्-खीतु, कु, कात्, काम्, खतु, गिध, कात्, कम्, क, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अरार-ङ्खीत्, न्, ङ्काम्, ङुः, ङ्कीः, न्, ङ्कम्, ङ्क, ङ्कम्, ङ्ख्व, ङ्ख्म ॥
- ५ अरारङ्ख्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारङ्ख्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ रारङ्खिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ रारङ्खिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारङ्खिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६९ लखु (लङ्ख्) गतौ ॥

- १ लालङ्-खीति, कि, कः, खति, खीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, खीमि, खिम, ख्वः, ख्मः ॥
- २ लालङ्ख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लालङ्-खीतु, कु, कात्, काम्, खतु, गिध, कात्, कम्, क, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अलाल-ङ्खीत्, न्, ङ्काम्, ङुः, ङ्कीः, न्, ङ्कम्, ङ्क, ङ्कम्, ङ्ख्व, ङ्ख्म ॥
- ५ अलालङ्ख्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लालङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालङ्ख्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ लालङ्खिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ लालङ्खिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालङ्खिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७० रिखु (रिङ्खु) गतौ ॥

- १ रेरिङ्-खीति, क्ति, क्तः, खति, खीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, खीमि, खिम, ख्वः, ख्मः ॥
- २ रेरिङ्ख-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ रेरिङ्-खीतु, क्तात्, क्ताम्, खतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, खाणि, खाव, खाम् ॥
- ४ अरेरि-क्षीत्, न, क्षाम्, क्षुः, क्षीः, न, क्षम्, क्ष, क्षम्, इक्ष्व, इक्ष्म ॥
- ५ अरेरिङ्ख-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रेरिङ्खा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रेरिङ्ख्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रेरिङ्खिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रेरिङ्खिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आम् ॥
- १० अरेरिङ्खिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम् ॥

७१ वल्गु (वल्गू) गतौ ॥

- १ वावल-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, गिम, ग्वः, ग्मः ॥
- २ वावल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ वावल-गीतु, कु, क्तात्, क्ताम्, गतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, गानि, गाव, गाम् ॥
- ४ अवावल-गीत्, ”, क्ताम्, युः, गीः, ”, कम्, क्त, गम्, ग्व, ग्म ॥
- ५ अवावल-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावल्गा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावल-या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावल्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावल-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आम् ॥
- १० अवावल-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम् ॥

७२ रगु (रङ्गु) गतौ ॥

- १ रारङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, गिम, ग्वः, ग्मः ॥
- २ रारङ्ग-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ रारङ्-गीतु, कु, क्तात्, क्ताम्, गतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, गानि, गाव, गाम् ॥
- ४ अरार-क्षीत्, न, क्षाम्, क्षुः, क्षीः, न, क्षम्, क्ष, क्षम्, इक्ष्व, इक्ष्म ॥
- ५ अरारङ्ग-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारङ्गा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारङ्गिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आम् ॥
- १० अरारङ्गिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम् ॥

७३ लगु (लङ्गु) गतौ ॥

- १ लालङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, गिम, ग्वः, ग्मः ॥
- २ लालङ्ग-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ लालङ्-गीतु, कु, क्तात्, क्ताम्, गतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, गानि, गाव, गाम् ॥
- ४ अलाल-क्षीत्, न, क्षाम्, क्षुः, क्षीः, न, क्षम्, क्ष, क्षम्, इक्ष्व, इक्ष्म ॥
- ५ अलालङ्ग-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लालङ्गा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालङ्गिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आम् ॥
- १० अलालङ्गिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम् ॥

७४ तगु (तङ्ग) गतौ ॥

- १ तातङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, मिम, ग्वः, ग्मः ॥
- २ तातङ्ग-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तातङ्-गीतु, क्तु, क्तात्, काम्, गतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अतातङ्-जीत्, न, क्काम्, हुः, जीः, न, क्कम्, क्क, क्कम्, क्कव, क्कम् ॥
- ५ अतातङ्ग-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तातङ्गा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातङ्गिता ", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातङ्गिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातङ्गिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७५ श्रगु (श्रङ्ग) गतौ ॥

- १ शाश्रङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, मिम, ग्वः, ग्मः ॥
- २ शाश्रङ्ग-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्रङ्-गीतु, क्तु, क्तात्, काम्, गतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, गाणि, गाव, गाम ॥
- ४ अशाश्र-जीत्, न, क्काम्, हुः, जीः, न, क्कम्, क्क, क्कम्, क्कव, क्कम् ॥
- ५ अशाश्रङ्ग-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाश्रङ्गा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्रङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्रङ्गिता ", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्रङ्गिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाश्रङ्गिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७६ श्रगु (श्रङ्ग) गतौ ॥

- १ शाश्रङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, मिम, ग्वः, ग्मः ॥
- २ शाश्रङ्ग-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्रङ्-गीतु, क्तु, क्तात्, काम्, गतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अशाश्र-जीत्, न, क्काम्, हुः, जीः, न, क्कम्, क्क, क्कम्, क्कव, क्कम् ॥
- ५ अशाश्रङ्ग-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाश्रङ्गा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्रङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्रङ्गिता ", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्रङ्गिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाश्रङ्गिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७७ वगु (वङ्ग) गतौ ॥

- १ वावङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, मिम, ग्वः, ग्मः ॥
- २ वावङ्ग-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वावङ्-गीतु, क्तु, क्तात्, काम्, गतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अवाव-जीत्, न, क्काम्, हुः, जीः, न, क्कम्, क्क, क्कम्, क्कव, क्कम् ॥
- ५ अवावङ्ग-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वावङ्गा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावङ्गिता ", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावङ्गिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावङ्गिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७८ मगु (मङ्गु) गतौ ॥

- १ मामङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, मिम, ग्वः, गमः ॥
- २ मामङ्गु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मामङ्-गीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, गतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अमाम-ङ्गीत्, न्, क्ताम्, हुः, ङ्गीः, न्, क्तम्, क्त, ङ्गम्, ङ्व, ङ्म ॥
- ५ अमामङ्गु-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामङ्गया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामङ्गिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामङ्गिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, अम्, आव, आम ॥

७९ स्वगु (स्वङ्गु) गतौ ॥

- १ सास्वङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, मिम, ग्वः, गमः ॥
- २ सास्वङ्गु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास्वङ्-गीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, गतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ असास्व-ङ्गीत्, न्, क्ताम्, हुः, ङ्गीः, न्, क्तम्, क्त, ङ्गम्, ङ्व, ङ्म ॥
- ५ असास्वङ्गु-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सास्वङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सास्वङ्गया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सास्वङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सास्वङ्गिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असास्वङ्गिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, अम्, आव, आम ॥

८० रिगु (रिङ्गु) गतौ ॥

- १ रेरिङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, मिम, ग्वः, गमः ॥
- २ रेरिङ्गु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रेरिङ्-गीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, गतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अरेरि-ङ्गीत्, न्, क्ताम्, हुः, ङ्गीः, न्, क्तम्, क्त, ङ्गम्, ङ्व, ङ्म ॥
- ५ अरेरिङ्गु-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रेरिङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रेरिङ्गया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रेरिङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रेरिङ्गिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरेरिङ्गिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, अम्, आव, आम ॥

८१ लिगु (लिङ्गु) गतौ ॥

- १ लेलिङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, मिम, ग्वः, गमः ॥
- २ लेलिङ्गु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लेलिङ्-गीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, गतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अलेलि-ङ्गीत्, न्, क्ताम्, हुः, ङ्गीः, न्, क्तम्, क्त, ङ्गम्, ङ्व, ङ्म ॥
- ५ अलेलिङ्गु-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लेलिङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लेलिङ्गया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लेलिङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लेलिङ्गिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलेलिङ्गिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, अम्, आव, आम ॥

८२ त्वगु (त्वङ्गु) कम्पने ॥

- १ तात्वङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, गिम, ग्वः, ग्मः ॥
- २ तात्वङ्गु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात्वङ्-गीतु, कु, कात्, काम्, गतु, गिध, कात्, कम्, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अतात्व-ङ्गीत्, न्, ङ्काम्, हुः, ङ्गीः, न्, ङ्कम्, ङ्, ङम्, ङ्व, ङ्म ॥
- ५ अतात्वङ्गु-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तात्वङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तात्वङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तात्वङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तात्वङ्गिगण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतात्वङ्गिगण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८३ युगु (युङ्गु) वर्जने ॥

- १ योयुङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, गिम, ग्वः, ग्मः ॥
- २ योयुङ्गु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ योयुङ्-गीतु, कु, कात्, काम्, गतु, गिध, कात्, कम्, क्, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अयोयु-ङ्गीत्, न्, ङ्काम्, हुः, ङ्गीः, न्, ङ्कम्, ङ्, ङम्, ङ्व, ङ्म ॥
- ५ अयोयुङ्गु-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ योयुङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ योयुङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ योयुङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ योयुङ्गिगण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयोयुङ्गिगण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८४ जुगु (जुङ्गु) वर्जने ॥

- १ जोजुङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, गिम, ग्वः, ग्मः ॥
- २ जोजुङ्गु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोजुङ्-गीतु, कु, कात्, काम्, गतु, गिध, कात्, कम्, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अजोजु-ङ्गीत्, न्, ङ्काम्, हुः, ङ्गीः, न्, ङ्कम्, ङ्, ङम्, ङ्व, ङ्म ॥
- ५ अजोजुङ्गु-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोजुङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोजुङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोजुङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोजुङ्गिगण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोजुङ्गिगण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८५ वुगु (वुङ्गु) वर्जने ॥

- १ वोवुङ्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, खिष, क्षि, कथः, कथ, गीमि, गिम, ग्वः, ग्मः ॥
- २ वोवुङ्गु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वोवुङ्-गीतु, कु, कात्, काम्, गतु, गिध, कात्, कम्, क्, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अवोवु-ङ्गीत्, न्, ङ्काम्, हुः, ङ्गीः, न्, ङ्कम्, ङ्, ङम्, ङ्व, ङ्म ॥
- ५ अवोवुङ्गु-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वोवुङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वोवुङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वोवुङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वोवुङ्गिगण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवोवुङ्गिगण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८६ गग्घ (गग्घू) हसने ॥

- १ जागग्घ-धीति, गिध, गधः, घति, घीषि, जाघ-खिष, क्षि, जागग्घ-ग्धः, गध, घीमि, घ्मि, घ्वः, घ्मः ॥
- २ जागग्घू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जागग्घ-धीतु, गधु, गधात्, गधाम्, घतु, गिध, गधात्, गधम्, गध, घानि, घाव, घाम ॥
- ४ अजा-गग्घीत्, घक्, घग्घ, गग्घधाम्, गग्घुः, गग्घीः, घक्, घग्घ, गग्घधम्, गग्घध, गग्घधम्, गग्घ्व, गग्घ्म ॥
- ५ अजागग्घू-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जागग्घा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागग्घ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागग्घिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागग्घिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागग्घिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८७ दघु (दङ्घू) पालने ॥

- १ दादङ्घ-धीति, गिध, गधः, घति, दाधङ्घ-घीषि, खिष, क्षिः, दादङ्घ-ग्धः, गध, घीमि, घ्मि, घ्वः, घ्मः ॥
- २ दादङ्घू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दादङ्घ-धीतु, गधु, गधात्, गधाम्, घतु, गिध, गधात्, गधम्, गध, घानि, घाव, घाम ॥
- ४ अदा-दङ्घीत्, घन्, दङ्घधाम्, दङ्घुः, दङ्घीः, घन्, दङ्घधम्, दङ्घध, दङ्घम्, दङ्घ्व, दङ्घ्म ॥
- ५ अदादङ्घू-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दादङ्घा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादङ्घ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादङ्घिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दादङ्घिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदादङ्घिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८८ शिघु (शिङ्घू) आघ्राणे ॥

- १ शेशिङ्घ-धीति, गिध, गधः, घति, घीषि, खिष, क्षि, गधः, गध, घीमि, घ्मि, घ्वः, घ्मः ॥
- २ शेशिङ्घू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शेशिङ्घ-धीतु, गधु, गधात्, गधाम्, घतु, गिध, गधात्, गधम्, गध, घानि, घाव, घाम ॥
- ४ अशेशि-ङ्घीत्, न्, ङ्घधाम्, ङ्घुः, ङ्घीः, न्, ङ्घधम्, ङ्घ, ङ्घम्, ङ्घ्व, ङ्घ्म ॥
- ५ अशेशिङ्घू-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शेशिङ्घा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेशिङ्घ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शेशिङ्घिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेशिङ्घिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशेशिङ्घिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८९ लघु (लङ्घू) शोषणे ॥

- १ लालङ्घ-धीति, गिध, गधः, घति, घीषि, खिष, क्षि, गधः, गध, घीमि, घ्मि, घ्वः, घ्मः ॥
- २ लालङ्घू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लालङ्घ-धीतु, गधु, गधात्, गधाम्, घतु, गिध, गधात्, गधम्, गध, घानि, घाव, घाम ॥
- ४ अलाल-ङ्घीत्, न्, ङ्घधाम्, ङ्घुः, ङ्घीः, न्, ङ्घधम्, ङ्घ, ङ्घम्, ङ्घ्व, ङ्घ्म ॥
- ५ अलालङ्घू-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लालङ्घा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालङ्घ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालङ्घिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालङ्घिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालङ्घिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९० शुच (शुच्) शोके ॥

- १ शो-शुचीति, शोक्ति, शुक्तः, शुचति, शुचीषि, शोक्षि, शुक्थः, शुक्थ, शुचीमि, शोचिम, शुच्वः, शुचमः ॥
- २ शोशुच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शो-शुचीतु, शोक्तु, शुक्तात्, शुक्ताम्, शुचतु, शुग्धि, शुक्तात्, शुक्तम्, शुक्त, शुचानि, शुचाव, शुचाम ॥
- ४ अशो-शुचीत्, शोक्, शोग्, शुक्ताम्, शुचुः, शुचीः, शोक्, शोग्, शुक्तम्, शुक्त, शुचम्, शुच्व, शुचमः ॥
- ५ अशोशोच्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शोशोचा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशुच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशोचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशोचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोशोचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९१ कुच (कुच्) शब्दे तारे ॥

- १ चो-कुचीति, कोक्ति, कुक्तः, कुचति, कुचीषि, कोक्षि, कोक्षि, कुक्थः, कुक्थ, कुचीमि, कोचिम, कुच्वः, कुचमः ॥
- २ चोकुच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चो-कुचीतु, कोक्तु, कुक्तात्, कुक्ताम्, कुचतु, कुग्धि, कुक्तात्, कुक्तम्, कुक्त, कुचानि, कुचाव, कुचाम ॥
- ४ अचो-कुचीत्, कोक्, कोग्, कुक्ताम्, कुचुः, कुचीः, कोक्, कोग्, कुक्तम्, कुक्त, कुचम्, कुच्व, कुचमः ॥
- ५ अचोकोच्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकोचा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकोचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकोचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९२ कुञ्च (कुञ्च्) गतौ ॥

- १ चोकु-ञ्चीति, झि, क्तः, चति, ञ्चीषि, झि, कथः, कथ, ञ्चीमि, ञ्चिम, च्वः, च्मः ॥
- २ चोकुच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोकु-ञ्चीतु, झि, क्तात्, क्ताम्, चतु, तिध, क्तात्, क्तम्, क्त, ञ्चानि, ञ्चाव, ञ्चाम ॥
- ४ अचोकु-ञ्चीत्, न्, क्ताम्, चुः, ञ्चीः, न्, क्तम्, क्त, ञ्चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अचोकुञ्च्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकुञ्चा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकुञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकुञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकुञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९३ कुञ्च (कुञ्च्) कौटिल्याल्पीभावयोः ॥

- १ चोकु-ञ्चीति, झि, क्तः, चति, ञ्चीषि, झि, कथः, कथ, ञ्चीमि, ञ्चिम, च्वः, च्मः ॥
- २ चोकुच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोकु-ञ्चीतु, झि, क्तात्, क्ताम्, चतु, तिध, क्तात्, क्तम्, क्त, ञ्चानि, ञ्चाव, ञ्चाम ॥
- ४ अचोकु-ञ्चीत्, न्, क्ताम्, चुः, ञ्चीः, न्, क्तम्, क्त, ञ्चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अचोकुञ्च्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकुञ्चा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकुञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकुञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकुञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९४ लुञ्च (लुञ्च) अपनयने ॥

- १ लोलुञ्च-धीति, झि, कः, चति, धीषि, ह्नि, कथः,
कथ, धीमि, ङ्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ लोलुञ्च-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलुञ्च-धीतु, इकु, कात्, काम्, चतु, गिध, कात्,
कम्, क, झानि, झाव, झाम ॥
- ४ अलोलुञ्च-धीत्, न्, काम्, उः, धीः, न्, कम्,
क, झम्, च्व, च्म ॥
- ५ अलोलुञ्च-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लोलुञ्चा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलुञ्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलुञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलुञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलोलुञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

९५ वञ्च (वञ्च) गतौ ॥

- १ वनीव-धीति, झि, कः, चति, धीषि, ह्नि, कथः,
कथ, धीमि, ङ्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ वनीवञ्च-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ वनीव-धीतु, इकु, कात्, काम्, चतु, गिध, कात्,
कम्, क, झानि, झाव, झाम ॥
- ४ अवनीव-धीत्, न्, काम्, उः, धीः, न्, कम्,
क, झम्, च्व, च्म ॥
- ५ अवनीवञ्च-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वनीवञ्चा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वनीवञ्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वनीवञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वनीवञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवनीवञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

९६ चञ्च (चञ्च) गतौ ॥

- १ चाच-धीति, झि, कः, चति, धीषि, ह्नि, कथः,
कथ, धीमि, ङ्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ चाचञ्च-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ चाच-धीतु, इकु, कात्, काम्, चतु, गिध, कात्,
कम्, क, झानि, झाव, झाम ॥
- ४ अचाच-धीत्, न्, काम्, उः, धीः, न्, कम्,
क, झम्, च्व, च्म ॥
- ५ अचाचञ्च-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाचञ्चा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाचञ्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाचञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाचञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाचञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

९७ तञ्च (तञ्च) गतौ ॥

- १ तात-धीति, झि, कः, चति, धीषि, ह्नि, कथः,
कथ, धीमि, ङ्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ तातञ्च-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम ॥
- ३ तात-धीतु, इकु, कात्, काम्, चतु, गिध, कात्,
कम्, क, झानि, झाव, झाम ॥
- ४ अतात-धीत्, न्, काम्, उः, धीः, न्, कम्, क,
झम्, च्व, च्म ॥
- ५ अतातञ्च-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्व, इष्म ॥
- ६ तातञ्चा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातञ्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

९८ त्वञ्चू (त्वञ्च्) गतौ ॥

- १ तात्व-ञीति, झि, कः, चति, ङीषि, ह्नि, कथः, कथ, ङीमि, ङ्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ तात्वच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात्व-ञीतु, इकु, कात्, काम्, चतु, गिध, कात्, कम्, क, ङानि, ङाव, ङाम ॥
- ४ अतात्व-ञीत्, न्, काम्, चुः, ङीः, न्, कम्, क, ङम्, च्व, च्म ॥
- ५ अतात्वञ्च्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तात्वञ्चा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तात्वञ्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तात्वञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तात्वञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतात्वञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९९ मञ्चू (मञ्च्) गतौ ॥

- १ माम-ञ्वीति, झि, कः, चति, ङीषि, ह्नि, कथः, कथ, ङीमि, ङ्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ मामच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माम-ञ्वीतु, इकु, कात्, काम्, चतु, गिध, कात्, कम्, क, ङानि, ङाव, ङाम ॥
- ४ अमाम-ञ्वीत्, न्, काम्, चुः, ङीः, न्, कम्, क, ङम्, च्व, च्म ॥
- ५ अमामञ्च्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामञ्चा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामञ्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०० मुञ्चू (मुञ्च्) गतौ ॥

- १ मोमु-ञ्वीति, झि, कः, चति, ङीषि, ह्नि, कथः, कथ, ङीमि, ङ्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ मोमुच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमु-ञ्वीतु, इकु, कात्, काम्, चतु, गिध, कात्, कम्, क, ङानि, ङाव, ङाम ॥
- ४ अमोमु-ञ्वीत्, न्, काम्, चुः, ङीः, न्, कम्, क, ङम्, च्व, च्म ॥
- ५ अमोमुञ्च्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमुञ्चा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुञ्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमुञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमुञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमुञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०१ मृञ्चू (मृञ्च्) गतौ ॥

- १ मोमृ-ञ्वीति, झि, कः, चति, ङीषि, ह्नि, कथः, कथ, ङीमि, ङ्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ मोमृच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमृ-ञ्वीतु, इकु, कात्, काम्, चतु, गिध, कात्, कम्, क, ङानि, ङाव, ङाम ॥
- ४ अमोमृ-ञ्वीत्, न्, काम्, चुः, ङीः, न्, कम्, क, ङम्, च्व, च्म ॥
- ५ अमोमृञ्च्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमृञ्चा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमृञ्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमृञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमृञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमृञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०२ मृच (मृच) गतौ ॥

- १ मो-मृचीति, मोक्ति, मुक्तः, मुचति, मुचीषि, मोक्षि, मोक्षिष, मुक्थः, मुक्थ, मुचीमि, मोचिम, मुच्वः, मुचमः ॥
- २ मोमृच-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोम्रोक्तु, मोमृ-चीतु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिध, क्तात्, क्ताम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अमो-मृचीत्, मोक्, मोग्, मुक्ताम्, मुचुः, मुचीः, मोक्, मोग्, मुक्ताम्, मुक्त, मुचम्, मुच्व, मुचम ॥
- ५ अमोम्रोच-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोम्रोचा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमृच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोम्रोचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोम्रोचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोम्रोचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०३ म्लुच (म्लुच) गतौ ॥

- १ मो-म्लुचीति, म्लोक्ति, म्लुक्तः, म्लुचति, म्लुचीषि, म्लोक्षि, म्लुक्थः, म्लुक्थ, म्लुचीमि, म्लोच्वः, म्लुचिम, म्लुचमः ॥
- २ मोम्लुच-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोम्लोक्तु, मोम्लु-चीतु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिध, क्तात्, क्ताम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अमो-म्लुचीत्, म्लोक्, म्लोग्, म्लुक्ताम्, म्लुचुः, म्लुचीः, म्लोक्, म्लोग्, म्लुक्ताम्, म्लुक्त, म्लुचम्, म्लुच्व, म्लुचम ॥
- ५ अमोम्लोच-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोम्लोचा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोम्लुच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोम्लोचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोम्लोचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोम्लोचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०४ ग्लुञ्च (ग्लुञ्च) गतौ ॥

- १ जोग्लु-ञ्चीति, ङ्क्ति, क्तः, चति, ङ्चीषि, ङ्क्षि, कथः, कथ, ङ्चीमि, ङ्चिम, च्वः, चमः ॥
- २ जोग्लुच-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोग्लु-ञ्चीतु, इक्तु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिध, क्तात्, क्ताम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अजोग्लु-ञ्चीत्, न्, क्ताम्, चुः, ङ्चीः, न्, क्तम्, क्त, ङ्चम्, च्व, चम ॥
- ५ अजोग्लुञ्च-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोग्लुञ्चा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोग्लुच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोग्लुञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोग्लुञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोग्लुञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०५ षस्च (षस्च) गतौ ॥

- १ सास-ञ्चीति, क्ति, क्तः, चति, ञ्चीषि, ञ्क्षि, कथः, कथ, ञ्चीमि, ञ्चिम, ञ्च्वः, ञ्चमः ॥
- २ सासञ्च-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास-ञ्चीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिध, क्तात्, क्ताम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ असास-ञ्चीत्, क्, ग्, क्ताम्, च्वुः, ञ्चीः, क्, ग्, क्तम्, क्त, ञ्च्व, ञ्चम ॥
- ५ असासञ्च-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सासञ्चा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासञ्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सासञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असासञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०६ गुच् (गुच्) स्तेये ॥

- १ जो-गुचीति, ग्रीक्ति, गुक्तः, गुचति, गुचीषि, ग्रीक्षि, गुक्थः, गुक्थ, गुचीमि, ग्रीक्षि, गुच्वः, गुचमः ॥
- २ जोगुच्-यात्, याताम्, युः याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोग्रोकु, जोग्रु-चीतु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अजो-ग्रीक्, ग्रीग, गुचीत्, गुक्ताम्, गुचुः, गुचीः, ग्रीक्, ग्रीग, गुक्ताम्, गुक्त, गुचम्, गुच्व, गुचम ॥
- ५ अजोग्रीच्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोग्रीचा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोग्रुच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोग्रीचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोग्रीचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोग्रीचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०७ ग्लुच् (ग्लुच्) स्तेये ॥

- १ जो-ग्लोक्ति, ग्लुचीति, ग्लुक्तः, ग्लुचति, ग्लुचीषि, ग्लोक्षि, ग्लुक्थः, ग्लुक्थ, ग्लुचीमि, ग्लोक्षि, ग्लुच्वः, ग्लुचमः ॥
- २ जोग्लुच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोग्लोक्तु, जोग्लु-चीतु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अजो-ग्लुचीत्, ग्लोक्, ग्लोग्, ग्लुक्ताम्, ग्लुचुः, ग्लुचीः, ग्लोक्, ग्लोग्, ग्लुक्ताम्, ग्लुक्त, ग्लुचम्, ग्लुच्व, ग्लुचम ॥
- ५ अजोग्लोच्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोग्लो-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोग्लुच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोग्लोचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोग्लोचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोग्लोचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०८ म्लेछ (म्लेछ) अव्यक्तायां वाचि ॥

- १ मेम्ले-च्छीति, छि, छः, च्छति, च्छीषि, क्षि, छः, छ, च्छीमि, क्षि, छैः, च्छ्वः, छमः ॥ [याव, याम ॥
- २ मेम्लेच्छ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेम्ले-च्छीतु, छु, छात्, छाम्, च्छु, छि, छात्, छम्, छ, च्छानि, च्छाव, च्छाम ॥
- ४ अमेम्ले-च्छीत्, द, इ, छाम्, च्छुः, च्छीः, द, इ, छम्, छ, च्छम्, च्छ्व, छैः, छम ॥
- ५ अमेम्लेच्छ-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मेम्लेच्छा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेम्लेच्छया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेम्लेच्छिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेम्लेच्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमेम्लेच्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मेम्लेच्छयात्-इत्यादौ यकारस्य सातुनासिकत्वे मेम्लेच्छादित्यपि बोध्यमेवं सर्वत्र यादौ प्रत्यये ॥

१०९ लछ (लछ) लक्षणे ॥

- १ लाल-च्छीति, छि, छः, च्छति, च्छीषि, क्षि, छः, छ, च्छीमि, क्षि, च्छ्वः, छैः, छमः ॥
- २ लालच्छ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लाल-च्छीतु, छु, छात्, छाम्, च्छु, छि, छात्, छम्, छ, च्छानि, च्छाव, च्छाम ॥
- ४ अलाल-च्छीत्, द, इ, छाम्, च्छुः, च्छीः, द, इ, छम्, छ, च्छम्, च्छ्व, छैः, छम ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अलालच्छ-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लालच्छा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालच्छया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालच्छिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालच्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालच्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥ यादौ प्रत्यये लालक्ष्यादित्याद्यपि बोध्यम् ॥

११० लाछु (लाच्छ) लक्षणे ॥

- १ ला-लाच्छीति, लांछि, लांछः, लाच्छति, लाच्छीषि, लांछि, लांछः, लांछ, लाच्छीमि, लांछिमि, लाच्छुः, लांछैः, लांछमः ॥
- २ लालाच्छ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ला-लाच्छीतु, लांछु, लांछात्, लांछाम्, लाच्छतु, लाच्छि, लांछात्, लांछम्, लांछ, लाच्छानि, लाच्छाव, लाच्छाम ॥
- ४ अला-लाच्छीत्, लान्, लांछाम्, लाच्छुः, लांछीः, लान्, लांछम्, लांछ, लाच्छम्, लाच्छ, लांछैः, लांछमः ॥
- ५ अलालाच्छ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लालाच्छा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालाच्छया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालाच्छिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालाच्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अत, अम्, आव, आम ॥
- १० अलालाच्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अलालाच्छयादित्यादौ लालांश्यादित्यादि ॥

१११ वाछु (वाच्छ) इच्छायाम् ॥

- १ वा-वाच्छीति, वांछि, वांछः, वाच्छति, वाच्छीषि, वांछि, वांछः, वांछ, वाच्छीमि, वांछिमि, वांछुः, वांछैः, वांछमः ॥
- २ वावाच्छ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वा-वाच्छीतु, वांछु, वांछात्, वांछाम्, वाच्छतु, वांछि, वांछात्, वांछम्, वांछ, वाच्छानि, वाच्छाव, वाच्छाम ॥
- ४ अवा-वाच्छीत्, वान्, वांछाम्, वाच्छुः, वांछीः, वान्, वांछम्, वांछ, वाच्छम्, वाच्छ, वांछैः, वांछमः ॥
- ५ अवावाच्छ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वावाच्छा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावाच्छया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावाच्छिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावाच्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अत, अम्, आव, आम ॥
- १० अवावाच्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, वावाच्छयादित्यादौ, वावांश्यादित्यादि ॥

११२ ह्रीछ (ह्रीछ) लजायाम् ॥

- १ जेही-च्छीति, छि, छः, च्छति, च्छीषि, छि, छः, छ, च्छीमि, छिमि, च्छुः, छैः, छमः ॥
- २ जेहीच्छ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेही-च्छीतु, छु, छात्, छाम्, च्छतु, छि, छात्, छम्, छ, च्छानि, च्छाव, च्छाम ॥
- ४ अजेही-च्छीत्, द, इ, छाम्, च्छुः, च्छीः, द, इ, छम्, छ, च्छम्, च्छ, छैः, छमः ॥
- ५ अजेहीच्छ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जेहीच्छा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेहीच्छया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेहीच्छिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेहीच्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अत, अम्, आव, आम ॥
- १० अजेहीच्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, जेहीच्छयादित्यादौ जेहीश्यादित्यादि ॥

११३ हुर्छा (हुर्छ) कौटिल्ये ॥

- १ जो-हूर्छीति, हूर्छि, हूर्छः, हूर्छति, हूर्छीषि, हूर्छि, हूर्छः, हूर्छ, हूर्छीमि, हूर्छिमि, हूर्छुः, हूर्छैः, हूर्छमः ॥
- २ जोहूर्छ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-हूर्छीतु, हूर्छु, हूर्छात्, हूर्छाम्, हूर्छतु, हूर्छि, हूर्छात्, हूर्छम्, हूर्छ, हूर्छानि, हूर्छाव, हूर्छाम ॥
- ४ अजो-हूर्छीत्, हौ, हूर्छाम्, हूर्छुः, हूर्छीः, हौ, हूर्छम्, हूर्छ, हूर्छम्, हूर्छ, हूर्छैः, हूर्छमः ॥
- ५ अजोहूर्छ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोहूर्छा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोहूर्छया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोहूर्छिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोहूर्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजोहूर्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, जोहूर्छयादित्यादौ, यकारस्य साधुनासिकत्वे जोहूर्छ्यादित्यादि ॥

११४ मुर्छा (मुर्छ) मोहसमुच्छ्राययोः ॥

- १ मो-मूर्छति, मोर्छति, मूर्तः, मूर्छति, मूर्छीषि, मोर्षि, मूर्थः, मूर्थः, मूर्छमि मोर्मि, मूर्छ्वः, मूर्खः, मूर्खः ॥
- २ मोमूर्छ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमोर्तु, मोमू-छीतु, तात्, तांम्, छीतु, हिं, तात्, तम्, तं, छीनि, छीव, छीम ॥
- ४ अमो-मूर्छीत्, मोः, मूर्ताम्, मूर्छुः, मूर्छीः, मोः, मूर्तम्, मूर्त, मूर्छम्, मूर्छ्व, मूर्खः, मूर्ख ॥
- ५ अमोमूर्छ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमूर्छा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमूर्छया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमूर्छिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमूर्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमोमूर्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, जोहूर्छयादित्यादौ यकारस्य सानुनासिकत्वे जोहूर्छयादित्यादि ॥

११५ स्फुर्छा (स्फुर्छ) विस्मृतौ ॥

- १ पो-स्फोर्छति, स्फूर्छति, स्फूर्तः, स्फूर्छति, स्फूर्छीषि, स्फोर्षि, स्फूर्थः, स्फूर्थः, स्फूर्छमि, स्फोर्मि, स्फूर्छ्वः, स्फूर्खः, स्फूर्मः ॥
- २ पोस्फूर्छ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोस्फोर्तु, पोस्फू-छीतु, तात्, तांम्, छीतु, हिं, तात्, तम्, तं, छीनि, छीव, छीम ॥
- ४ अपो-स्फोः, स्फूर्छीत्, स्फूर्ताम्, स्फूर्छुः, स्फूर्छीः, स्फोः, स्फूर्तम्, स्फूर्त, स्फूर्छम्, स्फूर्छ्व, स्फूर्खः, स्फूर्म ॥
- ५ अपोस्फूर्छ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोस्फूर्छा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोस्फूर्छया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोस्फूर्छिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोस्फूर्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपोस्फूर्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पोस्फूर्छयादित्यादौ, पोस्फूर्छयादित्यादि ॥

११६ स्मूर्छा (स्मूर्छ) विस्मृतौ ॥

- १ सो-स्मोर्छति, स्मूर्छति, स्मूर्तः, स्मूर्छति, स्मूर्छीषि, स्मोर्षि, स्मूर्थः, स्मूर्थः, स्मूर्छमि, स्मोर्मि, स्मूर्छ्वः, स्मूर्खः, स्मूर्मः ॥
- २ सोस्मूर्छ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सोस्मोर्तु, सोस्मू-छीतु, तात्, तांम्, छीतु, हिं, तात्, तम्, तं, छीनि, छीव, छीम ॥
- ४ असो-स्मूर्छीत्, स्मोः, स्मूर्ताम्, स्मूर्छुः, स्मूर्छीः, स्मोः, स्मूर्तम्, स्मूर्त, स्मूर्छम्, स्मूर्छ्व, स्मूर्खः, स्मूर्म ॥
- ५ असोस्मूर्छ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सोस्मूर्छा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोस्मूर्छया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोस्मूर्छिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोस्मूर्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असोस्मूर्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, सोस्मूर्छयादित्यादौ, सोस्मूर्छयादित्यादि ॥

११७ युच्छा (युच्छ) प्रमादौ ॥

- १ यो-युच्छीति, योष्टि, युष्टः, युच्छति, युच्छीषि, योक्षि, युष्टः, युष्ट, युच्छमि, योस्मि, युच्छ्वः, युक्षः, युक्षः ॥
- २ योयुच्छ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ योयोष्टु, योयु-च्छीतु, घात्, घाम्, च्छतु, हिं, घात्, घम्, घ, च्छानि, च्छाव, च्छाम ॥
- ४ अयो-युच्छीत्, योद, योद, युष्टाम्, युच्छुः, युच्छीः, योद, योद, युष्टम्, युष्ट, युच्छम्, युच्छ्व, युक्षः, युक्षम् ॥
- ५ अयोयुच्छ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ योयुच्छा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ योयुच्छया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ योयुच्छिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ योयुच्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अयोयुच्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, योयुच्छयादित्यादौ, योयुच्छयादित्यादि ॥

११८ धृज (धृज्) गतौ ॥

- १ दरि-धर्कि, धृजति, धृक्तः, धृजति, धृजीषि, धर्क्षि, धृक्थः, धृक्थ, धृजमि, धर्क्षि, धृज्वः, धृज्मः ॥
- २ दरिधृज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दरिधृज्, दरिधृ-जीतु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अदरि-धृजीत्, धर्क्, धर्ग, धृक्ताम्, धृजुः, धृजीः, धर्क्, धर्ग, धृक्ताम्, धृक्, धृजम्, धृज्व, धृज्म ॥
- ५ अदरिधृज्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दरिधृजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दरिधृज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ दरिधृजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दरिधृजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदरिधृजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दरि-स्थाने दरी-इति दद्-इति च ज्ञेयम् ॥

११९ धृजु (धृज्) गतौ ॥

- १ दरीधृ-जीति, झि, झूः, जति, जीषि, झि, झक्थः, झक्थ, जीमि, झिम्, ज्वः, ज्मः ॥
- २ दरीधृज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दरीधृ-जीतु, झु, झ्तात्, झ्ताम्, जतु, इधि, झ्तात्, झ्ताम्, झ्ता, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अदरीधृ-जीत्, न, झ्ताम्, झुः, जीः, न, झ्ताम्, झ्ता, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अदरीधृज्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दरीधृजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दरीधृज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ दरीधृजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दरीधृजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदरीधृजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दरी-स्थाने दरि-इति दद्-इति च ज्ञेयम् ॥

१२० ध्वज (ध्वज्) गतौ ॥

- १ दाध्व-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, क्थः, क्थ, जीमि, क्षि, ज्वः, ज्मः ॥
- २ दाध्वज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाध्व-जीतु, कु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अदाध्व-जीत्, क्, ग्, क्ताम्, जुः, जीः, क्, ग्, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अदाध्वज् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाध्वजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाध्वज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ दाध्वजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाध्वजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाध्वजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

१२१ ध्वजु (ध्वज्) गतौ ॥

- १ दाध्व-जीति, झि, झूः, जति, जीषि, झि, झक्थः, झक्थ, जीमि, झिम्, ज्वः, ज्मः ॥
- २ दाध्वज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाध्व-जीतु, झु, झ्तात्, झ्ताम्, जतु, इधि, झ्तात्, झ्ताम्, झ्ता, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अदाध्व-जीत्, न, झ्ताम्, झुः, जीः, न, झ्ताम्, झ्ता, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अदाध्वज्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाध्वजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाध्वज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ दाध्वजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाध्वजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाध्वजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

१२२ ध्रज (ध्रज्) गतौ ॥

- १ दाध्र-जीति, कि, कः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ दाध्रज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाध्र-जीतु, कु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, कम्, क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अदाध्र-जीत्, क्, ग्, क्ताम्, जुः, जीः, क्, ग्, कम्, क, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अदाध्राज् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदाध्रज् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाध्रजा-श्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाध्रज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाध्रजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाध्रजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाध्रजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२३ ध्रजु (ध्रज्ज्) गतौ ॥

- १ दाध्र-जीति, कि, कः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ दाध्रज्ज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाध्र-जीतु, कु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, कम्, क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अदाध्र-जीत्, न्, क्ताम्, जुः, जीः, न्, क्ताम्, क्ताम्, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अदाध्रज्ज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाध्रज्जा-श्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाध्रज्ज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाध्रज्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाध्रज्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाध्रज्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२४ वज (वज्) गतौ ॥

- १ वाव-जीति, कि, कः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ वावज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-जीतु, कु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, कम्, क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अवाव-जीत्, क्, ग्, क्ताम्, जुः, जीः, क्, ग्, कम्, क, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अवावाज् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवावाज् } इष्टम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावजा-श्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२५ व्रज (व्रज्) गतौ ॥

- १ वाव-जीति, कि, कः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ वावज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-जीतु, कु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, कम्, क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अवाव-जीत्, क्, ग्, क्ताम्, जुः, जीः, क्, ग्, कम्, क, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अवावाज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावजा-श्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२६ षस्ज (सज्) गतौ ॥

- १ सास-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः,
कथ, जीमि, जिम्, ज्ज्वः, ज्जम् ॥
- २ सासज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम् ॥
- ३ सास-जीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्,
क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम् ॥
- ४ असास-जीत्, क्, ग्, क्ताम्, ज्जुः, जीः, क्, ग्,
क्तम्, क्त, जम्, ज्ज्व, ज्जम् ॥
- ५ असासज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सासज्जा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सासजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० असासजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

१२७ अज (अज-वी) क्षेपणे च ॥

- १ वे-वयीति, वेति, वीतः, व्यति, वयीषि, वेषि, वीथः,
वीथ, वयीमि, वैमि, वीवः, वीमः ॥
- २ वेवी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम् ॥
- ३ वे-वयीतु, वेतु, वीतात्, वीताम्, व्यतु, वीद्दि,
वीतात्, वीतम्, वीत, वयानि, वयाव, वयाम् ॥
- ४ अवे-वयीत्, वेत्, वीताम्, वयुः, वयीः, वेः, वीतम्,
वीत, वयम्, वीव, वीम ॥
- ५ अवेवाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वेवया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेवीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अत, अम्, आव, आम ॥
- १० अवेवयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
मतान्तरेऽस्य धातोर्यङ्लुपि रूपं न भवति ॥

१२८ कुज् (कुज) स्तेये ॥

- १ चो-कुजीति, कोक्ति, कुक्तः, कुजति, कुजीषि, कोक्षि,
कुक्थः, कुक्थ, कुजीमि, कोक्मि, कुज्वः, कुज्मः ॥
- २ चोकुज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम् ॥
- ३ चोकोक्तु, चोकु-जीतु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध,
क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम् ॥
- ४ अचो-कोक्, कोग्, कुजीत्, कुक्ताम्, कुजुः, कुजीः,
कोक्, कोग्, कुक्ताम्, कुक्त, कुजम्, कुज्व, कुज्म ॥
- ५ अचोकोज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकोजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकोजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः,
अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकोजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

१२९ खुज् (खुज) स्तेये ॥

- १ चो-खोक्ति, खोजति, खुक्तः, खोजति, खोजिषि, खोक्षि,
खुक्थः, खुक्थ, खोजिमि, खोक्मि, खुज्वः, खुज्मः ॥
- २ चोखुज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम् ॥
- ३ चोखोक्तु, चोखु-जीतु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध,
क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम् ॥
- ४ अचो-खोक्, खोग्, खोजित्, खुक्ताम्, खुजुः, खोजीः,
खोक्, खोग्, खुक्ताम्, खुक्त, खुजम्, खुज्व, खुज्म ॥
- ५ अचोखोज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्व, इष्म ॥
- ६ चोखोजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोखुज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोखोजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोखोजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः,
अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोखोजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

१३० सर्ज (सर्ज्) अर्जने ॥

- १ सास—जौति, किं, कैं; जैति, जौषि, क्षिं, कूथः, कूथ,
जौमि, ज्मि, ज्वः, ज्मः ॥
- २ सासर्ज—याव, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ सास—जौतु, ऊँ, कौत, कौम्, जौतु, गिंथ, कौत,
कौम्, कैं, जौमि, जौव, जौम ॥
- ४ असास—जौव, कैं, रूँ, कौम्, ऊँ, जौः, कैं, रूँ,
कौम्, कैं, जौम्, ज्वः, ज्मः ॥
- ५ असासज्—ईव, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सासर्जा—ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासर्ज्या—त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सासर्जिता—”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासर्जिष्—अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ
आमि, आवः, आमः ॥
- १० असासर्जिष्—अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३१ कर्ज (कर्ज) व्यथने ॥

- १ चाक-जाति, किं, क्तः, जेति, जाषि, क्षि, कर्थः,
कर्थ, जौमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ चाकर्ज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-जौतु, ऊं, कौत्, कौम्, जंतु, गिंध, कौत्,
कौम्, क्त, जनि, जाव, जाम ॥
- ४ अचाक-जौत्, र्ग, क्, कौम्, ऊं, जौः, क्, र्ग,
कौम्, क्त, जैम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अचाकर्ज्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्ट्, इष्टम् ॥
- ६ चाकर्जा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकर्ज्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकर्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकर्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकर्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव आम ॥

१३२ खर्ज (खर्ज) मार्जने च ॥

- १ चाख-जति, किं, क्तः, जति, जीवि, क्षिं, क्यथः, क्यथ,
जामि, जिमि, ज्वः, जर्मः ॥
- २ चाखर्ज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ चाख-जितु, क्तुं, कर्त, कर्तम्, जर्तु, र्थि, कर्त,
कर्म, क्तं, जर्जनि, जर्जव, जर्म ॥
- ४ अचाख-जीत, क्तं, क्तुं, कर्तम्, जुः, जीः, क्तं, क्तुं,
कर्म, क्तं, जर्म, ज्वः, जर्म ॥
- ५ अचाखर्ज-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ चाखर्जा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाखर्ज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाखर्जिता-''रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाखर्जिष्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः,
अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाखर्जिष्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

१३३ खज (खज्) मन्थे ॥

- १ चाख-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः,
कथ, जीमि, ज्मि, ज्वः, ज्मः ॥
- २ चाखज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ चाख-जीतु, कु, कात्, काम्, जतु, गिध, कात्,
कम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अचाख-जीत्, क्, गू, काम्, जुः, जीः, क्, गू,
कम्, क्त, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अचाखाज् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अचाखज् } इष्म्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाखजा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाखज्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाखजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाखजिष्णू-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आसि, आवः, आमः ॥
- १० अचाखजिष्णू-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

१३४ खज् (खञ्ज्) गतिवैकल्ये ॥

- १ चाख-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्वमः ॥
- २ चाखञ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाख-जीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, जतु, इधि, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अचाख-जीत्, न, क्ताम्, जुः, जीः, न, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्वम ॥
- ५ अचाखञ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाखञा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाखञ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाखञिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाखञिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाखञिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३५ द्वोस्फूर्जा (स्फूर्ज्) वज्रनिर्घोषे ॥

- १ पोस्फूर्ज-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्वमः ॥
- २ पोस्फूर्ज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोस्फूर्ज-जीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, जतु, मिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अपोस्फूर्ज-जीत्, क्, ग्, क्ताम्, जुः, जीः, क्, ग्, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्वम ॥
- ५ अपोस्फूर्ज-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पोस्फूर्जा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोस्फूर्ज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोस्फूर्जिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोस्फूर्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोस्फूर्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३६ क्षीज (क्षीज्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ चेक्षी-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्वमः ॥
- २ चेक्षीज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेक्षी-जीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, जतु, मिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अचेक्षी-जीत्, क्, ग्, क्ताम्, जुः, जीः, क्, ग्, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्वम ॥
- ५ अचेक्षीज्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेक्षीजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेक्षीज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेक्षीजिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेक्षीजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेक्षीजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३७ कूज (कूज्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ चोक्-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्वमः ॥
- २ चोक्कूज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोक्-जीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, जतु, मिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अचोक्-जीत्, क्, ग्, क्ताम्, जुः, जीः, क्, ग्, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्वम ॥
- ५ अचोक्कूज्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोक्कूजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोक्कूज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोक्कूजिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोक्कूजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोक्कूजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३८ गुज (गुज्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ जो-गोक्ति, गुजीति, गुक्तः, गुजति, गुजीषि, गोक्षि,
गुक्थः, गुक्थ, गुजीमि, गोजिमः, गुज्वः, गुज्मः ॥
- २ जोगुज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ जोगोक्तु, जोगु-जीतु, क्तात्, काम्, जतु, मिथ,
क्तात्, कम्, क्, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अजो-गोक्, गोग्, गुजीत्, गुक्ताम्, गुजुः, गुजीः, गोक्,
गोग्, गुक्ताम्, गुक्, गुजम्, गुज्व, गुज्म ॥
- ५ अजोगोज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोगोजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगुज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगोजिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगोजिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः,
अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगोजिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

१३९ गुजु (गुज्ज्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ जोगु-जीति, झि, झ्, जति, जीषि, झि, झ्थः,
झ्थ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ जोगुज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ जोगु-जीतु, झ्कु, झ्कात्, झ्काम्, जतु, जिथ,
झ्कात्, झ्कम्, झ्क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अजोगु-जीत्, न्, झ्काम्, झुः, जीः, न्, झ्कम्,
झ्क, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अजोगुज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोगुजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगुज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगुजिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगुजिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
अमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगुजिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

१४० लज (लज्) भर्त्सने ॥

- १ लाल-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः,
कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ लालज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ लाल-जीतु, कु, क्तात्, काम्, जतु, मिथ, क्तात्,
कम्, क्, जम्, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अलाल-जीत्, क्, ग्, काम्, जुः, जीः, क्, ग्,
कम्, क्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अलालज् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अलालज् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लालजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालजिता" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालजिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
अमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालजिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

१४१ लजु (लज्ज्) भर्त्सने ॥

- १ लाल-जीति, झि, झ्, जति, जीषि, झि, झ्थः,
झ्थ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ लालज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ लाल-जीतु, झ्कु, झ्कात्, झ्काम्, जतु, जिथ, झ्कात्,
झ्कम्, झ्क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अलाल-जीत्, न्, झ्काम्, झुः, जीः, न्, झ्कम्, झ्क,
जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अलालज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लालजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालजिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालजिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
अमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालजिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१४२ तर्ज (तर्ज) भर्त्सने ॥

- १ तात-जति, किं, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ तातर्ज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात-जीतु, क्तु, कात्, काम्, जतु, विध, कात्, कम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अतात-जति, क्त, ग्, क्तम्, जुः, जीः, क्त, ग्, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अतातर्ज-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तातर्ज-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातर्ज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातर्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातर्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातर्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४३ लाज (लाज) भर्त्सने च ॥

- १ लाला-जति, कि, क्तः, जति, जीषि, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, ज्वः, ज्मः ॥
- २ लालाज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लाला-जीतु, क्तु, कात्, काम्, जतु, विध, कात्, कम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अलाला-जति, क्त, ग्, क्तम्, जुः, जीः, क्त, ग्, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अलालाज-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लालाजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालाज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालाजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालाजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालाजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४४ लाजु (लाज्) भर्त्सने च ॥

- १ लाला-जति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ लालाज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लाला-जीतु, क्तु, कात्, काम्, जतु, विध, कात्, कम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अलाला-जति, क्त, ग्, क्तम्, जुः, जीः, क्त, ग्, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अलालाज-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लालाजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालाज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालाजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालाजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालाजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४५ जज (जज्) युद्धे ॥

- १ जाज-जति, कि, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ जाजज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाज-जीतु, क्तु, कात्, काम्, जतु, विध, कात्, कम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अजाज-जति, क्त, ग्, क्तम्, जुः, जीः, क्त, ग्, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अजाजाज } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाजज } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाजजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाजजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाजजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४६ जजु (जङ्) युद्धे ॥

- १ जाज-जीति, ज्झि, ज्झः, जति, जीषि, ज्झि, ज्झथः, ज्झथ, जीमि, ज्झिम, ज्झवः, ज्झमः ॥
- २ जाजज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाज-जीतु, ज्झु, ज्झात्, ज्झाम्, जतु, ज्झि, ज्झात्, ज्झम्, ज्झ, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अजाज-जीत्, न्, ज्झाम्, जुः, जीः, न्, ज्झम्, ज्झ, जम्, ज्झव, ज्झम ॥
- ५ अजाजज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाजजा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाजजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाजजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४७ तुज (तुज्) हिंसायाम् ॥

- १ तो-तोकि, तुजीति, तुक्कः, तुजति, तुजीषि, तोक्षि, तुक्थः, तुक्थ, तुजीमि, तोष्मि, तुज्वः, तुज्मः ॥
- २ तोतुज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतोक्कु, तोतु-जीतु, क्कात्, क्काम्, जतु, रिध, क्कात्, क्कम्, क्क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अतो-तोक्, तोग्, तुजीत्, तुक्काम्, तुजुः, तुजीः, तोक्, तोग्, तुक्कम्, तुक्क, तुजम्, तुज्व, तुज्म ॥
- ५ अतोतोज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतोजा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतोजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतोजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतोजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४८ तुजु (तुज्) बलने च ॥

- १ तोतु-जीति, ज्झि, ज्झः, जति, जीषि, ज्झि, ज्झथः, ज्झथ, जीमि, ज्झिम, ज्झवः, ज्झमः ॥
- २ तोतुज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतु-जीतु, ज्झु, ज्झात्, ज्झाम्, जतु, ज्झि, ज्झात्, ज्झम्, ज्झ, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अतोतु-जीत्, न्, ज्झाम्, जुः, जीः, न्, ज्झम्, ज्झ, जम्, ज्झव, ज्झम ॥
- ५ अतोतुज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतुजा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतुजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतुजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतुजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४९ गर्ज (गर्ज्) शब्दे ॥

- १ जाग-जीति, किं, कीः, जति, जीषि, किं, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ जागर्ज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाग-जीतु, कुं, क्कात्, क्काम्, जतु, रिध, क्कात्, क्कम्, क्क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अजाग-जीत्, क्, ग्, क्काम्, जुः, जीः, क्, ग्, क्कम्, क्क, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अजागर्ज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जागर्जा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागर्ज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागर्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागर्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागर्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१५० गजु (गज्) शब्दे ॥

- १ जाग-जीति, झि, झः, जति, जीषि, झि, झ्थः, झ्थ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ जागञ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाग-जीतु, झु, झात्, झाम्, जतु, झि, झात्, झम्, झ, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अजाग-जीत्, न, झाम्, जुः, जीः, न, झम्, झ, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अजागञ्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जागञ्जा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागञ्ज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागञ्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागञ्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागञ्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१५१ गुज (गुज्) शब्दे ॥

- १ जरि-गर्कि, गुजीति, गुक्तः, गुजति, गुजीषि, गर्कि, गुक्थः, गुक्थ, गुजीमि, गर्जिम, गुज्वः, गुज्मः ॥
- २ जरिगुज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जरिगुर्कु, जरिगु-जीतु, कात्, काम्, जतु, रिध, कात्, कम्, क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अजरि-गुजीत्, गर्क्, गर्ग्, गुक्ताम्, गुजुः, गुजीः, गर्क्, गर्ग्, गुक्ताम्, गुक्ता, गुजम्, गुज्व, गुज्म ॥
- ५ अजरिगर्ज्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जरिगुजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जरिगुज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जरिगुजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जरिगुर्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजरिगुर्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे जरि-स्थाने जरी-इति जद्-इति च ज्ञेयम् ॥

१५२ गुज् (गुज्) शब्दे ॥

- १ जरिगु-जीति, झि, झः, जति, जीषि, झि, झ्थः, झ्थ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ जरिगुज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जरिगु-जीतु, झु, झात्, झाम्, जतु, झि, झात्, झम्, झ, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अजरिगु-जीत्, न, झाम्, जुः, जीः, न, झम्, झ, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अजरिगुज्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जरिगुजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जरिगुज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जरिगुजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जरिगुर्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अत, अम्, आव, आम ॥
- १० अजरिगुर्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे जरि-स्थाने जरी-इति जद्-इति च ज्ञेयम् ॥

१५३ मुज (मुज्) शब्दे ॥

- १ मो-मोक्ति, मुजीति, मुक्तः, मुजति, मुजीषि, मोक्षि, मुक्थः, मुक्थ, मुजीमि, मोजिम, मुज्वः, मुज्मः ॥
- २ मोमुज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमोक्तु, मोमु-जीतु, कात्, काम्, जतु, रिध, कात्, कम्, क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अमो-मोक्, मोग्, मुजीत्, मुक्ताम्, मुजुः, मुजीः, मोक्, मोग्, मुक्ताम्, मुक्ता, मुजम्, मुज्व, मुज्म ॥
- ५ अमोमोज्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमोजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमोजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमोजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमोजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

१५४ मुञ्जु (मुञ्ज्) शब्दे ॥

- १ मोमु-जीति, झि, झः, जति, जीषि, झि, इथः, इक्थ, जीमि, जिम्, ज्वः, ज्मः ॥
- २ मोमुञ्ज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमु-जीतु, इकु, झात्, झाम्, जतु, इग्धि, झात्, झम्, झः, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अमोमु-जीत्, न, झाम्, जुः, जीः, न, झम्, झः, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अमोमुञ्ज-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमुञ्जा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुञ्ज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमुञ्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमुञ्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमुञ्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१५५ मृञ्जु (मृञ्ज्) शब्दे ॥

- १ मरिमृ-जीति, झि, झः, जति, जीषि, झि, इक्थः, इक्थ, जीमि, जिम्, ज्वः, ज्मः ॥
 - २ मरिमृञ्ज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
 - ३ मरिमृ-जीतु, इकु, झात्, झाम्, जतु, इग्धि, झात्, झम्, झः, जानि, जाव, जाम ॥
 - ४ अमरिमृ-जीत्, न, झाम्, जुः, जीः, न, झम्, झः, जम्, ज्व, ज्म ॥ [इष्व, इष्म ॥
 - ५ अमरिमृञ्ज-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ६ मरिमृञ्जा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ मरिमृञ्ज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ मरिमृञ्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ मरिमृञ्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 - १० अमरिमृञ्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे मरि, स्थाने मरी-इति मर्-इति च ज्ञेयम् ॥

१५६ मज (मज्) शब्दे ॥

- १ माम-जीति, कि, कः, जति, जीषि, कि, कथः, कथ, जीमि, जिम्, ज्वः, ज्मः ॥
- २ मामज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माम-जीतु, कु, कात्, काम्, जतु, गिध, कात्, कम्, कः, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अमाम-जीत्, क्, ग्, काम्, जुः, जीः, क्, ग्, कम्, कः, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अमामाज् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अमामज् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामजा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१५७ गज (गज्) मदने च ॥

- १ जाग-जीति, कि, कः, जति, जीषि, कि, कथः, कथ, जीमि, जिम्, ज्वः, ज्मः ॥
- २ जागज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाग-जीतु, कु, कात्, काम्, जतु, गिध, कात्, कम्, कः, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अजाग-जीत्, क्, ग्, काम्, जुः, जीः, क्, ग्, कम्, कः, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अजागाज् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजागज् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जागजा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१५८ त्यज् (त्यज्) हानौ ॥

- १ तात्य-जीति, कि, कः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, जमः ॥
- २ तात्यज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात्य-जीतु, कु, कात्, काम्, जतु, गिध, कात्, कम्, क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अतात्य-जीत्, क्, ग्, काम्, जुः, जीः, क्, ग्, कम्, क, जम्, ज्व, जम ॥
- ५ अतात्याज् { -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अतात्यज् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तात्यजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तात्यज्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ तात्यजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ तात्यजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतात्यजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१५९ षज् (सज्ज्) सङ्गे ॥

- १ सास-जीति, क्षि, कः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, जमः ॥
- २ सासज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास-जीतु, कु, कात्, काम्, जतु, गिध, कात्, कम्, क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ असास-जीत्, न्, काम्, जुः, जीः, न्, कम्, क, जम्, ज्व, जम ॥
- ५ असासज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सासजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासज्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ सासजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ सासजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असासजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१६० कट् (कट्) वर्षावरणयोः ॥

- १ चाक-टीति, टि, टः, टति, टीषि, द्षि, ट्षि, टः, ट, टीमि, टिम, ट्वः, टमः ॥
- २ चाकट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-टीतु, टु, टात्, टाम्, टतु, ट्वि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अचाक-टीत्, द, ड्, टाम्, टुः, टीः, द, ड्, टम्, ट, टम्, ट्, टम ॥
- ५ अचाकाट् { -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाकट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकटा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकट्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ चाकटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ चाकटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१६१ शट् (शट्) रुजाविशरणगत्यवशात्तेषु ॥

- १ शाश-टीति, टि, टः, टति, टीषि, द्षि, ट्षि, टः, ट, टीमि, टिम, ट्वः, टमः ॥
- २ शाशट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश-टीतु, टु, टात्, टाम्, टतु, ट्वि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अशाश-टीत्, द, ड्, टाम्, टुः, टीः, द, ड्, टम्, ट, टम्, ट्, टम ॥
- ५ अशाशाट् { -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अशाशाट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाशटा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशट्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ शाशटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ शाशटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशाटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१६२ वट (वट्) वेष्टने ॥

- १ वाव-वीति, व्हि, व्हः, व्हति, वीषि, द्षि, व्हः, व्ह, वीमि, द्रिम, व्हः, द्रमः ॥
- २ वावट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-वीतु, व्ह, व्हत्, व्हाम्, वतु, व्हि, व्हत्, व्हम्, व्ह, वानि, टाव, टाम ॥
- ४ अवाव-वीत्, द, व्ह, व्हाम्, व्हः, वीः, द, व्ह, व्हम्, व्ह, व्हम्, व्ह, द्रमः ॥
- ५ अवावाट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवावट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावटा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१६३ किट (किट्) उत्रासे ॥

- १ चे-केटि, किटीति, किट्, किटति, किटीषि, केद्षि, किट्, किट्, केद्वि, किटीमि, किट्, किट्मः ॥
- २ चेकिट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेकेट्टु, चेकि-टीतु, टात्, टाम्, टतु, व्हि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अचे-केट्, केट्, किटीत्, किट्टाम्, किट्, किटीः, केद, केट्, किट्म, किट्, किटम्, किट्, किटम् ॥
- ५ अचेकेट्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चेकेटा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेकिट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेकेटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेकेटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेकेटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१६४ खिट (खिट्) उत्रासे ॥

- १ चे-खेडि, खिटीति, खिट्, खिटति, खिटीषि, खेद्षि, खिट्, खिट्, खिटीमि, खेद्वि, खिट्, खिट्मः ॥
- २ चेखिट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेखेड्डु, चेखि-टीतु, टात्, टाम्, टतु, व्हि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अचे-खेद, खेड्, खिटीत्, खिट्टाम्, खिट्, खिटीः, खेद, खेड्, खिट्म, खिट्, खिटम्, खिट्, खिटम् ॥
- ५ अचेखेड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चेखेटा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेखिट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेखेटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेखेटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेखेटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१६५ शिट (शिट्) अनादरे ॥

- १ शे-शेडि, शिटीति, शिट्, शिटति, शिटीषि, शेद्षि, शिट्, शिट्, शिटीमि, शेद्वि, शिट्, शिट्मः ॥
- २ शेशिट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शेशेड्डु, शेशि-टीतु, टात्, टाम्, टतु, व्हि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अशे-शेद, शेड्, शिटीत्, शिट्टाम्, शिट्, शिटीः, शेद, शेड्, शिट्म, शिट्, शिटम्, शिट्, शिटम् ॥
- ५ अशेशेड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शेशेटा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेशिट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शेशेटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेशेटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशेशेटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१६६ षिट (सिद्) अनादरे ॥

- १ से-षेडि, षिटीति, षिट्, षिटति, षिटीषि, षेदषि, षिट्ठः, षिट्ठ, षिटीमि, षेटिम, षिट्ठः, षिट्ठमः ॥
- २ सेषिट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सेषेदुद्, सेषि-टीतु, द्यात्, द्याम्, द्यु, द्धि, द्यात्, द्यम्, द्द, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ असे-षेद्, षेद्, षिटीत्, षिट्याम्, षिट्ठः, षिटीः, षेद्, षेद्, षिट्ठम्, षिट्ठ, षिट्ठम्, षिट्ठ, षिट्ठम् ॥
- ५ असेषेद-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सेषेटा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेषिट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेषेटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेषेटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असेषेटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१६७ जट (जट्) संघाते ॥

- १ जाज-टीति, टि, टः, टति, टीषि, ट्षि, ट्ठः, ट्ठ, टीमि, टिम, ट्ठः, ट्ठमः ॥
- २ जाजट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाज-टीतु, ट्ठ, द्यात्, द्याम्, द्यु, द्धि, द्यात्, द्यम्, द्द, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अजाज-टीत्, द, द्द, द्याम्, ट्ठः, टीः, द, द्द, द्यम्, द्द, ट्ठम्, द्द, ट्ठम् ॥
- ५ अजाजाट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाजट् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाजटा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाजटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाजटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१६८ झट (झट्) संघाते ॥

- १ जाझ-टीति, टि, टः, टति, टीषि, ट्षि, ट्ठः, ट्ठ, टीमि, टिम, ट्ठः, ट्ठमः ॥
- २ जाझट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाझ-टीतु, ट्ठ, द्यात्, द्याम्, द्यु, द्धि, द्यात्, द्यम्, द्द, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अजाझ-टीत्, द, द्द, द्याम्, ट्ठः, टीः, द, द्द, द्यम्, द्द, ट्ठम्, द्द, ट्ठम् ॥
- ५ अजाझाट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाझट् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाझटा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाझट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाझटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाझटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाझटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१६९ पिट (पिट्) शब्दे च ॥

- १ पे-षेडि, पिटीति, पिट्ठः, पिटति, पिटीषि, पेदषि, पिट्ठः, पिट्ठ, पिटीमि, पेदिम, पिट्ठः, पिट्ठमः ॥
- २ पेपिट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पेपेदुद्, पेपि-टीतु, द्यात्, द्याम्, द्यु, द्धि, द्यात्, द्यम्, द्द, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अपे-पिटीत्, पेद्, पेद्, पिष्टाम्, पिट्ठः, पिटीः, पेद्, पेद्, पिष्टम्, पिष्ट, पिष्टम्, पिष्ट, पिष्टम् ॥
- ५ अपेपेद-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पेपेटा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपिट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपेटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपेटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेपेटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१७० भट (भट्) भृतौ ॥

- १ बाभ-टीति, टि, टः, टति, टीषि, ट्षि, टङ्, ट, टीमि, टिमि, टङ्, टमः ॥
- २ बाभट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभ-टीतु, टु, टात्, टाम्, टतु, ट्टि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अबाभ-टीत्, ट्, इ, टाम्, टङ्, टीः, ट्, इ, टम्, ट, टम्, ट्, टम् ॥
- ५ अबाभाट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अबाभट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभटा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१७१ तट (तट्) उच्छ्राये ॥

- १ तात-टीति, टि, टः, टति, टीषि, ट्षि, टङ्, ट, टीमि, टिमि, टङ्, टमः ॥
- २ तातट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात-टीतु, टु, टात्, टाम्, टतु, ट्टि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अतात-टीत्, ट्, इ, टाम्, टङ्, टीः, ट्, इ, टम्, ट, टम्, ट्, टम् ॥
- ५ अताताट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अताताट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तातटा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अताताटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१७२ खट (खट्) काङ्क्षे ॥

- १ चाख-टीति, टि, टः, टति, टीषि, ट्षि, टङ्, ट, टीमि, टिमि, टङ्, टमः ॥
- २ चाखट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाख-टीतु, टु, टात्, टाम्, टतु, ट्टि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अचाख-टीत्, ट्, इ, टाम्, टङ्, टीः, ट्, इ, टम्, ट, टम्, ट्, टम् ॥
- ५ अचाखाट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाखाट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाखटा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाखट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाखटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाखटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाखटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१७३ णट (णट्) नृतौ ॥

- १ नान-टीति, टि, टः, टति, टीषि, ट्षि, टङ्, ट, टीमि, टिमि, टङ्, टमः ॥
- २ नानट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नान-टीतु, टु, टात्, टाम्, टतु, ट्टि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अनान-टीत्, ट्, इ, टाम्, टङ्, टीः, ट्, इ, टम्, ट, टम्, ट्, टम् ॥
- ५ अनानाट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अनानाट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नानटा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनानटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१७४ हट (हट्) दीप्तौ ॥

- १ जाह-दीति, हि, हः, एति, दीषि, द्षि, हः, ह, दीमि, द्मि, हः, द्मः ॥
- २ जाहट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाह-दीतु, ह, हात्, हाम्, एतु, ह्मि, हात्, हम्, ह, दानि, टाव, टाम ॥
- ४ अजाह-दीत्, द, ह, हाम्, हः, दीः, द, ह, हम्, ह, दम्, ह, दम् ॥
- ५ अजाहाट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाहट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाहटा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाहट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाहटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाहटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाहटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१७५ षट (सट्) अवयवे ॥

- १ सास-दीति, हि, हः, एति, दीषि, द्षि, हः, ह, दीमि, द्मि, हः, द्मः ॥
- २ सासट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास-दीतु, ह, हात्, हाम्, एतु, ह्मि, हात्, हम्, ह, दानि, टाव, टाम ॥
- ४ असास-दीत्, द, ह, हाम्, हः, दीः, द, ह, हम्, ह, दम्, ह, दम् ॥
- ५ असासाट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, असासट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सासटा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सासटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असासटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१७६ लुट (लुट्) विलोदने ॥

- १ लो-लुटीति, लोहि, लुटः, लुटति, लुटीषि, लोद्षि, लुटः, लुट, लुटीमि, लोद्वि, लुटः, लुटम् ॥
- २ लोलुट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलोट्, लोलु-दीतु, हात्, हाम्, एतु, ह्मि, हात्, हम्, ह, दानि, टाव, टाम ॥
- ४ अलो-लोद, लोह, लुटीत्, लुहाम्, लुटः, लुटीः, लोद, लोह, लुटम्, लुट, लुटम्, लुट, लुटम् ॥
- ५ अलोलोट्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लोलोटा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलुट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलोटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलोटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलोलोटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१७७ चिट (चिट्) ग्रैष्णे ॥

- १ चे-चेट्टि, चेटीति, चिट्टः, चिटति, चिटीषि, चेद्षि, चिट्टः, चिट्ट, चिटीमि, चेद्वि, चिट्टः, चिटम् ॥
- २ चेचिट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेचेट्ट, चेचि-दीतु, हात्, हाम्, एतु, ह्मि, हात्, हम्, ह, दानि, टाव, टाम ॥
- ४ अचे-चेद, चेह, चिटीत्, चिट्टाम्, चिट्टः, चिटीः, चेद, चेह, चिट्टम्, चिट्ट, चिटम्, चिट्ट, चिटम् ॥
- ५ अचेचेट्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चेचेटा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेचिट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेचेटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेचेटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेचेटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१७८ विट (विट्) शब्दे ॥

- १ वे-वेडि, विटीति, विट्, विटति, विटीषि, वेदषि, विट्, विट्, विटीमि, वेदमि, विट्, विट्मः ॥
- २ वेविट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ वेवेदु, वेवि-टीतु, टात्, टाम्, टतु, ट्वि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम् ॥
- ४ अवे-वेद, वेड्, विटीत्, विटाम्, विटुः, विटीः, वेद, विट्, विटम्, विट्, विटम्, विट्, विटम् ॥
- ५ अवेवेद-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ वेवेटा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेविट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१७९ हेट (हेट्) विवाधायाम् ॥

- १ जेहे-टीति, टि, टः, टति, टीषि, दषि, टः, ट, टीमि, दमि, टः, दमः ॥
- २ जेहेट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जेहे-टीतु, टु, टात्, टाम्, टतु, ट्वि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम् ॥
- ४ अजेहे-टीत्, ट, ट, टाम्, टुः, टीः, ट, ट, टम्, ट, टम्, ट, दम् ॥
- ५ अजेहेट्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ जेहेटा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेहेट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेहेटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेहेटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेहेटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१८० अट (अट्) गतौ ॥

- १ अटा-टीति, टि, टः, टति, टीषि, दषि, टः, ट, टीमि, दमि, टः, दमः ॥
- २ अटाट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ अटा-टीतु, टु, टात्, टाम्, टतु, ट्वि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम् ॥
- ४ आटा-टीत्, ट, ट, टाम्, टुः, टीः, ट, ट, टम्, ट, टम्, ट, दम् ॥
- ५ आटाट्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ अटाटा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अटाट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अटाटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अटाटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० आटाटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१८१ पट (पट्) गतौ ॥

- १ पाप-टीति, टि, टः, टति, टीषि, दषि, टः, ट, टीमि, दमि, टः, दमः ॥
- २ पापट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ पाप-टीतु, टु, टात्, टाम्, टतु, ट्वि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम् ॥
- ४ अपाप-टीत्, ट, ट, टाम्, टुः, टीः, ट, ट, टम्, ट, टम्, ट, दम् ॥
- ५ अपापट् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्
अपापट् } इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ पापटा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपापटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१८२ किट (किट्) गतौ ॥

- १ चे-केटि, किटीति, किट्, किटति, किटीषि, केदषि, किट्ठः, किट्ठ, किटीमि, केदिम, किट्ठः, किट्ठमः ॥
- २ चेकिट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेकेट्ठः, चेकि-टीत्, टात्, टाम्, टत्, ट्वि, टात्, टम्, ट्, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अचे-कीटीत्, केद, केड्, किटाम्, किट्ठः, किटीः, केद, केड्, किट्ठम्, किट्ठ, किटम्, किट्ठ, किट्ठमः ॥
- ५ अचेकेट्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेकेटा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेकिट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेकेटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेकेटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचेकेटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, १८३ कट (कट्) गतौ, कटे १६० वद्रूपाणि ॥

१८४ कटु (कण्ट) गतौ ॥

- १ चाकण्-टीति, टि, ट्, टति, टीषि, ट्ठः, ट्ठ, टीमि, दिम, द्वः, द्दमः ॥
- २ चाकण्ट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाकण्-टीत्, ट्, टात्, टाम्, टत्, ट्वि, टात्, टम्, ट्, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अचाक-ण्टीत्, न्, ण्टाम्, ण्टुः, ण्टीः, न्, ण्टम्, ण्ट, ण्टम्, ण्ड, ण्डमः ॥
- ५ अचाकण्ट्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाकण्टा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकण्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकण्टिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकण्टिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अत, अम्, आव, आम ॥
- १० अचाकण्टिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, १८५ कटै (कट्) गतौ, कटे १६० वद्रूपाणि ॥

१८६ कुटु (कुण्ट) वैकल्ये ॥

- १ चोकुण्-टीति, टि, ट्, टति, टीषि, टिष ट्ठः, ट्ठ, टीमि, दिम, द्वः, द्दमः ॥
- २ चोकुण्ट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोकुण्-टीत्, ट्, टात्, टाम्, टत्, ट्वि, टात्, टम्, ट्, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अचोकु-ण्टीत्, न्, ण्टाम्, ण्टुः, ण्टीः, न्, ण्टम्, ण्ट, ण्टम्, ण्ड, ण्डमः ॥
- ५ अचोकुण्ट्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोकुण्टा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुण्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकुण्टिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकुण्टिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकुण्टिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१८७ मुट (मुट्) प्रमर्दने ॥

- १ मो-मोटि, मुटीति, मुट्, मुटति, मुटीषि, मोदषि, मुट्ठः, मुट्ठ, मुटीमि, मोदिम, मुट्ठः, मुट्ठमः ॥
- २ मोमुट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमोट्ठः, मोमु-टीत्, टात्, टाम्, टत्, ट्वि, टात्, टम्, ट्, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अमो-मुटीत्, मोद, मोड्, मुटाम्, मुट्ठः, मुटीः, मोद, मोड्, मुटम्, मुट्ठ, मुटम्, मुट्ठ, मुट्ठमः ॥
- ५ अमोमोट्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मोमोटा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमोटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमोटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमोटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

१८८ चुट (चुट्) अल्पीभावे ॥

- १ चो-चोष्टि, चुटीति, चुट्, चुटति, चुटीषि, चोदषि, चुट्, चुट्, चुटीमि, चोदमि, चुट्, चुट् ॥
- २ चोचुट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोचोटु, चोचु-टीत्, टात्, टाम्, टत्, टि, टात्, टम्, ट्, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अचो-चोद, चोद, चुटीत्, चुटाम्, चुट्, चुटीः, चोद, चोद, चुटम्, चुट्, चुटम्, चुट्, चुटम् ॥
- ५ अचोचोट्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ चोचोटा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोचुट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोचोटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोचोटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोचोटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१८९ चुड (चुण्ड) अल्पीभावे ॥

- १ चोचुण्-टीति, टि, ट्, टति, टीषि, दषि, ट्, ट्, टीमि, दिम, द्, दमः ॥
- २ चोचुण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोचुण्-टीत्, ट्, टात्, टाम्, टत्, टि, टात्, टम्, ट्, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अचोचु-ण्टीत्, न्, ण्डाम्, ण्डः, ण्टीः, न्, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्ड, ण्डम् ॥
- ५ अचोचुण्ड-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ चोचुण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोचुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोचुण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोचुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोचुण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१९० वडु (वण्ड्) विभाजने ॥

- १ वावण्-टीति, टि, ट्, टति, टीषि, दषि, ट्, ट्, टीमि, दिम, द्, दमः ॥
- २ वावण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ वावण्-टीत्, ट्, टात्, टाम्, टत्, टि, टात्, टम्, ट्, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अवाव-ण्डीत्, न्, ण्डाम्, ण्डः, ण्डीः, न्, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्ड, ण्डम् ॥
- ५ अवावण्ड-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ वावण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१९१ रुडु (रुण्ड्) स्तेये ॥

- १ रोरु-ण्डीति, णि, ण्डः, णटि, ण्डीषि, ण्डषि, ण्डः, ण्ड, ण्डीमि, ण्डमि, ण्डः, ण्डमः ॥
- २ रोरुण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ रोरुण्-टीत्, ट्, टात्, टाम्, टत्, टि, टात्, टम्, ट्, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अरोरु-ण्डीत्, न्, ण्डाम्, ण्डः, ण्डीः, न्, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्ड, ण्डम् ॥
- ५ अरोरुण्ड-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ रोरुण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोरुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रोरुण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोरुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरोरुण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१९२ लुट् (लुण्) स्तेये ॥

- १ लोलुण्-दीति, द्वि, डः, टति, दीषि, दषि, डः, ड, दीमि, दमि, द्वः, दमः ॥
- २ लोलुण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलुण्-दीतु, डु, द्यात्, द्याम्, टतु, द्वि, द्यात्, द्याम्, ड, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अलोलु-प्यीत्, न, ण्दाम्, ण्डः, प्यीः, न, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्ड, ण्डम् ॥
- ५ अलोलुण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लोलुण्टा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलुण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अलोलुण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१९३ स्फट (स्फट्) विसरणे ॥

- १ पास्फ-दीति, द्वि, डः, टति, दीषि, दषि, डः, ड, दीमि, दमि, द्वः, दमः ॥
- २ पास्फट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पास्फट्-दीतु, डु, द्यात्, द्याम्, टतु, द्वि, द्यात्, द्याम्, ड, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अपास्फट्-यात्, द, इ, द्याम्, डः, दीः, द, इ, द्याम्, ड, द्याम्, द्व, दम ॥
- ५ अपास्फट्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपास्फाट्-इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पास्फटा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पास्फट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पास्फटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पास्फटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अपास्फटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१९४ स्फुट् (स्फुट्) विसरणे ॥

- १ पोस्फुट्-दीति, द्वि, डः, टति, दीषि, दषि, डः, ड, दीमि, दमि, द्वः, दमः ॥
- २ पोस्फुट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोस्फुट्-दीतु, डु, द्यात्, द्याम्, टतु, द्वि, द्यात्, द्याम्, ड, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अपोस्फुट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ५ अपोस्फुट्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पोस्फुटा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोस्फुट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोस्फुटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोस्फुटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोस्फुटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१९५ लट् (लट्) बाल्ये ॥

- १ लाल-दीति, द्वि, डः, टति, दीषि, दषि, डः, ड, दीमि, दमि, द्वः, दमः ॥
- २ लालट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लालट्-दीतु, डु, द्यात्, द्याम्, टतु, द्वि, द्यात्, द्याम्, ड, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अलालट्-यात्, द, इ, द्याम्, डः, दीः, द, इ, द्याम्, ड, द्याम्, द्व, दम ॥
- ५ अलालट्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अलालट्-इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लालटा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१९६ रट (रट्) परिभाषणे ॥

- १ रार-रीति, टि, टः, ठति, ठीषि, द्षि, ढः, ढ, ठीमि, द्मि, ढ्वः, द्मः ॥
- २ रारट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रार-रीतु, टु, टात्, टाम्, ठतु, ढ्ति, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अरार-रीत्, द, इ, टाम्, ढः, ठीः, द, इ, टम्, ट, ठम्, द्म, द्मः ॥
- ५ अराराट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अराराट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारटा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१९७ रठ (रठ्) परिभाषणे ॥

- १ रार-रीति, टि, टः, ठति, ठीषि, द्षि, ढः, ढ, ठीमि, द्मि, ढ्वः, द्मः ॥
- २ रारट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रार-रीतु, टु, टात्, टाम्, ठतु, ढ्ति, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अरार-रीत्, द, इ, टाम्, ढः, ठीः, द, इ, टम्, ट, ठम्, द्म, द्मः ॥
- ५ अराराट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अराराट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारठा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारठ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारठिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारठिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारठिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१९८ पठ (पठ्) व्यक्तायां वाचि ॥

- १ पाप-रीति, टि, टः, ठति, ठीषि, द्षि, ढः, ढ, ठीमि, द्मि, ढ्वः, द्मः ॥
- २ पापट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पाप-रीतु, टु, टात्, टाम्, ठतु, ढ्ति, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अपाप-रीत्, द, इ, टाम्, ढः, ठीः, द, इ, टम्, ट, ठम्, द्म, द्मः ॥
- ५ अपापाट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपापाट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पापठा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापठ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापठिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापठिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपापठिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१९९ वठ (वठ्) स्थौल्ये ॥

- १ वाव-रीति, टि, टः, ठति, ठीषि, द्षि, ढः, ढ, ठीमि, द्मि, ढ्वः, द्मः ॥
- २ वावट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-रीतु, टु, टात्, टाम्, ठतु, ढ्ति, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अवाव-रीत्, द, इ, टाम्, ढः, ठीः, द, इ, टम्, ट, ठम्, द्म, द्मः ॥
- ५ अवावाट् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवावाट् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावठा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावठ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावठिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावठिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावठिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२०० मठ (मद्) मदनिकासयोश्च ॥

- १ माम-ठीति, टि, डः, ठति, ठीषि, द्षि, डः, ड, ठीमि, ठ्मि, ठ्वः, ठ्मः ॥
- २ मामद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ माम-ठीतु, डु, द्यात्, द्याम्, ठु, द्वि, द्यात्, द्यम्, ड, ठनि, ठव, ठम ॥
- ४ अमाम-ठीत्, द, ड्, द्याम्, डुः, ठीः, द, ड्, द्यम्, ड, ठम्, ठ्व, ठ्म ॥
- ५ अमामाद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अमामद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मामठा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामठ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामठिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामठिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामठिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२०१ कठ (कद्) कृच्छ्रजीवने ॥

- १ चाक-ठीति, टि, डः, ठति, ठीषि, द्षि, डः, ड, ठीमि, ठ्मि, ठ्वः, ठ्मः ॥
- २ चाकद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ चाके-ठीतु, डु, द्यात्, द्याम्, ठु, द्वि, द्यात्, द्यम्, ड, ठनि, ठव, ठम ॥
- ४ अचाक-ठीत्, द, ड्, द्याम्, डुः, ठीः, द, ड्, द्यम्, ड, ठम्, ठ्व, ठ्म ॥
- ५ अचाकाद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाकद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाकठा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकठ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकठिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकठिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकठिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२०२ हठ (हद्) बलात्कारे ॥

- १ जाह-ठीति, टि, डः, ठति, ठीषि, द्षि, डः, ड, ठीमि, ठ्मि, ठ्वः, ठ्मः ॥
- २ जाहद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जाह-ठीतु, डु, द्यात्, द्याम्, ठु, द्वि, द्यात्, द्यम्, ड, ठनि, ठव, ठम ॥
- ४ अजाह-ठीत्, द, ड्, द्याम्, डुः, ठीः, द, ड्, द्यम्, ड, ठम्, ठ्व, ठ्म ॥
- ५ अजाहाद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाहाद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाहठा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाहठ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाहठिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाहठिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाहठिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२०३ रुठ (रुद्) उपघाते ॥

- १ रो-रोटि, रुठीति, रुट्, रुठति, रुठीषि, रोद्षि, रुडः, रुड्, रुठीमि, रोद्षि, रुट्वः, रुट्मः ॥
- २ रोरुद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ रोरुड्, रोरु-ठीतु, द्यात्, द्याम्, ठु, द्वि, द्यात्, द्यम्, ड, ठनि, ठव, ठम ॥
- ४ अरो-रोद, रोड्, रुठीत्, रुड्याम्, रुडुः, रुठीः, रोद, रोड्, रुड्, रुट्, रुट्, रुट्व, रुट्म ॥
- ५ अरोरोद-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रोरुठा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोरुठ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रोरुठिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोरुठिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरोरोठिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२०४ लुठ (लुट्) उपधाते ॥

- १ लो-लोडि, लुठीति, लुडः, लुठति, लुठीषि, लोदषि,
लुडः, लुडः लुठीमि, लोदमि, लुदवः, लुद्रमः ॥
२ लोलुठ-यात्, याताम्, युः, याः, याताम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
३ लोलोदुड, लोलु-वीतु, डात्, डाम्, ठतु, ङि, डात्,
डम्, ड, ठनि, ठव, ठाम ॥
४ अलो-लोद, लोड्, लुठीत्, डाम्, डुः, ठीः, लोद,
लोड्, लुडम्, लुड, लुठम्, लुदव, लुद्रम ॥
५ अलोलोद-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
६ लोलोठा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ लोलुठ्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
८ लोलोठिता-” , रै, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
९ लोलोठिष्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ
आमि, आवः, आमः ॥
१० अलोलोठिष्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

२०५ पिठ (पिद्) हिंसासंक्लेशयोः ॥

- १ पे-पेडि, पिठीति, पिड्, पिठति, पिठीषि, पेदषि, पिड्डः,
पिड्ड, पिठीमि, पेदमि, पिद्वः, पिद्वः ॥
- २ पेपिड्-यात्, याताम्, युः, याः, याताम्, यात्,
याम्, याव, याम ॥
- ३ पेपेड्ड, पेपि-ठीत्, द्यात्, द्याम्, छु, ह्नु, द्यात्,
द्वम्, द्वा, ठानि, ठव, ठाम ॥
- ४ अपे-पेद, पेड्, पिठीत्, पिष्टाम्, पिड्डः, पिठीः, पेद,
पेड्, पिष्टम्, पिष्ट, पिठम्, पिद्व, पिद्वम् ॥
- ५ अपेपेठ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्वा, इष्म ॥
- ६ पेपेठा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपेठ्या-त्, स्ताम्, दुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपेठिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपेठिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ.
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेपेठिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्,
अम्, आव, आम ॥

२०६ शठ (शब्) कैतवे च ॥

- १ शाश-ठीति, टि, ट, ठति, ठीषि, दषि, टः, टः, ठिमि, ठिमि, टवः, टमः ॥
 २ शाशद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
 ३ शाश-ठीत्, टु, शत्, शम्, ठुत्, ट्वि, द्वात्, टम्, ट, ठनि, ठव, ठम ॥
 ४ अशाश-ठीत्, द, इ, दम्, ठुः, ठीः, द, इ, टम्, ट, ठम्, टव, टम ॥
 ५ अशाशाद् } ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
 अशाशाद् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
 ६ शाशठा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 ७ शाशठ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 ८ शाशठिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थस्मि, स्वः, स्मः ॥
 ९ शाशठिष्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 १० अशाशठिष्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२०७ शुठ (शुद्) गतिप्रतिधाते ॥

- १ शो-शोष्टि, शुठीति, शुद्धः, शुठति, शुठीषि, शोदंषि,
शुद्धः, शुद्ध, शुठीमि, शोदमि, शुदवः, शुदमः ॥
२ शोशुद्-यात्, याताम्, युः, याः, याताम्, यात,
याम्, याव, याम् ॥
३ शोशोदुद् शोशु-रीढ, द्यात्, द्याम्, ठुढ, हि,
द्यात्, द्यम्, द्, ठानि, ठाव, ठाम् ॥
४ अशो-शोद्, शोड्, शुठीत्, शुद्धम्, शुद्धः, शुठीः,
शोद्, शोड्, शुद्धम्, शुद्ध, शुद्धम्, शुद्धव, शुद्धम् ॥
५ अशोशोद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
६ शोशोठा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ शोशुठ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम, स्व, स्म ॥
८ शोशोठिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, स्वः, स्मः ॥
९ शोशोठिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः,
अथ, आमि, आवः, आमः ॥
१० अशोशोठिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत्, अम्, आव, आम ॥

२०८ कृड (कुण्ड) आलस्ये च ॥

- १ चोकुण्-ठीति, टि, डः, ठति, ठीषि, ट्षि, डः, ड, ठीमि, ट्मि, ट्वः, ट्सः ॥
- २ चोकुण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोकुण्-ठीतु, डु, द्यात्, द्याम्, ठतु, ट्ठि, द्यात्, द्याम्, ड, ठानि, ठाव, ठाम ॥
- ४ अचोकु-ण्ठीत्, न, ण्डाम्, ण्डः, ण्ठीः, न, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्डव, ण्डम् ॥
- ५ अचोकुण्ड-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोकुण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकुण्डिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकुण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२०९ लुड (लुण्ड) आलस्ये च ॥

- १ लोलुण्-ठीति, टि, डः, ठति, ठीषि, ट्षि, डः, ड, ठीमि, ट्मि, ट्वः, ट्सः ॥
- २ लोलुण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलुण्-ठीतु, डु, द्यात्, द्याम्, ठतु, ट्ठि, द्यात्, द्याम्, ड, ठानि, ठाव, ठाम ॥
- ४ अलोलु-ण्ठीत्, न, ण्डाम्, ण्डः, ण्ठीः, न, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्डव, ण्डम् ॥
- ५ अलोलुण्ड-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लोलुण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलुण्डिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलोलुण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२१० शुड (शुण्ड) शोषणे ॥

- १ शोशुण्-ठीति, टि, डः, ठति, ठीषि, ट्षि, डः, ड, ठीमि, ट्मि, ट्वः, ट्सः ॥
- २ शोशुण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शोशुण्-ठीतु, डु, द्यात्, द्याम्, ठतु, ट्ठि, द्यात्, द्याम्, ड, ठानि, ठाव, ठाम ॥
- ४ अशोशु-ण्ठीत्, न, ण्डाम्, ण्डः, ण्ठीः, न, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्डव, ण्डम् ॥
- ५ अशोशुण्ड-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शोशुण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशुण्डिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोशुण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२११ रुड (रुण्ड) गतौ ॥

- १ रोरुण्-ठीति, टि, डः, ठति, ठीषि, ट्षि, डः, ड, ठीमि, ट्मि, ट्वः, ट्सः ॥
- २ रोरुण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रोरुण्-ठीतु, डु, द्यात्, द्याम्, ठतु, ट्ठि, द्यात्, द्याम्, ड, ठानि, ठाव, ठाम ॥
- ४ अरोरु-ण्ठीत्, न, ण्डाम्, ण्डः, ण्ठीः, न, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्डव, ण्डम् ॥
- ५ अरोरुण्ड-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रोरुण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोरुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रोरुण्डिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोरुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरोरुण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२१२ पुडु (पुण्ड) प्रमर्दने ॥

- १ पोपुण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दषि, डः, ड, डीमि, डिमि, ड्वः, डमः ॥
- २ पोपुण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोपुण्-डीतु, डु, द्यात्, द्याम्, डतु, ड्वि, द्यात्, द्यम्, द, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अपोपु-ण्डीत्, न्, ण्दाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्दम्, ण्ड, ण्डम्, ण्व, ण्डम ॥
- ५ अपोपुण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोपुण्डा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपुण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोपुण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२१३ मुडु (मुण्ड) खण्डने च ॥

- १ मोमुण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दषि, डः, ड, डीमि, डिमि, ड्वः, डमः ॥
- २ मोमुण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमुण्-डीतु, डु, द्यात्, द्याम्, डतु, ड्वि, द्यात्, द्यम्, द, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अमोमु-ण्डीत्, न्, ण्दाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्दम्, ण्ड, ण्डम्, ण्व, ण्डम ॥
- ५ अमोमुण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमुण्डा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमुण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमुण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२१४ मडु (मण्ड) भूषायाम् ॥

- १ मामण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दषि, डः, ड, डीमि, डिमि, ड्वः, डमः ॥
- २ मामण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मामण्-डीतु, डु, द्यात्, द्याम्, डतु, ड्वि, द्यात्, द्यम्, द, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अमाम-ण्डीत्, न्, ण्दाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्दम्, ण्ड, ण्डम्, ण्व, ण्डम ॥
- ५ अमामण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामण्डा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२१५ गडु (गण्ड) वदनैकदेशे ॥

- १ जागण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दषि, डः, ड, डीमि, डिमि, ड्वः, डमः ॥
- २ जागण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जागण्-डीतु, डु, द्यात्, द्याम्, डतु, ड्वि, द्यात्, द्यम्, द, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अजाग-ण्डीत्, न्, ण्दाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्दम्, ण्ड, ण्डम्, ण्व, ण्डम ॥
- ५ अजागण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जागण्डा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२१६ शौड् (शौड्) गर्वे ॥

- १ शोशौ-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दषि, डः, ड, डीमि, डिम, ड्वः, ड्वः ॥
- २ शोशौड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शोशौ-डीतु, डु, शत, दाम्, डतु, ड्वि, शत, दम्, ड, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अशोशौ-डीत्, द, इ, दाम्, डः, डीः, द, इ, दम्, ड, डम्, ड्व, ड्वम् ॥
- ५ अशोशौड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शोशौडा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशौड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशौडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशौडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोशौडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२१७ यौड् (यौड्) सम्बन्धे ॥

- १ योयौ-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दषि, डः, ड, डीमि, डिम, ड्वः, ड्वः ॥
- २ योयौड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ योयौ-डीतु, डु, शत, दाम्, डतु, ड्वि, शत, दम्, ड, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अयोयौ-डीत्, द, इ, दाम्, डः, डीः, द, इ, दम्, ड, डम्, ड्व, ड्वम् ॥
- ५ अयोयौड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ योयौडा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ योयौड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ योयौडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ योयौडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयोयौडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२१८ मेड् (मेड्) उन्मादे ॥

- १ मेमे-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दषि, डः, ड, डीमि, डिम, ड्वः, ड्वः ॥
- २ मेमेड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमे-डीतु, डु, शत, दाम्, डतु, ड्वि, शत, दम्, ड, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अमेमे-डीत्, द, इ, दाम्, डः, डीः, द, इ, दम्, ड, डम्, ड्व, ड्वम् ॥
- ५ अमेमेड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मेमेडा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमेड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमेडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२१९ मेड् (मेड्) उन्मादे ॥

- १ मेमे-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दषि, डः, ड, डीमि, डिम, ड्वः, ड्वः ॥
- २ मेमेड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमे-डीतु, डु, शत, दाम्, डतु, ड्वि, शत, दम्, ड, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अमेमे-डीत्, द, इ, दाम्, डः, डीः, द, इ, दम्, ड, डम्, ड्व, ड्वम् ॥
- ५ अमेमेड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मेमेडा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमेड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमेडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२२० म्लेढृ (म्लेढ्) उन्मादे ॥

- १ मेम्ले-धीति, द्वि, दृः, डति, डीषि, दषि, दृः, दृ, डीमि, द्विम, द्वः, इमः ॥
- २ मेम्लेङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेम्ले-धीतु, दृ, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्, द्यम्, दृ, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अमेम्ले-धीत्, द, इ, द्याम्, डुः, डीः, द, इ, द्यम्, दृ, डम्, द्व, इम ॥
- ५ अमेम्लेङ्-ईत्, इद्याम्, इयुः, ईः, इद्यम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मेम्लेडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेम्लेङ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेम्लेङिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेम्लेङिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेम्लेङिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२२१ लोढृ (लोढ्) उन्मादे ॥

- १ लोलो-धीति, द्वि, दृः, डति, डीषि, दषि, दृः, दृ, डीमि, द्विम, द्वः, इमः ॥
- २ लोलोङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलो-धीतु, दृ, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्, द्यम्, दृ, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अलोलो-धीत्, द, इ, द्याम्, डुः, डीः, द, इ, द्यम्, दृ, डम्, द्व, इम ॥
- ५ अलोलोङ्-ईत्, इद्याम्, इयुः, ईः, इद्यम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लोलोडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलोङ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलोङिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलोङिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलोलोङिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२२२ लौढृ (लौढ्) उन्मादे ॥

- १ लोलौ-धीति, द्वि, दृः, डति, डीषि, दषि, दृः, दृ, डीमि, द्विम, द्वः, इमः ॥
- २ लोलौङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलौ-धीतु, दृ, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्, द्यम्, दृ, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अलोलौ-धीत्, द, इ, द्याम्, डुः, डीः, द, इ, द्यम्, दृ, डम्, द्व, इम ॥
- ५ अलोलौङ्-ईत्, इद्याम्, इयुः, ईः, इद्यम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लोलौडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलौङ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलौङिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलौङिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलोलौङिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२२३ रोढृ (रोढ्) अनादरे ॥

- १ रोरौ-धीति, द्वि, दृः, डति, डीषि, दषि, दृः, दृ, डीमि, द्विम, द्वः, इमः ॥
- २ रोरौङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रोरौ-धीतु, दृ, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्, द्यम्, दृ, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अरोरो-धीत्, द, इ, द्याम्, डुः, डीः, द, इ, द्यम्, दृ, डम्, द्व, इम ॥
- ५ अरोरोङ्-ईत्, इद्याम्, इयुः, ईः, इद्यम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रोरौडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोरौङ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रोरौङिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोरौङिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरोरोङिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२२४ रौड् (रौड्) अनादरे ॥

- १ रोरो-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दषि, टः, ट, डीमि, डिम, डः, डमः ॥
- २ रोरोड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रोरो-डीतु, टु, टात्, टाम्, डतु, ड्ति, टात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अरोरो-डीत्, द, ड, टाम्, डः, डीः, द, ड, टम्, ट, डम्, ड, डम् ॥
- ५ अरोरोड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रोरोडा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोरोड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ रोरोडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ रोरोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरोरोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२२५ तौड् (तौड्) अनादरे ॥

- १ तोतौ-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दषि, टः, ट, डीमि, डिम, डः, डमः ॥
- २ तोतौड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतौ-डीतु, टु, टात्, टाम्, डतु, ड्ति, टात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अतौतौ-डीत्, द, ड, टाम्, डः, डीः, द, ड, टम्, ट, डम्, ड, डम् ॥
- ५ अतौतौड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तौतौडा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तौतौड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ तौतौडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ तौतौडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतौतौडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२२६ क्रीड् (क्रीड्) विहारे ॥

- १ चेक्री-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दषि, टः, ट, डीमि, डिम, डः, डमः ॥
- २ चेक्रीड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेक्री-डीतु, टु, टात्, टाम्, डतु, ड्ति, टात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अचेक्री-डीत्, द, ड, टाम्, डः, डीः, द, ड, टम्, ट, डम्, ड, डम् ॥
- ५ अचेक्रीड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चेक्रीडा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेक्रीड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ चेक्रीडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ चेक्रीडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेक्रीडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२२७ तुड् (तुड्) तोडने ॥

- १ तो-तोडि, तुडीति, तुडः, तुडति, तुडीषि, तोडषि, तुडः, तुड, तुडीमि, तोडिम, तुडः, तुडमः ॥
- २ तोतुड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतोडु, तोतु-डीतु, टु, टात्, टाम्, डतु, ड्ति, टात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अतो-तोड, तोड, तुडीत्, तुडम्, तुडः, तुडीः, तोड, तोड, तुडम्, तुड, तुडम्, तुड, तुडम् ॥
- ५ अतोतोड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतोडा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ तोतोडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ तोतोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२२८ तूट् (तूड्) तोडने ॥

- १ तोतू-वीति, टि, टः, डति, डीषि, दपि, टः, ट, डीमि, डिम, डः, डमः ॥
- २ तोतूड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतू-वीतु, टु, टात्, टाम्, डतु, ट्वि, टात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अतोतू-वीत्, द, इ, टाम्, डः, डीः, द, इ, टम्, ट, डम्, ड, डम् ॥
- ५ अतोतूड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तोतूडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतूड्या-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतूडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतूडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतूडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२२९ तोड् (तोड्) तोडने ॥

- १ तोतो-वीति, टि, टः, डति, डीषि, दपि, टः, ट, डीमि, डिम, डः, डमः ॥
- २ तोतोड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतो-वीतु, टु, टात्, टाम्, डतु, ट्वि, टात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अतोतो-वीत्, द, इ, टाम्, डः, डीः, द, इ, टम्, ट, डम्, ड, डम् ॥
- ५ अतोतोड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तोतोडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतोड्या-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतोडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२३० हुट् (हुड्) गतौ ॥

- १ जो-होष्टि, हुडीति, हुटः, हुडति, हुडीषि, होदपि, हुडः, हुड, हुडीमि, होडिम, हुडः, हुडमः ॥
- २ जोहुड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोहोदुट्, जोहु-वीतु, टु, टात्, टाम्, डतु, ट्वि, टात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अजो-हुडीत्, होद, होड, हुडम्, हुडः, हुडीः, होद, होड, हुडम्, हुड, हुडम् हुड, हुडम् ॥
- ५ अजोहोड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोहोडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोहुड्या-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोहोडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोहोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोहोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२३१ हुट् (हुड्) गतौ ॥

- १ जोहु-वीति, टि, टः, डति, डीषि, दपि, टः, ट, डीमि, डिम, डः, डमः ॥
- २ जोहुड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोहु-वीतु, टु, टात्, टाम्, डतु, ट्वि, टात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अजोहु-वीत्, द, इ, टाम्, डः, डीः, द, इ, टम्, ट, डम्, ड, डम् ॥
- ५ अजोहुड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोहुडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोहुड्या-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोहुडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोहुडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोहुडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२३२ हृड् (हृइ) गतौ ॥

- १ जोहृ-डीति, द्वि, दृः, डति, डीषि, द्षि, दृः, ड, डीमि, द्विम, द्वः, इमः ॥
- २ जोहृइ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोहृ-डीतु, दृ, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्, दृम्, दृ, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अजोहृ-डीत्, द, द्, द्याम्, डः, डीः, द, द्, दृम्, दृ, डम्, द्व, इम ॥
- ५ अजोहृइ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोहृडा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोहृड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोहृडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोहृडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोहृडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२३३ होड् (होइ) गतौ ॥

- १ जोहौ-डीति, द्वि, दृः, डति, डीषि, द्षि, दृः, ड, डीमि, द्विम, द्वः, इमः ॥
- २ जोहौइ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोहौ-डीतु, दृ, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्, दृम्, दृ, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अजोहौ-डीत्, द, द्, द्याम्, डः, डीः, द, द्, दृम्, दृ, डम्, द्व, इम ॥
- ५ अजोहौइ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोहौडा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोहौड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्मा ॥
- ८ जोहौडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोहौडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोहौडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२३४ खोड् (खोइ) प्रतीयाते ॥

- १ चोखो-डीति, द्वि, दृः, डति, डीषि, द्षि, दृः, ड, डीमि, द्विम, द्वः, इमः ॥
- २ चोखोइ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोखो-डीतु, दृ, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्, दृम्, दृ, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अचोखो-डीत्, द, द्, द्याम्, डः, डीः, द, द्, दृम्, दृ, डम्, द्व, इम ॥
- ५ अचोखोइ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोखोडा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोखोड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोखोडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोखोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोखोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२३५ विड् (विइ) आक्रोशे ॥

- १ वे-वेष्टि, विडीति, विष्ट, विडति, विडीषि, वेष्टि, विष्टः, विष्ट, विडीमि, वेष्टिम, विष्टः, विष्टम ॥
- २ वेविइ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवेइ, वेवि-डीतु, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्, दृम्, दृ, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अवे-वेष्ट, वेष्ट, विडीत्, विष्टम्, विष्टः, विडीः, वेष्ट, वेष्ट, विष्टम्, विष्ट, विष्टम्, विष्ट, विष्टम् ॥
- ५ अवेवेइ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वेवेडा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेविड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२३६ लड (लङ्) विलासे ॥

- १ लाल-डीति, डि, डः, डति, डीषि, दिषि, डः, ड, डीमि, डिम, ड्वः, ड्वमः ॥
- २ लालङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लाल-डीतु, डु, डात्, डाम्, डतु, ड्वि, डात्, ड्वम्, ड, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अलाल-डीत्, द, द्, डाम्, डः, डीः, द, द्, ड्वम्, ड, ड्वम्, ड्व, ड्वमः ॥
- ५ अलालङ् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अलालङ् } इषम्, इष्व, इष्वम् ॥
- ६ लालडा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालङ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालङिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालङिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालङिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२३७ कड (कण्ड्) मदे ॥

- १ चाकण्-डीति, डि, डः, डति, डीषि, दिषि, डः, ड, डीमि, डिम, ड्वः, ड्वमः ॥
- २ चाकण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाकण्-डीतु, डु, डात्, डाम्, डतु, ड्वि, डात्, ड्वम्, ड, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अचाक-ण्डीत्, न, न्, ण्डाम्, ण्डः, ण्डीः, न, न्, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्ड्व, ण्ड्वम् ॥
- ५ अचाकण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्वम् ॥
- ६ चाकण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकण्डिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२३८ कड्ड (कड्ड्) कार्कश्ये ॥

- १ चाक-डीति, डि, डः, डति, डीषि, दिषि, डः, ड, डीमि, डिम, ड्वः, ड्वमः ॥
- २ चाकड्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-डीतु, डु, डात्, डाम्, डतु, ड्वि, डात्, ड्वम्, ड, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अचाक-डीत्, त, द, डाम्, डः, डीः, त, द, ड्वम्, ड, ड्वम्, ड्व, ड्वमः ॥
- ५ अचाकड्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्वम् ॥
- ६ चाकड्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकड्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकड्डिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकड्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकड्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२३९ चुड्ड (चुड्ड्) हावकरणे ॥

- १ चोचु-डीति, डि, डः, डति, डीषि, दिषि, डः, ड, डीमि, डिम, ड्वः, ड्वमः ॥
- २ चोचुड्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोचु-डीतु, डु, डात्, डाम्, डतु, ड्वि, डात्, ड्वम्, ड, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अचोचु-डीत्, त, द, डाम्, डः, डीः, त, द, ड्वम्, ड, ड्वम्, ड्व, ड्वमः ॥
- ५ अचोचुड्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्वम् ॥
- ६ चोचुड्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोचुड्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोचुड्डिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोचुड्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोचुड्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२४० रण (रण) शब्दे ॥

- १ रं-रणीति, रण्टि, राण्टः, रणति, रणीषि, रण्षि, राण्टः,
राण्ट, रणीमि, रणिम, रण्वः, रण्मः ॥
- २ रंरण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम ॥
- ३ रं-रणीतु, रण्टु, राण्टात्, राण्टाम्, रणतु, राण्हि,
राण्टात्, राण्टम्, राण्ट, रणानि, रणाव, रणाम ॥
- ४ अरं-रणीत्, रण्, राण्टाम्, रणुः, रणीः, रण्, राण्टम्,
रण्ट, रणम्, रण्व, रण्म ॥
- ५ अरंरण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अरंरण्-इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रंरण्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रंरण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रंरणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रंरणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरंरणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अत, अम्, आव, आम ॥

२४१ वण (वण) शब्दे ॥

- १ वं-वणीति, वण्टि, वाण्टः, वणति, वणीषि, वण्षि, वाण्टः,
वाण्ट, वणीमि, वणिम, वण्वः, वण्मः ॥
- २ वंवण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ वं-वणीतु, वण्टु, वाण्टात्, वाण्टाम्, वणतु, वाण्हि,
वाण्टम्, वाण्ट, वणानि, वणाव, वणाम ॥
- ४ अववं-वणीत्, वण्, वाण्टाम्, वणुः, वणीः, वण्,
वाण्टम्, वाण्ट, वणम्, वण्व, वण्म ॥
- ५ अवंवण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अवंवण्-इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वंवणा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वंवण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वंवणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वंवणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवंवणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
वस्य साजुनासिकत्व पक्षे वं-स्थाने वं-इत्यपि ज्ञेयम् ।

२४२ व्रण (व्रण) शब्दे ॥

- १ वं-व्रणीति, व्रण्टि, व्राण्टः, व्रणति, व्रणीषि, व्रण्षि,
व्राण्टः, व्राण्ट, व्रणीमि, व्रणिम, व्रण्वः, व्रण्मः ॥
- २ वंव्रण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ वं-व्रणीतु, व्रण्टु, व्राण्टात्, व्राण्टाम्, व्रणतु, व्राण्हि,
व्राण्टात्, व्राण्टम्, व्राण्ट, व्रणानि, व्रणाव, व्रणाम ॥
- ४ अवं-व्रणीत्, व्रण्, व्राण्टाम्, व्रणुः, व्रणीः, व्रण्,
व्राण्टम्, व्राण्ट, व्रणम्, व्रण्व, व्रण्म ॥
- ५ अवंव्रण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अवंव्रण्-इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वंव्रणा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वंव्रण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वंव्रणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वंव्रणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवंव्रणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
वस्य साजुनासिकत्वे वं-स्थाने वं-इत्यपि ज्ञेयम् ।

२४३ वण (वण) शब्दे ॥

- १ व-म्बणीति, म्बण्टि, म्बाण्टः, म्बणति, म्बणीषि, म्बण्षि,
म्बाण्टः, म्बाण्ट, म्बणीमि, म्बणिम, म्बण्वः, म्बण्मः ॥
- २ वम्बण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ व-म्बणीतु, म्बण्टु, म्बाण्टात्, म्बाण्टाम्, म्बणतु, म्बाण्हि,
म्बाण्टात्, म्बाण्टम्, म्बाण्ट, म्बणानि, म्बणाव, म्बणाम ॥
- ४ अव-म्बणीत्, म्बण्, म्बाण्टाम्, म्बणुः, म्बणीः,
म्बण्, म्बाण्टम्, म्बाण्ट, म्बणम्, म्बण्व, म्बण्म ॥
- ५ अवम्बण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अवम्बण्-इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वम्बणा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वम्बण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वम्बणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वम्बणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवम्बणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
पक्षे 'बम्ब' स्थाने वं-इति च ज्ञेयम् ।

२४४ मण (मण्) शब्दे ॥

- १ व-मण्णीति, मण्णित्, मण्णः, मण्णति, मण्णीषि, मण्णषि, मण्णः, मण्णः, मण्णीमि, मण्णिमि, मण्णवः, मण्णमः ॥
- २ वमण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ व-मण्णीतु, मण्णु, मण्ण्यात्, मण्ण्याम्, मण्णतु, मण्णहि, मण्णम्, मण्णः, मण्णानि, मण्णाव, मण्णाम ॥
- ४ अव-मण्णीत्, मण्ण, मण्ण्याम्, मण्णुः, मण्णीः, मण्ण, मण्णम्, मण्णः, मण्णम्, मण्णव, मण्णम ॥
- ५ अवमण्णाण् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवमण्ण } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वमण्णा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वमण्ण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वमण्णिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वमण्णिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अत्, अम्, आव, आम ॥
- १० अवमण्णिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वमन् स्थाने वमन्-इति ज्ञेयम् ॥

२४५ भ्रण (भ्रण्) शब्दे ॥

- १ व-भ्रण्णीति, भ्रण्णित्, भ्रण्णः, भ्रण्णति, भ्रण्णीषि, भ्रण्णषि, भ्रण्णः, भ्रण्णः, भ्रण्णीमि, भ्रण्णिमि, भ्रण्णवः, भ्रण्णमः ॥
- २ वभ्रण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ व-भ्रण्णीतु, भ्रण्णु, भ्रण्ण्यात्, भ्रण्ण्याम्, भ्रण्णतु, भ्रण्णहि, भ्रण्णम्, भ्रण्णः, भ्रण्णानि, भ्रण्णाव, भ्रण्णाम ॥
- ४ अव-भ्रण्णीत्, भ्रण्ण, भ्रण्ण्याम्, भ्रण्णुः, भ्रण्णीः, भ्रण्ण, भ्रण्णम्, भ्रण्णः, भ्रण्णम्, भ्रण्णव, भ्रण्णम ॥
- ५ अवभ्रण्णाण् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवभ्रण्ण } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वभ्रण्णा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वभ्रण्ण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वभ्रण्णिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वभ्रण्णिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवभ्रण्णिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वभ्रन् स्थाने वभ्रन्-इति ज्ञेयम् ॥

२४६ मण (मण्) शब्दे ॥

- १ म-मण्णीति, मण्णित्, मण्णः, मण्णति, मण्णीषि, मण्णषि, मण्णः, मण्णः, मण्णीमि, मण्णिमि, मण्णवः, मण्णमः ॥
- २ ममण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ म-मण्णीतु, मण्णु, मण्ण्यात्, मण्ण्याम्, मण्णतु, मण्णहि, मण्णम्, मण्णः, मण्णानि, मण्णाव, मण्णाम ॥
- ४ अम-मण्णीत्, मण्ण, मण्ण्याम्, मण्णुः, मण्णीः, मण्ण, मण्णम्, मण्णः, मण्णम्, मण्णव, मण्णम ॥
- ५ अममण्णाण् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अममण्ण } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ ममण्णा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ममण्ण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ममण्णिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ममण्णिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अममण्णिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे ममन् स्थाने ममन्-इति ज्ञेयम् ॥

२४७ धण (धण्) शब्दे ॥

- १ द-धण्णीति, धण्णित्, धण्णः, धण्णति, धण्णीषि, धण्णषि, धण्णः, धण्णः, धण्णीमि, धण्णिमि, धण्णवः, धण्णमः ॥
- २ दधण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ द-धण्णीतु, धण्णु, धण्ण्यात्, धण्ण्याम्, धण्णतु, धण्णहि, धण्णम्, धण्णः, धण्णानि, धण्णाव, धण्णाम ॥
- ४ अद-धण्णीत्, धण्ण, धण्ण्याम्, धण्णुः, धण्णीः, धण्ण, धण्णम्, धण्णः, धण्णम्, धण्णव, धण्णम ॥
- ५ अदधण्णाण् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदधण्ण } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दधण्णा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दधण्ण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दधण्णिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दधण्णिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदधण्णिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दधन् स्थाने दधन्-इति ज्ञेयम् ॥

२४८ ध्वण (ध्वण्) शब्दे ॥

- १ द-न्ध्वणीति, न्ध्वण्टि, न्ध्वाण्ट, न्ध्वणति, न्ध्वणीषि, न्ध्वण्षि, न्ध्वाण्डः, न्ध्वाण्ड, न्ध्वणीमि, न्ध्वणिम, न्ध्वण्वः, न्ध्वण्वः ॥
- २ दन्ध्वण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ द-न्ध्वणीतु, न्ध्वण्टु, न्ध्वाण्टात्, न्ध्वाण्टाम्, न्ध्वणतु, न्ध्वाणहि, न्ध्वाण्टम्, न्ध्वाण्ट, न्ध्वणानि, न्ध्वणाव, न्ध्वणाम ॥
- ४ अद-न्ध्वणीत्, न्ध्वण्, न्ध्वाण्टाम्, न्ध्वणुः, न्ध्वणीः, न्ध्वण्, न्ध्वाण्टम्, न्ध्वाण्ट, न्ध्वणम्, न्ध्वण्व, न्ध्वण्वम् ॥
- ५ अदन्ध्वाण् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदन्ध्वण् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दन्ध्वणा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दन्ध्वण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दन्ध्वणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दन्ध्वणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदन्ध्वणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दन्ध्व स्थाने दंघ्व इति ज्ञेयम् ।

२५० कण (कण्) शब्दे ॥

- १ च-कणीति, कण्टि, क्काण्टः, कणति, कणीषि, कण्षि, क्काण्डः, क्काण्ड, कणीमि, कणिमि, कण्वः, कण्वः ॥
- २ चकण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ च-कणीतु, कण्टु, क्काण्टात्, क्काण्टाम्, कणतु, कणहि, क्काण्टात्, क्काण्टम्, क्काण्ट, कणानि, कणाव, कणाम ॥
- ४ अच-कणीत्, कण्, क्काण्टाम्, कणुः, कणीः, कण्, क्काण्टम्, क्काण्ट, कणम्, कण्व, कण्वम् ॥
- ५ अचकणाण् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचकण् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चकणा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चकण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चकणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चकणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचकणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चक स्थाने चंक-इति ज्ञेयम् ।

२४९ ध्रण (ध्रण्) शब्दे ॥

- १ द-न्ध्रणीति, न्ध्रण्टि, न्ध्राण्टः, न्ध्रणति, न्ध्रणीषि, न्ध्रण्षि, न्ध्राण्डः, न्ध्राण्ड, न्ध्रणीमि, न्ध्रणिमि, न्ध्रण्वः, न्ध्रण्वः ॥
- २ दन्ध्रण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ द-न्ध्रणीतु, न्ध्रण्टु, न्ध्राण्टात्, न्ध्राण्टाम्, न्ध्रणतु, न्ध्राणहि, न्ध्राण्टात्, न्ध्राण्टम्, न्ध्राण्ट, न्ध्रणानि, न्ध्रणाव, न्ध्रणाम ॥
- ४ अद-न्ध्रणीत्, न्ध्रण्, न्ध्राण्टाम्, न्ध्रणुः, न्ध्रणीः, न्ध्रण्, न्ध्राण्टम्, न्ध्राण्ट, न्ध्रणम्, न्ध्रण्व, न्ध्रण्वम् ॥
- ५ अदन्ध्राण् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदन्ध्रण् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दन्ध्रणा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दन्ध्रण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दन्ध्रणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दन्ध्रणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अत्, अम्, आव, आम ॥
- १० अदन्ध्रणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दन्ध्र स्थाने दंघ्र इति ज्ञेयम् ।

२५१ कण (कण्) शब्दे ॥

- १ चङ्-कणीति, कण्टि, क्काण्टः, कणति, कणीषि, कण्षि, क्काण्डः, क्काण्ड, कणीमि, कणिमि, कण्वः, कण्वः ॥
- २ चङ्कण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चङ्-कणीतु, कण्टु, क्काण्टात्, क्काण्टाम्, कणतु, कणहि, क्काण्टात्, क्काण्टम्, क्काण्ट, कणानि, कणाव, कणाम ॥
- ४ अचङ्-कणीत्, कण्, क्काण्टाम्, कणुः, कणीः, कण्, क्काण्टम्, क्काण्ट, कणम्, कण्व, कण्वम् ॥
- ५ अचङ्काण् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचङ्कण् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चङ्कणा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चङ्कण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चङ्कणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चङ्कणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचङ्कणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चङ्क स्थाने चंक-इति ज्ञेयम् ।

२५२ चण (चण्) शब्दे ॥

- १ च-चणीति, चण्टि, चाण्टः, चणति, चणीषि, चण्षि, चाणः, चाण्ड, चणीमि, चण्मि, चण्वः, चण्मः ॥
- २ चञ्चण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ च-चणीतु, चण्टु, चाण्टात्, चाण्टाम्, चणतु, चाणहि, चाण्टम्, चाण्ट, चणानि, चणाव, चणाम् ॥
- ४ अच-चणीत्, चण, चाण्टाम्, चणुः, चणीः, चण, चाण्टम्, चाण्ट, चणम्, चण्व, चण्म ॥
- ५ अचञ्चाण् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचञ्चण् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चञ्चणा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चञ्चण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चञ्चणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चञ्चणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आम् ॥ [अम्, आव, आम् ॥
- १० अचञ्चणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चञ् स्थाने चञ्च-इति ज्ञेयम् ।

२५३ शोण (शोण्) वर्णगत्योः ॥

- १ शोशो-णीति, णि, ण्टः, णति, णीषि, ण्षि, णः, ण, णीमि, ण्मि, ण्वः, ण्मः ॥
- २ शोशोण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ शोशो-णीतु, ण्टु, ण्यात्, ण्याम्, णतु, णहि, ण्यात्, ण्टम्, ण्ट, णानि, णाव, णाम् ॥
- ४ अशोशो-णीत्, ण, ण्याम्, णुः, णीः, ण, ण्टम्, ण्ट, णम्, ण्व, णम् ॥
- ५ अशोशोण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शोशोणा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशोण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशोणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशोणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आम् ॥
- १० अशोशोणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम् ॥

२५४ श्रोण (श्रोण्) संघाते ॥

- १ शोश्रो-णीति, णि, ण्टः, णति, णीषि, ण्षि, णः, ण, णीमि, ण्मि, ण्वः, ण्मः ॥
- २ शोश्रोण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ शोश्रो-णीतु, ण्टु, ण्यात्, ण्याम्, णतु, णहि, ण्यात्, ण्टम्, ण्ट, णानि, णाव, णाम् ॥
- ४ अशोश्रो-णीत्, ण, ण्याम्, णुः, णीः, ण, ण्टम्, ण्ट, णम्, ण्व, णम् ॥
- ५ अशोश्रोण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शोश्रोणा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोश्रोण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोश्रोणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोश्रोणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आम् ॥
- १० अशोश्रोणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम् ॥

२५५ श्लोण (श्लोण्) संघाते ॥

- १ शोश्लो-णीति, णि, ण्टः, णति, णीषि, ण्षि, णः, ण, णीमि, ण्मि, ण्वः, ण्मः ॥
- २ शोश्लोण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ शोश्लो-णीतु, ण्टु, ण्यात्, ण्याम्, णतु, णहि, ण्यात्, ण्टम्, ण्ट, णानि, णाव, णाम् ॥
- ४ अशोश्लो-णीत्, ण, ण्याम्, णुः, णीः, ण, ण्टम्, ण्ट, णम्, ण्व, णम् ॥
- ५ अशोश्लोण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शोश्लोणा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोश्लोण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोश्लोणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोश्लोणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आम् ॥
- १० अशोश्लोणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम् ॥

२५६ पैण् (पैण्) गतिप्रेरणश्लेषणेषु ॥

- १ पैपै-णीति, ष्टि, ष्टः, णति, णीषि, ण्षि, ष्टः, ष्ट, णिमि, ष्मि, ष्वः, षमः ॥
- २ पैपैण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पैपै-णीतु, ष्टु, ष्टात्, ष्टाम्, णतु, णहि, ष्टात्, ष्टम्, ष्ट, णानि, णाव, णाम ॥
- ४ अपैपै-णीत्, ण, ष्टाम्, णुः, णीः, ण, ष्टम्, ष्ट, णम्, ष्व, षम ॥
- ५ अपैपैण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पैपैणा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पैपैण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पैपैणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पैपैणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपैपैणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२५७ चितै (चित्) संज्ञाने ॥

- १ चे-चेत्ति, चितीति, चित्तः, चितति, चितीषि, चेत्ति, चित्थः, चित्थ, चितीमि, चेत्ति, चित्थः, चित्मः ॥
- २ चेचित्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेचेत्तु, चेचि-तीतु, तात्, ताम्, ततु, द्वि, तात्, तम्, त्त, तानि, ताव, ताम ॥
- ४ अचे-चेत्, चेद्, चितीत्, चित्ताम्, चितुः, चितीः, चेत्, चेद्, चित्तम्, चित्त, चित्तम्, चित्त्व, चित्म ॥
- ५ अचेचेत्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेचेता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेचित्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेचेतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेचेतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेचेतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२५८ च्युत् (च्युत्) आसेचने ॥

- १ चो-च्योत्ति, च्युतीति, च्युत्तः, च्युतति, च्युतीषि, च्योत्ति, च्युत्थः, च्युत्थ, च्युतीमि, च्योत्ति, च्युत्तः, च्युत्तम् ॥
- २ चोच्युत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोच्योत्तु, चोच्यु-तीतु, तात्, ताम्, ततु, द्वि, तात्, तम्, त्त, तानि, ताव, ताम ॥
- ४ अचो-च्योत्, च्योद्, च्युतीत्, च्युत्ताम्, च्युतुः, च्युतीः, च्योत्, च्योद्, च्युत्तम्, च्युत्त, च्युत्तम्, च्युत्त्व, च्युत्तम् ॥
- ५ अचोच्योत्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोच्योता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोच्युत्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोच्योतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोच्योतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोच्योतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२५९ चुत् (चुत्) क्षरणे ॥

- १ चो-चोत्ति, चुतीति, चुत्तः, चुतति, चुतीषि, चोत्ति, चुत्थः, चुत्थ, चुतीमि, चोत्ति, चुत्तः, चुत्तम् ॥
- २ चोचुत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोचोत्तु, चोचु-तीतु, तात्, ताम्, ततु, द्वि, तात्, तम्, त्त, तानि, ताव, ताम ॥
- ४ अचो-चोत्, चुतीत्, चुत्ताम्, चुतुः, चुतीः, चोत्, चुत्तम्, चुत्त, चुत्तम्, चुत्त्व, चुत्तम् ॥
- ५ अचोचोत्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोचोता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोचुत्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोचोतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोचोतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोचोतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२६० स्तुतृ (श्रुत्) क्षरणे ॥

- १ चो-श्रोत्ति, श्रुतीति, श्रुत्तः, श्रुतति, श्रुतीषि, श्रोतसि, श्रुत्थः, श्रुत्थ, श्रुतीमि, श्रोत्मि, श्रुत्वः, श्रुत्सः ॥
- २ चोश्चुत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चो-श्रोत्तु, श्रुतीतु, श्रुत्तात्, श्रुत्ताम्, श्रुततु, श्रुद्धि, श्रुत्तात्, श्रुत्तम्, श्रुत्त, श्रुतानि, श्रुताव, श्रुताम् ॥
- ४ अचो-श्रुतीत्, श्रोत्, श्रुत्ताम्, श्रुतुः, श्रुतीः, श्रोत्, श्रुत्तम्, श्रुत्त, श्रुतम्, श्रुत्व, श्रुत्स ॥
- ५ अचोश्चोत्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोश्चोता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोश्चुत्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोश्चोतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोश्चोतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोश्चोतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२६१ स्तुतृ (श्रुत्) क्षरणे ॥

- १ चो-श्रयोत्ति, श्रुतीति, श्रुत्तः, श्रुतति, श्रुतीषि, श्रयो-त्ति, श्रुत्थः, श्रुत्थ, श्रुतीमि, श्रयोत्मि, श्रुत्वः, श्रुत्सः ॥
- २ चोश्चुत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोश्चयोत्तु, चोश्च्यु-तीतु, तात्, ताम्, ततु, द्धि, तात्, त्त, त्तम्, तानि, ताव, ताम ॥
- ४ अचो-श्रयोत्, श्रुतीत्, श्रुत्ताम्, श्रुतुः, श्रुतीः, श्रयोत्, श्रुत्तम्, श्रुत्त, श्रुतम्, श्रुत्व, श्रुत्स ॥
- ५ अचोश्चयोत्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोश्चयोता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोश्च्युत्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोश्चयोतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोश्चयोतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोश्चयोतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२६२ जुतृ (जुत्) भासने ॥

- १ जो-जोत्ति, जुतीति, जुत्तः, जुतति, जुतीषि, जोत्सि, जुत्थः, जुत्थ, जुतीमि, जोत्मि, जुत्वः, जुत्सः ॥
- २ जोजुत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोजोत्तु, जोजु-तीतु, तात्, ताम्, ततु, द्धि, तात्, त्तम्, त्त, तानि, ताव, ताम ॥
- ४ अजो-जुतीत्, जोत्, जुत्ताम्, जुतुः, जुतीः, जोत्, जुत्तम्, जुत्त, जुतम्, जुत्व, जुत्स ॥
- ५ अजोजोत्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोजोता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोजोत्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोजोतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोजोतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोजोतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२६३ कित (कित्) निवासे ॥

- १ चे-केत्ति, कितीति, कित्तः, कितति, कितीषि, केत्सि, कित्थः, कित्थ, कितीमि, केत्मि, कित्वः, कित्सः ॥
- २ चेकित्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेकेत्तु, चेकि-तीतु, तात्, ताम्, ततु, द्धि, तात्, त्तम्, त्त, तानि, ताव, ताम ॥
- ४ अचे-केत्, कितीत्, कित्ताम्, कितुः, कितीः, केत्, कित्तम्, कित्त, कितम्, कित्व, कित्स ॥
- ५ अचेकेत्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेकेता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेकित्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेकेतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेकेतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेकेतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२६८ मन्थ (मन्थ्) हिंसासंक्लेशयोः ॥

- १ माम्-न्थीति, न्ति, तः, थति, न्थीषि, न्त्सि, त्थः, त्थ, न्थीमि, न्थ्मि, थ्वः, थ्मः ॥
- २ मामथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माम्-न्थीतु, न्तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, न्थानि, न्थाव, न्थाम ॥
- ४ अमाम्-न्थीत्, न्, ताम्, थुः, न्थीः, न्, तम्, त्त, न्थम्, थ्व, थ्म ॥
- ५ अमामन्थ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मामन्था-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामन्थ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामन्थिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामन्थिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामन्थिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२६९ मान्थ (मान्थ्) हिंसासंक्लेशयोः ॥

- १ मामा-न्थीति, न्ति, तः, थति, न्थीषि, न्त्सि, त्थः, त्थ, न्थीमि, न्थ्मि, थ्वः, थ्मः ॥
- २ मामाथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मामा-न्थीतु, न्तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, न्थानि, न्थाव, न्थाम ॥
- ४ अमामा-न्थीत्, न्, ताम्, थुः, न्थीः, न्, तम्, त्त, न्थम्, थ्व, थ्म ॥
- ५ अमामान्थ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मामाथा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामान्थ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामान्थिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामान्थिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामान्थिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२७० खाद् (खाद्) भक्षणे ॥

- १ चाखा-दीति, त्ति, तः, दति, दीषि, त्ति, त्थः, त्थ, दीमि, द्वि, द्वः, द्यः ॥
- २ चाखाद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाखा-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अचाखा-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, त्, तम्, त्त, दम्, द्व, द्य ॥
- ५ अचाखाद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाखादा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाखाद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाखादिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाखादिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाखादिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२७१ बद् (बद्) स्थैर्ये ॥

- १ बाब-दीति, त्ति, तः, दति, दीषि, त्ति, त्थः, त्थ, दीमि, द्वि, द्वः, द्यः ॥
- २ बाबद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाब-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अबाब-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, त्, तम्, त्त, दम्, द्व, द्य ॥
- ५ अबाबाद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बाबदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाबद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाबदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाबदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाबदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२७२ खद (खद्) हिंसायां च ॥

- १ चाख-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, मि, द्वः, बः ॥
- २ चाखद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाख-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अचाख-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, : , त्, तम्, त्त, दम्, द्व, ब ॥
- ५ अचाखाद् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाखद् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्म ॥
- ६ चाखदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाखद्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ चाखदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाखदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाखदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२७३ गद (गद्) व्यक्तायां वाचि ॥

- १ जाग-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, मि, द्वः, बः ॥
- २ जागद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाग-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अजाग-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, : , त्, तम्, त्त, दम्, द्व, ब ॥
- ५ अजागाद् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजागद् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्म ॥
- ६ जागदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागद्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ जागदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२७४ रद (रद्) विलेखने ॥

- १ रार-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, मि, द्वः, बः ॥
- २ रारद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रार-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अरार-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, : , त्, तम्, त्त, दम्, द्व, ब ॥
- ५ अरागाद् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अरागद् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्म ॥
- ६ रारदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारद्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ रारदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२७५ णद (नद्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ नान-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, मि, द्वः, बः ॥
- २ नानद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नान-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अनान-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, : , त्, तम्, त्त, दम्, द्व, ब ॥
- ५ अनानाद् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अनानद् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्म ॥
- ६ नानदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानद्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ नानदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनानदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२७६ जिह्विदा (क्षिब्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ चे-क्षेत्ति, क्षिब्दीति, क्षिब्त्तः, क्षिब्दति, क्षिब्दीषि, क्षेत्सि, क्षिब्त्थः, क्षिब्त्थः, क्षिब्दीमि, क्षेद्मि, क्षिब्द्वः, क्षिब्द्वः ॥
- २ चेक्षिब्द्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेक्षेत्तु, चेक्षिब्-दीतु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, ताम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अचे-क्षेत्, क्षिब्दीत्, क्षिब्ताम्, क्षिब्दुः, क्षिब्दीः, क्षेः, त्, क्षिब्त्तम्, क्षिब्त्, क्षिब्दम्, क्षिब्द्व, क्षिब्द्व ॥
- ५ अचेक्षेद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेक्षेद्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेक्षेद्वा-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेक्षेदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेक्षेदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेक्षेदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२७७ नर्द (नर्द्) शब्दे ॥

२७८ नर्द (नर्द्) शब्दे ॥

- १ नान-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थः, दीमि, द्वि, द्वः, द्वः ॥
- २ नानर्द्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नान-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, ताम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अना-नर्दीत्, नर्त्, नर्त्ताम्, नर्दुः, नर्दीः, नाः, नर्त्, नर्त्तम्, नर्त्त, नर्दम्, नर्द्व, नर्द्व ॥
- ५ अनानर्द्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नानर्दा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानर्दया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानर्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानर्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अनानर्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२७९ गर्द (गर्द्) शब्दे ॥

- १ जाग-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थः, दीमि, द्वि, द्वः, द्वः ॥
- २ जागर्द्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाग-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, ताम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अजा-गर्दीत्, गर्त्, गर्त्ताम्, गर्दुः, गर्दीः, गाः, गर्त्, गर्त्तम्, गर्त्त, गर्दम्, गर्द्व, गर्द्व ॥
- ५ अजागर्द्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जागर्दा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागर्दया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागर्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागर्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागर्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२८० तर्द (तर्द्) हिंसायाम् ॥

- १ तात-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थः, दीमि, द्वि, द्वः, द्वः ॥
- २ तातर्द्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, ताम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अता-तर्दीत्, तर्त्, तर्त्ताम्, तर्दुः, तर्दीः, ताः, तर्त्, तर्त्तम्, तर्त्त, तर्दम्, तर्द्व, तर्द्व ॥
- ५ अतातर्द्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तातर्दा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातर्दया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातर्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातर्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातर्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२८१ कर्द (कर्द्) कुत्सिते शब्दे ॥

- १ चाक-दीति, त्ति, त्तः, दैति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थे, दीमि, धि, द्वे, धीः ॥
- २ चाकर्द-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-दीतु, तुं, तात्, ताम्, दैतु, द्वि, तात्, ताम्, त्त, दानि, दाव, दामि ॥
- ४ अच्चा-कर्दीत्, कर्त्त, कर्त्ताम्, कर्दुः, कर्दीः, काः, कर्त्त, कर्त्तम्, कर्त्त, कर्दम्, कर्द्व, कर्द्व ॥
- ५ अच्चाकर्द-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाकर्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकर्दया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकर्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकर्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अच्चाकर्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२८२ खर्द (खर्द्) दशने ॥

- १ चाख-दीति, त्ति, त्तः, दैति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थे, दीमि, धि, द्वे, धीः ॥
- २ चाखर्द-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाख-दीतु, तुं, तात्, ताम्, दैतु, द्वि, तात्, ताम्, त्त, दानि, दाव, दामि ॥
- ४ अच्चा-खर्दीत्, खर्त्त, खर्त्ताम्, खर्दुः, खर्दीः, खाः, खर्त्त, खर्त्तम्, खर्त्त, खर्दम्, खर्द्व, खर्द्व ॥
- ५ अच्चाखर्द-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाखर्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाखर्दया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाखर्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाखर्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अच्चाखर्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२८३ बिदु (बिन्द्) अवयवे ॥

- १ बेबि-न्दीति, न्ति, न्तः, न्दति, न्दीषि, न्त्सि, न्थः, न्थ, न्दीमि, न्धि, न्द्वः, न्धाः ॥
- २ बेबिन्द्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बेबि-न्दीतु, न्तु, न्तात्, न्ताम्, न्दतु, न्द्वि, न्तात्, न्तम्, न्त, न्दानि, न्दाव, न्दाम ॥
- ४ अवेबि-न्दीत्, न्, न्ताम्, न्दुः, न्दीः, न्, न्तम्, न्त, न्दम्, न्द्व, न्धा ॥
- ५ अवेबिन्द्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बेबिन्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बेबिन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बेबिन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बेबिन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवेबिन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, दन्त्योष्वादिपर्यं कुञ्चित् दृश्यते ॥

२८४ णिदु (निन्द्) कुत्सायाम् ॥

- १ नेनि-न्दीति, न्ति, न्तः, न्दति, न्दीषि, न्त्सि, न्थः, न्थ, न्दीमि, न्धि, न्द्वः, न्धाः ॥
- २ नेनिन्द्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नेनि-न्दीतु, न्तु, न्तात्, न्ताम्, न्दतु, न्द्वि, न्तात्, न्तम्, न्त, न्दानि, न्दाव, न्दाम ॥
- ४ अनेनि-न्दीत्, न्, न्ताम्, न्दुः, न्दीः, न्, न्तम्, न्त, न्दम्, न्द्व, न्धा ॥
- ५ अनेनिन्द्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नेनिन्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनिन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनिन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनिन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनेनिन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

२८५ डुनदु (नन्द्) समृद्धौ ॥

- १ नान-न्दीति, न्ति, न्तः, न्दति, न्दीषि, न्त्सि, न्थः, न्थ, न्दीमि, न्धि, न्दः, न्धः ॥
- २ नानन्द-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नान-न्दीतु, न्तु, न्तात्, न्ताम्, न्दतु, न्धि, न्तात्, न्तम्, न्त, न्दानि, न्दाम, न्दाम ॥
- ४ अनान-न्दीत्, न्, न्ताम्, न्दुः, न्दीः, न्, न्तम्, न्त, न्दम्, न्द, न्ध ॥
- ५ अनानन्द-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नानन्दा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनानन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२८६ चदु (चन्द्) दीप्त्याह्लादयोः ॥

- १ चाच-न्दीति, न्ति, न्तः, न्दति, न्दीषि, न्त्सि, न्थः, न्थ, न्दीमि, न्धि, न्दः, न्धः ॥
- २ चाचन्द-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाच-न्दीतु, न्तु, न्तात्, न्ताम्, न्दतु, न्धि, न्तात्, न्तम्, न्त, न्दानि, न्दाव, न्दाम ॥
- ४ अचाच-न्दीत्, न्, न्ताम्, न्दुः, न्दीः, न्, न्तम्, न्त, न्दम्, न्द, न्ध ॥
- ५ अचाचन्द-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाचन्दा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाचन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाचन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाचन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाचन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२८७ त्रदु (त्रन्द्) चेष्टायाम् ॥

- १ तात्र-न्दीति, न्ति, न्तः, न्दति, न्दीषि, न्त्सि, न्थः, न्थ, न्दीमि, न्धि, न्दः, न्धः ॥
- २ तात्रन्द-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात्र-न्दीतु, न्तु, न्तात्, न्ताम्, न्दतु, न्धि, न्तात्, न्तम्, न्त, न्दानि, न्दाव, न्दाम ॥
- ४ अतात्र-न्दीत्, न्, न्ताम्, न्दुः, न्दीः, न्, न्तम्, न्त, न्दम्, न्द, न्ध ॥
- ५ अतात्रन्द-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तात्रन्दा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तात्रन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तात्रन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तात्रन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतात्रन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२८८ कदु (कन्द्) रोदनाह्वानयोः ॥

- १ चाक-न्दीति, न्ति, न्तः, न्दति, न्दीषि, न्त्सि, न्थः, न्थ, न्दीमि, न्धि, न्दः, न्धः ॥
- २ चाकन्द-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-न्दीतु, न्तु, न्तात्, न्ताम्, न्दतु, न्धि, न्तात्, न्तम्, न्त, न्दानि, न्दाव, न्दाम ॥
- ४ अचाक-न्दीत्, न्, न्ताम्, न्दुः, न्दीः, न्, न्तम्, न्त, न्दम्, न्द, न्ध ॥
- ५ अचाकन्द-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकन्दा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२८९ कृदु (कृन्द्) रोदनाह्वानयोः ॥

- १ चाकृ-न्दीति, न्ति, न्तः, न्दति, न्दीषि, न्त्सि, न्थः, न्थ, न्दीमि, न्मि, न्द्रः, न्मः ॥
- २ चाकृन्द्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाकृ-न्दीतु, न्तु, न्तात्, न्ताम्, न्दतु, न्द्रि, न्तात्, न्तम्, न्त, न्दानि, न्दाव, न्दाम ॥
- ४ अचाकृ-न्दीत्, न्, न्ताम्, न्दुः, न्दीः, न्, न्तम्, न्त, न्दम्, न्द्र, न्म ॥
- ५ अचाकृन्द्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाकृन्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकृन्द्या-त्, स्ताम्, दुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकृन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सिम, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकृन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकृन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२९० कृदु (कृन्द्) रोदनाह्वानयोः ॥

- १ चाकृ-न्दीति, न्ति, न्तः, न्ति, न्दीषि, न्त्सि, न्थः, न्थ, न्दीमि, न्मि, न्द्रः, न्मः ॥
- २ चाकृन्द्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाकृ-न्दीतु, न्तु, न्तात्, न्ताम्, न्दतु, न्द्रि, न्तात्, न्तम्, न्त, न्दानि, न्दाव, न्दाम ॥
- ४ अचाकृ-न्दीत्, न्, न्ताम्, न्दुः, न्दीः, न्, न्तम्, न्त, न्दम्, न्द्र, न्म ॥
- ५ अचाकृन्द्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाकृन्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकृन्द्या-त्, स्ताम्, दुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकृन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सिम, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकृन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकृन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२९१ कृदु (कृन्द्) परिदेवने ॥

- १ चेकृ-न्दीति, न्ति, न्तः, न्दति, न्दीषि, न्त्सि, न्थः, न्थ, न्दीमि, न्मि, न्द्रः, न्मः ॥
- २ चेकृन्द्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेकृ-न्दीतु, न्तु, न्तात्, न्ताम्, न्दतु, न्द्रि, न्तम्, न्त, न्दानि, न्दाव, न्दाम ॥
- ४ अचेकृ-न्दीत्, न्, न्ताम्, न्दुः, न्दीः, न्, न्तात्, न्तम्, न्त, न्दम्, न्द्र, न्म ॥
- ५ अचेकृन्द्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेकृन्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेकृन्द्या-त्, स्ताम्, दुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेकृन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सिम, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेकृन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेकृन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२९२ स्कन्दं (स्कन्द्) गतिशोषणयोः ॥

- १ चनीस्क-न्दीति, न्ति, त्तः, दति, न्दीषि, न्त्सि, त्थः, त्थ, न्दीमि, न्मि, द्रः, द्यः ॥
- २ चनीस्क-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चनीस्क-न्दीतु, न्तु, त्तात्, त्ताम्, दतु, द्रि, त्तात्, त्तम्, त्त, न्दानि, न्दाव, न्दाम ॥
- ४ अचनीस्क-न्दीत्, न्, त्ताम्, दुः, न्दीः, न्, त्तम्, त्त, न्दम्, द्र, द्य ॥
- ५ अचनीस्क-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चनीस्कन्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चनीस्कद्या-त्, स्ताम्, दुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चनीस्कन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सिम, स्वः, स्मः ॥
- ९ चनीस्कन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचनीस्कन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२९३ पिध् (सिध्) गत्याम् ॥

२९४ पिधौ (सिध्) शास्त्रमाङ्गल्ययोः ॥

- १ से-वेदि, विधीति, पिद्धः, विधति, विधीषि, वेत्सि, पिद्धः, पिद्ध, विधीमि, वेध्मि, विध्वः, विध्मः ॥
- २ सेषिध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सेवेद्ध, सेषि-धीतु, द्धात्, द्धाम्, धतु, द्वि, द्धात्, द्धम्, द्ध, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ असे-वेत्, विधीत्, विद्दाम्, पिधुः, विधीः, वेः, वेत्, पिद्धम्, पिद्ध, पिधम्, पिध्व, पिध्म ॥
- ५ असेषेध्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सेवेधा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेषेध्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेवेधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेवेधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असेवेधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२९५ शुन्ध (शुन्ध्) शुद्धौ ॥

- १ शोशु-न्धीति, न्दि, दः, धति, न्धीषि, न्त्सि, दः, द, न्धीमि, न्ध्मि, ध्वः, ध्मः ॥
- २ शोशुध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शोशु-न्धीतु, न्दु, द्धात्, द्धाम्, धतु, द्वि, द्धात्, द्धम्, द्ध, न्धानि, न्धाव, न्धाम ॥
- ४ अशोशु-न्धीत्, न्, द्धाम्, धुः, न्धीः, न्, द्धम्, द्ध, न्धम्, ध्व, ध्म ॥
- ५ अशोशुन्ध-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शोशुन्धा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशुध्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशुन्धिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशुन्धिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोशुन्धिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२९६ स्तन् (स्तन्) शब्दे ॥

- १ तं-स्तनीति, स्तन्ति, स्तान्तः, स्तनति, स्तनीषि, स्तंसि, स्तान्धः, स्तान्ध, स्तनीमि, स्तन्मि, स्तन्वः, स्तन्मः ॥
- २ तंस्तन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तं-स्तनीतु, स्तन्तु, स्तान्तात्, स्तान्ताम्, स्तनतु, स्तांहि, स्तान्तात्, स्तान्तम्, स्तान्त, स्तनानि, स्तनाव, स्तनाम ॥
- ४ अतं-स्तनीत्, स्तन्, स्तान्ताम्, स्तनुः, स्तनीः, स्तन्, स्तान्तम्, स्तान्त, स्तनम्, स्तन्व, स्तन्म ॥
- ५ अतंस्तान् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अतंस्तन् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तंस्तना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तंस्तन्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तंस्तनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तंस्तनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतंस्तनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२९७ धन (धन्) शब्दे ॥

- १ द-न्धनीति, न्धन्ति, न्धान्तः, न्धनति, न्धनीषि, न्धंसि, न्धान्धः, न्धान्ध, न्धनीमि, न्धन्मि, न्धन्वः, न्धन्मः ॥
- २ दन्धन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ द-न्धनीतु, न्धन्तु, न्धान्तात्, न्धान्ताम्, न्धनतु, न्धांहि, न्धान्तात्, न्धान्तम्, न्धान्त, न्धनानि, न्धनाव, न्धनाम ॥
- ४ अद-न्धनीत्, न्धन्, न्धान्ताम्, न्धनुः, न्धनीः, न्धन्, न्धान्तम्, न्धान्त, न्धनम्, न्धन्व, न्धन्म ॥
- ५ अदन्धान् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदन्धन् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दन्धना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दन्धन्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दन्धनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दन्धनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदन्धनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२९८ ध्वन (ध्वन्) शब्दे ॥

- १ द-ध्वनीति, ध्वन्ति, ध्वान्तः, ध्वनति, ध्वनीषि, ध्वंसि, ध्वान्थः, ध्वान्थ, ध्वनीमि, ध्वन्मि, ध्वन्वः, ध्वन्मः ॥
- २ दन्ध्वन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ द-ध्वनीतु, ध्वन्तु, ध्वान्तात्, ध्वान्ताम्, ध्वन्तु, ध्वान्ति, ध्वान्तात्, ध्वान्तम्, ध्वान्त, ध्वनानि, ध्वनाव, ध्वनाम् ॥
- ४ अद-ध्वनीत्, ध्वन्, ध्वान्ताम्, ध्वन्तुः, ध्वनीः, ध्वन्, ध्वान्तम्, ध्वान्त, ध्वनम्, ध्वन्व, ध्वन्म ॥
- ५ अदन्ध्वान् } -ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदन्ध्वन् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दन्ध्वना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दन्ध्वन्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दन्ध्वनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दन्ध्वनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदन्ध्वनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

२९९ चन (चन्) शब्दे ॥

- १ च-चनीति, चन्ति, चान्तः, चनति, चनीषि, चंषि, चान्थः, चान्थ, चनीमि, चन्मि, चन्वः, चन्मः ॥
- २ चञ्चन-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ च-चनीतु, चन्तु, चान्तात्, चान्ताम्, चनतु, चान्ति, चान्तात्, चान्तम्, चान्त, चनानि, चनाव, चनाम् ॥
- ४ अच-चनीत्, चन्, चान्ताम्, चन्तुः, चनीः, चन्, चान्तम्, चान्त, चनम्, चन्व, चन्म ॥
- ५ अचञ्चान् } -ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचञ्चन् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चञ्चना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चञ्चन्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चञ्चनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चञ्चनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचञ्चनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३०० स्वन (स्वन) शब्दे ॥

- १ स्-स्वनीति, स्वन्ति, स्वान्तः, स्वनति, स्वनीषि, स्वंसि, स्वान्थः, स्वान्थ, स्वनीमि, स्वन्मि, स्वन्वः, स्वनमः ॥
- २ संस्वन-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ स्-स्वनीतु, स्वन्तु, स्वान्तात्, स्वान्ताम्, स्वनतु, स्वांति, स्वान्तात्, स्वान्तम्, स्वान्त, स्वनानि, स्वनाव, स्वनाम् ॥
- ४ अस्-स्वनीत्, स्वन, स्वान्ताम्, स्वन्तुः, स्वनीः, स्वन, स्वान्तम्, स्वान्त, स्वनम्, स्वन्व, स्वनम ॥
- ५ अस्स्वान् } -ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अस्स्वान् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ संस्वना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ संस्वन्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ संस्वनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ संस्वनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अस्स्वनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३०१ वन (वन्) शब्दे ॥

३०२ वन (वन्) भक्तौ ॥

- १ वं-वनीति, वन्ति, वान्तः, वनति, वनीषि, वंसि, वान्थः, वान्थ, वनीमि, वन्मि, वन्वः, वन्मः ॥
- २ वंचन-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वं-वनीतु, वन्तु, वान्तात्, वान्ताम्, वनतु, वांति, वान्तात्, वान्तम्, वान्त, वनानि, वनाव, वनाम् ॥
- ४ अव-वनीत्, वन्, वान्ताम्, वन्तुः, वनीः, वन्, वान्तम्, वान्त, वनम्, वन्व, वन्म ॥
- ५ अवंवान् } -ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवंवन् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वंवना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वंवन्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वंवनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वंवनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवंवनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३०३ षन (सन्) भक्तौ ॥

- १ सं-सनीति, सन्ति, सातः, सनति, सनीषि, संसि, साथः, साथ, सनीमि, सन्मि, सन्वः, सन्मः ॥
- २ संसन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सं-सनीतु, सन्तु, सातात्, साताम्, सनतु, साहि, सातात्, सातम्, सात, सनानि, सनाव, सनाम ॥
- ४ असं-सनीत्, सन्, साताम्, सनुः, सनीः, सन्, सातम्, सात, सनम्, सन्व, सन्म ॥
- ५ असंसान् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, असंसन् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ संसन्ना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ संसन्था-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सन्, स्व, स्म ॥
- ८ संसन्निता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ संसन्निष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असंसन्निष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३०४ कनै (कन्) दीप्तिकान्तिगतिषु ॥

- १ च-कनीति, कन्ति, कान्तः, कनति, कनीषि, कंसि, कान्थः, कान्थ, कनीमि, कन्मि, कन्वः, कन्मः ॥
- २ चकन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ च-कनीतु, कन्तु, कान्तात्, कान्ताम्, कनतु, कान्ति, कान्तात्, कान्तम्, कान्त, कनानि, कनाव, कनाम ॥
- ४ अच-कनीत्, कन्, कान्ताम्, कनुः, कनीः, कन्, कान्तम्, कान्त, कनम्, कन्व, कन्म ॥
- ५ अचकान् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचकन् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ चकना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चकन्था-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सन्, स्व, स्म ॥
- ८ चकन्निता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चकन्निष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचकन्निष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३०५ गुणौ (गुप्) रक्षणे ॥

- १ जो-गोप्ति, गुपीति, गुप्तः, गुपति, गुपीषि, गोप्ति, गुप्यः, गुप्य, गुपीमि, गोप्मि, गुप्वः, गुप्मः ॥
- २ जोगुप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोगोप्तु, जोगु-पीतु, सात्, साम्, पतु, बधि, सात्, सन्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अजो-गोप्, गुपीत्, गुप्ताम्, गुपुः, गुपीः, गोप्, गुप्तम्, गुप्त, गुप्म, गुप्व, गुप्म ॥
- ५ अजोगोप्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ जोगोपा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगुप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सन्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगोपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगोपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगोपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३०६ तपं (तप्) सतापे ॥

- १ तात-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्ति, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वमः ॥
- २ तातप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात-पीतु, सु, सात्, साम्, पतु, प्वि, सात्, सन्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अतात-पीत्, प्, सात्, पुः, पीः, प्, सन्, स, पम्, प्व, प्वम ॥
- ५ अताताप् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अतातप् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ तातपा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सन्, स्व, स्म ॥
- ८ तातपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३०७ धृप् (धृप्) सन्तापे ॥

- १ दोधू-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ दोधूप-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दोधू-पीतु, सु, सात्, साम्, पतु, ब्वि, सात्, सत्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अदोधू-पीत्, ए, साम्, पुः, पीः, ए, सत्, स, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अदोधूप-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दोधूपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोधूप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ दोधूपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोधूपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदोधूपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३०८ रप् (रप्) व्यक्ते वचने ॥

- १ रार-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ रारप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रार-पीतु, सु, सात्, साम्, पतु, ब्वि, सात्, सत्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अरार-पीत्, ए, ब, साम्, पुः, पीः, ए, सत्, स, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अराराप् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अरारप् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ रारपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३०९ लप् (लप्) व्यक्ते वचने ॥

- १ लाल-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ लालप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लाल-पीतु, सु, सात्, साम्, पतु, ब्वि, सात्, सत्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अलाल-पीत्, ए, साम्, पुः, पीः, ए, सत्, स, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अलालाप् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अलालाप् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लालपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ लालपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३१० जलप् (जलप्) व्यक्ते वचने ॥

- १ जाजल्-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ जाजल्प्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाजल्-पीतु, सु, सात्, साम्, पतु, ब्वि, सात्, सत्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अजाजल्-पीत्, ए, साम्, पुः, पीः, ए, सत्, स, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अजाजल्प्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाजल्पा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजल्प्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजल्पिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाजल्पिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाजल्पिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३११ जप् (जप्) मानसे च ॥

- १ जञ्ज-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ जञ्जप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जञ्ज-पीतु, मु, सात्, साम्, पतु, ब्धि, सात्, सप्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अजञ्ज-पीत्, प, साम्, पुः, पीः, प, सप्, स, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अजञ्जाप् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजञ्जप् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जञ्जपा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जञ्जप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ जञ्जपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जञ्जपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजञ्जपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३१२ चप् (चप्) सान्त्वने ॥

- १ चाच्च-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ चाच्चप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाच्च-पीतु, मु, सात्, साम्, पतु, ब्धि, सात्, सप्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अचाच्च-पीत्, प, साम्, पुः, पीः, प, सप्, स, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अचाच्चाप् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाच्चप् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाच्चपा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाच्चप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ चाच्चपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाच्चपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाच्चपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३१३ षप् (षप्) समवाये ॥

- १ सास-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ सासप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास-पीतु, मु, सात्, साम्, पतु, ब्धि, सात्, सप्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ असास-पीत्, प, साम्, पुः, पीः, प, सप्, स, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ असासाप् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, असासप् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सासपा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ सासपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असासपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३१४ सृष्टं (सृष्ट) गतौ ॥

- १ सरि-सर्ति, सृपीति, सृप्तः, सृपति, सृपीषि, सर्प्ति, सृप्यः, सृप्य, सृपीमि, सर्प्ति, सृप्वः, सृप्वः ॥
- २ सरिसृप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सरिसृष्टु, सरिसृष्ट-पीतु, सात्, साम्, पतु, ब्धि, सात्, सप्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ असरि-सर्प, सृपीत्, सृप्ताम्, सृपुः, सृपीः, सर्प, सृप्तम्, सृप्त, सृपम्, सृप्व, सृप्व ॥
- ५ असरिसर्प-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सरिसर्पो-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सरिसृष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ सरिसर्पिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सरिसर्पिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ अत, अम्, आव, आम ॥
- १० असरिसर्पिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, पक्षे सरि-स्थाने सरी-इति, सर्-इति च ज्ञेयम् ॥

३१५ चुप (चुप्) मन्दायां गतौ ॥

- १ चो-चोप्ति, चुपीति, चुप्तः, चुपति, चुपीषि, चोप्ति,
चुप्थः, चुप्थ, चुपीमि, चोप्मि, चुप्वः, चुप्मः ॥
- २ चोचुप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ चोचोसु, चोचु-पीतु, सात्, साम्, पतु, बिध,
सात्, सप्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अचो-चोप्, चुपीत्, चुप्ताम्, चुपुः, चुपीः, चोप्,
चुप्तम्, चुप्त, चुपम्, चुप्व, चुप्म ॥
- ५ अचोचोप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोचोपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोचुप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, ख, स्म ॥
- ८ चोचोपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ चोचोपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोचोपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

३१६ तुप (तुप्) हिंसायाम् ॥

- १ तो-तोप्ति, तुपीति, तुप्तः, तुपति, तुपीषि, तोप्ति,
तुप्थः, तुप्थ, तुपीमि, तोप्मि, तुप्वः, तुप्मः ॥
- २ तोतुप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतोसु, तोतु-पीतु, सात्, साम्, पतु, बिध, सात्,
सप्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अतो-तोप्, तुपीत्, तुप्ताम्, तुपुः, तुपीः, तोप्,
तुप्तम्, तुप्त, तुपम्, तुप्व, तुप्म ॥
- ५ अतोतोप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतोपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, ख, स्म ॥
- ८ तोतोपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ तोतोपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतोपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

३१७ तुम्प (तुम्प) हिंसायाम् ॥

- १ तोतु-म्पीति, म्पि, सः, पति, म्पीषि, म्पि, म्प्यः, म्प्य,
म्पीमि, म्पिमि, म्प्वः, म्पमः ॥
- २ तोतुप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतु-म्पीतु, म्पु, सात्, साम्, पतु, बिध, सात्,
सप्, स, म्पानि, म्पाव, म्पाम ॥
- ४ अतोतु-म्पीत्, न, साम्, पुः, म्पीः, न, सप्, स,
म्पम्, म्प्व, म्पम ॥
- ५ अतोतुम्प-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतुम्पा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, ख, स्म ॥
- ८ तोतुम्पिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ तोतुम्पिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतुम्पिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

३१८ त्रुप (त्रुप्) हिंसायाम् ॥

- १ तो-त्रोप्ति, त्रुपीति, त्रुप्तः, त्रुपति, त्रुपीषि, त्रोप्ति,
त्रुप्थः, त्रुप्थ, त्रुपीमि, त्रोप्मि, त्रुप्वः, त्रुप्मः ॥
- २ तोत्रुप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ तोत्रोसु, तोत्रु-पीतु, सात्, साम्, पतु, बिध, सात्,
सप्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अतो-त्रोप्, त्रुपीत्, त्रुप्ताम्, त्रुपुः, त्रुपीः, त्रोप्, त्रुप्तम्,
त्रुप्त, त्रुपम्, त्रुप्व, त्रुप्म ॥
- ५ अतोत्रोप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्व, इष्म ॥
- ६ तोत्रोपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोत्रुप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, ख, स्म ॥
- ८ तोत्रोपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ तोत्रोपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोत्रोपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

३१९ तुम्प (तुम्प) हिंसायाम् ॥

- १ तोत्रु-म्पीति, म्पि, सः, पति, म्पीषि, म्पिस्, प्यः, प्य, म्पीमि, म्पिम, प्वः, प्वः ॥
- २ तोत्रुप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोत्रु-म्पीतु, म्पु, सात्, साम्, पतु, ब्धि, सात्, सत्, स, म्पाणि, म्पाव, म्पाम ॥
- ४ अतोत्रु-म्पीत्, न, साम्, पुः, म्पीः, न, सत्, स, म्पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अतोत्रुम्प-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोत्रुम्पा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोत्रुप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ तोत्रुम्पिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोत्रुम्पिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोत्रुम्पिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

३२० तुफ (तुफ) हिंसायाम् ॥

- १ तो-तोसि, तुफीति, तुप्तः, तुफति, तुफीषि, तोप्सि, तुप्यः, तुप्य, तुफीमि, तोप्मि, तुप्वः, तुप्मः ॥
- २ तोतुफ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतोषु, तोतु-फीतु, सात्, साम्, फतु, ब्धि, सात्, सत्, स, फानि, फाव, फाम ॥
- ४ अतो-तोप्, तुफीत्, तुसाम्, तुफुः, तुफीः, तोप्, तुसम्, तुप्त, तुफम्, तुप्व, तुप्म ॥
- ५ अतोतोफ-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतोफा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुफ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतोफिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतोफिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतोफिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

३२१ तुम्फ (तुम्फ) हिंसायाम् ॥

- १ तोतु-म्फीति, म्पि, सः, फति, म्फीषि, म्पिस्, प्यः, प्य, म्फीमि, म्पिम, प्वः, प्वः ॥
- २ तोतुफ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतु-म्फीतु, म्फु, सात्, साम्, फतु, ब्धि, सात्, सत्, स, म्फानि, म्फाव, म्फाम ॥
- ४ अतोतु-म्फीत्, न, साम्, फुः, म्फीः, न, सत्, स, म्फम्, प्व, प्व ॥
- ५ अतोतुम्फ-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतुम्फा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुफ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतुम्फिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतुम्फिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतुम्फिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

३२२ त्रुफ (त्रुफ) हिंसायाम् ॥

- १ तो-त्रोसि, त्रुफीति, त्रुप्तः, त्रुफति, त्रुफीषि, त्रोप्सि, त्रुप्यः, त्रुप्य, त्रुफीमि, त्रोप्मि, त्रुप्वः, त्रुप्मः ॥
- २ तोत्रुफ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोत्रोषु, तोत्रु-फीतु, सात्, साम्, फतु, ब्धि, सात्, सत्, स, फानि, फाव, फाम ॥
- ४ अतो-त्रोप्, त्रुफीत्, त्रुसाम्, त्रुफुः, त्रुफीः, त्रोप्, त्रुसम्, त्रुप्त, त्रुफम्, त्रुप्व, त्रुप्म ॥
- ५ अतोत्रोफ-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोत्रोफा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोत्रुफ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ तोत्रोफिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोत्रोफिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोत्रोफिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

३२३ जुम्फ (जुम्फ) हिंसायाम् ॥

- १ तोबु-म्फोति, म्ति, सः, फति, म्फोषि, म्प्ति, प्थः, प्थ, म्फोमि, म्प्ति, प्वः, प्वः ॥
- २ तोबुफ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ तोबु-म्फोतु, म्फु, प्तात्, प्ताम्, फतु, बिध, प्तात्, प्तम्, प्त, म्फाणि, म्फाव, म्फाम् ॥
- ४ अतोबु-म्फोत्, न्, प्ताम्, फुः, म्फोः, न्, प्तम्, प्त, म्फम्, प्व, प्व ॥
- ५ अतोबुम्फ-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोबुम्फा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोबुम्फया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोबुम्फिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोबुम्फिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोबुम्फिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३२४ वर्फ (वर्फ) गतौ ॥

- १ वाव-फोति, प्ति, प्तः, फेति, फोषि, प्ति, प्वः, प्व, फोमि, प्ति, प्वः, प्वः ॥
- २ वावर्फ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ वाव-फोतु, प्तु, प्तात्, प्ताम्, फेतु, बिध, प्तात्, प्तम्, प्त, फाणि, फाव, फाम् ॥
- ४ अवाव-फोत्, न्, प्ताम्, फुः, फोः, न्, प्तम्, प्त, फम्, प्व, प्व ॥
- ५ अवावर्फ-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावर्फा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावर्फया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावर्फिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावर्फिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावर्फिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३२५ रफ (रफ) गतौ ॥

- १ रार-फोति, म्ति, सः, फति, फोषि, प्ति, प्वः, प्व, फोमि, प्ति, प्वः, प्वः ॥
- २ रारफ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ रार-फोतु, सु, सात्, साम्, फतु, बिध, सम्, स, फाणि, फाव, फाम् ॥
- ४ अरार-फोत्, न्, साम्, फुः, फोः, न्, सम्, स, फम्, प्व, प्व ॥
- ५ अरारफ्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारफा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारफया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारफिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारफिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारफिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३२६ रफ (रम्फ) गतौ ॥

- १ रार-म्फोति, म्ति, म्पः, म्फति, म्फोषि, म्प्ति, म्प्यः, म्प्य, म्फोमि, म्प्ति, म्प्वः, म्प्वः ॥
- २ रारम्फ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ रारम्फ-फोतु, सु, सात्, साम्, फतु, बिध, सम्, स, फाणि, फाव, फाम् ॥
- ४ अरार-म्फोत्, न्, म्ताम्, म्फुः, म्फोः, न्, म्पम्, म्प, म्फम्, म्प्व, म्प्व ॥
- ५ अरारम्फ-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारम्फा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारम्फया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारम्फिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारम्फिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारम्फिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३२७ कर्ब (कर्ब्) गतौ ॥

- १ चाक-चाति, सिं, सैः, बैति, बाषि, षि, ष्यः, ष्यं, बाँमि, बिमि, ब्वैः, ब्वैः ॥
 २ चाकर्ब-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
 ३ चाक-चात्, तुं, सात्, साम्, बैतु, विध, सात्, सैम्, सै, बाणि, बावि, बामि ॥
 ४ अचाक-चात्, पं, साम्, वुः, बीः, पं, सैम्, सै, ब्वै, ब्वै ॥
 ५ अचाकर्ब-ईत्, इयाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 ६ चाकर्वा-श्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 ७ चाकर्व्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्त्वं, स्म ॥
 ८ चाकर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्म ॥
 ९ चाकर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 १० अचाकर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

३२९ गर्च (गर्ब्) गतौ ॥

- १ जाग—र्वाति, सिं, सः, बति, बाँधि, प्ति, प्यः, प्यं,
बाँमि, ब्मि, ब्वः, ब्रमः ॥
- २ जागर्ब—यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ जाग—बाँत्, र्हु, सति, सतिम्, बँत्, ब्धि, सति, सतम्,
सं, बाँणि, बाँव, बामि ॥
- ४ अजाग—र्वात्, र्प, सतिम्, बँः, बाँः, र्प, सतम्, सं,
बँम्, ब्वं, ब्रमं ॥
- ५ अजागर्ब—ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्,
इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ जागर्बा—श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागर्बया—त्, स्ताम्, सुः, , स्तम्, स्तं, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागर्बिता—, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागर्बिष्य—अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागर्बिष्य—अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

३२८ स्वर्ग (स्वर्ग) गतौ ॥

- १ चाख-बौति, सिं, सैः, बति, बौषि, पिंस, प्यैः, प्यैः
बौमि, बिम, ब्वैः, ब्वैः ॥
- २ चाखव्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम ॥
- ३ चाख-बौत्तु, तुं, सति, सतिम्, बत्तु, बिध, सति, सत्तम्,
सै, बौषि, बौव, बौमि ॥
- ४ अचाख-बौत्, पं, सतिम्, बुः, बौः, पं, सत्तम्, सै,
वैम्, ब्वै, ब्वै ॥
- ५ अचाखव्व-बौत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्,
इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ चाखव्वी-श्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाखव्वैया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाखबिंता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाखबिंत्थ-अति, अतः, अन्ति, अति, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाखबिंत्थ-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

३३० चर्ब (चर्ब) गतौ ॥

- १ चाच-बीति, सिं, सैः, बेति, बीषि, सिं, प्यैः, प्यै,
बीमि, बिं, ब्वैः, ब्वैः ॥
२ चाचर्ब-यात्, याताम्, युः, यां, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
३ चा-बीतु, हुं, सति, सतिम्, बँतु, बिं, सति, सतिम्,
सै, बीणि, बीव, बीम ॥
४ अचाच-बीत, पँ, सतिम्, बुः, बीः, पँ, सतिम्, सै,
बैम्, ब्वै, ब्वै ॥
५ अचाचर्ब-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इषम् ॥
६ चाचर्बा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ चाचर्व्या-त्, स्ताम्, दुः, स्तम्, स्त, समः, स्व, स्म ॥
८ चाचर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
९ चाचर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
१० अचाचर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

३३१ तर्ब (तर्ब) गतौ ॥

- १ तात-बौति, सिं, तैः, बेति, बीषि, प्सि, प्यैः, प्यै, बीमि, बिमि, ब्वैः, ब्वैः ॥
- २ तातर्ब-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात-बौतु, तुं, सात्, सौम्, बेतु, बिध, सात्, सौम्, सौ, बाणि, बाव, बािम ॥
- ४ अतात-बौत्, पं, सौम्, बुं, बीः, पं, सौम्, सौ, बेम्, ब्वै, ब्वै ॥
- ५ अतातर्ब-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तातर्ब-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातर्ब्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातर्बिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातर्बिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातर्बिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३३२ नर्ब (नर्ब) गतौ ॥

- १ नान-बौति, सिं, तैः, बेति, बीषि, प्सि, प्यैः, प्यै, बीमि, बिमि, ब्वैः, ब्वैः ॥
- २ नानर्ब-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नान-बौतु, तुं, सात्, सौम्, बेतु, बिध, सात्, सौम्, सौ, बाणि, बाव, बािम ॥
- ४ अनान-बौत्, पं, सौम्, बुं, बीः, पं, सौम्, सौ, बेम्, ब्वै, ब्वै ॥
- ५ अनानर्ब-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नानर्ब-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानर्ब्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानर्बिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानर्बिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनानर्बिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३३३ पर्व (पर्व) गतौ ॥

- १ पाप-बौति, सिं, तैः, बेति, बीषि, प्सि, प्यैः, प्यै, बीमि, बिमि, ब्वैः, ब्वैः ॥
- २ पापर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पाप-बौतु, तुं, सात्, सौम्, बेतु, बिध, सात्, सौम्, सौ, बाणि, बाव, बािम ॥
- ४ अपाप-बौत्, पं, सौम्, बुं, बीः, पं, सौम्, सौ, बेम्, ब्वै, ब्वै ॥
- ५ अपापर्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पापर्व-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापर्व्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापर्विता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपापर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३३४ बर्व (बर्व) गतौ ॥

- १ बाब-बौति, सिं, तैः, बेति, बीषि, प्सि, प्यैः, प्यै, बीमि, बिमि, ब्वैः, ब्वैः ॥
- २ बाबर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाब-बौतु, तुं, सात्, सौम्, बेतु, बिध, सात्, सौम्, सौ, बाणि, बाव, बािम ॥
- ४ अबाब-बौत्, पं, सौम्, बुं, बीः, पं, सौम्, सौ, बेम्, ब्वै, ब्वै ॥
- ५ अबाबर्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बाबर्व-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाबर्व्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाबर्विता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाबर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाबर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३४० कुबु (कुम्ब) आच्छादने ॥

- १ चोकु-स्वीति, म्ति, म्तः, स्वति, स्वीपि, म्पि,
म्यः, म्य, म्वीमि, म्विम, म्ववः, म्वमः ॥
२ चोकुम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
यास्, याव, यास ॥
३ चोकु-स्वीतु, म्तु, म्प्तात्, म्प्ताम्, म्वतु, म्विध,
म्प्तात्, म्प्तम्, म्प्त, म्वानि, म्वाव, म्वाम ॥
४ अचोकु-स्वीत्, न्, म्प्ताम्, म्पुः, म्वीः, न्, म्प्तम्,
म्त, म्वम्, म्व्व, म्वम ॥
५ अचोकुम्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
६ चोकुम्वा-श्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ चोकुम्वा-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
८ चोकुम्बिता-”, रै, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, स्वः, स्मः ॥
९ चोकुम्बिज्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
१० अचोकुम्बिज्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

૨૪૧ લુલુ (લુલ્) અર્દને ॥

- १ लोलु-म्बीति, म्पित्, म्पतः, म्बति, म्बीषि, म्पिस,
म्पथः, म्पथ, म्बीमि, म्बिम, म्बवः, म्बमः ॥
२ लोलुम्ब-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्,
याम्, याव, याम ॥
३ लोलु-म्बीतु, म्पुतु, म्पतात्, म्पताम्, म्बतु, म्बिथ,
म्पतात्, म्पतम्, म्पत, म्बानि, म्बाव, म्बाम ॥
४ अलोलु-म्बीत्, न्, म्पताम्, म्बुः, म्बीः, न्, म्पतम्,
म्पत, म्बम्, म्बव, म्बम ॥
५ अलोलुम्ब-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
६ लोलुन्वा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ लोलुम्ब्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
८ लोलुम्बिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
९ लोलुम्बिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
१० अलोलुम्बिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्,
अम्, आव, आम ॥

३४२ तुबु (तुम्ब) अर्दने ॥

- १ तोतु-म्वीति, म्पित्, म्पत्तः, म्बवति, म्बीषि, म्पिस्,
म्प्यः, म्प्य, म्बीमि, म्बिम, म्ब्वः, म्ब्वमः ॥
२ तोतुम्ब-यात्, याताम्, युः, याः, याताम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
३ तोतु-म्बीतु, म्पु, म्पतात्, म्पताम्, म्बतु, म्बिथ,
म्पतात्, म्पतम्, म्पत्, म्बानि, म्बाव, म्बाम ॥
४ अतोतु-म्बीत्, न्, म्ताम्, म्बुः, म्बीः, न्, म्पतम्,
म्पत्, म्बम्, म्ब्व, म्ब्वम ॥
५ अतोतुम्ब-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्वम ॥
६ तोतुम्बा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ तोतुम्ब्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्त्व, स्म ॥
८ तोतुम्बिता-'' , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
९ तोतुम्बिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
१० अतोतुम्बिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

३४३ चुबु (चुम्बु) वक्रसंयोगे ॥

- १ चोचु-म्बीति, म्मि, म्मः, म्बति, म्बीषि, म्मिस्, म्मथः, म्मथ, म्बीमि, म्मिम्, म्ब्वः, म्ब्वमः ॥
२ चोचुम्ब-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
३ चोचु-म्बीतु, म्मु, म्मात्, म्मात्, म्बतु, म्मिध, म्मात्, म्मम्, म्म, म्मानि, म्बाव, म्बाम ॥
४ अचोचु-म्बीत्, न्, म्मात्, म्बुः, म्बीः, न्, म्मम्, म्म, म्बम्, म्ब्व, म्ब्वम् ॥
५ अचोचुम्ब-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्वम् ॥
६ चोचुम्बा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ चोचुम्बा-य्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
८ चोचुम्बिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
९ चोचुम्बिष्य-अति, अतः, अन्ति, अस्ति, अथः, अथ, आमि, आवः, आसः ॥
१० अचोचुम्बिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम् ॥

३४४ सृभू (सृभ्) हिंसायाम् ॥

- १ सरि-सर्षि, सृभीति, सृप्तः, सृभति, सृभीषि, सर्षि, सृप्यः, सृप्य, सृभीमि, सर्षिम, सृभ्वः, सृभ्मः ॥
- २ सरिसृभू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सरिसर्षु, सरिसृ-भीतु, स्रात्, स्राम्, भतु, ब्धि, स्रात्, स्रम्, स्र, भाणि, भाव, भाम ॥
- ४ असरि-सर्ष, सृभीत्, स्रताम्, सृभुः, सृभीः, सर्ष, स्रतम्, स्रत, स्रभम्, सृभ्व, सृभ्म ॥
- ५ असरिसर्भू-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सरिसर्भो-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सरिसृभ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सरिसर्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सरिसर्भिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अत, अम्, आव, आम ॥
- १० असरिसर्भिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, पक्षे सरि स्थाने सरी-इति, सर्-इति च ज्ञेयम् ॥

३४५ सृम्भू (सृम्भ्) हिंसायाम् ॥

- १ सरिसृ-म्भीति, म्बिध, ब्धः, भति, म्भीषि, म्प्सि, ब्धः, ब्ध, म्भीमि, म्भिम, भ्वः, भ्मः ॥
- २ सरिसृम्भू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सरिसृ-म्भीतु, म्बु, ब्धात्, ब्धाम्, भतु, ब्धि, ब्धात्, ब्धम्, ब्ध, म्भाणि, म्भाव, म्भाम ॥
- ४ असरिसृ-म्भीत्, न्, ब्धाम्, भुः, म्भीः, न्, ब्धम्, ब्ध, म्भम्, भ्व, भ्म ॥
- ५ असरिसृम्भू-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सरिसृम्भा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सरिसृभ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सरिसृम्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सरिसृम्भिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अत, अम्, आव, आम ॥
- १० असरिसृम्भिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, पक्षे सरि स्थाने सरी-इति, सर्-इति च ज्ञेयम् ॥

३४६ सिभू (सिभ्) हिंसायाम् ॥

- १ से-सेबिध, सिभीति, सिबिधः, सिभति, सिभीषि, सेप्सि, सिबिधः, सिबिध, सिभीमि, सेप्सिम, सिभ्वः, सिभ्मः ॥
- २ सेसिभू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सेसेबु, सेसि-भीतु, ब्धात्, ब्धाम्, भतु, बिध, ब्धात्, ब्धम्, ब्ध, भाणि, भाव, भाम ॥
- ४ असे-सेप, सिभीत्, सिबिधाम्, सिभुः, सिभीः, सेप्, सिबिधम्, सिबिध, सिभम्, सिभ्व, सिभ्म ॥
- ५ असेसेभू-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सेसेभा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेसिभ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेसेभिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेसेभिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असेसेभिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३४७ सिम्भू (सिम्भ्) हिंसायाम् ॥

- १ सेषि-म्भीति, म्बिध, ब्धः, भति, म्भीषि, म्प्सि, ब्धः, ब्ध, म्भीमि, म्भिम, भ्वः, भ्मः ॥
- २ सेषिभू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सेषि-म्भीतु, म्बु, ब्धात्, ब्धाम्, भतु, बिध, ब्धात्, ब्धम्, ब्ध, म्भाणि, म्भाव, म्भाम ॥
- ४ असेषि-म्भीत्, न्, ब्धाम्, भुः, म्भीः, न्, ब्धम्, ब्ध, म्भम्, भ्व, भ्म ॥
- ५ असेषिभू-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सेषिम्भा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेषिभ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेषिम्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेषिम्भिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असेषिम्भिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३४८ भर्भ (भर्भ) हिंसायाम् ॥

- १ बाभ-भीति, विध, वधः, भति, भीषि, प्लि, वधः, वधः, भीमि, भिम, भवः, भमः ॥
- २ बाभभू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभ-भीतु, वधु, वधात्, वधाम्, भतु, विध, वधात्, वधम्, वध, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अबाभ-भीत्, प, वधाम्, भुः, भीः, प, वधम्, वध, भम्, भव, भम ॥
- ५ अबाभभू-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बाभभी-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभभ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभभिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभभिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभभिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३४९ शुम्भ (शुम्भ) भाषणे च ॥

- १ शोशु-म्भीति, म्बिध, वधः, भति, म्भीषि, म्प्लि, वधः, वध, म्भीमि, म्भिम, म्भवः, म्भमः ॥
- २ शोशुभू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शोशु-म्भीतु, म्बु, वधात्, वधाम्, भतु, विध, वधात्, वधम्, वध, म्भानि, म्भाव, म्भाम ॥
- ४ अशोशु-म्भीत्, न, स्ताम्, भुः, म्भीः, न, वधम्, वध, म्भम्, भव, भम ॥
- ५ अशोशुभू-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शोशुम्भा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशुभ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशुम्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशुम्भिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोशुम्भिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३५० यभं (यभ) मैथुने ॥

- १ याय-भीति, विध, वधः, भति, भीषि, प्लि, वधः, वध, भीमि, भिम, भवः, भमः ॥
- २ यायभू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ याय-भीतु, वधु, वधात्, वधाम्, भतु, विध, वधात्, वधम्, वध, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अयाय-भीत्, प, वधाम्, भुः, भीः, प, वधम्, वध, भम्, भव, भम ॥
- ५ अयायभू-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ यायभा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ यायभ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ यायभिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ यायभिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयायभिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३५१ जभ (जम्भ) मैथुने ॥

- १ जज्ज-भीति, विध, वधः, भति, भीषि, प्लि, वधः, वध, भीमि, भिम, भवः, भमः ॥
- २ जज्जभू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जज्ज-भीतु, वधु, वधात्, वधाम्, भतु, विध, वधात्, वधम्, वध, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अजज्ज-भीति, प, वधाम्, भुः, भीः, प, वधम्, वध, भम्, भव, भम ॥
- ५ अजज्जभू-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जज्जभा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जज्जभ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जज्जभिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जज्जभिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजज्जभिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३५२ चम् (चम्) अदने ॥

- १ च-चमीति, चन्तिः, चान्तः, चमति, चमीषि, चंषि, चान्थः, चान्थ, चमीमि, चन्मि, चन्वः, चन्मः ॥
- २ चञ्चम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ च-चमीतु, चन्तु, चान्तात्, चान्ताम्, चमतु, चांहि, चान्तात्, चान्तम्, चान्त, चमानि, चमाव, चमाम ॥
- ४ अच-चमीत्, चन्, चान्ताम्, चमुः, चमीः, चन्, चान्तम्, चान्त, चमम्, चन्व, चन्म ॥
- ५ अचञ्चम्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चञ्चमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चञ्चम्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चञ्चमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चञ्चमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचञ्चमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३५३ छम् (छम्) अदने ॥

- १ च-छमीति, छन्ति, छान्तः, छमति, छमीषि, छंसि, छान्थः, छान्थ, छमीमि, छन्मि, छन्वः, छन्मः ॥
- २ चछम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ च-छमीतु, छन्तु, छान्तात्, छान्ताम्, छमतु, छांहि, छान्तात्, छान्तम्, छान्त, छमानि, छमाव, छमाम ॥
- ४ अच-छमीत्, छन्, छान्ताम्, छमुः, छमीः, छन्, छान्तम्, छान्त, छमम्, छन्व, छन्म ॥
- ५ अचछम्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चछमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चछम्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चछमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चछमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचछमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३५४ जम् (जम्) अदने ॥

- १ ज-जमीति, जन्ति, जान्तः, जमति, जमीषि, जंसि, जान्थः, जान्थ, जमीमि, जन्मि, जन्वः, जन्मः ॥
- २ जञ्जम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ज-जमीतु, जन्तु, जान्तात्, जान्ताम्, जमतु, जांहि, जान्तात्, जान्तम्, जान्त, जमानि, जमाव, जमाम ॥
- ४ अज-जमीत्, जन्, जान्ताम्, जमुः, जमीः, जन्, जान्तम्, जान्त, जमम्, जन्व, जन्म ॥
- ५ अजञ्जम्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जञ्जमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जञ्जम्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जञ्जमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जञ्जमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजञ्जमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३५५ झम् (झम्) अदने ॥

- १ ज-झमीति, झन्ति, झान्तः, झमति, झमीषि, झंसि, झान्थः, झान्थ, झमीमि, झन्मि, झन्वः, झन्मः ॥
- २ जझम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ज-झमीतु, झन्तु, झान्तात्, झान्ताम्, झमतु, झांहि, झान्तात्, झान्तम्, झान्त, झमानि, झमाव, झमाम ॥
- ४ अज-झमीत्, झन्, झान्ताम्, झमुः, झमीः, झन्, झान्तम्, झान्त, झमम्, झन्व, झन्म ॥
- ५ अजझम्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जझमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जझम्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जझमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जझमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजझमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३५६ जिम् (जिम्) अदने ॥

- १ जे-जेन्ति, जिमीति, जीन्तः, जिमति, जिमीषि, जेंसि, जीन्थः, जीन्थ, जेन्मि, जिमीमि, जिन्वः, जिन्मः ॥
- २ जेजिम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जे-जेन्तु, जिमीतु, जीन्तात्, जीन्ताम्, जिमतु, जीहि, जीन्तात्, जीन्तम्, जीन्त, जिमानि, जिमाव, जिमाम ॥
- ४ अजे-जिमीत्, जेन्, जीन्ताम्, जिमुः, जिमीः, जेन्, जीन्तम्, जीन्त, जिमम्, जिन्व, जिन्म ॥
- ५ अजेजेम्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जेजेमा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेजिम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेजेमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेजेमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेजेमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३५७ क्रम् (क्रम्) पादविक्षेपे ॥

- १ चं-कमीति, कन्ति, क्रान्तः, कमति, मीषि, कंसि, क्रान्थः, क्रान्थ, कमीमि, कन्मि, क्रन्वः, क्रन्मः ॥
- २ चंक्रम-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चं-कमीतु, क्रन्तु, क्रान्तात्, क्रान्ताम्, क्रमतु, क्राहि, क्रान्तात्, क्रान्तम्, क्रान्त, क्रमाणि, क्रमाव, क्रमाम ॥
- ४ अचं-कमीत्, कन्, क्रान्ताम्, क्रमुः, कमीः, कन्, क्रान्तम्, क्रान्त, क्रमम्, क्रन्व, क्रन्म ॥
- ५ अचंक्रम-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चङ्क्रमा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चङ्क्रम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चङ्क्रमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चङ्क्रमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचङ्क्रमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३५८ यम् (यम्) उपरमे ॥

- १ यं-यमीति, यन्ति, यतः, यमति, यमीषि, यंसि, यथः, यथ, यमीमि, यन्मि, यन्वः, यन्मः ॥
- २ यंयम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ यंय-मीतु, न्तु, तात्, ताम्, मतु, हि, तात्, तम्, त, मानि, माव, माम ॥
- ४ अयंय-मीत्, न्, ताम्, सुः, मीः, न्, तम्, त, मम्, न्व, न्म ॥
- ५ अयंयस्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ यंयमा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ यंयम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ यंयमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ यंयमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयंयमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३५९ स्यम् (स्यम्) शब्दे ॥

- १ से-सेन्ति, सिमीति, सीन्तः, सिमति, सिमीषि, सेंसि, सीन्थः, सीथ, सिमीमि, सेन्मि, सिन्वः, सिन्मः ॥
- २ सेसिम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ से-सेन्तु, सिमीतु, सीन्तात्, सीन्ताम्, सीमतु, सीहि, सीन्तात्, सीन्तम्, सीन्त, सिमानि, सिमाव, सिमाम ॥
- ४ असे-सेन्, सिमीत्, सीन्ताम्, सिमुः, सिमीः, सेन्, सिन्तम्, सीन्त, सिमम्, सिन्व, सिन्म ॥
- ५ असेसेम्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सेसेमा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेसिम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेसेमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेसेमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असेसेमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३६० णम् (नम्) प्रहृत्वे ॥

- १ न-जमीति, जन्ति, जतः, जमति, जमीषि, जंसि, जथः, जथ, जमीमि, जन्मि, जन्वः, जन्मः ॥
- २ ननम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नन्न-मीतु, न्तु, तात्, ताम्, मतु, हि, तात्, तम्, त, मानि, माव, माम ॥
- ४ अनन्न-मीत्, न्, ताम्, मुः, मीः, न्, तम्, त, मम्, न्व, न्म ॥
- ५ अनन्नम्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नन्नमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नन्नम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नन्नमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नन्नमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अनन्नमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३६१ षम (सम्) वैकृत्वे ॥

- १ सं-समीति, सन्ति, सान्तः, समति, समीषि, संसि, सान्थः, सान्थ, समीमि, सन्मि, सन्वः, सन्मः ॥
- २ संसम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सं-समीतु, सन्तु, सान्तात्, सान्ताम्, समतु, सांहि, सान्तम्, सान्त, समानि, समाव, समाम ॥
- ४ असं-समीत्, सन्, सान्ताम्, समुः, समीः, सन्, सान्तम्, सान्त, समम्, सन्व, सन्म ॥
- ५ असंसम्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ संसमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ संसम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ संसमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ संसमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० असंसमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३६२ षम् (स्तम्) वैकृत्वे ॥

- १ तं-स्तमीति, स्तन्ति, स्तान्तः, स्तमति, स्तमीषि, स्तंसि, स्तान्थः, स्तान्थ, स्तमीमि, स्तन्मि, स्तन्वः, स्तन्मः ॥
- २ तंस्तम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तं-स्तमीतु, स्तन्तु, स्तान्तात्, स्तान्ताम्, स्तमतु, स्तांहि, स्तान्तात्, स्तान्तम्, स्तान्त, स्तमानि, स्तमाव, स्तमाम ॥
- ४ अतं-स्तमीत्, स्तन्, स्तान्ताम्, स्तमुः, स्तमीः, स्तन्, स्तान्तम्, स्तान्त, स्तमम्, स्तन्व, स्तन्म ॥
- ५ अतंस्तम्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तंस्तमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तंस्तम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तंस्तमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तंस्तमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अतंस्तमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३६३ द्रम् (द्रम्) गतौ ॥

- १ दं-द्रमीति, द्रन्ति, द्रान्तः, द्रमति, द्रमीषि, द्रंसि, द्रान्थः, द्रान्थ, द्रमीमि, द्रन्मि, द्रन्वः, द्रन्मः ॥
- २ दन्द्रम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दं-द्रमीतु, द्रन्तु, द्रान्तात्, द्रान्ताम्, द्रमतु, द्रांहि, द्रान्तात्, द्रान्तम्, द्रान्त, द्रमाणि, द्रमाव, द्रमाम ॥
- ४ अदं-द्रमीत्, द्रन्, द्रान्ताम्, द्रमुः, द्रमीः, द्रन्, द्रान्तम्, द्रान्त, द्रमम्, द्रन्व, द्रन्म ॥
- ५ अदन्द्रम्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दन्द्रमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दन्द्रम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दन्द्रमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दन्द्रमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अदन्द्रमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३६४ हम् (हम्) गतौ ॥

- १ जं-हम्मीति, हम्ति, हन्ति, हम्मति, हम्मीषि, हंसि, हन्थः, हन्थ, हम्मीमि, हम्नि, हम्न्वः, हम्न्मः ॥
- २ जंहम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जं-हम्मीतु, हम्तु, हम्तात्, हम्ताम्, हम्तु, हंहि, हम्तात्, हम्तम्, हम्त, हम्मानि, हम्माव, हम्माम ॥
- ४ अजं-हम्मीत्, हन्, हम्ताम्, हम्नुः, हम्मीः, हन्, हम्तम्, हम्त, हम्मम्, हम्न्व, हम्न्म ॥
- ५ अजंहम्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जंहम्मा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जंहम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जंहमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जंहमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजंहमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३६५ मीम् (मीम्) गतौ ॥

- १ मे-मीमीति, मीन्ति, मीन्तः, मीमति, मीमीषि, मींसि, मीन्थः, मीन्थ, मीमीमि, मीन्मि, मीन्वः, मीन्मः ॥
- २ मेमीम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मे-मीमीतु, मीन्तु, मीन्तात्, मीन्ताम्, मीमतु, मींहि, मीन्तात्, मीन्तम्, मीन्त, मीमानि, मीमाव, मीमाम ॥
- ४ अमेमी-मीत्, न्, न्ताम्, सुः, मीः, न्, न्तम्, न्त, मम्, न्व, न्म ॥
- ५ अमेमीम्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मेमीमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमीम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमीमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमीमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमीमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३६६ गम् (गम्) गतौ ॥

- १ ज-जमीति, जन्ति, जन्तः, जमति, जमीषि, जंसि, जन्थः, जन्थ, जमीमि, जन्मि, जन्वः, जन्मः ॥
- २ जजम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ज-जमीतु, जन्तु, जन्तात्, जन्ताम्, जमतु, जंहि, जन्तात्, जन्तम्, जन्त, जमानि, जमाव, जमाम ॥
- ४ अज-जमीत्, जन्, जन्ताम्, जन्नुः, जमीः, जन्, जन्तम्, जन्त, जमम्, जन्व, जन्म ॥
- ५ अजजम्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जजम्मा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जजम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जजमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जजमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजजमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३६७ हय (हय्) गतौ ॥

- १ जा-हयीति, हति, हतः, हयति, हयीषि, हसि, हथः, हथ, हयीमि, हामि, हावः, हामः ॥
- २ जाहय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाह-यीतु, तु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अजा-हयीत्, हत्, हताम्, हयुः, हयीः, हः, हतम्, हत, हयम्, हाव, हाम ॥
- ५ अजाहय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाहया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाहय्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाहयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाहयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाहयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३६८ हर्य (हर्य) गतौ ॥

- १ जाह—याति, ति, तैः, र्यति, याषि, षि, थेः, थे, यासि, मि, वः, मेः ॥
 २ जाहर्ह—यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
 ३ जाह—यातु, तु, तात्, ताम्, र्यतु, हिं, तात्, तैम्, तै, याणि, याव, यामि ॥
 ४ अजाह—यात्, : , ताम्, युः, याः, : , तैम्, तै, यैम्, व, मे ॥
 ५ अजाहर्यु—ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
 ६ जाहर्या—ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 ७ जाहर्य्या—त्, स्ताम्, सुः, : , स्ताम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
 ८ जाहर्यिता—”, रै, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
 ९ जाहर्यिष्य—अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आसि, आवः, आमः ॥
 १० अजाहर्यिष्य—अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३६९ मव्य (मव्य्) बन्धने ॥

- १ मा-मव्यीति, मौति, मौतः, मव्यति, मव्यीषि, मौषि,
मौथः, मौथ, मव्यमि, मौमि, मौवः, मावः, मौमः ॥
२ मामव्य्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
३ मा-मव्यीतु, मौतु, मौतात्, मौताम्, मव्यतु, मौहि,
मौतात्, मौतम्, मौत, मव्यानि, मव्याव, मव्याम ॥
४ अमा-मव्यीत्, मौत्, मौताम्, मव्युः, मव्यीः, मौः,
मौतम्, मौत, मव्यम्, मौव, माव, मौमः ॥
५ अमामव्य्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इव्व, इष्म ॥
६ मामव्या-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ ग्रामव्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
८ मामव्यिता-” , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
९ मामव्यिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
१० अमामव्यिष्य्-अत्, अताम्, अन्, जः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

३७० सूक्ष्म (सूक्ष्म) ईष्यार्थः ॥

- १ सोसू-क्षीति, क्षिष्ट, क्षतेः, क्षयति, क्षयीषि, किंक्ष, क्षतेः,
क्षते, क्षयामि, क्षिप्त, क्ष्वेः, क्षमे ॥
२ सोसूक्ष्य-यात, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
३ सोसू-क्षीतु, क्षते, क्षात, क्षाम्, क्षयतु, गिद्ध, क्षात,
क्षम्, क्षते, क्ष्याणि, क्ष्याव, क्ष्याम ॥
४ असोसू-क्षीत, क्, क्षाम्, क्षुः, क्षीः, क्, क्षम्,
क्षते, क्षयम्, क्ष्वे, क्षमे ॥
५ असोसूक्ष्य-ईत, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
६ सोसूक्ष्या-ब्रकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ सोसूक्ष्या-त, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
८ सोसूक्ष्यिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सिम्, स्वः, स्मः ॥
९ सोसूक्ष्यिष्य-अति, अतः, अन्ति, अक्षि, अथः,
अथ, आमि, आवः, आमः ॥
१० असोसूक्ष्यिष्य-अत, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

३७१ शुच्यै (शुच्य्) अभिषवे ॥

- १ शो-शोक्ति, शुच्यीति, शुक्तः, शुच्यति, शुच्यीषि, शोक्षि,
शुक्थः, शुक्थ, शुच्यीमि, शोचिमि, शुच्वः, शुचमः ॥
२ शोशुच्य-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
३ शोशोक्तु, शोशु-च्यीतु, क्तात्, क्ताम्, च्यतु, गिध,
क्तात्, क्तम्, क्त, च्यानि, च्याव, च्याम ॥
४ अशो-शुच्यीत्, शोक्, शुक्ताम्, शुच्युः, शुच्यीः, शोक्,
शुक्ताम्, शुक्त, शुच्यम्, शुच्व, शुचम ॥
५ अशोशुच्य-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
६ शोशुच्या-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ शोशुच्यया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
८ शोशुच्यिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
९ शोशुच्यिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
१० अशोशुच्यिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

३७२ चुच्यै (चुच्य्) अभिषवे ॥

- १ चो-चुच्यीति, चोक्ति, चुक्तः, चुच्यति, चुच्यीषि, चोक्षि, चुक्थः, चुक्थ, चुच्यीमि, चोचिमि, चुच्वः, चुचमः ॥
- २ चोचुच्य-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोचोक्तु, चोचु-च्यीतु, क्तात्, क्ताम्, च्यतु, ग्धि, क्तात्, क्म, क्, च्यानि, च्याव, च्याम ॥
- ४ अचो-चोक्, चुच्यीत्, चुक्ताम्, चुच्युः, चुच्यीः, चोक्, चुक्म, चुक्त, चुच्यम्, चुच्व, चुचम ॥
- ५ अचोचुच्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोचुच्या-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोचुच्य-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोचुच्यिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोचुच्यिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोचुच्यिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३७३ त्सर (त्सर्) छबगतौ ॥

- १ तात्स-रीति, तिं, तैः, रति, रोषि, विं, थैः, थै, रीमि, मिं, वैः, मैः ॥
- २ तात्सर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात्स-रीतु, तुं, तात्, ताम्, रतु, हिं, तात्, तैम्, तै, राणि, राव, राम ॥
- ४ अतात्स-रीत्, रः, ताम्, रुः, रीः, रै, तैम्, तै, रम्, र्व, र्म ॥
- ५ अतात्सार-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तात्सरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तात्सर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तात्सरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तात्सरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतात्सरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३७४ क्मर (क्मर्) हूर्छने ॥

- १ चाक्म-रीति, तिं, तैः, रति, रोषि, विं, थैः, थै, रीमि, मिं, वैः, मैः ॥
- २ चाक्मर-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक्म-रीतु, तुं, तात्, ताम्, रतु, हिं, तात्, तैम्, तै, राणि, राव, राम ॥
- ४ अचाक्म-रीत्, रः, ताम्, रुः, रीः, रै, तैम्, तै, रम्, र्व, र्म ॥
- ५ अचाक्मर-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाक्मरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाक्मर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाक्मरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाक्मरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाक्मरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३७५ बभ्र (बभ्र्) गतौ ॥

- १ बाव-भ्रीति, भ्रति, भ्रतः, भ्रति, भ्रीषि, भ्रिषि, भ्रथः, भ्रथ, भ्रीमि, भ्रमि, भ्रवः, भ्रमः ॥
- २ बावभ्र-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाव-भ्रीतु, भ्रतु, भ्रतात्, भ्रताम्, भ्रतु, भ्रहि, भ्रतात्, भ्रतम्, भ्रत, भ्राणि, भ्राव, भ्राम ॥
- ४ अबा-वभ्रीत्, भप्, वभ्रताम्, वभ्रुः, वभ्रीः, भप्, वभ्रतम्, वभ्रत, वभ्रम्, वभ्रव, वभ्रम ॥
- ५ अबावभ्र-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बावभ्रा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बावभ्र्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बावभ्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बावभ्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबावभ्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३७६ मभ्र (मभ्र) गतौ ॥

- १ मभ्र-भ्रीति, भ्रति, भ्रतः, भ्रति, भ्रीषि, भ्रषि, भ्रथः, भ्रथ, भ्रीमि, भ्रमि, भ्रवः, भ्रमः ॥
- २ मभ्र-यात्, याताम्, युः याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मभ्र-भ्रीतु, भ्रतु, भ्रतात्, भ्रताम्, भ्रतु, भ्रहि, भ्रतात्, भ्रतम्, भ्रत, भ्राणि, भ्राव, भ्राम ॥
- ४ अमभ्र-भ्रीत्, प, भ्रताम्, भ्रुः, भ्रीः, प, भ्रतम्, भ्रत, भ्रम्, भ्रव, भ्रम् ॥
- ५ अमभ्र-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मभ्र-ञ्कार इ० ॥ म्बभ्रव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मभ्र-यात्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मभ्र-रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मभ्र-रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमभ्र-रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३७७ चर (चर्) भक्षणे च ॥

- १ च-चुरीति, चूर्ति, चूर्तः, चुरति, चुरीषि, चूर्षि, चूर्थः, चूर्थ, चूर्मि, चुरीमि, चूर्वः, चूर्मः ॥
- २ च-यात्, याताम्, युः याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ च-चुरीतु, चूर्तु, चूर्तात्, चूर्ताम्, चुरतु, चूर्हि, चूर्तात्, चूर्तम्, चूर्त, चुराणि, चुराव, चूराम ॥
- ४ अच-चुरीत्, चू, चूर्ताम्, चुरूः, चुरीः, चू, चूर्तम्, चूर्त, चुरम्, चूर्व, चूर्म ॥
- ५ अच-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ च-ञ्कार इ० ॥ म्बचव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ च-यात्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ च-रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ च-रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अच-रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३७८ धोर (धोर्) गतिधातुयें ॥

- १ धो-रीति, ति, तैः, रति, रीषि, रि, र्थः, र्थ, रीमि, रि, र्वः, र्मः ॥
- २ धो-यात्, याताम्, युः याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ धो-रीतु, तु, तात्, ताम्, रतु, हि, तात्, तैम्, तै, राणि, राव, राम ॥
- ४ अधो-रीत्, तै, ताम्, रुः, रीः, तैम्, तै, रम्, र्व, र्म ॥
- ५ अधो-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ धो-ञ्कार इ० ॥ म्बधोव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ धो-यात्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ धो-रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ धो-रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अधो-रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३७९ खोर (खोर्) प्रतिघाते ॥

- १ खो-रीति, ति, तैः, रति, रीषि, रि, र्थः, र्थ, रीमि, रि, र्वः, र्मः ॥
- २ खो-यात्, याताम्, युः याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ खो-रीतु, तु, तात्, ताम्, रतु, हि, तात्, तैम्, तै, राणि, राव, राम ॥
- ४ अखो-रीत्, तै, ताम्, रुः, रीः, तैम्, तै, रम्, र्व, र्म ॥
- ५ अखो-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ खो-ञ्कार इ० ॥ म्बखोव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ खो-यात्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ खो-रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ खो-रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अखो-रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३८० दल (दल्) विशरणे ॥

- १ दाद-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ दादल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाद-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अदाद-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अदादाल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दादला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दादलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदादलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लकारस्य सानुनासिकत्वे दन्दलीति-इत्यादि ॥

३८१ जिफला (फल्) विशरणे ॥

- १ पम्फु-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ पम्फुल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पम्फु-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अपम्फु-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अपम्फुल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पम्फुला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पम्फुल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पम्फुलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पम्फुलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपम्फुलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३८२ मील (मील) निमेषणे ॥

- १ मेमी-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ मेमील्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमी-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अमेमी-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अमेमील्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मेमीला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमील्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमीलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमीलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमीलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३८३ श्मील (श्मील्) निमेषणे ॥

- १ शेश्मी-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ शेश्मील्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शेश्मी-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अशेश्मी-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अशेश्मील्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शेश्मीला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेश्मील्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शेश्मीलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेश्मीलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशेश्मीलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३८४ स्मील (स्मील्) निमेषणे ॥

- १ सेस्मी-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, ल्षि, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम्, ल्वः, ल्मः ॥
- २ सेस्मील्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सेस्मी-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ असेस्मी-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ असेस्मील्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सेस्मीला-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेस्मील्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेस्मीलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेस्मीलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असेस्मीलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३८५ क्षमील (क्षमील्) निमेषणे ॥

- १ चेक्षमी-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, ल्षि, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम्, ल्वः, ल्मः ॥
- २ चेक्षमील्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेक्षमी-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचेक्षमी-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अचेक्षमील्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चेक्षमीला-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेक्षमील्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेक्षमीलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेक्षमीलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेक्षमीलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३८६ पील (पील्) प्रतिष्ठम्भे ॥

- १ पेपी-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, ल्षि, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम्, ल्वः, ल्मः ॥
- २ पेपील्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पेपी-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अपेपी-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अपेपील्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पेपीला-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपील्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपीलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपीलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेपीलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३८७ नील (नील्) वर्णे ॥

- १ नेनी-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, ल्षि, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम्, ल्वः, ल्मः ॥
- २ नेनील्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नेनी-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अनेनी-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अनेनील्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नेनीला-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनील्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनीलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनीलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनेनीलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३८८ शील (शील) समाधौ ॥

- १ शोशी-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ शोशील्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शोशी-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अशोशी-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अशोशील्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शोशीला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशील्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशीलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशीलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोशीलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३८९ कील (कील) बन्धे ॥

- १ चेकी-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ चेकील्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेकी-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचेकी-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अचेकील्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेकीला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेकील्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेकीलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेकीलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेकीलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३९० कूल (कूल) आवरणे ॥

- १ चोक्-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ चोकूल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोक्-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचोक्-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अचोकूल्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोकूला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकूल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकूलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकूलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकूलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३९१ शूल (शूल) रुजायाम् ॥

- १ शोशू-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ शोशूल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शोशू-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अशोशू-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अशोशूल्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शोशूला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशूल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशूलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशूलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोशूलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३९२ तूल (तूल) निष्कर्षे ॥

- १ तोतू-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, ल्वि, ल्यः, ल्य, लीमि, ल्मि, ल्वः, ल्मः ॥
- २ तोतूल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ तोतू-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, ल्तु, ल्हि, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम् ॥
- ४ अतोतू-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अतोतूल-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतूला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतूल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतूलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतूलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतूलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३९३ पूल (पूल) संघाते ॥

- १ पोपू-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, ल्वि, ल्यः, ल्य, लीमि, ल्मि, ल्वः, ल्मः ॥
- २ पोपूल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ पोपू-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, ल्तु, ल्हि, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम् ॥
- ४ अपोपू-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अपोपूल-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोपूला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपूल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपूलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपूलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोपूलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३९४ मूल (मूल) प्रतिष्ठायाम् ॥

- १ मोमू-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, ल्वि, ल्यः, ल्य, लीमि, ल्मि, ल्वः, ल्मः ॥
- २ मोमूल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ मोमू-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, ल्तु, ल्हि, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम् ॥
- ४ अमोमू-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अमोमूल-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमूला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमूल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमूलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमूलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमोमूलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३९५ फल (फल) निष्पत्तौ । जिफला ३८१ वद्रूपाणि

३९६ फुल्ल (फुल्ल) विकसने ॥

- १ पोफु-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, ल्वि, ल्यः, ल्य, लीमि, ल्मि, ल्वः, ल्मः ॥
- २ पोफुल्ल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ पोफुल्ल-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, ल्तु, ल्हि, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम् ॥
- ४ अपोफु-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अपोफुल्ल-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोफुल्ला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोफुल्ल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोफुल्लिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोफुल्लिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोफुल्लिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

३९७ चुल्ल (चुल्ल) हावकरणे ॥

- १ चोचु-लीति, लित्, लतः, लति, लीषि, लिष, लथः, लथ, लीमि, लिम, ल्वः, ल्वः ॥
- २ चोचुल्ल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोचुल्ल-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचोचु-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्व ॥
- ५ अचोचुल्ल-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्व ॥
- ६ चोचुल्ला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोचुल्ल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोचुल्लिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोचुल्लिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोचुल्लिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

३९८ चिल्ल (चिल्ल) शैथिल्ये च ॥

- १ चेचिल्-लीति, लित्, लतः, लति, लीषि, लिष, लथः, लथ, लीमि, लिम, ल्वः, ल्वः ॥
- २ चेचिल्ल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेचिल्-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचेचि-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्व ॥
- ५ अचेचिल्ल-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्व ॥
- ६ चेचिल्ला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेचिल्ल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेचिल्लिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेचिल्लिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेचिल्लिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

३९९ पेल (पेल) गतौ ॥

- १ पेपे-लीति, लित्, लतः, लति, लीषि, लिष, लथः, लथ, लीमि, लिम, ल्वः, ल्वः ॥
- २ पेपेल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पेपे-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अपेपे-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्व ॥
- ५ अपेपेल-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्व ॥
- ६ पेपेला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपेल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेपेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

४०० फेल (फेल) गतौ ॥

- १ फेफे-लीति, लित्, लतः, लति, लीषि, लिष, लथः, लथ, लीमि, लिम, ल्वः, ल्वः ॥
- २ फेफेल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ फेफे-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अपेफे-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्व ॥
- ५ अपेफेल-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्व ॥
- ६ फेफेला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ फेफेल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ फेफेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ फेफेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेफेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

४०१ शेल (शेल्) गतौ ॥

- १ शेशे-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीभि, लिमि, ल्वः, ल्मः ॥
- २ शेशेल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शेशे-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अशेशे-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अशेशेल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शेशेला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेशेल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सस्, स्त, स्म ॥
- ८ शेशेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेशेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशेशेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४०२ षेल (षेल्) गतौ ॥

- १ षेषे-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिमि, ल्वः, ल्मः ॥
- २ षेषेल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ षेषे-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अषेषे-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अषेषेल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ षेषेला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ षेषेल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सस्, स्त, स्म ॥
- ८ षेषेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ षेषेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अषेषेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४०३ सेल (सेल्) गतौ ॥

- १ सेसे-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिमि, ल्वः, ल्मः ॥
- २ सेसेल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सेसे-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ असेसे-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ असेसेल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सेसेला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेसेल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सस्, स्त, स्म ॥
- ८ सेसेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेसेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असेसेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४०४ वेह (वेहल्) गतौ ॥

- १ वेवेह-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिमि, ल्वः, ल्मः ॥
- २ वेवेहल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवेह-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अवेवे-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अवेवेहल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वेवेह्ला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेवेह्ल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सस्, स्त, स्म ॥
- ८ वेवेह्लिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेह्लिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेह्लिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४०५ सल (सल्) गतौ ॥

- १ सास-लीति, लित्, लतः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिमि, ल्वः, ल्वः ॥
- २ सासल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास-लीतु, लु, लात्, लात्, लाम्, लु, लिह, लात्, लाम्, लत्, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ असास-लीत्, ल्, लात्, लुः, लीः, ल्, लतम्, लत्, लम्, ल्व, ल्व ॥
- ५ असासाल्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ सासला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्त, स्तम् ॥
- ८ सासलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असासलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लस्यानुनासिकत्वपक्षे संसलीति-इत्यादि ॥

४०६ तिल (तिल्) गतौ ॥

- १ ते-तिलीति, तेत्ति, तिल्लः, तिलति, तिलीषि, तेत्वि, तिल्यः, तिल्य, तिलीमि, तेत्ति, तिल्वः, तिल्वः ॥
- २ तेतिल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तेतेल्लु, तेति-लीतु, लु, लात्, लात्, लाम्, लु, लिह, लात्, लाम्, लत्, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अते-तेल्, तिलीत्, तिल्लाम्, तिल्लुः, तिलीः, तेल्, तिल्लम्, तिल्ल, तिलम्, तिल्व, तिल्व ॥
- ५ अतेतेल्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ तेतेला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेतिल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्त, स्तम् ॥
- ८ तेतेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेतेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेतेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४०७ तिष्ठ (तिल्ल) गतौ ॥

- १ तेतिल्-लीति, लित्, लतः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिमि, ल्वः, ल्वः ॥
- २ तेतिल्ल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तेतिल्-लीतु, लु, लात्, लात्, लाम्, लु, लिह, लात्, लाम्, लत्, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अतेतिल्-लीत्, ल्, लात्, लुः, लीः, ल्, लतम्, लत्, लम्, ल्व, ल्व ॥
- ५ अतेतिल्ल-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ तेतिल्ला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेतिल्ल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्त, स्तम् ॥
- ८ तेतिल्लिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेतिल्लिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेतिल्लिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४०८ पल्ल (पल्ल) गतौ ॥

- १ पापल्-लीति, लित्, लतः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिमि, ल्वः, ल्वः ॥
- २ पापल्ल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पापल्-लीतु, लु, लात्, लात्, लाम्, लु, लिह, लात्, लाम्, लत्, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अपापल्-लीत्, ल्, लात्, लुः, लीः, ल्, लतम्, लत्, लम्, ल्व, ल्व ॥
- ५ अपापल्ल-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ पापल्ला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापल्ल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्त, स्तम् ॥
- ८ पापल्लिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापल्लिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपापल्लिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लस्यानुनासिकत्वपक्षे पंपल्लोतीत्यादि ॥

४१० वेल्ह (वेल्) चलने ॥

१ वेवेल्-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, ल्षि, ल्यः, ल्य,
लीमि, ल्मि, ल्वः, ल्मः ॥

२ वेवेल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥

३ वेवेल्-लीवु, ल्वु, ल्तात्, ल्ताम्, ल्तु, ल्हि, ल्तात्,
ल्ताम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥

४ अवेवेल्-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्ताम्, ल्त,
लम्, ल्व, ल्म ॥

५ अवेवेल्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्, इष्म ॥

६ वेवेल्-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ वेवेल्-या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ वेवेल्-ता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ वेवेल्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥

१० अवेवेल्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१ वेवे-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, ल्वि, ल्यः, ल्यथ,
लीमि, ल्मि, ल्वः, ल्मः ॥

२ वेवेल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥

३ वेवे-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लुतु, ल्हि, ल्तात्,
ल्ताम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥

४ अवेवे-लीत्, ल्, ल्ताम्, लः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त,
लम्, ल्व, ल्म ॥

५ अवेवेल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥

६ वेवेला-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ वेवेल्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ वेवेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ वेवेलिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥

१० अवेवेलिण्य्-अत्, अताम्, अन, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

४१२ केल (केल्) चलने ॥

१ चेचे-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य,
लीमि, लिमि, ल्वः, लम् ॥

२ चेचेल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम् ॥

३ चेचे-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्,
लतम्, लत, लानि, लाव, लाम् ॥

४ अचेचे-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, लतम्,
लत, लम्, ल्व, लम् ॥

५ अचेचेल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥

६ चेचेला-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ चेचेल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ चेचेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ चेचेलिष्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥

१० अचेचेलिष्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

१ चेके-लीति, लि, लतः, लति, लीषि, लिष, ल्यः ल्य,
लीमि, लिमि, ल्वः, ल्वः ॥

२ चेकेल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥

३ चेके-लीटु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लुटु, लिह, ल्तात्,
ल्वम्, ल्व, ल्वानि, ल्वव, ल्वम् ॥

४ अचेके-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्वम्, ल्व,
ल्वम्, ल्व, ल्वम् ॥

५ अचेकेल्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥

६ चेकेला-ञकार इ० ॥ भवभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ चेकेल्या-त्, स्ताम्, लुः, स्तम्, स्त, सम्, स्त, स्तम् ॥

८ चेकेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, स्वः, स्मः ॥

९ चेकेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥

१० अचेकेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्,
अम्, आव, आम ॥

४१३ केल (केल्) चलने ॥

- १ चेके-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, लमः ॥
- २ चेकेल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेके-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचेके-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, लम ॥
- ५ अचेकेल्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चेकेला-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेकेल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेकेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेकेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेकेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४१४ खेल (खेल्) चलने ॥

- १ चेखे-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, लमः ॥
- २ चेखेल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेखे-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचेखे-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, लम ॥
- ५ अचेखेल्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चेखेला-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेखेल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेखेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेखेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेखेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४१५ स्खल (स्खल्) चलने ॥

- १ चास्ख-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, लमः ॥
- २ चास्खल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चास्ख-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचास्ख-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, लम ॥
- ५ अचास्खल्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चास्खला-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चास्खल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चास्खलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चास्खलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचास्खलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चास्ख स्थाने चंख इति बोध्यम् ।

४१६ खल (खल्) संचये च ॥

- १ चाख-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, लमः ॥
- २ चाखल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाख-लीतु, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचाख-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, लम ॥
- ५ अचाखल्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाखला-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाखल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाखलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाखलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचाखलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चाख स्थाने चंख, चङ्ग इति च ज्ञेयम् ।

४१७ श्वल् (श्वल्) आशुगतौ ॥

- १ शाश्व-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ शाश्वल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्व-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अशाश्व-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अशाश्वल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाश्वला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्वल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्वलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्वलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशाश्वलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे-शाश्व-स्थाने शंश्च इति च ज्ञेयम् ।

४१८ श्वल् (श्वल्) आशुगतौ ॥

- १ शाश्वल्-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ शाश्वल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्वल्-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अशाश्व-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अशाश्वल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाश्वला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्वल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्वलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्वलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशाश्वलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे शा स्थाने शं इति ज्ञेयम् ॥

४१९ गल् (गल्) अदने ॥

- १ जाग-लीति, लित्, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ जागल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाग-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अजाग-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अजागल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जागला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजागलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे जाग-स्थाने जंग, जङ्ग, इति च ज्ञेयम् ।

४२० चर्व (चर्व) अदने ॥

- १ चाच-वीति, ति, तैः, वेति, वीषि, विष, थैः, थै, वीमि, वी, मैः ॥
- २ चाचर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाच-वीतु, तु, तात्, ताम्, वेतु, हिं, तात्, तैम्, तै, वीणि, वाव, वाम ॥
- ४ अचाच-वीत्, तै, ताम्, तुः, वीः, तै, तैम्, तै, वेम्, वै, मै ॥
- ५ अचाचर्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाचर्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाचर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाचर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाचर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचाचर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, चाचर्यादित्यादौ यकारे परे वलोपविकल्पेन चाचर्व्यादित्याद्यपि

४२१ पूर्व (पूर्व) पूरणे ॥

- १ पोपू-वीति, ति, तः, वेति, वीषि, वि, थः, थ, वीमि, मि, वे, मे ॥
- २ पोपूर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥ [त, वीणि, वीव, वीम ॥
- ३ पोपू-वीतु, तु, तीत्, तीम्, वीतु, हि, तीत्, तीम्, ४ अपोपू-वीत्, : , तीम्, वीः, वीः, : , तीम्, ती, वीम्, व, मे ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अपोपूर्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, ६ पोपूर्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपूर्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपूर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपूर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपोपूर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पोपूर्वादित्यादौ ये परे पोपूर्वादित्याद्यपि भवति ।

४२२ पूर्व (पूर्व) पूरणे ॥

- १ पाप-वीति, ति, तः, वेति, वीषि, वि, थः, थ, वीमि, मि, वे, मे ॥
- २ पापूर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥ [त, वीणि, वीव, वीम ॥
- ३ पाप-वीतु, तु, तीत्, तीम्, वीतु, हि, तीत्, तीम्, ४ अपाप-वीत्, : , तीम्, वीः, वीः, : , तीम्, ती, वीम्, व, मे ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अपापपूर्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, ६ पापूर्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापूर्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापूर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापूर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपापपूर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पापूर्यादित्यादौ पापूर्यादित्याद्यपि भवति ।

४२३ मर्व (मर्व) पूरणे ॥

४२४ मर्व (मर्व) गतौ ॥

- १ माम-वीति, ति, तः, वेति, वीषि, वि, थः, थ, वीमि, मि, वे, मे ॥ [याव, याम ॥
- २ मामर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, ३ माम-वीतु, तु, तीत्, तीम्, वीतु, हि, तीत्, तीम्, व, वीणि, वीव, वीम ॥
- ४ अमाम-वीत्, : , तीम्, वीः, वीः, : , तीम्, ती, वीम्, व, मे ॥
- ५ अमामर्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मामर्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामूर्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामर्मिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमामर्मिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मामूर्यादित्यादौ पक्षे मामूर्यादित्याद्यपि भवति ।

*४२५ धवु (धन्व) गतौ ॥

- १ दाध-न्वीति, नोति, नूतः, न्वति, न्वीषि, नोषि, नूथः, नूथ, न्वीमि, नोमि, नूवैः, न्वः, नूमः ॥
- २ दाधन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाध-न्वीतु, नोतु, नूतात्, नूताम्, न्वतु, नूहि, नूतात्, नूतम्, नूत, न्वानि, न्वाव, न्वाम ॥
- ४ अदाध-न्वीत्, नोत्, नूताम्, न्वः, न्वीः, नोः, नूतम्, नूत, न्वम्, नूवै, न्व, नूम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अदाधन्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, ६ दाधन्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाधन्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाधन्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाधन्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदाधन्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

* ये परे दाधन् स्थाने दाधन्व इत्यपि बोध्यम् । वस्य सातुनासिकत्वपक्षे सुरतोऽनुनासिकस्येत्यत्रातुनासिकजाति-परिग्रहादतोऽनुनासिकाश्रित्वे पूर्वस्य मावन्ते दाध स्थाने दंध, दन्ध, इति च ज्ञेयम् । मतान्तरे द्वितीयनुवर्त्तनाजटोऽभावे वलोपे तिषि, सिषि, लुवि, दिषि, सिषि च दाधन्ति, दाधंसि, दाधन्तु, अदाधन्, अदाधन् इत्यपि, एवं यथा संभव-मन्यत्रापि वलोपघटितानि रूपाणि बोध्यानि ।

४२१ पूर्व (पूर्व) पूरणे ॥

- १ पोपू-वति, ति, तः, वति, वषि, षि, थः, थ, वमि, मि, वः, मः ॥
- २ पोपूर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥ [तै, वणि, वाव, वमि ॥
- ३ पोपू-वीत्, तु, तात्, ताम्, वतु, हि, तात्, तम्, ४ अपोपू-वीत्, : , ताम्, तु, वीः, : , तम्, तै, वम्, व, म ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अपोपूर्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, ६ पोपूर्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपूर्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपूर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपूर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपोपूर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पोपूर्वादित्यादौ ये परे पोपूर्वादित्याद्यपि भवति ।

४२२ पर्व (पर्व) पूरणे ॥

- १ पाप-वति, ति, तः, वति, वषि, षि, थः, थ, वमि, मि, वः, मः ॥
- २ पापर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥ [तै, वणि, वाव, वमि ॥
- ३ पाप-वीत्, तु, तात्, ताम्, वतु, हि, तात्, तम्, ४ अपाप-वीत्, : , ताम्, तु, वीः, : , तम्, तै, वम्, व, म ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अपापर्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, ६ पापर्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापूर्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपापर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पापर्व्यादित्यादौ पापर्व्यादित्याद्यपि भवति ।

४२३ मर्व (मर्व) पूरणे ॥

४२४ मर्व (मर्व) गतौ ॥

- १ माम-वति, ति, तः, वति, वषि, षि, थः, थ, वमि, मि, वः, मः ॥ [याव, याम ॥
- २ मामर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, ३ माम-वीत्, तु, तात्, ताम्, वतु, हि, तात्, तम्, व, वणि, वाव, वमि ॥
- ४ अमाम-वीत्, : , ताम्, तु, वीः, : , तम्, तै, वम्, व, म ॥
- ५ अमामर्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ मामर्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामूर्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमामर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मामर्व्यादित्यादौ पक्षे मामर्व्यादित्याद्यपि भवति ।

*४२५ धनु (धन्व) गतौ ॥

- १ दाध-वति, नोति, नूतः, न्वति, न्विषि, नोषि, नूथः, नूथ, न्वमि, नोमि, नूवैः, न्वः, नूमः ॥
- २ दाधन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाध-नूतु, नूतु, नूतात्, नूताम्, न्वतु, नूहि, नूतात्, नूतम्, नूत, न्वानि, न्वाव, न्वाम ॥
- ४ अदाध-नूतु, नूतु, नूताम्, नूतुः, न्वीः, नोः, नूतम्, नूत, न्वम्, नूवै, न्व, नूम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अदाधन्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, ६ दाधन्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाधन्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाधन्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाधन्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदाधन्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

* ये परे दाधन् स्थाने दाधन् इत्यपि बोध्यम् । वस्य सानुनासिकत्वपक्षे मुरतोऽनुनासिकस्येत्यत्रानुनासिकजाति-परिग्रहादतोऽनुनासिकाञ्चत्वे पूर्वस्य मावन्ते दाध स्थाने दंध, दन्ध, इति च ज्ञेयम् । मतान्तरे द्वितीयनुवर्तनाकटोऽभावे बलोपे तिबि, सिबि, तुबि, दिबि, सिबि च दाधन्ति, दाधंसि, दाधन्तु, अदाधन्, अदाधन् इत्यपि, एवं यथा संभव-मन्यत्रापि बलोपघटितानि रूपाणि बोध्यानि ।

४२६ शव (श्व) गतौ ॥

- १ शा-शवीति, शौति, शौतः, शवति, शवीषि, शौषि, शौथः, शौथ, शवीमि, शौमि, शौवैः, शावः, शौमः ॥
- २ शाशौ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शा-शवीतु, शौतु, शौतात्, शौताम्, शवतु, शौतात्, शौहि, शौतम्, शौत, शवानि, शवाव, शवाम ॥
- ४ अशा-शवीत्, शौत्, शौताम्, शवुः, शवीः, शौः, शौतम्, शौत, शवम्, शौवैः, शाव, शौमः ॥
- ५ अशाशव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अशाशव्-इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाशवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशौया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशाशविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, यादौ प्रत्यये शाशौयादित्यादौ शाशव्यादित्याद्यपि भवति । पक्षे शा-स्थाने शं-इति ज्ञेयम् ।

४२७ कर्व (कर्व) दर्पे ॥

- १ चाक-वीति, तिं, तैः, वेति, वीषि, विं, थैः, थै, वीमि, मिं, वैः, मेः ॥
- २ चाकर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-वीतु, तुं, तात्, ताम्, वेतु, हिं, तात्, तैम्, तै, वीषि, वाव, वीमि ॥
- ४ अचाक-वीत्, : , ताम्, तुं, वीः, : , तैम्, तै, वैम्, वै, मे ॥
- ५ अचाकर्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकर्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकर्व्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचाकर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, चाकर्व्यादित्यादौ ये परे वलोपे चाकर्वादित्याद्यपि ।

४२८ खर्व (खर्व) दर्पे ॥

- १ चाख-वीति, तिं, तैः, वेति, वीषि, विं, थैः, थै, वीमि, मिं, वैः, मेः ॥
- २ चाखर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाख-वीतु, तुं, तात्, ताम्, वेतु, हिं, तात्, तैम्, तै, वीषि, वाव, वीमि ॥
- ४ अचाख-वीत्, : , ताम्, तुं, वीः, : , तैम्, तै, वैम्, वै, मे ॥
- ५ अचाखर्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाखर्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाखर्व्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाखर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाखर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचाखर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, चाखर्व्यादित्यादौ ये परे वलोपे चाखर्व्यादित्याद्यपि भवति ।

४२९ गर्व (गर्व) दर्पे ॥

- १ जाग-वीति, तिं, तैः, वेति, वीषि, विं, थैः, थै, वीमि, मिं, वैः, मेः ॥
- २ जागर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाग-वीतु, तुं, तात्, ताम्, वेतु, हिं, तात्, तैम्, तै, वीषि, वाव, वीमि ॥
- ४ अजाग-वीत्, : , ताम्, तुं, वीः, : , तैम्, तै, वैम्, वै, मे ॥
- ५ अजागर्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जागर्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागर्व्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजागर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, जागर्व्यादित्यादौ ये परे वलोपे जागर्व्यादित्याद्यपि भवति ।

४३४ मीव (मीव्) स्थौल्ये ॥

- १ मे-मीवीति, म्योति, म्युतः, मीवति, मीवीषि, म्योषि, म्यूथः, म्यूथ, मीवीमि, म्योमि, म्यूवैः, मीवः, म्यूमः ॥
- २ मेम्यु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मे-मीवीतु, म्योतु, म्युतात्, म्युताम्, मीवतु, म्युहि, म्युतात्, म्युतम्, म्युत, मीवानि, मीवाव, मीवाम ॥
- ४ अमे-मीवीत्, म्योत्, म्युताम्, मीवुः, मीवीः, म्योः, म्युतम्, म्युत, मीवम्, म्युवै, मीव, म्यूम ॥
- ५ अमेमीव-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मेमीवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेम्युया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमीविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमीविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमेमीविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मेम्युयादित्यादौ ये परे मेमीव्यादित्याद्यपि भवति ।

४३५ तीव (तीव्) स्थौल्ये ॥

- १ ते-तिवीति, ल्योति, ल्युतः, तीवति, तीवीषि, ल्योषि, ल्यूथः, ल्यूथ, तीवीमि, ल्योमि, ल्युवैः, तीवः, ल्यूमः ॥
- २ तेत्यु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ते-तीवीतु, ल्योतु, ल्युतात्, ल्युताम्, तीवतु, ल्युहि, ल्युतात्, ल्युतम्, ल्युत, तीवानि, तीवाव, तीवाम ॥
- ४ अते-तीवीत्, ल्योत्, ल्युताम्, तीवुः, तीवीः, ल्योः, ल्युतम्, ल्युत, तीवम्, ल्युवै, तीव, ल्यूम ॥
- ५ अतेतीव-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तेतीवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेत्युया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेतीविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेतीविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतेतीविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, तेत्युयादित्यादौ ये परे तेतीव्यादित्याद्यपि भवति ।

४३६ नीव (नीव्) स्थौल्ये ॥

- १ ने-नीवीति, न्योति, न्युतः, नीवति, नीवीषि, न्योषि, न्यूथः, न्यूथ, नीवीमि, न्योमि, न्युवैः, नीवः, न्यूमः ॥
- २ नेन्यु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ने-नीवीतु, न्योतु, न्युतात्, न्युताम्, नीवतु, न्युहि, न्युतात्, न्युतम्, न्युत, नीवानि, नीवाव, नीवाम ॥
- ४ अने-नीवीत्, न्योत्, न्युताम्, नीवुः, नीवीः, न्योः, न्युतम्, न्युत, नीवम्, न्युवै, नीव, न्यूम ॥
- ५ अनेनीव-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नेनीवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेन्युया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनीविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनीविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अनेनीविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, नेन्युयादित्यादौ ये परे नेनीव्यादित्याद्यपि भवति ।

४३७ तुर्वे (तुर्व्) हिंसायाम् ॥

- १ तो-तुर्वीति, तोर्ति, तुर्तः, तुर्वति, तुर्वीषि, तोर्षि, तुर्थः, तुर्थ, तुर्वीमि, तोर्मि, तुर्वैः, तुर्मः ॥
- २ तोतुर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतोर्तु, तोतु-वीत्, तात्, ताम्, वीत्, हिं, तात्, तम्, तै, वीणि, वीव, वीमि ॥
- ४ अतोतु-तुर्वीत्, तोः, तुर्ताम्, तुर्तुः, तुर्वीः, तोः, तुर्तम्, तुर्त, तुर्वम्, तुर्व, तुर्म ॥
- ५ अतोतुर्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तोतुर्वा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुर्व्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतुर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतुर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतोतुर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, तोतुर्व्यादित्यादौ ये परे तोतुर्व्यादित्याद्यपि भवति ।

४३८ धुर्वै (धुर्व) हिंसायाम् ॥

- १ तो-धूर्वाति, धोर्ति, धूर्तः, धूर्वति, धूर्वाषि, धोर्षि, धूर्थः, धूर्थः, धूर्वामि, धोर्मि, धूर्वः, धूर्मः ॥
- २ तोधूर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोधोर्तु, तोधू-र्वात्, तुं, तात्, ताम्, वर्तु, हिं, तात्, तम्, तं, वाणि, वाव, वामि ॥
- ४ अतो-धूर्वात्, धोः, धूर्ताम्, धूर्वुः, धूर्वाः, धोः, धूर्तम्, धूर्त, धूर्वम्, धूर्व, धूर्म ॥
- ५ अतोधूर्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ तोधूर्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोधूर्वा-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोधूर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोधूर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतोधूर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, तोधूर्वादित्यादौ ये परे वलोपे तोधूर्वादित्याद्यपि ।

४४० धुर्वै (धुर्व) हिंसायाम् ॥

- १ दो-धूर्वाति, धोर्ति, धूर्तः, धूर्वति, धूर्वाषि, धोर्षि, धूर्थः, धूर्थः, धूर्वामि, धोर्मि, धूर्वः, धूर्मः ॥
- २ दोधूर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दोधोर्तु, दोधू-र्वात्, तुं, तात्, ताम्, वर्तु, हिं, तात्, तम्, तं, वाणि, वाव, वामि ॥
- ४ अदो-धूर्वात्, धोः, धूर्ताम्, धूर्वुः, धूर्वाः, धोः, धूर्तम्, धूर्त, धूर्वम्, धूर्व, धूर्म ॥
- ५ अदोधूर्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ दोधूर्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोधूर्वा-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दोधूर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोधूर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदोधूर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, दोधूर्वादित्यादौ वलोपाभावे दोधूर्वादित्याद्यपि भवति ।

४३९ दुर्वै (दुर्व) हिंसायाम् ॥

- १ दो-दूर्वाति, दोर्ति, दूर्तः, दूर्वति, दूर्वाषि, दोर्षि, दूर्थः, दूर्थः, दूर्वामि, दोर्मि, दूर्वः, दूर्मः ॥
- २ दोदूर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दोदोर्तु, दोदू-र्वात्, तुं, तात्, ताम्, वर्तु, हिं, तात्, तम्, तं, वाणि, वाव, वामि ॥
- ४ अदो-दूर्वात्, दोः, दूर्ताम्, दूर्वुः, दूर्वाः, दोः, दूर्तम्, दूर्त, दूर्वम्, दूर्व, दूर्म ॥
- ५ अदोदूर्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ दोदूर्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोदूर्वा-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दोदूर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोदूर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदोदूर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, दोदूर्वादित्यादौ ये परे वलोपाभावे दोदूर्वादित्याद्यपि ।

४४१ जुर्वै (जुर्व) हिंसायाम् ॥

- १ जो-जूर्वाति, जोर्ति, जूर्तः, जूर्वति, जूर्वाषि, जोर्षि, जूर्थः, जूर्थः, जूर्वामि, जोर्मि, जूर्वः, जूर्मः ॥
- २ जोजूर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोजोर्तु, जोजू-र्वात्, तुं, तात्, ताम्, वर्तु, हिं, तात्, तम्, तं, वाणि, वाव, वामि ॥
- ४ अजो-जूर्वात्, जोः, जूर्ताम्, जूर्वुः, जूर्वाः, जोः, जूर्तम्, जूर्त, जूर्वम्, जूर्व, जूर्म ॥
- ५ अजोजूर्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ जोजूर्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोजूर्वा-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोजूर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोजूर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजोजूर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, जोजूर्वादित्यादौ ये परे वलोपे जोजूर्वादित्याद्यपि भवति ।

४४२ भर्व (भर्व्) हिंसायाम् ॥

- १ बाभ-वीति, तिं, तैः, वति, वीषि, विं, र्थः, र्थ, वीमि, मिं, वैः, मेः ॥
- २ बाभर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभ-वीतु, तुं, तात्, ताम्, वतु, हिं, तात्, तैम्, तै, वीणि, वीव, वीम ॥
- ४ अबाभ-वीत्, ः, ताम्, तुं, वीः, ः, तैम्, तै, वम्, व, मे ॥
- ५ अबाभर्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बाभर्वा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभर्व्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अबाभर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, बाभर्व्यादित्यादौ वलोपे बाभर्व्यादित्याद्यपि भवति ।

४४३ शर्व (शर्व्) हिंसायाम् ॥

- १ शाश-वीति, तिं, तैः, वति, वीषि, विं, र्थः, र्थ, वीमि, मिं, वैः, मेः ॥
- २ शाशर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश-वीतु, तुं, तात्, ताम्, वतु, हिं, तात्, तैम्, तै, वीणि, वीव, वीम ॥
- ४ अशाश-वीत्, ः, ताम्, तुं, वीः, ः, तैम्, तै, वम्, व, मे ॥
- ५ अशाशर्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाशर्वा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशर्व्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशाशर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, शाशर्व्यादित्यादौ ये परे शाशर्व्यादित्याद्यपि भवति ।

४४४ मुर्वै (मुर्व्) बन्धने ॥

- १ मो-मवीति, मोति, मूतः, मूर्वति, मूर्वीषि, मोषि, मूर्थः, मूर्थ, मूर्वीमि, मोमि, मूर्वैः, मूर्मैः ॥
- २ मोमूर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमोर्तु, मोमू-वीतु, तात्, ताम्, वतु, हिं, तात्, तैम्, तै, वीणि, वीव, वीम ॥
- ४ अमो-मूर्वीत्, मोः, मूताम्, मूर्तुः, मूर्वीः, मोः, मूर्तम्, मूर्त, मूर्वम्, मूर्व, मूर्मै ॥
- ५ अमोमूर्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मोमूर्वा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमूर्व्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमूर्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमूर्मिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमोमूर्मिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मोमूर्व्यादित्यादौ ये परे वलोपे मोमूर्व्यादित्याद्यपि भवति ।

४४५ मव (मव्) बन्धने ॥

- १ मा-मवीति, मोति, मूतः, मवति, मवीषि, मोषि, मूथः, मूथ, मवीमि, मोमि, मूर्वैः, मावः, मूमः ॥
- २ मामू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मा-मोतु, मवीतु, मूतात्, मूताम्, मवतु, मूहि, मूतात्, मूतम्, मूत, मवानि, मवाव, मवाम ॥
- ४ अमा-मवीत्, मोत्, मूताम्, मवुः, मवीः, मोः, मूतम्, मूत, मवम्, मूर्वै, माव, मूम ॥
- ५ अमामाव् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मामवा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामूया-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमामविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मामूयादित्यादौ ये परे मामूयादित्याद्यपि भवति ।

४४६ गुर्वै (गुर्वे) उद्यमे ॥

- १ जो-गूर्वाति, गोर्ति, गूर्तः, गूर्वति, गूर्वाषि, गोर्षि, गूर्थः, गूर्थ, गूर्वामि, गोर्मि, गूर्वः, गूर्मः ॥
- २ जोगूर्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोगोर्तु, जोग्-र्वातु, तर्ति, तर्तिम्, वर्तु, हिं, तर्ति, तर्तम्, तर्, वर्णि, वर्ति, वर्म ॥
- ४ अजो-गूर्वात्, गोः, गूर्ताम्, गूर्डः, गूर्वीः, गोः, गूर्ताम्, गूर्तः, गूर्वम्, गूर्व, गूर्म ॥
- ५ अजोगूर्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोगूर्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगूर्वा-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगूर्विता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगूर्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजोगूर्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, जोगूर्वादित्यादौ ये परे वलोपे जोगूर्वादित्याद्यपि भवति ॥

४४७ पिबु (पिब्) सेचने ॥

- १ पेपि-न्वीति, नोति, नूतः, न्वति, न्वीषि, नोषि, नूथः, नूथ, न्वीमि, नोमि, नूवैः, न्वः, न्मः ॥
- २ पेपिन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पेपि-न्वीतु, नोतु, नूतात्, नूताम्, न्वतु, नूहि, नूतात्, नूतम्, नूत, न्वानि, न्वाव, न्वाम ॥
- ४ अपेपि-न्वीत्, नोत्, नूताम्, न्डः, न्वीः, नोः, नूतम्, नूत, न्वम्, नूवै, न्व, न्म ॥
- ५ अपेपिन्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पेपिन्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपिन्वा-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपिन्विता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपिन्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपेपिन्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पेपिन्वादित्यादौ ये परे पेपिन्वादित्याद्यपि भवति ॥

४४८ मिबु (मिब्) सेचने ॥

- १ मेमि-न्वीति, नोति, नूतः, न्वति, न्वीषि, नोषि, नूथः, नूथ, न्वीमि, नोमि, नूवैः, न्वः, न्मः ॥
- २ मेमिन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमि-न्वीतु, नोतु, नूतात्, नूताम्, न्वतु, नूहि, नूतात्, नूतम्, नूत, न्वानि, न्वाव, न्वाम ॥
- ४ अमेमि-न्वीत्, नोत्, नूताम्, न्डः, न्वीः, नोः, नूतम्, नूत, न्वम्, नूवै, न्व, न्म ॥
- ५ अमेमिन्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मेमिन्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमिन्वा-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमिन्विता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमिन्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमेमिन्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मेमिन्वादित्यादौ ये परे मेमिन्वादित्याद्यपि भवति ॥

४४९ निबु (निब्) सेचने ॥

- १ नेनि-न्वीति, नोति, नूतः, न्वति, न्वीषि, नोषि, नूथः, नूथ, न्वीमि, नोमि, नूवैः, न्वः, न्मः ॥
- २ नेनिन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नेनि-न्वीतु, नोतु, नूतात्, नूताम्, न्वतु, नूहि, नूतात्, नूतम्, नूत, न्वानि, न्वाव, न्वाम ॥
- ४ अनेनि-न्वीत्, नोत्, नूताम्, न्डः, न्वीः, नोः, नूतम्, नूत, न्वम्, नूवै, न्व, न्म ॥
- ५ अनेनिन्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नेनिन्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनिन्वा-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनिन्विता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनिन्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अनेनिन्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, नेनिन्वादित्यादौ ये परे नेनिन्वादित्याद्यपि भवति ॥

४५० हिबु (हिन्व्) प्रीणने ॥

- १ जेहि-न्वीति, नोति, नूतः, न्वति, न्वीषि, नोषि, नूथः, नूथ, न्वीमि, नोमि, नूवैः, न्वः, नूमः ॥
- २ जेहिन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेहि-न्वीतु, नोतु, नूतात्, नूताम्, न्वतु, नूहि, नूतात्, नूतम्, नूत, न्वानि, न्वाव, न्वाम ॥
- ४ अजेहि-न्वीत्, नोत्, नूताम्, न्वुः, न्वीः, नोः, नूतम्, नूतम्, नूत, न्वम्, नूवै, न्व, नूम ॥
- ५ अजेहिन्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जेहिन्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेहिन्वा-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेहिन्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेहिन्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजेहिन्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, जेहिन्वादिद्यादौ ये परे जेहिन्वादिद्याद्यपि भवति ।

४५१ दिबु (दिन्व्) प्रीणने ॥

- १ देदि-न्वीति, नोति, नूतः, न्वति, न्वीषि, नोषि, नूथः, नूथ, न्वीमि, नोमि, नूवैः, न्वः, नूमः ॥
- २ देदिन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ देदि-न्वीतु, नोतु, नूतात्, नूताम्, न्वतु, नूहि, नूतात्, नूतम्, नूत, न्वानि, न्वाव, न्वाम ॥
- ४ अदेदि-न्वीत्, नोत्, नूताम्, न्वुः, न्वीः, नोः, नूतम्, नूतम्, नूत, न्वम्, नूवै, न्व, नूम ॥
- ५ अदेदिन्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ देदिन्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देदिन्वा-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देदिन्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देदिन्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदेदिन्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, देदिन्वादिद्यादौ ये परे वकारस्योऽटि देदिन्वादिद्याद्यपि भवति ।

४५२ जिबु (जिन्व्) प्रीणने ॥

- १ जेजि-न्वीति, नोति, नूतः, न्वति, न्वीषि, नोषि, नूथः, नूथ, न्वीमि, नोमि, नूवै, न्वः, नूमः ॥
- २ जेजिन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेजि-न्वीतु, नोतु, नूतात्, नूताम्, न्वतु, नूहि, नूतात्, नूतम्, नूत, न्वानि, न्वाव, न्वाम ॥
- ४ अजेजि-न्वीत्, नोत्, नूताम्, न्वुः, न्वीः, नोः, नूतम्, नूतम्, नूत, न्वम्, नूवै, न्व, नूम ॥
- ५ अजेजिन्व-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जेजिन्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेजिन्वा-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेजिन्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेजिन्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजेजिन्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, जेजिन्वादिद्यादौ ये परे जेजिन्वादिद्याद्यपि भवति ।

४५३ कश (कश्) शब्दे ॥

- १ चाक-शीति, छि, छः, शति, शीषि, क्षि, छः, छ, शीमि, शिम, श्वः, श्मः ॥
- २ चाकश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-शीतु, छु, छात्, छाम्, शतु, छि, छात्, छम्, छ, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अचाक-शीत्, द, इ, छाम्, शुः, शीः, द, छम्, छ, शम्, श्व, श्म ॥
- ५ अचाकाश् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाकश } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकशा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकश्-यात्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४५४ मिश (मिश्) रोषे च ॥

- १ मे-मेष्टि, मिशीति, मिष्टः, मिशति, मिशीषि, मेक्षि, मिष्टः, मिष्ट, मिशीमि, मेक्षि, मिश्वः, मिश्वः ॥
- २ मेमिश-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमेष्टु, मेमि-शीतु, छात्, छाम्, शतु, द्वि, छात्, छम्, छ, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अमे-नेद, मिशीत्, मिष्टाम्, मिष्टुः, मिशीः, नेद, मिष्टम्, मिष्ट, मिशम्, मिश्व, मिश्व ॥
- ५ अमेमेश-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मेमेशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमिश्वा-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमेशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४५५ मश (मश्) रोषे च ॥

- १ माम-शीति, छि, छः, शति, शीषि, क्षि, छः, छ, शीमि, क्षि, श्वः, श्वः ॥
- २ मामश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माम-शीतु, छु छात्, छाम्, शतु, द्वि, छात्, छम्, छ, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अमाम-शीत्, द, द्, छाम्, छुः, शीः, द, द्, छम्, छ, शम्, श्व, श्व ॥
- ५ अमामाश्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अमामाश्-इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत्, अम्, आव, आम ॥

४५६ शश (शश्) लुतिगतौ ॥

- १ शाश-शीति, छि, छः, शति, शीषि, क्षि, छः, छ, शीमि, क्षि, श्वः, श्वः ॥
- २ शाशश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश-शीतु, छु छात्, छाम्, शतु, द्वि, छात्, छम्, छ, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अशाश-शीत्, द, द्, छाम्, छुः, शीः, द, द्, छम्, छ, शम्, श्व, श्व ॥
- ५ अशाशाश्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अशाशाश्-इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाशाशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४५७ णिश (निश्) समाधौ ॥

- १ ने-नेष्टि, निशीति, निष्टः, निशति, निशीषि, नेक्षि, निष्टः, निष्ट, निशीमि, नेक्षि, निश्वः, निश्वः ॥
- २ नेनिश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नेनेष्टु, नेनि-शीतु, छात्, छाम्, शतु, द्वि, छात्, छम्, छ, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अने-नेद, निशीत्, निष्टाम्, निष्टुः, निशीः, नेद, निष्टम्, निष्ट, निशम्, निश्व, निश्व ॥
- ५ अनेनेश्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नेनेशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनिश्वा-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनेशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनेशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनेनेशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत्, अम्, आव, आम ॥

४५८ दृशं (दृश्) प्रेक्षणे ॥

- १ दृरि-दृशीति, दृष्टि, दृष्टः, दृशति, दृशीषि, दृक्षि, दृष्टः, दृष्ट, दृशीमि, दर्शिम, दृश्वः, दृशमः ॥
- २ दृरिदृश-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दृरि-दृशीतु, दृष्टु, दृष्टात्, दृष्टाम्, दृशतु, दृष्टि, दृष्टात्, दृष्टम्, दृष्ट, दृशानि, दृशाव, दृशाम ॥
- ४ अदृरि-दृशीत्, दृद, दृष्टाम्, दृष्टुः, दृशीः, दृद, दृष्टम्, दृष्ट, दृशाम्, दृश्व, दृशम ॥
- ५ अदृरिदर्श-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम ॥
- ६ दृरिदर्श-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दृरिदृश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दृरिदर्शिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दृरिदर्शिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अत, अम्, आव, आम ॥
- १० अदृरिदर्शिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, पक्षे दृरि-स्थाने, दरी, इति, दद, इति च ज्ञेयम् ॥

४५९ दंशं (दंश्) दशने ॥

- १ दन्द-शीति, छि, छः, शति, शीषि, क्षि, छः, छ, शीमि, क्षि, श्वः, श्मः ॥
- २ दन्दश-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दन्द-शीतु, छु, छात्, छाम्, शतु, छि, छात्, छम्, छ, शम्, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अदन्द-शीत्, द, छाम्, छुः, शीः, द, छम्, छ, शम्, श्व, श्म ॥
- ५ अदन्दश-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदन्दश-इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम ॥
- ६ दन्दशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दन्दश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दन्दशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दन्दशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदन्दशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४६० घृष्टं (घृष्) शब्दे ॥

- १ जो-घोष्टि, घृषीति, घृष्टः, घृषति, घृषीषि, घोक्षि, घृष्टः, घृष्ट, घृषीमि, घोष्मि, घृष्वः, घृषमः ॥
- २ जोघृष्ट-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोघोष्टु, जोघु-धीतु, छात्, छाम्, षतु, छि, छात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अजो-घोद, घृषीत्, घृष्टाम्, घृष्टुः, घृषीः, घोद, घृष्टम्, घृष्ट, घृषम्, घृष्व, घृषम ॥
- ५ अजोघोष्ट-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम ॥
- ६ जोघोष्टा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोघृष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोघोषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोघोषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोघोषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४६१ चूषं (चूष्) पाने ॥

- १ चोचू-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, क्षि, प्वः, प्वमः ॥
- २ चोचूष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोचू-पीतु, छु, छात्, छाम्, षतु, छि, छात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अचोचू-धीत्, द, छाम्, छुः, पीः, द, छम्, छ, पम्, प्व, प्वम ॥
- ५ अचोचूष-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम ॥
- ६ चोचूषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोचूष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोचूषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोचूषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोचूषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४६२ तूष् (तूष्) तुष्टौ ॥

- १ तोतू-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ तोतूष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतू-पीतु, छु, छात्, छाम्, षतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अतोतू-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छाम्, छ, षम्, प्व, प्व ॥
- ५ अतोतूष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतूष्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतूष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतूषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतूषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतूषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४६३ पूष् (पूष्) वृद्धौ ॥

- १ पोपू-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ पोपूष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोपू-पीतु, छु, छात्, छाम्, षतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अपोपू-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छाम्, छ, षम्, प्व, प्व ॥
- ५ अपोपूष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोपूष्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपूष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपूषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपूषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोपूषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४६४ लुष् (लुष्) स्तेये ॥

- १ लो-लुषीति, लोष्टि, लुष्टः, लुषति, लुषीषि, लोक्षि, लुष्टः, लुष्ट, लुषमि, लोष्मि, लुष्वः, लुष्मः ॥
- २ लोलुष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलोष्टु, लोलु-पीतु, छात्, छाम्, षतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अलो-लोद, लुषीत्, लुष्टाम्, लुषुः, लुषीः, लोद, लुष्टम्, लुष्ट, लुषम्, लुष्व, लुष्म ॥
- ५ अलोलोष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लोलोष्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलुष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलोषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलोषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलोलोषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४६५ मूष् (मूष्) स्तेये ॥

- १ मोमू-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ मोमूष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमू-पीतु, छु, छात्, छाम्, षतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अमोमू-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छाम्, छ, षम्, प्व, प्व ॥
- ५ अमोमूष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमूष्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमूष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमूषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमूषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमूषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४६६ षूष (षूष्) प्रसवे ॥

- १ सोषू-षीति, छि, छः, षति, षीषि, क्षि, छः, छ, षीमि, ष्मि, ष्वः, ष्मः ॥
- २ सोषूष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सोषू-षीतु, छु, छत्, छाम्, षतु, छि, छत्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ असोषू-षीत्, द, छाम्, पुः, षीः, द, छम्, छ, षम्, ष्व, ष्म ॥
- ५ असोषूष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सोषूषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोषूष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोषूषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोषूषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असोषूषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४६७ कृषं (कृष्) विलेखने ॥

- १ चरी-कृषीति, कृष्टि, कृष्टि, कृष्टः, कृष्टः, कृषति, कृषीषि, कृक्षि, कृक्षि, कृष्टः, कृष्टः, कृष्टः, कृषीमि, कृष्मि, कृष्मः, कृष्मः ॥
- २ चरीकृष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चरी-कृष्ट, कृष्ट, कृषीतु, कृष्टात्, कृष्टात्, कृष्टाम्, कृष्टाम्, कृषतु, कृष्टि, कृष्टि, कृष्टात्, कृष्टात्, कृष्टम्, कृष्टम्, कृष्ट, कृष्ट, कृषाणि, कृषाव, कृषाम ॥
- ४ अचरी-कृषीत्, कद, कर्द, कृष्टाम्, कृष्टाम्, कृषुः, कृषीः, कद, कर्द, कृष्टम्, कृष्टम्, कृष्ट, कृष्ट, कृषम्, कृष्व, कृष्म ॥
- ५ अचरीकृष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चरीकृषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म]
- ७ चरीकृष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चरीकृषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चरीकृषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचरीकृषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चरी-स्थाने चरि, इति, चर, इति च ज्ञेयम् ॥

४६८ कष (कष्) हिंसायाम् ॥

- १ चाक-षीति, छि, छः, षति, षीषि, क्षि, छः, छ, षीमि, ष्मि, ष्वः, ष्मः ॥
- २ चाकष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-षीतु, छु, छत्, छाम्, षतु, छि, छत्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अचाक-षीत्, द, छाम्, पुः, षीः, द, छम्, छ, षम्, ष्व, ष्म ॥
- ५ अचाकाष् } -ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, अचाकष् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४६९ शिष (शिष्) हिंसायाम् ॥

- १ शे-शेष्टि, शिषीति, शिष्टः, शिषति, शिषीषि, शेक्षि, शिष्टः, शिष्ट, शिषीमि, शेष्मि, शिष्वः, शिष्मः ॥
- २ शेशिष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शेशेष्ट, शेशि-षीतु, छु, छत्, छाम्, षतु, छि, छत्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अशे-शिषीत्, शेद, शिष्टाम्, शिषुः, शिषीः, शेद, शिष्टम्, शिष्ट, शिषम्, शिष्व, शिष्म ॥
- ५ अशेशेष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शेशेष्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेशिष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शेशिषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेशेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशेशेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत्, अम्, आव, आम ॥

४७० जष (जष्) हिंसायाम् ॥

- १ जाज-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, भ्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ जाजष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जाज-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम् ॥
- ४ अजाज-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, षम्, च्व, च्म ॥
- ५ अजाजाष् } -ईत्, इछाम्, इषुः ईः, इछम्, इष्ट, अजाजष् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाजषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजष्या-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाजषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाजषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४७१ झष (झष्) हिंसायाम् ॥

- १ जाझ-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, भ्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ जाजष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जाझ-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम् ॥
- ४ अजाझ-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, षम्, च्व, च्म ॥
- ५ अजाझाष् } -ईत्, इछाम्, इषुः ईः, इछम्, इष्ट, अजाझाष् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाझषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाझष्या-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाझषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाझषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाझषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४७२ वष (वष्) हिंसायाम् ॥

- १ वाव-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, भ्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ वावष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ वाव-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम् ॥
- ४ अवाव-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, षम्, च्व, च्म ॥
- ५ अवावाष् } -ईत्, इछाम्, इषुः ईः, इछम्, इष्ट, अवावाष् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वावषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावष्या-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४७३ मष (मष्) हिंसायाम् ॥

- १ माम-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, भ्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ मामष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ माम-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम् ॥
- ४ अमाम-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, षम्, च्व, च्म ॥
- ५ अमामाष् } -ईत्, इछाम्, इषुः ईः, इछम्, इष्ट, अमामाष् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मामषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामष्या-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४७४ मुष् (मुष्) हिंसायाम् ॥

- १ मो-मोष्टि, मुषीति, मुष्टः, मुषति, मुषीषि, मोक्षि, मुष्टः, मुष्ट, मुषीमि, मोष्मि, मुष्वः, मुष्मः ॥
- २ मोमुष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमोष्टु, मोमु-षीतु, घात्, घाम्, षतु, ङि, घात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अमो-मुषीत्, मोद, मुष्टाम्, मुष्टुः, मुषीः, मोद, मुष्टम्, मुष्ट, मुषम्, मुष्व, मुष्म ॥
- ५ अमोमोष्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमोषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमोषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमोषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमोषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४७५ रुष (रुष्) हिंसायाम् ॥

- १ रो-रोष्टि, रुषीति, रुष्टः, रुषति, रुषीषि, रोक्षि, रुष्टः, रुष्ट, रुषीमि, रोष्मि, रुष्वः, रुष्मः ॥
- २ रोरुष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रोरुष्टु, रोरु-षीतु, घात्, घाम्, षतु, ङि, घात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अरो-रोद, रुषीत्, रुष्टाम्, रुष्टुः, रुषीः, रोद, रुष्टम्, रुष्ट, रुषम्, रुष्व, रुष्म ॥
- ५ अरोरोष्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रोरुषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोरुष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रोरुषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोरुषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरोरोषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४७६ रिष (रिष्) हिंसायाम् ॥

- १ रे-रेष्टि, रिषीति, रिष्टः, रिषति, रिषीषि, रेक्षि, रिष्टः, रिष्ट, रिषीमि, रेष्मि, रिष्वः, रिष्मः ॥
- २ रेरिष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रेरेष्टु, रेरि-षीतु, घात्, घाम्, षतु, ङि, घात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अरे-रेद, रिषीत्, रिष्टाम्, रिष्टुः, रिषीः, रेद, रिष्टम्, रिष्ट, रिषम्, रिष्व, रिष्म ॥
- ५ अरेरेष्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रेरेषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रेरिष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रेरेषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रेरेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरेरेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४७७ यूष (यूष्) हिंसायाम् ॥

- १ योयू-षीति, छि, छः, षति, षीषि, छि, छः, छ, षीमि, ष्मि, ष्वः, ष्मः ॥
- २ योयूष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ योयू-षीतु, छु, छात्, घाम्, षतु, ङि, घात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अयोयू-षीत्, द, घाम्, युः, षीः, द, छम्, छ, षम्, ष्व, ष्म ॥
- ५ अयोयूष्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ योयूषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ योयूष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ योयूषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ योयूषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयोयूषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४७८ जूष (जूष्) हिंसायाम् ॥

- १ जोजू-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, भ्मि, छ्वः, भ्मः ॥
- २ जोजूष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोजू-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अजोजू-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, षम्, छ्व, भ्म ॥
- ५ अजोजूष-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोजूषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोजूष्या-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोजूषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोजूषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोजूषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४७९ शष (शष्) हिंसायाम् ॥

- १ शाश-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, भ्मि, छ्वः, भ्मः ॥
- २ शाशष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अशाश-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, षम्, छ्व, भ्म ॥
- ५ अशाशष-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, अशाशष-इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाशषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशष्या-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४८० चष (चष्) हिंसायाम् ॥

- १ चाच-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, भ्मि, छ्वः, भ्मः ॥
- २ चाचष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाच-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अचाच-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, षम्, छ्व, भ्म ॥
- ५ अचाचाष-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, अचाचष-इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाचषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाचष्या-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाचषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाचषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाचषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४८१ वृष (वृष्) संघाते च ॥

- १ वरि-वृषीति, वृष्टि, वृष्टः, वृषति, वृषीषि, वृक्षि, वृष्टः, वृष्ट, वृषीमि, वृष्मि, वृष्वः, वृष्मः ॥
- २ वरिवृष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वरिवृष्ट, वरिवृ-पीतु, छात्, छाम्, पतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अवरि-वर्दे, वृषीत्, वृष्टाम्, वृषुः, वृषीः, वर्दे, वृष्टम्, वृष्ट, वृषम्, वृष्व, वृष्म ॥
- ५ अवरिवृष-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वरिवृषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरिवृष्या-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरिवृषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरिवृषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवरिवृषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वरि-स्थाने वरी, इति वर, इति च ज्ञेयम् ॥

४८२ भष् (भष्) भर्त्सने ॥

- १ बाभ-वीति, छि, छः, षति, षीषि, क्षि, छः, छ, षिमि, ष्मि, ष्वः, ष्मः ॥
- २ बाभष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभ-वीतु, छु, छात्, छाम्, षतु, छि, छात्, छम्, छ, षणि, षाव, षाम ॥
- ४ अबाभ-वीत्, द, छाम्, षुः, षीः, द, छम्, छ, षम्, ष्व, ष्म ॥
- ५ अबाभाष् } -ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, अबाभष् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४८३ जिष् (जिष्) सेचने ॥

- १ जे-जेष्टि, जिषीति, जिष्टः, जिषति, जिषीषि, जेक्षि, जिष्टः, जिष्ट, जिषीमि, जेष्मि, जिष्वः, जिष्मः ॥
- २ जेजिष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेजेष्टु, जेजि-वीतु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, पम्, छ, षणि, षाव, षाम ॥
- ४ अजे-जिषीत्, जेद, जिछाम्, जिषुः, जिषीः, जेद, जिष्टम्, जिष्ट, जिषम्, जिष्व, जिष्म ॥
- ५ अजेजेष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जेजेषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेजिष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेजेषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेजेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेजेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४८४ विष् (विष्) सेचने ॥

- १ वे-विषीति, वेष्टि, विष्टः, विषति, विषीषि, वेक्षि, विष्टः, विष्ट, विषीमि, वेष्मि, विष्वः, विष्मः ॥
- २ वेविष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवेष्टु, वेवि-वीतु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, षणि, षाव, षाम ॥
- ४ अवे-विषीत्, वेद, छाम्, विषुः, विषीः, वेद, विष्टम्, विष्ट, विषम्, विष्व, विष्म ॥
- ५ अवेवेष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वेवेषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेविष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४८५ मिष् (मिष्) सेचने ॥

- १ मे-मेष्टि, मिषीति, मिष्टः, मिषति, मिषीषि, मेक्षि, मिष्टः, मिष्ट, मिषीमि, मेष्मि, मिष्वः, मिष्मः ॥
- २ मेमिष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमेष्टु, मेमि-वीतु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, षणि, षाव, षाम ॥
- ४ अमे-मिषीत्, मेद, मिछाम्, मिषुः, मिषीः, मेद, मिष्टम्, मिष्ट, मिषम्, मिष्व, मिष्म ॥
- ५ अमेमेष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मेमेषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमिष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४८६ निष् (निष्) सेचने च ॥

- १ ने-नेष्टि, निषीति, निष्टः, निषति, निषीषि, नेक्षि, निष्टः, निष्ट, निषीमि, नेष्मि, निष्मः, निष्मः ॥
- २ नेनिष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नेनेष्टु, नेनि-षीतु, छात्, छाम्, षतु, द्वि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अने-नेद, निषीत्, छाम्, युः, षीः, नेद, निष्टम्, निष्ट, निषम्, निष्, निष्म ॥
- ५ अनेनेष्टु-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नेनेषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनिष्ठ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनेषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनेनेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अस्म, आव, आम ॥

४८७ पृष् (पृष्) सेचने ॥

- १ परि-पृषीति, पृष्टि, पृष्टः, पृषति, पृषीषि, पृक्षि, पृष्टः, पृष्ट, पृषीमि, पृष्मि, पृष्मः, पृष्मः ॥
- २ परिपृष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ परिपृष्टु, परिपृ-षीतु, छात्, छाम्, षतु, द्वि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अपरि-पर्द, पृषीत्, पृष्टाम्, पृष्टुः, पृषीः, पर्द, पृष्टम्, पृष्ट, पृषम्, पृष्, पृष्म ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अपरिपर्ष-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ परिपर्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ परिपृष्ठ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ परिपृषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ परिपृषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपरिपृषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे परि-स्थाने परी, इति पर इति च ज्ञेयम् ।
- ४८८ वृष् (वृष्) सेचने । वृष् ४८९ वद्रपाणि ।

४८९ मृष् (मृष्) सहने च ॥

- १ मरी-मर्ष्टि, मृषीति, मृष्टः, मृषति, मृषीषि, मर्क्षि, मृष्टः, मृष्ट, मृषीमि, मर्ष्मि, मृष्मः, मृष्मः ॥
- २ मरीमृष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मरीमृष्टु, मरीमृ-षीतु, छात्, छाम्, षतु, द्वि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अमरी-मर्द, मृषीत्, मृष्टाम्, मृष्टुः, मृषीः, मर्द, मृष्टम्, मृष्ट, मृषम्, मृष्, मृष्म ॥
- ५ अमरीमर्ष-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मरीमर्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मरीमृष्ठ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मरीमर्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मरीमर्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमरीमर्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे मरी-स्थाने 'मरि' इति मर् इति च ज्ञेयम् ।

४९० श्रिष् (श्रिष्) दाहे ॥

- १ शो-श्रेष्टि, श्रिषीति, श्रिष्टः, श्रिषति, श्रिषीषि, श्रेक्षि, श्रिष्टः, श्रेष्ट, श्रिषीमि, श्रेष्मि, श्रिष्मः, श्रिष्मः ॥
- २ शोश्रिष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शोश्रेष्टु, शोश्रि-षीतु, छात्, छाम्, षतु, द्वि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अशो-श्रेद, श्रिषीत्, श्रिष्टाम्, श्रिष्टुः, श्रिषीः, श्रेद, श्रिष्टम्, श्रिष्ट, श्रिषम्, श्रिष्, श्रिष्म ॥
- ५ अशोश्रेष-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शोश्रेषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोश्रिष्ठ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोश्रेषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोश्रेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोश्रेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४९१ श्लिष् (श्लिष्) दाहे ॥

- १ श्ले-श्लेष्टि, श्लिषीति, श्लिष्टः, श्लिषति, श्लिषीषि, श्लेक्षि, श्लिष्टः, श्लिष्ट, श्लिषीमि, श्लेष्मि, श्लिष्वः, श्लिष्मः ॥
- २ श्लेक्षिष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ श्लेक्षेष्टु, श्लेक्षि-षितु, घात्, घाम्, षतु, ङि, घात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अश्ले-श्लेष्ट, श्लिषीत्, श्लिष्टाम्, श्लिषुः, श्लिषीः, श्लेद, श्लिष्टम्, श्लिष्ट, श्लिषम्, श्लिष्व, श्लिष्म ॥
- ५ अश्लेक्षेष्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ श्लेक्षेष्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ श्लेक्षिष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ श्लेक्षिषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ श्लेक्षिषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अश्लेक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४९२ मुष् (मुष्) दाहे ॥

- १ पो-प्रोष्टि, मुषीति, मुष्टः, मुषति, मुषीषि, प्रोक्षि, मुष्टः, मुष्ट, मुषीमि, प्रोष्मि, मुष्वः, मुष्मः ॥
- २ पोमुष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोप्रोष्टु, पोमु-षीत्, घात्, घाम्, षतु, ङि, घात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अपो-प्रोद, मुषीत्, मुष्टाम्, मुषुः, मुषीः, प्रोद, मुष्टम्, मुष्ट, मुषम्, मुष्व, मुष्म ॥
- ५ अपोप्रोष्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोप्रोष्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोमुष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोप्रोषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोप्रोषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोप्रोषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४९३ पुष् (पुष्) दाहे ॥

- १ पो-प्रोष्टि, पुषीति, पुष्टः, पुषति, पुषीषि, प्रोक्षि, पुष्टः, पुष्ट, पुषीमि, प्रोष्मि, पुष्वः, पुष्मः ॥
- २ पोप्लुष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोप्लोष्टु, पोप्लु-षीत्, घात्, घाम्, षतु, ङि, घात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अपो-प्रोद, पुषीत्, पुष्टाम्, पुषुः, पुषीः, प्रोद, पुष्टम्, पुष्ट, पुषम्, पुष्व, पुष्म ॥
- ५ अपोप्लोष्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोप्लोष्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोप्लुष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोप्लोषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोप्लोषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोप्लोषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४९४ घृष् (घृष्) संहर्षे ॥

- १ जरि-घर्ष्टि, घृषीति, घृष्टः, घृषति, घृषीषि, घर्क्षि, घृष्टः, घृष्ट, घृषीमि, घर्ष्मि, घृष्वः, घृष्मः ॥
- २ जरिघृष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जरिघर्ष्टु, जरिघृ-षीत्, घात्, घाम्, षतु, ङि, घात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अजरि-घर्द, घृषीत्, घृष्टाम्, घृषुः, घृषीः, घर्द, घृष्टम्, घृष्ट, घृषम्, घृष्व, घृष्म ॥
- ५ अजरिघर्ष-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जरिघर्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जरिघृष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जरिघर्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जरिघर्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजरिघर्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे जरि-स्थाने जरी, इति जइ इति च ज्ञेयम् ॥

४९५ हृष् (हृष्) अलीके ॥

- १ जरी-हृष्टि, हृषीति, हृष्टः, हृषति, हृषीषि, हृक्षि, हृष्टः, हृष्ट, हृषीमि, हृष्मि, हृष्वः, हृष्मः ॥
- २ जरीहृष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जरीहृष्टु, जरीहृ-षीतु, घात्, घाम्, षतु, ह्रि, घात्, घम्, घ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अजरी-हृद, हृषीत्, हृष्टाम्, हृष्टुः, हृषीः, हृद, हृष्टम्, हृष्ट, हृषम्, हृष्व, हृष्म ॥
- ५ अजरीहृष्ट-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जरीहृष्ट-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जरीहृष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जरीहृष्टिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जरीहृष्टिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजरीहृष्टिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४९६ पुष् (पुष्) पुष्टौ ॥

- १ पो-पोष्टि, पुषीति, पुष्टः, पुषति, पुषीषि, पोक्षि, पुष्टः, पुष्ट, पुषीमि, पोष्मि, पुष्वः, पुष्मः ॥
- २ पोपुष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोपोष्टु, पोपु-षीतु, घात्, घाम्, षतु, ह्रि, घात्, घम्, घ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अपो-पोद, पुषीत्, पुष्टाम्, पुष्टुः, पुषीः, पोद, पुष्टम्, पुष्ट, पुषम्, पुष्व, पुष्म ॥
- ५ अपोपोष्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोपोषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपुष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपोषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपोषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोपोषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४९७ भूष् (भूष्) अलंकारे ॥

- १ बोभू-षीति, छि, छः, षति, षीषि, क्षि, छः, छ, षीमि, ष्मि, ष्वः, ष्मः ॥
- २ बोभूष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बोभू-षीतु, छ, घात्, घाम्, षतु, ह्रि, घात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अबोभू-षीत्, द, घाम्, घुः, षीः, द, छम्, छ, षम्, ष्व, ष्म ॥
- ५ अबोभूष्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बोभूषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बोभूष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बोभूषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बोभूषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबोभूषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४९८ तसु (तंस्) अलंकारे ॥

- १ तातं-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ तातंस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तातं-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, स्तु, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अता-तंसीत्, तन्, तंस्ताम्, तंस्तुः, तंसी, तन्, तंस्तम्, तंस्त, तंसम्, तंस्व, तंस्म ॥
- ५ अतातंस्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तातंसा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातंस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातंसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातंसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातंसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

४९९ तुस (तुस्) शब्दे ॥

- १ तो-तुसीति, तोस्ति, तुस्तः, तुसति, तुसीषि, तोस्मि, तुस्थः, तुस्थ, तुसीमि, तोस्मि, तुस्वः, तुस्मः ॥
- २ तोतुस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतोस्तु, तोतु-सीतु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अतो-तुसीत्, तोत्, तुस्ताम्, तुसुः, तुसीः, तोः, तुस्तम्, तुस्त, तुसम्, तुस्व, तुस्म ॥
- ५ अतोतोस्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतोसा-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतोसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतोसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतोसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५०० हस (हस्) शब्दे ॥

- १ जाह-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्मि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ जाहस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाह-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अजाह-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ;, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अजाहास् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाहस् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाहसा-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाहस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाहसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाहसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाहसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५०१ हस (ह्म) शब्दे ॥

- १ जाह-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्मि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ जाहस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाह-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अजाह-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ;, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अजाहास् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाहस् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाहसा-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाहस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाहसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाहसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाहसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५०२ रस (रस्) शब्दे ॥

- १ रार-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्मि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ रारस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रार-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अरार-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ;, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अरारास् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अरारस् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारसा-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५०३ लस (लम्) श्लेषणक्रीडनयोः ॥

- १ लाल-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, खः, स्मः ॥
- २ लालस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लाल-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, वि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अलाल-सीत्, त्, द्, स्ताम्, सुः, सीः, ः, त्, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ५ अलालास् } -ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अलालस् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लालसा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालस्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ लालसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५०४ वस्त्वं (घम्) अदने ॥

- १ जा-वसीति, वस्ति, वस्त्वं, क्षति, वसीषि, वस्सि, वस्थः, वस्थ, वसीमि, वस्मि, वस्वः, वस्मः ॥
- २ जाघस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जा-वसीतु, वस्तु वस्तात्, वस्ताम्, क्षतु, वधि, वद्धि, वस्तात्, वस्तम्, वस्त, वसानि, वसाव, वसाम ॥
- ४ अजा-वसीत्, वत्, वस्ताम्, क्षुः, वसीः, वः, वत्, वस्तम्, वस्त, सम्, वस्व, वस्म ॥
- ५ अजाघास् } -ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाघास् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाघसा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाघस्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ जाघसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाघसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाघसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५०५ हसे (हम्) हसने ॥

- १ जाह-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ जाहस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाह-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, वि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अजाह-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ः, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अजाहास् } -ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाहास् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाहसा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाहस्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ जाहसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाहसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाहसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५०६ पिसु (पिम्) गतौ ॥

- १ पे-पेस्ति, पिसीति, पिस्तः, पिसति, पिसीषि, पेस्सि, पिस्थः, पिस्थ, पिसीमि, पेस्मि, पिस्वः, पिस्मः ॥
- २ पेपिस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पेपेस्तु, पेपि-सीतु, स्तात्, स्ताम्, सतु, वि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अपे-पिसीत्, पेट्, पिस्ताम्, पिसुः, पिसीः, पेः, पेट्, पिस्तम्, पिस्त, पिसम्, पिस्व, पिस्म ॥
- ५ अपेपेस्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पेपेसा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपेस्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ पेपेसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपेसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेपेसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५०७ पेस् (पेस्) गतौ ॥

- १ पेपे-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्वि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ पेपेस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पेपे-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अपेपे-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ; त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अपेपेस्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पेपेसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपेस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपेसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपेसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेपेसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५०८ वेस् (वेस्) गतौ ॥

- १ वेवे-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्वि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ वेवेस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवे-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अवेवे-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ; त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अवेवेस्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वेवेसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेवेस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५०९ शस् (शस्) हिंसायाम् ॥

- १ शाश-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्वि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ शाशस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अशाश-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ; त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अशाशस्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाशसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५१० शंस (शंस) स्तुतौ च ॥

- १ शा-शंसीति, शंरित, शस्तः, शसति, शंसीषि, शंस्ति, शस्थः, शस्थ, शंसीमि, शंस्मि, शस्वः, शस्मः ॥
- २ शाशस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शा-शंसीतु, शंस्तु, शस्तात्, शस्ताम्, शसतु, शधि, शद्वि, शस्तात्, शस्तम्, शस्त, शंसानि, शंसाव, शंसाम ॥
- ४ अशा-शंसीत्, शन्, शस्ताम्, शसुः, शंसीः, शन्, शस्तम्, शस्त, शंसम्, शस्व, शस्म ॥
- ५ अशाशंस्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाशंसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशंसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशंसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशंसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५११ मिहं (मिह्) सेचने ॥

- १ मे-मिहीति, मेडि, मीढः, मिहति, मिहीषि, मेक्षि, मीढः, मीढ, मिडीमि, मेक्षि, मिहः, मिहः ॥
- २ मेमिह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मे-मिहीतु, मेढ, मीढात्, मीढाम्, मिहतु, मीढि, मीढात्, मीढम्, मीढ, मिहानि, मिहाव, मिहाम ॥
- ४ अमे-मिहीत्, मेढ, मीढाम्, मिहुः, मिहीः, मेढ, मीढम्, मीढ, मिहम्, मिह, मिह ॥
- ५ अमेमेह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मेमेहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमिह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आसः ॥
- १० अमेमेहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आस ॥

५१२ दहं (दह्) भस्मीकरणे ॥

- १ दन्-दहीति, दग्धि, दग्धः, दहति, दहीषि, धक्षि, दग्धः, दग्ध, दहीमि, दक्षि, दहः, दहः ॥
- २ दन्दह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दन्द-हीतु, गधु, गधात्, गधाम्, हतु, गधि, गधात्, गधम्, गध, हानि, हाव, हाम ॥
- ४ अदन्-दहीत्, धक्, दग्धाम्, दहुः, दहीः, धक्, दग्धम्, दग्ध, दहम्, दह, दह ॥
- ५ अदन्दह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दन्दहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दन्दह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दन्दहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दन्दहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आसः ॥
- १० अदन्दहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आस ॥

५१३ चह (चह्) कल्कने ॥

- १ चा-चहीति, चाडि, चाढः, चहति, चहीषि, चक्षि, चाढः, चाढ, चहीमि, चक्षि, चहः, चहः ॥
- २ चाचह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चा-चहीतु, चाड, चाढात्, चाढाम्, चहतु, चाडि, चाढात्, चाढम्, चाड, चहानि, चहाव, चहाम ॥
- ४ अचा-चहीत्, चद्, चाढाम्, चहुः, चहीः, चद्, चाढम्, चाड, चहम्, चह, चह ॥
- ५ अचाचह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाचहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाचह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाचहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाचहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आसः ॥
- १० अचाचहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आस ॥

५१४ रह (रह्) त्यागे ॥

- १ रा-रहीति, राडि, राढः, रहति, रहीषि, रक्षि, राढः, राढ, रहीमि, रक्षि, रहः, रहः ॥
- २ रा-रह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रा-रहीतु, राड, राढात्, राढाम्, रहतु, राडि, राढात्, राढम्, राढ, रहाणि, रहाव, रहाम ॥
- ४ अरा-रहीत्, रद्, राढाम्, रहुः, रहीः, रद्, राढम्, राढ, रहम्, रह, रह ॥
- ५ अरारह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रा-रहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रा-रह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रा-रहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रा-रहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आसः ॥
- १० अरारहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आस ॥

५१५ रहु (रह्) गतौ ॥

- १ रा-रंहीति, रण्डि, रण्डः, रंहति, रंहीषि, रङ्गि, रण्डः, रण्ड, रंहीमि, रंङ्गि, रंहः, रंहः ॥
- २ रा-रंह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रा-रंहीतु, रण्ड, रण्डात्, रण्डाम्, रंहतु, रण्डि, रण्डात्, रण्डम्, रण्ड, रंहाणि, रंहाव, रंहाम ॥
- ४ अरा-रंहीत्, रन्, रण्डाम्, रंहुः, रंहीः, रन्, रण्डम्, रण्ड, रंहम्, रंह, रंह ॥
- ५ अरा-रंह-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ रा-रंहा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रा-रंह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रा-रंहिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रा-रंहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरा-रंहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५१६ दृह (दृह्) वृद्धौ ॥

- १ दरि-दृहीति, दर्दि, दृढः, दृहति, दृहीषि, धर्क्षि, दृढः, दृढ, दृहीमि, दर्क्षि, दृहः, दृहः ॥
- २ दरि-दृह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दरि-दृहु, दरि-दृहीतु, दात्, दाम्, दतु, डि, दात्, दम्, द, हाणि, हाव, हाम ॥
- ४ अदरि-दृहीत्, धर्दे, दृढाम्, दृहुः, दृहीः, धर्दे, दृढम्, दृढ, दृहम्, दृह, दृह ॥
- ५ अदरि-दृह-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ दरि-दृहा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दरि-दृह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दरि-दृहिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दरि-दृहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अत, अम्, आव, आम ॥
- १० अदरि-दृहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दरि-स्थाने, 'दरी' इति, 'दर' इति च ज्ञेयम् ॥

५१७ दृहु (दृह्) वृद्धौ ॥

- १ दरि-दृहीति, दण्डि, दण्डः, दंहति, दंहीषि, धङ्गि, दण्डः, दण्ड, दंहीमि, दंङ्गि, दंहः, दंहः ॥
- २ दरि-दृह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दरि-दंहीतु, दण्ड, दण्डात्, दण्डाम्, दंहतु, दण्डि, दण्डात्, दण्डम्, दण्ड, दंहाणि, दंहाव, दंहाम ॥
- ४ अदरि-दंहीत्, दन्, दण्डाम्, दंहुः, दंहीः, दन्, दण्डम्, दण्ड, दंहम्, दंह, दंह ॥
- ५ अदरि-दंह-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ दरि-दंहा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दरि-दंह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दरि-दंहिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दरि-दंहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदरि-दंहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दरि-स्थाने 'दरी' इति 'दर' इति च ज्ञेयम् ॥

५१८ वृह (वृह्) वृद्धौ ॥

५१९ वृहु (वृह्) शब्दे च ॥

- १ वरि-वृहीति, वर्दि, वृढः, वृहति, वृहीषि, वर्क्षि, वृढः, वृढ, वृहीमि, वर्क्षि, वृहः, वृहः ॥
- २ वरि-वृह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥ [दम्, द, हाणि, हाव, हाम ॥
- ३ वरि-वृहु, वरि-वृहीतु, दात्, दाम्, दतु, डि, दात्, दम्, द, हाणि, हाव, हाम ॥
- ४ अवरि-वृहीत्, वर्दे, वृढाम्, वृहुः, वृहीः, वर्दे, वृढम्, वृढ, वृहम्, वृह, वृह ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अवरि-वृह-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ वरि-वृहा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरि-वृह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरि-वृहिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरि-वृहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवरि-वृहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वरि-स्थाने 'वरी' इति 'वर' इति च ज्ञेयम् ॥

५२० वृहृ (वृहृ) शब्दे च ॥

- १ वरि-वृहीति, वृण्डि, वृण्डः, वृंहति, वृहीषि, वृक्षि, वृण्डः, वृण्ड, वृहीमि, वृंक्षि, वृंहः, वृंक्षः ॥
- २ वरिवृहृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याव, याव, याम ॥
- ३ वरि-वृहीतु, वृण्ड वृण्डात्, वृण्डाम्, वृंहतु, वृण्डि, वृण्डात्, वृण्डम्, वृण्ड, वृंहाणि, वृंहाव, वृंहाम ॥
- ४ अवरि-वृहीत्, वृन्, वृण्डाम्, वृहुः, वृहीः, वृन्, वृण्डम्, वृण्ड, वृंहम्, वृंह, वृंक्ष ॥
- ५ अवरिवृहृ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वरिवृंहा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरिवृहृया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरिवृंहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरिवृंहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आसि, आवः, आसः ॥ [अम्, आव, आस ॥
- १० अवरिवृंहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वरि-स्थाने ‘वरी’ इति ‘वर्’ इति च ज्ञेयम् ।

५२२ दुहृ (दुहृ) अर्दने ॥

- १ दो-दुहीति, दोग्धि, दुग्धः, दुहति, दुहीषि, दोक्षि, दुग्धः, दुग्ध, दुहीमि, दुह्मः, दुह्मः ॥
- २ दोदुहृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दो-दुहीतु, दोग्धु, दुग्धात्, दुग्धाम्, दुहतु, दुग्धि, दुग्धात्, दुग्धम्, दुग्ध, दुहानि, दुहाव, दुहाम ॥
- ४ अदो-दुहीत्, दोक्, दुग्धाम्, दुहुः, दुहीः, दोक्, दुग्धम्, दुग्ध, दुहम्, दुह्म, दुह्म ॥
- ५ अदोदोहृ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दोदोहा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोदुहृया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दोदोहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोदोहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आसि, आवः, आसः ॥
- १० अदोदोहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आस ॥

५२१ तुहृ (तुहृ) अर्दने ॥

- १ तो-तुहीति, तोडि, तूढः, तुहति, तुहीषि, तोक्षि, तूढः, तूढ, तुहीमि, तोक्षि, तुह्मः, तुह्मः ॥
- २ तोतुहृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तो-तुहीतु, तोड, तूढात्, तूढाम्, तुहतु, तूडि, तूढात्, तूढम्, तूढ, तुहानि, तुहाव, तुहाम ॥
- ४ अतो-तुहीत्, तोड, तूढाम्, तुहुः, तुहीः, तोड, तूढम्, तूढ, तुहम्, तुह, तुह्म ॥
- ५ अतोतोहृ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तोतोहा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुहृया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतोहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतोहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आसि, आवः, आसः ॥
- १० अतोतोहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आस ॥

५२३ मह (मह) पूजायाम् ॥

- १ मा-महीति, माडि, माढः, महति, महीषि, मक्षि, माढः, माड, मक्षि, महीमि, मह्मः, मह्मः ॥
- २ मामहृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मा-महीतु, माडु, माडात्, माडाम्, महतु, माडि, माडात्, माडम्, माड, माहानि, माहाव, माहाम ॥
- ४ अमा-महीत्, मड, माडाम्, महुः, महीः, मड, माडम्, माड, महम्, मह, मह ॥
- ५ अमामहृ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मामहा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामहृया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आसि, आवः, आसः ॥
- १० अमामहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आस ॥

५२४ रक्ष (रक्ष्) पालने ॥

- १ रार-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ रारक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रार-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अरार-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अरारक्ष्-ईत्, इछाम्, इछुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारक्षा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारक्षिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारक्षिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत्, अम्, आव, आम ॥

५२५ मक्ष (मक्ष्) संघाते ॥

- १ माम-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ मामक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माम-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अमाम-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अमामक्ष्-ईत्, इछाम्, इछुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामक्षा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामक्षिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामक्षिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत्, अम्, आव, आम ॥

५२६ मुक्ष (मुक्ष्) संघाते ॥

- १ मोमु-क्षीति, छि, छः, क्षति, छि, क्षीषि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ मोमुक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमु-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अमोमु-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अमोमुक्ष्-ईत्, इछाम्, इछुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमुक्षा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमुक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमुक्षिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमुक्षिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत्, अम्, आव, आम ॥

५२७ तक्षौ (तक्ष्) तन्करणे ॥

- १ तात-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ तातक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अतात-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अतातक्ष्-ईत्, इछाम्, इछुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तातक्षा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातक्षिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतातक्षिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, शित्प्रत्यये परे श्नुप्रत्यये सति, तातक्ष्णोति, तातक्ष्णयात्, तातक्ष्णोतु, अतातक्ष्णोदित्यपि भवति ।

५२८ त्वक्षौ (त्वक्ष्) तनूकरणे ॥

- १ तात्व-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ तात्वक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात्व-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अतात्व-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अतात्वक्ष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तात्वक्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तात्वक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तात्वक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तात्वक्षिण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतात्वक्षिण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५३० तृक्ष (तृक्ष्) गतौ ॥

- १ तरितृ-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
 - २ तरितृक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
 - ३ तरितृ-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
 - ४ अतरितृ-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥ [इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ५ अतरितृक्ष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ६ तरितृक्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ तरितृक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ तरितृक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ तरितृक्षिण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 - १० अतरितृक्षिण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे तरि-स्थाने 'तरी' इति 'तर्' इति च ज्ञेयम् ।

५२९ णिक्ष (निष्) चुम्बने ॥

- १ नेनि-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ नेनिक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नेनि-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अनेनि-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अनेनिक्ष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नेनिक्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनिक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनिक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनिक्षिण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनेनिक्षिण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५३१ स्तृक्ष (स्तृक्ष्) गतौ ॥

- १ तरिस्तृ-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
 - २ तरिस्तृक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
 - ३ तरिस्तृ-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
 - ४ अतरिस्तृ-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥ [इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ५ अतरिस्तृक्ष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ६ तरिस्तृक्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ तरिस्तृक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ तरिस्तृक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ तरिस्तृक्षिण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 - १० अतरिस्तृक्षिण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे तरि-स्थाने 'तरी' इति 'तर्' इति च ज्ञेयम् ।

५३२ णक्ष (नक्ष्) गतौ ।

- १ नान-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिमि, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ नानक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नान-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अनान-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अनानक्ष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नानक्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनानक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५३३ वक्ष (वक्ष्) रोषे ॥

- १ वाव-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिमि, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ वावक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अवाव-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अवावक्ष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावक्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवावक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५३४ त्वक्ष (त्वक्ष्) त्वचने । त्वक्षौ ५२८ वद्रूपाणि

५३५ सूक्ष् (सूक्ष्) अनादरे ॥

- १ सोस्-क्षीति, क्षिट्, क्षटः, क्षति, क्षीषि, क्षि, विक्ष, क्षटः, क्षट, क्षीमि, क्षिमि, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ सोसूक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सोस्-क्षीतु, क्षट्, क्ष्यात्, क्ष्याम्, क्षीतु, छि, क्ष्यात्, क्ष्टम्, क्षट, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ असोस्-क्षीत्, क्, क्ष्याम्, क्षुः, क्षीः, क्, क्ष्टम्, क्षट, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ असोसूक्ष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सोसूक्ष्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोसूक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोसूक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोसूक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असोसूक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५३६ काक्ष् (काक्ष्) काङ्क्षायाम् ॥

- १ चाकाङ्-क्षीति, क्षिट्, क्षटः, क्षति, क्षीषि, क्क्षि, क्षि, क्षटः, क्षट, क्षीमि, क्षिमि, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ चाकाङ्क्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाकाङ्-क्षीतु, क्षट्, क्ष्यात्, क्ष्याम्, क्षतु, छि, क्ष्यात्, क्ष्टम्, क्षट, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अचाका-क्षीत्, क्, क्ष्याम्, क्षुः, क्षीः, क्, क्ष्टम्, क्षट, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अचाकाङ्क्ष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकाङ्क्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकाङ्क्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकाङ्क्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकाङ्क्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकाङ्क्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५३७ वाक्षु (वाङ्क्ष्) काङ्क्षायाम् ॥

- १ वावाङ्-क्षीति, क्षित, क्षटः, क्षति, क्षीषि, क्षि, क्षठः, क्षठ, क्षीमि, क्षिमि, क्षवः, क्षमः ॥
 २ वावाङ्क्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
 ३ वावाङ्-क्षीतु, क्षट, क्ष्यात्, क्ष्याम्, क्षतु, निष्ठ, क्ष्यात्, क्षम्, क्षट, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
 ४ अवावा-ह्वीत्, न, वक्ष्याम्, वक्षुः, ह्वीः, न, वक्ष्म, वक्ष्य, ह्वम्, क्षव, क्षम ॥
 ५ अवावाङ्क्ष-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
 ६ वावाङ्क्षा-श्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 ७ वावाङ्क्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्वं, स्म ॥
 ८ वावाङ्क्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 ९ वावाङ्क्षिण्य-अति, अंतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 १० अवावाङ्क्षिण्य-अत्, अताम्, अन, अः, अंतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५३८ माधु (मध्) काङ्क्षायाम् ॥

- १ मामाङ्-क्षीति, क्षिट्, क्षटः, क्षति, क्षीषि, क्षि, क्षठः,
क्षठ, क्षीमि, क्षिमि, क्षवः, क्षमः ॥
- २ मामाङ्क्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ मामाङ्-क्षीतु, क्षट् क्ष्यात्, क्ष्याम्, क्षतु, निष्ठ, क्ष्यात्,
क्ष्टम्, क्षट्, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अमामाङ्-ह्रीत्, न, ह्य्याम्, ह्य्छः, ह्यीः, न,
ह्य्यम्, ह्य्यत्, ह्य्यम्, ह्य्यव, ह्य्यम् ॥
- ५ अमामाङ्क्ष-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्टव, इष्टम् ॥
- ६ मामाङ्क्षा-यकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामाङ्क्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सस्, स्व, स्म ॥
- ८ मामाङ्क्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामाङ्क्षिण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामाङ्क्षिण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

५३९ द्राक्षु (द्राक्ष्) घोरवासिते च ॥

- १ दाद्राङ्-क्षीति, क्षित्, क्षतः, क्षति, क्षीवि, क्षि, क्षः,
क्ष, क्षमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ दाद्राङ्क्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ दाद्राङ्-क्षीत्, क्षट्, क्ष्यात्, क्ष्याम्, क्षतु, निष्ठ, क्ष्यात्,
क्षम्, क्ष, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अदाद्राङ्-क्षीत्, (अदाद्रान्), क्ष्याम्, क्षुः, क्षीः,
(अदाद्रान्), क्षम्, क्ष, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अदाद्राङ्क्ष-ईत्, इद्याम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाद्राङ्क्षा-ञकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाद्राङ्क्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाद्राङ्क्षिता-”, रौ, रः, सि, स्वः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाद्राङ्क्षिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाद्राङ्क्षिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

५४० ध्राक्षु (ध्राङ्क्ष्) घोरवासिते च ॥

- १ दाघ्राङ्-क्षीति, क्षि, क्षः, क्षति, क्षीषि, क्षि, क्षः,
क्षु, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ दाघ्राङ्क्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ दाघ्राङ्क्षीतु, क्षु, क्ष्यात्, क्ष्याम्, क्षतु, गिह्नुः क्ष्यात्,
क्षम्, क्षट, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अदाघ्राङ्-क्षीत्, (अदाघ्रान्), क्ष्याम्, क्षुः, क्षीः,
(अदाघ्रान्), क्षम्, क्षट, क्षम, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अदाघ्राङ्क्ष-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ दाघ्राङ्क्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाघ्राङ्क्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सत्, स्ख, स्मा ॥
- ८ दाघ्राङ्क्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ दाघ्राङ्क्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाघ्राङ्क्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

५४१ ध्वाक्षु (ध्वाङ्क्ष) घोरवासिते च ॥

- १ दाध्वाङ्क्ष-क्षीति, क्षिट्, क्षट्, क्षति, क्षीषि, क्षि, क्षठः, क्षठ, क्षीमि, क्षिम, क्षवः, क्षमः ॥
- २ दाध्वाङ्क्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाध्वाङ्क्ष-क्षीतु, क्षटु, क्ष्यात्, क्ष्याम्, क्षतु, गिह्, क्ष्यात्, क्ष्यम्, क्ष्यट्, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अदाध्वाङ्क्ष-क्षीत्, न, इक्ष्याम्, इक्षुः, क्षीः, न, इक्ष्यम्, इक्ष्यट्, ह्यम्, इक्ष्व, इक्ष्म ॥
- ५ अदाध्वाङ्क्ष-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाध्वाङ्क्ष-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाध्वाङ्क्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाध्वाङ्क्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाध्वाङ्क्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाध्वाङ्क्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५४२ गाङ् (गा) गतौ ॥ गै ३६ वद्रूपाणि ॥

५४३ ण्मिङ् (स्मि) ईषद्वसने ॥

- १ से-ष्मयीति, ष्मेति, ष्मितः, ष्मियति, ष्मयीषि, ष्मेषि, ष्मिथः, ष्मिथ, ष्मयीमि, ष्मेमि, ष्मिवः, ष्मिमः ॥
- २ सेष्मि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ से-ष्मयीतु, ष्मेतु, ष्मितात्, ष्मिताम्, ष्मियतु, ष्मिहि, ष्मितात्, ष्मितम्, ष्मित, ष्मयाणि, ष्मयाव, ष्मयाम ॥
- ४ असे-ष्मयीत्, ष्मेत्, ष्मिताम्, ष्मयुः, ष्मयीः, ष्मेः, ष्मितम्, ष्मित, ष्मयम्, ष्मिव, ष्मिम ॥
- ५ असेष्माय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सेष्मया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेष्मीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेष्मयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेष्मयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असेष्मयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५४४ डीङ् (डी) विहायसां गतौ ॥

- १ डे-डयीति, डेति, डीतः, ड्यति, डयीषि, डेषि, डीथः, डीथ, डयीमि, डेमि, डीवः, डीमः ॥
- २ डेडि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ डे-डयीतु, डेतु, डीतात्, डीताम्, ड्यतु, डीहि, डीतात्, डीतम्, डीत, डयानि, डयाव, डयाम ॥
- ४ अडे-डयीत्, डेत्, डीताम्, डयुः, डयीः, डेः, डीतम्, डीत, डयम्, डीव, डीम ॥
- ५ अडेडाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ डेडया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ डेडीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ डेडयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ डेडयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अडेडयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५४५ कुङ् (कु) शब्दे ॥

- १ चो-कवीति, कोति, कुतः, कुवति, कवीषि, कोषि, कुथः, कुथ, कवीमि, कोमि, कुवः, कुमः ॥
- २ चोकु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चो-कवीतु, कोतु, कुतात्, कुताम्, कुवतु, कुहि, कुतात्, कुतम्, कुत, कवानि, कवाव, कवाम ॥
- ४ अचो-कवीत्, कोत्, कुताम्, कउः, कवीः, कोः, कुतम्, कुत, कवम्, कुव, कुम ॥
- ५ अचोकाव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकचा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकूया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५४६ गुंङ् (गु) शब्दे ॥

- १ जो-गवीति, गोति, गुतः, गुवति, गवीषि, गोषि, गुथः, गुथ, गवीमि, गोमि, गुवः, गुमः ॥
- २ जोगु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-गवीतु, गोतु, गुतात्, गुताम्, गुवतु, गुहि, गुतात्, गुतम्, गुत, गवानि, गवाव, गवाम ॥
- ४ अजो-गवीत्, गोत्, गुताम्, गवुः, गवीः, गोः, गुतम्, गुत, गवम्, गुव, गुम ॥
- ५ अजोगाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोगवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५४७ घुंङ् (घु) शब्दे ॥

- १ जो-घवीति, घोति, घुतः, घुवति, घवीषि, घोषि, घुथः, घुथ, घवीमि, घोमि, घुवः, घुमः ॥
- २ जोघु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-घवीतु, घोटु, घुतात्, घुताम्, घुवतु, घुहि, घुतात्, घुतम्, घुत, घवानि, घवाव, घवाम ॥
- ४ अजो-घवीत्, घोत्, घुताम्, घवुः, घवीः, घोः, घुतम्, घुत, घम्, घुव, घुम ॥
- ५ अजोघाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोघवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोघूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोघविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोघविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोघविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५४८ डुंङ् (डु) शब्दे ॥

- १ ओ-डवीति, डोति, डुतः, डुवति, डवीषि, डोषि, डुथः, डुथ, डवीमि, डोमि, डुवः, डुमः ॥
- २ ओडु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ओ-डवीतु, डोटु, डुतात्, डुताम्, डुवतु, डुहि, डुतात्, डुतम्, डुत, डवानि, डवाव, डवाम ॥
- ४ अओ-डवीत्, डोत्, डुताम्, डवुः, डवीः, डोः, डुतम्, डुत, डवम्, डुव, डुम ॥
- ५ अओडाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ ओडवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ओडूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ओडविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ओडविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अओडविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५४९ च्युंङ् (च्यु) गतौ ॥

- १ चो-च्यवीति, च्योति, च्यूतः, च्युवति, च्युवीषि, च्योषि, च्युथः, च्युथ, च्यवीमि, च्योमि, च्युवः, च्युमः ॥
- २ चोच्यु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चो-च्यवीतु, च्योटु, च्युतात्, च्युताम्, च्युवतु, च्युहि, च्युतात्, च्युतम्, च्युत, च्यवानि, च्यवाव, च्यवाम ॥
- ४ अचो-च्यवीत्, च्योत्, च्युताम्, च्युडः, च्यवीः, च्योः, च्युतम्, च्युत, च्यवम्, च्युव, च्युम ॥
- ५ अचोच्याव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोच्यवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोच्यूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोच्यविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोच्यविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोच्यविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५५० ज्युङ् (जु) गतौ ॥

- १ जो-ज्यवीति, ज्योति, ज्युतः, ज्युवति, ज्यवीषि, ज्योषि, ज्युथः, ज्युथ, ज्यवीमि, ज्योमि, ज्युवः, ज्युमः ॥
- २ जोज्यु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-ज्यवीतु, ज्योतु, ज्युतात्, ज्युताम्, ज्युवतु, ज्युहि, ज्युतात्, ज्युतम्, ज्युत, ज्यवानि, ज्यवाव, ज्यवाम ॥
- ४ अजो-ज्यवीत्, ज्योत्, ज्युताम्, ज्यवः, ज्यवीः, ज्योः, ज्युतम्, ज्युत, ज्यवम्, ज्युव, ज्युम ॥
- ५ अजोज्याव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोज्यवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोज्यया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोज्यविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोज्यविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोज्यविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५५१ जुङ् (जु) गतौ ॥

- १ जो-जवीति, जोति, जुतः, जुवति, जुवीषि, जोषि, जुथः, जुथ, जवीमि, जोमि, जुवः, जुमः ॥
- २ जोजु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-जवीतु, जोतु, जुतात्, जुताम्, जुवतु, जुहि, जुतात्, जुतम्, जुत, जवानि, जवाव, जवाम ॥
- ४ अजो-जवीत्, जोत्, जुताम्, जवः, जवीः, जोः, जुतम्, जुत, जवम्, जुव, जुम ॥
- ५ अजोजाव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोजवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोजूया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोजविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोजविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोजविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५५२ जुङ् (जु) गतौ ॥

- १ पो-प्रवीति, प्रोति, पुतः, पुवति, प्रवीषि, प्रोषि, पुथः, पुथ, प्रवीमि, प्रोमि, पुवः, पुमः ॥
- २ पोपु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पो-प्रवीतु, प्रोतु, पुतात्, पुताम्, पुवतु, पुहि, पुतात्, पुतम्, पुत, प्रवाणि, प्रवाव, प्रवाम ॥
- ४ अपो-प्रवीत्, प्रोत्, पुताम्, प्रवुः, प्रवीः, प्रोः, पुतम्, पुत, प्रवम्, पुव, पुम ॥
- ५ अपोप्राव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पोप्रवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपुया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोप्रविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोप्रविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोप्रविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५५३ जुङ् (जु) गतौ ॥

- १ पो-पुवीति, प्रोति, पुतः, पुवति, पुवीषि, प्रोषि, पुथः, पुथ, पुवीमि, प्रोमि, पुवः, पुमः ॥
- २ पोपु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पो-पुवीतु, प्रोतु, पुतात्, पुताम्, पुवतु, पुहि, पुतात्, पुतम्, पुत, पुवानि, पुवाव, पुवाम ॥
- ४ अपो-पुवीत्, प्रोत्, पुताम्, प्रवुः, पुवीः, प्रोः, पुतम्, पुत, पुवम्, पुव, पुम ॥
- ५ अपोप्राव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पोपुवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपुया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपुविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपुविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोपुविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५५४ रुंङ् (रु) शब्दे ॥

- १ रो-रवीति, रोति, रुतः, रुवति, रवीषि, रोषि, रुथः, रुथ, रवीमि, रोमि, रुवः, रुमः ॥
- २ रोह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रो-रवीतु, रोतु, रुतात्, रुताम्, रुवतु, रुहि, रुतात्, रुतम्, रुत, रुवाणि, रुवाव, रुवाम ॥
- ४ अरो-रवीत्, रोत्, रुताम्, रुतः, रवीः, रोः, रुतम्, रुत, रुवम्, रुव, रुम ॥
- ५ अरोराव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रोरवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोमूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रोमविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोमविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरोमविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५५५ पूङ् (पू) पवने ॥

- १ पो-पवीति, पोति, पूतः, पुवति, पवीषि, पोषि, पूथः, पूथ, पवीमि, पोमि, पूवः, पूमः ॥
- २ पोपू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पो-पवीतु, पोतु, पूतात्, पूताम्, पुवतु, पूहि, पूतात्, पूतम्, पूत, पवानि, पवाव, पवाम ॥
- ४ अपो-पवीत्, पोत्, पूताम्, पठः, पवीः, पोः, पूतम्, पूत, पवम्, पूव, पूम ॥
- ५ अपोपाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोपवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोपविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत्, अम्, आव, आम ॥

५५६ मूङ् (मू) बन्धने ॥

- १ मो-मवीति, मोति, मूतः, मुवति, मवीषि, मोषि, मूथः, मूथ, मवीमि, मोमि, मूवः, मूमः ॥
- २ मोमू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मो-मवीतु, मोतु, मूतात्, मूताम्, मुवतु, मूहि, मूतात्, मूतम्, मूत, मवानि, मवाव, मवाम ॥
- ४ अमो-मवीत्, मोत्, मूताम्, मनुः, मवीः, मोः, मूतम्, मूत, मवम्, मूव, मूम ॥
- ५ अमोमाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५५७ धृङ् (धृ) अविध्वंसने ॥

- १ दरी-धरीति, धर्ति, धृतः, ध्रति, धरीषि, धर्षि, धृथः, धृथ, धरीमि, धर्मि, धृवः, धूमः ॥
- २ दरीधृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दरी-धरीति, धर्तु, धृतात्, धृताम्, ध्रतु, धाहे, धृतात्, धृतम्, धृत, धराणि, धराव, धराम ॥
- ४ अदरी-धरीत्, धः, धृताम्, धरुः, धरीः, धः, धृतम्, धृत, धरम्, धृव, धूम ॥
- ५ अदरीधाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दरीधर्षा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दरीध्रिया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दरीधरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दरीधरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदरीधरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दरी-स्थाने दरि, इति द्र, इति च ज्ञेयम् ॥

५५८ मेंङ् (मे) प्रतिदाने ॥

- १ मा-मेति, माति, मीतः, मति, मेषि, मासि, मीथः, मीथ, मेमि, मामि, मीवः, मीमः ॥
- २ मामी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मा-मेतु, मातु, मीतात्, मीताम्, मतु, मीहि, मीतात्, मीतम्, मीत, मानि, माव, माम ॥
- ४ अमा-मेत्, मात्, मीताम्, मुः, मेः, माः, मीतम्, मीत, माम्, मीव, मीम ॥
- ५ अमामास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामेया-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५५९ देंङ् (दे) पालने । दांम् ७ वद्रूपाणि ॥

५६० त्रेंङ् (त्रै) पालने ॥

- १ ता-त्रेति, त्राति, त्रीतः, त्रति, त्रेषि, त्रासि, त्रीथः, त्रीथ, त्रेमि, त्रामि, त्रीवः, त्रीमः ॥
- २ तात्री-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ता-त्रेतु, त्रातु, त्रीतात्, त्रीताम्, त्रतु, त्रीहि, त्रीतात्, त्रीतम्, त्रीत, त्राणि, त्राव, त्राम ॥
- ४ अता-त्रेत्, त्रात्, त्रीताम्, त्रुः, त्रैः, त्राः, त्रीतम्, त्रीत, त्राम्, त्रीव, त्रीम ॥ [इष्वं, इष्म ॥
- ५ अतात्रास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तात्रा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तात्रेया-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तात्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तात्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतात्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५६१ श्येंङ् (श्यै) गतौ ॥

- १ शा-श्येति, श्याति, श्यीतः, श्यति, श्येषि, श्यासि, श्यीथः, श्यीथ, श्येमि, श्यामि, श्यीवः, श्यीमः ॥
- २ शाश्या-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शा-श्येतु, श्यातु, श्यीतात्, श्यीताम्, श्यतु, श्यीहि, श्यीतात्, श्यीतम्, श्यीत, श्यानि, श्याव, श्याम ॥
- ४ अशा-श्येत्, श्यात्, श्यीताम्, श्युः, श्यैः, श्याः, श्यीतम्, श्यीत, श्याम्, श्यीव, श्यीम ॥
- ५ अशाश्यास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाश्या-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्येया-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्याया-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्यायिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशाश्यायिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५६२ प्येंङ् (प्यै-पी) वृद्धौ ॥

- १ पे-प्यीति, प्येति, पीतः, प्यति, प्यीषि, प्येमि, पीथः, पीथ, प्येमि, प्यीमि, पीवः, पीमः ॥
- २ पेपी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पे-प्यीतु, प्येतु, पीतात्, पीताम्, प्यतु, पीहि, पीतात्, पीतम्, पीत, प्यानि, प्याव, प्याम ॥
- ४ अपे-प्यीत्, प्येत्, पीतात्, पीताम्, प्युः, प्यैः, प्याः, पीतम्, पीत, प्यम्, पीव, पीम ॥
- ५ अपेपाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पेपया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपीया-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेपयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५६३ वकुङ् (वन्क्) कौटिल्ये ॥

- १ वावङ्-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्वः, क्वमः ॥
- २ वावङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वावङ्-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अवाव-क्तीत्, न्, क्ताम्, क्तुः, क्तीः, न्, क्ताम्, क्तु, क्ताम्, क्व, क्वम् ॥
- ५ अवावङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावङ्का-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावङ्क्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावङ्किता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावङ्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावङ्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५६४ मकुङ् (मन्क्) मण्डने ॥

- १ मामङ्-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्वः, क्वमः ॥
- २ मामङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मामङ्-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अमाम-क्तीत्, न्, क्ताम्, क्तुः, क्तीः, न्, क्ताम्, क्तु, क्ताम्, क्व, क्वम् ॥
- ५ अमामङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामङ्का-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामङ्क्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामङ्किता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामङ्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामङ्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५६५ शीकृङ् (शीक्) सेचने ॥

- १ शोशी-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्वः, क्वमः ॥
- २ शोशीक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शोशी-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अशोशी-कीत्, क्, क्ताम्, क्तुः, कीः, क्, क्तम्, क्त, कम्, क्व, क्वम् ॥
- ५ अशोशीक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शोशीका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशीक्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशीकिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशीकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोशीकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५६६ लोकोङ् (लोक्) दर्शने ॥

- १ लोलो-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्वः, क्वमः ॥
- २ लोलोक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलो-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अलोलो-कीत्, क्, क्ताम्, क्तुः, कीः, क्, क्तम्, क्त, कम्, क्व, क्वम् ॥
- ५ अलोलोक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लोलोका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलोक्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलोकिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलोकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलोलोकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५६७ श्लोक् (श्लोक्) सङ्घाते ॥

- १ शोश्लो-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्तः, क्तमः ॥
- २ शोश्लोक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शोश्लो-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अशोश्लो-कीत्, क्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, क्तम्, क्त, कम्, क, क्तम् ॥
- ५ अशोश्लोक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शोश्लोका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोश्लोक्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोश्लोकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोश्लोकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोश्लोकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५६८ द्रेक् (द्रेक्) शब्दोत्साहे ॥

- १ देद्रे-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्तः, क्तमः ॥
- २ देद्रेक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ देद्रे-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अदेद्रे-कीत्, क्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, क्तम्, क्त, कम्, क, क्तम् ॥
- ५ अदेद्रेक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ देद्रेका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देद्रेक्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देद्रेकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देद्रेकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदेद्रेकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५६९ ध्रेक् (ध्रेक्) शब्दोत्साहे ॥

- १ देध्रे-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्तः, क्तमः ॥
- २ देध्रेक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ देध्रे-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अदेध्रे-कीत्, क्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, क्तम्, क्त, कम्, क, क्तम् ॥
- ५ अदेध्रेक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ देध्रेका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देध्रेक्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देध्रेकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देध्रेकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदेध्रेकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५७० रेक् (रेक्) शङ्कायाम् ॥

- १ रेरे-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्तः, क्तमः ॥
- २ रेरेक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रेरे-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अरेरे-कीत्, क्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, क्तम्, क्त, कम्, क, क्तम् ॥
- ५ अरेरेक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रेरेका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रेरेक्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रेरेकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रेरेकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरेरेकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५७१ शकुङ् (शक्) शङ्कायाम् ॥

- १ शाशङ्-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, कः, कमः ॥
- २ शाशङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाशङ्-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अशाश-क्तीत्, न, क्ताम्, क्तुः, क्तीः, न, क्ताम्, क्तु, क्तम्, क्तुव, क्तम् ॥
- ५ अशाशङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाशङ्का-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशङ्क्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशङ्किता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशङ्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशङ्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५७२ ककि (कक्) लोत्ये ॥

- १ चाक-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, कः, कमः ॥
- २ चाकक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अचाक-कीत्, क्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, क्ताम्, क्त, कम्, क्त, कम ॥
- ५ अचाकाक् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाकक् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकक्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाककिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाककिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाककिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५७३ कुकि (कुक्) आदाने ॥

- १ चो-कुकीति, कोक्ति, कुक्तः, कुकति, कुकीषि, कोक्षि, कुक्थः, कुक्थ, कुकीमि, कोक्मि, कुकः, कुक्मः ॥
- २ चोकुक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोकोक्तु, चोकु-कीतु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अचो-कोक्, कुकीत्, कुक्ताम्, कुकुः, कुकीः, कोक्, कुक्ताम्, कुक्त, कुक्ताम्, कुक्, कुक्ताम् ॥
- ५ अचोकोक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकोका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुक्क्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोकिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकोकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकोकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५७४ वृकि (वृक्) आदाने ॥

- १ वरी-वृकीति, वृक्ति, वृक्तः, वृकति, वृकीषि, वृक्षि, वृक्थः, वृक्थ, वृकीमि, वृक्मि, वृक्ताम्, वृक्ताम् ॥
- २ वरीवृक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वरीवृक्तु, वरीवृ-कीतु, क्तात्, क्ताम्, कतु, क्तात्, कम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अवरी-वृक्, वृकीत्, वृक्ताम्, वृकुः, वृकीः, वृक्, वृक्ताम्, वृक्त, वृक्ताम्, वृक्, वृक्ताम् ॥
- ५ अवरीवृक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वरीवृक्ता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरीवृक्क्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरीवृक्किता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरीवृक्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवरीवृक्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वरी-स्थाने 'वरि' इति 'वर्' इति च ज्ञेयम् ॥

५७५ चकि (चक्) वृषिप्रतीघातयोः ॥

- १ चाच-कीति, कि, कः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, कः, कमः ॥
- २ चाचक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाच-कीतु, कु, कात्, काम्, कतु, गिध, कात्, कम्, क, कानि, काव, काम ॥
- ४ अचाच-कीत्, क्, काम्, कुः, कीः, क्, कम्, क, कम्, क, कम ॥
- ५ अचाचक् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाचक् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाचका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाचक्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाचकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाचकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाचकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५७६ ककुङ् (कन्क्) गतौ ॥

- १ चाकङ्-कीति, कि, कः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्वः, कमः ॥
- २ चाकङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाकङ्-कीतु, कु, कात्, काम्, कतु, गिध, कात्, कम्, क, कानि, काव, काम ॥
- ४ अचाक-कीत्, क्, काम्, कुः, कीः, क्, कम्, क, कम्, क्व, क्वम् ॥
- ५ अचाकङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकङ्का-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकङ्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकङ्किता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकङ्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकङ्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५७७ श्रकुङ् (श्वन्क्) गतौ ॥

- १ शाश्वङ्-कीति, कि, कः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्वः, कमः ॥
- २ शाश्वङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्वङ्-कीतु, कु, कात्, काम्, कतु, गिध, कात्, कम्, क, कानि, काव, काम ॥
- ४ अशाश्व-कीत्, क्, काम्, कुः, कीः, क्, कम्, क, कम्, क्व, क्वम् ॥
- ५ अशाश्वङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाश्वङ्का-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्वङ्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्वङ्किता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्वङ्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाश्वङ्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५७८ त्रकुङ् (त्रन्क्) गतौ ॥

- १ तात्रङ्-कीति, कि, कः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्वः, कमः ॥
- २ तात्रङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात्रङ्-कीतु, कु, कात्, काम्, कतु, गिध, कात्, कम्, क, कानि, काव, काम ॥
- ४ अतात्र-कीत्, क्, काम्, कुः, कीः, क्, कम्, क, कम्, क्व, क्वम् ॥
- ५ अतात्रङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तात्रङ्का-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तात्रङ्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तात्रङ्किता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तात्रङ्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतात्रङ्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५७९ श्रकुङ् (श्रन्क्) गतौ ॥

- १ शाश्रङ्-कीति, क्ति, कः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्वः, कमः ॥
- २ शाश्रङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्रङ्-कीतु, क्तु, क्तात्, काम्, कतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अशाश्रङ्-क्रीत्, न्, क्लाम्, क्लुः, क्लीः, न्, क्लम्, क्ल, क्लम्, क्ल्व, क्लम् ॥
- ५ अशाश्रङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाश्रङ्का-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्रङ्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्रङ्किता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्रङ्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाश्रङ्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५८० श्रकुङ् (श्रन्क्) गतौ ॥

- १ शाश्रङ्-कीति, क्ति, कः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्वः, कमः ॥
- २ शाश्रङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्रङ्-कीतु, क्तु, क्तात्, काम्, कतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अशाश्रङ्-क्रीत्, न्, क्लाम्, क्लुः, क्लीः, न्, क्लम्, क्ल, क्लम्, क्ल्व, क्लम् ॥
- ५ अशाश्रङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाश्रङ्का-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्रङ्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्रङ्किता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्रङ्किष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाश्रङ्किष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५८१ डौकुङ् (डौक्) गतौ ॥

- १ डोडौ-कीति, क्ति, कः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्वः, कमः ॥
- २ डोडौक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ डोडौ-कीतु, क्तु, क्तात्, काम्, कतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अडोडौ-क्रीत्, क्, क्लाम्, क्लुः, क्लीः, क्, क्तम्, क्त, क्तम्, क्त, कम ॥
- ५ अडोडौक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ डोडौका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ डोडौक्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ डोडौकिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ डोडौकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अडोडौकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५८२ त्रौकुङ् (त्रौक्) गतौ ॥

- १ तोत्रौ-कीति, क्ति, कः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्वः, कमः ॥
- २ तोत्रौक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोत्रौ-कीतु, क्तु, क्तात्, काम्, कतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अतोत्रौ-क्रीत्, क्, क्लाम्, क्लुः, क्लीः, क्, क्तम्, क्त, क्तम्, क्त, कम ॥
- ५ अतोत्रौक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोत्रौका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोत्रौक्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोत्रौकिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोत्रौकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोत्रौकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५८३ ष्वष्कि (ष्वष्क्) गतौ ॥

- १ षाष्वष्-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्तः, क्तमः ॥
- २ षाष्वष्क्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ षाष्वष्-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, क्तु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, क्कणि, क्काव, क्काम ॥
- ४ अषाष्व-ष्कीत्, द, ष्ताम्, ष्कुः, ष्कीः, द, ष्क्तम्, ष्क्त, ष्क्तम्, ष्क्त, क्तम् ॥
- ५ अषाष्वक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ षाष्वष्का-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ षाष्वष्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ षाष्वष्किता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ षाष्वष्किण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अषाष्वष्किण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५८४ वस्कि (वस्क्) गतौ ॥

- १ वाव-स्कीति, क्ति, क्तः, स्कति, स्कीषि, क्षि, कथः, कथ, स्कीमि, स्किम, स्कः, स्कमः ॥
- २ वावस्क्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-स्कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, स्कुतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, स्कानि, स्काव, स्काम ॥
- ४ अवाव-स्कीत्, क्, क्ताम्, स्कुः, स्कीः, क्, क्तम्, क्त, स्कम्, स्क, स्कम् ॥
- ५ अवावस्क्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावस्का-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावस्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ वावस्किता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावस्किण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावस्किण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५८५ मस्कि (मस्क्) गतौ ॥

- १ माम-स्कीति, क्ति, क्तः, स्कति, स्कीषि, क्षि, कथः, कथ, स्कीमि, स्किम, स्कः, स्कमः ॥
- २ मामस्क्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माम-स्कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, स्कुतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, स्कानि, स्काव, स्काम ॥
- ४ अमाम-स्कीत्, क्, क्ताम्, स्कुः, स्कीः, क्, क्तम्, क्त, स्कम्, स्क, स्कम् ॥
- ५ अमामस्क्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामस्का-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामस्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ मामस्किता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामस्किण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामस्किण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५८६ तिकि (तिक्) गतौ ॥

- १ ते-तेक्ति, तिकीति, तिक्तः, तिकति, तिकीषि, तेक्षि, तिक्थः, तिक्थ, तिकीमि, तेक्मि, तिक्कः, तिक्मः ॥
- २ तेतिक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तेतेक्, तेति-कीतु, क्तात्, क्ताम्, क्तु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, क्कानि, क्काव, क्काम ॥
- ४ अते-तेक्, तिकीत्, तिक्ताम्, तिक्कुः, तिकीः, तेक्, तिक्ताम्, तिक्, तिक्ताम्, तिक्क, तिक्म ॥
- ५ अतेतेक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तेतेका-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेतिक्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ तेतेकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेतेकिण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेतेकिण्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५८७ टिकि (टिक्) गतौ ॥

- १ टे-टिक्, टिकीति, टिक्कः, टिकति, टिकीषि, टेक्षि, टिक्थः, टिक्थ, टेक्मि, टिकीमि, टिक्कः, टिक्मः ॥
- २ टेटेक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ टेटेकु, टेटि-कीतु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, क्त्तम्, क्त्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अटे-टेक्, टिकीत्, टिक्ताम्, टिक्कुः, टिकीः, टेक्, टिक्त्तम्, टिक्त्त, टिक्म, टिक्, टिक्म ॥
- ५ अटेटेक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ टेटेका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ टेटेक्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ टेटेकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ टेटेकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अटेटेकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५८८ टीकृङ् (टीक्) गतौ ॥

- १ टेटी-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्तः, क्तमः ॥
- २ टेटीक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ टेटी-कीतु, कु, क्तात्, क्ताम्, कतु, गिध, क्तात्, क्त्तम्, क्त्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अटेटी-कीत्, क्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, क्त्तम्, क्त्त, क्त्तम्, क्त्त, क्त्तम् ॥
- ५ अटेटीक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ टेटीका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ टेटीक्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ टेटीकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ टेटीकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अटेटीकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५८९ सेकृङ् (सेक्) गतौ ॥

- १ सेसे-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्तः, क्तमः ॥
- २ सेसेक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सेसे-कीतु, कु, क्तात्, क्ताम्, कितु, गिध, क्तात्, क्त्तम्, क्त्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ असेसे-कीत्, क्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, क्त्तम्, क्त्त, क्त्तम्, क्त्त, क्त्तम् ॥
- ५ असेसेक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सेसेका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेसेक्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेसेकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेसेकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असेसेकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५९० सेकृङ् (सेक्) गतौ ॥

- १ सेसे-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्तः, क्तमः ॥
- २ सेसेक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सेसे-कीतु, कु, क्तात्, क्ताम्, कितु, गिध, क्तात्, क्त्तम्, क्त्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ असेसे-कीत्, क्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, क्त्तम्, क्त्त, क्त्तम्, क्त्त, क्त्तम् ॥
- ५ असेसेक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सेसेका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेसेक्क्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेसेकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेसेकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असेसेकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५९१ रघुङ् (रन्) गतौ ॥

- १ रारङ्-धीति, क्ति, क्तः, घति, घीषि, क्षि, कथः, कथ, घीमि, धि, ध्वः, धमः ॥
- २ रारङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रारङ्-धीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, घतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, घाणि, घाव, घाम ॥
- ४ अरारङ्-हीत्, न्, क्ताम्, हुः, ह्रीः, न्, क्ताम्, क्, क्ताम्, ह्व, ह्वम् ॥
- ५ अरारङ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारङ्गिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारङ्गिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५९२ लघुङ् (लन्) गतौ ॥ लघु ८९ वदूपाणि

५९३ वधुङ् (वन्) गत्याक्षेपे ॥

- १ वावङ्-धीति, क्ति, क्तः, घति, घीषि, क्षि, कथः, कथ, घीमि, धि, ध्वः, धमः ॥
- २ वावङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वावङ्-धीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, घतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, घाणि, घाव, घाम ॥
- ४ अवावङ्-हीत्, न्, क्ताम्, हुः, ह्रीः, न्, क्ताम्, क्, क्ताम्, ह्व, ह्वम् ॥ [इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ५ अवावङ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावङ्गिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवावङ्गिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५९४ मघुङ् (मन्) कैतवे च ॥

- १ मामङ्-धीति, क्ति, क्तः, घति, घीषि, क्षि, कथः, कथ, घीमि, धि, ध्वः, धमः ॥
- २ मामङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मामङ्-धीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, घतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, घाणि, घाव, घाम ॥
- ४ अमामङ्-हीत्, न्, क्ताम्, हुः, ह्रीः, न्, क्ताम्, क्, क्ताम्, ह्व, ह्वम् ॥
- ५ अमामङ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामङ्गा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामङ्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामङ्गिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामङ्गिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५९५ राघुङ् (राघ्) सामर्थ्ये ॥

- १ रारा-धीति, क्ति, क्तः, घति, घीषि, क्षि, कथः, कथ, घीमि, धि, ध्वः, धमः ॥
- २ राराघ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रारा-धीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, घतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, घाणि, घाव, घाम ॥
- ४ अरारा-धीत्, क्, क्ताम्, घुः, घीः, क्, क्ताम्, क्त, घम्, ध्व, धम ॥
- ५ अराराघ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ राराघा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ राराघ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ राराघिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ राराघिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अराराघिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५९६ लाघृङ् (लाघ्) सामर्थ्ये ॥

- १ लाला-धीति, क्ति, क्तः, घति, घीषि, क्षि, कथः, कथ, घीमि, घ्मि, घ्वः, घ्मः ॥
- २ लालाघू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लाला-धीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, घतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, घानि, घाव, घाम ॥
- ४ अलाला-धीत्, क्, क्ताम्, घुः, घीः, क्, क्तम्, क्त, घम्, घ्व, घ्म ॥
- ५ अलालाघू-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लालाघा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालाघ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालाघिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालाघिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालाघिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५९७ दाघृङ् (दाघ्) आयासे च ॥

- १ दादा-धीति, क्ति, क्तः, घति, घीषि, दाघ्राक्षि, दादा-कथः, कथ, घीमि, घ्मि, घ्वः, घ्मः ॥
- २ दादाघू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दादा-धीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, घतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, घानि, घाव, घाम ॥
- ४ अदा-दाधीत्, ध्राक्, दाक्ताम्, दाघुः, दाघीः, ध्राक्, अदादा-क्तम्, क्त, घम्, घ्व, घ्म ॥
- ५ अदादाघू-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दादाघा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादाघ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादाघिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दादाघिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदादाघिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५९८ श्लाघृङ् (श्लाघ्) कथने ॥

- १ शाश्ला-धीति, क्ति, क्तः, घति, घीषि, क्षि, कथः, कथ, घीमि, घ्मि, घ्वः, घ्मः ॥
- २ शाश्लाघू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्ला-धीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, घतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, घानि, घाव, घाम ॥
- ४ अशाश्ला-धीत्, क्, क्ताम्, घुः, घीः, क्, क्तम्, क्त, घम्, घ्व, घ्म ॥
- ५ अशाश्लाघू-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाश्लाघा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्लाघ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्लाघिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्लाघिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाश्लाघिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

५९९ लोचृङ् (लोच्) दर्शने ॥

- १ लोलो-धीति, क्ति, क्तः, घति, घीषि, क्षि, कथः, कथ, घीमि, घ्मि, घ्वः, घ्मः ॥
- २ लोलोच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलो-धीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, घतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, घानि, घाव, घाम ॥
- ४ अलोलो-धीत्, क्, क्ताम्, घुः, घीः, क्, क्तम्, क्त, घम्, घ्व, घ्म ॥
- ५ अलोलोच्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लोलोचा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलोच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलोचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलोचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलोलोचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६०० षचि (सच्) सेचने ॥

- १ सास-चीति, कि, क्तः, चति, चीषि, क्षि, कथः, कथ, चीमि, च्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ सासच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास-चीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ असास-चीत्, क्, क्ताम्, चुः, चीः, क्, क्तम्, क्त, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ असासच् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, असासच् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सासचा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सासचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असासचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६०१ शचि (शच्) व्यक्तायां वाचि ॥

- १ शाश-चीति, कि, क्तः, चति, चीषि, क्षि, कथः, कथ, चीमि, च्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ शाशच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश-चीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अशाश-चीत्, क्, क्ताम्, चुः, चीः, क्, क्तम्, क्त, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अशाशच् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अशाशच् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाशचा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६०२ कचि (कच्) बन्धने ॥

- १ चाक-चीति, कि, क्तः, चति, चीषि, क्षि, कथः, कथ, चीमि, च्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ चाकच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-चीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अचाक-चीत्, क्, क्ताम्, चुः, चीः, क्, क्तम्, क्त, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अचाकच् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाकच् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकचा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६०३ कचुइ (कन्च्) दीप्तौ च ॥

- १ चाक-चीति, कि, क्तः, चति, चीषि, क्षि, कथः, कथ, चीमि, च्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ चाकच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-चीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अचाक-चीत्, क्, क्ताम्, चुः, चीः, क्, क्तम्, क्त, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अचाकच् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाकच् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकचा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६०४ श्वचि (श्वच्) गतौ ॥

- १ शाश्व-चीति, क्ति, क्तः, चति, चीषि, क्षि, कथः, कथ, चीमि, च्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ शाश्वच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्व-चीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिथ, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अशाश्व-चीत्, क्, क्ताम्, चुः, चीः, क्, क्तम्, क्त, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अशाश्वच् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अशाश्वच् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाश्वचा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्वच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्वचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्वचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाश्वचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६०५ श्वचुङ् (श्वन्च्) गतौ ॥

- १ शाश्व-शीति, क्षि, क्तः, श्रति, शीषि, क्षि, कथः, कथ, शीमि, च्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ शाश्वञ्च्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्व-शीतु, इक्तु, क्तात्, क्ताम्, श्रतु, इधि, क्तात्, क्तम्, क्त, शानि, श्राव, श्राम ॥
- ४ अशाश्व-शीत्, न, क्ताम्, शुः, शीः, न, क्तम्, क्त, शम्, श्व, श्वम् ॥
- ५ अशाश्वञ्च्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाश्वञ्चा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्वञ्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्वञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्वञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाश्वञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६०६ वचि (वच्) दीप्तौ ॥

- १ वाव-वीति, क्ति, क्तः, वति, वीषि, क्षि, कथः, कथ, वीमि, च्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ वावच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-वीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, वतु, गिथ, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अवाव-वीत्, क्, क्ताम्, चुः, वीः, क्, क्तम्, क्त, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अवावच्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावर्चा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावर्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावर्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावर्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावर्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६०७ मचि (मच्) कल्कने ॥

- १ माम-वीति, क्ति, क्तः, चति, वीषि, क्षि, कथः, कथ, चीमि, च्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ मामच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माम-वीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिथ, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अमाम-वीत्, क्, क्ताम्, चुः, वीः, क्, क्तम्, क्त, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अमामच् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अमामच् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामचा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६०८ मुचुङ् (मुन्च्) कल्कने ॥

- १ मोमु-धीति, झि, झः, धति, धीषि, झि, झथः, झथ, धीमि, ज्मि, ज्म्वः, ज्मः ॥
- २ मोमुञ्च्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमु-धीतु, इत्तु, झात्, झाम्, धतु, इधि, झात्, झम्, झ्, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अमोमु-धीत्, न, झाम्, धुः, धीः, न, झम्, झ्, धम्, ज्म्व, ज्मः ॥
- ५ अमोमुञ्च्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमुञ्चा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुञ्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमुञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमुञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमुञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६०९ मचुङ् (मन्च्) धारणोच्छ्रायपूजनेषु च ॥

- १ माम-धीति, झि, झः, धति, धीषि, झि, झथः, झथ, धीमि, ज्मि, ज्म्वः, ज्मः ॥
- २ मामञ्च्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माम-धीतु, इत्तु, झात्, झाम्, धतु, इधि, झात्, झम्, झ्, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अमाम-धीत्, न, झाम्, धुः, धीः, न, झम्, झ्, धम्, ज्म्व, ज्मः ॥
- ५ अमामञ्च्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामञ्चा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामञ्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६१० पचुङ् (पन्च्) व्यक्तीकरणे ॥

- १ पाप-धीति, झि, झः, धति, धीषि, झि, झथः, झथ, धीमि, ज्मि, ज्म्वः, ज्मः ॥
- २ पापञ्च्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पाप-धीतु, इत्तु, झात्, झाम्, धतु, इधि, झात्, झम्, झ्, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अपाप-धीत्, न, झाम्, धुः, धीः, न, झम्, झ्, धम्, ज्म्व, ज्मः ॥
- ५ अपापञ्च्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पापञ्चा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापञ्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापञ्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापञ्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपापञ्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६११ घुचि (स्तुच्) प्रसादे ॥

- १ तो-घुचीति, घोक्ति, घुक्तः, घुचति, घुचीषि, घोक्षि, घुक्थः, घुक्थ, घुचिमि, घोचिम, घुच्वः, घुच्यः ॥
- २ तोघुच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोघोक्तु, तोघु-धीतु, क्तात्, क्ताम्, चतु, मिध, क्तात्, क्त्, क्, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अतो-घोक्, घुचीत्, घुक्ताम्, घुचुः, घुचीः, घोक्, घुक्ताम्, घुक्त, घुचम्, घुच्व, घुच्य ॥
- ५ अतोघोच्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोघोचा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोघुच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोघोचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोघोचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोघोचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६१२ भ्रेजूङ् (भ्रेज्) दीप्तौ ॥

- १ भ्रेजे-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ भ्रेजेज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ भ्रेजे-जीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ भ्रेजे-जीत्, क्, क्ताम्, जुः, जीः, क्, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ भ्रेजेज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ भ्रेजेजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ भ्रेजेज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ भ्रेजेजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ भ्रेजेजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० भ्रेजेजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६१३ भ्राजि (भ्राज्) दीप्तौ ॥

- १ बाभ्रा-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ बाभ्राज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभ्रा-जीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ बाभ्रा-जीत्, क्, क्ताम्, जुः, जीः, क्, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ बाभ्राज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बाभ्राजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभ्राज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभ्राजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभ्राजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० बाभ्राजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६१४ भृजैङ् (भृज्) भर्जने ॥

- १ बरी-भृजीति, भर्क्ति, भृक्तः, भृजति, भृजीषि, भर्क्षि, भृक्थः, भृक्थ, भर्जि, भृजीमि, भृज्वः, भृज्मः ॥
- २ बरीभृज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बरीभर्क्तु, बरीभृ-जीतु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ बरीभर्क्, भृजीत्, भृक्ताम्, भृजुः, भृजीः, भर्क्, भृक्तम्, भृक्त, भृजम्, भृज्व, भृज्म ॥
- ५ बरीभर्ज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बरीभर्जा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बरीभृज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बरीभर्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बरीभर्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० बरीभर्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे बरी-स्थाने बरि, इति बर्, इति च ज्ञेयम् ।

६१५ तिजि (तिज्) क्षमानिशामनयोः ॥

- १ ते-तेक्ति, तिजीति, तिक्तः, तिजति, तिजीषि, तेक्षि, तिक्थः, तिक्थ, तेज्मि, तिजीमि, तिज्वः, तिज्मः ॥
- २ तेतिज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तेतेक्तु, तेति-क्तु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अते-तेक्, तिजीत्, तिक्ताम्, तिजुः, तिजीः, तेक्, तिक्तम्, तिक्त, तिजम्, तिज्व, तिज्म ॥
- ५ अतेतेज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तेतेजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेतिज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेतेजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेतेजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेतेजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६१६ घट्टि (घट्) चलने ॥

- १ जाघ-घीति, छि, छः, छति, छीषि, छ्षि, छः, छ, छीमि, छिम, छ्वः, छ्मः ॥
- २ जाघट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाघ-घीतु, छु, छात्, छाम्, छतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, छानि, छाव, छाम ॥
- ४ अजाघ-घीत्, द, छाम्, छुः, घीः, द, छम्, छ, छम्, छ्व, छ्म ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अजाघट्-ईत्, इछाम्, इछुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाघट्टा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाघट्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाघट्टिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाघट्टिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाघट्टिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६१७ स्फुटि(स्फुट्) विकसने ॥ स्फुट् १९४ वद्रूपाणि

६१८ चेष्टि (चेष्ट्) चेष्टायाम् ॥

- १ चेचे-छीति, छि, छः, छति, छीषि, छ्षि, छः, छ, छीमि, छिम, छ्वः, छ्मः ॥
- २ चेचेष्ट-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेचे-छीतु, छु, छात्, छाम्, छतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, छानि, छाव, छाम ॥
- ४ अचेचे-छीत्, द, छाम्, छुः, छीः, द, छम्, छ, छम्, छ्व, छ्म ॥
- ५ अचेचेष्ट-ईत्, इछाम्, इछुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चेचेष्टा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेचेष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेचेष्टिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेचेष्टिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेचेष्टिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६१९ गोष्टि (गोष्ट्) संघाते ॥

- १ जोगो-छीति, छि, छः, छति, छीषि, छ्षि, छः, छ, छीमि, छिम, छ्वः, छ्मः ॥
- २ जोगोष्ट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोगो-छीतु, छु, छात्, छाम्, छतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, छानि, छाव, छाम ॥
- ४ अजोगो-छीत्, द, छाम्, छुः, छीः, द, छम्, छ, छम्, छ्व, छ्म ॥
- ५ अजोगोष्ट्-ईत्, इछाम्, इछुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोगोष्टा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगोष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगोष्टिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगोष्टिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगोष्टिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६२० लोष्टि (लोष्ट्) संघाते ॥

- १ लोलो-छीति, छि, छः, छति, छीषि, छ्षि, छः, छ, छीमि, छिम, छ्वः, छ्मः ॥
- २ लोलोष्ट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलो-छीतु, छु, छात्, छाम्, छतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, छानि, छाव, छाम ॥
- ४ अलोलो-छीत्, द, छाम्, छुः, छीः, द, छम्, छ, छम्, छ्व, छ्म ॥
- ५ अलोलोष्ट्-ईत्, इछाम्, इछुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लोलोष्टा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलोष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलोष्टिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलोष्टिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलोलोष्टिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६२१ वेष्टि (वेष्ट) वेष्टने ॥

- १ वेवे-धीति, छि, छः, छति, छीषि, छ्षि, छः, छ, छमि, छमि, छ्वः, छ्मः ॥
- २ वेवेष्ट-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ वेवे-धीतु, छु, छात्, छाम्, छतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, छनि, छाव, छाम् ॥
- ४ अवेवे-धीत्, द, छाम्, छुः, छीः, द, छम्, छ, छम्, छ्व, छ्म ॥
- ५ अवेवेष्ट-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वेवेष्टा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेवेष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेष्टिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेष्टिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेष्टिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६२२ हेठि (हेढ्) विवाधायाम् ॥

- १ जेहे-धीति, छि, छः, छति, छीषि, द्षि, द्ढः, द्ढ, ठमि, द्ढमि, द्ढ्वः, द्ढ्मः ॥
- २ जेहेढ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जेहे-धीतु, द्ढ, द्ढात्, द्ढाम्, द्ढतु, द्ढ्वि, द्ढात्, द्ढम्, द्ढ, द्ढनि, द्ढाव, द्ढाम् ॥
- ४ अजेहे-धीत्, द, द्ढाम्, द्ढुः, द्ढीः, द, द्ढम्, द्ढ, द्ढम्, द्ढ्व, द्ढ्म ॥
- ५ अजेहेढ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जेहेढा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेहेढ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेहेढिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेहेढिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेहेढिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६२३ मटुङ् (मन्द्) शोके ॥

- १ मामण्-धीति, छि, छः, छति, छीषि, द्षि, द्ढः, द्ढ, ठमि, द्ढिम, द्ढ्वः, द्ढ्मः ॥
- २ मामण्ड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ मामण्-धीतु, द्ढ, द्ढात्, द्ढाम्, द्ढतु, द्ढ्वि, द्ढात्, द्ढम्, द्ढ, द्ढनि, द्ढाव, द्ढाम् ॥
- ४ अमाम-ण्ठीत्, न्, ण्डाम्, ण्डुः, ण्ठीः, न्, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्ड्व, ण्ड्म ॥
- ५ अमामण्ड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६२४ कटुङ् (कन्द्) शोके ॥

- १ चाकण्-धीति, छि, छः, छति, छीषि, द्षि, द्ढः, द्ढ, ठमि, द्ढिम, द्ढ्वः, द्ढ्मः ॥
- २ चाकण्ड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ चाकण्-धीतु, द्ढ, द्ढात्, द्ढाम्, द्ढतु, द्ढ्वि, द्ढात्, द्ढम्, द्ढ, द्ढनि, द्ढाव, द्ढाम् ॥
- ४ अचाक-ण्ठीत्, न्, ण्डाम्, ण्डुः, ण्ठीः, न्, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्ड्व, ण्ड्म ॥
- ५ अचाकण्ड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६२५ मुठुङ् (मन्द्) पलायने ॥

- १ मोमुण्-ठीति, टि, टः, ठति, ठीषि, टिष, टः, टः, ठीमि, टिमि, ट्वः, ट्मः ॥
- २ मोमुण्ड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ मोमुण्-ठीतु, टु, टात्, टाम्, ठतु, ट्ति, टात्, टम्, ट, ठानि, ठाव, ठाम् ॥
- ४ अमोमु-ण्ठीत्, न्, ण्टाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्टम्, ण्ड, ण्डम्, ण्डव, ण्डम् ॥
- ५ अमोमुण्ड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मोमुण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमुण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमुण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६२६ वठुङ् (वन्द्) एकचर्यायाम् ॥

- १ वावण्-ठीति, टि, टः, ठति, ठीषि, टिष, टः, टः, ठीमि, टिमि, ट्वः, ट्मः ॥
- २ वावण्ड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ वावण्-ठीतु, टु, टात्, टाम्, ठतु, ट्ति, टात्, टम्, ट, ठानि, ठाव, ठाम् ॥
- ४ अवाव-ण्ठीत्, न्, ण्टाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्टम्, ण्ड, ण्डम्, ण्डव, ण्डम् ॥
- ५ अवावण्ड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वावण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६२७ पडुङ् (पन्द्) गतौ ॥

- १ पापण्-ठीति, टि, टः, ठति, ठीषि, टिष, टः, टः, ठीमि, टिमि, ट्वः, ट्मः ॥
- २ पापण्ड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ पापण्-ठीतु, टु, टात्, टाम्, ठतु, ट्ति, टात्, टम्, ट, ठानि, ठाव, ठाम् ॥
- ४ अपाप-ण्ठीत्, न्, ण्टाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्टम्, ण्ड, ण्डम्, ण्डव, ण्डम् ॥
- ५ अपापण्ड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पापण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपापण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६२८ हुडुङ् (हुन्द्) संघाते ॥

- १ जोहुण्-ठीति, टि, टः, ठति, ठीषि, टिष, टः, टः, ठीमि, टिमि, ट्वः, ट्मः ॥
- २ जोहुण्ड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जोहुण्-ठीतु, टु, टात्, टाम्, ठतु, ट्ति, टात्, टम्, ट, ठानि, ठाव, ठाम् ॥
- ४ अजोहु-ण्ठीत्, न्, ण्टाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्टम्, ण्ड, ण्डम्, ण्डव, ण्डम् ॥
- ५ अजोहुण्ड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोहुण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोहुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोहुण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोहुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोहुण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६२९ पिडुङ् (पिन्द्) संघाते ॥

- १ पेपिण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दपि, टः, ट, डीमि, डिम, ड्वः, ड्वमः ॥
- २ पेपिण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पेपिण्-डीतु, टु, टात्, टाम्, डतु, ड्वि, टात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अपेपि-ण्डीत्, न्, ण्डाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्ड, ण्डम् ॥
- ५ अपेपिण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पेपिण्डा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपिण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपिण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपिण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेपिण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६३० शडुङ् (शन्द्) रुजार्था च ॥

- १ शाशण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दपि, टः, ट, डीमि, डिम, ड्वः, ड्वमः ॥
- २ शाशण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाशण्-डीतु, टु, टात्, टाम्, डतु, ड्वि, टात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अशाश-ण्डीत्, न्, ण्डाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्ड, ण्डम् ॥
- ५ अशाशण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाशण्डा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६३१ तडुङ् (तन्द्) ताडने ॥

- १ तातण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दपि, टः, ट, डीमि, डिम, ड्वः, ड्वमः ॥ [याव, याम ॥
- २ तातण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तातण्-डीतु, टु, टात्, टाम्, डतु, ड्वि, टात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥ [ण्डम्, ण्ड, ण्डम् ॥
- ४ अतात-ण्डीत्, न्, ण्डाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्ड, ण्डम् ॥
- ५ अतातण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तातण्डा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६३२ कडुङ् (कण्ड) मदे । कडु २३७ वद्रूपाणि ।

६३३ खडुङ् (खन्द्) मन्थे ॥

- १ चाखण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, दपि, टः, ट, डीमि, डिम, ड्वः, ड्वमः ॥
- २ चाखण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाखण्-डीतु, टु, टात्, टाम्, डतु, ड्वि, टात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अचाख-ण्डीत्, न्, ण्डाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्ड, ण्डम् ॥
- ५ अचाखण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाखण्डा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाखण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाखण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाखण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाखण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६३४ खुड्ड (खुन्द्) गतिवैकल्ये ॥

- १ चोखुण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, द्षि, ठः, ठ, डीमि, द्विम, द्वः, इमः ॥
- २ चोखुण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ चोखुण्-डीतु, ड, टात्, टाम्, डतु, डि, टात्, टम्, ट, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अचोखु-ण्डीत्, न्, ण्टाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्टम्, ण्ट, ण्डम्, ण्ड्व, ण्डम् ॥
- ५ अचोखुण्ड-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोखुण्डा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोखुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोखुण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोखुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोखुण्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६३५ कुड्ड (कुन्द्) दाहे ॥

- १ चोकुण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, द्षि, ठः, ठ, डीमि, द्विम, द्वः, इमः ॥
- २ चोकुण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ चोकुण्-डीतु, ड, टात्, टाम्, डतु, डि, टात्, टम्, ट, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अचोकु-ण्डीत्, न्, ण्टाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्टम्, ण्ट, ण्डम्, ण्ड्व, ण्डम् ॥
- ५ अचोकुण्ड-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकुण्डा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकुण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकुण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकुण्डिष्य-अत्, अताम्, न्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६३६ वड्ड (वन्द्) वेष्टने ॥

- १ वावण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, द्षि, ठः, ठ, डीमि, द्विम, द्वः, इमः ॥
- २ वावण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ वावण्-डीतु, ड, टात्, टाम्, डतु, डि, टात्, टम्, ट, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अवाव-ण्डीत्, न्, ण्टाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्टम्, ण्ट, ण्डम्, ण्ड्व, ण्डम् ॥
- ५ अवावण्ड-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावण्डा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवावण्डिष्य-अत्, अताम्, न्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६३८ भड्ड (भन्द्) परिभाषणे ॥

- १ बाभण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, द्षि, ठः, ठ, डीमि, द्विम, द्वः, इमः ॥
- २ बाभण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ बाभण्-डीतु, ड, टात्, टाम्, डतु, डि, टात्, टम्, ट, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अबाभ-ण्डीत्, न्, ण्टाम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्टम्, ण्ट, ण्डम्, ण्ड्व, ण्डम् ॥
- ५ अबाभण्ड-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभण्डा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभण्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अबाभण्डिष्य-अत्, अताम्, न्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६३७ मड्ड (मन्द्) वेष्टने । मड्ड २१४ वद्रूपाणि । ६३९ मुड्ड (मन्द्) कल्कने । मुड्ड २१३ वद्रूपाणि ।

६४० तुडुङ् (तुन्ड्) तोडने ॥

- १ तोतुण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, द्षि, ठः, ठ, डीमि, डिम, ड्वः, डमः ॥
- २ तोतुण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतुण्-डीतु, टु, यात्, याम्, डतु, ड्वि, यात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अतोतु-ण्डीत्, न्, ण्याम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्टम्, ण्ट, ण्डम्, ण्ड्व, ण्डम् ॥
- ५ अतोतुण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतुण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुण्ड्या-न्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ तोतुण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ तोतुण्डिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतुण्डिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६४१ भुडुङ् (भुन्ड्) वरणे ॥

- १ बोभुण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, द्षि, ठः, ठ, डीमि, डिम, ड्वः, डमः ॥
- २ बोभुण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बोभुण्-डीतु, टु, यात्, याम्, डतु, ड्वि, यात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अबोभु-ण्डीत्, न्, ण्याम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्टम्, ण्ट, ण्डम्, ण्ड्व, ण्डम् ॥
- ५ अबोभुण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बोभुण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बोभुण्ड्या-न्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ बोभुण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ बोभुण्डिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबोभुण्डिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६४२ चडुङ् (चन्ड्) कोपे ॥

- १ चाचण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, द्षि, ठः, ठ, डीमि, डिम, ड्वः, डमः ॥
- २ चाचण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाचण्-डीतु, टु, यात्, याम्, डतु, ड्वि, यात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अचाच-ण्डीत्, न्, ण्याम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्टम्, ण्ट, ण्डम्, ण्ड्व, ण्डम् ॥
- ५ अचाचण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाचण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाचण्ड्या-न्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ चाचण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ चाचण्डिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाचण्डिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६४३ द्राडुङ् (द्राड्) विशरणे ॥

- १ दाद्रा-डीति, टि, टः, डति, डीषि, द्षि, ठः, ठ, डीमि, डिम, ड्वः, डमः ॥
- २ दाद्राड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाद्रा-डीतु, टु, यात्, याम्, डतु, ड्वि, यात्, टम्, ट, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अदाद्रा-डीत्, न्, ण्याम्, ण्डुः, ण्डीः, न्, ण्टम्, ण्ट, ण्डम्, ण्ड्व, ण्डम् ॥
- ५ अदाद्राड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाद्राडा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाद्राड्या-न्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ दाद्राडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ दाद्राडिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाद्राडिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६४४ ध्राडृङ् (ध्राड्) विशरणे ॥

- १ दाध्रा-डीति, द्वि, दः, डति, डीषि, द्षि, दृः, दृ, डीमि, द्विम, द्वः, डमः ॥
- २ दाध्राङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाध्रा-डीतु, दृ, द्रात्, द्राम्, डतु, द्वि, द्रात्, द्रम्, दृ, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अदाध्रा-डीत्, द, द्राम्, डः, डीः, द, द्रम्, दृ, डम्, द्व, डमः ॥
- ५ अदाध्राङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दाध्राडा-ञकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाध्राङ्या-त्, स्ताम्, सुः, : स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाध्राङिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाध्राङिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाध्राङिष्य-अत्, अताम्, अन्, : अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६४५ शाशङ् (शाड्) श्लाघायाम् ॥

- १ शाशा-डीति, द्वि, दः, डति, डीषि, द्षि, दृः, दृ, डीमि, द्विम, द्वः, डमः ॥
- २ शाशाङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाशा-डीतु, दृ, द्रात्, द्राम्, डतु, द्वि, द्रात्, द्रम्, दृ, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अशाशा-डीत्, द, द्राम्, डः, डीः, द, द्रम्, दृ, डम्, द्व, डमः ॥
- ५ अशाशाङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाशाडा-ञकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशाङ्या-त्, स्ताम्, सुः, : स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशाङिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशाङिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशाङिष्य-अत्, अताम्, अन्, : अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६४६ वावाङ् (वाड्) आप्ताव्ये ॥

- १ वावा-डीति, द्वि, दः, डति, डीषि, द्षि, दृः, दृ, डीमि, द्विम, द्वः, डमः ॥
- २ वावाङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वावा-डीतु, दृ, द्रात्, द्राम्, डतु, द्वि, द्रात्, द्रम्, दृ, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अवावा-डीत्, द, द्राम्, डः, डीः, द, द्रम्, दृ, डम्, द्व, डमः ॥
- ५ अवावाङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वावाडा-ञकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावाङ्या-त्, स्ताम्, सुः, : स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावाङिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावाङिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावाङिष्य-अत्, अताम्, अन्, : अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६४७ हेडृङ् (हेड्) अनादरे ॥

- १ जेहे-डीति, द्वि, दः, डति, डीषि, द्षि, दृः, दृ, डीमि, द्विम, द्वः, डमः ॥
- २ जेहेङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेहे-डीतु, दृ, द्रात्, द्राम्, डतु, द्वि, द्रात्, द्रम्, दृ, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अजेहे-डीत्, द, द्राम्, डः, डीः, द, द्रम्, दृ, डम्, द्व, डमः ॥
- ५ अजेहेङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जेहेडा-ञकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेहेङ्या-त्, स्ताम्, सुः, : स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेहेङिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेहेङिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेहेङिष्य-अत्, अताम्, अन्, : अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६४८ होडृङ् (होड्) अनादरे ॥

- १ जोहो-डीति, टि, टः, डति, डीषि, द्षि, ङः, ङ, डीमि, इमि, ड्वः, इमः ॥
- २ जोहोङ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोहो-डीतु, ड, द्यात्, द्याम्, डतु, ड्वि, द्यात्, द्याम्, ड, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अजोहो-डीत्, द, द्याम्, डुः, डीः, द, द्याम्, द, डम्, ड्व, इम ॥
- ५ अजोहोङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोहोडा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोहोड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोहोडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोहोडिण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोहोडिण्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६४९ हिडृङ् (हिन्ड्) गतौ च ॥

- १ जेहिण्-डीति, टि, टः, डति, डीषि, द्षि, ङः, ङ, डीमि, इमि, ड्वः, इमः ॥
- २ जेहिण्ड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेहिण्-डीतु, ड, द्यात्, द्याम्, डतु, ड्वि, द्यात्, द्याम्, ड, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अजेहि-ण्डीत्, न, ण्डाम्, ण्डुः, ण्डीः, न, ण्डम्, ण्ड, ण्डम्, ण्व, ण्म ॥
- ५ अजेहिण्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जेहिण्डा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेहिड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेहिण्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेहिण्डिण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेहिण्डिण्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६५० घिणुङ् (घिण्) ग्रहणे ॥

- १ जेघिण्-ईति, टि, टः, अति, ईषि, पि, ठः, ठ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ जेघिण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेघिण्-ईतु, ड, द्यात्, द्याम्, अतु, हि, द्यात्, द्याम्, ड, आनि, आव, आम ॥
- ४ अजेघि-ण्णीत्, न, ण्ण्टाम्, ण्णुः, ण्णीः, न, ण्ण्टम्, ण्ण्ट, ण्णम्, ण्व, ण्म ॥
- ५ अजेघिण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जेघिण्णा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेघिण्ण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेघिण्णिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेघिणिण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेघिणिण्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६५१ घुणुङ् (घुण्) ग्रहणे ॥

- १ जोघुण्-ईति, टि, टः, अति, ईषि, पि, ठः, ठ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ जोघुण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोघुण्-ईतु, ड, द्यात्, द्याम्, अतु, हि, द्यात्, द्याम्, ड, आनि, आव, आम ॥
- ४ अजोघु-ण्णीत्, न, ण्ण्टाम्, ण्णुः, ण्णीः, न, ण्ण्टम्, ण्ण्ट, ण्णम्, ण्व, ण्म ॥
- ५ अजोघुण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोघुण्णा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोघुण्ण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोघुणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोघुणिण्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोघुणिण्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६५२ घृण् (घृण्) ग्रहणे ॥

- १ जरीघृण्-णीति, णि, णटः, णति, णीषि, णिष, णटः, ण, णीमि, णिम, णवः, णमः ॥ [याव, याम ॥
 - २ जरीघृण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
 - ३ जरीघृण्-णीतु, णट, ण्यात्, ण्याम्, णतु, णिह, ण्यात्, णटम्, णट, णानि, णाव, णाम ॥
 - ४ अजरीघृ-णीत्, न, णटाम्, णुः, णीः, न, णटम्, णट, णम, णव, णम ॥ [इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ५ अजरीघृण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ६ जरीघृणा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ जरीघृण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ जरीघृणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ जरीघृणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 - १० अजरीघृणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे जरी-स्थाने जर इति जरि इति च ज्ञेयम् ।

६५३ घृणि (घृण्) भ्रमणे ॥

- १ जो-घृणीति, घोण्टि, घुण्टः, घुणति, घृणीषि, घोणिं, घुण्टः, घुण्ट, घृणीमि, घोण्मि, घुण्वः, घुण्मः ॥
- २ जोघृण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जोघोण्टु, जोघु-णीतु, ण्यात्, ण्याम्, णतु, णिह, ण्यात्, णटम्, णट, णानि, णाव, णाम ॥
- ४ अजो-घोण्, घृणीत्, घुण्टाम्, घुणुः, घृणीः, घोण्, घुण्टम्, घुण्ट, घुणम्, घुण्व, घुण्म ॥
- ५ अजोघोण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोघोणा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोघुण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोघोणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोघोणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजोघोणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

६५४ घूर्णि (घूर्ण्) भ्रमणे ॥

- १ जोघूर्-णीति, णि, णटः, णति, णीषि, णिष, णटः, ण, णीमि, णिम, णवः, णमः ॥
- २ जोघूर्ण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जोघूर्-णीतु, णट, ण्यात्, ण्याम्, णतु, णिह, ण्यात्, णटम्, णट, णानि, णाव, णाम ॥
- ४ अजोघूर्-णीत्, न, णटाम्, णुः, णीः, न, णटम्, णट, णम, णव, णम ॥
- ५ अजोघूर्ण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोघूर्णा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोघूर्ण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोघूर्णिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोघूर्णिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजोघूर्णिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

*६५५ पणि (पण्) व्यवहारस्तुत्योः ॥

- १ पं-पणीति, पण्टि, पाण्टः, पणति, पणीषि, पण्वि, पाण्टः, पाण्ट, पणीमि, पण्मि, पण्वः, पण्मः ॥
- २ पंपण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ पं-पणीतु, पण्टु, पाण्टात्, पाण्टाम्, पणतु, पाण्टिह, पाण्टात्, पाण्टम्, पाण्ट, पणानि, पणाव, पणाम ॥
- ४ अपं-पणीत्, पण्, पाण्टाम्, पणुः, पणीः, पण, पाण्टम्, पाण्ट, पणम्, पण्व, पण्म ॥
- ५ अपंपाण् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपंपण् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पंपणा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पंपण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पंपणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पंपणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपंपणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

*क्रियारत्नसमुच्चयकृन्मतेनेदम् । अपरे त्वायप्रत्यये पंपणा-यति, येत्, यतु, अपंपणा-यत्, यीत्, पंपणा-याञ्कार, याम्बभूव, यामास, य्यात्, यिता, यिष्यति । अपंपणायिष्यत्, इत्यादि मन्यन्ते ॥ पक्षे पं-स्थाने 'पम्' इति ज्ञेयम् ॥

६५६ यतैङ् (यत्) प्रयत्ने ॥

- १ याय-तीति, त्ति, त्तः, तति, तीषि, त्सि, त्थः, त्थ, तीमि, त्मि, त्वः, त्सः ॥
- २ यायत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ याय-तीतु, तु, तात्, ताम्, ततु, द्वि, तात्, तम्, त्त, तानि, ताव, ताम ॥
- ४ अयाय-तीत्, त्, ताम्, तुः, तीः, त्, तम्, त्त, तम्, त्व, त्स ॥
- ५ अयायात्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अयायत्-इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ यायता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ यायत्या-त्, स्ताम्, दुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ यायतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ यायतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयायतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

६५७ युतुङ् (युत्) भासने ॥

- १ यो-योत्ति, युतीति, युत्तः, युतति, युतीषि, योत्सि, युत्थः, युत्थ, युतीमि, योत्मि, युत्त्वः, युत्सः ॥
 - २ योयुत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
 - ३ योयोत्तु, योयु-तीतु, तात्, ताम्, ततु, द्वि, तात्, तम्, त्त, तानि, ताव, ताम ॥
 - ४ अयो-योत्, युतीत्, युताम्, युतुः, युतीः, योत्, युत्तम्, युत्त, युतम्, युत्त्व, युत्स ॥
 - ५ अयोयोत्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ६ योयोता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ योयुत्या-त्, स्ताम्, दुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ योयोतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ योयोतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
 - १० अयोयोतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥
- ६५८ जुतुङ् (जुत्) भासने । जुतृ २६२ वद्रूपाणि ।

६५९ विथृङ् (विथ्) याचने ॥

- १ वे-वेत्ति, विथीति, वित्तः, विथति, विथीषि, वेत्सि, वित्थः, वित्थ, विथीमि, वेत्मि, वित्थ्वः, वित्थ्वः ॥
- २ वेवेथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवेत्तु, वेवि-थीतु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अवे-वेत्, विथीत्, वित्ताम्, विथुः, विथीः, वेत्, वित्तम्, वित्त, विथम्, विथ्व, विथ्व ॥
- ५ अवेवेथ्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वेवेथा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेवेथ्या-त्, स्ताम्, दुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

६६० वेथृङ् (वेथ्) याचने ॥

- १ वेवे-थीति, त्ति, त्तः, यति, थीषि, त्सि, त्थः, त्थ, थीमि, थ्मि, थ्वः, थ्सः ॥
- २ वेवेथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवे-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अवेवे-थीत्, त्, ताम्, थुः, थीः, त्, तम्, त्त, थम्, थ्व, थ्स ॥
- ५ अवेवेथ्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वेवेथा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेवेथ्या-त्, स्ताम्, दुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

६६१ नाथृङ् (नाथ्) उपतापैश्वर्याशीःषु च ॥

- १ नाना-थीति, त्ति, त्तः, थति, थीषि, त्सि, त्थः, त्थ, थीमि, थिमि, थ्वः, थमः ॥
- २ नानाथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नाना-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अनाना-थीत्, त्, ताम्, युः, थीः, त्, तम्, त्त, थम्, थ्व, थम ॥
- ५ अनानाथ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नानाथा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानाथ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानाथिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानाथिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनानाथिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

६६२ श्रथुङ् (श्रन्थ्) शैथिल्ये ॥

- १ शाश्रन्-थीति, त्ति, त्तः, थति, थीषि, त्सि, त्थः, त्थ, थीमि, थिमि, थ्वः, थमः ॥
- २ शाश्रन्थ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्रन्-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अशाश्रन्-थीत्, त्, न्ताम्, न्थुः, न्थीः, त्, न्तम्, न्त, न्थम्, न्थ्व, न्थम ॥
- ५ अशाश्रन्थ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाश्रन्था-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्रन्थ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्रन्थिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्रन्थिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाश्रन्थिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

६६३ ग्रथुङ् (ग्रन्थ्) कौटिल्ये ॥

- १ जाग्रन्-थीति, त्ति, त्तः, थति, थीषि, त्सि, त्थः, त्थ, थीमि, थिमि, थ्वः, थमः ॥
- २ जाग्रन्थ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाग्रन्-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अजाग्रन्-थीत्, त्, ताम्, युः, थीः, त्, तम्, त्त, थम्, थ्व, थम ॥
- ५ अजाग्रन्थ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाग्रन्था-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाग्रन्थ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाग्रन्थिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाग्रन्थिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाग्रन्थिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

६६४ कत्थि (कत्थ्) श्लाघायाम् ॥

- १ चाक-त्थीति, त्ति, त्तः, त्थति, त्थीषि, त्सि, त्थः, त्थ, त्थीमि, त्थिमि, त्थ्वः, त्थमः ॥
- २ चाकत्थ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-त्थीतु, तु, तात्, ताम्, त्थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, त्थानि, त्थाव, त्थाम ॥
- ४ अचाक-त्थीत्, त्, ताम्, त्थुः, त्थीः, त्, त्तम्, त्त, त्थम्, त्थ्व, त्थम ॥
- ५ अचाकत्थ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाकत्था-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकत्थ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकत्थिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकत्थिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकत्थिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

६६५ शिबुङ् (शिब्) श्रैत्ये ॥

- १ शिबिन्-दीतु, तु, तः, दति, दीषि, त्सि, थः, थ, दीमि, धि, द्वः, धः ॥
- २ शिबिन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शिबिन्-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अशिबिन्-दीत्, ", ताम्, दुः, दीः, ", तम्, त, दम्, द्व, ध ॥
- ५ अशिबिन्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शिबिन्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शिबिन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शिबिन्दिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शिबिन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशिबिन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६६६ वदुङ् (वन्) स्तुत्यभिवादनयोः ॥

- १ वाविन्-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्यः, त्य, दीमि, धि, द्वः, धः ॥
- २ वाविन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाविन्-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अवाविन्-दीत्, ", ताम्, दुः, दीः, ", तम्, त, दम्, द्व, ध ॥
- ५ अवाविन्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वाविन्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वाविन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वाविन्दिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वाविन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवाविन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६६७ भदुङ् (भन्) सुखकल्याणयोः ॥

- १ बाभिन्-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, थः, थ, दीमि, धि, द्वः, धः ॥
- २ बाभिन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभिन्-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अबाभिन्-दीत्, ", ताम्, दुः, दीः, ", तम्, त, दम्, द्व, ध ॥
- ५ अबाभिन्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बाभिन्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभिन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभिन्दिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभिन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभिन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६६८ मदुङ् (मन्) स्तुतिमोदमदस्वप्नगतिषु ॥

- १ मामिन्-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, थः, थ, दीमि, धि, द्वः, धः ॥
- २ मामिन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मामिन्-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अमामिन्-दीत्, ", ताम्, दुः, दीः, ", तम्, त, दम्, द्व, ध ॥
- ५ अमामिन्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मामिन्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामिन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामिन्दिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामिन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामिन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६६९ स्पदुङ् (स्पन्द्) किञ्चिच्चलने ॥

- १ पास्प-न्दीति, न्ति, न्तः, न्दति, न्दीषि, न्त्सि, न्थः, न्थ, न्दीमि, न्दिम, न्दः, न्दमः ॥
- २ पास्पन्द्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पास्प-न्दीतु, न्तु, न्तात्, न्ताम्, न्दतु, न्दि, न्तात्, न्तम्, न्त, न्दानि, न्दाव, न्दाम ॥
- ४ अपास्प-न्दीत्, न्, न्ताम्, न्दुः, न्दीः, न्, न्तम्, न्त, न्दम्, न्द, न्म ॥
- ५ अपास्पन्द्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पास्पन्दा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पास्पन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पास्पन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पास्पन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपास्पन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

६७० क्लिदुङ् (क्लिन्द्) परिदेवने । क्लिदु २११ वदूपाणि

६७१ मुदि (मुद्) हर्षे ॥

- १ मो-मोत्ति, मुदीति, मुत्तः, मुदति, मुदीषि, मोत्सि, मुत्थः, मुत्थ, मुदीमि, मोमि, मुदः, मुदमः ॥
- २ मोमुद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमोत्तु, मोमु-दीतु, तात्, ताम्, दतु, दि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अमो-मोत्, मुदीत्, मुताम्, मुदुः, मुदीः, मोः, मोत्, मुत्तम्, मुत्त, मुदम्, मुद, मुद ॥
- ५ अमोमोद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मोमोदा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमोदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमोदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमोदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

६७२ ददि (दद्) दाने ॥

- १ दाद-दीति, ति, त्तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, द्मि, द्दः, द्दमः ॥
- २ दादद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाद-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, दि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अदाद-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, त्, तम्, त्त, दम्, द्द, द्म ॥
- ५ अदादाद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदादद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दाददा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाददिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाददिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाददिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

६७३ हदिं (हद्) पुरीषोत्सर्गे ॥

- १ जाह-दीति, ति, त्तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, द्मि, द्दः, द्दमः ॥
- २ जाहद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाह-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, दि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अजाह-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, त्, तम्, त्त, दम्, द्द, द्म ॥
- ५ अजाहाद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाहद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाहदा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाहद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाहदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाहदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाहदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

६७४ ष्वदि (स्वद्) आस्वादने ॥

- १ सास्व-दीति, त्ति, त्तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, धि, द्वः, झः ॥
- २ सास्वद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास्व-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ असास्व-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, ;, त्, तम्, त, दम्, द्व, झ ॥
- ५ असास्वाद-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, असास्वद्-इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ सास्वदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सास्वद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सास्वदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सास्वदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असास्वदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६७५ स्वर्दि (स्वर्द्) आस्वादने ॥

- १ सास्व-दीति, त्ति, त्तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, धि, द्वः, झः ॥
- २ सास्वर्द्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास्व-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ असा-स्वर्दीत्, स्वर्त्, स्वर्ताम्, स्वर्दुः, स्वर्दीः, स्वाः, स्वर्त्, स्वर्त्तम्, स्वर्त्त, स्वर्दम्, स्वर्द्व, स्वर्द्म ॥
- ५ असास्वर्द्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ सास्वर्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सास्वर्द्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सास्वर्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सास्वर्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असास्वर्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६७६ स्वादि (स्वाद्) आस्वादने ॥

- १ सास्वा-दीति, त्ति, त्तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, धि, द्वः, झः ॥
- २ सास्वाद-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास्वा-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ असास्वा-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, ;, त्, तम्, त, दम्, द्व, झ ॥
- ५ असास्वाद-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ सास्वादा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सास्वादया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सास्वादिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सास्वादिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असास्वादिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६७७ कुर्दि (कुर्द्) क्रीडायाम् ॥

- १ चोक्-दीति, त्ति, त्तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, धि, द्वः, झः ॥
- २ चोक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोक्-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अचोक्-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, ;, त्, तम्, त, दम्, द्व, झ ॥
- ५ अचोक्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ चोक्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोक्-या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोक्-दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोक्-दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोक्-दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६७८ गुदि (गुर्द) क्रीडायाम् ॥

- १ जोगू-दीति, ति, तैः, दैति, दीषि, त्सि, त्थैः, त्थै, दीमि, धि, द्वैः, धैः ॥
- २ जोगूर्द-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोगू-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दाणि, दाव, दाम ॥
- ४ अजोगू-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, : , त्, तम्, तै, दैम्, द्वै, धै ॥
- ५ अजोगूर्द-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ जोगूर्दा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगूर्दया-त्, स्ताम्, दुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगूर्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगूर्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगूर्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६७९ गुदि (गुद्) क्रीडायाम् ॥

- १ जो-गोत्ति, गुदीति, गुत्तः, गुदति, गुदीषि, गोत्सि, गुत्थः, गुत्थ, गुदीमि, गोधि, गुद्धः, गुद्धः ॥
- २ जोगुद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोगोत्तु, जोगु-दीतु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अजो-गोत्, गुदीत्, गुत्ताम्, गुदुः, गुदीः, गोः, गोत्, गुत्तम्, गुत्त, गुदम्, गुद्ध, गुद्ध ॥
- ५ अजोगोद्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ जोगोदा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगुदया-त्, स्ताम्, दुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगोदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगोदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगोदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६८० षूदि (सूद्) क्षरणे ॥

- १ सोषू-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, धि, द्वैः, धैः ॥
- २ सोषूद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सोषू-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ असोषू-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, : , त्, तम्, तै, दैम्, द्वै, धै ॥
- ५ असोषूद्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ सोषूदा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोषूदया-त्, स्ताम्, दुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोषूदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोषूदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असोषूदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६८१ हादि (हाद्) शब्दे ॥

- १ जाहा-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, धि, द्वैः, धैः ॥
- २ जाहाद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाहा-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अजाहा-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, : , त्, तम्, तै, दैम्, द्वै, धै ॥
- ५ अजाहाद्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ जाहादा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाहादया-त्, स्ताम्, दुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाहादिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाहादिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाहादिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६८२ ह्रादैङ् (ह्राद्) मुखे च ॥

- १ जाह्रा-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, धि, द्वः, द्यः ॥
- २ जाह्राद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाह्रा-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अजाह्रा-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, ; त्, तम्, त, दम्, द्व, द्य ॥ *
- ५ अजाह्राद्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाह्राद्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाह्राद्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाह्रादिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाह्रादिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाह्रादिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६८३ पदिं (पद्) कुत्सिते शब्दे ॥

- १ पाप-दीति, ति, तः, दति, दीषि, त्सि, थः, थ, दीमि, धि, द्वः, द्यः ॥
- २ पापद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पाप-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अपाप-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, अपापाः, अपाप-त्, तम्, त, दम्, द्व, द्य ॥
- ५ अपापद्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पापद्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापद्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापदिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपापदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६८४ स्कुदुङ् (स्कुन्द्) आप्रवणे ॥

- १ चोस्कु-न्दीति, न्ति, न्तः, न्दति, न्दीषि, न्त्सि, न्थः, न्थ, न्दीमि, न्धि, न्द्वः, न्द्यः ॥
- २ चोस्कुन्द्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोस्कुन्-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अचोस्कु-न्दीत्, त्, न्ताम्, न्दुः, न्दीः, न्, न्तम्, न्त, न्दम्, न्द्व, न्द्य ॥
- ५ अचोस्कुन्द्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोस्कुन्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोस्कुन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोस्कुन्दिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोस्कुन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोस्कुन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६८५ स्पर्धि (स्पर्ध) संघर्षे ॥

- १ पास्प-धीति, द्वि, द्वः, धति, धीषि, त्सि, द्वः, द्व, धीमि, धि, ध्वः, ध्वः ॥
- २ पास्पर्ध-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पास्प-धीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अपास्प-धीत्, त्, ताम्, दुः, धीः, अपास्पाः, अपास्प-त्, तम्, त, दम्, द्व, ध्व, ध्व ॥
- ५ अपास्पर्ध-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पास्पर्धा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पास्पर्ध्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पास्पर्धिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पास्पर्धिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपास्पर्धिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६८६ गाधृङ् (गाध्) प्रतिष्ठालिप्साग्रन्थेषु ॥

- १ जागा-गाधीति, गाद्धि, गाद्धः, गाधति, गाधीषि, गात्सि, गाद्धः, गाद्ध, गाधीमि, गाध्मि, गाध्वः, गाध्मः ॥
- २ जागाध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जागा-धीतु, डु, डात्, द्दाम्, धतु, द्वि, द्वात्, द्दम्, द्द, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अजा-घात्, गाधीत्, गाद्धाम्, गाधुः, गाधीः, घात्, घाः, अजागा-द्धम्, द्द, धम्, ध्व, ध्म ॥
- ५ अजागाध्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जागाधा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागाध्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागाधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागाधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागाधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६८७ बाधृङ् (बाध्) रोटने ॥

- १ बा-बाधीति, बाद्धि, बाद्धः, बाधति, बाधीषि, भात्सि, बाद्धः, बाद्ध, बाधीमि, बाध्मि, बाध्वः, बाध्मः ॥
- २ बाबाध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाबा-धीतु, डु, डात्, द्दाम्, धतु, द्वि, द्वात्, द्दम्, द्द, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अबा-बाधीत्, भात्, बाद्धाम्, बाधुः, बाधीः, भाः, भात्, बाद्धम्, बाद्ध, बाधम्, बाध्व, बाध्म ॥
- ५ अबाबाध्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाबाधा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाबाध्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाबाधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाबाधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाबाधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६८८ दधि (दध्) धारणे ॥

- १ द्वा-दधाति, दद्धि, दद्धः, दधति, दधीषि, धत्सि, दद्धः, दद्ध, दधीमि, दध्मि, दध्वः, दध्मः ॥
- २ दादध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाद-धीतु, डु, डात्, द्दाम्, धतु, द्वि, द्वात्, द्दम्, द्द, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अदा-धत्, दधीत्, द्दाम्, दधुः, दधीः, धः, धत्, दद्धम्, दद्ध, दधम्, दध्व, दध्म ॥
- ५ अदादाध् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदादध् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दादधा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादध्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दादधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदादधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६८९ बधि (बध्) वन्धने ॥

- १ बा-बधीति, बद्धि, बद्धः, बधति, बधीषि, भत्सि, बद्धः, बद्ध, बधीमि, बध्मि, बध्वः, बध्मः ॥
- २ बाबध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाब-धीतु, डु, डात्, द्दाम्, धतु, द्वि, द्वात्, द्दम्, द्द, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अबा-बधीत्, भत्, बद्धाम्, बधुः, बधीः, भः, भत्, बद्धम्, बद्ध, बधम्, बध्व, बध्म ॥
- ५ अबाबाध् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अबाबध् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाबधा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाबध्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाबधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाबधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाबधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६९० नाधृङ् (नाध्) नाधृङ्वत् ॥

- १ नाना-धीति, द्वि, द्वः, धति, धीषि, त्सि, द्वः, द्वः, धीमि, धि, ध्वः, ध्मः ॥
- २ नानाध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नाना-धीतु, द्व, द्वात्, द्वाम्, धतु, द्वि, द्वात्, द्वाम्, द्व, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अनाना-धीत्, त्, द्वाम्, धुः, धीः, ; त्, द्वाम्, द्व, धम्, ध्व, ध्म ॥
- ५ अनानाध्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ नानाधा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानाध्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानाधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानाधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अनानाधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

* ६९१ पनि (पन्) स्तुतौ ॥

- १ पं-पनीति, पन्ति, पान्तः, पनति, पनीषि, पंसि, पान्थः, पान्थ, पनीमि, पन्मि, पन्वः, पन्मः ॥ [याम् ॥
- २ पंपन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पं-पनीतु, पन्तु, पान्तात्, पान्ताम्, पनतु, पंहि, पान्तात्, पान्तम्, पान्त, पनानि, पनाव, पनाम ॥
- ४ अपं-पनीत्, पन्, पान्ताम्, पनुः, पनीः, पन्, पान्तम्, पान्त, पनम्, पन्व, पन्म ॥
- ५ अपंपान् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपंपन् } इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ पंपना-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पंपन्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पंपनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पंपनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपंपनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे-पं स्थाने पम् इति ज्ञेयम् ।

६९२ मानि (मान्) पूजायाम् ॥

- १ मा-मानीति, मान्ति, मान्तः, मानति, मानीषि, मांसि, मान्थः, मान्थ, मानीमि, मान्मि, मान्वः, मान्वः ॥
- २ मामान्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मा-मानीतु, मान्तु, मान्तात्, मान्ताम्, मानतु, मांहि, मान्तात्, मान्तम्, मान्त, मानानि, मानाव, मानाम ॥
- ४ अमामान्-ईत्, त्, ताम्, द्वः, ईः, तम्, त, अम्, व, म ॥
- ५ अमामान्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ मामाना-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामान्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामानिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामानिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमामानिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

६९३ तिपृङ् (तिप्) क्षरणे ॥

- १ ते-तेप्ति, तिपीति, तिस्रः, तिपति, तिपीषि, तेषि, तिप्थः, तिप्थ, तिपीमि, तेषि, तिप्थः, प्मः ॥
- २ तेतिप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तेतेप्ति, तेति-पीतु, स्तात्, स्ताम्, पतु, त्वि, स्तात्, स्तम्, त्, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अते-तेप्, तिपीत्, तिस्राम्, तिपुः, तिपीः, तेष, तिस्रम्, तिस्र, तिपम्, तिप्थ, तिप्थ ॥
- ५ अतेतेप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ तेतेपा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेतिप्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेतेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेतेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतेतेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

* क्रियारत्नसमुच्चयकृन्मतेनेदम् । अपरे तु आयप्रत्यये पंपना-यति, येत्, यतु, अपंपना-यत्, यीत्, पंपना-याञ्कार, याम्बभूव, यामास, व्यात्, यिता, विष्यति, अपंपनायिष्यत, इत्यादि मन्यन्ते ।

६९४ छिष्टृ (स्तिप्) क्षरणे ॥

- १ ते-छेप्ति, छिपीति, छिप्तः, छिपति, छिपीषि, छेप्ति,
छिप्थः, छिप्थ, छिपीमि, छेप्मि, छिप्वः, छिप्मः ॥
- २ तेछिप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ तेछेप्-पीठु, सु, सात्, साम्, पठु, विध, सात्, सम्,
प, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अते-छेप्, छिपीत्, छिप्ताम्, छिपुः, छिपीः, छेप्,
छिप्तम्, छिप्त, छिपम्, छिप्व, छिप्म ॥
- ५ अतेछेप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ तेछेपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेछिप्प्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेछेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेछेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेछेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

६९५ छेष्टृ (स्तेप्) क्षरणे ॥

- १ तेष्टे-पीति, सि, सः, पति, पीषि, सि, प्यः, प्य,
पीमि, पिमि, प्वः, प्वः ॥
- २ तेष्टेप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ तेष्टे-पीठु, सु, सात्, साम्, पठु, विध, सात्, सम्,
प, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अतेष्टे-पीत्, प, साम्, पुः, पीः, प, सम्, प, पम्,
प्व, प्व ॥
- ५ अतेष्टेप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ तेष्टेपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेष्टेप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेष्टेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेष्टेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेष्टेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

६९६ तेष्टृ (तेप्) कम्पने च ॥

- १ तेते-पीति, सि, सः, पति, पीषि, सि, प्यः, प्य, पीमि,
पिमि, प्वः, प्वः ॥
- २ तेतेप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ तेते-पीठु, सु, सात्, साम्, पठु, विध, सात्, सम्,
प, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अतेते-पीत्, प, साम्, पुः, पीः, प, सम्, प, पम्,
प्व, प्व ॥
- ५ अतेतेप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ तेतेपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेतेप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेतेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेतेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेतेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

६९७ डवेष्टृ (वेप्) चलने ॥

- १ वेवे-पीति, सि, सः, पति, पीषि, सि, प्यः, प्य, पीमि,
पिमि, प्वः, प्वः ॥
- २ वेवेप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवे-पीठु, सु, सात्, साम्, पठु, विध, सात्, सम्, प,
पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अवेवे-पीत्, प, साम्, पुः, पीः, प, सम्, प, पम्,
प्व, प्व ॥
- ५ अवेवेप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ वेवेपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेवेप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अत्, अम्, आव, आम ॥

६९८ केपृङ् (केप्) चलने ॥

- १ चेके-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ चेकेप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेके-पीतु, तु, सात्, साम्, पतु, बिध, सात्, सम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अचेके-पीत्, प्, साम्, पुः, पीः, प्, सम्, स, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अचेकेप्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्ट, इष्व, इष्म ॥
- ६ चेकेपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेकेप्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेकेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेकेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेकेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

६९९ जेपृङ् (जेप्) चलने ॥

- १ जेगे-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ जेगेप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेगे-पीतु, तु, सात्, साम्, पतु, बिध, सात्, सम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अजेगे-पीत्, प्, साम्, पुः, पीः, प्, सम्, स, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अजेगेप्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्ट, इष्म ॥
- ६ जेगेपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेगेप्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेगेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेगेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेगेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७०० कपृङ् (कप्) चलने ॥

- १ चाकम्-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ चाकम्प्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाकम्-पीतु, तु, सात्, साम्, पतु, बिध, सात्, सम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अचाकम्-पीत्, न्, साम्, पुः, म्पीः, न्, म्पम्, स, म्पम्, म्प्व, म्प्व ॥
- ५ अचाकम्प्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्ट, इष्म ॥
- ६ चाकम्पा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकम्प्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकम्पिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकम्पिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकम्पिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७०१ ग्लेपृङ् (ग्लेप्) दैन्ये च ॥

- १ जेग्ले-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ जेग्लेप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेग्ले-पीतु, तु, सात्, साम्, पतु, बिध, सात्, सम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अजेग्ले-पीत्, प्, साम्, पुः, पीः, प्, सम्, स, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अजेग्लेप्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्ट, इष्म ॥
- ६ जेग्लेपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेग्लेप्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेग्लेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेग्लेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेग्लेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७०२ मेपृङ् (मेप्) गतौ ॥

- १ मेमे-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ मेमेप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमे-पीतु, सु, सात्, साम्, पतु, ब्धि, सात्, सप्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अमेमे-पीत्, प्, साम्, पुः, पीः, प्, सप्, स, पम्, प्व, प्वः ॥
- ५ अमेमेप्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मेमेपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमेप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७०३ रेपृङ् (रेप्) गतौ ॥

- १ रेरे-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ रेरेप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रेरे-पीतु, सु, सात्, साम्, पतु, ब्धि, सात्, सप्, स, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अरेरे-पीत्, प्, साम्, पुः, पीः, प्, सप्, स, पम्, प्व, प्वः ॥
- ५ अरेरेप्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रेरेपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रेरेप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ रेरेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रेरेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरेरेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७०४ लेपृङ् (लेप्) गतौ ॥

- १ लेले-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ लेलेप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लेले-पीतु, सु, सात्, साम्, पतु, ब्धि, सात्, सप्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अलेले-पीत्, प्, साम्, पुः, पीः, प्, सप्, स, पम्, प्व, प्वः ॥
- ५ अलेलेप्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लेलेपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लेलेप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ लेलेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लेलेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलेलेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७०५ त्रपौषि (त्रप्) लङ्गायाम् ॥

- १ तात्र-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥ [याव, याम ॥
- २ तात्रप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात्र-पीतु, सु, सात्, साम्, पतु, ब्धि, सात्, सप्, स, पाणि, पाव, पाम ॥ [पम्, प्व, प्वः ॥
- ४ अतात्र-पीत्, प्, साम्, पुः, पीः, प्, सप्, स, पम्, प्व, प्वः ॥
- ५ अतात्राप } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तात्रपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तात्रप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ तात्रपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तात्रपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतात्रपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- ७०६ गुपि (गुप्) गोपनकुत्सनयोः । गुपौ ३०९ वद्रूपाणि ॥
- ७०७ रवुङ् (रन्व) शब्दे । रवु ३३९ वद्रूपाणि ॥

७०८ लवुङ् (लन्) अवसंसने च ॥

- १ लालम्-बीति, सि, सः, बति, बीषि, प्ति, प्यः, प्य, बीमि, ब्मि, ब्वः, ब्मः ॥
- २ लालम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लालम्-बीतु, सु, सात्, साम्, बतु, बिध, सात्, सत्, स, बानि, बाव, बाम ॥
- ४ अलालम्-बीत्, न, साम्, म्बुः, म्बीः, न, सत्, स, बाम्, ब्व, ब्म ॥
- ५ अलालम्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लालम्-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालम्-व्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालम्-विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालम्-विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालम्-विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७०९ कवुङ् (कन्) वर्णे ॥

- १ चाक-बीति, सि, सः, बति, बीषि, प्ति, प्यः, प्य, बीमि, ब्मि, ब्वः, ब्मः ॥
- २ चाक-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-बीतु, सु, सात्, साम्, बतु, बिध, सात्, सत्, स, बानि, बाव, बाम ॥
- ४ अचाक-बीत्, प, साम्, पुः, बीः, प, सत्, स, बम्, ब्व, ब्म ॥
- ५ अचाकाव् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाकवा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकव्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७१० क्लीवुङ् (क्लीव्) आधार्थ्ये ॥

- १ चेक्ली-बीति, सि, सः, बति, बीषि, प्ति, प्यः, प्य, बीमि, ब्मि, ब्वः, ब्मः ॥
- २ चेक्ली-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेक्ली-बीतु, सु, सात्, साम्, बतु, बिध, सात्, सत्, स, बानि, बाव, बाम ॥
- ४ अचेक्ली-बीत्, प, साम्, पुः, बीः, प, सत्, स, बम्, ब्व, ब्म ॥
- ५ अचेक्ली-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेक्लीवा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेक्लीव्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेक्लीविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेक्लीविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेक्लीविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७११ क्षीवुङ् (क्षीव्) मदे ॥

- १ चेक्षी-बीति, सि, सः, बति, बीषि, प्ति, प्यः, प्य, बीमि, ब्मि, ब्वः, ब्मः ॥
- २ चेक्षी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेक्षी-बीतु, सु, सात्, साम्, बतु, बिध, सात्, सत्, स, बानि, बाव, बाम ॥
- ४ अचेक्षी-बीत्, प, साम्, पुः, बीः, प, सत्, स, बम्, ब्व, ब्म ॥
- ५ अचेक्षी-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेक्षीवा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेक्षीव्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेक्षीविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेक्षीविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेक्षीविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७१२ शीभृङ् (शीभ्) कथने ॥

- १ शेशी-भीति, सि, सः, भति, भीषि, प्सि, प्थः, प्थ, भीमि, भिम, भ्वः, भमः ॥
- २ शेशीभ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शेशी-भीतु, भु, सात्, साम्, भतु, विध, सात्, सत्, स, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अशेशी-भीत्, प, साम्, भुः, भीः, प, सत्, स, भम्, भ्व, भम ॥
- ५ अशेशीभ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शेशीभा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेशीभ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ शेशीमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेशीभिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशेशीभिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७१३ वीभृङ् (वीभ्) कथने ॥

- १ वेवी-भीति, विध, विधः, भति, भीषि, प्सि, विधः, विध, भीमि, भिम, भ्वः, भमः ॥
- २ वेवीभ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवी-भीतु, विधु, विधात्, विधाम्, भतु, विध, विधात्, विधम्, विध, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अवेवी-भीत्, प, साम्, भुः, भीः, प, विधम्, विध, भम्, भ्व, भम ॥
- ५ अवेवीभ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वेवीभा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेवीभ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवीमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवीभिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवीभिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७१४ शल्भि (शल्भ्) कथने ॥

- १ शाशल्-भीति, विध, विधः, भति, भीषि, प्सि, विधः, विध, भीमि, भिम, भ्वः, भमः ॥
- २ शाशल्भ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाशल्-भीतु, विधु, विधात्, विधाम्, भतु, विध, विधात्, विधम्, विध, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अशाशल्-भीत्, ”, साम्, भुः, भीः, ”, विधम्, विध, भम्, भ्व, भम ॥
- ५ अशाशल्भ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाशल्भा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशल्भ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशल्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशल्भिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशल्भिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७१५ वल्भि (वल्भ्) भोजने ॥

- १ वावल्-भीति, विध, विधः, भति, भीषि, प्सि, विधः, विध, भीमि, भिम, भ्वः, भमः ॥
- २ वावल्भ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वावल्-भीतु, विधु, विधात्, विधाम्, भतु, विध, विधात्, विधम्, विध, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अवावल्-भीत्, ”, विधाम्, भुः, भीः, ”, विधम्, विध, भम्, भ्व, भम ॥
- ५ अवावल्भ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वावल्भा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावल्भ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ वावल्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावल्भिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावल्भिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७१६ गल्भि (गल्भ्) धाट्ये ॥

- १ जा-गल्भीति, गल्बि, गल्बः, गल्भति, गल्भीषि, गल्भिस्, गल्बधः, गल्बध, गल्भीमि, गल्भिम्, गल्भवः, गल्भम् ॥
- २ जागल्भ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जागल्भ-भीतु, बधु, बधात्, बधाम्, भतु, बिध, बधात्, बधम्, बध, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अजा-गल्भीत्, घल्, अजागल्-बधाम्, भुः, भीः, अजाघल्, अजागल्-बधम्, बध, भम्, भ्व, भ्म ॥
- ५ अजागल्भ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जागल्भा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागल्भ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागल्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागल्भिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागल्भिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७१७ रेरेभ् (रेभ्) शब्दे ॥

- १ रेरे-भीति, बिध, बधः, भति, भीषि, प्ति, बधः, बध, भीमि, भिम, भ्वः, भ्मः ॥
- २ रेरेभ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रेरे-भीतु, बधु, बधात्, बधाम्, भतु, बिध, बधात्, बधम्, बध, भाणि, भाव, भाम ॥
- ४ अरेरे-भीत्, प, बधाम्, भुः, भीः, प, बधम्, बध, भम्, भ्व, भ्म ॥
- ५ अरेरेभ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रेरेभा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रेरेभ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रेरेभिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रेरेभिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरेरेभिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७१८ रभुङ् (रन्भ्) शब्दे ॥

- १ रारम्-भीति, बिध, बधः, भति, भीषि, प्ति, बधः, बध, भीमि, भिम, भ्वः, भ्मः ॥
- २ रारम्भ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रारम्-भीतु, बधु, बधात्, बधाम्, भतु, बिध, बधात्, बधम्, बध, भाणि, भाव, भाम ॥
- ४ अरार-भीत्, न्, म्बधाम्, म्भुः, म्भीः, न्, म्बधम्, म्बध, म्भम्, म्भ्व, म्भ्म ॥
- ५ अरारम्भ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रारम्भा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारम्भ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारम्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारम्भिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारम्भिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७१९ लभुङ् (लन्भ्) शब्दे ॥

- १ लालम्-भीति, बिध, बधः, भति, भीषि, प्ति, बधः, बध, भीमि, भिम, भ्वः, भ्मः ॥
- २ लालम्भ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लालम्-भीतु, बधु, बधात्, बधाम्, भतु, बिध, बधात्, बधम्, बध, भाणि, भाव, भाम ॥
- ४ अलाल-भीत्, न्, म्बधाम्, म्भुः, म्भीः, न्, म्बधम्, म्बध, म्भम्, म्भ्व, म्भ्म ॥
- ५ अलालम्भ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लालम्भा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालम्भ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालम्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालम्भिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालम्भिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७२० षुभृङ् (स्तम्भ्) स्तम्भे ॥

- १ तास्तम्-भीति, बिध, बधः, भति, भीषि, प्सि, बधः, बध, भीमि, भिम, भवः, भमः ॥
- २ तास्तम्भ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तास्तम्-भीतु, बधु, बधात्, बधाम्, भतु, बिध, बधात्, बधम्, बध, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अतास्त-म्भीत्, न्, म्बधाम्, म्भुः, म्भीः, न्, म्बधम्, म्बध, म्भम्, म्भव, म्भम् ॥
- ५ अतास्तम्भ्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तास्तम्भा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तास्तम्भ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तास्तम्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्म ॥
- ९ तास्तम्भिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतास्तम्भिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७२१ चास्कम्भृङ् (स्कम्भ्) स्तम्भे ॥

- १ चास्कम्-भीति, बिध, बधः, भति, भीषि, प्सि, बधः, बध, भीमि, भिम, भवः, भमः ॥
- २ चास्कम्भ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चास्कम्-भीतु, बधु, बधात्, बधाम्, भतु, बिध, बधात्, बधम्, बध, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अचास्क-म्भीत्, न्, म्बधाम्, म्भुः, म्भीः, न्, म्बधम्, म्बध, म्भम्, म्भव, म्भम् ॥
- ५ अचास्कम्भ्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चास्कम्भा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चास्कम्भ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चास्कम्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्म ॥
- ९ चास्कम्भिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचास्कम्भिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७२२ षुभृङ् (स्तुम्भ्) स्तम्भे ॥

- १ तो-ष्टोबि, षुभीति, षुबधः, षुभति, षुभीषि, षोप्सि, षुबधः, षुबध, षुभीमि, षोभिम, षुभ्वः, षुभमः ॥
- २ तोषुभ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोष्टोबु, तोषु-भीतु, बधात्, बधाम्, भतु, बिध, बधात्, बधम्, बध, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अतो-ष्टोप्, षुभीत्, षुबधाम्, षुभुः, षुभीः, षोप्, षुबधम्, षुबध, षुभम्, षुभव, षुभम् ॥
- ५ अतोष्टोभ्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोष्टोभा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोषुभ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोष्टोभिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्म ॥
- ९ तोष्टोभिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोष्टोभिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७२३ जभृङ् (जम्भ्) गात्रविनामे ॥

- १ जाजम्-भीति, बिध, बधः, भति, भीषि, प्सि, बधः, बध, भीमि, भिम, भवः, भमः ॥ [याव, याम ॥
- २ जाजम्भ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाजम्-भीतु, बधु, बधात्, बधाम्, भतु, बिध, बधात्, बधम्, बध, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अजाज-म्भीत्, न्, म्बधाम्, म्भुः, म्भीः, न्, म्बधम्, म्बध, म्भम्, म्भव, म्भम् ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अजाजम्भ्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाजम्भा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजम्भ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजम्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्म ॥
- ९ जाजम्भिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजाजम्भिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७२४ जभैङ् (जम्भ्) गात्रविनामे । जम ३५१ वदूपाणि । तत्रागमशाशनमनित्यमिति-नागमो न ॥

७२५ जृम्भृ (जृम्भ) गात्रविनामे ॥

- १ जरीजृम्भृ-भीति, बिध, बधः, भति, भीषि, प्सि, बधः, बध, भीमि, भिम, भवः, भमः ॥
- २ जरीजृम्भृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जरीजृम्भृ-भीतु, बधु, बधात्, बधम्, भतु, बिध, बधात्, बधम्, बध, भाणि, भाव, भाम ॥
- ४ अजरीजृम्भृ-भीत्, न, बधाम्, म्भुः, म्भीः, न, म्बधम्, म्बध, म्भम्, म्भ्व, म्भम् ॥
- ५ अजरीजृम्भृ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जरीजृम्भा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जरीजृम्भ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जरीजृम्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जरीजृम्भिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजरीजृम्भिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे जरी-स्थाने ‘जरि’ इति ‘जर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

७२६ रभिं (रम्भ) राभस्ये ॥

- १ रार-म्भीति, बिध, बधः, म्भति, म्भीषि, प्सि, बधः, बध, म्भीमि, भिम, भवः, भमः ॥
- २ रारम्भृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रार-म्भीतु, बधु, बधात्, बधाम्, म्भतु, बिध, बधात्, बधम्, बध, म्भाणि, म्भाव, म्भाम ॥
- ४ अरार-म्भीत्, प, बधाम्, म्भुः, म्भीः, प, बधम्, बध, म्भम्, भ्व, भम् ॥
- ५ अरारम्भृ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारम्भा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारम्भ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारम्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारम्भिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारम्भिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

७२७ डलभिं (लम्भ) प्राप्तौ ॥

- १ लाल-म्भीति, बिध, बधः, म्भति, म्भीषि, प्सि, बधः, बध, म्भीमि, भिम, भवः, भमः ॥
- २ लालम्भृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लाल-म्भीतु, बधु, बधात्, बधाम्, म्भतु, बिध, बधात्, बधम्, बधे, म्भानि, म्भाव, म्भाम ॥
- ४ अलाल-म्भीत्, प, बधाम्, म्भुः, म्भीः, प, बधम्, बध, म्भम्, भ्व, भम् ॥
- ५ अलालम्भृ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लालम्भा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालम्भ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालम्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालम्भिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालम्भिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

७२८ भामि (भाम्) क्रोधे ॥

- १ बाभा-मीति, न्ति, न्तः, मति, मीषि, बाभांसि, बाभा-न्थः, न्थ, मीमि, भिम, न्वः, न्मः ॥
- २ बाभाम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभा-मीतु, न्तु, न्तात्, न्ताम्, मतु, बाभांहि, बाभा-न्तात्, न्तम्, न्त, मानि, भाव, माम ॥
- ४ अबाभा-मीत्, न, न्ताम्, सुः, मीः, न, न्तम्, न्त, मम्, न्व, न्म ॥
- ५ अबाभाम्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभामा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभाम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभामिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, आमि, आवः, आमः ॥
- ९ बाभामिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभामिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

७२९ क्षमीषि (क्षम्) सहने ॥

- १ चं-क्षमीति, क्षन्ति, क्षान्तः, क्षमति, क्षमीषि, क्षंसि, क्षान्थः, क्षान्थ, क्षमीमि, क्षन्मि, क्षन्वः, क्षन्मः ॥ [याम ॥
- २ चंक्षम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चं-क्षमीतु, क्षन्तु, क्षान्तात्, क्षान्ताम्, क्षमतु, क्षाहि, क्षान्तात्, क्षान्तम्, क्षान्त, क्षमाणि, क्षमाव, क्षमाम ॥
- ४ अचं-क्षमीत्, क्षन्, क्षान्ताम्, क्षमुः, क्षमीः, क्षन्, क्षान्तम्, क्षान्त, क्षमम्, क्षन्व, क्षन्म ॥
- ५ अचंक्षम्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चंक्षमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चंक्षम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चंक्षमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चंक्षमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचंक्षमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे च स्थाने चङ् इति ज्ञेयम् ॥

* ७३० कमृङ् (कम्) कान्तौ ॥

- १ चं-कमीति, कन्ति, कान्तः, कमति, कमीषि, कंसि, कान्थः, कान्थ, कमीमि, कन्मि, कन्वः, कन्मः ॥
- २ चंकम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चं-कमीतु, कन्तु, कान्तात्, कान्ताम्, कमतु, क्राहि, कान्तात्, कान्तम्, कान्त, कमानि, कमाव, कामाम ॥
- ४ अचं-कमीत्, कन्, कान्ताम्, कमुः, कमीः, कन्, कान्तम्, कान्त, कमम्, कन्व, कन्म ॥
- ५ अचंकम्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चंकमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चंकम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चंकमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चंकमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचंकमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे च स्थाने चङ् इति ज्ञेयम् ॥

७३१ वयि (वय्) गतौ ॥

- १ वा-वयीति, वति, वतः, वयति, वयीषि, वसि, वथः, वथ, वयीमि, वामि, वावः, वामः ॥
- २ वावय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-यीतु, तु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अवा-वयीत्, वत्, वताम्, वयुः, वयीः, वः, वतम्, वत, वयम्, वाव, वाम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अवावय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वावया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावय्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवावयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वा-स्थाने वं इति वङ् इति च ज्ञेयम् ॥

७३२ पयि (पय्) गतौ ॥

- १ पा-पयीति, पति, पतः, पयति, पयीषि, पसि, पथः, पथ, पयीमि, पामि, पावः, पामः ॥
- २ पापय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पाप-यीतु, तु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अपा-पयीत्, पत्, पताम्, पयुः, पयीः, पः, पतम्, पत, पयम्, पाव, पाम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अपापय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पापया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापय्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपापयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, यकारस्यानुनासिकत्वपक्षे पा स्थाने पं इति पम् इति च ज्ञेयम् ॥

* क्रियारत्नसमुच्चयकृन्मतेनेदम् । अपरे तु-गिङि चंकाम-यते, येत, यताम्, अचं-कामयत, कमत, चंकाम-याश्चक्रे, याम्बभूव, यामास, यिषीष्ट, यिता, यिष्यते, अचंकामयिष्यत ॥ पक्षे चं-स्थाने ' वङ् ' इति ज्ञेयम् ॥

७३३ मयि (मय्) गतौ ॥

- १ मा मयीति, मति, मतः, मयति, मयीषि, मसि, मथः, मथ, मयीमि, मामि, मावः, मामः ॥
- २ मामय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माम-यीतु, तु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अमा-मयीत्, मत्, मताम्, मयुः, मयीः, मः, मतम्, मत, मयम्, माव, माम ॥
- ५ अमामय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ मामया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमामयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, यकारस्यानुनासिकत्वपक्षे मा स्थाने ‘म’ इति ‘मम्’ इति च ज्ञेयम् ॥

७३४ नयि (नय्) गतौ ॥

- १ ना-नयीति, नति, नतः, नयति, नयीषि, नसि, नथः, नथ, नयीमि, नामि, नावः, नामः ॥
- २ नानय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नान-यीतु, तु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अना-नयीत्, नत्, नताम्, नयुः, नयीः, नः, नतम्, नत, नयम्, नाव, नाम ॥
- ५ अनानय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ नानया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अनानयिष्य-अत्, अताम्, न्, ;, अतम्, अत, पक्षे ना-स्थाने ‘न’ इति ‘नन्’ इति च ज्ञेयम् ॥

७३५ चयि (चय्) गतौ ॥

- १ चा-चयीति, चति, चतः, चयति, चयीषि, चसि, चथः, चथ, चयीमि, चामि, चावः, चामः ॥
- २ चाचय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाच-यीतु, तु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अचा-चयीत्, चत्, चताम्, चयुः, चयीः, चः, चतम्, चत, चयम्, चाव, चाम ॥
- ५ अचाचय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ चाचया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाचय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाचयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाचयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचाचयिष्य-अत्, अताम्, न्, ;, अतम्, अत, यकारस्यानुनासिकत्वपक्षे चा-स्थाने ‘च’ इति ‘चम्’ इति च ज्ञेयम् ॥

७३६ रयि (रय्) गतौ ॥

- १ रा-रयीति, रति, रतः, रयति, रयीषि, रसि, रथः, रथ, रयीमि, रामि, रावः, रामः ॥
- २ रारय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रार-यीतु, तु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, याणि, याव, याम ॥
- ४ अरा-रयीत्, रत्, रताम्, रयुः, रयीः, रः, रतम्, रत, रयम्, राव, राम ॥
- ५ अरारय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ रारया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अरारयिष्य-अत्, अताम्, न्, ;, अतम्, अत, यकारस्यानुनासिकत्वपक्षे रा-स्थाने ‘र’ इति ज्ञेयम् ॥

७३७ तयि (तय्) गतौ ॥

- १ ता-तयीति, तत्ति, ततः, तयति, तयीषि, तसि, तथः, तथ, तयीमि, तामि, तावः, तामः ॥
- २ तातय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात-यीतु, तु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अता-तयीत्, तत्, तताम्, तयुः, तयीः, तः, ततम्, तत, तयम्, ताव, ताम ॥
- ५ अतातय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ तातया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतातयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, यकारस्यानुनासिकत्वे ता-स्थाने ‘तं’ इति ‘तन्’ इति च ज्ञेयम् ॥

७३८ णयि(नय्) रक्षणे च । नयि ७३४ वद्रूपाणि ।

७३९ दयि (दय्) दानगतिर्हिंसादहनेषु च ॥

- १ दा-दयीति, दत्ति, दतः, दयति, दयीषि, दसि, दथः, दथ, दयीमि, दामि, दावः, दामः ॥
- २ दादय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाद-यीतु, तु, दात्, ताम्, यतु, हि, दात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अदा-दयीत्, दत्, दताम्, दयुः, दयीः, दः, दतम्, दत, दयम्, दाव दाम ॥ [इष्वा, इष्म ॥
- ५ अदादय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ दादया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दादयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदादयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, यकारस्यानुनासिकत्वे दा-स्थाने ‘दं’ इति ‘दन्’ इति च ज्ञेयम् ॥

७४० पूयैङ् (पूय्) दुर्गन्धविशरणयोः ॥

- १ पो-पूयीति, पोति, पूतः, पूयति, पूयीषि, पोषि, पूथः, पूथ, पूयीमि, पोमि, पूतः, पूमः ॥
- २ पोपूय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोपोतु, पोपू-यीतु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अपो-पूयीत्, पोत्, पूताम्, पूयुः, पूयीः, पोः, पूतम्, पूत पूयम्, पूव, पूम ॥
- ५ अपोपूय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ पोपूया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपूय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपूयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपूयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोपूयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७४१ कूयैङ् (कूय्) शब्दोन्दनयोः ॥

- १ चो-कूयीति, क्लोति, क्लूतः, कूयति, कूयीषि, क्लोषि, क्लूथः, क्लूथ, कूयीमि, क्लोमि, क्लूवः, क्लूमः ॥
- २ चोकूय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोक्लोतु, चोकू-यीतु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अचो-कूयीत्, क्लोत्, क्लूताम्, क्लूयुः, कूयीः, क्लोः, क्लूतम्, क्लूत, क्लूयम्, क्लूव, क्लूम ॥
- ५ अचोकूय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ चोकूया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकूय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकूयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकूयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकूयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

७४२ क्षमायैङ् (क्षमाय्) विधूने ॥

- १ चाक्ष्मा-यीति, ति, तः, यति, यीषि, सि, थः, थ, यीमि, मि, वः, मः ॥
- २ चाक्ष्माय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक्ष्मा-यीतु, तु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अचाक्ष्मा-यीत्, त्, ताम्, युः, यीः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ५ अचाक्ष्माय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाक्ष्माया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाक्ष्माय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाक्ष्मायिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाक्ष्मायिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आम ॥
- १० अचाक्ष्मायिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७४३ स्फायैङ् (स्फाय्) वृद्धौ ॥

- १ पास्फा-यीति, ति, तः, यति, यीषि, सि, थः, थ, यीमि, मि, वः, मः ॥
- २ पास्फाय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पास्फा-यीतु, तु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अपास्फा-यीत्, त्, ताम्, युः, यीः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ५ अपास्फाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पास्फाया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पास्फाय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पास्फायिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पास्फायिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपास्फायिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७४४ ओप्यायैङ् (प्याय्) वृद्धौ ॥

- १ पे-पयीति, पेटि, पीतः, प्यति, पयीषि, पेपि, पीथः, पीथ, पयीमि, पेमि, पीवः, पीमः ॥
- २ पेपी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पे-पयीतु, पेटु, पीतात्, पीताम्, प्यतु, पीहि, पीतात्, पीतम्, पीत, पयानि, पयाव, पयाम ॥
- ४ अपे-पयीत्, पेट्, पीताम्, पयुः, पयीः, पेः, पीतम्, पीत, पयम्, पीव, पीम ॥
- ५ अपेपाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पेपया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपेपयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, नागेशमते पाप्या यीति, ति, इत्यादि ॥

७४५ तायैङ् (ताय्) संतानपालनयोः ॥

- १ ताता-यीति, ति, तः, यति, यीषि, सि, थः, थ, यीमि, मि, वः, मः ॥
- २ ताताय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ताता-यीतु, तु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अताताय्-यीत्, त्, ताम्, युः, यीः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ५ अताताय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ ताताया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ताताय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातायिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातायिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातायिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७४६ वलि (वल्) संवरणे ॥

- १ वाव-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ वावल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वावल्-ईत्, तु, तात्, ताम्, अतु, हि, तात्, तम्, त, आनि, आव, आम ॥
- ४ अवावल्-ईत्, ", ताम्, उः, ईः, ", तम्, त, अम्, व, म ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अवावाल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्टम्, इष्टम्, इष्टम् ॥
- ६ वावला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावलया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावल्लिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावल्लिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवावल्लिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लकारस्यानुनासिकत्वे आद्यवाशब्दस्थाने ' वं ' इति ' ववै ' इति च ज्ञेयम् ॥

७४७ वल्लि (वल्ल) संवरणे ॥

- १ वावल्-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ वावल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वावल्-लीत्, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अवावल्-लीत्, ", ल्ताम्, लुः, लीः, ", ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥ [इष्, इष्, इष्म ॥
- ५ अवावल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्टम्, इष्टम् ॥
- ६ वावल्ला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावल्लया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावल्लिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावल्लिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवावल्लिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लकारद्वयस्यानुनासिकत्वे वा-स्थाने ' वं ' इति ' ववै ' इति च ज्ञेयम् ॥

७४८ शलि (शल्) चलने च ॥

- १ शाश-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ शाशल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश-लीत्, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अशाश-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अशाशल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्टम्, इष्टम् ॥
- ६ शाशला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशलया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशल्लिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशल्लिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशाशल्लिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लकारस्यानुनासिकत्वे शा-स्थाने ' शं ' इति ज्ञेयम् ॥

७४९ मलि (मल्) धारणे ॥

- १ माम-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिम, ल्वः, ल्मः ॥
- २ मामल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माम-लीत्, लु, ल्तात्, ल्ताम्, लु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अमाम-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अमामल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्टम्, इष्टम् ॥
- ६ मामला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामल्लिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमामलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लकारस्यसानुनासिकत्वे मा-स्थाने ' मं ' इति ' मम् ' इति च ज्ञेयम् ॥

७५० मल्लि (मल्ल्) धारणे ॥

- १ मामल्ल्-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिमि, ल्वः, ल्वः ॥
- २ मामल्ल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मामल्ल्-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अमामल्ल्-लीत्, ", ल्ताम्, लुः, लीः, ", ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्व ॥
- ५ अमामल्ल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामल्ल्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामल्ल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामल्लिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामल्लिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमामल्लिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लकारद्वयस्यानुनासिकत्वे मा-स्थाने 'मं' इति 'मम्' इति च ज्ञेयम् ॥

७५१ भलि (भल्) परिभाषणहिंसादानेषु ॥

- १ बाभ-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिमि, ल्वः, ल्वः ॥
- २ बाभल्ल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभ-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अबाभ-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्व ॥
- ५ अबाभल्ल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभल्ला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभल्ल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभल्लिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभल्लिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अबाभल्लिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लकारस्यानुनासिकत्वे बा-स्थाने 'बं' इति 'बम्' इति च ज्ञेयम् ॥

७५२ भल्लि (भल्ल्) परिभाषणहिंसादानेषु ॥

- १ बाभल्ल्-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिमि, ल्वः, ल्वः ॥
- २ बाभल्ल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभल्ल्-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अबाभल्ल्-लीत्, ", ल्ताम्, लुः, लीः, ", ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्व ॥
- ५ अबाभल्ल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभल्ला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभल्ल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभल्लिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभल्लिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अबाभल्लिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लकारद्वयस्यानुनासिकत्वे बा-स्थाने 'बं' इति 'बम्' इति च ज्ञेयम् ॥

७५३ कलि (कल्) शब्दसंख्यानयोः ॥

- १ चाक-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिमि, ल्वः, ल्वः ॥
- २ चाकल्ल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचाक-लीत्, ल्, ल्ताम्, लुः, लीः, ल्, ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्व ॥
- ५ अचाकल्ल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकल्ल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकल्लिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकल्लिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचाकल्लिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लकारस्यानुनासिकत्वे चा-स्थाने 'चं' इति 'चम्' इति च ज्ञेयम् ॥

७५४ कल्लि (कल्ल्) अशब्दे ॥

- १ चाकल्-लीति, ल्ति, ल्तः, लति, लीषि, ल्षि, ल्यः, ल्य, लीमि, ल्मि, ल्वः, ल्मः ॥
- २ चाकल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यातं, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाकल्-लीतु, ल्तु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचाकल्-लीत्, ", ल्ताम्, लुः, लीः, ", ल्तम्, ल्त, लम्, ल्व, ल्म ॥
- ५ अचाकल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकल्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकल्-या-त्, स्ताम्, लुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकल्-विता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकल्-विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचाकल्-विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लङ्गयस्यानुनासिकत्वे चा-स्थाने 'चं' इति 'चङ्' इति च ज्ञेयम् ।

७५५ तेवृङ् (तेव्) देवने ॥

- १ ते-तेवीति, तयोति, तयूतः, तेवति, तेवीषि, तयोषि, तयूथः, तयूथ, तेवीमि, तयोमि, तयूवैः, तेवः, तयूमः ॥
- २ तेतेव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यातं, याम्, याव, याम ॥
- ३ ते-तेवीतु, तयोतु, तयूतात्, तयूताम्, तेवतु, तयूहि, तयूतात्, तयूतम्, तयूत, तेवानि, तेवाव, तेवाम ॥
- ४ अते-तेवीत्, तयोत्, तयूताम्, तेवुः, तेवीः, तयोः, तयूतम्, तयूत, तेवम्, तयूवै, तेव, तयूम ॥
- ५ अतेतेव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तेतेवा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेतेव्या-त्, स्ताम्, लुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेतेविता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेतेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतेतेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, तेतेव्यादित्यादौ ये परे तेतयूयादित्याद्यपि भवति ।

७५६ देवृङ् (देव्) देवने ॥

- १ दे-देवीति, दयोति, दयूतः, देवति, देवीषि, दयोषि, दयूथः, दयूथ, देवीमि, दयोमि, दयूवैः, देवः, दयूमः ॥
- २ देदेव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यातं, याम्, याव, याम ॥
- ३ दे-देवीतु, दयोतु, दयूतात्, दयूताम्, देवतु, देयूहि, दयूतात्, दयूतम्, दयूत, देवानि, देवाव, देवाम ॥
- ४ अदे-देवीत्, दयोत्, दयूताम्, देवुः, देवीः, दयोः, दयूतम्, दयूत, देवम्, दयूवै, देव, दयूम ॥
- ५ अदेदेव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ देदेवा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देदेव्या-त्, स्ताम्, लुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देदेविता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देदेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदेदेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, देदेव्यादित्यादौ ये परे देदयूयादित्याद्यपि भवति ।

७५७ सेवृङ् (सेव्) सेवने ॥

- १ से-सेवीति, षयोति, षयूतः, सेवति, सेवीषि, षयोषि, षयूथः, षयूथ, सेवीमि, षयोमि, षयूवैः, सेवः, षयूमः ॥
- २ सेसेव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यातं, याम्, याव, याम ॥
- ३ से-सेवीतु, षयोतु, षयूतात्, षयूताम्, सेवतु, षयूहि, षयूतात्, षयूतम्, षयूत, सेवानि, सेवाव, सेवाम ॥
- ४ असे-सेवीत्, षयोत्, षयूताम्, सेवुः, सेवीः, षयोः, षयूतम्, षयूत, सेवम्, षयूवै, सेव, षयूम ॥
- ५ असेसेव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सेसेवा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेसेव्या-त्, स्ताम्, लुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेसेविता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेसेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असेसेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, सेसेव्यादित्यादौ ये परे सेषयूयादित्याद्यपि भवति ।

७५८ सेवृङ् (सेव्) सेवने ॥

- १ से-सेवीति, सयोति, सयूतः, सेवति, सेवीषि, सयोषि, सयूथः, सयूथ, सेवीमि, सयोमि, सयूवैः, सेवः, सयूमः ॥
- २ सेसयू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ से-सेवीतु, सयोतु, सयूतात्, सयूताम्, सेवतु, सयूहि, सयूतात्, सयूतम्, सयूत, सेवानि, सेवाव, सेवाम ॥
- ४ असे-सेवीत्, सयोत्, सयूताम्, सेवुः, सेवीः, सयोः, सयूतम्, सयूत, सेवम्, सयूवै, सेव, सयूम ॥
- ५ असेसेव-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सेसेवा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेसयूया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेसेविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, त्वः, स्मः ॥
- ९ सेसेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असेसेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, सेसयूयादित्यादौ ये परे सेसेव्यादित्याद्यपि भवति ॥

७५९ केवृङ् (केव्) सेवने ॥

- १ के-केवीति, कयोति, कयूतः, केवति, केवीषि, कयोषि, कयूथः, कयूथ, केवीमि, कयोमि, कयूवैः, केवः, कयूमः ॥
- २ केकयू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ के-केवीतु, कयोतु, कयूतात्, कयूताम्, केवतु, केयूहि, कयूतात्, कयूतम्, कयूत, केवानि, केवाव, केवाम ॥
- ४ अके-केवीत्, कयोत्, कयूताम्, केवुः, केवीः, कयोः, कयूतम्, कयूत, केवम्, कयूवै, केव, कयूम ॥
- ५ अकेकेव-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ केकेवा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ केकयूया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ केकेविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, त्वः, स्मः ॥
- ९ केकेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अकेकेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, केकयूयादित्यादौ ये परे केकेव्यादित्याद्यपि भवति ॥

७६० खेवृङ् (खेव्) सेवने ॥

- १ के-खेवीति, खयोति, खयूतः, खेवति, खेवीषि, खयोषि, खयूथः, खयूथ, खेवीमि, खयोमि, खयूवैः, खेवः, खयूमः ॥
- २ केखेव-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ के-खेवीतु, खयोतु, खयूतात्, खयूताम्, खेवतु, खयूहि, खयूतात्, खयूतम्, खयूत, खेवानि, खेवाव, खेवाम ॥
- ४ अके-खेवीत्, खयोत्, खयूताम्, खेवुः, खेवीः, खयोः, खयूतम्, खयूत, खेवम्, खयूवै, खेव, खयूम ॥
- ५ अकेखेव-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ केखेवा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ केखेव्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ केखेविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, त्वः, स्मः ॥
- ९ केखेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अकेखेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, केखेव्यादित्यादौ ये परे केखयूयादित्याद्यपि भवति ॥

७६१ गेवृङ् (गेव्) सेवने ॥

- १ जे-गेवीति, गयोति, गयूतः, गेवति, गेवीषि, गयोषि, गयूथः, गयूथ, गेवीमि, गयोमि, गेवः, गयूवैः, गयूमः ॥
- २ जेगेव-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जे-गेवीतु, गयोतु, गयूतात्, गयूताम्, गेवतु, गयूहि, गयूतात्, गयूतम्, गयूत, गेवानि, गेवाव, गेवाम ॥
- ४ अजे-गेवीत्, गयोत्, गयूताम्, गेवुः, गेवीः, गयोः, गयूतम्, गयूत, गेवम्, गेव, गयूवै, गयूम ॥
- ५ अजेगेव-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जेगेवा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेगेव्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेगेविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, त्वः, स्मः ॥
- ९ जेगेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजेगेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, जेगेव्यादित्यादौ ये परे जेगयूयादित्याद्यपि भवति ॥

७६२ ग्लेवृङ् (ग्लेव्) सेवने ॥

- १ जे-ग्लेवीति, ग्लयोति, ग्लयूतः, ग्लेवति, ग्लेवीषि, ग्लयोषि, ग्लयूथः, ग्लयूथ, ग्लयोमि, ग्लेवीमि, ग्लेवः, ग्लयूवैः, ग्लयूमः ॥
- २ जेग्लेव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जे-ग्लेवीतु, ग्लयोतु, ग्लयूतात्, ग्लूताम्, ग्लेवतु, ग्लयूहि, ग्लयूतात्, ग्लयूतम्, ग्लयूत, ग्लेवानि, ग्लेवाव, ग्लेवाम ॥
- ४ अजे-ग्लयोत्, ग्लेवीत्, ग्लयूताम्, ग्लेवुः, ग्लेवीः, ग्लयोः, ग्लयूतम्, ग्लयूत, ग्लेवम्, ग्लेव, ग्लयूवै, ग्लयूम ॥
- ५ अजेग्लेव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जेग्लेवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेग्लेव्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेग्लेविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेग्लेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजेग्लेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, जेग्लेव्यादित्यादौ ये परे जेग्लयूयादित्याद्यपि भवति ॥

७६३ पेवृङ् (पेव्) सेवने ॥

- १ पे-पेवीति, पयोति, पयूतः, पेवति, पेवीषि, पयोषि, पयूथः, पयूथ, पयोमि, पेवीमि, पेवः, पयूवैः, पयूमः ॥
- २ पेपेव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पे-पयोतु, पेवीतु, पयूतात्, पयूताम्, पेवतु, पयूहि, पयूतात्, पयूतम्, पयूत, पेवानि, पेवाव, पेवाम ॥
- ४ अपे-पयोत्, पेवीत्, पयूताम्, पेवुः, पेवीः, पयोः, पयूतम्, पयूत, पेवम्, पेव, पयूवै, पयूम ॥
- ५ अपेपेव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पेपेवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपेव्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपेविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपेपेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पेपेव्यादित्यादौ ये परे पेपयूयादित्याद्यपि भवति ॥

७६४ प्लेवृङ् (प्लेव्) सेवने ॥

- १ पे-प्लेवीति, प्लयोति, प्लयूतः, प्लेवति, प्लेवीषि, प्लयोषि, प्लयूथः, प्लयूथ, प्लयोमि, प्लेवीमि, प्लेवः, प्लयूवैः, प्लयूमः ॥
- २ पेप्लेव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पे-प्लयोतु, प्लेवीतु, प्लयूतात्, प्लयूताम्, प्लेवतु, प्लयूहि, प्लयूतात्, प्लयूतम्, प्लयूत, प्लेवानि, प्लेवाव, प्लेवाम ॥
- ४ अपे-प्लयोत्, प्लेवीत्, प्लयूताम्, प्लेवुः, प्लेवीः, प्लयोः, प्लयूतम्, प्लयूत, प्लेवम्, प्लेव, प्लयूवै, प्लयूम ॥
- ५ अपेप्लेव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पेप्लेवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेप्लेव्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेप्लेविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेप्लेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपेप्लेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पेप्लेव्यादित्यादौ ये परे पेप्लयूयादित्याद्यपि भवति ॥

७६५ मेवृङ् (मेव्) सेवने ॥

- १ मे-मयोति, मेवीति, मयूतः, मेवति, मेवीषि, मयोषि, मयूथः, मयूथ, मयोमि, मेवीमि, मेवः, मयूवैः, मयूमः ॥
- २ मेमेव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मे-मयोतु, मेवीतु, मयूतात्, मयूताम्, मेवतु, मयूहि, मयूतात्, मयूतम्, मयूत, मेवानि, मेवाव, मेवाम ॥
- ४ अमे-मयोत्, मेवीत्, मयूताम्, मेवुः, मेवीः, मयोः, मयूतम्, मयूत, मेवम्, मेव, मयूवै, मयूम ॥
- ५ अमेमेव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मेमेवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमेव्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमेमेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मेमेव्यादित्यादौ ये परे मेमयूयादित्याद्यपि भवति ॥

७६६ म्लेवृङ् (म्लेव्) सेवने ॥

- १ मे-म्लयोति, म्लेवीति, म्लयूतः, म्लेवति, म्लेवीषि, म्लयोषि, म्लयूथः, म्लयूथ, म्लयोमि, म्लेवीमि, म्लेवः, म्लयूवैः, म्लयूमः ॥
- २ मे-म्लेव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मे-म्लेवीतु, म्लयोतु, म्लयूतात्, म्लयूताम्, म्लेवतु, म्लयूहि, म्लयूतात्, म्लयूतम्, म्लयूत, म्लेवानि, म्लेवाव, म्लेवाम ॥
- ४ अमे म्लेवीत्, म्लयोत्, म्लयूताम्, म्लेवुः, म्लेवीः, म्लयोः, म्लयूतम्, म्लयूत, म्लेवम्, म्लेव, म्लयूवै, म्लयूम ॥
- ५ अमे-म्लेव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ मे-म्लेवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मे-म्लेव्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मे-म्लेविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मे-म्लेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमे-म्लेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मे-म्लेव्यादित्यादौ ये परे मे-म्लयूयादित्याद्यपि भवति ।

७६७ रेवृङ् (रेव्) गतौ ॥

- १ रे-रेवीति, रयोति, रयुतः, रेवति, रेवीषि, रयोषि, रयूथः, रयूथ, रयोमि, रेवीमि, रेवः, रयूवैः, रयूमः ॥
- २ रे-रेव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रे-रेवीतु, रयोतु, रयूतात्, रयूताम्, रेवतु, रयूहि, रयूतात्, रयूतम्, रयूत, रेवाणि, रेवाव, रेवाम ॥
- ४ अरे-रेवीत्, रयोत्, रयूताम्, रेवुः, रेवीः, रयोः, रयूतम्, रयूत, रेवम्, रेव, रयूवै, रयूम ॥
- ५ अरे-रेव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ रे-रेवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रे-रेव्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रे-रेविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रे-रेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अरे-रेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, रे-रेव्यादित्यादौ ये परे रे-रयूयादित्याद्यपि भवति ।

७६८ पवि (पव्) गतौ ॥

- १ पा-पवीति, पौति, पौतः, पवति, पवीषि, पौषि, पौथः, पौथ, पौमि, पवीमि, पौवैः, पावः, पामः ॥ [याव, याम ॥
- २ पापव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पा-पवीतु, पौतु, पौतात्, पौताम्, पवतु, पौहि, पौतात्, पौतम्, पौत, पवानि, पवाव, पवाम ॥
- ४ अपा-पवीत्, पौत्, पौताम्, पवुः, पवीः, पौः, पौतम्, पौत, पवम्, पौवै, पाव, पौम ॥
- ५ अपापाव् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ पापवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापव्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपापविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पापव्यादित्यादौ ये परे पापौयादित्याद्यपि भवति ।
- पक्षे-सर्वत्राप्यपास्थाने ‘पं’ इति ‘पम्’ इति च ज्ञेयम् ।

७६९ काशृङ् (काश्) दीप्तौ ॥

- १ चाका-शीति, छि, छः, शति, शीषि, क्षि, छः, छ, शीमि, स्मि, श्वः, श्मः ॥
- २ चाकाश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाका-शीतु, छु, छात्, छाम्, शतु, छि, छात्, छम्, छ, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अचाका-शीत्, द, छाम्, शुः, शीः, द, छम्, छ, शम्, श्व, श्म ॥
- ५ अचाकाश्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ चाकाशा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकाश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकाशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकाशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकाशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

७७० क्लेशि (क्लेश्) विबाधने ॥

- १ चेक्ले-शीति, छि, छः, शति, शीषि, क्षि, छः, छ, शीमि, क्षि, छः, छः ॥
- २ चेक्ले-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेक्ले-शीतु, छु, छात्, छाम्, शतु, छि, छात्, छम्, छ, शाणि, शाव, शाम ॥
- ४ अचेक्ले-शीत्, द, छाम्, छुः, शीः, द, छम्, छ, शम्, ख, छम् ॥
- ५ अचेक्ले-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चेक्लेशा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेक्लेष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेक्लेशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेक्लेशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेक्लेशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७७१ भाषि (भाष्) च व्यक्तायां वाचि ॥

- १ बाभा-शीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, क्षि, छः, छः ॥
- २ बाभाष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभा-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अबाभा-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, पम्, प्व, प्म ॥
- ५ अबाभाष-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभाषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभाष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभाषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभाषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभाषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७७२ जेषुड (जेष्) अन्विच्छायाम् ॥

- १ जेगे-शीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, क्षि, छः, छः ॥
- २ जेगेष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेगे-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अजेगे-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, पम्, प्व, प्म ॥
- ५ अजेगेष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जेगेषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेगेष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेगेषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेगेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेगेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७७३ येषुड (येष्) प्रयत्ने ॥

- १ येये-शीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, क्षि, छः, छः ॥
- २ येयेष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्, याव, याम ॥
- ३ येये-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अयेये-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, पम्, प्व, प्म ॥
- ५ अयेयेष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ येयेषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ येयेष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ येयेषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ येयेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयेयेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७७४ जेषृङ् (जेष्) गतौ ॥

- १ जेजे-पीति, छि, छः, षति, षीषि, क्षि, छः, छ, षीमि, ष्मि, ष्वः, ष्मः ॥
- २ जेजेष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेजे-पीतु, छु, छात्, छाम्, षतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अजेजे-पीत्, द, छाम्, छुः, षीः, द, छम्, छ, षम्, ष्व, ष्म ॥
- ५ अजेजेष्-ईत्, इछाम्, इछुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जेजेषा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेजेष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेजेषिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेजेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेजेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७७५ नेषृङ् (नेष्) गतौ ॥

- १ नेने-पीति, छि, छः, षति, षीषि, क्षि, छः, छ, षीमि, ष्मि, ष्वः, ष्मः ॥
- २ नेनेष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नेने-पीतु, छु, छात्, छाम्, षतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अनेने-पीत्, द, छाम्, छुः, षीः, द, छम्, छ, षम्, ष्व, ष्म ॥
- ५ अनेनेष्-ईत्, इछाम्, इछुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नेनेषा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनेष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनेषिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनेनेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७७६ हेषृङ् (हेष्) गतौ ॥

- १ जेहे-पीति, छि, छः, षति, षीषि, क्षि, छः, छ, षीमि, ष्मि, ष्वः, ष्मः ॥
- २ जेहेष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेहे-पीतु, छु, छात्, छाम्, षतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अजेहे-पीत्, द, छाम्, छुः, षीः, द, छम्, छ, षम्, ष्व, ष्म ॥
- ५ अजेहेष्-ईत्, इछाम्, इछुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जेहेषा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेहेष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेहेषिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेहेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेहेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७७७ रेपृङ् (रेष्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ रेरे-पीति, छि, छः, षति, षीषि, क्षि, छः, छ, षीमि, ष्मि, ष्वः, ष्मः ॥
- २ रेरेष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रेरे-पीतु, छु, छात्, छाम्, षतु, छ्वि, छात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अरेरे-पीत्, द, छाम्, छुः, षीः, द, छम्, छ, षम्, ष्व, ष्म ॥
- ५ अरेरेष्-ईत्, इछाम्, इछुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रेरेषा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रेरेष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रेरेषिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रेरेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरेरेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७७८ हेष्ट् (हेष्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ जेहे-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, छि, छः, छमः ॥
- २ जेहेष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेहे-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अजेहे-पीत्, द, छाम्, छुः, पीः, द, छम्, छ, पम्, छ्व, छम ॥
- ५ अजेहेष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जेहेषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेहेष्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेहेषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेहेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेहेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७७९ पर्षि (पर्ष) स्नेहने ॥

- १ पाप-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, छि, छः, छमः ॥
- २ पापर्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पापर्-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अपाप-पीत्, द, छाम्, छुः, पीः, द, छम्, छ, पम्, छ्व, छम ॥
- ५ अपापर्ष-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पापर्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापर्ष्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापर्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापर्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपापर्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७८० घुषुड् (घुन्ष्) कान्तीकरणे ॥

- १ जो-घुंषीति, घुंष्टि, घुंष्टः, घुंषति, घुंक्षि, घुंष्टः, घुंष्ट, घुंषमि, घुंष्मि, घुंष्वः, घुंष्मः ॥
- २ जोघुंष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-घुंषीतु, घुंष्टु, घुंष्टात्, घुंष्टाम्, घुंषतु, घुंष्टि, घुंष्टि, घुंष्टात्, घुंष्टम्, घुंष्ट, घुंषाणि, घुंषाव, घुंषाम ॥
- ४ अजो-घुंषीत्, घुन्, घुंष्टाम्, घुंष्टुः, घुंषीः, घुन्, घुंष्टम्, घुंष्ट, घुंषम्, घुंष्व, घुंष्म ॥
- ५ अजोघुंष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोघुंषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोघुंष्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोघुंषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोघुंषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोघुंषिष्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७८१ संस्रुड् (संस्) प्रमादे ॥

- १ सा-संसीति, संस्रित, संस्रतः, संस्रति, संसीषि, संस्रि, संस्रथः, संस्रथ, संसीमि, संस्रि, संस्रस्वः, संस्रमः ॥ [याव, याम्]
- २ सास्रस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सा-संसीतु, संस्रु, संस्रात्, संस्राम्, संस्रतु, संस्रि, संस्रि, संस्रात्, संस्रतम्, संस्रत, संस्रानि, संसाव, संस्राम ॥
- ४ असा-संसीत्, सन्, संस्राम्, संस्रुः, संसीः, सन्, संस्रतम्, संस्रत, संस्रम्, संस्रस्व, संस्रम ॥
- ५ असास्रंस-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सास्रंसा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सास्रस्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सास्रंसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सास्रंसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम]
- १० असास्रंसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, वञ्चसंसेत्यत्र साहचर्यात्-युतादिसंस्रुड्धातोर्ग्रहणादस्य न्यभावः ॥

७८२ कासृङ् (काम्) शब्दकुत्सायाम् ॥

- १ चाका-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ चाकास्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाका-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, धि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अचाका-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, : , त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अचाकास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकासा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकास्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकासिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकासिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकासिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७८३ भासि (भाम्) दीप्तौ ॥

- १ बाभा-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ बाभास्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभा-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, धि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अबाभा-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, : , त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अबाभास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभासा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभास्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभासिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभासिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभासिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७८४ दुभ्रासि (भ्राम्) दीप्तौ ॥

- १ बाभ्रा-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ बाभ्रास्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभ्रा-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, धि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अबाभ्रा-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, : , त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अबाभ्रास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभ्रासा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभ्रास्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभ्रासिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभ्रासिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभ्रासिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७८५ दुभ्लासृङ् (भ्लाम्) दीप्तौ ॥

- १ बाभ्ला-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ बाभ्लास्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभ्ला-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, धि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अबाभ्ला-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, : , त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अबाभ्लास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभ्लासा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभ्लास्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभ्लासिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभ्लासिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभ्लासिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७८६ रासृङ् (राम्) शब्दे ॥

- १ रासृ-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्ति, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ रासृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रासृ-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, धि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ रासृ-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ;, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ रासृ-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म्, इष्, इष्म ॥
- ६ रासृ-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रासृ-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रासृ-सिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रासृ-सिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० रासृ-सिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७८७ नासृङ् (नाम्) शब्दे ॥

- १ नासृ-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्ति, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ नासृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नासृ-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, धि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ नासृ-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ;, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ नासृ-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म्, इष्, इष्म ॥
- ६ नासृ-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नासृ-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नासृ-सिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नासृ-सिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० नासृ-सिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७८८ णसि (नम्) कौटिल्ये ॥

- १ णसि-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्ति, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ णसि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ णसि-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ णसि-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ;, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ णसि-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म्, इष्, इष्म ॥
- ६ णसि-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ णसि-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ णसि-सिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ णसि-सिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० णसि-सिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७८९ भ्यसि (भ्यम्) भये ॥

- १ भ्यसि-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्ति, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ भ्यसि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ भ्यसि-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ भ्यसि-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ;, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ भ्यसि-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म्, इष्, इष्म ॥
- ६ भ्यसि-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ भ्यसि-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ भ्यसि-सिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ भ्यसि-सिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० भ्यसि-सिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७९० आशःशसुङ् (आ-शन्म्) इच्छायाम् ॥

- १ आशाशं-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ आशाशंस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ आशा-शंसीत्, शंस्तु, शंस्तात्, शंस्ताम्, शंसतु, शन्धि, शन्धि, शंस्तात्, शंस्तम्, शंस्त, शंसानि, शंसाव, शंसाम् ॥
- ४ आशा-शंसीत्, शन्, शंस्ताम्, शंसुः, शंसीः, शन्, शंस्तम्, शंस्त, शंसम्, शंस्व, शंस्म ॥
- ५ आशाशंस्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ आशाशंसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ आशाशंस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ आशाशंसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ आशाशंसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अथि, आवः, आमः ॥
- १० आशाशंसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७९१ ग्रसुङ् (ग्रस्) अदने ॥

- १ जाग्र-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ जाग्रस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जाग्र-सीत्, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम् ॥
- ४ अजाग्र-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अजाग्रस् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाग्रस् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ जाग्रसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाग्रस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाग्रसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाग्रसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अथि, आवः, आमः ॥
- १० अजाग्रसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७९२ ग्लसुङ् (ग्लम्) अदने ॥

- १ जाग्ल-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ जाग्लस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जाग्ल-सीत्, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, धि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम् ॥
- ४ अजाग्ल-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अजाग्लास् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाग्लास् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ जाग्लसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाग्लस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाग्लसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाग्लसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अथि, आवः, आमः ॥
- १० अजाग्लसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७९३ घसुङ् (घन्म्) करणे ॥

- १ जाघं-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ जाघंस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जा-घंसीत्, घंस्तु, घंस्तात्, घंस्ताम्, घंसतु, घन्धि, घन्धि, घंस्तात्, घंस्तम्, घंस्त, घंसानि, घंसाव, घंसाम् ॥
- ४ अजा-घंसीत्, घन्, घंस्ताम्, घंसुः, घंसीः, घन्, घंस्तम्, घंस्त, घंसम्, घंस्व, घंस्म ॥
- ५ अजाघंस्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ जाघंसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाघंस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाघंसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाघंसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अथि, आवः, आमः ॥
- १० अजाघंसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७९४ छिहि (छिह्) गतौ ॥

- १ पे-छिहीति, छेडि, छीढः, छिहति, छिहीषि, छेक्षि, छीढः, छीढ, छिहीमि, छेड्मि, छिह्मः, छिह्मः ॥
- २ पेछिह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पे-छिहीतु, छेडु, छीढात्, छीढाम्, छिहतु, छीढि, छीढात्, छीढम्, छीढ, छिहानि, छिहाव, छिहाम ॥
- ४ अपे-छिहीत्, छेद, छीढाम्, छिहुः, छिहीः, छेद, छीढम्, छीढ, छिहम्, छिह, छिह्म ॥
- ५ अपेछेह्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्म ॥
- ६ पेछेह्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेछिह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेछेहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेछेहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेछेहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७९५ गर्हि (गर्ह्) कुत्सने ॥

- १ जा-गर्हीति, गर्हि, गर्हः, गर्हति, गर्हीषि, घर्क्षि, गर्हः, गर्ह, गर्हिमि, गर्ह्मि, गर्हः, गर्हः ॥
- २ जागर्ह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाग-र्हीतु, गर्ह, गर्हत्, गर्मि, गर्ह, गर्हि, गर्हत्, गर्हम्, गर्ह, गर्हिणि, गर्ह, गर्मि ॥
- ४ अजा-गर्हीत्, घर्द, गर्डाम्, गर्हुः, गर्हीः, घर्द, गर्हम्, गर्ह, गर्हम्, गर्ह, गर्ह ॥
- ५ अजागर्ह-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्म ॥
- ६ जागर्ह-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागर्ह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागर्हिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागर्हिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागर्हिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७९६ गल्हि (गल्ह्) कुत्सने ॥

- १ जा-गल्हीति, गल्हि, गल्हः, गल्हति, गल्हीषि, घल्क्षि, गल्हः, गल्ह, गल्हिमि, गल्ह्मि, गल्हः, गल्हः ॥
- २ जागल्ह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जागल्-हीतु, गर्ह, गर्हत्, गर्मि, गर्ह, गर्हि, गर्हत्, गर्हम्, गर्ह, गर्हिणि, गर्ह, गर्मि ॥
- ४ अजागल्-हीत्, ”, गर्ह, गर्हुः, गर्हीः, ”, गर्ह, गर्ह, गर्ह, गर्ह ॥
- ५ अजागल्ह-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्म ॥
- ६ जागल्ह-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागल्ह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागल्हिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागल्हिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागल्हिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७९७ वर्हि (वर्ह्) प्राधान्ये ॥

- १ वाव-वर्हीति, वि, वर्हः, वर्हति, वर्हीषि, क्षि, वर्हः, वर्ह, वर्हिमि, वर्ह्मि, वर्हः, वर्हः ॥
- २ वावर्ह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-वर्हीतु, वर्ह, वर्हत्, वर्मि, वर्ह, वर्हि, वर्हत्, वर्हम्, वर्ह, वर्हिणि, वर्ह, वर्मि ॥
- ४ अवाव-वर्हीत्, वर्ह, वर्हम्, वर्हुः, वर्हीः, वर्ह, वर्हम्, वर्ह, वर्ह ॥
- ५ अवावर्ह-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्म ॥
- ६ वावर्ह-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावर्ह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावर्हिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावर्हिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावर्हिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७९८ बल्हि (बल्ह) प्राधान्ये ॥

- १ बावल्-हीति, डि, ढः, हति, हीषि, क्षि, ढः, ड, हीमि, हि, हः, ह्यः ॥
- २ बावल्ह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बावल्-हीतु, ढ, ढात्, ढाम्, हतु, डि, ढात्, ढम्, ढ, हानि, हाव, हाम ॥
- ४ अबावल्-हीत्, ", ढाम्, हुः, हीः, ", ढम्, ढ, हम्, ह, ह्य ॥
- ५ अबावल्ह-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बावल्हा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बावल्हया-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बावल्हिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बावल्हिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबावल्हिष्य-अत्, अताम्, अन, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

७९९ बर्हि (बर्ह) परिभाषणहिंसाच्छादनेषु ॥

- १ बा-बर्हिति, बर्हि, बर्हः, बर्हति, बर्हिषि, भर्क्षि, बर्हः, बर्ह, बर्हिमि, बर्क्षि, बर्हः, बर्ह्यः ॥
- २ बावर्ह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाव-र्हीतु, ढ, ढात्, ढाम्, हतु, डि, ढात्, ढम्, ढ, हानि, हाव, हाम ॥
- ४ अबाव-र्हीत्, भर्दे, बर्ढाम्, बर्हुः, बर्हीः, भर्दे, बर्ढम्, बर्दे, बर्हम्, बर्ह, बर्ह्यः ॥
- ५ अबावर्ह-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बावर्हा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बावर्हया-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बावर्हिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बावर्हिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबावर्हिष्य-अत्, अताम्, अन, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८०० बल्हि (बल्ह) परिभाषणहिंसाच्छादनेषु ॥

- १ बा-बल्हीति, बल्हि, बल्हः, बल्हति, बल्हीषि, भल्क्षि, बल्हः, बल्ह, बल्हिमि, बल्क्षि, बल्हः, बल्ह्यः ॥
- २ बावल्ह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बावल्-हीतु, ढ, ढात्, ढाम्, हतु, डि, ढात्, ढम्, ढ, हानि, हाव, हाम ॥
- ४ अबावल्-हीत्, ", ढाम्, हुः, हीः, ", ढम्, ढ, हम्, ह, ह्य ॥
- ५ अबावल्ह-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बावल्हा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बावल्हया-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बावल्हिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बावल्हिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबावल्हिष्य-अत्, अताम्, अन, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८०१ वेहृ (वेह) प्रयत्ने ॥

- १ वेवे-हीति, डि, ढः, हति, हीषि, क्षि, ढः, ड, हीमि, हि, हः, ह्यः ॥
- २ वेवेह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवे-हीतु, ढ, ढात्, ढाम्, हतु, डि, ढात्, ढम्, ढ, हानि, हाव, हाम ॥
- ४ अवेवे-हीत्, ढ, ढाम्, हुः, हीः, ढ, ढम्, ढ, हम्, ह, ह्य ॥
- ५ अवेवेह-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वेवेहा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेवेहया-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेहिता ", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेहिष्य-अत्, अताम्, अन, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८०२ जेहङ् (जेह्) प्रयत्ने ॥

- १ जेजे-हीति, डि, ढः, हति, हीषि, क्षि, ढः, ढ, हीमि, क्षि, हः, क्षः ॥
- २ जेजेह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेजे-हीतु, ढ, ढात्, ढाम्, हतु, डि, ढात्, ढम्, ढ, हानि, हाव, हाम ॥
- ४ अजेजे-हीत्, द, ढाम्, हुः, हीः, द, ढम्, ढ, हम्, ह, क्ष ॥
- ५ अजेजेह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जेजेहा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेजेह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेजेहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेजेहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेजेहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८०३ वाहङ् (वाह्) प्रयत्ने ॥

- १ वावा-हीति, डि, ढः, हति, हीषि, क्षि, ढः, ढ, हीमि, क्षि, हः, क्षः ॥
- २ वावाह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वावा-हीतु, ढ, ढात्, ढाम्, हतु, डि, ढात्, ढम्, ढ, हानि, हाव, हाम ॥
- ४ अवावा-हीत्, द, ढाम्, हुः, हीः, द, ढम्, ढ, हम्, ह, क्ष ॥
- ५ अवावाह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वावाहा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावाह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावाहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावाहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावाहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८०४ द्राहङ् (द्राह्) निक्षेपे ॥

- १ दा-द्राहीति, द्राडि, द्राढः, द्राहति, द्राहीषि, द्राक्षि, द्राढः, द्राढ, द्राहीमि, द्राक्षि, द्राहः, द्राह्मः ॥
- २ दाद्राह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाद्रा-हीतु, ढ, ढात्, ढाम्, दतु, डि, ढात्, ढम्, ढ, हानि, हाव, हाम ॥
- ४ अदा-द्राहीत्, ध्राद, द्राढाम्, द्राहुः, द्राहीः, ध्राद, द्राढम्, द्राढ, द्राहम्, द्राह्, द्राह्म ॥
- ५ अदाद्राह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दाद्राहा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाद्राह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाद्राहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाद्राहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदाद्राहिष्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८०५ गाहङ् (गाह्) ग्रहणे ॥

- १ जा-गाहीति, गाडि, गाढः, गाहति, गाहीषि, गाक्षि, गाढः, गाढ, गाहीमि, गाक्षि, गाहः, गाह्मः ॥
- २ जागाह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जागा-हीतु, ढ, ढात्, ढाम्, हतु, डि, ढात्, ढम्, ढ, हानि, हाव, हाम ॥
- ४ अजा-गाहीत्, घ्राद, गाढाम्, गाहुः, गाहीः, घ्राद, गाढम्, गाढ, गाहम्, गाह्, गाह्म ॥
- ५ अजागाह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जागाहा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागाह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागाहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागाहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागाहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८०६ ग्लहौङ् (ग्लह्) ग्रहणे ॥

- १ जा-ग्लहीति, ग्लाडि, ग्लाडः, ग्लहति, ग्लहीषि, ग्लक्षि, ग्लाडः, ग्लाड, ग्लहीमि, ग्लक्षि, ग्लह्मः, ग्लह्मः ॥
- २ जाग्लह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याव, याव, याम ॥
- ३ जा-ग्लहीतु, ग्लाडु, ग्लाडात्, ग्लाडाम्, ग्लहतु, ग्लाडि, ग्लाडात्, ग्लाडम्, ग्लाड, ग्लहानि, ग्लहाव, ग्लहाम ॥
- ४ अजा-ग्लहीत्, ग्लह्, ग्लाडाम्, ग्लहुः, ग्लहीः, ग्लह्, ग्लाडम्, ग्लाड, ग्लहम्, ग्लह्, ग्लह्म ॥
- ५ अजाग्लह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाग्लहा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाग्लह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाग्लहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाग्लहिष्य-अति, अतः, अन्ति, अमि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाग्लहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८०७ बहुङ् (वन्ह्) वृद्धौ ॥

- १ वा-बंहति, बण्डि, वण्डः, बंहति, बंहिषि, भङ्गि, वण्डः, वण्ड, बंहमि, बङ्गि, बंहः, बङ्गः ॥
- २ वावंह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वा-बंहितु, बण्डु, वण्डात्, वण्डाम्, बंहितु, बण्डि, वण्डात्, वण्डम्, वण्ड, बंहानि, बंहाव, बंहाम ॥
- ४ अवा-बंहित्, भन्, वण्डाम्, बंहुः, बंहिः, भन्, वण्डम्, वण्ड, बंहम्, बंह, बंह ॥
- ५ अवावंह-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावंह-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावंह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावंहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावंहिष्य-अति, अतः, अन्ति, अमि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावंहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८०८ महुङ् (मन्ह्) वृद्धौ ॥

- १ मा-मंहति, मण्डि, मण्डः, मंहति, मंहिषि, मङ्गि, मण्डः, मण्ड, मंहमि, मङ्गि, मंहः, मङ्गः ॥
- २ मामंह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मा-मंहितु, मण्डु, मण्डात्, मण्डाम्, मंहितु, मण्डि, मण्डम्, मण्ड, मंहानि, मंहाव, मंहाम ॥
- ४ अमा-मंहित्, मन्, मण्डाम्, मंहुः, मंहिः, मन्, मण्डम्, मण्ड, मंहम्, मंह, मंह ॥
- ५ अमामंह-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामंहा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामंह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामंहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामंहिष्य-अति, अतः, अन्ति, अमि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामंहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८०९ दक्षि (दक्ष्) शैवे च ॥

- १ दाद-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षि, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ दादक्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाद-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अदाद-क्षीत्, द्, छाम्, छुः, क्षीः, द्, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अदादक्ष-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दादक्षा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दादक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदादक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८१० धुक्षि (धुक्ष्) संदीपनक्लेशनजीवनेषु ॥

- १ धोषु-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ धोषुक्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ धोषु-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अदोषु-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अदोषुक्ष-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ धोषुक्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ धोषुक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ धोषुक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ धोषुक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदोषुक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८११ धिक्षि (धिक्ष्) संदीपनक्लेशनजीवनेषु ॥

- १ देधि-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ देधिक्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ देधि-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अदेधि-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अदेधिक्ष-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ देधिक्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देधिक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देधिक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देधिक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदेधिक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८१२ वृक्षि (वृक्ष्) वरणे ॥

- १ वरीवृ-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ वरीवृक्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वरीवृ-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अवरीवृ-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अवरीवृक्ष-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वरीवृक्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरीवृक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरीवृक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरीवृक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवरीवृक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वरी-स्थाने 'वरि' इति 'वर्' इति च ज्ञेयम् ॥

८१३ शिषि (शिष्) विद्योपादाने ॥

- १ शेशि-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ शेशिक्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शेशि-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अशेशि-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अशेशिक्ष-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शेशिक्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेशिक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शेशिक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेशिक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशेशिक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८१४ मिक्षि (भिष्) याञ्चायाम् ॥

- १ वेमि-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ वेमिक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेमि-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अवेमि-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अवेमिक्ष्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वेमिक्षा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेमिक्षया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेमिक्षिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेमिक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेमिक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८१६ श्रिग् (श्रि) सेवायाम् ॥

- १ शे-श्रयीति, श्रेति, श्रितः, श्रियति, श्रयीषि, श्रेषि, श्रियः, श्रिय, श्रयामि, श्रेमि, श्रिवः, श्रिमः ॥
- २ शेश्रि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शे-श्रयीतु, श्रेतु श्रितात्, श्रिताम्, श्रियतु, श्रिहि, श्रितात्, श्रितम्, श्रित, श्रयाणि, श्रयाव, श्रयाम ॥
- ४ अशे-श्रयीत्, श्रेत्, श्रिताम्, श्रयुः, श्रयीः, श्रेः, श्रितम्, श्रित, श्रयम्, श्रिव, श्रिम ॥
- ५ अशेश्राय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शेश्रया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेश्रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शेश्रयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेश्रयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशेश्रयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८१५ दीक्षि (दीक्ष्) मौण्डयेज्योपनयन-
नियमव्रतादेशेषु ॥

- १ वेदी-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिम, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ वेदीक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेदी-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अवेदी-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अवेदीक्ष्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वेदीक्षा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेदीक्षया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेदीक्षिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेदीक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवेदीक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८१७ णीग् (नी) प्रापणे ॥

- १ ने-नयीति, नेति, नीतः, न्यति, नयीषि, नेषि, नीथः, नीथ, नयीमि, नेमि, नीवः, नीमः ॥
- २ नेनी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ने-नयीतु, नेतु, नीतात्, नीताम्, न्यतु, नीहि, नीतात्, नीतम्, नीत, नयानि, नयाव, नयाम ॥
- ४ अने-नयीत्, नेत्, नीताम्, नयुः, नयीः, नेः, नीतम्, नीत, नयम्, नीव, नीम ॥
- ५ अनेनाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नेनया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनेनयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८१८ हुं (ह) हरणे ॥

- १ जरी-हरीति, हर्ति, हृतः, हति, हरीषि, हर्षि, हृथः, हृथ, हरीमि, हर्मि, हवः, ह्वः ॥
- २ जरीह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जरी-हर्तुं, हृतात्, हृताम्, हतु, हृदि, हृतात्, हृतम्, हृत, हराणि, हराव, हराम् ॥
- ४ अजरी-हरीत्, हः, हृताम्, हृः, हरीः, हः, हृतम्, हृत, हरम्, हव, ह्वम् ॥
- ५ अजरीहार-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जरीहरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जरीह्रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जरीहरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जरीहरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजरीहरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे जरी-स्थाने ‘जरि’ इति ‘जर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

८१९ भृं (भृ) भरणे ॥

- १ बरी-भरीति, भर्ति, भृतः, भ्रति, भरीषि, भर्षि भृथः, भृथ, भरीमि, भर्मि, भृवः, भृमः ॥
- २ बरीभृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ बरी-भरीतु, भर्तुं, भृतात्, भृताम्, भ्रतु, भृदि, भृतात्, भृतम्, भृत, भराणि, भराव, भराम् ॥
- ४ अबरी-भरीत्, भः, भृताम्, भृः, भरीः, भः, भृतम्, भृत, भरम्, भृव, भृम ॥
- ५ अबरीभार-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बरीभरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बरीभ्रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बरीभरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बरीभरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अबरीभरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे बरी-स्थाने ‘बरि’ इति ‘बर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

८२० धृं (धृ) धारणे । धृङ् ५५७ वद्रूपाणि ।

८२१ डुङ्ग (कृ) करणे ॥

- १ चरी-करीति, कर्ति, कृतः, क्रति, करीषि, कर्षि, कृथः, कृथ, करीमि, कर्मि, कृवः, कृमः ॥
- २ चरीकृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ चरी-करीतु, कर्तुं, कृतात्, कृताम्, क्रतु, कृदि, कृतात्, कृतम्, कृत, कराणि, कराव, कराम् ॥
- ४ अचरी-करीत्, कः, कृताम्, कृः, करीः, कः, कृतम्, कृत, करम्, कृव, कृम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अचरीकार-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चरीकरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चरीक्रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चरीकरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चरीकरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचरीकरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चरी-स्थाने ‘चरि’ इति ‘चर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

८२२ द्विकी (द्विक्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ जेहि-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, क्षिम, क्वः, क्मः ॥
- २ जेहिक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जेहि-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, क्तु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, क्तानि, क्ताव, क्ताम् ॥
- ४ अजेहि-कीत्, क्, क्ताम्, क्ः, कीः, क्, क्तम्, क्त, क्तम्, क्व, क्म ॥
- ५ अजेहिक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जेहिका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेहिक्रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेहिक्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेहिक्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेहिक्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८२३ डुयाचृग् (याच्) याश्चायाम् ॥

- १ याया-चीति, क्ति, क्तः, चति, चीषि, क्षि, कथः, कथ, चीमि, च्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ यायाच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ याया-चीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अयाया-चीत्, क्, क्ताम्, चुः, चीः, क्, क्तम्, क्त, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अयायाच्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ यायाच्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ यायाच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ यायाचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ यायाचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयायाचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८२४ डुपचीष् (पच्) पाके ॥

- १ पाप-चीति, क्ति, क्तः, चति, चीषि, क्षि, कथः, कथ, चीमि, च्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ पापच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पाप-चीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अपाप-चीत्, क्, क्ताम्, चुः, चीः, क्, क्तम्, क्त, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अपापच् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपापच् } इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ पापच्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपापचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८२५ राजृग् (राज्) दीप्तौ ॥

- १ रारा-जीति, छि, छः, जति, जीषि, क्षि, छः, छ, जीमि, ज्मि, ज्वः, ज्मः ॥
- २ राराज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रारा-जीतु, छु, छात्, छाम्, जतु, द्वि, छात्, छम्, छ, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अरारा-जीत्, द्, छाम्, जुः, जीः, द्, छम्, छ, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अराराज्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ राराजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ राराज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ राराजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ राराजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अराराजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८२६ डुभ्राजि (भ्राज्) दीप्तौ ॥

- १ बाभ्रा-जीति, छि, छः, जति, जीषि, क्षि, छः, छ, जीमि, ज्मि, ज्वः, ज्मः ॥
- २ बाभ्राज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभ्रा-जीतु, छु, छात्, छाम्, जतु, द्वि, छात्, छम्, छ, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अबाभ्रा-जीत्, द्, छाम्, जुः, जीः, द्, छम्, छ, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अबाभ्राज्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ बाभ्राजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभ्राज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभ्राजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभ्राजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभ्राजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८२७ भर्जी (भज्) सेवायाम् ॥

- १ बाभ-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ बाभज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभ-जीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अबाभ-जीत्, क्, क्ताम्, जुः, जीः, क्, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अबाभाज् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अबाभज् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभजा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८२८ रञ्जीं (रज्ज्) रागे ॥

- १ रार-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ रारज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रार-जीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अरार-जीत्, क्, क्ताम्, जुः, जीः, क्, क्तम्, क्त, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अरारज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारजा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रारजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८२९ रेरेट् (रेट्) परिभाषणयाचनयोः ॥

- १ रेरे-टीति, ट्टि, ट्टः, टति, टीषि, ट्टिष, ट्टः, ट्ट, टीमि, ट्टिम, ट्टः, ट्टमः ॥
- २ रेरेट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रेरे-टीतु, ट्टु, ट्टात्, ट्टाम्, ट्टु, ट्टि, ट्टात्, ट्टम्, ट्ट, ट्टानि, ट्टाव, ट्टाम ॥
- ४ अरेरे-टीत्, द, ट्टाम्, ट्टः, टीः, द, ट्टम्, ट्ट, ट्टम्, ट्ट, ट्टम ॥
- ५ अरेरेट्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रेरेटा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रेरेट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रेरेटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रेरेटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरेरेटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८३० वेवेण् (वेण्) गतिज्ञानचिन्ता-
निशामनवादिग्रहणेषु ॥

- १ वेवे-णीति, ण्ति, ण्टः, णति, णीषि, णिष, ण्टः, ण्ट, णीमि, ण्व, ण्म ॥
- २ वेवेण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवे-णीतु, ण्टु, ण्टात्, ण्टाम्, णतु, णिह, ण्टात्, ण्टम्, ण्ट, णानि, णाव, णाम ॥
- ४ अवेवे-णीत्, ण, ण्टाम्, णुः, णीः, ण, ण्टम्, ण्ट, णम्, ण्व, ण्म ॥
- ५ अवेवेण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वेवेणा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेवेण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवेवेणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८३१ चतेर् (चत्) याचने ॥

- १ चाच-तीति, ति, तः, तति, तीषि, त्सि, त्थः, त्थ, तीमि, त्थि, त्वः, त्मः ॥
- २ चाचत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाच-तीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त, तानि, थाव, थाम ॥
- ४ अचाच-तीत्, त्, ताम्, थुः, थीः, त्, तम्, त, तम्, त्व, त्म ॥
- ५ अचाचात् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाचत् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाचता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाचत्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाचतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाचतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाचतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८३२ प्रोथृग् (प्रोथ्) पर्याप्तौ ॥

- १ पोप्रो-थीति, ति, तः, थति, थीषि, त्सि, त्थः, त्थ, थीमि, थ्मि, थ्वः, थ्मः ॥
- २ पोप्रोथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोप्रो-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अपोप्रो-थीत्, त्, ताम्, थुः, थीः, त्, तम्, त, थम्, थ्व, थ्म ॥
- ५ अपोप्रोथ्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पोप्रोथा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोप्रोथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोप्रोथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोप्रोथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोप्रोथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८३३ मिथृग् (मिथ्) मेघार्हिसयोः ॥

- १ मे-मिथीति, मेत्ति, मित्तः, मिथति, मिथीषि, मेत्सि, मित्थः, मित्थ, मिथीमि, मेथ्मि, मिथ्वः, मिथ्मः ॥
- २ मेमिथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमेत्तु, मेमि-थीतु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अमे-मेथीत्, मेत्, मित्ताम्, मिथुः, मिथीः, मेत्, मित्तम्, मित्त, मिथम्, मिथ्व, मिथ्म ॥
- ५ अमेमेथ्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मेमेथा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमेथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमेथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८३४ मेथृग् (मेथ्) संगमे च ॥

- १ मेमे-थीति, ति, तः, थति, थीषि, त्सि, त्थः, त्थ, थीमि, थ्मि, थ्वः, थ्मः ॥
- २ मेमेथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमे-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अमेमे-थीत्, त्, ताम्, थुः, थीः, त्, तम्, त, थम्, थ्व, थ्म ॥
- ५ अमेमेथ्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मेमेथा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमेथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमेथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८३५ चदेग् (चद्) याचने ॥

- १ चाच-दीति, त्ति, त्तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थः, दीमि, धि, द्वः, झः ॥
- २ चाचद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाच-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अचाच-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, रः, त्, तम्, त्त, दम्, द्व, झ ॥
- ५ अचाचाद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाचदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाचद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाचदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाचदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाचदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८३६ उबुन्दृग् (बुन्दृ) निशामने ॥

- १ बोबु-न्दीति, न्ति, त्तः, दति, न्दीषि, न्त्सि, त्थः, त्थः, न्दीमि, न्धि, द्वः, झः ॥
- २ बोबुद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बोबु-न्दीतु, न्तु, न्तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, न्दानि, न्दाव, न्दाम ॥
- ४ अबोबु-न्दीत्, न्, ताम्, दुः, दीः, न्, तम्, त्त, न्दम्, द्व, झ ॥
- ५ अबोबुन्दृ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बोबुन्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बोबुन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बोबुन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बोबुन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबोबुन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८३७ णिदृग् (निद्) कुत्सासन्निकर्षयोः ॥

- १ ने-निदीति, नेत्ति, नित्तः, निदति, निदीषि, नेत्सि, नित्थः, नित्थ, निदीमि, नेद्धि, निद्वः, निद्वः ॥
- २ नेनिद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नेनेत्तु, नेनि-दीतु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अने-निदीत्, नेत्, नित्ताम्, निदुः, निदीः, नेः, नेत्, नित्तम्, नित्त, निदम्, निद्व, निद्व ॥
- ५ अनेनेद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नेनेदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनेद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनेदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनेदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनेनेदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८३८ णेदृग् (नेद्) कुत्सासन्निकर्षयोः ॥

- १ नेने-दीति, त्ति, त्तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थः, दीमि, धि, द्वः, झः ॥
- २ नेनेद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नेने-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अनेने-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, त्, तम्, त्त, दम्, द्व, झ ॥
- ५ अनेनेद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नेनेदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनेद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनेदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनेदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनेनेदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८३९ मिट् (मिट्) मेधाहिंसयोः ॥

- १ मे-मिदीति, मेत्ति, मित्तः, मिदति, मिदीषि, मेत्सि, मित्थः, मित्थ, मिदीमि, मेद्मि, मिद्वः, मिद्वः ॥
- २ मेमेद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमेत्तु, मेमि-दीतु, तात्, ताम्, दतु, दि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अमे-मिदीत्, मेत्, मित्ताम्, मिदुः, मिदीः, मेः, मित्, मित्तम्, मित्त, मिदम्, मिद्व, मिद्व ॥
- ५ अमेमेद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मेमेदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमेद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमेदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८४० मेट् (मेट्) मेधाहिंसयोः ॥

- १ मेमे-दीति, त्ति, त्तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, द्मि, द्वः, द्मः ॥
- २ मेमेद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमे-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, दि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अमेमे-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, त्, त्तम्, त्त, दम्, द्व, द्म ॥
- ५ अमेमेद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मेमेदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमेद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमेदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८४१ मेधृग् (मेध्) संगमे च ॥

- १ मेमे-धीति, दि, दः, धति, धीषि, त्सि, द्धः, द्ध, धीमि, ध्मि, ध्वः, ध्मः ॥
- २ मेमेध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमे-धीतु, दु, द्धात्, द्धाम्, धतु, दि, द्धात्, द्धम्, द्ध, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अमेमे-धीत्, त्, द्धाम्, धुः, धीः, ;, त्, द्धम्, द्ध, धम्, ध्व, ध्म ॥
- ५ अमेमेध्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मेमेधा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमेध्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमेधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८४२ शृधृग् (शृध्) उन्दे ॥

- १ शरी-शृधीति, शर्दि, शृद्धः, शृधति, शृधीषि, शर्त्सि, शृद्धः, शृद्ध, शृधीमि, शर्ध्मि, शृध्वः, शृध्मः ॥
- २ शरीशृध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शरीशर्द्धु, शरीशृ-धीतु, द्धात्, द्धाम्, धतु, दि, द्धात्, द्धम्, द्ध, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अशरी-शर्त्, शृधीत्, शृद्धाम्, शृधुः, शृधीः, शाः, शर्त्, शृद्धम्, शृद्ध, शृधम्, शृध्व, शृध्म ॥
- ५ अशरीशर्द्ध-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शरीशर्द्धा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शरीशृध्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शरीशर्द्धिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शरीशर्द्धिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशरीशर्द्धिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे शरी-स्थाने 'शरि' इति 'शर्' इति च ज्ञेयम् ॥

८४३ मृधृग् (मृध्) उन्दे ॥

- १ मरी-मर्दि, मृधीति, मृद्धः, मृधति, मृधीषि, मर्त्ति, मृद्धः, मृद्ध, मृधीमि, मर्ध्मि, मृध्वः, मृध्वः ॥
- २ मरीमृध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मरीमर्द्ध, मरीमृ-धीतु, द्धात्, द्धाम्, धतु, दि, द्धात्, द्धम्, द्ध, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अमरी-मर्त्त, मृधीत्, मृद्धाम्, मृधुः, मृधीः, माः, मर्त्त, मृद्धम्, मृद्ध, मृधम्, मृध्व, मृध्व ॥
- ५ अमरीमर्ध्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मरीमर्धा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मरीमृध्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मरीमृधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मरीमर्धिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमरीमर्धिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे मरी-स्थाने ‘मरि’ इति ‘मर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

८४४ बुधृग् (बुध्) बोधने ॥

- १ बो-बोद्धि, बुधीति, बुद्धः, बुधति, बुधीषि, भोत्ति, बुद्धः, बुद्ध, बुधीमि, बोध्मि, बुध्वः, बुध्वः ॥
- २ बोबुध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बोबोद्धु, बोबु-धीतु, द्धात्, द्धाम्, धतु, दि, द्धात्, द्धम्, द्ध, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अबो-भोत्, बुधीत्, बुद्धाम्, बुधुः, बुधीः, भोः, भोत्, बुद्धम्, बुद्ध, बुधम्, बुध्व, बुध्व ॥
- ५ अबोबोध्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बोबोधा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बोबुध्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बोबोधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बोबोधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबोबोधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८४५ खनृग् (खन्) अवदारणे ॥

- १ चङ्-खनीति, खन्ति, खातः, खन्ति, खनीषि, खंसि, खाथः, खाथ, खनीमि, खन्मि, खन्वः, खन्मः ॥
- २ चङ्खन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चङ्-खनीतु, खन्तु, खातात्, खाताम्, खन्तु, खाहि, खातात्, खातम्, खात, खनानि, खनाव, खनाम ॥
- ४ अचङ्-खनीत्, खन्, खाताम्, खन्तुः, खनीः, खन्, खातम्, खात, खनम्, खन्व, खन्म ॥
- ५ अचङ्खान् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचङ्खन् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चङ्खना-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चङ्खन्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चङ्खनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चङ्खनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचङ्खनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे ‘चङ्’-स्थाने च इति ज्ञेयम् ॥

८४६ दानी (दान्) अवखण्डने ॥

- १ दा-दानीति, दान्ति, दान्तः, दानति, दानीषि, दांसि, दान्थः, दान्थ, दानीमि, दान्मि, दान्वः, दान्वः ॥
- २ दादान्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दा-दानीतु, दान्तु, दान्तात्, दान्ताम्, दान्तु, दांहि, दान्तात्, दान्तम्, दान्त, दानानि, दानाव, दानाम ॥
- ४ अदादान्-ईत्, ता, ताम्, उः, ईः, तम्, त, अम्, व, म ॥
- ५ अदादान्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दादाना-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादान्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादानिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दादानिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदादानिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८४७ शानी (शान्) तेजने ॥

- १ शा-शानीति, शान्ति, शान्तः, शानति, शानीषि, शांसि, शान्थः, शान्थ, शानीमि, शान्मि, शान्वः, शान्मः ॥
- २ शाशान्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शा-शानीतु, शान्तु, शान्तात्, शान्ताम्, शानतु, शांहि, शान्तात्, शान्तम्, शान्त, शानानि, शानाव, शानाम् ॥
- ४ अशाशान्-ईत्, ", ताम्, उः, ईः, ", तम्, त, अम्, व, म ॥
- ५ अशाशान्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ शाशाना-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशान्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशानिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशानिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशानिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८४८ शर्पी (शप्) आक्रोशे ॥

- १ शाश-पीति, सि, सः, पति, पीषि, सि, प्यः, प्य, पीमि, मि, प्वः, प्वः ॥
- २ शाशप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश-पीतु, मु, तात्, ताम्, पतु, बिध, तात्, तम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अशाश-पीत्, पू, ताम्, पुः, पीः, पू, तम्, स, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अशाशप् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अशाशप् } इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ शाशपा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशप्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशपिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८४९ चायृग् (चाय्) पूजानिशामनयोः ॥

- १ च्चे-कयीति, केति, कीतः, क्यति, कयीषि, केषि, कीथः, कीथ, कयीमि, केमि, कीवः, कीमः ॥
- २ च्चेकी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ च्चे-कयीषु, केतु, कीतात्, कीताम्, क्यतु, कीहि, कीतात्, कीतम्, कीत, कयानि, कयाव, कयाम ॥
- ४ अच्चे-कयीत्, केत्, कीताम्, कयुः, कयीः, केः, कीतम्, कीत, कयम्, कीव, कीम ॥
- ५ अच्चेकाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ च्चेकया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ च्चेकीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ च्चेकयिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ च्चेकयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अच्चेकयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, नागेशमते चाचा-यीति, ति, इत्यादि ॥

८५० व्ययी (व्यय्) गतौ ॥

- १ वा-व्ययीति, व्यति, व्यतः, व्ययति, व्ययीषि, व्यसि, व्यथः, व्यथ, व्ययीमि, व्यामि, व्यावः, व्यामः ॥
- २ वाव्यय्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव्य-यीतु, तु, तात्, ताम्, यतु, हि, तात्, तम्, त, यानि, याव, याम ॥
- ४ अवा-व्ययीत्, व्यत्, व्यताम्, व्ययुः, व्ययीः, व्यः, व्यतम्, व्यत, व्ययम्, व्याव, व्याम ॥
- ५ अवाव्यय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्वा, इष्म ॥
- ६ वाव्यया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वाव्यय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वाव्ययिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वाव्ययिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवाव्ययिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, यकारस्यानुनासिकत्वे वा-स्थाने 'व' इति 'ववै' इति च ज्ञेयम् ॥

८५१ धावृग् (धाव्) गतिशुद्धोः ॥

- १ दा-धावीति, धौति, धौतः, धावति, धावीषि, धौषि, धौथः, धौथ, धावीमि, धौमि, धौवैः, धावः, धौमः ॥
- २ दाधाव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दा-धावीतु, धौतु, धौतात्, धौताम्. धावतु, धौहि, धौतात्, धौतम्, धौत, धावानि, धावाव, धावाम ॥
- ४ अदा-धावीत्, धौत्, धौताम्, धावुः, धावीः, धौः, धौतम्, धौत, धावम्, धाव, धौवै, धौम ॥
- ५ अदाधाव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दाधावा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाधाव्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाधाविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाधाविष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदाधाविष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, दाधाव्यादित्यादौ ये परे दाधौयादित्याद्यपि भवति ।

८५२ चीवृग् (चीव्) झपीवत् ॥

- १ चे-चीवीति, च्योति, च्यूतः, चीवति, चीवीषि, च्योषि, च्युथः, च्युथ, चीवीमि, च्योमि, चीवः, च्यूवैः, च्यूमः ॥
- २ चेचीव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चे-चीवीतु, च्योतु, च्यूतात्, च्यूताम्, चीवतु, च्यूहि, च्यूतात्, च्यूतम्, च्यूत, चीवानि, चीवाव, चीवाम ॥
- ४ अचे-चीवीत्, च्योत्, च्यूताम्, चीवुः, चीवीः, च्योः, च्यूतम्, च्यूत, चीवम्, चीव, च्यूवै, च्यूम ॥
- ५ अचेचीव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेचीवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेचीव्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेचीविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेचीविष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचेचीविष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, चेचीव्यादित्यादौ ये परे चेच्यूयादित्याद्यपि भवति ।

८५३ दाशृग् (दाश्) दाने ॥

- १ दादा-शीति, श्रि, श्रः, शति, शीषि, श्रि, श्रः, श्र, शीमि, श्रिम, श्रवः, श्रमः ॥
- २ दादाश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दादा-शीतु, श्रु, श्रात्, श्राम्, शतु, श्रि, श्रात्, श्रम्, श्र, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अदादा-शीत्, द, द्राम्, शुः, शीः, द, द्रम्, द्र, शम्, श्रव, श्रम ॥
- ५ अदादाश्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दादाशा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादाश्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादाशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, श्रिम, स्वः, श्रमः ॥
- ९ दादाशिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदादाशिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८५४ झपी (झष्) आदानसवरणयोः ॥ झष ४७१ वद्रूपाणि ॥

८५५ भेषृग् (भेष्) भये ॥

- १ बेभे-पीति, श्रि, श्रः, पति, पीषि, श्रि, श्रः, श्र, पीमि, श्रिम, श्रवः, श्रमः ॥
- २ बेभेष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥ [षाणि, षाव, षाम ॥
- ३ बेभे-पीतु, श्रु, श्रात्, श्राम्, पतु, श्रि, श्रात्, श्रम्, श्र, अवेभे-पीत्, द, द्राम्, शुः, पीः, द, द्रम्, द्र, षम्, षव, षम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अवेभेष्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बेभेषा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बेभेष्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बेभेषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, श्रिम, स्वः, श्रमः ॥
- ९ बेभेषिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवेभेषिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

८५६ श्रेष्ठा (श्रेष्) चलने च ॥

- १ वेभ्रे-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ वेभ्रेष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेभ्रे-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अवेभ्रे-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अवेभ्रेष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्व ॥
- ६ वेभ्रेषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेभ्रेष्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेभ्रेषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेभ्रेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेभ्रेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८५७ पषी (पष्) बाधनस्पर्शनयोः ॥

- १ पाप-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ पापष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पाप-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अपाप-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अपापष् } -ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, अपापष् } इषम्, इष्व, इष्व ॥
- ६ पापषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापष्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपापषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८५८ लषी (लष्) कान्तौ ॥

- १ लाल-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ लालष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लाल-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अलाल-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अलालाष् } -ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, अलालाष् } इषम्, इष्व, इष्व ॥
- ६ लालाषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालाष्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालाषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८५९ चषी (चष्) भक्षणो । चष ४८० वद्रूपाणि ।

८६० छषी (छष्) हिंसायाम् ॥

- १ चाच्छ-पीति, छि, छः, पति, पीषि, क्षि, छः, छ, पीमि, प्मि, प्वः, प्वः ॥
- २ चाच्छष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाच्छ-पीतु, छु, छात्, छाम्, पतु, छि, छात्, छम्, छ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अचाच्छ-पीत्, द, छाम्, पुः, पीः, द, छम्, छ, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अचाच्छाष् } -ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, अचाच्छाष् } इषम्, इष्व, इष्व ॥
- ६ चाच्छाषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाच्छाष्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाच्छषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाच्छषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥]
- १० अचाच्छषिष्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत,

८६१ त्विषीं (त्विष्) दीप्तौ ॥

- १ ते-त्विषीति, त्वेष्टि, त्विष्टः, त्विषति, त्विषीषि, त्वेक्षि, त्विष्टः, त्विष्ट, त्विषीमि, त्वेष्मि, त्विष्मः, त्विष्मः ॥
- २ तेत्विष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तेत्वेषु, तेत्वि-पीतु, घात्, घाम्, षतु, ङि, घात्, षम्, घ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अते-त्वेद, त्विषीत्, त्विष्टाम्, त्विषुः, त्विषीः, त्वेद, त्विष्टम्, त्विष्ट, त्विषम्, त्विष्, त्विष्म ॥
- ५ अतेत्वेषु-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तेत्वेषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेत्वेष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेत्वेषिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेत्वेषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेत्वेषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

८६२ दासृग् (दास्) दाने ॥

- १ दादा-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, सिः, स्थः, स्व, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ दादास्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दादा-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, ङि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अदादा-सीत्, त, स्ताम्, सुः, सीः, ;, त, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अदादास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दादासा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादास्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादासिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दादासिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदादासिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

८६३ माहृग् (माह्) माने ॥

- १ मामा-हीति, डि, ढः, हति, हीषि, क्षि, ढः, ढ, हीमि, क्षि, ढः, क्षाः ॥
- २ मामाह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ममम्-हीतु, ड, डात्, डाम्, हतु, डि, डात्, डम्, ढ, होनि, हाव, हाम ॥
- ४ अमामा-हीत्, द, डाम्, हुः, हीः, द, डम्, ढ, हम्, ह, ह्म ॥
- ५ अमामाह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मामाहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामाह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामाहिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामाहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामाहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

८६४ गुहौग् (गुह्) संवरणे ॥

- १ जो-गुहीति, गोडि, गूढः, गुहति, गुहीषि, घोक्षि, गूढः, गूढ, गुहीमि, गोक्षि, गुहः, गुहः ॥
- २ जोगुह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-गुहीतु, गोड, गूढात्, गूढाम्, गुहतु, गूढि, गूढात्, गूढम्, गूढ, गुहानि, गुहाव, गुहाम ॥
- ४ अजो-गुहीत्, घोद, गूढाम्, गुहुः, गुहीः, घोद, गूढम्, गूढ, गुहम्, गुह, गुह ॥
- ५ अजोगूह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोगूहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगूहा-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगूहिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगूहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगूहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, अम्, आव, आम ॥

८६५ भ्लक्षी (भ्लक्ष्) भक्षणे ॥

- १ बाभ्ल-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिमि, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ बाभ्लक्ष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाभ्ल-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अबाभ्ल-क्षीत्, द, छाम्, छुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अबाभ्लक्ष्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभ्लक्षा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभ्लक्ष्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभ्लक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभ्लक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभ्लक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आमः ॥

८६६ द्युति (द्युत्) दीप्तौ ॥

- १ दे-द्युतीति, द्योत्ति, द्युत्तः, द्युतति, द्युतीषि, द्योत्सि, द्युत्थः, द्युत्थ, द्युतीमि, द्योत्मि, द्युत्वः, द्युत्मः ॥
- २ देद्युत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ देद्योत्तु, देद्यु-तीतु, तात्, ताम्, ततु, द्वि, तात्, तम्, त्त, तानि, ताव, ताम ॥
- ४ अदे-द्योत्, द्युतीत्, द्युत्ताम्, द्युतुः, द्युतीः, द्योत्, द्युत्तम्, द्युत्त, द्युतम्, द्युत्व, द्युत्म ॥
- ५ अदेद्योत्-ईत्, इद्याम्, इषुः, ईः, इद्यम्, इद्य, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ देद्योता-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देद्युत्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देद्योतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देद्योतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदेद्योतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आमः ॥

८६७ घुटि (घुट्) परिवर्तने ॥

- १ जो-घुटीति, घोट्टि, घुट्टः, घुटति, घुटीषि, घुटिष, घुट्टः, घुट्ट, घुटीमि, घुटिमि, घुट्टः, घुट्टमः ॥
- २ जोघुट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-घोट्ट, घुटीतु, घुट्यात्, घुट्याम्, घुटतु, घुट्टि, घुट्यात्, घुट्टम्, घुट्ट, घुट्यानि, घुट्याव, घुट्याम ॥
- ४ अजो-घोट्ट, घुटीत्, घुट्याम्, घुट्टः, घुटीः, घोट्ट, घुट्टम्, घुट्ट, घुट्टम्, घुट्ट, घुट्टम ॥
- ५ अजोघोट्ट-ईत्, इद्याम्, इषुः, ईः, इद्यम्, इद्य, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोघोट्टा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोघुट्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोघोट्टिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोघोट्टिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोघोट्टिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आमः ॥

८६८ रुटि (रुट्) प्रतिघाते ॥

- १ रो-रुटीति, रोट्टि, रुट्टः, रुटति, रुटीषि, रोदिष, रुट्टः, रुट्ट, रुटीमि, रोदिमि, रुट्ट्वः, रुट्टमः ॥
- २ रोरुट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रोरोट्ट, रोरु-टीतु, ट्यात्, ट्याम्, टतु, द्वि, ट्यात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अरो-रुटीत्, रोद्, रुट्याम्, रुट्टः, रुटीः, रोद्, रुट्टम्, रुट्ट, रुट्टम्, रुट्ट, रुट्टम्, रुट्ट, रुट्टम् ॥
- ५ अरोरोट्ट-ईत्, इद्याम्, इषुः, ईः, इद्यम्, इद्य, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रोरोट्टा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोरुट्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रोरोट्टिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोरोट्टिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरोरोट्टिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आमः ॥

८६९ लुटि (लुट्) प्रतीघाते । लुट् १७६ वद्रूपाणि ॥
८७० लुटि (लुट्) प्रतीघाते । लुट् २०४ वद्रूपाणि ॥

८७१ श्विताङ् (श्वित्) वर्णे ॥

- १ शे-श्वेति, श्वितीति, श्वित्तः, श्वितति, श्वितीषि, श्वेत्सि,
श्वित्थः, श्वित्थ, श्वितीमि, श्वेत्सि, श्वित्वः श्वित्मः ॥
- २ शेश्वित्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम् ॥
- ३ शेश्वेत्तु, शेश्वि-तीतु, तात्, ताम्, ततु, दि,
तात्, तम्, त, तानि, ताव, ताम् ॥
- ४ अशे-श्वत्, श्वितीत्, श्वित्ताम्, श्वितुः, श्वितीः, श्वेत्,
श्वित्तम्, श्वित्, श्वितम्, श्वित्व, श्वित्मः ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अशे-श्वेत्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
६ शे-श्वेता-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शे-श्वित्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शे-श्वेतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शे-श्वेतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशे-श्वेतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

८७२ जिमिदाङ् (मिद्) स्नेहने । मिदङ् ८३९ वद्रू० ।

८७३ जिह्विदाङ् (श्विद्) मोचने च ।

जिह्विदा २७६ वद्रूपाणि ॥

८७४ जिह्विदाङ् (स्विद्) मोचने च ॥

- १ से-श्वेति, श्विदीति, श्वित्तः, श्विदति, श्विदीषि, श्वेत्सि,
श्वित्थः, श्वित्थ, श्विदिमि, श्वेद्मि, श्विद्वः, श्विद्वः ॥
- २ से-श्विद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम् ॥ [तम्, त, तानि, दाव, दाम् ॥
- ३ से-श्वेत्तु, से-श्वि-दीतु, तात्, ताम्, दतु, दि, तात्,
४ असे-श्वेत्, श्विदीत्, श्वित्ताम्, श्विदुः, श्विदीः, श्वेत्, श्वेः,
श्वित्तम्, श्वित्, श्विदम्, श्विद्व, श्विद्व ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ असे-श्वेद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
६ से-श्वेदा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ से-श्विद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ से-श्वेदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ से-श्वेदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असे-श्वेदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

८७५ क्षुभि (क्षुम्) संचलने ॥

- १ चो-क्षुभीति, क्षोब्धि, क्षुब्धः, क्षुमति, क्षुभीषि, क्षोप्ति,
क्षुब्धः, क्षुब्ध, क्षुभीमि, क्षोप्मि, क्षुम्बः, क्षुम्भः ॥
- २ चो-क्षुम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम् ॥
- ३ चो-क्षोब्धु, चो-क्षु-भीतु, ब्धात्, ब्धाम्, भतु, ब्धि,
ब्धात्, ब्धम्, ब्ध, भाणि, भाव, भाम् ॥
- ४ अचो-क्षोप्, क्षुभीत्, क्षुब्धाम्, क्षुमुः, क्षुभीः, क्षोप्,
क्षुब्धम्, क्षुब्ध, क्षुभम्, क्षुम्ब, क्षुम्भ ॥
- ५ अचो-क्षोभ-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चो-क्षोभा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चो-क्षुभ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चो-क्षोभिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चो-क्षोभिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचो-क्षोभिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अत्, अम्, आव, आम ॥

८७६ णभि (नभ्) हिंसायाम् ॥

- १ नान-भीति, ब्धि, ब्धः, भति, भीषि, प्ति, ब्धः,
ब्ध, भीमि, भ्मि, भ्वः, भ्मः ॥
- २ नानभ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम् ॥
- ३ नान-भीतु, ब्धु, ब्धात्, ब्धाम्, भतु, ब्धि, ब्धात्,
ब्धम्, ब्ध, भानि, भाव, भाम् ॥
- ४ अनान-भीत्, प, ब्धाम्, भुः, भीः, प, ब्धम्,
ब्ध, भम्, भ्व, भ्न ॥
- ५ अनानाभ् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अनानभ् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नानभा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानभ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानभिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानभिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनानभिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अत्, अम्, आव, आम ॥

८७७ तुभि (तुभ्) हिंसायाम् ॥

- १ तो-तोवि, तुभीति, तुब्धः, तुभति, तुभीषि, तोप्सि,
तुब्धः, तुब्ध, तुभीमि, तोम्मि, तुब्धः, तुब्धः ॥
- २ तोतुभ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतोब्धु, तोतु-भीतु, व्धात्, व्धाम्, भतु, विध,
व्धात्, व्धम्, व्ध, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अतो-तोप्, तुभीत्, तुब्धाम्, तुभुः, तुभीः, तोप्,
तुब्धम्, तुब्ध, तुभम्, तुब्ध, तुब्धम् ॥
- ५ अतोतोभ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ तोतोभा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुभ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतोभिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतोभिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतोभिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

८७८ सम्भूङ् (सम्भ्) विश्वासे ॥

- १ सास्त्र-म्भीति, म्बुधि, व्धः, भति, म्भीषि, म्प्सि,
व्धः, व्ध, म्भीमि, म्मि, भवः, भमः ॥
- २ सास्त्रम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ सास्त्र-म्भीतु, म्बुध, व्धात्, व्धाम्, भतु, विध, व्धात्,
व्धम्, व्ध, म्माणि, म्भाव, म्भाम ॥
- ४ असास्त्र-म्भीत्, न्, व्धाम्, भुः, म्भीः, न्, व्धम्,
व्ध, म्भम्, भव, भम ॥
- ५ असास्त्रम्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ सास्त्रम्भा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सास्त्रभ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सास्त्रम्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सास्त्रम्भिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० असास्त्रम्भिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

८७९ अंश (अंश्) अवसंसने ॥

- १ बनी-अंशीति, अंष्टि, अंष्टः, अंशति, अंशीषि, अंष्टि,
अंष्टः, अंष्ट, अंशीमि, अंष्टिम, अंश्वः, अंश्वः ॥
- २ बनीअंश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ बनी-अंशीतु, अंष्टु, अंष्टात्, अंष्टाम्, अंशतु, अंष्टि,
अंष्टात्, अंष्टम्, अंष्ट, अंशानि, अंशाव, अंशाम ॥
- ४ अबनी-अंशीत्, अन्, अंष्टाम्, अंष्टुः, अंशीः, अन्,
अंष्टम्, अंष्ट, अंशम्, अंश्व, अंश्वम् ॥
- ५ अबनीअंश्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ बनीअंशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बनीअंश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बनीअंशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बनीअंशिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबनीअंशिष्य्-अत्, अताम्, न्, ;, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

८८० संसृङ् (संस्) अवसंसने ॥

- १ सनी-संसीति, संस्ति, संस्तः, संसति, संसीषि, संस्ति,
संस्थः, संस्थ, संसीमि, संस्मि, संस्वः, संस्मः ॥
- २ सनीसंस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ सनी-संसीतु, संस्तु, संस्तात्, संस्ताम्, संसतु, संस्ति,
संस्तात्, संस्तम्, संस्त, संसानि, संसाव, संसाम ॥
- ४ असनी-संसीत्, सन्, संस्ताम्, संस्तुः, संसीः, सन्,
संस्तम्, संस्त, संसम्, संस्व, संस्म ॥
- ५ असनीसंस्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ सनीसंसा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सनीसंस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सनीसंसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सनीसंसिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० असनीसंसिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अत, अम्, आव, आम ॥

८८१ ध्वंसइ (ध्वम्) गतौ च ॥

- १ दनी-ध्वंसीति, ध्वंस्ति, ध्वस्तः, ध्वसति, ध्वंसीषि, ध्वंस्सि, ध्वस्थः, ध्वस्थ, ध्वंसीमि, ध्वंस्मि, ध्वस्वः, ध्वस्मः ॥
- २ दनीध्वस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दनी-ध्वंसीतु, ध्वंस्तु, ध्वस्तात्, ध्वस्ताम्, ध्वसतु, ध्वदि, ध्वस्तात्, ध्वस्तम्, ध्वस्त, ध्वंसानि, ध्वंसाव, ध्वंसाम ॥
- ४ अदनी-ध्वंसीत्, ध्वन्, ध्वस्ताम्, ध्वसुः, ध्वंसीः, ध्वन्, ध्वस्तम्, ध्वस्त, ध्वंसम्, ध्वस्व, ध्वस्म ॥
- ५ अदनीध्वंस्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दनीध्वंसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दनीध्वस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दनीध्वंसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दनीध्वंसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदनीध्वंसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८८२ वृत्तइ (वृत्) वर्तने ॥

- १ वरी-वर्ति, वृतीति, वृत्तः, वृत्तति, वृतीषि, वर्त्सि, वृत्थः, वृत्थ, वृतीमि, वर्त्सि, वृत्वः, वृत्तम् ॥ [याव, याम ॥
- २ वरीवृत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वरीवर्त्तु, वरीवृ-तीतु, तात्, ताम्, ततु, द्वि, तात्, तम्, त, तानि, ताव, ताम ॥
- ४ अवरी-वर्त्त, वृतीत्, वृत्ताम्, वृत्तुः, वृतीः, वाः, वर्त्त, वृत्तम्, वृत्त, वृत्तम्, वृत्त्व, वृत्तम् ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अवरीवर्त्त-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वरीवर्त्ता-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरीवृत्त्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरीवर्तिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरीवर्तिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवरीवर्तिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वरी-स्थाने 'वर्ति' इति 'वर्' इति च ज्ञेयम् । नवरं वर्-घटितरूपेषु बहुलवचनादीन् भवति । तेन तिवि सिवि तुवि दिवि सिवि चकमेवरूपम् ॥

८८३ स्यन्दौइ (स्यन्द) स्रवणे ॥

- १ सास्य-न्दीति, न्ति, तः, दति, न्दीषि, न्त्सि, त्थः, त्थ, न्दीमि, न्धि, दः, दः ॥
- २ सास्यद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास्य-न्दीतु, न्तु, न्तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, न्दानि, न्दाव, न्दाम ॥
- ४ असास्य-न्दीत्, न्, ताम्, दुः, न्दीः, न्, तम्, त, न्दम्, द्, द्य ॥
- ५ असास्यन्द-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सास्यन्दा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सास्यद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सास्यन्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सास्यन्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असास्यन्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८८४ वृधूइ (वृध्) वृद्धौ ॥

- १ वरी-वृधीति, वर्धि, वर्द्धि, वृद्धः, वृधति, वृधीषि, वर्त्सि, वृद्धः, वृद्ध, वृधीमि, वर्धिम, वृध्वः, वृध्मः ॥
- २ वरीवृध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वरीवर्द्धु, वरीवृ-धीतु, द्धात्, द्धाम्, धतु, द्वि, द्धात्, द्धम्, द्ध, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अवरी-वृधीत्, वर्त्त, वृद्धाम्, वृधुः, वृधीः, वाः, वर्त्त, वृद्धम्, वृद्ध, वृधम्, वृध्व, वृध्म ॥
- ५ अवरीवर्ध-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वरीवर्धा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरीवृध्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरीवर्धिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरीवर्धिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवरीवर्धिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वरी-स्थाने 'वर्ति' इति 'वर्' इति च ज्ञेयम् ॥

८८५ गृधृङ् (गृध्) शब्दकुत्सायाम् ।

गृधृग् ८४२ वद्रूपाणि ॥

८८६ कृपौङ् (कृप्) सामर्थ्ये ॥

- १ चली-कलपीति, कल्पति, कृतः, कल्पति, कलपीषि, कल्पिस्, कल्प्यः, कल्प्य, कलपीमि, कल्पमि, कल्प्वः, कल्पम् ॥
- २ चलीकलृप्-यात्, याताम्, युः, याः, याम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चलीकल्लु, चलीकल्लु-पीतु, स्नात्, स्नाम्, पतु, विध, स्नात्, स्नाम्, स्त, कलपाणि, कलपाव, कलपाम ॥
- ४ अचली-कलपीत्, कल्, कल्लाम्, कल्लपुः, कलपीः, कल्, कल्लम्, कल्लस्, कल्लपम्, कल्लवः, कल्लम् ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अचलीकल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्ट, इष्म ॥
- ६ चलीकल्पा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चलीकल्लप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चलीकल्लपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चलीकल्लपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचलीकल्लपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चली-स्थाने ‘चलि’ इति ‘चल्’ इति च ज्ञेयम् ॥

८७७ ज्वल (ज्वल्) दीप्तौ ॥

- १ जाज्व-लीति, लित्, लतः, लति, लीषि, लिष, ल्यः, ल्य, लीमि, लिमि, ल्वः, ल्वः ॥
- २ जाज्वल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाज्व-लीतु, ल्लु, ल्लात्, ल्लाम्, ल्लु, ल्लि, ल्लात्, ल्लम्, ल्ल, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अजाज्व-लीत्, ल्, ल्लाम्, ल्लः, ल्लीः, ल्, ल्लम्, ल्ल, लम्, ल्व, ल्व ॥ [इष्, इष्, इष्म ॥
- ५ अजाज्वाल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्ट, इष्म ॥
- ६ जाज्वला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाज्वल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाज्वलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाज्वलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजाज्वलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, लकारस्य सानुनासिकत्वे जा-स्थाने ‘जं’ इति ‘जव्’ इति च ज्ञेयम् ॥

८८८ कुच (कुच्) सम्पर्जनकौटिल्यप्रतिष्ठम्भ
विलेखने ॥ कुच ९१ वद्रूपाणि ॥

८८९ पत्ल (पत्) गतौ ॥

- १ पनीप-तीति, त्ति, ततः, तति, तीषि, त्ति, त्यः, त्य, तीमि, त्ति, त्वः, त्वः ॥ [याव, याम ॥
- २ पनीपत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पनीप-तीतु, तु, तात्, ताम्, ततु, द्वि, तात्, तम्, त, तानि, ताव, ताम ॥
- ४ अपनीप-तीत्, त्, ताम्, तुः, तीः, त, तम्, त, तम्, त्व, त्व ॥
- ५ अपनीपात् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपनीपत् } इष्, इष्, इष्म ॥
- ६ पनीपता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पनीपत्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पनीपतिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पनीपतिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपनीपतिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

८९० पथे (पथ्) गतौ ॥

- १ पाप-थीति, त्ति, ततः, थति, थीषि, त्ति, त्यः, त्य, थीमि, थ्मि, थ्वः, थ्वः ॥
- २ पापथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पाप-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अपाप-थीत्, त्, ताम्, थुः, थीः, त्, तम्, त्, थम्, थ्व, थ्व ॥
- ५ अपापथ् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपापथ् } इष्, इष्, इष्म ॥
- ६ पापथा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापथ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपापथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८९१ कथे (कथ्) निष्पाके ॥

- १ चाक-धीति, त्ति, तः, धति, धीषि, त्सि, त्थः, त्थ, धीमि, ध्वः, ध्मः ॥
- २ चाकथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-धीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, धि, तात्, तम्, त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अचाक-धीत्, त्, ताम्, थुः, थीः, त्, तम्, त्, थम्, थ्व, थ्म ॥
- ५ अचाकथ् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाकथ् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाकथा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८९२ मथे (मथ्) विलोडने ॥

- १ माम-धीति, त्ति, तः, धति, धीषि, त्सि, त्थः, त्थ, धीमि, ध्वः, ध्मः ॥
- २ मामथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माम-धीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, धि, तात्, तम्, त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अमाम-धीत्, त्, ताम्, थुः, थीः, त्, तम्, त्, थम्, थ्व, थ्म ॥
- ५ अमामथ् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अमामथ् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मामथा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८९३ षद्लं (सद्) विशरगत्यवसादनेषु ॥

- १ सास-धीति, त्ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, धि, द्वः, द्यः ॥
- २ सासद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास-धीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, धि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ असास-धीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, ;, त्, तम्, त्, दम्, द्व, द्य ॥
- ५ असासाद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, असासाद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सासदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सासदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असासदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८९४ शद्लं (शद्) शातने ॥

- १ शाश-धीति, त्ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, धि, द्वः, द्यः ॥
- २ शाशद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश-धीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, धि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अशाश-धीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, ;, त्, तम्, त्, दम्, द्व, द्य ॥
- ५ अशाशाद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अशाशाद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाशदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८९५ बुध (बुध्) अवगमने । बुधृ ८४४ वद्रूपाणि ।

८९६ दुवम् (वम्) उदिरणे ॥

- १ वं-वमीति, वन्ति, वान्तः, वमति, वमीषि, वंसि, वान्थः, वान्थ, वमीभि, वन्मि, वन्वः, वन्मः ॥
- २ वंचम-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वं-वमीतु, वन्तु, वान्तात्, वान्ताम्, वमतु, वांहि, वान्तात्, वान्तम्, वान्त, वमानि, वमाव, वमाम ॥
- ४ अवं-वमीत्, वन्, वान्ताम्, वमुः, वमीः, वन्, वान्तम्, वान्त, वमम्, वन्व, वन्म ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अवंचम्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वंचमा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वंचम्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वंचमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वंचमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवंचमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वं-स्थाने ‘ वच् ’ इति ज्ञेयम् ।

८९८ क्षर (क्षर्) संचलने ॥

- १ चाक्ष-रीति, ति, तैः, रति, रीषि, रिं, र्थः, र्थ, रीमि, रिं, र्वैः, मैः ॥
- २ चाक्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक्ष-रीतु, तुं, तात्, ताम्, रतु, हिं, तात्, तम्, त, राणि, राव, राम ॥
- ४ अचाक्ष-रीत्, ;, ताम्, रुः, रीः, ;, तम्, तै, रम्, र्वै, मै ॥
- ५ अचाक्षार-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाक्षरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाक्षर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाक्षरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाक्षरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाक्षरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

८९७ भ्रम् (भ्रम्) चलने ॥

- १ ब्रम्-अमीति, अन्ति, आन्तः, अमति, अमीषि, अंसि, आन्थः, आन्थ, अमीमि, अन्मि, अन्वः, अन्मः ॥
- २ ब्रम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ब्रम्-अमीतु, अन्तु, आन्तात्, आन्ताम्, अमतु, आंहि, आन्तात्, आन्तम्, आन्त, अमाणि, अमाव, अमाम ॥
- ४ अब्रम्-अमीत्, अन्, आन्ताम्, अमुः, अमीः, अन्, आन्तम्, आन्त, अमम्, अन्व, अन्म ॥
- ५ अब्रम्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ ब्रम्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ब्रम्-या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ब्रम्-मिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ब्रम्-मिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अब्रम्-मिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे ब्रम्-स्थाने ‘ ब्रम् ’ इति ज्ञेयम् ॥

८९९ चल (चल्) कम्पने ॥

- १ चाचल्-ईति, ति, तः, अति, ईषि, पि, थः, थ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ चाचल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाचल्-ईतु, तु, तात्, ताम्, अतु, हि, तात्, तम्, त, आनि, आव, आम ॥
- ४ अचाचल्-ईत्, ;, ताम्, तुः, ईः, ;, तम्, त, अम्, व, म ॥
- ५ अचाचाल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाचला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाचल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाचलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाचलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचाचलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चा-स्थाने ‘ च ’ इति ‘ चल् ’ इति च ज्ञेयम् ॥

९०० जल (जल्) घात्ये ॥

- १ जाजल-ईति, ति, तः, अति, ईषि, षि, थः, थ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ जाजल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाजल-ईतु, तु, तात्, ताम्, अतु, हि, तात्, तम्, त, आनि, आव, आम ॥
- ४ अजाजल-ईत्, ", ताम्, उः, ईः, ", तम्, त, अम्, व, म ॥
- ५ अजाजल-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाजला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजलिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाजलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजाजलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे जाज-स्थाने 'जज्' इति 'जज्' इति च ज्ञेयम् ॥

९०१ टल (टल्) वैकृत्ये ॥

- १ टाटल-ईति, ति, तः, अति, ईषि, षि, थः, थ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ टाटल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ टाटल-ईतु, तु, तात्, ताम्, अतु, हि, तात्, तम्, त, आनि, आव, आम ॥
- ४ अटाटल-ईत्, ", ताम्, उः, ईः, ", तम्, त, अम्, व, म ॥
- ५ अटाटल-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ टाटला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ टाटल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ टाटलिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ टाटलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अटाटलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे टाट-स्थाने 'टट्' इति 'टट्' इति च ज्ञेयम् ॥

९०२ द्रवल (द्रवल्) वैकृत्ये ॥

- १ दाद्रवल-ईति, ति, तः, अति, ईषि, षि, थः, थ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ दाद्रवल-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाद्रवल-ईतु, तु, तात्, ताम्, अतु, हि, तात्, तम्, त, आनि, आव, आम ॥
- ४ अदाद्रवल-ईत्, ", ताम्, उः, ईः, ", तम्, त, अम्, व, म ॥
- ५ अदाद्रवाल-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दाद्रवाला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाद्रवल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाद्रवलिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाद्रवलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदाद्रवलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दाद्र-स्थाने 'टट्' इति 'टट्' इति च ज्ञेयम् ॥

९०३ छल (छल्) स्थाने ॥

- १ तास्थल्-ईति, ति, तः, अति, ईषि, षि, थः, थ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ तास्थल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तास्थल्-ईतु, तु, तात्, ताम्, अतु, हि, तात्, तम्, त, आनि, आव, आम ॥
- ४ अतास्थल्-ईत्, ", ताम्, उः, ईः, ", तम्, त, अम्, व, म ॥
- ५ अतास्थाल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तास्थला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तास्थल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तास्थलिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तास्थलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतास्थलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे ता-स्थाने 'तं' इति ज्ञेयम् ॥

१०४ हल (हल्) विलेखने ॥

- १ जाहल्-ईति, ति, तः, अति, ईषि, पि, थः, थ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ जाहल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाहल्-ईतु, तु, तात्, ताम्, अतु, हि, तात्, तम्, त, आनि, आव, आम ॥
- ४ अजाहल्-ईत्, ", ताम्, उः, ईः, ", तम्, त, अम्, व, म ॥
- ५ अजाहाल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाहला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाहल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाहलिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाहलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजाहलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, पक्षे जा-स्थाने 'जं' इति ज्ञेयम् ॥

१०५ णल (नल्) गन्धे ॥

- १ नानल्-ईति, ति, तः, अति, ईषि, पि, थः, थ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ नानल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नानल्-ईतु, तु, तात्, ताम्, अतु, हि, तात्, तम्, त, आनि, आव, आम ॥
- ४ अनानल्-ईत्, त्, ताम्, उः, ईः, ", तम्, त, अम्, व, म ॥
- ५ अनानाल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नानला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानलिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अनानलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, पक्षे नान्-स्थाने 'नन्' इति 'नन्' इति च ज्ञेयम् ॥

१०६ बल (बल्) प्राणनधान्यावरोधयोः ॥

- १ बाबल्-ईति, ति, तः, अति, ईषि, पि, थः, थ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ बाबल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बाबल्-ईतु, तु, तात्, ताम्, अतु, हि, तात्, तम्, त, आनि, आव, आम ॥
- ४ अबाबल्-ईत्, ", ताम्, उः, ईः, ", तम्, त, अम्, व, म ॥
- ५ अबाबाल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बाबला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाबल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाबलिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाबलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अबाबलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, पक्षे बाब्-स्थाने 'बम्ब' इति 'बम्ब' इति च ज्ञेयम् ॥

१०७ पुल (पुल) महत्त्वे ॥

- १ पो-पोलित, पुलीति, पुलतः, पुलति, पुलीषि, पोल्थि, पुल्यः, पुल्य, पुलीमि, पोल्मि, पुल्वः, पुल्वः ॥
- २ पोपुल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोपोलु, पोपु-लीतु, ल्तात्, ल्ताम्, ल्तु, ल्हि, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अपो-पोल्, पुलीत्, पुलताम्, पुल्लः, पुलीः, पोल्, पुलतम्, पुलत, पुलम्, पुल्व, पुल्व ॥
- ५ अपोपोल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पोपोला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपुल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपोलिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपोलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोपोलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्, पक्षे अम्, आव, आम ॥

९०८ कुल (कुल्) बन्धुसंस्त्यानयोः ॥

- १ चो-कोलित्, कुलीति, कुलतः, कुलति, कुलीषि, कोल्यि, कुल्यः, कुल्य, कुलीमि, कोल्मि, कुल्वः, कुल्मः ॥
- २ चोकुल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोकोल्तु, चोकु-लीतु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचो-कोल्, कुलीत्, कुलताम्, कुलः, कुलीः, कोल्, कुलतम्, कुलत्, कुलम्, कुल्व, कुल्म ॥
- ५ अचोकोल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकोला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकोलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकोलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९०९ पल (पल्) गतौ ॥

- १ पापल्-ईति, ति तः, अति, ईषि, पि, यः, थ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ पापल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पापल्-ईतु, तु, तात्, ताम्, अतु, हि, तात्, तम्, त, आनि, आव, आम ॥
- ४ अपापल्-ईत्, ”, ताम्, उः, ईः, ”, तम्, त, अम्, व, म ॥
- ५ अपापल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पापला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपापलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे पाप् स्थाने ‘पम्प’ इति ‘पंप’ इति च ज्ञेयम् ॥

९१० फल (फल्) गतौ । त्रिफला ३८१ वद्रूपाणि ॥

९११ शल (शल्) गतौ । शलि ७४८ वद्रूपाणि ॥

९१२ हुल (हुल्) हिंसासंवरणयोः ॥

- १ जो-होल्ति, हुलीति, हुलतः, हुलति, हुलीषि, होल्यि, हुल्यः, हुल्य, हुलीमि, होल्मि, हुल्वः, हुल्मः ॥
- २ जोहुल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोहोल्तु, जोहु-लीतु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अजो-होल्, हुलीत्, हुलताम्, हुलः, हुलीः, होल्, हुलतम्, हुलत्, हुलम्, हुल्व, हुल्म ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अजोहोल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोहोला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोहुल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोहोलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोहोलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजोहोलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९१३ कुशं (कुश्) आह्वानरोदनयोः ॥

- १ चो-कोष्टि, कुशीति, कुष्टः, कुशति, कुशीषि, कोक्षि, कुष्टः, कुष्ट, कुशीमि, कोक्षिम, कुद्वः, कुद्वमः ॥
- २ चोकुश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोको, चोकु-शीतु, श्तात्, श्ताम्, शतु, हि, श्तात्, श्तम्, श्त, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अचो-कोद, कुशीत्, कुष्टाम्, कुशुः, कुशीः, कोद, कुष्टम्, कुष्ट, कुशम्, कुद्व, कुद्वम ॥
- ५ अचोकोश-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकोशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, आमि, आवः, आमः ॥
- ९ चोकोशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकोशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९१४ कस (कम्) गतौ ॥

- १ चनीक-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्ति, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ चनीकस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चनीक-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अचनीक-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ; त, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अचनीकास् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, अचनीकस् } इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चनीकसा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चनीकस्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चनीकसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चनीकसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचनीकसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९१५ रुहं (रुद्) जन्मनि ॥

- १ रो-रोढि, रुहीति, रुढः, रुहति, रुहीषि, रोक्षि, रुढः, रुढ, रुहीमि, रोक्षि, रुहः, रुहः ॥
- २ रोखद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रो-रुहीतु, रोढु, रुढात्, रुढाम्, रुहतु, रुढि, रुढात्, रुढम्, रुढ, रुहाणि, रुहाव, रुहाम ॥
- ४ अरो-रुहीत्, रोद्, रुढाम्, रुहुः, रुहीः, रोद्, रुढम्, रुढ, रुहम्, रुह, रुह ॥
- ५ अरोरोद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रोरोहा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोखद्-यात्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रोरोहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोरोहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरोरोहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९१६ रंमिं (रम्) क्रीडायाम् ॥

- १ रं-रमोति, रन्ति, रतः, रमति, रमीषि, रंसि, रथः, रथ, रमीमि, रन्मि, रन्वः, रन्मः ॥
- २ रंरम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रंर-मीतु, न्तु, तात्, ताम्, मत्तु, हि, तात्, तम्, त, माणि, माव, माम ॥
- ४ अंरंर-मीत्, न्, ताम्, सुः, मीः, न्, तम्, त, मम्, न्व, न्म ॥
- ५ अंरंरम्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रंरमा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रंरम्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रंरमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रंरमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अंरंरमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मतान्तरे रंरम्पीत्यादि ॥

९१७ षहि (सद्) मर्षणे ॥

- १ सा-सहीति, सोढि, सोढः, सहति, सहीषि, सक्षि, सोढः, सोढ, सहीमि, सक्षि, सहः, सहाः ॥
- २ सासह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सा-सहीतु, सोढु, सोढात्, सोढाम्, सहतु, सोढि, सोढात्, सोढम्, सोढ, सहानि, सहाव, सहाम ॥
- ४ असा-सहीत्, सद्, सोढाम्, सहुः, सहीः, सद्, सोढम्, सोढ, सहम्, सह, सहा ॥
- ५ असासह-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सासहा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासह्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सासहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असासहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अतः, अम्, आव, आम ॥

११८ यजीं (यज्) देवपूजासंगतिकरणदानेषु ॥

- १ याय-जीति, छि, छः, जति, जीषि, क्षि, छः, छ, जीमि, जिम, ज्वः, ज्मः ॥
- २ यायज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ याय-जीतु, छु, छात्, छाम्, जतु, छि, छात्, छम्, छ, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अयाय-जीत्, द, धाम्, जुः, जीः, द, छम्, छ, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अयायाज् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अयायज् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ यायजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ यायज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ यायजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ यायजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयायजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११९ वें (वे) तन्तुसंताने । ओवें ४७ वद्दूपाणि ॥

१२० व्येगू (व्ये) संवरणे । अज १२७ वद्दूपाणि ॥

१२१ हेंग (हे) स्पर्द्धाशब्दयोः ॥

- १ जो-हवीति, होति, हूतः, हुवति, हवीषि, होषि, हूथः, हूथ, हवीमि, होमि, हूवः, हूमः ॥
- २ जोह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-हवीतु, होतु, हूतात्, हूताम्, हुवतु, हूहि, हूतात्, हूतम्, हूत, हवानि, हवाव, हवाम ॥
- ४ अजो-हवीत्, होत्, हूताम्, हतुः, हवीः, होः, हूतम्, हूत, हवम्, हूव, हूम ॥ [वाव, वाम ॥
- ५ अजोहु-वत्, वताम्, वन्, वः, वतम्, वत, वम्, वाम्, वाव, वाम ॥
- ६ जोह्वा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोह्व्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोह्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोह्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजोह्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२२ डुवपीं (वप्) बीजसंताने ॥

- १ वाव-पीति, पिति, पीषि, पिस, प्यः, प्य, पीमि, प्मि, प्वः, प्मः ॥
- २ वावप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-पीतु, मु, सात्, साम्, पतु, प्वि, सात्, सम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अवाव-पीत्, प, साम्, पुः, पीः, प, सम्, स, पम्, प्व, प्म ॥
- ५ अवावाप् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवावाप् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावपा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२३ वहीं (वह्) प्रापणे ॥

- १ वा-वहीति, वोढि, वोढः, वहति, वहीषि, वक्षि, वोढः, वोढ, वहीमि, वक्षि, वह्, वक्षः ॥
- २ वावह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वा-वहीतु, वोढु, वोढात्, वोढाम्, वहतु, वोढि, वोढात्, वोढम्, वोढ, वहानि, वहाव, वहाम ॥
- ४ अवा-वहीत्, वद, वोढाम्, वहुः, वहीः, वद, वोढम्, वोढ, वहम्, वह, वक्ष ॥
- ५ अवावह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावहा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९२४ द्वावि (श्वि) गतिवृद्धयोः ॥

- १ शो-शवीति, शोति, श्रुतः, श्रुवति, शवीषि, शोषि, श्रथः, श्रथ, शवीमि, शोमि, श्रवः, श्रमः ॥
- २ शोश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शो-शवीतु, शोतु, श्रुतात्, श्रुताम्, श्रुवतु, श्रुहि, श्रुतात्, श्रुतम्, श्रुत, शवानि, शवाव, शवाम ॥
- ४ अशो-शवीत्, शोत्, श्रुताम्, श्रुतः, शवीः, शोः, श्रुतम्, श्रुत, शवम्, श्रव, श्रम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अशोशव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, अशोशुव्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- ६ शोशवा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशोशयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९२४/२

- १ शो-श्वीति, श्वेति, श्वितः, श्वियति, श्वीषि, श्वेषि, श्विथः, श्विथ, श्वीमि, श्वेमि, श्विवः, श्विमः ॥
- २ शोश्वि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शो-श्वीतु, श्वेतु, श्वितात्, श्विताम्, श्वियतु, श्विहि, श्वितात्, श्वितम्, श्वित, श्वयानि, श्वयाव, श्वयाम ॥
- ४ अशो-श्वीत्, श्वेत्, श्विताम्, श्वयुः, श्वयीः, श्वेः, श्वितम्, श्वित, श्वयम्, श्विव, श्विम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अशोश्वय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, अशोश्वय्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- ६ शोश्वया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोश्वया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोश्वयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोश्वयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशोश्वयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९२५ वद् (वद्) व्यक्तायां वाचि ॥

- १ वाव-दीति, त्ति, त्तः, दति, दीषि, त्ति, त्थः, त्थ, दीमि, द्वि, द्वः, द्वः ॥
- २ वावद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-दीतु, तु, तात्, त्ताम्, दतु, द्वि, तात्, त्तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अवाव-दीत्, त्, त्ताम्, दुः, दीः, त्तम्, त्त, दम्, द्व, द्व ॥
- ५ अवावाद-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वावदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९२६ वसं (वस्) निवासे ॥

- १ वाव-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्ति, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ वावस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अवाव-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, त्तम्, त्त, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अवावास् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवावस् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वावसा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९२७ घटिष् (घट्) चेष्टायाम् ॥

- १ जाघ-टीति, टि, टः, टति, टीषि, टिष, टः, ट, टीमि, टिम, टः, दमः ॥
- २ जाघट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाघ-टीतु, टु, टात्, टाम्, टतु, ट्टि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अजाघ-टीत्, ट, टाम्, टः, टीः, ट, टम्, ट, टम्, ट, टम् ॥
- ५ अजाघाट् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाघट् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाघटा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाघट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाघटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाघटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाघटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९२८ क्षजुङ् (क्षन्ज्) गतिदानयोः ॥

- १ चाक्ष-जीति, झि, झः, जति, जीषि, झि, झथः, झथ, जीमि, जिम्, ज्ज्वः, ज्जमः ॥
- २ चाक्षज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक्ष-जीतु, झु, झात्, झाम्, जतु, जिथ, झात्, झम्, झ, ज्ञानि, जाव, ज्ञाम ॥
- ४ अचाक्ष-जीत्, न, झाम्, जुः, जीः, न, झम्, झ, जम्, ज्ज्व, ज्जम ॥
- ५ अचाक्षज्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाक्षजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाक्षज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाक्षजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाक्षजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाक्षजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९२९ व्यधिष् (व्यथ्) भयचलनयोः ॥

- १ वाव्य-थीति, ति, तः, थति, थीषि, तिस, त्थः, त्थ, थीमि, थिम, थ्वः, थमः ॥
- २ वाव्यथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव्य-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, धि, तात्, तम्, त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अवाव्य-थीत्, त, ताम्, थुः, थीः, त, तम्, त, थम्, थ्व, थम ॥
- ५ अवाव्याथ् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवाव्यथ् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वाव्यथा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वाव्यथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वाव्यथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वाव्यथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवाव्यथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९३० प्रथिष् (प्रथ्) प्रख्याने ॥

- १ पाप्र-थीति, ति, तः, थति, थीषि, तिस, त्थः, त्थ, थीमि, थिम, थ्वः, थमः ॥
- २ पाप्रथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पाप्र-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, धि, तात्, तम्, त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अपाप्र-थीत्, त, ताम्, थुः, थीः, त, तम्, त, थम्, थ्व, थम ॥
- ५ अपाप्रथ् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपाप्रथ् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पाप्रथा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पाप्रथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पाप्रथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पाप्रथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपाप्रथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९३१ म्रदिष् (म्रद्) मर्दने ॥

- १ म्राम्-दीति, त्ति, त्तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, म्रि, द्वः, म्रः ॥
- २ म्राम्रद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ म्राम्र-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अमाम्र-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, ; त्, तम्, त्त, दम्, द्व, म्र ॥
- ५ अमाम्राद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अमाम्रद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ म्राम्रदा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ म्राम्रद्या-त्, स्ताम्, दुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ म्राम्रदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ म्राम्रदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमाम्रदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९३२ स्खदिष् (स्खद्) खदने ॥

- १ चास्ख-दीति, त्ति, त्तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, म्रि, द्वः, म्रः ॥
- २ चास्खद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चास्ख-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अचास्ख-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, ; त्, तम्, त्त, दम्, द्व, म्र ॥
- ५ अचास्खाद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचास्खद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चास्खदा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चास्खद्या-त्, स्ताम्, दुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चास्खदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चास्खदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचास्खदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९३३ कटुङ् (कन्द्) वैक्लव्ये । कटु २८८ वद्रूपाणि ॥
९३४ कटुङ् (कन्द्) वैक्लव्ये । कटु २८९ वद्रूपाणि ॥
९३५ कटुङ् (कन्द्) वैक्लव्ये । कटु २९० वद्रूपाणि ॥
९३६ कृपि (कृप्) कृपायाम् ॥

- १ चाक्र-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्थः, प्थ, पीमि, मि, प्वः, प्मः ॥ [याम्, याव, याम ॥
- २ चाक्रप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक्र-पीतु, तु, तात्, ताम्, पतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, पाणि, पाव, पाम ॥ [पम्, प्व, प्म ॥
- ४ अचाक्र-पीत्, प्, ताम्, पुः, पीः, प्, पम्, प्त, प्व, प्म ॥
- ५ अचाक्राप } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाक्राप } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाक्रपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाक्रप्या-त्, स्ताम्, दुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाक्रपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाक्रपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचाक्रपिष्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९३७ जित्वरिष् (त्वर्) संप्रमे ॥

- १ ता-त्वरिति, त्वर्ति, त्वर्तः, त्वरति, त्वरीषि, त्वर्षि, त्वर्थः, त्वर्थ, त्वरीमि, त्वर्मि, त्वर्वः, त्वर्व, त्वर्मः ॥
- २ तात्वर-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ता-त्वरितु, त्वर्तु, त्वर्तात्, त्वर्ताम्, त्वरतु, त्वर्हि, त्वर्तात्, त्वर्तम्, त्वर्त, त्वराणि, त्वराव, त्वराम ॥
- ४ अता-त्वरित्, त्वः, त्वर्ताम्, त्वरुः, त्वरीः, त्वः, त्वर्तम्, त्वर्त, त्वरम्, त्वर्व, त्वर्व, त्वर्म ॥
- ५ अतात्वार-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तात्वरा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तात्वर्या-त्, स्ताम्, दुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तात्वरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तात्वरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतात्वरिष्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत, तात्वर्यादित्यादौ ये परे तात्वर्यादित्याद्यपि भवति ।

९३८ प्रसिष् (प्रम्) विस्तारे ॥

- १ पाप्र-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि स्ति, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ पाप्रस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पाप्र-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अपाप्र-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ;, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अपाप्रास् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपाप्रास् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पाप्रसा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पाप्रस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पाप्रसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः, ॥
- ९ पाप्रसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपाप्रसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९३९ दक्षि (दक्ष्) हिंसागत्योः दक्षि ८०० वट्टपाणि ।

९४० आ (आ) पाके । आं ४४ वट्टपाणि ॥

९४१ स्मृ (स्मृ) आध्याने । स्मृं १७ वट्टपाणि ॥

९४२ दृ भये ॥

- १ दा-दरीति, दति, दीर्तः, दिरति, दरीषि, दषि, दीर्थः, दीर्थ, दरीमि, दमि, दीर्वः, दीर्मः ॥ [याव, याम ॥
- २ दादीर-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, दा-दरीतु, दर्तु, दीर्तात्, दीर्ताम्, दिरतु, दीर्हि, दीर्तात्, दीर्ताम्, दीर्त, दराणि, दराव, दराम ॥
- ४ अदा-दरीत्, दः, दीर्ताम्, दरुः, दरीः, दः, दीर्ताम्, दीर्त, दरम्, दीर्व, दीर्म ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अदादार्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, द्वादरा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ६ द्वादरा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादीर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादरिता } -”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, दादरीता } स्वः, स्मः ॥
- ९ दादरिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, दादरीष्य } आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदादरिष्य } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अदादरीष्य } अत, अम्, आव, आम ॥

९४३ नृ नये ॥

- १ ना-नरीति, नर्ति, नीर्तः, निरति, नरीषि, नर्षि, नीर्थः, नीर्थ, नरीमि, नर्मि, नीर्वः, नीर्मः ॥
- २ नानीर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ना-नरीतु नर्तु, नीर्तात्, नीर्ताम्, निरतु, नीर्हि, नीर्तात्, नीर्ताम्, नीर्त, नराणि, नराव, नराम ॥
- ४ अना-नरीत्, नः, नीर्ताम्, नरुः, नरीः, नः, नीर्ताम्, नीर्त, नरम्, नीर्व, नीर्म ॥
- ५ अनानार्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नानरा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानीर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानरिता } -”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानरिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, नानरीष्य } आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनानरिष्य } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अनानरीष्य } अत, अम्, आव, आम ॥

९४४ ष्टक (स्तक्) प्रतीघाते ॥

९४५ स्तक (स्तक्) प्रतीघाते ॥

- १ तास्त-कीति, क्ति, क्तः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्तः, क्तमः ॥
- २ तस्तक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तास्त-कीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, कतु, विथ, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥
- ४ अतास्त-कीत्, क्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, क्तम्, क्त, क्तम्, क्त, क्तम ॥
- ५ अतास्ताक् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अतास्तक् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तास्तका-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तास्तक्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तास्तकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तास्तकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतास्तकिष्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत,

९४६ चक(चक्)तसौ च । चकि ५७५ वद्रूपाणि ।

९४७ कखे (कख्) हसने ॥

- १ चाक-खीति, कि, कः, खति, खीषि, क्षि, कथः, कथ, खीमि, क्षिमि, ख्वः, ख्वमः ॥
- २ चाकख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-खीतु, कु, कात्, काम्, खतु, निध, कात्, कम्, क्, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अचाक-खीत्, क्, काम्, खुः, खीः, क्, कम्, क्, खम्, ख्व, ख्वम ॥
- ५ अचाकाख् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाकख् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकखा-खकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकख्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ चाकखिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकखिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम् ॥
- १० अचाकखिष्य-अत, अताम्, न्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९४८ रगे (रग्) शङ्कायाम् ॥

- १ रार-गीति, कि, कः, गति, गीषि, क्षि, कथः, कथ, गीमि, गिमि, ग्वः, ग्वमः ॥
- २ रारग्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रार-गीतु, कु, कात्, काम्, गतु, निध, कात्, कम्, क्, गाणि, गाव, गाम ॥
- ४ अरार-गीत्, क्, काम्, गुः, गीः, क्, कम्, क्, गम्, ग्व, ग्वम ॥
- ५ अराराग् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अराराग् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रारगा-खकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रारग्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ रारगिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रारगिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरारगिष्य-अत, अताम्, न्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९४९ लगे (लग्) सङ्गे ॥

- १ लाल-गीति, कि, कः, गति, गीषि, क्षि, कथः, कथ, गीमि, गिमि, ग्वः, ग्वमः ॥
- २ लालग्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लाल-गीतु, कु, कात्, काम्, गतु, निध, कात्, कम्, क्, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अलाल-गीत्, क्, काम्, गुः, गीः, क्, कम्, क्, गम्, ग्व, ग्वम ॥
- ५ अलालाग् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अलालाग् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लालगा-खकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालग्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ लालगिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालगिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालगिष्य-अत, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९५० हगे (हग्) संवरणे ॥

- १ जाह-गीति, कि, कः, गति, गीषि, क्षि, कथः, कथ, गीमि, गिमि, ग्वः, ग्वमः ॥
- २ जाहग्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाह-गीतु, कु, कात्, काम्, गतु, निध, कात्, कम्, क्, गाणि, गाव, गाम ॥
- ४ अजाह-गीत्, क्, काम्, गुः, गीः, क्, कम्, क्, गम्, ग्व, ग्वम ॥
- ५ अजाहाग् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाहाग् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाहगा-खकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाहग्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ जाहगिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाहगिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाहगिष्य-अत, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९५१ हगे (हग्) संवरणे ॥

- १ जाह्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, क्षि, कथः, कथ, गीमि, मि, म्वः, म्मः ॥
- २ जाह्ग-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाह्-गीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, गतु, विध, क्तात्, क्त्म्, क्त, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अजाह्-गीत्, क्, क्ताम्, गुः, गीः, क्, क्त्म्, क्त, गम्, ग्व, ग्म ॥
- ५ अजाह्ग } -ईत्, इधाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाह्ग } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाह्गा-ञ्कार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाह्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाह्गिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाह्गिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाह्गिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९५२ षगे (सग्) संवरणे ॥

(९५३) सगे (सग्) संवरणे ॥

- १ सास्-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, क्षि, कथः, कथ, गीमि, मि, म्वः, म्मः ॥
- २ सासग्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास्-गीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, गतु, विध, क्तात्, क्त्म्, क्त, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ असास्-गीत्, क्, क्ताम्, गुः, गीः, क्, क्त्म्, क्त, गम्, ग्व, ग्म ॥
- ५ असासाग् } -ईत्, इधाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, असासाग् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सासगा-ञ्कार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सासगिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासगिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असासगिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९५४ षगे (स्थग्) संवरणे ॥

९५५ स्थगे (स्थग्) संवरणे ॥

- १ तास्थ-गीति, क्ति, क्तः, गति, गीषि, क्षि, कथः, कथ, गीमि, मि, म्वः, म्मः ॥
- २ तास्थग्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तास्थ-गीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, गतु, विध, क्तात्, क्त्म्, क्त, गानि, गाव, गाम ॥
- ४ अतास्थ-गीत्, क्, क्ताम्, गुः, गीः, क्, क्त्म्, क्त, गम्, ग्व, ग्म ॥
- ५ अतास्थाग् } -ईत्, इधाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अतास्थाग् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तास्थगा-ञ्कार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तास्थग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तास्थगिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तास्थगिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतास्थगिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९५६ वट (वट्) परिभाषणे । वट १६२ वट्टपाणि ॥

९५७ भट (भट्) परिभाषणे । भट १७० वट्टपाणि ॥

९५८ णट (नट्) नतौ । णट १७३ वट्टपाणि ॥

९५९ गड (गड्) सेचने ॥

- १ जाग-डीति, ट्टि, टः, डति, डीषि, ट्टिष, ट्टः, ट्ट, डीमि, डिम, ड्वः, ड्मः ॥ [याम्, याव, याम ॥
- २ जागड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाग-डीतु, ट्टु, ट्टात्, ट्टाम्, डतु, ट्टि, ट्टात्, ट्टम्, ट्ट, डानि, डव, डाम ॥ [डम्, ड्व, ड्म ॥
- ४ अजाग-डीत्, द, डाम्, डः, डीः, द, डम्, ड्व, अजागड् } -ईत्, इधाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजागड् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ५ अजागड् } -ईत्, इधाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजागड् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जागडा-ञ्कार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागडिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जागडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजागडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९६० हेड (हेड्) वेष्टने । हेड् ६४७ वद्रूपाणि ॥

९६१ लड (लड्) जिहोन्मथने । लड् २३६ वद्रूपाणि ॥

९६२ कण (कण्) गतौ ॥

१ पम्-कणीति, कण्टि, काण्टः, कणति, कणीषि, कण्वि,
काण्टः, काण्ट, कणीमि, कण्मि, कण्वः, कण्मः ॥ [याव, याम् ॥

२ पम्कण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,

३ पम्-कणीतु, कण्टु, काण्टात्, काण्टाम्, कणतु, काण्टि,
काण्टात्, काण्टम्, काण्ट, कणानि, कणाव, कणाम् ॥

४ अपम्-कणीत्, कण्, काण्टाम्, कणुः, कणीः, कण्,
काण्टम्, काण्ट, कणम्, कण्व, कण्म ॥ [इष्व, इष्म ॥

५ अपम्कण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,

६ पम्कणा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ पम्कण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ पम्कणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ पम्कणिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अपम्कणिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
पक्षे ‘ पम् ’-स्थाने पं इति ज्ञेयम् ॥

९६३ कण (कण्) गतौ । कण २५० वद्रूपाणि ॥

९६४ रण (रण्) गतौ । रण २४० वद्रूपाणि ॥

९६५ चण (चण्) हिंसादानयोश्च । चण २५२ वद्रू० ॥

९६६ शण (शण्) दाने ॥

१ शं-शणीति, शण्टि, शण्टः, शणति, शणीषि, शण्वि, शण्टः,
शण्ट, शणीमि, शण्मि, शण्वः, शण्मः ॥ [याव, याम् ॥

२ शंशण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,

३ शं-शणीतु, शण्टु, शण्टात्, शण्टाम्, शणतु, शण्टि,
शण्टात्, शण्टम्, शण्ट, शणानि, शणाव, शणाम् ॥

४ अशं-शणीत्, शण्, शण्टाम्, शणुः, शणीः, शण्,
शण्टम्, शण्ट, शणम्, शण्व, शण्म ॥

५ अशंशण् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अशंशण् } इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ शंशणा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ शंशण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ शंशणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ शंशणिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अशंशणिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

९६७ श्रण (श्रण्) दाने ॥

१ शं-श्रणीति, श्रण्टि, श्रण्टः, श्रणति, श्रणीषि, श्रण्वि,
श्रण्टः, श्रण्ट, श्रणीमि, श्रण्मि, श्रण्वः, श्रण्मः ॥

२ शंश्रण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम् ॥

३ शं-श्रणीतु, श्रण्टु, श्रण्टात्, श्रण्टाम्, श्रणतु, श्रण्टि,
श्रण्टात्, श्रण्टम्, श्रण्ट, श्रणानि, श्रणाव, श्रणाम् ॥

४ अशं-श्रणीत्, श्रण्, श्रण्टाम्, श्रणुः, श्रणीः, श्रण्,
श्रण्टम्, श्रण्ट, श्रणम्, श्रण्व, श्रण्म ॥

५ अशंश्रण् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अशंश्रण् } इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ शंश्रणा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ शंश्रण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ शंश्रणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ शंश्रणिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥

१० अशंश्रणिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

९६८ स्नथ (स्नथ्) हिंसार्थः ॥

१ सास्न-थीति, ति, त्तः, थति, थीषि, त्ति, त्थः, त्थ,
थीमि, थिम, थ्वः, थ्मः ॥

२ सास्नथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम् ॥

३ सास्न-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, धि, तात्,
त्तम्, त्त, थानि, थाव, थाम् ॥

४ असास्न-थीत्, त्, ताम्, थुः, थीः, त्, त्तम्,
त्त, थम्, थ्व, थ्म ॥

५ असास्नाथ् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
असास्नथ् } इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ सास्नथा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ सास्नथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ सास्नथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ सास्नथिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥

१० असास्नथिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

९६९ क्रथ (क्रथ्) हिंसार्थः ॥

- १ चाक्र-थीति, त्ति, तः, थति, थीषि, त्सि, त्थः, त्थ, थीमि, थिमि, थ्वः, थमः ॥
- २ चाक्रथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक्र-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अचाक्र-थीत्, त्, ताम्, थुः, थीः, त्, तम्, त्त, थम्, थ्व, थम ॥
- ५ अचाक्राथ् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाक्रथ् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाक्रथा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाक्रथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाक्रथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाक्रथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाक्रथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९७० क्रथ (क्रथ्) हिंसार्थः ॥

- १ चाक्र-थीति, त्ति, तः, थति, थीषि, त्सि, त्थः, त्थ, थीमि, थिमि, थ्वः, थमः ॥
- २ चाक्रथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक्र-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अचाक्र-थीत्, त्, ताम्, थुः, थीः, त्, तम्, त्त, थम्, थ्व, थम ॥
- ५ अचाक्राथ् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाक्रथ् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाक्रथा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाक्रथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाक्रथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाक्रथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाक्रथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९७१ क्रथ (क्रथ्) हिंसार्थः ॥

- १ चाक्र-थीति, त्ति, तः, थति, थीषि, त्सि, त्थः, त्थ, थीमि, थिमि, थ्वः, थमः ॥
- २ चाक्रथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक्र-थीतु, तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, थानि, थाव, थाम ॥
- ४ अचाक्र-थीत्, त्, ताम्, थुः, थीः, त्, तम्, त्त, थम्, थ्व, थम ॥
- ५ अचाक्राथ् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाक्रथ् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाक्रथा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाक्रथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाक्रथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाक्रथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाक्रथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९७२ छद (छद्) ऊर्जने ॥

- १ चाच्छ-दीति, त्ति, तः, दति, दीषि, त्सि, त्थः, त्थ, दीमि, धि, द्वः, धमः ॥
- २ चाच्छद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाच्छ-दीतु, तु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अचाच्छ-दीत्, त्, ताम्, दुः, दीः, त्, ;, तम्, त्त, दम्, द्व, धम ॥
- ५ अचाच्छाद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाच्छद् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाच्छदा-ञ्चकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाच्छद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाच्छदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाच्छदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाच्छदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९८३ ज्वल (ज्वल्) दीप्तो । ज्वल ८८७ वद्रूपाणि ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविप्रशास्त्रीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरैन्दिरायमाणा-
न्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य यङ्लुबन्त-
रूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे पञ्चमे भागे भ्वादिगणः सम्पूर्णः ॥

अथादादिगणः ॥

१८४ प्सांक् (प्सा) भक्षणे ॥

- १ पा-प्सेति, प्साति, प्सीतः, प्सति, प्सेषि, प्सासि, प्सीथः, प्सीथ, प्सेमि, प्सामि, प्सीवः, प्सीमः ॥
- २ पाप्सी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पा-प्सेतु, प्सातु, प्सीतात्, प्सीताम्, प्सतु, प्सीहि, प्सीतात्, प्सीतम्, प्सीत, प्सानि, प्साव, प्साम ॥
- ४ अपा-प्सेत्, प्सात्, प्सीताम्, प्सुः, प्सेः, प्साः, प्सीतम्, प्सीत, प्साम्, प्सीव, प्सीम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अपाप्सास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पाप्सा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पाप्सेया { -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, पाप्साया { स्व, स्म ॥
- ८ पाप्सिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पाप्सिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपाप्सिष्य-अत्, अताम्, अन्, ;, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१८५ भांक् (भा) दीप्तौ ॥

- १ बा-भेति, भाति, भीतः, भति, भेषि, भासि, भीथः, भीथ, भेमि, भामि, भीवः, भीमः ॥
- २ बाभी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बा-भेतु, भातु, भीतात्, भीताम्, भतु, भीहि, भीतात्, भीतम्, भीत, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अबा-भेत्, भात्, भीताम्, भुः, भाः, भेः, भीतम्, भीत, भाम्, भीव, भीम ॥
- ५ अबाभास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बाभा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभाया-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबाभिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९८६ याक् (या) प्रापणे ॥

- १ या-येति, याति, यीतः, यति, येषि, यासि, यीथः, यीथ, यामि, येमि, यीवः, यीमः ॥
- २ यायी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ या-येतु, यातु, यीतात्, यीताम्, यतु, यीहि, यीतात्, यीतम्, यीत, यानि, याव, याम ॥
- ४ अया-येत्, यात्, यीताम्, युः, येः, याः, यीतम्, यीत, याम्, यीव, यीम ॥
- ५ अयायास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ याया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ यायाया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ यायिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ यायिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयायिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९९२ लाक् (ला) आदाने ॥

- १ ला-लेति, लाति, लीतः, लति, लासि, लेषि, लीथः, लीथ, लेमि, लामि, लीवः, लीमः ॥
- २ लाली-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ला-लेतु, लातु, लीतात्, लीताम्, लतु, लीहि, लीतात्, लीतम्, लीत, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अला-लेत्, लात्, लीताम्, लुः, लेः, लाः, लीतम्, लीत, लाम्, लीव, लीम ॥
- ५ अलालास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लाला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लालाया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लालिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लालिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलालिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९८७ वाक् (वा) गतिगन्धनयोः ओवै ४७ वद्रूपाणि ॥

९८८ ण्वाक् (स्त्रा) शौचे ॥ णै ४८ वद्रूपाणि ॥

९८९ श्राक् (श्रा) पाके ॥ श्रै ४५ वद्रूपाणि ॥

९९० द्राक् (द्रा) कुत्सितगतौ ॥ द्रै ३३ वद्रूपाणि ॥

९९१ पाक् (पा) रक्षणे ॥

- १ पा-पेति, पाति, पीतः, पांते, पेषि, पासि, पीथः, पीथ, पेमि, पामि, पीवः, पीमः ॥ [याव, याम ॥
- २ पापी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पा-पेतु, पातु, पीतात्, पीताम्, पतु, पीहि, पीतात्, पीतम्, पीत, पानि, पाव, पाम ॥ [पाम्, पीव, पीम ॥
- ४ अपा-पेत्, पात्, पीताम्, पुः, पेः, पाः, पीतम्, पीत, पाम्, पाव, पाम ॥
- ५ अपापास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पापा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म ॥
- ७ पापाया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पापिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपापिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

९९३ राक् (रा) दाने ॥ रै ३७ वद्रूपाणि ॥

९९४ दाक् (दा) लवने ॥ दैव २८ वद्रूपाणि ॥

९९५ र्याक् (र्या) प्रथने ॥

- १ चा-र्येति, र्याति, र्यीतः, र्यति, र्येषि, र्यासि, र्यीथः, र्यीथ, र्येमि, र्यामि, र्यीवः, र्यामः ॥
- २ चाख्यी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाख्य-एतु, आतु, ईतात्, ईताम्, अतु, ईहि, ईतात्, ईतम्, ईत, आनि, आव, आम ॥
- ४ अचा-र्येत्, र्यात्, र्यीताम्, र्युः, र्येः, र्याः, र्यीतम्, र्यीत, र्याम, र्यीव, र्यीम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अचाख्यास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाख्या-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाख्याया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाख्येया-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाख्यिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचाख्यिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१९६ प्राक् (प्रा) पूरणे ॥

- १ प्रा-प्रेति, प्राति, प्रीतः, प्रेति, प्रेषि, प्राप्ति, प्रीथः, प्रीथ, प्रेमि, प्राप्ति, प्रीवः, प्रीमः ॥
- २ प्राप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ प्राप्-एतु, आतु, ईतात्, ईताम्, अतु, ईहि, ईतात्, ईतम्, ईत आणि, आव, आम ॥
- ४ अप्राप्-एत्, आत्, ईताम्, उः, एः, आः, ईतम्, ईत, आम्, ईव, ईम ॥ [इषम्, इष्, इष्म ॥
- ५ अप्राप्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्, इष्म ॥
- ६ प्राप्-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ प्राप्-यात्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्राप्-विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्राप्-विष्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अप्राप्-विष्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१९७ माक् (मा) माने ॥ मेङ् ५५८ वद्रूपाणि ॥

१९८ वीक् (वी) प्रजनकान्यसनखादने च ।

अज १२१ वद्रूपाणि ॥

१९९ युक् (यु) अभिगमने ॥

- १ दो-यवीति, योति, युतः, युवति, यवीषि, योषि, युथः, युथ, यवीमि, योमि, युवः, युमः ॥ [याव, याम ॥
- २ दोयु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दो-यवीतु, योतु, युतात्, युताम्, युवतु, युहि, युतात्, युतम्, युत, यवानि, यवाव, यवाम ॥
- ४ अदो-यवीत्, योत्, युताम्, यतुः, यवीः, योः, युतम्, युत, यवम्, युव, युम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अदोद्याव्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दोद्यवा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोयूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दोद्यविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोद्यविष्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदोद्यविष्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१००० शुक् (शु) प्रसवैश्वर्ययोः ॥

- १ सो-षवीति, षोति, षुतः, षुवति, षवीषि, षोषि, षुथः, षुथ, षवीमि, षोमि, षुवः, षुमः ॥
- २ सोषु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सो-षवीतु, षोतु, षुतात्, षुताम्, षुवतु, षुहि, षुतात्, षुतम्, षुत, षवानि, षवाव, षवाम ॥
- ४ असो-षवीत्, षोत्, षुताम्, षतुः, षवीः, षोः, षुतम्, षुत, षवम्, षुव, षुम ॥
- ५ असोषाव्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सोषवा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोषूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोषविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोषविष्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असोषविष्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१००१ तुक् (तु) वृत्तिर्हिसापूर्णेणु ॥

- १ तो-तवीति, तोति, तुतः, तुवति, तवीषि, तोषि, तुथः, तुथ, तवीमि, तोमि, तुवः, तुमः ॥
- २ तोतु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तो-तवीतु, तोतु, तुतात्, तुताम्, तुवतु, तुहि, तुतात्, तुतम्, तुत, तवानि, तवाव, तवाम ॥
- ४ अतो-तवीत्, तोत्, तुताम्, तुतुः, तवीः, तोः, तुतम्, तुत, तवम्, तुव, तुम ॥
- ५ अतोताव्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तोतवा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतविष्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतविष्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१००२ युक् (यु) मिश्रणे ॥

- १ यो-यवीति, योति, युतः, युवति, यवीषि, योषि, युथः, युथ, यवीमि, योमि, युवः, युमः ॥
- २ योयु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ यो-यवीतु, योतु, युतात्, युताम्, युवतु, युहि, युतात्, युतम्, युत, यवानि, यवाव, यवाम ॥
- ४ अयो-यवीत्, योत्, युताम्, यडुः, यवीः, योः, युतम्, युत, यवम् युव, युम ॥
- ५ अयोयाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ योयवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ योयूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ योयविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ योयविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयोयविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१००३ णुक् (नु) स्तुतौ ॥

- १ नो-नवीति, नोति, नुतः, नुवति, नवीषि, नोषि, नुथः, नुथ, नवीमि, नोमि, नुवः, नुमः ॥
- २ नोनो-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नो-नवीतु, नोतु, नुतात्, नुताम्, नुवतु, नुहि, नुतात्, नुतम्, नुत, नवानि, नवाव, नवाम ॥
- ४ अनो-नवीत्, नोत्, नुताम्, ननुः, नवीः, नोः, नुतम्, नुत, नवम्, नुव, नुम ॥
- ५ अनोनाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नोनवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नोनूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नोनविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नोनविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनोनविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१००४ क्षण्क् (क्षण्) तेजने ॥

- १ चो-क्षवीति, क्षोति, क्षुतः, क्षुवति, क्षवीषि, क्षोषि, क्षुथः, क्षुथ, क्षवीमि, क्षोमि, क्षुवः, क्षुमः ॥
- २ चोक्षु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोक्ष-णवीतु, णोतु, णुतात्, णुताम्, णुवतु, णुहि, णुतात्, णुतम्, णुत, णवानि, णवाव, णवाम ॥
- ४ अचोक्ष-णवीत्, णोत्, णुताम्, णडुः, णवीः, णोः, णुतम्, णुत, णवम्, णुव, णुम ॥
- ५ अचोक्षणाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोक्षणा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोक्षूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोक्षविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोक्षविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोक्षविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१००५ स्नुक् (स्नु) प्रस्नवने ॥

- १ सो-स्नवीति, स्नोति, स्नुतः, स्नुवति, स्नवीषि, स्नोषि, स्नुथः, स्नुथ, स्नवीमि, स्नोमि, स्नुवः, स्नुमः ॥
- २ सोस्नु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सो-स्नवीतु, स्नोतु, स्नुतात्, स्नुताम्, स्नुवतु, स्नुहि, स्नुतात्, स्नुतम्, स्नुत, स्नवानि, स्नवाव, स्नवाम ॥
- ४ असो-स्नवीत्, स्नोत्, स्नुताम्, स्नडुः, स्नवीः, स्नोः, स्नुतम्, स्नुत, स्नवम्, स्नुव, स्नुम ॥
- ५ असोस्नाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सोस्नवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोस्नूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोस्नविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोस्नविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असोस्नविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१००६ दुक्षुक् (क्षु) शब्दे ॥

- १ चो-क्षवीति, क्षोति, क्षुतः, क्षुवति, क्षवीषि, क्षोषि, क्षुथः, क्षुथ, क्षवीमि, क्षोमि, क्षुवः, क्षुमः ॥
- २ चोक्षु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चो-क्षवीतु, क्षोतु, क्षुतात्, क्षुताम्, क्षुवतु, क्षुहि, क्षुतात्, क्षुतम्, क्षुत, क्षवाणि, क्षवाव, क्षवाम ॥
- ४ अचो-क्षवीत्, क्षोत्, क्षुताम्, क्षुतः, क्षवीः, क्षोः, क्षुतम्, क्षुत, क्षवम्, क्षुव, क्षुम ॥
- ५ अचोक्षव-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोक्षवा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोक्षुया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोक्षविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोक्षविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोक्षविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

- १००७ रुक् (रु) शब्दे । रुङ् ५५४ वद्रूपाणि ॥
- १००८ कुक् (कु) शब्दे । कुङ् ५४५ वद्रूपाणि ॥
- १००९ रुदृक् (रुद्) अश्रुविमोचने ॥
- १ रो-रुदीति, रोत्ति, रुत्तः, रुदति, रुदीषि, रोत्सि, रुत्थः, रुत्थ, रुदीमि, रोद्मि, रुद्रः, रुवः ॥ [याव, याम ॥
- २ रोरुद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, ३ रोरुत्तु, रोरु-दीतु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अरो-रुदीत्, रोत्, रुताम्, रुदुः, रुदीः, रोः, रोत्, रुत्तम्, रुत्, रुदम्, रुद्र, रुव ॥
- ५ अरोरोद्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रोरुदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोरुद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रोरुदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोरुदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अरोरोदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१०१० सिष्वपंक् (स्वप्) शये ॥

- १ सो-सोषि, सुपीति, सुप्तः, सुपति, सुपीषि, सोप्ति, सुप्यः, सुप्य, सुपीमि, सोप्मि, सुप्नः, सुप्नः ॥
- २ सोषुप्-यात्, याताम्, युः, याः, याम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सोषोषु, सोषु-पीतु, सात्, साम्, पतु, प्थि, सात्, सत्, स, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ असो-सोप्, सुपीत्, सुप्ताम्, सुपुः, सुपीः, सोप्, सुप्तम्, सुप्त, सुप्नम्, सुप्न, सुप्न ॥
- ५ असोषोप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सोषोपा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोषुप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोषुपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोषुपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असोषोपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अन्यमते सास्वपीति,

१०११ श्वसक् (श्वस्) प्राणने ॥

- १ शाश्व-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्ति, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ शाश्वस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश्व-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अशाश्व-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अशाश्वस् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अशाश्वस् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शाश्वसा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाश्वस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाश्वसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाश्वसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशाश्वसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मतान्तरे अशाश्वसीवित्येकमेव

१०१२ जक्षक् (जक्ष्) भक्षहसनयो ॥

- १ जाज-क्षीति, छि, छः, क्षति, क्षीषि, क्षि, छः, छ, क्षीमि, क्षिमि, क्ष्वः, क्षमः ॥
- २ जाजक्ष-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाज-क्षीतु, छु, छात्, छाम्, क्षतु, छि, छात्, छम्, छ, क्षाणि, क्षाव, क्षाम ॥
- ४ अजाज-क्षीत्, द, छाम्, क्षुः, क्षीः, द, छम्, छ, क्षम्, क्ष्व, क्षम ॥
- ५ अजाजक्ष-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाजक्षा-ञकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजक्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाजक्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाजक्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०१३ शास्त्रक् (शास्) अनुशिष्टौ ॥

- १ शा-शासीति, शास्ति, शिष्टः, शासति, शासीषि, शास्मि, शिष्टः, शिष्ट, शासीमि, शास्मि, शिष्टः, शिष्टम् ॥
- २ शाशिष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शा-शासीतु, शास्तु, शिष्टात्, शिष्टाम्, शासतु, (शाधि) शिष्टात्, शिष्टम्, शिष्ट, शासानि, शासाव, शासाम ॥
- ४ अशा-शासीत्, शात्, शिष्टाम्, शासुः, शासीः, शाः, शात्, शिष्टम्, शिष्ट, शासम्, शिष्ट, शिष्टम् ॥
- ५ अशाशास्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शाशासा-ञकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशिष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशासिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशासिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशासिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०१४ वचक् (वच्) भाषणे ॥

- १ वाव-वीति, कि, कः, चति, वीषि, क्षि, कथः, कथ, वीमि, च्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ वावच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वाव-वीतु, कु, क्तात्, काम्, चतु, गिध, क्तात्, कम्, क, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अवाव-वीत्, क्, काम्, कुः, वीः, क्, कम्, क, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अवावाच् } -ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, अवावच् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वावचा-ञकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ अम्, आव, आम ॥
- १० अवावचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, आशिषि वोच्यादिति केचित्

१०१५ मृजौक् (मृज्) शुद्धौ ॥

- १ मरी-मृजीति, मार्जीति, मार्षि, मृष्टः, मृजति, मार्जति, मृजीषि, मार्जीषि, मार्षि, मृष्टः, मृष्ट, मार्जीमि, मार्षिम, मृजीमि, मृज्वः, मृज्मः ॥
- २ मरीमृज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥ [मार्जाम, मृजाम ॥
- ३ मरी-मार्जीतु, मार्षु, मृजीतु, मृष्टात्, मृष्टाम्, मृजतु, मार्जतु, मृष्टि, मृष्टात्, मृष्टम्, मृष्ट, मार्जानि, मृजानि, मार्जीव, मृजाव, ४ अमरी-मार्जीत्, मार्द, मृजीत्, मृष्टाम्, मृजुः, मार्जुः, मार्जीः, मार्द, मृजीः, मृष्टम्, मृष्ट, मृजम्, मार्जम्, मृज्व, मृज्म ॥
- ५ अमरीमार्ज्-ईत्, इछाम्, इषुः, ईः, इछम्, इछ, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मरीमार्जा-ञकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म ॥
- ७ मरीमृज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मरीमार्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मरीमार्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमरीमार्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे मरी-स्थाने ‘मरि’ इति ‘मर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१०१६ सस्तुक् (सन्स्तु) स्वप्ने ॥

- १ सासं-स्तीति, स्ति, स्तः, स्तति, स्तीषि, स्त्वि, स्त्वः, स्थः, स्थ, स्तीभि, स्त्वि, स्त्वः, स्तमः ॥
- २ सासंस्तु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सासं-स्तीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, स्तुतु, [सास-न्धि, न्दि, न्दिद्,] स्तात्, स्तम्, स्त, स्तानि, स्ताव, स्ताम ॥
- ४ असा-संस्तीत्, सन्, संस्ताम्, संस्तुः, संस्तीः, सन्, संस्तम्, संस्त्, संस्तम्, संस्त्व, स्तम् ॥
- ५ असासंस्तु-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सासंस्ता-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासंस्त्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सासंस्तिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सासंस्तिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आभि, आवः, आमः ॥
- १० असासंस्तिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०१७ विदक् (विद्) ज्ञाने ॥

- १ वे-विदीति, वेत्ति, वित्तः, विदति, विदीषि, वेत्सि, वित्थः, वित्थ, विदिमि, वेद्मि, विद्वः, विद्वः ॥
- २ वेविद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवेत्तु, वेवि-दीतु, तात्, ताम्, दतु, दि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अवे-वेत्, विदीत्, वित्ताम्, विदुः, विदीः, वेः, वेत्, वित्तम्, वित्त, विदम्, विद्व, विद्व ॥
- ५ अवेवेद्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वेवेद्-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेविद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आभि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०१८ हनक् (हन्) हिंसागत्योः ॥ वधेऽर्थे-

- १ जे-घ्नोति, घ्नति, घ्नतः, घ्नति, घनीषि, घंसि, घथः, घथं, घनीमि, घन्मि, घन्वः, घन्मः ॥ [याव, याम ॥
- २ जेघ्नी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जे-घ्नीतु, घ्नेतु, घ्नीतात्, घ्नीताम्, घ्नियतु, घ्नीहि, घ्नीतात्, घ्नीतम्, घ्नीत, घ्नयानि, घ्नयाव, घ्नयाम ॥
- ४ अजे-घ्नीत्, घ्नेत्, घ्नीताम्, घ्नयुः, घ्नीः, घ्ने, घ्नीतम्, घ्नीत, घ्नयम्, घ्निव, घ्निम ॥
- ५ अजेघ्नाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जेघ्नया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेघ्नीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेघ्नयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेघ्नयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आभि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजेघ्नयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मतान्तरे-जेघ्नयितीत्यादिरूपं न भवति ॥

गत्यर्थे ॥

- १ जं-घ्नोति, घन्ति, घतः, घ्नति, घनीषि, घंसि, घथः, घथं, घनीमि, घन्मि, घन्वः, घन्मः ॥ [याव, याम ॥
- २ जंघन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जं-घ्नीतु, घन्तु, घतात्, घताम्, घ्तु, [जहि] घतात्, घतम्, घत, घनानि, घनाव, घनाम ॥
- ४ अजं-घ्नीत्, घन्, घताम्, घ्तुः, घनीः, घन्, घतम्, घत, घनम्, घन्व, घन्म ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अवध्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जंघना-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वध्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जंघनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जंघनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आभि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजंघनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे जं-स्थाने 'जङ्' इति ज्ञेयम् । मतान्तरे हौ जङ्गहि इति । क्रियारत्नसमुच्चये-अथतन्यादौ तु पचिवदित्युक्तम्, तद्विचारणीयमथतन्यामाशिषि च वधादेशस्य प्राप्तिसत्वात् ॥

१०१९ वश्क् (वश्) कान्तौ ॥

- १ वाव-शीति, छि, छः, शति, शीषि, क्षि, छः, छ, शीमि, रिम, श्वः, स्मः ॥
- २ दावश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥ [शानि, शाव, शाम ॥
- ३ वाव-शीतु, छ, छात्, छाम्, शतु, छि, छात्, छम्, छ,
- ४ अवाव-शीत्, द, छाम्, शः, शीः, द, छम्, छ, शम्, श्व, स्म ॥
- ५ अवावाश् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अवावश् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वावशा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वावशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवावशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
यङ्लुप्यपि विभक्तिपरे ऋदित्यन्ये-तन्मते वा-वशीति,
बोष्टः बोशतीत्यादि ॥

१०२० षसक् (सस्) स्वप्ने ॥

- १ सास-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ सासस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, स्ति, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ असास-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, त्, ;, स्तम्, स्त, सतम्, स्व, स्म ॥
- ५ असासास् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
असासस् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ साससा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ साससिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ साससिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० असाससिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अत, अम्, आव, आम ॥

१०२१ शीक् (शी) स्वप्ने ॥

- १ शे-शयीति, शेति, शीतः, श्यति, शयीषि, शेपि, शीथः, शीथ, शयीमि, शेमि, शीथः, शीमः ॥
- २ शेशी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शे-शयीतु, शेत्, शीतात्, शीताम्, श्यतु, शीधि, शीतात्, शीतम्, शीत, शयानि, शयाव, शयाम ॥
- ४ अशे-शयीत्, शेत्, शीताम्, शयुः, शयीः, शेः, शीतम्, शीत, शयम्, शीव, शीम ॥
- ५ अशेशाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शेशया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेशीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शेशयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेशयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अशेशयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अत, अम्, आव, आम ॥

१०२२ हतुक् (हतु) अपनयने ॥

- १ जो-हवीति, होति, हुतः, हुवति, हवीषि, होषि, हुथः, हुथ, हवीमि, होमि, हुवः, हुमः ॥
- २ जोहतु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-हवीतु, होतु, हुतात्, हुताम्, हुवतु, हुहि, हुतात्, हुतम्, हुत, हवानि, हवाव, हवाम ॥
- ४ अजो-हवीत्, होत्, हुताम्, हतुः, हवीः, होः, हुतम्, हुत, हवम्, हुव, हुम ॥
- ५ अजोह्वाक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोह्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोहनूया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोह्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोह्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोह्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१०२३ षुडौक् (सू) प्राणिगर्भविमोचने ॥

- १ सो-षवीति, षोति, षूतः, षुवति, षवीषि, षोषि, षूथः, षूथ, षवीमि, षोमि, षूवः, षूसः ॥
- २ सोषू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सो-षवीतु, षोतु, षूतात्, षूताम्, षुवतु, षूढि, षूतात्, षूतम्, षूत, षवाणि, षवाव, षवाम ॥
- ४ असो-षवीत्, षोत्, षूताम्, षडुः, षवीः, षोः, षूतम्, षूत, षवम्, षूव, षूम ॥
- ५ असोषाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सोषवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोषूया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोषविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोषविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असोषविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०२४ पृचैङ्क् (पृच्) संपर्चने ॥

- १ परी-पृचीति, पृक्ति, पृक्तः, पृचति, पृचीषि, पृक्षि, पृक्थः, पृक्थ, पृचीमि, पृक्षि, पृचवः, पृचमः ॥
- २ परीपृच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ परीपृक्तु, परीपृ-चीतु, कात्, काम्, चतु, गिध, कात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अपरी-पृक्, पृचीत्, पृक्ताम्, पृचुः, पृचीः, पृक्, पृक्तम्, पृक्त, पृचम्, पृचव, पृचम ॥
- ५ अपरीपृच्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ परीपृचा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ परीपृच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ परीपृचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ परीपृचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपरीपृचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे परी-स्थाने ‘परि’ इति ‘पर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१०२५ पृजुङ्क् (पृज्) संपर्चने ॥

- १ परीपृ-जीति, ज्जि, ज्जः, जति, जीषि, ज्जि, ज्जथः, ज्जथ, जीमि, ज्जिम, ज्जवः, ज्जमः ॥
- २ परीपृज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ परीपृ-जीतु, ज्जु, ज्जात्, ज्जाम्, जतु, ज्जिध, ज्जात्, ज्जम्, ज्ज, ज्जानि, ज्जाव, ज्जाम ॥
- ४ अपरीपृ-जीत्, न्, ज्जाम्, जुः, जीः, न्, ज्जम्, ज्ज, ज्जम्, ज्जव, ज्जम ॥
- ५ अपरीपृज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ परीपृजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ परीपृज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ परीपृजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ परीपृजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अत्, अम्, आव, आम ॥
- १० अपरीपृजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे परी-स्थाने ‘परि’ इति ‘पर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१०२६ पिजुङ्क् (पिज्) संपर्चने ॥

- १ पेपि-जीति, ज्जि, ज्जः, जति, जीषि, ज्जि, ज्जथः, ज्जथ, जीमि, ज्जिम, ज्जवः, ज्जमः ॥
- २ पेपिज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पेपि-जीतु, ज्जु, ज्जात्, ज्जाम्, जतु, ज्जिध, ज्जात्, ज्जम्, ज्ज, ज्जानि, ज्जाव, ज्जाम ॥
- ४ अपेपि-जीत्, न्, ज्जाम्, जुः, जीः, न्, ज्जम्, ज्ज, ज्जम्, ज्जव, ज्जम ॥
- ५ अपेपिज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पेपिजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपिज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपिजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपिजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेपिजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०२७ वृजैकि (वृज्) वर्जने ॥

- १ वरी-वृजति, वर्कि, वृक्तः, वृजति, वृजीषि, वरिषि, वृक्थः, वृक्थ, वृजीमि, वर्जिम, वृज्वः, वृज्मः ॥
- २ वरीवृज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वरीवर्क्तुः, वरीवृ-जीतु, क्तात्, क्ताम्, जतु, मिथ, क्तात्, कम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अवरी-वर्क्तु, वृजीत्, वृक्ताम्, वृजुः, वृजीः, वर्क्तु, वृक्ताम्, वृक्त, वृज्म, वृज्व, वृज्म ॥
- ५ अवरीवर्ज-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्व, इष्म ॥
- ६ वरीवर्जा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरीवृज्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरीवर्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरीवर्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवरीवर्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वरी-स्थाने ‘वरि’ इति ‘वर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१०२८ णिजुकि (निन्ज्) युद्धौ ॥

- १ नेनि-जीति, झि, झ्ः, जति, जीषि, झि, इथः, इथ, जीमि, जिम्, ज्वः, ज्मः ॥
- २ नेनिञ्ज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नेनि-जीतु, झ्क्तु, झ्क्तात्, झ्क्ताम्, जतु, जिग्ध, झ्क्तात्, झ्क्ताम्, झ्क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अनेनि-जीत्, न्, झ्क्ताम्, जुः, जीः, न्, झ्क्ताम्, झ्क्ताम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अनेनिञ्ज्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्व, इष्म ॥
- ६ नेनिञ्जा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनिञ्ज्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनिञ्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनिञ्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनेनिञ्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०२९ शिजुकि (शिन्ज्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ शेशि-जीति, झि, झ्ः, जति, जीषि, झि, इथः, इथ, जीमि, जिम्, ज्वः, ज्मः ॥
- २ शेशिञ्ज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शेशि-जीतु, झ्क्तु, झ्क्तात्, झ्क्ताम्, जतु, जिग्ध, झ्क्तात्, झ्क्ताम्, झ्क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अशेशि-जीत्, न्, झ्क्ताम्, जुः, जीः, न्, झ्क्ताम्, झ्क्ताम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अशेशिञ्ज्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्व, इष्म ॥
- ६ शेशिञ्जा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेशिञ्ज्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शेशिञ्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेशिञ्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशेशिञ्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०३० वसिक् (वस्) आच्छादने । वंसं

१२६ वदूपाणि ॥

१०३१ आशःशास्त्रिकि (आ-शास्) इच्छायाम् ॥

- १ आशाशास्-ईति, ति, तः, अति, ईषि, सि, थः, थ, ईमि, मि, वः, मः ॥ [याम्, याव, याम ॥
- २ आशाशास्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ आशाशा-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, धि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ आशाशा-सीत्, त्, स्ताम्, युः, सीः, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ आशाशास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्व, इष्म ॥
- ६ आशाशासा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ आशाशास्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ आशाशासिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ आशाशासिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० आशाशासिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०३२ कसुकि (कन्म्) गतिशानतयोः ॥

- १ चाकं-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्ति, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ चाकंस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चा-कंसीतु, कंस्तु, कंस्तात्, कंस्ताम्, कंसतु, कन्धि, कन्धि, कंस्तात्, कंस्ताम्, कंस्त, कंसानि, कंसाव, कंसाम ॥
- ४ अचा-कंसीत्, कन्, कंस्ताम्, कंसुः, कंसीः, कन्, कंस्ताम्, कंस्त, कंसम्, कंस्व, कंसम् ॥
- ५ अचाकंस्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ चाकंसा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकंस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकंसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकंसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकंसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०३३ गिसुकि (निन्म्) चुम्बने ॥

- १ नेनिं-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्ति, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ नेनिंस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ने-निसीतु, निस्तु, निस्तात्, निस्ताम्, निसतु, निन्धि, निन्धि, निस्तात्, निस्ताम्, निस्त, निसानि, निसाव, निसाम ॥
- ४ अने-निसीत्, निन्, निस्ताम्, निषुः, निसीः, निन्, निस्ताम्, निस्त, निसम्, निस्व, निस्म ॥
- ५ अनेनिंस्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ नेनिंसा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनिंस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनिंसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनिंसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनेनिंसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०३४ चक्षिक् (चक्ष्) व्यक्तायां वाचि ॥

- १ चाख्य-एति, आति, ईतः, अति, एषि, आसि, ईथः, ईथ, एमि, आमि, ईवः, ईमः ॥
- २ चाख्या-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाख्य-एतु, आतु, ईतात्, ईताम्, अतु, ईहि, ईतात्, ईतम्, ईत, आनि, आव, आम ॥
- ४ अचाख्य-एत्, आत्, ईताम्, उः, एः, आः, ईतम्, आम्, ईव, ईम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अचाख्यास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ चाख्या-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाख्याया } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, चाख्येया } स्व, स्म ॥
- ८ चाख्यिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाख्यिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचाख्यिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चाख्य-स्थाने ‘चाक्ष’ इति ‘चाख्य’ इति च ज्ञेयम् ॥

१०३५ ऊर्णुक् (ऊर्णु) आच्छादने ॥

- १ ऊर्णो-नवीति, नेति, नुतः, नुवति, नवीषि, नोषि, नुथः, नुथ, नवीमि, नेमि, नुवः, नुमः ॥
- २ ऊर्णोन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ऊर्णो-नवीतु, नोतु, नुतात्, नुताम्, नुवतु, नुहि, नुतात्, नुतम्, नुत, नवानि, नवाव, नवाम ॥
- ४ और्णो-नवीत्, नेत्, नुताम्, नवः, नवीः, नोः, नुतम्, नुत, नवम्, नुव, नुम ॥
- ५ और्णोनाव् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, और्णोनुव् } इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ ऊर्णोन्वा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ऊर्णोनूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ऊर्णोनविता } -”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, ऊर्णोनुविता } स्वः, स्मः ॥
- ९ ऊर्णोनविष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, ऊर्णोनुविष्य } आमि, आवः, आमः ॥
- १० और्णोनविष्य } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, और्णोनुविष्य } अत, अम्, आव, आम ॥

१०३६ ङृक् (स्तु) स्तुतौ ॥

- १ तो-ष्ट्वीति, ष्टोति, ष्टुतः, ष्टुवति, ष्ट्वीषि, ष्टोषि, ष्टुथः, ष्टुथ, ष्ट्वीमि, ष्टोमि, ष्टुवः, ष्टुमः ॥
- २ तोष्टु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तो-ष्ट्वीतु, ष्टोतु, ष्टुतात्, ष्टुताम्, ष्टुवतु, ष्टुहि, ष्टुतात्, ष्टुतम्, ष्टुत ष्टवानि, ष्ट्वाव, ष्ट्वाम ॥
- ४ अतो-ष्ट्वीत्, ष्टोत्, ष्टुताम्, ष्टुः, ष्ट्वीः, ष्टोः, ष्टुतम्, ष्टुत, ष्टवम्, ष्टुव, ष्टुम ॥
- ५ अतोष्टाव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तोष्ट्वा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोष्ट्विता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोष्ट्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोष्ट्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०३७ ङृक् (ब्रू) व्यक्तायां वाचि ॥ वचंक् १०१४ वद्रूपाणि ॥

१०३८ द्विषीक् (द्विष्) अप्रीतौ ॥

- १ दे-द्विषीति, द्वेष्टि, द्विष्टः, द्विषति, द्विषीषि, द्वेक्षि, द्विष्टः, द्विष्ट, द्विषीमि, द्वेष्मि, द्विष्मः, द्विष्मः ॥
- २ देद्विष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ देद्वेष्टु, देद्वि-षीतु, छात्, छाम्, षतु, द्वि, छात्, छम्, छ, षाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अदे-द्विषीत्, द्वेद, द्विष्टाम्, द्विषुः, द्विषीः, द्वेद, द्विष्टम्, द्विष्ट, द्विषम्, द्विष्, द्विष्म ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अदेद्वेष्ट-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ देद्वेष्टा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देद्विष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देद्विष्टिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देद्वेष्टिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदेद्वेष्टिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०३९ दुर्हीक् (दुह) क्षरणे। दुह ५२२ वद्रूपाणि ॥

१०४० दिहीक् (दिह्) लेपे ॥

- १ दे-दिहीति, देगिष, दिग्धः, दिहति, दिहीषि, धेक्षि, दिग्धः, दिग्ध, दिहीमि, धेक्षि, दिहः, दिह्मः ॥
- २ देदिह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ देदेग्धु, देहि-हीतु, ग्यात्, ग्याम्, हतु, गिध, ग्यात्, ग्यम्, ग्य, हानि, हाव, हाम ॥
- ४ अदे-धेक्, दिहीत्, दिग्धाम्, दिहुः, दिहीः, धेक्, दिग्धम्, दिग्ध, दिहम्, दिह, दिह्म ॥
- ५ अदेदेह्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ देदेहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देदिह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देदेहिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देदेहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदेदेहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०४१ लिहीक् (लिह्) आस्वादाने ॥

- १ ले-लिहीति, लेडि, लीडः, लिहति, लिहीषि, लेक्षि, लीडः, लीड, लिहीमि, लेक्षि, लिहः, लिह्मः ॥
- २ लेलिह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ले-लेडु, लिहीतु, लीडात्, लीडाम्, लिहतु, लीडि, लीडात्, लीडम्, लीड, लिहानि, लिहाव, लिहाम ॥
- ४ अले-लेद, लिहीत्, लीडाम्, लिहुः, लिहीः, लेद, लीडम्, लीड, लिहम्, लिह, लिह्म ॥
- ५ अलेलेह्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लेलेहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लेलिह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लेलेहिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लेलेहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलेलेहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०४२ हुंक् (हु) दानादनयोः ॥

- १ जो-हवीति, होति, हुतः, हुवति, हवीषि, होषि, हुथः, हुथ, हवीमि, होमि, हुवः, हुमः ॥
- २ जोहु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-हवीतु, होतु, हुतात्, हुताम्, हुवतु, हुषि, हुतात्, हुतम्, हुत, हवानि, हवाव, हवाम ॥
- ४ अजो-हवीत्, होत्, हुताम्, ह्युः, हवीः, होः, हुतम्, हुत, हवम्, हुव, हुम ॥
- ५ अजोहाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोहवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोहया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोहयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोहयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोहयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०४३ ओहांक् (हा) त्यागे ॥

- १ ज-हेति, हाति, हीतः, हति, हेषि, हासि, हीथः, हीथ, हेमि, हामि, हीवः, हीमः ॥
- २ जही-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ज-हेतु, हातु, हीतात्, हीताम्, हतु, हीहि, हीतात्, हीतम्, हीत, हानि, हाव, हाम ॥
- ४ अज-हेत्, हात्, हीताम्, हुः, हेः, हात्, हीतम्, हीत, हाम्, हीव, हीम ॥
- ५ अजहास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जहाया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मतान्तरे (जाहेति)

१०४४ विमींक् (मी) भये ॥

- १ बे-भयीति, भेति, भितः, भीत, भ्यति, भयीषि, भेषि, भियः, भीथः, भिथ, भीथ, भयीमि, भेमि, भिवः, भीवः, भिमः, भीमः ॥
- २ बेभी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बे-भयीतु, भेतु, भीतात्, भितात्, भीताम्, भिताम्, भ्यतु, भिहि, भीहि, भितात्, भीतात्, भीतम्, भीतम्, भीत, भित, भयानि, भयाव, भयाम ॥
- ४ अबे-भयीत्, भेत्, भिताम्, भीताम्, भ्युः, भयीः, भेः, भितम्, भीतम्, भीत, भित, भयम्, भिव, भीव, भिम, भीम ॥
- ५ अबेभाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बेभया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म ॥
- ७ बेभीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बेभयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बेभयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अबेभयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०४५ ह्रींक् (ह्री) लज्जायाम् ॥

- १ जे-ह्यीति, ह्येति, ह्रीतः, ह्रियति, ह्येषि, ह्ययीषि, ह्रीथः, ह्रीथ, ह्ययीमि, ह्येमि ह्रीवः, ह्रीमः ॥
- २ जेही-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जे-ह्यीतु, ह्येतु, ह्रीतात्, ह्रीताम्, ह्रियतु, ह्रीहि, ह्रीतात्, ह्रीतम्, ह्रीत, ह्र्याणि, ह्र्याव, ह्र्याम ॥
- ४ अजे-ह्यीत्, ह्येत्, ह्रीताम्, ह्र्युः, ह्ययीः, ह्येः, ह्रीतम्, ह्रीत, ह्र्यम्, ह्रीव, ह्रीम ॥
- ५ अजेहाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जेहया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेहीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेहयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेहयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेहयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०४६ षृक् (षृ) पालनपूरणयोः ॥

- १ परी-परीति, पति, पृतः, प्रति, परीषि, पषि, पृथः, पृथ, परीमि, पमि, पृवः, पृमः ॥
- २ परीपृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ परी-परीतु, पृत्, पृतात्, पृताम्, प्रतु, पृहि, पृतात्, पृतम्, पृत, पराणि, पराव, पराम ॥
- ४ अपरी-परीत्, पः, पृताम्, परः, परीः, पः, पृतम्, पृत, परम्, पृव, पृम ॥
- ५ अपरीपार्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ परीपरा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ परीप्रिया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ परीपरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ परीपरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपरीपरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे परी-स्थाने ‘परि’ इति ‘पृ’ इति च ज्ञेयम् ॥

१०४७ ऋक् (ऋ) गतौ ॥ ऋ २५ वद्रूपाणि ॥

१०४८ ओहांङ्क् (हा) गतौ ॥

- १ जा-हेति, हाति, हीतः, हति, हेषि, हासि, हीथः, हीथ, हेमि, हामि, हीवः, हीमः ॥
- २ जाही-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जा-हेतु, हातु, हीतात्, हीताम्, हतु, हीहि, हीतात्, हीतम्, हीत, हानि, हाव, हाम ॥
- ४ अजा-हेत्, हात्, हीताम्, हुं, हेः, हाः, हीतम्, हीत, हाम्, हीव, हीम ॥
- ५ अजाहास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जाहा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाहाया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजाहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१०४९ मांङ्क् (मा) माने । मैङ्क् ५५८ वद्रूपाणि ॥

१०५० डुदाङ्क् (दा) दाने । दांम् ७ वद्रूपाणि ॥

१०५१ डुधाङ्क् (धा) धारणे । द्धे २७ वद्रूपाणि ॥

१०५२ डुडुभृङ्क् (भृ) पोषणे । भ्रेम् ८१९ वद्रूपाणि ॥

१०५३ णिजृंकी (निजृ) शौचे ॥

- १ ने-निजीति, नेक्ति, निक्तः, निजति, निजीषि, नेक्षि, निक्थः, निक्थ, निजीमि, नेज्मि, निज्वः, निज्मः ॥ [याव, याम ॥
- २ नेनिज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नेनेकु, नेनि-जीतु, कु, क्तात्, काम्, जतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥ [निक्त, निजम्, निज्व, निज्म ॥
- ४ अने-निजीत्, नेक्, निक्ताम्, निजुः, निजीः, नेक्, निक्तम्, निक्थ, निज्मि, नेज्मि, निज्वः, निज्मः ॥ [याव, याम ॥
- ५ अनेनेज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नेनेजा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म ॥
- ७ नेनिज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनेजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनेजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अनेनेजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१०५४ विजृंकी (विजृ) पृथग्भावे ॥

- १ वे-विजीति, वेक्ति, विक्तः, विजति, विजीषि, वेक्षि, विक्थः, विक्थ, विजीमि, वेज्मि, विज्वः, विज्मः ॥
- २ वेविज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवेकु, वेवि-जीतु, क्तात्, काम्, जतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अवे-विजीत्, वेक्, विक्ताम्, विजुः, विजीः, वेक्, विक्तम्, विक्त, विजम्, विज्व, विज्म ॥
- ५ अवेवेज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वेवेजा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेविज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवेवेजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१०५५ विप्लंकी (विष्) व्याप्तौ । विष् ४८५ वद्रूपाणि ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशस्त्रीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमद्गुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरिन्दिरायमाणा-
न्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य यङ्लुबन्त-
रूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे पञ्चमे भागेऽदादिगणः सम्पूर्णः ॥

अथ दिवादिगणः ।

१०५६ दिव् (दिव्) क्रीडाजयेच्छापणि-

द्युतिस्तुतिगतिषु ॥

- १ दे-दिवीति, द्योति, द्यूतः, दिवति, दिवीषि, द्योषि, द्यूथः,
द्यूथ, द्योमि, दिवीमि, द्यूवः, दिवः, द्यूमः ॥
- २ देदीव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ दे-दिवीतु, द्योतु, द्यूतात्, द्यूताम्, दिवतु, द्यूहि, द्यूतात्,
द्यूतम्, द्यूत, दिवानि, दिवाव, दिवाम ॥
- ४ अदे-दिवीत्, द्योत्, द्यूताम्, दिवुः, दिवीः, द्योः,
द्यूतम्, द्यूत, दिवम्, द्यूव, दिव, द्यूम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अदेदेव्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म,
६ देदेवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देदीव्या-त्, स्ताम्, दुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देदेविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देदेविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदेदेविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
देदीव्यादित्यादौ ये परे देद्युयादित्याद्यपि भवति ।

१०५७ जृष्व् (जृ) जरसि ॥

- १ जा-जरीति, जर्ति, जीर्तः, जिरति, जरीषि, जर्षि, जीर्थः,
जीर्थ, जरीमि, जर्मि, जीर्वः, जीर्मः ॥ [याव, याम ॥
- २ जाजीर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
३ जा-जरीतु जर्तु, जीर्तात्, जीर्ताम्, जिरतु, जीर्हि,
जीर्तात्, जीर्तम्, जीर्त, जराणि, जराव, जराम ॥
- ४ अजा-जरीत्, जः, जीर्ताम्, जरुः, जरीः, जः, जीर्तम्,
जीर्त, जरम्, जीर्व, जीर्म ॥
- ५ अजाजार-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- अजाज-रत्, रताम्, रन्, रः, रतम्, रत, रम्, राव, राम ॥
- ६ जाजरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजीर्या-त्, स्ताम्, दुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजरिता } -”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
जाजरीता }
- ९ जाजरिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
जाजरीष्य } आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाजरिष्य } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अजाजरीष्य } अत, अम्, आव, आम ॥

१०५८ झृप् (झृ) जरसि ॥

- १ जा-झरीति, झर्त्ति, झीर्तः, झिरति, झरीषि, झर्षि, झीर्थः, झीर्थ, झरीमि, झर्मि, झीर्वः, झीर्मः ॥
- २ जाझीर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जा-झरीतु, झर्तु, झीर्तात्, झीर्ताम्, झिरतु, झीर्हि, झीर्तात्, झीर्तम्, झीर्त, झराणि, झराव, झराम ॥
- ४ अजा-झरीत्, झः, झीर्ताम्, झरुः, झरीः, झः, झीर्तम्, झर्त, झरम्, झीर्व, झीर्म ॥
- ५ अजाझार्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ जाझरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाझीर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाझरिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
जाझरीता }
- ९ जाझरिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
जाझरीष्य } आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाझरिष्य } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्,
अजाझरीष्य } अत, अम्, आव, आम ॥

१०५९ शौच् (शो) तक्षणे ॥

- १ शा-शेति, शाति, शीतः, शति, शेषि, शाषि, शीथः, शीथ, शेमि, शामि, शीवः, शीमः ॥
- २ शाशी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शा-शेतु, शातु, शीतात्, शीताम्, शातु, शीहि, शीतात्, शीतम्, शीत, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अशा-शेत्, शात्, शीताम्, शुः, शेः, शाः, शीतम्, शीत, शाम्, शीव, शीम ॥ [इप्, इप् ॥
- ५ अशाशास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, अशा-शात्, शाताम्, शुः, शाः, शातम्, शात, शाम्, शाव, शाम ॥
- ६ शाशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशाया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाशिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशाशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१०६० दौच् (दो) छेदने ॥ दांम् ७ वद्रूपाणि ॥

१०६१ छौच् (छो) छेदने ॥

- १ चा-च्छेति, च्छाति, च्छीतः, च्छति, च्छेषि, च्छाषि, च्छीथः, च्छीथ, च्छेमि, च्छामि, च्छीवः, च्छीमः ॥ [याव, याम ॥
- २ चाच्छी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याम्, याव, याम ॥
- ३ चा-च्छेतु, च्छातु, च्छीतात्, च्छीताम्, च्छतु, च्छीहि, च्छीतात्, च्छीतम्, च्छीत, च्छानि, च्छाव, च्छाम ॥
- ४ अच्चा-च्छेत्, च्छात्, च्छीताम्, च्छुः, च्छेः, च्छाः, च्छीतम्, च्छीत, च्छाम्, च्छीव, च्छीम ॥ [इव, इवम् ॥
- ५ अच्चाच्छास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, अच्चाच्छा-आत्, आताम्, उः, आः, आतम्, आत, आम्, आव, आम ॥
- ६ चाच्छा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाच्छाया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाच्छिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाच्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अच्चाच्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१०६२ पौच् (सो) अन्तकर्मणि ॥ सैं ४३ वद्रूपाणि ॥

१०६३ व्रीडच् (व्रीड्) लज्जायाम् ॥

- १ वेव्री-वीति, द्वि, द्वः, डति, डीषि, दिष, द्वः, द्व, डीमि, द्विम, द्वः, द्वमः ॥
- २ वेव्रीड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेव्री-वीतु, द्वु, द्वात्, द्वाम्, डतु, द्वि, द्वात्, द्वम्, द्व, डानि, डव, डाम ॥
- ४ अवेव्री-वीत्, द, द्वाम्, डुः, डीः, द, द्वम्, द्व, डम्, द्व, द्वम् ॥
- ५ अवेव्रीड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, अवेव्रीड्-आत्, आताम्, उः, आः, आतम्, आत, आम्, आव, आम ॥
- ६ वेव्रीडा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेव्रीड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेव्रीडिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेव्रीडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवेव्रीडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१०६४ नृत्तैच् (नृत्) नर्तने ॥

- १ नरी-नृतीति, नर्त्ति, नृत्तः, नृत्तति, नृत्तीषि, नर्त्तिस्, नृत्त्यः, नृत्थ, नृत्तीमि, नर्त्तिमि, नृत्त्वः, नृत्तमः ॥ [याव, याम् ॥
 - २ नरीनृत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
 - ३ नरीनर्त्तु, नरीनृ-तीतु, तात्, ताम्, ततु, द्वि, तात्, तम्, त्त, तानि, ताव, ताम् ॥
 - ४ अनरी-नृतीत्, नर्त्त, नृत्ताम्, नृत्तुः, नृत्तीः, नर्त्तम्, नृत्तम्, नृत्त, नृत्तम्, नृत्त्व, नृत्तम् ॥ [इष्, इष्म ॥
 - ५ अनरीनर्त्तु-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्,
 - ६ नरीनर्त्ता-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ नरीनृत्त्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ नरीनर्त्तिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ नरीनर्त्तिष्य् } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः,
नरीनर्त्त्य } अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 - १० अनरीनर्त्तिष्य् } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अनरीनर्त्त्य } अत्, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे नरी-स्थाने ‘नरि’ इति ‘नर्’ इति च ज्ञेयम् ॥
क्रियारत्ने तु शेषं वृत्तवदित्युक्तमिति नरिनर्त्तिष्यतीत्ये-
कमेव तदभिप्रेतम्, परन्तु वैकल्पिकेदं प्राप्तेस्तच्चिन्त्यम् ॥

१०६५ कुथच् (कुथ्) पूतिभावे ॥

- १ चो-कोत्ति, कुथीति, कुत्तः, कुथति, कुथीषि, कोत्तिस्, कुत्थः, कुत्थ, कुथीमि, कोत्थिम्, कुत्थ्वः, कुत्थमः ॥
- २ चोकुथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ चोकोत्तु, चोकु-थीतु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, थानि, थाव, थाम् ॥
- ४ अचो-कोत्, कुथीत्, कुत्ताम्, कुथुः, कुथीः, कोत्, कुत्तम्, कुत्त, कुथम्, कुत्थ्व, कुत्थम् ॥
- ५ अचोकोथ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोकोथा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकोथिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकोथिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०६६ पुथच् (पुथ्) हिंसायाम् ॥

- १ पो-पोत्ति, पुथीति, पुत्तः, पुथति, पुथीषि, पोत्तिस्, पुत्थः, पुत्थ, पुथीमि, पोत्थिम्, पुत्थ्वः, पुत्थमः ॥
- २ पोपुथ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ पोपोत्तु, पोपु-थीतु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त्त, थानि, थाव, थाम् ॥
- ४ अपो-पोत्, पुथीत्, पुत्ताम्, पुथुः, पुथीः, पोत्, पुत्तम्, पुत्त, पुथम्, पुत्थ्व, पुत्थम् ॥
- ५ अपोपोथ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पोपोथा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपुथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपोथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपोथिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोपोथिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०६७ गुधच् (गुध्) परिवेष्टने ॥

- १ जो-गोद्धि, गुधीति, गुद्धः, गुधति, गुधीषि, गोत्तिस्, गुद्धः, गुद्ध, गुधीमि, गोत्थिम्, गुध्वः, गुधमः ॥
- २ जोगुध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जोगोद्धु, जोगु-धीतु, द्धात्, द्धाम्, धतु, द्वि, द्धात्, द्धम्, धानि, धाव, धाम् ॥
- ४ अजो-घोत्, गुधीत्, गुद्धाम्, गुधुः, गुधीः, घोः, घोत्, गुद्धम्, गुद्ध, गुधम्, गुध्व, गुधम् ॥
- ५ अजोगोध्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोगोधा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगुध्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगोधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगोधिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगोधिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०६८ राधंच् (राध्) वृद्धौ ॥

- १ राश-धीति, द्वि, द्वाः, धति, धीषि, त्सि, द्वाः, द्वा, धीमि, ध्मि, ध्वः, ध्मः ॥
- २ राशधू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ राश-धीतु, द्वा, द्वात्, द्वाम्, धतु, द्वि, द्वात्, द्वाम्, द्वा, धानि, धाव, धाम् ॥
- ४ अराश-धीत्, त्, द्वाम्, धुः, धीः, : , त्, द्वाम्, द्वा, धम्, ध्व, ध्म ॥
- ५ अराशधू-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ राशधा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ राशध्या-त्, स्ताम्, छुः, : , स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ राशधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ राशधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अराशधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०६९ व्यधंच् (व्यध्) ताडने ॥

- १ वे-वेद्धि, विधीति, विद्धः, विधति, विधीषि, वेत्ति, विद्धः, विद्ध, विधीमि, वेध्मि, विध्वः, विध्मः ॥
- २ वेविधू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ वेवेद्धु, वेवि-धीतु, द्वात्, द्वाम्, धतु, द्वि, द्वात्, द्वाम्, द्वा, धानि, धाव, धाम् ॥
- ४ अवे-वेत्, विधीत्, विद्धाम्, विधुः, विधीः, वेः, वेत्, विद्धम्, विद्ध, विधम्, विध्व, विध्म ॥
- ५ अवेवेधू-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वेवेध्या-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेविध्या-त्, स्ताम्, छुः, : , स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ वेवेधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०७० क्षिपंच् (क्षिप्) प्रेरणे ॥

- १ क्षे-क्षेति, क्षिपीति, क्षिप्तः, क्षिपति, क्षिपीषि, क्षेप्सि, क्षिप्यः, क्षिप्य, क्षिपीमि, क्षेप्मि, क्षिप्वः, क्षिप्यः ॥
- २ क्षेक्षिप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ क्षेक्षेसु, क्षेक्षि-पीतु, तात्, ताम्, पतु, बिध, सात्, सम्, स, पाणि, पाव, पाम् ॥
- ४ अक्षे-क्षेप्, क्षिपीत्, क्षिप्तम्, क्षिपुः, क्षिपीः, क्षेप्, क्षिप्तम्, क्षिप्त, क्षिप्तम्, क्षिप्व, क्षिप्य ॥
- ५ अक्षेक्षेप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ क्षेक्षेपा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ क्षेक्षिप्या-त्, स्ताम्, छुः, : , स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ क्षेक्षेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ क्षेक्षेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अक्षेक्षेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, : , अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०७१ पुष्पंच् (पुष्प्) विकसने ॥

- १ पोपुष्प-ईति, ति, तः, अति, ईषि, सि, यः, थ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ पोपुष्प-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ पोपुष्प-ईत्, तु, तात्, ताम्, अतु, [पोपुड्विध] तात्, तम्, त, आणि, आव, आम ॥
- ४ अपो-पुष्पीत्, पुद्, पुष्पताम्, पुष्पुः, पुष्पीः, पुद्, पुष्पतम्, पुष्पत, पुष्पम्, पुष्प्व, पुष्प्य ॥
- ५ अपोपुष्प-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोपुष्पा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपुष्प्या-त्, स्ताम्, छुः, : , स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ पोपुष्पिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपुष्पिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोपुष्पिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०७२ तिमच् (तिम्) आर्द्रभावे ॥

- १ ते-तेन्ति, तिमीति, तीन्तः, तिमति, तिमीषि, तैसि, तीन्थः, तीन्थ, तिमीमि, तेन्मि, तिन्वः, तिन्यः ॥
- २ तेतिम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ ते-तेन्तु, तिमीतु, तीन्तात्, तीन्ताम्, तिमतु, तीहि, तीन्तात्, तीन्ताम्, तीन्त, तिमनि, तिमाव, तिमाम् ॥
- ४ अते-तेन्, तिमीत्, तीन्ताम्, तिमुः, तिमीः, तेन्, तीन्तम्, तीन्त, तिमम्, तिन्व, तिन्य ॥
- ५ अतेतेम्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तेतेमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेतिम्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेतेमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेतेमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेतेमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०७३ तीमच् (तीम्) आर्द्रभावे ॥

- १ ते-तीमीति, तीन्ति, तीन्तः, तीमति, तीमीषि, तीसि, तीन्थः, तीन्थ, तीमीमि, तीन्मि, तीन्वः, तीन्मः ॥
- २ तेतीम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ ते-तीमीतु, तीन्तु, तीन्तात्, तीन्ताम्, तीमतु, तीहि, तीन्तात्, तीन्ताम्, तीन्त, तीमानि, तीमाव, तीमाम् ॥
- ४ अतेती-मीत्, न्, न्ताम्, मुः, मीः, न्, न्तम्, न्त, मम्, न्व, न्य ॥
- ५ अतेतीम्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तेतीमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेतीम्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेतीमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेतीमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेतीमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०७४ छिमच् (स्तिम्) आर्द्रभावे ॥

- १ ते-छिमीति, छेन्ति, छीन्तः, छिमति, छिमीषि, छैसि, छीन्थः, छीन्थ, छिमीमि, छेन्मि, छिन्वः, छिन्यः ॥
- २ तेछिम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ ते-छिमीतु, छेन्तु, छीन्तात्, छीन्ताम्, छिमतु, छीहि, छीन्तात्, छीन्ताम्, छीन्त, छिमानि, छिमाव, छिमाम् ॥
- ४ अते-छेन्, छिमीत्, छीन्ताम्, छिमुः, छिमीः, छेन्, छीन्तम्, छीन्त, छिमम्, छिन्व, छिन्य ॥
- ५ अतेछेम्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तेछेमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेछिम्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेछेमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेछेमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेछेमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०७५ छीमच् (स्तीम्) आर्द्रभावे ॥

- १ ते-छीमीति, छीन्ति, छीन्तः, छीमति, छीमीषि, छीसि, छीन्थः, छीन्थ, छीमीमि, छीन्मि, छीन्वः, छीन्मः ॥
- २ तेछीम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ ते-छीमीतु, छीन्तु, छीन्तात्, छीन्ताम्, छीमतु, छीहि, छीन्तात्, छीन्ताम्, छीन्त, छीमानि, छीमाव, छीमाम् ॥
- ४ अतेछी-मीत्, न्, न्ताम्, मुः, मीः, न्, न्तम्, न्त, मम्, न्व, न्य ॥
- ५ अतेछीम्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तेछीमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेछीम्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेछीमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेछीमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेछीमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०७६ षिवृच् (सिव्) उतौ ॥

- १ से-षिवीति, प्योति, प्युतः, षिवति, षिवीषि, प्योषि, प्युथः, प्युथ, षिवीमि, प्योमि, प्युवैः, षिवः, प्यूमः॥
- २ सेषीव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ से-षिवीतु, प्योतु, प्युतात्, प्युताम्, षिवतु, प्युहि, प्युतात्, प्युतम्, प्युत, षिवाणि, षिवाव, षिवाम ॥
- ४ असे-षिवीत्, प्योत्, प्युताम्, षिवुः, षिवीः, प्योः, प्युतम्, प्युत, षिवम्, षिव, प्युवै, प्यूम ॥
- ५ असेषेव्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सेषेवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेषीव्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेषेचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेषेविष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असेषेविष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, सेषीव्यादित्यादौ ये परे सेष्युर्दित्याद्यपि भवति ॥

१०७७ श्रिवृच् (श्रिव्) गतिशेषणयोः ॥

- १ शे-श्रिवीति, श्रोति, श्रूतः, श्रिवति, श्रिवीषि, श्रोषि, श्रूथः, श्रूथ, श्रिवीमि, श्रोमि, श्रिवः, श्रूवैः, श्रूमः ॥
- २ शेश्रीव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शे-श्रिवीतु, श्रोतु, श्रूतात्, श्रूताम्, श्रिवतु, श्रूहि, श्रूतात्, श्रूतम्, श्रूत, श्रिवाणि, श्रिवाव, श्रिवाम ॥
- ४ अशे-श्रिवीत्, श्रोत्, श्रूताम्, श्रिवुः, श्रिवीः, श्रोः, श्रूतम्, श्रूत, श्रिवम्, श्रिव, श्रूवै, श्रूम ॥
- ५ अशेशेव्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शेशेवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेश्रीव्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शेशेचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेशेविष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशेशेविष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, शेश्रीव्यादित्यादौ ये परे शेश्युर्दित्याद्यपि ॥

१०७८ षिवृच् (षिव्) गतिशेषणयोः ॥ षिवृ ४३० वद्रू०

१०७९ क्षिवृच् (क्षिव्) गतिशेषणयोः ॥ क्षिवृ ४३१ ”

१०८० णसृच् (स्रस्) निरसने ॥

- १ सास्र-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्मि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥ [याव, याम ॥
- २ सास्रस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याम्, याव, याम ॥
- ३ सास्र-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ असास्र-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, तः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ असास्रास् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, असास्रास् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सास्रसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सास्रस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सास्रसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सास्रसिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असास्रसिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१०८१ ऋसृच् (ऋस्) हृत्तिदीप्तयोः ॥

- १ चाक्र-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्मि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ चाक्रस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक्र-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अचाक्र-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, तः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अचाक्रास् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाक्रास् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाक्रसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाक्रस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाक्रसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाक्रसिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाक्रसिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०८२ त्रसैच् (त्रस्) भये ॥

- १ तात्र-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्ति, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ तात्रस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात्र-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अतात्र-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ;, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अतात्रास्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अतात्रस्-इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तात्रसा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तात्रस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तात्रसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तात्रसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतात्रसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१०८३ प्युसच् (प्युस्) दाहे ॥

- १ पो-प्युसीति, प्योस्ति, प्युस्तः, प्युसति, प्युसीषि, प्योस्मि, प्युस्थः, प्युस्थ, प्युसीमि, प्योस्मि, प्युस्वः, प्युस्मः ॥
- २ पोप्युस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोप्योस्तु, पोप्यु-सीतु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, धि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अपो-प्युसीत्, प्योत्, प्युस्ताम्, प्युसुः, प्युसीः, प्योः, प्योत्, प्युस्तम्, प्युस्त, प्युसम्, प्युस्व, प्युस्म ॥
- ५ अपोप्योस्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पोप्योसा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोप्युस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोप्योसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोप्योसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोप्योसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१० ४ षहच् (सह्) शक्तौ । षहि ११७ वद्रूपाणि ॥

१०८५ पुहच् (सुह्) शक्तौ ॥

- १ सो-पुहीति, षोडि, षूढः, पुहति, पुहीषि, षोडि, षूढः, षोडि, पुहीमि, पुहः, पुहः ॥
- २ सोपुह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सो-पुहीतु, षोडि, षूढात्, षूढाम्, पुहतु, षूडि, षूढात्, पुढम्, षूढ, पुहाणि, पुहाव, पुहाम ॥
- ४ असो-पुहीत्, षोद, षूढाम्, पुहुः, पुहीः, षोद, षूढम्, षूढ, पुहम्, पुह, पुह ॥
- ५ असोपोह-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सोपोहा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोपुह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोपोहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोपोहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असोपोहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१०८६ पुषच् (पुष्) पुष्टौ । पुष ४२६ वद्रूपाणि ॥

१०८७ लुटच् (लुट्) विलोटने । लुट १७६ वद्रूपाणि ॥

१०८८ त्विदांच् (त्विद्) गात्रप्रक्षरणे । त्विदिदाञ् ८७४ वद्रूपाणि ॥

१०८९ क्तिदौच् (क्तिद्) आर्द्रभावे ॥

- १ चे-क्तेति, क्तिदीति, क्तिः, क्तिदति, क्तिदीषि, क्तेस्, क्तिथः, क्तिथ, क्तिदीमि, क्तेमि, क्तिदः, क्तिथः ॥ [याव, याम ॥
- २ चेक्तिद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याम्, याम्, याम् ॥
- ३ चेक्तेत्, चेक्तिदीतु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥ [क्तिम्, क्ति, क्तिदम्, क्तिद, क्तिथ ॥
- ४ अचे-क्तेत्, क्तिदीत्, क्तिताम्, क्तिदुः, क्तिदीः, क्तेः, क्तेत्, ५ अचेक्तेद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेक्तेदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म ॥
- ७ चेक्तिद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेक्तेदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेक्तेदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचेक्तेदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१०९० जिमिदाच् (मिद्) स्नेहने । मिदृच् ८३९ वट्ट० ॥

१०९१ जिक्विदाच् (क्विद्) मोचने । जिक्विदा
२७५ वट्टपाणि ॥

१०९२ क्षुधंच् (क्षुध्) बुधुक्षायाम् ॥

१ चो-क्षोद्दि, क्षुधीति, क्षुद्ध, क्षुधति, क्षुधीषि, क्षोत्ति, क्षुद्धः,
क्षुद्ध, क्षुधीमि, क्षोध्मि, क्षुध्वः, क्षुध्मः ॥ [याव, याम् ॥

२ चोक्षुध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,

३ चोक्षोद्ध, चोक्षु-धीतु, द्धात्, द्धाम्, धतु, द्धि, द्धात्,
द्धम्, द्ध, धानि, धाव, धाम ॥

४ अचो-क्षोत्, क्षुधीत्, क्षुद्धाम्, क्षुधुः, क्षुधीः, क्षोः, क्षोत्,
क्षुद्धम्, क्षुद्ध, क्षुधम्, क्षुध्वः, क्षुध्मः ॥ [इष्व, इष्म ॥

५ अचोक्षोध्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ चोक्षोधा-वकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ चोक्षुध्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ चोक्षोधिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ चोक्षोधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अचोक्षोधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१०९३ शुधंच् (शुध्) शौचे ॥

१ शो-शोद्दि, शुधीति, शुद्धः, शुधति, शुधीषि, शोत्ति,
शुद्धः, शुद्ध, शुधीमि, शोध्मि, शुध्वः, शुध्मः ॥

२ शोशुध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥

३ शोशोद्ध, शोशु-धीतु, द्धात्, द्धाम्, धतु, द्धि, द्धात्,
द्धम्, द्ध, धानि, धाव, धाम ॥

४ अशो-शोत्, शुधीत्, शुद्धाम्, शुधुः, शुधीः, शोः,
शोत्, शुद्धम्, शुद्ध, शुधम्, शुध्वः, शुध्मः ॥

५ अशोशोध्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ शोशोधा-वकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ शोशुध्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ शोशोधिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ शोशोधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥

१० अशोशोधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१०९४ कुधंच् (कुध्) कोपे ॥

१ चो-क्रोद्दि, कुधीति, कुद्धः, कुधति, कुधीषि, क्रोत्ति, कुद्धः,
कुद्ध, कुधीमि, क्रोध्मि, कुध्वः, कुध्मः ॥

२ चोक्रुध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम ॥

३ चोक्रोद्ध, चोक्रु-धीतु, द्धात्, द्धाम्, धतु, द्धि, द्धात्,
द्धम्, द्ध, धानि, धाव, धाम ॥

४ अचो-क्रोत्, कुधीत्, कुद्धाम्, कुधुः, कुधीः, क्रोः,
क्रोत्, कुद्धम्, कुद्ध, कुधम्, कुध्वः, कुध्मः ॥

५ अचोक्रोध्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ चोक्रोधा-वकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ चोक्रुध्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ चोक्रोधिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ चोक्रोधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥

१० अचोक्रोधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१०९५ पिधंच् (सिध्) संराद्धौ । पिधू २९३ वट्टपाणि ॥

१०९६ गृधंच् (गृध्) अभिकाङ्क्षायाम् ॥

१ जरी-गर्दि, गृधीति, गृद्धः, गृधति, गृधीषि, गर्त्ति,
गृद्धः, गृद्ध, गृधीमि, गर्ध्मि, गृध्वः, गृध्मः ॥

२ जरीगृध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥

३ जरीगृद्ध, जरीगृ-धीतु, द्धात्, द्धाम्, धतु, द्धि, द्धात्,
द्धम्, द्ध, धानि, धाव, धाम ॥

४ अजरी-घर्त्, गृधीत्, गृद्धाम्, गृधुः, गृधीः, घाः, घर्त्,
गृद्धम्, गृद्ध, गृधम्, गृध्वः, गृध्मः ॥ [इष्व, इष्म ॥

५ अजरीगर्ध-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ जरीगर्धा-वकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ जरीगृध्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ जरीगर्धिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ जरीगर्धिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अजरीगर्धिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
पक्षे जरी-स्थाने 'जरि' इति 'जर्' इति च हेयम् ॥

११०१ गुपच् (गुप्) व्याकुलत्वे ॥ गुपौ ३०५ इत्यत्र
क्रियारत्नसमुच्चयकृन्मतानुसारेण निर्दिष्टवद्रूपाणि ॥

११०२ गुपच् (गुप्) विमोहने ॥

- १ यो-योप्ति, युपीति, युप्तः, युपति, युपीषि, योप्ति, युप्थः,
युप्थ, युपीमि, योप्मि, युप्वः, युप्मः ॥
- २ योयुप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ योयोप्नु, योयु-पीतु, सात्, साम्, पतु, बिध, सात्,
सम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अयो-योप्, युपीत्, युताम्, युपुः, युपीः, योप्, युप्तम्,
युप्त, युपम्, युप्व, युप्म ॥ [इप्व, इप्म ॥
- ५ अयोयोप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्व, इष्म ॥
- ६ योयोपा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ योयुष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ योयोपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ योयोपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्. आव, आम ॥
- १० अयोयोपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

११०३ रुपच् (रुप्) विमोहने ॥

- १ रो-रोप्ति, रुपीति, रुप्तः, रुपति, रुपीषि, रोप्ति, रुपथः,
रुपथ, रुपमि, रोप्मि, रुप्वः, रुपमः ॥
- २ रोरुप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ रोरुप्नु, रोरु-पीतु, सात्, साम्, पतु, बिध, सात्,
सम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अरो-रोप्, रुपीत्, रुताम्, रुपुः, रुपीः, रोप्, रुप्तम्,
रुप्त, रुपम्, रुप्व, रुपम ॥
- ५ अरोरोप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्व, इष्म ॥
- ६ रोरुपा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोरुष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ रोरुपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोरुपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरोरोपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

११०४ लुपच् (लुप्) विमोहने ॥

- १ लो-लोप्ति, लुपीति, लुप्तः, लुपति, लुपीषि, लोप्ति,
लुप्थः, लुप्थ, लुपीमि, लोप्मि, लुप्वः, लुप्मः ॥
- २ लोलुप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलोप्नु, लोलु-पीतु, सात्, साम्, पतु, बिध, सात्,
सम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अलो-लोप्, लुपीत्, लुताम्, लुपुः, लुपीः, लोप्, लुप्तम्,
लुप्त, लुपम्, लुप्व, लुप्म ॥
- ५ अलोलोप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लोलोपा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलुष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलोपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलोपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलोलोपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

११०५ डिपच् (डिप्) क्षेपे ॥

- १ डे-डेप्ति, डिपीति, डिप्तः, डिपति, डिपीषि, डेप्ति,
डिप्थः, डिप्थ, डिपीमि, डेप्मि, डिप्वः, डिप्मः ॥
- २ डेडिप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ डेडेप्नु, डेडि-पीतु, सात्, साम्, पतु, बिध, सात्,
सम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अडे-डेप्, डिपीत्, डिताम्, डिपुः, डिपीः, डेप्, डिप्तम्,
डिप्त, डिपम्, डिप्व, डिप्म ॥
- ५ अडेडेप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ डेडेपा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ डेडिष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सप्, स्व, स्म ॥
- ८ डेडेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ डेडेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अडेडेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

११०६ षूपच् (स्तूप) समुच्छाये ॥

- १ तोष्टू-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, मि, प्वः, प्वः ॥
- २ तोष्टूप-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोष्टू-पीतु, सु, सात्, साम्, पतु, प्वि, सात्, सम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अतोष्टू-पीत्, प, साम्, पुः, पीः, प, सम्, स, पम्, प्व, प्व ॥
- ५ अतोष्टूप-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ तोष्टूपा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोष्टूप्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोष्टूपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोष्टूपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोष्टूपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११०७ लुभच् (लुभ्) गाङ्घ्र्ये ॥

- १ लो-लोब्धि, लुभीति, लुब्धः, लुभति, लुभीषि, लोप्ति, लुब्धः, लुब्ध, लुभीमि, लोप्मि, लुन्तः, लुन्तः ॥
- २ लोलुभ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलोब्धु, लोलु-भीतु, व्धात्, व्धाम्, भतु, व्वि, व्धात्, व्वम्, व्व, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अलो-लोप्, लुभीत्, लुब्धाम्, लुभुः, लुभीः, लोप्, लुब्धम्, लुब्ध, लुभम्, लुन्व, लुन्म ॥
- ५ अलोलोभ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ लोलोभा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलुभ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलोभिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलोभिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलोलोभिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११०८ क्षुभच् (क्षुभ्) संचलने । क्षुभि ८७५ वदू० ॥

११०९ णभच् (नम्) हिंसायाम् । णभि ८७६ वदू० ॥

१११० तुभच् (तुम्) हिंसायाम् । तुभि ८७७ वदू० ॥

११११ नशौच् (नश्) अदर्शने ॥

- १ ना-नशीति, नंष्टि, नंष्टः, नशति, नशीषि, क्षि, नंष्टः, नंष्ट, नशीमि, नश्मि, नश्वः, नश्मः ॥ [याव, याम ॥
- २ नानश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ना-नशीतु, नंष्टु, नंष्टात्, नंष्टाम्, नशतु, णि, णि, नंष्टात्, नंष्टम्, नंष्ट, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अना-नशीत्, नन्, नंष्टाम्, नशुः, नशीः, नन्, नंष्टम्, नंष्ट, नशम्, नश्व, नश्म ॥
- ५ अनानाश् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अनानाश् } इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ नानशा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नानश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नानशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नानशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अनानशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१११२ कुशच् (कुश्) श्लेषणे ॥

- १ चो-कुशीति, कोष्टि, कुष्टः, कुशति, कुशीषि, कोक्षि, कुष्टः, कुष्ट, कुशीमि, कोक्षि, कुश्वः, कुक्षमः ॥
- २ चोकुश-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोकोष्टु, चोकु-शीतु, घात्, घाम्, शतु, ङ्घि, घात्, घम्, घ, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अचो-कोइ, कुशीत्, कुष्टाम्, कुशुः, कोद, कुशीत्, कुष्टम्, कुष्ट, कुशम्, कुश्व, कुक्षम ॥
- ५ अचोकोश-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ चोकोशा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकोशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकोशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१११३ भृशृच् (भृश्) अधःपतने ॥

- १ बरी-भर्षि, भृशीति, भृष्टः, भृशति, भृशीषि, भर्क्षि, भृष्टः, भृष्ट, भृशीमि, भर्क्षिम्, भृश्वः, भृश्मः ॥
- २ बरीभृश-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ बरीभर्षु, बरीभृ-शीतु, घात्, घाम्, शतु, ङि, घात्, घम्, घ, शानि, शाव, शाम् ॥
- ४ अवरी-भर्द, भृशीत्, भृष्टाम्, भृशुः, भृशीः, भर्द, भृष्टम्, भृष्ट, भृशम्, भृश्व, भृश्म ॥
- ५ अवरीभर्श-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बरीभर्शा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बरीभृश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बरीभर्शिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बरीभर्शिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवरीभर्शिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे बरी-स्थाने ‘वरि’ इति ‘वर्’ इति च ज्ञेयम् ।

१११४ भ्रंशृच् (भ्रंश्) अधःपतने ॥

ध्वंसिसहचरितस्य भ्वादेरेव भ्रंशे-
ग्रहणान्यागमाभावः ॥

- १ बा-भ्रंशीति, भ्रंष्टि, भ्रष्टः, भ्रशति, भ्रंशीषि, भ्रक्षि, भ्रष्टः, भ्रष्ट, भ्रंशीमि, भ्रक्षिम्, भ्रश्वः, भ्रश्मः ॥
- २ बाभ्रश-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ बा-भ्रंशीतु, भ्रंष्टु, भ्रष्टात्, भ्रष्टाम्, भ्रशतु, भ्रक्षि, भ्रष्टात्, भ्रष्टम्, भ्रष्ट, भ्रंशानि, भ्रंशाव, भ्रंशाम् ॥
- ४ अबा-भ्रंशीत्, भ्रन्, भ्रष्टाम्, भ्रशुः, भ्रंशीः, भ्रन्, भ्रष्टम्, भ्रष्ट, भ्रंशम्, भ्रश्व, भ्रश्म ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अबाभ्रंश-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाभ्रंशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभ्रश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभ्रंशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाभ्रंशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अबाभ्रंशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे बरी-स्थाने ‘वरि’ इति ‘वर्’ इति च ज्ञेयम् ।

१११५ वृशृच् (वृश्) वरणे ॥

- १ वरी-वर्षि, वृशीति, वृष्टः, वृशति, वृशीषि, वर्क्षि, वृष्टः, वृष्ट, वृशीमि, वर्क्षिम्, वृश्वः, वृश्मः ॥
- २ वरीवृश-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ वरीवर्षु, वरीवृ-शीतु, घात्, घाम्, शतु, ङि, घात्, घम्, घ, शानि, शाव, शाम् ॥
- ४ अवरी-वर्द, वृशीत्, वृष्टाम्, वृशुः, वृशीः, वर्द, वृष्टम्, वृष्ट, वृशम्, वृश्व, वृश्म ॥
- ५ अवरीवर्श-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वरीवर्शा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरीवृश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरीवर्शिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरीवर्शिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवरीवर्शिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वरी-स्थाने ‘वरि’ इति ‘वर्’ इति च ज्ञेयम् ।

१११६ कृशृच् (कृश्) तनुत्वे ॥

- १ वरी-वर्षि, कृशीति, कृष्टः, कृशति, कृशीषि, कर्क्षि, कृष्टः, कृष्ट, कृशीमि, कर्क्षिम्, कृश्वः, कृश्मः ॥
- २ चरीकृश-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ चरीकर्षु, चरीकृ-शीतु, घात्, घाम्, शतु, ङि, घात्, घम्, घ, शानि, शाव, शाम् ॥
- ४ अचरी-कर्द, कृशीत्, कृष्टाम्, कृशुः, कृशीः, कर्द, कृष्टम्, कृष्ट, कृशम्, कृश्व, कृश्म ॥
- ५ अचरीकर्श-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चरीकर्शा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चरीकृश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चरीकर्शिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चरीकर्शिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचरीकर्शिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चरी-स्थाने ‘वरि’ इति ‘वर्’ इति च ज्ञेयम् ।

१०१७ शुषंच् (शुष्) शोषणे ॥

- १ शो-शोष्टि, शुषीति, शुष्टः, शुषति, शुषीषि, शोक्षि, शुष्टः, शुष्ट, शुशीमि, शोष्मि, शुष्चः, शुष्मः ॥
- २ शोशुष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शोशोष्टु, शोशु-षीतु, घात्, घाम्, षतु, द्वि, घात्, छम्, छ, घाणि, घाव, घाम ॥
- ४ अशो-शोद, शुषीत्, शुष्टाम्, शुषुः, शुषीः, शोद, शुष्टम्, शुष्ट, शुषम्, शुष्च, शुष्म ॥
- ५ अशोशोष्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्च, इष्म ॥
- ६ शोशोषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशुष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशोषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशोषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोशोषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१११८ दुषंच् (दुष्) वैकृत्ये ॥

- १ दो-दोष्टि, दुषीति, दुष्टः, दुषति, दुषीषि, दोक्षि, दुष्टः, दुष्ट, दुषीमि, दोष्मि, दुष्चः, दुष्मः ॥
- २ दोदुष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दोदोष्टु, दोदु-षीतु, घात्, घाम्, षतु, द्वि, घात्, छम्, छ, घाणि, घाव, घाम ॥
- ४ अदो-दोद, दुषीत्, दुष्टाम्, दुषुः, दुषीः, दोद, दुष्टम्, दुष्ट, दुषम्, दुष्च, दुष्म ॥
- ५ अदोदोष्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्च, इष्म ॥
- ६ दोदोषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोदुष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दोदोषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोदोषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदोदोषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१११९ ऋषंच् (ऋष्) आलिङ्गने ॥ ऋषू ४९१ चद्र० ॥

११२० लुषंच् (लुष्) दाहे ॥ लुषू ४९३ चद्रूपाणि ॥

११२१ जितृषंच् (तृष्) पिपासायाम् ॥

- १ तरी-तर्षि, तृषीति, तृष्टः, तृषति, तृषीषि, तर्क्षि, तृष्टः, तृष्ट, तृषीमि, तर्षि, तृष्चः, तृष्मः ॥ [याव, याम ॥
- २ तरीतृष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तरीतृष्टु, तरीतृ-षीतु, घात्, घाम्, षतु, द्वि, घात्, छम्, छ, घाणि, घाव, घाम ॥
- ४ अतरी-तर्द, तृषीत्, तृष्टाम्, तृषुः, तृषीः, तर्द, तृष्टम्, तृष्ट, तृषम्, तृष्च, तृष्म ॥ [इष्च, इष्म ॥
- ५ अतरीतर्ष-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्च, इष्म ॥
- ६ तरीतर्षा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तरीतृष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तरीतर्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तरीतर्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतरीतर्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे तरी-स्थाने ‘तरी’ इति ‘तर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

११२२ तुषंच् (तुष्) तुष्टौ ॥

- १ तो-तोष्टि, तुषीति, तुष्टः, तुषति, तुषीषि, तोक्षि, तुष्टः, तुष्ट, तुषीमि, तोष्मि, तुष्चः, तुष्मः ॥
- २ तोतुष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतोष्टु, तोतु-षीतु, घात्, घाम्, षतु, द्वि, घात्, छम्, छ, घाणि, घाव, घाम ॥
- ४ अतो-तोद, तुषीत्, तुष्टाम्, तुषुः, तुषीः, तोद, तुष्टम्, तुष्ट, तुषम्, तुष्च, तुष्म ॥
- ५ अतोतोष्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्च, इष्म ॥
- ६ तोतोषा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतोषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतोषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतोषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११२३ हृषच् (हृष्) तुष्टौ । हृषू ४२५ वद्रूपाणि ॥
११२४ रुषच् (रुष्) रोषे । रुष ४७५ वद्रूपाणि ॥

११२५ प्युपच् (प्युप्) विभागे ॥

- १ पो-प्योष्टि, प्युपीति, प्युष्टः, प्युपति, प्युपीपि, प्योक्षि, प्युष्टः, प्युष्ट, प्युपीमि, प्योष्मि, प्युष्वः, प्युमः ॥
- २ पोप्युप-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोप्योष्टु, पोप्यु-पीतु, शात्, शम्, पतु, द्वि, शात्, शम्, पृ, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अपो-प्योष्ट, प्युपीत्, प्युष्टाम्, प्युपुः, प्युपीः, प्योष्ट, प्युष्टम्, प्युष्ट, प्युपम्, प्युष्व, प्युष्म ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अपोप्योप्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोप्योपा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोप्युष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोप्योपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोप्योपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपोप्योपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

११२६ प्युसच् (प्युस्) विभागे ॥ प्युसच् १०८३ वद्रूपाणि ॥

११२७ पुसच् (पुस्) विभागे ॥

- १ पो-पोस्ति, पुपीति, पुस्तः, पुसति, पुपीषि, पोस्ति, पुस्थः, पुस्थ, पुपीमि, पोस्मि, पुस्वः, पुस्मः ॥
- २ पोपुस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोपोस्तु, पोपु-सीतु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, धि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अपो-पोत्, पुसीत्, पुस्ताम्, पुसुः, पुसीः, पोः, पोत्, पुस्तम्, पुस्त, पुसम्, पुस्व, पुस्म ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अपोपोस्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोपोसा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपुस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपोसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपोसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपोपोसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

११२८ विसच् (विस्) प्रेरणे ॥

- १ वे-वेस्ति, विसीति, विस्तः, विसति, विसीपि, वेस्ति, विस्थः, विस्थ, विसीमि, वेस्मि, विस्वः, विस्मः ॥
- २ वेविस-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवेस्तु, वेवि-सीतु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, धि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अवे-वेत्, विसीत्, विस्ताम्, विषुः, विसीः, वेः, वेत्, विस्तम्, विस्त, विसम्, विस्व, विस्म ॥
- ५ अवेवेस्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वेवेसा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेविस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेविसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेविसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेविसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११२९ कुसच् (कुम्) श्लेषे ॥

- १ चो-कोस्ति, कुसीति, कुस्तः, कुसति, कुसीषि, कोस्ति, कुस्थः, कुस्थ, कुसीमि, कोस्मि, कुस्वः, कुस्मः ॥
- २ चोकुस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोकोस्तु, चोकु-सीतु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, धि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अचो-कोत्, कुसीत्, कुस्ताम्, कुसुः, कुसीः, कोः, कोत्, कुस्तम्, कुस्त, कुसम्, कुस्व, कुस्म ॥
- ५ अचोकोस्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकोसा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकोसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकोसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११३० यस्वच् (यस्) प्रयत्ने ॥

- १ याय-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ यायस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ याय-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अयाय-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, : , त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अयायास् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अयायास् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ यायसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ यायस्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ यायसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ यायसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयायसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११३१ जस्वच् (जस्) मोक्षणे ॥

- १ जाज-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ जाजस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाज-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अजाज-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, : , त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अजाजास् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजाजास् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाजसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजस्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाजसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाजसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११३२ तस्वच् (तस्) उपक्षये ॥

- १ तात-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ तातस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अतात-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, : , त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अतातास् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अतातास् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तातसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातस्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतातसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११३३ दस्वच् (दस्) उपक्षये ॥

- १ दाद-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्सि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ दादस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाद-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अदाद-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, : , त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अदादास् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदादास् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दादसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादस्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दादसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदादसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११३४ वस्च् (वस्) स्ताम्भे ॥ वसं १२६ वद्रूपाणि ॥

११३५ वुस्च् (वुस्) उत्सर्गे ॥

- १ वो-वोस्ति, वुसीति, वुस्तः, वुसति, वुसीषि, वोस्मि,
वुस्थः, वुस्थ, वुसीमि, वोस्मि, वुस्वः, वुस्मः ॥
- २ वोवुस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ वोवोस्तु, वोवु-सीतु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, वि,
स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अवो-वोत्, वुसीत्, वुस्ताम्, वुसुः, वुसीः, वोः, वोत्,
वुस्तम्, वुस्त, वुसम्, वुस्व, वुस्म ॥
- ५ अवोवोस्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वोवोसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वोवुस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वोवोसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वोवोसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवोवोसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

११३७ मसैच् (मस्) परिणामे ॥

- १ माम-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्मि, स्थः, स्थ,
सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ मामस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ माम-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, वि, स्तात्,
स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अमाम-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, त्, स्तम्,
स्त, स्ताम्, स्व, स्म ॥
- ५ अमामास् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट
अमामस् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मामसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

११३६ मुसच् (मुस्) खण्डने ॥

- १ मो-मोस्ति, मुसीति, मुस्तः, मुसति, मुसीषि, मोस्मि,
मुस्थः, मुस्थ, मुसीमि, मोस्मि, मुस्वः, मुस्मः ॥
- २ मोमुस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम ॥
- ३ मोमोस्तु, मोमु-सीतु, स्तात्, स्ताम्, सतु, द्वि, वि,
स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अमो-मोत्, मुसीत्, मुस्ताम्, मुसुः, मुसीः, मोः,
मोत्, मुस्तम्, मुस्त, मुसम्, मुस्व, मुस्म ॥
- ५ अमोमोस्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमोसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमोसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमोसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमोसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

११३८ शमूच् (शम्) उपशमे ॥

- १ शं-शमीति, शन्ति, शान्तः, शमति, शमीषि, शंसि,
शान्थः, शान्थ, शमीमि, शन्मि, शन्वः, शन्मः ॥
- २ शंशम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ शं-शमीतु, शन्तु, शान्तात्, शान्ताम्, शमतु, शांदि,
शान्तात्, शान्तम्, शान्त, शमानि, शमाव, शमाम ॥
- ४ अशं-शमीत्, शन्, शान्ताम्, शामुः, शमीः, शन्,
शान्तम्, शान्त, शमम्, शन्व, शन्म ॥
- ५ अशंशम-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शंशमा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शंशम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शंशमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शंशमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशंशमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

११३९ दम् (दम्) उपशमे ॥

- १ दं-दमीति, दन्ति, दान्तः, दमति, दमीषि, दंसि, दान्यः, दान्य, दमीमि, दन्मि, दन्वः, दन्मः ॥
- २ दंदम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दं-दमीतु, दन्तु, दान्तात्, दान्ताम्, दमतु, दांहि, दान्तात्, दान्तम्, दान्त, दमानि, दमाव, दमाम ॥
- ४ अदं-दमीत्, दन्, दान्ताम्, दमुः, दमीः, दन्, दान्तम्, दान्त, दमम्, दन्व, दन्म ॥
- ५ अदंदम्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दंदमा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दंदम्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दंदमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दंदमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदंदमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दं-स्थाने ‘ दन् ’ इति ज्ञेयम् ॥

११४० तम् (तम्) काह्वायाम् ॥

- १ तं-तमीति, तन्ति, तान्तः, तमति, तमीषि, तंसि, तान्यः, तान्य, तमीमि, तन्मि, तन्वः, तन्मः ॥
- २ तंतम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तं-तमीतु, तन्तु, तान्तात्, तान्ताम्, तमतु, तांहि, तान्तात्, तान्तम्, तान्त, तमानि, तमाव, तमाम ॥
- ४ अतं-तमीत्, तन्, तान्ताम्, तमुः, तमीः, तन्, तान्तम्, तान्त, तमम्, तन्व, तन्म ॥
- ५ अतंतम्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तन्तमा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तंतम्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तंतमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तंतमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतंतमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे तं-स्थाने ‘ तन् ’ इति ज्ञेयम् ॥

११४१ श्रम् (श्रम्) खेदतपसोः ॥

- १ शं-श्रमीति, श्रन्ति, श्रान्तः, श्रमति, श्रमीषि, शंसि, श्रान्यः, श्रान्य, श्रमीमि, श्रन्मि, श्रन्वः, श्रन्मः ॥
- २ शंश्रम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शं-श्रमीतु, श्रन्तु, श्रान्तात्, श्रान्ताम्, श्रमतु, शांहि, श्रान्तात्, श्रान्तम्, श्रान्त, श्रमाणि, श्रमाव, श्रमाम ॥
- ४ अशं-श्रमीत्, श्रन्, श्रान्ताम्, श्रमुः, श्रमीः, श्रन्, श्रान्तम्, श्रान्त, श्रमम्, श्रन्व, श्रन्म ॥
- ५ अशंश्रम्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शंश्रमा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शंश्रम्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शंश्रमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शंश्रमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशंश्रमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, याम ॥

११४२ अम् (अम्) अनवस्थाने । अम् ८९६ चट् ॥

११४३ क्षमीच् (क्षम्) सहने । क्षमीषि ७२८ चट् ॥

११४४ मदैच् (मद्) हर्षे । मदै ९७२ वट्पाणि ॥

११४५ क्कम् (क्कम्) ग्लानौ ॥

- १ चं-क्कमीति, क्कन्ति, क्कान्तः, क्कमति, क्कमीषि, क्कंसि, क्कान्यः, क्कान्य, क्कमीमि, क्कन्मि, क्कन्वः, क्कन्मः ॥ [याव, याम ॥
- २ चंक्कम्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चं-क्कमीतु, क्कन्तु, क्कान्तात्, क्कान्ताम्, क्कमतु, क्कांहि, क्कान्तात्, क्कान्तम्, क्कान्त, क्कमानि, क्कमाव, क्कमाम ॥
- ४ अचं-क्कमीत्, क्कन्, क्कान्ताम्, क्कमुः, क्कमीः, क्कन्, क्कान्तम्, क्कान्त, क्कमम्, क्कन्व, क्कन्म ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अचंक्कम्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चंक्कमा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चंक्कम्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चंक्कमिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चंक्कमिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचंक्कमिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चं-स्थाने ‘ चव् ’ इति ज्ञेयम् ॥

११४६ मुहौच् (मुह्) वैचित्ये ॥

- १ मो-मुहीति, मोडि, मोभिध, मूढः, मुग्धः, मुहति, मुहीषि, मोक्षि, मूढः, मूढ, मुग्धः, मुग्ध, मुहीमि, मोक्षि, मुहः, मुहः ॥
 २ मोमुह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥ [मूढ, मुग्ध, मुहानि, मुहाव, मुहाम ॥
 ३ मो-मुहीतु, मोडु, मोग्धु, मूढात्, मूढाम्, मुग्धात्, मुग्धाम्, मुहतु, मुडि, मुग्धि, मुग्धात्, मूढात्, मूढम्, मुग्धम्, ४ अमो-मुहीत्, मोक्, मोद, मूढाम्, मुग्धाम्, मुहुः, मुहीः, मोद, मोक्, मूढम्, मुग्धम्, मूढ, मुग्ध, मुहम्, मुह, मुह ॥ [इषम्, इष्व, इष्म ॥
 ५ अमोमोह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, ६ मोमोहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 ७ मोमुह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 ८ मोमोहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 ९ मोमोहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 १० अमोमोहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११४७ दुहौच् (दुह्) जिघांसायाम् ॥

- १ दो-दुहीति, द्रोडि, द्रोभिध, दूढः, दुग्धः, दुहति, दुहीषि, द्रोक्षि, दूढः, दुग्धः, दूढ, दुग्ध, दुहीमि, द्रोक्षि, दुहः, दुहः ॥
 २ द्रोदुह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥ [दुग्ध, दुहाणि, दुहाव, दुहाम ॥
 ३ दो-दुहीतु, द्रोडु, द्रोग्धु, दूढात्, दुग्धात्, दूढाम्, दुग्धाम्, दुहतु, दुग्धि, द्रुडि, दूढात्, दुग्धात्, दूढम्, दुग्धम्, दूढ, ४ अदो-द्रोक्, द्रोद, दुहीत्, दूढाम्, दुग्धाम्, दुहुः, दुहीः, द्रोक्, द्रोद, दूढम्, दुग्धम्, दुग्ध, दूढ, दुहम्, दुह, दुह ॥
 ५ अदोद्रोह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्व, इष्म ॥
 ६ दोद्रोहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 ७ दोदुह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 ८ दोद्रोहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 ९ दोद्रोहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
 १० अदोद्रोहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११४८ णुहौच् (स्नुह्) उद्दिरणे ॥

- १ सो-णुहीति, णोडि, णोभिध, णूढः, णुग्धः, णुहति, णुहीषि, णोक्षि, णूढः, णुग्धः, णुग्ध, णूढ, णुहीमि, णोक्षि, णूढः, णूढः ॥ [याम्, याव, याम ॥
 २ सोणुह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, ३ सो-णोडु, णोग्धु, णुहीतु, णुग्धात्, णूढात्, णुग्धाम्, णूढाम्, णुहतु, णुग्धि, णूडि, णूढात्, णुग्धात्, णुग्धम्, णूढम्, णूढ, णुग्ध, णुहानि, णुहाव, णुहाम ॥
 ४ असो-णोद, णोक्, णुहीत्, णूढाम्, णुग्धाम्, णुहुः, णुहीः, णोक्, णोद, णूढम्, णुग्धम्, णूढ, णुग्ध, णुहम्, णूढ, णूढ ॥ [इषम्, इष्व, इष्म ॥
 ५ असोणोह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, ६ सोणोहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 ७ सोणुह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 ८ सोणोहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 ९ सोणोहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
 १० असोणोहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११४९ णिहौच् (स्निह्) प्रीतौ ॥

- १ से-णोडि, णोभिध, णिहीति, णीढः, णिग्धः, णिहति, णिहीषि, णोक्, णोद, णीढः, णिग्धः, णिग्ध, णीढ, णिहीमि, णोक्षि, णिहः, णिहः ॥ [याव, याम ॥
 २ सेणिह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, ३ से-णोडु, णोग्धु, णिहीतु, णीढात्, णिग्धात्, णिग्धाम्, णीढाम्, णिहतु, णिग्धि, णीडि, णीढात्, णिग्धात्, णीढम्, णिग्धम्, णिग्ध, णीड, णिहानि, णिहाव, णिहाम ॥
 ४ असे-णोक्, णोद, णिहीत्, णीढाम्, णिग्धाम्, णिहुः, णिहीः, णोक्, णोद, णीढम्, णिग्धम्, णिग्ध, णीड, णिहम्, णिह, णिह ॥ [इषम्, इष्व, इष्म ॥
 ५ असेणोह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, ६ सेणोहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 ७ सेणिह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 ८ सेणोहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 ९ सेणोहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
 १० असेणोहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११५० वृजौच् (स्) प्राणिप्रसवे ॥ वृजौक्

१०२३ वद्रूपाणि ॥

११५१ दृक् (द्) परितापे ॥

- १ द्रो-दवीति, दोति, दूतः, दुवति, दवीषि, दोषि, दूथः, दुथ, दवीमि, दोमि, दूवः, दूमः ॥
- २ द्रोद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ द्रो-दवीतु, दोतु, दूतात्, दूताम्, दुवतु, दूहि, दूतात्, दूतम्, दूत, दवानि, दवाव, दवाम ॥
- ४ अद्रो-दवीत्, द्रोव, दूताम्, दूतुः, दवीः, दौः, दूतम्, दूत, दवम्, दूव, दूम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अद्रोदात्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ द्रोदवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ द्रोदया-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ द्रोदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ द्रोदयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अद्रोदयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११५२ दीङ्क् (दी) क्षये ॥

- १ दे-दयीति, देति, दीतः, द्यति, दयीषि, देषि, दीथः, दीथ, दयीमि, देमि, दीवः, दीमः ॥
- २ देदी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दे-दयीतु, देतु, दीतात्, दीताम्, द्यतु, दीहि, दीतात्, दीतम्, दीत, दयानि, दयाव, दयाम ॥
- ४ अदे-दयीत्, देत्, दीताम्, द्युः, दयीः, देः, दीतम्, दीत, दयम्, दीव, दीम ॥
- ५ अदेदाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ देदया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देदीया-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देदयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदेदयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११५३ धीङ्क् (धी) अनादरे ॥

- १ दे-धयीति, धेति, धीतः, ध्यति, धयीषि, धेषि, धीथः, धीथ, धयीमि, धेमि, धीवः, धीमः ॥
- २ देधी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दे-धयीतु, धेतु, धीतात्, धीताम्, धीयतु, धीहि, धीतात्, धीतम्, धीत, धयानि, धयाव, धयाम ॥
- ४ अदे-धयीत्, धेत्, धीताम्, ध्युः, धयीः, धेः, धीतम्, धीत, धयम्, धीव, धीम ॥
- ५ अदेधाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ देधया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देधीया-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देधयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देधयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदेधयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११५४ मीङ्क् (मी) हिंसायाम् ॥

- १ मे-मयीति, मेति, मीतः, म्यति, मयीषि, मेषि, मीथः, मीथ, मयीमि, मेमि, मीवः, मीमः ॥
- २ मेमी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मे-मयीतु, मेतु, मीतात्, मीताम्, म्यतु, मीहि, मीतात्, मीतम्, मीत, मयानि, मयाव, मयाम ॥
- ४ अमे-मयीत्, मेत्, मीताम्, मयुः, मयीः, मेः, मीतम्, मीत, मयम्, मीव, मीम ॥
- ५ अमेमाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ मेमया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमीया-त्, स्ताम्, छुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११५५ रीङ्च् (री) स्रवणे ॥

- १ रे-रयीति, रेति, रीतः, र्येति, रयीषि, रेषि, रीथः, रीथ, रयीमि, रेमि, रीवः, रीमः ॥
- २ रेरी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रे-रयीतु, रेतु, रीतात्, रीताम्, र्येतु, रीहि, रीतात्, रीतम्, रीत, रयाणि, रयाव, रयाम ॥
- ४ अरे-रयीत्, रेत, रीताम्, रयुः, रयीः, रेः, रीतम्, रीत, रयम्, रीव, रीम ॥
- ५ अरेराय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रेख्या-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रेरीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रेखयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रेखयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरेखयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११५६ लीङ्च् (ली) श्लेषणे ॥

- १ ले-लयीति, लेति, लीतः, ल्यति, लयीषि, लेषि, लीथः, लीथ, लयीमि, लेमि, लीवः, लीमः ॥
- २ लेली-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ले-लयीतु, लेतु, लीतात्, लीताम्, ल्यतु, लीहि, लीतात्, लीतम्, लीत, लयानि, लयाव, लयाम ॥
- ४ अले-लयीत्, लेत्, लीताम्, लयुः, लयीः, लेः, लीतम्, लीत, लयम्, लीव, लीम ॥
- ५ अलेलाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लेलया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लेलीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लेलयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लेलयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलेलयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११५७ डीङ्च् (डी) गतौ । डीङ् ५४४ वद्रूपाणि ॥

११५८ व्रीङ्च् (व्री) वरणे ॥

- १ वे-वयीति, वेति, व्रीतः, व्र्यति, वयीषि, वेषि, व्रीथः, व्रीथ, वयीमि, वेमि, व्रीवः, व्रीमः ॥
- २ वेव्री-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वे-वयीतु, वेतु, व्रीतात्, व्रीताम्, व्र्यतु, व्रीहि, व्रीतात्, व्रीतम्, व्रीत, व्रयाणि, व्रयाव, व्रयाम ॥
- ४ अवे-वयीत्, वेत्, व्रीताम्, व्रयुः, वयीः, वेः, व्रीतम्, व्रीत, व्रयम्, व्रीव, व्रीम ॥
- ५ अवेव्राय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वेव्रया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेव्रीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेव्रयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेव्रयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवेव्रयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११५९ पीङ्च् (पी) पाने ॥

- १ पे-पयीति, पेति, पीतः, प्यति, पयीषि, पेषि, पीथः, पीथ, पयीमि, पेमि, पीवः, पीमः ॥
- २ पेपी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पे-पयीतु, पेतु, पीतात्, पीताम्, प्यतु, पीहि, पीतात्, पीतम्, पीत, पयानि, पयाव, पयाम ॥
- ४ अपे-पयीत्, पेत्, पीताम्, पयुः, पयीः, पेः, पीतम्, पीत, पयम्, पीव, पीम ॥
- ५ अपेपाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पेपया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेपयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११६० प्रीङ्च् (प्री) प्रीतौ ॥

- १ प्रे-प्रयीति, प्रति, प्रीतः, प्रियति, प्रयीसि, प्रेषि, प्रीथः, प्रीथ, प्रयीमि, प्रेमि, प्रीवः, प्रीसः ॥
- २ प्रेषी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ प्रे-प्रयीतु, प्रेतु, प्रीतात्, प्रीताम्, प्रियतु, प्रीहि, प्रीतात्, प्रीतम्, प्रीत, प्रयाणि, प्रयाव, प्रयास ॥
- ४ अप्रे-प्रयीत्, प्रेत, प्रीताम्, प्रयुः, प्रयीः, प्रेः, प्रीतम्, प्रीत, प्रयम्, प्रीव, प्रीम ॥
- ५ अप्रेप्राय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ प्रेषया-खकार इ० ॥ स्वभाव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ प्रेषीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रेषयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रेषयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अप्रेप्रयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११६१ युजिच् (युज्) समाधौ ॥

- १ यो-युजीति, योक्ति, युक्तः, युजति, युजीषि, योक्षि, युक्थः, युक्थ, युजीमि, योष्मि, युज्वः, युज्मः ॥
- २ योयुज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ योयोक्तु, योयु-जीतु, क्तात्, क्ताम्, जतु, विध, क्तात्, क्तम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अयो-योक्, युजीत्, युक्ताम्, युजुः, युजीः, योक्, युक्तम्, युक्, युजम्, युज्व, युज्म ॥
- ५ अयोयोज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ योयोजा-खकार इ० ॥ स्वभाव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ योयुज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ योयोजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ योयोजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयोयोजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११६२ सृजिच् (सृज्) विसर्गे ॥

- १ सरी-सृष्टि, सृभीति, सृष्टः, सृजति, सृजीषि, सृक्षि, सृष्टः, सृष्ट, सृजीमि, सृष्मि, सृज्वः, सृज्मः ॥
- २ सरीसृज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सरी-सृष्टु, सृजीतु, सृष्टात्, सृष्टाम्, सृजतु, सृष्टि, सृष्टात्, सृष्टम्, सृष्ट, सृजानि, सृजाव, सृजाम ॥
- ४ असरी-सृष्ट, सृजीत्, सृष्टाम्, सृजुः, सृजीः, सृष्ट, सृष्टम्, सृष्ट, सृजम्, सृज्व, सृज्म ॥
- ५ असरीसृजे-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सरीसृजा-खकार इ० ॥ स्वभाव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सरीसृज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सरीसृजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सरीसृजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असरीसृजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे सरी-स्थाने 'सर्' इति 'सृ' इति च ज्ञेयम् ॥

११६३ वृत्ति (वृत्) वरणे ॥ वृत्तु ८४२ वदू ॥

११६४ पदिच् (पद्) गतौ ॥

- १ पनीप-दीति, ति, तः, दति, दीषि, तिस, त्यः, त्य, दीमि, धि, द्वः, द्य ॥
- २ पनीपद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पनीप-दीतु, तु, त्तात्, त्ताम्, दतु, द्वि, त्तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अपनीप-दीत्, त, त्ताम्, दुः, दीः, त, तम्, त, दम्, द, द्य ॥
- ५ अपनीपाद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपनीपद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पनीपदा-खकार इ० ॥ स्वभाव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पनीपद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पनीपदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पनीपदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपनीपदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

११६५ विदिच् (विद्) सत्तायाम् ॥ विदक्
१०१७ वद्रूपाणि ॥

११६६ विदिच् (खिद्) दैन्ये ॥

- १ खे-खेत्ति, खिदीति, खित्तः, खिदति, खिदीषि, खेत्ति,
खित्थः, खित्थ, खिदीमि, खेदि, खिद्वः, खिद्वः ॥
- २ खेखिद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम ॥ [तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ३ खेखेत्तु, खेखि-दीत्, तात्, ताम्, दत्तु, दि, तात्,
४ अन्वे-खेत्, खिदीत्, खित्ताम्, खिदुः, खिदीः, खेः, खेत्,
खित्तम्, खित्त, खिदम्, खिद्व, खिद्व ॥
- ५ अन्वेखेदे-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्व, इष्म ॥
- ६ खेखेदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ खेखिद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ खेखेदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ खेखेदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अन्वेखेदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

११६७ युधिच् (युध्) सम्प्रहारे ॥

- १ यो-योद्धि, युधीति, युद्धः, युधति, युधीषि, योत्ति,
युद्धः, युद्ध, युधीमि, योधि, युध्वः, युध्वः ॥
- २ योयुध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ योयोद्धु, योयु-धीत्, द्वात्, द्दाम्, धत्तु, दि, द्वात्,
द्धम्, द्द, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अयो-योत्, युधीत्, युद्धाम्, युधुः, युधीः, योः,
योत्, युद्धम्, युद्ध, युधम्, युध्व, युध्व ॥
- ५ अयोयोध्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ योयोधा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ योयुध्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ योयोधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ योयोधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अयोयोधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

११६८ जनैचि (जन्) प्रादुर्भावे ॥

- १ जं-जनीति, जन्ति, जातः, जति, नीषि, जंसि, जाथः,
जाथ, जनीमि, जन्मि, जन्वः, जन्मः ॥
- २ जंजन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ जं-जनीत्तु, जन्तु, जातात्, जाताम्, जत्तु, जाहि,
जातात्, जातम्, जात, जनानि, जनाव, जनाम् ॥
- ४ अजं-जनीत्, जन्, जाताम्, जुः, जनीः, जन्, जातम्,
जात, जनम्, जन्व, जन्म ॥
- ५ अजंजान् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अजंजन् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जंजना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जंजन्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जंजनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जंजनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजंजनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
पक्षे जं-स्थाने ‘जन्’ इति ज्ञेयम् ॥

११६९ अनोरुधिच् (अनु-रुध्) कामे ॥

- १ रो-रुधीति, रोद्धि, रुद्धः, रुधति, रुधीषि, रोत्ति, रुद्धः,
रुद्ध, रुधीमि, रोधि, रुध्वः, रुध्वः ॥
- २ रोरुध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम ॥
- ३ रोरुद्धु, रोरु-धीत्, द्वात्, द्दाम्, धत्तु, दि, द्वात्,
द्धम्, द्द, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ अरो-रोत्, रुधीत्, रुद्धाम्, रुधुः, रुधीः, रोत्, रोः,
रुद्धम्, रुद्ध, रुधम्, रुध्व, रुध्व ॥
- ५ अरोरोध्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रोरुधा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोरुध्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रोरुधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोरुधिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरोरोधिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

११७० बुधिच् (बुध्) ज्ञाने । बुध् ८४४ वद्रूपाणि ॥

११७६ मनिच् (मन्) ज्ञाने ॥

- १ मं-मनीति, मन्ति, मतः, मनति, मनीषि, मंसि, मथः, मथ, मनीमि, मन्मि, मन्वः, मन्मः ॥ [याव, यामा ॥
- २ ममन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
- ३ मम-नीतु, न्तु, तात्, ताम्, नतु, हि, तात्, तम्, त, नानि, नाव, नाम ॥
- ४ अममन्-नीत्, न्, ताम्, नुः, नीः, न्, तम्, त, नम्, न्व, न्म ॥
- ५ अममान्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अममन्-इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ ममना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ममन्या-त्, स्ताम्, नुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ममनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ममनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अममनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे मं-स्थाने ‘मम्’ इति ज्ञेयम् ॥

११७२ दीपैचि (दीप्) दीप्तौ ॥

- १ देदी-पीति, सि, सः, पति, पीषि, प्सि, प्यः, प्य, पीमि, पि, प्वः, प्मः ॥
- २ देदीप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ देदी-पीतु, मु, सात्, ताम्, पतु, प्वि, सात्, तम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अदेदी-पीत्, प्, ताम्, पुः, पीः, प्, तम्, स, पम्, प्व, प्म ॥
- ५ अदेदीप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ देदीपा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देदीप्या-त्, स्ताम्, नुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देदीपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देदीपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदेदीपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११७३ तपिच् (तप्) ऐश्वर्ये वा ॥ तपं ३०५ वद्रूपाणि ॥

११७४ पूरैचि (पूर्) आप्यायने ॥

- १ पोपू-रीति, ति, तैः, रति, रीषि, रि, र्थः, र्थ, रीमि, मि, वैः, मैः ॥
- २ पोपूर-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोपू-रीतु, तु, तात्, ताम्, रतु, हि, तात्, तम्, तै, राणि, राव, राम ॥
- ४ अपोपू-रीत्, रः, ताम्, रुः, रीः, तैम्, तै, रम्, वै, मै ॥
- ५ अपोपूर-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ पोपूरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपूर्या-त्, स्ताम्, नुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपूरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपूरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपोपूरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

११७५ घूरैचि (घूर्) जरायाम् ॥

- १ जोघूर्-रीति, ति, तैः, रति, रीषि, रि, र्थः, र्थ, रीमि, मि, वैः, मैः ॥
- २ जोघूर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोघूर्-रीतु, तु, तात्, ताम्, रतु, हि, तात्, तम्, तै, राणि, राव, राम ॥
- ४ अजोघूर्-रीत्, रः, ताम्, रुः, रीः, तैम्, तै, रम्, वै, मै ॥
- ५ अजोघूर्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ जोघूरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोघूर्या-त्, स्ताम्, नुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोघूरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोघूरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोघूरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११७६ जूरैचि (जूर) जरायाम् ॥

- १ जोजू-रीति, तिं, तैः, रति, रीषि, रिं, र्थः, र्थं, रीमि, रिं, वैः, मैः ॥
- २ जोजू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोजू-रीतु, तुं, तात्, ताम्, रतु, हिं, तात्, तैम्, तै, राणि, राव, राम ॥
- ४ अजोजू-रीत्, ः, ताम्, रुः, रीः, ः, तैम्, तै, रम्, वै, मै ॥
- ५ अजोजू-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोजू-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोजू-र्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोजू-रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोजू-रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोजू-रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११७७ धूरैचि (धूर) गतौ ॥

- १ दोधू-रीति, तिं, तैः, रति, रीषि, रिं, र्थः, र्थं, रीमि, रिं, वैः, मैः ॥
- २ दोधू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दोधू-रीतु, तुं, तात्, ताम्, रतु, हिं, तात्, तैम्, तै, राणि, राव, राम ॥
- ४ अदोधू-रीत्, ः, ताम्, रुः, रीः, ः, तैम्, तै, रम्, वै, मै ॥
- ५ अदोधू-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दोधू-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोधू-र्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दोधू-रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोधू-रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदोधू-रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११७८ गूरैचि (गूर) गतौ ॥

- १ जोगू-रीति, तिं, तैः, रति, रीषि, रिं, र्थः, र्थं, रीमि, रिं, वैः, मैः ॥
- २ जोगूर-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोगू-रीतु, तुं, तात्, ताम्, रतु, हिं, तात्, तैम्, तै, राणि, राव, राम ॥
- ४ अजोगू-रीत्, ः, ताम्, रुः, रीः, ः, तैम्, तै, रम्, वै, मै ॥
- ५ अजोगूर-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोगूर-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगूर्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगूरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगूरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगूरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११७९ शूरैचि (शूर) स्तम्भे ॥

- १ शोशू-रीति, तिं, तैः, रति, रीषि, रिं, र्थः, र्थं, रीमि, रिं, वैः, मैः ॥
- २ शोशूर-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शोशू-रीतु, तुं, तात्, ताम्, रतु, हिं, तात्, तैम्, तै, राणि, राव, राम ॥
- ४ अशोशू-रीत्, ः, ताम्, रुः, रीः, ः, तैम्, तै, रम्, वै, मै ॥
- ५ अशोशूर-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शोशूर-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोशूर्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोशूरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शोशूरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोशूरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११८० तुरैचि (तूर्) त्वरायाम् ॥

- १ तोत्-रीति, तिं, तैः, रति, रीति षिं, र्थः, र्थ, रीमि, मिं, र्वैः, र्मैः ॥
- २ तोत्तूर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ तोत्-रीड, र्त्तु, तात्, ताम्, रतु, हिं, तात्, तैम्, तै, राणि, राव, राम ॥
- ४ अतोत्-रीत्, : , ताम्, रुः, रीः, : , तैम्, तै, रम्, र्वै, र्मै ॥
- ५ अतोत्तूर्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तोत्तूर्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोत्तूर्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोत्तूरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोत्तूरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोत्तूरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११८१ चूरैचि (चूर्) दाहे ॥

- १ चोचूर्-रीति, तिं, तैः, रति, रीषि, षिं, र्थः, र्थ, रीमि, मिं, र्वैः, र्मैः ॥
- २ चोचूर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ चोचूर्-रीड, र्त्तु, तात्, ताम्, रतु, हिं, तात्, तैम्, तै, राणि, राव, राम ॥
- ४ अचोचूर्-रीत्, : , ताम्, रुः, रीः, : , तैम्, तै, रम्, र्वै, र्मै ॥
- ५ अचोचूर्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोचूर्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोचूर्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोचूरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोचूरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोचूरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११८२ क्लिशिच् (क्लिश्) उपतापे ॥

- १ चे-क्लिशीति, क्लेष्टि, क्लिष्टः, क्लिशति, क्लिशीषि, क्लेष्टि, क्लिष्टः, क्लिष्ट, क्लिशामि, क्लेष्टि, क्लिष्टः, क्लिष्टम् ॥
- २ चेक्लिश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ चेक्लेष्टु, चेक्लि-शीड, घात्, घाम्, शतु, हि, घात्, घम्, घ, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अचे-क्लेद्, क्लिशित, क्लिष्टाम्, क्लिष्टुः, क्लिशीः, क्लेद्, क्लिष्टम्, क्लिष्ट, क्लिष्टम्, क्लिष्ट, क्लिष्टम् ॥
- ५ अचेक्लेष्ट-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेक्लेशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेक्लिश्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेक्लेशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेक्लेशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेक्लेशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११८३ लिशिच् (लिश्) अल्पत्वे ॥

- १ ले-लेष्टि, लिशीति, लिष्टः, लिशति, लिशीषि, लेष्टि, लिष्टः, लिष्ट, लिशामि, लेष्टि, लिष्टः, लिष्टम् ॥
- २ लेलिश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ लेलेष्टु, लेलि-शीड, घात्, घाम्, शतु, हि, घात्, घम्, घ, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अले-लेद्, लिशीत्, लिष्टाम्, लिष्टुः, लिशीः, लेद्, लिष्टम्, लिष्ट, लिष्टाम्, लिष्ट, लिष्टम् ॥
- ५ अलेलेष्ट-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लेलेशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लेलिश्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लेलेशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लेलेशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलेलेशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११८४ काशिच् (काश्) दीप्तौ ॥ काश्च ७६४ वट्ट० ॥

११८५ वाशिच् (वाश्) शब्दे ॥

- १ वावा-शीति, छि, छः, शति, शीषि, क्षि, छः, छ, शीमि, रिम, इवः, रमः ॥
- २ वावाश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वावा-शीतु, छु, छात्, छाग्, शतु, छि, छात्, छम्, छ, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अवावा-शीत्, द, दाम्, दुः, शीः, द, दम्, द, शम्, इव, रम ॥
- ५ अवावाश्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ वावाशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वावाश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ वावाशिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ वावाशिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवावाशिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

११८६ शकीच् (शक्) मर्षणे ॥

- १ शाश-कीति, क्ति, कः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, कः, कमः ॥
- २ शाशक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शाश-कीतु, कु, क्तात्, क्ताम्, कतु, विध, क्तात्, कम्, क, कानि, काव, काम ॥
- ४ अशाश-कीत्, क्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, कम्, क, कम्, क, कम ॥
- ५ अशाशक् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अशाशक् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ शाशका-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शाशक्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ शाशकिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ शाशकिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशाशकिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

११८७ शुचृगैच् (शुच्) पूतिभावे । शुच ९० वट्टपाणि ॥

११८८ रञ्जीच् (रञ्ज) रागे । रञ्जी ८२८ वट्टपाणि ॥

११८९ शर्पीच् (शप्) आक्रोशे । शर्पी ८४८ वट्टपाणि ॥

११९० मृषीच् (मृष्) तितिक्षायाम् । मृष् ४८९ वट्ट० ॥

११९१ णहीच् (नह्) बन्धने ॥

- १ नान-हीति, द्वि, द्वः, हति, हीषि, त्सि, द्वः, द्व, हीमि, द्वि, हः, हः ॥ [याम्, याव, याम ॥
- २ नानह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,

- ३ नान-हीतु, द्व, द्वात्, द्वाम्, हतु, द्वि, द्वात्, द्वम्, द्व, हानि, हाव, हाम ॥ [हम्, ह, ह ॥
- ४ अनान-हीत्, त, द्वाम्, दुः, हीः, त, द्वम्, द्व, अनानह्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ नानहा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्टम् ॥
- ७ नानह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ नानहिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ नानहिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अनानहिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिरायमाणा-
न्तिपन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य यङ्लुबन्त-
रूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे पञ्चमे भागे दिवादिगणः सम्पूर्णः ॥

अथ स्वादिगणः ॥

११९२ षुंद् (सु) अभिषवे । षुंक् १००० चद्रूपाणि ॥

११९३ षिंद् (सि) बन्धने ॥

- १ से-षयीति, षेति, षितः, घ्यति, षयीषि, षेपि, षिथः, षिथ, षयीमि, षेमि, षिवः, षिमः ॥ [याव, याम ॥
- २ सेषि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ से-षयीतु, षेतु, षितात्, षिताम्, ष्यतु, षिहि, षितात्, षितम्, षित, षयाणि, षयाव, षयाम ॥
- ४ असे-षयीत्, षेत्, षिताम्, षयुः, षयीः, षेः, षितम्, षित, षयम्, षिव, षिम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ असेषाय्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सेषया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेषीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेषयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेषयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असेषयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

११९४ शिंद् (शि) निशने ॥

- १ शे-शयीति, शेति, शितः, श्यति, शयीपि, शेपि, शिथः, शिथ, शयीमि, शेमि, शिवः, शिमः ॥
- २ शेशि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शे-शयीतु, शेत्, शितात्, शिताम्, श्यतु, शिहि, शितात्, शितम्, शित, शयानि, शयाव, शयाम ॥
- ४ अशे-शयीत्, शेत्, शिताम्, शयुः, शयीः, शेः, शितम्, शित, शयम्, शिव, शिम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अशेशाय्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शेशया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेशीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शेशयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेशयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशेशयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

११९५ डुमिंद् (मि) प्रक्षेपणे ॥

- १ मे-मयीति, मेति, मितः, म्यति, मयीषि, मेपि, मिथः, मिथ, मयीमि, मेमि, मिथः, मिमः ॥
- २ मेमि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मे-मयीतु, मेत्, मितात्, मिताम्, म्यतु, मिहि, मितात्, मितम्, मित, मयानि, मयाव, मयाम ॥
- ४ अमे-मयीत्, मेत्, मिताम्, मयुः, मयीः, मेः, मितम्, मित, मयम्, मिथ, मिम ॥
- ५ अमेमाय्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मेमया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

११९६ चिंद् (चि) चयने ॥

- १ चे-चयीति, चेति, चितः, च्यति, चयीपि, चेपि, चिथः, चिथ, चयीमि, चेमि, चिवः, चिमः ॥
- २ चेचि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चे-चयीतु, चेत्, चितात्, चिताम्, च्यतु, चिहि, चितात्, चितम्, चित, चयानि, चयाव, चयाम ॥
- ४ अचे-चयीत्, चेत्, चिताम्, चयुः, चयीः, चेः, चितम्, चित, चयम्, चिव, चिम ॥
- ५ अचेचाय्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेचया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेचीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेचयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेचयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेचयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

११९७ धृग् (धृ) कम्पने ॥

- १ दो-धवीति, धोति, धूतः, धुवति, धवीषि, धोषि, धूयः,
धूय, धवीमि, धोमि, धूवः, धूमः ॥
- २ दोधू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ दो-धवीतु, धोतु, धूतात्, धूताम्, धुवतु, धूहि, धूतात्,
धूतम्, धूत, धवानि, धवाव, धवाम ॥
- ४ अदो-धवीत्, धोत्, धूताम्, धवः, धवीः, धोः,
धूतम्, धूत, धवम्, धूव, धूम ॥
- ५ अदोधाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ दोधवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोधूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दोधविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोधविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदोधविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

११९८ स्तृग् (स्तृ) आच्छादने ॥

- १ तरी-स्तरीति, स्तर्ति, स्तृतः, स्त्रति, स्तरीषि, स्तर्षि,
स्तृथः, स्तृथ, स्तरीमि, स्तर्मि, स्तृवः, स्तृमः ॥
- २ तरीस्तृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ तरी-स्तरीतु, स्तर्तु, स्तृतात्, स्तृताम्, स्त्रु, स्तृहि,
स्तृतात्, स्तृतम्, स्तृत, स्तराणि, स्तराव, स्ताम ॥
- ४ अतरी-स्तरीत्, स्तः, स्तृताम्, स्तरुः, स्तरीः, स्तः
स्तृतम्, स्तृत, स्तरम्, स्तृव, स्तृम ॥
- ५ अतरीस्तार्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तरीस्तरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तरीस्तर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तरीस्तरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तरीस्तरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतरीस्तरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
पक्षे तरी-स्थाने ‘तरि’ इति ‘तर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

११९९ कृग् (कृ) आच्छादने । डुकृग् ८२१ वद्रूपाणि ॥

१२०० वृग् (वृ) वरणे ॥

- १ वरी-वरीति, वर्ति, वृतः, व्रति, वरीषि, वर्षि, वृथः,
वृथ, वरीमि, वर्मि, वृवः, वृमः । [याव, याम ॥
- २ वरीवृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याम्, याव, याम ॥
- ३ वरी-वर्तु, वरीतु, वृतात्, वृताम्, व्रतु, वृहि, वृतात्,
वृतम्, वृत, वराणि, वराव, वराम ॥
- ४ अवरी-वरीत्, वः, वृताम्, वरुः, वरीः, वः, वृतम्,
वृत, वरम्, वृव, वृम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अवरीवार्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
६ वरीवरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरीव्रिया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरीव्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरीव्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
वरीव्रिष्य-आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवरीव्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अवरीव्रिष्य-अम्, आव, आम ॥
- पक्षे सर्वत्राववरी-स्थाने ‘वरि’ इति ‘वर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१२०१ हिद् (हि) गतिवृद्धौ ॥

- १ जे-घयीति, घेति, घितः, घ्यति, घयीषि, घेषि, घियः,
घिय, घयीमि, घेमि, घिवः, घिमः ॥
- २ जेघी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ जे-घयीतु, घेतु, घितात्, घिताम्, घ्यतु, घिहि, घितात्,
घितम्, घित, घयानि, घयाव, घयाम ॥
- ४ अजे-घयीत्, घेत्, घिताम्, घयुः, घयीः, घेः, घितम्,
घित, घयम्, घिव, घिम ॥
- ५ अजेघाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ जेघया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेघीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेघयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेघयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेघयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१२०२ श्रुद् (श्रु) श्रवणे ॥

- १ शो-श्रवीति, श्रोति, श्रुतः, श्रुवति, श्रवीषि, श्रोषि, श्रुथः, श्रुथ, श्रवीमि, श्रोमि, श्रुवः, श्रुमः ॥
- २ शोश्रु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शो-श्रवीतु, श्रोतु, श्रुतात्, श्रुताम्, श्रुवतु, श्रुहि, श्रुतात्, श्रुतम्, श्रुत, श्रवाणि, श्रवाव, श्रवाम ॥
- ४ अशो-श्रवीत्, श्रोत्, श्रुताम्, श्रुतः, श्रवीः, श्रोः, श्रुतम्, श्रुत, श्रवम्, श्रुव, श्रुम ॥
- ५ अशोश्राव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शोश्रवा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शोश्रूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शोश्रविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्म ॥
- ९ शोश्रविष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशोश्रविष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

- १२०३ डुडुद् (डु) उपतापे ॥ डुं ११ वद्रूपाणि ॥
- १२०४ डुंद् (डुं) प्रीतौ । डुंक् १०४६ वद्रूपाणि ॥
- १२०५ स्मृद् (स्मृ) पालने । स्मृं १७ वद्रूपाणि ॥
- १२०६ शक्लुद् (शक्) व्याप्तौ । शक्नीच् ११८६ वद्रू० ॥
- १२०७ तिकद् (तिक्) हिंसायाम् । तिकि ५८६ वद्रू० ॥

१२०८ तिग्द् (तिग्) हिंसायाम् ॥

- १ ते-तिगीति, तैकि, तिक्कः, तिगति, तिगीषि, तैक्षि, तिक्थः, तिक्थ, तिगीमि, तैमि, तिग्वः, तिग्वः ॥ [याव, याम ॥
- २ तेतिग्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तेतेक्कु, तेति-गीतु, क्तात्, क्ताम्, गतु, गिथ, क्तात्, क्कम्, क्क, गानि, गाव, गाम ॥ [तिक्, तिगम्, तिग्व, तिग्वः, तिग्वः ॥
- ४ अते-तिगीत्, तैक्, तिक्काम्, तिगुः, तिगीः, तैक्, तिक्कम्, तिक्कम् ॥
- ५ अतेतेग्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तेतेगा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म ॥
- ७ तेतिग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेतेगिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्म ॥
- ९ तेतेगिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतेतेगिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२१० राधंद् (राध्) संसिद्धौ । राधच् १०६७ वद्रू० ॥

१२११ साधंद् (साध्) संसिद्धौ ॥

- १ सासा-धीति, द्वि, द्वः, धति, धीषि, त्वि, द्वः, द्व, धीमि, धिमि, ध्वः, ध्वः ॥
- २ सासाध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सासा-धीतु, द्वु, द्वात्, द्वाम्, धतु, द्वि, द्वात्, द्वम्, द्व, धानि, धाव, धाम ॥
- ४ असासा-धीत्, त्, द्वाम्, धुः, धीः, त्, द्वम्, द्व, धम्, ध्व, ध्व ॥
- ५ असासाध्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सासाधा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सासाध्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सासाधिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्म ॥
- ९ सासाधिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असासाधिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२१२ तृपद् (तृप्) प्रीणने ॥

- १ तरी-तृपीति, तर्प्ति, तृप्तः, तृपति, तृपीषि, तर्प्ति, तृप्थः, तृप्थ, तृपीमि, तर्प्मि, तृप्वः, तृप्वः ॥
- २ तरीतृप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तरीतर्प्, तरीतृ-पीतु, सात्, साम्, पतु, त्वि, सात्, सत्, स, पाणि, पाव, पाम ॥
- ४ अतरी-तर्प्, तृपीत्, तृप्ताम्, तृप्तुः, तृपीः, तर्प्, तृप्तम्, तृप्त, तृप्त्, तृप्व, तृप्म ॥
- ५ अतरीतर्प्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तरीतर्पा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तरीतृप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तरीतर्पिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्म ॥
- ९ तरीतर्पिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतरीतर्पिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२१३ दम्भृद् (दम्भ्) दम्भने ॥

- १ दाद-म्भीति, म्भि, ब्धः, भाते, म्भीषि, म्प्सि, ब्धः, ब्ध, म्भीमि, म्भि, भवः, भवः ॥
- २ दादभृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाद-म्भीतु, म्भु, ब्धात्, ब्धाम्, भतु, ब्धि, ब्धात्, ब्धम्, ब्ध, म्भानि, म्भाव, म्भाम ॥
- ४ अदाद-म्भीर्, न, ब्धाम्, भुः, म्भीः, न, ब्धम्, ब्ध, म्भम्, भव, भव ॥
- ५ अदादभृ-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ दादभृ-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दादभृ-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दादभृ-त्ता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वीः, स्मः ॥
- ९ दादभृ-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदादभृ-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२१५ धिबृद् (धिन्व्) गतौ ॥

- १ देधि-न्वीति, नोति, नूतः, न्वति, न्वीषि, नोषि, नूथः, नूथ, न्वीमि, नोमि, न्वः, नूवैः, नूमः ॥
- २ देधिन्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ देधि-न्वीतु, नोतु, नूतात्, नूताम्, न्वतु, नूहि, नूतात्, नूतम्, नूत, न्वानि, न्भाव, न्वाम ॥
- ४ अदेधि-न्वीत्, नोत्, नूताम्, न्वुः, न्वीः, नोः, नूतम्, नूत, न्वम्, न्व, नूवैः, नूम ॥
- ५ अदेधिन्व-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ देधिन्वा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देधिन्वा-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देधिन्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वीः, स्मः ॥
- ९ देधिन्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदेधिन्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, यादौ प्रत्यये देधिन्वादिद्यादौ देधिन्यादित्याद्यपि बोध्यम् ॥

१२१४ कृषृद् (कृन्व्) हिंसाकरणयोः ॥

- १ चरीकृ-प्वीति, गोति, णूतः, प्वति, प्वीषि, गोषि, णूथः, णूथ, प्वीमि, गोमि, णूवैः, प्वः, णूमः ॥ [याव, याम ॥
- २ चरीकृष्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चरीकृ-प्वीतु, गोतु, णूतात्, णूताम्, प्वतु, णूहि, णूतात्, णूतम्, णूत, प्वानि, प्भाव, प्वाम ॥
- ४ अचरीकृ-प्वीत्, गोत्, णूताम्, प्वुः, प्वीः, गोः, णूतम्, णूत, प्वम्, णूवैः, प्व, णूम ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अचरीकृष्व-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ चरीकृष्व-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चरीकृष्व-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चरीकृष्विता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वीः, स्मः ॥
- ९ चरीकृष्विष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचरीकृष्विष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मतान्तरे तिषि, सिषि, तुषि, तिषि, सिषि च चरीक-ष्टि, णिषि, ण्टि, णि, ण्, इत्यपि ज्ञेयम्, प्रागपि सचितमेतद् । यादौ प्रत्यये चरीकृष्व्यादित्यादौ चरीकृष्व्यादित्यपि ज्ञेयम् ॥ सर्वत्र पक्षे चरी-स्थाने ‘चरि’ इति ‘चर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१२१६ विधृपाद् (धृष्) प्रागल्भ्ये ॥

- १ दरी-धर्षि, धृषीति, धृष्टः, धृषति, धृषीषि, धर्षि, धृष्टः, धृष्ट, धृषीमि, धर्षि, धृष्टवः, धृष्टम् ॥
- २ दरीधृष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दरीधृष्ट, दरीधृ-घातु, घात्, घाम्, घतु, घि, घात्, घम्, घ, घानि, घाव, घाम ॥
- ४ अदरी-धर्ष, धृषीत्, धृष्टम्, धृष्टुः, धृषीः, धर्ष, धृष्टम्, धृष्ट, धृष्टम्, धृष्ट, धृष्टम् ॥
- ५ अदरीधर्ष-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ दरीधर्षा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दरीधृष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दरीधर्षिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वीः, स्मः ॥
- ९ दरीधर्षिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदरीधर्षिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दरी-स्थाने ‘दरि’ इति ‘दर’ इति च ज्ञेयम् ॥

१२१७ णिघिद् (स्तिघ्) आस्कन्दने ॥

- १ ते-ट्रेविध, णिघीति, णिग्धः, णिघति, णिघीषि, ट्रेक्षि,
णिग्धः, णिग्ध, णिघीमि, ट्रेप्मि, णिघ्वः, णिघ्मः ॥
- २ तेष्टिघ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ तेष्टेगधु, तेष्टि-धीतु, गधात्, गधाम्, घतु, विध,
गधात्, गधम्, गध, घानि, घाव, घाम ॥
- ४ अते-ट्रेक्, णिघीत्, णिग्धाम्, णिघुः, णिघीः, ट्रेक्,
णिग्धम्, णिग्ध, णिघम्, णिघ्व, णिघ्म ॥
- ५ अतेष्टेघ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ तेष्टेघा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तेष्टिघ्या-त्, स्ताम्, घुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तेष्टिघिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तेष्टिघिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतेष्टेघिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१२१८ अशौष्टि (अश्) न्याप्तौ ॥

- १ आ-शीति, णि, टः, शति, शीपि, सि, टः, ट,
शीमि, दिम, इवः, इमः ॥
- २ आश-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ आ-शीतु, टु, छात्, छाम्, शतु, द्वि, छात्, छम्, छ,
शानि, शाव, शाम ॥
- ४ आ-शीत्, इ, छाम्, शुः, शीः, इ, छम्, छ, शम्,
इव, इम ॥
- ५ आश-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म,
इष्, इष्म ॥
- ६ आ-श, शतुः, छुः, शिथ, शयुः, श, श, शिव, शिम ॥
- ७ आश्या-त्, स्ताम्, घुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ आशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ आशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० आशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिन्दिरायमाणा-
न्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य यङ्लुबन्त-
रूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे पञ्चमे भागे स्वादिगणः सम्पूर्णः ॥

अथ तुदादिगणः ।

१२१९ तुदीत् (तुद्) व्यथने ॥

- १ तो-तोत्ति, तुदीति, तुत्तः, तुदति, तुदीषि, तोत्सि, तुत्थः, तुत्थ, तुदीमि, तोन्नि, तुद्धः, तुद्यः ॥
- २ तोतुद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतोत्तु, तोतु-दीतु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अतो-तोत्, तुदीत्, तुत्ताम्, तुदुः, तुदीः, तोः, तोत्, तुत्तम्, तुत्त, तुदम्, तुद्ध, तुद्य ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अतोतोद्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्टम् ॥
- ६ तोतोदा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतोदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतोदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतोतोदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१२२० अस्जीत् (भृस्ज्) पाके ॥

- १ वरीभृ-जीति, छि, छः, जति, जीषि, क्षि, छः, छ, जीमि, ज्जिम, ज्ज्वः, ज्जम् ॥ [याव, याम ॥
- २ वरीभृज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याम् ॥
- ३ वरीभृ-जीतु, छु, छात्, छाम्, जतु, द्वि, छात्, छम्, छ, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अवरीभृ-जीत्, द, छाम्, ज्जुः, जीः, द, छम्, छ, जम्, ज्ज्व, ज्जम् ॥ [इषम्, इष्म, इष्म ॥
- ५ अवरीभृज्ज-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ वरीभृजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरीभृज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरीभृजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरीभृजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवरीभृजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वरी-स्थाने ‘वरि’ इति ‘वर्’ इति च ज्ञेयम् । पाणिनीयमते तु बाभ्रजीति, बाभ्रष्टि इ०

१२२१ क्षिपीत् (क्षिप्) प्रेरणे । क्षिपञ्च १०७० वद्रू ॥

१२२२ दिशीत् (दिश्) अतिसर्जने ॥

- १ दे-देष्टि, दिशीति, दिष्टः, दिशति, दिशीषि, देक्षि, दिष्टः, दिष्ट, दिशीमि, दिष्टि, दिश्वः, दिश्वः ॥
- २ देदिश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ देदेष्टु, देदि-शीतु, छात्, छाम्, शतु, द्वि, छात्, छम्, छ, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अदे-देष्ट, दिशीत्, दिष्टाम्, दिष्टुः, दिशीः, देद, दिष्टम्, दिष्ट, दिशम्, दिश्व, दिश्व ॥
- ५ अदेदेश-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्म, इष्म ॥
- ६ देदेशा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देदिश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देदेशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देदेशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदेदेशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१२२३ कृषीत् (कृष्) विलेखने । कृषं ४६७ वद्रूपाणि ॥

१२२४ मुच्छन्ती (मुच्) मोक्षणे ॥

- १ मो-मोक्षि, मुचीति, मुक्ताः, मुंचंति, मुचीषि, मोक्षि, मुक्थः, मुक्थ, मुचीमि, मोन्मि, मुच्चः, मुच्चमः ॥
- २ मोमुच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मोमोक्तु, मोमु-चीतु, कात्, काम्, चतु, मिथ, कात्, कम्, कं, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अमो-मोक्, मुचीत्, मुक्ताम्, मुत्तुः, मोक्, मुचीः, मुक्कम्, मुक्क, मुच्चम्, मुच्च, मुच्चम ॥
- ५ अमोमोच्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्म, इष्म ॥
- ६ मोमोचा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमोचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमोचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमोमोचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१२२५ पिचिन्त (सिच्) क्षरणे ॥

- १ से-षिचिन्ति, षेक्ति, षिक्तः, षिचति, षिचीषि, षेक्षि, षिक्थः, षिक्थ, षिचीमि, षेचिमि, षिच्वः, षिच्वमः ॥
- २ सेषिच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सेषेकु, सेषि-चीतु, क्तात्, क्ताम्, चतु, विध, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ असे-षेक्, षिचीत्, षिक्ताम्, षिचुः, षिचीः, षेक्, षिक्तम्, षिक्त, षिचम्, षिच्व, षिच्वम ॥
- ५ असेषेच्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सेषेच्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेषिच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेषेचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेषेचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० असेषेचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, क्रियारत्न समुच्चये तु-सेसिचिन्ति-इत्यादि यदुदाहृतं तच्चिन्त्यम् ॥

१२२६ विदलन्ती (विद्) लामे । विदक् १०१७ वद्र० ॥

१२२७ लुल्लन्ती (लुप्) छेदने । लुपच् ११०४ वद्र० ॥

१२२८ लिपीन्त (लिप्) उपदेहे ॥

- १ ले-लेप्ति, लिपीति, लिप्तः, लिपति, लिपीषि, लेप्ति, लिप्यः, लिप्य, लिपीमि, लेप्मि, लिप्वः, लिप्वमः ॥
- २ लेलिप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लेलेप्तु, लेलि-पीतु, सात्, साम्, पतु, विध, सात्, तम्, स, पानि, पाव, पाम ॥
- ४ अले-लेप्, लिपीत्, लिप्ताम्, लिपुः, लिपीः, लेप्, लिप्तम्, लिप्त, लिपम्, लिप्व, लिप्वम ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अलेलेप्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लेलेपा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लेलिप्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लेलेपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लेलेपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अलेलेपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१२२९ कृतैत् (कृत्) छेदने ॥

- १ चरी-कर्ति, कृतीति, कृत्तः, कृतति, कृतीषि, कर्त्ति, कृत्थः, कृत्थ, कृतीमि, कर्त्ति, कृत्वः, कृत्वमः ॥
- २ चरीकृत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चरीकर्तु, चरीकृ-तीतु, क्तात्, क्ताम्, ततु, द्वि क्तात्, तम्, त, तानि, ताव, ताम ॥
- ४ अचरी-कर्त, कृतीत्, कृत्ताम्, कृतुः, कृतीः, कर्त, कृत्तम्, कृत्त, कृतम्, कृत्व, कृत्वम ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अचरीकर्त-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चरीकर्ता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चरीकृत्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चरीकर्तिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चरीकर्तिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, चरीकर्त्स्य } अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचरीकर्तिष्य } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अचरीकर्त्स्य } अत, अम्, आव, आम ॥

पक्षे चरी-स्थाने 'चरि' इति 'चर्' इति च ज्ञेयम् ।

१२३० खिदन्त (खिद्) परिघाते । खिदिच् १०६६ वद्र० ॥

१२३१ पिशत् (पिश्) अवयवे ॥

- १ पे-पिशति, पेष्टि, पिष्टः, पिशति, पिशीषि, पेक्षि, पिष्टः, पिष्ट, पिशीमि, पेक्षि, पिश्वः, पिश्वमः ॥
- २ पेपिश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पेपेष्टु, पेपि-शीतु, शात्, शाम्, शतु, द्वि शात्, षम्, ष, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अपे-पेद, पिशीत्, पिष्टाम्, पिशुः, पिशीः, पेद, पिष्टम्, पिष्ट, पिशम्, पिश्व, पिश्वम ॥
- ५ अपेपेश-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पेपेशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपिष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपेशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपेशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपेपेशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१२३२ रिंत् (रि) गतौ ॥

- १ रे-रयीति, रेति, रितः, र्यति, रयीषि, रेषि, रिथः, रिथ, रयीमि, रेमि, रिंवः, रिमः ॥
- २ रेदि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रे-रयीत्, रेत्, रितात्, रिताम्, र्यत्, रिहि, रितात्, रितम्, रित, रयाणि, रयाव, रयाम ॥
- ४ अरे-रयीत्, रेत्, रिताम्, रयुः, रयीः, रेः, रितम्, रित, रयम्, रिंव, रिम ॥
- ५ अरेराय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रेरेया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रेरीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रेरेयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रेरेयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरेरेयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२३३ पिंत् (पि) गतौ ॥

- १ पे-पयीति, पेति, पितः, प्यति, पयीषि, पेषि, पिथः, पिथ, पयीमि, पेमि, पिंवः, पिमः ॥
- २ पेपि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पे-पयीत्, पेत्, पितात्, पिताम्, प्यत्, पिहि, पितात्, पितम्, पित, पयाणि, पयाव, पयाम ॥
- ४ अपे-पयीत्, पेत्, पिताम्, पयुः, पयीः, पेः, पितम्, पित, पयम्, पिंव, पिम ॥
- ५ अपेपाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पेपया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पेपीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पेपयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पेपयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपेपयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२३४ धित् (धि) धारणे ॥

- १ दे-धयीति, धेति, धितः, ध्यति, धयीषि, धेषि, धिथः, धिथ, धयीमि, धेमि, धिवः, धिमः ॥
- २ देधि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दे-धयीत्, धेत्, धितात्, धिताम्, ध्यत्, धिहि, धितात्, धितम्, धित, धयाणि, धयाव, धयाम ॥
- ४ अदे-धयीत्, धेत्, धिताम्, धयुः, धयीः, धेः, धितम्, धित, धयम्, धिव, धिम ॥
- ५ अदेधाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ देधया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देधीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देधयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देधयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदेधयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२३५ क्षित् (क्षि) निवासगतयोः ॥ क्षि १० वद्रूपाणि ॥

१२३६ पूत् (सू) प्रेरणे ॥ पूडौक् १०२३ वद्रूपाणि ॥

१२३७ मृत् (मृ) प्राणत्यागे ॥

- १ मरी-मरीति, मर्ति, मृतः, म्रति, मरीषि, मर्षि, मृथः, मृथ, मरीमि, मर्मि, मृवः, मृमः ॥ [याव, याम ॥
- २ मरीमृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मरी-मरीत्, मर्त्, मृतात्, मृताम्, म्रत्, मृहि, मृतात्, मृतम्, मृत, मराणि, मराव, मराम ॥
- ४ अमरी-मरीत्, मः, मृताम्, मरुः, मरीः, मः, मृतम्, मृत, मरम्, मृव, मृम ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अमरीमार्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मरीमरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मरीम्रिया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मरीमरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मरीमरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमरीमरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे मरी-स्थाने ‘मरि’ इति ‘मृ’ इति च ज्ञेयम् ॥

१२३८ कृत् (कृ) विक्षेपे ॥

- १ चा-करीति, कर्ति, कीर्तः, किरति, करीषि, कर्षि, कीर्थः, कीर्थ, करीमि, कर्मि, कीर्वः, कीर्मः ॥
- २ चाकीर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चा-करीतु, कर्तु, कीर्तात्, कीर्ताम्, किरतु, कीर्हि, कीर्तात्, कीर्तम्, कीर्त, कराणि, कराव, कराम ॥
- ४ अचा-करीत्, कः, कीर्ताम्, करुः, करीः, कः, कीर्तम्, कीर्त, करम्, कीर्व, कीर्म ॥
- ५ अचाकार-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चाकरा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकीर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकरिता } , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
चाकरीता }
- ९ चाकरिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
चाकरीष्य } आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकरिष्य } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अचाकरीष्य } अत्, अम्, आव, आम ॥

१२३९ गृत् (गृ) निगरणे ॥

- १ जा-गलीति, गल्ति, गिल्तः, गिलति, गलीषि, गल्षि, गिल्थः, गिल्थ, गलीमि, गल्मि, गिल्वः, गिल्मः ॥
- २ जागिल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जा-गलीतु, गलु, गिल्तात्, गिल्ताम्, गिल्लु, गिल्हि, गिल्तात्, गिल्तम्, गिल्त, गलानि, गलाव, गलाम ॥
- ४ अजा-गलीत्, गल्, गिल्ताम्, गलुः, गलीः, गल्, गिल्तम्, गिल्त, गल्म, गिल्व, गिल्म ॥
- ५ अजागाल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जागला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जागिल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जागलिता } , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
जागलीता }
- ९ जागलिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
जागलीष्य } आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजागलिष्य } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अजागलीष्य } अत्, अम्, आव, आम ॥

१२४० लिखत् (लिख्) अक्षरविन्यासे ॥

- १ ले-लेकि, लिखीति, लिक्तः, लिखति, लिखीषि, लेक्षि, लिक्थः, लिक्थ, लिखीमि, लेखिम, लिख्वः, लिख्मः ॥
- २ लेलिख्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ लेलेकु, लेलि-लीतु, क्तात्, क्ताम्, खतु, मिथ, क्तात्, क्म, क्, खानि, खाव, खाम ॥
- ४ अले-लेक्ष, लिखीत्, लिक्ताम्, लिखुः, लिखीः, लेक्, लिक्ताम्, लिक्ता, लिखम्, लिख्व, लिख्म ॥
- ५ अलेलेख्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लेलेखा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लेलिख्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लेलेखिता- , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लेलेखिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
लेलेखिष्य-आमि, आवः, आमः ॥
- १० अलेलेखिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अलेलेखिष्य-अम्, आव, आम ॥

१२४१ जर्चत् (जर्च्) परिभाषणे ॥

- १ जाज-वीति, किं, क्तः, चंति, चीषि, क्षि, कर्थः, कर्थ, चीमि, च्मि, च्वः, चर्मः ॥
- २ जाजर्च्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाज-चीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, चेतु, चिध, क्तात्, क्ताम्, क्त, चंति, चीव, चमि ॥
- ४ अजाज-चीत्, क्त, क्ताम्, क्तुः, चीः, क्त, क्ताम्, क्त, च्व, च्व, चर्म ॥
- ५ अजाजर्च्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाजर्चा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजर्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजर्चिता- , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाजर्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
जाजर्चिष्य-आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाजर्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अजाजर्चिष्य-अम्, आव, आम ॥

१२४२ झर्चत् (झर्च्) परिभाषणे ॥

- १ जाझ-चीति, किं, कः, चति, चीषि, क्षि, कथः, कथ, चीमि, चिम, च्वः, च्मः ॥
- २ जाझर्च-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जाझ-चीतु, कु, कात्, काम्, चतु, विध, कात्, कम्, के, चीनि, चाव, चाम ॥
- ४ अजाझ-चीत्, कः, काम्, कुः, चीः, कः, कम्, के, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अजाझर्च-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ जाझर्चा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाझर्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाझर्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाझर्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाझर्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२४३ त्वचत् (त्वच्) संवरणे ॥

- १ तात्व-चीति, कि, कः, चति, चीषि, क्षि, कथः, कथ, चीमि, चिम, च्वः, च्मः ॥
- २ तात्वच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात्व-चीतु, कु, कात्, काम्, चतु, विध, कात्, कम्, के, चीनि, चाव, चाम ॥
- ४ अतात्व-चीत्, क, काम्, कुः, चीः, क, कम्, के, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ अतात्वाच् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अतात्वच् } इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ तात्वचा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तात्वच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तात्वचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तात्वचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतात्वचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२४४ ओवस्चौत् (वस्च्) छेदने ॥

- १ ओवृ-शीति, छि, छः, श्रति, श्रोषि, क्षि, छः, छ, श्रीमि, श्रिमि, श्र्वः, श्र्वमः ॥ [याव, याम ॥
- २ वृश्च-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ ओवृ-शीतु, छु, छात्, छाम्, श्रतु, छि, छात्, छम्, छ, श्रानि, श्राव, श्राम ॥
- ४ अवरीवृ-शीत्, द, छाम्, श्रुः, श्रीः, द, छम्, छ, श्रम्, श्र्व, श्र्वम ॥
- ५ अवरीवृश्च-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ वरीवृश्चा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरीवृश्च्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरीवृश्चिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरीवृश्चिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवरीवृश्चिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वरी-स्थाने 'वरि' इति 'वर्' इति च ज्ञेयम् । मत्तान्तरे चात्र-शीति, छि, छः, इत्यादि ।

१२४५ विच्छत् (विच्छ्) गतौ ॥

- १ वेविच्छाय्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- २ वेविच्छाये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वेविच्छाय्-अतु, अतात्, अताम्, अन्तु, अ, अतात्, अतम्, अत, आनि, आव, आम ॥
- ४ अवेविच्छाय्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥
- ५ अवेविच्छाय् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवेविच्छ } इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ वेविच्छाया } -ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेविच्छाया } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, वेविच्छाया } स्व, स्म ॥
- ८ वेविच्छायिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, वेविच्छिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ वेविच्छायिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, वेविच्छायिष्य } अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेविच्छायिष्य } अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अवेविच्छायिष्य } अत अम्, आव, आम ॥

वेविच्छायादित्यादौ ये परे वेविच्छायादित्याद्यपि भवति ॥

१२४६ मिछत् (मिछ्) उत्केशे ॥

- १ मे-मिच्छीति, मेष्टि, मिष्टः, मिच्छति, मिच्छीषि, मेक्षि, मिष्टः, मिष्ट, मिच्छीमि, मेष्टि, मिच्छुः, मिष्टैः, मिष्टमः ॥
- २ मेमिच्छ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमेष्ट, मेमिच्छीतु, छात्, छाम्, च्छतु, छि, छात्, छम्, छ, च्छानि, च्छाव, च्छाम ॥
- ४ अमे-मेद, मिच्छीत्, मिष्टाम्, मिच्छुः, मिच्छीः, मेद, मिष्टम्, मिष्ट, मिच्छम्, मिच्छु, मिष्टै, मिष्टम ॥
- ५ अमेमिच्छ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ मेमिच्छा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमिच्छ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमिच्छिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमिच्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमेमिच्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, मेमिच्छ्यादित्यादौ ये परे मेमिच्छ्यादित्याद्यपि विज्ञेयम् ॥

१२४७ प्रछत् (प्रछ्) क्षीप्तायाम् ॥

- १ परी-पष्टि, पृच्छीति, पृष्टः, पृच्छति, पृच्छीषि, पक्षि, पृष्टः, पृष्ट, पृच्छीमि, पक्षि, पृष्टुः, पृष्टैः, पृष्टमः ॥
- २ परीपृच्छ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, परीपृष्ट-याम्, याव, याम ॥
- ३ परीपृष्ट, परिपृ-च्छीतु, छात्, छाम्, च्छतु, छि, छात्, छम्, छ, च्छानि, च्छाव, च्छाम ॥
- ४ अपरी-पर्द, पृच्छीत्, पृष्टाम्, पृच्छुः, पृच्छीः, पर्द, पृष्टम्, पृष्ट, पृच्छम्, पृच्छु, पृष्टै, पृष्टम ॥ [इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ५ अपरीपृच्छ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ परीपृच्छा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ परीपृच्छ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ परीपृच्छिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ परीपृच्छिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपरीपृच्छिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे परी-स्थाने ‘परि’ इति ‘पर्’ इति च ज्ञेयम् ॥ अन्यमते-पाप्र-च्छीति, छि, छः, इत्यादि ॥

१२४८ रुजत् (रुज्) विसर्गे ॥ रुजिच् ११६२ वद्रू ॥

१२४९ रुजोत् (रुज्) भङ्गे ॥

- १ रो-रुजीति, रोजि, रुक्तः, रुजति, रुजीषि, रोजि, रुक्थः, रुक्थः, रुजीमि, रोजिमि, रुज्वः, रुज्मः ॥
- २ रोरुज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रोरुजु, रोरु-जीतु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, क्ताम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अरो-रोक्, रुजीत्, रुक्ताम्, रुजुः, रुजीः, रोक्, रुक्ताम्, रुक्त, रुजम्, रुज्व, रुज्म ॥
- ५ अरोरुज-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ रोरुजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोरुज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रोरुजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोरुजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अरोरुजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१२५० रुजोत् (रुज्) कौटिल्ये ॥

- १ वो-भोकि, भुजीति, भुक्तः, भुजति, भुजीषि, भोक्षि, भुक्थः, भुक्थ, भुजीमि, भोजिमि, भुज्वः, भुज्मः ॥
- २ वोभुज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वोभोक्तु, वोभु-जीतु, क्तात्, क्ताम्, जतु, गिध, क्तात्, क्ताम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अवो-भोक्, भुजीत्, भुक्ताम्, भुजुः, भुजीः, भोक्, भुक्ताम्, भुक्त, भुजम्, भुज्व, भुज्म ॥
- ५ अवोभुज-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ वोभोजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वोभुज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वोभोजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वोभोजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवोभोजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२५१ डमस्जोत् (मस्ज्) शुद्धौ ॥

- १ माम-जीति, झि, क्तः, जति, जीषि, झि, कथः, कथ, जीमि, जिम्, ज्वः, ज्वः ॥
- २ मामज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ माम-जीतु, इत्तु, क्तात्, काम्, जतु, पिथ, क्तात्, कम्, क्त, जानि, जाव, जाम् ॥
- ४ अमाम-जीत्, न्, काम्, जुः, जीः, न्, कम्, क्त जम्, ज्व, ज्वम् ॥
- ५ अमामज्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म् ॥
- ६ मामज्जा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मामज्ज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मामज्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मामज्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमामज्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२५२ जर्ज (जर्ज्) परिभाषणे ॥

- १ जाज-जीति, कि, क्तः, जति, जीषि, कि, कथः, कथ, जीमि, किम्, ज्वः, ज्वः ॥
- २ जाजर्ज-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जाज-जीतु, क्तु, क्तात्, काम्, जतु, पिथ, क्तात्, कम्, क्त, जानि, जाव, जाम् ॥
- ४ अजाज-जीत्, क्, काम्, जुः, जीः, क्, कम्, क्त, जम्, ज्व, ज्वम् ॥
- ५ अजाजर्ज-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म् ॥
- ६ जाजर्जा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाजर्ज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाजर्जिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाजर्जिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाजर्जिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२५३ झर्झत् (झर्झ्) परिभाषणे ॥

- १ जाझ-जीति, पिथ, र्घः, जति, जीषि, झि, र्घः, र्घ, जीमि, जिम्, र्घ्वः, र्घ्वः ॥
- २ जाजर्झ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जाझ-जीतु, र्घु, र्घात्, र्घाम्, जतु, पिथ, र्घात्, र्घम्, र्घ, झानि, जाव, जाम् ॥
- ४ अजाझ-जीत्, क्, र्घाम्, झुः, जीः, क्, र्घम्, र्घ, र्घम्, र्घ्व, र्घ्वम् ॥
- ५ अजाझर्झ-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म् ॥
- ६ जाझर्झा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाझर्झ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जाझर्झिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाझर्झिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजाझर्झिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२५४ जुडत् (जुड्) गतौ ॥

- १ जो-जुडति, जोडि, जुडः, जुडति, जुडीषि, जोडिष, जुडः, जुड, जुडीमि, जोडिम, जुडः, जुडम् ॥
- २ जोजुड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ जोजुड, जोजु-डीतु, ड्यात्, ड्याम्, डतु, डि, ड्यात्, डम्, ड, डानि, डव, डाम् ॥
- ४ अजो-जोड, जुडीत्, जुडाम्, जुडः, जुडीः, जोड, जुडम्, जुड, जुडम्, जुड, जुडम् ॥
- ५ अजोजुड-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म् ॥
- ६ जोजुडा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोजुड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोजुडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोजुडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोजुडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२५५ पृडत् (पृड्) सुखने ॥

- १ परी-पडि, पृडति, पृडः, पृडति, पृडिषि, पडिष, पृडः, पृड, पृडमि, पडिम, पृडः, पृडमः ॥
- २ परीपृड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ परीपृड्, परीपृ-डीत्, डात्, डाम्, डतु, डि, डात्, डम्, ड, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अपरी-पर्द, पृडीत्, पृडाम्, पृडः, पृडीः, पर्द, पृडम्, पृड, पृडम्, पृड, पृडम् ॥
- ५ अपरीपर्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ परीपर्डा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ परीपृड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ परीपर्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ परीपर्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपरीपर्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे परी स्थाने ‘परि’ इति ‘पर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१२५६ मृडत् (मृड्) सुखने ॥

- १ मरी-मडि, मृडीति, मृडः, मृडति, मृडीषि, मडिष, मृडः, मृड, मृडमि, मडिम, मृडः, मृडमः ॥
- २ मरीमृड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मरीमृड्, मरीमृ-डीत्, डात्, डाम्, डतु, डि, डात्, डम्, ड, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अमरी-मर्द, मृडीत्, मृडाम्, मृडः, मृडीः, मर्द, मृडम्, मृड, मृडम्, मृड, मृडम् ॥
- ५ अमरीमर्ड-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मरीमर्डा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मरीमृड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मरीमर्डिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मरीमर्डिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमरीमर्डिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे मरी-स्थाने ‘मरि’ इति ‘मर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१२५७ कडत् (कड्) मदे ॥

- १ चाक-कीति, डि, डः, डति, डीषि, डिष, डः, ड, डमि, डिम, ड्वः, डमः ॥
- २ चाकड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चाक-डीत्, डु, डात्, डाम्, डतु, डि, डात्, डम्, ड, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अचाक-डीत्, द, डाम्, डुः, डीः, द, डम्, ड, डम्, ड्व, डम ॥
- ५ अचाकाड् } ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अचाकड् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाकडा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाकड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाकडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाकडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचाकडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२५८ पृणत् (पृण्) प्रीणने ॥

- १ परी-पण्डि, पृणीति, पृणः, पृणति, पृणीषि, पण्डिष, पृणः, पृण, पृणमि, पण्डिम, पृणः, पृणमः ॥
- २ परीपृण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ परी-पण्डि, पृणीत्, पृणाम्, पृणः, पृणीः, पण्डि, पृणाम्, पृणम्, पृण, पृणाम्, पृणानि, पृणाव, पृणाम ॥
- ४ अपरी-पर्ण, पृणीत्, पृणाम्, पृणः, पृणीः, पर्ण, पृणम्, पृण, पृणम्, पृण, पृणम् ॥
- ५ अपरीपर्ण-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ परीपर्णा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ परीपृण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ परीपर्णिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ परीपर्णिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपरीपर्णिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे परी-स्थाने ‘परि’ इति ‘पर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१२५९ तुणत् (तुण्) कौटिल्ये ॥

- १ तो-तोण्टि, तुणीति, तूण्टः, तुणति, तुणीषि, तोण्षि, तूण्टः, तूण्ट, तुणीमि, तोण्मि, तुण्वः, तुण्मः ॥
- २ तोतुण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तो-तोण्ट, तुणीतु, तूण्टात्, तूण्टाम्, तुणतु, तूण्हि, तूण्टात्, तूण्टम्, तूण्ट, तुणानि, तुणाव, तुणाम ॥
- ४ अतो-तोण्, तुणीत्, तूण्टाम्, तुणुः, तुणीः, तोण्, तूण्टम्, तूण्ट, तुणम्, तुण्व, तुण्म ॥
- ५ अतोतोण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतोणा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतोणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतोणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतोणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२६० मृणत् (मृण्) हिंसायाम् ॥

- १ मरी-मर्ण्टि, मृणीति, मृण्टः, मृणति, मृणीषि, मर्ण्षि, मृण्टः, मृण्ट, मृणीमि, मर्ण्मि, मृण्वः, मृण्मः ॥
- २ मरीमृण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मरी-मर्ण्ट मृणीतु, मृण्टात्, मृण्टाम्, मृणतु, मृण्हि, मृण्टात्, मृण्टम्, मृण्ट, मृणानि, मृणाव, मृणाम ॥
- ४ अमरी-मर्ण, मृणीत्, मृण्टाम्, मृणुः, मृणीः, मर्ण, मृण्टम्, मृण्ट, मृणम्, मृण्व, मृण्म ॥
- ५ अमरीमर्ण-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मरीमर्णा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मरीमृण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मरीमर्णिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मरीमर्णिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमरीमर्णिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे मरी-स्थाने ‘मरि’ इति ‘मर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१२६१ दुणत् (दुण्) गतिकौटिल्ययोः ॥

- १ दो-दोण्टि, दुणीति, दूण्टः, दुणति, दुणीषि, दोण्षि, दूण्टः, दूण्ट, दुणीमि, दोण्मि, दुण्वः, दुण्मः ॥
- २ दोदुण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दो-दोण्ट, दुणीतु, दूण्टात्, दूण्टाम्, दुणतु, दुण्हि, दूण्टात्, दूण्टम्, दूण्ट, दुणानि, दुणाव, दुणाम ॥
- ४ अदो-दोण्, दुणीत्, दूण्टाम्, दुणुः, दुणीः, दोण्, दूण्टम्, दूण्ट, दुणम्, दुण्व, दुण्म ॥
- ५ अदोदोण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दोदोणा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोदुण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दोदोणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोदोणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदोदोणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२६२ पुणत् (पुण्) शुभे ॥

- १ पो-पोण्टि, पुणीति, पूण्टः, पुणति, पुणीषि, पोण्षि, पूण्टः, पूण्ट, पुणीमि, पोण्मि, पुण्वः, पुण्मः ॥
- २ पोपुण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पो-पोण्ट, पुणीतु, पूण्टात्, पूण्टाम्, पुणतु, पुण्हि, पूण्टात्, पूण्टम्, पूण्ट, पुणानि, पुणाव, पुणाम ॥
- ४ अपो-पोण्, पुणीत्, पूण्टाम्, पुणुः, पुणीः, पोण्, पूण्टम्, पूण्ट, पुणम्, पुण्व, पुण्म ॥
- ५ अपोपोण्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोपोणा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपुण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपोणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपोणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोपोणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२६३ मुणत् (मुण्) प्रतिज्ञाने ॥

- १ मो-मोण्टि, मुणीति, मूण्टः, मुणति, मुणीषि, मोण्षि, मूण्डः, मूण्ड, मुणीमि, मोणिम, मुण्वः, मुण्वः ॥
- २ मोमुण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मो-मोण्ट, मुणीतु, मूण्डात्, मूण्डाम्, मुणतु, मूण्डि, मूण्डात्, मूण्डम्, मूण्ड, मुणानि, मुणाव, मुणाम ॥
- ४ अमो-मोण, मुणीत्, मूण्डाम्, मुणुः, मुणीः, मोण, मूण्डम्, मूण्ड, मुणम्, मुण्व, मुणम् ॥
- ५ अमोमोण्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मोमोणा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमुण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमोणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमोणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमोणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२६४ कुणत् (कुण्) शब्दोपकरणयोः ॥

- १ चो-कोण्टि, कुणीति, कूण्टः, कुणति, कुणीषि, कोण्षि, कूण्डः, कूण्ड, कुणीमि, कोणिम, कुण्वः, कुण्वः ॥
- २ चो-कुण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चो-कोण्ट, कुणीतु, कूण्डात्, कूण्डाम्, कुणतु, कूण्डि, कूण्डात्, कूण्डम्, कूण्ड, कुणानि, कुणाव, कुणाम ॥
- ४ अचो-कोण्, कुणीत्, कूण्डाम्, कुणुः, कुणीः, कोण, कूण्डम्, कूण्ड, कुणम्, कुण्व, कुणम् ॥
- ५ अचोकोण्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकोणा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकोण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकोणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकोणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२६५ घुणत् (घुण्) भ्रमणे ॥ घुणि ६५३ वट्ट० ॥

१२६६ घूर्णत् (घूर्ण्) भ्रमणे ॥ घूर्णि ६५४ वट्ट० ॥

१२६७ चृत्तैत् (चृत्) हिंसाग्रन्थयोः ॥

- १ चरी-चर्त्ति, चृतीति, चृत्तः, चृत्ति, चृतीषि, चर्त्ति, चृत्थः, चृत्थ, चृतीमि, चर्त्ति, चृत्त्वः, चृत्त्वः ॥ [याव, याम ॥
- २ चरिचृत्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चरीचर्त्तु, चरीचृ-तीतु, तात्, ताम्, ततु, द्वि, तात्, तम्, त, तानि, ताव, ताम ॥
- ४ अचरी-चर्त्त, चृतीत्, चृत्ताम्, चृत्तुः, चृतीः, चर्त्त, चृत्तम्, चृत्त, चृत्तम्, चृत्त्व, चृत्त्व ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अचरीचर्त्त-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चरीचर्त्ता-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चरीचृत्त्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चरीचर्त्तिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चरीचर्त्तिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, अचरीचर्त्त्यु } अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचरीचर्त्तिष्य } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अचरीचर्त्त्यु } अत्, अम्, आव, आम ॥

पक्षे चरी-स्थाने 'चरि' इति 'चर्' इति च ज्ञेयम् ॥

१२६८ पुदंत् (पुद्) प्रेरणे ॥

- १ नो-नोत्ति, नुदीति, नुत्तः, नुदति, नुदीषि, नोत्ति, नुत्थः, नुत्थ, नुदीमि, नोत्ति, नुद्वः, नुद्वः ॥
- २ नोनुद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ नोनोत्तु, नोनु-दीतु, तात्, ताम्, दतु, द्वि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अनो-नोत्, नुदीत्, नुत्ताम्, नुदुः, नुदीः, नोः, नोत्, नुत्तम्, नुत्त, नुदम्, नुद्व, नुद्व ॥
- ५ अनोनोद्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नोनोदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नोनुद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नोनोदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नोनोदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनोनोदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२६९ षद्लृत् (सद्) अवसादने । षद्लृत् ८९२ वदू० ॥

१२७० विधत् (विध्) विधाने । व्यधंच् १०६९ वदू० ॥

१२७१ जुनत् (जुन्) गतौ ॥

१ जो-जोन्ति, जुनीति, जून्तः, जुनति, जुनीषि, जौंसि, जून्थः, जून्थः, जुनीमि, जोन्मि, जुन्वः, जुन्मः ॥ [याव, याम ॥

२ जोजुन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,

३ जो-जोन्तु, जुनीतु, जून्तात्, जून्ताम्, जुनतु, जूंहि, जून्तात्, जून्तम्, जून्त, जुनानि, जुनाव, जुनाम् ॥

४ अजो-जोन्, जुनीत्, जून्ताम्, जुतुः, जुनीः, जोन्, जून्तम्, जून्त, जुनम्, जुन्व, जुन्म ॥

५ अजोजोन्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ जोजोना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ जोजुन्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ जोजोनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ जोजोनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अजोजोनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१२७२ शुनत् (शुन्) गतौ ॥

१ शो-शोन्ति, शुनीति, शून्तः, शुनति, शुनीषि, शौंसि, शून्थः, शून्थः, शुनीमि, शोन्मि, शुन्वः, शुन्मः ॥

२ शोशुन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ शो-शोन्तु, शुनीतु, शून्तात्, शून्ताम्, शुनतु, शूंहि, शून्तात्, शून्तम्, शून्त, शुनानि, शुनाव, शुनाम् ॥

४ अशो-शोन्, शुनीत्, शून्ताम्, शुतुः, शुनीः, शोन्, शून्तम्, शून्त, शुनम्, शुन्व, शुन्म ॥

५ अशोशोन्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ शोशोना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ शोशुन्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ शोशोनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ शोशोनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥

१० अशोशोनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२७३ लुपत् (लुप्) स्पर्शे ॥

१ चोच्-छोप्ति, लुपीति, लुप्तः, लुपति, लुपीषि, छोप्ति, लुप्यः, लुप्यः, लुपीमि, छोप्मि, लुप्वः, लुप्मः ॥

२ चोच्छुप्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ चोच्छोप्, चोच्छु-पीतु, स्तात्, स्ताम्, पतु, विध, स्तात्, सम्, स्त, पानि, पाव, पाम ॥

४ अचोच्-छोप्, लुपीत्, लुप्ताम्, लुपुः, लुपीः, छोप्, लुप्तम्, लुप्त, लुप्म, लुप्व, लुप्म ॥

५ अचोच्छोप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ चोच्छोपा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ चोच्छुप्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ चोच्छोपिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ चोच्छोपिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥

१० अचोच्छोपिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२७४ रिफत् (रिफ्) कथनयुद्धहिंसादानेषु ॥

१ रे-रेप्ति, रिफीति, रिप्तः, रिफति, रिफीषि, रेप्ति, रिप्यः, रिप्यः, रिफीमि, रेप्मि, रिप्वः, रिफमः ॥

२ रेरिफ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ रेरेप्तु, रेरि-फीतु, स्तात्, स्ताम्, फतु, विध, स्तात्, सम्, स्त, फानि, फाव, फाम ॥

४ अरे-रेप्, रिफीत्, रिप्ताम्, रिफुः, रिफीः, रेप्, रिप्तम्, रिप्त, रिप्म, रिप्व, रिप्म ॥

५ अरेरेफ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ रेरेफा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ रेरिफ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ रेरेफिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ रेरेफिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥

१० अरेरेफिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२७५ तृफत् (तृफ्) तृप्तौ ॥

- १ तरी-तर्प्ति, तृफीति, तृप्तः, तृफति, तृफीषि, तर्प्ति, तृप्तः, तृप्त, तृफीमि, तर्प्तिम, तृप्त्वः, तृप्त्वः ॥
- २ तरीतृफ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तरीतर्प्ति, तरीतृ-फीतु, सात्, साम्, फतु, विध, सात्, सत्, स, फाणि, फाव, फाम ॥
- ४ अतरी-तर्प्ति, तृफीत्, तृप्तम्, तृफुः, तृफीः, तर्प्ति, तृप्तम्, तृप्त, तृफम्, तृप्त्व, तृप्त्व ॥
- ५ अतरीतर्प्ति-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्व ॥
- ६ तरीतर्प्ति-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तरीतृफ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ तरीतर्प्तिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तरीतर्प्तिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतरीतर्प्तिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे तरी-स्थाने ‘तरी’ इति ‘तर्’ च ज्ञेयम् ॥

१२७७ दृफत् (दृफ्) उत्केशे ॥

- १ दरी-दर्प्ति, दृफीति, दृप्तः, दृफति, दृफीषि, दर्प्ति, दृप्तः, दृप्त, दृफीमि, दर्प्तिम, दृप्त्वः, दृप्त्वः ॥
- २ दरीदृफ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दरीदर्प्ति, दरीदृ-फीतु, सात्, साम्, फतु, विध, सात्, सत्, स, फाणि, फाव, फाम ॥
- ४ अदरी-दर्प्ति, दृफीत्, दृप्तम्, दृफुः, दृफीः, दर्प्ति, दृप्तम्, दृप्त, दृफम्, दृप्त्व, दृप्त्व ॥
- ५ अदरीदर्प्ति-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्व ॥
- ६ दरीदर्प्ति-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दरीदृफ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ दरीदर्प्तिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दरीदर्प्तिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदरीदर्प्तिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दरी-स्थाने ‘दरि’ इति ‘दर’ इति च ज्ञेयम् ॥

१२७६ तृम्फत् (तृम्फ्) तृप्तौ ॥

- १ तरीतृ-म्फीति, म्ति, सः, फति, म्फीषि, म्प्ति, प्थः, प्थ, म्फीमि, म्फमि, प्वः, प्वः ॥
- २ तरीतृम्फ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तरीतृ-म्फीतु, म्पु, सात्, साम्, फतु, विध, सात्, सत्, स, म्फाणि, म्फाव, म्फाम ॥
- ४ अतरीतृ-म्फीत्, न्, साम्, फुः, म्फीः, न्, सत्, स, म्फम्, प्व, प्व ॥
- ५ अतरीतृम्फ्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्व ॥
- ६ तरीतृम्फा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तरीतृम्फ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ तरीतृम्फिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तरीतृम्फिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतरीतृम्फिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे तरी-स्थाने ‘तरी’ इति ‘तर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१२७८ दृम्फत् (दृम्फ्) उत्केशे ॥

- १ दरीदृ-म्फीति, म्ति, सः, फति, म्फीषि, म्प्ति, प्थः, प्थ, म्फीमि, म्फिम, प्वः, प्वः ॥
- २ दरीदृम्फ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दरीदृ-म्फीतु, म्पु, सात्, साम्, फतु, विध, सात्, सत्, स, म्फाणि, फाव, फाम ॥
- ४ अदरीदृ-म्फीत्, न्, साम्, फुः, म्फीः, न्, सत्, स, म्फम्, प्व, प्व ॥
- ५ अदरीदृम्फ्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्व ॥
- ६ दरीदृम्फा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दरीदृम्फ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सत्, स्व, स्म ॥
- ८ दरीदृम्फिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दरीदृम्फिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदरीदृम्फिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दरी-स्थाने ‘दरि’ इति ‘दर’ इति च ज्ञेयम् ॥

१२७९ गुफत् (गुफ्) ग्रन्थने ॥

- १ जो-गोप्ति, गुफीति, गुप्तः, गुफति, गुफीषि, गोप्ति, गुप्थः, गुप्थ, गुफीमि, गोप्मि, गुफवः, गुफमः ॥
- २ जोगुफ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोगोप्नु, जोगु-फीत्, सात्, साम्, फत्, विध, सात्, सम्, स, फानि, फाव, फाम ॥
- ४ अजो-गोप्, गुफीत्, गुप्ताम्, गुफुः, गुफीः, गोप्, गुप्तम्, स, गुफम्, गुफव, गुफम ॥
- ५ अजोगोफ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोगोफा-ञकार इ० ॥ भवभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगुफ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगोफिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगोफिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगोफिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२८० गुम्फत् (गुम्फ्) ग्रन्थने ॥

- १ जोगु-म्फीति, म्फि, सः, फति, म्फीषि, म्फिसि, प्थः, प्थ, म्फीमि, म्फिम, फवः, फमः ॥
- २ जोगुफ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जोगु-म्फीत्, म्फु, सात्, साम्, फत्, विध, सात्, सम्, स, म्फानि, म्फाव, म्फाम ॥
- ४ अजोगु-म्फीत्, न्, साम्, फुः, म्फीः, न्, सम्, स, म्फम्, फव, फम ॥
- ५ अजोगुम्फ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोगुम्फा-ञकार इ० ॥ भवभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगुम्फ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगुम्फिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगुम्फिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगुम्फिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२८१ शुभत् (शुभ्) शोभार्थे ॥

- “ नमृणा ” इत्यत्र शोभतेर्वर्जनादस्य यङ्लुपि ॥
- १ शो-शोबिष्य, शुभीति, शुब्धः, शुभति, शुभीषि, शोप्ति, शुब्धः, शुब्ध, शुभीमि, शोप्मि, शुभवः, शुभमः ॥
 - २ शोशुभ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
 - ३ शोशोब्धु, शोशु-भीत्, ब्यात्, ब्याम्, भत्, विध, ब्यात्, ब्यम्, ब्य, भानि, भाव, भाम ॥
 - ४ अशो-शोप्, शुभीत्, शुब्धाम्, शुभुः, शुभीः, शोप्, शुब्धम्, शुब्ध, शुभम्, शुभव, शुभम ॥
 - ५ अशोशोभ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ शोशोभा-ञकार इ० ॥ भवभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ शोशुभ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ शोशोभिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ शोशोभिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
 - १० अशोशोभिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१२८२ शुम्भत् (शुम्भ्) शोभार्थे । शुम्भ् ३४९ वङ् ० ॥

१२८३ दृभत् (दृभ्) ग्रन्थे ॥

- १ दरी-दरिष्य, दृभीति, दृब्धः, दृभति, दृभीषि, धप्ति, दृब्धः, दृब्ध, दृभीमि, दरिष्य, दृभवः, दृभमः ॥ [याव, याम ॥
- २ दरीदृभ्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दरीदृब्धु, दरीदृ-भीत्, ब्यात्, ब्याम्, भत्, विध, ब्यात्, ब्यम्, ब्य, भानि, भाव, भाम ॥
- ४ अदरी-धर्ष, दृभीत्, दृब्धाम्, दृभुः, दृभीः, धर्ष, दृब्धम्, दृब्ध, दृभम्, दृभव, दृभम ॥
- ५ अदरीदर्भ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दरीदर्भा-ञकार इ० ॥ भवभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दरीदृभ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दरीदर्भिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दरीदर्भिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदरीदर्भिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दरी-स्थाने ‘दरि’ इति ‘दृ’ इति च ज्ञेयम् ॥

१२८४ लुभत् (लुभ्) विमोहने । लुभच् ११०७ वदू० ॥

१२८५ कुरत् (कुर्) शब्दे ॥

- १ चो-कोर्ति, कुरीति, कूर्तः, कुरति, कुरीषि, कोर्षि, कूर्थः, कूर्थ, कुरीमि, कोर्मि, कूर्वः, कूर्मः ॥
- २ चोक्कृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चो-कोर्तु, कुरीतु, कूर्तात्, कूर्ताम्, कुरतु, कूर्हि, कूर्तात्, कूर्तम्, कूर्त, कुराणि, कुराव, कुराम ॥
- ४ अचो-कुरीत्, कोः, कूर्ताम्, कुरुः, कुरीः, कोः कूर्तम्, कूर्त, कुरम्, कूर्व, कूर्म ॥
- ५ अचोकोर्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकोरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोक्कुर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकोरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचोकोरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२८६ क्षुरत् (क्षुर्) विखनने ॥

- १ चो-क्षुरीति, क्षोर्ति, क्षूर्तः, क्षुरति, क्षुरीषि, क्षोर्षि, क्षूर्थः, क्षूर्थ, क्षुरीमि, क्षोर्मि, क्षूर्वः, क्षूर्मः ॥
- २ चोक्षूर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चो-क्षुरीतु, क्षोर्तु, क्षूर्तात्, क्षूर्ताम्, क्षुरतु, क्षूर्हि, क्षूर्तात्, क्षूर्तम्, क्षूर्त, क्षुराणि, क्षुराव, क्षुराम ॥
- ४ अचो-क्षुरीत्, क्षोः, क्षूर्ताम्, क्षुरुः, क्षुरीः, क्षोः, क्षूर्तम्, क्षूर्त, क्षुरम्, क्षूर्व, क्षूर्म ॥
- ५ अचोक्षोर्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोक्षोरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोक्षूर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोक्षोरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोक्षोरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोक्षोरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२८७ खुरत् (खुर्) छेदने च ॥

- १ चो-खुरीति, खोर्ति, खूर्तः, खुरति, खुरीषि, खोर्षि, खूर्थः, खूर्थ, खुरीमि, खोर्मि, खूर्वः, खूर्मः ॥
- २ चोखूर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चो-खुरीतु, खोर्तु, खूर्तात्, खूर्ताम्, खुरतु, खूर्हि, खूर्तात्, खूर्तम्, खूर्त, खुराणि, खुराव, खुराम ॥
- ४ अचो-खुरीत्, खोः, खूर्ताम्, खुरुः, खुरीः, खोः, खूर्तम्, खूर्त, खुरम्, खूर्व, खूर्म ॥
- ५ अचोखोर्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोखोरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोखूर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोखोरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोखोरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोखोरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२८८ घुरत् (घुर्) भीमार्थशब्दयोः ॥

- १ जो-घुरीति, घोर्ति, घूर्तः, घुरति, घुरीषि, घोर्षि, घूर्थः, घूर्थ, घुरीमि, घोर्मि, घूर्वः, घूर्मः ॥
- २ जोघूर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-घुरीतु, घोर्तु, घूर्तात्, घूर्ताम्, घुरतु, घूर्हि, घूर्तात्, घूर्तम्, घूर्त, घुराणि, घुराव, घुराम ॥
- ४ अजो-घुरीत्, घोः, घूर्ताम्, घुरुः, घुरीः, घोः, घूर्तम्, घूर्त, घुरम्, घूर्व, घूर्म ॥
- ५ अजोघोर्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जोघोरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोघूर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोघोरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोघोरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोघोरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२८९ पुरत् (पुर) अग्रगमने ॥

- १ पो-पुरीति, पोति, पूर्तः, पुरति, पुरीषि, पोषि, पूर्थः, पूर्थ, पुरीमि, पोमि, पूर्वः, पूर्वः ॥
- २ पोपूर-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पो-पुरीतु, पोतु, पूर्तात्, पूर्ताम्, पुरतु, पूहि, पूर्तात्, पूर्वम्, पूर्व, पुराणि, पुराव, पुराम ॥
- ४ अपो-पुरीत्, पोः, पूर्ताम्, पुरुः, पुरीः, पोः, पूर्वम्, पूर्व, पुरम्, पूर्व, पूर्व ॥
- ५ अपोपोर्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पोपोरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपूर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपोरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपोरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोपोरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२९० मुरत् (मुर) संवेष्टने ॥

- १ मो-मोति, मुरीति, मूर्तः, मुरति, मुरीषि, मोषि, मूर्थः, मूर्थ, मुरीमि, मोमि, मूर्वः, मूर्वः ॥
- २ मोमूर-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ मो-मुरीतु, मोतु, मूर्तात्, मूर्ताम्, मुरतु, मूहि, मूर्तात्, मूर्तम्, मूर्त, मुराणि, मुराव, मुराम ॥
- ४ अमो-मुरीत्, मोः, मूर्ताम्, मुरुः, मुरीः, मोः, मूर्तम्, मूर्त, मुरम्, मूर्व, मूर्व ॥
- ५ अमोमोर्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मोमोरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मोमूर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मोमोरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मोमोरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमोमोरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२९१ सुरत् (सुर) ऐश्वर्यदीप्त्योः ॥

- १ सो-सुरीति, सोति, सूर्तः, सुरति, सुरीषि, सोषि, सूर्थः, सूर्थ, सुरीमि, सोमि, सर्वः, सर्वः ॥
- २ सोसूर-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सो-सुरीतु, सोतु, सूतात्, सूताम्, सुरतु, सूहि, सूतात्, सूतम्, सूत, सुराणि, सुराव, सुराम ॥
- ४ असो-सुरीत्, सोः, सूताम्, सुरुः, सुरीः, सोः, सूतम्, सूत, सुरम्, सूर्व, सूर्व ॥
- ५ असोसोर्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सोसोरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोसूर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोसोरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोसोरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असोसोरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२९२ स्फुरत् (स्फुर) स्फुरणे ॥

- १ पास्फ-रीति, ति, तैः, रति, रीषि, रि, र्थः, र्थ, रीमि, रि, र्थः, र्थः ॥
- २ पास्फूर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पास्फ-रीतु, तु, तात्, ताम्, रतु, हि, तात्, तम्, त, राणि, राव, राम ॥
- ४ अपास्फ-रीत्, रः, ताम्, रुः, रीः, तम्, त, रम्, र्थ, र्थ ॥
- ५ अपास्फार्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पास्फरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पास्फूर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पास्फरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पास्फरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपास्फरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२९३ स्फल् (स्फल्) स्फुरणे ॥

- १ पास्फल्-ईति, ति, तः, अति, ईषि, पि, थः, थ, ईमि, मि, वः, मः ॥
- २ पास्फल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पास्फल्-ईतु, तु, तात्, ताम्, अतु, हि, तात्, तम्, त, आनि, आव, आम ॥
- ४ अपास्फल्-ईत्, ", ताम्, उः, ईः, ", तम्, त, अम्, व, व ॥
- ५ अपास्फल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पास्फला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पास्फल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पास्फलता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पास्फलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपास्फलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे पा-स्थाने ' प ' इति च ज्ञेयम् ॥

१२९४ किल् (किल्) श्रैत्यक्रीडनयोः ॥

- १ चे-केलित्, किलीति, किल्तः, किलति, किलीषि, केलिष, किलथः, किलथ, किलीमि, केलिम, किल्वः, किल्मः ॥
- २ चेकिल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेकेलु, चेकि-लीतु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचे-केल्, किलीत्, किल्ताम्, किळुः, किलीः, केल्, किल्तम्, किल्त, किल्तम्, किलम्, किल्व, किल्म ॥
- ५ अचेकेल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चेकेला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेकिल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेकेलिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेकेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेकेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२९५ हिलत् (हिल्) हावकरणे ॥

- १ जे-हेलित्, हिलीति, हिल्तः, हिलति, हिलीषि, हेलिष, हिलथः, हिलथ, हिलीमि, हेलिम, हिल्वः, हिल्मः ॥
- २ जेहिल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जेहेलु, जेहि-लीतु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अजे-हेल्, हिलीत्, हिल्ताम्, हिळुः, हिलीः, हेल्, हिल्तम्, हिल्त, हिलम्, हिल्व, हिल्म ॥
- ५ अजेहेल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जेहेला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जेहिल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जेहेलिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जेहेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजेहेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२९६ शिलत् (शिल्) उञ्छे ॥

- १ शे-शेलित्, शिलीति, शिल्तः, शिलति, शिलीषि, शेलिष, शिलथः, शिलथ, शिलीमि, शेलिम, शिल्वः, शिल्मः ॥
- २ शेशिल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शेशेलु, शेशि-लीतु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, ल्तम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अशे-शेल्, शिलीत्, शिल्ताम्, शिळुः, शिलीः, शेल्, शिल्तम्, शिल्त, शिलम्, शिल्व, शिल्म ॥
- ५ अशेशेल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शेशेला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेशिल्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शेशेलिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेशेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अशेशेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१२९७ सिलत् (सिल्) उज्ज्हे ॥

- १ से-सेलित्, सिलीति, सिल्तः, सिलति, सिलीषि, सेल्वि,
सिल्वः, सिल्व, सिलीमि, सेल्मि, सिल्वः, सिल्मः ॥
- २ सेसिल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम ॥
- ३ सेसेस्तु, सेसि-लु, ल्तात्, ल्ताम्, लुतु, लिह, ल्तात्,
ल्लम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ असे-सेल्, सिलीत्, सिल्लाम्, सिलुः, सेल्, सिलीः,
सिल्लम्, सिल्त, सिलम्, सिल्व, सिल्म ॥
- ५ असेसेल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ सेसेला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेसिल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेसेलिता-”, रै, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेसेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० असेसेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१२९८ तिलत् (तिल्) स्नेहने ॥ तिल ४०६ वद् ॥

१२९९ चलत् (चल्) विलसने ॥ चल ८९९ वद् ॥

१३०० चिलत् (चिल्) वसने ॥

- १ चे-चेलित्, चिलीति, चिल्तः, चिलति, चिलीषि, चेल्वि,
चिल्वः, चिल्व, चिलीमि, चेल्मि, चिल्वः, चिल्मः ॥
- २ चेचिल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ चेचेस्तु, चेचि-लीतु, ल्तात्, ल्ताम्, लुतु, लिह,
ल्लम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अचे-चेल्, चिलीत्, चिल्लाम्, चिलुः, चिलीः, चेल्,
चिल्लम्, चिल्त, चिलम्, चिल्व, चिल्म ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अचेचेल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ चेचेला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेचिल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेचेलिता-”, रै, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेचेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचेचेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३०१ विलत् (विल्) वरणे ॥

- १ वे-वेलित्, विलीति, विल्तः, विलति, विलीषि, वेल्वि,
विल्वः, विल्व, विलीमि, वेल्मि, विल्वः, विल्मः ॥
- २ वेविल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ वेवेस्तु, वेवि-लीतु, ल्तात्, ल्ताम्, लुतु, लिह, ल्तात्,
ल्लम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अवे-वेल्, विलीत्, विल्लाम्, विलुः, विलीः, वेल्,
विल्लम्, विल्त, विलम्, विल्व, विल्म ॥
- ५ अवेवेल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ वेवेला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेविल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेवेलिता-”, रै, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३०२ बिलत् (बिल्) भेदने ॥

- १ बे-बेलित्, बिलीति, बिल्तः, बिलति, बिलीषि, बेल्वि,
बिल्वः, बिल्व, बिलीमि, बेल्मि, बिल्वः, बिल्मः ॥
- २ बेबिल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ बेवेस्तु, बेवि-लीतु, ल्तात्, ल्ताम्, लुतु, लिह, ल्तात्,
ल्लम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अबे-बेल्, बिलीत्, बिल्लाम्, बिलुः, बिलीः, बेल्,
बिल्लम्, बिल्त, बिलम्, बिल्व, बिल्म ॥
- ५ अबेबेल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ बेवेला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बेबिल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बेबेलिता-”, रै, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बेबेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अबेबेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३०३ गिलत् (निल्) गहने ॥

- १ ने-नेत्ति, निर्लीति, निलतः, निलति, निर्लीषि, नेल्थि,
निलथः, निलथ, निर्लीमि, नेल्मि, निल्वः, निल्मः ॥
- २ नेनिल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ नेनेलु, नेनि-लीतु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह,
ल्तात्, लतम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अने-नेल्, निर्लीत्, ल्ताम्, निळुः, निर्लीः, नेल्,
निल्तम्, निल्त, निलम्, निल्व, निल्म ॥
- ५ अनेनेल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नेनेला-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ नेनिल्या-त्, ल्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेनेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेनेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अनेनेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३०४ मिलत् (मिल्) श्लेषणे ॥

- १ मे-मेत्ति, मिलीति, मिलतः, मिलति, मिलाषि, मेल्थि,
मिलथः, मिलथ, मिलीमि, मेल्मि, मिल्वः, मिल्मः ॥
- २ मेमिल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ मेमेलु, मेमि-लीतु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्,
लतम्, ल्त, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अमे-मेल्, मिलीत्, मिल्ताम्, मिलः, मिलाः, मेल्,
मिल्तम्, मिल्त, मिलम्, मिल्व, मिल्म ॥
- ५ अमेमेल्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मेमेला-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मेमिल्या-त्, ल्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मेमेलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मेमेलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अमेमेलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३०५ स्पृशत् (स्पृश्) संस्पर्शे ॥

- १ परी-स्पृशीति, स्पृष्टि, स्पृष्ट, स्पृष्टः, स्पृशति,
स्पृशीषि, स्पृश्रि, स्पृश्रि, स्पृष्टः, स्पृष्टः, स्पृष्ट, स्पृष्ट,
स्पृशीमि, स्पृशिम, स्पृश्वः, स्पृशमः ॥ [याव, याम ॥
- २ परीस्पृश-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याम्, याव, याम ॥
- ३ परी-स्पृशीतु, स्पृष्टि, स्पृष्ट, स्पृष्टात्, स्पृष्टात्, स्पृष्टाम्,
स्पृष्टाम्, स्पृशतु, स्पृष्टि, स्पृष्टि, स्पृष्टात्, स्पृष्टात्, स्पृष्टम्,
स्पृष्टम्, स्पृष्ट, स्पृष्ट, स्पृशानि, स्पृशाव, स्पृशाम ॥
- ४ अपरी-स्पृशीत्, स्पृष्ट, स्पृष्ट, स्पृष्टाम्, स्पृष्टाम्, स्पृष्टः,
स्पृष्टाः, स्पृष्ट, स्पृष्ट, स्पृष्टम्, स्पृष्टम्, स्पृष्ट, स्पृष्ट,
स्पृष्टम्, स्पृष्टव, स्पृष्टम ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अपरीस्पृश-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्व, इष्म ॥
- ६ परीस्पृश-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ परीस्पृश्या-त्, ल्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ परीस्पृशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ परीस्पृशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपरीस्पृशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
पक्षे परी-स्थाने 'परि' इति 'पद' इति च ज्ञेयम् ॥

१३०६ रुशत् (रुश्) हिंसायाम् ॥

- १ रो-रोष्टि, रुशीति, रुष्टः, रुशति, रुशीषि, रोक्षि, रुष्टः,
रुष्ट, रुशीमि, रोक्षि, रुश्वः, रुक्षमः ॥
- २ रोरुश-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम ॥
- ३ रोरोष्टु, रोरु-शीतु, श्रात्, श्राम्, शतु, लिह, श्रात्,
श्रम्, श्र, शानि, शाव, शाम ॥
- ४ अरो-रोष्ट, रुशीत्, रुष्टाम्, रुष्टाः, रुष्टाः, रोष्ट,
रुष्टम्, रुष्ट, रुष्टम्, रुष्टव, रुष्टम ॥
- ५ अरोरोश-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रोरोशा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रोरुश्या-त्, ल्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रोरोशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रोरोशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरोरोशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३०७ रिशन्त (रिश्) हिंसायाम् ॥

- १ रे-रेष्टि, रिशीति, रिष्टः, रिशति, रिशीषि, रेक्षि, रिष्टः, रिष्ट, रिशीमि, रेक्षि, रिश्वः, रिश्मः ॥
- २ रेरिश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ रेरेष्टु, रेरि-शीतु, छात्, छाम्, शतु, द्वि, छात्, छम्, छ, शानि, शाव, शाम् ॥
- ४ अरे-रेद, रिशीत्, रिष्टाम्, रिशुः, रिशीः, रेद, रिष्टम्, रिष्ट, रिष्टाम्, रिश्वः, रिश्मः ॥
- ५ अरेरेश्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्मः ॥
- ६ रेरेशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रेरेश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्मः ॥
- ८ रेरेशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रेरेशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अरेरेशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३०८ विशन्त (विश्) प्रवेशने ॥

- १ वे-वेष्टि, विशीति, विष्टः, विशति, विशीषि, वेक्षि, विष्टः, विष्ट, विशीमि, वेक्षि, विश्वः, विश्मः ॥
- २ वेविश्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ वेवेष्टु, वेवि-शीतु, छात्, छाम्, शतु, द्वि, छात्, छम्, छ, शानि, शाव, शाम् ॥
- ४ अवे-वेद, विशीत्, विष्टाम्, विशुः, विशीः, वेद, विष्टम्, विष्ट, विष्टाम्, विश्वः, विश्मः ॥
- ५ अवेवेश-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्मः ॥
- ६ वेवेशा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेविश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्मः ॥
- ८ वेवेशिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेवेशिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवेवेशिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३०९ मृशन्त (मृश्) आमर्शने ॥

- १ मरी-मृशीति, मर्षि, म्रष्टि, म्रष्टः, मृशति, मृशीषि, मर्क्षि, म्रक्षि, म्रष्टः, मृष्टः, म्रष्ट, म्रष्टि, मर्षि, मृश्वः, मृश्मः ॥
- २ मरीमृश-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥ [मृशाव, मृशाम् ॥
- ३ मरी-मृशीतु, मर्षु, म्रष्टु, म्रष्टात्, मृष्टात्, मृष्टाम्, म्रष्टाम्, मृशतु, मृष्टि, म्रष्टि, मृष्टात्, म्रष्टात्, मृष्ट, म्रष्ट, मृशानि, ॥
- ४ अगरी-मृशीत्, मर्द, म्रद, म्रष्टाम्, मृष्टाम्, मृशुः, मृशीः, मर्द, म्रद, मृष्टम्, म्रष्टम्, मृष्ट, म्रष्ट, मृशाम्, मृश्वः, मृश्मः ॥
- ५ अमरीमृश-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्मः ॥
- ६ मरीमर्शा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मरीमृश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्मः ॥
- ८ मरीमर्शिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मरीमर्शिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमरीमर्शिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे मरी-स्थाने 'मरि' इति 'मर्' इति च ज्ञेयम् ॥

१३१० लिशन्त (लिश्) गतौ । लिशिच् ११८३ वदू० ॥

१३११ मिषत् (मिष्) स्पर्द्धायाम् । मिषू ४८५ वदू० ॥

१३१२ वृहौत् (वृह्) उद्यमे । वृह ५१८ वदूपाणि ॥

१३१३ वृहौत् (वृह्) हिंसायाम् ॥

- १ तरी-तर्दि, वृहीति, तृढः, तृहति, तृहीषि, तर्क्षि, तृढः, तृढ, तृहीमि, तर्क्षि, तृढः, तृढः ॥ [याव, याम् ॥
- २ तरीतृह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ तरीतर्दु, तरीतृ-हीतु, डात्, डाम्, हतु, डि, डात्, डम्, ड, हाणि, हाव, हाम् ॥
- ४ अतरी-तर्द, तृहीत्, तृढाम्, तृहुः, तृहीः, तर्द, तृढम्, तृढ, तृढम्, तृढ, तृढः ॥ [इष्, इष्मः ॥
- ५ अतरीतर्द-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्मः ॥
- ६ तरीतर्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तरीतृह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्मः ॥
- ८ तरीतर्हिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तरीतर्हिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतरीतर्हिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे तरी-स्थाने 'तरि' इति 'तर्' इति च ज्ञेयम् ॥

१३१४ तृहौत् (तृह्) हिंसायाम् ॥

- १ तरी-तृण्डि, तृहीति, तृढः, तृहति, तृहीषि, तृह्नि, तृढः, तृढ, तृहीमि, तृभि, तृहः, तृहः ॥
- २ तरीतृह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ तरी-तृहीतु, तृण्ड, तृढात्, तृढाम्, तृहतु, तृढि, तृढात्, तृढम्, तृढ, तृहाणि, तृहाव, तृहाम् ॥
- ४ अतरी-तृहीत्, तृन्, तृढाम्, तृहुः, तृहीः, तृन्, तृढम्, तृढ, तृहम्, तृह, तृहम् ॥
- ५ अतरीतृह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तरीतृहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तरीतृह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तरीतृहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तरीतृहिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतरीतृहिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे तरी-स्थाने 'तरि' इति 'तर्' इति च ज्ञेयम् ॥

१३१५ स्तृहौत् (स्तृह्) हिंसायाम् ॥

- १ तरी-स्तृण्डि, स्तृहीति, स्तृढः, स्तृहति, स्तृहीषि, स्तृह्नि, स्तृढः, स्तृढ, स्तृहीमि, स्तृभि, स्तृहः, स्तृहः ॥
- २ तरीस्तृह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ तरीस्तृहु, तरीस्तृ-हीतु, ढात्, ढाम्, हतु, ढि, ढात्, ढम्, ढ, हाणि, हाव, हाम् ॥
- ४ अतरी-स्तृह्, स्तृहीत्, स्तृढाम्, स्तृहुः, स्तृहीः, स्तृह्, स्तृढम्, स्तृढ, स्तृहम्, स्तृह, स्तृहम् ॥
- ५ अतरीस्तृह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तरीस्तृहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तरीस्तृह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तरीस्तृहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तरीस्तृहिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतरीस्तृहिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे तरी-स्थाने 'तरि' इति 'तर्' इति च ज्ञेयम् ॥

१३१६ स्तृहौत् (स्तृह्) हिंसायाम् ॥

- १ तरी-स्तृण्डि, स्तृहीति, स्तृढः, स्तृहति, स्तृहीषि, स्तृह्नि, स्तृढः, स्तृढ, स्तृहीमि, स्तृभि, स्तृहः, स्तृहः ॥
- २ तरीस्तृह्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ तरी-स्तृहीतु, स्तृण्ड, स्तृढात्, स्तृढाम्, स्तृहतु, स्तृढि, स्तृढात्, स्तृढम्, स्तृढ, स्तृहाणि, स्तृहाव, स्तृहाम् ॥
- ४ अतरी-स्तृहीत्, स्तृन्, स्तृढाम्, स्तृहुः, स्तृहीः, स्तृन्, स्तृढम्, स्तृढ, स्तृहम्, स्तृह, स्तृहम् ॥
- ५ अतरीस्तृह्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तरीस्तृहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तरीस्तृह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तरीस्तृहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तरीस्तृहिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतरीस्तृहिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे तरी-स्थाने 'तरि' इति 'तर्' इति च ज्ञेयम् ॥

१३१७ कुटत् (कुट्) कौटिल्ये ॥

- १ चो-कोट्टि, कुटीति, कुट्टः, कुटति, कुटीषि, कोटिषि, कुट्टः, कुट्ट, कुटीमि, कोटिमि, कुट्टः, कुट्टम् ॥
- २ चोकोट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम् ॥
- ३ चोकोटु, चोको-टीतु, ढात्, ढाम्, टु, ढि, ढात्, ढम्, ढ, टानि, टाव, टाम् ॥
- ४ अचो-कोट्, कोटीत्, कुट्टाम्, कुट्टः, कुटीः, कोट्, कुट्टम्, कुट्ट, कुट्टम्, कुट्ट, कुट्टम् ॥
- ५ अचोकोट्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोकोटा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकोट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकोटिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकोटिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३१८ गुंत् (गु) पुरीषोत्सर्गे । गुंङ् ५४६ वद्रू० ॥

१३१९ ध्रुत् (ध्रु) गतिस्थैर्ययोः । ध्रु १६ वद्रूपाणि ॥

१३२० णूत् (नू) स्तवने ॥

१ नो-नवीति, नोति, नूतः, नुवति, नवीषि, नोषि, नूथः, नूथ, नवीमि, नोमि, नूवः, नूमः ॥

२ नोनू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ नो-नवीतु, नोतु, नूतात्, नूताम्, नुवतु, नूहि, नूतात्, नूतम्, नूत, नवानि, नवाव, नवाम ॥

४ अनो-नवीत्, नोत्, नूताम्, ननुः, नवीः, नोः, नूतम्, नूत, नवम्, नूव, नूम ॥ [इष्, इष्म ॥

५ अनोनाव-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥

६ नोनवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ नोनूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ नोनविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ नोनविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अनोनविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१३२१ धूत् (धू) विधूनने ॥ धूम् ११९७ वद्रूपाणि ॥

१३२२ कुचत् (कुच्) संकोचने । कुच ९१ वद्रूपाणि ॥

१३२३ व्यचत् (व्यच्) व्याजीकरणे ॥

१ वे-वेक्ति, विचीति, विक्तः, विचति, विचीषि, वेक्षि, विक्थः, विक्थ, विचीमि, वेचिमि, विच्वः, विचमः ॥ [याव, याम ॥

२ वेविच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ वेवेक्तु, वेवि-चीतु, कात्, काम्, चतु, गिथ, कात्, कम्, कं, चानि, चाव, चाम ॥

४ अवे-वेक्, विचीत्, विक्ताम्, विचुः, विचीः, वेक्, विक्तम्, विक्त, विचम्, विच्व, विचम ॥ [इष्, इष्म ॥

५ अवेवेच्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥

६ वेवेचा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ वेविच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ वेवेचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ वेवेचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अवेवेचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अन्यमते-वाव्य-चीति, कि, कः, इत्यादि ॥

१३२४ गुजत् (गुज्) शब्दे । गुज १३८ वद्रूपाणि ॥

१३२५ घुटत् (घुट्) प्रतीघाते ॥ घुटि ८६७ वद्रू० ॥

१३२६ चुटत् (चुट्) छेदने । चुट १८७ वद्रूपाणि ॥

१३२७ छुटत् (छुट्) छेदने

१ चोच्-छोद्दि, छुटीति, छुट्, छुटति, छुटीषि, छोदिष, छुट्टः, छुट्ट, छुटीमि, छोदिम, छुट्टः, छुट्टम् ॥ [याव, याम ॥

२ चोच्छुट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ चोच्छोटु, चोच्छु-टीतु, टात्, टाम्, टतु, ट्ति, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥

४ अचोच्-छोद्, छुटीत्, छुट्टाम्, छुट्टः, छुटीः, छोद्, छुट्टम्, छुट्ट, छुट्टम्, छुट्ट, छुट्टम् ॥ [इष्, इष्म ॥

५ अचोच्छोटु-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥

६ चोच्छोटा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ चोच्छुट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ चोच्छोटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ चोच्छोटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अचोच्छोटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१३२८ चुटत् (चुट्) छेदने ॥

१ तो-त्रोद्दि, चुटीति, चुट्टः, चुटति, चुटीषि, त्रोदिष, चुट्टः, चुट्ट, चुटीमि, त्रोदिम, चुट्टः, चुट्टम् ॥

२ तोचुट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ तोचोटु, तोचु-टीतु, टात्, टाम्, टतु, ट्ति, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥

४ अतो-त्रोद्, चुटीत्, चुट्टाम्, चुट्टः, चुटीः, त्रोद्, चुट्टम्, चुट्ट, चुट्टम्, चुट्ट, चुट्टम् ॥

५ अतोचोटु-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥

६ तोचोटु-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ तोचुट्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ तोचोटिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ तोचोटिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥

१० अतोचोटिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३२९ तुट् (तुट्) कलहकर्मणि ॥

- १ तो-तोडि, तुटीति, तुट्, तुटति, तुटीषि, तोडिष, तुट्, तुट्, तुटीमि, तोडिम, तुट्, तुटमः ॥
- २ तोतुट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तोतोडु, तोतु-टीतु, टात्, टाम्, टतु, टि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अतो-तोड, तुटीत्, तुटाम्, तुट्, तुटीः, तोड, तुटम्, तुट्, तुटम्, तुट्, तुटम् ॥
- ५ अतोतोड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तोतोडा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोतुड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोतोडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोतोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोतोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३३० मुट् (मुट्) आक्षेपप्रमर्दनयोः ॥ मुट् १८७ वट् ॥

१३३१ स्फुट् (स्फुट्) विकसने ॥ स्फुट् १९४ वट् ॥

१३३२ पुट् (पुट्) संश्लेषणे ॥

- १ पो-पोडि, पुटीति, पुट्, पुटति, पुटीषि, पोडिष, पुट्, पुट्, पुटीमि, पोडिम, पुट्, पुटमः ॥
- २ पोपुट्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोपोडु, पोपु-टीतु, टात्, टाम्, टतु, टि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अपो-पोड, पुटीत्, पुटाम्, पुट्, पुटीः, पोड, पुटम्, पुट्, पुटम्, पुट्, पुटम् ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अपोपोड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पोपोडा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोपुड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोपोडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोपोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अपोपोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१३३३ लुट् (लुट्) संश्लेषणे ॥ लुट् २०४ वट् ॥

१३३४ कृड् (कृड्) घसने ॥

- १ चरी-कडि, कृडीति, कृड्, कृडति, कृडीषि, कडिष, कृड्, कृड्, कृडीमि, कडिम, कृड्, कृडमः ॥
- २ चरीकृड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चरीकृटु, चरीकृ-डीतु, टात्, टाम्, टतु, टि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अचरी-कड, कृडीत्, कृडाम्, कृड्, कृडीः, कड, कृडम्, कृड्, कृडम्, कृड्, कृडम् ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अचरीकृड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चरीकृडा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चरीकृड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चरीकृडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चरीकृडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचरीकृडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चरी-स्थाने 'चरि' इति 'चर्' इति च ज्ञेयम् ॥

१३३५ कुड् (कुड्) बाल्ये च ॥

- १ चो-कोडि, कुडीति, कुड्, कुडति, कुडीषि, कोडिष, कुड्, कुड्, कुडीमि, कोडिम, कुड्, कुडमः ॥
- २ चोकोड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोकोटु, चोको-डीतु, टात्, टाम्, टतु, टि, टात्, टम्, ट, टानि, टाव, टाम ॥
- ४ अचो-कोड, कुडीत्, कुडाम्, कुड्, कुडीः, कोड, कुडम्, कुड्, कुडम्, कुड्, कुडम् ॥
- ५ अचोकोड्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकोडा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकोड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अत, अम्, आव, आम ॥

१३३६ गुडत् (गुड्) रक्षायाम् ॥

- १ जो-गोद्वि, गुडीति, गुडः, गुडति, गुडीषि, गोद्विष, गुडः,
गुड, गुडीमि, गोद्विम, गुड्वः, गुड्वमः ॥
- २ जोगुड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ जोगोद्वु, जोगु-डीतु, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्,
द्वम्, द्वा, दानि, डाव, डाम ॥
- ४ अजो-गोद, गुडीत्, गुडाम्, गुडः, गुडीः, गोद,
गुडम्, गुड, गुडम्, गुड्व, गुड्वम् ॥
- ५ अजोगोड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ जोगोडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगुड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगोडिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३४० थुडत् (थुड्) संवरणे ॥

- १ तो-थोद्वि, थुडीति, थुडः, थुडति, थुडीषि, थोद्विष, थुडः,
थुड, थुडीमि, थोद्विम, थुड्वः, थुड्वमः ॥
- २ तोथुड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ तोथोद्वु, तोथु-डीतु, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्,
द्वम्, द्वा, दानि, डाव, डाम ॥
- ४ अतो-थोद, थुडीत्, थुडाम्, थुडः, थुडीः, थोद,
थुडम्, थुड, थुडम्, थुड्व, थुड्वम् ॥
- ५ अतोथोड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ तोथोडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोथुड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोथोडिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोथोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोथोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३३७ जुडत् (जुड्) बन्धे । जुडत् १२५४ वद्रूपाणि ॥

१३३८ तुडत् (तुड्) तोडने । तुड् २२७ वद्रूपाणि ॥

१३३९ लुडत् (लुड्) संवरणे ॥

- १ लो-लोद्वि, लुडीति, लुडः, लुडति, लुडीषि, लोद्विष, लुडः,
लुड, लुडीमि, लोद्विम, लुड्वः, लुड्वमः ॥
- २ लोलुड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ लोलोद्वु, लोलु-डीतु, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्,
द्वम्, द्वा, दानि, डाव, डाम ॥
- ४ अलो-लोद, लुडीत्, लुडाम्, लुडः, लुडीः, लोद, लुडम्,
लुड, लुडम्, लुड्व, लुड्वम् ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अलोलोड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्,
इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ लोलोडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोलुड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोलोडिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोलोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अलोलोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३४१ स्थुडत् (स्थुड्) संवरणे ॥

- १ तो-स्थोद्वि, स्थुडीति, स्थुडः, स्थुडति, स्थुडीषि, स्थोद्विष,
स्थुडः, स्थुड, स्थुडीमि, स्थोद्विम, स्थुड्वः, स्थुड्वमः ॥
- २ तोस्थुड-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ तोस्थोद्वु, तोस्थु-डीतु, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्,
द्वम्, द्वा, दानि, डाव, डाम ॥
- ४ अतो-स्थोद, स्थुडीत्, स्थुडाम्, स्थुडः, स्थुडीः, स्थोद,
स्थुडम्, स्थुड, स्थुडम्, स्थुड्व, स्थुड्वम् ॥
- ५ अतोस्थोड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्,
इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ तोस्थोडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तोस्थुड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तोस्थोडिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तोस्थोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अतोस्थोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३४२ बुडत् (बुइ) उत्सर्गे च ॥

- १ वो-वोद्धि, वुडीति, वुद्धः, वुडति, वुडीषि, वोद्धिष, वुद्धः,
वुद्ध, वुडीमि, वोद्धिम, वुद्धः, वुद्धमः ॥
- २ वोवुद्ध-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ वोवोद्धु, वोवु-डीतु, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्,
द्वम्, दृ, डानि, डाव, डाम ॥
- ४ अवो-वोद्, वुडीत्, वुड्याम्, वुडः, वुडीः, वोद्,
वुद्धम्, वुद्ध, वुद्धम्, वुद्ध, वुद्धम् ॥
- ५ अवोवोद्ध-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वोवोडा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वोवुड्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्तः, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वोवोडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वोवोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवोवोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३४४ भुडत् (भुइ) संघाते ॥

- १ बो-भ्रोदि, भुडीति, भुङ्, भुडति, भुडीषि, भ्रोदिषि,
भुङ्; भुङ्, भुडीमि, भ्रोदिम, भुङ्ग; भुङ्गमः ॥
२ बोभुङ्-यात्, याताम्, युः, याः, याताम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
३ बोभ्रोद्, बोभ्रु-डीत्, द्यात्, द्याम्, डतु, द्वि, द्यात्,
द्वम्, द्, डानि, डव, डाम ॥
४ अवो-भ्रोद्, भुडीत्, भुड्याम्, भुङ्; भुडीः, भ्रोद्,
भुङ्गम्, भुङ्, भुङ्गम्, भुङ्ग, भुङ्गम ॥
५ अवोभ्रोड्-ईत्, इद्याम्, इषुः ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
६ बोभ्रोडा-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ बोभ्रुड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
८ बोभ्रोडिता-”, रै, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
९ बोभ्रोडिण्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
१० अवोभ्रोडिण्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३४३ ब्रुडत् (ब्रुइ) संघाते ॥

- १ वो—बोद्धि, वृद्धीति, वृद्धः, वृद्धति, वृद्धीषि, व्रोदिष, वृद्धः,
वृद्ध, वृद्धमि, व्रोहिम, वृद्धः, वृद्धमः ॥
२ वोवृद्ध—यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
३ वोव्रोद्ध, वोवृ—वीड, द्यात्, द्याम्, डट्, द्वि, द्यात्,
द्वम्, दृ, डानि, डाव, डाम ॥
४ अवो—बोद्, वृद्धीत्, वृद्धाम्, वृद्धः, वृद्धीः, व्रोद्,
वृद्धम्, वृद्ध, वृद्धम्, वृद्ध, वृद्धम् ॥
५ अवोव्रोद्ध—ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
६ वोव्रोडा—श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ वोवृद्ध्या—त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सस्, स्व, स्म ॥
८ वोव्रोडिता—, रौ, रः, सि, स्थः, स्थस्मि, स्वः, स्म ॥
९ वोव्रोडिष्य्—अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥
१० अवोव्रोडिष्य्—अत्, अताम्, अत्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१३४५ दुडत् (दुड्) निमज्जने ॥

- १ दो-दोष्टि, दुडीति, दुद्धः, दुडति, दुडीषि, दोदिष, दुद्धः,
दुद्ध, दुडीमि, दोद्धिम, दुद्धः, दुद्धमः ॥
- २ दोदुह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात्, याम्,
याव, याम ॥
- ३ दोदोह, दोदु-डीतु, द्यात्, द्याम्, डतु, ड्ति, द्यात्
दृम्, दृ, डानि, डाय, डाम ॥
- ४ अदो-दोद, दुडीत्, दुद्गाम्, दुद्धः, दुडीः, दोद, दुद्धम्,
दुद्ध, दुद्धम्, दुद्ध, दुद्धम् ॥
- ५ अदोदोह-ईत्, इद्याम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्यम्,
इष्व, इष्य ॥
- ६ दोदोडा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोदुड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सप्तम्, स्व, स्मा ॥
- ८ दोदोडिता-'', रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दोदोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अंथः,
आमि, आवः, आमः ॥
- १० अदोदोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत्,
अम्, आव, आम ॥

१३४६ हुडत् (हुड्) निमज्जने । हुड् २३० वद्रूपाणि ॥

१३४७ हुडत् (हुड्) निमज्जने ॥

१ तो-त्रोडि, त्रुडीति, त्रुडः, त्रुडति, त्रुडीमि, त्रोटिष्, त्रुडः, त्रुड, त्रुडीमि, त्रोटिमि, त्रुडः, त्रुडमः ॥

२ तोत्रुड्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ तोत्रोडु, तोत्रु-डीतु, डात्, डाम्, डतु, डि, डात्, डम्, ड, डानि, डाव, डाम ॥

४ अतो-त्रोड्, त्रुडीत्, त्रुडाम्, त्रुडः, त्रुडीः, त्रोट्, त्रुडम्, त्रुड, त्रुडम्, त्रुड, त्रुडम् ॥

५ अतोत्रोड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ तोत्रोड्-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ तोत्रुड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ तोत्रोडिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ तोत्रोडिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अतोत्रोडिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१३४८ चुणत् (चुण्) छेदने ॥

१ चो-चोष्टि, चुणीति, चूष्टः, चुणति, चुणीषि, चोष्णि, चूष्टः, चूष्ट, चुणीमि, चोष्मि, चुण्वः, चुण्वः ॥

२ चोचुण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ चो-चोष्टु, चुणीतु, चूष्टात्, चूष्टाम्, चुणतु, चूष्टि, चूष्टात्, चूष्टम्, चूष्ट, चुणानि, चुणाव, चुणाम ॥

४ अचो-चोण्, चुणीत्, चूष्टाम्, चुणुः, चुणीः, चोण्, चूष्टम्, चूष्ट, चुणम्, चुण्व, चुणम् ॥

५ अचोचोण्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ चोचोणा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ चोचुण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ चोचोणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ चोचोणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥

१० अचोचोणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३४९ डिपत् (डिप्) क्षेपे । डिपच् ११०५ वद्रू० ॥

१३५० छुरत् (छुर्) छेदने ॥

१ चो-च्छोर्ति, छुरीति, छुर्तः, छुरति, छुरीषि, चोर्षि, छुर्थः, छुर्थ, छुरीमि, चोर्मि, छुर्वः, छुर्मः ॥

२ चोछुर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ चोच्छोर्तु, चोछु-रीतु, तात्, ताम्, रतु, हिं, तात्, तैम्, तै, राणि, राव, राम ॥

४ अचोच्-छोः, छुरीत्, छुर्ताम्, छुरुः, छुरीः, छोः, छुर्तम्, छुर्त, छुरम्, छुर्व, छुर्म ॥

५ अचोछोर्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ चोछोरा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ चोछुर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ चोछोरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ चोछोरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अचोछोरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१३५१ स्फुरत् (स्फुर्) स्फुरणे ॥

१ पो-स्फोर्ति, स्फुरीति, स्फूर्तः, स्फुरति, स्फुरीषि, स्फोर्षि, स्फूर्थः, स्फूर्थ, स्फोर्मि, स्फुरीमि, स्फूर्वः, स्फूर्मः ॥

२ पोस्फुर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ पो-स्फोर्तु, स्फुरीतु, स्फूर्तात्, स्फूर्ताम्, स्फुरतु, स्फूर्हि, स्फूर्तात्, स्फूर्तम्, स्फूर्त, स्फुराणि, स्फुराव, स्फुराम ॥

४ अपो-स्फोः, स्फुरीत्, स्फूर्ताम्, स्फुरुः, स्फुरीः, स्फोः, स्फूर्तम्, स्फूर्त, स्फुरम्, स्फूर्व, स्फूर्म ॥

५ अपोस्फोर्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥

६ पोस्फोरा-अकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ पोस्फूर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ पोस्फोरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ पोस्फोरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥

१० अपोस्फोरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३५२ स्फुलत् (स्फुल) संचये च ॥

- १ पो-स्फोलि, स्फुलीति, स्फुलतः, स्फुलति, स्फुलीषि, स्फोलिषि, स्फुलथः, स्फुलथ, स्फुलीमि, स्फोलिमि, स्फुल्वः, स्फुल्मः ॥
- २ पोस्फुल्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पोस्फोलु, पोस्फु-लीतु, ल्तात्, ल्ताम्, लतु, लिह, ल्तात्, लतम्, लत, लानि, लाव, लाम ॥
- ४ अपो-स्फोल्, स्फुलीत्, स्फुलताम्, स्फुलुः, स्फुलीः, स्फोल्, स्फुलतम्, स्फुलत्, स्फुलम्, स्फुल्व, स्फुल्म ॥
- ५ अपोस्फोल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पोस्फोला-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पोस्फुलथा-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पोस्फोलिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पोस्फोलिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपोस्फोलिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३५३ कुंडत् (कु) शब्दे ॥ कुंड ५४५ वदूपाणि ॥

१३५४ कूडत् (कू) शब्दे ॥

- १ चो-कवीति, कोति, कूतः, कुवति, कवीषि, कोषि, कूथः, कूथ, कवीमि, कोमि, कूवः, कूमः ॥
- २ चोकू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चो-कवीतु, कोतु, कूतात्, कूताम्, कुवतु, कूहि, कूतात्, कूतम्, कूत, कवानि, कवाव, कवाम ॥
- ४ अचो-कवीत्, कोत्, कूताम्, कडः, कवीः, कोः, कूतम्, कूत, कवम्, कूव, कूम ॥
- ५ अचोकाव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चोकवा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचोकविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१३५५ गुरैति (गुर) उद्यमे ॥

- १ जो-गोर्ति, गुरीति, गूर्तः, गुरति, गुरीषि, गोर्षि, गूर्थः, गूर्थ, गुरीमि, गोर्षि, गूर्वः, गूर्मः ॥
- २ जोगूर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जो-गुरीतु, गोर्तु, गूर्तात्, गूर्ताम्, गुरतु, गूर्हि, गूर्तात्, गूर्तम्, गूर्त, गुराणि, गुराव, गुराम ॥
- ४ अजो-गुरीत्, गोः, गूर्ताम्, गुरुः, गुरीः, गोः, गूर्तम्, गूर्त, गुरम्, गूर्व, गूर्म ॥
- ५ अजोगूर्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जोगोरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जोगूर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जोगोरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जोगोरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अजोगोरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३५६ पृडत् (पृ) व्यायामे । पृक् १०४६ वदूपाणि ॥

१३५७ ढंडत् (ढृ) आदरे ॥

- १ दरी-दरीति, दर्ति, दृतः, द्रति, दरीषि, दर्षि, दृथः, दृथ, दरीमि, दर्षि, दृवः, दृमः ॥
- २ दरीदृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दरी-दरीतु, दर्तु, दृतात्, दृताम्, द्रतु, दृहि, दृतात्, दृतम्, दृत, दराणि, दराव, दराम ॥
- ४ अदरी-दरीत्, दः, दृताम्, दरुः, दरीः, दः, दृतम्, दृत, दरम्, दृव, दृम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अदरीदार्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दरीदरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दरीद्विया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दरीदरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दरीदरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदरीदरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे दरी-स्थाने ‘दरि’ इति ‘दइ’ इति च ज्ञेयम् ॥

१३५८ घृङ्ङत् (घृ) स्थाने । घृङ् ५५७ वदूपाणि ॥

१३५९ ओविजैति (विज्) भयचलनयोः । विजृंकी

१०५४ वदूपाणि ॥

१३६० ओलजैङ् (लज्) व्रीडे ॥ लज् १४० वदू० ॥

१३६१ ओलस्रैत् (लस्र्) व्रीडे ॥

१ लाल-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम्, ज्वः, ज्मः ॥ [याव, याम ॥

२ लालज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,

३ लाल-जीतु, क्तु, क्तात्, काम्, जतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥ [जम्, ज्व, ज्म ॥

४ अलाल-जीत्, क्, काम्, जुः, जीः, क्, कम्, क्त,

५ अलालज्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व,

६ लालजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म ॥

७ लालज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ लालजिता", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ लालजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अलालजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१३६२ ष्वञ्जित् (स्वञ्) संगे ॥

१ सास्व-जीति, क्ति, क्तः, जति, जीषि, क्षि, कथः, कथ, जीमि, जिम्, ज्वः, ज्मः ॥

२ सास्वज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ सास्व-जीतु, क्तु, क्तात्, काम्, जतु, गिध, क्तात्, कम्, क्त, जानि, जाव, जाम ॥

४ असास्व-जीत्, र, काम्, जुः, जीः, र, कम्, क्त, जम्, ज्व, ज्म ॥

५ असास्वञ्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्म ॥

६ सास्वजा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ सास्वज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ सास्वजिता", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ सास्वजिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥

१० असास्वजिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३६३ जुषैति (जुष्) प्रीतिसेवनयोः ॥

१ जो-जोष्टि, जुषीति, जुष्टः, जुषति, जुषीषि, जोक्षि, जुष्टः, जुष्ट, जुषीमि, जोष्मि, जुष्वः, जुष्मः ॥

२ जोजुष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ जोजोष्टु, जोजु-षीतु, घात्, घाम्, षतु, द्वि, घात्, घम्, घ, प्राणि, षाव, षाम ॥

४ अजो-जोद, जुषीत्, जुष्टम्, जुष्टुः, जुषीः, जोद, जुष्टम्, जुष्ट, जुषम्, जुष्व, जुष्म ॥

५ अजोयोष्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्म ॥

६ जोजोषा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ जोजुष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ जोजोषिता", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ जोजोषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥

१० अजोयोषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशास्त्रीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिरायमाणा-
न्तिषण्डुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य यङ्लुबन्त-
रूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे पञ्चमे भागे तुदादिगणः सम्पूर्णः ॥

अथ रुधादिगणः ।

१३६४ रुधृपी (रुध्) आवरणे । अनोरुधिच् ११६९ वद्रू० ॥

१३६५ रिचृपी (रिच्) विरेचने ॥

- १ रे-रेक्ति, रिचीति, रिक्तः, रिचति, रिचीषि, रेक्षि, रिक्थः, रिक्थः, रिचीमि, रेचिम्, रिच्वः, रिचम् ॥
- २ रेरेचि-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ रेरेक्तु, रेरि-चीतु, क्तात्, क्ताम्, चतु, गिध, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अरे-रेक्, रिचीत्, रिक्ताम्, रिचुः, रिचीः, रेक्, रिक्तम्, रिक्त, रिचम्, रिच्व, रिचम् ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अरेरेच-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्म ॥
- ६ रेरेचा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रेरेचिया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रेरेचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रेरेचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अरेरेचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३६६ विचृपी (विच्) पृथग्भावे । व्यचत् १३२३ वद्रू० ॥
१३६७ युजृपी (युज्) योगे । युजिच् ११६१ वद्रू० ॥

१३६८ भिदृपी (भिद्) विदारणे ॥

- १ वे-भेत्ति, भिदीति, भित्तः, भिदति, भिदीषि, भेत्ति, भित्थः, भित्थः, भिदीमि, भेदि, भिद्वः, भिद्वः ॥ [याव, याम ॥
- २ वेभिद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वेभेत्तु, वेभि-दीतु, क्तात्, क्ताम्, दतु, द्वि, क्तात्, क्तम्, क्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अवे-भेत्, भिदीत्, भित्ताम्, भिदुः, भिदीः, भेत्, भे, भित्तम्, भित्त, भिदम्, भिद्व, भिद्व ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अवेभेद्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्म ॥
- ६ वेभेदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वेभिद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेभेदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेभेदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवेभेदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३६९ छिदृपी (छिद्) द्वैधीकरणे ॥

- १ चेच्-छेत्ति, छिदीति, छित्तः, छिदति, छिदीषि, छेत्ति, छित्थः, छित्थः, छिदीमि, छेदि, छिद्वः, छिद्वः ॥
- २ चेच्छिद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेच्छेत्तु, चेच्छि-दीतु, क्तात्, क्ताम्, दतु, द्वि, क्तात्, क्तम्, क्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अचेच्-छेत्, छिदीत्, छित्ताम्, छिदुः, छिदीः, छे, छेत्, छित्तम्, छित्त, छिदम्, छिद्व, छिद्व ॥
- ५ अचेच्छेद्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्म ॥
- ६ चेच्छेदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेच्छिया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेच्छेदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेच्छेदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेच्छेदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३७० क्षुदृपी (क्षुद्) संपेषे ॥

- १ चो-क्षोत्ति, क्षुदीति, क्षुत्तः, क्षुदति, क्षुदीषि, क्षोत्ति, क्षुत्थः, क्षुत्थः, क्षुदीमि, क्षोदि, क्षुद्वः, क्षुद्वः ॥
- २ चोक्षुद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोक्षोत्तु, चोक्षु-दीतु, क्तात्, क्ताम्, दतु, द्वि, क्तात्, क्तम्, क्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अचो-क्षोत्, क्षुदीत्, क्षुत्ताम्, क्षुदुः, क्षुदीः, क्षो, क्षोत्, क्षुत्तम्, क्षुत्त, क्षुदम्, क्षुद्व, क्षुद्व ॥
- ५ अचोक्षोद्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्म ॥
- ६ चोक्षोदा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोक्षुद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोक्षोदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोक्षोदिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोक्षोदिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३७१ ऊळुट्टपी (छृद्) दीप्तिदेवनयोः ॥

- १ चरीच्-छर्त्ति, छृदीति, छृत्तः, छृदति, छृदीषि, छर्त्सि, छृत्थः, छृत्थ, छृदीमि, छर्धि, छृद्धः, छृद्यः ॥
- २ चरीच्छृद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चरीच्छृत्तु, चरीच्छृ-दीतु, तात्, ताम्, दतु, दि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अचरीच्-छर्त्त, छृदीत्, छृत्ताम्, छृदुः, छृदीः, छाः, छर्त्त, छृत्तम्, छृत्त, छृदम्, छृद्ध, छृद्य ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अचरीच्छृद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, ६ चरीच्छृदी-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चरीच्छृद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चरीच्छृदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चरीच्छृदिष्य् } अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, चरीच्छृत्स्य् } अमि, आवः, आमः ॥
- १० अचरीच्छृदिष्य् } अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अचरीच्छृत्स्य् } अत्, अम्, आव, आम ॥
- पक्षे चरी-स्थाने ‘चरि’ इति ‘चर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१३७२ ऊतृट्टपी (तृद्) हिंसानादरयोः ॥

- १ तरी-तर्त्ति, तृदीति, तृत्तः, तृदति, तृदीषि, तर्त्सि, तृत्थः, तृत्थ, तृदीमि, तर्धि, तृद्धः, तृद्यः ॥
- २ तरीतृद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तरीतृत्तु, तरीतृ-दीतु, तात्, ताम्, दतु, दि, तात्, तम्, त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अतरी-तर्त्त, तृदीत्, तृत्ताम्, तृदुः, तृदीः, तर्त्त, ताः, तृत्तम्, तृत्त, तृदम्, तृद्ध, तृद्य ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अतरीतृद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, ६ तरीतृदी-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तरीतृद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तरीतृदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तरीतृदिष्य् } अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, तरीतृत्स्य् } अमि, आवः, आमः ॥
- १० अतरीतृदिष्य् } अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अतरीतृत्स्य् } अम्, आव, आम ॥
- पक्षे तरी-स्थाने ‘तरि’ इति ‘तर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१३७३ वृचैप् (वृच्) संपर्के । वृचैङ्क् १०२४ वद्रू० ॥ १३७४ तञ्चूप (तञ्च्) संकोचने । तञ्च् ९७ वद्रू० ॥

१३७४ वृचैप् (वृच्) वरणे ॥

- १ वरी-वर्त्ति, वृचीति, वृक्तः, वृचति, वृचाषि, वर्क्षि, वृक्थः, वृक्थ, वृचीमि, वर्क्षि, वृचवः, वृचमः ॥
- २ वरीवृच्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ वरीवृक्तु, वरीवृ-चीतु, कात्, काम्, चतु, विध, कात्, कम्, क, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ अवरी-वर्क्, वृचीत्, वृक्ताम्, वृचुः, वृचीः, वर्क्, वृक्त्तम्, वृक्त्त, वृचम्, वृचव, वृचम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अवरीवृच्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, ६ वरीवृच्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वरीवृच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वरीवृचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरीवृचिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अवरीवृचिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे वरी-स्थाने ‘वरि’ इति ‘वर्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१३७६ तञ्जौप् (तञ्ज्) संकोचने ॥

- १ तात-जीति, ज्झि, कः, जति, जीषि, ज्झि, कथः, कथ, जीमि, ज्झि, ज्वः, ज्मः ॥
- २ तातज्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तात-जीतु, ज्झु, कात्, काम्, जतु, विध, कात्, कम्, क, जानि, जाव, जाम ॥
- ४ अतात-जीत्, न, काम्, जुः, जीः, न, कम्, क, जम्, ज्व, ज्म ॥
- ५ अतातज्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तातजा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तातज्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तातजिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तातजिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतातजिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

श्रीमत्पोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्द्रिरामन्दिरेन्द्रिन्दिरायमाणा-
न्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य यङ्लुबन्त-
रूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे पञ्चमे भागे रुधादिगणः सम्पूर्णः ॥

अथ तनादिगणः ॥

१३८७ तनूयी (तन्) विस्तारे ॥

- १ तं-तनीति, तन्ति, तान्तः, तनति, तनीषि, तंसि, तान्थः, तान्थ, तनीमि, तन्मि, तन्वः, तन्मः ॥ [याव, याम ॥
- २ तंतन्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
- ३ तं-तनीतु, तन्तु, तान्तात्, तान्ताम्, तनतु, तांहि, तान्तात्, तान्तम्, तान्त, तनानि, तनाव, तनाम ॥
- ४ अतं-तनीत्, तन्, तान्ताम्, तनुः, तनीः, तन्, तान्तम्, तान्त, तनम्, तन्व, तन्म ॥
- ५ अतंतान् } -ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अतंतन् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तंतना-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तंतन्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तंतनिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तंतनिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतंतनिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे तं-स्थाने ‘तन्’ इति ज्ञेयम् ॥

१३८८ षणूयी (सन्) दाने ॥ षन ३०३ वद्रूपाणि ॥

१३८९ क्षनूग (क्षन्) हिंसायाम् ॥

- १ चं-क्षणीति, क्षन्ति, क्षान्तः, क्षणति, क्षणीषि, क्षंसि, क्षान्थः, क्षान्थ, क्षणीमि, क्षन्मि, क्षन्वः, क्षन्मः ॥ [याव, याम ॥
- २ चंक्षण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
- ३ चं-क्षणीतु, क्षन्तु, क्षान्तात्, क्षान्ताम्, क्षणतु, क्षांहि, क्षान्तात्, क्षान्तम्, क्षान्त, क्षणानि, क्षणाव, क्षणाम ॥
- ४ अचं-क्षणीत्, क्षन्, क्षान्ताम्, क्षणः, क्षणीः, क्षन्, क्षान्तम्, क्षान्ति, क्षणम्, क्षण्व, क्षण्म ॥ [इष्व, इष्म ॥
- ५ अचंक्षण्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
- ६ चंक्षणा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चंक्षण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चंक्षणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चंक्षणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचंक्षणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे चं-स्थाने ‘चङ्’ इति ज्ञेयम् ॥

१३९० क्षिनूयी (क्षिन्) हिंसायाम् ॥

- १ चे-क्षेति, क्षिणीति, क्षीन्तः, क्षिणति, क्षिणीषि, क्षंसि, क्षीन्थः, क्षीन्थ, क्षिणीमि, क्षेणमि, क्षिण्वः, क्षिण्वः ॥
- २ चेक्षिण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चे-क्षेन्तु, क्षिणीतु, क्षीन्तात्, क्षीन्ताम्, क्षिणतु, क्षींहि, क्षीन्तात्, क्षीन्तम्, क्षीन्त, क्षिणानि, क्षिणाव, क्षिणाम ॥
- ४ अचे-क्षिणीत्, क्षेन्, क्षीन्ताम्, क्षिणुः, क्षिणीः, क्षेन्, क्षीन्तम्, क्षीन्ति, क्षिणम्, क्षिण्व, क्षिण्म ॥
- ५ अचेक्षेण्-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चेक्षेणा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेक्षिण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेक्षेणिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेक्षेणिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचेक्षेणिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१३९१ तनूयी (तन्) अदने ॥

- १ तरी-तन्ति, तृणीति, तृन्तः, तृणति, तृणीषि, तन्सि, तृन्थः, तृन्थ, तृणीमि, तर्णमि, तृण्वः, तृण्वः ॥
- २ तरीतृण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ तरी-तन्तु, तृणीतु, तृन्तात्, तृन्ताम्, तृणतु, तृंहि, तृन्तात्, तृन्तम्, तृन्त, तृणानि, तृणाव, तृणाम ॥
- ४ अतरी-तृणीत्, तर्न्, तृन्ताम्, तृणुः, तृणीः, तर्न्, तृन्तम्, तृन्ति, तृणम्, तृण्व, तृण्व ॥
- ५ अतरीतर्ण-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ तरीतर्णा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तरीतृण्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तरीतर्णिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तरीतर्णिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अतरीतर्णिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे तरी-स्थाने ‘तर्’ इति ‘तद्’ इति च ज्ञेयम् ॥

१३९२ घृन्यी (घृन्) दीप्तौ ॥

- १ जरी-घर्न्ति, घृणीति, घृन्तः, घृणति, घृणीषि, घर्न्सि, घृन्थः, घृन्थ, घर्न्मि, घृणीमि, घृण्वः, घृण्वः ॥
- २ जरीघृण्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जरी-घर्न्तु, घृणीतु, घृन्तात्, घृन्ताम्, घृणतु, घृंहि, घृन्तात्, घृन्तम्, घृन्त, घृणानि, घृणाव, घृणाम ॥
- ४ अजरी-घर्न्, घृणीत्, घृन्ताम्, घृणुः, घृणीः, घर्न्, घृन्तम्, घृन्त, घृणम्, घृण्व, घृण्व ॥

- ५ अजरीघर्ण-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्व ॥
- ६ जरीघर्णा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्टम् ॥
- ७ जरीघृण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जरीघर्णिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जरीघर्णिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजरीघर्णिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे जरी स्थाने ‘जरि’ इति ‘जर्’ इति च ज्ञेयम् ॥
- १३९३ वनूयि (वन्) याचने । वन ३०१ वद्रूपाणि ॥
- १३९४ मनूयि (मन) बोधने । मनिच् ११७१ वद्रूपाणि ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविद्यशास्त्रीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमद्गुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरान्दिन्द्रिरायमाणा-
न्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य यङ्लुबन्त-
रूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे पञ्चमे भागे तनादिगणः सम्पूर्णः ॥

अथ क्रयादिगणः ॥

१३९५ डुर्कीगश् (क्री) द्रव्यविनिमये ॥

- १ चे-क्रीति, क्रेति, क्रीतः, क्रियति, क्रीषि, क्रेषि, क्रीथः, क्रीथ, क्रीमि, क्रेमि, क्रीवः, क्रीमः ॥
- २ चेक्री-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चे-क्रीतु, क्रेतु, क्रीतात्, क्रीताम्, क्रियतु, क्रीहि, क्रीतात्, क्रीतम्, क्रीत, क्रीयाणि, क्रीयाव, क्रीयाम ॥
- ४ अचे-क्रीत्, क्रेत्, क्रीताम्, क्रियुः, क्रीयः, क्रेः, क्रीतम्, क्रीत, क्रीयम्, क्रीव, क्रीम ॥
- ५ अचेक्राय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्व ॥
- ६ चेक्रया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेक्रीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेक्रयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेक्रयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचेक्रयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

- १३९६ षिङ्गश् (सि) बन्धने । षिङ्गद् ११९३ वद्रूपाणि ॥
- १३९७ प्रीङ्गश् (प्री) तृप्तिकान्त्योः । प्रीङ्गच् ११५९ ,

१३९८ श्रीङ्गश् (श्री) चरणे ॥

- १ शे-श्रीति, श्रेति, श्रीतः, श्रियति, श्रीयिषि, श्रेषि, श्रीथः, श्रीथ, श्रीयमि, श्रेमि, श्रीवः, श्रीमः ॥ [याव, याम ॥
- २ शेश्री-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ शे-श्रीतु, श्रेतु, श्रीतात्, श्रीताम्, श्रियतु, श्रीहि, श्रीतात्, श्रीतम्, श्रीत, श्रियाणि, श्रियाव, श्रियाम ॥
- ४ अशे-श्रीत्, श्रेत्, श्रीताम्, श्रियुः, श्रीयः, श्रेः, श्रीतम्, श्रीत, श्रियम्, श्रीव, श्रीम ॥ [इष्ट्व, इष्ट्व ॥
- ५ अशेश्राय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्व ॥
- ६ शेश्रया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शेश्रीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शेश्रयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शेश्रयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अशेश्रयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१३९९ मीगृश् मी)हिंसायाम् । मीङ्च् ११५४ वदू० ॥

१४०० युंगृश् (यु) बन्धने ॥ युक् १००२ वदूपाणि ॥

१४०१ स्कुंगृश् (स्कु) आप्रवणे ॥

१ चो-स्कवीति, स्कोति, स्कुतः, स्कुवति, स्कवीषि, स्कोषि, स्कुथः, स्कुथ, स्कवीमि, स्कोमि, स्कुवः, स्कुमः ॥

२ चोस्कु-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ चो-स्कवीतु, स्कोतु, स्कुतात्, स्कुताम्, स्कुवतु, स्कुहि, स्कुतात्, स्कुतम्, स्कुत, स्कवानि, स्कवाव, स्कवाम ॥

४ अचो-स्कवीत्, स्कोत्, स्कुताम्, स्कुडः, स्कवीः, स्कोः, स्कुतम्, स्कुत, स्कवम्, स्कुव, स्कुम ॥ [इष्, इष्म ॥

५ अचोस्काव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥

६ चोस्काव-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ चोस्कृया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ चोस्कृविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ चोस्कृविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अचोस्कृविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४०२ कूगृश् (कू) शब्दे ॥

१ चो-कूवीति, कूति, कूतः, कूवति, कूवीषि, कूषि, कूथः, कूथ, कूवीमि, कूमि, कूवः, कूमः ॥

२ चोकू-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ चो-कूवीतु, कूतु, कूतात्, कूताम्, कूवतु, कूहि, कूतात्, कूतम्, कूत, कूवानि, कूवाव, कूवाम ॥

४ अचो-कूवीत्, कूत्, कूताम्, कूडः, कूवीः, कूोः, कूतम्, कूत, कूवम्, कूव, कूम ॥

५ अचोकूव-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥

६ चोकूवा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ चोकूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ चोकूविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ चोकूविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥

१० अचोकूविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४०३ दूगृश् (दू) हिंसायाम् ॥

१ दो-द्वीति, द्वीति, द्वतः, द्ववति, द्वीषि, द्वीषि, द्वूथः, द्वूथ, द्वीमि, द्वीमि, द्ववः, द्वमः ॥

२ दोद्व-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ दो-द्वीतु, द्वीतु, द्वीतात्, द्वीताम्, द्वीवतु, द्वीहि, द्वीतात्, द्वीतम्, द्वीत, द्वीवणि, द्वीवाव, द्वीवाम ॥

४ अदो-द्वीत्, द्वीत्, द्वीताम्, द्वीडः, द्वीः, द्वीः, द्वीतम्, द्वीत, द्वीवम्, द्वीव, द्वीम ॥

५ अदोद्व-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥

६ दोद्व-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ दोद्वया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ दोद्वविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ दोद्वविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥

१० अदोद्वविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४०४ ग्रहीश् (ग्रह्) उपादाने ॥

१ जरी-ग्रहीति, गर्हि, गृढः, ग्रहति, ग्रहीषि, गर्हि, गृढः, गृढ, ग्रहीमि, गर्हि, ग्रहः, ग्रहः ॥

२ जरीग्रह-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ जरीगर्ह, जरीग्र-हीतु, ङात्, ङाम्, हतु, ङि, ङात्, ङम्, ङ, हाणि, हाव, हाम ॥

४ अजरी-घर्द, ग्रहीत्, गृढाम्, गृहुः, ग्रहीः, घर्द, गृढम्, गृढ, गृहम्, गृह, गृह्म ॥ [इष्, इष्म ॥

५ अजरीगर्ह-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥

६ जरीगर्हा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ जरीग्रह्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ जरीग्रहिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ जरीग्रहिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अजरीग्रहिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, पक्षे जरी-स्थाने ‘जरि’ इति ‘जर्’ इति च ज्ञेयम् ॥ अन्यमते जा-ग्रहीति, प्राडि, गृढः इत्यादि ॥

|१४०७ धूगूशू (धू) कम्पने । धूगूह ११९७ वट्टू०॥

१४०८ स्तूगशू (स्तू) आच्छादने ॥

१ ता-स्तरीति, स्तर्ति, स्तीर्तः, स्तिरति, स्तरीषि, स्तर्षि,
स्तीर्थः, स्तीर्थ, स्तरीमि, स्तर्भि, स्तीर्वः, स्तीर्मः ॥

२ तास्तीर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम ॥

३ ता-स्तरौतु, स्तर्तु, स्तीर्तात्, स्तीर्ताम्, स्तिरतु, स्तीर्हि,
स्तीर्तात्, स्तीर्ताम्, स्तीर्त, स्तराणि, स्तराव, स्तराम ॥

४ अता-स्तरात्, स्तः, स्तीर्ताम्, स्तरुः, स्तरीः, स्तः,
स्तीर्ताम्, स्तीर्त, स्तरम्, स्तीर्त्वा, स्तीर्म् ॥ [इष्वा, इष्म ॥

५ अतास्तार्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
६ तास्तरा-ञ्चकार इ०॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ०॥

७ तास्तीर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ तास्तरिता } "रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
तास्तरीता }

९ तास्तरिष्य् } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
तास्तरिष्य् } आमि, आवः, आमः ॥

१० अतास्तरिष्य } -अत्, अताम्, अन्, ; अतम्, अत,
अतास्तरीष्य } अम्, आव, आम ॥

१४११ ज्यांश् (ज्या) हानौ ॥

--जयीति, जेति, जीतः, ज्यति, जयीषि, जेषि.

१ जे-जयीति, जेति, जीतः, ज्यति, जयीषि, जेषि, जीथः,
जीथ, जयीमि, जेमि, जीवः, जीमः ॥

२ जेजी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम् ॥

३ जे-जयीतु, जेतु, जीतात्, जीताम्, ज्यतु, जीहि,
जीतात्, जीतम्, जीत, जयानि, जयाव, जयाम ॥

४ अजे-जयीत्, जेत्, जीताम्, जयुः, जयीः, जेः, जीतात्,
जीतम्, जीत, जयम्, जीव, जीम ॥

५ अजेजाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्ट्व, इष्म ॥

६ जेजया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ जेजीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म॥

८ जेजयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ जेजयिष्य्-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अजेजयिष्य्-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अन्यमते जा-ज्येति, ज्याति, जीतः इत्यादि ।

१४१२ रींश् (री) गतिरेषणयोः। रींङ्च् ११ ५ वट्ठ०॥

१४१३ लींश् (ली) श्लेषणे। लींङ्च् ११५६ वट्ठ०॥

१४१४ व्लींश् (व्ली) वरणे ॥

१ वे-व्लयीति, व्लेति, व्लीतः, व्लियति, व्लयीषि, व्लेषि,
व्लीथः, व्लीथ, व्लयीमि, व्लेमि, व्लीवः, व्लीमः॥

२ वेव्ली-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥

३ वे-व्लयीतु, व्लेतु, व्लीतात्, व्लीताम्, व्लियतु, व्लीहि,
व्लीतात्, व्लीतम्, व्लीत, व्लयानि, व्लयाव, व्लयाम ॥

४ अवे-व्लयीत्, व्लेत्, व्लीताम्, व्लयुः, व्लयीः, व्लेः,
व्लीतम्, व्लीत, व्लयम्, व्लीव, व्लीम॥ [इष्, इष्म ॥

५ अवेव्लाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
६ वेव्लया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ वेव्लीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ वेव्लयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ वेव्लयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अवेव्लयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१४१५ ल्वींश् (ल्वी) गतौ ॥

१ ले-ल्वयीति, ल्वेति, ल्वीतः, ल्वयीति, ल्वयीषि, ल्वेषि,
ल्वीथः, ल्वीथ, ल्वयीमि, ल्वेमि, ल्वीवः, ल्वीमः ॥

२ लेल्वी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥

३ ले-ल्वयीतु, ल्वेतु ल्वीतात्, ल्वीताम्, ल्वियतु, ल्वीहि,
ल्वीतात्, ल्वीतम्, ल्वीत, ल्वयानि, ल्वयाव, ल्वयाम ॥

४ अले-ल्वयीत्, ल्वेत्, ल्वीताम्, ल्वयुः, ल्वयीः, ल्वेः,
ल्वीतम्, ल्वीत, ल्वयम्, ल्वीव, ल्वीम ॥

५ अलेल्वाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥

६ लेल्वया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ लेल्वीया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ लेल्वयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ लेल्वयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥

१० अलेल्वयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥

१४१६ कृश् (कृ) हिंसायाम् । कृत् १२३८ वट्ठपाणि ॥

१४१७ मृश् (मृ) हिंसायाम् ॥

१ मा-मरीति, मर्ति, मूर्तः, मुरति, मरीषि, मर्षि, मूर्थः,
मूर्थ, मरीमि, मर्मि, मूर्वः, मूर्मः ॥

२ मामूर-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥

३ मा-मरीतु, मर्तु, मूर्तात्, मूर्ताम्, मुरतु, मूर्हि, मूर्तात्,
मूर्तम्, मूर्त, मराणि, मराव, मराम ॥

४ अमा-मरीत्, मः, मूर्ताम्, मरुः, मरीः, मः, मूर्तम्,
मूर्त, मरम्, मूर्व, मूर्म ॥ [इष्, इष्म ॥

५ अमामार्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
६ मामरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ मामूर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ मामरिता } -”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
मामरीता }

९ मामरिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
मामरीष्य } आमि, आवः, आमः ॥

१० अमामरिष्य } अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अमामरीष्य } अम्, आव, आम ॥

१४१८ शृश् (शृ) हिंसायाम् ॥

१ शा-शरीति, शर्ति, शीर्तः, शिरति, शरीषि, शर्षि, शीर्थः,
शीर्थ, शरीमि, शर्मि, शीर्वः, शीर्मः ॥

२ शाशीर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥

३ शा-शरीतु, शर्तु, शीर्तात्, शीर्ताम्, शिरतु, शीर्हि,
शीर्तात्, शीर्तम्, शीर्त, शराणि, शराव, शराम ॥

४ अशा-शरीत्, शः, शीर्ताम्, शरुः, शरीः, शः,
शीर्तम्, शीर्त, शरम्, शीर्व, शीर्म ॥

५ अशाशार्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥

६ शाशरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ शाशूर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ शाशरिता } -”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
शाशरीता }

९ शाशरिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
शाशरीष्य } आमि, आवः, आमः ॥

१० अशाशरिष्य } अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अशाशरीष्य } अम्, आव, आम ॥

१४१९ पृश् (पृ) पालनपूरणयोः ॥

- १ पा-परीति, पति, पूर्तिः, पुरति, परीषि, पषि, पूर्थः, पूर्थ, परीमि, पमि, पूर्वः, पूर्वः ॥
- २ पापृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ पा-परीतु, पृते पूर्तात्, पूर्ताम्, पुरतु, पूर्हि, पूर्तात्, पूर्तम्, पूर्त, पराणि, पराव, पराम ॥
- ४ अपा-परीत्, पः, पूर्ताम्, परुः, परीः, पः, पूर्तम्, पूर्त, परम्, पूर्व, पूर्व ॥
- ५ अपापा-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पापरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पापूर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पापरिता } , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
पापरीता }
- ९ पापरिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
पापरीष्य } आमि, आवः, आमः ॥
- १० अपापरिष्य } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अपापरीष्य } अम्, आव, आम ॥

१४२० वृश् (वृ) वरणे

- १ बा-बरीति, बर्ति, वृत्तः, वुरति, बरीषि, बर्षि, वृर्थः, वृर्थ, बरीमि, बर्मि, वृर्वः, वृर्मः ॥
- २ बावृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बा-बरीतु, बर्तु, वृतात्, वृताम्, वुरतु, बर्हि, वृतात्, वृर्तम्, वृर्त, बराणि, बराव, बराम ॥
- ४ अवा-बरीत्, वः, वृताम्, वरुः, बरीः, वः, वृर्तम्, वृर्त, वरम्, वृर्व, वृर्म ॥
- ५ अवावा-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बावरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बावूर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वावरिता } , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
वावरीता }
- ९ वावरिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
वावरिष्य } आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवावरिष्य } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अवावरीष्य } अम्, आव, आम ॥

१४२१ भृश् (भृ) भर्जने च ॥

- १ बा-भरीति, भर्ति, भूर्तः, भुरति, भरीषि, भर्षि, भूर्थः, भूर्थ, भरीमि, भर्मि, भूर्वः, भूर्मः ॥
- २ बाभृ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ बा-भरीतु, भर्तु, भूर्तात्, भूर्ताम्, भुरतु, भर्हि, भूर्तात्, भूर्तम्, भूर्त, भराणि, भराव, भराम ॥
- ४ अवा-भरीत्, भः, भूर्ताम्, भरुः, भरीः, भः, भूर्तम्, भूर्त, भरम्, भूर्व, भूर्म ॥
- ५ आवाभा-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बाभरा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाभूर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बाभरिता } , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
बाभरीता }
- ९ बाभरिष्य } -अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
बाभरीष्य } आमि, आवः, आमः ॥
- १० अवाभरिष्य } -अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अवाभरीष्य } अम्, आव, आम ॥

- १४२२ वृश् (वृ) विदारणे । वृ ९४२ वद्रूपणि ॥
- १४२३ जृश् (जृ) वयोहानौ ॥ जृषुच् १०५७ वद्रूपणि ॥
- १४२४ नृश् (नृ) नये । नृ ९४३ वद्रूपणि ॥

१४२५ ज्ञाश् (ज्ञा) अवबोधने ॥

- १ जा-ज्ञेति, ज्ञाति, ज्ञीतः, ज्ञति, ज्ञेषि, ज्ञासि, ज्ञीथः, ज्ञीथः, ज्ञेमि, ज्ञामि, ज्ञीवः, ज्ञीमः ॥ [याव, याम ॥
- २ जाज्ञी-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ जा-ज्ञेतु, ज्ञातु, ज्ञीतात्, ज्ञीताम्, ज्ञतु, ज्ञीहि, ज्ञीतात्, ज्ञीतम्, ज्ञीत, ज्ञानि, ज्ञाव, ज्ञाम ॥
- ४ अजा-ज्ञेत्, ज्ञात्, ज्ञीताम्, ज्ञुः, ज्ञेः, ज्ञाः, ज्ञीतम्, ज्ञीत, ज्ञाम्, ज्ञीव, ज्ञीम ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अजाज्ञा-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जाज्ञा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जाज्ञेया } , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
जाज्ञाया }
- ८ जाज्ञिता- } , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जाज्ञिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
जाज्ञिष्य-आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अजाज्ञिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१४२६ क्षिष्य (क्षि) हिंसायाम् ॥ क्षि १० वद्रूपाणि ॥

१४२७ व्रीश् (व्री) वरणे । व्रीड् ११५७ वद्रूपाणि ॥

१४२८ श्रीश् (श्री) भरणे ॥

१ वे-भ्रयीति, भ्रेति, भ्रीतः, भ्रियति, भ्रयीषि, भ्रेषि, भ्रीयः, भ्रीय, भ्रयीमि, भ्रेमि, भ्रीयः, श्रीमः ॥

२ वेभ्री-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ वे-भ्रयीतु, भ्रेतु, श्रीतात्, श्रीताम्, भ्रियतु, श्रीहि, श्रीतात्, श्रीतम्, श्रीन, भ्रयाणि, भ्रयाव, भ्रयाम ॥

४ अवे-भ्रयीत्, भ्रेत्, श्रीताम्, भ्रयुःभ्रयीः, भ्रेः, श्रीतम्, श्रीत, भ्रयम्, श्रीव, श्रीम ॥ [इष्, इष्म ॥

५ अवेभ्राय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्म ॥

६ वेभ्रया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ वेभ्रीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ वेभ्रयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ वेभ्रयिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अवेभ्रयिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१४२९ हेठश् (हेठ) भूतप्रादुर्भावे । हेठि ६२२ वद्रू० ॥

१४३० मृडश् (मृड) सुखने । मृडत् १२५६ वद्रू० ॥

१४३१ श्रन्थश् (श्रन्थ) मोचनप्रतिहर्षयोः ॥

१ शाश्र-न्थीति, न्ति, न्ति, तः, थति, न्थीषि, न्त्सि, त्थः, त्थ, न्थीमि, न्थिम, थवः, थमः ॥

२ शाश्रथ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ शाश्र-न्थीतु, न्तु, न्तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त, न्थानि, न्थाव, न्थाम ॥

४ अशाश्र-न्थीत्, न, ताम्, थुः, न्थीः, न, तम्, त, न्थम्, थव, थम ॥ [इष्, इष्म ॥

५ अशाश्रन्थ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्म ॥

६ शाश्रन्था-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ शाश्रथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ शाश्रन्थिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ शाश्रन्थिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अशाश्रन्थिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१४३२ मन्थश् (मन्थ) विलोडने । मन्थ २६८ वद्रू० ॥

१४३३ ग्रन्थश् (ग्रन्थ) संदर्भे ॥

१ जाग्र-न्थीति, न्ति, न्ति, तः, थति, न्थीषि, न्त्सि, त्थः, त्थ, न्थीमि, न्थिम, थवः, थमः ॥

२ जाग्रथ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ जाग्र-न्थीतु, न्तु, न्तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त, न्थानि, न्थाव, न्थाम ॥

४ अजाग्र-न्थीत्, न, ताम्, थुः, न्थीः, न, तम्, त, न्थम्, थव, थम ॥

५ अजाग्रन्थ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्म ॥

६ जाग्रन्था-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ जाग्रथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ जाग्रन्थिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ जाग्रन्थिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अजाग्रन्थिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१४३४ कुन्थश् (कुन्थ) संक्षेपे ॥

१ चोकु-न्थीति, न्ति, न्ति, तः, थति, न्थीषि, न्त्सि, त्थः, त्थ, न्थीमि, न्थिम, थवः, थमः ॥

२ चोकुथ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥

३ चोकु-न्थीतु, न्तु, न्तु, तात्, ताम्, थतु, द्वि, तात्, तम्, त, न्थानि, न्थाव, न्थाम ॥

४ अचोकु-न्थीत्, न, ताम्, थुः, न्थीः, न, तम्, त, न्थम्, थव, थम ॥

५ अचोकुन्थ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्म ॥

६ चोकुन्था-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ चोकुथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥

८ चोकुन्थिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥

९ चोकुन्थिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥

१० अचोकुन्थिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४३५ मृदश् (मृद्) क्षोदे ॥

- १ मरी-मर्ति, मृदीति, मृत्तः, मृदति, मृदीषि, मर्त्ति, मृत्थः,
मृत्थ, मृदीमि, मर्त्ति, मृद्वः, मृद्वः ॥
- २ मरीमृद्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
याव, याम ॥
- ३ मरीमर्त्तु, मरीमृ-दीतु, तात्, ताम्, दतु, द्दि, तात्,
त्तम्, त्त, दानि, दाव, दाम ॥
- ४ अमरी-मर्त, मृदीत्, मृत्ताम्, मृद्वः, मृदीः, माः, मर्त,
मृत्तम्, मृत्त, मृदम्, मृद्व, मृद्व ॥
- ५ अमरीमर्द्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मरीमर्दा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मरीमृद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ मरीमर्दिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मरीमर्दिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अमरीमर्दिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
पक्षे मरी-स्थाने ‘ मरि ’ इति ‘ मर् ’ इति च ज्ञेयम् ॥

१४३६ गुधश् (गुध्) रोषे । गुधच् १०६६ वद्रूपाणि ॥

१४३७ बन्धश् (बन्ध्) बन्धने ॥

- १ बा-बन्धीति, बन्दि, बन्धि, बद्धः, बधति, बन्धीषि,
भन्त्सि, बद्धः, बद्ध, बन्धीमि, बन्धि, बन्ध्वः, बन्ध्वः ॥
- २ बाबध्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात,
याम्, याव, याम ॥
- ३ बाव-न्धीतु, न्धु, न्धु, द्दात्, द्दाम्, धतु, द्दि, द्दात्,
द्धम्, द्द, न्धानि, न्धाव, न्धाम ॥
- ४ अबा-बन्धीत्, भन्, बद्धाम्, बधुः, बन्धीः, बद्धम्,
बद्ध, बन्धम्, बन्ध्व, बन्ध्व ॥
- ५ अबाबन्धु-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ बाबन्धा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बाबध्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ बाबन्धिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बाबन्धिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अबाबन्धिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

- १४३८ क्षुभश् (क्षुभ्) संचलने । क्षुभि ८७५ वद्रू० ॥
- १४३९ णभश् (नभ्) हिंसायाम् । णभि ८७६ वद्रू० ॥
- १४४० तुभश् (तुभ्) हिंसायाम् । तुभि ८७७ वद्रू० ॥
- १४४१ खवश् (खव्) भूतप्रादुर्भावे ॥

- १ चा-खवीति, खौति, खौतः, खवति, खवीषि, खौषि, खौथः,
खौथ, खवीमि, खौमि, खौवैः, खावः, खौमः ॥ [याव, याम ॥
- २ चाखव्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,
३ चा-खवीतु, खौतु, खौतात्, खौताम्, खवतु, खौहि,
खौतात्, खौतम्, खौत, खवानि, खवाव, खवाम ॥
- ४ अचा-खवीत्, खौत्, खौताम्, खवुः, खवीः, खौः,
खौतम्, खौत, खवम्, खौवै, खाव, खौम ॥
- ५ अचाखाव् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अचाखव् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चाखवा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चाखव्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चाखविता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चाखविष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ,
आमि, आवः, आमः ॥

- १० अचाखविष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,
अम्, आव, आम ॥
- चाखव्यादित्यादौ ये परे चाखौयादित्याद्यपि भवति ।

१४४२ क्लिशौश् (क्लिश्) विवाधने । क्लिशिच् ११८२ वद्रूपाणि ॥

- १४४३ अशश् (अश्) भोजने । अशौटि १२१८ वद्रू० ॥
- १४४४ विषश् (विष्) विप्रयोगे । विष् ४८३ वद्रू० ॥
- १४४५ पुषश् (पुष्) स्नेहसेचनपूरणेषु । पुष् ४०० वद्रूपाणि ॥
- १४४६ प्लुषश् (प्लुष्) स्नेहसेचनपूरणेषु । प्लुष् ४९३ वद्रूपाणि ॥
- १४४७ मुषश् (मुष्) स्तेये । मुष ४७३ वद्रूपाणि ॥
- १४४८ पुषश् (पुष्) पुष्टौ । पुष ४९५ वद्रूपाणि ॥

१४४९ कुषश्च (कुष्) निष्कर्षे ॥

- १ चो-कोष्टि, कुषीति, कुष्टः, कुषति, कुषीषि, कोक्षि, कुष्टः, कुष्ट, कुषीमि, कोष्मि, कुष्वः, कुष्मः ॥
- २ चोकुष्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चोकोष्टु, चोकु-षीतु, छात्, छाम्, षतु, द्वि, छात्, छम्, छ, पाणि, षाव, षाम ॥
- ४ अचो-कोद, कुषीत्, कुष्टाम्, कुषुः, कुषीः, कोद, कुष्टम्, कुष्ट, कुषम्, कुष्व, कुष्म ॥
- ५ अचोकोष्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चोकोषा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोकुष्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोकोषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोकोषिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० अचोकोषिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४५० ध्रस्वश्च (ध्रस्) उञ्छे ॥

- १ दाध्र-सीति, स्ति, स्तः, सति, सीषि, स्मि, स्थः, स्थ, सीमि, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- २ दाध्रस्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ दाध्र-सीतु, स्तु, स्तात्, स्ताम्, सतु, धि, द्वि, स्तात्, स्तम्, स्त, सानि, साव, साम ॥
- ४ अदाध्र-सीत्, त्, स्ताम्, सुः, सीः, ;, त्, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ५ अदाध्रास् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदाध्रस् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दाध्रसा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दाध्रस्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दाध्रसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दाध्रसिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अदाध्रसिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, १४५१ १वृङ्श्च (वृ) संभक्तौ । वृग्द १२०० वद्रू ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिन्दिरायमाणा-
न्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य यङ्लुबन्त-
रूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे पञ्चमे भागे क्रयादिगणः सम्पूर्णः ॥

अथ चुरादिगणः ।

१४५२ चुरण् (चुर) स्तेये ॥

- १ चो-चुरीति, चोर्ति, चूर्तः, चुरति, चुरीषि, चोर्षि, चूर्थः, चूर्थ, चुरीमि, चोर्मि, चूर्वः, चूर्मः ॥
- २ चोचूर्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चो-चुरीतु, चोर्तु, चूर्तात्, चूर्ताम्, चुरतु, चूर्हि, चूर्तात्, चूर्तम्, चूर्त, चुराणि, चुराव, चुराम ॥
- ४ अचो-चुरीत्, चोः, चूर्ताम्, चुरुः, चुरीः, चोः, चूर्तम्, चूर्त, चुरम्, चूर्व, चूर्म ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अचोचोर्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, ६ चोचोरा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चोचूर्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चोचोरिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चोचोरिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचोचोरिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४५३ चितुण् (चिन्त) स्मृत्याम् ॥

- १ चेचि-न्तीति, न्ति, न्तः, न्तति, न्तीषि, न्त्सि, न्थः, न्थ, न्तीमि, न्त्सि, न्त्वः, न्त्सः ॥
- २ चेचिन्त-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ चेचि-न्तीतु, न्तु, न्तात्, न्ताम्, न्ततु, न्दि, न्तात्, न्तम्, न्त, न्तानि, न्ताव, न्ताम् ॥
- ४ अचेचि-न्तीत्, न्, न्ताम्, न्तुः, न्तीः, न्, न्तम्, न्त, न्तम्, न्त्व, न्त्स ॥ [इष्, इष्म ॥
- ५ अचेचिन्त-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, ६ चेचिन्ता-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चेचिन्त्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेचिन्तिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेचिन्तिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥
- १० अचेचिन्तिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४५४ सूचण् (सूच) पैशून्ये ॥

- १ सोसू-चीति, च्ति, च्कः, च्ति, चीषि, क्षि, कथः, कथ, चीमि, च्मि, च्वः, च्मः ॥
- २ सोसूच-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सोसू-चीतु, क्तु, क्तात्, क्ताम्, च्तु, च्धि, क्तात्, क्तम्, क्त, चानि, चाव, चाम ॥
- ४ असोसू-चीत्, क्, क्, क्ताम्, क्तुः, चीः, क्, क्, क्तम्, क्त, चम्, च्व, च्म ॥
- ५ असोसूच-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सोसूचा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोसूच्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोसूचिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोसूचिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असोसूचिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४५५ सूत्रण् (सूत्र) विमोचने ॥

- १ सोसू-त्रीति, त्रि, त्रतः, त्रति, त्रीषि, त्रिष, त्रथः, त्रथ, त्रीमि, त्रिम, त्रवः, त्रमः ॥
- २ सोसूत्र-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ सोसू-त्रीतु, त्रु, त्र्तात्, त्र्ताम्, त्रतु, त्रिह, त्र्तात्, त्र्तम्, त्रत, त्राणि, त्राव, त्राम ॥
- ४ असोसू-त्रीत्, त्, त्र्ताम्, त्रुः, त्रीः, त्, त्र्तम्, त्रत, त्र्तम्, त्रव, त्रम ॥
- ५ असोसूत्र-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सोसूत्रा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सोसूत्र्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सोसूत्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सोसूत्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥
- १० असोसूत्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत, अम्, आव, आम ॥

१४५६ मूत्रण (मूत्र) प्रस्रवणे ॥

१ मोमू-त्रीति, त्रित, त्रतः, त्रति, त्रीषि, त्रिष, त्र्यः, त्र्य, त्र्यमि, त्र्यः, त्र्यमः ॥ [याव, याम ॥

२ मोमूत्र-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,

३ मोमू-त्रीति, त्रु, त्रात्, त्राम्, त्रतु, त्रिह, त्रात्, त्रतम्, त्रत, त्राणि, त्राव, त्राम ॥ [त्रम्, त्रव, त्रम ॥

४ अमोमू-त्रीत्, त्र, त्राम्, त्रुः, त्रीः, त्र, त्रतम्, त्रत,

५ अमोमूत्र-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व,

६ मोमूत्रा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म ॥

७ मोमूत्र्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्ख, स्म ॥

८ मोमूत्रिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्खः, स्मः ॥

९ मोमूत्रिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अमोमूत्रिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१४५७ युजण (युज्) संपर्चने । युजिच् ११६१ वद्रू० ॥

१४५८ लीण (ली) द्रवीकरणे । लीङ्च् ११५६ वद्रू० ॥

१४५९ मीण (मी) मतौ ॥ मीङ्च् ११५४ वद्रू० ॥

१४६० प्रीण (प्री) तर्पणे ॥ प्रीङ्च् ११६० वद्रू० ॥

१४६१ धूगण (धू) कम्पने । धूगृद् ११९६ वद्रूपाणि ॥

१४६२ वृगण (वृ) आवरणे । वृगृद् १२०० वद्रूपाणि ॥

१४६३ जृण (जृ) वयोहानौ । जृषच् १०५६ वद्रूपाणि ॥

१४६४ चीकण (चीक्) आमर्षणे ॥

१ चेची-कीति, कि, कः, कति, कीषि, क्षि, कथः, कथ, कीमि, किम, क्वः, क्वमः ॥ [याव, याम ॥

२ चेचीक्-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,

३ चेची-कीत्, कु, क्तात्, काम्, कतु, किथ, क्तात्, क्तम्, क्त, कानि, काव, काम ॥ [क्व, क्वम ॥

४ अचे-कीत्, क्, क्ताम्, कुः, कीः, क्, क्तम्, क्त, क्तम्,

५ अचेचीक्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व,

६ चेचीका-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म ॥

७ चेचीक्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्ख, स्म ॥

८ चेचीकिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्खः, स्मः ॥

९ चेचीकिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अचेचीकिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१४६५ शीकण (शीक्) शीकृद् ५६५ वद्रूपाणि ॥

१४६६ मार्गण (मार्ग) अन्वेषणे ॥

१ मार्मा-गीति, कि, कः, गति, गीषि, क्षि, कथः, कथ, गीमि, गिम, ग्वः, ग्वमः ॥ [याव, याम ॥

२ मार्मार्ग-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,

३ मार्मा-गीत्, कु, क्तात्, काम्, गीत्, गिथ, क्तात्, क्तम्, क्त, गीमि, गीव, गीम ॥ [गर्म्, गर्व, गर्म ॥

४ अमार्मा-गीत्, कु, क्ताम्, कुः, गीः, क्, क्तम्, क्त,

५ अमार्मार्ग-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व,

६ मार्मार्गा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म ॥

७ मार्मार्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्ख, स्म ॥

८ मार्मार्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्खः, स्मः ॥

९ मार्मार्गिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अमार्मार्गिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

१४६७ वृचण (वृच्) संपर्चने । वृचिङ्क् १०२४ वद्रू० ॥

१४६८ रिचण (रिच्) विरेचने । रिचिङ्क् १३६५ वद्रू० ॥

१४६९ वचण (वच्) भाषणे । वचिङ्क् १०१४ वद्रूपाणि ॥

१४७० वृजैण (वृज्) वर्जने । वृजैकि १०२७ वद्रू० ॥

१४७१ मृजौण (मृज्) शौचालङ्कारयोः । मृजौक् १०१५ ॥

१४७२ कटुण (कन्द्) शोके । कटुङ् ६२४ वद्रू० ॥

१४७३ श्रन्थण (श्रन्थ्) सन्दर्भे । श्रन्थिङ् १४३१ वद्रू० ॥

१४७४ क्रथण (क्रथ्) हिंसायाम् । क्रथिङ् ९७० वद्रू० ॥

१४७५ श्रथण (श्रथ्) बन्धने च ॥

१ शाश्र-थीति, ति, तः, थति, थीषि, त्रि, त्यः, त्य, थीमि, थिम, थ्वः, थ्वमः ॥ [याव, याम ॥

२ शाश्रथ-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्,

३ शाश्र-थीत्, तु, त्तात्, त्ताम्, थतु, थि, त्तात्, त्तम्, त्त, थानि, थाव, थाम ॥ [थम्, थ्व, थ्वम ॥

४ अशाश्र-थीत्, त्, त्ताम्, थुः, थीः, त्, त्तम्, त्त,

५ अशाश्रथ् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अशाश्रथ् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्म ॥

६ शाश्रथा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥

७ शाश्रथ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्ख, स्म ॥

८ शाश्रथिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्खः, स्मः ॥

९ शाश्रथिष्य-अति, अतः, अन्ति, असि, अथः, अथ, आमि, आवः, आमः ॥ [अम्, आव, आम ॥

१० अशाश्रथिष्य-अत्, अताम्, अन्, अः, अतम्, अत,

॥ मुनिश्रीलावण्यवि० विरचिते धातुर० पञ्चमभागे यङ्लुबन्तप्रक्रिया ॥ (३१९)

१४७६ वदिण् (वद्) भाषणे । वद ९२५ वद्रूपाणि ॥ १४८५ दृमैण् (दृम्) भये ॥ दृमैत् १२८३ वद्रूपाणि ॥
१४७७ छदण् (छद्) अपवारणे । छद ९७२ वद्रूपाणि ॥ १४८६ मृषिण् (मृष्) तितिक्षायाम् । मृषू ४८९ वद्रू० ॥
१४७८ आङःसदण् (आ-सद्) गतौ । सदलं ८९३ वद्रू० ॥ १४८७ शिषण् (शिष्) असर्वोपयोगे । शिष ४६८ वद्रू० ॥
१४७९ कृदण् (कृद्) संदीपने । ऊकृदृपी १३७१ वद्रू० ॥ १४८८ जुषण् (जुष्) परितर्कणे । जुषैति १३६३ वद्रू० ॥
१४८० शुन्धिण् (शुन्ध्) शुद्धौ । शुन्ध २९५ वद्रूपाणि ॥ १४८९ धृषण् (धृष्) प्रसहने । शिधृषाद् १२१६ वद्रू० ॥
१४८१ तनूण् (तन्) श्रद्धाघाते । तनूयी १३८७ वद्रू० ॥ १४९० हिंसुण् (हिन्स्) हिंसायाम् । हिंसुप् १३८३ वद्रू० ॥
१४८२ मानण् (मान्) पूजायाम् । मानि ६९२ वद्रू० ॥ १४९१ गर्हण् (गर्ह्) विनिन्दने । गर्हि ७९५ वद्रू० ॥
१४८३ तपिण् (तप्) दाहे । तपं ३०६ वद्रूपाणि ॥ १४९२ षहण् (सह्) मर्षणे । षहि ९१७ वद्रूपाणि ॥
१४८४ तृपण् (तृप्) प्रीणने । तृपद् १२१२ वद्रूपाणि ॥

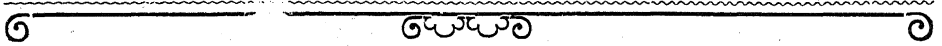
श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमद्गुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिन्दिरायमाणा-
न्तिषन्मुनिलावण्यविजयविरचितस्य धातुरत्नाकरस्य यङ्लुबन्त-
रूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे पञ्चमभागे चुरादिगणः सम्पूर्णः ॥

समर्थितश्च धातुरत्नाकरस्य यङ्लुबन्तरूपपरम्परा-
प्रकृतिनिरूपणो नाम पञ्चमभागः ॥



गच्छतः स्वलनं कापि भवत्येव प्रमादतः
हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः ॥ १ ॥

छद्मस्थेषु सदा स्वलद्वतितया दोषप्रबन्धान्वये
नोहास्यास्पदमत्र दोषघटनायां स्यामहं धीमताम् ।
नो प्राथ्याः कृतिनो निसर्गगरिमावासा मया शोधने
येषां दोषगणप्रमार्जनविधिः स्वाभाविकोऽयं यतः ॥ २ ॥



॥ शुद्धिपत्रम् ॥

| अशुद्धिः, | शुद्धिः, | पत्रम्, | पङ्क्तिः, |
|---------------|---|---------|-----------|
| वेडागमः | वेदागमः | १ | १८ |
| अशुद्धिः, | शुद्धिः, | धातुः, | पङ्क्तिः, |
| दाष्माया- | दाष्माया } - दाष्मेया } | ४ | १३ |
| स्थाव, स्थाम, | स्थीव, स्थीम, | ५ | ९ |
| स्त, | स्तम्, स्त, | ६ | १३ |
| जये | अभिभवे | ८ | १ |
| ज्रेतु | ज्रेतु, जितात्, | ९ | ६ |
| अदोवि | अदोदवि | ११ | १७ |
| द्रवीति, | द्रवीषि, | १२ | २ |
| द्रुवम्, | द्रवम्, | १२ | ९ |
| नः, | न, | १२ | १० |
| सुः, | सुः, ः, | १४ | १३ |
| विष्य- | विष्य- | १५ | १५ |
| सोवीमि, | सवीमि, | १६ | २ |
| विष्य- | विष्य | १५ | १५ |
| स्थ | स्थ | १८ | १३ |
| आवः, आमः, | आव, आम, | १८ | १७ |
| वृहि, | वृहि, वृतात्, | १९ | ६ |
| घरम्, | घरम् | १९ | ९ |
| स्वरी, | स्वरीः, | २० | ८ |
| स्वरि | सरि | २० | १२ |
| दृत्तु, | द्वत्तु, | २१ | ६ |
| द्वारि | द्वरि | २१ | १४ |
| धृत, | धृत, | २२ | ९ |
| ध्व | ध्वाद् | २२ | १० |
| इष्टम्, | इष्टम्, | २४ | १० |
| स्त, | स्त, | २४ | १२ |
| पक्षे...यम् । | इवर्णस्य इयादेशेन ' रि ' इति ' री ' इति चागमे समानान्येव रूपाणि । | २५ | १८ |
| तरुः | तरुः | २६ | ८ |
| द्वः, व्यः, | ध्वः, ध्मः, | २७ | ३ |
| द्व, व्य, | ध्व, ध्म | २७ | ९ |

अशुद्धिः,

ध्यात्,
अन्,
अत्,
खाम्,
अचाक्षास्
क्कि, क्तः, क्क्षि, क्खिष,
क्वथः, क्वथ,
क्कु, क्कात्, क्काम्, क्ग्धि,
क्कात्, क्कम्, क्क,
क्काम्,
क्कम्, क्क,
यातम्,
क्कि, क्तः, क्खिषि, क्क्षि,
क्वथः, क्वथ,
क्कु, क्कात्, क्काम्, क्ग्धि,
क्कात्, क्कम्, क्क,
त्तम्,
क्कम्, क्क,
क्ति, क्तः, ख्षि, क्षि,
क्थः, क्वथ,
चाकृ-खीतु, खतु,
खानि, खाव, खाम
क्काम्,
क्कम्, क्क,
त्तम्,
खीमि
खीतु,
सास्वङ्
कम्पने
क्तम्,
क्तम्,
दाधङ्-धीषि,
धीमि,
धन्,
ङ्गात्,
ङ्गम्, ङ्ग,
ईत्,
ञ्च, ञ्चम्,
ञ्चः, ञ्चम्,
म्लोच्चः, म्लुच्चिम्,

शुद्धिः,

ध्यात्,
अत्,
अन्,
खाम्,
अचाक्षास्
क्ति, क्तः, क्षि, ख्षि,
क्थः, क्वथ,
कु, कात्, काम्, गिध,
कात्, कम्, क्क,
काम्,
कम्, क्क,
यातम्,
क्ति, क्तः, ख्षि, क्षि,
क्थः, क्वथ,
कु, कात्, काम्, गिध,
कात्, कम्, क्क,
काम्,
कम्, क्क,
ति, तः, पि,
थः, थ,
चाकृ-क्खीतु, क्खतु
क्खानि, क्खाव, क्खाम ॥
काम्,
कम्, क्क,
काम्, खतु, गिध, कात्,
खीमि, खिम,
खीतु, कु,
सास्वङ्
कम्पने च
क्तम्, क्क,
क्तम्, क्क,
धीषि, दाधङ्-
धीमि,
धन्,
कात्,
कम्, क्क,
ईत्,
च, चम्,
चः, चम्,
म्लोच्चिम्, म्लुच्चः,

धातुः,

२९
३९
३९
४०
४१
४९
४९
४९
४९
४९
४९
५१
५३
५३
५३
५३
५३
५३
६०
६०
६०
६०
६३
६७
७०
७९
८२
८२
८४
८७
८७
८७
९६
९६
९७
१००
१०१
१०३

पङ्क्तिः,

८
१८
१८
९
१०
२
३
६
७
८
९
४
२
३
६
७
८
९
२
३
६
७
६
३
६
६
१
७
७
२
३
८
६
७
१०
८
३
३

अशुद्धिः,

| |
|-------------|
| क, |
| खचू |
| जतु, |
| जोग्लो- |
| घाम्, छु, |
| लांछि, |
| लांछि, |
| लांछीः, |
| वांछि, |
| जोहूछर्या |
| जोहू |
| स्फूछीषि, |
| स्फूर्वः |
| स्मृछिति, |
| यातम्, |
| प्रमादौ |
| घृज् |
| दरिघर्जा- |
| असासर्ज- |
| गोञ्मिः, |
| झाम्, |
| क, जम्, |
| क, |
| अलालञ्- |
| जीषि, जीषि, |
| जीमि, |
| जाजजा- |
| जरिगर्जा- |
| वथ, |
| टानि, |
| विद् |
| अटा- |
| अटाद्- |
| अटा- |
| आटा- |
| आटाद्- |
| ६ अटा०-इ० ॥ |
| अटाव्या- |
| अटादिता- |
| अटाटिष्य- |

शुद्धिः,

| |
|-----------------|
| क, खम्, |
| खचू |
| चतु, |
| जोग्लोचा- |
| घाम्, च्छतु, |
| लांछि, |
| लांछि, |
| लाञ्छीः, |
| वांछि, |
| मोमूछर्या |
| मोमूर् |
| स्फूछीषि, |
| स्फूर्वः, |
| स्मृछीति, |
| यातम्, |
| प्रमादे |
| घृज् |
| दरिघर्जा- |
| असासर्ज |
| गोञ्मि, |
| झम्, |
| क, |
| क, जम्, |
| अलालञ्- |
| जीषि, |
| जीमि, ञ्मि, |
| जाजजा |
| जरिगर्जा- |
| वथ, |
| टानि, |
| वेड् |
| आ- |
| आद्- |
| आ- |
| आ- |
| आद् |
| आट, आटतुः, इ० ॥ |
| आव्या- |
| आदिता- |
| आटिष्य- |

धातुः,

| |
|-----|
| १०५ |
| १०७ |
| १०७ |
| १०७ |
| १०८ |
| ११० |
| ११० |
| ११० |
| १११ |
| ११४ |
| ११४ |
| ११५ |
| ११५ |
| ११६ |
| ११६ |
| ११७ |
| ११८ |
| ११८ |
| ११० |
| १३८ |
| १३९ |
| १४० |
| १४० |
| १४१ |
| १४३ |
| १४३ |
| १४६ |
| १५१ |
| १५७ |
| १६१ |
| १७८ |
| १८० |
| १८० |
| १८० |
| १८० |
| १८० |
| १८० |
| १८० |
| १८० |
| १८० |

पङ्क्तिः,

| |
|----|
| ९ |
| १ |
| ६ |
| १२ |
| ५ |
| २ |
| २ |
| ८ |
| २ |
| १८ |
| १८ |
| २ |
| ३ |
| २ |
| ४ |
| १ |
| १ |
| १२ |
| १० |
| ३ |
| ८ |
| ७ |
| ९ |
| १० |
| २ |
| ३ |
| १२ |
| १२ |
| २ |
| ७ |
| ९ |
| २ |
| ४ |
| ६ |
| ८ |
| १० |
| १२ |
| १३ |
| १४ |
| १५ |

अशुद्धिः,

आट्टिष्य-
इष्ट, इष्टम्,
गतौ
चोकुण-
दृः, :
इष्टम्,
ण्टाम्,
ण्डम्,
अतौतौ-
विडु
न्धाण्टः,
इष्ट, इष्टम्,
ध्वा-
ध्वाण्टम्,
ध्वम्,
कण्टिः,
झाण्टम्,
त्वि,
जोजोस्या-
मामाथा-
मामान्थ्या-
चेक्ष्वेया-
स्कन्दं
अशोशुन्ध-
सतापे
लालप-
तोतु-
पानि,
प्ताम्,
वीमि,
म्पतम्,
इष्टम्,
सर्ति, सप्तः,
सृथः, सृथ,
सर्पु, सात्, साम्,
सात्, सप्, स,
सप्ताम्,
सप्तम्, सप्त,
भीति,
यम्

शुद्धिः,

आटिष्य-
इष्टम्, इष्ट,
गतौ
चोकुण-
दृः,
इष्टम्,
ण्टाम्,
ण्डम्,
अतौतौ-
विड
न्धाण्टः,
इष्टम्, इष्ट,
न्धा-
न्धाण्टम्,
ध्वम्,
कण्टि,
झाण्टात्, झाण्टम्,
त्वि,
जोजुत्या-
मामान्था-
मामाथ्या-
चेक्ष्वया-
स्कन्द
अशोशुन्ध-
संतापे
लालप्
तोतु-
पाणि,
वृप्ताम्,
वीमि, विमि,
म्पतात्, म्पतम्,
इष्टम्,
सर्विध, सृवधः,
सृवधः, सृवध,
सर्वुध, वधात्, वधाम्,
वधात्, वधम्, वध,
सृवधाम्,
सृवधम्, सृवध,
भीत्,
यम्

धातुः,

१८०
१८१
१८५
१८६
१९०
१९९
२०८
२१३
२२५
२३५
२४७
२४७
२४८
२४८
२४८
२५१
२५२
२६१
२६२
२६९
२६९
२७६
२९२
२९५
३०६
३०९
३१७
३१८
३१८
३३४
३३९
३३९
३४४
३४४
३४४
३४४
३४४
३५१
३५८

पङ्क्तिः,

१७
१०
१
६
२
११
८
९
८
१
२
१०
६
७
९
२
७
३
१३
१२
१३
१३
१
१०
१
४
२
७
८
३
७
६
७
८
९
८
१

| अशुद्धिः, | शुद्धिः, | धातुः, | पङ्क्तिः, |
|---|-------------------------|--------|-----------|
| याम्, | याम्, | ३५८ | ५ |
| अयंयस्- | अयंयस्- | ३५८ | १० |
| सीथ्, | सीन्थ्, | ३५९ | ३ |
| सीमत्, | सिमत्, | ३५९ | ६ |
| सिन्तम्, | सीन्तम्, | ३५९ | ९ |
| जह्मिन्ष्य- | जह्मिन्ष्य- | ३६४ | १५ |
| गतौ | कान्तौ च. | ३६७ | १ |
| गतौ | कान्तौ च | ३६८ | १ |
| त्रुटितम्-जाह्न्यादित्यादौ जाह्न्यादित्याद्यपि भवति । | | ३६८ | १९ |
| मौमः, | मौम | ३६९ | ९ |
| मामव्या- | मामव्या- | ३६९ | १३ |
| त्रुटितम्-मामव्यादित्यादौ मामौयात्, मामव्यादित्याद्यपि, स्त्रिविविधितानां | | ३६९ | १९ |
| यकारान्तवकारान्तानां मूढभाविनां यङ्लुब्धास्तीति पाणिनीयाः । | | | |
| चाक्मर- | चाक्मर्- | ३७४ | ४ |
| चक्षुर्या- | चक्षूर्या- | ३७७ | १३ |
| दोधोर- | दोधोर्- | ३७८ | ४ |
| ल्लिः, | ल्लः, | ३८२ | २ |
| ल्लिः, | ल्लः, | ३९१ | २ |
| षेळ | सेळ | ४०२ | १ |
| वीमि, | वीमि, र्मि, | ४२० | ३ |
| वर्तना | वर्तनाद् | ४२५ | १८ |
| अतोद्- | अतो- | ४३७ | ८ |
| अमामाव् } - | अमामाव् } - | ४४५ | १०-११ |
| मामव् } | मामव् } | | |
| न्मः, | न्मः, | ४५१ | ३ |
| ष्ट, शम्, | ष्ट, | ४५९ | ७ |
| चोषुष्- | जोषुष्- | ४६० | ४ |
| अचरीकष- | अचरीकर्ष- | ४६७ | ११ |
| षात्, | छात्, | ४७२ | ६ |
| ष्टाम्, | विष्टाम्, | ४८४ | ८ |
| सेचने च | सेचने | ४८६ | १ |
| प्ल्षषि, | प्ल्षषि, | ४९३ | २ |
| त्रुटितम्- | पक्षे जरीस्थाने 'जरि' | ४९५ | १९ |
| | इति 'जर्' इति च ज्ञेयम् | | |
| तंसी, | तंसीः, | ४९८ | ८ |
| तोः | तोः, तोत्, | ४९९ | ९ |
| रारम्- | रारस्- | ५०२ | ४ |
| घस्त, | घस्तः, | ५०४ | २ |
| मिहीमि, | मिहीमि, | ५११ | ३ |
| रङ् | रङ् | ५१५ | १ |

अशुद्धिः,

क्ति, कः,
 कथः, कथ,
 कु, कात्, काम्, कात्,
 कम्, क,
 काकाम्,
 कम्, क,
 क्ति, कः, कथः,
 कथ,
 कु, कात्, काम्, कात्,
 कम्, क,
 काम्, कम्,
 क,
 क्षाणि,
 छि,
 जेहेज्या-
 जेहिज्या-
 घुण्टः,
 घुण्टः, घुण्टः,
 ण्टात्,
 णतु,
 ण्टात्,
 णानि,
 घुण्टाम्,
 घुण्टम्, घुण्ट,
 णी,
 युतुः,
 दीतु, तु,
 दीणि,
 द्द,
 स्पर्ध-
 प्रतिष्ठा
 जागा-
 द्दाम्,
 त्सि,
 कन्व
 सि, सः, प्यः, प्य,
 सु, सात्, साम्, सात्, सम्,
 स,
 साम्, सम्, स,
 साम्,

शुद्धिः,

विध, गधः,
 गधः, गध,
 गधु, गधात्, गधाम्, गधात्,
 गधम्, गध,
 द्रागधाम्,
 गधम्, गध,
 विध, गधः, गधः,
 गध,
 गधु, गधात्, गधाम्, गधात्,
 गधम्, गध,
 गधाम्, गधम्,
 गध
 क्षानि,
 छि, छि, अन्यत्राप्येवं
 जेहेज्या-
 जेहिज्या-
 घृण्टः,
 घृण्टः, घृण्ट,
 जोधू-ण्टात्,
 जोधु-ण्टु,
 जोधू-ण्टात्,
 जोधु-णानि,
 घृण्टाम्,
 घृण्टम्, घृण्ट,
 णीः,
 युतुः,
 दीति, ति, ति,
 दीनि,
 द्द,
 स्पर्ध-
 प्रतिष्ठा
 जा-
 द्दाम्,
 त्सि,
 कन्व
 विध, गधः, गधः, गध,
 गधु, गधात्, गधाम्, गधात्, गधम्,
 गध,
 गधाम्, गधम्, गध,
 गधाम्,

घातुः,

५९७
 "
 "
 "
 "
 "
 ५९८
 "
 "
 "
 "
 "
 "
 ६१०
 ६१८
 ६४७
 ६४९
 ६५३
 "
 "
 "
 "
 "
 "
 "
 ६५४
 ६५७
 ६६५
 ६७८
 ६८५
 "
 ६८६
 "
 ६८८
 ६९६
 ७०९
 ७१२
 "
 "
 "
 ७१३

पङ्क्तिः,

२
 ३
 ६
 ७
 ८
 ९
 २
 ३
 ६
 ७
 ८
 ९
 ७
 २
 १३
 १३
 २
 ३
 ६
 ६
 ७
 ७
 ८
 ९
 ८
 ८
 २
 ७
 ७
 १०
 १
 २
 ८
 २
 १
 २
 ६
 ७
 ८
 ८

अशुद्धिः,

साम्,
जम
शाशन
व्यः,
गतौ
स्व, स्म,
यानि,
पयोषि
अस्त्रे-
केयूहि,
मेवीमि
पामः,
बाभाष-
स्मि,
बाभ्यस्-
जाभास्-
याभ्यायाम्
हरुः,
भरुः,
ब्रुडितम्-
ण्व, ष्म,
स्व, स्म,
स्म,
आम,
बुदिष,
बुदमि
रुटम्,
वाः
धीमि,
विशर
क्षार-
ईमि,
त्वर्व,
त्वरुः,
दादीर-
त्,
जाञ्चर-
जाञ्चर्या-
दीसो
तुडुः,

शुद्धिः,

वधाम्,
जभ
शासन
व्यः,
रक्षणे च
स्वः, स्मः,
याणि,
षयोषि,
अस्त्रे-
केयूहि,
मेवीमि,
पौमः,
बाभाष-
सीमि, स्मि,
बाभ्यस्-
जाप्रस्-
याच्यायाम्
हरुः,
भरुः,
मिविबहुलप्रहणाञ्चेत् मतान्तरेणोदाहृतम् ।
णिम, ष्वः, ष्मः,
स्वः, स्मः,
स्मः,
आमः,
घोदषि,
घोदमि
रुटम्,
मतान्तराभिप्रायेण
थिम, धीमि,
विशरण
क्षार-
मि, ईमि,
त्वर्वः,
त्वरुः,
दादीर-
त्, ः,
जाञ्चर-
जाञ्चर्या-
दीसौ
तडुः,

धातुः,

७१४
७२३
”
७२५
७३७
७४०
७४२
७५७
७५८
७५९
७६५
७६८
७७१
७८८
७८९
७९१
८१४
८१८
८१९
८२१
८३०
८३२
८४५
८६०
८६७
”
८६८
८८२
८९१
८९३
८९८
९०१
९३७
”
९४२
९७३
९७९
”
९८३
१००१

पङ्क्तिः,

८
१६
१७
२
१
१४
७
२
८
६
३
३
४
३
४
४
१
८
४
१४
१४
१६
२
३
९
७
३
१
१०
३
३
८
४
७
४
१६
१
८

अशुद्धिः,

पुपीभि,
 स्तम्,
 विदिमि,
 भ्रिवः, भ्रिमः,
 भ्रिव, भ्रिम,
 सतम्,
 इग्धि,
 शानतयोः
 ईतम्,
 देहि-
 जिमीक्
 भीतम्, भीतम्,
 पञ्चमे
 झर्त,
 इष्टम्,
 ङ्गम्,
 छिमीमि
 छुङ्,
 शुङ्,
 रारन्धा-
 तपिष्य-
 सतु,
 ण्डि, ण्डि,
 शा, शा, शा,
 शुशीमि,
 पुषीमि,
 स्ताम्,
 ण्णक्, ण्णद्,
 दुय,
 भीयतु,
 त्रयतु,
 पेप
 र्ते,
 भेतु
 व्याप्तौ
 दम्भने
 भसौटि
 मृजि
 जाज्ञ
 छः,

शुद्धिः,

पुपीमि,
 संस्त्म,
 विदीमि,
 घ्रीवः, घ्रीमः,
 घ्रीव, घ्रीम
 सम्,
 इग्धि,
 शानतयोः
 ईतम्, ईत,
 देदि-
 जिभीक्
 भितम्, भीतम्,
 पञ्चमे
 झीर्त,
 इषम्,
 ङ्गम्, ङ्ग
 छिमीमि,
 छुङ्कः,
 छुङ्कः,
 रारन्धा-
 तपिष्य-
 पतु,
 नण्डि, नण्डि,
 नशा, नशा, नशा,
 शुशीमि,
 पुषीमि,
 सम्,
 ण्णि,
 दूय,
 ध्यतु,
 त्रियतु,
 पेप्र
 रतु,
 भेतु
 क्षप्तौ
 दम्भे
 भसौटि
 मृजि
 जाज्ञ
 पापृष्टः,

धातुः,

१०१०
 १०१६
 १०१७
 १०१८
 ”
 १०२०
 १०२८
 १०३२
 १०३४
 १०४०
 १०४४
 ”
 पत्र-२४७
 धातु-१०१८
 १०५९
 १०६७
 १०७५
 १०९२
 ”
 १०९७
 १०९८
 ११०३
 ११११
 ”
 १११७
 ११२५
 ११३७
 ११४९
 ११५१
 ११५३
 ११५८
 ११६०
 ११७९
 ११९५
 १२०६
 १२१३
 १२१८
 १२२०
 १२४२
 १२४७

प्रकृतिः,

३
 ९
 ३
 ३
 ९
 ९
 ६
 १
 ९
 ६
 १
 ८
 ५
 ९
 १०
 ७
 ३
 २
 ८
 १२
 १७
 ६
 ५
 ६
 ३
 ३
 ३
 ३
 ६
 ६
 १
 १
 १
 १३
 १५
 १९

| अशुद्धिः, | शुद्धिः, | धातुः, | पङ्क्तिः, |
|-------------------|-----------------------------|--------|-----------|
| गर्घः, | गर्घः, | १२५३ | २ |
| कथन | कथन | १२७४ | १ |
| किल्लम्, किल्लम्, | किल्लम्, | १२९४ | ९ |
| शेषोल्लु- | शेषोल्लु, | १२९६ | ६ |
| स्म | स्म, | १३०३ | १३ |
| स्पृष्ट, स्पृष्ट | स्पृष्ट, स्पृष्ट | १३०५ | ८ |
| मृष्टात्, | मृष्टात्, मृष्टम्, मृष्टम्, | १३०९ | ७ |
| मृष्ट- | मृष्ट- | " | १० |
| कृष्टात्, | कृष्टात्, | १३१७ | ८ |
| द्वि, | द्वि, | १३२९ | ६ |
| स्म, | स्मः, | १३२३ | १४ |
| वृष्टीमि, | वृष्टीमि, | १३४७ | २ |
| वृत्तम्, | वृत्तम्, | १३७२ | ९ |
| 'चर्' | 'चर्' | १३७४ | १७ |
| तश्च | तश्च | १३७६ | १ |
| तर्म्मि, | तर्म्मि, | १३९१ | २ |
| घर्म्मि | घर्म्मि | १३९२ | २ |
| चरणे | पके | १३९८ | १ |
| द्वि, | द्वि, | १४०४ | ६ |
| जेत् | जेत्, जीतात्, | १४११ | ८ |
| ल्वियीति | ल्वियीति, | १४१५ | २ |
| शाश्वर्या- | शाश्वर्या- | १४१८ | १३ |
| र्क्, | र्क्, | १४६६ | ७ |
| मामार्गिता- | मामार्गिता- | " | ११ |

॥ इति पञ्चमभागे शुद्धिपत्रम् ॥

DHĀTURATNĀKARA

MUNI LĀVAṆYA VIJAYA SŪRI
मुनितावण्यविजय सूरिविनिर्मितः

षष्ठो भागः

नामधातु प्रक्रिया

NAVRANG • नवरंग
1992

This publication has been brought out with financial assistance from Government of India, Ministry of Human Resources Development.

If any defect is found in this book, please return the copy by V.P.P. to the Publisher for exchange free of cost of postage.

DHĀTURATNĀKARA, VOL VI

First Published 1867 Saka

Reprint 1992

Rs. 820 per set of Vols. 1-7

Published by:
Mrs Nirmal Singal, for
'VRANG Booksellers & Publishers
Anand Puri, New Delhi - 12
Phone 197, 589914

Printed by :
Diamond Printers,
B-74, Phase II, Naraina Industrial Area,
New Delhi - 28

॥ अहम् ॥

श्रीविजयनेमिसूरिग्रन्थमाला-रत्नम् ८ ॥

॥ आशैशवशीलशालिने श्रीनेमीश्वराय नमो नमः ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-
सर्वतन्त्रस्वतन्त्र--सूरिचक्रचक्रवर्ति--भट्टारकाचार्यश्रीम-
द्विजयनेमिसूरीश्वरपट्टालंकार-तिलकमञ्जरीटीकादि-
विविधनिबन्धनिबन्धनबन्धुर-व्याकरणवाच-
स्पति--शास्त्रविशारद--कविरत्न-भट्टा-
रकाचार्यश्रीमद्विजयलावण्यसूरि-
प्रणीतो

धातुरत्नाकरः ।

॥ तस्य चायं षष्ठो विभागः ॥

प्रकाशितोऽयं राजनगरस्थाया जैनग्रन्थप्रकाशकसभायाः
कार्यवाहकेन “वाडीलाल बापुलाल शाह” इत्यनेन ।

प्रति ५५१

प्रथमावृत्तिः

श्रीविजयनेमिसूरिग्रन्थमाला-रत्नानि ॥

| | | | | | | | |
|---------------------------------|------|------|------|------|------|------|-------|
| धातुरत्नाकर भाग १ | * | | | | | | ५-०-० |
| " " | २ | | | | | | ४-०-० |
| " " | ३ | | | | | | २-०-० |
| " " | ४ | | | | | | २-०-० |
| " " | ५ | | | | | | ४-०-० |
| " " | ६ | | | | | | २-८-० |
| देवगुर्वष्टक स्वोपज्ञवृत्तिसमेत | | | | | | | ०-४-० |
| देवगुर्वष्टक तथा कदम्बाष्टक | | | | | | | ०-१-० |
| श्री नूतन जिनस्तवनमाला | | | | | | | ०-२-० |

मुद्रमाणग्रन्था :—

- १ श्रीसिद्धहेमचन्द्रानुशासन बृहद्वृत्ति-
लघुन्यासबृहन्न्यासमेत ।
- २ धातुरत्नाकरभाग ७ ।
- ३ स्याद्यन्तरत्नाकर ।

प्राप्तिस्थान—

गुर्जरग्रन्थरत्न कार्यालय,
गांधीरोड, अमदावाद ॥



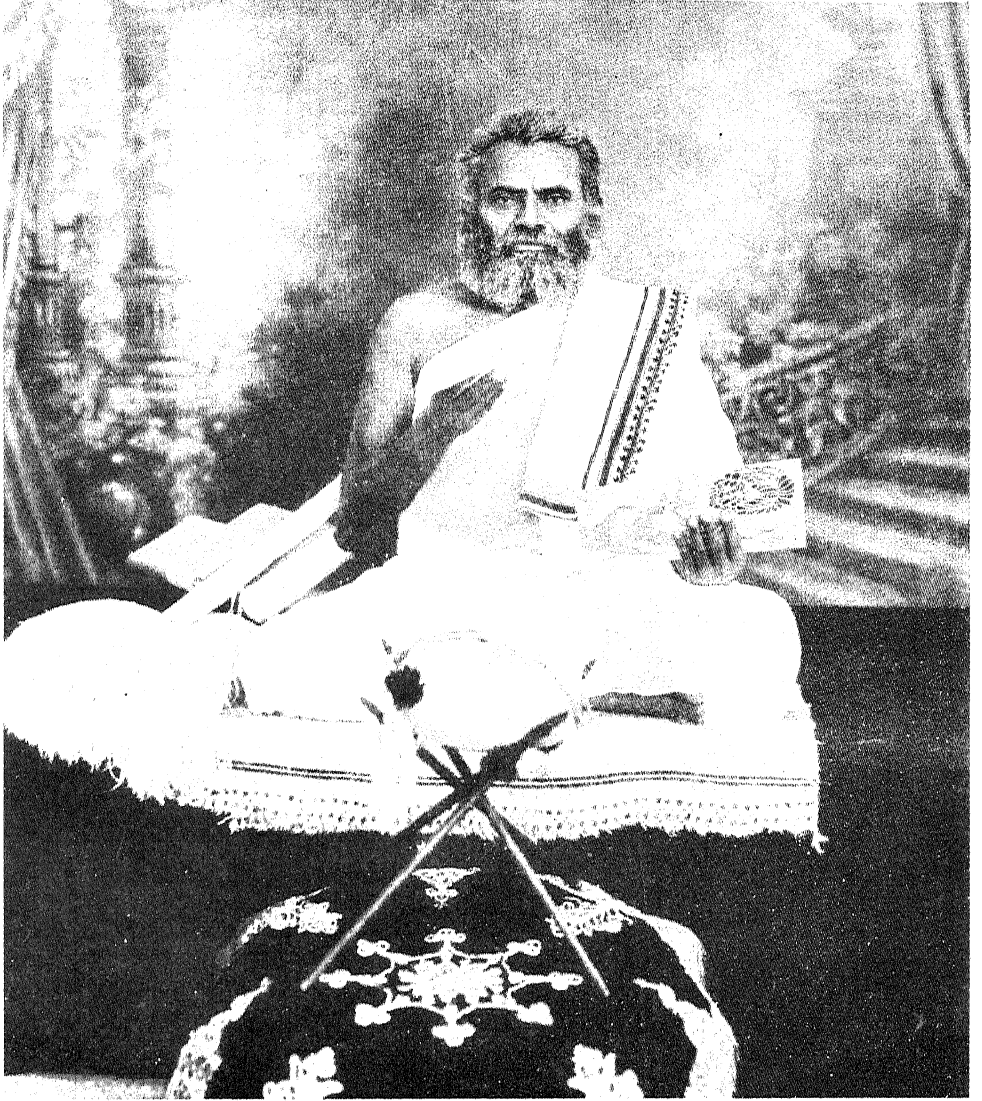
सरस्वती जैन पुस्तक भंडार,
१४५ गुलालवाडी, मुंबई ॥

मुद्रक: शाह गुलाबचंद लल्लुभाई, 'श्री महोदय प्रिन्टींग प्रेस', दाणापीठ-भावनगर.

* घणी ओछी कोपी छे.

सर्वतन्त्रस्वतन्त्र-शासनसम्राट्-सूरिचक्रवर्त्ति जगद्गुरुतपागच्छाधिपति-भट्टारक

जन्म सं. १९२९ कार्तिक शु. १ मधुमती (महवा) : दीक्षा सं. १९४५ ज्येष्ठ शु. ७ भावनगर



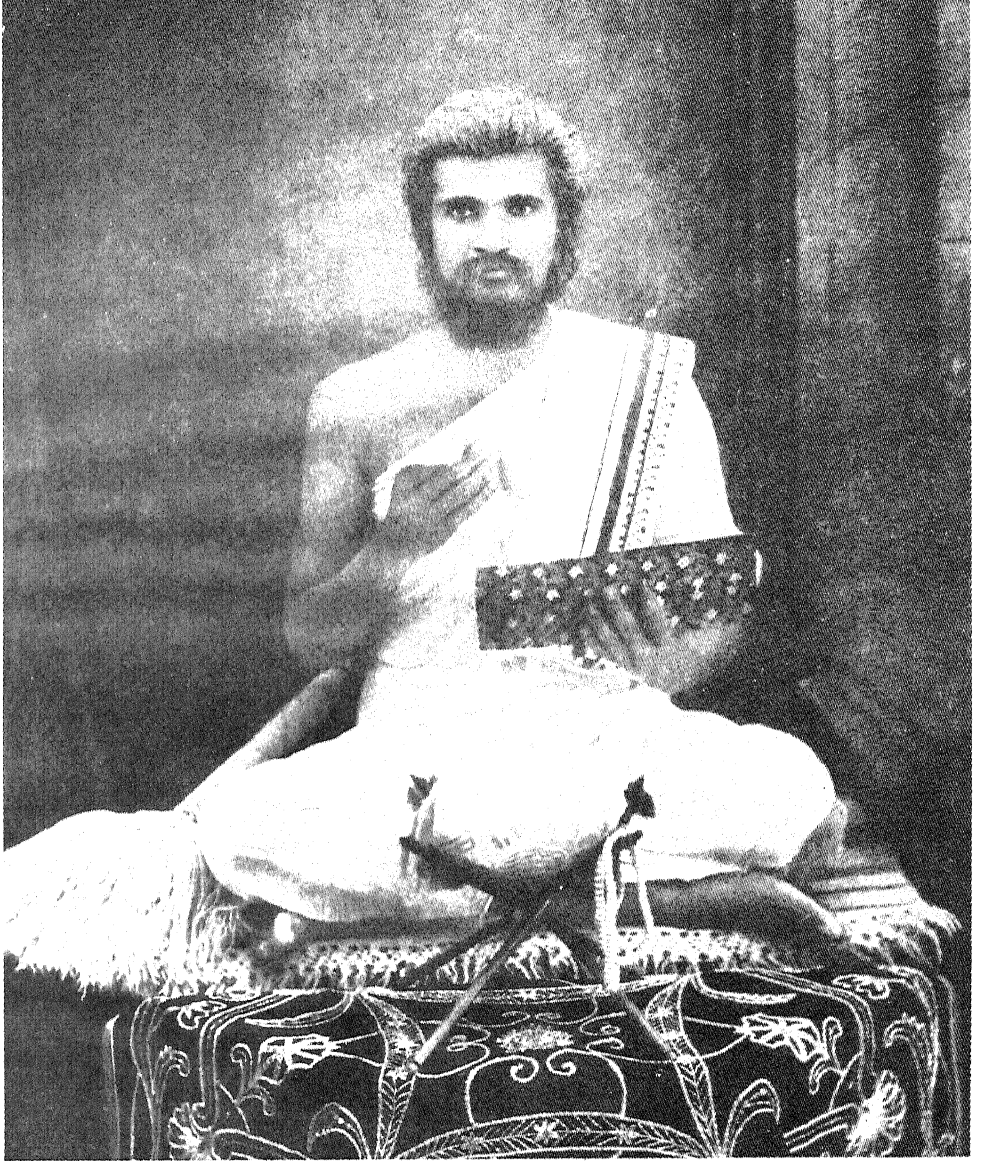
भव्याब्ध्यामदवृद्धिचन्द्रसदृशं, श्रीनेमिसूरीश्वरं ।
सम्यग्दर्शनबोधदानसदनं, चारित्रभानूदयम् ॥
जैनेन्द्रागमतत्त्वनन्दनघनं, लावण्ययोगालयं ॥
भो दक्षास्त्रिविधं हितं प्रणमत, प्रज्ञाप्रमोदक्षमम् ॥ १ ॥

आचार्य श्रीविजयनेमिसूरीश्वरः

सूरिपद सं. १९६४ ज्येष्ठ शु. ५ भावनगर

तपोगच्छाधिपति—सर्वतन्त्रस्वतन्त्र—शासनसम्राट्—सूरिचक्रचक्रवर्त्ति—जगद्गुरु—भट्टारकाचार्यवर्य—
 श्रीमद्विजयनेमिसूरीश्वरपट्टालङ्कार—
 व्याकरणवाचस्पति—शास्त्रविशारद—कविरत्न—निरुपमव्याख्यानसुधावर्षि—विबुधशिरोमणि—धातुरत्नाकर—
 तिलकमञ्जरीटीकाद्यनेकग्रन्थप्रणेता—

जन्म-वि. सं. १९५३ भाद्रपद वद ५ दीक्षा-वि. सं. १९७२ अषाढ सुद ५ वडी दीक्षा-वि. सं. १९७३ मागशर
 प्रवर्त्तकपद-वि. सं. १९८७ कार्तिक (प्रायः) बौद्ध (काठीयावाड) ॥ सादडी (मारवाड) ॥
 सुद ३ सादडी (मारवाड) ॥ वद २, अमदावाद ॥



गणितपद-वि. सं. १९९० मागशर पद्मयासपद-वि. सं. १९९० मागशर उपाध्याय पद-वि. सं. १९९१ जेठ
 आचार्यपद-वि. सं. १९९२ वैशाख सुद ८, भावनगर ॥ सुद १०, भावनगर ॥
 वद १२, महंगा (काठीयावाड) ॥ सुद ४, अमदावाद ॥

भट्टारकाचार्यश्रीमद्विजयलावण्यसूरीश्वरः ॥

“न्यायव्याकरणागमेषु ललिते, काव्ये तथा छन्दसि । साहित्यप्रभृतौ प्रबन्धगगने यद्वीकराः विस्तृताः ॥
 प्रत्युत्पन्नमतिः प्रसादमदनं, व्याख्यानवाचस्पतिः । सोऽयं दक्षप्रमोदो विजयते, लावण्यसूरीश्वरः ॥१॥”

श्रीतपोगच्छाधिपति-शासनसम्राट्-सूरिचक्रचक्रवर्ति-सर्वतन्त्रस्वतन्त्र-जगद्गुरुश्रीमद्विजयनेमि-
सूरीश्वरपट्टालंकार-व्याकरणवाचस्पति-शास्त्रविशारद-कविरत्न-श्रीमद्विजयलावण्यसूरीश्वर-
शिष्यरत्नविद्वद्भ्यमुनिश्रीदक्षविजयशिष्यरत्नविद्वद्भ्यबालमुनिश्रीसुशीलविजयविरचितं

॥ श्रीनेमिसूरीश्वराष्टकम् ॥

[शार्दूलविक्रीडितवृत्तानि]

यज्ज्ञानं च निबन्धसिन्धुतरणे, नौकानिभं वर्त्तते ।

यद्वाणी शुभमानसाम्बुजरवि-नानार्थसंबोधिनी ॥

यत्कीर्त्तिः किल दिक्षु विस्तृततरा, चन्द्रोज्ज्वला सर्वदा ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ १ ॥

यस्य क्षान्तिरनल्पकोपशमने, धाराधराभा वरा ।

नानाशिष्यप्रशिष्यवृन्दसाहितं, सद्बोधिरत्नप्रदम् ॥

दुर्दान्तप्रतिवादिवादनिपुणं, सम्राट्पदालङ्कृतं ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ २ ॥

नानातर्कपरायणं गुणयुतं, लावण्यलीलालयं ।

न्यायव्याकरणादिशास्त्ररचना-नैपुण्यभार्जा वरम् ॥

तीर्थोद्धारधुरन्धरं मुनिवरं, चारित्ररत्नाकरं ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ ३ ॥

वैराग्यद्रुमवर्धने जलधरं, श्वेताम्बराग्रेसरं ।

भव्यानामुपकारकारकुशलं, सिद्धान्तपारङ्गतम् ॥

नानादर्शनदर्शनामलधियं, सद्ब्रह्मचर्याश्रितं ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमि

गीतार्थानुसृते तथाऽऽगमगते, पान्थं पार्थ

विद्वद्वृन्दसुवन्दितामलगुणं, विद्वद्सभ

यद्वाचा विमलाचलादिप्रभृतेः, संघा वरा निर्गता ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ ५ ॥

नन्दीवर्धनकारितप्रतिमया, श्रीवर्द्धमानप्रभो ।

रम्ये काननमण्डिते मधुपुरे, रत्नाकरालङ्कृते ॥

वर्षारम्भादिने महोदयकरं, यज्जन्म जातं शुभं ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ ६ ॥

लक्ष्मीचन्द्र इति श्रुतस्सुजनको, यस्यास्ति धर्मोद्यत-

श्चार्वाचारविचारचारुचरिता, माता च दीपालिका ।

वाग्दक्षो हि सतां प्रियो गुणनिधिः, श्रीबालचन्द्रोऽनुजो ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ ७ ॥

येषामीक्षणतोऽपि यान्ति विपुलं, भाग्योदयं सज्जना ।

भूपालावलिमौलिपूजितपदा,—म्भोजं च दिव्याकृतिम् ॥

सम्पूर्णेन्दुसुमण्डलाभवदनं, चन्द्रार्धभालस्थलं ।

वन्देऽहं शुभपादपद्मयुगलं, तं नेमिसूरीश्वरम् ॥ ८ ॥

[सगधरावृत्तम्]

नानाविद्याब्धिदेवाचलविमलधिया—मुक्तिसौभाग्यभाजां ।

श्रीमल्लावण्यसूरीश्वरप्रगुरुसतां, दक्षनाम्नो गुरोश्च ॥

आसाद्यानुग्रहं चाष्टकमिदममलं, श्रीसुशीलेन दृढं ।

नित्यं भव्यात्मनां वै श्रुतिपठनकृतां मोददानाय भूयात् ॥ ९ ॥

॥ इति श्रीनेमिसूरीश्वराष्टकम् ॥



श्रीतपोगच्छाधिपति—शासनसम्राट्—सूरिचक्रचक्रवर्ति—सर्वतन्त्रस्वतन्त्र—जगद्गुरु—श्रीम-
द्विजयनेमिसूरीश्वरपट्टालङ्कार—व्याकरणवाचस्पति—शास्त्रविशारद—कविरत्न—श्रीम-
द्विजयलावण्यसूरीश्वरशिष्यरत्न—स्याद्यन्तरत्नाकरादिप्रणेतृ—विद्वद्भ्य-
मुनिश्रीदक्षविजयविरचितम्—

॥ श्रीमद्विजयनेमिसूरीशाष्टकम् ॥

(शार्दूलविक्रीडित-वृत्तानि)

नेत्रानन्ददमस्ति यस्य वदनं,

मिथ्यामतिध्वंसकृत् ।

सूर्याभाऽखिलवस्तुबोधनविधौ,

रीतिर्यदीयाऽमला ॥

शंवः श्रीमुनिराजराजितिलको,

वन्द्याङ्घ्रिपद्मद्वयो ।

देवाब्जेमिप्रभुस्त तीर्थपगुरु-बोधं गतान्धन्तु नः

॥ १ ॥

काव्यव्याकरणागमे सुललिते, वृत्ते च षड्दर्शने ।

साहित्यप्रभृतौ प्रबन्धनिकरे, यत्कौशलं विस्तृतम् ॥

यस्यास्ति प्रतिभा प्रबोधललिता, दक्षप्रमोदक्षमा ।

भव्यानां हृदयं पुनातु स सदा, श्रीनेमिसूरीश्वरः ॥ २ ॥

यस्योक्तिस्सकलार्त्ततापहरणी, सङ्क्लेशसंहारिणी ।

संसारार्णवपारप्राप्तिरणी, सद्बोधविस्तारिणी ॥

सद्विज्ञानरमाविहारधरणी, सन्मार्गसंचारिणी ।

जीयान्नेमिप्रभुस्त भारतमणिः, सूरीशमालाग्रणीः ॥ ३ ॥

कीर्त्तिर्यस्य दिगङ्गनाङ्गणगता, सार्वं च यं संश्रिताः ।

वन्दन्ते विबुधाश्च भक्तिकलिता, जैनाश्च जैनेतराः ॥

विश्वेऽस्मिन्नतुलप्रभावभवनं, ध्येयश्च यः साधुभिः ।

सोऽयं नेमिप्रभुस्तनोतु सुमतिं, भट्टारकः सूरिराट् ॥ ४ ॥

यन्नामस्मरणं हि भीतिहरणं, रोगोपसर्गापहं ।

भव्यानां निखिलार्थसिद्धिसदनं, सन्तापपापापहम् ॥

संसारानलदाहशान्तिसलिलं, यद्दर्शनं शर्मदं ।

पायाद्वः सततन्त्वपायविततेः, सूरिस्स नेमीश्वरः ॥ ५ ॥

तीर्थोद्धारपरायणः समयविद्-विद्वत्सभाशेखरो ।

भव्यारामघनश्च मुक्तिफलदः कल्याणकल्पद्रुमः ॥

यस्यान्तःकरणं रतन्तु सततं, सत्त्वोपकारेषु सः ।

कल्याणं विपुलं ददातु भविनां, श्रीनेमिसूरिस्सदा ॥ ६ ॥

भव्यान्तःकरणारविन्दमिहिरो, माङ्गल्यमालाप्रदः ।

श्रीमत्तीर्थपशासनैकरसिकः, कन्दर्पदर्पापहः ॥

कारुण्याङ्कुरवर्धने जलधरो, गीतार्थचूलामणिः ।

स्तुत्योऽयं खलु नेमिसूरिभगवान्, साक्षात्सुरद्रूपमः ॥ ७ ॥

भव्याब्ध्यामदवृद्धिचन्द्रसदृशं, श्रीनेमिसूरीश्वरं ।

सम्यग्दर्शनबोधदानसदनं, चारित्रभानूदयम् ॥

जैनेन्द्रागमतत्त्वनन्दनघनं, लावण्ययोगालयं ।

दक्षोऽहं त्रिविधं हि तं प्रतिदिनं, वन्दे मुदानन्ददम् ॥ ८ ॥

एतच्छ्रीधृतिबुद्धिवृद्धिशिवदं, श्रीनेमिसूर्यष्टकं ।

भव्यप्राणिप्रमोददाननिपुणं, दुष्कर्ममर्मापहम् ॥

यो नित्यं पठति प्रबोधसमये, सद्ध्यानधाराधरः ।

स प्राप्नोति विशालमङ्गललता-मिष्टार्थसिद्धिप्रदाम् ॥ ९ ॥

॥ इति श्रीनेमिसूरीशाष्टकम् ॥

॥ धातुरत्नाकरषष्ठभागशुद्धिपत्रम् ॥

| पत्र, | कालम, | पङ्क्ति, | अशुद्धि, | शुद्धि, | पत्र, | कालम, | पङ्क्ति, | अशुद्धि, | शुद्धि, |
|-------|-------|----------|----------|-------------|--|-------|----------|----------|-----------|
| ५ | ३ | ४ | म्, | यम्, | ९४ | ४ | ५ | -ष्ट, | षी-ष्ट, |
| " | ४ | ५ | तात्, | न्तु, तात्, | ९५ | १ | १७ | " | " |
| ९ | ० | १३ | त्ती | ती | " | ३ | १ | ऋमु | ऋमु |
| ११ | २ | ६ | तम्, | म्, | ११२ | ४ | ७ | यताम् | येताम् |
| १२ | ४ | ५ | वम्, | यम्, | ११५ | १ | १७ | प्यताम्, | प्येताम्. |
| १६ | ४ | ६ | णि, | नि, | १२० | १ | ४ | पटय | पटप |
| २० | ४ | १५ | हिणौ | हिणो | १२३ | १ | २ | ८ | ७ |
| २६ | १ | ६ | लिखि | लिखित | १२८ | १ | ९ | स्थाने- | |
| २९ | १ | १७ | न्, | न्, | ५ अजहस्त्-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्, अध्वम्, ए, आवहि, आमहि ॥ | | | | |
| ४० | ० | ५ | क्विप् | क्विप् | १२८ | २ | ९ | स्थाने- | |
| ४४ | ४ | ११ | वक्ष् | क्षम् | ५ अपपाद्-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्, अध्वम्, ए, आवहि, आमहि ॥ | | | | |
| ४५ | २ | १६ | रय | स्य | | | | | |
| ४६ | ३ | १ | च्छ | वाचर | | | | | |
| ५० | ४ | १० | रिया | रिरा | | | | | |
| ५३ | १ | १२ | लेख्या | लिख्या | | | | | |
| ५६ | १ | ७ | णि, | नि, | | | | | |
| " | ३ | " | " | " | | | | | |
| ६१ | १ | ५ | म्, | यम्, | | | | | |
| " | " | ६ | हि, | " | | | | | |
| ६२ | ३ | ५ | " | " | | | | | |
| ६३ | ४ | ६ | " | " | | | | | |
| ६९ | २ | १ | चन्द | चन्द्र | | | | | |
| ७१ | " | २ | ५८ | १२३ | | | | | |
| ८८ | २ | ३ | ५४ | ५५ | | | | | |
| " | ३ | २ | ५५ | ५६ | | | | | |
| ८९ | १ | १२ | च्यि | चि | | | | | |
| " | २ | | च्छ | च्छय | | | | | |
| | | | | | | | | | |
| | | | | | पत्र, | कालम, | पङ्क्ति, | अशुद्धि, | शुद्धि, |
| | | | | | १३१ | ० | १३ | एव | एवं |
| | | | | | १३४ | ४ | १५ | देशे | देशं |
| | | | | | १३७ | १ | २१ | पुत्रभि | पुत्रमि |
| | | | | | " | ४ | २ | रूप | रूपा |
| | | | | | १३८ | १ | ४ | त, | त् |
| | | | | | " | २ | १ | वध्यं | वध्वं |
| | | | | | १४४ | १ | २ | चिह्न | चिहि |
| | | | | | १४५ | ३ | १६ | पक्ष | पेक्ष |
| | | | | | " | ४ | ११ | रो | रौ |
| | | | | | १४६ | ४ | १७ | पश्चा | पश्चाद् |
| | | | | | १४७ | २ | ९ | कार, | कार, |
| | | | | | " | " | १० | सु, | सुः |

| पत्र, | कॉलम, | पङ्क्ति, | अशुद्धि, | शुद्धि, | पत्र, | कॉलम, | पङ्क्ति, | अशुद्धि, | शुद्धि, |
|-------|-------|----------|----------|---------|-------|----------------------|----------|----------|---------|
| १४७ | ३ | ९ | क्रार, | कार, | १५१ | १ | १ | तुलि | तूलि |
| " | ४ | " | " | " | १५२ | ४ | ५ | त्या | त्य |
| १४८ | १ | ४ | यु, | युः, | " | " | ७ | त्य | त्या |
| " | " | १० | क्रार, | कार, | १५७ | २ | १ | ऊर्वी | उर्वी |
| " | २ | ९ | " | " | १७३ | १ | १६ | जयं | व्य |
| " | ३ | ८ | " | " | १८७ | ० | १ | कस | कंस |
| " | ४ | ९ | " | " | १८८ | हास्यास्प-हास्यास्पद | | | |
| १४९ | १ | १० | " | " | " | प्राथ्याः-प्राथ्याः | | | |
| " | २ | ९ | " | " | " | प्रमाजन-प्रमार्जन | | | |

इति शुद्धिपत्रम् ॥

धातुरत्नाकरषष्ठभागस्य विषयानुक्रमणिका ।

पत्र

- १, मङ्गलाचरण—नामधातुलक्षण—नामप्रकृतिक्रियावाचकप्रत्ययगणनाः ।
 - २, काम्यप्रत्ययविधायकसूत्रोदाहरणादि ।
 - ३-७, काम्यप्रत्ययान्तोदाहरणानि ।
 - ८-९, क्यन्प्रत्ययविधायकसूत्रार्थविवेचनादि ।
 - १०-३९, क्यन्प्रत्ययान्तोदाहरणानि ।
 - ४०-७२, क्तिप्प्रत्ययविधायकसूत्रोदाहरणादि स्वतन्त्रोदाहरणानि च ।
 - ७३-७४, क्यङ्प्रत्ययविधायकसूत्राणि तन्निष्पन्द्श्च ।
 - ७५-११८, क्यङ्प्रत्ययान्तोदाहरणानि ।
 - ११९, क्यङ्प्रत्ययविधायकसूत्रोदाहरणादि ।
 - १२०-१२७, क्यङ्प्रत्ययान्तोदाहरणानि ।
 - १२८, णिङ्प्रत्ययविधायकसूत्रोदाहरणादि ।
 - १२८-१३१, णिङ्प्रत्ययान्तोदाहरणानि ।
 - १३१-१३३, णिच्प्रत्ययविधायकसूत्रविस्तारः ।
 - १३३-१८७, णिच्प्रत्ययान्तोदाहरणानि ।
 - १८७-१८८, णिच्प्रत्ययान्तस्य विशेषवक्तव्यता ग्रन्थसमाप्तिश्च ।
- इति धातुरत्नाकरषष्ठभागस्य लघ्वी विषयानुक्रमणिका ॥

१ काम्यप्रत्ययान्तप्रकरणान्तर्गतनामधातूनामवयवभूतानि नामानि

| पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम | पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम |
|----------|----------|---------|----------|----------|---------|
| ३ | १ | पुत्र | ६ | १० | उच्चैस् |
| ४ | २ | इदम् | " | ११ | स्वर |
| " | ३ | किम् | " | १२ | विभु |
| " | ४ | दोषा | " | १३ | समिध् |
| " | ५ | यशस् | ७ | १४ | राजन् |
| ५ | ६ | सर्पिष् | " | १५ | वाच |
| " | ७ | अहन् | | | |
| " | ८ | गिर | | | |
| " | ९ | श्वस् | | | |

२ क्यन्प्रत्ययान्तप्रकरणान्तर्गतनामधातूनामवयवभूतानि नामानि

| पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम | पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम |
|----------|----------|---------|----------|----------|---------|
| १० | १ | अ | १७ | ३२ | क्षीर |
| " | २ | आ | " | ३३ | लवण |
| " | ३ | इ | " | ३४ | " |
| " | ४ | ई | " | ३५ | तीर्थपा |
| " | ५ | उ | १८ | ३६ | माला |
| " | ६ | ऊ | " | ३७ | रमा |
| " | ७ | ऋ | " | ३८ | कवि |
| " | ८ | ॠ | " | ३९ | रवि |
| ११ | ९ | लृ | १९ | ४० | अग्नि |
| " | १० | लृ | " | ४१ | सुमति |
| " | ११ | ए | " | ४२ | दधि |
| १२ | १२ | ऐ | " | ४३ | " |
| " | १३ | ओ | २० | ४४ | " |
| " | १४ | औ | " | ४५ | सखी |
| " | १५ | पुत्र | " | ४६ | प्रधी |
| १३ | १६ | सुपुत्र | " | ४७ | विधु |
| " | १७ | अज | २१ | ४८ | धनु |
| " | १८ | सुख | " | ४९ | चमू |
| " | १९ | धर्म | " | ५० | जू |
| १४ | २० | गार्ग्य | " | ५१ | भू |
| " | २१ | अशन | " | ५२ | पितृ |
| " | २२ | " | २२ | ५३ | मातृ |
| " | २३ | उदक | " | ५४ | पितृ |
| १५ | २४ | " | " | ५५ | गम्ल |
| " | २५ | धन | " | ५६ | " |
| " | २६ | " | २३ | ५७ | गम्ल |
| " | २७ | वृष | " | ५८ | से |
| १६ | २८ | " | " | ५९ | रै (सै) |
| " | २९ | अश्व | " | ६० | गो |
| " | ३० | " | २४ | ६१ | बो |
| " | ३१ | क्षीर | " | | |

| पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम | पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम |
|----------|----------|-------------|-----------------------------------|----------|----------|
| " | ६२ | नौ | ३२ | ९२ | " |
| " | ६३ | ग्लौ | " | ९३ | समिध् |
| २५ | ६४ | लोक | " | ९४ | बुध् |
| " | ६५ | चित्रलिख् | ३३ | ९५ | राजन् |
| " | ६६ | सुवल्ग | " | ९६ | अहन् |
| " | ६७ | श्लाघ् | " | ९७ | अप् |
| २६ | ६८ | लिखितङ् | " | ९८ | मालागुफ् |
| " | ६९ | वाच् | ३४ | ९९ | सुकव |
| " | ७० | सध्रयच् | " | १०० | ककुभ् |
| " | ७१ | सध्रयञ्च् | " | १०१ | जय् |
| २७ | ७२ | देवद्यञ्च् | " | १०२ | गिर् |
| " | ७२ | देवद्यच् | ३५ | १०३ | पुर |
| " | ७३ | चित्रितच्छ् | " | १०४ | कमल् |
| " | ७४ | राज् | " | १०५ | दिव् |
| २८ | ७५ | विषयोञ्ज् | " | १०६ | दृश् |
| " | ७६ | उपदिष्टञ् | ३६ | १०७ | त्विष् |
| " | ७७ | सरद् | " | १०८ | पयस् |
| " | ७८ | लघद् | " | १०९ | अदस् |
| २९ | ७९ | सुपद् | " | ११० | विद्वस् |
| " | ८० | वाङ् | ३७ | १११ | अनङुह् |
| " | ८१ | लुप्तद् | " | ११२ | गोरक्ष् |
| " | ८२ | सुगण् | इति इच्छाक्यन्तः, अथाचारक्यन्तः । | | |
| ३० | ८३ | जगत् | ३७ | ११३ | पुत्र |
| " | ८४ | सुनत् | " | ११४ | वस्त्र |
| " | ८५ | दधिमथ् | ३८ | ११५ | प्रासाद |
| " | ८६ | अग्निमथ् | " | ११६ | कुटी |
| ३१ | ८७ | शरद् | " | ११७ | पर्यङ्क |
| " | ८८ | व्याघ्रपाद् | अथ करोत्यर्थक्यन्तः । | | |
| " | ८९ | युष्मद् | ३८ | ११८ | तपस् |
| " | ९० | " | ३९ | ११९ | नमस् |
| ३२ | ९१ | अस्मद् | " | १२० | वरिवस् |
| | | | " | १२१ | चित्र |

३ किप्रत्ययान्तप्रकरणान्तर्गतनामधातूनामवयवभूतानि नामानि

| पत्राङ्क, | धात्वङ्क, | नाम | पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम |
|-----------|-----------|---------|----------|----------|-----------|
| ४० | १ | अ | ४८ | ३१ | नृ |
| " | २ | आ | " | ३२ | पितृ |
| ४१ | ३ | इ | " | ३३ | स्वसृ |
| " | ४ | ई | " | ३४ | पितृ |
| " | ५ | उ | ४९ | ३५ | नृ |
| " | ६ | ऊ | " | ३६ | कृ |
| ४२ | ७ | ऋ | " | ३७ | गम्लृ |
| " | ८ | ॠ | " | ३८ | कृ |
| " | ९ | लृ | ५० | ३९ | गम्लृ |
| " | १० | लृ | " | ४० | हे |
| ४३ | ११ | ए | " | ४१ | प्रियहे |
| " | १२ | ऐ | " | ४२ | रै |
| " | १३ | ओ | ५१ | ४३ | लब्धरै |
| " | १४ | औ | " | ४४ | गो |
| ४४ | १५ | क | " | ४५ | प्रियघो |
| " | १६ | पुत्र | " | ४६ | नौ |
| " | १७ | अश्व | ५२ | ४७ | प्रियग्लौ |
| " | १८ | क्ष्मा | " | ४८ | सुचक् |
| ४५ | १९ | माला | " | ४९ | तत्त्वलोक |
| " | २० | प्रमदा | " | ५० | राख् |
| " | २१ | वि | ५३ | ५१ | चित्रलिख् |
| " | २२ | कवि | " | ५२ | सुवल्ग |
| ४६ | २३ | धी | " | ५३ | प्रियवल्ग |
| " | २४ | श्री | " | ५४ | श्लाघ् |
| " | २५ | प्रियधी | ५४ | ५५ | देवश्लाघ् |
| " | २६ | विधु | " | ५६ | आह् |
| ४७ | २७ | विभु | " | ५७ | पठितह् |
| " | २८ | हु | " | ५८ | त्वच् |
| " | २९ | भू | ५५ | ५९ | जलमुच् |
| " | ३० | जम्बू | " | ६० | सध्रयच् |

| पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम | पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम |
|----------|----------|------------|----------|----------|--------------|
| " | ६१ | सच्छ् | " | ९२ | राजन् |
| " | ६२ | पठितच्छ् | " | ९३ | अहन् |
| ५६ | ६३ | सम्राज् | " | ९४ | गुप् |
| " | ६४ | देवेज् | ६४ | ९५ | बहप् |
| " | ६५ | सम् | " | ९६ | कप् |
| " | ६६ | गृहोज्ज् | " | ९७ | मालागुप् |
| ५७ | ६७ | नञ् | " | ९८ | कब् |
| " | ६८ | लब्धञ् | ६५ | ९९ | आम्रञ्चुम्ब् |
| " | ६९ | पद् | " | १०० | सम् |
| " | ७० | सरद् | " | १०१ | ककुम् |
| ५८ | ७१ | शद् | " | १०२ | कम् |
| " | ७२ | शास्त्रपद् | ६६ | १०३ | लब्धशम् |
| " | ७३ | अद् | " | १०४ | हय् |
| " | ७४ | तत्त्वाद् | " | १०५ | लिखितय् |
| ५९ | ७५ | सद् | " | १०६ | गिर |
| " | ७६ | दृष्टद् | ६७ | १०७ | रुद्धद्वार |
| " | ७७ | सुगण् | " | १०८ | सल् |
| " | ७८ | गृहगण् | " | १०९ | कमल् |
| ६० | ७९ | चित् | " | ११० | दिव् |
| " | ८० | भवत् | ६८ | १११ | परमदिव् |
| " | ८१ | रथ् | " | ११२ | विश् |
| " | ८२ | दधिमथ् | " | ११३ | धृतस्पृश् |
| ६१ | ८३ | प्रमुद् | " | ११४ | त्विष् |
| " | ८४ | शरद् | ६९ | ११५ | रत्नमुष् |
| " | ८५ | युष्मद् | " | ११६ | मात् |
| " | ८६ | युष्मद् | " | ११७ | चन्द्रमस् |
| ६२ | ८७ | अस्मद् | " | ११८ | अदस् |
| " | ८८ | " | ७० | ११९ | उपानह् |
| " | ८९ | बुध् | " | १२० | गोडुह् |
| " | ९० | तत्त्वबुध् | " | १२१ | अनहुह् |
| ६३ | ९१ | श्वन् | ७१ | १२२ | तक्ष् |

| पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम | पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम |
|----------|----------|--------|----------|----------|-------|
| " | १२३ | गोरक्ष | ७२ | १२५ | क्रीव |
| " | १२४ | गल्भ | " | १२६ | होड |

४ क्यङ्प्रत्ययान्तप्रकरणान्तर्गतनामधातूनामवयवभूतानि नामानि

| | | | | | |
|----|----|-----------|----|----|-----------|
| ७५ | १ | अ | " | २९ | सपत्नी |
| " | २ | आ | " | ३० | " |
| " | ३ | इ | ८२ | ३१ | ब्राह्मणी |
| " | ४ | ई | " | ३२ | " |
| " | ५ | उ | " | ३३ | पञ्चमी |
| " | ६ | ऊ | " | " | माहेश्वरी |
| " | ७ | ऋ | " | " | चारुकेशी |
| ७६ | ८ | ॠ | " | " | वानरी |
| " | ९ | लृ | " | ३४ | ग्रामणी |
| " | १० | " | ८३ | ३५ | शुद्धी |
| " | ११ | लृ | " | ३६ | पदवी |
| ७७ | १२ | ए | " | ३७ | भानु |
| " | १३ | ऐ | " | ३८ | पङ्क |
| " | १४ | ओ | ८४ | ३९ | श्वश्रू |
| " | १५ | औ | " | ४० | " |
| ७८ | १६ | क | " | ४१ | पितृ |
| " | १७ | हंस | " | ४२ | स्वसृ |
| " | १८ | गार्ग्य | ८५ | ४३ | पितृ |
| " | १९ | माला | " | ४४ | गम्ल |
| ७९ | २० | प्रमदा | " | ४५ | " |
| " | २१ | मद्रिका | " | ४६ | गम्लृ |
| " | २२ | पाचिका | ८६ | ४७ | हे |
| " | २३ | चिन्तामणि | " | ४८ | रै |
| ८० | २४ | युवति | " | ४९ | गो |
| " | २५ | एनी | " | ५० | नौ |
| " | २६ | कुमारी | ८७ | ५१ | सर्वलोक |
| " | २७ | पुत्री | " | ५२ | चित्रलिख |
| ८१ | २८ | सपत्नी | " | ५३ | सुवल्ग |

| पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम | पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम |
|----------|----------|-------------|----------|----------|----------|
| ८८ | ५४ | देवश्लाघ् | " | ८५ | गिर |
| " | ५५ | उपदिष्टङ् | " | ८६ | सुफुल्ल |
| " | ५६ | त्वच् | " | ८७ | दिव् |
| ८९ | ५७ | सध्रयच् | ९९ | ८८ | प्राच्छ् |
| " | ५८ | चित्रितच्छ् | " | ८९ | सजुष् |
| " | ५९ | सम्राज् | " | ९० | ओजस् |
| ९० | ६० | उज्झ् | १०० | १९ | अप्सरस् |
| " | ६१ | उदितञ् | " | ९२ | पयस् |
| " | ६२ | सरद् | " | ९३ | " |
| ९१ | ६३ | शास्त्रपद् | १०१ | ९४ | लिह् |
| " | ६४ | अङ् | " | ९५ | गोरक्ष् |
| " | ६५ | उक्तद् | १०२ | ९६ | भृश |
| ९२ | ६६ | सुगण् | " | ९७ | उत्सुक |
| " | ६७ | मरुत् | " | ९८ | शीघ्र |
| " | ६८ | दधिमथ् | " | ९९ | चपल |
| ९३ | ६९ | तद् | १०३ | १०० | पण्डित |
| " | ७० | सुपाद् | " | १०१ | आण्डर |
| " | ७१ | युष्मद् | " | १०२ | कण्डर |
| ९४ | ७२ | " | " | १०३ | फेन |
| " | ७३ | अस्मद् | १०४ | १०४ | शुचि |
| " | ७४ | " | " | १०५ | नील |
| ९५ | ७५ | समिध् | " | १०६ | हरित |
| " | ७६ | राजन् | " | १०७ | मन्द |
| " | ७७ | ऋषुक्षन् | १०५ | १०८ | मद्र |
| ९६ | ७८ | अहन् | " | १०९ | भद्र |
| " | ७९ | स्वप् | " | ११० | संश्रुत् |
| " | ८० | मालागुफ् | " | १११ | वृषत् |
| ९७ | ८१ | सुकव् | १०६ | ११२ | रेफत् |
| " | ८२ | ककुब् | " | ११३ | रेहत् |
| " | ८३ | इदम् | " | ११४ | वेहत् |
| ९८ | ८४ | जय् | " | ११५ | वर्चस् |

| पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम | पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम |
|----------|----------|----------|----------|----------|---------|
| १०७ | ११६ | उन्मनस् | " | १३९ | सोढ |
| " | ११७ | सुमनस् | ११३ | १४० | प्रतीप |
| " | ११८ | दुर्मनस् | " | १४१ | शब्द |
| " | ११९ | अमिमनस् | " | १४२ | वैर |
| १०८ | १२० | ओजस् | " | १४३ | करुह |
| " | १२१ | कष्ट | ११४ | १४४ | ओघ |
| " | १२२ | कक्ष | " | १४५ | वेग |
| " | १२३ | कृच्छ्र | " | १४६ | युद्ध |
| १०९ | १२४ | सत्र | " | १४७ | अभ्र |
| " | १२५ | गहन | ११५ | १४८ | कण्व |
| " | १२६ | रोमन्थ | " | १४९ | मम |
| " | १२७ | फेन | " | १५० | मेघ |
| ११० | १२८ | ऊष्मन् | " | १५१ | अटा |
| " | १२९ | बाष्प | ११६ | १५२ | अट्टा |
| " | १३० | धूम | " | १५३ | अटाख्या |
| " | १३१ | सुख | " | १५४ | शीका |
| १११ | १३२ | दुःख | " | १५५ | सोटा |
| " | १३३ | तृप्त | ११७ | १५६ | कोटा |
| " | १३४ | कृच्छ्र | " | १५७ | पोटा |
| " | १३५ | आस्र | " | १५८ | पुष्पा |
| ११२ | १३६ | अलीक | " | १५९ | सुदिन |
| " | १३७ | करण | ११८ | १६० | दुर्दिन |
| " | १३८ | कृपण | " | १६१ | नीहार |

५ क्यङ्प्रत्ययान्तप्रकरणान्तर्गतनामधातूनामवयवभूतानि नामानि ।

| | | | | | |
|-----|---|--------|-----|----|----------|
| १२० | १ | पटत् | " | ८ | हर्ष |
| " | २ | लोहित | १२४ | ९ | गर्व |
| १२१ | ३ | लोहिनी | " | १० | सुख |
| " | ४ | जिह्वा | १२५ | ११ | दुःख |
| " | ५ | श्याम | " | १२ | मूर्च्छा |
| १२२ | ५ | श्याम | १२६ | १३ | निद्रा |
| " | ६ | धूम | " | १४ | कृपा |
| १२३ | ७ | चर्मन् | १२७ | १५ | करुणा |

६ णिङ्प्रत्ययान्तप्रकरणान्तर्गतनामधातूनामवयवभूतानि नामानि

| पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम | पत्राङ्क, | धात्वङ्क, | नाम |
|----------|----------|----------|-----------|-----------|----------|
| १२८ | १ | हस्त | १३० | ७ | संभाण्ड |
| " | २ | पाद | " | ८ | परिभाण्ड |
| १२९ | ३ | ग्रीवा | " | ९ | परिचीवर |
| " | ४ | परिपुच्छ | " | १० | सचीवर |
| " | ५ | विपुच्छ | " | ११ | चीवर |
| " | ६ | पुच्छ | १३१ | ११ | |

७ णिच्प्रत्ययान्तप्रकरणान्तर्गतनामधातूनामवयवभूतानि नामानि

| | | | | | |
|-----|----|----------|-----|----|----------|
| १३३ | १ | अङ्क | " | २५ | लवण |
| " | २ | अन्तिक | " | २६ | लक्षण |
| १३४ | ३ | आहारक | १४० | २७ | वर्ण |
| " | ४ | उपश्लोक | " | २८ | अपहस्त |
| " | ५ | तिलक | " | २९ | उत्तूस्त |
| " | ६ | वृन्दारक | " | ३० | कृत |
| १३५ | ७ | संवर्ग | १४१ | ३१ | गालोडित |
| " | ८ | उल्लाघ | " | ३२ | वितूस्त |
| " | ९ | दीर्घ | " | ३३ | पर्यन्त |
| " | १० | त्वच | " | ३४ | वार्त |
| १३६ | ११ | अवलोष्ट | १४२ | ३५ | व्रत |
| " | १२ | उद्घाट | " | ३६ | अर्थ |
| " | १३ | प्रकट | " | ३७ | कृतार्थ |
| " | १४ | दण्ड | " | ३८ | वेद |
| १३७ | १५ | मुण्ड | १४३ | ३९ | अन्ध |
| " | १६ | ऊढ | " | ४० | गन्ध |
| " | १७ | दृढ | " | ४१ | वृद्ध |
| " | १८ | परिवृढ | " | ४१ | " |
| १३८ | १९ | बाढ | १४४ | ४२ | चिह्न |
| " | २० | अवचूर्ण | " | ४३ | अल्प |
| " | २१ | उत्तृण | " | ४३ | " |
| " | २२ | कर्ण | " | ४४ | निरूप |
| १३९ | २३ | कृष्ण | १४५ | ४५ | पुष्प |
| " | २४ | प्रमाण | " | ४६ | रूप |

| पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम | पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम |
|----------|----------|---------|----------|----------|---------|
| " | ४७ | अर्थ | " | ७६ | ह्रस्व |
| " | ४८ | प्रिय | " | ७७ | कृश |
| १४६ | ४९ | प्रशस्य | " | ७८ | भृश |
| " | " | " | १५४ | ७९ | विपाश |
| " | " | " | " | ८० | संपाश |
| " | ५० | सत्य | " | ८१ | वृक्ष |
| १४७ | ५१ | अश्व | " | ८२ | अभिसेना |
| " | ५२ | क्षिप्र | १५५ | ८३ | उपवीणा |
| " | ५३ | क्षुद्र | " | ८४ | खट्वा |
| " | ५४ | चिर | " | ८५ | तुला |
| १४८ | ५५ | छिद्र | " | ८६ | असि |
| " | ५६ | तृप्त | १५६ | ८७ | इ |
| " | ५७ | दूर | " | ८८ | कलि |
| " | ५८ | परिवल्ल | " | ८९ | वासि |
| १४९ | ५९ | पुत्र | " | ९० | हलि |
| " | ६० | मिश्र | १५७ | ९१ | ई |
| " | ६१ | वीर | " | ९२ | उर्वी |
| " | ६२ | शूर | " | ९३ | ऋज्वी |
| १५० | ६३ | संवल्ल | " | ९४ | एनी |
| " | ६४ | सूत्र | १५८ | ९५ | गुर्वी |
| " | ६५ | स्थिर | " | ९६ | पट्वी |
| " | ६६ | स्फिर | " | ९७ | पृथ्वी |
| १५१ | ६७ | अनुतूल | " | ९८ | बह्वी |
| " | ६८ | उत्कूल | १५९ | ९९ | मृद्वी |
| " | ६९ | कुशल | " | १०० | लघ्वी |
| " | ७० | बल | " | १०१ | वासी |
| १५२ | ७१ | बहुल | " | १०२ | स्त्री |
| " | ७२ | शील | १६० | १०३ | उ |
| " | ७३ | स्थूल | " | १०४ | उरु |
| " | ७४ | अत्यश्च | " | १०५ | ऋजु |
| १५३ | ७५ | समश्च | " | १०६ | ओतु |

| पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम | पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम |
|----------|----------|------------|----------|----------|--------------|
| १६१ | १०७ | गुरु | १६९ | १३८ | उदञ्च् |
| " | १०८ | पटु | १७० | १३९ | तिर्यञ्च् |
| " | १०९ | परशु | " | १४० | दध्यञ्च् |
| " | ११० | पृथु | " | १४१ | देवद्यञ्च् |
| १६२ | १११ | बहु | १७१ | १४२ | वाच् |
| " | ११२ | मृदु | " | १४३ | विश्वद्यञ्च् |
| " | ११३ | लघु | " | १४४ | सप्रद्यञ्च् |
| १६३ | ११४ | ऊ | " | १४५ | सम्यञ्च् |
| " | ११५ | भू | १७२ | १४६ | प्रच्छ् |
| " | ११६ | भ्रू | " | १४७ | ऊर्ज् |
| " | ११७ | नृ | " | १४८ | विश्वसृज् |
| १६४ | ११८ | भर्तृ | " | १४९ | उज्झ् |
| " | ११९ | भ्रातृ | १७३ | १५० | नञ् |
| " | १२० | भ्रातृ | " | १५१ | अट् |
| " | १२१ | लृ | " | १५२ | पट् |
| १६५ | १२२ | से | " | १५३ | अड् |
| " | १२३ | हे | १७४ | १५४ | सुट् |
| " | १२४ | रै | " | १५५ | गण् |
| " | १२५ | गो | " | १५६ | कर्तृमत् |
| १६६ | १२६ | द्यो | " | १५७ | त्वगवत् |
| " | १२७ | गोनौ | १७५ | १५८ | वसुमत् |
| " | १२८ | नौ | " | " | " |
| " | १२९ | लोक | " | १५९ | वृत् |
| १६७ | १३० | शास् | " | १६० | संक्रामत् |
| " | १३१ | लग् | १७६ | १६१ | सरित् |
| " | १३२ | श्लाप् | " | १६२ | मथ् |
| " | १३३ | माङ् | " | १६३ | अस्मद् |
| १६८ | १३४ | अदद्यञ्च् | " | १६४ | " |
| " | १३५ | अदमुयञ्च् | १७७ | १६५ | तट् |
| " | १३६ | अमुद्यञ्च् | " | " | दरट् |
| " | १३७ | अमुमुयञ्च् | " | १६६ | दृषट् |

| पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम | पत्राङ्क | धात्वङ्क | नाम |
|----------|----------|----------|----------|----------|---------|
| " | १६७ | युष्मद् | " | १८४ | फकुभ् |
| १७८ | " | " | १८३ | १८५ | स्तम्भ् |
| " | १६८ | शरद् | " | १८६ | इदम् |
| " | १६९ | बुध् | " | १८७ | शाम् |
| " | १७० | अनुलोमन् | " | १८८ | अद् |
| १७९ | १७१ | ओजस्विन् | १८४ | १८९ | वार |
| " | १७२ | दुःखिन् | " | १९० | स्वर |
| " | १७३ | पयस्विन् | " | १९१ | शल |
| १८० | १७४ | युवन् | " | १९२ | दिक् |
| " | " | " | १८५ | १९३ | तादृश् |
| " | १७५ | राजन् | " | १९१ | दिश् |
| " | १७६ | ध्वन् | " | १९५ | चक्षुष् |
| १८१ | १७७ | सुखिन् | " | १९६ | त्विष् |
| " | १७८ | स्वामिन् | १८६ | १९७ | पुम्स |
| " | १७९ | सग्विन् | " | १९८ | विद्वस् |
| " | १८० | अप् | " | १९९ | गोदुह |
| १८२ | १८१ | स्वाप् | " | २०० | लिह |
| " | १८२ | गुफ् | १८७ | २०१ | गोरक्ष |
| " | १८३ | क्षीक् | " | २०२ | तक्ष |

इति धातुरत्नाकरषष्ठभागस्य बृहद्विषयानुक्रमणिका



॥ श्रीमज्जिनपुङ्गवेभ्यो नमः ॥

सकलस्वधरसमयपारावारपारीण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-तपोगच्छाधिपति-

भट्टारकाचार्यजगद्गुरुश्रीमद्विजयनेमिसूरीभगवद्भ्यो नमः ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-कोविदकुलालङ्कार-अखण्ड-

विजयश्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणारविन्दचञ्चरीकायमाणेनान्तेवासिना

शास्त्रविशारदेन कविरत्नेन व्याकरणवाचस्पतिना च महोपाध्याय-

लावण्यविजयगणिना प्रणीतो—

॥ धातुरत्नाकरः ॥

॥ तस्य चायं षष्ठो भागः ॥

नत्वा श्रीनेमिनामानमाजन्मब्रह्मचारिणम् ।

तीर्थनाथं गुरुञ्चैव भारतीं जिनभाषिताम् ॥ १ ॥

धातुरत्नाकरे षष्ठं विभागं बालहेतवे ।

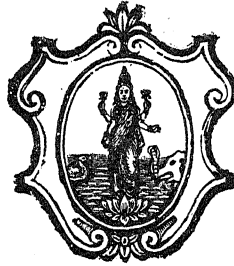
वाचकोपपदस्तन्वे लावण्यविजयो गणिः ॥ २ ॥

निरूपिता यद्बलुबन्तप्रक्रिया । इदानीं नामधातुप्रक्रिया निरूप्यते । नामधातुत्वञ्च नामा-
वयवकत्वे सति क्रियावाचकत्वं नामप्रकृतिकप्रत्ययप्रयोज्यक्रियावाचकत्वं वा । एतदेवा-
भिप्रेत्योच्यते “यत्र नामैव प्रत्ययसम्बन्धाद्वातुत्वं याति स नामधातुरिति” । एवञ्च नाम-
धातोर्नामप्रकृतिकक्रियावाचकप्रत्ययाधीनत्वेन तादृशाः प्रत्ययाः कतीति जिज्ञासायां सप्तेति
वक्तव्यम् । तथाहि । काम्य-क्यन्-क्लिप्-क्यङ्-क्यङ्ष्-णिङ्-णिच् इति सप्त प्रत्यया
नामधातुनिष्पादका भवन्ति ।

तदेतत्प्रत्ययभेदेन नामधातुप्रकरणमपि सप्तधा भिद्यते । तथाहि । प्रथमं काम्यप्रत्ययान्तप्रकरणं द्वितीयं क्यन्प्रत्ययान्तप्रकरणं तृतीयं क्तिप्प्रत्ययान्तप्रकरणं चतुर्थं क्यङ्प्रत्ययान्तप्रकरणं पञ्चमं क्यङ्प्रत्ययान्तप्रकरणं षष्ठं णिङ्प्रत्ययान्तप्रकरणं सप्तमं च णिच्प्रत्ययान्तप्रकरणमिति । तत्र प्रथमं तावद् यथोद्देशन्यायेन काम्यप्रत्ययान्तप्रकरणं निरूप्यते ॥ ननु कीदृशान्नाम्नः कस्मिन्नर्थे काम्यप्रत्ययो भवतीति चेद् गृहाणेदं सूत्रम् ॥

द्वितीयायाः काम्यः ॥ ३ । ४ । २२ ॥

द्वितीयान्तान्नाम्न इच्छायामर्थे काम्यप्रत्ययो वा भवति । पुत्रमिच्छति पुत्रकाम्यति । इदंकाम्यति । स्वःकाम्यति । काम्येनैव कर्मण उक्तत्वाद्भावकर्त्रेव प्रयोगः । पुत्रकाम्यतेऽनेन । पुत्रकाम्यत्यसौ । द्वितीयाया इति किम् ? इष्टः पुत्रः । इष्यते पुत्रः । इह कस्मान्न भवति, भ्रातुः पुत्रमिच्छति, आत्मनः पुत्रमिच्छति, महान्तं पुत्रमिच्छति, स्थूलं, दर्शनीयं वा, सापेक्षत्वात् । न ह्यन्यमपेक्षमाणोऽन्येन सहैकार्थीभावमनुभवितुं शक्नोति । भ्रातुष्वुत्र काम्यतीत्यादि तु समर्थत्वात् । अयमिच्छति, दुःखमिच्छतीत्यत्रापि परस्येत्यपेक्षितत्वात्सापेक्षत्वम् । कथं तर्हि पुत्रकाम्यतीत्यत्र पुत्रस्यात्मीयता गम्यतेऽन्यस्याश्रुतेरिच्छायाश्चात्मविषयत्वादिति ।



१ पुत्रमिच्छतीति पुत्रकाम्यति । पुत्रकाम्य-धातोरूपाणि ।

वर्तमाना, लट्, Present १.

पुत्रकाम्यति, पुत्रकाम्यतः, पुत्रकाम्यन्ति ।
पुत्रकाम्यसि, पुत्रकाम्यथः, पुत्रकाम्यथ ।
पुत्रकाम्यामि, पुत्रकाम्यावः, पुत्रकाम्यामः ॥

सप्तमी, विध्यर्थ, लिङ् Potential २.

पुत्रकाम्येत, पुत्रकाम्येताम्, पुत्रकाम्येयुः ।
पुत्रकाम्येः, पुत्रकाम्येतम्, पुत्रकाम्येत ।
पुत्रकाम्येयम्, पुत्रकाम्येव, पुत्रकाम्येम ॥

पञ्चमी, आज्ञार्थ, लोट्, Imperative ३.

पुत्रकाम्यतु } पुत्रकाम्यताम्, पुत्रकाम्यन्तु ।
पुत्रकाम्यतात् }
पुत्रकाम्य } पुत्रकाम्यतम्, पुत्रकाम्यत ॥
पुत्रकाम्यतात् }
पुत्रकाम्याणि, पुत्रकाम्याव, पुत्रकाम्याम ॥

ह्यस्तनी, लङ्, Imperfect ४.

अपुत्रकाम्यत्, अपुत्रकाम्यताम्, अपुत्रकाम्यन् ।
अपुत्रकाम्यः, अपुत्रकाम्यतम्, अपुत्रकाम्यत ।
अपुत्रकाम्यम्, अपुत्रकाम्याव, अपुत्रकाम्याम ॥

अद्यतनी, लुङ्, Aorist ५.

अपुत्रकाम्यीत्, अपुत्रकाम्यिष्टाम्, अपुत्रकाम्यिषुः ।
अपुत्रकाम्यीः, अपुत्रकाम्यिष्टम्, अपुत्रकाम्यिष्ट ।
अपुत्रकाम्यिषम्, अपुत्रकाम्यिष्व, अपुत्रकाम्यिष्म ॥

परोक्षा, लिट्, Perfect ६.

पुत्रकाम्याञ्चकार, } पुत्रकाम्याञ्चक्रतुः } पुत्रकाम्याञ्चकुः }
पुत्रकाम्याञ्चकार, } पुत्रकाम्याञ्चक्रतुः } पुत्रकाम्याञ्चकुः }
पुत्रकाम्याञ्चकथं } पुत्रकाम्याञ्चकथुः } पुत्रकाम्याञ्चक }
पुत्रकाम्याञ्चकथं } पुत्रकाम्याञ्चकथुः } पुत्रकाम्याञ्चक }
पुत्रकाम्याञ्चकार } पुत्रकाम्याञ्चकृव } पुत्रकाम्याञ्चकृम }
पुत्रकाम्याञ्चकार } पुत्रकाम्याञ्चकृव } पुत्रकाम्याञ्चकृम }
पुत्रकाम्याञ्चकार } पुत्रकाम्याञ्चकृव } पुत्रकाम्याञ्चकृम }
पुत्रकाम्याञ्चकार } पुत्रकाम्याञ्चकृव } पुत्रकाम्याञ्चकृम }

पुत्रकाम्याम्बभूव } पुत्रकाम्याम्बभूवतुः } पुत्रकाम्याम्बभूवुः }
पुत्रकाम्याम्बभूव } पुत्रकाम्याम्बभूवतुः } पुत्रकाम्याम्बभूवुः }
पुत्रकाम्याम्बभूवथि } पुत्रकाम्याम्बभूवथुः } पुत्रकाम्याम्बभूव }
पुत्रकाम्याम्बभूवथि } पुत्रकाम्याम्बभूवथुः } पुत्रकाम्याम्बभूव }
पुत्रकाम्याम्बभूव } पुत्रकाम्याम्बभूविव } पुत्रकाम्याम्बभूविम }
पुत्रकाम्याम्बभूव } पुत्रकाम्याम्बभूविव } पुत्रकाम्याम्बभूविम }
पुत्रकाम्यामास, पुत्रकाम्यामासतुः, पुत्रकाम्यामासुः ।
पुत्रकाम्यामासिथ, पुत्रकाम्यामासथुः, पुत्रकाम्यामासिथ ।
पुत्रकाम्यामास, पुत्रकाम्यामासिथ, पुत्रकाम्यामासिम ॥

आशीः, लिङ्, Benedictive ७.

*पुत्रकाम्यात् } पुत्रकाम्यास्ताम् } पुत्रकाम्यासुः }
पुत्रकाम्यात् } पुत्रकाम्यास्ताम् } पुत्रकाम्यासुः }
पुत्रकाम्याः } पुत्रकाम्यास्तम् } पुत्रकाम्यास्त }
पुत्रकाम्याः } पुत्रकाम्यास्तम् } पुत्रकाम्यास्त }
पुत्रकाम्यासम्, } पुत्रकाम्यास्व } पुत्रकाम्यास्म }
पुत्रकाम्यासम्, } पुत्रकाम्यास्व } पुत्रकाम्यास्म }

भ्यस्तनी लुट्, I. Future ८.

पुत्रकाम्यिता, पुत्रकाम्यितारौ, पुत्रकाम्यितारः ।
पुत्रकाम्यितासि, पुत्रकाम्यितास्थः, पुत्रकाम्यितास्थ ।
पुत्रकाम्यितास्मि, पुत्रकाम्यितास्वः, पुत्रकाम्यितास्मः ॥

भविष्यन्ती, लृट्, II. Future ९.

पुत्रकाम्यिष्यति, पुत्रकाम्यिष्यतः, पुत्रकाम्यिष्यन्ति ।
पुत्रकाम्यिष्यसि, पुत्रकाम्यिष्यथः, पुत्रकाम्यिष्यथ ।
पुत्रकाम्यिष्यामि, पुत्रकाम्यिष्यावः, पुत्रकाम्यिष्यामः ॥

क्रियातिपत्तिः, लृङ्, Conditional १०.

अपुत्रकाम्यिष्यत्, अपुत्रकाम्यिष्यताम्, अपुत्रकाम्यिष्यन् ।
अपुत्रकाम्यिष्यः, अपुत्रकाम्यिष्यतम्, अपुत्रकाम्यिष्यत ।
अपुत्रकाम्यिष्यम्, अपुत्रकाम्यिष्याव, अपुत्रकाम्यिष्याम ॥

*ननु पुत्रकाम्यादित्यत्राल्लुकः स्थानिवत्त्वेन तद्व्यवधानात् “व्यञ्जनात् पञ्चमान्तस्थायाः स्वरूपे वा १।१।३।४७॥ इति कथं यकारलुगिति चेन्न, यविधिसद्भावाद् स्थानिवद्भावाभावः ।

इदम्, इमाम्, इमं वेच्छतीति इदं काम्यति ।

२ इदं काम्य-धातोरूपाणि ।

- १ इदं काम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ इदं काम्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ इदं काम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
ति, नि, इव, इम ॥
- ४ ऐदं काम्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ ऐदं काम्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ इदं काम्या-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ इदं काम्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
इदं काम्या } स्व, स्म ॥
- ८ इदं काम्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ इदं काम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० ऐदं काम्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

कं, कां, किं वेच्छतीति किं काम्यति ।

३ किं काम्य-धातोरूपाणि ।

- १ किं काम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ किं काम्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ किं काम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्,
त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अकिं काम्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अकिं काम्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ किं काम्या-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ किं काम्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
किं काम्या } स्व, स्म ॥
 - ८ किं काम्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
 - ९ किं काम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अकिं काम्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मान्तादपि काम्यप्रत्ययो भवति, न तु क्यन्वञिषि-
इति प्रदर्शनार्थं स्वरव्यञ्जनादिभेदेनोदाहरणद्वयम् । तौ मुमो
व्यञ्जने स्वी । १।३।१४ ॥ इति मकारस्थाने पययिणानु-
स्वारानुनासिकविधानात्, दंका-स्थाने 'दङ्का' इति,
किंस्थाने 'किङ्का' इति च ज्ञेयम् ॥

दोषा रजनिस्तामिच्छतीति दोषा काम्यति ॥

४ दोषा काम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ दोषा काम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ दोषा काम्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दोषा काम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्,
त, नि, इव, इम ॥
- ४ अदोषा काम्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदोषा काम्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दोषा काम्या-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दोषा काम्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
दोषा काम्या } स्व, स्म ॥
- ८ दोषा काम्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ दोषा काम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदोषा काम्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अव्ययादपि काम्यप्रत्ययो भवति, न तु क्यन्वञिषि-
इति प्रदर्शनार्थमुदाहरणम् ।

यश इच्छतीति यशः काम्यति ॥

५ यशः काम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ यशः काम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ यशः काम्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ यशः काम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्,
त, नि, इव, इम ॥
- ४ अयशः काम्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अयशः काम्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ यशः काम्या-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ यशः काम्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
यशः काम्या } स्व, स्म ॥
- ८ यशः काम्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ यशः काम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अयशः काम्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

रोः काम्ये । २।३।७॥ इति सत्वविधिप्रदर्शनार्थमुदा-
हरणम् ॥

सर्पिश्छतीति सर्पिष्काम्यति ।

६ सर्पिष्काम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सर्पिष्काम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सर्पिष्काम्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सर्पिष्काम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ असर्पिष्काम्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असर्पिष्काम्य-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सर्पिष्काम्या-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सर्पिष्काम्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
सर्पिष्काम्या } स्व, स्म ॥
- ८ सर्पिष्काम्यिता-"रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सर्पिष्काम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असर्पिष्काम्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

नामिनस्तयोः षः । १ । ३ । ८ ॥ इति षत्वविधिप्रदर्शनार्थमिदमुदाहरणम् ॥

अहरिच्छतीति अहःकाम्यति ।

७ अहःकाम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ अहःकाम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अहःकाम्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अहःकाम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आहःकाम्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आहःकाम्य-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ अहःकाम्या-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अहःकाम्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
अहःकाम्या } स्व, स्म ॥
- ८ अहःकाम्यिता-"रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अहःकाम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आहःकाम्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अत्राहन्शब्दनकारस्य रत्वेऽपि रौः सम्बन्धित्वाभावात् सत्वमिति प्रदर्शनार्थमुदाहृतम् ॥

गिरमिच्छतीति गीःकाम्यति ।

८ गीःकाम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ गीःकाम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गीःकाम्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ३ गीःकाम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अगीःकाम्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अगीःकाम्य-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ गीःकाम्या-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ गीःकाम्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
गीःकाम्या } स्व, स्म ॥
- ८ गीःकाम्यिता-"रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गीःकाम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगीःकाम्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अत्र रेफस्य रौः सम्बन्धित्वाभावान्न षत्वमपि तु विसर्गः, दीर्घत्वं च भ्वादेरित्यादिना बोध्यम् ॥

श्व इच्छतीति श्वःकाम्यति ।

९ श्वःकाम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ श्वःकाम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ श्वःकाम्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ श्वःकाम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अश्वःकाम्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अश्वःकाम्य-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ श्वःकाम्या-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ श्वःकाम्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
श्वःकाम्या } स्व, स्म ॥
- ८ श्वःकाम्यिता-"रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ श्वःकाम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अश्वःकाम्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अत्र रस्य रौः सम्बन्धित्वेऽपि अव्ययसम्बन्धित्वात् सत्वमिति प्रदर्शनार्थमुदाहृतम् ॥

उच्चैरिच्छतीति उच्चैःकाम्यति ।

१० उच्चैःकाम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ उच्चैःकाम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ उच्चैःकाम्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ उच्चैःकाम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ औच्चैःकाम्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ औच्चैःकाम्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ उच्चैःकाम्या-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ उच्चैःकाम्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
उच्चैःकाम्य्या } स्व, स्म ॥
- ८ उच्चैःकाम्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ उच्चैःकाम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० औच्चैःकाम्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अत्र रेफस्य रोः सम्बन्धित्वेऽप्ययसम्बन्धित्वाभा-
षत्वमिति प्रदर्शनार्थमुदाहृतम् ॥

स्वरिच्छतीति स्वरःकाम्यति ॥

११ स्वरःकाम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ स्वरःकाम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ स्वरःकाम्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ स्वरःकाम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अस्वरःकाम्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अस्वरःकाम्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ स्वरःकाम्या-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ स्वरःकाम्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
स्वरःकाम्य्या } स्व, स्म ॥
- ८ स्वरःकाम्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ स्वरःकाम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अस्वरःकाम्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अत्र रेफस्याव्ययसम्बन्धित्वाद् रोः सम्बन्धित्वाभा-
वाच्च न सत्वमिति प्रदर्शनार्थमिदमुदाहृतमिति ॥

विभुमिच्छतीति विभुःकाम्यति ।

१२ विभुःकाम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ विभुःकाम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ विभुःकाम्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ विभुःकाम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ व्यभुःकाम्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ व्यभुःकाम्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ विभुःकाम्या-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ विभुःकाम्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
विभुःकाम्य्या } स्व, स्म ॥
- ८ विभुःकाम्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ विभुःकाम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० व्यभुःकाम्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अत्र " न प्रादिरप्रत्ययः । ३।३।४ ॥ इति वि-रहितस्य
धातुत्वेन तदादेवेवादिरिति प्रदर्शनार्थमुदाहृतमिदम् ॥

समिधमिच्छतीति समित्काम्यति ।

१३ सम्-इत्काम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ समित्काम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ समित्काम्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ समित्काम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ समैत्काम्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ समैत्काम्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ समित्काम्या-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ समित्काम्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
समित्काम्य्या } स्व, स्म ॥
- ८ समित्काम्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ समित्काम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० समैत्काम्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अत्र " न प्रादिरप्रत्ययः । ३।३।४ ॥ इति सम्-रहि-
तस्य धातुत्वेन स्वरादित्वाद् धातोरिकारस्य वृद्धौ ह्यस्तन्यामद्य-
तन्यां क्रियातिपत्तौ च दर्शितानि रूपाणि भवन्तीति प्रदर्श-
नार्थमिदमुदाहरणम् ॥

राजानमिच्छतीति राजकाम्यति ॥

१४ राजकाम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ राजकाम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ राजकाम्ये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ राजकाम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अराजकाम्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अराजकाम्य-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ राजकाम्या-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ राजकाम्या } -त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्,
राजकार्य्या } स्व, स्म ॥
- ८ राजकाम्यिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ राजकाम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अराजकाम्यिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥

अत्र "नाम्नो नोऽनहः ॥ १२११९१॥ इति नलोपोपदर्श-
नार्थमुदाहृतम् ॥

वाचमिच्छतीति वाक्काम्यति ॥

१५ वाक्काम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ वाक्काम्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ वाक्काम्ये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वाक्काम्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अवाक्काम्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अवाक्काम्य-ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वाक्काम्या-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वाक्काम्या } -त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्,
वाक्कार्य्या } स्व, स्म ॥
- ८ वाक्काम्यिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वाक्काम्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अवाक्काम्यिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥

अत्र "चजः कगम् ॥ १२११८३॥ इति चस्य कत्वविधि-
प्रदर्शनाथमिदमुदाहरणम् ॥

एवं वाःकाम्य, गोकाम्य, धनकाम्यप्रभृतीनां काम्यप्रत्ययान्तानां नामधातूनां रूपाणि ज्ञेयानि ॥

इति काम्यप्रत्ययान्तप्रकरणम् ॥

इति श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमद्गुरुराजबिजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्द्रिरामन्दिरेन्द्रिन्दिरायमाणेनान्ते-
वासिना शास्त्रावशारदेन कविरत्नेन व्याकरणवाचस्पतिना महोपाध्याय-
लावण्यविजयगणिना विरचितस्य धातुरत्नाकरस्य नामधातुप्रक्रिया-
निरूपणे षष्ठभागे काम्यप्रत्ययान्तनामधातुप्रकरणं सम्पूर्णम् ॥

अथ क्यन्प्रत्ययान्तप्रकरणम् ॥

ननु कीदृशान्नाम्नः कस्मिन्कस्मिन्नर्थे 'क्यन्' प्रत्ययो भवतीति चेच्छ्रुयतामियं पञ्च-
लक्षणी ॥ "अमाव्ययात् क्यन् च ॥३॥४॥२३॥ अमकारान्तादनव्ययाच्च द्वितीयान्तान्नाम्न
इच्छायामर्थे क्यन् प्रत्ययो वा भवति काम्यश्च । पुत्रमिच्छति पुत्रीयति । एवं नाव्यति ।
वाच्यति । चकारः काम्यार्थोऽन्यथा मान्ताव्यययोः सावकाशः स क्यना बाध्यते । अमा-
व्ययादितिकिम् ? इदमिच्छति । स्वरिच्छति । गोशब्दसंध्यक्षरवर्जस्वरनान्तेभ्य एव क्यन-
मिच्छन्त्यन्ये । गव्यति । पुत्रीयति । राजीयति । अन्यत्र न भवति । यमिच्छति ।
कमिच्छति । नकारः क्यनि इत्यत्र विशेषणार्थः । ककारः क्यग्रहणे सामान्यग्रहणार्थः ॥

आधाराच्चोपमानादाचारे ॥ ३ । ४ । २४ ॥ अमाव्ययादुपमानभूताद् द्वितीयान्तादा-
धाराच्चाचारार्थे क्यन् प्रत्ययो भवति वा । पुत्रमिवाचरति पुत्रीयति छात्रम् । वस्त्रीयति
कम्बलम् । पुत्रीयति स्थूलं दर्शनीयं वा । आधारात्-प्रासाद इवाचरति प्रासादीयति
कुट्याम् । पर्यङ्गीयति मञ्चके । उपमानादिति किम्, छात्रादेर्मा भूत् । आधाराच्चेति किम्,
परशुना दात्रेणेवाचरति । अमाव्ययादिति किम्, इदमिवाचरति । स्वरिवाचरति । उपमानस्य
नित्यमुपमेयापेक्षत्वात् सापेक्षत्वेऽप्यसामर्थ्यं न भवति ॥

तपसः क्यन् ॥ ३ । ४ । ३६ ॥ तपःशब्दात्कर्मणः करोत्यर्थे क्यन् प्रत्ययो वा भवति ।
तपःकरोति तपस्यति । अत्र यदा व्रतपर्यायस्तपःशब्दस्तदा क्यन्कर्मणो वृत्तावन्तर्भूतत्वादकर्मक-
त्वम्, यदा तु सन्तापक्रियावचनस्तदा क्यन्कर्मणो वृत्तावन्तर्भावेऽपि स्वकर्मणा सकर्मक एव ।
शत्रूणां तपः करोति तपस्यति शत्रूनि । यथा व्याकरणस्य सूत्रं करोति व्याकरणं सूत्रयति ॥

नमोवरिवश्चित्रङ्गोऽर्चासेवाश्चर्ये ॥ ३ । ४ । ३७ ॥ नमस्वरिवस्चित्रङ्गशब्देभ्यः कर्मभ्यो
यथासङ्ख्यं पूजासेवाश्चर्येष्वर्थेषु करोत्यर्थे क्यन्प्रत्ययो वा भवति । देवेभ्यो नमस्करोति
नमस्यति देवान् । गुरुणां वरिवः करोति वरिवस्यति गुरून् । चित्रं करोति चित्रीयते ।
ङकार आत्मनेपदार्थः । अर्चादिष्विति किम् ? नमः करोति, वरिवः करोति । नमोवरिवःशब्द-
मुच्चारयतीत्यर्थः । चित्रं करोति । नानात्वमालेख्यं वा करोतीत्यर्थः । ननु च नमस्यति देवा-
नित्यत्र नमःशब्दसंयोगनिबन्धना चतुर्थी कस्मान्न भवति । उच्यते । नामधातूनामविवक्षित-
प्रकृतिप्रत्ययभेदानां धातुत्वादनर्थकोऽत्र नमः शब्दः । उपपदविभक्तेर्वा कारकविभक्तिर्ब-
लीयसी । एवं च नमस्करोति देवानिति वाक्येऽपि द्वितीया सिद्धा । यद्येवं नमस्करोति देवेभ्य
इति न भवितव्यम् । नैवम् । करोतेः नमःशब्दसम्बन्धेन देवपदेनासम्बन्धात् । कस्मै इति
त्वाकाङ्क्षायां देवेभ्य इति सम्बन्धाच्चतुर्थी सम्प्रदाने वेत्यदोषः ॥

क्षुत्तृङ्गर्धेऽशनायोदन्यधनायम् ॥ ४ । ३ । ११३ ॥ क्षुदादिष्वर्थेषु यथासङ्ख्य-
मशनायादयः क्यन्नन्ता निपात्यन्ते । क्षुधि गम्यमानायामशनशब्दस्यात्वम्, तृषि गम्यमाना-
यामुदकशब्दस्योदन्नित्ययमादेशः, गर्धे गम्यमाने धनशब्दस्यात्वम्, क्यनि परे निपात्यते ।
अशनायति । उदन्यति । धनायति । क्षुत्तृङ्गर्ध इति किम् ? अशनीयति, उदकीयति,
धनीयति दानाय ॥

उपादीयतामिदमत्र नवनीतं क्यन्नन्तनामधातुनैपुण्याभिलाषुकैः—

इच्छार्थे, आचारार्थे, करोत्यर्थे च क्यन् प्रत्ययो भवति । तत्रेच्छार्थे मकारान्तवर्जाद्
अभ्ययवर्जाच्च द्वितीयान्तान्नाम्नः क्यन् प्रत्ययो भवति । यथा पुत्रमिच्छतीति पुत्रीयति ।
आचारार्थे किल द्वौ प्रकारौ । तथाहि । उपमानभूताद् द्वितीयान्तान्नाम्न आचारार्थे क्यन्
प्रत्ययो भवतीत्येकः प्रकारः । यथा पुत्रमिवाचरतीति पुत्रीयति छात्रम् । उपमानभूताद्
आधारवाचकात् सम्प्रत्ययान्तान्नाम्न आचारार्थे क्यन् प्रत्ययो भवतीति द्वितीयः प्रकारः । यथा
प्रासाद् इवाचरतीति प्रासादीयति कुट्याम् । करोत्यर्थेऽपि द्वौ प्रकारौ । तथाहि । सम्भवदर्थम-
ध्यादन्यतरस्मिन्नर्थे विवक्षिते कर्मवाचकान्नाम्नः करोत्यर्थे क्यन् प्रत्ययो भवतीत्याद्यः प्रकारः ।
यथा तपः करोतीति तपस्यति । अस्मिन् प्रकारे एकमेवोदाहरणम् । नानार्थसम्भवेऽपि
क्यन्नन्तसमुदायस्यार्थविशेषवृत्तितायामेव कर्मवाचकान्नाम्नः करोत्यर्थे क्यन् प्रत्ययो भवतीति
द्वितीयः प्रकारः । यथा अर्चार्थे, देवेभ्यो नमः करोतीति नमस्यति देवान्, सेवार्थे गुरुणां
वरिवः करोतीति वरिवस्यति गुरुन्, आश्रयार्थे चित्रं करोतीति चित्रीयते । अस्मिन् प्रकारे
श्रीण्येवोदाहरणानि । एवं च करोत्यर्थे विधीयमानस्य क्यनश्चत्वार एव शब्दा विषया इति ॥
अशनायते, उदन्यते, धनायते, इति निपातनं त्वर्थविशेषे कार्यविशेषार्थं क्यन्प्रत्ययस्तु
सामान्यसूत्रेणैव सिद्धः ॥

एवमर्थभेदेन त्रिधा भिद्यमानत्वेन क्यनस्तदन्तधातूनामपि त्रैविध्यात् पूर्वमिच्छाक्यन्नन्त-
धातूनां रूपाणि निरूप्यन्ते । अत्रापि पूर्वं केवलानां चतुर्दशानां स्वराणां तदनु स्वरान्तानां
तदनु व्यञ्जनान्तानाञ्च नाम्नां क्रममाश्रित्य निरूपणा ज्ञेया ॥

अथ प्रस्तुतमनुस्त्रियते ॥



- १ अं विष्णुम्, अकारं वेच्छतीति
२ आम्, आकारमिच्छतीति
३ ई कामम्, इकारं वेच्छतीति
४ ई लक्ष्मीम्, ईकारं वेच्छतीति

ईयति ।

ईय-धातोरूपाणि ॥

- १ ईय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
२ ईये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
३ ईय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
४ ऐय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
५ ऐय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
६ ईया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म ॥
७ ईय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
८ ईयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
९ ईयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
१० ऐयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
क्यनि ॥ ४।३।११२ ॥ इत्यनेन अवर्णस्थाने ईकारः ।
दीर्घश्चिब्यव्यक्थ्येषु ॥ ४।३।१०८ ॥ इत्यनेन द्वस्व-
स्थाने दीर्घत्वम् ॥

- ५ उं शिवम्, उकारं वेच्छतीति
६ ऊं महादेवं चन्द्रं पालकम्, ऊकारं वेच्छतीति

ऊयति ॥

ऊय-धातोरूपाणि ॥

- १ ऊय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
२ ऊये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
३ ऊय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
४ औय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
५ औय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
६ ऊया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ ऊय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
८ ऊयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
९ ऊ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
१० औयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अरम्, ऋकारमिच्छतीति रीयति ॥

७ रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ रीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
२ रीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
३ रीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
४ अरीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
५ अरीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
६ रीया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ रीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
८ रीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
९ रीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
१० अरीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
ऋतो रीः ॥ ४।३।१०९ ॥ इति ऋकारस्य 'री'
इत्यादेशः ॥

ऋम्, ॠकारमिच्छतीति ऋयति ॥

८ ऋय-धातोरूपाणि ॥

- १ ऋय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
२ ऋये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
३ ऋय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
४ आर्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
५ आर्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
६ ऋया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
७ ऋय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
८ ऋयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
९ ऋयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
१० आरिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
५, १०, क्यो वा ॥ ४।३।८१ ॥ इति विकल्पेन
क्यनो लुभभवति ॥

अलम्, लृकारमिच्छतीति, रीयति । ऋत्कार्यस्य लृकारेऽतिदेशात् ऋतो रीरिति रीः ।

ऋफिडादिपाठाभ्युपगमे तु लीयति ।

९ रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ रीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ रीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ रीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अरीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अरीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अरीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

लीय-धातोरूपाणि ॥

- १ लीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ लीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अलीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अलीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अलीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

लृम्, लृकारमिच्छतीति लृयति ॥

१० लृय-धातोरूपाणि ॥

- १ लृय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ लृये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लृय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आल्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आल्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लृया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लृय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लृयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लृयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आल्यिष्य् } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

लृवर्णस्य ऋवर्णसवर्णतामाश्रित्येदमुदाहृतम्, ऋफिडादिपाठेऽप्यत्राभ्युपगतः ॥

अयं विष्णुम्, एकारं वेच्छतीति एयति ।

११ एय-धातोरूपाणि ॥

- १ एय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ एये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ एय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ ऐय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ ऐय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ एया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ एय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ एयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ एयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० ऐयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आयम्, ऐकारमिच्छतीति ऐयति ।

१२ ऐय-धातोरूपाणि ॥

- १ ऐय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ ऐये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ ऐय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ ऐय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ ऐय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ ऐया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ऐय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ऐयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ऐयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० ऐयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आम्, ओकारमिच्छतीति अव्यति ।

१३ अव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ अव्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ अव्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ अव्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अव्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अव्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ अव्या-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ अव्य्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ अव्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ अव्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अव्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- सन्निपातपरिभाषया क्यनो लुप्त भवति ॥

आवम्, औकारमिच्छतीति, आव्यति ।

१४ आव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ आव्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ आव्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ आव्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आव्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आव्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ आव्या-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ आव्य्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ आव्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ आव्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आव्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

सन्निपातपरिभाषया क्यनो लुप्त भवति ।

इति केवलस्वरप्रकृतिकक्यन्नन्ता धातवः ॥

अथ व्यञ्जनसंपृक्तस्वरान्तप्रकृतिकक्यन्नन्ता धातवः

पुत्रमिच्छतीति पुत्रीयति ।

१५ पुत्रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ पुत्रीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पुत्रीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पुत्रीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अपुत्रीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपुत्रीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पुत्रीया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पुत्रीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पुत्रीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पुत्रीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपुत्रीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

सुपुत्रमिच्छतीति सुपुत्रीयति ।

१६ सु-पुत्रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ सुपुत्रीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सुपुत्रीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सुपुत्रीय-तु, तात्, ताम्, न्नु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ स्वपुत्रीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ स्वपुत्रीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सुपुत्रीया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सुपुत्रीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सुपुत्रीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सुपुत्रीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० स्वपुत्रीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अजमिच्छतीति अजीयति ।

१७ अजीय-धातोरूपाणि ॥

- १ अजीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अजीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अजीय-तु, तात्, ताम्, न्नु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ आजीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आजीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ अजीया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अजीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अजीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अजीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आजीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

सुखमिच्छतीति सुखीयति ।

१८ सुखीय-धातोरूपाणि ॥

- १ सुखीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सुखीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सुखीय-तु, तात्, ताम्, न्नु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ असुखीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असुखीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सुखीया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सुखीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सुखीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सुखीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असुखीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

धर्ममिच्छतीति धर्मीयति ।

१९ धर्मीय-धातोरूपाणि ॥

- १ धर्मीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ धर्मीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ धर्मीय-तु, तात्, ताम्, न्नु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अधर्मीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अधर्मीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ धर्मीया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ धर्मीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ धर्मीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ धर्मीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अधर्मीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

गार्ग्यमिच्छतीति गार्गीयति ।

२० गार्गीय-धातोरूपाणि ॥

- १ गार्गीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गार्गीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गार्गीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अगार्गीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अगार्गीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म,
इष्, इष्म ॥
- ६ गार्गीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ गार्गीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गार्गीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गार्गीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगार्गीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आपत्यस्य क्यच्च्योः । २ । ४ । ९१ ॥

इति यकारस्य लोपः ।

क्षुधि. अशनमिच्छतीति अशनायति ।

२१ अशनाय-धातोरूपाणि ॥

- १ अशनाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अशनाये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अशनाय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ आशनाय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आशनाय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ अशनाया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अशनाय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अशनायिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अशनायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आशनायिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

कालान्तरोपभोगार्थमशनमिच्छतीति अशनीयति ।

२२ अशनीय-धातोरूपाणि ॥

- १ अशनीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अशनीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अशनीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ आशनीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आशनीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ अशनीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अशनीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अशनीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अशनीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आशनीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

पिपासायाम्, पातुमुदकमिच्छतीति उदन्यति ।

२३ उदन्य-धातोरूपाणि ॥

- १ उदन्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ उदन्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ उदन्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ औदन्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ औदन्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
औदन्-इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ उदन्या-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ उदन्य्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ उदन्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ उदन्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० औदन्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

स्नातुमुदकमिच्छतीति उदकीयति ।

२४ उदकीय-धातोरूपाणि ॥

- १ उदकीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ उदकीये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ उदकीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ औदकीय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ औदकीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ उदकीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ उदकीय्या-त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ उदकीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ उदकीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० औदकीयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

दातुं धनमिच्छतीति धनीयति ।

२६ धनीय-धातोरूपाणि ॥

- १ धनीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ धनीये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ धनीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अधनीय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अधनीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ धनीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ धनीय्या-त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ धनीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ धनीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अधनीयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

* वृषाश्चक्रदौ मैथुनेऽत्र वर्तते, मनुष्यादावपि हि प्रयु-
ज्येते । अत एव "वृषस्यन्ती तु कामुकी" इति "अनेक-
युगजीविन्यास्त्रेता यस्यास्त्रयोदशी । सा क्षीरकण्ठकं रामं
वृषस्यन्ती न लज्जिता ॥ १ ॥ इति च स्वरसतः संगच्छते ॥

गर्धे, सत्यपि धने धनमिच्छतीति धनायति ।

२५ धनाय-धातोरूपाणि ॥

- १ धनाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ धनाये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ धनाय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अधनाय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अधनाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ धनाया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ धनाय्या-त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ धनायिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ धनायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अधनायिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

मैथुने, वृषमिच्छतीति वृषस्यति ।

२७ वृषस्य-धातोरूपाणि ॥ *

- १ वृषस्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वृषस्ये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वृषस्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अवृषस्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवृषस्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अवृषस् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वृषस्या } -ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
वृषसा }
- ७ वृषस्य्या } -त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्,
वृषस्या } स्व, स्म ॥
- ८ वृषस्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
वृषसिता }
- ९ वृषस्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
वृषसिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अवृषस्यिष्य } -त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्,
अवृषसिष्य } इव, इम ॥

मैथुनेच्छामिन्नेच्छायाम्, वृषमिच्छतीति वृषीयति ।

२८ वृषीय-धातोरूपाणि ॥

- १ वृषीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वृषीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वृषीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अवृषीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवृषीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ वृषीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वृषीय्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वृषीयिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वृषीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवृषीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मैथुने, अश्वमिच्छतीति अश्वस्यति ।

२९ अश्वस्य-धातोरूपाणि ॥

- १ अश्वस्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ अश्वस्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ अश्वस्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ आश्वस्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ आश्वस्य } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, आश्वस् } इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ अश्वस्या } -ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ अश्वस्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ अश्वस्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, अश्वसिता } स्वः, स्मः ॥
 - ९ अश्वस्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, अश्वसिष्य } इवः, इमः ॥
 - १० आश्वस्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, आश्वसिष्य } इव, इम ॥
- अत्राश्वशब्दो मैथुने वर्तते, इति पूर्वमुक्तमेव ।

मैथुनमिच्छेच्छायाम्, अश्वमिच्छतीति अश्वीयति ।

३० अश्वीय-धातोरूपाणि ॥

- १ अश्वीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अश्वीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अश्वीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आश्वीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आश्वीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ अश्वीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अश्वीय्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अश्वीयिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अश्वीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आश्वीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

भोक्तुममिलाषातिरेके, क्षीरमिच्छतीति क्षीरस्यति

३१ क्षीरस्य-धातोरूपाणि ॥

- १ क्षीरस्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ क्षीरस्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ क्षीरस्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अक्षीरस्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अक्षीरस्य } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अक्षीरस् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ क्षीरस्या } -ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ क्षीरस्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, क्षीरस्य्या } स्व, स्म ॥
- ८ क्षीरस्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, क्षीरसिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ क्षीरस्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, क्षीरसिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अक्षीरस्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, अक्षीरसिष्य } इव, इम ॥

भोक्तुमभिषातिरेकाभावे, क्षीरमिच्छतीति
क्षीरीयति ।

३२ क्षीरीय—धातोरूपाणि ॥

- १ क्षीरीय—ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णम् ॥
- २ क्षीरीये—त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ क्षीरीय—तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, ण्व, णम् ॥
- ४ अक्षीरीय—त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम् ॥
- ५ अक्षीरीय—ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्ण्व, इष्म ॥
- ६ क्षीरीया—ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ क्षीरीय्या—त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ क्षीरीयिता—" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ क्षीरीयिष्य—ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णम् ॥
- १० अक्षीरीयिष्य—त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम् ॥

भोक्तुमभिलाषातिरेकाभावे, लवण-
मिच्छतीति लवणीयति ।

३४ लवणीय—धातोरूपाणि ॥

- १ लवणीय—ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णम् ॥
- २ लवणीये—त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लवणीय—तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, ण्व, णम् ॥
- ४ अलवणीय—त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम् ॥
- ५ अलवणीय—ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्ण्व, इष्म ॥
- ६ लवणीया—ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लवणीय्या—त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लवणीयिता—" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लवणीयिष्य—ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णम् ॥
- १० अलवणीयिष्य—त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम् ॥

भोक्तुमभिलाषातिरेके, लवणमिच्छतीति लवण-
३३ लवणस्य—धातोरूपाणि ॥ स्यति ।

- १ लवणस्य—ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णम् ॥
 - २ लवणस्ये—त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ लवणस्य—तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, ण्व, णम् ॥
 - ४ अलवणस्य—त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम् ॥
 - ५ अलवणस्य } —ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अलवणस्य } इष्म, इष्ण्व, इष्म ॥
 - ६ लवणस्या } —ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
लवणसा }
 - ७ लवणस्य्या } —त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
लवणस्या } स्व, स्म ॥
 - ८ लवणस्यिता } —", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
लवणसिता }
 - ९ लवणस्यिष्य } —ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
लवणसिष्य } ण्वः, णम् ॥
 - १० अलवणस्यिष्य } —त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम् ॥
अलवणसिष्य }
- अस् च लौल्ये ॥ ४ । ३ । ११५ ॥ इति असि
सि वा लवणस्यति ॥

तीर्थपामिच्छतीति तीर्थपीयति ।

३५ तीर्थपीय—धातोरूपाणि ॥

- १ तीर्थपीय—ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णम् ॥
- २ तीर्थपीये—त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ तीर्थपीय—तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्,
त, नि, ण्व, णम् ॥
- ४ अतीर्थपीय—त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम् ॥
- ५ अतीर्थपीय—ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्ण्व, इष्म ॥
- ६ तीर्थपीया—ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तीर्थपीय्या—त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तीर्थपीयिता—" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तीर्थपीयिष्य—ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णम् ॥
- १० अतीर्थपीयिष्य—त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम् ॥

मालामिच्छतीति मालीयति ।

३६ मालीय-धातोरूपाणि ॥

- १ मालीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ मालीये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ मालीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अमालीय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अमालीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ मालीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मालीय्या-त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मालीयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मालीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अमालीयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

रमामिच्छतीति रमीयति ॥

३७ रमीय-धातोरूपाणि ॥

- १ रमीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ रमीये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ रमीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अरमीय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अरमीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ रमीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रमीय्या-त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रमीयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रमीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अरमीयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

कविमिच्छतीति कवीयति ।

३८ कवीय-धातोरूपाणि ॥

- १ कवीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कवीये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कवीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अकवीय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अकवीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ कवीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ कवीय्या-त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कवीयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कवीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकवीयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

रविमिच्छतीति रवीयति ।

३९ रवीय-धातोरूपाणि ॥

- १ रवीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ रवीये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ रवीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अरवीय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अरवीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ रवीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रवीय्या-त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रवीयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रवीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अरवीयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

अग्निमिच्छतीति अग्नीयति ।

४० अग्नीय-धातोरूपाणि ॥

- १ अग्नीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ अग्नीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अग्नीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ आग्नीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ आग्नीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ अग्नीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अग्नीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अग्नीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अग्नीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० आग्नीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

सुमतिमिच्छतीति सुमतीयति ।

४१ सुमतीय-धातोरूपाणि ॥

- १ सुमतीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - २ सुमतीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ सुमतीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
 - ४ स्वमतीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
 - ५ स्वमतीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
 - ६ सुमतीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ सुमतीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ सुमतीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ सुमतीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - १० स्वमतीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- न प्रादिरप्रत्यय इति सुरहितस्य धातुसंज्ञा ॥

भोक्तुमभिलाषातिरेके, दधि इच्छतीति दधिस्यति, दध्यस्यति वा ।

४२ दधिस्य-धातोरूपाणि ॥

- १ दधिस्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - २ दधिस्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ दधिस्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
 - ४ अदधिस्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
 - ५ अदधिस्य { -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
 - ६ दधिस्या { -ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ दधिस्य्या { -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ दधिस्यिता { -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ दधिस्यिष्य { -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - १० अदधिस्यिष्य { -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- अस् च लौल्ये ॥ ४।३।११५ ॥ इति असि दधिस्यति ॥

४३ दध्यस्य-धातोरूपाणि ॥

- १ दध्यस्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - २ दध्यस्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ दध्यस्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
 - ४ अदध्यस्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
 - ५ अदध्यस्य { -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
 - ६ दध्यस्या { -ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ दध्यस्य्या { -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ दध्यस्यिता { -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ दध्यस्यिष्य { -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - १० अदध्यस्यिष्य { -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- अस् च लौल्ये ॥ ४।३।११५ ॥ इति असि दध्यस्यति ॥

भोक्तुमभिलाषातिरेकाभावे, दधि इच्छतीति
दधीयति ।

४४ दधीय-धातोरूपाणि ॥

- १ दधीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ दधीये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दधीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अदधीय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदधीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ दधीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दधीय्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दधीयिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दधीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदधीयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

प्रथमिच्छतीति प्रधीयति ।

४६ प्रधीय-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रधीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ प्रधीये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ प्रधीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ प्राधीय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ प्राधीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
 - ६ प्रधीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ प्रधीय्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ प्रधीयिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ प्रधीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० प्राधीयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- न प्रादिरप्रत्यय इति प्ररहितस्य धातुसंज्ञा भवति ॥

सह खेन वर्तते इति सखः । तमिच्छति, सखाय-
मिच्छति, यद्वा सखीमिच्छतीति सखीयति ।

४५ सखीय-धातोरूपाणि ॥

- १ सखीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सखीये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सखीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ असखीय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असखीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ सखीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सखीय्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सखीयिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सखीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असखीयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

विधुमिच्छतीति विधूयति ।

४७ विधूय-धातोरूपाणि ॥

- १ विधूय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ विधूये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ विधूय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अविधूय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अविधूय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
 - ६ विधूया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ विधूय्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ विधूयिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ विधूयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अविधूयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- विध्यति विरहिणौ जनानिति विधुश्चन्द्रः ॥

धनूमिच्छतीति धनूयति ।

४८ धनूय-धातोरूपाणि ॥

- १ धनूय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ धनूये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ धनूय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अधनूय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अधनूय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्म ॥
- ६ धनूया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ धनूय्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ धनूयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ धनूयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अधनूयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
धनुश्चन्द्रो धनुषि वर्तते ॥

चमूमिच्छतीति चमूयति ।

४९ चमूय-धातोरूपाणि ॥

- १ चमूय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ चमूये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ चमूय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अचमूय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचमूय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्म ॥
- ६ चमूया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चमूय्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चमूयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चमूयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अचमूयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

जुवं सरस्वतीमिच्छतीति जूयति ।

५० जूय-धातोरूपाणि ॥

- १ जूय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ जूये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ जूय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अजूय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अजूय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्म ॥
- ६ जूया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ जूय्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जूयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जूयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अजूयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

भुवमिच्छतीति भूयति ।

५१ भूय-धातोरूपाणि ॥

- १ भूय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ भूये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ भूय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अभूय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अभूय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्म ॥
- ६ भूया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ भूय्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ भूयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ भूयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अभूयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

पितरमिच्छतीति पित्रीयति ।

५२ पित्रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ पित्रीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ पित्रीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ पित्रीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, त, णि, इव, इम ॥
 - ४ अपित्रीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अपित्रीय-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ पित्रीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ पित्रीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ पित्रीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ पित्रीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अपित्रीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ऋतो रीः ॥ ४ । ३ । १०९ ॥ इति ऋकारस्थाने 'री' इत्यादेशः ॥

मातरमिच्छतीति मात्रीयति ।

५३ मात्रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ मात्रीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ मात्रीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ मात्रीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, त, णि, इव, इम ॥
 - ४ अमात्रीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अमात्रीय-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ मात्रीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ मात्रीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ मात्रीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ मात्रीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अमात्रीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ऋतो रीः ॥ ४ । ३ । १०९ ॥ इति ऋकारस्थाने 'री' इत्यादेशः ॥

पितृ पितृशब्दस्य ऋकारमिच्छतीति पितृयति ।

५४ पितृय-धातोरूपाणि ॥

- १ पितृय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पितृये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पितृय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अपितृय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपितृय-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पितृया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पितृय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पितृयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पितृयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपितृयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

गमलं गम्लधातोर्नुकरणभूतं गम्लशब्दमिच्छतीति गम्लीयति, ऋफिडादिपाठाभ्युपगमे तु गम्लीयति ।

५५ गम्लीय-धातोरूपाणि ॥

- १ गम्लीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ गम्लीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ गम्लीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, त, णि, इव, इम ॥
 - ४ अगम्लीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अगम्लीय-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ गम्लीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ गम्लीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ गम्लीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ गम्लीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अगम्लीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ऋकार्यं लृकारेऽपीतिवचनात् लृकारस्थाने " ऋतो रीः ॥ ४ । ३ । १०९ ॥ इति 'री' इत्यादेशः ॥

५६ गम्लीय-धातोरूपाणि ॥

- १ गम्लीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गम्लीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गम्लीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अगम्लीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अगम्लीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ गम्लीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ गम्लीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गम्लीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गम्लीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगम्लीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अस्य विष्णोरपत्यम् इः, अस्य विष्णोः स्त्री ई लक्ष्मीः, तेन तथा वा सह वर्तते इति सेः, सयमिच्छतीति सेयति ।

५८ सेय-धातोरूपाणि ॥

- १ सेय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सेये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सेय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ असेय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असेय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सेया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सेय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सेयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सेयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असेयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

गम्लूं गम्लृधातोर्लृकारमिच्छतीति गम्लृयति ।

५७ गम्लृय-धातोरूपाणि ॥

- १ गम्लृय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गम्लृये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गम्लृय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अगम्लृय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अगम्लृय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ गम्लृया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ गम्लृय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गम्लृयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गम्लृयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगम्लृयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

रायमिच्छतीति रैयति ॥

५९ रैय-धातोरूपाणि ॥

- १ रैय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ रैये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ रैय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अरैय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अरैय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ रैया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रैय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रैयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रैयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अरैयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

यद्यपि रायि छान्दस इति भाष्याद् रैशब्दाद् द्वितीया-न्तात् क्यनि लौकिकानि रूपाणि न भवन्ति, तथापि वर्णक्रमा-नुरोधेन छान्दस प्रयोगं मतान्तरं वाश्रित्य रूपाणि दर्शितानि ॥ यद्वा अया एशब्दवाच्येन विष्णुना सह वर्तते इति सेः, तमिच्छतीति सेयति, इति सेय-धातोरूपाणि वाच्यानि ॥

गामिच्छतीति गव्यति ।

६० गव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ गव्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ गव्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ गव्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अगव्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अगव्य-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ६ गव्या-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ गव्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, गव्या } स्व, स्म ॥
 - ८ गव्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ गव्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अगव्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- सन्निपातपरिभाषया क्यनो लुप्त भवति ॥

द्यामिच्छतीति द्यव्यति ।

६१ द्यव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ द्यव्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ द्यव्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ द्यव्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अद्यव्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अद्यव्य-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ६ द्यव्या-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ द्यव्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, द्यव्या } स्व, स्म ॥
 - ८ द्यव्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ द्यव्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अद्यव्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- सन्निपातपरिभाषया क्यनो लुप्त भवति ॥

मावमिच्छतीति नाव्यति ॥

६२ नाव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ नाव्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ नाव्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ नाव्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अनाव्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अनाव्य-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ६ नाव्या-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ नाव्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, नाव्या } स्व, स्म ॥
 - ८ नाव्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ नाव्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अनाव्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- सन्निपातपरिभाषया क्यनो लुप्त भवति ॥

ग्लावमिच्छतीति ग्लाव्यति ।

६३ ग्लाव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ ग्लाव्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ ग्लाव्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ ग्लाव्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अग्लाव्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अग्लाव्य-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ६ ग्लाव्या-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ ग्लाव्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ग्लाव्या } स्व, स्म ॥
 - ८ ग्लाव्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ ग्लाव्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अग्लाव्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- सन्निपातपरिभाषया क्यनो लुप्त भवति ॥

लोकते इति लोक्, तमिच्छतीति लोकयति ।

६४ लोक्य-धातोरूपाणि ॥

- १ लोक्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ लोक्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लोक्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अलोक्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अलोक्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अलोक् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लोक्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
लोका }
- ७ लोक्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
लोक्या } स्व, स्म ॥
- ८ लोक्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
लोकिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ लोक्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
लोक्यिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अलोक्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अलोक्यिष्य } इव, इम ॥

चित्रं लिखतीति चित्रलिक्, तमिच्छतीति
चित्रलिख्यति ।

६५ चित्रलिख्य-धातोरूपाणि ॥

- १ चित्रलिख्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ चित्रलिख्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ चित्रलिख्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अचित्रलिख्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचित्रलिख्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अचित्रलिख् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चित्रलिख्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥
चित्रलिखा } मास इ० ॥
- ७ चित्रलिख्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
चित्रलिख्य्या } स्व, स्म ॥
- ८ चित्रलिख्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
चित्रलिख्यिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ चित्रलिख्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
चित्रलिख्यिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अचित्रलिख्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अचित्रलिख्यिष्य } इव, इम ॥

मुष्टु वल्गतीति सुवल, तमिच्छतीति सुवलयति ।

६६ सुवल्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सुवल्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सुवल्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सुवल्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अस्वल्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अस्वल्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
स्वल्य् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सुवल्य्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
सुवल्गा }
- ७ सुवल्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
सुवल्य्या } स्व, स्म ॥
- ८ सुवल्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
सुवल्गिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ सुवल्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
सुवल्यिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अस्वल्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अस्वल्यिष्य } इव, इम ॥

श्लाघते इति श्लाक्, तमिच्छतीति श्लाघ्यति ।

६७ श्लाघ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ श्लाघ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ श्लाघ्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ श्लाघ्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अश्लाघ्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अश्लाघ्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अश्लाघ्य् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ श्लाघ्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
श्लाघा }
- ७ श्लाघ्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
श्लाघ्य्या } स्व, स्म ॥
- ८ श्लाघ्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
श्लाघ्यिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ श्लाघ्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
श्लाघ्यिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अश्लाघ्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अश्लाघ्यिष्य } इव, इम ॥

लिखितो ङकारो येन स लिखितङ्, तमिच्छतीति
लिखितङ्यति ।

६८ लिखितङ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ लिखितङ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ लिखितङ्ये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लिखितङ्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अलिखितङ्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अलिखितङ्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अलिखितङ् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लिखितङ्या } -ङ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥
लिखितङ् } मास इ० ॥
- ७ लिखितङ्यया } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्,
लिखितङ्या } स्व, स्म ॥
- ८ लिखितङ्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
लिखितङ्यिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ लिखितङ्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
लिखितङ्यिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अलिखितङ्यिष्य } -त्, ताम्, न्, तम्, त, म्,
अलिखितङ्यिष्य } इव, इम ॥

वाचमिच्छतीति वाच्यति ।

६९ वाच्य-धातोरूपाणि ॥

- १ वाच्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वाच्ये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वाच्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अवाच्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवाच्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अवाच् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वाच्या } -ङ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
वाचा } स्व, स्म ॥
- ७ वाच्यया } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्,
वाच्यया } स्व, स्म ॥
- ८ वाच्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
वाच्यिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ वाच्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
वाच्यिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अवाच्यिष्य } -त्, ताम्, न्, तम्, त, म्,
अवाच्यिष्य } इव, इम ॥

सहाञ्चति गच्छतीति सध्यङ्, तमिच्छतीति
सध्यञ्यति ।

७० सध्यञ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सध्यञ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सध्यञ्ये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सध्यञ्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ असध्यञ्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असध्यञ्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
असध्यञ्च् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सध्यञ्या } -ङ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
सध्यञ्चा } स्व, स्म ॥
- ७ सध्यञ्यया } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्,
सध्यञ्यया } स्व, स्म ॥
- ८ सध्यञ्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
सध्यञ्यिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ सध्यञ्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
सध्यञ्यिष्य } इवः, इमः ॥
- १० असध्यञ्यिष्य } -त्, ताम्, न्, तम्, त, म्,
असध्यञ्यिष्य } इव, इम ॥

सहाञ्चति पूजयतीति सध्यङ्, तमिच्छतीति
सध्यञ्यति ।

७१ सध्यञ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सध्यञ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सध्यञ्ये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सध्यञ्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ असध्यञ्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असध्यञ्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
असध्यञ्च् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सध्यञ्या } -ङ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
सध्यञ्चा } स्व, स्म ॥
- ७ सध्यञ्यया } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्,
सध्यञ्यया } स्व, स्म ॥
- ८ सध्यञ्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
सध्यञ्यिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ सध्यञ्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
सध्यञ्यिष्य } इवः, इमः ॥
- १० असध्यञ्यिष्य } -त्, ताम्, न्, तम्, त, म्,
असध्यञ्यिष्य } इव, इम ॥

देवसञ्चति पूजयतीति देवश्चङ्, तमिच्छतीति
देवश्चञ्यति ॥

७२ देवद्रचञ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ देवश्चञ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ देवश्चञ्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ देवश्चञ्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अदेवश्चञ्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदेवश्चञ्य { -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अदेवश्चञ्य { इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ देवश्चञ्या { -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
देवश्चञ्चा {
- ७ देवश्चञ्यया { -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त,
देवश्चञ्यया { सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देवश्चञ्यिता { -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
देवश्चञ्यिता { खः, स्मः ॥
- ९ देवश्चञ्यिष्य { -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
देवश्चञ्यिष्य { इवः, इमः ॥
- १० अदेवश्चञ्यिष्य { -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अदेवश्चञ्यिष्य { इव, इम ॥

देवमञ्चति गच्छतीति देवश्चङ्, तमिच्छतीति
देवश्चञ्यति ॥

७२ देवद्रचञ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ देवश्चञ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ देवश्चञ्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ देवश्चञ्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्,
त, नि, इव, इम ॥
- ४ अदेवश्चञ्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदेवश्चञ्य { -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अदेवश्चञ्य { इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ देवश्चञ्या { -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
देवश्चञ्चा {
- ७ देवश्चञ्यया { -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
देवश्चञ्यया { ख, स्म ॥
- ८ देवश्चञ्यिता { -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
देवश्चञ्यिता { खः, स्मः ॥
- ९ देवश्चञ्यिष्य { -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
देवश्चञ्यिष्य { इवः, इमः ॥
- १० अदेवश्चञ्यिष्य { -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अदेवश्चञ्यिष्य { इव, इम ॥

चित्रितश्छकारो येन तमिच्छतीति चित्रितच्छयति ॥

७३ चित्रितच्छय-धातोरूपाणि ॥

- १ चित्रितच्छय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ चित्रितच्छये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ चित्रितच्छय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्,
त, नि, इव, इम ॥
- ४ अचित्रितच्छय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचित्रितच्छय { -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अचित्रितच्छय { इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ चित्रितच्छया { -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
चित्रितच्छा {
- ७ चित्रितच्छयया { -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त,
चित्रितच्छयया { सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चित्रितच्छयिता { -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
चित्रितच्छयिता { खः, स्मः ॥
- ९ चित्रितच्छयिष्य { -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
चित्रितच्छयिष्य { इवः, इमः ॥
- १० अचित्रितच्छयिष्य { -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त,
अचित्रितच्छयिष्य { म्, इव, इम ॥

राजते इति राट्, तमिच्छतीति राज्यति ॥

७४ राज्य-धातोरूपाणि ॥

- १ राज्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ राज्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ राज्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अराज्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अराज्य { -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
अराज्य { इष्व, इष्म ॥
- ६ राज्या { -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
राजा {
- ७ राज्यया { -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
राज्या { ख, स्म ॥
- ८ राज्यिता { -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
राजिता {
- ९ राज्यिष्य { -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
राजिष्य { इवः, इमः ॥
- १० अराज्यिष्य { -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अराजिष्य { इव, इम ॥

विषयान् उज्झति त्यजतीति विषयोत्,
तमिच्छतीति विषयोज्झति ।

७५ विषयोज्झ-धातोरूपाणि ॥

- १ विषयोज्झ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, मः ॥
- २ विषयोज्झ्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ विषयोज्झ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्,
त, नि, इव, म ॥
- ४ अविषयोज्झ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, म ॥
- ५ अविषयोज्झ्य } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अविषयोज्झ } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ विषयोज्झ्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
विषयोज्झ्या }
- ७ विषयोज्झ्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
विषयोज्झ्या } स्व, स्म ॥
- ८ विषयोज्झ्यता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
विषयोज्झ्यता } स्वः, स्मः ॥
- ९ विषयोज्झ्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
विषयोज्झ्यिष्य } इवः, मः ॥
- १० अविषयोज्झ्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अविषयोज्झ्यिष्य } इव, म ॥

सरटं मेघमिच्छतीति सरट्यति ।

७७ सरट्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सरट्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, मः ॥
- २ सरट्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सरट्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, म ॥
- ४ असरट्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, म ॥
- ५ असरट्य } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
असरट्य } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सरट्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
सरटा }
- ७ सरट्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
सरट्या } स्व, स्म ॥
- ८ सरट्यता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
सरट्यता } स्वः, स्मः ॥
- ९ सरट्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
सरट्यिष्य } इवः, मः ॥
- १० असरट्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
असरट्यिष्य } इव, म ॥

उपदिष्टो अकारो येन स उपदिष्टञ्, तमिच्छ-
तीति उपदिष्ट्यति ॥

७६ उप-दिष्ट्य-धातोरूपाणि ॥

- १ उपदिष्ट्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, मः ॥
- २ उपदिष्ट्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ उपदिष्ट्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्,
त, नि, इव, म ॥
- ४ उपादिष्ट्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, म ॥
- ५ उपादिष्ट्य } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
उपादिष्ट्य } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ उपदिष्ट्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
उपादिष्ट्या }
- ७ उपदिष्ट्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
उपादिष्ट्या } स्व, स्म ॥
- ८ उपदिष्ट्यता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
उपादिष्ट्यता } स्वः, स्मः ॥
- ९ उपदिष्ट्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
उपादिष्ट्यिष्य } इवः, मः ॥
- १० उपादिष्ट्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
उपादिष्ट्यिष्य } इव, म ॥

लघटं वायुमिच्छतीति लघट्यति ।

७८ लघट्य-धातोरूपाणि ॥

- १ लघट्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, मः ॥
- २ लघट्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लघट्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, म ॥
- ४ अलघट्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, म ॥
- ५ अलघट्य } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अलघट्य } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लघट्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
लघटा }
- ७ लघट्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
लघट्या } स्व, स्म ॥
- ८ लघट्यता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
लघट्यता } स्वः, स्मः ॥
- ९ लघट्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
लघट्यिष्य } इवः, मः ॥
- १० अलघट्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अलघट्यिष्य } इव, म ॥

सुष्ठु पठतीति सुपद्, तमिच्छतीति सुपठ्यति ।

७९ सुपठ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सुपठ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सुपठ्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सुपठ्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ स्वपठ्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ स्वपठ्य } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
स्वपठ् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सुपठ्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
सुपठा }
- ७ सुपठ्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
सुपठ्या } स्व, स्म ॥
- ८ सुपठ्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
सुपठिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ सुपठ्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
सुपठिष्य } इवः, इमः ॥
- १० स्वपठ्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
स्वपठिष्य } इव, इम ॥

वाडते स्नातीति वाड्, तमिच्छतीति वाड्यति ।

८० वाड्य-धातोरूपाणि ॥

- १ वाड्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वाड्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वाड्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अवाड्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवाड्य } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अवाड् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वाड्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
वाडा }
- ७ वाड्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
वाड्या } स्व, स्म ॥
- ८ वाड्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
वाडिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ वाड्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
वाडिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अवाड्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अवाडिष्य } इव, इम ॥

लुप्तश्चासौ ढकारश्च लुप्तद्, तमिच्छतीति लुप्तड्यति ।

८१ लुप्तड्य-धातोरूपाणि ॥

- १ लुप्तड्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इम ॥
- २ लुप्तड्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लुप्तड्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अलुप्तड्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अलुप्तड्य } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अलुप्तड् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ लुप्तड्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
लुप्तडा }
- ७ लुप्तड्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
लुप्तड्या } स्व, स्म ॥
- ८ लुप्तड्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
लुप्तडिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ लुप्तड्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
लुप्तडिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अलुप्तड्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अलुप्तडिष्य } इव, इम ॥

सुष्ठु गणयतीति सुगण्, तमिच्छतीति सुगण्यति ।

८२ सु-गण्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सुगण्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इमः ॥
- २ सुगण्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सुगण्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ स्वगण्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ स्वगण्य } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
स्वगण् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सुगण्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
सुगणा }
- ७ सुगण्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
सुगण्या } स्व, स्म ॥
- ८ सुगण्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
सुगणिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ सुगण्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
सुगणिष्य } इवः, इमः ॥
- १० स्वगण्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
स्वगणिष्य } इव, इम ॥

जगन्तं जगतं वा वायुमिच्छतीति जगत्यति ।

८३ जगत्य-धातोरूपाणि ॥

- १ जगत्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ जगत्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ जगत्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अजगत्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अजगत्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजगत्य् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ जगत्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ जगता }
- ७ जगत्य्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, जगत्या } स्व, स्म ॥
- ८ जगत्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥ जगतिता }
- ९ जगत्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, जगतिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अजगत्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, अजगतिष्य } इव, इम ॥

सुष्ठु नमतीति सुनत्, तमिच्छतीति सुनत्यति ।

८४ सु-नत्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सुनत्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सुनत्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सुनत्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ स्वनत्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ स्वनत्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, स्वनत्य् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सुनत्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ सुनता }
- ७ सुनत्य्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, सुनत्या } स्व, स्म ॥
- ८ सुनत्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥ सुनतिता }
- ९ सुनत्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, सुनतिष्य } इवः, इमः ॥
- १० स्वनत्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, स्वनतिष्य } इव, इम ॥

दधि मथ्नातीति दधिमत्, तमिच्छतीति दधिमथ्यति ।

८५ दधिमथ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ दधिमथ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ दधिमथ्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दधिमथ्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अदधिमथ्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदधिमथ्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदधिमथ्य् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दधिमथ्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ दधिमथा }
- ७ दधिमथ्य्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, दधिमथ्या } स्व, स्म ॥
- ८ दधिमथ्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥ दधिमथिता }
- ९ दधिमथ्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, दधिमथिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अदधिमथ्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, अदधिमथिष्य } इव, इम ॥

अग्निं मथ्नाति काष्ठसंघर्षणेनोत्पादयतीति अग्निमत्, तमिच्छतीति अग्निमथ्यति ।

८६ अग्निमथ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ अग्निमथ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अग्निमथ्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अग्निमथ्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आग्निमथ्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आग्निमथ्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, आग्निमथ्य् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ अग्निमथ्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ अग्निमथा }
- ७ अग्निमथ्य्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, अग्निमथ्या } स्व, स्म ॥
- ८ अग्निमथ्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥ अग्निमथिता }
- ९ अग्निमथ्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, अग्निमथिष्य } इवः, इमः ॥
- १० आग्निमथ्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, आग्निमथिष्य } इव, इम ॥

शरदमिच्छतीति शरद्यति ।

८७ शरद्य-धातोरूपाणि ॥

- १ शरद्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ शरद्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ शरद्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अशरद्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अशरद्य } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अशरद् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ शरद्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
शरदा }
- ७ शरद्यया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
शरद्या } स्व, स्म ॥
- ८ शरद्यिता } -, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
शरदिता }
- ९ शरद्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
शरदिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अशरद्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अशरदिष्य } इव, इम ॥

व्याघ्रपादमिच्छतीति व्याघ्रपाद्यति ।

८८ व्याघ्रपाद्य-धातोरूपाणि ॥

- १ व्याघ्रपाद्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ व्याघ्रपाद्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ व्याघ्रपाद्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
त, नि, इव, इम ॥
- ४ अव्याघ्रपाद्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अव्याघ्रपाद्य } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अव्याघ्रपाद् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ व्याघ्रपाद्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
व्याघ्रपादा }
- ७ व्याघ्रपाद्यया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
व्याघ्रपाद्या } स्व, स्म ॥
- ८ व्याघ्रपाद्यिता } -, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
व्याघ्रपादिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ व्याघ्रपाद्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
व्याघ्रपादिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अव्याघ्रपाद्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अव्याघ्रपादिष्य } इव, इम ॥

त्वमिच्छतीति त्वद्यति ।

८९ त्वद्य-धातोरूपाणि ॥

- १ त्वद्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ त्वद्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ त्वद्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अत्वद्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अत्वद्य } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अत्वद् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ त्वद्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
त्वदा }
- ७ त्वद्यया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
त्वद्या } स्व, स्म ॥
- ८ त्वद्यिता } -, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
त्वदिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ त्वद्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
त्वदिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अत्वद्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अत्वदिष्य } इव, इम ॥

युवां युष्मान् वेच्छतीति युष्मद्यति ।

९० युष्मद्य-धातोरूपाणि ॥

- १ युष्मद्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ युष्मद्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ युष्मद्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अयुष्मद्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अयुष्मद्य } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अयुष्मद् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ युष्मद्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
युष्मदा }
- ७ युष्मद्यया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
युष्मद्या } स्व, स्म ॥
- ८ युष्मद्यिता } -, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
युष्मदिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ युष्मद्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
युष्मदिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अयुष्मद्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अयुष्मदिष्य } इव, इम ॥

सामिच्छतीति मद्यति ।

९१ मद्य-धातोरूपाणि ॥

- १ मद्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इमः ॥
- २ मद्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ मद्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अमद्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अमद्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्,
अमद् } इष्, इष्म ॥
- ६ मद्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
मदा }
- ७ मद्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
मद्या } स्व, स्म ॥
- ८ मद्यिता } -, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
मदिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ मद्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
मदिष्य } इव, इमः ॥
- १० अमद्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अमदिष्य } इव, इम ॥

आवाम्, अस्मान् वेच्छतीति अस्मद्यति ।

९२ अस्मद्य-धातोरूपाणि ॥

- १ अस्मद्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इमः ॥
- २ अस्मद्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अस्मद्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ आस्मद्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आस्मद्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
आस्मद् } इष्, इष्म ॥
- ६ अस्मद्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
अस्मदा }
- ७ अस्मद्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
अस्मद्या } स्व, स्म ॥
- ८ अस्मद्यिता } -, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
अस्मदिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ अस्मद्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
अस्मदिष्य } इव, इमः ॥
- १० आस्मद्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
आस्मदिष्य } इव, इम ॥

समिधमिच्छतीति समिध्यति ।

९३ सम्-इध्य-धातोरूपाणि ॥

- १ समिध्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, व, मः ॥
- २ समिध्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ समिध्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ समैध्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ समैध्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
समैध् } इष्, इष्म ॥
- ६ समिध्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
समिधा }
- ७ समिध्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
समिध्या } स्व, स्म ॥
- ८ समिधिता } -, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
समिधिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ समिध्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
समिधिष्य } इव, इमः ॥
- १० समैध्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
समैधिष्य } इव, इम ॥

बोधतीति भुत्, तमिच्छतीति बुध्यति ।

९४ बुध्य-धातोरूपाणि ॥

- १ बुध्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इमः ॥
- २ बुध्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ बुध्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अबुध्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अबुध्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अबुध् } इष्, इष्म ॥
- ६ बुध्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
बुधा }
- ७ बुध्य्या } -त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्,
बुध्या } स्व, स्म ॥
- ८ बुध्यिता } -, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
बुधिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ बुध्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
बुधिष्य } इव, इमः ॥
- १० अबुध्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अबुधिष्य } इव, इम ॥

राजानमिच्छतीति राजीयति ॥

९५ राजीय-धातोरूपाणि ॥

- १ राजीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ राजीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ राजीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अराजीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अराजीय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ राजीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ राजीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ राजीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ राजीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अराजीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अहरिच्छतीति अहर्यति ॥

९६ अहर्य-धातोरूपाणि ॥

- १ अहर्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अहर्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अहर्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आहर्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आहर्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ अहर्या } -ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अहर्य्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ अहर्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ अहर्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आहर्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अप इच्छतीति अप्यति ।

९७ अप्य-धातोरूपाणि ॥

- १ अप्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अप्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अप्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आप्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आप्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ अप्या } -ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अप्य्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ अप्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ अप्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अप्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मालां गुम्फतीति मालागुप्, तमिच्छतीति मालागुफ्यति ।

९८ मालागुफ्य-धातोरूपाणि ।

- १ मालागुफ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ मालागुफ्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ मालागुफ्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अमालागुफ्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अमालागुफ्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ मालागुफ्या } -ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मालागुफ्य्या } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ मालागुफ्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ मालागुफ्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अमालागुफ्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

सुकवते इति सुकप्, तमिच्छतीति सुकव्यति ।

९९ सुकव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सुकव्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ळवः, ळमः ॥
- २ सुकव्ये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सुकव्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, ळव, ळम ॥
- ४ स्वकव्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ळव, ळम ॥
- ५ स्वकव्य } -ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, स्वकव्य } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सुकव्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ सुकवा }
- ७ सुकव्या } -त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, सुकव्या } स्व, स्म ॥
- ८ सुकव्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, सुकविता } स्वः, स्मः ॥
- ९ सुकव्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, सुकविष्य } ळवः, ळमः ॥
- १० स्वकव्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, स्वकविष्य } ळव, ळम ॥

ककुभमिच्छतीति ककुभ्यति ॥

१०० ककुभ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ ककुभ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ळवः, ळमः ॥
 - २ ककुभ्ये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ ककुभ्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, ळव, ळम ॥
 - ४ अककुभ्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ळव, ळम ॥
 - ५ अककुभ्य } -ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अककुभ्य } इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ ककुभ्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ ककुभा }
 - ७ ककुभ्या } -त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, ककुभ्या } स्व, स्म ॥
 - ८ ककुभ्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, ककुभिता } स्वः, स्मः ॥
 - ९ ककुभ्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ककुभिष्य } ळवः, ळमः ॥
 - १० अककुभ्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, अककुभिष्य } ळव, ळम ॥
- मकारान्तात् क्यन् न भवतीति मान्तं नाम नोदाहृतम् ॥

जयमाचक्षणमिच्छतीति जय्यति ।

१०१ जय्य-धातोरूपाणि ॥

- १ जय्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ळवः, ळमः ॥
- २ जय्ये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ जय्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, ळव, ळम ॥
- ४ अजय्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ळव, ळम ॥
- ५ अजय्य } -ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अजय्य } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जय्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ जया }
- ७ जय्या } -त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, जय्या } स्व, स्म ॥
- ८ जय्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, जय्यिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ जय्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, जय्यिष्य } ळवः, ळमः ॥
- १० अजय्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, अजय्यिष्य } ळव, ळम ॥

गिरमिच्छतीति गीर्यति ।

१०२ गीर्य-धातोरूपाणि ॥

- १ गीर्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ळवः, ळमः ॥
 - २ गीर्ये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ गीर्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, ळव, ळम ॥
 - ४ अगीर्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ळव, ळम ॥
 - ५ अगीर्य } -ईत्, इष्टम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अगीर्य } इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ गीर्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ गिरा }
 - ७ गीर्या } -त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, गीर्या } स्व, स्म ॥
 - ८ गीर्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, गिरिता } स्वः, स्मः ॥
 - ९ गीर्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, गिरिष्य } ळवः, ळमः ॥
 - १० अगीर्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, अगीरिष्य } ळव, ळम ॥
- गिर्यतीति केचित् ॥

पुरमिच्छतीति पूर्यति ।

१०३ पूर्य-धातोरूपाणि ॥

- १ पूर्य-ति, तः न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ पूर्ये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ पूर्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अपूर्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अपूर्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपूर् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ६ पूर्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ पुरा }
 - ७ पूर्या } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, पूर्या } स्व, स्म ॥
 - ८ पूर्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, पुरिता } स्वः, स्मः ॥
 - ९ पूर्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, पुरिष्य } इवः, इमः ॥
 - १० अपूर्यिष्य } -त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, अपुरिष्य } इव, इम ॥
- पूर्यतीति कैचित् ॥

कमलं कमलां वाचक्षाणः कमल्, तमिच्छतीति कमल्यति ।

१०४ कमल्य-धातोरूपाणि ॥

- १ कमल्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कमल्ये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कमल्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अकमल्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अकमल्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अकमल् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ कमल्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ कमला }
- ७ कमल्या } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, कमल्या } स्व, स्म ॥
- ८ कमल्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, कमलिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ कमल्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, कमलिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अकमल्यिष्य } -त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, अकमलिष्य } इव, इम ॥

दिवमिच्छतीति दिव्यति ।

१०५ दिव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ दिव्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ दिव्ये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ दिव्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अदिव्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अदिव्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदिव् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
 - ६ दिव्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ दिवा }
 - ७ दिव्या } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, दिव्या } स्व, स्म ॥
 - ८ दिव्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, दिविता } स्वः, स्मः ॥
 - ९ दिव्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, दिविष्य } इवः, इमः ॥
 - १० अदिव्यिष्य } -त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, अदिविष्य } इव, इम ॥
- भवादित्वाभावात् दीधेः ॥

दृशमिच्छतीति दृश्यति ।

१०६ दृश्य-धातोरूपाणि ॥

- १ दृश्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ दृश्ये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दृश्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अदृश्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदृश्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदृश् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ दृश्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ दृशा }
- ७ दृश्या } -त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, दृश्या } स्व, स्म ॥
- ८ दृश्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, दृशिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ दृश्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, दृशिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अदृश्यिष्य } -त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, अदृशिष्य } इव, इम ॥

त्विषमिच्छतीति त्विष्यति ।

१०७ त्विष्य-धातोरूपाणि ॥

- १ त्विष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ त्विष्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ त्विष्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अत्विष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अत्विष्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अत्विष् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ त्विष्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ त्विषा }
- ७ त्विष्यया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, त्विष्या } स्व, स्म ॥
- ८ त्विष्यिता } -, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, त्विषिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ त्विष्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, त्विषिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अत्विष्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, अत्विषिष्य } इव, इम ॥

पय इच्छतीति पयस्यति ।

१०८ पयस्य-धातोरूपाणि ॥

- १ पयस्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पयस्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पयस्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अपयस्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपयस्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपयस् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ पयस्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ पयसा }
- ७ पयस्यया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, पयस्या } स्व, स्म ॥
- ८ पयस्यिता } -, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, पयसिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ पयस्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, पयसिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अपयस्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, अपयसिष्य } इव, इम ॥

अमुमिच्छतीति अदस्यति ।

१०९ अदस्य-धातोरूपाणि ॥

- १ अदस्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अदस्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अदस्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आदस्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आदस्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, आदस् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ अदस्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ अदसा }
- ७ अदस्यया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, अदस्या } स्व, स्म ॥
- ८ अदस्यिता } -, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, अदसिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ अदस्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, अदसिष्य } इवः, इमः ॥
- १० आदस्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, आदसिष्य } इव, इम ॥

विद्वांसमिच्छतीति विद्वस्यति ।

११० विद्वस्य-धातोरूपाणि ॥

- १ विद्वस्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ विद्वस्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ विद्वस्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अविद्वस्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अविद्वस्य् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अविद्वस् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ विद्वस्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ विद्वसा }
- ७ विद्वस्यया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, विद्वस्यया } स्व, स्म ॥
- ८ विद्वस्यिता } -, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, विद्वसिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ विद्वस्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, विद्वसिष्य } इवः, इमः ॥
- १० अविद्वस्यिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, अविद्वसिष्य } इव, इम ॥

अनडुहमिच्छतीति अनडुह्यति ।

१११ अनडुह्य-धातोरूपाणि ॥

- १ अनडुह्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अनडुह्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अनडुह्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ आनडुह्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आनडुह्य-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, आनडुह्य-इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ अनडुह्या-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अनडुह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, अनडुह्या-स्व, स्म ॥
- ८ अनडुहिता-"", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, अनडुहिता-स्वः, स्मः ॥
- ९ अनडुहिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, अनडुहिष्य-इवः, इमः ॥
- १० आनडुहिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, आनडुहिष्य-इव, इम ॥

गां रक्षतीति गोरक्ष, तमिच्छतीति गोरक्ष्यति ।

११२ गोरक्ष्य-धातोरूपाणि ॥

- १ गोरक्ष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गोरक्ष्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गोरक्ष्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अगोरक्ष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अगोरक्ष्य-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अगोरक्ष्य-इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ गोरक्ष्या-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ गोरक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, गोरक्ष्या-स्व, स्म ॥
- ८ गोरक्ष्यिता-"", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, गोरक्ष्यिता-स्वः, स्मः ॥
- ९ गोरक्ष्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, गोरक्ष्यिष्य-इवः, इमः ॥
- १० अगोरक्ष्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, अगोरक्ष्यिष्य-इव, इम ॥

इति व्यञ्जनान्तप्रकृतिकाः क्यञन्ता धातवः । अवसिता हीच्छाक्यञन्ता धातवः ॥

अथाचारक्यञन्ता धातवो निरूपणीयाः ।

यद्यप्यमीषामिच्छाक्यञन्तसदृशान्येव रूपाणि भवन्ति, तथापि विग्रहवाक्यादिवैलक्षण्यात्स्थानशून्यत्वाभावात्तत्वाच्च कतिपयधातूनां रूपाणि प्रदर्श्यन्ते ॥ पुत्रमिवाचरति व्यवहरतीति

पुत्रीयति छात्रम् ॥

११३ पुत्रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ पुत्रीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पुत्रीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पुत्रीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अपुत्रीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपुत्रीय-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपुत्रीय-इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ पुत्रीया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्टम् ॥
- ७ पुत्रीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पुत्रीयिता-"", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पुत्रीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपुत्रीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

वस्त्रमिवाचरतीति वस्त्रीयति कम्बलम् ।

११४ वस्त्रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ वस्त्रीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वस्त्रीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वस्त्रीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अवस्त्रीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवस्त्रीय-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवस्त्रीय-इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ वस्त्रीया-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वस्त्रीय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वस्त्रीयिता-"", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वस्त्रीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवस्त्रीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

प्रासाद् इवाचरतीति प्रासादीयति कुट्याम् ।

११५ प्रा-सादीय-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रासादीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ प्रासादीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ प्रासादीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ प्रासादीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ प्रासादीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ प्रासादीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ प्रासादीय्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रासादीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रासादीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० प्रासादीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

कुट्यामिवाचरतीति कुटीयति प्रासादे ।

११६ कुटीय-धातोरूपाणि ॥

- १ कुटीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कुटीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कुटीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अकुटीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अकुटीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ कुटीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ कुटीय्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कुटीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कुटीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकुटीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

पर्यङ्क् इवाचरतीति पर्यङ्कीयति मञ्चके ।

११७ परि-अङ्कीय-धातोरूपाणि ॥

- १ पर्यङ्कीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पर्यङ्कीये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पर्यङ्कीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ पर्याङ्कीय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ पर्याङ्कीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पर्यङ्कीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पर्यङ्कीय्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पर्यङ्कीयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पर्यङ्कीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० पर्याङ्कीयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अथ करोत्यर्थक्यञ्चन्ता धातवः । ते च वक्ष्य-
माणाश्चत्वार एव । तपः करोतीति तपस्यति ।

११८ तपस्य-धातोरूपाणि ॥

- १ तपस्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ तपस्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ तपस्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अतपस्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतपस्य्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अतपस्-इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तपस्या-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तपस्य्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तपस्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तपस्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अतपस्यिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अर्चयाम्, नमः करोतीति नमस्यति ।

११९ नमस्य-धातोरूपाणि ॥

- १ नमस्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ नमस्ये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ नमस्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अनमस्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अनमस्य } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अनमस् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ नमस्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ नमसा }
- ७ नमस्यया } -त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, नमस्यया } स्व, स्म ॥
- ८ नमस्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, नमसिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ नमस्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, नमसिष्य } वः, मः ॥
- १० अनमस्यिष्य } -त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, अनमसिष्य } व, म ॥

सेवायाम्, वरिवः करोतीति वरिवस्यति ।

१२० वरिवस्य-धातोरूपाणि ॥

- १ वरिवस्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ वरिवस्ये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वरिवस्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अवरिवस्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अवरिवस्य } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अवरिवस् } इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ वरिवस्या } -ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ वरिवसा }
- ७ वरिवस्यया } -त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, वरिवस्यया } स्व, स्म ॥
- ८ वरिवस्यिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, वरिवसिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ वरिवस्यिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वरिवसिष्य } वः, मः ॥
- १० अवरिवस्यिष्य } -त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, अवरिवसिष्य } व, म ॥

आच्रिये, चित्रं करोतीति चित्रीयते ।

१२१ चित्रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ चित्री-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यथ्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चित्रीये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ चित्री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यथ्वम्,
- ४ अचित्री-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यथ्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- ५ अचित्रीयि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इड्वम्, इड्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ चित्रीया-ञ्चके, म्बभूव, मास ॥
- ७ चित्रीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इड्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चित्रीयिता-" , रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चित्रीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यथ्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अचित्रीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यथ्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

इति क्यन्प्रत्ययान्तप्रकरणम् ॥

इति श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रहाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरैन्दिरायमाणेनान्ते-
वासिना शास्त्रविशारदेन कविरत्नेन व्याकरणवास्पतिना महोपाध्याय-
लावण्यविजयगणिना विरचितस्य धातुरत्नाकरस्य नामधातु-
प्रक्रियानिरूपणे षष्ठभागे क्यन्प्रत्ययान्तप्रकरणम् सम्पूर्णम् ॥

अथ क्प्रत्ययान्तप्रकरणम् ॥

निरूपिताः क्यन्नन्ता नामधातवः । अथ क्बन्ता नामधातवो निरूपणीयाः ।
कीदृशान्नाम्नः कस्मिन्नर्थे क्प् प्रत्ययो भवतीति चेद् गृहाणेदं सूत्रम्—

कर्तुः क्प् गल्भक्लीबहोडात्तु डित् ॥ ३ । ४ २५ ॥ कर्तुरुपमानान्नाम्न आचा-
रेऽर्थे क्प् प्रत्ययो वा भवति, गल्भक्लीबहोडेभ्यः पुनः स एव डित् । अश्च इवाचरति अश्चति ।
एवं गर्दभति । दधयति । गवा । नावा । अः प्रत्ययः । राजेवाचरति राजनति । मधुलिङ्गिवा-
चरति मधुलेहति । गोधुगिवाचरति गोदोहति । गल्भक्लीबहोडात्तु डित् । गल्भते । अपग-
ल्भते । क्लीबते । विक्लीबते । होडते । विहोडते । गल्भांचक्रे । अवगल्भांचक्रे । डित्वादात्मने
पदं भवति । एके कर्तुः संबन्धिन उपमानाद् द्वितीयान्तात् क्प्यङाविच्छन्ति । अश्चमि-
वात्मानमाचरति गर्दभः अश्चति । श्येनमिवाचरति काकः श्येनायते । तन्मतसंग्रहार्थं
कर्तुरिति षष्ठी व्याख्येया, द्वितीयाया इति चानुवर्तनीयम् । क्विविति पूर्वप्रसिद्ध्यनुवादः ॥

अथ पूर्वं केवलस्वरप्रकृतिकानां तदनु व्यञ्जनसम्पृक्तस्वरान्तप्रकृतिकानां तदनु च
व्यञ्जनान्तप्रकृतिकानां च क्रमाश्रित्य क्बन्ता धातवो निरूप्यन्ते ॥

अ इव विष्णुरिवाचरतीति अति ।

१ अ-धातोरूपाणि ॥

- १ अ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ ए-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ः, तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ आ-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ ए-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, म्, व, म ॥
मता० ऐ-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, म्, व, म ॥
- ६ औ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, औ, इव, इम ॥
- ७ या-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, म्, व, म ॥
- ८ इता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ इष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० एष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, व, म ॥
एकाञ्चभ्योऽनभिधानादाचारक्विबनुत्पत्तिरिति केचित् ।

आ इव आकार इवाचरतीति आति ।

२ आ-धातोरूपाणि ॥

- १ आ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ आ-यात्, याताम्, युः, याः, याताम्, यात, याम्,
याव, याम ॥
- ३ आ-तु, तात्, ताम्, न्तु, हि, तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ आ-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ आस्-ईत्, इष्टाम्, इषुः ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्व, इष्म ॥
- ६ औ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, औ, इव, इम ॥
- ७ आया-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, म्, व, म ॥
- ८ इता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ इष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० एष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, व, म ॥

इरिच काम इवाचरतीति अयति ।

३ ई-धातोरूपाणि ॥

- १ अय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ इ-याय, यतुः, युः, ययिथ, ययुः, य, याय, यय, यिव, यिम ॥
- ७ ईया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अयिता-", रौ, रः, मि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

ई लक्ष्मीः, सा इवाचरतीति अयति ।

४ ई-धातोरूपाणि ॥

- १ अय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ अया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ईया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अयिता-", रौ, रः, मि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

उः शिवः, स इवाचरतीति अवति ।

५ उ-धातोरूपाणि ॥

- १ अव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अवे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आव-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ उवाच, ऊवतुः, ऊवुः, उवविथ, ऊवयुः, ऊव, उवाच, उवव, ऊविव, ऊविम ॥
- ७ ऊया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अविता-", रौ, रः, मि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आविष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

ऊः महादेवश्चन्द्रः पालको वा, स इवाचरतीति अवति ।

६ ऊ-धातोरूपाणि ॥

- १ अव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अवे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आव-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ अवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ऊया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अविता-", रौ, रः, मि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आविष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आ इव ऋकार इवाचरतीति अरति ।

७ ऋ-धातोरूपाणि ॥

- १ अर-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इमः ॥
- २ अरे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अर-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ आर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आर-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ आर, अरतुः, अरुः, आरिथ, अरथुः, अर, आर,
अरिव, अरिम ॥
- ७ रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अरिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अरिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इमः ॥
- १० आरिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

ऋरिव ऋकार इवाचरतीति अरति ।

८ ऋ-धातोरूपाणि ॥

- १ अर-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इमः ॥
- २ अरे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अर-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ आर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आर-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ अरा-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ईर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अरिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अरिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इमः ॥
- १० आरिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आ इव लृकार इवाचरतीति अलति ।

९ लृ-धातोरूपाणि ॥

- १ अल-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इमः ॥
 - २ अले-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ अल-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ आल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ आल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
 - ६ आल, अलतुः, अलुः, आलिथ, अलथुः, अल, आल,
अलिव, अलिम ॥
 - ७ रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ अलिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ अलिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इमः ॥
 - १० आलिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- लृवणस्य ऋवर्णसवर्णतामाश्रित्य लृवर्णस्थाने 'अर्' इति गुणे ऋकिडादिपाठाभ्युपगमाच्च लृत्वे अलतीति ॥ एवं वृद्धिस्थलेऽपि ॥ एवं मतान्तरविरोधोऽपि परिहृतो भवति ॥

लृरिव लृकार इवाचरतीति अलति ॥

१० लृ-धातोरूपाणि ॥

- १ अल-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इमः ॥
 - २ अले-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ अल-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ आल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ आल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
 - ६ अला-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ लृया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ अलिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ अलिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इव, इमः ॥
 - १० आलिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मता० ७ इत्यात्, ८ अलिता इत्यपि ॥

एः विष्णुः, स इवाचरतीति अयति ।

११ ए-धातोरूपाणि ॥

- १ अय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ आय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ अया-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ एया-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आयिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

ऐरिव ऐकार इवाचरतीति, आयति ।

१२ ऐ-धातोरूपाणि ॥

- १ आय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ आये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ आय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
त, नि, इव, इम ॥
- ४ आय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ आया-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ऐया-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ आयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ आयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आयिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

औरिव ओकार इवाचरतीति अदति ।

१३ ओ-धातोरूपाणि ॥

- १ अव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अवे-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ आव-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ अवा-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अव्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आविष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

औरिव औकार इवाचरतीति आवति ।

१४ औ-धातोरूपाणि ॥

- १ आव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ आवे-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ आव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ आव-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ आवा-ञ्चकार इ० ॥ म्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ आव्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ आविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ आविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आविष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

इति केवलस्वरप्रकृतिकाः क्तिवन्ता धातवः ॥

क इवाचरतीति कति ।

१५ क-धातोरूपाणि ॥

- १ क-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ के-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ क-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अक-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ चक्-अ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, अ, इव, इम ॥
मतान्तरे चक्-औ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, औ, इव, इम ॥
- ७ क्य-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ किता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ किष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अकिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
एकस्वरात्प्रत्ययान्तादाम्भवतीति नागेशमतानुयायिनः,
तन्मते ६ का-ञ्चकार, म्बभूव, मास ॥ एवं सर्वत्र ॥

अश्व इवाचरतीति अश्वति ।

१७ अश्व-धातोरूपाणि ॥

- १ अश्व-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ अश्वे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अश्व-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ आश्व-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ आश्व्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ अश्वा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अश्वया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अश्विता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अश्विष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० आश्विष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

पुत्र इवाचरति पुत्रति ।

१६ पुत्र-धातोरूपाणि ॥

- १ पुत्र-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ पुत्रे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पुत्र-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अपुत्र-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अपुत्र्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ पुत्रा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पुत्र्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पुत्रिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पुत्रिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अपुत्रिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

क्ष्मा पृथ्वी, सा इवाचरतीति क्ष्माति ।

१८ क्ष्मा-धातोरूपाणि ॥

- १ क्ष्मा-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ क्ष्मा-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ क्ष्मा-तु, तात्, ताम्, न्तु, हि, तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अक्ष्मा-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अक्ष्मास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट्व, इष्ट्म ॥
- ६ चक्ष्-औ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, औ, इव, इम ॥
- ७ क्ष्माया }
क्ष्मेया } -त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ क्ष्मिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ क्ष्मिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अक्ष्मिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

माला इवाचरतीति मालाति ॥

१९ माला-धातोरूपाणि ॥

- १ माला-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ माला-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ माला-तु, तात्, ताम्, न्तु, हि, तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अमाला-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अमालास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ माला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मालाया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मालिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मालिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अमालिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

प्रमदा उत्तमस्त्री, सा इवाचरतीति प्रमदाति ।

२० प्रमदा-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रमदा-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ प्रमदा-यात्, याताम्, युः, याः, यातम्, यात, याम्, याव, याम ॥
- ३ प्रमदा-तु, तात्, ताम्, न्तु, हि, तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ प्रामदा-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ प्रामदास्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ प्रमदा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ प्रमदाया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रमदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रमदिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० प्रामदिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
न प्रादिरप्रत्ययः ॥ ३ । ३ । ४ ॥ इति प्ररहितरय
धातुसंज्ञा ॥

विः पक्षी, स इवाचरतीति वयति ।

२१ वि-धातोरूपाणि ॥

- १ वय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ वये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अवय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अवाय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ वि-वाय, व्युतः, व्युः, वयिथ, व्यथुः, व्य, वाय, वय, विय, वियम ॥
- ७ वीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अवयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

माधवमते नामधातुनामयतन्यां न वृद्धिस्तेन ५ अव-
यीत्, इत्यादि, एवं सर्वत्र ॥

कविरिवाचरतीति कवयति ।

२२ कवि-धातोरूपाणि ॥

- १ कवय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ कवये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कवय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अकवय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अकवाय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ कवया-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ कवीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कवयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कवयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अकवयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

धीरिवाचरतीति धयति ।

२३ धी-धातोरूपाणि ॥

- १ धय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ळवः, ळमः ॥
- २ धये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ धय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, ळव, ळम ॥
- ४ अधय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ळव, ळम ॥
- ५ अधाय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्मम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ दि-धाय, ध्यतुः, ध्युः, धयिथ, ध्यथुः, ध्य, धाय, धय,
ध्यिव, ध्यिम ॥
- ७ धीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ धयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ धयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ळवः, ळमः ॥
- १० अधयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ळव, ळम ॥

श्रीरिवाचरतीति श्रयति ।

२४ श्री-धातोरूपाणि ॥

- १ श्रय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ळवः, ळमः ॥
- २ श्रये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ श्रय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, ळव, ळम ॥
- ४ अश्रय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ळव, ळम ॥
- ५ अश्राय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्मम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ शि-श्राय, श्रियतुः, श्रियुः, श्रयिथ, श्रयथुः, श्रिय,
श्राय, श्रय, श्रयिव, श्रयिम ॥
- ७ श्रीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ श्रयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ श्रयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ळवः, ळमः ॥
- १० अश्रयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ळव, ळम ॥

प्रियधीभिच्छतीति प्रियधयति ।

२५ प्रियधी-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रियधय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ळवः, ळमः ॥
- २ प्रियधये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ प्रियधय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, ळव, ळम ॥
- ४ अप्रियधय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ळव, ळम ॥
- ५ अप्रियधाय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्मम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ प्रियधया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ प्रियधीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रियधयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रियधयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ळवः, ळमः ॥
- १० अप्रियधयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ळव, ळम ॥

विधुरिवाचरतीति विधवति ।

२६ विधु-धातोरूपाणि ॥

- १ विधव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ळवः, ळमः ॥
- २ विधवे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ विधव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, ळव, ळम ॥
- ४ अविधव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ळव, ळम ॥
- ५ अविधाव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्मम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ विधवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ विधूया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ विधविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ विधविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ळवः, ळमः ॥
- १० अविधविष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ळव, ळम ॥

विभुरिवाचरतीति विभवति ॥

२७ वि-भु-धातोरूपाणि ॥

- १ विभव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - २ विभवे-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ विभव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
 - ४ व्यभव-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म ॥
 - ५ व्यभाक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
 - ६ विबु-भाव, भुवतुः, भुवुः, भविथ, भुवथुः, भुव, भाव, भव, भुविव, भुविम ॥
 - ७ विभूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ विभविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ विभविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - १० व्यभविष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म ॥
- न प्रादिरप्रत्ययः ॥ ३ । ३ । ४ ॥ इति विरहितस्य धातुसंज्ञा ॥

द्रुरिव तरुरिवाचरतीति द्रवति ।

२८ द्रु-धातोरूपाणि ॥

- १ द्रव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ द्रवे-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ द्रव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अद्रव-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अद्राक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ दु-द्राव, द्रुवतुः, द्रुवुः, द्रविथ, द्रुवथुः, द्रुव, द्राव, द्रव, द्रुविव, द्रुविम ॥
- ७ द्रूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ द्रविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ द्रविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अद्रविष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म ॥

भूरिव पृथ्वीवाचरतीति भवति ।

२९ भू-धातोरूपाणि ॥

- १ भव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ भवे-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ भव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अभव-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अभाक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ बु-भाव, भुवतुः, भुवुः, भविथ, भुवथुः, भुव, भाव, भव, भुविव, भुविम ॥
- ७ भूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ भविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ भविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अभविष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म ॥

जम्बूरिव स्वनामख्यातवृक्षविशेष इवाचरतीति जम्बवति ।

३० जम्बू-धातोरूपाणि ॥

- १ जम्बव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ जम्बवे-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ जम्बव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अजम्बव-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अजम्बाक्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ जम्बवा-ञ्कार इ० ॥ स्वभाव इ० ॥ भास इ० ॥
- ७ जम्बूया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जम्बविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जम्बविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अजम्बविष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म ॥

ना इवाचरतीति नरति ।

३१ नृ-धातोरूपाणि ॥

- १ नर-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ नरे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ नर-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अनर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अनार्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ न-नार, व्रतुः, व्रुः, नरिथ, व्रधुः, व्र, नार, नर, त्रिव, त्रिम ॥
- ७ त्रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नरिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नरिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अनरिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

स्वसा इवाचरतीति स्वसरति ।

३३ स्वसृ-धातोरूपाणि ॥

- १ स्वसर-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ स्वसरे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ स्वसर-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
 - ४ अस्वसर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अस्वसार्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ स्वसरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥ [इष्म] ॥
 - ७ स्वस्त्रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ स्वसरिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ स्वसरिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अस्वसरिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- सुष्ठु अस्यते स्वसा "सोरसेः ॥ उणा० ८५३ ॥ इति क्रः ॥
अस्थोणादिनिष्पन्नत्वादव्युत्पन्नत्वम् । व्युत्पत्तिपक्षाश्रयणे तु-
- ४ स्वासर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ स्वासार्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - १० स्वासरिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

पिता इवाचरतीति पितरति ।

३२ पितृ-धातोरूपाणि ॥

- १ पितर-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पितरे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पितर-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अपितर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपितार्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पितरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पित्रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पितरिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पितरिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपितरिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

पितृरिव पितृशब्दङ्कार इवाचरतीति पितरति ।

३४ पितृ-धातोरूपाणि ॥

- १ पितर-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पितरे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पितर-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अपितर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपितार्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पितरा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पितरिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पितरिता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
पितरीता } स्वः, स्मः ॥
- ९ पितरिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
पितरीष्य } वः, मः ॥
- १० अपितरिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
अपितरीष्य } इव, इम ॥

नृरिच नृशब्दककार इवाचरतीति नरति ।

३५ नृ-धातोरूपाणि ॥

- १ नर-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ नरे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ नर-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अनर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अनार-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ न-नार, नरतुः, नरुः, नरिथ, नरथुः, नर, नार, नर,
नरिच, नरिच ॥
- ७ नीर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नरीता } -", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
नरिता } स्वः, स्मः ॥
- ९ नरिष्य } -ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
नरीष्य } इवः, इमः ॥
- १० अनरिष्य } -त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
अनरीष्य } इव, इम ॥

का इव कृशब्द इवाचरतीति कलति ।

३६ कल-धातोरूपाणि ॥

- १ कल-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कले-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कल-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अकल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अकाल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ च-काल, कलतुः, कलुः, कलिथ, कलथुः, कल, काल,
कल, कलिच, कलिम ॥
- ७ क्रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कलिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कलिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकलिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

गमा इव गम्लशब्द इवाचरतीति गमलति ।

३७ गम्ल-धातोरूपाणि ॥

- १ गमल-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गमले-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गमल-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अगमल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अगमात्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ गमला-बकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ गम्रिया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गमलिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गमलिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगमलिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

कृरिच कृशब्दलकार इवाचरतीति कलति ।

३८ कल-धातोरूपाणि ॥

- १ कल-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ कले-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ कल-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ अकल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अकाल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ च-काल, कलतुः, कलुः, कलिथ, कलथुः, कल, काल,
कल, कलिच, कलिम ॥
 - ७ कृया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ कलिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ कलिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अकलिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे-७ किल्यात् । ८ कलिता इत्यपि ॥

गम्लृरिव गम्लृशब्दलकार इवाचरतीति ।

३९ गमलृ-धातोरूपाणि ॥

- १ गमल-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ गमले-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ गमल-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अगमल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अगमाल्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ गमला-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ गम्लृया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ गमलिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ गमलिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अगमलिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे-७ गम्ल्यात्, ८ गमलीता इत्यपि ॥

हेरिवाचरतीति हयति ।

४० हे-धातोरूपाणि ॥

- १ हय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ हये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ हय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अहय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अहय्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ जि-हाय, हयतुः, हयुः, हयिथ, हयथुः, हय, हाय, हय, हयिव, हयिम ॥
 - ७ हेया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ हयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ हयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अहयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- हे शब्दः सम्बोधने, आह्वाने, असूयादौ च वर्तते ।
यद्वा हिंद गतिद्वयोः । हिनोतीति विचि गुणे हेः ॥

प्रियहेरिवाचरतीति प्रियहयति ।

४१ प्रियहे-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रियहय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ प्रियहये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ प्रियहय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अप्रियहय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अप्रियहय्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ प्रियहया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ प्रियहेया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रियहयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रियहयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अप्रियहयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

रा इवाचरतीति रायति ।

४२ रै-धातोरूपाणि ॥

- १ राय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ राये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ राय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अराय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अराय्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ रियाय्-अ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, अ, इव, इम ॥
 - ७ रैया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ रायिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ रायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अरायिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- रैशब्दो धने स्वर्णे च वर्तते ॥

लब्धरा इवाचरतीति लब्धरायति ।

४३ लब्धरै-धातोरूपाणि ॥

- १ लब्धराय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ लब्धराये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लब्धराय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अलब्धराय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अलब्धराय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लब्धराया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लब्धरैया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लब्धरायिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लब्धरायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अलब्धरायिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

प्रियद्यौरिवाचरतीति प्रियद्यवति ।

४५ प्रियद्यो-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रियद्यव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ प्रियद्यवे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ प्रियद्यव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अप्रियद्यव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अप्रियद्याव् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अप्रियद्यव् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ प्रियद्यवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ प्रियद्यव्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रियद्यविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रियद्यविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अप्रियद्यविष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

मतान्तरे ७ प्रियद्योयात् । द्योशब्दः स्वर्गे आकाशे च वर्तते ॥

गौरिवाचरतीति गवति ।

४४ गो-धातोरूपाणि ॥

- १ गव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ गवे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अगव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अगाव् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अगाव् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ जु-गाव, गवतुः, गतुः, गविथ, गवथुः, गव, गाव, गव, गविव, गविम ॥
- ७ गव्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अगविष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

मतान्तरे ७ गोयात् ॥

नौरिवाचरतीति नावति ।

४६ नौ-धातोरूपाणि ॥

- १ नाव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ नावे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ नाव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अनाव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अनाव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अनाव् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ नुना-व, वतुः, उः, विथ, वथुः, व, व, विव, विम ॥
- ७ नाव्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नाविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नाविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अनाविष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

मतान्तरे ७ नौयात् ॥

प्रियग्लौरिवाचरतीति प्रियग्लावति ।

४७ प्रियग्लौ-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रियग्लाव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ प्रियग्लावे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ प्रियग्लाव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अप्रियग्लाव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अप्रियग्लाव्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ प्रियग्लावा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ प्रियग्लाव्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रियग्लाविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रियग्लाविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अप्रियग्लाविष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
मतान्तरे ७ प्रियग्लौयात् । ग्लौशब्दश्चन्द्रे, कर्पूरे, हृदय-
नाभ्यां च वर्तते । इति स्वरास्तप्रकृतिकाः क्तिवन्ता धातवः ॥

अथ व्यञ्जनान्तप्रकृतिकाः क्तिवन्ता धातवो
निरूप्यन्ते । चकि तृप्ति प्रतीधातयोः ।

सुचकते इति सुचक्, स इवाचरतीति सुचकति ।

४८ सु-चक्-धातोरूपाणि ॥

- १ सुचक्-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सुचके-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सुचक-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ स्वचक्-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ स्वचाक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सु-चचाक्, चेकतुः, चेकुः, चेकिथ, चेकथुः, चेक, चचाक्, चचक्, चेकिव, चेकिम ॥
- ७ सुचक्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सुचकिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सुचकिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० स्वचकिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

तत्त्वं लोकते इति तत्त्वलोक्, स इवाचरतीति
तत्त्वलोकति ।

४९ तत्त्वलोक्-धातोरूपाणि ॥

- १ तत्त्वलोक-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ तत्त्वलोके-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ तत्त्वलोक-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अतत्त्वलोक-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतत्त्वलोक्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तत्त्वलोका-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तत्त्वलोक्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तत्त्वलोकिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तत्त्वलोकिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अतत्त्वलोकिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

राखु गतौ, राखतीति राक्, स इवाचरतीति
राखति ।

५० राख-धातोरूपाणि ॥

- १ राख-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ राखे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ राख-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अराख-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अराख्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ ररा-ख, खतुः, खुः, खिथ, खथुः, ख, ख, खिव, खिम ॥
- ७ राख्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ राखिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ राखिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अराखिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

चित्रं लिखतीति चित्रलिक्, स इवाचरतीति
चित्रलेखति ।

५१ चित्रलिख्-धातोरूपाणि ॥

- १ चित्रलेख-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः॥
- २ चित्रलेखे-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म॥
- ३ चित्रलेख-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अचित्रलेख-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म॥
- ५ अचित्रलेख्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ चित्रलेखा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चित्रलेख्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म॥
- ८ चित्रलेखिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः॥
- ९ चित्रलेखिष्य-ति, तः, न्ति, मि, थः, थ, मि, वः, मः॥
- १० अचित्रलेखिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म॥

‘वल्ग गतौ’ सुवल्गतीति सुवल्, स इवाचरतीति
सुवल्गति ।

५२ सु-वल्ग-धातोरूपाणि ॥

- १ सुवल्ग-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः॥
- २ सुवल्गे-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म॥
- ३ सुवल्ग-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ स्ववल्ग-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म॥
- ५ स्ववल्ग-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ सुववल्ग-अ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, अ, इव, इम॥
- ७ सुवल्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म॥
- ८ सुवल्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः॥
- ९ सुवल्गिष्य-ति, तः, न्ति, मि, थः, थ, मि, वः, मः॥
- १० स्ववल्गिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म॥

प्रियवल् इवाचरतीति प्रियवल्गति ॥

५३ प्रियवल्ग-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रियवल्ग-ति, तः, न्ति, मि, थः, थ, मि, वः, मः॥
- २ प्रियवल्गे-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म॥
- ३ प्रियवल्ग-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अप्रियवल्ग-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म॥
- ५ अप्रियवल्ग-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ प्रियवल्गा-ञकार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ प्रियवल्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म॥
- ८ प्रियवल्गिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः॥
- ९ प्रियवल्गिष्य-ति, तः, न्ति, मि, थः, थ, मि, वः, मः॥
- १० अप्रियवल्गिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म॥

श्लाघ् कथने । कथनमुत्कर्षाख्यानम् । श्लाघते
इति श्लाक्, स इवाचरतीति श्लाघति ।

५४ श्लाघ्-धातोरूपाणि ॥

- १ श्लाघ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः॥
- २ श्लाघे-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म॥
- ३ श्लाघ-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अश्लाघ-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म॥
- ५ अश्लाघ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ शश्लाघ्-अ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, अ, इव, इम॥
- ७ श्लाघ्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म॥
- ८ श्लाघिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः॥
- ९ श्लाघिष्य-ति, तः, न्ति, मि, थः, थ, मि, वः, मः॥
- १० अश्लाघिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म॥

देवश्लाघिवाचरतीति देवश्लाघति ।

५५ देवश्लाघ्-धातोरूपाणि ॥

- १ देवश्लाघ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ देवश्लाघे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ देवश्लाघ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अदेवश्लाघ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदेवश्लाघ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ देवश्लाघा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देवश्लाघ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देवश्लाघिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देवश्लाघिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदेवश्लाघिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आङ् इवाचरतीति आङति ।

५६ आङ्-धातोरूपाणि ॥

- १ आङ्-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ आङ्-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ आङ्-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ आङ्-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ आङ्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ आङ्-अ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, अ इव, इम ॥
 - ७ आङ्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ आङ्गिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ आङ्गिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० आङ्गिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ईषदर्थे क्रियायोगे मर्यादाभिविधौ च यः । एतमातं
ङितं विद्याद् वाक्यस्मरणयोरङित् ॥ १ ॥ इत्युक्तस्यानुक-
रणरूपोऽयमाङ्गशब्दः ॥

पठितो ङकारो येन स पठितङ्, स इवाचरतीति
पठितङति ।

५७ पठितङ्-धातोरूपाणि ॥

- १ पठितङ्-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पठितङ्-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पठितङ्-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अपठितङ्-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपठितङ् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अपठिताङ् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पठितङा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पठितङ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पठितङ्गिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पठितङ्गिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपठितङ्गिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

त्वग्वाचरतीति त्वचति ।

५८ त्वच्-धातोरूपाणि ॥

- १ त्वच्-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ त्वच्-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ त्वच्-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अत्वच्-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अत्वच् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अत्वच् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ त-त्वाच, त्वचतुः, त्वचुः, त्वचिथ, त्वचयुः, त्वच, त्वाच,
त्वच, त्वचिव, त्वचिम ॥
- ७ त्वच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ त्वचिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ त्वचिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अत्वचिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

जलमुगिवाचरतीति जलमोचति ।

५९ जलमुच्-धातोरूपाणि ॥

- १ जलमोच-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ जलमोचे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ जलमोच-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अजलमोच-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अजलमोच्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ जलमोचा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ जलमुच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ जलमोचिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ जलमोचिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अजलमोचिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- जलानि मुञ्चतीति जलमुग् मेघः ॥

सहाञ्चति गच्छतीति सध्र्यङ्, स इवाचरतीति सध्र्यचति ।

६० सध्र्यच्-धातोरूपाणि ॥

- १ सध्र्यच-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सध्र्यचे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सध्र्यच-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ असध्र्यच-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असध्र्याच् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, असध्र्यच् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सध्र्यचा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सध्रीच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सध्र्यचिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सध्र्यचिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असध्र्यचिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

छकारेण सह वर्तत इति सच्, स इवाचरतीति सच्छति ।

६१ सच्छ-धातोरूपाणि ॥

- १ सच्छ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सच्छे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सच्छ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ असच्छ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असच्छ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ ससच्छ-अ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, अ, इव, इम ॥
- ७ सच्छया- } त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, सश्वा } स्व, स्म ॥
- ८ सच्छिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सच्छिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असच्छिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

पठितश्छकारो येन स पठितच्, स इवाचरतीति पठितच्छति ।

६२ पठितच्छ-धातोरूपाणि ॥

- १ पठितच्छ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पठितच्छे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पठितच्छ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अपठितच्छ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपठितच्छ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पठितच्छा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ पठितच्छया- } त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, पठितश्छया } स्व, स्म ॥
- ८ पठितच्छिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पठितच्छिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपठितच्छिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

सम्यग् राजते इति सम्राट्, स इवाचरतीति
सम्राजति ।

६३ सम्-राज्-धातोरूपाणि ॥

- १ सम्-राज-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सम्-राजे-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सम्-राज-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ सम्-राज-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ सम्-राज्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सम्-राज्-अ, अतु, उः, इथ, अथुः, अ, अ, इव, इम ॥
- ७ सम्-राज्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सम्-राजिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सम्-राजिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० सम्-राजिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

देवं यजतीति देवेद् स इवाचरतीति देवेजति ।

६४ देवेज्-धातोरूपाणि ॥

- १ देवेज्-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ देवेजे-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ देवेज्-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अदेवेज्-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदेवेज्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ देवेजा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ देवेज्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देवेजिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देवेजिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदेवेजिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

झकारेण सह वर्तते इति सज्, स इवाचरतीति
सज्जति ।

६५ सज्-धातोरूपाणि ॥

- १ सज्-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सजे-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सज्-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ असज्-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असाज्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
असज्-इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ ससाज्, सेञ्जतुः, सेञ्जुः, सेञ्जिथ, सेञ्जथुः, सेञ्ज, ससाज्,
ससज्, सेञ्जिव, सेञ्जिम ॥
- ७ सज्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सजिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सजिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असजिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

‘उद्भूत् उत्सर्गे’ गृहमुज्जतीति गृहोत्, स
इवाचरतीति गृहोज्जति ।

६६ गृहोज्ज्-धातोरूपाणि ॥

- १ गृहोज्ज्-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गृहोज्जे-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गृहोज्ज्-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अगृहोज्ज्-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अगृहोज्ज्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ गृहोज्जा-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ गृहोज्ज्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गृहोज्जिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गृहोज्जिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगृहोज्जिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

नञ् इवाचरतीति नञति ।

६७ नञ्-धातोरूपाणि ॥

- १ नञ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - २ नञे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ नञ-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
 - ४ अनञ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
 - ५ अनञ् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, अनञ् } इष्, इष्म ॥
 - ६ न नाञ, नेञतुः, नेञुः, नेञिथ, नेञथुः, नेञ, ननाञ, ननञ, नेञिव, नेञिम ॥
 - ७ नञ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
 - ८ नञिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
 - ९ नञिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - १० अनञिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- अभावावर्थस्य नञ्शब्दस्यानुकरणरूपोऽयं नञ्शब्दः ॥

लब्धो अकारो येन स लब्धञ्, स इवाचरतीति लब्धञति ।

६८ लब्धञ्-धातोरूपाणि ॥

- १ लब्धञ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ लब्धजे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लब्धञ-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अलब्धञ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अलब्धञ् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अलब्धञ् } इष्, इष्, इष्म ॥
- ६ लब्धञा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लब्धञ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ लब्धञिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ लब्धञिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अलब्धञिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

‘पट गतौ’ पटतीति पट्, स इवाचरतीति पटति ।

६९ पट्-धातोरूपाणि ॥

- १ पट-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ पटे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पट-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अपट-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अपाट् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अपट् } इष्, इष्, इष्म ॥
- ६ पपाट, पेटतुः, पेटुः, पेटिथ, पेटथुः, पेट, पपाट, पपट, पेटिव, पेटिम ॥
- ७ पट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ पटिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ पटिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अपटिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

सरडिवाचरतीति सरटति ।

७० सरट्-धातोरूपाणि ॥

- १ सरट-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - २ सरटे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ सरट-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
 - ४ असरट-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
 - ५ असराट् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, असराट् } इष्, इष्, इष्म ॥
 - ६ सरटा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ सरट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
 - ८ सरटिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
 - ९ सरटिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - १० असरटिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- सरट् स्यात् वातभेषयोः ॥

शठमाचक्ष्णाणः शङ्, स इवाचरतीति शठति ।

७१ शङ्-धातोरूपाणि ॥

- १ शङ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ शङे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ शङ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अशङ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अशङ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ श शठ, शठतुः, शैठः, शैठिथ, शैठथुः, शैठ, शशठ,
शशठ, शैठि, शैठिम ॥
- ७ शङ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शङिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शङिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अशङिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
अशङोदित्यत्राल्लुक्ः स्थानिवद्भावाच्च वृद्धिः ॥

शास्त्रं पठतीति शास्त्रपठ्, स इवाचरतीति
शास्त्रपठति ।

७२ शास्त्रपठ्-धातोरूपाणि ॥

- १ शास्त्रपठ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ शास्त्रपठे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ शास्त्रपठ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अशास्त्रपठ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अशास्त्रपाठ् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अशास्त्रपठ् } इष्, इष्म ॥
- ६ शास्त्रपठा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शास्त्रपठ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शास्त्रपठिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शास्त्रपठिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अशास्त्रपठिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

‘अड उद्यमे’ अडतीति अड्, स इवाचरतीति
अडति ।

७३ अड्-धातोरूपाणि ॥

- १ अड-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अडे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अड-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ आड-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ आड्-अ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, अ, इव, इम ॥
- ७ अड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अडिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अडिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आडिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

तच्चाडिवाचरतीति तच्चाडति ।

७४ तच्चाड्-धातोरूपाणि ॥

- १ तच्चाड-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ तच्चाडे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ तच्चाड-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अतच्चाड-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतच्चाड्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्, इष्म ॥
- ६ तच्चाडा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तच्चाड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तच्चाडिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तच्चाडिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अतच्चाडिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

ढकारेण सह वर्तते इति सङ्, स इवाचरतीति सङति ॥

७५ सङ्-धातोरूपाणि ॥

- १ सङ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सङे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सङ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ असङ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असाद् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, असद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ ससाङ, सेढतुः, सेढुः, सेढिय, सेढयुः, सेढ, ससाङ, ससाङ, सेढिव, सेढिम ॥
- ७ सङ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सङिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सङिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असङिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

दृष्टो ढकारो येन स दृष्टद्, स इवाचरतीति दृष्टति ॥

७६ दृष्टद्-धातोरूपाणि ॥

- १ दृष्ट-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ दृष्टे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दृष्ट-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अदृष्ट-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदृष्टाद् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अदृष्टाद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दृष्टा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दृष्ट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दृष्टिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दृष्टिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदृष्टिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

‘ गण् संख्येने ’ सुगण्यतीति सुगण्, स इवाचरतीति सुगणति ॥

७७ सु-गण्-धातोरूपाणि ॥

- १ सुगण-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सुगणे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सुगण-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ स्वगण-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ स्वगण्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ सुजगण्-अ, अतुः, उः, इथ, अयुः, अ, अ, इव, इम ॥
- ७ सुगण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सुगणिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सुगणिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० स्वगणिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अद्यतन्यां परोक्षायाश्च स्थानिवद्भावाद् वृद्धयभावः ॥

गृहगण् इवाचरतीति गृहगणति ॥

७८ गृहगण्-धातोरूपाणि ॥

- १ गृहगण-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गृहगणे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गृहगण-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अगृहगण-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अगृहगण्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ गृहगणा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ गृहगण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गृहगणिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गृहगणिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगृहगणिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

‘चित्ते संज्ञाने’ कृपि चेतनं चित् । चिदि-
वाचरतीति चेतति ।

७९ चित्-धातोरूपाणि ॥

- १ चेत-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ चेत-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ चेत-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अचेत-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अचेत-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ चि-चेत, चित्तुः, चितुः, चेतिय, चितथुः, चित, चेत,
चितिव, चितिम् ॥
- ७ चित्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चेतिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चेतिय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अचेतिय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

भवानिवाचरतीति भवतति ।

८० भवत्-धातोरूपाणि ॥

- १ भवत-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ भवते-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ भवत-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्,
त, नि, व, म ॥
- ४ अभवत-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अभवात् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अभवत् } इष्टम्, इष्, इष्म ॥
- ६ भवता-ञ्कार इ० ॥ म्भूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ भवत्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ भवतिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ भवतिथ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अभवतिथ्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

रथमाचक्ष्णो रत्, स इवाचरतीति रथति ।

८१ रथ्-धातोरूपाणि ॥

- १ रथ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ रथे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ रथ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अरथ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अरथ्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ ररथ्-अ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, अ, इव, इम ॥
- ७ रथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रथिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रथिय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अरथिय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

दधि मथ्नातीति दधिमत्, स इवाचरतीति
दधिमथति ।

८२ दधिमथ्-धातोरूपाणि ॥

- १ दधिमथ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ दधिमथे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दधिमथ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अदधिमथ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अदधिमाथ् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अदधिमथ् } इष्टम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दधिमथा-ञ्कार इ० ॥ म्भूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दधिमथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दधिमथिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दधिमथिय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अदधिमथिय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

प्रकृष्टा मुद् हर्षो यस्य स प्रमुत्, स
इवाचरतीति प्रमोदति ।

८३ प्र-मुद्-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रमोद-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ प्रमोदे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ३ प्रमोद-तु, तात्, ताम्, न्तु, हि, तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ प्रामोद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ प्रामोद-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ प्रमु-मोद, मुदतुः, मुदुः, मोदिथ, मुदथुः, मुद, मोद,
मुदिव, मुदिम ॥
- ७ प्रमुद्या-त्, स्ताम्, उः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रमोदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रमोदिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० प्रामोदिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

शरदिवाचरतीति शरदति ।

८४ शरद्-धातोरूपाणि ॥

- १ शरद-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ शरदे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ शरद-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अशरद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अशराद् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अशरद् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ शरदा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ शरद्या-त्, स्ताम्, उः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शरदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शरदिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अशरदिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

त्वमिवाचरतीति, त्वदति ।

८५ त्वद्-धातोरूपाणि ॥

- १ त्वद-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ त्वदे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ त्वद-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्,
त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अत्वद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अत्वाद } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अत्वद् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
 - ६ त-त्वाद, त्वदतुः, त्वदुः, त्वदिथ, त्वदथुः, त्वद, त्वाद,
त्वद, त्वदिव, त्वदिम ॥
 - ७ त्वद्या-त्, स्ताम्, उः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ त्वदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ त्वदिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अत्वदिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- त्वमौ प्रत्ययोत्तरपदे चैकस्मिन् ॥ २। १। ११ ॥
इति त्वादेशः ॥

युवाम् इव, यूयम् इव वाचरतीति युष्मदति ।

८६ युष्मद्-धातोरूपाणि ॥

- १ युष्मद-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ युष्मदे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ युष्मद-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अयुष्मद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अयुष्माद् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अयुष्मद् } इष्टम्, इष्ट्व, इष्टम् ॥
- ६ युष्मदा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ युष्मद्या-त्, स्ताम्, उः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ युष्मदिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ युष्मदिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अयुष्मदिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अहमिवाचरतीति मदति ।

८७ मद्-धातोरूपाणि ॥

- १ मद्-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ मदे-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ मद-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अमद्-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अमाद् } -ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अमद् } इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ ममाद्, मेदद्, मेदुः, मेदिथ, मेदथुः, मेद, ममाद्, ममद्, मेदिव, मेदिम ॥
 - ७ मद्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ मदिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ मदिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अमदिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- स्वमौ प्रत्ययोत्तरपदे चैकस्मिन् ॥ २ । १ । ११ ॥
इति मादेशः ॥

आवाम् इव, वयम् इवाचरतीति अस्मदति ।

८८ अस्मद्-धातोरूपाणि ॥

- १ अस्मद्-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अस्मदे-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अस्मद-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आस्मद्-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आस्मद्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ अस्मदा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अस्मद्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अस्मदिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अस्मदिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आस्मदिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

बोधतीति भुत्, स इवाचरतीति बोधति ।

८९ बुध्-धातोरूपाणि ॥

- १ बोध-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ बोधे-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ बोध-तु, तात्, ताम्, न्तु, हि, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अबोध-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अबोध्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बु-बोध, बुधतुः, बुधुः, बोधिथ, बुधथुः, बुध, बोध, बुधिव, बुधिम ॥
- ७ बुध्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बोधिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बोधिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अबोधिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

तत्त्वभुदिवाचरतीति तत्त्वबोधति ।

९० तत्त्वबुध्-धातोरूपाणि ॥

- १ तत्त्वबोध-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ तत्त्वबोधे-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ तत्त्वबोध-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अतत्त्वबोध-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतत्त्वबोध्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ तत्त्वबोधा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ तत्त्वबुध्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तत्त्वबोधिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तत्त्वबोधिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अतत्त्वबोधिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

श्वा इवाचरतीति श्वनति ।

९१ श्वन्-धातोरूपाणि ॥

- १ श्वन-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ श्वने-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ श्वन-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अश्वन-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अश्वान् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अश्वन् } इष्म, इष्, इष्म ॥
 - ६ श-श्चान्, श्वनतुः, श्वनुः, श्वनिथ, श्वनथुः, श्वन, श्वान, श्वन, श्वनिव, श्वनिम ॥
 - ७ श्वन्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ श्वनिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ श्वनिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अश्वनिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे श्वानतीत्यादि ॥

राजेवाचरतीति राजनति ।

९२ राजन्-धातोरूपाणि ॥

- १ राजन-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ राजने-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ राजन-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अराजन-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अराजान् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, अराजन् } इष्म, इष्, इष्म ॥
 - ६ राजना-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ राजन्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ राजनिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ राजनिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अराजनिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे राजानतीत्यादि ॥

अहरिवाचरतीति अहनति ।

९३ अहन्-धातोरूपाणि ॥

- १ अहन-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ अहने-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ अहन-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ आहन-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ आहन्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
 - ६ अहना-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ अहन्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ अहनिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ अहनिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० आहनिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे अहानतीत्यादि । क्रियारत्नसमुच्चये अहर-
तीति यदुदाहृतं तत्र सम्यगाभाति पदत्वाभावेन रत्वाप्रवृत्तेः ।

‘गुपौ रक्षणे’ गोपायतीति गुप्, स इवाचरतीति गोपति ।

९४ गुप्-धातोरूपाणि ॥

- १ गोप-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गोपे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गोप-तु, तात्, ताम्, न्तु, हि, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अगोप-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अगोप्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ जु-गोप, गुपतुः, गुपुः, गोपिथ, गुपथुः, गुप, गोप, गुपिव, गुपिम ॥
- ७ गुप्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गोपिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गोपिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगोपिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

बहव आपो यस्मिन् स बह्वप्, स इवाचरतीति
बह्वपति ।

९५ बह्वप्-धातोरूपाणि ॥

- १ बह्वप्-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ बह्वप्-त्, ताम्, युः, ; तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ बह्वप्-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अबह्वप्-त्, ताम्, न्, ; तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अबह्वप् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अबह्वप् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ बह्वप्-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ बह्वप्-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बह्वप्-तिता- ", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बह्वप्-तिथ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अबह्वप्-तिथ्य-त्, ताम्, न्, ; तम्, त, म्, इव, इम ॥

कफमाचक्षाणः कप्, स इवाचरतीति कफति ।

९६ कफ-धातोरूपाणि ॥

- १ कफ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कफे-त्, ताम्, युः, ; तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कफ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अकफ-त्, ताम्, न्, ; तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अकफ-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्,
इष्, इष्म ॥
- ६ चकफ-अ, अतुः, उः, इथ, अधुः, अ, अ, इव, इम ॥
- ७ कफ्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कफिता- ", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कफिथ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकफिथ्य-त्, ताम्, न्, ; तम्, त, म्, इव, इम ॥
५, ६, अल्लकः स्थानिवद्भावाच्च वृद्धिः ॥

मालां गुम्फति मालागुप्, स इवाचरतीति
मालागोफति ।

९७ मालागुप्-धातोरूपाणि ॥

- १ मालागोफ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ मालागोफे-त्, ताम्, युः, ; तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ मालागोफ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अमालागोफ-त्, ताम्, न्, ; तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अमालागोफ-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मालागोफा-ञकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ मालागोफ्या-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मालागोफिता- ", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मालागोफिथ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अमालागोफिथ्य-त्, ताम्, न्, ; तम्, त, म्, इव, इम ॥

'कवृड्वर्णे' वर्णो वर्णनं शुक्लादिश्च, कबते इति
कप्, स इवाचरतीति कबति ।

९८ कब्-धातोरूपाणि ॥

- १ कब-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कबे-त्, ताम्, युः, ; तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कब-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अकब-त्, ताम्, न्, ; तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अकाब् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अकब् } इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ च-काब, कबतुः, कबुः, कविथ, कबथुः, कब, काब,
कव, कबिब, कबिम ॥
- ७ कब्-त्, स्ताम्, सुः, ; स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कबिता- ", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कबिथ्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकबिथ्य-त्, ताम्, न्, ; तम्, त, म्, इव, इम ॥

‘चुबु वक्त्रसंयोगे’ आग्रं चुम्बतीति आग्रचुम्, स इवाचरतीति आग्रचुम्बति ॥

१९ आग्रचुम्ब-धातोरूपाणि ॥

- १ आग्रचुम्ब-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ आग्रचुम्बे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ आग्रचुम्ब-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ आग्रचुम्ब-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ आग्रचुम्ब-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ आग्रचुम्ब-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ आग्रचुम्ब-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ आग्रचुम्बिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ आग्रचुम्बिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० आग्रचुम्बिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

ककुविवाचरतीति ककोभति ।

१०१ ककुम्-धातोरूपाणि ॥

- १ ककोभ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ ककोभे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ ककोभ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अककोभ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अककोभ-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ ककोभा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ ककुभ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ककोभिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ककोभिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अककोभिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

भकरेण सह वर्तत इति सप्, स इवाचरतीति समति ।

१०० सभ-धातोरूपाणि ॥

- १ सभ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ सभे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सभ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ असभ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ असाभ् } -ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, असभ् } इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
- ६ स साभ, सेभतुः, सेभुः, सेभिथ, सेमथुः, सेभ, ससाभ, ससभ, सेभिव, सेमिम ॥
- ७ सभ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सभिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सभिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० असभिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

कमिवाचरतीति कमति ।

१०२ कम्-धातोरूपाणि ॥

- १ कम-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - २ कमे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ कम-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
 - ४ अकम्-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
 - ५ अकम्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्टम्, इष्ट, इष्टम् ॥
 - ६ च-काम, कमतुः, कमुः, कमिथ, कमथुः, कम, काम, कम, कमिव, कमिम ॥
 - ७ कम्भ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ कमिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ कमिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - १० अकमिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- मतान्तरे कामतीत्यादि । ‘कम्बु कान्तौ’ ततो विचि कम्, कम् इत्यव्ययं पादपूर्णे, जले, मस्तके, सुखे, मङ्गले, निन्दायां च वर्तते ॥

लब्धं शं येन स लब्धशम्, स इवाचरतीति
लब्धशमिति ।

१०३ लब्धशम्-धातोरूपाणि ॥

- १ लब्धशम्-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- २ लब्धशमे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लब्धशम्-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, ण्व, णम ॥
- ४ अलब्धशम्-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ५ अलब्धशम्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्ण्व, इष्म ॥
- ६ लब्धशमा-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लब्धशम्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लब्धशमिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लब्धशमिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- १० अलब्धशमिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
मतान्तरे लब्धशमतीत्यादि ॥

हयेनातिक्रामति हययति, ततः कर्तरि क्तिप् हय
इति रूपम् । हय इवाचरतीति हयति ।

१०४ हय-धातोरूपाणि ॥

- १ हय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- २ हये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ हय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, ण्व, णम ॥
- ४ अहय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ५ अहय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्ण्व, इष्म ॥
- ६ ज-हाय, हयतुः, हयुः, हयिथ, हयथुः, हय, हाय,
हय, हयिव हयिम ॥
- ७ हय्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ हयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ हयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- १० अहयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥

लिखितो यकारो येन स लिखित्य, स
इवाचरतीति लिखितयति ।

१०५ लिखित्य-धातोरूपाणि ॥

- १ लिखित्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- २ लिखित्ये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लिखित्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, ण्व, णम ॥
- ४ अलिखित्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ५ अलिखित्य-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्ण्व, इष्म ॥
- ६ लिखित्या-ञ्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लिखित्यया-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लिखितयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लिखितयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- १० अलिखितयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥

गीरिवाचरतीति गेरति ।

१०६ गिर-धातोरूपाणि ॥

- १ गेर-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- २ गेरे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गेर-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, ण्व, णम ॥
- ४ अगेर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ५ अगेर-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्ण्व, इष्म ॥
- ६ जि-गेर, गिरतु, गिरुः, गेरिथ, गिरथुः, गिर, गेर,
गिरिव, गिरिम ॥
- ७ गीर्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गेरिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गेरिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- १० अगेरिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥

रुद्धं द्वायेन स रुद्धाः, स इवाचरतीति
रुद्धद्वारति ।

१०७ रुद्धद्वार्-धातोरूपाणि ॥

- १ रुद्धद्वार-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ रुद्धद्वारे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ रुद्धद्वार-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अरुद्धद्वार-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अरुद्धद्वार्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ रुद्धद्वारा-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रुद्धद्वार्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रुद्धद्वारिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रुद्धद्वारिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अरुद्धद्वारिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

लकारेण सह वर्तते इति सल्, स इवाचरतीति
सलति ।

१०८ सल्-धातोरूपाणि ॥

- १ सल-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सले-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सल-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ असल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असाल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ ससाल, सेलतुः, सेलुः, सेलिथ, सेलथुः, सेल, ससाल,
ससल, सेलिव, सेलिम ॥
- ७ सलया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सलिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सलिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असलिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
॥ वदव्रजलः ॥ ४।३।४८ ॥ इति नित्यं वृद्धिः ॥

कमलं कमलां वाचक्ष्णः कमल्, स इवाचरतीति
कमलति ।

१०९ कमल्-धातोरूपाणि ॥

- १ कमल-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कमले-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कमल-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अकमल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अकमल्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ कमला-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ कमल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कमलिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कमलिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकमलिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
५, अत्र अवर्णलुक्कः स्थानिवत्त्वाच्च वृद्धिः ॥

द्यौरिवाचरतीति देवति ।

११० दिव्-धातोरूपाणि ॥

- १ देव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ देवे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ देव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अदेव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदेव्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दि-देव, दिवतुः, दिवुः, देविथ, दिवथुः, दिव, देव,
दिविव, दिविम ॥
- ७ दीव्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदेविष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
दिव्शब्दः स्वर्गे आकाशे च वर्तते ॥

परमद्यौरिवाचरतीति परमदेवति ।

१११ परमदिब्-धातोरूपाणि ॥

- १ परमदेव-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ परमदेवे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ।
- ३ परमदेव-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अपरमदेव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अपरमदेव-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ परमदेवा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ परमदीव्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ परमदेविता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ परमदेविष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अपरमदेविष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

विडिवाचरतीति वेशति ।

११२ विग्-धातोरूपाणि ॥

- १ वेश-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - २ वेशे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ।
 - ३ वेश-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
 - ४ अवेश-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
 - ५ अवेश-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
 - ६ वि-वेश, विशतुः, विशुः, वेशिथ, विशथुः, विश, वेश, विशिव, विशिम ॥
 - ७ विद्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ वेशिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ वेशिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - १० अवेशिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- विशब्दो मनुजे वैश्ये च वर्तते ॥

घृतं स्पृशतीति घृतस्पृक्, स इवाचरतीति घृतस्पर्शति ।

११३ घृतस्पृश्-धातोरूपाणि ॥

- १ घृतस्पर्श-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ घृतस्पर्शे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ।
- ३ घृतस्पर्श-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अघृतस्पर्श-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अघृतस्पर्श-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ घृतस्पर्शा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ घृतस्पृश्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ घृतस्पर्शिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ घृतस्पर्शिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अघृतस्पर्शिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

त्वडिव दीप्तिरिवाचरतीति त्वेषति ।

११४ त्विष्-धातोरूपाणि ॥

- १ त्वेष-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ त्वेषे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ।
- ३ त्वेष-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अत्वेष-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अत्वेष-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ ति-त्वेष, त्विषतुः, त्विषुः, त्वेषिथ, त्विषथुः, त्विष, त्वेष, त्विषिव, त्विषिम ॥
- ७ त्विष्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ त्वेषिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ त्वेषिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अत्वेषिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

‘मुषश् स्तेये’ रत्नानि मुष्णातीति रत्नमुद्,
रत्नमुडिवाचरतीति रत्नमोषति ॥

११५ रत्नमुष्-धातोरूपाणि ॥

- १ रत्नमोष-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ रत्नमोषे-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ रत्नमोष-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अरत्नमोष-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अरत्नमोष-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ रत्नमोषा-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ रत्नमुष्ण्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रत्नमोषिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रत्नमोषिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अरत्नमोषिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥

मा इव चन्द इवाचरतीति मासति ।

११६ मास्-धातोरूपाणि ॥

- १ मास-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ मासे-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ मास-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अमास-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अमास्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म,
इष्, इष्म ॥
- ६ ममास्-अ, अतुः, उः, इथ, अथुः, अ, अ,
इव, इम ॥
- ७ मास्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मासिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मासिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० आमासिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥

चन्द्रमा इवाचरतीति चन्द्रमसति ।

११७ चन्द्रमस्-धातोरूपाणि ॥

- १ चन्द्रमस-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ चन्द्रमसे-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ चन्द्रमस-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अचन्द्रमस-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अचन्द्रमास् } -ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
अचन्द्रमस् } इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ चन्द्रमसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चन्द्रमस्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चन्द्रमसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चन्द्रमसिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अचन्द्रमसिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥

असाविवाचरतीति अदसति ।

११८ अदस्-धातोरूपाणि ॥

- १ अदस-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ अदसे-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अदस-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ आदस-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ आदस्-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ अदसा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अदस्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अदसिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अदसिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० आदसिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, व, म ॥

उपानदिव चर्मपादुका इवाचरतीति उपानहति ।

११९ उपा-नह-धातोरूपाणि ॥

- १ उपानह-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ उपानहे-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ उपानह-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ उपानह-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ उपानह-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ उपा-ननाह, नेहतुः, नेहुः, नेहिथ, नेहथुः, नेह, ननाह, ननह, नेहिव, नेहिम ॥
- ७ उपानह्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ उपानहिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ उपानहिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० उपानहिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

गां दोग्धीति गोधुक्, स इवाचरतीति गोदोहति ।

१२० गोदुह-धातोरूपाणि ॥

- १ गोदोह-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गोदोहे-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गोदोह-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अगोदोह-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अगोदोह-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ गोदोहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ गोदुह्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गोदोहिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गोदोहिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आगोदोहिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अनङ्गानिवाचरतीति अनडोहति ।

१२१ अनडुह-धातोरूपाणि ॥

- १ अनडोह-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अनडोहे-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अनडोह-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आनडोह-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

- ५ आनडोह-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ अनडोहा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अनडुह्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अनडोहिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अनडोहिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आनडोहिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

नाम्नो धातुत्वेऽप्युपान्त्यधातुनिष्पन्नत्वाभावाद् गुणाभावे, अनडुहति, गिरति, पुरति, इति क्रियारत्नसमुच्चये यदुक्तं तत्र समीचीनमाभाति, उपान्त्यं धातुनिष्पन्नमेव ग्राह्यमिति वचनस्य हैमशब्दानुशासनेऽनुपलब्धेः । नामिनो गुण इत्यत्रेव लघोरुपान्त्यस्येत्यत्र धातुपदश्रवणेन तस्यैव लघोरुपान्त्यस्येत्यस्यापि नामधातुसम्बन्धिनोऽपि नामिनो गुणकरणे बाधकाभावाच्च ॥ किञ्च लघुन्यासे नामिनो गुण इत्यनेनान्यविधानसामर्थ्याद् लघोरुपान्त्यस्येत्यनेनोपान्त्यस्यैव भविष्यति इत्युपान्त्यस्येत्यस्य फलान्तरमुक्तम्, यदि लघोरित्यत्र उपान्त्यस्येति करणाच्छुद्धधातुसंबन्ध्युपान्त्यनामिनो गुणो विधीयेत तर्हि फलान्तरकथनमसङ्गतं स्यात् ॥

क्रियारत्नसमुच्चयकृन्मते दिवित्यव्युत्पन्ननाम्नः किपि देवतीत्युदाहरता माधवेन पथेनतीत्युदाहरता नागेशेन च विरोधोऽपीति तन्मतानुसारेण रूपाणि न प्रदर्शितानि ॥

तक्ष्णोतीति तङ् वर्धकिः, स इवाचरतीति तक्षति । गां रक्षतीति गोरक्ष, स इवाचरतीति गोरक्षति ।

१२२ तक्ष्-धातोरूपाणि ॥

- १ तक्ष-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ तक्षे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ तक्ष-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, व, म ॥
- ४ अतक्ष-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अतक्ष-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ ततक्ष-अ, अनुः, उः, इथ, अथुः, अ, अ, इव, इम ॥
- ७ तक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तक्षिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तक्षिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अतक्षिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

इति क्तिवन्ताः परस्मैपदिनः ।

५८ गोरक्ष्-धातोरूपाणि ॥

- १ गोरक्ष-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ गोरक्षे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गोरक्ष-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, व, म ॥
- ४ अगोरक्ष-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अगोरक्ष-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ गोरक्षा-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ गोरक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गोरक्षिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गोरक्षिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अगोरक्षिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

अथात्मनेपदिनस्त्रयः क्तिवन्ता धातवः ।

गल्भ इव प्रत्युत्पन्नमतिरिवाचरतीति गल्भते ।

१२४ गल्भ-धातोरूपाणि ॥

- १ गल्भ्-अते, एते, अन्ते, असे, एथे, अथ्वे, ए, आवहे, आमहे ॥
- २ गल्भे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ऐ, आवहे, आमहे ॥
- ३ गल्भ्-अताम्, एताम्, अन्ताम्, अस्व, एथाम्, अथ्वम्, ए, आवहि, आमहि ॥ [ध्वम्, वि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ४ अगल्भ्-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्, अथ्वम्, ए, आवहि, आमहि ॥ [ध्वम्, वि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अगल्भि-ष्ट, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, षट्ठम्, ६ गल्भा-ञ्कारे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ गल्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गल्भिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गल्भिष्य्-अते, एते, अन्ते, असे, एथे, अथ्वे, ए, आवहे, आमहे ॥ [ऐ, आवहि, आमहि ॥
- १० अगल्भिष्य्-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्, अथ्वम्,

अवगल्भते, अवगल्भेत, अवगल्भताम्, अवागल्भत, अवागल्भिष्ट, अवगल्भाञ्कारे, अवगल्भाम्बभूव, अवगल्भामास, अवगल्भिषीष्ट, अवगल्भिता, अवगल्भिष्यते अवागल्भिष्यत । मतान्तरे केवलस्य अवेतरपूर्वस्य, चाचारक्तिवन्तस्य गल्भधातोरात्मनेपदघटितानि रूपाणि न भवन्ति । केषाञ्चिन्मते-एकस्वरेभ्यः कृदिभ्यः, व्यञ्जनान्तेभ्यो लिङादिभ्यश्चाचारक्तिवैव न भवति । आवान्तेभ्य आचारक्तिव भवतीत्यत्रापि मतभेदोऽस्ति ॥

क्लीब इव नपुंसक इवाचरतीति क्लीबते ।

१२५ क्लीब-धातोरूपाणि ॥

- १ क्लीब-अते, एते, अन्ते, असे, एथे, अध्वे, ए, आवहे, आमहे ॥
- २ क्लीबे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ऐ, आवहै, आमहै ॥
- ३ क्लीब-अताम्, एताम्, अन्ताम्, अस्व, एथाम्, अध्वम्,
- ४ अक्लीब-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्, अध्वम्, ए, आवहि, आमहि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ५ अक्लीबि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, द्वम्,
- ६ क्लीबा-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ क्लीबिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्लीबिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्लीबिष्य-अते, एते, अन्ते, असे, एथे, अध्वे, ए, आवहे, आमहे ॥ [अध्वम्, ए, आवहि, आमहि ॥
- १० अक्लीबिष्य-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्,

होडो बालो मूर्खो वा स इवाचरतीति होडते ।

१२६ होड-धातोरूपाणि ॥

- १ होड-अते, एते, अन्ते, असे, एथे, अध्वे, ए, आवहे, आमहे ॥
- २ होडे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ऐ, आवहै, आमहै ॥
- ३ होड-अताम्, एताम्, अन्ताम्, अस्व, एथाम्, अध्वम्,
- ४ अहोड-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्, अध्वम्, ए, आवहि, आमहि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ५ अहोडि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
- ६ होडा-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ होडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ होडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ होडिष्य-अते, एते, अन्ते, असे, एथे, अध्वे, ए, आवहे, आमहे ॥ [आवहि, आमहि ॥
- १० अहोडिष्य-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्, अध्वम्,

इति क्तिप्प्रत्ययान्ता नामधातवः ॥

इति श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमदुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्द्रिरामन्दिरेन्द्रिन्दिरायमाणेनान्ते-
वासिना शास्त्रविशारदेन कविरत्नेन व्याकरणवास्पतिना महोपाध्याय-
लावण्यविजयगणिना विरचितस्य धातुरत्नाकरस्य नामधातु-
प्रक्रियानिरूपणे षष्ठभागे क्तिप्प्रत्ययान्तप्रकरणम् सम्पूर्णम् ॥

अथ क्यङ्प्रत्ययान्तप्रकरणम् ॥

निरूपिताः क्तिबन्ता नामधातवः । अथ क्यङ्प्रत्ययान्ता नामधातवो निरूपणीयाः ।
ननु कीदृशान्नामः कस्मिन् कस्मिन्नर्थे क्यङ् प्रत्ययो भवतीति चेदधीष्वेमानि सूत्राणि—

क्यङ् ॥ ३ । ४ । २६ ॥

कर्तुरूपमानादाचारेऽर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति । श्येन इवाचरति श्येनायते । हंसायते ।
अश्वायते । गर्दभायते । गल्भायते । क्लीबायते । होडायते । क्तिप्रत्ययोऽस्तुल्यविषयत्वादस-
त्पुत्सर्गापवादत्वे पर्यायेण प्रयोगः । ककारः सामान्यग्रहणार्थः । डकार आत्मनेपदार्थः ॥ २६ ॥

सो वा लुक् च ॥ ३ । ४ । २७ ॥

स इति आवृत्त्या पञ्चम्यन्तं षष्ठ्यन्तं चाभिसम्बध्यते । सकारान्तात्कर्तुरूपमानादाचारेऽर्थे
क्यङ् प्रत्ययो वा भवति, अन्यसकारस्य च लुग्वै भवति । पय इवाचरतीति पयायते ।
पयस्यते । सरायते । सरस्यते । अन्ये त्वप्सरस एव सलोपो नान्यस्य, अप्सरायते, अन्यत्र पयस्यते
इत्याद्येवेत्याहुः । क्यङ् सिद्धो लुगर्थं वचनम् । चकारो लुक् क्यङ्समिधयोगार्थः ॥ २७ ॥

ओजोऽप्सरसः ॥ ३ । ४ । २८ ॥

ओजःशब्दो वृत्तिविषये स्वभावात्तद्वति वर्तते । ओजसशब्दादप्सरसशब्दाच्च कर्तुरूप-
मानभूतादाचारेऽर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति स लोपश्च । ओजस्वीवाचरतीति ओजायते ।
अप्सरायते । अन्ये त्वोजःशब्दे सलोपविकल्पमिच्छन्ति । ओजायते, ओजस्यते ॥ २८ ॥

च्यर्थे भृशादेः स्तोः ॥ ३ । ४ । २९ ॥

भृशादिभ्यः कर्तृभ्यश्च्यर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति, सकारतकारयोर्यथासम्भवं लुक् च ।
च्यर्थे इत्यनेन लक्षणया भवत्यर्थविशिष्टं प्रागतत्तत्त्वमुच्यते, करोतिस्तु कर्तुरित्यनेन व्युद-
स्तः, भवत्यर्थे च विधानात् क्यङ्ङन्तस्य क्रियार्थत्वं भवत्यर्थशब्दाप्रयोगश्च । अभृशो भृशो
भवति भृशायते । उन्मनायते । वेहायते । अनोजस्वी ओजस्वी भवति ओजायते । अत्र तद्वद्दृष्टेरेव
च्यर्थ इति धर्ममात्रवृत्तेर्न भवति । अनोज ओजो भवति । कर्तुरित्येव अभृशं भृशं करोति ।
च्यर्थ इति किम् ? भृशो भवति । प्रागतत्तत्त्वमात्रे च्चेर्विधानात् क्यङ् चिर्वर्न बाध्यते । भृशीभ-
वति । भृश उत्सुक शीघ्र चपल पण्डित आण्डर कण्डर फेन शुचि नील हरित मन्द मद्र भद्र
संश्रुत् तृपत् रेफत् रेहत् वर्चस् उन्मनस् सुमनस् दुर्मनस् अभिमनस् (ओजस्)
इति भृशादयः ॥ २९ ॥

कष्टकक्षकृच्छ्रसत्रगहनाय पापे क्रमणे ॥ ३ । ४ । ३१ ॥

कष्टादिभ्यो निर्देशादेव चतुर्थ्यन्तेभ्यः पापे वर्तमानेभ्यः क्रमणेऽर्थे क्यङ् प्रत्ययो
भवति । कष्टाय कर्मणे क्रामति कष्टायते । एवं कक्षायते । कृच्छ्रायते । सत्रायते । गहनायते ।
कष्टादिभ्य इति किम् ? कुटिलाय कर्मणे क्रामति । चतुर्थीनिर्देशः किम् ? रिपुः कष्टं क्रामति ।

पाप इति किम् ? कष्टाय तपसे क्रामति । क्रमणमत्र न पादविक्षेपः किन्तु प्रवृत्तिमात्रम् । द्वितीयान्तेभ्यः पापचिकीर्षायामित्यन्ये । कष्टं चिकीर्षति कष्टायते इत्यादि ॥ ३१ ॥

रोमन्थाद् व्याप्यादुच्चर्वणे ॥ ३ । ४ । ३२ ॥

रोमन्थात् कर्मणः परे उच्चर्वणेऽर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति । अभ्यवहृतं द्रव्यं रोमन्थः । उद्दीर्य चर्वणमुच्चर्वणम् । रोमन्थमुच्चर्वयति रोमन्थायते गौः, उद्दीर्य चर्वयतीत्यर्थः । उच्चर्वण इति किम् ? कीटो रोमन्थं वर्तयति, उद्दीर्य बहिष्ट्यक्तं पृष्ठान्तेन निर्गतं वा द्रव्यं गुटिकां करोतीत्यर्थः ॥ ३२ ॥

फेनोष्मबाष्पधूमादुद्धमने ॥ ३ । ४ । ३३ ॥

फेनादिभ्यः कर्मभ्य उद्धमनेऽर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति । फेनमुद्धमति फेनायते । एवमूष्मायते । बाष्पायते । धूमायते ॥ ३३ ॥

सुखादेरनुभवे ॥ ३ । ४ । ३४ ॥

साक्षात्कारोऽनुभवस्तस्मिन्नर्थे सुखादिभ्यः कर्मभ्यः क्यङ् प्रत्ययो वा भवति । सुखमनुभवति सुखायते । दुःखायते । अनुभव इति किम् ? सुखं वेदयते प्रसाधको देवदत्तस्य, सुखादिविकारेणानुमानतो निश्चिनोतीत्यर्थः । [सुख दुःख तत्र कृच्छ्र आस्र अलीक करण कृपण सोढ प्रतीप] ॥ ३४ ॥

शब्दादेः कृतौ वा ॥ ३ । ४ । ३५ ॥

शब्दादिभ्यः कर्मभ्यः करोत्यर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति । णिजपवादः । शब्दं करोति शब्दायते । वैरायते । कलहायते । वाशब्दो व्यवस्थितविभाषार्थः, तेन यथादर्शनं णिजपि भवति । शब्दयति । वैरयति । वाधिकारस्तु वाक्यार्थः । [शब्द वैर कलह ओघ वेग युद्ध अभ्र कण्व मम मेघ अटा अट्टा अटाट्टा शीका सोटा कोटा पोटा घुष्वा सुदिन दुर्दिन नीहार] ॥ ३५ ॥

इदमुक्तं भवति । क्यङ् उत्पादने किल सप्त प्रकारा भवन्ति । तद्यथा —

- १ कर्तृरुपमानादाचारेऽर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति । यथा श्येन इवाचरति श्येनायते ।
- २ भृशादिभ्यः कर्तृभ्यश्चव्यर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति । यथा—अभृशो भृशो भवति भृशायते ।
- ३ पापे वर्तमानेभ्यश्चतुर्थ्यन्तेभ्यः कष्टकक्षकृच्छ्रसत्रगहनेभ्यः क्रमणेऽर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति । यथा—कष्टाय कर्मणे क्रामति ।
- ४ रोमन्थात्कर्मणः पर उच्चर्वणेऽर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति । यथा—रोमन्थमुच्चर्वयति रोमन्थायते ।
- ५ फेनोष्मबाष्पधूमेभ्यः कर्मभ्य उद्धमनेऽर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति । यथा—फेनमुद्धमति फेनायते ।
- ६ सुखादिभ्यः कर्मभ्योऽनुभवेऽर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति । यथा—सुखमनुभवति सुखायते ।
- ७ शब्दादिभ्यः कर्मभ्यः करोत्यर्थे क्यङ् प्रत्ययो वा भवति । यथा—शब्दं करोति शब्दायते ।

एवं निरुक्तप्रकारभेदेन क्यङन्तनामधातुप्रकरणमपि सप्तधा भिद्यते । अत्र निर्दिष्ट-प्रकारक्रमेण क्यङन्तनामधातूनां निरूपणा ज्ञेया ।

अथ प्रथमप्रकारापन्नक्यङन्तनामधातुषु पूर्व तावत् केवलस्वरप्रकृतिका धातव उदाह्रियन्ते—

अ इव विष्णुर्वाचरतीति आयते ।
आ इव आकार इवाचरतीति आयते ।
१-२ आय-धातोरूपाणि ॥

- १ आ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ आये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ आ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ आ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ आयि-ष्ट, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ आया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ आयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ आयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ आयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ष्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० आयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, “दीर्घश्चिवयङ्यक्ययेषु ॥ ४। ३। १०८॥ इति दीर्घः ॥

इः कामः, स इवाचरतीति ईयते ॥
ई लक्ष्मीः, सा इवाचरतीति ईयते ॥
३-४ ईय-धातोरूपाणि ॥

- १ ई-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ इये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ई-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ ऐ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ ऐयि-ष्ट, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ ईया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ईयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ईयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ईयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ष्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० ऐयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्,

उरिव शिव इवाचरतीति ऊयते । ऊः महादेव-
श्चन्द्रः पातको वा, स इवाचरतीति ऊयते ।
५-६ ऊय-धातोरूपाणि ॥

- १ ऊ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ऊये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ऊ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ औ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ औयि-ष्ट, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ ऊया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ऊयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ऊयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ऊयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ष्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० औयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्,

आ इव ऋकार इवाचरतीति रीयते ।
७ रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ री-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अरी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अरीयि-ष्ट, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ रीया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ रीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अरीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ऋतो रीः ॥ ४। ३। १०९॥ इति रीरादेशः ॥

ऋरिव ऋकार इवाचरतीति ऋयते ।

८ ऋ-धातोरूपाणि ॥

- १ ऋ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ ऋये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ ऋ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ आर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 - ५ आरि } -ष्ट, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ष्वहि, षमहि ॥
 - ६ ऋया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ ऋयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ ऋयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ ऋयि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
 - १० आरि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- ५-१० क्यो वा ॥४१३॥८९॥ इति विकल्पेन क्यङो लोपः ॥

लृ इव लृकार इवाचरतीति लृयते ।

ऋफिडादिपाठाभ्युपगमे तु लीयते ।

९ लीय-धातोरूपाणि ॥

- १ ली-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ली-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अली-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अलीयि-ष्ट, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ लीया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ लीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लीयि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अलीयि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्,

१० लीय-धातोरूपाणि ॥

- १ ली-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ली-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अली-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अलीयि-ष्ट, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ लीया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ लीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लीयि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अलीयि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्,

लृरिव लृकार इवाचरतीति लृयते ।

११ लृय-धातोरूपाणि ॥

- १ लृ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ लृये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ लृ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ आल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 - ५ आल्यि } -ष्ट, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ष्वहि, षमहि ॥
 - ६ लृया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ लृयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ लृयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ लृयि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
 - १० आल्यि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- लृवणस्य ऋवर्णसवर्णतामाश्रित्य ऋफिडादिपाठमभ्युपगम्य च रूपाणि दर्शितानि ॥

पः विष्णुः, स इवाचरतीति एयते ॥

१२ एय-धातोरूपाणि ॥

- १ ए-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ एये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ए-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ ऐ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ ऐयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ एया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ऐयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ऐयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ऐयि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० ऐयि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्,

पेरिव ऐकार इवाचरतीति ऐयते ।

१३ ऐय-धातोरूपाणि ॥

- १ ऐ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ऐये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ऐ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ ऐ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ ऐयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ ऐया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ऐयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ऐयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ऐयि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० ऐयि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्,

औरिव ओकार इवाचरतीति अव्यते ।

१४ अव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ अव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ आव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ आव्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ अव्या-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अव्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अव्यिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अव्यि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० आव्यि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, सन्निपातपरिभाषया क्यङो लुग्न भवति ॥

औरिव औकार इवाचरतीति आव्यते ।

१५ आव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ आव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ आव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ आव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ४ आव्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ आव्या-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ आव्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ आव्यिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ आव्यि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० आव्यि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, सन्निपातपरिभाषया क्यङो लुग्न भवति ॥ इति प्रथम-प्रकारापञ्चाः केवलस्वरप्रकृतिकाः क्यङन्ता नामधातवः ॥

अथ प्रथमप्रकारापन्नाः स्वरान्तप्रकृतिकाः

क्यङन्ता नामधातवः ॥

को ब्रह्मा, स इवाचरतीति कायते ।

१६ काय-धातोरूपाणि ॥

- १ का-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ काये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ का-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अका-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अकायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ काया-श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अकायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्,

हंस इवाचरतीति हंसायते बकः ।

१७ हंसाय-धातोरूपाणि ॥

- १ हंसा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हंसाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हंसा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अहंसा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अहंसायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ हंसाया-श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ हंसायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हंसायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हंसायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अहंसायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,

गार्ग्य इवाचरतीति गार्गायते ।

१८ गार्गाय-धातोरूपाणि ॥

- १ गार्गा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गार्गायि-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ३ गार्गा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगार्गा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अगार्गायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ गार्गाया-श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गार्गायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गार्गायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गार्गायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अगार्गायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, आपत्यस्य क्यच्चयोः ॥ २।४।९१ ॥ इति यलोपः । एवं वात्स्य इवाचरतीति वात्सायत इत्यादि ॥

माला इवाचरतीति मालायते ।

१९ मालाय-धातोरूपाणि ॥

- १ माला-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मालाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ माला-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अमाला-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अमालायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ मालाया-श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ मालायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मालायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मालायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अमालायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,

प्रमदा इवाचरतीति प्रमदायते ।

२० प्र-मदाय-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रमदा-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ।
- २ प्रमदाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ प्रमदा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ प्रामदा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ५ प्रामदायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
- ६ प्रमदाया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ प्रमदायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ प्रमदायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ प्रमदायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० प्रामदायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, “न प्रादिरप्रत्ययः ॥ ३ । ३ । ४ ॥ इति प्ररहितस्य धातुसंज्ञया तस्यैवाडादिः ॥

मद्रिका इवाचरतीति मद्रिकायते ।

२१ मद्रिकाय-धातोरूपाणि ॥

- १ मद्रिका-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मद्रिकाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ मद्रिका-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अमद्रिका-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ५ अमद्रिकायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
- ६ मद्रिकाया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ मद्रिकायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मद्रिकायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मद्रिकायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अमद्रिकायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, क्यङ्मानिपित्तद्धिते ॥ ३ । ३ । ५० ॥ इति प्राप्तस्य पुंवद्भावस्य “तद्धिताककोपान्त्यपुरण्याख्याः ॥ ३ । २ । ५४ ॥ इति निषेधः ॥

पाचिका इवाचरतीति पाचिकायते ।

२२ पाचिकाय-धातोरूपाणि ॥

- १ पाचिका-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पाचिकाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ पाचिका-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अपाचिका-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ५ अपाचिकायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ पाचिकाया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पाचिकायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पाचिकायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पाचिकायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अपाचिकायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, तद्धिताककोपान्त्यपुरण्याख्याः ॥ ३ । २ । ५४ ॥ इति पुंवद्भावप्रतिषेधः ॥

चिन्तामणिरिवाचरतीति चिन्तामणीयते ।

२३ चिन्तामणीय-धातोरूपाणि ॥

- १ चिन्तामणी-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [य, वहि, महि ॥
- २ चिन्तामणीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
- ३ चिन्तामणी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै यामहै ॥
- ४ अचिन्तामणी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अचिन्तामणीयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ चिन्तामणीया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ चिन्तामणीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चिन्तामणीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चिन्तामणीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अचिन्तामणीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

युवतिरिवाचरतीति युवायते ।

२४ युवाय-धातोरूपाणि ॥

- १ युवा-यते, येते, यन्ते, यसे येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ युवाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ युवा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अयुवा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ अयुवायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ युवाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ युवायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ युवायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ युवायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अयुवायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, क्यङ्मानिपित्तद्धिते ॥ ३ । २ । ५० ॥ इति पुंवद्भावः । वयोवाचिकुमारादिशब्दे जातिकार्यस्य वैकल्पिकत्वेन पक्षे स्वाह्वाण्जीजितिश्रामानिनि ॥ ३ । २ । ५६ ॥ इति निषेधेन पुंवद्भावाभावाद् ‘युवतीयते’ इत्याद्यपि ॥

कुमारीवाचरतीति कुमारायते ।

२६ कुमाराय-धातोरूपाणि ॥

- १ कुमारा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कुमाराये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ कुमारा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अकुमारा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ अकुमारायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ कुमाराया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कुमारायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कुमारायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कुमारायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अकुमारायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, अत्र पुंवद्भावः । जातिपक्षे पुंवद्भावाभावेन कुमारीयते इत्यादि । एवं तरुणीवाचरतीति तरुणायते, तरुणीयते इत्यादि ॥

एनी कर्तुरवर्णयुक्ता स्त्री, सा इवाचरतीति एतायते ।

२५ एताय-धातोरूपाणि ॥

- १ एता-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ एताये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ एता-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ ऐता-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ ऐतायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ एताया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ एतायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ एतायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ एतायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० ऐतायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, क्यङ्मानिपित्तद्धिते ॥ ३ । २ । ५० ॥ इति पुंवद्भावः । एवम्, श्येनी शुक्लवर्णयुक्ता स्त्री सेवाचरतीति श्येतायते । अत्रापि पुंवद्भावः ।

पुत्रीवाचरतीति पुत्रायते ।

२७ पुत्राय-धातोरूपाणि ॥

- १ पुत्रा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पुत्राये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ पुत्रा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अपुत्रा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ अपुत्रायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ पुत्राया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पुत्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पुत्रायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पुत्रायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अपुत्रायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, क्यङ्मानिपित्तद्धिते ॥ ३ । २ । ५० ॥ इति पुंवद्भावः । एवम् उपाध्यायीवाचरतीति, उपाध्यायते । इन्द्राणीवाचरतीति इन्द्रायते ॥

सपत्नीवाचरतीति सपत्नायते ।

२८ सपत्नाय-धातोरूपाणि ॥

- १ सपत्ना-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सपत्नाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ सपत्ना-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ असपत्ना-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ असपत्नायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ङ्द्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ सपत्नाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सपत्नायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सपत्नायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सपत्नायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० असपत्नायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, अत्र शत्रुपर्यायः सपत्नीशब्द इति पुंवद्भावः ।

सपत्नीवाचरतीति सपतीयते ।

३० सपतीय-धातोरूपाणि ॥

- १ सपती-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सपतीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सपती-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ असपती-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

सपत्नीवाचरतीति विग्रहे, उक्तरूपत्रयं मतान्तराभिप्रायेणवगन्तव्यम् । मतान्तरे हि शत्रुपर्यायसपत्नीशब्दस्य पुंवद्भावो भवतीति ‘सपत्नायते’ इति, विवाहजन्यसंस्कारविशेषे रूढं पतिशब्दमाश्रित्य साधितस्य सपत्नी-शब्दस्य नित्यस्त्रीत्वात् पुंवद्भावामावे ‘सपत्नीयते’ इति, स्वामिपर्यायपतिशब्दमाश्रित्य साधितस्य सपत्नीशब्द-स्य नित्यस्त्रीत्वाभावेन पुंवद्भावात्, ‘सपतीयते’ इति भवति ॥

स्वमते तु सपत्नीवाचरतीति विग्रहे ‘सपत्नीयते’ इत्येकमेव भवति, सपत्नीतिसमुदायनिपातनात् पुंवद्भावा-भावात् । सपत्ना इव सपत्न इव वाचरतीति विग्रहे ‘सपत्नायते’ इति रूपम् । सपत्नस्तु सपत्न्यास्तुत्य इति विग्रहे साधितः शत्रुपर्यायः ॥

सपत्नीवाचरतीति सपत्नीयते ।

२९ सपत्नीय-धातोरूपाणि ॥

- १ सपत्नी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सपत्नीये त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सपत्नी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ असपत्नी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ असपत्नीयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ङ्द्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ सपत्नीया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सपत्नीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सपत्नीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सपत्नीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० असपत्नीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

- ५ असपतीयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ङ्द्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ सपतीया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सपतीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सपतीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सपतीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० असपतीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

ब्राह्मणीवाचरतीति ब्राह्मणीयते ।

३१ ब्राह्मणीय-धातोरूपाणि ॥

- १ ब्राह्मणी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ब्राह्मणीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ ब्राह्मणी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अब्राह्मणी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ५ अब्राह्मणीयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ ब्राह्मणीया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ब्राह्मणीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ब्राह्मणीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ब्राह्मणीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अब्राह्मणीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, अत्र ब्राह्मणीशब्दस्य ब्राह्मणत्वजातिविशिष्टार्थकत्वात्, “स्वाङ्गान्डीर्जातिश्चामानिनि ॥ ३।२।५६ ॥ इति पुंवद्भावाभावः ॥

पञ्चमीवाचरतीति पञ्चमीयते ।

३२ पञ्चमीय-धातोरूपाणि ॥

- १ पञ्चमी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पञ्चमीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ पञ्चमी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अपञ्चमी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ५ अपञ्चमीयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ पञ्चमीया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पञ्चमीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पञ्चमीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पञ्चमीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अपञ्चमीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, अत्र “नाप्रियादौ ॥ ३।२।५३ ॥ इति पुंवद्भावाभावः । एवं माहेश्वरीवाचरतीति माहेश्वरीयते” अत्र “तद्धितः स्वर-वृद्धिहेतुरक्तविकारः ॥ ३।२।५५ ॥ इति पुंवद्भावाभावः । एवं चारुक्शेरीवाचरतीति चारुक्शेरीयते । वानरीवाचरतीति वानरीयते । इत्यत्र च “स्वाङ्गान्डीर्जातिश्चामानिनि ॥ ३।२।५६ ॥ इति पुंवद्भावाभावः ॥

यदा ब्राह्मणस्य भार्या ब्राह्मणी, सेवाचरतीति विग्रहस्तदा ‘ब्राह्मणायते’ इति पुंवद्भावः ।

३२ ब्राह्मणाय-धातोरूपाणि ॥

- १ ब्राह्मणा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ब्राह्मणाय-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ ब्राह्मणा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अब्राह्मणा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ५ अब्राह्मणायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ ब्राह्मणया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ब्राह्मणायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ब्राह्मणायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ब्राह्मणायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अब्राह्मणायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

ग्रामणीरिवाचरतीति ग्रामणीयते ।

३४ ग्रामणीय-धातोरूपाणि ॥

- १ ग्रामणी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ग्रामणीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ग्रामणी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अग्रामणी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ५ अग्रामणीयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ ग्रामणीया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ग्रामणीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ग्रामणीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ग्रामणीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अग्रामणीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

मृद्वीवाचरतीति मृदूयते ।

३५ मृदूय-धातोरूपाणि ॥

- १ मृदू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मृदूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ मृदू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अमृदू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अमृदूयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ मृदूया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ मृदूयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मृदूयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मृदूयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अमृदूयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, क्यङ्प्रत्ययान्तपित्तद्धिते ॥३॥२॥ ५० ॥ इति पुंवद्भावः ॥

पट्वीमृद्वयाविवाचरतीति पट्वीमृदूयते ।

३६ पट्वीमृदूय-धातोरूपाणि ॥

- १ पट्वीमृदू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पट्वीमृदूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ पट्वीमृदू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अपट्वीमृदू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अपट्वीमृदूयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ पट्वीमृदूया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पट्वीमृदूयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पट्वीमृदूयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पट्वीमृदूयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अपट्वीमृदूयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, नागेशमते तु पट्वीमृद्वीयते इत्याद्येव ॥

भानुरिवाचरतीति भानूयते ।

३७ भानूय-धातोरूपाणि ॥

- १ भानू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भानूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ भानू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अभानू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अभानूयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ भानूया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ भानूयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भानूयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भानूयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अभानूयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

पङ्गुरिवाचरतीति पङ्गूयते ।

३८ पङ्गूय-धातोरूपाणि ॥

- १ पङ्गू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पङ्गूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ पङ्गू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अपङ्गू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अपङ्गूयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ पङ्गूया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पङ्गूयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पङ्गूयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पङ्गूयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अपङ्गूयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

श्वशुरस्य भार्या श्वश्रूः, सा इवाचरतीति
श्वशुरायते ।

३९ श्वशुराय-धातोरूपाणि ॥

- १ श्वशुरा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्वशुराये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ श्वशुरा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अश्वशुरा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ अश्वशुरायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ श्वशुराया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ श्वशुरायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ श्वशुरायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ श्वशुरायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- १० अश्वशुरायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, क्यङ्प्रत्ययान्तपित्तद्धिते ॥ ३ । २ । ५० ॥ इति पुंल्लवाः ॥

श्वशुरत्वजातिविशिष्टा स्त्री श्वश्रूः, सा
इवाचरतीति श्वश्रूयते ।

४० श्वश्रूय-धातोरूपाणि ॥

- १ श्वश्रू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्वश्रूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ श्वश्रू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अश्वश्रू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ अश्वश्रूयि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ श्वश्रूया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ श्वश्रूयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ श्वश्रूयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ श्वश्रूयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- १० अश्वश्रूयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, स्वाङ्गान्नीजतिश्चामानिनि ॥ ३ । २ । ५६ ॥ इति पुंल्लवाभावः ॥

पितेवाचरतीति पित्रीयते ।

४१ पित्रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ पित्री-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पित्रीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ पित्री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अपित्री-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ अपित्रीयि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ पित्रीया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पित्रीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पित्रीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पित्रीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- १० अपित्रीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ऋतो रीः ॥ ४ । ३ । १०९ ॥ इति रीः ॥

स्वसेवाचरतीति स्वस्त्रीयते ।

४२ स्वस्त्रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ स्वस्त्री-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्वस्त्रीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ स्वस्त्री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अस्वस्त्री-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ अस्वस्त्रीयि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ स्वस्त्रीया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ स्वस्त्रीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्वस्त्रीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्वस्त्रीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- १० अस्वस्त्रीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ऋतो रीः ॥ ४ । ३ । १०९ ॥ इति रीः ॥
व्युत्पत्तिपक्षाश्रयणे तु, ४ स्वस्त्री-, ५ स्वस्त्रीयि-, १० स्वस्त्रीयि- ॥

पितृरिव पितृशब्दस्य ऋकार इवाचरतीति
पितृयते ।

४३ पितृय-धातोरूपाणि ॥

- १ पितृ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पितृये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ पितृ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अपितृ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अपितृयि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ पितृया-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पितृयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पितृयिता-'' , रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पितृयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अपितृयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

गमा इव गम्लशब्द इवाचरतीति गम्रीयते ।

४४ गम्रीय-धातोरूपाणि ॥

- १ गम्री-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गम्रीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ गम्री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अगम्री-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अगम्रीयि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ गम्रीया-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गम्रीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गम्रीयिता-'' , रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गम्रीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अगम्रीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ऋत्कार्यस्य लकारेऽतिदेशात् ऋतो रीः ॥४॥१०॥इति रीः ॥

ऋफिडादिपाठाभ्युपगमे तु गम्लीयते ।

४५ गम्लीय-धातोरूपाणि ॥

- १ गम्ली-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गम्लीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ गम्ली-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अगम्ली-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ५ अगम्लीयि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ गम्लीया-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गम्लीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गम्लीयिता-'' , रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गम्लीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अगम्लीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, गम्लशब्दस्य लकारानुबन्धविशिष्टगमधातोरनुकरणरूपः ॥

गम्लृरिव गम्लशब्दस्य लकार इवाचरतीति
गम्लयते ।

४६ गम्लय-धातोरूपाणि ॥

- १ गम्ल-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गम्लये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ गम्ल-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अगम्ल-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अगम्लयि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ गम्लया-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गम्लयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गम्लयिता-'' , रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गम्लयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अगम्लयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

हिधातोर्विचि हेः, स इवाचरतीति हेयते ।

४७ हेय-धातोरूपाणि ॥

- १ हे-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हेये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यावहै, यामहै ॥
- ३ हे-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अहे-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अहेयि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ हेया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ हेयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हेयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हेयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अहेयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, हिंद् गतिवृद्धयोः ॥

रा इवाचरतीति रैयते ।

४८ रैय-धातोरूपाणि ॥

- १ रै-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रैये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रै-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरै-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अरैयि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ रैया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ रैयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रैयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रैयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अरैयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, केचित्तु “रायि छान्दस” इति भाष्याद् रैयते इत्यादि लोके नेच्छन्ति ॥

गौरिवाचरतीति गव्यति ।

४९ गव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ गव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ गव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अगव्यि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ गव्या-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गव्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गव्यिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गव्यि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अगव्यि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, सन्निपातपरिभाषया क्यङो लुग्न भवति ॥

नौरिवाचरतीति नाव्यति ।

५० नाव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ नाव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ नाव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ नाव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अनाव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अनाव्यि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ नाव्या-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ नाव्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नाव्यिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ नाव्यि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अनाव्यि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, सन्निपातपरिभाषया क्यङो लुग्न भवति ॥ इति प्रथम-प्रकारापन्नाः स्वरान्तप्रकृतिकव्यङ्गन्ता नामधातवः ॥

अथ प्रथमप्रकारापन्नाः व्यञ्जनान्तप्रकृतिकाः
क्यङन्ता नामधातवः ॥

सर्वं लोकेते इति सर्वलोक् । स इवाचरतीति
सर्वलोक्यते ।

५१ सर्वलोक्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सर्वलोक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥ [वहि, महि ॥
- २ सर्वलोक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ सर्वलोक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ असर्वलोक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ असर्वलोक्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ५ असर्वलोकि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ सर्वलोक्या } -ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
सर्वलोका }
- ७ सर्वलोक्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ सर्वलोकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
८ सर्वलोक्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
सर्वलोकिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ सर्वलोक्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे,
सर्वलोकि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० असर्वलोक्यि } ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
असर्वलोकि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

‘वल्लू गतौ’ । सुवल्गतीति सुवल्, स
इवाचरतीति सुवल्यते ।

५२ सु-वल्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सुवल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥ [वहि, महि ॥
- २ सुवल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
३ सुवल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ स्ववल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
५ स्ववल्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥

चित्रं लिखतीति चित्रलिख्, स इवाचरतीति
चित्रलिख्यते ।

५२ चित्रलिख्य-धातोरूपाणि ॥

- १ चित्रलिख्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥ [वहि, महि ॥
- २ चित्रलिख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
३ चित्रलिख्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अचित्रलिख्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अचित्रलिख्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ५ अचित्रलिखि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ चित्रलिख्या } -ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
चित्रलिखा }
- ७ चित्रलिख्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ चित्रलिखिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चित्रलिख्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
चित्रलिखिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ चित्रलिख्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे,
चित्रलिखि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अचित्रलिख्यि } ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
अचित्रलिखि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

५ स्ववल्गि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥

६ सुवल्य्या } -ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
सुवल्य्या }

७ सुवल्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ध्वम्, य, वहि, महि ॥

७ सुवल्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
८ सुवल्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
सुवल्गिता } स्वहे, स्महे ॥

९ सुवल्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे,
सुवल्गि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥

१० स्ववल्यि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
स्ववल्गि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

देवं श्लाघते इति देवश्लाक्, स इवाचरतीति
देवश्लाघ्यते ।

५४ देवश्लाघ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ देवश्लाघ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥ [वहि, महि ॥
- २ देवश्लाघ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
- ३ देवश्लाघ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अदेवश्लाघ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अदेवश्लाघ्यि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अदेवश्लाघ्यि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ देवश्लाघ्या } -ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
देवश्लाघा }
- ७ देवश्लाघ्यिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ देवश्लाघ्यिनी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ देवश्लाघ्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
देवश्लाघिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ देवश्लाघ्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे,
देवश्लाघि } ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अदेवश्लाघ्यि } ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
अदेवश्लाघि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

त्वग्निवाचरतीति त्वच्यते ।

५५ त्वच्य-धातोरूपाणि ॥

- १ त्वच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥ [य, वहि, महि ॥
- २ त्वच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
- ३ त्वच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अत्वच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अत्वच्यि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥

उपदिष्टो ङ्कारो येन स उपदिष्टङ्, स इवाचर-
तीति उपदिष्टङ्यते ।

५४ उप-दिष्टङ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ उपदिष्टङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥ [य, वहि, महि ॥
- २ उपदिष्टङ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
- ३ उपदिष्टङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहे, यावहे ॥
- ४ उपादिष्टङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ उपादिष्टङ्यि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ उपादिष्टङ्यि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ उपदिष्टङ्या } -ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
उपदिष्टङा }
- ७ उपदिष्टङ्यिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ उपदिष्टङ्यिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ उपदिष्टङ्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
उपदिष्टङिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ उपदिष्टङ्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे,
उपदिष्टङि } ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० उपादिष्टङ्यि } ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
उपादिष्टङि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

- ५ अत्वचि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥

- ६ त्वच्या } -ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
त्वचा }

- ७ त्वच्यिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

- ७ त्वचिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,

- ८ त्वच्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
त्वचिता } स्वहे, स्महे ॥

- ९ त्वच्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे,
त्वचि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥

- १० अत्वच्यि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
अत्वचि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

सहाञ्चति गच्छतीति सभ्यश्च, स इवाचरतीति
सभ्यच्यते ।

५७ सभ्यच्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सभ्यश्च-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सभ्यच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥
- ३ सभ्यश्च-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
४ असभ्यश्च-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ।
- ५ असभ्यच्यि-ष्ट, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, षि, षहि, षमहि ॥
- ५ असभ्यच्यि-ष्ट, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, षहि, षमहि ॥
- ६ सभ्यच्यया } -श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
सभ्यच्यया } मास, इ० ॥
- ७ सभ्यच्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ सभ्यच्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सभ्यच्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
सभ्यच्यिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ सभ्यच्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे,
सभ्यच्यि } ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० असभ्यच्यि } ध्यत, ध्यताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
असभ्यच्यि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

चित्रितश्चकारो येन स चित्रितश्च, स
इवाचरतीति चित्रितच्छपते ।

५८ चित्रितच्छ-धातोरूपाणि ॥

- १ चित्रितच्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥ [य, वहि, महि ।
- २ चित्रितच्छे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
३ चित्रितच्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥
- ४ अचित्रितच्छ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अचित्रितच्छि-ष्ट, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, षि, षहि, षमहि ॥
- ५ अचित्रितच्छि-ष्ट, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्,
इद्वम्, ध्वम्, षि, षहि, षमहि ॥
- ६ चित्रितच्छया } -श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥
चित्रितच्छया } मास, इ० ॥
- ७ चित्रितच्छिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्,
द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ अचित्रितच्छिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चित्रितच्छिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
चित्रितच्छिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ चित्रितच्छि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे,
चित्रितच्छि } ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अचित्रितच्छि } ध्यत, ध्यताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
अचित्रितच्छि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

सम्यग् राजते इति सम्राट्, स इवाचरतीति
सम्राज्यते ।

५९ सम्राज्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सम्राज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सम्राज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥
- ३ सम्राज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥
- ४ सम्राज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ सम्राज्यि-ष्ट, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, षि, षहि, षमहि ॥

- ५ सम्राजि-ष्ट, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, षहि, षमहि ॥
- ६ सम्राज्या } -श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
सम्राज्या } मास, इ० ॥
- ७ सम्राज्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ७ सम्राजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, ध्वम्,
८ सम्राज्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
सम्राज्यिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ सम्राज्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे,
सम्राज्यि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० सम्राज्यि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
सम्राज्यि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

उज्झत् उत्सर्गे, उत्सर्गस्त्यागः । उज्जतीति उत्,
स इवाचरतीति उज्ज्यते ।

६० उज्ज्य-धातोरूपाणि ॥

- १ उज्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥ [य, वहि, महि ॥
- २ उज्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
- ३ उज्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ औज्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ औज्ज्य-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ५ औज्जि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ उज्ज्या } -ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
उज्जा }
- ७ उज्ज्यषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ७ उज्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ उज्ज्यता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
उज्जिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ उज्ज्य } -ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे,
उज्जि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० औज्ज्य } -ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,
औज्जि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

सरडिवाचरतीति सरट्यते ।

६२ सरट्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सरट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सरट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ सरट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ असरट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ असरट्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ५ असरटि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥

उदितः कथितो अकारो येन स उदितञ्,
स इवाचरतति उदित्यते ।

६१ उदित्य-धातोरूपाणि ॥

- १ उदितञ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥ [य, वहि, महि ॥
- २ उदित्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
- ३ उदितञ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहे, यावहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औदितञ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ औदित्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ५ औदिति-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ उदित्या } -ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
उदित्या }
- ७ उदित्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ उदितिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ उदित्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
उदितिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ उदित्यि } -ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे,
उदिति } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० औदित्यि } -ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,
औदिति } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

६ सरट्या } -ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
सरटा }

- ७ सरट्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ सरटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ सरट्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
सरटिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ सरट्यि } -ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे,
सरटि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० असरट्यि } -ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,
असरटि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

सरट् स्थात् बालमेघयोः ॥

शास्त्रं पठतीति शास्त्रपठ्, स इवाचरतीति
शास्त्रपठ्यते ।

६३ शास्त्रपठ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ शास्त्रपठ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥ [वहि, महि ॥
- २ शास्त्र-ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ शास्त्रपठ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अशास्त्रपठ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अशास्त्रपठ्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अशास्त्रपठि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ शास्त्रपठ्या } -ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
शास्त्रपठा }
- ७ शास्त्रपठ्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ७ शास्त्रपठिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ८ शास्त्रपठ्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
शास्त्रपठिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ शास्त्रपठ्यि } -व्यते, व्येते, व्यन्ते, व्यसे, व्येथे, व्यध्वे,
शास्त्रपठि } व्ये, व्यावहे, व्यामहे ॥
- १० अशास्त्रपठ्यि } व्यत, व्येताम्, व्यन्त, व्यथाः, व्येथाम्,
अशास्त्रपठि } व्यध्वम्, व्ये, व्यावहि, व्यामहि ॥

अद् अभियोगे, अडुतीति, अत्, स
इवाचरतीति अडुयते ।

६४ अडुय-धातोरूपाणि ॥

- १ अडु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अडुये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ अडु-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
४ आडु-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
यावहि, यामहि ॥
- ५ आडुयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ आडु-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ अडुया } -ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
अडु }
- ७ अडुयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ७ अडुिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ८ अडुयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
अडुिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ अडुयि } -व्यते, व्येते, व्यन्ते, व्यसे, व्येथे, व्यध्वे, व्ये,
अडु } व्यावहे, व्यामहे ॥
- १० आडुयि } -व्यत, व्येताम्, व्यन्त, व्यथाः, व्येथाम्,
आडुि } व्यध्वम्, व्ये, व्यावहि, व्यामहि ॥

उक्तो ढकारो येन स उक्तद्, स इवाचरतीति
उक्तद्व्यते ।

६५ उक्तद्व्य-धातोरूपाणि ॥

- १ उक्तद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥ [वहि, महि ॥
- २ उक्तद्व्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ उक्तद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ औक्तद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
यावहि, यामहि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ५ औक्तद्व्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ औक्तदि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [पि, ध्वहि, ध्वहि ॥

- ६ उक्तद्व्या } -ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
उक्तदा }
- ७ उक्तद्व्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ७ उक्तदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ८ उक्तद्व्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
उक्तदिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ उक्तद्व्यि } -व्यते, व्येते, व्यन्ते, व्यसे, व्येथे, व्यध्वे,
उक्तदि } व्ये, व्यावहे, व्यामहे ॥
- १० औक्तद्व्यि } -व्यत, व्येताम्, व्यन्त, व्यथाः, व्येथाम्,
औक्तदि } व्यध्वम्, व्ये, व्यावहि, व्यामहि ॥

सुगणयतीति सुगण् स इवाचरतीति सुगण्यते ।

६६ सु-गण्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सुगण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सुगण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यै, यावहै, यामहै ॥
- ३ सुगण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ स्वगण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ स्वगण्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ स्वगणि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ सुगण्या } -ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
सुगणा }
- ७ सुगण्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ सुगणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सुगण्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
सुगणिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ सुगण्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे,
सुगणि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० स्वगण्यि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
स्वगणि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

दधि मथ्नातीति दधिमत्, स इवाचरतीति दधिमथ्यते ।

६८ दधिमथ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ दधिमथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दधिमथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दधिमथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥
- ४ अदधिमथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अदधिमथ्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥

मरुदिवाचरतीति मरुत्यति ।

६७ मरुत्य-धातोरूपाणि ॥

- १ मरुत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मरुत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यै, यावहै, यामहै ॥
- ३ मरुत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अमरुत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अमरुत्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ अमरुति-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ मरुत्या } -ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
मरुता }
- ७ मरुत्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ मरुतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मरुत्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
मरुतिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ मरुत्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे,
मरुति } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अमरुत्यि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
अमरुति } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

५ अदधिमथि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥

६ दधिमथ्या } -ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
दधिमथा }

७ दधिमथ्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

७ दधिमथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,

८ दधिमथ्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
दधिमथिता } स्वहे, स्महे ॥

९ दधिमथ्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे,
दधिमथि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥

१० अदधिमथ्यि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
अदधिमथि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

स इवाचरतीति तद्यते ।

६९ तद्य-धातोरूपाणि ॥

- १ तद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यावहे, यामहे ॥
- ३ तद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अतद्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अतदि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ६ तद्या } -ञके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- तदा }
- ७ तद्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ तदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तद्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, जे, हे, स्वहे,
- तदिता } स्महे ॥
- ९ तद्यि } -प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे, प्ये,
- तदि } प्यावहे, प्यामहे ॥
- १० अतद्यि } -प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,
- अतदि } प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥

त्वमिवाचरतीति त्वद्यते ।

७१ त्वद्य-धातोरूपाणि ॥

- १ त्वद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ त्वद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ त्वद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अत्वद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अत्वद्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अत्वदि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥

सुपादिवाचरतीति सुपाद्यते ।

७० सुपाद्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सुपाद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सुपाद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ सुपाद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ स्वपाद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ स्वपाद्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ स्वपादि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ सुपाद्या } -ञके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- सुपादा }
- ७ सुपाद्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ७ सुपादिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सुपाद्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, जे, हे, स्वहे,
- सुपादिता } स्महे ॥
- ९ सुपाद्यि } -प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे,
- सुपादि } प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥
- १० स्वपाद्यि } -प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,
- स्वपादि } प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥

यस्वरे पादः पदणिक्यद्युटि ॥ २ । १ । १०२ ॥ इत्य-
त्रक्यविजनान्न पद्मावः ॥

- ६ त्वद्या } -ञके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- त्वदा }
- ७ त्वद्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ७ त्वदि-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ त्वद्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, जे, हे, स्वहे,
- त्वदिता } स्महे ॥
- ९ त्वद्यि } -प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे,
- त्वदि } प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥
- १० अत्वद्यि } -प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,
- अत्वदि } प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥

त्वमौ प्रत्ययोत्तरपदे चैकस्मिन् ॥ २ । १ । ११ ॥ इति
मपर्यन्तस्य युष्मच्छब्दस्य त्वाऽऽदेशः ॥

युवामिव, यूयमिव, वाचरतीति युष्मद्यते ।

७२ युष्मद्य-धातोरूपाणि ॥

- १ युष्मद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ युष्मद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
 - ३ युष्मद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 - ४ अयुष्मद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अयुष्मद्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 - ५ अयुष्मदि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 - ६ युष्मद्या } -ञके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - युष्मदा } -ञके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ युष्मद्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ७ युष्मदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्ताम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ युष्मद्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 - युष्मदिता } स्महे ॥
 - ९ युष्मद्यि } -प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे,
 - युष्मदि } प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥
 - १० अयुष्मद्यि } -प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,
 - अयुष्मदि } प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- अत्र युष्मच्छब्दस्यैकत्वविशिष्टार्थावृत्तित्वाच्च त्वाऽऽदेशः ॥

आवामिव, वयमिव, वाचरतीति अस्मद्यते ।

७४ अस्मद्य-धातोरूपाणि ॥

- १ अस्मद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अस्मद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ३ अस्मद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ आस्मद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ आस्मद्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ५ आस्मदि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥

अहमिवाचरतीति मद्यते ।

७३ मद्य-धातोरूपाणि ॥

- १ मद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ मद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
 - ३ मद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
 - ४ अमद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 - ५ अमद्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 - ५ अमदि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 - ६ मद्या } -ञके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - मदा } -ञके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ मद्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ७ मदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ मद्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 - मदिता } स्महे ॥
 - ९ मद्यि } -प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे, प्ये,
 - मदि } प्यावहे, प्यामहे ॥
 - १० अमद्यि } -प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,
 - अमदि } प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- त्वमौ प्रत्ययोत्तरपदे चैकस्मिन् ॥ २ । १ । १ ॥ इति मपर्यन्तस्य अस्मच्छब्दस्य माऽऽदेशः ॥

- ६ अस्मद्या } -ञके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- अस्मदा } -ञके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥

- ७ अस्मद्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ७ अस्मदि-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ अस्मद्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
- अस्मदिता } स्महे ॥
- ९ अस्मद्यि } -प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे,
- अस्मदि } प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥
- १० आस्मद्यि } -प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,
- आस्मदि } प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥

अत्रास्मच्छब्दस्यैकत्वविशिष्टार्थावृत्तित्वाच्च त्वाऽऽदेशः ॥

समिदिवाचरतीति समिध्यते ।

७५ सम्-इध्य-धातोरूपाणि ॥

- १ समिध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ समिध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
 - ३ समिध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 - ४ समैध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ समैध्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ५ समैधि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ समिध्या } -ञ्क्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - समिधा }
 - ७ समिध्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ७ समिधि-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ समिध्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे,
 - समिधिता } स्महे ॥
 - ९ समिध्यि } -ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे,
 - समिधि } ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
 - १० समैध्यि } -ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,
 - समैधि } ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- न प्रादिरप्रत्ययः ॥ ३।३।४॥ इति सम्-रहितस्य धातुसंज्ञा ॥

राजेवाचरतीति राजायते ।

७६ राजाय-धातोरूपाणि ॥

- १ राजा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ राजाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ राजा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
 - ४ अराजा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अराजायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ राजाया-ञ्क्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ राजायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ राजायिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ राजायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
 - १० अराजायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- न क्ये ॥ १।१।२२ ॥ इति पदसंज्ञा । नाम्नो नोऽनहः ॥ २।१।९१ ॥ इति न लोपः । दीर्घश्चिक्व-व्यक्वेषु च ॥ ४।३।१०८ ॥ इति दीर्घः ॥

ऋमुक्षा इवाचरतीति ऋमुक्षीयते ।

७७ ऋमुक्षीय-धातोरूपाणि ॥

- १ ऋमुक्षी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [वहि, महि ॥
- २ ऋमुक्षीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ऋमुक्षी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ आर्मुक्षी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ आर्मुक्षीयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥

- ६ ऋमुक्षीया-ञ्क्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ ऋमुक्षीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ ऋमुक्षीयिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ ऋमुक्षीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
 - १० आर्मुक्षीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- न क्ये ॥ १।१।२२ ॥ इति पदसंज्ञा । नाम्नो नोऽनहः ॥ २।१।९१ ॥ इति न लोपः । दीर्घश्चिक्व-व्यक्वेषु च ॥ ४।३।१०८ ॥ इति दीर्घः ॥

अहरिवाचरतीति अहर्यते ।

७८ अहर्य-धातोरूपाणि ॥

- १ अहर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ अहर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
 - ३ अहर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
 - ४ आहर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ आहर्यि { -ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, आहरि { ध्वम्, षि, प्वहि, प्वहि ॥
 - ६ अहर्या { -ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥ अहरा {
 - ७ अहर्यिषी { -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, अहरिषी { द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ अहर्यिता { -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, अहरिता { स्महे ॥
 - ९ अहर्यि { -ध्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे, प्ये, अहरि { प्यावहे, प्यामहे ॥
 - १० आहर्यि { -ध्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्, आहरि { प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- नं क्ये ॥ १।१।२२ ॥ इति पदसंज्ञा रोळुप्यरि ॥
२।१।७५ ॥ इति नस्य रः ॥

शोभना आपो यस्मिन् सः स्वाप्, स

इवाचरतीति स्वप्यते ।

७९ सु-अप्य-धातोरूपाणि ॥

- १ स्वप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावन् ॥
- २ स्वप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ स्वप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ स्वाप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, षि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ स्वाप्यि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ५ स्वापि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ स्वप्या { -ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥ स्वपा {
- ७ स्वप्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ स्वपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्वप्यिता { -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्वपिता { स्महे ॥
- ९ स्वप्यि { -ध्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे, स्वपि { प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥
- १० स्वाप्यि { -ध्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्, स्वापि { प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥

मालां गुम्फतीति मालागुप्, स इवाचरतीति मालागुप्स्यते ।

८० मालागुप्स्य-धातोरूपाणि ॥

- १ मालागुप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मालागुप्स्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मालागुप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अमालागुप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अमालागुप्स्यि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, प्वहि, प्वहि ॥

- ५ अमालागुप्सि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ मालागुप्स्या { -ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥ मालागुप्सा {
- ७ मालागुप्स्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ मालागुप्सिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
- ८ मालागुप्स्यिता { -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, मालागुप्सिता { स्महे ॥
- ९ मालागुप्स्यि { -ध्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे, मालागुप्सि { प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥
- १० अमालागुप्स्यि { -ध्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्, अमालागुप्सि { प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥

‘कङ्ङ् वणे’ वणो वणनं शुक्रादिश्च, सुकवते
इति सुकप्, स इवाचरतीति सुकव्यते ।

८१ सु-कव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सुकव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सुकव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ सुकव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ स्वकव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ स्वकव्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ५ स्वकवि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ सुकव्या } -ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
सुकवा }
- ७ सुकव्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ सुकविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सुकव्यिता } -’, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे,
सुकविता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ सुकव्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे,
सुकवि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० स्वकव्यि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
स्वकवि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

अयमिवाचरतीति इदम्यते ।

८२ इदम्य-धातोरूपाणि ॥

- १ इदम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ इदम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ इदम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ ऐदम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ ऐदम्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥

ककुबिवाचरतीति ककुभ्यति ।

८२ ककुभ्य-धातोरूपाणि ॥

- १ ककुभ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ककुभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ ककुभ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अककुभ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अककुभ्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ५ अककुभि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ककुभ्या } -ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
ककुभा }
- ७ ककुभ्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ ककुभिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ककुभ्यिता } -’, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे,
ककुमिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ ककुभ्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे,
ककुभि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अककुभ्यि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
अककुभि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

- ५ ऐदमि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥

- ६ इदम्या } -ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
इदमा }

- ७ इदम्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

- ७ इदमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,

- ८ इदम्यिता } -’, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे,
इदमिता } स्वहे, स्महे ॥

- ९ इदम्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये,
इदमि } ध्यावहे, ध्यामहे ॥

- १० ऐदम्यि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
ऐदमि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

जयमाचक्ष्माणो जय्, स इवाचरतीति जययते ।

८४ जय्य-धातोरूपाणि ॥

- १ जय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अजय्यि } -ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
अजयि } इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ जय्या } -ञके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
जया }
- ७ जय्यिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्,
जयिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जय्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
जयिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ जय्यि } -प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे,
जयि } प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥
- १० अजय्यि } -प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,
अजयि } प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥

गीरिवाचरतीति गीर्यते ।

८५ गीर्य-धातोरूपाणि ॥

- १ गीर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ गीर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ गीर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अगीर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अगीर्यि } -ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
अगिरि } इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
 - ६ गीर्या } -ञके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
गिरा }
 - ७ गीर्यिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्,
गिरिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ गीर्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
गीरिता } स्वहे, स्महे ॥
 - ९ गीर्यि } -प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे,
गिरि } प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥
 - १० अगीर्यि } -प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,
अगिरि } प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- भ्वादेर्नामिन इति दीर्घत्वम् ॥

‘कुल्ल विकसने’ सुकुल्लतीति सुकुल्ल, स इवाचरतीति सुकुल्लयते ।

८६ सुकुल्ल्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सुकुल्ल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सुकुल्ल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ सुकुल्ल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ स्वकुल्ल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ स्वकुल्ल्यि } -ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
स्वकुल्लि } इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ सुकुल्ल्या } -ञके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
सुकुल्ला }
- ७ सुकुल्ल्यिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्,
सुकुल्लिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सुकुल्ल्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
सुकुल्लिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ सुकुल्ल्यि } -प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे,
सुकुल्लि } प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥
- १० स्वकुल्ल्यि } -प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,
स्वकुल्लि } प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥

द्वीरिवाचरतीति दिव्यते ।

८७ दिव्य-धातोरूपाणि ॥

- १ दिव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ दिव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ दिव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अदिव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 - ५ अदिव्यि } -ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
अदिवि } इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
 - ६ दिव्या } -ञके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
दिवा }
 - ७ दिव्यिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्,
दिविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ दिव्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
दिविता } स्वहे, स्महे ॥
 - ९ दिव्यि } -प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे,
दिवि } प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥
 - १० अदिव्यि } -प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,
अदिवि } प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- दिवेर्दिविति द्विवि दिव्-शब्दनिष्पत्तिः अत्र नाम्नादे-
भ्वादिसम्बन्धित्वाभावात्, भ्वादेरिलादिना न दीर्घत्वम् ।

पृच्छतीति प्राट्, स इवाचरतीति प्राड्यते ।

८८ प्राड्य-धातोरूपाणि ॥

- १ प्राड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [य, वहि, महि ॥
- २ प्राड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
- ३ प्राड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अप्राड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अप्राड्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥ [षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ५ अप्राशि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
- ६ प्राड्या } -ञके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
प्राशा }
- ७ प्राड्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ७ प्राशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ प्राड्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
प्राशिता }
- ९ प्राड्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे,
प्राशि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अप्राड्यि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
अप्राशि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

दिद्यादेति क्तिपि निपातनात् प्रश्नशीलः प्राट् । अनु-
नासिके चेति च्छस्य शः ॥

सह जुषते इति सजुः, स इवाचरतीति सजुष्यते ।

८९ सजुष्य-धातोरूपाणि ॥

- १ सजुष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [य, वहि, महि ॥
 - २ सजुष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
 - ३ सजुष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यावहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ असजुष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ असजुष्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
 - ५ असजुषि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
 - ६ सजुष्या } -ञके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
सजुषा }
 - ७ सजुष्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 - ७ सजुषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 - ८ सजुष्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
सजुषिता }
 - ९ सजुष्यि } -ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे,
सजुषि } ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
 - १० असजुष्यि } -ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
असजुषि } ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- ‘जुषेति प्रीतिसेवनयोः’ क्तिपि ‘सजुष’ इति निर्देशात्
सहस्य से पस्य रुत्वे सजुः ॥

ओज इव ओजस्वीव आचरतीति ओजायते ।

९० ओजाय-धातोरूपाणि ॥

- १ ओजा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ओजाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ ओजा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ औजा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ औजायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥

- ६ ओजाया-ञके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ ओजायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ ओजायिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ ओजायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
 - १० औजायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- ओजोऽप्सरसः ॥ ३ । ४ । २८ ॥ इति सलुक् ॥

अप्सरा इवाचरतीति अप्सरायते ।

९१ अप्सराय-धातोरूपाणि ॥

- १ अप्सरा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अप्सराये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, ये, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ अप्सरा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ आप्सरा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ आप्सरायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ अप्सराया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अप्सरायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अप्सरायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अप्सरायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० आप्सरायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ओजोऽप्सरसः ॥ ३ । ४ । २८ ॥ इति सलुक् ॥

९२ पयाय-धातोरूपाणि ॥

- १ पया-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पयाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पया-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अपया-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अपयायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ पयाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पयायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पयायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पयायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अपयायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, मतान्तरेऽप्सरस एव सलोप इति अन्यत्र सकारविशिष्टान्येव ‘पयस्यते’ इत्यादिनिरूपाणि भवन्ति । केषाञ्चिन्मते-ओजःशब्दे वैकल्पिकसलोप इति ‘ओजस्यते’ इत्याद्यपि ॥

पय इवाचरतीति पयायते, पयस्यते ।

९२ पयस्य-धातोरूपाणि ॥

- १ पयस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [वहि, महि ॥
- २ पयस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
- ३ पयस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अपयस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अपयस्यि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ अपयसि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ पयस्या } -ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- पयसा }
- ७ पयस्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ पयसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पयस्यिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- पयसिता }
- ९ पयस्यि } -ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, पयसि } ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अपयस्यि } -ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, अपयसि } ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

सो वा लुक् च ॥ ३ । ४ । २७ ॥ इति सलुगभावपक्षे निरुक्तरूपाणि-सलुक्कित्विमानि ॥

‘लीर्हीक् आस्वादने’ लेढीति लिट्, स
इवाचरतीति लिङ्गते ।

९४ लिङ्-धातोरूपाणि ॥

- १ लिङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लिङ्-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लिङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अलिङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अलिङ्गि } -ष्ट, पाताम्, षत, ष्टाः, पाथाम्, इद्वम्.
अलिङ्गि } द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ लिङ्गि } -ञके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
लिङ्गि }
- ७ लिङ्गिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, द्वम्,
लिङ्गिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लिङ्गिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
लिङ्गिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ लिङ्गि } -प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे, प्ये,
लिङ्गि } प्यावहे, प्यामहे ॥
- १० अलिङ्गि } -प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,
अलिङ्गि } प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥

गां रक्षतीति गोरट्, स इवाचरतीति गोरक्ष्यते ।

९५ गोरक्ष्य-धातोरूपाणि ॥

- १ गोरक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गोरक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ गोरक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अगोरक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अगोरक्ष्य-ष्ट, पाताम्, षत, ष्टाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ५ अगोरक्षि-ष्ट, पाताम्, षत, ष्टाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ गोरक्ष्या } -ञके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
गोरक्षा }
- ७ गोरक्ष्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ गोरक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गोरक्ष्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
गोरक्षिता } स्महे ॥
- ९ गोरक्ष्यि } -प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे,
गोरक्षि } प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥
- १० अगोरक्ष्यि } -प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,
अगोरक्षि } प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥

केचित्तु कर्तुः सम्बन्धिन उपमानाद् द्वितीयान्तात् क्प्रत्ययविच्छन्ति । सापि सूत्रव्याख्या सूरिसम्मतोति अश्वतीत्यादौ अश्वमिवात्मानमाचरतीत्यादिभिः । हंसायते इत्यादौ च हंसमिवात्मानमाचरतीत्यादि विग्रहो बोधव्यः ।

इति प्रथमप्रकारापन्ना व्यञ्जनान्तप्रकृतिकाः क्यङन्ता

नामधातवः समाप्ताः ॥

अथ द्वितीयप्रकारापन्नाः क्यङता नामधातवः ॥

अभृशो भृशो भवतीति भृशायते ।

९६ भृशाय-धातोरूपाणि ॥

- १ भृशा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भृशाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ भृशा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अभृशा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [यध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अभृशायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ भृशाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ भृशायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भृशायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भृशायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अभृशायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, भृशशब्दोऽतिशय तद्वति च वर्तते ॥

अनुत्सुक उत्सुको भवतीति उत्सुकायते ।

९७ उत्सुकाय-धातोरूपाणि ॥

- १ उत्सुका-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उत्सुकाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ उत्सुका-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ औत्सुका-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ औत्सुकायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ उत्सुकाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ उत्सुकायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ उत्सुकायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ उत्सुकायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० औत्सुकायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, न प्रादिरप्रत्ययः ॥ ३ । ३ । ४ ॥ इत्यत्राप्रत्यय इति वचनान्नान्नोदो धातोरवयवत्वप्रतिषेधः । उत्सुकशब्द इष्टार्थसम्पादनाय उद्युक्ते, अभीष्टो गमिष्यतीत्युत्कण्ठान्विते च वर्तते ॥

अशीघ्रः शीघ्रो भवतीति शीघ्रायते ।

९८ शीघ्राय-धातोरूपाणि ॥

- १ शीघ्रा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शीघ्राये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ शीघ्रा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अशीघ्रा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अशीघ्रायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ शीघ्राया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ शीघ्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शीघ्रायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शीघ्रायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अशीघ्रायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, शीघ्रशब्दो विलम्बाभावे, त्वरिते तद्वति च वर्तते ॥

अचपलश्चपलो भवतीति चपलायते ।

९९ चपलाय-धातोरूपाणि ॥

- १ चपला-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चपलाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ चपला-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अचपला-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अचपलायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ चपलाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ चपलायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चपलायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चपलायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अचपलायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, चपलशब्दश्चपलादिषु वर्तते ॥

अपण्डितः पण्डितो भवतीति पण्डितायते ॥

१०० पण्डिताय-धातोरूपाणि ॥

- १ पण्डिता-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पण्डिताये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ पण्डिता-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अपण्डिता-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अपण्डितायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ पण्डिताया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पण्डितायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पण्डितायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पण्डितायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अपण्डितायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

आण्डरो मूर्खो मुष्करश्च । अनाण्डर आण्डरो भवतीति आण्डरायते ।

१०१ आण्डराय-धातोरूपाणि ॥

- १ आण्डरा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [वहि, महि ॥
- २ आण्डराये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ आण्डरा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ आण्डरा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ आण्डरायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ आण्डराया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ आण्डरायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ आण्डरायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ आण्डरायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० आण्डरायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,

अकण्डरः कण्डरो भवतीति कण्डरायते ।

१०२ कण्डराय-धातोरूपाणि ॥

- १ कण्डरा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कण्डराये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ कण्डरा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अकण्डरा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अकण्डरायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ कण्डराया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कण्डरायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कण्डरायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कण्डरायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अकण्डरायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, जठरेति बहुवचनात् ‘कडुङ् गतौ’ इत्यस्य अरे कण्डरः । कण्डराशब्दः स्नायुसंघाते वर्तते ॥

अफेनः फेनो भवतीति फेनायते ।

१०३ फेनाय-धातोरूपाणि ॥

- १ फेना-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ फेनाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ फेना-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अफेना-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अफेनायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ फेनाया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ फेनायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ फेनायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ फेनायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अफेनायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, फेनशब्दो दुग्धजलादेरुपपत्तिरस्य बुद्बुदाकारे पदार्थे हिमाद्रौ च वर्तते ॥

अशुचिः शुचिर्भवतीति शुचीयते ।

१०४ शुचीय-धातोरूपाणि ॥

- १ शुची-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शुचीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ शुची-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अशुची-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अशुचीयि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ शुचीया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ शुचीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शुचीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शुचीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अशुचीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, शुचिशब्दो वहौ, चित्रकवृक्षे, ज्येष्ठमासे, आषाढमासे, शुद्धाचरणे, शुद्धारसे, ग्रीष्मे, शुद्धमन्त्रिणि, अग्निभेदे, श्वेतवर्णे तद्वति च, वर्तते ॥

अनीलो नीलो भवतीति नीलायते ।

१०५ नीलाय-धातोरूपाणि ॥

- १ नीला-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ नीलाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ नीला-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अनीला-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अनीलायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ नीलाया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ नीलायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नीलायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ नीलायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अनीलायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, नीलशब्दः स्वनामख्यातवर्णादौ वर्तते ॥

अहरितो हरितो भवतीति हरितायते ।

१०६ हरिताय-धातोरूपाणि ॥

- १ हरिता-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हरिताये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ हरिता-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अहरिता-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अहरितायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ हरिताया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ हरितायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हरितायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हरितायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अहरितायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥ हरितशब्दो हरिद्वर्णादौ वर्तते ॥

अमन्दो मन्दो भवतीति मन्दायते ।

१०७ मन्दाय-धातोरूपाणि ॥

- १ मन्दा-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मन्दाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ मन्दा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अमन्दा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अमन्दायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ मन्दाया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ मन्दायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मन्दायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मन्दायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अमन्दायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥ मन्दशब्दो मूर्खे, मृदौ, अभावे, रोगिणि, अल्पे, स्वतन्त्रे, खले, मदरते, शनिग्रहे, हस्तभेदे, यमे, प्रलये च, वर्तते ॥

अभद्रो भद्रो भवतीति मद्रायते ॥

१०८ मद्राय-धातोरूपाणि ॥

- १ मद्रा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मद्राये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ मद्रा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अभद्रा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अभद्रायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ मद्राया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ मद्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मद्रायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मद्रायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अभद्रायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, मद्रो देशविशेषे, हर्षे, मङ्गले च ॥

अभद्रो भद्रो भवतीति भद्रायते ।

१०९ भद्राय-धातोरूपाणि ॥

- १ भद्रा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भद्राये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ भद्रा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अभद्रा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अभद्रायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ भद्राया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ भद्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भद्रायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भद्रायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अभद्रायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, भद्रशब्दो मङ्गलादिषु वर्तते ॥

सम्पूर्वाच्चिनोतेर्डित् कत् समो मकारस्यानुस्वारपूर्वः शकारश्च । संश्चद् अध्वर्युः कुहकश्च । असंश्चत् संश्चद् भवतीति संश्चायते । विस्मापकीभव-तीत्यर्थ इति तु क्रियारत्नसमुच्चयः ।

११० संश्चाय-धातोरूपाणि ॥

- १ संश्चा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ संश्चाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ संश्चा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ असंश्चा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ असंश्चायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ संश्चाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ संश्चायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ संश्चायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ संश्चायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० असंश्चायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, उणादिनिष्पन्नानामपि पाक्षिके व्युत्पत्तिपक्षाङ्गीकारे तु ४ संश्चा-”, ५ संश्चायि-”, १० संश्चायि-”, ॥

तृपचन्द्रः । अतृपत् तृपद् भवतीति तृपायते ।

१११ तृपाय-धातोरूपाणि ॥

- १ तृपा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तृपाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ तृपा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अतृपा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अतृपायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ तृपाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ तृपायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तृपायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तृपायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अतृपायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

अरेफत् रेफद् भवतीति रेफायते ।

११२ रेफाय-धातोरूपाणि ॥

- १ रेफा-यते, येते, यन्ते, यसे येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रेफाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ रेफा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अरेफा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ अरेफायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ रेफाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ रेफायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रेफायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रेफायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अरेफायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ‘तृप्तं तृप्तौ’ इत्यस्य, ‘रिफत् कथनयुद्धर्हि सादानेषु’ इत्यस्य च कमात् “संश्लेष्टहस्ताक्षरादयः” ॥ उणा० ८८२ ॥ इति निपातनात्, रिफत् रेहत् ॥

अरेहद् रेहद् भवतीति रेहायते ।

११३ रेहाय-धातोरूपाणि ॥

- १ रेहा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रेहाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ रेहा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अरेहा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ अरेहायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ रेहाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ रेहायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रेहायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रेहायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अरेहायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

विहन्ति गर्भमिति वेहत्, गर्भघातिन्यप्रजा स्त्री अनङ्गांश्च । अवेहद् वेहद् भवतीति वेहायते ।

११४ वेहाय-धातोरूपाणि ॥

- १ वेहा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वेहाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ वेहा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अवेहा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ अवेहायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ वेहाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वेहायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वेहायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वेहायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अवेहायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, उणादिनिष्पन्नानामपि पाक्षिके व्युत्पत्तिपक्षाज्ञीकारे तु ४ वेहा-”, ५ वेहायि-”, १० वेहायि-”, ॥

अवर्चो वर्चो भवतीति वर्चायते । अत्र

वर्चःशब्दस्तद्वति वर्तते ।

११५ वर्चाय-धातोरूपाणि ॥

- १ वर्चा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वर्चाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ वर्चा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अवर्चा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ अवर्चायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ वर्चाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वर्चायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वर्चायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वर्चायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अवर्चायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, वर्चस् शब्दो रूपे, शुक्ते, तेजसि, विष्ठायां, चन्द्रपुत्रे च वर्तते ॥

अनुन्मना उन्मना भवतीति उन्मनायते ।

११६ उद्-मनाय-धातोरूपाणि ॥

- १ उन्मना-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उन्मनाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ उन्मना-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ उद्मना-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ उद्मनायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ उन्मनाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ उन्मनायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ उन्मनायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ उन्मनायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० उद्मनायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, उन्मनस्-शब्द उत्कण्ठयुक्ते अन्यमनस्के च वर्तते ।

असुमनाः सुमना भवतीति सुमनायते । अथवा अमनस्वी मनस्वी सुभवतीति सुमनायते ।

११७ सु-मनाय-धातोरूपाणि ॥

- १ सुमना-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सुमनाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ सुमना-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ स्वमना-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ स्वमनायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ सुमनाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सुमनायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सुमनायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सुमनायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० स्वमनायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, सुमनस्-शब्दः पुष्पे, मालत्यां, प्रशस्तचित्तयुक्ते, प्रशान्ते मनसि, देवे, पण्डिते, पूतिकरञ्जे, निम्बे, गोधूमे, शतपत्र्यां च वर्तते ॥

अदुर्मना दुर्मना भवतीति दुर्मनायते । अथवा अमनस्वी मनस्वी दुर्भवतीति दुर्मनायते ।

११८ दुर-मनाय-धातोरूपाणि ॥

- १ दुर्मना-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दुर्मनाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ दुर्मना-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ दुरमना-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ दुरमनायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ दुर्मनाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ दुर्मनायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दुर्मनायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दुर्मनायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० दुरमनायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, दुर्मनस्-शब्दो विमनस्के, शतावर्षां च वर्तते ॥

अभिमना अभिमना भवतीति अभिमनायते । अथवा अमनस्वी मनस्वी अभिभवतीति अभिमनायते ।

११९ अभि-मनाय-धातोरूपाणि ॥

- १ अभिमना-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अभिमनाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ अभिमना-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अभ्यमना-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अभ्यमनायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ अभिमनाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अभिमनायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अभिमनायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अभिमनायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अभ्यमनायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

अनोजस्वी ओजस्वी भवतीति ओजायते । (अत्र तद्बृहत्तेरेव च्ययर्थ इति धर्ममात्रवृत्तेर्न भवतीति, वाक्यमेव अनोज ओजो भवति ।)

१२० ओजाय-धातोरूपाणि ॥

- १ ओजा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ओजाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ ओजा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ ओजा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ ओजायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ ओजाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ओजायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ओजायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ओजायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० ओजायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ओजस्-शब्दः सामर्थ्याद्दी वर्तते ।

इति द्वितीयप्रकारापन्ना भृशादिप्रकृतिकाः क्यङन्ता नामधातवः ॥

अथ तृतीयप्रकारापन्नाः क्यङन्ता नामधातवः ॥ चतुर्थ्यन्तेभ्यःपापे वर्तमानेभ्यः कष्टादिभ्यः क्रमणे प्रवर्तनेऽर्थे क्यङ् भवतीति कष्टाय कर्मणे क्रामति प्रवर्तत इति कष्टायते ।

१२१ कष्टाय-धातोरूपाणि ॥

- १ कष्टा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कष्टाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यावहे ॥
- ३ कष्टा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अकष्टा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अकष्टायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ कष्टाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कष्टायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कष्टायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कष्टायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अकष्टायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

कक्षाय क्रामतीति कक्षायते ।

१२२ कक्षाय-धातोरूपाणि ॥

- १ कक्षा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [य, वहि, महि ॥
- २ कक्षाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
- ३ कक्षा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकक्षा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकक्षायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ कक्षाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कक्षायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कक्षायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कक्षायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अकक्षायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

कृच्छाय क्रामतीति कृच्छायते ।

१२३ कृच्छाय-धातोरूपाणि ॥

- १ कृच्छा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कृच्छाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कृच्छा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अकृच्छा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अकृच्छायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ कृच्छाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कृच्छायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कृच्छायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कृच्छायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अकृच्छायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

सत्राय कामतीति सत्रायते ।

१२४ सत्राय-धातोरूपाणि ॥

- १ सत्रा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सत्राये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ सत्रा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ असत्रा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ असत्रायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ सत्राया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सत्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सत्रायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सत्रायि-प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे, प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥ [प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- १० असत्रायि-प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,

कष्टाय तपसे कामतीति विग्रहे क्यङ् न भवति पापवृत्तिरत्वाभावात् । द्वितीयान्तेभ्यः पापचिकीर्षायामित्यन्ये । तेन कष्टं चिकीर्षतीति कष्टायते इत्यादि । कैषाश्चिन्मते कक्षादयो वृत्तिविषये पापार्थाः, तेभ्यो द्वितीयान्तेभ्यश्चिकीर्षायां क्यङ् भवति तेन कक्षायते इत्यादीनां पापं चिकीर्षतीत्यस्वपदविग्रहः । पापं कर्तुमुत्सहत इत्यभिप्रायार्थः ॥

इति तृतीयप्रकारापन्नाः क्यङन्ता नामधातवः ॥

गहनाय कामतीति गहनायते ।

१२५ गहनाय-धातोरूपाणि ॥

- १ गहना-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गहनाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ गहना-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अगहना-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ अगहनायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ गहनाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गहनायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गहनायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गहनायि-प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे, प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥ [प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- १० अगहनायि-प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,

अथ चतुर्थप्रकारापन्नाः क्यङन्तो नामधातुः ।

रोमन्थमभ्यवहृतं द्रव्यमुच्चर्वयति उद्गीर्य चर्वयतीति रोमन्थायते ।

१२६ रोमन्थाय-धातोरूपाणि ॥

- १ रोमन्था-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रोमन्थाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ रोमन्था-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अरोमन्था-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ अरोमन्थायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ रोमन्थाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ रोमन्थायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रोमन्थायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रोमन्थायि-प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे, प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥ [प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- १० अरोमन्थायि-प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,

इति चतुर्थप्रकारापन्नाः क्यङन्तो नामधातुः ॥

अथ पञ्चमप्रकारापन्ना क्यङन्ता नामधातवः ।

फेनमुद्गमतीति फेनायते ।

१२७ फेनाय-धातोरूपाणि ॥

- १ फेना-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ फेनाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ फेना-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अफेना-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अफेनायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ फेनाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ फेनायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ फेनायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ फेनायि-प्यते, प्येते, प्यन्ते, प्यसे, प्येथे, प्यध्वे, प्ये, प्यावहे, प्यामहे ॥ [प्यध्वम्, प्ये, प्यावहि, प्यामहि ॥
- १० अफेनायि-प्यत, प्येताम्, प्यन्त, प्यथाः, प्येथाम्,

ऊष्माणमुद्रमतीति ऊष्मायते ।

१२८ ऊष्माय-धातोरूपाणि ॥

- १ ऊष्मा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ऊष्माये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ ऊष्मा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ औष्मा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ औष्मायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ ऊष्माया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ऊष्मायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ऊष्मायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ऊष्मायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० औष्मायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

धूममुद्रमतीति धूमायते ।

१३० धूमाय-धातोरूपाणि ॥

- १ धूमा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ धूमाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ धूमा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अधूमा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ अधूमायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ धूमाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ धूमायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ धूमायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ धूमायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अधूमायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, मतान्तरे उद्रमनेऽर्थे धूमशब्दात् क्यङ् न भवति । इति पञ्चमप्रकारापन्नाः क्यङन्ता नामधातवः ॥

बाष्पमुद्रमतीति बाष्पायते ।

१२९ बाष्पाय-धातोरूपाणि ॥

- १ बाष्पा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ बाष्पाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ बाष्पा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अबाष्पा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अबाष्पायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ बाष्पाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ बाष्पायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ बाष्पायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ बाष्पायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अबाष्पायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

अथ षष्ठप्रकारापन्नाः सुखादिप्रकृतिकाः क्यङन्ता नामधातवः ।

सुखमनुभवतीति सुखायते । साक्षात्कारोऽनुभवः ।

१३१ सुखाय-धातोरूपाणि ॥

- १ सुखा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सुखाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ सुखा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ असुखा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ असुखायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ सुखाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सुखायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सुखायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सुखायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० असुखायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

दुःखमनुभवतीति दुःखायते ।

१३२ दुःखाय-धातोरूपाणि ॥

- १ दुःखा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दुःखाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ दुःखा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अदुःखा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अदुःखायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ दुःखाया-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ दुःखायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दुःखायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दुःखायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अदुःखायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

कृच्छं दुःखमनुभवतीति कृच्छायते ।

१३४ कृच्छाय-धातोरूपाणि ॥

- १ कृच्छा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कृच्छाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ कृच्छा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अकृच्छा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अकृच्छायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ कृच्छाया-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कृच्छायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कृच्छायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कृच्छायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अकृच्छायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

तृप्रं दुःखमनुभवतीति तृप्रायते ।

१३३ तृप्राय-धातोरूपाणि ॥

- १ तृप्रा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तृप्राये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तृप्रा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अतृप्रा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अतृप्रायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ तृप्राया-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ तृप्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तृप्रायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तृप्रायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अतृप्रायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

आस्त्रमश्रु, प्रज्ञाद्यणि आस्त्रः ।

आस्त्रमनुभवतीति आस्त्रायते ।

१३५ आस्त्राय-धातोरूपाणि ॥

- १ आस्त्रा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ आस्त्राये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ आस्त्रा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ आस्त्रा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ आस्त्रायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ आस्त्राया-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ आस्त्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ आस्त्रायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ आस्त्रायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० आस्त्रायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

१ सोढा—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सोढाये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
 ३ सोढा—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ४ असोढा—यत, यताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ असोढायि—ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्ढम्, ढ्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ सोढाया—ञके, इ० ॥ भ्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 ७ सोढायिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ढ्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ सोढायिता—”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ सोढायि—ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये,
 ष्यावहे, ष्यामहे ॥
 १० असोढायि—ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,
 ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

प्रतीपं प्रतिकूलमनुभवतीति प्रतीपायते ।

१४० प्रतीपाय-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रतीपा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ प्रतीपाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ प्रतीपा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ प्रत्यपा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ प्रत्यपायि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ प्रतीपाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ प्रतीपायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ प्रतीपायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ प्रतीपायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० प्रत्यपायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, मतान्तरे ४ अप्रतीपा-”, ५ अप्रतीपायि-”, १० अप्रतीपायि-” मतान्तरे करणशब्दस्थाने करणशब्दः पठ्यते । अस्त्रशब्दश्चाधिकः ॥

अथ सप्तमप्रकारापन्नाः शब्दादिप्रकृतिकाः क्य-
उन्ता नामधातवः ॥ शब्दादिभ्यः कर्मभ्यः
करोत्यर्थे क्यङ् वा भवति । शब्दं
करोति शब्दायते ।

१४१ शब्दाय-धातोरूपाणि ॥

- १ शब्दा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शब्दाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ शब्दा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अशब्दा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अशब्दायि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ शब्दाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ शब्दायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शब्दायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शब्दायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अशब्दायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,

वैरं करोतीति वैरायते ।

१४२ वैराय-धातोरूपाणि ॥

- १ वैरा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वैराये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ वैरा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अवैरा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अवैरायि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ वैराया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वैरायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वैरायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वैरायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अवैरायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

कलहं करोतीति कलहायते ।

१४३ कलहाय-धातोरूपाणि ॥

- १ कलहा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कलहाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ कलहा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अकलहा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अकलहायि-ष्ट, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ कलहाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कलहायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कलहायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कलहायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अकलहायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

ओघः समूहे जलवेगे परम्परायां द्रुतनृत्ये च ।
ओघ करोतीति ओघायते ।

१४४ ओघाय-धातोरूपाणि ॥

- १ ओघा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ओघाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ ओघा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ औघा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ औघायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ ओघाया-श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ओघायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ओघायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ओघायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० औघायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

युद्धं करोतीति युद्धायते ।

१४६ युद्धाय-धातोरूपाणि ॥

- १ युद्धा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ युद्धाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ युद्धा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अयुद्धा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अयुद्धायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ युद्धाया-श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ युद्धायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ युद्धायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ युद्धायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अयुद्धायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

वेगः प्रवाहे जवे रेतसि च ।
वेगं करोतीति वेगायते ।

१४५ वेगाय-धातोरूपाणि ॥

- १ वेगा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वेगाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ वेगा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अवेगा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अवेगायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ वेगाया-श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वेगायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वेगायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वेगायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अवेगायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

अभ्रं करोतीति अभ्रायते ।

१४७ अभ्राय-धातोरूपाणि ॥

- १ अभ्रा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अभ्राये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ अभ्रा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ आभ्रा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ आभ्रायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ अभ्राया-श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अभ्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अभ्रायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अभ्रायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० आभ्रायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

कण्वं पापं करोतीति कण्वायते ।

१४८ कण्वाय-धातोरूपाणि ॥

- १ कण्वा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कण्वाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ कण्वा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अकण्वा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अकण्वायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ कण्वाया-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कण्वायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कण्वायिता-'' , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कण्वायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अकण्वायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

मम करोतीति ममायते ।

१४९ ममाय-धातोरूपाणि ॥

- १ ममा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ममाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ ममा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अममा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अममायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ममाया-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ममायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ममायिता-'' , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ममायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥ [ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥
- १० अममायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

मेघं करोतीति मेघायते ।

१५० मेघाय-धातोरूपाणि ॥

- १ मेघा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मेघाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ मेघा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अमेघा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अमेघायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ मेघाया-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ मेघायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मेघायिता-'' , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मेघायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अमेघायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

अटा पर्यटनं । अटां करोतीति अटायते ।

१५१ अटाय-धातोरूपाणि ॥

- १ अटा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अटाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अटा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ आटा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ५ आटायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्,
- ६ अटायि-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अटायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ आटायिता-'' , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अटायि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० आटायि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

अद्वा हिंसायामनादरेऽतिक्रमे च ।

अद्वां करोतीति अद्वायते ।

१५२ अद्वाय-धातोरूपाणि ॥

- १ अद्वा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अद्वाये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अद्वा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ आद्वा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ आद्वायि-ष्ट, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, ६ अद्वाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अद्वायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अद्वायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अद्वायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० आद्वायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

अद्वायां परिभ्रमणं करोतीति अद्वायायते ।

१५३ अद्वायाय-धातोरूपाणि ॥

- १ अद्वाया-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [य, वहि, महि ॥
- २ अद्वायाये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
- ३ अद्वाया-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आद्वाया-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आद्वायायि-ष्ट, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ अद्वायाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अद्वायायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अद्वायायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अद्वायायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० आद्वायायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

शीकां सेचनं करोतीति शीकायते ।

१५४ शीकाय-धातोरूपाणि ॥

- १ शीका-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शीकाये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यावहै ॥
- ३ शीका-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अशीका-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अशीकायि-ष्ट, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ शीकाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ शीकायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शीकायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शीकायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अशीकायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

सोटां करोतीति सोटायते ।

१५५ सोटाय-धातोरूपाणि ॥

- १ सोटा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सोटाये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ सोटा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ असोटा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ असोटायि-ष्ट, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ सोटाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सोटायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सोटायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सोटायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० असोटायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

कोटां दुर्गसदृशाचरणं करोतीति कोटायते ।

१५६ कोटाय-धातोरूपाणि ॥

- १ कोटा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कोटाय-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ कोटा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अकोटा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अकोटायि-ष्ट, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ कोटाय-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कोटायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कोटायिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कोटायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अकोटायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

पोटा पुरुषवेषधारिणी स्त्री उभयव्यञ्जना भुजि-
ष्यदासी च । पोटां करोतीति पोटायते ।

१५७ पोटाय-धातोरूपाणि ॥

- १ पोटा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पोटाय-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ पोटा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अपोटा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अपोटायि-ष्ट, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ पोटाया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पोटायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पोटायिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पोटायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अपोटायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

पुष्वा निवृत्तिर्जललवश्च । पुष्वां करोतीति
पुष्वायते ।

१५८ पुष्वाय-धातोरूपाणि ॥

- १ पुष्वा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पुष्वाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ पुष्वा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अपुष्वा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अपुष्वायि-ष्ट, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ पुष्वाया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पुष्वायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पुष्वायिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पुष्वायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अपुष्वायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

सुदिनं करोतीति सुदिनायते ।

१५९ सु-दिनाय-धातोरूपाणि ॥

- १ सुदिना-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सुदिनाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ सुदिना-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ स्वदिना-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ५ स्वदिनायि-ष्ट, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ सुदिनाया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सुदिनायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सुदिनायिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सुदिनायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० स्वदिनायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, मतान्तरे तु ४ असुदिना-, ५ असुदिनायि-, १० असुदिनायि-इत्यपि स्यात् ।

दुर्दिनं करोतीति दुर्दिनायते ।

१६० दुर-दिनाय-धातोरूपाणि ॥

- १ दुर्दिना-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दुर्दिनाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ दुर्दिना-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ दुरदिना-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ दुरदिनायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ दुर्दिनाया-श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ दुर्दिनायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दुर्दिनायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दुर्दिनायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० दुरदिनायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, मतान्तरे दुर्दिनात्पूर्वमपि अटा भाव्यम् ॥

नीहारं हिमं करोतीति नीहारायते ।

१६१ नी-हाराय-धातोरूपाणि ॥

- १ नीहारा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ नीहाराये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ नीहारा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ न्यहारा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ न्यहारायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ नीहाराय-श्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ नीहारायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नीहारायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ नीहारायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० न्यहारायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, मतान्तरे नीहारात्पूर्वमपि अटा भाव्यम् ॥

“ शब्ददेः कृतौ वा ” इत्यत्र वाशब्दो व्यवस्थितविभाषार्थः । व्यवस्थितं प्रयोगारूढं विधिप्रतिषेधादिकार्यं विशेषेण भाषत इति व्यवस्थितविभाषा तदर्थ इत्यर्थः । तेन यथादर्शनं णिजपि भवति । शब्दयति । वैरयति । सूत्रे बाधिकाराद्वाक्यमपि भवति । इति सप्तमप्रकारपञ्चा शब्दादिप्रकृतिकाः क्यङ्प्रत्ययान्त नामधातवः ॥

इति क्यङ्प्रत्ययान्ता नामधातवः ॥

इति श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशास्त्रीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्द्रिन्द्रायमाणेनान्ते-
वासिना शास्त्रविशारदेन कविरत्नेन व्याकरणवास्पतिना महोपाध्याय-
लावण्यविजयगणिना विरचितस्य धातुरत्नाकरस्य नामधातु-
प्रक्रियानिरूपणे षष्ठभागे क्यङ्प्रत्ययान्तप्रकरणम् सम्पूर्णम् ॥

अथ क्यङ्प्रत्ययान्तप्रकरणम् ॥

निरूपिताः क्यङ्प्रत्ययान्ता नामधातवः । इदानीं क्यङ्प्रत्ययान्ता नामधातवो
निरूपणीयाः । ननु कीदृशान्नाम्नः कस्मिन्नर्थे क्यङ् प्रत्ययो भवति । को वा क्यङ्क्यङ्पो-
र्विशेष इति चेच्छ्रुतामियं लक्षणद्वयी ॥

डाच्लोहितादिभ्यः षित् ॥ ३ । ४ । ३० ॥

डाच्प्रत्ययान्तेभ्यो लोहितादिभ्यश्च कर्तृभ्यश्च्यर्थे क्यङ्प्रत्ययः षिद्भवति । डाच्-
अपटत् पटद्भवति, पटपटायति पटपटायते । एवं दमदमायति, दमदमायते । डाजन्तात्
क्यङ्ष्विधानात् कृभ्वस्तिभिरिव क्यङ्ष्वाऽपि योगे डाज् भवति । अलोहितो लोहितो भवति
लोहितायति, लोहितायते । कर्तुरित्येव, अपटपटा पटपटा करोति । अलोहितं लोहितं करोति ।
च्यर्थ इत्येव, लोहितो भवति । लोहित जिह्व श्याम धूम चर्मन् हर्ष गर्व सुख दुःख मूर्छा
निद्रा कृपा करुणा । बहुवचनमाकृतिगणार्थम् । लोहितादिषु लोहितशब्दादेवेच्छन्त्यन्ये ।
षकारः “ क्यङ्पो नवा ॥ ३ । ३ । ४३ ॥ इति विशेषणार्थः । धूमादीनां स्वतन्त्रार्थवृत्तीनां
प्रकृतिविकारभावाप्रतीतेश्च्यर्थो नास्तीति तद्वृत्तिभ्यः प्रत्ययो भवति । अधूमवान् धूमवान्
भवति धूमायति धूमायते ॥ ३० ॥

क्यङ्पो नवा ॥ ३ । ३ । ४३ ॥

डाच्लोहितादिभ्यः क्यङ् षिद् वक्ष्यते । तदन्ताद्वातोः कर्तर्यात्मनेपदं वा भवति ।
पटपटायति । पटपटायते । लोहितायति । लोहितायते । निद्रायति । निद्रायते ॥ ४३ ॥



अपटत् पटङ्गवतीति पटपटायति । पटपटायते ।

१ पटपटाय-धातोरूपाणि ॥

- १ पटपटाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- २ पटपटाये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पटपटाय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, ण्व, णम ॥
- ४ अपटपटाय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ५ अपटपटाय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ पटपटाय-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पटपटाय्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पटपटायिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पटपटायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- १० अपटपटायिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥

अलोहितो लोहितो भवतीति लोहितायते लोहितायति ।

२ लोहिताय-धातोरूपाणि ॥

- १ लोहिताय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- २ लोहिताये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लोहिताय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, ण्व, णम ॥
- ४ अलोहिताय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ५ अलोहिताय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ लोहिताया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ लोहिताय्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोहितायिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोहितायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- १० अलोहितायिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥

आत्मनेपदे

- १ पटपटा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पटपटाये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ पटपटा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ४ अपटपटा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, षि, ध्वहि, धमहि ॥
- ५ अपटपटायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, षद्वम्, द्वम्, ६ पटपटाय्या-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पटपटायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पटपटायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पटपटायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अपटपटायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

एवं दमदमायति, दमदमायते । मतान्तरे डाजन्तानामभूततद्भावविषयत्वं नास्तीति पटङ्गवतीत्येव विग्रहः ॥

आत्मनेपदे

- १ लोहिता-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लोहिताये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ लोहिता-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, ४ अलोहिता-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अलोहितायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, षद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, धमहि ॥
- ६ लोहिताया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ लोहितायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लोहितायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लोहितायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अलोहितायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

अलोहिनी लोहिनी भवतीति लोहिनीयते,
लोहिनीयति ।

३ लोहिनीय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ लोहिनीय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ लोहिनीये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लोहिनीय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अलोहिनीय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अलोहिनीय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ लोहिनीया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ लोहिनीय्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोहिनीयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोहिनीयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अलोहिनीयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म ॥

जिह्वाः कुटिलो मन्दश्च । अजिह्वो जिह्वो भवतीति
जिह्वायते, जिह्वायति ।

४ जिह्वाय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ जिह्वाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ जिह्वाये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ जिह्वाय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अजिह्वाय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अजिह्वाय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ जिह्वाया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ जिह्वाय्या-त्, स्ताम्, युः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ जिह्वायिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ जिह्वायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अजिह्वायिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, व, म ॥

आत्मनेपदे

- १ लोहिनी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लोहिनीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ लोहिनी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अलोहिनी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अलोहिनीयि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, ष्ढुम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ लोहिनीया-ञ्कारे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ लोहिनीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्,
द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लोहिनीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लोहिनीयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे,
ष्ये, प्व्यावहे, प्व्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, प्व्यावहि, प्व्यामहि ॥
- १० अलोहिनीयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,
नामग्रहणे लिङ्गविशिष्टस्यापि ग्रहणमिति लोहित-
शब्देनास्यापि ग्रहणम् ॥

आत्मनेपदे

- १ जिह्वा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जिह्वाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥
- ३ जिह्वा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अजिह्वा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अजिह्वायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, ष्ढुम्, द्वम्,
- ६ जिह्वाया-ञ्कारे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ जिह्वायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जिह्वायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जिह्वायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे,
ष्ये, प्व्यावहे, प्व्यामहे ॥
- १० अजिह्वायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,
ष्यध्वम्, ष्ये, प्व्यावहि, प्व्यामहि ॥

अश्यामः श्यामो भवतीति श्यामायते
श्यामायति ।

५ श्यामाय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ श्यामाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ श्यामाये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ श्यामाय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अश्यामाय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अश्यामाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ श्यामाया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ श्यामाय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ श्यामायिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ श्यामायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अश्यामायिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

आत्मनेपदे

- १ श्यामा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्यामाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ श्यामा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अश्यामा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अश्यामायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ श्यामाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ श्यामायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ श्यामायिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ श्यामायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे,
ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अश्यामायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,
ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

अधूमवान् धूमवान् भवतीति धूमायते, धूमायति ।

६ धूमाय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ धूमाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ धूमाये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ धूमाय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, व, म ॥
- ४ अधूमाय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अधूमाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ धूमाया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ धूमाय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ धूमायिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ धूमायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अधूमायिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

आत्मनेपदे

- १ धूमा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ धूमाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ धूमा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अधूमा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ५ अधूमायि-ष्ट, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ धूमाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ धूमायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ धूमायिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ धूमायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे,
ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अधूमायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,
ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

धूमादीनां स्वतन्त्रार्थवृत्तीनां प्रकृतिविकारभावाप्रतीते-
श्च व्यर्थं नास्तीति तद्वद्वृत्तिः यः प्रत्ययो भवति ॥

अचर्मवान् चर्मवान् भवतीति चर्मायते, चर्मायति । अहर्षवान् हर्षवान् भवतीति हर्षायते, हर्षायति ।

८ चर्माय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ चर्माय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ।वः, ।मः ॥
- २ चर्माये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ चर्माय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त, ।णि, ।व, ।म ॥
- ४ अचर्माय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, ।व, ।म ॥
- ५ अचर्माय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ चर्माया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ चर्माय्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चर्मायिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चर्मायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ।वः, ।मः ॥
- १० अचर्मायिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, ।व, ।म ॥

८ हर्षाय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ हर्षाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ।वः, ।मः ॥
- २ हर्षाये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ हर्षाय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ”, तात्, तम्, त, ।णि, ।व, ।म ॥
- ४ अहर्षाय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, ।व, ।म ॥
- ५ अहर्षाय्-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इष्म, इष्, इष्म ॥
- ६ हर्षाया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ हर्षाय्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ हर्षायिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ हर्षायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ।वः, ।मः ॥
- १० अहर्षायिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, ।व, ।म ॥

आत्मनेपदे

- १ चर्मा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चर्माये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ चर्मा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ४ अचर्मा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अचर्मायि-ष्ट, पाताम्, षत, घाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ चर्माया-ञ्कारे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ चर्मायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चर्मायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चर्मायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अचर्मायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

आत्मनेपदे

- १ हर्षा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हर्षाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ हर्षा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ४ अहर्षा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अहर्षायि-ष्ट, पाताम्, षत, घाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ हर्षाया-ञ्कारे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ हर्षायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हर्षायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हर्षायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अहर्षायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

अगर्ववान् गर्ववान् भवतीति गर्वायते, गर्वायति । असुखी सुखी भवतीति सुखायते, सुखायति ।

९ गर्वाय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ गर्वाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गर्वाये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गर्वाय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अगर्वाय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अगर्वाय-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ गर्वाया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गर्वाय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गर्वायिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गर्वायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगर्वायिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

१० सुखाय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ सुखाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सुखाये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सुखाय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ असुखाय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असुखाय-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्व, इष्म ॥
- ६ सुखाया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ सुखाय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सुखायिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सुखायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असुखायिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आत्मनेपदे

- १ गर्वा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गर्वाये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यष्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ गर्वा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
- ४ अगर्वा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अगर्वायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ गर्वाया-ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गर्वायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गर्वायिता-" , रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गर्वायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यष्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अगर्वायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

आत्मनेपदे

- १ सुखा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सुखाये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ सुखा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्,
- ४ असुखा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ असुखायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ सुखाया-ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सुखायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सुखायिता-" , रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सुखायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यष्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० असुखायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

अदुःखी दुःखी भवतीति दुःखायते दुःखायति ।

११ दुःखाय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ दुःखाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ दुःखाये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दुःखाय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अदुःखाय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदुःखाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ दुःखाया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ दुःखाय्या-त्, स्ताम्, छुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दुःखायिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दुःखायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदुःखायिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आत्मनेपदे

- १ दुःखा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दुःखाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ दुःखा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ४ अदुःखा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अदुःखायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ह्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ दुःखाया-ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ दुःखायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ह्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दुःखायिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दुःखायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अदुःखायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

अमूर्छवान् मूर्छवान् भवतीति मूर्छायते, मूर्छायति ।

१२ मूर्छाय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ मूर्छाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ मूर्छाये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ मूर्छाय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अमूर्छाय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अमूर्छाय्-ईत्, इष्टाम्, इषुः, ईः, इष्टम्, इष्ट, इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ मूर्छाया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ मूर्छाय्या-त्, स्ताम्, छुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मूर्छायिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मूर्छायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अमूर्छायिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आत्मनेपदे

- १ मूर्छा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मूर्छाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ मूर्छा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ४ अमूर्छा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अमूर्छायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ह्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ मूर्छाया-ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ मूर्छायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ह्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मूर्छायिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मूर्छायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥
- १० अमूर्छायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

अनिद्रावान् निद्रावान् भवतीति निद्रायते ।
निद्रायति ।

१३ निद्राय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ निद्राय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ निद्राये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ निद्राय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अनिद्राय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अनिद्राय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ निद्राया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ निद्राय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ निद्रायिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ निद्रायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अनिद्रायिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आत्मनेपदे

- १ निद्रा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ निद्राये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ निद्रा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अनिद्रा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अनिद्रायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ निद्रा-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ निद्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ निद्रायिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ निद्रायि-ष्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये,
ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अनिद्रायि-ष्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

अकृपावान् कृपावान् भवतीति कृपायते,
कृपायति ।

१४ कृपाय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ कृपाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कृपाये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कृपाय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्,
त, णि, इव, इम ॥
- ४ अकृपाय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अकृपाय-ईत्, इष्टाम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इषम्, इष्, इष्म ॥
- ६ कृपाया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कृपाय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कृपायिता-" , रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कृपायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकृपायिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आत्मनेपदे

- १ कृपा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कृपाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ कृपा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अकृपा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
यावहि, यामहि ॥
- ५ अकृपायि-ष्ट, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ कृपाया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कृपायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कृपायिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कृपायि-ष्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये,
ध्यावहे, ध्यामहे ॥
- १० अकृपायि-ष्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्,
ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

अकरुणावान् करुणावान् भवतीति करुणायते,
करुणायति ।

१५ करुणाय-धातोरूपाणि ॥ परस्मैपदे

- १ करुणाय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ करुणाये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ करुणाय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अकरुणाय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अकरुणाय-ईत्, इष्टम्, इष्टुः, ईः, इष्टम्, इष्ट,
इष्म्, इष्, इष्म ॥
- ६ करुणाय-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ करुणाय-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ करुणायिता-"', रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ करुणायिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकरुणायिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आत्मनेपदे

- १ करुणा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ करुणाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ करुणा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अकरुणा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥ [द्विम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ अकरुणायि-ष्ट, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इष्टम्,
- ६ करुणाय-ञ्कारे, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ करुणायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्विम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ करुणायिता-"', रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ करुणायि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये,
ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अकरुणायि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,
मतान्तरे लोहितादिषु लोहितशब्दादेव क्यङ्प्रत्ययो
जिह्वादिभ्यस्तु क्यङ् एवेति तेषामात्मनेपदघटितान्येव
रूपाणि भवन्ति ॥

इति क्यङ्प्रत्ययान्ता नामधातवः ॥

इति श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणमगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशास्त्रीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमदुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्द्रिन्द्रायमाणेनान्ते-
वासिना शास्त्रविशारदेन कविरत्नेन व्याकरणवास्पतिना महोपाध्याय-
लावण्यविजयगणिना विरचितस्य धातुरत्नाकरस्य नामधातु-
प्रक्रियानिरूपणे षष्ठभागे क्यङ्प्रत्ययान्तप्रकरणम् सम्पूर्णम् ॥

अथ णिङ्प्रत्ययान्तप्रकरणम् ॥

निरूपिताः क्यङ्प्रत्ययान्ता नामधातवः । अथ णिङ्प्रत्ययान्ता नामधातवो निरूपणीयाः ।
ननु कीदृशान्नाम्नः कस्मिन्नर्थे णिङ् प्रत्ययो वा भवतीति चेच्छ्रुयतामिदं लक्षणचतुष्टयम् ॥

अङ्गान्निरसने णिङ् ॥ ३ । ४ । ३८ ॥

अङ्गवाचिनः शब्दात् कर्मणो निरसनेऽर्थे णिङ् प्रत्ययो वा भवति । हस्तौ निरस्यति हस्तयते । पादयते । ग्रीवयते । निरसन इति किम् ? हस्तं करोति हस्तयति । कर्मण इति किम् ? हस्तेन निरस्यति । उकार आत्मनेपदार्थः ॥ २८ ॥

पुच्छादुत्परिव्यसने ॥ ३ । ४ । ३९ ॥

पुच्छशब्दात् कर्मण उदसने पर्यसने व्यसने असने चार्थे णिङ् प्रत्ययो वा भवति । पुच्छमुदस्यति उत्पुच्छयते । पर्यस्यते परिपुच्छयते । व्यस्यति विपुच्छयते अस्यति पुच्छयते ॥ ३९ ॥

भाण्डात् समाचितौ ॥ ३ । ४ । ४० ॥

भाण्डशब्दात् कर्मणः समाचयनेऽर्थे णिङ् प्रत्ययो वा भवति । समाचयनं च समापरिणा च द्योत्यते । भाण्डानि समाचिनोति संभाण्डयते परिभाण्डयते ॥ ४० ॥

चीवरात् परिधानार्जने ॥ ३ । ४ । ४१ ॥

चीवरशब्दात् कर्मणः परिधानेऽर्जने चार्थे णिङ् प्रत्ययो वा भवति । चीवरं परिधत्ते परिचीवरयते । समाच्छादनमपि परिधानम् । चीवरं समाच्छादयति संचीवरयते । चीवरमर्जयति चीवरयते । संमार्जनेऽप्यन्ये । चीवरं संमार्जयति संचीवरयते ॥ ४१ ॥

हस्तौ निरस्यतीति हस्तयते ।

१ हस्ति-धातोरूपाणि ॥

- १ हस्त-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हस्तये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ हस्त-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अहस्त-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, धि, ध्वहि, धमहि ॥
- ५ अजहस्ति-ष्ट, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, षड्वम्, ष्वम्,
- ६ हस्तया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ हस्तयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हस्तयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हस्तयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अहस्तयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, किशारत्नसमुच्चयकृतामभिप्रायेण तु के परे अन्यस्य ॥४१॥८॥ इति अहस्त-इत्यपि भवति । अस्माभिस्तु अस्मिन् सूत्रे तादृशोदाहरणादर्शनादेकमेवादृशि । एवमन्यत्र ॥

पादौ निरस्यतीति पादयते ।

२ पादि-धातोरूपाणि ॥

- १ पाद-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पादये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ पाद-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अपाद-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अपपादि-ष्ट, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, षड्वम्, ष्वम्, धि, ध्वहि, धमहि ॥
- ६ पादया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पादयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पादयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पादयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० अपादयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

भाण्डानि समाचिनोतीति संभाण्डयते
राशीकरोतीत्यर्थः ।

७ सम्-भाण्डि-धातोरूपाणि ॥

- १ संभाण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ संभाण्डये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥
- ३ संभाण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ समभाण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ समबभाण्ड-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्, अध्वम्, ए, आवहि, आमहि ॥
- ६ संभाण्डया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ संभाण्डयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ संभाण्डयिता-''रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ संभाण्डयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० समभाण्डयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

भाण्डानि समाचिनोतीति परिभाण्डयते
राशीकरोतीत्यर्थः ।

८ परि-भाण्डि-धातोरूपाणि ॥

- १ परिभाण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [य, वहि, महि ॥
- २ परिभाण्डये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्,
- ३ परिभाण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ पर्यभाण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ पर्यबभाण्ड-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्, अध्वम्, ए, आवहि, आमहि ॥
- ६ परिभाण्डया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ परिभाण्डयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ परिभाण्डयिता-''रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ परिभाण्डयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० पर्यभाण्डयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

चीवरं परिधत्ते इति परिचीवरयते ।

९ परि-चीवरि-धातोरूपाणि ॥

- १ परिचीवर-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ परिचीवरये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥
- ३ परिचीवर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ पर्यचीवर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ पर्यचिचीवर्-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्, अध्वम्, ए, आवहि, आमहि ॥
- ६ परिचीवरया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ परिचीवरयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ परिचीवरयिता-''रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ परिचीवरयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० पर्यचीवरयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्,

चीवरं समाच्छादयतीति संचीवरयते ।

१० सम्-चीवरि-धातोरूपाणि ॥

- १ संचीवर-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ संचीवरये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यै, यावहै, यामहै ॥
- ३ संचीवर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ समचीवर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ समचिचीवर्-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्, अध्वम्, ए, आवहि, आमहि ॥
- ६ संचीवरया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ संचीवरयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ संचीवरयिता-''रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ संचीवरयि-ष्यते, ष्येते, ष्यन्ते, ष्यसे, ष्येथे, ष्यध्वे, ष्ये, ष्यावहे, ष्यामहे ॥ [ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥
- १० समचीवरयि-ष्यत, ष्येताम्, ष्यन्त, ष्यथाः, ष्येथाम्, ष्यध्वम्, ष्ये, ष्यावहि, ष्यामहि ॥

चीवरमर्जयतीति चीवरयते ।

११ चीवरि-धातोरूपाणि ॥

- १ चीवर-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चीवरये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ चीवर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अचीवर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [अध्वम्, ए, आवहि, आमहि ॥
- ५ अचिचीवर-अत, एताम्, अन्त, अथाः, एथाम्,

६ चीवरया-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥

७ चीवरयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

८ चीवरयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

९ चीवरयि-ध्यते, ध्येते, ध्यन्ते, ध्यसे, ध्येथे, ध्यध्वे, ध्ये, ध्यावहे, ध्यामहे ॥

१० अचीवरयि-ध्यत, ध्येताम्, ध्यन्त, ध्यथाः, ध्येथाम्, ध्यध्वम्, ध्ये, ध्यावहि, ध्यामहि ॥

इति णिङ्प्रत्ययान्ता नामधातवः ॥

इति श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्रशाखीय-आचार्यचूडामणि-अखण्डविजय-
श्रीमदुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दिरायमाणेनान्ते-
वासिना शास्त्रविशारदेन कविरत्नेन व्याकरणवाचस्पतिना महोपाध्याय-
लावण्यविजयगणिना विरचितस्य धातुरत्नाकरस्य नामधातु-
प्रक्रियानिरूपणे षष्ठभागे णिङ्प्रत्ययान्तप्रकरणं सम्पूर्णम् ॥

अथ णिच्प्रत्ययान्तप्रकरणम् ॥

निरूपिता णिङ्प्रत्ययान्ता नामधातवः । अथ णिच्प्रत्ययान्ता नामधातवो निरूपणीयाः ।
ननु कीदृशान्नामनः कस्मिन्नर्थे णिच् प्रत्ययो भवतीति चेद् गृहणेमानि सूत्राणि-

णिज् बहुलं नाम्नः कृगादिषु ॥ ३ । ४ । ४२ ॥

कृगादीनां धातूनामर्थे नाम्नो णिच् प्रत्ययो भवति बहुलम् । बहुलग्रहणं प्रयोगानुसर-
णार्थम्, तेन यस्मान्नाम्नो यद्विभक्त्यन्ताद् यस्मिन् धात्वर्थे दृश्यते तस्मात्तद्विभक्त्यन्तात्तद्वा-
त्वर्थे एव भवतीति नियमो लभ्यते । मुण्डं करोति मुण्डयति छात्रम् । एवं मिश्रयत्योदनम् ।
श्लक्ष्णयति वस्त्रम् । लवणयति सूपम् । एभ्यश्चव्यर्थे एवेति कश्चित् । अमुण्डं मुण्डं करोति
मुण्डयतीत्यादि । लघुं करोति लघयति । एवं छिद्रयति । कर्णयति । दण्डयति । अन्धयति ।
अङ्कयति । व्याकरणस्य सूत्रं करोति व्याकरणं सूत्रयति । द्वारस्योद्घाटनं करोति द्वारमुद्घाट-
यति । ननु व्याकरणशब्दाद् वाक्ये षष्ठी दृश्यते, उत्पन्ने च प्रत्यये कथं द्वितीया । उच्यते ।
योऽसौ सूत्रव्याकरणयोः सम्बन्धः स उत्पन्ने प्रत्यये निवर्तते, सूत्रयतिक्रियासम्बन्धाच्च
द्वितीयैव । एवद्वारमुद्घाटयति । पाप्मिन उल्लाघयति । त्रिलोकीं तिलकयतीत्याद्यपि द्रष्टव्यम् ।
अथ तपः करोति तपस्यतीत्यादिवत् कर्मणो वृत्तावन्तर्भूतत्वान्मुण्डिरकर्मकः प्राप्नोति ।
नैवम् । सामान्यकर्मान्तर्भूतं विशेषकर्मणा तु सकर्मक एव, मुण्डयति कं छात्रमिति । यद्येवं

पुत्रीयतिरपि विशेषकर्मणा सकर्मकः प्राप्नोति, पुत्रीयति कं छात्रमिति । सत्यम् । आचार-
क्यना तु बुद्धेरपहतत्वात् इच्छाक्यन्नन्तस्य विद्यमानमपि विशेषकर्म न प्रयुज्यते । तथाहि ।
पुत्रीयति छात्रमित्युक्ते पुत्रमिवाचरति छात्रमिति प्रतीतिर्भवति न तु पुत्रमिच्छतीति । तदुक्तम्—
सदपीच्छाक्यनः कर्म तदाचारक्यना हृतम् । कौटिल्येनैव गत्यर्थाभ्यासो वृत्तौ न गम्यते
॥ १ ॥ मुण्डं बलीवर्दं करोतीत्युभयधर्मविधाने मुण्डं शुक्लं करोतीत्यनुवादे वाऽनभिधानाच्च
भवति । पटुमाचष्टे करोति वा पटयति । एवं स्थूलं स्थवयति । दवयति । युवानं यवयति ।
क्षिप्रं क्षेपयति । क्षुद्रं क्षोदयति । प्रियं दूरं प्रापयति । स्थिरं स्थापयति । स्फिरं स्फापयति ।
पुच्छं पुच्छयति । वृक्षमाचष्टे रोपयति वा वृक्षयति । कृतं गृह्णाति कृतयति । एवं वर्णयति ।
त्वचयति । त्वचशब्दोऽकारान्तस्त्वक्पर्यायः । रूपं दर्शयति रूपयति । रूपं निध्यायति निरू-
पयति । लोमान्यनुमाष्टिं अनुलोमयति । तूस्तानि विहन्ति उद्धहति वा वितूस्तयति उत्तूस्तयति,
केशान् विजटीकरोतीत्यर्थः । वस्त्रं वस्त्रेण वा समाच्छादयति संवस्त्रयति । वस्त्रं परिदधाति परि-
वस्त्रयति । तृणान्युत्प्लुत्य शातयति उत्तृणयति । हस्तिनातिक्रामति अतिहस्तयति । एवमत्यश्च-
यति । वर्मणा संनहति संवर्मयति । वीणया उपगायति उपवीणयति । सेनया अभियाति अभि-
षेणयति । चूर्णैरवध्वंसयति अवकिरति वा अवचूर्णयति । तूलैरनुकुष्णाति अवकुष्णाति अनु-
गृह्णाति वा अनुतूलयति । वास्या छिनत्ति वासयति । एवं परशुना परशयति । असिना असयति ।
वास्या परिछिनत्ति परिवासयति । वाससा उन्मोचयति उद्रासयति । श्लोकैरुपस्तौति उपश्लो-
कयति । हस्तेनातिक्षिपति अपहस्तयति । अश्वेन संयुनक्ति समश्वयति । गन्धेनार्चयति गन्धयति ।
एवं पुष्पयति । बलेन सहते बलयति । शीलेनाचरति शीलयति । एवं सामयति । सान्त्वयति ।
छन्दसोपचरति उपमन्त्रयते वा उपच्छन्दयति । पाशेन संयच्छति संपाशयति । पाशं पाशाद्वा
विमोचयति विपाशयति । शूरो भवति शूरयति । वीर उत्सहते वीरयति । कूलमुल्लङ्घयति
उत्कूलयति । कूलं प्रतीपं गच्छति प्रतिकूलयति । कूलमनुगच्छति अनुकूलयति । लोष्ठान्
अवमर्दयति अवलोष्ठयति । पुत्रं सूते पुत्रयति, इत्यादि । आख्यानं नलोपाख्यानं कंसवधं
सीताहरणं रामप्रव्रजनं राजागमनं मृगरमणमारान्निविवासमाचष्टे इत्यादिषु । इन्द्रियाणां जयं
क्षीरस्य पानं देवानां यागं धान्यस्य क्रयं धनस्य त्यागमोदनस्य पाकं करोतीत्यादिषु च
बहुलवचनाच्च भवति । अथ हस्तौ निरस्यति हस्तयते पादयते इत्यादिवद् उत्पुच्छयते इत्या-
दावप्युपसर्गस्याप्रयोगः प्राप्नोति । नैवम् । यत्रानेकविशेषणविशिष्टा क्रिया प्रत्यायार्थस्तत्र
क्रियाविशेषाभिव्यक्तये युक्त उपसर्गप्रयोगः, यथा विपाशयति संपाशयतीति, यत्र त्वेक-
विशेषणविशिष्टा क्रिया प्रत्ययार्थस्तत्र संदेहाभावादुपसर्गो न युज्यते, यथा श्येन इवा-
चरति श्येनायते । बाष्पमुद्धमति बाष्पायते । हस्तौ निरस्यति हस्तयते । पुत्रमिवाचरति
पुत्रीयति । यद्येवमतिहस्तयति उपवीणयतीत्यादावेकैकविशेषणविशिष्टत्वादुपसर्गो न प्राप्नोति ।
नैवम् । अत्र णिच्प्रत्ययस्य करोत्याचष्टेऽतिक्रामतीत्याद्यनेकार्थत्वात् संदेहे तदभिव्यक्त्यर्थ-
मुपसर्गप्रयोगः । यत्र पुनरनेकोपसर्गविशिष्टा क्रिया प्रत्ययार्थस्तत्र शब्दशक्तिस्वामाभ्यादेक

एवोपसर्गार्थः प्रत्ययार्थेऽन्तर्भवति द्वितीयस्तूपसर्गेणैव प्रत्याय्यते । यथा भाण्डं समाचिनोति संभाण्डयते । वस्त्रं वस्त्रेण वा समाच्छादयति संवस्त्रयति ॥ ४२ ॥

व्रताद्भुजितन्निवृत्त्योः ॥ ३ । ४ । ४३ ॥

व्रतं शास्त्रविहितो नियमः । व्रतशब्दाद् भोजने तन्निवृत्तौ च वर्तमानात् कृगादिष्वर्थेषु णिच् प्रत्ययो भवति बहुलम् । पय एव मया भोक्तव्यमिति व्रतं करोति गृह्णाति वा पयो व्रतयति । सावद्यान्नं व्रतयति । सावद्यान्नं मया न भोक्तव्यमिति व्रतं करोति गृह्णाति वा सावद्यान्नं व्रतयति । अथनियमार्थ आरम्भः ॥ ४३ ॥

सत्यार्थवेदस्याः ॥ ३ । ४ । ४४ ॥

सत्य अर्थ वेद इत्येषां णिच्सन्नियोगे आकारोऽन्तादशो भवति । सत्यमाचष्टे करोति वा सत्यापयति । एवमर्थापयति । वेदापयति । व्यन्त्यस्वरादेः [७-४-४३] इत्याकारस्य लुगं न भवति विधानसामर्थ्यात् ॥ ४४ ॥

श्वेताश्वाश्वतरगालोडिताह्वरकस्याश्वतरेतकलुक् ॥ ३ । ४ । ४५ ॥

श्वेताश्वाश्वतर गालोडित आह्वरक इत्येषां णिच्सन्नियोगे यथासंख्यमश्व तर इत क इत्येषां लुगं भवति । श्वेताश्वामाचष्टे करोति वा श्वेताश्वेनातिक्रामतीति वा श्वेतयति । एवमश्वयति । गालोडितमाचष्टे करोति वा गालोडयति । एवमाह्वरयति । लुगर्थं वचनं णिच् तु सर्वत्र पूर्वेण सिद्ध एव ॥ ४५ ॥

अङ्कं करोतीति अङ्कयति ।

१ अङ्क-धातोरूपाणि ॥

- १ अङ्कय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अङ्कये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अङ्कय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आङ्कय-त्, ताम्, न्ते, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आङ्कक-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अङ्कया-श्चकार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ अङ्कया-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अङ्कयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अङ्कयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आङ्कयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ व्यन्त्यस्वरादेः ” [७, ४, ४३] इत्यन्त्यस्वरस्य लुगं भवति । अङ्कशब्दो दृश्यकाव्यविशेषे, अङ्क इति प्रसिद्धे नाटकपरिच्छेदे, पर्वते, चिह्ने, रेखायां, युद्धभूषणे, समीपे च वर्तते । क्रोडे तु अस्त्री । अद्यतन्याम् अलोपस्य स्थानिवद्भावे कशब्दस्य द्वित्वे आश्रयकत्-स्थानिवद्भावामावे तु किशब्दस्य द्वित्वे आश्रयकत् ॥

अन्तिकमाष्टे नेदयति ।

२ नेदि-धातोरूपाणि ॥

- १ नेदय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ नेदये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ नेदय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अनेदय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अनिनेद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ नेदया-श्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ नेद्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नेदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नेदयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अनेदयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ बाढान्तिकयोः साधनेदौ ” [७, ४, ३७] इत्यन्तिकशब्दस्य नेद इत्यदन्तादेशः, समानलोपित्वाच्च अनिनेदत् इत्यत्र सन्वदादिकार्याभावात् । अन्तिकशब्दः सामीप्ये सामिप्यवति च वर्तते ॥

आह्वरकं कुटिलवाक्यमाचष्टे करोति वा
इति आह्वरयति ।

३ आह्वरि-धातोरूपाणि ॥

- १ आह्वरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ आह्वरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ आह्वरय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
 - ४ आह्वरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ आजह्वर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ आह्वरया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ आह्वराया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ आह्वरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ आह्वरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० आह्वरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- “ श्वेताश्व० ” [३, ४, ४५] इत्याह्वरकशब्दस्य कस्य लुभभवति । आशिषि-णिरूपनिमित्तापायेनिमित्तापाय इतिन्यायेन पुनरागतस्याकारस्य दीर्घे आह्वरायात्-न च अङ्ग्यादित्यादावपि उक्तापत्तिरितिवाच्यम्, वैषम्यात्, तथाहि -अकलोपमकृत्वा कमात्रस्य लोपविधानेन पृथगकारलोपकरणप्रक्रियागौरवेणात्रैवेदम्, एतदनादरपक्षे आह्वर्यात् ॥

श्लोकैरुपस्तौतीति उपश्लोकयति ।

४ उप-श्लोकि-धातोरूपाणि ॥

- १ उपश्लोकय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ उपश्लोकये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ उपश्लोकय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
 - ४ उपाश्लोकय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ उपाश्लुश्लोक-त्, ताम्, न्, ;, तम्, म्, इव, इम ॥
 - ६ उपश्लोकाया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ उपश्लोकया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ उपश्लोकयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ उपश्लोकयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० उपाश्लोकयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- “ न प्रादिरप्रत्ययः ” ३-३-४ इति उपस्य धात्ववय-त्वाभात् श्लोकि इत्यस्यादावङ्विधिः ॥

त्रिलोक्यास्तिलकं करोतीति त्रिलोकीं
तिलकयति ।

५ तिलकि-धातोरूपाणि ॥

- १ तिलकय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ तिलकये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ तिलकय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
 - ४ अतिलकय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अतिलिलक-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ तिलकया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ तिलक्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ तिलकयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ तिलकयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अतिलकयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- समानलोपित्वात् सन्वत्कार्याभावः ॥

वृन्दारकमाचष्टे करोति वा इति वृन्दयति ।

६ वृन्दि-धातोरूपाणि ॥

- १ वृन्दय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ वृन्दये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ वृन्दय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
 - ४ अवृन्दय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अववृन्द-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ वृन्दया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ वृन्द्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ वृन्दयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ वृन्दयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अवृन्दयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- “ प्रियस्थिर० ” [७, ४, ३८] इति वृन्दारकस्य वृन्दादशः । कश्चित्तु करोत्यर्थे णौ वृन्दादेशे नेच्छति तन्मते, वृन्दारकयतीत्यादि । वृन्दारकशब्दो देवे, मुख्ये, मनोहरे, यूथपतौ च वर्तते ॥

बन्धूनां संवर्गं करोतीति संवर्गयति बन्धून् ।

७ सम्-वर्गि-धातोरूपाणि ॥

- १ संवर्गय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ संवर्गये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ संवर्गय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ समवर्गय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ समवर्ग-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ संवर्गया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ संवर्ग्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ संवर्गयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ संवर्गयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० समवर्गयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“न प्रादिरप्रत्ययः” ३-३-४ इति समो धात्ववयवत्वाभावात् वर्गि इत्यस्यादौ अङ्विधिः ॥

दीर्घमाचष्टे करोति वा इति द्राघयति ।

९ द्राघि-धातोरूपाणि ॥

- १ द्राघय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ द्राघये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ द्राघय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अद्राघय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदिद्रघ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ द्राघया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ द्राघ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ द्राघयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ द्राघयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अद्राघयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे ५ अद्राघत् । “प्रियस्थिर०” [७, ४, ३८] इति दीर्घशब्दस्य द्राघ् आदेशः । अदिद्रघदित्यत्र संयोगपरत्वात् लघुत्वाभावात् दीर्घाभावः ॥

त्वं कुरुष्वेति प्रेरयतीत्यर्थः । उत्पलमतैन अतो “णिगिति” ॥४॥३॥५०॥ इति वृद्धौ प्वागमे, मृत्येन कारापयति । एवं वन्दापयतीत्यादिष्वपि ॥

पाप्मानामुल्लाघं करोतीति पाप्मिन उल्लाघयति ।

८ उद्-लाघि-धातोरूपाणि ॥

- १ उल्लाघय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ उल्लाघये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ उल्लाघय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
 - ४ उदल्लाघय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ उदल्लाघ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ उल्लाघया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ उल्लाघ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ उल्लाघयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ उल्लाघयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० उदल्लाघयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- उल्लाघशब्दो रोगनिर्मुक्ते, दक्षे शुचौ, मरिचे च वर्तते । “न प्रादिरप्रत्ययः” ३-३-४ इति उदो धात्ववयवत्वाभावात् लाघि-इत्यस्यादौ अङ्विधिः । अद्यतन्यां समानलोपित्वात् उपान्त्यह्रस्वसन्वत्कार्यभावात् ॥

त्वचं गृह्णातीति त्वचयति ।

१० त्वचि-धातोरूपाणि ॥

- १ त्वचय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ त्वचये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ त्वचय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अत्वचय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतत्वच-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ त्वचया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ त्वच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ त्वचयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ त्वचयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अत्वचयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अत्र त्वचशब्दोऽदन्तस्त्वक्पर्यायः ।

व्यञ्जनान्तस्य तु “णिगिति” ॥ ४ ॥ ३ ॥ ५० ॥ इति वृद्धौ त्वाचयतीति रूपं स्यात्, तच्चानिष्टमिति न कृतम् । अत्र व्यञ्जनान्तं त्वक्शब्दं परित्यज्य स्वरान्तपाठेन ज्ञाप्यते-नाम्नोऽप्यतोऽन्त्यस्योपान्त्यस्य च अतः “णिगिति” ॥ ४ ॥ ३ ॥ ५० ॥ इति सूत्रेण वृद्धिर्भवतीत्युत्पलमतं स्वस्यापि कचित् सम्मतमस्तीति । यथा त्वां मां वाचष्टे, अत्र परत्वात् पूर्वमन्त्यस्वरादिलोपे त्वमादेशोऽन्त्यस्वराकारस्य वृद्धौ प्वागमे, त्वापयति, मापयति । ननु कथं कारापयति वन्दापयति, कथापयति, लेखापयतीत्यादि । उच्यते । महाकविप्रत्युक्ता एते प्रयोगाः कापि न दृश्यन्ते, यदि च कचन सन्ति तदैवं समर्थनीयाः । करणं कारस्तमनुयुङ्क्ते

लोष्ठानवमर्दयतीति अवलोष्ठयति ।

११ अव-लोष्ठि-धातोरूपाणि ॥

- १ अवलोष्ठय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - २ अवलोष्ठये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ अवलोष्ठय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
 - ४ अवलोष्ठय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
 - ५ अवलोष्ठय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
 - ६ अवलोष्ठया-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ अवलोष्ठ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ अवलोष्ठयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ अवलोष्ठयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - १० अवलोष्ठयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- लोष्ठशब्दो मृत्पिण्डे वर्तते । न प्रादिरप्रत्ययः ३-३-४ इति अवस्य धात्ववयवत्वाभावात् लोष्ठि इत्यस्यादौ अङ्विविधिः ।

द्वारस्योद्घाटं करोतीति द्वारमुद्घाटयति ।

१२ उद्-घाटि-धातोरूपाणि ॥

- १ उद्घाटय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - २ उद्घाटये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ उद्घाटय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
 - ४ उद्घाटय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
 - ५ उद्घाटय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
 - ६ उद्घाटया-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ उद्घाट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ उद्घाटयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ उद्घाटयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
 - १० उद्घाटयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- न प्रादिरप्रत्ययः ३-३-४ इति उदो धात्ववयवत्वाभावात् घाटि-इत्यस्यादौ अङ्विविधिः । अद्यतन्यां समानलोपित्वात् उपाऽन्त्यह्रस्वसन्त्काव्याभावः ॥

सम्प्रोक्षेः संकीर्णप्रकाशाधिकसमीपे ॥७।२।१२५॥

इति प्रात् प्रकाशेऽर्थे कटप्रत्यये प्रकटः । तं करोतीति प्रकटयति स्वाभिप्रायम् ॥

१३ प्रकटि-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रकटय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ प्रकटये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ प्रकटय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अप्रकटय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अप्रकटय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ६ प्रकटया-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ प्रकट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रकटयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रकटयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अप्रकटयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

“न प्रादिरप्रत्ययः” ३-३-४ इत्यत्राप्रत्ययनिषेधे-
न धात्ववयवत्वात् प्रसहितस्य कटस्यादवेवाह्र भवति ॥
“अनेकस्वरस्य” [४, १, ८] इति यथेच्छं द्विवे-५-
अपप्रकटत्, अप्रचकत्, अप्रकटितत् इति क्रियारत्नसमुच्चयः ॥

दण्डं करोतीति दण्डयति ।

१४ दण्डि-धातोरूपाणि ॥

- १ दण्डय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- २ दण्डये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दण्डय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, व, म ॥
- ४ अदण्डय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ५ अदण्डय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥
- ६ दण्डया-ञ्कार इ० ॥ स्वभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ दण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दण्डयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दण्डयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, वः, मः ॥
- १० अदण्डयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, व, म ॥

मुण्डं करोतीति मुण्डयति छात्रम् ।

१५ मुण्डि-धातोरूपाणि ॥

- १ मुण्डय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ मुण्डये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ मुण्डय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अमुण्डय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अमुमुण्ड-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ मुण्डया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ मुण्ड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मुण्डयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मुण्डयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अमुण्डयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अमुण्डं मुण्डं करोतीति मुण्डयतीत्यादि च्यर्थ एवेति कश्चित् । ननु तपस्यतीत्यादिवत् कर्मणो वृत्तावन्तर्भावा-
न्मुण्डिनाऽकर्मकेण भाव्यमिति चेन्न सामान्यकर्मणोऽन्तर्भा-
वेऽपि विशेषकर्मणा सकर्मकत्वात्, मुण्डयति, कम् ? छात्र-
मिति । यथेवं पुत्रीयतिरपि विशेषकर्मणा सकर्मकः प्राप्नोति
'पुत्रीयति कम् ? छात्रमिति, सत्यम्, आचारक्यना तु
बुद्धेरपहतत्वादिच्छाक्यन्नन्तस्य विद्यमानमपि कर्म न
प्रयुज्यते । तथाहि पुत्रीयति छात्रमित्युक्ते पुत्रमिवाचरति
छात्रमिति प्रतीतिर्भवति न तु पुत्रमिच्छतीति । मुण्डं
बलिवर्द्धं करोतीति उभयधर्मविधाने मुण्डं शुक्लं करोतीत्य-
नुवादे वाऽनभिधानाच्च भवति ॥

दृढमाचष्टे करोति वा इति द्रढयति ।

१७ द्रढि-धातोरूपाणि ॥

- १ द्रढय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ द्रढये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ द्रढय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अद्रढय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदद्रढ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ द्रढया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ द्रढ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ द्रढयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ द्रढयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अद्रढयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

"पृथुमुदुशुश०" [७, ४, ३९] इति ऋकारस्य
रः । समानलोपित्वात् सन्वत्कार्यभावात्, दृढः स्थूलः
बलवान्, कठिनश्च ।

ऊढमाचष्ट इति ऊढयति ।

१६ ऊढि-धातोरूपाणि ॥

- १ ऊढय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ ऊढये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ ऊढय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ औढय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ औजढ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ ऊढया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ऊढ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ऊढयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ऊढयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० औढयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

औजढत् इत्यपरे । वहेः के ऊढः, तमास्यदिति औज-
ढत्, अत्र परे द्वित्वे " हो धुदपदान्ते " [२, १, ८२]
इत्यस्यासत्त्वे तदाश्रितत्वात् " अधश्चतुर्थी० " [२, १,
७९] इत्यस्याप्यसत्त्वे ढत्वधत्वयोरसत्त्वात् अन्त्यस्वरादि-
लोपस्य च द्वित्वे स्थानित्वादकारेण सह " नाम्नो द्वितीय० "
[४-१-७] इत्यनेन हेति द्विवचनम् । केचित्तु अन्त्यस्वरादि-
लोपस्य स्थानित्वमनिच्छन्तो हि इति द्वित्वे-औजढत् ॥

परिवृढं प्रभुमाचष्टे करोति वा इति परिव्रढयति ।

१८ परिव्रढि-धातोरूपाणि ॥

- १ परिव्रढय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ परिव्रढये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ परिव्रढय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ पर्यव्रढय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ पर्यव्रढ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ परिव्रढया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ परिव्रढ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ परिव्रढयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ परिव्रढयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० पर्यव्रढयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

पृथुमुदुशुशक्रशदपरिव्रढशब्दानां " पृथुमुदु० "
[७, ४, ३९] इति ऋकारस्य रः । समानलोपित्वात्
सन्वत्कार्यभावात् । न प्रादिरिति परेर्न धात्वयत्वम् । णि-
चि रेफः । केचित्तु वृढशब्दस्यापीच्छन्ति । वृढमाचष्टे
व्रढयति ।

बाढमाचष्टे इति साधयति ।

१९ साधि-धातोरूपाणि ॥

- १ साधय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ साधये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ साधय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ असाधय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असाधय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ साधया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ साध्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ साधयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्व, स्मः ॥
- ९ साधयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असाधयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अयतन्यां समानलोपित्वेन उपान्यह्रस्वाभावः सन्व-
त्कार्याभावश्च । " बाढान्तिकयोः साधनेदौ" [७, ४, ३७]
इति बाढशब्दस्य साध इत्यदन्त आदेशः, समानलोपित्वाच्च
असाधयत् इत्यत्र सन्वदादिकार्याभावः । बाढशब्दोऽति-
शये, अतिशयवति च वर्तते ।

चूर्णैरवर्धयति अवधिरिति वा अवचूर्णयति ।

२० अव-चूर्णि धातोरूपाणि ॥

- १ अवचूर्णय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अवचूर्णये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अवचूर्णय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अवाचूर्णय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवाचूर्णय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अवचूर्ण्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अवचूर्ण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्मः ॥
- ८ अवचूर्णयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्व, स्म ॥
- ९ अवचूर्णयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवाचूर्णयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

न प्रादिरिति तु न धात्ववयवत्वम् अवस्य ।

तृणान्युत्प्लुत्य शातयतीति उत्तृणयति ।

२१ उद्-तृणि-धातोरूपाणि ॥

- १ उत्तृणय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ उत्तृणये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ उत्तृणय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ उद्तृणय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ उद्तृणय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ उत्तृण्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ उत्तृण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ उत्तृणयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्व, स्मः ॥
- ९ उत्तृणयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० उद्तृणयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

न प्रादिरिति तु उदो न धात्ववयवत्वम् । समानलोपित्वेन
सन्वत्कार्याभावः ।

कर्णं करोति आचष्टे वा कर्णयति ।

२२ कर्णि-धातोरूपाणि ॥

- १ कर्णय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कर्णये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कर्णय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अकर्णय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचकर्ण-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ कर्ण्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कर्ण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कर्णयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्व, स्मः ॥
- ९ कर्णयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकर्णयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

पूर्वस्य लघुपरकत्वाभावेन सन्वत्कार्याभावः ।

कृष्णमाचष्टे इति कृष्णयति ।

२३ कृष्णि-धातोरूपाणि ॥

- १ कृष्णय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कृष्णये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कृष्णय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अकृष्णय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचकृष्ण-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ कृष्णया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कृष्ण्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कृष्णयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कृष्णयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकृष्णयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

कृष्णशब्दो वासुदेवे, वेदव्यासे अर्जुने, काके, कोकिले, नीले, कर्मरुदके वृक्षे, नीलवति च वर्तते ॥

प्रमाणं करोतीति प्रमाणयति साक्षिणम् ।

२४ प्र-माणि-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रमाणय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ प्रमाणये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ प्रमाणय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ प्रामाणय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ प्रामाण-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ प्रमाणया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ प्रामाण्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रमाणयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रमाणयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० प्रामाणयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

न प्रादिरिति प्रशब्दस्य न धात्ववयत्वम् । समानलोपित्वात् उपाऽन्त्यह्रस्वाभावः सन्वत्कार्योभावश्च ॥

लवणं लवणरसयुक्तं करोतीति लवणयति सूपम् ।

२५ लवणि-धातोरूपाणि ॥

- १ लवणय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ लवणये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लवणय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अलवणय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अललवण-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ लवणया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ लवण्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लवणयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लवणयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अलवणयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अलवणं लवणं करोतीति लवणयतीत्यादि च्यर्थे एवेति कश्चित् । समानलोपित्वात् उपाऽन्त्यह्रस्वाभावः सन्वत्कार्योभावश्च ॥

श्लक्ष्णं चिकृणं करोतीति श्लक्ष्णयति वस्त्रम् ।

२६ श्लक्ष्णि-धातोरूपाणि ॥

- १ श्लक्ष्णय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ श्लक्ष्णये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ श्लक्ष्णय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अश्लक्ष्णय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अशश्लक्ष्ण-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ श्लक्ष्णया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ श्लक्ष्ण्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ श्लक्ष्णयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ श्लक्ष्णयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अश्लक्ष्णयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अश्लक्ष्णं श्लक्ष्णं करोतीति श्लक्ष्णयतीत्यादि च्यर्थे एवेति कश्चित् ॥

वर्णे गृह्णातीति वर्णयति ।

२७ वर्णि-धातोरूपाणि ॥

- १ वर्णय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वर्णये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वर्णय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अवर्णय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवर्णये-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ वर्णया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वर्ण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वर्णयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वर्णयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवर्णयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥

वर्णशब्दः कुङ्कुमे, ब्राह्मणादिजातौ, शुक्लारूपे वर्णे,
अकारायक्षरे, यशसि, अङ्गरागे, गुणे, स्वर्णे, विलेपनद्रव्ये,
विलेपने, स्तुतौ, गीतक्रमे, तालभेदे, चित्रे च वर्तते ॥

हस्तेनापक्षिपतीति अपहस्तयति ।

२८ अप-हस्ति-धातोरूपाणि ॥

- १ अपहस्तय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ अपहस्तये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ अपहस्तय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्,
त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अपाहस्तय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अपाजहस्त-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ अपहस्तया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ अपहस्त्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ अपहस्तयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ अपहस्तयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
 - १० अपाहस्तयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥
- न प्रादिरिति अपस्य न धात्ववयवत्वम् ॥

ब्रूस्तानि उद्वहतीति उचूस्तयति केशान्,
विजटी करोतीत्यर्थः ।

२९ उच्-तूस्ति-धातोरूपाणि ॥

- १ उचूस्तय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ उचूस्तये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ उचूस्तय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ उदूस्तय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ उदतूस्त-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ उचूस्तया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ उचूस्त्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ उचूस्तयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ उचूस्तयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
- १० उदतूस्तयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥

न प्रादिरिति उदोन धात्ववयवत्वम् ॥

कृतं गृह्णातीति कृतयति, उपकारं स्वीकरो-
तीत्यर्थः ॥

३० कृति-धातोरूपाणि ॥

- १ कृतय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कृतये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कृतय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अकृतय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचकृत-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ कृतया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कृत्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कृतयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कृतयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
- १० अकृतयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥

समानलोपित्वेन मन्वत्कार्याभावः ॥

गालोडितमाचष्टे करोति वा गालोडयति ।

३१ गालोडि-धातोरूपाणि ॥

- १ गालोडय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गालोडये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गालोडय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अगालोडय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अजगालोड-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ गालोडया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गालोड्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ गालोडयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गालोडयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगालोडयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥

गालोडितशब्दो गोदोहने, विलोडने, वाग्विवेचने च वर्तते । श्वेताश्वश्चतुर् ३-४-४५-इत्यादिना इतस्यलुक् । न च पुनरपि कथञ्चोन्यस्वरलोप इति वाच्यम् येन ना-प्राप्ति न्यायेन तस्य पूर्वमेव बाधितत्वात् ॥

तूस्तानि विहन्तीति वितूस्तयति केशान्,
विजटीकरोतीत्यर्थः ।

३२ वि-तूस्ति-धातोरूपाणि ॥

- १ वितूस्तय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ वितूस्तये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ वितूस्तय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ व्यतूस्तय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ व्यतुतूस्त-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ वितूस्तया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ वितूस्त्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
 - ८ वितूस्तयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ वितूस्तयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० व्यतूस्तयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- तूस्तशब्दो जटाय्यां, संहतकेशेषु, धूलौ, सूक्ष्मे च वर्तते ॥

कृत्यस्य पर्यन्तं करोतीति पर्यन्तयति कृत्यम् ।

३३ परि-अन्ति-धातोरूपाणि ॥

- १ पर्यन्तय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पर्यन्तये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पर्यन्तय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ पर्यान्तय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ पर्यान्तत-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ पर्यन्तया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पर्यन्त्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ पर्यन्तयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पर्यन्तयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० पर्यान्तयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥

न प्रादिरिति परेर्न धात्ववयवत्वम्-अद्यतन्याम् अ-लोपस्य स्थानिवद्भावेन तशब्दस्य द्वित्वे पर्यान्ततत्, स्थानि-वद्भावाभावे न्तिशब्दस्य द्वित्वे पर्यान्तितत् ॥

वार्ति नीरोमं करोतीति वार्तयति ।

३४ वार्ति-धातोरूपाणि ॥

- १ वार्तय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वार्तये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वार्तय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अवार्तय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अववार्त-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ वार्तया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वार्त्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ वार्तयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वार्तयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवार्तयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥

पय एव मया भोक्तव्यमिति व्रतं करोति
गृह्णाति वा इति पयो व्रतयति ।

३५ व्रति-धातोरूपाणि ॥

- १ व्रतय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ व्रतये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ व्रतय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अव्रतय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अव्रतये-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ व्रतया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ व्रत्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ व्रतयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ व्रतयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अव्रतयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

समानलोपित्वात् सन्वत्कार्याभावः । सावद्याजं मया
न भोक्तव्यमिति व्रतं करोति गृह्णाति वा सावद्याजं व्रतयति ॥

अर्थमाचष्टे करोति वा इति अर्थापयति ।

३६ अर्थापि-धातोरूपाणि ॥

- १ अर्थापय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अर्थापये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अर्थापय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ आर्थापय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आर्थापये-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अर्थापया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अर्थाप्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अर्थापयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अर्थापयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आर्थापयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ सत्यार्थवेदस्याः ” [३, ४, ४४] इत्याकारे पुंसि
च अर्थापयति । मतान्तरे ५-आर्थाप-त् । “ अस्तिरीवली-
हीकनूयिष्माय्यतां पुः ॥ ४-२-२१-इत्यत्र बहुवचनस्य
व्याप्यर्थत्वेन नाम्नोऽपि पुर्विधानम् । आर्थापपदिलेके ॥

कृतार्थं करोतीति कृतार्थयति ।

३७ कृतार्थि-धातोरूपाणि ॥

- १ कृतार्थय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कृतार्थये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कृतार्थय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अकृतार्थय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अकृतार्थये-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ कृतार्थया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कृतार्थ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कृतार्थयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कृतार्थयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकृतार्थयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

वेदमाचष्टे इति वेदापयति ।

३८ वेदापि-धातोरूपाणि ॥

- १ वेदापय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वेदापये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वेदापय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अवेदापय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवेदापये-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ वेदापया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वेदाप्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वेदापयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वेदापयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवेदापयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ सत्यार्थवेदस्याः ” [३-४-४४] इत्याकारे पुंसि
च वेदापयति ॥

अन्धं करोतीति अन्धयति ।

३९ अन्धि-धातोरूपाणि ॥

- १ अन्धय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ अन्धये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ अन्धय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ आन्धय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ आन्ध-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ अन्धया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
 - ७ अन्ध्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ अन्धयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ अन्धयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० आन्धयिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे ५-आन्दिध-त् । अलोपस्य स्थानिवद्भावेन धशब्दस्य द्वित्वे आन्दिधत् । स्थानिवद्भावाभावे धिशब्दस्य द्वित्वे आन्दिधत् ॥

गन्धेनार्चयति गन्धयति ।

४० गन्धि-धातोरूपाणि ॥

- १ गन्धय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गन्धये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गन्धय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अगन्धय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अजगन्ध-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ गन्धया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गन्ध्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गन्धयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गन्धयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगन्धयिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

वृद्धमाचष्टे करोति वा इति वर्षयति, ज्ययति ।

४१ वर्षि-धातोरूपाणि ॥

- १ वर्षय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वर्षये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वर्षय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अवर्षय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अववर्ष-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ वर्षया-ञ्कार इ० ॥ म्बभूव इ० ॥ मास इ० ॥
- ७ वर्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वर्षयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वर्षयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवर्षयिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

वृद्धशब्दस्य " प्रियस्थिर० " [७, ४, ३८] इति वर्ष इत्यादेशः । " वृद्धस्य च ज्यः " [७, ४, ३५] इति ज्य आदेशश्च ॥

४१ ज्यि-धातोरूपाणि ॥

- १ ज्यय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ ज्यये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ ज्यय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अज्यय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अजज्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ ज्यया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ज्याया-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ज्ययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ज्ययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अज्ययिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे अजिज्यत् । परोक्षायाम्-ज्य णि णव इति स्थिते णेरयादेशे अनेस्वरत्वात् परोक्षायाम् इत्यादेशे परोक्षान्तः कृभ्रस्त्ययुयोगः । पूर्वम् अकारलोपेऽपि स्थानिवद्भावेन अनेकस्वरत्वमवाधितमेव ॥ आशिषि णि-रूपनिमित्तापाये अकारलोपस्याप्यभावात् अकारसद्भावे दीर्घे ज्यायात्-अलोपानिवृत्तौ तु ज्य्यात् ॥

दृष्टचरस्य चिह्नं करोतीति चिह्नयति दृष्टचरम् ।

४२ चिह्न-धातोरूपाणि ॥

- १ चिह्नय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ चिह्नये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ चिह्नय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अचिह्नय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचिह्नये-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ चिह्नया-श्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ चिह्नया-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चिह्नयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चिह्नयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अचिह्नयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

४३ कनि-धातोरूपाणि ॥

- १ कनय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कनये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कनय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अकनय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचीकन-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ कनया-श्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कन्या-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कनयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कनयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकनयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ अल्पयूतोः कन्वाः ” [७, ४, ३३] इति अल्प-
शब्दस्य वा कन् इत्यादेशः ।

अल्पमाचष्टे इति अल्पयति, कनयति ।

४३ अल्प-धातोरूपाणि ॥

- १ अल्पय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ अल्पये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ अल्पय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ आल्पय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ आलल्प-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ अल्पया-श्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ अल्पया-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ अल्पयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ अल्पयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० आल्पयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- अद्यतन्याम् अलोपस्य स्थानिवद्भावेन ल्पशब्दस्य
द्वित्वे आल्लपत्, स्थानिवद्भावाभावे तु ल्पशब्दस्य द्वित्वे
आल्लपत् ॥

रूपं निधायतीति निरूपयति ।

४४ नि-रूपि-धातोरूपाणि ॥

- १ निरूपय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ निरूपये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ निरूपय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ न्यरूपय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ न्यरूप-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ निरूपया-श्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ निरूपया-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ निरूपयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ निरूपयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० न्यरूपयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

न प्रादिरिति नेर्धात्वन्वयवत्वात् रूपि इत्यस्यादौ
अङ्गविधिः ॥ अद्यतन्याम् समानलोपित्वात् उपाऽन्त्यङ्-
स्वाभावः सन्वत्कार्याभावश्च ॥

पुष्पैरर्चयतीति पुष्पयति ।

४५ पुष्पि-धातोरूपाणि ॥

- १ पुष्पय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पुष्पये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पुष्पय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अपुष्पय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपुष्पय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ पुष्पया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पुष्प्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पुष्पयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पुष्पयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपुष्पयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

रूपं दर्शयति, मतान्तरे पश्यतीति रूपयति ।

४६ रूपि-धातोरूपाणि ॥

- १ रूपय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ रूपये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ रूपय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अरूपय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अरूपय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ रूपया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ रूप्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ रूपयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ रूपयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अरूपयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

रूपशब्दः स्वभावे, सौन्दर्ये, शुक्लादिवर्णे, तद्वति च वर्तते । अद्यतन्याम् समानलोपित्वात् उपाऽन्त्यहस्वाभावः सन्वत्कार्याभावश्च ॥

अर्यमाचष्टे इति अर्ययति ।

४७ अर्यि-धातोरूपाणि ॥

- १ अर्यय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अर्यये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अर्यय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ आर्यय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आर्यय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अर्यया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अर्य्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अर्ययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अर्ययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आर्ययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अर्यः स्वामी वैश्यो वा आर्यत् अत्र "स्वरादेः ०" [४, १, ४] इति र्यदित्वे कार्ये स्थानि-निमित्तापक्षयापि प्राग्विधिरिष्यते ॥

प्रियमाचष्टे करोति वा इति प्रापयति ।

४८ प्रापि-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रापय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ प्रापये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ प्रापय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अप्रापय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपिप्रप-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ प्रापया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ प्राप्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रापयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रापयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अप्रापयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

"प्रियस्थिर०" [७, ४, ३८] इति प्रियशब्दस्य प्रा इत्यादेशः ॥

प्रशस्यमाचष्टे करोति वा इति श्रयति,
ज्ययति ॥

४९ श्रि-धातोरूपाणि ॥

- १ श्रय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- २ श्रये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ श्रय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, ण्व, णम ॥
- ४ अश्रय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ५ अशिश्न-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ६ श्रया-ञकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ श्राया-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ श्रयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ श्रयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- १० अश्रयिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥

५ अश्रयत् इत्यपरे । अशिश्नि णिङ्प्रतिमित्तापये
अकार लोपस्याप्यपायात् अकासद्भावे दीर्घे च श्रायात्
अकारलोपानिवृत्तौ तु श्रयात् ॥

४९ प्र-शस्य-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रशस्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- २ प्रशस्ये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ प्रशस्य-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, ण्व, णम ॥
- ४ प्राशस्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ५ प्राशशस्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ६ प्रशस्यया-ञकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ प्रशस्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ प्रशस्यिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ प्रशस्यिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- १० प्राशस्यिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥

मतान्तरे प्रशस्यशब्दस्य णावादेशो न भवतीति
प्रशस्यति ॥

४९ ज्यि-धातोरूपाणि ॥

- १ ज्यय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- २ ज्यये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ ज्यय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, ण्व, णम ॥
- ४ अज्यय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ५ अजिज्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ६ ज्यया-ञकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ज्याया-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ ज्ययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ ज्ययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- १० अज्ययिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥

५ अज्ययत् इत्यपरे । " प्रशस्यस्य श्रः " [७, ४,
३४] इति " वृद्धस्य च ज्य " [७, ४, ३५] इति च
क्रमेण इति ज्य श्र इति चादेशौ भवतः ॥

सत्यं करोति आचष्टे वा इति सत्यापयति ।

५० सत्यापि-धातोरूपाणि ॥

- १ सत्याप-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- २ सत्यापये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सत्याप-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, ण्व, णम ॥
- ४ असत्याप-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ५ अससत्याप-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥
- ६ सत्यापया-ञकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सत्याप्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ सत्यापयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, खः, स्मः ॥
- ९ सत्यापयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, ण्वः, णमः ॥
- १० असत्यापयिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, ण्व, णम ॥

" सत्यार्थवेदस्थाः " [३, ४, ४४] इत्याकारे
पुंसि च सत्यापयति ।

५-अससत्यपत्, असतित्यपत्, ओणैर्द्विकरणज्ञा-
पकात्, पूर्वसुपान्त्यङ्गस्य पश्चाद्वित्ते, असत्यपिपत् ।

अश्वतरमाचष्टे तेनातिक्रामति वा इति
अश्वयति ।

५१ अश्वि-धातोरूपाणि ॥

- १ अश्वय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अश्वये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अश्वय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ आश्वय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आश्व-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अश्वया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अश्वया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अश्वयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अश्वयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आश्वयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अद्यतन्याम् अलोपस्य स्थानिवद्भावेन श्वशब्दस्य
द्वित्वे आश्वत्—
स्थानिवद्भावात् तु श्विशब्दस्य द्वित्वे-आशिष्वत् ॥

क्षिप्रमाचष्टे करोति वा इति क्षेपयति ।

५२ क्षेपि-धातोरूपाणि ॥

- १ क्षेपय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ क्षेपये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ क्षेपय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अक्षेपय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचिक्षेप-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ क्षेपया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ क्षेपया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ क्षेपयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ क्षेपयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अक्षेपयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

समानलोपित्वात् ह्रस्वाभावः सन्वत्कार्यभावाच्च "स्थू-
लदूर०" [७, ४, ४२] इत्यन्तस्थादेशस्य रश-
ब्दस्य लृङ् नामिनो गुणश्च ॥

क्षुद्रमाचष्टे करोति वा इति क्षोदयति ।

५३ क्षोदि-धातोरूपाणि ॥

- १ क्षोदय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ क्षोदये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ क्षोदय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अक्षोदय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचुक्षोद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ क्षोदया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ क्षोद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ क्षोदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ क्षोदयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अक्षोदयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

"स्थूलदूर०" [७, ४, ४२] इत्यन्तस्थादेशस्य
लृङ् नामिनो गुणश्च । समानलोपित्वात् उपान्त्यह्रस्वः स-
न्वत्कार्यं च न भवति ॥

चिरमाचष्टे विलम्बते वा इति चिरयति ।

५४ चिरि-धातोरूपाणि ॥

- १ चिरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ चिरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ चिरय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अचिरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचिचिर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ चिरया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ चिर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चिरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चिरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अचिरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

समानलोपित्वात् सन्वत्कार्यभावाच्च ॥

छिद्रं करोतीति छिद्रयति ।

५५ छिद्रि-धातोरूपाणि ॥

- १ छिद्रय-ति, त, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ छिद्रये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ छिद्रय-तु तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अछिद्रय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचिच्छिद्र-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ छिद्रया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ छिद्र्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ छिद्रयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ छिद्रयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अछिद्रयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

तृप्रमाचष्टे करोति वा इति त्रपयति ।

५६ त्रपि-धातोरूपाणि ॥

- १ त्रपय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ त्रपये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ त्रपय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अत्रपय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतित्रप-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ त्रपया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ त्रप्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ त्रपयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ त्रपयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अत्रपयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“प्रियस्थिर०” [७, ४, ३८] इति त्रप् आदेशः ।

असमानलोपित्वात् सन्वद्भावे अतित्रपत्, लघुत्वाभावाच्च दीर्घत्वम् । मतान्तरे त्रपयतीत्यादि । तृप्रशब्दो मेधान्त-धर्मे, आष्ये, काष्ठे, पापे, दुःखे च वर्तते ॥

दूरमाचष्टे करोति वा इति दवयति ।

५७ दवि-धातोरूपाणि ॥

- १ दवय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ दवये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दवय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अदवय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदुदव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ दवया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ दव्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ दवयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दवयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदवयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“स्थूलदूरे०” [७, ४, ४२] इति अन्तस्थादर्लुकि नामिनो गुणे च दवयति । णौ यत्कृतं कार्यं तत्सर्वं स्थानिव-द्भवतीति न्यायेन दूशब्दस्य द्वित्वे अदुदवत् । केचित्तु स्थूलदूरयूनां करोत्यर्थे णावन्तस्थादर्लुकि नामिनो गुणं च नेच्छन्ति स्थूलं करोति स्थूलयति । दूरयति । यूवयति ।

वृत्तं परिदधातीति परिवस्त्रयति ।

५८ परि-वस्त्रि-धातोरूपाणि ॥

- १ परिवस्त्रय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ परिवस्त्रये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ परिवस्त्रय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ पर्यवस्त्रय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ पर्यववस्त्र-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ परिवस्त्रया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ परिवस्त्र्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ परिवस्त्रयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ परिवस्त्रयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० पर्यवस्त्रयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“न प्रादिः” इति परेन धात्ववयवत्वम् ॥

पुत्रं सूते इति पुत्रयति ।

५९ पुत्रि-धातोरूपाणि ॥

- १ पुत्रय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पुत्रये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पुत्रय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अपुत्रय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपुपुत्र-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥
- ६ पुत्रया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पुत्र्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्मः ॥
- ८ पुत्रयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
- ९ पुत्रयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
- १० अपुत्रयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥

वीर उत्सहते वीरयति ।

६१ वीरि-धातोरूपाणि ॥

- १ वीरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वीरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वीरय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अवीरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अविवीर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ वीरया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वीर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्मः ॥
- ८ वीरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
- ९ वीरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
- १० अवीरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥

मिश्रं करोतीति मिश्रयत्योदनम् ।

६० मिश्र-धातोरूपाणि ॥

- १ मिश्रय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ मिश्रये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ मिश्रय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
 - ४ अमिश्रय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अमिमिश्र-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ मिश्रया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ मिश्र्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्मः ॥
 - ८ मिश्रयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ मिश्रयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
 - १० अमिश्रयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥
- अमिश्रं मिश्रं करोतीति मिश्रयतीत्यादि च्यर्थे
एवेति कश्चित् ।

शूरो भवतीति शूरयति ।

६२ शूरि-धातोरूपाणि ॥

- १ शूरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ शूरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ शूरय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
 - ४ अशूरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अशुशूर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ शूरया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ शूर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्मः ॥
 - ८ शूरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
 - ९ शूरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
 - १० अशूरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥
- ५ अशुशूरत्-अत्र समानलोपित्वाच्च सन्बद्भावः ।

वस्त्रं वस्त्रेण वा समाच्छादयतीति
संवस्त्रयति ।

६३ सम्-वस्त्रि-धातोरूपाणि ॥

- १ संवस्त्रय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ संवस्त्रये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ संवस्त्रय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
 - ४ समवस्त्रय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ समवस्त्र-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ संवस्त्रया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ संवस्त्र्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ संवस्त्रयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
 - ९ संवस्त्रयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
 - १० समवस्त्रयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- "न प्रादिः०" इति समो न धात्ववयत्वम् ॥

व्याकरणस्य सूत्रं करोतीति व्याकरणं सूत्रयति ।

६४ सूत्रि-धातोरूपाणि ॥

- १ सूत्रय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सूत्रये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सूत्रय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ असूत्रय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असुसूत्र-त्, ताम्, न्, ;, तम्, म्, इव, इम ॥
- ६ सूत्रया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सूत्र्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सूत्रयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सूत्रयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असूत्रयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥

सूत्रव्याकरणयोः सम्बन्धस्य उत्पन्ने प्रत्यये निवर्त-
नात् सूत्रयतिक्रियासम्बन्धाच्च व्याकरणशब्दाद् द्विती-
यैव, एवमन्यत्रापि ॥

स्थिरमाचष्टे करोती वा इति स्थापयति ।

६५ स्थापि-धातोरूपाणि ॥

- १ स्थापय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ स्थापये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ स्थापय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अस्थापय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतिष्ठप-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ स्थापया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ स्थाप्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ स्थापयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ स्थापयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अस्थापयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥

मतान्तरे अतिस्थप-त्, "प्रियस्थिर०" [७, ४, ३८]
इति स्थिरशब्दस्य स्था इत्यादेशः । पुसि सन्वद्भावे च
'अतिष्ठपत्' लघुत्वाभावात् दीर्घत्वम् ॥

स्फिरमाचष्टे करोति वा इति स्फापयति ।

६६ स्फापि-धातोरूपाणि ॥

- १ स्फापय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ स्फापये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ स्फापय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अस्फापय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपिस्फप-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ स्फापया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ स्फाप्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ स्फापयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ स्फापयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अस्फापयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे "प्रियस्थिर०" [७, ४, ३८] इति
स्फा आदेशे पुसि च स्फापयति, पुसि सन्वद्भावे च
'अपिस्फपत्' लघुत्वाभावात् दीर्घत्वम् अपिस्फपत् ।
स्फिरशब्दः प्रचुरे, वृद्धे, वृद्धौ च वर्तते ॥

६७ अनु-तुलि-धातोरूपाणि ॥

- १ अनुतूलय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अनुतूलये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अनुतूलय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अन्वतूलय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अन्वतुतूल-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अनुतूलया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अनुतूलया-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अनुतूलयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अनुतूलयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अन्वतूलयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

"न प्रादिः०" इति अनोर्न धात्ववयवत्वम् । समानलोपित्वाद् ह्रस्वाभावः सन्वत्कार्याभावश्च । तूलैरनुकुणाति अवकुणाति, अनुगृह्णातीत्यनुतूलयति । अवतूलयति । अनुकुणात्यवकुणात्योः साधारणोऽर्थोऽनुगृह्णातीति अनुतूलयतीत्यस्य तूलैः कृत्वा अनुकूलं यथा भवति एवमन्तरवयवान् बहिर्निःसारयतीत्यर्थः ॥

कुशलं करोतीति कुशलयति ।

६९ कुशलि-धातोरूपाणि ॥

- १ कुशलय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कुशलये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कुशलय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अकुशलय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचुकुशल-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ कुशला-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कुशला-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कुशलयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कुशलयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकुशलयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

समानलोपित्वाद् सन्वत्कार्याभावः ॥

कूलमुलङ्घयतीति उत्कूलयति ।

६८ उद्-कूलि-धातोरूपाणि ॥

- १ उत्कूलय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ उत्कूलये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ उत्कूलय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ उद्कूलय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ उद्चुकूल-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ उत्कूला-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ उत्कूला-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ उत्कूलयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ उत्कूलयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० उद्कूलयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

"न प्रादिः०" इति उदो न धात्ववयवत्वम्, समानलोपित्वाद् ह्रस्वाभावः सन्वत्कार्याभावश्च । कूलं प्रतीपं गच्छतीति प्रतिकूलयति कूलमनुगच्छतीति अनुकूलयति ॥

बलेन सहते इति बलयति ।

७० बलि-धातोरूपाणि ॥

- १ बलय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ बलये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ बलय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अबलय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अबल-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ बला-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ बला-त्, स्ताम्, सुः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बलयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बलयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अबलयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

समानलोपित्वाद् सन्वत्कार्याभावः ॥

बहुलमाचष्टे करोति वा इति वंहयति ।

७१ वंहि-धातोरूपाणि ॥

- १ वंहय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वंहये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वंहय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अवंहय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवंहये-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ वंहया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वंह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वंहयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वंहयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवंहयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ प्रियस्थिर० ” [७, ४, ३८] इति वंह आदेशः ॥

शीलेनाचरतीति शीलयति ।

७२ शीलि-धातोरूपाणि ॥

- १ शीलय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ शीलये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ शीलय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अशीलय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अशीलये-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ शीलया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ शीलया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शीलयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शीलयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अशीलयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

समानलोपित्वात् उपान्त्यह्रस्वाभावः सन्वत्कार्याभावश्च ॥

स्थूलमाचष्टे करोति वा इति स्थवयति ।

७३ स्थवि-धातोरूपाणि ॥

- १ स्थवय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ स्थवये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ स्थवय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अस्थवय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतुस्थव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ स्थवया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ स्थव्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ स्थवयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ स्थवयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अस्थवयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ स्थूलदूर० ” [७, ४, ४२] इति अन्तस्थादेरंशस्य छण् नामिनश्च गुणः । णौ यत्कृतमिति न्यायेन स्थूलशब्दस्य द्वित्वादिके अतुस्थवत् ॥

अश्वेनातिक्रामतीति अत्यश्वयति ।

७४ अति-अश्वि-धातोरूपाणि ॥

- १ अत्यश्वय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अत्यश्वये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अत्याश्वय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अत्यश्वय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अत्याश्वय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अत्यश्वया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अत्यश्वया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अत्यश्वयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अत्यश्वयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अत्याश्वयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ न प्रादिः० ” इति अतेर्न धात्ववयवत्वम्, अद्यतन्याम्-अलोपस्य स्थानिवद्भावेन श्वशब्दस्य द्विर्भावादिके अत्याश्ववत्, तदनङीकारे अत्याशिवत् ।

अश्वेन संयुनकीति समश्वयति ।

७५ सम्-अश्वि-धातोरूपाणि ॥

- १ समश्वय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ समश्वये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ समश्वय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ समाश्वय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ समाश्वय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ समश्वया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ समश्वया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ समश्वयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ समश्वयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० समाश्वयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

"न प्रादिः०" इति समो न धात्ववयवत्वम् ।
अद्यतन्याम् अलोपस्य स्थानिवद्भावेन श्वशब्दस्य द्वित्वा-
दिके समाश्वदत् तदनङ्गीकारे समाश्वित् ॥

ह्रस्वमाचष्टे करोति वा इति ह्रसयति ।

७६ ह्रसि-धातोरूपाणि ॥

- १ ह्रसय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ ह्रसये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ ह्रसय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अह्रसय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अजह्रस-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ ह्रस्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ह्रस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ह्रसयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ह्रसयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अह्रसयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

"स्थूलदूर०" [७, ४, ४२] इत्यन्तस्थादेरंशस्य
लुप् । समानलोपित्वात् सन्वत्कार्यभावाः ॥

कृशं तनुमाचष्टे करोति वा इति कशयति ।

७७ कशि-धातोरूपाणि ॥

- १ कशय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ कशये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ कशय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अकशय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचकश-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ कशया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ कशयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ कशयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकशयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

"पृथुदु०" [७, ४, ३९] इति ऋकारस्य रः ।
समानलोपित्वात् सन्वत्कार्यभावाः ।

भृशमतिशयवन्तमाचष्टे करोति वा इति
भ्रशयति ।

७८ भ्रशि-धातोरूपाणि ॥

- १ भ्रशय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ भ्रशये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ भ्रशय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अभ्रशय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अबभ्रश-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ भ्रशया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ भ्रश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ भ्रशयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ भ्रशयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अभ्रशयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

"पृथुदु०" [७, ४, ३९] इति ऋकारस्य
रः । समानलोपित्वात् सन्वत्कार्यभावाः ।

पाशं पाशाद्वा विमोचयतीति विपाशयति ।

७९ वि-पाशि-धातोरूपाणि ॥

- १ विपाशय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ विपाशये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ विपाशय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ व्यपाशय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ व्यपपाश-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ विपाशया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ विपाश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ विपाशयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ विपाशयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० व्यपाशयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“न प्रादिः०” इति वेर्ने धात्ववयवत्वम् । समान-
लोपित्वात् ह्रस्वाभावः सन्वत्कार्याभावश्च ॥

पाशेन संयच्छतीति संपाशयति ।

८० सम्-पाशि-धातोरूपाणि ॥

- १ संपाशय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ संपाशये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ संपाशय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ सम्पाशय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ सम्पपाश-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ संपाशया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ संपाश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ संपाशयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ संपाशयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० सम्पाशयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“न प्रादिः०” इति न समो धात्ववयवत्वम् ।
समानलोपित्वात् ह्रस्वाभावः सन्वत्कार्याभावश्च ।

वृक्षमाचष्टे रोपयति वा इति वृक्षयति ।

८१ वृक्षि-धातोरूपाणि ॥

- १ वृक्षय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वृक्षये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वृक्षय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अवृक्षय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अववृक्ष-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ वृक्षया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वृक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वृक्षयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वृक्षयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवृक्षयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

सेनया अभियातीति अभिषेणयति ।

८२ अभि-षेणि-धातोरूपाणि ॥

- १ अभिषेणय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अभिषेणये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अभिषेणय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अभ्यषेणय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अभ्यषिषेण-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अभिषेणया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अभिषेण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अभिषेणयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अभिषेणयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अभ्यषेणयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“अन्यन्त्यस्वरादेः” [७, ४, ३३] इत्यन्यस्वर-
लोपः, समानलोपित्वाच्च उपान्त्य ह्रस्वाभावः सन्वत्कार्या-
भावश्च ।

वीणयोपगायतीति उपवीणयति ।

८३ उप-वीणि-धातोरूपाणि ॥

- १ उपवीणय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ उपवीणये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ उपवीणय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ उपावीणय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ उपाविवीण-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ उपवीणया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ उपवीण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ उपवीणयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
 - ९ उपवीणयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० उपावीणयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- "न प्रादिरप्रत्ययः" [३, ३, ४] इति उपसर्गस्य
न धात्ववयवत्वम् । समानलोपित्वात् उपाऽन्यह्रस्वाभावः
सन्वत्कार्यभावश्च ॥

दारुणः खट्वां करोतीति खट्वयति दारु ।

८४ खट्वि-धातोरूपाणि ॥

- १ खट्वय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ खट्वये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ खट्वय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अखट्वय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचखट्व-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ खट्वया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ खट्व्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ खट्वयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
- ९ खट्वयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अखट्वयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

तुलां रोपयतीति तुलयति कनकम् ।

८५ तुलि-धातोरूपाणि ॥

- १ तुलय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ तुलये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ तुलय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अतुलय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतुतुल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ तुलया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ तुल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तुलयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तुलयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अतुलयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

"अन्यन्त्यस्वरादेः" [७, ४, ४३] इत्यन्यस्वरादिलोपः
समानलोपित्वाच्च ह्रस्वाभावः सन्वत्कार्यभावश्च ॥

असिना छिनत्सीति असयति ।

८६ असि-धातोरूपाणि ॥

- १ असय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ असये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ असय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ आसय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आसिस-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ असया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ असयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
- ९ असयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आसयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

इं काममाचष्टे इति । आययति ।

८७ आयि-धातोरूपाणि ॥

- १ आयय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ आयये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ आयय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ आयय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ आययि-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ आयया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ आय्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ आययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
 - ९ आययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
 - १० आययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे ५ आयय-त् । " नामिनोऽकलिहलेः "
इत्यत्र कलिहलिवर्जनाच्चापि वृद्धिः ॥

कलिं गृह्णातीति कलयति ।

८८ कलि-धातोरूपाणि ॥

- १ कलय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ कलये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ कलय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ अकलय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अचकल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ कल्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ कल्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ कलयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ कलयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अकलयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- " नामिनोऽकलि० " [४, ३, ५१] इत्यत्र
कलिर्वर्जनाच्च वृद्धिः । एवं समानलोपित्वाच्च सन्वत्कार्यम् ।
कलिशब्दो विभीतकवृक्षे विवादे युद्धे शूरे अन्त्ययुगे
कोरके च वर्तते ॥

वास्या कुठारविशेषेण छिनत्तीति वासयति ।

८९ वासि-धातोरूपाणि ॥

- १ वासय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ वासये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ वासय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ अवासय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अवीवस-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ वासया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ वास्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ वासयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ वासयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अवासयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- " नामिनोऽकलि० " [४, ३, ५१] अत्र
कलिहलिवर्जनाच्चापि वृद्ध्यां पश्चालोपे उपान्यह्रस्वे
सन्वत्कार्ये सति अवीवसत् । स्वरस्येति स्थानिवद्भावो न
तस्यानित्यत्वात् मतान्तरे ५ अववास-त् ॥

हलिं महर्द्धलं गृह्णातीति हलयति ।

९० हलि-धातोरूपाणि ॥

- १ हलय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ हलये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ हलय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ अहलय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अजहल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ हल्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ हल्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ हलयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ हलयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
 - १० अहलयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥
- " नामिनोऽकलि० " [४, ३, ५१] इत्यत्र
हलिवर्जनाच्च वृद्धिः, समानलोपित्वाच्च सन्वत्कार्यभावात् ।

ई लक्ष्मीमाचष्टे इति आययति ।

९१ आयि-धातोरूपाणि ॥

- १ आयय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ आयये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ आयय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ आयय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ आयिय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ आयया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ आय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ आययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ आययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० आययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे ५० आयय-त् ।

ऊर्षीमाचष्टे इति वरयति ।

९२ वरि-धातोरूपाणि ॥

- १ वरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ वरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ वरय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अवरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अवीवर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ वरया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ वर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ वरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ वरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अवरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- " प्रियस्थिर० " [७, ४, ३८] इति नामप्रहणे लिङ्गविशिष्टस्यापिग्रहणात् ' वृ ' आदेशः, मतान्तरे वारयतीत्यादि ॥

ऋज्वीमाचष्टे ।

९३ ऋजि-धातोरूपाणि ॥

- १ ऋजय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ ऋजये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ ऋजय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ आर्जय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ आर्जिज-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ ऋजया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ ऋज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ ऋजयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ ऋजयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० आर्जयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- " जातिश्च णि० " [३, २, ५१] इति पुंवत्त्वे अन्त्यस्वरलोपे च ऋजयति ।

एनीमाचष्टे इति एतयति ।

९४ एति-धातोरूपाणि ॥

- १ एतय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ एतये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ एतय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ ऐतय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ ऐतत-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ एतया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ एत्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ एतयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ एतयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० ऐतयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे ५ ऐतित-त् । " जातिश्च णि० " [३, २, ५१] इति पुंवत्त्वे एत इति प्रकृतेरन्त्यस्वरलोपे एतयति ॥

गुर्वीमाचष्टे गरयति ।

९५ गरि-धातोरूपाणि ॥

- १ गरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ गरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ गरय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ अगरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अजीगर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ गरया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ गर्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ गरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ गरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
 - १० अगरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- "प्रियस्थिर०" [७, ४, ३८] इति गृह
आदेशः ॥

पट्वीमाचष्टे करोति वा पटयति ।

९६ पटि-धातोरूपाणि ॥

- १ पटय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ पटये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ पटय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ अपटय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अपीपट-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ पटया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ पट्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ पटयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ पटयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
 - १० अपटयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- "जातिश्च णि०" [३, २, ५१] इति पुंवत्त्वे
वृद्धौ अन्यस्वरादिलोपे पटयति ॥

पृथ्वीमाचष्टे करोति वा प्रथयति ।

९७ प्रथि-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रथय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ प्रथये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ प्रथय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ अप्रथय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अपिप्रथ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ प्रथया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ प्रथ्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ प्रथयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ प्रथयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
 - १० अप्रथयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- "प्रथुष्टु०" [७, ४, ३९] इति ऋकारस्य रः ।
"जातिश्च णि०" [३, २, ५१] इति पुंवद्भावः ।
अन्यस्वरादेरित्यन्यस्वरलोपश्च मतान्तरे ५० अप्रथ-त् ॥

बद्धीमाचष्टे इति भूययति ।

९८ भूयि-धातोरूपाणि ॥

- १ भूयय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ भूयये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ भूयय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ अभूयय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अबुभूय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ भूयया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ भूय्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ भूययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ भूययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
 - १० अभूययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- "बहोर्णाष्टे भूय" [७, ४, ४०] इति भूय
आदेशः । मतान्तरे बहयति । अन्ये तु भावयतीत्यादीन्येव
रूपाणि मन्यन्ते ॥

मृद्धीमाचष्टे करोति वा भ्रदयति ।

९९ भ्रदि-धातोरूपाणि ॥

- १ भ्रदय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, णि, इवः, णमः ॥
- २ भ्रदये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ भ्रदय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, णम ॥
- ४ अभ्रदय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, णम ॥
- ५ अमिभ्रद-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, णम ॥
- ६ भ्रदया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ भ्रद्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ भ्रदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ भ्रदयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, णि, इवः, णमः ॥
- १० अभ्रदयिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, णम ॥

“ पृथुमुदु० ” [७, ४, ३९] इति ऋकारस्य
रः । “ जातिश्च ” [३, २, ५१] इति पुंवद्भावः ।
वृद्धावन्यस्वरलोपेऽसमानलोपित्वात्सन्वद्भावः । मतान्तरे ५
अमभ्रद-त् ॥

लघ्वीमाचष्टे लघयति ।

१०० लघि-धातोरूपाणि ॥

- १ लघय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, णि, इवः, णमः ॥
- २ लघये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लघय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, णम ॥
- ४ अलघय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, णम ॥
- ५ अलीलघ-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, णम ॥
- ६ लघया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ लघ्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लघयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लघयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, णि,
इवः, णमः ॥
- १० अलघयिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, णम ॥

“ जातिश्च० ” [३, २, ५१] इति पुंस्त्वे वृद्धौ
अन्यस्वरदिलोपे लघयति । असमानलोपित्वाच्च अली-
लघत् । मतान्तरे ५ अललघत् ॥

वास्या कुठारविशेषेण छिनत्तीति वासयति ।

१०१ वासि-धातोरूपाणि ॥

- १ वासय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, णि, इवः, णमः ॥
- २ वासये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वासय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, णम ॥
- ४ अवासय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, णम ॥
- ५ अवीवस-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, णम ॥
- ६ वासया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वास्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वासयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
- ९ वासयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, णि,
इवः, णमः ॥
- १० अवासयिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, णम ॥

वृद्धौ स्यामन्यस्वरदिलोपे समानलोपित्वाभावात्
सन्वत्कार्यम् । मतान्तरे ५ अववास-त् ॥

स्त्रीमाचष्टे स्त्राययति ।

१०२ स्त्रायि-धातोरूपाणि ॥

- १ स्त्रायय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, णि, इवः, णमः ॥
- २ स्त्रायये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ स्त्रायय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, णम ॥
- ४ अस्त्रायय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, णम ॥
- ५ अतिस्त्रय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, णम ॥
- ६ स्त्रायया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ स्त्राय्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ स्त्राययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
- ९ स्त्राययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, णि,
इवः, णमः ॥
- १० अस्त्राययिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, णम ॥

“ नामिनोऽकलिहलेः ” [४, ३, ५१] इति
वृद्धौ आयादेशे च स्त्राययति ॥

उं शिवमाचष्टे इति आवयति ।

१०३ आवि-धातोरूपाणि ॥

- १ आवय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ आवये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ आवय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आवय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आविव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ आवया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ आव्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम, स्व, स्म ॥
- ८ आवयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ आवयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आवयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे ५ आवय-त् ॥

उरुमाचष्टे इति वरयति ।

१०४ वरि-धातोरूपाणि ॥

- १ वरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वरय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अवरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवीवर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ वरया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वर्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम, स्व, स्म ॥
- ८ वरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

" प्रियस्थिर० " [७, ४, ३८] इति वर आदेशः

मतान्तरे वारयतीत्यादीनि रूपाणि । उरुः महति विशाले च ॥

ऋजुं सरलमाचष्टे करोति वा ऋजयति ।

१०५ ऋजि-धातोरूपाणि ॥

- १ ऋजय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ ऋजये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ ऋजय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आर्जय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आर्जिज-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ ऋजया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ऋज्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम, स्व, स्म ॥
- ८ ऋजयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ऋजयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आर्जयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

ओतुं बिडालमाचष्टे इति ओतयति ।

१०६ ओति-धातोरूपाणि ॥

- १ ओतय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ ओतये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ ओतय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ औतय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ औतुत-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ ओतया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ओत्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम, स्व, स्म ॥
- ८ ओतयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ओतयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० औतयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

औतुतत्, अत्र स्वरलोपस्य स्थानित्वेन तु, द्वित्वम् ।
एतदनञ्जीकारे तिश्चन्दस्य द्वित्वे औतितत् ॥

गुरुमाचष्टे करोति वा गरयति ।

१०७ गरि-धातोरूपाणि ॥

- १ गरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गरय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अगरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अजीगर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ गरया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

" प्रियस्थिर०" [७, ४, ३८] इति गद् आदेशः ।

पटुमाचष्टे करोति वा पटयति ।

१०८ परि-धातोरूपाणि ॥

- १ पटय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पटये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पटय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अपटय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपीपट-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ पटया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पटयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पटयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपटयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

" नामिनोऽकलिहलेः" [४, ३, ५१] इति वृद्धौ

अन्त्यस्वरादिलोपे च पटयति । अपीपटत्, अत्र पूर्व-
मेवोकारस्य वृद्धौ कृतायामन्त्यस्वरादिलोपे समानलोपाभा-
वात् "असमानलोपे०" [४, १, ६३] इति सन्वद्भावः ।
अन्ये तु नाम्नो वृद्धिमनिच्छन्तः समानलोपित्वात् सन्व-
द्भावाभावे-अपपटत् इति मन्यन्ते ॥

परशुना छिनत्तीति परशयति ।

१०९ परशि-धातोरूपाणि ॥

- १ परशय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ परशये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ परशय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अपरशय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपीपरश-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ परशया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ परश्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ परशयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ परशयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपरशयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे ५ अपपरश-त्,

पृथुमाचष्टे करोति वा इति प्रथयति ।

११० प्रथि-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रथय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ प्रथये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ प्रथय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अप्रथय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपिप्रथ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ प्रथया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ प्रथ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रथयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रथयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अप्रथयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

" पृथुमुदु०" [७, ४, ३९] इति ऋकारस्य रः ।

वृद्धौ कृतायामन्त्यस्वरादिलोपे समानलोपित्वाभावात्
सन्वत्कार्यम् । मतान्तरे ५ अपप्रथ-त् ।

बहुमाचष्टे करोति वा इति भूययति ।

१११ भूयि-धातोरूपाणि ॥

- १ भूयय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ भूयये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ भूयय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अभूयय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अबूभुय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ भूयया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ भूय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ भूययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ भूययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अभूययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

" बहुर्णोष्ठे भूय " [७, ४, ४] इति भूय् आदेशः ।

मतान्तरे ।

बहि-धातोरूपाणि ॥

- १ बहय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ बहये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ बहय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अबहय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अबबह-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ बहया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ बह्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बहयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बहयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अबहयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अन्ये तु भावयतीत्यादीन्येव रूपाणि मन्यन्ते ॥

मृदुमाचष्टे करोति वा इति म्रदयति ।

११२ म्रदि-धातोरूपाणि ॥

- १ म्रदय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ म्रदये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ म्रदय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अम्रदय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अमिम्रद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ म्रदया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ म्रद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ म्रदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ म्रदयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अम्रदयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

" वृधुयद् " [७, ४, ३९] इति ऋकास्य रः ।
वृद्धौ कृतायामन्त्यस्वरादिलोपे समानलोपित्वाभावात्
सन्वत्कार्यम् ॥ मतान्तरे ५ अमम्रद-त् ॥

लघुमाचष्टे इति लघयति ।

११३ लघि-धातोरूपाणि ॥

- १ लघय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ लघये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लघय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अलघय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अलीलघ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ लघया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ लघ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लघयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लघयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अलघयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे ५ अललघ-त् । " नामिनोऽकलिहलेः "
[४, ३, ५१] इति वृद्धौ अन्त्यस्वरादिलोपे च
लघयति, वृद्धौ अन्त्यस्वरादिलोपे सन्वत्कार्यम् ॥

ॐ शम्भुं चन्द्रं पालकं वाचष्टे इति आवयति ।

११४ आवि-धातोरूपाणि ॥

- १ आवय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ आवये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ आवय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ आवय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आविव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, म्, इव, इम ॥
- ६ आवया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ आव्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ आवयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ आवयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आवयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

भुवमाचष्टे इति भावयति ।

११५ भावि-धातोरूपाणि ॥

- १ भावय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ भावये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ भावय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
 - ४ अभावय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अबीभव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ भावया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ भाव्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ भावयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ भावयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अभावयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- "नैकस्वरस्य०" [७, ४, ४४] इत्यन्त्यस्वरलोपाभावः ॥

भुवमाचष्टे इति भावयति ।

११६ आवि-धातोरूपाणि ॥

- १ भावय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ भावये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ भावय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अभावय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अबुभव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ भावया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ भाव्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ भावयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ भावयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अभावयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

"नैकस्वरस्य०" [७, ४, ४४] इत्यन्त्यस्वरलोपाभावः ॥

नृ-नरमाष्टे नारयति ।

११७ नारि-धातोरूपाणि ॥

- १ नारय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ नारये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ नारय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अनारय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अनीनर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ नारया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ नार्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नारयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ नारयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अनारयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

"नैकस्वरस्य०" [७, ४, ४] इत्यन्त्यस्वरलोपाभावः ।

भर्तास्माचष्टे इति भरयति ।

११८ भरि-धातोरूपाणि ॥

- १ भरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ भरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ भरय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अभरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अबभर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ भरया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ भर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ भरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ भरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अभरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“व्यन्त्य०” [७, ४, ४३] इति तृप्रत्ययस्य लुक् । समानलोपित्वात् सन्वत्कार्याभावः ।

भ्रातरस्माचष्टे इति भ्रातयति ।

११९ भ्राति-धातोरूपाणि ॥

- १ भ्रातय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ भ्रातये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ भ्रातय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अभ्रातय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अबभ्रात-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ भ्रातया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ भ्रात्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ भ्रातयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ भ्रातयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अभ्रातयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अव्युत्पन्नत्वात्तृशब्दस्य लुभ भवति अपि त्वन्त्य-स्वरस्य । समानलोपित्वात् सन्वत्कार्याभावः ॥

मातरस्माचष्टे इति मातयति ॥

१२० माति-धातोरूपाणि ॥

- १ मातय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ मातये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ मातय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अमातय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अममात-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ मातया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ मात्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मातयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मातयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अमातयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अव्युत्पन्नत्वात् तृशब्दस्य लुभभवति, अपि त्वन्त्य-स्वरस्य । समानलोपित्वात् सन्वत्कार्याभावः ॥

अलम् लृकारस्माचष्टे इति आलयति ।

१२१ आलि-धातोरूपाणि ॥

- १ आलय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ आलये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ आलय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आलय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आलिल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ आलया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ आल्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ आलयिता-", रौ, रः, सि, थः, थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ आलयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आलयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

इना कामेन सह वर्तत इति सेः,

सयमाचष्टे इति साययति ।

१२२ सायि-धातोरूपाणि ॥

- १ सायय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सायये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सायय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ असायय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असीसय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ सायया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ साय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ साययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ साययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असाययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

हिधातोर्विचि हेः, हयमाचष्टे इति हाययति ।

१२३ हायि-धातोरूपाणि ॥

- १ हायय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ हायये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ हायय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अहायय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अजीहय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ हायया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ हाय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ हाययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ हाययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अहाययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

रायमाचष्टे इति राययति ।

१२४ रायि-धातोरूपाणि ॥

- १ रायय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ रायये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ रायय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अरायय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अरीरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ रायया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ राय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ राययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ राययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अराययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

गामाचष्टे इति गावयति ।

१२५ गावि-धातोरूपाणि ॥

- १ गावय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गावये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गावय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अगावय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अजूगव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ गावया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गाव्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गावयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गावयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगावयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ नैकस्वरस्य ” [७, ४, ४४] इति नान्त्यस्व-
रादिलोपः । णौ कृतस्य स्थानिबुद्ध्या गोशब्दस्य द्वित्वे
द्वस्वे दावे च अजूगवत् । गामाचष्टे गावयतीति क्रिया-
रत्नसमुच्चये ॥

द्यामाचष्टे इति द्यावयति ।

१२६ द्यावि-धातोरूपाणि ॥

- १ द्यावय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ द्यावये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ द्यावय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त,
 नि, इव, इम ॥
- ४ अद्यावय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदुद्यव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ द्यावया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ द्याव्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ द्यावयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ द्यावयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अद्यावयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
 इव, इम ॥

नावमाचष्टे नावयति ।

१२८ नावि-धातोरूपाणि ॥

- १ नावय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ नावये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ नावय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त,
 नि, इव, इम ॥
- ४ अनावय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अनूनव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ नावया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ नाव्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ नावयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
 स्वः, स्मः ॥
- ९ नावयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
 इव, इमः ॥
- १० अनावयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
 इव, इम ॥

गौर्नौः गोसहिता नौर्वा गोर्नौः ।

गोनावमाचष्टे इति गोनयति ।

१२७ गोनि-धातोरूपाणि ॥

- १ गोनय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ गोनये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ गोनय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अगोनय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अजुगुन-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ गोनया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ गोन्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ गोनयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ गोनयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अगोनयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे ५० अजुगोन-त् । औतः स्थानित्वेनोपा-
न्यत्वाभावाच्च ह्रस्व इति तदाशयः । स्वमते "स्वरस्य
परे०" इति स्थानिवद्भावात्स्थानित्यता आश्रिता ॥
गोसहिता नौरिति गौर्नौः "मयूरव्यंसक०" [३,
१, ११६] इति मध्यमपदलोपी समासः ॥

लोकते इति लोक् द्रष्टा, लोकमाचष्टे
इति लोकयति ।

१२९ लोकि-धातोरूपाणि ॥

- १ लोकय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ लोकये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लोकय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त,
 नि, इव, इम ॥
- ४ अलोकय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अलूलुक-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ लोकया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ लोक्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लोकयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लोकयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अलोकयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

"नैकस्वरस्य" इति अन्त्यस्वरादिलोपप्रतिषेधः ।
असमानलोपित्वाच्चोपान्त्यह्रस्वे सन्वत्कार्ये च अलूलुकत्,
एमन्यत्रापि विज्ञेयम् ॥

‘ शास्वृ शोषणालमर्थयोः ’ शाखतीति शाक्,
शाखमाचष्टे इति शाखयति ।

१३० शाखि-धातोरूपाणि ॥

- १ शाखय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ शाखये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ शाखय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ”, तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अशाखय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अशीशाख-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ शाख्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ शाख्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शाखयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शाखयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अशाखयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

श्लाघते इति श्लाक्, श्लाघमाचष्टे इति
श्लाघयति ।

१३२ श्लाघि-धातोरूपाणि ॥

- १ श्लाघय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ श्लाघये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ श्लाघय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ”, तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अश्लाघय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अशिश्लाघ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ श्लाघ्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ श्लाघ्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ श्लाघयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ श्लाघयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अश्लाघयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

‘ लगे संगे ’ लगतीति क्किपि लक् ‘ लग् ’
इत्यनुकरणशब्दो वा लगमाचष्टे इति लगयति ।

१३१ लगि-धातोरूपाणि ॥

- १ लगय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ लगये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ लगय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ”, तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ अलगय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अलीलग-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ लग्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ लग्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ लगयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ लगयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अलगयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे लगयतीत्यादि ॥

माडं माड्धातुमाचष्टे इति माडयति ॥

१३३ माडि-धातोरूपाणि ॥

- १ माडय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ माडये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ माडय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ”, तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अमाडय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अमीमड-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ माड्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ माड्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ माडयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ माडयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अमाडयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अमुमञ्चतीति अदश्ङ्, अदश्चञ्माचष्टे इति
अदश्चयति ।

१३४ अदश्चि-धातोरूपाणि ॥

- १ अदश्चय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अदश्चये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अदश्चय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ आदश्चय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आदश्चय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अदश्चया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अदश्चया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अदश्चयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अदश्चयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आदश्चयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे अदश्चयतीत्यादि ।

अमुमञ्चतीति अदमुयङ्, अदमुयञ्माचष्टे
इति अदमुययति ।

१३५ अदमुयि-धातोरूपाणि ॥

- १ अदमुयय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अदमुयये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अदमुयय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ आदमुयय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आदमुयय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अदमुयया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अदमुयया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अदमुययिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अदमुययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आदमुययिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे अदमुययतीत्यादि ।

अमुमञ्चतीति अमुयङ्, अमुयञ्माचष्टे इति
अमुययति ।

१३६ अमुयि-धातोरूपाणि ॥

- १ अमुयय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अमुयये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अमुयय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ आमुयय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आमुयय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अमुयया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अमुयया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अमुययिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अमुययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आमुययिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे अमुययतीत्यादि ।

अमुमञ्चतीति अमुयङ्, अमुयञ्माचष्टे
इति अमुययति ।

१३६ अमुयि-धातोरूपाणि ॥

- १ अमुयय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अमुयये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अमुयय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ आमुयय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आमुयय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अमुयया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अमुयया-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अमुययिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अमुययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आमुययिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे

- १ अमुमुआयय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, [व, म ॥
[व, मः ॥
 - २ अमुमुआयये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्,
 - ३ अमुमुआयय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, [व, म ॥
[व, मः ॥
 - ४ आमुमुआयय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
 - ५ आमुमुआय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, [व, म ॥
[व, मः ॥
 - ६ अमुमुआयया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ ॥
 - ७ अमुमुईया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ अमुमुआययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, स्वः, स्मः ॥
[व, मः ॥
 - ९ अमुमुआययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
 - १० आमुमुआययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, [व, म ॥
[व, मः ॥
- अद् अश्च किप् इति स्थिते "सर्वादि०"
[३, २, १२२] इति उद्गौ अन्तावयवे "डिप्पन्त्य०"

[२, १, ११४] इत्यन्त्यस्वरादेरसौ छुकि अद् अद्रि अश्च इति स्थिते सन्धौ 'अद्वयञ्च्' शब्दनिष्पत्तिः, "वाद्रौ" [२, १, ४६] इति आद्यदकारस्य विकल्पेन मत्वे "मादु०" [२, १, ४७] इति दकारोत्तराकारस्य उत्वे 'अमुयञ्च्' शब्दनिष्पत्तिः, द्वितीयदकारस्योक्तसूत्रेण विकल्पेन मत्वे, "मादु०" [२, १, ४७] इति दकारोत्तररकारस्य उत्वे अद् अमु इ अश्च, इति स्थिते "अदोमुमी" [१, २, ३५] इति उकारस्य सन्धनिषेधे इतरसन्धौ च 'अदमुयञ्च्' इति शब्दनिष्पत्तिः, द्वयोर्दकारयोर्मत्वे तदुत्तरवर्णयोस्त्वे निरुपरीत्या 'अमुमुयञ्च्' इति शब्दसिद्धिः, एभ्यो णिच् अन्त्यस्वरादिलोपे अदश्चि-अमुश्चि-अदमुयि-अमुमुयि-इति धातवः, आशिषि-अदद्रि णि यात्
अमुद्रि " "
अदमुइ " "
अमुमुइ " "
इति स्थिते णेल्लेकि दीर्घे च, अद्वीयात्, अमुद्रीयात्, अदमुईयात्, अमुमुईयात्, इतिरूपाणि ॥

उदञ्चमाचष्टे इति उदयति ।

१३८ उदि-धातोरूपाणि ॥

- १ उदय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, [व, म ॥
[व, मः ॥
- २ उदये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ उदय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, [व, म ॥
[व, मः ॥
- ४ उदाय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, [व, म ॥
[व, मः ॥
- ५ उदैय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, [व, म ॥
[व, मः ॥
- ६ उदया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ उद्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ उदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, स्वः, स्मः ॥
- ९ उदयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, [व, म ॥
[व, मः ॥
- १० उदायिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, [व, म ॥
[व, मः ॥

णिवर्जनात् "उदच उदीच्" [२, १, १०३] इति नोदीच्, कृतेऽन्यस्मिन् धातुप्रत्ययकार्ये पश्चाद्द्विस्तद्बाध्योऽद् च भवतीति नियमात्पूर्वमियादेशे पश्चाद्द्वौ उदैयत् ॥

मतान्तरे

- १ उदीचय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, [व, म ॥
[व, मः ॥
- २ उदीचये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ उदीचय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, [व, म ॥
[व, मः ॥
- ४ उदैचय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, [व, म ॥
[व, मः ॥
- ५ उदैचिच-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, [व, म ॥
[व, मः ॥
- ६ उदीचया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ उदीच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ उदीचयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, स्वः, स्मः ॥
- ९ उदीचयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, [व, म ॥
[व, मः ॥
- १० उदैचयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, [व, म ॥
[व, मः ॥

तिरोऽञ्चतीति तिर्यङ्, तिर्यञ्चमाचष्टे इति
तिर्ययति ।

१३९ तिर्यि-धातोरूपाणि ॥

- १ तिर्यय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ तिर्यये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ तिर्यय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अतिर्यय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतिर्यये-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ तिर्यया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ तिरीया-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तिर्ययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तिर्ययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अतिर्ययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अन्त्यस्वरादिलोपस्य बहिरङ्गत्वेन असिद्धत्वात्
तिरसस्तिरिः ॥

मतान्तरे

- १ तिरायय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ तिरायये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ तिरायय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अतिरायय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतितिराय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ तिरायया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ तिराय्या-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तिराययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तिराययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अतिराययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

दधि अञ्चतीति दध्यङ्, दध्यञ्चमाचष्टे इति
दध्ययति ।

१४० दधि-धातोरूपाणि ॥

- १ दध्यय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ दध्यये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दध्यय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अदध्यय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदध्यये-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ दध्यया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ दधीया-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दध्ययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दध्ययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदध्ययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

स्वरव्यञ्जनयोरभेदव्यायेन स्वरस्थानिकत्वादन्त्यस्व-
रादिछुः स्थानित्वाच्च वृद्धिः । यत्वे तु न स्थानिवद्भावः
"न सन्धिर्जी०" इति निषेधात् ॥

मतान्तरे ङ-दधियात् । मतान्तरे दधाययतीत्यादि ।

देवमञ्चतीति देवद्यङ्, देवद्यञ्चमाचष्टे इति
देवद्ययति ।

१४१ देवद्रि-इ-धातोरूपाणि ॥

- १ देवद्यय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ देवद्यये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ देवद्यय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
णि, इव, इम ॥
- ४ अदेवद्यय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदिदेवद्यत्-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ देवद्यया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ देवद्रीया-त्, स्ताम्, छुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ देवद्ययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ देवद्ययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदेवद्ययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे देवद्राययतीत्यादि ॥

वाचमाचष्ट इति वाचयति ।

१४२ वाचि-धातोरूपाणि ॥

- १ वाचय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वाचये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वाचय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अवाचय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवीवच-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ वाच्या-ञकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वाच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वाचयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वाचयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवाचयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

विष्वक् अञ्चतीति विष्वद्यङ्, विष्वद्यञ्चमाचष्टे इति विष्वद्ययति ।

१४३ विष्वद्रि-इ-धातोरूपाणि ॥

- १ विष्वद्यय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ विष्वद्यये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ विष्वद्यय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अविष्वद्यय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अविष्वद्यय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ विष्वद्यया-ञकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ विष्वद्रीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ विष्वद्ययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ विष्वद्ययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अविष्वद्ययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे विष्वद्राययतीत्यादि ॥

सहाञ्चतीति सध्वङ्, सध्वञ्चमाचष्टे इति सध्वययति ।

१४४ सध्वि-इ-धातोरूपाणि ॥

- १ सध्वयय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सध्वयये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सध्वयय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ असध्वयय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अससध्वय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ सध्वयया-ञकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सध्वीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सध्वययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सध्वययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असध्वययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ सहसमः सध्विसमी ” [३, २, १२३] इति सह-शब्दस्य सध्वि इत्यादेशः । मतान्तरे सध्वाययतीत्यादि ॥

समञ्चतीति सम्यङ्, सम्यञ्चमाचष्टे इति सम्यययति ।

१४५ समि-इ-धातोरूपाणि ॥

- १ सम्ययय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सम्ययये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सम्ययय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ सम्याय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ सम्यैय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ सम्यया-ञकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ समीया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सम्यययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सम्यययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० असम्यायिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ सहसमः समिसमी ” [३, २, १२३] इति सम्यययतीत्यादि ।

प्रच्छमाचष्टे इति प्रच्छयति, प्रच्छधात्वनुकरणम् ॥

१४६ प्रच्छि-धातोरूपाणि ॥

- १ प्रच्छय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ प्रच्छये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ प्रच्छय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अप्रच्छय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अप्रच्छ-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ प्रच्छया-ञकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ प्रच्छया-त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ प्रच्छयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ प्रच्छयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अप्रच्छयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

ऊर्जमाचष्टे इति ऊर्जयति ।

१४७ ऊर्जि-धातोरूपाणि ॥

- १ ऊर्जय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ ऊर्जये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ ऊर्जय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ और्जय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ और्जिज-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ ऊर्जया-ञकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ऊर्ज्या-त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ऊर्जयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ऊर्जयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० और्जयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

विश्वसृजमाचष्टे इति विश्वसयति ।

१४८ विश्वसि-धातोरूपाणि ॥

- १ विश्वसय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ विश्वसये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ विश्वसय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अविश्वसय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अविश्वस-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ विश्वसया-ञकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ विश्वस्या-त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ विश्वसयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ विश्वसयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अविश्वसयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे विश्वसयतीत्यादि ॥

उज्जमाचष्टे इति उज्जयति ।

१४९ उज्जि-धातोरूपाणि ॥

- १ उज्जय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ उज्जये-त्, ताम्, युः, : , तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ उज्जय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ औज्जय-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ औज्जिज-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ उज्जया-ञकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ उज्ज्या-त्, स्ताम्, युः, : , स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ उज्जयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ उज्जयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० औज्जयिष्य-त्, ताम्, न्, : , तम्, त, म्, इव, इम ॥

नञमाचष्टे इति नञयति ।

१५० नञि-धातोरूपाणि ॥

- १ नञय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ नञये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ नञय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अनञय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अनीनञ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ नञया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ नञ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ नञयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ नञयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अनञयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे नाञयंतीत्यादि ॥

अटतीति अट्, तमाचष्टे इति अटयति,
मतान्तरे आटयति ।

१५१ अटि-धातोरूपाणि ॥

- १ अटय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अटये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अटय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आटय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आटिड-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अटया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अट्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अटयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अटयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आटयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

पठतीति पठ्, तमाचष्टे इति पठयति,

मतान्तरे पाठयति ।

१५२ पठि-धातोरूपाणि ॥

- १ पठय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पठये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पठय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अपठय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपीपठ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ पठया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पठ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पठयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पठयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपठयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अडमुद्यमकृतमाचष्टे इति अडयति ।

१५३ अडि-धातोरूपाणि ॥

- १ अडय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ अडये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ अडय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ आडय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ आडिड-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ अडया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ अड्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ अडयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ अडयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० आडयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे आडयतीत्यादि ॥

सुदमाचष्टे इति सुदयति ।

१५४ सु-ढि-धातोरूपाणि ॥

- १ सुदय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ सुदये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ सुदय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ इवदय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ स्वडिढ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ सुदया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ सुदया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ सुदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ सुदयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० स्वदयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

कर्तृमन्तमाचष्ट इति करयति ।

१५६ करि-धातोरूपाणि ॥

- १ करय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ करये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ करय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अकरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचकर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ करया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कर्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ करयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ करयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अकरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अत्र "विन्मतोः" [७, ४, ३२] इति विनो
लुकि "व्यन्त्य०" [७, ४, ४३] इत्यन्त्यस्वरादेशेऽर्द्धे ।
समानलोपित्वात् सन्वत्कायभावः ॥

गणयतीति गण्, तमाचष्टे इति गणयति ।

१५५ गणि-धातोरूपाणि ॥

- १ गणय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गणये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गणय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अगणय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अजीगण-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ गण्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गण्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गणयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गणयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगणयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

त्वग्वन्तमाचष्ट इति त्वचयति ।

१५७ त्वग्नि-धातोरूपाणि ॥

- १ त्वचय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ त्वचये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ त्वचय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अत्वचय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अतत्वच-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ त्वचया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ त्वच्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ त्वचयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ त्वचयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अत्वचयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- "विन्मतोर्णष्टिसौ०" [७, ४, ३२] इति
मतोर्द्धे ॥

वसुमन्तमाचष्टे इति वसयति वसवयति ।

१५८ वसि-धातोरूपाणि ॥

- १ वसय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ वसये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ वसय-तु, तात्, ताम्, न्दु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अवसय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अववस-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ वसया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ वस्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ वसयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ वसयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अवसयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- अत्र “विन्मतोः” [७, ४, ३२] इति विनो
 छुकि, “त्र्यन्त्य०” [७, ४, ४३] इत्यन्त्यस्वरादेर्लुक् ।
 मतोल्लेपि अनेकस्वरस्यान्त्यस्वरादेर्लुक् च विकल्पेनेच्छ-
 न्त्येके लुगभावपक्षे णौ गुणं वेच्छन्ति । तन्मते निम्नद-
 शितान्यपि रूपाणि-

वृत्तमाचष्टे इति वृत्तयति ।

१५९ वृति-धातोरूपाणि ॥

- १ वृत्तय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वृत्तये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वृत्तय-तु, तात्, ताम्, न्दु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अवृत्तय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवीवृत्त-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ वृत्तया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वृत्त्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वृत्तयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वृत्तयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवृत्तयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥

१५८ वसवि-धातोरूपाणि ॥

- १ वसवय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वसवये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वसवय-तु, तात्, ताम्, न्दु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अवसवय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अववसव-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ वसवया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वसव्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ वसवयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ वसवयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवसवयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥

संक्रामन्तमाचष्टे करोतीति संक्रामयति ।

१६० सम्-क्रामि-धातोरूपाणि ॥

- १ संक्रामय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ संक्रामये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ संक्रामय-तु, तात्, ताम्, न्दु, तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ समक्रामय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ समचक्राम-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ संक्रामया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ संक्राम्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ संक्रामयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ संक्रामयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० समक्रामयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- “त्र्यन्त्य०” [७, ४, ४३] इत्यन्त्यस्वरादेर्लुक् ।
 समानलोपित्वात् ह्रस्वाभावः सन्वत्कार्यभावश्च “न
 प्रादि०” [३, ३, ४] इति समो न धात्ववयवत्वम् ॥

सरित्माचष्टे इति सरयति ।

१६१ सरि-धातोरूपाणि ॥

- १ सरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ सरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ सरय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अससय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अससर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ सरया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ सर्या-त्, ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ सरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ सरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० असरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे सरयति ॥

मथमाचष्टे इति मथयति, मतान्तरे माथयति ।

१६२ मथि-धातोरूपाणि ॥

- १ मथय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ मथये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ मथय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अमथय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अमीमथ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ मथया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ मथ्या-त्, ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मथयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मथयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अमथयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मामाचष्टे इति मदयति ।

१६३ मदि-धातोरूपाणि ॥

- १ मदय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ मदये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ मदय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अमदय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अमीमद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ मदया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ मद्या-त्, ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ मदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ मदयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अमदयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

अत्र नित्यत्वादन्त्यस्वरादिलोपात् प्रागेव अर्दं विच्छेद्य म इत्यादेशः, पश्चादपि अन्त्यस्वरादिलोपो न लोपात् स्वरादेश इति न्यायात् " छुगस्य० " [२, १, ११३] इत्येव प्रवर्तते । तस्मिन्नपि कृते न " नैकस्वरस्य " [७, ४, ४४] इति निषेधात् " छिणिति " [४, ३, ५०] इति वृद्धिपि न अधातुत्वात् । मतान्तरे-मादयतीत्यादीनि, मापयतीत्यादीनि च भवन्ति ॥

आवाम् अस्मान् वाचष्टे इति अस्मयति ।

१६४ अस्मि-धातोरूपाणि ॥

- १ अस्मय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अस्मये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अस्मय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ आस्मय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आसिस्म-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अस्मया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अस्या-त्, ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अस्मयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अस्मयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० आस्मयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

तदाचष्टे इति तदयति, मतान्तरे तादयति ।

१६५ तदि-धातोरूपाणि ॥

- १ तदय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ तदये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ तदथ-तु, तात्, ताम्, न्नु, ", तात्, तम्, त, मि, इव, इम ॥
- ४ अतदय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतीतद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, मि ॥
- ६ तदया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ तद्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तदयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अतदयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

दरदमाचष्टे इति दारदयति ।

१६५ दारदि-धातोरूपाणि ॥

- १ दारदय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ दारदये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ दारदथ-तु, तात्, ताम्, न्नु, ", तात्, तम्, त, मि, इव, इम ॥
 - ४ अदारदय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अददारद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ दारदया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ दारद्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ दारदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ दारदयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अदारदयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- “जातिश्च णितद्धिते” इति पुंवद्भावेन दारदयति ।

दृषदमाचष्ट इति दृषयति ।

१६६ दृषि-धातोरूपाणि ॥

- १ दृषय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ दृषये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दृषय-तु, तात्, ताम्, न्नु, ", तात्, तम्, त, मि, इव, इम ॥
- ४ अदृषय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदृष-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ दृषया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ दृष्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दृषयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दृषयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदृषयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

५ अदृषत्-अत्र समानलोपित्वात् सन्वत्कार्यभावः ।

त्वामाचष्टे इति त्वदयति ।

१६७ त्वदि-धातोरूपाणि ॥

- १ त्वदय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ त्वदये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ त्वदथ-तु, तात्, ताम्, न्नु, ", तात्, तम्, त, मि, इव, इम ॥
 - ४ अत्वदय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अतित्वद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ त्वदया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ त्वद्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ त्वदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ त्वदयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अत्वदयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे त्वादयतीत्यादीनि, केषाञ्चिन्मते त्वापयतीत्यादीनि । अत्र नित्यत्वादन्त्यस्वरादिलोपात् प्रागेव अदं विज्ञेयं त्व इत्यादेशः, पश्चादपि अन्त्यस्वरादिलोपो न लोपात् स्वरादेश इति न्यायात् “लुगस्य०” [२, १, ११३] इत्येव प्रवर्तते, तस्मिन्नपि कृते न “नैकस्वरस्य” [७, ४, ४४] इति निषेधात् “जिति” [४, ३, ५०] इति वृद्धिरपि न अधातुत्वात् ॥

युवां युष्मान्वाचष्टे इति युष्मयति ।

१६७ युष्मि-धातोरूपाणि ॥

- १ युष्मय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ युष्मये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ युष्मय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अयुष्मय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अयुयुष्म-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ युष्मया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ युष्मया-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ युष्मयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ युष्मयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अयुष्मयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

शरदमाचष्टे इति शरयति मतान्तरे शारयति ।

१६८ शरि-धातोरूपाणि ॥

- १ शरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ शरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ शरय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अशरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अशशर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ शरया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ शर्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अशरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

बोधतीति भुव्, बुधमाचष्टे इति बुधयति ।

१६९ बुधि-धातोरूपाणि ॥

- १ बुधय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ बुधये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ बुधय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अबुधय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अबुबुध-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ बुधया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ बुधया-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बुधयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बुधयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अबुधयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

लोमानि अनुमार्ष्टीति अनुलोमयति ।

१७० अनु-लोमि-धातोरूपाणि ॥

- १ अनुलोमय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अनुलोमये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अनुलोमय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अन्वलोमय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अन्वलुलोम-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अनुलोमया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अनुलोम्या-त्, स्ताम्, दुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अनुलोमयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अनुलोमयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अन्वलोमयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ न प्रादि० ” इति अनोर्न धात्ववयवत्वम् ।

अन्वलुलोमत्-अत्र समानलोपित्वात् इस्वाभावः सन्वत्कार्यभावश्च ॥

ओजस्विनमाचष्ट इति ओजयति ।

१७१ ओजि-धातोरूपाणि ॥

- १ ओजय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ ओजये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ ओजय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ ओजय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ औजिज-त्, ताम्, न्, ;, तम्, म्, इव, इम ॥
- ६ ओजया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ओज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ओजयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ओजयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० औजयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

" विन्मतोः " [७, ४, ३२] इति विनो लृक् ।

" त्र्यन्त्य० " [७, ४, ४२] इत्यन्त्यस्वरादिलृक् ॥

दुःखिनमाचष्टे करोति वा दुःखयति ।

१७२ दुःखि-धातोरूपाणि ॥

- १ दुःखय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ दुःखये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ दुःखय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अदुःखय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अदुदुःख-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ दुःख्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ दुःख्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ दुःखयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ दुःखयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अदुःखयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- मतान्तरे दुःखिनो णिचोऽनभिधानम् ।

पयस्विनमाचष्ट इति पययति ।

१७३ पयि-धातोरूपाणि ॥

- १ पययति-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पयये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पयय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अपयय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपपय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ पयया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

विनो लृपि अनेकस्वरस्यान्त्यस्वरादेर्लृक् विकल्पे-
नेच्छन्त्येके तन्मते—

- १ पयसय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ पयसये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ पयसय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अपयसय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अपपयस-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ पयस्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ पयस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ पयसयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ पयसयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अपयसयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- इत्यादीन्यपि रूपाणि ॥

युवां युष्मान्वाचष्टे इति युष्मयति ।

१६७ युष्मि-धातोरूपाणि ॥

- १ युष्मथ-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ युष्मथे-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ युष्मथ-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अयुष्मथ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अयुयुष्म-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ युष्मथा-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ युष्मथा-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ युष्मथिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ युष्मथिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अयुष्मथिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

शरक्माचष्टे इति शरयति मतान्तरे शारयति ।

१६८ शरि-धातोरूपाणि ॥

- १ शरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ शरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ शरय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अशरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अशशर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ शरया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ शरया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ शरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अशरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

बोधतीति भुत्, बुधमाचष्टे इति बुधयति ।

१६९ बुधि-धातोरूपाणि ॥

- १ बुधय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ बुधये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ बुधय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अबुधय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अबुबुध-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ बुधया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ बुधया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ बुधयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ बुधयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अबुधयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

लोमानि अनुमार्ष्टीति अनुलोमयति ।

१७० अनु-लोमि-धातोरूपाणि ॥

- १ अनुलोमय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अनुलोमये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अनुलोमय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अन्वलोमय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अन्वलुलोम-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अनुलोमया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अनुलोमया-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अनुलोमयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ अनुलोमयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अन्वलोमयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

“ न प्रादि० ” इति अनोर्न धात्ववयवत्वम् ।

अन्वलुलोमत्-अत्र समानलोपित्वात् इहस्वाभावः सन्वत्कार्याभावश्च ॥

ओजस्विनमाचष्ट इति ओजयति ।

१७१ ओजि-धातोरूपाणि ॥

- १ ओजय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ ओजये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ ओजय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ ओजय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ औजिज-त्, ताम्, न्, ;, तम्, म्, इव, इम ॥
- ६ ओजया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ओज्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ओजयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ओजयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० औजयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

" विन्मतोः " [७, ४, ३२] इति विनो लुक् ।

" व्यन्त्य० " [७, ४, ४२] इत्यन्त्यस्वरादिलुक् ॥

दुःखिनमाचष्टे करोति वा दुःखयति ।

१७२ दुःखि-धातोरूपाणि ॥

- १ दुःखय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ दुःखये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दुःखय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अदुःखय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदुदुःख-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ दुःख्या-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ दुःख्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दुःखयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दुःखयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदुःखयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

मतान्तरे दुःखिनो णिचोऽनभिधानम् ।

पयस्विनमाचष्ट इति पययति ।

१७३ पयि-धातोरूपाणि ॥

- १ पययति-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पयये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पयय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अपयय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपपय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ पयया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पय्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

विनो लुपि अनेकस्वरस्यान्त्यस्वरादेर्लुचं विकल्पे-
नेच्छन्त्येके तन्मते—

- १ पयसय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पयसये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पयसय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अपयसय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपपयस-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ पयसया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पयस्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पयसयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पयसयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपयसयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

इत्यादीन्यपि रूपाणि ॥

स्वापं करोतीति स्वापयति ।

१८१ स्वापि-धातोरूपाणि ॥

- १ स्वापय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ स्वापये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ स्वापय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अस्वापय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अस्तिस्वप-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ स्वापया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ स्वाप्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ स्वापयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ स्वापयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अस्वापयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

नान्नोऽपि "स्वपेयङ्गे च" [४, १, ८०] इति
यद्वतमिच्छन्त्यन्ये तन्मते ५-असुषुपत् ॥

गुफमाचष्टे इति गुफयति ।

१८२ गुफि-धातोरूपाणि ॥

- १ गुफय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ गुफये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ गुफय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
 - ४ अगुफय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अजुगुफ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ गुफया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ गुफ्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ गुफयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
 - ९ गुफयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - १० अगुफयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- गुफधातो क्विपि गुफ् ॥

क्षीबमाचष्टे इति क्षीबयति ।

१८३ क्षीबि-धातोरूपाणि ॥

- १ क्षीबय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ क्षीबये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ क्षीबय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अक्षीबय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचिक्षिब-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ क्षीबया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ क्षीब्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ क्षीबयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ क्षीबयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अक्षीबयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

क्षीबधातोः क्विपि 'क्षीब' इति रूपम् ॥

ककुभमाचष्टे इति ककयति ।

१८४ ककि-धातोरूपाणि ॥

- १ ककय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ ककये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ ककय-तु, तात्, ताम्, न्दु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अककय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अचकक-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ ककया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ कक्या-त्, स्ताम्, सुः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ ककयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ ककयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अककयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

समानलोपित्वात् सन्वत्कार्याभावः । मतान्तरे काक-
यतीत्यादि ॥

स्तम्भमाचष्टे इति स्तम्भयति ।

१८५ स्तम्भ-धातोरूपाणि ॥

- १ स्तम्भय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
 - २ स्तम्भये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
 - ३ स्तम्भय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
 - ४ अस्तम्भय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ५ अतस्तम्भ-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
 - ६ स्तम्भया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
 - ७ स्तम्भ्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
 - ८ स्तम्भयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
 - ९ स्तम्भयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
 - १० अस्तम्भयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥
- स्तम्भधातोर्विचि स्तम्भ इति शब्दः ॥

इदमाचष्टे इति इदयति ।

१८६ इदि-धातोरूपाणि ॥

- १ इदय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ इदये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ इदय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ ऐदय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ ऐदिद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ इदया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ इद्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ इदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
- ९ इदयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
- १० ऐदयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥

शाम्यतीति शान्, शाममाचष्टे इति शामयति ।

१८७ शामि-धातोरूपाणि ॥

- १ शामय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ शामये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ शामय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ अशामय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अशिशाम-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ शामया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ शाम्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ शामयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
- ९ शामयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
- १० अशामयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्,
इव, इम ॥

अयम् अयादेशम् आचष्टे इति अययति,
मतान्तरे आययति ।

१८८ अयि-धातोरूपाणि ॥

- १ अयय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ अयये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ अयय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त,
नि, इव, इम ॥
- ४ आयय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ आयिय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ अयया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ अय्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ अययिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि,
स्वः, स्मः ॥
- ९ अययिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि,
इवः, इमः ॥
- १० आययिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

वारमाचष्टे इति वारयति ॥

१८९ वारि-धातोरूपाणि ॥

- १ वारय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ वारये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ वारय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अवारय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अवीवर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ वारया-श्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ वार्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ वारयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ वारयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अवारयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

स्वराचष्टे इति स्वरयति, मतान्तरे स्वारयति ।

१९० स्वरि-धातोरूपाणि ॥

- १ स्वरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ स्वरये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ स्वरय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अस्वरय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ असिस्वर-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ स्वरया-श्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ स्वर्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, खः, स्मः ॥
- ८ स्वरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ स्वरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अस्वरयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

शलमाचष्टे शलयति मतान्तरे शालयति ।

१९१ शलि-धातोरूपाणि ॥

- १ शलय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ शलये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ शलय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अशलय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अशीशल-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ शलया-श्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ शल्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ शलयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ शलयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अशलयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

दिवमाचष्टे इति दिवयति ।

१९२ दिवि-धातोरूपाणि ॥

- १ दिवय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ दिवये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दिवय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अदिवय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अदीदिव-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ दिवया-श्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ दिव्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, ख, स्म ॥
- ८ दिवयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, खः, स्मः ॥
- ९ दिवयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अदिवयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

तादृशमाचष्टे इति तादयति ।

१९३ तादि-धातोरूपाणि ॥

- १ तादय-ति, तः, न्ति, सि, थः, था, मि, णि, णिः ॥
- २ तादये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ तादय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, णि, णिः ॥
- ४ अतादय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, णि, णिः ॥
- ५ अतताद-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, णि, णिः ॥
- ६ तादया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ ताद्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तादयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तादयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, णि, णिः ॥
- १० अतादयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, णि, णिः ॥
- ५ अतताद-समानलोपित्वान्न ह्रस्वः सन्वत्कार्यञ्च ॥

दिशमाचष्टे इति दिशयति ।

१९४ दिशि-धातोरूपाणि ॥

- १ दिशय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, णि, णिः ॥
- २ दिशये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ दिशय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, णि, णिः ॥
- ४ अदिशय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, णि, णिः ॥
- ५ अदीदिश-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, णि, णिः ॥
- ६ दिशया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ दिश्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ दिशयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ दिशयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, णि, णिः ॥
- १० अदिशयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, णि, णिः ॥

चक्षुषा पश्यतीति चक्षयति ।

१९५ चक्षि-धातोरूपाणि ॥

- १ चक्षय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, णि, णिः ॥
- २ चक्षये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ चक्षय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, णि, णिः ॥
- ४ अचक्षय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, णि, णिः ॥
- ५ अचचक्ष-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, णि, णिः ॥
- ६ चक्षया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ चक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ चक्षयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ चक्षयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, णि, णिः ॥
- १० अचक्षयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, णि, णिः ॥

त्विषमाचष्टे इति त्विषयति ।

१९६ त्विषि-धातोरूपाणि ॥

- १ त्विषय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, णि, णिः ॥
- २ त्विषये-त्, ताम्, युः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ त्विषय-तु, तात्, ताम्, न्तु, तात्, तम्, त, णि, णिः ॥
- ४ अत्विषय-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, णि, णिः ॥
- ५ अतित्विष-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, णि, णिः ॥
- ६ त्विषया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ त्विष्या-त्, स्ताम्, सुः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ त्विषयिता-”, रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ त्विषयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, णि, णिः ॥
- १० अत्विषयिष्य-त्, ताम्, न्, तम्, त, म्, णि, णिः ॥

पुंससमाचष्टे इति पुंसयति ॥

१९७ पुंसि-धातोरूपाणि ॥

- १ पुंसय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ पुंसये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ पुंसय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अपुंसय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अपुपुंस-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ पुंसया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ पुंस्य-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ पुंसयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, स्वः, स्मः ॥
- ९ पुंसयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अपुंसयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

गोदुहमाचष्टे इति गोदयति ॥

१९९ गोदि-धातोरूपाणि ॥

- १ गोदय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गोदये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गोदय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अगोदय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अङ्गुगोद-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ गोदया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गोद्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गोदयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गोदयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगोदयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

समानलोपित्वात् ह्रस्वाभावः सन्वत्कायभावश्च ॥

विद्वांसमाचष्टे इति विद्वयति ॥

१९८ विद्वि-धातोरूपाणि ॥

- १ विद्वय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ विद्वये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ विद्वय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अविद्वय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अविद्वि-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ विद्वया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ विद्वया-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ विद्वयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, स्वः, स्मः ॥
- ९ विद्वयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अविद्वयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

णिवर्जनाच्च कस उष् ॥

लिहमाचष्टे इति लिहयति ॥

२०० लिहि-धातोरूपाणि ॥

- १ लिहय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ लिहये-त्, ताम्, युः, ;, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ लिहय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, नि, इव, इम ॥
- ४ अलिहय-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अलीलिह-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ लिहया-ञ्कार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ लिह्या-त्, स्ताम्, युः, ;, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ लिहयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, सि, स्वः, स्मः ॥
- ९ लिहयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अलिहयिष्य-त्, ताम्, न्, ;, तम्, त, म्, इव, इम ॥

गोरक्षमाचष्टे इति गोरयति ।

२०१ गोरि-धातोरूपाणि ॥

- १ गोरय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ गोरये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ गोरय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अगोरय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अजुगोर-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ गोरया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ गोर्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ गोरयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ गोरयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अगोरयिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

समानलोपित्वात् ह्रस्वाभावः सन्वत्कार्याभावश्च ।

तक्षमाचष्टे इति तक्षयति ।

२०२ तक्षि-धातोरूपाणि ॥

- १ तक्षय-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- २ तक्षये-त्, ताम्, युः, ः, तम्, त, यम्, व, म ॥
- ३ तक्षय-तु, तात्, ताम्, न्तु, ", तात्, तम्, त, णि, इव, इम ॥
- ४ अतक्षय-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ५ अतक्ष-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥
- ६ तक्षया-ञ्चकार, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ मास, इ० ॥
- ७ तक्ष्या-त्, स्ताम्, सुः, ः, स्तम्, स्त, सम्, स्व, स्म ॥
- ८ तक्षयिता-", रौ, रः, सि, स्थः, स्थ, स्मि, स्वः, स्मः ॥
- ९ तक्षयिष्य-ति, तः, न्ति, सि, थः, थ, मि, इवः, इमः ॥
- १० अतक्षयिष्य-त्, ताम्, न्, ः, तम्, त, म्, इव, इम ॥

आख्यानं, नलोपाख्यानं, कसवधं, सीताहरणं रामप्रव्रजनं, राजागमनं, मृगंरमणम्, आरात्रिविवासमाचष्टे इत्यादिषु, इन्द्रियाणां जयं, क्षीरस्य पानं, देवानां यागं, धान्यस्य क्रयं, धनस्य त्यागम्, ओदनस्य पाकं करोतीत्यादिषु च बहुलवचनान्न भवति । मतान्तरे तु भवति-आचष्ट इत्यर्थे णिच् । तथाहि-‘आख्यानात् कृतस्तदाचष्टे कृल्लुक् प्रकृतिप्रत्यापत्तिः प्रकृतिवच्च कारकम्’ इति वार्तिकम् । आख्यानवाचकात् कृदन्तात् तदाचष्टे इत्यर्थे णिच्, णिच्प्रकृत्यवयवकृतो लुक्, तस्यैव कृतो या प्रकृतिर्हन्यादिस्तस्याः प्रत्यापत्तिः विकारपरित्यागेन स्वरूपेणावस्थितिः, प्रकृतिवत् कृत्प्रकृतिप्रकृतिकणिजन्तवत्, कारकं च हेतुमणिचः प्रकृतेर्हन्यादेर्हेतुमणौ यादृशं कारकं धातावन्तर्भूतं द्वितीयान्तं यादृशं च कार्यं कुत्वतत्वादि तदिहापि इति वार्तिकार्थः । उक्तवार्तिकेन कंसवधमाचष्टे इत्यर्थे कंसवधशब्दाणिचि वधादेशनिवृत्तौ प्रकृतिवत्कारके कुत्वतत्वादिकार्ये च कसं धातयति, धातयेत्, धातयतु, अधातयत्, अजीघतत्, धातयांचकार, धात्यात्, धातयिता, धातयिष्यति, अधातयिष्यत्, इति । सीताहरणमाचष्टे सीतां हारयति, रामप्रव्रजनमाचष्टे रामं प्रव्राजयति, राजागमनमाचष्टे राजानमागमयति, मृगंरमणमाचष्टे मृगं रमयति, रात्रिविवासमाचष्टे रात्रिविवासयति, चैत्रपाकमाचष्टे चैत्रेण पाचयति, इति । यत्रानेकविशेषणविशिष्टा क्रिया प्रत्ययार्थस्तत्र क्रियाविशेषामिव्यक्तये उपसर्गप्रयोग आवश्यकः, यथा विपाशयति, संपाशयति । पाशिक्रिया हि

विमोचनसंयमनाद्यनेकविशेषणविशिष्टा सती प्रत्ययवाच्या, ततश्चोपसर्गप्रयोगाभावे एक-
तरेणापि विशेषणेन वैशिष्ट्यं न प्रतीयेत । यत्र त्वेकविशेषणविशिष्टा क्रिया प्रत्ययार्थस्तत्र संदे-
हाभावादुपसर्गो न प्रयुज्यते । यथा—श्येन इवाचरतीति श्येनायते । एवं प्रत्ययस्यानेकार्थत्वे-
ऽपि अर्थविशेषाभिच्यक्त्यर्थमुपसर्गप्रयोगः । यथा हस्तिना अतिक्रामति अतिहस्तयतीति ।
अनेकोपसर्गविशिष्टक्रियायाः प्रत्ययार्थत्वे शब्दशक्तिस्वाभाव्यादेक एवोपसर्गार्थः प्रत्ययार्थ-
जन्तर्भवति द्वितीयस्तूपसर्गणैव प्रत्याय्यते, यथा—भाण्डानि समाचिनोति सम्भाण्डयते इति ॥

इति श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि—सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम—विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक—संविग्रशाखीय—आचार्यचूडामणि—अखण्डविजय-
श्रीमदुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्द्रिरायमाणेनान्ते-
वासिना शास्त्रविशारदेन कविरत्नेन व्याकरणवाचस्पतिना महोपाध्याय-
लावण्यविजयगणिना विरचितस्य धातुरत्नाकरस्य नामधातु-
प्रक्रियानिरूपणे षष्ठभागे णिच्प्रत्ययान्तप्रकरणं सम्पूर्णम् ॥

समर्थितश्च धातुरत्नाकरस्य नामधातुनिरूपणो
नाम षष्ठभागः ॥

गच्छतः स्वलनं कापि भवत्येव प्रमादतः ।

हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः ॥ १ ॥

छद्मस्थेषु सदा स्वलद्गतितया दोषप्रबन्धान्वये

नो हास्यास्पमत्र दोषघटनायां स्यामहं धीमताम् ।

नो प्राथ्याः कृतिनो निसर्गगरिमावासा मया शोधने

येषां दोषगणप्रमाजनविधिः स्वाभाविकोऽयं यतः ॥ २ ॥



REPRODUCTION OF EARLIER EDITION OF
DHĀTURATNĀKARA

DHĀTURATNĀKARA

धातुरत्नाकरः

BY

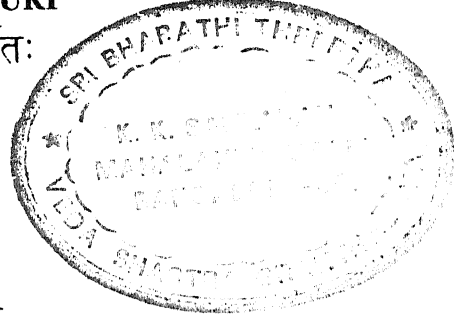
MUNI LĀVAṆYA VIJAYA SŪRI

मुनिलावण्यविजय सूरिविनिर्मितः

Vol. VII
BHĀVAKARMA

सप्तमो भागः

भावकर्म प्रक्रिया



NAVRANG • नवरंग

1992

This publication has been brought out with financial assistance from Government of India, Ministry of Human Resources Development.

If any defect is found in this book, please return the copy by V.P.P. to the Publisher for exchange free of cost of postage.

DHĀTURATNĀKARA, VOL VII

First Published 1867 Saka

Reprint 1992

Rs. 820 per set of Vols. 1-7

Published by:
Mrs Nirmal Singal, for
NAVRANG Booksellers & Publishers
RB-7, Inder Puri, New Delhi - 12
Phone: 5722197, 589914

Printed by :
Diamond Printers,
B-74, Phase II, Naraina Industrial Area,
New Delhi - 28

॥ अहम् ॥

श्रीविजयनेमिसूरिग्रन्थमाला-रत्नम्-१६

॥ आशौशवशीलशालिने श्रीनेमीश्वराय नमो नमः ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-
सर्वतन्त्रस्वतन्त्र--सूरिचक्रचक्रवर्ति--भट्टारकाचार्यश्रीम-
द्विजयनेमिसूरीश्वरपट्टालङ्कार-तिलकमञ्जरीटीकादि-
विविधनिबन्धनिबन्धनबन्धुर-व्याकरणवाच-
स्पति-शास्त्रविशारद-कविरत्न-भट्टा-
रकाचार्यश्रीमद्विजयलावण्यसूरि-
प्रणीतो

धातुरत्नाकरः ।

॥ तस्य चायं सप्तमो विभागः ॥

प्रकाशितोऽयं राजनगरस्थायाः श्रीजैनग्रन्थप्रकाशकसभायाः
कार्यवाहकेन " ईश्वरलाल मूलचंदभाई " इत्यनेन ।

प्रति ५५१

प्रथमावृत्तिः

वीरसंवत्-२४६७

विक्रमसंवत्-१९९७

श्रीविजयनेमिसूरिग्रन्थमालारत्नानि ॥



| | | | | | | |
|---|---|-----|-----|-----|-----|--------|
| १ धातुरत्नाकर भाग | १ | ... | ... | ... | ... | ५-०-० |
| २ " " | २ | ... | ... | ... | ... | ४-०-० |
| ३ " " | ३ | ... | ... | ... | ... | २-०-० |
| ४ " " | ४ | ... | ... | ... | ... | २-०-० |
| ५ देवगुर्वष्टक स्वोपज्ञवृत्तिसमेत | | ... | ... | ... | ... | ०-४-० |
| ६ देवगुर्वष्टक तथा कदम्बाष्टक | | ... | ... | ... | ... | ०-१-० |
| ७ धातुरत्नाकर भाग | ५ | ... | ... | ... | ... | ४-०-० |
| ८ धातुरत्नाकर भाग | ६ | ... | ... | ... | ... | २-८-० |
| ९ श्रीनूतनजिनस्तवनमालादिसंग्रह, आवृत्ति छट्टी | | ... | ... | ... | ... | अमूल्य |
| १० श्रीमहावीरस्तवनमाला | | ... | ... | ... | ... | " |
| ११ श्रीमहावीरछत्रीशी | | ... | ... | ... | ... | " |
| १२ धातुपारायणं कण्ड्वादिप्रकाशश्च | | ... | ... | ... | ... | " |
| १३ नूतन तीर्थस्तवनमाला | | ... | ... | ... | ... | " |
| १४ कण्ड्वादि प्रकाशः | | ... | ... | ... | ... | " |
| १५ सविधिप्रतिक्रमणादिसंग्रहः | | ... | ... | ... | ... | " |
| १६ धातुरत्नाकर भाग | ७ | ... | ... | ... | ... | ५-५-० |
| १७ स्तुति चोवीशी | | ... | ... | ... | ... | " |



मुद्रमाणग्रन्थाः—

- १ श्रीसिद्धहेमशब्दानुशासनबृहद्बृत्ति-
लघुन्यासबृहद्व्याससहित ।
- २ स्याद्यन्तरत्नाकर ।
- ३ श्रीहेमशब्दानुशासनसुधा ।
- ४ तिलकमञ्जरी टीकात्रयसमेता ।



प्राप्तिस्थान—

गुर्जरग्रन्थरत्न कार्यालय
गांधीरोड अमदावाद



सरस्वती जैन पुस्तक भण्डार,
१४५ गुलालवाडी, मुंबई

मुद्रक गुलाबचंद लल्लुभाई 'श्रीमहोदय प्रिन्टींग प्रेस' दाणापीठ-भावनगर.

सर्वतन्त्रस्वतन्त्र-शासनसम्राट्-सूरिचक्रचक्रवर्त्ति जगद्गुरुतपागच्छाधिपति-भट्टारक



भव्याब्ध्यामदवृद्धिचन्द्रसदृशं, श्रीनेमिसूरीश्वरं ।
सम्यग्दर्शनबोधदानसदनं, चारित्रभानूदयम् ॥
जैनेन्द्रागमतत्त्वनन्दनधनं, लावण्ययोगालयं ॥
भो दक्षास्त्रिविधं हितं प्रणमत, प्रज्ञाप्रमोदक्षमम् ॥ १ ॥

आचार्य श्रीविजयनेमिसूरीश्वरः
सूरिपद सं. १९६४ ज्येष्ठ शु. ५ भावनगर

गणिपद सं. १९६० कार्तिक कृष्ण ७ वल्लभीपुर (वळा) : पन्थासपद सं. १९६० मागशर शु. ३ वल्लभीपुर (वळा)

जन्म सं. १९२९ कार्तिक शु. १ मधुमती (महवा) : दीक्षा सं. १९४५ ज्येष्ठ शु. ७ भावनगर

तपोगच्छाधिपति—सर्वतन्त्रस्वतन्त्र—शासनसम्राट्—सूरिचक्रचक्रवर्ति—जगद्गुरु—भट्टारकाचार्यवर्य—

श्रीमद्विजयनेमिसूरीश्वरपट्टालङ्कार—

व्याकरणवाचस्पति—शास्त्रविशारद—कविरत्न—निरुपमव्याख्यानसुधावर्षि—विबुधशिरोमणि—धातुरत्नाकर—

तिलकमञ्जरीटीकाद्यनेकग्रन्थप्रणेता—

जन्म—वि. सं. १९५३ भाद्रपद वद ५ दीक्षा—वि. सं. १९७२ अषाढ सुद ५ वडी दीक्षा—वि. सं. १९७३ मागशर
प्रवर्त्तकपद—वि. सं. १९८७ कार्तिक (प्रायः) वीर्याद (काठीयावाड) ॥ सादही, (मारवाड) ॥
सुद ३ सादही, (मारवाड) ॥ वद २, अमदावाद ॥



गणिपद—वि. सं. १९९० मागशर पद्मयासपद—वि. सं. १९९० मागशर उपाध्याय पद—वि. सं. १९९१ जेठ
आचार्यपद—वि. सं. १९९२ वैशाख सुद ८, भावनगर ॥ सुद १०, भावनगर ॥
वद १२, महुवा (काठीयावाड) ॥ सुद ४, अमदावाद ॥

भट्टारकाचार्यश्रीमद्विजयलावण्यसूरीश्वरः ॥

“न्यायव्याकरणागमेषु ललिते, काव्ये तथा छन्दसि। साहित्यप्रभृतौ प्रबन्धगगने यद्वीकराः विस्तृताः॥
प्रत्युत्पन्नमतिः प्रसादमदनं, व्याख्यानवाचस्पतिः। सोऽयं दक्षप्रमोदो विजयते, लावण्यसूरीश्वरः॥१॥”

॥ श्रीमज्जिनपुद्गवेभ्यो नमः ॥

॥ सकलस्वपरसमयपारावारपारीण-विद्यापीठादिप्रस्थानपञ्चकसमाराधक-तपो-
गच्छाधिपति-भट्टारकाचार्य-जगद्गुरु-श्रीमद्विजयनेमिसूरिभगवद्भ्यो नमः ॥

श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-अखण्डविजयश्रीमद्गुरुराज
विजयनेमिसूरीश्वरचरणारविन्दचञ्चरीकायमाणेन शास्त्रविशारदेन
कविरत्नेन व्याकरणवाचस्पतिना भट्टारकाचार्येण
विजयलावण्यसूरिणा प्रणीतो



नत्वा श्रीनेमिनामानमाजन्मब्रह्मचारिणम् ।
तीर्थनाथं गुरुं चैव भारतीं जिनभाषिताम् ॥ १ ॥

धातुरत्नाकरे कुर्वे विभागं सप्तमं मुदा ।
सूरिर्लावण्यनामा हि बालानां सुखहेतवे ॥ २ ॥ युग्मम् ॥

निरूपिता नामधातुप्रक्रिया, इदानीं भावकर्मप्रक्रिया निरूप्यते—

भ्वादिगणपठितत्वे सति क्रियावाचित्वं धातुत्वमिति धातुलक्षणम् “क्रियार्थो धातुः”
इत्यनेन बोधितम् । अत्र सत्यन्तपदादाने “आणवयति” इत्याद्यपभ्रंशशब्दानां प्रकृतिभागस्य
धातुत्वे शास्त्रविषयतया साधुत्वापत्तिः स्यात्, (साधुत्वं च व्याकरणान्वाख्यत्वे सति
पुण्यजनकतावच्छेदकधर्मवच्चम्) तथा सति याज्ञे कर्मणि तदुच्चारणे पापभागितानापत्तिः । न

चासाधुशब्देन साधुशब्दस्मरणद्वारा अर्थबोध इत्याणवयतीत्यादौ क्रियावाचित्वाभावादेवा-
 दोष इति वाच्यम्, साधुशब्दस्मरणं विनापि बोधानुभवात् तद्वाचकसाधुशब्दमजानतां बोधा-
 नापत्तेः “वाचकत्वाविशेषेऽपि नियमः पुण्यपापयोः” इति हर्युक्तेश्च । क्रियावाचित्वपदानुपा-
 दाने विकल्पार्थकवाशब्दस्य धातुत्वं स्यात् । क्रियावाचित्वञ्च क्रियानिष्ठमुख्यविशेष्यताक-
 बोधानुकूलशक्तिविशिष्टत्वम्, वै० स्वपर्याप्त्यधिकरणत्वस्वनिरूपकार्थविषयकबोधतात्पर्येणो-
 च्छरितत्वोभयसम्बन्धेन । तथा च दरिं द्रातीतिव्युत्पत्तिसिद्धदरिद्राशब्दे दुर्गतितावच्छिन्न-
 मुख्यविशेष्यताकबोधानुकूला या शक्तिस्तत्पर्याप्त्यधिकरणत्वेऽपि तन्निरूपकार्थविषयक-
 बोधतात्पर्येणोच्छरितत्वाभावात् कुत्सितगमनमुख्यविशेष्यताकबोधानुकूलद्रापर्याप्तशक्तिनिरू-
 पकार्थविषयकबोधतात्पर्येणोच्छरितत्वेऽपि तादृशशक्तिपर्याप्त्यधिकरणत्वाभावाच्च नातिव्याप्तिः,
 प्रथमसम्बन्धादेव च ‘शिश्ये’ इत्यादौ नातिव्याप्तिः । द्वितीयसम्बन्धादेव विकल्पार्थक-
 वाशब्दे नातिव्याप्तिः । लिङादौ तु आस्वादनमुख्यविशेष्यकबोधानुकूला या शक्ति-
 स्तत्पर्याप्त्यधिकरणत्वस्य तन्निरूपकास्वादनविषयको य आस्वादनकर्तृमुख्यविशेष्यको बोध-
 स्तत्तात्पर्येणोच्छरितत्वस्य च सत्त्वान्नाव्याप्तिः । लक्षणघटकक्रियात्वञ्च साध्यत्वेन प्रतीय-
 मानत्वम्, साध्यत्वञ्च कालान्वयितावच्छेदकविलक्षणरूपवत्त्वम् । (साध्यमानावस्था पूर्वा-
 परीभूता क्रिया कारकव्यापारविशेष इति तु परिचायकम्) सिद्धसाध्यभेदात् क्रिया
 द्विविधा, तत्र सिद्धक्रियापरिचायकन्तु क्रियान्तराकाङ्क्षोत्थापकतावच्छेदकवैजात्यवत्त्वे
 सति कारकत्वेन क्रियान्वयित्वे सति कारकान्तरान्वयायोग्यत्वं सिद्धत्वमिति । साध्य-
 क्रियापरिचायकम्-क्रियान्तराकाङ्क्षानुत्थापकतावच्छेदकं सत् कारकान्तरान्वययोग्यताव-
 च्छेदकधर्मवत्त्वं साध्यत्वमिति । इदं क्रियालक्षणं न भवितुमर्हति क्रियाघटितत्वेन अन्योन्या-
 श्रयात् । एवंभूतधात्वर्थस्तु फलानुकूलव्यापारः, वैयाकरणमते फलविशिष्टव्यापारे धातु-
 शक्तिस्वीकारात् । तत्र फलत्वञ्च कर्तृप्रत्ययसमभिव्याहारे तद्धात्वर्थनिष्ठावेष्ट्यतानिरूपित-
 प्रकारताश्रयत्वे सति तद्धात्वर्थजन्यत्वम् । विभागजन्यसंयोगरूपे पतत्यादिधात्वर्थे
 विभागस्य फलत्ववारणाय उत्तरदलम् । संयोगस्य फलत्ववारणाय सत्यन्तम् । अत एव
 वृक्षात् पर्णं भूमौ पतति-इत्यत्र विभागाश्रयस्य वृक्षस्य संयोगाश्रयस्य भूमेर्न कर्मत्वम् ।
 व्यापारत्वञ्च धात्वर्थफलजनकत्वे सति धातुवाच्यत्वम् । अनुकूलत्वं संसर्गः । अनुकूलत्वञ्च
 फलनिष्ठजन्यतानिरूपितजनकत्वम् । धातुद्विविधः सकर्मकोऽकर्मकश्च । तत्र फलव्यधि-
 करणव्यापारवाचकत्वं सकर्मकत्वम् । फलसमानाधिकरणव्यापारवाचकत्वमकर्मकत्वम् ।
 एतच्च लक्षणम् अकर्मकाणामप्यंशद्वयाभिधायकत्वाभिप्रायेण । अकर्मकधातुस्थले फल-
 विशिष्टव्यापारो नास्ति किन्तु व्यापार एव अर्थः, तदा कर्मत्वेन कालाघटिरिक्तकर्मान्व-
 यर्थकत्वम् अकर्मकत्वम् । शब्दशास्त्रीयकर्मसंज्ञकार्थान्वयर्थकत्वं सकर्मकत्वम् ।

ननु सर्वेषां धातूनां क्रिया आन्तरं कर्म, अत एव “स्तोकमेधते” इत्यादौ क्रियाविशेषणस्य
 कर्मत्वं स्मरन्ति, एवं सति अकर्मकत्वव्यवहारः कथमिति चेन्न, तद्व्यवहारस्य द्रव्यकर्मा-

भावनिवन्धनत्वात् । अयं भावः । कालाध्वभावदेशापेक्षया आन्तरकर्मपेक्षया च सर्वे धातवः सकर्मका एवेति शास्त्रे अकर्मकपदसामर्थ्यात्, कचिद्येऽकर्मका इति भाष्यात्, 'द्रव्ये कर्मणि प्रतियोगिनि सत्यकर्मकाः' इति तद्विवरणात्, 'अतस्तैः कर्मभिर्युक्तो धातुर्द्रव्यैरकर्मकः' इत्यभियुक्तोक्तेश्च कालाद्यतिरिक्तद्रव्यकर्मप्रतियोगिकाभाववन्तो धातवोऽकर्मकपदेन व्यवह्रियन्ते । आन्तरकर्मणा सकर्मणोऽप्यकर्मकार्यप्रतिपत्त्यर्थस्य "क्रियाविशेषणात्" इति योगस्यात्रैव तात्पर्यम्, अत एव "सकर्मकाकर्मकत्वं द्रव्यकर्मनिबन्धनम्" इत्युक्तम् । अकर्मकधातुयोगे कालादीनां कर्मसंज्ञाया अकर्मकसंज्ञायाश्च युगपद्विधानेन कालाद्यतिरिक्तद्रव्यकर्माभाववन्तो धातवोऽकर्मकाः, बाह्यकर्मवन्तो धातवः सकर्मका इति व्यवहारः सिद्धः, एवं सति कर्मत्वेन कालाद्यतिरिक्तद्रव्यकर्मनिबन्धनव्यर्थकत्वमकर्मकत्वम्, शब्दशास्त्रीयकर्मसंज्ञकार्थान्वयव्यर्थकत्वं सकर्मकत्वमिति निकृष्टं लक्षणम् इति । कालाद्यतिरिक्तद्रव्यकर्मनिबन्धनसकर्मकाकर्मकव्यवहाराश्रयणादेव "लज्जासत्तास्थितिजागरणं वृद्धिक्षयभयजीवितमरणम् । शयनक्रीडासुखिदीप्त्यर्थं धातुगणं तमकर्मकमाहुः ॥ १ ॥" इत्यभियुक्तोक्तं सङ्गच्छते "धातोरर्थान्तरे वृत्तेर्धात्वर्थेनोपसंग्रहात् । प्रसङ्गेरविवक्षातः कर्मणोऽकर्मिका क्रिया ॥ १ ॥" इत्यर्थान्तरवृत्त्यादिना ये अकर्मकास्तेषामपि उक्ताकर्मकलक्षणग्रस्तत्वमस्त्येव । अर्थान्तरवृत्तेरकर्मिका क्रिया भवति, यथा-नदी वहति स्रवतीत्यर्थः । कर्मणो धात्वर्थान्तःप्रवेशादकर्मकत्वं यथा-"जीव प्राणधारणे" जीवति, "हृदि पुरीषोत्सर्गे" हृदते, अत्र प्राणपुरीषाख्ये कर्मणी धात्वर्थेनैव क्रोडीकृते । नन्वेवं कर्मणो धात्वर्थेनोपसंग्रहादकर्मकत्वे 'जिघ्रति कुसुमम्' इत्यादिप्रयोगो न सिध्येदिति चेन्न, यद्वात्वर्थोपसंगृहीतकर्मणः कर्तृनिष्ठत्वं तस्यैवाकर्मकत्वाङ्गीकारेण प्राधातोः कर्मणोऽतथात्वेनोक्तप्रयोगोपपत्तेः । कर्मणः प्रसिद्धत्वादकर्मिका क्रिया यथा-देवो वर्षति । कर्मणोऽविवक्षातोऽकर्मिका क्रिया यथा-पचति । कर्मणोऽविवक्षा च द्वेधा-कर्मणः सम्बन्धित्वेन विवक्षा, धातोर्व्यापारमात्रबोधकत्वेन तात्पर्ये कर्मान्वययोग्यफलस्य त्यागः । एवञ्च सकर्मकाकर्मकभेदेन द्विविधो धातुरिति सिद्धम् । तत्र सकर्मकेभ्यो धातुभ्यः कर्तरि कर्मणि च त्यादिप्रत्ययो भवति, यदा कर्तरि प्रत्ययस्तदा कर्तृपदं प्रथमान्तं कर्मपदं द्वितीयान्तम्, यदा कर्मणि प्रत्ययस्तदा कर्म प्रथमान्तं कर्तृपदं तृतीयान्तम् । नीहृकृषवहव्यतिरिक्तदुह्यादिभ्यो द्विकर्मकेभ्यः कर्मणि प्रत्यये अप्रधानं कर्म प्रथमान्तं प्रधानं द्वितीयान्तमेव । नीहृकृषिवहिभ्यः प्रधानकर्मणि प्रत्यये प्रधानकर्म प्रथमान्तमप्रधानं द्वितीयान्तम् । व्यापारद्वयार्थकत्वविवक्षायान्तु दुहादिभ्यः कर्मणि प्रत्यये 'प्रधानकर्मण्याख्येये' इतिबलात् प्रधानकर्मणि प्रत्यये प्रधानकर्मण उक्तत्वात् ततः प्रथमा, अप्रधानकर्मणो द्वितीया, बुद्ध्यर्थकभक्षार्थकशब्दकर्मकप्रकृतिकण्यन्तधातुभ्यः प्रधानेऽप्रधाने कर्मणि यथाकामं प्रत्ययो भवति । तद्विन्नसकर्मकण्यन्तधातुभ्यः प्रधाने कर्मणि प्रत्ययः । प्रधानकर्मत्वञ्च कर्तृप्रत्ययसमभिव्याहारे कर्तृनिष्ठप्रधानव्यापारविशेषणफलाश्रयत्वम् । उक्तप्रधानकर्मभिन्नकर्मत्वमप्रधानकर्मत्वम् । अकर्मकेभ्यः (कालाद्यतिरिक्तद्रव्यकर्मरहितेभ्यः, अविवक्षितकर्म-

भ्यः,) कर्तरि त्यादयो भवन्ति तदा कर्तृरुक्तत्वात् प्रथमा । भावे तु कर्तुरनुक्तत्वात् तृतीया भवति । भाव इत्यत्र उत्पत्त्यनुकूलव्यापारवाचकभूधातुप्रकृतिकणिगन्तादल् प्रत्ययः । एवञ्च भाव इत्यस्य भावना उत्पादना (फलोत्पत्त्यनुकूलव्यापारः) क्रिया इत्यर्थः । भाव-शब्दस्य भावनेति विवरणाद् मीमांसकमतं निरस्तं भवति । तथाहि—मीमांसकाः फलं धात्वर्थः, भावना (व्यापारः) प्रत्ययार्थः, प्रत्ययार्थः प्रधानमिति (प्रत्ययार्थं प्रति प्रकृत्यर्थस्य विशेषणताया औपगवादौ कल्पत्वात्) पचतीत्यादावेककर्तृका वर्तमाना पचिक्रियेत्यादिक्रियाविशेष्यको बोधः । प्रत्ययार्थव्यापारव्यधिकरणफलवाचकत्वं सकर्मकत्वम्, प्रत्ययार्थव्यापारसमानाधिकरणफलवाचकत्वमकर्मकत्वम् । प्रत्ययार्थव्यापाराश्रयत्वं कर्तृत्वम् । प्रत्ययार्थव्यापारव्यधिकरणफलाश्रयत्वं कर्मत्वम् । व्यापारेणाश्रयाक्षेपात्कर्तुरभिधानम्, कर्माख्याते च प्रधानेन फलेन स्वाश्रयाक्षेपात्कर्मणोऽभिधानमिति वदन्ति । तन्न वैयाकरणसम्मतम्—त्यादिविधायकसूत्रविरोधापत्तेः । सूत्रेण व्यापारस्य प्रत्ययार्थताया अलाभात् पचति पश्यति पक्वान् इत्यादौ फूत्कारादिप्रतीत्येऽनेकप्रत्ययानां शक्तिकल्पनापेक्षया एकस्य धातोरेव शक्तिकल्पनौचित्यात् । फूत्कारादेः प्रत्ययार्थत्वे गच्छतीत्यादौ तत्प्रतीतिवारणाय तद्वबोधे पचिसमभिव्याहारस्यापि कारणत्वल्पनेऽतिगौरवाच्च । भावविहितधन्वादीनां व्यापारावाचकत्वे ग्रामो गमनवानित्याद्यापत्तेः, तद्वाचकत्वे तेनापि स्वाश्रयाक्षेपे कर्तुरभिधानापत्तेः ।

किञ्च गुरुः शिष्याभ्यां पाचयतीत्यादौ प्रयोज्यव्यापारस्याख्यातार्थत्वे संख्यायाः स्ववाचकाख्यातार्थव्यापारेऽन्वयिन्येवान्वयाच्छिष्याभ्यामिति द्विवचनानापत्तेः पाचयतीत्येकवचनानापत्तेश्च, गुरोरनभिधानेन तत्र प्रथमाया अनापत्तेः, शिष्यशब्दात्तदापत्तेश्च, क्रिया-प्रधानमाख्यातमिति स्मरणात् 'प्रत्ययार्थः प्रधानमिति' उत्सर्गस्य त्यागात्, टाबाद्यर्थत्वेन मीमांसकैरभ्युपगतस्य स्त्रीत्वस्य पाचिकादौ विशेषणत्वाभ्युपगमात् प्रत्ययार्थः प्रधानमिति नियमस्य प्रत्युक्तत्वाच्च । तथा च धातुवाच्यत्वं भावनाया इत्येव मतं रमणीयतरमिति ।

उत्पादना (उत्पत्त्यनुकूलव्यापारः) क्रिया इत्यनेन तु क्रियार्थो धातुर्धात्वर्थः क्रियेत्यन्योन्याश्रयोऽत्र दुष्परिहर इति केषाञ्चिदाक्षेपो निरस्त उत्पत्त्यनुकूलव्यापारस्य क्रियात्वात् । किञ्च क्रिया कृतिर्यत्नः, यत्न एव करोत्यर्थ इति मतस्य निरासाय उत्पादना क्रियेति विवरणम् । तथाहि—करोतेर्यत्नार्थत्वेऽकर्मकतापत्तेः, ज्ञानेच्छादिवद्यत्नस्य कर्तृस्थत्वात् क्रियते घटः स्वयमेवेति प्रयोगस्यासिद्धेश्च करोतेर्यत्नार्थत्वं न युक्तम्, तदुक्तम्—“ व्यापारो भावना सैवोत्पादना सैव च क्रिया । कृजोऽकर्मकतापत्तेर्नहि यत्नोऽर्थ इष्यते ॥ १ ॥ ” इति अनेकपर्यायोपादानं चेतनाचेतनवृत्तिफूत्कारयत्नादीनां क्रियात्वं धात्वर्थत्वञ्च बोधयितुम् । तेन गम्यते ग्रामो रथेनेत्यस्योपपत्तिः । क्रियात्वं न धातुवाच्यतावच्छेदकं क्रिया-त्वरूपसामान्यधर्मस्य वाच्यतानवच्छेदकत्वात् । अत एव पचति चैत्र इति वाक्यजन्य-

शाब्दबोधोत्तरं फूत्कारवान् नवेति संशयानुत्पत्तिः सङ्गच्छते । यदि क्रियात्वरूपसामान्यधर्म एव वाच्यतावच्छेदकः स्यान्नतु फूत्कारत्वादिर्विशेषधर्मस्तदा सामान्यधर्मावच्छिन्नप्रकारकनिश्चयस्य विशेषधर्मावच्छिन्नाभावकोटिकसंशयविरोधिता न स्यात् । न चैवं फूत्कारत्वादिविशेषधर्मावच्छिन्नप्रकारकशाब्दबोधे जाते सामान्यधर्मावच्छिन्नाभावकोटिकः संशयः स्यादिति वाच्यम् । विशेषधर्मावच्छिन्नप्रकारकनिश्चयोत्तरं सामान्यधर्मावच्छिन्नप्रकारकमानसस्यानुमितेर्वा जननात् । सा च (क्रिया) धातुत्वव्याप्यपचित्वादिना ज्ञायमानसकलधातुवाच्या भावार्थकात्मनेपदेनानूद्यते । (धातुत्वं न शक्तावच्छेदकम्, तदजानतोऽपि शाब्दबोधदर्शनात्, सर्वधातुभ्यः सर्वक्रियाबोधोपपत्तेश्च, शक्तावच्छेदिका च पचाद्यानुपूर्व्येव) भावार्थकात्मनेपदस्थले युष्मदस्मदर्थस्याभिधेयत्वाभावात् युष्मदस्मत्कर्तृकत्वेऽपि द्वितीयतृतीयत्रिके न भवतः । आत्मनेपदानुवाद्यभावनाया असत्त्वरूपत्वेन द्वित्वाप्रतीतेर्न द्विवचनादि किन्त्वेकवचनमेव तस्यौत्सर्गिकत्वेन संख्यानपेक्षत्वात् । (लिङ्गाद्यनन्वयित्वं सर्वनामपरामर्शायोग्यत्वं वा असत्त्वम्) । अनभिहिते कर्तरि तृतीया भवति । तथा च भावे त्वया मया अन्यैश्च भूयते इत्यादिप्रयोगो भवति ।

एवञ्च येषां सकर्मकाणां धातूनां कर्मणि सर्वाणि रूपाणि लिखितानि सन्ति, तेषामपि कर्मणोऽविवक्षायां भावे रूपाणि भवन्ति, परन्तु कर्मप्रत्ययघटितेषु लिखितेषु रूपेषु यानि सर्वविभक्तिप्रथमत्रिकैकवचनघटितानि रूपाणि, तान्येव रूपाणि भवन्तीति ।



१ भू सत्तायाम् ॥ अकर्मकत्वाद्भावे-

- १ वर्तमाना, लट्, -भूयते ॥
 २ सप्तमी, विध्यर्थ, लिङ्, -भूयेत ॥
 ३ पञ्चमी, आज्ञार्थ, लोट्, -भूयताम् ॥
 ४ ह्यस्तनी, लङ्, -अभूयत ॥
 ५ अद्यतनी, लुङ्, -अभावि ॥
 ६ परोक्षा, लिट्, -बभूवे ॥
 ७ आशीः, लिङ्, -भाविषीष्ट }
 भविषीष्ट } ॥
 ८ श्वस्तनी, लुट्, -भाविता }
 भाविता } ॥
 ९ भविष्यन्ती, लट्, -भाविष्यते }
 भविष्यते } ॥
 १० क्रियातिपत्तिः, लङ्, -अभाविष्यत }
 अभाविष्यत } ॥

भावे च गुप्पदस्मत्सम्बन्धिनोः कर्तृकर्मणोरभावात्
 प्रथममेव त्रयं भवति, तत्रापि साध्यरूपत्वात् संख्यायोगो
 नास्तीति औत्सर्गिकमेकवचनमेव, तस्य संख्यानपेक्षत्वात् ।
 एवमन्यत्रापि ॥

निपाताश्चोपसर्गाश्च धातवश्चेत्यमी त्रयः ।

अनेकार्थाः स्मृताः सर्वे पाठस्तेषां निदर्शनम् ॥ १ ॥

इत्यनेकार्थतायामर्थान्तरे कर्मणि—

- १ वर्तमाना, लट्, Present.
 भूयते, भूयेते, भूयन्ते ।
 भूयसे, भूयेथे, भूयध्वे ।
 भूये, भूयावहे, भूयामहे ॥
 २ सप्तमी, विध्यर्थ लिङ्, Potential.
 भूयेत, भूयेयाताम्, भूयेरन् ।
 भूयेथाः, भूयेयाथाम्, भूयेध्वम् ।
 भूयेथ, भूयेवहि, भूयेमहि ॥
 ३ पञ्चमी, आज्ञार्थ, लोट्, Imperative.
 भूयताम्, भूयेताम्, भूयन्ताम् ।
 भूयस्व, भूयेथाम्, भूयध्वम् ।
 भूयै, भूयावहै, भूयामहै ॥
 ४ ह्यस्तनी, लङ्, Imperfect.
 अभूयत, अभूयेताम्, अभूयन्त ।
 अभूयथाः, अभूयेथाम्, अभूयध्वम् ।
 अभूये, अभूयावहि, अभूयामहि ॥
 ५ अद्यतनी, लुङ्, Aorist.
 अभावि, अभाविषाताम् } अभाविषत }
 अभाविषाताम् } अभाविषत } ॥

अभाविषाः } अभाविषाथाम् } अभाविषदुम् }
 अभविषाः } , अभविषाथाम् } , अभविषदुम् }
 अभाविष्वम् }
 अभविषदुम् }
 अभविष्वम् } ॥

अभाविषि } अभाविष्वहि } अभाविषमहि }
 अभविषि } , अभविष्वहि } , अभविषमहि } ॥

६ परोक्षा, लिट्, Perfect.

बभूवे, बभूवाते, बभूविर ।
 बभूविषे, बभूवाथे, बभूविहे }
 बभूविध्वे } ॥
 बभूवे, बभूविवहे, बभूविमहे ॥

७ आशीः, लिङ्, Benedictive.

भाविषीष्ट } भाविषीयास्ताम् } भाविषीरन् }
 भविषीष्ट } , भविषीयास्ताम् } , भविषीरन् } ॥
 भाविषीष्टाः } भाविषीयास्थाम् } भाविषीदुम् }
 भविषीष्टाः } , भविषीयास्थाम् } , भाविषीध्वम् }
 भाविषीदुम् }
 भाविषीध्वम् } ॥

भाविषीय } भाविषीवहि } भाविषीमहि }
 भविषीय } , भविषीवहि } , भविषीमहि } ॥

८ श्वस्तनी, लुट्, I Future.

भाविता } भावितारौ } भावितारः }
 भविता } , भावितारौ } , भावितारः } ॥
 भावितासे } भावितासाथे } भाविताध्वे }
 भवितासे } , भवितासाथे } , भविताध्वे } ॥
 भाविताहे } भावितास्वहे } भावितास्महे }
 भविताहे } , भवितास्वहे } , भवितास्महे } ॥

९ भविष्यन्ती, लट्, II Future.

भाविष्यते } भाविष्येते } भाविष्यन्ते }
 भविष्यते } , भाविष्येते } , भाविष्यन्ते } ॥
 भाविष्यसे } भाविष्येथे } भाविष्यध्वे }
 भविष्यसे } , भाविष्येथे } , भाविष्यध्वे } ॥
 भाविष्ये } भाविष्यावहे } भाविष्यामहे }
 भविष्ये } , भविष्यावहे } , भविष्यामहे } ॥

१० क्रियातिपत्तिः, लङ्, Conditional.

अभाविष्यत } अभाविष्येताम् } अभाविष्यन्त }
 अभविष्यत } , अभविष्येताम् } , अभविष्यन्त } ॥
 अभविष्यथाः } अभाविष्येथाम् } अभविष्यध्वम् }
 अभविष्यथाः } , अभविष्येथाम् } अभविष्यध्वम् } ॥
 अभविष्ये } अभविष्यावहि } अभविष्यामहि }
 अभविष्ये } , अभविष्यावहि } , अभविष्यामहि } ॥

२ पां (पा) पाने ॥ कर्मणि-

- १ पी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अपी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अपायि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, ष्वहि, ष्महि ॥ [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
- अपायि, अपा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
- ६ पप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पायिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- पासी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ पायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- पाता }
- ९ पायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- पास् }
- १० अपायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अपास् }

कर्मणोऽविवक्षयाऽमकर्मकत्वे भावे प्रत्येकं विभक्तेः प्रथममेकमेव रूपं विशेष्यमेवमन्यत्रापि ॥

४ ध्मां (ध्मा) शब्दाग्निसंयोगयोः ॥

- १ ध्मा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ध्माये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ध्मा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अध्मा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अध्मायि-", ष. ताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, ष्वहि, ष्महि ॥ [ध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
- अध्मायि, अध्मा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, दध्वम्,
- ६ दध्म्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ध्मायिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ध्मासी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ ध्मायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ध्माता }
- ९ ध्मायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- ध्मास् }
- १० अध्मायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अध्मास् }

३ घ्रां (घ्रा) गन्धोपादाने ॥

- १ घ्रा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ घ्राये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ घ्रा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अघ्रा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अघ्रायि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, ष्वहि, ष्महि ॥ [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
- अघ्रायि, अघ्रा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
- ६ जघ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ घ्रायिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- घ्रासी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ घ्रायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- घ्राता }
- ९ घ्रायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- घ्रास् }
- १० अघ्रायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अघ्रास् }

५ घ्रां (स्था) गतिनिवृत्तौ ॥

- १ स्थी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्थीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्थी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्थी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अस्थायि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, ष्वहि, ष्महि ॥ [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
- अस्थायि, अस्थि-पाताम्, षत, थाः, पाथाम्, इदुम्,
- ६ तस्थ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्थायिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- स्थासी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ स्थायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- स्थाता }
- ९ स्थायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- स्थास् }
- १० अस्थायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अस्थास् }

अर्थान्तरापेक्षया कर्मण्यप्युदाहृतम् । एवमन्यत्रापि विशेष्यम् ॥

१ ज्ञी-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावह, यामहे ॥
 २ ज्ञीये-त, पाताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ज्ञी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अज्ञी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अज्ञायि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, दुम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [दुम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अज्ञायि, अज्ञे-ष्ट, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 ६ जिज्ञिय-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ज्ञायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 ज्ञेयी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, य,
 ८ ज्ञायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, खहे,
 ज्ञेता } स्महे ॥
 ९ ज्ञायिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ते, येथे, यच्च, ये,
 ज्ञेष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अज्ञायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अज्ञेष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १३ हुं (हु) गतौ ॥

२३ ध्वं (ध्वं) कौटिल्ये ॥

- १ ध्वर्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ध्वर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ध्वर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अध्वर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अध्वारि, अध्वरि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इदुम्,
 दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्वहि ॥ [षि, ष्वहि, ष्वहि ॥
 अध्वारि, अध्वृ-षाताम्, षत, थाः, षाथाम्, इदुम्, दुम्,
 ६ दध्व-रे, राते, रिरि, रिषे, राथे, रिद्धे, रिच्चे, रे, रिवहे, रिगहे ॥
 ७ ध्वारिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वरिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ध्वृषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, य, वहि, महि,
 ८ ध्वरिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ध्वर्ता }
 ९ ध्वारिष } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये,
 ध्वरिष } यावहे, यामहे ॥
 १० अध्वारिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अध्वरिष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 कौटिल्येऽकर्मकत्वाद् भावे अर्थान्तरापेक्षया सकर्म-
 कत्वसंभावनाया कर्मणि ॥

२५ सुं (सु) गतौ ॥

- १ स्त्रियते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्त्रिये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्त्रि-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्त्रि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ असारि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [द्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 असारि, अस्त-पाताम्, पत, थाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ६ स-छे, साते, स्त्रिरे, छेथे, साथे, सद्धे, छे, सवहे स्महे ॥
 ७ सारिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 सूषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 वहि, महि ॥
 ८ सारिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 सर्ता }
 ९ सारिष } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 सरिष } यावहे, यामहे ॥
 १० असारिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 असरिष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२६ ऋ (ऋ) प्रापणे च ॥

- १ अर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ आर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ आरि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
- आरि, आर्-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ आ-रे, राते, ररे, रिषे, राधे, रिद्वे, रिध्वे, रे, रिवहे, रिमहे ॥
- ७ आरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ऋषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ आरिता } -”, रौ, रः, से, साथे ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
अर्ता }
- ९ आरिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
अरिष् }
- १० आरिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अरिष् }

२८ दधे (धे) पाने ॥

- १ धी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ धीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ धी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अधी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अधायि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥ [द्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
- अधायि, अधि-षाताम्, षत, थाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ द-धे, धाते, धिरे, धिषे, धाधे, धिध्वे, धे, धिवहे, धिमहे ॥
- ७ धायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- धासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, यावहि, यामहि ॥
- ८ धायिता } -”, रौ, रः, से, साथे ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
धाता }
- ९ धायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
धास् }
- १० अधायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अधास् }

२७ तु पुवनतरणयोः ॥

- १ तीर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तीर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तीर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अतीर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अतारि, अतरि } -षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
अतरी }
- अतारि, अतीर्-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ ते-रे, राते, ररे, रिषे, राधे, रिद्वे, रिध्वे, रे, रिवहे, रिमहे ॥
- ७ तारिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
तरिषी }
- तीर्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तारिता } -”, रौ, रः, से, साथे ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
तरीता }
- ९ तारिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
तरीष् }
- १० अतारिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अतरीष् }

२९ दैव् (दै) शोधने ॥

- १ दा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अदायि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥ [ध्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
- अदायि, अदा-षाताम्, षत, थाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ द-दे, दाते, दिरे, दिषे, दाधे, दिध्वे, दे, दिवहे, दिमहे ॥
- ७ दायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- दासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, यावहि, यामहि ॥
- ८ दायिता } -”, रौ, रः, से, साथे ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
दाता }
- ९ दायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
दास् }
- १० अदायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अदास् }

३० ध्यै (ध्यै) चिन्तायाम् ॥

- १ ध्या-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ध्याये-त, याताम्, रन्, था; याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ध्या-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अध्या-यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्, यध्वम्,
 ५ अध्यायि-”, पाताम्, षत, छा; पाथाम्, इदम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [ध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अध्यायि, अध्या-साताम्, सत, स्था; साथाम्, दध्वम्,
 ६ द-ध्वे, ध्याते, ध्यिरे, ध्यिषे, ध्याथे, ध्यिद्वे, ध्यिध्वे, ध्ये,
 ध्यिवहे, ध्यिमहे ॥
 ७ ध्यायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छा; यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 ध्यासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छा; यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ ध्यायिता } -”, रौ, र; से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ध्याता
 ९ ध्यायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 ध्यास् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अध्यायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्,
 अध्यास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३२ म्लैँ (म्लै) गात्रविनामे ॥

- १ म्ला-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ म्लाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ म्ला-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अम्ला-यन्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अम्लायि-', षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इदम्, हुम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [ध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अम्लायि, अम्ला-साताम्, सत, स्याः, साथाम्, दध्वम्,
 ६ मम्ल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इहे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ म्लायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 म्लासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ म्लायिता } -', रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 म्लाता }
 ९ म्लायिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 म्लास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अम्लायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अम्लास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 गात्रविनामेऽकर्मकत्वाद्भावे, अर्थान्तरापेक्षया सकर्म-
 कत्वसम्भावनया कर्मणि ॥

३१ गलैँ (गलै) हर्षक्षये ॥

- १ ग्ला—यत्ते, येत्ते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ ग्ला—यत्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ।।
 ३ ग्ला—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ।। [ये, यावहि, यामहि ।।
 ४ अग्ला—यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अग्लायि—", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्धम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ।। [ध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ।।
 अग्लायि, अग्ला—साताम्, सत, स्याः, साथाम्, दुध्वम्,
 ६ जग्ल्—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इहे, इध्वे, ए, इवहे इमहे ।।
 ७ ग्लायिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ।। [वहि, महि ।।
 ग्लासीष्ट—यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ ग्लायिता } —", रौ, रः, से, साथे, हे, स्वहे, स्महे ।।
 ग्लाता
 ९ ग्लायिष् } —यत्ते, येत्ते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 ग्लास् } यावहे, यामहे ।।
 १० अग्लायिष् } —यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अग्लास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ।।
 हर्षक्षयेऽकर्मत्वाद्भावे, अर्थान्तरापेक्षया सकर्मकत्व-
 सम्भावनया कर्मणि ।।

३३ घैं (घैं) न्यङ्गकरणे ॥

- १ छा-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ छाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ छा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अद्या-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अद्यायि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [ध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अद्यायि, अद्या-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, दध्वम्,
 ६ दद्य-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए,
 इवहे, इमहे ॥
 ७ द्यायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 द्यासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ द्यायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 द्याता
 ९ द्यायिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 द्यास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अद्यायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अद्यास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- ३७ गैं (गैं) शब्दे ॥

४२ क्षै (क्षै) क्षये ॥

- १ क्षा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्षाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ क्षा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अक्षा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अक्षायि-”, षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, ड्ध्वम्, द्ध्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥ [ध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अक्षायि, अक्षा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, द्ध्वम्,
 ६ चक्ष्-ए, आते, ईरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ क्षायिवी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 क्षास्ती-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम् ॥
 ८ क्षायिता } -”, रौ, रः, से, साये, ध्वे, हे, स्वहे,
 क्षाता } स्महे ॥
 ९ क्षायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 क्षास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अक्षायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अक्षास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 भावे तु वर्तमानादौ प्रथमत्रिकैकवचनघटितमेव रूपम् ॥

४४ सै (सै) क्षये ॥

- १ **सी**-यते, यते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे यामहे ॥
 २ **सीये**-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **सी**-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ **असी**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ **असायि-**" , पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ध्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ष्महि ॥ [सि, स्वहि, स्महि ॥
असायि, असा-साताम्, सत, स्थाः, सायाम्, द्ध्वम्, ध्वम्,
 ६ **सस्**-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ **सायिषी**-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
सासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ **सायिता** } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
साता } स्महे ॥
 ९ **सायिष्** } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
सास् } यावहे, यामहे ॥
 १० **असायिष्** } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
असास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 भावे तु वर्तमानादौ प्रथमत्रिकैकवचनघटितमेव रूपम् ॥

४३ जौं (जौ) क्षये ॥

- १ जा-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ जाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ जा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अजा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अजायि-”, प्राताम्, षत, प्राः, पाथाम्, ड्ध्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥ [सि, स्वहि, स्महि ॥
 अजायि, अजा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, द्ध्वम्, ध्वम्,
 ६ जज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ जायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 जासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ जायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ञ्चे, हे, स्वहे,
 जाता } स्महे ॥
 ९ जायिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यञ्चे, ये,
 जास् } यावहै, यामहै ॥
 १० अजायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अजास् } यध्वम्, ये, यावहि यामहि ॥
 भावे तु वर्तमानादौ प्रथमत्रिकैकवचनघटितमेव रूपम् ॥

४५ सैं (सै) पाके ॥

- १ स्ना-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्नाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्ना-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्ना-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अस्नायि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अस्नायि, अस्ना-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, द्व्वम्,
 ध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 ६ सम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ स्नायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 स्नासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ स्नायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 साता } स्महे ॥
 ९ स्नायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे यध्वे, ये,
 स्नास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अस्नायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अस्नास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४६ श्रै (श्रै) पाके ॥

- १ श्रा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्राये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्रा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्रा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अश्रायि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्ध्वम्, ध्वम्,
धि, ध्वहि, ध्महि ॥ [ध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
अश्रायि, अश्रा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, द्ध्वम्,
- ६ शश्र-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
द्ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- श्रासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ श्रायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
श्राता } स्महे ॥
- ९ श्रायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
श्रास् } यावहे, यामहे ॥
- १० अश्रायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अश्रास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४९ णै (सै) वेष्टने ॥

- १ स्ना-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्नाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्ना-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, ध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्ना-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्नायि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्ध्वम्,
द्ध्वम्, ध्वम्, धि, ध्वहि, ध्महि ॥ [सि, स्वहि, स्महि ॥
अस्नायि, अस्ना-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, द्ध्वम्, ध्वम्,
- ६ सस्न-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्नायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
द्ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- स्नासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ स्नायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
स्नाता } स्महे ॥
- ९ स्नायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
स्नास् } यावहे, यामहे ॥
- १० अस्नायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अस्नास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४७ पै (पै) शोषणे ॥ पां २ वद्रूपाणि ॥

४८ औवै (वै) शोषणे ॥

- १ वा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवायि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्ध्वम्, ध्वम्,
धि, ध्वहि, ध्महि ॥ [सि, स्वहि, स्महि ॥
अवायि, अवा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, द्ध्वम्, ध्वम्,
- ६ वव-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
द्ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- वासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ वायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
वाता } स्महे ॥
- ९ वायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
वास् } यावहे, यामहे ॥
- १० अवायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अवास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

५० फक् (फक्) नीचैर्गतौ ॥

- १ फक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ फक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ फक्क-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अफक्क-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अफक्कि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्ध्वम्,
द्ध्वम्, ध्वम्, धि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ पफक्क-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ फक्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
द्ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- फक्किता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ फक्किष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अफक्किष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
यावहि, यामहि ॥

५१ तक (तक्) हसने ॥

- १ तक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अताकि, अतकि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ तेक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तकिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तकिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतकिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

५२ तकु (तक्) कृच्छ्रजीवने ॥

- १ तक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अन्तक्कि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ततक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तक्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तक्किता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तक्किप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतक्किप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

५३ शुक (शुक्) गतौ ॥

- १ शुक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शुक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शुक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अशुक-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अशोकि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ शुशुक-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शोकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शोकिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शोकिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशोकिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५४ बुक (बुक्) भाषणे ॥

- १ बुक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ बुक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ बुक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अबुक-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अबुकि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ बुबुक-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ बुकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ बुकिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ बुकिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अबुकिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५५ ओख् (ओख्) शोषणालमर्थयोः ॥

- १ ओख्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ओख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ओख्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ ओख्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ ओखि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [कृवहे, कृमहे ॥
- ६ ओखांच-के, काते, क्तिरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, ओखांबम्-वे, बाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- ७ ओखामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, ओखिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ओखिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ओखिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- १० ओखिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५६ राख् (राख्) शोषणालमर्थयोः ॥

- १ राख्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ राख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ राख्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अराख्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अराखि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ रराख्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ राखिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ राखिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ राखिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अराखिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५७ लाख् (लाख्) शोषणालमर्थयोः ॥

- १ लाख्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लाख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लाख्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलाख्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलाखि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ललाख्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लाखिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लाखिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लाखिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलाखिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५८ द्राख् (द्राख्) शोषणालमर्थयोः ॥

- १ द्राख्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ द्राख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ द्राख्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अद्राख्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अद्राखि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ दद्राख्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ द्राखिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ द्राखिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ द्राखिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अद्राखिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १ मख्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मख्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमख्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमाखि, अमखि-"", षताम्, षत, छाः, षाथाम्,
इदुम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ मेख्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे इमहे ॥
- ७ मखिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ मखिता-", रै, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ मखिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अमखिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७२ लसु (लह्) गतौ ॥

- १ लह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लङ्ख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अलह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अलह्-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ललह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लह्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लह्विता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लह्विष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलह्विष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७३ रिखु (रिह्) गतौ ॥

- १ रिह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रिङ्ख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रिह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अरिह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अरिह्-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ रिरिह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रिह्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रिह्विता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रिह्विष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरिह्विष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७४ इख (इह्) गतौ ॥

- १ इह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ इङ्ख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ इह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ ऐह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ ऐह्-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ईह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ एखिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ एखिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ एखिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० ऐखिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७५ इखु (इह्) गतौ ॥

- १ इह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ इङ्ख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ इह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ ऐह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ ऐह्-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ इह्वाच-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
इह्वाभ्रभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥
- इह्वाभा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे, सिमहे ॥
- ७ इह्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ इह्विता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ इह्विष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० ऐह्विष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- ७९ लगु (लङ्ग) गतौ ॥

८० तगु (तङ्ग) गती ॥

- १ तङ्ग-येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तङ्ग-येत, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तङ्ग-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतङ्ग-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतङ्गि-”, याताम्, यत, घाः, याथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ ततङ्ग-ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तङ्गिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ तङ्गिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८१ श्रगु (श्रङ्ग) गतौ ॥

- १ श्रङ्ग-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ श्रङ्ग्ये-यताम्, रन्, थाः, यथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ श्रङ्ग-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अश्रङ्ग-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अश्रङ्गि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 षि, घ्वहि, ष्महि ॥
 ६ शश्रङ्ग-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ श्रङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ श्रङ्गिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ श्रङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अश्रङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८२ श्लगु (श्लङ्ग) गतौ ॥

- १ शृङ्ग-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शृङ्गथे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शृङ्ग-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येयाम्, यध्वम्,
 यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशृङ्ग-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशृङ्गि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, षद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ शशृङ्ग-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ श्लङ्गिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ श्लङ्गिता-”, रौ, रै, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ श्लङ्गिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अश्लङ्गिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८३ अगु (अङ्ग) गतौ ॥

- १ अङ्ग-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अङ्ग-ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अङ्ग-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आङ्ग-यत, येताम्; यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आङ्गि-”, षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ आनङ्ग-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अङ्गिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ अङ्गिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ अङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० आङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८४ वगु (वङ्) गतौ ॥

- १ वङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वङ्ग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वङ्ग-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवङ्ग-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अवङ्गि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ववङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वङ्गिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अयं गतिवैकल्ये रूढत्वादकर्मकः,
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

८५ मगु (मङ्) गतौ ॥

- १ मङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मङ्ग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मङ्ग-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमङ्ग-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अमङ्गि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ममङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मङ्गिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८६ स्वगु (स्वङ्) गतौ ॥

- १ स्वङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्वङ्ग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्वङ्ग-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्वङ्ग-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अस्वङ्गि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ सस्वङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्वङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्वङ्गिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्वङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्वङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८७ इगु (इङ्) गतौ ॥

- १ इङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ इङ्ग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ इङ्ग-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ ऐङ्ग-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ ऐङ्गि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ इङ्गा-घके, म्बभूवे, मादे, इत्यादि ॥
- ७ इङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ इङ्गिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ इङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० ऐङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८८ उगु (उङ्) गतौ ॥

- १ उङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उङ्गये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ उङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ औङ्गि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ उङ्गा-ञ्चके, म्वभूचे, माहे, इत्यादि ॥
- ७ उङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ उङ्गिता-”, रौ, रः, से, साथे, ञ्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ उङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० औङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८९ रिगु (रिङ्) गतौ ॥

- १ रिङ्ग-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रिङ्गये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रिङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरिङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरिङ्गि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ रिरिङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रिङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रिङ्गिता-”, रौ, रः, से, साथे, ञ्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रिङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरिङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९० लिगु (लिङ्) गतौ ॥

- १ लिङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लिङ्गये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लिङ्ग-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलिङ्ग-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलिङ्गि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ लिलिङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लिङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लिङ्गिता-”, रौ, रः, से, साथे, ञ्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लिङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलिङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९१ त्वगु (त्वङ्) कम्पने च ॥

- १ त्वङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ त्वङ्गये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ त्वङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अत्वङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अत्वङ्गि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - ६ तत्वङ्-गे, गाते, गिरे, गिषे, गाथे, गिञ्चे, गे, गिवहे, गिमहे ॥
 - ७ त्वङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ त्वङ्गिता-”, रौ, रः, से, साथे, ञ्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ त्वङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अत्वङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- कम्पनेऽकर्मकत्वाद् भावे ॥

९६ दधु (दङ्) पालने ॥

- १ दङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दङ्ग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अदङ्गि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ ददङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ दङ्गिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अदङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

९७ शिघु (शिङ्) आघ्राणे ॥

- १ शिङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शिङ्ग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शिङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशिङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अशिङ्गि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ शिशिङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शिङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ शिङ्गिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शिङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अशिङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

९८ लघु (लङ्) शोषणे ॥

- १ लङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लङ्ग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलङ्गि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ ललङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ लङ्गिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अलङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

९९ शुच (शुच्) शोके ॥

- १ शुच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शुङ्ग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शुच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशुच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अशोचि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ शुशुच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शोचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ शोचिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शोचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अशोचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

- १ ग्लुच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ग्लुच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ग्लुच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अग्लुच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अग्लुञ्चि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 वि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ जुग्लुञ्च-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए,
 इवहे, इमहे ॥
 ७ ग्लुञ्चिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ ग्लुञ्चिता-”, रै, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ग्लुञ्चिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अग्लुञ्चिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि यामहि ॥

११६ षस्च (सस्च्) गतौ ॥

- १ सस्च-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सस्च्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सस्च-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असस्च-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ असस्चि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ ससस्च-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सस्चिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि, ॥
- ८ सस्चिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ सस्चिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असस्चिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११७ गुचू (गुच्) स्तेये ॥ गतावपि केचित्

- १ गुचू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गुच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गुचू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगुचू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अगुचि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ जुगुचू-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गुचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गुचिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ गुचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगुचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११८ ग्लुचू (ग्लुच्) स्तेये ॥

- १ ग्लुचू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ग्लुच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ग्लुचू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अग्लुचू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अग्लुचि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ जुग्लुचू-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ग्लुचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ग्लुचिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ ग्लुचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अग्लुचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११९ म्लेच्छ (म्लेच्छ्) अव्यक्तायां वाचि ॥

- १ म्लेच्छू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ म्लेच्छ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ म्लेच्छू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अम्लेच्छू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अम्लेच्छि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ मिम्लेच्छू-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ म्लेच्छिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि महि ॥
- ८ म्लेच्छिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ म्लेच्छिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अम्लेच्छिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२० लछ (लच्छ) लक्षणे ॥

- १ लच्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावह, यामहे ॥
२ लच्छये-त, याताम्, रन्, थाः, याधाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥
३ लच्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येशाम्, यध्वम्,
थै, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
४ अलच्छ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येधाम्, यध्वम्, ये,
५ अलच्छि-", घाताम्, षत, घ्राः, घाधाम्, ह्वम्, ध्वम्,
षि, ध्वहि, ध्महि ॥
६ ललच्छ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
७ लच्छिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
८ लच्छिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
९ लच्छिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
१० अलच्छिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येधाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२२ बाह्य (बाह्य) इच्छायाम् ॥

- १ वाञ्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वाञ्छ्ये-त, याताम्, रत्, थाः, याथाम्, ञ्वम्, य,
 वहि, महि ॥
 ३ वाञ्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवाञ्छ-येत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवाञ्छि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ञ्वम्,
 वि, व्वहि, व्वहि ॥
 ६ ववाञ्छ-ए, आने, इरे, इषे, आये, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वाञ्छिषी-ष्ट, यास्ताम्, रत्, छाः, यास्याम्, ञ्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वाञ्छिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वाञ्छिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवाञ्छिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यञ्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२१ लाहुर (लाहुर) लक्षणे ॥

- १ लाङ्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लाङ्छ्ये-त, याताम्, रन्, धाः, यायाम्, ध्वम्, य,
 वहि, महि ॥
 ३ लाङ्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अलाङ्छ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अलाङ्छि-”, पाताम्, षत, धाः, पायाम्, ष्वम्, ध्वम्,
 पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ ललाङ्छ-ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लाङ्छिषी-छ, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ लाङ्छिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्त्वहे, स्महे ॥
 ९ लाङ्छिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अलाङ्छिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२३ आलु (आञ्छ) आयामे ॥

- १ आञ्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ आच्छे-त, याताम्, रन्, धाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ आञ्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ आञ्छ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
 ५ आञ्छि-पाताम्, पत, धाः, पाथाम्, ध्वम्, यि, वहि, महि ॥
 ६ आञ्छ-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ आञ्छिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ आञ्छिता-रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ आञ्छिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० आञ्छिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२५ हुर्छा (हूर्छ) कौटिल्ये ॥

- १ हृर्ह्य-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ हृर्ह्ये-त, याताम्, रत्न, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ हृर्ह्य-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 ४ अहृर्ह्य-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 यावहि, यामहि ॥
 ५ अहृर्ह्यि-”, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ जुहृर्ह्य-ए, आते, इरे, इषे, आयें, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ हृर्ह्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रत्न, षाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ हृर्ह्यिता-”, रौ, रः, से, सथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ हृर्ह्यिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ।
 १० अहृर्ह्यिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१२७ स्फुर्छा (स्फूर्छ) विस्मृतौ ॥

- १ स्फूर्द्धि—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्फूर्द्धि—यत, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्फूर्द्धि—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्फूर्द्धि—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्फूर्द्धि—, पाताम्, षत, धाः, पाथाम्, ङ्द्वम्, ध्वम्,
षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ पुस्फूर्द्धि—ए, आते, हरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्फूर्द्धिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ स्फूर्द्धिता—, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्फूर्द्धिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अस्फूर्द्धिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२८ स्मृर्छा (स्मूर्छ) विस्मृतौ ॥

- १ स्मूर्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्मूर्छये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्मूर्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्मूर्छ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्मूर्छि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ सुस्मूर्छ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्मूर्छिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्मूर्छिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्मूर्छिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्मूर्छिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२९ युच्छ (युच्छ) प्रमादे ॥

- १ युच्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ युच्छये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ युच्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अयुच्छ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अयुच्छि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 - ६ युयुच्छ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ युच्छिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ युच्छिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ युच्छिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अयुच्छिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१३० धृज (धृज्) गतौ ॥

- १ धृज-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ धृज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ धृज-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अधृज-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अधृजि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ दधृज-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ धृजिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ धृजिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ धृजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अधृजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३१ धृज्ज (धृज्ज) गतौ ॥

- १ धृज्ज-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ धृज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ धृज्ज-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अधृज्ज-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अधृजि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ दधृज्ज-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ धृजिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ धृजिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ धृजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अधृजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३२ ध्वज (ध्वज्) गतौ ॥

- १ ध्वज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ध्वज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ध्वज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अध्वज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अध्वजि, अध्वजि-षाताम्, षत, ष्टाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ दध्वज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ध्वजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ ध्वजिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ध्वजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अध्वजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३३ ध्वजु (ध्वञ्ज्) गतौ ॥

- १ ध्वञ्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
२ ध्वञ्ज्-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
३ ध्वञ्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
४ अध्वञ्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
५ अध्वञ्ज्-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्वहि ॥
६ दध्वञ्ज्-ए, आरे, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
७ ध्वञ्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
८ ध्वञ्जिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
९ ध्वञ्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
१० अध्वञ्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२४ ध्रज (ध्रज्) गतौ ॥

- १ ध्रज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ध्रज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ध्रज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥
 ४ अध्रज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 यावहि, यामहि ॥
 ५ अध्राजि, अध्रजि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
 इदुम्, ध्वम्, षि, घ्वहि, षमहि ॥
 ६ दध्रज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ध्रजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ ध्रजिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ध्रजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अध्रजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३५ ध्रजु (ध्रज्ज्) गतौ ॥

- १ धञ्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ धञ्ज्ये-यत, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ धञ्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 ४ अध्रञ्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 यावहि, यामहि ॥
 ५ अध्रञ्जि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इध्वम्, ध्वम्,
 वि, च्वहि, ध्वहि ॥
 ६ दध्रञ्ज्-ए, आते, हरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ध्रञ्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ ध्रञ्जिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ध्रञ्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अध्रञ्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४८ एजृ (एज्) कम्पने ॥

- १ एज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ एज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ एज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ ऐज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ ऐजि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ एजा-ञ्चके, इ० । म्वभूवे, इ० । माहे, इ० ॥
- ७ एजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ एजिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ एजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० ऐजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४९ द्वोस्फूर्जा (स्फूर्ज्) वज्रनिर्घोषे ॥

- १ स्फूर्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ स्फूर्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
 - ३ स्फूर्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 - ४ अस्फूर्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अस्फूर्जि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - ६ पुस्फूर्ज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ स्फूर्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ स्फूर्जिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ स्फूर्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अस्फूर्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१५० क्षीज (क्षीज्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ क्षीज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ क्षीज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
 - ३ क्षीज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 - ४ अक्षीज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अक्षीजि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - ६ चिक्षीज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ क्षीजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ क्षीजिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ क्षीजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अक्षीजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ।

१५१ कूज (कूज्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ कूज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ कूज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ कूज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अकूज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अकूजि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - ६ चुकूज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ कूजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ कूजिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ कूजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अकूजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ।

१५३ गुजु (गुञ्ज) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ गुज्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गुज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गुज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगुज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अगोजि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्वहि ॥
- ६ जुगुज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गोजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ गोजिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गोजिष्-यते, येते, यन्तै, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अगोजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ।

१ गुञ्ज-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गुञ्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गुञ्ज-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगुञ्ज-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अगुञ्जि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ जुगुञ्ज-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ गुञ्जिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ गुञ्जिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ गुञ्जिष-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अगुञ्जिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ।

१५५ लज्जु (लज्जु) भर्त्सने ॥

१ लज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लज्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलाजि, अलजि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्,
 इद्धम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ लेज्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ लजिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ लजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अलजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१ लङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लङ्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लङ्-याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलङ्जि-”, पाताम्, षतः, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ष्षि, ष्महि ॥
 ६ ललङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लङ्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ लङ्जिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्त्वहे, स्महे ॥
 ९ लङ्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अलङ्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१५६ तर्ज (तर्ज) भर्त्सने ॥

- १ तर्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तर्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तर्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतर्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अतर्जि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ ततर्ज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तर्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तर्जिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तर्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतर्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५७ लाज (लाज्) भर्जने च ॥

- १ लाज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लाज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लाज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलाज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलाजि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ ललाज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लाजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लाजिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लाजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलाजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५८ लाञ्ज (लाञ्ज्) भर्जने च ॥

- १ लाञ्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ लाञ्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ लाञ्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यावहि ॥
 - ४ अलाञ्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अलाञ्जि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 - ६ ललाञ्ज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ लाञ्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ लाञ्जिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ लाञ्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अलाञ्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१५९ जज (जज्) युद्धे ॥

- १ जज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यावहे ॥
- २ जज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अजाजि, अजजि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ जेज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जजिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अजजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६० जञ् (जञ्ज्) युद्धे ॥

- १ जञ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जञ्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जञ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजञ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अजञ्जि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ जञ्ज-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जञ्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ जञ्जिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जञ्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अजञ्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
धातुद्वयाद् भावेऽपि वर्तमानादिः ।

१६१ तुज (तुज्) हिंसायाम् ॥

- १ तुज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तुज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तुज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतुज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अतोजि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ तुतुज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तोजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ तोजिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तोजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अतोजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६२ तुज् (तुज्ज्) बलने च ॥

- १ तुज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तुज्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तुज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतुज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अतुज्जि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ तुतुज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तुज्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ तुज्जिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तुज्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अतुज्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
बलनेऽयमकर्मक इति भावे ।

१६३ गर्ज (गर्ज्) शब्दे ॥

- १ गर्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गर्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गर्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगर्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अगर्ज्जि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ जगर्ज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गर्ज्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ गर्ज्जिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गर्ज्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अगर्ज्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६४ गज्जु (गज्ज्) शब्दे ॥

- १ गज्जु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गज्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गज्जु-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अगज्जु-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अगज्जि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जगज्जु-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गज्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गज्जिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गज्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगज्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६५ गृज (गृज्) शब्दे ॥

- १ गृज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गृज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गृज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अगृज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अगृजि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जगृज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गृजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गृजिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गृजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगृजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६६ गृज्जु (गृज्ज्) शब्दे ॥

- १ गृज्जु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गृज्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गृज्जु-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अगृज्जु-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अगृज्जि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जगृज्जु-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गृज्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गृज्जिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गृज्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगृज्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६७ मुज (मुज्) शब्दे ॥

- १ मुज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मुज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मुज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमुज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अमोजि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ मुमुज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मोजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मोजिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मोजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमोजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७२ त्यज् (त्यज्) हानौ ॥

- १ त्यज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ त्यज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ त्यज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अत्यज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अत्याजि, अत्यक्-षाताम्, षत, थाः, षाथाम्, अत्यग्-इद्वम्, ध्वम्, अत्यक्-षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ तत्यज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ त्यक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ त्यक्ता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ त्यक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अत्यक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७३ षज् (सञ्ज्) सङ्गे ॥

- १ सज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ असजि, असङ्क्-षाताम्, षत, थाः, षाथाम्, असङ्क्-इद्वम्, ध्वम्, असङ्क्-षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ससज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सङ्क्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सङ्क्ता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सङ्क्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असङ्क्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७४ कट् (कट्) वर्षावर्णयोः ॥

- १ कट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अकट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अकाटि, अकटि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चकट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कटिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७५ शट् (शट्) रुजाविशरणगत्यवशात्तेषु ॥

- १ शट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अशट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अशाटि, अशटि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ शेट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शटिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७७ किट (किट्ट) उआसे ॥

- १ वट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ वट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ वट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अवट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अवाटि, अवटि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ वषट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ वटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ वटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ वटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अवटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १ किट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ कित्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ किट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अकिट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अकेटि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ चिकिट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ केटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ केटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ केटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अकेटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७९ शिट (शिट्ट) अनादरे ॥

- १ खिद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ खिश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ खिद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अखिद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ५ अखेदि-", पाताम्, पत, पाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 - ६ खिखिद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ खेदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ खेदिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ खेदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अखेदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १ शिद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ शिश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ शिद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अशिद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ५ अशेदि-", पाताम्, पत, पाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 - ६ शिशिद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ शेदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ शेदिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 - ९ शेदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अशेदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८५ तट (तट्) उच्छ्राये ॥

१ भट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ भट्वे-न्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
 वहि, महि ॥
 ३ भट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अभट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अभाटि, अभटि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, षट्ठम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ बभट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ भटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ भटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्त्वहे, स्महे ॥
 ९ भटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अभटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ तद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तद्धे-त, याताम्, रन्, धाः, याथाम्, ध्वम्, य,
 वहि, महि ॥
 ३ तद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अतद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अताटि, अतटि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ह्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ तेद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ तटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरपेक्षया कर्मणि ॥

१८७ णट (नट) नृतौ ॥

- १ खद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ खट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ खद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अखद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अखाटि, अखटि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ चखद्-ए, आने, इरे, इपे, आये, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ खटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ खटिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ खटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अखटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ नद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ नट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ नद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अनद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, ५ अनाटि, अनटि-पाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ नेद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ नटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ नटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ नटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अनटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१८८ हट (हट्) दीप्तौ ॥

- १ हट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अहट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अहटि, अहटि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ जहट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हटिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अहटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१८९ षट (सट्) अवयवे ॥

- १ सट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ असाटि, असटि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ सेट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सटिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९० लुट (लुट्) विलोढने ॥

- १ लुट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लुट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अलुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अलोटि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ लुलुट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लोटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लोटिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लोटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलोटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९१ चिट (चिट्) प्रैष्ये ॥

- १ चिट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चिट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ चिट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अचिट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अचेटि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चिचिट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ चेटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चेटिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चेटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अचेटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१९३ (हेद्) विवाधायाम् ॥

१ विद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ विद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ विद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अविद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवेदि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्द्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ विविद्-ए, आते, इते, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वेदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वेदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वेदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवेदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ हेद्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ हेत्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ हेद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अहेद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अहेटि--", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ध्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ जिहेद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ हेटिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ हेटिता--", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ हेटिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अहेटिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९४ अट (अद्) गतौ ॥

१ अद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, ध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आटि-”, षाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ आद्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ अटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ अटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० आटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९५ पट (पट्ट) गतौ ॥

१ पट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपाटि, अपाटि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ड्ध्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ पेट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ पटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अपटिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१९६ इट् (इट्) गतौ ॥

- १ इट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ इट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ इट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ ऐट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ ऐटि-”, षाताम्, षत, प्राः, षाथाम्, इट्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ईट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ एटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ एटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ एटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० ऐटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १९७ किट् (किट्) गतौ ॥ किट् १७७ वदूपाणि ॥
- १९८ कट् (कट्) गतौ ॥ कट् १७४ वदूपाणि ॥

१९९ कट् (कण्ट्) गतौ ॥

- १ कण्ट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कण्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कण्ट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकण्ट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकण्टि-”, षाताम्, षत, प्राः, षाथाम्, इट्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चकण्ट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कण्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ कण्टिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कण्टिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अकण्टिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- २०० कट्टे (कट्टे) गतौ ॥ कट्टे १७४ वदूपाणि ॥

२०१ कुट् (कुण्ट्) वैकल्ये ॥

- १ कुण्ट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कुण्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥
- ३ कुण्ट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकुण्ट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकुण्टि-”, षाताम्, षत, प्राः, षाथाम्, इट्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चुकुण्ट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कुण्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ कुण्टिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कुण्टिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अकुण्टिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२०२ मुट् (मुण्ट्) प्रमर्दने ॥

- १ मुण्ट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मुण्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥
- ३ मुण्ट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमुण्ट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमुण्टि-”, षाताम्, षत, प्राः, षाथाम्, इट्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ मुमुण्ट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मोण्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि महि ॥
- ८ मोण्टिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मोण्टिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अमुण्टिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२०३ चुट (चुद्) अल्पीभावे ॥

- १ चुद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चुद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यासहि ॥
 ४ अचुद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचोटि-", पाताम्, षत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ चुचुद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ चोटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ चोटिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ चोटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अचोटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२०५ बटु (वण्ट्) विभाजने ॥

- १ वण्ट्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वण्ट्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वण्ट्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवण्ट्—यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवण्टि—, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 षि, प्वहि, घ्महि ॥
 ६ ववण्ट्—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए,
 इवहे, इमहे ॥
 ७ वण्टिणी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वण्टिता—, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वण्टिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवण्टिष्—यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यावहि ॥

२०४ चुडु (चुण्ट्) अल्पीभावे ॥

- १ चुण्ड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चुण्ड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचुण्ड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचुण्टि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ष्ठ्वम्,
 षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ चुचुण्ड्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ चुण्टिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ चुण्टिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, दे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ चुण्टिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अचुण्टिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२०६ रुद्र (रुण्द्र) स्तेये ॥

- १ रुण्ट्-यत, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रुण्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रुण्ट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरुण्ट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अरुण्टि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ रुण्ट्-ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, ए,
 इवहे, इमहे ॥
 ७ रुण्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रुण्टिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ रुण्टिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरुण्टिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि यामहि ॥

२०७ लुङ् (लुण्द्) स्तेये ॥

- १ लुण्ट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लुण्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लुण्ट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलुण्ट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलुण्टि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ लुलुण्ट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लुण्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ लुण्टिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ लुण्टिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अलुण्टिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२०८ स्फट (स्फट्) विसरणे ॥

- १ स्फट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्फट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ स्फट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अस्फट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अस्फटि, अस्फटि-वाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ पस्फट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्फटिषो-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्फटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्फटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्फटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२०९ स्फुट् (स्फुट्) विसरणे ॥

- १ स्फुट-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्फुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
 वहि, महि ॥ [यै, यावहै, यामहै ॥
 ३ स्फुट-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ४ अस्फुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अस्फोटि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ पुस्फुट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ स्फोटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ स्फोटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ स्फोटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अस्फोटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२१० लट् (लट्) बाल्ये परिभाषणे च ॥

- १ लट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लट्ठ्ये-यताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलाटि, अलटि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ लेट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ लटिता-र, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, खहे, स्पहे ॥
 ९ लटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अलटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२१२ रठ (रट्) परिभाषणे ॥

१ रट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, वहि ॥
 ३ रट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अरटि, अरटि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ रेट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रटिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ रटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१ रट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रट्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अराटि, अराटि-पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ रेट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्ठाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रटिता-”, रौः, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ रटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२१३ पठ (पठ्) व्यक्तायां वाचि ॥

१ पठ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पठ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पठ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपठ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपाठि, अपठि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ पेठ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पठिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ पठिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ पठिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अपठिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२१४ वठ (वढ्) स्थौल्ये ॥

१ वट्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वळ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवाटि, अवंठि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्ध्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, प्महि ॥
 ६ ववट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वठिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वठिता-”, रौ, रः, ले, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वठिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवठिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२१६ कठ (कट्) कृच्छ्रजीवने ॥

- १ कट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, य, यावहे, यामहे ॥
 २ कट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकाठि, अकटि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ चकट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कटिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ कटिता-’, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२१८ उठ (उठ्) उपधाते ॥

- १ उद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यावहे ॥
 २ उद्धे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ उद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ औद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ औटि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ष्महि ॥
 ६ ऊद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ओटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ ओटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ओटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० औटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२१९ रुठ (रुठ्) उपधाते ॥

- १ रुद्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रुद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रुद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्,
 यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरुद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
 ५ अरोटि-”, बाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ रुहद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रोटिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रोटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ रोटिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरोटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२२० लुठ (लुट्) उपधाते ॥

- १ लुट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लुङ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लुट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलोठि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्, ध्वम्,
 षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ लुलुट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लोटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ लोटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ लोटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अलोठिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२२१ पिठ (पिठ्) हिंसासंक्लेशयोः ॥

- १ पिठ्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पिठ्ये—त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पिठ्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपिठ्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपेठि—षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ पिपिठ्—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पेठिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पेठिता—”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ पेठिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अपेठिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२२२ शठ (शट्) कैतवे च ॥

- १ शङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शङ्छे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
 ५ अशाठि, अशाठि-षाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
 इव्वम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
 ६ शेङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शठिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ शठिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शठिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशठिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२२३ शुठ (शुठ्) गतिप्रतिघाते ॥

- १ शुद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शुद्धे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शुद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अशुद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अशोडि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ङ्द्वम्, ध्वम्,
 षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ शुशुद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शोडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ शोडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शोडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशोडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२२४ कुटु (कुण्ड) आलस्ये च ॥

- १ कुण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कुण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अकुण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
 ५ अकुण्डि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्,
 षि, च्वहि, च्महि ॥
 ६ चुकुण्ड-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कुण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ कुण्डिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कुण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकुण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२२५ लुट् (लुण्ठ्) आलस्ये च ॥

- १ लुण्ट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लुण्ठ्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लुण्ट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥
 ४ अलुण्ट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 यावहि, यामहि ॥
 ५ अलुण्ठि-”, षताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ लुलुण्ट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लुण्ठिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ लुण्ठिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ लुण्ठिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अलुण्ठिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२२६ शुद्ध (शुण्ड) शोषणे ॥

- १ शुण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शुण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशुण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशुण्डि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 षि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ शुशुण्ड-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शुण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ शुण्डिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शुण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशुण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२२८ रुद्र (रुण्ड) गतौ ॥

१ अट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अट्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आटि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इहुम्, ध्वम्,
 षि, घ्वहि, षमहि ॥
 ६ आट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ अटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ अटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० आटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ रुण्ठ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रुण्ठ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रुण्ठ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरुण्ठ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अरुण्ठि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ रुण्ठ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रुण्ठिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रुण्ठिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ रुण्ठिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरुण्ठिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२२९ पुडु (पुण्ड) प्रमर्दने ॥

१ पुण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पुण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्त्र, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपुण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपुण्डि-" , पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥
 ६ पुपुण्ड-ए, आते, इरे, इषे, अथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पुण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पुण्डिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ पुण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अपुण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२३० मुडु (मुण्ड्) खण्डने च ॥

१ मुण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मुण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमुण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमुण्ड-" , पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ मुमुण्ड-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मुण्डिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ मुण्डिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ मुण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमुण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२३१ महु (मण्ड) भूषायाम् ॥

- १ मण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमण्डि-”, षाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ड्ध्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ ममण्ड-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मण्डिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ मण्डिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ मण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२३२ गङ्गु (गण्ड) वदनैकदेशे ॥

- १ गण्ड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
२ गण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
३ गण्ड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ।
४ अगण्ड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
५ अगण्ड्-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ध्वम्,
षि, प्वहि, प्वहि ॥
६ जगण्ड्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
७ गण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
८ गण्डिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
९ गण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
१० अगण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

२३३ शौड् (शौड्) गर्वे ॥

- १ शौङ्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शौङ्घे—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शौङ्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशौङ्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशौङि—, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ शुशौङ्—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शौङिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ शौङिता—, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शौङिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशौङिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२३४ यौट् (यौड्) सम्बन्धे ॥

- १ यौइ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ यौड्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ यौइ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अयौइ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अयौडि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, ध्वम्,
 वि, व्वहि, व्वमहि ॥
 ६ युयौइ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ यौडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ यौडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ यौडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अयौडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२३९ लौह (लौड्) उन्मादे ॥

- १ लौइ—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लौड्ये—त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लौइ—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलौइ—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलौडि—”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, षड्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥
 ६ लुलौइ—ए, आते, इरे, इधे, आंथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लौडिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ लौडिता—”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ लौडिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अलौडिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२४० रोड्ड (रोड्) अनादरे ॥

- १ रोङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रोञ्चे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रोङ्-यताम्, येत, म्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरोङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अरोडि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, प्महि ॥
 ६ हरोङ्-ए, आते, इरे, इपे, आये, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रोडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रोडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ रोडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरोडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२४१ सौङ् (सौङ्) अनादरे ॥

- १ रौड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रौड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रौड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 ४ अरौड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 यावहि, यामहि ॥
 ५ अरौडि-'', पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ रुरौड्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रौडिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रौडिता-'', रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ रौडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरौडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२४२ तौडू (तौड्) अनादरे ॥

- १ तौड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तौड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तौड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 ४ अतौड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 यावहि, यामहि ॥
 ५ अतौडि-", पाताम्, षत, छाः, बाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ तुतौड्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तौडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ तौडिता-"", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तौडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतौडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२४४ तुडू (तुड्) तोडने ॥

१ क्रीड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्रीड्ये-न्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ क्रीड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अक्रीड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
 ५ अक्रीडि-”, षाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढुम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ष्महि ॥
 ६ चिक्रीड्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ क्रीडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ क्रीडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ क्रीडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अक्रीडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१ तुइ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तुज्जे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तुइ-याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अतुइ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अतोडि-" , पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ तुतुइ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तोडिषी-घ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तोडिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तोडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अतोडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२४५ तूड (तूड) तोडने ॥

१ तूङ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तूङ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तूङ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतूङ-यत, थेताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतूङि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, ष्महि ॥
 ६ तुतूङ-ए, आने, इरे, इषे, आये, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तूङिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तूङिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तूङिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अतूङिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२४६ तोड़ (तोड़) तोड़ने ॥

- १ तोड़-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तोड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तोड़-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अतोड़-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अतोडि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ङ्ठ्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ तुतोड़-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तोडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तोडिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तोडिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतोडिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२४८ हूह (हूह) गतौ ॥

- १ ह्रड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ ह्रड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ह्रड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥
 ४ अह्रड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 यावहि, यामहि ॥
 ५ अह्रडि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ जुह्रड्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, ,इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ह्रडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ ह्रडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ह्रडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ।
 १० अह्रडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२५० हौडू (हौडू) गतौ ॥

- १ हौड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ हौड्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ हौड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अहौड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अहौडि-"", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ जुहौड्-ए, आते, इरे, इषे, आषे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ हौडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ हौडिता-"", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ हौडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अहौडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२५२ विड (विड्) आक्रोशे ॥

- १ खोइ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ खोड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ खोइ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अखोइ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अखोडि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ चुखोइ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ खोडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ खोडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ खोडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अखोडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ विङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे॥
 २ विङ्घे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ञ्चम्, य, वहि, महि॥
 ३ विङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अविङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
 ५ अवेडि-”, पाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ञ्चम्, षि, ञ्वहि, ञ्महि ॥
 ६ विविङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वेडिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ञ्चम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वेडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ञ्चे, हे, स्त्वहे, स्महे ॥
 ९ वेडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवेडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

੨੫੩ ਅਛ (ਅਛ੍) ਉਘਮੇ ॥

१ अङ्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अङ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, ध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आङि-”, वाताम्, वत, घ्राः, पाथाम्, इह्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ आङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अङिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम् ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ अङिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ अङिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अङिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२५४ लड (लड्) विलासे ॥

१ लङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लङ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलाडि, अलङि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इध्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ लेङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लङिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ लङिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ लङिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अलङिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२५५ कडु (कण्डू) मदे ॥

- १ कण्डू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, य, वहि, यामहे ॥
 २ कण्ड्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम् य, वहि, महि ॥
 ३ कण्डू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकण्डू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 'अकण्डिड'-, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ध्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥
 ६ चक्रण्डू-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कण्डिडपी-छ, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ कण्डिडता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कण्डिडप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकण्डिडप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२५७ अद्ड (अड्ड) अभियोगे ॥

- १ अङ्-यते, यन्ते, यसे, येथे, यश्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अङुये-त, याताम्, रन्, यथाः, याथाम्, यश्चम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यश्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ आङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यश्चम्, ये,
 ५ अङ्ङि-'. पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, डङ्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ आनङ्-ए, अति, इरे, इषे, आये, दध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अङ्ङिषी-ध, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ अङ्ङिता-'', रौ, रः, भे, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ अङ्ङिष-यते, येते, यन्ते, यमे, येथे, यश्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० आङ्ङिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यश्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२५६ कड्ड (कड्ड) कार्कश्ये ॥

- १ कङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कङुये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकङि-”, पाताम्, पत, पाः, पाथाम्, ड्ध्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ चकङ्-ग, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, दवहे, इमहे ॥
 ७ कङिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, पाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ कङिप्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कङिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकङिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि यामहि ॥

२५८ चुड्ड (चुड्ड्) हावकरणे ॥

- १ चुङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चुङ्ग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चुङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अचुङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अचुङ्गि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ष्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ चुचुङ्-ए, अति, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ चुङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ चुङ्गिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ चुङ्गिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अचुङ्गिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२६० रण (रण्) शब्दे ॥

१ अण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अण्ये-त, याताम्, रन्, था; याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आण्-यतं, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्, यध्वम्,
 ५ आणि-" , षाताम्, षत, छा; षाथाम्, इद्धम्, ध्वन्,
 षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ आण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छा; यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ अणिता-" , रौ, र; से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ अणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० आणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ रण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अराणि, अरणि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्धम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, प्महि ॥
 ६ रेण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रणिषी-छ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, च्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रणिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्त्वहे, स्महे ॥
 ९ रणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२६१ वण (वणू) शब्दे ॥

१ वण्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वण्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वण्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवण्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवाणि, अवणि—षाताम्, षत, प्राः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, घ्वहि, ष्महि ॥
 ६ ववण्—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए,
 इवहे, इमहे ॥
 ७ वणिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वणिता—”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वणिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहै, यामहै ॥
 १० अवणिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यावहि ॥

२६२ व्रण (व्रण्) शब्दे ॥

१ व्रण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ व्रण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ व्रण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अव्रण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अव्राणि, अव्राणि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, वद्धम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, घ्महि ॥
 ६ वव्रण्-ए, आते, इरे, इषे, आषे, इध्वे, ए,
 इवहे, इमहे ॥
 ७ व्रणिषी-इ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ व्रणिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ व्रणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अव्रणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि यामहि ॥

२६८ ध्वण (ध्वण्) शब्दे ॥

- १ धण्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ धण्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ धण्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अधण्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अधाणि, अधणि—वाताम्, वत, छाः, वाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ दधण्—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ धणिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ धणिता—”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, त्वहे, स्महे ॥
 ९ धणिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अधणिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १ ध्वण्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ध्वण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ध्वण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्य, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अध्वण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अध्वाणि, अध्वणि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ दध्वण्-ए, अति, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ध्वणिषी-घ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ ध्वणिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ध्वणिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अध्वणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ।

२६९ ध्रण (ध्रण्) शब्दे ॥

- १ ध्रण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ ध्रण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ।
 ३ ध्रण्य-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अध्रण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अध्राणि, अध्रणि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ दध्रण्-ए, आते, हरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ध्रणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ ध्रणिता-”, रै, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ध्रणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अध्रणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२७० कण (कण्) शब्दे ॥

- १ कण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, न, वहि, महि ॥
- ३ कण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकाणि, अकणि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ चकण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि महि ॥
- ८ कणिता-", रै, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२७१ कण (कण्) शब्दे ॥

- १ कण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकाणि, अकणि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चकण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कणिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२७२ चण (चण्) शब्दे ॥

- १ चण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ चण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ अचण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अचाणि, अचणि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चेण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ चणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चणिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अचणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२७३ ओण (ओण्) अपनयने ॥

- १ ओण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ओण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ ओण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
- ४ औण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ औणि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ओणा-ञ्क्रे, ई० । म्बभूवे, इ० । माहे, इ० ॥
- ७ ओणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ओणिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ओणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० औणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२७४ शोण (शोण्) वर्णगतयोः ॥

- १ शोण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शोण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शोण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशोण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अशोणि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ शुशोण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शोणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शोणिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शोणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशोणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२७६ श्लोण (श्लोण) संवाते ॥

| | |
|--|--|
| १ श्रोण्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वं, ये, यावहे, यामहे ॥ | १ श्रोण-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वं, ये, यावहे, यामहे ॥ |
| २ श्रोण्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ | २ श्रोण्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ |
| ३ श्रोण-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥ | ३ श्रोण-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥ |
| ४ अश्रोण-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, | ४ अश्रोण-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, |
| ५ अश्रोणि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ | ५ अश्रोणि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ |
| ६ शुश्रोण-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥ | ६ शुश्रोण-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥ |
| ७ श्रोणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ | ७ श्रोणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ |
| ८ श्रोणिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥ | ८ श्रोणिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥ |
| ९ श्रोणिष्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वं, ये, यावहे, यामहे ॥ | ९ श्रोणिष्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वं, ये, यावहे, यामहे ॥ |
| १० अश्रोणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ | १० अश्रोणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ |

२७७ पैण् (पैण्) गतिप्रेरणश्लेषणेषु ॥

१ पैण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पैण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पैण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपैण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपैणि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ध्महि ॥
 ६ पिपैण्-ए, आते, हेरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पैणिशी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पैणिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्त्रहे, स्महे ॥
 ९ पैणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अपैणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२७८ चित्तै (चित्) संज्ञाने ॥

- १ चित्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येये, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चित्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ चित्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अचित्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अचेति-”, पाताम्, षत, छाः, पाथम्,
इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ चचित्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ चेतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ चेतिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चेतिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येये, यञ्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अचेतिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२८० च्युत् (च्युत्) आसेचने ॥

- १ च्युत्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ च्युत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ च्युत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अच्युत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अच्योति-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ चुच्युत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ च्योतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ च्योतिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ च्योतिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अच्योतिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

२८२ स्तुतृ (श्चुत्) क्षरणे ॥

- १ श्रुत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्रुत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्रुत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्रुत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अश्नोति-”, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ चुश्रुत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्रोतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ श्रोतिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वेहे, स्महे ॥
- ९ श्रोतिष्-यते, थेते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अश्नोतिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

२८३ स्त्र्युत् (श्र्युत्) क्षरणे ॥

- १ श्र्युत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्र्युत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्र्युत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्र्युत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अश्र्योति-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ चुश्र्युत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्र्योतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ श्र्योतिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ श्र्योतिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अश्र्योतिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२८४ जुत् (जुत्) भासने ॥

- १ जुत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जुत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जुत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजुत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अजोति-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ जुजुत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जोतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जोतिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जोतिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अजोतिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२८५ अतु (अन्तु) बन्धने ॥

- १ अन्तु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अन्त्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अन्तु-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आन्तु-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ आन्ति-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ आनन्तु-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अन्तिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अन्तिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अन्तिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आन्तिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२८६ कित (कितु) निवासे ॥

- १ कितु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कित्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कितु-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकितु-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अकेति-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ चिकितु-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ केतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ केतिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ केतिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकेतिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

सनि तु —

- १ चिकित्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चिकित्स्ते-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ चिकित्स्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अचिकित्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अचिकित्सि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चिकित्सा-ञ्चक्रे, इ० ॥ भ्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ चिकित्सिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चिकित्सिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चिकित्सिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अचिकित्सिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

ङीयप्रत्यये तु —

- १ ऋतीय-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ऋतीय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ऋतीय-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आर्तीय-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आर्तीयि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ऋतीया-ञ्चक्रे, इ० ॥ भ्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ ऋतीयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ऋतीयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ऋतीयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आर्तीयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२८७ ऋत (ऋत्) घृणागतिस्पर्धेषु ॥

- १ ऋत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ऋत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ऋत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आर्त्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आर्ति-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ आनुत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अर्तिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अर्तिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अर्तिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आर्तिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२८८ कुथु (कुन्थ) हिंसासंक्रेशयोः ॥

- १ कुन्थ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कुन्थ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कुन्थ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकुन्थ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकुन्थि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चुकुन्थ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कुन्थिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कुन्थिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कुन्थिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकुन्थिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२९० लुथु (लुन्थ्) हिंसासंक्लेशयोः ॥

१ पुण्थ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पुण्थ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पुण्थ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपुण्थ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अपुण्थि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ पुपुण्थ-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पुण्थिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ पुण्थिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ पुण्थिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अपुण्थिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ लुन्थ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
२ लुन्थ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
३ लुन्थ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
४ अलुन्थ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
५ अलुन्थि-”, षाताम्, षत, ष्टाः, षाथाम्, ष्टुम्, ष्वम्,
षि, ष्वहि, ष्महि ॥
६ लुलुन्थ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
७ लुन्थिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, ष्वम्,
य, वहि, महि ॥
८ लुन्थिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
९ लुन्थिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
१० अलुन्थिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

२९२ मन्थ (मन्थू) हिंसासंक्लेशयोः ॥

१ मन्थ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मन्थ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मन्थ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमन्थ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमन्थि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
 षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ ममन्थ-ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मन्थिषी-इ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ मन्थिता-”, रौ, रः, से, साये, ज्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ मन्थिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमन्थिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ मथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमन्थि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, षद्धम्, ध्वम्,
 षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ ममन्थ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मन्थिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ मन्थिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ मन्थिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमन्थिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२९३ मान्थ (मान्थ) हिंसासंज्ञेशयोः ॥

- १ माथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ माथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ माथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमाथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमान्थि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ ममान्थ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मान्थिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ मान्थिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मान्थिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अमान्थिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२९५ बद् (वद्) स्थैर्ये ॥

- १ बद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ बद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ बद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अबद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अबदि, अबदि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ बेद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ बदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ बदिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ बदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अबदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

२९४ खाद् (खाद्) भक्षणे ॥

- १ खाद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ खाद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ खाद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अखाद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अखादि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ चखाद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ खादिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ खादिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ खादिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अखादिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२९६ खद् (खद्) हिंसायां च ॥

- १ खद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ खद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ खद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अखद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अखादि, अखदि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ चखद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ खदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ खदिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ खदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अखदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२९७ गद् (गद्) व्यक्तायां वाचि ॥

- १ गद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 ४ अगद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 यावहि, यामहि ॥
 ५ अगादि, अगदि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, ल्ह्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥
 ६ जगद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ गदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ गदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ गदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अगदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२९८ रदं (रद्) विलेखने ॥

- १ रद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रघे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अरादि, अरदि-षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ष्महि ॥
 ६ रेद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ रदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

२९९ णद् (नद्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ नद्-यत्ते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ नद्ये-त्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ नद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अनद्-यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अनादि, अनदि-षाताम्, षत्, ष्ठाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥
 ६ नेद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ नदिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, ष्ठाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ नदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्तहे, स्महे ॥
 ९ नदिष्-यत्ते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अनदिष्-यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

३०० त्रिष्विदा (त्रिष्वद्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ क्ष्विद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्ष्विद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ क्ष्विद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अक्ष्विद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
 ५ अक्ष्वेदि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 य्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ चिक्खिद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ क्ष्वेदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ क्ष्वेदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ क्ष्वेदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यष्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अक्ष्वेदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

३०३ णर्द (नर्द) शब्दे ॥

१ अर्द्ध-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अर्द्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अर्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आर्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आर्दि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ आनर्द्-ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अर्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ अर्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्नहे, स्महे ॥
 ९ अर्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० आर्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१ नर्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ नर्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ नर्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अनर्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अनर्दि-”, पाताम्, षतः, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वषि, ध्महि ॥
 ६ ननर्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ नर्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ नर्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ नर्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अनर्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

३०५ तर्द (तर्द्) हिंसायाम् ॥

१ गर्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गर्द्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गर्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगर्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अगर्दि-”, षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
 ६ जगर्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ गर्दिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि, ॥
 ८ गर्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्खहे, स्महे ॥
 ९ गर्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अगर्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ तर्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तर्धे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तर्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतर्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतर्दि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ ततर्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथि, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तर्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ तर्दिता-”, रौ, रः, मे, साथे, ध्वं, हे, स्त्रहे, स्महे ॥
 ९ तर्दिप्-यते, येते, यन्ते, यने, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतर्दिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३०७ खर्द (खर्दू) दशने ॥

- १ कर्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ कर्धे-न्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ कर्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अकर्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अकर्दि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 - ६ चकर्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ कर्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ कर्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 - ९ कर्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अकर्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १ खर्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ खर्धे-न्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ खर्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अखर्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अखर्दि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 - ६ चखर्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ खर्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ खर्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 - ९ खर्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अखर्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३०९ इदु (इन्द्र) परमैश्वर्ये ॥

- १ अन्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ अन्धे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ अन्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अन्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ आन्दि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ आनन्द्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ अन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ अन्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ अन्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० आन्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १ इन्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ इन्धे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ इन्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ ऐन्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ ऐन्दि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्ध्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ इन्दा-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूचे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
 - ७ इन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ इन्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ इन्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० ऐन्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३१५ कटु (कण्डू) रोदनाह्वानयोः ॥

- १ व्रन्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ व्रन्धे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ व्रन्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अव्रन्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
यावहि, यामहि ॥
- ५ अव्रन्दि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ तव्रन्द्-ए, आते, हरे, हषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ व्रन्दिषी-ध, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ व्रन्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ व्रन्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अव्रन्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ कन्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कन्धे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कन्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 ४ अकन्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
 यावहि, यामहि ॥
 ५ अकन्दि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्धम्,
 च्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ चकन्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ कन्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कन्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकन्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३१७ कृदु (कृन्द) रोदनाह्वानयोः ॥

१ क्रन्द-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्रन्द्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ क्रन्द-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अक्रन्द-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अक्रन्दि-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, ड्ध्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ चक्रन्द-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ क्रन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ क्रन्दिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वेहे, त्महे ॥
 ९ क्रन्दिष-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अक्रन्दिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ क्लृन्द-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्लृन्दे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ क्लृन्द-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अक्लृन्द-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अक्लृन्दि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ चक्लृन्द-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ क्लृन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ क्लृन्दिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, त्वहे, स्महे ॥
 ९ क्लृन्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अक्लृन्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३१८ क्लिदु (क्लिन्द्) परिदेवने ॥

- १ क्लिन्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्लिन्द्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्लिन्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्लिन्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अक्लिन्दि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चिक्लिन्द्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्लिन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्लिन्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्लिन्दिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्लिन्दिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३१९ स्कन्दलं (स्कन्द्) गतिशोषणयोः ॥

- १ स्कद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्कद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्कद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्कद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्कन्दि, अस्कन्-त्साताम्, त्सत, त्थाः, त्साथाम्, दध्वम्, द्दध्वम्, त्सि, त्त्वहि, त्स्महि ॥
- ६ चस्कन्द्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्कन्त्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्कन्त्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्कन्त्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्कन्त्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३२० सिधू (सिध्) गत्याम् ॥

- १ सिधू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सिध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सिधू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ असिधू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ असेधि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ सिषिधू-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सेधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सेधिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सेधिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असेधिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३२१ पिधौ (सिध्) शास्त्रमाङ्गल्ययोः ॥

- १ सिधू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सिध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सिधू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ असिधू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ असेधि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- असेधि, असि-त्साताम्, त्सत, द्वाः, त्साथाम्, द्दध्वम्, द्दध्वम्, त्सि, त्त्वहि, त्स्महि ॥ [धिमहे ॥
- ६ सिषिधू-ए, आते, धिरे, धिपे, आथे, धिध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सेधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सेधिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सेधिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असेधिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, असेत्स्-ये, यावहि, यामहि ॥

परोक्षासेप्रत्यये रूपद्वये मतान्तराभिप्रायेण ॥

३२२ शुन्ध (शुन्ध्) शुद्धौ ॥

- १ शुन्ध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शुन्धे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शुन्ध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशुन्ध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अशुन्धि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ शुशुन्ध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शुन्धिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ शुन्धिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ शुन्धिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अशुन्धिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३२३ स्तन् (स्तन्) शब्दे ॥

- १ स्तन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्तन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्तन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्तन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्तानि, अस्तनि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ तस्तन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्तनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ स्तनिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्तनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अस्तनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३२४ धन (धन्) शब्दे ॥

- १ धन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ धन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ धन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अधन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अधानि, अधनि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ दधन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ धनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ धनिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ धनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अधनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३२५ ध्वन (ध्वन्) शब्दे ॥

- १ ध्वन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ध्वन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ध्वन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अध्वन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अध्वानि, अध्वनि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ दध्वन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ध्वनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ ध्वनिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ध्वनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अध्वनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३२६ चन (चन्) शब्दे ॥

- १ चन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चन्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ चन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अचन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अचानि, अचनि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ङ्ङ्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चेत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ चनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चनिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अचनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३२७ स्वन (स्वन्) शब्दे ॥

- १ स्वन-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्वन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्वन-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्वन-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्वानि, अस्वनि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ङ्ङ्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ सस्वन } -ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, स्वेन् } इमहे ॥
- ७ स्वनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्वनिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्वनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्वनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३२८ वन (वन्) शब्दे ॥

३२९ वन (वन्) भक्तौ ॥

- १ वन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अवन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अवानि, अवनि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ङ्ङ्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ववन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वनिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३३० षन (सन्) भक्तौ ॥

- १ सन् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, सा } यामहे ॥
- २ सन्ये } -त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, साये } वहि, महि ॥
- ३ सन् } -यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, सा } ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ असन् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, असा } ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ असानि, असनि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ङ्ङ्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ सेन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सनिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३३१ कने (कन्) दीप्तिकान्तिगतिषु ॥

- १ कन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कन्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अकन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अकानि, अकनि-षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 ६ चकन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ कनिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अकनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३३२ गुपौ (गुप् + आय्-गोपाय्) रक्षणे ॥

- १ गोपाय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गोपाय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गोपाय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अगोपाय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अगोपायि-”, षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 ६ गोपाया-झके, इ० ॥ स्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
 ७ गोपायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ गोपायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ गोपायिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अगोपायिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

आयप्रत्ययाभावे—

- १ गुप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गुप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गुप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगुप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अगोपि-”, षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 अगोपि, अगु-प्साताम्, प्सत, प्थाः, प्साथाम्, ध्वम्, प्वध्वम्, प्वि, प्वमहि, प्वमहि ॥
 ६ जुगुप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ गोपिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 गुप्सी }
 ८ गोपिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 गोप्ता }
 ९ गोपिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 गोप्स् }
 १० अगोपिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अगोप्स् } परोक्षासंप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तराभिप्रायेण ॥

३३३ तपं (तप्) संतापे ॥

- १ तप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अतप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अतापि, अतप्-साताम्, सत, थाः, साथाम्, अतप्-द्वम्, ध्वम्, अतप्-सि, स्वहि, स्महि ॥
 ६ तेप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तप्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तप्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अतप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३३४ धूप (धूप+आय्-धूपाय्) संतापे ॥

- १ धूपाय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ धूपाय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ धूपाय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अधूपाय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ५ अधूपायि-", पाताम्, षत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ धूपाया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्वभूथे, इ० ॥ महि, इ० ॥
- ७ धूपायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ धूपायिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ धूपायिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अधूपायिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

आयप्रत्ययाभावे—

- १ धूप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ धूप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ धूप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अधूप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ५ अधूपि-", पाताम्, षत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ दुधूप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ धूपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ धूपिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ धूपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अधूपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३३५ रप (रप्) व्यक्ते वचने ॥

- १ रप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अरप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ५ अरापि, अरपि-पाताम्, षत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ रेप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रपिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३३६ लप (लप्) व्यक्ते वचने ॥

- १ लप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अलप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ५ अलापि, अलपि-पाताम्, षत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ लेप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लपिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १ सप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ सप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ असप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ सेप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ सपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ सपिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वेहे, स्महे ॥
 ९ सपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० असपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३४२ चुप (चुप्) मन्दायाम् ॥

- १ चुप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चुप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चुप्-याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचुप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचोपि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ध्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ चुचुप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ चोपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ चोपिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्तहे, स्महे ॥
 ९ चोपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अचोपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

३४४ तुम्प (तुम्प्) हिंसायाम् ॥

- १ तुप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तुप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तुप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्-
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ।
 ४ अतुप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतुम्पि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, ड्ढम्, ध्वम्,
 पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ तुतुम्प्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तुम्पिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ तुम्पिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तुम्पिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतुम्पिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

३४५ त्रुप (त्रुप्) हिंसायाम् ॥

- १ **नुप्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **नुप्ये**-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **नुप्**-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥
 ४ **अनुप्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 यावहि, यामहि ॥
 ५ **अत्रोपि**—, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, घमहि ॥
 ६ **तुनुप्-ए**, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ **त्रोपिषी**-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ **त्रोपिता**—, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ **त्रोपिष्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० **अत्रोपिष्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३४७ तुफ (तुफ्) हिंसायाम् ॥

- १ तुफ्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शुफ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शुफ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशुफ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतोफि-", याताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ तुतुफ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तोफिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ तोफिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तोफिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतोफिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

३४६ त्रुम्प (त्रुम्प) हिंसायाम् ॥

- १ **वृष्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **वृष्ये**-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **वृष्**-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ **अवृष्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ **अवृष्पि**-" , पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ **तुवृष्प**-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ **वृष्पिषी**-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ **वृष्पिता**-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ **वृष्पिष्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० **अवृष्पिष्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३४८ तुम्फ (तुम्फ्र) हिंसायाम् ॥

- १ तुफ्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तुफ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तुफ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतुफ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतुम्फि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ तुतुम्फ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तुम्फिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ तुम्फिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तुम्फिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतुम्फिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

३६२ वर्ष (वर्ष) गतौ ॥

- १ पर्व-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पर्व्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पर्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपर्व-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपर्वि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, प्वहि, प्सहि ॥
 ६ पपर्व-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पर्विषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ पर्विता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ पर्विष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अपर्विष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १ बर्व्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ बब्ब्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ बर्व्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अबर्व्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अबर्बि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ ववर्व्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वर्बिषी-घ्र, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वर्बिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वर्बिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे. यामहे ॥
 १० अबर्बिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

३६३ शर्व (शर्व) गतौ ॥

- १ शर्व्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शर्व्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शर्व्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशर्व्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशर्वि-’, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इध्वम्, ध्वम्,
 पि, प्वहि, घ्महि ॥
 ६ शशर्व्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शर्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ शर्विता-’, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शर्विष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशर्विष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३६४ पर्व (सर्व) गतौ ॥

३६५ सर्व (सर्व) गतौ ॥

- १ सर्व-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सबर्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ सर्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ असर्व-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ असर्वि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ ससर्व-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ सर्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ सर्विता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ सर्विष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० असर्विष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, शब्धि, यामहि ॥

३७० तुबु (तुम्ब) अर्दने ॥

- १ तुम्ब-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
२ तुम्ब्ये-न्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
३ तुम्ब-याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥
४ अतुम्ब-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
यावहि, यामहि ॥
५ अतुम्बि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्धम्,
ध्वम्, षि, व्वहि, व्वहि ॥
६ तुतम्ब-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवेहे, इमहे ॥
७ तुम्बिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
८ तुम्बिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
९ तुम्बिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
१० अतुम्बिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३७१ चुबु (चुम्ब) वक्त्र संयोगे॥

- १ चुम्ब-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चुम्ब्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चुम्ब-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥
 ४ अचुम्ब-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
 यावहि, यामहि ॥
 ५ अचुम्बि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, पि, च्वहि, च्महि ॥
 ६ चुचुम्ब-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ चुम्बिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ चुम्बिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ चुम्बिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अचुम्बिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३७२ सृभू (सृभू) हिंसायाम् ॥

- १ **सुभ्**—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **सुभ्ये**—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **सुम्**—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ **असुभ्**—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ **असमि-**", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ **ससुम्**—ए, आते, रेरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, हमहे ॥
 ७ **समिषी**—ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ **समिता-**", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, त्महे ॥
 ९ **समिष**—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० **असमिष**—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३७३ सृम्भू (सृम्भू) हिंसायाम् ॥

- १ सृम्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सृभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ सृम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ असृम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ असृम्भि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ड्ध्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्पहि ॥
 ६ ससृम्भ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ सृम्भिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ सृम्भिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ सृम्भिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० असृम्भिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३७५ षिम्भू (सिम्भ्) हिंसायाम् ॥

- १ स्निग्ध-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्निग्धे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्निग्ध-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्निग्ध-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्नेभि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ सिस्निग्ध-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्नेभिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्नेभिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ स्नेभिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्नेभिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १ सिम्भ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सिम्भे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सिम्भ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असिम्भ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ असिस्मि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ सिषिम्भ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सिस्मिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि महि ॥
- ८ सिस्मिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ सिस्मिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असिस्मिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३७७ शुम्भ (शुम्भ्) भाषणे च ॥

- १ भर्भ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भर्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भर्भ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभर्भ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अभर्भि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ बभर्भ-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भर्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भर्भिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भर्भिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभर्भिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १ शुभ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शुभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शुभ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशुभ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अशुम्भि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ शुशुम्भ-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शुम्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शुम्भिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शुम्भिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशुम्भिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ ३७८ यमं (यम्) मैथुने ॥

- १ यम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ यभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ यभ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अयभ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अयामि, अय-प्ताताम्, प्तत, प्थाः, प्थाथाम्, च्वम्, ब्रध्नुम्, प्ति, प्त्वहि, प्त्सहि ॥
- ६ येभ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ यप्ती-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ यब्धा-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्त्रहे, स्महे ॥
- ९ यप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अयप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ ३७९ जम (जम्) मैथुने ॥

- १ जम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जभ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजभ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अजम्भि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जजम्भ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जम्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जम्भिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्त्रहे, स्महे ॥
- ९ जम्भिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अजम्भिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ ३८० चम् (चम्) अदने ॥

- १ चम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ चम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अचम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अचमि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चेम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ चमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चमिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्त्रहे, स्महे ॥
- ९ चमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अचमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ ३८१ छम् (छम्) अदने ॥

- १ छम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ छभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ छम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अछम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चन्,
- ५ अछमि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चछम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ छमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ छमिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्त्रहे, स्महे ॥
- ९ छमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अछमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३८२ जम् (जम्) अदने ॥

- १ जम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अजमि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ध्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, प्महि ॥
- ६ जेम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अजमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३८३ झम् (झम्) अदने ॥

- १ झम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ झम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ झम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अझम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अझमि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ध्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, प्महि ॥
- ६ जझम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ झमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ झमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ झमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अझमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३८४ जिम् (जिम्) अदने ॥

- १ जिम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जिम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जिम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अजिम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अजेमि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ध्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, प्महि ॥
- ६ जिजिम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जेमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जेमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जेमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अजेमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३८५ क्रम् (क्रम्) पादविक्षेपे ॥

- १ क्रम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्रम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्रम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्रम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अक्रमि, अक्रं-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, अक-न्ध्वम्, न्ध्वम्, अक्रं-सि, स्वहि, स्महि ॥
- ६ चक्रम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कंसी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्रन्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्रंस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्रंस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३८६ यम् (यम्) उपरमे ॥

- १ यम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ यम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ यम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अयम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अयामि, अयं-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, अयन्ध्वम्, न्ध्वम्, अयं-सि, स्वहि, स्महि ॥
- ६ येम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ यंसी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ यन्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ यंस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अयंस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३८८ णम् (नम्) प्रह्वत्वे ॥

- १ नम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ नम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ नम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अनम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अनामि, अनं-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, अनन्ध्वम्, न्ध्वम्, अनं-सि, स्वहि, स्महि ॥
- ६ नेम्-ए, आते, इरे, इषे, से, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ नंसी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नन्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ नंस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अनंस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३८७ स्यम् (स्यम्) शब्दे ॥

- १ स्यम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्यम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्यम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्यम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अस्यमि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥
- ६ स्येम् } -ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्यमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्यमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्यमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्यमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३८९ षम् (सम्) वैकृत्ये ॥

- १ सम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ असम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ असमि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥
- ६ सेम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ समिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ समिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ समिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३९० ष्टम् (स्तम्) वैकुण्ठे ॥

- १ स्तम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्तम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्तम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, ध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्तम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, यावहि, यामहि ॥
- ५ अस्तमि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ तस्तम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्तमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्तमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्तमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्तमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३९१ अम् (अम्) शब्दभक्तयोः ॥

३९२ अम् (अम्) गतौ ॥

- १ अम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, यावहि, यामहि ॥
- ५ आमि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ आम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३९३ द्रम् (द्रम्) गतौ ॥

- १ द्रम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ द्रम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ द्रम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अद्रम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अद्रमि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ दद्रम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ द्रमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ द्रमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ द्रमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अद्रमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३९४ हम् (हम्) गतौ ॥

- १ हम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अहम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अहमि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ जहम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अहमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३९५ मीम् (मीम्) गतौ ॥

- १ मीम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मीम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मीम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमीम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अमीमि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ मिमीम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मीमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मीमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मीमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमीमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३९६ गम्लं (गम्) गतौ ॥

- १ गम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अगामि, अगं-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, अगन्-ध्वम्, दध्वम्, अगं-सि, स्वहि, स्महि ॥
- अगामि, अग-साताम्, सत, थाः, साथाम्, ध्वम्, दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
- ६ जगम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गंसी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, गंसी } य, वहि, महि ॥
- ८ गन्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गंस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगंस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३९७ हय (हय्) क्लान्तौ च ॥

- १ हय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अहय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अहायि, अहयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ जहय्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हर्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, दध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हर्यिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हर्यिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अहर्यिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३९८ हर्य (हर्य) क्लान्तौ च ॥

- १ हर्य्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ हर्य्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ हर्य्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अहर्य्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ५ अहर्यि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
 - ६ जहर्य्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ हर्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, दध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ हर्यिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ हर्यिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अहर्यिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- लुक्पक्षे-एक्यकारघटितानि हर्यत इत्यादीनि रूपाणि ॥

४०३ शुच्यै (शुच्य) अभिषवे ॥

- १ शुच-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ शुच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ शुच-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अशुच-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अशुच्यि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इह्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 - ६ शुशुच्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इह्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ शुच्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ शुच्यिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ शुच्यिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अशुच्यिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- पक्षे ' शुच्यते ' इत्यादीनि यकारद्वयघटितानि रूपाणि ॥

४०४ चुच्यै (चुच्य) अभिषवे ॥

- १ चुच-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ चुच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ चुच-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अचुच-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अचुच्यि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इह्वम्, ध्वम्, द्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 - ६ चुचुच्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इह्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ चुच्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ चुच्यिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ चुच्यिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अचुच्यिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- पक्षे ' चुच्यते ' इत्यादीनि रूपाणि ॥

४०५ त्सर (त्सर्) छन्नगतौ ॥

- १ त्सर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ त्सर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ त्सर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अत्सर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अत्सरि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इह्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ तत्सर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इह्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ त्सरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ त्सरिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ त्सरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अत्सरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४०६ कमर (कमर्) हृल्लने ॥

- १ कमर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कमर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कमर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकमर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकमारि, अकमरि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इह्वम्, ध्वम्, द्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ चकमर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इह्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कमरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कमरिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कमरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकमरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४१२ खोर्ग (खोर्ग्) प्रतीघाते ॥ गतेरिति वर्तते

- १ धोर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ धोर्ये-त, याताम्, रन्, धाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ धोर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अधोर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
यावहि, यामहि ॥
- ५ अधोरि-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्,
दुम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ दुधोर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ धोरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, च्वम्,
दुम्, य, वहि, महि ॥
- ८ धोरिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ धोरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अधोरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १ खोर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ खोर्ये-त, याताम्, रन्, धाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ खोर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अखोर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
दुम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ अखोरि-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्,
दुम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ खुखोर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ खोरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, च्वम्,
दुम्, य, वहि, महि ॥
- ८ खोरिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ खोरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अखोरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४१३ दल (दल्) विशरणे ॥

१ दल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ दल्ये-न्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ दल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अदल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अदालि, अदलि-वाताम्, षत, छाः, थाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ देल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ दलिषी-ट्, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ दलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ दलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अइलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

४१४ विफला (फल्) विशरणे ॥

१ फल्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ फल्थे-त, याताम्, रज्, थाः, याथाम्, ज्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ फल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यज्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अफल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यज्वम्,
 ५ अफालि, अफलि-याताम्, षत, छाः, याथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ज्वम्, षि, ज्वहि, ज्वहि ॥
 ६ फेल्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इञ्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ फलिषी-इ, यास्ताम्, रज्, छाः, यास्थाम्, ज्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ फलिता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ फलिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अफलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यज्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

४१६ इमील (इमील्) निमेषणे ॥

- १ इमील्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ इमील्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥ [यै, यावहै, यामहै ॥
 ३ इमील्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ४ अइमील्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अइमीलि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, द्वम्, च्वम्, वि, च्वहि, च्वहि ॥
 ६ शिइमील्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ इमीलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, इवम्, य, वहि, महि ॥
 ८ इमीलिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ इमीलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अइमीलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४१८ क्ष्मील (क्ष्मील्) निमेषणे ॥

- १ क्षमील्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्षमील्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ क्षमील्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अक्षमील्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अक्षमीलि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ड्ध्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, षहि, ष्महि ॥
 ६ चिक्षमील्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ क्षमीलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ क्षमीलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ क्षमीलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अक्षमीलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

४१९ पील (पील्) प्रतिष्ठम्भे ॥

- १ पील्-यते, येते, यन्ते, यसे. येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पील्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पील्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 वै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपील्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपील्लि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इह्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ पिपील्-ए, आते, ईरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्दे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पीलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पीलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, दे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ पीलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अपीलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४२० णील (नील्) वर्णे ॥

- १ नील्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ नीह्ये-त, याताम्, रन्, धाः याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ नील्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अनील्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
५ अनीलि-”, षाताम्, षत, धाः, षाथाम्, इद्धम्, द्वम्
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ निनील्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ नीलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्थाम्, ध्वम्,
द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नीलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ नीलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अनीलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

४२१ शील (शील) समाधौ ॥

- १ शील-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शील्ये-यत्, याताम्, रन्, था; याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शील-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशील्-यत्, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशीलि-", पाताम्, पत, घा; पाथाम्, ङ्द्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ शिशील-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शीलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घा; यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ शीलित-~", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शीलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशीलिष्-यत्, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४२२ कील (कील्) बन्धे ॥

- १ कील्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कील्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहिं, महि ॥
 ३ कील्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकील्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकीलि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, द्वम्,
 ध्वम्, वि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ चिकील्-ए, आते, इरे, इषे, अथे, इच्चे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कीलिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ कीलिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कीलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकीलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४२९ फुल्ल (फुल्ल) विकसने ॥

- १ मूल्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मूल्ये—त, याताम्, रत्न, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, वहि ॥
- ३ मूल्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमूल्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
५ अमूलि—”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ मुमूल्—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मूलिषी—छ, यास्ताम्, रत्न, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मूलिता—”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मूलिष—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अमूलिष—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

४२८ फल (फल) निष्पत्तौ ॥ जिफला ४१४ वत्

१ फुल्ल-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ फुल्लये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ फुल्ल-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अफुल्ल-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अफुलि-”, पाताम्, षत, धाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥
 ६ पुफुल्ल-ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ फुलिषी-ध, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ फुलिता-”, रौः, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ फुलिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अफुलिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

४३० चुल्ल (चुल्ह) हावकरणे ॥

- १ चुल्ल-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चुल्लये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ चुल्ल-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अचुल्ल-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
५ अचुलि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ चुचुल्ल-ए, आते, हरे, इथे, आये, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ चुलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चुलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चुलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अचुलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

४३१ चिह्न (चिल्) शैथिल्ये ॥

१ चिल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चिल्धये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चिल्ल-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचिल्ल-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचिल्लि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ष्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ चिचिल्ल-ए, आते, हरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ चिल्लिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ चिल्लिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ चिल्लिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अचिल्लिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४४५ केल (केल) चलने ॥

- १ केल्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ केल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ केल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अकेल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अकेलि-”, पाताम्, पत, प्ठाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ चिकेल्-ए, आते, इरे, इषे, आये, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ केलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्ठाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ केलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ केलिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकेलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४४७ खेल (खेल्) चलने ॥

- १ खेल्ल-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ खेल्ल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ खेल्ल-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अखेल्ल-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अखेलि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चिखेल्ल-ए, आने, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ खेलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ खेलिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ खेलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अखेलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४४६ केल (केल) चलने ॥

- १ केल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ केल्ये-त, याताम्, रन्, धाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ केल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अकेल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अकेलि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ चिकेल्-ए, आति, इरे, इषे, आये, इव्हे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ केलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ केलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ केलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अकेलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४४८ स्वल (स्वल्) चलने ॥

- १ स्खलन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्खल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्खलन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्खलन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अस्खालि, अस्खलि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चस्खलन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इत्ते, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्खलिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्खलिता-”, रौ, रः, से, साथे, प्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्खलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहै, यामहै ॥
- १० अस्खलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १ गल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अगालि, अगलि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
 इध्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ जगल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ गलिशी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ गलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ गलिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अगलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १ जीव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ जीव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ जीव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अजीव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अजीवि-’, पाताम्, षत, प्राः, पाथाम्, इध्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ जिजीव्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इद्धे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ जीविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ जीविता-’, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ जीविप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अजीविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४६७ मीव (मीव्) स्थौल्ये ॥

- १ मीव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मीव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मीव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्;
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमीव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्;
 ५ अमीवि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ मिमीव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मीविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मीविता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, दे, स्वदे, स्महे ॥
 ९ मीविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमीविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

४६९ नीव (नीव्) स्थौल्ये ॥

- १ नीव्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यावहै ॥
 २ नीव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ नीव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अनीव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अनीचि-', पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ निनीव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ नीचिषी-य, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ नीविता-', रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वेहे, स्महे ॥
 ९ नीचिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अनीचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

४७१ तुर्वे (तूर्व) हिंसायाम् ॥

- १ तूर्व-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तुर्व्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तूर्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतूर्व-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतूर्वि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ड्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षहि ॥
 ६ तुतूर्व-ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तूर्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ड्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तूर्विता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तूर्विष-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतूर्विष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४७३ दुर्वै (दुर्व्) हिंसायाम् ॥

- १ दूर्व-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ दूर्व्य-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ दूर्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अदूर्व-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अदूर्वि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ दुदूर्व-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ दूर्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ दूर्विता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ दूर्विष-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अदूर्विष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

४७५ जुर्वै (जूर्व) हिंसायाम् ॥

- १ जूर्व-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे यामहे ॥
 २ जूर्व्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहे ॥
 ३ जूर्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ४ अजूर्व-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अजूर्वि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इध्वम्, हुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ जुजूर्व-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इङ्हे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ जूर्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, हुम्, य, वहि, महि ॥
 ८ जूर्विता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्त्वहे, स्महे ॥
 ९ जूर्विष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अजूर्विष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४७७ भव (भव्) हिंसायाम् ॥

- १ भव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
५ अभवि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्द्वम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ बभव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भविता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ भविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अभविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

४७८ शर्व (शर्व) हिंसायाम् ॥

- १ शर्व्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शर्व्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, वहि ॥
 ३ शर्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशर्व्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशर्वि-”, पाताम्, षत, घ्राः, वाथाम्, ड्ढ्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ शशर्व्-ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, इहे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शर्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ शर्विता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, दे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शर्विष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशर्विष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

४७९ सुर्वे (मूर्व) बन्धने ॥

- १ मूर्व-यते, येते, यन्ते, यस्ते, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मूर्व्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मूर्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमूर्व-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमूर्वि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इध्वम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वमहि ॥
 ६ मुमूर्व-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मूर्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 दुम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मूर्विना-”, रौः, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ मूर्विष-यते, येते, यन्ते, यस्ते, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमूर्विष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

४८० मव (मव्) बन्धने ॥

- १ मव्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मव्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमावि, अमवि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ मेव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्दे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मविता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्त्वहे, स्महे ॥
 ९ मविष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

४८१ गुर्वै (गूर्व) उद्यमे ॥

- १ गूर्व्—यते, येते, यन्ते, यस्ये, येये, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गूर्व्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गूर्व्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगूर्व्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अगूर्वि—”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ष्महि ॥
 ६ जुगूर्व्—ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ गूर्विषी—ष्ठ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ गूर्विता—”, रौ, रः, से, साये, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ गूर्विष्—यते, येते, यन्ते, यस्ये, येये, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अगूर्विष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४८६ दिव् (दिन्व्) प्रीणने ॥

- १ दिन्व्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दिन्व्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दिन्व्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदिन्व्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अदिन्वि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ दिदिन्व्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दिन्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दिन्विता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दिन्विष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अदिन्विष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४८७ जिबु (जिन्व्) प्रीणने ॥

- १ जिन्व्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जिन्व्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जिन्व्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजिन्व्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अजिन्वि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ जिजिन्व्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जिन्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जिन्विता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जिन्विष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अजिन्विष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४८८ इव् (इन्व्) व्याप्तौ च ॥

- १ इन्व्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ इन्व्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ इन्व्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ ऐन्व्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ ऐन्वि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ इन्वा-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ इन्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ इन्विता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ इन्विष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० ऐन्विष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४८९ अव (अव्) रक्षणगतिकान्तिप्रीतिवृत्त्य-
वगमनप्रवेशश्रवणस्वाम्यर्थयाचनक्रियेच्छा-
दीत्यवास्यालिङ्गनहिंसादहनभाववृद्धिषु ॥

- १ अव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ आवि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ आव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अविता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४९० कश् (कश्) शब्दे ॥

- १ कश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकाशि, अकशि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्धम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चकश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अकशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४९१ मिश (मिश) रोषे च ॥

- १ मिश-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मिश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मिश-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमिश-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमेशि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ मिमिश-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मेशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ मेशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मेशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अमेशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४९२ मश् (मश्) रोषे च ॥

- १ मश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अमश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अमाशि, अमशि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्धम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ मेश-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ मशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अमशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

४९३ शश् (शश्) श्रुतिगतौ ॥

- १ शश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अशश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अशाशि, अशशि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्धम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ शेश-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ शशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अशशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४९४ णिश् (निश्) समाधौ ॥

- १ निश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ निश्-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ निश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अनिश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अनेशि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ निनिश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ नेशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नेशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ नेशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अनेशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४९५ दृश् (दृश्) प्रेक्षणे ॥

- १ दृश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दृश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दृश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदृश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अदर्शि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [गृद्धम्, क्षि, क्ष्वहि, क्ष्महि ॥
- अदर्शि, अदृ-क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, इद्धम्, ६ दृदृश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दर्शिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, दृक्षी-य, वहि, महि ॥
- ८ दर्शिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, द्रष्टा-स्वहे, स्महे ॥
- ९ दर्शिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, द्रक्ष-यावहे, यामहे ॥
- १० अदर्शिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अद्रक्ष-ये, यावहि, यामहि ॥

४९६ दंश् (दंश्) दशने ॥

- १ दंश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दंश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दंश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदंश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अदंशि, अदं-क्षाताम्, क्षत, अदंछाः, अदं-क्ष्वाथाम्, इद्धम्, णद्धम्, क्षि, क्ष्वहि, क्ष्महि ॥
- ६ ददंश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ददंक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दंछा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ददंक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अदंक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४९७ घृष् (घृष्) शब्दे ॥

- १ घृष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ घृष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ घृष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अघृष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अघोषि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ जुघृष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ घोषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ घोषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ घोषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अघोषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

४९९ तूष (तूष्) तुष्टौ ॥

१ चूष-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चूष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चूष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचूष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचूषि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
 ६ चुचूष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ चूषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ चूषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, ह, स्वहे, स्महे ॥
 ९ चूषिष्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अचूषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१ तूष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तूष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तूष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतूष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतूषि-”, पाताम्, पतः, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ तुतूष्-ए, आते, ईरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तूषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ तूषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तूषिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतूषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

५०१ लुष (लुष्) स्तेये ॥

१ पूष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पूष्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पूष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपूष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपूषि-", षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ पुपूष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पूषिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, ष्ठाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ पूषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ पूषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अपूषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ लुष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लुष्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लुष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलुष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलोषि-", षाताम्, षत, प्राः, पाथाम्, ह्वम्,
 ध्वम्, वि, प्वहि, ष्महि ॥
 ६ लुलुष्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लोषिषी-छ, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ लोषिता-", रौ, रः, ने, साथे, ध्व, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ लोषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अलोषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५०६ कृष् (कृष्) विलेखने ॥

- १ कृष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कृष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कृष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकृष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकृषि, अकृ-क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, इद्वम्, इद्वम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥ [क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- अकृषि, अकृ-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षध्वम्,
- ६ चकृष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कृक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्रष्टा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे, कष्टा-” स्महे ॥
- ९ क्रक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, कक्ष-यावहे, यामहे ॥
- १० अक्रक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अकक्ष-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५०७ कष (कष) हिंसायाम् ॥

- १ कष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकाषि, अकषि-षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ चकष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५०८ शिष् (शिष्) हिंसायाम् ॥

- १ शिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शिष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शिष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अशेषि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ शिशिष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शेषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शेषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शेषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशेषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५०९ जष (जष) हिंसायाम् ॥

- १ जष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अजाषि, अजषि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ जेष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अजषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५११ वष (वष्) हिंसायाम् ॥

- १ झष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ झष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ झष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अझष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अझषि, अझषि-याताम्, षत, घ्राः, याथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जझष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ झषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ झषिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ झषिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अझषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १ वष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अवष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अवाषि, अवाषि-याताम्, षत, घ्राः, याथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ववष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वषिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वविष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५१३ मुष (मुष्) हिंसायाम् ॥

- १ मष्-यते, येते, यन्ते, यमे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, यावहि, यामहि ॥
- ५ अमाषि, अमषि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ड्द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ मेष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १ मुष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मुष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अमुष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अमोषि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ड्द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ मुमुष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मोषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मोषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मोषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमोषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५१४ रुष (रुष्) हिंसायाम् ॥

- १ रुष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रुष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रुष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरुष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अरोषि-" , षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ रुरुष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रोषिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रोषिता } -" , रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे,
 रोष्टा } खहे, स्महे ॥
 ९ रोषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरोषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५१६ यूष (यूष्) हिंसायाम् ॥

- १ यूष्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ यूष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ यूष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अयूष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अयूषि-", धाताम्, षत, छाः, वाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ युयूष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ यूषिषो-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ यूषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ यूषिष्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अयूषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५१५ रिष (रिष्) हिंसायाम् ॥

- १ रिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रिष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रिष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरेषि-”, घाताम्, घत्, घ्राः, घाथाम्, इद्भुम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ रिरिष्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रेषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि महि ॥
- ८ रेषिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, रेष्टा } स्वहे, समहे ॥
- ९ रेषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरेषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५१७ जूष (जूष्) हिंसायाम् ॥

- १ जूष्-यन्ते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ जूष्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ जूष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अजूष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अजूषि-”, षाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इक्षुम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ जुजूष्-ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ जूषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ जूषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ जूषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अजूषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५१८ शष (शष्) हिंसायाम् ॥

- १ शष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशाषि, अशशि-षाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ शेष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ शषिता-”, रौ, रः, से, साथे, खे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ शशिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५१९ चष (चष्) हिंसायाम् ॥

- १ चष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचाषि, अचषि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ चेष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ चषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ चषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ चषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अचषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५२० वृषू (वृष्) संघाते ॥

- १ वृष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वृष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवृष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवर्षि-", वाताम्, पत, छाः, वाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ष्महि ॥
 ६ ववृष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वर्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वर्षिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वर्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवर्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५२१ भष (भष्) भर्त्सने ॥

- १ भष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ भष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ भष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अभष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अभाषि, अभषि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ह्वम्,
 ध्वम्, पि, व्वहि, प्महि ॥
 ६ वभष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ भषिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ भषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ भषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अभषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५२३ विष्णु (विष्) सेचने ॥

- १ विष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
२ विष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
३ विष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
४ अविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
५ अवेषि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्,
ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
६ विविष्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
७ वेविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
८ वेषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हं, स्वहे, स्महे ॥
९ वेषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
१० अवेषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

५२५ निष् (निष्) सेचने ॥

- १ निष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ निष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ निष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अनेषि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, भ्महि ॥
 ६ निनिष्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ नेषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ नेषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ नेषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ।
 १० अनेषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

५२६ पृष् (पृष्) सेचने ।

- १ पृष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पृष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पृष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपृष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपृषि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥
- ६ पृष्ये-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पृषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पृषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पृषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपृषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५२७ वृष् (वृष्) सेचने ॥ वृष् ५२० वद्रूपाणि ॥

- ५२९ उष् (उष्) दाहे ॥
- १ उष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ उष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ औषि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥
- ६ ओषा-ऋके, इ० ॥ म्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ऊष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ओषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ओषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ओषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० औषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५२८ मृष् (मृष्) सहने च ॥

- १ मृष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मृष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मृष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमृष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमृषि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥
- ६ ममृष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मृषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मृषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मृषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमृषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५३० श्रिष् (श्रिष्) दाहे ॥

- १ श्रिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्रिष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्रिष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्रिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अश्रिषि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥
- ६ शिश्रिष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्रिषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ श्रिषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ श्रिषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अश्रिषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५३६ पुष (पुष्) पुष्टौ ॥

१ हृष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ हृष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ हृष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अहृष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अहृषि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ जहृष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ हृषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ हृषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ हृषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अहृषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

५३८ तसु (तंस्) अलंकारे ॥

- १ भूष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भूष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भूष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभूष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अभूषि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ लुभूष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भूषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भूषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भूषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभूषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५४० हस (हस्) शब्दे ॥

- १ हस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ हस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ हस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अहस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अह्रासि, अह्रसि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ जहस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ हसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ हसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ हसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अहसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५४२ रस (रस्) शब्दे ॥

- १ रस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अरस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अरासि, अरसि-षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ रेस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ रसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५४३ लस (लस्) श्लेषणक्रीडनयोः ॥

- १ लस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अलस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अलासि, अलसि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ लेस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लसिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५४४ घस्लृ (घस्) अदने ॥

- १ घस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ घस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ घस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अघस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अघासि, अघ-त्साताम्, त्सत, त्याः, त्साथाम्, इद्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
- ६ जश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ घत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ घस्ता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ घत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अघत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५४५ हस (हस्) हसने ॥

- १ हस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अहस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अहासि, अहसि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ जहस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हसिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अहसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५४६ पिस् (पिस्) गतौ ॥

- १ पिस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पिश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पिस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपिस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अपेसि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ पिपिस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पेसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पेसिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पेसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपेसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५५१ मिहं (मिह्) सेचने ॥

- १ मिह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मिह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मिह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमिह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अमेहि, अमि-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षच्चम्, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- ६ मिमिह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मिक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मेढा-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मेक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमेक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५५२ दहं (दह्) भस्मीकरणे ॥

- १ दह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अदाहि, अध-क्षाताम्, क्षत, अदग्धाः, अध-क्षाथाम्, गच्चम्-गृद्धम्, क्षि, क्षवहि, क्षमहि ॥
- ६ देह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ धक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दग्धा-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ धक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अधक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५५३ चह (चह्) कल्कने ॥

- १ चह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ चह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अचह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अचाहि, अचहि-षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, द्वम्, य्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चेह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ चहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चहिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अचहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५५४ रह (रह्) त्यागे ॥

- १ रह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अराहि, अरहि-षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, द्वम्, य्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ रेह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रहिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५५५ रहू (रंहू) गती ॥

- १ रंह्-यते, येतै, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रंहो-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रंह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरंह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अरंहि-”, पाताम्, पत, प्ठाः, पाथाम्, इध्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ ररंह्-ए, आते, इरे, इषे, आथि, इध्वे, इद्वे, ए इवहे, इमहे ॥
 ७ रंहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्ठाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ रंहिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ रंहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरंहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

५५७ दृढ (दुं) वृद्धौ ॥

- १ वृद्ध-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
 वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
 ३ वृद्ध-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ४ अवृद्ध-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अवृद्धि-”, षाताम्, षत, छाः, षायाम्, इध्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ दवृद्ध-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वृंहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वृंहिता-”, रौ, रः, ते, साथे, ध्वे, दे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वृंहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवृंहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

५५६ दृह (दह्) बृद्धो ॥

- १ वृद्ध-यते, येते, यन्ते, यस्ते, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृहो-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
 ३ वृद्ध-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ४ अवृद्ध-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अदहि-”, षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इध्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ ददृद्ध-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ दर्हिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ दर्हिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ दर्हिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ते, येथे यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अदर्हिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

५५८ वृह (वृह्) वृद्धौ ॥

५५९ वृह (वृह्) शब्दे च ॥

- १ वृह-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृहो-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वृह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवृह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवर्हि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, उद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ ववृह-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वर्हिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वर्हिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ वर्हिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवर्हिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

५६१ उहू (उहू) अर्दने ॥

१ वृंह—यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृंहे—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वृंह—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवृंह—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवृंहि—", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ ववृंह—ए, आते, इरे, इषे, आथि, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वृंहिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वृंहिता—", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वृंहिष्—यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवृंहिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१ उह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ उह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ उह्य-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ औह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ औहि-”, पाताम्, षत, घाः, पाथाम्, इह्वम्, दुम्
 ध्वम्, वि, वहि, षमहि ॥
 ६ ऊह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इह्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ओहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 दुम्, य, वहि, महि ॥
 ८ ओहिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ओहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० औहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

५६२ तुहू (तुह्) अर्दने ॥

१ तुह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तुह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तुह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतुह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतोहि-" , पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, घ्वहि, घ्महि ॥
 ६ तुतुह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे, ॥
 ७ तोहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तोहिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ तोहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतोहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५६३ दुह् (दुह्) अर्दने ॥

१ दुह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ दुह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ दुह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अदुह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अदोहि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इह्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ दुदुह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इह्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ दोहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ दोहिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्ञे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ दोहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अदोहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५६४ अर्ह (अर्ह) पूजायाम् ॥

- १ अर्ह-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अर्हो-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अर्ह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अर्ह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अर्हि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ आनर्ह-ए, आते, हरे, हरे, आथे, इध्वे, ह्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अर्हिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अर्हिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अर्हिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अर्हिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५६५ मह (मह) पूजायाम् ॥

- १ मह-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ महो-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमाहि, अमहि-याताम्, षतः, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ मेह-ए, आते, हरे, हरे, आथे, इध्वे, ह्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ महिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ महिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ महिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५६६ उक्ष (उक्ष) सेचने ॥

- १ उक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उक्षे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ उक्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ औक्षि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ उक्षा-ञके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ उक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ उक्षिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ उक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० औक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५६७ रक्ष (रक्ष) पालने ॥

- १ रक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रक्षे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रक्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरक्षि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ ररक्ष-ए, आते, हरे, हरे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रक्षिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५६८ मक्ष (मक्ष) संघाते ॥

- १ मक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मक्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अमक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अमक्षि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ङ्द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ ममक्ष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मक्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मक्षिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमक्षिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५६९ मुक्ष (मुक्ष) संघाते ॥

- १ मुक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मुक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मुक्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अमुक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अमुक्षि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ङ्द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ मुमुक्ष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मुक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मुक्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मुक्षिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमुक्षिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५७० अक्षौ (अक्ष) व्याप्तौ च ॥

- १ अक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अक्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आक्षि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ङ्द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- आ-क्षि, क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, ङ्द्वम्, गङ्द्वम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ आनक्ष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अक्षिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
अक्षी } य, वहि, महि ॥
- ८ अक्षिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
अष्टा } स्महे ॥
- ९ अक्षिष } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
अक्ष } यावहे, यामहे ॥
- १० आक्षिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
आक्ष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५७१ तक्षौ (तक्ष) तनूकरणे ॥

- १ तक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तक्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अतक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अतक्षि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ङ्द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [गङ्द्वम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- अतक्षि, अत-क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, ङ्द्वम्,
- ६ ततक्ष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तक्षिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
तक्षी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तक्षिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
तष्टा } स्महे ॥
- ९ तक्षिष } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
तक्ष } यावहे, यामहे ॥
- १० अतक्षिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अतक्ष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५७२ त्वक्षौ (त्वक्षू) तनूकरणे ॥

- १ त्वक्ष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ त्वक्ष्—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, र, वहि, महि ॥
 ३ त्वक्ष्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अत्वक्ष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अत्वक्षि—, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥ [गूढ्वम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
 अत्वक्षि, अत्व—क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, इद्वम्,
 ६ तत्वक्ष्—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ त्वक्षिणी } —ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 त्वक्षी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ त्वक्षिता } —, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 त्वष्टा } खहे, स्महे ॥
 ९ त्वक्षिष् } —यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 त्वक्ष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अत्वक्षिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अत्वक्ष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५७४ तृक्ष (तृक्षू) गतौ ॥

- १ तृक्ष-यते, येते, यन्त, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तृक्ष्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तृक्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतृक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतृक्षि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, धमहि ॥
 ६ ततृक्ष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तृक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ तृक्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तृक्षिष-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतृक्षिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५७३ णिक्ष (निक्ष्) चुम्बने ॥

- १ निक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ निक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
 वहि, महि ॥
 ३ निक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अनिक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अनिक्षि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ निनिक्ष्-ए, आते, हरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ निक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि महि ॥
 ८ निक्षिता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे,
 खहे, स्महे ॥
 ९ निक्षिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अनिक्षिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५७५ स्तृक्ष (स्तृक्ष्) गतौ ॥

- १ स्तृक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्तृक्ष्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्तृक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्तृक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अस्तृक्षि-', पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ तस्तृक्ष्-ए, आते, इरे, इये, आये, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ स्तृक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ स्तृक्षिता-", रौ, रः, से, साये, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ स्तृक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अस्तृक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५८० काशु (काङ्क्ष्) काङ्क्षायाम् ॥

- १ काङ्क्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ काङ्क्षे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ काङ्क्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकाङ्क्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकाङ्क्षि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ चकाङ्क्ष-ए, भाते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ काङ्क्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ काङ्क्षिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ काङ्क्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकाङ्क्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५८१ वाक्षु (वाक्ष्) काक्षायाम् ॥

- १ वाङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वाङ्-ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वाङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवाङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 'अवाङ्-इक्ष-', षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ ववाङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वाङ्निषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वाङ्निता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वाङ्निष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहै, यामहै ॥
 १० अवाङ्निष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

५८२ माधु (माङ्ग) काङ्गायाम् ॥

- १ माह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ माह्वे-त, याताम्, रत्न, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ माह्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 ४ अमाह्व-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अमाह्वि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ह्वम्,
 ध्वम्, षि, व्हि, षमहि ॥
 ६ ममाह्व-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ माह्वि-ष्ट, यास्ताम्, रत्न, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ माह्विता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ माह्वि-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमाह्वि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५८३ द्राक्षु (द्राक्ष्ण्) घोरवाशिते च ॥

- १ द्राक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ द्राक्-ये-त, याताम्, रत्न, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ द्राक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अद्राक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अद्राक्-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, ध्वम्, पि,
 ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ दद्राक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ द्राक्क्षिपी-ष्ट, यास्ताम्, रत्न, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ द्राक्क्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ द्राक्क्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ।
 १० अद्राक्क्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

५८४ ध्राक्षु (ध्राक्ष) घोरवाशिते च ॥

- १ ध्राक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ध्राक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ध्राक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अध्राक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अध्राक्षि-
- ५ अध्राक्षि-", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ दध्राक्ष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ध्राक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ध्राक्षिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ध्राक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अध्राक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५८५ ध्वाक्षु (ध्वाक्ष) घोरवाशिते च ॥

- १ ध्वाक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ध्वाक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ध्वाक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अध्वाक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अध्वाक्षि-
- ५ अध्वाक्षि-", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ दध्वाक्ष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ध्वाक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ध्वाक्षिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ध्वाक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अध्वाक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ अथात्मनेपादिनः ॥

५८६ गांङ् (गा) गतौ ॥ गै ३७ वद्रूपाणि ॥

५८७ णिङ् (णि) ईषद्धसने ॥

- १ स्मी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्मीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्मी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्मी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अस्मायि-
- ५ अस्मायि-" , पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [इद्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- अस्मायि, अस्मे-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ सिष्मिय-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥ [ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ स्मायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, स्मेषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्मायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्मेता } स्महे ॥
- ९ स्मायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, स्मेष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अस्मायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अस्मेष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५८८ डीङ् (डी) विहायसां गतौ ॥

- १ डी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ डीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ डी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अडी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अडायि, अडायि }
- ५ अडायि, अडायि } -पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ डिडय्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ डायिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, डायिषी } इद्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ डायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, डायिता } स्महे ॥
- ९ डायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, डायिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अडायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अडायिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५९० कुंङ्ग (कु) शब्दे ॥

- १ कू-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकावि-”, षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥ [द्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥
 अकावि, अको-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्,
 ६ चुकुब-ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ काविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 कोषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 ८ काविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 कोता } स्महे ॥
 ९ काविष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 कोष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अकाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अकोष् } यध्वम्, ये, यावहि यामहि ॥

५९२ घुङ् (घु) शब्दे ॥

- १ घू-यते, येते, यन्ते, यसै, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ घूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ घू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अघू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अघावि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्ध्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अघावि, अघो-पाताम्, षतः, छाः, पाथाम्, इद्ध्वम्, द्वम्,
 ६ जुघुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ घाविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 घोषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ८ घाविता } -”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 योता } स्महे ॥
 ९ घाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसै, येथे, यध्वे, ये,
 घाष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अघाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अघोष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १ जू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ जूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ जू-येताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अजू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अजावि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥ [षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 अजावि, अजो-पाताम्, षतः, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, द्वम्,
 ६ जुजुव-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ जाविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, वहि ॥
 जोषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 ८ जाविता } -”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 जोता } स्महे ॥
 ९ जाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 जोष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अजाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अजोष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

५९८ छुंइ (पु) गतौ ॥

- १ प्लू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ प्लूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ प्लू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अप्लू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अप्लावि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [इदुम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 अप्लावि, अप्लो-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 ६ पुप्लुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ प्लाविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 इदुम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 प्लोषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, इदुम्,
 ८ प्लाविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 प्लोता } स्महे ॥
 ९ प्लाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 प्लोष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अप्लाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अप्लोष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६०० पूङ्ग (पू) पवने ॥

- १ पू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अपू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये,
 ५ अपावि, अपावि } -याताम्, षत, घ्राः, थाथाम्, इद्वम्,
 अपवि } द्वम्, ष्वम्, वि, ष्वहि, ष्यहि ॥
 ६ पुपुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पाविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 पविषी } द्वम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पाविता } -", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 पविता } स्महे ॥
 ९ पाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे,
 पविष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अपाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपविष् } यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६०१ मूङ् (मू) बन्धने ॥

- १ मू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमावि, अमावि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
 अमवि } दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥
 ६ मुमुञ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ माविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 मविषी } दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ माविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 मविता } स्महे ॥
 ९ माविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 मविष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अमाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अमविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६०३ मेंङ् (मे) प्रतिदाने ॥

- १ मी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमायि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥ [दध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥
 अमायि, अमा-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, ध्वम्,
 ६ मम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 मासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ मायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 माता } स्महे ॥
 ९ मायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 मास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अमायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अमास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६०२ धृङ् (धृ) अविध्वंसने ॥

- १ ध्रि-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ध्रिये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ध्रि-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अध्रि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अधारि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥ [दुम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥
 अधारि, अधृ-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 ६ दध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ धारिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 दुम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 धृषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, य,
 ८ धारिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 धर्ता } स्महे ॥
 ९ धारिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 धरिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अधारिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अधरिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६०४ देंङ् (दे) पालने ॥

- १ दी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ दीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ दी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अदी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अदायि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥ [दुम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥
 अदायि, अदि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 ६ दिग्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ दायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 दासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ दायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 दाता } स्महे ॥
 ९ दायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 दास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अदायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अदास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६०६ श्यैङ् (श्यै) गतौ ॥

- १ इया-यत्ते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ इयाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ इया-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अइया-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अइयायि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्ध्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥ [द्ध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अइयायि, अइया-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
 ६ शइयू-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ इयायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 इयासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ इयायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 इयाता } स्महे ॥
 ९ इयायिष } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 इयास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अइयायिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अइयास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६०८ वकुड़ (वङ्क) कौटिल्ये ॥

- १ वङ्क्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वङ्क्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वङ्क्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवङ्क्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवङ्क्लि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ ववङ्क्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वङ्क्लिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वङ्क्लिता-”, रौ, रः, से, साथे, खे, हे, त्वहे, स्महे ॥
 ९ वङ्क्लिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवङ्क्लिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

६०९ मकुङ् (मङ्) मण्डने ॥

- १ मङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मङ्क्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमङ्क-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अमङ्कि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ममङ्क-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मङ्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मङ्किता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मङ्किष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमङ्किष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६१० अकुङ् (अङ्) लक्षणे ॥

- १ अङ्क-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अङ्क्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अङ्क-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आङ्क-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ आङ्कि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ आनङ्क-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अङ्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अङ्किता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अङ्किष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आङ्किष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६११ शीकुङ् (शीक्) सेचने ॥

- १ शीक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शीक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शीक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशीक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अशीकि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [इमहे ॥
- ६ शिशीक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, ७ शीकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शीकिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शीकिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशीकिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६१२ लोकुङ् (लोक) दर्शने ॥

- १ लोक-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लोक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लोक-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलोक-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अलोकि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ लुलोक-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लोकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लोकिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लोकिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलोकिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६१३ श्लोकः (श्लोक) संघाते ॥

- १ श्लोक-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यमहे ॥
 २ श्लोक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ श्लोक-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अश्लोक-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अश्लोकि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ शुश्लोक-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ श्लोकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ श्लोकिता-”, रै, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ श्लोकिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अश्लोकिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६१४ द्रेकृद् (द्रेक्) शब्दोत्साहे ॥

- १ द्रेक्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ द्रेक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ द्रेक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अद्रेक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
 ५ अद्रेकिं-”, घाताम्, घत, छाः, घाथाम्, इद्वम्,
 ष्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ दिद्रेक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ द्रेकियी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ द्रेकिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, दे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ द्रेकिष्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अद्रेकिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

६१५ ध्रुक् (ध्रक्) शब्दोत्साहे ॥

- १ ध्रेक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ध्रक्-यते-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, वहि ॥
 ३ ध्रेक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यावहि ॥
 ४ अध्रेक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अध्रेकि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इह्वम्,
 ज्वम्, षि, ज्वहि, ज्वहि ॥
 ६ दिध्रेक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ध्रेकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम् ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ ध्रेकिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ध्रेकिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अध्रेकिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

६१६ रेकृङ् (रेक्) शङ्कायाम् ॥

- १ रेक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रेक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रेक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरेक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अरेकि-", घाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ रिरेक्-ए, आते, इरे, इषे, आये, इज्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रेकिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रेकिता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, त्वहे, स्महे ॥
 ९ रेकिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्च, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरेकिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

- १ वृक्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वृक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवृक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवर्कि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इट्ठम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ ववृक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वर्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वर्किता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वर्किष्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवर्किष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

६२५ श्रकुङ् (श्रङ्क्) गतौ ॥

- १ श्रङ्ग-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ श्रङ्ग्ये-न्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, वहि ॥
 ३ श्रङ्ग-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अश्रङ्ग-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अश्रङ्गि-”, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, ष्त्वम्,
 षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ शश्रङ्ग-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ श्रङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ श्रङ्गिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ श्रङ्गिष्-यते, थेते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अश्रङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

६२७ ढौकृङ् (ढौक्) गतौ ॥

- १ ढौक्-यत्, येत्, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ढौक्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ढौक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अढौक्-यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
५ अढौकि-”, षाताम्, षत्, छाः, षाथाम्, इह्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ डुढौक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ढौकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ ढौकिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ढौकिष्-येत्, येत्, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अढौकिष्-यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

६२६ शुकुङ् (शङ्कु) गतौ ॥

- १ शृङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शृङ्ग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शृङ्ग-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशृङ्ग-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशृङ्गि-", पाताम्, पत, ध्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ शशृङ्ग-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शृङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ध्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ शृङ्गिता-", रौः, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शृङ्गिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशृङ्गिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

६२८ त्रौक्य (त्रौक्) गतौ ॥

- १ जौक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
२ जौक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
३ जौक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
४ अजौक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
५ अजौकि-”, षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्धवम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
६ तुजौक्-ए, आते, हरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
७ जौकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
८ जौकिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
९ जौकिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
१० अजौकिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६३३ टिकि (टिक्) गतौ ॥

- १ टिक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ टिक्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ टिक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अटिक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अटेकि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्दुम्,
 च्वम्, पि, च्वहि, प्महि ॥
 ६ टिटिक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ टेकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, च्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ टेकिता-”, रौ, रै, से, साथे, च्वे, हे, स्खहे, स्महे ॥
 ९ टेकिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अटेकिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६३५ सेकृश् (सेक्) गतौ ॥

- १ **सेक्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **सेक्ये**-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **सेक्**-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ **असेक्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ **असेकि-**”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ **सिसेक्**-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए,
 इवहे, इमहे ॥ [ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ७ **सेकिथी**-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ८ **सेकिता-**”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, खहे,
 स्महे ॥
 ९ **सेकिष्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० **असेकिष्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६३४ टीकृङ् (टीक्) गतौ ॥

- १ टीक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
२ टीक्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
३ टीक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
४ अटीक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
५ अटीकि-"", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, ड्हुम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
६ टिटीक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
७ टीकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
८ टीकिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
९ टीकिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
१० अटीकिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६३६ स्नेकृङ् (स्नेक्) गतौ ॥

- १ स्नेक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्नेक्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्नेक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्नेक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
५ अस्नेकि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्धम्,
च्चम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
- ६ सिस्नेक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्नेकिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ स्नेकिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
स्महे ॥
- ९ स्नेकिष्-यते, येते, यन्त, यसे, येथे, यच्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अस्नेकिष्-यत, येताम् यन्त, यथाः, येथाम्,
यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६३८ लघुङ् (लङ्) गतौ ॥

- १ लङ्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लङ्घ्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लङ्घ्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलङ्घ्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलङ्घि—”, षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इध्वम्, ध्वम्, षि, प्वहि, षमहि ॥
 ६ ललङ्घ्—ए, आते, ईरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लङ्घिषी—छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि महि ॥
 ८ लङ्घिता—”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ लङ्घिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अलङ्घिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६४० वघुङ्ग (वङ्ग) गत्याक्षेपे ॥

- १ वङ्-यन्ते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वङ्घ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवङ्घि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ ववङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वङ्घिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वङ्घिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वङ्घिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवङ्घिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६४२ राघुङ् (राघ्) सामर्थ्ये ॥

१ मङ्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मङ्-ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
 वहि, महि ॥
 ३ मङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अमङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अमङ्-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, षहि, षमहि ॥
 ६ ममङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मङ्घिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मङ्घिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्तहे, स्महे ॥
 ९ मङ्घिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमङ्घिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ राघू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ राघ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य
 वहि, महि ॥
 ३ राघू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अराघू-यत, येतान्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अराघि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, म्महि ॥
 ६ रराघू-ए, आते, ईरे, इरे, आथे, इध्वे, ए,
 इवहे, इमहे ॥
 ७ राघिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ राघिता-", रौ, रः, से,साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ राघिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अराघिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६४३. लाघट् (लाघ्) सामर्थ्ये ॥

- १ लाघ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लाघ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लाघ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलाघ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलाघि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ ललाघ्-ए, आते, हरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लाघिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ लाघिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
स्महे ॥
- ९ लाघिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अलाघिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६४४ द्राघृ (द्राघू) आयासे च ॥

१ द्राघ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ द्राघ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ द्राघ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अद्राघ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अद्राघि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ दद्राघ्-ए, आते, हरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ द्राघिष्ठी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ द्राघिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, त्वहे, सहै ॥
 ९ द्राघिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहै, यामहै ॥
 १० अद्राघिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६४५ श्लाघृङ् (श्लाघ्) कथने ॥

- १ श्लाघ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्लाघ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्लाघ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्लाघ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अश्लाघि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ शश्लाघ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्लाघिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ श्लाघिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ श्लाघिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अश्लाघिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६४६ लोचृङ् (लोच) दर्शने ॥

- १ लोच-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लोच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लोच-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलोच-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अलोचि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ लुलोच-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लोचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लोचिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लोचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलोचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६४७ षचि (सच्) सेचने ॥

- १ सच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ असच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ असाचि, असाचि- पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ सेच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सचिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६४८ शचि (शच्) व्यक्तायां वाचि ॥

- १ शच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अशच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अशाचि, अशाचि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ शेच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शचिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६५० कचुइ (कञ्च्) दीप्तौ च ॥

- १ कच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कच्चे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अकच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अकाचि, अकचि-याताम्, पत, छाः, पाथाम्, इहुम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ चकच्-ए, आते, दरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कचिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ कचिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे,
स्महे ॥
- ९ कचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यज्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अकचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ कञ्च-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ कञ्च्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ज्वम्, य, वहि, महि ।
 ३ कञ्च-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अकञ्च-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
 'अकञ्चि-' , पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ह्वम्,
 ज्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ चकञ्च-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कञ्चिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ज्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ कञ्चिता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे,
 स्महे ॥
 ९ कञ्चिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकञ्चिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६५१ श्वचि (श्वच्) गतौ ॥

१ श्वच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ श्वच्-यत, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ श्वच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अश्वच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
 ५ अश्वचि, अश्वचि-पाताम्, षत, छाः, षाथाम्,
 इवम्, च्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ शश्वच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ श्वचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ श्वचिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 स्महे ॥
 ९ श्वचिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अश्वचिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६५२ श्वचुङ् (श्वञ्च्) गतौ ॥

- १ श्वञ्च-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्वञ्च्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्वञ्च-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्वञ्च-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अश्वञ्चि-", घाताम्, घत, छाः, बाथाम्, इह्वम्,
च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ शश्वञ्च-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्वञ्चिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्ताम्,
च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ श्वञ्चिता-" , रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्पडे,
स्महे ॥
- ९ श्वञ्चिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अश्वञ्चिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६५३ वचि (वच्) दीप्ता ॥

- १ वच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ वच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ वच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अवच-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अवचि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - ६ ववच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ वचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ वचिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ वचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अवचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

६५४ मचि (मच्) कल्कने ।

- १ मच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमचि-, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ मच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मचिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६५५ मुचुङ् (मुञ्च्) कल्कने ॥

- १ मुञ्च्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मुञ्च्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मुञ्च्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमुञ्च्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमुञ्चि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ मुमुञ्च्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मुञ्चिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मुञ्चिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मुञ्चिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमुञ्चिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६५६ मचुङ् (मञ्च्) धारणोच्छ्रायपूजनेषु ॥

- १ मञ्च्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मञ्च्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मञ्च्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमञ्च्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमञ्चि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ममञ्च्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मञ्चिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मञ्चिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मञ्चिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमञ्चिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६५७ पञ्चु (पञ्च) व्यक्तीकरणे ॥

- १ पञ्च-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पञ्च्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पञ्च-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपञ्च-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपञ्चि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ पपञ्च-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पञ्चिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पञ्चिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पञ्चिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपञ्चिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६५८ ष्टुचि (स्तुच्) प्रसादे ॥

- १ स्तुच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्तुच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्तुच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्तुच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्तोचि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ तुष्टुच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्तोचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्तोचिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्तोचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्तोचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ६५९ पञ्चु (पञ्च) दीप्तौ ॥ पञ्च १४८ वद्रूपाणि ॥

६६० भ्रेजु (भ्रेज्) दीप्तौ ॥

- १ भ्रेज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भ्रेज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भ्रेज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभ्रेज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अभ्रेजि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ विभ्रेज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भ्रेजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भ्रेजिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भ्रेजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभ्रेजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

६६१ भ्राजि (भ्राज्) दीप्तौ ॥

- १ भ्राज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भ्राज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भ्राज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभ्राज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अभ्राजि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ वभ्राज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भ्राजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भ्राजिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भ्राजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभ्राजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

६६६ भृजैङ् (भृज्) भर्जने ॥

- १ भृज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भृज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भृज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अभृज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अभर्जि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ बभृज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भर्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भर्जिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भर्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभर्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६६८ घट्टि (घट्) चलने ॥

- १ घट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ घट्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ घट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अघट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अघट्टि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ जघट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ घट्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ घट्टिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ घट्टिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अघट्टिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६६७ तिजि (तिज्) क्षमानिधानयोः ॥

तत्र क्षमायाम्—

- १ तितिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ तितिष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ तितिष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अतितिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अतितिषि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 - ६ तितिष्ठा-छके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहि, इ० ॥
 - ७ तितिषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ तितिषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ तितिषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अतितिषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- निधाने-चुरादौ प्रदर्शित्यन्ते.

६६९ स्फुटि (स्फुट्) विकसने ॥

- १ स्फुट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ स्फुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ स्फुट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अस्फुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अस्फोटि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 - ६ पुस्फुट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ स्फोटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ स्फोटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ स्फोटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अस्फोटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

६७१ गोष्टि (गोष्ट) संघाते ॥

- १ गोष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गोष्ठे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गोष्ठ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगोष्ठ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अगोष्ठि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इह्वम्,
 ध्वम्, षि, ज्वहि, षमहि ॥
 ६ जुगोष्ठ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ गोष्ठिणी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ गोष्ठिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 स्महे ॥
 ९ गोष्ठिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अगोष्ठिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि यामहि ॥

६७३ वेष्टि (वेष्ट्) वेष्टने ॥

- १ वेष्ट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वेष्ट्ये-त, याताम्, रज्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वेष्ट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवेष्ट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवेष्टि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ विवेष्ट्-ए, अते, हरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वेष्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रज्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ वेष्टिता-”, रै, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
स्महे ॥
- ९ वेष्टिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अवेष्टिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६७४ अट्टि (अट्) हिंसातिक्रमयोः ॥

- १ अट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अट्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ आट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
- ५ आट्टि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ आनट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अट्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अट्टिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अट्टिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आट्टिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६७५ एटि (एट्) विबाधायाम् ॥

- १ एट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ एट्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ एट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ एट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
- ५ एट्टि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ एटा-चके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माह, इ० ॥
- ७ एटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ एटिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ एटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० एटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६७६ हेटि (हेट्) विबाधायाम् ॥

- १ हेट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हेट्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हेट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अहेट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
- ५ अहेट्टि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ जिहेट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हेटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हेटिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हेटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अहेटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६७७ मटुक् (मण्ट्) शोके ॥

- १ मण्ट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मण्ट्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मण्ट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अमण्ट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
- ५ अमण्टि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ ममण्ट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मण्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मण्टिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मण्टिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमण्टिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६७९ सुदुह (सुण्ड) पलायने ॥

- १ मुण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मुण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यव्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमुण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यव्वम्,
 ५ अमुण्ठि-”, पाताम्, षत, षाः, पाथाम्, इद्वम्,
 व्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ मुमुण्ड-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मुण्ठिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, व्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ मुण्ठिता-”, रौ, रः, से, साथे, व्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ मुण्ठिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमुण्ठिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यव्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

६८१ अटुङ् (अण्ड्) गतौ

- १ अण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ आण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
 ५ आण्डि-”, वाताम्, वत, छाः, वाथाम्, ह्वम्,
 च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ आण्ड-ए, आते, इहे, इथे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ अण्डिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ अण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ।
 १० आण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

६८३ हुहुहु (हुण्ड) संघाते ॥

- १ हुण्ड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ हुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य,
 वहि, महि ॥
 ३ हुण्ड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अहुण्ड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अहुण्डि-”, पाताम्, पत, ष्ठाः, पाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, षि, ध्वहि, प्महि ॥
 ६ जुहुण्ड्-ए, आते, इरे, इषे, आये, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ।
 ७ हुण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्ठाः, यास्थाम्, च्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ हुण्डिता-”, रौ, रः, से, साये, ज्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ हुण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अहुण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६८५ शङ्खः (शण्ड) रुजायां च ॥

- १ शण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ शण्ड्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ।
 ३ शण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
 ५ अशण्डि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इडम्,
 ष्वम्, पि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ शशण्ड-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ शण्डिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ।

६८६ तड्ड (तण्ड) ताडने ॥

- १ तण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतण्डि-"", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ ततण्ड-ए, आते, इये, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तण्डिता-"", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 ६८७ कडुङ् (कण्ड) मदे ॥ कडु २५५ वद्रूपाणि ॥

६८९ खुड्ड (खुण्ड) गतिवैकल्ये ॥

- १ खुण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ खुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ खुण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अखुण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अखुण्डि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ङ्ङम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ खुण्ड-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ खुण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ खुण्डिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ खुण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अखुण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरपेक्षया कर्मणि ॥

६८८ खड्डुः (खण्ड) मन्थे ॥

- १ खण्ड्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ खण्ड्ये-त, याताम्, रन्, यथाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ खण्ड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अखण्ड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अखण्डि-”, पाताम्, पतः, घ्राः, पाथाम्, ड्ढम्,
 च्वम्, वि, व्हि, व्महि ॥
 ६ चखण्ड्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ खण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ खण्डिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ खण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अखण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

६९० कुडुङ्ग (कुण्ड) दाहे ॥

- १ कुण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कुण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकुण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकुण्डि-", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ चुकुण्ड-ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कुण्डिषी-घ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ कुण्डिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ कुण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकुण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६९३ भड्ड (भण्ड) परिभाषणे ॥

१ वण्ड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे॥
 २ वण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि॥
 ३ वण्ड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥
 ४ अवण्ड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अवण्डि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षहि ॥
 ६ ववण्ड्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहै, इमहै ॥
 ७ वण्डिबी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वण्डिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 स्महै ॥
 ९ वण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 ६१२ मडुङ्क (मण्ड्) वेष्टने ॥ मडु २३१ वदूपाणि ॥

१ भण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ भण्डेय-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्चम्, य, वहि, महि ॥
 ३ भण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अभण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
 'अभण्डि'-, धाताम्, धत, छाः, धाथाम्, ह्दुम्,
 च्चम्, वि, च्चहि, च्चहि ॥
 ५ वभण्ड-ए, आते, इरे, ह्ये, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ६ भण्डिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्चम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ भण्डिता-र, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 स्महे ॥
 ९ भण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अभण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 ६९४ मुडुङ् (मुण्ड) मज्जने ॥ मुडु २३० वट्टपाणि ॥

६९५ तुङ्ङ् (तुण्ड्) तोडने ॥

१ तुण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तुण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतुण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतुण्डि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्,
 इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥
 ६ तुतुण्ड-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तुण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तुण्डिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 स्महे ॥
 ९ तुण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतुण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६९६ भुडुङ् (भुण्ड्) वरणे ॥

१ भुण्ड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ भुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ भुण्ड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अभुण्ड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अभुण्डि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, षहि ॥
 ६ वुभुण्ड्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ भुण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ भुण्डिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे,
 स्महे ॥
 ९ भुण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अभुण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७०२ हेड्ड (हेड्ड) अनादरे ॥

- १ वाइ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ वाड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ वाइ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अवाइ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 - ५ अवाडि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, षमहि ॥
 - ६ ववाइ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ वाडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ वाडिता-”, रौ, रः, से, साथे, छे, हे, त्वहे, स्महे ॥
 - ९ वाडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अवाडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १ हेइ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ हेड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ हेइ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अहेइ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 - ५ अहेडि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, षमहि ॥
 - ६ जिहेइ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ हेडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ हेडिता-”, रौ, रः, से, साथे, छे, हे, त्वहे, स्महे ॥
 - ९ हेडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अहेडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७०४ हिड्ड (हिण्ड) गतौ च ॥

- १ होइ-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ होउथे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ होइ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अहोइ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 - ५ अहोडि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्महि ॥
 - ६ जुहोइ-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ होडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ होडिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ होडिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अहोडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १ हिण्ड-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ हिण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ हिण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अहिण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 - ५ अहिण्डि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्महि ॥
 - ६ जिहिण्ड-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ हिण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ हिण्डिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ हिण्डिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अहिण्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १ घुण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ घुण्ये-त्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्चम्, य, वहि, महि ॥
 ३ घुण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, य्च्वम्, ये,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अघुण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, य्च्वम्, ये,
 ५ अघोणि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 च्वम्, षि, घ्वहि, घ्महि ॥
 ६ जुघुण्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ घोणिष्-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ घाणिता-”, री, रः, से, साथे, घ्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ घोणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अघोणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 य्च्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

७०९ घूर्णि (घूर्ण) भ्रमणे ॥

- १ घूर्ण-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ घूर्ण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ घूर्ण-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अघूर्ण-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अघूर्णि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ जुघूर्ण-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ घूर्णिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ घूर्णिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ घूर्णिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अघूर्णिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

७१० पणि (पण्) व्यवहारस्तुत्योः ॥

आयप्रत्यये—

- १ पणाय-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पणाय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पणाय-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपणाय-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अपणायि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ पणायि-श्रक्, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ पणायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पणायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पणायिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपणायिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

आयप्रत्ययाभावे—

७११ यतैङ् (यत्) प्रयत्ने ॥

- १ यत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ यत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ यत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अयत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अयाति, अयति-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [इमहे ॥
- ६ येत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ यतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ यतिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ यतिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अयतिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

७१३ जुतृङ् (जुतृ) भासने ॥

- १ जुत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ जुत्ये-त, याताम्, रत्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य
 वहि, महि ॥
 ३ जुत-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अजुत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अजोति-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ जुजुत्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ जोतिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रत्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि महि ॥
 ८ जोतिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 खहे, स्महे ॥
 ९ जोतिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अजोतिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७१५ वेथृङ् (वेथ्) याचने ॥

- १ वेथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वेथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वेथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवेथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अवेथि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ विवेथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वेथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यांस्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वेथिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वेथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवेथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७१६ नाथृङ् (नाथ्) उपतापैश्वर्यांशोःषु च ॥

- १ नाथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ नाथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ नाथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अनाथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अनाथि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ननाथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ नाथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नाथिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ नाथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अनाथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७१७ अथुङ् (अन्थ्) शाल्य ॥

- १ अन्थ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अन्थ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अन्थ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अन्थ्य-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अन्थि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ अन्थ्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अन्थिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अन्थिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अन्थिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अन्थिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७१८ ग्रथुङ् (ग्रन्थ्) कौटिल्ये ॥

- १ ग्रन्थ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ग्रन्थ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ग्रन्थ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अग्रन्थ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अग्रन्थि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जग्रन्थ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥ [ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ ग्रन्थिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ग्रन्थिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ग्रन्थिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अग्रन्थिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७१९ कत्थि (कत्थ्) श्लाघायाम् ॥

- १ कत्थ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कत्थ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कत्थ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकत्थ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अकत्थि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चकत्थ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कत्थिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कत्थिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कत्थिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकत्थिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७२० श्विदुङ् (श्विन्द्) श्वैत्ये ॥

- १ श्विन्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ श्विन्धे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ श्विन्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अश्विन्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अश्विन्दि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इह्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ शिश्विन्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ श्विन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ श्विन्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ श्विन्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अश्विन्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ‘श्विन्दते’ इत्यस्य-यदा श्वेतीकरोतीत्यर्थस्तदा सकर्मकत्वात् कर्मणि प्रत्ययः, यदा श्वेतीभवतीत्यर्थस्तदाकर्मकत्वाद् भावे प्रत्ययः ॥

७२१ वदुङ् (वन्द्) स्तुत्यभिवादनयोः ॥

- १ वन्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वन्दे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वन्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवन्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवन्दि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इह्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ ववन्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वन्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वन्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवन्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७२२ भदुङ् (भन्द्) सुखकल्याणयोः ॥

- १ भन्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भन्दे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भन्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभन्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अभन्दि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इह्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ बभन्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भन्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भन्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभन्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७२३ मदुङ् (मन्द्) स्तुतिमोदमदस्वप्नगतिषु ॥

- १ मन्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ मन्दे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ मन्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अमन्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अमन्दि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इह्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ ममन्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ मन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ मन्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ मन्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अमन्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- मोदमदस्वप्नेष्वकर्मकोऽयं स्तुतिगत्योस्तु सकर्मकः ॥

७२४ स्पदुङ् (स्पन्द्) किञ्चिचलने ॥

- १ स्पन्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्पन्द्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्पन्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्पन्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अस्पन्दि-प, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ पस्पन्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्पन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्पन्दिता-र, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्पन्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्पन्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥
७२५ क्लिडुङ् (क्लिन्द्) परिदेवने ॥ क्लिडु ३१८ वद्वपाणि ॥

७२७ ददि (दद्) दाने ॥

- १ दद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अदादि, अददि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ ददद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ददिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ददिता-र, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ददिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अददिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७२६ मुदि (मुद्) हर्षे ॥

- १ मुद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मुद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मुद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमुद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अमोदि-प, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ मुमुद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मोदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मोदिता-र, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मोदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमोदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७२८ हदि (हद्) पुरीषोत्सर्गे ॥

- १ हद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अहद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अहादि, अह-त्साताम्, त्सत, त्याः, त्साथाम्, दध्वम्, द्दध्वम्, त्सि, त्स्वहि, त्समहि ॥
- ६ जहद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हत्ता-र, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अहत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

७२९ ध्वदि (स्वद्) आस्वादने ॥

- १ स्वद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्वद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्वद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्वद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अस्वादि, अस्वदि-षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥
- ६ सस्वद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्वदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्वदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्वदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्वदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७३० स्वरिदि (स्वर्द्) आस्वादने ॥

- १ स्वरिद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्वरिद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ स्वरिद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्वरिद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अस्वरिदि-”, षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥
- ६ सस्वरिद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्वरिदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्वरिदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्वरिदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्वरिदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७३१ स्वादि (स्वाद्) आस्वादने ॥

- १ स्वाद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्वाद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
- ३ स्वाद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्वाद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अस्वादि-”, षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥ [इमहे ॥
- ६ सस्वाद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्वादिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्वादिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्वादिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्वादिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७३२ उरिदि (ऊर्द्) मानक्रीडयोश्च ॥

- १ ऊर्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ऊर्द्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ऊर्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ और्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ और्दि-”, षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥
- ६ ऊर्दी-खके, इ० ॥ म्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ ऊर्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ऊर्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ ऊर्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० और्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
क्रीडायामकर्मकत्वाद् भावे ॥

७३३ कुदिं (कूर्द्) क्रीडायाम् ॥

- १ कूर्द-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कूद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
 वहि, महि ॥
 ३ कूर्द-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अकूर्द-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अकूर्दि-”, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ चुकूर्द-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कूर्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ कूर्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कूर्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकूर्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

७३४ गुर्दि (गूर्द्) क्रीडायाम् ॥

- १ गूर्द—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहै, यामहै ॥
 २ गूर्द्ये—त, याताम्, रन्, धाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गूर्द—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अगूर्द—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, ॥
 ५ अगूर्दि—, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ जुगूर्द—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ गूर्दिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ गूर्दिता—, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ गूर्दिष—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहै, यामहै ॥
 १० अगूर्दिष—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

७३५ गुदि (गुद्) क्रीडायाम् ॥

- १ गुद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गुधे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गुद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगुद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अगोदि-" , पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ जुगुद्-ए, आने, इरे, इषे, आये, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ गोदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ गोदिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ गोदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अगोदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

७३६ षूदि (सूद्) क्षरणे ॥

- १ सूद्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ सूद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ असूद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ असूदि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इध्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ सुषूद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ सूदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ सूदिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ सूदिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० असूदिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७३७ हादि (हाद्) शब्दे ॥

- १ हाद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हाद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हाद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अहाद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अहादि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जहाद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हादिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हादिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हादिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अहादिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७३८ ह्रादैश्च (ह्राद्) सुखे च ॥

- १ ह्राद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ह्राद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ह्राद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अह्राद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अह्रादि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जह्राद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ह्रादिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ह्रादिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ह्रादिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अह्रादिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७३९ पर्दि (पर्द्) कुत्सिते शब्दे ॥

- १ पर्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पर्द्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पर्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अपर्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अपर्दि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ पपर्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पर्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पर्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पर्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपर्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अथान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

७४० स्कुदुश्च (स्कुन्द्) आप्रवणे ॥

- १ स्कुन्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्कुन्द्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्कुन्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्कुन्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्कुन्दि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चुस्कुन्द्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्कुन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्कुन्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्कुन्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्कुन्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७४१ एधि (एध्) वृद्धौ ॥

- १ एध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ एध्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ एध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ ऐध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ ऐधि-", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ एधा-ञ्चके, इ० ॥ स्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ एधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ एधिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ एधिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० ऐधिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

७४२ स्पर्धि (स्पर्ध्) संवर्षे ॥

- १ स्पर्ध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्पर्ध्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्पर्ध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्पर्ध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अस्पर्धि-", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ स्पर्ध्वे-ए, आते, इरे, इषे, आथे, ए, इध्वे, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्पर्धिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्पर्धिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्पर्धिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्पर्धिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७४३ गाधृङ् (गाध्) प्रतिष्ठालिप्ताग्रन्थेषु ॥

- १ गाध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गाध्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गाध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगाध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अगाधि-", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ जगाध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गाधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गाधिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गाधिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगाधिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७४४ बाधृङ् (बाध्) रोटने ॥

- १ बाध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ बाध्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ बाध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अबाध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अबाधि-", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ बबाध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ बाधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ बाधिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ बाधिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अबाधिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७४५ दधि (दध्) धारणे ॥

- १ दध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अदाधि, अदधि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ देध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दधिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दधिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अदधिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

वैरूप्ये—

- १ बीभत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ बीभत्स्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ बीभत्स्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अबीत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अबीत्सि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ बीभत्सा-श्चक्रे, इ० ॥ स्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ बीभत्सिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ बीभत्सिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ बीभत्सिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अबीत्सिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७४६ तधि (दध्) तन्धने ॥

- १ तध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवधि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ वेध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तधिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तधिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवधिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७४७ नाधृङ् (नाध्) नाधृङ्वत् ॥

- १ नाध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ नाध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ नाध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अनाध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अनाधि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ननाध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ नाधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नाधिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ नाधिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अनाधिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७४८ पनि (पन्) स्तुतौ ॥ आयप्रत्यये—

- १ पनाय्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पनाय्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पनाय्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अपनाय्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अपनायि—”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ पनाया—ञ्चके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ पनायिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पनायिता—”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पनायिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपनायिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

आयप्रत्ययाभावे—

- १ पन्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पन्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पन्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अपन्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अपानि, अपनि—पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ पेन्—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पनिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पनिता—”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पनिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपनिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७४९ मानि (मान्) पूजायाम् ॥

- १ मान्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ मान्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ मान्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अमान्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अमानि, अमानयि—पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 - ६ मानया—ञ्चके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
 - ७ मानयिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 - ८ मानयिता—”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ मानयिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अमानयिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- पूजायां ण्यन्तस्य कर्मणि प्रयोगः ॥

विचारे सनि—

- १ मीमांस्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मीमांस्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मीमांस्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमीमांस्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अमीमांसि—”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ मीमांसा—ञ्चके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ मीमांसिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मीमांसिता—”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मीमांसिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमीमांसिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १ कम्प्-यत, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कम्प्ये-त, याताम्, रन्, था; याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कम्प्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकम्प्-यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकम्पि-”, षाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ चकम्प्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कम्पिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्याम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ कम्पिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कम्पिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकम्पिष्-यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ।

७५९ मेष्ट् (मेष्ट) गतौ ॥

- १ मेप्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येषु, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मेप्ये-त, याताम्, रज, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मेप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्त्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमेप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमेपि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्द्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्वहि ॥
 ६ मिमेप्-ए, आते, इरे, वषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मेपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रज, छाः, यास्याम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ मेपिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ मेपिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येषु, यच्च, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमेपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

७६१ लेपृङ् (लेप्) गतौ ॥

- १ लेप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहै, यामहै ॥
 २ लेप्थे-त, याताम्, यत्, यथाः, याथाम्, यध्वम्, यवहि महि ॥
 ३ लेप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलेप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलेपि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ लिलेप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लेपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ लेपिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ लेपिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अलेपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

७६२ त्रपौषि (त्रप्) लजायाम् ॥

- १ त्रप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ त्रप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ त्रप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अत्रप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अत्रापि, अत्रपि-याताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढवम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [वृद्ध्वम्, प्सि, प्स्वहि, प्सहि ॥
 अत्रापि, अत्र-प्साताम्, प्सत, प्थाः, प्साथाम्, प्सध्वम्,
 ६ त्रेप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ त्रपिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 त्रप्सी } य, वहि, महि ॥
 ८ त्रपिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 त्रप्ता } स्महे ॥
 ९ त्रपिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 त्रप्स् } यावहे, यामहे ॥
 १० अत्रपिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अत्रप्स् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७६३ गुपि (गुप्) गोपनकुत्सनयोः ॥

तत्र गर्हायाम्—

- १ जुगुप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ जुगुप्स्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ जुगुप्स्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अजुगुप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अजुगुप्सि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढवम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ जुगुप्सा-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
 ७ जुगुप्सिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ जुगुप्सिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ जुगुप्सिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अजुगुप्सिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

गर्हाभिन्नेऽर्थे—

- १ गुप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गुप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गुप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगुप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अगोपि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढवम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [इमहे ॥
 ६ जुगुप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे,
 ७ गोपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ गोपिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ गोपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अगोपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

केचित्तु गर्हाभिन्नेऽर्थे त्यादयो न भवन्ति, किन्तु
 प्यन्तारयादयो भवन्तीति वदन्ति, तन्मते गोप्यते
 इत्यादीनि रूपाणि ॥

७६४ अमुब् (अम्ब्) शब्दे ॥

- १ अम्ब-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अम्ब्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अम्ब-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आम्ब-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आम्बि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढवम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ आनम्ब-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अम्बिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ अम्बिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ अम्बिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० आम्बिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७६५ रबुङ् (रम्ब) शब्दे ॥

- १ रम्ब-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रम्ब्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रम्ब-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरम्ब-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरम्बि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ ररम्ब-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रम्बिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रम्बिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रम्बिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अरम्बिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७६६ लबुङ् (लम्ब) अवसंसने च ॥

- १ लम्ब-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लम्ब्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लम्ब-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलम्ब-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलम्बि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ ललम्ब-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लम्बिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ लम्बिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लम्बिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अलम्बिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७६७ कबुङ् (कब्) वर्णे ॥

- १ कब्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कब्ब्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कब्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अकब्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अकावि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ चकब्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कबिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अकविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७६८ क्लीबुङ् (क्लीब्) आधाष्ट्ये ॥

- १ क्लीब्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्लीब्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्लीब्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्लीब्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अक्लीवि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ चिक्लीब्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्लीविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्लीबिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्लीविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
ये, यावहै, यामहै ॥
- १० अक्लीविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १ शल्भू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शल्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शल्भू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशल्भू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशल्भि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ शशल्भू-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शल्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ शल्भिभता-”, रौ, रः, मे, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शल्भिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशल्भिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७७८ लभुङ् (लम्भ्) शब्दे ॥

- १ लम्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लम्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लम्भ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलम्भ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अलम्भि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ अलम्भ-ए, आते, ईरे, ईषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लम्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लम्भिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लम्भिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलम्भिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७८० स्कभुइ (स्कम्भ्) स्तम्भे ॥

- १ स्तम्भ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ।
- २ स्तम्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्तम्भ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्तम्भ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्तम्भि-”, षाताम्, षत, ष्ठाः, षाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ष्महि ॥
- ६ तस्तम्भ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥ [ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ स्तम्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्ठाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्तम्भिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्तम्भिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्तम्भिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १ स्क्रम्भ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्क्रम्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्क्रम्भ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्क्रम्भ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्क्रम्भि-”, षाताम्, षत, ष्ठाः, षाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ष्महि ॥
- ६ चस्क्रम्भ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्क्रम्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्ठाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्क्रम्भिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्क्रम्भिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्क्रम्भिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७८१ षुभृङ् (स्तुम्) स्तम्भे ॥

- १ स्तुम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्तुभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्तुभ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्तुभ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्तोमि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ तुष्टुभ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्तोमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्तोमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्तोमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अस्तोमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७८२ जभृङ् (जम्भ्) मैथुने ॥

- १ जम्भ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जम्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥
- ३ जम्भ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजम्भ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अजम्भि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जजम्भ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जम्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि महि ॥
- ८ जम्भिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जम्भिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अजम्भिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७८३ जभैङ् (जम्भ्) गात्रविनामे ॥ जभ
३७९ वदूपाणि ॥

७८४ जृभृङ् (जृम्भ्) गात्रविनामे ॥

- १ जृम्भ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जृम्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जृम्भ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजृम्भ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अजृम्भि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जजृम्भ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जृम्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ जृम्भिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जृम्भिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अजृम्भिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७८५ रभिं (रम्भ्) राभस्ये ॥

- १ रम्भ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रम्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रम्भ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरम्भ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरम्भि, अर-प्साताम्, प्सत, ष्वाः, प्साथाम्, ष्वम्,
वृध्वम्, प्वि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ रेम्भ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रप्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ रब्धा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अरप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७८६ डुलमिष् (लभ) प्राप्तौ ॥

- १ लभ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लभ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलभ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अलमि, अलम्मि, अल-प्साताम्, प्सत, ष्थाः, प्साथाम्, ष्वम्, ष्वि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ लेभ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लप्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लब्धा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७८८ क्षमौषि (क्षम्) सहने ॥

- १ क्षम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्षम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्षम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्षम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अक्षमि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्ङुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [न्द्वम्, अक्षं-सि, स्वहि, स्महि ॥
- अक्षमि, अक्षं-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, अक्ष-न्ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ६ चक्ष-मे, माते, मिरे, मिषे, चक्षंसे, चक्ष-माथे, मिध्वे, मे, मिवहे, मिमहे ॥
- ७ क्षमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्षमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्षमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्षमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अक्षम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७८७ भामि (भाम्) क्रोधे ॥

- १ भाम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भास्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भाम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभाम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अभामि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्ङुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ वभाम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भामिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भामिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भामिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभामिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७८९ कम् (कम्) कान्तौ ॥

- १ काम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ काम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ काम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अकाम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अकामि, अकामयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्ङुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- अकामि, अकामि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्ङुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ कामया-ञ्चके, इ० ॥ स्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- चकम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कामयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- कामिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कामयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- कामिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कामयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- कामिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- कामिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अकामिष्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७९१ वयि (वय्) गतौ ॥

१ अय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अय्ये-यत, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अय्य-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आयि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्द्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ अया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
 ७ अयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ अयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ अयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० आयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ वय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवायि, अवयि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इह्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ ववय्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्दे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वयिषी-घ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

७९३ मयि (मय्) गतौ ॥

१ पय्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
 ४ अपय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अपायि, अपयि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ पेय्-ए, आते, ईरे, ईषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ पयिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अपयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावैहि, यामहि ॥

१ मय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्
 ये, यानहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अमय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
 ५ अमायि, अमयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ मेय्-ए, आते, इरे, इषे, आये, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मयिता-', रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ मयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ।
 १० अमयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

७९५ चयि (चय्) गतौ ॥

- १ नय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ नय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ नय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अनय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अनायि, अनयि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ नेय्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, इह्ने, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ नयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ नयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ञ्चे, हे, खहे, सहे ॥
 ९ नयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अनयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७९६ रयि (रय्) गतौ ॥

- १ रय्-यते, येते, यन्ते, यस, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अरायि, अरायि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वस्
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ रेय्-ए, आते, इरे, इथे, आथे इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ रयिता-”, रौ, रै, से, साथे, ध्वे, हे, स्वे, स्महे ॥
 ९ रयिष्-यते, येते, यन्ते, यस, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १ चय-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
 वहि, महि ॥
 ३ चय-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचय-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचायि, अचयि-याताम्, षत, छाः, पाथाम्, ह्रुम्,
 हुम्, ध्वम्, षि, षाहि, षमहि ॥
 ६ च्ये-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इहु, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ चयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, हुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ चयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ चयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अचयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

७१७ तयि (तय्) रक्षणे च ॥

- १ नय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतायि, अतयि-पाताम्, षत, घाः, पाथाम्, इद्धम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ तेय्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्दे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ।
 ७९८ तयि (नय्) रक्षणे च ॥ नयि ७९४ वद्रूपाणि ॥

७९९ दयि (दय्) दानगतिर्हिसादहनेषु ॥

- १ दय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अदायि, अदयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, ड्ढम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ दया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ दयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दयिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अदयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८०० ऊयैङ् (ऊय्) तन्तुसन्ताने ॥

- १ ऊय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ऊय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ऊय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ औयि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, ड्ढम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ऊया-ञ्चक्रे, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ ऊयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ऊयिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ऊयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० औयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८०१ पूयैङ् (पूय्) दुर्गन्धविशरणयोः ॥

- १ पूय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पूय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पूय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपूय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपूयि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, ड्ढम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ पुपूय्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पूयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पूयिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पूयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपूयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८०२ कनूयैङ् (कनूय्) शब्दोन्दनयोः ॥

- १ कनूय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कनूय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कनूय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकनूय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकनूयि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, ड्ढम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चुकनूय्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कनूयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कनूयिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कनूयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकनूयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८०३ क्षमायैङ् (क्षमाय्) विधूने ॥

- १ क्षमाय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्षमाय्-यत, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्षमाय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अक्षमाय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अक्षमायि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
द्धम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ चक्षमाय्-ए, आते, हरे, इषे, आथे, इज्जे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्षमायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
द्धम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्षमायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
स्महे ॥
- ९ क्षमायिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अक्षमायिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८०५ ओप्यायैङ् (प्याय्) वृद्धौ

- १ **प्याय्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **प्याय्ये**-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **प्याय्**-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ **अप्याय्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ **अप्यायि-**", षाताम्, षत, ष्टाः, षाथाम्, ष्ध्वम्,
 ष्ढम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ **पिप्य्**-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ **प्यायिषी**-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, ष्ढम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ **प्यायिता-**", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ **प्यायिष्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० **अप्यायिष्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

८०४ स्फायैङ् (स्फाय्) वृद्धौ ॥

- १ स्फाय्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्फाय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्फाय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्फाय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
 ५ अस्फायि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
 ६ पस्फाय्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ स्फायिषी-घ्र, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ स्फायिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 स्महे ॥
 ९ स्फायिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अस्फायिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

८०६ तायृङ् (ताय्) संतानपालनयोः ॥

- १ ताय्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तायेत्—यत, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ताय्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यंच्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अताय्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अतायि—”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, डूवम्, द्वम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, च्वमहि ॥
 ६ तताय्—ए, अति, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इट्टे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तायिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तायिता—”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तायिष्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतायिष्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८०८ बह्मि (वल्लभ) संग्रहणे ॥

- ८०९ शलि (शल्) चलने च ॥

- १ शल्-यते, येते, यन्ते, यगे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शल्ह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
 वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
 ३ शल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ४ अशल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अशालि, अशलि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्ढवम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ शेल्-ए, आते, इरे, इथे, अधि, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ शलिता-" , रो, रः, से, साथे, ध्वं, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

८१० मलि (मल्) धारणे ॥

- १ मल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्वम्,
 ५ अमालि, अमलि-षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, य्वम्, पि, प्वहि, ष्महि ॥
 ६ मेल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्,
 य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मलिता-र, री, रः, से, साथे, ज्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ मलिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमलिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

८१२ भलि (भल्) परिभाषणहिंसादानेषु ॥

- ८१३ भल्लि (भल्ल्) परिभाषणहिंसादानेषु ॥

- ८१४ कलि (कल्) शब्दसंख्यानयोः ॥

- १ कल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
५ अकालि, अकलि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ चकल्-ए, आते इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कलिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- ० अकलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

८२० केवृह् (केव्) सेवने ॥

- ८२२ गेवृद्ध (गेव्) सेवने ॥

- १ खेव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ खेव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ खेव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अखेव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अखेवि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
 - ६ चिखेव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ खेविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ खेविता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ खेविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अखेविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १ गेव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ गेव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ गेव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अगेव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 - ५ अगेवि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
 - ६ जिगेव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ गेविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ गेविता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ गेविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अगेविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि ॥

८२७ म्लेवृङ् (म्लेव्) सेवने ॥

- १ म्लेव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ म्लेव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ म्लेव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अम्लेव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अम्लेवि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ मिम्लेव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ म्लेविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ म्लेविता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ म्लेविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अम्लेविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८२८ रेवृङ् (रेव्) गतौ ॥

- १ रेव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रेव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रेव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरेव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरेवि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ रिरिव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रेविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रेविता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रेविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरेविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८२९ पवि (पव्) गतौ ॥

- १ पव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपवि, अपवि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ पेव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥ [ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ पविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पविता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८३० काशृङ् (काश्) दीप्तौ ॥

- १ काश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ काश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ काश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकाश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकाशि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चकाश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ काशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ काशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ काशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकाशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

८३१ क्लेशि (क्लेश्) विवाधने ॥

- १ क्लेश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्लेश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्लेश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्लेश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अक्लेशि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चिक्लेश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्लेशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्लेशिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्लेशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्लेशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८३२ भाषि (भाष्) च व्यक्तायां वाचि ॥

- १ भाष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भाष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भाष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभ्राष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अभ्राषि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ बभाष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भाषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भाषिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भाषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभ्राषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ८३३ ईषि (ईष्) गतिर्हिंसादर्शनेषु ॥ ईष ५०५ वद्रूपाणि ॥

८३४ गेषृङ् (गेष्) अन्विच्छायाम् ॥

- १ गेष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गेष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गेष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अगेष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ५ अगेषि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ जिगेष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गेषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गेषिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गेषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगेषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८३५ येषृङ् (येष्) प्रयत्ने ॥

- १ येष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ येष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ येष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अयेष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ५ अयेषि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ यियेष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ येषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ येषिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ येषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अयेषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

अर्थान्तरपेक्षया कर्मणि ॥

- १ हेष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ द्वेष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हेष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्त्, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अहेष्-यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अहेषि-”, पाताम्, षत्, छाः, पाथाम्, ड्द्वम्,
च्वम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
- ६ जिहेष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे,
- ७ हेषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ हेषिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हेषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अहेषिष्-यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८४० रेष्टु (रेष्) गतौ ॥

- १ रेष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रेष्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रेष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरेष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरेषि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ रिरिरेष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रेषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रेषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रेषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरेषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८४१ हेष्टु (हेष्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ हेष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ हेष्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ हेष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अहेष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अहेषि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 - ६ जिहेष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ हेषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ हेषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ हेषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अहेषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

८४२ पर्षि (पर्ष) स्नेहने ॥

- १ पर्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पर्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पर्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यावहि ॥
- ४ अपर्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपर्षि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ पपर्ष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पर्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पर्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पर्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहै, यामहे ॥
- १० अपर्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८४३ घुष्टु (घुष्) कान्तिकरणे ॥

- १ घुष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यावहे ॥
- २ घुष्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ घुष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अघुष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अघुषि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ जुघुष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ घुषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ घुषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ घुषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहै, यामहे ॥
- १० अघुषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८४४ संसृङ् (संस्) प्रमादे ॥

- १ संस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ संस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ संस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असंस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ असंसि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ संसंस-ए, आते, हरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ संसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ संसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ संसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० असंसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

८४५ कासृङ् (कास्) शब्दकुत्सायाम् ॥

- १ कास्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कास्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कास्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकास्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकासि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ कासा-चक्रे, इ० ॥ म्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ कासिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ कासिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कासिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अकासिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

८४६ भासि (भास्) दीप्तौ ॥

- १ भास्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भास्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भास्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभास्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अभासि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ बभास्-ए, आते, हरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भासिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ भासिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भासिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अभासिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

८४७ दुभ्रासि (भ्रास्) दीप्तौ ॥

- १ भ्रास्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भ्रास्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भ्रास्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभ्रास्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अभ्रासि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ भ्रेस् } -ए, आते, हरे, इषे, आथे, इध्वे, ए,
बभ्रास् } इवहे, इमहे ॥
- ७ भ्रासिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ भ्रासिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भ्रासिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अभ्रासिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

८५२ भ्यसि (भ्यस्) भवे ॥

- १ भ्यस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ भ्यस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ भ्यस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अभ्यस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अभ्यासि, अभ्यसि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ बभ्यस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ भ्यसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ भ्यसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ भ्यसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अभ्यसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ।

८५३ आडः शसुङ् (आ-शंस) इच्छायाम् ॥

- १ आशंस-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ आशंस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ आशंस-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आशंस-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ आशंसि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ आशंसस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ आशंसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ आशंसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ आशंसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आशंसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८५४ ग्रस् (ग्रस्) अदने ॥

- १ ग्रस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ग्रस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ग्रस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अग्रस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अग्रासि, अग्रसि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ जग्रस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ग्रसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ग्रसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ग्रसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अग्रसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८५५ ग्लस् (ग्लस्) अदने ॥

- १ ग्लस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ग्लस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ग्लस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अग्लस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अग्लासि, अग्लसि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ जग्लस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ग्लसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ग्लसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ग्लसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अग्लसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८५६ घसुङ् (घंस्) करणे ॥

- १ घंस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ घंस्-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ घंस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अघंस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अघंसि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ जघंस्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ घंसिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ घंसिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ घंसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अघंसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८५७ ईहि (ईह्) चेष्टायाम् ॥

- १ ईह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ईह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ईह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ ऐह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ ऐहि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ ईह्या-घके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ ईहिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ईहिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ईहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० ऐहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८५८ अहुङ् (अंह्) गतौ ॥

- १ अंह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अंह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अंह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आंह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आंहि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ आनंह्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अंहिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अंहिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अंहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आंहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८५९ णिहि (णिह्) गतौ ॥

- १ णिह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ णिह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ णिह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अणिह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अणेहि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ पिणिह्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ णेहिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ णेहिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ णेहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अणेहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि यामहि ॥

८६१ गल्हि (गल्ह्) कुत्सने ॥

- १ गल्ह्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ।
 २ गल्ह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ।
 ३ गल्ह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 यै, यावहै, यामहै । [ये, यावहि, यामहि ।
 ४ अगल्ह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अगल्हि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, षमहि ।
 ६ जगल्ह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ।
 ७ गल्हिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ।
 ८ गल्हिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ।
 ९ गल्हिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये,
 यावहे, यामहे ।
 १० अगल्हिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहि, यामहि ।

८६३ बलिह (बल्ह) प्राधान्ये ॥

- १ वल्ह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वल्हो-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वल्ह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यंय्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अवल्ह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यय्वम्, ये,
 ५ अवल्हि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, य्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ ववल्ह्-ए, आते, इरे, इषे, आषे, इष्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वल्हिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वल्हिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वल्हिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यज्वे, ये,
 यावहे, यामहे ।
 १० अवल्हिष-वत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यय्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

८६८ वाह् (वाह) प्रयत्ने ॥

- १ वाह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वाह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वाह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवाह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अवाहि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ववाह्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वाहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वाहिता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वाहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवाहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८७० ऊहि (ऊह) तर्के ॥

- १ ऊह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ऊह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ ऊह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ औहि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ऊहा-धके, इ० ॥ म्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ ऊहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ऊहिता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ऊहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० औहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८६९ द्राह् (द्राह्) निक्षेपे ॥

- १ द्राह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ द्राह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ द्राह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अद्राह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अद्राहि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ दद्राह्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ द्राहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ द्राहिता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ द्राहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अद्राहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८७१ गाहौह् (गाह्) विलोडने ॥

- १ गाह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गाह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गाह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगाह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अगाहि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [इद्वम्, गृह्णुम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ जगा-हे, हाते, हिरे, हिषे, जघाक्षे, जगा-हाथे, हिच्चे, हिद्वे, हे, हिवहे, हिमहे ॥
- ७ गाहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ८ गाहिता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गाहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगाहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८७२ ग्लहौङ् (ग्लह्) ग्रहणे ॥

- १ ग्लह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ग्लह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ग्लह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अग्लह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अग्लहि, अग्लहि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
अग्लहि, अग्ल-क्षाताम्, क्षत, अग्लाडाः, अग्ल-क्षाथाम्, इद्वम्, गृह्णाम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ जग्ल-हे, हाते, हिरे, हिषे, जघ्लक्षे, जग्ल-हाथे, हिच्चे, हिद्वे, हे, हिवहे, हिमहे ॥
- ७ ग्लहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
ग्लक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
- ८ ग्लहिता } -", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
ग्लाढा } स्महे ॥
- ९ ग्लहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अग्लहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८७४ महुङ् (मंह्) वृद्धौ ॥

- १ मंह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मंह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मंह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमंह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अमंहि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ ममंह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मंहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मंहिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मंहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमंहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

८७३ बहुङ् (बंह्) वृद्धौ ॥

- १ बंह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ बंह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ बंह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अबंह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अबंहि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ बबंह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ बंहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ बंहिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ बंहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अबंहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

८७५ दक्षि (दक्ष्) शैश्ये च ॥

- १ दक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अदक्षि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ ददक्ष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दक्षिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अदक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

८७६ धुक्षि (धुक्ष्) संदीपनक्लेशनजीवनेषु ॥

- १ धुक्ष-यत्, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ धुक्ष्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ धुक्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्त्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥
 ४ अधुक्ष-यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 यावहि, यामहि ॥
 ५ अधुक्षि-”, पाताम्, षत्, छाः, पाथाम्, ह्रुम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
 ६ दुधुक्ष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ धुक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ धुक्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, त्वहे, स्महे ॥
 ९ धुक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अधुक्षिष्-यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८७७ धिक्षि (धिष्) संदीपनक्लेशनजीवनेषु ॥

- १ धिक्श्-यते, येते, यन्ते, यत्ते, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ धिक्श्ये-यताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ धिक्श्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अधिक्श्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अधिक्षि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, ङ्द्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
 ६ दिधिक्श्-ए, आते, इते, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ धिक्षिष्णी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ धिक्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, त्वहे, स्महे ॥
 ९ धिक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अधिक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८७८ वृक्षि (वृक्ष्) वरणे ॥

- १ वृक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वृक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 पै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवृक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवृक्षि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ ववृक्ष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वृक्षिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वृक्षिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वृक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवृक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८७९ शिक्षि (शिक्ष्) विद्योपादाने ॥

- १ शिक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शिक्ष्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, य्च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शिक्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, य्च्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशिक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, य्च्वम्,
 ५ अशिक्षि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ शिशिक्ष-ए, अते, ईरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शिक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ शिक्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शिक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशिक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, य्च्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

८८० भिक्षि (भिक्ष) याचायाम् ॥

- १ भिक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भिक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भिक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अभिक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अभिक्षि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ बिभिक्ष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भिक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भिक्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भिक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभिक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८८२ ईक्षि (ईक्ष्) दर्शने ॥

- १ ईक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ईक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ईक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ ऐक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ ऐक्षि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ ईक्षा-शक्ते, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ ईक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ईक्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ईक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० ऐक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८८१ दीक्षि (दीक्ष्) मौण्डयेज्योपनयन-
नियमव्रतादेशेषु ॥

- १ दीक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दीक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दीक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अदीक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अदीक्षि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ दीदीक्ष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दीक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दीक्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दीक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अदीक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८८३ श्रिण् (श्रि) सेवायाम् ॥

- १ श्री-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्रीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्री-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अश्रायि, अश्रायि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
अश्रयि }
- ६ शिश्रिय्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्रायिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
श्रयिषी }
- ८ श्रायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
श्रयिता }
- ९ श्रायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
श्रयिष् }
- १० अश्रायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अश्रयिष् }

८८४ णीङ् (नी) प्रापणे ॥

- १ नी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ नीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ नी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अनी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अनायि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अनायि, अने-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ६ निन्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ नायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 नेषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 ८ नायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, नेता } स्महे ॥
 ९ नायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, नेष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अनायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अनेष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८८६ भृङ् (भृ) भरणे ॥

- १ भ्रि-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ भ्रिये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ भ्रि-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अभ्रि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अभारि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अभारि, अभृ-पाताम्, षत, थाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ६ ब-भ्रे, आते, भ्रिरे, भ्रिषे, आथे, भ्रिद्धे, भ्रे, बभृ-वहे, महे ॥
 ७ भारिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 भृषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, षि,
 ८ भारिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, भर्ता } स्महे ॥
 ९ भारिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, भारिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अभारिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अभारिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 ८८७ धृङ् (धृ) धारणे ॥ धृङ् ६०२ वद्वपाणि ॥

८८५ हुङ् (हृ) हरणे ॥

- १ हि-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ह्रिये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ हि-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अहि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अहारि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अहारि, अहृ-पाताम्, षत, थाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ६ जह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ हारिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 हृषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ८ हारिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, हर्ता } स्महे ॥
 ९ हारिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, हरिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अहारिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अहारिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८८८ कुङ् (कृ) करणे ॥

- १ क्रि-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्रिये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ क्रि-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अक्रि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अकारि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [द्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अकारि, अकृ-पाताम्, षत, थाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ६ च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कवहे, कृमहे ॥
 ७ कारिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 कृषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 ८ कारिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, कर्ता } स्महे ॥
 ९ कारिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, कारिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अकारिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अकारिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८८९ हिक् (हिक्) अव्यक्ते शब्दे ॥

- १ हिक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हिक्च्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हिक्क्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अहिक्क्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अहिक्कि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ जिहिक्क्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हिक्किपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हिक्किता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हिक्किष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अहिक्किष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८९० अञ्चूग् (अञ्चू) गतौ च ॥ अञ्चू
१०५ वद्रूपाणि ॥

८९१ इयाचृग् (याच्) याच्नायाम् ॥

- १ याच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ याच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ याच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अयाच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अयाचि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ ययाच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ याचिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि महि ॥
- ८ याचिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ याचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अयाचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८९२ डुपचीष् (पच्) पाके ॥

- १ पच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपाचि, अप-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, गृह्णम्, गृह्णम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ पेच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पक्ता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८९३ राजृग् (राज्) दीप्तौ ॥

- १ राज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ राज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ राज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अराज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अराजि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ रराज् } -ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, रेज् } इवहे, इमहे ॥
- ७ राजिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ राजिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ राजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अराजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

८९४ डुभ्राजि (भ्राज्) दीप्तौ ॥ भ्राजि ६६१ वद्रूपाणि ॥

८९५ भर्जी (भज्) सेवायाम् ॥

- १ भज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, गृह्णन्, गृह्णन्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ५ अभजि, अभ-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, यध्वम्, गृह्णन्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ भेज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भक्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८९६ रज्जी (रज्) रागे ॥

- १ रज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, गृह्णन्, गृह्णन्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ५ अरजि, अर-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, यध्वम्, गृह्णन्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ ररज्ज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रज्जी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रज्जा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रज्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरज्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८९७ रेट् (रेट्) परिभाषणयाचनयोः ॥

- १ रेट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रेट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रेट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरेट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, गृह्णन्, गृह्णन्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ५ अरेटि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ रिरेट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रेटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रेटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रेटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरेटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८९८ वेण् (वेण्) गतिज्ञानचिन्ता-
निश्चामनवादित्रग्रहणेषु ॥

- १ वेण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वेण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वेण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवेण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, गृह्णन्, गृह्णन्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ५ अवेणि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ विवेण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वेणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वेणिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वेणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवेणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८९९ चतेग् (चत्) याचने ॥

- १ चत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ चत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अचत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अचाति, अचति-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चेत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ चतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चतिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चतिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अचतिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९०० प्रोथृग् (प्रोथ्) पर्याप्तौ ॥

- १ प्रोथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ प्रोथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ प्रोथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अप्रोथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अप्रोथि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ पुप्रोथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ प्रोथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ प्रोथिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ प्रोथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अप्रोथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९०१ मिथृग् (मिथ्) मेधाहिसयोः ॥

- १ मिथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मिथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मिथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यावहि ॥
- ४ अमिथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमेथि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ मिमिथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मेथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मेथिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मेथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमेथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९०२ मेथृग् (मेथ्) संगमे च ॥

- १ मेथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यावहे ॥
- २ मेथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मेथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमेथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमेथि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ मिमेथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मेथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मेथिता-”, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मेथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमेथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९०३ चदेग् (चद्) याचने ॥

- १ चद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ चद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अचद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अचादि, अचदि-याताम्, षत, छाः, पाथाम्,
ड्ढ्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ चेद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ चदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अचदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९०४ ऊबुन्दृग् (बुन्द्) निशामने ॥

- १ बुद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ बुद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ बुद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अबुद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अबुन्दि-”, याताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ बुबुन्द-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ बुन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ बुन्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ बुन्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अबुन्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९०५ णिदृग् (निद्) कुत्सासंनिकर्षयोः ॥

- १ निद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ निद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ निद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अनिद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अनेदि-”, याताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ निनिद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ नेदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नेदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ नेदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अनेदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९०६ णेदृग् (नेद्) कुत्सासंनिकर्षयोः ॥

- १ नेद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ नेद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ नेद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥
- ४ अनेद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अनेदि-”, याताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ निनेद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ नेदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नेदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ नेदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अनेदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९०८ मेढग् (मेद्) मेघाहिंसयोः ॥

- १ मेद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मेद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मेद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमेद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमेदि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्हुवम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ मिमेद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मेदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मेदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 स्महे ॥
 ९ मेदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमेदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९१० गृधृग् (गृध्) उन्दे ॥

- १ गृध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गृध्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गृध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगृध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशर्धि-”, याताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्द्वम्,
 ध्वम्, षि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ शगृध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शर्धिषी-छ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ शर्धिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ शर्धिष्-येते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अशर्धिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

९११ मृधृग् (मृध्) उन्दे ॥

- १ मृध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मृध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मृध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमृध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमर्धि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ ममृध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मर्धिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ मर्धिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ मर्धिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमर्धिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

९१२ बुधृग् (बुध्) बोधने ॥

- १ बुध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ बुध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ बुध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अबुध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अबोधि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ बुबुध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ बोधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ बोधिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ बोधिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अबोधिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

९१३ खन्ग् (खन्) अवदारणे ॥

- १ खा } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे,
 खन् } यामहे ॥
 २ खाये } -त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
 खन्ये } वहि, महि ॥
 ३ खा } -यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 खन् } ये, यावहै, यामहै ॥
 ४ अखा } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 अखन् } ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अखानि, अखनि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ च्खन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ खनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ खनिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ खनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अखनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

९१४ दानी (दान्-दीदांस्) अवखण्डने ॥
आर्जवे—

- १ दीदांस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ दीदांस्ते-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ दीदांस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अदीदांस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अदीदांसि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ दीदासां-ञ्चके, इ० ॥ म्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
 ७ दीदांसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ दीदांसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ दीदांसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अदीदांसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरे प्यन्तस्य रूपम् । दान्यते इत्यादि ॥

९१५ शानी (शान्-शीशांस्) तेजने ॥

निशाने—

- १ शीशांस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ शीशांस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ शीशांस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अशीशांस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
 - ५ अशीशांसि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ शीशांसा-घके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
 - ७ शीशांसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ शीशांसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ शीशांसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अशीशांसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरे ण्यन्तस्य (शानि) इत्यस्य शान्यते-
इत्यादिरूपम् ।

९१६ शपीं (शप्) आक्रोशे ॥

- १ शप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ५ अशापि, अश-प्ताताम्, प्तत, प्थाः, प्ताथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ शोप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शप्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शप्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९१७ चायृग् (चाय्) पूजानिशामनयोः ॥

- १ चाय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चाय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ चाय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अचाय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ५ अचायि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ चचाय्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ चायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चायिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अचायिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९१८ व्ययी (व्यय्) गतौ ॥

- १ व्यय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ व्यय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ व्यय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अव्यय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ५ अव्यायि, अव्ययि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ वव्यय्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ व्ययिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ व्ययिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ व्ययिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अव्ययिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९१९ अली (अल्) भूषणपर्याप्तिवारणेषु ॥

- १ अल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आलि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ आल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ अलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ अलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० आलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९२० धावृग् (धाव्) गतिशुद्ध्योः ॥

- १ धाव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ धाव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ धाव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अधाव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अधावि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ दधाव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ धाविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ धाविता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ धाविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अधाविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९२१ चीवृग् (चीव्) झषीवत् ॥

- १ चीव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चीव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चीव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचीव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचीवि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ चिचीव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥ [ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ७ चीविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ८ चीविता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ चीविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अचीविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९२२ दाशृग् (दाश्) दाने ॥

- १ दाश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ दाश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ दाश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अदाश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अदाशि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ ददाश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ दाशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ दाशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ दाशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अदाशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९२३ शष् (शष्) आदानसंवरणयोः ॥

- १ शष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अशष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अशषि, अशषि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ जशष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९२४ भेषृण् (भेषृ) भये ॥

- १ भेषृ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ भेष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ भेषृ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अभेषृ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 - ५ अभेषि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 - ६ विभेषृ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ भेषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ भेषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ भेषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अभेषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

९२५ भ्रेषृण् (भ्रेषृ) चलने च ॥

- १ भ्रेषृ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भ्रेष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भ्रेषृ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभ्रेषृ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अभ्रेषि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ विभ्रेषृ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भ्रेषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भ्रेषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भ्रेषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभ्रेषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९२६ पषी (पष्) बाधनस्पर्शनयोः ॥

- १ पष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अपष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अपषि, अपषि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ पेषृ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९२८ चषी (चष्) भक्षणे ॥

- १ लष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ लघ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ लष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अलष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अलापि, अलपि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इध्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 - ६ लेष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ लपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ लपिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ लपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अलपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १ चष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ चघ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
 - ३ चष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, य अचष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अचापि, अचपि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इध्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 - ६ चेष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ चपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ चपिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ चपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अचपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९२९ छषी (छष्) हिंसायाम् ॥

- १ छष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ छष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
 - ३ छष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अछष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अछाषि, अछाषि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ङ्द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, प्महि ॥
 - ६ चछष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ छाषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ छाषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ छाषिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अछाषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९३० त्विषी (त्विष्) दीप्तौ ॥

- १ त्विष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ त्विष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ त्विष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अत्विष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अत्वेपि, अत्वि-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्,
 क्षध्वम्, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
 ६ तित्विष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ त्विष्क्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ त्वेष्टा-’, रौ, रः, से, साधे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ त्वेक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अत्वेक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ।

९३५ गुहोर् (गुह्) संवरणे ॥

- १ गुह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गुह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गुह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगुह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अगुहि, अगुहि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥ [अगुहहि, अगुक्षामहि ॥
 अगुहि, अगु-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, अगूढाः, अगु-
 क्षाथाम्, क्षच्चम्, अघूद्वम्, अगु क्षि, क्षावहि,
 ६ जुगु-हे, हाते, हरे, हिषे, जुषुक्षे, जुगु-हाथे, हिच्चे,
 हिद्वे, हे, हिवहे, हिमहे ॥
 ७ गृहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 ८ गृक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, च्वम्, य,
 ८ गृहिता- } -", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 गोढा } स्महे ॥
 ९ गृहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 योक्ष } यावहे, यामहे ॥
 १० अगृहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अघोक्ष } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९३६ भलक्षी (भलस्) भक्षणे ॥

- १ भलक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ भलक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ भलक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अभलक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अभलक्षि-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
 ६ बभलक्ष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ भलक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ भलक्षिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 स्महे ॥
 ९ भलक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अभलक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ अथद्युतादिः ॥

९३७ द्युति (द्युत्) दीप्तौ ॥

- १ द्युत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ द्युत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ द्युत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अद्युत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अद्योति-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
 ६ दिद्युत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ द्योतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ द्योतिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ द्योतिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अद्योतिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

९३८ रुचि (रुच्) अभिप्रीत्यां च ॥

- १ रुच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रुच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रुच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरुच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अरोचि-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
 ६ रुरुच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रोचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ रोचिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ रोचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरोचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

९३९ घृटि (घृट्) परिवर्तने ॥

- १ घृट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ घृट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ घृट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अघृट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अघोटि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ जुघृट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ घोटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ घोटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ घोटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अघोटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९४० रुटि (रुट्) प्रतीघाते ॥

- १ रुट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रुट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरोटि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ रुरुट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रोटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रोटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रोटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरोटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ९४१ लुटि (लुट्) प्रतीघाते ॥ लुट् १९० वदूपाणि ॥
- ९४२ लुठि (लुठ्) प्रतीघाते ॥ लुठ् २२० वदूपाणि ॥

९४३ श्विताङ् (श्वित्) वर्णे ॥

- १ श्वित्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्वित्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्वित्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्वित्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अश्वेति-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ शिश्वित्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्वेतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ श्वेतिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ श्वेतिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अश्वेतिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ९४४ जिमिदाङ् (मिद्) स्नेहने ॥ मिद् २०७ वदूपाणि ॥
- ९४५ जिक्विदाङ् (क्विद्) मोचने च ॥ जिक्विदा ३०० वदूपाणि ॥

९४६ जिक्विदाङ् (क्विद्) मोचने च ॥

- १ क्विद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्विट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्विद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्विद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अक्वेदि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ सिक्विद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्वेदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्वेदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्वेदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्वेदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४७ शुभि (शुभ्) दीप्तौ ॥

- १ शुभ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शुभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शुभ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशुभ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अशोभि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ शुशुभ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शोभिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शोमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शोभिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशोभिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४८ क्षुभि (क्षुभ्) संचलने ॥

- १ क्षुभ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्षुभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्षुभ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्षुभ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अक्षोभि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ चुक्षुभ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्षोभिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्षोमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्षोभिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्षोभिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४९ णभि (नभ्) हिंसायाम् ॥

- १ नभ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ नभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ नभ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अनभ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अनभि, अनभि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ नेभ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ नभिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ नभिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अनभिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५० (तुभ्) हिंसायाम् ॥

- १ तुभ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तुभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तुभ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अतुभ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अतोभि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ तुतुभ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तोभिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तोमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तोभिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतोभिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९५१ सम्भूङ् (सम्भ्) विश्वासे ॥

- १ सम्भू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सम्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सम्भू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ असम्भू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ असम्भि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ससम्भू-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सम्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सम्भिषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सम्भिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असम्भिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९५२ भ्रंशङ् (भ्रंश्) अवसंसने ॥

- १ भ्रंश-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ भ्रंश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ भ्रंश-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अभ्रंश-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अभ्रंशि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - ६ बभ्रंश-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ भ्रंशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ भ्रंशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ भ्रंशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अभ्रंशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ९५३ संसृङ् (संस्) अवसंसने ॥ संसृङ्
८४४ वदूपाणि ॥

९५४ ध्वंसङ् (ध्वंस्) गतौ च ॥

- १ ध्वस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ध्वस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ध्वस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अध्वस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अध्वंसि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ दध्वस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ध्वंसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ध्वंसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ध्वंसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अध्वंसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९५५ वृत्तङ् (वृत्) वर्तने ॥

- १ वृत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ वृत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ वृत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अवृत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अवर्ति-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - ६ ववृत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ वर्तिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ वर्तिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ वर्तिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अवर्तिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

९५६ स्यन्दौङ् (स्यन्द्) सवणे ॥

- १ स्यद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्यद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्यद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्यद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अस्यन्दि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इह्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अस्यन्दि, अस्यन्-त्ताताम्, त्सत, त्याः, त्साथाम्,
 इध्वम्, इध्वम्, त्सि, त्सहि, त्समहि ॥ दिमहे ॥
 ६ सस्यन्-दे, दाते, दिरे, दिषे, त्से, दाथे, दिध्वे, दे, दिवहे,
 ७ स्यन्दिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्,
 स्यन्त्सी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ स्यन्दिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 स्यन्ता } स्महे ॥
 ९ स्यन्दिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 स्यन्त्स् } यावहे, यामहे ॥
 १० अस्यन्दिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अस्यन्त्स् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९५७ वृधूङ् (वृध्) वृद्धौ ॥

- १ वृध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वृध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवृध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवधि, अवृधि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इह्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ ववृध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वर्धिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वर्धिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वर्धिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवर्धिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥
 ९५८ वृधूङ् (शुध्) शब्दकुत्सायाम् ॥ शुधूग
 ९१० वदूपाणि ॥

॥ अथ ज्वलादिः ॥

९५९ कृपौङ् (कृप्) सामर्थ्ये ॥

- १ कृप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कृप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कृप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकृप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकल्पि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इह्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पिमहे ॥
 ६ चकृ-पे, पाते, पिरे, पिषे, प्से, पाथे, पिध्वे, पे, पिवहे,
 ७ कल्पिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 कल्प्सी } य, वहि, महि ॥
 ८ कल्पिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 कल्प्ता } स्महे ॥
 ९ कल्पिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 कल्प्स् } यावहे, यामहे ॥
 १० अकल्पिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अकल्प्स् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

९६० ज्वल (ज्वल्) दीप्तौ ॥

- १ ज्वल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ज्वल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ज्वल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अज्वल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अज्वलि, अज्वलि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इह्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ जज्वल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इह्वे, ए, इवहे, इमहे
 ७ ज्वलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ ज्वलिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ज्वलिष्-यत, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अज्वलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥
 ९६१ कुच (कुच्) सम्पर्जनकौटिल्यप्रतिष्ठम्भ-
 विलेखनेषु ॥ कुच १०० वदूपाणि ॥

९६२ पल्ल (पत्) गतौ ॥

- १ पत्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पत्ये-न्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपाति, अपति-षाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ पेत-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, , ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्ठाः यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पतिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 खहे, स्महे ॥
 ९ पतिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अपतिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९६४ कथे (कथ्) निष्पाके ॥

- १ कथ्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वं, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यध्वं, य, वहि, महि ॥
 ३ कथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकाथि, अकथि-षाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इडुम्,
 य्वम्, षि, ष्हहि, ष्महि ॥
 ६ चकथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कथिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, य्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ कथिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, त्वहे, स्महे ॥
 ९ कथिष्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९६६ षड्लृं (सद्) विशरणगत्यवसादनेषु ॥

- १ सद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ असादि, अस-त्साताम्, त्सत, त्थाः, त्साथाम्,
दध्वम्, दध्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
- ६ सेद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सत्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० असत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९६७ शड्लं (शद्) शातने ॥

- १ शद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अशादि, अश-त्साताम्, त्सत, त्थाः, त्साथाम्,
दध्वम्, दध्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
- ६ शेद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ शत्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अशत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ९६८ बुध (बुध) अवगमने ॥ बुधृग् ९१२ वदूपाणि ॥

९६९ डुवम् (वम्) उद्गिरणे ॥

- १ वम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवामि, अवमि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, डुढम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ वेम् } -ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे,
ववम् } इमहे ॥
- ७ वमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अवमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९७० भ्रम् (भ्रम्) चलने ॥

- १ भ्रम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भ्रम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भ्रम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम् ये, यावहै, यामहै ॥
- ४ अभ्रम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अभ्रमि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, डुढम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ भ्रेम् } -ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे,
वभ्रम् } इमहे ॥
- ७ भ्रमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भ्रमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भ्रमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अभ्रमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९७५ दृल (दृल्) वैक्लव्ये ॥

- १ द्वल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ द्वल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ द्वल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अद्वल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अद्वलि, अद्वलि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इध्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ज्वहि, ष्महि ॥
 ६ दद्वल्-ए, आते, इरे, इषे, आथि, इध्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ द्वलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ द्वलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ द्वलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अद्वलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९७६ षुल (स्थल्) स्थाने ॥

- १ स्थल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्थल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्थल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्थल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अस्थालि, अस्थलि-”, षाताम्, षत, षाः, षायाम्,
 इद्धम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ज्वहि, ज्वहि ॥
 ६ तस्थल्-ए, आते, हो, इषे, आथे, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ स्थलिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्याम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ स्थलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, त्वहे, स्महे ॥
 ९ स्थलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अस्थलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९७७ हल (हल्) विलेखने ॥

- १ हल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ हल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ हल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अहल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अहलि, अहलि-पाताम्, षत, षाः, षाथाम्, षध्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, प्वहि, षमहि ॥
 ६ जहल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इध्वे, ए,
 इवहे, इमहे ॥ [ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ७ हलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ८ हलिंता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 स्महे ॥
 ९ हलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अहलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९७८ णल (नल्) गन्धे ॥

- १ नल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ नल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ नल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्, येथाम्, यष्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अनल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
 ५ अनालि, अनलि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ नेल्-ए, आते, इरे, इषे, आये, इच्चे, इद्दे, ए, इवहे, स्महे ॥
 ७ नलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ष्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ नलिता-”, रौ, रः, से, साये, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ नलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अनलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९७९ बल् (बल्) प्राणनधान्यावरोधयोः ॥

- १ बल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ बल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ बल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अबल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अबालि, अबलि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इड्ढम्, द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ बेल्ल-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इड्ढे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ बलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ बलिता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ बलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अबलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९८० पुल (पुल) महत्त्वे ॥

- १ पुल-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पुल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पुल-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपुल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्
- ५ अपोलि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इड्ढम्, द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ पुपुल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इड्ढे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पोलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पोलिता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पोलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपोलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९८१ कुल (कुल) बन्धुसंस्त्यानयोः ॥

- १ कुल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कुल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कुल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अकुल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
- ५ अकोलि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इड्ढम्, द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ चुकुल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इड्ढे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कोलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कोलिता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कोलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकोलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९८२ पल (पल्) गतौ ॥

- १ पल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अपल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
- ५ अपालि, अपलि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इड्ढम्, द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ पेल्ल-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इड्ढे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पलिता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९८३ फल (फल्) गतौ ॥ त्रिफला ४१४ वद्रूपाणि ॥

९८४ शल (शल्) गतौ ॥ शलि ८०९ वद्रूपाणि ॥

९८५ हुल (हुल्) हिंसासंवरणयोश्च ॥

- १ हुल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हुल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हुल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अहुल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ५ अहोलि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, य्वम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
- ६ जुहुल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ होलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ होलिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ होलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अहोलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९८७ कस् (कस्) गतौ ॥

- १ कस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अकस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अकासि, अकसि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, य्वम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
- ६ चकस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कसिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९८६ कुशं (कुश्) आह्वानरोदनयोः ॥

- १ कुश-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कुश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कुश-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकुश-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ५ अक्रोशि, अकु-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षच्चम्, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- ६ चुकुश-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कुक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्रोष्टा-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्रोक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्रोक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९८८ रुहं (रुह्) जन्मनि ॥

- १ रुह-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रुह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रुह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरुह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ५ अरोहि, अरु-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षच्च, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- ६ रुरुह-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रुक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रोढा-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रोक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरोक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

अयान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

९८९ रमि (रम्) क्रीडायाम् ॥

- १ रम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ५ अरामि, अरं-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, अरन्-ष्वम्, दूष्वम्, अरं-सि, स्वहि, स्महि ॥
- ६ रेम्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रंसी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रन्ता-''', रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रंस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरंस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

९९० सहि (सह्) मर्षणे ॥

- १ सह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ५ असाहि, असहि-घाताम्, घत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दूम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ सेह्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इञ्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, दूम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सहिता } -'', रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, सोढा } स्महे ॥
- ९ सहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ अथ यजादिः ॥

९९१ यजी (यज्) देवपूजासंगतिकरणदानेषु ॥

- १ यज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ यज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ यज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यावहि ॥
- ४ येज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ५ अयाजि, अय-क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, इद्वम्, गृह्द्वम्, क्षि, इवहि, इमहि ॥
- ६ र्जि-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ यक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ यष्टा-''', रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ यक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अयक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९९२ वेंग् (वे) तन्तुसंताने ॥

- १ ऊ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यावहे ॥
- २ ऊये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ऊ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ५ अवायि-''', घाताम्, घत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दूम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- अवायि, अवा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ष्वम्, दूष्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
- ६ ऊय् } -ए, आते, इरे, इथे, आथे, इञ्चे, इद्वे, ऊव् } ए, इवहे, इमहे ॥
वन् } [य, वहि, महि ॥
- ७ वायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, दूम्, वासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वायिता } -'', रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, वाता } स्महे ॥
- ९ वायिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, वास् } यावहे, यामहे ॥
- १० अवायिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, अवास् } ये, यावहि, यामहि ॥

९९३ व्येङ् (व्ये) संवरणे ॥

- १ वी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अव्यायि-”, पाताम्, षत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अव्यायि, अव्या-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
 ६ विव्यु-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ व्यायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 व्यासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ व्यायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 वाता } स्महे ॥
 ९ व्यायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 व्यास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अव्यायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अव्यास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९९४ ह्येङ् (ह्ये) स्पर्धाशब्दयोः ॥

- १ ह्ये-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ह्ये-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अह्ये-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 षि, ष्वहि, स्महि ॥ [षि, ष्महि, स्महि ॥
 ५ अह्यायि-”, पाताम्, षत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्,
 [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अह्यायि, अह्या-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
 ६ जुहुव-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ह्यायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 ह्यासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ ह्यायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 ह्याता } स्महे ॥
 ९ ह्यायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 ह्यास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अह्यायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 अह्यास् } ये, यावहि, यामहि ॥

९९५ डुवर्पी (वप्) बीजसंताने ॥

- १ डुप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ डुप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ डुप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ औप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवापि, अव-प्साताम्, षत, प्थाः, पाथाम्, ध्वम्,
 बृध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ ऊप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वप्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वप्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९९६ वही (वह्) प्रापणे ॥

- १ उह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ उह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ उह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ औह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवाहि, अव-क्षाताम्, क्षत, अवोढाः, अवक्षायाम्,
 अवोद्वम्, अव-गृह्णवम्, क्षि, क्ष्वहि, क्ष्महि ॥
 ६ ऊह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वोढा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९९७ द्वेष्टि (श्वि) गतिवृद्धोः ॥

- १ श्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ श्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ श्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 - ५ अश्वायि, अश्वायि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, षहि, षमहि ॥
 - ६ श्शुश्च शिश्चि } -ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ श्वायिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ श्वायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ श्वायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अश्वायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- वृद्धावकर्मक इति भावे प्रत्ययः ॥

९९८ वद (वद्) व्यक्तायां वाचि ॥

- १ उद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ उद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ औद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अवादि, अवदि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, षहि, षमहि ॥
- ६ ऊद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वदिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ अथ घटादिः ॥

९९९ वसं (वस्) निवासे ॥

- १ उष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ उष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवासि, अव-त्साताम्, त्सत, त्थाः, त्साथाम्, दध्वम्, इध्वम्, त्सि, त्सहि, त्समहि ॥
- ६ ऊष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वस्ता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१००० घटिष् (घट्) चेष्टायाम् ॥

- १ घट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ घट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ घट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अघट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 - ५ अघाटि, अघटि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, षहि, षमहि ॥
 - ६ जघट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ घटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ घटिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ घटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अघटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१००२ व्यथिष् (व्यथ्) भयचलनयोः ॥

- १ क्षञ्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ क्षञ्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ क्षञ्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अक्षञ्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 - ५ अक्षञ्जि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्ध्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
 - ६ चक्षञ्ज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ क्षञ्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ क्षञ्जिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 - ९ क्षञ्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अक्षञ्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १ व्यथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ व्यथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ व्यथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अव्यथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 - ५ अव्याथि, अव्यथि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्ध्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥
 - ६ विव्यथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ व्यथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ व्यथिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 - ९ व्यथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अव्यथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१००४ अदिष् (अद्) मर्दने ॥

- | | |
|---|---|
| १ प्रथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ | १ म्रद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ |
| २ प्रथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ | २ म्रथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ |
| ३ प्रथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥ | ३ म्रद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥ |
| ४ अप्रथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, | ४ अम्रद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, |
| ५ अप्राथि, अप्रथि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ | ५ अम्रादि, अम्रदि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ |
| ६ पप्रथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥ | ६ मम्रद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥ |
| ७ प्रथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ | ७ म्रदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ |
| ८ प्रथिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥ | ८ म्रदिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥ |
| ९ प्रथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ | ९ म्रदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ |
| १० अप्रथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ | १० अम्रदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ |

१००५ स्वदिष् (स्वद्) खदने ॥

- १ स्वद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्वधे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्वद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्वद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अस्वदि, अस्वदि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ चस्वद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्वदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्वदिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्वदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्वदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १००६ कदुङ् (कन्द) वैकुण्ठे ॥ कदु३१५ वद्रूपाणि ॥
- १००७ कदुङ् (कन्द) वैकुण्ठे ॥ कदु३१६ वद्रूपाणि ॥
- १००८ कदुङ् (कन्द) वैकुण्ठे ॥ कदु३१७ वद्रूपाणि ॥

१००९ क्रपि (क्रप्) कृपायाम् ॥

- १ क्रप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्रप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्रप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्रप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, य, वहि, महि ॥
- ५ अक्रापि, अक्रापि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ चक्रप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्रपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्रपिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्रपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्रपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०१० त्वरिष् (त्वर्) संभ्रमे ॥

- १ त्वर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ त्वर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ त्वर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अत्वर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अत्वारि, अत्वारि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ तत्वर-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ त्वरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ त्वरिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ त्वरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अत्वरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०११ प्रसिष् (प्रस्) विस्तारे ॥

- १ प्रस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ प्रस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ प्रस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अप्रस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अप्रासि, अप्रासि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ पप्रस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ प्रसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ प्रसिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ प्रसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अप्रसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १०१२ दक्षि (दक्ष) हिंसागत्योः ॥ दक्षि८७५ वद्रूपाणि ॥
- १०१३ श्रां (श्रा) पाके ॥ श्रै ४६ वद्रूपाणि ॥
- १०१४ स्मृं (स्मृ) आध्याने ॥ स्मृं १८ वद्रूपाणि ॥

१०१५ दृ भये ॥

- १ दीर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ दीर्-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ दीर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अदीर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अदारि, अदारि } -षाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
 अदरि } इद्वम्, डृम्, च्वम्, षि,
 अदरी } च्वहि, च्महि ॥
 अदारि, अदीर्-षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 डृम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
 ६ ददृ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ दरिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, डृम्,
 दारिषी } च्वम्, य, वहि, महि ॥ [महि ॥
 दीर्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, डृम्, य, वहि,
 ८ दारिता } -", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वे,
 दरिता } स्महे ॥
 दरीता }
 ९ दारिष } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे,
 दरिष } ये, यावहे, यामहे ॥
 दरीष }
 १० अदारिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अदरीष } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अदरिष }

अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१०१७ षक् (स्तक्) प्रतीघाते ॥

१०१८ स्तक् (स्तक्) प्रतीघाते ॥

- १ स्तक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्तक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥ [यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥
 ३ स्तक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
 ४ अस्तक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥ [च्वम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
 ५ अस्ताकि, अस्तकि-षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ६ तस्तक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ स्तकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ स्तकिता-" , रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वे, स्महे ॥
 ९ स्तकिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अस्तकिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १०१९ चक् (चक्) तृती च ॥ चकि६२१ वदूपाणि ॥

१०१६ नृ नये ॥

- १ नीर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ नीर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ नीर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अनीर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अनारि, अनारि } -षाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
 अनरि } इद्वम्, डृम्, च्वम्, षि,
 अनरी } च्वहि, च्महि ॥
 अनारि, अनीर्-षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 डृम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
 ६ ननर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ नरिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, डृम्,
 नरिषी } च्वम्, य, वहि, महि ॥ [महि ॥
 नीर्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि,
 ८ नारिता } -", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वे,
 नरिता } स्महे ॥
 नरीता }
 ९ नारिष } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे,
 नरिष } ये, यावहे, यामहे ॥
 नरीष }
 १० अनारिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अनरिष } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अनरीष }

१०२० अक् (अक्) कुटिलायां गतौ ॥

- १ अक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ आक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
 ५ आकि-" , षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
 ६ आक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ अकिता-" , रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वे, स्महे ॥
 ९ अकिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० आकिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१०२१ (कस्) हसने ॥

- १ कस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकाखि, अकखि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ चकस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कखिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कखिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कखिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकखिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०२२ अग् (अग्) अकवत् ॥

- १ अग्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अग्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आग्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आगि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ आग्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अगिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अगिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अगिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आगिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०२३ रगे (रग्) शङ्कायाम् ॥

- १ रग्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रग्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरग्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरागि, अरगि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ रेग्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रगिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रगिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रगिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरगिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०२४ लगे (लग्) सङ्गे ॥

- १ लग्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लग्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलग्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलागि, अलगि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ लेग्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लगिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लगिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लगिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलगिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०२५ हगे (हग्) संवरणे ॥

- १ हग्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ हग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ हग्-याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अहग्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अहगि, अहगि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ जहग्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ हगिषी-ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ हगिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ हगिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अहगिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१०२७ षष्ठे (सप्त) संवरणे ॥

१०२८ सगे (सग्) संवरणे ॥

- १ सग्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [ये, यावहै, यामहै ॥
 ३ सग्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ४ असग्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ असागि, असगि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ष्द्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ सेग्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ सगिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ सगिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ सगिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० असगिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१०२६ हगे (हग्) संवरणे ॥

- १ ह्रग्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे. यामहे ॥
२ ह्रग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्चम्, य, वहि, महि ॥ [यै, यावहै, यामहै ॥
३ ह्रग्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, य्चम्,
४ अह्रग्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, य्चम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
५ अह्रागि, अह्रगि-षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, ष्वहि, ष्महि ॥
६ जह्रग्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
७ ह्रगिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
८ ह्रगिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, है, स्वहे, स्महे ॥
९ ह्रगिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे यच्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
१० अह्रगिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, य्चम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

१०२९ षुगे (स्थग्) संवरणे ॥

१०३० स्थगे (स्थग्) संवरणे ॥

- १ स्थग्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्थग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्थग्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्च्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्थग्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्च्वम्,
 ५ अस्थ्यागि, अस्थगि-वाताम्, वत, धाः, पाथाम्,
 इद्धम्, च्वम्, षि, च्वहि, ष्महि ॥
 ६ तस्थग्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ स्थगिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्ताम्, च्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ स्थगिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ स्थगिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अस्थगिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्च्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 १०३१ वट (वट्) परिभाषणे ॥ वट १७६ वट्टपाणि ॥
 १०३२ भट (भट्) परिभाषणे ॥ भट १८४ वट्टपाणि ॥
 १०३३ णट (नट्) नतौ ॥ णट १८७ वट्टपाणि ॥

१०३४ गड (गड्) सेचने ॥

- १ गड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अगडि, अगडि-घाताम्, घत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ जगड्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १०३५ हेड (हेड्) वेष्टने ॥ हेड् ७०२ वद्वपाणि ॥
- १०३६ लड (लड्) जिह्वोन्मथने ॥ लड २५४ वद्वपाणि ॥

१०४१ शण (शण्) दाने ॥

- १ शण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अशणि, अशणि-घाताम्, घत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ शेण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शणिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०३७ फण (फण्) गतौ ॥

- १ फण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ फण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ फण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अफण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अफणि, अफणि-घाताम्, घत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ फेण् } -ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ फणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ फणिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ फणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अफणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १०३८ कण (कण्) गतौ ॥ कण २७० वद्वपाणि ॥
- १०३९ रण (रण्) गतौ ॥ रण २६० वद्वपाणि ॥
- १०४० चण (चण्) हिंसादानयोश्चाचण २७२ वद्वपाणि ॥

१०४२ श्रण (श्रण्) दाने ॥

- १ श्रण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्रण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्रण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्रण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अश्राणि, अश्राणि-घाताम्, घत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ शश्रण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्रणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ श्रणिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ श्रणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अश्रणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०४३ स्नथ (स्नथ्) हिंसार्थः ॥

- १ स्नथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्नथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्नथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्नथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्नाथि, अस्नाथि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ सस्नथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्नथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्नथिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्नथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्नथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०४५ क्रथ (क्रथ्) हिंसार्थः ॥

- १ क्रथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्रथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्रथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्रथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अक्राथि, अक्राथि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ चक्रथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्रथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्रथिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्रथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्रथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०४४ ऋथ (ऋथ्) हिंसार्थः ॥

- १ ऋथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ऋथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ऋथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अऋथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अऋाथि, अऋाथि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ चऋथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ऋथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ऋथिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ऋथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १० अऋथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,

१०४६ क्लथ (क्लथ्) हिंसार्थः ॥

- १ क्लथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ क्लथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ क्लथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अक्लथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अक्लाथि, अक्लाथि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ चक्लथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ क्लथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ क्लथिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ क्लथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - १० अक्लथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- १०४७ छद् (छद्) ऊर्जने ॥ छद्गणे संवरणे इति वक्ष्यमाणवत् ॥
- १०४८ मदै (मद्) हर्षग्लपनयोः ॥ मदैच् हर्ष इति वक्ष्यमाणवत् ॥
- १०४९ घन (स्तन्) शब्दे ॥ स्तन ३२३ वद्रूपाणि ॥
- १०५० स्तन (स्तन्) शब्दे ॥ स्तन ३२३ वद्रूपाणि ॥
- १०५१ ध्वन (ध्वन्) शब्दे ॥ ध्वन ३२५ वद्रूपाणि ॥
- १०५२ स्वन (स्वन्) अवतंसने ॥ स्वन ३२७ वद्रूपाणि ॥
- १०५३ चन (चन्) हिंसायाम् ॥ चन ३२६ वद्रूपाणि ॥

१०५४ ज्वर (ज्वर्) रोगे ॥

- १ ज्वर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ ज्वर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ ज्वर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अज्वर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अज्वरि, अज्वरि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 - ६ जज्वर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ ज्वरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ ज्वरिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ ज्वरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अज्वरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १०५५ चल (चल) कम्पने ॥ चल९७२वद्रूपाणि ॥

१०५६ हल (हल्) चलने ॥

- १ हल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अहल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अहलि, अहलि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ जहल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ हलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ हलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अहलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ अथादादिगणः ॥

१०५७ हल (हल्) चलने ॥

- १ हल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ हल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ हल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अहल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अहलि, अहलि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 - ६ जहल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ हलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ हलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ हलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अहलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १०५८ ज्वल (ज्वल्) दीप्ती च ॥ ज्वल९६०वद्रूपाणि ॥
- ॥ इति भ्वादिगणः ॥

१०५९ अदं (अद्) भक्षणे ॥

- १ अद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अघासि, अघ-त्साताम्, त्सत, त्याः, त्साथाम्, द्दध्वम्, द्ध्वम्, त्सि, त्स्वहि, त्समहि ॥
- ६ जक्ष् } -ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, आद् } इमहे ॥
- ७ अत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अत्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०६० प्साक् (प्सा) भक्षणे ॥

- १ प्सा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ प्साये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ प्सा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अप्सा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अप्सायि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥ [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अप्सायि, अप्सा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
 ६ एप्स्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ प्सायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 प्सासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ प्सायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 प्साता } स्महे ॥
 ९ प्सायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 प्सास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अप्सायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अप्सास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०६२ याक् प्रापणे ॥

- १ या-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ याये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यै, यावहे, यामहे ॥
 ३ या-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ४ अया-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अयायि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥ [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अयायि, अया-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
 ६ ययू-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ यायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 यासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ यायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 याता } स्महे ॥
 ९ यायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अयायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 अयास् } ये, यावहि, यामहि ॥
 १०६३ वाक्(वा)गतिगन्धनयोः॥ओवै४८वद्रूपाणि॥
 १०६४ णाक् (स्ना) शौचे ॥ णै ४९ वद्रूपाणि ॥
 १०६५ भ्राक् (भ्रा) पाके ॥ भ्रै ४६ वद्रूपाणि ॥
 १०६६ द्राक् (द्रा) कुत्सितगतौ ॥ द्रै ३४ वद्रूपाणि ॥
 १०६७ पाक् (पा) रक्षणे ॥ पै ४७ वद्रूपाणि ॥

१०६१ भाक् (भा) दीप्तौ ॥

- १ भा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ भाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ भा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अभा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अभायि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥ [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अभायि, अभा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
 ६ बभू-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ भायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 भासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ भायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 भाता } स्महे ॥
 ९ भायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 भास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अभायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अभास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१०६८ लाक् (ला) आदाने ॥

- १ ला-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ला-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अला-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलायि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥ [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अलायि, अला-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
 ६ ललू-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 लासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ लायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 लाता } स्महे ॥
 ९ लायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 लास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अलायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 अलास् } ये, यावहि, यामहि ॥
 १०६९ राक् (रा) दाने ॥ रै ३८ वद्रूपाणि ॥
 १०७० दाक् (दा) लवने ॥ दै २९ वद्रूपाणि ॥

१०७१ ख्याक् (ख्या) प्रथने ॥

- १ ख्या-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ख्याये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ख्या-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अख्या-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अख्यायि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
- अख्यायि, अख्या-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
- ६ ख्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ख्यायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ख्यासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ ख्यायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ख्याता } स्महे ॥
- ९ ख्यायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- ख्यास् } यावहे, यामहे ॥
- १० अख्यायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अख्यास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०७२ प्राक् (प्रा) पूरणे ॥

- १ प्रा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ प्राये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ प्रा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अप्रा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अप्रायि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
- अप्रायि, अप्रा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
- ६ पम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ प्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, दुम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- प्रासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ प्रायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- प्राता } स्महे ॥
- ९ प्रायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- प्रास् } यावहे, यामहे ॥
- १० अप्रायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अप्रास् } ये, यावहि, यामहि ॥
- १०७३ मांक् (मा) माने ॥ मैङ् ६०३ वद्रूपाणि ॥

१०७४ इक् (इ) स्मरणे ॥ अधिपूर्वकः ॥

१०७५ इण्क् (इ) गतौ ॥

- १ ई-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ईये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ई-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यावहि ॥
- ४ ऐ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अगायि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
- अगायि, अगा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
- ६ ईय-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ आयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- एषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, य,
- ८ आयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- एता } स्महे ॥
- ९ आयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- एष् } यामहे ॥
- १० आयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ऐष् } ये, यावहि, यामहि ॥

१०७६ वीक् (वी) प्रजनकान्त्यसनखादनेषु ॥

- १ वी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यावहे ॥
- २ वीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवायि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- अवायि, अवे-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ विव्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- वेसी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, य,
- ८ वायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- वेता } स्महे ॥
- ९ वायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- वेष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अवायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अवेष् } ये, यावहि, यामहि ॥

१०७८ शुंक् (सु) प्रसवैश्वर्ययोः ॥

१ द्यू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ द्यूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ द्यू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अद्यू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अद्यावि-” पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, दुम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥ [दुम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 अद्यावि, अद्यो-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 ६ दुद्युव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ द्याविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 द्योषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, य,
 ८ द्याविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 द्योता } स्महे ॥
 ९ द्याविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 द्योष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अद्याविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अद्योष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ सू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ सूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ।
 ३ सू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 यै, यावहै, यामहै । [ये, यावहि, यामहि ।
 ४ असू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ असावि-”, षताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, ड्ढम्, द्वम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, घ्महि । [षि, च्वहि, घ्महि ।
 असावि, असो-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, व्ढम्, द्वम्,
 ६ सुषुव्-ए, आते, ईरे, इषे, आथे, इद्धे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ।
 ७ साविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि । [वहि, महि ।
 सोषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 ८ साविता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे,
 सोता } स्महे ।
 ९ साविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे,
 सोष् } ये, यावहे, यामहे ।
 १० असाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 असोष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ।

१०७९ तुंक (तु) वृत्तिहिंसापूरणेषु ॥

१ तू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतावि-पाताम्, षत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, वि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [द्वम्, वि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 अतावि, अतो-पाताम्, षत, घाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ६ तुतुव-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ताविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 तोषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 ८ ताविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 तोता } स्महे ॥
 ९ ताविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 तोष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अताविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अतोष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०८० युक् (यु) मिश्रणे ॥

१ यू-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ यूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ यू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अयू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अयाचि, अयाचि } -षाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 अयचि } दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ गुयुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ याविषी } -ट्, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 यविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ याविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 यविता } स्सहे ॥
 ९ याविष् } -यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यच्चे, ये,
 यविष् } यावहे, यामह ॥
 १० अयाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अयविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०८१ णुक् (जु) स्तुतौ ।

- १ नू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ नूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ नू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अनू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अनावि, अनावि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्,
अनवि } दृम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ नुनुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए इवहे, इमहे ॥
- ७ नाविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दृम्,
नविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नाविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
नविता } स्महे ॥
- ९ नाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
नविष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अनाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अनविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०८३ स्नुक् (स्नु) प्रस्नवने ॥

- १ स्नू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्नूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्नू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्नू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्नावि, अस्नावि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्,
अस्नवि } दृम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ सुस्नुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए इवहे, इमहे ॥
- ७ स्नाविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दृम्,
स्नविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्नाविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
स्नविता } स्महे ॥
- ९ स्नाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
स्नविष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अस्नाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अस्नविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०८२ क्षणुक् (क्षणु) तेजने ॥

- १ क्षणू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्षणूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्षणू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम् ॥ ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्षणू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अक्षणावि, अक्षणावि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्,
अक्षणवि } दृम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ चुक्षुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए इवहे, इमहे ॥
- ७ क्षाविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दृम्,
क्षणविषी } ध्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्षाविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
क्षणविता } स्महे ॥
- ९ क्षाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
क्षणविष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अक्षणाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अक्षणविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०८४ डक्षु (क्षु) शब्दे ॥

- १ क्षू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्षूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्षू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्षू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अक्षावि, अक्षावि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्,
अक्षवि } दृम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ चुक्षुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए इवहे, इमहे ॥
- ७ क्षाविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दृम्,
क्षविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्षाविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
क्षविता } स्महे ॥
- ९ क्षाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
क्षविष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अक्षाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अक्षविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०८५ रु शब्दे ॥

- १ रु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रुये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रु-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आरावि, अरावि } -पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्ढवम्
 अरवि } ढुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ रुरुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ राविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ढुम्,
 रविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ राविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 रविता } स्महे ॥
 ९ राविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 रविष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अराविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अरविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ अथ रुदादिपञ्चकः ॥

१०८७ रुदृक् (रुद्) अश्रुविमोचने ॥

- १ रुद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रुद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रुद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरुद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अरोदि-"", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्ढवम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ रुरुद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रोदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ रोदिता-"", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ रोदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अरोदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१०८६ कुक् (कु) शब्दे ॥

- १ कू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकावि-"", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्ढवम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥ [ढुम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 अकावि, अको-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्ढवम्,
 ६ चुकुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ काविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ढुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 कोषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ढुम्, य,
 ८ काविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 कोता } स्महे ॥
 ९ काविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 कोष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अकाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अकोष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०८८ विष्पपंक (स्वप्) शये ॥

- १ सुप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सुप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ सुप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ असुप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अस्वापि, अस्व-प्साताम्, प्सत, प्थाः, प्साथाम्,
 ध्वम्, ब्दुध्वम्, प्सि, प्सवहि, प्समहि ॥
 ६ सुषुप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ स्वप्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ स्वप्ता-"", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ स्वप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अस्वप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१०८९ अन (अन्) प्राणने ॥

- १ अन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ आनि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
- ६ आन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अनिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

॥ अथ जक्षादिपञ्चकः ॥

१०९१ जक्षक् (जक्ष्) भक्षहसनयोः ॥

- १ जक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अजक्षि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
- ६ जजक्ष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जक्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जक्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अजक्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१०९० श्वसक् (श्वस्) प्राणने ॥

- १ श्वस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्वस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्वस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्वस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अश्वसि, अश्वसि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
- ६ शश्वस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्वसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ श्वसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ श्वसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अश्वसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१०९२ दरिद्राक् (दरिद्रा) दुर्गतौ ॥

- १ दरिद्र्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दरिद्रे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दरिद्र्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदरिद्र्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अदरिद्रायि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, च्महि [इद्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
- अदरिद्रि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ ददरिद्र्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- दरिद्रा-चके, इ० ॥ स्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ दरिद्रिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दरिद्रिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दरिद्रिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- १० अदरिद्रिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१०९३ जागृक् (जागृ) निद्राक्षये ॥

- १ जागृ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जागृ-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जागृ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजागृ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अजागृ-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ढुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ अजागृ-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥ जागृ-शक्के, इ० ॥ म्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ६ जागृषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, जागृषी-ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ जागृषी-रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, जागृषी-स्महे ॥
- ८ जागृषि-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, जागृषि-यावहे, यामहे ॥
- ९ अजागृषि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अजागृषि-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१०९४ चकासुक् (चकास्) दीप्तौ ॥

- १ चकास्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चकास्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ चकास्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अचकास्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अचकासि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ चकासा-शक्के, इ० ॥ म्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ६ चकासिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ चकासिषी-रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, चकासिषी-स्महे ॥
- ८ चकासिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- ९ अचकासिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अचकासिष्-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१०९५ शासृक् (शास्) अनुशिष्टौ ॥

- १ शासृ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शासृ-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शासृ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अशासृ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अशासृ-ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अशासि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ शासास्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शासिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शासिता-रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, शासिता-स्महे ॥
- ९ शासिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशासिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अशासिष्-ये, यावहि, यामहि ॥

१०९६ वचंक् (वच्) भाषणे ॥

- १ वच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वच्चे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अवाचि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ औच्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ६ वक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ७ वक्ता-रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, वक्ता-स्महे ॥
- ८ वक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- ९ अवक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अवक्ष-ये, यावहि, यामहि ॥

१०९७ मृजौक् (मृज्) शुद्धौ ॥

- १ मृज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ मृज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ मृज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अमृज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यामहि ॥
 - ५ अमाजि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥ [गृह्णुम्, क्षि, क्ष्वहि, क्ष्महि ॥
 - अमाजि, अमृ-क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ ममार-”-जे, जाते, जिरे, जिषे, क्षे, जाथे, जिध्वे, जे, ममृ-” जिवहे, जिमहे ॥
 - ७ माजिषी-”-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, मृक्षी-” ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ माजिता-”-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ माजिष्-”-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, माक्ष-” यावहे, यामहे ॥
 - १० अमाजिष्-”-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अमाक्ष-” यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- परोक्षसंप्रत्यये रूपद्वयं मतभेदेन, एवमन्यत्रापि वेति धातौ बोध्यम् ॥

१०९८ संस्तुक् (संस्तु) स्वप्ने ॥

- १ संस्तु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ संस्त्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ संस्तु-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ असंस्तु-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, यामहि ॥
 - ५ असंस्ति-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 - ६ संसंस्तु-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ संस्तिषी-”-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ संस्तिता-”-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ संस्तिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० असंस्तिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१०९९ विदक् (विद्) ज्ञाने ॥

- १ विद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ विद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ विद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अविद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, यामहि ॥
- ५ अवेदि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ विविद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ६ विदा-श्चक्रे, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ वेदिषी-”-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वेदिता-”-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वेदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवेदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११०० हनक् (हन्) हिंसागतयोः ॥

- १ हन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अहन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यामहि ॥
- ५ अघानि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥ [सि, स्वहि, स्महि ॥
- अघानि, अह-साताम्, सत, थाः, साथाम्, ध्वम्, दध्वम्, अघधि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ध्वम्, इद्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ जघन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ घानिषी-”-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, वधिषी-” ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ घानिता-”-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, हन्ता-” स्महे ॥
- ९ घानिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, हनिष्-” यावहे, यामहे ॥
- १० अघानिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अहनिष्-” ये, यावहि, यामहि ॥

११०१ वश्क् (वञ्) कान्तौ ॥

- १ उश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ उश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥
 ३ उश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ४ औश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ५ अवाशि, अवशि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ ऊश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अवशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 ११०२ असक् (अस्-भू) भुवि ॥ भू १ वदूपाणि ॥

११०४ इङ्क् (इ) अध्ययने । अधिपूर्वोऽयम् ॥

- १ अधी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अधीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अधी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अध्यै-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अध्यगायि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 अध्ययि }
 अध्यगायि } अध्यगी } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [इमहे ॥
 अध्ययि } , अध्यै }
 ६ अधिजग्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अध्यायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 अध्येषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ अध्यायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 अध्येता }
 ९ अध्यायिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 अध्येष् }
 १० अध्यगायिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अध्यगीष् }
 अध्ययिष् }
 अध्ययिष् }
 अध्यैष् }

११०३ षक् (सम्) स्वप्ने ॥

- १ सम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ सम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ असस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ५ असासि, अससि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ सेस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ससिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ ससिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ससिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अससिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११०५ शीङ्क् (शी) स्वप्ने ॥

- १ शय्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शय्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशय्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अशायि, अशायि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 अशायि }
 ६ शिड्य्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 शायिषी }
 ८ शायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 शायिता }
 ९ शायिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 शायिष् }
 १० अशायिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अशायिष् }

अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११०६ हुङ्क् (हु) अपनयने ॥

- १ हू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अहू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अहावि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- अहावि, अहो-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, जुहुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हाविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- होषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, हाविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- होता } स्महे ॥
- ९ हाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, हाव } यावहे, यामहे ॥
- होष } यावहे, यामहे ॥
- १० अहाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अहोष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११०७ षड्गैक् (ष) प्राणिगर्भविमोचने ॥

- १ सू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, असावि, असावि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, असवि } द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, स्महि ॥
- असावि, असो-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, पि, ध्वहि, स्महि ॥ [ए, इवहे, इमहे ॥
- ६ सुषुव्-ए, आते, इरे, इषे, सुषुषे, सुषुव्-आथे इद्वे, इध्वे, साविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, सविषी } य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- सोषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, साविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, सविता } स्महे ॥
- सोता } स्महे ॥
- ९ साविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, सविष् } यावहे, यामहे ॥
- सोष } यावहे, यामहे ॥
- १० असाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, असविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- असोष } यावहे, यामहे ॥

परोक्षसिप्रत्यये रूपद्वयं मतमिदं ॥

११०८ पृचैङ् (पृच्) संपर्चने ॥

- १ पृच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पृच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पृच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपृच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अपृचि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ पपृच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पृचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पृचिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पृचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपृचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११०९ पृञ्ज (पृञ्ज्) संपर्चने ॥

- १ पृञ्ज-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पृञ्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पृञ्ज-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपृञ्ज-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अपृञ्जि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ पपृञ्ज-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पृञ्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पृञ्जिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पृञ्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपृञ्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१११४ ईडिक् (ईड्) स्तुतौ ॥

- १ ईड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ईड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ईड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ ऐड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ५ ऐडि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ ईडा-ञके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ ईडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ईडिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ईडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० ऐडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१११५ ईरिक् (ईर्) गतिकम्पनयोः ॥

- १ ईर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ईर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ईर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ ऐर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ५ ऐरि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ ईरा-ञके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ ईरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ईरिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ईरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० ऐरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१११६ ईशिक् (ईश्) ऐश्वर्ये ॥

- १ ईश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ईश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ईश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ ऐश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ५ ऐशि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ ईशा-ञके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ ईशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ईशिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ईशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० ऐशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१११७ वसिक् (वस्) आच्छादने ॥

- १ वस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ५ अवासि, अवसि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ ववस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वसिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१११८ आहः शासृक् (आ-शास्) इच्छायाम् ॥

- १ आशास्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ आशास्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ आशास्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आशास्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ आशासि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, य्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [इमहे ॥
- ६ आशाशास्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ आशासिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ आशासिता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ आशासिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आशासिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१११९ आसिक् (आस्) उपवेशने ॥

- १ आस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ आस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ आस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ आसि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, य्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ आसा-श्चके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ आसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ आसिता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ आसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११२० कसृक् (कंस्) गतिज्ञातनयोः ॥

- १ कंस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कंस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कंस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकंस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अकंसि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, य्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चकंस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कंसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कंसिता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कंसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकंसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११२१ णिसृक् (निंस्) चुम्बने ॥

- १ निंस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ निंस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ निंस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अनिंस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अनिंसि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, य्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ निनिंस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ निसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ निंसिता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ निसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अनिसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११२२ चक्षिक् (चक्ष्) व्यक्तायां वाचि ॥

- १ ख्शा } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
कशा } यावहे, यामहे ॥
ख्या }
- २ ख्शाये } -त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
कशाये } वहि, महि ॥
ख्याये }
- ३ ख्शा } -यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
कशा } यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
ख्या }
- ४ अख्शा } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अकशा } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अख्या }
- ५ अख्शायि } -", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
अकशायि } द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
अख्यायि }
- अख्शायि } अख्शा } -साताम्, सत, स्थाः,
अकशायि } अकशा } साथाम्, ध्वम्, ध्वम्,
अख्यायि } अख्या } सि, स्वहि, स्महि ॥
- ६ चख्श } -ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए,
चकश } इवहे, इमहे ॥
चचश्च } [ए, इवहे, इमहे ॥
चख्यु-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए,
- ७ ख्शासी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
कशासी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
ख्यासी }
- ख्शायिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
कशायिषी } द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
ख्यायिषी }
- ८ ख्शायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
कशायिता } स्वहे, स्महे ॥
ख्यायिता }
- ख्शाता }
कशाता }
ख्याता }
- ९ ख्शायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
कशायिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
ख्यायिष् }
- ख्शास् }
कशास् }
ख्यास् }
- १० अख्शायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अकशायिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अख्यायिष् }
- अख्शास् }
अकशास् }
अख्यास् }

११२३ ऊर्णुक् (ऊर्णु) आच्छादने ॥

- १ ऊर्णु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
२ ऊर्णुये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
३ ऊर्णु-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
४ और्णु-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्
५ और्णुवि, और्णुवि } -पाताम्, पत, छाः, पाथाम्,
और्णुवि } इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि,
और्णुवि } ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ ऊर्णुव-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
७ ऊर्णुविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ऊर्णुविषी } द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
ऊर्णुविषी }
- ८ ऊर्णुविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
ऊर्णुविता } स्वहे, स्महे ॥
ऊर्णुविता }
- ९ ऊर्णुविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
ऊर्णुविष् } ये, यावहे, यामहे ॥
ऊर्णुविष् }
- १० और्णुविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
और्णुविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
और्णुविष् }

११२४ षुङ्क् (षु) स्तुतो ॥

- १ स्तु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
२ स्तुये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
३ स्तु-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
४ अस्तु-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
५ अस्तावि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
५ अस्तावि, अस्तो-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
६ तुष्टुव-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
७ स्ताविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
स्ताविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
८ स्ताविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
स्ताविता } स्महे ॥
स्ताविता }
- ९ स्ताविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
स्ताविष् } यावहे, यामहे ॥
स्ताविष् }
- १० अस्ताविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अस्ताविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अस्ताविष् }

११२५ ङृङ्क् (ङृ) व्यक्तायां वाचि ॥

- १ उङ्क्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उङ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ उङ्क्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औङ्क्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवाचि, अव-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, गध्वम्, गह्वम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ ऊङ्क्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वक्ता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११२६ द्विषीक् (द्विष्) अप्रीतो ॥

- १ द्विष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ द्विष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ द्विष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अद्विष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अद्वेषि, अद्वि-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षध्वम्, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- ६ दिद्विष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ द्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ द्वेषा-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ द्वेक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अद्वेक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११२७ दुर्हीक् (दुह्) क्षरणे ॥

- १ दुह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दुह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दुह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदुह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अदोहि, अधु-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, अदुग्धाः, अधुक्षाम्, अधुगध्वम्, अधु-क्षध्वम्, क्षि, अदुह्वहि, अधुक्षा-वहि, महि ॥
- ६ दुदुह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ धुक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दोग्धा-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ धोक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अधोक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११२८ दिहीक् (दिह्) लेप्ते ॥

- १ दिह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दिह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दिह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदिह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अदेहि, अधि-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, अदिग्धाः, अधि-क्षाम्, गध्वम्, क्षध्वम्, क्षि, क्षावहि, अदिह्वहि, अधिक्षामहि ॥
- ६ दिदिह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्धे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ धिक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ देग्धा-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ धेक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अधेक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११२९ लिहीक् (लिह्) आस्वादाने ॥

- १ लिह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लिह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लिह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलिह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलेहि, अलि-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, अलीढाः, अलि-क्षाथाम्, क्षध्वम्, अलीढम्, अलि-क्षि, क्षावहि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ लिलिह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लिक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लेढा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लेध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलेध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११३० हुक् (हु) दानादनयोः ॥

- १ हू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ हू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अहू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अहावि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, वि, ध्वहि, धमहि ॥ [वि, ध्वहि, धमहि ॥
- अहावि, अहो-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
- ६ जुह्वा-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ६ जुहुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हाविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- होषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, य,
- ८ हाविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- होता } स्महे ॥
- ९ हाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- होष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अहाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अहोष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११३१ ओहांक् (हा) त्यागे ॥

- १ ही-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ही-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अही-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अहायि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, वि, ध्वहि, धमहि ॥ [दध्वम्, सि, खहि, स्महि ॥
- अहायि, अहा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
- ६ जह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- हासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ हायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- हाता } स्महे ॥
- ९ हायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, हास् } यावहे, यामहे ॥
- १० अहायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अहास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११३२ निर्मीक् (भी) भये ॥

- १ भी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अभी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अभायि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, वि, ध्वहि, धमहि ॥ [वि, ध्वहि, धमहि ॥
- अभायि, अभे-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
- ६ बिभ्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- बिभया-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ भायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- मेषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, य,
- ८ भायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- मेता } स्महे ॥
- ९ भायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, मेष } यावहे, यामहे ॥
- १० अभायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अभेष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११३३ ह्रींक् (ही) लजायाम् ॥

- १ ह्री-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ह्रीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ह्री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अह्री-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अहायि, अहायि-षाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 अहायि, अहे-षाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ६ जिह्या-ञ्चक्रे, इ० ॥ स्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
 जिहिय-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ हायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 ह्येषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 ८ हायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 हेता } स्महे ॥
 ९ हायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 ह्येष } यावहे, यामहे ॥
 १० अहायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 अह्येष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११३६ ओहांङ्क् (हा) गतौ ॥

- १ हा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ हाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ हा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अहा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अहायि-", षाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [ध्वम्, सि, खहि, स्महि ॥
 अहायि, अहा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
 ६ जह-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ हायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 हासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ हायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 हाता } स्महे ॥
 ९ हायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 हास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अहायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 अहास् } ये, यावहि, यामहि ॥
 ११३७ मांङ्क् (मा) माने ॥ मेंङ् ६०३ वदूपाणि ॥
 ११३८ डुदांक् (दा) दाने ॥ दांम् ७ वदूपाणि ॥
 ११३९ डुधांक् (धा) धारणे च ॥ इध्वे २८ वदूपाणि ॥
 ११४० डुधुंक् (धु) धोषणे च ॥ धुंम् ८८ वदूपाणि ॥

११३४ पृंक् (पृ) पालनपूरणयोः ॥

- १ प्रि-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ प्रिये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ प्रि-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अप्रि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपारि-", षाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 अपारि, अपृ-षाताम्, षत, थाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ६ पप्र-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पारिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 पृषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 ८ पारिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 पता } स्महे ॥
 ९ पारिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 परिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अपारिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 अपरिष् } ये, यावहि, यामहि ॥
 ११३५ कंक् (क) गतौ ॥ कं २६ वदूपाणि ॥

११४१ णिजुंकी (निज्) शौचे च ॥

- १ निज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ निज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ निज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अनिज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अनेजि, अनि-षाताम्, षत, कथाः, क्षाथाम्, गध्वम्,
 गइद्वम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
 ६ निनिज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ निक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ नेक्ता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ नेक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अनेक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

११४२ विजृंकी (विज्) पृथग्भावे ॥

- १ विज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ विज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ विज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अविज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अवेजि, अवि-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, गध्वम्, गङ्दुम्, क्षि, क्षवहि, क्षमहि ॥
- ६ विविज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ विक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वेक्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वेक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवेक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ अथ दिवादिः ॥

११४४ दिवृच् (दिव्) क्रीडाजयेच्छा- पण्डितस्तुतिगतिषु ॥

- १ दीव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दीव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दीव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदीव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अदेवि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ दिदिव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ देविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ देविता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ देविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अदेविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११४३ विष्ंकी (विष्) व्याप्तौ ॥

- १ विष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ विष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ विष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अवेषि, अवि-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षध्वम्, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- ६ विविष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ विक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वेष्टा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वेक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- १० अवेक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, इति धातुरन्ताकरसप्तमभागे अदादिगणः संपूर्णः ॥

११४५ जृष् (जृ) जरसि ॥

- १ जीर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जीर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जीर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजीर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अजारि, अजारी } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- अजारी, अजीर्-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ जेर् } -ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- जजर } ७ जारिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- जरीषी } [य, वहि, महि ॥
- जरीषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, ८ जारिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- जरिता } ९ जारिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- जरीष् } १० अजारिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अजरीष् } अजरिष् }

अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११४६ झृष्च् (झृ) जरसि ॥

- १ झीर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ झीर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ झीर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अझीर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अझारि, अझारि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 अझरी } दृम्, च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
 अझरि } [दृम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
 अझारि, अझीर्-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 ६ जझर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ झरीषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दृम्,
 झारिषी } च्वम्, य, वहि, महि ॥
 झरिषी } [वहि, महि ॥
 झीर्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दृम्, य,
 ८ झारिता } -", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 झरीता } स्महे ॥
 झरिता }
 ९ झारिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे,
 झरीष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 झरिष् }
 १० अझारिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अझरीष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अझरिष् }

अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११४९ छोंच् (छो) छेदने ॥

- १ छा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ छाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ छा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अच्छा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अच्छायि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, दृम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥ [दृम्, च्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अच्छायि, अच्छा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, च्वम्,
 ६ चच्छ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ छायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, च्वम्, दृम्,
 य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 छासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, च्वम्, य,
 ८ छायिता } -", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 छाता } स्महे ॥
 ९ छायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 छास् } यावहे, यामहे ॥
 १० अच्छायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अच्छास् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११५० षोंच् (सो) अन्तकर्मणि ॥ सैं ४४ वदूपाणि ॥

११४७ शोंच् (शो) तक्षणे ॥

- १ शा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अशायि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, दृम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥ [दृम्, च्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 अशायि, अशा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, च्वम्,
 ६ शश-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ शायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दृम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 शासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, च्वम्, य,
 ८ शायिता } -", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 शाता } स्महे ॥
 ९ शायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे,
 शास् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अशायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अशास् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११४८ दों (दो) छेदने ॥ दाम् ७ वदूपाणि ॥

११५१ व्रीडच् (व्रीड) लज्जायाम् ॥

- १ व्रीड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ व्रीड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ व्रीड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अव्रीड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अव्रीडि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥
 ६ विव्रीड-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ व्रीडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ व्रीडिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ व्रीडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अव्रीडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११५२ नृतैच् (नृत्) नर्तने ॥

- १ नृत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ नृत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ नृत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अनृत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 - ५ अनर्ति-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 - ६ ननृत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ नर्तिषी-”-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, नृत्सी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ नर्तिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ नर्तिष्-”-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, नत्स् } यावहे, यामहे ॥
 - १० अनर्तिष्-”-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अनत्स् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११५३ कुथच् (कुथ्) प्रतिभावे ॥

- १ कुथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कुथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कुथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकुथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकोथि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चुकुथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कोथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कोथिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कोथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकोथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११५४ पुथच् (पुथ्) हिंसायाम् ॥

- १ पुथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पुथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पुथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपुथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपोथि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ पुपुथ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पोथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पोथिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पोथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपोथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११५५ गुधच् (गुध्) परिवेष्टने ॥

- १ गुध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गुध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गुध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अगुध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अगोधि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ जुगुध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गोधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गोधिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गोधिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगोधिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११५६ राधंच् (राध्) वृद्धौ ॥

- १ राध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ राध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्चम्, य, वहि, महि ॥
- ३ राध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अराध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, ५ अरा-धि, त्साताम्, त्सत, डाः, त्साथाम्, द्ध्वम्, द्द्वम्, त्सि, त्सहि, त्समहि ॥
- ६ रराध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रात्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्चम्, य, वहि, महि ॥
- ८ राद्धा-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, त्वहे, स्महे ॥
- ९ रात्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरात्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरपि क्षया कर्मणि ॥

११५७ व्यधंच् (व्यध्) ताडने ॥

- १ विध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ विध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्चम्, य, वहि, महि ॥
- ३ विध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अविध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, ५ अव्याधि, अव्य-त्साताम्, त्सत, डाः, त्साथाम्, द्द्वम्, द्ध्वम्, त्सि, त्सहि, त्समहि ॥
- ६ विविध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ व्यत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्चम्, य, वहि, महि ॥
- ८ व्यद्धा-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, त्वहे, स्महे ॥
- ९ व्यत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अव्यत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११५८ क्षिपंच् (क्षिप्) प्रेरणे ॥

- १ क्षिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्षिप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्चम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्षिप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्षिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ५ अक्षेपि, अक्षि-त्साताम्, त्सत, प्थाः, त्साथाम्, व्चम्, ब्द्वम्, त्सि, त्सहि, त्समहि ॥
- ६ चिक्षिप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्षिप्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्चम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्षेप्ता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, त्वहे, स्महे ॥
- ९ क्षेप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्षेप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११५९ पुष्पंच् (पुष्प) विकसने ॥

- १ पुष्प-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पुष्प्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्चम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पुष्प-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपुष्प-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ५ अपुष्पि-", याताम्, यत, छाः, याथाम्, इद्वम्, य्चम्, यि, च्वहि, च्वमहि ॥
- ६ पुपुष्प-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पुष्पिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्चम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पुष्पिता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, त्वहे, स्महे ॥
- ९ पुष्पिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपुष्पिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११६४ शिवृच् (सिव्) उतौ ॥

- १ सीव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सीव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सीव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असीव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ असेवि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥ [इमहे ॥
- ६ सिषिव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सेविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सेविता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ सेविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असेविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११६८ इषच् (इष्) गतौ ॥

- १ इष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ इष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ इष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ ऐष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ ऐषि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ ईष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ एषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ एषिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ एषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० ऐषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११६५ श्रिवृच् (श्रिव्) गतिशेषणयोः ॥

- १ श्रिव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्रिव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्रिव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्रिव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अश्रेचि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ शिश्रिव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्रेचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ श्रेचिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ श्रेचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अश्रेचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ११६६ श्रिवृच्(श्रिव्)निरस्तने॥ श्रिवृ ४६३वद्रूपाणि॥
- १२६७ श्रिवृच्(श्रिव्)निरस्तने॥ श्रिवृ ४६३वद्रूपाणि॥

११६९ णसृच् (स्नस्) निरस्तने ॥

- १ स्नस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्नस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्नस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्नस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अस्नासि, अस्नसि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
- ६ सस्नस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्नसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्नसिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्नसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्नसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११७० कनसृच् (कनस्) ह्युतिदीप्त्योः ॥

- १ कनस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कनस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कनस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकनस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकनासि, अकनसि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, वि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ चकनस्-ए, आते, हरे, हरे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, हमहे ॥
- ७ कनसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कनसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कनसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकनसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११७१ त्रसैच् (त्रस्) भये ॥

- १ त्रस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ त्रस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ त्रस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अत्रस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अत्रासि, अत्रसि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, वि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 - ६ त्रस्-ए, आते, हरे, हरे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, हमहे ॥
 - ७ त्रसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ त्रसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ त्रसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अत्रसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११७२ प्युसच् (प्युस्) दाहे ॥

- १ प्युस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ प्युस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ प्युस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अप्युस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अप्योसि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, वि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ पुप्युस्-ए, आते, हरे, हरे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, हमहे ॥
- ७ प्योसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ प्योसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ प्योसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अप्योसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११७३ सह (सह) शक्तौ ॥

- १ सह-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ असाहि, असहि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, वि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ सेह-ए, आते, हरे, हरे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, हमहे ॥
- ७ सहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सहिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सहिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असहिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११७४ सुहृ (सुहृ) शक्तौ ॥

- १ सुहृ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सुहृ-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ सुहृ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ असुहृ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आसोहि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ सुषुहृ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ सोहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ सोहिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ सोहिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० असोहिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११७५ पुषं (पुषं) पुष्टौ ॥

- १ पुष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पुष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पुष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपुष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपोषि, अपु-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षध्वम्,
 क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
 ६ पुपुष-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पुषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पोष्टा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ पोक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अपोक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११७६ उचच (उच) समवाये ॥

- १ उच-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ उच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ उच-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ औच-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ औचि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ ऊच-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ओचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ ओचिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ओचिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० औचिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 ११७७ लुटच (लुट) विलोटने ॥ लुट १० वट्टपाणि ॥

११७८ ष्विदां (ष्विद) गात्रप्रक्षरणे ॥

- १ ष्विद-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ष्विद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ष्विद-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अष्विद-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अस्वेदि, अष्वि-त्साताम्, त्सत, त्थाः, त्साथाम्,
 दूध्वम्, दूध्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
 ६ सिष्विद-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ष्वित्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ स्वेत्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ स्वेत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अस्वेत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११७९ क्लिदौच (क्लिद्) आर्द्रभावे ॥

- १ क्लिद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्लिये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्लिद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यव्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्लिद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यव्वम्, य्वम्, पि, व्वहि, व्वमहि ॥ [द्ध्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
- अक्लेदि, अक्लि-त्साताम्, त्सत, त्थाः, त्साथाम्, द्ध्वम्, चिक्लि-दे, दाते, दिरे, दिषे, त्से, दाथे, दिव्वे, दे, दिवहे, दिमहे ॥
- ७ क्लेदिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, क्लिस्ती } य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्लेदिता } -", रौ, रः, से, साथे, व्वे, हे, स्वहे, क्लेत्ता } स्महे ॥
- ९ क्लेदिषु } यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, क्लेत्सु } यावहे, यामहे ॥
- १० अक्लेदिषु } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अक्लेत्सु } यव्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

परोक्षासेप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तराभिप्रायेण ॥
११८० जिमिदाच् (मिद्) स्नेहने ॥ जिमिदाङ्
९४४ वद्रूपाणि ॥ [९४५ वद्रूपाणि ॥
११८१ जिध्विदाच् (ध्विद्) मोचने च ॥ जिध्विदाङ्

११८२ क्षुधंच (क्षुध्) बुभुक्षायाम् ॥

- १ क्षुध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्षुध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्षुध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यव्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्षुध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यव्वम्, य्वम्, पि, व्वहि, व्वमहि ॥ [द्ध्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
- ५ अक्षोधि, अक्षु-त्साताम्, त्सत, द्धाः, त्साथाम्, द्ध्वम्, द्ध्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
- ६ चुक्षुध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्षुत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्षोद्धा-" , रौ, रः, से, साथे, व्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्षोत्सु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्षोत्सु-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यव्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११८३ शुधंच (शुध्) शौचे ॥

- १ शुध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शुध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शुध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यव्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यावहि ॥
- ४ अशुध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यव्वम्, य्वम्, पि, व्वहि, व्वमहि ॥ [द्ध्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
- ५ अशोधि, अशु-त्साताम्, त्सत, द्धाः, त्साथाम्, द्ध्वम्, द्ध्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
- ६ शुशुध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शुत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शोद्धा-" , रौ, रः, से, साथे, व्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शोत्सु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशोत्सु-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यव्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११८४ क्रुधंच (क्रुध्) क्रोपे ॥

- १ क्रुध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यावहे ॥
- २ क्रुध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्रुध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यव्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्रुध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यव्वम्, य्वम्, पि, व्वहि, व्वमहि ॥ [द्ध्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
- ५ अक्रोधि, अक्रु-त्साताम्, त्सत, द्धाः, त्साथाम्, द्ध्वम्, द्ध्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
- ६ चुक्रुध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्रुत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्रोद्धा-" , रौ, रः, से, साथे, व्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्रोत्सु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्रोत्सु-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यव्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११८५ सिधूच् (सिध्) संराद्धौ ॥

- १ सिधू-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सिध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, बहि, महि ॥
- ३ सिधू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असिधू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्वम्, यदृष्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
- ५ सिधिष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ६ सित्सी-इ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, बहि, महि ॥
- ८ सेद्धा-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सेत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असेत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११८६ ऋधूच् (ऋध्) इद्धौ ॥

- १ ऋधू-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ ऋध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, बहि, महि ॥
 - ३ ऋधू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ आर्ध-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्वम्, यार्धि-", याताम्, षत, छाः, याथाम्, इद्वम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
 - ६ आनृधू-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ अर्धिषी-इ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, बहि, महि ॥
 - ८ अर्धिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ अर्धिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० आर्धिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्धान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११८७ गृधूच् (गृध्) अभिकाङ्क्षायाम् ॥

- १ गृधू-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गृध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, बहि, महि ॥ [ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ गृधू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगृधू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अगर्धि-", याताम्, षत, छाः, याथाम्, इद्वम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
- ६ अगृधू-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गर्धिषी-इ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, बहि, महि ॥
- ८ गर्धिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गर्धिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगर्धिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११८८ रधौच् (रध्) हिंसासंराद्धौः ॥

- १ रधू-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ रध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, बहि, महि ॥
 - ३ रधू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अरधू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्वम्, यरन्धि, अरन्धि-याताम्, षत, छाः, याथाम्, इद्वम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥ [दृष्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
 - ६ अरन्धि, अरन्धि-याताम्, त्सत, छाः, याथाम्, इदृष्वम्, ररन्-धे, आते, धिरे, धिषे, त्से, धाथे, धिष्वे, धे, धिवहे, धिमहे ॥
 - ७ रधिषी } -इ, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
रत्सी } ष्वम्, य, बहि, महि ॥
 - ८ रधिता } -", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
रद्धा } स्महे ॥
 - ९ रधिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यञ्चे, ये,
रत्स् } यावहे, यामहे ॥
 - १० अरधिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्वम्,
अरत्स् } ये, यावहि, यामहि ॥
- परोक्षोत्प्रेत्यये रूपद्वयं मतमेवेन ॥

११८९ तृपौच (तृप्) प्रीतौ ॥

- १ तृप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ तृप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ तृप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अतृप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
 - ५ अतृपि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
अतृपि, अतृ-प्साताम्, प्सत, प्थाः, प्साथाम्, ब्ध्वम्, ब्ध्वम्, प्सि, प्स्वहि, प्समहि ॥
 - ६ ततृप्-ए, आते, इरे, इषे, से, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ तृपिषी-ए, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ तृपिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्महे ॥
 - ९ तृपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अतृपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- परोक्षप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तरेण ॥

११९० दृपौच (दृप्) हर्षमोहनयोः ॥

- १ दृप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ दृप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ दृप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अदृप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्
 - ५ अदृपि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [ब्ध्वम्, प्सि, प्स्वहि, प्समहि ॥
अदृपि, अदृ-प्साताम्, प्सत, प्थाः, प्साथाम्, ब्ध्वम्,
 - ६ ददृ-पे, पाते, पिरे, पिषे, प्से, पाथे, पिञ्चे, पे, पिवहे, पिमहे ॥
 - ७ दृपिषी-ए, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ दृपिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्महे ॥
 - ९ दृपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अदृपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- परोक्षप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तराभिप्रायेण ॥

११९१ कुपच (कुप्) क्रोधे ॥

- १ कुप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ कुप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ कुप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अकुप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ये,
 - ५ अकोपि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 - ६ चुकुप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ कोपिषी-ए, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ कोपिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्महे ॥
 - ९ कोपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥ [यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १० अकोपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

११९२ गुपच (गुप्) व्याकुलत्वे ॥

- १ गुप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गुप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गुप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगुप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
- ५ अगोपि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ जुगुप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गोपिषी-ए, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गोपिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्महे ॥
- ९ गोपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगोपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११९४ रूप (रुप्) विमोहने ॥

- १ **रुप्**—यते, येते, यन्ते, यसै, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **रुप्ते**—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **रुप्**—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ **अरुप्**—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ **अरोपि**—”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ **रुरुप्**—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ **रोपिषी**—ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ **रोपिता**—”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ **रोपिष्**—यते, येते, यन्ते, यसै, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० **अरोपिष्**—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११९६ ङिपच् (ङिप्) क्षेपे ॥

- १ डिप्—यत्ते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ डिप्ये—त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ डिप्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अडिप्—यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अडेपि—”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 च्वम्, पि, च्वहि, ष्महि ॥
 ६ डिडिप्—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ डेपिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ डेपिता—”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्त्वहे, स्महे ॥
 ९ डेपिष्—यत्ते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अडेपिष्—यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ।

११९७ स्तूपच् (स्तूप) समुच्छ्राये ॥

- १ स्तूप-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्तूप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्तूप-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्तूप-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ अस्तूपि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ तुष्टूप-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्तूपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्तूपिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्तूपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्तूपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

११९८ लुभच् (लुभ) गार्ध्वे ॥

- १ लुभ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ लुभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ लुभ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अलुभ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, स्महि ॥
 - ५ अलोभि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, स्महि ॥
 - ६ लुलुभ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ लोभिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ लोभिता } -, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, लोब्धा } स्महे ॥
 - ९ लोभिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - १० अलोभिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, स्महि ॥
- ११९९ लुभच् (लुभ) संचलने ॥ लुभि९४८ वद्रूपाणि ॥
 १२०० लुभ (लुभ) हिंसायाम् ॥ लुभि९४९ वद्रूपाणि ॥
 १२०१ लुभच् (लुभ) हिंसायाम् ॥ लुभि९५० वद्रूपाणि ॥

१२०२ नशौच् (नश्) अदर्शने ॥

- १ नश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ नश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ नश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अनश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - ५ अनाशि, अनशि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - अनाशि, अन-ह्वाताम्, ह्वत, अनंष्टाः, अन-ह्वाथाम्, प्वह्द्वम्, इग्इद्वम्, अनङ्ग-क्षि, क्ष्वहि, क्ष्महि ॥
 - ६ ने-शे, शाते, शिरे, शिषे, क्षे, शाये, शिध्वे, शे, शिवहे, शिमहे ॥
 - ७ नशिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, नङ्गी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ नशिषिता } -, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, नंष्टा } स्महे ॥
 - ९ नशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अनशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- परोक्षासेपरे रूपद्वयं मतान्तराभिप्रायेण ।

१२०३ कुशच् (कुश्) श्लेषणे ॥

- १ कुश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कुश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कुश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकुश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ५ अकोशि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चुकुश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कोशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कोशिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कोशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकोशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२०४ मृश (मृश्) अधःपतने ॥

- १ मृश-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मृश्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥ [यष्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ मृश-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अमृश-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [ष्वम्, पि, ष्वहि, ष्वहि ॥
- ५ अमृशि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ष्वम्, पि, ष्वहि, ष्वहि ॥
- ६ अमृश-ए, आते, इरे, इषे, आये, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मृशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मृशिषी-", रौ, रः, से, साये, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मृशिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमृशिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२०५ भ्रंशश्च (भ्रंश्) अधःपतने ॥ भ्रंशश्च
९५२ वदूपाणि ॥

१२०६ वृशच् (वृश्) वरणे ॥

- १ वृश-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वृश्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वृश-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अवृश-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अवृशि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ष्वम्, पि, ष्वहि, ष्वहि ॥
- ६ अवृश-ए, आते, इरे, इषे, आये, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वृशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वृशिषी-", रौ, रः, से, साये, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वृशिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवृशिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२०७ कृशच् (कृश्) तनुत्वे ॥

- १ कृश-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कृश्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कृश-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकृश-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अकृशि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ष्वम्, पि, ष्वहि, ष्वहि ॥
- ६ अकृश-ए, आते, इरे, इषे, आये, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कृशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कृशिषी-", रौ, रः, से, साये, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कृशिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकृशिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२०८ शुषच् (शुष्) शोषणे ॥

- १ शुष-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शुष्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शुष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशुष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अशोषि, अशु-क्षाताम्, क्षन्त, क्षयाः, क्षाथाम्, क्षष्वम्, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- ६ शुशुष-ए, आते, इरे, इषे, आये, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शुक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शोष्टा-", रौ, रः, से, साये, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शोक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अशोक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२०९ दुष् (दुष्) वैकृत्ये ॥

- १ दुष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दुष्-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दुष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदुष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, यि, यावहि, यामहि ॥
- ५ अदोषि, अदु-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षच्चम्, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- ६ दुदुष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दुक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दोष्टा-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दोक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अदोक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२१० श्लिष् (श्लिष्) आलिङ्गने ॥

- १ श्लिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्लिष्-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्लिष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्लिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, यि, यावहि, यामहि ॥
- ५ अश्लेषि, अश्लि-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षच्चम्, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- असत्त्वान्श्लेषे तु ५ अश्लेषि, अश्लि-क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, इदुम्, गृदुम्, क्षि, क्षवहि, क्षमहि ॥
- ६ श्लिष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्लिक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ श्लेष्टा-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ श्लेक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- १० अश्लेक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १२११ प्लुष् (प्लुष्) दाहे ॥ प्लुष् ५३३ वदूपाणि ॥

१२१२ त्रितुष् (तृष्) पिपासायाम् ॥

- १ तृष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तृष्-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तृष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतृष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, यि, यावहि, यामहि ॥
- ५ अतर्षि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, य्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ ततृष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तर्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तर्षिता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तर्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतर्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२१३ तुषं (तुष्) तुष्टौ ॥

- १ तुष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तुष्-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तुष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अतुष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, यि, यावहि, यामहि ॥
- ५ अतोषि, अतु-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षच्चम्, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- ६ तुतुष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तुक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तोष्टा-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तोक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतोक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १२१४ हृषच् (हृष्) तुष्टौ ॥ हृष् ५३५ वदूपाणि ॥
- १२१५ रुषच् (रुष्) रोषे ॥ रुष ५१४ वदूपाणि ॥

१२२७ वुसच् (वुस्) उत्सर्गे ॥

१ वस्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवाप्ति, अवसि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ह्वम्,
 ध्वम्, पि, व्वहि, प्महि ॥
 ६ ववस्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वसिता-”, रौ, रः, से, साधे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वसिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ बुस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ बुस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ बुस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवुस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवोसि-”, याताम्, षत, छाः, याथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, यि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ वुवुस्-ए, आते, इरे, इषे, आधे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वोसिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वोसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, त्वहे, स्महे ॥
 ९ वोसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवोसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२२९ मसैच् (मस्) परिणामे ॥

१ मुस्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मुस्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मुस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमुस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमोसि-", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इध्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ष्महि ॥
 ६ मुमुस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मोसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मोसिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, है, स्वहे,
 स्महे ॥
 ९ मोसिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमोसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ मस्-यते, येते, यन्ते, यमे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मस्ये-त, याताम्, रन्, था; याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मस्-याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमस्-यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमासि, अमसि-षाताम्, षत, छा; षाथाम्, षध्वम्,
 षि, ष्वहि, षमहि ॥
 ६ मेस्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छा; यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ मसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२३६ मदैच् (मद्) हर्षे ॥

- १ मद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमादि, अमदि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, ङ्ङ्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ष्महि ॥
- ६ मेद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२३८ मुहौच् (मुह) वैचित्ये ॥

- १ मुह-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मुह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मुह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमुह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमोहि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, ङ्ङ्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ष्महि ॥
- अमोहि, अमु-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षध्वम्, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥ [हिमहे ॥
- ६ मुमु-हे, हाते, हिरे, हिषे, क्षे, हाथे, हिध्वे, हिद्दे, हे, हिवहे,
- ७ मोहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- मुक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ मोहिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- मोक्षधा }
मोक्षा }
मोक्षा }
९ मोहिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- मोक्ष }
१० अमोहिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

परोक्षासेप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तराभिप्रायेण ॥

१२३७ क्लृमूच् (क्लानौ) हर्षे ॥

- १ क्लृम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्लृम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्लृम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्लृम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अक्लृमि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, ङ्ङ्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ष्महि ॥
- ६ चक्लृम्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्लृमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्लृमिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्लृमिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्लृमिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२३९ दुहौच् (दुह) जिघांसायाम् ॥

- १ दुह-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दुह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दुह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदुह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अद्रोहि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, ङ्ङ्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ष्महि ॥ [क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- अद्रोहि, अद्रु-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षध्वम्,
- ६ दुदु-हे, हाते, हिरे, हिषे, दुधुक्षे, दुदु-हाथे, हिद्दे, हिध्वे, हे, हिवहे, हिमहे ॥
- ७ द्रोहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- धुक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ द्रोहिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- द्रोक्षधा }
द्रोक्षा }
द्रोक्षा }
९ द्रोहिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- द्रोक्ष }
१० अद्रोहिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

परोक्षासेप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तराभिप्रायेण ॥

१२४० ण्हौच् (स्नुह्) उद्गिरणे ॥

- १ स्नुह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्नुहो-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्नुह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्नुह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ५ अस्नोहि-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥ [क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- अस्नोहि, अस्नु-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ६ सुष्णु-हे, हाते, हिरे, हिषे, क्षे, हाथे, हिद्वे, हिध्वे, हे, हिबहे, हिमहे ॥
- ७ स्नोहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- स्नुक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ८ स्नोहिता -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्नोगधा स्महे ॥
- ९ स्नोहिष् -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, स्नोक्ष् यावहे, यामहे ॥
- १० अस्नोहिष् -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अस्नोक्ष् यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२४३ दूच् (दू) परितापे ॥

- १ दू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ५ अदावि, अदावि -पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ दुदुव्-ए, आने, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दाविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्, दविषी ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दाविता -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, दविता स्महे ॥
- ९ दाविष् -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, दविष् यावहे, यामहे ॥
- १० अदाविष् -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अदविष् ये, यावहि, यामहि ॥

१२४१ ण्हौच् (स्निह्) प्रीतौ ॥

- १ स्निह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्निहो-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्निह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्निह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ५ अस्नेहि-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥ [क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- अस्नेहि, अस्नि-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ६ सिष्णि-हे, हाते, हिरे, हिषे, क्षे, हाथे, हिद्वे, हिध्वे, हे, हिबहे, हिमहे ॥
- ७ स्नेहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- स्निक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ८ स्नेहिता -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्नेगधा स्महे ॥
- ९ स्नेहिष् -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, स्नेक्ष् यावहे, यामहे ॥
- १० अस्नेहिष् -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अस्नेक्ष् यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२४४ दीङ्च् (दी) क्षये ॥

- १ दी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ५ अदायि-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥ [दध्वम्, सि, खहि, स्महि ॥
- अदायि, अदा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ६ दिदीय्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- दासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ८ दायिता -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, दाता स्महे ॥
- ९ दायिष् -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, दास् यावहे, यामहे ॥
- १० अदायिष् -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अदास् ये, यावहि, यामहि ॥

अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१२४५ धींइच् (धी) अनादरे ॥

- १ धी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ धीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ धी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अधीय-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अधायि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्, द्रुम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, प्महि ॥ [षि, ष्वहि, प्महि ॥
 अधायि, अघे-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्, द्रुम्,
 ६ दिध्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ धायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्रुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 धेवी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्रुम्, य,
 ८ धायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 धेता } स्महे ॥
 ९ धायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 धेष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अधायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अघेष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२४७ रीङ्च् (री) स्रवणे ॥

- १ री-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अरायि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, व्वहि, व्वहि ॥ [षि, व्वहि, व्वहि ॥
 अरायि, अरे-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ६ रिर्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 रेष्ठी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 ८ रायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 रेता } स्महे ॥
 ९ रायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 रेष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अरायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अरेष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२४६ मीङ्क् (मी) हिंसायाम् ॥

- १ मी—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यथ्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मीये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मी—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमी—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमायि—, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इध्वम्, दुम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥ [ध्वम्, ति, स्वहि, स्महि ॥
 अमायि, अमा—साताम्, सत, स्याः, साथाम्, दध्वम्,
 ६ मिम्य—ए, आते, हेरे, ह्ये, आथे, इध्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मायिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, दुम्,
 य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 मेषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, दुम्, य,
 ८ मायिता } —, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 मेता } स्महे ॥
 ९ मायिष् } —यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यथ्वे, ये,
 मेष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अमायिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अमेष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२४८ लीङ्च् (ली) श्लेषणे ॥

- १ ली-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लीये-त, याताम्, रन्, प्राः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ली-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, यथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अली-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलायि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ध्वम्, ध्वम्, ध्वम्,
 पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 अलायि, अले-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ध्वम्, ध्वम्,
 अलायि, अला-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, ध्वम्,
 दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 ६ लिल्य-ए, आते, इरे, इये, आये, इहे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 लेषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 लासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 वहि, महि ॥
 ८ लायिता } -", रौ, रः, से, साये, ध्वे, हे, स्वहे,
 लाता } स्महे ॥
 लेता
 ९ लायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे,
 लास् } ये, यावहे, यामहे ॥
 लेष् }
 १० अलायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अलास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अलेष् }

१२४९. डीङ्च्(डी)गतौ॥डीङ् ५८८ वद्रूपाणि ॥

१२५१ पीङ्ग्व (पी) पाने ॥

- १ पी-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पीयेत-यताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्
 ५ अपायि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदम्, द्वम्, ढुम्,
 पि, च्वहि, ध्महि ॥ [पि, च्वहि, ध्महि ॥
 अपायि, अपे-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदम्, द्वम्,
 ६ पिप्यु-ए, अते, इरे, इपे, आथे, इद्वे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 पेपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ८ पायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे,
 पेता } स्वहे, स्महे ॥
 ९ पायिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे,
 पेष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अपायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपेष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२५३ प्रींङ्च् (ग्री) प्रीनौ ॥

- १ प्री-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ प्रीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, बहि, महि ॥
 ३ प्री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अप्री-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अप्रायि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
 च्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥ [पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 अप्रायि, अप्रे-षाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
 ६ पिप्रिय-ए, आते, ईरे, ईषे, आथे, इद्वे, इच्च, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ प्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 च्वम्, य, बहि, महि ॥ [बहि, महि ॥
 प्रेषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, य,
 ८ प्रायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 प्रेता } स्महे ॥
 ९ प्रायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यच्च, ये,
 प्रेष } यावहे, यामहे ॥
 १० अप्रायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अप्रेष } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२५४ युजिच् (युज्) समाधौ ॥

- १ युज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ युज्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ युज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अयुज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [गृह्णम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ५ अयोजि, अयु-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, रध्वम्, गृह्णम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ युयुज्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ युक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ योक्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ योक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अयोक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२५५ सृजिच् (सृज्) विसर्गे ॥

- १ सृज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सृज्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सृज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ असृज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, गृह्णम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ५ असृजि, असृ-”, क्षाताम्, क्षत, प्राः, क्षाथाम्, इध्वम्, गृह्णम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ ससृज्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सृक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्रष्टा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्रक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्रक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२५६ वृत्तिचि (वृत्) वरणे ॥

- १ वृत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वृज्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वृत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवृत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अवर्ति-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इध्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ ववृत्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वर्तिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वर्तिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वर्तिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवर्तिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२५७ पदिच् (पद्) गतौ ॥

- १ पद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पद्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अपादि, अप-त्साताम्, स्तत, तथाः, रताथाम्, इध्वम्, दध्वम्, तिस, त्वहि, त्वमहि ॥
- ६ पेद्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पत्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२५८ विदिच् (विद्) सत्तायाम् ॥

- १ विद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ विद्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ विद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अविद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवेदि, अवि-त्साताम्, त्सत, तथाः, त्साथाम्, द्ध्वम्, द्ध्वम्, त्सि, त्सहि, त्समहि ॥
- ६ विविद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वित्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वेत्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वेत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवेत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१२५९ खिदिच् (खिद्) दैन्ये ॥

- १ खिद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ खिद्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ खिद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अखिद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अखेदि, अखि-त्साताम्, त्सत, तथाः, त्साथाम्, द्ध्वम्, द्ध्वम्, त्सि, त्सहि, त्समहि ॥
- ६ चिखिद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ खित्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ खेत्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ खेत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अखेत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२६० युधिच् (युध्) संप्रहारे ॥

- १ युध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ युध्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ युध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अयुध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अयोधि, अयु-त्साताम्, त्सत, द्धाः, त्साथाम्, द्ध्वम्, द्ध्वम्, त्सि, त्सहि, त्समहि ॥
- ६ युयुध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ युत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ योद्धा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ योत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अयोत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२६१ अनोरुधिच् (अनु-रुध्) कामे ॥

- १ अनुरुध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अनुरुध्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अनुरुध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अन्वरुध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अन्वरोधि, अन्वरु-त्साताम्, त्सत, द्धाः, त्साथाम्, द्ध्वम्, द्ध्वम्, त्सि, त्सहि, त्समहि ॥
- ६ अनुरुध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अनुरुत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अनुरोद्धा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अनुरोत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अन्वरोत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२६२ बुधिं (बुध्) ज्ञाने ॥

- १ बुध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ बुध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ बुध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अबुध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अबोधि, अभु-त्साताम्, त्सत, अबुद्धाः, अभु-त्साथाम्, दध्वम्, दद्ध्वम्, त्सि, त्स्वहि, त्समहि ॥
- ६ बुबुध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भुत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ बोद्धा-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भोत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभोत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२६३ मनिच् (मन्) ज्ञाने ॥

- १ मन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अमानि, अमं-साताम्, सत, स्याः, साथाम्, अम-न्ध्वम्, न्ध्वम्, अमं-सि, स्वहि, स्महि ॥
- ६ मेन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मंसी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मन्ता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मंस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमंस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १२६४ अनिच्(अन्)प्राणन्ते॥अन१०८९वद्वपाणि ॥

१२६५ जनैचि (जन्) प्रादुर्भावे ॥

- १ जन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, जाये वहि, महि ॥
- ३ जन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अजन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, अजा ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अजनि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ जङ्ग-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जनिता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- १० अजनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, अर्धान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१२६६ दीपैचि (दीप्) दीप्तौ ॥

- १ दीप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दीप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दीप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदीप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अदीपि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ दिदीप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दीपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दीपिता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दीपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अदीपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्धान्तरापेक्षया कर्मणि ॥
- १२६७ तपिच्(तप्)येभ्यर्था॥तपं३३३वद्वपाणि ॥

१२७३ शूरैचि (शूर्) स्तम्भे ॥

- १ गूर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ गूर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ गूर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अगूर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अगूरि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 - ६ जुगूर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ गूरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ गूरिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 - ९ गूरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अगूरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १ शूर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ शूर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ शूर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अशूर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अशूरि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 - ६ शुशूर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ शूरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ शूरिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 - ९ शूरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अशूरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२७४ तूरैचि (तूर्) त्वरायाम् ॥

- १ तूर-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तूर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तूर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतूर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अतूरि-', पाताम्, षत, ष्टाः, पाथाम्, ड्द्वम्, द्वम्,
 च्वम्, षि, ष्वहि, ष्वहि ॥
 ६ तुतूर-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तूरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तूरिता-', रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तूरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतूरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२७५ चूरैचि (चूर्) दाहे ॥

- १ चूर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चूर्-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चूर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचूर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
 ५ अचूर्-', पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 च्वम्, पि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ चुचू -ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ चूर्षि-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ चूर्षिता-'', रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ चूर्षि-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अचूर्षि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ।

१२७६ क्लिशिच् (क्लिश्) उपतापे ॥

- १ क्लिश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्लिश्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्लिश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्लिश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अक्लेशि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्ङ्वम्, ध्वम्, पि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ चिक्लिश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्लेशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्लेशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्लेशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्लेशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२७७ लिशिच् (लिश्) अल्पत्वे ॥

- १ लिश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लिश्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लिश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलिश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलेशि, अलि-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षध्वम्, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- ६ लिलिश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लिक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लेष्टा-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लेक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलेक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १२७८ काशिच् (काश्) दीप्तौ ॥ काशृङ् ८३० वदूपाणि ॥

१२७९ वाशिच् (वाश्) शब्दे ॥

- १ वाश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वाश्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वाश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवाश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवाशि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्ङ्वम्, ध्वम्, पि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ववाश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वाशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वाशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वाशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवाशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२८० शकीच् (शक्) मर्षणे ॥

- १ शक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शक्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अशाकि, अश-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, गध्वम्, गङ्ङ्वम्, क्षि, क्ष्वहि, क्ष्महि ॥
- ६ शेक्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ शक्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- १० अशक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्
- १२८१ शुवृगैच्(शुच्)पूतिभावे॥शुच२९वदूपाणि
- १२८२ रञ्जीच्(रञ्ज्)रागे ॥ रञ्जी ८९६वदूपाणि॥
- १२८३ शर्पीच्(शप्)आकोशे॥शर्पी९१६वदूपाणि॥
- १२८४ मृषीच्(मृष्)तितिक्षायाम्॥मृषू२२८वदूपाणि

१२८५ णीच् (नह) बन्धने ॥

- १ नह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ नह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ नह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अनह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, इद्वम्, त्सि, त्वहि, त्समहि ॥
- ५ अनाहि, अन-त्साताम्, त्सत, द्वाः, त्साथाम्, द्ध्वम्, इद्वम्, त्सि, त्वहि, त्समहि ॥
- ६ नेह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ नत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नद्धा-''', रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ नत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अनत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

इति दिवादिगणः समाप्तः ॥

॥ अथ स्वादिः ॥

१२८८ शिगट् (शि) निशाने ॥

- १ शी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यावहि ॥
- ४ अशी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, अशाधि-''', पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, य्वम्, पि, प्वहि, प्समहि ॥ [द्वम्, पि, प्वहि, प्समहि ॥
- ५ अशाधि, अशे-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, य्वम्, पि, प्वहि, प्समहि ॥
- ६ शिश्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ८ शायिता { -''', रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, शेता } स्महे ॥
- ९ शायिष् { -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, शेष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अशायिष् { -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, अशेष } ये, यावहि, यामहि ॥

१२८६ चुंगट् (सु) अभिषवे ॥ चुंक १०७८ वद्रूपाणि ॥

१२८७ पिंगट् (सि) बन्धने ॥

- १ सी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, असाधि-''', पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, य्वम्, पि, प्वहि, प्समहि ॥ [द्वम्, पि, प्वहि, प्समहि ॥
- ५ असाधि, असे-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, य्वम्, पि, प्वहि, प्समहि ॥
- ६ सिष्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ८ सेषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य, सायिता { -''', रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, शेता } स्महे ॥
- ९ सायिष् { -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, सेष् } यावहे, यामहे ॥
- १० असायिष् { -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, असेष् } यावहि, यामहि ॥

१२८९ डुमिगट् (मि) प्रक्षेपणे ॥

- १ मी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यावहे ॥
- २ मीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, अमाधि-''', पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, य्वम्, पि, प्वहि, प्समहि ॥ [द्वम्, पि, प्वहि, प्समहि ॥
- ५ अमाधि, अमा-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, य्वम्, अमिष्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ६ मिष्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, द्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ८ मासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, य्वम्, मायिता { -''', रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, माता } स्महे ॥
- ९ मायिष् { -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, मास् } ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमायिष् { -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, अमास् } ये, यावहि, यामहि ॥

१२९० चिगृ (चि) चयने ॥

- १ ची-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ची-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अची-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अचायि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥ [पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ अचायि अचे, -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
- ६ चिक्यु-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे, चिच्यु-इमहे ॥
- ७ चायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- चेषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, य,
- ८ चायिता-", री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, चेता-स्महे ॥
- ९ चायिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, चेष्-यावहे, यामहे ॥
- १० अचायिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अचेष्-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२९२ स्तृगृ (स्तृ) आच्छादने ॥

- १ स्तृ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्तृये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्तृ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्तृ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्तारि, अस्तारि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, दुम्, अस्तारि-इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- अस्तारि, अस्तृ-पाताम्, षत, थाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ तस्तृ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्तारिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, स्तारिषी-ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- स्तृषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, य,
- ८ स्तारिता-", री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्तर्ता-स्महे ॥
- ९ स्तारिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, स्तारिष्-यावहे, यामहे ॥
- १० अस्तारिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अस्तारिष्-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२९३ कृगृ (कृ) हिंसायाम् ॥ डुकृगृ ८८ वद्रूपाणि ॥

१२९१ धृगृ (धृ) कम्पने ॥

- १ धृ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ धृये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ धृ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अधृ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अधावि, अधावि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, अधावि-ध्वम्, दुम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- अधावि, अधो-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ दुधुव-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ धाविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, धाविषी-ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- धोषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, य,
- ८ धाविता-", री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, धविता-स्महे ॥
- धोता-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, धाविष्-यावहे, यामहे ॥
- १० अधाविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अधाविष्-ये, यावहि, यामहि ॥
- अधोष्-

१२९४ वृगृ (वृ) वरणे ॥

- १ व्रि-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ व्रिये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ व्रि-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अव्रि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अवारि, अवारि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, अवारी-द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- अवारि-पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ अवारि, अवृ-पाताम्, षत, थाः, पाथाम्, इद्वम्, दुम्,
- ६ ववृ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वारिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, वारिषी-ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- वृषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
- ८ वारिता-", री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, वरीता-स्महे ॥
- वरीता-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, वारिष्-यावहे, यामहे ॥
- १० अवारिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अवारीष्-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अवारिष्-

१२९५ हिंद् (हि) गतिवृत्तयोः ॥

- १ ही-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ हीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ही-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अही-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अहायि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अहायि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- अहायि, अहे-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, जिघ्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ हायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- हेषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, हायिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, हेता-” स्महे ॥
- ९ हायिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, हेष-यावहे, यामहे ॥
- १० अहायिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अहेष-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१२९६ श्रुंद् (श्रु) श्रवणे ॥

- १ श्रू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्रूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्रू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्रू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अश्रावि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- अश्रावि, अश्रो-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, शुश्रूव-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्राविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- श्रोषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, य, श्राविता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, श्रोता-” स्महे ॥
- ९ श्राविष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, श्रोष-यावहे, यामहे ॥
- १० अश्राविष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अश्रोष-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १२९७ डुंद् (डु) उपतापे ॥ डुं १२ वद्वपाणि ॥
- १२९८ पृंद् (पृ) प्रीतौ ॥ पृंक् १२३ वद्वपाणि ॥
- १२९९ स्मृंद् (स्मृ) पालने च ॥ स्मृं १८ वद्वपाणि ॥
- १३०० शक्लंद् (शक्) शक्तौ ॥ शक् १२८० वद्वपाणि ॥
- १३०१ तिक (तिक्) हिंसायाम् ॥ तिकि ६३२ वद्वपाणि ॥

१३०२ तिग् (तिग्) हिंसायाम् ॥

- १ तिग्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तिग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तिग्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतिग्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अतेगि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ तितिग्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तेगिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तेगिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तेगिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतेगिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३०३ षघ् (सघ्) हिंसायाम् ॥

- १ सघ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सघ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सघ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असघ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, असाधि, असाधि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ सेघ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सधिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सधिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असधिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १३०४ राघं (राघ्) संसिद्धौ ॥ राघं १५६ वद्वपाणि ॥

१३०५ साध् (साध्) संसिद्धौ ॥

- १ साध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ साध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ साध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असाध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, य, वहि, महि ॥
- ५ असा-धि, त्साताम्, त्सत, द्धाः, त्साथाम्, द्दच्चम्, द्दच्चम्, त्सि, त्स्वहि, त्समहि ॥
- ६ ससाध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सात्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ साद्धा-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सात्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असात्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १३०६ ऋधूद्(ऋध्)वृद्धौ॥ऋधूच्११८६वदूपाणि ॥

१३०७ आप्ल्दं (आप्) व्याप्तौ ॥

- १ आप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ आप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ आप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, य, वहि, महि ॥
- ५ आपि, प्साताम्, प्सत, प्धाः, प्साथाम्, ब्च्चम्, ब्दच्चम्, प्सि, प्स्वहि, प्समहि ॥
- ६ आप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ आप्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ आप्ता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ आप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३०८ तृप् (तृप्) प्रीणने ॥

- १ तृप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तृप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तृप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतृप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अतृपि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ ततृप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तृपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तृपिता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तृपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतृपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३०९ दम्भूद् (दम्भ्) दम्भे ॥

- १ दम्भ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दम्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दम्भ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदम्भ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अदम्भि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ ददम्भ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दम्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दम्भिता-", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दम्भिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अदम्भिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३१० कृबुद् (कृन्व) हिंसाकरणयोः ॥

- १ कृण्व-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कृण्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कृण्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकृण्व-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अकृण्वि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, च्वम्,
 च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥ [इमहे ॥
 ६ चकृण्व-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्दे, ए, इवहे,
 ७ कृण्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ कृण्विता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कृण्विष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकृण्विष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३११ धिबुद् (धिन्व) गतौ ॥

- १ धिन्व-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ धिन्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ धिन्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अधिन्व-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अधिन्वि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्,
 च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
 ६ दिधिन्व-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्दे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ धिन्विषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ धिन्विता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ धिन्विष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अधिन्विष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३१२ विष्टुद् (वृष्) प्रागल्भ्ये ॥

- १ वृष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वृष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवृष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अवृषि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्,
 च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
 ६ दवृष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वृषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ वृषिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वृषिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवृषिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३१३ तिष्ठिद् (स्तिष्) आस्कन्दने ॥

- १ स्तिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्तिष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्तिष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्तिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अस्तेधि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्,
 च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥
 ६ तिष्ठिष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ स्तेधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ स्तेघिता-", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ स्तेधिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अस्तेधिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३१४ अशौटि (अश्) व्याप्तौ ॥

- १ अश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ अश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ अश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ आश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
 - ५ आशि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इदुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
 - ५ आ-शि, क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, इदुम्, गृद्धुम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥ [क्षिमहे ॥
 - ६ आन-शे, शते, शिरे, शिषे, क्षे, शथे, शिष्वे, शे, शिवहे, यामहे ॥
 - ७ अशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ अशिता-''-रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ अशिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० आशिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- परोक्षप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तराभिप्रायेण ॥
इति स्वादिगणः सम्पूर्णः ॥

१३१६ अस्जीत् (अस्ज्) पाके ॥

- १ भृज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ भृज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ भृज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
 - ४ अभृज्ज-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - ५ अभर्जि, अभर्-क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, इदुम्, गृद्धुम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
 - ५ अभ-र्जि, क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, इदुम्, गृद्धुम्, गृद्धुम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
 - ६ अभर्ज-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ भर्क्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ भर्ष्ठा-''-रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ भर्क्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अभर्क्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १३१७ क्षिपीत् (क्षिप्) प्रेरणे ॥ क्षिपेच् १५८ वदूपाणि

॥ अथ तुदादिः ॥

१३१५ तुदीत् (तुद्) व्यथने ॥

- १ तुद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तुद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तुद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अतुद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ५ अतोदि, अतु-त्साताम्, त्सत, त्थाः, त्साथाम्, दध्वम्, द्दध्वम्, त्सि, त्स्वहि, त्समहि ॥
- ६ तुतुद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तुत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तोत्ता-''-रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तोत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतोत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३१८ दिशीत् (दिश्) अतिसर्जने ॥

- १ दिश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दिश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दिश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदिश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ५ अदेशि, अदि-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षध्वम्, क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
- ६ दिदिश्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दिक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ देष्टा-''-रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ देक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अदेक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३१२ कृषीत् (कृष्) विलेखने ॥ कृषं ५०६ वदूपाणि ॥

१३२० मुच्छंती (मुच्) मोक्षणे ॥

- १ मुच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मुच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मुच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमुच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अमोचि, अमु-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, ग्वम्, गृद्धम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ मुमुच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मुक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ८ मोक्ता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मोक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमोक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३२१ सिचिन्त (सिच्) क्षरणे ॥

- १ सिच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सिच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सिच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असिच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ असेचि, असि-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, ग्वम्, गृद्धम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ सिषिच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सिक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सेक्ता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सेक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असेक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १३२२ विद्लंती (विद्) लामे ॥ विदिच् ११५८ वद्वपाणि ॥

१३२३ लुप्लंती (लुप्) छेदने ॥

- १ लुप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लुप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लुप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलुप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अलापि, अलु-प्साताम्, प्सत, पथाः, प्साथाम्, च्वम्, ब्द्वम्, प्सि, प्स्वहि, प्समहि ॥
- ६ लुलुप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लुप्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लोप्ता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लोप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलोप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३२४ लिपीन्त (लिप्) उपदेहे ॥

- १ लिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लिप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लिप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अलेपि, अलि-प्साताम्, प्सत, पथाः, प्साथाम्, च्वम्, ब्द्वम्, प्सि, प्स्वहि, प्समहि ॥
- ६ लिलिप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लिप्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लेप्ता-", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लेप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलेप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३२५ कृत् (कृत्) छेदने ॥

- १ कृत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ कृत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ कृत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अकृत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अकर्ति-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - ६ चकृत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ कर्तिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, कृत्सी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ कर्तिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ कर्तिष } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, कर्त्से } यावहे, यामहे ॥
 - १० अकर्तिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अकर्त्से } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १३२६ खिदित् (खिद्) परिधाते ॥ खिदिच् ११५९ वदूपाणि ॥

१३२७ पिशत् (पिश्) अवयवे ॥

- १ पिश-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ पिश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ पिश-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अपिश-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 - ५ अपेशि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - ६ पिपिश-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ पेशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ पेशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ पेशिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अपेशिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १३२८ रिं(रि)गतौ ॥ रीङ्च् १२४७ वदूपाणि ॥
- १३२९ पिं(पि)गतौ ॥ पीङ्च् १२५१ वदूपाणि ॥
- १३३० धित्(धि)धारणे ॥ धीङ्च् १२४५ वदूपाणि ॥
- १३३१ क्षित्(क्षि)निवासगत्योः ॥ क्षिं १० वदूपाणि ॥

१३३२ षूत् (षू) प्रेरणे ॥

- १ सू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आसावि, असावि } -पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, असवि } द्रुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ सुषुव-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ साविषी- } ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्रुम्, सविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ साविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, सविता } स्महे ॥
- ९ साविष } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, सविष } यावहे, यामहे ॥
- १० असाविष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, असाविष } ये, यावहि, यामहि ॥

१३३३ मृत् (मृ) प्राणत्यागे ॥

- १ म्रि-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ म्रिये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ म्रि-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अम्रि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 - ५ अमारि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - अमारि, अमृ-पाताम्, पत, थाः, पाथाम्, इदुम्, द्रुम्,
 - ६ म्र-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ मारिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्रुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 - मृषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्रुम्,
 - ८ मारिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, मर्ता } स्महे ॥
 - ९ मारिष } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, मारिष } यावहे, यामहे ॥
 - १० अमारिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अमारिष } ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१३३४ कृत् (कृ) विक्षेपे ॥

- १ कीर-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कीर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कीर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकीर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकारि, अकारि } -पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्,
 अकरी } ल्ह्वम्, ध्वम्, द्वम्, पि, प्वहि,
 अकरि } ध्महि ॥
 ६ चकर-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, इह्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कारिपी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्,
 करिपी } द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 कीपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 ८ कारिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 करिता } स्महे ॥
 करिता }
 ९ कारिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 करिष् } यावहे, यामहे ॥
 करिष् }
 १० अकारिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अकरीष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अकरिष् }

१३३६ लिखत् (लिख्) अक्षरविन्यासे ॥

- १ लिख्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लिख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लिख्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलिख्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलेखि-" , पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ल्ह्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, ध्महि ॥ [इमहे ॥
 ६ लिलिख्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे,
 ७ लेखिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ लेखिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ लेखिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अलेखिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३३५ गृत् (गृ) निगरणे ॥

- १ गीर-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गीर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गीर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगीर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अगारि } अगारि } -पाताम्, पत, प्राः,
 अगालि } अगालि } पाथाम्, ल्ह्वम्, द्वम्,
 अगारि } ध्वम्, पि, प्वहि, ध्महि ॥
 अगालि } [द्वम्, पि, प्वहि, ध्महि ॥
 अगारि, अगीर-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ल्ह्वम्,
 ६ जगर् } -ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, इह्वे, ए, इवहे,
 जगल् } इमहे ॥
 ७ गारिपी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्,
 गालिपी } द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 गारिपी }
 गालिपी } [वहि, महि ॥
 गीपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 ८ गारिता, गालिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे,
 गरिता, गलिता } हे, स्वहे, स्महे ॥
 गरीता, गलीता }
 ९ गारिष्, गालिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे,
 गरिष्, गलिष् } यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 गरीष्, गलीष् }
 १० अगारिष्, अगालिष् } -यत, येताम्, यन्त,
 अगारिष्, अगालिष् } यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 अगरीष्, अगलीष् } ये, यावहि, यामहि ॥

१३३७ जर्च (जर्च्) परिभाषणे ॥

- १ जर्च्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ जर्च्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ जर्च्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अजर्च्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अजर्चि-" , पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ल्ह्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, ध्महि ॥ [इमहे ॥
 ६ जजर्च्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे,
 ७ जर्चिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ जर्चिता-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ जर्चिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥ [यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १० अजर्चिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,

१३३८ झर्चत् (झर्च्) परिभाषणे ॥

- १ झर्च्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ झर्च्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ झर्च्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अझर्च्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये
- ५ अझर्चि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जझर्च्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ झर्चिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ झर्चिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ झर्चिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अझर्चिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३३९ त्वचत् (त्वच्) संवरणे ॥

- १ त्वच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ त्वच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ त्वच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अत्वच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्
- ५ अत्वचि, अत्वचि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ तत्वच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ त्वचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ त्वचिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ त्वचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अत्वचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३४० ऋचत् (ऋच्) स्तुतौ ॥

- १ ऋच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ऋच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ऋच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ आर्च्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये
- ५ आर्चि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ आनृच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ अर्चिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अर्चिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अर्चिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आर्चिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३४१ ओव्रश्चौत् (व्रश्च्) छेदने ॥

- १ वृश्च्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वृश्च्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वृश्च्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवृश्च्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अव्रश्चि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [क्षि, क्ष्वहि, क्ष्महि ॥
- अव्रश्चि, अव्र-क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, इद्वम्, गृद्वम्,
- ६ वव्र-क्षे, क्षाते, क्षिरे, क्षिषे, क्षे, आथे, क्षिच्चे, क्षे, क्षिवहे, क्षिमहे
- ७ व्रश्चिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
व्रक्षी } च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ व्रश्चिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे,
व्रष्टा } स्महे ॥
- ९ व्रश्चिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
व्रक्ष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अव्रश्चिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अव्रक्ष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

परोक्षसंप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तराभिप्रायेण ।

१३४२ ऋच्छत् (ऋच्छ) इन्द्रियप्रलय- मूर्तिभावयोः ॥

- १ ऋच्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ऋच्छथे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ऋच्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आच्छ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आच्छि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ आनच्छ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ऋच्छिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ऋच्छिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ऋच्छिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० आच्छिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३४३ विच्छत् (विच्छ) गतौ ॥

- १ विच्छाय् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
विच्छ } यावहे, यामहे ॥
- २ विच्छायथे } -त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य,
विच्छथे } वहि, महि ॥
- ३ विच्छाय् } -यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
विच्छ } यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अविच्छाय् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अविच्छ } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अविच्छायि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
- अविच्छि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
- ६ विविच्छ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- विच्छाया-श्चके, इ० ॥ म्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ विच्छायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- विच्छिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ विच्छायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
विच्छिता } स्महे ॥
- ९ विच्छायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
विच्छिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अविच्छायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अविच्छिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३४४ उच्छत् (उच्छ) विवासे ॥

- १ उच्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उच्छथे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ उच्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ औच्छ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ औच्छि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ उच्छा-श्चके, इ० ॥ म्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ उच्छिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ उच्छिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ उच्छिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० औच्छिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

१३४५ मिच्छत् (मिच्छ) उत्केशे ॥

- १ मिच्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मिच्छथे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मिच्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमिच्छ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमिच्छि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ मिमिच्छ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मिच्छिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मिच्छिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मिच्छिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अमिच्छिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

१३४६ उञ्छत् (उञ्छ) उञ्छे ॥

- १ उञ्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उञ्छये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ उञ्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औञ्छ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
- ५ औञ्छि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ष्वम्, वि, ष्वहि, ष्वहि ॥
- ६ उञ्छा-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ उञ्छिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ उञ्छिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ उञ्छिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० औञ्छिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३४७ प्रच्छत् (प्रच्छ) प्रीप्तायाम् ॥

- १ प्रच्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ प्रच्छये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ प्रच्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अप्रच्छ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
- ५ अप्रच्छि, अप्र-क्षाताम्, क्षत, छाः, क्षाथाम्, इद्वम्,
गृह्द्वम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ प्रच्छ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ प्रक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ प्रक्षा-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ प्रक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अप्रक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३४८ उञ्जत् (उञ्ज) आर्जवे ॥

- १ उञ्ज-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उञ्जये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ उञ्ज-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औञ्ज-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
- ५ औञ्जि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ष्वम्, वि, ष्वहि, ष्वहि ॥
- ६ उञ्जा-ञ्चके, इ० ॥ म्बभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ उञ्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ उञ्जिता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ उञ्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० औञ्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १३४९ सृजत् (सृज) विसर्गे ॥ सृजिच् १२५५
चद्वपाणि ॥

१३५० रुजोत् (रुज्) भर्ज्ने ॥

- १ रुज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रुजये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रुज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरुज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
- ५ अरोजि, अरु-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्,
ग्वम्, गृह्द्वम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ रुरुज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इष्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रुक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ष्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रोक्ता-", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रोक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अरोक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

१३५१ भुजोत् (भुज्) कौटिल्ये ॥

- १ भुज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भुज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥ [यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ३ भुज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अभुज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥ [गृह्णम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ५ अभोजि, अभु-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, ग्वम्, गृह्णम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ बुभुज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भुक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भोक्ता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भोक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभोक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३५२ डुमस्जोत् (मस्ज्) शुद्धौ ॥

- १ मज्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ मज्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ मज्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अमज्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, गृह्णम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
 - ५ अमज्जि, अमज्-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, ग्वम्, गृह्णम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
 - ६ ममज्ज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ मङ्क्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ मङ्क्ता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ मङ्क्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अमङ्क्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१३५३ जर्ज (जर्ज्) परिभाषणे ॥

- १ जर्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जर्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जर्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजर्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अजर्जि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्ङम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ जजर्ज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जर्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जर्जिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जर्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अजर्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३५४ झर्जत् (झर्ज्) परिभाषणे ॥

- १ झर्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ झर्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ झर्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अझर्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अझर्जि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ङ्ङम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ जझर्ज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ झर्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ झर्जिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ झर्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अझर्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३५५ उज्झत् (उज्झ) उत्सर्गे ॥

- १ उज्झ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उज्झ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ उज्झ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औज्झ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ औज्झि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ उज्झा-धके, इ० ॥ म्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ उज्झिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ उज्झिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ उज्झिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० औज्झिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३५६ जुडत् (जुड्) गतौ ॥

- १ जुड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जुड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जुड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अजुड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अजोडि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, स्महि ॥
- ६ जुजुड-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जोडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जोडिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जोडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अजोडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३५७ पृड (पृड्) सुखने ॥

- १ पृड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पृड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पृड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपृड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपर्डि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ पपृड-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पर्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पर्डिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पर्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपर्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३५८ मृडत् (मृड्) सुखने ॥

- १ मृड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मृड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मृड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमृड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमर्डि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ममृड-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मर्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मर्डिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मर्डिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमर्डिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३५९ कडत् (कड्) मदे ॥

- १ कड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकाडि, अकडि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्वहि ॥
- ६ चकड्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अकडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३६० पृणत् (पृण्) ग्रीणने ॥

- १ पृण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पृण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पृण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपृण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपर्णि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्वहि ॥
- ६ पपृण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पर्णिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पर्णिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पर्णिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अपर्णिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३६१ तुणत् (तुण्) कौटिल्ये ॥

- १ तुण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तुण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तुण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यावहि ॥
- ४ अतुण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अतोणि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
षि, ष्वहि, ष्वहि ॥
- ६ तुतुण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तोणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तोणिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तोणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अतोणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

१३६२ मृणत् (मृण्) हिंसायाम् ॥

- १ मृण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यावहे ॥
- २ मृण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मृण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमृण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमर्णि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्वहि ॥
- ६ ममृण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मर्णिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
द्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मर्णिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मर्णिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमर्णिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३६३ दुणत् (दुण्) गतिकौटिल्ययोश्च ॥

- १ द्रुण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ द्रुण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ द्रुण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अद्रुण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अद्रोणि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, षमहि ॥ [इमहे ॥
 ६ दुद्रुण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे,
 ७ द्रोणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ द्रोणिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ द्रोणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अद्रोणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३६४ पुणत् (पुण्) शुमे ॥

- १ पुण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पुण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पुण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपुण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपोणि-”, बाताम्, षत, छाः, बाथाम्, ह्वम्,
 ध्वम्, षि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ पुपुण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ पोणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पोणिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ पोणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अपोणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३६५ मुणत् (मुण्) प्रतिज्ञाने ॥

- १ मुण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मुण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, यायाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मुण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमुण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमोणि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, वि, प्वहि, ष्महि ॥
 ६ मुमुण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मोणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ मोणिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ मोणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमोणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३६६ कुणत् (कुण्) शब्दोपकरणयोः ॥

- १ कुण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कुण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कुण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकुण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकोणि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्डुम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ चुकुण्-ए, आते, इरे, इथे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कोणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ कोणिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कोणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकोणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १३६७ घुण्(घुण्)भ्रमणे॥ घुणि७०८ वद्रूपणि ॥
 १३६८ घूर्णन्तु(घूर्णं)भ्रमणे॥ घूर्णि७०९ वद्रूपणि ॥

१३६९ चृतैत् (चृत्) हिंसाग्रन्थयोः ॥

- १ चृत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चृत्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चृत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचृत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचर्ति-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इड्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ चचृत्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ चर्तिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 चृत्सी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ चर्तिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ चर्तिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 चर्त्से } यावहे, यामहे ॥
 १० अचर्तिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अचर्त्से } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३७० णुदन्त (नुद्) प्रेरणे ॥

- १ नुद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ नुद्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ नुद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अनुद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अनोदि, अनु-त्साताम्, त्सत, त्थाः, त्साथाम्,
 दध्वम्, द्दध्वम्, त्सि, त्स्वहि, त्स्महि ॥
 ६ नुनुद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ नुत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ नोत्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ नोत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अनोत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 १३७१ षद्लन्त (सद्) अवसादने ॥ षद्लं
 ९६६ वदूपाणि ॥

१३७२ विधत् (विध्) विधाने ॥

- १ विध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ विध्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ विध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अविध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवेधि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इड्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ विविध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वेधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वेधिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वेधिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवेधिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३७३ जुन (जुन्) गतौ ॥

- १ जुन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ जुन्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ जुन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अजुन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अजोनि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इड्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 ६ जुजुन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ जोनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ जोनिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ जोनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अजोनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३७४ शुन्त् (शुन्) गतौ ॥

- १ शुन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शुन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शुन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशुन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अशोनि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ शुशुन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ शोनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ शोनिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ शोनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अशोनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३७५ छुप्त् (छुप्) स्पर्शे ॥

- १ छुप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ छुप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ छुप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अछुप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अछोपि, अछु-प्साताम्, प्सत, प्थाः, प्साथाम्,
बध्वम्, बद्धम्, प्सि, प्स्वहि, प्समहि ॥
- ६ चुछुप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ छुप्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ छोप्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ छोप्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अछोप्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

१३७६ रिफ्त् (रिफ्) कथनयुद्धहिंसादानेषु ॥

- १ रिफ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रिफ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रिफ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरिफ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरेफि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ रिरिफ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रेफिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रेफिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रेफिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अरेफिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

१३७७ तृफ् (तृफ्) तृप्तौ ॥

- १ तृफ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तृफ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तृफ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतृफ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अतर्फि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ ततृफ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तर्फिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥
- ८ तर्फिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तर्फिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अतर्फिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

१३८२ दृम्फत् (दृम्फ्) उत्कृष्टे ॥

- १ दृम्फ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दृम्फ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दृम्फ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदृम्फ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये
- ५ अदृम्फि-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ दृढदृम्फ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दृम्फिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दृम्फिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ दृम्फिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अदृम्फिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३८३ गुफ (गुफ्) ग्रन्थने ॥

- १ गुफ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गुफ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गुफ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अगुफ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये
- ५ अगोफि-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जुगुफ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गोफिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गोफिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गोफिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगोफिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३८४ गुम्फत् (गुम्फ्) ग्रन्थने ॥

- १ गुम्फ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गुम्फ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गुम्फ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगुम्फ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये
- ५ अगुम्फि-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ जुगुम्फ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गुम्फिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गुम्फिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गुम्फिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगुम्फिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३८५ उभ (उभ्) पूरणे ॥

- १ उभ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उभ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ उभ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ औभ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये
- ५ औभि-", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ ऊभ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ओभिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ओभिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ ओभिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० औभिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३८६ उम्भत् (उम्भ्) पूरणे ॥

- १ उम्भ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ उम्भ्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ उम्भ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ औम्भ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ औम्भि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, पि, च्वहि, च्महि ॥
 ६ उम्भा-ञ्के, इ० ॥ म्बभूव, इ० ॥ माहे, इ० ॥
 ७ उम्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ उम्भिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ उम्भिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० औम्भिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १३८७ शुभ (शुभ्) शोभायै ॥ शुभि१४७वद्वपाणि ॥
 १३८८ शुम्भ (शुम्भ्) शोभायै ॥ शुम्भत् ३७७वद्वपाणि ॥

१३८९ दृभैत् (दृभ्) ग्रन्थे ॥

- १ दृभ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ दृभ्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ दृभ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अदृभ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अदृभि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, पि, च्वहि, च्महि ॥
 ६ दृदृभ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ दृभिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ दृभिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ दृभिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अदृभिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १३९० लुभत् (लुभ्) विमोहने ॥ लुभच् ११९८
 वद्वपाणि ॥

१३९१ कुरत् (कुर्) शब्दे ॥

- १ कूर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कूर्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कूर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकूर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अकोरि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्महि ॥
 ६ चुकूर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कोरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ कोरिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कोरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अकोरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३९२ क्षुरत् (क्षुर्) विखनने ॥

- १ क्षूर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्षूर्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ क्षूर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अक्षूर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अक्षोरि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्महि ॥
 ६ चुक्षूर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ क्षोरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ क्षोरिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ क्षोरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अक्षोरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३९४ घुरत् (घुर्) भीमशब्दार्थयोः ॥

- १ घूर्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ घूर्-यत, याताम्, रन्, यथाः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ घूर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अघूर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अघोरि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, फ्महि ॥
 ६ जुघूर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ घोरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ घोरिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ घोरिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे,
 ये, यावहै, यामहै ॥
 १० अघोरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३९६ मुरत् (मुर्) संवेष्टने ॥

- १ मूर-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मूर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मूर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमूर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 'अमोरि-'', पाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, ड्द्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ मुमूर-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मोरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मोरिता-'', रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ मोरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमोरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१३९७ सूरत् (सूर) ऐश्वर्यदीप्तयोः ॥

- १ सूर-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सूर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सूर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असूर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ असोरि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ सुसूर-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सोरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सोरिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सोरिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० असोरिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३९८ स्फर् (स्फर्) स्फुरणे ॥

- १ स्फर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्फर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्फर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्फर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्फारि, अस्फरि-षताम्, षत, छाः, पाथाम्,
इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ पस्फर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्फरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्फरिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्फरिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अस्फरिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१३९९ स्फलत् (स्फल) स्फुरणे ॥

- १ स्फल-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्फलये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्फल-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्फल-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्फालि, अस्फलि-षताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥ [इमहे ॥
- ६ पस्फल-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे,
- ७ स्फलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्फलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्फलिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अस्फलिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४०० किल् (किल्) श्वैत्यक्रीडनयोः ॥

- १ किल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ किल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ किल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकिल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकेलि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥ [इमहे ॥
- ६ चिकिल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे,
- ७ केलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ केलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ केलिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अकेलिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४०७ चिलत् (चिल्) वसने ॥

- १ चिल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चिल्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चिल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचिल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचेलि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ चिचिल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ चेलिरी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ चेलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ चेलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अचेलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४०८ विलत् (विल्) वरणे ॥

- १ विल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ विल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ विल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अविल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवेलि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ह्वम्, ह्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ विविल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्दे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वेलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ह्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वेलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वेलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवेलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १४०९ विलत्(बिल्)भेदने॥ विलत् १४०८ वद्रूपणि ॥
 केवलं वकारस्थाने वकारो ज्ञेयः ॥

१४१० णिलत् (निल्) गहने ॥

- १ निल्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ निल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ निल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अनिल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अनेलि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इह्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, षि, व्हि, ष्महि ॥
 ६ निनिल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इह्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ नेलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ नेलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ नेलिष्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अनेलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४११ मिलत् (मिल्) श्लेषणे ॥

- १ मित्र्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मित्र्ये-त, याताम्, रन्, थाः, यायाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मित्र्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमित्र्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 'अमेलि-' , पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ मिमित्र्-ए, आते, इर, इथे, आथे, इद्व, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मेलिषी-ध, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मेलिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ मेलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अमेलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४१६ मृशत् (मृश्) आमर्शने ॥

- १ मृश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मृश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मृश-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमृश-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 गृह्णुम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
 ५ अमर्शि, अमृ-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षध्वम्,
 क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
 ६ ममृश-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मृशी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, थाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ म्रष्टा-”-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 मर्षा स्महे ॥
 ९ म्रक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 मर्क्ष यावहे, यामहे ॥
 १० अम्रक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अमर्क्ष यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १४१७ लिशं(लि)गतौ ॥ लिशिच् १२१० वद्रूपाणि ॥

१४१८ ऋवैत् (ऋष्) गतौ ॥

- १ ऋष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ऋष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ऋष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ आर्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ आर्षि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ड्ढ्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 ६ आनृष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अर्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, थाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ अर्षिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ अर्षिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० आर्षिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१४१९ इषत् (इष्) इच्छायाम् ॥

- १ इष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ इष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ इष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ ऐष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ ऐषि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ड्ढ्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 ६ ईष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ऐषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, थाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ ऐषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ऐषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० ऐषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १४२० मिषत् (मिष्) स्पर्द्धायाम् ॥ मिष्
 ५२४ वद्रूपाणि ॥

१४२१ वृहौत् (वृह्) उद्यमे ॥

- १ वृह-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वृह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अवृह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अवर्हि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ड्ढ्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥ [क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥
 ६ अवर्हि, अवृ-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षध्वम्,
 ६ ववृ-हे, हाते, हिरे, हिपे, क्षा, हाथे, हिद्धे, हिध्वे, हे, हिवहे, हिमहे ॥
 ७ वर्हिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, थाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 वृशी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, थाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ वर्हिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 वर्दा स्महे ॥
 ९ वर्हिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 वर्क्ष यावहे, यामहे ॥
 १० अवर्हिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अवर्क्ष यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 परोक्षासेप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तराभिप्रायेण ॥

१४२३ तृहौ (तृहू) हिंसायाम् ॥

- १ तृह-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वं, ये, यावह, यामह ॥
 २ तृह्यत-याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यध्वम्, यवहि, महि ॥
 ३ तृह-याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावह, यामह ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतृह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्
 ५ अतृहि-”, पाताम्, षत, प्राः, प्राथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वन्,
 षि, वहि, ध्महि ॥ [इग्इद्वम्, द्वि, इध्वहि, इध्महि ॥
 अतृहि, अतृ-इक्षताम्, इक्षत, ण्डाः, इक्षथाम्, ण्ड्वम्,
 ६ ततृ-ह, हाते, हिरे, हिषे, ततृह्णे, ततृ-हाथे, हिद्वि, हिध्वं,
 हे, हिवहे, हिमहे ॥
 ७ तृहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 तृह्णी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ तृहिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 तृण्डा } स्वहे, स्महे ॥
 ९ तृहिष } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वं,
 तृङ्क्ष } ये, यावह, यामह ॥
 १० अतृहिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अतृङ्क्ष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 परीक्षासेप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तराभिप्रायेण ॥

१४२५ स्तृहौत् (स्तृह्) हिंसायाम् ॥

- १ स्तृह्—यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्तृह्यो—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्तृह्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्तृह्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अस्तृहि—, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, ड्ढ्वम्, दुम्,
 च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [ह्वि, ड्ढ्वहि, ड्ढ्वमहि ॥
 अस्तृहि, अस्तृह्णाताम्, ह्णात, ण्डाः, ह्णाथाम्, ण्डम्, ण्ड्वदुम्,
 ६ तस्तृ—हे, हाते, हिरे, हिषे, तस्तृह्णे, तस्तृ—हाथे हिच्चे, हिद्दे,
 हे, हिवहे, हिमहे ॥
 ७ स्तृहिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, दुम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 स्तृह्णी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, च्वम्,
 ८ स्तृहिता } —, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे,
 स्तृण्डा } स्महे ॥
 ९ स्तृहिष् } —यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये,
 स्तृङ्क्ष } यावहे, यामहे ॥
 १० अस्तृहिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अस्तृङ्क्ष } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 परोक्षसंप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तराभिप्रक्षेप्य ॥

॥ अथ कुटादिः ॥

१४२६ कुट् (कुट्) कौटिल्ये

- १ कुट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कुट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, यि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अकोटि, अकुटि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ चुकुट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कुटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कुटिता-” , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कुटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकुटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४२७ गुत् (गु) पुरीषोत्सर्गे ॥

- १ गू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ गूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ गू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 - ४ अगू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, अगावि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 - ५ अगावि, अगु-पाताम्, षत, थाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, जुगुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ६ जुगुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 - ७ गाविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 - ८ गाविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, गुता } स्महे ॥
 - ९ गाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, गुष् } यावहे, यामहे ॥
 - १० अगाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अगुष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥

१४२८ ध्रुत् (ध्रु) गतिस्थैर्ययोः ॥

- १ ध्रू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ध्रूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ध्रू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अध्रू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अध्रावि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अध्रावि, अध्रु-पाताम्, षत, थाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, दुध्रुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ६ दुध्रुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ध्राविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ८ ध्राविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, ध्रुता } स्महे ॥
- ९ ध्राविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, ध्रुष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अध्राविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अध्रुष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४२९ णूत् (नू) स्तवने ॥

- १ नू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ नूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ नू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अनू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अनावि, अनावि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, अनुवि } द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ५ अनावि, अनावि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, अनुवि } द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ नुनुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ नाविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, नुविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ नाविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, नुविता } स्महे ॥
- ९ नाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, नुविष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अनाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अनुविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४३० धृत् (धृ) विधूनेने ॥

- १ धृ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ धृये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ धृ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अधू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अधावि, अधावि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
अधुवि } द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ दुधुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ धाविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
धुविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ धाविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
धुविता } स्महे ॥
- ९ धाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
धुविष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अधाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अधुविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४३१ कुचत् (कुच्) संकोचने ॥

- १ कुच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कुच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कुच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकुच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकोचि, अकुचि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ चुकुच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कुचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कुचिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
स्महे ॥
- ९ कुचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अकुचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४३२ व्यचत् (व्यच्) व्याजीकरणे ॥

- १ विच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ विच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ विच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अविच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अव्याचि, अविचि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ विविच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ विचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ विचिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ विचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अविचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४३३ गुजत् (गुज्) शब्दे ॥

- १ गुज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गुज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गुज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगुज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अगोजि, अगुजि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ जुगुज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गुजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गुजिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गुजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अगुजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहि, यामहि ॥

- १ जुद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ जुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ जुद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अजुद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अत्रोटि, अजुटि-षाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ तुजुद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ टुटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ टुटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, खहे, स्महे ॥
 ९ टुटिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अजुटिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१४३८ तुटत् (तुट्) कलहकर्मणि ॥

- १ तुट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तुट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अतोटि, अतुटि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [इमहे ॥
- ६ तुतुट्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तुटिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तुटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तुटिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतुटिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४३९ मुटत् (मुट्) आक्षेपप्रमर्दनयोः ॥

- १ मुट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मुट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमोटि, अमुटि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ मुमुट्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मुटिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मुटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ मुटिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमुटिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४४० स्फुटत् (स्फुट्) विकसने ॥

- १ स्फुट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्फुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्फुट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्फुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्फोटि, अस्फुटि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ पुस्फुट्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्फुटिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्फुटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्फुटिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्फुटिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४४१ पुट (पुट्) संश्लेषणे ॥

- १ पुट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पुट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपोटि, अपुटि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ पुपुट्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ पुटिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पुटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ पुटिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अपुटिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४४२ लुठत् (लुड्) संश्लेषणे ॥

- १ लुट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लुट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलोठि, अलुठि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इड्ढम्,
 ध्वम्, षि, ष्महि, ष्महि ॥
 ६ लुलुट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ लुठिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ लुठिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ लुठिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अलुठिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४४३ कृडत् (कृड्) घसने ॥

- १ कृङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कृड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कृङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकृङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
५ अकृडिं, अकृडि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इड्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ चकृङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कृडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कृडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कृडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अकृडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४४४ कुडत् (कुइ) बाल्ये च ॥

- १ कुङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कुङ्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कुङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यावहि ॥
 ४ अकुङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकोडि, अकुङि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ चुकुङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कुङिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ कुङिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कुङिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अकुङिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१४४५ गुडत् (गुड्) रक्षायाम् ॥

- १ गुड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गुड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गुड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगुड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अगोडि, अगुडि-याताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ जुगुड्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ गुडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ गुडिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ गुडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अगुडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४४७ तुडत् (तुड्) तोडने ॥

- १ तुङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तुङ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तुङ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतुङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अतोडि, अतुङि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
 य्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ तुतुङ्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तुडिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तुडिता-", रौः, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तुडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अतुडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१४४९ थुड (थुड्) संवरणे ॥

- १ थुइ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ थुञ्चे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ थुइ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अथुइ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
 ५ अथोडि, अथुडि-पाताम्, षत, ष्ठाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ष्वम्, पि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ तुथुइ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इञ्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ थुडिषी-ष्ठ, यास्ताम्, रन्, ष्ठाः, यास्थाम्, ष्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ थुडिता-'', रौ, रः, से, साथे, ष्ने, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ थुडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अथुडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥

१४५० स्थुडत् (स्थुड्) संवरणे ॥

- १ स्थुइ-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्थुड्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्थुइ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्थुइ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अस्थोडि, अस्थुडि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्,
 च्वम्, षि, च्वहि, च्महि ॥
 ६ तुस्थुइ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ स्थुडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ स्थुडिता-”, रौ, रः, से, सांथे, च्वे, हे, स्त्वहे, स्महे ॥
 ९ स्थुडिष्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यच्चे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अस्थुडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४५२ ब्रुड (ब्रुड्) संघाते ॥

- १ **बुङ्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ **बुङ्ये**-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ।
 ३ **बुङ्**-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै । [ये, यावहि, यामहि ।
 ४ **अबुङ्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ **अबुडि, अबुडि**-पाताम्, षत, ष्टाः, षाथाम्, ड्ध्वम्,
 ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ।
 ६ **बुमुङ्**-ए, आते, ईरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ।
 ७ **बुडिषी**-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ।
 ८ **बुडिता**-" , रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ।
 ९ **बुडिष्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 ये, यावहे, यामहे ।
 १० **अबुडिष्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ।

१४५१ बुद्धत् (बुद्ध) उत्सर्गो च ॥

- १ बुड्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ बुड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ बुड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अबुड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवोडि, अबुडि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, ध्महि, ध्महि ॥
 ६ बुबुड्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ बुडिषी-ञ्, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥
 ८ बुडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ बुडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अबुडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४५३ भ्रुडत् (भ्रुड्) संघाते ॥

- १ भ्रुइ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भ्रुज्ये-यत, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भ्रुइ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभ्रुइ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अभ्रोडि अभ्रुडि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, षि, व्वहि, प्वहि ॥
- ६ वुभ्रुइ-ए, आते, हरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भ्रुडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भ्रुडिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भ्रुडिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अभ्रुडिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४५८ डिप्त् (डिप्) क्षेपे ॥

- १ डिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ डिप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ डिप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अडिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अडेपि, अडिपि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ डिडिप्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ डिपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ डिपिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ डिपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अडिपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४५९ छुर्त् (छुर्) छेदने ॥

- १ छुर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ छुर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ छुर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अछुर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अछोरि, अछुरि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चुछुर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ छुरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ छुरिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ छुरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अछुरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४६० स्फुरत् (स्फुर) स्फुरणे ॥

- १ स्फूर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्फूर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्फूर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्फूर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्फोरि, अस्फुरि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ पुस्फूर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्फुरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्फुरिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्फुरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्फुरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि

१४६१ स्फुलत् (स्फुल) संचये च ॥

- १ स्फुल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्फुल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्फुल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्फुल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्फोलि, अस्फुलि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ पुस्फुल्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्फुलिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्फुलिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्फुलिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्फुलिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४६२ कुङ् (कु) शब्दे ॥

- १ कू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकावि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥ [षि, ध्वहि, षमहि ॥
- अकावि, अकु-पाताम्, षत, थाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ चुकुव-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ काविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- कुषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
- ८ कुता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, काविता } स्महे ॥
- ९ कुष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, काविष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अकुष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अकाविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४६४ गुरैति (गुर) मुद्यमे ॥

- १ गूर-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गूरे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गूर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगूर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अगोरि, अगुरि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ जुगूर-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ गुरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ गुरिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ गुरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अगुरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ इति कुटादिः ॥

१४६५ षुङ्त् (षु) व्यायामे ॥ षुङ् १३४ वद्रूपाणि ॥

१४६३ कूङ्त् (कू) शब्दे ॥

- १ कू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकावि, अकावि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, अकुवि } द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥
- ६ चुकुव-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ कुविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, काविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कुविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, काविता } स्महे ॥
- ९ काविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, कुविष् } ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकुविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अकाविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४६६ दृङ्त् (दृ) आदरे ॥

- १ द्रि-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ द्रिये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ द्रि-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अद्रि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अदारि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, षमहि ॥ [षि, ध्वहि, षमहि ॥
- अदारि, अदृ-पाताम्, षत, थाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
- ६ दद्र-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ दारिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- दृषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
- ८ दारिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, दर्ता } स्महे ॥
- ९ दारिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, दरिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अदारिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अदारिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४६७ षुङ्त् (षु) स्थाने ॥ षुङ् ६०२ वद्रूपाणि ॥

१४६८ ओविजैति (विज्) भयचलनयोः ॥

- १ विज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ विज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ विज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अविज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवेजि, अविजि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ विविज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ विजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ विजिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ विजिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अविजिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अर्थान्तरापेक्षया कर्मणि ॥
- १४६९ ओलजैङ् (लज्) ब्रीडे ॥ लज् १४०८ वद्रूपाणि ॥

१४७० ओलजैङ् (लज्) ब्रीडे ॥

- १ लज्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लज्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लज्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलज्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलज्जि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ ललज्ज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लज्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लज्जिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लज्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलज्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४७१ स्वज्जित् (स्वज्) सङ्गे ॥

- १ स्वज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्वज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्वज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्वज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्वज्जि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ सस्वज्ज्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
सस्वज्ज्-इमहे ॥
- ७ स्वज्ज्-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ स्वज्जिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ स्वज्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्वज्जिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
अद्यतन्यान्तु नवानिर्दिष्टस्यानित्यत्वादिद्विधितं रूपम् ॥

१४७२ जुषैति (जुष्) प्रीतिसेवनयोः ॥

- १ जुष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ जुष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ जुष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अजुष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अजोषि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ जुजुष्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ जोषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ जोषिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ जोषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अजोषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
इति तुदादिगणः सम्पूर्णः ॥

॥ अथ रुधादिः ॥

१४७३ रुधृपी (रुध्) आवरणे ॥ अनोरुधिच्
१२६१ वद्रूपाणि, उपसर्गविरहो विशेषः ॥

१४७४ रिचृपी (रिच्) विरेचने ॥

- १ रिच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रिच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रिच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरिच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
- ५ अरेचि, अरि-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, ग्ध्वम्, ग्द्वम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ रिरिच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ रिक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रेक्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रेक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अरेक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४७५ विचृपी (विच्) पृथग्भावे ॥

- १ विच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ विच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ विच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अविच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ग्ध्वम्, ग्द्वम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ५ अवेचि, अवि-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, ग्ध्वम्, ग्द्वम्, क्षि, क्ष्वहि, क्षमहि ॥
- ६ विविच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ विक्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वेक्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वेक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवेक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४७६ युजृपी (युज्) योगे ॥ युजिच् १२५४ वद्रूपाणि ॥

१४७७ भिदृपी (भिद्) विदारणे ॥

- १ भिद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भिद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भिद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभिद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अभेदि, अभि-त्साताम्, त्सत, तथाः, त्साथाम्, द्ध्वम्, द्ध्वम्, त्सि, त्स्वहि, त्स्महि ॥
- ६ बिभिद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भित्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भेक्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भेत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभेत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४७८ छिदृपी (छिद्) द्वैधीकरणे ॥

- १ छिद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ छिद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ छिद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अछिद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ५ अछेदि, अछि-त्साताम्, त्सत, तथाः, त्साथाम्, द्ध्वम्, द्ध्वम्, त्सि, त्स्वहि, त्स्महि ॥ [इमहे ॥
- ६ चिच्छिद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ छित्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ छेक्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ छेत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अछेत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४७९ क्षुद्रूपी (क्षुद्) संपेषे ॥

- १ क्षुद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्षुद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ क्षुद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अक्षुद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अक्षोदि, अक्षु-त्ताताम्, त्सत, त्थाः, त्साथाम्, द्ध्वम्,
 द्दध्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥
 ६ क्षुक्षुद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ क्षुत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ क्षोत्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ क्षोत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अक्षोत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४८० ऊर्ध्वूपी (ऊर्ध्व) दीप्तिदेवनयोः ॥

- १ ऊर्ध्व-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ऊर्ध्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ऊर्ध्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अऊर्ध्व-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अऊर्ध्वि-”, पाताम्, पत, पाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥ [इमहे ॥
 ६ ऊर्ध्व-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ऊर्ध्वी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ ऊर्ध्विता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ऊर्ध्वि-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 ऊर्ध्वि-ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अऊर्ध्वि-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अऊर्ध्वि-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४८१ ऊर्ध्वूपी (तृद्) हिंसानादरयोः ॥

- १ तृद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तृद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तृद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतृद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतर्दि-”, पाताम्, पत, पाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥ [इमहे ॥
 ६ ततृद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ तर्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 तृत्सी-ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तर्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तर्दिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 तर्दिष-यावहे, यामहे ॥
 १० अतर्दिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अतर्दिष-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १४८२ पृथ्वी (पृथ्वी) संपेषे ॥ पृथ्वी ११२३ वद्वपाणि ॥

१४८३ वृचूपी (वृच्) वरणे ॥

- १ वृच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वृच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवृच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवर्चि-”, पाताम्, पत, पाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥ [इमहे ॥
 ६ ववृच्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वर्चिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वर्चिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वर्चिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 वर्चिष-यावहे, यामहे ॥
 १० अवर्चिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 अवर्चिष-ये, यावहि, यामहि ॥
 १४८४ तञ्जू (तञ्जू) संकोचने ॥ तञ्जू १०८ वद्वपाणि ॥

१४७९ क्षुट्पी (क्षुट्) संपेषे ॥

- १ क्षुट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्षुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ क्षुट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अक्षुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अक्षोदि, अक्षु-त्साताम्, त्सत, त्थाः, त्साथाम्, दध्वम्,
 दध्वम्, त्ति, त्स्वहि, त्स्महि ॥
 ६ चुक्षुट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ क्षुत्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ क्षोत्ता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ क्षोत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अक्षोत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४८० ऊक्षुट्पी (ऊक्षुट्) दीप्तिदेवनयोः ॥

- १ ऊक्षुट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ऊक्षुट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ऊक्षुट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अऊक्षुट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अऊक्षुटि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥ [इमहे ॥
 ६ उऊक्षुट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे,
 ७ ऊक्षुटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ ऊक्षुटिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ऊक्षुटिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 ऊत्स्-ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अऊक्षुटिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अऊक्षुटि-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४८१ ऊतृट्पी (तृट्) हिंसानादरयोः ॥

- १ तृट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तृट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तृट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतृट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतृटि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥ [इमहे ॥
 ६ ततृट्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे,
 ७ तर्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 तृत्सी-ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तर्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ तर्दिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 तत्स्-यावहे, यामहे ॥
 १० अतर्दिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अतर्त्स्-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १४८२ तृट्पी (तृट्) संपेषे ॥ तृट् ११२ तृट्पाणि ॥

१४८३ वृचैप् (वृच) वरणे ॥

- १ वृच-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वृच-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवृच-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवृचि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
 ६ ववृच-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ वृचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वृचिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वृचिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 यावहे, यामहे ॥
 १० अवृचिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 १४८४ तृचू (तृचू) संकोचने ॥ तृचू १०८ तृचूपाणि ॥

१४८५ तञ्जौप् (तञ्ज्) संकोचने ॥

- १ तञ्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तञ्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तञ्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतञ्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अतञ्जि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इड्ढम्, ध्वम्, पि, प्वहि, ष्महि ॥
- अतञ्जि, अतञ्ज्-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, ग्ध्वम्, ग्इड्ढम्, क्षि, क्ष्वहि, क्ष्महि ॥ [जिमहे ॥
- ६ तत-जे, जाते, जिरे, जिरे, जसे, जाथे, जिध्वे, जे, जिवहे,
- ७ तञ्जिपी-ए, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, तञ्ज्ही ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तञ्जिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, तञ्ज्हा स्महे ॥
- ९ तञ्जिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, तञ्ज्क्ष् यावहे, यामहे ॥
- १० अतञ्जिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अतञ्जिष् यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

परोक्षप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तरमिप्रयेण ॥

१४८८ अञ्जौप् (अञ्ज्) व्यक्तिप्रक्षणगतिषु ॥

- १ अञ्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अञ्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अञ्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आञ्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आञ्जि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इड्ढम्, ध्वम्, पि, प्वहि, ष्महि ॥
- ५ आञ्जि, आञ्ज्-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, ग्ध्वम्, ग्इड्ढम्, क्षि, क्ष्वहि, क्ष्महि ॥ [जिमहे ॥
- ६ आन-जे, जाते, जिरे, जिरे, जसे, जाथे, जिध्वे, जे, जिवहे,
- ७ अञ्जिपी-ए, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, अञ्ज्ही ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अञ्जिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, अञ्ज्हा स्महे ॥
- ९ अञ्जिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, अञ्ज्क्ष् यावहे, यामहे ॥
- १० आञ्जिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, आञ्जिष् यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

परोक्षप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तरमिप्रयेण ॥

१४८९ ओविजैप् (विज्) भयचलनयोः ॥

ओविजैति १४८६ वदूपाणि ॥

१४९० कृतैप् (कृत्) वेष्टने ॥ कृतैत् १३२५ वदूपाणि ॥

१४८६ भञ्जौप् (भञ्ज्) आमर्दने ॥

- १ भञ्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भञ्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भञ्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभञ्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अभञ्जि-अभञ्ज्-क्षाताम्, क्षत, कथाः, क्षाथाम्, ग्ध्वम्, ग्इड्ढम्, क्षि, क्ष्वहि, क्ष्महि ॥
- ६ वभञ्ज्-ए, आते, हरे, हरे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भञ्ज्ही-ए, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ भञ्ज्हा-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ भञ्ज्क्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अभञ्ज्क्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४८७ भुजौप् (भुज्) पालनाभ्यवहृतयोः ॥
भुजौत् १३५१ वदूपाणि ॥

१४९१ उन्दैप् (उन्द्) क्लेदने ॥

- १ उन्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ उन्द्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ उन्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ औन्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ औन्दि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इड्ढम्, ध्वम्, पि, प्वहि, ष्महि ॥
- ६ उन्दा-वकं, इ० ॥ म्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
- ७ उन्दिपी-ए, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ उन्दिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ उन्दिप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० औन्दिप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१४९८ जिह्न्वैषि (इन्ध्) दीप्तौ ॥

- १ इध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ इध्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ इध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ ऐध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ ऐन्धि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 - ६ इन्धा-शक्ते, इ० ॥ म्वभूवे, इ० ॥ माहे, इ० ॥
 - ७ इन्धिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ इन्धिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 - ९ इन्धिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० ऐन्धिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- इति रुधादिगणः संपूर्णः ॥

१५०० षण्यूषी (सन्) दाने ॥

- १ सन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ सन्ध्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ सन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ असन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ असानि, असनि-पाताम्, षत, छाः, असाथाः, असाथाः, असनि-पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ सेन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ सनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ सनिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ सनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० असनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ अथ तनादिः ॥

१४९९ तन्यूषी (तन्) विस्तारे ॥

- १ तन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, ता यामहे ॥
- २ तन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, ताये महि ॥
- ३ तन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ता ये, यावहे, यामहे ॥
- ४ अतन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अता ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अतानि, अतनि-पाताम्, षत, छाः, अतथाः, अतनि-पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि प्वहि ॥
- ६ तेन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ तनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तनिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५०१ क्षणूग (क्षण्) हिंसायाम् ॥

- १ क्षण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्षण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्षण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अक्षण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अक्षाणि, अक्षणि-पाताम्, षत, छाः, अक्षथाः, अक्षणि-पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चक्षण्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्षणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ क्षणिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ क्षणिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्षणिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५०६ वनूयी (वन्) याचने ॥

- १ वन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवानि, अवनि-पाताम्, षत, घ्राः, अवथाः, अवनि-पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ वषन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ वनिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ वनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

॥ अथ कथादिः ॥

१५०८ डुकींश् (क्री) द्रव्यविनिमये ॥

- १ क्री-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ क्रीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ क्री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ५ अक्री-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अक्रायि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
- अक्रायि, अक्रे-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, दुम्,
- ६ चिक्रिय-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ क्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, दुम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- क्रेषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, य,
- ८ क्रायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ क्रायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अक्रायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अक्रेष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १५०९ षिंश् (सि) बन्धने ॥ षिंश् १२८७ वदूपाणि ॥
- १५१० प्रींश् (प्री) तृप्तिकान्त्योः ॥ प्रींश् १२५३ वदूपाणि ॥

१५०७ मनूयि (मन्) बोधने ॥

- १ मन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमानि, अमनि-पाताम्, षत, घ्राः, अमथाः, अमनि-पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ मेन्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ मनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मनिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ मनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अमनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

इति तनादिगणः सम्पूर्णः

१५११ श्रींश् (श्री) पाके ॥

- १ श्री-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ श्रीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ श्री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अश्री-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अश्रायि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [दुम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
- ५ अश्रायि, अश्रे-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
- ६ शिश्रिय-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ श्रायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, दुम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- श्रेषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, य,
- ८ श्रायिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे, स्महे ॥
- ९ श्रायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अश्रायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अश्रेष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १५१२ मींश् (मी) हिंसायाम् ॥ डुमिंश् १२८९ वदूपाणि ॥

१५१३ युङ्गश्च (यु) बन्धने ॥

- १ यू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ यूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ यू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अयू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अयावि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [द्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अयावि, अयो-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ६ युयुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ याविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 योषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ८ याविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 योता } स्महे ॥
 ९ याविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 योष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अयाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अयोष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५१४ स्कुङ्गश्च (स्कु) आप्रवणे ॥

- १ स्कू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्कूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्कू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्कू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अस्कावि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [द्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ५ अस्कावि, अस्को-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ६ चुस्कुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ स्काविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [महि ॥
 स्कोषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, य, वहि,
 ८ स्काविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 स्कोता } स्महे ॥
 ९ स्काविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 स्कोष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अस्काविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अस्कोष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५१५ क्नुङ्गश्च (क्नु) शब्दे ॥

- १ क्नु-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्नुये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ क्नु-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्,
 यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥
 ४ अक्नु-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहि, यामहि ॥
 ५ अक्तावि, अक्तावि } -पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 अक्तावि } द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ चुक्नुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ क्ताविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 क्ताविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ क्ताविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 क्ताविता } स्महे ॥
 ९ क्ताविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 क्ताविष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अक्ताविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अक्ताविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५१६ द्रुङ्गश्च (द्रू) हिंसायाम् ॥

- १ द्रू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ द्रूये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ द्रू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अद्रू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अद्रावि, अद्रावि } -पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 अद्रावि } द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ दुद्रुव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ द्राविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 द्राविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ द्राविता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 द्राविता } स्महे ॥
 ९ द्राविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 द्राविष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अद्राविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अद्राविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५१७ ग्रहीष् (ग्रह) उपादाने ॥

- १ गृह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ गृह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ गृह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अगृह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अग्राहि, अग्राहि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्डुम्,
अग्रही } ढुम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ जगृह्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ ग्राहिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ढुम्,
ग्रहीषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ ग्राहिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
ग्रहीता } स्महे ॥
- ९ ग्राहिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
ग्रहीष् } ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अग्राहिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अग्रहीष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५१८ पूगश् (पू) पवने ॥ पूङ् ६०० वद्रूपाणि ॥

१५२१ स्तृगश् (स्तृ) आच्छादने ॥

- १ स्तीर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्तीर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्तीर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्तीर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अस्तारि, अस्तारि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
अस्तरी } इद्धुम्, ढुम्, ध्वम्, षि,
अस्तरी } ध्वहि, ध्महि ॥
- ५ अस्तारि, अस्तीर्-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
इद्धुम्, ढुम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ तस्तर-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ स्तारिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
स्तारिषी } ढुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [महि ॥
- स्तारिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ढुम्, य, वहि,
स्तारिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
स्तारिता } स्महे ॥
- स्तरीता } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
स्तरीष } ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अस्तारिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अस्तरीष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अस्तरीष }

१५२२ कृगश् (कृ) हिंसायाम् । कृत् १३३४ वद्रूपाणि ॥

१५१९ लृगश् (लृ) छेदने ॥

- १ लृ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लृये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लृ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलृ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलावि, अलावि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्डुम्,
अलवि } ढुम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ लुलृव-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लाविषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ढुम्,
लविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लाविता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ लाविष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
लविष् } ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अलाविष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अलविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५२० धृगश् (धृ) कम्पने ॥ धृग् १२९१ वद्रूपाणि ॥

१५२३ वृगश् (वृ) वरणे ॥

- १ वृ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वृर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वृ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवृ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवारि, अवारि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
अवरी } इद्धुम्, ढुम्, ध्वम्, षि,
अवरी } ध्वहि, ध्महि ॥
- अवारि, अवृ-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्डुम्,
ढुम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥
- ६ ववर-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्धे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ वारिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ढुम्,
वारिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- वृषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ढुम्,
वारिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
वारिता } स्महे ॥
- वरीता } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
वरीष } यावहे, यामहे ॥
- १० वारिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
वरीष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १० अवारिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अवरीष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अवरीष }

१५२४ ज्यांश् (ज्या) हानौ ॥

- १ जी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ जीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ जी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अजी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अज्यायि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [ध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 आज्यायि, अज्या-साताम्, सत, स्थाः, साथाम्, दध्वम्,
 ६ जिज्य-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ज्यायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 ज्यासी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ ज्यायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 ज्याता } स्महे ॥
 ९ ज्यायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 ज्याम् } यावहे, यामहे ॥
 १० अज्यायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अज्यास् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १५२५ सेंश् (री) गतिरेषणयोः ॥ रीङ्च् १२४७
 वदूपाणि ॥
 १५२६ लींश् (ली) श्लेषणे ॥ लीङ्च् १२४८ वदूपाणि ॥

१५२८ ल्वींश् (ल्वी) गतौ ॥

- १ ल्वी-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ल्वीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ल्वी-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अल्वी-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अल्वायि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [द्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ५ अल्वायि, अल्वे-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 ६ लिल्वि-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ल्वायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 ल्वेपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, य,
 ८ ल्वायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 ल्वेता } स्महे ॥
 ९ ल्वायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 ल्वेष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अल्वायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अल्वेष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १५२९ कृ हिंसायाम् ॥ कृत् १३३४ वदूपाणि ॥

१५२७ व्लींश् (व्ली) वरणे ॥

- १ व्ली-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ व्लीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ व्ली-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अव्ली-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अव्लायि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ५ अव्लायि, अव्ले-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ६ विव्लि-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ व्लायिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 व्लेपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ८ व्लायिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 व्लेता } स्महे ॥
 ९ व्लायिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 व्लेष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अव्लायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 अव्लेष् } ये, यावहि, यामहि ॥

१५३० मृ

हिंसायाम् ॥

- १ मूर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मूर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मूर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अमूर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अमारि, अमारि } -पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्,
 अमरी } इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि,
 अमरि } प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अमारि, अमूर्-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
 ६ ममर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ मारिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 मरिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 मूर्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ८ मारिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 मरीता } स्महे ॥
 मरिता } स्महे ॥
 ९ मारिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 मरीष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 मरिष् } स्महे ॥
 १० अमारिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अमरीष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अमरिष् } स्महे ॥

१५३१ वृश् (वृ) हिंसायाम् ॥

- १ शीर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शीर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शीर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशीर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अशारि, अशारि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
अशरी } इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
अशरि } [इद्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अशारि, अशीर्-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
- ६ शशर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, शश् } इमहे ॥
- ७ शारिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्,
शरिषी } इद्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- शीर्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्, य,
- ८ शारिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
शरीता } स्महे ॥
- शरिता
- ९ शारिष } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
शरीष } ये, यावहे, यामहे ॥
- शरिष
- १० अशारिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अशरिष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अशरीष

१५३२ पृश् (पृ) पालनपूरणयोः ॥

- १ पूर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पूर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पूर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपूर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपारि, अपारि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
अपरी } इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
अपरि } प्वमहि ॥ [पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ५ अपारि, अपूर्-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, इद्वम्,
- ६ पपर } -ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, पप् } इमहे ॥
- ७ पारिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्,
परिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- पूषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्, य,
- ८ पारिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
परीता } स्महे ॥
- परिता
- ९ पारिष } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
परीष } ये, यावहे, यामहे ॥
- परिष
- १० अपारिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अपरीष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- अपरिष

१५३३ वृश् (वृ) भरणे ॥ वृश् १५२३ वद्वपाणि,
केवलं वकारस्थाने वकारः ॥

१५३४ भृश् (भृ) भर्जने च ॥

- १ भूर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ भूर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ भूर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अभूर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अभारि, अभारि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
अभरी } इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
अभरि } प्वमहि ॥ [पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- अभारि, अभूर्-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, इद्वम्,
- ६ बभर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ भारिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्,
भरिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- भूर्षी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्,

- ८ भारिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
भरीता } स्महे ॥
- भरिता
- ९ भारिष } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
भरीष } यावहे, यामहे ॥
- भरिष
- १० अभारिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
अभरीष } ये, यावहि, यामहि ॥
- अभरिष

१५३५ दृश् (दृ) विदारणे ॥

- १ दीर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दीर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दीर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदीर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अदारि, अदारि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
अदरी } इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
अदरि } [पि, प्वहि, प्वमहि ॥

- ५ अदारि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्,
 ६ दवर-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ दारिषी-ए, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्,
 दारिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 दीर्षी-ए, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, य,
 ८ दारिता-ए, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 दरीता } स्वहे, स्महे ॥
 दरिता }
 ९ दारिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 दरीष } ये, यावहे, यामहे ॥
 दारिष }
 १० अदारिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अदरीष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अदारिष }
 १५३६ जृश(जृ)वयोहानौ ॥ जृषच् १४१ वद्रूपाणि ॥
 १५३७ नृश (नृ) नये ॥
 १ नीर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ नीर्य-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ नीर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

१५३९ कृश (कृ) गतौ ॥

- १ ईर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ईर्य-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ईर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ ऐर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आरि, आरि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्,
 आरी } ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥ [प्वहि, प्वमहि ॥
 आरि, ऐर्-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, पि,
 ६ आर-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ आरिषी-ए, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्,
 आरिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ईर्षी-ए, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, य, वहि, महि ॥
 ८ आरिता-ए, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 अरीता } स्वहे, स्महे ॥
 अरिता }
 ९ आरिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 अरीष } ये, यावहे, यामहे ॥
 आरिष }

- ४ अनीर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अनारि, अनारि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
 अनरी } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि,
 अनरि } प्वमहि ॥ [पि, प्वहि, प्वमहि ॥
 अनारि, अनीर्-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्,
 ६ ननर्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ नारिषी-ए, यास्ताम्, रन्, छाः, पाथाम्, दुम्,
 नरिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [महि ॥
 नीर्षी-ए, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्, य, वहि,
 ८ नारिता-ए, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 नरीता } स्वहे, स्महे ॥
 नरिता }
 ९ नारिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 नरीष } यावहे, यामहे ॥
 नरिष }
 १० अनारिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अनरीष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 अनरिष }
 १५३८ गृश (गृ) शब्दे ॥ रेफविशिष्टगृत् १३३५
 वद्रूपाणि ॥

- १० आरिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 आरीष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५४० ज्ञाश (ज्ञा) अवबोधने ॥

- १ ज्ञा-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ज्ञाये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ज्ञा-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अज्ञा-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अज्ञायि-ए, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्,
 पि, प्वहि, प्वमहि ॥ [दध्वम्, सि, स्वहि, स्महि ॥
 ५ अज्ञायि, अज्ञा-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्,
 ६ जज्ञ-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इद्वे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ज्ञायिषी-ए, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 ज्ञासी-ए, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ ज्ञायिता-ए, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 ज्ञाता } स्महे ॥

९ ज्ञायिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

१० अज्ञायिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५४१ क्षिप्श(क्षि)हिंसायाम्॥क्षि१०वद्रूपाणि ॥

१५४२ व्रीश(व्री)वरणे॥व्रीड्क्ष१२५०वद्रूपाणि ॥

१५४३ व्रीश (व्री) वरणे ॥

१ व्री-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ व्रीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ व्री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अव्री-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अव्रियि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, ढुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥

अव्रियि, अव्रिये-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, ढुम्,

६ विभ्रिय-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥

७ व्रियिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ढुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

व्रियिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ढुम्, य, वहि, महि ॥

८ ग्रन्थिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

९ ग्रन्थिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

१० अग्रन्थिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५४७ मन्थश(मन्थ)विलोडने॥मन्थ२९२वद्रूपाणि

१५४८ ग्रन्थश (ग्रन्थ) सन्दर्भे ॥

१ ग्रथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ ग्रथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ ग्रथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥

४ अग्रथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,

५ अग्रन्थि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥

६ ग्रेथ्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥

७ ग्रन्थिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

८ आयिता- ", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

९ आयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

१० अआयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, अआयिष्-ये, यावहि, यामहि ॥

१५४४ हेडश(हेड)भूतप्रादुर्भावे॥हेडि६७६वद्रूपाणि

१५४५ मृडश(मृड)सुखने॥मृडत्१३५८वद्रूपाणि॥

१५४६ ग्रन्थश (ग्रन्थ) मोचनप्रतिहर्षयोः॥

१ ग्रथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ ग्रथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ ग्रथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अग्रथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अग्रन्थि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥

६ ग्रेथ्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥

७ ग्रन्थिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

८ ग्रन्थिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

९ ग्रन्थिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

१० अग्रन्थिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५४९ कुन्थश (कुन्थ) संकेशे ॥

१ कुथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ कुथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ कुथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अकुथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अकुन्थि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥

६ चुकुन्थ-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥

७ कुन्थिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

८ कुन्थिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

९ कुन्धिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥

१० अकुन्धिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५५० मृदश् (मृद्) क्षोदे ॥

१ मृद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ मृद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥

३ मृद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥

४ अमृद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,

५ अमर्दि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥

६ ममृद्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥

७ मर्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥

८ मर्दिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

९ मर्दिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥

१० अमर्दिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५५१ गुधश्(गुध्)रोषे॥गुधच्११५५ वद्रूपाणि॥

१५५२ बन्धश् (बन्ध्) बन्धने ॥

१ बध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ बध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥

३ बध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अबध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,

५ अबन्धि, अभन्त्-साताम्, षत, अबन्धाः, अभन्-त्साथाम्, दृच्वम्, दृच्वम्, त्सि, त्सवहि, त्समहि ॥

६ बबन्ध्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥

७ भन्त्सी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥

८ बन्धा-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

९ भन्त्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥

१० अभन्त्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५५३ क्षुभश्(क्षुभ्)संचलने॥क्षुभि९४८ वद्रूपाणि॥

१५५४ णम(नभ्)हिंसायाम्॥णमि९४९ वद्रूपाणि ॥

१५५५ तुभश्(तुभ्)हिंसायाम्॥तुभि९५० वद्रूपाणि॥

१५५६ खवश् (खव्) हेदश्चत् ॥

१ खव्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ खव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥

३ खव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अखव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,

५ अखावि, अखवि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥

६ चखव्-ए, आते, इरे, इषे, आथे, इच्चे, ए, इवहे, इमहे ॥

७ खविषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥

८ खविता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

९ खविष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥

१० अखविष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५५७ क्लिशौश् (क्लिश्) विबाधने ॥

१ क्लिश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ क्लिश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥

३ क्लिश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अक्लिश्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,

५ अक्लेशि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥ [क्षि, क्षावहि, क्षामहि ॥

अक्लेशि, अक्लि-क्षाताम्, क्षन्त, क्षथाः, क्षाथाम्, क्षच्चम्,

६ चिक्लि-शे, शाते, शिरे, शिषे, क्षे, शाथे, शिच्वे, शे, शिवहे, शिमहे ॥

७ क्लेशिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥

- ८ क्लेशिता-” रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ क्लेशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अक्लेशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 परोक्षासेप्रत्यये रूपद्वयं मतान्तराभिप्रायेण ॥

१५५८ अशश् (अश्) भोजने ॥

- १ अश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अश-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आश-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आशि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ आश-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ अशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ अशिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

- ६ चुकुष्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ कोषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ कोषिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ कोषिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अकोषिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५६६ ध्रस्वश् (ध्रस्) उञ्छे ॥

- १ ध्रस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ध्रस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ध्रस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अध्रस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अध्रासि, अध्रसि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥

- १ अशिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० आशिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १५५९ इषश् (इष्) आभीक्ष्ण्ये ॥ इषश् ११६८ वद्रूपाणि ॥
 १५६० विषश् (विष्) विप्रयोगे ॥ विष् ५२३ चद्रूपाणि ॥
 १५६१ पुष (पुष्) स्नेहसेचनपूरणेषु ॥ पुष् ५३२ चद्रूपाणि ॥
 १५६२ प्लुषश् (प्लुष्) स्नेहसेचनपूरणेषु ॥ प्लुष् ५३३ चद्रूपाणि ॥

- १५६३ मुषश् (मुष्) मुष ॥ ५३३ चद्रूपाणि ॥
 १५६४ पुषश् (पुष्) पुष ॥ ५३६ चद्रूपाणि ॥

१५६५ कुषश् (कुष्) निष्कर्षे ॥

- १ कुष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कुष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कुष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अकुष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अकोषि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥

- ६ दध्रस्-ए, आते, इरे, इपे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
 ७ ध्रसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ ध्रसिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ ध्रसिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अध्रसिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १५६७ वृङ्श् (वृ) संभक्तौ ॥ वृङ् १२९४ वद्रूपाणि ॥
 इति क्रियादिगणः सम्पूर्णः ॥

॥ अथ चुरादिः ॥

१५६८ चुरण् (चुर) स्तेये ॥

- १ चोर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चोर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

- ३ चोर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अचो-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अचोरि, अचोरि } -षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्,
अचोरयि } द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, धमहि ॥
- ६ चोरयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
चोरयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
- चोरयामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
- ७ चोरयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्,
चोरिषी } द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चोरिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
चोरयिता } स्महे ॥
- ९ चोरिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
चोरयिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अचोरिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अचोरयिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५६९ पृष् (पृ) पूरणे ॥

- १ पार-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पार्यै-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पार-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपार-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपारयि } -षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्,
अपारि } द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, धमहि ॥
- ६ पारयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
पारयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
- पारयामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
- ७ पारयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्,
पारिषी } द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ पारिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
पारयिता } स्महे ॥
- ९ पारयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
पारिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अपारयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अपारिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिचोऽनित्यत्वपक्षे—

- १ चूर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ चूर्-यत, येताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ चूर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अचूर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अचोरि-", षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्,
ध्वम्, षि, ध्वहि, धमहि ॥ [रिमहे ॥
- ६ चुचु-रे, राते, रिरि, रिषे, राथे, रिद्वे, रिध्वे, रे, रिवहे,
- ७ चोरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ चोरिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ चोरिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अचोरिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५७० पृष् (पृ) स्रवणे ॥

- १ घार्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ घार्यै-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ घार्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अघार्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अघारि, अघारयि } -षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्,
अघारि } द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, धमहि ॥
- ६ घारयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
घारयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
- घारयामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
- ७ घारयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्,
घारिषी } द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ घारिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
घारयिता } स्महे ॥
- ९ घारयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
घारिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अघारयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अघारिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५७२ वल्कण (वल्क) भाषणे ॥

- १५७४ धक्कण (धक्क) नाशने ॥

- १ नक्क्-यते, येते, यन्ते, यसं, यथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ नक्क्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ नक्क्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अनक्क्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अनक्कि, अनक्कियि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
 - अनक्कि-", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 - ६ नक्कयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 - नक्कयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विष्वे, वे,
विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 - नक्कयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्वे, हे, सिवहे,
 - ७ नक्कयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 - नक्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 - ८ नक्कयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
नक्किता } स्महे ॥
 - ९ नक्कयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये,
नक्किष् } यावहे, यामहे ॥
 - १० अनक्कयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अनक्किष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १ धक्क्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ धक्क्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ धक्क्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अधक्क्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अधक्कि, अधक्कियि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
 - अधक्कि-", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 - ६ धक्कयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 - धक्कयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विष्वे, वे,
विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 - धक्कयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्वे, हे,
 - ७ धक्कयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 - धक्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 - ८ धक्कयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
धक्किता } स्महे ॥
 - ९ धक्कयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये,
धक्किष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 - १० अधक्कयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अधक्किष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५७६ चुक्कण् (चुक्क्) व्यथने ॥

१ चक्क-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चक्कथे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चक्क-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचक्क-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचक्कि, अचक्कियि-षाताम्, षत, शाः, पाथाम्, इध्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [ध्वहि, ध्वहि ॥
 अचक्कि-”, षाताम्, षत, शाः, पाथाम्, इध्वम्, ध्वम्, षि,
 ६ चक्कयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कुवहे, कमहे ॥
 चक्कयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 चक्कयामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
 ७ चक्कयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, शाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 चक्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, शाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ चक्कयिता } -, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 चक्किता } र्महे ॥
 ९ चक्कयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 चक्किष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अचक्कयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अचक्किष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ चुक्क्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चुक्क्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चुक्क्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचुक्क्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अचुकि, अचुक्यि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, च्वम्, पि, व्वहि, व्वमहि ॥ [पि, व्वहि, व्वमहि ॥
 अचुकि-”, पाताम्, षत, थाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्,
 ६ चुक्याश्च-के, काते, क्रिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, क्वमहे ॥
 चुक्याम्बम् वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विष्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 चुक्यामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्वे, हे, सिवहे,
 ७ चुक्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 चुकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,
 ८ चुक्यिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे,
 चुकिता } स्महे ॥
 ९ चुक्यिष } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये,
 चुकिष } यावहे, यामहे ॥
 १० अचुक्यिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अचुकिष } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५७८ अर्कण् (अर्क्) स्तवने ॥

१ टङ्क्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ टङ्क्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ टङ्क्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अटङ्क्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अटङ्कि, अटङ्क्यि-पाताम्, षत, शाः, पाथाम्, इदुम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, षमहि ॥ [प्वहि, षमहि ॥
 अटङ्क्-”, पाताम्, षत, शाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि,
 ६ टङ्कयाञ्च-के, क्राते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, ऊवहे, कुमहे ॥
 टङ्कयास्वभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विष्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 टङ्कयामा-हे, साते, सिरं, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ टङ्क्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, शाः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 टङ्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, शाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ टङ्क्यिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 टङ्किता } स्महे ॥
 ९ टङ्क्यिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 टङ्किष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अटङ्क्यिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अटङ्किष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ अर्क-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अर्क्य-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अर्क-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आर्क-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आर्कि, आर्क्यि-याताम्, षत, श्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, वि, ध्वहि, ध्वमहि ॥ [ध्वहि, ध्वमहि ॥
 आर्कि-”, पाताम्, षत, श्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, वि,
 ६ अर्कयाञ्च-के, कते, किरै, कृषे, काथे, कृद्धे, क, कवहे, कर्महे ॥
 अर्कयाञ्च भू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, सिमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 अर्कयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ अर्कयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, श्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 अर्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, श्राः, यास्थाम्, ध्वम्, न,
 ८ अर्कयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 अर्किता } स्वहे ॥
 ९ अर्कयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च,
 अर्किष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अर्किष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 आर्कयिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५८४पिजुण्(पिञ्ज्)हिंसाबलदाननिकेतनेषु ॥

- १ पिञ्ज-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पिञ्जये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पिञ्ज-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपिञ्ज-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपिञ्जि, अपिञ्जयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अपिञ्जि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ पिञ्जयाञ्च-के, क्राते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, क्वमहे ॥
 पिञ्जयाम्ब-न्वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 पिञ्जयमा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ पिञ्जयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 पिञ्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ पिञ्जयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 पिञ्जिता } स्महे ॥
 ९ पिञ्जयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 पिञ्जिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अपिञ्जिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपिञ्जयिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५८६ पूजण् (पूज्) पूजायाम् ॥

- १ पूज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहै, यामहै ॥
 २ पूज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पूज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपूज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपूजि, अपूजयि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, षमहि ॥ [ध्वहि, षमहि ॥
 अपूजि-”, षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि,
 ६ पूजयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्व्, कं, कृवहै, कृमहै ॥
 पूजयाम्बु-ये, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्व्, विञ्चे,
 वे, विवहै, विमहै ॥ [सिवहै, सिमहै ॥
 पूजयामा-है, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिञ्चे, हे,
 ७ पूजयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 पूजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ पूजयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहै,
 पूजिता } स्महै ॥
 ९ पूजयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 पूजिष् } यावहै, यामहै ॥
 १० अपूजयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपूजिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५८८ मार्जण् (मार्ज्) शब्दे ॥

- १ **मार्ज**—यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये यावहे, यामहे ।
 २ **मार्ज्ये**—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **मार्ज**—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ **अमार्ज**—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ **अमार्जि, अमार्जयि**—पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
अमार्जि—", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
 ६ **मार्जयाञ्च**—के, क्राते, क्रिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
मार्जयाम्बभू—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
मार्जयामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ **मार्जयिषी**—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
मार्जिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ **मार्जयिता** } —", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
मार्जिता } स्महे ॥
 ९ **मार्जयिष्** } —यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे यध्वे,
मार्जिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० **अमार्जयिष्** } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अमार्जिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१५९० वजण् (वज्)मार्गणसंस्कारगत्योः॥

- १ वाज्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ वाज्य-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वाज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवाज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवाजि, अवाजयि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, डडुम्,
 डुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अवाजि-” षाताम्, षतः, घ्राः, षाथाम्, डडुम्, ध्वम्,
 ६ वाजयाञ्च-क्रे, क्राते, क्रिरे, कृषे, क्राथे, कृढे, के कृवहे, कृमहे ॥
 वाजयाम्ब-व, वाते, विरे, विषे, वाथे, विढे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 वाजयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ वाजयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, डुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 वाजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ वाजयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, खहे,
 वाजिता } स्महे ॥
 ९ वाजयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे, ये,
 वाजिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अवाजयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अवाजिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६०४ अट्टण् (अट्ट) अनादरे ॥

- १६०६ लुण्टण् (लुण्ट्) स्तेये च ॥

- १ स्मेट्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्मेट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्मेट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्मेट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अस्मेटि, अस्मेटयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अस्मेटि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ स्मेटयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कुद्वे, के, कुवहे, कुमहे
 स्मेटयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 स्मेटयामा-हे, साते, सिरं, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ स्मेटयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 स्मेटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ स्मेटयिता } -, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 स्मेटिता } स्महे ॥
 ९ स्मेटयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये,
 स्मेटिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अस्मेटयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अस्मेटिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६०८ घट्टण (घट्ट) चलने ॥

१ स्नेह-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्रेद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्नेह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्नेह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अस्नेहि, अस्नेहयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अस्नेहि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 ६ स्नेहयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, क्रमहे ॥
 स्नेहयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विच्चे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 स्नेहयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,
 ७ स्नेहयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 स्नेहिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ स्नेहयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 स्नेहिता } स्महे ॥
 ९ स्नेहयिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 स्नेहिष } यावहे, यामहे ॥
 १० अस्नेहयिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अस्नेहिष } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ घट्ट-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ घट्टे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ घट्ट-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अघट्ट-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
 ५ अघट्टि, अघट्टयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥
 अघट्टि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि,
 ६ घट्टयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, क्रमहे ॥
 घट्टयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विच्चे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ सिवहे, सिमहे ॥
 घट्टयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,
 ७ घट्टयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 घट्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ घट्टयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 घट्टिता } स्महे ॥
 ९ घट्टयिष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 घट्टिष } यावहे, यामहे ॥
 १० अघट्टयिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अघट्टिष } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६१० षट्पण् (सट्) हिंसायाम् ॥

| | |
|---|---|
| १ खट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥ | १ सट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥ |
| २ खट्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ | २ सट्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ |
| ३ खट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यख्, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥ | ३ सट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यख्, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥ |
| ४ अखट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, | ४ असट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, |
| ५ अखट्ठि, अखट्ठियि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इट्ठम्, ट्ठम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥ | ५ असट्ठि, असट्ठियि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इट्ठम्, ट्ठम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥ |
| अखट्ठि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इट्ठम्, ध्वम्, पि, | असट्ठि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इट्ठम्, ध्वम्, पि, |
| ६ खट्ठयाञ्च-के, कते, किरे, कृषे, काथे, कट्ठे, के, कवहे, क्कमहे ॥ | ६ सट्ठयाञ्च-के, कते, किरे, कृषे, काथे, कट्ठे, के, कवहे, क्कमहे ॥ |
| खट्ठयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विट्ठे, विञ्चे, वे, विवहे, विमहे ॥ सिमहे ॥ | सट्ठयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विट्ठे, विञ्चे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥ |
| खट्ठयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिञ्चे, हे, सिवहे, | सट्ठयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिञ्चे, हे, सिवहे, |
| ७ खट्ठयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ट्ठम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥ | ७ सट्ठयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ट्ठम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥ |
| खट्ठिषी-”, ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, | सट्ठिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, |
| ८ खट्ठयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ञ्चे, हे, खहे, खट्ठिता } स्महे ॥ | ८ सट्ठयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ञ्चे, हे, खहे, सट्ठिता } स्महे ॥ |
| ९ खट्ठयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, खट्ठिष् } यावहे, यामहे ॥ | ९ सट्ठयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, सट्ठिष् } यावहे, यामहे ॥ |
| १० अखट्ठयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अखट्ठिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ | १० असट्ठयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, असट्ठिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ |

१६१६ शठण् (शद्) संस्कारगत्योः ॥

१ रोट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रोट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रोट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अरोट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
 ५ अरोटि, अरोटयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 दुम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥ [पि, च्वहि, च्वहि ॥
 अरोटि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, च्वम्,
 ६ रोटयाम्-के, क्राते, किरि, कृषे, क्राथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 रोटयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथ, विद्वे, विच्चे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 रोटयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,
 ७ रोटयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 रोटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, च्वम्,
 ८ रोटयिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 रोटिता } स्महे ॥
 ९ रोटयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 रोटिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अरोटयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अरोटिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६१८ श्वटुण् (श्वण्ट्) संस्कारगत्योः ॥

१ श्वाट्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥ १ श्वण्ट्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ श्वाट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥ २ श्वण्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ श्वाट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥ ३ श्वण्ट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अश्वाट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ४ अश्वण्ट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अश्वाटि, अश्वाटयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ५ अश्वण्टि, अश्वण्टयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥ [च्वहि, च्वहि ॥ द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥ [पि, च्वहि, च्वहि ॥
 अश्वाटि ”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि, अश्वण्टि ”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्,
 ६ श्वाटयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, कथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ६ श्वण्टयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, कथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे
 श्वाटयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, श्वण्टयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥ वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 श्वाटयामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, श्वण्टयामा-हे, सात, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ श्वाटयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ७ श्वण्टयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥ च्वम्, य, वहि, महि ॥ [पि, च्वहि, च्वहि ॥
 श्वाटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, च्वम्, श्वण्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, च्वम्,
 ८ श्वाटयिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, ८ श्वण्टयिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 श्वाटिता स्महे ॥ श्वण्टिता स्महे ॥
 ९ श्वाटयिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, ९ श्वण्टयिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये,
 श्वाटिष् यावहे, यामहे ॥ श्वण्टिष् यावहे, यामहे ॥
 १० अश्वाटयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, १० अश्वण्टिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अश्वाटिष् यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥ अश्वण्टिष् यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६२० शुठुण् (शुण्ड्) शोषणे ॥

१ शोढ-यते, येते, यन्ते, यते, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे।
 २ शोढ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि।
 ३ शोढ-याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
 ये, यावहे, यामहे । [ये, यावहि, यामहि ।
 ४ अशोढ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशोढि, अशोढयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि । [पि, प्वहि, प्महि ।
 अशोढि-”पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
 ६ शोढयाञ्च-क्रे, क्राते, क्रिरे, कृषे कथे कृद्, क्रे, कृवहे, कृमहे।
 शोढयाम्ब भू वे, वाते, विरे, विषे, वाधे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवह, विमहे । [सिवहे, सिमहे ।
 शोढयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ शोढयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि । [वहि, महि ।
 शोढिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ शोढयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 शोढिता } स्महे ।
 ९ शोढयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 शोढिष् } यावहे, यामहे ।
 १० अशोढयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अशोढिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ।

१६२१ गुठुण् (गुण्ड्) वेष्टने ॥

१ गुण्ड-यत, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गुण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अगुण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अगुण्टि, अगुण्टयि-पाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इड्वम्,
 द्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥ [च्वहि, च्वहि ॥
 अगुण्टि-”, पाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इड्वम्, च्वम्, षि,
 ६ गुण्डयाञ्च-के, काते, किरै, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 गुण्डयाञ्चभू-वे, वाते, विरै, विषे, वाथे, विद्वे विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 गुण्डयामा-हे, साते, सिरै, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ गुण्डयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, वहि ॥
 गुण्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य,
 ८ गुण्डयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 गुण्डिता } स्महे ॥
 ९ गुण्डयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे, ये,
 गुण्डिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अगुण्डयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अगुण्टिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ शुण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शुण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 व, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशुण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशुण्टि, अशुण्टयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
 अशुण्टि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ शुण्टयाञ्च-के, काते, क्रिरे, कृपे, काये, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 शुण्टयाञ्चम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 शुण्टयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ शुण्टयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्,
 द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 शुण्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ शुण्टयिता { -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 शुण्टिता } स्महे ॥
 ९ शुण्टयिष् { -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 शुण्टिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अशुण्टयिष् { -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अशुण्टिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६२२ लडण् (लड्) उपसेवायाम् ॥

१ लाङ्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लाङ्ये-त, याताम्, रन्, धाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लाङ्-याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलाङ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलाङि, अलाङयि-याताम्, षत, घ्राः, याथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [ष्वहि, ष्महि ॥
 अलाङि-”, याताम्, षव, घ्राः, याथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि,
 ६ लाङयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, क्राथे, कृद्वे, के, कृवहे, क्रमहे ॥
 लाङयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, नाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 लाङयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ लाङयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 लाङिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ लाङयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 लाङिता } स्महे ॥
 ९ लाङयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 लाङिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अलाङयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अलाङिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६२४ ओलडुण् (लण्ड्) उत्क्षेपे ॥

१ स्फुण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्फुण्ड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्फुण्ड-याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्फुण्ड-यत, येताम्, यन्त यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अस्फुण्डि, अस्फुण्डयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
 इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्वहि ॥ [षि, ष्वहि, ष्वहि ॥
 अस्फुण्डि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ स्फुण्डयाञ्च-के, काते, क्तिरे, ऊषे, काथे, ऊह्वे, के, ऊवहे, ऊमहे
 स्फुण्डयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 स्फुण्डयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे.
 ७ स्फुण्डयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, पाथाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 स्फुण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ स्फुण्डयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 स्फुण्डिता } स्वहे, समहे ॥
 ९ स्फुण्डयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 स्फुण्डिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अस्फुण्डयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अस्फुण्डिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६२५ पीडण् (पीड्) गहने ॥

१ पीङ्—यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पीङ्घे—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पीङ्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपीङ्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपीङि, अपीङयि—पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, व्वहि, प्वहि ॥ [षि, व्वहि, प्वहि ॥
 अपीङि—", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ पीङयाञ्च—के, काते, क्रिरे, कृपे, क्राथे, कृद्वे, के, कृवहे, कुमहे ॥
 पीङयाञ्चम्—वे, वाते, विरे, विषे, वाष, विद्वे, विव्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 पीङयामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ पीङयिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 पीङिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ पीङयिता } —", री, रः, से, साथे, ष्वे, हे,
 पीङिता } स्वहे, स्महे ॥
 ९ पीङयिष् } —यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे,
 पीङिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अपीङिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपीङयिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ ओलण्ड -यते,येते,यन्ते,यसे,येथे,यच्चे,ये,यावहे,यामहे ॥
 २ ओलण्ड्ये-यत,याताम्,रन्,थाः,याथाम्,य्वम्,य,वहि,महि
 ३ ओलण्ड -यताम्,येताम्,यन्ताम्,यस्व,येथाम्,यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ ओलण्ड-यत, येताम्,यन्त, यथाः,येथाम्, यच्चम्,
 ५ ओलण्डि,ओलण्डयि-पाताम्, पत,छाः, पाथाम्,
 इदम्,द्वम्,य्वम्,षि,ष्वहि,ष्वहि ॥ [पि,ष्वहि,ष्वहि ॥
 ओलण्डि-”,पाताम्,पत,छाः, पाथाम् इदम्, य्वम्,
 ६ओलण्डयाञ्च-के,कते,किरे,कृषे,कोथे,कृद्वे,क,कृवहे,कृमहे
 ओलण्डयास्वम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे,
 विधे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 ओलण्डयामा-हे, साते, सिरे,सिषे, साथे, सिधे, हे,
 ७ ओलण्डयिनी-ष्ट, यास्ताम्,रन्,छाः,यास्थाम्,द्वम्,
 य्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 ओलण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्,रन्, छाः,यास्थाम्, य्वम्,
 ८ ओलण्डयिता } -”, रौ रः, से, साथे, ज्वे, हे,
 ओलण्डिता } स्वहे, स्महे ॥
 ९ ओलण्डयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे,येथे, यच्चे,
 ओलण्डिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० ओलण्डयिष् } -यत, येताम्, यन्त,यथाः, येथाम्,
 ओलण्डिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६२६ तडण् (तड्) आघाते ॥

१ ताड्-यन्ते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, यावह, यामह ॥
 २ ताड्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ताड्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, य, यावह, यामह ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अताड्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, य, यावह, यामह ॥
 ५ अताडि, अताडियि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, चम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अताडि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, चम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ ताडयाश्च-के, कते, किर, कृषे, कथे, कृद्वे, के क्वह, क्वह ॥
 ताडयाम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्चे, विवह, विमह ॥ [सिवह, सिमह ॥
 ताडयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिच्चे, हे, सिवह, सिमह ॥
 ७ ताडयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 ताडिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, ताडयिता } --, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे, ताडिता } महि ॥
 ९ ताडयिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, ताडिष्-यावह, यामह ॥
 १० अताडयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अताडिष्-यच्चम्, ये यावहि, यामहि ॥

१६३२ चुडुण् (चुण्ड) छेदने च ॥

- १ चुण्ड-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चुण्डय-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चुण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचुण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचुण्डि, अचुण्डयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, भमहि ॥ [षि, ध्वहि, भमहि ॥
 अचुण्डि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ चुण्डयाश्च-के, काते, किरे, कृषे, क थे, कृद्वे, के, क्वहे, क्वमहे ॥
 चुण्डयाम्बू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 चुण्डयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ चुण्डयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 चुण्डिष्ट-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ चुण्डयिता } -, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 चुण्डिता } स्महे ॥
 ९ चुण्डयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 चुण्डिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अचुण्डयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अचुण्डिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६३४ भडुण् (भण्ड) कल्याणे ॥

- १ भण्ड-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ भण्ड्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ भण्ड-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यत्, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अभण्ड-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अभण्डि, अभण्डयि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, च्वम्, पि, ध्वहि, भ्वहि ॥ [ध्वहि, भ्वहि ॥
 अभण्डि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, च्वम्, पि,
 ६ भण्डयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 भण्डयाम्भू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विव्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 भण्डयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिव्वे, हे,
 ७ भण्डयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, च्वम्,
 द्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 भण्डिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, च्वम्,
 ८ भण्डयिता-”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 भण्डिता } स्महे ॥
 ९ भण्डयिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च,
 भण्डिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अभण्डयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अभण्डयिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६४४ पूणण् (पूण्) संवाते ॥

- १ **पूण्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **पूण्ये**-त्त, याताम्, रत्न, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **पूण**-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ **अपूण्**-यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्वम्, ये,
 ५ **अपूणि, अपूणयि**-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्,
 इद्वम्, द्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, भ्महि ॥ [च्वहि, भ्महि ॥
अपूणि-"षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, च्वम्, षि,
 ६ **पूणयाञ्च**-के, कते, किरे, कृषे, काथे, कृढे, के, कृवहे, कृमहे ॥
पूणयस्वभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
पूणयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे, सिवहे
 ७ **पूणयिषी**-ष्ट, यास्ताम्, रत्न, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [महि ॥
पूणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रत्न, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि,
 ८ **पूणयिता** } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
पूणिता } स्महे ॥
 ९ **पूणयिष्** } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे,
पूणिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० **अपूणयिष्** } -यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अपूणिष् } यच्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६४६ पुस्तण् (पुस्त) आदरानादस्योः ॥

- १ पुस्त-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पुस्त्ये-यत्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पुस्त-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपुस्त-यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपुस्ति, अपुस्तयि-पाताम्, षत्, छाः, पाथाम्, इह्वम्,
 ह्वम्, ध्वम्, पि, ज्वहि, ज्वहि ॥ [पि, ज्वहि, ज्वहि ॥
 अपुस्ति-'' पाताम्, षत्, छाः, पाथाम्, इह्वम्, ध्वम्,
 ६ पुस्तयाश्च-क्रे, क्राते, किरि, कृषे, काथे, कृद्धे, क्रे, क्वहे, क्वहे ॥
 पुस्तयाम्भ-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ सिवहे, सिमहे ॥
 पुस्तयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ पुस्तयिषी-ष्टः, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ह्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 पुस्तिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ पुस्तयिता } --, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 पुस्तिता } स्महे ॥
 ९ पुस्तयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे,
 पुस्तिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अपुस्तयिष् } --यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपुस्तिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६४८ मुस्तण् (मुंस्त्) संवाते ॥

१ बुस्त्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ बुस्त्थ्ये-त्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ बुस्त्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अबुस्त्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अबुस्ति, अबुस्तयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्हुम्,
 हुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अबुस्ति-”, पाताम्, पतः, घ्राः, पाथाम्, ड्हुम्, ध्वम्,
 ६ बुस्तयाश्च-के, काते, किरै, कृषे, काये, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे
 बुस्तयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 बुस्तयामा-हे, साते, सिरै, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ बुस्तयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, हुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 बुस्तिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ बुस्तयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 बुस्तिता } स्महे ॥
 ९ बुस्तयिष्-यते, येते, यन्ते, यत्ते, येथे, यध्वे, ये,
 बुस्तिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अबुस्तयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अबुस्तिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६४९ कृतण (कृत्) संशब्दने ॥

१ कीर्त-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ कीर्त्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कीर्त-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकीर्त-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अकीर्ति, अकीर्तयि-याताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, धम्, षि, च्वहि, च्महि ॥ [च्वहि, च्महि ॥
 अकीर्ति-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि,
 ६ कीर्तयाञ्च-के, कते, किरै, कृषे, काथे, ऊडु, के, ऊवहे, ऊमहे ॥
 कीर्तयाञ्चम्-वे, वाते, विरै, विषे, वाथे, विद्वे, सिच्चे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ सिमहे ॥
 कीर्तयामा-हे, साते, सिरै, सिषे, साथे, सिच्चे, हे, सिवहे,
 ७ कीर्तयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 कीर्तिषी-”, ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ कीर्तयिता } -”, रौ, रं, से, साथे, च्चे, हे, खहे,
 कीर्तिता } स्महे ॥
 ९ कीर्तयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 कीर्तिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अकीर्तयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अकीर्तिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ मुस्त्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मुस्त्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मुस्त्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अमुस्त्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अमुस्ति, अमुस्तयि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इदुम्,
 दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥ [ष्वहि, षमहि ॥
 अमुस्ति-"षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इदुम्, ध्वम्, षि,
 ६ मुस्तयाञ्च-के, काते, किरै, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 मुस्तयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहै, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 मुस्तयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ मुस्तयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 मुस्तिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ मुस्तयिता-}-, रै, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 मुस्तिता-} स्महे ॥
 ९ मुस्तयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 मुस्तिष्-यावहे, यामहे ॥
 १० अमुस्तयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अमुस्तिष्-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६५० स्वर्तण् (स्वर्त्) गतौ ॥

१ स्वर्त—यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्वरत्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्वर्त—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्वर्त—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अस्वर्ति, अस्वर्तयि—याताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इदुम्,
 दुम्, च्वम्, षि, च्वहि, षमहि ॥ [च्वहि, षमहि ॥
 अस्वर्ति—” षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इदुम्, च्वम्, षि,
 ६ स्वर्तयाश्च—के, काते, किरं, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 स्वर्तयारम्भ—वे, वाते, विरे, विषे, वाये, विद्वे, विच्चे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 स्वर्तयामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे, सिवहे,
 ७ स्वर्तयिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 स्वर्तिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, च्वम्, य,
 ८ स्वर्तयिता } —”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वेहे,
 स्वर्तिता } स्महे ॥
 ९ स्वर्तयिष् } —यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यच्चे, ये,
 स्वर्तिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अस्वर्तयिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अस्वर्तिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६५१ पथुण् (पन्थू) गतौ ॥

- १ पन्थ—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अपन्थ—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पन्थ—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यष्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपन्थ—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यष्वम्,
 ५ अपन्थि, अपन्थयि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इदुम्,
 दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अपन्थि—", षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
 ६ पन्थयाञ्च—के, काते, किर, कृषे, काथे, कुद्वे, के, कुवहे, कुमहे
 पन्थयाञ्चभू—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विष्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 पन्थयामा—हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिष्वे, हे,
 ७ पन्थयिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि, ॥
 पन्थिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ पन्थयिता } —", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 पन्थिता } स्महे ॥
 ९ पन्थयिष् } —यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे,
 पन्थिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अपन्थिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपन्थयिष् } यष्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६५३ पृथण् (पृथू) प्रक्षेपणे ॥

- १ **पर्थ**—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ **पर्थ्ये**—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ।।
 ३ **पर्थ**—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ।। [यावहि, यामहि ।।
 ४ **अपर्थ**—यत, यताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्, ये,
 ५ **अपर्थि**, **अपर्थयि**—पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्धम्, द्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ।। [पि, प्वहि, प्वहि ।।
अपर्थि—, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्धम्, च्वम्,
 ६ **पर्थयाञ्च**—के, काते, किर, कृषे, काथे, कृढे, के, कृवहे, कृमहे ।।
पर्थयाम्बभू—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विच्चे, वे, विवहे, विमहे ।। [सिचहे, सिमहे ।।
पर्थयामा—हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,
 ७ **पर्थयिषी**—ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ।। [महि ।।
पार्थिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, च्वम्, य, वहि,
पर्थयिता } —, री, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे,
पर्थिता } स्महे ।।
 ९ **पर्थयिष** } —यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे,
पर्थिष } ये, यावहे, यामहे ।।
 १० **अपर्थिष** } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अपर्थयिष } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ।।

१६५२ अथण् (अथ्) प्रतिहर्षे ॥

- १ **आथ्**-यते, येते, यन्ते, यस्य, यथे, यच्च, ये, यावह, यामह ॥
 २ **आथ्ये**-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **आथ्**-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ **अआथ्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ **अआथि**, **अआथयि**-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 इद्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
अआथि-", पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 ६ **आथयथाञ्च**-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, काये, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
आथयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाषे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहै, विमहै ॥ [सिवहै, सिमहै ॥
आथयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ **आथयिषी**-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
आथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ **आथयिता** } -", रौ, रः, से, साथे, ज्ञे, हे,
आथिता } स्वहै, स्महै ॥
 ९ **आथयिष्** } -यते, येते, यन्ते, यस्य, यथे, यच्च,
आथिष् } ये, यावहै, यामहै ॥
 १० **अआथयिष्** } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अआथिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६५४ प्रथम् (प्रथ्) प्रख्याने ॥

- १ प्राथ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ प्राथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ प्राथ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अप्राथ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अप्राथि, अप्राथयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्डुम्,
 ड्डुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अप्राथि-"पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्डुम्, ध्वम्,
 ६ प्राथयाञ्च-के, काले, किरि, कषे, काथे, कड्डु, के, क्ववहे, क्वमहे ॥
 प्राथयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 प्राथयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ प्राथयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ड्डुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 प्राथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ प्राथयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 प्राथिता } स्महे ॥
 ९ प्राथयिष } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 प्राथिष } यावहे, यामहे ॥
 १० अप्राथयिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अप्राथिष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६६४ बधण् (बध्) संयमने ॥

१ बन्ध्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ बन्ध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ बन्ध्-याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अबन्ध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अवन्धि, अबन्धयि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, च्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [ष्वहि, ष्महि ॥
 अवन्धि-" षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्, च्वम्, षि,
 ६ बन्धयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, काथे, कुद्वे, क्, कृवहे, क्महे ॥
 बन्धयाञ्चम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्चे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 बन्धयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे, सिवहे,
 ७ बन्धयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 बन्धिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, च्वम्, य,
 ८ बन्धयिता } -", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे,
 बन्धिता } स्महे ॥
 ९ बन्धयिष् } -यते, येते, यन्ते, यत्ते, येथे, यच्च, ये,
 बन्धिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अबन्धयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अबन्धिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६६५ छपुण् (छम्प्) गतौ ॥

१ छम्प-यत, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ छम्प्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ छम्प-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अछम्प-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अछम्पि, अछम्पयि-याताम्, षत, छाः, षाथाम्, इदुम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥ [ध्वहि, ध्महि ॥
 अछम्पि-”, षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इदुम्, ध्वम्, षि,
 ६ छम्पयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कुद्वे, के, कुवहे, कुमहे ॥
 छम्पयास्वम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 छम्पयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ छम्पयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 छम्पिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ छम्पयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे,
 छम्पिता } सहे ॥
 ९ छम्पयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 छम्पिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अछम्पयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अछम्पिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ बाध्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, यावह, यामह ॥
 २ बाध्य-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ बाध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावह, यामह ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अबाध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अबाधि, अबाधयि-पाताम्, वत, धाः, पाथाम्, ब्द्वम्,
 द्वम्, च्वम्, पि, च्वहि, च्वहि ॥ [पि, च्वहि, च्वहि ॥
 अबाधि-”, पाताम्, वत, धाः, पाथाम्, ब्द्वम्, च्वम्,
 ६ बाधयाञ्च-के, कते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 बाधयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्च, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 बाधयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्च, हे, सिवहे,
 ७ बाधयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 बाधिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्थाम्, च्वम्,
 ८ बाधयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे,
 बाधिता } स्महे ॥
 ९ बाधयिष } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये,
 बाधिष } यावहे, यामहे ॥
 १० अबाधयिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अबाधिष } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६६६ क्षपुण् (क्षम्प्) क्षान्तौ ॥

१ क्षम्प-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ क्षम्प्ये-त, याताम्, रन्, था; याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ।
 ३ क्षम्प-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्त्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अक्षम्प-यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्, यच्चम्,
 ५ अक्षम्पि, अक्षम्पयि-पाताम्, षत, घ्रा; पाथाम्, इहुम्,
 हुम्, च्वम्, षि, च्वहि, ष्महि ॥ [च्वहि, ष्महि ॥
 अक्षम्पि-”पाताम्, षत, घ्रा; पाथाम्, इहुम्, च्वम्, षि,
 ६ क्षम्पयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कहुं, के, कवहे, कम्हे
 क्षम्पयाञ्चम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विव्हे, विच्चे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 क्षम्पयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,
 ७ क्षम्पयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्रा; यास्थाम्, हुम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 क्षम्पिणी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्रा; यास्थाम्, च्वम्, य,
 ८ क्षम्पयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, खहे,
 क्षम्पिता } स्महे ॥
 ९ क्षम्पयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे,
 क्षम्पिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अक्षम्पयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्,
 अक्षाम्पिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६७२ शूर्पण् (शूर्प) माने ॥

१ डिम्प-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ डिम्पये-त, याताम्, रन्, था; याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ डिम्प-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अडिम्प-यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्, यध्वम्,
 ५ अडिम्पि, अडिम्पयि-पाताम्, पत, धा; पाथाम्, इद्धम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि ध्वहि ध्महि ॥ [पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 अडिम्पि-”, पाताम्, पत, धा; पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 ६ डिम्पयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 डिपयाम्बम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विष्णे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [विवहे, विमहे ॥
 डिपयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्णे, हे,
 ७ डिम्पयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, धा; यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 डिम्पिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, धा; यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ डिम्पयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 डिम्पिता } सह ॥
 ९ डिम्पयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 डिम्पिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अडिम्पयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्, १
 अडिम्पिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ शूर्प-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शूर्प्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शूर्प-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशूर्प-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 द्धम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥ [पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 अशूर्प-''पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 ६ शूर्पयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, क्राथे, कृढे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 शूर्पयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 शूर्पयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ शूर्पयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्धम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 शूर्पिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ शूर्पयिता } -', रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 शूर्पिता } स्महे ॥
 ९ शूर्पयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये,
 शूर्पिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अशूर्पिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अशूर्पयिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६७३ शुल्बण् (शुल्ब्) सर्जने च ॥

१ शुल्ब-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शुल्ब्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शुल्ब-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशुल्ब-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशुल्बि, अशुल्बयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अशुल्बि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ शुल्बयाञ्च-के, काते, किरै, कृषे, काथे, ऊद्धे, के, ऊवहे, ऊमहे ॥
 शुल्बयाम्ब-बू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विष्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 शुल्बयामा-हे, साते, सिरै, सिषे, साथे, सिष्वे, हे,
 ७ शुल्बयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 शुल्बिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ शुल्बयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 शुल्बिता } स्महे ॥
 ९ शुल्बिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 शुल्बयिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अशुल्बयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, १
 अशुल्बिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६७४ डबुण् (डम्ब्) क्षेपे ॥

१ डम्ब-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
२ डम्ब्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
३ डम्ब-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
४ अडम्ब-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
५ अडम्बि, अडम्बयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥
अडम्बि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि,
६ डम्बयाञ्च-के, कान्ते, किरि, कृषे, काथे, कृद्धे, कं, कृवहे, कुमहे ॥
डम्बयाम्बम्-ये, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
डम्बयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
७ डम्बयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
डम्बिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
८ डम्बयिता } -, री, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
डम्बिता } स्महे ॥
९ डम्बयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
डम्बिष् } यावहे, यामहे ॥
१० अडम्बयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अडम्बिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६७६ सम्बण् (सम्ब्) सम्बन्धे ॥

- १ सम्ब-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावह, यामह ॥
 २ सम्ब-त, याताम्, रन्, थाः, याताम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ सम्ब-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावह, यामह ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ असम्ब-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ असम्बि, असम्बयि-पाताम्, षत, षाः, षाथाम्,
 इद्वम्, द्वम्, च्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [ष्वहि, ष्महि ॥
 असम्बि-”, पाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्वम्, च्वम्, षि,
 ६ सम्बयाञ्च-के, कते, किर, कषे, काथे, कृद्वे, के, कवहे, क्महे ॥
 सम्बयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विव्हे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 सम्बयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिव्हे, हे,
 ७ सम्बयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 सम्बिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, च्वम्,
 ८ सम्बयिता } -”, रीः, रः, से, साथे, ष्वे, हे,
 सम्बिता } स्वहे, स्महे ॥
 ९ सग्वयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च,
 सम्बिष् } ये, यावह, यामह ॥
 १० असम्बयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 असम्बिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६७८ लुबुण्, (लुम्ब) अर्दने ॥

- १ कुम्ब-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कुम्ब्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कुम्ब-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकुम्ब-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकुम्बि, अकुम्बयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ब्वहि, ब्वहि ॥ [पि, ब्वहि, ब्वहि ॥
 अकुम्बि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ कुम्बयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्ववहे, क्वमहे
 कुम्बयाम्ब-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विव्वहे, विमहे ॥ [सिव्वहे, सिमहे ॥
 कुम्बयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ कुम्बयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 कुम्बिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ कुम्बयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 कुम्बिता } स्महे ॥
 ९ कुम्बयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये,
 कुम्बिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अकुम्बयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 अकुम्बिष् } ये, यावहि, यामहि ॥

१ लुम्ब-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लुम्ब्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लुम्ब-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलुम्ब-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलुम्बि, अलुम्बयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ब्वहि, ब्वहि ॥ [पि, ब्वहि, ब्वहि ॥
 अलुम्बि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ लुम्बयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्ववहे, क्वमहे ॥
 लुम्बयाम्ब-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विव्वहे, विमहे ॥ [सिव्वहे, सिमहे ॥
 लुम्बयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ लुम्बयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 लुम्बिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ लुम्बयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 लुम्बिता } स्महे ॥
 ९ लुम्बयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्च,
 लुम्बिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अलुम्बयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अलुम्बिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ व्याय-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ व्याये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ व्याय-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अव्याय-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अव्यायि, अव्याययि } -षाताम्, षत, थाः, षायाम्,
 अव्यायि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, षि,
 ध्वहि, षमहि ॥
 ६ व्याययाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 व्याययाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 व्याययामा-हे, साते, सिरे, सिष, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ व्याययिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, थाः, यास्थाम्,
 व्यायिषी } दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ व्याययिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 व्यायिता } स्महे ॥
 ९ व्याययिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 व्यायिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अव्याययिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अव्यायिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६८७ जलण् (जल्) अपवारणे ॥

- १ जाल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ जाल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ जाल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अजाल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अजालि, अजालयि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
 अजालि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि,
 प्वहि, प्वहि ॥
 ६ जालयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कुद्वे, के, कुवहे, कुमहे ॥
 जालयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 जालयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ जालयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, याथाम्, दुम्,
 जालिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ जालयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 जालिता } स्वहे, स्महे ॥
 ९ जालयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 जालिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अजालयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अजालिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६८९ पुलण् (पुल) समुच्छ्राये ॥

- १ पोल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पोल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पोल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपोल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपोलि, अपोलयि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
 अपोलि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि,
 प्वहि, प्वहि ॥
 ६ पोलयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कुद्वे, के, कुवहे, कुमहे ॥
 पोलयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 पोलयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ पोलयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, याथाम्, दुम्,
 पोलिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पोलयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 पोलिता } स्वहे, स्महे ॥
 ९ पोलयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 पोलिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अपोलयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपोलिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६८८ क्षलण् (क्षल्) शौचे ॥

- १ क्षाल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ क्षाल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ क्षाल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अक्षाल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अक्षालि, अक्षालयि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
 अक्षालि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि,
 प्वहि, प्वहि ॥
 ६ क्षालयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कुद्वे, के, कुवहे, कुमहे ॥
 क्षालयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 क्षालयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ क्षालयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, याथाम्, दुम्,
 क्षालिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ क्षालयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 क्षालिता } स्वहे, स्महे ॥
 ९ क्षालयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 क्षालिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अक्षालयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अक्षालिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६९० विलण् (विल्) भेदे ॥

- १ वेल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वेल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वेल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवेल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवेलि, अवेलयि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
 अवेलि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि,
 प्वहि, प्वहि ॥
 ६ वेलयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कुद्वे, के, कुवहे, कुमहे ॥
 वेलयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 वेलयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ वेलयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, याथाम्, दुम्,
 वेलिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वेलयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 वेलिता } स्महे ॥
 ९ वेलयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 वेलिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अवेलयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अवेलिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६९१ तलण् (तल्) प्रतिष्ठायाम् ॥

- १ ताल्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे॥
 २ ताल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि॥
 ३ ताल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अताल-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतालि, अतालयि } -षाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्,
 अतालि } इदुम्, द्दुम्, ध्वम्, पि,
 } ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ तालयाञ्च-क्रे, क्राते, किरे, कृषे, काथे, कुद्धे, क्वे, क्वहे, क्महे॥
 तालयाम्ब-भू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 तालयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, मिध्वे, हे,
 ७ तालयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्दुम्,
 तालिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तालयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 तालिता } स्महे ॥
 ९ तालयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 तालिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अतालयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अतालिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६९३ दुलण् (दुल्) उत्क्षेपे ॥

- १ **दोल्**—यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **दोल्ये**—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **दोल्**—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ **अदोल्**—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ **अदोलि, अदोलयि** } —पाताम्, पत, छाः, पाथाम्,
अदोलि } ड्ढवम्, हुम्, ध्वम्, पि,
 प्वहि, प्वहि ॥
 ६ **दोलयाञ्च**—के, काते, किरै, कृषे, काये, कृद्दे, के, कृवहे, कृमहे ॥
दोलयाम्बम्—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्दे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
दोलयामा—हे, साते, सिरै, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ **दोलयिषी** } —ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्,
दोलिषी } हुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ **दोलयिता** } —, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
दोलिता } स्महे ॥
 ९ **दोलयिष्** } —यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
दोलिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० **अदोलयिष्** } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अदोलिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६९२ तुलण् (तुल्) उन्माने ॥

- १ तोल्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तोल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तोल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतोल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अतोलि, अतोलयि } -षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्,
 अतोलि } इद्वम्, द्वम्, च्वम्, पि,
 व्हि, ष्हहि ॥
 ६ तोलयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्दे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 तोलयाञ्चम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्दे, विच्चे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 तोलयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,
 ७ तोलयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 तोलिषी } द्वम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तोलयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 तोलिता } स्महे ॥
 ९ तोलयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे, ये,
 तोलिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अतोलयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अतोलिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१६९४ बुलण् (बुल्) निमज्जने ॥

- १ बोल्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ बोल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ बोल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अबोल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अबोलि, अबोलयि } -षाताम्, षत, षाः, षाथाम्,
 अबोलि } रुद्रम्, द्रुम्, ध्वम्, षि,
 } ध्वहि, ष्महि ॥
 ६ बोलयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कवहे, कर्महे ॥
 बोलयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 बोलयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ बोलयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्रुम्,
 बोलिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ बोलयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 बोलिता } स्महे ॥
 ९ बोलयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 बोलिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अबोलयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अबोलिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७०० इलण् (इल्) प्रेरणे ॥

१ पाल्—यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पाल्ये—त, याताम्, रत्न, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पाल्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपाल्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपालि, अपालयि } —याताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
 अपालि } इदुम्, द्वुम्, ध्वम्, पि,
 च्वहि, भ्रमहि ॥
 ६ पालयाञ्च—के, काते, किरें, कृषे, काथे, कुट्टे, के, कृवहे, क्रमहे ॥
 पालयाम्बभू—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 पालयामा—हे, साते, सिरें, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ पालयिषी } —घ, यास्ताम्, रत्न, घ्राः, यास्थाम्, द्वुम्,
 पालिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पालयिता } —”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 पालिता } स्महे ॥
 ९ पालयिष् } —यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 पालिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अपालयिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपालिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७०२ सान्त्वण् (सान्त्व्) सामप्रयोगे ॥

१ चाल्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ १ सान्त्व-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चाल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ २ सान्त्वये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चाल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥ ३ सान्त्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचाल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ४ असान्त्व-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अचालि, अचालयि } -षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, ५ असान्त्वि, असान्त्वयि } -षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्,
 अचालि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, वि, असान्त्वि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, वि,
 प्वहि, प्वहि ॥ प्वहि, प्वहि ॥
 ६ चालयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ६ सान्त्वयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे
 चालयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, चाल्-याम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥ वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 चालयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सान्त्वयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ चालयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, ७ सान्त्वयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 चालिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥ सान्त्विषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ चालयिता } -, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, ८ सान्त्वयिता } -, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 चालिता } स्महे ॥ सान्त्विता } स्महे ॥
 ९ चालयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, ९ सान्त्वयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 चालिष् } यावहे, यामहे ॥ सान्त्विष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अचालयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, १० असान्त्वयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अचालिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ असान्त्विष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७१२ पिसण् (पिस्) हिंसायाम् ॥

१ ब्रूस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ब्रूस्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ब्रूस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अब्रूस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अब्रूसि, अब्रूसयि-षाताम्, षत, ष्टाः, षाथाम्, षट्ठम्,
 ढुम्, ध्वम्, षि ष्वहि ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अब्रूसि-”, षाताम्, षत, ष्टाः, षाथाम्, षट्ठम्, ध्वम्,
 ६ ब्रूसयाञ्च-कै, काते, किरे, कृषे, काथे, कृढे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 ब्रूसयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विढे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [विवहे, सिमहे ॥
 ब्रूसयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ ब्रूसयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, ढुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 ब्रूसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ ब्रूसयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 ब्रूसिता } स्महे ॥
 ९ ब्रूसयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 ब्रूसिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अब्रूसयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अब्रूसिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७१४ बर्हण् (बर्ह) हिंसायाम् ॥

१ **जास्**—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **जास्ये**—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **जास्**—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ **अजास्**—यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ **अजासि, अजासयि**—पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [पि, ष्वहि, ष्महि ॥
अजासि—, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ **जासयाञ्च**—के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कुवहे, कृमहे ॥
जासयाम्बभू—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विष्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
जासयामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्वे, हे,
 ७ **जासयिषी**—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
जासिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ **जासयिता** } —, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
जासिता } स्महे ॥
 ९ **जासिष्** } —यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
जासयिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० **अजासयिष्** } —यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अजासिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७१९ लक्ष्मीण (लक्ष्) दर्शनाङ्कयोः ॥

- १ लक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलक्षि, अलक्षयि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्,
 द्रुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अलक्षि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
 ६ लक्षयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 लक्षयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 लक्षयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ लक्षयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्रुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 लक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ लक्षयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 लक्षिता } स्महे ॥
 ९ लक्षयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 लक्षिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अलक्षयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अलक्षिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

लक्षिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्,
 लक्षिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥

८ लक्षयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 लक्षिता } स्महे ॥

९ लक्षयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 लक्षिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अलक्षयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 अलक्षिष् } ये, यावहि, यामहि ॥

नियोजने—

- १ लक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

१७२० ज्ञाण् (ज्ञा) मारणादिनियोजनेषु
(तत्र मारणादौ—

- १ ज्ञप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ ज्ञप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ ज्ञप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अज्ञप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अज्ञापि } , अज्ञापयि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्,
 अज्ञापि } इदुम्, द्रुम्, ध्वम्, पि,
 प्वहि, प्वहि ॥
 अज्ञापि } -”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्,
 अज्ञापि } ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ ज्ञपयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 ज्ञपयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 ज्ञपयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ ज्ञपयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्रुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥

५ अज्ञापि, अज्ञापयि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्,
 इदुम्, द्रुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥

अज्ञापि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि,

६ ज्ञपयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

ज्ञपयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

ज्ञपयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ ज्ञपयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्,
 द्रुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

ज्ञापिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,

८ ज्ञापयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 ज्ञापिता } स्महे ॥

९ ज्ञापयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 ज्ञापिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अज्ञापयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अज्ञापिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

अन्यत्र ज्ञायते ॥

१७२६ रगण् (रग्) आस्वादने ॥

- १ लाक्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लाक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लाक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्य, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलाक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अलाकि, अलाकयि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥
- अलाकि-”, षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि,
- ६ लाकयाश्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कुवहे, कुमहे ॥
- लाकयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्चे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
- लाकयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे, सिवहे,
- ७ लाकयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- लाकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ लाकयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, लाकिता } स्महे ॥
- ९ लाकयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, लाकिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अलाकयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अलाकिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १ राग्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ राग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ राग्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्य, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अराग्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अरागि, अरागयि-षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
- अरागि-”, षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
- ६ रागयाश्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कुवहे, कुमहे ॥
- रागयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्चे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
- रागयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे, सिवहे,
- ७ रागयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- रागिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ रागयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे, रागिता } स्महे ॥
- ९ रागयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, रागिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अरागयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अरागिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७२८ लिगुण् (लिङ्ग्) चित्रीकरणे ॥

- १ लाग-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लाग्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, च्चम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लाग्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलाग्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अलागि, अलागयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, च्चम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [प्वहि, प्महि ॥
- अलागि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्, च्चम्, पि,
- ६ लागयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- लागयाम्बू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- लागयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्वे, हे,
- ७ लागयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, दुम्, च्चम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- लागिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, च्चम्, य,
- ८ लागयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, खहे, लागिता } सहे ॥
- ९ लागयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, लागिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अलागयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अलागिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७४१ आडः क्रन्दण् (आ-क्रन्द) सातत्ये ॥

- १ आक्रन्द-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ आक्रन्द्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ आक्रन्द-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आक्रन्द-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आक्रन्दि, आक्रन्दयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
 इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 आक्रन्दि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ आक्रन्दयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, क्रमहे
 आक्रन्दयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 आक्रन्दयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ आक्रन्दयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 आक्रन्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ आक्रन्दयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 आक्रन्दिता } स्वहे, स्महे ॥
 ९ आक्रन्दयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 आक्रन्दिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० आक्रन्दयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 आक्रन्दिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८ स्वादयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 स्वादिता } स्वहे, स्महे ॥

९ स्वादयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 स्वादिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अस्वादयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अस्वादयिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७४३ आस्वदः सकर्मकात् (आ-स्वद्) णिच्
 भवति । ष्वदण् १७४२ वदूपाणि ॥

१७४४ मुदण् (मुद्) संसर्गे ॥

- १ मोद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मोद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मोद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमोद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमोदि, अमोदयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥

१७४२ ष्वदण् (स्वद्) आस्वादने ॥

- १ स्वाद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्वाद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्वाद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्वाद-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अस्वादि, अस्वादयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अस्वादि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ स्वाद्याञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, क्रमहे
 स्वादयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 स्वादयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ स्वादयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 स्वादिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥

अमोदि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 पि प्वहि, प्वहि ॥

६ मोदयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, क्रमहे ॥
 मोदयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥

मोदयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 सिवहे, सिमहे ॥

७ मोदयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, इद्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥

मोदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥

८ मोदयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 मोदिता } स्वहे, स्महे ॥

९ मोदयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 मोदिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अमोदयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अमोदिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७५० पूरण् (पूर्) आप्यायने ॥

१ चार-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ १ पूर-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चार्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ २ अपूर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ चार्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥ ३ पूर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अचार-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, ४ अपूर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, ४ अपूरि, अपूरयि } -षाताम्, षत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, अपूरि } इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ५ अचारि, अचारयि } -षाताम्, षत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, अपूरि } इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ चारयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कुढे, के, कुवहे, कुमहे ॥ ६ पूरयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कुढे, के, कुवहे, कुमहे ॥
 चारयास्वभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 चारयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, ७ चारयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, चारिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ चारयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, चारिता } स्महे ॥
 ९ चारयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, चारिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अचारयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अचारिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १० अपूरयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अपूरिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७५२ दिवण् (दिव्) अर्दने ॥

- १ दाल-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ दाल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ दाल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदाल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अदालि, अदालयि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, अदालि } द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, भ्महि ॥
- ६ दालयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे
दालयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- दालयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ दालयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, दालिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ दालयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, दालिता } स्महे ॥
- ९ दालयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, दालिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अदालयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अदालिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १ देव्-यते, येते, यन्ते, यग, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ देव्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ देव्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अदेव्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अदेवि, अदेवयि } -पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, अदेवि } द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, भ्महि ॥
- ६ देवयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
देवयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- देवयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ देवयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, देविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ देवयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, देविता } स्महे ॥
- ९ देवयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, देविष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अदेवयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अदेविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७५४ पषण् (पष्) बन्धने ॥

१ पाश-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पाश्ये-त, याताम्, रन्, था, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पाश-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपाश-यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपाशि, अपाशयि-पाताम्, पत, घ्रा; पाथाम्, इद्धम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
 अपाशि-'' पाताम्, पत, घ्रा; पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 ६ पाशयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, क्रमहे ॥
 पाशयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 पाशयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ पाशयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्रा; यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 पाशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्रा; यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ पाशयिता-'' , रौ, र; से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 पाशिता } स्महे ॥
 ९ पाशयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 पाशिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अपाशयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्,
 अपाशिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७५६ घुषृण् (घुष्) विशब्दने ॥

- १ घोष्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ घोष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ घोष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपोष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपोषि, अपोषयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, द्धुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥
- अपोषि-''-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि,
- ६ पोषयाञ्च-के, काते, किरं, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे
- पोषयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- पोषयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ पोषयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्धुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- पोषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ पोषयिता } -'', रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
पोषिता } स्महे ॥
- ९ पोषयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये,
पोषिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अपोषयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अपोषिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १ घोष्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ घोष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ घोष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अघोष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अघोषि, अघोषयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, द्धुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
- अघोषि-''-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
- ६ अघोषयाञ्च-के, काते, किरं, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- अघोषयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- अघोषयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ अघोषयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्धुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- अघोषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ अघोषयिता } -'', रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
अघोषिता } स्महे ॥
- ९ अघोषयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये,
अघोषिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अघोषयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अघोषिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७५७ भूषण (भूष्) अलङ्कारे ॥

- १ भूष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ भूष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ भूष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अभूष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अभूषि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ भूषयाञ्च-के, क्राते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 भूषयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 भूषयामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ भूषयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 भूषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ भूषयिता } -, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 भूषिता } स्महे ॥
 ९ भूषयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 भूषिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अभूषयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अभूषिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९ तंसयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 तंसिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अतंसयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अतंसिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७५९ जसण (जस्) ताडने ॥ जसण १७१३
 वद्धूपाणि ॥

१७६० त्रसण (त्रस्) धारणे ॥

- १ त्रास्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ त्रास्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ त्रास्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यावहि ॥
 ४ अत्रास्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अत्रासि, अत्रासयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अत्रासि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ त्रासयाञ्च-के, क्राते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

१७५८ तसुण (तंस्) अलङ्कारे ॥

- १ तंस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तंस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तंस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतंस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतंसि, अतंसयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अतंसि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ तंसयाञ्च-के, क्राते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 तंसयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 तंसयामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ तंसयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 तंसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ तंसयिता } -, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 तंसिता } स्महे ॥

त्रासयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

त्रासयामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ त्रासयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

त्रासिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ त्रासयिता } -, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 त्रासिता } स्महे ॥

९ त्रासयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 त्रासिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अत्रासयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अत्रासिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७६१ वसण (वस्) स्नेहच्छेदावहरणेषु ॥

- १ वास्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वास्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

० अलासयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्,
अलासिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७६६ मोक्षण् (मोक्ष्) असने ॥

१ अहं—यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अहो—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अहं—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ आहं—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ आहि, आर्हयि } —पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्,
 आहि } इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ अर्हयाञ्च—के, कते, किरं, कृषे, काथे, कृद्वे, कै, कवहे, कुमहे ॥
 अर्हयाम्बभू—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 अर्हयामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ अर्हयिषी } —ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 अर्हिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ अर्हयिता } —, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 अर्हिता } स्महे ॥
 ९ अर्हयिष् } —यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये,
 अर्हिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० आर्हयिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 आर्हिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७६८ तर्कण् (तर्क) भासार्थः ॥

१ लोक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लोक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लोक-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलोक-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलोक, अलोक्यि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इध्वम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 अलोक-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इध्वम्, ध्वम्,
 ६ लोकयाञ्च-के, क्राते, क्तिरे, कृषे, क्राथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे
 लोकयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 लोकयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ लोकयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 लोकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ लोकयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 लोकिता } स्महे ॥
 ९ लोकयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 लोकिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अलोकयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अलोकिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 १ तर्क्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तर्क्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तर्क्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतर्क्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतर्क, अतर्क्यि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इध्वम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 अतर्क-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इध्वम्, ध्वम्,
 ६ तर्कयाञ्च-के, क्राते, क्तिरे, कृषे, क्राथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे
 तर्कयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 तर्कयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ तर्कयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 तर्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ तर्कयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 तर्किता } स्महे ॥
 ९ तर्कयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 तर्किष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अतर्कयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अतर्किष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७७० लघुण् (लङ्घ्) भासार्थः ॥

१ रङ्घू-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रङ्घ्वे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रङ्घू-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरङ्घू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अरङ्घि, अरङ्घियि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ङ्घुम्,
 ङ्घुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
 अरङ्घि-''पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ङ्घुम्, ध्वम्,
 ६ रङ्घ्याञ्च-के, काते, किर, कृपे, काथे, कुद्धे, के, कुवहे, कुमहे ॥
 रङ्घ्यास्वभू-वे, वाते, विरे, विपे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, यिमहे ॥
 रङ्घ्यामा-हे, साते, सिर, सिपे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ रङ्घियिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ङ्घुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 रङ्घिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ रङ्घयिता } -' , री, रः, मे, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 रङ्घिता } स्महे ॥
 ९ रङ्घियिप् } -यते, येते, यन्ते, यमे, येथे, यध्वे, ये,
 रङ्घिप् } यावहे, यामहे ॥
 १० अरङ्घियिप् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अरङ्घिप् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७७१ लोचृण् (लोच्) भासार्थः ॥

१ लोच-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लोच्ये-त, याताम्, रन्, प्राः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लोच-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलोच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलोचि, अलोचयि-याताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ड्डम्,
 ड्डम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
 अलोचि-"याताम्, पत, प्राः, पाथाम्, ड्डम्, ध्वम्,
 ६ लोचयाञ्च-के, कते, किर, कृपे, काथे, कृहे, के, क्वहे, कृमहे
 लोचयाम्वभू-वे, वान्, विरे, विपे, वाथे, विहृ, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [शिवहे, शिमहे ॥
 लोचयामा-हे, माने, मिये, मिये, माथे, मिध्वे, हे,
 ७ लोचयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ड्डम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वान्, महि ॥
 लोचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ लोचयिता } -, री, रः, मे, माथे, ध्व, हे, स्वंह,
 लोचिता } स्महे ॥
 ९ लोचयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 लोचिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अलोचयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अलोचिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ लङ्घ्य-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लङ्घ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, बहि, महि ॥
 ३ लङ्घ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलङ्घ्य-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अलङ्घि, अलङ्घयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्धम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अलङ्घि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 ६ लङ्घयाञ्च-के, काते, किर, कृपे, काथे, कृद्धे, के, क्ववहे, क्वमहे ॥
 लङ्घयाम्यभू-वे, वाते, विरे, विपे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 लङ्घयामा-हे, साते, सिरे, सिपे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ लङ्घयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, बहि, महि ॥ [बहि, महि ॥
 लङ्घिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ लङ्घयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 लङ्घिता } स्महे ॥
 ९ लङ्घयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसं, येथे यच्चे,
 लङ्घिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अलङ्घयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अलङ्घिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७७२ विच्छण् (विच्छ) भासार्थः ॥

१ विच्छ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ विच्छये-त, याताम्, रन्, था, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ विच्छ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अविच्छ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अविच्छि, अविच्छयि-याताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इध्वम्,
 हुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
 अविच्छि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इध्वम्, ध्वम्,
 ६ विच्छयाञ्ज-के, क्वाते, क्किरे, कथे, काथे, कुडे, कृ, कृवहे, कृमहे
 विच्छयाम्बभू-वे, वात, विरे, विषे, वाथ, विदु, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 विच्छयामा-हे, साते, सिरे, सिपे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ विच्छयिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, हुन्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 विच्छिपी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ विच्छयिता } -", री, रः, ये, साथे, ध्वे, हे, खहे,
 विच्छिता } महे ॥
 ९ विच्छयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 विच्छिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अविच्छयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अविच्छिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७७४ तुजुण् (तुज्ज्) भासार्थः ॥

१ अञ्ज-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अञ्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अञ्ज-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आञ्ज-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ आजि, आज्यि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, व्वहि, व्वहि ॥ [पि, व्वहि, व्वहि ॥
 आजि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ अञ्जयाञ्च-के, काते, क्रिरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कवहे, कूमहे ॥
 अञ्जयान्वभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 अञ्जयामा-हे, साते, सिरे, सिषं, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ अञ्जयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 अञ्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ अञ्जयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 अञ्जिता } स्महे ॥
 ९ अञ्जयिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 अञ्जिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अञ्जयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अञ्जिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ तुञ्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तुञ्ज्ये-त, याताम्, रन्, था; याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तुञ्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अतुञ्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अतुञ्जि, अतुञ्जयि-पाताम्, पत, घ्रा; प्राथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [ध्वहि, ध्वहि ॥
 अतुञ्जि-''पाताम्, पत, घ्रा; प्राथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि,
 ६ तुञ्जयाश्च-क्रे, क्राते, किरे, कृषे, क्राथे, कृद्वे, क्रे, कृवहे, क्रमहे ॥
 तुञ्जयाम्बम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 तुञ्जयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ तुञ्जयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्रा; यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 तुञ्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्रा; यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ तुञ्जयिता } -'', रौ, र; से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 तुञ्जिता } स्महे ॥
 ९ तुञ्जयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 तुञ्जिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अतुञ्जयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्,
 अतुञ्जिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७७६ लजुण् (लज्ज्) भासार्थः ॥

१ पिञ्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पिञ्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पिञ्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [य, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपिञ्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपिञ्जि, अपिञ्जियि-याताम्, षत, ष्टाः, षाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [ष्वहि, ष्महि ॥
 अपिञ्जि-”, याताम्, षत, ष्टाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि,
 ६ पिञ्जयाञ्ज्-के, कसे, किरै, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कवहे, क्महे ॥
 पिञ्जयाम्वम्-वे, वते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ सिवहे, सिमहे ॥
 पिञ्जयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ पिञ्जयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, थ, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 पिञ्जिषी-”, ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ पिञ्जयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 पिञ्जिता } स्महे ॥
 ९ पिञ्जयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 पिञ्जिष् } यावहे यामहे ॥
 १० अपिञ्जयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपिञ्जिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ लञ्ज्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लञ्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लञ्ज-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलञ्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्वम्,
 ५ अलञ्जि, अलञ्जयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्,
 दुम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [ष्वहि, ष्महि ॥
 अलञ्जि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्, ष्वम्, षि,
 ६ लञ्जयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 लञ्जयाश्च-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विञ्चे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 लञ्जयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिञ्चे, हे, सिवहे,
 ७ लञ्जयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ष्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 लञ्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ष्वम्, य,
 ८ लञ्जयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 लञ्जिता } स्महे ॥
 ९ लञ्जयिष्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यञ्चे, ये,
 लञ्जिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अलञ्जयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अलञ्जिष् } यञ्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७८१ लुट् (लुट्) भासार्थः ॥

- १ लोट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लोट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लोट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलोद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलोटि, अलोटयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 अलोटि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ लोटयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 लोटयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 लोटयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ लोटयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 लोटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ लोटयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 लोटिता } स्महे ॥
 ९ लोटयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 लोटिष् } यावहे, यामहे ॥

- ७ घण्टयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 घण्टिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ घण्टयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 घण्टिता } स्महे ॥
 ९ घण्टयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 घण्टिष् } यावहे, यामहे ॥

- १० अघण्टयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अघण्टिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७८४ वृत् (वृत्) भासार्थः ॥

- १ वर्त्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वर्त्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वर्त्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवर्त्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

- १० अलोटयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अलोटिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७८२ घट् (घट्) भासार्थः ॥ घट्
१७३६ वदूपाणि ॥

१७८३ घट् (घट्) भासार्थः ॥

- १ घण्ट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ घण्ट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ घण्ट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अघण्ट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अघण्टि, अघण्टयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [षि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 अघण्टि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ घण्टयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे
 घण्टयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 घण्टयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

- ५ अवर्ति, अवर्तयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
 इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [ध्वहि, ध्वहि ॥
 अवर्ति-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि,
 ६ वर्तयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 वर्तयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

- वर्तयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ वर्तयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

- वर्तिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ वर्तयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 वर्तिता } स्महे ॥

- ९ वर्तयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 वर्तिष् } यावहे, यामहे ॥

- १० अवर्तयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अवर्तिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७९० कुपण् (कुप्) भासार्थः ॥

१ धूप-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ धूप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ धूप-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अधूप-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अधूपि, अधूपयि-पाताम्, पत, षाः, पाथाम्, इद्धम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि च्वहि भ्महि ॥ [पि, च्वहि, भ्महि ॥
 अधूपि-”, पाताम्, पत, षाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 ६ धूपयाञ्च-क्रे, काते, किरं, कृषे, काथे, कृद्धे, क्रे, कृवहे, कृमहे ॥
 धूपयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विच्चे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवह, सिमहे ॥
 धूपयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,
 ७ धूपयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 धूपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ धूपयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 धूपिता } स्महे ॥
 ९ धूपयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये,
 धूपिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अधूपयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अधूपिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७९२ दशुण् (दंशू) भासार्थः ॥

१ **चीव्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **चीव्ये**-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **चीव्**-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ **अचीव्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ **अचीवि, अचीवयि** } -याताम्, षत, धाः, याथाम्,
अचीवि } ङ्ङम्, ढुम्, ध्वम्, वि,
 व्हि, ष्महि ॥
 ६ **चीवयाञ्च**-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्दे, के, क्वहे, क्महे ॥
चीवयाम्भू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्दे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
चीवयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ **चीवयिषी** } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्थाम्, ढुम्,
चीविषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ **चीवयिता** } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
चीविता } स्महे ॥
 ९ **चीवयिष्** } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
चीविष् } यावहे, यामहे ॥
 १० **अचीवयिष्** } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अचीविष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ कोप्—यत्, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कोप्प्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कोप्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकोप्—यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अकोपि, अकोपयि—पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥ [पि, ध्वहि, ध्महि ॥
 अकोपि—", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
 ६ कोपयाञ्च—के, काते, क्किरे, कृषे, काथे, कृद्धे, कं, क्वहे, क्महे ॥
 कोपयाञ्चम्—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विच्चे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 कोपयामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,
 ७ कोपयिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 कोपिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ कोपयिता } —", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 कोपिता } स्महे ॥
 ९ कोपयिष् } —यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये,
 कोपिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अकोपयिष् } —यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अकोपिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ दंश-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ दंश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ दंश-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अदंश-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अदंशि, अदंशियि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इध्वम्,
 इम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
 अदंशि-'' पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इध्वम्, ध्वम्,
 ६ दंशयाञ्च-के, क्राते, किरे, कृषे, क्राथे, कृद्धे, के, क्वहै, क्रमहे ॥
 दंशयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विष्वे,
 वे, विवहै, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 दंशयामा-है, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्वे, हे,
 ७ दंशयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, इम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 दंशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ दंशयिता } -'' री, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 दंशिता } स्महे ॥
 ९ दंशयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 दंशिष्-यावहे, यामहे ॥
 १० अदंशयिष्-मत, मेताम्, भन्त, मथाः, मेथाम्,
 अदंशिष्-मध्वम्, मे, म्वहि, म्महि ॥

१७१७ दसुण् (दंस्) भासार्थः ॥

- १ दंस्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ दंस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ दंस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अदंस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अदंसि, अदंसयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, द्दुहम्,
 द्दुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [ष्वहि, ष्महि ॥
 अदंसि-” पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, द्दुहम्, ध्वम्, षि,
 ६ दंसयाञ्च-के, काते, किरै, कृषे, क्राथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 दंसयाम्बम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 दंसयामा-हे, माते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
 ७ दंसयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 दंसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ दंसयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 दंसिता } स्महे ॥
 ९ दंसयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 दंसिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अदंसयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अदंसिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७९९ वृहुण् (वृंह्) भासार्थः ॥

- १ वृद्ध-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वृद्धि-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वृद्ध-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवृद्ध-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवृद्धि, अवृद्धयि } -याताम्, पत, छाः, पाथाम्,
 अवृद्धि } इदुम्, द्वम्, ध्वम्, पि,
 } ज्वाहि, ज्महि ॥
 ६ वृद्धयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 वृद्धयाम्बभू-वे, वाते, विरं, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 वृद्धयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ वृद्धयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 वृद्धिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वृद्धयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 वृद्धिता } सहे ॥
 ९ वृद्धयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 वृद्धिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अवृद्धयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अवृद्धिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१७९८ वर्हण् (वर्ह्) भासार्थः ॥

- १ वहई-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वह्यै-त, याताम्, रत्न, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वहई-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवहई-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवहि, अवहयि } -षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्,
 अवहि } षड्म्, षुम्, ध्वम्, षि,
 प्वहि, ष्महि ॥
 ६ वहईयाञ्च-के, काते, किरै, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 वहईयाम्बू-व, वांत, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्चे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 वहईयाम्-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे, सिवहे,
 ७ वहईयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रत्न, घ्राः, यास्थाम्, षुम्,
 वहिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वहईयिता } -", रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्खहे,
 वहिता } स्महे ॥
 ९ वहईयिष } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे, ये,
 वहिष } यावहे, यामहे ॥
 १० अवहईयिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अवहिष } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८०० वल्हण् (वल्ह्) भासार्थः ॥

- १ वल्ह्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वल्ह्या-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वल्ह्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवल्ह्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवल्हि, अवल्हयि } -षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्,
 अवल्हि } इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि,
 } ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ वल्हयाञ्च-के, काते, किरै, कृपे, काथे, कुद्वे, के, क्वहै, क्वमहे
 वल्हयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहै, विमहै ॥ [सिवहै, सिमहै ॥
 वल्हयामा-है, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ वल्हयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 वल्हिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वल्हयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहै,
 वल्हिता } स्महै ॥
 ९ वल्हयिप् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 वल्हिप् } ये, यावहै, यामहै ॥
 १० अवल्हयिप् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अवल्हिप् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८०६ वज्रिण् (वज्रच्) प्रलम्भने ॥

१ गार्-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहि ॥
 २ गार्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गार्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगार्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अगारि, अगारयि } -याताम्, षत, छाः, षायाम्, षड्वम्,
 अगारि } द्रुम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, षमहि ॥
 ६ गारयाञ्च-क्रे, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्धे, क्रे, कृवहे, कृमहे ॥
 गारयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 गारयामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ गारयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
 गारिषी } द्रुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ गारयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 गारिता } स्महे ॥
 ९ गारयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे,
 गारिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अगारयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अगारिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८०७ कुटिण् (कुट्) प्रतापने ॥

१ कोट्-यत्ते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, यावह, यामहे ॥
 २ कोट्ये-त, याताम्, रन्, था; याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कोट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्त्, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [य, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकोट्-यत्, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्, यच्चम्,
 ५ अकोटि, अकोटयि-षाताम्, षत्, घ्रा; पाथाम्, इड्ढम्,
 ड्ढम्, च्वम्, पि, च्वहि, ष्महि ॥ [पि, च्वहि, ष्महि ॥
 अकोटि-”, पाताम्, षत्, घ्रा; पाथाम्, इड्ढम्, च्वम्,
 ६ कोटयाञ्च-के, क्राते, किरै, कृषे, कथे, कृङ्के, के, कृवहे, कुमहे
 कोटयाञ्चम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विड्ढे, विच्वे,
 वे, विवहै, विमहै ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 कोटयामा-हे, ताते, सिरै, सिषे, साथे, सिच्वे, हे,
 ७ कोटयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्रा; यास्थाम्, ड्ढम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 कोटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्रा; यास्थाम्, च्वम्,
 ८ कोटयिता } -”, रै, र; से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 कोटिता } स्महे ॥
 ९ कोटयिष् } -यत्ते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये,
 काटिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अकोटयिष् } -यत्, येताम्, यन्त, यथा; येथाम्,
 अकाटिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ वञ्च-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वञ्चये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वञ्च-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [य, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवञ्च-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवञ्चि, अवञ्चयि-षाताम्, पत, प्राः, पाथाम्,
 इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥
 अवञ्चि-”, षाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि,
 ६ वञ्चयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कुवहे, कुमहे ॥
 वञ्चयाञ्चमू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, मिमहे ॥
 वञ्चयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ वञ्चयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 वञ्चिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ वञ्चयिता } -”, रीः, रन्, से, साथे, ध्वे, हे,
 वञ्चिता } स्वहे, स्महे ॥
 ९ वञ्चयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 वञ्चिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अवञ्चयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अवञ्चिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८०८ मदिण् (मद्) तृप्तियोगे ॥

१ माद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ माद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ माद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमाद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमादि, अमादयि-याताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, ङ्ङुम्,
 ङ्ङुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अमादि-", याताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, ङ्ङुम्, ध्वम्,
 ६ मादयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, काथे, क्ङ्वे, के, क्ववहे, क्वमहे ॥
 मादयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विपे, वाथे, विङ्ङे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 मादयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ मादयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ङ्ङुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 मादिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ मादयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 मादिता } स्वहे, स्महे ॥
 ९ मादयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 मादिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अमादयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अमादिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८१० मनिण् (मन्) स्तम्भे ॥

- १ मान्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मान्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मान्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमान्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमानि, अमानयि-षाताम्, षत, घ्राः, घाथाम्, इदुम्,
 दुम्, ध्वम्, षि, ज्वहि, झहि ॥ [षि, ज्वहि, झहि ॥
 अमानि-”, षाताम्, षत, घ्राः, घाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
 ६ मानयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, क्राथे, कृद्वे, के, कृवहे, क्रमहे ॥
 मानयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विध्वे, विद्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 मानयामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ मानयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 मानिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ मानयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 मानिता } स्महे ॥
 ९ मानयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 मानिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अमानयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अमानिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८१२ भलिण् (भल्) आभण्डने ॥

- १ भाल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ भाल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ भाल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अभाल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अभालि, अभालयि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
 अभालि } इदुम्, द्वम्, ध्वम्, षि,
 } व्हि, प्महि ॥
 ६ मायाञ्च-क्रे, क्राते, क्तिरे, कृषे, क्राथे, कृद्धे, क्रे, कृवहे, कृमहे ॥
 मायाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 मायामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ मालयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 मालिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मालयिता } -", रौ, रः, मे, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 मालिता } स्महे ॥
 ९ मालयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 मालिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अमालयिष् -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अमालिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८१३ दिविष् (दिव्) परिकूजने ॥ दिवष्
वद्रूपाणि ॥

१८१४ वृषिष् (वृष्) शक्तिबन्धे ॥

१ वर्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ वर्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥

३ वर्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अवर्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,

५ अवर्षि, अवर्षयि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥ [षि, च्वहि, च्वहि ॥

अवर्षि-"", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, च्वम्,

६ वर्षयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

वर्षयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्चे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

वर्षयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,

६ कुत्सयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे

कुत्सयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्चे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

कुत्सयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,

७ कुत्सयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
च्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

कुत्सिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य,

८ कुत्सयिता -", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
कुत्सिता } स्महे ॥

९ कुत्सयिष् -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे,
कुत्सिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अकुत्सयिष् -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अकुत्सिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८१६ लक्षिष् (लक्ष्) आलोचने ॥ लक्षीष्
वद्रूपाणि ॥

१८१७ हिष्किष् (हिष्क्) हिंसायाम् ॥

१ हिष्क्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ हिष्क्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥

७ वर्षयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
च्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

वर्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्,

८ वर्षयिता -", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
वर्षिता } स्महे ॥

९ वर्षयिष् -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे,
वर्षिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अवर्षयिष् -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अवर्षिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८१५ कुत्सिष् (कुत्स्) अवक्षेपे ॥

१ कुत्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ कुत्स्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥

३ कुत्स्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अकुत्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,

५ अकुत्सि, अकुत्सयि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥ [षि, च्वहि, च्वहि ॥

अकुत्सि-"", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, च्वम्,

३ हिष्क्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यावहि ॥

४ अहिष्क्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,

५ अहिष्कि, अहिष्कयि-षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, च्वम्, षि, च्वहि, च्वहि ॥ [षि, च्वहि, च्वहि ॥

अहिष्कि-"", षाताम्, षत, छाः, षाथाम्, इद्वम्, च्वम्,

६ हिष्कयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे

हिष्कयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्चे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

हिष्कयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,

७ हिष्कयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
च्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

हिष्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य,

८ हिष्कयिता -", रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
हिष्किता } स्महे ॥

९ हिष्कयिष् -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
हिष्किष् } यावहे, यामहे ॥

१० अहिष्कयिष् -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अहिष्किष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८१९ निष्किण् (निष्क्) परिमाणे ॥

- १ निष्क-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ निष्कये त, याताम्, रन्, धाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ निष्क-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अनिष्क-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अनिष्क, अनिष्कयि-याताम्, षत, धाः, याथाम्, इद्वम्
 द्वम्, ध्वम्, पि, षहि, षमहि ॥ [ष्वहि, षमहि ॥
 अनिष्क-" , याताम्, षत, धाः, याथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि,
 ६ निष्कयाश्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्धे, के, ऊवहे, ऊमहे
 निष्कयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विष, वाथे, विद्धे, विव्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 निष्कयामा-हे, साते, सिरे, सिधे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ निष्कयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्थाम्,
 द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 निष्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ निष्कयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 निष्किता } सहे ॥
 ९ निष्कयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 निष्किष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अनिष्कयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अनिष्किष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८२१ कूटिण् (कूट्) अग्रमादे ॥

- १ कूट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ कूट्ये-त, याताम्, रन्, प्राः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ।
 ३ कूट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे । [ये, यावहि, यामहि ।
 ४ अकूट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकूटि, अकूटयि-याताम्, पत, प्राः, पाथाम्,
 इदम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि । [प्वहि, प्महि ।
 अकूटि-" , पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदम्, ध्वम्, पि,
 ६ कूटयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, काये, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ।
 कूटयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे । [सिवहे, मिमहे ।
 कूटयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ कूटयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्दम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि । [वहि, महि ।
 कूटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ कूटयिता } -", रौ, रः, ले, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 कूटिता } स्महे ।
 ९ कूटयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 कूटिष् } यावहे, यामहे ।
 १० अकूटयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अकूटिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ।

१८२३ शठिण् (शठ्) श्लाघायाम् ॥

१ **त्रोट्**—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **त्रोट्ये**—त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **त्राट्**—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ **अत्राट्**—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ **अत्रोटि, अत्रोटयि**—पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्ढम्,
 ड्ढम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
अत्रोटि—पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, ड्ढम्, ध्वम्,
 ६ **त्रोटयाञ्च**—के, काते, किरे, कृषे, काथे, कुद्धे, के, क्वहरे, क्वहरे,
त्रोटयाम्बभू—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवह, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
त्रोटयामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ **त्रोटयिषी**—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ड्ढम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
त्रोटिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ **त्रोटयिता** } —, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
त्राटिता } स्महे ॥
 ९ **त्रोटयिष्** } —यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
त्रोटिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० **अत्रोटयिष्** } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अत्रोटिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ शाद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शाट्थे-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शाद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशाद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अशाटि, अशाटि-पाताम्, षत, छाः, बाथाम्,
 इदुम्, द्वम्, च्वम्, पि, ज्वहि, ष्महि ॥ [ज्वहि, ष्महि ॥
 अशाटि-”, पाताम्, षत, छाः, बाथाम्, इदुम्, च्वम्, पि,
 ६ शाटयाञ्च-के, काते, किरै, कृषे, काये, कृद्धे, के, कृवहे, क्रमहे ॥
 शाटयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विदु, विच्चे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 शाटयामा-हे, साते, सिरै, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,
 ७ शाटयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, वहि ॥
 शाटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, च्वम्, य,
 ८ शाटयिता } -”, रै, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्त्वहे,
 शाटिता } स्महे ॥
 ९ शाटयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 शाटिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अशाटयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अशाटिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

९ कूणयिष् } -यते, यंते, यन्ते, यस्य, येथे, यच्चे, ये,
कूणिष् } यावहे, यामहे ॥

१ कूण-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कूण्ये-त, याताम्, यन्त, यथाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कूण-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकूण-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकूणि, अकूणयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्महि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
 अकूणि-", पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ कूणयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, क्वहे, क्महे ॥
 कूणयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 कूणयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ कूणयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 कूणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ कूणयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 कूणिता } स्महे ॥

१० अकूणयिष् } -यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येताम्,
अकूणिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८२५ तूणिण् (तूण्) पूरणे ॥ तूण् १६४२
वद्रूपाणि ॥

१८२६ भ्रूणिण् (भ्रूण्) आशायाम् ॥

१ अ॒ण्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येष्वे, ये, यावद्हे, यामहे ॥
 २ अ॒ण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अ॒ण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्त्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावद्हे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अ॒ण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अ॒भ्रणि, अ॒भ्रणयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इ॒ध्वम्,
 इ॒ध्म, ध्वम्, पि, ध्वहि, प्महि ॥ [पि, ध्वहि, प्महि ॥
 अ॒भ्रणि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इ॒ध्वम्, ध्वम्,
 ६ अ॒ण्यञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कुद्दे, के, कुवहे, कुमहे
 अ॒ण्याम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विष्वे,
 वे, विव्हे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 अ॒ण्यामा-हे. साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्वे, हे,

७ भ्रूणयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

भ्रूणयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ भ्रूणयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 भ्रूणयिता } स्महे ॥

९ भ्रूणयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 भ्रूणयिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अभ्रूणयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अभ्रूणयिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८२७ चितिण् (चित्) संवेदने ॥

१ चेत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ चेत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ चेत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अचेत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अचेति, अचेतयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥ [पि, ध्वहि, धमहि ॥

अचेति-" , पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,

४ अवस्त्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अवस्ति, अवस्तयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥ [पि, ध्वहि, धमहि ॥

अवस्ति-" , पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,

वस्तयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, क्राथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

वस्तयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

वस्तयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ वस्तयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

वस्तिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ वस्तयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 वस्तिता } स्महे ॥

९ वस्तयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 वस्तिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अवस्तयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अवस्तिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६ चेतयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, क्राथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

चेतयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

चेतयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ चेतयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

चेतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,

८ चेतयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 चेतिता } स्महे ॥

९ चेतयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 चेतिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अचेतयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अचेतिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८२८ वस्तिण् (वस्त्) अर्दने ॥

१ वस्त्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ वस्त्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ वस्त्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

१८२९ गन्धिण् (गन्ध्) अर्दने ॥

१ गन्ध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ गन्ध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ गन्ध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥

४ अगन्ध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,

५ अगन्धि, अगन्धयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, धमहि ॥ [पि, ध्वहि, धमहि ॥

५ अगन्धि-" , पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,

६ गन्धयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, क्राथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

गन्धयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

गन्धयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ गन्धयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

गन्धिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ गन्धयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 गन्धिता } स्महे ॥

९ गन्धयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 गन्धिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अगन्धयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अगन्धिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८३० डपिण् (डप्) संघाते ॥

- १ डाप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ डाप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ डाप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अडाप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अडापि, अडापयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्,
 इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥

अडापि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,

६ डापयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

डापयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

डापयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ डापयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

डापिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,

८ डापयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 डापिता } स्वहे, स्महे ॥

९ डापयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 डापिष् } यावहे, यामहे ॥

डम्भयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे,
 विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

डम्भयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ डम्भयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥

डम्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥

८ डम्भयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 डम्भिता } स्वहे, स्महे ॥

९ डम्भयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 डम्भिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अडम्भयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अडम्भिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८३५ डिम्भिण् (डिम्भ्) संघाते ॥

१ डिम्भ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ डिम्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ डिम्भ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अडिम्भ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

१० अडापयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अडापिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८३१ डिपिण् (डिप्) संघाते ॥ डिपण्
 १६६८ वदूपाणि ॥

१८३२ डम्पिण् (डम्प्) संघाते ॥ डपुण्
 १६७० वदूपाणि ॥

१८३३ डिम्पिण् (डिम्प्) संघाते ॥ डिपुण्
 १६७१ वदूपाणि ॥

१८३४ डम्भिण् (डम्भ्) संघाते ॥

१ डम्भ-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ डम्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ डम्भ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अडम्भ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अडम्भि, अडम्भयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥

अडम्भि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,

६ डम्भयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे

५ अडिम्भि, अडिम्भयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्,
 इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥

अडिम्भि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 पि प्वहि, प्वहि ॥

६ डिम्भयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे

डिम्भयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥

डिम्भयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 सिवहे, सिमहे ॥

७ डिम्भयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥

डिम्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 य, वहि, महि ॥

८ डिम्भयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
 डिम्भिता } स्वहे, स्महे ॥

९ डिम्भयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 डिम्भिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अडिम्भयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अडिम्भिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८४१ मन्त्रिण् (मन्त्र्) गुप्तभाषणे ॥

१ तन्त्र-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ।।

२ तन्त्र्ये-त,याताम्,रन्,थाः,याथाम्,ध्वम्,य,वहि,महि ॥

३ तन्त्र-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यांवहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अतन्त्र-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अतन्त्रि, अतन्त्रयि } -षाताम्, षतः, षायाम्,
अतन्त्रि } इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि,
ध्वहि, षमहि ॥

६ तन्त्रयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कुद्वे, के, कुवहे, कुमहे ॥
तन्त्रयांस्वभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
विवहे, विमहे ॥ [सिक्वेह, सिमहे ॥

तन्त्रयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ तन्त्रयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, द्वम्,
तन्त्रिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥

८ तन्त्रयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
तन्त्रिता } स्महे ॥

९ तन्त्रयिष् । -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
तन्त्रिष् । यावहे, यामहे ॥

१० अतन्त्रयिष् { -यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अतन्त्रिष् { यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ मन्त्र-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ मन्त्र्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ मन्त्र-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अमन्त्र-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अमन्त्रि, अमन्त्रयि } -पाताम्, पत, छाः, पाथाम्,
अमन्त्रि } इदुम्, द्दुम्, ध्वम्, धि,
ध्वहि, ध्महि ॥

६ मन्त्रयाञ्च-के, काते, किरि, कृपे, काये, कृद्वे, के, कृवहे, कर्महे
मन्त्रयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाये, विद्वे, विष्वे, वे,
विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

मन्त्रयामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ मन्त्रयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
मन्त्रिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥

८ मन्त्रयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
मन्त्रित^१ } स्वहे ॥

९ मन्त्रयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येये, यध्वे,
मन्त्रिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अमन्त्रयिष् } -यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येवाम्,
अमन्त्रिष } यच्चम्, ये. यावहि. यामहि ॥

१८४२ ललिण् (लल्) ईप्सायाम् ॥

१ लाङ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ लाल्ये-त,याताम्,रन्,थाः, याथाम्,ध्वम्,य,वहि,महि॥

३ लाल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अलान्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अलालि, अलालयि } -पाताम्, षत, ष्टाः, षाथाम्,
अलालि } ड्ढम्, ढ्ढम्, ध्वम्, षि,
ध्वहि, ध्वहि ॥

६ लालयाञ्च-के, काते, किरें, कृषे, काथें, कुद्वे, के, कुवहे, कुमहे ॥
लालयाम्बू-वै, वाते, विरें, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
वै, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

लालयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे.

७ लालयिषी । -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
लालिषी । ध्वम्, य, वहि, महि ॥

८ लालयिता } -", रौ, रः, से, साथे, घे, हे, स्वहे,
लालिता } स्महे ॥

९ लालयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 लालिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अलालयिष् } -यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येताम्,
अलालिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८४३ स्पशिण् (स्पश्) ग्रहणश्लेषणयोः॥

१ स्पाश्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे॥

२ स्पाश्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, श्वम्, य, बहि, महि॥

३ स्पाश्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येयाम्, यष्वम्,
ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अस्पाशू-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्.

५ अस्पाशि, अस्पाशयि-पाताम्, पत, पाः, पाथाम्, इदम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥

अस्पाशि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इदम्, ध्वम्.

६ स्पाशयाञ्च-के, काते, क्रिरे, कषे, काथे, कुद्वे, के, कुवहे, कुमहे
स्पाशयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्रु, विष्णे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

स्पाशयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्णे, हे.

७ स्पाशयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्याम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

स्पाशिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्टाः, यास्थाम्, ध्वम्,

८ स्पाशयिता } -", रौ, रु, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
स्पाशिता } स्महे॥

९ स्पाशयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
स्पाशिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अस्पाशयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अस्पाशिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८४४ दंशिण् (दंश्) दशने ॥ दशुण्
१७९२ वद्रूपाणि ॥

१८४५ दंसिण् (दंस्) दर्शने च ॥ दसुण्
१७९७ वद्रूपाणि ॥

१८४६ भर्त्सिण् (भर्त्स्) संतर्जने ॥

१ भर्त्स्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ भर्त्स्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ भर्त्स्य-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अभर्त्स्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अभर्त्सि, अभर्त्स्यि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [पि, ध्वहि, ध्वहि ॥

अभर्त्सि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,

६ यक्ष्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अयक्ष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अयक्षि, अयक्ष्यि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [पि, ध्वहि, ध्वहि ॥

अयक्षि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,

६ ह्यक्षयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

यक्ष्येयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

यक्षयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ यक्षयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

यक्षिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ यक्षयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
यक्षिता } स्महे ॥

९ यक्षयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यक्षिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अयक्षयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अयक्षिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

६ भर्त्सयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे

भर्त्सयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

भर्त्सयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ भर्त्सयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

भर्त्सिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ भर्त्सयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
भर्त्सिता } स्महे ॥

९ भर्त्सयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
भर्त्सिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अभर्त्सयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अभर्त्सिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८४७ यक्षिण् (यक्ष्) पूजायाम् ॥

१ यक्ष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ यक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

१८४८ अङ्कण् (अङ्क्) लक्षणे ॥

१ अङ्क्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ अङ्क्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ अङ्क्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ आङ्क्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ आङ्कि, आङ्क्यि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्,
ध्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [पि, ध्वहि, ध्वहि ॥

आङ्कि-", पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,

६ अङ्कयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

अङ्कयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

अङ्कयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ अङ्कयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

अङ्किषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
८ अङ्कयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
अङ्किता } स्महे ॥

९ अङ्कयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
अङ्किष् } यावहे, यामहे ॥

१० आङ्कयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
आङ्किष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८५० सुखण् (सुख्) तत्क्रियायाम् ॥

१ **ब्लेष्क**—यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **ब्लेष्क्य**—यत, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्चम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **ब्लेष्क**—याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ **अब्लेष्क**—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ **अब्लेष्कि, अब्लेष्किय**—षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्,
 दुम्, च्चम्, षि, च्चहि, च्महि ॥ [षि, च्चहि, च्महि ॥
अब्लेष्कि—, षाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्वम्, च्चम्,
 ६ **ब्लेष्कयाञ्च**—के, काते, किर, कषे, काथे, कृद्धे, के, कवहे, कमहे
ब्लेष्कयाम्बम्—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
ब्लेष्कयामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्वे, हे,
 ७ **ब्लेष्कयिषी**—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 च्चम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
ब्लेष्किषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, च्चम्, य,
 ८ **ब्लेष्कयिता** } —, रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, त्वहे,
ब्लेष्किता } समहे ॥
 ९ **ब्लेष्कयिष्** } —यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्च, ये,
ब्लेष्किष् } यावहे, यामहे ॥
 १० **अब्लेष्कयिष्** } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अब्लेष्किष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ सुख-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सुख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, च्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ सुख-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ असुख-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्वम्,
 ५ असुखि, असुखयि-पाताम्, पत, धाः, पाथाम्, इद्धम्,
 दुम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
 असुखि-” पाताम्, पत, धाः, पाथाम्, इद्धम्, च्वम्,
 ६ सुखयाश्च-के, काते, क्रिरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 सुखयाम्बभू-वै, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विच्चे, वै,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 सुखयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,
 ७ सुखयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्थाम्, दुम्,
 च्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 सुखिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, धाः, यास्थाम्, च्वम्,
 ८ सुखयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, च्चे, हे, स्वहे,
 सुखिता } स्महे ॥
 ९ सुखयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 सुखिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० असुखयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 असुखिष् } यच्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८५२ अङ्गण (अङ्ग) पदलक्षणयोः ॥

१ दुःख-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ दुःख्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ दुःख-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अदुःख-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अदुःखि, अदुःखयि-याताम्, पत, घ्राः, पाथाम्,
 इदुम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्महि, प्महि ॥ [प्वहि, प्महि ॥
 अदुःखि-" , पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि,
 ६ दुःखयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे
 दुःखयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विञ्चे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 दुःखयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिञ्चे, हे,
 ७ दुःखयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्,
 द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 दुःखिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ दुःखयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ज्ञे, हे, स्वहे,
 दुःखिता } स्महे ॥
 ९ दुःखयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 दुःखिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अदुःखयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अदुःखिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ अङ्ग-यते, येते, यन्ते, यस्ये, यच्च, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ अङ्गये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ अङ्ग-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्त्व, येथाम्, यच्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ आङ्ग-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ज्वहि, ष्महि ॥ [षि, ज्वहि, ष्महि ॥
 आङ्गि-”, षाताम्, षत, ष्ठाः, षाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ज्वहि, ष्महि ॥ [षि, ज्वहि, ष्महि ॥
 ६ अङ्गयाञ्च-के, काते, क्रिरे, क्ये, काथे, कृद्वे, के, क्ववहे, क्महे ॥
 अङ्गयाम्बम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 अङ्गयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ अङ्गयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्ठाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 अङ्गिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्ठाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ अङ्गयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्त्वहे,
 अङ्गिता } स्महे ॥
 ९ अङ्गयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे यच्च,
 अङ्गिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० आङ्गयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 आङ्गिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८५७ सभाजण् (सभाज्) प्रीतिसेवनयोः ॥

- १ सभाज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सभाज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ सभाज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ असभाज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ असभाजि, असभाजयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्,
 इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [ध्वहि, ध्वहि ॥
 असभाजि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि,
 ६ सभाजयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे
 सभाजयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 सभाजयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
 ७ सभाजयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 सभाजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ सभाजयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 सभाजिता } स्महे ॥
 ९ सभाजयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 सभाजिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० असभाजयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 असभाजिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

८ लजयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 लजिता } स्महे ॥

९ लजयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 लजिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अलजयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अलजिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८५९ लजुण् (लज्ज) प्रकाशने ॥ लुण्
 १७७६ वद्रूपाणि ॥

१८६० कूटण् (कूट्) दाहे ॥ कूटिण्
 १८२१ वद्रूपाणि ॥

१८६१ पटण् (पट्) ग्रन्थे ॥

- १ पट्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पट्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पट्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपट्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

१८५८ लजण् (लज्) प्रकाशने ॥

- १ लज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ लज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ लज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अलज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अलजि, अलजयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 अलजि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
 ६ लजयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 लजयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 लजयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
 ७ लजयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 लजिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

५ अपटि, अपटयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [पि, ध्वहि, ध्वहि ॥
 अपटि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,

६ पटयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 पटयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 पटयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ पटयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 पटिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ पटयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 पटिता } स्महे ॥

९ पटयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 पटिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अपटयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपटिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८६७ शठण् (शठ्) सम्यग्भाषणे ॥

१८६९. दण्डण् (दण्ड्) दण्डनिपातने ॥

- १ श्वट्—यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ श्वट्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ श्वट्—येताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ अश्वट्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ अश्वटि, अश्वटयि—पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्वहि ॥ [ध्वहि, ध्वहि ॥
 - अश्वटि—”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि,
 - ६ श्वटयाञ्च—के, काते, किरे, कषे, काथे, कट्वे, के, कवहे, कूमहे ॥
 - श्वटयाञ्च—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विट्वे, विष्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिवहे ॥
 - श्वटयामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्वे, हे,
 - ७ श्वटयिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 - श्वटिषी—”, ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 - ८ श्वटयिता } —”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 - श्वटिता } स्महे ॥
 - ९ श्वटयिष् } —यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यध्वे, ये,
 - श्वटिष् } यावहे, यामहे ॥
 - १० अश्वटयिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 - अश्वटिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८७१ वर्णण् (वर्ण) वर्णक्रियाविस्तार-
गुणवचनेषु ॥

- १ वर्ण—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वर्ण्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वर्ण—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवर्ण—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवर्णि, अवर्णयि—षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्धम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ध्वहि, ध्महि ॥ [ष्वहि, ध्महि ॥
 अवर्णि—", षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, षि,
 ६ वर्णयाञ्च—के, क्राते, क्रिरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, क्वहे, क्वमहे ॥
 वर्णयाम्बम्ब—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 वर्णयामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ वर्णयिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 वर्णिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ वर्णयिता } —, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 वर्णिता } स्महे ॥
 ९ वर्णयिष् } —यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 वर्णिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अवर्णयिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अवर्णिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८७३ कर्णण् (कर्ण) भेदे ॥

- १ कर्ण-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कर्ण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कर्ण-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकर्ण-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकर्णि, अकर्णयि-षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, ष्ठ्वम्,
 ष्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अकर्णि-”, षाताम्, षत, षाः, षाथाम्, ष्ठ्वम्, ध्वम्,
 ६ कर्णयाञ्च-के, काते, किं, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कुमहे ॥
 कर्णयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 कर्णयामा-हे, सते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ कर्णयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, ष्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 कर्णिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, षाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ कर्णयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, खहे,
 कर्णिता } स्वहे ॥

९ कर्णयिष् -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, कर्णिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अकर्णयिष् -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अकर्णिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८७४ तूण (तूण) संकोचने ॥ तूणण
१६४२ वदूपाणि ॥

१८७५ गणण (गण) संख्याने ॥

१ गण-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ गण्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ गण-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अगण-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अगणि, अगणयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥

अगणि-" , पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,

६ गणयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

३ कुण-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अकुण-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अकुणि, अकुणयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥

अकुणि-" , पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,

६ कुणयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

कुणयाञ्च-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

कुणयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ कुणयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

कुणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,

८ कुणयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, कुणिता } स्वहे, स्महे ॥

९ कुणयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, कुणिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अकुणयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अकुणिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

गणयाञ्च-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥

गणयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे, सिमहे ॥

७ गणयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

गणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

८ गणयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, गणिता } स्वहे, स्महे ॥

९ गणयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, गणिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अगणयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अगणिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८७६ कुणण (कुण) आमन्त्रणे ॥

१ कुण-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ कुण्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

१८७७ गुणण (गुण) आमन्त्रणे ॥

१ गुण-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ गुण्ये-त, याताम्, रन्, याः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ गुण-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अगुण-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अगुणि, अगुणयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥

अगुणि-" , पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,

६ गुणयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

गुणयाञ्च-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

गुणयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ गुणयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

गुणिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,

८ गुणयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, गुणिता } स्वहे, स्महे ॥

९ गुणयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, गुणिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अगुणयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अगुणिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८७८ केतण् (केत्) आमन्त्रणे ॥

- १ केत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ केत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ केत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकेत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकेति, अकेतयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥
- अकेति-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि,
- ६ केतयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- केतयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- केतयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ केतयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, इदुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- केतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ केतयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
- केतिता } स्महे ॥
- ९ केतयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
- केतिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अकेतयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
- अकेतिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १० अपतयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
- अपतिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजदन्तत्वाद् भावपक्षे ‘पत्’ इत्यस्य
‘पल्ह’ वद्रूपम् ॥

१८८० वातण् (वात्) गतिमुखसेवनयोः ॥

- १ वात्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वात्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वात्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवात्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवाति, अवातयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
- अवाति-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
- ६ वातयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- वातयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- वातयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

१८७९ पतण् (पत्) गतौ वा ॥

- १ पत्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ पत्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ पत्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अपत्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अपति, अपतयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥
- अपति-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि,
- ६ पतयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- पतयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- पतयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ पतयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, इदुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- पतिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ पतयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
- पतिता } स्महे ॥
- ९ पतयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
- पतिष् } यावहे, यामहे ॥

- ७ वातयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, इदुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

- वातिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ वातयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
- वातिता } स्महे ॥

- ९ वातयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
- वातिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

- १० अवातयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
- अवातिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८८१ कथण् (कथ्) वाक्यप्रबन्धे ॥

- १ कथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकथि, अकथयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, च्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
- अकथि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,

६ कथयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥

कथयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

कथयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ कथयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

कथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ कथयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
कथिता } स्महे ॥

९ कथयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
कथिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अकथयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अकथिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८८२ श्रथण् (श्रथ्) दौर्बल्ये ॥

१ श्रथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ श्रथ्ये-त, याताम्, रन्, छाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

१८८३ छेदण् (छेद्) द्वधीकरणे ॥

१ छेद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ छेद्ये-त, याताम्, रन्, छाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ छेद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥

४ अछेद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,

५ अछेदि, अछेदयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
ध्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥

अछेदि-" , पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,

६ छेदयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
छेदयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

छेदयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ छेदयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

छेदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ छेदयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
छेदिता } स्महे ॥

९ छेदयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
छेदिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अछेदयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अछेदिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

३ श्रथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अश्रथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अश्रथि, अश्रथयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
ध्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥

अश्रथि-" , पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,

६ अश्रथाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥

अश्रथाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

अश्रथामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ अश्रथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

अश्रिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ अश्रयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
अश्रिता } स्महे ॥

९ अश्रयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
अश्रिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अश्रथयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अश्रथिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८८४ गदण् (गद्) गर्जे ॥

१ गद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ गद्ये-त, याताम्, रन्, छाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ गद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अगद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,

५ अगदि, अगदयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
ध्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥

अगदि-" , पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्, पि,

६ गदयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
गदयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

गदयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ गदयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

गदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ गदयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
गदिता } स्महे ॥

९ गदयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
गदिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अगदयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अगदिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८८६ स्तनण् (स्तन्) गर्जे ॥

- १ स्तन-यत, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्तन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्तन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्तन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अस्तनि, अस्तनयि-पाताम्, षत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अस्तनि-", पाताम्, षत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 स्तनयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्ववहे, कृमहे ॥
 स्तनयाम्ब-वे, वाते, विरे, विपे, वाथे, विद्वे, निध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 स्तनयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ स्तनयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 स्तनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ स्तनयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 स्तनिता } स्महे ॥
 ९ स्तनयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 स्तनिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अस्तनयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अस्तनिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८८८ स्तेनण् (स्तेन्) चौर्ये ॥

- १ स्तेन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्तेन्य-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्तेन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्
 ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्तेन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
 ५ अस्तेनि, अस्तेनयि-षाताम्, षत, प्राः, प्राथाम्, इहुवम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, ष्वहि, ष्महि ॥ [पि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अस्तेनि-"पाताम्, षत, प्राः, पाथाम्, इहुम्, ध्वम्,
 ६ स्तेनयाञ्च-के, काते, किरि, कृपे, काथे, कृद्धे, के, कृपहे, कृमहे
 स्तेनयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विष्चे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 स्तेनयामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिष्चे, हे,
 ७ स्तेनयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 स्तेनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ स्तेनयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 स्तेनिता } स्महे ॥
 ९ स्तेनयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 स्तेनिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अस्तेनयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अस्तेनिष् } यध्वम्, ये, यावहे, यामहि ॥

१८९७ आमण् (आम) आमन्त्रणे ॥

- १ आम-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ आम्ह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ आम-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अआम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अआमि, अआमयि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्,
 इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥
 अआमि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि,
 ६ आमयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, क्वमहे ॥
 आमयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 आमयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ आमयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 आमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ आमयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 आमिता } स्महे ॥
 ९ आमयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 आमिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अआमयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अआमिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८९९ व्ययण् (व्यय्) वित्तसमुत्सर्गे ॥

- १ व्यय-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ व्यय्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ व्यय-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अव्यय-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अव्ययि, अव्यययि } -पाताम्, पत, घाः, पाथाम्,
 अव्ययि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ व्यययाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, क्वमहे ॥
 व्यययाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 व्यययामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ व्यययिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, दुम्,
 व्ययिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ व्यययिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 व्ययिता } स्महे ॥
 ९ व्यययिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 व्ययिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अव्यययिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अव्ययिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१८९८ स्तोमण् (स्तोम्) श्लाघायाम् ॥

- १ स्तोम्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्तोम्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्तोम्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्तोम्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अस्तोमि, अस्तोमयि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्,
 दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
 अस्तोमि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
 ६ स्तोमयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, क्वमहे ॥
 स्तोमयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 स्तोमयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ स्तोमयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 स्तोमिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ स्तोमयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 स्तोमिता } स्महे ॥
 ९ स्तोमयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 स्तोमिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अस्तोमयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अस्तोमिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९०० सूत्रण् (सूत्र्) विमोचने ॥

- १ सूत्र-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सूत्र्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ सूत्र-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ असूत्र-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ असूत्रि, असूत्रयि } -पाताम्, पत, घाः, पाथाम्,
 असूत्रि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ सूत्रयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, क्वमहे ॥
 सूत्रयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 सूत्रयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ सूत्रयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, दुम्,
 सूत्रिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ सूत्रयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 सूत्रिता } स्महे ॥
 ९ सूत्रयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
 सूत्रिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० असूत्रयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 असूत्रिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९०२ पारण (पार्) कर्मसमाप्तौ ॥

१ मूत्र-यते, यते, यन्ते, यस्ये येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मूत्र्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मूत्र-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमूत्र-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमूत्रि, अमूत्रयि } -याताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 अमूत्रि } द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥
 ६ मूत्रयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कुढे, के, क्वहे, क्रमहे ॥
 मूत्रयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाये, विद्धे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 मूत्रयामा-हे, साते, सिरि, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
 ७ मूत्रयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
 मूत्रिषी } द्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ मूत्रयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 मूत्रिता } स्महे ॥
 ९ मूत्रयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे,
 मूत्रिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अमूत्रयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अमूत्रिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९०४ कत्रण् (कत्र्) शैथिल्ये ॥

१ तीर-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ तीर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ तीर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अतीर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अतीरि, अतीरयि } -घाताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, इद्धम्,
 अतीरि } द्धम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ तीरयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वदे, कूमहे ॥
 तीरयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 तीरयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
 ७ तीरयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्धम्,
 तीरिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ तीरयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 तीरिता } स्महे ॥
 ९ तीरयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 तीरिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अतीरयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अतीरिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ पार-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पार्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ष्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पार-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यञ्चम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अपार-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्, ये,
 ५ अपारि, अपारयि } -षाताम्, षत, ष्ठाः, षाथाम्, ष्वम्,
 अपारि } द्वम्, ष्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ पारयाञ्च-कै, काले, किरे, कृषे, काथे, कृदु, कै, कृवहे, कृमहे
 पारयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विदु, विच्चे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
 पारयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिव्हे, हे, सिवह्हे,
 ७ पारयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, ष्ठाः, यास्थाम्, द्वम्,
 पारिषी } ष्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ पारयिता } -', रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वह्हे,
 पारिता } स्महे ॥
 ९ पारयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे,
 पारिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अपारयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपारिष् } यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ कञ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ कञ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ कञ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकञ्-यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अकञि, अकञयि } -याताम्, षत्, थाः, प्राथाम्,
 अकञि } इद्वम्, दुम्, ध्वम्, षि,
 } षहि, ध्महि ॥
 ६ कञयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, क्राथे, कृद्वे, के, क्वहे, कृमहे ॥
 कञयाग्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाये, विद्वे, विञ्चे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ सिवहे, सिमहे ॥
 कञयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिञ्चे, हे,
 ७ कञयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, थाः, यास्थाम्, दुम्,
 कञिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ कञयिता } -", रौ, रः, से, सांथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 कञिता } स्महे ॥
 ९ कञयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे,
 कञिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अकञयिष् } -यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अकञिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९०६ चित्रण (चित्र) चित्रक्रिया-
कदाचिद्दृष्टयोः ॥

- १ गात्र-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ गात्र्ये-त्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ गात्र-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अगात्र-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अगात्रि, अगात्रयि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, अगात्रि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥

६ गात्रयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

गात्रयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥

गात्रयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,

७ गात्रयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, गात्रिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥

८ गात्रयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, गात्रिता } स्महे ॥

९ गात्रयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, गात्रिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अगात्रयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अगात्रिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

कदाचिदृष्ट्याः ॥

१ चित्र-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ चित्र्ये-त्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ चित्र-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अचित्र-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अचित्रि, अचित्रयि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, अचित्रि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥

६ चित्रयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे

चित्रयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

चित्रयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ चित्रयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्, चित्रिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥

८ चित्रयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, चित्रिता } स्महे ॥

९ चित्रयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, चित्रिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अचित्रयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अचित्रिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९०८ मिश्रण (मिश्र) संपर्चने ॥

- | | |
|---|---|
| १ छिद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥ | १ मिश्र-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥ |
| २ छिद्य-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ | २ मिश्र्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ |
| ३ छिद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥ | ३ मिश्र-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥ |
| ४ अछिद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, | ४ अमिश्र-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, |
| ५ अछिद्रि, अछिद्रिय } -याताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, अछिद्रि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, व्हि, ष्महि ॥ | ५ अमिश्रि, अमिश्रिय } -याताम्, षत, घ्राः, षाथाम्, अमिश्रि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, व्हि, ष्महि ॥ |
| ६ छिद्रयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, क्महे ॥ | ६ मिश्रयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, क्महे ॥ |
| छिद्रयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥ | मिश्रयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥ |
| छिद्रयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, | मिश्रयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, |
| ७ छिद्रयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, इदुम्, छिद्रिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥ | ७ मिश्रयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, इदुम्, मिश्रिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥ |
| ८ छिद्रयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, छिद्रिता } स्महे ॥ | ८ मिश्रयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, मिश्रिता } स्महे ॥ |
| ९ छिद्रयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, छिद्रिष् } यावहे, यामहे ॥ | ९ मिश्रयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, मिश्रिष् } यावहे, यामहे ॥ |
| १० अछिद्रयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अछिद्रिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ | १० अमिश्रयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अमिश्रिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ |

१९१४ शीलण् (शील्) उपधारणे ॥

- १ शील-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यज्वे, ये, यावहे, यामहे ।
 २ शील्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यज्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शील-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यज्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
 ४ अशील-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यज्वम्, ये,
 ५ अशीलि, अशीलयि } -पाताम्, षत, प्राः, पाथाम्,
 अशीलि } ड्ढम्, ढुम्, यज्वम्, पि,
 } ष्वहि, ष्महि ॥
 ६ शीलयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, काथे, ऊढे, के, कृवहे, कृमहे
 शीलयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विढे, विष्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 शीलयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्वे, हे,
 ७ शीलयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ढुम्,
 शीलिषी } यज्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ शीलयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे,
 शीलिता } स्महे ॥
 ९ शीलयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यज्वे, ये,
 शीलिष् } यावहै, यामहै ॥
 १० अशीलयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अशीलिष् } यज्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९१६ कालण् (काल्) उपदेशे ॥

- १ काल्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ काल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ काल्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अकाल्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
 ५ अकालि, अकालयि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
 अकालि } इडुम्, डुम्, य्वम्, वि,
 च्वहि, प्वहि ॥
 ६ कालयाञ्च-के, क्राते, किरै, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे
 कालयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ सिवहे, सिमहे ॥
 कालयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ कालयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, डुम्,
 कालिषी } य्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ कालयिता } -', रौ, रः, से, साथे, च्वे, हे, स्वहे,
 कालिता } समहे ॥
 ९ कालयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यच्चे, ये,
 कालिष् } यावहे यामहे ॥
 १० अकालयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अकालिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९२२ रसण् (रस्) आस्वादनस्नेहनयोः ॥

१ मृष-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ मृष्ये-त्, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ मृष-याताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अमृष-यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अमृषि, अमृषयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
 द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
 अमृषि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
 ६ मृषयाञ्च-के, काते, क्रिरे, कृषे, काथे, ऊद्वे, के, ऊवहे, ऊमहे ॥
 मृषयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विष्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 मृषयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्वे, हे,
 ७ मृषयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 मृषिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ मृषयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 मृषिता } स्महे ॥
 ९ मृषयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 मृषिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अमृषयिष् } -यत्, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अमृषिष् } यध्वम्, यै, यावहि, यामहि ॥

१९२३ वासण् (वास्) उपसेवायाम् ॥

१ वास-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वास्ये-त, याताम्, रत्न, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वास-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवास-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवासि, अवासयि-षाताम्, षत, धाः, षाथाम्,
 इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, षमहि, षमहि ॥ [व्वहि, षमहि ॥
 अवासि-"षाताम्, षत, धाः, षाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि,
 ६ वासयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कुमहे
 वासयाञ्चम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [विवहि, सिमहे ॥
 वासयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ वासयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रत्न, धाः, यास्थाम्,
 द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 वासिषी-ष्ट, यास्ताम्, रत्न, धाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ वासयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 वासिता } स्महे ॥
 ९ वासयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 वासिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अवासयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अवासिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ रस्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ रस्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ रस्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अरस्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अरसि, अरसयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्,
 द्वम्, ध्वम्, पि, छहि, षमहि ॥ [पि, छहि, षमहि ॥
 अरसि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 ६ रसयाञ्च-के, काते, किरै, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, कुमहे ॥
 रसयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विष्वे, वे,
 विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 रसयामा-हे, साते, सिरै, सिषे, साथे, सिष्वे, हे,
 ७ रसयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
 रसिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
 ८ रसयिता } -”, रै, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
 रसिता } समहे ॥
 ९ रसयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यष्वे, ये,
 रसिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अरसयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अरसिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९२४ निवासण् (निवास) आच्छादने ॥

१ निवास-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे॥
 २ निवास्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि
 ३ निवास-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अनिवास-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अनिवासि, अनिवासयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्,
 इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि॥ [पि, प्वहि, प्महि॥
 अनिवासि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
 ६ निवासयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे
 निवासयाम्बम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 निवासयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ निवासयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 निवासिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ निवासयिता -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्त्वहे,
 निवासिता } स्महे ॥
 ९ निवासयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे यध्वे,
 निवासिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अनिवासयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अनिवासिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९२६ महण् (मह्) पूजायाम् ॥

- १९२८ रहूण् (रंह्) गतौ ॥

- १ **रह्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ **रह्ये**-न्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ **रह्**-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ **अरह्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ **अरहि, अरह्यि** } -याताम्, षत, ध्राः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, अरहि } ष्वहि, ष्महि ॥
 - ६ **रहयाञ्च**-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 - रहयास्वभू**-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 - रहयामा**-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 - ७ **रह्यिषी** } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, ध्राः, यास्थाम्, दुम्, रहिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ **रह्यिता** } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, रहिता } स्महे ॥
 - ९ **रह्यिष्** } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, रहिष् } यावहे, यामहे ॥
 - १० **अरह्यिष्** } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अरहिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
 - १ **रह्**-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 - २ **रह्ये**-न्त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ३ **रह्**-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 - ४ **अरह्**-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 - ५ **अरहि, अरह्यि** } -याताम्, षत, ध्राः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, अरहि } ष्वहि, ष्महि ॥
 - ६ **रहयाञ्च**-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 - रहयास्वभू**-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 - रहयामा**-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 - ७ **रह्यिषी** } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, ध्राः, यास्थाम्, दुम्, रहिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 - ८ **रह्यिता** } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, रहिता } स्महे ॥
 - ९ **रह्यिष्** } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, रहिष् } यावहे, यामहे ॥
 - १० **अरह्यिष्** } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अरहिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९३० रुक्षण् (रुक्ष्) पारुष्ये ॥

- १ स्पृह-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ स्पृह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ स्पृह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अस्पृह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अस्पृहि, अस्पृहयि } -याताम्, पत, घ्राः, पाथाम्,
अस्पृहि } इद्वम्, दुम्, ध्वम्, पि,
ज्वहि, भ्महि ॥
- ६ स्पृहयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृढे, के, क्वहे, क्महे ॥
- स्पृहयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
- स्पृहयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
- ७ स्पृहयिषी } -घ्र, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
स्पृहिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ८ स्पृहयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
स्पृहिता } स्महे ॥
- ९ स्पृहयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
स्पृहिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अस्पृहयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अस्पृहिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १ रुक्ष-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रुक्ष्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रुक्ष-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरुक्ष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरुक्षि, अरुक्षयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, ज्वहि, भ्महि ॥ [पि, ज्वहि, भ्महि ॥
- अरुक्षि-", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
६ रुक्षयाञ्च-के, काते, किरे, कृषे, काथे, कृढे, के, क्वहे, क्महे ॥
- रुक्षयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
- रुक्षयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
- ७ रुक्षयिषी-घ्र, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- रुक्षिषी-घ्र, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ रुक्षयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
रुक्षिता } स्महे ॥
- ९ रुक्षयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
रुक्षिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अरुक्षयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अरुक्षिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९३२ अथणि (अर्थ) उपयाचने ॥

- १ मृग्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मृग्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मृग्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमृग्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ अमृगि, अमृगयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ज्वहि, ज्वहि ॥ [षि, ज्वहि, ज्वहि ॥
- अमृगि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
- ६ मृगयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- मृगयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्चे, वे, विवहे, विमहे ॥ [विवहे, विमहे ॥
- मृगयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,
- ७ मृगयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- मृगिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ मृगयिता } -”, री, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, मृगिता } स्महे ॥
- ९ मृगयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये, मृगिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अमृगयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अमृगिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १ अर्थ-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यावहे ॥
- २ अर्थ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अर्थ-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यच्चम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आर्थ-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यच्चम्,
- ५ आर्थि, आर्थयि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ज्वहि, ज्वहि ॥ [ज्वहि, ज्वहि ॥
- आर्थि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, षि,
- ६ अर्थयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- अर्थयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विच्चे, वे, विवहे, विमहे ॥ [विवहे, विमहे ॥
- अर्थयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिच्चे, हे,
- ७ अर्थयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- अर्थिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ अर्थयिता } -”, री, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, अर्थिता } स्महे ॥
- ९ अर्थयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यच्चे, अर्थिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आर्थयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, आर्थिष् } यच्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९३४ संग्रामणि (संग्राम्) युद्धे ॥

१ पद्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ पद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, यध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ पद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अपद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अपदि, अपदयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्,
 दुम्, ध्वम्, षि, व्वहि, ष्महि ॥ [षि, व्वहि, ष्महि ॥
 अपदि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
 ६ पदयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, क्रमहे ॥
 पदयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 पदयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ पदयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
 पदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ पदयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 पदिता } स्महे ॥
 ९ पदयिष्-यते, येते, यन्ते, यस्ये, येथे, यध्वे, ये,
 पदिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अपदयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अपदिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९३५ शूरण् (शूर्) विक्रान्तौ ॥

१ शूर-यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ शूर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ शूर-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अशूर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अशूरि, अशूरयि } -पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
 अशूरि } इध्वम्, दुग्, ध्वम्, पि,
 ध्वहि, षमहि ॥
 ६ शूरयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 शूरयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
 वे, विवह, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 शूरयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ शूरयिषी } -घ्र, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुग्,
 शूरिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ शूरयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, खहे,
 शूरिता } स्महे ॥
 ९ शूरयिष् } -यते, येते, यन्ते, यस्य, येथे, यध्वे, ये,
 शूरिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अशूरयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अशूरिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ **संग्राम्**—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ **संग्राम्ये**—यताताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ **संग्राम्**—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यंस्व, येथाम्, यञ्चम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ **असंग्राम्**—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यञ्चम्,
 ५ **असंग्रामि**, **असंग्रामयि**—पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्,
 इद्धम्, द्धम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि
असंग्रामि—, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्धम्, ध्वम्,
 ६ **संग्रामयाञ्च**—के, कते, किरि, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे
संग्रामयाञ्चम्—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विञ्चे, विद्धे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
संग्रामयामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिञ्चे, हे,
 ७ **संग्रामयिषी**—ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, द्धम्,
 ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
संग्रामिषी—ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
 ८ **संग्रामयिता** } —, रौ, रः, से, साथे, ष्वे, हे, स्वहे,
संग्रामिता } स्महे ॥
 ९ **संग्रामयिष्** } —यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यञ्चे, ये,
संग्रामिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० **असंग्रामयिष्** } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
असंग्रामिष् } यञ्चम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९३६ वीरणि (वीर्) विक्रान्तौ ॥

१ वीर-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ वीर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ वीर्य-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
 ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अवीर-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अवीरि, अवीरयि } -षाताम्, षत, छाः, षायाम्,
 अवीरि } इदम्, दुम्, ध्वम्, षि,
 } षहि, षमहि ॥
 ६ वीरयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
 वीरयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विज्वे,
 वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 वीरयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ वीरयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, दुम्,
 वीरिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वीरयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
 वीरिता } स्महे ॥
 ९ वीरयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
 वीरिष् } यावहे, यामहे ॥
 १० अवीरयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
 अवीरिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९३७ सत्रणि (सत्र) संदानक्रियायाम् ॥

- १ सत्र-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ सत्र्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ सत्र-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ असत्र-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ असत्रि, असत्रयि } -पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ सत्रयाञ्च-के, काते, किरै, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, कुमहे ॥
 सत्रयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 सत्रयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ सत्रयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, दुम्, सत्रिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ सत्रयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ सत्रयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, सत्रिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 असत्रयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, असत्रिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९३९ गर्वणि (गर्व) माने ॥

- १ गर्व-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गर्व्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गर्व-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगर्व-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अगर्वि, अगर्वयि } -पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ गर्वयाञ्च-के, काते, किरै, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, कुमहे ॥
 गर्वयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 गर्वयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ गर्वयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, गर्विषी } दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ गर्वयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, गर्विता } स्महे ॥
 ९ गर्वयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, गर्विष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अगर्वयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अगर्विष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९३८ स्थूलणि (स्थूल) परिवृंहणे ॥

- १ स्थूल-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ स्थूल्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ स्थूल-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अस्थूल-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अस्थूलि, अस्थूलयि } -पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ स्थूलाञ्च-के, काते, किरै, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, कुमहे ॥
 स्थूलयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 स्थूलयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ स्थूलयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, दुम्, स्थूलिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ स्थूलयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्थूलिता } स्महे ॥
 ९ स्थूलयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, स्थूलिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अस्थूलयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अस्थूलिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९४० गृहणि (गृह) ग्रहणे ॥

- १ गृह-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ गृह्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ गृह-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
 ४ अगृह-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
 ५ अगृहि, अगृहयि } -पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
 ६ गृहयाञ्च-के, काते, किरै, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्वहे, कुमहे ॥
 गृहयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
 गृहयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
 ७ गृहयिषी } -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, गृहिषी } दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ गृहयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, गृहिता } स्महे ॥
 ९ गृहयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, गृहिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अगृहयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अगृहिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

लाय—

- १ लाय्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लाय्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ लाय्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अलाय्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलायि, अलाययि } —पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
अलायि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि,
} ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ लाययाञ्च—के, क्राते, किर, कृषे, क्राथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- लाययाम्बभू—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे,
विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- लाययामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ लाययिषी } —ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
लाययिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लाययिता } —", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
लाययिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ लाययिष् } —यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
लाययिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अलाययिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अलायिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९४४ मीण (मी) गतौ ॥

- १ माय्—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ माय्ये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ माय्—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमाय्—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमायि, अमाययि } —पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
अमायि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि,
} ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ माययाञ्च—के, क्राते, किर, कृषे, क्राथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- माययाम्बभू—वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- माययामा—हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ माययिषी } —ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
माययिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ माययिता } —", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
माययिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ माययिष् } —यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
माययिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अमाययिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अमायिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावपक्षे—

- १ ली—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ लीये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ली—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अली—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अलायि, अलायि } —पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
अलायि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि,
} ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ लिल्य्—ए, आते, इरे, इषे, आथे, इध्वे, ए, इवहे, इमहे ॥
- ७ लायिषी } —ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
लायिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ लायिता } —", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे,
लायिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ लायिष् } —यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
लायिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अलायिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अलिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावपक्षे—

- १ मी—यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मीये—त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मी—यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमी—यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अमायि, अमायि } —पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्,
अमायि } इदुम्, दुम्, ध्वम्, पि,
} ध्वहि, ध्वहि ॥
- ६ मिम्—ये, याते, विरे, विषे, याथे, यिद्वे, यिध्वे, ये,
यिवहे, यिमहे ॥
- ७ मयिषी } —ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, दुम्,
मायिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ मायिता } —", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
मयिता } स्महे ॥
- ९ मायिष् } —यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
मयिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अमायिष् } —यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अमयिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९४५ ग्रीगण (ग्रीम्) तर्पणे ॥

- १ ग्रीण्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ग्रीण्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ग्रीण्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अग्रीण्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अग्रीणि, अग्रीण्यि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- अग्रीणि-"", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
- ६ ग्रीणयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- ग्रीणयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- ग्रीणयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ ग्रीण्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- ग्रीण्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ ग्रीण्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, ग्रीण्यिता } स्महे ॥
- ९ ग्रीण्यिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, ग्रीण्यिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अग्रीण्यिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अग्रीण्यिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९४६ धूगण (धूग्) कम्पने ॥

- १ धून्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ धून्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ धून्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अधून्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अधूनि, अधून्यि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥ [षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- अधूनि-"", पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
- ६ धूनयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- धूनयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- धूनयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ धून्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- धून्यिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ धून्यिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, धून्यिता } स्महे ॥

णिजभावपक्षे—

- १ ग्री-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ग्रीये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ग्री-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अग्री-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अप्रायि, अप्रायि } -पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, अप्रायि } इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ पिप्रि-ये, याते, यिरे, यिषे, याथे, यिद्वे, यिध्वे, ये, यिवहे, यिमहे
- ७ प्रयिषी- } ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्, प्रायिषी } ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ प्रयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, प्रायिता } स्महे ॥
- ९ प्रयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, प्रायिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अप्रायिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अप्रायिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १ धून्यिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, धून्यिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अधून्यिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अधून्यिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे-‘ धूग् ’ वद्वपाणि ॥

१९४७ वृगण (वृग्) आवरणे ॥

- १ वार्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वार्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वार्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अवार्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अवारि, अवारि } -पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, अवारि } इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, षि, ष्वहि, ष्महि ॥
- ६ वारयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- वारयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- वारयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

- ७ वारयिषी | -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ८ वारयिता | -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
 ९ वारयिष् | -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 १० अवारयिष् | -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अवारिष् | यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे-वृग्द्वद्रूपाणि ॥

१९४८ जृण् (जृ) वयोहानौ ॥

- १ जार्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ जार्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
 ३ जार्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

- ४ अजार्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अजारि, अजारयि | -पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥

- ३ चीक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥

- ४ अचीक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, ५ अचीकि, अचीकयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥

- अचीकि-"", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, ६ चीकयाञ्च-के, काते, किरे, कुपे, काथे, कुद्वे, के, कुवहे, कृमहे चीकयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विपे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

- चीकयामा-हे, साते, सिर, सिपे, साथे, सिध्वे, हे, ७ चीकयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

- चीकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, ८ चीकयिता | -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

- ९ चीकयिष् | -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

- १० अचीकयिष् | -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अचीकिष् | यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- ६ जारयाञ्च-के, काते, किरे, कुपे, काथे, कुद्वे, के, कुवहे, कृमहे ॥
 जारयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विपे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

- जारयामा-हे, साते, सिर, सिपे, साथे, सिध्वे, हे,

- ७ जारयिषी | -ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, जारिषी | ध्वम्, य, वहि, महि ॥

- ८ जारयिता | -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, जारिता | स्महे ॥

- ९ जारयिष् | -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

- १० अजारयिष् | -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अजारिष् | यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे-जृष्चवद्रूपाणि ॥

१९४९ चीकण् (चीक्) आमर्षणे ॥

- १ चीक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
 २ चीक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

णिजभावपक्षे—

- १ चीक्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

- २ चीक्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

- ३ चीक्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

- ४ अचीक्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

- ५ अचीकि-"", पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥

- ६ त्रिचीक्-ए, आते, ईरे, इपे, आथे, इध्वे, इद्वे, ए, इवहे, इमहे ॥

- ७ त्रीकिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

- ८ त्रीकिता-"", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

- ९ त्रीकिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

- १० अत्रीकिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यावम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१० अपचयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अपचिष्-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावपक्षे-पृचैङ्क्वदूपाणि ॥

१९५३ रिचण् (रिच्) वियोजने च ॥

- १ रेच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रेच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रेच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरेच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरेचि, अरेचयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
- अरेचि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, ध्वम्,
- ६ रेचयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
रेचयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- रेचयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ रेचयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- रेचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ रेचयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
रेचिता-” स्महे ॥

१९५४ वचण् (वच्) भाषणे ॥

- १ वाच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वाच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वाच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अवाच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अवाचि, अवाचयि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
- अवाचि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्, ध्वम्,
- ६ वाचयाञ्च-के, काते, क्तिरे, कृषे, काथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
वाचयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- वाचयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ वाचयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- वाचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ वाचयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
वाचिता-” स्महे ॥
- ९ वाचयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
वाचिष्-यावहे, यामहे ॥
- १० अवाचयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अवाचिष्-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१ रेचयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
रेचिष्-यावहे, यामहे ॥

१० अरेचयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अरेचिष्-यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे—

- १ रिच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ रिच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ रिच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अरिच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अरेचि-”, पाताम्, षत, छाः, पाथाम्, ड्ढम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ रिरि-चे, चाते, चिरे, चिषे, चाथे, चिध्वे, चे, चिवहे, चिमहे ॥
- ७ रेचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ रेचिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ रेचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अरेचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे ॥

- १ वच्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वच्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वच्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
यै, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवच्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अवाचि, अवचि-पाताम्, षत, छाः, पाथाम्,
ड्ढम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ वव-चे, चाते, चिरे, चिषे, चाथे, चिध्वे, चे, चिवहे, चिमहे ॥
- ७ वचिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥
- ८ वचिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ वचिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥
- १० अवचिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९५५ अर्चिण् (अर्च्) पूजायाम् ॥

- १ अर्च्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अर्च्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अर्च्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आर्च्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आर्चि, आर्चयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [प्वहि, प्महि ॥
- आर्चि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि,
- ६ अर्चयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे
- अर्चयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
- विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
- अर्चयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
- ७ अर्चयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- अर्चिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ अर्चयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
- अर्चिता } स्महे ॥

- ७ वर्जयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- वर्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ वर्जयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
- वर्जिता } स्महे ॥
- ९ वर्जयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
- वर्जिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अवर्जयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
- अवर्जिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे-वृजैकि वदूपाणि ॥

१९५७ मृजौण् (मृज्) शोचालङ्कारयोः ॥

- १ मृज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ मृज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ मृज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अमृज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

- ९ अर्चयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
- अर्चिष् } ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आर्चयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
- आर्चिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे-अर्चवदूपाणि ॥

१९५६ वृजैण् (वृज्) वर्जने ॥

- १ वर्ज्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वर्ज्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वर्ज्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ अवर्ज्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ अवर्जि, अवर्जयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [प्वहि, प्महि ॥
- अवर्जि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि,
- ६ वर्जयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे
- वर्जयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
- विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
- वर्जयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,

- ५ अमार्जि, अमार्जयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
- अमार्जि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
- ६ मार्जयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- मार्जयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
- विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥
- मार्जयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,
- ७ मार्जयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- मार्जिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ मार्जयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
- मार्जिता } स्महे ॥
- ९ मार्जयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
- मार्जिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अमार्जयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
- अमार्जिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे-मृजौक्वदूपाणि ॥

१९६१ कथण् (कथ्) हिंसायाम् ॥

- १ कथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकथि, अकथयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
- अकथि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
- ६ काथयाञ्च-क्रे, काते, क्तिरे, कृपे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- काथयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विपे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- काथयामा-हे, साते, सिरे, सिपे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ काथयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- काथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्,
- ८ काथयिता } -, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, काथिता } स्महे ॥
- ९ काथयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकथयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अकथिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९६२ अर्दिण् (अर्द्) हिंसायाम् ॥

- १ अर्द्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अर्द्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अर्द्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [यावहि, यामहि ॥
- ४ आर्द्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये,
- ५ आर्दि, आर्दयि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
- आर्दि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
- ६ अर्दयाञ्च-क्रे, काते, क्तिरे, कृपे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- अर्दयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विपे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- अर्दयामा-हे, साते, सिरे, सिपे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ अर्दयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [महि ॥
- अर्दिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि,
- ८ अर्दयिता } -, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, अर्दिता } स्महे ॥
- ९ अर्दयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अर्दयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अर्दिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे—

- १ कथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ कथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ कथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अकथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अकथि-”, पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चक्र-ये, थाते, थिरे, थिपे, थाथे, थिध्वे, थे, थिवहे, थिमहे ॥
- ७ कथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ कथिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ कथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अकथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १० आर्दयिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, आर्दिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे-अर्दवदूपाणि ॥

१९६३ अथण् (अथ्) बन्धने च ॥

- १ अथ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ अथ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ अथ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहै, यामहै ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अथ्रथ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अथ्राथि, अथ्रथि-पाताम्, पत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ शत्र-ये, थाते, थिरे, थिपे, थाथे, थिध्वे, थे, थिवहे, थिमहे ॥
- ७ अथिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ अथिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ अथिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अथ्रथिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिरूपक्षे-अथण्वदूपाणि ॥

णिजभावे—

- १ वाद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ वाद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ वाद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अवाद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अवादि, अवादि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥ [पि, ध्वहि, ध्महि ॥ अवादि-”, पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, ६ वादयाञ्च-के, क्राते, क्रिरे, कृषे, क्राथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥ वादयाञ्चम्-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥ वादयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे, ७ वादयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥ वादिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, ध्वम्, यं, ८ वादयिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, वादिता } स्महे ॥ ९ वादयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, वादिष् } यावहे, यामहे ॥ १० अवादिष-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अवादिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥ १ वाद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ २ वाद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ ३ वाद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥ ४ अवाद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ५ अवादि, अवादि-पाताम्, षत, घ्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, ध्महि ॥ ६ वव-दे, दाते, दिरे, दिषे, दाथे, दिध्वे, दे, दिवहे, दिमहे ॥ ७ वदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घ्राः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ ८ वदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥ ९ वदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥ १० अवदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९६५ छदण् (छद्) अपवारणे ॥

- १ छाद्-यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ छाद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ छाद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अच्छाद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
- ५ अच्छादि, अच्छादयि-षाताम्, षत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्महि ॥ [पि, प्वहि, प्महि ॥
- ६ छादयाञ्च-कै, काते, किरे, कृषे, काथे, कुद्वे, के, क्ववहे, क्वमहे ॥
- ७ छादयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विष्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [विवहे, विमहे ॥
- ८ छादयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिक्वे, हे, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- ९ छादयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, द्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- १० छादयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ज्वे, हे, स्वहे, छादिता } स्महे ॥
- ११ छादयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसं, येथे, यच्चे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १२ अच्छादयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १३ अच्छादिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १४ अच्छादिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १५ अच्छादिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १६ अच्छादिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १७ अच्छादिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १८ अच्छादिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- १९ अच्छादिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥
- २० अच्छादिष } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे—

१९६६ आडः सदण् (आ-सद्) गतौ ॥

- १ आसाद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ आसाद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ आसाद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आसाद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आसादि, आसादयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [प्वहि, प्वहि ॥
- आसादि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि,
- ६ आसादयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्ववहे, क्वमहे
- आसादयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विष्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- आसादयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्वे, हे,
- ७ आसादयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, इद्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- आसादिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ आसादयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
- आसादयिता } स्वहे, स्महे ॥
- ९ आसादयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- आसादिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९६७ छृदण् (छृद्) संदीपने ॥

- १ छृद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ छृद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ छृद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अछृद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अछृदि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ चछृद्-दे, दाते, दिरे, दिषे, दाथे, दिष्वे, दे, दिवहे, दिमहे ॥
- ७ छृदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, इद्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ छृदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ छृदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अछृदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिच्पक्षे-छर्दण्वद्रूपाणि ॥

णिजभावे—

- १ आसद्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ आसद्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ आसद्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आसद्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आसादि, आसदि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥
- ६ आसे-दे, दाते, दिरे, दिषे, दाथे, दिष्वे, दे, दिवहे, दिमहे ॥
- ७ आसदिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ आसदिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ आसदिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० आसदिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९६८ शुन्धिण् (शुन्ध्) शुद्धौ ॥

- १ शुन्ध्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ शुन्ध्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ शुन्ध्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अशुन्ध्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अशुन्धि, अशुन्धयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वहि ॥ [पि, प्वहि, प्वहि ॥
- अशुन्धि-”, पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
- ६ शुन्धयाञ्च-के, काते, किरि, कृषे, काथे, कृद्वे, के, क्ववहे, क्वमहे
- शुन्धयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विष्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- शुन्धयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिष्वे, हे,
- ७ शुन्धयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, इद्वम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- शुन्धिषी-”, ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
- ८ शुन्धयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
- शुन्धयिता } स्महे ॥
- ९ शुन्धयिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

१० अशुन्धयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अशुन्धिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे-शुन्ध्वद्रूपाणि ॥

१९६९ तनूण (तन्) श्रद्धाघाते ॥

१ तान्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ तान्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ तान्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अतान्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अतानि, अतानयि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥ [पि, प्वहि, प्वमहि ॥

अतानि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,

६ तानयाञ्च-के, क्राते, क्तिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे
तानयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
विवहे, विमहे ॥ [सिमहे ॥

तानयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे, सिवहे,

७ तानयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

तानिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,

८ तानयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
तानिता } स्महे ॥

९ तानयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
तानिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अतानयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अतानिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे ॥

१ तन्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ तन्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ तन्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अतन्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अतानि, अतानि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥

६ ते-ने, नाते, निरे, निषे, नाथे, निध्वे, ने, निवहे, निमहे ॥

७ तनिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,
वहि, महि ॥

८ तनिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

९ तनिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥ ये, यावहि, यामहि ॥

१० अतनिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

१९७० मानण (मान्) पूजायाम् ॥

१ मान्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ मान्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ मान्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अमान्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अमानि, अमानयि-पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्,
द्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥ [प्वहि, प्वमहि ॥

अमानि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि,

६ मानयाञ्च-के, क्राते, क्तिरे, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे
मानयाञ्चभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

मानयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ मानयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, द्वम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

मानिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ मानयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
मानिता } स्महे ॥

९ मानयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
मानिष् } यावहे, यामहे ॥

१० अमानयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अमानिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे—

१ मान्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ मान्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ मान्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अमान्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अमानि-”, पाताम्, पत, घाः, पाथाम्, इदुम्,
ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥

६ ममा-ने, नाते, निरे, निषे, नाथे, निध्वे, ने, निवहे, निमहे ॥

७ मानिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, घाः, यास्थाम्, ध्वम्,
य, वहि, महि ॥

८ मानिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

९ मानिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥

१० अमानिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९७१ तपिण् (तप्) दाहे ॥

- १ ताप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ ताप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ ताप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अताप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अतापि, अतापयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥ [पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- अतापि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
- ६ तापयाञ्च-के, क्राते, क्तिरे, कृषे, क्राथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- तापयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- तापयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ तापयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- तापिषी-ष्ट, याताम्, रन्, छाः, याथाम्, ध्वम्, य,
- ८ तापयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, तापिता } स्महे ॥
- ९ तापयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, तापिष् } यावहे, यामहे ॥
- १० अतापयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अतापिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९७२ तृपण् (तृप्) ग्रीणने ॥

- १ तर्प्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तर्प्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तर्प्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतर्प्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अतर्पि, अतर्पयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥ [पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- अतर्पि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
- ६ तर्पयाञ्च-के, क्राते, क्तिरे, कृषे, क्राथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- तर्पयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- तर्पयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ तर्पयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥
- तर्पिषी-ष्ट, याताम्, रन्, छाः, याथाम्, ध्वम्, य,
- ८ तर्पयिता } -”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, तर्पिता } स्महे ॥
- ९ तर्पयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, तर्पिष् } यावहे, यामहे ॥

णिजभावे—

- १ तप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ तप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ तप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ अतप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ अतापि, अतपि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- ६ ते-ये, पाते, पिरे, पिषे, पाथे, पिध्वे, पे, पिवहे, पिमहे ॥
- ७ तपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ८ तपिता-”, रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥
- ९ तपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- १० अतपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

- १० अतर्पयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, अतर्पिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे-तृपद्वद्रूपणि ॥

१९७३ आपृण् (आप्) लम्भने ॥

- १ आप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥
- २ आप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥
- ३ आप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्, ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥
- ४ आप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,
- ५ आपि, आपयि-पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्, पि, प्वहि, प्वमहि ॥ [पि, प्वहि, प्वमहि ॥
- आपि-”, पाताम्, पत, छाः, पाथाम्, इद्वम्, ध्वम्,
- ६ आपयाञ्च-के, क्राते, क्तिरे, कृषे, क्राथे, कृद्धे, के, कृवहे, कृमहे ॥
- आपयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्धे, विध्वे, वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥
- आपयामा-हे, साते, सिरे, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,
- ७ आपयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, छाः, यास्थाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥
- आपिषी-ष्ट, याताम्, रन्, छाः, याथाम्, ध्वम्,

८ आपयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
आपिता } स्महे ॥

९ आपयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
आपिष् } यावहे, यामहे ॥

१० आपयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
आपिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे—

१ आप्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ आप्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ आप्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ आप्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ आपि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,
पि, ध्वहि, प्महि ॥

६ आ-पे, पाते, पिर, पिषे, पाथे, पिध्वे, पे, पिवहे, पिमहे ॥

७ आपिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥

८ आपिता-", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे, स्महे ॥

७ दर्भयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, इदुम्,
ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [वहि, महि ॥

दर्भिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्, य,

८ दर्भयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
दर्भिता } स्महे ॥

९ दर्भयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे,
दर्भिष् } ये, यावहे, यामहे ॥

१० अदर्भयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
अदर्भिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे दभैत्वद्रूपाणि ॥

१९७५ ईरण् (ईर्) क्षेपे ॥

१ ईर्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ ईर्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ ईर्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ ऐर्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

९ आपिष्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
यावहे, यामहे ॥

१० आपिष्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

१९७४ दृभैण् (दृभ्) भये ॥

१ दर्भ्-यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये, यावहे, यामहे ॥

२ दर्भ्ये-त, याताम्, रन्, थाः, याथाम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥

३ दर्भ्-यताम्, येताम्, यन्ताम्, यस्व, येथाम्, यध्वम्,
ये, यावहे, यामहे ॥ [ये, यावहि, यामहि ॥

४ अदर्भ्-यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्, यध्वम्,

५ अदर्भि, अदर्भयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्,
दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, प्महि ॥ [पि, ध्वहि, प्महि ॥

अदर्भि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्,

६ दर्भयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

दर्भयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे,
वे, विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

दर्भयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

५ ऐरि, ऐरयि-पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्,
दुम्, ध्वम्, पि, ध्वहि, प्महि ॥ [वहि, प्महि ॥

ऐरि-", पाताम्, पत, प्राः, पाथाम्, इदुम्, ध्वम्, पि,

६ ईरयाञ्च-के, काते, किर, कृषे, काथे, कृद्वे, के, कृवहे, कृमहे ॥

ईरयाम्बभू-वे, वाते, विरे, विषे, वाथे, विद्वे, विध्वे, वे,
विवहे, विमहे ॥ [सिवहे, सिमहे ॥

ईरयामा-हे, साते, सिर, सिषे, साथे, सिध्वे, हे,

७ ईरयिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्,
दुम्, ध्वम्, य, वहि, महि ॥ [य, वहि, महि ॥

ईरिषी-ष्ट, यास्ताम्, रन्, प्राः, यास्थाम्, ध्वम्,

८ ईरयिता } -", रौ, रः, से, साथे, ध्वे, हे, स्वहे,
ईरिता } स्महे ॥

९ ईरयिष् } -यते, येते, यन्ते, यसे, येथे, यध्वे, ये,
ईरिष् } यावहे, यामहे ॥

१० ऐरयिष् } -यत, येताम्, यन्त, यथाः, येथाम्,
ऐरिष् } यध्वम्, ये, यावहि, यामहि ॥

णिजभावे-ईरिक् वद्रूपाणि ॥

धातुरत्नाकरसप्तम भागमां सहायसमर्पणकरनारनी नामावली



सुरत निवासी—

- ४०१) शाह सौभाग्यचंद दीपचंद चोक्सी, ह. तेमनां धर्मपत्नी सरस्वती बहेन ।
२०१) शाह कल्याणचंद वजेचंद नाणावटी, ह. खीमचंद कल्याणचंद ।
१०१) शाह खुशालचंद फुलचंद, ह. साकेरचंद खुशालचंद झवेरी । *
१०१) शाह सांकेरचंद तलकचंद मद्रासी । *
५१) शाह खीमचंद मेलापचंद, ह. नवलचंद खीमचंद झवेरी ।
५१) शाह नगीनचंद कपुरचंद झवेरी ।
५१) शाह मोहनलाल साकेरचंद ।
५१) शाह प्रेमचंद कल्याणचंद झवेरी ।
५१) शाह बालुभाई फकीरचंद ।
५१) शाह माणेकचंद झवेरचंद, ह. नगीनभाई ।
२५) शाह मंगलभाई हीराचंद झवेरी ।
२५) शाह झवेरचंद फुलचंद ।
२५) शाह बालुभाई सरुपचंद संघवी ।
२५) शाह घेलाभाई रतनचंद झवेरी ।
२५) शाह छगनभाई फुलचंद ।
२५) शाह सोभागचंद सवाईचंद, ह. नवलचेन वखारवाळा ।
२५) शाह चुनीलाल गुलाबचंद दालीया ।
२५) शाह भायचंद लालभाई लाकडावाळा ।
२५) शाह बालुभाई अमरचंद ।
२५) शाह कल्याणचंद नेमचंदनी पुत्री नेमकोर बहेन ।
२५) शाह नगीनभाई मंछुभाई, ह. शांताबहेन मोतीचंद ।
२५) शाह केसरीचंद खीमचंद झवेरी, ह. कवल बहेन ।
२५) शाह झवेरचंद परतापचंद, ह. कंकु बहेन ।
२५) शाह फुलचंद कल्याणचंद, ह. ललिता बहेन ।
२५) शाह बालुभाई खीमचंद जगजीवनदास ।
२५) शाह तलकचंद मोतीचंद कचरा ।
१५) शाह पानाचंद कस्तुरचंद ।
११) शाह अमीचंद नवलचंद ।
१०) शाह भाईचंद फतेचंद ।



श्रीमत्तपोगणगगनाङ्गणगगनमणि-सार्वसार्वज्ञशासनसार्वभौम-विद्यापीठादि-
प्रस्थानपञ्चकसमाराधक-संविग्नशास्त्रीय-आचार्यचूडामणि-अखण्ड-
विजय-श्रीमद्गुरुराजविजयनेमिसूरीश्वरचरणेन्दिरामन्दिरेन्दि-
न्दिरायमाणान्तिषद्विजयलावण्यसूरिविरचितस्य धातुरत्ना-
करस्य भावकर्मप्रक्रियारूपपरम्पराप्रकृतिनिरूपणे सप्तमविभागे
चुरादिगणः सम्पूर्णः ॥



समर्थितश्च धातुरत्नाकरस्य भावकर्मप्रक्रियानिरूपणो
नाम सप्तमो विभागः ॥



गच्छतः स्वलनं कापि भवत्येव प्रमादतः ।

हसन्ति दुर्जनास्तत्र समादधति सज्जनाः ॥ १ ॥

छद्मस्थेषु सदा स्वलङ्घिततया दोषप्रबन्धान्वये

नो हास्यास्पदमत्र दोषघटनायां स्यामहं धीमताम् ।

नो प्रार्थ्याः कृतिनो निसर्गगरिमावासा मया शोधने

येषां दोषगणप्रमार्जनविधिः स्वाभाविकोऽयं यतः ॥ २ ॥

